99194
20

किसी - विक्रमी संवत में ३०१९
जमह करने से उस साल का
सप्तर्षि संवत बनता है

श्रीवेङ्कटेश्वर शताब्दि-पञ्चाङ्गम्

विक्रम संवत् २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्

सम्पादनकर्ता—

पं० ईश्वरदत्त शर्मा

(नवलगढ निवासी)

श्रीवेङ्कटेश्वर प्रेस बम्बई प्रकाशन

संस्करण- सन् १९९५, सम्वत् २०५२

मूल्य ४०० रुपये मात्र

सर्वाधिकार
प्रकाशक द्वारा सुरक्षित

Printed by Shri Sanjay Bajaj for M/s Khemraj Shrikrishnadass proprietors Shri Venkateshwar press Bombay-400 004. at their Shri Venkateshwar press, 66, Hadapsar Industrial Estate, Pune-411013.

प्राक्कथन

★

परम पिता परमात्मा की असीम अनुकम्पा से आज "श्री वेङ्कटेश्वर शताब्दि-पञ्चाङ्ग" जनता के समक्ष प्रस्तुत हो सका है। इसके निर्माण एवं मुद्रणादि कार्यों में जो कठिनाइयाँ उपस्थित हुई हैं, उनका वर्णन कर सकना कठिन है। इस कार्य की महत्ता इसीसे परिलक्षित है, कि विश्व-इतिहास में यह प्रथम प्रयास है। आज तक किसी विद्वान् अथवा संस्था ने इस महान् कार्य को सम्पादित नहीं किया। पञ्चाङ्ग रचना कौशल के साथ ही साथ दृढ निश्चय, स्वार्थत्याग, चित्त स्वास्थ्य, शरीर सम्पत्, स्वदेशाभिमान, दीर्घ आयु आदि अनेक सम्भावनाओं के होने पर ही ऐसे कार्यों की पूर्ति सम्भव है। इसमें किये गये गणित सम्बन्धी अंकजाल को देखकर दिग्गज विद्वान् भी विस्मय विमुग्ध हो रहेंगे। एक वर्ष के पंचांग निर्माण में गणित कर्ता को ५०००० पचास हजार कोष्ठकों से साक्षात्कार होता है। यदि साधारण भी भूल हो जाय तो सम्पूर्ण गणित अशुद्ध हो जायगा। इस तरह एक सौ वर्ष का पंचांग बनाने में ५००००० पचास लाख कोष्ठकों की रचना व गणना करनी होगी। इतना सब करने पर केवल पाँच अङ्ग (तिथि वार, नक्षत्र, योग, करण) और ग्रह स्पष्ट ही तैयार होते हैं। चन्द्रचार, ग्रहों के राशि नक्षत्र चार, व्रतोत्सवादि, विवाह मुहूर्त, दशाधिकारियों का निर्णय और उनका फल, संक्रान्ति फल, कुण्डली लेखन, ग्रहण गणित, पातगणित, गुरु शुक्रादि के उदयास्त गणित आदि कितने ही महत्व के कार्य शेष ही रह जाते हैं।

श्री वेङ्कटेश्वर शताब्दि-पंचांग की गणित श्री सरस्वती पंचांग कार्यालय नवलगढ के तत्वावधान में हुई है। मेरे सम्पादन तथा अनेक विद्वानों के कई दशाब्दियों के परिश्रम का फल ही जनता के समक्ष आज प्रस्तुत है। मुझे हर्ष है, कि इसका मुद्रण प्रकाशन भारत विख्यात श्री वेङ्कटेश्वर प्रेस बम्बई द्वारा हो रहा है। इस पंचांग को मुद्रित एवं प्रकाशित करते रहने का सर्वाधिकार श्री वेङ्कटेश्वर-प्रेस, बम्बई को ही है, अतः कोई भी सज्जन इसको छापने का दुराग्रह नहीं करेंगे।

विदुषांवशंवदः
पं. ईश्वरदत्त शर्मा
नवलगढ, राजस्थान

वसंत पंञ्चमी,
सं, २०१८

प्रकाशकीय निवेदन

★

श्री वेङ्कटेश्वर प्रेस की अपनी एक निजी परम्परा रही है। दुर्लभ ग्रन्थों को अपने प्रयासों द्वारा सर्वसाधारण के लिये सुलभ कर देना इस संस्था का सदैव ही लक्ष्य रहा है। इस सदुद्देश्य के लिये ९१ वर्षों से निरन्तर प्रयत्नशील रहते हुये अब तक लगभग तीन सहस्र प्रकाशन सत्साहित्यानुरागी जनों के समक्ष प्रस्तुत किये जा चुके हैं। "शताब्दि पञ्चाङ्ग" का प्रकाशन भी इसी विचारसरणि का अपने ढंग का एक अनोखा प्रयास है। अपने कृपालु ग्राहकों से हम आशा रखते हैं, कि जिस प्रकार अब तक हमारे प्रकाशनों को आदर देते रहे हैं, उसी तरह प्रस्तुत "श्री वेङ्कटेश्वर शताब्दि-पञ्चाङ्ग" को भी आदर प्रदान करते हुये हमें सतत प्रोत्साहित करते रहने की कृपा करेंगे।

सर्वप्रथम भगवान् श्री वेङ्कटेशजी के चरणारविन्दों में हम नतमस्तक हैं, जिनकी असीम अनुकम्पा से यह दुर्लभ कृति प्रकाशित करना सम्भव हो सका है। तदनन्तर नवलगढ निवासी श्रीयुत् पं. ईश्वर दत्तजी शर्मा–जिनके सुयोग्य सम्पादकत्व में इस पञ्चाङ्ग की गणित की गई है– व "श्री सरस्वती पञ्चाङ्ग कार्यालय" नवलगढ के विद्वान् ज्योतिर्विदों–जिन की अथक लगन से शताब्दि पञ्चाङ्ग की गणित का जटिल कार्य सम्पन्न हो सका– को तथा उन सभी को जिनका सहयोग इस कार्य में मिला है, हम हार्दिक धन्यवाद देते हैं।

"श्री सरस्वती पञ्चाङ्ग कार्यालय" नवलगढ के प्रति हम अपना आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने इस शताब्दि-पञ्चाङ्ग को प्रकाशित व विक्रय करने के सर्वाधिकार सदैव के लिये हमें दे कर इसको प्रकाशित करने का शुभ-अवसर प्रदान किया।

भवदीय

खेमराज श्रीकृष्णदास

अध्यक्ष :– श्री वेङ्कटेश्वर प्रेस

७ वीं खेतवाडी, बम्बई नं ४

सम्पादक–

धर्मशास्त्र, कर्मकाण्ड एवं ज्योतिषशास्त्र सिद्धान्तज्ञ भारतविख्यात पञ्चाङ्गकर्ता–

पं० श्री हरिरामात्मज ईश्वरदत्त शर्मा नवलगढ (राजस्थान)

जयपुर ज्योतिष यन्त्रालयमें वेधद्वारा गणित संशोधन करते हुए—

बायेंसे-(१) पं० ईश्वरदत्त शर्मा, (२) इनके प्रधानशिष्य – पं० बंशीधर शर्मा (सिमारला) और तृतीय पुत्र चि. जगदीशप्रसाद शर्मा.

पं. मक्खनलाल शर्मा

पञ्चाङ्ग संबंधी ज्ञातव्य बातें

विद्वज्जनों को विदित ही है कि सूक्ष्म वेधयंत्रों से प्रत्यक्ष वेध द्वारा दृग्गणितैक्ययुक्त सिद्धांत बनाने पर भी समय के भेद तथा काल गति से ग्रहों के गणित में थोड़ा २ अन्तर पड़ ही जाता है। जिसको यथा समय ज्यौतिषतत्वज्ञ विद्वान् ठीक दृक्तुल्य करते आये हैं। जिनके नाम गणेश दैवज्ञ लिखते हैं –

ब्रह्माचार्यवसिष्ठकश्यपमुखैर्यत्खेटकर्मोदितं,
तत्तत्कालजमेव तथ्यमथतद्भूरीक्षणेऽभूत्फलयं ।
प्रापातोऽथमयासुरः कृतयुगान्तेऽर्कात्स्फुटात्तोषितात्,
तच्चास्ति स्म कलौ तु सांतरमथाऽभूच्चात्र पाराशरम् ॥ १ ॥
तज्ज्ञात्वार्यभटः खिलं बहुतिथेः कालेऽकरोत्प्रस्फुटम्,
तत्स्रस्तं किल दुर्गसिंहमिहिराद्यैस्तन्निबद्धं स्फुटम् ।
तच्चाभूच्छिथिलंतुजिष्णुतनयेनाकारिवेधात्स्फुटम्,
ब्रह्मोक्त्याश्रितमेतदप्यथ बहौकालेऽभवत्सान्तरम् ॥ २ ॥
श्रीकेशवः स्फुटतरं कृतवान्हि सौरार्यासन्नमेतदपि षष्टि ६० मिते गतेब्दे ।
दृष्ट्वाफलयं किमपि तत्तनयोगणेशः स्पष्टं यथाह्यकृत दृग्गणितैक्यमत्र ॥ ३ ॥

सबसे पीछे इस गणित के परिशोधनकर्ता ग्रहलाघव ग्रंथकार गणेश दैवज्ञ हुए। उनको भी आज करीब ४५० वर्ष हो गये। अतः गणेश दैवज्ञकृत ग्रहलाघव का गणित भी सांतरित हो गया है। ग्रहण के स्पर्श मोक्षकाल में दो तीन घटी, तथा कई ग्रहों में २४ अंशो का और गुरु शुक्र के उदयास्त में दिनों का एवं तिथियों में १५–१६ घटी तक का अंतर प्रत्यक्ष देखा जाता है इसलिये वेंकटेश बापु शास्त्री केतकर ने वेधद्वारा ग्रहलाघव के गणित को दृक्यप्रत्यय में–अत्यंत शिथिल देखकर दृक्तुल्य ग्रहसाधन के लिये, केतकी, (नूतन ग्रहलाघव) ग्रंथ की रचना की जिसके प्रारम्भ में ही आप लिखते हैं–

श्रीमद्गणेशरचितं ग्रहलाघवाख्यं भूमण्डलेविजयतेकरणं तथापि ।
दृक्प्रत्ययेऽतिशिथिलं समभूदिदानीं सद्वेधसिद्ध गणितं रचयामि तस्मात् ।

वेध यंत्रों द्वारा संशोधन की विधि सभी पूर्वाचर्यों ने अपने २ ग्रंथों में लिखी है किंतु यह कार्य राज्य की सहायता से ही सुकर है। जैसे आचार्य लिखते हैं–

विध्वाग्रहान्संततमत्र धीरास्तत्स्थानपंक्तिंच विचार्यतेषाम् ।
पातोच्च केन्द्र च्युति मध्य भोगान्शरांस्तथा मध्यगतीरवापुः ॥ १ ॥
वेधाद्यतः सिद्धिरभूत्पुरास्य शास्त्रस्य तत्शुद्धिपरीक्षणं च ।
वेधाद्विनार्कर्तुमशक्यमस्माद्वेधक्रिया भूपवरैः सुरक्ष्याः ॥ २ ॥
सद्वेधशालां निजराजधान्यां नभश्चराणामवलोकनार्थम् ।
संस्थाप्य तस्मिंश्च नियोजनीया विद्वद्वरा वेधविधिप्रवीणाः ॥ ३ ॥
यन्त्रैरमूल्यैर्निशि वा दिवा वा विलोक्य याम्योत्तरलंघनानि ।
नभः सदां दृग्गणितैक्य भेदान्पटे लिखित्वा विदधीत नित्यम् ॥ ४ ॥
अग्रे यदा दृग्गऽणितांतरं स्याच्छनैः शनैश्चोपचितं यदा वै ।
तत्कारणानि क्रमशो विचार्य ग्रंथान्पटिष्ठाः परिशोधयेयुः ॥ ५ ॥

राज्याश्रय न होते हुए भी हमारे भारत में परमोद्योगी पं० सुधाकरजी द्विवेदी, पं० बापुदेव शास्त्री, पं० केरोपन्त छत्रे, पं० लोकमान्य तिलक, पं० वेंकटेशवापु केतकर पं० श्रीपाद कोल्हटकर, जयपुर रा० ज्यो. पं० केदारनाथजी प्रभृति विद्वानों ने वेध द्वारा गणित शुद्ध करके कई एक ग्रंथ बना दिये है जोकि ठीक दृक्तुल्य हैं, पंचाङ्गों का गणित दृक्तुल्य होना ही श्रेष्ठ और शास्त्रसम्मत है यथा–

यात्राविवाहोत्सवजातकादौ खेटैः स्फुटैरेव फलस्फुटत्वम् ।
स्यात्प्रोच्यते तेन नभश्चराणां स्फुटक्रिया दृग्गणितैक्यकृद्या (सि. शि.)

यस्मिन् पक्षे येन काले दृश्यते गणितैक्यकम् । तेन पक्षेण ते कार्या ग्रहास्तत्समयोद्भवाः (ब्र. सि.)

तेभ्यः स्याद्ग्रहणादि दृक्समामिमं प्रोक्ता मया सा तिथिः ।
ग्राह्या मङ्गल-धर्म-निर्णयाविधावेषा यतो दृक्समा (ति. चि.)

मुनिः प्रणीते मनुजैः क्वचिच्चेददृश्यतेऽन्तरम् । तदा तदेव संसाध्यं न कार्यं सर्वमन्यथा (सि. सु.)

संसोध्यः स्पष्टतरं बीजं नलिकादि यंत्रेभ्यः । तत्संस्कृत ग्रहेभ्यः कर्तव्यौ निर्णयादेशौ (ब्र. सि.)

उपरोक्त वाक्यानुसार सूक्ष्मदृश्य गणित ही शुद्ध प्राचीन गणित है और वही धार्मिक मुहूर्तादि कार्यों में उपयुक्त है ।

भारत सरकार ने भी इसी गणित को मान्यता दे दी है तथा भारत के अन्य भागों में भी ऐसे दृक्तुल्य पंचांग बनने लगे हैं जैसे जन्मभूमि बम्बई, वृहन्ममहाराष्ट्र पंचांग (म. प्र.) बापुदेव शास्त्री काशी, भारत सरकार का राष्ट्रीय पंचांग, संदेश प्रत्यक्ष पंचांग अहमदाबाद, विश्वविजय देहली, चन्द्रिका पंचांग बम्बई बंगला पंजी कलकत्ता आदि ।

कुछ सज्जन तिथिमान को अदृश्य व अप्रत्यक्ष मानकर इस समय भी अप्रत्यक्ष स्थूलगणित को दिव्यदृष्टि का आर्षगणित बतलाकर मकरंद ग्रहलाघव सूर्यसिद्धांत करण कुतूहल जयविनोद ब्रह्मसिद्धांत आदि ग्रंथों से पंचांग बनाते है । यह उनका दुराग्रह मात्र है । क्योंकि आचार्यों ने पहले ही भावी अन्तर को दृक्युल्य बनाने के लिये आदेश और उसकी विधि लिखदी है । अतः उनके आदेशानुसार यंत्रों द्वारा दृक्तुल्य गणित न कर लिया जावे तब तक उसे शुद्ध प्राचीन आर्षगणित कहना ही असंगत है ।

उपरोक्त दिव्यदृष्टि के आर्षसिद्धांतों से बने पंचांगों में परस्पर बहुत अन्तर देखा जाता है । इस प्रकार महर्षियों की दिव्यदृष्टि के गणित में परस्पर ग्रहचारादि में महिनों का अन्तर दिखाना महर्षियों की दिव्यदृष्टि एवं उनके ज्ञान को अपूर्ण सिद्ध करके, उनका उपहास एवं अपमान करना है ।

सूर्य चन्द्रमा के १२ अंशात्मक पूर्वापर सरलान्तर का मान ही तो एक तिथि का मान है, वही वराह पुराण में स्पष्ट कहते हैं यथा –

यदा तौ मिलितौ स्यातामभावस्या तदाभवेत् । यदा द्वादशभागानामंतरं स्यात्तयो (चं. सू.) र्द्वयोः ।।
प्रतिपन्नाम सा प्रोक्ता तदंते विधुदर्शनम् । भागद्वादशकेनैव प्रत्यहं हि तिथिर्भवेत् ।।
सृष्टः पुरा वेद चक्षुर्ज्योतिः शास्त्रं मयाद्भुतं । ततः सूर्यश्च मुनयः स्वं स्वं सिद्धान्तमूचिरे ।।
यस्मिन्देशे यदा काले यद्यत्सिद्धांतमागतः । उदयास्तो ग्रहाणां च ग्रहणं चन्द्र सूर्ययोः ।
विधोर्विलोकनं वापि भवेत्तत्पक्षमाश्रितः । इष्टकाले स्फुटौ कृत्वा चन्द्र सूर्यौ प्रयत्नतः ।
तिथिमासाद्यकुर्वीत नान्यथा तु कदाचन ।

इत्यादि–उपरोक्त वाक्यों से स्पष्ट है कि सूर्य चन्द्रमा को दृक्तुल्य स्पष्ट करके दृक्तुल्य तिथि द्वारा ही धर्मशास्त्र का निर्णय करना शास्त्र सम्मत है। स्थूलगणित के पंचांगों की तिथियों में १५–१६ घटी तक का अन्तर वेध द्वारा प्रत्यक्ष देखा जाता है। अतः–

किं तेनापि सुवर्णेन कर्णघातं करोति यत्। तथा किं तेन शास्त्रेण यत्र प्रत्यक्षतः फुटम्॥

पुराणमित्येव न साधु सर्वं नचापि सर्वं नवमित्यवद्यम्
सन्तः परीक्ष्यान्यतरद्भजंते मूढः पर प्रत्ययनेयबुद्धि :॥

उपरोक्त आर्ष सूक्तियों के अनुसार जयपुर ज्योतिष यन्त्रालय द्वारा बारम्बार प्रत्यक्षानुभव करके वेधसिद्धसूक्ष्मदृश्य (शुद्ध प्राचीन) गणित से श्री सरस्वती पंचांग को तैयार कर विद्वानों की सेवा में समर्पण किया जाता है।

उत्तर भारत राजस्थान में यही एक ऐसा पंचांग है जो जयपुर ज्यौतिष यन्त्रालय के यन्त्रों द्वारा अपने गणित की सत्यता प्रत्यक्ष दिखाने में समर्थ हैं –

(१) संवत् २००१ से २०१५ तक तिथ्यादि (तिथि नक्षत्र योग एवं चन्द्रमा) गणित ग्रह लाघव से की हुई है। उसके बाद सं० २०१६ से सूक्ष्म गणित (केतकी) से किये गये हैं।

(२) सं. २००१ से २०२० तक पंक्ति का प्रथम सूर्य सौर पक्षी है, और अन्तिम दृक्पक्ष से है। २०२१ से २१०० तक पंक्तिस्थ प्रथम सूर्य दृक्पक्षीय, तथा अन्तिम सौर पक्षीय है।

(३) सं. २००१ से २०५० तक अंग्रेजी तारीखें राष्ट्रीय (हिन्दी) और मुसलमानी तारीखों से पहले दीगई हैं। २०५१ से इनके बाद में (चन्द्रमासे पूर्व) हैं। पाठक ध्यान रखकर पढें।

(४) सं. २०२० में दृश्य गणित से कार्तिक ही क्षय और कार्तिक ही अधिक मास है। स्थूल गणित से आश्विन अधिक और मार्गशीर्ष क्षय आता है।

प्रूफ संशोधन में कुछ भूलें रह गई है। महत्व पूर्ण अशुद्धियों को शुद्धिपत्र में यथा संभव सुधारने का यत्न किया है। फिर भी गलतियां रह ही गई हैं। पाठको से प्रार्थना है कि वे उन्हें सुधार कर पढें।

गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति साधवः॥

विदुषांवशंवदः – संपादक

★

शुद्धिपत्रम्

सूचना—शुद्धि पत्र में पू. का अर्थ पृष्ठके पूर्वार्द्ध (शुक्ल पक्ष) से तथा उ. का अर्थ उत्तरार्ध (कृष्ण पक्ष) से है।

पृष्ठ	स्थान	अशुद्धम्	शुद्धम्
२५३	पू. राश्यदिचारे	धनुषिरविः	धनुषिशनिः
२६४	उ० शुक्रगतौ	७।१५	७१।१५
२७२	पू.	३७।१४ या. भ. ८।४२	उ. ३७।१४ या.
२७६	उ. नक्षत्रे	३० मं उ	३०मं.रेवती
२७७	पू. शीर्षके	रा. मु. इं,	इं. रा. मु.
२७९	,, चन्द्रे	तु. ४५।०	तु. १३।२३
२८०	उ. ,,	मि. ४१।४	मि. ४०।४०
२८१	,, नक्षत्रे	१४ चं. भ	१४चं. मघा
२८८	द्वितीय कोष्ठके ग्रस्तास्त चंद्रग्रहणम्		ग्रस्तास्तंखग्रास चन्द्रग्रहणम्
,,	ग्रहण कोष्ठकद्वये उज्ज. मध्यम		रेल्वेटाइम
,,	,, ,,	रेल्वेटाइम	देशीटाइम
२९१	राष्ट्रीय पू. तारीखे	अशुद्ध २३-२४-२५-२६-२७-२८-२९-३० शुद्ध २४-२५-२६-२७-२८-२९-३०-३१	
२९६	उ. चन्द्रे	सिं. ५७।२७	सिं. ५९।३६
,,	,,	अक्दू.	अक्टूबर
३००	पू. राश्यादिचारे	#२२।५१	रवि.० २२।५१
३०२	उ. चन्द्रे	वृ.५२।५२	वृ.३९।५२
३०५	पू. अ. रा. तारीखे शु.	१३-१४-१५-१६-१७-१८-१९-२०-२१-२२-२३-२४-२५-२६- १२-१३-१४-१५-१६-१७-१८-१९-२०-२१-२२-२३-२४-२५-	
,,	उ. रा. तारीखे	अशुद्ध २७-२८-२९-३०-३१ शुद्ध २६-२७-२८-२९-३०	
३१६	उ. राश्यादि-	पू भा.१शनिः	पू.भा.३शनिः
३२१	उ. नक्षत्रे	१२बु अ	१२बु. अश्विनी
३५५	उ.	दृश्योऽनुराधांराधा	दृश्य अनु. रविः
३६५	उ. चन्द्रे	क.४।४२	क.४०।४२
३६८	उ. चन्द्र	क.२।५१	क.३२।५१
४०२	पू. ,,	क.२७।५६	क.२८।२१
४०५	,, नक्षत्रे	श्ले ६	श्ले ६०
४१२	,, ,,	रे४।३२	रे.९।३२
४४२	,, चन्द्रे	ध.२७।२	ध.२७।२९

पृष्ठ	स्थान	अशुद्धम्	शुद्धम्
४४७		खंडग्रासचंद्रग्रह.	खग्रासचं. ग्रहणम्
४५१	पू. नक्षत्रे	पू५५।३७	पू.१५।३७
४७२	,, ,,	रे५१।४०	रे४१।४०
४७५		खंडग्रासचंद्रग्रह.	खग्रास चंद्रग्रहणम्
४७६	मुहूर्तेषु	मार्ग. शु. २ चं. ल.	मा. शु. २चं.ल७
४७९	उ. नक्षत्रे	रे.८०।७	रे.३०।७
४९०		खंडग्रांस चं. ग्र.	खग्रास चंद्र ग्रहणम्
,,		मो.४५।४८	मोक्ष४९।४८
४९१	विवाहमुहूर्ते	भौमेमूलेल. १	१५ मौमेमूलेल.१
,,	अन्तिमपंक्तौ	३गु.रे.ल८	३गुरे.ल६
४९२	उ.		मीन५।२२
५०३	पू. नक्षत्रे	उ.५।१४	उ.भा५०।१४
५१४	उ. चन्द्र	,,	कन्यायां
५२३	,, ,,	मे.५८।७	मे.५९।७
५२४	,, ,,	,,	कर्के
५३३		खंडग्रासचंद्रग्रह.	खग्रासचं.ग्रहणम्
५४०	पू.	,,	कन्यायां
५४७	खंडग्रासचं.ग्र	ग्रस्तोदयं	खग्रास चं. ग्रह.
५६५	पू.	सिं.१८।२२	सिं१४।२२
५७८	पू.	सिं.३६।२१	सिं.३३।२१

पृष्ठ ५८९ उ. तिथि वार नक्षत्र कोष्ठकमेवं पठितव्यम्

४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
र	चं	मं	बु	गु	शु	श	र	चं	मं
स्वा	वि	अ	ज्ये	मू	पू	उ	श्र	ध	श

अत्र चित्राक्षयः, शतभिषावृद्धिः

५९०		खंडग्रासं च. ग्र. खग्रास चं. ग्र.
६०५		खंडग्रास चं. ग्र. खग्रास चंद्र ग्रह.
६२०	मुहूर्ते(अवशिष्टं)माघ शु. ५	श. ल. ऽन्यगो. रे.७
६३०	पू. तिथि ति—	६-७-८-९-१०-११-१२-१३
	नक्षत्र कोष्ठक वा—	शु श र चं मं बु गु शु.
	मेवं पठितव्यम् न—	० पू उ.रे अ भ. कृ रो

६३३	अशु. माघ. कृ. ३० चंद्रेखंडग्रास सूर्य ग्रहणम्	
	शुद्ध–माघ शु. १५ चंद्रे खग्रास चंद्रग्रहणम्	
६४०	उ. तिथौ	१४शु भा. कृ. १४ श.
,,	,, ,,	३०श ,, ३०रवि
६४३	... नक्षत्रे	सिं५५।७ सिं५६।७
६४४	,, ,,	चि.५९।४७ चि.५२।४७
६७५	,, चन्द्रे	घ.५३।४० घ.५६।४०
६७८	पू. ,,	मि.३८।५० मि.३७।५१
७१४	पू. शीर्षके	सं.२०४९ शाके १९१४ सं.२०५० शाके १५१५
७२८	,, चन्द्रे	घ.४०।२० घ.४४।२०
७३३	उ.	घ.४६।२५ घ.५६।२५
७४२	,, नक्षत्रे	पु. पू.
७५२	,, ,,	ज्ये१४।४७ ज्ये१५।४७
७८८	पू. चन्द्रे	मे.५६।२६ मे.२६।५६
८९६	,, चन्द्रे	तृ.५४।४६ वृ.५४।४६
९०४	उ. ,,	मि.४३।४१ सिं.४३।४१
९३६	ग्रहणकोष्ठके	श्रा.१८३१ शाके१९३१
९४६	पू. चन्द्रे	मी.३५।३४ मी.३५।४६
९७५	,, तिथौ	१शु १ श
१०१६		अक्टूबर२१ता.२१ अक्टूबर १० ता.३१
१०२१	पू. नक्षत्रे	पू.४०।३ पू.४५।३
१०२८	उ. करणे	कौ५।५२ कौ.१६।५२
१०६७	पूर्वार्द्धे १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९	
	तिथि कोष्ठक र चं मं बु गु शु श र चं	
	मेवपठितव्यम १० ११ १२ १३ १४ १५	
	चं मं बु गु शु श	
१०८०	सूर्यग्रहणे	घ प. घंटा. मिनट
,,	,,	घं.मि. घटी पल
११३९	उ. ग्रहस्पष्टे	२पं.वै.कृ.१ २पं.वै.शु.१
११६३	राहु.उभा.३केतुः	उभा. १राहुः उफा. ३केतुः
१२०१	पू.	रविलाखर रविलावल
,,	,,	शुक्रगतौ५६।३८ ७४।३८
१२२३	ग्रहण शीर्षके	अर्द्धरात्रि पश्चिम पश्चात् प्रदेशे अर्द्धरात्रि पश्चात् पश्चिम प्रदेशे
,,	द्वितीय ग्रहण	कोष्ठकेमोक्ष ६।१३ मोक्ष ६।१
१२२५	उ. बुधगतौ	१९९।२३ ९९।२३
१२२६	पू ग्रहस्पष्टे	रा.८।१५ रा८।१४
१२३१	,,	भ.१६।४९या भ.२६।४९या
१२९८	उ. राशिचारे	उभा३बुध उभा३गुरु
१३००	पू. चन्द्रे	सिं३३।२५ सिं. ३३।५
१३७३–७४	पृष्ठयो–ग्रहस्पष्टे १८–१९–२० पंक्तिषुभौम कोष्ठके मीन (११) स्थाने वृष(१)राशि पठितव्यम्	

पृष्ठ १३९१ ३१ पंक्तौ गोचरग्रहाः

अशुद्ध

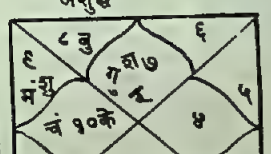

शुद्ध

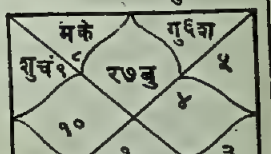

१३९२	उ.	भ. ३३।६०	भ.४३।३०

सूचना– सं. २०१७ से २०२० तक भारतीय दिनांक मुद्रित नहीं हुये हैं। अत उनकी तालिका अन्तमें दी गई है।

आवश्यक मुहूर्ताः

मुहूर्तनाम	तिथयः	वाराः	नक्षत्रादिकम्
सरजोदर्शने स्नानम्	सत्	चं. बु. गु. शु.	ऽश्वि. रो. मृ. उ. ३ ह. स्वा. ऽनु. ध. ज्ये. रे. मात्राः। त्याज्याः—कृ. भ. मू. आ. पुन. पु. म. चि. वि. श्र.
गर्भाधानं	सत्	,,	उ. ३. मृ ह. रो. स्वा. श्र. ध. श. अनु.
सीमंत	सत्	र.मं.गु.	मृ. पुन. पु. मू. श्र. ह. रे. शुक्ले पक्षे मासेश्वरेसवले
जातकर्म नामकर्म	सत्	चं. बु. बृ. शु.	जन्मसमये वा. ११।१२ दिने ऽश्वि. रो. मृ. पुन २ उत्तरा ३ ह. चि. स्वा. ऽनु. श्र. ध. रे. सद्भानि.
सूतिका स्नानम्	सत्	सू. मं. गु.	ह. मृ. ऽनु. रो. उत्त. ३ ऽश्वि. स्वा. रे. सद्भानि पंचमशुद्ध-लग्ने। त्याज्याः पुन२चि. वि. भ२. मृ. आ म. श्र. (च श वु)
जलपूजा	सत्	बु. गु. चं.	पु. पुष्य. ह मृ मू. ऽनु. श्र सद्भानि। चैत्र पौष मलमास मामान्त गुरु शुक्र का अस्त यह वर्ज्य हैं।
अन्नप्राशनं	२।३।५ ७।१० १३।१५	बु. गु. चं. शु.	बालानां षष्ठादि सममासेषु कन्यायाः पंचमादि विषम मासेषु ऽश्वि. रो. मृ पुन२उ३.ह३. ऽनु. श्र ३. रे. भेषु। मीन. वृश्चि. मेष लग्नानि। जन्मभंच वर्ज्यम् १० मे शुद्धे।
कर्णवेधः	४।९।१४ ३० वर्ज्य	बु. गु. शु. चं.	जन्मदिनात् १२ वा १६ दिन वा ६।७।८ मासेषु वा विषम-वर्षे ऽश्वि. मृ. पुन २ ह२. ऽनु. ऽभि. श्र. ध. रे. मेषु चन्द्र। ऊर्कबले ८ मशुद्धलग्ने। वर्ज्याः चै. पौ.हरिशयनं जन्म मासतारा
चौलकर्म	२।३।५ ७।१० ११।१३	बु. गु. शु. चं	३।५।७ वर्षे चैत्र हीनोत्तरायणे ऽश्वि. मृ. पुन.पु ह चि.स्वा ज्ये. ऽभि. श्र ध. श रे सद्भानि। प्रथमोत्पन्न बालस्य ज्येष्ठे निषिद्धः गलग्रहे नेष्टः। अष्टमशुद्धलग्ने।
विद्यारंभः	२.३.५.६ १०.११.१२	सू गु. शु.	५ वर्षे, अ. मृ. आ. पुन पु पू ३ ह. चि. स्वा. मू. श्र. ध. श. सद्भानि अनध्याय वर्जित दिने (उत्तरायणे)
निष्क्रमणम्	सत्	सत्	४ मासे यात्रोक्त तिथिवार नक्षत्रेषु अथवा जन्म से १२ वें दिन वा. मंगलपूर्वक घर से बाहर निकाले।
बिपणी दुकान	सत्	सू च बृ. बु.गु.श.	अश्वि. ऽनु. रो. मृ. उ ३. पुष्य रेव. ऽभि ह चि. शुभलग्ने और लग्नमें शुक्रचन्द्र होवें व्ययाष्टरहितैःपापै।कुंभलग्नरहितैः
स्त्रीणां चोटी आटी गुथा	सत्	गु.चं.र. शु. मं.	ह मू. रो. पु. श्र स्वा उ३. मृ ऽश्वि. चि ऽनु. रे. नक्षत्र। लग्न २।३।४।५।१२
चूड़ा वद्रत्ना	सत	र बु.मं गु शु.	ऽश्वि. ह चि स्वा. वि. ऽनु. ध रे. सूर्यभाद्गणना। ने, ८। श्रे ३। ने २। श्रे ७। ने २। श्रे ४ ने १।
वरवरणं	सत्	शुभाः	पू ३ उ. ३, रु. रो.
कन्यावरणं चिकरणी को.	सत	चं.र बु. शु.श गु.	पू ३ भ.ऽनु. उ ३. स्वा. ध. रु. रो. रे. मू. मृ. म. ह. पापाः ३।६।११ शुभाः ५।४।७।१०।६।१ श्रे.

मुहूर्तनाम	तिथयः	वाराः	नक्षत्रादिकम्
रोगमुक्त स्नानम्	अशुभ	र.गु.बृ. म. श.	ऽश्वि. ३ मृ. २ पु. पू. ३ ह २. वि ४. श्र ३. ये नक्षत्र और चर लग्न अशुभ चन्द्र में।
वापीकूप तडागारंभः	सत्	सत्	ऽनु. ह. रे. उ ३ रो. पु. ध. श. मघा. मू पूषा. शुभे मासे स्थिरे लग्ने च बुध गुर्वोरुदये।
हलवाहनं	सत्	चं. बु. बृ. शु.	ऽश्वि रो. मृ. पुन २ उ. ३ ह ५. ऽनु म. मृ. ऽभि. श्र ३ रे. रविभाद्गणना. ३ ने। ८ श्रे.। ६ ने.। ८ श्रे.।
चुल्ही स्थापनं	सत्	गु. बु. बृ.	पूर्वा ३. रो. पुष्य. उ ३. ऽश्वि. आर्द्रा। रविभाद्गणना ६ श्रे। ४ ने। ८ श्रे। ५ ने। २ श्रे। २ ने। चन्द्रबलेसति।
द्वारशाखा	५।७ ८।६	बृ बु. शु.	रविभाद्ग. ४ श्रे। ८ ने। ८ श्रे। ३ ने। ४ श्रे। काष्ठशा. ऽश्वि ह. पुष्य रो.२उ.३स्वा श्र।पाषाणेध्र.श. पूभा३ ७।१० मे शुद्धलग्ने।
दत्तकपुत्र ग्रहण	सत्	र. मं. बृ. शु.	ह. ४ ऽनु ऽश्वि ध. पुष्य. सिंह वृष लग्न में वृश्चिक कुम्भलग्नत्याज्य है।
वधू प्रवेशः	सत्	सत्	विवाह से २।४।५।६।७।८।६।१०।१२।१४।१६ दिनो में इसके पीछे विषममास विषमवर्ष में। ह. ३ रो. २. ऽश्वि रे. म. पुष्य. ध. श्र उ ३. मू ऽनु और स्थिर लग्न में।
द्विरागमन मुकलावा	सत्	चं. बु. गु. शु.	में. वृश्चि. कुम्भस्थे रवौ मू. ह ३ रो २. ऽश्वि. पुष्य उ ३. श्र. ध. श. पुन. रे. चि ऽनु. सौम्ययुक्त दृष्टे।२।३।४।६।७।१२ लग्नेषु रवीज्य शुद्धियोगे सति। सन्मुखदक्षिण विवर्जिते भृगौ सत्
गंधर्व विवाह	सत्	स. मं. श.	ऽश्वि. कृः आर्द्रा पुन. ऽश्ले. ज्ये. ध. श. एषु भेषु गुरुशुक्रयो-रस्तादि दोषोपि नास्ति।

अनुष्ठानारम्भ मुहूर्तम्

आश्वि. का. वै. माघ. मार्ग. फा. श्रा. तथा मे. कर्क कं. तु. वृ. म. कुम्भस्थे रवौ श्रेष्ठः २।६।७।१० १३।१५ आसुतिथिषु। अथवा या तिथिर्यस्यदेवस्य तस्यांवाशुभदः स्मृतः वाराः—सू. शु. बृ.। सोमो मध्यमः पुन. पु. स्वा. उ ३ श्र. ध. श. र. अश्वि ह. ऽनु रो. मृ. वि. ज्ये स्वस्वामि नक्षत्रेवा। लग्नात् २।६।११ पापा।१।४।५।७।९।१० साम्याः। चन्द्र तारानुकूले। गुरुशुक्रयोरुदितयोः शुभे लग्ने १२ शुद्धे सति मृत्व्वादि योग रहिते। विष्णुमत्रे-स्थिरे, शिवस्यचरे। दुर्गाया द्विःस्वेलग्ने। कूर्म-चक्रशुद्धौ प्रारभेत्।

होमेवह्निवासस्तथा खेटाहुतिफलम्

शुक्लपक्ष की १ से वर्तमान तिथि तक गिन कर एक युक्त करे और वर्तमान वार संख्या जोड़े फिर ४ का भाग देवे शेष ३।० बचे तो पृथ्वी में अग्नि-वास श्रेष्ठ। शेष १ रहे तो आकाश में वास प्राण हरे। शेष २ रहे तो पाताल में वास धन हानि करे। रविनक्षत्र से दिन नक्षत्र तक गिने। ३ ने.। ६ श्रे.। ३ ने। ३ श्रे। ३ ने। ३ श्रे।६ने।

सर्व शुभ कार्येषु महापातो वर्ज्यः— यस्मिन्दिने महापातस्तद्दिनं वर्जयेच्छुभे। इतिनारदः। अन्यत्र— आद्यन्तकालयोर्मध्येकालोज्ञेयोतिदारुणः प्रज्वल ज्वलनाकारः सर्वकर्मसु गर्हितः। इति सूर्यसिद्धान्ते।

सर्वकार्येषु लग्नशुद्धिः—व्ययाष्टशुद्धौपचये लग्नगे शुभ दृग्युते। चन्द्रे त्रिषड्वशायस्थेसर्वारम्भ प्रसिद्धयति।

अथ सन्मुखचन्द्रदिशांप्रति

मेषे च सिंहे धनुपूर्वभागे वृषे च कन्या मकरे च याम्ये। युग्मे तुला कुंभसु पश्चिमायां कर्कालिमीने दिशि चोत्तरस्यां ॥१॥ फलं—सन्मुखे अर्थ-स्वाभाव दक्षिणे सुख संपदः। पृष्ठतः प्राणनाशाय वामे चन्द्रे धनक्षयः ॥२॥

अर्थ-मेष सिंह धनु पूर्व, वृ.क.म.दक्षि. मि.तु.कुं.पश्चि. कर्क वृश्चि.मी. उत्तरे

अथ योगिनी चक्रम्

ईशान ३०८	पूर्व १।९	आग्नेय ३।११
उत्तर २।१०	योगिनी सुखदा वामे, पृष्ठे वांछितदायिनी ॥ दक्षिणे धन हन्त्री च, सन्मुखेमरणप्रदा ॥१॥	दक्षिण ४।८
५६।७	६१।३	२६।५
८०।१८	११८।५	८२।६

अथ कालराहु चक्रम्

ईशान	पूर्व आग्नेय	
	शनि	
	अर्कोत्तरेवायुदिशांच सोमे	
उत्तर	भौमे प्रतिच्यांबुधनैऋतेच	दक्षिण
	याम्येगुरौवह्निदिशांच शुक्रे	
	मंदेचपूर्वे प्रवदन्तिकालम्॥	
४।१	५।६	६।६
८०।१८	११८।५	८२।६

अथ दिशाशूल चक्रम्

पूर्व
चन्द्र शनि
दिशाशूल लेजावो वामे
राहु योगिनी पूठ।
सम्मुख लेवे चन्द्रमा
ल्यावे लक्ष्मी लूट ॥

उत्तर ४।१ दक्षिण ३।१
८६।५

एकराशि के चन्द्र का घटी अनुसार वास

ईशान १४	पूर्व १७	अग्नि १५
उत्तर १५	सर्वघटी १३५	दक्षिण २१
वायव्य १६	पश्चिम १८	नैर्ऋत्य १६

अथ गुरुशुक्रयोरस्तेवर्जितकर्म

वापीकूपतडागयज्ञगमनं चौरं प्रतिष्ठां ततोविद्या मन्दिर कर्णवेधन महादानं गुरोः सेवनम्। तीर्थस्नान विवाह काम्य हवनं मन्त्रोपदेशं शुभं दूरेरीव जितीविपु परिहरेदस्तेगुरौ भार्गवे ॥१॥

घातचन्द्रे ग्राह्यकर्म

तीर्थयात्रा विवाहान्न प्राशनोपनयादिपु ॥ मांगल्य सर्वकार्येषु घातचन्द्रं न चिंतयेत्॥

वर्ज्या:—

युद्धे चैव विवादे च कुमारी पूजने तथा ॥ राजसेवा वाहनादौ घातचन्द्रं विवर्जयेत्॥

तृणकाष्ठादि संग्रह

वासवोत्तरदलादिपञ्चके याम्यदिग्गमनं गेह-गोपनम् प्रेतदाहतृणकाष्ठसंग्रहं शय्यकादितनं च वर्जयेत् ॥१॥ धनिष्ठा का उत्तर दल. शत. पूर्वा भा.उ.भा.रे.इन नक्षत्रों में दक्षिण गमनगृह छावना माचाबनानातृणकाष्ठानिसंग्रहनहीं करना

अथ खात चक्रम्

	विवाहे	देवालये	गेहारम्भे	जलाशये	
रविः	२। ३।४	१२।१।२	५। ६। ७	१०।११।१२	आग्नेयां खातं
रविः	११।१२।१	६।१०।११	२। ३। ४	७। ८। ९	नैर्ऋत्यां खातं
रविः	८।९।१०	६। ७। ८	११।१२। १	४। ५। ६	वायव्यां खातं
रविः	५।६। ७	३। ४। ५	८। ९।१०	१। २। ३	ऐशान्यां खातं

गेहारंभे वृषचक्रम्

रविभाद् गणना

स्थान	न	फलं
शीर्षे	३	दाहः
अप्रपा	४	शून्य
पृष्ठ पा	४	स्थिरः
पृष्ठे	३	श्रीप्रा.
द.कुक्षौ	४	लाभः
पुच्छे	३	नाशः
वामकुक्षौ	४	नैःस्वं
मुखे	३	पीड़ा

गृहप्रवेशे कुम्भचक्रं

रविभाद् गणना

स्थान	न	फलं
मुखे	१	अग्निदा
पूर्वे	४	उद्वसनं
याम्ये	४	लाभः
पश्चि	४	श्रीप्राप्ति
उत्तरे	४	कलहा-
गर्भे	४	विनाशः
गुदे	३	स्थिरः
कण्ठे	३	स्थिरः

सूर्यसंक्रान्ति से इतना दिन ५।७।६।१५ २१।२४ धरती सूती आनना सूर्यनक्षत्रात् ५।७।९।१२।१६।२६ भूशयनंकेचिन्।

गेहारंभ मुहूर्तम्

शुभमासाः	वै.श्रा.मार्ग.पौष.फा.मे.वृष.कर्क.सिंह.तु.वृ.म कुं.एपु भेपु रवौ सति चैव शुभः एतत् संक्रांति-रहिताः चै.ज्ये.आषा.भा.श्रा.का.पौ.माघ मासास्त्याज्याः सितेज्ययोरुदितयोः श्रेष्ठाः।
भानिः	उत्तरा ३ मृ. पुष्य. अनु. ध. श. ह. चि. स्वा. रो रे. विपञ्चके।
वाराः	चन्द्र बुध गुरु शुक्र शनि एपुवारेपु वत्स चक्र शुद्धीसेन्दुर्बलश्रेष्ठः।
तिथिः	२.३.५.७. १०. ११. १२. १३. १५. कृष्णा १ भद्रादिदोषरहिते श्रेष्ठाः जामनि भूमौ।
लग्नशुद्धिः	लग्नात् १।४।५।६।१०एपुशुभैः। ३।६।११एपु पापैः। १०मेशुद्ध। ८म क्रूरानेष्टाः। ८।१२शुभा नेष्टाः। अर्केन्दीज्यशुक्रे विबलेस्तनीचरहिते २।३।५।६ व ९।११।१२ एपु लग्नेषु कार्यम

गृहप्रवेश मुहूर्तम्

मासाः	वै.ज्ये.माघ.फा.उत्तरायणे रवौ श्रेष्ठा जीर्णे गृहेतुकार्तिक मार्ग श्रावणमासा अपि ग्राह्याः
भानिः	उत्तरा ३ अनु. रो. मृ. चि. रे. एपुद्वार-स्थभेपुच कुम्भ चक्रशुद्धौ जीर्णेतु पुष्य. स्वा. ध. श. अपिग्राह्याः पापरहितेष्वविद्धभेषु।
वाराः	चं. बृ. शु. शनि तिथयः १।२।३।५।६।७।८। १०।११।१२।१३ ग्राह्याः (शुक्ला १ नेष्टा)
लग्न	२।५।८।११ सत् ३।६।९।१२ मध्या तत्र सेन्दु लग्नम् नेष्टम्।
लग्नशुद्धिः	लग्नात् ४।८ शुद्धयोः १। २। ३। ५। ७। ९। १०। ११ एपु शुभैः ३।६। ११ एपु पापैः यामार्के सति शुभः दिवा रात्रौ वा सितेज्ययोरुदितयोः।

यज्ञोपवीत मुहूर्त ज्ञानाय चक्रम्

वाराः	सू.चं.बु.गु.शु. एषां वारे भद्रारुग्वाणादि दोषरहिते
तिथिः	२।३।५।१०।११।१२ शुक्ले। कृष्णे तु.२।३।५ परन्तु नापराह्णे न प्रदोषे
नक्षत्राणि	अ. ह. पु. उ. ३ रो. ऽश्ले. स्वा. पुन. श्र. ध. मृ. चि. मू. अनु. पू. ३ आ. रे.
लग्नशुद्धिः	३।६।११पापाः।२।७।१०।३ चन्द्रः।१।४।५।७।१०सौम्याः। ११ सर्वे शुभाः। चन्द्रशुक्र गुरु-लग्नेशाः ६। ८ नेष्टाः। चन्द्रशुक्रौ १२ निषौ। लग्नात्१।५।८पापानेष्टाः।३।८।१२सौम्यानेष्टाः। पूर्णाचन्द्रोवृषकर्कगतोलग्ने शुभोन्यथान लग्ने-ऽर्कःशुभः।माघादिपञ्चमासाःशुभाः।कर्कीन्ययो-र्वृद्धत्वात्तरिशुत्वे नश्रेष्ठः। चैत्रे मीनार्केशुभम्

यात्रा मुहूर्तविचारः—ति. ६।१२।८।१५।३०।४।९।१४ सुदी १ त्याज्याः। अश्वि.पु.पु. अनु. मृ. ह. रे. श्र. ध. श्रेष्ठ। त्रिपञ्चसप्त—तारावर्जितानि। उ.३ शत. मू. ज्ये. पू. ३ रो. मध्यमाः। पू.स्वा. आर्द्रा. चि. चि. श्ले. म.भ. पूर्वे ज्येष्ठाः। पञ्चकं दक्षिणस्यां। रो पश्चिमे। उत्तरा फा.उत्तरे। नेष्टानि॥ दिक्शूल योगिनी कालराहुवादिदोष रहिते कुंभ कुंभांश विवर्जिते शुभलग्ने। रवौकर्कमीनालि वर्जिते सति यात्रा कार्या। अथ यात्रायां लग्नशुद्धिः—केन्द्रेकोणे सौम्यखेटाः शुभास्युर्यानि पापास्त्रयायपट्खेषु चन्द्रः। नेष्टोलग्नान्यारि रन्ध्रे शनिः खेऽस्ते शुक्रो लग्नेद् नगान्यारिरन्ध्रे।

अन्यच्च—वक्रीग्रहः केन्द्रगतोऽस्य वर्गो लग्ने दिनं चास्य गमे निषिद्धम मेत्रार्क पुण्याश्विनिभैर्निरुक्ता यात्रा शुभा सर्वदिशासु तज्ज्ञैः। घातचक्रोक्त तिथिवार नक्षत्र लग्न घातान्यपि वर्ज्यानि।

नवग्रहाणां ज्ञानमारिष्टी वर्षादौमङ्गलाष्टकीयनवांशाः २४।०।० शेषसिद्धसूत्रमायनांशा २३।१८।५२ षष्ठमा ६।११ पलांशा२७।४५

ग्रहाः	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	ल.
राशिः	५	६	६	५	५	६	७	७	११	६
अंशाः	२३	११	२८	२	२७	११	१	२३	२३	२३
कलाः	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२
विकलाः	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६
नवांशः	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८
द्रेष्काणः	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३
होरा	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२
चरांशः	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११
द्वादशांशः	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११
त्रिंशांशः	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११
षष्ट्यंशः	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११
नक्षत्रम्	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११
चरणः	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११

द्वादशी राशिषट्कं नवमकलिकं विंशिकारवयवांशाः पाताक्रमं च

क्र	राशयः	मेषः	वृषः	मिथुनः	कर्कः	सिंहः	कन्या	तुला	वृश्चिकः	धनुः	मकरः	कुम्भः	मीनः
१	मेषः	०।२।३	०।१।२	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१
२	वृषः	०।२।३	०।१।२	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१
३	मिथुनः	०।२।३	०।१।२	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१
४	कर्कः	०।२।३	०।१।२	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१
५	सिंहः	०।२।३	०।१।२	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१
६	कन्या	०।२।३	०।१।२	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१
७	तुला	०।२।३	०।१।२	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१
८	वृश्चिकः	०।२।३	०।१।२	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१
९	धनुः	०।२।३	०।१।२	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१
१०	मकरः	०।२।३	०।१।२	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१
११	कुम्भः	०।२।३	०।१।२	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१
१२	मीनः	०।२।३	०।१।२	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१	०।१।१

मूलजनने वृक्ष विभाग फलम्।

मूल	लग्न	त्वचा	शिखा	पत्र	पुष्प	फलम्	शाखा
७	८	१०	११	१२	५	४	३
मूल	धंश	मातुल	राज्य	राज	राज	अल्प	
नाशः	ज्वरः	पीडा	नाशः	लाभ	मंत्री	प्राप्ति	आयुः

जघेन्द्रा जनने वृक्ष फलम्

लग्न	त्वचा	शिखा	पत्र	पुष्प	फलम्	शाखा
७	८	९	१०	५	६	७
ज्येष्ठा	वंश	मातुल	राज्य	राज	राज	अल्प
नाशः	ज्वरः	पीडा	नाशः	लाभ	मंत्री	प्राप्ति

आरलेषा जनने अङ्ग विभाग फलम्।

लग्न	त्वचा	शिखा	पृष्ठ	दल	शिखा	त्वचा	स्कन्द
८	१०	११	५	९	७	१३	४
सर्प	मातृ	राज	श्रीः	राज	हानिः	मातृ	श्वास
दंशः	पीडा	नाशः	लाभ	मंत्री	प्राप्तिः	आयुः	

शिव वास ज्ञान—तिथि को दूनि करके पांच और मिलावे सात का भाग दे। शेष १ बचे तो कैलास। २ में गौरी पार्वे, ३। ३ में वृषारू श्र। ४ समशां सन। ५ ज्ञानवैलावां। ६ ॥ ७ श्मशाने शक्तुः।

अथ कस्मिन्वर्षसि भाग्योदयतद्विचारमाह—भाग्याधिपश्चेच्चतुर्दिकेन्द्र संस्थश्चेत्तर्हि वर्षेष्वेव सुखोदयः स्यात्। त्रिकोणगः स्वोच्चक्षेत्रीयो वाच्यमेवाह स्थाप्य फलः प्रदः स्यात् ॥ भाग्याधिनाथः स्वगृहेऽथवा मित्रगृहेऽथ वाभाग्यपदेऽथवोच्चे भागे। भाग्योदयं तस्य वदंतितज्ज्ञाः सुभप्रहेन्द्रै रथयुतीक्षितेवा अथायुपूर्णत सुखयोगः। नवम भावपतिर्यदिकेन्द्रगो नवमपंचमगश्च यदाभवेत्। प्रबलतान पतिर्यदिशुक्रगः सुखसमृद्धियुतोमरणांतकः ॥१॥ नवमभावगतः स्वगृहेऽथवा मित्रगृहे वेस्स महेश्वर यत्र हन्। अतिशयं कुरुते जयसंयुतं नृपतिवाहनचिन्हसमन्वितम् क्रूरग्रहैः पंचमे पापयुते वा पापग्रहेण दृष्टे वा। सौख्यं कुर्वति भाग्यारूढं दयालु प्रियं भाग्यस्थैर्यार्मिकोनरः। पूर्णेदुकौ रविभूमिजौ भाग्यस्थितौसौम्यसमन्वितौच। जन्मात्तुमानात् सचिव नृप वाक्यं वि सौम्येश्वरान्विताच।

अथ (गतं) वर्षाणां ज्ञानं का संज्ञा—अत्रैव ग्रन्थेऽग्रेवक्ष्यमाणं संवत्सरादिकं ज्ञातुं तत्र वर्षाणां गतानां ज्ञानार्थ

मुम्बई लग्न सारिणी—अक्षांशाः १८।५७ पलभा ४।८ अयनांशाः २३

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ल.मा.
मेष०	३ ३	३ ११	३ १९	३ २७	३ ३५	३ ४३	३ ५१	३ ५९	४ ८	४ १७	४ २६	४ ३४	४ ४३	४ ५२	५ १	५ १०	५ १९	५ २८	५ ३७	५ ४५	५ ५४	६ ३	६ १२	६ २१	६ ३०	६ ३९	६ ४७	६ ५६	७ ५	७ १४	२३९
वृष १	७ २३	७ ३२	७ ४१	७ ५०	७ ५८	८ ८	८ १६	८ २५	८ ३५	८ ४६	८ ५६	९ ६	९ १६	९ २७	९ ३७	९ ४७	९ ५७	१० ८	१० १८	१० २८	१० ३८	१० ४९	१० ५९	११ ९	११ २०	११ ३०	११ ४०	११ ५०	१२ १	१२ ११	२६६
मि० २	१२ २१	१२ ३१	१२ ४२	१२ ५२	१३ २	१३ १२	१३ २३	१३ ३३	१३ ४४	१३ ५५	१४ ७	१४ १८	१४ २८	१४ ४०	१४ ५१	१५ ३	१५ १४	१५ २५	१५ ३७	१५ ४७	१५ ५९	१६ १०	१६ २१	१६ ३२	१६ ४३	१६ ५५	१७ ६	१७ १७	१७ २८	१७ ३९	३०८
कर्क ३	१७ ५१	१८ २	१८ १३	१८ २४	१८ ३५	१८ ४७	१८ ५८	१९ ९	१९ २०	१९ ३०	१९ ४२	१९ ५३	२० ४	२० १५	२० २६	२० ३८	२० ४९	२१ ०	२१ ११	२१ २२	२१ ३२	२१ ४४	२१ ५५	२२ ६	२२ १७	२२ २८	२२ ३९	२२ ५०	२३ १	२३ १०	३३६
सिंह ४	२३ २४	२३ ३५	२३ ४६	२३ ५६	२४ ८	२४ १९	२४ ३०	२४ ४१	२४ ५२	२५ २	२५ १३	२५ २४	२५ ३४	२५ ४५	२५ ५५	२६ ६	२६ १७	२६ २७	२६ ३८	२६ ४९	२६ ५९	२७ १०	२७ २०	२७ ३१	२७ ४२	२७ ५२	२८ ३	२८ १४	२८ २४	२८ ३५	३३२
कन्या ५	२८ ४६	२८ ५६	२९ ७	२९ १७	२९ २८	२९ ३९	२९ ४९	३० ०	३० ११	३० २२	३० ३३	३० ४३	३० ५३	३१ ४	३१ १४	३१ २५	३१ ३६	३१ ४६	३१ ५७	३२ ८	३२ १८	३२ २९	३२ ३९	३२ ५०	३३ १	३३ १२	३३ २३	३३ ३३	३३ ४४	३३ ५४	३१९
तुला ६	३४ ५	३४ १५	३४ २६	३४ ३६	३४ ४७	३४ ५८	३५ ८	३५ १९	३५ ३०	३५ ४१	३५ ५२	३६ ३	३६ १४	३६ २५	३६ ३६	३६ ४८	३६ ५९	३७ १०	३७ २२	३७ ३३	३७ ४३	३७ ५४	३८ ५	३८ १६	३८ २७	३८ ३८	३८ ४९	३९ ०	३९ ११	३९ २२	३१९
वृश्चि७	३९ ३४	३९ ४४	३९ ५६	४० १०	४० १८	४० २९	४० ४०	४० ५१	४१ २	४१ १३	४१ २५	४१ ३६	४१ ४७	४१ ५८	४२ ९	४२ २१	४२ ३३	४२ ४३	४२ ५४	४३ ४	४३ १७	४३ २९	४३ ४०	४३ ५०	४४ १	४४ १२	४४ २५	४४ ३५	४४ ४६	४४ ५७	३३२
धन ८	४५ ६	४५ १७	४५ २८	४५ ३९	४५ ५०	४६ १	४६ १२	४६ २३	४६ ३४	४६ ४६	४६ ५७	४७ ८	४७ १९	४७ ३०	४७ ४२	४७ ५३	४८ ५	४८ १६	४८ २८	४८ ३९	४८ ५०	४९ १	४९ १२	४९ २३	४९ ३४	४९ ४५	४९ ५६	५० ७	५० १८	५१ ०	३३६
मकर९	५० २३	५० ३३	५० ४४	५० ५४	५१ ४	५१ १४	५१ २५	५१ ३५	५१ ४४	५१ ५२	२ १०	२ १९	२ २८	२ ३७	२ ४६	२ ५५	३ ४	३ १३	३ २१	३ ३१	३ ३८	३ ४८	३ ५७	४ ६	४ १५	४ २३	४ ३२	४ ४१	४ ५०	३०८
कु. १०	५४ ५६	५५ ८	५५ १७	५५ २७	५५ ३४	५५ ४३	५५ ५२	५६ १	५६ ९	५६ १७	५६ २४	५६ ३३	५६ ४१	५६ ४९	५६ ५७	५७ ५	५७ १३	५७ २१	५७ २९	५७ ३७	५७ ४५	५७ ५२	५८ ०	५८ ८	५८ १६	५८ २४	५८ ३२	५८ ४०	५८ ४८	५८ ५६	२६६
मी.११	५९ ४	५९ १२	५९ २०	५९ २९	५९ ३६	५९ ४४	५९ ५०	० ०	० ८	० १६	० २४	० ३२	० ४०	० ४८	० ५६	१ ४	१ १२	१ २०	१ २८	१ ३२	१ ३६	१ ५२	१ ५९	२ ७	२ १५	२ २३	२ ३१	२ ३९	२ ४०	२ ५५	२३९

कलकत्ता लग्न सारिणी—तत्राक्षांशाः २२।२४ पलभा ४।५६ अयनांशाः २३ यह सारिणी २२।३० साड़े बाईस अक्षांश (टेलीयूड) के समीपस्थ सब स्थानों में काम आवेगी। जैसे द्वारका, बड़ौदा, इन्दौर, उज्जैन, वरद्वान, भोपाल, अहमदाबाद, जबलपुर, मांडवी–हरदा

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ल.मा.
मेष ०	२ ५६	३ ३	३ ११	३ १८	३ २६	३ ३४	३ ४१	३ ४९	३ ५८	४ ६	४ १५	४ २४	४ ३२	४ ४१	४ ४९	४ ५८	५ ७	५ १५	५ २४	५ ३३	५ ४१	५ ५०	५ ५८	६ ७	६ १६	६ २४	६ ३२	६ ४२	६ ५०	६ ५९	२२९
वृष १	७ ८	७ १६	७ २५	७ ३३	७ ४२	७ ५१	७ ५९	८ ८	८ १८	८ २८	८ ३८	८ ४९	८ ५९	९ ९	९ १९	९ २९	९ ३९	९ ५०	१० ०	१० १०	१० २०	१० ३०	१० ४०	१० ५१	११ १	११ ११	११ २०	११ ३१	११ ४१	११ ५२	२५९
मि० २	१२ २	१२ १२	१२ २२	१२ ३२	१२ ४२	१२ ५३	१३ ३	१३ १३	१३ २४	१३ ३६	१३ ४७	१३ ५८	१४ ९	१४ २१	१४ ३२	१४ ४३	१४ ५३	१५ ६	१५ १७	१५ २९	१५ ४०	१५ ५१	१६ २	१६ १४	१६ २५	१६ ३६	१६ ४८	१६ ५९	१७ १०	१७ २२	३०५
कर्क ३	१७ ३३	१७ ४४	१७ ५५	१८ ६	१८ १७	१८ २८	१८ ४१	१८ ५२	१९ ३	१९ १५	१९ २६	१९ ३७	१९ ४८	२० ०	२० ११	२० २२	२० ३४	२० ४५	२० ५६	२१ ८	२१ १९	२१ ३०	२१ ४२	२१ ५३	२२ ४	२२ १५	२२ २६	२२ ३८	२२ ४९	२३ १	२३ १३	३३९
सिंह ४	२३ १२	२३ २३	२३ ३४	२३ ४६	२३ ५७	२४ ८	२४ २०	२४ ३१	२४ ४१	२४ ५२	२५ ३	२५ १४	२५ २५	२५ ३६	२५ ४७	२५ ५८	२६ ९	२६ २०	२६ ३१	२६ ४२	२६ ५३	२७ ४	२७ १५	२७ २६	२७ ३७	२७ ४८	२८ ५९	२८ १०	२८ २१	२८ ३२	३३९
कन्या ५	२८ ४३	२८ ५४	२९ ५	२९ १४	२९ २७	२९ ३८	२९ ४९	३० ०	३० ११	३० २२	३० ३३	३० ४४	३० ५५	३१ ५	३१ १६	३१ २६	३१ ३८	३१ ४९	३२ ०	३२ ११	३२ २२	३२ ३३	३२ ४४	३२ ५५	३३ ६	३३ १७	३३ २८	३३ ३९	३४ ०	३४ १	३२९
तुला ६	३४ १२	३४ २३	३४ ३४	३४ ४५	३४ ५५	३५ ७	३५ १९	३५ २९	३५ ४०	३५ ५२	३६ ३	३६ १४	३६ २५	३६ ३७	३६ ४८	३६ ५९	३७ ११	३७ २२	३७ ३३	३७ ४५	३७ ५६	३८ ७	३८ १८	३८ २०	३८ ४१	३८ ५२	३९ ४	३९ १५	३९ २६	३९ ३८	३२९
वृश्चि७	३९ ४९	४० ०	४० ११	४० २३	४० ३४	४० ४५	४० ५७	४१ ८	४१ १९	४१ ३१	४१ ४२	४१ ५३	४२ ४	४२ १६	४२ २७	४२ ३८	४२ ५०	४३ १	४३ १२	४३ २४	४३ ३५	४३ ४६	४३ ५७	४४ ८	४४ २०	४४ ३१	४४ ४३	४४ ५४	४५ ५	४५ १७	३३९
धन ८	४५ २८	४५ ३९	४५ ५०	४६ ४१	४६ १३	४६ २४	४६ ३६	४६ ४७	४६ ५७	४७ ७	४७ १७	४७ २८	४७ ३८	४७ ४९	४७ ५९	४८ ८	४८ १८	४८ २९	४८ ३९	४८ ४९	४८ ५९	४९ ९	४९ १९	४९ ३०	४९ ४०	४९ ५१	५० १	५० १२	५० २३	५० ३३	३३९
मकर९	५० ४१	५१ १	५१ १	५१ २१	५१ ३२	५१ ४२	५२ ०	५२ ०	९ १	९ १८	२ २८	२ ३७	२ ४४	२ ५२	१ १	१ १०	१ १८	२ २७	२ ३६	२ ४४	२ ५३	१ १	१ १०	१ १९	२ २७	२ ३६	२ ४५	२ ५३	२ २	२ १०	३०५
कु. १०	५५ ११	५५ १९	५५ २७	५५ ३६	५५ ४४	५५ ५४	५६ २	५६ ११	५६ १९	५६ २६	५६ ३४	५६ ४२	५६ ४९	५६ ५७	५७ ४	५७ १२	५७ २०	५७ २७	५७ ३५	५७ ४३	५७ ५०	५७ ५७	५८ ५	५८ १३	५८ २१	५८ २८	५८ ३५	५८ ४४	५८ ५१	५८ ५८	२५९
मीन १२	५९ ७	५९ १४	५९ २२	५९ २९	५९ ३७	५९ ४४	५९ ५२	० ०	० ८	० १५	० २३	० ३१	० ३९	० ४६	० ५३	१ १	१ ९	१ १६	१ २४	१ ३२	१ ३९	१ ४७	१ ५४	२ २	२ १०	२ १७	२ २५	२ ३३	२ ४१	२ ४८	२२९

मुम्बई तथा कलकत्ते में लग्न देखना हो तो उसी गांव की लग्नसारिणियों से देखना चाहिये इसी प्रकार जिस गांव के अक्षांश का पता न हो उसके निकटवर्ती गांव की सारिणी से देखना चाहिये। इस सारिणी में राशि के आगे सम्बन्ध रखनेवाले अंक के आगे जो अंक हैं, उनमें से जिसके निकट दिनमान के सूर्य का राशिभोग देखना हो तो उसी दिनके सूर्य का राशिभोग देखना चाहिये फिर सूर्य की राशि से जो राशि लग्न में हो उसके सामने सूर्य के भोग के नीचे जो अंक हैं, उनमें से जिसके निकट दिनमान होगा उसमें से जो भाग बचे उसको दिनमान के घटी पल कर लेना फिर सूर्य के भोग के घटीपल लेना

वार तिथि नक्षत्रेषु—सुयोगकुयोगादिज्ञानायचक्रम् ।

योगाः	ति. न.	रविः	चन्द्र	भौमः	बुधः	गुरुः	शुक्रः	शनिः
सिद्धियोगः	तिथिः	+	+	३–८ १३	२–७ १२	५–१० १५	१–६ ११	४–९ १४
क्रकचयोगः	–	१२	११	१०	९	८	७	६
मृत्युयोगः	–	१–६ ११	२–७ १२	१–६ ११	३–८ १३	४–९ १४	२–७ १२	५–१० १५
दग्धा	–	१२	११	५	३	६	८	९
विषाख्या	–	४	६	७	२	८	९	७
हुताशनाः	–	१२	६	७	८	९	१०	११
ऽमृतसिद्धिः	भानि	हस्त	श्रवण	ऽश्वि	ऽनु	पुष्य	रेवती	रोहि.
सिद्धिः	–	मूल	श्रवण	उभा	कृत्ति.	पुन	पूफा	स्वाती
चरयोगः	नक्षत्र	पूभा	आर्द्रा	विशा.	रोहि.	शत	मघा	मूल
उत्पातः	भानि	विशा	पूषा	धनि	रेवती	रोहि.	पुष्य	उफा
मृत्युः	–	ऽनु	उषा	शतता	ऽश्वि.	मृग	ऽश्ले	हस्त
काणः	–	ज्येष्ठा	ऽभि	पूभा	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा
कालयोगः	–	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठा	ऽभि	पूभा
यमघंटः	–	मघा	विशा	आर्द्रा	मूल	कृत्ति.	रोहि.	हस्त
यमदंष्ट्रा	–	मघा धनि	मूल विशा.	कृति. भरणी	पुन. रेवती	उषा अश्वि	रोहि. अनु.	श्रवण शत
दग्धभानि	–	भरणी	चित्रा	उषा	धनिष्ठा	उफा	ज्येष्ठा	रेवती
सर्वार्थसिद्धिः	–	मू.उ३ ह.ऽश्वि. पुष्य	ऽनुरा. श्र.रो. मृ.पुष्य	उभा ऽश्विकृ ऽश्लेष	ह.कृ. रो.ऽनु मृ.	पुन.पु रे.ऽनु ऽश्वि.	ऽश्वि. रे.ऽनु पुन.श्र	श्र. रो. स्वाती
वारवेला	याम घटी	४ ३।।।	७ ३।।।	२ ३।।।	५ ३।।।	८ ३।।।	३ ३।।।	६ ३।।।
कुलिकः	मुहूर्त	१४	१२	१०	८	६	४	२
कंटकः	–	६	४	२	१४	१२	१०	८
कालवेला	–	८	६	४	२	१४	१२	१०
अर्धयामः	–	७	९	३	९	१५	५	१
यमघंटः	–	१०	८	६	४	२	१४	१२
दुष्टक्षणः	–	७–१४	१३ १४	६ ४	८–९ १०	१५ १६	५–४ ६–९	१ २
विषघटी	–	२०	२	१२	१०	७	५	२५

दग्धभानि—मुसल । संवर्तः—ति ५ रवि. ति. १ बुध. ।

तिथि चक्रम्—

तिथिः	तिथीशाः	नंदादि संज्ञा	निंद्य योगाः	दग्ध लग्ना.	प.रंध्र तिथि.	आवश्य त्याज्य	दग्धा.सूरा वशात्	त्याज्य योगाः
१	अग्नि	नंदा	उषा	तु. म.	–	घटी	–	–
२	ब्रह्मा	भद्रा	ऽनु	–	–	–	ध.मी.	–
३	गौरी	जया	उ० ३	सिं.म.	–	–	–	–
४	गणेश	रिक्ता	+	–	ति. ४	घ. ८	वृ. कु.	–
५	सर्प	पूर्णा	मघा	मि.कं.	–	–	–	ह.रवि
६	स्कंद	नंदा	रोहि.	–	ति. ६	घ. ९	मे. क.	मृ. चं.
७	रवि	भद्रा	ह. मू.	ध. क.	–	–	–	ऽश्विमी
८	शिव	जया	पूभा	–	ति. ८	घ. १४	मि. क	ऽनु.बु
९	दुर्गा	रिक्ता	कृ.	क.सिं.	ति. ९	घ. २५	–	पुष्यगु
१०	कालः	पूर्णा	+	–	–	–	सिं.वृ.	रे. शु.
११	विश्वे	नन्दा	रोहि.	ध.मी.	–	–	–	रो.श.
१२	हरिः	भद्रा	ऽश्ले	–	ति.१२	घ.१०	तु.म.	–
१३	कामः	जया	चि.स्वा	वृ.मी.	–	–	–	–
१४	शिवः	रिक्ता	०	–	ति.१४	घ. ५	–	–
१५	शशिः	पूर्णा	०	–	–	–	–	–
३०	पितरः	+	०	–	–	–	–	–

मासेषु शून्यतिथ्यादयः

मासाः	शून्यतिथयः पक्ष द्वये	कृष्णे पक्षे	शुक्ले पक्षे	शून्य भानि	शून्य राशिः	मन्वादिः तिथिः	युगादिः तिथि
चैत्र	८–९	–	–	ऽश्वि. रो	कुंभ	शु.३–१५	शु. ३त्रेता
वैशा.	१२	–	–	चि. स्वा	मीन	+	–
ज्येष्ठ	–	१४	१३	उषा. पु.	वृष	शु. १५	–
आषा.	–	६	७	पूफा. ध	मिथुन	शु१०.१५	–
श्राव.	२–३	–	–	उषा. श्र	मेष	कृ.३०–८	–
भाद्र.	१–२	–	–	श. रे.	कन्या	शु. ३	कृ१३द्वाप.
आश्वि	१०–११	–	–	पूभा	वृश्चि	शु. ९	–
कार्ति.	–	५	१४	म. कृ.	तुला	शु१२.१५	शु.९कृत
मार्ग.	७–८	–	–	वि.चि	धन	शु. ७	–
पौष.	४–५	–	–	आऽश्वि.ह.	कर्क	शु. ११	–
माघ.	–	५	६	श्र. मू.	मकर	शु. ७	कृ३०कलि
फाल्गु	–	४	३–	भ. ज्ये.	सिंह	शु. १५	–

कार्यविशेषेवर्ज्याः— गृहप्रवेशेयात्रायां विवाहेच यथाक्रमम् । भौमैश्विनींशनौ ब्राह्मं गुरौपुष्यं विवर्जयेत् ॥

दिन का चौघड़िया

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
शु	च	का	उ	अ	रो	ला
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का

रात्रि का चौघड़िया

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श
शु	चं	का	उ	अ	रो	अ
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला

भद्राया मुखपुच्छ घटी ज्ञानम्

४	८	११	१५	३	७	१०	४	आसांतिथीनाम्
प	आ	उ.	ने	ई	द	वा.	पू.	आसुदिग्विदिक्सु
५	२	७	४	८	३	६	१	एषु यामेष्वादौ
५	५	५	५	५	५	५	५	विष्टेर्मुखघ.५कृ. शुभं
८	१	६	३	७	२	५	४	एषुयामेष्वन्त्यम्
३	३	३	३	३	३	३	३	घटीत्रयंपुच्छंशु.शुभं

अथैतेषांकुयोगानांपरिहारः—कुयोगास्तिथिवारोत्थातिथिभोत्थाभवारजाः ॥ हूणवंगखशेष्वेव वर्ज्यास्त्रितयजास्तथा ॥ पंग्वंधकाणलग्नानिमासशून्याश्च राशयः।गौड़ मालवयोस्त्याज्या अन्यदेशे न गर्हिता ॥२॥ मृत्युक्रकचदग्धादीनिन्दौशस्ते शुभांजगुः । केचिद्यामोत्तरं चान्ये यात्रायामेव निंदितान् ॥ यमघंटे त्यजेदष्टौ मृत्यौ द्वादशनाडिकाः अन्येषांतु कुयोगानां मध्याह्नात्परतः शुभम् ॥ वारर्क्षतिथि योगेषु यात्रामेव विवर्जयेत् । विवाहादीनि कुर्वीत गर्गादीनामिदंवचः । कुयोगः सिद्धियोगश्च यदिस्यातावुभावपि । सुयोगोहंति दुर्योगंकार्यसिद्धौ शुभावहः। ध्वांक्षः मुद्गर-वज्र योगों की ५ घटीत्याज्यहैं । काण और मुसल की २ घटी । पद्म.व.लुम्ब.की ४घटी. । धूम्र की १ घटी। शूल और गदकी ७घटी । चरयोगमें ३ घटी । परिघ का पूर्वार्ध गंड अतिगंड की आदिकी ६ घटी व्याघातकी९घटी और मृत्यु-काल-उत्पात तथा राक्षस यह संपूर्णत्याज्यहैं ॥ विरुद्धयोगास्तिथिवारजाता नक्षत्रवारप्रभवाश्चयेच । हूणेषुवंगेषु खशेषुवर्ज्याः शेषेषु देशेषु न ते निषिद्धाः ॥ वधबंधविषाग्न्यस्त्रच्छेदनोच्चाटनादिकं तुरंगमहिषोष्ट्रादिकर्मविष्ट्यांतु सिद्ध्यति नकुर्यान्मंगलं विष्ट्यां जीवितार्थीकदाचन । आवश्यके परिहारः-कुम्भकर्कद्वयेमर्त्ये स्वर्गेऽब्जेऽजात्रयेऽलिगे स्त्रीधनुर्जूक नक्रेऽधो भद्रा तत्रैव तत्फलम् ॥

❀ श्री गणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०४५ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०४५ भौग्यकलिः ४२६९५५ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २००१ शालिवाहनीय शाकः १८६६ अथास्मिन्वर्षे राजा शनिः । मंत्री गुरुः। सस्येशो रविः। धान्येशो भृगुः । मेघेशो बुधः । रसेशश्चन्द्रः । नीरसेशश्शनिः। फलेशोः भौमः । धनेशश्शनिः । दुर्गेशो बुधः। एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १० हेमलम्ब नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत-मासादिः १।१७।४३।३६ भोग्यमासादिः १०।१२।१६।२४ पितृ-दैवतंयुगम् । वर्षनाम माघः । मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकार गृहे (चड़स में) । ।समय विश्वा १० । समय वाहनं महिषः । स्तम्भ १ जलस्य । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी१ । अंगारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानु सप्तमी १ । रविदशमी २ समय मुहूर्ताः ३६०। समय दिनानि ३५५। तिथि क्षयः१२ । तिथि वृद्धिः ७ । उत्पत्ति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ५ । धान्यम् ११. तृणम् १३ । शीतम्१३ तेज१३ ।वायुः७। शनि दृष्टिःपूर्वे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५। विग्रह ऐक्यं २१३ । सत्यं ।।.धर्म१।। पाप १८ । ग्रहणे१ सूर्यस्य भारते।।

सं. २००१ श्रावण कृष्णा ३० यां गुरौ कंकणाकृति सूर्य ग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
रेल्वे टाइम	घं.	८	१०	११
	मि.	३७	१७	५१
देशी टाइम	घ.	८	९	११
	पल.	४	४३	२४

वर्ष लग्नम् ४।१९

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

श्री जगदम्बे ईश्वरी भैरव पूछे तोय ।
विक्रम सम्वत् एक का हाल सुनादे मोय ।।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला संवत्सर का सार ।।
घर घर बजे वधावणा घर घर मंगलाचार ।।

राजा रविनन्दन वर्ष में है यह अपनी चाल चले न्यारी ।
कहिं युद्ध मचे भूकम्प कहीं आपस में क्रोध बढ़ै भारी ।।
सागर में वास रोहिणी का है मालाकार समय वासा ।
वर्षा ऋतु के आरम्भ हुये धरणी पर वर्षा हो खासा ।।
आषाढ मास में वर्षा कर श्रावण में मध्यम वर्षावे ।
भादों में कहीं पर प्रलय रूप कहिं देख देखकर तरसावे ।।
धर्म विरोधी धर्म डुबोवें खोटी चाल चला करके ।
ठग ठग खावें माल जगत में झूठा धर्म बढ़ा करके ।।
इन्द्र पुरोहित मंत्री पद पर जिनकी ईश सहाय करें ।
है आदि सनातन धर्म जिनों का छिन में बेड़ा पार करें ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ०।३

[illegible]।२२ रवत्याशुक्रः २४।४२
[illegible] बुधः ५६।४५

२पं.वै.कृ.१२बृ.इ.५।३५

	र	मं	बु	गु	शु	श	रा	
११	०	२	०	३	११	१	३	[illegible]
	६	१८	२३	२४	१८	२९	९	[illegible]
	५४	५८	२१	३	४४	४२	१७	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३।४६

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षेराजा शनिस्तत्फलम्–शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनाः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमंतिलोकाः क्षुधिताश्चदेशान् ।। मंत्री गुरुस्तत्फलम्–विविध धान्ययुता खलुमेदिनी प्रचुरतोयघना मुदिताभवेत् । नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननुमंत्रिपदंगते ।। सस्येशो रविस्तत्फलम्–सस्याधिनाथे तरणौहिपूर्वं धान्यंसमर्घं बहवोपिचौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पंच सस्यं बहुभूराश्च ।। धान्येशो शुक्रस्तत्फलम्–भृगोपश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरंगवामपि ।। मेघेशो [illegible]फलम्–अमृतरश्मिसुतेयदिवारिपे बहुजलं तुषधान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक मानसाः [illegible] धरणीतदा ।। रसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्–यदि विधौ रसपे सुवि मानवो नवनवां बुभुजे युवतीं प्रियाम् । जलधरा बहुवारि विधायकाः रसवती धन धान्यवती मही ।। नीरसेशः शनिस्तत्फलम्–त्रपुपिंडादि लोहानां कृष्णवस्त्रादि वस्तूनाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके ।। फलेशो भौमस्तत्फलम्–फलपतिर्यदि भूतनयोभवेत् सुबहुपुष्पफलान्वितमेदिनी । गतभया नृपदेशजनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ।। धनेशः शनिस्तत्फलम्–द्रविणपे रविजे विरलंधनं गदरता धरणीपतयस्तदा । अधनिकावणिजः कृषिजीविनो द्विजवरापरिपीडित मानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्–विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राशि गतै तु विशेषतः । शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुतां न भयं क्वचित् ।। वर्षनाम माघस्तत्फलम्–सुभीक्षं पूर्वयाम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे रौरवं माघे वर्षे धान्यमहर्घता ।। हेमलम्ब संवत्सरस्तत्फलम्–आकुला हेमलम्बेषु मध्यसस्यार्घवृष्टिभिः । प्रयातिभूपतिक्षोभंबहुविद्युल्लतादिभिः ।। मेघनाम आवर्तस्तत्फलम्–आवर्ते छिन्न वृष्टिश्च । रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्–समुद्रे तु महावृष्टिः । समयनिवासो मालाकारगृहे तत्फलम्–मालिनः प्रचुरावृष्टिः ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २००१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

बैसाख मासः

शुक्ला ११ गुरौ उफा. ल. ऽन्यगो. रे. ७ ऽशा।।।।।।
,, ११ गुरौ हस्ते ल. १२ चं. पू. सत्. रे.८ऽसू.ऽ।।।।।।
,, १२ शुक्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. रे. ८ ऽसू.ऽ।।।।।।
,, १३ शनौ स्वात्यां ल. ११ (घ. ५२।३९ उ.) रे. ८ ।।।ऽबु.शु.।।ऽ।।

ज्येष्ठ मासः

शुक्ला १० बुधे उभा. ल. ११-१ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
,, १० गुरौ रेव. ११-१ रे. ८ ।।।।।ऽनु.।ऽ।।

पौष मासः

[illegible] रे. ७ ऽचं ऽ।।।।ऽ।।।
[illegible] ७ रे. ७ ।।ऽवृ.।।।ऽऽ२२।।
[illegible] ६ रे. ७ ऽरा।।।।।ऽ२५।।

[illegible] मासः

[illegible] रे. ८ ।।।।।ऽबृऽ।।।
[illegible]गो. रे. ८ ।।।।वृ।ऽ।।
,, ६ शुक्रे रेव. ल. ८ रे. ७ ।।।ऽवृ.।ऽचौ.।ऽ।।
,, ७ शनौ रेव. ल.ऽन्यगो. रे. ७ ।।।ऽवृ।ऽचौ।ऽ।।
,, ११ बुधे मृगे ल. गो. रे. ७ ।।।।।ऽ।।ऽऽ

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ बुधे उफा. ल. गो. ८ रे. ८ ।।ऽवृ।।।।ऽ।।
,, ७ रवौ स्वा. ल. ऽन्यगो. ८ रे. ६ ऽबुरा।।।।ऽ।।
,, ७ रवौ स्वा. ल. ऽन्यगो. ८ रे. ६ ऽबु.रा ।।ऽनृ.ऽऽ।।।
शुक्ला ३ गुरौ उ. भा. ल. ८ रे. ७ ।।।।ऽवृऽअग्नि।।।ऽ

प्रथम चैत्र मासः

कृष्णा २ बुधे उफा. ल. गो. रे. ९ ।।ऽवृ।।।।।।
,, २ गुरौ हस्ते ल. गो. रे. ६ ऽशा।।रोऽ।।

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२७७ सन् १९४४
१	श	२१	१३	रे	४७	५९	ब्र	१३	२२	ब	२१	१३	३०/२२	५/५६	६/४	२५	१२	२९	मे.४७।५९	चन्द्रद. संवत्सरारम्भः नवरा. घटस्था.
२	र	१६	२६	अ	४५	३९	ऐं	६	३७	कौ	१६	२६	२६	५५	५	२६	१३	१	मेषे	रविलाखर मु० ४ मत्स्य ज. सिंजारा
३	चं	१२	३८	भ	४३	१७	वै	५९/०	५४/१३	ग	१२	३८	३०	५४	६	२७	१४	२	वृ.५८।१६	भ. ४१।१० उ. पूभायां शुक्रः ४०।५६*
४	मं	९	४३	कृ	४३	१२	प्री	५०	५०	वि	९	४३	३४	५३	७	२८	१५	३	बृषे	भ. ९।४३या. *आर्द्रायांभौमः३२।२०=
५	बु	७	५४	रो	४३	५५	आ	४७	२१	बा	७	५४	३८	५२	८	२९	१६	४	वृषे	कल्पादिः =गणगौरी मन्वादिः
६	गु	७	१८	मृ	४५	५३	सौ	४४	४७	तै	७	१८	४२	५२	८	३०	१७	५	मि१४।५४	रेवत्यां रविः २५/५१ मेषेऽश्विन्यां च बुधः ४२/२९×
७	शु	७	५९	आ	४९	३	शो	४३	१८	व	७	५९	४७	५१	९	३१	१८	६	मिथुने	भ.५९/७ उ. ३९/४या. ×पश्चिमोदयीबुधः ३८/१२
८	श	१०	९	पु	५३	२०	अ	४२	४४	ब	१०	९	५१	५०	१०	१	१९	७	क.३७।१६	अप्रेल मा.४ ता.३० राम९ भवान्युत्पत्तिः
९	र	१३	२९	पु	५८	३२	सु	४२	५९	कौ	१३	२०	५६	४९	११	२	२०	८	कर्के	रामनवमी वै.
१०	चं	१७	४३	श्ले	६०	०	धृ	४३	५१	ग	१७	४३	३१/००	४८	१२	३	२१	९	कर्के	भ. ५०।५ उ.
११	मं	२२	२८	श्ले	४	४१	शू	४५	२८	वि	२२	२८	४	४७	१३	४	२२	१०	सिं४।४१	भ. २२/२८ या. मीनेशुक्रः४९।९ लक्ष्मीकांत+
१२	बु	२७	३७	म	११	२	गं	४६	२१	बा	२७	३७	८	४६	१४	५	२३	११	सिंहे	हरिदमनोत्सवः +दोलोत्सवः कामदा११ब्र.
१३	गु	३२	२६	पू	१७	३२	वृ	४७	५२	कौ	०	१	११	४६	१४	६	२४	१२	कं.३४।४	पुष्ये २ राहुः उषायां ४ केतुः ३४।५२
१४	शु	३७	१७	उ	२३	४०	ध्रु	४८	४६	ग	४	५१	१५	४५	१५	७	२५	१३	कन्यायां	भ.३७/१७उ.भरण्यांबुधः ३६/१६उभायांशुक्रः ३१/३२
१५	श	४१	६	ह	२९	५	व्या	४९	१	वि	९	११	१८	४४	१६	८	२६	१४	कन्यायां	भ.१९/११या. हनुमज्जयंती वै.स्ना.प्रा. मन्वा.

५१पं.चै.शु.४ मं.इ.४४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	३	१०	१	३	११
१४	७	२६	२४	२१	२७	१०	१४
५९	२२	४	२२	१८	५८	२८	५८
५५	३४	४८	१	१८	५९	६	५०
५९	३५	[illegible]	३/३८	७३	३	३	५९
१८	२१	[illegible]	ब	४८	४१	११	१७

गोचरग्रहाः

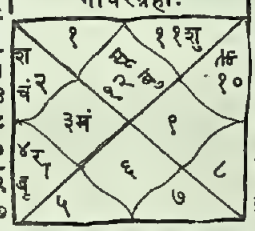

इस मास का फल साधारण है, प्रजा में सुख शांति, रुई अलसी मूंग मोंठ बाजरा गेहूँ विनौला तेज होगा।

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.शु.११मं.इ. ४४।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	०	३	१०	१	३	११
२१	१०	८	२४	२९	२८	१०	२१
५४	५४	५३	५	५४	२८	५	४९
९	३६	२४	५६	४७	१६	५०	५
५९	३६	९३	१/१४	७३	४	३	५९
४	१३	२४	ब	५४	२१	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	४३	४७	चि	३३	२६	ह	४८	२२	बा	१२	२६	३१/२२	५/४४	६/१६	९	२७	१५	तु.१।१५	
२	चं	४५	२०	स्वा	३६	३६	व	४६	३८	तै	१४	३३	२५	४३	१७	१०	२८	१६	तुलायां	
३	मं	४५	३३	वि	३८	१३	सि	४४	११	व	१५	२६	२९	४२	१८	११	२९	१७	वृ.२२।४९	भ.१५।२६ उ.४५।३३या. मार्गीगुरुः १६/५
४	बु	४४	३१	अ	३९	१९	व्य	४०	३५	ब	१५	२	३२	४२	१८	१२	३०	१८	वृश्चिके	चतुर्थी ब्रतम्
५	गु	४२	९	ज्ये	३८	४७	व	३६	३	कौ	१३	२०	३६	४१	१९	१३	१	१९	ध.३८।४७	मेषेऽर्कः ०।२२
६	शु	३८	४९	मू	३७	११	प	३०	५०	ग	१०	२९	४०	४०	२०	१४	२	२०	धनुषि	भ. ३८।४९ उ.
७	श	३४	३८	पू	३४	५३	शि	२४	२७	वि	६	४३	४४	३९	२१	१५	३	२१	म.४९।५	भ. ६।४३ या.
८	र	२९	३५	उ	३१	४३	सि	१८	१०	बा	२	६	४८	३८	२२	१६	४	२२	मकरे	
९	चं	२३	५९	श्र	२८	३	सा	११	५	ग	२३	५९	५२	३८	२२	१७	५	२३	कुं.५६।४	भ. ५१।१ उ.
१०	मं	१८	४	ध	२४	५	शु	३/३८	५२/३९	वि	१८	४	५६	३७	२३	१८	६	२४	कुंभे	भ. १८।४ या. शुक्लयोगक्षयः ५२।३९+
११	बु	१२	३	श	१९	५९	ब्र	४८	११	बा	१२	३	३२/०	३६	२४	१९	७	२५	कुंभे	वरूथिनी ११ ब्रतम्
१२	गु	६	३	पू	१५	५७	ऐं	४०	४३	तै	६	३	४	३५	२५	२०	८	२६	मी१।५७	प्रदोषः
१३	शु	०	२१	उ	१२	९	वै	३५	१५	ब	०	२१	८	३४	२६	२१	९	२७	मीने	भ. ०।२१ उ. ३७/३८ या. पुनर्व. भौमः ५३/५७
१४	शु	५४	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+वक्रीबुधः ५।२२ रेवत्यांशुक्रः २४।४२
३०	श	५०	१२	रे	८	५८	वि	२६	४२	च	२२	३३	११	३४	२६	२२	१०	२८	मे.८।५८	पश्चिमास्तो बुधः ५६।४५

१पं. वै.कृ.५बृ.इ.५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	११	१	३	०
०	१५	१९	२३	१०	२९	९	०
४	१४	२९	५८	८	३	३९	०
४९	५३	५३	४८	४६	२९	२१	०
५८	३३	३४	०/२६	७४	४	३	५८
४५	१०	५७	मा	०	५४	११	४४

गोचरग्रहाः

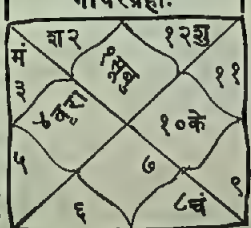

वैशाख कृ. ५ गुरौ मेषेऽर्क. प्र. वा.४ न.४ गताल्कावस्था (ऊभी) मु.१५धान्यभाव तेज शुक्रोदयंपूर्वे वत्सः उत्तरे।

गोचरग्रहाः

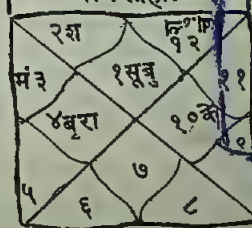

२पं.वै.कृ.१२बृ.इ.५।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	११	१	३	०
६	१८	२३	२४	१८	२९	९	[illegible]
५४	५८	२१	३	४४	४२	१७	[illegible]
५९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	११	[illegible]	३८
५८	३३	१४/१	१	७४	५	३	५८
२९	५०	ब	३६	६	२४	११	३१

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३०६ सन् १९४४
१	र	४६	१८	अ	६	१४	प्री	२१	३	किं	१८	१५	३२/१५	५/३३	६/२७	२३	११	२९	मेषे	मिथुने शनिः २३।३३
२	चं	४३	१९	भ	४	१८	आ	१५	०	बा	१४	४८	१८	३२	२८	२४	१२	३०	वृ. १९।७	चन्द्रदर्शनम् *३ ज्ञ. मं.
३	मं	४१	२३	कृ	३	३६	सौ	१०	३२	तै	१२	४१	२२	३२	२८	२५	१३	१	बृषे	जमादिलावल मु. ५ कल्पादिः परशुराम=
४	बु	४०	४१	रो	३	४९	शो	६	४२	व	११	२	२५	३१	२९	२६	१४	२	मि ३४।४२	भ. ११।२ उ. ४०/४१ या. भरण्यां रविः ४१।४६×
५	गु	४१	२४	मृ	५	३६	अ	४	१	ब	११	२	२९	३०	३०	२७	१५	३	मिथुने	×अगस्त्यास्तः ४६।५०
६	शु	४३	१५	आ	८	६	सु	२	१८	कौ	१२	१९	३२	३०	३०	२८	१६	४	क. ५६।१७	
७	श	४६	३७	पु	१२	२१	धृ	१	३८	ग	१४	५६	३६	२९	३१	२९	१७	५	कर्के	भ. ४६।३७ उ. मेषेऽश्विन्यां च शुक्रः १५।६
८	र	५०	४७	पु	१७	२५	शू	१	४३	वि	१८	४२	३९	२८	३२	३०	१८	६	कर्के	भ. १८।४२ या. ऽजयंती युगादिः
९	चं	५५	२९	श्ले	२३	१७	गं	२	४१	बा	२३	८	४३	२७	३३	१	१९	७	सिं २३।१७	मई मा. ५ ता. ३१ पातस्प. २४/२ पातमो ४४/२
१०	मं	६०	०	म	२९	४३	वृ	३	५९	तै	२७	५९	४७	२७	३३	२	२०	८	सिंहे	+हस्ते ल. १२ रे. ८ ऽसूऽ।।।।।।।। चं.पू.
१०	बु	०	३०	पू	३६	१६	ध्रु	५	२०	ग	०	३०	५०	२६	३४	३	२१	९	कं. ५२।५१	भ. ३२/५८ उ. ! रे. ७ऽश।।।।ऽअग्निऽ।।।+
११	गु	५	५६	उ	४२	३६	व्या	६	४८	वि	५	५६	५४	२५	३५	४	२२	१०	कन्यायां	भ. ५।२६ या. मोहिनी ११ ब्र. उफाल. ऽन्यगो!
१२	शु	९	५६	ह	४७	५९	ह	७	४९	बा	९	५६	५८	२४	३६	५	२३	११	कन्यायां	प्रदोषः हस्ते ल. ऽन्यगो. रे. ८ऽसूऽ।।।।।।।।
१३	श	१३	४६	चि	५२	३९	व	८	२४	तै	१३	४६	३३/१	२४	३६	६	२४	१२	तु. २०।१९	नृसिंहजयंती स्वात्यां ल. ११ घ. ५२/३९ उ. रे.*
१४	र	१६	२६	स्वा	५६	११	सि	८	३	ब	१६	२६	४	२३	३७	७	२५	१३	तुलायां	भ. १६/२६ उ. ४७/४८ या. *८।।।।बु.शु.।।ऽ।।
१५	चं	१८	१०	वि	५८	२६	व्य	६	४१	व	१८	१०	७	२३	३७	८	२६	१४	बृ. ४३।२	कूर्मजयंती वै स्ना. पू. जलकुंभदानं अन्नदानं

३पं. वै.शु. बृ.इ.५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	११	२	३	०
१३	२३	२२	२४	२७	०	८	१३
४३	०	१६	१६	२०	२३	५४	३९
२२	३२	५	४४	१८	४६	५०	४०
५८	३४	३७/३९	३	७४	५	३	५८
१२	२८	ब	४	१२	४८	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मास का फल सामान्य है प्रजा में सुख शान्ति बालकों को पीड़ा पशुओं को कष्ट धान्य रुई गुड़ खांड़ तेज होगा।

गोचरग्रहाः

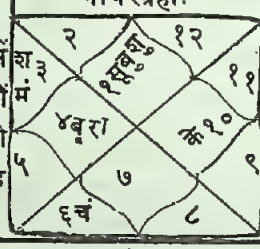

४पं. वै.शु. ११ बृ.इ. ६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	५	२	३	०
२०	२६	१८	२४	५	१	८	२०
३०	३९	१४	३९	५५	८	३२	२७
०	१८	२४	४	४८	३५	३५	२२
५७	३४	३५/५८	४	७४	६	३	५८
५७	५४	ब	१२	१८	१२	११	६

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१८	४	अ	५९	२२	व	४	२३	कौ	१८	४	३३/१०	५/२२	६/३८	९	२७	१५	बृश्चिके	
२	बु	१६	५५	ज्ये	५९	१९	प	१/१६	५५/४०	ग	१६	५५	१३	२१	३९	१०	२८	१६	ध. ५९।१९	भ. ४५/४५ उ. कृतिकायां रविः २६/४६ शिवयोग*
३	गु	१४	३४	मू	५७	५२	सि	५१	५१	वि	१४	३४	१६	२१	३९	११	२९	१७	धनुषि	भ. १४।३४ या. चतुर्थी ब्र.
४	शु	११	२१	पू	५५	३७	सा	४६	१	बा	११	२१	१९	२०	४०	१२	३०	१८	धनुषि	*क्षयः ५५/४० भरण्यां शुक्रः ८/३१ वक्रीभौमः ८/३०
५	श	६	२०	उ	५२	४१	शु	३९	३८	तै	६	२०	२२	२०	४०	१३	३१	१९	म. ९।५३	वृषेऽर्कः ५०।२८
६	र	१	४३	श्र	४९	६	शु	३२	३४	व	१	४३	२५	१९	४१	१४	१	२०	मकरे	भ. १।४३ उ. २८।५३ या.
७	र	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
८	चं	५०	७	ध	४५	१४	ब्र	२५	२७	बा	२३	४	२८	१८	४२	१५	२	२१	कुं. १७।१०	
९	मं	४४	३	श	४१	०	ऐं	१७	४१	तै	१७	५	३१	१८	४२	१६	३	२२	कुम्भे	पुष्ये भौमः ४।५१
१०	बु	३८	१	पू	३६	५५	वै	१०	४	व	११	२	३४	१७	४३	१७	४	२३	मी २२।५६	भ. ११।२ उ. ३८।१ या. उभा. ल. ११-१+
११	गु	३१	५६	उ	३३	६	वि	२/४४	५३/४३	ब	४	५९	३६	१७	४३	१८	५	२४	मीने	प्रीतयोगक्षयः ५३/४३ मार्गी बुधः ५४/१६ अपरा×
१२	शु	२६	४३	रे	२९	३९	आ	४८	३७	तै	२६	४३	३९	१६	४४	१९	६	२५	मे. २९।३९	प्रदोषः +रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
१३	श	२१	५५	अ	२६	३८	सौ	४२	१७	ब	२१	५५	४१	१६	४४	२०	७	२६	मेषे	भ. २१/५५ उ. ४९/५४ या. कृत्तिकायां शुक्रः ५८/५
१४	र	१७	५४	भ	२४	४६	शो	३६	४४	श	१७	५४	४४	१५	४५	२१	८	२७	बृ. ३९।४४	×११ ब्र. रेव. ल. ११-१ रे. ८।।।।।ऽनृ.।ऽ।।
३०	चं	१४	४९	कृ	२४	३९	अ	३२	०	ना	१४	४९	४६	१५	४५	२२	९	२८	बृषे	मृगे ४ शनिः ४४/१२ भावुका ३० वटपूजनम्

५पं. ज्ये. कृ. ३ बृ. इ. ६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
[illegible]	३	०	३	०	२	३	०
[illegible]	०	१४	२५	१४	१	८	२७
[illegible]	३४	४३	९	३१	५५	१०	१३
१४	१	३४	[illegible]	[illegible]	४१	[illegible]	[illegible]
५७	३५	३३/३५	५	७४	६	३	५७
४५	२५	ब	२१	२४	२४	११	५४

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृष्णा ५ शनौ वृषेऽर्कं प्र.वा. ३न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

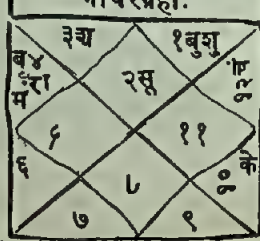

६पं. ज्ये. कृ. ११ बृ. इ. ६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	३	०	२	३	१
३	४	१४	२५	२३	२	७	३
५८	३२	१	४७	७	४५	४८	५८
५१	२४	१८	४६	८	०	४	२६
५७	३५	२३/२९	६	७४	६	३	५७
३४	४४	ब	२७	२४	३७	११	४४

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३३६ स.१९४४
१	मं	१२	४९	रो	२५	५०	सु	२८	१३	ब	१२	४९	३३/४८	५/१४	६/४६	२३	१०	२९	मि५६।१६	चन्द्रदर्शनम् वृषेशुक्रः ४३।२०
२	बु	१२	१७	मृ	२६	४२	धृ	२५	११	कौ	१२	१७	५०	१४	४६	२४	११	१	मिथुने	रोहिण्यांरविः२३।३७ जमादिलाखरमु.६
३	गु	१२	३८	आ	२८	३४	शू	२३	२२	ग	१२	३८	५२	१४	४६	२५	१२	२	मिथुने	भ. ४३।३३ उ. पूर्वोदयी बुधः २७।३४
४	शु	१४	२८	पु	३१	१४	गं	२१	३९	वि	१४	२८	५४	१३	४७	२६	१३	३	क.१५।३४	भ. १४।२८ या. पूर्वास्तो भृगुः ५६।२४*
५	श	१७	३२	पु	३६	२०	वृ	२२	३८	बा	१७	३२	५६	१३	४७	२७	१४	४	कर्के	*सार्पे ४ गुरुः ६।५५ पू. अ. शु.
६	र	२१	३७	श्ले	४१	५५	ध्रु	२३	२४	तै	२१	३६	५८	१३	४७	२८	१५	५	सिं४१।५५	
७	चं	२६	२१	म	४८	१९	व्या	२४	३८	व	२६	२१	३४	१२	४८	२९	१६	६	सिंहे	भ. २६।२१ उ. ५८।४३ या.
८	मं	३१	६	पू	५४	४१	ह	२६	१६	ब	३१	६	२	१२	४८	३०	१७	७	सिंहे	
९	बु	३५	५७	उ	६०	०	व	२७	३७	बा	८	३१	४	११	४९	३१	१८	८	कं ११।१८	रोहिण्यां शुक्रः ५१।३२ ×वटसावित्री
१०	गु	४०	२६	उ	१	९	सि	२८	५४	तै	३	१२	६	११	४९	१	१९	९	कन्यायां	जून मा. ६ ता. ३० गंगादशहरा
११	शु	४४	१२	ह	६	४८	व्य	२९	२७	व	१२	१९	८	१०	५०	२	२०	१०	तु.३९।८	भ.१२।१९ उ.४४।१२या. निर्जला११ब्र.
१२	श	४६	५०	चि	११	२८	व	२९	२३	ब	१५	३१	९	१०	५०	३	२१	११	तुलायां	अस्तं शनिः ३७।४४
१३	र	४८	१६	स्वा	१५	२१	प	२८	१८	कौ	१७	३३	११	१०	५०	४	२२	१२	तुलायां	वटसावित्री व्रतारम्भः प्रदोषः
१४	चं	४८	२७	वि	१७	५८	शि	२६	१८	ग	१८	२२	१३	९	५१	५	२३	१३	वृ.२।१९	भ. ४८।२७ उ. कृतिकायां बुधः २८।७
१५	मं	४७	१८	अ	१९	९	सि	२३	१६	वि	१७	५२	१४	९	५१	६	२४	१४	वृश्चिके	भ.१७/५२या. वृषेबुधः ३६/४मन्वादिः गुर्जराणां×

७पं.ज्ये.शु.३बृ.इ.७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	३	१	२	३	१
१०	८	१६	२६	१	३	७	१०
४१	३२	४७	३२	४३	३६	२५	४२
२	२०	४६	३१	२६	२२	४८	१८
५७	३६	१९/१९	७	७४	६	३	५७
२३	११	मा	२६	२४	५४	११	३५

गोचरग्रहाः

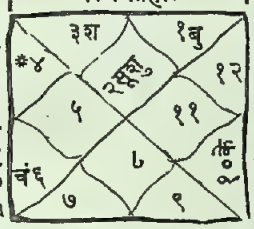

इस मास का फल अशुभ है धूप तेज हैजे का प्रकोप कहीं कुछ वर्षा होगी, रुई सीसा सोना सुपारी सोंठ, राई तेज।

गोचरग्रहाः

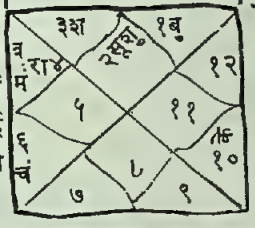

८पं.ज्ये.शु.१०वृ.इ.६।३६

र	गु	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	३	१	२	३	१
१७	१२	२२	२७	१०	४	७	१७
२२	३४	५०	२४	१८	२८	३	२५
८	५९	५३	३२	४३	५२	३३	५
५७	३६	५२	८	७४	७	३	५७
१३	२९	३४	२९	३०	६	११	२७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४४	५६	ज्ये	१९	२६	सा	१९	१४	वा	१६	७	३४/१५	५/९	६/५१	७	२५	१५	व.१९।२६	मृगे रविः २२।२६
२	गु	४१	३१	मू	१८	१४	शु	१४	३१	तै	१३	१३	१६	९	५१	८	२६	१६	धनुषि	सार्पे भौमः५।४२ पुष्ये१ राहुः उषायां३+
३	शु	३७	१३	पू	१६	१५	शु	८	३९	व	९	२२	१७	९	५१	९	२७	१७	म.३०।३०	भ. ९।२२ उ. ३७।१३ या. चतुर्थी ब्र.
४	श	३२	५	उ	१३	१४	ब्र	२/१०	५३/१८	ब	४	३९	१८	८	५२	१०	२८	१८	मकरे	ऐन्द्रयोग क्षयः ५३।६८ +केतुः३१।७
५	र	२६	२४	श्र	९	५०	वै	४८	१८	तै	२६	२४	१९	८	५२	११	२९	१९	कुं.३७।५९	मृगे शुक्रः ४४।४१
६	चं	२०	२६	ध	६	८	वि	४०	४४	व	२०	२६	२०	८	५२	१२	३०	२०	कुम्भे	भ. २०।२६ उ. ४७।२३ या.
७	मं	१४	२१	श	१/५६	५६/३३	प्री	३३	३९	ब	१४	२१	२१	८	५२	१३	३१	२१	मी४४।२१	पूर्वाभाद्रपदाक्षयः ५६/३३ रोहिण्यांबुधः १५/५८
८	बु	८	१३	उ	५४	४	आ	२६	४	कौ	८	१३	२१	८	५२	१४	३२	२२	मीने	मिथुनेऽर्कः २३।१४
९	गु	२	२०	रे	५०	५३	सौ	१८	३३	ग	२	२०	२२	८	५२	१५	१	२३	मे.५०।५३	भ. २९।३२ उ. ५६।४४ या.
१०	गु	५४	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	शु	५१	४९	अ	४७	२०	शो	११	२९	ब	२४	१६	२२	८	५२	१६	२	२४	मेषे	योगिनी ११ ब्र. ×योगिनी ११ ब्र.वै.
१२	श	४७	४३	भ	४५	१९	अ	५/२	५४/२६	कौ	१९	४६	२२	८	५२	१७	३	२५	मेषे	सुकर्माक्षयः ५४।२६ मिथुनेशुक्रः ६।५०×
१३	र	४४	३०	कृ	४४	९	धृ	५४	४५	ग	१६	७	२३	७	५३	१८	४	२६	वृ. ०।१	भ.४४/३०उ.मघायां१ सिंहेचगुरुः ५६/३६आर्द्रायां=
१४	चं	४२	२२	रो	४३	३६	शू	५०	४०	वि	१३	२६	२३	७	५३	१९	५	२७	वृषे	भ.१३।२६ या. =१ शनिः १८/५५ प्रदोषः
३०	मं	४१	२७	मृ	४४	३०	गं	४७	२५	च	११	५४	२३	७	५३	२०	६	२८	मि१४।३	मृगे बुधः ३८।७ पूर्वास्तो बुधः १५।३१

९पं.आ.कृ.२बृ.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	३	१	२	३	१
२४	१६	१	२८	१८	५	६	२४
२	४०	४२	२२	५४	२२	४१	७
३	३४	७	२६	४०	१६	१८	८
५७	३६	६७	९	७४	७	३	५७
५	५६	४०	१७	३०	१२	११	२२

गोचरग्रहाः

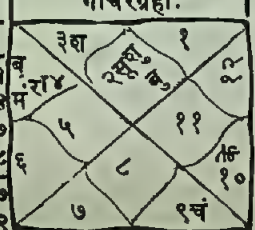

आ. कृ. ८ बुधे मिथुनेऽर्कः प्र वा. ५न.५ युवावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रास्तः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

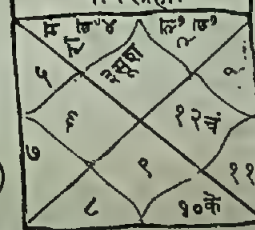

१०पं.आ.कृ.९ बृ.इ.६।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	३	१	२	३	२
०	२०	१२	२९	२७	६	६	०
४१	४७	५४	२५	३०	१६	१९	४८
[illegible]	[illegible]	[illegible]	४१	४३	४१	२	२५
५६	३७	९४	९	७४	७	३	५७
५७	७	३९	५६	३०	१८	११	१७

*मंबूरा

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६	दि. उ. अ.	इ. हि. मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविर्दक्षिणेऽर्हगणः ३३६५ स.१९४
१	बु ४१ ५७ आ ४६ ४९ वृ ४५ ३१ किं ११ ४२ ३४ ५ ५३ ६	२१ ७ २९	मिथुने	आर्द्रायांरविः २४।४६दक्षिणायनप्रवृत्तिः ३३
२	गु ४३ २६ पु ५० १९ धु ४४ २५ बा १२ ४२ २४ ७ ५३	२२ ८ ३०	क.३४।२७	चन्द्रद. आर्द्रायांशुक्रः ३३।५ रथयात्रा
३	शु ४६ ३१ पु ५४ ५७ व्या ४४ २२ तै १४ ५८ २४ ७ ५३	२३ ९ १	कर्के	मिथुने बुधः ५९।५८ रज्जव मु. ७
४	श ५० २७ श्ले ६० ० ह ४५ ५ व १८ २९ २३ ७ ५३	२४ १० २	कर्के	भ.१८।२९ उ.५०।२७ या. वर्षायोगः
५	र ५५ ३ श्ले ० ३४ व ४६ १७ ब २२ ४५ २३ ७ ५३	२५ ११ ३	सिं०।३४	वर्षा
६	चं ५९ ४७ म ६ ४६ सि ४७ ५१ कौ २७ २५ २३ ७ ५३	२६ १२ ४	सिंहे	आर्द्रायां बुधः ५८।२५
७	मं ६० ० पू १३ ४ व्य ४९ २४ ग ३७ १७ २२ ७ ५३	२७ १३ ५	कं.२९।४१	
७	बु ४ ४७ उ १९ ३२ व ५० ३९ व ४ ४७ २२ ८ ५२	२८ १४ ६	कन्यायां	भ. ४।४७ उ. ३१।१ या.
८	गु ९ १६ ह २५ १३ प ५१ २० ब ९ १६ २१ ८ ५२	२९ १५ ७	तु.५७।४७	
९	शु १३ ३ चि ३० २१ शि ५१ ३५ कौ १३ ३ २० ८ ५२	३० १६ ८	तुलायां	मघायां सिंहे च भौमः २८।३०
१०	श १५ ४६ स्वा ३४ ४३ सि ५० ३९ ग १५ ४६ १९ ८ ५२	१ १७ ९	तुलायाँ	भ.४६ उ. जुलाई मा. ७ ता. ३१ मन्वा.
११	र १७ १३ वि ३७ १९ सा ४८ ५१ वि १७ १३ १८ ८ ५२	२ १८ १०	वृ.२१।४०	भ.१७ या.पुनर्व.बुधः ५७ देवशयनी ११ब्र.
१२	चं १७ ३३ अ ३८ ५४ शु ४६ ४ बा १७ ३३ १७ ८ ५२	३ १९ ११	वृश्चिके	पुनर्वसु शुक्रः ३५ प्रदोषः हरिवा.नास्ति
१३	मं १६ २७ ज्ये ३९ २० शु ४२ १६ तै १६ २७ १६ ९ ५१	४ २० १२	व.३९।२०	
१४	बु १४ ६ मू ३८ ५२ ब्र ३७ ३१ व १४ ६ १६ ९ ५१	५ २१ १३	धनुषि	भ.१४।६ उ.४२।४५या. पुनर्वसौ रविः ३८
१५	गु १० ४४ पू ३७ १७ ऐं ३१ ५६ ब १० ४४ १४ ९ ५१	६ २२ १४	म.५१।२४	व्यास पूजा वायु परीक्षा

११पं.आ.शु.२बृ.इ.६।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	४	२	२	३	२
७	२४	२६	०	६	७	५	७
१९	५७	१५	३३	७	११	५६	२९
३९	२५	१४	४३	१	२०	४७	१३
५६	३७	५९	१०	७४	७	३	५७
५४	२६	५४	२९	३६	१८	११	१३

१२पं.आ.कृ.८बृ.इ.६।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	४	२	२	३	२
१३	२९	११	१	१४	८	५	१४
५७	८	१३	४६	४३	५	३४	९
४२	२०	४१	१६	२६	५६	३२	४३
५६	३७	५८	११	७४	७	३	५७
५०	४८	१३	१४	३६	१८	११	७

१३पं.आ.शु.१५बृ.इ.६।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	२	२	३	२
२०	३	२६	३	२३	९	५	२०
३५	२२	२४	२	१९	०	१२	५०
२८	८	७	४२	५२	७	१६	७
५६	३८	५८	११	७४	७	३	५७
५०	३०	११	५१	३६	१२	११	७

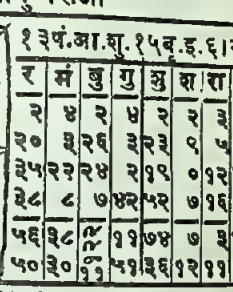

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६	दि. उ. अ.	इ. हि. मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविर्दक्षिणे आ.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ६ २७ उ ३३ ४४ वै २५ ४० कौ ६ २७ ३३ ५ ५६	७ २३ १५	मकरे	कर्के बुधः ५३ मघायां २ गुरुः ३१ वर्षा
२	श १ ११ श्र ३० ३३ वि १८ ५४ ग १ ११ १२ १० ५०	८ २४ १६	कु.५८।३६	भ. २८।२६ उ. ५५।४२ या. वर्षा
३	श ५४ ३१ ० ० ० ० ० १ ० ० ० ० ० ०	०		क्षयः
४	र ४९ ४८ ध २६ ४० प्री ११ ५५ ब २२ ४५ ११ १० ५०	९ २५ १७	कुम्भे	पुष्ये बुधः ३०।३६ चतुर्थी ब्र.
५	चं ४३ ३६ श २२ ३६ आ ३ ५३ कौ १६ ४२ ९ १० ५०	१० २६ १८	कुंभे	सौभाग्य योगक्षयः ५३ उदयं शनेः १६×
६	मं ३७ २७ पू १८ २९ शो ४९ ७ ग १० ३१ ८ १० ५०	११ २७ १९	मी४।३१	भ. ३७।२७ उ. कर्के शुक्रः ३२।५
७	बु ३१ ३१ उ १४ २० अ ४१ ४२ वि ४ ३१ ६ ११ ४९	१२ २८ २०	मीने	भ.४।३१ या. पश्चिमोदयी बुधः ५६।३०
८	गु २५ ५१ रे १० ३७ सु ३४ ४३ कौ २५ ५१ ४ ११ ४९	१३ २९ २१	मे.१०।३७	×नाग ५ मरुस्थले
९	शु २० ५३ अ ७ ३७ धृ २८ १० ग २० ५३ २ १२ ४८	१४ ३० २२	मेषे	भ.४८।२४उ. पुष्येशुक्रः १३।९ आर्द्रायां २=
१०	श १६ ४२ भ ५ ११ शू २२ १८ वि १६ ४२ ० १२ ४८	१५ ३१ २३	वृ.१९।४७	भ. १६।४२ या. =शनिः १।२
११	र १३ २४ कृ ३ ३४ गं १७ १६ बा १३ २४ ३३ १२ ४८	१६ १ २४	वृषे	कर्केऽर्कः १।३१ सार्पेबुधः ३७ का.११ब्र.
१२	चं ११ ११ रो ३ १४ वृ १३ ७ तै ११ ११ ५६ १३ ४७	१७ २ २५	मि३१।३५	प्रदोषः
१३	मं १० ६ मृ ३ ५७ छु ९ ५३ ब १० ६ ५४ १३ ४७	१८ ३ २६	मिथुने	भ. १०।६ उ. ४०।२० या.
१४	बु १० ३५ आ ५ ४८ व्या ७ ३७ श १० ३५ ५२ १४ ४६	१९ ४ २७	क.५३।९	पुष्ये रविः ३२।१२
३०	गु १२ १७ पु ८ ५६ ह ६ २७ ना १२ १७ ५० १४ ४६	२० ५ २८	कर्के	भारतवर्षे रविग्रहणं हरियाली ३० वर्षा

१४पं.श्रा.कृ.८बृ.इ.६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	४	३	२	३	२
२७	७	१०	४	१	९	४	२७
१३	३७	२२	२२	५६	५३	५०	३०
४४	५	५९	२३	५६	३१	१	२९
५६	३८	०	१२	७४	७	३	५७
५५	१३	१९	१८	३०	६	११	११

गोचरग्रहाः

श्रावण कृ. ११ रवौ कर्केऽर्कः प्र. वा.५न.५कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्या भाव सम) शुक्रास्तः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

१५प.श्रा.कृ.३०बृ.इ. ६।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	४	३	२	३	३
३	११	२३	५	१०	१०	४	४
५२	२३	५	४५	३३	४६	२७	११
११	५३	३१	४	५४	१	४५	१३
५६	३८	९१	१२	७४	६	३	५७
५७	३१	५२	३५	३०	५४	११	१५

*बृशुरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६									दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः ३३९५ सं. १९४४
१	शु	१४	५६	पु	१३	२१	व	६	४	ब	१४	५६	३३	५	१४	४६	२१	६	२९	कर्क	चन्द्रदर्शनम् नक्तव्रतारम्भः
२	श	१८	४६	श्ले	१८	३४	सि	६	३७	को	१८	४६	४५	१५	४५	२२	७	१	सि	१८।३४	पूफायांभौमः२१।१६ सावानम्.८ सिजारा
३	र	२३	१९	म	२४	४५	व्य	७	४५	ग	२३	१९	४२	१६	४४	२३	८	२	सिंहे		भ.५५।३५उ.सिंहेबुधः४९।४२तीज.मधु.३
४	चं	२८	२४	पू	३१	९	ब	९	१४	वि	२८	२४	४०	१६	४४	२४	९	३	कं.	४७।४५	भ. २८।२४ या. मघायां३ गुरुः ४७।१६
५	मं	३३	६	उ	३७	३४	प	१०	५०	ब	०	४५	३७	१७	४३	२५	१०	४	कन्यायां		सार्पे शुक्रः ४।३१ नाग ५
६	बु	३७	३६	ह	४३	३१	शि	१२	१२	को	५	२१	३५	१७	४३	२६	११	५	कन्यायां		×पूफायां बुधः ३४।८ प्रदोषः
७	गु	४१	२५	चि	४८	५४	सि	१३	१	ग	९	३०	३२	१८	४२	२७	१२	६	तु.	१६।१२	भ. ४१।२५ उ.
८	शु	४४	४१	स्वा	५३	१५	सा	१३	१७	वि	१३	३	३०	१८	४२	२८	१३	७	तुलायाँ		भ. १३।३ या.
९	श	४५	४६	वि	५६	१४	शु	१२	४१	बा	१५	१३	२७	१९	४१	२९	१४	८	वृ.	४०।२९	×रविः विष्कुम्भ क्षयः ५४।३४
१०	र	४६	११	अ	५८	५	शु	११	४	त	१५	५८	२४	१९	४१	३०	१५	९	वृश्चि.		कल्किजयंती *सब्बरात
११	चं	४५	१०	ज्ये	५८	५१	ब्र	८	३०	व	१५	४१	२१	२०	४०	३१	१६	१०	ध.	५८।५१	भ.४५ उ.१५ या. पवित्रा ११ब्र. स्मा.वै.
१२	मं	४३	५५	मू	५८	६	वृ	४	५६	व	१४	३२	१८	२०	४०	१	१७	११	धनुषि		अगस्त मा. ८ ता. ३१ पवित्रा ११ ब्र.नि.
१३	बु	४०	३७	पू	५६	२८	वै	१९	३४	को	१२	१६	१५	२१	३९	२	१८	१२	धनुषि		पश्चिमोदयोशुक्रः ४३ आश्लेषायां× प.उ.शु.
१४	गु	३५	२६	उ	५३	५२	प्री	४८	५१	ग	८	१	१२	२२	३८	३	१९	१३	म.	१०।४९	भ. ३५।२६ उ. +कर्म. रक्षा*
१५	शु	३०	२६	श्र	५०	५७	आ	४१	५७	वि	२	५६	९	२२	३८	४	२०	१४	मकरे		भ.५३ या. मघायां सिंहेशुक्रः ५३ श्रावणी+

१६पं.श्रा.शु.७बृ.इ.५।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	४	३	२	३	३
१०	१६	४	७	१९	११	४	१०
२१	१३	१६	१०	१०	३६	५	५२
३०	५२	३३	१	४८	५४	३०	१६
५७	३८	७८	१२	७४	६	३	५७
५	३८	२७	५९	३०	३६	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में सुख शान्ति वर्षा सामान्य रुई चांदी अलसी सरसों घृत गुड़ खांड तेज होगा गुरु मंगल का योग है

गोचरग्रहाः

१७पं. श्रा.शु.१४ बृ.इ.५।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	४	३	२	३	३
१७	२०	१३	८	२७	१२	३	१७
११	३४	५४	३७	४८	२६	४३	३२
१८	३७	५०	५	१४	२०	१५	५८
५७	३८	६५	१३	७५	६	३	५७
१२	५५	५६	१८	२४	२४	११	२ ४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६									दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२४	५२	ध	४६	५४	सो	३४	४१	को	२४	५२	३३	२३	३७	५	२१	१५	कुं.	१८।५५	वर्षा
२	र	१८	५९	श	४२	५७	शो	२७	८	ग	१८	५९	३२	२३	३७	६	२२	१६	कुम्भे		भ. ४५।५६ उ. कजली ३ वर्षा
३	चं	१२	५३	पू	३८	४८	अ	१९	२९	वि	१२	५३	०	२४	३६	७	२३	१७	मी	२४।५०	भ. १२।५३ या. चतुर्थी ब्र.
४	मं	६	४५	उ	३४	४०	सु	११	२७	बा	६	४५	३२	२५	३५	८	२४	१८	मीने		*मघायां ४ गुरुः ४०।२८ चन्द्रषष्ठी
५	बु	०	३७	रे	३०	५०	धृ	३९	५२	त	०	३७	५४	२५	३५	९	२५	१९	मे.	३०।५३	भ. ५५।० उ. शूलयोगक्षयः ५२।५१*
६	बु	५४	२९	०	०	०	०	०	०	व	०	०	०	०	०	०	०	०	०		क्षयः =ग्रहणी पिठोरी३० सतीपूजनम्
७	गु	५०	२	अ	२७	४४	गं	५०	३७	वि	२२	३४	५०	२६	३४	१०	२६	२०	मेषे		भ.३३ या.पुन.४राहुः उषायाँ २ केतुः २३
८	शु	४५	४६	भ	२५	१	तृ	४४	३४	बा	१७	५४	४७	२७	३३	११	२७	२१	वृ.	३९।३१	आर्द्रायां३शनि. ३३ जन्माष्टमीब्र. मन्वादिः
९	श	४२	२७	कृ	२३	३	घु	३९	१७	त	१४	६	४४	२७	३३	१२	२८	२२	वृषे		उफायां भौमः ४३।३९ गोगानवमी
१०	र	४०	१२	रो	२३	२७	व्या	३४	४९	व	११	१९	४०	२८	३२	१३	२९	२३	मि	५२।४१	भ. ११।१९ उ. ४०।१२ या.
११	चं	३९	९	मृ	२२	५५	ह	३१	२२	ब	९	४१	३७	२९	३१	१४	३०	२४	मिथुने		अजा ११ ब्र. ×प्रदोषः
१२	मं	३९	३४	आ	२४	३१	व	२८	५३	को	९	२१	३३	२९	३१	१५	३१	२५	मिथुने		पूफायां शुक्रः ४२।१८ गोवत्स १२ ब्र.
१३	बु	४१	२	पु	२७	२३	सि	२७	२२	ग	१०	१८	३०	३०	३०	१६	३२	२६	क.	११।४०	भ.४३ उ. सिंहेऽर्कः ३९ उफायांबुधः८।४१×
१४	गु	४३	४४	पु	३१	३४	व्य	२६	५०	वि	१२	२३	२६	३१	२९	१७	१	२७	कर्के		भ.१२।२३या. अस्तंगुरोः२५।१२ अ.गु.
१५	शु	४७	३४	श्ले	३६	४५	व	२७	१२	च	१५	२९	२२	३२	२८	१८	२	२८	सि	३६।४५	कन्यायांभौमः२।२७ लोहार्गलस्ना.कुशा-=

१८पं.भा.कृ.७ बृ.इ.५।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	४	४	२	३	३
२३	२४	२१	१०	६	१३	३	२४
५२	५७	४३	५	२५	१३	२०	१६
२६	१४	२६	३८	४४	१	५९	२५
५७	३९	५२	१३	७४	६	३	५७
२२	२	२५	२४	२४	१०	११	३३

गोचरग्रहाः

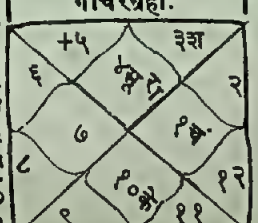

भाद्रपद कृ. १३ बुधे सिंहेऽर्कः प्र. वा.५न.६प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो.पश्चिमे

गोचरग्रहाः

१९पं.भा.कृ.१४बृ.इ.५।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	४	४	२	३	४
०	२९	२७	११	१३	१३	२	०
३४	२२	१२	३५	३	५७	५८	५९
२९	४८	१४	२५	४	५८	४४	४६
५७	३९	३४	१३	७४	५	३	५७
३४	१३	१	३०	१८	४८	११	४०

*मंबृबु +मंबुबृशु (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ×मंबुबृ

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	मु.	हिं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४२४ स.१९४४
१	श ५२ ८ म ४२ ४७ प २८ १३ किं १९ ५१	३२	५	६	१९	२९	३	सिंहे	
२	र ५६ ५८ पू ४७ २ शि २९ ५ बा २४ ३३	१५	३३	२७	२०	३०	४	सिंहे	चन्द्रदर्शनम्
३	चं ६० ० उ ५५ २७ सि ३१ ९ तै २९ २८	११	३४	२६	२१	१	५	कं.५।३८	रमजान ९ रोजा मन्वादिः
३	मं १ ५८ ह ६० ० सा ३२ ३८ ग १ ५८	७	३५	२५	२२	२	६	कन्यायां	भ.३४।१६ उ. गणेश ४ हरितालिका ब्र.
४	बु ६ ३४ ह १ १९ शु ३३ ३६ वि ६ ३४	४	३५	२५	२३	३	७	तु.३४।५	भ. ६।३४ या. ऋषि ५
५	गु १० २४ चि ६ ५१ शु ३३ ५४ बा १० २७	०	३६	२४	२४	४	८	तुलायां	+महालयारम्भः प्रौष्ठपदी १५
६	शु १३ २१ स्वा ११ २३ ब्र ३३ २५ तै १३ २१	३१	३७	२३	२५	५	९	बृ.५९।२	वक्रीबुधः १६।१२ पूफायां१ गुरुः ६।१९
७	श १५ ६ वि १४ ५५ ऐं ३१ ५६ व १५ ६	५२	३८	२२	२६	६	१०	वृश्चिके	भ. १५।६ उ. ४५।२२ या. उफायां=
८	र १५ ३८ अ १६ ५० वै २९ ३२ ब १५ ३८	४८	३८	२२	२७	७	११	वृश्चिके	अगस्त्योदयः २८।५४ =शुक्रः ३०।२७
९	चं १४ ४५ ज्ये १७ ५१ वि २६ ६ कौ १४ ४५	४४	३९	२१	२८	८	१२	ध.१७।५१	
१०	मं १२ ३७ मू १७ ३६ प्री २१ ४६ ग १२ ३७	४०	४०	२०	२९	९	१३	धनुषि	भ. ४१।१ उ. कन्यायां शुक्रः १३।३९।
११	बु ९ २५ पू १६ ३ आ १६ १३ वि ९ २५	३६	४१	१९	३०	१०	१४	म.३०।२७	!वामनावतार जलझूलनी ११ ब्र.
१२	गु ५ २० उ १३ ३९ सौ १० ८ बा ५ २०	३२	४२	१८	३१	११	१५	मकरे	पश्चिमास्तो बुधः १२।४८ प्रदोषः
१३	शु ० २७ श्र १० ४३ शो ५५ २३ तै ० २७	२८	४२	१८	१	१२	१६	कु.३८।५५	भ.५३।५५ उ. सितम्बर मा. ९ ता. ३०
१४	शु ५३ २८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०	×अनंत १४ बक्री पूभायां बुधः ६।४४
१५	श ४९ ६ ध ७ ७ सु ४८ १४ वि २२ १	२५	४३	१७	२	१३	१७	कुम्भे	भ. २२।१ या. हस्ते भौमः ३८।२१+

२०पं.भा.शु.५.बृ.इ.५।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	४	२	३	४
७	३	२९	३	२३	१४	२	७
१८	५०	२५	६	४०	३८	३६	४४
१३	२	३७	११	३४	५६	२९	१७
५७	३९	७	१३	७४	५	३	५७
४५	१९	३	३६	१२	२३	११	४८

गोचरग्रहाः

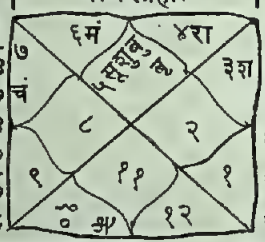

इस मास में पांच शनिवार विषम वर्षा से खेती में नुकसान होगा। धान्य रुई चांदी सोना चंदन चावल जौ गेहूँ तेज

गोचरग्रहाः

२१पं. भा.शु.१२बृ.इ.५।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	५	२	३	४
१४	८	२७	१४	२	१५	२	१४
३	१८	१५	३७	१७	१७	१४	२९
२५	५४	३६	४३	४९	२८	१३	५३
५७	३९	३४	१३	७४	४	३	५८
५७	३७	ब	३६	६	५४	११	१

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	मु.	हिं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	र ४३ २ श ५६ ५८ धृ ४२ १ बा १६ ४	३१	५	६	३	१४	१८	मी४४।५५	
२	चं ३६ ५८ उ ५४ ४१ शू ३३ २८ तै १० ०	१८	४४	१६	४	१५	१९	मीने	
३	मं ३१ ५ रे ५० ५२ गं २६ १ व ४ १	१४	४५	१५	५	१६	२०	मे.५०।५२	भ. ४।१ उ. ३१।५ या. च. ब्र.
४	बु २५ २५ अ ४७ १९ बृ १८ ४८ बा २५ २५	१०	४६	१४	६	१७	२१	मेषे	हस्ते शुक्रः २०।१६
५	गु २० २३ भ ४४ ३० ध्रु ११ ५८ तै २० २३	६	४७	१३	७	१८	२२	बृ.५९।३	
६	शु १६ ६ कृ ४२ ४२ ब्या ५ ३७ व १६ ६	२	४८	१२	८	१९	२३	बृषे	भ. १६।६ उ. ४४।२७ या. उ. गु.
७	श १२ ४८ रो ४१ १७ ह ० ५५ ब १२ ४८	३०	४८	१२	९	२०	२४	बृषे	पूफायां २ गुरुः २४।४७
८	र १० ३४ मृ ४१ १६ सि ५१ ३४ कौ १० ३४	५७	४९	११	१०	२१	२५	मि११।३१	
९	चं ९ ३२ आ ४३ ३ व्य ४८ ४६ ग ९ ३२	५३	५०	१०	११	२२	२६	मिथुने	भ. ३९।३५ उ. =सर्वपितृ ३०
१०	मं ९ ५९ पु ४५ ३९ व ४६ ५८ वि ९ ५९	४९	५१	९	१२	२३	२७	क.३०।०	भ. ९।५९ या. उदयं गुरोः ७।४८
११	बु ११ २८ पु ४९ ३५ प ४६ ११ बा ११ २८	४०	५२	८	१३	२४	२८	कर्के	उफायां रविः ७।४७ इंदिरा ११ ब्र.
१२	गु १४ १२ श्ले ५४ २७ शि ४६ २२ तै १४ १२	२६	५३	७	१४	२५	२९	सिं५४।२७	पूर्वोदयी बुधः ५०।७ प्रदोषः
१३	शु १८ ३ म ६० ० सि ४७ ११ व १८ ३	३२	५४	६	१५	२६	३०	सिंहे	भ. १८।३ उ. ५०।२२ या.
१४	श २२ ४१ म ० १४ सा ४८ १९ श २२ ४१	२८	५४	६	१६	२७	३१	सिंहे	कन्यायामर्कः ३०।८ शस्त्रादिहतानांश्राद्धम्
२०	र २७ २७ पू ६ ३१ शु ४९ ४५ ना २७ ३७	२४	५५	५	१७	२८	१	कं.२३।६	मार्गीबुधः ४८।३४ चित्रायां शुक्रः९।३४=

२२पं.आ.कृ.५बृ.इ. ५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	५	२	३	४
२०	१२	२१	१६	१०	१५	१	२१
५०	५०	०	८	५५	५२	५१	१६
५	१३	५०	२०	१६	१२	२८	५९
५८	३९	६९	१३	७४	४	३	५८
१२	४७	ब	३६	०	२८	११	१३

गोचरग्रहाः

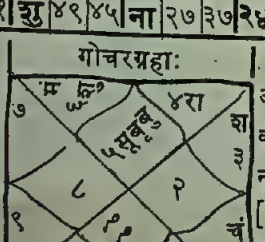

आश्विन कृ.१४ शनौ कन्यायामर्कः प्र.वा.४ न.४ अतिबंध्यावस्था [सूती]मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चिमे।

गोचरग्रहाः

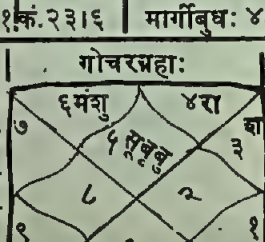

२३पं.आ.कृ.१२बृ.इ.४।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	५	२	३	४
२७	१७	१६	१७	१९	१२	१	२८
३८	२३	१	३९	३२	१६	२९	५
२९	४५	३०	०	३५	४८	४२	२४
५८	४०	५३	१३	७३	३	३	५८
२९	४	ब	३०	५४	४९	११	२६

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४५४ सन् १९४४
१	चं ३२ ४१ उ १२ ५१ शु ५१ १८ कि ० ९	३० ५६	६ ४	१८	२	२९	कन्यायां	आर्द्रायां ४ शनिः ३०।१० नवरात्रारंभः+
२	मं ३७ २२ ह १९ ५ ब्र ५२ ४ बा ५ १	१६ ५७	३	१९	३	३०	तु. ५१।५७	चंद्रदर्शनम् +घटस्था.
३	बु ४९ २१ चि २४ ४९ चें ५२ ३६ तै ९ २२	१२ ५८	२	२०	४	१	तुलायां	सव्वाल मु. १० ईद
४	गु ४४ २० खा २९ २४ वै ५२ १७ व १२ ५१	८ ५८	२	२१	५	२	तुलायां	भ. १२।५१ उ. ४४।२० या.
५	शु ४६ १३ वि ३३ ११ वि ५१ २७ ब १५ १७	४ ५९	१	२२	६	३	बृ. १७।१४	तुलायां शुक्रः ३४।४० अस्तं भौमः ४६।१५
६	श ४६ ५१ अ ३५ २४ प्री ४८ ४२ कौ १६ ३२	३० ०	० ६	२३	७	४	बृश्चिके	चित्रायां भौमः ४।४०
७	र ४६ १ ज्ये ३६ ३८ आ ४५ २४ ग १६ २६	२९ ५९	० ५९	२४	८	५	ध. ३६।३८	भ. ४६।१ उ. +दुर्गा पू.
८	चं ४३ ५७ मू ३६ ४५ सौ ४१ ४ वि १४ ५९	५१ २	५८	२५	९	६	धनुषि	भ. ५४ या. पूफायां ३ गुरुः १६।० सरस्व.+
९	मं ४० ५५ पू ३५ २४ शो ३५ ५६ बा १२ ५६	४७ ३	५७	२६	१०	७	म. ४९।४९	हस्ते रविः ४२।३६ सरस्वती पू.
१०	बु ३६ ५८ उ ३३ ५ अ २९ ५६ तै ८ २७	४२ ४	५६	२७	११	८	मकरे	स्वात्यां शुक्रः ५९।३६ बौद्ध विजया १०
११	गु ३२ ११ श्र २९ ५१ सु २३ १३ व ४ ३५	२८ ४	५६	२८	१२	९	कु. ५८।१७	भ. ३५ उ. ३३ या. उफायांबुधः ५५ पा. ११ ब्र.
१२	शु २६ ४३ ध २६ ४३ धृ १६ ११ बा २६ ४३	३४ ५	५५	२९	१३	१०	कुम्भे	प्रदोषः
१३	श २१ ८ श २२ ५४ शू ८ ३८ तै २१ ८	३० ६	५४	३०	१४	११	कुम्भे	कन्यायां बुधः ५९।१९
१४	र १४ ५९ पू १८ ३८ गं ३३ ५५ व १४ ५९	२६ ७	५३	१	१५	१२	मी ४।४२	भ. ५९ उ. ५१ अक्टूबर मा. १० ता. ३१
१५	चं ८ ५९ उ १४ २८ ध्रु ४५ ३३ ब ८ ५९	२२ ८	५२	२	१६	१३	मीने	कोजागरी ब्र. शरत् १५

२४पं.आ.शु.४बृ.इ.४।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	४	५	२	३	५
४	२१	१७	१९	२८	१६	१	४
२८	५९	२०	८	९	४८	७	५५
३७	२४	१७	४६	२५	२५	२७	१६
५८	४०	४५	१३	७३	३	३	५८
४५	२०	मा	२४	४८	१६	११	२८

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजामें ज्वरादि पीड़ा होगी सूर्य से आगे मंगल का रथ चलता है, यह वर्षा रोकेगा। 'पुरोंगारमनावृष्टि'

गोचरग्रहाः

२५पं.आ.शु.११बृ.इ.४।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	४	६	२	३	५
११	२६	२५	२०	६	१७	०	११
२०	३७	१४	३७	४६	१०	४५	४६
४१	४४	१३	२३	१२	५	१२	५५
५९	४०	९८	१३	७३	३	३	५८
०	२०	१०	१०	४२	४९	११	५३

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	मं ३ ८ रे १० ४० ध्या ३८ १० कौ ३ ८	२९ ६	५३	३	१७	१४	मे. १०।४०	तुलायां भौमः १५ पूर्वास्तं बुधः १९।२१
२	मं ५४ २५ ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०	०	०
३	बु ५२ ३३ अ ७ ७ ह ३१ ७ व २५ ३	१४ ९	५१	४	१८	१५	मेषे	भ. २५।३ उ. ५२।३३ या.
४	गु ४८ २२ भ ४ ४ व २४ ३९ ब २० २८	१० १०	५०	५	१९	१६	वृ. १८।३३	करक ४ ब्र.
५	शु ४५ ८ कृ २ ० सि १८ ५० कौ १६ ४५	६ ११	४९	६	२०	१७	बृषे	हस्ते बुधः ४६।५९
६	श ४२ ५९ रो ० ३७ व्य १३ ४८ ग १४ ३	२ १२	४८	७	२१	१८	मि ३०।३५	भ. ४२।५९ उ.
७	र ४२ २ मृ ० ३४ व ९ ४६ वि १२ ३०	५८ १२	४८	८	२२	१९	मिथुने	भ. १२।३० या. विशाखायां शुक्रः ४८।५८
८	चं ४२ ३४ आ १ ३२ प ६ ३० बा १२ १८	५४ १३	४७	९	२३	२०	क. ४८।४	होई ८
९	मं ४४ ७ पु ३ ३४ शे ४ २७ ते १३ २०	५० १४	४६	१०	२४	२१	कर्के	चित्रायां रविः १३।१३
१०	बु ४६ ५५ पु ७ ३० सि ३ १९ व १५ ३१	४६ १५	४५	११	२५	२२	कर्के	भ. १५ उ. ४६ या. पूफायां ४ गुरुः ३१।१८
११	गु ५० ५१ श्ले १२ ६ सा २ ३४ ब १८ ५३	४२ १६	४४	१२	२६	२३	सिं १२।६	मिथुने राहुः धनुषि केतुः १५ रमा ११ ब्र.
१२	शु ५५ ३४ म १७ ३५ शु ३ ४० कौ २३ १२	३८ १६	४४	१३	२७	२४	सिंहे	स्वात्यां भौमः २।२१ गोवत्स पूजा
१३	श ६० ० पू २३ ४२ शु ४ ४८ ग २८ ५	३४ १७	४३	१४	२८	२५	कं. ४०।२०	चित्रायां बुधः २०।२० प्रदोषः धन १३
१३	र ० ३६ उ ३० १६ ब्र ६ २४ व ० ३६	३० १८	४२	१५	२९	२६	कन्यायां	भ. ०।३५ उ. ३३।१० या. रूप १४ नरक १४
१४	चं ५ ४५ ह ३६ ४० ऐं ७ २६ श ५ ४५	२६ १९	४१	१६	३०	२७	कन्यायां	बृश्चिके शुक्रः ५६।५८ तुलायामर्कः ५५ ५७ ×
२०	मं १० ३२ चि ४२ २० वै ८ ३३ ना १० ३२	२२ २०	४०	१७	१	२८	तु. ९।३०	गोवर्धन पू. अन्नकूटम् ×महालक्ष्मी पू.

२६पं.का.कृ.४बृ.इ.४।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	४	६	२	३	५
१८	१	६	२२	१५	१७	०	१८
१४	१७	४७	७	२२	२६	२२	४०
२९	३४	२८	८	३४	४२	५६	१२
५९	४०	५	१२	७३	१	३	५९
१६	४४	४२	५८	२४	५०	११	९

गोचरग्रहाः

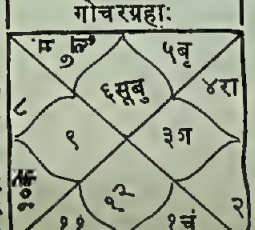

कार्तिक कृ. १४ चंद्रे तुलायामर्कः प्र.वा.३नं.४पुत्रवत्सलावस्था (सूती) मु.३०[धान्यभाव सम] शुक्रोदयः पूर्वे

गोचरग्रहाः

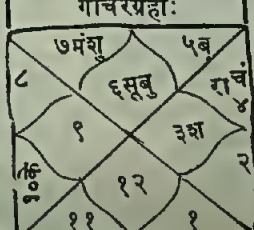

२७पं.का.कृ.११बृ.इ.४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	४	६	२	३	५
२५	६	१९	२३	२३	१७	०	२५
१०	०	९	२८	५८	३८	०	३५
१२	२२	५४	५९	३४	२	४१	१०
५९	४०	१०	१२	७३	१	३	५९
३१	५८	२६	३२	१७	११	११	२१

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४८४ स. १९४४
१	बु	१४	३६	स्वा	४७	३१	वि	९	५	ब	१४	३६	२८	२०	४०	१८	२	२९ तुलायां
२	गु	१७	३९	वि	५१	२४	प्री	८	५१	कौ	१७	३९	१४	२१	३९	१९	३	१ बृ.३५।२६
३	शु	१९	३८	अ	५४	१२	आ	७	४१	ग	१९	३८	१०	२२	३८	२०	४	२ बृश्चिके
४	श	२०	२१	ज्ये	५५	७	सौ	५	३८	वि	२०	२१	६	२३	३७	२१	५	३ ध.५५।७
५	र	१९	३६	मू	५५	४५	शो	३३	५६	बा	१९	३६	२	२४	३६	२२	६	४ धनुषि
६	चं	१७	३९	पू	५४	४१	सु	५३	२७	तै	१७	३९	२८	२४	३६	२३	७	५ धनुषि
७	मं	१४	३८	उ	५२	४४	धृ	४७	३६	व	१४	३८	५४	२५	३५	२४	८	६ म.९।१५
८	बु	१०	४४	श्र	४९	५६	शू	४१	३	ब	१०	४४	५०	२६	३४	२५	९	७ मकरे
९	गु	६	०	ध	४७	२८	गं	३४	२	कौ	६	०	४६	२७	३३	२६	१०	८ कु.१८।४२
१०	शु	०	३९	श	४२	४०	वृ	२६	३२	ग	०	३९	४२	२८	३२	२७	११	९ कुम्भे
११	शु	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१२	श	४९	१	पू	३८	३४	ध्रु	१८	५०	ब	२१	५९	३८	२८	३२	२८	१२	१० मी२४।३६
१३	र	४३	५	उ	३५	३१	व्या	११	०	कौ	१६	३	३४	२९	३१	२९	१३	११ मीने
१४	चं	३६	५७	रे	३०	३१	ह	५६	५३	ग	१०	१	३१	३०	३०	३०	१४	१२ मि.३०।३१
१५	मं	३१	४८	अ	२६	५०	सि	४८	२५	वि	४	२२	२७	३१	२९	३१	१५	१३ मेषे

उफायां १ गुरुः ३६।४१ प्रबोधिनी ११ब्र.
प्रदोषः +विशाखायां बुधः ३१।३५
भ. ३६।५७ उ. ज्येष्ठायां शुक्रः ३६।१६+
भ. ४।२२ या. का.स्नान स. पु. यात्रा स.

२८पं.का.शु.२ बृ.इ. ४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	७	२	२	६
२	१०	१	२४	२	१७	२९	२
७	४५	१४	५१	३४	४४	३८	३१
४२	५०	४६	११	५२	२८	२६	३७
५९	४१	००	१२	७३	०	३	५९
४६	८	२३	१२	४	२५	११	३४

गोचरग्रहाः

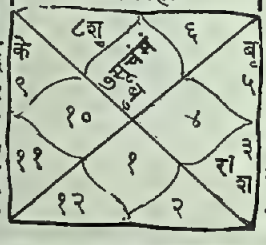

इस मास का फल खराब है राजा प्रजा में विरोध तथा रक्त विकार की बीमारी ताप तेजरा फैलेगा। धान,रुई,अलसी तेज

गोचरग्रहाः

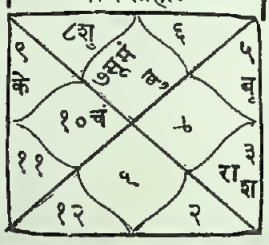

२९पं.का.शु. ९बृ.इ.३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	७	२	२	६
९	१५	१२	२६	११	१७	२९	९
७	३३	५४	१०	८	४४	१६	२९
४	७	५०	८	४९	५६	१०	५६
६०	४१	००	११	७२	१८	३	५९
२	१८	५८	४४	४८	ब	११	४७

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२६	५५	भ	२३	४२	व्य	४१	४३	कौ	२६	५५	२७	२४	३५	५	१	१६ १४ बृ.३८।५ नवंबर मा.११ता.३० विशाखायांभौमः ३० ४०
२	गु	२२	३९	कृ	२१	१६	व	३५	४०	ग	२२	३९	२०	३२	२८		२	१७ १५ वृषे भ. ५१।१२ उ.
३	शु	१९	४५	रो	१९	३६	प	३०	२३	वि	१९	४५	१७	३३	२७		३	१८ १६ मि४९।२७ भ. १९।४५ या. चतुर्थी ब्र.
४	श	१७	४३	मृ	१९	१९	शि	२५	५९	बा	१७	४३	१३	३३	२७		४	१९ १७ मिथुने
५	र	१६	४९	आ	१९	५९	सि	२२	३४	तै	१६	४९	१०	३४	२६		५	२० १८ मिथुने विशाखायां रवि: ५४ बृश्चिके बुधः ३५ ४३
६	चं	१७	२९	पु	२१	४९	सा	२०	५	व	१७	२९	६	३५	२५		६	२१ १९ क.६।२२ भ. १०।२९ उ. ४८।२० या.
७	मं	१९	२१	पु	२५	१५	शु	१८	३९	ब	१९	११	३	३५	२५		७	२२ २० कर्के मैत्रे बुधः ५९।४६
८	बु	२२	६	श्ले	२९	४९	शु	१८	३	कौ	२२	६	२६	३६	२४		८	२३ २१ सिं२९।४९ भैरवजयंती
९	गु	२६	९	म	३५	१३	ब्र	१८	२७	ग	२६	९	५६	३७	२३		९	२४ २२ सिंहे भ. ५८।३३ उ.
१०	शु	३०	५७	पू	४१	१६	ऐं	१९	१५	वि	३०	५७	५२	३८	२२		१०	२५ २३ कं.५७।५२ भ ५७ या.धनुषिमूलेशुक्रः ३१ ५७ पंश्चिमोदयी=
११	श	३६	७	उ	४७	४१	वै	२०	२९	ब	३	२२	४९	३८	२२		११	२६ २४ कन्यायां उत्पत्ति ११ ब्र. =बुधः ५४।१३
१२	र	४१	२३	ह	५४	५	वि	२१	४८	कौ	८	४५	४६	३९	२१		१२	२७ २५ कन्यायां
१३	चं	४६	११	चि	५९	५७	प्री	२२	४७	ग	१३	४७	४३	३९	२१		१३	२८ २६ तु.२७।१ भ. ४६।११ उ. प्रदोषः
१४	मं	५०	१८	स्वा	६०	०	आ	२३	२३	वि	१८	१४	४०	४०	२०		१४	२९ २७ तुलायां भ. १८।१४ या.
१५	बु	५३	५४	स्वा	५	१६	सौ	२३	२२	च	२१	५१	३७	४१	१९		१५	३० २८ बृ.५३।२३ बृश्चिके भौमः ४७।५१ बृश्चिकेऽर्कः ४९ ४९

३०पं मा.कृ.२ बृ.इ.३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	७	२	२	६
१६	२०	२४	२७	१९	१७	२८	१६
८	२२	९	२५	४१	३९	५३	२९
८	५२	३२	२३	५३	५८	५५	४२
६०	४१	९८	११	७२	३	३	६०
१८	३४	२३	६	३०	ब	११	४

गोचरग्रहाः

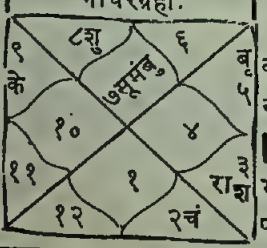

मा. कृ. ३० बुधे बृश्चिकेऽर्कः प्र. वा.३ न.३पुत्रवत्सलावस्था [सूती]मु. ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रो. पश्चि. वत्सः दक्षिणे

गोचरग्रहाः

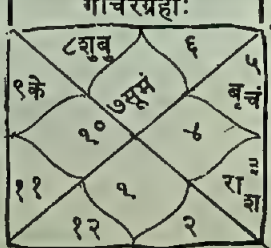

३१पं.मा.कृ.१ ९बृ.इ.३।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	७	२	२	६
२३	२५	५	२८	२८	१७	२८	२३
१०	१५	२	३६	१४	२९	३१	३५
४७	४३	४९	२५	३१	४२	३९	५
६०	४१	९६	१०	७२	४८	३	६०
३०	४४	४१	२७	९	ब	११	१७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३५१३ स. १९४४
१	गु ५५ २४ वि ९ २५ शो २२ ३६ कि २४ २४ ३६	४१	१९	५	१६	१	२९	वृश्चिके	ज्येष्ठायां बुधः ४३।४५
२	शु ५६ ६ अ १२ २१ अ २० ४१ बा २५ ४५ ३१	४२	१८	१७	२	३०		वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् कन्यायां गुरुः ५२।७
३	श ५५ २३ ज्ये १४ ३ सु १७ ५१ तै २५ ४५ २८	४२	१८	१८	३	१		धनुषि	जिल्हेज मु. १२
४	र ५३ २६ मू १४ ३८ धृ १४ १ व २४ २५ २६	४३	१७	१९	४	२		धनुषि	भ. २४।२५ उ. ५३।२५ या. अनुराधायां*
५	चं ५० २६ पू १३ ५४ शू ९ ११ ब २१ ५६ २६	४३	१७	२०	५	३		म. २८।२५	मैत्रे भौमः २९।२४ *रविः ६।२८
६	मं ४६ ३५ उ १२ ० गं २७ ३३ ३६ को १८ ३१ २६	४४	१६	२१	६	४		मकरे	पूषायां शुक्रः २६।५२ पातस्पर्शः १५।१५×
७	बु ४१ ५१ श्र ९ ३० ध ५० ५४ ग १४ १३ २१	४४	१६	२२	७	५		कुं. ३७।५७	भ. ४१।५१ उ. ×पातमोक्षः ४३।२५
८	गु ३६ २९ ध ६ २५ व्या ४२ ३४ वि ९ १० १८	४५	१५	२३	८	६		कुम्भे	भ. ९।१० या.
९	शु ३० ५२ श २३ ५५ ह ३४ ५० बा ३ ४१ १३	४५	१५	२४	९	७		मी ४५।०	कल्पादिः
१०	श २५ ११ उ ५४ १७ व २७ ७ ग २५ ११ ११	४६	१४	२५	१०	८		मीने	भ. ५२।१० उ. धनुषि मूले बुधः ४६।११
११	र १९ १० रे ५० ७ सि १९ १९ वि १९ १० ८	४६	१४	२६	११	९		मे. ५०।७	भ. २९।१० या. हज्ज मोक्षदा ११ ब्र.
१२	चं १३ २७ अ ४६ १५ व्य ११ ३८ बा १३ २७ ६	४७	१३	२७	१२	१०		मेषे	बक्री आर्द्रायां ३ शनिः १२।१६ प्रदोषः
१३	मं ८ १० भ ४३ ६ व ४ ५३ ५३ तै ८ १० ३	४७	१३	२८	१३	११		वृ. ५७।२६	पिशाचमोचन श्राद्धं
१४	बु ४ १८ कृ ४० २८ शि ५० ५१ व ४ १८ २५	४८	१२	२९	१४	१२		बृषे	भ. ४।१८ उ. ३१।५० या. श्रीदत्तजयंती
१५	बु ५५ ४ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०		०	

३२पं. मा.शु.१ बृ.इ.३।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	८	२	२	७
०	०	१५	२९	६	१७	२८	०
१४	१०	३५	४२	४५	१४	९	३३
५१	५२	२८	२५	५०	१०	२४	५०
६०	४२	९५	९	७१	२३	३	६०
४०	४	४९	४२	५१	ब	११	३०

गोचरग्रहाः

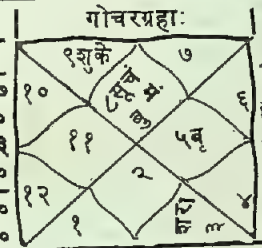

इस मास में कन्या राशि पर गुरु आते हैं सो धीरे २ रुई में ४०) ५०) की मन्दी होगी प्रजा में सुख शांति रहेगी।

गोचरग्रहाः

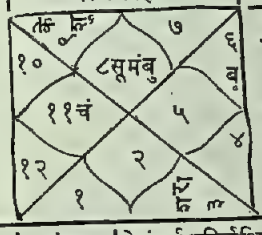

३३पं. मा.शु.८ बृ.इ. ३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	५	८	२	२	७
७	५	२५	०	१५	१६	२७	७
२०	८	४३	४३	१४	५४	४७	३७
२५	१३	५५	८	३८	७	९	४८
६०	४२	९४	८	७१	२३	३	६०
५३	१४	१४	१३	२७	ब	११	४२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु ५६ २२ रो ३८ ४३ सि ४५ १९ बा २७ ५२	२५	८	४	१२	५	१३	बृषे	दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
२	शु ५४ २८ मृ ३८ १० सा ४० ३६ तै २५ २५	५६	४९	११	१	१६	१४	मि ८।२६	भ. २४।६ उ. ५३।४४ ज्येष्ठायां रविः १३×
३	श ५३ ४४ आ ३८ २५ शु ३६ ४७ व २४ ६	५४	४९	११	२	१७	१५	मिथुने	चतुर्थी ब्र. ×उषायां शुक्रः ३३।२६
४	र ५४ ३२ पु ४० २२ शु ३३ ५८ ब २४ ८	५२	५०	१०	३	१८	१६	क. २४।५५	
५	चं ५६ २५ पु ४६ १८ बु ३३ ९ को २५ २९	५०	५०	१०	४	१९	१७	कर्के	भ. ५९।३१ उ. मकरे शुक्रः १५।३१
६	मं ५९ ३१ श्ले ४७ २९ ऐं ३१ ६ ग २७ ५८	४९	५०	१०	५	२०	१८	सिं ४७।२९	भ. ३१।३७ या.
७	बु ६० ० म ५२ ४७ वै ३१ १८ व ३१ ३७	४७	५१	९	६	२१	१९	सिंहे	पूषायां बुधः २८।१८
७	गु ३ ४३ पू ५८ ५० वि ३२ १ ब ३ ४३	४६	५१	९	७	२२	२०	सिंहे	उफा. ल. ७ रे. ७ ।।ऽवृ।।।ऽऽ।।
८	शु ८ ३६ उ ६० ० प्री ३३ ९ को ८ ४६	४४	५१	९	८	२३	२१	कं. १५।२४	
९	श १३ ४७ उ ५ ८ आ ३४ २१ ग १३ ४७	४३	५१	९	९	२४	२२	कन्यायां	भ. ४६।२२ उ. ज्येष्ठायां भौमः ९।१
१०	र १८ ५९ ह ११ १७ सौ ३५ २५ वि १८ ५९	४२	५२	८	१०	२५	२३	नु. ४४।३२	भ. १८।५९ या.
११	चं २३ ५९ चि १७ ३८ शो ३६ २० बा २३ ५९	४१	५२	८	११	२६	२४	तुलायां	सफला ११ ब्र. स्वात्यां ल. ६ रे. ७*
१२	मं २८ १ स्वा २३ ७ अ ३६ १८ तै २८ १	४०	५२	८	१२	२७	२५	तुलायां	प्रदोषः *ऽरा।।।।ऽरो।ऽ।।
१३	बु ३१ ५ वि २७ १६ सु ३५ ४९ व ३१ ५	३९	५२	८	१३	२८	२६	वृ. ११।२१	भ. ३१।५ उ. श्रवणे शुक्रः ३९।८
१४	गु ३२ २८ अ ३० ४५ धृ ३४ १० वि २ २	३८	५२	८	१४	२९	२७	वृश्चिके	भ. २।२ या. बक्री बुधः १५ पुन. राहुः =
१५	शु ३३ ४२ ज्ये ३२ ५४ शू ३१ ३८ च ३ २०	३८	५२	८	१५	३०	२८	ध. ३२।५४	धनुष्यर्कः १७ =पूषायां ४ केतुः ४५

३४पं. पौ.कृ.१ ब.इ.२।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	६	८	२	२	७
१४	१०	५	१	२३	१६	२७	१४
२७	८	९	३७	४१	१९	२४	४३
६२	६	११	४८	४९	२०	५३	३
६१	४२	८९	७	७१	४५	३	६०
३	२४	४	५९	३	ब	११	५०

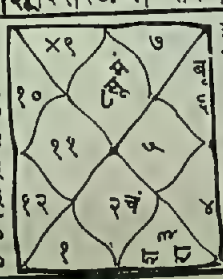

३५पं. पौ.कृ.७ बृ.इ.२।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	५	९	२	२	७
२१	१५	१२	२	२१	१६	२७	२१
३४	१०	५०	२५	५	५	२	४९
५८	१६	१७	५	५३	१६	३८	२३
६१	४२	६९	६	७०	४	३	६०
११	३८	४४	४६	२७	ब	११	५६

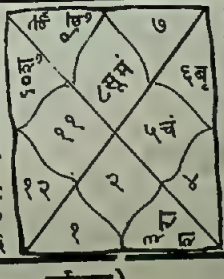

३६पं. पौ.कृ.१४ बृ.इ.२।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	५	९	२	२	७
२८	२०	१५	३	१०	१५	२६	२८
४३	१४	५०	६	२७	३०	४०	५६
४३	३८	३१	४	१४	४	२३	१०
६१	४२	८	५	६९	१	३	६१
१९	५०	१४	११	४८	ब	११	१०

×बुशुके

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हिमन्ततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३५४३ स १९४४
१	श ३२ ५८ मू ३३ ३० गं २८ ३ किं ३ २० ३५ ५३	५	१६	१	२९	धनुषि	उफायां ३ गुरुः २५।२६
२	र ३० ५७ पू ३३ ६ वृ २३ २९ बा १ ५८ ३७ ५३	७	१७	२	३०	म.४७।४२	चंद्रदर्शनं पश्चिमास्तं बुधः ४६।२१
३	चं २७ ५७ उ ३१ ३१ ध्रु १८ ४ ग २७ ५७ ३७ ५३	७	१८	३	१	मकरे	भ. ५६।१ उ. मोहोरम मु. १
४	मं २४ ५ श्र २९ ५ व्या ११ ५८ वि २४ ५ ३६ ५३	७	१९	४	२	कु.५७।२७	भ. २४।५ या. वक्री मूले बुधः १२।१८
५	बु १९ १९ ध २५ ५० ह ३ ५३ बा १९ १९ ३६ ५३	७	२०	५	३	कुंभे	वज्रयोग क्षयः ५२।४७
६	गु १४ १ श २२ १८ सि ५० १४ तै १४ १ ३६ ५३	७	२१	६	४	कुम्भे	उत्तरायण प्रवृत्तिः ५३।३०
७	शु ८ २३ पू १८ १६ व्य ४२ २२ व ८ २३ ३६ ५३	७	२२	७	५	मी४।१७	भ. ८।२३ उ. ३५।२६ या.
८	श २ ३० उ १४ ११ व ३४ ३४ ब २ ३० ३६ ५३	७	२३	८	६	मीने	
९	श ५४ ११ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	
१०	र ५१ ५ रे १० २ प २६ ५० तै २३ ५३ ३७ ५३	७	२४	९	७	मे.१०।२	धनिष्ठायां शुक्रः ५३ ४४ ×ताजिया प्रदोषः
११	चं ४६ १ अ ६ ११ शि १९ १३ व १८ ३३ ३७ ५३	७	२५	१०	८	मेषे	भ. १३ ६ उ. ४६ १ या.पुत्रदा ११ व्र.स्मा.वै.मन्वादि
१२	मं ४१ ९ भ ५५ २ ५७ सि १२ ६ ब १३ ३५ ३७ ५३	७	२६	११	९	वृ.१७।११	कृतिका. क्षयः ५७।५ पुत्रदा ११ व्र. नि.
१३	बु ३७ २० रो ५८ ११ सा ३१ ५५ ८ कौ ९ १४ ३८ ५२	८	२७	१२	१०	बृषे	शुभयोग क्षयः ५४ धनुषिमूले च भौमः ११ ५४ ×
१४	गु ३४ २६ मृ ५७ ३१ शु ५४ ३७ ग ५ ५३ ३८ ५२	८	२८	१३	११	मि२७।५१	भ. ३४।२६ उ. पूषायां रविः १८।४९
१५	शु ३२ ४० आ ५७ २७ व्र ५० ३२ वि ३ ३३ ३९ ५२	८	२९	१४	१२	मिथुने	भ ३ ३ या. पूर्वोदयीबुधः ११ माघस्नानारंभ

३७पं.पौ.शु.६ बृ.इ.२।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	५	९	२	२	८
५	२५	१०	३	१८	१४	२६	६
५३	२०	३२	३८	४३	५६	१८	३
८	१०	२०	३५	४८	४९	७	४०
६१	४२	३३	४	६९	३४	३	६१
२२	५८	ब	३८	०	ब	११	५

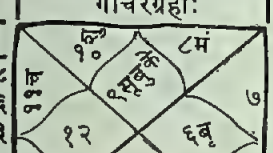

इस मास में प्रजा में सामान्य फल होगा सोना चांदी धातु तेज धान्य घृत रुई अलसी चंदन चावल मंदा

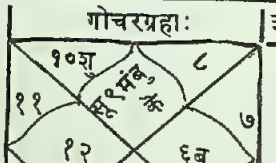

३८पं.पौ.शु.१४बृ.इ.२।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	५	९	२	२	८
१३	०	२	४	२६	१४	२५	१३
३	३०	०	२	५५	२२	५५	११
१	२९	५०	४६	३०	२९	५२	३८
६१	४३	४३	३	६८	४२	३	६१
२६	१३	ब	२५	१४	ब	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविर्दक्षिणे पौष.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श ३२ ३ पु ५८ ५१ ऐं ४७ २२ बा २ २२ ३५ ५३	५	३०	१५	१३	क.४३।३०	वक्री बृश्चिके बुधः ५४ कुम्भे शुक्रः ४४
२	र ३२ ५६ पु ६० ० वै ४५ १८ तै २ ३० ४० ५२	८	३१	१६	१४	कर्के	मार्गी बुधः ५४।१२
३	चं ३४ ४९ पु १ ३० वि ४३ ५३ व ३ ५३ ४१ ५२	८	१	१७	१५	कर्के	भ.३।५३ उ.३४।४९ या. जनवरी मा.१
४	मं ३८ १५ श्ले ५ ३३ प्री ४३ ४३ ब ६ ३२ ४२ ५२	८	२	१८	१६	सिं५।३३	चतुर्थी व्र ता.३१ सन् १९४५
५	बु ४२ ३१ म १० ३१ आ ४४ ६ कौ १० २३ ४३ ५१	९	३	१९	१७	सिंहे	
६	गु ४७ २८ पू १६ २७ सौ ४५ ६ ग १४ ५९ ४४ ५१	९	४	२०	१८	कं.३३।२	भ. ४७।२८ उ. धनुषि बुधः ४२।२९
७	शु ५२ ४४ उ २२ ४७ शो ४६ २१ वि २० ६ ४५ ५१	९	५	२१	१९	कन्यायां	भ. २०।५ या. शते शुक्रः ३१।५
८	श ५७ ५८ ह २९ १० अ ४७ २५ बा २५ २१ ४७ ५१	९	६	२२	२०	कन्यायां	
९	र ६० ० चि ३५ २२ सु ४८ ३१ तै ० २३ ४८ ५०	१०	७	२३	२१	तु.२।१६	
९	चं २ ४९ स्वा ४१ २२ धृ ४८ ५० ग २ ४९ ५० ५०	१०	८	२४	२२	तुलायां	भ. ३४।५२ उ.
१०	मं ६ ५५ वि ४५ ४२ शू ४८ २ वि ६ ५५ ५२ ५०	१०	९	२५	२३	बृ.२९।३७	भ. ५५ ६ या. वक्री आर्द्रायां २ शनिः ४५
११	बु ९ ५६ अ ४९ २५ गं ४७ १५ बा ९ ५६ ५४ ४९	११	१०	२६	२४	बृश्चिके	उषायां रविः २०।१७ षट्तिला ११ व्र.
१२	गु ११ ४५ ज्ये ५१ ६ वृ ४५ ३ तै ११ ४५ ५६ ४९	११	११	२७	२५	ध.५१।६	प्रदोषः
१३	शु १२ २१ मू ५२ ३७ ध्रु ४१ ५१ व १२ २१ ५८ ४८	१२	१२	२८	२६	धनुषि	भ.१२।२१ उ.४१।५८ या. उदयी भौमः
१४	श ११ ३५ पू ५३ ३८ व्या ३७ ४४ श ११ ३५ २६ ४८	१२	१३	२९	२७	धनुषि	मकरेऽर्कः ३५।४४ ×युगादिः
३०	र ९ २९ उ ५१ २४ ह ३२ ३७ ना ९ २९ ३ ४७	१३	१४	१	२८	म. ८।२	पूषायां भौमः २१।१० वक्री गुरुः १९।४६ ×

३९पं.मा.कृ.६ बृ.इ. २।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	५	१०	२	२	८
२०	५	२९	४	५	१३	२५	२०
१२	४१	३१	१७	०	४७	३३	१९
५९	४९	१	५६	२२	३५	३६	४४
६१	४३	३८	१	६७	४२	३	६१
२६	३३	मा	५३	१३	ब	११	६

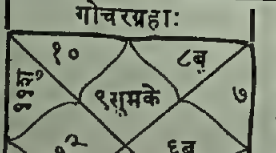

माघ कृ.१४ शनौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३ अतिबंध्यावस्था(सूती) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदय पश्चि.।

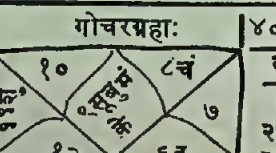

४०प.मा.कृ.१२बृ.इ. २।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	५	१०	२	२	८
२७	१०	३	४	१२	१३	२५	२७
२२	५४	५४	२४	५७	१३	११	२७
४८	५८	३२	७	३६	५९	२१	४७
६१	४३	६८	०	६५	२६	३	६१
२४	४३	४	४०	५५	ब	११	६

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५७३ स. १९४५
१	चं ६ २४ श्र ४९ १० व २६ ३० ब ६ २४ २६	६	५	१५	२	२९	मकरे	चंद्रद. श्रीवल्लभजयन्ती
२	मं २ २७ ध ४६ ६ सि २० ९ कौ २ २७ ८	४६	१४	१६	३	१	कुं.१७।३८	सफर मु. २ =जया ११ ब्र. मृगेल.गो.रे.७+
३	मं ५४ २६ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	×बृ।ऽ।।।रेव.ल.८रे.७।।।ऽबृ।ऽचो।।गुरोर्वेधः
४	बु ५२ १७ श ४२ ३३ व्य १३ ० व २४ ३५ १०	४६	१४	१७	४	२	कुम्भे	भ.३५ उ.५३ या. पूभायांशुक्रः ३६ तिल४
५	गु ४६ ३४ पू ३८ ४२ व २९ ५५ ब १९ २५ १२	४६	१४	१८	५	३	मी २४।४०	परिघयोगक्षय ५३ वसंत५ उभा.ल.८रे.८*
६	शु ४० ४३ उ ३४ ३३ शि ४९ ५५ कौ १३ ३८ १५	४५	१५	१९	६	४	मीने	पूषायांबुधः ३६ उभा.ल.ज्यगो. रे.८।।।।ऽ×
७	श ३४ ५५ रे ३० २२ सि ४२ ११ ग ७ ४९ १७	४५	१५	२०	७	५	मे.३०।२२	भ.३६ अभि.प्र.रविः ४९ मन्वादिःरथ७रेव.—
८	र २९ २१ अ २६ ३१ सा ३४ २५ वि २ ८ २०	४४	१६	२१	८	६	मेषे	भ.२।८या. भीमाष्टमी *।।।।ऽबृ।ऽ।।
९	चं २४ १० भ २२ ५८ शु २७ १० कौ २४ १० २२	४४	१६	२२	९	७	वृ.३७।१६	—ल. ज्यगो. रे.७ ।।।ऽबृ।चो।ऽ।। पादतो-
१०	मं १९ ३३ कृ २० १० शु २० २४ ग १९ ३३ २५	४३	१७	२३	१०	८	वृषे	भ ४२ उ. श्रवणेरविः २३ पातस्पर्शः ४७
११	बु १५ ५१ रो १८ ११ ब्र १४ १८ वि १५ ५१ २७	४३	१७	२४	११	९	मि ४७।२७	भ.५९ या.अभि.नि.रविः १५ पातमोक्षः ४७=
१२	गु १३ ५ मृ १६ ४३ ऐं ९ २ बा १३ ५ ३०	४२	१८	२५	१२	१०	मिथुने	भीष्मद्वादशी प्रदोषः -वेधाताऽभावः
१३	शु ११ २३ आ १६ ५० वै ४ ४१ तै ११ २३ ३३	४१	१९	२६	१३	११	मिथुने	मीने शुक्रः ३८।३९ कल्पांदिः
१४	श ११ ३ पु १७ ५४ वि २५ १६ व ११ ३ ३६	४१	१९	२७	१४	१२	क.२।३८	भ. ११।२ उ ५१ या. प्रीतियोग क्षयः ५७
१५	र ११ ५४ पु २० २१ आ ५७ २२ ब ११ ५४ ३९	४०	२०	२८	१५	१३	कर्के	माघस्नान पूर्तिः +।।।।ऽ।। गणि.

४१पं.मा.शु.५ बृ.इ. ३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	५	१०	२	२	९
४	१६	११	४	२०	१२	२४	४
३२	१०	२५	२१	४४	४२	४९	३५
१७	१९	३०	७	३५	७	६	३८
६१	४३	८१	४९	६४	४	३	६१
१९	४८	२	ब	२८	ब	११	३

गोचरग्रहाः

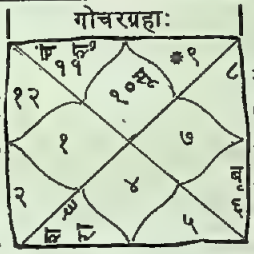

इस मास का फल महा अशुभ है, कहीं पर युद्ध होगा विग्रह फैलेगा कहीं पर भू-कंपादि उपद्रव होंगे खेतियोंमें हानि होगी

गोचरग्रहाः

४२पं. मा.श १२बृ.इ. २।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	५	१०	२	२	९
११	२१	२०	४	२८	१२	२४	११
४१	२७	२८	८	१९	१२	२६	४२
९	४३	४८	१३	८	५४	५०	५०
६१	४४	८७	१३	६२	५३	३	६०
१३	३	११	ब	४२	ब	११	५९

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं १४ १ श्ले २४ १० सौ ५५ ३८ कौ १४ १ २६	६	४०	२०	२९	१६	१४	सि २४।१०	उषायाबुधः ३३।४ उभायांशुक्रः ४२।२८
२	मं १७ २४ म २८ ४७ शो ५६ ५८ ग १७ २४ ४५	३९	२१	३०	१७	१५		सिंहे	भ. ४९।३६
३	बु २१ ४८ पू ३४ ३२ अ ५७ ४१ वि २१ ४८ ४८	३८	२२	३१	१८	१६	कं.५१।७	भ.३१ या. मकरेबुधः ४३ उषायांभौमः ५३×	
४	गु २६ ४५ उ ४० ५२ सु ५८ ५४ बा २६ ४५ ५२	३८	२२	१	१९	१७	कन्यायां	फरवरी मा. २ ता. २८	
५	शु ३२ ० ह ४७ १३ धृ ६० ० तै ३२ ० ५५	३७	२३	२	२०	१८	कन्यायां	×चतुर्थीब्र. उफा.ल.गो.८रे.८।।ऽबृ।।।।ऽ।।	
६	श ३७ ११ चि ५३ ४० धृ ० २ ग ४ ३५ ५९	३६	२४	३	२१	१९	तु.२०।२६	भ. ३७।११ उ.	
७	र ४१ ५७ स्वा ६० ० शू १ १३ वि ९ ३४ २७	३५	२५	४	२२	२०	तुलायां	भ. ३४ या. स्वा.ल.गो.८रे.६ऽबु.रा.।।।।ऽऽऽ।।	
८	चं ४५ ५७ स्वा ० २ गं १ ४९ बा १३ ५७ ६	३५	२५	५	२३	२१	बृ.४८।१५	मकरेभौम. ३३ धनिष्ठायां रविः ४६ पात—	
९	मं ४८ ५४ वि ४ १९ वृ १ ४९ तै १७ २६ १०	३४	२६	६	२४	२२	वृश्चिके	पातमोक्षः १४।२५ —स्पर्शः ५६।७	
१०	बु ५० ३५ अ ८ १० धु ५८ ५९ ह ५६ १३ ब १९ ४४ १३	३३	२७	७	२५	२३	वृश्चिके	भ.१९ उ.३५ या. श्रवणे बुधः ३० वक्री+	
११	गु ५० ५९ ज्ये १० ५५ ह ५६ १३ ब २० ४७ १६	३३	२७	८	२६	२४	ध.१०।५५	विजया ११ ब्र. स्मा. वै.	
१२	शु ५० ५ मू ११ ५१ व ५२ १५ कौ २० ३२ २०	३२	२८	९	२७	२५	धनुषि	विजया ११ ब्र. नि. +उफायां२ गुरुः ३१	
१३	श ४७ ५४ पू १२ २६ सि ४७ १ ग १९ ० २३	३१	२९	१०	२८	२६	म.२७।८	भ. ४७।५४ उ. प्रदोषः	
१४	र ४४ ३३ उ ११ १६ व्य ४२ ५ वि १६ १४ २७	३१	२९	११	२९	२७	मकरे	भ.१६ या. पूर्वास्तंबुधः ३४ महाशिवरात्रीव्र.	
२०	चं ४० ४० श्र ९ १० व ३५ ४७ च १२ ३६ ३०	३०	३०	१२	१	२८	कु.३७।४७	कुम्भेऽर्कः ४९ रेवत्यांशुक्रः २८ सोमवती ३०	

४३पं. फा.कृ.४ बृ.इ.२।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	५	११	२	२	९
१८	२६	०	३	५	११	२४	१८
४९	४६	२६	४६	४०	४७	४	४९
९	८	४२	३४	४१	१७	३५	२३
६१	४४	९१	३८	६०	१६	३	६०
४	१३	१०	ब	२३	ब	११	५५

गोचरग्रहाः

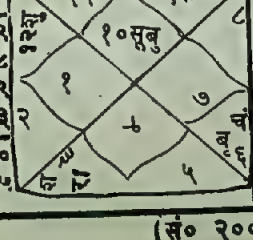

फा. कृ. ३० चंद्रे कुम्भेऽर्कःप्र.वा.३ नं.३अतिवंध्यावस्था(सूती)मु.३० (धान्याभाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

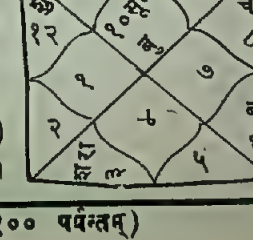

४४पं. फा.कृ. ११ बृ.इ.२।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	११	२	२	९
२५	२	११	३	१२	११	२३	२५
५५	६	७	१६	३०	२५	४२	५५
५७	४०	१६	४४	३२	२६	२०	१३
६०	४४	९५	४७	५७	३५	३	६०
५५	२९	५२	ब	३२	ब	११	४७

*केमंबु (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ×केमंब +चंशरा

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३६०२ स.१९४५
१	मं ३५ ४२ ध ६ १८ प २८ ४७ किं ८ ११	३७	६	५१	१३	२	२९	कुम्भे	
२	बु ३० १८ श ५६ ५५ शि २१ २४ बा ३ ०	३८	२८	३२	१४	३	३०	मी४५।९	पूर्वाभाद्रपदाक्षयः ५६।१९ चंद्रदर्शनम्+
३	गु २४ ३२ उ ५५ ९ सि १३ ५५ ग २४ ३२	४२	२८	३२	१५	४	१	मीने	भ. ५१।३६ उ. धनिष्ठायां बुधः ३४।१*
४	शु १८ ४१ रे ५० ५८ सा ५६ ४३ वि १८ ४१	४६	२७	३३	१६	५	२	मे.५०।५८	भ. १८।४१ या. शुभयोग क्षयः ५२।१४
५	श १२ ५३ अ ४७ ११ शु ५० ४१ बा १२ ५३	५०	२६	३४	१७	६	३	मेषे	*पुन.१ राहुःपूषायां३ केतुः५५ रविलावल०
६	र ७ १५ भ ४३ ३१ ब्र ४३ २४ तै ७ १५	५४	२५	३५	१८	७	४	बृ.५७।४५	शते रविः३८।१० श्रवणे भौमः २६।१०
७	चं २ २ कृ ४० २८ ऐं ३६ १७ व २ २	५८	२४	३६	१९	८	५	वृषे	भ.२।२ उ. २९।४६ या. कुम्भे बुधः ३१*
८	चं ५५ २८ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०मु.२ उभा. ल. ८ रे. ७ ।।।।ऽबृ.ऽ।।।ऽ
९	मं ५३ ७ रो ३८ १० वै ३० ३ बा २५ ४०	२	२४	३६	२०	९	६	वृषे	
१०	बु ५१ ७ मृ ३६ ३४ वि २४ ३३ तै २२ २९	६	२३	३७	२१	१०	७	मि७।१२	
११	गु ४९ २८ आ ३६ ३० प्री १९ ५६ व २० १७	१०	२२	३८	२२	११	८	मिथुने	भ.२०।१७ उ.४९।२८या. आमलकी११ब्र.
१२	शु ४८ ५७ पु ३७ १८ आ १६ ११ ब १९ १३	१४	२१	३९	२३	१२	९	क.२२।६	शते बुधः १५।५८ आमलकी ११ ब्र.
१३	श ५० १ पु ३९ ३३ सौ १३ २५ कौ १९ २९	१८	२०	४०	२४	१३	१०	कर्के	प्रदोषः ×होलाष्टक होई ८
१४	र ५२ १२ श्ले ४२ ५४ शो ११ ३८ ग २१ ६	२२	२०	४०	२५	१४	११	सिं४२।४५	भ. ५२।१२ उ. +फुलरिया २
१५	चं ५५ ३८ म ४७ ४३ अ १० ४८ वि २३ ५०	२६	१९	४१	२६	१५	१२	सिंहे	भ. २३।५० या. होलिका दहनम्

४५पं.फा.शु.३बृ.इ.२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	५	११	२	२	१०
३	७	२२	२	१९	११	२३	३
१	२८	२७	३८	१७	८	२०	०
५९	३४	३२	३९	४६	३५	४	९
६०	४४	०	६	५४	५१	३	६०
४२	३९	९	ब	२०	ब	११	३७

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ है सरसों सन कुष्ठा कपड़ा नील दाख सोंठ गुड़ खांड घृत गेहूँ तेज होगा।

गोचरग्रहाः

४६पं.फा.शु.११बृ.इ.२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	५	११	२	२	१०
१०	१२	४	१	२५	१०	२२	१०
६	५०	२९	५३	२२	५६	५७	३
३०	५३	४६	५६	२६	४६	४९	३८
६०	४४	०	६	४८	१	३	६०
३१	४४	९	ब	५६	ब	११	२५

ति.	प्र. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ५९ ० पू ५२ ५७ सु १० ५० बा २७ ४९	३८	६	५	२७	१६	१३	सिंहे	मेषेऽश्वन्यां च शुक्रः ५९।२९ वसंत
२	बु ६० ० उ ५९ ५ धृ ११ ४३ तै ३२ २७	३४	१५	४३	२८	१७	१४	कं.९।२८	उफा. गो. गो. रे. ९ ।।ऽबृ.।।।।।।
२	गु ४ ५४ ह ६० ० शू १२ ४७ ग ४ ५४	३८	१६	४४	१	१८	१५	कन्यायां	भ. ३७।३१ उ. मार्चं मा. ३ ता. ३१
३	शु १० ९ ह ५ ३३ गं १४ ७ वि १० ९	४२	१६	४४	२	१९	१६	तु.३८।३२	भ. १९ या. पूभायां बुधः ३९ चतुर्थी ब्र.
४	श १५ १४ चि ११ ३२ वृ १५ ११ बा १५ १४	४६	१५	४५	३	२०	१७	तुलायां	पूभायां रविः ५२।५८
५	र १९ ५४ स्वा १७ ५७ ध्रु १५ ४९ तै १९ ५४	५०	१४	४६	४	२१	१८	तुलायां	
६	चं २३ ५१ वि २३ १५ ध्या १६ ३३ व २३ ५१	५४	१३	४७	५	२२	१९	बृ.६।५६	भ. ३३ उ. ५५ या. मार्गी शनिः ४७।२
७	मं २६ ३९ अ २७ १४ ह १५ ५७ ब २६ ३९	५८	१२	४८	६	२३	२०	बृश्चिके	
८	बु २८ १२ ज्ये ३० ८ व १४ ३९ कौ २८ १२	२९	१२	४८	७	२४	२१	ध.३०।८	मीने बुधः४०।१४ धनिष्ठायां भौमः ३६*
९	गु २८ २६ मू ३१ ४९ सि ११ ५३ ग २८ २६	६	११	४९	८	२५	२२	धनुषि	भ. ५७।५५ उ. *शीतला पूजनम्
१०	शु २७ २४ पू ३२ २६ व्य ८ २७ वि २७ ३४	१०	१०	५०	९	२६	२३	म.४८।१३	भ. २७।२४ उभायां बुधः २०।१२ वक्री+
११	श २५ ४ उ ३१ ३३ व ५४ ५८ बा २५ ४	१४	९	५१	१०	२७	२४	मकरे	परिघयोगक्षयः ५४ पापमोचनी ११ ब्र.
१२	र २१ ४५ श्र २९ ४४ शि ५२ ४१ तै २१ ४५	१८	८	५२	११	२८	२५	कु.५८।२१	प्रदोषः +सिंहे गुरुः ३४।२७
१३	चं १७ ३३ ध २७ ० सि ४७ ८ व १७ ३३	२३	७	५३	१२	२९	२६	कुम्भे	भ. १७।३३ उ. ४५।१ या.
१४	मं १२ ३० श २३ ५२ सा ३८ ५८ श १२ ३०	२७	७	५३	१३	३०	२७	कुम्भे	मीनेऽर्कः .५३।१६ मन्वादिः
३०	बु ७ ० पू २० २ शु ३१ ३० ना ७ ०	३१	६	५४	१४	१	२८	मी६।००	पश्चिमोदयीबुधः ४६ अहर्गणः ३६ च.३के.

४७पं.प्र.चै.कृ.२ब.इ.३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	५	०	२	२	१०
१७	१८	१७	१	०	१०	२२	१७
९	१४	१६	५	४५	५०	३५	५
२०	५३	४१	२४	१४	२८	३३	५२
६०	४४	२८	३१	४२	२७	३	६०
२०	५५	५९	ब	३०	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

प्र.चैत्र कृ.१४ भौमे मीनेऽर्कः प्र.वा.२ न. ४ पुत्रवत्सलावस्था (सूती) मुहूर्ता ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चिमे।

गोचरग्रहाः

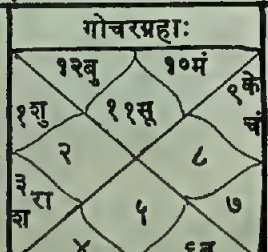

४८पं.प्र.चै.कृ.९बृ.इ.३।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	५	०	२	२	१०
२४	२३	०	०	५	१०	२२	१४
१०	४०	४६	१२	१७	४९	१३	६
४१	१६	३७	१४	१०	२६	१८	२४
६०	४५	०	६	२४	१३	३	५९
५	१	९	ब	१६	ब	११	५८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*शराचं

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०४६ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०४६ भोग्यकलिः ४२६९५४ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २००२ शाकः १८६७ अथास्मिन्वर्षेराजा शुक्रः । मंत्री शुक्रः । सस्येशश्चन्द्रः । धान्येश शनिः । मेघेशो गुरुः । रसेशो बुधः । नीरसेशो रविः । फलेशो गुरुः । घनेशो रवि : । दुर्गेशो गुरुः । एतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां१२ विलम्बनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः १।२१।५८।४८ भोग्यमासादिः १०।८।१।१२ पित-दैवतं युगम् । वर्षनामः फ़ाल्गुनः। मेघ४नाम संवर्तः । समय निवासो वणिग्गृहे (ताखड़ी में)। रोहिणी निवासः संधौ । समय विश्वा २० । समयवाहनं दर्दुरः । स्तंभ १ । सोमवत्यमा १ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी १ । समयमुहूर्ताः ३१५ । समयदिनानि ३०४ । तिथिक्षयः १६ । तिथि वृद्धिः १०। उत्पति विश्वा ९९। खपति विश्वा १२६ । वर्षा विश्वा ७। धान्यम् १७, तृणम् १३. शीतम् १३. तेज १३. वायु ७ वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १११ सत्यम्।। धर्मम् १।। पाप १८ शनिदृष्टिः पूर्वे । ग्रहणे २ चन्द्रमसः ।

सं.२००२ ज्येष्ठ शु. १५ चंद्रे खंड ग्रासं चंद्रग्रहणम् विश्वा १७।२०

		स्प.	म.	मो.	पर्व
रेल्वे टाइम	घं.	७	८	१०	३
	मि.	११	४७	२३	१२
देशी टाइम	घं.	६	८	९	३
	मि.	४०	१६	५२	१२

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ०।२६

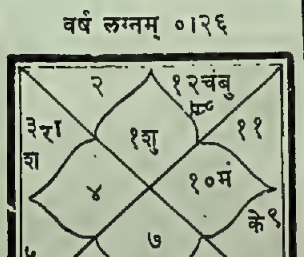

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ भैरव भणे माता के दरबार ।
शुभ संवत्सर दोय का कहदो भेद विचार ।।

भवानी उत्तर

माता कहती प्रेम से सुनहो भैरव लाल ।
कहीं जमाना किरकिरा कहींक पड़सी काल ।।
समय निवासो वैश्यघर रोहिणी संधि निवास ।
धान्याधिप रवि तनय है करें धान्य का नाश ।।
मंगल सौरिराहु का मिथुन राशि में योग ।
चतुर्मास के मध्य में वर्षा योग कुयोग ।।
आपस में भूपति लड़ें वहे रक्त की धार ।
धरा कंप अरु रोग से घटे मही का भार ।।
पण भैरव भय मत करे भार्गव नृपति प्रधान ।
इंद्र पुरोहित मेघपति आखिर राखे मान ।।
धर्म कर्म करते रहो जपत रहो हरिनाम ।
दुःख मिटे संकट कटे सिद्ध होय सब काम ।।

सं. २००२ मार्ग. शु. १४ भौमे ग्रस्तास्तं चंद्रग्रहणम् विश्वा २७।१

		स्प.	स.	म.	उ.	मो.	पर्व
रेल्वे टाइम	घं.	६	७	७	८	९	३
	मि.	९	१३	५१	३२	३६	२७
देशी टाइम	घं.	५	६	७	८	९	३
	मि.	४३	४७	२५	६	१०	२७

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ३।८

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४।३६

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम्-शुक्रस्य राज्ये बहुसस्य संकुला स्वतीव्रवेगाः सरितोम्बु-राशिभिः । फलन्ति वृक्षाः बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ।। मंत्री भृगुस्तत्फलम्-भृगुसुते ननु मंत्रिपदं गते शलभ-मूषकरासभमाहिषैः । भवति धान्यं समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोऽधिकम् ।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम्-सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघाः पयोमुंचति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णाः ।। धान्येशः शनिस्तत्फलम्-दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देशविग्रहम् । सौराष्ट्र देशभंगश्च यत्र धान्याधिपः शनिः ।। मेघेशो गुरुस्तत्फलम्-गुरुरपि प्रियदृष्टि-करः सदाखिलविलासवती धरणी तदा । श्रुतिविचारपरानरपालका रससमृद्धियुता-खिलमानवाः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम्-रस-पतौ द्विजराज सुते महीसुलभधान्यघृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायकपालिता बहुजलाखिल देश सुरक्षिताः ।। नीरसेशो रविस्तत्फलम्-नीरसाधिपतौ सूर्ये त्रपु-चंदनयोरपि । रत्नमाणिक्य मुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो गुरुस्तत्फलम्-सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभया वनराशिमहाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सवमंदिराः श्रुतिविचारपरा द्विजपूर्वकाः ।। धनेशो रविस्तत्फलम्-द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहुद्रव्य समागमः । गजतुरंगम मेषखरोष्ट्रतो धनचयं लभते क्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरु-स्तत्फलम्-सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवरा नरपाः करपालिताः । गिरिषुवैनगरेषुसमं सुखं सुखमति द्विजशस्त्रवतां विशाम् ।। वर्षनाम फाल्गुनस्तत्फलम्-सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्यपश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे भवेत् ।। विलंब नाम संवत्सरस्तत्फलम्-विलंबेवत्सरे भूपाः परस्पर विरोधिनः । प्रजापीड़ा महर्घत्वं तथापि सुखिनो जनाः ।। मेषनाम संवर्तस्त-त्फलम्-संवर्ते जलपूरिता ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम्-खंडवृष्टिश्च संधिषु ।। समय निवासो वणिग्गृहे फलम्-वणिग्गृहे शुभं नास्ति ॥ एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २००२ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

द्वितीय चैत्र मासः

शुक्ला १२ भौमे हस्ते ल. ८ रे. ७ ऽश।।।।ऽअग्निऽ।।।
,, १३ बुधे हस्ते ल. अन्यगो. ८ रे. ८ ऽश।।।।।ऽ।।।
,, १५ शुक्रे स्वात्यां ल. ८ रे. ८ ।।।।।।ऽनृ।ऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा ४ भौमे मूले ल. गो. ८ रे. ८ ।।।।।ऽरो।ऽ।।
शुक्ला २ रवौ रोहि. ल. ८ (चंद्रोऽत्राऽर्च्यः) रे. ९ ।।।।।ऽ
अ।।।। मांसांतदोषः अत्यावश्यके

कार्तिक मासः

शुक्ला १२ शुक्रे रेव. ल. गो. ६ रे. ७ ऽसू।।।।।ऽऽ।। निरंशक
दोषः कन्यालग्ने चंद्रोऽर्च्यः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ भौमे रोहि. ल. ५-६ रे. ७ ।।।।ऽसूऽनृ।ऽ।। सिंहे
शनिशुक्रौपूज्यौ
,, २ बुधे मृगे ल. ५-६ रे. ८ ।।।।ऽबु।ऽ।।। सिं.श.शु.पू.
,, ६ रवौ मघा. ल. ७ रे. ८ ऽमं।।।।।।ऽ।। घ. ५३-३८
उ. ५५-५० यावत्

कृष्णा ८ भौमे उफा.ल.७(घ.५६-२३उ.)रे.८ऽशु।।।।।।ऽ।।
,, १० गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. ५-७ रे. ७ ।।।।ऽनृऽऽ।।
सिंहे शनि पूज्यः
शुक्ला ३ शुक्रे उषा. ल. ६-७ रे. ८ ।।।।ऽशऽनृ।।।। कन्या
लग्न २२ अं. यावत् तुलायां रिक्तादोषः
,, ८ बुधे उभा. ल.६ रे.१०।।।।।।।।।। सप्तमेचंद्रोच्यः

फाल्गुन मासः

शुक्ला ६ शनौ रोहि. ल. अन्यगो. ११ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
कुम्भलग्न सोंगः

ति.	श्री प्र.चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३६३२स. १९४५
१	गु	१	११	उ	१६	१	शु	२४	२३	ब	१	११	३९/३६	६/५	५/५५	१५	२	२९	मीने	संवत्सरारम्भः चन्द्रदर्शनम्
२	गु	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	४९	२२	रे	११	४८	ब्र	१६	५	तै	२२	२४	४०	४	५६	१६	३	१	मे.११।४८	रविलाखर मु. ४ रेवत्यां बुधः २३।३५*
४	श	४३	४७	अ	७	५२	ऐं	८	४४	व	१६	३४	४५	३	५७	१७	४	२	मेषे	भ.१६/३४ उ.४३/४७ या. उत्तराभाद्रे. रविः १३/५४
५	र	३८	३२	भ	४	१५	वै	१/६	५३/२	व	११	९	४९	२	५८	१८	५	३	वृ.१८।२६	*कुम्भे भौमः १६।२८
६	चं	३३	५७	कृ	१/०	५७/३८	प्री	४७	४३	कौ	६	१४	५३	१	५९	१९	६	४	वृषे	
७	मं	३०	१६	मृ	५६	२०	आ	४२	१	ग	२	७	५७	१	५९	२०	७	५	मि२७।२९	भ. ३०।१६ उ. ५८।५३ या.
८	बु	२७	३०	आ	५६	१५	सौ	३७	१०	ब	२७	३०	३०/१	६/०	६/०	२१	८	६	मिथुने	
९	गु	२५	५१	पु	५६	५९	शो	३३	१५	कौ	२५	५१	६	५/५९	६/१	२२	९	७	क.४१।४८	
१०	शु	२५	१९	पु	५८	५६	अ	३०	१३	ग	२५	१९	१०	५८	२	२३	१०	८	कर्के	भ. ५५।४९ उ.
११	श	२६	२०	श्ले	६०	०	सु	२८	१२	वि	२६	२०	१४	५७	३	२४	११	९	कर्के	भ.२६।२०या. कमला११ब्र. शतेभौमः५४/४८
१२	र	२८	३१	श्ले	२	७	धृ	२७	१४	बा	२८	३१	१८	५६	४	२५	१२	१०	सिं २।७	मेषेऽश्विन्यां च बुधः२।११ वक्री शुक्रः५२/४२
१३	चं	३१	५५	म	६	२५	शू	२६	५९	कौ	०	१४	२२	५६	४	२६	१३	११	सिंहे	
१४	मं	३६	१५	पू	११	३७	गं	२७	३७	ग	४	५	२६	५५	५	२७	१४	१२	कं.२८।९	भ. ३६।१५ उ.
१५	बु	४१	११	उ	१७	४६	वृ	२८	४१	वि	८	४३	३०	५४	६	२८	१५	१३	कन्यायां	भ. ८।४३ या.

४९पं.प्र.चै.शु.१बृ.इ.३।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	४	०	२	२	११
१	२९	२४	२९	८	१०	२१	१
१०	५	२०	१८	३५	५४	५१	५
२३	२०	२४	११	२०	४	३	४६
५९	४५	०/०	७/५४	२३	१/०	३	५९
४९	११	४९/४९	ब	५	मा	११	४१

गोचरग्रहाः

इस मास का फल सामान्य है। प्रजा में सुख-शांति, अन्न एवं रस पदार्थ मंदे हों एवं शुक्लपक्ष में गुड़-शक्कर तेज होंगें

गोचरग्रहाः

५०पं.प्र.चै.शु.१०बृ.इ.४।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	४	०	२	२	११
८	४	२५	२८	१०	११	२१	८
८	३१	५८	२४	२३	३	२८	३
१७	१६	३७	१४	२८	५८	४७	२२
५९	४५	८१	७/५०	९	१	३	५९
३५	१७	२३	ब	१	३६	११	२९

ति.	द्वि. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे प्र.चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४६	१८	ह	२४	७	ध्रु	३०	१	बा	१३	४४	३०/३४	५/५३	६/७	२९	१६	१४	तु.५७।२२	
२	शु	५१	२३	चि	३०	३७	व्या	३१	२३	तै	१८	५०	३९	५२	८	३०	१७	१५	तुलायां	रेवत्यां रविः ४१।२२
३	श	५५	५२	स्वा	३६	४५	ह	३२	३७	व	२३	३७	४३	५१	९	३१	१८	१६	तुलायां	भ.२३।३७ उ.५५/५२या. वक्री बुधः४६।३०
४	र	५९	४१	वि	४२	१०	व	३३	६	ब	२७	४७	४७	५१	९	१	१९	१७	वृ.२५।४९	अप्रेल मा. ४ ता. ३० चतुर्थी व्रतम्
५	चं	६०	०	अ	४६	३१	सि	३२	५३	कौ	३०	५९	५२	५०	१०	२	२०	१८	वृश्चिके	
५	मं	२	१७	ज्ये	४९	४०	व्य	३१	३८	तै	२	१७	५६	४९	११	३	२१	१९	ध.४९।४०	
६	बु	३	४३	मू	५१	१६	व	२९	३३	व	३	४३	३१/०	४८	१२	४	२२	२०	धनुषि	भ. ३।४३ उ. ३३।४६ या.
७	गु	३	५०	पू	५२	२२	प	२६	४६	ब	३	५०	४	४७	१३	५	२३	२१	धनुषि	बुधास्तः पश्चिमायां १।५५
८	शु	२	४२	उ	५१	४९	शि	२२	३०	कौ	२	४२	८	४६	१४	६	२४	२२	म.७।१४	वक्री पूर्वा. फाल्गुन्यां ४ गुरुः ३७।३३
९	श	०	२०	श्र	५०	१४	सि	१७	२१	ग	०	२०	१२	४६	१४	७	२५	२३	मकरे	भ. २८।३७ उ. ५६।५४ या.
१०	श	५६	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	र	५२	३२	ध	४७	५०	सा	११	४१	ब	२४	४२	१६	४५	१५	८	२६	२४	कुं.१९।२	कमला ११ ब्र. स्मा.
१२	चं	४७	२५	श	४४	३४	शु	५/१७	५२/५४	कौ	१९	५९	२०	४४	१६	९	२७	२५	कुम्भे	कमला ११ ब्र. वै. निं.
१३	मं	४१	४६	पू	४१	१	ब्र	५०	३८	ग	१५	५	२४	४३	१७	१०	२८	२६	मी२६।५४	भ.४१/४६ उ. प्रदोष ब्र. पू.भा.यां. भौमः५९/४९
१४	बु	३५	५४	उ	३६	५७	ऐं	४३	२२	वि	८	५०	२८	४२	१८	११	२९	२७	मीने	भ. ८।५० या.
३०	गु	२९	५५	रे	३३	५	वै	३५	५०	च	२	५५	३२	४२	१८	१२	३०	२८	मे.३३।५	अधिक मास समाप्तिः

५१पं.द्वि.चै.कृ.१बृ.इ.४।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	०	४	०	२	२	११
१५	९	३	२७	१०	११	२१	१४
४	५६	१२	३२	२१	१९	६	५९
१९	५६	३२	२४	३२	३४	३२	१८
५९	४५	२१	७/१६	७/३५	२	३	५९
१८	२२	३४	ब	ब	२०	११	१६

गोचरग्रहाः

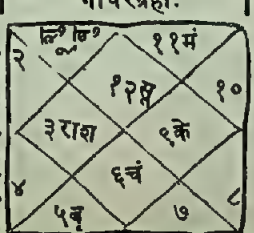

इस मास का फल उत्तम है। प्रजामें अमन चैन रहें। हीरा,मोती,मणि एवं सीपो में तेजी आवे।

गोचरग्रहाः

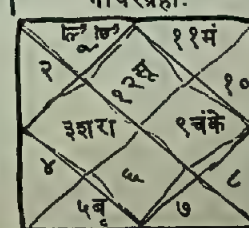

५२पं.द्वि.चै.कृ.७बृ.इ.४।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	०	४	०	२	२	११
२१	१५	४	२६	८	११	२०	२१
५८	२१	५३	४९	१९	३९	४४	५३
३१	४७	१३	५६	२३	४०	१७	३१
५९	४५	३८/२२	८/२६	२३/५२	३	३	५९
४	२९	ब	ब	ब	५	११	४

ति.	द्वि. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६१स.१९४५
१	शु	२३	५७	अ	२४	५१	वि	२८	१०	ब	२३	५७	३१/३६	५/४१	६/१९	१३	३१	२९	मेषे	नवरात्रा.मेषेऽर्कः १५/२३ पश्चिमास्तशुक्रः १३/४
२	श	१८	१४	भ	२५	११	प्री	२०	३७	कौ	१८	१४	४०	४०	२०	१४	१	१	वृ.३९।२३	मत्स्य ज. जमादिलावल ५ प.अ.शु.
३	र	१२	५५	कृ	२२	०	आ	१३	४९	ग	१२	५५	४४	३९	२१	१५	२	२	वृषे	भ. ४०।४१ उ. गणगौरी पू.
४	चं	८	२८	रो	१९	१७	सौ	७	५	वि	८	२८	४८	३८	२२	१६	३	३	मि४८।१९	भ.८।२८या. ●चंद्रद. वक्रीमीने बुधः ५८/१८
५	मं	४	३८	मृ	१७	२१	शो	१/१२	५५/६	बा	४	३८	५१	३८	२२	१७	४	४	मिथुने	पूर्वोदयी शुक्रः ५८।४८ पू. उ. शु.
६	बु	१	४६	आ	१६	३५	सु	५२	७	तै	१	४६	५५	३७	२३	१८	५	५	मिथुने	भ. ६०।० उ.
७	बु	५८	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	गु	५९	३६	पु	१६	५३	धृ	४८	५२	वि	२७	५७	५८	३६	२४	१९	६	६	क.१।४९	भ.२७/५७या.दुर्गापू. भवान्युत्पत्तिःवक्री मीने
९	शु	६०	०	पु	१८	४१	शू	४६	४३	बा	२९	५१	३२/२	३६	२४	२०	७	७	कर्के	रामनवमी
९	श	०	१६	श्ले	२१	९	गं	४५	३२	कौ	०	१६	६	३५	२५	२१	८	८	सिं२१।९	पूर्वोदयी बुधः ४१।३१
१०	र	२	१५	म	२५	२६	वृ	४५	१६	ग	२	१५	१०	३४	२६	२२	९	९	सिंहे	भ. ३३।५८ उ.
११	चं	५	४२	पू	३०	३१	ध्रु	४५	४९	वि	५	४२	१३	३३	२७	२३	१०	१०	कं.४६।५९	भ.५/४२या. कामदा ११ब्र. मीने भौमः ५६/४३
१२	मं	९	५५	उ	३६	२२	व्या	४६	५८	बा	९	५५	१७	३३	२७	२४	११	११	कन्यायां	
१३	बु	१४	४०	ह	४२	४९	ह	४८	१९	तै	१४	४०	२१	३२	२८	२५	१२	१२	कन्यायां	×शुक्रः २४/२६ आर्द्रायां.४राहुःपूषायां२केतुः
१४	गु	१९	४१	चि	४९	२२	व	४९	४९	व	१९	४१	२५	३१	२९	२६	१३	१३	तु.१६।५	भ.१९/४१ उ.५२/८या. भरण्यां रविः ५७।१७
१५	शु	२४	३६	स्वा	५५	४२	सि	५१	५	ब	२४	३६	२९	३०	३०	२७	१४	१४	तुलायां	हनुमज्जयंती वै.स्ना.प्रा. अगस्त्यास्तः २/२

१पं.द्वि.चै.शु.१शु.इ.२०।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	४	०	२	२	०
०	२१	०	२५	३	१२	२०	०
४	४६	२८	५४	५०	७	१८	०
४१	३७	२६	११	२	१६	२	०
५८	४५	४५/२०	५/१९	३६/१३	३	३	५८
४५	२५	ब	ब	ब	४९	११	४४

२पं.द्वि.चै.कृ.९शु.इ.२०।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	४	११	२	२	०
६	२७	२५	२५	२९	१२	१९	६
५४	१०	५०	१९	२७	३७	५५	५०
५१	५५	२	१९	५८	२६	४६	३८
५८	४५	२७/३५	४/७	३४/०	४	३	५८
२९	३२	ब	ब	ब	२९	११	३१

३पं.द्वि.चै.शु.१५शु.इ.२१।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	४	११	२	२	[illegible]
१३	२	२४	२४	२५	१३	१९	[illegible]
४३	३४	२	५४	५९	१२	३३	[illegible]
१४	५९	६	४	२०	१४	३१	[illegible]
५८	४५	३/५६	२/५६	२१/४२	४	३	[illegible]
१२	२८	ब	ब	ब	५६	११	[illegible]

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२९	६	वि	६०	०	व्य	५१	५१	कौ	२९	६	३३/३३	५/२९	६/३१	२८	१५	१५	वृ.४४।४४	मार्गीबुधः ३४/४ उभायांभौमः २१/५७ आर्द्रायां ३
२	र	३२	५२	वि	१	४	व	५१	५५	तै	०	५८	३६	२९	३१	२९	१६	१६	वृश्चिके	
३	चं	३५	२६	अ	५	४४	प	५१	४	व	३	८	४०	२८	३२	३०	१७	१७	वृश्चिके	भ. ४।८ उ. ३५।२६ या. चतुर्थी ब्र.
४	मं	३७	५	ज्ये	९	१६	शि	४९	९	ब	६	१६	४३	२७	३३	१	१८	१८	ध.९।१६	मई मा. ५ ता. ३१ =शनिः ५५।४१
५	बु	३६	५२	मू	११	३०	सि	४६	२७	कौ	६	५९	४७	२७	३३	२	१९	१९	धनुषि	
६	गु	३५	३८	पू	१२	२७	सा	४२	३८	ग	६	१५	५०	२६	३४	३	२०	२०	म.२७।२६	भ. ३५।३८ उ.
७	शु	३३	१२	उ	१२	२३	शु	३७	५३	वि	४	२५	५४	२५	३५	४	२१	२१	मकरे	भ. ४।२५ या.
८	श	२९	५२	श्र	१०	५५	शु	३२	२२	बा	१	३२	५७	२५	३५	५	२२	२२	कु.३९।४७	
९	र	२४	४९	ध	८	४०	ब्र	२७	१२	ग	२४	४९	३३/१	२४	३६	६	२३	२३	कुम्भे	भ. ५१।२८ उ. मार्गी शुक्रः ३५।८
१०	चं	२०	८	श	५	४४	ऐं	१९	२७	वि	२०	८	४	२३	३७	७	२४	२४	मी४८।२	भ. २०।८ या.
११	मं	१४	२७	पू	२/८	५६/८	वै	१२	१३	बा	१४	२७	७	२३	३७	८	२५	२५	मीने	वरूथिनी ११ ब्र.
१२	बु	८	३३	रे	५४	२	वि	५/४५	५२/२२	तै	८	३३	१०	२२	३८	९	२६	२६	मे.५४।२	प्रदोषः मेषेऽश्विन्यां बुधः ४७।१६
१३	गु	२	३०	अ	४९	५७	आ	४९	३४	ब	२	३०	१३	२१	३९	१०	२७	२७	मेषे	भ.२।३० उ.२९/३१या. कृत्तिकायां रविः ४५/१२
१४	गु	५४	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	शु	५०	२९	भ	४६	८	सौ	४२	७	च	२३	३०	१६	२१	३९	११	२८	२८	मेषे	मार्गी गुरुः ५३।०

४पं. वै.कृ.७ शु.इ.२१।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	४	११	२	२	०
२०	७	२५	२४	२४	१३	१९	२०
२९	५८	५३	३६	१६	५०	११	२७
५२	३७	५६	३६	३०	२०	१५	२२
५७	४५	३८/४५	३/३३	५/११	५	३	५८
५७	२३	मा	ब	ब	२३	११	६

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार तथा ५ रविवार अशुभ-फल कारक हैं। प्रजा में रोगादि उपद्रव हैजेका भय

गोचरग्रहाः

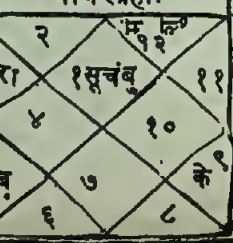

५पं. वै.कृ.३०शु.इ.२१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	४	११	२	२	[illegible]
२७	१३	१	२४	२४	१४	१८	[illegible]
१५	१९	२	२७	३१	३१	४९	[illegible]
६	४४	२	५०	२६	२६	०	[illegible]
५७	४५	३९	०/५	११/६	५	३	[illegible]
४५	१७	२६	ब	मा	२०	११	[illegible]

●मंबुशु

●मंशुबु

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३६९० सन् १९४५
१	श ४५ १९ कु ४२ ४१ शो ३५ ७ कि	१७ ५४	३३ २०	५ ४०	६ १२	२९	२९	बृ.०।१६	
२	र ४० ३६ रो ३९ ४१ अ २८ ३० वा	१२ ५७	२२ २०	४०	१३	३०	३०	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	चं ३६ ४२ मृ ३७ ४९ सु २२ २८ तै	८ ३७	२५ १९	४१	१४	३१	१	मि८।४५	वृषेऽर्कः १२।५९ अक्षया ३ परशुराम ज.*
४	मं ३३ ४४ आ ३७ ४२ पृ १७ ४२ च	५ १३	२८ १८	४२	१५	१	२	मिथुने	भ.१५ उ.३३ या. रेवत्यां भौमः४३।३६
५	बु ३१ ५४ पु ३८ ५४ शू १३ ६ ब	१ ४९	३१ १८	४२	१६	२	३	क.२३।३६	
६	शु ३१ २९ पु ३९ ४६ गं ९ ४९ कौ	१ ४२	३४ १७	४३	१७	३	४	कर्के	
७	शु ३१ ५९ श्ले ४१ ३९ वृ ७ २५ ग	१ ४४	३६ १७	४३	१८	४	५	सिं४१।३९	भ. ३१।५९ उ. *जमादिलाखर मु. ६
८	श ३३ ५६ म ४४ १९ धु ६ ७ वि	२ ५८	३८ १६	४४	१९	५	६	सिंहे	भ. २।५८ या.
९	र ३७ ७ पू ४९ २६ ब्या ५ ४५ बा	५ ३१	४१ १६	४४	२०	६	७	सिंहे	
१०	चं ४१ १४ उ ५५ १ ह ६ १० तै	९ १०	४३ १५	४५	२१	७	८	कं. ५।५८	
११	मं ४६ ४ ह ६० ० व ७ १५ च	१३ २९	४६ १५	४५	२२	८	९	कन्यायां	भ. १३।३९ उ.४६।४ या. मोहिनी११ब्र.×
१२	बु ५० ५१ ह १ २५ त्रि ८ ४३ ब	१८ २८	४८ १४	४६	२३	९	१०	तु.३४।४६	×भरण्यां बुधः ५४।३२
१३	शु ५५ ४२ चि ७ ४७ व्य १० १३ कौ	२३ १६	५० १४	४६	२४	१०	११	तुलायां	प्रदोषः रोहिण्यां रविः ३९।८
१४	शु ६० ० स्वा १४ १५ च ११ ३५ ग	२७ ५६	५२ १४	४६	२५	११	१२	तुलायां	नृसिंहजयंती मेषे शुक्रः ३९।४९
१५	श ० ९ वि १९ ५४ प १२ २१ च	० ९	५४ १३	४७	२६	१२	१३	बृ. ३।३७	भ. ०।९ उ. ३१।५९ या. कूर्मजयंती
१५	र ३ ५० अ २४ ३३ शि १२ ५० ब	३ ५०	५६ १३	४७	२७	१३	१४	वृश्चिके	जलघटान्नदानं बै. स्ना. समाप्ति

६पं. वै.शु.७ शु.इ.२१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	४	११	२	२	१
३	१८	८	२४	२९	१५	१८	३
५८	३९	५३	२८	२९	१६	२६	५८
४३	११	२०	१	२०	१	४५	२६
५७	४५	५८	३	५३	६	३	५७
३४	१२	४०	मा	ब	११	११	४४

गोचरग्रहाः

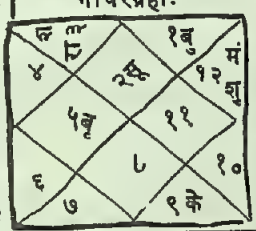

वैशाख शुक्ला ३ चन्द्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.४न ५प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० (धान्य भावसम) शुक्रो. पूर्वे वत्सद.

गोचरग्रहाः

७पं.वै.शु.१४शु.इ.२१।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	४	११	२	२	१
१०	२३	१८	२४	२९	१६	१८	१०
४०	५७	५८	३६	५१	२	४	४२
५४	४७	३४	५४	१४	४९	२९	१८
५७	४४	७९	३	३५	६	३	५७
२३	५४	१	२३	१६	२६	११	३५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं ६ २४ ज्ये २८ २६ सि १२ १५ कौ	६ २४	३३ ३४	५ १२	६ ४८	२८	१४	१५	ध.२८।२६
२	मं ७ ४२ मृ ३१ २ सा १० ४३ ग	७ ४२	० १२	४८	२९	१५	१६	धनुषि	
३	बु ७ ४७ पू ३२ १३ शु ८ ८ वि	७ ४७	२ १२	४८	३०	१६	१७	म.४७।१७	भ.४७या. चतुर्थीब्र. आर्द्रायां४ शनिः३५ ३४
४	गु ६ ३० उ ३२ ३० शु ४ ४२ बा	६ ३०	४ ११	४९	३१	१७	१८	मकरे	वृषे बुधः ४६।३५
५	शु ४ ३ श्र ३१ १७ ब्र ३ ५४ तै	४ ३	६ ११	४९	१	१८	१९	मकरे	जून मा. ६ ता. ३०
६	श ० ३३ ध २९ १८ वै ४८ २६ च	० ३३	८ १०	५०	२	१९	२०	कुं. ०।१७	भ.०।३३ उ.३६ या. मेषे भौमः २५।१७
७	श ५५ ३७ ० ० ० ० ०	० ०	० ०	०	०	०	०	०	
८	र ५० ५७ श २६ १७ वि ४२ २ बा	२३ ३४	९ १०	५०	३	२०	२१	कुम्भे	
९	चं ४५ १८ पू २२ ५२ प्री ३४ ५६ तै	१८ ७	११ १०	५०	४	२१	२२	मी८।४३	
१०	मं ३९ १८ उ १९ १० रे १४ ५९ आ	२७ २६	१२ १८	१२ १०	५०	५	२२	२३	मीने	भ.१२उ.१२या. रोहिण्यांबुधः३६ पूर्वास्तं+
११	बु ३३ १२ रे १४ ५९ सौ १९ ५४ ब	६ १५	१४ ९	५१	६	२३	२४	मि.१३।५९	अपरा ११ ब्र. +बुधः ५६।५०
१२	गु २७ ७ अ ११ ३१ शो १२ ४० कौ	० १०	१५ ९	५१	७	२४	२५	मेषे	मृगे रविः ३७।५७ प्रदोषः
१३	शु २१ १४ भ ७ ६ अ ५५ ५१ ब	२१ १४	१६ ९	५१	८	२५	२६	बृ.२१।१८	भ. २१।१४ उ. ४८।२९ या.
१४	श १५ ४५ कृ ० ५५ भृ ५१ ७ श	१५ ४५	१७ ९	५१	९	२६	२७	बृषे	
२०	र १० ५५ रो २३ ५२ शु ४५ ५ ना	१० ५५	१८ ८	५२	१०	२७	२८	मि२९।२२	भावुका ३० वटाऽर्चनम्

८पं.ज्ये.कृ.५शु.इ.२१।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	४	०	२	२	१
१७	२९	१	२४	४	१६	१७	१७
२२	१२	०	५४	१६	५१	४२	२५
०	४२	४	१४	४४	४७	१४	५
५७	४४	८९	३	४३	६	३	५७
१३	४९	४५	४३	४१	३८	११	२७

गोचरग्रहाः

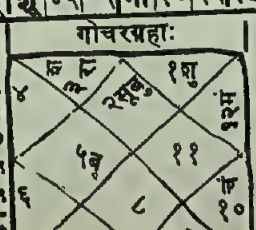

इस मास का फल श्रेष्ठ है रुई चांदी अलसी में घटबढ़ धान्य, जौ, गहूं चावल तेज होगा

गोचरग्रहाः

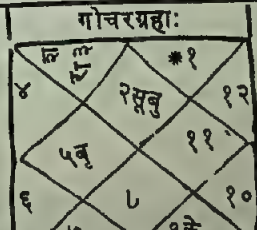

९पं.ज्ये.कृ.१३शु.इ.२२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	४	०	२	२	१
२४	४	१४	२५	९	१७	१७	२४
१	२९	५०	२०	३२	४३	१९	७
५५	३५	४२	३५	४६	१	५९	८
५७	४४	८९	४	४९	६	३	५७
५	२६	४७	५१	४०	५६	११	२२

(सं० २००१ समारब्ध २१०० पर्यन्तम्)

*चंमंशु

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	चं	६	५४	आ	५७	१२	मं	४०	७	ब	६	५४	३४	५	५३	११	२८	२९	मिथुने
२	मं	३	४९	पु	५६	४०	वृ	३५	२३	को	३	४९	२०	८	५२	१२	२९	१	क.४१।४८
३	बु	१	५०	पु	५७	३५	धु	३२	१८	ग	१	५०	२१	८	५२	१३	३०	२	कर्के
४	गु	१	३	श्ले	५९	५४	व्या	२९	२५	वि	१	३	२१	८	५२	१४	३१	३	सिं५९।५४
५	शु	१	४२	म	६०	०	ह	२७	५५	बा	१	४२	२२	८	५२	१५	१	४	सिंहे
६	श	३	२०	म	३	२४	व	२७	१६	तै	३	२०	२२	८	५२	१६	२	५	सिंहे
७	र	६	२९	पू	८	२	सि	२७	३७	व	६	२९	२३	७	५३	१७	३	६	कं.२४।२९
८	चं	१०	२९	उ	१३	४९	व्य	२८	४५	ब	१०	२९	२३	७	५३	१८	४	७	कन्यायां
९	मं	१५	५	ह	१९	२२	व	३०	३	को	१५	५	२३	७	५३	१९	५	८	तु.५३।१
१०	बु	१९	४९	चि	२६	१०	प	३१	४८	ग	१९	४९	२४	७	५३	२०	६	९	तुलायां
११	गु	२४	४७	स्वा	३२	३८	शि	३३	३	वि	२४	४७	२४	७	५३	२१	७	१०	तुलायां
१२	शु	२९	१२	वि	३८	१९	सि	३४	२२	बा	२९	१२	२४	७	५३	२२	८	११	बृ.२१।५४
१३	श	३२	५०	अ	४३	२७	सा	३५	४३	को	१	१	२४	७	५३	२३	९	१२	वृश्चिके
१४	र	३५	२८	ज्ये	४७	४८	शु	३४	२३	ग	४	९	२४	७	५३	२४	१०	१३	ध.४७।४८
१५	चं	३६	५०	मू	५०	२४	शु	३३	३०	वि	६	९	२३	७	५३	२५	११	१४	धनुषि

ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ३७२० स. १९४

चन्द्रदर्शनम्
रज्जब मु. ७ मृगे बुधः १३।३९
भ. ३१।२६ उ. भरण्यां शुक्रः ४।५९
भ. १।३ या. मिथुनेऽर्कः ३८।४५
मिथुने बुधः १९।४८

भ. ६।२९ उ. ३८।२९ या.
आर्द्रायांबुधः २५।५७ अस्तंशनिः५०।४३
×निर्जला ११ ब्र. दक्षिणायनप्रवृत्तिः४६।४
भ.५२उ. आर्द्रायां३राहुःपूषायां१केतुः५१
भ. २४।४७ या. आर्द्रायां रविः ४०।१७
प्रदोषः *भरण्यां भौमः २५।५१
सावित्री व्रतारभः उफायां १ गुरुः ५।४
भ. ३५।२८ उ. पुनर्वसुषु बुधः ४१।३९
भ. ६।९ या. वटसावित्री १५ चंद्रग्रहणं

१०पं.ज्ये.शु.५शु.इ.२१।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	४	०	२	२	२
०	९	०	२५	१५	१८	१६	०
४१	३६	४	५४	२४	३५	५७	४८
३	३२	४१	१८	१४	३१	४३	२५
५६	४४	५९	५	५४	७	३	५७
५७	१६	५९	५९	२६	८	११	१६

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ शु. ४ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ कुमारावस्था (बैठी) मु.१५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयः पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

११पं.ज्ये.शु.१२शु.इ.२१।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	४	०	२	२	२
७	१४	१५	२६	२१	१९	१६	०
१९	४५	१७	३५	४५	२८	३५	२९
३१	४	५६	४	३६	३४	२८	१३
५६	४३	२९	६	५८	७	३	५७
५४	५८	८	४९	१३	१४	११	१९

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्ष सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	मं	३७	१	पू	५१	५८	ब्र	३१	४४	बा	६	५५	३३	५	५३	२६	१२	१५	धनुषि
२	बु	३५	४९	उ	५२	२४	ऐं	२७	२४	तै	६	२५	२३	७	५३	२७	१३	१६	म. ७।४
३	गु	३३	२४	श्र	५२	५५	वै	२३	७	व	४	३६	२२	८	५२	२८	१४	१७	मकरे
४	शु	२९	५७	ध	५०	२०	वि	१७	५२	ब	१	४०	२२	८	५२	२९	१५	१८	कु.२१।३७
५	श	२५	३७	श	४६	४३	प्री	११	५५	तै	२५	३६	२१	८	५२	३०	१६	१९	कुम्भे
६	र	२०	२८	पू	४३	३६	आ	१९	५३	व	२०	२८	२०	८	५२	१	१७	२०	मी२९।२२
७	चं	१४	४८	उ	३९	४२	शो	५०	५३	ब	१४	४८	१९	८	५२	२	१८	२१	मीने
८	मं	८	५३	रे	३५	३०	अ	४३	२०	को	५	५३	१८	८	५२	३	१९	२२	मे.३५।३९
९	बु	२	४२	अ	३१	३१	सु	३५	४८	ग	२	४२	१७	९	५१	४	२०	२३	मेषे
१०	बु	५३	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	गु	५०	३९	भ	२७	२१	धृ	२८	१९	ब	२३	३६	१६	९	५१	५	२१	२४	बृ.४१।२५
१२	शु	४५	४	कृ	२३	३९	शू	२१	९	को	१७	५१	१४	९	५१	६	२२	२५	बृषे
१३	श	३९	५८	रो	२०	४०	गं	१४	२२	ग	१२	३१	१३	९	५१	७	२३	२६	मि४९।२७
१४	र	३६	१	मृ	१८	१४	वृ	८	१२	वि	८	०	१२	१०	५०	८	२४	२७	मिथुने
३०	चं	३२	५१	आ	१६	३७	धु	३	५५	च	४	२६	१०	१०	५०	९	२५	२८	मिथुने

ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पुन. १ शनिः २४ पश्चिमोदयी बुधः ५८
कृत्तिकायां शुक्रः ३४।४६
भ. ४।३६ उ. ३३।२४ या. चतुर्थी ब्र.
कर्के बुधः ४८।१६
बृषे शुक्रः ५१।२६
भ.२०।२८ उ.४७।३८ या. जुलाई मा.७०
*ता. ३१ पुष्ये बुधः ४४।१५

भ. २९।३८ उ. ५६।३४ या.

पुनर्वसौ रविः ४८ योगिनी ११ ब्र. स्मा.
योगिनी ११ ब्र. वै. नि.
भ. ३९।५८ उ. प्रदोषः
भ. ८।० या. कृत्तिकायां भौमः ५०।५१
आश्लेषायां बुधः ५६ सोमवती पुण्यम्

१२पं.आ.कृ.४शु.इ.२१।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	७	०	२	२	२
१३	१९	२९	२७	२८	२०	१६	१४
५७	५०	१४	२२	२८	२२	१३	९
३४	२४	२८	४१	५५	५५	१२	४३
५६	४३	०	७	६१	७	३	५७
५९	३१	३०	५६	१	२०	११	७

गोचरग्रहाः

इस मास में व्यापार में विशेष घट बढ़ चलेगी सुदीमें कन्याराशि पर गुरु आये हैं, सो रुई मंदी करेगा।

गोचरग्रहाः

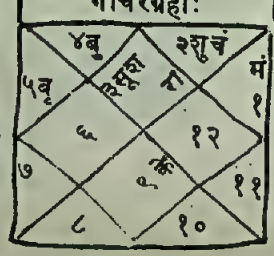

१३पं.आ.कृ.१२शु.इ.२१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	१	२	२	२
२०	२४	११	२८	५	२१	१५	२०
३५	५२	३३	१६	३०	१७	५०	७
३०	३८	२५	५२	२५	२८	५७	७
५६	४३	८५	८	६३	७	३	५७
५०	१३	४२	४८	१९	२०	११	७

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः३७४९ स.१९४५
१	मं ३०।४४ पु १६।१७ द कि ५४।२८	१	४८।३६	५	६	१०।५०	२६	२९	क.१।२२ रोहिण्या शुक्रः ४८।३६
२	बु २९।५० पु १७ १ व वा ५१।४५	०	१७	७	११	४९	११	२७	३० कर्के चंद्रदर्शनं रथयात्रा
३	गु ३०।२३ श्ले १८।५२ सि ४९ ३ ते	०	७	६	११	४९	१२	२८	१ सिं१८।५२ सावान मु. ८
४	शु ३२।१२ म २२ १ व्य ४९।२० व	१	१७	४	११	४९	१३	२९	२ सिंहे भ.१।१७ उ.३२।१२ या. वृषे भौमः ३७ ४२
५	श ३४।५७ पू २६।२६ व ४९।२९ ब	३	३४	२	१२	४८	१४	३०	३ कं.४२।४४
६	र ३८।५२ उ ३१।४० प ५०।२१ कौ	६	५४	०	१२	४८	१५	३१	४ कन्यायां
७	चं ४३।२५ ह ३७।५१ शि ५१।४१ ग	११	८	३३ ३८	१२	४८	१६	३२	५ कन्यायां भ. ४३।२५ उ. कर्केऽर्कः १७।२
८	मं ४८।३० चि सि ५३।१९ वि	१५	५७	५६	१३	४७	१७	१	६ तु.११।३ भ. १५।५७ या.
९	बु ५३ ८ स्वा सा ५०।४० सा ५४।५२ बा	२०	४९	५४	१३	४७	१८	२	७ तुलायां भडली९ उफायां२ कन्यायां गुरुः१८।३०
१०	गु ५७।३५ वि ५६।३६ शु ५६ ० ते	२५	२१	५२	१४	४६	१९	३	८ वृ.४०।७ पुष्ये रविः ४७।४२ सिंहे बुधः २१।१८
११	शु ६० ० अ ६० ० शु ५६।३६ व	२९	२६	५०	१४	४६	२०	४	९ वृश्चिके भ. २९।२६ उ. देवशयनी ११ ब्र. स्मा.
११	श १।१७ अ २ ० ब्र ५६।२३ वि	१	१७	४८	१४	४६	२१	५	१० वृश्चिके भ. १।१७ या. देवशयनी ११ ब्र. वै. नि.
१२	र ४।२७ ज्ये ६।२० ऐं ५५।१६ बा	४	२७	४५	१५	४५	२२	६	११ ध.६।२० प्रदोषः पुनर्वसौ २ चर्णे शनिः १५।३६
१३	चं ५।२४ मू ९।१९ वै ५३ ९ ते	५	२४	४३	१५	४५	२३	७	१२ धनुषि मृगे शुक्रः ९।२८
१४	मं ५।४२ पू ११।१० वि ५० १ व	५	४२	४०	१६	४४	२४	८	१३ म.२६।२१ भ. ५।४२ उ. ३५।७ या. वायुपरीक्षा
१५	बु ४।३२ उ ११।५५ प्री ४५।५१ व	४	३२	३७	१७	४३	२५	९	१४ मकरे व्याप्त १५ सव्वरात उदयं शनिः ७।३९

१४पं.आ.शु.४शु.इ.२१।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	१	२	२	२
२७	२९	२२	२९	१२	२२	१५	२७
१३	४८	१२	१६	४५	११	२८	३०
३६	३२	२५	१९	५०	४९	४२	२९
५६	४२	६९	९	६५	७	३	५७
५५	४९	८	३७	१२०	११	११	

गोचरग्रहाः

आषाढ़ शुक्ला ७ शनौ कर्केऽर्कः प्र. वा.५ न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो. पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

१५पं.आ.शु.११शु.इ.२१।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	५	१	२	२	३
३	४	०	०	२०	२३	१५	३
१२	४१	५४	२१	१३	६	६	११
४	४९	४	११	४४	१४	२६	१३
५६	४२	५३	१०	६६	७	३	५७
५७	३०	५३	२०	३२	१४	११	१५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु २।१३ श्र ११।१० आ ४०।३८ को	२	१३	३५ ३५	१७	४३	२६	१०	१५ कु.४०।२० ० क्षयः
२	गु ५६।३६ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० कुम्भे भ. २६।४१ उ. ५४।३२ या.
३	शु ५४।३२ ध ९।३१ सौ ३४ ५६ ब	२६	३२	३२	१८	४२	२७	११	१६ मी४९।४४ चतुर्थी ब्र. रोहिण्यां भौमः १।१२
४	श ४९।२८ श ६ ५५ शो २८ २६ ब	२२	२८	३०	१८	४२	२८	१२	१७ मी ४९।४४ नागपंचमी मरुस्थले मिथुने शुक्रः १४।२०
५	र ४३।५१ पू ४ ५५ अ २१ २५ को	१६	५१	२७	१९	४१	२९	१३	१८ मी ४९।४४ भ. ३७।५५ उ.
६	चं ३७।५५ रे ५६।४० सु १४ १ ग	१०	५५	२४	१९	४१	३०	१४	१९ मे.५६।४० भ. ४।५३ या.
७	मं ३१।५० अ ५१।५० धृ २९ ३८ वि	४	५०	२१	२०	४०	३१	१५	२० मेषे अगस्त मा. ८ ता. ३१
८	बु २५।४० भ ४७।४२ गं ५१ २७ को	२५	४०	१८	२०	४०	१	१६	२१ मेषे भ.४६।५१ उ. आश्लेषायां रविः४८।३१
९	गु १९।३५ कृ ४३।५५ वृ ४४ ९ ग	१९	३५	१५	२१	३९	२	१७	२२ वृ.१।४५ भ. १४।८ या.
१०	शु १४ ८ रो ४०।४७ धु ३७ २५ वि	१४	८	१२	२२	३८	३	१८	२३ वृषे कामिका ११ ब्र. आर्द्रायां शुक्रः १४।१८
११	श ९ ९ मृ ३८।१४ ध्या ३० ५५ बा	९	९	९	२२	३८	४	१९	२४ मि९।३० प्रदोषः
१२	र ४।५९ आ ३६ ६ ह २५ ११ ते	४	५९	६	२३	३७	५	२०	२५ मिथुने भ.१।४५ उ.३०।४० या. वक्री बुधः ३३ ४५ ×
१३	चं १।४५ पु ३५।३१ ब २० २२ ब	१	४५	३	२३	३७	६	२१	२६ क २०।४० क्षयः ×उफायां गुरुः २८।२४
१४	चं ५७।५१ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० हरियाली ३०
२०	मं ५८।४१ पु ३६ ० सि २६ २१ च	२९	८	३३ ३०	२४	३६	७	२२	२७ कर्के

१६पं.श्रा.कृ.२शु.इ.२१।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	४	५	१	२	२	३
१०	९	७	१	२७	२३	१४	१०
३१	३२	२८	३०	५२	५९	४४	५२
२२	६	५९	२९	२३	३५	११	१६
५७	४२	३६	१०	६७	७	३	५७
५	०	२२	५७	४६	८	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में कुछ विग्रह होगा धान्य, रुई, अलसी, चांदी, नारियल, गुड़, खांड, गेहूँ, बाजरा, कपड़ा तेज होगा।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ.१०शु.इ.२१।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	५	२	२	२	३
१७	१४	११	२	५	२४	१४	१७
११	१६	७	४३	३९	५२	२१	३३
१०	१२	१९	५५	७	१२	५६	५८
५७	१४	१३	११	६८	६	३	५७
२१	३०	५२	३४	४९	५६	११	२४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*राशशु

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७७८ सन् १९४५
१	बु	५९	१०	श्ले	३७	३६	व्य	१३	२५	किं	२८	५५	३२/५७	५/२५	६/३५	८	२३	२८	सिं३७।३६	नक्तव्रतारंभः
२	गु	६०	०	म	४०	२८	व	११	२८	बा	२९	५७	५४	२५	३५	९	२४	२९	सिंहे	चंद्रदर्शनं
२	शु	०	४५	पू	४४	३९	प	१०	२९	कौ	०	४५	५०	२६	३४	१०	२५	१	सिंहे	रमजान मु. ९ रोजा
३	श	३	३४	उ	४९	५१	शि	१०	२७	ग	३	३४	४७	२७	३३	११	२६	२	कं.०।५७	भ. ३५।२९ उ. मघुश्रवा ३
४	र	७	२५	ह	५५	५३	सि	११	१३	वि	७	२५	४४	२७	३३	१२	२७	३	कंन्यायां	भ. ७।२५ या.
५	चं	१२	१	चि	६०	०	सा	११	५३	बा	१२	१	४०	२८	३२	१३	२८	४	तु.२९।०	नागपंचमी पश्चिमास्तो बुधः ४५।३
६	मं	१६	५३	चि	२	८	शु	१३	५५	तै	१६	५३	३६	२९	३१	१४	२९	५	तुलायाँ	
७	बु	२१	४८	स्वा	८	३३	शु	१५	३६	व	२१	४८	३३	२९	३१	१५	३०	६	वृ.५७।५७	भ. २१।४८ उ. ५४।३ या.
८	गु	२६	१९	वि	१४	२५	ब्र	१६	५०	ब	२६	१९	२९	३०	३०	१६	३१	७	बृश्चिके	सिंहेऽर्कः ४४/४८ दुर्वा ८ पुन. शुक्रः ०।३९
९	शु	३०	५	अ	१९	५७	ऐं	१७	२९	कौ	३०	५	२६	३१	२९	१७	१	८	बृश्चिके	मृगे भौमः ७।२३
१०	श	३२	५०	ज्ये	२४	२८	वै	१७	२८	तै	१	२७	२३	३१	२९	१८	२	९	ध.२४।२८	पुनर्वसौ ३ च. शनिः २७।५५
११	र	३४	२९	मू	२८	०	वि	१६	३०	व	३	३९	१९	३२	२८	१९	३	१०	धनुषि	भ.३।३९ उ.३४।२९ या. पवित्रा ११ब्र.
१२	चं	३४	५२	पू	३०	५४	प्री	१४	२९	ब	४	४१	१६	३३	२७	२०	४	११	म.४६।९	
१३	मं	३३	४६	उ	३१	५५	आ	११	३६	कौ	४	१९	१२	३४	२६	२१	५	१२	मकरे	प्रदोषः +राहुः मूले ४ केतुः ४९।२०
१४	बु	३१	३३	श्र	३०	३९	सौ	७	४४	ग	२	४०	८	३४	२६	२२	६	१३	कुं.५९।५२	भ. ३१।३३ उ. ५९।५५ या. आर्द्रायां २+
१५	गु	२८	१७	ध	२९	६	शो	१/५१	५५/००	व	२८	१७	४	३५	२५	२३	७	१४	कुम्भे	रक्षाबंधनं उपाकर्म उ. ४ गुरुः ५८।५५

१८पं.श्रा.शु.२शु.इ.२१।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	५	२	२	२	२
२३	१८	११	४	१३	२५	१३	२४
५२	५६	४	१	३३	४३	५९	१६
१८	१७	२६	८	३२	३४	४०	२५
५७	४०	१६/२३	१२	६९	६	३	५७
२२	३४	ब	११	३७	४१	११	३३

गोचरग्रहाः

श्रावण शु.८ गुरौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न.५कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभावसम) शुक्रो. पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहा :

१९पं.श्रा.शु.९ शु.इ.२०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	५	२	२	२	[illegible]
०	२३	६	५	२१	२६	१३	[illegible]
३४	२९	५६	२१	३४	३२	३७	[illegible]
३१	२	२०	३२	१२	४९	२५	[illegible]
५७	४०	४८/२	१२	७०	६	३	[illegible]
३४	२	ब	२४	२५	२६	११	[illegible]

ति.	प्र.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२४	७	श	२६	४२	सु	५०	२५	कौ	२४	७	३२/००	५/३६	६/२४	२४	८	१५	कुम्भे	कर्के शुक्रः ३३।४६
२	श	१९	८	पू	२३	४६	धृ	४३	२७	ग	१९	८	३१/५६	३७	२३	२५	९	१६	मी९।३०	भ. ४६।१६ उ. वक्री कर्के बुधः २९।१४
३	र	१३	२५	उ	२०	९	शू	३६	५	वि	१३	२५	५२	३८	२२	२६	१०	१७	मीने	भ. १३।२५ या. चतुर्थी ब्र.
४	चं	७	४२	रे	१५	५९	गं	२८	२७	बा	७	४२	४८	३८	२२	२७	११	१८	मे.१५।५९	पुष्येशुक्रः २५/३७ मिथुनेभौमः २७/३३ अगस्त्योद.४१/३३
५	मं	१	३७	अ	११	५७	वृ	२०	५२	तै	१	३७	४४	३९	२१	२८	१२	१९	मेषे	भ. ५५।१२ उ. चन्द्र ६
६	मं	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	४९	३९	भ	७	४३	ध्रु	१३	१७	वि	२२	३५	४०	४०	२०	२९	१३	२०	वृ.२१।४६	भ. २२।३५ पूर्वोदयी बुधः ४०।३
८	गु	४४	१	कृ	३	५४	व्या	५/५१	५३/१	बा	१६	५०	३६	४१	१९	३०	१४	२१	बृषे	पूफायां रविः ३५।४९ श्रीकृष्ण जयन्ती
९	शु	३९	१	रो	०/२१	५७/१२	व	५१	४४	तै	११	३१	३२	४२	१८	३१	१५	२२	मि२८।५७	गोगा ९
१०	श	३५	५१	आ	५५	४५	सि	४६	२४	व	७	२६	२८	४२	१८	१	१६	२३	मिथुने	भ.२७/२६ उ.३५/५१ या. सितम्बर मा.९ता.३०×
११	र	३१	३७	पु	५४	२१	व्य	४०	४९	ब	३	४५	२४	४३	१७	२	१७	२४	क.३९।४२	अजा ११ ब्र. ×मार्गी बुधः २५।२
१२	चं	२९	३१	पु	५४	५०	व	३७	४	कौ	०	३४	२०	४४	१६	३	१८	२५	कर्के	प्रदोषः वत्स १२
१३	मं	२८	३६	श्ले	५६	७	प	३३	५२	ब	२८	३६	१७	४५	१५	४	१९	२६	सिं५६।७	भ.३८/३६ उ.५८/५२ या. मार्गी सिंहे बुधः १३।८
१४	बु	२९	९	म	५८	४४	शि	३१	३९	श	२९	९	१४	४५	१५	५	२०	२७	सिंहे	पिठोरी ३०
३०	गु	३०	४४	पू	६०	०	सि	३०	२६	ना	३०	४४	१०	४६	१४	६	२१	२८	सिंहे	कुशाग्रहणी लोहागंल यात्रा

२०पं.भा.कृ.१ शु.इ.२०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	५	२	२	२	४
७	२७	१	६	२९	२७	१३	७
१८	५७	९	४४	४१	१९	१५	४४
५	११	३२	५३	२	५५	९	१७
५७	३९	६०/५५	१२	७१	६	३	५७
४५	२७	ब	५०	४	१४	११	४८

गोचरग्रहाः

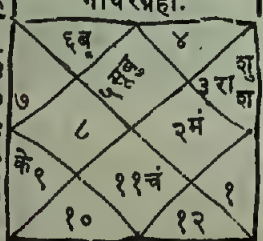

इस मास में प्रजा में सुख शांति रहेगी वर्षा सर्वत्र श्रेष्ठ होगी। मूंग मोंठ बाजरा ज्वार मक्का मन्दा हीगा।

गोचरग्रहाः

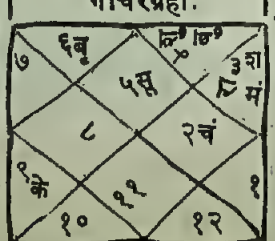

२१पं.भा.कृ.९ शु.इ.२०।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	५	३	२	२	[illegible]
१४	२	२९	८	७	२८	१२	[illegible]
३	१८	७	१०	५३	४	५२	[illegible]
१७	५०	१२	८	१७	४१	५४	[illegible]
५७	३८	११/३५	१३	७१	५	३	[illegible]
५७	४३	ब	१४	३१	५०	११	[illegible]

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८०८ स.१९४५
१	शु	३३	३४	पू	२	४०	सा	३०	११	किं	२	९	३१/६	५/४७	६/१३	७	२२	२९	कं.१८।५३	सार्पे शुक्रः ४५/१५ आर्द्रायां भौमः ३०।५०
२	श	३७	२८	उ	७	३३	शु	३०	४३	बा	५	३१	२	४८	१२	८	२३	३०	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	र	४२	८	ह	१३	२०	शु	३१	४८	तै	९	४८	३०/५८	४८	१२	९	२४	१	तु.४६।२८	सव्वाल मु. १० ईद हस्ते १ गुरुः १।२५
४	चं	४७	१	चि	१९	३७	ब्र	३३	११	व	१४	३५	५४	४९	११	१०	२५	२	तुलायां	भ. १४।३५ उ. ४७।१ या. गणेश ४
५	मं	५२	३	स्वा	२५	५७	ऐं	३४	४८	ब	१९	३२	५०	५०	१०	११	२६	३	तुलायां	ऋषि ५
६	बु	५६	३९	वि	३२	११	वै	३५	५७	कौ	२४	२१	४५	५१	९	१२	२७	४	बृ.१५।३८	
७	गु	६०	०	अ	३७	४९	वि	३६	४३	ग	२८	३५	४१	५२	८	१३	२८	५	वृश्चिके	उफायां रविः २०।२८
७	शु	०	३१	ज्ये	४२	२९	प्री	३६	४६	व	०	३१	३६	५३	७	१४	२९	६	ध.४२।२९	भ.०।३१उ.३१/५७या. पूफायां बुधः३०।५०
८	श	३	२३	मू	४६	१६	आ	३६	९	ब	३	२३	३२	५४	६	१५	३०	७	धनुषि	
९	र	५	७	पू	४८	३०	सौ	३४	७	कौ	५	७	२८	५४	६	१६	३१	८	धनुषि	कन्यायामर्कः४५।३९ पूर्वास्तं बुधः२१।१
१०	चं	५	३५	उ	४९	४२	शो	३१	२४	ग	५	३५	२४	५५	५	१७	१	९	म.३।४८	भ. ३५।६ उ. अस्तं गुरुः ११।२४ अ.गु.
११	मं	४	३७	श्र	४९	४९	अ	२७	२१	वि	४	३७	२०	५६	४	१८	२	१०	मकरे	भ. ४/३७ या. जलझूलनी ११ब्र. वामन ज.*
१२	बु	२	२५	ध	४८	२७	सु	२२	४२	बा	२	२५	१६	५७	३	१९	३	११	कु.१९।८	प्रदोषः *श्र.१२ मघायांसिंहे च शुक्रः ५४/५०
१३	बु	५६	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ×कर्के शनिः २१।२
१४	गु	५५	११	श	४६	८	धृ	१७	७	ग	२७	१३	१२	५८	२	२०	४	१२	कुम्भे	भ. ५५।११ उ. अनंत १४ ब्र.
१५	शु	५०	१८	पू	४२	५४	शू	१०	४२	वि	२२	४४	८	५८	२	२१	५	१३	मी२८।४१	भ.२२/४४या. महालयारंभः उफायां बुधः ५५/१४×

२२पं.भा.शु.१शु.इ.२०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	३	२	२	४
२०	६	३	९	१६	२८	१२	२१
४९	३३	१९	३७	१०	४६	३०	१६
५७	२९	३७	३४	१६	१२	३९	५९
५८	३७	६३/५६	१३	७१	५	३	५८
१२	४४	मा	२०	५८	२६	११	१३

२३पं.श्रा.शु.७शु.इ.२०।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	३	२	२	४
२७	१०	१३	११	२४	२९	१२	२८
३८	३९	१	६	३१	२४	८	५
२१	५८	१९	२५	३४	४०	२३	२४
५८	३६	७०/३८	१३	७२	४	३	५८
२९	५२		३२	२०	५६	११	२६

२४पं.भा.शु.१५शु.इ.२०।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	४	५	४	२	२	५
४	१४	२५	१२	२	२९	११	४
२८	३७	३२	३६	५६	५९	४६	५५
२३	३४	६	२२	२	५६	८	१६
५८	३५	७०/४१	१३	७२	४	३	५८
४५	३८		३२	४१	३४	११	३८

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४४	४७	उ	३९	४५	गं	३/५१	५२/३९	बा	१७	३३	३०/४	५/५९	६/१	२२	६	१४	मीने	
२	र	३९	७	रे	३५	५६	ध्रु	४८	५२	तै	११	५७	३०/००	६/००	६/००	२३	७	१५	मे.३५।५६	कन्यायां बुधः ३८।३४
३	चं	३२	५८	अ	३१	४०	व्या	४१	१०	व	६	३	२९/५५	१	५/५९	२४	८	१६	मेषे	भ.६/३उ.३२/५८या. चतुर्थी ब्र. हस्ते२ गुरुः ३३/३६
४	मं	२६	५७	भ	२७	३०	ह	३३	२५	बा	२६	५७	५०	२	५८	२५	९	१७	बृ.४१।३३	
५	बु	२१	७	कृ	२३	४२	व	२५	५८	तै	२१	७	४६	३	५७	२६	१०	१८	बृषे	हस्ते रविः ५८।७
६	गु	१५	३६	रो	२०	९	सि	१८	४६	व	१५	३६	४२	४	५६	२७	११	१९	मि४८।३८	भ. १५।३६ उ. ४३।८ या.
७	शु	१०	४०	मृ	१७	७	व्य	१२	१	ब	१०	४०	३८	४	५६	२८	१२	२०	मिथुने	
८	श	६	३५	आ	१५	३	व	६	५४	कौ	६	३५	३४	५	५५	२९	१३	२१	क.५८।४६	हस्ते बुधः१३।२४ पूफायां शुक्रः ५४।१७
९	र	३	२६	पु	१३	४०	प	०/३०	५६/८	ग	३	२६	३०	६	५४	३०	१४	२२	कर्के	भ. ३२।३४ उ.
१०	चं	१	२३	पु	१३	३८	सि	५२	३०	वि	१	२३	२६	७	५३	१	१५	२३	कर्के	भ. १।२३ या. अक्टूबर मा. १० ता.३१×
११	मं	०	३३	श्ले	१४	३६	सा	४९	५४	बा	०	३३	२२	८	५२	२	१६	२४	सिं१४।३६	इन्दिरा ११ ब्र. ×पुनर्वसौ भौमः २०।२
१२	बु	१	१०	म	१६	३८	शु	४८	१८	तै	१	१०	१८	८	५२	३	१७	२५	सिंहे	प्रदोषः
१३	गु	२	४९	पू	२०	३५	शु	४७	१०	ब	२	४९	१४	९	५१	४	१८	२६	कं.३६।४४	भ.२।४९उ.३४।१५या.शस्त्रादिहतानांश्रा
१४	शु	५	४१	उ	२५	११	ब्र	४७	५७	श	५	४१	१०	१०	५०	५	१९	२७	कन्यायां	
३०	श	९	४१	ह	३०	५१	ऐं	४८	५७	ना	९	४१	६	११	४९	६	२०	२८	कन्यायां	सर्व पितृ ३० चित्रायां बुधः ४४।२८

२५पं.आ.कृ.७शु.इ.२०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	५	४	३	२	५
११	१८	८	१४	११	०	११	११
२०	२४	२०	७	२५	३०	२३	४६
३३	१८	१०	५	१६	२९	५३	५५
५९	३४	११/१४	१३	७२	३	३	५८
०	१५		३८	५६	५५	११	५३

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ शनि तथा ५ रविवार प्रजा में अशुभ फल कारक है। राजाओं में विरोध युद्ध का भय होगा।

गोचरग्रहाः

२६पं.आ.कृ.१४शु.इ.१९।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	५	४	३	२	५
१८	२२	२०	१५	१९	०	११	१८
१४	२	५१	३७	५६	५६	१	४०
२१	५३	४	४४	५६	४२	३७	१२
५९	३२	७०/४१	१३	७३	३	३	५९
१६	५८		३८	१४	१४	११	९

*शमंरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×शमंरा

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८३८ स.१९४
१	र	१४	२४	चि	३६	४८	वै	५०	४	ब	१४	४२	२९/२	६/१२	५/४८	७	२१	२९	तु.३।३९	चंद्रद. मातामह श्राद्ध
२	चं	१९	२५	स्वा	४३	२२	वि	५१	३२	कौ	१९	२५	२८/५८	१२	४८	८	२२	१	तुलायां	जिल्काद मु. ११
३	मं	२४	३१	वि	४९	४६	प्री	५२	४४	ग	२४	३१	५४	१३	४७	९	२३	२	बृ.३३।१०	भ. ५६।५२ उ.
४	बु	२९	१४	अ	५५	३६	आ	५३	३६	वि	२९	१४	५०	१४	४६	१०	२४	३	बृश्चिके	भ.२९/१४ या. चित्रायां रविः २८/४४ तुलायांबुधः
५	गु	३३	१०	ज्ये	६०	०	सौ	५३	४४	व	१	१२	४६	१५	४५	११	२५	४	वृश्चिके	*४३/३८ उफायां शुक्रः ४८/१६ हस्ते ३ गुरुः १२/५८
६	शु	३६	६	ज्ये	०	३६	शो	५३	६	कौ	४	३८	४२	१६	४४	१२	२६	५	ध.०।३६	
७	श	३७	५६	मू	४	२९	अ	५१	३१	ग	७	१	३८	१६	४४	१३	२७	६	धनुषि	भ. ३७/५६ उ. उदयं गुरुः ३८/२४ कन्यायां=उ.
८	र	३८	३०	पू	७	१७	सु	४८	५७	वि	८	१३	३४	१७	४३	१४	२८	७	म.२२।३०	भ. ८।१३ या. स्वात्यां बुधः ४३।३८
९	चं	३७	३६	उ	८	११	धृ	४५	३९	बा	८	३	३०	१८	४२	१५	२९	८	मकरे	सरस्वती विसर्जनम् =शुक्रः ३१/४
१०	मं	३५	३०	श्र	८	४९	शू	४०	४६	तै	६	३३	२६	१९	४१	१६	३०	९	कु.३८।१६	विजया १०
११	बु	३२	२२	ध	७	४४	गं	३५	१९	व	३	५६	२२	२०	४०	१७	३१	१०	कुम्भे	भ.३।५६ उ.३२/२२ या. तुलायामर्कः ११।२८
१२	गु	२८	२४	श	५	४७	वृ	२९	३	ब	०	२३	१८	२०	४०	१८	१	११	मी४८।४१	प्रदोषः ÷पापांकुशा ११
१३	शु	२३	३३	पू	२	५९	ध्रु	२२	१६	तै	२३	३३	१४	२१	३९	१९	२	१२	मीने	×पश्चिमोदयी बुधः १३।५८
१४	श	१८	१०	उ	३१/२	५५/११	व्या	१४	५६	व	१८	१०	१०	२२	३८	२०	३	१३	मे.५५।४२	भ.१८।१० उ.४५।१७या. शरद् पू. स्मा.
१५	र	१२	२५	अ	५१	३७	ह	७/१६	५२/१६	ब	१२	२५	६	२३	३७	२१	४	१४	मेषे	शरद पूर्णिमा वै. हस्ते शुक्रः ३९।२१

२७पं. आ.शु.६शु.इ.१९।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	५	४	३	२	५
२५	२५	२	१७	२८	१	१०	२५
१०	२५	४०	८	३१	१८	३९	३५
४	५	५	३५	५२	३६	२२	१०
५९	३१	००	१३	७३	२	३	५९
३१	१९	०	३२	२५	३५	११	२१

गोचरग्रहाः

७बु ५शु ४ ६सूबु ८ श ९चंके ३मंरा २ १० १२ ११ १

आश्विन शु. ११ बुधे तुलायामर्कः प्र. वा. ४ न. ५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदय पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

८ ९के ७सूबु ५ १० ४श ११ १ रा मं ३ १२चं २

२८पं.आ.शु.१३शु.इ.१९।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा
६	२	६	५	५	३	२
२	२८	१३	१८	७	१	१०
७	३४	५५	३८	८	३५	१७
३३	१६	४४	३८	१७	२०	६
५९	२९	९६	१३	७३	१	३
४६	३३	५६	३०	४०	५५	११

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुं रविर्दक्षिणे आविश्नकृष्णेतिमहा.
१	चं	६	२७	भ	४७	३३	सि	५१	५५	कौ	६	२७	२८/२	६/२४	५/३९	२२	५	१५	मेषे	कर्के भौमः १३।३६
२	मं	०	३१	कृ	४३	३३	व्य	४४	६	ग	०	३१	२७/५८	२४	३६	२३	६	१६	बृ.१।३३	भ. २७/२८ उ. ५४/२५ या. स्वात्यां रविः ५२/२८
३	मं	५३	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	बु	४९	१८	रो	३९	५२	व	३६	४२	ब	२१	५२	५४	२५	३५	२४	७	१७	बृषे	करक४ आर्द्रा१ राहुः मूले ३ केतुः ४३/१६
५	गु	४४	२८	मृ	३६	४५	प	२९	४५	कौ	१६	५३	५०	२६	३४	२५	८	१८	मि८।१८	हस्ते ४ गुरुः ४६।७
६	शु	४०	१८	आ	३४	१९	शि	२३	२०	ग	१२	२३	४६	२७	३३	२६	९	१९	मिथुने	भ. ४०।१८ उ.
७	श	३७	२७	पु	३२	३९	सि	१७	४१	वि	८	५३	४२	२८	३२	२७	१०	२०	क.१८।४	भ. ८।५७ या.
८	र	३५	३१	पु	३२	२३	सा	१२	५४	बा	६	२९	३८	२८	३२	२८	११	२१	कर्के	होई ८ *विशाखायां बुधः २१।५५
९	चं	३४	४६	श्ले	३३	३	शु	९	२	तै	५	८	३४	२९	३१	२९	१२	२२	सिं३३।३	=बुधः २०/२४ चित्रायांशुक्रः २१/१७ पुष्येभौमः ६/१७
१०	मं	३५	२९	म	३४	५४	शु	६	४	व	५	८	३०	३०	३०	३०	१३	२३	सिंहे	भ.५।८उ.३५।२९या.वृश्चिकेबुधः ९।४२
११	बु	३७	४५	पू	३८	२०	ब्र	६	८	ब	६	३७	२७	३०	२९	३१	१४	२४	कं.५४।२८	रमा ११ ब्र.
१२	गु	४०	१८	उ	४२	५१	ऐं	४	१०	कौ	९	२	२३	३१	२९	१	१५	२५	कन्यायां	गोवत्स पू. नवम्बर मा.११ ता.३० मैत्रे
१३	शु	४४	२३	ह	४८	१८	वै	३	९	ग	१२	२०	२०	३२	२८	२	१६	२६	कन्यायां	भ. ४४।२३ उ. धन १३ प्रदोषः
१४	श	४९	१३	चि	५४	२२	वि	३	४७	वि	१६	४८	१७	३३	२७	३	१७	२७	तु.२१।२०	भ. १६।४८ या. रूप १४ नरक १४
३०	र	५४	२३	स्वा	६०	०	प्री	४	५१	च	२१	४८	१३	३३	२७	४	१८	२८	तुलायां	महालक्ष्मी पू.

२९पं.का.कृ.१३शु.इ.१९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	५	५	३	२	६
९	३	४	२१	२४	१	९	१६
६	५९	४९	३४	३१	५३	३२	५९
५६	२८	५५	५२	१२	१३	३६	४२
६०	२४	९१	१३	७३	०	३	६०
२	१६	४९	८	५०	३०	११	४

गोचरग्रहाः

८बु *६ ९ के ७सू ५ १० ४मंश ११ १ रा ३ १२ २

इस मास में प्रजा में सुख शांति रहेगी जौ गेहूँ चना अलसी सरसों गुड़ खांड पाट कुष्टा लाख चपड़ा मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

८बु ×६ ९के ७सू ५ १० ४मंश ३ ११ १ रा १२ २

३०पं.का.कृ.१३शु.इ.१९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा
६	३	७	५	५	३	२
१६	३	४	२१	२४	१	९
८	५९	४९	३४	३१	५३	३२
०	२८	५५	५२	१२	१३	३६
६०	२४	९१	१३	७३	०	३
१८	१६	४९	८	५०	३०	११

*चंबृशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×चंबृशु

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८६७स.१९४५
१	चं ५९ ३३ खा ० ४७ आ ६ ११ किं २६ ५८	२७	६	२६	५	१९	२९	बृ.५०।३५	अन्नकूट व्यापारे संवत् २००२
२	मं ६० ० वि ७ ११ सौ ७ ३२ बा ३१ ५६	६	३५	२५	६	२०	३०	वृश्चिके	विशाखायां रविः ९।५३ चंद्र द. यम २*
२	बु ४ १९ अ १३ २ शो ८ २८ को ४ १९	३	३५	२५	७	२१	१	वृश्चिके	जिलहेज मु. १२
३	गु ८ २० ज्ये १८ २२ अ ८ ४७ ग ८ २०	२६	३६	२४	८	२२	२	व.१८।२२	भ. ३९।४८ उ.
४	शु ११ १६ मू २२ ३० सु ८ २२ वि ११ १६	५६	३७	२३	९	२३	३	धनुषि	भ. ११।१६ या.
५	श १३ ८ पू २५ २६ धृ ७ ० बा १३ ८	५२	३८	२२	१०	२४	४	म.४०।४१	ज्येष्ठायां बुधः ४९।३७ चित्रायां १ गुरुः ५२ ३८
६	र १३ ४१ उ २६ २८ शु ४ ४२ वै १३ ४१	४९	३८	२२	११	२५	५	मकरे	
७	चं १२ ४९ श्र २७ ४२ गं २२ ५५ ७ व १२ ४९	४६	३९	२१	१२	२६	६	कु.५७।२०	भ. १३ उ.४१।४७या. स्वात्यां शुक्रः ५।२९
८	मं १० ४६ ध २६ ५८ ध ५१ ३३ ब १० ४६	४३	३९	२१	१३	२७	७	कुम्भे	गोपाष्टमी ×तुलसी वि.
९	बु ७ ३८ श २५ ३ ष्या ४५ २८ को ७ ३८	४०	४०	२०	१४	२८	८	कुम्भे	युगादिः कुष्मांड ९ अक्षया ९
१०	गु ३ ४० पू २२ ३३ ह ३८ ४३ ग ३ ४०	३७	४१	१९	१५	२९	९	मी८।११	भ. ३१ उ.५६या. प्रबोधिनी ११ व्र. स्मा.×
११	शु ५१ ११ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	१०	०	क्षयः *तुलायांशुक्रः ४१ वक्रीशनिः ५३
१२	श ५३ २८ उ १९ २८ व ३१ २९ व २६ १०	३४	४१	१९	१६	३०	१०	मीने	वृश्चिकेऽर्कः ४।११ प्रबोधिनी ११ व्र.त्रै.नि.
१३	र ४७ ४८ रे १५ २५ सि २३ ५२ को २० ३८	३१	४२	१८	१७	१	११	मि.१५।२७	प्रदोषः +का.स्ना.पूर्ति पुष्करयात्रा
१४	चं ४१ ५६ अ ११ २२ ब्य १६ ३ ग १४ ५२	२९	४२	१८	१८	२	१२	मेषे	भ. ४१।५६ उ. बैकुण्ठ १४
१५	चं ३६ ५ भ ७ २० व ८ १७ वि ९ १	२७	४३	१७	१९	३	१३	मृ.२१।१७	भ.९।१ या. अनु. रविः २१।५९ पूर्णिमा+

३१पं.का.शु.४ श्रु.इ.१८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	५	६	३	२	६
२३	९	१४	२३	३	१	९	२३
१०	१०	२६	०	१४	५३	१०	३१
३८	१२	४६	४	४२	४९	२०	५
६०	२१	८८	१२	७३	१६	३	६०
३०	२९	१०	४६	५८	ब	११	१७

गोचरग्रहाः

कार्तिक शु. १२
शुक्रे बृश्चिकेऽर्कः
प्र.वा.३न.३बाला-
वस्था[बैठी]मु.४५
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

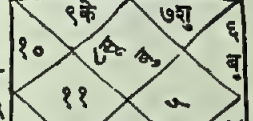

३२पं.का.शु.१२ श्रु.इ.१७।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	६	३	२	७
०	७	२२	२४	११	१	८	०
१४	५१	५४	२२	५९	४८	४८	३३
४३	२२	१४	५२	३५	४७	५	५०
६०	१७	७९	१२	७४	२३	३	६०
४०	४३	३७	२०	५	ब	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ३० २४ कृ १० ५६ ष ० ५३ बा ३ १४	२६	६	१७	२०	४	१४	वृषे	
२	बु २५ १० मृ ५६ ९ सि ४५ ४५ ग २५ १०	२१	४४	१६	२१	५	१५	मि२७।४३	भ. ५२।४६ उ.
३	गु २० २२ आ ५३ ३१ सा ३९ ८ वि २० २२	१८	४४	१६	२२	६	१६	मिथुने	भ. ३२ या. चतुर्थी ब्र. विशाखायां शुक्रः ४१ ३१
४	शु १६ ३१ पु ५१ ४६ शु ३३ ८ बा १६ ३१	१६	४५	१५	२३	७	१७	क.३७।१२	
५	श १३ ३६ पु ५१ १३ शु २८ ० वै १३ ३६	१३	४५	१५	२४	८	१८	कर्के	पात स्पर्शः ४५।५९
६	र ११ ४८ श्ले ५१ ३८ ब्र ३७ व ११ ४८	११	४६	१४	२५	९	१९	सिं५१।३८	भ. ११ उ.४१।३० या. पातमोक्षः ८।१४
७	चं ११ १२ म ५३ २६ ऐं २० २९ व ११ १२	८	४६	१४	२६	१०	२०	सिंहे	
८	मं १२ ५ पू ५६ २३ वै १८ ११ को १२ ५	६	४७	१३	२७	११	२१	सिंहे	
९	बु १४ ३ उ ६० ० वि १६ ४८ ग १४ ३	३	४७	१३	२८	१२	२२	कं.१२।२६	भ. ४५ उ.बक्रीबुधः १३ चित्रायां २ गुरुः ३७ ५२
१०	गु १७ १६ उ ० ३४ प्री १६ २९ वि १७ १६	१	४८	१२	२९	१३	२३	कन्यायां	भ. १७।१६ या.
११	शु २१ ३० ह ५ ५३ आ १६ ५४ बा २१ ३०	२५	४८	१२	३०	१४	२४	तु.३८।५४	उत्पत्ति ११ व्र. वृश्चिके शुक्रः ४०।१८
१२	श २६ २५ वि ११ ५६ सौ १७ ५१ ते २६ २५	२६	४९	११	१	१५	२५	तुलायां	बिसम्बर मा.१२ता.३१ पश्चिमास्तोबुधः ३९
१३	र ३१ ३५ स्वा १८ १४ शो १९ ५ व ३१ ३५	२४	४९	११	२	१६	२६	तुलायां	भ.३१।३५उ. प्रदोषः ज्येष्ठायां रविः २८
१४	चं ३९ ४५ वि २४ ३३ अ २० २१ वि ४ १०	५२	५०	१०	३	१७	२७	बृ.७।५८	भ. ४।१० या. मैत्रे शुक्रः २१।२६
१५	मं ४१ ४२ अ ३० ४४ सु २१ ३२ च ९ १४	५१	५०	१०	४	१८	२८	वृश्चिके	अमावस्या

३३पं.मा.कृ.४ श्रु.इ.१८।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	६	३	२	७
७	९	२८	२५	२०	१	८	७
२०	६	५६	४२	४५	३८	२५	३७
१७	३२	२८	३२	५८	३१	५०	४८
६०	१३	५२	११	७४	४६	३	६०
५३	९	५९	५७	१३	ज	११	४२

गोचरग्रहाः

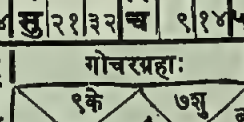

इस मास में उपद्रव अधिक रोग वृद्धि, व्यापारिक वस्तुओं में घटा-बढ़ी अधिक होगी जौगेहूँ मूँग तेज होगा

गोचरग्रहाः

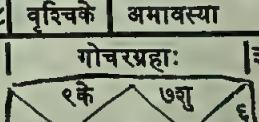

३४पं.मा.कृ.११ श्रु.इ.१८।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	६	३	२	७
१४	९	२९	२६	२९	१	८	१४
२७	४७	१५	५८	३२	२२	३	४३
३	३५	०	५५	५६	५९	३४	८
६१	७	२६	१९	७४	२३	३	६०
३	४७	ब	१८	२०	च	११	५०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८९७ स. १९४५
१	बु	४५	३७	ज्ये	३६	१२	धृ	२१	४६	किं	१३	३९	२५/४९	६/५०	५/१०	५	१९	२९	ध.३६।१२	
२	गु	४८	३५	मू	४०	२१	शू	२१	४३	बा	१७	६	४७	५१	९	६	२०	३०	धनुषि	चंद्र दर्शनम्
३	शु	५०	२०	पू	४३	५०	गं	२०	३७	तै	१९	२७	४६	५१	९	७	२१	१	म.५९।३२	मोहोरम मु. १ हिजरी सन् १३६५
४	श	५०	५४	उ	४५	५९	वृ	१८	३०	व	२०	३७	४४	५१	९	८	२२	२	मकरे	भ.३०/३७ उ.५०/५४ या. पातस्पर्शः ९/३० पातमोक्षः
५	र	५०	२	श्र	४६	३४	ध्रु	१५	३०	ब	२०	५४	४३	५१	९	९	२३	३	मकरे	नाग ५ +४५/१५ वक्री भौमः ४४।३
६	चं	४७	५३	ध	४६	९	व्या	११	२२	कौ	१८	५७	४२	५२	८	१०	२४	४	कुं.१६।२१	चंपा ६ वक्री मैत्रे बुधः २८।१९
७	मं	४४	४८	श	४४	३४	ह	६	१९	ग	१६	२१	४१	५२	८	११	२५	५	कुम्भे	भ. ४४।४८ उ.
८	बु	४०	४९	पू	४२	८	व	०/३०	५३/२१	वि	१२	४९	४०	५२	८	१२	२६	६	मी२७।४५	भ. ११।४९ या.
९	गु	३५	५९	उ	३८	५३	व्य	४६	४८	बा	८	२४	३९	५२	८	१३	२७	७	मीने	ज्येष्ठायां शुक्रः ५४/२४ पूर्वोदयी बुधः ३३/५२
१०	शु	३०	३९	रे	३५	२०	व	३९	१९	तै	३	१९	३८	५२	८	१४	२८	८	मे.३५।२०	भ. ५७।५० उ.
११	श	२५	१	अ	३१	१९	प	३१	३१	वि	२५	१	३८	५२	८	१५	२९	९	मेषे	भ.२५।१या. धनुष्यर्कः ३३/४३ मोक्षदा११ब्र.
१२	र	१९	७	भ	२७	१३	शि	२३	४१	बा	१९	७	३७	५३	७	१६	१	१०	बृ.४१।११	प्रदोषः ताजिया मार्गी बुधः १०।११
१३	चं	१३	१८	कृ	२३	४	सि	१५	५४	तै	१३	१८	३७	५३	७	१७	२	११	बृषे	पिशाचमोचन श्राद्ध
१४	मं	७	४१	रो	१९	१३	सा	८	११	व	७	४१	३७	५३	७	१८	३	१२	मि४७।३५	भ. ७।४१ उ. ३५।५ या.
१५	बु	२	३०	मृ	१५	५८	शु	०/५३	५३/५०	ब	२	३०	३६	५३	७	१९	४	१३	मिथुने	चित्रा३ तुलायांगुरुः ५/४ ग्रस्तास्तं चंद्रग्रहणं

३५पं.मा.शु.३शु.इ.१८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	७	३	२	७
२१	९	२१	२८	८	१	७	२१
३४	४६	५१	१०	२१	२	४१	४९
४९	३०	१४	५५	४	१३	१९	२३
६१	१	८९/११	१०	७४	३/३	३	६०
११	२९	ब	३८	२६	ब	११	५६

गोचरग्रहाः

९चंके ७ बृ ६ १० ८सूशुबु ११ ५ २ मं श ४ १२ १ ३रा

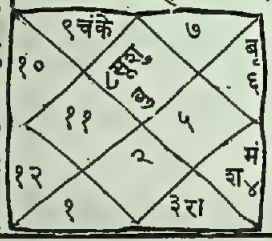

मार्ग.शु.११शनौ धनुष्यर्कः प्र.वा.२ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

९के ७ ६ बृ १० ८सूशुबु ११ ५ २ श ४ मं १२चं १ ३रा

३६पं.मा.शु.१०शु.इ.१७।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	७	३	२	[illegible]
२८	९	१४	२९	१७	०	७	२८
४३	७	२७	१८	९	३८	१९	[illegible]
३३	८	२५	१८	११	२	४	[illegible]
६१	५/४६	१९/५०	९	७४	३/४३	३	[illegible]
१९	ब	ब	५३	२६	ब	११	[illegible]

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५५	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५४	९	आ	१३	३	ब्र	४७	४८	तै	२६	१	२५/३६	६/५३	५/७	२०	५	१४	क.५६।४१	
३	शु	५१	२२	पु	११	१४	ऐं	४२	२१	व	२२	४६	३६	५३	७	२१	६	१५	कर्के	भ. २२।४६ उ. ५१।२२ या.
४	श	४९	४२	पु	१०	३५	वै	३७	४८	ब	२०	३२	३६	५३	७	२२	७	१६	कर्के	चतुर्थी ब्र. उत्तरायण प्रवृत्तिः ८।४
५	र	४९	१४	श्ले	१०	३१	वि	३४	१४	कौ	१९	२८	३६	५३	७	२३	८	१७	सिं१०।३१	ज्येष्ठायां बुधः १८/४४ बक्री मिथुने शनिः ४७/१६
६	चं	५०	१६	म	११	५५	प्री	३१	२९	ग	१९	४५	३७	५३	७	२४	९	१८	सिंहे	भ.५०।१६उ.धनुषि मूले च शुक्रः ३२।५२
७	मं	५२	१६	पू	१४	३५	आ	२९	४७	वि	२१	१६	३७	५३	७	२५	१०	१९	कं.३०।३६	भ. २१।१६ या.
८	बु	५५	४७	उ	१८	३८	सौ	२९	७	बा	२४	१	३७	५३	७	२६	११	२०	कन्यायां	मृगे ४ राहुः मूले २ केतुः ३४।५४
९	गु	६०	०	ह	२३	३७	शो	२९	१४	तै	२७	५७	३८	५२	८	२७	१२	२१	तु.५६।३४	
९	शु	०	६	चि	२९	३२	अ	३०	२	ग	०	६	३८	५२	८	२८	१३	२२	तुलायां	भ. ३२।३४ उ. पूषायां रविः ३४।२०
१०	श	५	३	स्वा	३५	५३	सु	३१	१२	वि	५	३	३९	५२	८	२९	१४	२३	तुलायां	भ. ५।३ या.
११	र	१०	२०	वि	४२	१६	धृ	३२	१६	बा	१०	२०	३९	५२	८	३०	१५	२४	वृ.२५।४०	सफला ११ ब्र.
१२	चं	१५	३१	अ	४८	२८	शू	३३	३१	तै	१५	३१	४०	५२	८	३१	१६	२५	वृश्चिके	प्रदोषः ×मा.१ ता.३१ सन्१९४६
१३	मं	२०	१८	ज्ये	५४	२७	गं	३४	११	व	२०	१८	४१	५२	८	१	१७	२६	ध.५४।२७	भ. २०।१८ उ. ५२।१६ या. जनवरी
१४	बु	२४	१६	मू	५८	४७	वृ	३४	२	श	२४	१६	४२	५२	८	२	१८	२७	धनुषि	
३०	गु	२७	५२	पू	६०	०	ध्रु	३३	२७	ना	२७	५२	४३	५२	८	३	१९	२८	धनुषि	

३७पं. पौ.कृ.३शु.इ.१७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	६	७	३	२	८
५	७	१४	०	२५	०	६	६
५२	४८	५०	२०	५७	९	५६	३
५९	४	२४	१०	५८	५८	४८	४०
६१	१३/४४	५४/२२	९	७४	४/०	३	६१
२२	ब	मा	७	२६	ब	११	५

गोचरग्रहाः

१० ८शुबु ११ ९सूके ७बृ १२ ६ १ ३रा ५ २ *४

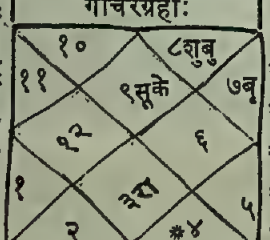

इस मास में प्रजा में सुख शांति रहेगी रुईसूत,कपास,चांदी जौ,गेहूँ,चना,अलसी सरसों,पाट,गुड़खांड मंदा होगा ।

गोचरग्रहाः

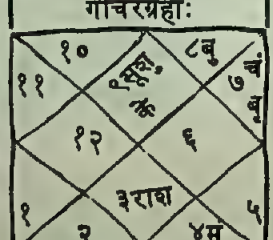

१० ८बु ११ ९सूशुके ७चं बृ १२ ६ १ ३राश ५ २ ४मं

३८पं.पौ.कृ.१०शु.इ.१७।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	६	८	२	२	[illegible]
१३	५	२१	१	४	२९	[illegible]	[illegible]
२	५३	३	१६	४६	३८	[illegible]	[illegible]
५२	३५	७	१	४८	१७	[illegible]	[illegible]
६१	२१/२६	७९	८	७४	४/१७	३	[illegible]
२६	ब	५८	१७	३२	ब	११	[illegible]

*मंशचं

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमन्ततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः३९२७ स. १९४६
१	शु २८५३ पू २३० व्या ३१३५ ब २८५३	२४	५६	९	४	२०	२९	म.१७।५५	धनुषि बुधः ३०।१८ पूषायां शुक्रः ५।६*
२	श २९२० उ ह २८५६ कौ २९२०	४५	५१	९	५	२१	३०	मकरे	चन्द्रदर्शनम् पू. भ्र. भृ.
३	र २८२४ श्र ५४२ व २५१० ग २८२४	४७	५१	९	६	२२	१	कु.३६।१२	भ. ५७।१९ उ. सफर २
४	चं २६१४ ध ६४२ सि २०३६ वि २६१४	४८	५०	१०	७	२३	२	कुम्भे	भ. ३६ या. *वक्रीपुनर्वसौसुषु भौमः३१०
५	मं २३ ४ श ४१७ व्य १४४७ बा २३ ४	५०	५०	१०	८	२४	३	मी४७।४४	
६	बु १९ २ पू १३५५६ व ८४३ तै १९ २	५२	५०	१०	९	२५	४	मीने	
७	शु १४ ८ रे ५५३५ प ५०५३३ व १४४८	५४	४९	११	१०	२६	५	मे.५५।३५	भ. १४।८ उ. ४१७ या. उषायां रवि: ३५ ४८
८	श ८४६ अ ५१४४ सि ४६४५ ब ८४६	५६	४९	११	११	२७	६	मेषे	=पुत्रदा११ब्र.स्मा. पूषायां बुधः ५१७ वक्री+
९	श ३ ५ भ ४७३६ सा ३८५५ कौ ३ ५	५८	४८	१२	१२	२८	७	मेषे	
१०	श ५४१० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
११	र ५१२८ कृ ४३२४ शु ३१ ८ व २४२१	२६	४८	१२	१३	२९	८	वृ.१।३३	भ.२४।२१ उ.५१।२८या. मकरेऽर्कः ५१५=
१२	चं ४५५३ रो ३९३३ शु २३२२ ब १८४०	३	४७	१३	१४	१	९	बृषे	पुत्रदा११ब्र. वै.नि. उषायां शुक्रः४३।१२
१३	मं ४०४८ मृ ३६ ० ब्र १५५६ कौ १३२०	५	४७	१३	१५	२	१०	मि७।४६	प्रदोषः +मिथुने भौमः २१।५२
१४	बु ३६१६ आ ३३१३ दें ८५५ ग ८३२	८	४६	१४	१६	३	११	मिथुने	भ.३६।१६ उ. ×चित्रायां४ गुरुः ४६।९
१५	शु ३२४० पु ३११४ वै २५५४ वि ४२८	१०	४६	१४	१७	४	१२	क.१४।४४	भ.४।२८या. मा.स्ना.प्रा. मकरे शुक्रः १६×

३९पं.पौ.शु.१ शु.इ.१७।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	६	८	२	२	८
२०	३	२९	२	१३	२९	६	२०
१२	३५	४१	५	३५	५	१२	१९
५०	२८	१७	४६	२८	१३	१७	४४
६१	२६	८७	७	७४	३५	३	६१
२६	ब	५८	४	३५	ब	११	६

गोचरग्रहाः

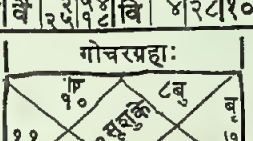

पौष शु. ११ रवौ
मकरेऽर्कः प्र.वा.२
न. ३ बृद्धावस्था
(बैठी) मु. ४५
(धान्यभाव मंदा)
शुक्रास्त पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

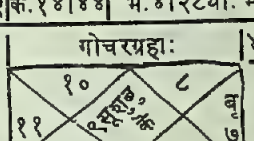

४०पं.पौ.शु.८शु.इ.१७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	६	८	२	२	८
२७	१	९	२	२२	२८	५	२७
२२	६	२४	४७	२४	३०	५०	२७
४०	७	१४	५६	२९	४०	२	४७
६१	३३	९१	६	७४	४०	३	६१
२	ब	५३	८	३२	च	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतुं रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु २९५८ पु २९४६ प्री ५१५६ बा १२९	२६	४६	१५	१८	५	१३	कर्के	
२	श २८२५ श्ले २९५४ आ ४७ ८ ग २८२५	१४	४५	१५	१९	६	१४	सिं२९।५४	भ. ५८।१९ उ.
३	र २८१३ म ३०५८ सौ ४५ १ वि २८१३	१७	४५	१५	२०	७	१५	सिंहे	भ.३६ या. अभि. प्र. रवि:३३ चतुर्थी ब्र.
४	चं २९११ पू ३३२५ शो ४३ २ बा २९११	१९	४४	१६	२१	८	१६	कं.४९।२२	पूर्वास्तो बुधः २३।३३
५	मं ३१२७ उ ३७१५ अ ४२ २ कौ ० १९	२२	४४	१६	२२	९	१७	कन्यायां	उषायां बुधः ५२।२५
६	बु ३४५५ ह ४१५२ सु ४१५२ ग ३ ११	२४	४३	१७	२३	१०	१८	कन्यायां	भ. ३४।५५ उ. श्रवणे रवि: ३८।३२
७	गु ३९२२ चि ४७३८ वि ७ ९	२७	४३	१७	२४	११	१९	तु.१४।४५	भ.७या. अभि.नि.रवि:३० ४८ मकरेबुधः५५ १९
८	शु ४४२३ सा ५३५८ शू ४३३१ बा ११५२	३०	४२	१८	२५	१२	२०	तुलायां	श्रवणे शुक्रः १७।२
९	श ४९३८ वि ६० ० गं ४४४७ तै १६३१	३३	४१	१९	२६	१३	२१	बृ.४३।४४	
१०	र ५४४७ वि ० १९ वृ ४५५७ व २२१२	३६	४१	१९	२७	१४	२२	वृश्चिके	भ. २२।१२ उ. ५४।४४ या.
११	चं ५९३४ अ ६४६ ध्रु ४६५२ ब २७१०	३९	४०	२०	२८	१५	२३	वृश्चिके	षट्तिला ११ ब्र. स्मा.
१२	मं ६० ० ज्ये १३ ७ व्या ४७१७ कौ ३१३०	४३	४०	२०	२९	१६	२४	ध.१३।७	षट्तिला ११ ब्र. वै. नि.
१३	बु ३२७ मू १७२५ ह ४५४० तै ३२७	४५	३९	२१	३०	१७	२५	धनुषि	प्रदोषः
१४	गु ६१५ पू २११५ व ४५२६ व ६१५	४८	३८	२२	३१	१८	२६	म.३६।५६	भ.६।१५ उ.३७।२या. श्रवणेबुधः८।१०
१५	शु ७५० उ २४ ० सि ४२५५ श ७५०	५३	३८	२२	१	१९	२७	मकरे	फरवरी मा. २ ता. २८
२०	श ८ ५ श्र २४५४ व्य ३९२२ ना ८ ५	५५	३७	२३	२	२०	२८	कुं ५५।१२	मौनी ३०

४१पं.मा.कृ.१शु.इ.१७।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	८	६	९	२	२	९
४	२८	१९	३	१	२८	५	३
३२	३८	४५	२२	१२	२	२७	३५
८	३१	७	३४	४३	४९	४७	३८
६१	३३	९४	४	७४	४०	३	६१
१९	च	५६	५५	३२	ब	११	३

४२पं.मा.कृ.८शु.इ.१७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	६	९	२	२	९
११	२६	०	३	१०	२७	५	११
४१	२४	३६	४८	०	२२	५	४२
०	१४	७	१८	३६	३०	३१	५०
६१	३८	९७	३	७४	३५	३	६०
१३	ब	३८	४२	३८	ब	११	५९

४३प.मा.कृ.१४शु.इ.१७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	६	९	२	२	९
१८	२४	११	४	१८	२६	४	१८
४९	३१	५७	६	४७	५०	४३	४९
०	५	४०	२९	४९	३१	१६	२३
६१	३८	०	२	७४	४०	३	६०
४	ब	५९	१७	३८	ब	११	५५

*मंशरा (सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशरा

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३९५७ सन् १९४६
१	र	७	५	ध	२५	३०	व	३४	२१	ब	७	५	२६ ५९	६ ३६	५ २४	३	२१	२९	कुम्भे	चन्द्रद. वक्री पुन. २ शनिः ५१।३३
२	चं	४	४९	श	२४	१९	प	२९	५७	कौ	४	४९	२७ २	३६	२४	४	२२	१	कुम्भे	रविलावल ३ धनिष्ठायां शुक्रः ५१।२४
३	मं	१	२२	पू	२२	२०	शि	२३	५६	ग	१	२२	६	३५	२५	५	२३	२	मी७।५०	भ. २९।२२ उ. ५६।२२ या. धनिष्ठायां*
४	मं	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	५२	२४	उ	१९	२१	सि	१७	१५	ब	२४	५३	९	३४	२६	६	२४	३	मीने	वसंत ५ श्रीपंचमी *रविः ४४/२४ तिल ४
६	गु	४६	५८	रे	१५	५७	सा	१०	३	कौ	१९	४१	१२	३४	२६	७	२५	४	मे.१५।५७	धनिष्ठायां बुधः ५९।३०
७	शु	४१	१३	अ	१२	१६	शु	२ ३१	५२ १४	ग	१४	६	१६	३३	२७	८	२६	५	मेषे	भ. ४१।१३ उ. मन्वादिः रथ ७
८	श	३५	२२	भ	८	४२	ब्र	४६	५९	वि	८	१८	१९	३२	२८	९	२७	६	बृ:२२।३१	भ. ८।१८ या. भीष्म ८
९	र	२९	३७	कृ	४	०	ऐं	३९	१७	बा	२	३	२३	३१	२९	१०	२८	७	बृषे	कुंभे शुक्रः १४।१९
१०	चं	२४	३	रो	० १३	५६ २०	वै	३१	३७	ग	२४	३	२७	३१	२९	११	२९	८	मि२८।३३	भ. ५१।२८ उ. कुम्भे बुधः ४३।६
११	मं	१८	५४	आ	५३	३१	वि	२४	२६	वि	१८	५४	३१	३०	३०	१२	३०	९	मिथुने	भ १८/५४ या. कुम्भेऽर्कः १८/२० जया ११ व्र.
१२	बु	१४	२९	पु	५१	१३	प्री	१७	५८	बा	१४	२९	३४	२९	३१	१३	१	१०	क.३६।४८	भीष्म १२ प्रदोषः वक्री गुरुः २६।३
१३	गु	१०	५४	पु	४९	३७	आ	१२	१	तै	१०	५४	३८	२८	३२	१४	२	११	कर्के	कल्पादिः
१४	शु	८	२४	श्ले	४९	३४	सौ	७	२	व	८	२४	४२	२८	३२	१५	३	१२	सिं४९।३४	भ. ८।२४ उ. ३७।३५ या. शतेबुधः २६/४८×
१५	श	६	४६	म	५०	२२	शो	२ ४४	५६ १६	ब	६	४६	४६	२७	३३	१६	४	१३	सिंहे	माघस्नान पूर्तिः ×शुक्रश्च ३३।१६

४४पं.मा.शु.७ शु.इ.१७।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	६	९	२	२	९
२५	२३	२३	४	२७	२६	४	२५
५५	५	५२	१५	३४	२१	२१	५५
४८	२	३७	०	५९	२२	१	२३
६०	१४ ३५	७ १०	०	४४	३ ४६	३	६०
५५	ब	२०	५५	३८	ब	११	४७

गोचरग्रहाः

११ ९के ८ १२ १०सू बुशु १चं ७बृ २ ४ ६ *३ ५

माघ शु.११भौमे कुंभेऽर्कः प्र. वा.३ न. ३ वालावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यभाव तेज) शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

१२ १० १ ११सू शुबु के ९ २ ८ ×३ ५ ७बृ ४चं ६

४५पं. मा.शु.१४ शु.इ.१८।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	६	१०	२	२	१०
३	२२	६	४	६	२५	३	[illegible]
१	११	२३	१४	२१	५५	५८	०
५०	२४	२८	२०	४	४१	४५	९
६०	७ १७	११ १६	० २५	७४	३ १४	३	६०
४२	ब	११ १६	ब	३८	ब	११	३७

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	६	२६	पू	५२	३७	सु	५७	१६	कौ	६	२६	२७ ५०	६ २६	५ ३४	१७	५	१४	सिंहे	
२	चं	७	३८	उ	५५	५९	धृ	५६	९	ग	७	३८	५४	२५	३५	१८	६	१५	कं.८।२७	भ. ३८।४७ उ. शते रविः ५३।४१
३	मं	९	५७	ह	६०	०	शू	५५	३८	वि	९	५७	५८	२४	३६	१९	७	१६	कन्यायां	भ. ९।५७ या. चतुर्थी व्रत
४	बु	१३	२८	ह	०	४८	गं	५६	३	बा	१३	२८	२८ २	२४	३६	२०	८	१७	तु.३३।२५	
५	गु	१७	५६	चि	६	२	वृ	५७	२	तै	१७	५६	६	२३	३७	२१	९	१८	तुलायां	
६	शु	२२	५४	स्वा	१२	८	ध्रु	५८	२०	व	२२	५४	१०	२२	३८	२२	१०	१९	तुलायां	भ.२२।५४उ.५५।३२या. पूभायांबुधः+
७	श	२८	१०	वि	१८	३९	व्या	५९	३३	ब	२८	१०	१४	२१	३९	२३	११	२०	बृ. २।१	+३५/५६ मार्गी भौमः ३०/१८
८	र	३३	१२	अ	२४	३७	ह	६०	०	बा	०	४१	१८	२०	४०	२४	१२	२१	बृश्चिके	=पश्चिमोदयीबुधः ४१/२१
९	चं	३७	५०	ज्ये	३१	२	ह	०	३९	तै	५	३१	२२	२०	४०	२५	१३	२२	ध.३१।२	
१०	मं	४१	४०	मू	३६	२१	व	१	१४	व	९	४५	३०	१९	४१	२६	१४	२३	धनुषि	भ. ९।४५ उ. ४१/४० या. पूभायां शुक्रः १२/३३=
११	बु	४४	२१	पू	४०	१९	सि	१	५	ब	१३	०	३४	१८	४२	२७	१५	२४	म.५६।२	विजया११व्र. मृग३ राहुः मूले१ केतुः २९/५५
१२	गु	४५	४७	उ	४३	१३	व्य	५ १	५७ ५६	कौ	१५	५	३६	१७	४३	२८	१६	२५	मकरे	मीनेबुधः ५। १ *मार्च मा.३ ता.३१
१३	शु	४५	५४	श्र	४४	५३	प	५४	५७	ग	१५	५०	३८	१६	४४	१	१७	२६	मकरे	भ.४५।५४ उ. प्रदोषः उभायां बुधः ५६/४५*
१४	श	४५	१२	ध	४५	२९	शि	५०	५४	वि	१५	३३	४२	१६	४४	२	१८	२७	कु.१५।११	भ. १५।३३ या. महाशिवरात्री
३०	र	४२	२१	श	४४	३६	सि	४५	५७	च	१३	४७	४६	१५	४५	३	१९	२८	कुंभे	

४६पं.फा.कृ.६श.इ.१८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	६	१०	२	२	१०
१०	२१	१९	४	१५	२५	३	१०
६	५५	२५	५	६	३४	३६	३
२२	२०	३०	४९	२५	१	३०	३८
६०	० १०	७ ११	१ ५६	७४	३ ३३	३	६०
३१	ब	२३	ब	३२	ब	११	२५

गोचरग्रहाः

१२ १० १ ११सू शुबु ९के २ ८ +३ ५ ७चं बृ ४ ६

इस मास में शनि राहु भंगल तीनों पापग्रहों का योग हो रहा है। सो प्रजा में अनेक प्रकार के उपद्रव होंगे।

गोचरग्रहाः

१२बु १० १ ११सू शु ९के २ ८ ३= ५ ७ बृ ४ ६

४७पं.फा.कृ.१३ शु.इ.१८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	६	१०	२	२	१०
१७	२२	२	३	२३	२५	३	१७
९	९	११	४५	५१	१७	१४	५
११	३६	३१	५०	७	६	१४	५२
६०	५ ४०	७ ११	३ २०	७४	१ ५२	३	६०
२०	मा	४४	ब	३२	ब	११	१२

*मंशरा +मंशरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशरा =मंशरा

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००२ शाक: १८६७											वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ३९८६ स. १९४६
१	चं	३८	५७	पू	४२	४७	सा	३९	५६	किं	१०	३९	५०	६	५१	४	२०	२९	मी २८।१४	पूभायां रविः ८।२९
२	मं	३४	४२	उ	४०	३	शु	३४	५६	बा	६	४९	५४	१३	४७	५	२१	३०	मीने	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	२९	३८	रे	३६	५५	शु	२७	२	तै	२	१०	५८	१२	४८	६	२२	१	मे. ३६।५५	भ. ५६ उ. पातस्पर्शः ३९।७ पातमोक्षः ५५
४	गु	२४	९	अ	३३	४	ब्र	१९	५५	वि	२४	९	२९	१२	४८	७	२३	२	मेषे	भ. २४।९ या. वक्रीचित्रायां ३ गुरुः ५६।४९
५	शु	१८	२०	भ	२९	३	दें	१२	३०	बा	१८	२०	६	११	४९	८	२४	३	वृ. ४३।०	उभायां शुक्रः ५५।२७
६	श	१२	३६	कृ	२४	५०	वै	१७	५१	तै	१२	३६	१०	१०	५०	९	२५	४	बृषे	
७	र	६	३५	रो	२०	५५	प्री	४९	५	ब	६	३५	१४	९	५१	१०	२६	५	मि ४९।६	भ. ६।३५ उ. ३३।४९ या. होला ८
८	चं	१	४	मृ	१७	१७	मा	४१	५३	ब	१	४	१८	८	५२	११	२७	६	मिथुने	
९	मं	५४	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः •रविलाखर ४ मीने शुक्रः १४ ३७
१०	बु	५१	२५	आ	१४	३	सौ	३९	९	तै	२३	३९	२२	८	५२	१२	२८	७	क. ५७।१७	रेवत्यां बुधः १०।५२
११	बु	४७	४८	पु	११	४१	शो	२९	१	ब	१९	३६	२७	७	५३	१३	२९	८	कर्के	भ. १९ उ. ४७ या. आमलकी ११ व्र. स्मा. वै.
१२	गु	४५	१०	पु	९	२३	अ	२३	४६	ब	१६	२९	३१	६	५४	१४	३०	९	कर्के	मीनेऽर्कः ४७ आमलकी ११ व्रनि. वक्रीबुधः ४ ३३
१३	शु	४३	३८	श्ले	९	१९	सु	१९	२६	को	१४	२४	३६	५	५५	१५	१	१०	सिं ९।१९	प्रदोषः ×पश्चिमास्तो बुधः ५६।३१
१४	श	४३	१८	म	१०	२	धृ	१५	५३	ग	१३	५८	४०	४	५६	१६	२	११	सिंहे	भ. ४३।१८ उ.
१५	र	४४	२७	पू	१२	०	शू	१३	३४	वि	१३	५२	४४	३	५७	१७	३	१२	कं. २७।४८	भः ५३ होलिकादहनं उभायां रविः ३५×

४८पं.फा.शु.३शु.इ.१८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	६	११	२	२	१०
२४	२२	१२	३	२	२५	२	२४
१०	५८	२१	१८	३४	५	५१	६
३३	४८	१७	२२	३७	१७	५९	३४
६०	११	६६	२४	७४	१२	३	५९
५	२	५८	ब	३२	ब	११	५८

गोचरग्रहाः

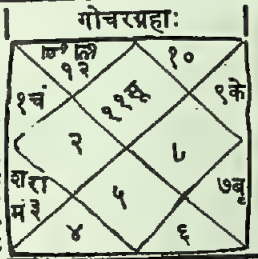

फाल्गुन शु. १२ गुरौ मीनेऽर्कः प्र. वा. ३न. ४बालावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यभाव तेज) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

४९पं.फा.शु.१३शु.इ.१९।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	६	११	२	२	११
१	२४	१७	२	११	२४	२	१
१०	१३	२	४३	१७	५८	२९	५
१५	१	२०	५	२८	४३	४४	४६
५९	१५	६	३८	७४	२०	३	५९
४९	२६	ब	ब	२६	ब	११	४१

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २००२ शाक: १८६७											वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४६	४६	उ	१५	११	मं	११	४५	बा	१५	३६	४९	६	५८	१८	४	१३	कन्यायां	वक्री उभायां बुधः ५१।२३
२	मं	५०	१८	ह	१९	३०	वृ	११	२१	तै	१८	३२	५३	१	५९	१९	५	१४	तु. ५२।६	रेवत्यां शुक्रः ३९।३ मार्गी शनिः ४२।६
३	बु	५४	४४	चि	२४	४३	घु	११	२९	ब	२२	३१	५७	१	५९	२०	६	१५	तुलायां	भ. २२।३५ उ. ५४।४४ या.
४	गु	५८	४२	स्वा	३०	५२	ब्या	१२	३१	ब	२७	१३	०	०	०	२१	७	१६	तुलायां	चतुर्थी ब्र.
५	शु	६०	०	वि	३७	१३	ह	१३	४५	को	३२	१५	६	५९	१	२२	८	१७	वृ. २०।३८	
५	श	४	४९	अ	४३	४३	ब	१५	६	तै	४	४९	१०	५८	२	२३	९	१८	वृश्चिके	
६	र	९	५३	ज्ये	४९	५१	सि	१६	२५	ब	९	५३	१४	५७	३	२४	१०	१९	ध. ४९।५१	भ. ९।५३ उ. ४२।६ या.
७	चं	१४	१९	मू	५५	१६	व्य	१७	१३	ब	१४	१९	१८	५६	४	२५	११	२०	धनुषि	शीतला ८
८	मं	१८	२	पू	५९	३६	ध	१७	२१	को	१८	२	२२	५६	४	२६	१२	२१	धनुषि	
९	बु	२०	३२	उ	६०	०	प	१६	३७	ग	२०	३२	२६	५५	५	२७	१३	२२	म. १५।२३	भ. ५१।११
१०	गु	२१	५०	उ	२	४५	शि	१४	४९	वि	२१	५०	३०	५४	६	२८	१४	२३	मकरे	भ. २१।५० या.
११	शु	२१	५२	श्र	४	२०	सि	१२	१५	बा	२१	५२	३४	५३	७	२९	१५	२४	कुं. ३४।४३	पापमोचनी ११ व्रतं
१२	श	२०	३८	ध	५	२६	सा	८	३३	तै	२०	३८	३८	५२	८	३०	१६	२५	कुंभे	रेवत्यां रविः ५६ प्रदोषः मेषेऽश्विन्यां च+
१३	र	१८	८	श	४	५३	शु	५७	४०	ब	१८	८	४३	५१	९	३१	१७	२६	मी ४८।४१	भ. १८।८ उ. ४६।२४ या. वारुणीयोगः
१४	चं	१४	४०	पू	३	१७	ब्र	५२	२६	श	१४	४०	४७	५१	९	१	१८	२७	मीने	अप्रेल मा. ४ ता. ३० +शुक्रः २४।४३
१५	मं	१०	१९	उ	५	५५	दें	४५	४७	ना	१०	१९	५२	५०	१०	२	१९	२८	मि. ५७।३७	पूर्वोदयीबुधः ३५ अहर्गणः ४०१५ च. ३के.

५०पं. चै.कृ.५शु.इ.१९।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	६	११	२	२	११
८	२५	१५	२	१९	२४	२	८
८	५४	१९	१	५९	५७	७	३
९	३२	१२	३७	१०	४७	२८	२२
५९	१८	१३	३१	७४	१०	३	५९
५५	४४	ब	ब	२६	मा	११	२९

गोचरग्रहाः

इस मास में अलसी सरस्युं एरंडा घी तेल खांड तेज होगी। रुई कपास सूत में मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

५१पं.चै.कृ.११शु.इ.१९।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	६	११	२	२	११
१५	२७	९	१	२८	२५	१	१४
४	५८	३४	१४	३९	२	४५	५९
११	१९	५५	६	४३	१०	१३	१८
५१	२१	२६	७	७४	१	३	५९
१८	४६	ब	ब	२२	१	११	१४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

❀ श्री गणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०४७ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०४७ भोग्यकलिः ४२६९५३ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दा सम्वत् २००३ शाकः १८६८ अथास्मिन्वर्षे राजा बुधः । मंत्री शनिः । सस्येशो भौमः । धान्येशो रविः। मेघेशः शुक्रः। रसेशो गुरुः। नीरसेशो भौमः.। फलेशः शुक्रः। धनेशो भौमः । दुर्गेशः शनिः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १३ विकारीनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः १।२६।१२।० भोग्यमासादिः १०।३।४८।० पितृ-दैवतंयुगम् । वर्षनाम चैत्रः। मेघ४नाम पुष्करः । समयनिवासो मालाकार गृहे (क्यारी में)। रोहिणी निवासः समुद्रे । समय विश्वा ८ । समय वाहनं सिंचाणुः । स्तम्भ २ तृणान्नयोः । सोमवत्यमा २। सोमवती पंचमी ३ । अंगारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानु सप्तमी २ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३९० । समय दिनानि ३५४। तिथि क्षयः१३ । तिथि वृद्धिः ७ । उत्पत्ति विश्वा १०५ । खपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा ७ । धान्य १७. तृण १३ शीत १३ तेज१३ वायुः७ वृद्धिः१५ क्षयः १५ विग्रह११ ऐक्यं ११७ सत्यं ।।.धर्म१।। पाप १८ शनि दृष्टिर्दक्षिणे । ग्रहणे२चन्द्रमसः।

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जयजननी जगदीश्वरी तू जग की प्रतिपाल ।
शुभ संवत्सर तीन का कह दो मुख से हाल ।।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला संवत्सर का सार ।
अन्न तृण की कमती नही गायां दूध अपार ।।
राजा बुधजी बापड़ा चले न इनका जोर ।
मंत्री रवि सुत जानिये करे और की और ।।
सागर में रोहिणी वसी संवत् मालाकार ।
वर्षा विश्वा विश्व १२ है वर्षे मूसलधार ।।
अन्न तृण के दो स्तंभ हैं संवत विश्वा आठ ।
भृगु सुत फल पति वर्ष में करें अन्न का ठाठ ।।
श्रावण पिछले पाख में गुरु मंगल का योग ।
पवन चक्र जग में चलें वर्षा योग कुयोग ।।
फल संवत्सर का कहा निज गुरु का धर ध्यान ।
बंशीधर का कथन है भली करै भगवान ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

सं. २००३ ज्येष्ठ शुक्ला १५
चंद्रे खंडग्रासं चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्व
रेल्वे	१०	११	१२	१२	२	३
टाइम	२१	३३	१४	५५	७	४६
देशी	९	११	११	१	१२	३
टाइम	५४	६	४७	४०	२८	४६

वर्ष लग्नम् २।०

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

सं. २००३ मार्ग. शुक्ला १५
रवौ खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्व
रेल्वे	९	१०	११	११	१२	३
टाइम	४२	५५	१९	४३	५७	१५
देशी	९	१०	११	११	१२	३
टाइम	२३	३६	०	२४	३८	१५

वर्षेश लग्नम् ५।२९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४४।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५।२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्–बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्यं विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धनधान्य संकुलम् ।। मंत्री शनिस्तत्फलम्–रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदा । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं धनदं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम्–प्रथम धान्यपतौ धरणीसुतौ गजतुरंगखरोष्ट्रगवामपि। प्रभवदो बहुरोगघनो जलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत् ।। धान्येशो रविस्तत्फलम्–पश्चान्याधिपेसूर्ये पश्चाद्धान्यं तदानहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम् ।। मेघेशः शुक्रस्तत्फलम्–भृगुसुते जलदस्यपतिर्यदा जलयुता जलदादिविशोभनाः । धन निधान युताद्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो गुरुस्तत्फलम्–यदि गुरौरसपे जनसौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानि च । जनपदाः द्विजपूजनतत्पराः गजसुवाजिरथोष्ट्र युता नृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम्–नीरसेशो यदा भौमः प्रवालरक्तवाससाम् । रक्तचन्दनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिने दिने ।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम्–यदि फलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदुकुमार महीरुहराशयः । बहुपथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशो भौमस्तत्फलम्–असति मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि तापकरः तुषधान्य हृत् । सहसि मासि भवेद्द्विगुणं तदा नरपतिर्जनशोकविधायकः ।। दुर्गेशः शनिस्तत्फलम्–रविसुते गढ़पालिनि विग्रहैः सकलदेशगताश्चलिता जनाः । विविधवैरिविशेषितनागराः कृषिधनं न लभेद्भुविकश्चन ।। वर्षनाम चैत्रस्तत्फलम्–सस्यानि घृत कार्पास तैलादि रससंचयः । चैत्रवर्षे भवेद्बृद्धिर्नृप सौख्यफलप्रदः ।। विकारीनाम संवत्सरस्तत्फलम्–विकार्यब्देखिला लोकाः सरोगा बृष्टिपीड़िताः । पूर्वसस्यफलंस्वल्पंबहुलं चापरंफलं ।। मेघनाम पुष्करः फलम्–पुष्करे मंदवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे तत्फलम्–समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समयनिवासो मालाकार गृहे फलम्–मालिनः प्रचुरावृष्टिः ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २००३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैसाख मासः

शुक्ला ९ गुरौ मघा. ल. गो. रे. ७ ऽमंऽ।।।।ऽ।ऽ।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १० रवौ उभा. ल. ऽन्यगो.रे.८।।।।।ऽअ.।ऽ।।
,, १० रवौ रेव. ल. १ रे. ७ ।।।।।ऽअग्निऽऽ।।
,, ११ चन्द्रे रेव. ल. ऽन्यगो.(सोग्रांगः) १रे.८।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ६ बुधे मघा. ल.ऽन्यगो.(सोग्रागः) १ रे.८।।।।।ऽऽ।।
,, ८ शुक्रे उफा. ल. गो.(सोग्रांगः) १ रे. ९।।।।।।।।

आषाढ मासः

कृष्णा ८ शनौ उभा. ल. ऽन्यगो. १ रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ दग्धा.
,, ९ रवौ रेव. ल. ऽन्यगो. १ रे.७।।।।ऽरोऽऽ।। रिक्ता
शुक्ला ९ रवौ स्वा. ल. १ (चं.७ पू.) रे. ८ ऽश।।।।।ऽ।।
,, १० चन्द्रे स्वा. ल. गो. रे. ७ ऽश।।।।ऽगुऽ।।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ५ गुरौ उषा. ल. ६ (अंश ७ या) रे. ६ ऽवृऽ।।।।ऽऽ।। आवश्यके
,, ९ भौमे उभा. ल.३ रे.८।।।।।ऽरो।।।ऽ दग्धा.आवश्यके

पौष मासः

कृष्णा ५ शुक्रे मघा. ल. ६ रे. ७ ऽचं.ऽ।।।।ऽ।।।

माघ मासः

कृष्णा १०गुरौ अनु. ल. ९ रे. ६ ।।ऽशु.।।ऽअजिनऽऽ।।
,, ११ शुक्रे अनु. ल. ९ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ४ रवौ उभा. ल. ९ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ५ चन्द्रे रेव. ल. ९ रे. ९ ।।।।।ऽनृपा।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ शनौ उफा. ल. ७-९ रे. ७ ऽरा.।।।।ऽरो.ऽ।।।
,, ४ रवौ हस्ते ल. ७-९ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।
कृष्णा १०शनौ मूले ल.७ (घ.४०।४६उ.) रे.७ ऽबुऽ।।।।ऽ।।
, ११ रवौ मू. ल. ऽन्यगो. रे. ७ ऽबु.ऽ।।।।ऽ।।
,, १२ चंद्रे उभा. ल. ७ रे. १० ।।।।।।।।।
शुक्ला २ रवौ उभा. ल. ९ रे. ७ ।ऽ।।।ऽअग्निऽ।।।
,, १५ शुक्र उफा. ल. ७-९ रे.६ ऽरा.।।।ऽराबु.।ऽऽ।। आव.

चैत्र मासः

कृष्णा १ शनौ हस्ते ल. ७-९ रे. ८ ।ऽ।।।ऽचो.।।।।

अत्रक्वचित्स्मृति दृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०१६ सन् १९४६
१	बु ५ ८ अ ५४ ३ वै ३८ १९ ब ५ ८	५६	४९	१५	३	२०	२९	मेषे	चंद्रदर्शनम् नवरात्र.संवत्सरारंभ.ध्वजारो.
२	बु ५४ २० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
३	गु ५३ ३८ भ ५० ० वि ३१ १ तै	३१	४८	१२	४	२१	१	मेषे	कर्के भौमः ३० जमादिलावल ५ गणगौरी●
४	शु ४७ ४० कृ ४६ ४ प्री २३ ४४ ब	२०	३९	४	४७	१३	५	२२	२	वृ. ४।१	भ. २०।३९ उ. ४७।४० या.
५	श ४१ ४७ रो ४२ ५४ आ १५ ५३ ब	१४	४४	८	४६	१४	६	२३	३	बृषे	कल्पादिः ●मत्स्यजयंती
६	र ३६ ५ मृ ३८ ० सौ ८ ७ कौ	८	५६	१२	४६	१४	७	२४	४	मि १०।२७	मार्गी बुधः ३२।८
७	चं ३० ४९ आ ३४ ५० शो ५२ ५३ ग	३	२७	१६	४५	१५	८	२५	५	मिथुने	भ.३९ उ.३६या. वक्री कन्यायां गुरुः १०
८	मं २६ २१ पु ३१ २९ सु ४७ ४० ब	२६	२१	२०	४४	१६	९	२६	६	क. १७।२०	भवान्युत्पत्तिः ९
९	बु २२ ४२ पु ३० १४ धृ ४२ २२ कौ	२२	४२	२४	४३	१७	१०	२७	७	कर्के	भरण्यां शुक्रः १३।१९ राम ९ वै.
१०	गु १९ ५९ श्ले २९ ५० शू ३७ ५० ग	१९	५९	२८	४२	१८	११	२८	८	सिं २९।२५	भ. ४९।१० उ.
११	शु १८ २२ म २९ २५ गं ३४ २३ वि	१८	२२	३२	४२	१८	१२	२९	९	सिंहे	भ. १८।२२ या. कामदा ११ ब्र.
१२	श १७ ५७ पू ३१ २५ वृ ३१ ३० बा	१७	५७	३६	४१	१९	१३	३०	१०	कं. ४७।७	मेषेऽर्क ३५ पुष्ये भौमः २३ प्रदोषः
१३	र १९ १ उ ३४ १३ हु २९ ६ ते	१९	१	४०	४०	२०	१४	१	११	कन्यायां	
१४	चं २१ १६ ह ३८ ३१ ष्या २९ १० ब	२१	१६	४४	३९	२१	१५	२	१२	कन्यायां	भ. २१।१६ उ. ५३।१ या.
१५	मं २४ ४७ चि ४३ ३६ ह २९ १७ ब	२४	४७	४८	३८	२२	१६	३	१३	तु. ११।३	मन्वादिः हनुमज्जयंती वै. स्ना. प्रा.

५२पं.चै.शु.४शु.इ.२०।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	६	०	२	२	११
२१	०	५	०	७	२५	१	२१
५८	२०	२२	२२	१९	११	२२	५३
२३	३५	१	१९	१२	४९	५८	३१
५९	२४	३५	५२	७	७४	१	३	५९
४	२९	ब	ब	२०	३८	११	४

गोचरग्रहाः

चैत्र शु. १२ शनौ मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ गताल्काव-स्था (ऊभी) मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

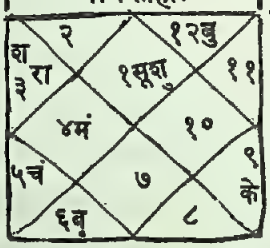

१पं.चै.शु.१२शु.इ.३६।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	०	२	२	०
०	३	५	२९	१७	२५	०	०
४	२५	३८	१७	३०	२७	५६	०
३३	२३	६	३८	२९	५४	४२	०
५८	२६	१५	५३	७४	२	३	५८
४५	४६	मा	ब	८	२८	११	४४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु २९ ० सा ४९ २७ ब ३० १५ कौ	२९	०	३१ ५१	३८	२३	१७	४	१४	तुलायां	
२	गु ३३ ४८ वि ५५ ५४ सि ३१ ३१ ते	१	२४	५५	३७	२३	१८	५	१५	वृ. ३९।१७	
३	शु ३८ ५१ अ ६० ० व्य ३२ ५४ ब	६	२०	५८	३६	२४	१९	६	१६	वृश्चिके	भ. ६।२० उ. ३८।५१ या.
४	श ४३ ४३ अ २ २७ ष ३४ १७ ब	११	१७	३३	३६	२४	२०	७	१७	वृश्चिके	चतुर्थी ब्र. ●११ब्र.स्मा.वै.अगस्त्यास्तः ५३
५	र ४८ १० ज्ये ८ ४७ प ३५ १७ कौ	१५	५७	६	३५	२५	२१	८	१८	ध. ८।४७	कृतिकायां शुक्रः ३।९
६	चं ५१ ४८ मू १४ ९ शि ३५ ४६ ग	१९	५९	१०	३४	२६	२२	९	१९	धनुषि	भ. ५१।४८ उ.
७	मं ५४ १५ पू १८ ४९ सि ३५ २० वि	१३	२	१४	३३	२७	२३	१०	२०	म. ३४।४२	म. २३।२ या. बृषे शुक्रः ४५।१६
८	बु ५५ ४७ उ २२ २१ सा ३३ ५३ बा	२५	१	१७	३३	२७	२४	११	२१	मकरे	
९	गु ५५ २८ श्र २४ ३४ शु ३१ २९ ते	२५	३७	२१	३२	२८	२५	१२	२२	कु. ५५।१	
१०	शु ५४ ७ ध २५ २९ शु २८ १४ ब	२४	४७	२५	३१	२९	२६	१३	२३	कुम्भे	भ. २४।४७ उ. ५४।७ या.
११	श ५१ ३७ श २५ २५ ब्र २३ ५२ ब	२२	५२	२९	३०	३०	२७	१४	२४	कुम्भे	भरण्यांरविः १२ रेवत्यांबुधः ३० वरूथिनी●
१२	र ४८ १२ पू २३ ५७ दें १८ ४३ कौ	१९	५४	३३	२९	३१	२८	१५	२५	मी ९।१९	वरूथिनी ११ ब्र. नि..
१३	चं ४३ ८ उ २१ ४२ वै २२ ४५ ग	१५	४०	३६	२९	३२	२९	१६	२६	मीने	भ. ४३।८ उ. प्रदोषः
१४	मं ३८ २७ रे १८ ४६ वि २६ ५९ वि	१०	४७	४०	२८	३२	३०	१७	२७	मे. १८।४६	भ. १७ या. ×बृषे राहुः बृश्चिके केतुः २७
१५	बु ३२ ४५ अ १५ १० आ ५१ ५३ च	५	३६	४३	२७	३३	१	१८	२८	मेषे	मई मा.५ ता.३१ रोहिण्यां शुक्रः ५८।७

२पं.वै.कृ.४शु.इ.३६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	०	२	२	०
६	६	८	२८	२६	२५	०	६
१४	१८	४२	२४	६	४८	३०	५०
४२	०	२५	४०	५४	३२	२७	३८
५८	२८	३८	५३	७४	३	३	५८
२१	२७	१०	ब	२	१३	११	३१

गोचरग्रहाः

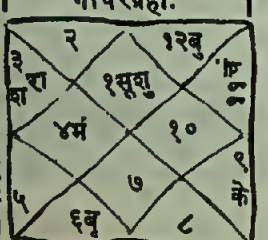

इस मास का फल श्रेष्ठ है रुई चांदी अलसी लोह कपास विनोला सिरस्युं तेज जौ गेहूँ चना मूंग मोंठ मंदा।

गोचरग्रहाः

३पं.वै.कृ.११शु.इ.३६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	१	२	२	०
१३	९	१६	२७	४	२६	०	१३
४३	२२	४५	३२	४२	१३	१२	३९
६	४१	५०	५३	०	५२	१२	०
५८	२९	५५	५०	७३	३	३	५८
१२	४९	२३	ब	५६	३६	११	२०

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरेऽर्हर्गणः ४०४५ स. १९४६
१	शु २६।५३ भ ११।१७ सौ ४४।१४ ब २६।५३	३३	५	६	२	१९	२९	वृ.२५।१३	चन्द्रदर्शनम्
२	शु २०।५२ कृ ७ ३ शो ३६।३३ कौ २०।५२	५०।२६	३४	३	२०	१		बृषे	पुनर्वसौ ३शनिः ४५ जमादिलाखर ५ परशुजं.
३	श २४।५३ रो ५६।१९ अ २९।११ ग १४।५३	५४।२५	३५	४	२१	२		मि ३१।३	भ. ४१।५३ उ. अक्षया ३
४	र ८।५४ आ ५५।४३ सु २१।५१ वि ८।५४	५७।२५	३५	५	२२	३		मिथुने	भ.८।५४या.वक्री चित्रायां १गुरुः २४।३९
५	चं ३।५० पु ५२।४३ धृ १५ ३ बा ३।५०	३३।२४	३६	६	२३	४		क.३८।२८	
६	चं ५५।२२ ० ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०		०	
७	मं ५५।२५ पु ५०।५१ शू ८।४३ ग २७।१८	४।२३	३७	७	२४	५		कर्के	भ. ५५।२५ उ.
८	बु ५२।३४ श्ले ५०।४५ गं ५५।२० वि २३।५९	७।२३	३७	८	२५	६		सिं ५०।४५	भ.२३।५९या.मेषेऽश्विन्यां च बुधः ६।१६*
९	शु ५०।५४ म ५१।५७ धृ ५४।४४ बा २१।४४	१०।२२	३८	९	२६	७		सिंहे	पातमोक्षः १२।३ *पातस्पर्शः ५६।३९
१०	शु ५०।३५ पू ५२।४९ व्या ५१।५० तै २०।४४	१३।२१	३९	१०	२७	८		सिंहे	
११	श ५१।१६ उ ५४।४२ ह ४९।५७ व २०।५५	१६।२१	३९	११	२८	९		कं.८।१७	भ. ३५ उ. ५१ या. कृतिकायां रविः ४४×
१२	र ५३।१८ ह ५७।२३ व ४९।१३ ब २२।१७	१९।२०	४०	१२	२९	१०		कन्यायां	मृगे शुक्रः ५३ सार्पे भौमः ५६ मोहिनी ११ ब्र.नि.
१३	चं ५६।३५ चि ६०। ० सि ४९।१८ कौ २४।५७	२२।२०	४०	१३	३०	११		तु.२९।५६	प्रदोषः ×मोहिनी ११ ब्र. स्मा. वै.
१४	मं ६०। ० चि २।३० व्य ४९।५६ ग २८।४२	२५।१९	४१	१४	३१	१२		तुलायां	बृषेऽर्कः २८।३१ नृसिंहजयंती
१५	बु ०।४९ स्वा ८। ६ व ५१।२९ व ०।४९	२८।१८	४२	१५	१	१३		बृ.५७।५४	भ.०।४९ उ. ३५ या. भरण्यां बुधः ३।३०+
१५	शु ५।४१ वि १४।३० प ५२।४७ ब ५।४१	३१।१८	४२	१६	२	१४		वृश्चिके	वै. स्ना. पूर्तिः +कूर्मोत्पत्तिः

४पं. वै.शु.३ श.इ.३६।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	१	२	१	०
२०	१२	२५	२६	१३	२६	२९	२०
२९	३५	५२	४५	१५	४३	४९	२७
४४	५६	५२	१४	१८	४८	५६	२२
५७	३१	७०	३४	७३	४	३	५८
५७	१	४८	ब	५०	२६	११	६

गोचरग्रहाः

वैशाख शु.१४भौमे
बृषेऽर्कः प्र. वा.४
न. ५ प्रौढ़ावस्था
(बैठी) मु. १५
(धान्य भाव तेज)
शुक्रो. पश्चि ।

गोचरग्रहाः

५पं. वै.शु.११ श.इ.३७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	५	१	२	१	०
२७	१५	६	२६	२१	२७	२९	२७
१४	५६	४९	२	४७	१७	२७	१३
५८	४६	५९	४२	१७	५३	४१	३०
५७	३२	८८	४५	७३	४	३	५७
४५	१	७	ब	४४	५३	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु १०।२९ अ २०।५२ शि ५४।१७ कौ १०।२९	३३	५	६	१७	३	१५	वृश्चिके	
२	श १५।२१ ज्ये २७।२० सि ५५।३४ ग १५।२१	३६	१७	४३	१८	४	१६	ध.२७।२०	भ. ४७।३१ उ. मिथुने शुक्रः २३।१६
३	र १९।४२ मू ३२।५९ सा ५६ ८ वि १९।४२	३९	१६	४४	१९	५	१७	धनुषि	भ. १९।४२ या. चतुर्थी ब्र.
४	चं २३।१६ पू ३७।३८ शु ५५।५७ बा २३।१६	४१	१६	४४	२०	६	१८	म.५३।५१	पूर्वास्तं बुधः ३२।१७
५	मं २५।४३ उ ४१।३० शु ५४।४६ तै २५।४३	४४	१५	४५	२१	७	१९	मकरे	
६	बु २६।५४ श्र ४४। ६ ब्र ५२।४७ व २६।५४	४६	१५	४५	२२	८	२०	मकरे	भ.२६ उ.५६ या. कृतिकायां बुधः ११।५
७	गु २६।५५ ध ४५।१६ ऐं ४९।४१ ब २६।५५	४८	१४	४६	२३	९	२१	कु.१४।४१	बृषे बुधः ५०।४६ आर्द्रायां शुक्रः ५५।२०
८	शु २५।३४ श ४५।३३ वै ४५।३४ कौ २५।३४	५०	१४	४६	२४	१०	२२	कुम्भे	रोहिण्यां रविः ५४।४०
९	श २३। ० पू ४४।१९ वि ४०।३६ ग २३। ०	५२	१४	४६	२५	११	२३	मी २९।३८	भ. ५१।१३ उ.
१०	र १९।२७ उ ४२।२० प्री ३४।५० वि १९।२७	५४	१३	४७	२६	१२	२४	मीने	भ. १९।२७ या.
११	चं १५। २ रे ३९।१९ आ २८।१९ बा १५। २	५६	१३	४७	२७	१३	२५	मि.३९।१९	अपरा ११ ब्र.
१२	मं ९।४९ अ ३५।५४ सौ २१।३२ तै ९।४९	५८	१२	४८	२८	१४	२६	मेषे	रोहिण्यां बुधः ४९।४९ प्रदोषः
१३	बु ४। ७ भ ३२।११ शो १४।२४ ब ४। ७	३४	१२	४८	२९	१५	२७	वृ.४६।८	भ. ४।७ उ. ३१।८ या.
१४	शु ५४। २ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
२०	गु ५२। ३ कृ २८। ० अ ४०।६५ च २५। ६	३४	१२	४८	३०	१६	२८	वृषे	भावुका ३० वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.२श.इ.३७।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	५	२	२	१	१
३	१९	१९	२५	०	२७	२९	३
५८	२५	२४	२६	१७	५५	५	५८
२५	४८	०	२०	२	२६	२६	२६
५७	३३	८८	४५	७३	५	३	५७
२४	६	५३	ब	२६	२०	११	४४

गोचरग्रहाः

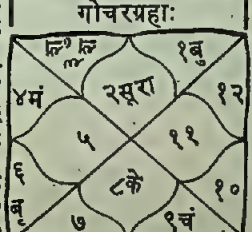

इस मासका फल
श्रेष्ठ है प्रजा में
सुख शांति रहेगी
धान्य भाव तेज ।
रुई अलसी चांदी
सोना तेज होगा ।

गोचरग्रहाः

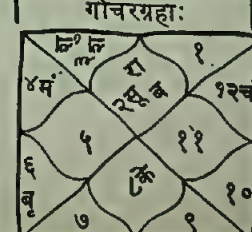

७पं. ज्ये.कृ.९ श.इ.३७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	५	२	२	१	१
१०	२३	३	२४	८	२८	२८	१०
४०	१	३३	५७	४४	३६	४३	४२
४६	५२	४३	३२	३१	०	१०	१८
५७	३३	८०	३३	७३	५	३	५७
२३	४९	३३	ब	१७	४६	११	३५

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०४७ सन् १९४६
१	शु ४५ ५८ रो २४ ३२ धृ ५१ ५८ किं १९ १ ३४	११	४९	३१	१७	२९	मि ५२।४९		
२	श ४० ८ मृ २१ ७ शू ४४ २६ बा १३ ३ ६	११	४९	१	१८	३०	मिथुने	जून मा. ६ ता. ३० चंद्रद.	
३	र ३४ ४५ आ १६ ५७ गं ३७ २८ तै ७ २६ ८	१०	५०	२	१९	१	क ५९।१८	रज्जव ७ रंभा व्रतं	
४	चं २९ ५८ पु १३ २५ वृ ३१ ४ व २ २१ ९	१०	५०	३	२०	२	कर्के	भ.२।२१ उ.३९ या. मृगे बुधः ३५ पुनर्वसौ*	
५	मं २६ ५ पु ११ २४ ध्रु २५ २३ बा २६ ५	११	१०	५०	४	२१	३	कर्के	पातमोक्षः ६।३० *शुक्रः ५६ पात. ४१
६	बु २३ ५ श्ले १० १४ व्या २० ४८ तै २३ ५	१२	१०	५०	५	२२	४	सिं १०।१४	
७	गु २१ १२ म ९ ४३ ह १६ ३५ व २१ १२	१४	९	५१	६	२३	५	सिंहे	भ.२३ उ.५४ या. मिथुने बुधः ३४।१४
८	शु २० ३५ पू १० ३७ व १३ २६ ब्र २० ३५	१५	९	५१	७	२४	६	कं.२६।११	मृगे रविः ५४ मघायां सिंहे च भौमः ४४×
९	श २१ २० उ १२ ५७ सि ११ ३४ कौ २१ २०	१६	९	५१	८	२५	७	कन्यायां	×पुनर्वसौ ४ कर्के च शनिः ३९।४३
१०	र २३ ७ ह १६ २९ व्य १० ३३ ग २३ ७	१७	९	५१	९	२६	८	तु.४८।४८	भ.५४।४४ उ. आर्द्रायां बुधः ५५ गंगा १०
११	चं २६ २२ चि २१ ७ व १० ३३ वि २६ २२	१८	८	५२	१०	२७	९	तुलायां	भ. २६।२२ या. निर्जला ११ व्रत
१२	मं ३० ३७ स्वा २६ ५४ प ११ १८ बा ३० २७	१९	८	५२	११	२८	१०	तुलायां	पश्चिमोदयी बुधः ३०।६
१३	बु ३५ ६ वि ३२ ५७ शि १२ ३५ कौ २ ४६	२०	८	५२	१२	२९	११	बृ.१६।२६	कर्के शुक्रः २३।३६ मार्गी गुरुः ३८।५२
१४	गु ३९ ५२ अ ३९ १५ सि १४ ८ ग ७ २९	२१	८	५२	१३	३०	१२	वृश्चिके	भ. ३९।५२ उ.
१५	शु ४५ ४७ ज्ये ४५ ४३ सा १६ ० वि १२ १९	२१	८	५२	१४	३१	१३	ध.४५।४३	भ.१३ या. मिथुनेऽर्कः ५४ खग्रास चंद्रग्र.

८पं. ज्ये.शु.२ श.इ.३७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	५	२	२	१	१
१७	२६	१८	२४	१७	२९	२८	१७
२१	४३	४६	३६	१०	२०	२०	२५
२	५५	४१	४०	१९	६	५५	५
५७	३४	५९	१३	७३	६	३	५७
१३	२४	४१	ब	१	७	११	२७

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ शु.१५ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४ न.५ कुमारावस्था (बैठी) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

९पं.ज्ये.शु.९ श.इ.३७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	५	२	३	१	१
२४	०	४	२४	२५	०	२७	२४
१	३१	४	२४	३३	६	५८	७
४७	८	१६	३२	१२	११	३९	८
५७	३५	५९	४९	७२	६	३	५७
५	१४	२१	ब	४५	२६	१११	२२

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श ४९ ९ मू ५१ २४ शु १६ ५९ बा १६ ५८	३४	५	५२	१५	१	१४	धनुषि	पुष्ये शुक्रः ९।२३
२	र ५२ ४३ पू ५६ ३१ शु १७ ४९ तै २० ५६	२२	८	५२	१६	२	१५	धनुषि	
३	चं ५५ ११ उ ६० ० ब्र १७ ४४ व २३ ५७	२२	८	५२	१७	३	१६	म.१२।३६	भ.२३।५७ उ.५५ या. पुनर्वसौ बुधः १।०
४	मं ५६ २८ उ ०।५२ ऐं १६ ४६ ब्र २५ ५०	२३	७	५३	१८	४	१७	मकरे	चतुर्थी व्रतम्
५	बु ५६ २८ श्र ३ २८ वै १५ ३ कौ २६ ४८	२३	७	५३	१९	५	१८	कु.३४।१४	
६	गु ५५ ९ ध ५ १ वि १२ ५ ग २५ ४८	२३	७	५३	२०	६	१९	कुम्भे	भ. ५५।९ उ.
७	शु ५२ २८ श ५ २७ प्री ७ २३ वि २३ ४९	२४	७	५३	२१	७	२०	मी ५०।५	भ. २३।४९ या. आर्द्रायां रविः ५५।४९
८	श ४९ ४ पू ४ ५८ आ ५४ ३३ बा २० ४६	२४	७	५३	२२	८	२१	मीने	कर्के बुधः ५९।४०
९	र ४४ ३७ उ ५६ ३५ शो ५१ ३५ तै १६ ५१	२४	७	५३	२३	९	२२	मि.५९।४८	
१०	चं ३९ २७ अ ५६ ३७ अ ४४ ४९ व १२ २	२४	७	५३	२४	१०	२३	मेषे	भ. १२।२ उ. ३९।३७ या.
११	मं ३३ ४७ भ ५२ ४३ सु ३७ ३९ ब ६ २७	२४	७	५३	२५	११	२४	मेषे	पुष्ये बुधः ३६।५ योगिनी ११ व्रत
१२	बु २७ ५२ कृ ४८ ४० धृ ३० १ कौ ० ५०	२३	७	५३	२६	१२	२५	वृ. ६।४२	सार्पे शुक्रः २८।१५ प्रदोषः
१३	गु २१ ४२ रो ४४ ३२ शू २२ ३१ व २१ ४२	२३	७	५३	२७	१३	२६	बृषे	भ. २१।४२ उ. ४८।३९ या.
१४	शु १५ ३६ मृ ४० २२ गं १५ ५ श १५ ३६	२३	७	५३	२८	१४	२७	मि १२।२७	पितृकार्येऽमा;
३०	श ९ ४४ आ ३६ ४० वृ ७ ३७ ना ९ ४४	२२	८	५२	२९	१५	२८	मिथुने	देवकार्येऽमा.

१०पं.आ.कृ.१श.इ.३७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	३	३	१	२
०	४	१७	२४	३	०	२७	०
४०	२१	४३	२१	५३	५४	३६	४८
५५	५८	१	२९	४६	५८	२४	२५
५६	३५	९८	३९	७२	६	३	५७
५७	४५	१७	मा	२३	३८	११	१७

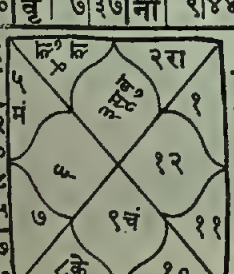

११पं.आ.कृ.८श.इ.३७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	३	३	१	२
७	८	२९	२४	१२	१	२७	७
१९	१८	३१	२६	११	४५	१४	२९
२३	३६	३६	५६	६	२५	९	१३
५६	३६	७६	१	७२	६	३	५७
५४	१५	४३	४१	१	५६	११	१३

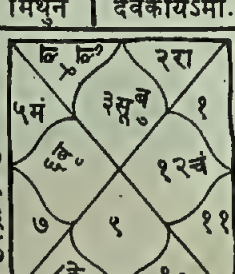

१२पं.आ.कृ.३०श.इ.३७।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	३	३	१	२
१३	१२	९	२४	२०	२	२६	१४
५७	१४	२०	४०	२५	३७	५१	४३
२६	३२	२८	५५	२६	३७	५३	४३
५६	३६	५७	३	७१	७	३	५७
५०	४०	१७	७	३४	५	११	१

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१०४ स.१९४६
१	र ४।१५ पु ३३।४१ ध्रु ५३।४५ ब ४।१५ ३४	५	५८	३०	१६	२९	क.१९।२६	चन्द्रदर्शनम्
२	र ५५। ९ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	
३	चं ५५।२२ पु ३१।१६ ह ४८।२२ त ३७।२३	२०	८	५२	१	१७	१	कर्के	जुलाई मा.७ता.३१पूफायांभौमः२४।२२
४	मं ५३।२० श्ले २९।३९ व ४३।२२ व २४।२१	१९	८	५२	२	१८	२	सिं २९।३९	भ. २४।२१ उ. ५३।२० या.
५	बु ५१।२० म २९।२० सि ३९।१६ ब २२।२०	१८	८	५२	३	१९	३	सिंहे	मृगे १ राहुः ज्येष्ठायां ३ केतुः २१।४५
६	गु ४९।३४ पू ३० ४ व्य ३६ ६ कौ २०।२७	१७	९	५१	४	२०	४	कं.४५।३२	अस्तं शनेः ५।२७ *सावान ८
७	शु ५०।१४ उ ३१।५६ व ३३।५५ ग १९।५४	१६	९	५१	५	२१	५	कन्यायां	भ. ५०।१४ उ. पुनर्वसौ रविः५९।५०
८	श ५२।११ ह ३५ ५ प ३२।४८ वि २१।१२	१४	९	५१	६	२२	६	कन्यायां	भ. २१।१२ या. सार्पे बुधः १७।५०
९	र ५४।५१ चि ३९।२० शि ३२।३१ बा २३।३१	१३	९	५१	७	२३	७	तु.७।१७	सिंहे शुक्रः ४७।३५ पुष्ये१ शनिः ७।४२
१०	चं ५८।५८ स्वा ४४।४५ सि ३३ ६ त ३६।५४	११	१०	५०	८	२४	८	तुलायां	मन्वादिः
११	मं ६० ० वि ५०।५६ सा ३४।१७ व ३१।१६	१०	१०	५०	९	२५	९	वृ.३४।२३	भ. ३१।१६ उ. देवशयनी ११ ब्र.
११	बु ३।३५ अ ५७।२० शु ३५।४६ वि ३।३५	९	१०	५०	१०	२६	१०	वृश्चिके	भ.३।३५या. देवशयनी११ब्र.हरिवासरः
१२	गु ८।२८ ज्ये ६०। ० शु ३७।२४ बा ८।३८	७	११	४९	११	२७	११	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	शु १३।१५ ज्ये ३।४५ ब्र ३८।४६ त ३।१५	६	११	४९	१२	२८	१२	ध.३।४५	
१४	श १७।३६ मू ९।४१ ऐं ३९।३४ व १७।३६	४	११	४९	१३	२९	१३	धनुषि	भ. १७।३६ उ. ४९।२४ या.
१५	र २१।१३ पू १५ ५ वै ३९।४८ बा २१।१३	२	१२	४८	१४	३०	१४	म.३१।१०	व्यास पूजा सब्बरात

१३पं.आ.शु.८श.इ.३७।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	३	३	१	२
२०	१६	१६	२५	२८	३	२६	२०
३५	२२	५२	६	३६	३०	२९	५०
२२	२४	१६	३६	३२	४७	३८	७
५६	३७	३८	४	७१	७	३	५७
५०	११	६	१३	६	१४	११	७

इस मास का फल अशुभहै कहीं वर्षा की अधिकता तथा कहीं वर्षा की कमी होगी प्रजा में क्लेश होगा।

१४पं.आ.शु.१४श.इ.३७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	४	३	१	२
२७	२०	२१	२५	६	४	२६	२७
१३	३०	३६	३४	४३	२४	७	३०
२८	२९	२२	१६	१९	२२	२३	२९
५६	३७	१६	५	७०	७	३	५५
५५	४४	५६	२३	२६	२०	११	११

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं २४।१४ उ १९।२४ वि ३९। ९ कौ २५।१४ ३४	५	१२	४८	१५	३१	१५	मकरे	
२	मं २५। ६ श्र २२।२३ प्री ३७।२९ ग २५। ६ ३३	५	१२	४८	१६	३२	१६	कु.५३।१८	भ. ५५।१० उ. कर्केऽर्कः ३२।३४
३	बु २५।१४ ध २४।१३ आ २४।४९ वि २५।१४	५६	१३	४७	१७	१	१७	कुम्भे	भ. २५।१४ या. चतुर्थी ब्र.
४	गु २३।५७ श २४।५८ सौ ३१।१० बा २३।५७	५४	१३	४७	१८	२	१८	कुम्भे	वक्री बुधः ३६।८
५	शु २१।२९ पू २४।१२ शो २६।३२ त २१।२९	५२	१४	४६	१९	३	१९	मी९।२४	पूफायां शुक्रः २३।४ नागपंचमी
६	श १८। १ उ २२।२३ अ २१। ३ व १८। १	५०	१४	४६	२०	४	२०	मीने	भ. १८।१ उ.४५ या. पुष्ये रविः ३।१५
७	र १३।३७ रे १९।५७ सु १४।५१ ब १३।३७	४८	१५	४५	२१	५	२१	मे.१९।५७	
८	चं ८।३१ अ १७। २ धृ ८। २ कौ ८।३१	४५	१५	४५	२२	६	२२	मेषे	
९	मं २।५१ भ १२।५७ शू ४९।२९ ५२ ग २।५१	४२	१६	४४	२३	७	२३	बृ.२७।८	भ.२९।५३ उ.५६ या. उफायां भौमः३३
१०	मं ५४। ५ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	१६	४४	२४	८	२४	बृषे	कामिका ११ ब्र. स्मा.
११	बु ५०।५० कृ ९।४१ वृ ४५।३५ ब २३।५३	४०	१६	४४	२४	८	२४	बृषे	
१२	गु ४४।४२ रो ४।५१ धु ३८।१४ कौ १७।४६	३७	१७	४३	२५	९	२५	मि३२।४७	चित्रायां२गुरुः १८।२पश्चिमास्तोबुधः४१ ×कामिका ११ ब्र. वै.
१३	शु ३८।३८ मृ ४३।५६ ब्या ३०।४९ ग ११।४०	३५	१७	४३	२६	१०	२६	मिथुने	भ. ३८।३८ उ. प्रदोषः
१४	श ३३।१३ पु ५३।४८ ह २३।४४ वि ५।५५	३२	१८	४२	२७	११	२७	क ३९।३५	भ. ५।५५ या.
३०	र २८।१९ पु ५१। ६ व १७। २ ना २८।१५	३०	१८	४२	२८	१२	२८	कर्के	हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.६श.इ.३६।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	५	४	३	१	३
३	२४	२२	२६	१४	५	२५	४
५१	४३	५८	१२	४५	१८	४५	११
५६	४४	४१	११	४०	५०	७	१३
५६	३८	६	६	६९	७	३	५७
५७	१	ब	२८	३८	२०	११	१५

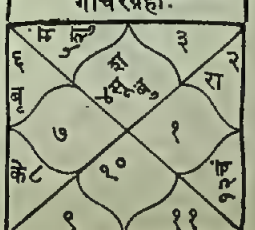

श्रावण कृष्णा २ भौमे कर्केऽर्कः प्र. वा.५न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो. पूर्व.।

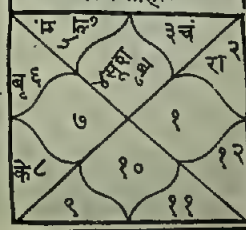

१६पं.श्रा.कृ.१४श.इ.३६।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	५	४	३	१	३
१०	२८	२०	२६	२२	६	२५	१०
३१	५७	३९	५७	४२	१३	२२	५२
१४	११	३६	११	४०	१२	५२	१६
५७	३८	३	७	६८	७	३	५७
५	२८	ब	२६	५०	२०	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः ४१३३ सन् १९४६
१	चं २४ १२ श्रे ४९ ८ सि ११ ३ ब २४ १२	३३ २७	५ १९	४१	२९	१३	२९	सिं४९।८	चंद्रद. कन्यायां भौमः १४।४३
२	मं २१ ४ म ४८ ३३ व्य ५ ५० कौ २१ ४	२४	१९	४१	३०	१४	१	सिंहे	रमजान ९
३	बु १९ ३ पू ४९ ३ व ३३ ५६ ४० ग १९ ३	२१	२०	४०	३१	१५	२	सिंहे	भ.४८।३९उ. उफायांशुक्रः९।३७ पुष्ये२*
४	गु १८ १५ उ ५० ३९ शि ५५ ४५ वि १८ १५	१८	२०	४०	१	१६	३	कं.४।२७	भ. १८।१५ या. अगस्त मा. ८ ता. ३१
५	शु १८ ५० ह ५३ ३२ सि ५४ २२ बा १८ ५०	१५	२१	३९	२	१७	४	कन्यायां	वक्री पुष्ये बुधः ३३।२९ नाग ५
६	श २० ३३ चि ५७ ४४ सा ५४ ५ तै २० ३३	१२	२२	३८	३	१८	५	तु.२५।३८	आश्लेषायां रविः४।३ कन्यायां शुक्रः३६
७	र २३ २९ स्वा ६० ० शु ५४ २२ व २३ २९	९	२२	३८	४	१९	६	तुलायां	भ. २३।२९ उ. ५५।२ या.
८	चं २७ २५ स्वा २ ५६ शु ५५ २६ ब २७ २५	६	२३	३७	५	२०	७	वृ.५२।२८	दुर्गा ८ *शनिः १६।० तीज वरद ४
९	मं ३२ २० वि ८ ५८ ब्र ५६ १८ कौ ३२ २	३	२३	३७	६	२१	८	बृश्चिके	
१०	बु ३६ ५३ अ १५ १३ ऐं ५८ २१ तै ४ २७	३३ ५९	२४	३६	७	२२	९	बृश्चिके	
११	गु ४१ ४५ ज्ये २१ ३८ वै ५९ ५१ व ९ १९	५६	२५	३५	८	२३	१०	ध.२१।३८	भ.९।१९ उ.४१।४५ या. पवित्रा ११ ब्र.
१२	शु ४६ ९ मू २७ ३० वि ६० ० ब १३ ५७	५३	२५	३५	९	२४	११	धनुषि	उदयं शने ३३।१९. पवित्रार्पण १२
१३	श ४९ ५० पू ३३ २ वि ० ५० कौ १७ ५९	५०	२६	३४	१०	२५	१२	म.४९।१०	प्रदोषः
१४	र ५२ २८ उ ३७ ३२ प्री १ ६ ग २१ ९	४७	२७	३३	११	२६	१३	मकरे	भ. ५२।२८ उ. पूर्वोदयी बुधः १८।७
१५	चं ५३ ५७ श्र ४१ ४ आ ३५ ५८ ३६ वि २३ १२	४४	२७	३३	१२	२७	१४	मकरे	भ.३३ या. हस्ते शुक्रः६ श्रावणीकर्म रक्षा

१७पं.श्रा.शु.६श.इ.३६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	५	३	१	३
१७	३	१५	२७	०	७	२५	१७
११	१५	४६	४८	३३	७	०	३३
२	२५	५	४७	५०	२६	३६	५८
५७	३८	५१	८	६७	७	३	५७
१२	४९	ब	३१	४७	१७	११	३४

गोचरग्रहाः

इस मासमें रुई गेहूँ पाट कुष्टा अलसी अनाज गल्ला मंदा होकर सुदी में तेज होगा। सुदी में मंदी पीछे तेजी।

गोचरग्रहाः

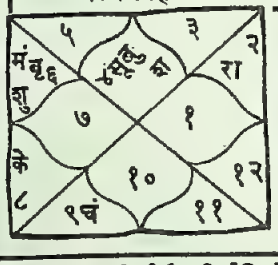

१८पं.श्रा.शु.१३श.इ.३६।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	५	३	१	३
२३	७	१२	२८	८	८	२४	२१
५२	३६	०	४६	१८	०	३८	१६
१०	१४	५४	१२	२५	२५	२१	३५
५७	३९	५३	९	६६	७	३	५७
२२	१०	ब	१९	३३	८	११	३३

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ५४ ११ ध ४२ ५८ शो ५६ ३९ बा २४ ४	३३ ४०	२८	३२	१३	२८	१५	कुं.१२।१	
२	बु ५३ ० श ४३ ५८ अ ५३ ८ तै २३ ३५	३६	२९	३१	१४	२९	१६	कुम्भे	हस्ते भौमः ३१।२९
३	गु ५० ३८ पू ४३ ४२ सु ४८ ४९ व २१ ४९	३३	२९	३१	१५	३०	१७	मी२८।४६	भ ३१ उ.३८या. मार्गीबुधः३५ कजली३
४	शु ४७ १५ उ ४२ ८ धृ ४२ ३२ ब १८ ५६	२९	३०	३०	१६	३१	१८	मीने	चतुर्थी ब्र.
५	श ४२ ५९ रे ३९ ४४ शू ३७ ९ कौ १५ ७	२६	३१	२९	१७	१	१९	मे.३९।४४	सिंहेऽर्कः ०।३० चंद्र ६
६	र ३७ ५४ अ ३६ ४८ गं ३० ३० ग १० २६	२२	३२	२८	१८	२	२०	मेषे	भ.५४ उ. चित्रायां३ तुलायां च गुरुः४१
७	चं ३२ २० भ ३३ ११ वृ २३ १७ वि ५ ७	१९	३२	२८	१९	३	२१	वृ.४७।८	भ. ५।७ या. जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
८	मं २६ २५ कृ २९ ० घ्रु १५ ४७ कौ २६ २५	१५	३३	२७	२०	४	२२	बृषे	जन्माष्टमी ब्र. वै.
९	बु २० १५ रो २४ ५८ ब्या ८ ६ ग २० १५	११	३४	२६	२१	५	२३	मि५२।५१	भ. ४७।१३ उ. गोगा ९
१०	गु १४ १२ मृ २० ४४ ह ३४ ३१ वि १४ १२	८	३४	२६	२२	६	२४	मिथुने	भ. १४।१२ या. सर्पे बुधः ५।१३
११	शु ८ २२ आ १६ ५५ सि ४५ ५५ बा ८ २२	४	३५	२५	२३	७	२५	क.५९।१६	अजा ११ ब्र.
१२	श २ ४६ पु १३ २३ व्य ३९ ८ तै २ ४६	३२ ०	३६	२४	२४	८	२६	कर्के	भ.३७उ.चित्रायांशुक्रः३१ वत्स१२ प्रदोष
१३	श ५५ ३ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१४	र ५३ ४५ पु १० ३४ व ३२ ५२ वि २५ ४७	३१ ५६	३७	२३	२५	९	२७	कर्के	भ. २५।४७ या.
३०	चं ५० ३६ श्रे ८ ४७ प २७ २४ च २२ १०	५२	३८	२२	२६	१०	२८	सिं८।४७	पुष्ये ३ शनिः ५९।५४ लोहार्गलस्नान

१९पं.भा.कृ.५ श.इ.३६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	५	५	३	१	४
०	१२	१३	२९	१५	८	१९	०
३४	१	१५	४९	५४	५२	१६	५९
२३	१९	११	१२	३२	५९	६	४६
५७	३९	१५	९	६५	६	३	५७
३४	२३	मी	५७	२	५९	११	४०

गोचरग्रहाः

भाद्र. कृ. ५शनौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न.५ गतालकाव-स्था[ऊर्ध्व]मु.३० (धान्यभावसम) शुक्रोदय पश्चि.।

गोचरग्रहाः

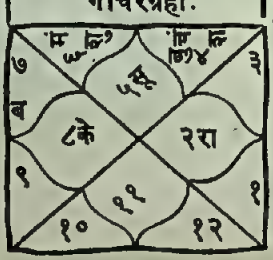

२०पं.भा.कृ.१२श.इ.३६।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	६	५	३	१	४
७	१६	१९	०	२३	९	२३	७
१७	२८	५५	५७	२१	४३	५३	१९
५७	४४	४१	४	०	५२	५०	१९
५७	३९	७७	१०	६३	६	३	५७
४५	५१	४८	४१	२२	४४	११	४०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८							दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४१६२ स. १९४६
१	मं	४८	३६	म	७	२३	शि	२२	४७	कि	१९	३६	३१	३८	२३	२७	११	२९	सिंहे	अगस्त्योदय। ५९।५७
२	बु	४७	४९	पू	७	५३	सि	१९	६	बा	१८	१३	४४	३९	२१	२८	१२	३०	कं. २३।१२	चन्द्रदर्शनम् *बुधः ३२।२० ऋषि ५
३	गु	४८	२५	उ	९	१०	सा	१६	२२	तै	१८	७	४०	४०	२०	२९	१३	१	कन्यायां	सव्वाल १० ईद हरितालिका ३
४	शु	५०	६	ह	११	४८	शु	१४	४१	व	१९	१५	३६	४१	१९	३०	१४	२	तु. ४३।४६	भ. १९ उ. ५९ या. पूफायां रविः ३१ गणेश ४
५	श	५३	१	चि	१५	४४	शु	१४	०	ब	२१	३३	३२	४२	१८	३१	१५	३	तुलायां	सिंहेबुधः०।२२ तुलायांशुक्रः२।२पूर्वास्तो*
६	र	५७	०	स्वा	२०	३७	ब्र	१३	४४	कौ	२५	१	२८	४२	१८	१	१६	४	तुलायां	सितम्बर मा. ९ ता. ३०
७	चं	६०	०	वि	२६	२५	ऐं	१५	१२	ग	२९	२०	२५	४३	१७	२	१७	५	बृ. ९।५८	
७	मं	१	४०	अ	३२	४२	वै	१५	५१	व	१	४०	२१	४४	१६	३	१८	६	वृश्चिके	भ. १।४० उ. ३४।७ या.
८	बु	६	३४	ज्ये	३९	२	वि	१७	५२	ब	६	३४	१८	४४	१६	४	१९	७	ध. ३९।२	चित्रायां भौमः १६।३१ रोहिण्यां४ राहुः×
९	गु	११	३२	मू	४५	१६	प्री	१९	३१	कौ	११	३२	१४	४५	१५	५	२०	८	धनुषि	×ज्येष्ठायां २ केतुः १४।४८
१०	शु	१६	३	पू	५०	५४	आ	२०	२२	ग	१६	३	१०	४६	१४	६	२१	९	धनुषि	भ. ४७।५६ उ. स्वात्यां शुक्रः ४०।१९
११	श	१९	४९	उ	५५	३४	सौ	२०	५५	वि	१९	४९	६	४७	१३	७	२२	१०	म. ७।४	भ. १९ या. पूफायांबुधः ४३ चित्रायां४गुरुः=
१२	र	२२	३४	श्र	५९	२०	शो	२०	३५	बा	२२	३४	२	४८	१२	८	२३	११	मकरे	वामनावतारः प्रदोषः
१३	चं	२४	९	ध	६०	०	अ	१९	४५	तै	२४	९	३०	४८	१२	९	२४	१२	कु. ३०।२६	=६।५९ जलझूलनी ११ ब्र.
१४	मं	२४	२८	ध	१	३२	सु	१६	५५	व	२४	२८	५४	४९	११	१०	२५	१३	कुम्भे	भ. २४।२८ उ. ५३।५४ या. अनंत १४
१५	बु	२३	२०	श	२	४५	धृ	१३	३६	ब	२३	२०	४९	५०	१०	११	२६	१४	मी ४७।५७	प्रौष्ठपदी ३० महालय. कुमारीणां सं.पू.

२१पं.भा.शु.५श.इ.३६।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	६	६	३	१	४
१४	२१	१	२	०	१०	२३	१४
३	०	६	९	३४	३३	३१	२९
९	०	५८	२९	३७	२९	३५	५३
५७	४०	५२	११	६१	६	३	५८
५७	९	४५	१७	८	२९	११	१

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच मंगल पांच बुध हैं, सो प्रजा में रोगादिक कर, उपद्रव, रुई चांदी सोना मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

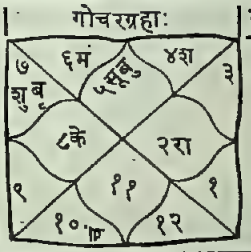

२२पं.भा.शु.११श.इ.३५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	६	६	३	१	४
२०	२५	१४	३	७	११	२३	२१
४९	३४	२५	२५	३४	२०	९	१६
४९	३०	३७	४४	५	२८	२०	५९
५८	४०	५२	११	५८	६	३	५८
१२	२९	५२	५५	२६	१४	११	१३

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८							दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२१	२	पू	२	५१	शू	९	५	कौ	२१	२	३०	५	६	१२	२७	१५	मीने	
२	शु	१७	४५	उ	२९	५७	गं	४५	५३	तै	१७	४५	४०	५२	८	१३	२८	१६	मि. ५९।९	भ. ४५।३९ उ. उफायां रविः ३६।०
३	श	१३	३४	अ	५५	५५	ध्रु	५१	२१	वि	१३	३४	३६	५३	७	१४	२९	१७	मेषे	भ. ३३ या. उफायां बुधः ३० तुलायांभौमः×
४	र	८	३७	भ	५२	४७	व्या	४४	१८	बा	८	३७	३२	५४	६	१५	३०	१८	मेषे	कन्यायां बुधः ४६।२५
५	चं	३	२	कृ	४८	४७	ह	३६	४६	तै	३	२	२८	५४	६	१६	३१	१९	बृ. ६।५०	भ. ५७।२० उ. ×१९।९ चतुर्थी ब्र.
६	चं	५४	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	मं	५१	११	रो	४४	४१	व	२९	४	वि	२४	१६	२४	५५	५	१७	३२	२०	बृषे	भ. २४।१६ या. कन्यायामर्कः १।२१
८	बु	४५	८	मृ	४०	३१	सि	२१	२०	बा	१८	१०	२०	५६	४	१८	१	२१	मि १२।३६	
९	गु	३९	१८	आ	३६	४३	व्य	१३	४२	तै	१२	१३	१६	५७	३	१९	२	२२	मिथुने	
१०	शु	३३	४८	पु	३३	११	व	२३	५६	व	६	३३	१२	५८	२	२०	३	२३	क. १९।४	भ. ६।३३ उ. ३३।४८ या.
११	श	२८	५४	पु	३०	९	शि	५३	५९	ब	१	२१	८	५८	२	२१	४	२४	कर्के	हस्तेबुधः२०।१८ विशाखायांशुक्रः०।४४+
१२	र	२४	५३	श्ले	२८	५	सि	४७	१६	तै	२४	५३	४	५९	१	२२	५	२५	सि २८।५	प्रदोषः +इंदिरा ११ ब्र.
१३	चं	२१	५०	म	२६	४२	सा	४२	२१	व	२१	५०	०	००	६	२३	६	२६	सिंहे	भ. २१।५० उ. ५०।५१ या.
१४	मं	१९	५२	पू	२६	४१	शु	३८	२४	श	१९	५२	२९	१	५९	२४	७	२७	कं. ४१।५५	स्वात्यां भौमः १४ स्वात्यां१ गुरुः ४।५४
१५	बु	१९	१०	उ	२७	३९	शु	३५	१४	ना	१९	१०	५१	२	५८	२५	८	२८	कन्यायां	सर्वपितृ ३०

२३पं.आ.कृ.३श.इ.३५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	६	६	३	१	४
२७	०	२७	४	१४	१२	२२	२८
२८	११	४६	४८	१३	५	४७	५
१३	१३	१९	१८	२३	१३	४	२४
५८	४०	५२	१२	५४	५	३	५८
२९	४१	३५	२०	५३	५०	११	२६

गोचरग्रहाः

आश्विन कृष्णा ७ भौमे कन्यायामर्कः प्र.वा.४न.५बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव मंदा) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

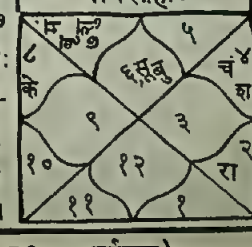

२४पं.आ.कृ.११श.इ.३५।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	६	६	३	१	५
४	४	१०	६	२०	१२	२२	४
२८	५१	२६	८	२९	४६	२४	५५
१८	१४	४६	२८	१०	४८	४८	१६
५८	४०	५२	१२	५०	५	३	५८
४५	५९	३५	४०	१७	२६	११	३८

*चंबृशु ×मंबृशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००३ शाक: १८६८	दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१९२ स.१९४६
१	गु १९ ५१ ह २९ ४२	ब्र ३३ २०	ब १९ ५१	३६ ३ ५७	२६ ९	२९	कन्यायां	चंद्रद. सं.मातामहश्रा. नवरात्रा. घटस्था.
२	शु २१ ३८ चि ३३ ३९	ऐं ३२ १८	कौ २१ ३८	४२ ४ ५६	२७ १०	१	तु.१।४०	हस्तेरविः१३ पुष्ये४शनिः३६ जिल्काद११
३	श २४ ३७ स्वा ३८ १६	वै ३१ ३८	ग २४ ३७	३८ ४ ५६	२८ ११	२	तुलायां	भ. ५६।३८ उ.
४	र २८ ४१ वि ४३ ५६	वि ३२ ४९	वि २८ ४१	३४ ५ ५५	२९ १२	३	बृ.२७।३१	भ. २८।४१ या. चित्रायां बुधः १०।३५
५	चं ३३ २५ अ ४९ ५३	प्री ३४ १	ब १ ५	३० ६ ५४	३० १३	४	बृश्चिके	
६	मं ३८ ३५ ज्ये ५६ २७	आ ३५ ५९	कौ ५ ५५	२६ ७ ५३	१ १४	५	ध.५६।२७	अक्टूबरमा.१०ता.३१ पश्चिमोदयीबुधः३१
७	बु ४३ २७ मू ६० ०	सौ ३६ ३५	ग १० ५६	२२ ८ ५२	२ १५	६	धनुषि	भ. ४३।२७ उ. सरस्वत्यावाहनं
८	गु ४८ ५ मू २ ५१	शो ३७ ५३	वि १५ ४६	१८ ८ ५२	३ १६	७	धनुषि	भ.१५ ४६ या.तुलायांबुधः१५बृश्चिकेशुक्रः२७ ३१
९	शु ५१ ५० पू ८ ३१	अ ३८ २७	बा १९ ५९	१४ ९ ५१	४ १७	८	म.२४।४८	बलिदानं [सरस्वती पू.
१०	श ५४ ४१ उ १३ ४१	सु ३८ ८	ते २३ १८	१० १० ५०	५ १८	९	मकरे	सरस्वती वि. बौद्धज. विजयदशमी
११	र ५६ २३ श्र १७ ३३	धृ ३७ १	व २५ ३२	६ ११ ४९	६ १९	१०	कु.४८।५७	भ.३५ उ.५३ या. पापांकुशा११ब्र.स्मा.वै.
१२	चं ५६ ४७ ध २० २१	शू ३४ ५६	ब २६ ३५	४ १२ ४८	७ २०	११	कुम्भे	स्वात्यां बुधः३२।३० पापांकुशा११ब्र.नि.
१३	मं ५५ ४४ श २१ १४	गं ३१ ५०	कौ २६ १६	५८ १२ ४८	८ २१	१२	कुम्भे	मैत्रे शुक्रः १४।६ प्रदोषः
१४	बु ५३ ३१ पू २१ ५२	वृ २७ ४४	ग २४ ३८	५४ १३ ४७	९ २२	१३	मी६।४१	भ. ५३ उ. २१ शरद्१५ कोजागरीव्र.
१५	गु ५० १७ उ २० ४७	ध्रु २२ ३९	वि २१ ५४	५० १४ ४६	१० २३	१४	मीने	भ.२१ या.चित्रायांरविः४ स्वात्यां२गुरुः

२५पं.आ.शु.३श.इ.३५।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	६	६	३	१	५
११	९	२२	७	२६	१३	२२	११
२०	३५	२१	३३	१२	२४	२	४६
२४	६	५४	४७	५४	५४	३३	५५
५९	४१	९९	१३	४४	४	३	५८
०	१९	८	६	५६	५८	११	५३

गोचरग्रहाः

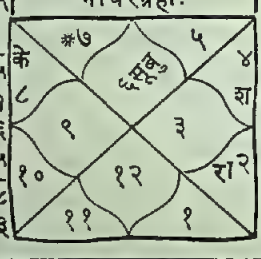

इस मास में प्रजा में सुख शांति रहेगी रुई सूत कपास चांदी गेहूँ जौ चना अलसी सिरस्युं पाट कुष्टा लाख मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

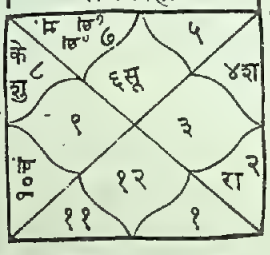

२६पं.आ.शु.१०श.इ.३५।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	६	७	३	१	५
१८	१४	३	९	१	१४	२१	१८
१४	२१	३४	१	१३	०	४०	४०
१३	२९	५५	३४	३७	११	१८	१३
५९	४१	९४	१३	३७	४	३	५९
१६	३६	४३	२०	२२	३६	११	९

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००३ शाक: १८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	शु ४६ ११ रे १८ ४९	व्या १६ ४७	बा १८ १४	४६ १५ ४५	११	२४	१५	मे.१८।४९	
२	श ४१ १७ अ १६ ०	ह १० १३	ते १३ १४	४२ १६ ४४	१२	२५	१६	मेषे	
३	र ३५ ४९ भ १३ ३२	व १२ ३३ ५३	व ८ ३३	२८ १६ ४४	१३	२६	१७	बृ.१८।२६	भ.८।३३ उ.३५।४९ या. विशायां भौमः*
४	चं ३० ३ कृ ८ ४३	व्य ४८ ०	ब २ ५६	३४ १७ ४३	१४	२७	१८	बृषे	
५	मं २४ ४ रो ४ ३८	व ४० ३१	ते २४ ४	३० १८ ४२	१५	२८	१९	मि२७।२९	
६	बु १८ ६ मृ ३४ ५६	प ३२ ३२	व १८ ६	२६ १९ ४१	१६	२९	२०	मिथुने	भ.१६ उ.४५ या. अस्तंगुरुः५० २४ विशाखायः×
७	गु १२ १० पु ५२ ५४	शि २४ ५७	ब १२ १०	२२ २० ४०	१७	३०	२१	क.४१।४८	तुलायामर्कः२७ होई८ ×बुधः५२।१९ अ.गु.
८	शु ६ ५७ पु ४९ ४७	सि १७ ४६	कौ ६ ५७	१८ २० ४०	१८	१	२२	कर्के	
९	श २ ९ श्ले ४७ २१	सा ११ ९	ग २ ९	१४ २१ ३९	१९	२	२३	सिं४७।२१	भ. ३०।७ उ. ५८।४ या.
१०	श ५५ ५५ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	०	क्षयः *४५ करक चतुर्थी व्र.
११	र ५५ १९ म ४५ ४१	शु ७ ५४	ब २६ ४१	१० २२ ३८	२०	३	२४	सिंहे	रमा ११ ब्र. स्मा. +महालक्ष्मी पू.
१२	चं ५३ २७ पू ४५ २६	ब्र ५५ ३६	कौ २४ २३	६ २३ ३७	२१	४	२५	सिंहे	रमा ११ ब्र. वै. गोवत्स पू.
१३	मं ५२ ५१ उ ४६ ६	ऐं ५२ २२	ग २३ ९	२ २४ ३६	२२	५	२६	कं.२८।९	भ.५२ उ. प्रदोषः ब्र. धन१३ यमदीपदानं
१४	बु ५३ ३९ ह ४७ ५८	वै ४९ ५०	वि २३ १५	२७ २४ ३६	२३	६	२७	कन्यायां	भ. २३।१५ या. रूप १४ नरक १४
३०	गु ५५ ३१ चि ५१ २४	वि ४८ २९	च २४ ३५	५४ २५ ३५	२४	७	२८	तु.१९।४१	स्वात्यां रविः८।० बृश्चिके बुधः३६।४९+

२७पं.का.कृ.२श.इ.३५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	६	७	३	१	५
२५	१९	१४	१०	५	१४	२१	२५
९	१०	७	३०	२१	३०	१८	३५
५६	४४	२६	५०	४	५८	३	१०
५९	४१	९०	१३	२७	३	३	५९
३१	५२	४९	२६	५०	५६	११	२१

गोचरग्रहाः

कार्तिक कृष्णा ७ गुरौ तुलायामर्कः प्र. वा.३न.४ कुमारावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदय पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

२८पं.का.कृ.९श.इ.३४।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	६	७	३	१	६
२	२४	२३	१२	८	१४	२०	३
७	३	५५	१	१६	५७	५५	३१
२५	२९	३७	२६	३७	१८	४७	३०
५९	४२	८६	१३	१५	३	३	५९
४६	२	५७	३२	४०	२२	११	३१

*मंचंबृशु ×मंबुवृ

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरहर्तृ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२२१ स. १९४६
१	शु ५८ ३९ स्वा ५५ ५५ प्री ४७ ५९ वा २७ ५	२७	२६	३४	२५	८	२९	तुलायां	स्वात्यां ३ गुरु. २६।४२ व्यापारे सं. २००३
२	श ६० ० वि ६० ० आ ४८ २८ वै ३० ४४	४६	२७	३३	२६	९	३०	बृ. ४५।१	चंद्रदर्शनं वक्री शुक्रः १२।४९ भ्रातृ २ यमृ २
२	र २ ४९ वि १ २३ सौ ४९ १८ कौ २ ४९	४२	२८	३२	२७	१०	१	बृश्चिके	मैत्रे बुधः ६।२९ जिल्हेज १२
३	चं ७ ३८ अ ७ २७ शो ५० ३५ ग ७ ४८	३८	२८	३२	२८	११	२	बृश्चिके	भ. ४०।१२ उ. बृश्चिके भौमः ०।४९
४	मं १२ ४७ ज्ये १३ ५२ अ ५१ ५७ वि १२ ४७	३५	२९	३१	२९	१२	३	ध. १३।५२	भ. १२।४७ या.
५	बु १७ ५५ मू २० १६ सु ५३ ३ बा १७ ५५	३१	३०	३०	३०	१३	४	धनुषि	
६	गु २२ ३३ पू २६ ७ धृ ५३ ३९ वै २२ ३३	२८	३०	३०	३१	१४	५	म. ४२।२७	
७	शु २६ २६ उ ३१ २७ शू ५३ ३७ व २६ २६	२४	३१	२९	१	१५	६	मकरे	भ. ३६ उ. ५५ या. नवंबर मा. ११ ता. ३० ×
८	श २९ १७ श्र ३५ ३५ गं ५२ ४९ ब २९ १७	२०	३२	२८	२	१६	७	मकरे	गोपाष्टमी +प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसीवि.
९	र ३० ५९ ध ३८ ३० वृ ५० ५५ कौ ३० ५९	१७	३३	२७	३	१७	८	कु. ७।२	अक्षयः ९ कुष्माण्ड ९ =ज्येष्ठायां १ केतुः १९ ७
१०	चं ३१ २३ श ३९ ३१ धु ४८ ६ वै १ १ १	१३	३३	२७	४	१८	९	कुम्भे	
११	मं ३० २४ पू ४० ४५ व्या ४४ १२ व ० ५३	१०	३४	२६	५	१९	१०	मी १७।५४	भ. ०।५३ उ. ३०।२४ या. अस्तं भौमः ३ ६ ५ +
१२	बु २७ १० उ ४० ० ह ३९ २२ बा २७ १०	६	३५	२५	६	२०	११	मीने	विशाखायां २५।२५ रोहिण्यां ३ राहु. =
१३	गु २४ ५९ रे ३८ ५ व ३३ ३९ वै २४ ५९	३	३५	२५	७	२१	१२	मे. ३८।५	
१४	शु २० ५४ अ ३५ ३५ सि २७ १३ ब २० ५४	३६	३६	२४	८	२२	१३	मेषे	भ. २०।५४ उ. ४८।२६ या. वैकुण्ठ १४
१५	श १५ ५९ भ ३२ ३० व्य २० १२ व १५ ५९	५६	२७	२३	९	२३	१४	बृ. ४९।२९	स्वात्यां ४ गुरुः ४६ पुष्करयात्रा का.स्ना.पू.

२९ पं.का.शु. श २.इ. ३४।४३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	६	७	३	१	६
९	२८	२	१३	९	१५	२०	९
६	५९	३७	३३	३२	१९	३३	२९
४८	२	१६	११	२८	१	३२	५६
६०	४२	८०	१३	१	२	३	५९
२	२९	४३	३८	३२	३६	११	४७

३० पं.श्रा.शु. ८ श.इ. ३४।३२							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	६	७	३	१	६
१६	३	१०	१५	८	१५	२०	१६
७	५७	६	४	५६	३५	११	२९
५१	२२	११	५२	१७	५२	१७	४२
६०	४२	६७	१३	१२५	१	३	६०
१८	३९	४	३८	व	५५	११	४

३१ पं.का.शु. १५ श.इ. ३४।२०							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	६	७	३	१	६
२३	८	१४	१६	६	१५	१९	२३
१०	५९	११	३६	२६	४७	४९	३१
३०	१०	५९	५०	२०	२	१	५
६०	४३	३२	१३	१६	१	३	६०
३०	५	२५	३७	व	१५	१९	१७

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णे तिमहाराष्ट्राः
१	र १० ३४ कृ २८ २६ व १२ ४४ कौ १० ३४	२६	६	५	१०	२४	१५	वृषे	
२	चं ४ ५३ रो २४ २३ प ५ ४ ५३ १२ ग ४ ५३	४९	३८	२३	११	२५	१६	मि ५२।२२	भ. ३१ उ. ५९।०या. उदयंगुरुः ५८ उ.गु.
३	चं ५४ ७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ×चतुर्थी व्रतं प.अ.भृ.
४	मं ५३ ९ मृ २० २१ सि ४९ ३५ ब २६ ४	४६	३९	२१	१२	२६	१७	मिथुने	पश्चिमास्तो भृगुः ४८।० वक्री बुधः ३ ६ ×
५	बु ४७ २७ आ १६ २१ सा ४१ ४७ कौ २० १८	४३	३९	२१	१३	२७	१८	क. ५८।१६	
६	गु ४२ १५ पु १२ १८ शु ३४ २६ ग १४ ५१	४०	४०	२०	१४	२८	१९	कर्के	भ. ४२।१५ उ. =पश्चिमास्तंबुधः ४ ५
७	शु ३७ ३१ पु ९ १० शु २७ २१ वि ९ ५३	३७	४१	१९	१५	२९	२०	कर्के	भ. ९।५३ या. वक्री विशाखायां शुक्रः ३ ९ =
८	श ३३ ४५ श्ले ६ ३३ ब्र २१ ५ बा ५ ३८	३४	४१	१९	१६	३०	२१	सिं ६।३३	बृश्चिकेऽर्कः १९।४३
९	र ३० ५६ म ४ ४८ ऐं १५ ३९ वै २ २०	३१	४२	१८	१७	१	२२	सिंहे	
१०	चं २९ १३ पू ४ १६ वै १० ५७ वि २९ १३	२९	४२	१८	१८	२	२३	कं. १९।१२	भ. ०।४ उ. २९।१३ या.
११	मं २८ ४६ उ ४ ४२ वि ७ १५ बा २८ ४६	२६	४३	१७	१९	३	२४	कन्यायां	अनु. रविः ३७।३१ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	बु २९ ४५ ह ६ ३० प्री ४ २९ वै २९ ४५	२४	४३	१७	२०	४	२५	तु. ३७।५८	वक्री तुलायां शुक्रः ३ ४ ज्येष्ठायां भौमः १ ७
१३	गु ३१ ४९ चि ९ २७ आ २ ४३ ग ० ४७	२१	४४	१६	२१	५	२६	तुलायां	भ. ३१।४९ उ. वक्री शनिः ४।३४ प्रदोषः
१४	शु ३५ ७ स्वा १३ ३९ सौ १ ४५ वि ३ २९	१९	४४	१६	२२	६	२७	तुलायाँ	भ. ३।२९ या.
२०	श ३९ २६ वि १८ ५८ शो २ ३ च ७ १७	१६	४५	१५	२३	७	२८	बृ. २।३८	वक्री विशाखायां बुधः ३१।६

३२ पं.मा.कृ.८ श.इ. ३४।७							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	६	७	३	१	७
०	१४	११	१८	२	१५	१९	०
१४	३	४२	८	३१	५३	२६	३३
२४	४०	४७	२४	१६	१३	४६	५०
६०	४३	४३	१३	३६	०	३	६०
४०	२५	ब	३२	ब	२९	११	३०

गोचरग्रहाः

मार्ग. कृ. ८ शनौ बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३ न. ३ गतालकावस्था [ऊर्ध्वा] मु. ३० [धान्यभाव सम] शुक्रास्तः पश्चिमे

गोचरग्रहाः

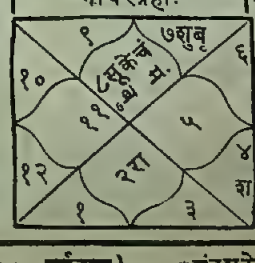

३३ पं.मा.कृ. ३० श.इ. ३३।५४							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	५	६	६	३	१	७
७	१९	२०	१९	२८	१५	१९	७
२०	१०	५१	३८	२१	४३	४	३७
८	३०	४	२५	४७	४६	३१	४८
६०	४३	३१	१३	३३	१	३	६०
५३	४१	ब	२०	ब	ब	११	४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *मंबुशुके

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२५१ स. १९४६
१	र	४४	२२	अ	२५	१	अ	२	४६	किं	११	५४	२६/१३	६/४५	५/१५	२४	८	२९	वृश्चिके	पूर्वोदयं शुक्रः ४२।० पू.उ.शु
२	चं	४९	३१	ज्ये	३१	१९	सु	३	५३	बा	१६	५६	११	४६	१४	२५	९	३०	ध.३१।१९	चंद्रद. वक्रीतुलायांबुधः ४३/३ विशाखायां १*
३	मं	५४	३८	मू	३७	३८	धृ	५	९	तै	२२	५	८	४६	१४	२६	१०	१	धनुषि	मोहोरम १ हिजरी सन् १३३६
४	बु	५९	२८	पू	४३	४९	शू	६	१३	व	२७	३	६	४७	१३	२७	११	२	धनुषि	भ.२७।३ उ.५९/२८या. पूर्वोदयी बुधः५।१२
५	गु	६०	०	उ	४९	१७	गं	७	१३	ब	३१	२४	३	४७	१३	२८	१२	३	म.०।११	
५	शु	३	१६	श्र	५३	३५	वृ	७	१०	बा	३	१६	१	४८	१२	२९	१३	४	मकरे	मार्गी बुधः५४/५३पातस्पर्शः१९/१८पातमोक्षः३९/५४
६	श	६	६	ध	५६	५४	ध्रु	६	३९	तै	६	६	२५/५८	४८	१२	३०	१४	५	कुं.२५।१४	चंपा ६ *गुरुः १०।१६
७	र	७	४३	श	५९	२८	व्या	४	५८	व	७	४३	५६	४९	११	१	१५	६	कुम्भे	भ.४७/३ उ.३७/५५या. दिसम्बर मा.१२ता.३१
८	चं	८	८	पू	५९	३७	ह	२५/२५	५६/२१	ब	८	८	५४	४९	११	२	१६	७	मी४४।३०	ज्येष्ठायां रविः ४४।३०
९	मं	७	८	उ	५९	११	सि	५४	१०	कौ	७	८	५२	५०	१०	३	१७	८	मीने	
१०	बु	४	५३	रे	५७	३६	व्य	४८	४४	ग	४	५३	५०	५०	१०	४	१८	९	मे.५७।३६	भ. ३३।१८ उ.
११	गु	१	४४	अ	५५	१०	व	४२	३७	वि	१	४४	४९	५०	१०	५	१९	१०	मेषे	भ. १।४३ या. मोक्षदा ११ ब्र.
१२	गु	५५	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +खग्रास चंद्रग्रहणम्
१३	शु	५२	४५	भ	५१	५४	प	३५	४०	कौ	२५	१२	४७	५१	९	६	२०	११	मेषे	वृश्चिके बुधः ४०।४० प्रदोषः
१४	श	४७	२३	कृ	४८	२१	शि	२८	२४	ग	२०	४	४६	५१	९	७	२१	१२	बृ. ६।१	भ. ४७।२३ उ.
१५	र	४१	४३	रो	४४	२०	सि	२०	५०	वि	१४	३३	४४	५१	९	८	२२	१३	बृषे	भ.१४।३३या. धनुषि मूले भौमः१०।१८+

३४पं.मा.शु.६श.इ.३३।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	६	६	३	१	७
१४	२४	२७	२१	२५	१५	१८	१४
२६	२०	५९	७	१७	४९	४२	४३
५४	२०	४२	४८	२४	२३	१५	८
६१	४३	९/२१	१३	३०/३७	१/२	३	६०
३	५१	ब	१४	व	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

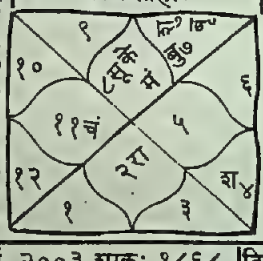

इस मास में गुड़ घृत खांड चावल सूठ मिर्च नारियल तेज होगा जौ गेहूँ अलसी कपास मूंग मन्दा होगा।

गोचरग्रहाः

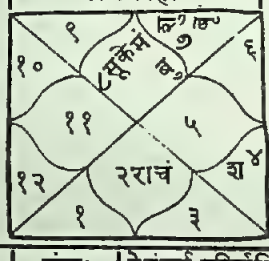

३५पं.मा.शु.१४श.इ.३३।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	६	६	३	१	७
२१	२९	१	२२	२४	१५	१८	२१
३४	३३	१	३२	१	३८	२०	४९
४१	०	५९	४९	२३	१७	०	२३
६१	४४	७०	१२	४/३२	१/४६	३	६०
११	१	२३	५०	ब	व	११	५९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३५	४९	मृ	४०	१४	सा	१२	५७	बा	८	४६	२५/४३	६/५१	५/९	९	२३	१४	मि१२।१७	मैत्रे बुधः ३१।९ मार्गी शुक्रः ३५।२५
२	मं	२९	५८	आ	३६	५	शु	५/१०	५२/१६	तै	२	५३	४२	५२	८	१०	२४	१५	मिथुने	भ. ५७।१० उ.
३	बु	२४	२३	पु	३२	१४	ब्र	४९	४७	वि	२४	२३	४१	५२	८	११	२५	१६	क.१८।१२	भ.२४/२३या.विशाखायां२गुरुःपातस्पर्शः५२/९*
४	गु	१९	१४	पु	२८	५९	ऐं	४२	४३	बा	१९	१४	४०	५२	८	१२	२६	१७	कर्के	पातमोक्षः १५।३१ *चतुर्थी ब्र.
५	शु	१४	४४	श्ले	२६	४	वै	३६	९	तै	१४	४४	३९	५२	८	१३	२७	१८	सिं२४।१६	
६	श	११	३	म	२४	१६	वि	३०	१७	व	११	३	३८	५२	८	१४	२८	१९	सिंहे	भ. ११।३ उ. ३९।४३ या.
७	र	८	२४	पू	२३	३७	प्री	२५	१८	ब	८	२४	३८	५२	८	१५	२९	२०	कं.३८।३६	धनुष्यर्कः ४८।१५
८	चं	६	४९	उ	२३	३४	आ	२१	१७	कौ	६	४९	३७	५३	७	१६	१	२१	कन्यायां	
९	मं	६	३०	ह	२४	५८	सौ	१८	१०	ग	६	३०	३७	५३	७	१७	२	२२	तु.५६।१८	भ. ३७।३ उ.
१०	बु	७	३६	चि	२७	३९	शो	१५	५८	वि	७	३६	३७	५३	७	१८	३	२३	तुलायां	भ. ७।३६ या.
११	गु	९	४३	स्वा	३१	४२	अ	१४	४८	बा	९	४३	३६	५३	७	१९	४	२४	तुलायां	सफला ११ ब्र.
१२	शु	१३	१८	वि	३६	४१	सु	१४	४२	तै	१३	१८	३६	५३	७	२०	५	२५	वृ.२०।२१	ज्येष्ठायां बुधः १२।५२ प्रदोषः
१३	श	१७	४२	अ	४२	३७	धृ	१५	७	व	१७	४२	३६	५३	७	२१	६	२६	वृश्चिके	भ. १७।४२ उ. ५०।११
१४	र	२२	४१	ज्ये	४८	५८	शू	१६	७	श	२२	४१	३६	५३	७	२२	७	२७	ध.४८।५८	उत्तरायणा प्रवृत्तिः २२।३८
३०	चं	२७	५७	मू	५५	२१	गं	१७	२४	ना	२७	५७	३६	५३	७	२३	८	२८	धनुषि	सोमवत्यमा.

३६पं. पौ.कृ.६श.इ.३३।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	६	६	३	१	७
२८	४	८	२३	२४	१५	१७	२८
४३	४८	४९	५९	४३	२२	५७	५६
२४	४	३४	३१	३०	३७	४४	१०
६१	४४	८८	१२	११/५	२/२२	३	६१
१९	२६	५३	२१	ब	ब	११	०

गोचरग्रहाः

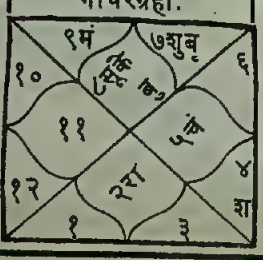

पौष कृ. ७ रवौ धनुष्यर्कः प्र. वा. २न.३गताल्काव-स्था[बैठी]मु.१५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

३७पं.पौ.कृ.१३श.इ.३३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	६	६	३	१	८
५	१०	१८	२५	२७	१५	१७	६
५२	५	४५	२१	१२	२	३५	३
५०	२४	१४	१४	१८	३५	२९	४०
६१	४४	९३	१२	२४	३/३	३	६१
२२	४७	३६	५	२६	ब	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *चंबुके

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२८१ स. १९४६
१	मं ३३ ६ पू ६० ० वृ १८ २६ कि ० ३१ ३६	५३	५	२४	९	२९		धनुषि	
२	बु ३७ ५० पू १ ३३ ध्रु १९ ३१ बा ५ २८ ३७	५३	७	२५	१०	३०	म. १८।३		चंद्रद. पूषायां भौमः ४५।५८
३	गु ४१ ४१ उ ७ ३२ व्या १९ ४२ तै ९ ४५ ३७	५३	७	२६	११	१		मकरे	वृश्चिके शुक्रः ४५।१२ सफर २
४	शु ४४ २९ श्र ११ ५२ ह १८ ५० व १३ ५ ३७	५३	७	२७	१२	२	कुं. ४३।४३		भ. १३।५ उ. ४४।२९ या.
५	श ४६ ३ ध १५ ३४ व १८ १ ब १५ १६ ३८	५२	८	२८	१३	३		कुम्भे	पूषायांरविः ६३ विशाखायां ३ गुरुः ३६।४
६	र ४६ २० श १७ १४ ति १५ ४७ कौ १६ ११ ३८	५२	८	२९	१४	४		कुंभे	धनुषि बुधः २४।३२
७	चं ४५ १८ पू १८ ४४ व्य १२ ३१ ग १५ ४९ ३९	५२	८	३०	१५	५	मी ३।२२		भ. ४५।१८ उ. पूर्वास्तं बुधः ५७।१
८	मं ४३ ० उ १९ ४५ व ८ २१ वि १४ ९ ४०	५२	८	३१	१६	६	मीने		भ. १४।९ या. *शुक्रः २९।२
९	बु ३९ ४४ रे १७ १९ प ३३ ५० बा ११ २२ ४१	५२	८	१	१७	७	मे. १७।१९		जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९४७ मैत्रे*
१०	गु ३५ ३७ अ १५ १५ सि ५० ३४ तै ७ ४१ ४२	५२	८	२	१८	८	मेषे		
११	शु ३० ४१ भ १२ ११ सा ४३ २६ व ३ ९ ४३	५१	९	३	१९	९	वृ. २६।१८		भ. ३।९ उ. ३०।४१ या. पुत्रदा ११ व्र,
१२	श २५ १६ कृ ८ ३७ शु ३५ ५१ बा २५ १६ ४४	५१	९	४	२०	१०	वृषे		प्रदोषः ×केतुः ५९ माघ स्नानं प्रारम्भः
१३	र १९ ३५ रो ४ ४५ शु २८ ३ तै १९ ३५ ४५	५१	९	५	२१	११	मि ३२।४१		
१४	चं १३ ४३ मृ ० ५५ ब्र २० १२ व १३ ४३ ४७	५१	९	६	२२	१२	मिथुने		भ. १३।४३ उ. ४०।५० या.
१५	मं ७ ५७ पु ५२ ३४ ऐं १२ ३१ ब ७ ५७ ४८	५०	१०	७	२३	१३	क. ३८।३२		पूषायां बुधः ३५ रोहिण्यां २ राहुः मैत्रे ४×

३८पं. पौ.शु. ५श. इ. ३३।० | गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	६	७	३	१	८
१३	१५	२८	२६	१	१४	१७	१३
२	२५	३७	२९	२	३७	१३	११
४४	८	४४	२५	४६	३७	१४	३८
६१	४४	९५	११	३४	४४	३	६१
२६	५७	४७	२६	५३	ब	११	६

इस मास में प्रजा में सुख शांति रहेगी वदी में खांड़ गुड़ अलसी सरसों एरंडा बिनौला घृत तेल तेज होगा।

गोचरग्रहाः

३९पं. पौ.शु. १२श. इ. ३२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	६	७	३	१	८
२०	२०	९	२७	५	१४	१६	२०
१२	४६	१६	५३	५८	९	५०	१९
४२	१६	१९	२	४८	२५	५८	४४
६१	४५	९७	११	४२	४	३	६१
२६	७	९	५२	५४	ब	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु २ २३ पु ४९ २ वै ४४ ५२ कौ २ २३ २५	५०	५	८	२४	१४		कर्के	विकुम्भयोगक्षयः ५२।५०
२	बु ५५ २ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०		०	क्षयः ×षट्तिला ११ व्र. स्मा. वै.
३	गु ५२ ५८ श्लो ४६ १५ प्री ५० ४७ व २५ ११ ५२	५०	१०	९	२५	१५	सिं ४६।१५		भ. २५।११ उ. ५२।५८ या.
४	शु ४९ २७ म ४४ १६ आ ४४ ४२ ब २१ १२ ५४	४९	११	१०	२६	१६	सिंहे		उषायां रविः ५१।२० चतुर्थी व्र.
५	श ४६ ५३ पू ४२ ४८ सौ ३९ २९ कौ १८ १० ५६	४९	११	११	२७	१७	कं. ५७।५०		
६	र ४५ २८ उ ४२ ५६ शो ३५ १० ग १६ १० ५८	४८	१२	१२	२८	१८	कन्यायां		भ. ४५।१८ उ. उषायां भौमः १३।३९
७	चं ४४ २४ ह ४४ १ अ ३० ५७ वि १४ ५६ २६	४८	१२	१३	२९	१९	कन्यायां		भ. १४।५६ या.
८	मं ४६ २८ चि ४६ २९ सु २९ १४ बा १५ २६ ३	४७	१३	१४	३०	२०	तु. १५।१५		मकरेऽर्कः ६।४७
९	बु ४८ ५२ स्वा ५० १९ धृ २७ ५० तै १७ ४० ५	४७	१३	१५	१	२१	तुलायां		उषायां बुधः ४९ वक्री पुष्ये ३ शनिः ३६
१०	गु ५२ २५ वि ५४ ५७ शू २७ १६ व २० ३८ ८	४६	१४	१६	२	२२	वृ. ३८।४८		भ. ३८ उ. ५३ या. मकरे भौमः २८।३०
११	शु ५६ ५७ अ ६० ० गं २७ २३ ब २४ ४१ १०	४६	१४	१७	३	२३	वृश्चिके		मकरेबुधः ३७ ज्येष्ठायां शुक्रः ३४ वृश्चिके*
१२	श ६० ० अ ० ४३ वृ २८ २० कौ २९ ३९ १२	४६	१४	१८	४	२४	वृश्चिके		*गुरुः ४३ पातस्पर्शः ३६ पातमोक्षः ४६×
१३	र १ ५८ ज्ये ७ ३ ध्रु २९ ३२ तै १ ५८ १५	४५	१५	१९	५	२५	ध. ७।३		
१३	चं ७ १४ मू १३ २४ ष्या ३० ५२ व ७ १४ १७	४५	१५	२०	६	२६	धनुषि		भ. ७।१४ उ. ३९।४७ या. अभि. प्र. रविः ३४
१४	मं १२ २० पू १९ ५१ ह ३२ ४८ श १२ २० २०	४४	१६	२१	७	२७	म. ३६।२६		
३०	बु १७ १ उ २६ १२ व ३२ २१ ना १७ १ २२	४४	१६	२२	८	२८	मकरे		मौनी ३० युगादिः

४०पं. मा.कृ. ५श. इ. ३२।५३ | गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	६	७	३	१	८
२७	२६	२०	२९	११	१३	१६	२७
२२	९	१४	३	४१	३८	२८	२७
२१	१४	२०	०	५३	१७	४३	४७
६१	४५	९९	१०	४९	१९	३	६१
२४	१७	२	५	१	ब	११	६

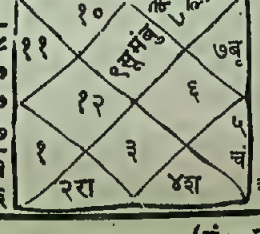

माघ कृ. ८ भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा. ३ न. ३ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

४१पं. मा.कृ. १२श. इ. ३२।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	७	७	३	१	९
४	१	१	०	१८	१३	१६	४
३२	३४	३३	७	१	५	६	३५
०	१२	४०	३०	४४	५९	२१	३८
६१	४५	००	९	५३	३६	३	६१
११	२७	९	२१	४३	ब	११	३

*बुशुके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×चंबशुके

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४३११ स.१९४८
१	गु २०५१ श्र ३०२९ सि ३२१६ ब २०५१	२६	४३	१७	२३	९	२९	मकरे	श्रवणेरविः५४ चंद्रद.संभवः श्रवणेबुध.१
२	शु २३३० ध ३४१९ व्य ३११७ कौ २३३०	२७	४३	१७	२४	१०	१	कुं.२।२४	अभि. नि. रमिः ४६।२० रविलावल ३
३	श २४५८ श ३७ ४ व २९२२ ग २४५८	३०	४२	१८	२५	११	२	कुम्भे	भ. ५५।३ उ. तिल ४
४	र २५ ८ पू ३७५७ प २६२७ वि २५ ८	३३	४१	१९	२६	१२	३	मी२४।४४	भ. २५।८ या.
५	चं २४ ० उ ३८३३ शि २२२४ बा २४ ०	३६	४१	१९	२७	१३	४	मीने	वसंत ५ *पातमोक्षः५९।४५ भीष्म८
६	मं २१३९ रे ३७२१ सि १७ ३ तै २१३९	३९	४०	२०	२८	१४	५	मे.३७।२१	
७	बु १८१० अ ३५२२ सा ११५४ व १८१०	४२	४०	२०	२९	१५	६	मेषे	भ.१८ उ.४६ या. श्रवणे भौमः१९ रथ७
८	गु १४ ४ भ ३२२३ शु ५०४९ ब १४ ४	४५	३९	२१	३०	१६	७	वृ.४६।३२	धनुषि शुक्रः ३६।२४ पातस्पर्शः४५।१३
९	शु ९ ३ कृ २८५९ ब्र ५१२४ कौ ९ ३	४८	३८	२२	३१	१७	८	वृषे	धनिष्ठायां बुधः २४।१२
१०	श ३३७ रो २५१७ हें ४३३७ ग ३३७	५२	३८	२२	१	१८	९	मि५३।१५	भ.४४ उ.५१ या. फरवरी मा.२ ता.२८
११	श ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +जया ११ ब्र. स्मा.
१२	र ५२ १ मृ २११३ वै ३५५२ ब २४५६	५५	३७	२३	२	१९	१०	मिथुने	जया ११ ब्र. वै. भीष्म १२
१३	चं ४६१७ आ १७ १ वि २७५३ कौ १९ ९	५९	३६	२४	३	२०	११	क.५९।११	कुम्भे बुधः ५९।३९ प्रदोषः
१४	मं ४०४५ पु १३१४ प्री २०२४ ग १३३१	२७	३६	२४	४	२१	१२	कर्के	भ. ४०।४५ उ.
१५	बु ३५३९ पु ९३५ आ १२५७ त्रि ८१२	५	३५	२५	५	२२	१३	कर्के	भ.१२ या.धनिष्ठायांरविः५६ माघस्ना.पूर्ति

४२पं.मा.शु.३ श.इ.३२।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	७	७	३	१	९
११	७	१३	१	२४	१२	१५	११
४०	०	१७	६	४९	३०	४४	४२
५२	४७	१७	७	५	४७	१२	५०
६१	४५	००	८	५७	४०	३	६०
१३	४७	५३	२९	३२	व	११	५९

गोचरग्रहाः

सप्तम्यादि त्रये माघ शुक्ल वार्द-लयोगतः । धन-धान्य समृद्धि स्या-द्विवाहाद्युत्सवा जने ॥

गोचरग्रहाः

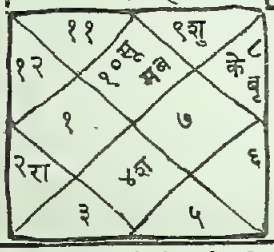

४३पं.मा.शु.१० श.इ.३३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	७	८	३	१	९
१८	१२	२५	१	१	११	१५	१८
४८	२८	२७	५८	५७	५६	२१	४८
५२	५	४७	४१	२५	२०	५७	२५
६१	४५	००	७	६०	४०	३	६०
४	५२	२४	२०	२४	ब	११	५९

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्र
१	गु ३१२२ श्ले ६३३ सौ ५९५७ बा ३३१	२७	८	३४	२६	६	२३	१४	सिं६।३३
२	शु २७५२ म ४१५ अ ५४१७ ग २७५२	१२	३४	२६	७	२४	१५	सिंहे	भ. ५६।३७ उ. शते बुधः ५३।१३
३	श २५२३ पू २३९ सु ४९४० वि २५२३	१६	३३	२७	८	२५	१६	कं.४८।२३	भ. २५।२३ या. चतुर्थी ब्र.
४	र २३५९ उ २३७ धृ ४५५९ बा २३५९	१९	३२	२८	९	२६	१७	कन्यायां	पश्चिमोदयी बुधः ३८।२६
५	चं २३४९ ह ३२५ शू ४३१५ तै २३४९	२३	३१	२९	१०	२७	१८	तु.३४।३३	
६	मं २५ ८ चि ५४१ गं ४१३३ व २५ ८	२६	३१	२९	११	२८	१९	तुलायां	भ. २५।८ उ. ५६।२२ या.
७	बु २७३७ स्वा ९ ३ वृ ४०४३ ब २७३७	३०	३०	३०	१२	२९	२०	बृ.५७।४१	कुम्भेऽर्कः३३ पूषायांशुक्रः ३७ पातस्पर्श:३
८	गु ३११५ वि १३५३ हु ४०४४ कौ ३११४	३४	२९	३१	१३	१	२१	बृश्चिके	सीता ८ ×पातमोक्षः १६।२३
९	शु ३५४५ अ १९ ७ व्या ४१३६ तै ३३०	३८	२८	३२	१४	२	२२	बृश्चिके	
१०	श ४०४६ ज्ये २५१३ ह ४२४५ व ८१५	४२	२८	३२	१५	३	२३	ध.२५।१३	भ.१५ उ.४६ या.पूषायांबुधः४३ धनिष्ठायां
११	र ४६ ३ मू ३१४४ व ४४ १ ब १३२४	४६	२७	३३	१६	४	२४	धनुषि	विजया ११ब्र. *भौमः३४ मैत्रे १गुरुः४४
१२	चं ५१ २ पू ३७४२ सि ४५ २ कौ १८३२	५०	२६	३४	१७	५	२५	म.५४।१८	
१३	मं ५५३८ उ ४४ ७ ध्य ४५५७ ग २३२०	५४	२५	३५	१८	६	२६	मकरे	भ. ५५।३८ उ. प्रदोषः
१४	बु ५९२२ श्र ४९२६ व ४६२५ वि २७३०	५८	२४	३६	१९	७	२७	मकरे	भ.३७ या.शतेरविः१३ महाशिवरात्रीव्रतं
३०	गु ६० ० ध ५३२३ प ४५३५ च ३०३८	२९	२४	३६	२०	८	२८	कु.२१।२४	
३०	शु १५५ श ५६१७ शि ४३५३ ना १५५	६	२३	३७	२१	९	२९	कुम्भे	

४४पं.फा.कृ.३श.इ.३३।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	१०	७	८	३	१	९
२५	१७	७	२	९	११	१४	२५
५५	३७	५५	४३	२६	२२	५९	५५
३९	३६	४८	४८	१०	५२	४१	२३
६०	४६	००	६	६२	२३	३	६०
५५	२	५५	१९	३२	व	११	४७

गोचरग्रहाः

फा. शु. ७ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ नं.३कुमारावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्याभाव मंदा) शुक्रोदयःपूव ।

गोचरग्रहाः

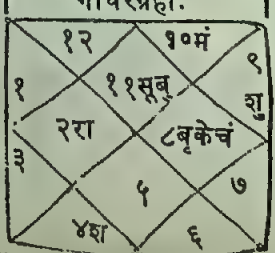

४५पं.फा.कृ.१०श.इ.३३।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	७	८	३	१	१०
३	२३	१९	३	१७	१०	१४	३
१	२६	४२	२१	१	१५	३७	१
४२	४९	४७	३६	२३	४	२६	४२
६०	४६	९९	५	६४	४०	३	६०
४२	२	२२	८	३०	ब	११	४८

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००३ शाक: १८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४३४१ स.१९४७
१	श ३ १६ पू ५७ ५७ सि ४१ २० ब ३ १६	१८	२३	३८	५	१०	३०	मी४२।३२	चंद्रदर्शनम्
२	र ३ १८ उ ५८ ३३ सा ३७ ४८ को ३ १८	१४	२१	३९	२३	११	१	मीने	कुम्भेभौम:५४।५२रविलाखर४फुलरिया२
३	चं २ ३ रे ५७ ३९ शु ३३ १५ ग २ ३	१८	२०	४०	२४	१२	२	मे.५७।३९	भ.३०।३८उ.५९।३३या. उषायां.१३।३५
४	चं ५७ ३० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षय:
५	मं ५६ ५ अ ५५ ४९ शु २७ ५१ ब २७ ४९	२२	२०	४०	२५	१३	३	मेषे	पातस्पर्श: २६।५२ पातमोक्ष: ३७।४२
६	बु ५१ ३५ भ ५३ ४ ब्र २१ ४४ को २३ ५५	२६	१९	४१	२६	१४	४	मेषे	वक्री बुध: ३०।४
७	गु ४६ ३९ कृ ४९ ५६ ऐं १६ ७ ग १९ १२	३०	१८	४२	२७	१५	५	वृ.७।१७	भ. ४६।३९ उ. मकरे शुक्र: ५।१८
८	शु ४१ ८ रो ४६ ५ वै ७ ५५ वि १३ ५३	३४	१७	४३	२८	१६	६	वृषे	भ.१३या. वक्रीपुष्ये२ शनि:२६होई.८हो.
९	श ३५ २० मृ ४२ ४ वि २५ ५३ बा ८ १४	२८	१६	४४	१	१७	७	मि१४।४	मार्चे मा.३ता.३१ पश्चिमास्तो बुध: ११
१०	र २९ ३८ आ ३७ ५१ आ ४४ ५४ तै २ २९	४२	१६	४४	२	१८	८	मिथुने	भ. ५६।३८ उ.
११	चं २३ २८ पु ३३ ५६ सौ ३७ १८ वि २३ ३८	४६	१५	४५	३	१९	९	क.१९।५५	भ. २३।३८ या. आमलकी ११ ब्र.
१२	मं १८ १० पु ३० १८ शो २९ ३१ बा १८ १०	५०	१४	४६	४	२०	१०	कर्के	पूभायांरवि:२४।१ शतेभौम:२६।६ प्रदोष:
१३	बु १३ ५ श्ले २७ ४ अ २२ ५४ तै १३ ५	५४	१३	४७	५	२१	११	सिं२७।४	
१४	गु ८ ४४ म २४ ४३ सु १६ २७ व ८ ४४	५८	१२	४८	६	२२	१२	सिंहे	भ. ८।४४ उ. ३७।० या. होलिका दहनम्
१५	शु ५ १६ पू २२ २५ धृ ११ १ ब ५ १६	२९	१२	४८	७	२३	१३	कं.३७।२४	श्रवणे शुक्र: ५१।३ छांरेड़ी

४६पं.फा.शु.१श.इ.३३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	७	८	३	१	१०
१०	२८	२८	३	२४	१०	१४	१०
६	५७	२	५१	५०	२१	१५	३
१३	२९	२८	१०	१०	५८	११	२८
६०	४६	४८	३	६५	४८	३	६०
३१	१२	३१	५८	५८	ब	११	२५

गोचरग्रहाः

इस मासमें सरसों सन कुष्टा कपड़ा नीलजायफल दाख सोंठ गुड़ खांड घृतादि धान्य रुई चांदी तेज होगी।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.शु. ९श.इ.३३।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	७	९	३	१	१०
१७	४	२९	४	२	९	१३	१७
९	२७	४४	१२	४६	५६	५२	५
३	४०	१३	२५	४४	२४	५५	५२
६०	४६	४८	२	६७	१३	३	६०
२०	८	ब	३७	१७	ब	११	१२

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००३ शाक: १८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृ.तिमहाराष्ट्राः
१	श २ ४४ उ २२ २१ शू ५ ५६ को २ ४४	२९	११	४९	८	२४	१४	कन्यायां	बसंत १
२	र १ २१ ह २३ ६ गं ३ ५६ ग १ २१	१०	१०	५०	९	२५	१५	तु.५४।५	भ.३५ पातस्पर्श:३६ पातमोक्ष: ४६।३४
३	चं १ १० चि २४ ४ ध्रु ५७ ५ वि १ १०	१४	९	५१	१०	२६	१६	तुलायां	भ. १।१० या. चतुर्थी ब्र.
४	मं २ २६ स्वा २८ १५ ब्या ५६ ८ बा २ २६	१९	८	५२	११	२७	१७	तुलायां	रोहिण्यां१ राहु: अनु.३ केतु: ५५।२१
५	बु ४ ५५ वि ३२ ३४ ह ५४ ५३ तै ४ ५५	२३	७	५३	१२	२८	१८	वृ.१६।२९	
६	गु ८ ३४ अ ३७ ४८ व ५६ ३२ व ८ ३४	२८	६	५४	१३	२९	१९	वृश्चिके	भ.८।३४ उ.४८ या. वक्री शते बुध: ११
७	शु १३ २ ज्ये ४३ ५७ सि ५७ ३९ ब १३ २	३३	६	५४	१४	३०	२०	ध.४३।५७	मीनेऽर्क: २४।१९ सीतलापूजनम्
८	श १८ ४ मू ५० १८ व्य ५८ ५५ को १८ ४	३६	५	५५	१५	१	२१	धनुषि	पूर्वोदयी बुध: ५७।४९
९	र २३ ११ पू ५६ ४८ ब ६० ० ग २३ ११	४१	४	५६	१६	२	२२	धनुषि	भ. ५५।४२ उ. वक्री भृगु: ५।३५
१०	चं २८ १३ उ ६० ० व ० ९ वि २८ १३	४५	३	५७	१७	३	२३	म.१३।२०	भ. २८।१३ या. उभायां रवि: ४४।५७
११	मं ३२ ३८ उ २ ५६ प १ ३५ व ० २५	४९	२	५८	१८	४	२४	मकरे	पापमोचनी ११ ब्र.
१२	बु ३६ १३ श्र ८ २१ शि १ ४७ को ४ २५	५३	१	५९	१९	५	२५	कु.४०।३०	धनिष्ठायां शुक्र: १९।२६
१३	गु ३८ ३८ ध १२ ४० सि १ २९ ग ८ २५	५७	१	५९	२०	६	२६	कुम्भे	भ. ३८।३८ उ. प्रदोष:
१४	शु ३९ ५२ श १५ ४९ सा ९ ५० वि ९ १५	३०	०	०	२१	७	२७	कुम्भे	भ.१५या.मार्गीबुध:१८ पूभायांभौम:३०
३०	श ३९ ४६ पू १७ २४ शु ५४ ४५ च ९ ४९	६	५९	१	२२	८	२८	मी २।०	अहर्गण:४३६९ च.३के. ×उदयी भौम:५६

४८पं.चै.कृ.१श.इ.३४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	७	९	३	१	१०
२४	९	२४	४	१०	९	१३	२४
१०	५७	४९	२४	४९	३४	३०	६
२४	४७	४८	११	१६	५९	४०	३४
६०	४६	६५	१	६८	२३	३	५९
५	१८	ब	१२	२१	ब	११	५८

४९पं.चै.कृ.८श.इ.३४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	९	३	१	११
१	१५	१८	४	१८	९	१३	१
१०	२८	४४	२७	५६	१८	८	५
६	३७	६	१४	३८	४	२५	४६
५९	४६	३५	०	६९	५३	३	५९
४९	१८	ब	७	७	ब	११	४१

५०पं.चै.कृ.३०श.इ.३४।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	९	३	१	११
८	२०	१६	४	२७	९	१२	१८
८	५८	१७	२१	७	६	४६	३
०	१६	५६	११	५९	१८	९	२२
५९	४६	२६	२८	१९	१३	३	६०
३५	१३	मा	ब	५७	ब	११	१७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०४८ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०४८ भोग्यकलिः ४२६९५२ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २००४ शाकः १८६९ अथास्मिन्वर्षेराजा रविः । मंत्री रविः । सस्येशो बुधः । धान्येशो भौमः । मेघेश सूर्यः । रसेशो शुक्रः । नीरसेशो बुधः । फलेशः शनिः । धनेशो बुधः । दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १४ शर्वरीनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये: गतमासादिः २।०।२९।१२ भोग्यमासादिः ९।२९।३४।४८ पितृ-दैवतं युगम् । वर्षनामः वैशाखः । मेघ४नामद्रोणः । समय निवासः कुम्भकार गृहे(अग्नौ)। रोहिणी निवासः पर्वते । समय विश्वा १२। समयवाहनमश्वः। स्तंभ १तृणस्य । सोमवत्यमा २। सोमवती पंचमी २। अंगारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३८४ । तिथिक्षयः १४। तिथि वृद्धिः ८ । उत्पति विश्वा ९९ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ५ । धान्यम् ९, तृणम् ५. शीतम् ५. तेज ५. वायु १३ वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं ८३ सत्यम्।। धर्मम् १।। पाप १८ शनि दृष्टिर्दक्षिणे । ग्रहणं नास्ति ।

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव खड़ा माता थारे द्वार ।
विक्रम संवत चार का मुख से कहदो सार ।।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला में समझाऊँ तोय ।
विक्रम चौथा देख ले मध्यम संवत होय ।।
रवि राजा इस वर्ष में आप भये परधान ।
अन तृण की कमती रहै वर्षा मध्यम जान ।।
भादों आश्विन मास में शनि मंगल का योग ।
रुई में तेजी चले जग में बाढ़े रोग ।।
रोहिणी पर्वत में बसी समय बसे घटकार ।
कहींक दक्षिण देश में मांचे हाहाकार ।।
होनी हो सो होयसी अनहोनी नहिं होय ।
ईश भजन बिन जगत में सुख नहिं पाया कोय ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

वर्ष लग्नम् ६।२८

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ८।२२

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा रविस्तत्फलम्-सूर्येनृपे स्वल्पजलाश्च मेघाः स्वल्पंपयो गोषु जनेषु पीड़ा। स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निवाधानिधनं नृपाणां ।। मंत्री रविस्तत्फलम्-नृपमर्यगदतोपि हि तस्करात्प्रचुर धान्य धनादि महीतले । रसचयं हि समर्धतमं तदा रविरमात्य पदं हि समागतः ।। सस्येशो बुधस्तत्फलम्-जलधरा जलराशि मुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः स्तुतिपाठकरः सदा प्रथमसस्यपतौ सति बोधने ।। धान्येशो भौमस्तत्फलम्-भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्य-महर्घकम् । शालीक्षुघृत तैलादि महर्घाणि भवन्ति च ।। मेघेशो रविस्तत्फलम्-दिनपते यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनतारसं । यवचणेक्षु निवारसुशालिभिः सुखचयं सुलभंभुवि वर्तते ।। रसेशो शुक्रस्तत्फलम्-यजन-याजनकोत्सवउत्सुकाः जनपदा जलतोषितमानसा. । सुखसुभिक्षसभोगवतीधरा धरणीपाहत पापगणाः प्रिया ।। नीरसेशो बुधस्त-त्फलम्-चित्रवस्त्रादिकं चैव शंख चंदन पूर्वकम् । अर्घवृद्धि प्रजायेत नीरसेशो बुधोयदि ।। फलेशः शनिस्तत्फलम्-यदि शनिः फलपः कलहो भवेज्जनितपुष्पगणास्तरवः सदा हिमभयं नर तस्करजं तदा जनपदा धनराशि समाकुला ।। धनेशो बुधस्तत्फलम्-द्रविणपो हिमरश्मि सुतो यदा विविध संग्रह वस्तुफलार्यदा । द्विजवरा जप यज्ञ सुसंयुता: कृषि विशेष विशेषित मानसाः ।। दुर्गेशो रविस्तत्फलम्-नयविशेष करस्तणिस्तदा गतभया नरराज पुरोगमाः । समधिकेन तदा नृपतोन्यतः पथिषुसंचरता न भयं क्वचित् ।। अधिक श्रावणस्तत्फलं-द्वि. श्रावणेतिदुर्भिक्षं स्वल्पवृष्टिर्महद्भयं । पापबुद्धिरतालोकाः राजानः क्रूरशासनाः ।। वर्षं नाम वैशाखस्तत्फलम्-अर्घं विविध भावेनजायतेद्रविणप्रदम् । नीरुजानिर्भयालोका वैशाखे जन पूजिता ।। शर्वरी नाम संवत्सरस्तत्फलम्-शार्वरीवत्सरेपूर्णाधिराशस्यार्घवृष्टिभिः । जनाश्च सुखिनः सर्वे राजानः स्युर्विवैरिणः ।। मेघनाम द्रोण फलम्-द्रोणेवर्षति सर्वदा । रोहिणी निवासः पर्वते फलम्-पर्वते विदुमात्रश्च । समय निवासो कुम्भकारगृहे फलम्-अनावृष्टिःप्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २००४ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ९ भौमे मघा. ल. गो. ९ रे.७ ।।।।ऽरो.ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, १२ शुक्रे हस्ते ल. ज्यगो. ९ रे. ६ ऽमू।ऽशु।।।।। पादतो वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ गुरौ मूले ल. गो. रे. ८ ।।।।।चो.ऽऽ।
,, १२ शनौ रेव.ल.ज्यगो(सोग्रांगः)९रे.८।।।।ऽअग्नि।ऽ।
शुक्ला २ गुरौ मृगे ल. ९ रे. ९ ।।।।।।ऽ।। (७ मे. चं. पू.)
,, ७ चंद्रे मघा. ल.ज्यगो.(सोग्रांगः)९ रे.७ ।।।।अ.।।
,, ९ बुधे उफा.ल.ज्यगो.(सोग्रांगः)९ रे.८।।।।।ऽमृ.ऽ।।
,, १० गुरौ हस्ते ल. गो. (सोग्रांगः)९ रे. ८ ।।।।।।।ऽ।।
,, १२ शनौ स्वात्यांल.ज्यगो.[सोग्रांगः]रे.९ऽमू.श.।।।।।।।।

आषाढ़ मासः

कृष्णा २ गुरौ मूले ल. गो. (सोग्रांगः)रे. ८ ।ऽ।।ऽअ.।।।।
,, ८ गुरौ उभा.ल.ज्यगो.(सोग्रांगः)रे.७ऽशु.ऽ।।।ऽऽ।।।
शुक्ला ४ रवौ मघा. ल. १ (गु.पू.सत्) रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ५ चंद्रे मघा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽरो.ऽऽ।।
,, १० शनौ स्वा. ल. गो. रे. ८ ऽश।।।।।।ऽ।।

पौषः मासः

शुक्ला ५ शुक्रे उभा. ल. ८-९ रे. ८ ।।।।ऽअग्निऽ।।
,, ६ शनौ उभा. ल. ज्यगो.(सोग्रांगः)रे. ९ ।।।।।ऽ।।।
,, ६ ,, रेव. ल. ८ (भौ. पू.) रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।
,, ७ रवौ रेव. ल. ज्यगो. सोग्रांगः रे. ८ ।।।।ऽपुषऽ।।

माघ मासः

कृष्णा ४ गुरौ उफा. ल. (सोग्रांगः) ८ (भौ. पू.) ९ रे. ६ ऽम.।।।शु.ऽचो.ऽऽ।
,, ५ शुक्रे हस्ते ल. गो. ८-९ (गो. सोग्रांगः) ।८ भौ.
,, ११ गुरौ मूले ल. ८ रे. ८ ।।।।ऽपुषऽऽ।। आवश्यके
शुक्ला ३ शुक्रे उभा. ल.८ [घ.४८ या.]रे.८ ।।ऽशु।।।।।ऽशुद्ध
,, ४ शनौ रेव. ल. ९ रे. ६ ।ऽ।।ऽअग्निऽऽ।।
,, ९ गुरौ मृगे ल.९ रे.(चं.पू.)रे.८ ।।।।चौऽ।।। अव.

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ बुधे उफा. ल. ८ रे. ७ ऽम.।।ऽशु।ऽमृ।।।। पाक-वेधाद्वेधाभावः
,, ८ बुधे मूले ल. ८ रे. ७ ।।ऽवृ।।ऽअग्नि।ऽ।
,, ९ गुरौ मूले ल. ज्यगो. रे. ७ ।।ऽशु।।ऽ।ऽ।।
अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३७०स.१९४७
१	र ३८ २६ उ १८ २९ ब्र ५० ३२ किं ९ ६ ३० ५८ ६	२३	९	२९	मीने	नवरात्रारंभः घटस्था.कल्पादिःसंवत्सरः०
२	चं ३५ ५२ रे १८ ५५ वें ४५ ३० बा ७ ९ १४ ५७ ३	२४	१०	३०	मे.१८।५५	चंद्रदर्शनम् *प्र. ध्वजा रो.
३	मं ३२ १९ अ १६ १९ वै ३९ ४५ तै ४ ६ १८ ५६ ४	२५	११	१	मेषे	कुम्भे शुक्रः ३३ जमादिलावल५ मन्वादिः×
४	बु २७ ५३ भ १३ ५५ वि ३३ १५ व ० १ २२ ५६ ४	२६	१२	२	वृ.२८।६	भ. ०।१ उ. २७।५३ या.
५	गु २२ ४२ कृ १० ३८ प्री २६ १७ बा २२ ४२ २६ ५५ ५	२७	१३	३	वृषे	कल्पादिः ×गणगौरी पू. मत्स्यजयंती
६	शु १७ ० रो ७ ५ आ १८ ३० तै १७ ० ३० ५४ ६	२८	१४	४	मि३५।३	
७	श ११ १२ मृ ३१ ५६ सौ ११ ११ व ११ १२ ३४ ५३ ७	२९	१५	५	मिथुने	भ.११।१२ उ.३६या. आर्द्रा.क्षयः५६।४
८	र ५ १६ पु ५४ ५५ शो ३७ ५२ ब ५ १६ ३८ ५२ ८	३०	१६	६	क.४०।५८	अतिगंडक्षयः५२ शतेशुक्रः४१ रामनवमी+
९	र ५४ ७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०			०	=पूभायांबुधः३ कामदा ११ब्र. स्मा.वै.ल.
१०	चं ५३ ४७ पु ५११ १ सु ४८ १८ तै २६ ३५ ४३ ५१ ९	३१	१७	७	कर्के	रेवत्यां रविः १२।२५ +भवान्युत्पत्तिः
११	मं ४८ ३९ श्ले ४७ ५१ धू ४१ १६ व २१ १३ ४७ ५१ ९	१	१८	८	सिं४७।५१	भ. ३१ उ. ३६ या. अप्रेल मा.४ ता.३०=
१२	बु ४४ १५ म ४४ ३१ शू ३४ ४७ ब १६ २७ ५१ ५० १०	२	१९	९	सिंहे	कामदा ११ ब्र. नि. हरिदमनोत्सवः
१३	गु ४० ४३ पू ४३ १६ गं २८ ५६ कौ १२ २९ ५६ ४९ ११	३	२०	१०	कं.५८।४	मीने भौमः ६।१९ मार्गी शनिः १५।४०-
१४	शु ३८ ७ उ ४२ २७ वृ २३ ५८ ग ९ २५ ३१ ४८ १२	४	२१	११	कन्यायां	भ. ३८।८ उ. -प्रदोषः अनंग १३
१५	श ३६ ४० ह ४२ ५३ धु २० १५ वि ७ २४ ४ ४७ १३	५	२२	१२	कन्यायां	भ.२४या.हनुमज्जयंती मन्वादिःवै.स्ना.प्रा

५१पं.चै.शु.७ श.इ.३५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	१०	३	१	११
१५	२६	१८	४	५	८	१२	१४
४	२७	३४	६	२२	५९	२३	५९
२	४	५०	७	३७	४६	५४	१८
५९	४६	३३	५	७०	२९	३	५८
१८	१३	३१	ब	३५	ब	११	१६

गोचरग्रहाः

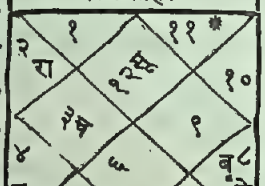

इस मास का फल साधारण है रूई चांदी सोना अलसी सरसों घृत खांड़ तेल एरंडी विनोला तेज।

गोचरग्रहाः

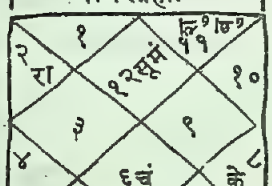

५२पं.चै.शु.१५श.इ.३५।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	७	१०	३	१	११
२१	१	२४	३	१३	८	१२	२१
५८	५४	६	४२	३९	५८	१	५३
१५	५०	५४	७	५४	३०	३८	३१
५९	४६	५१	५	७१	२९	३	५९
४	८	३६	ब	११	मा	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ३६ २६ चि ४४ २८ ज्या १७ ३ बा ६ ३३ ३१ ५	६	२३	१३	तु.१३।४०	
२	चं ३७ ३६ स्वा ४७ १८ ह १४ ३० तै ७ १ १२ ४६ १४	७	२४	१४	तुलायां	उभायां भौमः २६।२६
३	मं ३९ ५८ वि ५१ ७ च १२ ४० च ८ ४७ १६ ४५ १५	८	२५	१५	बृ.३५।१०	भ. ८।४७ उ. ३९।५८ या.
४	बु ४३ ३२ अ ५६ २२ सि १३ १३ ब ११ ४५ २० ४४ १६	९	२६	१६	वृश्चिके	चतुर्थी ब्र. ×विशाखायां४ गुरुः३१।४४
५	गु ४७ ५५ ज्ये ६० ० व्य १३ १६ कौ १५ ४४ २४ ४३ १७	१०	२७	१७	वृश्चिके	मीनेबुधः३८।१३ पूभायां शुक्रः ५७ वक्री×
६	शु ५२ ४३ ज्ये २ २१ ध १४ ४४ ग २० १९ २८ ४२ १८	११	२८	१८	ध.२।२५	भ. ५२।४३ या.
७	श ५७ ५३ मू ८ ५२ प १६ ३ वि २५ १८ ३२ ४२ १८	१२	२९	१९	धनुषि	भ. २५।१८
८	र ६० ० पू १५ ११ शि १७ ३० बा ३० १७ ३६ ४१ १९	१३	३०	२०	म.३१।५१	मेषेऽर्कः ४६।५६ उभायां बुधः ३६।२
८	चं २ ४१ उ २१ ३२ सि १८ ४७ कौ २ ४१ ४० ४० २०	१४	१	२१	मकरे	
९	मं ७ ११ श्र २६ ३३ सा १९ ३९ ग ७ ११ ४४ ३९ २१	१५	२	२२	कु.५८।५२	भ. ३८।४७ उ.
१०	बु १० २४ ध ३१ ११ शु १९ ३४ वि १० २४ ४८ ३८ २२	१६	३	२३	कुम्भे	भ. १०।२४ या.
११	गु १३ ६ श ३४ ४१ शु १८ ३० बा १३ ६ ५१ ३८ २२	१७	४	२४	कुंभे	वरूथिनी ११ब्र.पातस्पर्शः ३९ पातमोक्षः ५१ ३३
१२	शु १४ ९ पू ३६ ५३ ब्र १६ ४५ तै १४ ९ ५५ ३७ २३	१८	५	२५	मी२१।२०	प्रदोषः
१३	श १४ ० उ ३७ ५३ वें १३ ५४ व १४ ० ५८ ३६ २४	१९	६	२६	मीने	भ.१४।० उ.४३।१६या. मीने शुक्रः ३६
१४	र १२ ३२ रे ३७ ३९ वै १० ६ श १२ ३२ ३३ ३६ २४	२०	७	२७	मि.३७।३९	
३०	चं ९ ५४ अ ३६ १५ वि १७ ५५ २६ मा ९ ५४ ६ ३५ २५	२१	८	२८	मेषे	प्रीतियोग क्षयः ५४।२६ सोमवती ३०

१पं.वै.कृ.८ र.इ.५१।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	७	१०	३	१	०
०	८	३	३	२३	९	११	०
४	२०	३७	१	२८	१	३५	०
२४	१७	१९	५५	१९	२६	२३	०
५८	४५	६७	२५	७१	१	३	५८
४५	५८	२९	ब	४१	७	११	४४

गोचरग्रहाः

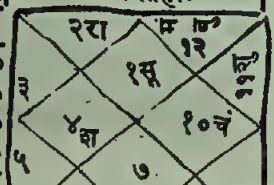

वैशाख कृ.८ रवौ मेषेऽर्कः प्र. वा.३ ल.४गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयः पूर्व।

गोचरग्रहाः

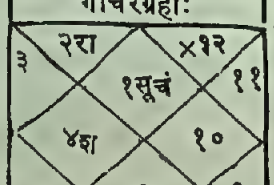

२पं.वै.कृ.१४र.इ.५१।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	७	११	३	१	०
६	१३	१३	२	१	९	११	६
५४	४५	३५	२१	४९	११	१३	५०
३४	४	१३	४०	१	४९	८	३८
५८	४५	८०	२ ३५	७२	१	३	५८
२९	५६	२९	ब	२	४६	११	३९

*मंबुश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंबुशु

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४४०० सन् १९४७
१	मं ६ १३ भ ३४ ० आ ५२ २७ बा ६ १३	३२	५	६	२२	९	२९	बृ.४८।१५	चद्रद. उभायां शुक्रः ७।३१
२	बु १ ४४ कृ ३० ५९ सौ ४६ ३६ कौ १ ४४	१४	३३	२७	२३	१०	१	वृषे	रेवत्यां बुधः ९।२९ जमादिला.६ अ. ३*
३	बु ५४ ४३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *प.ज. कल्पादिः त्रेतायुगादिः
४	गु ५० ४६ रो २७ २५ शो ३९ २० च २३ ३७	१८	३२	२८	२४	११	२	मि५५।२८	भ. ३३ उ. ५१ या. रेवत्यां भौमः ३६।३
५	शु ४४ ४९ मृ २३ ३१ अ ३१ ५७ ब १७ ४८	२१	३२	२८	२५	१२	३	मिथुने	
६	श ३८ ४७ आ १९ २६ सु २४ ७ कौ ११ ४८	२५	३१	२९	२६	१३	४	मिथुने	
७	र ३२ ५४ पु १५ २३ धृ १६ ३३ ग ५ ५०	२९	३०	३०	२७	१४	५	क.१।२४	भ ५४ उ ५१ या. भरण्यां रविः २८।२०=
८	चं २७ १५ पु ११ ३१ शू ८ ५० ब २७ १५	३३	२९	३१	२८	१५	६	कर्के	
९	मं २२ १ श्ले ८ १३ गं ५५ २४ कौ २२ १	३७	२९	३१	२९	१६	७	सिं८।१३	बृद्धियोगक्षयः ५३।२४ पातस्पर्शः ५४।२१
१०	बु १७ ३२ म ५ २२ धु ४९ १३ ग १७ ३२	४०	२८	३२	३०	१७	८	सिंहे	भ. ४५ उ. मेषेऽश्विन्यांचबुधः ५२ पा. १६
११	शु १३ ५६ पू ३ १७ श्या ४४ १० वि १३ ५६	४४	२७	३३	१	१८	९	कं.१८।३	भ. ५६ या. मई मा.५ता.३१ मोहिनी ११ व्र.
१२	शु ११ १४ उ २ २२ ह ३९ ४७ बा ११ १४	४७	२७	३३	२	१९	१०	कन्यायां	प्रदोषः =गंगा७ अगस्त्यास्त ३३।२५
१३	श ९ ४० ह २ २० ब ३६ २४ तै ९ ४०	५०	२६	३४	३	२०	११	तु.३३।५	रेवत्यां शुक्रः १७।२६ नृसिंहजयंती
१४	र ९ २० चि ३ ५१ सि ३४ २ च ९ २०	५४	२५	३५	४	२१	१२	तुलायां	भ.९।२० उ.३९।५०या. पूर्वास्तंबुधः ३३
१५	चं १० २१ स्वा ६ ५ व्य ३२ ४० ब १० २१	५८	२४	३६	५	२२	१३	वृ.५४।६	जलकुंभदानं अन्नदान कूर्मजयं. वै.स्ना.पू.

३पं. वै.शु.७ र.इ.५२।० गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	७	११	३	१	०
१३	१९	२५	१	१०	९	१०	१३
४२	९	७	३५	११	२७	५०	३९
५८	१८	१	४२	३५	२२	५३	४०
५८	४५	९४	१२	७२	२	३	५८
१२	४३	४०	ब	२६	२६	११	२०

इस मास में पांच रवि तथा पांच सोमवार सामान्य है, मंगलवार को चंद्रदर्शन प्रजा में पीड़ा धान्य रुई तेज

गोचरग्रहाः

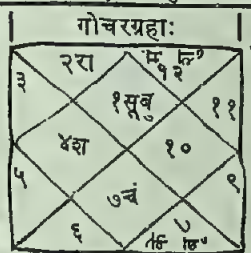

४पं.वै.शु.१४ र.इ.५२।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	७	११	३	१	०
२०	२४	८	०	१८	९	१०	२०
२९	३०	६	४५	३४	४७	२८	२७
३६	४७	५०	२२	५५	४२	३८	२३
५७	४५	९	४९	७२	३	३	५८
५७	४१	९३	ब	४५	११	११	३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं १२ ३६ वि १० ६ व ३२ १९ कौ १२ ३६	३३	५	६	६	२३	१४	बृश्चिके	
२	बु १६ १२ अ १४ ५८ प ३२ ४२ ग १६ १२	४	२३	३७	७	२४	१५	बृश्चिके	भ. ४८।२० उ. *चतुर्थी ब्र.
३	गु २० २९ ज्ये २० ४० शि ३३ ४८ वि २० २९	७	२३	३७	८	२५	१६	ध.२०।४०	भ. २९ या. भरण्यांबुधः ३४ पुष्ये ३शनिः ४४*
४	शु २५ १४ मू २७ ० सि ३५ १२ बा २५ १४	१०	२२	३८	९	२६	१७	धनुषि	
५	श ३० १३ पू ३३ ३१ सा ३६ ४६ तै ३० १३	१३	२२	३८	१०	२७	१८	म.५०।६	वक्री विशाखायां ३ तुलायां च गुरुः ५५।५
६	र ३५ ० उ ३९ ५३ शु ३८ ६ ग २ ३७	१६	२१	३९	११	२८	१९	मकरे	भ. ३५।० उ. कृत्तिकायां रविः १६।१५
७	चं ३९ २२ श्र ४५ २७ शु ३९ १ वि ७ ११	१९	२०	४०	१२	२९	२०	मकरे	भ.७।११ या.मेषेऽश्विन्यां च भौमः ५।५२
८	मं ४२ ४७ ध ५० १७ ब्र ३९ २० बा ११ ६	२२	२०	४०	१३	३०	२१	कुं.१७।५२	कृत्तिकायां बुधः ५७।१ कृ.४ राहुः मैत्रे२+
९	बु ४५ ३ श ५४ ४ ऐं ३८ ४६ तै १३ ५५	२५	१९	४१	१४	३१	२२	कुम्भे	बृषेऽर्कः ४४।२ मेषेऽश्विन्यांच शुक्रः २०।२७
१०	गु ४६ २६ पू ५६ ३३ वै ३७ १ व १५ ४५	२८	१८	४२	१५	१	२३	मी४०।५६	भ.१५।४५ उ.४६।२६या. बृषे बुधः १६।४
११	शु ४५ ५४ उ ५७ ४८ वि ३४ ४४ ब १६ १०	३१	१८	४२	१६	२	२४	मीने	अपरा ११ ब्र स्मा. वै.
१२	श ४४ २३ रे ५७ ५६ प्री ३१ १ कौ १५ ८	३४	१७	४३	१७	३	२५	मे.५७।५६	अपरा ११ ब्र. +केतुः ५२ पा. १६
१३	र ४१ ४७ अ ५६ ४७ आ २६ २८ ग १३ ५	३६	१७	४३	१८	४	२६	मेषे	भ. ४१।४७ उ. प्रदोषः
१४	चं ३८ ९ भ ५४ ४१ सौ २१ १० वि ९ ५८	३९	१६	४४	१९	५	२७	मेषे	भ. ९।५८ या. रोहिण्यां बुधः ५७।३६
२०	मं ३२ ५९ कृ ५१ ५४ शो १५ ८ च ५ ३४	४१	१६	४४	२०	६	२८	बृ.८।५९	वटपूजनं भावुका ३०

५पं. ज्ये.कृ.६ र.इ.५२।२५ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	६	११	३	१	०
२७	२९	२२	२९	२६	१०	१०	२७
१४	४९	२१	५२	५९	१२	६	१३
५०	४८	१८	२९	५६	२५	२२	३०
५७	४५	२९	५२	७२	३	३	५७
४५	२८	१४	ब	५९	४४	११	५४

ज्येष्ठ कृ. ९ बुधे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यभाव तेज) शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

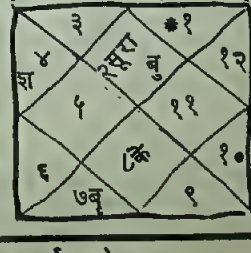

६पं.ज्ये.कृ.१३ र.इ.५२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	६	०	३	१	१
३	५	७	२८	५	१०	९	३
५८	७	४१	५९	२४	४१	४४	५८
२७	५	२४	५३	५४	३५	७	२९
५७	४५	९	५२	७३	४	३	५७
३४	१८	५३	ब	१४	२३	११	४४

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽर्गणः ४४२९ स. १९४७
१	बु	२८	१०	रो	४८	२५	अ	८	३२	कि	०	३४	३३	१५	४५	२१	७	२९	वृषे	चंद्रद.
२	गु	२२	२०	मृ	४४	३७	सु	२३	५३	को	२२	२०	४६	१५	४५	२२	८	१	मि१६।३१	रज्जव ७
३	शु	१६	२५	आ	४०	२७	शू	४६	२३	ग	१६	२५	४८	१४	४६	२३	९	२	मिथुने	भ. ४३।२२ उ.
४	श	१०	२०	पु	३६	२३	गं	३८	५१	वि	१०	२०	५०	१४	४६	२४	१०	३	क.२२।२४	भ. १०।२२ उ.
५	र	४	२०	पु	३२	२९	वृ	३१	२०	बा	४	२०	५२	१४	४६	२५	११	४	कर्के	रोहिण्यांरविः १९ भरण्यांशुक्रः २६ पात ४५
६	र	५४	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ●बुधः५७।२० पातमोक्षः५१६
७	चं	५३	२१	श्ले	२८	५८	धु	२४	१३	ग	२५	५१	५४	१३	४७	२६	१२	५	सिं२८।५८	भ.५३।२१उ. मृगे बुधः ३९ पश्चिमोदयी●
८	मं	४८	४५	म	२५	५१	श्ले	१७	३२	वि	२१	३	५६	१३	४७	२७	१३	६	सिंहे	भ. २१।३ या. ×प्रदोषः
९	बु	४५	०	पू	२३	४६	ह	११	२४	बा	१६	५२	५८	१२	४८	२८	१४	७	कं.३८।४२	
१०	गु	४२	१२	उ	२३	२९	व	६	१३	तै	१३	३६	३४ ०	१२	४८	२९	१५	८	कन्यायां	मिथुनेबुधः २४ भरण्यांभौमः५२ गंगा१०
११	शु	४०	३६	ह	२४	२४	स्ति	३८	५६	व	११	२४	३	१२	४८	३०	१६	९	तु.५४।४३	भ. ११।२४ उ. ३६ या. निर्जला ११ व्र.
१२	श	४०	१८	चि	२५	२	व	५५	३२	ब	१०	२७	४	११	४९	३१	१७	१०	तुलायां	
१३	र	४१	४	स्वा	२६	३८	प	५४	०	को	१०	४१	६	११	४९	१	१८	११	तुलायां	जून मा. ६ सा. ३० वटसावित्री व्रतारंभ.×
१४	चं	४३	११	वि	२९	४	शे	५३	२५	ग	१२	७	८	१०	५०	२	१९	१२	वृ.१३।२८	भ. ४३।११ उ. आर्द्रायां बुधः २६।७
१५	मं	४६	३०	अ	३३	५५	सि	५३	४७	वि	१४	५१	९	१०	५०	३	२०	१३	वृश्चिके	भ. १४।५१ या. वटसावित्री पूजा

७पं.ज्ये.शु.५२.इ.५२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	६	०	३	१	१
१०	१०	२२	२८	१३	११	९	१०
२०	२२	३७	७	५१	१५	२१	४२
३८	४४	२६	४१	३६	२५	५१	१८
५७	४५	५	५	७३	४	३	५७
२३	३	९	ब	२६	५०	११	३५

गोचरग्रहाः

नोत्थातपरित्यक्तो न चंद्रजोऽत्यदयं जलदहनपवनभयकृद्-द्वान्यार्धक्षय विवृद्धयै वा ।

गोचरग्रहाः

८पं. ज्ये.शु.१३र.इ.५२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	६	०	३	१	१
१७	१५	५	२७	२२	११	८	१७
२१	३५	७९	१८	१८	५२	५९	२९
४४	६	१	२२	३६	८	३१	५
५७	४४	९१	५६	७३	५	३	५७
१३	५२	४२	ब	४१	१७	११	२९

ति.	आषाढ कृष्णपक्ष सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५०	४७	ज्ये	३९	२१	सा	५४	४४	बा	१८	३८	३४ ११	१०	५०	४	२१	१४	ध.३९।२१	
२	गु	५५	३५	मू	४५	३६	शु	५६	१०	तै	२३	११	१२	१०	५०	५	२२	१५	धनुषि	कृत्तिकायां शुक्रः ३१।४३
३	शु	६०	०	पू	५१	५८	शु	५७	३९	व	२७	५७	१३	९	५१	६	२३	१६	धनुषि	भ. २७।५७ उ. ●चतुर्थी व्र.
३	श	०	२०	उ	५८	२६	ब्र	५९	१०	वि	०	२०	१५	९	५१	७	२४	१७	म.८।३५	भ.०।२०या. वक्री विशाखायां२ गुरुः ४९
४	र	५	८	श्र	६०	०	ऐं	६०	०	बा	५	८	१६	९	५१	८	२५	१८	मकरे	मृगे रविः३९।० वक्री शुक्रः १४ पातस्पर्शः×
५	चं	९	२२	श्र	४	१४	ऐं	०	१४	तै	९	२२	१७	९	५१	९	२६	१९	कु.३६।४०	
६	मं	१२	४५	ध	९	६	वै	०	४२	व	१२	४५	१८	८	५२	१०	२७	२०	कुम्भे	भ. १२।४५ उ. ४३।५३ या.
७	बु	१५	२	श	१३	११	वि	२५ ०	५६ ३३	ब	१५	२	१९	८	५२	११	२८	२१	कुंभे	पुनर्वसौ बुधः ४६।३३
८	गु	१६	४	पू	१६	३	आ	५६	२६	को	१६	४	२०	८	५२	१२	२९	२२	मी०।२०	
९	शु	१५	५३	उ	१७	३१	सो	५३	२६	ग	१५	५३	२१	८	५२	१३	३०	२३	मीने	भ.४५।८उ. ×९।३१ पातमोक्षः ३२।७
१०	श	१४	२३	रे	१८	०	शो	४९	२८	वि	१४	२३	२१	८	५२	१४	३१	२४	मे.१८।०	भ. १४।२३ या.
११	र	११	४२	अ	१७	६	अ	४४	०	बा	११	४२	२२	८	५२	१५	३२	२५	मेषे	मिथुनेऽर्कः ९।४८ योगिनी ११ व्र.
१२	चं	८	१	भ	१५	१५	सु	३७	५९	तै	८	०	२२	८	५२	१६	१	२६	बृ.२९।३३	रोहिण्यां शुक्रः ३७ कृत्तिकायां भौमः ५५ ३७
१३	मं	३	२७	कृ	१२	२७	धृ	३१	२८	व	३	२७	२३	७	५३	१७	२	२७	बृषे	भ. ३।२७ उ. ३०।४७ या.
१४	मं	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●	०	०	●	
१५	बु	५२	२२	रो	९	९	शू	२४	२७	च	२५	१५	२३	७	५३	१८	३	२८	मि३७।३०	अमावस्या +पुष्ये४ शनिः ३४ ३७ प्रदोषः

९पं. आ.कृ.४र.इ.५२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	६	१	३	१	१
२४	२०	१६	२६	०	१२	८	२४
१	४४	५०	३१	४७	३२	३७	७
३९	२४	१७	२५	२४	३१	२०	८
५७	४४	६५	९३	७३	५	३	५७
५	२७	१०	ब	५०	४१	११	२२

गोचरग्रहाः

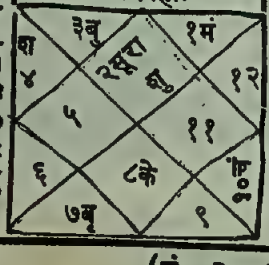

आ. कृ. ११ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५न.५ कुमारावस्था (बैठी) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

१०पं. आ.कृ.११र.इ.५२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	६	१	३	१	१
०	२५	२५	२५	९	१३	८	०
४०	५३	२६	५४	१६	१५	१५	४०
४७	१०	५३	२९	३४	४७	५	४७
५६	४४	४१	१३	७३	६	३	५७
५७	२२	४५	ब	५३	४१	११	२२

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४४५८ स. १९४७
१	गु	४६	२०	मृ	५	४१	गं	१७	१३	किं	१९	२१	३४/२३	५/७	६/५३	१९	४	२९	मिथुने	कर्के बुधः ०।२१ *पातमोक्षः ४३।३३
२	शु	४०	१३	आ	१/२२	५६/३४	वृ	९	३३	बा	१३	१६	२३	७	५३	२०	५	३०	क. ४३।४८	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	श	३४	९	पु	५३	२७	ध्रु	२/२८	५२/००	तै	७	११	२४	७	५३	२१	६	१	कर्के	वृषे भौमः ३७/२४ सावान ८ पातस्पर्शः २०/१३*
४	र	२८	१८	श्ले	५०	१२	ह	४७	२५	व	१	१३	२४	७	५३	२२	७	२	सिं ५०।१२	भ. १।१३ उ. २८/१८ या. आर्द्रायां रविः ११/२०×
५	चं	२२	५६	म	४६	३३	व	४०	३६	बा	२२	५६	२४	७	५३	२३	८	३	सिंहे	
६	मं	१८	१६	पू	४४	२३	सि	३४	२५	तै	१८	१६	२४	७	५३	२४	९	४	कं. ५९।३	
७	बु	१४	२५	उ	४३	३	व्य	२९	१७	व	१४	२५	२४	७	५३	२५	१०	५	कन्यायां	भ. १४।२५ उ. ४२।५९ या.
८	गु	११	३४	ह	४२	१२	व	२४	१४	ब	११	३४	२३	७	५३	२६	११	६	कन्यायां	
९	शु	९	४६	चि	४२	५५	प	२०	४३	कौ	९	४६	२३	७	५३	२७	१२	७	तु. १२।३३	मृगे शुक्रः २८।८ भडली ९
१०	श	९	१५	स्वा	४४	५६	शि	१७	५७	ग	९	१५	२२	८	५२	२८	१३	८	तुलायां	भ. ३९।४१ उ. पुष्ये बुधः ४४।२९
११	र	१०	८	वि	४८	१२	सि	१६	१०	वि	१०	८	२२	८	५२	२९	१४	९	वृ. ३२।२३	भ. १०/८ या. वक्री बुधः ६/४७ देवशयनी ११ ब्र.
१२	चं	१२	१	अ	५२	३५	सा	१५	२८	बा	१२	१	२१	८	५२	३०	१५	१०	वृश्चिके	या. प्रदोषः ×दक्षिणायन प्रवृत्तिः १५/५४
१३	मं	१५	२२	ज्ये	५८	२	शु	१५	३७	तै	१५	२२	२०	८	५२	१	१६	११	ध. ५८।२	जुलाई मा. ७ ता. ३१
१४	बु	१९	२८	मू	६०	०	शु	१६	३०	व	१९	२८	१९	८	५२	२	१७	१२	धनुषि	भ १९/२८ उ. ५१/४८ या. मिथुने शुक्रः ५१।५३
१५	गु	२४	९	मू	४	३	ब्र	१७	५३	ब	२४	९	१८	८	५२	३	१८	१३	धनुषि	व्यास पूजा

११पं. आ. शु. ४ सू. इ. ५२।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	६	१	३	१	२
७	०	१	२५	१७	१४	७	७
१९	५५	१२	२२	४६	१	५२	२९
१५	२३	७	३०	५५	३७	५०	१३
५६	४४	१८	४/५	७४	६	३	५७
५४	८	३८	ब	२	२५	११	१३

गोचरग्रहाः

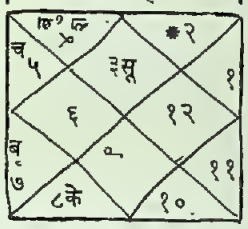

इस मास में वर्षा कम होगी धूप अधिक पड़ेगी वदी पक्ष में समुद्रवर्ती देशों में वर्षा होगी

गोचरग्रहाः

१२पं. आ. शु. ११ सू. इ. ५२।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	६	१	३	१	२
१३	५	३	२४	२६	१४	७	१४
५७	५७	३७	५८	१८	४९	३०	९
१८	४	२३	५	३२	४१	३४	४३
५६	४३	२/१७	३/५२	७४	६	३	५७
५०	३४	ब	ब	८	३८	११	७

ति.	प्र. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	शु	२८	५२	पू	१०	२१	ऐं	१९	२८	कौ	२८	५२	३४/१७	५/९	६/५१	४	१९	१४	म. २६।५८	वक्री पुनर्वसो बुधः ५९।२१ सब्बरात
२	श	३२	४३	उ	१६	४२	वै	२०	१९	तै	१	१७	१६	९	५१	५	२०	१५	मकरे	रोहिण्यां भौमः ३६।५५
३	र	३८	१४	श्र	२२	३९	वि	२२	१४	व	५	५२	१४	९	५१	६	२१	१६	कु. ५५।१७	भ. ५।५२ उ. ३८।१ या. पुनर्वसौ रविः १५/२१+
४	चं	४१	२६	ध	२७	५६	प्री	२२	४७	ब	९	४४	१३	९	५१	७	२२	१७	कुम्भे	चतुर्थी ब्र. +पश्चिमास्तो बुधः ६।१४
५	मं	४३	३६	श	३२	३१	आ	२२	४०	कौ	१२	३१	१२	१०	५०	८	२३	१८	कुम्भे	आर्द्रायां शुक्रः २०।५३ नाग ५
६	बु	४४	५६	पू	३५	२२	सौ	२१	२६	ग	१४	१५	११	१०	५०	९	२४	१९	मी १९।३९	भ. ४४।५४ उ.
७	गु	४४	४६	उ	३७	१२	शो	१९	२६	वि	१४	५०	९	१०	५०	१०	२५	२०	मीने	भ. १४।५० या.
८	शु	४३	१८	रे	३७	५०	अ	१६	१४	बा	१४	२	८	१०	५०	११	२६	२१	मे. ३७।५०	
९	श	४०	४०	अ	३७	३४	सु	१२	७	तै	११	५९	६	११	४९	१२	२७	२२	मेषे	वक्री मिथुने बुधः ०।४८
१०	र	३७	०	भ	३६	७	धृ	७	६	व	८	५०	४	११	४९	१३	२८	२३	बृ. ५०।१९	भ. ८।५० उ. ३७।० या.
११	चं	३२	२८	कृ	३२	५४	शू	१/१७	५३/२८	ब	४	४४	२	१२	४८	१४	२९	२४	बृषे	मार्गी गुरुः २४।१३ कामिका ११ ब्र.
१२	मं	२७	१०	रो	२९	४९	वृ	४७	५३	तै	२७	१३	३४/००	१२	४८	१५	३०	२५	मि ५७।५६	सार्पे १ शनिः ३।२१ कृतिकायां ३ राहुः मैत्रे १×
१३	बु	२१	३३	मृ	२६	३	ध्रु	४०	२८	व	२१	३३	३३/५८	१२	४८	१६	३१	२६	मिथुने	भ. २१।३३ उ. ८४/३३ या. कर्केऽर्क. ४८।५
१४	गु	१५	३३	आ	२१	३२	व्या	३२	५७	श	१५	३३	५६	१३	४७	१७	१	२७	मिथुने	
३०	शु	९	२३	पु	१७	५६	ह	२	२२	ना	९	२३	५४	१३	४७	१८	२	२८	क ३।५०	हरियाली ३० ×केतुः ४६/४५ प्रदोषः

१३पं. प्र. श्रा. कृ. ३ सू. इ. ५२/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	६	२	३	१	२
२०	१०	२	२४	४	१५	७	२०
३५	५४	३३	४२	५०	३९	८	५०
१४	२९	११	१२	४२	३९	१९	७
५६	४३	२४/४९	१/३२	७४	६	३	५७
५०	१४	ब	ब	१४	५३	११	७

गोचरग्रहाः

प्र. श्रावण कृ. १३ बुधे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न. ६ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रो. पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

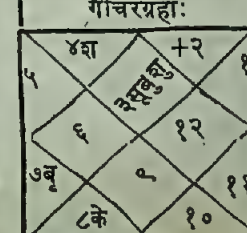

१४पं. प्र. श्रा. कृ. १० सू. इ. ५२/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	२	३	१	२
२७	१५	२८	२४	१३	१६	६	२७
१३	४९	४६	३५	२४	३१	४६	३०
२०	३०	३४	१७	११	४१	४	२९
५६	४२	३९/२९	०/५	४७	७	३	५७
५५	५६	ब	ब	२०	२	११	११

ति.	प्र. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००४ शाक: १८६९	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४४८८ स. १९४०
१	श ३ १७ पु १ ४७ व १७ ५१ ब ३ १७	३३	५ १४	४६	१९	३	२९	कर्के	चंद्र. पुनर्वसौ शुक्रः ३६ अस्तंशनि.५।१४
२	श ५४ ८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
३	र ५१ ५८ श्ले ९ ५८ सि १० ३३ तै २४ ४१	५०	१४	४६	२०	४	१	सिं९।५८	पुष्ये रविः १८।४६ रमजान ९ रोजा
४	चं ४७ १४ म ६ ५२ व्य ४० ५३ ट व १९ ३६	४८	१४	४६	२१	५	२	सिंहे	भ. १९।३६ उ. ४७।१४
५	मं ४३ १८ पू ४ १७ प ५१ ३९ ब १५ १६	४५	१५	४५	२२	६	३	कं.१८।५०	
६	बु ४० २१ उ २ ३० शि ४१ ५४ कौ ११ ५०	४३	१५	४५	२३	७	४	कन्यायां	
७	गु ३८ ३० ह १ ५३ सि ४३ १ ग ९ २५	४०	१६	४४	२४	८	५	तु.३२।८	भ. ३८ उ. मृगेभौमः ४६ पूर्वोदयी बुधः ५३
८	शु ३७ ५६ चि २ २३ सा ४० ३ वि ८ १३	२८	१६	४४	२५	९	६	तुलायां	भ. ८।१३ या.
९	श ३८ ४१ स्वा २ ५८ शु ३८ ८ बा ८ १८	३५	१७	४३	२६	१०	७	वृ.५१।९	
१०	र ४० ४६ वि ६ ५२ शु ३७ १३ तै ९ ४३	३२	१८	४२	२७	११	८	वृश्चिके	कर्के शुक्रः २३।३३
११	चं ४३ ४४ अ ११ २ ब्र ३७ १० ब १२ १५	३०	१८	४२	२८	१२	९	वृश्चिके	भ. १५ उ. ४३ या. कमला ११ ब्र.
१२	मं ४७ ४६ ज्ये १६ ५ ऐं ३७ ५९ ब १५ ४५	२७	१९	४१	२९	१३	१०	ध.१६।५	मार्गी बुधः २९।१६
१३	बु ५२ २३ मू २२ ५ वै ३९ १० कौ २० ५	२४	१९	४१	३०	१४	११	धनुषि	पुष्ये शुक्रः ५।४६ प्रदोषः
१४	गु ५७ २९ पू २८ २६ वि ४० ५१ ग २४ ५६	२१	२०	४०	३१	१५	१२	म.४५।२	भ. ५७।२९ उ.
१५	शु ६० ० उ ३४ ५१ प्री ४२ ३१ वि २९ ४६	१८	२०	४०	१	१६	१३	मकरे	भ.२९।४६ या. अगस्त मा. ८ ता. ३१
१५	श २ ४ श्र ४० ५४ आ ४३ ४३ ब २ ४	१५	२१	३९	२	१७	१४	मकरे	

१५पं. प्र.श्रा.शु.३ सू.इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	६	२	३	१	३
३	२०	२४	२४	२१	१७	६	४
५१	४१	४७	३७	५८	२४	२३	११
४८	२	४६	१६	३७	४	४८	१३
५६	४२	४९	१	७४	७	३	५७
५७	४०	ब	मा	२६	१४	११	१५

गोचरग्रहाः

इस मास का फल साधारण है वर्षा अच्छी होगी कहीं २ वर्षा की कमी रहेगी जिससे प्रजा को कष्ट होगा।

गोचरग्रहाः

१६पं. प्र.श्रा.शु.१० सू.इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	६	३	३	१	३
१०	२५	२४	२४	०	१८	६	१०
३१	२८	४	४७	३४	१७	१	५३
६	५९	५९	५३	१२	३८	३३	१४
५७	४२	१३	२	७४	७	३	५७
५	८	ब	२०	२६	२०	११	२०

ति.	द्वि.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००४ शाक: १८६९	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेप्र.श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	र ६ २३ ध ४६ २५ सौ ४४ २७ कौ ६ २३	१३	२२	३८	३	१८	१५	कु.१३।३९	आश्लेषायां रविः १९ मिथुनेभौमः ३३।३१
२	चं ९ ५५ श ५१ ५६ शो ४४ ३८ ग ९ ५५	९	२२	३८	४	१९	१६	कुम्भे	भ. ४१।२२ उ.
३	मं १२ ४९ पू ५४ १३ अ ४३ ३० वि १२ ४९	६	२३	३७	५	२०	१७	मी३८।३९	भ. १२।४९ या. चतुर्थी ब्र.
४	बु १३ ३४ उ ५६ २० सु ४१ ३३ बा १३ ३४	३	२३	३७	६	२१	१८	मीने	कर्के बुधः २३।३१
५	गु १३ ३५ रे ५७ १८ धृ ३८ ३५ तै १३ ३५	०	२४	३६	७	२२	१९	मे.५७।१८	
६	शु १२ १२ अ ५६ ५२ शू ३४ ३३ व १२ १२	५७	२५	३५	८	२३	२०	मेषे	भ.१२।१२ उ.४६ या. पुष्ये बुधः २३।४
७	श ९ ४० भ ५५ २४ गं २९ ३८ ब ९ ४०	५४	२५	३५	९	२४	२१	मेषे	सार्पे शुक्रः ५६।४०
८	र ६ ६ कृ ५३ ० वृ २३ ५५ कौ १ ६	५०	२६	३४	१०	२५	२२	वृ.९।४८	सार्पे २ शनिः ६।४२ पू. अ. शु.
९	चं १ ३९ रो ५० १० ध्रु १७ २९ ग १ ३९	४७	२७	३३	११	२६	२३	वृषे	भ.२९।४ उ.५६ या. पूर्वास्तो भृगुः ४८
१०	चं ५४ ५० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
११	मं ५० ४९ मृ ४६ १७ व्या १० ३२ ब २३ ३९	४३	२७	३३	१२	२७	२४	मि १८।१३	कमला ११ ब्र. स्मा.
१२	बु ४४ ५३ आ ४२ २३ ह १३ ५३ कौ १६ ५१	४०	२८	३२	१३	२८	२५	मिथुने	आर्द्रायां भौमः ३६ कमला ११ब्र. वै. नि.
१३	गु ३८ ४८ पु ३८ १५ सि ४७ ५७ ग ११ ५१	३६	२९	३१	१४	२९	२६	क.२९।१७	भ. ३८।४८ उ.
१४	शु ३२ ४१ पु ३४ ७ व्य ४० २५ वि ५ ४५	३३	२९	३१	१५	३०	२७	कर्के	भ. ५।४५ या.
२०	श २६ ४२ श्ले ३० १६ व ३२ ५८ ना २६ ४२	३०	३०	३०	१६	३१	२८	सिं३०।१६	सार्पे बुधः २७।८ पूर्वास्तं बुधः १।१०

१७पं. द्वि.श्रा.कृ.१ सू.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	६	३	३	१	३
१७	०	२८	२५	१९	१९	५	१७
१०	१३	१८	७	११	११	३९	३३
५४	१	१८	१६	२	७	१७	५८
५७	४१	४९	३	७४	७	३	५७
१२	२६	मा	१०	३१	२०	११	२४

गोचरग्रहाः

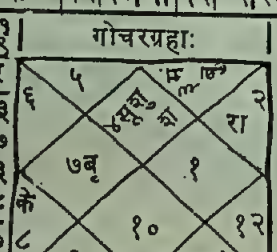

इस मास में धान्य रुई घृत चावल मोंठ बाजरा अफीम अजवान जायफल मंदा होगा वर्षा श्रेष्ठ होगी।

गोचरग्रहाः

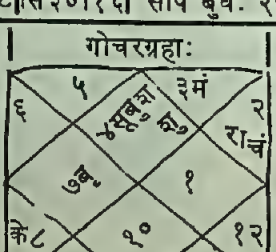

१८पं. द्वि.श्रा.कृ.८ सू.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	६	३	३	१	३
२३	४	७	२५	१७	२०	५	१७
५२	५३	४	३४	४८	५	१७	१०
२	३८	४८	५५	३२	३१	२	२५
५७	४१	९०	४	७४	७	३	५७
२२	१७	४०	४८	३२	२०	११	२९

ति.|द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९|दि.|उ.|अ.|इं.|हि.|मु.| चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५१७ सन् १९४७

१	र	२१	२२	म	२७	०	प	२५	५८	ब	२१	२२	३३	५	६	१७	३१	२९	सिंहे	मघायां सिंहेऽर्कः १६।१ चन्द्रदर्शनम्
२	चं	१६	३३	पू	२४	९	शि	१३	२६	कौ	१६	३३	३२	३२	२८	१८	१	१	कं.३८।३७	सव्वाल १० सिंधारा ईद
३	मं	१२	३६	उ	२२	१	सि	१३	३१	ग	१२	३६	१८	३२	२८	१९	२	२	कंन्यायां	भ. ४१।६ उ. तीज मघुश्रवा ३ वरद ४
४	बु	९	३६	ह	२१	१२	सा	८	३२	वि	९	३६	१५	३३	२७	२०	३	३	तु.५१।१९	भ. ९।३६ या. मघायां शुक्रः ४३।१५
५	गु	७	४	चि	२१	२६	शु	४	२२	बा	७	४	११	३४	२६	२१	४	४	तुलायाँ	नागपंचमी
६	शु	७	७	स्वा	२२	४६	शु	१	५७	तै	७	७	८	३४	२६	२२	५	५	तुलायाँ	विशाखायां ३ गुरुः १०।४
७	श	७	५१	वि	२५	२३	मैं	५७	४७	व	७	५१	५	३५	२५	२३	६	६	वृ.९।४४	भ.५१ उ.३६ या.मघायांबुधः५५तुलसीज.
८	र	९	४२	अ	१९	१८	वै	५७	३३	ब	९	४२	३२	३६	२४	२४	७	७	बृश्चिके	उदयं शनिः १९।४६ दुर्गा ८
९	चं	१२	४६	ज्ये	३४	१६	वि	५८	९	कौ	१२	४६	३३	३७	२३	२५	८	८	व.३४।१६	
१०	मं	१६	५१	मू	४०	७	प्री	५९	४३	ग	१६	५१	५३	३८	२२	२६	९	९	धनुषि	भ. ४९।१९ उ.
११	बु	२१	३०	पू	४६	१९	आ	६०	०	वि	२१	३०	४८	३८	२२	२७	१०	१०	धनुषि	भ. २१।३० या. पवित्रा ११ ब्र.
१२	गु	२६	२५	उ	५२	४४	आ	०	४८	बा	२६	२५	४४	३९	२१	२८	११	११	म.२।५५	प्रदोषः पवित्रार्पण १२ अगस्त्योदय ३५
१३	शु	३१	१८	श्र	५८	३९	सौ	२	२६	तै	३१	१८	४०	४०	२०	२९	१२	१२	मकरे	पूफायां बुधः ५१।३० ऋग्वेदीनां श्रावणी
१४	श	३५	४१	ध	६०	०	शो	३	४२	ग	३	४८	३६	४१	१९	३०	१३	१३	कुं.३१।३०	भ. ३५।४१ उ. *शुक्रः २९।३३
१५	र	३९	१७	ध	४	२२	अ	४	३०	वि	७	२९	३२	४२	१८	३१	१४	१४	कुम्भे	भ. ७।२९ या. पूफायां रविः५६ पूफायां*

१९पं. द्वि.श्रा.शु.१ सू.इ.५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	६	३	३	१	४
०	९	१९	२६	२६	२०	४	०
३४	३०	२६	१०	२६	५९	५४	५९
१५	४	५६	२६	५३	१०	४७	४६
५७	४०	५८	५	७४	७	३	५७
३७	४१	१८	५६	३२	१४	११	४०

२०पं. द्वि.श्रा.शु.८ सू.इ.५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	६	४	३	१	४
७	१४	३	२६	५	२१	४	७
१७	२	२४	५४	६	५१	३२	४४
४९	२४	३६	११	११	५४	३१	१७
५७	४०	२०	६	७४	७	३	५७
४५	१४	४९	४७	३८	८	११	४८

२१पं. द्वि.श्रा.शु.१५सू.इ.५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	६	४	३	१	४
१४	१८	१७	२७	१३	२२	४	१४
३	३०	४	४२	४७	४४	१०	२९
१	२९	३०	४०	१०	१०	१६	५३
५७	३९	५९	७	७४	७	३	५८
५७	४८	५३	५५	३८	२	११	१

ति.|भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९|दि.|उ.|अ.|इं.|हि.|मु.| चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्रा

१	चं	४१	५२	श	९	४	सु	४	३९	बा	१०	३४	३९	५	६	१	१५	१५	मी५६।५३	सितम्बर मा. ९ ता. ३०
२	मं	४३	१८	पूं	१२	४९	धृ	३	१८	तै	१२	३७	२५	४३	१७	२	१६	१६	मीने	
३	बु	४३	२४	उ	१५	०	शू	३	५६	व	१३	२१	२२	४४	१६	३	१७	१७	मीने	भ.१३ उ.४३ या.पुनर्वसौभौमः२० कज्जली ३
४	गु	४२	११	रे	१६	१७	वृ	५५	३७	ब	१२	४८	१८	४४	१६	४	१८	१८	मे. १६।१७	चतुर्थी ब्र. *कन्यायां शुक्रः ५५।१३
५	शु	३९	४४	अ	१६	१५	ध्रु	५०	३७	कौ	१०	५७	१४	४५	१५	५	१९	१९	मेषे	सार्पे ३ शनिः ३६।५ चन्द्र ६
६	श	३६	१८	भ	१४	५८	व्या	४५	४	ग	८	१	१०	४६	१४	६	२०	२०	वृ.२९।२५	भ.३६।१८उ. उफायां बुधः६।५४ हल६
७	र	३२	२	कृ	१२	४५	ह	३८	४४	वि	४	१३	६	४७	१३	७	२१	२१	बृषे	भ. ४।१३ या. श्रीकृष्ण ज. स्मा.
८	चं	२६	५८	रो	९	४६	व	३१	५१	कौ	२६	५८	२	४८	१२	८	२२	२२	मि३८।६	कन्यायां बुधः४४ कृष्णजन्माष्टमी ब्र. वै.
९	मं	२१	२०	मृ	६	२७	सि	२४	३०	ग	२१	२०	३८	४८	१२	९	२३	२३	मिथुने	भ. ४८।२४ उ. गोगा ९
१०	बु	१५	२९	आ	२३	५५	व्य	१६	५३	वि	१५	२९	५४	४९	११	१०	२४	२४	क. ४४।२१	भ. १५।२९ या.
११	गु	९	२४	पु	५४	८	व	९	१३	बा	९	२४	४९	५०	१०	११	२५	२५	कर्के	उफायां शुक्रः १४।० अजा ११ ब्र.
१२	शु	३	२२	श्ले	५०	१५	प	३	२२	तै	३	२२	४५	५१	९	१२	२६	२६	सिं५०।१५	भ.५१ उ.पश्चिमोदयीबुधः५७ वत्स १२ प्र.
१३	शु	५४	१४	०	०	०	०	०	०	तै	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	श	५२	८	म	४६	३८	सि	४६	५४	वि	२४	५२	४१	५२	८	१३	२७	२७	सिंहे	भ.३५ या. उफायांरविः५१ हस्ते बुधः३९*
३०	र	४७	१७	पू	४३	४०	सा	४०	१०	च	१९	४२	३७	५३	७	१४	२८	२८	कं.५८।१०	लोहार्गलस्नानं पिठोरी ३० कुशाग्र.सतीपू.

२२पं. भा.कृ.७सू.इ.५१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	६	४	३	१	४
२०	२२	२९	२८	२२	२३	३	२१
४९	५४	४३	३९	२७	३५	४८	१६
४१	२९	२३	७	४७	१०	१	५९
५८	३९	००	८	७४	६	३	५८
१२	१८	५३	४८	३८	४४	११	१३

गोचरग्रहाः

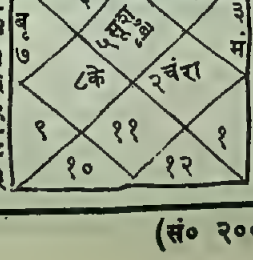

इस मास में बुध शुक्र का योग है सोवर्षा श्रेष्ठ होगी रुई सूत कपास धान्य चावल जौ गेहूँ मन्दा होगा।

गोचरग्रहाः

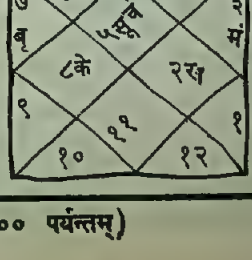

२३पं. भा.३० कृ.सू.इ.५१।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	५	३	१	४
२७	२७	११	२९	१	२४	३	२८
३८	१३	५६	४१	९	२४	२५	५
५	१२	३०	१३	२९	११	४५	२४
५८	३८	९७	९७	४	३	५८	
२९	३८	२८	३८	३८	३१	११	२६

*बुशशु

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५४६ स.१९४
१	चं	४३	२२	उ	४१	४१	शु	३४	४	किं	१५	२१	३०/३२	५/५४	६/६	१५	२९	२९	कन्यायां	वर्षा
२	मं	४०	२३	ह	४०	५	शु	२८	४६	बा	११	५२	२८	५४	६	१६	३०	३०	कन्यायां	चंद्रद.विशाखायां४ बृश्चिकेच गुरुः४८।४
३	बु	३८	३३	चि	४०	१९	ब्र	२४	१७	तै	९	२८	२४	५५	५	१७	३१	१	तु.१०।१२	कन्यायामर्कः १६।४२ जिल्काद ११।३
४	गु	३७	५८	स्वा	४१	२०	ऐं	२०	५०	व	८	१५	२०	५६	४	१८	१	२	तुलायां	भ. ८।१५ उ. ३७।५८ या. गणेश ४
५	शु	३८	४४	वि	४३	४२	वै	१८	१४	ब	८	२१	१६	५७	३	१९	२	३	बृ.२८।७	कर्के भौमः ३४।१३ ऋषि ५
६	श	४०	३६	अ	४७	२१	वि	१६	४४	कौ	९	४०	१२	५८	२	२०	३	४	वृश्चिके	×कृत्तिकायां२ राहुःविशाखायां४केतुः३९/३८
७	र	४३	४०	ज्ये	५२	२	प्री	१६	१४	ग	१२	८	८	५८	२	२१	४	५	ध.५२।२	भ. ४३।४० उ. हस्ते शुक्रः ५७।२६
८	चं	४७	४९	मू	५७	४०	आ	१६	३८	वि	१५	४४	४	५९	१	२२	५	६	धनुषि	भ. १५।४४ या. चित्राया बुधः १।३२
९	मं	५२	३३	पू	६०	५	सौ	१७	३७	बा	२०	११	३०/००	६/००	६/००	२३	६	७	धनुषि	
१०	बु	५७	२९	पू	३	४८	शो	१८	५७	तै	२५	१	२९/५५	१	५/५९	२४	७	८	म.२०।२३	पुष्ये भौमः ४८।५३
११	गु	६०	०	उ	१०	८	अ	२०	३२	व	२९	५९	५१	२	५८	२५	८	९	मकरे	भ. २९।५९ उ. जलझूलनी ११ ब्र. स्मा.
११	शु	२	३०	श्र	१६	२२	सु	२१	४७	वि	२	३०	४६	३	५७	२६	९	१०	कु.४९।१६	भ.३२/३० या. तुलायां बुधः ३३/३६ जलझूलनी
१२	श	७	१	ध	२२	१०	धृ	२२	४०	बा	७	१	४२	४	५६	२७	१०	११	कुम्भे	हस्तेरविः २९/१० पश्चिमोदयीशुक्रः ४२/० प्रदोष
१३	र	१०	४४	श	२७	२	शू	२२	५०	तै	१०	४४	३८	४	५६	२८	११	१२	कुम्भे	शतभे वर्षा +११ वै.नि. वामनजयंती
१४	चं	१३	२७	पू	३१	११	गं	२२	१६	व	१३	२७	३४	५	५५	२९	१२	१३	मी१५।१	भ.१३/२७ उ.४४/१२ या. अनंत १४ प.उ.शु.
१५	मं	१४	५८	उ	३३	३२	वृ	२०	३५	ब	१४	५८	३०	६	५४	३०	१३	१४	मीने	महालयारंभः प्रौष्ठपदी १५

२४पं.भा.शु.७सू.इ.५०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	७	५	३	१	५
४	१	२३	०	९	२५	३	४
२८	२६	३	४८	५१	११	३	५५
१०	५३	५४	४०	५४	१०	३०	१६
५८	३८	९१	१०	७४	६	३	५८
४५	८	२	२२	३२	१६	११	३८

गोचरग्रहाः

७ ५ ८ के बृ ६सूशुबु श मं ४ ९चं ३ १० १२ रा २ ११ १

भाद्रपद शुक्ला ३ बुधे कन्यायामर्कः प्र.वा.४न.५प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रा.पूर्व.।

गोचरग्रहाः

७बु ५ के ८ बृ ६सूशु ४ मंश ९ ३ १० १२ रा २ ११चं १

२५पं.भा.शु.१३सू.इ.५०।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा
५	३	६	७	५	३	१
११	५	३	२	१८	२५	२
२०	३४	१९	०	३४	५५	४१
१६	४१	२३	५८	४८	१९	१४
५९	३७	८६	१०	७४	५	३
०	२२	१५	५९	३२	५०	११

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१५	१२	रे	३५	१	ध्रु	१८	३	कौ	१५	१२	२९/२६	६/७	५/५३	१	१४	१५	मे.३५।१	अक्टूबर मा.१० ता.३१ स्वात्यां बुधः
२	गु	१४	२	अ	३५	१९	व्या	१४	०	ग	१४	२	२२	८	५२	२	१५	१६	मेषे	भ. ४२।५२ उ. चित्रायां शुक्रः ३८।५२
३	शु	११	४२	भ	३४	१७	ह	९	४६	वि	११	४२	१८	८	५२	३	१६	१७	बृ.४८।४४	भ. ११।४२ या. चतुर्थी ब्र.
४	श	८	२३	कृ	३२	६	व	४/१८	५३/४१	बा	८	२३	१४	९	५१	४	१७	१८	बृषे	
५	र	४	१०	रो	२९	७	व्य	५१	१०	तै	४	१०	१०	१०	५०	५	८१	१९	मि५७।३४	भ. ५९।१३ उ.
६	र	५५	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	चं	५३	४०	मृ	२६	२	व	४३	५४	वि	२६	२६	६	११	४९	६	१९	२०	मिथुने	भ.२६/२६ या. मैत्रे१ गुरु ५२/५१ सार्पे४शनिः
८	मं	४८	०	आ	२२	१७	प	३६	१२	बा	२०	५३	२	१२	४८	७	२०	२१	मिथुने	
९	बु	४१	५४	पु	१८	४५	शि	२८	३०	तै	१४	५७	२८/५८	१२	४८	८	२१	२२	क. ४।८	तुलायांशुक्रः१।५ सौभाग्यवतीनांश्रा.मातृ
१०	गु	३५	५६	पु	१३	५६	सि	२०	४५	व	८	५५	५४	१३	४७	९	२२	२३	कर्के	भ. ८।५५ उ. ३५।५६ या.
११	शु	३०	१२	श्ले	१०	३	सा	१३	४	ब	३	४	५०	१४	४६	१०	२३	२४	सिं१०।३	चित्रायां रविः ५९।४७ इंदिरा ११ ब्र.
१२	श	२४	५०	म	६	२६	शु	५/४४	५३/५	तै	२४	५०	४६	१५	४५	११	२४	२५	सिंहे	प्रदोषः
१३	र	२०	३	पू	३	१७	ब्र	५२	२९	व	२०	३	४२	१६	४४	१२	२५	२६	कं.१७।४४	भ.२०।३ उ.४८।८या. विशाखायांबुधः
१४	चं	१६	१३	उ	१/४	५८/४५	ऐं	४६	५५	श	१६	१३	३८	१६	४४	१३	२६	२७	कन्यायां	स्वात्यां शुक्रः २१।२६
३०	मं	१३	२०	चि	५९	९	वै	४२	८	ना	१३	२०	३४	१७	४३	१४	२७	२८	तु.२९।१९	सर्वपितृ ३०

२६पं.आ.कृ.५सू.इ.५०।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	७	५	३	१	५
१८	९	१२	३	२७	२६	२	१८
१४	३६	३७	१७	१८	३७	१८	४०
५	४३	३७	३८	४	१	५९	१२
५९	३६	८०	११	७४	५	३	५९
१६	४२	३४	३७	२९	२६	११	९

गोचरग्रहाः

७बु ५ के ८ बृ ६सूशु श मं ४ ९ ३ १० १२ रा २ चं ११ १

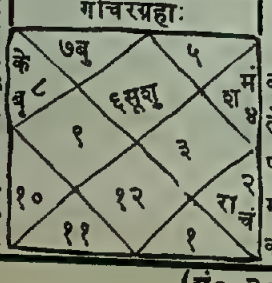

इस मास में पांच बुधवार रसकस की तेजी व्यापार में फेर फार अधिक, शनि मंगल का योग है सो कहीं उपद्रव होगा।

गोचरग्रहाः

५ ८ बृ के ६सूच मं ४ श ९ ३ १० १२ रा २ ११ १

२७पं.आ.कृ.१३सू.इ.५०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा
५	३	६	७	६	३	१
२५	१३	२०	४	६	२७	१
९	३१	३८	३८	१	१५	५६
४७	३४	४९	६	३४	७	४४
५९	३५	७०	१२	७४	४	३
३१	५४	४८	१४	२६	५८	११

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः ४५७६ स. १९४७
१	बु	११	३३	स्वा	५९	५५	वि	३८	४५	ब	११	३३	३८	६	५					
२	गु	११	४	वि	६०	०	प्री	३५	३४	को	११	४	२६	१८	४३	१५	२८	२९	तुलायां	नवरात्रारंभः घटस्था.
३	शु	११	५२	वि	१	३९	आ	३३	४४	ग	११	५२	२२	१९	४१	१६	२९	३०	बृ. ४६।१३	चन्द्रद.
४	श	१२	५५	अ	५	२०	सौ	३२	५४	वि	१२	५५	१८	२०	४०	१७	३०	१	बृश्चिके	भ. ४३ उ. तुलायामर्कः ३३ जिल्हेज १२
५	र	१६	५८	ज्ये	९	४४	शो	३२	५९	बा	१६	५८	१४	२१	३९	१९	२	३	बृश्चिके	भ. १२।५५ या. सार्पे भौमः ४१।५३
६	चं	२१	१२	मू	१५	११	अ	३३	४४	तै	२१	१२	१०	२२	३८	२०	३	४	धनुषि	
७	मं	२६	१	पू	२१	२	सु	३४	५०	व	२६	१	६	२३	३७	२१	४	५	म. ३७।४०	सरस्वत्यांवाहनं
८	बु	३१	४	उ	२७	३३	धृ	३६	१९	ब	३१	४	२	२४	३६	२२	५	६	मकरे	भ. २६।१ उ. ५८।३३ या.
९	गु	३६	१०	श्र	३३	५७	शू	३७	४४	बा	३	३७	२७	२४	३६	२३	६	७	मकरे	मैत्रे २ गुरुः ५३।१९ दुर्गा पू.
१०	शु	४०	४७	ध	३९	४६	ग	३८	३१	तै	८	२९	५४	२५	३५	२४	७	८	कु. ६।५१	सरस्वतीविसर्जनं ×बौद्ध ज. विजया १०
११	श	४४	३२	श	४५	७	वृ	३८	४८	व	१२	३९	५०	२६	३४	२५	८	९	कुम्भे	स्वात्यां रविः ३३ विशाखायां शुक्रः १३×
१२	र	४७	१८	पू	४९	१०	ध्रु	३८	२२	ब	१५	५५	४६	२७	३३	२६	९	१०	मी ३३।९	भ. ३९ उ. ४४ या. पापांकुशा ११ ब्र.
१३	चं	४८	५६	उ	५२	१५	ष्या	३६	५६	को	१८	७	४२	२८	३२	२७	१०	११	मीने	
१४	मं	४९	१६	रे	५३	३०	ह	३४	४५	ग	१९	६	३८	२८	३२	२८	११	१२	मे. ५३।३०	वक्री बुधः २०।७ प्रदोषः
१५	बु	४८	११	अ	५४	१६	व	३१	८	वि	१८	४४	३५	२९	३१	२९	१२	१३	मेषे	भ. ४९।१६ उ. ●व्रतं का. स्ना. प्रा. भ. १८।४४ या. शरत् १५ कोजागरी●

२८पं. आ.शु.५सू.इ.५०।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	७	६	३	१	६
२	१७	२६	६	१४	२७	१	२
७	१९	३३	१	४६	४९	३४	३१
१६	५५	११	५२	१९	४८	२८	३७
५९	३५	५२	१२	७४	४	३	५९
४६	१	९	३०	२६	३७	११	३४

गोचरग्रहाः

आश्विन शु. ३शुक्रे तुलायामर्कः प्र.वा. ३न.४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चि. ।

गोचरग्रहाः

२९पं. आ.शु.१२सू.इ.५०।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	७	६	३	१	६
९	२०	२८	७	२३	२८	१	९
६	५८	२४	२५	३०	२०	१२	२९
३९	१२	१८	२६	२९	१७	१३	५६
६०	३४	५	१२	७४	३	३	५९
२	०	५२	५६	२०	५६	११	४७

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतौ रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	गु	४५	५४	भ	५३	३१	सि	२६	४५	बा	१७	३	३७	६	५	३०	१३	१४	मेषे	
२	शु	४२	३७	कृ	५१	४४	व्य	२१	२४	तै	१४	१४	२७	३१	२९	३१	१४	१५	बृ. ८।४	पश्चिमास्तो बुधः २१।३४
३	श	३८	२९	रो	४९	६	व	१५	१७	व	१०	३३	२४	३१	२९	१	१५	१६	बृषे	भ. १३ उ. ३६ या. नवंबर मा. ११ ता. ३०=
४	र	३३	३७	मृ	४६	४४	प	८	२९	ब	६	३	२०	३२	२८	२	१६	१७	मि १७।५५	
५	चं	२८	१०	आ	४२	३	शि	१८	५३	को	०	५३	१७	३३	२७	३	१७	१८	मिथुने	मैत्रे शुक्रः ३३ =बृश्चिके शुक्रः १ करक ४
६	मं	२२	२६	पु	३८	०	सा	४५	५७	व	२२	२६	१३	३३	२७	४	१८	१९	क. २४।१	भ. २२।२६ उ. ४९।२९ या.
७	बु	१६	३२	पु	३३	५३	शु	३८	६	ब	१६	३२	१०	३४	२६	५	१९	२०	कर्के	वक्री स्वात्यां बुधः ३४।३५ होई ८
८	गु	१०	३६	श्ले	२९	५४	शु	३०	२५	को	१०	३६	६	३५	२५	६	२०	२१	सिं २९।५४	विशाखायां रविः ४०।५६
९	शु	४	३८	म	२६	९	ब्र	२२	५३	ग	४	३८	३	३५	२५	७	२१	२२	सिंहे	भ. १२ उ. ५३ या. मैत्रे ३ गुरुः ४२।५७
१०	शु	५५	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	श	५५	३	पू	२३	५५	ऐं	१५	४८	ब	२७	३३	२६	३६	२४	८	२२	२३	कं. ३८।१	रमा ११ ब्र. स्मा. वें.
१२	र	५१	०	उ	२०	२०	वै	९	१०	को	२३	५	५६	३७	२३	९	२३	२४	कन्यायां	रमा ११ ब्र. निम्बा. गोवत्स पू.
१३	चं	४८	३१	ह	१८	३१	वि	२०	४९	ग	१९	४९	५३	३८	२२	१०	२४	२५	तु. ४८।१४	भ. ४८।३१ उ. धन १३ यमदीपदानं
१४	मं	४६	५०	चि	१७	५८	आ	५४	१५	वि	१७	४०	४९	३८	२२	११	२५	२६	तुलायां	भ. १७।४० या. रूप १४ नरक १४
२०	बु	४६	२७	स्वा	१८	२६	सौ	५१	३	च	१६	३९	४६	३९	२१	१२	२६	२७	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

३०पं. का.कृ.४सू.इ.४९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	७	७	३	१	६
१६	२४	२३	८	२	२८	०	१६
७	३३	२९	५७	१४	४६	४९	२९
४३	५४	१३	२२	४६	१९	५८	४२
६०	३२	५६	१३	७४	३	३	६०
१८	३०	ब	१४	१७	२२	११	४

गोचरग्रहाः

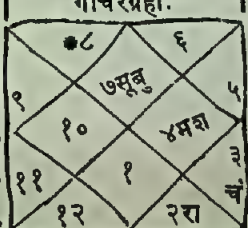

इस मास में पांच गुरु पांच शुक्र हैं सो प्रजा में सुख शांति होगी धान्य मंदा घृत तेल गुड़ खांड़ लाख तेज।

गोचरग्रहाः

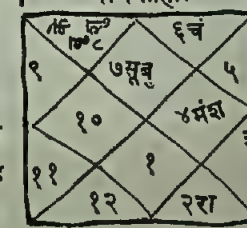

३१पं. का.कृ.१२सू.इ.४९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	७	७	३	१	६
२३	२७	१५	१८	१०	२९	०	२३
१०	४६	६	२८	५८	७	२७	३१
२१	२६	११	२३	४८	५२	४२	५
६०	३१	५०	१३	७४	२	३	६०
३०	८	ब	२६	८	३५	११	१७

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	गु ४७।२३	वि	२०	२	शो	४८	४५	कि
२	शु ४९।२७	अ	२३	११	अ	४७	३५	बा
३	श ५२।४४	ज्ये	२७	२७	सु	४७	१७	तै
४	र ५७।३	मू	३२	४१	धृ	४७	५२	व
५	चं ६०।०	पू	३८	३६	शू	४८	४६	ब
५	मं १।५७	उ	४४	५८	गं	५०	४	बा
६	बु ७।८	श्र	५१	२३	वृ	५१	२६	तै
७	गु १२।१९	ध	५७	२०	ध्रु	५२	२७	व
८	शु १६।५८	श	६०	०	व्या	५२	५२	ब
९	श २०।४८	श	२	४७	ह	५२	३९	कौ
१०	र २३।३५	पू	७	९	व	५१	२७	ग
११	चं २५।१२	उ	१०	२१	सि	४९	१७	वि
१२	मं २५।३१	रे	१२	१८	व्य	४६	६	बा
१३	बु २४।२७	अ	१३	६	व	४२	०	तै
१४	गु २२।११	भ	१२	४०	प	३६	५१	ब
१५	शु १८।५६	कृ	१०	५९	शि	३०	५५	ब

शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४६०५ स.१९४

अन्नकूटं व्यापारे सं० २००४
चंद्रद. मार्गी बुधः ३६ ज्येष्ठायां शुक्रः २०
मघायां सिंहे भौमः ३ मोहोर्रम १ स.१३६
भ. ५३ उ.५७।३या. वृश्चिकेऽर्कः ३५।१४
*यम २ भ्रातृ २ कलमदवात पू.
अस्तं गुरुः ३४ मेषेराहुः तुलायां केतुः ३३
अनुराधायां रविः ५३।२ अ. गु.
भ. १२।१९ उ. ४४।३८ या. गोपा ८

मैत्रे ४ गुरुः ४५ कुष्मांड ९ अक्षय ९
भ ५४।२३ उ.
भ. ३५ या. प्रबोधिनी ११ ब्र. तुलसी वि ×
विशाखायांबुधः १९।५९ धनुषिशुक्रः४।३४
वैकुण्ठ १४ ×पंच भीष्म ५ ताजिया
भ. २२।११ उ. ५०।३३ यां.
पुष्कर यात्रा का. स्ना. पू.

३२पं.का.शु.४ सू.इ.४९।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	७	७	३	१	७
०	०	१२	१२	१९	२९	०	०
१४	५२	३३	०	४३	२३	५	३३
२६	१९	१८	५८	३७	५३	२७	५०
६०	२९	३५	१३	७४	१	३	६०
४०	४६	मा	३२	२	५४	११	३०

गोचरग्रहाः

कार्तिक शु.४रवौ
वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.
३न.४वृद्धावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभावसम)
शुक्रोदयःपश्चिमे

गोचरग्रहाः

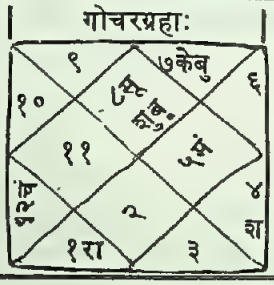

३३पं.का.शु.१०सू.इ.४९।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	७	७	३	०	७
७	३	१७	१३	२८	२९	२९	७
२०	४६	५३	३४	२७	३५	४३	३७
०	१२	३५	२६	१४	०१	११	४८
६०	२७	८३	१३	७३	१	३	६०
५३	४४	३८	३८	५६	१३	११	४९

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	श १४।४८	रो	८	३८	सि	२४	१८	कौ
२	र ९।५४	मृ	५	३८	सा	१७	७	ग
३	चं ४।३०	आ	४	५५	शु	९	३५	वि
४	चं ५४।२०	०	०	०	०	०	०	०
५	मं ५३।०	पु	५	४३	शु	४०	१४	कौ
६	बु ४७।१०	श्ले	४	३३	ऐं	४६	५	ग
७	गु ४१।३६	म	४	३८	वै	३८	२३	वि
८	शु ३६।३१	पू	४	२२	वि	३१	१०	बा
९	श ३१।५५	उ	३	३६	प्री	२४	२२	तै
१०	र २८।१७	ह	३	४१	आ	१८	९	व
११	चं २५।३६	चि	३	५२	सौ	१२	५४	बा
१२	मं २४।३	स्वा	३	४	शो	८	२६	तै
१३	बु २३।४६	वि	३	३५	अ	४	५६	व
१४	गु २४।५४	अ	४	१७	सु	२	२२	श
२०	शु २७।६	ज्ये	४	१३	धृ	०	४५	ना

शरदृतू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्रा

भ. ३७।१० उ.
भ. ४।३० या. दिसम्बर मा.१२ ता.३१+
क्षयः +चतुर्थी ब्र.
बृश्चिके बुधः ३८।५८
भ. ४७।१० उ. ज्येष्ठायां रविः ०।१
भ. १४।२३ या.
मैत्रे बुधः ३४ पूषायां शुक्रः ३३ वक्री शनिः ५३

भ.०।६उ.३९या. ज्येष्ठायां१ गुरुः३६।७
उत्पत्ति ११ ब्र.
पूर्वास्तो बुधः ४२।१३ प्रदोषः
भ. २३।४६ उ. ५४।२० या.

३४पं. मा.कृ.२सू.इ.४९।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	७	८	३	०	७
१४	६	२७	१५	७	२९	२९	१४
२६	२१	३	८	११	४१	२०	४३
४५	५४	५८	४६	१३	१३	५६	८
६१	२५	९६	१३	७३	०	३	६०
३	२७	७	३८	५०	२६	११	५०

गोचरग्रहाः

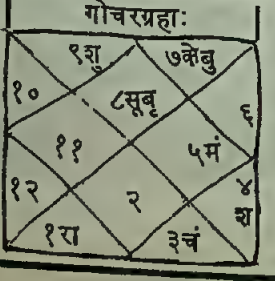

इस मास में ग्रह मध्यमहै रुई चांदी खांड गुड़ हरिद्रा पीत वस्त्र सोना मंदा होगा प्रजा में विग्रह हो।

गोचरग्रहाः

३५पं. मा.कृ.१०सू.इ.४८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	७	८	३	०	७
२१	८	७	१६	१५	२९	२८	२१
३४	३९	२२	४२	५४	४१	२८	४९
३२	३२	४१	५४	३२	२८	४१	२३
६१	२२	९८	१३	७३	१	३	६०
११	५५	१७	३८	४७	ब	११	५९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *मंबुशुके

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४६३५ स. १९४७
१	श	३०	३५	मू	५०	१८	शू	०	११	ब	३०	३५	३५	५	५	१३	२७	२९	धनुषि	उदयं गुरोः ४८।० ज्येष्ठाया बुधः ५२।७
२	र	३४	५९	पू	५६	१०	गं	०	२६	बा	२	४७	३८	५२	८	१४	२८	३०	धनुषि	चंद्रद. उ. गु.
३	चं	३९	५९	उ	६०	०	वृ	१	१७	तै	७	२९	३८	५२	८	१५	२९	१	म.१२।४४	सफर २
४	मं	४५	१०	उ	२	२५	ध्रु	२	२८	व	१२	३४	३७	५३	७	१६	३०	२	मकरे	भ.१२।३४ उ.४५ या. धनुष्यर्कः ३।४६*
५	बु	५०	१९	श्र	८	४४	ध्या	३	४९	ब	१७	४४	३७	५३	७	१७	१	३	कुं.४१।५१	नाग ५ *उषायां शुक्रः २८।३२
६	गु	५५	७	ध	१४	५८	ह	५	१	कौ	२२	४३	३७	५३	७	१८	२	४	कुम्भे	चंपा ६ स्कंद ६
७	शु	५८	५०	श	२०	३५	व	५	२०	ग	२६	५९	३६	५३	७	१९	३	५	कुम्भे	भ. ५८।५० उ. मकरे शुक्रः ६।४
८	श	६०	०	पू	२५	७	सि	५	२८	वि	३०	१२	३६	५३	७	२०	४	६	मी८।५९	भ. ३०।१२ या.
८	र	१	३४	उ	२८	४०	व्य	४	३७	ब	१	३४	३६	५३	७	२१	५	७	मीने	
९	चं	३	६	रे	३१	६	व	४०	५७	कौ	३	६	३६	५३	७	२२	६	८	मे.३१।६	धनुषि बुधः ३५ ज्येष्ठायां २ गुरुः ३३।३×
१०	मं	३	२४	अ	३१	५७	शि	५५	५६	ग	३	१४	३६	५३	७	२३	७	९	मेषे	भ. ३२।५१ उ. ×उत्तरायण प्रवृत्तिः ३७ १२
११	बु	२	१८	भ	३१	४७	सि	५१	५	वि	२	१८	३७	५३	७	२४	८	१०	बृ.४६।२७	भ. २।१८ या. मोक्षदा ११ ब्र.
१२	बु	५७	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	गु	५६	४८	कृ	३०	२६	सा	४५	२८	कौ	२८	२४	३७	५३	७	२५	९	११	बृषे	प्रदोषः पातस्पर्शः ५०।११
१४	शु	५२	९	रो	२८	११	शु	३८	५६	ग	२४	४३	३७	५३	७	२६	१०	१२	मि५६।३८	भ. ५२।३९ उ. पातमोक्षः ३।५५
१५	श	४७	४३	मृ	२५	६	शु	३१	५८	वि	२०	११	३८	५३	७	२७	११	१३	मिथुने	भ. २०।११ या. श्रवणे शुक्रः १०।३०

३६पं.मा.शु.२सू.इ.४८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	७	८	३	०	७
२८	१०	१८	१८	२४	२९	२८	२८
४३	३४	१२	१६	३७	३६	३६	५६
१६	८	५८	५५	२३	११	२५	१०
६१	१९	९८	१३	७३	३	३	६१
१९	३३	३७	३२	४१	व	११	०

गोचरग्रहाः

मार्ग. शु.४ भौमे धनुष्यर्कः प्र. वा. ३न.३ प्रगल्भावस्था [बैठी] मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

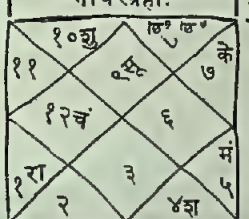

३७पं.मा.शु.सू ९.इ.४८।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	७	९	३	०	८
५	१२	२८	१९	३	२०	२८	६
५२	४	५६	५०	१८	२५	१४	३
४२	१९	१०	२	५०	२६	०	४०
६१	१५	९८	१३	७३	४	३	६१
२२	५६	३०	२६	२६	ब	११	५

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	४२	२१	आ	२१	३९	ब्र	२४	३२	बा	१५	२	३८	५२	८	२८	१२	१४	मिथुने	
२	चं	३९	४०	पु	१७	४२	ऐं	१६	५१	तै	९	३०	३९	५२	८	२९	१३	१५	क.३।४१	पूषायां रविः ५।२३
३	मं	३०	४८	पु	१३	३८	वै	९	०	व	३	४४	३९	५२	८	३०	१४	१६	कर्के	भ.३।४४ उ.३८ या. पूषायांबुधः ४४।३१*
४	बु	२५	१	श्लै	९	२९	वि	१०	५५	बा	२५	१	४०	५२	८	३१	१५	१७	सिं९।२९	
५	गु	१९	२८	म	५	३४	आ	४६	३	तै	१९	२८	४१	५२	८	१	१६	१८	सिंहे	जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९४८
६	शु	१४	२५	पू	१९	५६	सौ	३९	३	व	१४	२५	४२	५२	८	२	१७	१९	कं.१६।२६	भ.१५ उ.४२।१३ या. पूषायां भौमः ४३ ५२
७	श	१०	२	ह	५६	१०	शो	३२	३८	ब	१०	२	४३	५१	९	३	१८	२०	कन्यायां	
८	र	६	२८	चि	५६	१८	अ	२७	१	कौ	६	२८	४४	५१	९	४	१९	२१	तु.२६।४४	
९	चं	३	५७	स्वा	५५	५९	सु	२२	१६	ग	३	५७	४५	५१	९	५	२०	२२	तुलायां	भ. ३३।१३ उ. *चतुर्थी ब्र.
१०	मं	२	२९	वि	५७	९	धृ	१८	३०	वि	२	२९	४७	५१	९	६	२१	२३	वृ.४१।५२	भ.२।२९ या. ज्येष्ठायां ३ गुरुः ५८।४०
११	बु	२	१९	अ	५९	३३	शू	१५	३५	बा	२	१९	४८	५०	१०	७	२२	२४	वृश्चिके	धनिष्ठायां शुक्रः ०।२७ सफला ११ ब्र.
१२	गु	३	३४	ज्ये	६०	०	गं	१३	४२	तै	३	३४	५०	५०	१०	८	२३	२५	वृश्चिके	उषायां बुधः ३१ पातस्पर्शः ३१ ४८ पा.मो. ५१ ९ ×
१३	शु	५	४९	ज्ये	३	१९	वृ	१२	५४	व	५	४९	५२	५०	१०	९	२४	२६	व.३।१९	भ.५।४९ उ.४० या. वक्री भौमः ५१।४७
१४	श	९	३२	मू	८	६	ध्रु	१२	५२	श	९	३२	५४	४९	११	१०	२५	२७	धनुषि	मकरे बुधः १५।५६ ×प्रदोषः
३०	र	१४	१	पू	१३	५०	ध्या	१३	३१	ना	१४	१	५६	४९	११	११	२६	२८	म.३०।२३	उषायां रविः ६।५१

३८पं. पौ.कृ.१सू.इ.४८।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	७	९	३	०	८
१३	१३	१०	२१	११	२९	२७	१३
२	३	७	२१	५९	९	५१	११
३५	७	३७	५४	३५	४०	५५	३८
६१	१०	९९	५०	७३	१३	३	६१
२६	५२	२४	ब	३५	ब	११	६

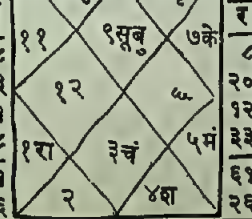

३९पं. पौ.कृ.८सू.इ.४८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	७	९	३	०	८
२०	१३	२१	२२	२०	२८	२७	२०
१२	२९	१२	५१	३९	४५	२९	१९
३३	४९	११	५४	०	१६	३९	४४
६१	४	९८	१२	७३	५	३	६१
२६	४४	५३	५६	६	ब	११	६

४०पं.पौ.कृ.३०सू.इ.४८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	७	९	३	०	८
२७	१३	२	२४	२९	२८	२७	२७
२२	२३	४२	१९	१६	२४	७	२७
२३	३१	२२	३७	१९	३६	२४	४७
६१	४	५०	१२	७२	४	३	६१
२४	ब	३०	३२	५०	ब	११	६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६६५सन्१९४८
१	चं १९ ३ उ २० ४ ह १४ ४० ब १९ ३ २५	६	५	१२	२७	२९		मकरे	कुंभे शुक्रः २४।१५
२	मं २४ २१ श्र २६ २७ व १५ ४६ कौ २४ २१ २६	४८	१२	१३	२८	३०		कु.५९।३४	चन्द्रद. वक्री मघायां भौमः ४४।२५
३	बु २९ २७ ध ३२ ४२ सि १७ ४ ग २९ २७ ३	४७	१३	१४	२९	१		कुम्भे	मकरेऽर्कः २२।१८ रविलावल ३
४	गु ३४ ७ श ३८ ५० व्य १७ ५५ व १ ४७ ५	४७	१३	१५	१	२		कुम्भे	भ. १।४७ उ. ३४।७ या.
५	शु ३७ ५० पू ४३ २० व १८ ६ ब ५ ५९ ८	४६	१४	१६	२	३		मी२७।१३	श्रवणे बुधः २०।४१
६	श ४० ३२ उ ४७ १३ प १७ ३४ कौ ९ ११ १०	४६	१४	१७	३	४		मीने	शते शुक्रः ४८।२२
७	र ४१ ५९ रे ४९ १४ शि १५ ५१ ग ११ १६ १२	४६	१४	१८	४	५		मे.४९।१४	भ. ४१।५९ उ.
८	चं ४२ ८ अ ५१ २ सि १३ २९ वि १२ ३ १४	४५	१५	१९	५	६		मेषे	भ. १२।३ या. *विशाखायां२ केतुः३५
९	मं ४० ५८ भ ५२ १४ सा ९ ५५ बा ११ ३३ १७	४५	१५	२०	६	७		मेषे	अभि. प्र. रविः ५३।३५ भरण्यां ४ राहु ४
१०	बु ३८ ३६ कृ ५० ८ शु ५ ३६ तै ९ ४७ १९	४४	१६	२१	७	८		वृ. ६।४२	पातस्पर्शः १४।५१ पातमोक्षः ३०।२७
११	गु ३५ १६ रो ४८ १४ शु ० ५३ व ६ ५६ २१	४४	१६	२२	८	९		बृषे	भ. ६।५६ उ. ३५।१६ या. पुत्रदा११ब्र.
१२	शु ३१ ४ मृ ४५ १९ ऐं ४७ १० ब ३ १० २४	४३	१७	२३	९	१०		मि१६।४६	ज्येष्ठायां४गुरुः३३ पश्चिमोदयीबुधः४५
१३	श २६ २ आ ४१ ५२ वै ३९ ५६ तै २६ २ २७	४३	१७	२४	१०	११		मिथुने	श्रवणे रविः५९ धनिष्ठायांबुधः१३ प्रदोषः
१४	र २० ३५ पु ३८ ५ वि ३२ १५ व २० ३५ ३०	४२	१८	२५	११	१२		क.२४।१	भ.३९ उ.४७ या. अभि.नि. रविः१।५१
१५	चं १४ ५४ पु ३३ ५९ प्री २४ २७ ब १४ ५४ ३३	४१	१९	२६	१२	१३		कर्के	माघस्नानारंभः

४१पं.पौ.शु.७सू.इ.४८।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	७	१०	३	०	९
४	१२	१४	२५	७	२७	२६	४
२१	४७	२८	४४	५२	५६	४५	३५
५१	६	१६	३८	२३	२	८	३८
६१	१०	०	१२	७२	४	३	६१
१९	ब	५	१४	३२	ब	११	३

गोचरग्रहाः

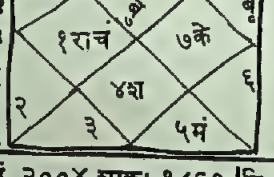

पौष शु. ३ बुध
मकरेऽर्कः प्र.वा.२
न. २ प्रौढावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

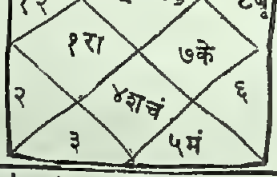

४२पं.पौ.शु.१४सू.इ.४८।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	७	१०	३	०	९
११	११	२६	२७	१६	२७	२६	११
४०	२३	१४	६	२५	२५	२२	४०
४३	५६	२०	४	४१	१५	३	४३
६१	२८	९	११	७२	४	३	६१
१३	ब	४	२८	११	ब	११	५९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्र
१	मं ९ २ श्रे २९ ४९ आ १६ ४० कौ ९ २ ३६	६	५	२७	१३	१४		सिं२९।४९	कुंभे बुधः ५३।३५
२	बु ३ १८ म २५ ५४ सौ ८ ५४ ग ३ १८ ३९	४०	२०	२८	१४	१५		सिंहे	भ.३९ उ.५४ या. पूभायां शुक्रः ४६।२६
३	बु ५४ २६ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०		०	क्षयः *शते बुधः ४२।४४ रथ ७
४	गु ५२ ५० पू २२ १७ शो २२ ५३ ब २५ १७ ४२	४०	२०	२९	१५	१६		कं.३६।३३	चतुर्थी ब्र.
५	शु ४८ २७ उ १९ २३ सु ४६ ४२ कौ २० ३८ ४५	३९	२१	३०	१६	१७		कन्यायां	
६	श ४५ ३ ह १७ ११ धृ ४१ ५७ ग १६ ४५ ४८	३८	२२	३१	१७	१८		तु.४६।२२	भ. ४५।३ उ.
७	र ४२ ३३ चि १५ ३४ शू ३६ ४९ वि १३ ४८ ५२	३८	२२	१	१८	१९		तुलायां	भ. १३।४८ या. फरवरी मा. २ ता. २९
८	चं ४१ १२ स्वा १५ २४ गं ३१ ४७ बा ११ ५२ ५५	३७	२३	२	१९	२०		तुलायां	पातस्पर्शः २६।५९ पातमोक्षः ४०।२१
९	मं ४१ २७ वि १६ १७ वृ २९ २३ तै ११ १४ ५९	३६	२४	३	२०	२१		बृ. १।३	
१०	बु ४२ २६ अ १८ २६ ध्रु २७ १९ व ११ ५१ २७	३६	२४	४	२१	२२		वृश्चिके	भ.११ उ.३३ या. वक्रीसार्पे३ शनिः२०।९
११	गु ४४ ५४ ज्ये २१ ५८ ष्या २६ १३ ब १३ ४० ६	३५	२५	५	२२	२३		ध.२१।५८	मीने शुक्रः ५७।२८ षट्तिला ११ ब्र.
१२	शु ४८ ३५ मू २६ २५ ह २५ ५६ कौ १६ ४४ ९	३४	२६	६	२३	२४		धनुषि	धनिष्ठायां रविः १५।२७
१३	श ५३ ९ पू ३१ ५८ व २६ ५५ ग २० ५२ १३	३३	२७	७	२४	२५		म.४८।३१	भ. ५३।९ उ. प्रदोषः
१४	र ५८ १२ उ ३८ ९ सि २७ २५ वि २५ ४१ १६	३३	२७	८	२५	२६		मकरे	भ. २५।४१ या. उभायां शुक्रः ४५।२३
१५	चं ६० ० श्र ४४ ३० व्य २८ ४० च ३० ४९ २०	३२	२८	९	२६	२७		मकरे	मौनी ३०
२०	मं ३ २६ ध ५० ५७ व २९ ५८ ना ३ २६ २३	३१	२९	१०	२७	२८		कुं.१७।४३	वक्री बुधः ३५।२५ धनुषि गुरुः ५४।५३

४३पं.मा.कृ.७सू.इ.४८।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१०	७	१०	३	०	९
१८	९	६	२८	२४	२६	२६	१८
४८	२८	४८	२४	५६	५१	०	४९
४३	४६	२५	३६	३१	४३	३५	२३
६१	२६	८८	१०	७१	३८	३	६०
४	ब	४७	५९	५९	ब	११	५५

गोचरग्रहाः

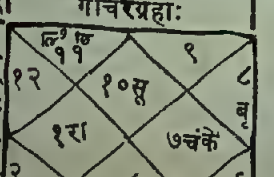

इस मास में वर्षा
होगी शीत अधिक
पड़ेगा रुई चांदी
पाट कुष्टा सूत
कपास अनाज गेहूँ
जौ चना तेज।

गोचरग्रहाः

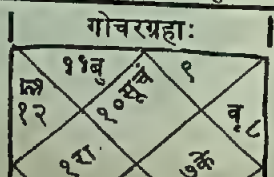

४४पं.मा.कृ.१४सू.इ.४८।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१०	७	११	३	०	९
२५	७	१२	२९	३	२६	२५	२५
५५	३४	५४	३८	२३	१७	३८	५५
३१	३४	५४	१७	४९	३८	२२	३३
६०	३३	२४	१०	७१	३०	३	६०
५५	ब	५५	१९	२८	ब	११	५५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४६९५ सन्१९४८
१	बु	८	२८	श	५७	२५	प	३१	१	ब	८	२८	३७	३१	२९	११	२८	२९	कुम्भे	चंद्रदर्शनम्
२	गु	१३	२	पू	६०	०	शि	३१	२८	को	१३	२	३१	३०	३०	१२	२९	१	मी४५।४६	कुंभेऽर्कः ४९।२३ रविलास्वर ४
३	शु	१६	४४	पू	१	५४	सि	३१	१३	ग	१६	४४	३४	२९	३१	१३	१	२	मीने	भ. ४८।० उ. पश्चिमास्तोबुधः ३८।३२*
४	श	१९	१६	उ	५	५८	सा	३०	०	वि	१९	१६	३८	२८	३२	१४	२	३	मीने	भ. १९।१६ या. *तिल ४
५	र	२०	३४	रे	८	५८	शु	२७	५४	बा	२०	३४	४२	२८	३२	१५	३	४	मि.८।५८	वसंत ५ श्री पंचमी
६	चं	२०	३४	अ	१०	१४	शु	२४	४०	तै	२०	३४	४६	२७	३३	१६	४	५	मेषे	पातस्पर्शः ३।१९ पातमोक्षः १४।४९
७	मं	१९	१८	भ	१०	५८	ब्र	१९	५६	व	१९	१८	५०	२६	३४	१७	५	६	बृ.२५।४५	भ. १९।१८ उ. ४८।२ या. भानु ७
८	बु	१६	४७	कृ	१०	६	ऐं	१५	३३	ब	१६	४७	५४	२५	३५	१८	६	७	बृषे	भीष्माष्टमी
९	गु	१३	१२	रो	८	१७	वै	९	४३	को	१३	१२	५८	२४	३६	१९	७	८	मि३६।५४	शतें रविः २४।४४ रेवत्यां शुक्रः५३।५१
१०	शु	८	५८	मृ	५	२१	वि	२९	३२	ग	८	५८	२९	२४	३६	२०	८	९	मियुने	भ.३६।२५उ. वक्री धनिष्ठायां बुधः ३°
११	श	३	५२	आ	२	२३	श्रा	४८	४०	वि	३	५२	६	२३	३७	२१	९	१०	क.४४।३२	भ. ३।५२ या. जया ११ ब्र. भीष्म १२
१२	श	५४	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	र	५२	३५	पु	५४	३५	सौ	४०	५६	को	२५	२९	१०	२२	३८	२२	१०	११	कर्के	प्रदोषः
१४	चं	४६	४३	श्ले	५०	२६	शो	३३	१२	ग	१९	३९	१४	२१	३९	२३	११	१२	सिं५०।५६	भ. ४६।४३
१५	मं	४१	४	म	४६	३४	अ	२५	२८	वि	१३	५३	१८	२०	४०	२४	१२	१३	सिंहे	भ. १३।५३ या. माघस्नान पूर्ति

४५पं.मा.शु.५ र.इ.४८।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	८	११	३	०	१०
३	५	११	०	११	२५	२५	३०
१	२२	२२	४६	४७	४३	१६	०
३३	२७	५९	५२	२०	३७	७	९
६०	३६	६६	९	७१	४८	३	६०
४२	ब	ब	३४	३	ब	११	३७

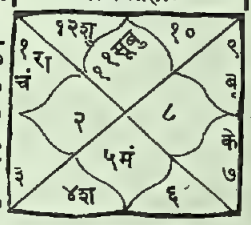

माघ शु. २ गुरौ कुंभेऽर्कः प्र. वा.२ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

४६पं.मा.शु.१३र.इ.४९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	८	११	३	०	१०
१०	३	४	१	२०	२५	२४	१०
६	५	१५	४९	५	१०	५३	३
५	१३	०	५२	२८	१६	५२	२८
६०	३५	६३	८	७०	२४	३	६०
३१	ब	ब	४३	२५	च	११	२५

ति.	फाल्गुण कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३५	२८	पू	४२	५०	सु	१९	४३	बा	८	१६	३६	२०	४०	२५	१३	१४	कं.५७।३	पूर्वोदयं बुधः २४।४४
२	गु	३०	२३	उ	३९	४१	धृ	१०	२८	तै	२	५५	२६	१९	४१	२६	१४	१५	कन्यायां	भ. ५८।१५ उ. वक्री मकरेबुधः ५३।२१
३	शु	२६	७	ह	३७	१४	शू	५५	५२	वि	२६	७	३०	१८	४२	२७	१५	१६	कन्यायां	भ. २६।७ या. चतुर्थी ब्र.
४	श	२२	४१	चि	३५	२९	वृ	५२	३८	बा	२२	४१	३४	१७	४३	२८	१६	१७	तु.६।२१	पातस्पर्शः १२।३१ पातमोक्षः २२।४६
५	र	२०	१५	स्वा	३५	७	ध्रु	४८	१५	तै	२०	१५	३८	१६	४४	२९	१७	१८	तुलायां	८
६	चं	१८	५४	वि	३५	४४	व्या	४४	४७	व	१८	५४	४२	१६	४४	१	१८	१९	बृ.२०।३४	भ. १८।५४ उ. ४८।५२ या. च
७	मं	१८	५०	अ	३७	४०	ह	४२	२१	ब	१८	५४	४६	१५	४५	२	१९	२०	बृश्चिके	मार्गी बुधः २६।९ मेषे शुक्रः १६।११×
८	बु	२०	१४	ज्ये	४०	४८	व	४०	३६	को	२०	५०	५०	१४	४६	३	२०	२१	ध.४०।४८	पूभायां रविः ३९।३२ सीता ८
९	गु	२२	४७	मू	४५	२१	सि	४०	२९	ग	२०	१४	५४	१३	४७	४	२१	२२	धनुषि	भ. ५४।३९ उ.
१०	शु	२६	३१	पू	५०	२५	व्य	४०	४६	वि	२६	४७	५८	१२	४८	५	२२	२३	धनुषि	भ. २६।३१ या. मूले २ गुरुः १४।७
११	श	३१	१	उ	५६	२२	व	४२	१	बा	३१	३१	२९	१२	४८	६	२३	२४	म.६।५४	विजया ११ ब्र. ×वक्री कर्के भौमः३६
१२	र	३५	५९	श्र	६०	०	प	४२	५९	को	३	३०	६	११	४९	७	२४	२५	मकरे	३४
१३	चं	४१	१२	श्र	२	५०	शि	४४	२०	ग	८	३५	१०	१०	५०	८	२५	२६	कु.३५।५२	भ. ४१।१२ उ. प्रदोषः
१४	मं	४६	७	ध	८	५५	सि	४५	२९	वि	१३	३९	१४	९	५१	९	२६	२७	कुम्भे	भ. १३।३९ या. कुंभे बुधः १४।५९=
२०	बु	५०	३५	श	१५	२०	सा	४६	१७	च	१८	२१	१९	८	५२	१०	२७	२८	कुम्भे	अमावस्या =महाशिवरात्री व्रतं

४७पं.फा.कृ.५ र.इ ४९।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	९	८	११	३	०	१०
१७	०	२९	२	२८	२४	२४	१७
८	५४	२	४७	१९	३८	३१	५
५४	१४	२४	१३	१२	५६	३६	५२
६०	३०	२४	७	६९	४४	३	६०
२०	ब	ब	४३	४०	ब	११	१२

इस मास में प्रजा में सुख शांति रुई सन कुष्ठा कपड़ा नील जायफल मंदा घृतादि ऐसे पदार्थ तेज।

४८पं.फा.कृ.१२र.इ.४९।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	८	०	३	०	१०
२४	२८	२९	३	६	२४	२४	२४
१०	५७	१८	३७	२६	१०	९	६
१६	२५	३२	१२	१७	१	२१	३४
६०	३३	३९	६	६८	३७	३	५९
५	ब	ब	३८	५२	ब	११	५८

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९										दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७२४ स. १९४८
१	गु	५४	७	पू	२०	४६	शु	४६	२४	किं	२२	२१	३३	६	५३	११	२८	२९	मी ४।२५	
२	शु	५६	३३	उ	२५	०	शु	४५	३३	बा	२५	२०	२८	६	५४	१२	२९	३०	मीने	चंद्रद. पातस्पर्शः ४०।१५ पातमोक्षः ५० ३६
३	श	५७	४०	रे	२८	१०	ब्र	४३	४०	तै	२७	७	३२	६	५४	१३	३०	१	मे. २८।१०	मीनेऽर्कः ३९।५० भरण्यां शुक्रः ५२।१३
४	र	५७	३२	अ	३०	६	ऐं	४०	५७	व	२७	३६	३६	५	५५	१४	१	२	मेषे	भ. २७।३६ उ. ५७।३२ या.
५	चं	५६	५	भ	३०	५४	वै	३७	१४	ब	२६	४८	४०	४	५६	१५	२	३	वृ. ४५।४५	
६	मं	५३	२७	कृ	३०	२०	वि	३२	२३	कौ	२४	४६	४४	३	५७	१६	३	४	बृषे	
७	बु	४९	५१	रो	२८	४३	प्री	२७	५	ग	२१	३९	४९	२	५८	१७	४	५	मि ५७।२६	भ. ४९।५१ उ. उभायां रविः ०।२८
८	गु	४५	२२	मृ	२६	१०	आ	२१	४०	वि	१७	३६	५३	१	५९	१८	५	६	मिथुने	भ. १७।३६ या. शते बुधः २१ होलाष्टक×
९	शु	४०	११	आ	२३	८	सौ	१३	५६	बा	१२	४७	५७	१	५९	१९	६	७	मिथुने	●राहुः विशाखायां केतुः २१।९
१०	श	३४	३५	पु	१९	२५	शो	३९	५९	तै	७	२३	३१	०	६	२०	७	८	क. ५।२०	
११	र	२८	४४	पु	१५	२६	सु	५१	२५	व	१	३९	६	५९	६	२१	८	९	कर्के	भ. १।३९ उ. २८।४४ या. आमलकी ११ व्र.
१२	चं	२२	५८	श्ले	११	१६	धृ	४३	४६	बा	२२	५८	१०	५८	२	२२	९	१०	सिं ११।१६	प्रदोषः ×होई ८
१३	मं	१६	५७	म	७	८	शू	३६	१०	तै	१६	५७	१४	५७	३	२३	१०	११	सिंहे	वक्री सर्पे २ शनिः १६।२५ भरण्यां ३०
१४	बु	११	२९	पू	३	३६	गं	२८	५५	व	११	२९	१८	५६	४	२४	११	१२	कं. १७।४६	भ ११।२९ उ. ३८।५६ या. होलिकादहनं
१५	गु	६	२४	उ	१६	५७	वृ	२२	४	ब	६	२४	२२	५६	४	२५	१२	१३	कन्यायां	कृतिकायां शुक्रः ५२।५१ छारेंड़ी

४९पं. फा.शु.४र.इ.५०।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	८	०	३	०	११
१	२७	३	४	१४	२३	२३	१
९	२२	४१	१८	२५	४४	४७	५
५८	३४	२	१८	२६	४२	५	४६
५९	१५	५०	५	६७	१३	३	५९
४९	ब	५१	३८	५५	ब	११	४१

गोचरग्रहाः

फाल्गुन शु. ३ शनौ मीनेऽर्के:प्र. वा.३ न.४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो.पश्चि.

गोचरग्रहाः

५०पं.फा.शु.११र.इ.५०।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	८	०	३	३	११
८	२६	१०	४	२२	२३	३३	८
७	१८	४२	५५	१५	२३	२४	३
५२	४७	२५	२३	४०	३८	५०	२९
५९	२२	७	६४	४	६६	३३	३५
३५	ब	३२	२७	४२	ब	११	२९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २००४ शाकः १८६९										दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	शु	२	२	चि	५५	१६	धृ	१५	४८	कौ	२	२	३९	५	५५	६	२६	१३	१४	तु. २६।३०	वसंत १ कलमदवात पूजा
२	शु	५६	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	श	५६	७	स्वा	५४	५८	व्या	१०	२२	व	२७	२१	३०	५४	०	६	२७	१४	१५	तुलायां	भ. २७।२२ उ. ५६।७ या.
४	र	५४	४७	वि	५५	२७	ह	५	५२	ब	२५	२७	३४	५३	७	२८	१५	१६	वृ. ४०।१९	बृषे शुक्रः ५६।२० चतुर्थी ब्र.
५	चं	५४	४०	अ	५७	८	व	१६	५६	कौ	२४	४६	३८	५२	८	२९	१६	१७	वृश्चिके	पूभायां बुधः ११।२७ मार्गीभौमः १०।५२
६	मं	५९	१	ज्ये	६०	०	व्य	५७	५२	ग	२५	२०	४२	५२	८	३०	१७	१८	वृश्चिके	भ. ५६।१ उ. रेवत्यां रविः २७।५६
७	बु	५८	३५	ज्ये	५	६	व	५७	१२	वि	२७	१८	४७	५१	९	३१	१८	१९	ध. ०।६	भ. २७।१८ या.
८	गु	६०	०	मू	४	६	प	५७	२१	बा	३०	२५	५१	५०	१०	१	१९	२०	धनुषि	शीतलापूजनं अप्रेल मा. ४ ता. ३०
८	शु	२	१६	पू	९	८	शि	५८	८	कौ	२	१६	५६	४९	११	२	२०	२१	म. २५।३७	
९	श	६	४३	उ	१५	६	सि	५९	२५	ग	६	४३	३१	४८	१२	३	२१	२२	मकरे	भ. ३९।१२ उ.
१०	र	११	४२	श्र	२१	२४	सा	६०	०	वि	११	४२	०	४७	१३	४	२२	२३	कुं. ५४।३७	भ. ११।४२ मीने बुधः ५४।३३
११	चं	१६	४४	ध	२७	५२	सा	१	८	बा	१६	४४	८	४६	१४	५	२३	२४	कुंभे	पापमोचनी ११ ब्र.
१२	मं	२१	५३	श	३४	५	शु	२	२२	तै	२१	५३	११	४६	१४	६	२४	२५	कुंभे	
१३	बु	२५	५७	पू	३९	४१	शु	३	१०	व	२५	५७	१५	४५	१५	७	२५	२६	मी २३।१७	भ. २५।५७ उ. ५७।३८ या. उभायां×
१४	गु	२९	१९	उ	४४	१२	ब्र	३	३३	श	२९	१९	१८	४४	१६	८	२६	२७	मीने	×बुधः १५।१२ रोहिण्यां शुक्रः २२।७
१५	शु	३१	३६	रे	४७	३६	ऐं	३	६	च	०	२८	२२	४४	१७	९	२७	२८	मि. ४७।३६	अहर्गणः ४७५३ च. ३ के.

५१पं. चै.कृ.४ र.इ.५०।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	८	०	३	०	११
१५	२५	१९	५	२९	२३	२३	१४
३	५१	३३	२२	५३	६	२	५९
५४	१८	५८	२६	५३	४७	३५	१८
५९	१२	७५	३	६५	५३	३	५९
१८	च	२२	१७	११	ब	११	१६

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में सुखशांति होगी। रुई में पहले मंदी बीच में तेजी होगी। घृत गुड़ खांड अलसी अनाज में घट बढ़ होकर मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

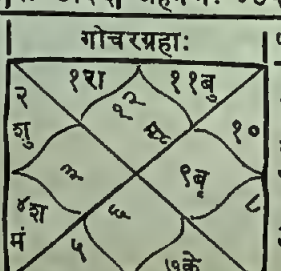

५२पं.चै.कृ.१०र.इ.५१।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	८	१	३	०	११
२१	२५	२९	५	७	२२	२२	२१
५८	५८	५५	४०	२०	५५	४०	५३
७	१९	१	२३	१०	१	१९	३१
५९	१६	८५	१	६३	१८	३	५९
४	मा	१९	४९	२९	ब	११	४

●चंराशु

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०४९ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०४९ भोग्यकलिः ४२६९५१ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दा सम्वत् २००५ शाकः १८७० अथास्मिन्वर्षे राजा शनिः । मंत्री भौमः । सस्येशः शुक्रः । धान्येशो बुधः । मेघेशश्चंद्रः । रसेशः शनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशोः रविः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चन्द्रः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णुंविंशतिकायां १५ प्लव नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत-मासादिः २।४।३८।२४ भोग्यमासादिः ९।२५।२१।३६ पितृ-दैवतंयुगम् । वर्षनाम ज्येष्ठः। मेघनाम आवर्तः। समय निवासो मालाकारगृहे(चड़स में) । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय विश्वा १८ । समय वाहनं महिषः । स्तम्भ २ वाय्वन्नयोः । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानु सप्तमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३९० । समय दिनानि ३५४। तिथि क्षयः१६ । तिथि वृद्धिः १० । उत्पत्ति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ११ । धान्य ९. तृण ५ । शीत५ तेज५।वायु१३। शनि दृष्टिर्दक्षिणे। वृद्धिः१५ । क्षयः १५। विग्रह११ ऐक्यं ८९ । सत्यं ।।.धर्म१।। पाप १८ । ग्रहणं१ सूर्यस्य भारते ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

मात भवानी अम्बिके आया सम्बत् पांच ।
कसा सम्बत् नीपजे मुख से कह दो सांच ।।१।।

भवानी उत्तर

सुन ले भैरव ध्यान से सम्बत्सर का हाल ।
धान्य घनेरा नीपजे जग में बढ़े बबाल ।।२।।

शनि राजा इस वर्ष में इनकी खोटी वान ।
मन्त्री मंगल साथ में करें जगत में हानि ।।३।।

चौमासे मघवा चढै मेघ चतुर्दश लार ।
जल वर्षे हर्षे प्रजा नदियां वहें अपार ।।४।।

शरद्दतु दक्षिण दिशा कहींक मांचे जंग ।
राजा प्रजा के राग से होय रंग में भंग ।।५।।

धर्म कर्म जप तप करें काज होय सब सिद्धि ।
जगदीश्वर के भजन से बढै चौगुनी रिद्धि ।।६।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ५।२७

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ०।१९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४६।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।७।६

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षेराजा शनिस्तत्फलम्-शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनाः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमंतिलोकाः क्षुधिताश्चदेशान् ॥ मंत्री भौमस्तत्फलम्-अवनिजे ननु मंत्रि पदं गते भवति दस्युगदादिज वेदनाः । जनपदेषु जगं सुखसंचयं न बहु गोषु पयो द्विजकर्म च ॥ सस्येशः शुक्रस्तत्फलम्-शुक्रोयदा धान्यपतिर्घरायां मेघोजलं वर्षति शोभनंप्रियम् । गोधूम शालेक्षुधन प्रियंगु वृक्षेषुपुष्पाणि सुखप्रदानि ॥ धान्येशो बुधस्तत्फलम्-बुधे धान्याधिपे मेघाः जलं मुंचन्ति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवांल्पं च वर्षति ॥ मेघेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-शशिनि तोपदपे यदि गो महिष्यजवरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धन धान्यवतीधरा विविध भोगवती ननु भामिनी ॥ रसेशः शनिस्तत्फलम्-रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्चपयोधराः । अजगवां गज वाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषु नरान्नरसैर्युता ॥ नीरसेशो गुरुस्तत्फलम्-हरिद्रापीत-वस्तूनां पीतवस्त्रादिकं च यत् । नीरसेशो यदाजीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ॥ फलेशो रविस्तत्फलम्-द्रुमवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोगविरोधितः । बहु जलं जलदो भुविमुञ्चतिक्वचिदपि प्रमितं फलपोरवि. ॥ धनेशो गुरुस्तत्फलम्-सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपराः सुखभाजनाः । फलित पुष्पितभूमिरूहाः सदा विविधद्रव्ययुता भुविमानवाः ॥ दुर्गेशचन्द्रस्तत्फ-गढपतिर्मृगलांछनको यदा नृपं सुराज्यविलासित पौरजाः । बहुधनेक्षुजगोरस भोगिनो नर वरा नर वर्णित विग्रहाः ॥ वर्षनाम ज्येष्ठस्तत्फलम्-तस्करैः पापरोगैर्वा पीड्यन्ते पीडयाजनाः । भ्रमंते स्वेच्छयाभूम्यां निर्द्रव्यं ज्येष्ठसंज्ञके ॥ प्लव नाम संवत्सर-स्तत्फलम्-प्लवाब्देनिखिला धात्री वृष्टिभिः प्लवसंनिभा । रोगकालेत्वितिभीतिः संपूर्णे वत्सरे भवेत् ॥ मेघनाम आवर्तस्तत्फ-आवर्ते छिन्न वृष्टिश्च । रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्-समुद्रे तु महावृष्टिः । समयनिवासो मालाकारगृहे तत्फलम्-मालिनः प्रचुरावृष्टिः ॥ एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २००५ शाके १८७० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला ४ भौमे मृगे ल. १२ रे. ८ ।।।।।ऽऽ५विधुत्।।
„ १३ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो. सोग्रांगः १२ (सप्तमेचंद्रः पूज्यः) रे. ८ ।।।।ऽरोऽ।।।

बैसाख मासः

कृष्णा ४ भौमे मूले ल.गो. सोग्रांगः १२ रे.७।।ऽबृ।शु।।ऽ।।
शुक्ला १ चंद्रे रोहि. ल.१२ रे.९।।ऽबु।।।।।।।।चंद्रबालत्यत्वं
„ २ भौमे मृगे ल. १२ अंश २२ या. रे.९ ।।।।।।ऽ।।
„ १० भौमे उफा. ल. गो. रे. ६ ऽमंऽ।।ऽनृपाऽ।।
„ ११ बुधे हस्ते ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।
„ १३ शुक्रे स्वा. ल. ऽन्यगो. रे. ८ ।ऽ।।।ऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ गुरौ उषा. ल. गो. रे.६ ।।।ऽबु।ऽनृ।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याभावः पाततोवेधाऽभावः
„ ९ भौमे उभा. ल. ऽन्यगो. रे. ८ ।।।।ऽरो।ऽ।
„ १० बुधे रेव. ल. ऽन्यगो. रे.७ ऽबु।।।।।ऽऽ। स्तंभ-रोपणं प्रातः

आषाढ मासः

शुक्ला ६ चंद्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽरोऽऽ।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा २ गुरौ मृगे ल. ४ रे. ९ ।।।।।ऽअग्नि।।।।
शुक्ला ८ गुरौ उभा. ल. ४ रे. ९ ।।।।।ऽ।।।।

माघ मासः

शुक्ला ४ बुधे उभा.ल.८। (शु.पू.) ९ रे. ७ ।।।।।ऽअऽऽ।।
„ ५ गुरौ रेव॰ ल. ८-९ रे. १० ।।।।।।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ भौमे उफा. ल, ८-९ रे. ९ ।।।।।ऽ।।।
„ ३ बुधे हस्ते ल. ९ रे. ७ ।।।।ऽनृ।ऽ। दग्धादोषः अत्यावश्यके.
„ ७ शनौ अनु. ल. ९ (व्याघात दो.) रे.७ ऽश।।।।।ऽऽ।
„ ९ चंद्रे मूले ल. ९ अं. ५ पश्चात् रे. ७ ऽशु।।।।ऽऽ।
अंत्रक्वचित्स्मृतिदृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४७५४स.१९४८
१	श	३२	३७	अ	४९	३३	वै	१५ १७	५७ ५२	किं	२	६	३१ २५	५ ४३	६ १७	१०	२८	२९	मेषे	नवरा. घटस्था. संवत्सरारंभः ध्वजा.
२	र	३२	२१	भ	५०	४९	प्री	५५	४२	बा	२	३४	२९	४२	१८	११	२९	३०	मेषे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	३०	४८	कृ	५०	३३	आ	५१	१८	तै	१	३५	३२	४२	१८	१२	३०	१	वृ.५।३५	भ. ५९।२६ उ. जमादिलाखर ६ मत्न्य*
४	मं	२८	४	रो	४९	१०	सौ	४६	१०	वि	२८	४	३६	४१	१९	१३	३१	२	वृषे	भ. २८।४ या. मेषेऽर्कः २।२८
५	बु	२४	२२	मृ	४७	३	शो	४०	८	बा	२४	२२	४०	४०	२०	१४	१	३	मि१८।६	रेवत्यां बुधः ५२।६ *जयंती गणगौ.
६	गु	१९	४८	आ	४४	१	अ	३३	४२	तै	१९	४८	४३	३९	२१	१५	२	४	मिथुने	वक्री गुरुः १५।१७
७	शु	१४	३२	पु	४०	२७	सु	२६	३७	व	१४	३२	४७	३९	२१	१६	३	५	क.२६।२१	भ. १४।३२ उ.४१।३९ या. मार्गी शनिः×
८	श	८	४७	पु	३६	३३	धृ	१९	१०	ब	८	४७	५१	३८	२२	१७	४	६	कर्के	राम ९ ×२६।१९ पूर्वास्तं बुधः५३।४६
९	र	२	५२	श्ले	३२	२८	शू	११	३७	कौ	२	५२	५४	३७	२३	१८	५	७	सिं३२।२८	
१०	र	५३	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः =४९।४१ कामदा ११ब्र. स्मा.
११	चं	५१	०	म	२८	२५	गं	३ ४९	५२ २७	व	२३	५५	५८	३६	२४	१९	६	८	सिंहे	भ. २३।५५ उ. ५१।० या. पातस्पर्शः=
१२	मं	४५	२३	पू	२४	३४	ध्रु	४८	४६	ब	१८	१२	३३	३६	२४	२०	७	९	कं.३८।४४	मृगे शुक्रः ५८।३६ पातस्पर्शः ०।४७+
१३	बु	४०	१२	उ	२१	१५	व्या	४२	६	कौ	१२	४७	६	३५	२५	२१	८	१०	कन्यायां	मेषेऽश्विन्यां बुधः ४७।९ प्रदोषः
१४	गु	३५	४८	ह	१८	२५	ह	३५	४३	ग	८	०	९	३४	२६	२२	९	११	तु.४७।२२	भ.३५।४८ उ. +कामदा११ब्र. वै. नि.
१५	शु	३२	१८	चि	१६	२०	व	३०	११	वि	४	३	१३	३३	२७	२३	१०	१२	तुलायां	भ. ४।३ या. हनुमज्ज. वै. स्ना. प्रा.

१पं. चै.शु.४मं.इ.६।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	८	१	३	०	०
०	२६	१३	५	१५	२२	२२	०
४	४८	४५	४९	४५	४५	१४	०
१६	२६	३२	२९	७	१८	३८	०
५८	१२	९९	०	६०	० १९	३	५८
४५	१३	२५	२६	४४	ब	११	४४

गोचरग्रहाः

२शुचं १२बु ११ ३ १सूरा ४मंश १० ५ ७के ९वृ ६ ८

चैत्र शु. ४ भौमे मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

२शु १२बु ३ १सूरा ११ ४मंश १० ९ चं ५ ७के बृ ६ ८

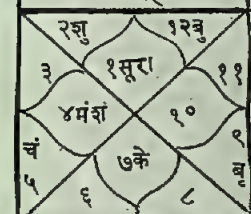

२पं. चै.शु.१२ मं.इ. ७।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	८	१	३	०	०
६	२८	२६	५	२२	२२	२१	६
५४	३	५१	४७	३०	४४	५१	५०
२४	३६	०	४६	२२	३८	१३	३८
५८	१६	[illegible]	० ५९	५७	० २१	३	५८
२९	४१	[illegible]	ब	४९	मा	११	३१

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२९	४३	स्वा	१५	२०	सि	२५	३५	बा	१	०	३२ १७	५ ३३	६ २७	२४	११	१३	तुलायां	*चतुर्थी ब्र. अगस्त्यास्तः ४८।५६
२	र	२८	१६	वि	१५	२४	व्य	२१	३८	ग	२८	१६	२१	३२	२८	२५	१२	१४	वृ.०।२३	भ. ५२।११ उ.
३	चं	२८	७	अ	१६	५५	व	१८	४७	वि	२८	७	२५	३१	२९	२६	१३	१५	वृश्चिके	भ. २८।७ या. भरण्यां रविः ४३।५२*
४	मं	२९	१७	ज्ये	१९	११	प	१६	५६	बा	२९	१७	२९	३०	३०	२७	१४	१६	ध.१९।११	मघायां सिंहे भौमः ५६।२८
५	बु	३१	४४	मू	२३	१२	शि	१५	६	कौ	०	३१	३३	२९	३१	२८	१५	१७	धनुषि	भरण्यां बुधः५।५१ मिथुने शुक्रः२७।१९
६	गु	३५	२७	पू	२८	४	सि	१५	६	ग	३	३६	३६	२९	३१	२९	१६	१८	म.४४।२९	भ. ३५।२७ उ.
७	शु	३९	४९	उ	३३	४६	सा	१६	५४	वि	७	३८	४०	२८	३२	३०	१७	१९	मकरे	भ. ७।३५ या.
८	श	४४	३८	श्र	४०	६	शु	१८	९	बा	१२	१३	४३	२७	३३	१	१८	२०	मकरे	मई मा. ५ ता. ३१ =ब्र. स्मा. वै.
९	र	४९	३९	ध	४६	३७	शु	१९	३१	तै	१७	८	४७	२७	३३	२	१९	२१	कुं.१३।२१	पातस्पर्शः ४८।१
१०	चं	५४	२४	श	५२	५९	ब्र	२०	५९	व	२२	१	५०	२६	३४	३	२०	२२	कुम्भे	भ.२२।१ उ. ५४।२४ पातमोक्षः १।१२
११	मं	५८	४२	पू	५८	३३	ऐं	२२	६	ब	२६	३३	५४	२५	३५	४	२१	२३	मी४२।१०	कृतिकायां बुधः१५।२३बरूथिनी ११ ब्र.=
१२	बु	६०	०	उ	६०	०	वै	२२	४३	कौ	३०	२२	५८	२४	३६	५	२२	२४	मीने	बृषे बुधः५०।२४ बरूथिनी ११ब्र.निम्वा
१२	गु	२	२	उ	३	२३	वि	२२	३२	तै	२	२	३३ १	२४	३६	६	२३	२५	मीने	आर्द्रायां शुक्रः ४१।४३ प्रदोषः
१३	शु	४	१०	रे	७	९	प्री	२१	२१	व	४	१०	४	२३	३७	७	२४	२६	मे. ७।९	भ. ४।१० उ. ३४।४८ या.
१४	श	५	२७	अ	९	३९	आ	१९	९	श	५	२७	७	२३	३७	८	२५	२७	मेषे	
३०	र	४	४९	भ	१०	५२	सौ	१६	१०	ना	४	४९	१०	२२	३८	९	२६	२८	बृ.२५।५४	रवि ग्रहणम्

३पं. वै.कृ.४ मं.इ.७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	८	१	३	०	०
१३	२९	११	५	२८	२२	२१	१३
४२	४३	१७	३७	४८	४९	२८	३९
४९	४१	५६	५	२२	५२	५८	४०
५८	१९	[illegible]	२३	५३	१	३	५८
१२	५७	१३	ब	४६	६	११	२०

गोचरग्रहाः

२शु १२ ३ १सूरा बु ११ ४मंश १० ५ ७के बृ ९ ६ ८चं

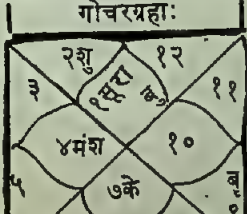

इस मास में पांच शनिवार और सुदी में तेरह दिन का पखवाडा महा अशुभ है।

गोचरग्रहाः

२ १२ शु ३ १सूरा बु ११ ४श १० ५मं ७के बृ ९ ६ ८

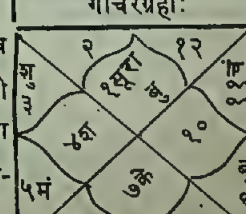

४पं.वै.कृ.११ मं.इ.७।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	८	२	३	०	०
२०	१	२६	५	४	२२	२१	२०
२९	४४	२३	१७	३४	५९	६	२७
२८	५३	३८	२	४१	५३	४२	२२
५७	२२	[illegible]	३९	४८	१	३	५८
५७	४२	१७	ब	४७	४६	११	६

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) *बुवृशु

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४७८४ स.१९४८
१	चं	३	१२	कृ	११	०	शो	१२	३	ब	३	१२	३३	५	६	१०	२७	२९	वृषे	कृत्तिकायां रविः ३१।४७ रोहिण्यां बुधः
२	मं	०	२८	रो	९	५०	अ	७	३	कौ	०	२८	१६	२१	३९	११	२८	१	मि.३८।४७	रज्जव ७ परशुरामजयंती अक्षया ३
३	मं	५६	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×३७।२१पश्चिमोदयीबुधः२०।४२चंद्रद.
४	बु	५१	३२	मृ	७	४४	सु	१६	५४	व	२४	१०	१९	२०	४०	१२	२९	२	मिथुने	भ. २४।१० उ. ५१।३२ या.
५	गु	४६	४०	आ	४	५७	शू	४८	५	ब	१९	६	२२	२०	४०	१३	३०	३	क.४७।२०	वृषेऽर्कः ५९।३४ सार्पे शनिः १७।१८
६	शु	४०	५०	पु	२७	५५	गं	४०	४४	कौ	१३	४५	२५	१९	४१	१४	१	४	कर्के	
७	श	३४	५५	श्ले	५३	२९	वृ	३३	२२	ग	७	५२	२८	१८	४२	१५	२	५	सिं५३।२९	भ.३४।५५उ. गंगोत्पत्तिः पातस्पर्शः ४३
८	र	२८	५१	म	४९	२७	ध्रु	२५	३४	वि	१	५३	३१	१८	४२	१६	३	६	सिंहे	भ. १।५३ या. *पातमोक्षः ५५।४३
९	चं	२२	५४	पू	४५	३२	व्या	१८	११	कौ	२२	५४	३४	१७	४३	१७	४	७	कं.५९।३९	
१०	मं	१६	५७	उ	४१	५९	ह	१०	५२	ग	१६	५७	३६	१७	४३	१८	५	८	कन्यायां	भ. ४४।२९ उ. मृगे बुधः ३।४४
११	बु	१२	१	ह	३८	५४	व	४	५५	वि	१२	१	३९	१६	४४	१९	६	९	कन्यायां	भ. १२।१ या. मोहिनी ११ ब्र.
१२	गु	७	३१	चि	३६	४९	व्य	५१	५२	बा	७	३१	४१	१६	४४	२०	७	१०	तु.७।५१	प्रदोषः
१३	शु	३	५२	स्वा	४६	३२	व	४७	२	तै	३	५२	४४	१५	४५	२१	८	११	तुलायां	नृसिंहजयंती
१४	श	१	१३	वि	३७	२७	प	४३	६	ब	१	१३	४६	१५	४५	२२	९	१२	बृ.२२।१४	भ.१।१३ उ.३० या. मिथुने बुधः ५५।६+
१५	श	५८	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+अन्नदा. वै स्ना. पू.

५पं. वै.शु. २मं.इ.७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	८	२	३	०	०
२७	४	१०	४	९	२३	२०	२७
१४	१०	५६	४८	३६	१५	४४	१३
४२	२३	३१	५८	११	०	२७	३०
५७	२५	२८	४७	४२	२	३	५७
४५	११	२२	ब	४	१९	११	५४

गोचरग्रहाः

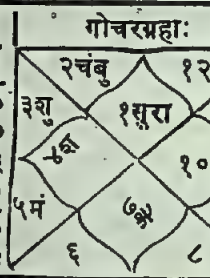

वैशाख शु.५ गुरौ
बृषेऽर्कः प्र. वा.३
न.४गताल्कावस्था
(ऊभी) मु. ४५
(धा.भाव मंदा)
शुक्रोदय पश्चि.।

गोचरग्रहाः

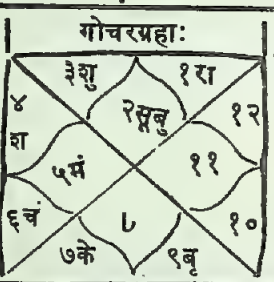

६पं. वै.शु.१०मं.इ.७।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	८	२	३	०	१
३	६	२३	४	१३	२३	२०	३
५८	४८	२५	१३	४३	२४	२२	५८
१९	१४	४८	१	२७	५९	११	२१
५७	२७	८२	५५	३३	३	३	५७
३४	२८	२२	ब	१४	११	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेवैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्र.
१	र	५९	३६	अ	३८	७	शि	४०	५	बा	२९	४२	३३	१४	४६	२३	१०	१३	वृश्चिके	
२	चं	६०	०	ज्ये	३९	४३	सि	३७	५९	तै	३०	५	५०	१४	४६	२४	११	१४	ध.३९।५३	रोहिण्यां रविः २५।४३
२	मं	०	३३	मू	४२	९	सा	३७	३	ग	०	३३	५२	१४	४६	२५	१२	१५	धनुषि	भ. ३१।४१ उ. भरण्यां२ राहुः स्वात्यां४
३	बु	२	५०	पू	४७	१	शु	३६	५७	वि	२	५०	५४	१३	४७	२६	१३	१६	धनुषि	भ. २।५० या. वक्री मूले१ गुरुः ४२।४४
४	गु	६	१८	उ	५२	२७	शु	३७	३३	बा	६	१८	५६	१३	४७	२७	१४	१७	म.३।२२	
५	शु	१०	३८	श्र	५८	४२	ब्र	३८	५३	तै	१०	३८	५८	१२	४८	२८	१५	१८	मकरे	
६	श	१५	३०	ध	६०	०	ऐं	४०	१४	व	१५	३०	३४	१२	४८	२९	१६	१९	कु.३१।५३	पातस्पर्शः ३७।१५ पातमोक्षः ५४।४२
७	र	२०	१५	ध	५	४	वै	४१	५३	ब	२०	१५	२	१२	४८	३०	१७	२०	कुंभे	भ.१५।३०उ.४५½या. आर्द्रायांबुधः५।२०
८	चं	२५	२	श	११	३२	वि	४३	४	कौ	२५	२	४	११	४९	३१	१८	२१	कुम्भे	
९	मं	२९	१२	पू	१७	२०	प्री	४३	४८	ग	२९	१२	६	११	४९	१	१९	२२	मी०।५३	जून मा. ६ ता. ३० *चतुर्थी ह.
१०	बु	३२	२८	उ	२२	१२	आ	४३	४५	वि	०	५०	८	१०	५०	२	२०	२३	मीने	भ.०।५०उ.३१½या. पूफायांभौमः१३।५१
११	गु	३४	३६	रे	२६	१६	सौ	४२	५३	ब	३	३२	९	१०	५०	३	२१	२४	मि.२६।१६	वक्री शुक्रः ५२।३८ अपरा ११ ब्र.
१२	शु	३५	३३	अ	२९	८	शो	४१	३	कौ	५	५	११	१०	५०	४	२२	२५	मेषे	
१३	श	३५	१४	भ	३०	३५	अ	३८	९	ग	४	२३	१२	१०	५०	५	२३	२६	बृ.४५।४२	भ, ३५।१४ उ. प्रदोषः ×केतुः ६।४८
१४	र	३३	३५	कृ	३१	३	सु	३४	१३	वि	४	२४	१३	९	५१	६	२४	२७	बृषे	भ. ४।२४ या. +११।३० वटपूजनं
३०	चं	३०	४८	रो	३०	९	धृ	२९	४०	च	२	१२	१५	९	५१	७	२५	२८	मि५९।१३	मृगे रविः२४।३२ वक्री बुधः११ भावुका+

७पं.ज्ये.कृ.२मं.इ. ८।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	८	२	३	०	१
१०	९	३	३	१६	२३	१९	१०
४०	४१	१८	२०	३७	५९	५९	४२
३०	३८	५४	३६	१	२०	५६	१८
५७	२९	५०	४३	२१	३	३	५७
२३	५५	१	ब	२६	४३	११	३५

गोचरग्रहाः

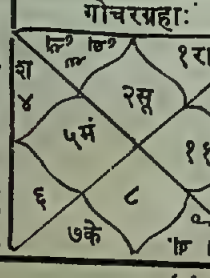

इस मास में बुध शुक्र का योग होरहा है सो वर्षा करेगा मास के प्रारंभ में धान्य रुई अलसी गुड़ घृत तेज रहकर मंदा होगा ।

गोचरग्रहाः

८पं. ज्ये.कृ.९ मं.इ.८।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	८	२	३	०	१
१७	१२	१०	२	१७	२४	१९	१७
२१	४६	११	४२	५८	२७	३७	२५
३६	२३	३५	५०	४४	५८	४१	५
५७	३०	२२	२५	६	४	३	५७
१३	४१	१४	ब	४३	२१	११	२९

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४८१३ स.१९४८
१	मं	२७	३	मृ	२८	१८	शू	२३	५४	ब	२७	३	२४	५	५६	८	२६	२९	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
२	बु	२२	२५	आ	२५	३०	गं	१७	२७	कौ	२२	२५	१७	९	५१	९	२७	१	मिथुने	सावान ८
३	गु	१७	२	पु	२२	११	वृ	१०	५२	ग	१७	२	१८	९	५१	१०	२८	२	क. ८।१	भ. ४४।८ उ. रंभा ब्र.
४	शु	११	१५	पु	१८	३४	धु	४	३०	वि	११	१५	१९	८	५२	११	२९	३	कर्के	भ. ११।१५ या. पातस्पर्शः १।३८ पात-×
५	श	५	१४	श्ले	१४	२४	ह	४८	४६	बा	५	१४	२०	८	५२	१२	३०	४	सिं	१४।२४
६	श	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ×मोक्षः २०।४४
७	र	५३	६	म	१०	५८	व	४१	५२	ग	२६	८	२१	८	५२	१३	३१	५	सिंहे	भ. ५३।६ उ.
८	चं	४७	१७	पू	६	३०	सि	३३	५७	वि	२०	११	२१	८	५२	१४	३२	६	कं.	२०।४१ भ. २०।११ या. मिथुनेऽर्कः २५।२०+
९	मं	४२	२	उ	१४	२५	व्य	२६	५८	बा	१४	३९	२२	८	५२	१५	१	७	कन्यायां	+पश्चिमास्तो बुधः ५।१९
१०	बु	३७	२५	चि	५७	२६	व	२०	१९	तै	९	४४	२२	८	५२	१६	२	८	तु.	२८।३१ गंगादशहरा =रंभः ५७ निर्जला ११ ब्र.
११	गु	३३	४१	स्वा	५६	६	प	१४	३०	व	५	३३	२३	७	५३	१७	३	९	तुलायां	भ. ५।३३ उ. ३३।४१ या. शुक्रबृद्धत्वा=
१२	शु	३०	५४	वि	५५	१६	शि	९	५५	ब	२	१८	२३	७	५३	१८	४	१०	वृ.	४०।२९ प्रदोषः दक्षिणायन प्रवृत्तिः ३०।२८
१३	श	२९	१२	अ	५५	४१	सि	५	२३	तै	२९	१२	२३	७	५३	१९	५	११	वृश्चिके	वट सावित्री व्रतारंभः
१४	र	२८	५१	ज्ये	५८	१	सा	२३	५७	व	२८	५१	२४	७	५३	२०	६	१२	ध.	५८।१ भ. २८।५१ उ. ५९।२० या.
१५	चं	२९	५०	मू	६०	०	शु	५८	५६	ब	२९	५०	२४	७	५३	२१	७	१३	धनुषि	आर्द्रायां रविः २६।५२ प.अ.शु.

९पं.ज्ये.शु.१मं.इ. ८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	८	२	३	०	१
२४	१९	१३	१	१७	२५	१९	२४
१	४	३३	५१	२८	५	१५	७
३१	८	४७	२९	५५	१६	२५	८
५७	३१	३	५९	२९	४	३	५७
५	४५	ब	ब	ब	५०	११	२२

गोचरग्रहाः

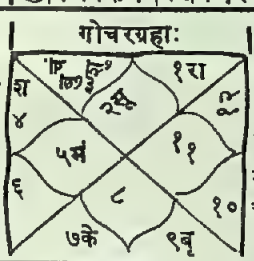

ज्येष्ठ शुक्ला ८ चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा.५न. ६बालावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयः पश्चिमे वत्सउत्तरे राहुः पश्चिमे मूलंस्वर्गे ।

गोचरग्रहाः

१०पं. ज्ये.शु.९मं.इ. ८।८

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	८	२	३	०	२
०	१९	१२	०	१५	२५	१८	०
४०	३०	१८	५८	६	३७	५३	४८
३९	४	७	१२	७	२६	१०	५०
५६	३३	३३	५	२६	३४	५	३
५७	०	ब	ब	ब	१४	११	१७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३१	४८	मृ	१	४१	ब्र	५८	१७	बा	०	४३	२४	५	५३	२२	८	१४	धनुषि	वक्री ज्येष्ठायां ४ वृश्चिके गुरुः ४५।३५
२	बु	३५	१७	पू	५	१७	ई	५९	१६	तै	३	३३	२४	७	५३	२३	९	१५	म.	२२।३
३	गु	३९	२९	उ	११	८	वै	६०	०	व	७	२३	२४	७	५३	२४	१०	१६	मकरे	भ. ७।२३ उ. ३९।२९ या.
४	शु	४४	१२	श्र	१७	९	वै	०	२७	ब	११	५१	२३	७	५३	२५	११	१७	कुं.	५०।१८ सर्पे ४ शनिः ४९।७ चतुर्थी ब्र.
५	श	४८	५६	ध	२३	२७	वि	१	५५	कौ	१६	३४	२३	७	५३	२६	१२	१८	कुम्भे	
६	र	५३	४७	श	१९	५५	प्री	३	२९	ग	२१	२१	२३	७	५३	२७	१३	१९	कुम्भे	भ. ५३।४७ उ.
७	चं	५८	२	पू	३५	४५	आ	४	५२	वि	२५	५५	२२	८	५२	२८	१४	२०	मी	१९।१८ भ. २५।५५ या. उफायां भौमः ५४।१०
८	मं	६०	०	उ	४१	२	सौ	५	३६	बा	२९	४२	२२	८	५२	२९	१५	२१	मीने	वक्री मृगे बुधः ०।१२ पूर्वोदयीशुक्रः ५३ *
८	बु	१	२२	रे	४५	३६	शो	५	५७	कौ	१	२२	२१	८	५२	३०	१६	२२	मे.	४५।३६ वक्री मृगे शुक्रः ३०।६ *पू.उ.शु.
९	गु	३	३५	अ	४८	२७	अ	५	१२	ग	३	३५	२०	८	५२	१	१७	२३	मेषे	भ. ३४।५ उ. जुलाई मा.७ ता.३१
१०	शु	४	३६	भ	५०	१६	मु	३	३२	वि	४	३६	१९	८	५२	२	१८	२४	मेषे	भ. ४।३६ या. शुक्रबाल्यत्व समाप्ति ५३ १२
११	श	४	२०	कृ	५०	५४	धृ	५४	२०	बा	४	२०	१८	८	५२	३	१९	२५	बृ.	५।२५ पातस्पर्शः ५१।३० योगिनी ११ ब्र.
१२	र	२	४५	रो	५०	३८	गं	५४	३८	तै	२	४५	१६	९	५१	४	२०	२६	बृषे	पूर्वोदयीबुधः५।२२पातमोक्षः९।१६प्रदोषः
१३	चं	१	०	मृ	४९	१०	वृ	४७	९	व	१	०	१५	९	५१	५	२१	२७	मि	१९।५४ भ.१।०उ.२८।३८या. पुन.रविः३०।५३
१४	चं	५५	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः :कन्यायां भौमः ४।५९
१५	मं	५१	३६	आ	४५	५७	धु	४०	५९	च	२३	५७	१४	९	५१	६	२२	२८	मिथुने	अमावस्या

११पं.आ.कृ.१मं.इ. ८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	८	२	३	१	२
७	२३	१०	०	११	२६	१८	७
१९	४	१८	४	१३	१७	३०	२९
७	४४	४	५५	४४	२	५५	१३
५६	२४	३३	५२	४५	५	३	५७
५४	१४	ब	ब	ब	४१	११	१३

१२पं.आ.कृ.८ मं.इ. ८।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	७	२	३	०	२
१३	२६	६	२९	६	२७	१८	१४
५७	४८	३५	१३	५२	०	९	९
१०	४	३१	१	३०	०	३९	४३
५६	३४	३४	२७	३३	६	३	५७
५८	४८	ब	ब	ब	२	११	७

१३पं.आ.कृ.३०मं.इ.७।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	८	७	२	३	०	२
२०	०	६	२९	७	२७	१८	१४
३५	३७	३५	१३	५२	०	९	९
६	३०	३१	१०	३०	०	३९	४३
५६	३४	३४	२७	३३	६	३	५७
५०	५८	ब	ब	ब	२	११	७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८४२ स. १९४८
१	बु	४६	८	पु	४२	५१	व्या	३४	१६	किं	१८	५३	३४/१२	५/१०	६/५०	७	२३	२९	क.२८।३८	
२	गु	४०	३५	पु	३९	६	ह	२७	१०	बा	१३	२१	११	१०	५०	८	२४	३०	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा.
३	शु	३४	३६	श्ले	३५	४	व	१९	३९	तै	७	३५	१०	१०	५०	९	२५	१	सिं३५।४	रमजान ९ रोजा
४	श	२८	२४	म	३०	५८	सि	१२	५	व	१	३०	९	१०	५०	१०	२६	२	सिंहे	भ.१।३० उ.२८।२४ या. मार्गी बुधः ११/४०
५	र	२२	२०	पू	२६	४८	व्य	४/३५	५२/३४	बा	२२	२०	७	११	४९	११	२७	३	कं.४०।५१	आर्द्रायां बुधः ११।२५
६	चं	१६	१८	उ	२३	०	प	५०	६	तै	१६	२८	६	११	४९	१२	२८	४	कन्यायां	
७	मं	११	६	ह	१९	५४	शि	४३	२९	व	११	६	४	११	४९	१३	२९	५	तु.४८।३७	भ. ११।६ उ. ३८।४५ या.
८	बु	६	२५	चि	१७	२०	सि	३७	३२	ब	६	२५	२	१२	४८	१४	३०	६	तुलायां	
९	गु	२	२६	स्वा	१५	३३	सा	३२	१८	कौ	२	२६	३४/००	१२	४८	१५	३१	७	तुलायाँ	मार्गी शुक्रः २०।२८
१०	गु	५७	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	शु	५८	०	वि	१४	५७	शु	२८	४	व	२८	५२	३३/५८	१२	४८	१६	३२	८	बृ. ०।६	भ.२८।५२ उ.५८।०या. कर्केऽर्कः ३।३७×
१२	श	५७	३१	अ	१५	२७	शु	२४	४१	ब	२७	४५	५६	१३	४७	१७	१	९	वृश्चिके	देवशयनी ११ ब्र. वै. नि.
१३	र	५८	२४	ज्ये	१७	२	ब्र	२२	१७	कौ	२७	५७	५४	१३	४७	१८	२	१०	ध.१७।२	प्रदोषः ×देवशयनी ११ ब्र. स्मा.
१४	चं	६०	०	मू	१९	५७	ऐं	२०	५६	ग	२९	३०	५२	१४	४६	१९	३	११	धनुषि	पुंष्ये रविः ३४।१८
१४	मं	०	३६	पू	२४	७	वै	२०	२९	व	०	३६	५०	१४	४६	२०	४	१२	म.४०।२३	भ. ०।३६ उ. ३२।९ या.
१५	बु	३	४२	उ	२९	१०	वि	२०	५०	ब	३	४२	४७	१५	४५	२१	५	१३	मकरे	

१४पं.आ.शु.७मं.इ.७।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	७	२	३	०	२
२७	४	७	२७	१	२८	१७	२७
१३	३३	२८	४१	३२	३२	२४	३०
१२	५०	५२	३८	२	५३	८	२९
५६	३६	१५/१५	६/०	५/८	६	३	५७
५५	२६	मा	ब	ब	३७	११	११

गोचरग्रहाः

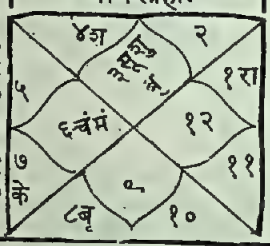

आषाढ़ शु. १० शुक्रे कर्केऽर्कः प्र. वा.५न ४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्या भाव मंदा) शुक्रो.पूर्व.।

गोचरग्रहाः

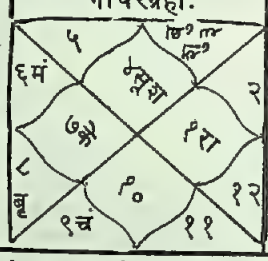

१५पं.आ.शु.१४मं.इ.७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	७	२	३	०	[illegible]
३	८	१४	२७	१	२९	१७	[illegible]
५१	३५	१५	४	३८	२२	१	[illegible]
४०	४९	३२	५५	२०	३७	५३	[illegible]
५६	३७	५९	४/५३	११/७	५	३	[illegible]
५७	८	५	ब	मा	५०	११	[illegible]

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षार्तू रविर्दक्षिणे आ.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	७	४८	श्र	३५	१२	प्री	२१	५५	कौ	७	४८	३३/४५	५/१५	६/४५	२२	६	१४	मकरे	हस्ते भौमः २३।४०
२	शु	१२	२८	ध	४१	३२	आ	२३	२१	ग	१२	२८	४२	१६	४४	२३	७	१५	कु.८।२२	भ. ४५।० उ. पुनर्वसौ बुधः ५७।१४
३	श	१७	३३	श	४७	५७	सौ	२४	५९	वि	१७	३३	४०	१६	४४	२४	८	१६	कुंभे	भ. १७।३३ या. चतुर्थी ब्र.
४	र	२२	८	पू	५४	०	शो	२६	२२	बा	२२	८	३७	१७	४३	२५	९	१७	मी३७।२९	वक्री ज्येष्ठायां ३ गुरुः ५९।४६ सिंहे
५	चं	२६	२२	उ	५९	३	अ	२७	१९	तै	२६	२२	३५	१७	४३	२६	१०	१८	मीने	नाग ५ =शनिः १३।५७
६	मं	२९	४७	रे	६०	०	सु	२७	४०	व	२९	४७	३२	१८	४२	२७	११	१९	मीने	भ.२९/४७ उ. भरण्यां १ राहुः स्वात्यां ३ केतुः ३५
७	बु	३२	३४	रे	४	१	धृ	२७	१२	वि	१	१०	३०	१८	४२	२८	१२	२०	मे. ४।१	भ. १।१० या.
८	गु	३३	९	अ	७	१८	शू	२५	४५	बा	२	५१	३७	१९	४१	२९	१३	२१	मेषे	कर्के बुधः ५७।१०
९	शु	३३	१	भ	९	२४	गं	२३	१५	तै	३	५	२४	१९	४१	३०	१४	२२	वृ.२४।३८	पूर्वास्तं बुधः १६।२५
१०	श	३१	३१	कृ	१०	२२	वृ	१९	५२	व	२	१६	२१	२०	४०	३१	१५	२३	वृषे	भ.२।१६ उ. ३१।३१ या. पुष्येबुधः ५१/१४
११	र	२८	५१	रो	९	५५	ध्रु	१५	२७	ब	०	११	१८	२०	४०	१	१६	२४	मि३९।११	अस्तंशनेः ४७।३६ अगस्त मा.८ ता.३१
१२	चं	२५	१३	मृ	८	२७	व्या	१०	५	तै	२५	१३	१५	२१	३९	२	१७	२५	मिथुने	आश्लेषायांरविः ३५।६ आर्द्रायांशुक्रः ५५/५४
१३	मं	२०	४१	आ	६	३	ह	४/१	५३/२९	व	२०	४१	१२	२२	३८	३	१८	२६	क.४८।५६	भ. २०।४१ उ. ४८।४ या.
१४	बु	१५	२७	पु	१३/३३	५६/७	सि	५०	११	श	१५	२७	९	२२	३८	४	१९	२७	कर्के	
३०	गु	९	४५	श्ले	५५	२५	व्य	४२	४१	ना	९	४५	६	२३	३७	५	२०	२८	सिं५५।२५	हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.६मं.इ.७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	७	२	४	०	३
१०	१२	२५	२६	३	०	१६	१०
३०	४४	१७	३५	२९	१३	३९	५२
५८	१०	१०	४६	२४	१९	३८	१४
५७	३७	०/१००	३/४५	२४	७	३	५७
५	२३	१	ब	४७	२	११	२०

गोचरग्रहाः

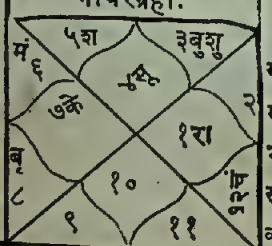

इस मास में पांच गुरुवार उत्तम है प्रजा में सुख शांति धान्य भाव सम वर्षा ठीक२ साधारण होगी वायु का जोर रहेगा।

गोचरग्रहाः

१७प.श्रा.कृ.१३मं.इ.७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	७	२	४	०	[illegible]
१७	१६	७	२६	६	१	१६	[illegible]
१०	५७	५७	१४	४५	५	१८	[illegible]
४६	०	१८	३५	०	३१	२२	[illegible]
५७	३८	१२२/१३	२/३२	३५	७	३	[illegible]
१२	२५		ब	२८	१४	११	[illegible]

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०							दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८७२ सन् १९४८
१	शु	३	४७	म	५१	१७	व	३५	५	ब	३	४७	३३	२३	३७	६	२१	२९	सिहे	चंद्रद.
२	शु	५३	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श	५१	३३	पू	४७	९	प	२७	२८	तै	२४	३७	०	२४	३६	७	२२	१	सिंहे	सार्पेबुधः ३६ सव्वाल १० ईद तीजमधुश्रवाः
४	र	४५	३४	उ	४३	१९	शि	१९	५९	व	१८	३३	३३	२५	३५	८	२३	२	कं. १।११	भ. १८।३३ उ. ४५।३३ या. वरद ४
५	चं	४०	१८	ह	४०	२	सि	१२	४८	ब	१२	५६	५४	२५	३५	९	२४	३	कन्यायां	नाग पंचमी
६	मं	३५	३४	चि	३७	१२	सा	५९	५०	कौ	७	५६	५०	२६	३४	१०	२५	४	तु. ८।३७	वर्ण ६
७	बु	३१	३८	स्वा	३५	४	शु	५४	२६	ग	३	३६	४७	२७	३३	११	२६	५	तुलायां	भ. ३१।३८ उ. शीतला ७ तुलसी ज.
८	गु	२८	४५	वि	३४	१५	ब्र	४९	५२	वि	०	२१	४४	२७	३३	१३	२७	६	वृ. १९।२७	भ. ०।१२ या. दुर्गा ८
९	शु	२६	५९	अ	३४	३०	ऐं	४६	१४	कौ	२६	५९	४०	२८	३२	१३	२८	७	वृश्चिके	सिंहे बुधः ३३ चित्रायां भौमः २०।२५
१०	श	२६	३२	ज्ये	३५	५०	वै	४३	३७	ग	२६	३२	३७	२९	३१	१४	२९	८	व. ३५।५०	भ. ५६।५६ उ. कल्कि जयंती
११	र	२७	२०	मृ	३८	२८	वि	४१	५८	वि	२७	२०	३३	२९	३१	१५	३०	९	धनुषि	भ. २।७ २०या. मार्गीगुरुः ३५ पवित्रा ११ ब्र.
१२	चं	२९	१८	पू	४२	२३	प्री	४१	१८	बा	२९	१०	३०	३०	३०	१६	३१	१०	म. ५८।३०	सिंहेऽर्कः ३१।३३ प्रदोषः
१३	मं	३२	२७	उ	४७	२१	आ	४१	३१	कौ	०	५२	२६	३१	२९	१७	१	११	मकरे	
१४	बु	३६	३६	श्र	५३	१४	सौ	४२	२७	ग	४	३१	२२	३२	२८	१८	२	१२	मकरे	भ. ३६।३६ उ. ऋग्वेदीनां श्रावणीकर्म
१५	गु	४१	१७	ध	५९	२५	शो	४३	१४	वि	८	५९	१८	३२	२८	१९	३	१३	कुं. २६।१९	भ. ८।५८ या. श्रावणीकर्म रक्षाबंधन

१८पं. श्रा.शु.६मं.इ.७।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	७	२	४	१	३
२३	२१	२२	२६	११	१	१५	२४
५१	१४	२६	२	७	५८	५५	१६
५४	३५	४२	१७	१२	३७	६	२५
५७	२८	१२	१३	४३	७	३	५७
२२	५७	१८	ब	३९	२०	११	३३

गोचरग्रहाः

श्रावण शु.१२चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न.५गतालकावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

१९पं.श्रा.शु.१३ मं.इ.७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	७	२	४	०	४
०	२५	६	२५	१६	२	१५	०
३४	२८	२६	२९	१९	५२	३२	५९
७	२८	१७	१०	३०	५	५२	४६
५७	३९	१	२	४९	७	३	५७
३४	२८	२३	मा	४०	२०	११	४०

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०							दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४६	७	श	६०	०	अ	४५	२१	बा	१३	४२	३२	५	३३	२७	२०	४	१४	कुम्भे	पूफाया बुधः ३४ मघायां २ शनिः ३७।५९
२	श	५१	०	श	५५	०	सु	४६	५०	तै	१८	३३	११	३४	२६	२१	५	१५	मी	५५।१६	पुनर्वसौ शुक्रः ४०।५२
३	र	५५	२०	पू	११	४६	धृ	४७	५३	व	२३	१०	७	३५	२५	२२	६	१६	मीने		भ. २३।१० उ. ५५।२० या. कज्जली ३
४	चं	५८	४९	उ	१७	२७	शू	४८	१९	ब	२७	४	४	३५	२५	२३	७	१७	मीने		तुलायां भौमः ५७।४६ चतुर्थी ब्र.
५	मं	६०	०	रे	२२	९	गं	४७	५८	कौ	३०	३	०	३६	२४	२४	८	१८	मे.	२२।९	
५	बु	१	१६	अ	२५	५४	वृ	४६	३९	तै	१	१६	५१	३७	२३	२५	९	१९	मेषे		पश्चिमोदयी बुधः १७।५३ चंद्र ६
६	गु	२	३३	भ	२८	५	ध्रु	४४	२१	व	२	३३	५२	३८	२२	२६	१०	२०	वृ.	४३।२४	भ. २।३३ उ. ३२।३१ या. हल ६
७	शु	२	३०	कृ	२९	२१	ष्या	४०	५०	ब	२	३०	४८	३८	२२	२७	११	२१	बृषे		श्रीकृष्णजयंती ब्र. अगस्त्योदयः ३१।०
८	श	१	९	रो	२९	१९	ह	३६	५५	कौ	१	९	४४	३९	२१	२८	१२	२२	मि	५८।४०	उफायां बुधः ५९ ×सितम्बर मा.९ ता.३०
९	श	५७	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०		
१०	र	५५	१	मृ	२८	१	व	३१	२९	व	२६	४८	४०	४०	२०	२९	१३	२३	मिथुने		भ. ३६ उ. ५५।१ या. +अजा ११ ब्र.
११	चं	५०	३८	आ	२५	४८	सि	२५	३०	ब	२२	५०	३६	४१	१९	३०	१४	२४	मिथुने		पूफायां रविः २२।२४ कन्यायां बुधः १५+
१२	मं	४५	२८	पु	२२	५९	व्य	१८	५५	कौ	१८	३	३२	४२	१८	३१	१५	२५	क.	८।४१	वामन जयंती वत्स १२
१३	बु	३९	४८	पु	१९	२७	व	११	१२	ग	१२	३८	२८	४२	१८	१	१६	२६	कर्के		भ. ३९।४८ उ. कर्के शुक्रः ३३।१६×
१४	गु	३३	५४	श्ले	१५	२४	प	१९	५५	वि	६	५	२४	४३	१७	२	१७	२७	सि	१५।२४	भ. ६।५ या. =कुशाग्रहणी
२०	शु	२७	५०	म	११	२२	सि	४९	२	च	०	५२	२१	४४	१६	३	१८	२८	सिंहे		स्वात्यां भौमः ७।५१ पिठोरी ३० सतीपू=

२०पं. भा.कृ.५मं.इ.६।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	७	२	४	०	४
७	०	१९	२६	२२	३	१५	७
१७	६	२४	५	१२	४५	१८	४४
४०	४	५०	२४	२९	३२	३६	१७
५७	३९	०	१	५४	७	३	५७
५४	५३	२३	२८	२६	२०	११	४८

गोचरग्रहाः

इस मास में धान्य रुई सूत कपड़ा जौ गेहूं चावल मूंग मोंठ बाजरा पाट कुष्टा में घटाबढ़ी बहुत होगी।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.कृ.१२मं.इ.६।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	२	४	०	४
१४	४	१	२६	२८	४	१४	१४
२	३८	२१	२०	३६	३८	४८	२९
५२	१३	७	१३	४	४९	२१	५३
५७	४०	९३	२	५८	७	३	५८
५७	२१	४९	४	१३	१४	११	४

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽर्गणः ४९०१ स.१९४८
१	श २१ ४६ पू ७ १० सा ४१ ३० ध २१ ४६	३१	५	६	४	१९	२९	कं.२१।१२	
२	र १६ २ उ ३ ५६ शु ३४ १५ कौ १६ २	१८	२३	१५	५	२०	३०	कन्यायां	चंद्रद. हस्ते बुधः ३२।३ पुष्ये शुक्रः ५।१०
३	चं १० ३७ चि ५६ ४३ शु २७ २३ ग १० ३७	१०	४६	१४	६	२१	१	तु.२८।११	भ.३६ उ. ज्येष्ठायां ४ गुरुः ३ उदयंशने ४५
४	मं ५ ५१ स्वा ५४ ४४ ब्र २० ५९ वि ५ ५१	६	४७	१३	७	२२	२	तुलायां	भ. ५।५१ या. ऋषि ५
५	बु १ ५८ वि ५३ ८ ऐं १५ १८ बा १ ५८	२	४८	१२	८	२३	३	वृ.३८।३२	
६	बु ५७ ८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *जिलकाद ११ गणेश ४
७	गु ५७ २१ अ ५३ २३ वै १० २९ ग २८ १४	३०	४८	१२	९	२४	४	वृश्चिके	भ. ५७।२१ उ. महालक्ष्मी ब्र.
८	शु ५६ ५४ ज्ये ५४ २४ वि ६ ३३ वि २७ ७	५४	४९	११	१०	२५	५	ध.५४।२४	भ. २७।७ या.
९	श ५७ ४५ मू ५६ ४७ प्री २ ५३ बा २७ १९	४९	५०	१०	११	२६	६	धनुषि	
१०	र ५९ ४४ पू ६० ० आ १ ३९ वै २८ ४५	४५	५१	९	१२	२७	७	धनुषि	
११	चं ६० ० पू ० २६ सौ ० ४३ व ३१ २६	४०	५२	८	१३	२८	८	म.१६।३६	भ. ३१।२६ उ. उषायां रविः ७।३
११	मं २ ५३ उ ५ ८ शो ० ४६ वि २ ५३	३६	५३	७	१४	२९	९	मकरे	भ.५३ या. चित्रायां बुधः ५६ जलझूलनी
१२	बु ७ ५ श्र १० ४६ अ १ २९ बा ७ ५	३२	५४	६	१५	३०	१०	कु.४३।५०	प्रदोषः श्रवण १२ ×११ ब्र. वै.
१३	गु ११ ५० ध १६ ५४ सु २ ३४ वै ११ ५०	२८	५४	६	१६	३१	११	कुम्भे	कन्यायामर्कः ३ मघायां ३ शनिः ३०।४८
१४	शु १६ ४६ श २३ १४ धृ ४ १ व १६ ४६	२४	५५	५	१७	१	१२	कुम्भे	भ.१६।४६ उ.४९।१४या. =अनंत १४
१५	श २१ ४३ पू २९ २८ शू ५ ३६ ध २१ ४३	२०	५६	४	१८	२	१३	मी६।१४	सार्पेशुक्रः७।२९ प्रौष्ठपदी १५ महालयारम्भ

२२पं.भा.शु.४मं.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	३	४	०	४
२०	९	१२	२६	५	५	१४	२१
४९	१४	१७	४४	२३	३१	२६	४५
३२	३८	१०	१३	२८	२३	५	५९
५८	४०	८७	३	६१	७	३	५८
१२	४१	१	५९	०	८	११	१३

गोचरग्रहाः

भाद्रपद शु. १३ गुरौ कन्यायामर्कः प्र.वा.४न.५प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

२३पं.भा.शु.११मं.इ.६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	३	४	०	४
२७	१३	२२	२७	१२	६	१४	२०
३७	५४	११	१६	३०	२३	३	१
५७	५८	६	१९	५०	१०	५०	२१
५८	४१	८०	५	६३	७	३५	
२९	१६	१९	७	१९	२	१३	

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्र
१	र २६ ८ उ ३५ १६ गं ६ २७ कौ १६ ८	३०	५७	३	१९	३	१४	मीने	
२	चं २९ ४३ रे ४० ८ वृ ७ २ ग २९ ४३	१२	५८	२	२०	४	१५	मे.४०।८	तुलायां बुधः २३।५२
३	मं ३२ १८ अ ४४ ६ धु ६ ५० व १ ०	८	५८	२	२१	५	१६	मेषे	भ. १।० उ. ३२।१८ या. चतुर्थी ब्र.
४	बु ३३ ५६ भ ४६ ३७ ब्या ६ ४ ब ३ ७	४	५९	१	२२	६	१७	मेषे	
५	गु ३३ ४३ कृ ४८ ५ ह ३ ३२ कौ ४ २०	०	०	०	२३	७	१८	वृ.१।५९	विशाखायां भौमः २।१४
६	शु ३२ २१ रो ४८ २३ व २६ ४८ ग ३ २	२९	०	५९	२४	८	१९	बृषे	भ. ३२।२१ उ.
७	श २९ ५४ मृ ४७ १९ व्य ५१ १३ वि १ ७	५१	२	५८	२५	९	२०	मि१७।५१	भ. १।७ या.
८	र २६ २६ आ ४५ ९ व ४५ २१ कौ २६ २६	४७	३	५७	२६	१०	२१	मिथुने	हस्ते रविः ४४ स्वात्यां बुधः ५७।२०
९	चं २२ ७ पु ४२ ९ प ३८ ४४ ग २२ ७	४२	४	५६	२७	११	२२	क.२७।५४	भ. ३९ उ. अश्विन्यां ४ राहुः स्वात्यां २
१०	मं १७ ५ पु ३९ ४ शि ३१ ४५ वि १७ ५	३८	४	५६	२८	१२	२३	कर्के	भ. १७।५ या. =केतुः ५३।१८
११	बु ११ २८ श्ले ३५ २० सि २४ १७ बा ११ २८	२४	५	५५	२९	१३	२४	सिं३५।२०	इन्दिरा ११ ब्र.
१२	गु ५ ४६ म ३१ ७ सा १६ ३३ वै ५ ४६	३०	६	५४	३०	१४	२५	सिंहे	भ.५९।३९ उ. सिंहेशुक्रः २०।३५ युगादिः
१३	गु ५३ ५३ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	शु ५३ ३९ पू २६ ५८ शु ९ २८ वि २६ ३९	२६	७	५३	१	१५	२६	कं.४०।०	भ. २६।३९ या. अक्टूबर मा.१० ता.३१
२०	श ५३ ४५ उ २३ ६ शु १३ ३३ च २० ५२	२२	८	५२	२	१६	२७	कन्यायां	सर्वपितृ ३०

२४पं.आ.कृ.३मं.इ.६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	७	३	४	०	५
४	१८	०	२७	१९	७	१३	४
२८	३९	५०	५३	५३	१३	४१	५५
२	१९	३५	२८	४६	१२	३५	१६
५८	४१	७१	६	६५	६	३	५८
४५	४६	३२	१४	१	४४	११	३८

गोचरग्रहाः

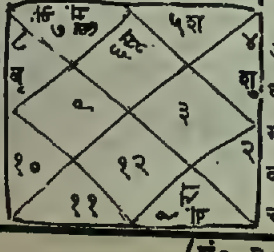

इस मासमें प्रजा में ज्वरादि पीड़ा होगी धान्य अलसी रुई गल्ला मंदा होगा। वर्षा होगी, चांदी चपड़ा में तेजी होगी

गोचरग्रहाः

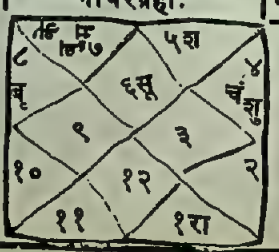

२५पं.आ.कृ.१०मं.इ.६।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	७	३	४	०	५
११	२३	७	२८	२७	८	१३	११
२०	२८	४७	४४	३०	२१	१९	१५
८	१६	२४	१०	५८	६	३	८
५९	४२	५८	७	६६	६	३	५९
०	७	४४	१२	३२	११	१९	०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९३० स. १९४८
१	र	४३	४५	ह	१९	२८	ऐं	४६	४१	किं	१५	५५	२९/१८	६/८	५/५२	३	१७	२८	तु.४७।५४	नवरात्रारंभः घटस्था.
२	चं	३८	१	चि	१६	२०	वै	४०	४	बा	१०	५३	१४	९	५१	४	१८	२९	तुलायां	चंद्रद.
३	मं	३४	१४	स्वा	१४	७	वि	३४	११	तै	६	७	१०	१०	५०	५	१९	१	वृ.५७।५६	जिल्हेज १२ =सरस्वती पू.
४	बु	३१	२६	वि	१२	३२	प्री	२९	०	व	२	५०	६	११	४९	६	२०	२	वृश्चिके	भ. २।५० उ. ३१।२६ या.
५	गु	२९	४६	अ	१२	१३	आ	२४	५०	ब	०	३१	२	१२	४८	७	२१	३	वृश्चिके	वृश्चिके भौमः २६।१ धनुषि गुरुः ३६।८
६	शु	२९	२५	ज्ये	१२	५९	सौ	२१	२९	तै	२९	२५	२८/५८	१२	४८	८	२२	४	ध.१२।५९	
७	श	३०	१८	मू	१४	४४	शो	१९	१६	व	३०	१८	५४	१३	४७	९	२३	५	धनुषि	भ.३०/१८ उ. वक्री बुधः २१/४१ सरस्वत्यावाहनं
८	र	३२	२३	पू	१८	२५	अ	१७	५८	दि	१	२०	५०	१४	४६	१०	२४	६	म.३४।३१	भ. १।२० या. चित्रायां रविः १५।१९=
९	चं	३५	३६	उ	२२	५०	सु	१७	३७	बा	३	५९	४६	१५	४५	११	२५	७	मकरे	
१०	मं	३९	५३	श्र	२८	१७	धृ	१८	४	तै	७	४४	४२	१६	४४	१२	२६	८	मकरे	पूफायांशुक्रः ९।९ मैत्रेभौमः १०।९बौद्धज.×
११	बु	४४	४३	ध	३४	९	शू	१९	३	व	१२	१८	३८	१६	४४	१३	२७	९	कु.१।१३	भ.१२/१८ उ.४४/४३ या. पापांकुशा ११ब्र. हज्ज
१२	गु	४९	४५	श	४०	३९	गं	२०	२३	ब	१७	१४	३४	१७	४३	१४	२८	१०	कुम्भे	दश्चिमास्तो बुधः २९।५९
१३	शु	५४	४७	पू	४७	३	वृ	२२	५	कौ	२२	१६	३०	१८	४२	१५	२९	११	मी३०।२७	प्रदोषः ×विजय१० सरस्वती विसर्जनं
१४	श	५९	१८	उ	५२	५२	ध्रु	२२	५५	ग	२७	२	२६	१९	४१	१६	३०	१२	मीने	भ.५९/१२.तुलायामर्कः ५८/६ मघायां४शनिः ३३/१६
१५	र	६०	०	रे	५८	१३	व्या	२३	३६	वि	३१	८	२२	२०	४०	१७	१	१३	मे.५८।१३	भ.३१/८ या. वक्री चित्रायां बुधः ३७/१५ शरत्पू.+
१५	चं	२	५३	अ	६०	०	ह	२३	२६	व	२	५८	१८	२०	४०	१८	२	१४	मेषे	कार्तिक स्नानारंभः +कोजागरी व्रतं

२६पं. आ.शु.३मं.इ. ६।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	७	४	४	०	५
१८	२८	१२	२९	५	८	१२	१८
१३	२०	१	३९	१९	४९	५७	४०
५६	३८	४४	४	२६	१	४	१२
५९	४२	३३	८	६७	६	३	५९
१६	३५	९	२२	४५	१५	११	९

गोचरग्रहाः

आश्विन शु. १४ शनौ तुलायामर्कः प्र.वा.३न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.

गोचरग्रहाः

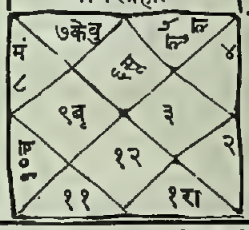

२७पं.आ.शु.१०मं.इ.५।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	८	४	४	०	५
२५	३	११	०	१३	९	१२	२५
९	१६	२२	४०	१६	३३	३४	३५
३९	५५	४८	५	१२	०	४९	१०
५९	४२	२१/४६	९	६८	५	३	५९
३१	५२	ब	८	४८	५०	११	२१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	मं	५	३४	अ	२	१५	व	२२	२९	कौ	५	३४	२८/१४	६/२१	५/३९	१९	३	१५	मेषे	
२	बु	७	४	भ	५	२०	सि	२०	३३	ग	७	४	१०	२२	३८	२०	४	१६	वृ.२०।३८	भ. ३७।२ उ.
३	गु	७	१	कृ	६	३४	व्य	१७	४६	वि	७	१	६	२३	३७	२१	५	१७	वृषे	भ. ७।१ या. करक ४
४	शु	६	०	रो	७	२०	व	१३	४१	बा	६	०	२	२४	३६	२२	६	१८	मि३६।५७	वक्री कन्यायां बुधः ३९।३
५	श	३	३७	मृ	६	३४	प	८	५६	तै	३	३७	२७/५८	२४	३६	२३	७	१९	मिथुने	स्वात्यां रविः ३९।३
६	र	०	१४	आ	४	४७	शि	३/३	५३/३२	व	०	१४	५४	२५	३५	२४	८	२०	क.४७।४९	भ. ०।१४ उ. २८।६ या.
७	र	५५	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
८	चं	५१	२	पु	२/९	५७/३४	सा	४९	३८	बा	२३	३०	५०	२६	३४	२५	९	२१	कर्के	होई ८
९	मं	४५	३२	श्ले	५५	६	शु	४२	१२	तै	१८	१७	४६	२७	३३	२६	१०	२२	सिं५५।६	कन्यायां शुक्रः २७।२८
१०	बु	३९	४४	म	५१	२	शु	३४	३१	व	१२	३८	४२	२८	३२	२७	११	२३	सिंहे	भ.१२।३८ उ.३९/४४ या. पूर्वोदयीबुधः १।१५
११	गु	३३	४९	पू	४७	१	ब्र	२६	४४	ब	६	४६	३८	२८	३२	२८	१२	२४	सिंहे	मूले २ गुरुः ४।१६ रमा ११ ब्र.
१२	शु	२७	५३	उ	४२	५७	ऐं	१९	०	कौ	०	५१	३४	२९	३१	२९	१३	२५	कं. १।०	मार्गीबुधः १।१६ प्रदोषःधन१३ गोवत्सपू.
१३	श	२१	५४	ह	३९	११	वै	११	२०	व	२१	५४	३१	३०	३०	३०	१४	२६	कन्यायां	भ.२१/५४ उ. ४९/२७ या. ज्येष्ठायां भौमः ४०/५८+
१४	र	१७	०	चि	३५	५८	वि	४/३	५३/१२	श	१७	०	२७	३१	२९	३१	१५	२७	तु.७।३४	महालक्ष्मी पू. +रूप १४ नरक १४
३०	चं	५२	२७	स्वा	३३	२३	आ	५१	५	ना	१२	२७	२४	३१	२९	१	१६	२८	तुलायां	नवम्बर मा. ११ ता. ३०

२८पं.का.कृ.१मं.इ.५।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	८	४	४	०	६
२	८	४	१	२१	१०	१२	२
७	१६	२९	४६	२०	१३	१२	३१
८	१६	५३	५५	६	४८	३३	३७
५९	४३	८८/१८	९	६९	५	३	५९
४६	७	ब	५२	३४	२६	११	३४

गोचरग्रहाः

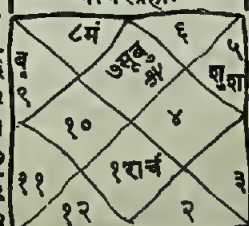

इस मास में प्रजा में कुछ बीमारी होगी खांड गुड़ अलसी सरसों एरंडा घी तेज तिल रुई सूत कपास में घट बढ़।

गोचरग्रहाः

२९पं.का.कृ.९ मं.इ.५।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	८	४	४	०	६
९	१३	२४	२	२९	१०	११	९
६	१९	३९	५८	३४	५१	५०	२९
३१	१२	७	५९	२३	२५	१८	५६
६०	४३	४०/४५	१०	७०	४	३	५९
२	३४	ब	३७	२१	५७	११	४७

*चंमंबुके

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९६० स.१९४
१	मं ८ ३३ वि ३१ ३४ सौ ४५ ४० ब ८ ३३	३७	६	५	२	१७	२९	बृ.१७।१	कलमदवात पू. भ्रातृ २ यम २
२	बु ६ ३ अ ३१ २ शो ४१ ११ कौ ६ ३	२०	३३	२८	३	१८	३०	बृश्चिके	चंद्रद. हस्ते शुक्रः ५१।५३
३	गु ४ ३० ज्ये ३१ ३० अ ३७ ३४ ग ४ ३०	१३	३३	२७	४	१९	१	ध.३१।३०	भ. ३४।२१ उ. तुलायां बुधः ११।२८
४	शु ४ १२ मू ३३ ६ सु ३४ ५९ वि ४ १२	१०	३४	२६	५	२०	२	धनुषि	भ.४।१२ या. विशाखायां रविः५६।२८
५	श ५ १५ पू ३६ १६ धृ ३३ २४ बा ५ १५	६	३५	२५	७	२१	३	म.५२।२०	
६	र ७ २७ उ ४० ३२ शू ३२ ४१ तै ७ २७	३	३५	२५	६	२२	४	मकरे	
७	चं १० ४९ श्र ४५ ४७ गं ३२ ५५ व १० ४९	२६	३६	२४	८	२३	५	मकरे	भ.१९ उ.४३ या. *मोहर्रम१ सन्१३६८
८	मं १५ ११ ध ५१ ४३ वृ ३३ ३९ ब १५ ११	५६	३७	२३	९	२४	६	कु.१९।१५	स्वात्यां बुधः ५३।१० गोप ८
९	बु २० ६ श ५८ ४ ध्रु ३४ ५० कौ २० ६	५२	३८	२२	१०	२५	७	कुम्भे	कुष्मांड ९ अक्षया ९
१०	गु २५ १६ पू ६० ० ष्या ३६ १२ ग २५ १६	४९	३८	२२	११	२६	८	मी४७।५२	भ.५७।५० २. +प्रदोषः वैकुंठ१४
११	शु ३० २५ पू ४ २८ इ ३७ २० वि ३० २५	४६	३९	२१	१२	२७	९	मीने	भ. ३५ या. प्रबोधिनी ११ब्र. तुलसी वि.५
१२	श ३४ ५७ उ १० २६ व ३७ ५६ ब २ ४१	४३	३९	२१	१३	२८	१०	मीने	ताजिया ×भीष्म पं
१३	र ३८ ४० रे १५ ५२ सि ३८ १ कौ ६ ४८	४०	४०	२०	१४	२९	११	मि.१५।५२	चित्रायां शुक्रः ५०।१३ मूले ३ गुरुः ३५
१४	चं ४१ १९ अ २० १४ व्य ३७ २० ग १० ०	३७	४१	१९	१५	३०	१२	मेषे	भ. ४१।१९ उ. बृश्चिकेऽर्कः ५०।४६
१५	मं ४२ ४८ भ २३ २६ व ३५ ३८ वि १२ ३	३४	४१	१९	१६	१	१३	बृ.३८।५५	भ. १२।३ या. का. स्ना. पूर्तिः

३०पं.का.शु.१मं.इ.५।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	८	५	४	०	६
१६	१८	२८	४	७	१५	११	१६
७	२५	०	१६	५३	२५	२८	२९
३४	५२	४७	१९	४२	३७	२	४२
६०	४४	५६	११	७१	४	३	६०
१८	०	मा	१५	२	३४	११	४

३१पं.का.श.८मं इ. ५।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	५	५	४	०	६
२३	२३	५	५	१६	११	११	२३
१०	३५	२४	३७	१७	५५	५	३१
१३	४९	४३	२३	५६	१९	४७	५
६०	४४	५३	११	७१	३	३	६०
३०	१४	५९	५४	४	५४	११	१७

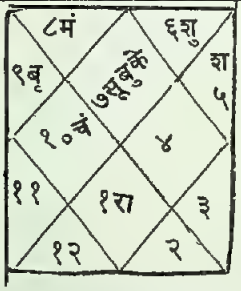

३२पं.का.शु.१५मं.इ.४।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	८	२	४	०	७
०	२८	१५	७	२४	१२	१०	०
१४	४८	३९	२	४९	२०	७३	१४
१७	४७	१८	२८	३०	३८	३२	१७
६०	४४	०	१२	७१	३	३	६०
४०	२६	५५	२०	५४	१९	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराण
१	बु ४२ ५६ कृ २५ २२ पु ३२ ५६ बा १२ ५२	२६	३३	४३	६	१८	१७	२	१४	वृषे	धनुषि भौमः ४१।३
२	गु ४१ ४४ रो २६ १० शि २९ १४ तै १२ २०	२९	४२	१८	१८	३	१५	मि५५।५६	विशाखायां बुधः३६।४९ पूर्वास्तंबुधः३१
३	शु ३९ २२ मृ २५ ४३ सि २४ ३२ च १० ३३	२६	४३	१७	१९	४	१६	मिथुने	भ.१४ उ.३९ या. अनुराधायां रविः८।३
४	श ३६ २ आ २४ २ सा १८ ५७ ब ७ ४२	२३	४३	१७	२०	५	१७	मिथुने	तुलायां शुक्रः २०।१५ चतुर्थी ब्र.
५	र ३१ ४७ पु २१ ४१ शु ११ ३७ कौ ३ ५४	२१	४४	१६	२१	६	१८	क.७।१६	
६	चं २६ ४८ पु १८ ४१ शु ४३ ३६ व २६ ४८	१८	४४	१६	२२	७	१९	कर्के	भ.२६।४८ उ.५४।५ या. पातस्पर्शः ४५
७	मं २१ २२ श्ले १४ ४९ ऐं ५० ३८ ब २१ २२	१६	४५	१५	२३	८	२०	सिं१४।५९	पातमोक्षः ०।२३
८	बु १५ ४० म १० ४७ वै ४२ ५० कौ १५ ४०	१३	४५	१५	२४	९	२१	सिंहे	भैरवजयंती *स्वात्यां १ केतुः ४५।५६
९	गु ९ ४९ पू ६ ४५ वि ३५ ६ ग ९ ४९	१०	४६	१४	२५	१०	२२	कं.२०।४२	भ.५६ उ.बृश्चिकेबुधः२० ५स्वात्यां शुक्रः३
१०	शु ३ ५८ उ ३५ ५६ प्री २७ २१ वि ३ ५८	८	४६	१४	२६	११	२३	कन्यायां	भ. ३।५८ या. उत्पत्ति ११ ब्र. स्मा.
११	शु ५४ २६ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	श ५३ २२ चि ५५ २४ आ १९ ५४ कौ २५ ५३	५	४७	१३	२७	१२	२४	तु.२७।२	मैत्रे बुधः २८।४२ उत्पत्ति ११ ब्र. वं.
१३	र ४८ ५० स्वा ५२ ३९ सौ १२ ४७ ग २१ ६	३	४७	१३	२८	१३	२५	तुलायां	भ. ४८।५० २. प्रदोषः
१४	चं ४५ १६ वि ५० ४४ शो ६ २२ वि १७ ३	२६	४८	१२	२९	१४	२६	बृ.३६।१३	भ. १७ या. मूले४गुरुः५७।३७ अश्विन्यां३
३०	मं ४२ ४१ अ ४९ ५६ अ ४३ ५५ च १३ ५८	२५	४८	१२	३०	१५	२७	बृश्चिके	

३३पं. मा.कृ.७मं.इ.४।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	८	६	४	०	७
७	४	२६	८	३	१२	१०	७
१९	३	३६	३०	१७	४१	२१	३७
५१	४३	४	३२	५६	२४	१६	४८
६०	४४	०	१२	७२	२	३	६०
५३	४०	२४	३५	१४	३२	११	४२

गोचरग्रहाः

इस मास में घी गुड़ अलसी सरसों मूंगफली गेहूँ अनाज मंदा रुई चांदी अलसी कुछ तेज।

गोचरग्रहाः

३४पं.मा.कृ.३०मं.इ.४।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	८	६	४	०	७
१४	९	७	१०	११	१२	९	१४
२६	२१	३९	१	५३	७७	५९	२६
३७	५८	३२	३०	२०	११	१	३७
६१	४४	९९	१३	७२	१	३	६१
३	५२	५८	८	३४	५१	११	३

*बुशुके

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९८९ स. १९४८
१	बु ४१ १५ ज्ये ५० ८ धृ ५१ ५६ किं ११ ५८	२५ ६	४९	११	१	१६	२८	ध.५०।८	दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
२	गु ४१ ७ मू ५१ ३९ शू ४८ ५७ बा ११ ११	५४	४९	११	२	१७	२९	धनुषि	ज्येष्ठायां रविः १५।३३ चंद्रद.
३	शु ४२ २१ पू ५४ २२ गं ४६ ५८ तै ११ ४४	५२	५०	१०	३	१८	१	धनुषि	सफर २
४	श ४४ ३९ उ ५८ १८ वृ ४५ ५० व १३ ३०	५०	५०	१०	४	१९	२	म.१०।२१	भ. १३।३० उ. ४४।३९ या.
५	र ४८ १७ श्र ६० ० ध्रु ४५ ५३ बा १६ २८	४९	५०	१०	५	२०	३	मकरे	ज्येष्ठायां बुधः ५३ पूषायां भौमः १३*
६	चं ५२ ४५ श्र ३ २३ ध्या ४६ ३७ कौ २० ३१	४७	५१	९	६	२१	४	कु.३६।२०	विशाखायां शुक्रः ३९।१४ चंपा ६
७	मं ५७ ४५ ध ९ १७ ह ४७ ३३ ग २५ १५	४६	५१	९	७	२२	५	कुम्भे	भ.५७ उ. *पातस्पर्शः ३६ पातमोक्षः ४८
८	बु ६० ० श १५ ३१ व ४८ ४६ वि ३० २०	४४	५१	९	८	२३	६	कुम्भे	भ. ३०।२० या.
८	गु २ ५६ पू २१ ५० सि ४९ ५४ व २ ५६	४३	५१	९	९	२४	७	मी५।१५	
९	शु ८ १ उ २८ ५ व्य ५० ५६ कौ ८ १	४२	५२	८	१०	२५	८	मीने	
१०	श १२ ४५ रे ३३ ४१ व ५० ५४ ग १२ ४५	४१	५२	८	११	२६	९	मे.३३।४१	भ. ४४।३२ उ.
११	र १६ २० अ ३८ १२ प ५० ३४ वि १६ २०	४०	५२	८	१२	२७	१०	मेषे	भ. १६।२० या. मोक्षदा ११ ब्र.
१२	चं १९ ५८ भ ४१ ४५ शि ४९ ५ बा १९ ५८	३९	५२	८	१३	२८	११	बृ.५७।२१	प्रदोषः +पूषायां १ गुरुः ५०।४५
१३	मं २० २१ कृ ४४ १० सि ४६ ४१ तै २० २१	३८	५२	८	१४	२९	१२	वृषे	धनुषि बुधः १३।१ वृश्चिके शुक्रः ४४+
१४	बु २० ३१ रो ४५ १ सा ४३ १५ व २० ३१	३८	५२	८	१५	३०	१३	वृषे	भ.३९ उ ५३ या. धनुष्यर्कः १९ दत्तजयंती
१५	गु १९ १६ मृ ४४ ५१ शु ३८ ४९ व १९ १६	३७	५३	७	१६	१	१४	मि१४।५६	

३५पं.मा.शु.७मं.इ.३।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	८	६	४	०	७
२१	१४	१८	११	२०	१३	९	२१
३४	४३	४२	३४	३०	७	३६	४९
२४	१९	२२	४८	२५	३४	४६	२३
६१	४५	९९	१३	७२	३	३	६०
११	१७	१३	२०	५३	१०	१९	५६

गोचरग्रहाः

मार्ग. शु. १४ बुधे धनुष्यर्कः प्र. वा. ३न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

३६पं.मा.शु.१३मं.इ. ४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	८	६	४	०	७
२८	२०	२९	१३	२९	१३	९	२८
४३	५	४५	९	१०	१२	१४	५६
७	५३	७	३२	५२	४३	३०	१०
६१	४५	९९	१३	७३	०	३	६१
१९	२८	४७	२७	१२	२३	११	०

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेमार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु १६ ५१ आ ४३ २९ शु ३३ ३३ को १६ ५१	३५ ६	५३	७	१७	२	१५	मिथुने	मेषे शुक्रः २८।१६ वक्री शनिः ५३।३६
२	श १३ ३३ पु ४१ १४ न्न २७ ३२ ग १३ ३३	३७	५३	७	१८	३	१६	क.२६।४८	भ. ४१।२५ उ.
३	र ९ १७ पु ३८ ८ ऐं २० ४२ वि ९ १७	३६	५३	७	१९	४	१७	कर्के	भ.१९ या. चतुर्थीब्र. अस्तंगुरोः १६ अ.गु.
४	चं ४ १६ श्लै ३४ ४१ वै १३ ३३ बा ४ १६	३६	५३	७	२०	५	१८	सिं३४।४१	
५	चं ५४ ३६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +उषायां भौमः ३४।५५
६	मं ५३ ११ म ३० ४४ वि ६ ५२ ग २६ १	३६	५३	७	२१	६	१९	सिंहे	भ.५३ उ. उत्तरायण प्रवृत्तिः ५१।४६
७	बु ४७ १८ पू २६ ४० आ ५० २० वि २० १४	३६	५३	७	२२	७	२०	कं.४०।३८	भ. २०।१४ या. पूषायां बुधः ३१।३८+
८	गु ४१ ३२ उ २३ ३१ सौ ४२ ३६ बा १४ २५	३६	५३	७	२३	८	२१	कन्यायां	
९	शु ३६ २ ह १८ ३७ शो ३४ ५८ तै ८ ४७	३७	५३	७	२४	९	२२	तु.४६।५५	
१०	श ३१ ३ चि १५ १३ अ २७ ४७ व ३ ३२	३७	५३	७	२५	१०	२३	तुलायां	भ. ३।३२ उ. ३१।३ या.
११	र २६ ४५ स्वा १२ १३ सु २१ ६ बा २६ ४५	३८	५२	८	२६	११	२४	बृ.५५।४३	मकरे भौमः ४८।५२ सफला ११ ब्र.
१२	चं २३ १६ वि १० १३ धृ १५ ४ तै २३ १६	३८	५२	८	२७	१२	२५	वृश्चिके	प्रदोषः ÷ज्येष्ठायां शुक्रः २२ ७
१३	मं २० ५० अ ९ २१ शू १ ५७ व २० ५०	३८	५२	८	२८	१३	२६	वृश्चिके	भ.३० उ. ५०।९ या. उषायां रविः ५५÷
१४	बु १९ २९ ज्ये ९ ३ गं ५ ४४ श १९ २९	३९	५२	८	२९	१४	२७	ध. ९।३	पूषायां २ गुरुः १९।४५
२०	गु १९ २८ मू १० १३ वृ २ २४ ना १९ २८	३९	५२	८	३०	१५	२८	धनुषि	उषायां बुधः ४२।५७

३७पं.पौ.कृ.६मं.इ.३।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	८	७	४	०	८
५	२५	१०	१४	७	१३	८	६
५२	३०	५१	४५	५२	१२	५२	३
३३	४०	५८	४०	५२	१८	१४	४०
६१	४५	९९	१३	७३	१२	३	६१
२२	४३	९५	३२	२०	ब	११	५

गोचरग्रहाः

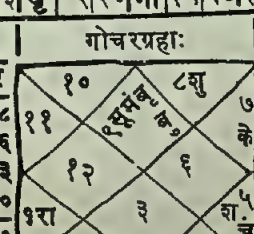

इस मास में धान्य रुई सूत कपड़ा अलसी चांदी खांड़ मंदा होगा प्रजा में सुख शांति रहेगी।

गोचरग्रहाः

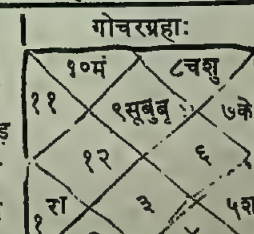

३८पं.पौ.कृ.१३मं.इ.३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	८	७	४	०	८
१३	०	२२	१६	१६	१३	८	१३
२	५७	४	२२	३५	६	२९	११
२६	१८	४४	४४	३५	३५	५९	३८
६१	४५	९९	१३	७३	११	३	६१
२६	५३	४५	३८	३५	ब	११	६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः५०१९सन्१९४८
१	शु	२०	४९	पू	१२	३८	ध्रु	२	३८	ब	२०	४९	३५	६	५	३१	१६	२९	म.२८।३४	
२	श	२३	११	उ	१६	२४	ह	५८	१९	कौ	२३	११	४१	५२	८	१	१७	३०	मकरे	चंद्रद. अस्तं भौमः ५० जनवरी मा. १
३	र	२७	१	श्र	२१	१२	व	५८	३७	ग	२७	१	४२	५२	८	२	१८	१	कु.५४।४	भ.५९ उ. मकरे बुधः९।१९ रविलावल३
४	चं	३१	३३	ध	२६	५६	सि	५९	३२	वि	३१	३३	४३	५१	९	३	१९	२	कुम्भे	भ.३१।३३ या. पश्चिमोदयी बुधः४८।४
५	मं	३६	३७	श	३३	१०	व्य	६०	०	ब	४	५	४४	५१	९	४	२०	३	कुम्भे	
६	बु	४१	५३	पू	३९	३३	व्य	०	४७	कौ	६	१५	४६	५१	९	५	२१	४	मी२२।५७	
७	गु	४६	५८	उ	४५	४९	व	१	४८	ग	१४	२५	४७	५१	९	६	२२	५	मीने	भ. ४६।५८ उ. *ता.३१ सन् १९४९
८	शु	५१	३५	रे	५१	५६	प	२	५९	वि	१९	१७	४९	५०	१०	७	२३	६	मे.५१।५६	भ. १९।१७ या. धनुषि शुक्रः ४५।१
९	श	५५	११	अ	५६	२६	शि	३	२२	बा	२३	२३	५०	५०	१०	८	२४	७	मेषे	श्रवणे बुधः३०।२५ श्रवणे भौमः ३३।३३
१०	र	५७	४५	भ	६०	०	सि	२	५३	तै	२६	२८	५२	५०	१०	९	२५	८	मेषे	
११	चं	५९	६	भ	०	२०	सा	२	७	व	२८	२५	५४	४९	११	१०	२६	९	वृ.१५।५०	भ.३९ उ.५९ या. उषायां रविः२३ पुत्रदा=
१२	मं	५९	८	कृ	२	१९	शु	१	५९	ब	२९	१	५६	४९	११	११	२७	१०	बृषे	पुत्रदा ११ ब्र. वै. नि. =११ब्र. स्मा.
१३	बु	५७	५२	रो	४	६	ब्र	५३	१	कौ	२८	३०	५८	४८	१२	१२	२८	११	मि३४।४२	पूषायां ३ गुरुः ४४।२६ प्रदोषः
१४	गु	५५	२१	मृ	५	१८	ऐं	४८	२	ग	२६	३७	२६	४८	१२	१३	२९	१२	मिथुने	भ. ५५।२१ उ. मकरेऽर्कः ३७।५०
१५	शु	५१	५६	आ	३	११	वै	४२	०	वि	२३	२८	०	४७	१३	१४	१	१३	क.४६।४६	भ. ३३ या. उदयं गुरोः १८।३६ उ.गु.

३९पं.पौ.शु.५मं.इ.३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	८	७	४	०	८
२०	६	३	१८	२५	१२	८	२०
१२	२५	२१	०	१९	५५	७	१९
२५	४४	४०	०	४८	५६	४४	४४
६१	४५	५०	१३	७३	४७	३	६१
२६	५८	४८	३८	४४	ब	११	६

गोचरग्रहाः

पौष शु. १४ गुरौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ प्रगत्भाव-स्था(बैठी) मु.१५ (धान्यभाव तेज) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

४०पं.पौ.शु.१२मं.इ.३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	८	८	४	०	८
२७	११	१४	१९	४	१२	७	२७
२२	५५	१८	३७	४	३८	४४	२७
१४	४१	४०	१६	२६	४९	२९	४४
६१	४६	५०	१३	७३	२८	३	६१
२४	८	१७	३२	५०	ब	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	श	४७	३९	पु	१७	५७	वि	३५	४५	बा	१९	४८	२६	५	५	१५	२	१४	कर्क	
२	र	४२	३४	श्ले	५४	५४	प्री	२८	४४	तै	१५	६	७	४७	१३	१६	३	१५	सिं५४।५४	
३	चं	३७	५	म	५१	८	आ	२१	११	व	९	४९	१०	४६	१४	१७	४	१६	सिंहे	भ.९।४९उ.३७।५या.धनिष्ठायांबुधः५९
४	मं	३१	२२	पू	४७	१	सौ	१३	२८	ब	४	१३	१२	४६	१४	१८	५	१७	सिंहे	पूषायां शुक्रः २८।२ *चतुर्थी ब्र.
५	बु	२५	३१	उ	४२	५१	शो	४०	५२	तै	२५	३१	१५	४५	१५	१९	६	१८	कं.०।५८	
६	गु	१९	४८	ह	३८	५७	सु	५०	९	व	२९	४८	१७	४५	१५	२०	७	१९	कन्यायां	भ.१९ उ.४७।१या. अभि. प्र. रविः९।७
७	शु	१४	१४	चि	३५	१९	धृ	४२	५०	ब	१४	१४	२०	४४	१६	२१	८	२०	तु. ७।८	
८	श	९	२८	स्वा	३२	२६	शू	३६	०	कौ	९	२८	२२	४४	१६	२२	९	२१	तुलायां	
९	र	५	९	वि	३०	१४	गं	२९	४७	ग	५	९	२५	४३	१७	२३	१०	२२	बृ.१५।४७	भ. ३३।३० उ. श्रवणे रविः २५।७
१०	चं	१	५१	अ	२८	३७	वृ	२४	२१	वि	१	५१	२७	४३	१७	२४	११	२३	वृश्चिके.	भ. १।५१ या. अभि. नि. रविः२५ वक्री×
११	चं	५६	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ×बुधः४३ षट्तिला११ब्र.स्मा.
१२	मं	५८	१५	ज्ये	२८	२८	ध्रु	१९	५३	कौ	२८	२२	३०	४२	१८	२५	१२	२४	ध.२८।२८	धनिष्ठायां भौमः३० षट्तिला११ब्र.वै.नि.
१३	बु	५८	३१	मू	२९	२१	ष्या	१५	२७	ग	२८	२३	३३	४१	१८	२६	१३	२५	धनुषि	भ. ५८।३१ उ. प्रदोषः
१४	गु	५९	४९	पू	३१	३०	ह	१३	३६	वि	२९	१०	३६	४१	१९	२७	१४	२६	म.४७।२३	भ.३९ या. पूषायां४ गुरुः२५ पश्चिमास्तं
२०	शु	६०	०	उ	३५	३	व	१२	०	श	३१	७	३९	४०	२०	२८	१५	२७	मकरे	
२०	श	२	२६	श्र	३९	३१	सि	११	२४	ना	२	२६	४२	४०	२०	२९	१६	२८	मकरे	उषायां शुक्रः ५।३४ +बुधः १०।३६

४१पं.मा.कृ.४मं.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	८	८	४	०	९
४	१७	२३	२१	१२	१२	७	४
३१	२६	२५	१३	४९	१८	२३	३५
४३	१३	३०	५५	५५	०	१३	३८
६१	४६	७४	१३	७३	५०	३	६१
१९	१८	५६	३२	५६	ब	११	३

गोचरग्रहाः

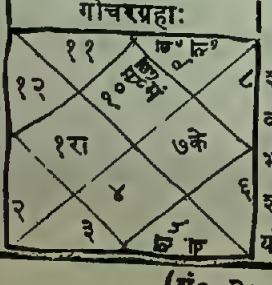

इस मास में पांच शनि तथा पांच रवि वार हैं प्रजा में रोग भय भूकंप भय होगा शांत आंधी से खेति-यों में नुकसान।

गोचरग्रहाः

४२पं.मा.कृ.१२मं.इ.३।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	८	८	४	०	९
११	२२	२६	२२	२१	११	७	११
४०	१७	५५	४९	३५	५३	०	४२
३४	४३	१९	२३	१०	१०	५८	५०
६१	४६	४८	१३	७४	४८	३	६०
१३	२२	ब	२०	२	ब	११	५९

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०४९ सन्१९४९
१	र ६ १० ध ४५ ४ व्य १० २० ब ६ १०	२६	३६	२१	३०	१७	२९	कुं.१२।१७	चंद्रद. *राहुःचित्रायां४केतुः४रविला.४
२	चं १० ५० श ५१ १५ व १२ १८ कौ १० ५०	४८	३८	२२	३१	१८	१	कुम्भे	वक्रीश्रवणेबुधः१९मकरेशुक्र.१६अश्वि.२*
३	मं १५ ५४ पू ५७ ३६ प १३ १६ ग १५ ५४	५२	३८	२२	१	१९	२	मी४१।१	भ. ४८।३१ उ. फरवरी मा.२ ता. २८
४	बु २१ ९ उ ६० ० शे १४ ३६ वि २१ ९	५५	३७	२३	२	२०	३	मीने	भ. २१।९ या.
५	गु २६ १० उ ४ ३ सि १५ २८ बा २६ १०	५८	३६	२४	३	२१	४	मीने	कुंभे भौमः ०।५७ वसंत ५
६	शु ३० ३८ रे १० ३१ सा १६ २२ तै ३० ३८	२७	३६	२४	४	२२	५	मे.१०।३१	
७	श ३४ १३ अ १५ ० शु १६ २६ ग २ २६	५	३५	२५	५	२३	६	मेषे	भ.१६उ. धनिष्ठायां रविः१६ पातस्पर्शः×
८	र ३६ ४० भ १९ ३ शु १५ ४१ वि ५ २७	९	३४	२६	६	२४	७	बृ.३४।४८	भ. ५।२७ या. भौष्म ८
९	चं ३७ ५१ कृ २३ ३ ब १३ ५८ बा ७ १५	१२	३४	२६	७	२५	८	बृषे	
१०	मं ३७ ४४ रो २३ १८ रै ११ १७ तै ७ ४७	१६	३३	२७	८	२६	९	मि५३।४०	श्रवणे शुक्रः ८।३८ पूर्वोदयी बुधः५५।४६
११	बु ३६ २० मृ २४ २ वै ७ २६ व ७ २	१९	३२	२८	९	२७	१०	मिथुने	भ. ७।२ उ. ३६।२० या. जया ११ ब्र.
१२	गु ३३ ४४ आ २३ ९ वि १९ ५५ ब ५ २	२२	३१	२९	१०	२८	११	मिथुने	भौष्म १२ ×३६ पातमोक्षः ३८
१३	शु ३० ५ पु २१ ३० आ ५१ १९ कौ १ ५४	२७	३१	२९	११	२९	१२	क.६।४७	शते भौमः २८।३ उषायां१ गुरुः३३।४२
१४	श २५ ४५ पु १८ ३४ सौ ४४ २५ व २५ ४५	३०	३०	३०	१२	३०	१३	कर्के	भ.२५।४५उ.५३।१२या. कुंभेऽर्कः४।५५
१५	र २० ३९ श्ले १५ १६ शो ३७ ६ ब २० ३९	३४	२९	३१	१३	१	१४	सिं१५।१६	मार्गी बुधः १४।४५ माघस्नान पूर्ति

४३पं.मा.शु.३ मं.इ.३।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	८	९	४	०	९
१८	२८	२२	२४	०	११	६	१८
४८	२९	१६	२३	२०	२४	३८	४९
३४	२८	४८	२४	१३	४०	४३	२३
६१	४६	६५	१३	७४	४	३	६०
४	२२	ब	८	८	ब	११	५५

गोचरग्रहाः

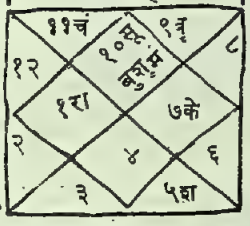

माघ शु.१४शनौ
कुंभेऽर्कः प्र. वा.३
न.३प्रगलभावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

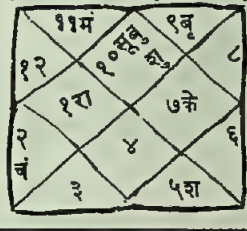

४४पं. मा.शु.१० मं.इ.३।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	८	९	४	०	९
२५	४	१४	२५	९	१०	६	२५
५५	३	२४	५५	४	५३	१६	५५
२२	२	२	१८	४८	२८	२७	२३
६०	४६	६४	१२	७४	२४	३	६०
५५	२२	ब	४७	१४	ब	११	४७

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं १५ ६ म १० ४० अ २९ ३३ बा १५ ६	३७	२८	३२	१४	२	१५	सिंहे	
२	मं ९ २० पू ७ ३७ सु २१ ५४ तै ९ २०	४२	२८	३२	१५	३	१६	कं.२१।३५	
३	बु ३ २९ उ २८ ५६ धृ १४ १ व ३ २९	४६	२७	३३	१६	४	१७	कन्यायां	भ. ३।२९ उ. ३०।४१ या. चतुर्थी ब्र.
४	बु ५४ २५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
५	गु ५२ २० चि ५५ ५२ शू २१ ५२ कौ २५ ७	५०	२६	३४	१७	५	१८	तु.२७।४४	पातस्पर्शः ५२।३
६	शु ४७ २० स्वा ५२ ४४ वृ ५१ ५९ ग १९ ५०	५४	२५	३५	१८	६	१९	तुलायां	भ.४७ उ. शते रविः४९ पातमोक्षः२।९
७	श ४३ ९ वि ५० १७ धु ४५ ३३ वि १५ १४	५८	२४	३६	१९	७	२०	वृ.३५।५४	भ.१५ या. धनिष्ठायां शुक्रः२७।११ वक्री*
८	र ४० ५१ अ ४८ ३२ ब्या ३९ ५४ बा १२ ०	२५	२४	३६	२०	८	२१	बृश्चिके	सीताष्टमी *मघायां३ शनिः १७।६
९	चं ३७ ३३ ज्ये ४८ ११ ह ३५ ७ तै ९ १२	६	२३	३७	२१	९	२२	ध.४८।११	
१०	मं ३६ २० मू ४८ ४८ व ३१ १६ व ६ ५७	१०	२२	३८	२२	१०	२३	धनुषि	भ. ६।५७ उ. ३६।२० या.
११	बु ३६ २७ पू ५० ४५ सि २८ २१ ब ६ २४	१४	२१	३९	२३	११	२४	धनुषि	विजया ११ ब्र.
१२	गु ३७ ५९ उ ५३ ५३ व्य २६ २६ कौ ७ १३	१८	२०	४०	२४	१२	२५	म.६।३२	कुम्भे शुक्रः ४९।३७
१३	शु ४० ४१ श्र ५८ २७ व २५ २७ ग ९ २०	२२	२०	४०	२५	१३	२६	मकरे	भ.४०।४१उ. प्रदोष.महाशिवरात्रीब्र.स्मा.
१४	श ४४ २८ ध ६० ० प २५ १९ वि १२ ३५	२६	१९	४१	२६	१४	२७	कु.३०।५९	भ. १२।३५ या. महाशिवरात्री ब्र. वै.
२०	र ४९ २ ध ३ ३१ शि २६ ४ च १६ ४५	३०	१८	४२	२७	१५	२८	कुंभे	उषायां २ मकरे गुरुः ४७।२४

४५पं. फा.कृ.२ मं.इ ४।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	९	४	०	१०
२	९	११	२७	१७	१०	५	२
१	३४	२५	२४	५०	२०	५४	०
२५	२३	४४	५८	३१	५३	१३	९
६०	४६	६५	१२	७४	४०	३	६०
४२	२२	मा	२०	२०	ब	११	३७

गोचरग्रहाः

इस मास में सरसों सण कुष्ठा कपड़ा नील जायफल सोंठ गुड़ खांड घृतादि रस जौ गेहूँ चणा धान्य तेज।

गोचरग्रहाः

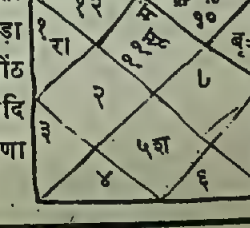

४६पं. फा.कृ.१०मं.इ.४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	९	४	०	१०
१०	१५	१४	२८	२६	९	५	१०
५	४	४	५१	३५	४६	३१	३
५६	५९	१९	२९	६	५९	५६	३८
६०	४६	४७	१२	७४	४०	३	६०
३१	२७	४७	२	२६	ब	११	२५

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५०७८ स.११४०
१	चं	५४	३	श	९	२९	सि	२७	९	किं	२१	३२	३८	६	१७	४३	२८	१६	२९	मी५९।१९	पूभायां भौमः १८ शुक्रबृद्धत्वारंभः२४।०
२	मं	५९	१८	पू	१५	५६	सा	२८	३०	बा	२६	४०	३८	१६	४४	१	१७	३०		मीने	चंद्रद. मार्च मा. ३ ता. ३१
३	बु	६०	०	उ	२२	१	शु	२९	३३	तै	३१	४५	४२	१६	४४	२	१८	१		मीने	शते शुक्रः १०।२ जमादिलावल ५
३	गु	४	१२	रे	२८	२६	शु	३०	३४	ग	४	१२	४६	१५	४५	३	१९	२		मे.२८।२६	भ. ३६।२४ उ. पूभायां रविः ५५।४
४	शु	८	३५	अ	३३	५१	ब्र	३०	४१	वि	८	३५	५०	१४	४६	४	२०	३		मेषे	भ.८।३५या. धनिष्ठायांबुधः५।० पूर्वास्तं×
५	श	१२	१	भ	३८	५	ऐं	३०	३७	बा	१२	१	५४	१३	४७	५	२१	४		वृ.५३।५२	
६	र	१४	२३	कृ	४१	१५	वै	२९	११	तै	१४	२३	५८	१२	४८	६	२२	५		बृषे	
७	चं	१५	२५	रो	४३	१०	वि	२७	८	व	१५	२५	२९	१२	४८	७	२३	६		वृषे	भ.२५ उ.४५।१७ या. होलाष्टक होई८
८	मं	१५	१०	मृ	४३	५८	प्री	२३	३२	ब	१५	१०	६	११	४९	८	२४	७		मि१३।३४	
९	बु	१३	३६	आ	४३	२३	आ	१९	१३	कौ	१३	३६	१०	१०	५०	९	२५	८		मिथुने	कुंभे बुधः २९।३३ ×शुक्रः २३ पू.अ.शु.
१०	गु	१०	५२	पु	४१	४६	सौ	१४	१	ग	१०	५२	१४	९	५१	१०	२६	९		क.२७।१०	भ. ३९।२ उ.
११	शु	७	१३	पु	३९	१३	शो	८	८	वि	७	१३	१९	८	५२	११	२७	१०		कर्के	भ. ७।१३ या. आमलकी ११ ब्र.
१२	श	२	३८	श्ले	३६	१०	अ	३८	५७	बा	२	३८	२३	७	५३	१२	२८	११		सिं३६।१०	पूभायां शुक्रः ५२ मीने भौमः ५६ प्रदोषः क्षयः
१३	श	५४	४८		०	०		०	०		०	०		०	०		०			०	
१४	र	५१	४५	म	३२	२८	धृ	४७	७	ग	२४	३७	२८	६	५४	१३	२९	१२		सिंहे	भ. ५१।४८ उ. मीनेऽर्कः ५५।२२
१५	चं	४५	५९	पू	२८	२८	शू	४०	०	वि	१८	५३	३२	६	५४	१४	१	१३		कं.४२।२५	भ.१८।५३या. होलिका शतेबुधः१५।४५

४७पं. फा.शु.२मं.इ.४।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	९	१०	४	०	१०
१७	२०	२०	०	५	९	५	१७
८	२५	७	१४	१९	१३	९	५
४६	५३	४	३८	१	१९	४१	५२
६०	४६	६४	११	७४	४८	३	६०
२०	१७	१०	२१	२६	च	११	१२

गोचरग्रहाः

फाल्गुन शु. १४ रवौ मीनेऽर्कः प्र. वा.३न.३प्रगल्भावस्था(बैठी)मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वस्थाम

गोचरग्रहाः

४८पं.फा.शु. ८मं.इ.५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	९	१०	४	०	१०
२४	२६	२८	१	१४	८	४	२४
१०	५	१४	३३	२	४०	४७	६
७	३१	५६	४०	४६	२७	२६	३४
६०	४६	७४	१०	७४	२९	३	५९
५	१७	३७	४७	२६	ब	११	१२

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २००५ शाकः १८७०										दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	मं	४०	१४	उ	२४	१८	गं	३१	५०	बा	१३	६	३६	६	५५	५	१५	२	१४	कन्यायां	बसंत १ छारेंडी
२	बु	३४	१५	ह	२०	२०	वृ	२४	८	तै	७	१४	४०	४	५६	१६	३	१५		तु.४८।२९	कलमदवात पूजा
३	गु	२८	५२	चि	१६	३८	ध्रु	१६	५३	व	१	३३	४४	३	५७	१७	४	१६		तुलायां	भ.१।३३ उ.६ या. उभायां रविः १६।०+
४	शु	२३	५०	स्वा	१३	१८	ध्या	९	३९	बा	२३	५०	४८	२	५८	१८	५	१७		वृ.५६।२५	उषायां ३ गुरुः १७।०
५	श	१९	३६	वि	१०	४७	ह	३	५४	तै	१९	३६	५२	२	५८	१९	६	१८		वृश्चिके	भ.१६।१६ उ.४४।३६या. मीने शुक्रः ५५
६	र	१६	१७	अ	८	१९	सि	५२	२१	व	१६	१७	५७	१	५९	२०	७	१९		वृश्चिके	शीतलापूजनं *भौमश्च ३३ चतुर्थी ब्र.
७	चं	१२	५६	ज्ये	८	१	व्य	४८	१७	ब	१२	५६	३०	६	०	६	२१	८	२०	ध. ८।१	
८	मं	१२	४४	मू	८	३६	व	४५	७	कौ	१२	४४	६	५९	०	६	२२	९	२१	धनुषि	
९	बु	१२	५१	पू	१०	१२	प	४२	५७	ग	१२	५१	१०	५८	२	२३	१०	२२		म.२५।५७	भ.४३।३४उ. उभायांबुधः२।१४उभायां+
१०	गु	१४	१७	उ	१३	११	शि	४१	५०	वि	१४	१७	१४	५७	३	२४	११	२३		मकरे	भ. १४।१७ या. +शुक्रः ३६।२०
११	शु	१७	०	श्र	१७	११	सि	४१	२९	बा	१७	०	१८	५६	४	२५	१२	२४		कुं.४९।४२	पापमोचनी ११ ब्र.
१२	श	२०	४६	ध	२०	१३	सा	४२	०	तै	२०	४६	२२	५६	४	२६	१३	२५		कुंभे	प्रदोषः
१३	र	२५	१७	श	२८	१३	शु	४३	१	व	२५	१७	२६	५५	५	२७	१४	२६		कुम्भे	भ. २५।१७ उ. ५७।४८ या.
१४	चं	३०	२०	पू	३४	३०	शु	४४	१७	श	३०	२०	३०	५४	६	२८	१५	२७		मी१७।५६	मीने बुधः ५१।९
३०	मं	३५	२३	उ	४०	५८	ब्र	४५	३९	च	२	५२	३४	५३	७	२९	१६	२८		मीने	अहर्गणः५१०७ च. ३ के.

४९पं. चै.कृ.१ मं.इ.५।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	९	१०	४	०	११
१	१	७	२	२२	८	४	१
९	३४	४८	४८	४५	९	२५	५
४९	१५	४०	४	१८	४०	१०	४६
५९	४६	८२	१०	७४	४९	३	५९
५८	७	५९	०	३२	च	११	४१

५०पं. चै.कृ.८ मं.इ.५।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	९	११	४	०	११
८	७	१८	३	१	७	४	८
७	१	३४	५७	२७	४१	२	३
४३	४४	८	२९	२९	२४	५५	२२
५९	४५	९१	९	७४	४९	३	५९
३५	५७	१४	२०	३२	ब	११	२९

५१पं.चै.कृ.३०मं.इ. ६।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	९	११	४	०	११
१५	१२	०	५	१०	७	३	१४
३	२६	२५	१	९	१६	४०	५९
४६	३८	१६	८	१४	३७	४०	१८
५९	४५	२०	८	७४	१०	३	५९
१८	४७	२५	३०	३२	ब	११	१९

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०५० तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५० भौग्यकलिः ४२६९५० अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दा सम्वत् २००६ शाकः १८७० अथास्मिन्वर्षे राजा बुधः । मंत्री बुधः । सस्येशः शनिः । धान्येशो गुरुः। मेघेशो भौमः । रसेशश्चंद्रः। नीरसेशो शुक्रः । फलेशः भौमः। धनेशो शुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १६ शुभकृन्नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत-मासादिः २।८।५१।३६ भोग्यमासादिः ९।२१।८।२४ वैश्व-दैवतंयुगम् । वर्षनाम आषाढ़ः। मेघ४नाम संवर्तः। समयनिवासः कुंभ-कार गृहे (जलपात्र में)। रोहिणी निवासः पर्वते । समय विश्वा ५ । समय वाहनं सिंचाणुः। स्तम्भ २ जलतृणयोः। सोमवत्यमा २। सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी ३ । बुधाष्टमीनास्ति । भानुसप्तमी २। रविदशमी २। समय मुहूर्ताः ३६० । समय दिनानिं ३५४। तिथि क्षयः १४ । तिथि वृद्धिः ८ । उत्पत्ति विश्वा १०५ । खपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा १७ । धान्य ९५. तृण ५. शीत ५. तेज५. वायुः१३. वृद्धिः१५. क्षयः १५. विग्रह११. ऐक्यं ९५. सत्यं ।।.धर्म१।। पाप १८ शनि दृष्टिर्दक्षिणे ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ भैरव खड़ा सुनो भवानी मात ।
छै संवत्सर का कहो श्री मुखसे कुशलात ।।

भवानी उत्तर

छठ्ठा मठ्ठा होय सी मध्यम वर्षे तोय ।।
व्यापारां घट बढ़ चले घर घर मंगल होय ।।१।।
वैशाखां तेजी चलैं अलसी रेशम सूत ।।
आपस में जनता लड़े चलैं परस्पर जूत ।।२।।
बुध राजा इस वर्ष में यह सब जग हर्षाय ।।
मंत्री पद को पाय कर करैं न्याय का न्याय ।।३।।
जल तृण के दो स्तम्भ हैं संवत् विश्वा बाण ।।
पकी पकाई साख में होसी खेंचा ताण ।।४।।
धर्म कर्म करते रहो भली करैं करतार ।।
"बनवारी" जगदीश का भजन जगत में सार ।।५।।

सं.२००६ आश्विन शुक्ला १५ शुक्रे ग्रस्तास्तं चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्व
रेल्वे	१	३	५	७	१०	९
टाइम	७	५५	४८	२५	२९	२२
देशी	६	८	८	९	१०	३
टाइम	५४	१	४०	१९	३२	३८

जहां रेलवे ६ बज कर ५४ मिनट पर चन्द्रास्त होगा, वहां यह ग्रहण स्पर्श मात्र भी नहीं दीखेगा । अतः जहां न दीखे वहां ग्रहण जन्यः स्नान दानादि का कोई फल नहीं, विशेष समय पर लिखेंगे । यह ग्रहण नवलगढ़ में नहीं होगा

वर्ष लग्नम् ६।११

लाभ-खर्च कोष्टक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ३।१९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४७।० केनकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।७।५६

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्–बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धनधान्य संकुलम् ।। मंत्री बुधस्तत्फलम्–शशिसुते शुभमंत्रि समागते स्वपतिना कुरुते मदन क्रियाम् । बहुधनं बहुवारि समन्वितं यव मसूर चणान्न महर्घता ।। सस्येशः शनिस्तत्फलम्–रविसुते यदि धान्य-पतौ जनाः नृपतिभिः परिपीड़ितविग्रहः । गद भयं तुष धान्य हरं सदा दुरितवाद-विवाद युतानराः ।। धान्येशो गुरुस्तत्फलम्–गुरौ धान्यपतौ याते यवगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः ।। मेघेशो भौमस्तत्फलम्–अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुतिविचार विहीन धराभवा । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतापदम् ।। रसेशश्चंद्रस्तत्फलम्–यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहुवारि विधायका रसवती धनधान्यवती मही ।। नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम्–कर्पूरागरुगंधानां हेममौक्तिक वाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशोभौमस्त-त्फलम्–फलपतिर्यदि भूतनयोभवेत् सुबहुपुष्प फलान्वित मेदिनी । गतभया नृपदेश जनास्तदा नृपतयो बहुविग्रह कारकाः ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम्–द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधना सकला भुविमानवाः । समसुखाःक्रयविक्रय जीविनो नृपतयो जन-पालन तत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम्–अवनिजो गढ़नायकतांगतो विविधदुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। वर्षनाम आषाढस्तत्फलम्–अर्घं महर्घतां याति धनधान्यं समं भवेत् । आषाढ़े स्वल्पवृष्टिश्च तुषधान्य महर्घता ।। शुभकृत् संवत्सरस्तत्फलम्–शुभकृद्वत्सरे पृथ्वी सम्पूर्णा विविधोत्सवैः । असकृत् चौरभयदा राजानः समरोत्सुकाः ।। मेघनाम संवर्तस्तत्फलम्–संवर्ते जलपूरिता ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम्–पर्वते बिंदुमात्रश्च ।। समय निवासः कुंभकारगृहे फलम्–अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत्२००६ शाके१८७१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ चंद्रे उषा. ल. १२ रे. ६ ।।ऽ।।ऽअऽऽ।।
,, ५ भौमे उषा. ल. गो. रे. ६ ।।ऽ।।ऽऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ११ चंद्रे रेवत्यां ल. ज्यगों. रे.७ ऽशु.।।।।ऽरोग।ऽ।।
शुक्ला ८शनौ उफा. ल. १२ (चं. ७ पू.) रे. ८ ।।।।।अ.ऽ।।।
,, ११भौमे स्वा. ल.१(चंद्रो.७मे.पू.)रे.९।।।।।।।ऽ।। आव.

आषाढ मासः

कृष्णा १शनौ मूले ल. १ रे. ७ ।।।।९सू।ऽऽ।।
,, ८ शनौ उभा.ल.१ रे.६ऽवृ.।।।।।ऽऽ। दग्धादोष आवश्यके
शुक्ला ८ रवौ हस्ते ल. ज्यगो. रे.७ ।।।।।ऽदो.।ऽ।ऽ दग्धा दोष आवश्यके

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला २ भौमे मूले ल. ७ रे. ८ ।।।।।ऽचो.ऽ।।।

पौष मासः

कृष्णा ६ रवौ मघा. ल. ज्यगो. रे. ६ ऽचऽ।।ऽशु.।।ऽ।।। पाद तोवेधाऽभावः आवश्यके

माघ मासः

कृष्णा११शनौ अनु. ल. गो. ७ घ. ४६ या. रे.६ ।ऽ।।।ऽऽ।ऽ दग्धा अत्यावश्यके

चैत्र मासः

कृष्णा ६ गुरौ अनु.ल.७-९(घ.५१।२८या.)रे.८ऽचंऽ।।।।।।।
,, ८ शनौ मूले ल.ज्यगो.(सोग्रांगः)७-८ रे.९।।।।।।ऽ।।
,, १० चंद्रे उषा. ल. ७ रे. ७ ।।।।ऽअग्नि।ऽ।। वृश्चिक घन लग्ने परिघार्द्धम्

अत्रक्वचित्स्मृति दृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१०८स.१९४९
१	बु ४०।२१ रे ४७।१२ ऐं ४६।५६ कि ७।५२	३०	५२	६	३०	१७	२९	मि.४७।१२	रेवत्यांरविः ३१ उभायांबुधः ३१ नवरात्रा.४
२	गु ४४।३३ अ ५२।४६ वै ४७।३१ बा १२।२७	४३	५१	९	३१	१८	३०	मेषे	चन्द्रद. पूर्वास्तो बुधः २५।५१ सिजारा
३	शु ४७।५१ भ ५७।१७ वि ४७।२५ तै १६।१२	४७	५१	९	१	१९	१	मेषे	अप्रेल मा.४ ता.३० जमादिलाखर मु.६+
४	श ५०। १ कृ ६०। ० प्री ४६।२१ व १८।५६	५२	५०	१०	२	२०	२	वृ.१३।८	भ.१६ उ.५१ या. +गणगौरी मत्स्यज.
५	र ५०।५५ कृ ०।४१ आ ४४।२२ ब २०।२८	५६	४९	११	३	२१	३	वृषे	रेवत्यां शुक्रः २१।५३ रेवत्यां भौमः २३।२८
६	चं ५०।३३ रो २।३७ सौ ४१।२५ कौ २०।४३	३१	४८	१२	४	२२	४	मिः३३।१५	अश्विन्यां १ राहुः चित्रायां ३ केतुः ३६
७	मं ४८।५३ मृ ३५।३ शो ३७।४६ ग १९।४३	३१	४७	१३	५	२३	५	मिथुने	भ. ४८।५३ उ. ×ध्वजारो. घटस्था.
८	बु ४६। ६ आ ३।३६ अ ३२।४६ वि १७।२९	८	४६	१४	६	२४	६	क.४७।३४	भ. १७।२९ या. रेवत्यां बुधः ५१।५८
९	गु ४२।२० पु १३।५६ सु २७। १ बा १४।१३	१२	४६	१४	७	२५	७	कर्के	राम ९ =शनिः ५६।१० हरिद.
१०	शु ३७।३७ श्ले ५६।५२ धृ २०।४२ तै १०। ०	१६	४५	१५	८	२६	८	सिं५६।५२	
११	श ३२।२२ म ५३।१२ शू १३।५३ व ४।५९	२०	४४	१६	९	२७	९	सिंहे	भ.४।५९ उ.३२।२२ या. कामदा११ब्र.
१२	र २६।३४ पू ४९।२५ गं ६।५३ बा २६।३४	२४	४३	१७	१०	२८	१०	सिंहे	उषायां ४ गुरुः २८।६ वक्री मघायां २=
१३	चं २०।४२ उ ४५।३१ धु ५१।२३ तै २०।४२	२८	४२	१८	११	२९	११	कं.३।२७	
१४	मं १४।४३ ह ४१।१९ ष्या ४३।४३ व १४।४३	३२	४२	१८	१२	३०	१२	कन्यायां	भ.१४।४३ उ.४१।४६ या. ●वै.स्ना.प्रा.
१५	बु ८।५० चि ३७।२४ ह ३६। ९ ब ८।५०	३६	४१	१९	१३	३१	१३	तु.९।२१	मेषेऽर्कः १७ मेषे बुधः २३ हनुमज्जयंती●

५२पं. चै.शु.७ मं.इ.६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	९	११	४	०	११
२१	१७	१३	५	१८	६	३	२१
५७	५०	२१	५८	५०	५५	१८	५३
५८	५६	२६	४४	२	५५	२४	३१
५९	४५	५९	७	७	३०	३	५९
४	४७	५९	२३	३७	ब	११	४

गोचरग्रहाः

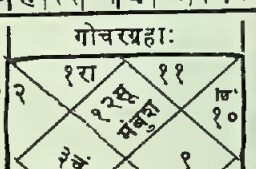

वैशाख शु.१५बुधे
मेषेऽर्कः प्र. वा.४
न.४कुमारावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रास्तः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

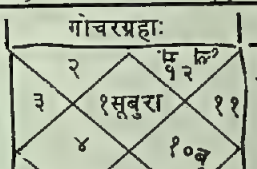

१पं. चै.शु.१५बु.इ.२२।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०।	११	०	९	११	४	०	०
०।	२४	०	६	२९	६	२	०
४।	१०	३	५८	३	३५	५२	०
७।	४८	७	५	५०	४२	५	०
५८	४५	५९	६	७४	४	३	५८
४५	३२	२९	१४	३८	ब	११	४४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु ३।१५ स्वा ३४ ५ ब २९। ४ कौ ३।१५	३१	४०	५	२०	१४	१	१४	तुलायां मेषे शुक्रः ७।२१
२	गु ५४।५८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	९	०	०	०	०	
३	शु ५४। ४ वि ३१।२७ सि २२।२९ व २६। ९	४४	३९	२१	१५	२	१५	वृ.१६।२९	भ. २६।२ उ. ५४।४ या.
४	श ५०।३८ अ २९।२२ व्य १६।२६ व २२।२१	४७	३९	२१	१६	३	१६	वृश्चिके	चतुर्थी ब्र.
५	र ४८। १० ज्ये २८।२२ व ११।२४ कौ १९।२४	५१	३८	२२	१७	४	१७	ध.२८।२२	
६	चं ४६।५२ मू २८।२७ ष ७। २ ग १७।३१	५४	३७	२३	१८	५	१८	धनुषि	भ. ४६।५२ उ.
७	मं ४६।५२ पू २९।५९ शि ३।४४ वि १६।५२	५८	३६	२४	१९	६	१९	म.४५।३३	भ. १६।५२ या. भरण्यां बुधः ३५।२४
८	बु ४८। ७ उ ३२।१४ सि २५।४२ बा १७।२९	३२	३६	२४	२०	७	२०	मकरे	
९	गु ५०।४४ श्र ३६।१५ शु ५९।४१ तै १९।२५	६	३५	२५	२१	८	२१	मकरे	मेषे भौमः १।५२ . .
१०	शु ५४।३३ ध ४१। ८ शु ६०। ० व २२।३८	९	३४	२६	२२	९	२२	कु.८।४१	भ. २२।३८ उ. ५४।३३ या.
११	श ५८।५७ श ४६।५१ शु ०। ५ ब २६।४५	१३	३३	२७	२३	१०	२३	कुंभे	वरूथिनी ११ब्र.स्मा. ×कृतिकायां बुधः ५५
१२	र ६०। ० पू ५३।११ ब्र १।११ कौ ३१।२३	१७	३३	२७	२४	११	२४	मी३६।३६	भरण्यांशुक्रः ५६।७ पश्चिमोदयीबुधः ५९●
१२	चं ३।४९ उ ५९।४२ ऐं २।३२ तै ३।४९	२१	३२	२८	२५	१२	२५	मीने	प्रदोषः ●वरूथिनी ११ ब्र. वै. नि.
१३	मं ८।५० रे ६०। ० वै ४। ३ व ८।५०	२५	३१	२९	२६	१३	२६	मीने	भ. ८।५० उ. ४९ या. भरण्यां रविः ५९ ×३
१४	बु १३।३२ रे ६। ४ वि ५।२२ श १३।३२	२९	३०	३०	२७	१४	२७	मे. ६।४	बृप बुधः ५७।३८ अगस्त्यास्तः ४।२८
२०	गु १७।५० अ ११।३८ प्री ६।१५ ना १७।५१	३३	२९	३१	२८	१५	२८	मेषे	

२पं. वै.कृ.८ बु.इ.२२।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	९	०	४	०	०
६	२९	१४	७	७	६	२	६
५४	३०	५७	३९	४३	२४	२९	५०
५७	१४	३६	४३	२३	४७	५०	३८
५८	४५	२९	५	७४	३	३	५८
२९	२२	३०	६	३८	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

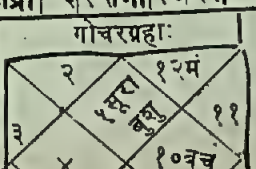

इस मास में छह ग्रहोंका योग अमावसको बना है सो राजाओंमें विग्रह कहीं भूकम्प से भारी नुकसान

गोचरग्रहाः

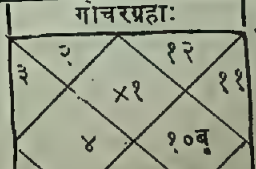

३पं. वै.कृ.१४बु.इ.२२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	९	०	४	०	०
१३	४	२८	८	१६	६	२	१३
४२	४९	५८	१३	२२	१९	७	३९
४१	५३	४१	५२	२६	१	३४	४१
५८	४५	२९	३	७४	१२	३	५८
१२	१२	३३	५९	३८	ब	११	२०

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

×सूचंमंबुशुरा

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५१३८ सन्१९४९
१	शु	२१	७	भ	१६	२७	आ	६	२६	ब	२१	७	३६	२९	३५	२९	१६	२९	बृ.३२।२३	चंद्रद.
२	श	२३	१०	कृ	२०	१३	रो	५	४७	को	२३	१०	४०	२८	३०	३०	१७	१	वृषे	मार्गी शनिः३१।४६ रज्जव७ परशुरामव.
३	र	२४	२२	रो	२२	४२	शो	३	५८	ग	२४	२२	४३	२७	३३	१	१८	२	मि५३।२१	भ. ५३।५९ उ. मई मा.५ता.३१ अक्षयत्र.
४	चं	२३	३७	मृ	२३	५५	अ	२४	५७	वि	२३	३७	४७	२७	३३	२	१९	३	मिथुने	भ. २३।३७ या.
५	मं	२१	५५	आ	२४	३	र्द्र	५३	६	बा	२१	५५	५०	२६	३४	३	२०	४	मिथुने	रोहिण्यां बुधः ५८।५१
६	बु	१९	७	पु	२२	५२	शु	४७	४२	तै	१९	७	५४	२५	३५	४	२१	५	क.८।१०	गंगोत्पत्तिः ×पश्चिमोदयी शुक्रः ३९
७	गु	१५	२०	पु	२०	४६	नं	४१	३४	व	१५	२०	५८	२४	३६	५	२२	६	कर्के	भ.१५ उ.४० या. कृतिकायां शुक्रः४३।९
८	शु	१०	१	श्ले	१७	५८	वृ	३४	५६	ब	१०	१	३३	२४	३६	६	२३	७	सिं१७।५८	
९	श	५	६	म	१४	२९	ध्रु	२७	४५	को	५	६	४	२३	३७	७	२४	८	सिंहे	
१०	श	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *भौमः४३ मोहिनी ११ब्र. स्मा.
११	र	५३	२२	पू	१०	४१	श्ले	२०	१८	व	२६	१९	७	२३	३७	८	२५	९	कं.२४।३८	भ.२६ उ.५३।२२या. बृषेशुक्रः२६ भरण्यां०
१२	चं	४७	१९	उ	६	३०	ह	१२	४०	ब	२०	२१	१०	२२	३८	९	२६	१०	कन्यायां	मोहिनी ११ ब्र. वै. नि. प्रदोषः
१३	मं	४१	२४	ह	२६	५६	व	८	२८	को	१४	२१	१३	२१	३९	१०	२७	११	तु.३०।२९	कृत्तिकायां रविः ४७।१८
१४	बु	३५	३१	सा	५५	२	व्य	५०	२९	ग	८	२७	१६	२१	३९	११	२८	१२	तुलायां	भ. ३५।३१ उ. नृसिंहजयन्ती प.उ.शु.
१५	गु	३०	३७	वि	५१	५५	च	४३	४९	वि	३	४	१९	२०	४०	१२	२९	१३	बृ.३७।४२	भ.३।४या. कूर्मजयंती अन्नदानं वै.स्मा.पू.×

४पं. वै.शु.६ बु.इ.२२।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	९	०	४	०	०
२०	१०	१०	८	२५	६	१	२०
२९	२	२८	३९	०	१८	४५	२७
२०	४६	८	२२	२५	४३	१९	२२
५७	४४	६९	२	७४	२३	३	५८
५७	५२	५८	४१	३२	मा	११	६

इस मास में मंगल राहु की युति तिथि-क्षय और बुध शुक्रका योग रुई मन्दी और वर्षा कारक है।

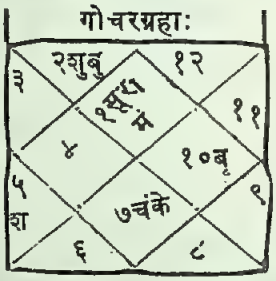

५पं. वै.शु.१४ बु.इ.२३।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	९	१	४	०	०
२७	१५	१८	८	३	६	१	२७
१४	१५	५२	५६	३८	२३	२३	१३
३४	४०	१	१०	५३	३८	४	३०
५७	४४	३१	१	७४	१	३	५७
४५	३०	३०	२०	३२	७	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२६	१२	अ	४९	५१	प	३७	४३	को	२६	१२	३३	२०	४०	१३	३०	१४	बृश्चिके	
२	श	२२	४१	ज्ये	४९	३४	शि	३२	२५	ग	२२	४१	२५	१९	४१	१४	३१	१५	ध.४९।३४	भ. ५१।२४ उ. बृषेऽर्कः १५।५
३	र	२०	८	मू	५०	३०	सि	२८	११	वि	२०	८	२८	१८	४२	१५	१	१६	धनुपि	भ. २०।८ या. चतुर्थी ब्र.
४	चं	१८	५२	पू	५१	१०	सा	२४	३५	बा	१८	५२	३१	१८	४२	१६	२	१७	धनुषि	रोहिण्यां शुक्रः ३४।५
५	मं	१८	४७	उ	५२	४७	शु	२२	२	तै	१८	४७	३४	१७	४३	१७	३	१८	म.६।३४	
६	बु	१९	५३	श्र	५५	१३	शु	१९	३४	व	१९	५३	३६	१७	४३	१८	४	१९	मकरे	भ.१९।५३ उ.५१ या. बक्री बुधः१०।१२०
७	गु	२२	१८	ध	६०	०	ब्र	१९	६	व	२२	१८	३९	१६	४४	१९	५	२०	कुं.२७।३९	बक्री गुरुः ५०।४ पातमोक्षः ११।३०
८	शु	२५	५२	ध	०	५	ऐं	२०	२६	को	२५	५२	४१	१६	४४	२०	६	२१	कुम्भे	
९	श	३०	१६	श	५	३२	वै	२१	२३	ग	३०	१६	४४	१५	४५	२१	७	२२	मी५५।१३	
१०	र	३५	२३	पू	११	४७	वि	२२	५३	व	२	४९	४६	१५	४५	२२	८	२३	मीने	भ.२।४९ उ.३५ या. मघायां३ शनिः२।५६
११	चं	४०	०	उ	१८	९	प्री	२४	२२	ब	७	४१	४८	१४	४६	२३	९	२४	मीने	अपरा ११ ब्र. *पातस्पर्शः ५७।१४
१२	मं	४४	४७	रे	२४	३७	आ	२५	५०	को	१२	२३	५०	१४	४६	२४	१०	२५	मे.२४।३७	रोहिण्यां रविः ४१।१४
१३	बु	४८	५४	अ	३०	२५	सौ	२६	५०	ग	१६	५	५२	१४	४६	२५	११	२६	मेषे	भ.४८ उ. पश्चिमास्तो बुधः२४ प्रदोषः
१४	गु	५२	६	भ	३५	१६	शो	२७	१४	वि	२०	३०	५४	१३	४७	२६	१२	२७	वृ.५१।१७	भ.२०।३०या. कृतिकायां भौमः५२।५२
१५	शु	५४	१०	कृ	३९	२०	अ	२६	५३	च	२३	८	५६	१३	४७	२७	१३	२८	बृषे	मृगे शुक्रः२२।१४ वटपूजनम् भावुका३०

६पं. ज्ये.कृ.६ बु.इ.२३।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	९	१	४	०	१
३	२०	२३	९	१२	६	१	३
५८	२५	१४	३	१५	३३	०	५८
११	३७	५६	४७	९३	३२	४८	२८
५७	४४	३	०	७४	१	३	५७
२४	१६	ल	१९	३२	४६	११	४४

ज्येष्ठ कृ.२ शनौ बृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

७पं.ज्ये.कृ.१३ बु.इ.२३।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	९	१	४	०	१
१०	२५	२३	९	२०	६	०	१०
४०	३४	४२	१	५२	४८	३८	४२
२१	१६	२९	५५	३७	२५	२३	२०
५७	४४	३३	३५	७४	२	३	५७
२३	६	ब	ब	२६	२५	११	३५

*चंमरा

ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१ वि. उ. अ. इ. हि. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१६७ स. १९४९

ति.																		
१	श	५४	५९	रो	४२	११	सु	२५	२०	कि	२४	३४	३३ ५५	१२	४८	२८	१४	२९	वृषे	
२	र	५४	३४	मृ	४३	३८	धृ	२३	९	बा	२४	४६	३४ ००	१२	४८	२९	१५	३०	मि १२।५४	चंद्रद.
३	चं	५२	४८	आ	४४	६	शू	१९	३५	तै	२३	४१	२	१२	४८	३०	१६	१	मिथुने	सादान ८ रंभा ब्र.
४	मं	४९	५५	पु	४३	११	गं	१५	२०	व	२१	२२	४	११	४९	३१	१७	२	क. २८।२५	भ. २१।२२ उ. ४५ या. वृषेभौमः ३१।१०
५	बु	४६	५	पु	४१	२०	वृ	१०	०	ब	१८	०	६	११	४९	१	१८	३	कर्के	मिथुनेशुक्रः ४६ पातस्पर्शः ३६ पातमोक्षः ५३ ३०
६	गु	४१	२२	श्ले	३८	३१	धु	५० ३५	५५	कौ	१३	४३	८	१०	५०	२	१९	४	सिं	३८।३१	उदयी भौमः ३७।४३
७	शु	३५	५५	म	३५	१३	ह	५०	२५	ग	८	३८	९	१०	५०	३	२०	५	सिंहे		भ. ३५।५५ उ. *जून मा. ६ ता. ३०
८	श	३०	९	पू	३१	३५	व	४३	१	वि	३	२	११	१०	५०	४	२१	६	कं. ४५।३२		भ. ३।२ या. ●गंगादशहरा
९	र	२४	७	उ	२७	२५	सि	३५	२५	कौ	२४	७	१२	१०	५०	५	२२	७	कन्यायां		
१०	चं	१८	१	ह	२३	५९	व्य	२८	८	ग	१८	१	१४	९	५१	६	२३	८	तु. ५१।४५		भ. ४५।०उ. मीने राहुः कन्यायां केतुः ३१ ●
११	मं	१२	०	चि	१९	३१	व	२०	२३	वि	१२	०	१५	९	५१	७	२४	९	तुलायां		भ. १२।० या. मृगे रविः ४०।३ आर्द्रायां×
१२	बु	६	१२	स्वा	१६	१६	प	१३	९	बा	६	१२	१६	९	५१	८	२५	१०	वृ. ५८।३२		प्रदोषः ×शुक्रः ३५ निर्जला ११ ब्र.
१३	शु	१	३	वि	१२	३७	शि	६	२३	तै	१	३	१७	८	५२	९	२६	११	बृश्चिके		भ. ५६।३१ उ.
१४	शु	५५	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
१५	शु	५२	५३	अ	१०	२८	सि	१५ ५५	५५	वि	२४	४२	१८	८	५२	१०	२७	१२	बृश्चिके		भ. २४।४२ या. वटसावित्री पूजनं

८पं. ज्ये.शु. ५ बु. इ. २३।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	९	१	४	०	१
१७	०२१	८	२९	७	०	१७	
२१	३८	२	५०	२८	८	१६	२५
२७	१७	२८	४९	३०	६	१८	७
५७	४३	३३ ५८	३३	७४	३	३	५७
१३	५३	ब	ब	१६	९	११	२७

गोचरग्रहाः

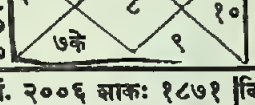

इस मास में राजा प्रजामें सुख शांति कहीं२ अग्नि भय धूप अधिक पड़ेगी व्यापार में घटबढ़ अन्न का भाव तेज

गोचरग्रहाः

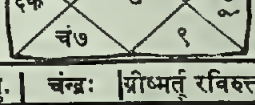

९पं. ज्ये.शु. १२ बु. इ. २३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	९	२	४	११	२
२४	५	१७	८	८	७	२९	२४
१	४०	२६	२१	४	३२	५७	७
२३	४४	४६	१	१	२	२	८
५७	४३	३९ ५८	४६	७४	३	३	५७
५	२०	व	व	२०	४२	११	२२

ति. आषाढ़ कृष्णपक्ष सं. २००६ शाकः १८७१ वि. उ. अ. इ. हि. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

ति.																		
१	श	५०	१३	ज्ये	९	८	शु	५०	१७	बा	२१	३३	३४	८	५३	११	२८	१३	ध. ९।८	
२	र	४८	४०	मू	८	१९	शु	४६	४४	तै	१९	२६	२०	८	५२	१२	२९	१४	धनुषि	सब्बरात
३	चं	४८	२७	पू	९	२	ब्र	४४	२२	व	१८	३३	२१	८	५२	१३	३०	१५	म. २४।३२	भ. ३६ उ. ४८।२७ या. पूर्वोदयी बुधः ३८
४	मं	४९	३३	उ	११	४	ऐं	४२	२३	व	१९	०	२१	८	५२	१४	३१	१६	मकरे	मिथुनेऽर्कः ४९ रोहिण्यांभौमः ३५ चतुर्थीव्र.=
५	बु	५१	४२	श्र	१४	२१	वै	४१	४५	कौ	२०	३७	२२	८	५२	१५	१	१७	कु. ४६।३३	
६	गु	५५	१४	ध	१८	४५	वि	४१	५०	ग	२३	२८	२२	८	५२	१६	२	१८	कुम्भे	भ. ५५ उ. =पातस्पर्शः ३६ पातमोक्षः ३४
७	शु	५९	३३	श	२४	१३	प्री	४२	४६	वि	२७	२२	२३	७	५३	१७	३	१९	कुंभे	भ. २७।२२ या.
८	श	६०	०	पू	३०	१४	आ	४४	१८	बा	३१	५२	२३	७	५३	१८	४	२०	मी १३।४४	पुनर्वसौ शुक्रः ६।२८
८	र	४	१४	उ	३६	३२	सौ	४५	४६	कौ	४	१४	२३	७	५३	१९	५	२१	मीने	
९	चं	८	५८	रे	४३	०	शो	४७	२६	ग	८	५८	२४	७	५३	२०	६	२२	मे. ४३।०	भ. ४१।२५ उ. मार्गी बुधः ५५।३८
१०	मं	१३	४६	अ	४८	५०	अ	४८	२८	वि	१३	४६	२४	७	५३	२१	७	२३	मेषे	भ. १३।४६ या. आर्द्रायां रविः ४२।३३×
११	बु	१७	४७	भ	५४	६	शु	४९	८	बा	१७	५७	२४	७	५३	२२	८	२४	मेषे	योगिनी ११ ब्र.
१२	गु	२१	९	कृ	५८	४०	धृ	४८	५५	तै	२१	९	२४	७	५३	२३	९	२५	बृ. १०।१४	प्रदोषः ×दक्षिणायन प्रवृत्तिः ५।२
१३	शु	२३	१६	रो	६०	०	शू	४७	३९	व	२३	१६	२४	७	५३	२४	१०	२६	बृषे	भ. २३।१६ उ. ५५।४४ या.
१४	श	२४	१३	रो	१	३१	गं	४५	३७	श	२४	१३	२३	७	५३	२५	११	२७	मि ३२।२५	
३०	र	२३	४८	मृ	३	१९	वृ	४२	२१	ना	२३	४८	२३	७	५३	२६	१२	२८	मिथुने	कर्के शुक्रः २१।५२

१०पं. आ.कृ. ५ बु. इ. २३।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	९	२	४	११	२
०	१०	१५	८	१६	८	२९	०
४०	४०	२८	२	३८	०	३१	४८
३१	१६	१९	३८	२४	१८	४७	२५
५६	४३	३८ ५९	५३	७४	४	३	५७
५७	४	च	ब	१८	२०	११	१७

गोचरग्रहाः

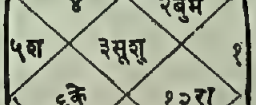

आषाढ़कृं. ४ भौमे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न. ५ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

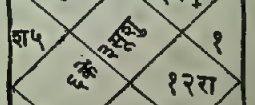

११पं. आ.कृ. ११ बु. इ. २३।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	९	२	४	११	२
७	१५	१६	७	१५	८	२९	७
१८	३६	५३	२६	११	३२	९	२९
५९	४३	२०	१७	५३	४९	३१	१६
५६	४२	५३ ५९	०	७४	४	३	५७
५४	२४	मा	ब	८	५०	११	१३

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः५१९७ स.१९४
१	चं २२ ८ आ ३५७ ध्रु ३८ १३ ब २२ ८ ३४ ५ ५३ २७ १३ २९	क.४८।४४	चंद्रद. पातस्पर्शः ३६ पातमोक्षः५५।३४
२	मं १९ १९ पु ३३९ ध्या ३३ १० कौ १९ १९ २२ ८ ५२ २८ १४ १	कर्के	रमजान ९ रोजा रथयात्रा
३	बु १५ २९ पु १२ ३५६ ४७ ह २७ १५ ग १५ २९ २२ ८ ५२ २९ १५ २	सिं५८।५९	भ.४३।९उ.पुष्येशुक्रः ३।५८ वक्रीउषायां
४	गु १० ४९ म ५५ ५३ व २० ४३ वि १० ४९ २१ ८ ५२ ३० १६ ३	सिंहे	भ. १०।४९ या. ✱३ गुरुः ५२।३१
५	शु ५ २६ पू ५२ ७ सि १३ ४९ बा ५ २६ २० ८ ५२ १ १७ ४	सिंहे	मृगे बुधः १५।९ जुलाई मा. ७ ता. ३१
६	शु ५४ १५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	
७	श ५३ ४२ उ ४७ ३५ व्य २५ ५३ ग २६ ४१ १९ ८ ५२ २ १८ ५	कं.५।५९	भ. ५३।४२ उ.
८	र ४७ ३१ ह ४३ ५९ प ५१ १७ वि २० ३७ १८ ८ ५२ ३ १९ ६	कन्यायां	भ. २०।३७ या. मृगे भौमः २९।४४
९	चं ४१ २७ चि ३९ ५० शि ४३ ४८ बा १४ २९ १७ ९ ५१ ४ २० ७	तु.११।५३	
१०	मं ३५ ३७ स्वा ३६ २ सि ३६ ३२ तै ८ ३२ १६ ९ ५१ ५ २१ ८	तुलायां	पुनर्वसौ रविः ४६ ३४ मिथुने बुधः४३।५१
११	बु ३० ३९ वि ३२ ५६ सा २९ ४१ व २ ५८ १४ ९ ५१ ६ २२ ९	वृ.१८।४३	भ.२।२८उ.३०।१९या. देवशयनी११व.
१२	गु २५ ३० अ ३० २२ शु २३ २५ बा २५ ३० १३ ९ ५१ ७ २३ १०	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	शु २१ ५६ ज्ये २८ ३५ शु १७ ४८ तै २१ ५६ ११ १० ५० ८ २४ ११	ध.२८।३५	मघायां ४ शनिः ३०।११
१४	श १९ ११ मू २७ ५९ ब्र १३ ७ व १९ ११ १० १० ५० ९ २५ १२	धनुषि	भ. १९।११ उ. ४८।२२ या.
१५	र १७ ३३ पू २८ ३० ऐं ९ १७ ब १७ ३३ ८ १० ५० १० २६ १३	म.४३।५४	आर्द्रायां बुधः ४।४९ सर्पे शुक्रः १।२९

१२पं.आ.शु.३बु.इ.२३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	९	३	४	११	२
१३	२०	१२	६	३	९	२८	१४
५७	३०	१०	४३	४३	८	४७	९
२	३६	५२	१६	५९	५९	१६	४५
५६	४२	३७	४ ६	७४	५	३	५७
५०	४१	७	ब	२	१४	११	७

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.शु.११बु.इ.२३।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	९	३	४	११	२
२०	२५	०	५	१२	९	२८	२०
३४	२२	४८	५५	१७	४८	२५	५८
५८	१९	२२	५	२	०	१	९
५६	४२	७३	२७	७३	५	३	५७
५०	१७	२४	ब	५६	४०	११	७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्र
१	चं १७ १३ उ ३० ६ वै ६ २४ कौ १७ १३ ३४ ५ ५१ ४९ ११ २७ १४	मकरे	
२	मं १८ ११ श्र ३३ १ वि ४ ३४ ग १८ ११ ६ ११ ४९ १२ २८ १५	मकरे	भ. ४९।२१ उ.
३	बु २० ३१ ध ३७ १२ प्री ३ ४३ वि २० ३१ ४ ११ ४९ १३ २९ १६	कु. ५।६	भ.२०।३१या. मिथुने भौमः८।० चतुर्थीव्र
४	गु २३ ४२ श ४२ १५ आ ३ ४५ बा २३ ४२ २ १२ ४८ १४ ३० १७	कुम्भे	
५	शु २७ ५४ पू ४८ १७ सौ ४ ३५ तै २७ ५४ ० १२ ४८ १५ ३१ १८	मी ३१।४७	पूर्वास्तं बुधः २०।३२ नाग ५
६	श ३२ ३४ उ ५४ ३७ शो ५ ४७ ग ० १४ ३३ ५८ १२ ४८ १६ ३२ १९	मीने	भ. ३२।३४ उ. कर्केऽर्कः १९।८
७	र ३७ ३९ रे ६० ० अ ७ २७ वि ५ ६ ५६ १३ ४७ १७ १ २०	मीने	भ. ५।६ या. पुनर्वसौ बुधः १२।२०
८	चं ४२ १० रे १ २ सु ८ ४ बा ९ ५४ ५४ १३ ४७ १८ २ २१	मे. १।२	
९	मं ४६ २० अ ७ ५ धृ ९ १७ तै १४ १५ ५२ १४ ४६ १९ ३ २२	मेषे	पुष्ये रविः ४९।४९
१०	बु ४९ ३९ भ १२ ३५ शू १० ५८ व १७ ५९ ५० १४ ४६ २० ४ २३	बृ.२८।४३	भ.१७।५९उ.४९।३९या. सिंहेशुक्रः५७।४
११	गु ५२ १८ कृ १७ ६ गं १० ५८ ब २० ५८ ४७ १५ ४५ २१ ५ २४	बृषे	कामिका ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	शु ५२ ४७ रो २० २२ वृ ९ ५४ को २२ ३२ ४५ १५ ४५ २२ ६ २५	मि५१।२५	कर्के बुधः०।२२ आर्द्रायां भौमः ५१।५३
१३	श ५२ ३२ मृ २२ २८ धु ७ ५८ ग २२ ३९ ४२ १६ ४४ २३ ७ २६	मिथुने	भ. ५२।३२ उ. पुष्ये बुधः ३६।५ प्रदोषः
१४	र ५० ५४ आ २३ २५ ब्या ४ ५९ वि २१ ४३ ४० १६ ४४ २४ ८ २७	मिथुने	भ. २१।३३ या. ×कामिका ११ ब्र.
३०	चं ४८ ९ पु २२ ५८ ह ० ५३ च १९ ३२ २७ १७ ४३ २५ ९ २८	क ८।५	हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.३बु.इ.२३।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	९	३	४	५	२
२७	०	१२	५	२०	१०	२८	२७
१३	१०	३०	२	४८	३०	२	३०
४	३७	२०	११	११	२५	४५	३२
५६	४२	७ ०	५ ८	७३	६	३	५७
५५	१	२९	ब	५०	२	११	११

गोचरग्रहाः

श्रावण कृ.६शनौ
कर्केऽर्कः प्र.वा.५
न.५प्रगलभावस्था
(बैठी) मु. ४५
(धान्यभाव मंदा)
शुक्रोदय.पश्चि.।

गोचरग्रहाः

१५पं.श्रा.कृ.१०बु.इ.२३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	९	३	४	११	३
३	४	२६	४	२९	११	२७	४
५१	५६	३७	९	१८	१५	४०	१९
३२	१३	२३	११	१४	७	३०	१९
५६	४१	५९	५	७३	६	३	५७
५७	५०	५५	ब	३९	२२	११	१५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२२६ सन् १९४९
१	मं ४४ २५ पु २१ २९ सि ५० १७ कि १६ १७	३३ ५	१७	४३	२६	१०	२९	कर्के	वक्री उषायां २ गुरुः ४०।५३
२	बु ३९ ४७ श्ले १९ ५ व्य ४३ ५१ बा १२ ६	३२	१८	४२	२७	११	३०	सिं १९।५	चंद्रद.
३	गु ३४ ३० म १६ १४ व ३४ ५४ तै ७ ८	३०	१८	४२	२८	१२	१	सिंहे	सव्वाल १० ईद
४	शु २८ ४४ पू १२ २१ प २९ ३५ व १ ३७	२७	१९	४१	२९	१३	२	कं.२६।२२	भ.१।३७ उ ३८ या. सार्पेबुधः ५३ वरद ४
५	श २२ ४८ उ ८ २६ शि २२ ० बा २२ ४४	२४	१९	४१	३०	१४	३	कन्यायां	नाग ५
६	र १६ ३९ ह ४ १८ सि १४ २७ तै १६ ३९	२१	२०	४०	३१	१५	४	तु. ३२।१४	पूफा.या. शुक्रः ५९।१७ वर्ण ६
७	चं १० २९ चि १० ५६ सा ५९ ५३ व १० २९	१८	२०	४०	१	१६	५	तुलायां	भ. १० उ. ३७ या. शीतला ७ तुलसी ज.
८	मं ४ ३३ वि ५३ ४ शु ५२ ३७ ब ४ ३३	१५	२१	३९	२	१७	६	वृ.३८।५३	आश्लेषाया. रविः ५०।३७ दुर्गा ८
९	मं ५४ ४७ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः * केतुः ३९ श्रावणी कर्म
१०	बु ५४ ४१ अ ५० १४ ब्र ४६ २० तै २७ ०	१२	२२	३८	३	१८	७	वृश्चिके.	कल्किजयंती
११	गु ५४ ५१ ज्ये ४८ ६ ऐं ४० २० व २२ ४६	९	२२	३८	४	१९	८	ध.४८।६	भ २२।४६ उ. ५० या. पवित्रा ११ ब्र.
१२	शु ४८ ४ मू ४७ १७ वै ३५ २५ ब १९ २८	६	२३	३७	५	२०	९	धनुषि	सिंहे बुधः ४१।४
१३	श ४६ २३ पू ४७ ३३ वि ३१ १८ कौ १७ १३	३	२३	३७	६	२१	१०	धनुषि	प्रदोष × बुधः ५३।१४
१४	र ४६ ४ उ ४८ ५४ प्री २८ ९ ग १६ १३	०	२४	३६	७	२२	११	म.२।५३	भ. ३६ उ.पूफाया १ शनिः १९ पश्चिमोदयी ×
१५	चं ४६ ५६ श्र ५१ ३२ आ २६ २ वि १६ २०	३२ ५७	२५	३५	८	२३	१२	मकरे	भ.१६।३०या. रेवत्यां ३ राहुः चित्रायां १०

१६पं. श्रा.शु.२ब.इ.२२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	९	४	४	११	३
१०	९	११	३	७	१२	२७	१०
३०	२९	२९	१५	४६	२	१८	५२
५०	२८	४	१८	५९	६	१५	१९
५७	४१	२३	५३	७३	६	३	५७
५	२३	१८	ब	२३	२६	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ है। प्रजामें सुख शांति प्रमाणिक वर्षा होवे।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.शु. ९ब.इ.२२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	९	४	४	११	३
१७	१४	२५	२	१६	१२	२६	१७
१०	१९	४०	२३	१५	५०	५५	२४
३८	३७	३०	१७	७	५६	५९	०
५७	४१	१२	२६	७३	६	३	५७
१२	१३	३४	ब	१४	५०	११	२४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ४९ १ ध ५५ २७ सौ २४ ५७ बा १७ ५८	३२ ५४	२५	३५	९	२४	१३	कुं.२३।२९	
२	बु ५२ १७ श ६० ० शो २४ ४७ तै २० ३९	५०	२६	३४	१०	२५	१४	कुम्भे	
३	गु ५६ २७ श ० २६ अ २५ २६ व २४ २२	४७	२७	३३	११	२६	१५	मी ४९।५१	भ.२३ उ.५६ या. पुनर्वसौ भौमः ५४।४०
४	शु ६० ० पू ६ १९ सु २६ ४ ब २८ ४८	४४	२७	३२	१२	२७	१६	मीने	उफायां शुक्रः ०।४८ चतुर्थी ब्र.
४	श १ १० उ १२ ३० धृ २८ १० बा १ १०	४१	२८	३१	१३	२८	१७	मीने	पूफायां बुधः ९।२६
५	र ६ २ रे १८ ५५ शू २९ ४७ तै ६ २	३७	२९	३१	१४	२९	१८	मे.१८।५५	कन्यायां शुक्रः ५६।० चंद्र ६
६	चं १० ५० अ २४ ५१ गं ३१ ६ व १० ५०	३४	२९	३१	१५	३०	१९	मेषे	भ. १०।५० उ. ४२।५७ यां. हल ६
७	मं १५ ४ भ ३० ३२ वृ ३१ ५४ ब १५ ४	३०	३०	३०	१६	३१	२०	वृ.४६।४२	सिंहेऽर्कः ४७।४ जन्माष्टमी ब्र. स्मा.+
८	बु १८ २७ कृ ३५ १४ ध्रु ३२ १ कौ १८ २७	२६	३१	२९	१७	१	२१	बृषे	जन्माष्टमी ब्र. वै. +अस्तं शनेः ८।४९
९	गु २० ४४ रो ३८ ५८ ब्या ३१ ११ ग २० ४४	२२	३२	२८	१८	२	२२	बृषे	भ. ५१।१९ उ.
१०	शु २१ ५५ मृ ४१ ८ ह २९ १९ वि २१ ५५	१८	३२	२८	१९	३	२३	मि १०।३	भ. २१।५५ या.
११	श २१ ४३ आ ४२ २४ व २६ ३४ बा २१ ४३	१५	३३	२७	२०	४	२४	मिथुने	अजा ११ ब्र.
१२	र २१ १० पु ४२ २१ सि २२ ५३ तै २१ १०	११	३४	२६	२१	५	२५	क.२७।२२	उफायां बुधः २।५५ प्रदोषः वत्सः १२
१३	चं १७ ३२ पु ४१ ३ व्य १७ ५० व १७ ३२	८	३४	२६	२२	६	२६	कर्के	भ. १७।३२ उ. ४५।४२ या.
१४	मं १३ ५३ श्ले ३८ ५० व १२ १२ श १३ ५३	४	३५	२५	२३	७	२७	सिं ३८।५०	कन्यायांबुधः ३० हस्तेबुक्रः ५ पिठोरी ३०
३०	बु ९ २५ म ३६ ० प ५२ ५३ ना ९ ४५	०	३६	२४	२४	८	२८	सिंहे	लोहार्गल स्ना. कुलाग्रहणी सती पू.

१८पं. भा.कृ.२ब.इ.२२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	९	४	४	११	३
२३	१८	८	१	२४	१३	२६	२४
५१	५७	४०	३४	४०	४१	३३	१६
४६	११	१९	४८	३८	२१	४४	२७
५७	४०	०	४	७२	७	३	५७
२२	५६	३४	ब	५६	२	११	३३

१९पं. भा.कृ.८ब.इ.२२।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	९	५	४	११	४
०	२३	२०	०	३	१४	२६	०
२३	३१	३०	५१	७	३३	११	५९
५९	४१	४३	४७	८	४	२८	४७
५७	४०	८९	५८	७२	७	३	५७
३४	४०	५८	ब	३४	१४	११	४०

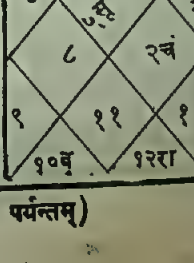

२०पं.भा.कृ.३०ब.इ.२२।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	९	५	४	११	४
७	२८	१	०	११	१५	२५	७
१७	३	१०	१५	३०	२५	४९	४४
३२	२५	५	१४	३६	४१	१३	१७
५७	४०	८१	५४	७२	७	३	५७
४५	१७	१७	ब	१७	२०	११	४८

●चंशशु ×बुशश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	वर्षतू रविर्दक्षिणेऽर्गणः ५२५६ स.१९४
१	गु	४	१०	पू	३२	३०	स्ति	५१	३९	ब	४	१०	३१	३७	२३	२५	९	२९	कं.४६।२९	चंद्रदर्शनम्
२	गु	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	शु	५२	३१	उ	२८	२५	सा	४४	३	त्रै	२५	२४	५२	३८	२२	२६	१०	१	कन्यायां	जिल्काद ११
४	श	४६	२६	ह	२४	२३	शु	३६	२५	व	१९	२९	४८	३८	२२	२७	११	२	तु.५२।१७	भ.३९ उ.४६ या. कर्केभौमः १५ वक्रीउषायां
५	र	४०	२१	चि	२०	११	शु	२८	५२	ब	१३	२४	४४	३९	२१	२८	१२	३	तुलायां	ऋषि ५
६	चं	३४	३७	स्वा	१६	१९	ब्र	२१	२०	कौ	७	२९	४०	४०	२०	२९	१३	४	वृ.५८।३६	+१धनुषिगुरुः ४५ गणेश४ अगस्त्योदय:३
७	मं	२९	१३	वि	१२	४२	त्रें	१४	१७	ग	१	५५	३६	४१	१९	३०	१४	५	वृश्चिके	भ.३३ उ.५६ या. पूफायां रविः ३७।५
८	बु	२४	२९	अ	९	४५	वै	७	३८	ब	२४	२९	३२	४२	१८	३१	१५	६	वृश्चिके	दुर्वा ८ =हस्ते बुधः५५।४ महालक्ष्मीव्र.
९	गु	२०	४३	ज्ये	७	४६	वि	४	२३	कौ	२०	४३	२८	४२	१८	१	१६	७	ध.७।४६	पुष्ये भौमः ३४।३० सितम्बर मा.९ता.३१
१०	शु	१७	५७	मू	५	११	आ	५१	३२	ग	१७	५७	२४	४३	१७	२	१७	८	धनुषि	भ. ४७।७ उ.
११	श	१६	१८	पू	६	२६	सो	४८	४२	वि	१६	१८	२१	४४	१६	३	१८	९	म.२५।५६	भ.१६ या. चित्रायां शुक्रः १५ पूफायां२४
१२	र	१५	५७	उ	७	२७	शो	४६	१६	बा	१५	५७	१७	४५	१५	४	१९	१०	मकरे	प्रदोषः ×शनिः १९ जलझूलनी११ब्र.
१३	चं	१६	१५	श्र	२	५१	अ	४४	५६	त्रै	१६	५५	१४	४५	१५	५	२०	११	कु.४१।४०	
१४	मं	१९	०	ध	१३	३०	सु	४४	३४	व	१९	०	१०	४६	१४	६	२१	१२	कुम्भे	भ. १९।० उ. ५०।३७ या. अनंत १४
१५	बु	२२	१५	श	१८	१२	धृ	४५	२	ब	२२	१५	६	४७	१३	७	२२	१३	कुम्भे	महालयारंभः प्रौष्ठपदी १५

२१पं.भा.शु.८बु.इ.२२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	५	४	११	४
१४	२	१०	२९	१९	१६	२५	१४
२	३१	३२	४६	५२	१८	२६	२९
४४	५९	२८	३४	१६	२२	५८	५४
५७	३९	७१	४३	७१	७	३	५८
५७	४९	५५	ब	५६	२०	११	१

गोचरग्रहाः

सोमा शुक्रां सुर गुरा जे चंदा उगंत। डंक कहे हे भड्डुली जलथल एक करंत। गुरुवार का चंद्रोदय उत्तम वर्षा करता है

गोचरग्रहाः

२२पं.भा.शु.१५बु.इ.२२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	५	४	११	४
२०	६	१८	२९	२८	१७	२५	२१
४९	५८	२०	२६	१२	११	४	४१
२४	१६	४६	४६	४३	२८	४२	५४
५८	३०	६०	२३	७१	७	३	५८
१२	२६	१९	च	३०	३०	११	१

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२६	२०	पू	२३	५१	शू	४६	३	कौ	२६	३०	३५	५	६	८	२३	१४	मी७।२६	तुलायां शुक्रः ५२।२
२	शु	३१	१७	उ	२९	५९	गं	४७	२५	ग	३१	१७	३०	४८	१२	९	२४	१५	मीने	
३	श	३६	१०	रे	३६	१९	वृ	४९	३	व	३	४४	५४	४९	११	१०	२५	१६	मे.३६।१९	भ. ३।४४ उ. ३६।१० या.
४	र	४१	५	अ	४२	३३	धृ	५०	१८	ब	८	३७	४९	५०	१०	११	२६	१७	मेषे	चतुर्थी ब्र. =चित्रायां बुधः २८।५४
५	चं	४५	२४	भ	४८	२१	व्या	५१	१	कौ	१३	१४	४५	५१	९	१२	२७	१८	मेषे	
६	मं	४८	५३	कृ	५३	१३	ह	५१	१९	ग	१७	६	४४	५२	८	१३	२८	१९	वृ.४।३४	भ. ४८।५३ उ. उफायां रविः २२।३४
७	बु	५१	२१	रो	५७	१०	व	५०	४३	वि	२०	७	३६	५३	७	१४	२९	२०	वृषे	भ. १०।७ या. स्वात्यां शुक्रः २९।४७
८	गु	५२	३३	मृ	५९	४०	सि	४८	५९	बा	२१	५७	३२	५४	६	१५	३०	२१	मि२८।२५	
९	शु	५२	२६	आ	६०	०	व्य	४६	२५	त्रै	२२	२९	२८	५४	६	१६	३१	२२	मिथुने	कन्यायामर्कः ४७।४५
१०	श	५०	५९	आ	१	८	व	४२	४३	व	२१	४२	२४	५५	५	१७	१	२३	क.४६।२२	भ. २१.४२ उ. ५०।५९ या.
११	र	४८	२५	पु	१	२६	प	३८	३	ब	१९	४२	२०	५६	४	१८	२	२४	कर्के	इंदिरा ११ ब्र.
१२	चं	४४	५१	पु	२	४९	शि	३२	३२	कौ	१६	३८	१६	५७	३	१९	३	२५	सिं५८।११	मार्गी गुरुः २४।२१ प्रदोषः
१३	मं	४०	२६	म	५५	११	सि	२५	१३	ग	१२	३८	१२	५८	२	२०	४	२६	सिंहे	भ. ४०।२६ उ. उदयं शनिः ४५।३४
१४	बु	३५	२	पू	५२	६	सा	१९	२६	वि	७	५३	८	५८	२	२१	५	२७	सिंहे	भ. ७।५३ या. शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
३०	गु	२९	४०	उ	४८	२१	शु	१२	९	च	२	३०	४	५९	१	२२	६	२८	कं.६।१०	वकी बुधः ३४ सार्वे भौमः ५४ सर्वपितृ३०

२३पं.आ.कृ.७बु.इ.२१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	६	४	११	४
२७	११	२३	२९	६	१८	२४	२८
३७	२०	५८	१५	३०	४	४२	५
४८	५३	१२	३६	३६	३०	२७	२४
५८	३९	४३	७	७१	७	३	५८
२९	६	१७	च	४	२०	११	३६

गोचरग्रहाः

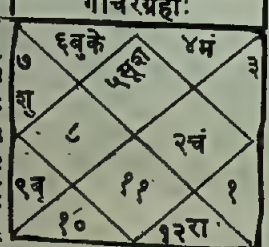

आश्विन कृ. ९ शुक्रे कन्यायामर्कः प्र.वा.४न.४प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

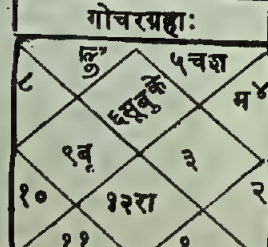

२४पं.आ.कृ.१४बु.इ.२१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	६	४	११	४
४	१५	२५	२९	१४	१८	२४	२८
२७	४०	४३	१४	४६	५६	२०	१०
५३	२६	५२	३८	१६	२५	१२	१०
५८	३८	९	२३	७०	७	३	५८
४५	३९	४८	मा	२६	८	११	३६

•केबुशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×बुशुके

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२८५ स.१९४९
१	शु	२३	५६	ह	४४	८	शु	३०	५३	ब	२३	५६	३०	० ६	० ६	२३	७	२९	कन्यायां	नवरात्रा. घटस्था.
२	श	१७	४७	चि	३९	५९	ऐं	४९	८	को	१७	४७	३५	१	५९	२४	८	३०	तु.१२।३	चंद्रदर्शनम्
३	र	११	४६	स्वा	३६	७	वै	४१	३२	ग	११	४६	५१	२	५८	२५	९	१	तुलायां	भ.३६उ.विशाखायांशुक्रः४६ जिल्हेज१२
४	चं	६	५	वि	३२	३०	वि	३४	१८	दि	६	५	४६	३	५७	२६	१०	२	वृ.१८।२४	भ. ६।५ या.
५	मं	०	४८	अ	२९	२१	प्री	२७	२७	बा	०	४८	४२	४	५६	२७	११	३	वृश्चिके	हस्ते रविः०।१३ वक्री हस्ते बुधः५९।५४*
६	मं	५५	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *पश्चिमास्तो बुधः ३६
७	बु	५२	२७	ज्ये	२७	९	आ	२१	१३	ग	२४	१७	३८	४	५६	२८	१२	४	ध.२७।९	भ. ५२।२७ उ. सरस्वत्यावाहनं
८	गु	४९	४५	मू	२५	३४	सौ	१५	४४	वि	२१	६	३४	५	५५	२९	१३	५	धनुषि	भ. २१।६ या. सरस्वती पू.
९	शु	४८	१०	पू	२५	१५	शो	११	३	बा	१८	५८	३०	६	५४	३०	१४	६	म.४०।२७	पूफायां ३ शनिः ७।४५
१०	श	४७	५६	उ	२६	२	अ	८	४	त्रै	१८	३	२६	७	५३	१	१५	७	मकरे	अक्टूबर मा.१०ता.३१ विजया१० बौद्धज.
११	र	४८	५४	श्र	२७	४७	सु	४	४३	व	१८	२५	२२	८	५२	२	१६	८	कु.५९।३८	भ.३६ उ.४६या. पापांकुशा११ब्र.स्मा.वै.
१२	चं	५१	५	ध	३१	२९	धृ	२	५७	ब	२०	०	१८	८	५२	३	१७	९	कुम्भे	पापांकुशा ११ ब्र. नि. हज्ज
१३	मं	५४	२२	श	३५	५४	शू	२	१४	को	२२	४४	१४	९	५१	४	१८	१०	कुम्भे	वृश्चिके शुक्रः २२।५७ प्रदोषः
१४	बु	५८	४३	पू	४१	२३	गं	२	२०	ग	२६	३२	१०	१०	५०	५	१९	११	मी२४।३८	भ. ५८।४३ उ.
१५	गु	६०	०	उ	४७	१४	वृ	३	१२	वि	३१	८	६	११	४९	६	२०	१२	मीने	भ. ३१।८ या. शरद १५
१५	शु	३	३३	रे	५३	४४	धु	४	२२	व	३	३३	२	१२	४८	७	२१	१३	मे.५३।४४	मंत्रे शुक्रः १७।५ चंद्रग्रहणम्

२५पं.आ.शु.७बु.इ.२१।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	६	४	११	५
११	१९	२३	२९	२२	१९	२३	११
१९	५६	३	२३	५८	४७	५७	४५
५९	५६	४	१३	१६	३५	५६	५६
५९	३८	५६	६	१	६९	७	३	५८
०	१७	ब	ब	२८	४३	१	११	५३

गोचरग्रहाः

आसो जो के मेह से दोनों बात विनास। बोरड़ियों के बोर नहीं वणियों नहीं कपास ।।

गोचरग्रहाः

२६पं.आ.शु.१४बु.इ.२१।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	७	४	११	५
१८	२४	१५	२९	१	२०	२३	१८
१३	९	३०	४१	७	३७	३५	४०
४८	३२	११	२	८	३४	४१	१२
५९	३७	६३	२	६८	६	३	५९
१६	१३	ब	५५	१५	४४	११	९

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुः रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	श	८	३४	अ	६०	०	ध्या	५	५३	को	८	३४	२८	१	४८	५	८	२२	१४	मेषे
२	र	१३	३३	अ	०	८	ह	७	८	ग	१३	३३	५४	१३	४७	९	२३	१५		मेषे भ. ४५।४६ उ.
३	चं	१७	५९	भ	५	५७	व	८	५	वि	१७	५९	५०	१४	४६	१०	२४	१६	वृ.२२।१७	भ.१५या.चित्रायांरविः३५०उषायां२मकरे*
४	मं	२१	३२	कृ	११	१७	रो	८	२०	बा	२१	३२	४६	१५	४५	११	२५	१७	वृषे	पूर्वोदयी बुधः २३।५९
५	बु	२४	०	रो	१२	१९	व्य	७	५२	त्रै	२४	०	४२	१६	४४	१२	२६	१८	मि४६।५१	
६	गु	२५	२२	मृ	१८	२४	व	६	२४	व	२५	२२	३८	१६	४४	१३	२७	१९	मिथुने	भ.२५।२२ उ.५५३या. मार्गीबुधः१२।१६
७	शु	२५	२४	आ	१३	३७	प	४	१२	ब	२५	२४	३४	१७	४३	१४	२८	२०	मिथुने	होई८ *गुरुः३५ रेवत्यां२ राहुःहस्ते४×
८	श	२४	०	पु	१५	२३	शि	३९	५४	को	२४	०	३०	१८	४२	१५	२९	२१	क.५।१२	सिंहे भौमः५।४ ×केतुः १७ करक४
९	र	२१	२९	पु	१६	३६	सा	५५	४६	ग	२१	२९	२६	१९	४१	१६	३०	२२	कर्के	भ. ४९।४३ उ.
१०	चं	१७	५८	श्ले	१७	४९	शु	४४	३८	वि	१७	५८	२२	२०	४०	१७	३१	२३	सिं१७।४९	भ. १७।५८ या. तुलायामर्कः १३।३४
११	मं	१३	३९	म	१५	११	शु	३७	५०	बा	१३	३९	१८	२०	४०	१८	१	२४	सिंहे	ज्येष्ठायांशुक्रः५१।९ रमा११ब्र.गोवत्सपू.
१२	बु	८	३५	पू	१२	४८	ब्र	३०	४०	त्रै	८	३५	१४	२१	३९	१९	२	२५	कं.२६।३८	प्रदोषः धन १३
१३	गु	३	३	उ	८	७	ऐं	२३	०	व	३	३	१०	२२	३८	२०	३	२६	कन्यायां	भ.३।३ उ.३०।८ या. रूप१४ नरक१४
१४	गु	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
२०	शु	५१	१६	ह	४	३	वै	१५	१६	च	२४	१५	६	२३	३७	२१	४	२७	तु.३२।२	महालक्ष्मीपूजनम्

२७पं.का.कृ.५बु.इ.२१।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	९	७	४	११	५
२५	२८	११	०	९	२१	२३	२५
९	१८	२	७	१२	२५	१३	१५
२१	२५	३१	५२	२२	३७	२६	७
५९	३७	४९	४	४८	६	३	५९
३१	१२	ब	५	१२	२९	११	२१

गोचरग्रहाः

कार्तिक कृ.३ चंद्र तुलायामर्कः प्र.वा. ४न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयः पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

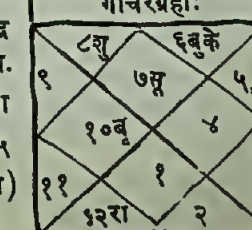

२८पं.का.कृ.१२बु.इ.२१।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	९	७	४	११	६
२	२	१४	०	१७	२२	२२	२
७	२१	१३	४३	१३	११	५१	३१
०	४३	१२	१६	२३	१७	१०	३५
५९	३७	५३	५	६६	६	३	५९
४६	४६	मा	१५	५८	१४	११	३४

*चंमंश

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३१४ स.१९४९
१	श	४५	२०	चि	०० २	५५ ५६	वि	७ २९	५३ २८	किं	१८	१८	२८ २	६ २४	५ ३६	२२	५	२८	तुलायां	अन्नकूटम् गोवद्धन पू.
२	र	३९	२३	वि	५२	१३	आ	५२	१९	बा	१२	२२	२७ ५८	२४	३६	२३	६	२९	बृ.३८।९	स्वात्यां रविः ५४ ३४ चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
३	चं	३४	३०	अ	४८	५९	सौ	४५	१८	तै	६	५६	५४	२५	३५	२४	७	१	बृश्चिके	मोहोरम १ सन् १३६९
४	मं	३०	०	ज्ये	४६	२५	शो	३८	४६	व	२	१५	५०	२६	३४	२५	८	२	ध.४६।२५	भ. २।१५ उ. ३०।० या.
५	बु	२६	१३	मू	४४	३६	अ	३३	०	बा	२६	१३	४६	२७	३३	२६	९	३	धनुषि	चित्रायां बुधः २०।५३
६	गु	२३	४६	पू	४४	४	सु	२८	३	तै	२३	४६	४२	२८	३२	२७	१०	४	म.५९।११	
७	शु	२२	१८	उ	४४	३३	धृ	२४	५	व	२२	१८	३८	२८	३२	२८	११	५	मकरे	भ. २२।१८ उ. ५२।१३ या. कल्पादिः
८	श	२२	९	श्र	४६	११	शू	२०	५९	ब	२२	९	३४	२९	३१	२९	१२	६	मकरे	गोप ८ +शनिः ३६ ३१ कुषंड९ अक्षया९
९	र	२३	१५	ध	४९	२०	गं	१८	५३	कौ	२३	१५	३१	३०	३०	३०	१३	७	कु.१७।४५	तुलायां बुधः ४६ ३२ धनुषिशुक्रः ४३ ४ पूफायां४+
१०	चं	२६	१	श	५३	३७	वृ	१७	४८	ग	२६	१	२७	३१	२९	३१	१४	८	कुम्भे	भ. ५७।३१ उ. पूर्वास्तो बुधः ३२।४
११	मं	२९	१	पू	५८	५२	ध्रु	१७	३६	वि	२९	१	२४	३१	२९	१	१५	९	मी४२।३३	भ. २९।१ या. नवंबर मा. ११ ता. ३०
१२	बु	२३	२५	उ	६०	०	ध्या	१८	१३	ब	१	१३	२०	३२	२८	२	१६	१०	मीने	ताजिया ●प्रबोधिनी ११ब्र. तुलसीविवाह
१३	गु	३८	२२	उ	४	४८	ह	१९	१२	कौ	५	५३	१७	३३	२७	३	१७	११	मीने	स्वात्यां बुधः ३३।५३ प्रदोषः बैकुंठ१४
१४	शु	४३	३२	रे	११	९	व	२०	३५	ग	१०	५७	१३	३३	२७	४	१८	१२	मे.११।९	भ. ४३।३२ उ.
१५	श	४८	३५	अ	१७	३३	सि	२१	५६	वि	१६	५६	११	३४	२६	५	१९	१३	मेषे	भ.१६।४या. पुष्करयात्रा कार्तिकस्ना.पूर्ति

२९पं.का.शु.५ बु.इ.२०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	९	७	४	११	६
९	६	२३	१	२५	२२	२२	९
६	२२	१९	२७	४	५४	२८	२९
२२	३७	५९	०	३७	३६	५५	५४
६०	३६	००	६	६५	५	३	५९
२	१६	६	२६	३८	५०	११	५७

गोचरग्रहाः

शुक्रवार का महा लक्ष्मी पूजन आगे सुभीक्षकारक है। सोमशुक्र आवे दीवाली। जीवे रंक मरे भंडशाला ।।

गोचरग्रहाः

३०पं.का.शु.१२बु.इ.२०।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	९	८	४	११	६
१६	१०	४	२	२	२३	२२	१६
७	१८	३०	१८	४८	३४	६	२९
२६	२२	४	२२	२९	५२	२९	४०
६०	३५	००	७	६४	५	३	६०
१८	४४	३०	२४	८	२६	११	४

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	र	५३	४	भ	२३	३१	व्य	२२	५९	बा	२०	४९	२७ ६	६ ३५	५ २५	६	२०	१४	बृ.३९।५२	विशाखायां रविः ११।५९
२	चं	५६	४२	कृ	२८	५७	व	२३	२५	तै	२४	५३	३	३५	२५	७	२१	१५	वृषे	पूफ़ायां भौमः ५९।२९
३	मं	५९	१०	रो	३३	१८	प	२३	९	व	२७	५६	२६ ५९	३६	२४	८	२२	१६	बृषे	भ.२७ ५६ उ.५९।१० या. उषायां३गुरुः ५६ १८
४	बु	६०	०	मृ	३६	३०	शि	२१	५४	ब	२९	५१	५६	३७	२३	९	२३	१७	मि४।५४	चतुर्थी ब्र.
४	गु	०	३२	आ	३८	२६	सि	१९	४४	बा	०	३२	५२	३८	२२	१०	२४	१८	मिथुने	
५	शु	०	३१	पु	३९	१३	सा	१६	३४	तै	०	३१	४९	३८	२२	११	२५	१९	क.२०।१६	भ.५९।११ उ. विशाखायां बुधः३९।५४
६	शु	५८	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	श	५६	४२	पु	३८	४६	शु	१२	२२	वि	२६	५६	४६	३९	२१	१२	२६	२०	कर्के	भ. २६।५६ या. पूषायां शुक्रः १०।३०
८	र	५३	१४	श्ले	३७	४	शु	७	१०	बा	२४	५८	४३	३९	२१	१३	२७	२१	सिं३७।४	भैरवजयंती
९	चं	४८	५२	म	३४	४३	ब्र	१ ४	५३ २०	तै	२०	३	४०	४०	२०	१४	२८	२२	सिंहे	एंद्रयोग क्षयः ५३।२९
१०	मं	४३	४९	पू	३१	४२	वै	४७	१२	व	१६	२०	३७	४१	१९	१५	२९	२३	कं.४५।४४	भ. १६।२० उ. ४३।४९ या.
११	बु	३८	२१	उ	२७	५०	वि	३२	४१	ब	११	५	३४	४१	१९	१६	३०	२४	कन्यायां	बृश्चिकेऽर्कः ६।१७ उत्पत्ति ११ ब्र.
१२	गु	३२	३७	ह	२३	४८	प्री	३१	५१	कौ	५	२९	३१	४२	१८	१७	३१	२५	तु.५१।४७	बृश्चिके बुधः ५५।७
१३	शु	२६	४५	चि	१९	४६	आ	२४	३	व	२४	४५	२९	४२	१८	१८	१	२६	तुलायां	भ. २६।४५ उ. ५३।४९ या. प्रदोषः
१४	श	२०	५४	स्वा	१५	३६	सौ	१६	१७	श	२०	५४	२६	४३	१७	१९	२	२७	बृ.५७।४१	अनु. रविः ४।५
३०	र	१५	२२	वि	११	४२	शो	८	३७	ना	१५	२२	२४	४३	१७	२०	३	२८	बृश्चिके	मैत्रे बुधः १३।५

३१पं. मा.कृ.४बु.इ.२०।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	९	८	४	११	६
२३	१४	१५	३	१०	२४	२१	२३
१०	८	५९	१६	२३	११	४४	३१
४	४९	६	३४	१७	५३	२४	२
६०	३४	००	८	६२	४	३	६०
३०	५२	४०	३१	१९	५६	११	१७

गोचरग्रहाः

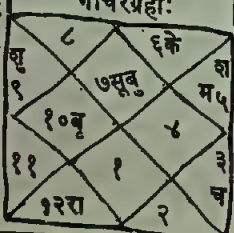

मार्ग.कृ.११ बुधे बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.४बालावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

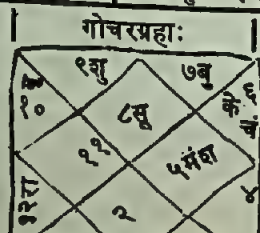

३२पं. मा.कृ.११बु.इ.२०।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	९	८	४	११	७
०	१७	२७	४	१७	२४	२१	०
१४	४९	२०	२१	४५	४४	२२	३३
९	३७	२८	३२	२५	५३	९	४७
६०	३४	००	९	६०	४	३	६०
४०	१६	५५	२२	४	३०	११	३०

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१										वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः५३४४ स.१९४९
१	चं	१०	२२	अ	८	२६	अ	२	५३	ब	१०	२२	२६	६	५	२१	५	२९	वृश्चिके	
२	मं	५	४४	ज्ये	५	४१	मू	४८	३३	को	५	४४	१८	४४	१६	२२	६	३०	ध.५।४१	चंद्रदर्शनम्
३	बु	२	२६	मू	३	४६	शु	४	३	ग	२	२६	१६	४५	१५	२३	७	१	धनुषि	भ. ३१।११ उ. ५९।५६ या. सफर २
४	बु	५७	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
५	गु	५८	३५	पू	२	५७	गं	३८	५३	ब	२९	१६	१३	४५	१५	२४	८	२	म.१८।३	
६	शु	५८	३५	उ	३	११	वृ	३५	३०	को	२८	५	१०	४६	१४	२५	९	३	मकरे	उषायां शुक्रः १४ पातस्पर्शः ४३ पातमोक्षः●
७	श	५९	५३	श्र	४	४४	धु	३३	१	ग	२९	१४	७	४७	१३	२६	१०	४	कुं.३६।५	भ. ५९।५३ उ. ●५७।५४ चंपा ६
८	र	६०	०	ध	७	२६	ध्या	३१	३३	वि	३१	६	५	४७	१३	२७	११	५	कुम्भे	भ. ३१।६ या.
८	चं	२	१९	श	११	२२	ह	३१	४	ब	२	१९	२	४८	१२	२८	१२	६	कुम्भे	ज्येष्ठायां बुधः ३५।६ मकरेशुक्रः ३१।४७
९	मं	६	१	पू	१६	२८	व	३१	२२	को	६	१	०	४८	१२	२९	१३	७	मी०।१२	उषायां ४ गुरुः २७।१९
१०	बु	१०	३२	उ	२२	२३	सि	३२	१६	ग	१०	३२	२५	४८	१२	३०	१४	८	मीने	भ. ४३।३ उ. ×मोक्षदा ११ ब्र.
११	गु	१५	३४	रे	२८	३६	व्य	३३	२९	वि	१५	३४	५६	४९	११	१	१५	९	मे.२८।३६	भ. १५ या. दिसम्बर मा. १२ ता. ३१×
१२	शु	२०	४४	अ	३४	५५	व	३४	५१	बा	२०	४४	५४	४९	११	२	१६	१०	मेषे	ज्येष्ठायां रविः ३१।४ प्रदोषः
१३	श	२५	४७	भ	४१	१०	प	३६	२	तै	२५	४७	५२	५०	१०	३	१७	११	बृ.५७।३४	
१४	र	३०	२७	कृ	४६	४७	शि	३६	२३	व	३०	२७	५०	५०	१०	४	१८	१२	बृषे	भ. ३०।२७ उ. उषायां भौमः १२।१६
१५	चं	३३	५६	रो	५१	१७	सि	३६	२९	वि	२	११	४९	५०	१०	५	१९	१३	बृषे	भ. २।११या. श्रीदत्त जयंती

३३पं. मा.शु.३ बु.इ.२०।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	९	८	४	११	७
७	२१	८	५	२४	२५	२०	७
१९	२७	३०	३२	५०	१४	५९	३७
४३	५४	५८	१३	२०	६	५३	४४
६०	३३	९९	१०	५७	३	३	६०
५३	१८	४७	४	७	४९	११	४२

इस मास का फल श्रेष्ठ है रुई मंदी धान्य मंदा प्रजा में सुख शांति।

३४पं.मा.शु.१०बु.इ.१९।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	९	९	४	११	७
१४	२४	१९	६	१	२५	२०	१४
२६	५७	३३	४९	३६	३८	३७	४३
२८	४३	१४	३०	७	४६	३८	४
६१	३२	९९	१०	५३	३	३	६०
३	८	१३	५१	२२	१४	११	५०

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१										वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३६	२६	मृ	५४	४९	सा	३५	३३	बा	५	११	२५	५६	९	६	२०	१४	मि२३।३	
२	बु	३७	४३	आ	५७	१५	शु	३३	३१	ते	७	५	४६	५१	९	७	२१	१५	मिथुने	धनुषि बुधः १।१२
३	गु	३७	४३	पु	५८	४	शु	३०	४३	व	७	४३	४४	५१	९	८	२२	१६	क.४२।५२	भ. ७।४३ उ. ३७।४३ या.
४	शु	३५	२१	पु	५७	५२	ब्र	२६	४४	ब	६	३२	४३	५१	९	९	२३	१७	कर्के	श्रवणे शुक्रः ५५ चतुर्थीब्र. पातस्पर्शः ३४●
५	श	३३	४८	श्ले	५६	३१	ऐं	२१	४९	को	४	३४	४२	५२	८	१०	२४	१८	सिं५६।३१	
६	र	३०	२४	म	५४	१६	वै	१६	९	ग	२	६	४१	५२	८	११	२५	१९	सिंहे	भ.३४ उ.५८।१२या. कन्यायां भौमः३३
७	चं	२६	१	पू	५१	१०	वि	९	३२	ब	२६	१४	४०	५२	८	१२	२६	२०	सिंहे	रेवत्यां १ राहुः हस्ते ३ केतुः ९।४३
८	सं	२०	५७	उ	४७	४३	प्री	३१	३५	को	२०	५७	३९	५२	८	१३	२७	२१	कं.५।१८	
९	बु	१५	३०	ह	४३	४५	सौ	४७	२१	ग	१५	३०	३८	५२	८	१४	२८	२२	कन्यायां	भ.४२।४०उ. पश्चिमोदयी बुधः४६।२५
१०	गु	९	५०	चि	३९	४१	शो	३९	२९	वि	९	५०	३८	५२	८	१५	२९	२३	तु.११।४३	भ.५० या. धनुष्यर्कः४४ पूषायां बुधः४८
११	शु	३	५६	खा	३५	३२	अ	३१	४१	बा	३	५६	३७	५३	७	१६	१	२४	तुलायां	श्रवणे १ गुरुः २७।३० सफला ११ ब्र.
१२	शु	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ●पातमोक्षः ५०।१८
१३	श	५२	३९	वि	३१	३८	सु	२३	५६	ग	२५	२४	३७	५३	७	१७	२	२५	वृ.१७।३७	भ. ५२।३९ उ. प्रदोषः
१४	र	४७	४२	अ	२८	१५	धृ	१६	३४	वि	२०	१०	३६	५३	७	१८	३	२६	वृश्चिके	भ. २०।१० या.
१५	चं	४३	२९	ज्ये	२५	१५	शू	९	३७	च	१५	३६	३६	५३	७	१९	४	२७	ध.२५।१५	

३५पं. पौ.कृ.२बु.इ.१९।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	९	९	४	११	७
२१	२८	०	८	७	२५	२०	२१
३४	१६	३०	९	५३	५८	१५	४९
१५	५२	३६	२९	१०	३४	२२	२०
६१	३१	९९	११	४८	२	३	६०
११	१	२८	२४	४६	२७	११	५६

पौष कृ.१० गुरौ धनुष्यर्कः प्रवा.२ न.३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

३६पं.पौ.कृ.९बु.इ.१९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	९	९	४	११	७
२८	१	११	९	१३	२६	१९	२८
४२	२७	२३	३४	३५	१३	५३	५६
५९	४	१३	३७	३८	२६	७	५
६१	२९	९९	१२	४२	१	३	६१
१९	४३	९	३	४१	४६	११	०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १३७३स.१९५०
१	मं	४०	५	मू	२३	१५	गं	६/१६	५४/२७	किं	११	४७	२५/३६	६/५३	५/७	२०	५	२८	धनुषि	
२	बु	३७	४६	पू	२२	२४	ध्रु	५३	०	बा	८	५५	३६	५३	७	२१	६	२९	म.३७।१९	चन्द्रद.
३	गु	३६	३१	उ	२२	६	व्या	४९	१७	तै	७	८	३६	५३	७	२२	७	१	मकरे	रविलावल ३ उत्तरायण प्रवृत्तिः ६।२०
४	शु	३६	४०	श्र	२३	१६	ह	४६	२६	व	६	३५	३६	५३	७	२३	८	२	कुं.५४।२९	भ. ६।३५ उ. ३६।४० या.
५	श	३८	७	ध	२५	४२	व	४४	२५	ब	७	२४	३७	५३	७	२४	९	३	कुम्भे	उषायां बुधः ३।९
६	र	४०	३८	श	२९	२८	सि	४३	४६	कौ	९	२२	३७	५३	७	२५	१०	४	कुंभे	
७	चं	४४	३२	पू	३४	१६	व्य	४३	४७	ग	१२	३५	३७	५३	७	२६	११	५	मी१८।४	भ. ४४।३२ उ. मकरे बुधः ५९।७
८	मं	४९	८	उ	४०	१	व	४४	२७	वि	१६	५०	३८	५२	८	२७	१२	६	मीने	भ. १६।५० या.
९	बु	५४	१२	रे	४६	१५	प	४५	३८	बा	२१	४०	३८	५२	८	२८	१३	७	मे.४६।१५	पूषायां रविः ३६।२६
१०	गु	५९	२९	अ	५२	३८	शि	४६	४४	तै	२६	५०	३९	५२	८	२९	१४	८	मेषे	
११	शु	६०	०	भ	५८	५४	सि	४८	०	व	३१	५९	३९	५२	८	३०	१५	९	मेषे	भ.३१/५९ उ.धनिष्ठायांशुक्रः ४८/२५ पुत्रदा ११ब्रस्मा
११	श	४	३०	कृ	६०	०	सा	४८	४८	वि	४	३०	४०	५२	८	३१	१६	१०	वृ.१५।२६	भ.४।३०या. श्रवणे२ गुरुः४७।५९ वक्री●
१२	र	९	३	कृ	५	१	शु	४८	५३	बा	९	३	४१	५२	८	१	१७	११	वृषे	जनवरी मा.१ ता.३१ सन्१९५० प्रदोषः
१३	चं	१२	३२	रो	९	३०	शु	४८	२२	तै	१२	३२	४२	५२	८	२	१८	१२	मि४१।२७	●शनिः१३।१८ पुत्रदा११ब्र. वै.नि.
१४	मं	१५	४०	मृ	१३	२४	ब्र	४६	३५	व	१५	४०	४३	५१	९	३	१९	१३	मिथुने	भ. १५।४० उ. ४५।५६ या.
१५	बु	१६	१२	आ	१५	२२	ऐं	४४	६	ब	१६	१२	४४	५१	९	४	२०	१४	मिथुने	श्रवणे बुधः ५४।११ माघस्नान प्रारंभः

३७पं.पौ.शु.२बु.इ.१९।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	९	९	४	११	८
५	४	२२	११	१८	२६	१९	६
५२	२७	५	३	२७	२२	३०	३
२४	११	६	२५	५८	५९	५२	३६
६१	२८	०/१०	१२	३४	१	३	६१
२२	११	४०	२०	४८	५	११	५

३८पं. पौ.शु.९बु इ.१९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	९	९	४	११	८
१३	७	२	१२	२२	२६	१९	१३
२	१२	३	३५	१८	२७	८	११
१८	२२	५०	२०	५८	१४	३६	३१
६१	२५	९२	१२	२४	०	३	६१
२६	५४	५०	५०	३२	१७	११	६

३९पं.पौ.शु.१५बु.इ.१९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	९	९	४	११	८
२०	९	९	१४	२४	२६	१८	२०
१२	४१	२५	९	४६	२६	४६	१९
१६	३८	५९	५०	४८	२	२१	४०
६१	२३	५८	१३	११	०/२४	३	६१
२६	४०	७	१३	२५	ब	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	१६	७	पु	१७	९	वै	४०	२८	कौ	१६	७	२५/४५	६/५५	५/९	५	२१	१५	क.१।४२	हस्ते भौमः ५।३८
२	शु	१४	४१	पु	१८	२१	वि	३६	१	ग	१४	४१	४७	५१	९	६	२२	१६	कर्के	भ. ४३।२३ उ.
३	श	१२	६	श्ले	१६	१३	प्री	३०	३०	वि	१२	६	४८	५०	१०	७	२३	१७	सिं१६।१३	भ. १२।६ या. चतुर्थी व्रतम्
४	र	८	३६	म	१४	१९	आ	२४	१७	बा	८	३६	५०	५०	१०	८	२४	१८	सिंहे	वक्री बुधः ४१।२१
५	चं	४	१४	पू	११	२३	सौ	१७	३४	तै	४	१४	५२	५०	१०	९	२५	१९	कं.२५।३१	भ. ५२।६ उ. वक्री शुक्रः २८।४२
६	चं	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	मं	५३	३५	उ	७	५६	शो	१०	१५	वि	२६	२०	५४	४९	११	१०	२६	२०	कन्यायां	भ. २६।२० या. उषायां रविः ३७।५४
८	बु	४७	५४	ह	४	०	अ	२/३२	५२/११	बा	२०	४४	५६	४९	११	११	२७	२१	तु.३२।५	वक्रीउषायांबुधः २०/१६ पश्चिमास्तोबुधः ७/१०
९	गु	४२	४	चि	०/२	५५/५०	धृ	४६	५५	तै	१४	५९	५८	४८	१२	१२	२८	२२	तुलायां	
१०	शु	३६	२१	वि	५१	५८	शू	३९	८	व	९	१२	२६/१	४८	१२	१३	२९	२३	वृ.३७।५७	भ.९/१२ उ.३६/२१ या. मकरेऽर्कः ५३/२१ पातस्पर्शः●
११	श	३०	४६	अ	४८	२१	गं	३१	३६	ब	३	३३	३	४७	१३	१४	१	२४	वृश्चिके	षट्तिला ११ ब्र. ●२७/२ पातमोक्षः ४०/४०
१२	र	२६	६	ज्ये	४५	२७	वृ	३४	३२	तै	२६	६	५	४७	१३	१५	२	२५	ध.४५।२७	श्रवणे ३ गुरुः १।१६ प्रदोषः
१३	चं	२१	५२	मू	४३	१६	ध्रु	१८	०	व	२१	५२	८	४६	१४	१६	३	२६	धनुषि	भ. २१।५२ उ. ५०।१६ या.
१४	मं	१८	४०	पू	४१	३९	व्या	१२	२	श	१८	४०	१०	४६	१४	१७	४	२७	म.५६।३७	
३०	बु	१६	२२	उ	४१	३१	ह	७	९	ना	१६	२२	१२	४६	१४	१८	५	२८	मकरे	युगादिः मौनी ३०

४०पं. मा.कृ.८बु.इ.१९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	९	९	४	११	८
२७	११	१०	१५	३५	२६	१८	२७
२२	५२	०	४६	३१	१९	२४	२७
३	५९	४३	२६	२६	२३	६	४४
६१	२०	३४/५६	१३	४/४	१/१७	३	६१
२४	४१	च	२०	ब	ब	११	६

गोचरग्रहाः

माघ कृ.१० शुक्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.४ न.४कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

४१पं.मा.कृ.३०बु.इ.१९।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	९	९	४	११	९
४	१३	२	१७	२४	२६	१८	४
३१	४६	५५	२४	१२	७	१	३५
३४	१	३०	३६	२९	३४	५०	३४
६१	१७	८९/४४	१३	२०/१२	१/५३	३	६१
१९	२५	ब	३२	ब	ब	११	३

●बुबृशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) +बुबृशु ×चंबशुके

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१								दि.		उ.		अ.		इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४०३ स.१९५०
१	गु	१५	१६	श्र	४२	२४	व	१०	ब	१५	१६	३६	४५	१५	१९	६	२९	मकरे	चंद्रद. श्रीवल्लभ जयन्ती
२	शु	१५	४०	ध	४४	३४	व्य	५७	को	१५	४०	१७	४५	१५	२०	७	१	कुं.१३।२९	अभि.प्र.रविः ३१ वक्री धनुषि बुधः ३६ वक्री×
३	श	१७	५	श	४८	७	व	५६	४२	ग	१७	५	२०	४४	१६	२१	८	२	कुम्भे	भ. ४२।२८ उ. तिल ४
४	र	१९	५२	पू	५२	३५	प	५६	२६	वि	१९	५२	२२	४४	१६	२२	९	३	मी३६।२८	भ. ५१ या. अस्तं गुरोः ३८ वक्री पूषायां=
५	चं	२३	४०	उ	५८	९	शे	५६	५६	बा	२४	४०	२५	४३	१७	२३	१०	४	मीने	श्रवणेरविः ४८ पूर्वोदयी बुधः १३ वसंत अ.गु.
६	मं	२८	२४	रे	६०	०	सि	५७	५६	तै	२८	२४	२७	४३	१७	२४	११	५	मीने	अभि. नि. रविः ५४ =बुधः २८।४९
७	बु	३३	३२	रे	४	२०	सा	५९	११	ग	०	५८	३०	४२	१८	२५	१२	६	मे.४।२०	भ. ३३।३२ उ. रथ ७
८	गु	३८	४७	अ	१०	४१	शु	६०	०	वि	६	९	३३	४१	१९	२६	१३	७	मेषे	भ.६ या. भीष्म८ +११ब्र.स्मा.वै. प.अ.शु.
९	शु	४३	४६	भ	१७	८	शु	०	२६	बा	११	१७	३६	४१	१९	२७	१४	८	वृ. ३३।४५	पश्चिमास्तो भृगुः ५९ मार्गी बुधः ३२।४१
१०	श	४८	१५	कृ	२३	३६	शु	१	२४	तै	१६	०	३९	४०	२०	२८	१५	९	वृषे	
११	र	५१	४३	रो	२८	४	ब्र	१	४८	व	१९	५९	४२	४०	२०	२९	१६	१०	बृषे	भ.५९ उ.५३ या. श्रवणे४ गुरुः ३७ जया+
१२	चं	५४	१	मृ	३२	७	ऐं	१	३६	ब	२२	५२	४५	३९	२१	३०	१७	११	मि ०।६	जया ११ ब्र. नि. भीष्म १२
१३	मं	५५	५	आ	३५	७	वै	१९	५८	को	२४	३३	४८	३८	२२	३१	१८	१२	मिथुने	प्रदोषः ×श्रवणे शुक: ५४ रविलाखर४
१४	बु	५४	५०	पु	३६	२१	प्री	५४	३५	ग	२४	५७	५२	३८	२२	१	१९	१३	क.२१।३	भ. ५४।५० उ. फरवरी मा. २ ता. २८
१५	गु	५३	२१	पु	३७	५	आ	४९	५४	वि	२४	५	५५	३७	२३	२	२०	१४	कर्के	भ.२४।५या. पूर्वोदयं भृगोः १२ प.उ.शु.

४२पं.मा.शु.७ बु.इ.१९।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	९	९	४	११	९
११	१५	२५	१९	२१	२५	१७	११
४०	१४	४९	३	२	५०	३९	४२
२६	२४	४४	४७	३१	४६	३५	४६
६१	१३	३५	१३	३२	३४	३	६०
१३	१५	व	४०	व	ब	११	५९

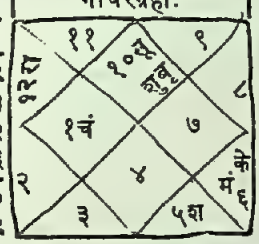

माघ मास की सातम बीधे सोलह श्राद्ध बर्षता दीखे माघ सुदी ७ को बादल वर्षा शुभ है ।

४३पं.मा.शु.१४बु.इ.१९।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	९	९	४	११	९
१८	१६	२५	२०	१६	२५	१७	१८
४८	१२	२८	४३	५०	२९	१७	४९
२६	५४	५२	२६	२८	२०	९	१९
६१	८	३५	१३	३६	१६	३	६०
४	५	मा	३८	ब	ब	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१								दि.		उ.		अ.		इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५०	३९	श्ले	३६	११	सो	४५	१५	बा	२२	०	२६	६	५	३	२१	१५	सिं ३६।११
२	श	४६	५४	म	३४	२२	शो	३९	३०	तै	१८	४६	२७	३६	२४	४	२२	१६	सिंहे
३	र	४२	२७	पू	३१	३५	अ	३२	५४	व	१४	४०	६	३५	२५	५	२३	१७	कं.४५।४६
४	चं	३७	२२	उ	२८	१८	सु	२५	४८	ब	९	५४	९	३४	२६	६	२४	१८	कन्यायां
५	मं	३१	४७	ह	२४	४१	धृ	१८	१७	को	४	३४	१२	३४	२६	७	२५	१९	तु.५२।३९
६	बु	२६	२	चि	२०	३८	शू	१०	३१	ग	२६	२	१६	३३	२७	८	२६	२०	तुलायां
७	गु	२०	११	स्वा	१६	२९	गं	४	५५	ब	२०	११	१९	३२	२८	९	२७	२१	वृ.५८।३५
८	शु	१४	३०	वि	१२	३८	धु	४७	१६	को	१४	३०	२३	३१	२९	१०	२८	२२	बृश्चिके
९	श	९	८	अ	८	५४	ष्या	४०	०	ग	९	८	२६	३१	२९	११	२९	२३	बृश्चिके
१०	र	४	१२	ज्ये	५	४५	ह	३३	२९	वि	४	१२	३०	३०	३०	१२	३०	२४	ध.५।४५
११	चं	०	९	मू	३	१९	व	२७	२४	बा	०	९	३४	२९	३१	१३	१	२५	धनुषि
१२	चं	५६	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	मं	५४	४४	पू	१	३४	सि	२२	११	ग	२५	४९	३८	२८	३२	१४	२	२६	म.१६।२९
१४	बु	५३	३७	उ	१	१४	व्य	१७	५७	वि	२४	१०	४२	२८	३२	१५	३	२७	मकरे
१५	गु	५३	५६	श्र	१	५१	व	१४	२७	व	२३	१६	४६	२७	३३	१६	४	२८	कु.३२।४९

उषायां बुधः ११।३६

भ. १४ उ. ४२ या. धनिष्ठायां रविः ४६+
चतुर्थी व्रतम् +मकरे बुधः ९।५६

भ. २६।२ उ. ५३।६ या.

वकी भौमः ३४।४० ×गुरुः ६।१७

भ. ३६।४० उ.

भ. ४।१२ या. कुंभेऽर्कः ३६ धनिष्ठायां १×
उभायां ४ राहुः हस्ते २ केतुः ४।११*
क्षयः *विजया ११ ब्र.

भ. ५४।४४ उ. प्रदोषः

भ. २४।१० या. महाशिवरात्रि व्रतम्

वकी उषायां शुक्रः ५३।३९

४४पं.फा.कृ.६बु.इ.१९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	९	९	४	११	९
२५	१६	०	२२	१२	२५	१६	२५
५५	४२	९	२३	५३	४	५५	५५
१३	५०	५०	४२	३५	५	४	२०
६०	२	६२	१३	२९	३	३	६०
५५	५	३७	३८	ब	ब	११	४७

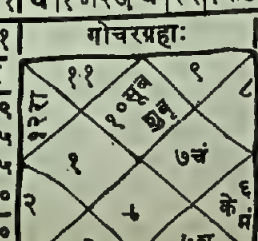

फाल्गुनकृ.१०रवौ
कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३
नं. ३ बालावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्याभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्व. ।

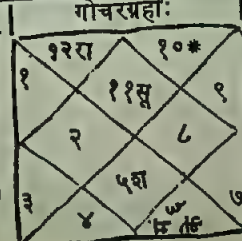

४५पं.फा.कृ.१४बु.इ.१९।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	९	४	११	१०
३	१६	७	२४	१०	२४	१६	३
१	४१	३१	३	२४	३५	३२	०
१६	५६	१२	३६	२९	३८	४९	५
६०	२३	७४	१३	३५	८	३	६०
४२	ब	४१	३२	ब	ब	११	३७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*चंबुशु

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४३२ स.१९५०
१	शु	५५	३६	ध	३	४८	प	१२	३	किं	२४	४६	२७	२६	३४	१७	५	२९	कुम्भे	श्रवण बुधः १९।७
२	श	५८	२६	श	६	५७	शि	१०	३९	बा	२७	१	५४	२५	३५	१८	६	३०	मी	५५।२३ शते रविः ५५।४७ चन्द्रद. फुलरिया २
३	र	६०	०	पू	११	३१	सि	१०	३१	तै	३०	२३	५८	२४	३६	१९	७	१	मीने	उदयं गुरोः५०।२४ जमादिलावल५ उ.गु.
३	चं	२	१९	उ	१६	३६	सा	१०	३०	ग	२	१९	२९	२४	३६	२०	८	२	मीने	भ. ३४।३८ उ.
४	मं	६	५८	रे	२२	३४	शु	११	२६	वि	६	५८	६	२३	३७	२१	९	३	मे.	२२।३४ भ.५८ या. मार्गी शुकः ३६ पातस्पर्शः ३२ ×४८
५	बु	१२	३	अ	२८	५९	शु	१२	४०	बा	१२	३	११	२२	३८	२२	१०	४	मेषे	
६	गु	१७	१९	भ	३५	६	ब्र	१३	५९	तै	१७	१९	१४	२१	३९	२३	११	५	बृ.	५१।४२
७	शु	२२	८	कृ	४१	३१	ऐं	१५	६	व	२२	८	१८	२०	४०	२४	१२	६	वृषे	भ:२२।८ उ.५४।१९ या. होला. होई ८
८	श	२६	३१	रो	४६	५६	वै	१५	४७	ब	२६	३१	२३	२०	४०	२५	१३	७	वृषे	श्रवणे शुक: ४०।५४ ×पातमोक्षः ३३ ५४
९	र	२९	५०	मृ	५१	९	वि	१५	४८	कौ	२९	५०	२६	१९	४१	२६	१४	८	मि	१९।२ धनिष्ठायां २ गुरुः १६।१०
१०	चं	३२	५	आ	५४	१९	प्री	१४	५०	तै	०	५७	३०	१८	४२	२७	१५	९	मिथुने	धनिष्ठायां बुधः १०।२३
११	मं	३२	५९	पु	५६	१३	आ	१२	५४	ब	२	३२	३४	१७	४३	२८	१६	१०	क.	४०।४५ भ.२।३२उ.३२।५९या. आमलकी ११ब्र.
१२	बु	३२	३८	पु	५७	१	सौ	१०	६	ब	२	४९	३८	१६	४४	१	१७	११	कर्के	मार्च मा. ३ ता. ३१
१३	गु	३१	२५	श्ले	५६	२६	शो	६	१४	कौ	२	२	४२	१६	४४	२	१८	१२	सिं	५६।२६ प्रदोषः +वकी पूफायां३ शनिः ५४ ५६
१४	शु	२८	९	म	५४	४८	अ	२०	२४	व	२८	९	४६	१५	४५	३	१९	१३	सिंहे	भ.२८।९ उ.५६ या. कुम्भे बुधः४०।३३+
१५	श	२४	२५	पू	५२	१५	धृ	५०	७	ब	२४	२५	५०	१४	४६	४	२०	१४	सिंहे	पूभायां रविः १०।३५ छारेंडी

४६पं.फा.शु.५बु.इ.१९।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	९	४	११	१०
१०	११	१६	२५	९	२४	१६	१०
५	६	२८	४२	५२	४	१०	३
४८	१८	१६	४७	४१	४१	३३	३५
६०	१२	८२	१३	११	२५	३	६०
३१	ब	१६	२६	मा	ब	११	२५

गोचरग्रहाः

सम्पूर्ण फाल्गुन मासमें बादल बने रहें वर्षा हो नहीं तो वर्षा काल में उत्तम वर्षा हो।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.शु.१२बु.इ.२०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	९	४	११	१०
१७	१४	२६	२७	११	२३	१५	१७
८	५९	३२	२०	१६	३१	४८	५
३७	३८	६	५३	५	५९	१८	४८
६०	३०	८८	१३	१६	४०	३	६०
२०	व	५०	२०	७	ब	११	१२

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृ.तिमहाराष्ट्राः
१	र	१९	४७	उ	४९	१२	शू	४३	४०	कौ	१९	४७	२८	१३	४७	५	५	२१	कं.	४६।२९
२	चं	१४	३६	ह	४५	२९	गं	३५	१९	ग	१४	३६	५८	१२	४८	६	२२	१६	कन्यायां	भ.४१ उ.पातस्पर्शः२७।१२पानमोक्षः ३६
३	मं	८	५८	चि	४१	२९	वृ	२८	३०	वि	८	५८	२९	१२	४८	७	२३	१७	तु.	१३।२९ भ.८।५८या. शतेबुधः४६।२८ चतुर्थीव्र.
४	बु	३	९	स्वा	३७	१९	शु	१९	५८	बा	३	९	६	११	४९	८	२४	१८	तुलायां	
५	बु	५४	१६		०	०		०	०		०	०		०	०	०	०		०	क्षयः
६	गु	५१	२८	वि	३३	२१	ष्या	१२	१८	ग	२४	२६	१०	१०	५०	९	२५	१९	बृ.	१९।२० भ. ५१।२८ उ.
७	शु	४६	९	अ	२९	४०	ह	३९	४८	वि	१८	४८	१४	९	५१	१०	२६	२०	वृश्चिके	भ. १८।४८ या. शीतला पू.
८	श	४१	११	ज्ये	२६	२०	सि	५०	३७	बा	१३	४०	१९	८	५२	११	२७	२१	ध.	२६।२०
९	र	३७	५	मू	२३	४९	व्य	४४	२२	तै	९	८	२३	७	५३	१२	२८	२२	धनुषि	
१०	चं	३३	५०	पू	२१	२१	व	३८	५८	व	५	२७	२८	६	५४	१३	२९	२३	म.	३६।१७ धनिष्ठायां ३ कुम्भे गुरुः ५१।३७
११	मं	३१	३७	उ	२१	४	प	३४	२८	ब	२	४४	३२	६	५४	१४	३०	२४	मकरे	भ.५।२७उ.३३ या. पूर्वास्तोबुधः२८।१६
१२	बु	३०	३३	श्र	२१	३४	शि	३०	५५	कौ	१	५	२६	५	५५	१५	१	२५	कु.	५२।२९ मीनेऽर्कः १०।५३ पापमोचनी ११ ब्र.
१३	गु	३०	४९	ध	२३	१६	सि	२८	८	ग	०	४१	४०	४	५६	१६	२	२६	कुम्भे	पूभायां बुधः ३७।१३
१४	शु	३२	२५	श	२६	१५	सा	२६	४४	वि	१	३७	४४	३	५७	१७	३	२७	कुम्भे	भ. ३०।४९ उ. प्रदोषः
३०	श	३५	१५	पू	३०	१६	शु	२५	५२	च	३	५०	४८	२	५८	१८	४	२८	मी	१४।१६ भ. १।३७ या. उभायां रविः ३१।३१

अहर्गणः ५४६१ च. ३ के.

४८पं.चै.कृ.४बु.इ.२०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	९	९	४	११	१०
२४	१३	७	२८	१४	२२	१५	२४
९	२५	३३	५७	१३	५८	२६	६
५५	२०	५४	११	३७	२३	३	३२
६०	३१	९५	१३	२९	४०	३	५९
५	ब	८	८	८	ब	११	५८

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. ११ भौमे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न.४कुमारावस्था (बैठो) मु. ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

४९पं.चै.कृ.१२बु.इ.२०।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	१०	१०	९	४	११	११
१	११	१९	०	१८	२२	१५	१
९	२२	३०	३१	२५	२५	३	५
४१	३०	५८	३७	५	५	४७	४४
५९	३३	०९	१२	२८	३५	३	५९
४९	ब	५८	४३	४१	ब	११	४१

*बुबृशु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

×बुबृशु

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशि नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०५१ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५१ भोग्यकलिः ४२६९४९ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २००७ शाकः १८७२ अथास्मिन्वर्षेराजा रविः। मंत्री गुरुः। सस्येशो रवि.। धान्येशो शुक्रः। मेघेशो बुधः। रसेशो भौमः। नीरसेशो रविः। फलेशो बुधः। धनेशो रविः। दुर्गेशो गुरुः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां१७ शोभननाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः २।१३।४।४८ भोग्यमासादिः ९।१६।५५।१० वैश्व-दैवतं युगम्। वर्षनाम श्रावणः। मेघ४ नाम पुष्करः। समय निवासः माला-कारगृहे(क्यारी में)। रोहिणी निवासः समुद्रे। समय विश्वा १०। समयवाहनमश्वः। स्तंभो नास्ति। सोमवत्यमा १। सोमवती पंचमी३। अंगारकीचतुर्थी नास्ति। बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी ३। रविदशमी ३। समयमुहूर्ताः३३०। समयदिनानि ३८४। तिथिक्षयः १४। तिथि वृद्धिः८। उत्पति विश्वा ९९। खपति विश्वा ९३। वर्षा विश्वा ९। धान्यम् १५, तृणम् ५. शीतम् ५. तेज ५. वायु१३ वृद्धिः १५। क्षयः १५। विग्रहः ११। ऐक्यं ९३ सत्यम्।। धर्मम् १।। पाप १८ शनि दृष्टिर्दक्षिणे। ग्रहणमेकं चन्द्रमसः।

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
शुभसंवत्सर सात का सच्चा कह दो हाल ।।

भवानी उत्तर

जग में सुखमय बीतसी विक्रम संवत् सात ।
घर घर मंगल गान हो घर घर में कुशलात ।।
चौमासे मघवा चढ़े जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो मीठे बोलें बैन ।।
वसी रोहिणी सिंधु में संवत् माला कार ।
नदियां बहें उतावली वर्षे मूसल धार ।।
दस विश्वा वत्सर बना वर्षा विश्वा अंक ।
सब ही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक ।।
रवि राजा मंत्री गुरु ये है उत्तम योग ।
जग में सुख सम्पति करै जनता भोगे भोग ।।
फल संवत्सर का कहा देख नभश्चर चार ।
धर्म कर्म करते रहो यही जगत में सार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि	क.	सि.	क.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

वर्ष लग्नम् ६।३

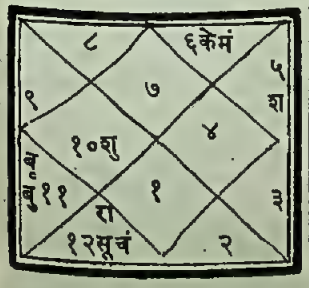

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ६।१०

*चंबृशु

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।८।४६

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा रविस्तत्फलम्-सूर्येनृपे स्वल्पजलाश्च मेघाः स्वल्पंपयो गोषु जनेषु पीड़ा। स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निवाधानिधनं नृपाणां ।। मंत्री गुरुस्तत्फलम्-विविधधान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुर-तोयघना मुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालन तत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ।। सस्येशो सूर्यस्तत्फलम्-सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोऽपिचौराः। युद्धं नृपाणांजलदा जलाढ्याःस्वल्पं च सस्यं बहुभूरुहाश्च ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम्-भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्याः समर्घतां यांति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधस्तत्फलम्-अमृतरश्मिसुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम्। द्विजवरायजनोत्सुकचेतसा विविध सौख्य युता धरणी तदा।। रसेशो भौमस्तत्फलम्-यदि धरातनयो रसपो भवेन्नरस राशियुता जनता शुभा । नरपति विषमो जनतापदो न जलदो बहुवृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविस्तत्फलम्-नीरसाधिपतौसूर्ये त्रपुचंदनयोरपि । रत्नमाणिक्य मुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो बुधस्तत्फलम्-यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा । बहुतृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जनसौख्य मुदान्विता ।। धनेशो रविस्तत्फ-लम्-द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहुद्रव्यसमागमः । गज तुरंगम मेषखरोष्ट्रतो धनचयं लभते क्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुस्तत्फलम्-सुरगुरौ गढपेनयशोभिता नरवरा नरपाः करपालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शस्त्रवतां विशाम् ।। वर्षनाम श्रावणस्तत्फलम्-मनोल्हादं प्रकुर्वन्ति जनाः सौख्यसमायुता । श्रावणे वृष्टिरत्युग्रा गोमहिष्यादिकं सुखम् ।। शोभननाम संवत्सरस्तत्फलम्-शोभकृद्वत्सरे धात्री प्रजानांरोगशोकदा । तथापि सुखिनो लोकाः बहुसस्यार्धवृष्टिभिः ।। मेघ-नाम पुष्करफलम्-पुष्करे मंदवृष्टिःस्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्-समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समय निवासो मालाकार गृहे फलम्-मालिनः प्रचुरावृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २००७ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ३ गुरौ रोहि.ल.८रे.९।।।।ऽचौ।।।। चं.पूज्यःआवश्यके
" ९ बुधे मघा. ल.८ (घ.३९।५उ.) ९ रे.७ ।ऽ।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
" १० गुरौ मघा. ल.गो. रे.७ ।ऽ।।ऽनृ।।ऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ शुक्रे मूले ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।।
" ६ रवौ उषा. ल. ऽन्यगो. रे.७ ऽचंऽ।।।।।।ऽ दग्धादोषः आवश्यके
शुक्ला १ गुरौ रोहि. ल.ऽन्यगो. रे.१०।।।।।।।।। चं.बाल्यत्वं
" ७ बुधे मघा. ल. ९(घ.४०।२१उ.) रे.९ ।।।।।।ऽ।।

प्र. आषाढ़ मासः

कृष्णा १ गुरौ मूले ल. गो. रे. ८ ।ऽ।।ऽरो।।।।

माघ मासः

कृष्णा ४ शनौ हस्ते ल. ८ (घ.४९।१५उ.)रे.९ ।।।।।।ऽऽ।।
" ५ रवौ हस्ते ल. ७ अंश २३ या. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
" ९ बुधे अनु. ल. ७-९ रे. ७ ।।।।ऽरोऽऽ।।

शुक्ला ८ बुधे रोहि. ल. ८ (चन्द्रः ७मे. पू.) रे.५ ।।।।।।।ऽ अग्नि।। आवश्यक
" १० शुक्रे मृगे ल. ७ रे. ७ ।ऽ।।ऽनृ।ऽ१०।।
" १५ बुधे मघा. ल. ८-९ रे. ८ ।।।।ऽबु.।।ऽ१४।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

चैत्र शु. १५ यां रवौ खग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा २०।२

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्व.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	४५	४९	४९	४९	५३	८
	पल.	८	४	१४	२४	२०	१२
रेल्वे टाइम	घं.	१२	२	२	२	३	३
	मि.	३०	५	९	१३	४८	१८
जयपुर देशी टाइम	घ.	११	१	१	१	३	३
	मि.	५९	३४	३८	४२	१७	१८

आषाढ़ोऽधिकमासस्तत्फलम्-तुषधान्यादि वृद्धिः स्यात् पशुरोगोऽतिवृष्टितः । राज्ञांसुखकरा भूमिराषाढद्वितयंयदा ।।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४६२स.१९५०
१	र	३९	९	उ	३५	१८	शु	२६	२	किं	७	१२	२९/५२	६/२	५/५८	१९	५	२९	मीने	संवत्सरारभः नवरात्रा. घटस्था.
२	चं	४३	४६	रे	४१	१८	ब्र	२६	५०	बा	११	२७	५७	१	५९	२०	६	३०	मे.४१।१८	चंद्रद.मीनेबुधः ५१/४२ वक्रीउफायांभौमः ५३/३ सिं
३	मं	४८	५१	अ	४७	३५	ऐं	२८	५	तै	१६	१८	३०/१	६/००	६/००	२१	७	१	मेषे	जमादिलाखर ६ गणगौरी मत्स्यजयंती
४	बु	५३	५४	भ	५४	३	वै	२९	२५	व	२१	२२	६	५/५९	६/१	२२	८	२	मेषे	भ. २१।२२ उ. ५३/५४ या. उभायां बुधः ३७/३२×
५	गु	५८	४९	कृ	६०	०	वि	३०	४६	ब	२६	२१	१०	५८	२	२३	९	३	वृ.१०।३६	कल्पादिः ×धनिष्ठायां शुक्रः ५।२९
६	शु	६०	०	कृ	०	१७	प्री	३१	४०	कौ	३०	५४	१४	५७	३	२४	१०	४	वृषे	
६	श	३	०	रो	५	५१	आ	३१	५७	तै	३	०	१८	५६	४	२५	११	५	मि३८।६	
७	र	६	१२	मृ	१०	२२	सौ	३१	२२	व	६	१२	२२	५६	४	२६	१२	६	मिथुने	भ. ६।१२ उ. ३७।१४ या.
८	चं	८	१६	आ	१३	४५	शो	२९	४०	ब	८	१६	२६	५५	५	२७	१३	७	मिथुने	राम ९ स्मा. भवान्युत्पत्तिः
९	मं	९	२	पु	१५	४०	अ	२७	१६	कौ	९	२	३०	५४	६	२८	१४	८	क.०।११	धनिष्ठायां ४ गुरुः २०।१९ राम ९ वै.
१०	बु	८	३५	पु	१६	५६	सु	२३	४३	ग	८	३५	३४	५३	७	२९	१५	९	कर्के	भ. ३७।४२ उ. रेवत्यां बुधः ३२।५
११	गु	६	४९	श्ले	१६	३९	धृ	१९	१३	वि	६	४९	३८	५२	८	३०	१६	१०	सिं१६।३९	भ.६।४९ या. रेवत्यां रविः ५८।५९ कुंभे+
१२	शु	३	५६	म	१५	१५	शू	१४	१	बा	३	५६	४२	५२	८	३१	१७	११	सिंहे	प्रदोषः +शुक्रः ७।१८ कामदा११ब्र.
१३	श	०	८	पू	१३	१	गं	७	५३	तै	०	८	४७	५१	९	१	१८	१२	कं.२७।१४	भ. ५५।२४ उ. अप्रेल मा. ४ ता. ३०
१४	श	५५	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ●वै. स्ना. प्रा.
१५	र	५०	९	उ	९	५४	वृ	१/१८	५२/३९	वि	२२	४५	५१	५०	१०	२	१९	१३	कन्यायां	भ. २२/४५ या. खग्रासं चन्द्रग्र. हनुमज्जयंती●

५०पं. चै.शु.४ बु.इ.२१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	१०	९	४	११	११
८	९	२	२	२३	२१	१४	८
७	९	४९	३	३१	५२	४१	३
३५	१४	१	२२	५९	५२	३२	२०
५९	३४/३५	[illegible]	१२	४५	४/१९	३	५९
३५	ब	[illegible]	२०	५६	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

५१पं. चै.शु.१०बु.इ.२१।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	१०	९	४	११	११
१५	६	१६	३	२९	२१	१४	१४
३	४२	१८	३२	२०	२२	१९	५९
३७	१८	२२	१०	४९	२६	१६	१५
५९	३३/३३	[illegible]	११	५१	४/२	३	५९
१८	ब	[illegible]	५६	१९	ब	११	१६

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४४	१७	ह	६	२४	व्या	४६	३८	ब	१७	११	३०/५६	५/४९	६/११	३	२०	१४	तु.३४।२५	
२	मं	३८	२७	चि	२/२६	५६/६	ह	३९	०	तै	११	२२	३१/००	४८	१२	४	२१	१५	तुलायां	आश्विन्यां मेषेच बुधः १८।१६
३	बु	३२	२९	वि	५४	२०	व	३१	३९	व	५	२८	३१/४	४७	१३	५	२२	१६	वृ.४०।२३	भ. ५।२८ उ. ३२।२९ या. चतुर्थी ब्र.
४	गु	२६	४०	अ	५८	२५	सि	२३	५४	बा	२६	४०	८	४६	१४	६	२३	१७	वृश्चिके	शते शुक्रः २५।७
५	शु	२१	७	ज्ये	४७	७	व्य	१६	२८	तै	२१	७	१२	४६	१४	७	२४	१८	ध.४७।७	पश्चिमोदयी बुधः ५८।५४
६	श	१६	७	मू	४३	३९	व	९	३१	व	१६	७	१६	४५	१५	८	२५	१९	धनुषि	भ. १६।७ उ. ४४।४ या.
७	र	१२	१	पू	४२	१५	प	३/१२	५४/११	ब	१२	१	२०	४४	१६	९	२६	२०	म.५६।५९	
८	चं	८	४५	उ	४१	१३	सि	५२	५२	कौ	८	४५	२४	४३	१७	१०	२७	२१	मकरे	
९	मं	६	२७	श्र	४१	२४	सा	४९	१७	ग	६	२७	२८	४२	१८	११	२८	२२	मकरे	भ. ३५।५२ उ. भरण्यां बुधः ३५।२८
१०	बु	५	१७	ध	४२	४५	शु	४६	१६	वि	५	१७	३२	४२	१८	१२	२९	२३	कु.१२।७	भ. ५।१७ या.
११	गु	५	२८	श	४५	१९	शु	४३	४१	बा	५	२८	३६	४१	१९	१३	३०	२४	कुंभे	मेषेऽर्कः ३३।३१ वरूथिनी ११ ब्र.
१२	शु	६	५९	पू	४९	२०	ब्र	४३	४७	तै	६	५९	४०	४०	२०	१४	१	२५	मी३३।२०	शते १ गुरुः ७।२६ प्रदोषः
१३	श	९	४५	उ	५४	१३	ऐं	४३	४२	व	९	४५	४४	३९	२१	१५	२	२६	मीने	भ. ९।४५ उ. ४१।४१ या.
१४	र	१३	३८	रे	५९	५६	वै	४४	४३	श	१३	३८	४७	३९	२१	१६	३	२७	मे.५९।५६	उभायां ३ राहुः हस्ते १ केतुः ५९।१६
३०	चं	१८	३	अ	६०	०	वि	४५	४६	ना	१८	३	५१	३८	२२	१७	४	२८	मेषे	सोमवती ३०

५२पं. वै.कृ.३ बु.इ.२१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	०	१०	१०	४	११	११
२१	४	२	४	५	२०	१३	२१
५७	२२	१०	५७	४१	५४	५७	५३
५०	५५	८	२५	१३	४३	१	३१
५९	२७/४७	[illegible]	११	५५	३/४६	३	५९
४	ब	[illegible]	१९	४३	ब	११	४

गोचरग्रहाः

वैशाखकृ.११गुरौ मेषेऽर्कः प्र.वा.३न. ४ गताल्कावस्था (ऊंभी) मु. १५ (धान्यभाव तेज) शुक्रोदयः पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

१पं. वै.कृ.११बृ.इ.३७।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	१०	१०	४	११	०
०	१	१६	६	१३	२०	१३	०
३	५७	३८	३४	४६	२४	३०	०
५९	१८	२८	४४	८	५४	४२	०
५८	१९/२९	९७	१०	५९	३/५२	३	५८
४५	ब	३१	३५	३७	ब	११	४४

×चंबुशु

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४९२ सन् १९५०
१	मं	२२	५८	अ	६	१७	प्री	४७	६	ब	२२	५८	३१/५४	५/३७	६/२३	१८	५	२९	मेषे	चंद्रदर्शनम्
२	बु	२८	१	भ	१२	४८	आ	४८	३५	कौ	२८	१	५८	३६	२४	१९	६	१	बृ.२९।२३	पूभायां शुक्रः ५४।२ रज्जव ७
३	गु	३२	४०	कृ	१९	१०	सौ	४९	३५	तै	०	२०	३३/३२	३६	२४	२०	७	२	वृषे	कृतिकायांबुधः ३०/४२ परशुरामजगंतीअक्षया ३
४	शु	३६	५६	रो	२४	४२	शो	५०	१०	व	४	४८	६	३५	२५	२१	८	३	मि५७।७	भ. ४।४८ उ. ३६।५६ या.
५	श	४०	४	मृ	२९	३२	अ	४९	५२	व	८	३०	१०	३४	२६	२२	९	४	मिथुने	वक्रीसिंहेभौमः ४०/२२ वक्रीपूफायां २शनि ५६/४४ *
६	र	४१	५९	आ	३३	१७	सु	४८	३४	कौ	११	१	१३	३३	२७	२३	१०	५	मिथुने	
७	चं	४३	४	पु	३५	४६	धृ	४६	१८	ग	१२	३१	१७	३३	२७	२४	११	६	क.२०।९	भ. ४३।२ उ. वृषे बुधः ९।२१
८	मं	४२	१३	पु	३६	५८	शू	४३	१३	वि	१२	३८	२१	३२	२८	२५	१२	७	कर्के	भ. १२।३८ या. *अगस्त्यास्तः १९/५९
९	बु	४०	२४	श्ले	३७	५	गं	३८	५९	बा	११	१८	२५	३१	२९	२६	१३	८	सिं३७।५	
१०	गु	३७	३२	म	३५	५५	वृ	३३	५७	तै	८	५८	२९	३०	३०	२७	१४	९	सिंहे	भरण्यांरवि १४/५५ पातस्पर्शः १८/१२ पातमोक्ष १८/४८
११	शु	३३	४०	पू	३३	४८	ध्रु	२८	७	व	५	३६	३३	२९	३१	२८	१५	१०	कं.४८।६	भ.५।३६ उ.३३।४० या. मोहिनी ११ ब्र.
१२	श	२८	२०	उ	३१	०	व्या	२१	४४	ब	१	०	३६	२९	३१	२९	१६	११	कन्यायां	वक्रीबुधः १५।१२ मीनेशुक्रः २५।५२ प्रदोषः
१३	र	२३	२४	ह	२७	३०	ह	१४	४६	तै	२३	२४	४०	२८	३२	३०	१७	१२	तु.५५।३६	नृसिंहजयंती ×ता.३१ कूर्मोत्पत्तिः
१४	चं	१७	३३	चि	२३	४२	व	७/२५	५२/३३	व	१७	३३	४३	२७	३३	१	१८	१३	तुलायां	भ. १७।३३ उ. ४४।३७ या. मई मा. ५×
१५	मं	११	४१	स्वा	१९	३१	व्य	५२	८	ब	११	४१	४७	२७	३४	२	१९	१४	तुलायां	उभायां शुक्रः ३४।१३ मार्गी भौमः २२।५१

२पं. वै.शु. ३बृ.इ.३७।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	१०	१०	४	११	०
६	०	२६	७	२०	२०	१३	६
५४	२५	४६	५०	४५	५	८	५०
९	५	३४	२८	२२	२४	२७	३८
५८	११/३२	५७	९	६२	२/२०	३	५८
२९	ब	५३	५२	५	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

२च १२रा ३ १सूबु ४ १० ५ ७ ९ श केमं६ ८

आखा तीजां पीठर वावल आवे मोडी, जो जलदी दिन पांच सात तो साख नीपजे थोड़ी।

गोचरग्रहाः

२बु १२रा ३ १सू ४ १० चं ५ मं श ७ ९ ६के ८

३पं. वै.शु.१०बृ.इ.३८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	१०	१०	४	११	१
१३	२९	२	९	२८	१९	२२	१३
४२	२८	५२	१	५	५०	४६	३९
३३	१२	५९	२६	२	१३	११	४१
५८	४/३५	७	९	६४	१/४६	३	५८
१२	ब	३२	८	२	ब	११	२०

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५	४०	वि	१५	२७	व	४४	४३	कौ	५	४०	३२/५०	५/२६	६/३४	३	२०	१५	बृ.१।२८	शते २ गुरुः ५३।२२
२	बु	५४	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	गु	५३	५६	अ	११	३४	प	३७	२१	व	२६	५१	५४	२५	३५	४	२१	१६	वृश्चिके	भ. २६।५१ उ. ५३।५६ या.
४	शु	४८	८	ज्ये	८	३	शि	३०	२७	ब	२१	२	५७	२५	३५	५	२२	१७	ध. ८।३	पश्चिमास्तो बुधः १७।५५ चतुर्थी ब्र.
५	श	४४	४७	मू	४	५७	सि	२४	४	कौ	१६	२७	३३/१	२४	३६	६	२३	१८	धनुषि	
६	र	४१	२३	पू	२	५३	सा	१८	३३	ग	१३	५	४	२३	३७	७	२४	१९	म.१७।४९	भ. ४१।२३ उ.
७	चं	३८	५८	उ	२	३७	शु	१३	३३	वि	१०	१०	७	२३	३७	८	२५	२०	मकरे	भ. १०।१० या.
८	मं	३७	५२	श्र	३	३३	शु	९	४०	बा	८	२५	१०	२२	३८	९	२६	२१	कुं.३३।५३	पातस्पर्शः २३।२८ पातमोक्षः ३५।३९
९	बु	३७	५३	ध	४	१३	ब्र	६	४८	तै	७	५२	१३	२१	३९	१०	२७	२२	कुम्भे	
१०	गु	३९	१०	श	५	५०	ऐं	४	७	व	८	३१	१६	२१	३९	११	२८	२३	मी५२।४०	भ.८।३१ उ.३९/१० या. कृत्तिकायांरविः २।५०
११	शु	४१	४०	पू	८	१७	वै	३	४३	ब	१०	२५	१९	२०	४०	१२	२९	२४	मीने	अपरा ११ ब्र. *मार्गीशनिः ३०/५३ प्रदोषः
१२	श	४५	२१	उ	१३	१०	वि	३	३९	कौ	१३	३०	२२	२०	४०	१३	३०	२५	मीने	
१३	र	४९	५१	रे	१८	३७	प्री	४	१६	ग	१७	३६	२५	१९	४१	१४	३१	२६	मे.१८।३७	भ.४९।५१ उ. वृषेऽर्कः ३०।३६ वक्री मेषे=
१४	चं	५४	५०	अ	२४	५३	आ	५	२९	वि	२२	२०	२८	१८	४२	१५	१	२७	मेषे	भ.२२/२० या. =बुधः ५५/३६ रेवत्यां शुक्रः ४१/५६ *
३०	मं	५९	३८	भ	३१	१५	सौ	७	८	च	२७	१४	३१	१८	४२	१६	२	२८	बृ.४७।५२	वटपूजनम् भावुका ३०

४पं. ज्ये.कृ.३बृ.इ.३८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	१०	११	४	११	०
२०	२९	४	१०	५	१९	१२	२०
२९	९	२३	६	३५	३९	३२	२७
१२	४०	४९	१८	४६	५०	५६	२२
५७	३/११	२५/४	८	६५	१/८	३	५८
५७	मा	ब	२४	३७	ब	११	६

गोचरग्रहाः

२बु १२रा १सू ३ ४ १० ५ मं ७ ९ श ६के ८चं

ज्येष्ठकृ.१३ रवौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.५प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

२बु १२रा ३ १सू ४ १० ५मं श ७ ९ ६के ८

५पं.ज्ये.कृ.१०बृ.इ.३८।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	१०	११	४	११	०
२७	२९	१	११	१३	१९	१२	२७
१४	२८	५४	५	१५	३४	१	१३
२५	१२	४७	६	१०	२६	४१	३०
५७	८	३४/५५	७	७७	०/१६	३	५७
४५	२८	ब	१६	१	ब	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२ दि. उ. अ इ. हिं. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरेऽर्हगणः ५५२१ स. १९५०

१	बु	६०	०	कृ	३७	४३	शो	८	२७	किं	३२	२	३३	५	५७	४	१७	३	२९	वृषे	कन्यायां भौमः ६।७		
१	गु	४	२६	रो	४३	३०	अ	९	४६	बा	४	२६	२६	१७	४३	१८	४	३०		वृषे	चन्द्रदर्शनम्		
२	शु	८	२८	मृ	४८	२१	सु	१०	२६	कौ	८	२८	२९	१६	४४	१९	५	१	मि	१५।५५	सावान ८ रंभा व्र.		
३	श	११	३२	आ	५२	२४	धृ	१०	२४	ग	११	३२	४१	१६	४४	२०	६	२		मिथुने	भ. ४२।३१ उ.		
४	र	१३	३०	पु	५५	१५	शू	९	२४	वि	१३	३०	४४	१५	४५	२१	७	३	क	३९।३२	भ.१३।३०या. वक्रीभरण्यां बुधः ४९।४७		
५	चं	१४	११	पु	५६	४१	गं	७	२९	व	१४	११	४६	१५	४५	२३	८	४		कर्के			
६	मं	१३	४२	श्ले	५७	९	कृ	४	३५	तै	१३	४२	४८	१४	४६	२३	९	५	सि	५७।९	पूर्वोदयी बुधः५७।५३ पातस्पर्शः ७।४२●		
७	बु	११	५१	म	५६	१४	धृ	३६	५२	व	११	५१	५०	१४	४६	२४	१०	६		सिंहे	भ. ५१ उ. ५६ या. रोहिण्यां रविः ५६		
८	गु	८	५२	पू	५४	२२	हृ	५०	७	ब	८	५२	५३	१४	४६	२५	११	७		सिंहे			
९	शु	५	०	उ	५१	३३	व	४३	२८	कौ	०	०	५४	१३	४७	२६	१२	८	क	८।४०	मेषे शुक्रः ३५।३०		
१०	श	०	१४	ह	५८	१४	सि	३७	०	ग	०	१४	५६	१३	४७	२७	१३	९		कन्यायां	भ.२७।३०उ.३५या. निर्जला ११ व्र.स्मा.		
११	श	५४	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	क्षयः ●पातमोक्षः २१।२२		
१२	र	४८	५८	चि	४४	३६	ध्रु	२९	४८	व	२१	२२	५८	१२	४८	२८	१४	१०	तु.	१६।२५	निर्जला ११ व्र. वै.		
१३	चं	४२	५७	स्वा	४०	२७	व	२२	१९	कौ	१५	५८	३४	१२	४८	२९	१५	११		तुलायां	प्रदोषः सावित्री व्रतारम्भः		
१४	मं	४६	५१	वि	३७	०	ए	१४	४४	ग	९	५४	२	१२	४८	३०	१६	१२	वृ.	२२।५२	भ. ३६।५१ उ.		
१५	बु	३०	५२	अ	३३	३२	शि	३७	५३	वि	३	५१	४	११	४९	३१	१७	१३		वृश्चिके	भ.३।५१या. मार्गीबुधः १५ वटसावित्रीपू		

६पं. ज्ये.शु.१बृ.इ.३८।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	०	१०	११	४	११	१
३	०	२८	११	२१	१९	११	३
५८	२०	१	५७	१	३५	३९	५८
३	१०	३०	७	३७	८	२५	२८
५७	१३	३९	६	६८	२३	३	५७
३४	४	ब	२०	७	मा	११	४४

गोचरग्रहाः

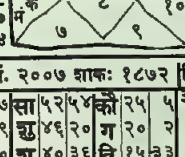

आर्द्रादौ दश ऋक्षाणि ज्येष्ठे शुक्ले निरीक्षयेत्। साध्रेश्च हन्यते वृष्टिरिध्रेर्वृष्टि रुत्तमा ॥

गोचरग्रहाः

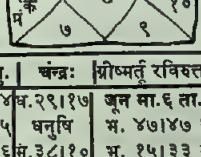

७पं.ज्ये.शु.८बृ.इ.३८।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	१०	११	४	११	१
१०	१	२५	१२	२८	१९	११	१०
४०	४२	३४	४१	५४	३९	१७	४२
१३	५८	५५	५६	५०	१४	१०	२०
५७	१७	१५	५	६८	१	३	५७
२३	१९	च	१३	५९	८	११	३५

ति. प्र. आषाढ कृष्णपक्ष सं. २००७ शाकः १८७२ वि. उ. अ. इ. हिं. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	गु	२५	५	ज्ये	२९	१७	सा	५२	५४	कौ	२५	५	३६	१५	४९	१	१८	१४	ध	२९।१७	जून मा.६ ता.३० शते गुरुः ५७ सव्वरात		
२	शु	२०	२	मृ	२५	३९	सु	४६	२०	ग	२०	२	८	१०	५०	२	१९	१५		धनुषि	भ. ४७।४७ उ.		
३	श	१५	३३	पु	२३	२०	शु	४०	३६	वि	१५	३३	९	१०	५०	३	२०	१६	म.	३८।१०	भ. १५।३३ या. चतुर्थी व्र.		
४	र	१२	३	उ	२२	११	अ	३५	५६	बा	१२	३	११	९	५०	४	२१	१७		मकरे	पातस्पर्शः ३३।२९ पातमोक्षः ४८।४९		
५	चं	९	२९	श्र	२१	२१	रें	३१	३१	ते	९	२९	१३	९	५१	५	२२	१८	कुं	५१।४३			
६	मं	८	२	ध	२२	५	वै	२८	२२	व	८	२	१४	९	५१	६	२३	१९		कुम्भे	भ.८।२ उ.३८।०या. पूफायां३ शनिः ५३		
७	बु	७	५८	श	२४	८	वि	२६	१४	ब	७	५८	१५	९	५१	७	२४	२०		कुम्भे	मृगे रविः ५३ वृषे बुधः ३६।३५ भरण्यां●		
८	गु	९	११	पू	२७	२५	प्री	२५	३	कौ	९	११	१६	९	५१	८	२५	२१	मी	११।३६			
९	शु	११	२९	उ	३१	५०	आ	२४	५२	ग	११	२९	१७	८	५२	९	२६	२२		मीने	भ. ४३।१८ उ.	●शुक्रः १७।५६	
१०	श	१५	८	रे	३७	१७	सो	२५	३१	वि	१५	८	१८	८	५२	१०	२७	२३	मे	३७।१७	भ. १५।८ या.		
११	र	१९	२९	अ	४३	२०	शो	२६	४३	बा	१९	२९	१९	८	५२	११	२८	२४		मेषे	योगिनी ११ व्र.		
१२	चं	२४	१५	भ	४९	३८	अ	२८	१६	ते	२४	१५	२०	८	५२	१२	२९	२५		मेषे	प्रदोषः		
१३	मं	२९	१	कृ	५६	६	सु	२९	४८	व	२९	१	२१	८	५२	१३	३०	२६	वृ.	६।१५	भ. २९।१ उ. १।२३ या.		
१४	बु	३३	४६	रो	६०	०	धृ	३१	३०	वि	१	२३	२१	८	५२	१४	३१	२७		वृषे	मिथुनेऽर्कः ५६।२३		
१५	गु	३७	५५	रो	१	५५	शु	३१	५४	च	५	५०	२२	८	५२	१५	१	२८	मि	३४।३३			

८पं.प्र. आ.कृ.१बृ.इ.३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	०	१०	०	४	११	१
१७	३	२६	१३	६	१९	१०	१७
२९	३२	१५	१८	५३	४९	५४	२५
१९	३१	४७	४३	२	१२	५५	७
५७	२०	५	४	४९	१	३	५७
१३	४७	मा	६	५२	४७	११	२७

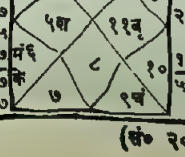

९पं. प्र.आ.कृ.८बृ.इ.३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	१०	०	४	११	१
२४	५	०	१३	१४	२०	१०	२४
१	४५	२८	४७	५५	४	३२	७
१५	२५	३०	१३	१२	१	३९	८
५७	२३	२७	३	७०	२	३	५७
५	५६	२६	०	३२	२६	११	२२

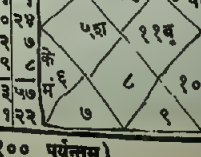

१०पं. प्र.आ.कृ.३०बृ.इ.३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	१०	०	४	११	२
०	८	७	१४	२३	२०	१०	०
४०	१९	५७	६	१	२३	१०	४८
१३	१६	३६	५८	५	२८	२४	२५
५६	२६	५५	१	७१	३	३	५७
५७	२७	२२	३७	१	१०	११	१७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	प्र. आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५५५१ स.१९५०
१	शु	४१	२	मृ	७	११	गं	३२	१४	किं	९	२८	३४/२२	५/८	६/५२	१६	२	२९	मिथुने	
२	श	४३	०	आ	११	४५	वृ	३१	१८	बा	१२	१	२३	७	५३	१७	३	३०	क.५८।५२	चंद्रद. रोहिण्यां बुधः ५१।३३
३	र	४३	५१	पु	१४	३४	ध्रु	२९	३५	तै	१३	२५	२३	७	५३	१८	४	१	कर्के	कृतिकायां शुक्रः ४३/२५ रमजान९ उभायां२●
४	चं	४३	१५	पु	१६	२३	व्या	२७	३	व	१३	३३	२३	७	५३	१९	५	२	कर्के	भ. १३।३३ उ. ४३।१५ या.
५	मं	४१	२८	श्ले	१७	०	ह	२३	१२	ब	१२	२१	२४	७	५३	२०	६	३	सिं१७।०	हस्ते भौमः १३।३६
६	बु	३८	२३	म	१६	४३	व	१८	४२	कौ	९	५५	२४	७	५३	२१	७	४	सिंहे	आर्द्रायां रविः ५७/५५ वृषेशुक्रः ३९/२३ दक्षिणायन=
७	गु	३४	३७	पू	१५	१५	सि	१३	०	ग	६	३०	२४	७	५३	२२	८	५	कं.२९।२६	भ. ३४।३७ उ. =प्रवृत्तिः ५९/३६
८	शु	२९	४९	उ	१२	०	व्य	६	४८	वि	२	१३	२४	७	५३	२३	९	६	कन्यायां	भ. २।१३ या.
९	श	२४	२४	ह	८	५४	व	०/१२	५३/५३	कौ	२४	२४	२४	७	५३	२४	१०	७	तु.३७।१	
१०	र	१८	४१	चि	५	८	शि	४५	३४	ग	१८	४१	२४	७	५३	२५	११	८	तुलायां	भ.४५/३९ उ. मृगे बुधः ३९/५५ वक्री गुरुः७।४३
११	चं	१२	३८	स्वा	१/७	५५/५३	सि	३७	५९	वि	१२	३८	२३	७	५३	२६	१२	९	वृ.४३।२	भ. १२।३८ या. कमला ११ ब्र.
१२	मं	६	३०	अ	५२	५१	सा	३०	३३	बा	६	३०	२३	७	५३	२७	१३	१०	वृश्चिके	प्रदोषः ●राहुःउफायां४केतुः ५४/५५ रोजा
१३	बु	०	३०	ज्ये	४९	३	शु	३०	९	तै	०	३०	२२	८	५२	२८	१४	११	ध.४९।३	भ. ५४।४१ उ. ×बुधः४९।३७
१४	बु	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	गु	४९	३०	मू	४५	५७	शु	१६	५	वि	२२	५	२२	८	५२	२९	१५	१२	धनुषि	भ. २२।५ या. मिथुने बुधः १३/२९ पूर्वास्तो×

११पं. प्र.आ.शु.७ बृ.इ.३८/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	१०	१	४	११	२
७	१४	१६	१४	१	२०	९	७
१८	९	२५	१७	१०	४७	४८	२९
५१	१४	४८	२८	५९	२०	९	१७
५६	२८	८५	०	७१	३	३	५७
५४	३६	३०	२८	३७	४३	११	१३

गोचरग्रहाः

इस मास में बुध शुक्र का योग हुआ है सो उत्तम वर्षाकारक है और कन्या राशि पर केतु मंगल का योग तेजी करेगा

गोचरग्रहाः

१२पं. प्र.आ.शु.१५बृ.इ.३८/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	१०	१	४	११	२
१३	१४	०	१४	९	२१	९	१४
५६	१५	४७	१८	२३	१५	२५	९
५४	२२	५३	४३	३८	२२	५३	४५
५६	३०	११/४८	५१/०	७२	४	३	५७
५०	२०		ब	२	२२	११	७

ति.	द्वि.आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र.आषा.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	शु	४४	५७	पू	४२	२३	ब्र	९	३०	बा	१७	१४	३४/२१	५/८	६/५२	३०	१६	१३	म.५७।१२	रोहिण्यां शुक्रः ९।४
२	श	४१	१७	उ	४१	३८	ऐं	३६/३	५४/४१	तै	१३	७	२०	८	५२	१	१७	१४	मकरे	जुलाई मा. ७ ता. ३१
३	र	३९	३९	श्र	४१	२	वि	५४	१४	व	१०	२८	१९	८	५२	२	१८	१५	मकरे	भ. १०।२८ उ. ३९।३९ या. आर्द्रायां●
४	चं	३८	९	ध	४१	३३	प्री	५०	५५	व	८	५४	१८	८	५२	३	१९	१६	कु.११।१७	
५	मं	३६	५७	श	४३	१०	आ	४८	३५	कौ	७	३३	१७	९	५१	४	२०	१७	कुंभे	
६	बु	३८	३	पू	४६	५	सौ	४७	१८	ग	७	३०	१६	९	५१	५	२१	१८	मी३०।२१	भ. ३८।३ उ. ●बुधः४६।५ चतुर्थी ब्र.
७	गु	४०	३०	उ	५०	१६	शो	४६	५४	वि	९	१६	१४	९	५१	६	२२	१९	मीने	भ. ९।१६ या. पुनर्वसौ रविः १।५६
८	शु	४३	३६	रे	५५	२०	अ	४७	२१	बा	१२	३	१३	९	५१	७	२३	२०	मे.५५।२०	
९	श	४८	०	अ	६०	०	सु	४८	२८	तै	१५	४८	११	१०	५०	८	२४	२१	मेषे	पुनर्वसौ बुधः ५०।२३
१०	र	५२	४४	अ	१	२२	धृ	४९	५६	व	२०	२२	१०	१०	५०	९	२५	२२	मेषे	भ. २०।२२ उ. ५२।४४ या.
११	चं	५७	४७	भ	७	४३	शू	५१	३३	ब	२५	१६	८	१०	५०	१०	२६	२३	बृ.२४।१९	कमला ११ ब्र. स्मा.
१२	मं	६०	०	कृ	१४	८	गं	५२	५७	कौ	३०	२	७	११	४९	११	२७	२४	बृषे	मृगे शुक्रः २८।१३ कमला ११ब्र. वै. नि.
१३	बु	२	१७	रो	२०	१०	वृ	५३	५१	तै	२	१७	५	११	४९	१२	२८	२५	मि५२।५५	प्रदोषः
१३	गु	६	२२	मृ	२५	४०	ध्रु	५४	११	व	६	२२	४	११	४९	१३	२९	२६	मिथुने	
१४	शु	९	३५	आ	३०	१०	व्या	५३	४०	श	९	३५	२	१२	४८	१४	३०	२७	मिथुने	भ.६।२२ उ.३७।५८या. कर्के बुधः२३।२४
२०	श	१२	५	पु	३३	२५	ह	५२	११	ना	१२	५	०	१२	४८	१५	३१	२८	क.१७।३६	पुष्ये बुधः ०।१७

१३पं. द्वि.आ.कृ.७ बृ.इ.३८/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	१०	१	७	११	२
२०	१७	१५	१४	१७	२१	९	२०
३४	३६	२२	९	३९	४७	३	५०
५०	५०	८	४	४०	४९	३८	९
५६	३१	११/४८	३/१३	७२	४	३	५७
५०	५९	३५	ब	२५	५०	११	७

गोचरग्रहाः

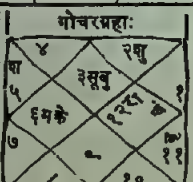

गोचरग्रहाः

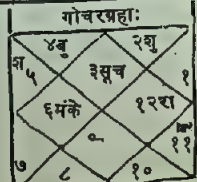

१४पं. द्वि.आ.कृ.१३बृ.इ.३८/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१०	१	४	११	२
२७	२१	०	१३	२५	२२	८	२७
१२	७	३१	५२	५८	२३	४१	३०
५६	५	१६	१९	४	६	२२	३२
५६	३३	११/४८	३/१३	७२	५	३	५७
५५	१८	५२	ब	४६	१४	११	११

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	द्वि.आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५५८१ स.१९५०
१	र	१२	२९	पु	३५	३०	ध	४९	३७	ब	१२	२९	३३/५८	५/१२	६/४८	१६	३२	२९	कर्क	कर्कऽर्कः३४।४० मिथुनेशुक्रः५८।२चंद्रद.
२	चं	१२	३	श्ले	३६	२८	सि	४०	८	कौ	१२	३	५६	१३	४७	१७	१	१	सिं३६।२८	सव्वाल १० ईद रथयात्रा
३	मं	१०	१८	म	३६	०	व्य	४१	३८	ग	१०	१८	५४	१३	४७	१८	२	२	सिंहे	भ. ३८।५२ उ. चित्रायां भौमः ३।५९
४	बु	७	२६	पू	३४	३२	व	३६	१७	वि	७	२६	५२	१४	४६	१९	३	३	कं.४८।५५	भ. ७।२६ या.
५	गु	३	३६	उ	३२	६	प	३०	१०	बा	३	३६	५०	१४	४६	२०	४	४	कन्यायां	पुष्ये रविः ५।२१
६	गु	५५	१६	●	०	०	०	०	०	०	०	०	●	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	शु	५३	३३	ह	२९	१६	शि	२३	३०	ग	२६	१२	४७	१५	४५	२१	५	५	तु.५६।४९	भ. ५३।३३ उ. सार्पे बुधः ४०।४७
८	श	४७	४५	चि	२४	२२	सि	१६	१६	वि	२०	३९	४५	१५	४५	२२	६	६	तुलायां	भ. २०।३९ या. आर्द्रायां शुक्रः ३३/५४ वक्री●
९	र	४१	४४	स्वा	२१	२८	सा	८	४९	बा	१४	४५	४२	१६	४४	२३	७	७	तुलायां	पूफायां ४ शनिः ५१।१६
१०	चं	३५	३८	वि	१७	१९	शु	१/१६	५२/३०	तै	८	४१	४०	१६	४४	२४	८	८	वृ.३।२१	●शते२ गुरुः१।२० पश्चिमोदयीबुधः५६/५९
११	मं	२९	३०	अ	१३	११	ब्र	४६	१८	व	२	३४	३७	१७	४३	२५	९	९	वृश्चिके	भ.२।३४ उ.२९।३०या. देवशयनी ११ब्र.
१२	बु	२३	३५	ज्ये	९	२१	ऐं	३९	१०	बा	२३	३५	३५	१७	४३	२६	१०	१०	ध.९।२१	प्रदोषः ×व्यासपूजा
१३	गु	१८	२५	मू	६	५	वै	३२	२४	तै	१८	२५	३२	१८	४२	२७	११	११	धनुषि	
१४	शु	१३	५२	पू	२	१५	वि	२६	१८	व	१३	५२	३०	१८	४२	२८	१२	१२	म.१६।५८	भ. १३।५२ उ. ४१।५८ या.
१५	श	१०	४	उ	१	८	प्री	२०	५९	ब	१०	४	२७	१९	४१	२९	१३	१३	मकरे	मघायां बुधः३।८ तुलायां भौमः४९।३०×

१५पं.द्वि.आ.शु.५बृ.इ.३८/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१०	२	४	११	३
३	२४	१४	१३	४	२३	८	४
५१	४९	४५	२६	१९	१	१९	११
२४	१९	४०	२०	२६	४४	७	१३
५६	३४	११/१४	४/३५	७३	५	३	५७
५७	४२	१४	ब	१	४१	११	१५

गोचरग्रहाः

द्वि.आषाढ़ शु. १ रवौ कर्केऽर्कः प्र.वा. ५न.५ कुमारावस्था(बैठी)मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

१६पं.द्वि.आ.शु.१३बृ.इ.३८/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१०	२	४	११	३
१०	२८	२७	१२	१२	२३	७	१०
३०	४१	४३	५१	४३	४३	५६	५२
४१	२०	१९	४३	२६	४१	५२	१९
५७	३५	९६	५/४१	७३	६	३	५७
५	५८	३८	ब	१६	२	११	२०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेद्वि.आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	७	२३	श्र	०	१९	आ	१६	२९	कौ	७	२३	३३/२४	५/१९	६/४१	३०	१४	१४	कु.३०।२७	
२	चं	५	५०	ध	०	३५	सौ	१३	१	ग	५	५०	२१	२०	४०	३१	१५	१५	कुम्भे	भ. ३५।४४ उ.
३	मं	५	३८	श	१	५७	शो	१०	३१	वि	५	३८	१८	२०	४०	१	१६	१६	मी४८।५६	भ. ५।३८ या. अगस्त मा. ८ ता. ३१●
४	बु	६	३७	पू	४	३५	अ	८	५५	बा	६	३७	१५	२१	३९	२	१७	१७	मीने	पुनर्वसौ शुक्रः ४१।१८ ●चतुर्थी ब्र.
५	गु	८	४९	उ	८	३२	सु	८	२१	तै	८	४९	१२	२२	३८	३	१८	१८	मीने	आश्लेषायां रविः ६।९
६	शु	१२	१२	रे	१३	३१	धृ	८	३९	व	१२	१२	९	२२	३८	४	१९	१९	मे.१३।३१	भ. १२।१२ उ. ४४।१९ या.
७	श	१६	२७	अ	१९	२४	शू	९	४१	ब	१६	२७	६	२३	३७	५	२०	२०	मेषे	
८	र	२१	११	भ	२५	३६	गं	११	३०	कौ	२१	११	३	२३	३७	६	२१	२१	वृ.४२।१२	पूफायां बुधः २९।३४
९	चं	२६	२	कृ	३२	१	वृ	१२	३६	ग	२६	२	०	२४	३६	७	२२	२२	वृषे	भ. ५८।२४ उ.
१०	मं	३०	४७	रो	३७	५६	ध्रु	१४	३	वि	३०	४७	३२/५७	२५	३५	८	२३	२३	वृषे	भ. ३०।४७ या.
११	बु	३४	५५	मृ	४३	३७	व्या	१५	६	ब	२	५१	५४	२५	३५	९	२४	२४	मि१०।४६	कामिका ११ ब्र.
१२	गु	३८	१२	आ	४८	१८	ह	१५	३०	कौ	६	३३	५०	२६	३४	१०	२५	२५	मिथुने	कर्के शुक्रः५५।४८ स्वात्यां भौमः२०।४६
१३	शु	४०	२२	पु	५२	२	व	१५	८	ग	९	१७	४७	२७	३३	११	२६	२६	क ३६।६	भ. ४०।२२ उ. प्रदोषः
१४	श	४१	२२	पु	५४	१२	सि	१३	४५	वि	१०	५२	४३	२७	३३	१२	२७	२७	कर्के	भ. १०।५२ या.
३०	र	४१	३	श्ले	५५	२७	व्य	११	२८	बा	११	१२	४०	२८	३२	१३	२८	२८	सिं५५।२७	पुष्ये शुक्रः ३८।३३ हरियाली ३०

१७पं.श्रा.कृ.५बृ.इ.३८।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	१०	२	४	११	३
१७	२	९	१२	२१	२४	७	१७
१०	४१	१९	१०	९	२७	३४	३४
३०	३८	३४	८	२९	५४	३६	०
५७	३६	८४	६/३०	७३	६	३	५७
१२	५३	८	ब	२६	२३	११	२४

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

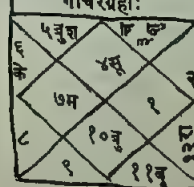

१८पं.श्रा.कृ.१२बृ.इ.३७।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	१०	२	४	११	३
२३	६	१९	११	२१	२५	७	२४
५१	५०	३३	२२	३८	१४	१२	१६
३८	४९	४०	२३	६	२०	२०	२७
५७	३७	७३	७/१७	७३	६	३	५७
२२	४१	२०	ब	४४	२०	११	३३

●केचंमं

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५६१० सन् १९५०
१	चं	३९	२४	म	५५	२४	व	८	८	किं	१०	१३	३३/३६	५/२९	६/३१	१४	२९	२९	सिंहे	नक्तव्रतारंभः
२	मं	३६	३६	पू	५४	६	प	३/५५	५४/३५	बा	८	०	३३	२९	३१	१५	३०	३०	सिंहे	चंद्रद.
३	बु	३२	५०	उ	५१	५१	सि	५२	३१	तै	४	४३	२९	३०	३०	१६	३१	१	कं.८।३२	उफायां बुधः ८।२७ जिल्काद११ तीज+
४	गु	२८	१७	ह	४९	२	सा	४५	५६	व	०	३४	२६	३१	२९	१७	३२	२	कंन्यायां	भ.३४/० उ.२८/१७या. सिंहेऽर्कः२।३६ वरद४
५	शु	२२	५६	चि	४५	३१	शु	३७	४६	बा	२२	५६	२२	३२	२८	१८	१	३	तु.१७।१६	नाग ५ +मधुश्रवा ३
६	श	१७	१२	स्वा	४१	२७	शु	३१	२१	तै	१७	१२	१८	३२	२८	१९	२	४	तुलायां	कन्यायां बुधः २२।३२ वर्ण ६
७	र	११	१३	वि	३७	२५	ब्र	२३	३९	व	११	१३	१४	३३	२७	२०	३	५	वृ.२३।२६	भ.११/१३ उ.३८/८या. उभायां १राहुःउफायां३*
८	चं	५	३	अ	३३	१२	ऐं	१६	९	व	५	३	११	३४	२६	२१	४	६	वृश्चिके	वक्री शते १ गुरुः ३६।३० दुर्गा ८
९	चं	५३	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	मं	५३	१९	ज्ये	२९	२०	वै	८	३८	तै	२६	९	७	३५	२५	२२	५	७	ध.२९।२०	उफायां १ शनिः ४९।३ *केतुः४७/५३
११	बु	४७	५८	मू	२५	४३	वि	२३/१	५३/१०	व	२०	३८	४	३५	२५	२३	६	८	धनुषि	भ.२०।३८ उ.४७।५८ या. पवित्रा ११×
१२	गु	४३	१७	पू	२२	४६	आ	४८	१२	व	१५	३७	०	३६	२४	२४	७	९	म.३७।१६	सार्पे शुक्रः ३६।३२ पवित्रा ११ ब्र. नि.
१३	शु	३९	११	उ	२०	४८	सौ	४२	३७	कौ	११	१४	३३/५६	३७	२३	२५	८	१०	मकरे	प्रदोषः ×ब्र. स्मा. वै.
१४	श	३६	५५	श्र	१९	१३	शो	३७	५३	ग	७	३	५२	३८	२२	२६	९	११	कुं.४९।२१	भ. ३६।५५ उ. ऋग्वेदीनां श्रा.
१५	र	३५	२३	ध	१९	२९	अ	३४	२	वि	६	९	४८	३८	२२	२७	१०	१२	कुम्भे	भ. ६।९ या. श्रावणीकर्म

१९पं. श्रा.शु.४बृ.इ.३७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	१०	३	४	११	४
०	११	२८	१०	८	२६	६	०
३३	७	१२	३०	८	२	५०	५९
५१	२३	४	४३	४२	५३	५	४७
५७	३८	६१	७/४८	७३	६	३	५७
३४	२७	४८	ब	५०	५२	११	४०

गोचरग्रहाः

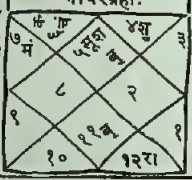

श्रावण शु.४ गुरो सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न. ६ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

२०पं.श्रा.शु१२बृ.इ.३७।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१०	३	४	११	४
७	१५	४	९	१६	२६	६	७
१७	३०	५२	३६	४१	५२	२७	४४
२४	१८	३०	७	२४	४४	५०	३७
५७	३९	४६	५/५२	७३	७	३	५७
४५	१५	४९	ब	५६	२	११	४८

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३५	१०	श	२०	३१	सु	३१	१३	बा	५	१७	३१/४४	५/३९	६/२१	२८	११	१३	कुंभे	अगस्त्योदयः २।३ ×अस्तं शनेः ३।४४
२	मं	३५	१२	पू	२२	५४	धृ	२९	२०	तै	५	११	४०	४०	२०	२९	१२	१४	मी७।१८	
३	बु	३८	२२	उ	२६	३५	शू	२८	३०	व	६	४७	३६	४१	१९	३०	१३	१५	मीने	भ. ६।४७ उ.३८/३२ या. पूफायां रविः ५३/२७×
४	गु	४१	४१	रे	३१	१७	गं	२८	३९	व	१०	१	३२	४२	१८	३१	१४	१६	मे.३१।१७	विशाखायां भौमः३७।४९ बहुला४चतुर्थी
५	शु	४६	२	अ	३६	५६	वृ	२८	५५	कौ	१३	५१	२८	४२	१८	१	१५	१७	मेषे	सितम्बर मा. ९ ता. ३०
६	श	५०	४९	भ	४३	५	ध्रु	३०	३७	ग	१८	२५	२४	४३	१७	२	१६	१८	वृ.५९।४०	भ. ५०।४९ उ. चन्द्र ६ हल ६
७	र	५५	४३	कृ	४९	२५	व्या	३१	३६	वि	२३	१६	२१	४४	१६	३	१७	१९	वृषे	भ. २३।१६ या.
८	चं	६०	०	रो	५५	३९	ह	३३	४५	बा	२८	८	१७	४५	१५	४	१८	२०	वृषे	मघायां शुक्र.२८।३८ श्रीकृष्णजयंती ब्र.
८	मं	०	३४	मृ	६०	०	व	३४	३९	कौ	०	३४	१४	४५	१५	५	१९	२१	मि२८।३२	वक्री बुधः ३।१२
९	बु	४	४९	मृ	१	२६	सि	३५	१८	ग	४	४९	१०	४६	१४	६	२०	२२	मिथुने	भ. ३६।३२ उ.
१०	गु	८	११	आ	६	१७	व्य	३५	७	वि	८	११	६	४७	१३	७	२१	२३	क.५४।१५	भ. ८।११ या.
११	शु	१०	३३	पु	१०	१४	व	३४	२२	बा	१०	३३	२	४८	१२	८	२२	२४	कर्के	अजा ११ व्रतम्
१२	श	११	३५	पु	१२	४४	प	३१	४४	तै	११	३५	३०/५८	४८	१२	९	२३	२५	कर्के	प्रदोषः वत्स १२
१३	र	११	२०	श्ले	१४	११	शि	२८	३७	व	११	२०	५५	४९	११	१०	२४	२६	सिं१४।११	भ.११।२० उ.४०।३१या. पश्चिमास्तो+
१४	चं	९	४२	म	१४	२८	सि	२४	१५	श	९	४२	५०	५०	१०	११	२५	२७	सिंहे	पिठोरी ३० +बुधः ५१।२५
३०	मं	७	२	पू	१३	२४	सा	१९	२२	ना	७	२	४५	५१	९	१२	२६	२८	कं.२७।५१	लोहार्गल स्नानः कुशाग्रहणी

२१पं. भा.कृ.४बृ.इ.३७।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१०	३	४	११	४
१४	१९	८	८	२५	२७	६	१४
२	५९	४८	४१	१७	४३	५	१९
३६	४२	५८	२	६	५२	३५	५४
५७	३९	२४	५/५२	७४	७	३	५८
५७	४९	८	ब	२	१४	११	१

गोचरग्रहाः

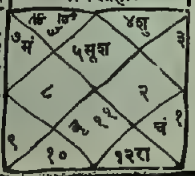

गोचरग्रहाः

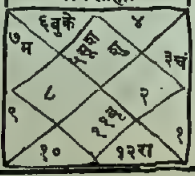

२२पं.भा.कृ.१०बृ.इ.३७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१०	४	४	११	४
२०	२४	७	७	३	२८	५	२१
४९	३४	४२	४७	५३	३५	४३	१६
१६	१६	५८	३५	१३	४९	१९	५८
५७	४०	१४/०	७/३५	७४	७	३	५८
१२	४०	ब	ब	८	२०	११	१३

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५६४० स.१९५०
१	बु	३	२०	उ	११	१३	शु	१३	२८	ब	३	२०	३० ४१	५२	६ ८	१३	२७	२९	कन्याया	उफायां रविः ३८।६ चंद्रदर्शनम्
२	बु	५५	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	गु	५३	३९	ह	८	१२	शु	६ ५१	५३ १	तै	२६	१४	३६	५३	७	१४	२८	१	तु.३६।३९	जिल्हेज १२
४	शु	४७	५६	चि	५	७	ऐं	५२	२४	व	२०	४७	३२	५४	६	१५	२९	२	तुलायां	भ. २० ४७ उ. ४७ ५६ या. पूफायां शुक्रः १५।७●
५	श	४२	८	स्वा	१ २२	५५ ४७	वै	४४	४२	ब	१५	२	२८	५४	६	१६	३०	३	वृ.४३।१२	ऋषि ५ ●वृश्चिके भौमः ४० ३ गणेश४
६	र	३५	५९	अ	५३	०	वि	३७	०	कौ	९	४	२४	५५	५	१७	३१	४	वृश्चिके	कन्यायामर्कः ३ १ वक्रीधनिष्ठायां४गुरुः १० १
७	चं	२९	५६	ज्ये	४९	८	प्री	२९	२३	ग	२	५८	२०	५६	४	१८	१	५	ध.४९।८	भ.२९ ५६ उ.५७।५या. वक्री सिंहे बुधः २५+
८	मं	२४	१५	मू	४५	३१	आ	२१	५७	ब	२४	१५	१६	५७	३	१९	२	६	धनुषि	
९	बु	१९	०	पू	४२	२३	सौ	१४	५६	कौ	१९	०	१२	५८	२	२०	३	७	म.५६।५०	मैत्रे भौमः ३५।४४
१०	गु	१४	२२	उ	४०	११	शो	८	२५	ग	१४	२२	८	५८	२	२१	४	८	मकरे	भ.४२।३३उ. वक्रीपूफायां बुधः २७।३१
११	शु	१०	४५	श्र	३८	३७	अ	३ ३६	५३ ५५	वि	१०	४५	४	५९	१	२२	५	९	मकरे	भ. १०।४५ या. जलझूलनी ११ब्र. हज्ज
१२	श	८	९	ध	३७	१८	धृ	५३	२८	बा	८	९	०	६ ००	६ ००	२३	६	१०	कु.७।५७	प्रदोषः +कन्यायां शनिः ४८।१५
१३	र	६	३९	श	३९	६	शू	५०	११	तै	६	३९	२९ ५५	१	५९	२४	७	११	कुम्भे	पूर्वोदयी बुधः १०।४१
१४	चं	६	३३	पू	४०	५१	गं	४८	५	व	६	३३	५१	२	५८	२५	८	१२	मी२५।२५	भ.६।३३उ.३७ या. अनंत१४महालयारंभः
१५	मं	७	३५	उ	४४	३१	वृ	४६	५५	ब	७	३५	४७	३	५७	२६	९	१३	मीने	प्रोष्ठपदी १५

२३पं.भा.शु.३बृ.इ.३७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१०	४	४	११	४
२७	२९	३	६	१२	२९	५	२८
३७	१६	३४	५७	३३	२८	२१	५
४०	१६	५५	२९	७	१२	३	४४
५८	४१	६३ ३८	६ ५२	७४	७	३	५८
२९	२५	ब	ब	१४	२०	११	२६

गोचरग्रहाः

भाद्रपद शु.६रवौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.५गताल्कावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

२४पं.भा.शु.१०ब.इ.३७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	१०	४	५	११	५
४	४	२६	६	२१	०	४	४
२७	२	५०	१२	११	२०	५८	५५
४५	४६	४६	५४	१७	३८	४९	१७
५८	४१	६७ ३४	६ ८	७४	७	३	५८
४५	५०	ब	ब	२०	२०	११	३८

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरद्दर्तुरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	९	५४	रे	४८	५९	ध्रु	४६	८	कौ	९	५४	२९ ४२	६ ४	५ ५६	२७	१०	१४	मे.४८।५९	हस्ते रविः १५।४५ मार्गी बुधः ६।२६
२	गु	१०	१७	अ	५४	२७	व्या	४७	१२	ग	१३	१७	३८	४	५६	२८	११	१५	मेषे	भ. ४५।३० उ.. कन्यायां शुक्रः ४२।३४
३	शु	१७	४३	भ	६०	०	ह	४८	२३	वि	१७	४३	३४	५	५५	२९	१२	१६	मेषे	भ. १७।४३ या. चतुर्थी ब्र.
४	श	२२	३४	भ	०	१९	व	४९	३९	बा	२२	३४	३०	६	५४	३०	१३	१७	वृ.१६।५७	
५	र	२७	३४	कृ	६	५०	सि	५१	१	तै	२७	३४	२६	७	५३	१	१४	१८	वृषे	अक्टूबर मा. १० ता. ३१
६	चं	३२	२९	रो	१३	१४	व्य	५२	१६	ग	०	२	२२	८	५२	२	१५	१९	मि४६।८	भ. ३२।२९ उ. उफायां बुधः ३४।१२
७	मं	३६	५१	मृ	१९	२	व	५२	५४	वि	४	४०	१८	८	५२	३	१६	२०	मिथुने	भ. ४।४० या.
८	बु	४०	१६	आ	२४	२२	प	५२	४५	बा	०	३३	१४	९	५१	४	१७	२१	मिथुने	कन्यायां बुधः ५३ १६ उदयं शनेः १७।४४
९	गु	४२	३५	पु	२८	२४	शि	५१	४३	तै	११	२५	१०	१०	५०	५	१८	२२	क.१२।२३	
१०	शु	४३	४९	पु	३१	२७	सि	४९	३९	व	१३	१२	६	११	४९	६	१९	२३	कर्के	भ. १३ १२ उ. ४३।४९ या. हस्ते शुक्रः ४४ १५
११	श	४३	४१	श्ले	३२	४१	सा	४६	५१	ब	१३	४५	२	१२	४८	७	२०	२४	सिं३२।४१	इंदिरा ११ ब्र.
१२	र	४२	८	म	३३	२६	शु	४१	५५	कौ	१२	५४	२८ ५८	१२	४८	८	२१	२५	सिंहे	
१३	चं	३९	३९	पू	३२	३९	शु	३८	०	ग	१०	४८	५४	१३	४७	९	२२	२६	कं.४७।१२	भ.३९ २९ उ.ज्येष्ठायांभौमः ३४।५६ प्रदोषः
१४	मं	३५	४२	उ	३०	५१	ब्र	३२	१४	वि	७	४०	५०	१४	४६	१०	२३	२७	कन्यायां	भ. ७।४० या. चित्रायां रविः ४६।२२
३०	बु	३१	२९	ह	२८	१२	ऐं	२५	४५	च	३	३९	४६	१५	४५	११	२४	२८	तु.५७।०	हस्ते बुधः ४३।२१ सर्वपितृ ३०

२५पं.आ.कृ.२बृ.इ.३६।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	१०	४	५	११	५
११	८	२५	५	२९	१	४	११
१९	५४	१७	३४	५३	१२	३६	४६
५१	७	२८	३७	२	५०	२२	५५
५९	४२	१८ ४७	५ ५	७४	७	३	५८
०	१३	मा	ब	२६	१४	११	५३

गोचरग्रहाः

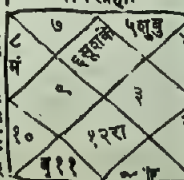

गोचरग्रहाः

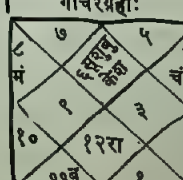

२६पं.आ.कृ.९ब.इ.३६।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	१०	५	५	११	५
१८	१३	१	५	८	२	४	१८
१३	४९	४	४	३६	४	१४	४०
४०	५९	३०	३४	१८	१६	१८	१२
५९	४२	८६	५ ३	७४	७	३	५९
१६	३८	५५	ब	२६	८	११	९

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६६९ स.१९५०
१	गु	२६	१९	चि	२५	४९	वै	१८	४९	ब	२६	१९	२८/४२	६/१६	५/४४	१२	२५	२९	तुलाया	मातामह श्राद्ध नवरात्रारंभः घटस्था.
२	शु	२०	४३	स्वा	२१	८	वि	११	२२	कौ	२०	४३	३८	१६	४४	१३	२६	३०	तुलायां	चंद्रद. पूर्वास्तो बुधः १६।३७
३	श	१५	५१	वि	१७	५	प्री	३/४३	५२/११	ग	१४	५१	३४	१७	४३	१४	२७	१	वृ. ३।६	भ. ४१।५१ उ. मोहोरम१ सन्१३७०
४	र	८	५२	अ	१३	३	सौ	४८	३३	वि	८	५२	३०	१८	४२	१५	२८	२	वृश्चिके	भ. ८।५२ या. +शुक्रः १८।५३
५	चं	२	५४	ज्ये	८	५९	शो	४०	३८	बा	२	५४	२६	१९	४१	१६	२९	३	ध.८।५९	उफायां ३ शनिः २।१४
६	चं	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ×पापांकुशा ११ ब्र.
७	मं	५२	९	मू	५	१४	अ	३३	२५	ग	२४	३८	२२	२०	४०	१७	३०	४	धनुषि	भ.५२।९उ.तुलायामर्कः२९।६ चित्रायां+
८	बु	४७	४२	पू	१/२	५७/२६	सु	२६	३९	वि	१९	५५	१८	२०	४०	१८	१	५	म.१६।२२	भ. १९।५५ या. सरस्वती पू.
९	गु	४३	५९	श्र	५७	३९	धृ	२०	३५	बा	१५	५०	१४	२१	३९	१९	२	६	मकरे	चित्रायां बुधः २९।४१ सरस्वती वि.
१०	शु	४१	३८	ध	५७	७	शू	१५	१२	तै	१२	४८	१०	२२	३८	२०	३	७	कु.२७।२३	बौद्धजयन्ती विजया१० =केतुः४०।५०
११	श	४०	१४	श	५७	२६	गं	१०	४५	व	१०	५६	६	२३	३७	२१	४	८	कुम्भे	भ.१०/५६ उ.४०/१४ या. पूर्वास्तो भृगुः४६।१२×
१२	र	४०	१४	पू	५९	१३	वृ	७	१६	ब	१०	१४	३	२४	३६	२२	५	९	मी४३।४९	तुलायांशुक्र ४०/५३ पूभायां४ राहुःउफायां२=
१३	चं	४१	२६	उ	६०	०	ध्रु	४	५२	कौ	११	५	२७/५८	२४	३६	२३	६	१०	मीने	तुलायां बुधः २९।२० प्रदोषः ताजिया
१४	मं	४३	४७	उ	२	२४	व्या	३	१३	ग	१२	५१	५४	२५	३५	२४	७	११	मीने	भ. ४३।४७ उ. स्वात्यां रविः १०।६
१५	बु	४७	२२	रे	६	४१	ह	२	३५	वि	१५	३४	५०	२६	३४	२५	८	१२	मे.६।४१	भ.१५/३४ या. मार्गी गुरुः२४/४६ कोजागरी ब्र.

२७पं. आ.शु.१बृ.इ.३६।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	१०	५	५	११	५
२५	१८	११	४	१७	२	३	२५
९	५०	३६	४३	२०	५४	५२	३५
२२	२४	०	३४	१३	४७	३	७
५९	४३	४/०	२/४०	७४	६	३	५९
३१	४	११	प	३२	५६	११	२१

गोचरग्रहाः

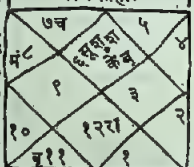

आश्विन शु. ७ भौमे तुलायामर्कः प्र.वा.३न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.

गोचरग्रहाः

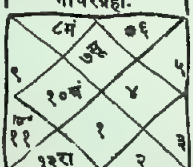

२८पं.आ.शु.९बृ.इ.३६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	१०	५	५	११	६
२	२३	२३	४	२६	३	३	२
६	५५	३२	३१	१०	४३	२९	३१
५१	४१	२०	४८	५२	४८	४७	३५
५९	४३	०/०	१/१८	७४	६	३	५९
४६	३५	३४	ब	३२	४०	११	३४

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	गु	५१	५१	अ	११	५६	व	२	५६	बा	१९	३६	२७/४६	६/२७	५/३३	२६	९	१३	मेषे	
२	शु	५६	४७	भ	१७	५३	सि	३	४३	तै	२४	१९	४२	२८	३२	२७	१०	१४	वृ.३४।२८	स्वात्यां बुधः १६।५६ धनुषि भौमः ५३/४७
३	श	६०	०	कृ	२४	१५	व्य	४	५६	व	२९	२१	३८	२८	३२	२८	११	१५	वृषे	भ. २९।२१ उ. स्वात्यां शुक्रः ३।४२
३	र	१	५६	रो	३०	३९	व	६	२०	वि	१	५६	३४	२९	३१	२९	१२	१६	वृषे	भ. १।५६ या. करक४
४	चं	६	५७	मृ	३६	३६	प	७	३०	बा	६	५७	३१	३०	३०	३०	१३	१७	मि३।३७	
५	मं	११	१९	आ	४२	२	शि	८	१०	तै	११	१९	२७	३१	२९	३१	१४	१८	मिथुने	
६	बु	१४	४६	पु	४६	२३	सि	८	१५	व	१४	४६	२४	३१	२९	१	१५	१९	क.३०।१७	भ.१४/४८ उ ४५/५९ या. नवम्बर मा.११ ता.३०
७	गु	१७	११	पु	४९	३३	सा	७	३३	व	१७	११	२०	३२	२८	२	१६	२०	कर्के	होई ८
८	शु	१८	२२	श्ले	५१	२९	शु	५	४९	कौ	१८	२२	१७	३३	२७	३	१७	२१	सिं५१।२९	
९	श	१८	१३	म	५२	१६	शु	३/७	५६/१९	ग	१८	१३	१३	३३	२७	४	१८	२२	सिंहे	भ.४७।२९उ. विशाखायां बुधः१९।५५
१०	र	१६	४५	पू	५१	४८	ऐं	५४	४०	वि	१६	४५	१०	३४	२६	५	१९	२३	सिंहे	भ. १६।४५ या.
११	चं	१४	७	उ	५०	६	वै	४९	७	बा	१४	७	६	३५	२५	६	२०	२४	कं.६।२२	विशाखायांरविः२७/३१रमा११ब्र.गोवत्सपू.
१२	मं	१०	३४	ह	४७	४४	वि	४२	४८	तै	१०	३४	३	३५	२५	७	२१	२५	कन्यायां	विशाखायां शुक्रः३८।१३ प्रदोषःधन१३×
१३	बु	६	६	चि	४४	४४	प्री	३५	५३	व	६	६	२६/५९	३६	२४	८	२२	२६	तु.१६।१४	भ.६।६ उ.३३।३१या. नरक१४रूप१४
१४	गु	०	५६	स्वा	४०	५१	आ	२८	२७	श	०	५६	५६	३७	२३	९	२३	२७	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम् ×यमदीपदानं
३०	गु	५४	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः

२९पं.का.कृ.१बृ.इ.३६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	१०	६	५	११	६
९	२९	५	४	४	४	३	९
६	३	२८	३०	५१	३१	७	२९
१४	७	४	११	२२	१	३२	५४
६०	४४	०/०	१६/०	७४	६	३	५९
२	१	२८	ब	३२	२६	११	४७

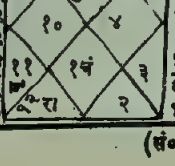

३०पं. का.कृ.७बृ.इ.३६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	१०	६	५	११	६
१६	४	१७	४	१३	५	२	१६
७	१४	४	३८	३८	१६	४५	२९
१७	२८	३४	३५	१०	१	१६	४०
६०	४४	०/०	१/०	७४	६	३	६०
१८	२०	२१	२०	३८	१३	११	४

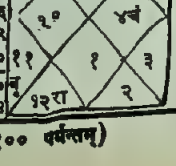

३१पं.का.कृ.१४बृ.इ.३५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	१०	६	५	११	६
२३	९	२८	४	२२	५	२	२३
९	२९	२१	५६	२५	५८	२३	३१
५६	३५	४०	३५	३७	२६	१	२
६०	४४	९९	२	७४	५	३	६०
३०	३९	१४	४५	३८	५०	११	१७

*शुशुबुके

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

| ति. | कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२ | | |

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५७२८ स.१९५०
१	र	१४	४९	मू	४४	३९	शू	१३	१४	ब	१४	४९	२५ ४२	६ ५२	५ ८	१०	२४	२९	धनुषि	पश्चिमोदयम् शुक्रः १९।४८ प.उ.शु.
२	चं	९	२०	पू	४१	१६	गं	५ ३६	५२ ४८	कौ	९	२०	४१	५२	८	११	२५	३०	म.५५।३१	चंद्रद.
३	मं	४	२६	उ	३८	१६	ध्रु	५१	४६	ग	४	२६	४०	५२	८	१२	२६	१	मकरे	भ. ३२।२२ उ. रविलावल ३
४	बु	०	१९	श्र	३६	१७	व्या	४५	४७	वि	०	१९	३९	५२	८	१३	२७	२	मकरे	भ. ०।१९ या.
५	बु	५६	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
६	गु	५४	४८	ध	३५	२६	ह	४०	४०	कौ	२५	५४	३८	५२	८	१४	२८	३	कु. ५।५१	चंपा ६
७	शु	५३	३९	श	३५	९	व	३६	२९	ग	२४	१३	३८	५२	८	१५	२९	४	कुम्भे	भ. ५३।३९ उ. धनुष्यर्कः ५०।२१
८	श	५३	५५	पू	३६	२०	सि	३३	१४	वि	२३	४७	३७	५३	७	१६	१	५	मी २१।२	भ. २३।४७ या.
९	र	५५	२७	उ	३८	४५	व्य	३०	५४	बा	२४	४१	३७	५३	७	१७	२	६	मीने	कल्पादिः (*११ ब्र. स्मा.
१०	चं	५८	५	रे	४२	३३	व	२९	३४	तै	२६	४६	३७	५३	७	१८	३	७	मे.४२।३३	(=११ब्र. वै. नि.
११	मं	६०	०	अ	४७	२१	प	२९	१८	व	३०	५	३६	५३	७	१९	४	८	मेषे	भ. ३०।५ उ. श्रवणे भौमः९।१ मोक्षदा*
११	बु	२	४	भ	५३	६	शि	२९	३९	वि	२	४	३६	५३	७	२०	५	६	मेषे	भ. २।४ या. पूषायांशुक्रः२।१२ मोक्षदा=
१२	गु	६	४४	कृ	५९	२१	सि	३०	३६	बा	६	४४	३६	५३	७	२१	६	१०	बृ. ९।४०	प्रदोषः पातस्पर्शः २२/१५ पातमोक्षः ४०।५२
१३	शु	११	५०	रो	६०	०	सा	३१	५१	तै	११	५०	३६	५३	७	२२	७	११	बृषे	उत्तरायणप्रवृत्तिः २०।५४
१४	श	१७	६	रो	५	४४	शु	३२	५३	व	१७	६	३६	५३	७	२३	८	१२	३८।५१	भ. १७।६उ. ४९।३८ या शते २गुरुः९।६
१५	र	२२	१०	मृ	११	५९	शु	३४	४	ब	२२	१०	३६	५३	७	२४	९	१३	मिथुने	वक्रीबुधः४।३० कुंभेराहुःसिंहेकेतुः३३।२६

३६पं.मा.शु.६बृ.इ.३४।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	१०	८	५	११	७
२८	६	१९	८	६	८	०	२८
४२	२२	२३	३८	२६	३७	३१	५६
५०	३७	४९	२८	४२	१६	४४	५
६१	४५	८२	८	७४	३	३	६१
१९	४३	५	३०	३२	६	११	०

गोचरग्रहाः

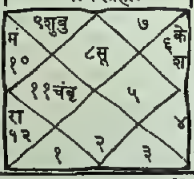

मार्गशीर्ष शुक्ला ७ शुक्रे धनुष्यर्कः प्र. वा. २ न. ३ बालावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ३० (धान्यभाव समं) शुक्रोदयः पश्चिमा.

गोचरग्रहाः

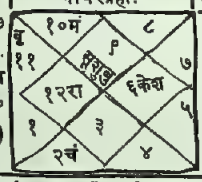

३७पं.मा.शु.१२बृ.इ.३४।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१०	८	५	११	८
५	११	२४	९	१५	८	०	६
५२	५१	४३	४५	१४	५५	९	३
१६	७	२६	११	३१	४९	२९	६
६१	४५	३६	९	७४	२	३	६१
२२	४६	५५	२१	२६	२०	११	६५

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविरुत्तरे मार्गकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२६	३६	आ	१८	५	ब्र	३४	२०	कौ	२६	३६	२५ ३७	६ ५३	५ ७	२५	१०	१४	मिथुने	
२	मं	२९	५७	पु	२२	३५	ऐं	३३	४०	ग	२९	५७	३७	५३	७	२६	११	१५	क. ६।२८	पश्चिमास्तो बुधः ४९।२९
३	बु	३२	१८	पु	२६	२८	वै	३२	५४	व	१	८	३८	५२	७	२७	१२	१६	कर्के	भ. १।८ उ. ३२।१८ या.
४	गु	३३	२२	श्ले	२८	२६	वि	३०	४४	ब	२	५०	३८	५२	८	२८	१३	१७	सिं२८।२६	पूषायां रविः ५१।५८ चतुर्थी ब्र.
५	शु	३३	७	म	३०	१२	प्री	२७	४१	कौ	३	१४	३९	५२	८	२९	१४	१८	सिंहे	
६	श	३१	३५	पू	३१	२३	आ	२३	३९	ग	२	२१	३९	५२	८	३०	१५	१९	क.४५।५१	भ. ३१।३५ उ. उषायां शुक्रः ४१।२९
७	र	२८	५२	उ	२९	१६	सौ	१८	३५	वि	०	४	४०	५२	८	३१	१६	२०	कन्या	भ. ०।१४ या.
८	चं	२५	१७	ह	२७	२१	शो	१२	४१	कौ	२५	१७	४१	५२	८	१	१७	२१	तु ५५।५३	जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९५१
९	मं	२०	४४	चि	२४	२५	अ	६ १३	५३ ५६	ग	२०	४९	४२	५२	८	२	१८	२२	तुलायां	भ. ४८।१३ उ. मकरेशुक्रः १७।२४
१०	बु	१५	३८	स्वा	२०	५०	धृ	५१	३७	वि	१५	३८	४३	५१	९	३	१९	२३	तुलायां	भ. १५।३८ या. पातस्पर्शः ५७।४७
११	गु	१०	४	वि	१७	१०	शू	४३	५१	बा	१०	४	४४	५१	९	४	२०	२४	बृ. ३।७	वक्री मूले बुधः ५५।५० सफला ११*
१२	शु	४	२३	अ	१३	४	गं	३६	१	तै	४	२३	४५	५१	९	५	२१	२५	बृश्चिके	भ.५८।३१उ. धनिष्ठायांभौमः १४/३२ प्रदोषः
१३	शु	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः (*ब्र. पातमोक्षः१२।३९
१४	श	५२	५१	ज्ये	८	५३	वृ	२८	१६	वि	२५	४१	४७	५१	९	६	२२	२६	व. ८।५३	भ. २५।४१ या.
३०	र	४७	१७	मू	४	५९	ध्रु	२०	३१	च	१९	५४	४८	१०	१०	७	२३	२७	धनुषि	पूर्वोदयी बुधः २५।१४

३८पं.पौ.कृ.४बृ.इ.३४।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१०	८	५	१०	८
१३	१७	२२	१०	२४	९	२९	१३
२	१९	१५	५७	२	१०	४७	११
९	५९	५०	५८	३१	५९	१३	३१
६१	४५	६६ ३४	१०	७४	१	३	६१
२६	५०	ब	४	२६	३८	११	६

गोचरग्रहाः

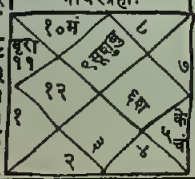

गोचरग्रहाः

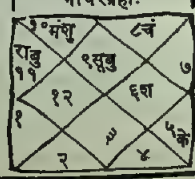

३९पं.पौ.कृ.११बृ.इ.३४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१०	९	५	१०	८
२०	२२	१३	१२	२	९	२९	२०
१२	४८	४८	१६	५०	१८	२४	१९
७	४७	०	५	२	११	५८	४०
६१	४५	७८ ३२	१०	७४	०	३	६१
२६	५५	ब	५१	२६	५७	११	६

ति.	पौषः शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२	दि.	उ.	अ.	ह.	हि.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५७५७ स.१९५१
१	चं ४२ ४३ पू २३ ५७ ब्या १३ १३ कि १५ ०	२५	५०	१०	८	२४	२८	म.१५।३९	
२	मं ३८ ३३ श्र ५६ १८ ह ७ २७ बा १० ३८	५२	५०	१०	९	२५	२९	मकरे	चन्द्रदर्शनम् शते ३ गुरुः ५४।२५
३	बु ३५ २७ ध ५४ ४२ व १४ ५५ ते ७ ०	५४	४९	११	१०	२६	१	कुं.२५।३०	उषायांरविः ५३।२६ मार्गेवुधः४७।१९*
४	गु ३१ १७ श ५४ ३३ ब्या ५० २४ व ४ २२	५६	४९	११	११	२७	२	कुम्भे	भ. ४।२२ उ. ३३।१७ या.
५	शु ३२ २० पू ५५ २७ ब ४६ १ ब २ ४८	५८	४८	१२	१२	२८	३	मी ४०।१६	वक्री शनिः ४०।४४
६	श ३२ ५१ उ ५७ ३८ प ४४ ११ कौ २ ५	२६	४८	१२	१३	२९	४	मीने	कुम्भे भौमः ४५।२६
७	र ३४ २२ रे ६० ० शि ४२ ३७ ग ३ ६	३	४७	१३	१४	३०	५	मीने	भ. ३४।२२ उ. मकरेऽर्के: ८।५३
८	चं ३७ १७ रे १ १२ सि ४१ ५६ वि ५ ४९	६	४७	१३	१५	१	६	मे. ११।२	भ. ५।४९ या.
९	मं ४१ ११ अ ५ ४० सा ४१ १ बा ९ १४	८	४६	१४	१६	२	७	मेषे	पातस्पर्शः ५०।४०
१०	बु ४५ ५६ भ ११ १४ शु ४२ ४७ ते १३ २५	१०	४६	१४	१७	३	८	वृ २७।४७	पातमोक्षः ५।५२
११	गु ५१ ७ कृ १७ २६ शु ४३ ५८ व १८ ३३	१२	४६	१४	१८	४	९	वृषे	भ. १८।३३ उ. ५१।७ या. पुत्रदा ११ व्र.
१२	शु ५६ २३ रो २३ ४७ ब्र ४५ १७ ब २३ ४५	१५	४५	१५	१९	५	१०	मि. ५७।०	(*श्रवणेशुक्रः १९।९ रविलाखर ४
१३	श ६० ० मृ ३० १४ ऐं ४६ १९ कौ २८ ५१	१७	४५	१५	२०	६	११	मिथुने	अभि.प्र. रविः ४०।१० धनिष्ठायांशुक्रः=
१४	र ११९ आ ३६ ४१ वै ४६ ५५ ते १ १९	२०	४४	१६	२१	७	१२	मिथुने	पूषायां बुधः १०।२८ (=५७।५९ प्रदोष
१५	चं ५ ४१ पु ४५ ९ वि ४६ ५६ व ५ ४१	२३	४४	१६	२२	८	१३	क. २५।२	भ. ५।४१ उ. ३७।२४ या. शतेभौमः
१६	मं ९ ७ पु ४६ ५ ब ९ ७	२५	४३	१७	२३	९	१४	कर्के	४।४६ श्रवणे रविः ५६।१०

४०पं.पौ.शु.४बु.इ.३४।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१०	९	५	१०	८
२७	२८	८	१३	११	९	२९	२७
२१	१९	४१	३९	३६	२१	२	२७
५७	४४	४२	०	५८	११	४३	४४
६१	४५	५५	११	७४	०	३	६१
२४	५५	मी	२४	२०	६	११	६

गोचरग्रहाः

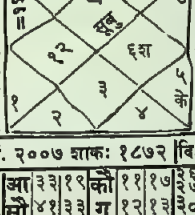

पौष शुक्ला ७ रवौ मकरेऽर्के: प्र.वा.३न. ३ प्रगल्भाव.(बैठी) मुहूर्ताः ३० (धान्य भावसम) शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

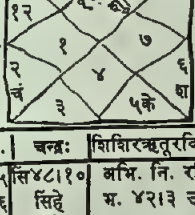

४१पं.पौ.शु.११बु.इ.३४।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	१०	९	५	१०	९
४	३	१०	१५	२०	९	२८	
३१	५०	५३	६	२२	१८	४०	
२६	२	४६	११	५५	५०	२७	३४
६१	४५	५६	१२	७४	३९	३	६१
१९	४९	१३	३	१८	८	११	३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरऋतूत्तरविरुत्तरे पौषकृष्णे तिमहाराष्ट्र
१	बु ११ १७ श्ले ४८ १० आ ३३ १९ कौ ११ १७	२६	४३	५	१७	२४	१०	सिं ४८।१०	अभि. नि. रविः ४८।२६
२	गु १२ १३ म ४९ २५ सौ ३१ ३३ ग १२ १३	३०	४२	१८	२५	११	१६	सिंहे	भ. ४२।३ उ. शते ४ गुरुः ५०।२
३	शु ११ ५३ पू ५० ८ शो ३७ ३८ वि ११ ५३	३३	४१	१९	२६	१२	१७	सिंहे	भ. ११।५३ या. कुम्भेशुक्रः १६।२६
४	श १० १६ उ ४९ १५ अ ३२ २६ बा १० १६	३६	४१	१९	२७	१३	१८	कं. ४।५५	
५	र ७ २९ ह ४७ २४ सु २७ ३२ ते ७ २९	३९	४०	२०	२८	१४	१९	कन्या	
६	चं ३ ४३ चि ४४ ३७ धृ २१ १७ व ३ ४३	४२	४०	२०	२९	१५	२०	तु. १६।०	भ. ३।४३ उ. ३१।२६ या.
७	चं ५५ २७ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
८	मं ५४ ० स्वा ४१ १९ शू १४ २८ बा २६ ३५	४५	३९	२१	३०	१६	२१	तुलायां	
९	बु ४८ २५ वि ३७ ४२ गं ५८ ३३ ते २१ १२	४८	३८	२२	३१	१७	२२	वृ २३।३७	शते शुक्रः ३५।४०
१०	गु ४२ ३९ अ ३३ ४० ध्रु ५१ ३७ व १५ ३२	५२	३८	२२	१	१८	२३	वृश्चिके	भ. १३ उ. १३ या. फरवरी मा.२ ता.२८
११	शु ३६ ४९ ज्ये २९ ३० ब्या ४३ ५६ ब ९ ४४	५५	३७	२३	२	१९	२४	ध.२९।३०	उषायां बुधः १९।१ षट्तिला ११ व्र.
१२	श ३१ ११ मू २५ ३९ ह ३५ ५८ कौ ४ ०	५९	३६	२४	३	२०	२५	धनुषि	प्रदोषः
१३	र २५ ५१ पू २१ ५५ व २८ ३८ व २५ ५१	२	३६	२४	४	२१	२६	म. ३६।८	भ. २५।५१ उ.५३।२४ या. मकरे बुधः
१४	चं २० ५७ उ १८ ४७ षि २१ ३५ श २० ५७	६	३५	२५	५	२२	२७	मकरे	
३०	मं १७ २ श्र १६ २१ व्य १५ १८ ना १७ २	९	३४	२६	६	२३	२८	कुं.४५।२९	धनिष्ठायां रविः २।२

४२पं.मा.कृ.२बु.इ.३४।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	१०	९	५	१०	९
११	९	१७	१३	२९	९	२८	११
४०	२०	१५	३६	८	११	१८	४२
१७	८	४	४३	६	१३	११	४६
६१	४५	७३	१२	७४	२१	३	६०
१३	४९	५५	३८	८	ब	११	५९

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

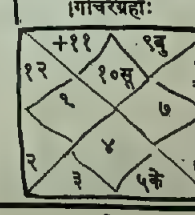

४३पं.मा.कृ.१०बु.इ.३४।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	१०	१०	५	१०	९
१८	१४	२५	१८	७	८	२७	१८
४८	४२	३८	१०	५२	५८	५५	४२
१७	२६	४६	२३	४१	४१	५७	१९
६१	४५	८२	१२	७४	३	३	६१
४	४३	३९	५०	२	ब	११	४

=११बृचंरा *१०मंशु ×११मंबृरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ●११बृमंरा +११मंबृशुरा

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु	रविस्तरेऽहर्गणः ५७८७ स. १९५१
१	द्वु १३।५२ ध १४।३७ व ९।४१	ब	१३	५२	३६	५	७	२४	२९	कुम्भे
२	गु ११।५० श १४।१६ प ४।५६	कौ	११	५०	१६	३३	२७	८	२५	१ मी ५९।४५
३	शु १०।५० पू १४।५४ शि ११।५६	ग	१०	५०	१९	३२	२८	९	२६	२ मीने
४	श ११।२० उ १६।५२ सा ५।६२१	वि	११	२०	२३	३१	२९	१०	२७	३ मीने
५	र १३ ७ रे २० १ शु ५५।२३	वा	१३	७	२६	३१	२९	११	२८	४ मे. २०।१
६	चं १६ ५ अ २४।३६ शु ५५।१८	वै	१६	५	३०	३०	३०	१२	२९	५ मेषे
७	मं २० ६ भ २९।४० ब्र ५६ ३	व	२०	६	३४	२९	३१	१३	१	६ वृ ४६।१०
८	बु २४।४७ कृ ३५।३९ ऐं ५७ ४	ब	२४	४७	३८	२८	३२	१४	२	७ वृषे
९	गु २९।५५ रो ४२ ५ वै ५८।३१	कौ	२९	५५	४२	२८	३२	१५	३	८ वृषे
१०	शु ३५।१२ मृ ४८।११ वि १५।२८	ते	२	३३	४६	२७	३३	१६	४	९ मि. १५।८
११	श ३९।५९ आ ५४।३६ प्री ६० ०	व	७	३६	५०	२६	३४	१७	५	१० मिथुने
१२	र ४४।१८ पु ६० ० प्री ० २५	वा	१२	८	५४	२५	३५	१८	६	११ क. ४३।४०
१३	चं ४७।३२ पु ० १ आ ० ४८	कौ	१५	५५	५८	२४	३६	१९	७	१२ कर्के
१४	मं ४९।३९ पु ४ १४ सौ २९ २०	ग	१८	३६	२३	२५	३६	२०	८	१३ कर्के
१५	बु ५०।२९ श्ले ७ २० अ ५६ १९	वि	१९	५९	६	२३	३७	२१	९	१४ सिं ७।२०

४४पं.मा.शु.२ बृ.इ.३४।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१०	१०	५	१०	९
२५	२०	५	१५	१६	८	२७	२५
५५	१८	२९	५६	३५	४१	३३	५५
५	४०	१७	३०	४९	१०	४१	२०
६०	४५	८८	१३	७३	४	३	६०
५५	३१	२	१२	५६	ब	११	४७

गोचरग्रहाः

माघ शुक्ला ६ चंद्र कुम्भेऽर्कः प्र. वा. २ नं. ३ प्रोढ़ावस्था (बैठी) मु.१५ (घान्यभावतेज) शुक्रोदय पश्चिममायाम् ।

गोचरग्रहाः

४५पं.मा.शु. ९बृ.इ.३४।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	१०	१०	५	१०	१०
३	२५	१५	२१	२५	८	२७	३
१	४७	३७	२४	५७	१९	११	०
८	१०	१९	५४	५३	२६	२६	५
६०	४५	९२	१३	७३	४	३	६०
४२	२८	४०	२०	५०	ब	११	३७

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रः
१	गु ५०।२ म ९।१७ मु ५२।५५	वा	२०	१६	३८	२२	३८	२२	१०	१५ सिंहे
२	शु ४८।१६ पू १०। ४ धृ ४८।३२	तै	१९	९	१४	२१	३९	२३	११	१६ कं. २४।५५
३	श ४५।२० उ ९।२८ शू ४३।१६	ध	१६	४८	१८	२०	४०	२४	१२	१७ कन्या
४	र ४१।२३ ह ७।५० गं ३७।१५	ब	१३	२६	२२	२०	४०	२५	१३	१८ तु. ३६।३३
५	चं ३६।५१ चि ५।१६ वृ ३१।४२	कौ	९	१२	२६	१९	४१	२६	१४	१९ तुलायां
६	मं ३१।३६ स्वा ३।३५ ध्रु २३।३३	ग	४	१३	३०	१८	४२	२७	१५	२० वृ ४४।२६
७	बु २५।५६ अ ५४।३१ व्या १६ ५	ब	२५	५६	३४	१७	४३	२८	१६	२१ वृश्चिके
८	गु २०। ८ ज्ये ५०।२० ह ८।५६	कौ	२०	८	२८	१६	४४	१	१७	२२ ब. ५०।२०
९	शु १४।२६ मू ४६।२३ व ४०।५३	ग	१४	२६	३२	११	४४	२	१८	२३ धनुषि
१०	श ८।३२ पू ४२।४१ व्य ४५।२९	वि	८	३२	३६	१५	४५	३	१९	२४ म. ५६।५१
११	र ३।१६ उ ३९।२१ व ३८ ७	आ	३	१६	५०	१४	४६	४	२०	२५ मकरे
१२	र ५५ ७ ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	२०	० मकरे
१३	चं ५४।२४ श्र ३६।५० प ३१।५७	ग	२६	२३	५४	१३	४७	५	२१	२६
१४	मं ५१।१७ ध ३४।२४ शि २६ ७	वि	२२	५०	५८	१२	४८	६	२२	२७ कु. ५।३७
१५	बु ४९।११ श ३४ ६ सि २१।२८	च	२०	१४	२९	१२	४८	७	२३	२८ कुम्भे

४६पं.फा.कृ.१बृ.इ.३५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	१०	११	५	१०	१०
१०	१	२६	२३	३	७	२६	१०
५	१३	४८	४	५७	५३	४९	३
२९	४४	५८	४४	५८	५६	११	३५
६०	४५	९८	१३	७३	४	३	६०
११	२८	३४	३२	५७	ब	११	२५

गोचरग्रहाः

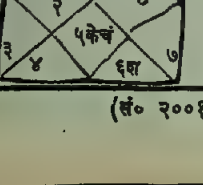

गोचरग्रहाः

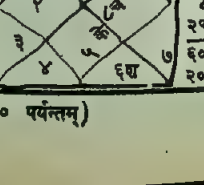

४७पं.फा.कृ. ८बृ.इ.३५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	१०	११	५	१०	१०
१७	६	८	२४	१२	७	२६	१७
८	३९	५२	४५	३६	२५	२६	५
२९	७	५	४०	३७	१९	५५	४८
६०	४५	९८	१३	७३	४	३	६०
२०	२२	४०	२२	४०	ब	११	१२

*११मंबृराशुचं

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५८१६ स.१९५१
१	गु	४८	१५	पू	३४	३७	सा	१७	७	किं	१८	४३	२९ ६	६ ११	५ ४९	८	२४	२९	मी १९।३०	
२	शु	४८	४२	उ	३६	१९	शु	१३	५८	बा	१८	२८	१०	१०	५०	९	२५	३०	मीने	चंद्रद. पूभायां ३ गुरुः ३३।२०
३	श	५०	२५	रे	३९	१८	शु	११	४८	तै	१९	३३	१४	९	५१	१०	२६	१	मे.३९।१८	जमादिलाखर ६
४	र	५३	२३	अ	४३	२०	ब्र	१०	४६	व	२१	५४	१९	८	५२	११	२७	२	मेषे	भ.२१/५४ उ.५३/२१ या. वक्रीउफायां ३ शनिः४८/४९
५	चं	५७	२५	भ	४८	२३	ऐं	१०	२५	व	२५	२४	२३	७	५३	१२	२८	३	मेषे	अस्तं भौमः ३८।२४
६	मं	६०	०	कृ	५४	२३	वै	१०	५८	कौ	२९	४५	२८	६	५४	१३	२९	४	बृ. ४।५३	मीने बुधः २।५३ (*रेवत्यां भौमः३७।६
६	बु	२	४	रो	६०	०	वि	११	५९	तै	२	४	३२	६	५४	१४	३०	५	बृषे	मीनेऽर्कः २६।२५ उभायां बुधः ४१।५४*
७	गु	७	१३	रो	०	४१	प्री	१३	१३	व	७	१३	३६	५	५५	१५	१	६	मि३३।५५	भ. ७।१३ उ. ३९।४४ शुक्रः ४५।३६=
८	शु	१२	१६	मृ	७	९	आ	१४	३५	ब	१२	१६	४०	४	५६	१६	२	७	मिथुने	(=होई ८ होलाष्टकं
९	श	१७	१०	आ	१३	२२	सौ	१५	४४	कौ	१७	१०	४४	३	५७	१७	३	८	मिथुने	उभायां रविः ४७।३
१०	र	२१	१८	पु	१८	५६	शो	१६	२७	ग	२१	१८	४९	२	५८	१८	४	९	क. २।३३	भ. ५२।५० उ.
११	चं	२४	२४	पु	२३	३२	अ	१६	४	वि	२४	२३	५३	१	५९	१९	५	१०	कर्के	भ. २४।२३ या. आमलकी ११ ब्र.
१२	मं	२६	२२	श्ले	२६	४९	सु	१४	५४	बा	२६	२२	५७	१	५९	२०	६	११	सिं२६।४९	प्रदोषः
१३	बु	२७	७	म	२८	४४	धृ	१२	५१	तै	२७	४	३० १	६ ०	६ ०	२१	७	१२	सिंहे	रेवत्यां बुधः २१।२२
१४	गु	२६	३०	पू	२९	५९	शू	९	४८	व	२६	३०	६	५ ५९	६ १	२२	८	१३	कं.४४।५४	भ. २६।३० उ. ५५।३३ या.
१५	शु	२४	३७	उ	२९	४१	गं	५	४३	ब	२४	३७	१०	५८	२	२३	९	१४	कन्या	पूभायां ४ मीने गुरुः २१।४३

४८पं.फा.शु.१बृ.इ. ३५।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	१०	११	५	१०	१०
२४	१२	२१	२६	२१	६	२६	२४
९	२	३२	२६	१३	५४	४	६
५०	२०	३८	५६	५५	२२	४०	३२
६०	४५	११३	१३	७३	४ २८	३	५९
५	१२	२१	३८	२६	ब	११	५८

४९पं.फा.शु.७बृ.इ. ३६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१०	११	५	१०	११
१	१७	५	२८	२९	६	२५	१
९	२४	९	८	४८	२१	४२	५
३२	२५	३६	४२	२९	५८	२४	४४
५९	४५	११२	१३	७३	४ ४०	३	५९
४९	७	११	४८	१४	ब	११	४१

पं.५०फा.शु.१४बृ.इ.३६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१०	०	५	१०	११
८	२२	१९	२९	८	५	२५	८
७	४३	९	४९	२०	४८	२०	३
२६	४१	३६	४८	३५	४३	९	२०
५९	४४	११९	१३	७२	४ ४०	३	५९
३५	४७	४२	३२	५९	ब	११	२९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	श	२१	३९	ह	२८	१८	वृ	४८ ०	५४ २१	कौ	२१	३९	३० १४	५ ५७	६ ३	२४	१०	१५	तु.५७।१०	पश्चिमोदयी बुधः ३२।५१
२	र	१७	४७	चि	२६	२	व्या	४९	५	ग	१४	४७	१८	५६	४	२५	११	१६	तुलायां	भ. ४५।२३ उ.
३	चं	१२	५९	स्वा	२२	५५	ह	४१	५१	वि	१२	५९	२२	५६	४	२६	१२	१७	तुलायां	भ. १२।५९ या. भरण्यांशुक्रः ४३।४१च.
४	मं	७	३६	वि	१९	२५	व	३४	९	बा	७	३९	२६	५५	५	२७	१३	१८	वृ. ५।१८	
५	बु	१	४८	अ	१५	२८	सि	२६	४९	तै	१	४८	३०	५४	६	२८	१४	१६	वृश्चिके	भ. ५६।० उ. उदयं गुरोः ४०।१२ उ.गु.
६	बु	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	गु	५०	४	ज्ये	११	३३	व्य	१९	१४	वि	२३	२	३४	५३	७	२९	१५	२०	ध.११।३३	भ. २३।२ या. मेषे बुधः २५।१४
८	शु	४४	१७	मू	७	२२	व	११	३२	बा	१७	१०	३८	५२	७	३०	१६	२१	धनुषि	शीतला ८
९	श	३८	४९	पू	३	२६	प	३ ५६	५३ ५३	तै	११	३३	४२	५२	८	३१	१७	२२	म.१७।३६	रेवत्यांरविः १४।३१
१०	र	३३	५७	उ	० ८	५६ ३३	सि	५०	१२	व	६	२३	४७	५१	९	१	१८	२३	मकरे	भ.६।२३ उ. ३३।५७ या. अप्रेल मा. ४*
११	चं	२९	५५	ध	५५	१७	सा	४४	१७	ब	१	५६	५१	५०	१०	२	१९	२४	कुं.२५।५९	पापमोचिनी ११ ब्र.
१२	मं	२६	४५	श	५४	१५	शु	२९	१०	तै	२६	४५	५६	४९	११	३	२०	२५	कुम्भे	प्रदोषः (*ता. ३० मेषे भौमः १६।५३
१३	बु	२४	३६	पू	५४	२७	शु	३४	५८	व	२४	३६	३१ ०	४८	१२	४	२१	२६	मी३९।२४	भ. २४।३६ उ. ५४ ५ या.
१४	गु	२३	३४	उ	५५	४८	ब्र	३२	८	श	२३	३४	३१ ४	४७	१३	५	२२	२७	मीने	(+२१।४९ अहर्गणः ५८।४५ च.३के.
३०	शु	२३	५८	रे	५८	२३	ऐं	२९	२८	ना	२३	५८	८	४६	१४	६	२३	२८	मि.५८।२३	कृतिकायांशुक्रः ४६।२३ उभायां १ गुरुः+

५१पं.चै.कृ.७बृ.इ. ३६।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	११	०	५	०	११
१५	२८	१	१	१६	५	२४	१४
३	१	५३	३०	४९	१५	५७	५९
२९	३०	३१	२५	५९	५८	५३	१५
५९	४४	९५	१३	७२	४ ३४	३	५९
१८	२६	५	३१	४५	ब	११	१६

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

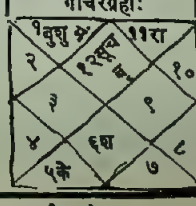

५२पं.चै.कृ.१४बृ.इ.३७।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	११	०	५	१०	११
२१	३	११	३	२५	४	२४	२१
५७	१७	१	१०	१६	४४	३५	५३
४२	१७	४१	५	३०	२०	३८	३१
५९	४४	४४	१३	७२	४ १६	३	५९
४	२२	३२	२०	२५	ब	११	४

=२१मंचंशु *११सूबुबृरा

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज-स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दा १९५५८८५०५२ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० तेत्रायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५२ भोग्यकलिः ४२६९४८ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दाः सम्वत् २००८ शाकः १८७३ अथास्मिन्वर्षेराजा शनिः । मंत्री शुक्रः । सस्येशश्चन्द्रः। धान्येशोःरविः । मेघेशोशुक्रः ।रसेशो बुधः । नीरसेशश्चंद्रः । फलेशो गुरुः । धनेशोः चंद्रः दुर्गेशोशुक्रः । ऐतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानांमध्ये विष्णुविंशतिकायां १८ क्रोधीनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्क–समये गतमासादिः २।१७।१८।० भोग्यमासादिः ९।१२।४२।० वैश्व–दैवतंयुगम् । वर्षनामभाद्रपदः । मेघ ४ नामद्रोणः । समय निवासः कुम्भकार गृहे (अग्नौ) रोहिणीनिवासः पर्वते । समय विश्वा २० । समय वाहनंमहिषः । स्तम्भ २ वाय्वन्नयोः । सोमवत्यमा ३ । सोमवतीपंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी २। बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २। रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १७ । तिथि वृद्धिः ११ । उत्पति विश्वा ९३। खपति विश्वा ९३। वर्षा विश्वा १५ धान्य १५, तृण ५. शीत ५. तेज ५. वायु १३ शनि दृष्टि-र्दक्षिणे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं ९९ सत्यं ।। धर्म १।।. पाप १८ ग्रहणे २ सूर्यचन्द्रमसः ।

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

श्रीजगदम्बे ईश्वरी भैरव करे पुकार ।
आठ साल अब आइयां जिसका करो विचार ।।

भवानी उत्तर

आठ साल आठों दिशा वर्षे झीना मेह ।
अन धन जन सम्पति बढ़े राज प्रजा में नेह ।।
शनि राजा इस वर्ष में इनकी खोटी रीत ।
पण मंत्री भार्गव भये ना कुछ हो वितरीत ।।
संवत् विश्वा वीस है स्तंभ लगे हैं दोय।
तृण की कुछ कमती रहै अन्न धनेरा होय ।।
आश्विन तेरह दिवस का पक्ष किया करतार।
कहीं क पूरव देश में मांचे हाहाकार ।।
अग्नि चक्र जग में चले ज्येष्ठ मास के माँय ।
श्रावण अरु आषाढ में मघवा करै सहाय ।।
"बनवारी" जगदीश का कर बन्शीधर जाप ।
धर्म कर्म जप तप कियें मिटे सभी संतांप ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् २।०

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ५।२९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।९।३७

अस्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फ०–शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलैः प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमंति लोकाः क्षुधितांश्चदेशान् ।। मंत्री शुक्रस्तत्फ० भृगुसुते ननु मंत्रिपदं गते शलभभूषकरावय माहियैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोऽधिकम् ।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फ० सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघाः पयोमुञ्चति गोपगोधुक । देवद्विजाराधन तत्परा नृपा धरा भवेद्धान्य धनौघपूर्णा ।। धान्येशो रविस्तत्फ०– पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम् ।।मेघेशः शुक्रस्तत्फ० भृगुसुते जलदस्य पतिर्यदा जलयुताजलदा दिवि शोभना ।। धननिधानयुताद्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो बुधस्तत्फ०– रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्यघृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहुजलाखिलदेश सुरक्षिताः नीरसेशश्चंद्रस्तत्फ०– शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससाम् । अर्घ वृद्धि प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ।।फलेशो गुरुस्तत्फ०– सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभया वनराशि महाद्रुमाः यजन याजनकोत्सवमन्दिराः श्रुति विचार परा द्विजपूर्वकाः ।। धनेशश्चंद्रस्तत्फ०– धनपतिर्मृगलांछनको यदा रसचयात् क्रयविक्रयतो धनम् । वसन शालि युवं वनजं बहु द्रविणं तैल घृतं नृप सौख्यकम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलं नरवरेषु विशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्य करोमतः । विनय वाणिज गेह समः सुखो गत वने निकटेपि च दूरतः ।। वर्षनाम भाद्रपदस्तत्फ०– अर्घ महर्घतां याति धनं धान्यं समं सभेद् ।। मघवावर्षति स्वच्छंसंपदो भाद्र वर्षके ।। क्रोधीनामसंवत्सरस्तत्फ०– क्रोधाब्दे निखिला लोकाः क्रोधलोभ परायणाः ईति दोषेण सततं मध्य सस्यार्घ वृष्टयः।। मेघनाम द्रोणस्तत्फ०–द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम्–पर्वते विदुमात्रश्च समय निवासः कुम्भकार गृहे फलम् अनावृष्टि प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २००८ मध्ये विवाह मुहर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १२ गुरौ हस्तेल. १० (घ. ४९।२६ उ. रे. ७।।ऽवृऽवृऽ।।।
१५ शनै स्वात्यांल. १० रे. ७।।।।ऽसू।ऽऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा ४ बुधे मूलेल. १० रे. ६ऽश।।।।ऽअग्नि ऽऽ।।
शुक्ला १३ शनौ स्वा ल. १ (चंद्रोऽत्रपूज्य) रें. ७।ऽ।।ऽनृपऽऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

कृ. १ भौमे मूले ल. १ रे ७ऽश।।ऽशु।।ऽ।।। पादतोवेधाऽभाव
४गुरौ उषा ल. १ रे ७।।।।ऽशु।ऽऽ।।
९भौमे उभा. ल. १ रे ७।।ऽवृ।ऽश।।ऽ।।
शु. ५ रवौ मघाल. १ रे. ९।ऽ।।।।।।।
१३ रवौ अनु. ल. ऽन्यगोरे. रे८।।।।।ऽअग्नि. ऽ।।

आषाढ मासः

शुक्ला ३ शनौ मघाल. १. २ रे. ९।।ऽशु।।।।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ७ बुधे मघाल. अन्यगो ४ रे ८।।।।।ऽवृ।ऽ।।
शु. २ शुक्र मूलेल. ७ रे ८।।ऽवु।।ऽ।।।
४ रवौ उषाल. ७ रे. ८ऽ।।।।ऽ।।
शु. १५ गुरौ मृगे ल. ४. ७ रे. ६ऽरा।ऽ।ऽरा।।।ऽ।।आवश्यके

माघ मासः

कृ. ५ गु. उफा. ल. गो. ८. ९ रे९।।।।।ऽ।।
१० भौमे अनु ल. ऽन्यगो. ९ रे. ८ऽमं।।।।ऽरो।।।।
शु. ५ गुरौ रेल. ल. ८.९ रे. ७।।ऽवृ।।ऽशऽरो।।।।

फाल्गुन मासः

कृ. ७ सोमे अनु. ल. ९.१० रे ७ऽवुशु।।।।ऽचो.।ऽ।।
१० बुधे मूले. ल. १० रे ७।।।।। ऽरोऽऽ।।

माघ शु. १५ रवौ स्वल्पग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा १।४०

		स्प.	म.	मो.	पर्वा	
रेल्वें टाइम	घं.	४	५	६	२	
	मि.	३४	७	४१	७	
देशी टाइम	घं.	३	४	६	२	
	मि.	५३	२६	०	७	

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ५८४६ सन् १९५१
१	श	२५	३५	अ	६०	०	वै	२७	१६	ब	२५	३५	३१/१२	५/४६	६/१४	७	२४	२९	मेषे	चंद्रद. सम्वत्सरारंभः नवरात्रा.
२	र	२८	२६	अ	१	५८	वि	२७	४०	कौ	२८	२६	१६	४५	१५	८	२५	१	मेषे	भरण्यां बुधः ४३।३३ रज्जव ७
३	चं	३२	३	भ	७	२	प्री	२७	५१	तै	०	१५	२०	४४	१६	९	२६	२	वृ २३।३०	वृषे शुक्रः ३२।५ गणगौरीपू.
४	मं	३६	५७	कृ	१२	५३	आ	२९	१	व	४	३०	२४	४३	१७	१०	२७	३	वृषे	भ. ४।३० उ. ३६।५७ या.
५	बु	४१	४५	रो	१९	१५	सौ	३०	१८	ब	९	२१	२८	४२	१८	११	२८	४	मि५२।२७	वक्री बुधः ४२।५७
६	गु	४७	२	मृ	२५	४०	शो	३१	४५	कौ	१४	२३	३२	४२	१८	१२	२९	५	मिथुने	
७	शु	५१	३८	आ	३१	५८	अ	३२	५९	ग	१९	२०	३६	४१	१९	१३	३०	६	मिथुने	भ. ५१।३८ उ. मेषेऽर्कः : ४९।२
८	श	५५	५१	पु	३७	३३	सु	३३	४७	वि	२३	४४	४०	४०	२०	१४	१	७	क. २१।९	भ.२३।४४या. (*३९।३२पातमोक्षः ४९/५८
९	र	५८	३५	पु	४२	३७	धृ	३३	३६	बा	२७	१३	४४	३९	२१	१५	२	८	कर्के	पश्चिमास्तो बुधः ४६।५ राम ९
१०	चं	६०	०	श्ले	४६	९	शू	३३	१४	तै	२९	४१	४८	३८	२२	१६	३	९	सिं ४६।९	
१०	मं	०	४७	म	४८	१०	गं	३१	२८	ग	०	४७	५२	३८	२२	१७	४	१०	सिंहे	भ.३१।५उ.रोहिण्यांशुक्रः५९।०पातस्पर्शः*
११	बु	१	२४	पू	४९	२४	वृ	२८	४६	वि	१	२४	५५	३७	२३	१८	५	११	सिंहे	भ. १।२४ या. कामदा ११ ब्र.
१२	गु	०	४६	उ	४९	२६	ध्रु	२५	३	बा	०	४६	५९	३६	२४	१९	६	१२	कं. ४।२५	भरण्यां भौमः ८।४२ प्रदोषः
१३	गु	५८	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः (×हनुमज्जयंती
१४	शु	५५	४४	ह	४८	१४	व्या	२०	३३	ग	२७	१६	३३/२	३६	२४	२०	७	१३	कन्या	भ. ५५।४४ उ. उभायां २ गुरुः ३९।१७
१५	श	५१	४१	चि	४६	९	ह	१४	५८	वि	२३	४२	६	३५	२५	२१	८	१४	तु.१७।११	भ.२३।४२या.वक्रीअश्विन्यांबुधः२६।१८×

१पं.चै.शु. ७शु.इ.५२।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	११	१	५	१०	०
०	९	१५	५	५	४	२४	०
३	२६	३१	७	९	७	९	०
५०	२	४४	८	४३	५२	२०	०
५८	४४	१९/५८	१३	७१	५६/६	३	५८
४५	११	ब	८	५९	ब	११	४४

गोचरग्रहाः

चंत्र शुक्ला ७ शुक्रे मेषेऽर्कः प्र. वा.न.३ भ. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचरग्रहाः

२पं.चै.शु.१४शु.इ.५३।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	११	१	५	१०	०
६	१४	१३	६	१३	३	२३	६
५४	३६	४३	४२	२७	४१	४७	५०
१	४३	१६	५८	४३	१७	५	३८
५८	४४	४२/१६	१२	७१	३/३५	३	५८
२१	१	ब	४४	३१	ब	११	३१

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चंत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्रः
१	र	४६	५६	स्वा	४३	१७	व	८	४७	बा	१९	१८	३२/१०	५/३४	६/२६	२२	९	१५	तुलायां	
२	चं	४१	२४	वि	३९	५०	सि	२/७	५२/४८	तै	१४	१०	१४	३३	२७	२३	१०	१६	वृ.२५।४२	
३	मं	३५	३५	अ	३५	५९	व	४७	२६	व	८	२९	१८	३२	२८	२४	११	१७	वृश्चिके	भ. ८।२९ उ. ३५।३५ या. चतुर्थी ब्र.
४	बु	२९	३९	ज्ये	३१	५५	प	३९	५८	ब	२	३७	२२	३२	२८	२५	१२	१८	ध.३१।५५	
५	गु	२३	३६	मू	२७	५१	शि	३१	५८	तै	२३	३६	२६	३१	२९	२६	१३	१९	धनुषि	
६	शु	१७	५१	पू	२३	५६	सि	२४	३२	ब	१७	५१	२९	३०	३०	२७	१४	२०	म.३८।५	भ.१७/५१उ.४५/३या. भरण्यां रविः ३०/२६ वक्री*
७	श	१२	१६	उ	२०	३१	सा	१७	९	ब	१२	१६	३३	२९	३१	२८	१५	२१	मकरे	(*उफायां २ शनिः २४/२३ अगस्त्यास्तः ३५/३१
८	र	७	१८	श्र	१७	३२	शु	१०	४२	कौ	७	१८	३६	२९	३१	२९	१६	२२	कु.४६।२५	मृगेशुक्रः १७।११ पूभायां१ राहुः३केतुः×
९	चं	३	८	ध	१५	१६	शु	२९/४	५४/४६	ग	३	८	४०	२८	३२	३०	१७	२३	कुम्भे	भ.३१।३१उ.४९।५५या.पातमोक्षः५।२६
१०	चं	५६	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः (×२४।१९ पातस्पर्शः ५४।४७
११	मं	५७	३७	श	१४	१०	ऐं	५४	५७	व	२८	४६	४३	२७	३३	१	१८	२४	मी५९।००	मई मा. ५ ता. ३१ वरूथिनी११ब्र. स्मा.
१२	बु	५६	३२	पू	१३	५६	वै	५१	१७	कौ	२७	४	४७	२७	३३	२	१९	२५	मीने	वरूथिनी ११ ब्र. वै. नि.
१३	गु	५६	४७	उ	१५	८	वि	४८	४५	ग	२६	३९	५०	२६	३४	३	२०	२६	मीने	भ. ५६।४७ उ. पूर्वोदयीबुधः ३९।३प्रदोष
१४	शु	५८	१२	रे	१७	११	प्री	४७	१३	वि	२७	२९	५४	२५	३५	४	२१	२७	मे.१७।११	भ. २७।२९ या.
३०	श	६०	०	अ	२०	५७	आ	४६	४३	च	२७	३८	५७	२५	३५	५	२२	२८	मेषे	मिथुने शुक्रः २।३० अमापुण्यम्
३०	र	१	५	भ	२५	३६	सौ	४७	०	ना	१	५	३३/३	२४	३६	६	२३	२९	वृ.४१।५९	उभायां ३ गुरुः ३।१४

३पं.वै.कृ. ६शु.इ.५३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	११	१	५	१०	०
१३	१९	९	८	२१	३	२३	१३
४२	४४	१४	१५	४०	१८	२४	३९
२५	४६	१३	५४	५५	२५	४९	४१
५८	४३	३५/८	१२	७१	५५/५	३	५८
१२	४२	ब	२०	४	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

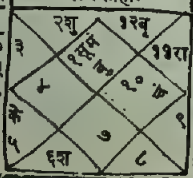

इस मासका फल सामान्य है कहीं २ कुछ वर्षा होगी धान्य भाव सामान्य रहेगा अलसी मटर सफेद गेहूँ तेज होंगे।

गोचरग्रहाः

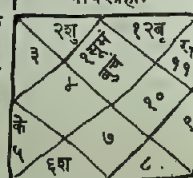

४पं.व.कृ.१४शु.इ.५३।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	११	१	५	१०	०
२०	२४	५	९	२९	२	२३	२०
२९	५०	५३	४६	४९	५९	२	२७
३	१३	४९	५	४४	२८	३४	२२
५७	४३	१८/२२	१२	७०	२/१६	३	५८
५७	२६	ब	१	२३	ब	११	६

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५८७६ स.१९५१
१	चं ५ २ कृ ३१ ९ शो ४८ ७ ब ५ २	३३	५	३७	७	२४	३०	वृषे	चंद्रद. कृतिकायां भौमः २५।२४
२	मं ९ ३१ रो ३७ २४ अ ४९ २८ को ९ ३१	३४	२	३७	८	२५	१	वृषे	सावान ८
३	बु १४ २३ मृ ४३ ५३ सु ५० ५२ ग १४ २३	१०	२२	३८	९	२६	२	मि	१०।३८ भ. ४६।५२उ. अक्षया ३
४	गु १९ २२ आ ५० १७ पु ५२ २१ वि १९ २२	१३	२१	३९	१०	२७	३	मिथुने	भ.३½या. मार्गीबुधः६½आर्द्रायां शुक्रः५३
५	शु २३ ५६ पु ५६ १ शू ५३ १५ बा २३ ५६	१६	२१	३९	११	२८	४	क.	३९।३५ कृत्तिकायां रविः १८।२१
६	श २८ ७ पु ६० ० गं ५३ ४२ तै २८ ७	१९	२०	४०	१२	२९	५	कर्के	वृषे भौमः ३।५०
७	र ३१ ४ पु १ १ वृ ५३ १६ व ३१ ४	२२	२०	४०	१३	३०	६	कर्के	भ. ३१।४ उ. पातस्पर्शः६½पातमोक्षः४७
८	चं ३२ ४७ श्ले ५ १ धु ५१ ४४ वि १ ५६	२५	१९	४१	१४	३१	७	सिं	५।१ भ. १।५६ या. वृषेऽर्कः ४६।८
९	मं ३३ ४३ म ७ ४८ ब्या ४९ १३ बा ३ १५	२८	१८	४२	१५	१	८	सिंहे	
१०	बु ३२ ३९ पू ९ १७ ह ४६ ६ तै ३ ११	३१	१८	४२	१६	२	९	कं.	२४।२२
११	गु ३० ४० उ ९ ३८ व ४१ ३० व १ ४०	२४	१७	४३	१७	३	१०	कन्या	भ. १।४० उ. ३०।४० या. मोहिनी ११ब्र.
१२	शु २७ ४३ ह ८ ४६ सि ३६ २० बा २७ ४३	२६	१७	४३	१८	४	११	तु	३७।४७ प्रदोषः
१३	श २३ ३७ चि ६ ४८ व्य ३० २१ तै २३ ३७	२९	१६	४४	१९	५	१२	तुलायां	नृसिंहजयंती
१४	र १८ ११ खा ४ १० व २३ ५६ व १८ ११	४१	१६	४४	२०	६	१३	वृ	४६।३८ भ. १८।११ उ. ४५।३९ या. कूर्मजयन्ती
१५	चं १३ ७ वि ० ४७ ५६ प १६ ५१ ब १३ ७	४४	१५	४५	२१	७	१४	वृश्चिके	अन्नदानं वैशाख स्नान पूर्तिः

५पं.वै.शु.५ शु.इ.५३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०११	२	५	१०	०	
२७	२९	६	११	७	२	२२	२७
१४	५२	२१	१२	५१	४४	४०	१३
१७	५२	४३	२५	३६	४२	१९	३०
५७	४३	३	११	६९	४३	३	५७
४५	१७	मा	२४	३४	व	११	५४

गोचरग्रहाः

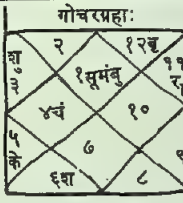

वैशाख शुक्ला ८
चंद्रेवृषेऽर्कः प्र.वा.४
न.४ कुमारावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः३०
(धान्यभावसम)
शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचरग्रहाः

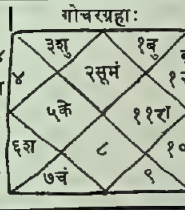

६पं.वै.शु.१२ शु.इ.५४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०११	२	५	१०	१	
३	४	९	१२	१५	२	२२	३
५७	५२	६	३५	४७	३५	१८	५८
५४	५५	२९	२४	१७	१०	३	२८
५७	४३	२४	१०	६८	५९	३	५७
३४	७	५५	५३	४५	ब	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मऋतू रविरुत्तरे वैशाखकृ.महाराष्ट्राः
१	मं ७ ९ ज्ये ५२ ५६ शि ९ २८ को ७ ९	३३	१५	४५	२२	८	१५	ध.	५२।५६ पुनर्वसौ शुक्रः ६½उभायां ४ गुरुः ३९।३४
२	बु १ १४ मृ ४८ ५३ सि ५२ २३ ग १ १४	३४	१४	४६	२३	९	१६	धनुषि	भ. २८।१२ उ. ५५।०९ या. भरण्यांबुधः
३	बु ५३ ५५ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०		क्षयः
४	गु ४९ १३ पू ४४ ५५ शु ४६ ७ ब २२ ११	५०	१४	४६	२४	१०	१७	म.	५९।१ चतुर्थी ब्र.
५	शु ४३ २२ उ ४१ २० शु ३९ ३९ को १६ १७	५२	१४	४६	२५	११	१८	मकरे	रोहिण्यांरविः १२।१७ पातस्पर्शः५८।५४
६	श ३८ ३८ श्र ३८ ७ ब्र ३२ ५३ ग ११ ०	५४	१३	४७	२६	१२	१९	मकरे	भ. ३८।३८ उ. रोहिण्यां भौमः७।२०*
७	र ३४ २१ ध ३५ ५० रे २६ ४३ वि ६ २९	५६	१३	४७	२७	१३	२०	कु.	६।५८ भ. ६।२९ या. (*पात मोक्षः १२।१२
८	चं ३० ५८ श ३५ २२ वै २१ १६ बा २ ३९	५८	१२	४८	२८	१४	२१	कुम्भे	मार्गशिनिः ३४।१२
९	मं २८ ३५ पू ३६ ० वि १६ ४६ ग २८ ३५	३४°	१२	४८	२९	१५	२२	मी	२०।५१ भ. ५८।५ उ.
१०	बु २७ ३५ उ ३६ २८ प्री १३ २ वि २७ ३५	३	१२	४८	३०	१६	२३	मीने	भ. २७।३५ या.
११	गु २७ ३६ रे ३७ ४७ आ ९ २७ बा २७ ३६	४	११	४९	३१	१७	२४	मे.	३७।४७ कर्के शुक्रः ४८।११ अपरा ११ ब्र.
१२	शु २८ ५८ अ ३९ ५९ सौ ८ ३५ तै २८ ५८	६	११	४९	१	१८	२५	मेषे	जून मा. ६ ता. ३० प्रदोषः
१३	श ३१ ३३ भ ४४ ३५ शो ८ ० ग ० १५	८	१०	५०	२	१९	२६	मेषे	भ. ३१।३३ उ.
१४	र ३५ १५ कृ ४९ ५३ अ ८ ६ वि ३ ४४	९	१०	५०	३	२०	२७	वृ.	१।५४ भ.३।२४या. कृतिकायां बुधः ३९।० पुष्ये=
३०	चं ३९ ४९ रो ५६ ० सु ९ ५६ च ७ ३२	११	१०	५०	४	२१	२८	बधे	भावुका ३० वट पूजनं (=शुक्रः ४९।५

७पं.ज्ये.कृ.५शु.इ.५४।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०११	२	५	४	१	
१०	९	१५	१३	२३	२	२१	१०
४०	५०	३४	५३	३४	३०	५५	४२
५	३८	१६	५	२६	११	४८	२०
५७	४२	४६	१०	६७	२६	३	५७
२३	४६	४२	११	३८	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

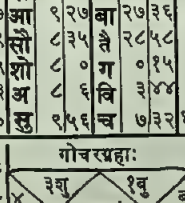

इस मास में धूप की अधिकता प्रजा में रोगादि उपद्रव विस्फोटक भय जगत में रक्त विकार की बीमारी अधिक।

गोचरग्रहाः

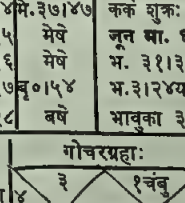

८पं.ज्ये.कृ.१२शु.इ.५४।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०११	३	५	१०	१	
१७	१४	२४	१५	१	२	२१	१७
२१	४५	३९	७	१३	३०	३३	२५
११	४७	४	२३	५	२२	३२	७
५७	४२	६९	९	६६	२६	३	५७
१३	२६	१८	२८	२०	मा	११	३७

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३	दि.	उ.	अ.	ह.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	मं ४४ ४४ मृ ६० ० धृ	१०	२४	किं	१२	१६	३४	५ ५६
२	बु ४९ २९ मृ २ २२ शू	११	५०	बा	१७	६	१४	९ ५१
३	गु ५४ १४ आ ८ ५० गं	१३	१९	तै	२१	५१	१५	९ ५१
४	शु ५८ ७ पु १४ ४६ वृ	१४	३५	व	२६	१०	१६	९ ५१
५	श ६० ० पु १९ ५० धृ	१५	२	ब	२९	३४	१७	९ ५१
६	र १ २ श्ले २४ ६ व्या	१४	४५	बा	१	२	१८	८ ५२
७	चं ५ २४ म २७ १३ ह	१३	३१	तै	२	४८	१९	८ ५२
८	मं ३ २१ पू २८ ५७ व	११	२९	व	३	२१	२०	८ ५२
९	बु ३ २४ उ २९ ३६ सि	८	१८	ब	२	४०	२१	८ ५२
१०	गु ० ४० ह २९ २ व्य	४	३३	को	०	४०	२१	८ ५२
११	शु ५ ६ ५४ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०
१२	श ५ ३ ३३ चि २७ १९ प	५३	१८	व	२५	३३	२२	८ ५२
१३	र ४८ ३९ स्वा २४ ४३ शि	४६	४३	ब	२१	६	२२	८ ५२
१४	चं ३७ ० वि २१ ३१ सि	३९	४७	को	१५	५१	२२	८ ५२
१५	मं ३१ ९ ज्ये १३ ५० शु	२५	४	वि	४	११	२३	७ ५३

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३	दि.	उ.	अ.	ह.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	बु २५ २ मृ १० २५ शु	१७	३२	को	२५	२	३४	५ ५५
२	गु १९ २ पू ५ ५३ ब्र	१०	२७	ग	१९	२	२४	७ ५३
३	शु १३ १५ उ ३४ ५५ ऐं	४	३५	वि	१३	१५	२४	७ ५३
४	श ८ १३ ध ५६ ३० वि	४९	४०	बा	८	१३	२४	७ ५३
५	र ३ ५२ श ५५ १ प्री	४४	६	तै	३	५२	२४	७ ५३
६	चं ० ३ पू ५३ ५२ आ	३९	४२	व	०	२३	२३	७ ५३
७	मं ० ३४ ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०
८	मं ५६ ३६ उ ५४ २४ सौ	३५	३४	तै	२७	१७	२३	७ ५३
९	बु ५६ ४० रे ५६ ७ शो	३२	४१	बा	२६	२३	२३	७ ५३
१०	गु ५७ ५९ अ ५९ ९ अ	३०	५०	व	२७	१९	२२	८ ५२
११	शु ६० ० भ ६० १० सु	२९	५३	ब	२९	११	२२	८ ५२
११	श ० २३ भ ३ १९ भृ	२९	५८	तै	०	२३	२१	८ ५२
१२	र ४ ७ कृ ८ ३६ शृ	३०	४६	बा	४	७	२०	८ ५२
१३	चं ८ ३० रो १४ २७ गं	३२	५	व	८	३०	१९	८ ५२
१४	मं १३ १८ मृ २० ४५ वृ	३३	५८	श	१३	१८	१८	८ ५२
३०	बु १८ १ आ २७ १३ धु	३५	८	ना	१८	०	१७	९ ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	र	रा
१	१	१	१११	३	५	१०	१
२४	१९	५	१६	८	२	२१	२४
१	३९	५६	१५	३९	२५	११	७
७	४	२	४७	५४	४६	१७	८
५७	४२	९४	८	६४	१	३	५७
५	१६	२	४०	४४	११	१	२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	१११	३	५	१०	२
०	२४	१९	१७	१५	२	२०	०
४०	२९	१४	१८	५३	४५	४९	४८
१५	३१	३१	०	५३	४७	२	२५
५६	४२	३	७	६२	१	३	५७
५७	०	५३	४१	५०	५०	११	१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	२११	३	५	१०	२
१३	४	१९	१९	२९	३	२०	१४
५६	४	२८	२	३०	२०	४	९
४६	८	३०	१३	५१	४	१७	३१
५६	४१	२	५	५७	३	३	५७
५०	४०	५	४६	१६	१३	११	७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	११	३	५	११	२
७	२९	४	१८	२२	३	२०	७
१८	१७	१०	१३	५१	०	२६	२९
४३	५६	८	३७	३६	४७	४६	१७
५६	४१	२	६	६०	२	३	५७
५४	५०	५	४०	२२	२९	११	१३

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ला ११शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र. वा.५न.५प्रग-ल्भावस्था (बैठी) मु.३०(धा. भा. सम) शुक्रोदय पश्चिमायाम् ।

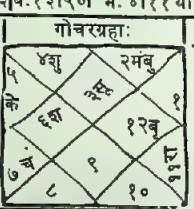

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

उदये च गुरौ वृष्टिरस्तेवृष्टि भृगो सते चलत्यंगारके वृष्टि स्त्रिधावृष्टिः शनैश्चरे। मंगल का चार वर्षा करेगा ।

गोचरग्रहाः

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५९०५ स.१९५१

बृषे बुधः ७।८
चन्द्रदशनम् (×अग्निऽ।।।
रमजान ९ रोजा रम्भा व्र.
भ.२६।१०उ.५८।७या. मृगे रविः ११।६*
(*पातस्पर्शः २२।४३ पातमोक्षः ४०।१२
मघा ल. १ रे ९ ।ऽ।।।।।।।
रोहिण्यांबुधः २९।५८ रेवत्यां १ गुरुः३६
भ. ३।२१ उ. ३३।० या.
(! ११।५४ निर्जला ११ व्र. स्मा.
वरीयान क्षयः५५।३३ मृगे भौमः१४।५९=
क्षयः (=पूर्वास्तेबुधः ३३ गंगादशहरा
भ. २५।३३ उ. ५।३३ या. मिथुनेऽर्कः!
सार्पे शुक्रः ३८।१९ निर्जला११व्र.वै.
मृगेबधुः ५६ सावित्री व्रतारम्भः प्रदोषः+
भ. ३७ उ. (+अनु.ल.ऽन्यगो.रे.८।।।।।×
भ.४।११ या. गुर्जरणांवटपूजनं मन्वादिः

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मिथुन बुधः ५७।५
भ.४६ उ. पातस्पर्शः३८ पातमोक्षः५४।२४
भ. १३।१५ या. आर्द्रायांरविः १३।२६ सं.*
मिथुनेभौमः५४ वर्षा (*स्त्री.पु.चं.वा.×
आर्द्रायांबुधः ४।२५ (×खर. वर्षासमा+
भ.२३ उ.३९ या. (+श्रवणाक्षयः५६।१५?
क्षयः (?५३ च.व्र. दक्षिणायन प्रवृत्तिः१४
वर्षा (=११ व्र.वै.नि. पा.३५ पा.३८
वर्षा धूप अधिक
भ. २७।१९ उ. ५७।५९ या.
उ. ३ शनिः४५ यो. ११व्र. स्मा. चातु. व्र.
पु. बुधः२६ म.सि. च शुक्रः३५ योगिनी=
जुलाई मा.७ ता. ३१ शते ४ राहुपूफायां!
भ.८।३०उ.४७या. (! २केतुः१२ प्रदोषः
आर्द्रायां भौमः ४८।० वर्षा रा.
कर्के बुधः ५०।२९ अमावस्या

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गरणः ५९३५स.१९५१
१	गु	२२	४२	पु	३३	११	व्या	३६	२४	ब	२२	४२	३४/१६	५/९	६/५१	५	२०	२९	क.१६।४२	चंद्रदर्शनं
२	शु	२६	४६	पु	३८	३६	ह	३६	५८	कौ	२६	४६	१४	९	५१	६	२१	१	कर्के	पुनर्वसौ रविः १७/२७ सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं. वा.*
३	श	२९	४५	श्ले	४३	२५	व	३७	७	ग	२९	४५	१३	९	५१	७	२२	२	सिं४३।२५	मघा. ल. १–२ रे. ९ ।।ऽशु।।।।।।।
४	र	३१	२४	म	४६	२९	सि	३५	५९	व	०	३५	१२	१०	५०	८	२३	३	सिंहे	भ. ०।३५ उ. ३१।२४ या. ब्र.
५	चं	३२	१६	पू	४८	३४	व्य	३४	४	ब	१	५०	१०	१०	५०	९	२४	४	सिंहे	वर्षायोगाःपूफा.(*जंबूकः वर्षानिष्ठा पुष्ये×
६	मं	३१	३३	उ	४९	२४	व	३०	५६	कौ	१	५४	९	१०	५०	१०	२५	५	कं.३।४६	रेवत्यां२गुरुः ३३/५५ (×बुधः ४१/१३ पश्चिमोदय+
७	बु	२९	३६	ह	४९	२०	प	२७	५	ग	०	३५	७	११	४९	११	२६	६	कन्या	भ. २९।३६ उ. ५८।५ या.
८	गु	२६	३४	चि	४८	०	शि	२२	१२	ब	२६	३४	५	११	४९	१२	२७	७	तु.१८।४०	(+बुधः ४५।२० सव्वाल१०ईद रथयात्रा
९	शु	२२	३३	स्वा	४५	७	सि	१६	२९	कौ	२२	३२	४	११	४९	१३	२८	८	तुलायां	भड़ली ९
१०	श	१७	४०	वि	४२	७	सा	१०	५	ग	१७	४०	२	१२	४८	१४	२९	९	वृ.२७।५२	भ.४४।५५ उ. सार्पे बुधः १।४३ मन्वादिः
११	र	१२	१०	अ	३८	२९	शु	३/१५	५२/४४	वि	१२	१०	३४/००	१२	४८	१५	३०	१०	वृश्चिके	भ. १२।१० या. शुक्लयोगक्षयः ५२।४४!
१२	चं	६	२६	ज्ये	३४	३०	ब्र	४८	१९	बा	६	२६	३३/५८	१२	४८	१६	३१	११	ध.३४।३०	कर्केऽर्कः५०।११ पूफायांशुक्रः ३७/३२ प्रदोषः?
१३	मं	०	२२	मू	३०	२५	ऐं	४०	४८	तै	०	२२	५६	१३	४७	१७	१	१२	धनुषि	भ. ५४।१२ उ. (?हरिवासराऽभावः
१४	मं	५३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः (!देवशयनी ११ ब्र.
१५	बु	४८	१०	पू	२६	१६	वै	३३	२१	वि	२१	११	५४	१३	४७	१८	२	१३	म.४०।१८	भ. ३१/११ या. व्यासपूजा वायुपरीक्षामन्वादिः

१३पं.आ.शु.७शु.इ.५४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	११	४	५	१०	२
२०	८	३	१९	५	३	१९	२०
३४	४५	४३	४२	४२	४४	४२	५०
४२	११	१२	५४	५०	६	१६	९
५६	४१	४०/०	४०	५३	३	३	५७
५०	२०	२२	४	१०	४६	११	७

गोचरग्रहाः

४चंबु, २, १, के शु ५, ३सूमं, ६श, १२बृ, ७, ९, ११रा, ८, १०

आषाढ शुक्ला १२ चंद्रे कर्कऽर्कः प्र. वा.४ न.६ युवा वस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

४बु, २, १, ५ शुके, ३सूमं, ६श, १२बृ, ७ चं, ९, ११रा, ८, १०

१४पं.आ.शु.९शु.इ.५३।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	१०	४	५	१०	२
२७	१३	१६	२०	११	४	१९	२७
१२	२९	२८	१५	२५	१२	२०	३०
४८	५६	८	३६	१९	७	०	३२
५६	४१	९१	३	४७	४	३	५७
५५	४	२८	३९	५७	२५	११	१२

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षाऋतू रविर्दक्षिणे आ.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४२	२२	उ	२२	२२	वि	२५	५८	बा	१५	१६	३३/५२	५/१४	६/४६	१९	३	१४	मकरे	वर्षा सायं
२	शु	३७	१३	श्र	१९	१०	प्री	१९	३	तै	९	४७	५०	१४	४६	२०	४	१५	कु.४७।४७	पुष्ये रविः ३०/५२ सं. स्त्री.पु.चं.चं.वा.महिष!
३	श	३२	४६	ध	१६	२५	आ	१२	३७	व	५	०	४८	१४	४६	२१	५	१६	कुम्भे	भ.५।०उ.३३/४६ या. चतुर्थी ब्र. (! वर्षाश्रेष्ठा
४	र	२९	१२	श	१४	२९	सौ	६	५१	ब	०	२९	४५	१५	४५	२२	६	१७	मी५८।४९	मघायां सिंहे च बुधः ४२।१४
५	चं	२६	४०	पू	१३	३६	शो	१/५८	५६/००	तै	२६	४०	४३	१५	४५	२३	७	१८	मीने	अतिगंडक्षयः ५६/०० पुनर्वसौभौमः ३६/३२ ना.५म.
६	मं	२५	१९	उ	१३	५३	सु	५४	५३	व	२५	१९	४०	१६	४४	२४	८	१९	मीने	भ. २५।१९ उ. ५५।१७ या.
७	बु	२५	१६	रे	१५	१२	धृ	५२	४६	ब	२५	१६	३८	१६	४४	२५	९	२०	मे.१५।१२	उदयं भौमः ११।३९ वर्षा योगः
८	गु	२६	२९	अ	१७	५४	शू	५१	४५	कौ	२६	२९	३५	१७	४३	२६	१०	२१	मेषे	
९	शु	२९	५	भ	२१	४८	गं	५१	३३	ग	२९	५	३२	१८	४२	२७	११	२२	वृ.३८।१	
१०	श	३२	२९	कृ	२६	४१	वृ	५२	११	व	०	४७	३०	१८	४२	२८	१२	२३	वृषे	भ. ०।४७ उ. ३२।२९ या.
११	र	३६	४८	रो	३२	३२	ध्रु	५३	२४	ब	४	३८	२७	१९	४१	२९	१३	२४	वृषे	कामिका ११ ब्र.
१२	चं	४१	३२	मृ	५८	५०	व्या	५४	५५	कौ	९	१५	२४	१९	४१	३०	१४	२५	मि५।४१	दुर्दिनं (*पूफायां बुधः ५७।९ दुर्दिनं
१३	मं	४६	३८	आ	४५	१५	ह	५६	३६	ग	१४	५	२१	२०	४०	३१	१५	२६	मिथुने	भ. ४६।३८ उ. प्रदोषः
१४	बु	५१	६	पु	५१	२३	व	५७	५६	वि	१८	४२	१८	२०	४०	१	१६	२७	क.३४।५१	भ. १८।४२ या. अगस्त मा. ८ ता. ३१*
३०	गु	५५	८	पु	५७	१	सि	५८	३७	च	२३	७	१५	२१	३९	२	१७	२८	कर्के	वक्री गुरुः ४४।३४ हरियाली ३० वर्षा

१५पं.श्रा.कृ.२शु.इ.५३।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	११	४	५	१०	३
३	१८	२७	२०	१६	४	१८	४
५१	९	४०	३९	२६	४४	५७	११
१६	७	५९	४३	३५	६	४५	१३
५६	४०	७६	२	४१	७	३	५७
५७	५३	५५	१४	८	५१	११	१५

गोचरग्रहाः

५शुके, ३मं, २, श ६, ४सूब, ७, १, ८, १०, १२बृ, ९, *११

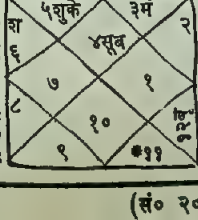

इस मास में वर्षा उत्तम होगी प्रजा में सुख शाति रुई में बुध शुक्र का योग मन्दी किया करता है धान्य भावमंदा रहेगा

गोचरग्रहाः

×५, ३मं, ६ श, ४सू, २ चं, ७, १, ८, १०, १२बृ, ९, ११रा

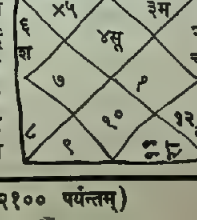

१६पं.श्रा.कृ.९शु.इ.५३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	११	४	५	१०	३
१०	२२	७	२०	२०	५	१८	१०
३०	४६	१५	५४	३४	१९	३५	५२
३३	५९	०	२२	५९	२६	२९	१९
५७	४०	६३	०	३२	५	३	५७
५	३७	१८	५६	८	१८	११	२०

*११चंरा

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

×५बुशुके

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५९६४सन्१९५१
१	शु	५८	१७	श्ले	६०	०	व्य	५८	४७	किं	२६	४२	३३/१२	५/२२	६/३८	३	१८	२९	कर्के	आश्लेषायां रविः २१।४०
२	श	६०	०	श्ले	१	४२	व	५८	०	बा	२९	२८	९	२२	३८	४	१९	३०	सिं१।४२	चन्द्र द.
२	र	०	४०	म	५	१६	प	५६	१७	कौ	०	४०	६	२३	३७	५	२०	१	सिंहे	जिल्काद ११
३	चं	०	१६	पू	७	३७	शि	५३	२५	ग	०	५६	३	२३	३७	६	२१	२	कं.२२।५५	भ. ३०।४० उ. मधुश्रवा
४	मं	०	२५	उ	८	४९	सि	४९	३७	वि	०	२५	३३/००	२४	३६	७	२२	३	कन्या	भ. ०।२५ या. वरद् ४ नाम ५
५	मं	५८	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	०	०	क्षयः (*पवित्रा ११ ब्र.
६	बु	५६	३६	ह	८	४०	सा	४४	४६	कौ	२७	३४	३२/५७	२५	३५	८	२३	४	तु.३८।१	कर्के भौमः ०।७ वर्ण ६
७	गु	५१	४२	चि	७	४३	शु	३९	११	ग	२४	९	५४	२५	३५	९	२४	५	तुलायां	भ. ५१।४२ उ. शीतला ७ तुलसी ज.
८	शु	४६	५४	स्वा	५	१०	शु	३२	५२	वि	१९	१८	५०	२६	३४	१०	२५	६	वृ.४८।७	भ. १९।१८ या. उफायां ४ शनिः ५८।२७
९	श	४१	३०	वि	२६/३	५६/१७	ब्र	२५	५९	बा	१४	१२	४७	२७	३३	११	२६	७	वृश्चिके	
१०	र	३५	४२	ज्ये	५४	५१	ऐं	१८	३८	तै	८	३६	४३	२७	३३	१२	२७	८	ध.५४।५१	पुष्ये भौमः ५८।५२
११	चं	२९	४२	मू	५०	४४	वै	११	४	व	२	४२	४०	२८	३२	१३	२८	९	धनुषि	भ.२।४२उ.२९।२या. वक्री शुक्रः २।३७*
१२	मं	२३	३७	पू	४६	३६	वि	३/२८	५२/२८	बा	२३	३७	३६	२९	३१	१४	२९	१०	धनुषि	प्रदोषः
१३	बु	१७	३०	उ	४२	४२	आ	४८	३१	तै	१७	३०	३३	२९	३१	१५	३०	११	म.०।४८	
१४	गु	११	३९	श्र	३९	१८	सौ	४१	२८	व	११	३९	२९	३०	३०	१६	३१	१२	मकरे	भ.११।३९ उ. ३९।६ या.
१५	शु	६	३४	ध	३६	१९	शो	३४	४६	ब	६	३४	२६	३१	२९	१७	३२	१३	कुं.७।४८	सिंहेऽर्कः १८।७

१७पं.श्रा.शु.१शु.इ.५४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	११	४	५	१०	३
१७	२७	१४	२०	२३	५	१८	१७
१०	२२	५४	५९	३३	५७	१६	३४
२२	३०	०	५६	११	४३	२४	०
५७	४०	४८	०/११	२०	५	३	५७
१२	२६	२८	ब	२९	४४	११	२४

१८पं.श्रा.शु.८शु.ई.५३।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	११	४	५	१०	३
२३	१	२०	२०	२५	६	१७	२४
५१	५५	५	५५	१	३९	५०	१६
२९	५९	३८	४३	३०	२९	५९	२७
५७	४०	२९	३/१७	५	६	३	५७
२२	१०	१९	ब	५८	५	११	३३

१९पं.श्रा.शु.१५शु.इ.५३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	५	१०	४
०	६	२१	२०	२४	७	१७	०
३३	२७	५६	४१	४३	२३	१८	५९
४४	५८	३५	४२	३०	२०	४३	४७
५७	३९	२	५३/४६	१०/४६	६	३	५७
३४	५६	२८	ब	ब	२६	११	४०

त.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२	५	श	३४	१	अ	२८	४९	कौ	२	५	३३/२२	५/३२	६/२८	१८	१	१४	कुम्भे	वक्री बुधः १९।४२
२	श	५६	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	र	५५	५४	पू	३२	५९	सु	२३	४२	व	२७	११	१८	३२	२८	१९	२	१५	मी१८।१५	भ. २७।११ उ. ५५।५४ या. कज्जली ३
४	चं	५४	२७	उ	३३	०	धृ	१९	२२	ब	२५	१०	१५	३३	२७	२०	३	१६	मीने	चतुर्थी ब्र. बहुला ४
५	मं	५४	२९	रे	३४	५	शू	१६	५	कौ	२४	२८	११	३४	२६	२१	४	१७	मे.३४।५	
६	बु	५५	३७	अ	३६	२७	गं	१३	४२	ग	२५	३	८	३४	२६	२२	५	१८	मेषे	भ. ५५।३७ उ. चंद्र ६ हल ६
७	गु	५७	५९	भ	४०	७	वृ	१२	२१	वि	२६	४८	४	३५	२५	२३	६	१९	वृ.५६।१८	भ. २६।४८ या. पश्चिमास्तोभृगुः४।४८*
८	शु	६०	०	कृ	४४	५२	ध्रु	११	५९	बा	२९	४४	३२/००	३६	२४	२४	७	२०	वृषे	पश्चिमास्तोबुधः २३।२७ श्रीकृष्णजयन्ती
८	श	१	३०	रो	५०	३४	व्या	१२	२७	कौ	१	३०	३१/५६	३७	२३	२५	८	२१	वृषे	*प. अ. शु.
९	र	५	५३	मृ	५६	४३	ह	१३	३४	ग	५	५३	५२	३८	२२	२६	९	२२	मि२३।३८	भ. ३८।१६ उ.
१०	चं	१०	३९	आ	६०	०	व	१५	२८	वि	१०	३९	४८	३८	२२	२७	१०	२३	मिथुने	भ. १०।३९ या.
११	मं	१५	३४	आ	३	८	सि	१६	३३	बा	१५	३४	४४	३९	२१	२८	११	२४	क.५१।७	अजा ११ ब्र. अगस्त्योदयः १७।३५
१२	बु	२०	२०	पु	९	६	व्य	१८	१	तै	२०	२०	४०	४०	२०	२९	१२	२५	कर्के	वक्रीरेवत्यां१गुरुः२९।१८ प्रदोषः वत्स१२
१३	गु	२४	२६	पु	१४	५८	व	१८	५१	व	२४	२६	३६	४१	१९	३०	१३	२६	कर्के	भ. २४।२६ उ. ५६।२ या.
१४	शु	२७	३९	श्ले	१९	५८	प	१९	०	श	२७	३९	३२	४२	१८	३१	१४	२७	सि१९।५०	पूफायांरविः८।५८वक्रीमघायांबुधः ५।२५
३०	श	२९	४६	म	२३	४७	शि	१८	२२	ना	२९	४६	२८	४२	१८	१	१५	२८	सिंहे	सितम्बर मा. ९ ता. ३०

२०पं.भा.कृ.८शु..इ५३।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	५	१०	४
७	१०	१९	२०	२२	८	१७	७
१७	५६	३१	१९	३१	९	६	४४
१६	५३	३७	१	१	३२	२८	१७
५७	३९	३६/१२	४/५	३६/१६	६	३	५७
४५	४२	ब	ब	ब	३८	११	४८

गोचर हाः

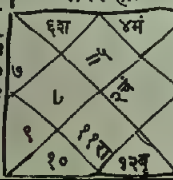

इस मास में यातो वर्षा होगी नहीं यदि होगी तो भयंकर वर्षा होगी जिससे अनेक स्थानों में नदियोंमें बाढ़ से नुकसान ।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.कृ.१४शु.इ.५२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	५	१०	४
१४	१५	१२	१९	१८	८	१६	१४
२	२५	२८	४७	४२	५७	४४	२९
२८	३७	१९	२६	१८	४०	१३	५४
५७	३९	६५/१७	५/१५	३५/३४	६	३	५८
५७	२५	ब	ब	ब	५६	११	१

* ५ बुशुके =५सूबुशुके (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) +५बुशुके ×५सूचंबुशुके

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुः रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५९९४ स.१९५१
१	र	३०	४२	पू	२६	१५	सि	१६	९	किं	०	१४	३५ ३५	५ ४३	६ १७	२	१६	२९	क.४१।३८	सार्पे भौमः ४६।९ शते ३ राहुः पूफायां*
२	चं	३०	१५	उ	२७	४६	सा	१४	९	बा	०	२८	२१	४४	१६	३	१७	३०	कन्या	चंद्रदर्शनाम् (*१ केतुः १२।२४
३	मं	२८	३४	ह	२७	५८	शु	९	५९	ग	२८	३४	१८	४४	१६	४	१८	१	तु.५७।२७	भ. ५७।८ उ. जिल्हेज १२
४	बु	२५	४२	चि	२६	५७	शु	५	५९	वि	२५	४२	१४	[illegible]	१५	५	१९	२	तुलायां	भ. २५।४२ या. गणेश ४
५	गु	२१	५४	स्वा	२४	५३	ब्र	० १८	५३ ५०	आ	२१	५४	१०	४६	१४	६	२०	३	तुलायां	ऋषि ५
६	शु	१७	१९	वि	२२	१२	वै	३७	२४	[illegible]	१७	१९	६	४७	१३	७	२१	४	वृ.७।५२	(×बुधश्च ३२।४६ दुर्वा ८ पू.उ.शु.
७	श	११	५९	अ	१८	४८	वि	४०	३	व	११	५९	२	४८	१२	८	२२	५	वृश्चिके	भ.११ ५३ उ.३९।६या.पूर्वोदयीशुक्रः१४।२४×
८	र	६	१३	ज्ये	१४	५०	प्री	३२	२९	ब	६	१३	३० ५८	४८	१२	९	२३	६	ध.१४।५०	वक्रीमघायांशुक्रः ५१।३हस्ते १ शनिः४० १४
९	चं	०	१८	मू	१०	४८	आ	२४	४४	कौ	०	१८	५३	४९	११	१०	२४	७	धनुषि	(=१७।२५ जलझूलनी ११ ब्र. स्मा.
१०	चं	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
११	मं	४८	११	पू	६	३७	सौ	१७	१२	ध	२१	१२	४९	५०	१०	११	२५	८	म.२०।३८	भ. २१।१२ उ. ४८।११ या. मार्गीबुधः=
१२	बु	४२	३३	उ	३ ४५	५६ १९	शो	९	४१	ब	१५	२२	४५	५१	९	१२	२६	९	मकरे	अस्तंशनिः ३२।३० जलझूलनी ११ ब्र. वै.
१३	शु	३७	२०	ध	५५	५३	अ	३० २	५३ १२	कौ	९	५६	४०	५२	८	१३	२७	१०	कु.२७।२६	उफायां रवि. ५३।३७
१४	शु	३२	४५	श	५३	४३	धृ	४९	२७	ग	५	२	३६	५३	७	१४	२८	११	कुम्भे	भ. ३२।४५ उ. अनन्त १४
१५	श	२९	१४	पू	५१	५६	शू	४४	१	वि	१	०	३२	५४	६	१५	२९	१२	मी३७।२३	भ. १।० या. महालयारम्भः प्रौष्ठपदी१५

२२पं.भा.शु.६शु.इ.५२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	५	१०	४
२०	१९	८	१९	१४	९	१६	२१
४९	५१	५५	७	२७	४७	२१	१६
८	४०	८	१६	४३	१७	५७	५८
५८	३९	४० ३१	६ १३	३४ २१	७	३	५८
१२	२४	व	व	व	३	११	१३

गोचरग्रहाः

कन्यायां मिथुने मीने बृषे धनुषि वास्थितः। शनिः करोति दुर्भिक्षराज युद्ध परस्परम्। कन्या. राशिपरशनि धीरे २ रुई में तेजी

गोचरग्रहाः

२३पं.भा.शु.१४शु.इ.५२।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	५	१०	४
२७	२४	१०	१८	१०	१०	१५	२८
३७	१५	२८	२०	५५	३७	५९	५
३२	५८	२६	४९	१	५२	४२	२४
५८	३९	४२ ३८	५ १	२३ ३८	७	३	५८
२९	८	मा	व	व	१४	११	२६

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्रः
१	र	२६	४१	उ	५१	५६	गं	३९	२५	कौ	२६	४१	३० २८	५ ५४	६ ६	१६	३०	१३	मोने	
२	चं	२५	२०	रे	५२	४४	वृ	३५	४७	ग	२५	२०	२४	५५	५	१७	३१	१४	मे.५२।४४	भ. ५५।१९ उ. कन्यायामर्कः १८।४८
३	मं	२५	१९	अ	५४	४९	ध्रु	३३	६	वि	२५	१९	२०	५६	४	१८	१	१५	मेषे	भ.२५।१९या. पूफायांबुधः५४।४चतुर्थीब्र.
४	बु	२६	३०	भ	५८	१३	व्या	३१	२५	बा	२६	३०	१६	५७	३	१९	२	१६	मेषे	
५	गु	२८	५३	कृ	६०	०	ह	३०	४७	तै	२८	५३	१२	५८	२	२०	३	१७	वृ.१४।२०	(*इन्दिरा ११ ब्र. नि.
६	शु	३२	२१	कृ	२	४२	व	३१	८	ग	०	३७	८	५८	२	२१	४	१८	बृषे	भ. ३२।२१ उ.
७	श	३६	५१	रो	८	१२	सि	३२	३	वि	४	३६	४	५९	१	२२	५	१९	मि४१।४२	भ. ४।३६ या.
८	र	४१	४२	मृ	१४	१२	व्य	३३	१२	बा	९	१६	०	६ ००	६ ००	२३	६	२०	मिथुने	सिंहे भौमः ५६।११
९	चं	४६	३८	आ	२०	३२	व	३४	४२	तै	१४	१०	२९ ५५	१	५९	२४	७	२१	मिथुने	मार्गीशुक्रः ५५।२२ मातृ ९
१०	मं	५१	३२	पु	२६	४६	प	३६	१७	ध	१९	५	५१	२	५८	२५	८	२२	क.१०।१३	भ. १९।५ उ. ५१।३२ या.
११	बु	५५	४६	पु	३२	४३	शि	३६	५६	ब	२३	३९	४६	३	५७	२६	९	२३	कर्के	पूर्वास्तोबुधः ५४।२५ इंदिरा ११ ब्र. स्मा.
१२	गु	५९	६	श्ले	३७	४६	सि	३७	३१	कौ	२७	२६	४२	४	५६	२७	१०	२४	सिं३७।४६	हस्तेरविः३१।५५ उफायां बुधः ३।१५*
१३	शु	६०	०	म	४१	५६	सा	३६	५३	ग	३०	१५	३८	४	५६	२८	११	२५	सिंहे	कन्यायां बुधः ४९।५१ वक्रीउभायां ४×
१३	श	१	२५	पू	४४	४६	शु	३५	५९	ब	१	२५	३४	५	५५	२९	१२	२६	सिंहे.	भ.११।२५ उ. ३१।४४ या
१४	र	२	२५	उ	४६	२८	शु	३२	५६	श	२	२५	३०	६	५४	३०	१३	२७	कं.०।११	सर्वपितृ ३० (×गुरुः ११।१६ प्रदोषः
३०	चं	२	३	ह	४६	५७	ब्र	२९	२५	ना	२	३	२६	७	५३	१	१४	२८	कन्या	अक्टूबर मा.१० ता.३१ मातामहश्राद्धम्

२४पं.आ.कृ.६शु.इ.५२।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	११	४	५	१०	५
४	२८	१८	१७	९	११	१५	४
२७	३९	२३	२९	२	२९	३७	५५
३७	३२	५६	२४	३१	२०	२६	१७
५८	३९	९७	५७ ४७	५ २	७	३	५८
४५	१	४७	व	व	२०	११	३८

गोचरग्रहाः

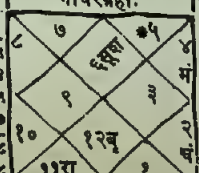

आश्विनकृष्णा२चन्द्रे कन्यायामर्कः प्र.वा.४ न. ५ प्रौढावस्था [बैठी]मु. ३० (धान्य भावसम) शुक्रोदयं पूर्वे वत्सश्च राहु रुत्तरे मूलं स्वर्गे।

गोचरग्रहाः

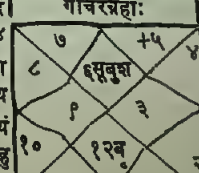

२५पं.आ.कृ.१३शु.इ.५२।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	११	४	५	१	५
११	२	०	१६	९	१२	१५	११
१९	५९	६	३४	९	२१	१५	४६
४३	२४	३६	३७	७	७	११	५५
५९	३८	४४ ३८	५ ५२	९ ७	७	३	५९
०	३६		व	मा	२०	११	५३

*५बुशुके

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०२४ स. १९५१
१	मं	०	२३	चि	४६	१३	ऐं	२४	४३	ब	०	२३	२९/२२	६/८	५/५२	२	१५	२९	तु.१६।१५	चंद्रदर्शनम् नवरात्रा.
२	मं	५७	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	बु	५३	५९	स्वा	४४	११	वै	१९	४०	तै	२५	५०	१८	८	५२	३	१६	१	तुलायां	मोहोरम १ सन् १३७१
४	गु	४९	२५	वि	४१	२५	वि	१३	२९	व	२१	४२	१४	९	५१	४	१७	२	बृ.२७।७	भ.२५/४२ उ. ४९।२५ या. हस्तेबुधः २४।४६
५	शु	४४	१४	अ	३८	२४	प्री	६/३९	५२/५०	ब	१६	४९	१०	१०	५०	५	१८	३	बृश्चिके	उपांगललिता ब्र.
६	श	३८	३३	ज्ये	३४	४३	सौ	५१	५३	कौ	११	२३	६	११	४९	६	१९	४	ध.३४।४३	हस्ते २ शनिः ५०।५१
७	र	३२	४९	मू	३०	३४	शो	४४	७	ग	५	४१	२	१२	४८	७	२०	५	धनुषि	भ३२।३९ उ.५९।४६ या. सरस्वत्यावाहनं
८	चं	२६	४३	पू	२६	२६	अ	३६	२१	ब	२६	४३	२८/५८	१२	४८	८	२१	६	म.४०।२७	सरस्वती पूजनं.
९	मं	२०	४५	उ	२२	२९	सु	२८	४४	कौ	२०	४५	५४	१३	४७	९	२२	७	मकरे	बौद्धज. सरस्वती वि. विजया १०
१०	बु	१५	९	श्र	१८	४८	धृ	२१	२३	ग	१५	९	५०	१४	४६	१०	२३	८	कु.४७।१०	भ. ४२।३५ उ. विजया १०
११	गु	१०	२	ध	१५	३३	शू	१४	२४	वि	१०	२	४६	१५	४५	११	२४	९	कुंभे	भ. १०।२ या. चित्रायां रविः १।५३*
१२	शु	५	३१	श	१३	११	गं	८	०	बा	५	३१	४२	१६	४४	१२	२५	१०	मी५६।५२	प्रदोषः ताजिया
१३	श	२	५	पू	११	२५	वृ	२/१८	५५/६	तै	२	५	३८	१६	४४	१३	२६	११	मीने	भ. ५९।३८ उ. (×०।५ पापांकुशा ११ब्र.
१४	श	५७	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः (*चित्रायांबुधः ५४/४६ पूफायां शुक्रः×
१५	र	५८	२०	उ	१०	४८	व्या	५३	३०	वि	२८	५९	३४	१७	४३	१४	२७	१२	मीने	भ. २८५९ या. शरत्पूर्णिमा

२६पं.आ.शु.५शु.इ.५२।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	११	४	५	१०	५
१८	७	१२	१५	११	१३	१४	१८
१३	१७	४२	३८	३	१२	५२	४०
३१	५३	३२	१३	२२	५४	५६	१२
५९	३८	[illegible]	७	२२	७	३	५९
१६	२०	[illegible]	५२	५३	२०	११	९

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में पीड़ा व्यापार में घटबढ़ धान्य भाव सामान्य मूंग मोंठ बाजरा चूंला मंदासोना चांदीतेज

गोचरग्रहाः

२७पं.आ.शु.१२शु.इ.५१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	११	४	५	१०	५
२५	११	२५	१४	१४	१४	१४	२५
९	३५	१	४२	२३	४	३०	३५
१४	२४	३७	५८	१७	३७	४०	७
५९	३८	[illegible]	७/४१	३३	७	३	५९
३१	७	[illegible]	ब	५५	१४	११	२१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आविश्नकृष्णेतिमहा.
१	चं	५८	२६	रे	११	२३	ह	५०	४१	बा	२८	२३	२८/३०	६/१८	५/४२	१५	२८	१३	मे.११।२३	तुलायांबुधः ४०।० पूयाभौमः ३६।३९
२	मं	५९	३६	अ	१२	४९	व	४८	३२	तै	२९	१	२६	१९	४१	१६	२९	१४	मेषे	
३	बु	६०	०	भ	१६	१५	सि	४७	३३	व	३०	२४	२२	२०	४०	१७	३०	१५	बृ.३२।१८	भ. ३०/२४ उ. तुलायामर्कः ४४/३७ उदयीशनिः २३/७
३	गु	१	१२	कृ	२०	२८	व्य	४६	५४	वि	१	१२	१८	२०	४०	१८	१	१६	वृषे	भ. १।१२ या. चतुर्थी ब्र.
४	शु	५	३९	रो	२५	४३	व	४८	८	बा	५	३९	१४	२१	३९	१९	२	१७	मि५८।३६	स्वात्यां बुधः ४६।४६
५	श	१०	१४	मृ	३१	२९	प	४९	१७	तै	१०	१४	१०	२२	३८	२०	३	१८	मिथुने	
६	र	१५	१०	आ	३७	५८	शि	५०	३५	व	१५	१०	६	२३	३७	२१	४	१९	मिथुने	भ. १५।१० उ. ४२।४१ या.
७	चं	२०	१३	पु	४४	२१	सि	५१	५४	ब	२०	१३	२	२४	३६	२२	५	२०	क.२७।४५	होई ८
८	मं	२५	१२	पु	५०	१८	सा	५३	७	कौ	२५	१२	२७/५८	२४	३६	२३	६	२१	कर्के	
९	बु	२९	३२	श्ले	५५	४६	शु	५३	२५	ग	२९	३२	५४	२५	३५	२४	७	२२	सिं५५।४९	स्वात्यां रविः ३५/३७ वक्री उभायां ३ गुरुः १४/३१
१०	गु	३२	५४	म	६०	०	शु	५३	०	व	१	१३	५०	२६	३४	२५	८	२३	सिंहे	भ. १।१३ उ. ३२।५४ या.
११	शु	३५	१२	म	०	२	ब्र	५१	४१	ब	४	३	४६	२७	३३	२६	९	२४	सिंहे	रमा ११ ब्र.
१२	श	३६	२३	पू	३	२२	ऐं	४९	२९	कौ	५	४७	४२	२८	३२	२७	१०	२५	कं.१८।४६	विशाखायां बुधः ५९।१५ गोवत्स पू.
१३	र	३६	१०	उ	४	५८	वै	४६	१३	ग	६	१७	३८	२८	३२	२८	११	२६	कन्या	भ. ३६/१० उ. प्रदोषः धन १३ यमदीपदानं
१४	चं	३४	३४	ह	५	५१	वि	४२	०	वि	५	२२	३४	२९	३१	२९	१२	२७	तु.३५।३७	भ. ५।२२ या. उफायां शुक्रः ४९/४२ रूप १४
३०	मं	३१	५२	चि	५	२४	प्री	३६	४७	च	३	१३	३१	३०	३०	३०	१३	२८	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.४शु.इ.५१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	११	४	५	१०	६
२	१५	६	१३	१८	१४	१४	२
६	४९	४८	५०	४९	५५	८	३१
४३	५९	३२	५३	५९	१९	२५	३५
५९	३७	[illegible]	७/१०	४२	७	३	५९
४६	४३	[illegible]	ब	१३	८	११	३४

गोचरग्रहाः

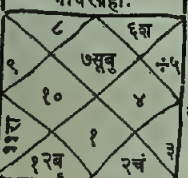

कार्तिक कृष्ण ३ बुधे तुलायामर्कः प्र.वा.३न.४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव समं) शुक्रोदयं पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

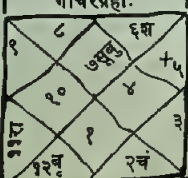

२९पं.का.कृ.११शु.इ.५१।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	११	४	५	४	६
९	२०	१८	१३	२४	१५	१३	९
६	२	९	३	१५	४५	४६	२९
५	२०	२९	२५	४३	०	१०	५४
६०	३७	९८	६/२०	४८	६	३	५९
२	३०	३	ब	३७	५६	११	४७

*५केमंशु ÷५शुकेमं (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×५मंशुके +५मंशुके

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०५३सन्१९५१
१	बु	२८	१३	स्वा	३	४८	आ	३०	४७	किं	००	१३	२७/२७	६/३१	५/२९	३१	१४	२९	वृ.४६।५६	अन्नकूटं
२	गु	२३	४४	वि	१/१९	५७/४३	सौ	२४	५	कौ	२३	४४	२३	३१	२९	१	१५	३०	वृश्चिके	नवंबर मा. ११ ता. ३० चंद्र. यम२भ्रातृ२
३	शु	१८	३८	ज्ये	५४	२९	शो	१६	५९	ग	१८	३८	२०	३२	२८	२	१६	१	ध.५४।२९	भ. ४५।५० उ. कन्यायां शुक्रः २७।१६*
४	श	१३	३	मू	५०	२८	अ	९	२४	वि	१३	३	१६	३३	२७	३	१७	२	धनुषि	भ.१३/३ या. वृश्चिकेबुधः २७/२ हस्ते ३शनिः ५२/३९
५	र	७	१५	पू	४६	२९	सु	१/३९	५२/९	बा	७	१५	१३	३३	२७	४	१८	३	धनुषि	शते २ राहुः मघायां ४ केतु ४।५७
६	चं	१	२१	उ	४२	२०	शू	४६	५	तै	१	२१	९	३४	२६	५	१९	४	म.०।२७	भ. ५५।२५ उ. मैत्रे बुधः ३१।४१
७	चं	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः (*पश्चिमास्तं बुधः५६।४२ सफर२
८	मं	४९	३५	श्र	३८	३१	गं	३८	३१	वि	२२	३०	६	३५	२५	६	२०	५	मकरे	भ.३२/३० या. विशाखायांरविः ४३।२गोपा८
९	बु	४४	५५	ध	३५	११	वृ	३१	२३	बा	१७	१५	३	३५	२५	७	२१	६	कु.६।५१	उफाय. भौमः ९।२४ [illegible] ९ कुम्भांड ९
१०	गु	४०	३५	श	३२	२७	ध्रु	२४	४५	तै	१२	४५	२६/५९	३६	२४	८	२२	७	कुम्भे	
११	शु	३७	१	पू	३०	३०	व्या	१८	४७	व	८	४८	५६	३७	२३	९	२३	८	मी१५।५९	भ. ८।४८ उ. ३७।१ या. प्रबोधिनी ११ ब्र.
१२	श	३४	४९	उ	२९	४०	ह	१३	३७	ब	५	५५	५२	३८	२२	१०	२४	९	मीने	मन्वादिः
१३	र	३३	३७	रे	२९	५७	व	९	२५	कौ	४	१३	४९	३८	२२	११	२५	१०	मे.२९।५७	प्रदोषः बैकुंठ १४ (×का.स्ना.पूर्तिः
१४	चं	३३	४९	अ	३१	१९	सि	६	७	ग	३	४३	४६	३९	२१	१२	२६	११	मेषे	भ. ३३।४९ उ. कन्यायां भौमः ३५।२९
१५	मं	३५	९	भ	३४	१३	व्य	३	४६	वि	४	२९	४३	३९	२१	१३	२७	१२	वृ.५०।१३	भ.४।२९या. हस्तेशुक्रः३।४३पुष्करयात्रा×

३०पं.का.शु.३शु.इ.५१।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	११	५	५	१०	६
१६	२४	२९	१२	०	१६	१३	१६
७	११	२	२२	२१	३३	२३	२९
९	३८	५३	३७	३२	१४	५४	७०
६०	३७	९६	५/२३	५३	६	३	६०
१८	११	१७	व	२६	३८	११	४

गोचरग्रहाः

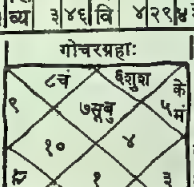

कन्या राशि पर शनि मंगल का योग रुई में १००)१२५)की तेजी का योग है यह योग सं१९८०में हुआ था तब३००)कीतेजी

गोचरग्रहाः

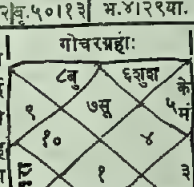

३१पं.का.शु.११शु.इ.५१।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	११	५	५	१०	६
२३	२८	९	११	६	१७	१३	२३
९	१९	३१	४९	५६	१९	१	३१
४७	१६	५२	३४	५६	३४	३९	२
६०	३६	९४	३/२	५७	६	३	६०
३०	४८	५०	व	२२	२६	११	१७

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२००८ शाकः १८७३												दि.	अ.	उ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहा.
१	बु	३७	४४	कृ	३८	१३	ध	२	२२	बा	६	२६	२६/४०	६/४०	५/२०	१४	२८	१३	वृषे	ज्येष्ठायां बुधः ५९।३७
२	गु	४१	२८	रो	४३	१५	प	१	५५	तै	९	३६	३७	४१	१९	१५	२९	१४	वृषे	
३	शु	४६	५	मृ	४९	३	शि	२	५६	व	१३	४६	३४	४१	१९	१६	३०	१५	मि१६।९	भ. १३।४६ उ. ४६।५ या. वृश्चिकेऽर्कः ३७/३०
४	श	५१	६	आ	५५	२२	सि	३	१७	ब	१८	३५	३१	४२	१८	१७	१	१६	मिथुने	चतुर्थी ब्र.
५	र	५६	१७	पु	६०	०	सा	४	३१	कौ	२३	४१	२९	४२	१८	१८	२	१७	क.४५।१०	
६	चं	६०	०	पु	१	४६	शु	५	४९	ग	२८	४९	२६	४३	१७	१९	३	१८	कर्के	अनु. रवि. ५५।८
६	मं	१	२१	पु	७	४९	शु	६	५१	व	१	२१	२४	४३	१७	२०	४	१९	कर्के	भ.१।२१उ.३३।३२या. पातस्पर्शः५।२६*
७	बु	५	४३	श्ले	१३	२३	ब्र	७	१२	ब	५	४३	२१	४४	१६	२१	५	२०	सिं१३।२३	भैरवजयन्ती
८	गु	९	१०	म	१७	५८	ऐं	७	१२	कौ	९	१०	१८	४४	१६	२२	६	२१	सिंहे	(*पातमोक्षः १९।५४
९	शु	११	२९	पू	२१	२५	वै	६	१६	ग	११	२९	१६	४५	१५	२३	७	२२	कं.३६।५८	भ. ४२।३ उ.
१०	श	१२	३७	उ	२३	३७	वि	४	१४	वि	१२	३७	१३	४५	१५	२४	८	२३	कन्या	भ. १२।३७ या. धनुषि बुधः ४३।२४
११	र	१२	२१	ह	२४	३९	प्री	१/१३	५५/५७	बा	१२	२१	११	४६	१४	२५	९	२४	तु.५४।३३	चित्रायांशुक्रः ४८।५० उत्पत्ति ११ ब्र.
१२	चं	१०	४७	चि	२४	२८	सौ	५२	११	तै	१०	४७	८	४६	१४	२६	१०	२५	तुलायां	प्रदोष
१३	मं	८	७	स्वा	२३	१	शो	४६	२०	व	८	७	६	४७	१३	२७	११	२६	तुलायां	भ. ८।७ उ. ३६।१९ या.
१४	बु	४	३२	वि	२०	४८	अ	३९	४८	श	४	३२	३	४७	१३	२८	१२	२७	वृ.६।२१	
३०	बु	५५	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः

३२पं.मा.कृ.३शु.इ.५१।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	११	५	५	१०	७
०	२	१९	११	१३	१८	१२	०
१३	२२	३१	२५	५६	३	३९	३३
५२	३४	३०	५५	४९	२५	२३	४७
६०	३६	९२	३/२	६०	६	३	६०
४०	१६	१२	व	१९	११	११	३०

गोचरग्रहाः

मार्गशीर्ष कृष्ण३ शुक्रे वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३ न.३ वृद्धावस्था (बैठी मु.३०[धान्यभावसम शुक्रोदयं पूर्वे वत्सो दक्षिणे राहुः ।

गोचरग्रहाः

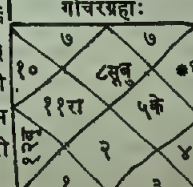

३३पं.मा.कृ.९शु.इ.५०।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	११	५	५	१०	७
७	६	२८	११	२१	१८	१२	७
१९	२४	४३	१०	१६	४५	१७	३७
२६	२२	५२	५५	४४	०	८	४४
६०	३५	८६	३/३५	६२	५	३	६०
५३	४७	५४	व	४०	४३	११	४२

*६चंमंशश

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ	इ.	हि.	मु.	चंन्द्रः	हिमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०८२ स. १९५१
१	गु	५४	५१	अ	१७	५४	सु	३२	४२	किं	२७	२५	२६ ००	६ ४८	५ १२	२९	१३	२८	बृश्चके	
२	शु	४९	२३	ज्ये	१४	१२	धृ	२५	७	बा	२२	७	२५ ५८	४९	११	३०	१४	२९	ध. १४।१२	चंद्रदर्शनम् हस्ते भौमः १०।५८
३	श	४३	३९	मू	१०	१३	शू	१७	२४	तै	१६	३१	५६	४९	११	१	१५	१	धनुषि	तुलायांशुक्रः ५३/३६ मार्गीगुरुः १४/३७ रविलावल*
४	र	३७	४९	पू	६	११	गं	९	३९	व	१०	४४	५४	५०	१०	२	१६	२	म. २०।८	भ. १०।४४ उ. ३७।४९ या.
५	चं	३१	५९	उ	२/१	५६/३	वृ	५३	५२/१८	ब	४	५४	५२	५०	१०	३	१७	३	मकरे	ज्येष्ठायां रविः २।७
६	मं	२६	३३	ध	५४	४०	व्या	४६	५३	तै	२६	३३	५१	५०	१०	४	१८	४	कु. २६।२२	चंपा ६ (*३ दिसंबर मा. १२ ता. ३१
७	बु	२१	४३	श	५१	४६	ह	३९	५०	व	२१	४३	४९	५१	९	५	१९	५	कुम्भे	भ. २१।४३ उ. ४९।३५ या.
८	गु	१७	२७	पू	४९	४१	व	३३	३९	ब	१७	२७	४७	५१	९	६	२०	६	मी ३५।१२	(×हस्ते ४ शनिः १९।२२
९	शु	१४	११	उ	४८	३८	सि	३८	१६	कौ	१४	११	४६	५१	९	७	२१	७	मीने	स्वात्यां शुक्रः ४९।४२
१०	श	११	५५	रे	४८	३७	व्य	२३	४१	ग	११	५५	४४	५१	९	८	२२	८	मे. ४८।३७	भ. ४१।२२ उ. वक्रीबुधः २४।४८×
११	र	१०	५०	अ	४९	४२	व	२०	४	वि	१०	५०	४३	५२	८	९	२३	९	मेषे	भ. १०।५० या. मोक्षदा ११ ब्र.
१२	चं	११	८	भ	५२	२०	प	१७	२३	बा	११	८	४२	५२	८	१०	२४	१०	मेषे	प्रदोषः
१३	मं	१२	४२	कृ	५६	२	शि	१५	४१	तै	१२	४२	४१	५२	८	११	२५	११	वृ. ८।१५	पश्चिमास्तो बुधः ४/६ पिशाचमोचन श्रा.
१४	बु	१५	२३	रो	६०	०	सि	१४	४१	व	१५	२३	४०	५२	८	१२	२६	१२	बृषे	भ. १५।२३ उ. ४७।२१ या. श्रीदत्तजयंती
१५	गु	१९	२०	रो	०	५४	सा	१५	५	ब	१९	२०	३९	५२	८	१३	२७	१३	मि ३३।४५	

३४पं.मा.शु.२शु.इ.५०।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१७	५	८	११	५	५	१०	७
२४	१०	६	११	२८	१९	११	१४
१६	२३	११	७	५२	२३	५४	४३
६१	२४	१७	३४	१६	१७	५३	४
६१	३५	६८	०/४	६४	५	३	६०
३	२५	१७	ब	३१	१३	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में सुख शांति रस कस तेज बुधे पंच रस क्षयः मूंग मोंठ बाजरा गेहूं जो चणा मंदा ।

गांचरग्रहाः

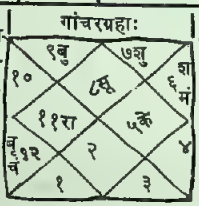

३५पं.मा.शु.९ शु.इ.५०।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	११	६	५	१०	७
२१	१४	८	११	६	१९	११	२१
३३	१७	५६	१३	४०	५७	३२	४९
५८	४६	४२	४४	४८	४०	३७	२०
६१	३४	७	१/६	६६	४	३	६०
११	४९	५१	मा	०	५०	११	५६

ति.	पौष कृष्णपक्ष सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंन्द्रः	हिमंतर्तु रविदक्षिणे मार्गकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२४	१	मृ	६	३७	शु	१५	५१	कौ	२४	१	२५ ३८	६ ५२	५ ८	१४	२८	१४	मिथुने	
२	श	२९	८	आ	१२	४९	शु	१७	२	ग	२९	८	३८	५२	८	१५	२९	१५	मिथुने	
३	र	३४	१९	पु	१९	८	ब्र	१८	१३	व	१	४३	३७	५३	७	१६	३०	१६	क. २।३३	भ. १।४३उ. ३४।१९या. धनुष्यर्कः ५।५२
४	चं	३९	२१	पु	२५	२५	ऐं	१९	१७	ब	६	५०	३७	५३	७	१७	१	१७	कर्के	वक्री ज्येष्ठायां वृश्चिके च बुधः २७।२*
५	मं	४३	५२	श्ले	३१	९	वै	२०	१०	कौ	११	३६	३७	५३	७	१८	२	१८	सिं ३१।९	*चतुर्थी व्रत
६	बु	४७	९	म	३५	५३	वि	२०	१	ग	१५	३०	३६	५३	७	१९	३	१९	सिंहे	भ. ४७।९उ. विशाखायांशुक्रः २५।६
७	गु	४९	२५	पू	३९	४०	प्री	१९	२४	वि	१८	१७	३६	५३	७	२०	४	२०	कं. ५५।२०	भ. १८।१७ या.
८	शु	५०	२८	उ	४२	२२	आ	१७	३५	बा	१९	५६	३६	५३	७	२१	५	२१	कन्या	
९	श	५०	१३	ह	४३	२८	सौ	१४	५६	तै	२०	२०	३६	५३	७	२२	६	२२	कन्या	उत्तरायण प्रवृत्तिः ३५।२८
१०	र	४८	३६	चि	४३	३२	शो	११	७	व	१९	२४	३६	५३	७	२३	६	२३	तु. १३।३०	भ. १९/२४ उ. ४८/३६ या. पूर्वोदयीबुधः ८।१०
११	चं	४५	५४	स्वा	४२	२५	अ	६	२५	ब	१७	१५	३७	५३	७	२४	८	२४	तुलायां	चित्रायांभौमः २३/९ सफला ११ ब्र. स्मा.वै.
१२	मं	४२	२४	वि	४०	१९	सु	५४	०/४५	कौ	१४	९	३७	५३	७	२५	९	२५	बृ. २५।५१	सफला ११ ब्र. नि.
१३	बु	३७	५१	अ	३७	२४	शू	४७	३६	ग	१०	०	३७	५३	७	२६	१०	२६	बृश्चिके	भ. ३७।५१ उ. मार्गीबुधः ५।११ प्रदोषः
१४	गु	३२	४०	ज्ये	३४	३	गं	४०	१७	वि	५	१५	३८	५२	८	२७	११	२७	ध. ३४।३	भ. ५।१५ या. बृश्चिके शुक्रः ५८।१७
३०	शु	२७	११	मू	३०	१०	वृ	३२	३८	ना	२७	११	३८	५२	८	२८	१२	२८	धनुषि	अमावस्या

३६पं.पौ.कृ.१शु.इ.५०।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	११	६	५	४	७
२८	१८	३	११	१४	२०	११	२८
४२	८	५४	२९	३८	२८	१०	५६
४१	१०	२५	४९	१०	३७	२२	५
६१	३४	८९/४१	२	६७	४	३	६१
१९	६	ब	२९	२०	१४	११	०

३७पं.पौ.कृ.८ शु.इ.५०।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	११	६	५	१०	८
५	२१	२५	११	२२	२०	१०	६
५२	५४	२०	५५	४५	५५	४८	३
७	४०	१०	५२	३६	२६	६	३६
६१	३३	५४/८	३	६८	३	३	६१
२२	२६	ब	५३	२५	३४	११	५

३८पं.पौ.कृ.३०शु.इ.४९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	११	७	५	१०	८
१३	२५	२२	१२	०	२१	१०	१३
२	३५	५२	३१	५९	१६	२५	११
०	३१	५२	५	३१	१२	५१	३१
६१	३२	२४/५६	५	६९	२	३	६१
२६	३५	मा	४	१०	५२	११	६

*६मंशुश

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६११२स.१९५१
१	श	२१	२९	पू	२६	७	ध्रु	२४	४६	व	२१	२९	२५/३९	६/५२	५/८	२९	१३	२९	म.४०।५	पूषाया रविः ७।२७
२	र	१५	३७	उ	२१	५८	ष्या	१६	५९	कौ	१५	३७	४०	५२	८	३०	१४	३०	मकरे	चंद्रदर्शनम् मैत्रे शुक्रः ५१।४७
३	चं	९	५१	श्र	१८	०	ह	९	१६	ग	९	५१	४०	५२	८	३१	१५	१	कुं.४६।१४	भ. ३७।८ उ. रविलाखर ४
४	मं	४	२५	ध	१४	२९	व	४४	५२/५९	वि	४	२५	४१	५२	८	१	१६	२	कुंभे	भ. ४।२५ उ. ५२।५९ जनवरी मा. १×
५	मं	५५	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ×ता. ३१ सन् १९५२
६	बु	५५	३८	श	११	२३	व्य	४८	१४	कौ	२७	३७	४२	५२	८	२	१७	३	मी५४।४५	
७	गु	५२	२४	पू	९	१२	व	४२	२७	ग	२४	१	४३	५१	९	३	१८	४	मीने	भ. ५२।२४ उ.
८	शु	५०	२०	उ	८	८	प	३७	३४	वि	२१	२२	४४	५१	९	४	१९	५	मीने	भ. २१।२२ या.
९	श	४९	१८	रे	७	३५	शि	३३	४१	बा	१९	४९	४५	५१	९	५	२०	६	मे.७।३५	उभायां४ गुरुः ४२/४५ शते१ राहुः मघायां३+
१०	र	४९	४५	अ	८	३१	सि	३०	३८	तै	१९	३१	४७	५१	९	६	२१	७	मेषे	तुलायां भौमः २५।५९
११	चं	५१	२५	भ	१०	४०	सा	२८	३५	व	२०	३५	४८	५०	१०	७	२२	८	वृ.२६।३३	भ.३०/३५ उ.५१/२५ या. धनुषि बुधः ५/३८ पुत्रदा=
१२	मं	५४	११	कृ	१४	११	शु	२७	३१	ब	२२	४८	५०	५०	१०	८	२३	९	वृषे	पुत्रदा ११ ब्र. नि. =११ब्र. स्मा. वै.
१३	बु	५८	१७	रो	१८	४६	शु	२७	३५	कौ	२६	१४	५२	५०	१०	९	२४	१०	मि५१।३२	प्रदोषः +केतुः ५७।४१
१४	गु	६०	०	मृ	२४	१९	ब्र	२८	१	ग	३०	४०	५४	४९	११	१०	२५	११	मिथुने	ज्येष्ठायां शुक्रः ५६।४१
१४	शु	३	३	आ	३०	२८	ऐं	२९	६	व	३	३	५६	४९	११	११	२६	१२	मिथुने	भ.३।३ उ.३५/३७ या. उषायां रविः ८।५७
१५	श	८	१२	पु	३६	५५	वै	३०	१५	व	८	१२	५८	४८	१२	१२	२७	१३	क.२०।१८	माघस्नानारंभः

३९पं.पौ.शु.८शु.इ.४९।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	११	७	५	१०	८
२०	२९	२७	१३	९	२१	१०	२०
११	८	२०	१४	१९	३४	३	१९
५८	५६	२१	३१	५	३७	३६	४०
६१	३१	७०	६	७०	२	३	६१
२६	५२	२८	१३	०	१०	११	६

गोचरग्रहाः

इस मास का फल सामान्य है धान्य भाव मंदा वस्त्र तेज केशर कपूर और सुगंधित वस्तु तेज होंगी।

गोचरग्रहाः

४०पं.पौ.शु.१४शु.इ.४९।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	११	७	५	१०	८
२७	२	५	१४	१७	२१	९	२७
२१	३५	४	६	४२	४६	४१	२७
४९	२४	२३	२२	३२	५२	२०	४३
६१	३०	८३	७	७०	१	३	६१
२४	२४	१६	११	३८	२९	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१३	३०	पु	४३	९	वि	३१	२६	कौ	१३	३०	२६/५	६/४८	५/१२	१३	२८	१४	कर्क	
२	चं	१८	२६	श्ले	४९	२४	प्री	३२	२६	ग	१८	२६	३	४७	१३	१४	२९	१५	सिं४९।२४	भ. ५०।३९ उ. मकरेऽर्कः २४।२४
३	मं	२२	५२	म	५४	४	आ	३२	३६	वि	२२	५२	६	४७	१३	१५	१	१६	सिंहे	भ. २२।५२ या. चतुर्थी ब्र.
४	बु	२६	७	पू	५८	१०	सौ	३२	८	बा	२६	७	८	४६	१४	१६	२	१७	सिंहे	
५	गु	२८	२०	उ	६०	०	शो	३०	४८	तै	२८	२०	१०	४६	१४	१७	३	१८	कं.१३।४४	
६	शु	२९	१९	उ	०	२८	अ	२८	२४	व	२९	१९	१२	४६	१४	१८	४	१९	कन्यायां	भ.२९।१९ उ.५९।७या. पूषायां बुधः ११/३५
७	श	२८	५५	ह	२	३१	सु	२५	३	ब	२८	५५	१४	४५	१५	१९	५	२०	तु.३३।१२	
८	र	२७	१५	चि	३	५४	धृ	२०	५१	कौ	२७	१५	१७	४५	१५	२०	६	२१	तुलायां	अभि. प्र. रविः ५५/४१ स्वात्यां भौमः २५/३२×
९	चं	२४	२८	स्वा	२	६	शू	१५	३३	ग	२४	२८	१९	४४	१६	२१	७	२२	वृ.४५।४७	भ. ५२।३८ उ. पातमोक्षः ६।१३
१०	मं	२०	४८	वि	२१/०	५७/१४	गं	९	२७	वि	२०	४८	२२	४४	१६	२२	८	२३	वृश्चिके	भ. २०।४८ या. धनुषि शुक्रः ३।४०
११	बु	१६	१६	ज्ये	५४	१४	वृ	२/१	५२/४९	बा	१६	१६	२४	४३	१७	२३	९	२४	ध.५४।१४	पट्तिल ११ ब्र. ×पातस्पर्शः ५२।३९
१२	गु	१०	५९	मू	५०	३१	व्या	४८	२	तै	१०	५९	२७	४३	१७	२४	१०	२५	धनुषि	श्रवणे रविः ११।४१ प्रदोषः
१३	शु	५	२४	पू	४६	२७	ह	४०	१४	व	५	२४	३०	४२	१८	२५	११	२६	धनुषि	भ.५।२४ उ.३२/३३ अभि. नि. रविः ३।५७=
१४	शु	५४	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः =वक्री शनिः ९।२६
३०	श	५३	५१	उ	४२	१८	व	३२	२६	च	२६	४७	३३	४१	१९	२६	१२	२७	म.०।२५	मौनी ३०

४१पं. मा.कृ.६शु.इ.४९।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	११	७	५	१०	९
४	५	१४	१५	२६	२१	९	४
३१	५३	१६	५	९	५४	१९	३५
१७	१७	२३	२४	२४	०	५	३४
६१	२९	८८	८	७१	०	३	६१
१८	१३	३७	२३	१२	४७	११	३

गोचरग्रहाः

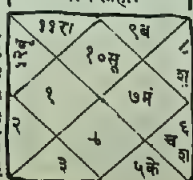

माघ कृ.२ चंद्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३कुमारावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयः पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

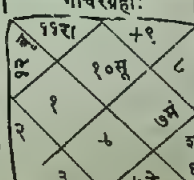

४२पं.मा.कृ.१३शु.इ.४९।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	११	८	५	१०	९
११	९	२४	१६	४	२१	८	११
४०	३	१८	११	३९	५५	५६	४२
८	४७	०	२०	५८	४४	५०	४६
६१	२७	९२	९	७१	०	३	६०
१३	५४	१५	११	३७	च	११	५९

८.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३							दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	र	४८	११	अ	३८	२०	सि	२४	४६	किं	२१	१	३६	४१	१५	२७	१३	२८	मकरे
२	चं	४२	३७	ध	३४	३९	व्य	१७	२४	बा	१५	२४	३९	४०	२०	२८	१४	२९	कु.६।२९
३	मं	३८	७	श	३१	३९	प	९	५२	तै	१०	२२	४२	४०	२०	२९	१५	१	कुम्भे
४	बु	३४	३	पू	२९	१५	सि	५२	१९	व	६	५	४५	३९	२१	३०	१६	२	मी.१४।५९
५	गु	३१	२	उ	२७	२९	सा	४७	५७	तै	२८	५६	५२	३८	२२	३१	१७	३	मीने
६	शु	२८	५६	रे	२७	२	सा	४७	५५	व	२८	३	५५	३७	२३	३	१९	५	मेषे
७	श	२८	३	अ	२७	४४	शु	४३	५५	व	२८	४५	५९	३६	२४	३	२०	६	वृ.४५।२४
८	र	२८	४५	भ	२९	३५	शु	४२	६	ब	२८	४५	५९	३६	२४	३	२०	६	वृषे
९	चं	३०	२०	कृ	३२	५२	ब्र	४१	९	को	३०	२०	२७	३६	२४	४	२१	७	वृषे
१०	मं	३३	१९	रो	३७	९	मृ	४०	५३	ते	१	४९	३	३५	२५	५	२२	८	वृषे
११	बु	३७	२०	मृ	४२	३०	वै	४०	५०	व	५	१९	९	३४	२६	६	२३	९	मि.९।४९
१२	गु	४२	११	आ	४८	३३	वि	४१	५०	ब	९	४५	१३	३३	२७	७	२४	१०	मिथुने
१३	शु	४७	२१	पु	५४	५४	प्री	४३	५	को	१४	४६	१६	३३	२७	८	२५	११	क.३८।१९
१४	श	५२	३५	पु	६०	०	आ	४४	२५	ग	१९	५८	२०	३२	२८	९	२६	१२	कर्के
१५	र	५७	२७	पु	१	२१	सौ	४५	२३	वि	२५	१	२३	३१	२९	१०	२७	१३	कर्के

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६१४१ स. १९५२

उषाया बुधः २२।१०

चंद्रवर्शनम् रेवत्यां १ गुरुः ५७।७

मकरे बुधः ३६।४७ जमादिलावल ५

भ. ६।५ उ. ३४।३ या. तिल ४

वसंत ५

फरवरी मा. २ ता. २९ पू.शुक्रः ५६।५२

भ.२६उ ५६या.पूर्वस्तोवुध ५१पाउ.१६×

भीष्माष्टमी ×पातमोक्षः ३१ रथ

श्रवणे बुधः ५१।४

भ. ५।१९ उ. ३७।२० या. धनिष्ठायां=

भीष्म १२ =रविः १३ जया११ब्र.

प्रदोषः

भ. ५२।३५ उ.

भ. २५।१ या. चन्द्रग्रहणम

४३पं.मा.शु.६शु.इ.४९।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	९	११	८	५	१०	९
१८	१२	१५	१७	१३	२१	९	१८
४८	१	९	२२	११	५२	३४	४९
८	४४	४०	४१	४२	१२	३४	१९
६०	२५	२६	९	७३	५८	३	६०
४	४९	११	५५	२	४	११	५५

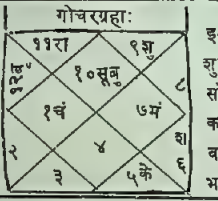

इस मास में बुध शुक्र का योग होगा सो रुई चांदी मदी करेगा और कहीं२ वर्षा करेगा धान्य भाव मंदीकारक है

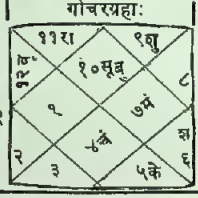

४४पं.मा.शु.१३शु.इ.५०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	११	८	५	१०	९
२५	१४	१६	१८	२१	२१	८	२५
५४	४७	१४	४१	४५	४३	१२	५५
५६	१३	३१	२	५८	३७	९	२०
६०	२३	०	१०	७२	३३	३	६०
५५	४८	५९	४०	२०	४	११	३७

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३							दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	चं	६०	०	श्रे	७	५४	शो	४५	५५	बा	२९	३५	३७	३९	२९	११	२८	१४	स७।४५
१	मं	१	४३	म	१२	३४	अ	४५	४८	कौ	१	४३	३०	३०	३०	१२	२९	१५	सिंहे
२	बु	५	१	पू	१६	५२	सु	४४	४५	ग	५	१	३४	२९	३१	१३	१	१६	कं.३२।४०
३	गु	७	२	उ	२०	५	धृ	४२	४७	वि	७	२	३८	२८	३२	१४	२	१७	कन्यायां
४	शु	७	५०	ह	२१	४२	शू	३९	४६	ना	७	५०	४२	२८	३२	१५	२	१८	तु.५२।८
५	श	७	१९	चि	२२	३४	गं	३५	४४	तै	७	१९	४६	२७	३३	१६	४	१९	तुलायां
६	र	५	३४	स्वा	२२	२	ध्रु	३०	१३	व	५	३४	५०	२६	३४	१७	५	२०	तुलायां
७	चं	२	३७	वि	२०	२१	ध्रु	२५	१०	ब	२	३७	५४	२५	३५	१८	६	२१	वृ.५।४६
८	चं	५६	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	मं	५४	३	अ	१७	४७	ज्या	१८	४७	तै	२६	२३	५८	२४	३६	१९	७	२२	वृश्चिके
१०	बु	४८	४९	ज्ये	१४	३६	ह	११	५१	व	२१	२६	२३	२४	३६	२०	८	२३	व.१४।३६
११	गु	४३	११	मू	११	३	ष	१५	२४	न	१६	०	६	२३	३७	२१	९	२४	धनुपि
१२	शु	३७	२४	पू	७	३	व्य	४८	५५	को	१०	१७	१०	२२	३८	२२	१०	२५	म.२१।१
१३	श	३१	३२	उ	५६	५६	व	४१	११	ग	४	२८	१४	२१	३९	२३	११	२६	मकरे
१४	र	२६	५	ष	५५	१२	प	३३	३४	श	२६	५	१८	२०	४०	२४	१२	२७	कु.२७।६
३०	चं	२०	६३	श	५१	५७	शि	२६	१३	ना	२०	३३	२२	२०	४०	२५	१३	२८	कुम्भे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

कुम्भेऽर्कः ५१।२९ उषायां शुक्रः ४७।४४

भ. ३६।१ उ. धनिष्ठायां बुधः ७।३९

भ. ७।२ या. चतुर्थी ब्र.

मकरेशुक्रः ३३ रेवत्यां२ गुरुः ३४ पा.३६•

कुम्भे बुधः ५३।२४

भ ५।३४ उ. ३४।५ या.

सीताष्टमी •पातमोक्षः ५७।२८

क्षयः +महाशिव.ब्र.स्मा. प्रदोषः

शते रविः २६।५०

भ.२१।२६ उ.३६या. शते बुधः४२।१६

विजया ११ ब्र स्मा. वै.

विजया ११ ब्र. नि.

भ.३३ उ.५८।४८ या. श्रवणे शुक्रः ३४+

विशाखायां भौमः ३५ महाशिवरात्री वै.

सूर्यग्रहणम्

४५पं.फा.कृ.४शु.इ.५०।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	११	९	५	१०	१०
३	१७	२८	२०	०	२१	७	३
०	१९	८	३	२१	३०	५०	०
५९	३४	१७	४	४	४	४	५
६०	२०	०	११	७२	३	३	६०
४२	५७	५९	१८	३८	४	११	३७

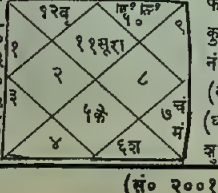

फाल्गुन कृ.२भौमे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ नं. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्याभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वं.।

४६पं.फा.कृ.१२शु.इ.४०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	११	९	५	१०	१०
१०	१९	१०	२१	८	२१	७	१०
५	३३	४२	२९	५६	११	२७	३
३१	४७	२२	३१	५३	५६	४८	३५
६०	१८	०	११	७२	५	३	६०
३१	७	५९	५६	५६	४	११	२५

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ६१७१ स.१९५२
१	मं	१५	४०	पू	४९	२१	सि	१९	२०	ब	१५	४०	२६	६ १९	५ ४१	२६	१४	२९	मी३५।०	चन्द्रद. •पातस्पर्शः ५६ ५२ फुल्लरिया २
२	बु	११	४७	उ	४७	२८	सा	१३	१२	कौ	११	४७	३०	१८	४२	२७	१५	१	मीने	जमादिलाखर ६ पूभायां बुधः ५१।३४
३	गु	८	४०	रे	४६	४७	शु	७	५५	ग	८	४०	३४	१७	४३	२८	१६	२	मे.४६।४७	भ. ३७।४० उ. पातमोक्षः ६।४२
४	शु	६	४१	अ	४७	१३	शु	३ २८	५५ २५	वि	६	४१	३८	१६	४४	२९	१७	३	मेषे	भ. ६।४१ या.
५	श	५	४५	भ	४८	५२	ऐ	५७	१४	बा	५	४५	४२	१६	४४	१	१८	४	मेषे	मार्च मा. ३ ता. ३१
६	र	६	२१	कृ	५१	४६	वै	५५	४०	तै	६	२१	४६	१५	४५	२	१९	५	वृ.४।३५	रेवत्यां ३ गुरुः ३१।७
७	चं	८	१२	रो	५६	५	वि	५४	३९	व	८	१२	५०	१४	४६	३	२०	६	वृषे	भ.८।१२ उ.३९ ४४ या. पूभायांरवि.४१ ३८ मी
८	मं	११	१६	मृ	६०	०	प्री	५५	१०	ब	११	१६	५४	१३	४७	४	२१	७	मि२८।३२	उभायांबुधः ४६ ३७ धनिष्ठायां शुक्रः ३२।३
९	बु	१५	२१	मृ	०	५९	आ	५६	११	कौ	१५	२१	५८	१२	४८	५	२२	८	मिथुने	
१०	गु	२०	३	आ	६	४९	सौ	५७	३६	ग	२५	३	२९ २	१२	४८	६	२३	९	क.५६।३८	भ५२।३५ उ. +आमलकी ११ ब्र.
११	शु	२५	८	पु	१३	१४	शो	५८	४४	वि	२०	८	६	११	४९	७	२४	१०	कर्के	भ.२५।८ या. पश्चिमोदयी बुधः ४०।४३+
१२	श	३०	२१	पु	१९	२४	अ	५९	४५	बा	३०	२१	१०	१०	५०	८	२५	११	कर्के	धनिष्ठायां४ राहुःयघायां२ केतुः५३।२५
१३	र	३५	३	श्ले	२५	४९	सु	६०	०	कौ	२	४२	१४	९	५१	९	२६	१२	सिं२५।४९	प्रदोषः ×बुधः ५० ५२ होई८ होलाष्टकं
१४	चं	३९	१६	म	३१	२२	सु	०	३८	ग	७	९	१९	८	५२	१०	२७	१३	सिंहे	भ. ३९।१६ उ. कुंभे शुक्रः ५९।४९
१५	मं	४२	१८	पू	३५	५२	धृ	०	५८	वि	१०	४७	२३	७	५३	११	२८	१४	कं.५१।४३	भ. १०।४७ या. होलिकादहनम्

४७पं.फा.शु.४शु.इ.५०।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	११	९	५	१०	१०
१७	२१	२३	२२	१७	२०	७	१७
८	२९	५६	५९	३२	४९	५	५
२०	३८	३८	२४	५६	३४	३३	४८
६०	१४	७ ५९	१२	७३	३ ३१	३	६०
२०	७	५९	२०	१४	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास का फल सामान्य है धान्य भाव मंदा प्रजामें सुख शांति राहु रवि का योग रुई मंदी करता है।

गोचरग्रहाः

४८पं.फा.शु.११शु.इ.५१।१३

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	११	११	९	५	१०	१०
२४	२३	७	२४	२६	२०	६	२४
९	१	१७	३२	९	२३	४३	६
४२	१	३१	२०	२९	३८	१८	३२
६०	९	७ ५९	१२	७३	३ ५३	३	५९
५	४६	५९ १२	४३	२०	ब	११	५८

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तुरविरुत्तरे फाल्गुनकृ.तिमहाराष्ट्राः
१	बु	४४	१७	उ	३९	१६	शू	० १३	५८ १५	बा	१३	१७	२९ २८	६ ६	५ ५४	१२	२९	१५	कन्यायां	छारेंडी बसंत १
२	गु	४४	५४	ह	४१	२६	वृ	५५	५३	तै	१४	३५	३२	६	५४	१३	३०	१६	कन्यायां	मीनेऽर्कः ४१ ५६ रेवत्यां बुधः १६ ३१ वक्री हस्ते३×
३	शु	४४	१६	चि	४२	२७	ध्रु	५२	१७	व	१४	४०	३६	५	५५	१४	१	१७	तु.११।५६	भ. १४।४० उ. ४४।१६ या.
४	श	४२	१८	स्वा	४२	११	व्या	४७	४३	व	१३	१७	४०	४	५६	१५	२	१८	तुलायां	चतुर्थी ब्र. ×शनिः ३८।७
५	र	३९	१५	वि	४०	४५	ह	४२	१२	कौ	१०	४६	४४	३	५७	१६	३	१९	वृ.२६।७	शते शुक्रः २४।२१
६	चं	३५	१९	अ	३८	२३	व	३६	१६	ग	७	१७	४८	२	५८	१७	४	२०	वृश्चिके	भ. ३५ ५९ उ. उभायां रविः ३ २ ३४ रेवत्यां ४+
७	मं	३०	२७	ज्ये	३५	२६	सि	३०	२८	वि	२	५३	५३	१	५९	१८	५	२१	ध.३५।२६	भ. २।५३ या. +गुरुः १७।४९
८	बु	२५	८	मू	३१	५१	व्य	२२	१५	कौ	२५	८	५७	१	५९	१९	६	२२	धनुषि	शीतला पूजनम
९	गु	१९	२४	पू	२७	५३	व	१४	१५	ग	१९	२४	३० १	६ ००	६ ००	२०	७	२३	म.४१।५१	भ. ४६।२८ उ. वक्री भौमः १०।३६
१०	शु	१३	३३	उ	२३	४६	प	७ ३६	५१ ४८	वि	१३	३३	६	५ ५९	६ १	२१	८	२४	मकरे	भ. १३।३३ या.
११	श	७	४७	श्र	१९	४६	सि	५१	५२	बा	७	४७	१०	५८	२	२२	९	२५	कु.४७।५३	पापमोचनी ११ ब्र.
१२	र	१	५०	ध	१६	०	सा	४४	२९	तै	१	५०	१४	५७	३	२३	१०	२६	कुम्भे	भ. ५३।३४ उ. प्रदोषः
१३	र	५४	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१४	चं	५१	४१	श	१२	३४	शु	३७	३५	वि	२४	७	१८	५६	४	२४	११	२७	मी५५।३३	भ. २४।७ या. वक्री बुधः १८।४६
३०	मं	४७	४२	पू	९	५२	शु	३१	१५	च	१९	४१	२२	५६	४	२५	१२	२८	मीने	अहर्गणः ६१९९ च. ३ के.

४९पं.चै.कृ.३शु.इ.५१।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	११	१०	५	१०	११
१	२४	१८	२६	४	१९	६	१
९	६	५१	७	४६	५४	२१	५
२४	१८	३६	५९	१६	५४	२	४४
५९	४	८३	१३	७३	४ १०	३	५८
४९	१८	५	८	३२	ब	११	४१

गोचरग्रहाः

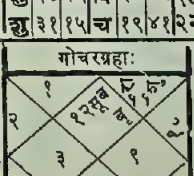

चैत्र कृ. २ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

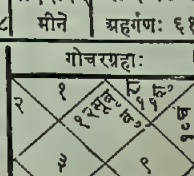

५०पं.चै.कृ.१०शु.इ.५१।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	११	१०	५	१०	११
८	२४	२५	१७	१३	१९	५	८
७	४४	५४	४५	२२	२४	५८	३
१८	४९	४३	११	४८	४	४७	२०
५९	१ २१	२०	१३	७३	४ ३२	३	५९
३५	ब	५५	२०	४४	ब	११	२९

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०५३ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५३ भोग्यकलिः ४२६९४७ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २००९ शाकः १८७४ अथास्मिन्वर्षेराजा बुधः । मंत्री रविः । सस्येशो बुधः । धान्येशश्चन्द्रः । मेघेश शनिः। रसेशः शुक्रः। नीरसेशो भौमः। फलेशः शुक्रः। धनेशो भौमः। दुर्गेशः शनिः। एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १९विश्वावसुनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमयेगतमासादिः २।२१।३१।१२ भोग्यमासादिः ९।८।२८।४८ वैश्व-दैवतं युगम्। वर्षनाम आश्विनः । मेघ४ नाम आवँतः। समयनिवासो माला-कारगृहे(चडसा में)। रोहिणी निवासः समुद्रे । समय विश्वा १२। समयवाहनं सिंचाणुः। स्तंभ१तृणस्य । सोमवत्यमा २। सोमवती पंचमी१। अंगारकीचतुर्थी ३। बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी १। रविदशमी २। समयमूहूर्ताः३३०। समयदिनानि ३५५। तिथिक्षयः१३। तिथि वृद्धिः ८। उत्पति विश्वा १०५। खपति विश्वा ९६। वर्षा विश्वा ७। धान्यम् ७, तृणम् ११. शीतम् ५. तेज ५. वायुः१३. वृद्धिः १५। क्षयः १५। विग्रहः ११। ऐक्यं ९९ सत्यम्॥. धर्मम् १॥ पाप १८ शनि दृष्टिर्दक्षिणे। ग्रहणो द्वे चन्द्रमसः।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से जिमि पूछा हर साल ।
तिमि पूछो इस साल में कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

नवनिधि हो नव वर्ष में हर्ष मनाओ संत ।
मानसिंह महाराज का वैभव बढ़े अनंत ॥
बुध राजा इस वर्ष में वर्ष अमृत मेह ।
जग में सुख सम्पति बढ़े ना इसमें संदेह ॥
राज नीति में चतुर हैं वासरनाथ प्रधान ।
अपने शासन में कभी ना होने दे हान ॥
रोहिणी बसी समुद्र में सम्वत् विश्वा अर्क ।
जल तृण की कमती नहिं इसमें रहे न फर्क ॥
श्रावण में वर्षा लगे करे धान्य की बोल ।
तापतिजारा नहरुआ घर-घर घालै रोल ॥
ग्रहण चंद्र के दोय है स्तंभ लगा है एक ।
धर्म कर्म करते रहो ईश्वर राखे टेक ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	१४	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ८।१४

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् १।४

•चंबुशु

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१०।२७

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्–बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्यं विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धन्यधान्य संकुलम् ।। मंत्री रविस्तत्फलम्–नृपभयंगतोपि हि तस्करात् प्रचुर धान्य-धनादि महीतले । रसचयं हि समर्धतमं तदारविरमात्य पदं हि समागतः ।। सस्येशो बुध-तत्फलम्–जलधरा जलराशिमुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः स्तुतिपाठकरः सदा प्रथम सस्यपतौ सति बोधने ।। धान्येशश्चंद्रस्तत्फलम्–चंद्रे धान्याधिपे जाते प्रजा वृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोपु क्षीरं तदा बहु ।। मेघेशः शनिस्तत्फलम्–रविसुते जलदस्य पतौ भवेद्विरतवृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविध रोग युता जनतापदा ।। रसेशो शुक्रस्तत्फलम्–यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषितमानसाः । सुखसुभिक्षसुमोदवतीधरा धरणिपाहत पापगणाः प्रियाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम्–नीरमेशो यदा भौमः प्रवालरक्तवाससाम् । रक्तचंदन ताम्राणामर्घ वृद्धिर्दिने दिने ।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम्–यदि फलस्यपतौ भृगुजेधरा मृदुकुमार महीरुहराशयः । बहुपथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशो भौमस्तत्फलम्–असति मौल्यकरो धरणीसुतः शरदितापकरस्तुषधान्यहृत । सहसिमासि भवेद्द्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोकविधायकः ।। दुर्गेश शनिस्तत्फलम्–रविसुते गढ़पालिनिदिग्रहे सकलदेशगताश्चलिता जनाः । विविध वैरिविशेषितनागरा कृषिधनं न लभेद्भुवि कश्चन ।। वर्षनाम आश्विनरतत्फलम्–दुर्भिक्षं पूर्वं सस्यं स्याज्ज्वररोगाकुलं जगत् । आश्विने शोभनावृष्टिर्नृपसौख्यकरो सदा ।। विश्वावसु नाम संवत्सरस्तत्फलम्–अब्दे विश्वावसौ शश्वद्धोररोगधरा नरा । सस्यार्घ वृष्टयो मध्या भूपाला नातिभूतयः ।।मेघनाम आवर्तस्तत्फलम्–आवर्ते छिन्नवृष्टिःस्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्–समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समय निवासो मालाकार गृहे फलम्–मालिनः प्रचुरावृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २००९ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ५ बुधे उषा ल.९ रे. ७ ।।।।।ऽऽ१९ऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः निरंशकः आवश्यके

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला २ बुधे मूले लं. ५ रे. ८ ।।ऽ।।ऽ।।। शुक्रयु.
१५ चंद्रे रोहि. ल. ५ रे. ८ ।।।।ऽभू.यु.।।ऽ१५।।

पौषः मासः

कृष्णा ९ बुधे उफा. ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽचोऽऽ२२।।

माघ मासः

शुक्ला ४ चंद्रे उभा. ल. ८-९ रे. ८ ।।।।ऽचोऽ।। वृश्चिक लग्नं अंश १७ उपरांत
,, ५ भौमे रेव. ल. ८-९ रे. ८ ऽम।।।।ऽ।।।
,, १० शनौ रोहि. ल.८(चन्द्रः७ मे.पू.) रे.७ ।।।।।ऽअग्निऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ चन्द्रे उफा. ल.गो. ८-९ रे.७ ।।।।ऽमंऽअग्नि।ऽ१८।। गो. सोग्रांगः वृश्चि. शनिः पू.
,, ६ गुरौ स्वात्यां ल. ९ रे. ९ ।ऽ।।।।।।।
,, ७ शुक्रे स्वात्यां ल.ऽन्यगो.(सोग्रांगः)रे.८ ।ऽ।।ऽचो।।।
,, १० चंद्रे मूले ल. ८ (श. १२ पू.) रे.८ ।ऽ।।।।ऽ२४।।

चैत्र मासः

कृष्णा ४ गुरौ स्वा. ल. ९ रे. ७ ।।।।ऽशु।।ऽ। व्याघातदोषः
,, ६ शनौ अनु. ल.९रे.७ ऽचोऽऽ।।।।। पादतोवेधाऽभावः
शुक्ला ४भौमे रेव. ल. ८-९ रे.६ ।ऽऽ।।ऽऽ।। शुक्रयुति दोषः आवश्यके

श्रावण शु. १५ भौमे खण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा ११।६

		स्प.	म.	मो.	पर्व.		
रेल्वे टाइम	घ.	१२	१	२	२		
	मि.	३	१८	३३	३०		
देशी टाइम	घं.	११	१३	२	२		
	मि.	३१	४४	१	३०		

माघ शु. १५ यां गुरौ खग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा २६।९

		स्प.	म.	म.	उ.	मो.	पर्व.
रेल्वे टाइम	घं.	३	४	५	६	७	३
	मि.	३१	४२	२४	७	१७	४६
देशी टाइम	घ.	२	४	४	५	६	३
	मि.	५०	१	४३	२६	३६	४६

अत्र क्वचिन्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४	दि.	उ.	म्र.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः ६२०० स. १९५२
१	बु ४४ ३५ उ ७ १५	म्र २५	४०	किं १६	८	३६	५५	६ २६	१३ २९ मीने	सवत्सरारंभः नवरात्रा. घटस्था.
२	गु ४२ ३३ रे ६ ४५	ऐं २१	१	बा १३	३४	२०	५४	६ २७	१४ ३० मे. ६।४५	चन्द्रदर्शनम् पूभायां शुक्रः १४।५९
३	शु ४१ ४१ अ ७ ०	वै १७	१६	तै १२	७	३४	५३	७ २८	१५ १ मेषे	पश्चिमास्तो बुधः ९६ रज्जव७ गणगौरी×
४	श ४२ १४ भ ८ २३	वि १४	२४	व ११	५८	२८	५२	८ २९	१६ २ वृ. २४।५	भ. ५१ उ. ४२ या. ×पू. मत्स्यजयंती
५	र ४३ ५९ कृ ११ १०	प्री १२	३५	ब १३	६	४२	५२	८ ३०	१७ ३ वृषे	रेवत्यां रविः ३०।२
६	चं ४७ ४ रो १४ ५२	आ ११	४८	कौ १५	३१	४७	५१	९ ३१	१८ ४ मि ४७।१८	मेषे गुरुः ३१।४२
७	मं ५१ ६ मृ १९ ४४	सौ ११	४२	ग १९	५	५१	५०	१० १	१९ ५ मिथुने	भ. ५१।६ उ. अप्रेल मा. ४ ता. ३०
८	बु ५५ ४५ आ २५ ३३	शो १२	३०	वि २३	२५	५६	४९	११ २	२० ६ मिथुने	भ. २३।२५ या.
९	गु ६० ० पु ३१ ४८	अ १३	४३	बा २८	१८	३९ ०	४८	१२ ३	२१ ७ क. १५।१४	राम ९
१०	शु ०।५१ पु ३८ १४	सु १५	०	कौ ०	५१	४	४७	१३ ४	२२ ८ कर्के	मीने शुक्रः २३।२२
११	श ५ ५० श्ले ४४ ३२	धृ १६	४३	ग ५	५०	८	४६	१४ ५	२३ ९ सिं ४४।३२	भ. ३८।१४ उ. अस्तं गुरुः २१।३६ अ.गु.
१२	र १० ३९ म ५० १७	शू १७	३०	वि १०	३९	११	४६	१४ ६	२४ १० सिंहे	भ. १०।३९ या. कामदा ११ ब्र.
१३	चं १४ ३८ पू ५४ ५८	गं १८	५८	बा १४	३८	१५	४५	१५ ७	२५ ११ सिंहे	उभायां शुक्रः ५।४१ प्रदोषः
१४	मं १७ ३० उ ५८ ३८	वृ १७	३६	तै १७	३०	१८	४४	१६ ८	२६ १२ कं १०।५३	
१५	बु १९ २० ह ६० ०	ध्रु १६	१२	व १९	२०	२२	४४	१६ ९	२७ १३ कन्यायां	भ. १९।२० उ. ४९।४० या.
१६	गु २० ० ह ०।५३	व्या १३	५८	ब २०	०	२५	४३	१७ १०	२८ १४ तु. ३१।३६	हनुमज्जन्ती वैशाखस्नानारंभः

५।१पं.चै.शु.३ शु.इ.५२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	११	१०	५	१०	११
११	२४	२७	२९	२१	१८	५	१४
३	४८	४	२४	५९	५१	३६	१९
२१	४	१६	१८	४२	४७	३१	११
५९	६	३८	५४	३३	४	३	५८
१८	ब	ब	२६	५०	च	११	१६

गोचरग्रहाः

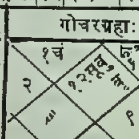

नव दिन कहिये
नवरता शुक्ल चैत्र
के मास, जल बूढ़े
बिजली हुये जानो
गर्भ विनाश । यदि
चैत्र सुदी चारों दिन
वर्षा श्रेष्ठ

गोचरग्रहाः

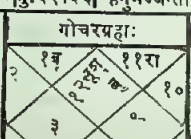

५२पं.चै.शु.९ शु.इ.५२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	०	११	५	१०	११
२१	२४	२२	१	०	१८	५	२१
५७	१६	५७	४	३६	१८	१४	५३
३३	४१	१४	१९	०	५४	१६	३१
५९	१९	५९	१३	७३	४	३	५८
४	ब	ब	३२	५६	ब	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २००९ शाकः १८७४	दि.	उ.	म्र.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंततुं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु १९ ४ चि २ २०	ह १०	३९	कौ १९	४	३५	५	६ ११	१२९ १५ तुलायां	
२	श १७ ० खा २ २०	व ६	२५	ग १७	०	३ २	४२	१८ १२	३० १६ बृ. ४६।२७	भ. ४५।२६ उ.
३	र १३ ५२ वि २ ५५	खि २	५३	वि १३	५२	३६	४१	१९ १३	२१ १७ वृश्चिके	भ. १२।५२ या. मेषेऽर्के ४।३४ पूर्वोदयी=
४	चं ९ ५० ज्ये ५६	१९ व	४९	५	बा	९	५०	४०	२० १४	११८ ब. ५६।१९ वक्रीउभायांबुधः ३१ अश्विन्यां २गुरुः १४
५	मं ४ ५३ मू ५२	५१ प	४२	९	तै	४	५३	४३	२१ १५	२ १९ धनुषि भ. ५९।२९ उ.
६	मं ५४ २६ ० ०	० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	० क्षयः =बुधः १९।१६ च. ब्र.
७	बु ५३ ३७ पू ४९ ०	शि ३४	४५	वि २६	३४	४७	३९	२१ १६	३ २० धनुषि	भ. २६।३४ या.
८	गु ४७ ४२ उ ४४ ५६	खि २७	२४	बा २०	३९	५०	३८	२२ १७	४ २१ म. २।५९	रेवत्यां शुक्रः ५८।१५
९	शु ४१ ४१ श्र ४० ५२	सा १९	२३	तै १४	४२	५४	३७	२३ १८	५ २२ मकरे	
१०	श ३५ ५९ ध ३६ ५७	शु ११	५४	व ८	५०	५८	३६	२४ १९	६ २३ कुं. ८।५४	भ. ८।५० उ. ३५ या. मार्गी बुधः ३९।४३
११	र ३० २५ श ३३ ३२	शु ९	४७	ब ३	१२	३३	३६	२४ २०	७ २४ कुम्भे	वरूथिनी ११ ब्र.
१२	चं २५ ३१ पू ३० ३४	रें ५	४६	तै २	२१	५	३५	२५ २१	८ २५ मी १६।१९	प्रदोषः
१३	मं २१ २५ उ २८ २१	वै ४५	२४	ब २१	२५	९	३४	२६ २२	९ २६ मीने	म ३१ उ. ४९ या. वक्री स्वात्यां भौमः ३५
१४	बु १८ १८ रे २७ १२	वि ४०	४०	श १८	१८	१३	३३	२७ २३	१० २७ मे. २७।१२	रेवत्यां बुधः २८।३६
३०	गु १६ ७ अ २६ ५८	प्री ३६	३५	ना १६	७	१७	३३	२७ २४	११ २८ मेषे	अमावस्या

१पं.वै.कृ.३ सू.इ.८।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	०	११	५	१०	०
०	२२	१७	३	१०	१७	४	०
३	५१	१८	४	४५	३९	४७	०
४२	०	२५	५९	३६	४०	५७	०
५८	२०	३४	१३	७४	२८	३	५८
४५	ब	ब	३८	२	ब	११	४४

गोचरग्रहाः

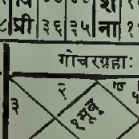

वैशाख कृ. ३ रवौ
मेषेऽर्के: प्र. वा. ४
न. ४ वृद्धावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पूर्व।

गोचरग्रहाः

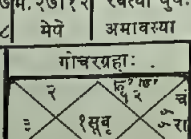

२पं.वै.कृ.११सू.इ.८।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	०	११	५	१०	०
६	२१	१५	४	१९	१७	४	०
५३	२	४५	४५	२१	९	२५	५०
५३	५३	५३	५०	७	०	४२	३८
५८	२	५	१३	७४	३	३	५८
२०	ब	ब	मा	३८	४	ब	११	३९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४								दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६२३० सन्१९५२
१	शु	१४	१०	भ	२८	१२	आ	३३	३६	ब	१४	१०	३३	३२	२८	२५	१२	२९	बृ.४३।४३	चंद्रदर्शनम्
२	श	१५	३४	कृ	३०	१५	सौ	३१	३४	को	१५	३४	२५	३१	२९	२६	१३	१	वृषे	भरण्यांरविः ५५सावान८अगस्त्यास्तः५१
३	र	१७	८	रो	३४	१	शो	३०	३६	ग	१७	८	२९	३०	३०	२७	१४	२	वृषे	भ.५८उ. वक्री हस्ते२ शनिः १५अक्षया३
४	चं	२०	१३	मृ	३८	४१	अ	३०	२९	वि	२०	१३	३०	२९	३१	२८	१५	३	मि६।२१	भ.१३या.मेषेशुक्रः ४५आश्विन्यां३गुरु ५६
५	मं	२४	१९	आ	४४	१४	सु	३१	११	बा	२४	१९	२६	२९	३१	२९	१६	४	मिथुने	
६	बु	२८	५२	पु	५०	२९	धृ	३२	२२	तै	२८	५२	४०	२८	३२	३०	१७	५	क.३३।५५	
७	गु	३३	४८	पु	५६	५८	शू	३३	४४	ग	१	२०	४३	२७	३३	१	१८	६	कर्के	भ. ३३।४८ उ. मई मा. ५ ता. ३१
८	शु	३८	४९	श्ले	६०	०	गं	३५	१४	वि	६	१८	४७	२७	३३	३	१९	७	कर्के	भ. ६।१८ या.
९	श	४३	१९	श्ले	३	२०	वृ	३६	२३	बा	११	४	५०	२६	३४	३	२०	८	सिं३।२२	उदयं गुरुः २१।० उ. गु.
१०	र	४७	५८	म	९	६	ध्रु	३७	६	तै	१५	३८	५४	२५	३५	४	२१	९	सिंहे	
११	चं	५०	१९	पू	१४	५	व्या	३७	०	ध	१९	८	५७	२५	३५	५	२२	१०	कं.२९।५०	भ.१९ उ.५९या. मोहिनी११ब्र. स्मा.वै.
१२	मं	५१	५४	उ	१७	५	ह	३६	१	ध	२१	६	३३	२४	३६	६	२३	११	कन्यायां	गुरोर्वाक्यवसमाप्तिः२१ मोहिनी११नि.
१३	बु	५२	४५	उ	२०	५२	ह	३३	५८	को	२२	१९	४	२३	३७	७	२४	१२	तु.५१।३६	प्रदोषः ×कर्म जयंती. वै.स्ना वै.
१४	गु	५१	३५	चि	२२	२०	स्वि	३१	५	ग	२२	१०	७	२३	३७	८	२५	१३	तुलायां	भ. ५१।३५ उ. नृसिंहजयंती
१५	शु	४९	३४	स्वा	२२	४१	व्य	२७	९	वि	२०	३५	१०	२२	३८	९	२६	१४	तुलायां	भ.३९या. मेषेबुधः३३ भरण्यां शुक्रः४१×

३पं. वै.शु.३सू.इ.८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	०	११	५	१०	०
१३	१८	१८	६	२७	१६	४	१३
४२	४८	९	२६	५७	४०	३	३९
१७	१९	४३	३५	४०	२६	४१	५
५८	३३	२४	१३	७४	२३	३	५८
१२	ब	२६	३४	१६	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ है प्रजा में सुख शांति बुध शुक्र का योग होगा सो वर्षा करेगा और रुई चांदी मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

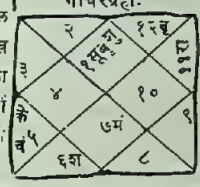

४पं. वै.शु.१०सू.इ. ९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	०	०	५	१०	०
२०	१६	२३	८	६	१६	३	२०
२८	१६	४३	६	३२	१४	४१	२७
५५	५	४८	३६	४९	४९	११	२२
५७	३५	४३	१३	७४	२३	३	५८
५३	ब	४७	३२	२०	ब	११	६

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४								दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४६	२४	वि	२१	४८	व	२२	१८	बा	१७	५०	३३	२६	१०	२७	१५	वृ. ७।१	कृतिकाया रविः ३३ धनिष्ठायां३ राहुः×
२	र	४२	१८	अ	१९	५०	प	१६	३७	तै	१४	२१	३०	११	२८	१६		वृश्चिके
३	चं	३६	४५	ज्ये	१७	११	शि	१०	२०	ध	९	३१	१९	२०	४०	१२	२९	१७	ध.१७।११	भ ३९ उ.३६ या. अश्विन्यां४ गुरुः १४=
४	मं	३१	३९	मू	१३	४८	स्वि	३३	५२	व	४	१२	२२	२०	४०	१३	३०	१८	धनुषि	
५	बु	२५	४०	पू	१०	४	शु	४८	४४	तै	२५	४०	२५	१९	४१	१४	३१	१९	म.२४।२	वृषेऽर्कः १।४० ×मघायां१ केतुः ५६
६	गु	१९	४५	उ	५	५७	शु	४१	१७	व	१९	४५	२८	१८	४२	१५	१	२०	मकरे	भ. १५ उ. ४६।४३ या. पात्रपशः ३ ४२
७	शु	१३	४१	श्र	५४	५६	ब्र	३३	४०	ब	१३	४१	३१	१८	४२	१६	२	२१	कु.२९।५५	
८	श	७	४९	श	५४	२१	रें	२६	१८	को	७	४९	३४	१७	४३	१७	३	२२	कुंभे	
९	र	२	०	पू	५१	८	वे	१९	२२	ग	२	०	३६	१७	४३	१८	४	२३	मी३६।५७	भ. ३९ उ.५७।२० या. =चतुर्थी ब्र.
१०	र	५५	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +पातमोक्षः ४४।१६
११	चं	५३	८	उ	४९	५२	वि	१२	५४	ब	२५	१४	३९	१६	४४	१९	५	२४	मीने	भरण्यां बुधः ०।२० अपरा ११ब्र. स्मा.
१२	मं	४९	५१	रे	४८	२४	प्री	७	४	को	२१	९	४१	१६	४४	२०	६	२५	मे.४८।२४	कृतिकायां शुक्रः ३७ अपरा११ब्र. वै.नि.
१३	बु	४७	३७	अ	४९	३	आ	५३	५६	ग	१८	४४	४४	१५	४५	२१	७	२६	मेषे	भ. ४७।३७ उ. प्रदोषः
१४	गु	४६	३७	भ	४९	३१	शो	५४	५२	वि	१७	१२	४६	१५	४६	२२	८	२७	मेषे	भ.१७।१२या. ●शुक्रः९।० पू.अ.शु.
२०	शु	४६	५२	कृ	५०	५१	अ	२२	३९	च	१६	५१	४८	१४	४६	२३	९	२८	बृ.४।५१	वृषे शुक्रः ३६ वट्पू. भावुका३० पूर्वास्तः●

५पं. ज्ये.कृ.२ सू.इ ९।२०

र	मं	बु	गु	श	श	रा	र
०	६	०	०	०	५	१०	०
२७	१३	१	०	१५	१५	३	२७
१४	५५	५१	४५	८	५२	१८	१३
९	३२	७	३६	३५	३७	५५	३०
५७	३३	६१	१३	७४	२३	३	५७
४५	ब	३९	२०	२६	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

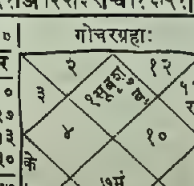

ज्येष्ठ कृ.५ बुधे वृषेऽर्कः प्र.वा.४ न. ४ युवावस्था (सूतो) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

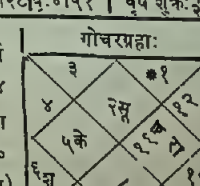

६पं.ज्ये.कृ. ९सू.इ.९।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	०	०	५	१०	१
३	११	१२	११	२३	१५	२	२
५३	२८	३	२३	४४	३४	५६	५८
४३	४४	२२	२	३१	२६	४०	२८
२३	३५	९०	१३	७४	२३	३	५७
२४	ब	२५	१४	२६	ब	११	४४

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ●ज्ञवश

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६२५९सन् १९५२
१	श	४८	२८	रो	५३	३	सु	५१	३१	किं	१७	४१	३३/५०	५/१४	६/४६	२४	१०	२९	वृषे	रोहिण्यां रविः २७।४९
२	र	५१	१३	मृ	५७	४०	धृ	५१	१५	बा	१९	५०	५२	१४	४६	२५	११	३०	मि२५।२१	चंद्रदर्शनम् ×रमजान १ रोजा
३	चं	५५	४	आ	६०	०	शू	५१	४८	तै	२३	८	५४	१३	४७	२६	१२	१	मिथुने	कृतिकायां बुधः ४१/३१ भरण्यां१ गुरुः ४६/५९×
४	मं	५९	४१	आ	२	५८	गं	५२	५८	व	२७	२२	५६	१३	४७	२७	१३	२	क.५२।३३	भ. २७।२२ उ. ५९।४१ या.
५	बु	६०	०	पु	९	५	वृ	५४	३२	ब	३२	११	५८	१२	४८	२८	१४	३	कर्क	वृषे बुधः४०।१८ पूर्वास्तो बुधः५१।२०
५	गु	४	४०	पु	१५	२७	ध्रु	५५	५४	बा	४	४०	३४/००	१२	४८	२९	१५	४	कर्के	
६	शु	६	२५	श्ले	२१	५५	व्या	५७	२४	तै	९	२५	२	१२	४८	३०	१६	५	सिं२१।५५	
७	श	१४	९	म	२७	५१	ह	५८	६	व	१४	९	४	११	४९	३१	१७	६	सिंहे	भ.१४/९ उ.४६।३ या. रोहिण्यां शुक्रः२४/२५
८	र	१७	५८	पू	३२	५४	व	५८	१४	ब	१७	५८	६	११	४९	१	१८	७	कं.४८।५८	जून मा. ६ ता. ३०
९	चं	२०	४५	उ	३७	१०	सि	५७	२६	कौ	२०	४५	८	१०	५०	२	१९	८	कन्यायां	रोहिण्यां बुधः १४।२८
१०	मं	२२	२३	ह	४०	१७	व्य	५५	४४	ग	२२	२३	९	१०	५०	३	२०	९	कन्यायां	भ. ५२।३७ उ.
११	बु	२२	५१	चि	४२	०	व	५३	५	वि	२२	५१	११	१०	५०	४	२१	१०	तु.११।८	भ. २३।५१ या. निर्जला ११ ब्र.
१२	गु	२२	२	स्वा	४२	३९	प	४९	१६	बा	२२	२	१२	१०	५०	५	२२	११	तुलायां	प्रदोषः =मार्गी भौमः ३।२७
१३	शु	१९	५४	वि	४२	४	शि	४४	३७	तै	१९	५४	१४	९	५१	६	२३	१२	वृ.२७।१३	
१४	श	१६	४२	अ	४०	२१	सि	३९	१२	व	१६	४२	१५	९	५१	७	२४	१३	वृश्चिके	भ. १६/४२ उ. ४४।३९ या. मृगे रविः २६/३८=
१५	र	१२	३६	ज्ये	३७	४४	सा	३२	४९	ब	१२	३६	१६	९	५१	८	२५	१४	ध.३७।४४	मृगे बुधः १८।५० वटपूजनं

७पं.ज्ये.शु.२सू.इ.९।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	०	१	५	१०	१
१०	९	२४	१२	२	१५	२	१०
३९	४२	५	५९	२०	२०	३४	४२
५७	३६	१३	२	३१	४९	२५	२०
५७	११/४५	१०/१	१२	७४	१/३७	३	५७
२३	ब	१/१	५५	३२	ब	११	३५

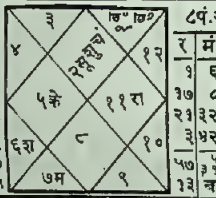

८पं.ज्ये.श.८सू इ.९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	०	१	५	१०	१
१७	८	७	१४	१०	१५	२	१७
२१	३२	४९	३२	५६	११	१२	२५
३	४२	५५	१३	१३	४९	९	७
५७	५/३१	२०/२८	१२	७४	०/५२	३	५७
१३	ब	१/२८	३१	३२	ब	११	२७

९पं.ज्ये.शु.१५सू.इ.९।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	०	१	५	१०	१
२४	८	२३	१६	१९	१५	१	२४
०	२	०	२	३२	७	४९	७
५९	२८	२२	४६	२४	३४	५४	८
५७	३/२	२८/४७	१२	७४	०/१४	३	५७
५	मा	१/४७	१४	३२	ब	११	२२

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												वि	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	७	३८	मू	३४	३२	शु	२६	१६	कौ	७	३८	३४/१७	५/९	६/५१	९	२६	१५	धनुषि	
२	मं	२	१	पू	३०	५८	शु	१९	१०	ग	२	१	१८	८	५२	१०	२७	१६	म.४४।५६	भ.२९।४उ.५६।७या. मार्गीशनि ७।१७
३	मं	५४	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +भरण्यां२ गुरुः १२/१८ चतुर्थी ब्र.
४	बु	५०	४	उ	२६	५१	ब्र	११	४३	ब	२३	६	१९	८	५२	११	२८	१७	मकरे	मिथुने बुधः २५।१७ मृगे शुक्रः १२।५४+
५	गु	४३	५९	श्र	२३	२६	ऐं	४/१५	५२/४५	कौ	१७	२	२०	८	५२	१२	२९	१८	कु.५१।१०	
६	शु	३७	५१	ध	१८	५५	वि	४९	४२	ग	१०	५५	२१	८	५२	१३	३०	१९	कुम्भे	भ. ३७।५१ उ.
७	श	३२	१६	श	१५	३५	प्री	४२	१९	वि	५	३	२२	८	५२	१४	३१	२०	मी५७।४७	भ.५।३ या. मिथुनेऽर्कः२७।२६ आर्द्रायां=
८	र	२७	२१	पू	११	५०	आ	३५	४५	कौ	२७	२१	२२	८	५२	१५	१	२१	मीने	
९	चं	२३	२	उ	९	३२	सौ	२९	४१	ग	२३	२	२३	७	५३	१६	२	२२	मीने	भ. ५१।२१ उ. मिथुने शुक्रः ३९।२६
१०	मं	१९	४०	रे	८	३	शो	२४	५१	वि	१९	४०	२३	७	५३	१७	३	२३	मे. ८।३	भ. १९।४० या. =बुधः २०।५३
११	बु	१७	१८	अ	६	५५	अ	२०	२५	बा	१७	१८	२३	७	५३	१८	४	२४	मेषे	योगिनी११ब्र. दक्षिणायनप्रवृत्तिः२८।४४
१२	गु	१६	४	भ	७	२७	सु	१७	०	तै	१६	४	२४	७	५३	१९	५	२५	वृ.२२।५३	पश्चिमोदयी बुधः २९।१४ प्रदोषः
१३	शु	१६	१६	कृ	९	११	धृ	१४	४७	व	१६	१६	२४	७	५३	२०	६	२६	वृषे	भ.१६/१६ उ ४६/५८ या. पुनर्वसौ बुधः४५।२९
१४	श	१७	४१	रो	११	१३	शू	१९	१५	श	१७	४१	२४	७	५३	२१	७	२७	मि४३।४८	आर्द्रायां रविः २८।५८
३०	र	२०	११	मृ	१६	२३	गं	१३	४	ना	२०	११	२४	७	५३	२२	८	२८	मिथुने	आर्द्रायां शुक्रः ६।२ अमावस्या पुण्यम्

१०पं.आ.कृ.८सू.इ.९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	०	१	५	१०	२
०	८	८	१७	२८	१५	१	०
४०	१२	१९	३०	८	८	२७	४८
७	०	५२	७	२८	१३	३९	२५
५६	७	१२/४५	११	७४	३६	३	५७
७	०		४२	३८	मा	११	१७

गोचरग्रहाः

आषाढ़कृ.७शनौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.६बालावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रास्तः पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

११पं.आ.कृ.३०सू.इ.९।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	०	२	५	१०	२
७	८	२२	१८	६	१५	१	७
१८	५९	२६	५४	४४	१४	५	२०
२५	४२	२८	०	२८	१०	२३	१७
५६	११	१०/२८	११	७४	१	३	५३
५४	४५		६	३८	१६	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६२८७ स. १९५२
१	चं २४ ३ आ २१ ४१ वृ १३ २८ ब २४ ३	५	५	२३	९	२९		मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
२	मं २८ ३२ पु २७ ३२ धु १४ ३५ की २८ ३२	२४	७	५३	२४	१०	१	कं.११.४	सव्वाल १० ईद
३	बु ३३ २२ पु ३३ ५० श्या १६ ५ त्रै ० ५७	२४	७	५३	२५	११	२	कर्के	कर्के बुधः ४४.२२
४	गु ३८ ६ श्ले ४० १८ ह १७ ३६ व ५ ४४	२३	७	५३	२६	१२	३	सिं ४०.१८	भ. ५.४४ उ. ३८.६ या.
५	शु ४२ ४६ म ४६ १६ व १९ २ ब १० २६	२३	७	५३	२७	१३	४	सिंहे	भरण्यां ३ गुरुः ४८.५९
६	श ४८ ४८ पू ५१ ४१ सि १९ ५६ की १४ ४७	२२	८	५२	२८	१४	५	सिंहे	पुष्ये बुधः ७.१९
७	र ४९ ४२ उ ५६ २९ ब्य २० १९ ग १८ १५	२२	८	५२	२९	१५	६	कं.७.५३	भ. ४९.४२ उ.
८	चं ५१ २५ ह ५९ ३३ व १९ ४६ वि २० ३३	२१	८	५२	३०	१६	७	कन्यायां	भ. २०.३३ या.
९	मं ५१ ५९ चि ६० ० प १८ १३ बा २१ ५७	२०	८	५२	१	१७	८	तु.३०.३५	जुलाई मा. ७ ता. ३१ भडली ९
१०	बु ५१ ८ चि १ ३७ शि १५ ४६ त्रै २१ ३३	१८	८	५२	२	१८	९	तुलायां	पुनर्वसौ शुक्रः ५७.५८
११	गु ४९ ५ स्वा २ २७ सि १२ १३ व २० ६	१९	८	५२	३	१९	१०	वृ.४७.२३	भ. २ उ. ५ या. देवशयनी ११ ब्र.स्मा.नै.
१२	शु ४६ ५६ वि २ २२ सा ७ ४५ ब १८ १	१७	९	५१	४	२०	११	वृश्चिके	देवशयनौ ११ ब्र.नि. हरिः ध २३ उ २५ या.
१३	श ४१ ४९ अ २ ५७ शु २५ ५५ की १४ २३	१६	९	५१	५	२१	१२	ध.५८.९	पुनर्वसौ रविः ३२.५९
१४	र ३६ ५२ मू ५५ ९ ब्र ४९ ४१ ग ९ २०	१४	९	५१	६	२२	१३	धनुषि	भ. ३६.५२ उ.
१५	चं ३१ ७ पू ५१ ३० पें ४२ ३८ वि ४ ०	१३	९	५१	७	२३	१४	धनुषि	भ.४.०या. सार्पे बुधः १६.३४ व्यासपूजा

१२पं.आ.सु.७सू.इ.९.३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	२	५	१०	२
२३	१०	४	२०	५	१५	०	१४
५६	२१	४८	१४	२१	२४	४३	९
३८	४३	१८	६	७	३६	८	४५
५६	१५	८५	१०	७४	१	३	५७
५०	५६	८	३०	३८	५५	११	७

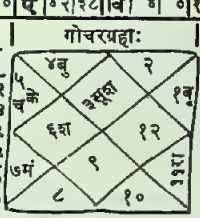

इस मास का फल श्रेष्ठ है प्रजा में सुख शांति और वदी पक्ष में वर्षा श्रेष्ठ सुदी में बुध शुक्र के बीच में सूर्य आता है।

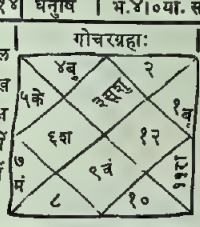

१३पं.आ.शु.१४सू.इ.९.२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	२	५	१०	२
२०	१२	१५	२१	२३	३५	०	२०
३४	१३	२५	२९	५८	३९	२०	५०
३४	३०	५	२	१३	५२	९	
५६	१९	६६	९	७४	२	३	५७
५०	३७	५८	४७	३५	३३	११	७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं २५ ३० उ ४७ ३१ वै ३५ १० की २५ ३०	३४	५	५०	८	२४	१५	म.५.३०	
२	बु १९ २६ श्र ४३ २६ वि २७ ३८ ग १९ २६	१०	१०	५०	९	२५	१६	मकरे	भ. ४६.२० उ.
३	गु १३ १४ ध ३९ १७ प्री २० ५ वि १३ १४	८	१०	५०	१०	२६	१७	कु.२१.२१	भ. १३.१४ या. चतुर्थी व्र.
४	शु ७ १५ श ३५ २३ आ १२ ३७ बा ७ १४	७	११	४९	११	२७	१८	कुम्भे	कर्के शुक्रः ४.४२
५	श १ २७ पू ३२ ११ सौ ३५ ५८ त्रै १ २७	५	११	४९	१२	२८	१९	मी १७.५९	भ. ५३ उ. मकरे राहुः कर्के केतुः ४३×
६	श ५४ ५५ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ×नाग ५ मरुस्यले
७	र ५१ ५८ उ २९ २७ अ ५२ ४६ वि २४ १०	४	११	४९	१३	२९	२०	मीने	भ. २४.१० या. पुष्ये शुक्रः ४५.२२
८	चं ४८ २२ रे २७ ३१ सु ४७ २६ बा २० १०	२	१२	४८	१४	३०	२१	मे.२७.३१	
९	मं ४६ ४ अ २६ २८ धृ ४२ ५९ त्रै १७ १३	३४	१२	४८	१५	३१	२२	मेषे	
१०	बु ४४ ५४ भ २६ ५६ शू ३९ ३० व १५ २७	३३	१२	४८	१६	३२	२३	वृ.४२.१६	भ.१५.२७ उ.४४.५०या. कर्के र्कः ५.४३
११	गु ४४ ५४ कृ २८ १६ ग ३६ ५६ ब १५ ५२	२६	१३	४७	१७	१	२४	वृषे	भरण्यां ४ गुरुः २०.२८ कामिका ११ व्र.
१२	शु ४६ १४ रो ३० ५८ वृ ३५ २६ की १५ ३४	२५	१३	४७	१८	२	२५	वृषे	
१३	श ४८ ५६ मृ ३४ ५३ धु ३४ ५१ ग १७ ३५	२३	१४	४६	१९	३	२६	मि २.५५	त.४८.२६ उ. पुष्ये रविः ३६ बुधः ३८.८+
१४	र ५२ २८ आ ३९ ४६ श्या ३५ ९ वि २० ४२	२०	१४	४६	२०	४	२७	मिथुने	भ. २०.४२ या. +प्रदोषः
३०	चं ५६ ५१ पु ४५ ३७ ह ३१ ५ च २४ ३९	१७	१५	४५	२१	५	२८	क २९.९	हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.७सू.इ.९.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	२	५	९	२
२७	१४	२४	२२	२	१५	२९	२७
३२	३१	२	२९	२४	५९	५८	३०
४०	२४	३५	७	४८	३१	३७	३२
५६	२३	५०	९	७४	३	३	५७
५५	८	१४	५	३२	१८	११	११

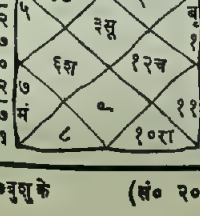

श्रावण कृ.१०बुधे कर्केऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५ (धान्यभाव तेज) शुक्रास्तः पूर्व.।

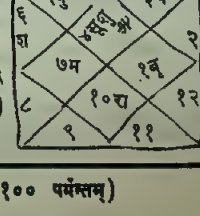

१५पं.श्रा.कृ.१४सू.इ.९.११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	०	३	५	९	३
३	१७	०	२३	११	१६	२९	४
५१	१२	१६	४३	११	१३	२६	११
८	४७	१६	२६	३८	२०	२३	१३
५६	२६	३१	८	७४	३	३	५७
५७	११	२६	२०	३२	५०	११	१५

●बुशु के (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४																								दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३१८ सन् १९५२
१	मं	६०	०	पु	५१	५५	च	३७	२९	किं	२९	१४	३३	१५	४६	२३	६	२९	कर्क	नक्त व्रतारंभः
१	बु	१	३८	श्ले	५८	१०	सि	३९	७	ब	१	३८	४२	१६	४४	२३	७	३०	सिं	५८।२०	चन्द्रदर्शनम्
२	गु	६	४३	म	६०	०	व्य	४०	३६	को	६	४३	४०	१६	४४	२४	८	१	सिंहे	जिल्काद ११ सार्पेशुक्रः ३४ हस्ते ३ शनिः ३४
३	शु	११	११	म	४	२८	च	४१	३६	ग	११	११	३७	१७	४३	२५	९	२	सिंहे	भ. ४३।३ उ. तीज
४	श	१५	८	पू	१०	६	प	४२	४	वि	१५	८	३५	१७	४३	२६	१०	३	कं.	२६।१६	भ. १८।५ या. विशाखायां भौमः ३९।२
५	र	१८	१०	उ	१४	४७	शि	४१	४४	बा	१८	१०	३२	१८	४२	२७	११	४	कन्यायां	नाग ५
६	चं	२०	२५	ह	१८	२०	सि	४०	२४	वै	२०	२५	३०	१८	४२	२८	१२	५	तु.	४९।३०	
७	मं	२०	३२	चि	२०	४१	सा	३८	६	व	२०	३२	२७	१९	४१	२९	१३	६	तुलायां	भ. ३३ उ. ५०।१२ या. वक्री बुधः ३५
८	बु	१९	५२	स्वा	२१	५२	शु	३४	४६	ब	१९	५२	२४	१९	४१	३०	१४	७	तुलायां	
९	गु	१७	५२	वि	२१	४२	शु	३०	३२	को	१७	५२	२१	२०	४०	३१	१५	८	वृ.	६।४५	पश्चिमोदयी शुक्रः ५५।१२ प.उ.श,
१०	शु	१४	४८	अ	२०	२५	ब्र	२५	२२	ग	१४	४८	१८	२०	४०	१	१६	९	वृश्चिके	भ. ४३ उ. अगस्त मा. ८ ता. ३१
११	श	१०	५०	ज्ये	१८	१२	वै	१९	२१	वि	१०	५०	१५	२१	३९	२	१७	१०	ध.	१८।१२	भ. १० या. आश्लेषायांरविः पवित्रा ११ व्र.
१२	र	५	५७	मू	१५	२७	वै	१२	४६	बा	५	५७	१२	२२	३८	३	१८	११	धनुषि		प्रदोषः
१३	चं	०	३०	पू	११	४४	वि	४०	५३	वै	०	३०	९	२२	३८	४	१९	१२	म.	२६।११	भ. ५४।४० उ. सिंहे शुक्रः २४।४७
१४	चं	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		क्षयः
१५	मं	४८	३७	उ	८	५२	आ	५०	४०	वि	२१	३९	६	२३	३७	५	२०	१३	मकरे		भ. ३३ या. पश्चिमास्तो बुधः ३३ चंद्रग्रह.

१६पं.श्रा.शु.५सू.इ. ९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	०	३	५	९	३
१०	२०	३	२४	१९	१६	२५	१०
३०	१४	३०	४१	५१	५१	१४	५२
२५	१३	१४	४२	२२	३२	७	१९
५७	२८	९	७	७४	४	३	५७
५	२५	८	१३	२६	२९	११	२०

गोचरग्रहाः

उदयास्ते गपेचेत्याज्जव इष्टो यदा ग्रहाः पीदोनं पूर्णंदृष्ट्यावा तदा वर्षति नान्यथा ।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.शु.१२सू इ.८।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	०	३	५	९	३
१७	२३	३	२५	२८	१७	२८	१७
१०	३३	२	३२	२५	२३	५१	३४
१४	०	३१	४६	५२	२८	५२	०
५७	३०	३	६	७४	४	३	५७
१२	५५	ब	१९	२६	५६	११	२४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४																								दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूः रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४२	३१	श्र	५५	३७	सौ	४३	४	बा	१५	३४	३३	२३	३७	६	२१	१४	कुं	३१।१४	धनिष्ठा क्षयः ५९।३७
२	गु	३६	२३	श	५५	४३	शो	३५	२०	तै	९	२७	०	२४	३६	७	२२	१५	कुंभे		
३	शु	३०	३३	पू	५२	२०	अ	२८	१४	व	३	२७	३७	२५	३५	८	२३	१६	मी	३८।११	भ. ३।२८ उ. ३३ या. वक्री कर्के बुध. ४२ ×
४	श	२५	३१	उ	४९	२१	सु	२१	२४	बा	२५	३१	५४	२५	३५	९	२४	१७	मीने		
५	र	२१	७	रे	४७	३	धृ	१५	८	तै	२१	७	५०	२६	३४	१०	२५	१८	मे.	४७।३	चन्द्रषष्ठी ×चतुर्थी व्र.
६	चं	१७	३२	अ	४६	१	शू	९	३४	व	१७	३२	४७	२७	३३	११	२६	१९	मेषे		भ. १७।३२ उ. ४६।१८ या. हल ६
७	मं	१५	५	भ	४६	३	गं	४	५५	व	१५	५	४३	२७	३३	१२	२७	२०	मेषे		जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	बु	१३	४७	कृ	४७	९	वृ	१	५५	को	१३	४७	४०	२८	३२	१३	२८	२१	वृ.	१।१९	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	गु	१३	५५	रो	४९	२१	ण्या	५६	३३	ग	१३	५५	३६	२९	३१	१४	२९	२२	बृषे		भ. ४४।३१ उ. कृत्तिकायां १ गुरुः ६।३८
१०	शु	१५	७	मृ	५३	११	ह	५५	४५	वि	१५	७	३३	२९	३१	१५	३०	२३	मि	२।२१	भ. १५ या. पूफायां शुक्रः ३५ बृ.भौमः १३
११	श	१७	३५	आ	५७	५७	च	५५	५१	बा	१७	३५	२९	३०	३०	१६	३१	२४	मिथुने		सिंहेऽर्कः ३३।३९ अजा ११ व्र.
१२	र	२१	११	पु	६०	०	सि	५६	४१	तै	२१	११	२६	३१	२९	१७	१	२५	क.	४७।१४	प्रदोष व्र. वत्स १२
१३	चं	२५	३९	पु	३	३९	व्य	५८	२६	व	२५	३९	३२	३२	२८	१८	२	२६	कर्के		भ. २५।३९ उ. ५८।३ या.
१४	मं	३०	२७	पु	९	४८	व	५९	३१	श	३०	२७	१९	३२	२८	१९	३	२७	कर्के		
३०	बु	२५	१७	श्ले	१६	१३	प	६०	०	च	२५	२	१५	३३	२७	२०	४	२८	सिं	१६।१३	पिठोरी ३० सतीपूजनं लोहार्गलस्नानं

१८पं.भा.कृ.५सू.इ.८।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	०	४	५	९	३
२३	२७	२८	२६	७	१७	२८	२४
१५	११	१०	१६	३	१८	२९	१६
२१	२६	१३	२४	७	४८	२६	२७
५७	३२	४५	५	७४	५	३	५७
२२	२७	ब	१२	२६	२३	११	३३

गोचरग्रहाः

भाद्रपदकृ.११शनौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ गतालकावस्था (बैठी) मु.१५ (धान्यभाव तेज) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

१९पं.भा.कृ.१२सू.इ.८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	०	४	५	९	४
०	०	२३	२६	१५	१८	२८	०
३३	५५	२८	५२	५०	३७	७	५९
३४	४४	२३	२३	१९	८	२०	३७
५७	३३	५५	४	७४	५	३	५७
३४	५९	ब	५	२०	५०	११	४०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३४८ स.१९५२
१	शु	४०	३	म	२२	११	पु	१	६	कि	७	४०	३३	५	२६	२१	५	२९	सिंहे	मंत्रे भौमः २४।२१
२	शु	४४	६	पू	२८	३	शि	२	११	आ	१२	५	८	३४	२६	२२	६	३०	कं.४४।१६	चंद्रदर्शनम् पूर्वोदयी बुधः ३।३८
३	श	४७	१२	उ	३२	५५	सि	२	४३	तै	१५	३९	४	३५	२५	२३	७	१	कन्यायां	जिल्हेज १२
४	र	४९	११	ह	३६	५१	सा	२	३२	व	१८	१२	०	३६	२४	२४	८	२	कन्यायां	भ. १८।१२ उ. ४९।११ या. गणेश ४
५	चं	४९	५९	चि	२९	१९	शु	२	५५	व	१९	३५	३१	३७	२३	२५	९	३	तु. ८।५	मार्गी बुधः ६।२५ ऋषि ५
६	मं	४९	२३	स्वा	४०	४९	ब्र	५६	५	कौ	१९	४१	५२	३८	२२	२६	१०	४	तुलायां	उफायां शुक्रः ३।४१
७	बु	४७	३३	वि	४१	०	शे	५२	३	ग	१७	२८	४८	३८	२२	२७	११	५	वृ.२५।५२	भ.४३ उ. महालक्ष्मी व्र. अगस्तोदयः ३३
८	गु	४४	३४	अ	३९	५९	वै	४६	४७	वि	१६	३	४४	३९	२१	२८	१२	६	वृश्चिके	भ. १६।३ या. कन्यायां शुक्रः ४६।५९
९	शु	४०	३८	ज्ये	३७	५५	वि	४०	५४	बा	३२	३६	४०	४०	२०	२९	१३	७	ध. ३७।५५	
१०	श	३५	५७	मू	३५	१३	प्री	३४	२२	तै	८	१८	३६	४१	१९	३०	१४	८	धनुषि	पूफायां रविः ३४ हस्ते शनिः ४५।५५
११	र	३०	३१	पू	३२	५२	आ	२७	१८	व	३	१४	३२	४२	१८	३१	१५	९	म.४६।३७	भ.३।१४ उ.३९ या. जलझूलनी ११ व्र.
१२	चं	२४	४३	उ	२७	५१	सौ	१९	२०	बा	२४	४३	२८	४२	१८	१	१६	१०	मकरे	सितम्बर मा. ९ ता. ३० प्रदोषः
१३	मं	१८	४४	श्र	२३	४९	शो	१२	१४	तै	१८	४४	२५	४३	१७	२	१७	११	कु.५१।४३	*लयारंभः कुमारीणां संख्यापू. अनंत १४
१४	बु	१२	४०	ध	१९	३८	अ	४५	५३	व	१२	४०	२१	४४	१६	३	१८	१२	कुम्भे	भ.३२ उ. ३९ या. सिंहे बुधः ३६ महा-*
१५	गु	६	३६	श	१५	४२	सु	४९	४२	ब	६	३६	१८	४४	१६	४	१९	१३	मी ५७।५७	प्रौष्ठपदी १५

२०पं.भा.शु.४सू.इ.८।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	०	५	५	९	४
७	७	२१	२७	२४	१९	२७	७
१७	५६	५७	१९	१७	१८	४५	४४
८	५६	१८	२३	२४	४०	५	१७
५८	३५	५३	२	७४	६	३	५७
४५	१७	ब	५८	१४	११	११	४५

इस मास में वर्षा साधारण धान्य तेज मूंग मोंठ बाजरा चना धान्य तेज चांदी सोना लोहा पीतल मंदा

२१पं.मा.शु.११सू.इ.८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	०	५	५	९	४
१४	९	२६	२७	२	२०	२७	१४
२	७	२३	३७	५४	२	२२	२९
५९	१२	३५	४१	३६	२४	४९	५४
५७	३६	६३	१७४	४	३	५७	
५७	४८	ब	३२	८	२६	११	१

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	१	१	पू	१२	१	शू	४२	४९	आ	१	१	३९	४५	१५	६	५	२०	१४	मीने हस्ते शुक्रः ५३।४५
२	शु	५४	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	श	५१	२०	उ	८	५५	गं	३६	२१	व	२३	३५	१०	४६	१४	६	२१	१५	मीने	भ. २३।३५ उ. ५१।२० या.
४	र	४७	५२	रे	६	४५	वृ	३०	३४	व	१९	३६	६	४७	१३	७	२२	१६	मे.६।४५	चतुर्थी व्र.
५	चं	४५	२६	अ	४	५८	द्यु	२५	३६	कौ	१६	३९	२	४८	१२	८	२३	१७	मेषे	
६	मं	४४	९	भ	४	५९	ब्या	२१	३२	ग	१४	४२	३९	४८	१२	९	२४	१८	वृ.२०।१०	भ.४४ उ. वक्री गुरुः ३५ पूर्वास्तो बुधः ३५
७	बु	४४	१७	कृ	५	४५	ह	१८	२८	वि	१४	१३	५४	४९	११	१०	२५	१९	वृषे	भ. १४।१३ या.
८	गु	४५	३२	रो	७	५३	व	१६	२१	आ	१४	५४	४९	५०	१०	११	२६	२०	मि ३९।३५	पूफायां बुधः १९।५९
९	शु	४८	१	मृ	११	१७	स्वि	१५	१६	तै	१६	४६	४५	५१	९	१२	२७	२१	मिथुने	ज्येष्ठायां भौमः ९।४५ मातृ ९
१०	श	५१	३४	आ	१५	४७	व्य	१५	१०	व	१९	४७	४०	५२	८	१३	२८	२२	मिथुने	भ.१९ उ.५३ या.उफायांरविः २ धनिष्ठायां*
११	र	५६	८	पु	२१	१७	व	१५	४८	व	२३	५०	३६	५३	७	१४	२९	२३	क.४।५५	इन्दिरा ११ व्र. स्मा. वै.
१२	चं	६०	०	पु	२७	१७	प	१६	५३	को	२८	३४	३२	५४	६	१५	३०	२४	कर्के	इन्दिरा ११ व्र. नि.
१३	मं	१	०	श्ले	३३	२७	शि	१८	१६	तै	१	०	२८	५४	६	१६	३१	२५	सिं	कन्यायामर्कः ३४ चित्रायांशुक्रः ३३ प्रदोषः
१३	बु	५	५६	म	३९	५१	स्वि	१९	५३	व	५	५६	२४	५५	५	१७	१	२६	सिंहे	भ. ५।५६ उ. ३८।२१ या.
१४	गु	१०	४६	पू	४५	४८	सा	२०	५२	श	१०	४६	२०	५६	४	१८	२	२७	सिंहे	उफायां बुधः १८।४७ सर्वपितृ ३०
३०	शु	१४	५४	उ	५०	५०	सु	२१	३०	ना	१४	५४	१६	५७	३	१९	२	२८	कं. २।३	देवकार्येऽमा *१ राहुः सार्पे ३ केतुः ३६

२२पं.आ.कृ.४सू.इ. ८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	०	५	५	९	४
२०	१३	६	२७	११	२०	२७	२१
४९	२८	८	४६	३१	४८	०	१६
०	१९	२८	२६	४१	३२	२४	५८
५८	७	७	७	७३	६	३	५८
१२	४९	५	२५	५६	३८	११	१३

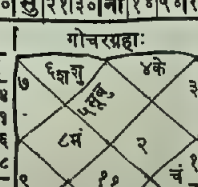

आश्विन कृ. १२ भौमेकन्यायामर्कः प्र.वा.४न.५ प्रगल्भावस्था [बैठी] मु.३०(धान्यभाव सम)शुक्रो.पश्चि.

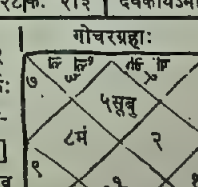

२३पं.आ.कृ.११सू.इ. ८।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	०	५	५	९	४
२७	१७	१८	२७	२०	२१	२६	२८
३७	५६	४९	४५	८	३६	३८	५
२४	२४	८	११	३८	१४	१२	२४
५८	३८	०	५८	७३	६	३	५८
२९	५६	ब	५०	५६	११	२६	१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३७८ स.१९५२
१	श	१८	६	ह	५५	०	शु	२१	२४	ब	१८	६	३० ५८	५ ५८	६ २	२०	४	२९	कन्याया	कन्याया बुधः ५।४१ नवरात्रारंभः
२	र	२०	१७	चि	५७	५०	ब्र	२०	२३	कौ	२०	१७	८	५९	२	२१	५	३०	तु.२६।२५	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	२१	३८	स्वा	५९	३१	ऐं	१८	२४	ग	२१	३८	४	५८	१	२२	६	१	तुलायां	भ.५१।७उ. तुलायां शुक्रः ४ ८/४२ मोहोरम१×
४	मं	२०	३६	वि	६०	०	वै	१५	२७	वि	२०	३६	०	६ ००	६ ००	२३	७	२	वृ.४४।५३	भ. २०।३६ या. ×सन् १३७२
५	बु	१८	४३	अ	५९	१५	वि	११	१७	बा	१८	४३	२९ ५५	१	५९	२४	८	३	वृश्चिके	अस्तं शनिः ३५।१७
६	गु	१५	५४	ज्ये	५७	१३	प्री	६	३२	तै	१५	५४	५१	२	५८	२५	९	४	ध.५७।१३	हस्ते बुधः ३२।२१
७	शु	१२	३	मू	५४	२७	आ	० ४७	५३ २९	व	१२	३	४६	३	५७	२६	१०	५	धनुषि	भ.१२।३ उ.३९/४३या. हस्ते रविः४६।४८
८	श	७	२३	पू	५१	२५	सौ	४७	२०	ब	७	२३	४२	४	५६	२७	११	६	धनुषि	स्वात्यां शुक्रः ३३।५८
९	र	२	८	उ	४७	४४	अ	३९	५५	कौ	२	८	३८	४	५६	२८	१२	७	म.५।३०	चित्रायां १ शनिः ४३।४० विजया १०
१०	र	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
११	चं	५०	३६	श्र	४३	३५	सु	३२	१५	व	२३	२९	३४	५	५५	२९	१३	८	मकरे	भ.२३/२९ उ.५०/३६ या. पापांकुशा११ब्र. स्मा.
१२	मं	४४	२९	ध	३९	२७	धृ	२४	३१	ब	१७	३३	३०	६	५४	३०	१४	९	कु.११।३१	पापांकुशा ११ ब्र. वै. नि.
१३	बु	३८	२९	श	३५	२०	शू	१७	२९	कौ	११	३४	२६	७	५३	१	१५	१०	कुम्भे	अक्टूबर मा.१० ता.३१ प्रदोषः ताजिया
१४	गु	३३	४	पू	३१	४९	गं	९	२३	ग	५	४६	२२	८	५२	२	१६	११	मी१७।४५	भ.३३।४उ. धनुषिभौमः १/३० शरद१५ब्र.
१५	शु	२७	५८	उ	२८	३४	वृ	२ १४	५३ २०	वि	०	३१	१८	८	५२	३	१७	१२	मीने	भ.०।३१या. चित्रायां बुधः १२/१७ शरद१५

२४पं. आ.शु.२सू.इ.७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	०	५	५	९	५
४	२२	१	२७	२८	२२	२६	४
२७	३२	५७	३३	४५	२५	१६	५५
२८	४२	५४	५४	११	३०	३	१७
५८	३९	४४	२३ २२	७३	७	३	५८
४५	३६	४९	ब	४५	८	११	३८

गोचरग्रहाः

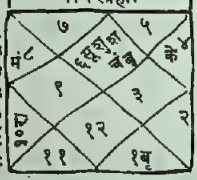

इस मास में राज प्रजा में सुख शांति धान्य जौ गेहूँ चना मूंग मोंठ बाजरा प्रियंगु इनका भाव मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

२५पं.आ.शु.९सू.इ. ७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	०	६	५	९	५
११	२७	१४	२७	७	२३	२५	११
१९	१७	३६	१२	२१	१५	५३	४६
३४	१३	७	३६	२९	४०	४८	५५
५९	४०	४४ ००	३ ३८	७३	७	३	५८
०	१३	३८	ब	३७	१४	११	५३

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	श	२३	३०	रे	२६	१३	ध्या	४९	३१	कौ	२३	३०	२९ १४	६ ९	५ ५१	४	१८	१३	मे.२६।१३	
२	र	२०	८	अ	२४	२७	ह	४४	१६	ग	२०	८	१०	१०	५०	५	१९	१४	मेषे	भ.४८/५७उ. वक्री भरण्यां४ गुरुः५०।४६
३	चं	१७	४६	भ	२३	५१	व	३९	५४	वि	१७	४६	६	११	४९	६	२०	१५	वृ.३९।०	भ. १७।४६ या. चतुर्थी ब्र.
४	मं	१६	३४	कृ	२४	२६	सि	३६	२९	बा	१६	३४	२	१२	४८	७	२१	१६	वृषे	तुलायां बुधः १०।३५
५	बु	१६	४८	रो	२५	५३	व्य	३४	५	तै	१६	४८	२८ ५८	१२	४८	८	२२	१७	मि५७।३६	विशाखायां शुक्रः २५।४५
६	गु	१८	२	मृ	२९	१९	व	३२	३८	व	१८	२	५४	१३	४७	९	२३	१८	मिथुने	भ. १८।२ उ. ४९।२१ या.
७	शु	२०	४०	आ	३३	३२	प	३१	३९	ब	२०	४०	५०	१४	४६	१०	२४	१९	मिथुने	चित्रायां रविः १७।२५ होई ८
८	श	२४	१७	पु	३८	४८	शि	३२	३०	कौ	२४	१७	४६	१५	४५	११	२५	२०	क.२२।२९	स्वात्यां बुधः २१।२५
९	र	२८	५६	पु	४४	३५	सि	३३	३३	ग	२८	५६	४२	१६	४४	१२	२६	२१	कर्के	पश्चिमोदयी बुधः ३०।४३
१०	चं	३३	५३	श्ले	५१	२	सा	३४	४४	व	१	२४	३८	१६	४४	१३	२७	२२	सिं५१।२	भ. १।२४ उ. ३३।४३ या.
११	मं	३८	५५	म	५७	२६	शु	३६	८	ब	६	२४	३४	१७	४३	१४	२८	२३	सिंहे	रमा ११ ब्र. ×धन १३ प्रदोषः
१२	बु	४३	५०	पू	६०	०	शु	३७	३८	कौ	११	२२	३०	१८	४२	१५	२९	२४	सिंहे	गोवत्स पू.
१३	गु	४८	४	पू	३	२३	ब्र	३८	५	ग	१५	५७	२६	१९	४१	१६	३०	२५	कं.१९।४६	भ. ४८।४ उ. वृश्चिके शुक्रः ३१।५९×
१४	शु	५१	२१	उ	८	५४	ऐं	३८	४	वि	१९	४३	२२	२०	४०	१७	३१	२६	कन्यायां	भ.१९।४३या. तुलायामर्कः०।९ रूप१४
३०	श	५३	२९	ह	१३	६	वै	३७	१३	च	२२	२५	१८	२०	४०	१८	१	२७	तु.४४।४६	महालक्ष्मी पूजनम्

२६पं.का.कृ.२सू.इ.७।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	०	६	५	९	६
१८	२	२६	२६	१५	२४	२५	१८
१३	७	३३	४३	५७	६	३१	४०
२३	३०	२९	२९	३२	४३	३३	१२
५९	४१	० ००	४ ४६	७३	७	३	५९
१६	७	४३	ब	२४	२०	११	९

गोचरग्रहाः

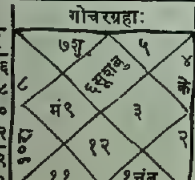

कार्तिक कृ. १४ शुक्रे तुलायामर्कः प्र.वा.३नं.४बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३०(धान्यभावमंदा) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

२७पं.का.कृ.९सू.इ. ७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	०	६	५	९	५
२५	७	७	२६	२४	२४	२५	२५
९	३	५३	५	३३	५७	९	३५
५	७	४९	१७	७	५४	१७	७
५९	४१	९६	५ ५५	७३	७	३	५९
३१	४४	२२	ब	१४	२०	११	२१

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४०७.स.१९५२
१	र	५४	३१	चि	१६	२६	वि	३५	२९	किं	२४	०	२८/१४	६/२१	५/३९	१९	२	२८	तुलायां	विशाखाया बुधः५९।२९ मैत्रे शुक्रः १६/२६
२	चं	५४	१०	स्वा	१८	१	प्री	३१	४२	बा	२४	२०	१०	२१	३८	२०	३	२९	तुलायां	चंद्रद. पूषायां भौमः ५६/२५ भातृ२ यम २
३	मं	५२	२४	वि	१८	५४	आ	२७	५२	तै	२३	१७	६	२३	३७	२१	४	१	बृ.३।४१	सफर २
४	बु	४९	३६	अ	१८	२६	सौ	२४	९	व	२१	०	२	२४	३६	२२	५	२	वृश्चिके	भ. २१।० उ. ४९।३६ या.
५	गु	४५	५१	ज्ये	१६	५०	शो	१३	४१	व	१७	४३	२७/५८	२४	३६	२३	६	३	ध.१६।५०	स्वात्यां रविः ४१।९
६	शु	४१	१५	मू	१४	२१	अ	१२	१०	कौ	१३	३३	५४	२५	३५	२४	७	४	धनुषि	
७	श	३६	४	पू	१२	४	सु	५/१६	५२/३८	ग	८	३९	५०	२६	३४	२५	८	५	म.२५।५५	भ. ३६/४ उ. •प्रबोधिनी११व्र.तुलसीवि.
८	र	३०	२७	उ	७	३०	शू	५०	१४	वि	३	१६	४६	२७	३३	२६	९	६	मकरे	भ.१३/१६ या.वृश्चिकेबुधः ५४/३२ चित्रायां२शनि•
९	चं	२४	३४	श्र	३/२९	५६/५१	गं	४२	२८	कौ	२४	३४	४२	२८	३२	२७	१०	७	कु.३१।२९	कुष्मांड ९ अक्षय ९
१०	मं	१८	३९	श	५५	३१	वृ	३४	४४	ग	१८	३९	३८	२८	३२	२८	११	८	कुम्भे	भ. ४५।४१
११	बु	१२	४३	पू	५१	३२	ध्रु	२७	४	वि	१२	४३	३५	२९	३१	२९	१२	९	मी३७।३०	भ.१३/४३ या. मैत्रे बुध ६/५१ उदयी शनिः२३/३+
१२	गु	६	५३	उ	४८	१२	व्या	१९	४२	बा	६	५३	३१	३०	३०	३०	१३	१०	मीने	ज्येष्ठायां शुक्रः ९।५ प्रदोषः
१३	शु	२	१३	रे	४५	२९	ह	१२	५०	तै	२	१३	२८	३०	३०	३१	१४	११	मे.४५।२९	भ. ५८।० उ. बैकुंठ १४
१४	शु	५५	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +देव ६।५२ गोपाष्टमी
१५	श	५४	२९	अ	४३	३२	व	६	३१	वि	२६	१४	२४	३१	२९	१	१५	१२	मेषे	भ.२६।१४या. नवंबर मा. ११ ता. ३०

२८पं.का.शु.१ सू.इ.७।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	०	७	५	९	६
२	१२	१८	२५	३	२५	२४	२
६	३	३८	१९	८	४९	४७	३१
३४	१८	२४	५५	४६	१२	२	३५
५९	४२	९३	६/३४	७२	७	३	५९
४६	८	३९	ब	५८	२०	११	३४

गोचरग्रहाः

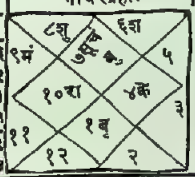

इस मास में पांच शनिवार महाअशुभ है जो अशुभ फल करेंगे "शनेश्चयं चकंदृष्टवा पाताले कंपते फणी।

गोचरग्रहाः

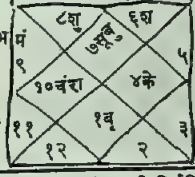

२९पं.का.शु. ८सू.इ. ७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	०	७	५	९	६
९	१७	२८	२४	११	२६	२४	९
५	७	४८	२८	४२	४०	२४	२९
५७	४८	११	५२	४	१	४६	५४
६०	४२	९०	७	७२	७	३	५९
२	४०	४१	२८	४६	१४	११	४७

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५२	२३	भ	४२	४३	सि	१/५५	५०/२०	बा	२३	२६	२७/२०	६/३२	५/२८	२	१६	१३	बृ.५७।४७	
२	चं	५१	१८	कृ	४३	०	व	५२	३९	तै	२१	५०	१७	३३	२७	३	१७	१४	वृषे	वक्री भरण्यां ३ गुरुः ५२।२१
३	मं	५१	३५	रो	४४	२२	प	४९	५०	व	२१	२६	१३	३३	२७	४	१८	१५	वृषे	भ. २१।२६ उ. ५१।३५ या.
४	बु	५३	२	मृ	४७	१७	शि	४८	८	ब	२२	१९	१०	३४	२६	५	१९	१६	मि१५।४९	विशाखायां रविः५८।३४ चतुर्थी व्र.
५	गु	५५	४४	आ	५१	१८	सि	४७	१९	कौ	२४	२३	६	३५	२५	६	२०	१७	मिथुने	
६	शु	५९	३३	पु	५६	२०	सा	४७	२५	ग	२७	२८	३	३५	२५	७	२१	१८	क.४०।५	भ. ५९।३३ उ. उषायां भौमः ५९।२३
७	श	६०	०	पु	६०	०	शु	४८	५	वि	३१	५३	२६/५९	३६	२४	८	२२	१९	कर्के	भ. ३१।५३ या.
७	र	४	१४	पु	८	८	शु	४९	१२	व	४	१४	५६	३७	२३	९	२३	२०	कर्के	ज्येष्ठायां बुधः १५।५८ पातस्पर्शः १५/५४+
८	चं	९	१६	श्ले	२	२७	ब्र	५०	३४	कौ	९	१६	५२	३८	२२	१०	२४	२१	सिं८।२७	मूले शुकः ७।५७ +पातमोक्षः २९/४२
९	मं	१४	२६	म	१४	५१	ऐं	५१	४९	ग	१४	२६	४९	३८	२२	११	२५	२२	सिंहे	भ. ४६।५७ उ.
१०	बु	१९	२८	पू	२०	५४	वै	५२	३६	वि	१९	२८	४६	३९	२१	१२	२६	२३	कं.३७।१७	भ. १९।२८ या. मकरे भौमः ३७।४
११	गु	२३	४३	उ	२६	२८	वि	५२	४०	बा	२३	४३	४३	३९	२१	१३	२७	२४	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	शु	२७	३	ह	३१	२	प्री	५२	७	तै	२७	३	४०	४०	२०	१४	२८	२५	कन्यायां	प्रदोषः ×श्रवणे४राहुःसार्पे२केतुः२८।४३
१३	श	२९	१४	चि	३४	२९	आ	५०	३१	व	२९	१४	३७	४१	१९	१५	२९	२६	तु.२।४५	भ.२९/१४ उ.५९/४३ या. वृश्चिकेऽर्कः ५२।५२×
१४	र	३०	३	स्वा	३६	४१	सौ	४८	३	श	३०	१३	३४	४१	१९	१६	१	२७	तुलायां	
३०	चं	२९	४८	वि	३७	४२	शो	४४	२९	ना	२९	४८	३१	४२	१८	१७	२	२८	बृ.२२।२७	सोमवत्यमा.पुण्यम्

३०पं. मा कृ.१सू.इ.६।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	०	७	५	९	६
१६	२२	८	२३	२०	२८	२४	१६
७	१६	१२	३३	१४	३०	२	२९
०	१२	४७	५०	३८	११	३१	४०
६०	४२	८६	७/५२	७२	७	३	६०
१८	५८	१८	ब	२७	३	११	४

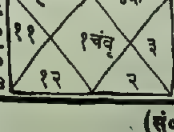

३१पं. मा.कृ.७सू.इ.६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	०	७	५	९	६
२३	२७	१६	२२	२८	२८	२३	२३
९	२८	२८	३६	४६	१८	४०	३१
३९	२६	१	५८	२३	५४	१६	२
६०	४३	७७	७/५२	७२	६	३	६०
३०	१३	१	ब	२	५२	११	१७

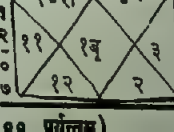

३२पं.मा.कृ.१४सू.इ.६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	८	५	९	७
०	२	२२	२१	७	२९	२३	०
१३	४३	१६	४०	१६	६	१८	३३
४३	५५	५५	२६	४१	०	०	४७
६०	४३	५१	७/५१	७१	६	३	६०
४०	३२	२०	ब	४४	३५	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४३७ स.१९५२
१	मं २८। ५ अ ३७ ३० अ ३९ ५५ ब २८। ५	३६	४२	१८	१८	३	२९	वृश्चिके	
२	बु २५ १९ ज्ये ३६ ३ सु ३४ २७ को २५ १९	२६	४३	१७	१९	४	३०	ध.३६।३	अनुराधायां रविः १०।४० चंद्रद.
३	गु २१ ३९ मू ३३ ५० धृ २८ १५ ग २१ ३९	२४	४३	१७	२०	५	१	धनुषि	भ. ४९।१९ उ. रविलावल ३
४	शु १७ ० पू ३० ५५ शू २१ २३ वि १७ ०	२१	४४	१६	२१	६	२	म.४४।५९	भ.१७या. वक्रीबुधः३५ पूषायां शुक्रः ३४
५	श ११ ४७ उ २७ १३ गं १४ ४ बा ११ ४७	१९	४४	१६	२२	७	३	मकरे	पातस्पर्शः २४।११ पातमोक्षः ३८।३
६	र ६ १७ श्र २३ १४ वृ २८ ५३ ६ १७	१६	४५	१५	२३	८	४	कु.५१।१३	चम्पा ६
७	चं ० ३० ध १९ १२ श्या ५० ५० व ० ३०	१४	४५	१५	२४	९	५	कुम्भे	भ.३३ उ.३७या. चित्रायां२ तुलायांशनि÷
८	चं ५४ ९ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ÷३९ पश्चिमास्तो बुधः ४९
९	मं ४८ ४८ श १५ २ ह ४३ ८ बा २१ ४३	११	४६	१४	२५	१०	६	मी५७।४	श्रवणे भौमः ५१।७
१०	बु ४३ २३ पू ११ ५ व ३५ ३५ ते १६ ५	९	४६	१४	२६	११	७	मीने	
११	गु ३८ ३५ उ ८ ४२ सि २८ २७ व १० ५९	६	४७	१३	२७	१२	८	मीने	भ.१०।५९ उ.३८।३५या. मोक्षदा११ ब्र.
१२	शु ३४ २३ रे ४ ४५ श्र ११ ५६ ब ६ २९	४	४७	१३	२८	१३	९	मे.४।४५	
१३	श ३१ १२ अ २ ४३ व २ ४७ को १ ४८	१२	१६	६	२९	१४	१०	मेषे	वकी मैत्रेबुधः१५ वकीभरण्यां२ गुरुः३५
१४	र २९ ३ भ १ ४० प ११ ९ ग ० ७	२५	४८	१२	३०	१५	११	वृ.१६।४०	भ. २९।२ उ.५८।३२ या. ●प्रदोषः
१५	चं २८ ३ कृ १ ४० शि ७ ४ ब २८	३०	५६	४९	११	१	१२	वृषे	दिसम्बर मा.१२ ता.३१ श्रीदत्त जयंती

३३पं.मा.शु.६सू.इ ६।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	८	५	९	७
७	७	२२	२०	१५	२९	२२	७
१९	५९	२४	४६	४४	५१	५५	२७
१७	३१	४४	३०	३५	२५	४५	४४
६०	४३	२९	१८	७१	६	३	६०
५३	५०	ब	ब	२०	२०	११	५२

गोचरग्रहाः

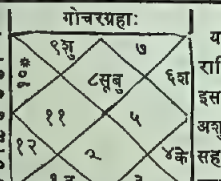

यहाँ शनि गुरु का राशि सप्तम होताहै इसका फल महा-अशुभ है क्रूराणां सह सोम्येश्च यदा-स्मात्सप्त सप्रक्रम् ।

गोचरग्रहाः

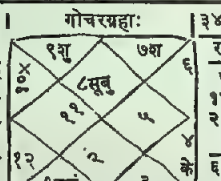

३४पं.मा.शु.१४सू.इ. ६।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	८	६	९	७
१४	१३	१५	१९	२४	०	२२	१४
२६	२०	१६	५७	११	३२	३३	४३
३	१७	३०	७	१३	२४	३०	४
६१	४४	३९	३६	७०	६	३	६०
३	१	ब	ब	५०	१	११	५

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं २८ ३० रो २ ५५ सि ३ ५७ को २८ ३०	५४	४९	११	२	१७	१३	मि३४।९	ज्येष्ठायां रविः१५ उषायां शुक्रः१२।२
२	बु ३० ११ मृ ५ २४ सा १ ४८ ग ३० ११	५३	४९	११	३	१८	१४	मिथुने	
३	गु ३२ ५८ आ ९ ६ शु ० ३३ व १ ३४	५१	५०	१०	४	१९	१५	क.५७।४६	भ.१।३४ उ.४५या. मकरे शुक्रः५४।४६
४	शु ३७ ३ पु १३ ५९ शु ० २८ ब ५ १	५०	५०	१०	५	२०	१६	कर्के	चतुर्थीब्र. पातस्पर्शः ३७ पातमोक्षः ३२
५	श ४१ ४८ पु १९ ४२ ब्र ० ५७ को ९ २५	४८	५०	१०	६	२१	१७	कर्के	पूर्वोदयी बुधः ३५।४५
६	र ४६ ५५ श्ले २५ ५४ ऐं १ ५७ ग १४ २१	४६	५१	९	७	२२	१८	सिं२५।५४	भ. ४६।५५ उ.
७	चं ५२ ६ म ३२ १३ वै ३ ११ वि १९ ३०	४५	५१	९	८	२३	१९	सिंहे	भ. १९।३० या.
८	मं ५७ ४ पू ३८ २० वि ४ २४ बा २४ ३५	४३	५१	९	९	२४	२०	कं.५४।५६	मार्गी बुधः ८।४६
९	बु ६० ० उ ४४ १४ प्री ५ २९ ते २९ १८	४२	५२	८	१०	२५	२१	कन्यायां	
१०	गु १ ३१ ह ४८ ५८ आ ५ ३६ ग १ ३१	४१	५२	८	११	२६	२२	कन्यायां	भ. ३३।७ उ.
११	शु ४ ४३ चि ५२ ४४ सो ५ १९ वि ४ ४३	४०	५२	८	१२	२७	२३	तु.२०।५१	भ. ४।४३ या.
१२	श ७ ४९ स्वा ५५ २६ शो ४ १ बा ७ ४९	३९	५२	८	१३	२८	२४	तुलायां	श्रवणे शुक्रः १९ धनिष्ठायां भौमः ३६●
१३	र ७ ४४ वि ५६ ३१ अ ४४ ५६ ते ७ ४४	३८	५२	८	१४	२९	२५	वृ.४१।१५	प्रदोषः ●सफला ११ ब्र.
१४	चं ७ २१ अ ५६ ३५ धृ ५४ १२ व ७ २१	३८	५२	८	१५	३०	२६	वृश्चिके	भ.७।२१ उ.३६ या. धनुष्यकं:२१।२४
१५	मं ५ ३६ ज्ये ५५ २७ शू ४९ २ श ५ ३६	३७	५३	७	१६	१	२७	ध.५५।२७	पितृकार्येऽमा.
३०	बु २ ४७ मू ५ ३ २१ गं ४ ३ ९ ना २ ४७	३७	५३	७	१७	२	२८	धनुषि	देवकार्येऽमा.

३५पं.पौ.कृ.६सू.इ.५।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	९	६	९	७
२१	१८	७	१९	२	१	२२	२१
३३	२९	५५	१३	३३	१४	११	४९
५०	५८	१०	५२	२५	२०	१४	२०
६१	४३	३१	३७	५	३	६०	
११	५६	ब	ब	१५	३२	११	५६

गोचरग्रहाः

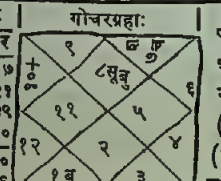

पौष कृ.१३ चंद्रे धनुष्यकं: प्र. वा. २न.३बुद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

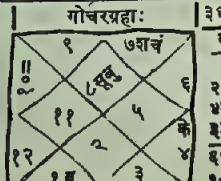

३६पं.पौ.कृ.१२सू.इ.५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	०	९	६	९	७
२८	२४	८	१८	१०	३	२१	२८
४२	२	११	३९	५३	५०	४८	५६
३१	६	१७	७	४९	३५	५९	०
६१	४४	२९	४९	५५	५	३	६१
१८	१६	ब	३२	मा	२	११	०

●रामचं +मंशुरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंरा =रामंशु

ति.	पौष	शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४											दि.	उ.	अ	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	हेमन्तर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ४६६७ स. १९५२
१	बु	५६	२३	०	०	०	०	०	०	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
२	गु	५४	३०	पू	५०	२६	वृ	३६	२३	बा	२६	५०	२५/३७	६/५३	५/७	१८	३	२९	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	शु	५९	१५	उ	४७	४	ध्रु	२९	१६	तै	२१	५२	३६	५३	७	१९	४	१	म.४।३५	रविलाखर ४
४	श	४३	४४	श्र	४३	११	व्या	२१	४६	व	१६	१९	३६	५३	७	२०	५	२	मकरे	भ. १६।२९ उ. ४३।४४ या.
५	र	३८	१	ध	३९	८	ह	१३	५९	ब	१०	५२	३६	५३	७	२१	६	३	कुं.११।९	कुंभे भौम. ५५/४ उत्तरायण प्रवृत्तिः५०।२
६	चं	३२	८	श	३४	५९	व	६/८	५२/१४	कौ	५	४	३६	५३	७	२२	७	४	कुम्भे	ज्येष्ठायां बुधः ३७।३१
७	मं	२६	२४	पू	३१	१	व्य	५०	४३	व	२६	२४	३६	५३	७	२३	८	५	मी१७।१	भ. २६।२४ उ. ५३।४२ या.
८	बु	२१	१	उ	२७	३१	व	४३	२९	ब	२१	१	३७	५३	७	२४	९	६	मीने	धनिष्ठायां शुक्रः ३४।५६
९	गु	१६	१६	रे	२४	२५	प	३६	४३	कौ	१६	१६	३७	५३	७	२५	१०	७	मे.२४।२५	
१०	शु	१२	२२	अ	२२	१४	शि	३०	३४	ग	१२	२२	३७	५३	७	२६	११	८	मेषे	भ. ४०।४७ उ.
११	श	९	१३	भ	२१	२०	सि	२५	१५	वि	९	१३	३८	५२	८	२७	१२	९	वृ.३६।२	भ. ९।१३ या. पुत्रदा ११ ब्र.
१२	र	७	१४	कृ	२०	३८	सा	२०	५६	बा	७	१४	३८	५२	८	२८	१३	१०	वृषे	पूषायां रविः २३।१ प्रदोषः
१३	चं	६	२०	रो	२१	३४	शु	१७	३०	तै	६	२०	३९	५२	८	२९	१४	११	मि५२।३९	
१४	मं	६	५४	मृ	२३	४४	शु	१४	५६	व	६	५४	३९	५२	८	३०	१५	१२	मिथुने	भ.६।५४ उ.३७/४७ या. कुंभे शुक्रः २५/५१ शते×
१५	बु	८	४०	आ	२७	१५	ब्र	१३	२५	ब	८	४०	४०	५२	८	३१	१६	१३	मिथुने	माघ स्नान प्रारंभः ×भौमः ३७/३४

३७पं. पौ.शु.५सू.इ.५।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	०	९	६	९	८
५	२९	१४	१८	१९	२	२१	६
५१	२३	३३	११	८	२४	२६	३
५८	२८	४७	५६	२८	२९	४४	३६
६१	४४	८२	३/१६	६८	४	३	६१
२२	११	१६	ब	५०	३९	११	५

गोचरग्रहाः

शनि महाराज तुला वृश्चिक धन राशि में७।। वर्ष तक भारी उपद्रव करेंगें। तुला वृश्चिक चापस्थोय दायातिशनैश्चर.।

गोचरग्रहाः

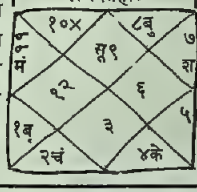

३८पं.पौ.शु.१२सू.इ.५।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	०	९	६	९	८
१३	४	२३	१७	२७	२	२१	१३
१	४८	२४	५५	१८	५३	४	११
५२	०	४०	८	७	३१	२८	३१
६१	४४	८९	५१/५२	६७	४	३	६१
२६	८	५३	ब	५५	४	११	६

ति.	माघ	कृष्णपक्ष सं. २००९ शाकः १८७४											दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	हेमंतर्तु रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	११	३४	पु	३१	५१	ऐं	१२	५८	कौ	११	३४	२५/४१	६/५२	५/८	१	१७	१४	क.१५।४२	जनवरी मा.१ ता.३१ सन् १९५३ मूले*
२	शु	१५	४७	पु	३७	२४	वै	१३	९	ग	१५	४७	४२	५२	८	२	१८	१५	कर्के	भ. ४८।११ उ. *बुधः ५९।३१
३	श	२०	३६	श्ले	४३	३३	वि	१४	०	वि	२०	३६	४३	५१	९	३	१९	१६	सिं१९।५	भ. २०।३६ या. चतुर्थी ब्र.
४	र	२५	४७	म	४९	५६	प्री	१५	१३	बा	२५	४७	४४	५१	९	४	२०	१७	सिंहे	चित्रायां ४ शनिः २२।१४
५	चं	३१	३	पू	५६	१४	आ	१६	१७	तै	३१	३	४६	५१	९	५	२१	१८	सिंहे	शते शुक्रः १६।५५ मार्गी गुरुः ३८।३३
६	मं	३५	५७	उ	६०	०	सौ	१७	२७	ग	३	३०	४७	५१	९	६	२२	१९	कं.१२।४८	भ. ३५।५७ उ.
७	बु	४०	२१	उ	२	२९	शो	१७	५७	वि	८	९	४९	५०	१०	७	२३	२०	कन्यायां	
८	गु	४३	२८	ह	७	८	अ	१७	३८	बा	११	५५	५०	५०	१०	८	२४	२१	तु.३९।११	
९	शु	४५	३५	चि	११	१४	सु	१७	२	तै	१४	३१	५२	५०	१०	९	२५	२२	तुलायां	भ. ८।९ या.
१०	श	४६	२६	स्वा	१३	३२	धृ	१५	०	व	१६	१	५४	४९	११	१०	२६	२३	तुलायां	भ. १६।१ उ.४६/२६ या. उषायां रविः २४/२९+
११	र	४५	५६	वि	१५	३४	शू	१२	९	ब	१६	११	५६	४९	११	११	२७	२४	वृ. ०।४	षट्तिला ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	चं	४४	१०	अ	१६	५७	गं	८	१७	कौ	१५	३	५८	४८	१२	१२	२८	२५	वृश्चिके	पूर्वास्तं बुधः१२।४७ षट्तिला११ब्र.नि.
१३	मं	४१	१५	ज्ये	१५	८	वृ	३/२९	५३/१४	ग	१२	४२	२६/१	४८	१२	१३	२९	२६	ध.१५।८	भ. ४१/१५ उ. मकरेऽर्कः ३९।५६ प्रदोषः
१४	बु	३७	२९	मू	१३	२३	व्या	५१	२१	वि	९	२०	३	४७	१३	१४	१	२७	धनुषि	भ. ९।२२ या. +उषायां बुधः ५२/१२
३०	गु	३२	५२	पू	१०	३६	ह	४४	२६	च	५	११	५	४७	१३	१५	२	२८	म.२४।४६	मौनी ३०

३९पं. मा.कृ.४सू.इ.५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	०	१०	६	९	८
२०	१०	३	१७	५	३	२०	२०
११	१०	१५	४७	२०	१९	४२	१९
५०	४४	३६	५३	१०	१	१३	४०
६१	४४	९३	०/१६	६६	३	३	६१
२२	१०	२२	ब	४८	२८	११	६

गोचरग्रहाः

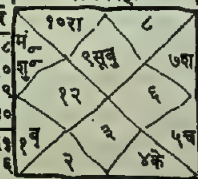

माघ कृ.१३ भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

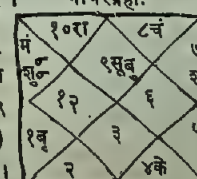

४०पं.मा.कृ.११सू.इ.५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	०	०	६	९	८
२७	१५	१३	१७	१३	३	२०	२७
२१	३३	४०	५२	१४	४०	१९	२७
४०	५४	४१	४१	१०	३०	५७	२४
६१	४४	९५	०/५६	६५	२	३	६१
२४	१९	३५	मा	२७	४१	११	६

*चमंशुरा

×राश

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६४९६ स. १९५३
१	शु	२७	३३	उ	७	१५	व	३७	१	ब	०	१२	२६ ८	६ ४६	५ १४	१६	३	२९	मकरे	पूभाया भौमः ५०।३५ श्रीवल्लभ ज.
२	श	२१	५५	श्र	३ ३२	५५ ५६	सि	२९	१३	कौ	२१	५५	१०	४६	१४	१७	४	३०	कुं ३१।३०	चन्द्रदर्शनम् पूभायांशुक्रः १० ५४ श्रवणे ३रा.*
३	र	१६	१२	श	५५	१९	व्य	२१	२६	ग	१६	१२	१२	४६	१४	१८	५	१	कुम्भे	भ. ४३।१६ उ. जमादिलावल ५
४	चं	१०	२१	पू	५१	२१	व	१३	४२	वि	१०	२१	१५	४५	१५	१९	६	२	मी ३७।२१	भ. १०।२१ या. उषायां बुधः २४।११
५	मं	४	४३	उ	४७	४०	प	५ ५७	५२ ३५	बा	४	४३	१७	४५	१५	२०	७	३	मीने	अभि. प्र. रविः ११।१३ वसंत ५
६	मं	५४	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *सार्पे १ के. २१।४८
७	बु	५४	४७	रे	४४	४०	सि	५१	३७	ग	२६	५८	२०	४४	१६	२१	८	४	मे. ४४।४०	भ. ५४।४७ उ. मकरे बुधः ३८।५ रथ ७
८	गु	५०	४६	अ	४२	१७	सा	४५	१८	वि	२२	४७	२२	४४	१६	२२	९	५	मेषे	भ. २२ ४७ या. पातस्पर्शः ४८।१४ भीष्म ८
९	शु	४७	५१	भ	४०	३१	शु	३९	५३	बा	१९	१८	२५	४३	१७	२३	१०	६	बृ. ५५।२४	श्रवणे रविः २७।१३ पातमोक्षः २।११
१०	श	४५	५३	कृ	४०	५	शु	३५	६	तै	१६	५२	२७	४३	१७	२४	११	७	वृषे	अभि. नि. रविः १९।२९
११	र	४५	८	रो	४०	२७	ब्र	३०	३०	व	१५	३०	३०	४२	१८	२५	१२	८	वृषे	भ. १५ ३० उ. ४५।८ या. जया ११ ब्र. स्मा. व.
१२	चं	४५	५९	मृ	४२	३९	ऐं	२८	३२	ब	१५	३३	३३	४१	१९	२६	१३	९	मि ११।३३	मीने शुक्रः ३३ ४७ जया ११ ब्र. नि. भीष्म १२
१३	मं	४७	४४	आ	४५	५६	वै	२६	४५	कौ	१६	५१	३६	४१	१९	२७	१४	१०	मिथुने	श्रवणे बुधः ३५।६ प्रदोषः
१४	बु	५०	५२	पु	५०	१३	वि	२५	५५	ग	१९	१८	३९	४०	२०	२८	१५	११	क. ३४।९	भ. ५०।५२ उ. ×खग्रासं चंद्रग्र.
१५	गु	५४	५६	पु	५५	३५	प्री	२६	१	वि	२२	५४	४२	४०	२०	२९	१६	१२	कर्के	भ. २३ ५४ या. उभायांशुक्रः ४० ५४ मीनेभौमः ५३ १८×

४१पं. मा. शु. ३ सू. इ. ५।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	०	१०	६	९	९
४	२०	२४	१८	२०	३	१९	४
३१	५५	३१	४	५७	५४	५७	३५
९	१	२३	५९	४७	५४	४२	३४
६१	४४	९७	२	६३	१	३	६१
१९	१६	३८	२०	५४	५९	११	३

गोचरग्रहाः

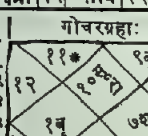

११* ९बु ८ १२ १०सूरा १बृ ७श ६ २ ४के ३ ५

माघ शुक्ला यदाष्टम्यां कृतिकायदिनो भवेत् फाल्गुने रोलिकापातः श्रावणे वान वर्षणम् ।

गोचरग्रहाः

मं ११ शु ९ १२ ११सूरा बु ८ १बृ ७श ६ २चं ४के ३ ५

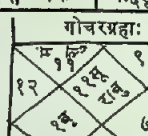

४२पं. मा. शु. ११ सू. इ. ५।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	०	१०	६	९	९
११	२६	५	१८	२८	४	१९	११
४०	१६	४८	२८	२८	५	३५	४२
०	१३	४	१६	१९	१३	२७	४६
६१	४४	० ०	३	६२	१	३	६०
१३	१३	५०	४७	६	१८	११	५९

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५९	५३	श्ले	६०	०	आ	२६	३५	बा	२७	२४	२६ ४५	६ ३९	५ २१	३०	१७	१३	कर्के	
२	श	६०	०	श्ले	१	३८	सौ	२७	५३	तै	३२	२८	४८	३८	२२	३१	१८	१४	सिं १।३८	
३	र	५	४	म	७	५९	शो	२८	५९	ग	५	४	५२	३८	२२	१	१९	१५	सिंहे	भ. ३७।४१ उ. फरवरी मा. २ ता. २८
३	चं	१०	१९	पू	१४	२६	अ	३०	७	वि	१०	१९	५५	३७	२३	२	२०	१६	कं. ३१।४	भ. १०।१९ या. चतुर्थी ब्र.
४	मं	१५	९	उ	२०	५९	सु	३०	४४	बा	१४	९	५९	३६	२४	३	२१	१७	कन्यायां	उभायां भौमः २६।२०
५	बु	१९	१९	ह	२५	३९	धृ	३१	५	तै	१९	१९	२७ २	३६	२४	४	२२	१८	तु. ५७।४७	धनिष्ठायां बुधः २१।३०
६	गु	२२	३०	चि	२९	५६	शू	३०	२७	व	२२	३०	६	३५	२५	५	२३	१९	तुलायां	भ. २२ ३० उ. ५३ २८ या. धनिष्ठायां रविः ३३ ५ वक्री*
७	शु	२४	२७	स्वा	३३	९	गं	२८	५३	ब	२४	२७	३	३४	२६	६	२४	२०	तुलायां	*शनिः ५३ ४४ पातस्पर्शः २० १६ पातमोक्षः ३३ १६
८	श	२५	७	वि	३५	४५	वृ	२६	२२	कौ	२५	७	१३	३३	२७	७	२५	२१	बृ. २०।६	सीताष्टमी
९	र	२४	३०	अ	३५	३७	ध्रु	२२	३९	ग	२४	३०	१६	३३	२७	८	२६	२२	वृश्चिके	भ. ५३।३३ उ. कुम्भे बुधः ९।५०
१०	चं	२२	३७	ज्ये	३५	४	व्या	१७	४०	वि	२२	३७	२०	३२	२८	९	२७	२३	ध. ३५।४	भ. २२।३७ या.
११	मं	१९	३६	मू	३३	२३	ह	१२	५८	बा	१९	३६	२३	३१	२९	१०	२८	२४	धनुषि	विजया ११ ब्र.
१२	बु	१५	३८	पू	३०	४८	व	६	५३	तै	१५	३८	२७	३१	२९	११	२९	२५	म. ४५।०	भरण्यां ३ गुरुः ३।५२ प्रदोषः
१३	गु	१०	५२	उ	२७	३७	सि	० ४	५३ ४६	व	१०	५२	३०	३०	३०	१२	३०	२६	मकरे	भ. १० ५२ उ. ३८ १५ या. कुम्भेऽर्कः ७ १ शते बुधः १ ८=
१४	शु	५	३८	श्र	२४	४	व	४५	१८	श	५	३८	३४	२९	३१	१३	१	२७	कुं. ५२।४	महाशिवरात्री ब्र. वं. =रेवत्यां शुक्रः २१ ३४+
३०	शु	५४	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +महाशिवरात्री ब्र. स्मा.

४३पं. फा. कृ. २ सू. इ. ५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	०	११	६	९	९
१८	१	१७	१९	५	४	१९	१८
४८	३६	३३	०	४३	११	१३	४९
०	४३	४०	४३	१६	६	११	१९
६१	४३	० ०	४	५९	०	३	६०
४	५७	५६	५६	३१	३५	११	५५

गोचरग्रहाः

११ ९ ८ मं शु १२ १०सूबु रा १बृ ७श ६ २ ४के ३ ५चं

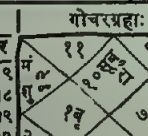

फाल्गुनकृ. १३ गुरौ कुंभेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयः पश्चिम. ।

गोचरग्रहाः

११ ९ मं शु १२ १०सूबु रा ८चं १बृ ७श ६ २ ४के ३ ५

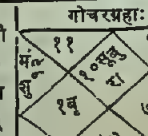

४४पं. फा. कृ. ९ सू. इ. ५।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	८	११	६	३	९
२५	६	२९	१९	१२	४	१८	२५
५४	५५	५१	४१	३६	११	५०	५५
४७	२३	५४	४६	३२	२८	५६	२०
६०	४३	० ०	६	५६	० ०	३	६०
५५	५६	० ०	८	१६	४	११	४७

*चंमंशु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण.६५२५स१९५३
१	श	५४	१०	ध	२०	४	प	३७	३३	किं	२७	३	२७/३८	६/२८	५/३२	१४	२	२८	कुभे	
२	र	४८	१९	श	१५	५७	शि	२९	५२	बा	२१	१४	४२	२८	३२	१५	३	२९	मी५८।०	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	चं	४२	५७	पू	१२	१	सि	२२	४	तै	१५	३८	४६	२७	३३	१६	४	१	मीने	जमादि लाखर ६
४	मं	३७	२७	उ	८	१३	सा	१४	२९	व	१०	१२	५०	२६	३४	१७	५	२	मीने	भ. १०।१२ उ. ३७।२७ या.
५	बु	३२	३९	रे	४	५८	शु	७	२४	ब	५	३	५४	२५	३५	१८	६	३	मे.४।५८	शतेरविः ४२।२२
६	गु	२८	५०	अ	२	२३	शु	१/१२	५४/५	कौ	०	४४	५८	२४	३६	१९	७	४	मेषे	पूफायांबुधः १३/१४ पश्चिमोदयी बुधः २४/१८
७	शु	२५	५१	भ	३०/०	५९/२५	ऐं	५०	२१	ब	२५	५१	२८/२	२४	३६	२०	८	५	वृ.१५।२०	भ.२५/४१ उ.५४/५१ या.रेवत्यांभौमः ५९/६ होई८
८	श	२४	१	रो	६०	०	वै	४६	२०	व	२४	१	६	२३	३७	२१	९	६	वृषे	होलाष्टकं
९	र	२३	१२	रो	०	१६	वि	४३	१७	कौ	२३	१२	१०	२२	३८	२२	१०	७	मि३१।६	
१०	चं	२३	५८	मृ	१	५६	प्री	४१	१३	ग	२३	५८	१४	२१	३९	२३	११	८	मिथुने	भ. ५४।५८ उ.
११	मं	२५	५८	आ	४	५०	आ	४०	६	वि	२५	५८	१८	२०	४०	२४	१२	९	क.५३।५	भ. २५।५८ या. मीनेबुधः ४६।४३+
१२	बु	२९	१०	पु	९	९	सौ	३९	५३	बा	२९	१०	२२	२०	४०	२५	१३	१०	कर्के	+आमलकी ११ ब्र.
१३	गु	३३	२०	पु	१४	४	शो	४०	२७	कौ	१	१५	२६	१९	४१	२६	१४	११	कर्के	प्रदोषः
१४	शु	३८	५	श्ले	१९	५४	अ	४१	३१	ग	५	४२	३०	१८	४२	२७	१५	१२	सिं१९।५४	भ. ३८।५उ. उभायां बुधः २५।२
१५	श	४३	१३	म	२६	१९	सु	४२	५२	वि	१०	३९	३४	१७	४३	२८	१६	१३	सिहे	भ. १०।३९ उ. होलिका दहनं

४५पं.फा.शु.२र इ. ५।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	११	६	९	१०
३	१२	१२	२०	१९	४	१८	३
०	१२	३७	३१	३	६	२८	०
५०	२२	४१	१	४	४०	४१	५
६०	४३	५९/१	७	५२	५०/५८	३	६०
४२	३९	५१/१५	१	१७	व	११	३७

गोचर ग्रहाः

कुम्भ मीन के अन्तरे अष्टमी रोहिणी होय द्विगुणा तिगुना चौगुणा कणका कवड़ा जोय।

गोचर ग्रहाः

४६पं फा.शु.९र.इ.५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	११	६	९	१०
१०	१७	२५	२१	२४	३	१८	१०
५	२८	१०	२७	५४	५६	६	३
२२	३४	४८	३२	२९	४९	२५	३५
६०	४३	७/१	८	४६	१/४४	३	६०
३१	३४	५७/१	१३	४७	व	११	२५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति महा.
१	र	४८	२८	पू	३२	२९	धृ	४४	१	बा	१५	५०	२८/३८	६/१६	५/४४	१	१७	१४	क.४९।५	मार्च मा.३ ता.३१ मेषेशुक्रः ३।८छा.
२	चं	५३	७	उ	३८	५४	शू	४५	०	तै	२०	४७	४२	१६	४४	२	१८	१५	कन्यायां	पातस्पर्शः ५४।४५
३	मं	५७	१६	ह	४४	२७	गं	४५	३२	व	२५	११	४६	१५	४५	३	१९	१६	कन्यायां	भ.२५/११ उ.५७/१६ या. पूभायां रवि ५७/१० ÷
४	बु	६०	०	चि	४८	५६	वृ	४५	५	ब	२८	४४	५०	१४	४६	४	२०	१७	तु.१६।४१	चतुर्थी व्रत ÷पातमोक्षः ५।५३
४	गु	०	१३	स्वा	५२	२०	ध्रु	४४	१	बा	०	१३	५४	१३	४७	५	२१	१८	तुलायां	
५	शु	२	७	वि	५४	२९	ध्या	४१	४८	तै	२	७	५८	१२	४८	६	२२	१९	वृ.३८।५७	भरण्यां४ गुरुः ५।१० शीतला पू.
६	श	२	४०	अ	५५	३०	ह	३८	५६	व	२	४०	२९/२	१२	४८	७	२३	२०	वृश्चिके	भ.२।४०उ.३२।१७यावक्रीबुधः२३।०
७	र	१	५४	ज्ये	५४	१३	व	२४	२९	ब	१	५४	६	११	४९	८	२४	२१	ध.५४।१३	
८	र	५७	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
९	चं	५६	४१	मू	५३	४७	सि	२९	२५	तै	२८	१५	१०	१०	५०	९	२५	२२	धनुषि	वक्री चित्रायां ३ शनिः ८।३६
१०	मं	५२	४२	पू	५१	२५	व्य	२३	३४	व	२४	४१	१४	९	५१	१०	२६	२३	धनुषि	भ.२४/४१ उ.५३/४२ या.पश्चिमास्तो बुधः २४/५६
११	बु	४७	४५	उ	४८	२८	व	१८	११	ब	२०	१४	१९	८	५२	११	२७	२४	म.५।४१	मेषेभौमः२।२२पापमोचनी११ .स्मावै
१२	गु	४२	२६	श्र	४४	५२	प	१०	१२	कौ	१५	५	२३	७	५३	१२	२८	२५	मकरे	पापमोचनी ११ ब्र. निं.
१३	शु	३६	३८	ध	४०	५५	शि	२/४७	५२/५३	ग	९	३२	२८	६	५४	१३	२९	२६	कुं.१२।५४	भ.३६।३८उ.मीनेऽर्कः५७।२८प्रदोषः
१४	श	३०	४९	श	३६	४७	सा	४७	२८	वि	३	४३	३२	६	५४	१४	१	२७	कुम्भे	भ. ३।४३ या.
३०	र	२५	४	पू	३२	४७	शु	३९	५३	ना	२५	४	३६	५	५५	१५	२	२८	मी१८।४७	अहर्गण ६५।५४ उ. ३ के

४७पं.चै.कृ.१र.इ.६।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	०	०	६	९	१०
१७	२२	५	२२	०	३	१७	१७
८	४१	१६	३०	२	४२	४४	५
१२	४२	१२	४७	२	७	१०	४८
६०	४३	६८	९	३९	२/२०	३	६०
२०	२९	५६	४	५६	व		

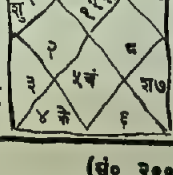

४८पं. चै.कृ ७र इ. ६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	०	०	६	९	१०
२४	२७	९	२३	४	३	१७	२४
९	५३	४४	३९	११	२३	२१	६
३३	२४	५३	५०	५६	६	५४	३२
६०	४३	८/०	९	३०	३/०	३	५९
५	१३	व	४८	२८	व	११	५८

४९पं.चै.कृ ३०र.इ.६।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	०	०	६	९	११
१	३	७	२४	७	३	१६	१
९	३	२९	५४	२	०	५९	५
१५	७	६	३६	२८	११	३९	४४
५९	४२	५९/४१	१०	१८	३/४१	३	५९
४९	५८	व	३२	४१	व	११	४१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०५४, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५०५४, शेष भोग्यकलिः ४२९९४६ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति—विक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०१०, शाकः १८७५, अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रः। मंत्री चंद्रः । सस्येशोगुरु:। धान्येशो भौमः । मेघेशोः रविः । रसेशः शनिः । नीरसेशोबुधः । फलेशो रविः । धनेशो बुधः । दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णु-विंशतिकायां २० पराभवनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः २।२५।४४।२४ भोग्यमासादिः ९।४।१५।३६ । वैश्व–दैवतं युगम् । वर्षनाम कार्तिकः। मेघ ४ नाम संवर्तः । समयनिवासो कुंभकारगृहे (जलपात्रे) । रोहिणीनिवासःपर्वते । समय विश्वा १८ । समयवाहनम्मृग । स्तंभः१वायोः। सोमवत्यमा १ । सोमवतीपंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी १। बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी १। रविदशमी १। समय मुहूर्ताः ४०५। समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः १४। तिथिवृद्धिः ८।उत्पत्तिर्विश्वा ६३ । खपतिर्विश्वा ८४ । वर्षाविश्वा १३ । धान्य ७, तृण ११, शीत ५, तेज ५, वायुः १३, शनि दृष्टि पश्चिमे, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ९५, सत्यम् ।। धर्म १।।, पापं १८ । ग्रहण २ चंद्रमसः ।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	२	११	८	८	२	८

वर्ष लग्नम् ४।७

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

मात भवानी अंबिके पूछे भैरव लाल ।
संवत्सर दश का कहो अपने मुख स हाल ।।१।।

भवानी उत्तर

दशों दिशा दस साल में मंगल गावें नार ।
भेरि नगारा दुदुभि अरु वाजे सहतार ।।२।।
निशा नाथ राजा हुये ले मंत्री का भार ।
अन धन जन संपति बढ़े सुख पावे ससार ।।३।।
चौमासे चारों दिशा घटा चढ़े घन घोर ।
वर्षा लगे सुहावनी बोलें दादुर मोर ।।४।।
अठ्ठारह विश्वा समय अधिक मास वैशाख ।
फलपति पदपाया रवी धनी नीपजे साख ।।५।।
फल संवत्सर का कहा यूं "बनवारीलाल" ।
भजन करो जगदीश का वे हैं दीनदयाल ।।६।।

लाभखर्च कोष्टक

रा.	तु	बु.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ३।२९

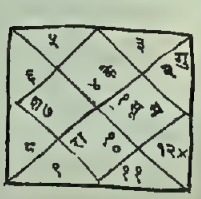

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५१।०। केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।११।१७

अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम् ॥ चंद्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूतवृष्टि प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ॥ मंत्रीचंद्रस्तत्फलम्—शशिनि मंत्रिगते बहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशिसुशोभिताः ॥ सस्येशो गुरुस्तत्फलम्—सुरगुरुर्यदि सस्यपतिस्तदा सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै ॥ धान्येशो भौमस्तत्फलम्—भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्य महर्घकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंति च ॥ मेघेशः सूर्यस्तत्फलम्—जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनतारसम् । यवचणेक्षु निवारसुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ॥ रसेशः शनिस्तत्फ० रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गजवाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरान्नरसैयुंताः ॥ नीरसेशो बुधस्तत्फलम्—चित्रवस्त्रादिकं चैव शंख चंदन पूर्कम् । अर्घवृद्धिः प्रजायते नीरसेशो बुधो यदि ॥ फलेशो रविस्तत्फलम्—द्रुमवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विरोधतः । बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ॥ धनेशो बुधस्तत्फलम्—द्रविणपो हिमरश्मिसुतः यदा विविधसंग्रह वस्तुफलातदा । द्विजवरा जप-यज्ञसुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः ॥ दुर्गेशो रविस्तत्फलम्—नयविशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया नरराज-पुरोगमाः । समधिकेन तदा नृपतोन्यतः पथिषु संव्रजतां न भयं क्वचित् ॥ वैशाखोऽधिकमासतत्फलम्—स्वल्प वृष्टि-र्भवेन्मेघो धनधान्य समाकुलम् घृतं तैलं च कार्पासं सुभिक्षं माघवद्वये ॥ वर्षनाम कार्तिकस्तत्फलम्—पापबुद्धिरता लोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यन्ते राज्यं चैं तस्करैः हृतम् ॥ मेघनाम संवर्तस्तत्फलम्—संवर्ते जलपूरिता ॥ रोहिणी निवासः पर्वतेफलम्—पर्वते बिंदुमात्रश्च ॥ समय निवासः कुंभकार गृहे फलम्—अनावृष्टिः प्रजापतौ । एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०१० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

ज्येष्ठ मासः

शुक्ला ७ गुरौ उफा ल.१ अंश २२ या. रे.६।।।।।।ऽ।।
" ६ शनौ हस्ते ल. २ रे. ८।ऽ।।।ऽ।।।
" १२ बुधे अनु. ल.२ [सप्तमेचंद्रोऽच्यं] रे.७ ऽसूऽ।ऽ शु।।।।। पादवेधाद्वेधाऽभावः आवश्यके
" १४ शुक्र मूले ल. १ रे. ७।।।।।ऽअग्नि।ऽऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः

आषाढ मासः

कृष्णा ७ शुक्रे रेव.ल.२रे.७।।।।।।ऽऽ।दग्धादोषःआवश्यके
" ११ भौमे रोहि. ल.१,२ रे.७।ऽऽबृ।।।।ऽ२५।।वृष लग्ने "गोकर्कस्थोविधुस्तनौ"

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ शनौ रोहि. ल.३, ५ रे.८।।।।ऽसू।।ऽ१५।।
" ७ शुक्रे मघाल.ऽन्यगो ३रे.७ऽबृ।।।ऽअग्नि।ऽ२१।।
" ६ रवौ उफा.ल.३अ२०उ.रे.७ऽशु।।।।ऽनृ।ऽ२३।।
" १० चंद्रे उफा.ल.ऽन्यगो.रे.७ऽशु।।।।।ऽ२३।ऽदग्धा दोषः आव.
" १० भौमे हस्तेल.ऽन्यगो.रे.८।।।।।ऽचो.।ऽ।।

फाल्गुन मासः

शुक्ला २ शनौ. रेव. ल. १० रे. ६।।।।ऽनृ।।।।
" ६ बुधे रोहि. ल. १० रे. ७।।।।।ऽरोऽऽ७।।
अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यंबुधैः

आषाढ़ शु. १५ रवौ खग्रासं चंद्र ग्रहणम् विश्वा ३६।८

		स्प.	सं.	म	उ.	मो.	प.
रेल्वे टाइम	घ.	४	४	५	६	७	३
	मि.	१	५	५६	३६	३६	३५
देशी टाइम	घं.	३	४	५	६	७	३
	प.	२८	२६	१६	६	३	३५

पौष शु. १५ चंद्र सर्वग्रासं चद्र ग्र. विश्वा २०।०

		स्प.	म.	मो.	पर्व
रेल्वे टाइम	घ.	६	८	६	३
	मि.	२७	५	४४	१७
देशी टाइम	घ.	५	७	९	३
	प.	४६	२७	६	१७

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												वि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५५५ स. १९५३
१	चं	१९	१०	उ	२९	१	शु	३२	१६	ब	१९	१०	२९/४०	६/४	५/५६	१६	३	२९	मीने	चद्रदर्शनम् सवत्सरारम्भः नवरात्रा
२	मं	१३	५९	रे	२५	३६	ब्र	२५	२३	कौ	१३	५९	४४	३	५७	१७	४	१	मे. २५।३६	उभायांरविः १८।६ रज्जव ७
३	बु	९	९	अ	२२	५४	ऐं	१८	३२	ग	९	९	४९	२	५८	१८	५	२	मेषे	भ. ३७।१३ उ. गणगौरी पू.
४	गु	५	१७	भ	२०	१७	वै	१२	३७	वि	५	१७	५३	१	५९	१९	६	३	वृ. ३५।९	भ. ५।१७ या. वक्रीपूभायां बुधः २९/३७
५	शु	२	१९	कृ	१९	४७	वि	७	३२	बा	२	१९	५७	१	५९	२०	७	४	बृषे	
६	शु	५७	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	क्षयः
७	श	५९	४०	रो	२०	३	प्री	३	२१	ग	२९	३२	३०/१	६/०	६/०	२१	८	५	मि ५०।४५	भ. ५९/४० उ. श्रवणे २ राहुः पुष्ये ४ केतुः १८/१७
८	र	६०	०	मृ	२१	२७	आ	०/३	५७/४०	वि	३०	१	६	५/५९	६/१	२२	९	६	मिथुने	भ. ३०।१ या.
८	चं	०	२३	आ	२४	१४	शो	५६	२६	ब	०	२३	१०	५८	२	२३	१०	७	मिथुने	वक्रीकुम्भेबुधः ५१/४९ वक्रीशुक्रः २५/१४ राम ९
९	मं	२	१६	पु	२७	५७	अ	५६	०	कौ	२	१६	१४	५७	३	२४	११	८	क. १२।१	कृतिकायां १ गुरुः २६।५
१०	बु	५	२९	पु	३२	४४	सु	५६	२३	ग	५	२९	१८	५६	४	२५	१२	९	कर्के	भ. २७।३३ उ. पूर्वोदयीबुधः १।४८
११	गु	९	३८	श्ले	३८	३८	धृ	५७	२१	वि	९	३८	२२	५६	४	२६	१३	१०	सिं ३८।३८	भ. ९।३८ या. कामदा ११ ब्र.
१२	शु	१४	२०	म	४४	५३	शू	५८	३६	बा	१४	२०	२६	५५	५	२७	१४	११	सिंहे	प्रदोषः
१३	श	१९	३०	पू	५१	१९	गं	५९	५८	तै	१९	३०	३०	५४	६	२८	१५	१२	सिंहे	
१४	र	२४	३०	उ	५७	३७	वृ	६०	०	व	२४	३०	३४	५३	७	२९	१६	१३	कं. ७।५३	भ. २४/३० उ. ५६/५३ या. भरण्यां भौमः १३/१८
१५	चं	२९	१६	ह	६०	०	वृ	१	१६	ब	२९	१६	३८	५२	८	३०	१७	१४	कन्यायां	रेवत्यां रविः ४५।३४ हनुमज्जयंती

५०पं. चै. शु. ८ सू. इ. ७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	०	६	९	११
८	८	१	२६	८	२	१६	८
७	१०	१९	१४	१४	३३	३७	३
९	३७	४४	१०	५३	५४	२४	२७
५९	४२	४५/४६	१	३	५३	३	५९
३५	५३	व	१०	३४		११	२९

गोचर ग्रहाः

चैत्राय प्रतियन्मेघो गर्जितो वर्षणं तथा श्रावणे भाद्र मासे च तदा वृद्धिर्न जायते चैत्र सुदी १ को वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

५१पं. चै. श. १४ सू. इ. ७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	०	६	९	११
१५	१३	२७	२७	७	२	१६	१४
३	१५	१४	३७	३०	५	१५	५९
१२	५८	२	४१	४७	४२	८	१५
५९	४२	११/२	११	१३/४८	४/१६	३	५९
१८	४३	व	४८	व	ब	११	१६

ति	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												वि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	मं	३३	१४	ह	३	२२	ध्रु	१	५८	बा	१	१५	३०/४२	५/५२	६/८	३१	१८	१५	तु. ३५।४२	मार्गी बुधः ४४।२७
२	बु	३६	३	चि	८	३	व्या	१	५८	ग	४	३८	४७	५१	९	१	१९	१६	तुलायां	अप्रेल मा. ४ ता. ३०
३	गु	३७	४५	स्वा	११	४२	ह	०/५६	५८/१५	वि	६	५४	५२	५०	१०	२	२०	१७	वृ. ५८।२३	भ. ६।५४ उ. ३७।४५ यां. चतुर्थी ब्र.
४	शु	३८	९	वि	१३	५६	सि	५६	२५	बा	७	५७	५	४९	११	३	२१	१८	वृश्चिके	
५	श	३७	१७	अ	१५	२३	व्य	५२	३५	कौ	७	४३	३१/०	४८	१२	४	२२	१९	वृश्चिके	
६	र	३५	६	ज्ये	१५	२२	व	४८	१२	ग	६	११	४	४७	१३	५	२३	२०	ध. १५।२२	भ. ३५।६ उ.
७	चं	३१	५५	मू	१४	११	प	४२	३५	वि	३	३०	८	४६	१४	६	२४	२१	धनुषि	भ. ३।३० या.
८	मं	२७	४९	पू	१२	६	शि	३६	८	कौ	२७	४९	१२	४६	१४	७	२५	२२	म. २६।२२	
९	बु	२२	४४	उ	९	१०	सि	२९	२४	ग	२२	४४	१६	४५	१५	८	२६	२३	मकरे	भ. ५०।१ उ. =बृषेगुरुः १४/११
१०	गु	१७	२१	श्र	५	४३	सा	२१	५३	वि	१७	२१	२०	४४	१६	९	२७	२४	कुं. ३३।४७	भ १७/२१ या. मीनेबुधः ४८/५० कृतिकायां २=
११	शु	११	२४	ध	५/२	५३/७	शु	११	३३	बा	११	२४	२४	४३	१७	१०	२८	२५	कुंभे	पश्चिमास्तं शुक्रः ३७/१२ बरुथनी ११ ब्र ×
१२	श	५	३२	पू	५३	४६	शु	६/५७	२/२१	तै	५	३२	२८	४२	१८	११	२९	२६	मी ३९।४९	भ. ५९।३३ उ. प्रदोषः ×प. अ. शु.
१३	श	५५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१४	र	५३	४५	उ	४९	४८	ऐं	५४	४४	वि	२६	३९	३२	४२	१८	१२	३०	२७	मीने	भ. २६।३९ या.
३०	चं	४८	१८	र	४६	२३	वै	४४	३३	च	२१	१	३६	४१	१९	१३	३१	२८	मे. ४६।२३	मेषेऽर्कः २०।५ वक्री मीने शुक्रः २१/२३

५२पं. वै. कृ. ६ सू. इ. ७।५८

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	०	६	९	११
२१	१८	२७	२९	४	१	१५	२१
५७	१८	३७	४	५१	३५	५२	५३
२५	१४	५०	४४	२५	६	५४	३१
५९	४२	१८/३१	१२	२८/३१	४/३४	३	५९
४	२८	ब	१४	व	ब	११	४

गोचर ग्रहाः

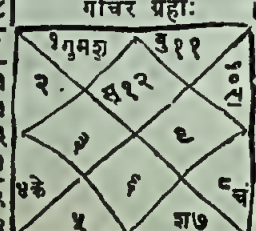

प्र. वैशाख कृष्णा ३० चंद्र मेषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ अतिबंध्यावस्था (सती) मु. ३० (धान्यभावसम) शुक्रास्तः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

५३पं. वै. कृ. ३० चं. इ. २३/४४

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१	११	६	९	०
०	२४	२	०	२९	०	१५	०
३	१३	३४	५२	५८	५५	२६	०
३४	२३	८	४१	३४	४१	३५	०
५८	४२	४३	१२	३६/३४	४/४०	३	५८
४५	७	२	४०	व	व	११	४४

ति.	प्र.वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०१० शाकः १८७५	वि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चंद्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः६५८४स.१९५३
१	मं ४३ ३२ अ ४३ ३६	वि ३७ ५३	किं १५ ५५	३१ ४०	२० ६	१४ १	२९	मेषे	पूर्वोदयीशुक्र.३६।३६उभया.बुधः३५
२	बु ३९ ४० भ ४१ २३	प्री ३२ २१	बा ११ ३६	४४ ३९	२१ १५	२ ३०		वृ.५६।६	चन्द्रद. पू.उ.शु.
३	गु ३६ ३७ कृ ४० १५	आ २६ ३०	तै ८ ८	४८ २८	२२ १६	३ १		वृषे	कृतिकायां भौमः ५२।३६ सावान ८
४	शु ३४ ३३ रो ४० १	सौ २२ ११	व ५ ३५	५१ ३८	२२ १७	४ २		वृषे	भ. ५।३५ उ. ३४।३३ या.
५	श ३३ ४५ मृ ४१ १५	शो १८ ३३	ब ४ ९	५५ ३७	२३ १८	५ ३		मि१०।३८	
६	र ३४ १९ आ ४३ १९	अ १६ ७	कौ ४ २	५८ ३६	२४ १९	६ ४		मिथुने	
७	चं ३५ ५९ पु ४७ ५	सु १४ ३४	ग ५ ५९	३३ ३६	२४ २०	७ ५		क.३१।९	भ. ३५।५९ उ.
८	मं ३९ १२ पु ५१ ४६	धृ १४ ८	वि ७ ३५	६ ३५	२५ २१	८ ६		कर्के	भ. ७।३५ या. वृषे भौमः ३३।५३
९	बु ४३ २३ श्ले ५७ १९	शू १४ २३	बा ११ १७	९ ३४	२६ २२	९ ७		सिं५७।१९	
१०	गु ४८ १ म ६० ०	गं १५ ३१	तै १५ ४२	१३ ३३	२७ २३	१० ८		सिंहे	×गुरुः२२।२६ कमला११ब्र.स्मा.वै.
११	शु ५२ ५९ म ३ ३४	बृ १६ ५२	व २१ ३०	१७ ३३	२७ २४	११ ९		सिंहे	भ.२०।३०उ.५२।५९या.कृतिकायां३×
१२	श ५८ ० पू १० ३	ध्रु १८ १३	ब २५ २९	२१ ३२	२८ २५	१२ १०		कं.२६।३९	रेवत्यांबुधः३५वक्रीचित्रायां२कन्यायां÷
१३	र ६० ० उ १६ २७	व्या १९ ३८	कौ ३० १४	२५ ३१	२९ २६	१३ ११		कन्यायां	प्रदोषः ÷शनि ३१ कमला११नि.
१३	चं २ २९ ह २२ ११	ह २० ३२	तै २ २९	२९ ३०	३० २७	१४ १२		तु.५४।४०	भरण्यांरविः१।२९ अगस्त्यास्तः६।३४
१४	मं ६ ३७ चि २७ १०	व २० ५७	व ६ ३७	३३ २९	३१ २८	१५ १३		तुलायां	भ. ६।३७ उ. ३८।०
१५	बु ९ २३ स्वा ३१ ९	सि २० २२	ब ९ २३	३६ २९	३१ २९	१६ १४		तुलायां	सब्बरात

२पं.प्र.वै.शु.७चं.इ.२४।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१	११	६	९	०
६	२९	९	२	२५	०	१५	६
५३	११	४१	२५	४६	२३	४	५०
४५	४	३८	३७	३७	२०	१९	३८
५८	४२	५८	१३	३३	४०	३	५८
२९	२	४२	५	व.	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

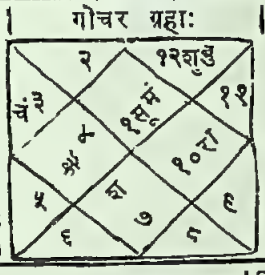

इस मास में पांच मंगलवार प्रजा में रोगादि उपद्रव बुध शुक्र का योग और मंगल गुरुका योग वर्षाकारक है

गोचर ग्रहाः

३पं.प्र.वै.शु.१३ चं.इ.२४।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	१	११	५	९	०
१३	४	१९	४	२३	२९	१४	१३
४२	७	३	०	१	५१	४२	३९
९	१२	२५	२५	५	४३	४	४१
५८	४१	७२	१३	१६	३५	३	५८
१२	५२	५३	२०	व	व	११	२०

ति	द्वि वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०१० शाकः १८७५	वि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चंद्रः	वसंततूरविरुत्तरेप्र वैशाखकृष्णेतिमहा
१	गु १० ५४ वि ३३ ५५	व्य १८ ४५	कौ १० ५४	३२ ४०	२८ ५	३३ ३०	१७	१५ वृ.१८।१४	
२	शु ११ ३८ अ ३५ २३	व १६ ११	ग ११ ३८	४३ २७	३३ १	१८	१६	वृश्चिके	भ. ४१।० उ. मई मा. ५ ता. ३१
३	श १० २२ ज्ये ३५ ४३	प १२ ४८	वि १० २२	४७ २७	३३ २	१९	१७	ध.३५।४३	भ. १०।२१ या. चतुर्थी ब्र.
४	र ८ १३ मू ३४ ५०	शि ८ १६	बा ८ १३	५० २६	३४ ३	२०	१८	धनुषि	
५	चं ५ १ पू ३२ ५१	सि ५९ ५३	तै ५ १	५६ २५	३५ ४	२१	१९	म.४७।११	मेषे बुधः २३।४५ मार्गी शुक्रः ३।४
६	मं ० ४८ उ ३० १३	शु ५० २४	व ० ४८	५७ २५	३५ ५	२२	२०	मकरे	भ.४८ उ. २८ या. रोहिण्यां भौमः५० ३३
७	मं ५४ २५ ० ०	० ० ०	० ०	० ०	० ०	०	०	० ०	क्षयः
८	बु ५० ३ श्र २६ ४९	शु ४३ १६	बा २२ ३८	३३ २४	३६ ६	२३	२१	कुं.५४।५७	
९	गु ४४ ४ ध २३ ५	ब्र ३५ ५२	तै १७ ३	४ २३	३७ ७	२४	२२	कुंभे	
१०	शु ३८ १० श १८ ५९	ऐं २८ १०	व ११ ३	७ २३	३७ ८	२५	२३	कुंभे	भ. १पु उ. ३९ या. कृतिकायां४ गुरु५१
११	श ३२ ७ पू १४ ५५	वै २० ३२	ब ५ ९	१० २२	३८ ९	२६	२४	मी०।५६	कमला ११ ब्र. ×५१।४६
१२	र २६ १७ उ १० ५७	वि १३ १५	तै २६ १७	१३ २१	३९ १०	२७	२५	मीने	कृतिकायारवि ३५ अस्तंभौमः ३५ प्रदोषः
१३	चं २० ३३ रे ७ २२	प्री ५६ ५३	व २० ३३	१६ २१	३९ ११	२८	२६	मे.७।२२	भ. २०।३३ उ.४८।१४या. भर. बुधः×
१४	मं १५ ५५ अ ४ १०	सौ ५२ १	श १५ ५५	१९ २०	४० १२	२९	२७	मेषे	अस्तं गुरुः ५१।३६ अ. गु.
३०	बु ११ ४८ भ १ ५४	शो ४७ ३६	ना ११ ४८	२२ २०	४० १३	३०	२८	वृ १६।४७	पूर्वास्तो बुधः ३१।१२अमापुष्यम्

४पं द्वि.वै.कृ.५चं.इ २४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	१	११	५	९	०
२०	९	०	५	२१	२९	१४	२०
२८	०	१	३७	४८	२१	१९	२७
४७	११	८	५	४	४०	४८	२२
५७	४१	८८	१३	५३	२०	३	५८
५७	४८	३८	२६	मार्च	११	११	६

गोचर ग्रहाः

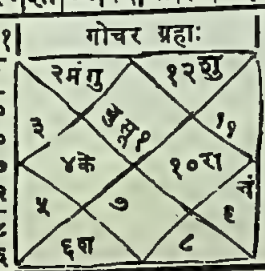

इस मास का फल उत्तम रहेगा। "वैशाख बाम धान्याभां निष्यतिर शुभः क्वचित्'

गोचर ग्रहाः

५पं.द्वि.वै.कृ१३चं.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	१	११	५	९	०
२७	१३	१२	७	२२	२८	१३	२७
१४	५२	३२	१४	४१	५४	५७	१३
१	१२	१३	३८	४९	७	३३	२०
५७	४१	५०	१३	१६	५३	३	५७
४५	४४	५९	३२	१२	व	११	५४

ति.	द्वि.वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५	वि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	श्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहोगणः६६१४स.१९५३
१	गु ८ ३६ कृ १ २६ अ ४२ ५९ ब ८ ३६ ३५ १५ ४६ १४ ३१ २६							वृषे	वृषेऽर्कः १७।११ चन्द्र द.
२	शु ६ ३१ रो २ ६ मृ ३६ ३६ कौ ६ ३१ २८ १८ ४६ १५ १ १							मि ३२।२०	रमजान ९ रोजा.
३	श ५ ५१ मृ २ ३४ धृ ३६ ४५ ग ५ ५१ ३१ १८ ४२ १६ २ २							मिथुने	भ. ३५।५८ उ. अक्षया ३
४	र ६ ६ आ ३ ५५ शू ३५ ६ वि ६ ६ ३४ १७ ४३ १७ ३ ३							क. ५०।३५	भ. ६।६ या.
५	चं ७ ४८ पु ६ ८ गं ३४ ३४ बा ७ ४८ ३६ १७ ४३ १८ ४ ४							ककें	कृतिकायां बुधः २७।३९
६	मं १० ४० पु १० ४५ बृ ३४ ४८ तै १० ४० ३९ १६ ४४ १९ ५ ५							ककें	गंगोत्पत्तिः
७	बु १४ ३८ श्ले १६ ३ धु ३५ ३६ व १४ ३८ ४१ १६ ४४ २० ६ ६							सिं १६।३	भ. १४।३८ उ ४६।५५या. वृषे बुधः ५।३६
८	गु १९ १२ म २२ १० व्या ३७ २ व १९ १२ ४४ १५ ४५ २१ ७ ७							सिंहे	[+पुष्ये ३ केतु १३।५८
९	शु २४ २३ पू २८ ३२ ह ३८ ३४ कौ २४ २३ ४६ १५ ४५ २२ ८ ८							क. ४५।१९	*रोहिण्यांबुधः २४।११ मोहिनी ११ ब्र.
१०	श २९ १० उ ३५ ० व ४० १३ ग २९ १० ४८ १४ ४६ २३ ९ ९							कन्यायां	रोहिण्यां १ गुरुः ७।३९ श्रवणे १ राहुः+
११	र ३३ ५५ ह ४० ५६ सि ४१ १६ व १ ३२ ५० १४ ४६ २४ १० १०							कन्यायां	भ. ३ उ. ३ या. रोहिण्यांरविः ४३।२०*
१२	चं ३७ ४० चि ४५ ५९ व्य ४१ ३९ ब ५ ४७ ५२ १४ ४६ २५ ११ ११							तु. १३।२८	मृगे भौमः ११।२७
१३	मं ४० २२ स्वा ५० १५ व ४१ १९ कौ ९ १ ५४ १३ ४७ २६ १२ १२							तुलायां	प्रदोषः
१४	बु ४१ ५६ वि ५३ २१ प ४० ० ग ११ ९ ५६ १३ ४७ २७ १३ १३							वृ. ३७।४५	भ. ४१।५६ उ. मेषेशुक्रः २।५७ नृसिंहज.
१५	गु ४२ १५ अ ५५ ४ शि ३७ ५२ वि १२ ५ ५८ १२ ४८ २८ १४ १४							वृश्चिके	भ. १२।५ या. कूर्मजयन्ती वै. स्ना. पू.

६पं. द्वि.वै.शु.५ चं.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	१	११	५	९	१
३	१८	२६	८	२५	२८	१३	३
१७	४१	३४	५२	९	२९	३५	५८
३८	२	१९	३७	५४	२०	१८	२८
५७	४१	३	१३	२८	२३	३	५७
२४	३४	३३	३८	४३	४	११	४४

गोचर ग्रहाः

द्वि. वैशाख शुक्ला ११ गुरौ वृषेऽर्कः प्र. वा. ४न. ५ कुमारावस्था(बैठी) मु. ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

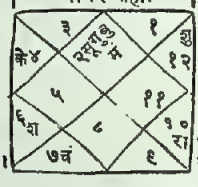

७पं. द्वि.वै.शु.१२ चं.इ. २४

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	१	११	५	९	१
१०	२३	११	१०	२८	२८	१३	१०
३९	२९	४८	३१	५७	८	१३	४२
४९	१७	५८	१२	११	१०	३	२०
५७	४१	५९	१३	२८	४३	३	५७
२३	१४	४४	३८	३८	४	११	३५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५	वि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तं रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा.
१	शु ४१ २१ ज्ये ५५ ४२ सि ३४ ४० बा ११ ४८ ३४ १२ ४८ २९ १५ १५							ध. ५५।४२	
२	श ३९ ६ मू ५५ ६ सा ३० १४ ते १० १३ ३ १२ ४८ ३० १६ १६							धनुषि	मृगे बुधः ३४।४
३	र ३५ ४७ पू ५३ २३ शु २५ २१ व ७ २६ ४ ११ ४९ ३१ १७ १७							धनुषि	भ. ७।२६ उ. ३५।४७ यां. चतुर्थी ब्र.
४	चं ३१ ३८ उ ५० ४६ शु १९ १८ ब ३ ४२ ६ ११ ४९ १ १८ १८							म. ७।४४	जून मा. ६ ता. ३०
५	मं २६ ३४ श्र ४७ ३३ ब्र १२ ४० ते २६ ३४ ७ ११ ४९ २ १९ १९							मकरे	मिथुनेबुधः ५२।५८ =भौमः ५९।१८
६	बु २० ५२ ध ४३ ५९ ऐं ५५ ५३ व २० ५२ ९ १० ५० ३ २० २०							कुं. १५।४६	भ. २०।५२ उ. ४७।५६ या. मिथुने=
७	गु १५ ० श ३९ ५२ वि ५० ५३ ब १५ ० १० १० ५० ४ २१ २१							कुम्भे	पश्चिमोदयी बुधः ३२।३३
८	शु ८ ५५ पू ३६ २७ प्री ४३ २५ कौ ८ ५५ १२ १० ५० ५ २२ २२							मी २२।१९	आर्द्रायां बुधः ५३।४६
९	श २ ४९ उ ३१ ५५ आ ३६ ८ ग २ ४९ १३ ९ ५१ ६ २३ २३							मीने	भ. ५१ उ. ५६ य. उदयंगुरुः ४३।३८+उ.गु
१०	श ५४ ४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							क्षयः	+रोहि यां २ गुरुः २४।२४
११	र ५१ ९ रे २८ ३६ सौ २८ ४३ ब २४ १ १५ ९ ५१ ७ २४ २४							मे. २८।३६	मृगे रविः ४२।९ अपरा ११ . . स्मा.
१२	चं ४६ २१ अ २४ ५२ शो २१ ५० कौ १८ ४५ १६ ९ ५१ ८ २५ २५							मेषे	अपरा ११ ब्र. वै. नि.
१३	मं ४२ ७ भ २२ ३१ अ १५ २९ ग १४ १४ १७ ९ ५१ ९ २६ २६							वृ. ३७।११	भ. ४२।७ उ. ४३।४८ प्रदोषः
१४	बु ३८ ५१ कृ २१ ५ सु ९ ५७ वि १० २९ १ ८ ५२ १० २७ २७							वृषे	भ. १०।२९ या.
३०	गु ३६ ३६ रो १९ ५८ धृ ५ ३५ च ७ ४३ १९ ८ ५२ ११ २८ २८							मि ५०।१४	भावुका ३० वट पूजनं

८पं.ज्ये.कृ.४ चं.इ. २५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	१	०	५	९	१
१७	२८	२७	१२	३	२७	१२	१७
२०	१४	३	९	४१	५०	२०	२५
५५	१०	११	२५	५६	५३	४७	७
५७	४१	०	१३	४५	१	३	५७
१३	१०	४०	३८	५४	वं.	११	२७

गोचर ग्रहाः

ज्यष्ठ बदी पें गाज बीज श्रेष्ठ ओर सुदी में हो तो वर्षा काल में वर्षा कम होवे ।

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.कृ.१२ चं.इ. २५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	१	०	५	९	१
२४	२	१०	१३	९	२७	१२	२४
०	५७	४८	४७	११	३७	२८	७
५१	३६	५९	१३	६	५८	३२	८
५७	४१	२९	१३	५१	३	३	५७
५	०	२३	३२	२३	वं	११	२२

ति	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०१० शाकः १८७५												वि.	उ	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६६४३स.१९५३
१	शु	३५	३१	मृ	२०	३०	शू	३५	५६	किं	६	३	३४	५	६	१२	२९	२९	मिथुने	
२	श	३५	५२	आ	२२	१४	बृ	५७	१६	बा	५	४१	२१	८	५२	१३	३०	३०	मिथुने	चंद्रद.पुनर्वसौबुधः २०/१४ भरण्यांशुक्रः ३६/४१ ÷
३	र	३७	२५	पु	२५	१७	ध्रु	५६	७	तै	६	३८	२२	८	५२	१४	३१	१	क.९।३१	मिथुनेऽर्कः ४२।५७ सव्वाल १० ईद
४	चं	४०	४	पु	२९	२८	व्या	५६	१६	व	८	४४	२२	८	५२	१५	१	२	कर्के	भ.८/४४ उ.४०/४ या.
५	मं	४४	०	श्ले	३४	४६	ह	५७	०	ब	१२	२	२३	७	५३	१६	२	३	सिं३४।४६	
६	बु	४८	३४	म	४०	३७	व	५८	२१	कौ	१६	१७	२३	७	५३	१७	३	४	सिंहे	
७	गु	५३	२४	पू	४६	५५	सि	६०	०	ग	२०	५९	२३	७	५३	१८	४	५	सिंहे	भ.५३।२४उ. ÷आर्द्रायांभौमः५८।५
८	शु	५८	८	उ	५३	२३	सि	०	५	वि	२५	४६	२४	७	५३	१९	५	६	क.३।३२	भ. २५।४६ या. कर्के बुधः ५१।५
९	श	६०	०	ह	५९	२१	व्य	१	२७	बा	३०	२७	२४	७	५३	२०	६	७	कन्यायां	रोहिण्यां ३ गुरुः ५६।३
१०	र	२	४६	चि	६०	०	व	२	५२	कौ	२	४६	२४	७	५३	२१	७	८	तु.३२।३	आर्द्रायांरविः ४४/२९ दक्षिणायनप्रवृत्तिः ४३/१८
१०	चं	६	४३	चि	४	४६	प	३	१३	ग	६	४३	२४	७	५३	२२	८	९	तुलायां	भ. ३८।५ उ. गंगा दशहरा
११	मं	९	२८	स्वा	९	३३	शि	३	२९	वि	९	२८	२४	७	५३	२३	९	१०	वृ.५६।५१	भ.९।२८या. पुष्येबुधः ३१।५६ मार्गी=
१२	बु	११	५	वि	१२	३७	सि	२	१५	बा	११	५	२४	७	५३	२४	१०	११	वृश्चिके	पातस्पर्शः३।५६ पातमोक्षः ३९/३० प्रदोषः
१३	गु	११	३५	अ	१४	४०	सा	०/१८	५७/००	तै	११	३५	२३	७	५३	२५	११	१२	वृश्चिके	=शनिः२२।३९ निर्जला ११ब्र
१४	शु	१०	३५	ज्ये	१५	३०	शु	५३	१३	व	१०	३५	२३	७	५३	२६	१२	१३	ध.१५।३०	भ. १०।३५ उ. ४०।३५ या.
१५	श	८	२६	मू	१५	२५	ब्र	४८	१९	ब	८	२६	२३	७	५३	२७	१३	१४	धनुषि	कृतिकायांशुक्रः ३४/४ गुर्जराणां वटपूजनं

१०पं. ज्ये शु.४ च.इ. २५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	०	५	९	२
०	७	२२	१५	१५	२७	१२	०
३९	३९	३७	२४	१४	२९	६	४८
५९	११	१२	०	६	४६	१७	२५
५६	४०	७५	१३	५७	०/४६	३	५७
५७	५०	३४	२६	५०	व	११	१७

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले ३ रवौ मिथुनेऽर्कं प्र. वा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० [धान्य भाव सम] शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

११पं. ज्ये.शु.१० चं.इ. २५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	१	०	५	९	२
७	१२	२	१६	२१	२७	११	७
१८	१९	१९	५९	४३	२६	४४	२९
२७	२६	२३	४६	४४	३	१	१७
५६	४०	५४	१३	५९	०/७	३	५७
५४	४६	२०	२०	१५	व	११	१७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												वि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविर्दक्षिणं ये ठकृष्णेति महा.
१	र	५	१३	पू	१४	४	ऐं	४२	२३	कौ	५	१३	३४/३२	५/८	६/५२	२८	१४	१५	म.२१।२०	
२	चं	१	२	उ	११	१०	वै	३६	५	ग	१	२	२२	८	५२	२९	१५	१६	मकरे	भ. २८।३१ उ. ५६।० या.
३	चं	५४	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	क्षयः
४	मं	५०	२३	श्र	८	१०	वि	२९	१४	ब	२३	१२	२१	८	५२	३०	१६	१७	कुं.३६।२०	वृषे शुक्रः ४८।२ चतुर्थी ब्र.
५	बु	४४	३४	ध	४	३१	प्री	२१	५६	कौ	१७	२८	२०	८	५२	१	१७	१८	कुंभे	जुलाई मा. ७ ता. ३१
६	गु	३८	३०	श	०/३२	५५/५५	आ	१४	१७	ग	११	३२	१९	८	५२	२	१८	१९	मी४२।२८	भ. ३८।३० उ.
७	शु	३२	१९	उ	५२	१८	सौ	६/४४	५३/३३	वि	५	२५	१८	८	५२	३	१९	२०	मीने	भ. ५।२५ या.
८	श	२६	२०	रे	४७	२४	अ	५१	५५	कौ	२६	२०	१७	९	५१	४	२०	२१	मे.४७।२४	पुनर्वसौ भौमः ५।५०
९	र	२०	३४	अ	४५	१३	सु	४५	३	ग	२०	३४	१६	९	५१	५	२१	२२	मेषे	भ. ४८/४ उ.पुनर्वसौ रविः ४८/३० रोहिण्यां÷
१०	चं	१५	३४	भ	४२	२९	धृ	३८	३८	वि	१५	३४	१४	९	५१	६	२२	२३	वृ.५७।०	भ.१५।३४ या. ÷गुरुः ५७।३३
११	मं	११	३	कृ	४०	३५	शू	३२	५८	बा	११	३	१३	९	५१	७	२३	२४	वृषे	योगिनी ११ ब्र.
१२	बु	७	५०	रो	३९	४१	गं	२८	८	तै	७	५०	११	१०	५०	८	२४	२५	वृषे	आभ. प्र. राहुः २१।४
१३	गु	५	३१	मृ	३९	५९	बृ	२३	१२	व	५	३१	१०	१०	५०	९	२५	२६	मि९।५०	भ ५।३१ उ ३४/५६ या. वक्रीबुधः५०।९
१४	शु	४	२२	आ	४१	१९	ध्रु	२१	१०	श	४	२२	८	१०	५०	१०	२६	२७	मिथुने	रोहिण्यां शुक्रः ३९।४९
३०	श	४	३५	पु	४४	२	व्या	१९	८	ना	४	३५	७	११	४९	११	२७	२८	क.२८ २१	देवकार्येमा

१२ पं. आ कृ.२ चं.इ. २४/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	१	०	५	९	२
१३	१६	९	१८	२८	२७	११	१४
५६	५६	३४	३३	३४	२७	२१	९
३०	५३	१६	५४	१९	५०	४६	४५
५६	४०	३३	१३	६१	०/४४	३	५७
५०	३६	१३	५	५२	मा	११	७

गोचर ग्रहाः

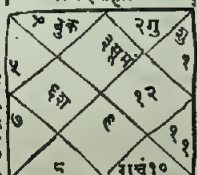

इस मास में सूर्य से आगे मंगल का रथ चलता है सो वर्षा रोकता है और गुरु शुक्र का योग वर्षा करता है

गोचर ग्रहाः

१३पं. आ.कृ १० चं.इ. २४/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	१	१	५	९	२
२०	२१	१३	२०	५	२७	१०	२०
३४	३३	५२	५	४०	३४	५९	५०
२६	४०	१९	४६	४१	१२	३०	९
५६	४०	११	१२	६३	१	३	५७
५०	२६	४३	४१	५५	१६	११	७

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६६७३ स १९५३
१	र	६	०	पु	४७	५७	ह	१८	१२	ब	६	०	३४/६	५/११	४६/४९	१२	२८	२९	कर्के	चद्र दर्शनम्
२	चं	८	५०	श्ले	५२	५१	व	१८	४	कौ	८	५०	४	११	४९	१३	२९	१	सिं५२।५१	जिल्काद ११ रथयात्रा
३	मं	१२	२९	म	५८	४२	सि	१८	४७	ग	१२	२८	२	१२	४८	१४	३०	२	सिंहे	भ. ४४।४२ उ.
४	बु	१६	५७	पू	६०	०	व्य	२०	१	वि	१६	५७	३४/००	१२	४८	१५	३१	३	सिंहे	भ. १६।५७या.
५	गु	२१	४४	पू	५	०	व	२१	३४	बा	२१	४४	३३/५८	१२	४८	१६	३२	४	कं.२१।३६	कर्केऽर्कः २१।१४
६	शु	२६	४९	उ	११	२५	प	२३	१४	तै	२६	४९	५६	१३	४७	१७	१	५	कन्यायां	पश्चिमास्तं बुधः १९।२८
७	श	३१	१३	ह	१७	३३	शि	२४	३०	व	३१	१३	५४	१३	४७	१८	२	६	तु.५०।२२	भ. ३१।१३ उ.
८	र	३५	६	चि	२३	११	सि	२५	१२	वि	३	९	५२	१४	४६	१९	३	७	तुलायां	भ.३।९या.पुष्ये रविः ५१/५५ कर्के भौमः १९/५६
९	चं	३८	१	स्वा	२७	५१	सा	२५	१९	बा	६	३३	५०	१४	४६	२०	४	८	तुलायां	
१०	मं	४०	१०	वि	३१	२४	शु	२४	३१	तै	९	५	४७	१५	४५	२१	५	९	वृ.१५।३१	मृग १ गुरुः ५५।४९
११	बु	४०	९	अ	३३	४४	शु	२२	४१	व	१०	१०	४५	१५	४५	२२	६	१०	वृश्चिके	भ.१०/१० उ.४०/१ या.मृगे शुक्रः ५५/१ देवशयनी×
१२	गु	३९	२१	ज्ये	३४	५५	ब्र	१९	५१	ब	९	४५	४२	१६	४४	२३	७	११	ध.३४।५५	हरिवासराऽभावः ×११ ब्र.
१३	शु	३७	१४	मू	३४	४५	ऐं	१६	२	कौ	८	१७	४०	१६	४४	२४	८	१२	धनुषि	पुष्ये भौमः ३१।५ प्रदोषः
१४	श	३४	६	पू	३३	५८	वै	११	१४	ग	५	४	३७	१७	४३	२५	९	१३	म.४७।५४	भ. ३४।६उ.उषायां ४राहुपुष्ये २केतु २७/२७
१५	र	३०	१	उ	३१	१४	वि	५/३५	५३/३९	वि	२	३	३५	१७	४३	२६	१०	१४	मकरे	भ. २।३ या. खग्रासं चंद्रग्रहणम्

१४पं.आ.शु.२च.इ.२४।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	१	१	५	९	२
२७	२६	१४	२१	१३	२७	१०	२७
१२	९	४४	३५	०	४५	३७	३०
३२	७	२८	६	११	२२	१५	३९
५६	४०	१२/५५	१२	५६	२	३	५७
५५	१६	व	२०	३४	१	११	११

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले ५ गुरौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः बा. ५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयं पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

१५पं. आ. शु. ९ चं.इ. २४/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	१	५	९	३
३	०	१२	२३	२०	२८	१०	४
५१	४३	१	१	३२	१	१५	११
०	१२	४४	४८	२	५	०	१३
५६	४०	३३/५१	११	६६	२	३	५७
५७	६	व	५८	५९	४०	११	१५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः स० २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्ष ऋतूरविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेति महा.
१	चं	२५	२	श्र	२८	२९	आ	५२	२२	कौ	२५	२	३३/३२	९/१८	४३/४२	२७	११	१५	कु.५६।३७	
२	मं	१९	३२	ध	२४	४५	सौ	४५	१	ग	१९	३२	३०	१८	४२	२८	१२	१६	कुंभे	भ. ४६।३४ उ. मिथुने शुक्रः५८।१६
३	बु	१३	३७	श	२०	५३	शो	३७	२७	वि	१३	३७	२७	१९	४१	२९	१३	१७	कुंभे	भ. १३।३७ या. चतुर्थी ब्र.
४	गु	७	३२	पू	१६	४६	अ	२९	५२	बा	७	३२	२४	१९	४१	३०	१४	१८	मी२।४८	
५	शु	१	२७	उ	१२	३८	सु	२२	२७	तै	१	२७	२१	२०	४०	३१	१५	१९	मीने	भ. ५५।१७ उ नाग ५
६	शु	५३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	क्षयः
७	श	४९	३०	रे	८	४४	धृ	१५	६	वि	२२	२३	१८	२०	४०	१	१६	२०	मे.८।४४	भ.२२।२३ या. अगस्त मा.८ ता. ३१
८	र	४४	३२	अ	५	२१	शू	८	४	बा	१७	१	१५	२१	३९	२	१७	२१	मेषे	आश्लेषाया रविः ५२।४३
९	चं	४०	१४	भ	२	२३	गं	१/२७	५४/६	तै	१२	२३	१२	२२	३८	३	१८	२२	वृ.१६।४८	आर्द्रायाशुक्रः ५६/३९ पूर्वोदयीबुधः२९।२९
१०	मं	३६	४३	कृ	०/५	५८/५९	ध्रु	५०	३३	व	८	२८	९	२२	३८	४	१९	२३	वृषे	भ. ८।२८ उ. ३६।४३ या.
११	बु	३४	२२	मृ	५९	६	व्या	४६	१६	ब	५	३३	६	२३	३७	५	२०	२४	मि२९।५	कामिका ११ ब्र.
१२	गु	३३	१०	आ	६०	०	ह	४३	२	का	३	४६	३	२३	३७	६	२१	२५	मिथुने	
१३	शु	३३	२६	आ	०	१२	ब	४०	४१	ग	३	१८	३३/३०	२४	३६	७	२२	२६	क.४६।५९	भ. ३३।२६ उ. प्रदोषः
१४	श	३४	४२	पु	२	३५	सि	३९	२६	वि	४	२४	३२/५७	२५	३५	८	२३	२७	कर्के	भ.४।४या मार्गीबुधः ४०/४५ मृगे २गुरुः ३४/५९
३०	र	३७	१७	पु	६	१६	व्य	३९	९	च	६	०	५४	२५	३५	९	२४	२८	कर्के	हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.१चं.इ.२४।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	१	५	९	३
१०	५	७	२४	२८	२८	९	१०
३०	१५	२६	२४	१३	२१	५२	५२
१७	५०	१३	४३	२६	१८	४४	१९
५७	४०	३६/५८	११	६८	३	३	५७
५	६	व	२२	८	२५	११	२०

गोचर ग्रहाः

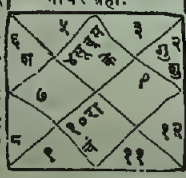

इस मास में प्रजा में सुख शांति राजा प्रजा में सुख धान्य भाव सम रुई अलसी तेज ।

गोचर ग्रहाः

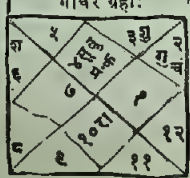

१७पं. श्रा.कृ. ९ चं.इ. २४/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	२	५	९	३
१७	९	४	२५	६	२८	९	१७
१०	४७	१९	४३	२	४५	३०	३४
६	२	१६	४४	४१	४७	२९	०
५७	३९	३३/५०	१०	६९	४	३	५७
१२	४९	व	५१	१	३	११	२४

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												वि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७०२ स. १९५३
१	चं	४१	०	श्ले	११	२	व	३९	४२	किं	९	९	३२/५०	५/२६	६/३४	१०	२५	२९	सि ११।२	नक्त व्रतारम्भः
२	मं	४५	३०	म	१६	४४	प	४०	५२	बा	१७	५५	४७	२७	३३	११	२६	३०	सिंहे	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	५०	२०	पू	२२	५३	शि	४२	५१	तै	२२	४६	४३	२७	३३	१२	२७	१	कं. ३९।२९	जिल्हेज १२ तीज
४	गु	५५	१२	उ	२९	१८	सि	४३	५७	व	२७	३२	४०	२८	३२	१३	२८	२	कन्यायां	भ. २७।३२ उ. ५५।१२ या.
५	शु	५९	५३	ह	३५	१६	सा	४५	२२	ब	३१	५१	३६	२९	३१	१४	२९	३	कन्यायां	सार्पे भौमः १३।१७
६	श	६०	०	चि	४१	८	शु	४६	१६	कौ	३१	२८	३३	२९	३१	१५	३०	४	तु. ८।१२	पुनर्वसौ शुक्रः ४०।३९
६	र	३	५०	स्वा	४५	५९	शु	४६	२५	तै	३	५०	२९	३०	३०	१६	३१	५	तुलायां	सिंहेऽर्कः ४९।१०
७	चं	६	४९	वि	४९	५५	ब्र	४५	४५	व	६	४९	२६	३१	२९	१७	१	६	वृ. ३३।५६	भ. ६।४९ उ. ३७।४४ या. तुलसी जयंती
८	मं	८	३९	अ	५२	२२	ऐं	४४	२	ब	८	३९	२२	३२	२८	१८	२	७	वृश्चिके	
९	बु	९	२०	ज्ये	५३	५२	वै	४१	२९	कौ	९	२०	१९	३२	२८	१९	३	८	ध. ५३।५२	कल्किजयंती *तुलायां शनिः ५९/८ हज्ज
१०	गु	८	३५	मू	५४	३	वि	३७	४६	ग	८	३५	१५	३३	२७	२०	४	९	धनुषि	भ. ३७।३४ उ. सार्पे बुधः ४९/१७ चित्रायां ३*
११	शु	६	३३	पू	५३	१	प्री	३३	१६	वि	६	३३	१२	३४	२६	२१	५	१०	धनुषि	भ. ६।३३ या. पवित्रा ११ ब्र.
१२	श	३	३०	उ	५०	५७	आ	२७	३२	बा	३	३०	८	३४	२६	२२	६	११	म. ७।३०	प्रदोषः
१३	श	५५	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +श्रावणीकर्म
१४	र	५४	४३	श्र	४८	१५	सौ	२१	१८	ग	२७	६	४	३५	२५	२३	७	१२	मकरे	भ. ५४।५३ उ. ऋग्वेदीनां श्रावणी
१५	चं	४९	१२	ध	४४	५०	शो	१४	३३	वि	२१	५७	३२/३०	३६	२४	२४	८	१३	कुं. १६।३२	भ. २१/५७ या. कर्के शुक्रः १५/८ पूर्वास्तो बुधः ३०/३० +

१८पं.श्रा.शु.१चं.इ.२४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	२	५	९	३
२३	१४	६	२६	१३	२९	९	२४
५१	१७	२	५८	५९	१४	८	१६
१३	४९	५६	२६	१०	२०	१४	२७
५७	३९	१७/२७	१०	६९	४	३	५७
२२	४९	मा	८	५५	३७	११	३३

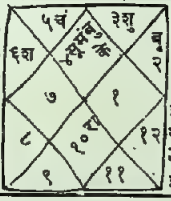

१९पं.श्रा.शु.७च.इ.२३।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	१	२	५	९	४
०	१८	१२	२८	२२	२९	८	०
३३	४६	५८	७	१	४६	४५	५९
२६	१	१६	५९	३७	२६	५८	४७
५७	३९	७६	९	७०	४	३	५७
३४	३९	३२	२६	३७	५६	११	४०

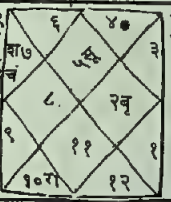

२०पं.श्रा.शु.१५चं.इ.२३।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	१	३	६	९	४
७	२३	२४	२९	०	०	८	७
१७	१३	११	१२	१०	२१	२३	४४
०	५५	४९	७	१९	५८	४३	१७
५७	३९	१२/१२	८	७१	५	३	५७
४५	२२	१२/१२	३७	१४	२६	११	४८

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												वि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	४३	११	श	४०	५२	अ	७/१२	५२/२७	बा	१६	१२	३१/५६	५/३७	६/२३	२५	९	१४	कुम्भे	
२	बु	३७	१९	पू	३६	५०	धृ	५१	५५	तै	१०	१५	५२	३८	२२	२६	१०	१५	मी २२।५१	
३	गु	३१	१४	उ	३२	३९	शू	४४	२५	व	४	१७	४८	३८	२२	२७	११	१६	मीने	भ. १४/१७ उ. ३१/१४ या. सिंहेबुधः २९/४४ पुष्येशुक्रः*
४	शु	२५	९	रे	२८	४३	गं	३६	५९	बा	२५	९	४४	३९	२१	२८	१२	१७	मे. २८।४३	
५	श	१९	३४	अ	२५	२	वृ	२९	५१	तै	१९	३४	४०	४०	२०	२९	१३	१८	मेषे	चन्द्रषष्ठी *३।३५ चतुर्थी ब्र.
६	र	१४	२५	भ	२१	५६	ध्रु	२३	७	व	१४	२५	३६	४१	१९	३०	१४	१९	वृ. ३६।२४	भ. १४/२५ उ. ४२/११ पूफायांरविः ४०/१ मृगे ३ मिथुने×
७	चं	९	५७	कृ	१९	४७	व्या	१६	५६	ब	९	५७	३२	४२	१८	३१	१५	२०	वृषे	श्रीकृष्ण जयंती ब्र. दुर्वा ८
८	मं	६	३५	रो	१८	१	ह	११	२	कौ	६	३५	२८	४२	१८	१	१६	२१	मि ४८।१	सितम्बर मा. ९ ता. ३० ×गुरुः ४३/१ हल ६
९	बु	४	१४	मृ	१८	१	व	७	६	ग	४	१४	२४	४३	१७	२	१७	२२	मिथुने	भ. ३३।३९ उ. उदयी भौमः २७।५९
१०	गु	३	५	आ	१८	४८	सि	३	३	वि	३	५	२१	४४	१६	३	१८	२३	मिथुने	भ. ३।५ या. पूषायां बुधः १२।३९
११	शु	३	१९	पु	२०	५७	व्य	५९/०	५८/३०	बा	३	१९	१७	४५	१५	४	१९	२४	क. ५।२५	सिंहे भौमः ७।२६ अजा ११ ब्र.
१२	श	४	४१	पु	२४	२१	प	५९	१	तै	४	४१	१४	४५	१५	५	२०	२५	कर्के	प्रदोषः वत्स द्वादशी
१३	र	७	१६	श्ले	२८	५२	शि	५९	२९	ब	७	१६	१०	४६	१४	६	२१	२६	सिं २८।५२	भ. ७।१६ उ. ३९।६ या.
१४	चं	१०	५६	म	३४	२२	सि	६०	०	श	१०	५६	६	४७	१३	७	२२	२७	सिंहे	सार्पे शुक्रः २२।१ पिठोरी ३०
३०	मं	१५	३३	पू	४०	२२	सि	०	२८	ना	१५	३३	२	४८	१२	८	२३	२८	कं. ५६।५७	लोहार्गल स्नानां कुशाग्रहणी

२१पं.भा.कृ.७चं.इ.२३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	२	३	६	९	४
१४	२७	७	०	८	१	८	१४
२	४१	४०	१०	२३	०	१	२९
११	१३	१	१३	५३	२५	२७	५४
५७	३९	१२/०	७	७१	५	३	५८
५७	२२	४९/१२	३६	४१	५०	११	१

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

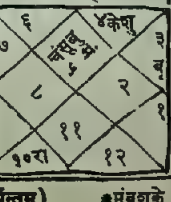

२२पं.भा.कृ.१४चं.इ.२३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	२	३	६	३	४
२०	२	२१	१	१६	१	७	२१
४८	७	१६	१	४१	४२	३९	१६
५२	४४	३४	१२	४९	४	१२	५८
५८	३९	१२/०	६	७२	६	३	५८
१२	५	४९/१२	३५	२	१४	११	१३

×मंशुके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *मंबुशुके

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७३२ स.१९५३
१	बु	२०	२७	उ	४६	४२	सा	१	३८	ब	२०	२७	३०/५८	५/४८	६/१२	९	२४	२९	कन्यायां	
२	गु	२५	२०	ह	५२	५६	शु	३	१२	कौ	२५	२०	५३	४९	११	१०	२५	३०	कन्यायां	चंद्रदर्शनम् उफायां बुधः १२।१८
३	शु	३०	८	चि	५८	५३	शु	४	५०	ग	३०	८	४९	५०	१०	११	२६	१	तु.२५।५४	मोहोरम १ सन् १३७३
४	श	३४	१०	स्वा	६०	०	ब्र	५	२८	व	२	९	४४	५१	९	१२	२७	२	तुलायां	भ.२/९ उ.३४/१० या. कन्यायां बुध.२/२१ गणेश४
५	र	३७	१५	स्वा	३	४५	ऐं	५	५२	ब	५	४२	४०	५२	८	१३	२८	३	वृ.५२।०	उफायां रविः २४।४० ऋषि पंचमी
६	चं	३९	१९	वि	८	५	वै	६	२४	कौ	८	१७	३६	५३	७	१४	२९	४	वृश्चिके	
७	मं	४०	०	अ	११	५३	वि	३	४६	ग	९	३९	३२	५४	६	१५	३०	५	वृश्चिके	भ. ४०।० उ. महालक्ष्मी ब्र.
८	बु	३९	१८	ज्ये	१२	३४	प्री	१/२२	५६/२७	वि	९	३९	२८	५४	६	१६	३१	६	ध.१२।३४	भ. ९।३९ या. कन्यायामर्कः ४९।५०
९	गु	३७	२०	मू	१३	३	सौ	५३	७	बा	८	१९	२४	५५	५	१७	१	७	धनुषि	हस्ते बुधः ४१.३४
१०	शु	३४	२४	पू	१२	१७	शो	४७	५८	तै	५	५२	२०	५६	४	१८	२	८	म.२६।४६	सिंहे शुक्रः ३०।३४
११	श	३०	२७	उ	१०	१५	अ	४१	४४	व	२	२५	१६	५७	३	१९	३	९	मकरे	भ.२।२५ उ.३०/२७ या. जलझूलनी११ब्र.
१२	र	२५	४१	श्र	७	२८	सु	३४	५४	ब	२५	४१	१२	५८	२	२०	४	१०	कुं.३५।५७	प्रदोषब्र.ताजिया ●अनंत१४महालयारंभः
१३	चं	२०	२२	ध	४	२६	धृ	२७	४६	तै	२०	२२	८	५८	२	२१	५	११	कुम्भे	
१४	मं	१४	३३	श	४५/०५	५५/५१	शू	२०	१९	व	१४	३३	४	५९	१	२२	६	१२	मी४२।३८	भ.१४/२२ उ.४१।३८या. चित्रायां४शनिः३८/४८●
१५	बु	८	४४	उ	५२	२८	गं	१२	२६	ब	८	४४	३०/००	६/००	६/००	२३	७	१३	मीने	पश्चिमोदयी बुधः१३/२८ प्रौष्ठपदी १५

२३पं.भा.शु.६चं.इ.२३।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	२	३	६	९	४
२७	६	४	१	२५	२	७	२८
३७	३३	९	४५	३	२५	१६	५
१५	१९	७	१४	५४	४४	५७	२४
५९	३८	७/१०	५	७२	६	३	५८
२९	५८	१४	२९	२९	२८	११	२६

गोचरग्रहाः

६बु
७श
५सूमं
३ बृ
८च
२
९
११
१
१०रा
१२

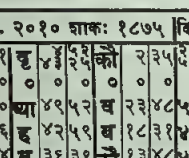

भाद्रपद शु.८ बुधे कन्यायामर्कःप्र.वा. ४ नं.४ कुमारावस्था(बैठी)मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

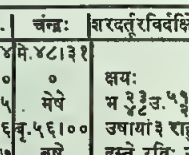

७श
८
६सूबु
४के
९
३बृ
१०रा
१२
२
११चं
१

२४पं.भा.शु.१३चं.इ.२३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	२	४	६	९	५
४	१०	१६	२	३	३	६	४
२७	५८	१२	२१	२९	११	५४	५५
२०	४१	४०	०	३५	३१	४१	१७
५८	३८	९९	४	७२	४	३	५८
४५	५८	७	२७	५०	४४	११	३८

ति.	आश्विन कृष्णपक्ष सं. २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२	३५	रे	४८	३१	वृ	४३/४	५२/२५	कौ	२	३५	२९/५५	६/१	५/५९	२४	८	१४	मे.४८।३१	
२	गु	५२	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	शु	५१	२	अ	४४	५०	व्या	४९	५२	व	२३	४८	५१	२	५८	२५	९	१५	मेषे	भ २३/४८ उ.५१/२ या. चित्रायांबुधः४३/४३ पूफायां●
४	श	४३	०	भ	४१	३६	ह	४२	५९	ब	१८	३१	४६	३	५७	२६	१०	१६	वृ.५६।००	उषायां३ राहुःपुष्ये१ केतुः०।२९ चतुर्थीब्र.
५	र	४१	३६	कृ	३९	१४	व	३६	३९	कौ	१३	४८	४२	४	५६	२७	११	१७	वृषे	हस्ते रविः २।१९ ●भौमः १०।२४
६	चं	३८	१९	रो	३७	२९	सि	३१	२	ग	९	५७	३८	४	५६	२८	१२	१८	वृषे	भ. ३८।१९ उ. +शुक्रः २५।१९
७	मं	३६	३	मृ	३६	५३	व्य	२६	१४	वि	७	११	३४	५	५५	२९	१३	१९	मि७।११	भ.७।११ या. तुलायां बुधः ५८/११ पूफायां+
८	बु	३४	५७	आ	३७	२९	व	२२	२७	बा	५	३०	३०	६	५४	३०	१४	२०	मिथुने	
९	गु	३५	१८	पु	३८	१७	प	२०	१	तै	५	७	२६	७	५३	१	१५	२१	क.२३।३५	अक्टूबर मा. १० ता. ३१ मातृ ९
१०	शु	३६	३८	पु	४२	२४	शि	१७	४१	व	५	५८	२२	८	५२	२	१६	२२	कर्के	भ. ५।५८ उ. ३६।३८ या.
११	श	३९	२१	श्ले	४६	३७	सि	१६	४७	ब	८	०	१८	८	५२	३	१७	२३	सिं४६।३७	इन्दिरा ११ ब्र.
१२	र	४३	३	म	५१	५३	सा	१६	१५	कौ	११	१२	१४	९	५१	४	१८	२४	सिंहे	स्वात्यां बुधः २६।५२
१३	चं	४७	४६	पू	५७	३९	शु	१७	३०	ग	१५	२४	१०	१०	५०	५	१९	२५	सिंहे	भ. ४७।४६ उ. प्रदोषः
१४	मं	५२	४३	उ	६०	०	शु	१८	४६	वि	२०	१४	६	११	४९	६	२०	२६	कं.१४।१६	भ. २०।१४ या.
३०	बु	५७	४४	उ	४	७	ब्र	२०	९	च	२५	१३	२	१२	४८	७	२१	२७	कन्यायां	अस्तं शनिः १३।११ सर्वपितृ ३०

२५पं. आ.कृ.६चं.इ.२३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	२	४	६	९	५
११	१५	२७	२	११	३	६	११
१९	२४	३०	४८	५९	५९	३२	४६
२६	११	३२	७	२०	२०	२६	५५
५९	३८	९४	३	७३	७	३	५८
०	४०	१९	१८	५	०	११	५३

गोचरग्रहाः

७श
५मंशु
८
६सूबु
४के
९
३बृ
१०रा
१२
२चं
११
१

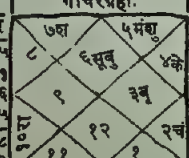

इस मास में रस-कस घृत तैल लवण तेज होगा, "बुधे पंच रस क्षयः" प्रजा में सुख शांति हो।

गोचरग्रहाः

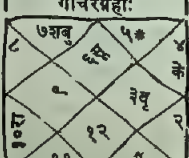

७शबु
५*
८
६सू
४ के
९
३बृ
१०रा
१२
२
११
१

२६पं.आ.कृ.१३चं.इ.२२।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	२	४	६	९	५
१८	१९	८	३	२०	४	६	१८
१३	४८	३	६	३२	४८	१०	४०
१५	५४	५०	४	१३	१४	११	१२
५९	३८	८९	१	१३	७	३	५९
१६	३४	४३	५०	२०	८	११	९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

●मंचंशु

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७६१ स.१९५३
१	गु	६०	०	ह	१०	३१	ऐं	२१	२८	कि	३०	१०	२८/५५	६/१२	५/४८	८	२२	२८	तु.४३।२९	नवरात्रा.
१	शु	२	३६	चि	१६	२८	वै	२२	३४	व	२	३६	५४	१३	४७	९	२३	२९	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
२	श	६	४५	स्वा	२१	५९	वि	२३	०	कौ	६	४५	५०	१४	४६	१०	२४	१	तुलायां	चित्रायां रविः ३२।५६
३	र	९	५४	वि	२६	१०	प्री	२२	३२	ग	९	५४	४६	१५	४५	११	२५	२	वृ.१०।८	भ. ४०।५४ उ.
४	चं	११	५५	अ	२९	३०	आ	२१	१२	वि	११	५५	४२	१६	४४	१२	२६	३	वृश्चिके	भ. ११।५५ या.
५	मं	१२	४९	ज्ये	३१	४	सौ	१८	५८	बा	१२	४९	३८	१६	४४	१३	२७	४	ध.३१।४	विशाखायांबुधः५६।९कन्यायांशुक्रः५।५६
६	बु	१२	१८	मू	३१	५०	शो	१५	४०	तै	१२	१८	३४	१७	४३	१४	२८	५	धनुषि	
७	गु	१०	२७	पू	३१	२८	अ	११	२३	व	१०	२३	३०	१८	४२	१५	२९	६	म.४६।४	भ.१०/२३ उ.३८।५५या. वक्री गुरुः५२।४५
८	शु	७	२७	उ	२९	५२	सु	६	२९	ब	७	२७	२६	१९	४१	१६	३०	७	मकरे	उफायां भौमः ३०।२३
९	श	३	३४	श्र	२७	२२	धृ	०/९	५३/१९	कौ	३	३४	२२	२०	४०	१७	३१	८	कु.५६।१३	तुलायामर्कः १५/४० विजया१०सरस्वतीविस.
१०	र	५५	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
११	र	५३	३७	ध	२५	५	गं	४६	२१	व	२६	१५	१८	२०	४०	१८	१	९	कुम्भे	भ.२६/१५ उ.५३/३७ या. पापांकुशा११ब्र. स्मा.
१२	चं	४७	५६	श	२०	३१	वृ	३८	४७	ब	२०	४६	१४	२१	३९	१९	२	१०	कुम्भे	पापांकुशा ११ ब्र. वै. नि.
१३	मं	४२	२	पू	१६	३०	ध्रु	३१	०	कौ	१४	५९	१०	२२	३८	२०	३	११	मी२।३०	स्वात्यां १ शनिः ५४।१३ प्रदोषः
१४	बु	३६	४	उ	१२	३१	व्या	२३	८	वि	९	३	६	२३	३७	२१	४	१२	मीने	भ.३६/४ उ.हस्तेशुक्रः १३/३ कन्यायांभौमः ४२/३७
१५	गु	३०	८	रे	८	३२	ह	१५	२९	बा	३	६	२	२४	३६	२२	५	१३	मे.८।२२	भ. ३।६ या. वृश्चिके बुधः २।२६

२७पं. आ.शु.४चं.इ.२२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	२	४	६	९	५
२५	२४	१७	३	२९	५	५	२५
८	८	४७	१४	७	३८	४७	३५
५७	२८	४२	४९	८	२०	५५	७
५९	३८	८४	०	७३	७	३	५९
३१	३४	५७	४१	२८	१४	११	२१

गोचरग्रहाः

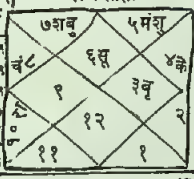

आश्विन शु. १ शनौ तुलायामर्कः प्र.वा.४न.४युवावस्था(सूती) मु. ३० (धान्य भाव सम)शुक्रोदयःपूर्व.

गोचरग्रहाः

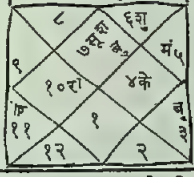

२८पं.आ.शु.१२चं.इ.२२।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	२	५	६	९	६
२	२८	२६	३	७	६	५	२
६	३०	३१	१४	४४	२८	२५	३१
२६	१८	५	६	१०	४८	५०	३५
५९	३८	७८	०/४१	७३	७	३	५९
४६	२६	२५	ब	४४	२०	११	३४

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुः रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	शु	२४	२०	अ	४	३	व	८	४	बा	२४	२०	२७/५८	६/२४	५/३६	२३	६	१४	मेषे	स्वात्या रविः ५६।४०
२	श	१९	४२	भ	१/१४	५७/१६	सि	०/५०	५३/२५	ग	१९	४२	५४	२५	३५	२४	७	१५	वृ.१५।३३	भ. ४७।३७ उ.
३	र	१५	३३	रो	५६	३४	व	४८	२४	वि	१५	३३	५०	२६	३४	२५	८	१६	वृषे	भ. १५।३३ या. करक चतुर्थी ब्र.
४	चं	१२	७	मृ	५५	४५	प	४३	१८	बा	१२	७	४६	२७	३३	२६	९	१७	मि२६।९	मैत्रे बुधः ६।५१
५	मं	१०	४	आ	५६	३	शि	३९	१०	तै	१०	४	४२	२८	३२	२७	१०	१८	मिथुने	
६	बु	९	५	पु	५७	२६	सि	३५	५८	व	९	५	३७	२८	३२	२८	११	१९	क.४२।५	भ. ९।५ उ. ३९।१८ या.
७	गु	९	३१	पु	६०	०	सा	३३	४३	ब	९	३१	३५	२९	३१	२९	१२	२०	कर्के	होई ८
८	शु	११	१	पु	०	२१	शु	३२	३२	कौ	११	१	३१	३०	३०	३०	१३	२१	कर्के	
९	श	१४	१७	श्ले	४	२२	शु	३२	९	ग	१४	१७	२८	३०	३०	३१	१४	२२	सिं४।२२	भ. ४६।० उ. चित्रायां शुक्रः ५४।४५
१०	र	१७	४४	म	९	२५	ब्र	३५	४६	वि	१७	४४	२४	३१	२९	१	१५	२३	सिंहे	भ.१७।४४ या. नवम्बर मा.११ ता.३०
११	चं	२२	२८	पू	१५	१३	ऐं	३३	३९	बा	२२	२८	२०	३२	२८	२	१६	२४	कं.३१।४१	रमा ११ ब्र. =रविः १४/५ महालक्ष्मीपू.
१२	मं	२७	३२	उ	२१	३२	वै	३४	५९	तै	२७	३२	१७	३३	२७	३	१७	२५	कन्यायां	प्रदोष ब्र. गोवत्स पू. •नरक१४
१३	बु	३२	४२	ह	२७	५६	वि	३६	२२	ग	०	७	१३	३३	२७	४	१८	२६	कन्यायां	भ. ३२।४२ उ. यमदीपदानं धन १३
१४	गु	३७	३८	चि	३३	५९	प्री	३७	२२	वि	५	१०	१०	३४	२६	५	१९	२७	तु.०।५८	भ. ५/१० या. वक्री बुधः ०।२० रूप१४•
३०	शु	४१	५०	स्वा	३९	३३	आ	३७	५४	च	९	४४	६	३५	२५	६	२०	२८	तुलायां	तुलायांशुक्रः १४/१६ हस्तेभौमः ५३/१ विशाखायां=

२९पं.का.कृ.४चं.इ.२२।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	२	५	६	९	६
९	२	३	३	१६	७	५	९
५	५२	३६	२	२५	१९	३	२९
४९	२३	४६	५३	१२	४१	२४	५४
६०	३८	६४	२/१०	७३	७	३	५९
२	१९	३०	च	५०	२०	११	४७

गोचरग्रहाः

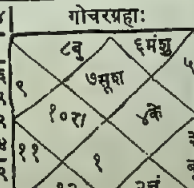

यहा शुक्रवार को महालक्ष्मी पूजन आगे संवत्सर के लिये शुभ है।

गोचरग्रहाः

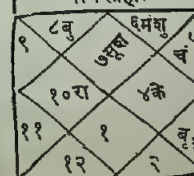

३०पं.का.कृ.११चं.इ.२२।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	२	५	६	९	६
१६	७	७	२	२५	८	४	१६
६	१३	२९	४२	७	१०	४१	२९
५२	१	३८	३६	४८	२६	९	४०
६०	३८	३०	३/३२	७३	७	३	६०
१८	१०	१	ब	५६	१४	११	४

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शरदर्तुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७९१ स. १९५३
१	श ४५ ४ वि ४४ ७ सौ ३७ ४६ किं १३ २७	२६	३	५	५	७	२१	२९	बृ.२७।५९ अन्नकूट
२	र ४७ ५ अ ४७ ३ शो ३६ ४८ बा १६ ४	२६	३	६	२४	८	२२	३०	बृश्चिके चन्द्रद. पश्चिमास्तोबुधः ४६ यम २ भ्रातृ २
३	चं ४७ ५७ ज्ये ४९ ४४ अ ३४ ४१ तै १७ ३१	५२	३	७	२३	९	२३	१	रविलावल ३ ध.४९।४४
४	मं ४७ २२ मू ५० ४५ सु ३१ ४१ व १७ ३९	५६	२८	२२	१०	२४	२		धनुषि भ.१७।३९ उ.४३ या. उदयंशनिः २०।५०
५	बु ४५ ३१ पू ५० ३३ धृ २७ ३९ ब १६ २६	४९	२८	२२	११	२५	३		धनुषि वक्रीविशाखायां बुधः ३६ स्वात्यांशुक्रः ३६
६	गु ४२ ३९ उ ४९ ५ शू २२ ३७ को १४ ५	४६	३९	२१	१२	२६	४		म.५।११
७	शु ३८ ५० श्र ४६ ५२ गं १६ ४३ ग १० ४४	४३	३९	२१	१३	२७	५		मकरे भ. ३८।५० उ.
८	श ३४ ४ ध ४३ ५७ वृ १० १ वि ६ २७	४०	२०	१४	२८	६			भ.६।२७या. वक्री तुलायां बुधः १३।३९ कु.१५।२४
९	र २८ ४६ श ४० १४ ध्रु ५५ ५३ बा १ २५	३६	४१	१९	१५	२९	७		कुम्भे कुम्भांड ९ अक्षया ९
१०	चं २३ १४ पू ३६ १५ ह ४७ ३७ ग २३ १४	३४	४१	१९	१६	३०	८	मी	२२।१५ भ. ५०।१९ उ. बृश्चिकेऽर्कः ८।२३
११	मं १७ २५ उ ३१ ४६ व ३९ ५१ वि १७ २५	३१	४२	१८	१७	१	९		मीने भ.१७।२५ या. स्वात्यां २ शनिः ४९।२३ ●
१२	बु ११ ३३ रे २८ ३ सि ३२ ३ बा ११ ३३	२९	४२	१८	१८	२	१०	मे.	२८।३ प्रदोषः ●प्रबोधिनी ११ व्र.
१३	गु ५ ४२ अ २४ ६ व्य २४ २४ तै ५ ४२	२६	४३	१७	१९	३	११		मेषे अनुराधायां रविः २६।११ वैकुंठ १४
१४	शु ० १९ भ २० ४३ व १७ ८ ब ० १९	२४	४३	१७	२०	४	१२		बृ.३५।० भ.०।१९ उ. ३६ या. पूर्वोदयं बुधः ३।२९
१५	शु ५५ १५ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०		० क्षयः

३१पं.का.शु.३चं.इ.२२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	२	६	६	९	६
२३	११	५	२	३	९	४	२३
९	३४	३	१२	५१	०	१८	३१
२०	१२	४	५८	४०	२६	५४	२
६०	३७	४३	४	७४	७	३	६०
३०	५८	ब	ब	२	८	११	१७

गोचरग्रहाः

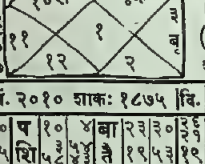

कार्तिकशु.१०चंद्र बृश्चिकेऽर्कः प्र.बा. ३न.४प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

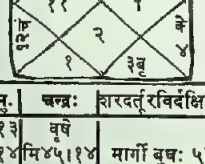

३२पं.का.शु.१०चं.इ.२१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	२	६	६	९	७
०	१५	२६	१	१२	९	३	०
१३	५३	४०	२४	३६	४९	५६	३३
४५	२४	५२	२६	५०	४४	३८	४३
६०	३७	१४	४५	७४	३	३	६०
४०	४३	ब	ब	८	११	११	२०

ति.	मार्गशीर्षं कृष्णपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शरदर्तुः रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णे तिमहाराष्ट्राः
१	श ५१ २७ कृ १७ ५० प १० ४ बा २३ ३०	२६	४	५	२१	५	१३	वृषे	
२	र ४८ २० रो १५ ४५ शि ५८ ५४ तै १९ ५३	१९	४४	१६	२२	६	१४	मि	४५।१४ मार्गी बुधः ५४।५ विशाखायां शुक्रः ३४ २८
३	चं ४६ १६ मृ १४ ४३ सा ५४ ६ व १७ १८	१६	४५	१५	२३	७	१५		मिथुने भ. १७।१८ उ. ४६।१६ या.
४	मं ४५ २२ आ १४ ४३ शु ५० ३१ ब १५ ४९	१४	४५	१५	२४	८	१६		मिथुने चतुर्थी व्र.
५	बु ४५ ५७ पु १५ ५९ शु ४७ ५८ को १५ ३९	११	४६	१४	२५	९	१७	क.	०।४० पातस्पर्शः ९।३३ पातमोक्षः २७।१७
६	गु ४७ ४२ पु १८ २८ ब्र ४६ २१ ग १६ ४९	९	४६	१४	२६	१०	१८		भ. ४७।४२ उ.
७	शु ५१ ३५ श्ले २२ ११ सें ४५ २९ वि १९ ३८	६	४७	१३	२७	११	१९	सिं	२२।११ भ. ३१ या. उषायां २ राहुः पुनर्वसौ ४ केतुः ५३
८	श ५४ ४७ म २७ ४ वैं ४५ ५९ बा २३ ११	४	४७	१३	२८	१२	२०		सिंहे चित्रायां भौमः ३३।२२ भैरवजयंती
९	र ५९ ३५ पू ३२ ४७ वि ४६ ४८ तै २७ ११	१	४८	१२	२९	१३	२१	कं.	४९।२०
१०	चं ६० ० उ ३८ ५९ प्री ४८ ३ व ३२ ९	३५	४८	१२	३०	१४	२२		कन्यायां भ. १३ उ. वृश्चिकेशुक्रः १३ वक्रीम्. २पादे ×
१०	मं ४ ४४ ह ४५ १८ आ ४९ १६ वि ४ ४४	५६	४९	११	१	१५	२३		कन्यायां भ. ४।४४ या. बिसम्बर मा.१२ ता.३१
११	बु ९ ५४ चि ५१ ३५ सो ५० १७ बा ९ ५४	५४	४९	११	२	१६	२४	तु.	१८।२६ ज्येष्ठायांरवि ३ मैत्रेशुक्रः ५४ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	गु १४ ५० स्वा ५७ १९ शो ५१ १२ तै १४ ५०	५३	५०	१०	३	१७	२५		तुलायां प्रदोषः ×बृषे च गुरुः ०।८
१३	शु १९ १३ वि ६० ० अ ५१ ४ व १९ १३	५१	५०	१०	४	१८	२६	बृ.	४५।५२ भ. १९।१३ उ. ५०।४४ या.
१४	श २२ १५ वि २ २ सु ५० २५ श २२ १५	४९	५०	१०	५	१९	२७		वृश्चिके बुधः ४६।४९
३०	र २४ १८ अ ५ ४८ धृ ४८ ३१ ना २४ १८	४८	५०	१०	६	२०	२८		वृश्चिके अमावस्या

३३पं.मा.कृ.३चं.इ.२१।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	२	६	६	९	७
७	२०	२१	०	२१	१०	३	७
१९	१०	१६	४८	२३	३७	२४	३७
९	३४	५९	४७	२	४४	२३	४४
६०	३७	३१	४	७४	६	३	६०
५३	४०	मा	ब	१४	५२	११	४२

गोचरग्रहाः

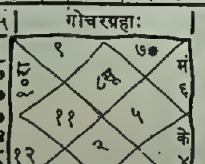

मार्गशीर्षस्यचाष्टम्यां दृश्यंते विद्युतोयदा तदां वृष्टिः श्रावणेच मासि संजायते ध्रुवम्।

गोचरग्रहाः

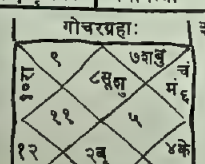

३४पं.मा.कृ.१०चं.इ.२१।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	१	७	६	९	७
१४	२४	२४	२९	०	११	३	१४
२५	२७	२६	५७	१०	२३	१२	५३
५४	१८	२८	२२	२३	५६	८	४
६१	३७	७१	४	७४	६	३	६०
३२	३३	४४	ब	२०	३२	११	५०

●बुशुश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×बुशुश

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६८२१ स.१९५३
१	चं	१५	५	ज्ये	८	२९	शू	४५	४९	ब	२५	५	२५/४६	६/५१	५/९	७	२१	२९	ध.८।२९	मैत्रे बुधः ५८।३३
२	मं	२४	३२	मू	९	३४	गं	४१	५८	कौ	२४	३२	४२	५१	९	८	२२	३०	धनुषि	चन्द्रदर्शनम् पातस्पर्शः ५२।११
३	बु	२२	३९	पू	९	३७	वृ	३७	१४/३०	ग	२२	३९	४३	५१	९	९	२३	१	म.२४।२०	भ.५१/१० उ. तुलायां भौमः ३२/४८ रविलाखर४*
४	गु	१९	४२	उ	८	२९	ध्रु	३१	३८	वि	१९	४२	४२	५२	८	१०	२४	२	मकरे	भ. १९।४२ या. *पातमोक्षः १३।३५
५	शु	१६	०	श्र	६	२३	व्या	२५	२१	बा	१६	०	४१	५२	८	११	२५	३	कु.३४।५५	
६	श	११	१३	ध	३	२७	ह	१८	१३	तै	११	१३	४०	५२	८	१२	२६	४	कुम्भे	चम्पा ६
७	र	५	५४	श	७/५	५३/७	व	१०	५३	व	५	५४	३९	५२	८	१३	२७	५	मी४२।११	भ.५/५४ उ.३३/७ या. ज्येष्ठायां शुक्रः२७।३
८	चं	०	२३	उ	५२	९	सि	१३/३	५२/४	ब	०	२१	३८	५२	८	१४	२८	६	मीने	कल्पादिः
९	चं	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१०	मं	४८	४४	रे	४८	०	व	४७	२९	तै	२१	४१	३८	५२	८	१५	२९	७	मे.४८।०	धनुष्यर्कः ३६।५५
११	बु	४३	०	अ	४४	१२	प	३९	४८	व	१५	५२	३७	५३	७	१६	१	८	मेषे	भ.१५/५२ उ.४३।०या. मोक्षदा११ब्र.स्मा.वै.
१२	गु	३७	३६	भ	४०	३२	शि	३२	१६	ब	१०	५८	३७	५३	७	१७	२	९	वृ.५४।४५	ज्येष्ठायां बुधः ११/१७ मोक्षदा ११ ब्र. नि.
१३	शु	३२	५४	कृ	३४	२६	सि	२५	१५	कौ	५	१७	३७	५३	७	१८	३	१०	वृषे	प्रदोषः
१४	श	२९	५	रो	३५	१६	सा	१८	४९	ग	१	३०	३६	५३	७	१९	४	११	वृषे	भ.२९।५ उ.५७/३३ या. स्वात्यां३ शनिः४९/३४
१५	र	२६	२	मृ	३४	१३	शु	१३	५	ब	२६	२	३६	५३	७	२०	५	१२	मि४।४४	स्वात्यां भौमः २५।३६

३५पं.मा.शु.१चं.इ.२१।११

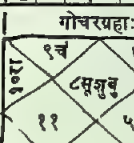

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१	७	६	९	७
२१	२८	२	२९	८	१२	२	२१
३३	४४	२३	२	५८	८	४९	४९
४१	३८	१७	१३	३४	२	५२	२०
६१	३७	९१	५७/५२	७४	६	३	६०
११	११	४	व	२६	१८	११	५६

गोचरग्रहाः

१०रा ९चं ७श ८सूशुबु ६मं ११ ५ १२ २बृ ४के १ ३

मार्ग.शु.१०भौमे
धनुष्यर्कः प्रवा.२
न.३ प्रौढावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)

गोचरग्रहाः

१०रा ९ ७मंश ६ ८सूबुशु ११ ५ १२ २बृ ४ के १ ३

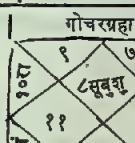

३६पं.मा.शु.९ चं.इ.२०।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१	७	६	९	७
२८	३	१२	२८	१८	१२	२	२८
४२	०	८	४	४६	५०	२७	५६
२४	०	६	३७	५५	१७	३७	५
६१	३६	९५	५७/५२	७४	५	३	६१
१९	५३	४८	व	२६	५०	११	०

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२४	९	आ	३३	४०	शु	८	१६	कौ	२४	९	२५/३६	६/५३	५/७	२१	६	१३	मिथुने	पूर्वास्त बुधः ५१।११
२	मं	२३	२०	पु	३४	३७	ब्र	४	२५	ग	२३	२०	३६	५३	७	२२	७	१४	कं.१९।२२	भ.५३।४२ उ. उत्तरायण प्रवृत्तिः४।३६
३	बु	२४	५	पु	३६	४८	ऐं	२७/१	५८/००	वि	२४	५	३७	५३	७	२३	८	१५	कर्के	भ. २४।५ या. चतुर्थी ब्र.
४	गु	२५	५९	श्ले	४०	१९	वि	५८	२५	बा	२५	५९	३७	५३	७	२४	९	१६	सिं४०।१९	
५	शु	२९	०	म	४४	५६	प्री	५८	२८	तै	२९	०	३७	५३	७	२५	१०	१७	सिंहे	
६	श	३३	१८	पू	५०	२९	आ	५८	५७	ग	१	९	३८	५२	८	२६	११	१८	सिंहे	भ. ३३।१८ उ. धनुषि बुधः २१।२०
७	र	३८	११	उ	५६	३८	सौ	६०	०	वि	५	४४	३८	५२	८	२७	१२	१९	कं. ७।१	भ. ५।४४ या.
८	चं	४३	२२	ह	६०	०	सौ	०	३	बा	१०	४६	३८	५२	८	२८	१३	२०	कन्यायां	पूषायां रविः ३८।३२
९	मं	४८	३९	ह	३	१	शो	१	२५	तै	१६	०	३९	५२	८	२९	१४	२१	तु.३६।१०	
१०	बु	५३	३०	चि	९	१९	अ	२	२५	व	२१	४	३९	५२	८	३०	१५	२२	तुलायां	भ. २१।४ उ. ५३।३० या.
११	गु	५७	४९	स्वा	१५	३४	सु	३	२६	ब	२५	३९	४०	५२	८	३१	१६	२३	तुलायां	सफला११ब्र.स्मा.वै. ×सफला११ब्र. नि.
१२	शु	६०	०	वि	२०	१३	धृ	३	३०	कौ	२९	१८	४१	५२	८	१	१७	२४	वृ. ४।४	जनवरी मा.१ ता.३१ सन् १९५४×
१२	श	०	४८	अ	२४	१९	शू	२	२६	तै	०	४८	४२	५२	८	२	१८	२५	वृश्चिके	पूर्वास्तो भृगुः ५८।४८ प्रदोषः पू.अ.शु.
१३	र	३	२९	ज्ये	२६	३५	गं	३३/१	५७/३६	व	३	२९	४३	५१	९	३	१९	२६	ध.२६।३५	भ.३।२९ उ.३२/३० या. पूषायां बुधः४९।१+
१४	चं	३	३२	मू	२८	३७	ध्रु	५५	४२	श	३	३२	४४	५१	९	४	२०	२७	धनुषि	पितृकार्येऽमा. +पूषायां शुक्रः ३७/३८
३०	मं	२	५४	पू	३०	०	व्या	५१	२५	ना	२	५४	४५	५१	९	५	२१	२८	म.४४।३२	देवकार्येऽमा.

३७पं. पौ.कृ.१चं.इ.२०।५०

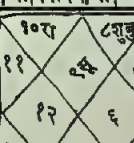

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	१	७	६	९	८
५	७	२२	२७	२६	१३	२	६
५१	१३	३१	८	३५	२८	५	३
५०	३७	४१	५२	४९	१६	२१	३६
६१	३६	९६	५७/५०	७४	५	३	६१
२२	३१	५२	व	२६	२६	११	५

१०रा ८शुबु ११ ९सू ७श मं १२ ६ १ ३चं ५ २बृ ४के

३८पं.पौ.शु.८चं इ.२०।४१

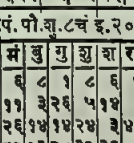

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	८	६	९	८
१३	११	३	२६	५	१४	१	१३
१	२६	१४	१४	२४	३	४३	११
४३	४२	१३	२८	३२	३६	६	३१
६१	३६	९७	५७/१७	७४	४	३	६१
२६	५५	३८	व	३२	५६	११	६

१०रा ८ ११ ९सूशुबु ७श मं १२ ६चं १ ३ ५ २बृ ४के

३९पं.पौ.कृ.१४चं.इ.२०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	८	६	९	८
१०	१५	१४	२५	१४	१४	१	१०
११	३६	१२	२४	१३	३५	२०	१९
४१	२२	०	४३	२३	२	५१	४०
६१	३५	९८	५६/२६	७४	४	३	६१
२६	५५	४६	व	३२	३२	११	६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *चंशुश

| ति. | पौष शुक्लपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५ | | |

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तुं रविरुत्तरेऽहर्गणः ६८८० स. १९५४
१	गु	३२	२७	ध	४३	५०	व	४८	३६	किं	४	२८	२७/२	६/३६	५/२४	४	२२	२९	कु. १५।७	धनिष्ठाया शुक्रः २९।०
२	शु	२७	३३	श	४०	३८	प	४१	२५	कौ	२७	३३	६	३५	२५	५	२३	३०	कुंभे	धनिष्ठायां रविः ४८।३६ चन्द्रदर्शनम्
३	श	२२	१९	पू	३७	५	शि	३३	५५	ग	२२	१९	९	३४	२६	६	२४	१	मी २२।५९	भ. ४६।२७ उ. जमादिलाखर६ तिल४
४	र	१६	३५	उ	३३	५	सि	२६	१७	वि	१६	३५	१३	३३	२७	७	२५	२	मीने	भ. १६।३५ या.
५	चं	१०	५०	रे	२८	५८	सा	१८	३१	बा	१०	५०	१६	३३	२७	८	२६	३	मे. २८।५८	बसन्त ५
६	मं	४	५९	अ	२५	२	शु	१०	४३	तै	४	५९	२०	३२	२८	९	२७	४	मेषे	भ. ५९/२३ उ. कुंभे शुक्रः ४७/५ मार्गी गुरुः २५।३
७	मं	५४	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
८	बु	५४	१४	भ	२१	१४	शु	३/७	५२/४०	वि	२६	४८	२३	३१	२९	१०	२८	५	वृ. ३५।२५	भ. २६।४८ या. भीष्माष्टमी
९	गु	४९	३०	कृ	१८	०	ऐं	४८	५४	बा	२१	५२	२७	३१	२९	११	२९	६	वृषे	
१०	शु	४४	४८	रो	१५	२४	वै	४२	४७	तै	१७	९	३०	३०	३०	१२	३०	७	मि ४४।२८	कुम्भेऽर्कः २२।३२
११	श	४२	५३	मृ	१३	३२	वि	३७	३०	व	१३	५०	३४	२९	३१	१३	१	८	मिथुने	भ. १३।५० उ. ४२।५३ या. जया ११ ब्र.
१२	र	४१	११	आ	१२	५३	प्री	३३	२	ब	११	३९	३८	२८	३२	१४	२	९	क. ५८।१२	पूभायां बुधः ९।३३ भीष्म १२
१३	चं	४०	२९	पु	१३	१९	आ	२९	३५	कौ	१०	५०	४२	२८	३२	१५	३	१०	कर्के	शते शुक्रः ६।३ प्रदोषः
१४	मं	४१	२६	पु	१४	५९	सौ	२६	५५	ग	१०	५८	४६	२७	३३	१६	४	११	कर्के	भ. ४१।२६ उ.
१५	बु	४३	३४	श्ले	१७	५४	शो	२५	२३	वि	१२	३०	५०	२६	३४	१७	५	१२	सिं १७।५४	भ. १२।३० या. माघस्नान पूर्तिः

४४पं. मा.शु.५चं.इ.२०।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	१	९	६	८	९
२५	५	१२	२३	२८	१६	२९	२५
५४	५२	४४	१२	१२	८	२९	५५
३९	३७	४२	२९	४७	१०	३२	२०
६०	३३	९९	०/११	७४	१	३	६०
५५	१०	४०	ब	३८	५	११	४७

गोचरग्रहाः

११बु ९रा मं ८ १०सूशु १ ७श बृ २ ४ ३के ५ ६

माघ शु. १० शुक्रे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ नं. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्याभाव सम) शुक्रास्तः पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

१२ १० ११सूशु बु १ २बृ ८मं ३के ५ ७श ४चं ६

४५पं.मा.शु.१३चं.इ.२१।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१	१०	६	२	१०
३	९	२१	२३	६	१६	२९	३
०	४६	०	१४	५८	१२	७	०
४२	३७	४३	३८	४४	०	१७	५
६०	३२	५०	१/१	७४	०	३	६०
४२	१४	५४	मा	३२	१९	११	३७

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तुं रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४६	५४	म	२२	१४	अ	२४	४४	बा	१५	१४	२७/५४	६/२५	५/३५	१८	६	१३	सिंहे	शते रविः ५७।५३ वक्री शनिः ३१।७
२	शु	५१	१०	पू	२७	९	सु	२५	३	तै	१९	२	५८	२४	३६	१९	७	१४	कं. ४३।३६	वक्री बुधः १७।५६ मृगे१ गुरुः ३६।४७
३	श	५६	१	उ	३२	५९	धृ	२५	५६	व	२३	३५	२८/२	२४	३६	२०	८	१५	कन्यायां	भ. २३।३५ उ. ५६।१ या.
४	र	६०	०	ह	३९	२४	शू	२७	१	ब	२८	३७	६	२३	३७	२१	९	१६	कन्यायां	पश्चिमोदयी शुक्रः ३५।२४ चतुर्थीब्र. प.
४	चं	१	१३	चि	४५	३४	गं	२८	२७	बा	१	१३	१०	२२	३८	२२	१०	१७	तु. १२।२९	पश्चिमास्तं बुधः ०।५७ उ.शु.
५	मं	६	२९	स्वा	५१	५९	वृ	२९	२५	तै	६	२९	१४	२१	३९	२३	११	१८	तुलायां	
६	बु	११	५	वि	५७	३०	ध्रु	३०	१६	व	११	५	१८	२०	४०	२४	१२	१९	वृ. ४१।९	भ. ११।५ उ. ४३।८ या.
७	गु	१५	१२	अ	६०	०	व्या	३०	२९	ब	१५	१२	२२	२०	४०	२५	१३	२०	वृश्चिके	पूभायां शुक्रः ४७।४
८	शु	१८	१	अ	२	०	ह	२९	३८	कौ	१८	१	२६	१९	४१	२६	१४	२१	वृश्चिके	वक्री शते बुधः ७।३५ सीताष्टमी
९	श	१९	४९	ज्ये	५	२४	व	२७	४६	ग	१९	४९	३०	१८	४२	२७	१५	२२	ध. ५।२४	भ. ५०।२ उ.
१०	र	२०	१३	मू	७	३३	सि	२५	९	वि	२०	१३	३४	१७	४३	२८	१६	२३	धनुषि	भ. २०।१३ या. ज्येष्ठायां भौमः ४।२९
११	चं	१९	२१	पू	८	३३	व्य	२१	२७	बा	१९	२१	३८	१६	४४	१	१७	२४	म. २३।२९	मार्च मा. ३ ता. ३१ विजया ११ ब्र.
१२	मं	१७	३७	उ	८	१६	व	१६	४४	तै	१७	३७	४२	१६	४४	२	१८	२५	मकरे	प्रदोषः ×पितृकार्येऽमा.
१३	बु	१३	५७	श्र	६	४९	प	११	९	व	१३	५७	४६	१५	४५	३	१९	२६	कु. ३५।३७	भ. १३/५७ उ. ४१/५५ या. महाशिवरात्रिब्र.स्मा.
१४	गु	९	५३	ध	४	२६	शि	४/५६	५४/१	श	९	५३	५०	१४	४६	४	२०	२७	कुम्भे	पूभायां रविः १२/४१ महाशिवरात्री ब्र. वै.×
३०	शु	४	५३	श	१/२९	५६/२४	सा	५१	०	ना	४	५३	५४	१३	४७	५	२१	२८	मी ४३।४७	मीने शुक्रः ४६।५८ देवकार्येऽमा.

४६पं. फा.कृ.५चं.इ.२१।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१	१०	६	८	१०
१०	१३	२२	२३	१५	१६	२८	१०
५	३४	२८	२६	४४	१०	४५	३
१४	१९	४८	३५	२८	५५	२	३५
६०	३१	३९/२८	२	७४	०/२३	३	६०
४१	७	ब	२४	३२	ब	११	२५

गोचरग्रहाः

१२ १० ११सूबु शु रा ९ १ २बृ ८मं ३के ५ चं ७ श ४ ६

गोचरग्रहाः

१२ १० ११सूबु शु चं रा ९ १ २बृ ८मं के ३ ५ श ७ ४ ६

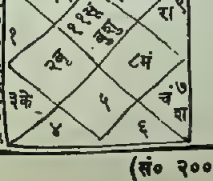

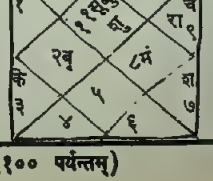

४७पं.फा.कृ.११चं.इ.२१।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१	१०	६	८	१०
१७	१७	१७	२३	२४	१६	२८	१७
८	१८	९	४७	२८	४	२२	५
३	७	०	५६	४८	४४	४७	४८
६०	३०	६८/५०	३	७४	१/१६	३	६०
२०	१	ब	४७	३२	ब	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६९१०स.१९५४
१	शु ५४ ४० ० ० ० ० शु ४३ २६ बा २६ ३९ २८ ६ ५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०	क्षयः
२	श ५३ ४६ उ ५३ ५६ शु ४३ २६ बा २६ ३९ २८ ६ ५ ६ २२ २९							मीने	चन्द्रद. फुलरिया २ पातस्पर्शः २०।४५●
३	र ४७ ५७ रे ४९ ४८ शु ३६ ३० तै २० ५१ २९ १२ ४८ ७ २३ १							मे.४९।४८	रज्जव ७ ●पातमोक्षः ३०।४८
४	चं ४२ १३ अ ४५ ४८ ब्र २७ ५८ व १५ ५ ६ ११ ४९ ८ २४ २							मेषे	भ.१५।५ उ. ४३ या. उभायां शुक्रः ३६×
५	मं ३६ २१ भ ४२ २ पें २० २५ ब १७ १० १० ५० ९ २५ ३							बृ.५६।११	
६	बु ३१ १५ कृ ३८ ३७ वै १२ ५९ को ३ ४८ १४ ९ ५१ १० २६ ४							वृषे	
७	गु २६ २९ रो ३५ ५६ वि ६ ५३ व २६ २९ १७ ८ ५२ ११ २७ ५							वृषे	भ. २६।२९ उ. ५४।३६ या. होई ८
८	शु २२ ४४ मृ ३३ २० आ ५४ १५ ब २२ ४४ २३ ७ ५३ १२ २८ ६							मि४।३८	होलाष्टकं ×पूर्वोदयी बुधः२।३१
९	श १९ ५१ आ ३२ ५० सो ४९ ३७ को १९ ५१ २७ ७ ५३ १३ २९ ७							मिथुने	मार्गी बुधः २३।३१
१०	र १८ ४ पु ३३ ६ शो ४५ ५३ ग १८ ४ ३२ ६ ५४ १४ ३० ८							क.१८।२	भ. ४७।४६ उ. मीनेऽर्कः १२।५९
११	चं १७ २८ पु ३४ ३० अ ४३ ५ वि १७ २८ ३६ ५ ५५ १५ १ ९							कर्के	भ. १७।२८ या. आमला ११ ब्र.
१२	मं १८ २१ श्ले ३७ १८ सु ४१ १२ बा १८ २१ ४० ४ ५६ १६ २ १०							सिं३७।१८	प्रदोषः
१३	बु २० २३ म ४१ १ धृ ४० ४० तै २० २३ ४४ ३ ५७ १७ ३ ११							सिंहे	उभायां रविः ३३।३७
१४	गु २३ ४३ पू ४५ ५४ शू ४० २३ व २३ ४३ ४९ २ ५८ १८ ४ १२							सिंहे	भ.२३।४३ उ.५५।५१ या. होलिका द.
१५	शु २८ ० उ ५१ ४३ गं ४१ १२ ब २८ ० ५३ १ ५९ १९ ५ १३							कं.२।२१	रेवत्यां शुक्रः ११।५७ छारेंडी

४८पं.फा.शु.४चं.इ.२१।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१	११	६	२	१०
२४	२०	१०	२४	३	१५	२८	२३
९	५५	३८	१८	११	५३	०	६
२५	३७	३७	११	१८	३१	३१	३२
६०	२८	३८	४	७	५०	३	५९
५	५०	ब	५८	२६	ब	११	५८

गोचरग्रहाः

फाल्गुन शु. १० रवौ मीनेऽर्के: प्र. वा.२न.३प्रौढाव-स्था(बैठी)मु.४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयः पश्चिमे

गोचरग्रहाः

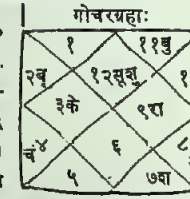

४९पं.फा.शु.११चं.इ.२२।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१	११	६	८	११
१२४	८	२७	११	१५	२७	३	१
९	२५	४१	५७	५५	३७	३८	५
७	१	५९	१	१	४८	१६	४४
५९	२७	३८	६	७४	३	३	५९
४९	१८	मा	८	२६	च	११	४१

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविर्दक्षिणेफाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श ३२ ४९ ह ५७ ५८ धृ ४२ २५ बा ० २४ ५९ ५ ५५ ३० ६						१४	कन्यायां	वसंत १
२	र ३१ १ चि ६० ० ध्रु ४३ ४० तै ५ २५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							तु.-३१।११	कलम दवात पूजा
३	चं ४६ १ चि ४ २४ ध्या ४५ ० व १० ३१ ६ ५५ ६ ३२ ८						१६	तुलायां	भ. १०।३१ उ. ४३।१ या.
४	मं ४७ ४६ स्वा १० ४२ ह ४५ ५४ ब १५ २३ १० ५८ २ २३ ९						१७	तुलायां	चतुर्थी व्रतम्
५	बु ५१ ४१ वि १६ २७ व ४६ २९ को १९ ४३ १४ ५७ ३ २४ १०						१८	वृ. ०।१	
६	गु ५४ २३ अ २१ ७ सि ४६ २ ग २३ २ १८ ५६ ४ २५ ११						१९	वृश्चिके	भ. ५४।२३ उ. ●मृगे२ गुरुः४२।१२
७	शु ५६ ० ज्ये २४ ४६ व्य ४४ २९ वि २५ ११ २३ ५६ ४ २६ १२						२०	ध.२४।४६	भ. २५।११ या. धनुषि भौमः ५६।२७
८	श ५६ १५ मू २७ ० ध ४२ १२ बा २६ ७ २६ ५५ ५ २७ १३						२१	धनुषि	
९	र ५५ १८ पू २८ २६ प ३८ ४७ तै २५ ४६ ३० ५४ ६ २८ १४						२२	म.४३।२६	
१०	चं ५३ १ उ २८ २५ शि ३४ २६ ध २४ ९ ३४ ५३ ७ २९ १५						२३	मकरे	भ.२४।९उ.५३।१या. मेषे शुक्रः५७।३९●
११	मं ४९ ४४ श्र २७ १४ सि २९ १७ ब २१ २२ ३८ ५२ ८ ३० १६						२४	कु.५६।११	पापमोचनी ११ब्र. स्मा.वै. +३ ४ प्रदोषः
१२	बु ४५ ३६ ध २५ ८ सा २३ २४ को १७ ४० ४३ ५१ ९ ३१ १७						२५	कुम्भे	रेवत्यांरविः १।५ पापमोचनी ११ब्र. नि.
१३	गु ४० ३० श २२ ११ शु १६ ५० ग १३ ३ ४७ ५१ ९ १ १८						२६	कुम्भे	भ.४ उ. अप्रेल मा.४ता.३० पूभायांबुधः+
१४	शु ३५ ३ पू १८ ४४ शु ९ ४९ वि ७ ४६ ५२ ५० १० ३ १९						२७	मी४।३५	भ.५४ या. पूषायां४राहुः पुनर्वसौ२केतुः४३
३०	श २९ ५ उ १४ ५३ ब ५७ ५३ च २ ४ ५६ ४९ ११ ३ २०						२८	मीने	अहर्गणः ६९३८ च. ३ के.

५०पं.चै.कृ.३ चं.इ.२२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१	११	५	८	११
८	२७	११	२५	२०	१५	२७	८
७	४६	२०	३३	३६	१७	१६	३
१	३४	३१	३७	३६	५३	१	२०
५९	२५	५८	७	७४	३	३	५९
३५	२६	३१	१	२६	च	११	२९

गोचरग्रहाः

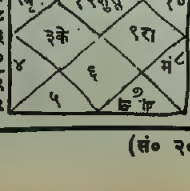

चैत्र बदी में बादल वर्षा होकर सुदी में न हो तो श्रेष्ठ इससे विपरीत अशुभ फल कारक है।

गोचरग्रहाः

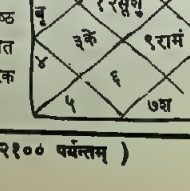

५१पं.चै.कृ.१०चं.इ.२३।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१	११	६	८	११
१५	०	१७	२६	२९	१४	२६	१४
३	५७	१२	३७	१७	५३	५	५९
४	०	७	२३	२५	३५	४६	१५
५९	२३	५५	८	७४	३	३	५९
१८	२०	२८	११	२०	च	११	१६

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०५५ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५५ शेषभोग्यकलिः ४२६९४५ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दा सम्वत् २०११ शाकः १८७६ अथास्मिन्वर्षे राजा सूर्यः । मंत्री भौमः । सस्येशश्शुक्रः । धान्येशो बुधः । मेघेशश्चंद्रः । रसेशो रविः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशचंद्रः । धनेशश्शुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १ प्लवङ्गनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः २।२९।५७।३६ भोग्यमासादिः ९।०।२।२४ सोम-दैवतंयुगम् । वर्षनाम मार्गशीर्षः। मेघ३नाम पुष्करः। रोहिणीनिवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा १८। समय वाहनमश्वः। स्तम्भाश्चत्वारः४ जलतृणवाश्वन्नतां । सोमवत्यमां नास्ति। सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी नास्ति । बुधाष्टमी नास्ति । भानुसप्तमी २। रविदशमी १। समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३५५। तिथिक्षयः१४। तिथि वृद्धिः ९। उत्पत्ति विश्वा ९९। खपति विश्वा ९३। वर्षा विश्वा ५। धान्य १३. तृण ११. शीत५. तेज५. वायु:१३. वृद्धि:१५. क्षय:१५. विग्रह७. ऐक्यं८. सत्य।। धर्म१।। पाप१८ शनि दृष्टिपश्चिमे ग्रहणे द्वे सूर्यांचन्द्रमसोः

सं.२०११ आषाढ़शुक्ला १५यां गुरौ खंडग्रासं ग्रस्तास्तं चंद्र ग्रहणम् विश्वा ८।६

	स्प.	म.	मो.	पर्व
उज्जयिनी मध्यम काल	४	५	७	२
	३९	५०	१	२२
रेल्वे टाइम मध्यान्हे	५७	६०	६३	५
	१२	१०	७	५५

वर्ष लग्नम् ५।१०

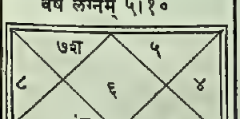

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
संवत् ग्यारह का कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

माता कहे पुकार के सुन भैरव दे ध्यान ।
धान्य घणेरा नीपजे बढ़े मान सम्मान ।।
शनिचार गुरुचार अरु नृप मंत्री का योग ।
जनता में पीड़ा बढ़े चौपायों में रोग ।।
श्रावण भादव मास में चढ़े घटा घनघोर ।
सुन्दर देख तलांइयां बोले दादुर मोर ।।
वसी रोहिणी जलधि में स्तंभ लगे हैं चार ।
अन्न जल की कमती नहीं संवत् मालाकार ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो है जग करतार ।।

लाभ-खर्च कोष्टक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ६।२१

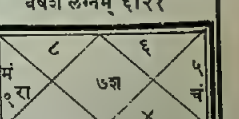

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३।४६

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा सूर्यस्तत्फलम्-सूर्येनृपे स्वल्प जलाश्चमेघाः स्तल्पंपयो गोषु जनेषु पीडा । स्वल्पं सुधान्य फलमल्प वृक्षाश्चौराग्निवाधानिघनं नृपाणां ।। मंत्री भौमस्तत्फलम्-अवनिजो ननु मन्त्रीपदङ्गतो भवति दस्यु-गदाविजवेदना जनपदेषु जयंसुखसंचयं न बहुगोषु पयो द्विजकर्म च ।। सस्येशश्शुक्रस्तत्फलम्-शुक्रोयदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूमसालेक्षुधनप्रियंगु वृक्षेषुपुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशो बुधस्तत्फलम्-बुधे धान्याधिपे मेघा जलमुंचति वैभृशम् । सन्धवे लाटदेशे च भाधवोऽरूपं च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम्-शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजवरादिषु दुग्धरसस्तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननुभामिनी ।। रसेशो रविस्तत्फलम्-रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भोगरतात्पयोधराः । वसनतैलघृतप्रियमानवाः सुखरसंच भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशश्शुक्रस्तत्फलम्-कर्पूरागरुगंधानां हेममौक्तिक वाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-यदि विधुः फलपो द्रुमराशयः फलयुता व्रतिभिः कुसुमैर्युता । द्विजमुखा वरभोग समन्विता नृपतयो नयानटन तत्परा ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम्-द्रविणपो भृगुजो द्रवि-णैर्युताः समधना सकला भुविमानवाः । समसुखाः क्रयविक्रय जीविनो नृपतयो जनपालन तत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम्-अवनिजो गढ़नायकतांगतो विविधदुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। वर्ष नाम मार्गशीर्षस्तत्फलम्-कार्पासादि महर्घं स्यारढोवूमाश्च तिलादिकम् । मेघोवर्षतिदेवोवा मार्गशीर्षे विशेषतः ।। प्लवङ्ग नाम संवत्सरस्तत्फलम्-प्लवं गोब्दे मध्ये वृद्धि रोग चौरा कुला धराः । अन्योन्य समरे भूवाः शस्त्रुभिर्हतभूभयः ।। मेघनाम पुष्करस्तत्फलम्-पुष्करे मन्दवृष्टिश्च । रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्-समुद्रे तु महावृष्टिः । समयनिवासो मालाकारगृहे फलम्-मालिनः प्रचुरवृष्टिः । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०११ शाके १८७६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा ३ बुधे अनु. ल. गो. रे. ७ ।ऽशु।।।।ऽ।।
,, १२ शुक्रे रेव. लं. १०-११ रे.९ ।।।।।ऽ।। कृष्णा नंग चतुर्दिनं
शुक्ला२ भौमे रोहि. ल.१०-११-१२ रे.७।ऽशु।।ऽवहिनऽ।।।।
,, ३ बुधे मृगे ल. १०:११-१२ रे. ९ ।।ऽवृ।।।।।।
,, ८ चंद्रे मघा. ल. गो. ११ रे.६ ऽवृ।।।।ऽरोऽ।ऽ। चं. पू.
,, ११ गुरौ हस्ते ल.१०-१२रे.८।।।।ऽ।अग्निऽ।।। मी.चं.पू.
,, १५ चंद्रे अनु. ल. १२ रे. ७ ।।।।ऽभू.।ऽऽ१५दंडः।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा१ भौमे अनु. ल. १०-११ रे. ८ ।।।।ऽभू।ऽ१५दंडः।।
,, ११ शुक्रे रेव. ल. ज्यगो.११ रे.७ ।।।।ऽवृऽऽ२४कुल.।।
शुक्ला ६ रवौ मघा.ल.११ रे.७ ।।।।ऽवृऽऽ७भूकम्पा। चं.पू.
,, ७ चंद्रे मघा. ल. ज्यगो. रे. ७ ।।।ऽवृऽऽ७भूकंपा।।।
,, ८ भौमे उफा. ल. ११ रे. ८ ।।।।।चौ.।ऽ।। चं. पू.
,, ९ बुधे उफा. ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽचो.।ऽ।
,, ९ गुरौ हस्ते ल. १२ रे. ८ ।।।।ऽ।।। चं. पू.

मार्गशीर्ष मासः (गुरोर्वक्रत्वदोषः)

शुक्ला २ शनौ मूले ल. ६-७ रे.८ ।।।।ऽअ.ऽ।।।। तुलासोग्रांग
,, ९ शनौ ल. गो. ६ रे. ८ ऽमं।।।।।।।।ऽ कन्या चन्द्र पू. दग्धादोषः
,, १४ गुरौ रोहि. ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽबु।ऽऽ१४निर्घाता।।

पौष मासः (गुरोर्वक्रत्वदोषः)

शुक्ला १ शुक्रे मृगे ल.गो.६रे.६।ऽ।।सूऽचौऽ१५दंड।।आवश्यके
,, ५ भौमे मघा. ल. ८ रे. ७ ।ऽ।।ऽऽ।। शनिपूज्यः
,, ६ बुधे मघा. ल. ज्यगो. रे. ७ ।ऽ।।ऽअग्निऽ।।।

माघ मासः

कृष्णा ८ रवौ स्वात्यां ल. ज्यगो. रे. ७ ।।।।२अऽऽ।।
,, १०भौमे अनु. ल.७ (सोग्रांगः)रे.६ ।ऽ।।ऽवृ.ऽऽ। आव.

अत्रक्वचित्स्मृति दृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ६९३९स.१९५४
१	र	२३	१५	रे	११	०	वै	४७	७	ब	२३	१५	३१/०	५/४८	६/१२	४	२१	२९	मे.११।०	चन्द्रद. कल्पादिः नवरात्रा सवत्सरारम्भः
२	चं	१७	१७	अ	६	४७	वि	३९	४६	कौ	१७	१७	३१/४	४७	१३	५	२२	१	मेषे	सावान ८ मत्स्य जयन्ती
३	मं	११	३३	भ	२/४९	५६/३५	प्री	३२	१	ग	११	३३	८	४६	१४	६	२३	२	वृ.१६।५८	कृति.५६।३५ भ.३८/५१ उ. गणगौरी पूजा
४	बु	६	९	रो	५५	४८	आ	२४	५३	वि	६	९	१२	४६	१४	७	२४	३	वृषे	भ. ६।९ या.
५	गु	१	२५	मृ	५४	१६	सौ	१८	२८	बा	१	२५	१६	४५	१५	८	२५	४	मि२५।२	कल्पादिः
६	गु	५६	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	शु	५४	४७	आ	५३	०	शो	१२	५०	ग	२६	१४	२०	४४	१६	९	२६	५	मिथुने	भ.५४/४७ उ. मीने बुध.३५/३५ भरण्यां भृगुः४६/३६
८	श	५२	५५	पु	५२	५८	अ	७	५९	वि	२२	५१	२४	४३	१७	१०	२७	६	क.३८।१९	भ. २३।५१ या.
९	र	५२	१२	पु	५४	४	सु	४	५	बा	२२	३३	२८	४२	१८	११	२८	७	कर्के	उभायां बुधः १६।३१ रामनवमी
१०	चं	५३	०	श्ले	५६	२४	धृ	१/१४	५७/४९	तै	२२	३६	३२	४२	१८	१२	२९	८	सिं५६।२४	शूलयोग क्षयः ५७।४९
११	मं	५४	५७	म	५९	४४	गं	५७	२५	व	२३	५८	३६	४१	१९	१३	३०	९	सिंहे	भ.२३/५८ उ.५४/५७ या. कामदा११व्र. वै.स्मा.=
१२	बु	५८	१३	पू	६०	०	वृ	५८	८	ब	२६	३५	३९	४०	२०	१४	१	१०	सिंहे	कामदा ११ व्र. नि. हरिदमनोत्सवः
१३	गु	६०	०	पू	४	३७	ध्रु	५८	४८	कौ	३०	१८	४२	४०	२०	१५	२	११	कं.२१।३	प्रदोषः =लक्ष्मीकां.
१३	शु	२	२०	उ	१०	२२	व्या	५९	५९	तै	२	२०	४६	३९	२१	१६	३	१२	कन्यायां	
१४	श	७	३	ह	१६	३७	ह	६०	०	व	७	३	५०	३८	२२	१७	४	१३	तु.४९।५२	भ. ७।३ उ. ३९।३५ या.
१५	र	१२	७	चि	२३	७	ह	१	१८	ब	१२	७	५४	३७	२३	१८	५	१४	तुलायां	गव्वरात मन्वादिः हनुमज्जयन्ती

५२पं. चै.शु.४ चं इ २३।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१	०	६	८	११
२१	३	२५	२७	७	१४	२६	२१
५७	५१	१३	३८	५७	२७	३१	५३
१७	४०	५५	२८	१४	११	३१	३१
५९	२०	६८	९	७४	४/३	३	५९
४	५५	३	२	१४	ब	११	४

गोचरग्रहाः

चैत्र शु. ११ भौमे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

१पं. च.शु.११मं.इ.३९।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१	०	६	८	०
०	७	७	२८	१८	१३	२६	०
३	१०	०	५५	६	५३	५	०
१०	३१	५८	५२	५९	३	२५	०
५८	१७	९३	९	७४	२१/२९	३	५८
४५	४३	२	५४	५	ब	११	४४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	१७	७	स्वा	२९	२६	व	२	४५	कौ	१७	७	३१/५८	५/३६	६/२४	१९	६	१५	तुलाया	रेव. बुधः४०।१५ मृगे३ मि.गुरुः३९।५९
२	मं	२१	३९	वि	३५	१४	सि	३	५५	ग	२१	३९	३२/२	३६	२४	२०	७	१६	वृ.१८।१७	भ. ५३।३६ उ. कृति. भृगुः ३६।५५
३	बु	२५	३३	अ	४०	१३	व्य	४	३०	वि	२५	३३	५	३५	२५	२१	८	१७	वृश्चिके	भ.२५/५३ या. वक्री स्वा.२चणे शनिः५।५९
४	गु	२८	१७	ज्ये	४४	१२	व	४	२३	बा	२८	१७	८	३४	२६	२२	९	१८	ध.४४।१२	
५	शु	३०	३	मू	४६	५६	प	३	१४	तै	३०	३	१३	३३	२७	२३	१०	१९	धनुषि	वृषे भृगुः १९।०
६	श	३०	०	पू	४८	२५	शि	१/५	५७/४	व	३०	०	१७	३३	२७	२४	११	२०	धनुषि	भ. ३०।० उ. ५९।५८ या.
७	र	२८	५६	उ	४८	४५	सा	५४	५	ब	२८	५६	२१	३२	२८	२५	१२	२१	म.३।३०	
८	चं	२६	३७	श्र	४७	५१	शु	४९	९	कौ	२६	३७	२५	३१	२९	२६	१३	२२	मकरे	
९	मं	२३	२६	ध	४३	५२	शु	४३	२६	ग	२३	२६	२९	३०	३०	२७	१४	२३	कु.१५।५२	भ.५०/५८ उ. पु.बुधः८।३८ भरण्यां रविः१७/१×
१०	बु	१८	३१	श	४३	१४	ब्र	३७	८	वि	१८	३१	३२	३०	३०	२८	१५	२४	कुंभे	भ. १८।३१ या.
११	गु	१३	५७	पू	३९	५०	ऐं	३०	१४	बा	१३	५७	३५	२९	३१	२९	१६	२५	मी२८।२४	वरूथिनी ११ व्र. सर्वेषाम्
१२	शु	८	२०	उ	३६	६	वै	२२	५७	तै	८	२०	३८	२८	३२	३०	१७	२६	मीने	प्रदोषः ×अश्वि.मेषेबुधः३२/३७ अग.२२/५
१३	श	२	२८	रे	३१	५५	वि	१५	२१	व	२	२८	४२	२८	३२	१	१८	२७	मे.३१।५५	भ.२।२८ उ.२९/२८ या. मई मा. ५ ता.३१+
१४	श	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	र	५०	२८	अ	२७	५६	प्री	७	४१	च	२३	२८	४६	२७	३३	२	१९	२८	मेषे	अमावस्या +रोहिण्यां भृगुः३१/५१

२पं. वै.कृ.२ मं.इ.३९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	२	०	६	८	०
६	९	१८	०	२६	१३	२५	०
५३	३५	२४	१०	४२	२२	४३	५०
३०	५	३७	३१	५८	४	१०	३८
५८	१४	७/१६	१०	७४	४/३९	३	५८
२९	४५		३८	२	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

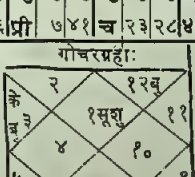

इस मास में ५ सोमवार हैं प्रजा में सुख शांति और प्रसन्नता रहे धान्य कपड़ा पाट कुष्टा में मंदी।

गोचरग्रहाः

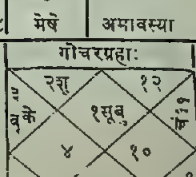

३पं.वै.कृ.९ मं.इ.३९।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	२	१	६	८	०
१३	११	१	१	३	१२	२५	१३
४१	३५	१२	२५	५९	५०	२०	३९
५०	५४	५६	५७	७	१६	२४	४१
५८	१०	७/१८	११	७३	४/३९	३	५८
१२	५१	२०/१९	१४	५३	ब	११	१९

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४९२ सन् १९५४
१	चं	४४	२३	भ	२३	५८	आ	०/१४	५२/३५	किं	१७	२६	३२/५०	५/२६	६/३४	३	२०	२९	वृ.३८।४	भरण्या बुधः ४१।३७
२	मं	३९	११	कृ	२०	२३	शो	४७	५३	बा	११	४७	५४	२५	३५	४	२१	३०	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	बु	३४	२४	रो	१७	११	अ	३१	१९	तै	६	४८	५७	२५	३५	५	२२	१	मि४६।३	पूषा. भौमः ५।३२ रमजान ९ रोजा प.ज.●
४	गु	३०	२४	मृ	१४	५५	सु	३३	३४	व	२	२४	३३/००	२४	३६	६	२३	२	मिथुने	भ. २।२४ उ. ३०।२४ या. ●अक्षय३
५	शु	२७	२१	आ	१४	२७	धृ	२८	३६	बा	२७	२१	३	२३	३७	७	२४	३	क.५९।१२	मृगे ४ गुरुः ४२।३५
६	श	२५	२२	पु	१४	७	शू	२४	३३	तै	२५	२२	६	२३	३७	८	२५	४	कर्के	पातस्पर्शः ४७।३२
७	र	२४	५२	पु	१५	३७	गं	२१	२६	व	२४	५२	९	२२	३८	९	२६	५	कर्के	भ.२४/५२ उ.५५।३या. कृत्तिकायां बुधः ४९/१२×
८	चं	२५	१४	श्ले	१६	५७	वृ	१९	१६	व	२५	१४	१२	२२	३८	१०	२७	६	सिं१६।५७	
९	मं	२७	३	म	१९	११	ध्रु	१८	८	कौ	२७	३	१७	२१	३९	११	२८	७	सिंहे	कृति. रविः ४।५६ वृषे बुधः २३।२७
१०	बु	३०	७	पू	२३	४८	व्या	१७	५५	ग	३०	७	१८	२०	४०	१२	२९	८	कं.४०।८	मृगे भृगुः २८।२३ ×पातमोक्षः १।१७
११	गु	३४	१२	उ	२९	६	ह	१८	३०	व	२	१०	२१	२०	४०	१३	३०	९	कन्यायां	भ.२।१० उ.३४।१२ या. मोहिनी ११व्र.
१२	शु	३९	०	ह	३५	१४	व	१९	४१	व	६	३६	२४	१९	४१	१४	३१	१०	कन्यायां	वृषेऽर्कः ३२।४३
१३	श	४३	४९	चि	४१	३६	सि	२१	५	कौ	११	२५	२७	१९	४१	१५	१	११	तु.८।२५	रोहिण्यां बुधः ५६।२९ प्रदोषः
१४	र	४८	४२	स्वा	४८	४	व्य	२२	४५	ग	१६	१६	३०	१८	४२	१६	२	१२	तुलायां	भ ४८/४२ उ. वक्री भौम.५९।४ नृसिंहजयंती
१५	चं	५३	१५	वि	५३	५९	व	२३	५४	वि	२०	५९	३३	१७	४३	१७	३	१३	वृ.३८।२९	भ.२०/५९ या.मि.भृगुः ५७/३३ कर्मज.जलघटीदानं

४पं. वै.शु.२ मं.इ.३९।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	२	१	६	८	०
२०	१३	१५	२	१३	१२	२४	२०
२८	१६	२२	४३	५१	१८	५८	२७
३२	४७	१३	५४	१८	३०	३९	२१
५७	७	१२/६	११	७३	४/३७	३	५८
५७	३०	३	५१	५०	ब	११	६

गोचरग्रहाः

वैशाखशु.१२शुक्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४कुमारावस्था (बैठी) मु ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

५पं. वै.शु.९ मं.इ.४०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	१	२	१	६	८	०
२७	१४	०	४	२२	११	२४	२७
१३	२४	३५	१०	२०	४७	३६	१३
४६	१०	८	१२	३७	४९	२४	३२
५७	३	७/१०	१२	७३	४/१९	३	५७
४५	१६	१०/१०	१७	३८	ब	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	५७	४	अ	५९	२	प	२४	४१	बा	२५	१०	३३/३६	५/१७	६/४३	१८	४	१४	वृश्चिके	अनु. ल. ११।१२
२	बु	५९	४८	ज्ये	६०	०	शि	२४	४७	व	२८	२६	३८	१६	४४	१९	५	१५	वृश्चिके	पश्चिमोदयं बुधः ५६।३९
३	गु	६०	०	ज्ये	३	१८	सि	२३	५९	तै	३०	३२	४०	१६	४४	२०	६	१६	ध ३।१८	भ. ३०।३२ उ.
३	शु	१	१५	मू	६	२४	सा	२२	११	वि	१	१५	४२	१६	४४	२१	७	१७	धनुषि	भ. १।१५ या.
४	श	१	३०	पू	८	७	शु	१९	२५	बा	१	३०	४४	१५	४५	२२	८	१८	म.२३।१६	मृगे बुधः ३६।१९
५	र	०	२६	उ	८	४३	शु	१५	३७	तै	०	२६	४६	१५	४५	२३	९	१९	मकरे	भ.५८/६ उ.आर्द्रायां भृगुः ३०/३ आर्द्रायां १ गुरुः ३७/७
६	र	५७	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	चं	५४	४३	श्र	८	७	ब्र	१०	५६	वि	२६	२५	४९	१४	४६	२४	१०	२०	कुं.३७।१६	भ.२६।२५ या. रोहिण्यां रविः ५८।५२
८	मं	५०	२८	ध	६	२४	ऐं	५/२३	५३/३७	बा	२२	३६	५२	१४	४६	२५	११	२१	कुम्भे	वैधृतियोग क्षयः ५३।३७
९	बु	४५	२५	श	३	४७	वि	५२	२३	तै	१७	५७	५४	१३	४७	२६	१२	२२	मी४६।०	मिथुने बुधः २०।७
१०	गु	३९	४६	पू	०/४	५७/३९	प्री	४५	१६	व	१२	३६	५६	१३	४७	२७	१३	२३	मीने	भ. १२।३६ उ. ३९।४६ या.
११	शु	३४	५०	रे	५२	५३	आ	३७	४४	व	७	१८	५८	१२	४८	२८	१४	२४	मे.५२।५३	अपरा ११ व्र.
१२	श	२७	४५	अ	४९	२८	सौ	३०	२०	तै	२७	४५	३४/००	१२	४८	२९	१५	२५	मेषे	प्रदोषः
१३	र	२१	३७	भ	४४	५६	शो	२२	५६	व	२१	३७	२	१२	४८	३०	१६	२६	वृ.५९।६	भ.३१/३७ उ.४८/४१ या. आर्द्रायां बुधः २७।५१
१४	चं	१५	४४	कृ	४१	३७	अ	१५	२७	श	१५	४४	४	११	४९	३१	१७	२७	वृषे	
३०	मं	१०	९	रो	३७	५३	सु	८	१७	ना	१०	९	३४/६	११	४९	१	१८	२८	वृषे	जून मा. ६ ता. ३० वट पूजनम्

६पं. ज्ये.कृ.१मं.इ.४०।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	२	२	४	८	१
३	१५	१५	५	०	११	२४	३
५७	३	३४	३७	५२	१८	१४	५८
२३	४६	२७	१	८	३३	१८	२६
५७	१/२	१२/१५	१२	७३	४/४	३	५७
४	ब	१२/१५	३९	२४	ब	११	४४

७पं.ज्ये.कृ.८मं.इ.४०।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	२	२	६	८	१
१०	१५	२८	७	९	१०	२३	१०
३९	७	४८	६	१८	५२	५१	४२
४०	१४	४४	४७	५५	१५	५३	२०
५७	५/२१	७/१०	१३	७३	३/४५	३	५७
२३	ब	१४	३	१४	ब	११	३५

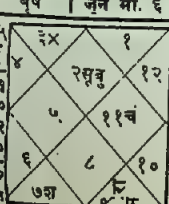

८पं.ज्ये.कृ.३०मं.इ.४०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	२	२	६	८	१
१७	१४	९	८	१७	१०	२३	१७
२०	३६	४६	३८	४३	२८	२९	२५
४०	१	१३	३५	३७	१९	३७	५
५७	७/२४	८४	१३	७२	३/१४	३	५७
१३	ब	२०	१८	५६	ब	११	२७

●शुकेबृ (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

×बृशुके

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५८ मन्१९।४
१	बु ५।१५ मृ ३५ ३४ धृ ३।१५ ४।५ व ५।१५	३४	५	६।१९	२	१९	२९	मि६।४३	शूल योग क्षयः ५४।४ चंद्रदर्शनम्
२	गु १ ७ आ ३४ ६ गं ५०।५८ कौ १ ७	८	१०	५०	३	२०	१	मिथुने	पुनर्वसौ भगुः ३२।११ सव्वाल १० ईद
३	गु ५६।५१ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
४	शु ५५।४९ पु ३३ ० कृ ४६।२७ व २६।५४	९	१०	५०	४	२१	२	क.१८।१६	
५	श ५४।५२ पु ३३ ३१ धु ४३।११ व २५।२१	१०	१०	५०	५	२२	३	कर्के	भ.३६ उ.४५ या. पूषा. ३ राहुः पुन. १×
६	र ५५।२४ श्ले ३५ १७ श्या ४०।४८ कौ २५ ८	१२	१०	५०	६	२३	४	सिं३५।१७	
७	चं ५६।२४ म ३८।२० ह ३९।३४ ग २५।५४	१४	९	५१	७	२४	५	सिंहे	भ.३६ उ. मृगेरविः५४ आर्द्रायां२गुरुः५१
८	मं ५९।५८ पू ४२।३१ च ३९।११ वि २८।११	१६	९	५१	८	२५	६	कं.५८।५०	भ. २८।११ या. ×केतुः ४१।३५
९	बु ६० ० उ ४७।४९ सि ३९।४१ बा ३१।५६	१७	९	५१	९	२६	७	कन्यायां	वक्री मूले भौमः ३४ पुन. बुधः ३९।३३
९	गु ३।५४ ह ५२।४१ व्य ४०।४९ कौ ३।५४	१८	९	५१	१०	२७	८	कन्यायां	गंगा दशहरा
१०	शु ८।२९ चि ५९।५९ च ४२।२० ग ८।२९	१९	८	५२	११	२८	९	तु.२६।५०	भ.४७ उ. कर्के भृगुः ५३ वक्री स्वात्यां१+
११	श १३।१४ स्वा ६० ० प ४३।५४ वि १३।१४	२०	८	५२	१२	२९	१०	तुलायां	भ. १३।१४ या. निर्जला ११ व्र.
१२	र १८।१६ स्वा ६ २७ शि ४५।१६ बा १८।१६	२१	८	५२	१३	३०	११	वृ.५६।५५	प्रदोषः +शनिः ४७।४५
१३	चं २२।४५ वि १२ २४ सि ४६।१८ तै २२।४५	२१	८	५२	१४	३१	१२	वृश्चिके	मिथुनेऽर्कः ५८।२९ पुष्ये भृगुः ४५।५६
१४	मं २६।३३ अ १७ ४९ सा ४६।३१ व २६।३३	२२	८	५२	१५	१	१३	वृश्चिके	भ. २६।३३ उ. ५७।५५ या.
१५	बु २९।१८ ज्ये २२ २६ शु ४५।५७ ब २९।१८	२२	८	५२	१६	२	१४	ध.२२।२६	मन्वादिः गजरणां वटसा. ब.

९पं.ज्ये.शु.८मं.इ.४०।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	२	२	६	८	२
२४	१३	१९	१०	२६	१०	२३	२४
०	२९	५	१०	६	८	७	७
३६	११	२५	५१	२२	१	२२	८
५७	१५	५५	१३	७२	३	३	५७
५	ब	९	२४	३६	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ शु.१३ चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

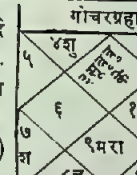

१०पं.ज्ये.शु.१४मं.इ.४०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	२	३	६	८	२
०	११	२३	११	४	९	२२	०
३९	१३	२६	४५	२५	५१	४५	४८
४४	९	२६	१०	३२	४६	७	२५
५६	२५	२७	१३	७२	३	३	५७
५७	ब	२८	३२	१४	ब	११	१७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु ३०।४८ मू २५ ४० शु ४४।१३ बा ० ३	३३	५	६।१७	३	१५		धनुषि	
२	शु ३१ ८ पू २७ ४२ ब्र ४१।४३ तै ०।५८	२३	७	५३	१८	४	१६	म.४२।५८	अस्तं गुरुः ४।४८ अ. गु.
३	श ३० ४ उ २८ ३२ ऐं ३८।१७ व ०।३६	२३	७	५३	१९	५	१७	मकरे	भ. ०।३६ उ. २०।४ या.
४	र २७।४५ श्र २८ २७ कै ३३।३८ बा २७ ४५	२३	७	५३	२०	६	१८	कुं.५७।४६	
५	चं २४।२४ ध २७ ५ वि २८ २३ तै २४ २४	२४	७	५३	२१	७	१९	कुम्भे	वक्री बुधः १६।१७ आर्द्रायांरविः५९।५९
६	मं २० ९ श २४ १२ प्री २२ ८ व २० ९	२४	७	५३	२२	८	२०	कुम्भे	भ.२०।९ उ.३५ या. आर्द्रायां३ गुरु ५२
७	बु १५ ३ पू २१ ११ आ १५ ३७ ब १५ ३	२४	७	५३	२३	९	२१	मी६।५६	
८	गु ९।२८ उ १७ ३२ सौ ८ ३० कौ ९ २८	२३	७	५३	२४	१०	२२	मीने	
९	शु ३ ३३ रे १३ ३३ शो ५३० ० ० ०	३	७	५३	२५	११	२३	मे.१३।३३	अति योग क्षयः ५२० भ.३९ उ. ५७ या.+
१०	शु ५३।५२ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	७	५३	२६	१२	२४	मेषे	
११	श ५१।१६ अ ९।२८ सु ४५।५८ ब २४ २१	२३	७	५३	२७	१३	२५	वृ.१९।२८	योगिनी ११ब्र.स्मा. +अश्लेषायाभृगुः५९
१२	र ४५।२१ भ ५।१९ धृ ३८ ३४ कौ १८ १९	२२	८	५२	२७	१३	२५	वृषे	पश्चिमास्तं बुधः ३३ योगिनी ११ब्र. वे.
१३	चं ३९।४३ कृ ५५ ५५ शु ३१ ३१ ग १२ ३३	२२	८	५२	२८	१४	२६	वृषे	रोहिणी क्षयः ५९ भ. ३३ उ. प्रदोषः
१४	मं ३४।४४ मृ ५५ ३० गं २४ ४७ वि ७ १४	२२	८	५२	२९	१५	२७	मि२६।५४	भ. ७।१४ या.
२०	बु ३०।३२ आ ५३ ३५ वृ १८ ४७ च २ ३८	२१	८	५२	३०	१६	२८	मिथुने	अमावस्या

११पं.आ.कृ.६मं.इ.४०।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	२	३	६	८	२
७	१०	२५	१३	१२	९	२२	७
१८	४	१७	२०	४२	३२	२२	२९
१२	३६	४८	३३	३४	८५	१७	
५६	१३	५६	१३	७१	२	३	५७
५४	ब	च	३७	५०	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

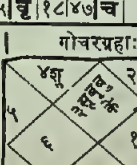

इस मास में वर्षा उत्तम होगी धान्य हुई सूत गल्ला मन्दा होगा सुदी में रुई तेज हो।

गोचरग्रहाः

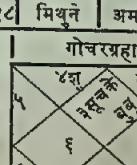

१२पं.आ.कृ.१४मं.इ.४०।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	२	३	६	८	२
१३	८	२३	१४	२०	९	२२	१४
५६	८	४४	५६	५५	३२	०	९
१५	२७	३२	०	९	३८	३६	४६
५६	१९	३३	३३	३१	२०	३	५३
५०	ब	च	३८	२५	ब	११	७

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८७ स.१९५४
१	गु २७।१२ पु ५२।४४ ध्रु १३।३१ ब २७।१२	३४ ८	५३ ६	१	१७	२९	क.३७।५७	जुलाई मा. ७ ता. ३१
२	शु २५ ० पु ५३ ० श्ले ५४।२१ ह ५।४४ ग २३।५६	१८ ८	५२ ३	१	१८	३०	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	श २३।५६ श्ले ५४।२१ ह ५।४४ ग २३।५६	१८ ८	५२ ३	१	१९	१	सिं५४।२१	भ. ५४।८ उ. जिल्काद ११
४	र २४।२१ म ५७ ४ व ३।१२ वि २४।२१	१७ ८	५२ ४	२	२०	२	सिंहे	भ. २४।२१ या.
५	चं २६ ३ पू ६० ० सि १।४८ बा २६ ३	१६ ९	५१ ५	२१	३	सिंहे	
६	मं २८।३८ पू १ ० व्य १।१२ ते २८।३८	१५ ९	५१ ६	२२	४	कं.१६।५८	मार्गी शनिः ३९ पुनर्वसौ रविः ४ वक्री×
७	बु ३२।२७ उ ४।५४ व १।२५ ग ० ३३	१३ ९	५१ ७	२३	५	कन्यायां	भ.३३ उ.२८।९ आर्द्रायां४ शुक्रः१९।३०
८	गु ३६।५८ ह १०।२७ प २।३५ वि ४।४३	१२ १०	५० ८	२४	६	तु.४४।०	भ. ४।४३ या. ×आर्द्रायां बुधः ३५
९	शु ४२ ४ श्वि १८ ४ शि १ बा ९	३३ ११	१० ९	२५	७	तुलायां	भड़ली २ +देवशयनी ११ ब्र. स्मा.
१०	श ४६ ४३ खा २४।२९ सि ५४० ते १४	२४ ९	१० ५	१० २६	८	तुलायां	
११	र ५१।१४ वि ३०।३७ सा ६ ५ व १८	५९ ७	११ ४	९ ११	२७	९	वृ.१४।५	भ.१८।५९ उ.५१ या. उदयं गुरुः३६।३६+
१२	चं ५५ ३ अ ३४।१४ शु ८ ५ व २३	९ ५	११ ४	९ १२	२८	१०	वृश्चिके	देवशयनी ११ ब्र. वं.
१३	मं ५८।१८ ज्ये ४०।५४ शु ८।२० कौ २६।४१	४ ११	४९ १३	२९	११	ध.४०।५४	प्रदोषः ×चन्द्रग्रहणम् मन्वादिः
१४	बु ५९।२६ मू ४४।२७ ब्र ८।११ ग २८।५२	२ १२	४८ १४	३०	१२	धनुषि	भ. ५९।२६ उ.
१५	गु ५९।५३ पू ४६।४५ रें ६।४८ वि २९।४०	३४ १२	४८ १५	३१	१३	धनुषि	भ.२९।४० या.पूर्वोदयंबुधः५८।० ग्रस्तास्त×

१३पं.आ.शु.६मं.इ.४०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	२	३	६	८	२
२०	६	१९	१६	२९	९	२१	२०
३४	२	१७	३१	२	३०	३८	५०
११	१७	२	१	१६	२६	२१	६
५६	२	३६	१३	७०	१	३	५७
५०	व	व	३८	५१	मा	११	७

गोचरग्रहाः

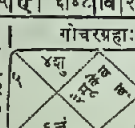

आषाढ सुदी९-१५।
योग पूनम नौमी साढ
सुदी निर्मल निशा
मयंक । दुर्भिक्ष
निश्चय जानिये रुले
प्रजा अरु रंक ।।

गोचरग्रहाः

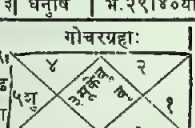

१४पं.आ.शु.१३मं.इ.३९।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	२	४	६	८	२
२७	५	१६	१८	७	९	२१	२७
१२	१	२९	६	१०	२३	१६	३०
१७	५९	३२	७	१०	५९	५	३२
५६	४	२५	१३	७०	०	३	५७
५५	ब	ब	३२	११	५१	११	११

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुं रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ५८।५१ उ ४७।५७ वै १४ २८ बा २९	३३ ५८	५२ ५	४८ ६	१६	३२	१४	म. २।३	कर्कऽकं: ३६।४६
२	श ५६ ३७ अ ४७।४८ वि ९ ४३ ते २७	४४	५६ १३	४७	१७	१	१५	मकरे	प्रीतियोग क्षयः ५५।४३
३	र ५३।१८ ध ४६ २९ आ ५१ २८ ध २४	५८	५४ १३	४७	१८	२	१६	कु.१७।८	भ.२४ उ.५३।१८ या. मार्गी बुध.१०।०
४	चं ४९ ४ श ४४।१५ सौ ४५ २८ व २१	१५	५२ १४	४६	१९	३	१७	कुंभे	पूफायां भृगुः ४।१४ च. ब्र.
५	मं ४४ ५ पू ४१ ३० शो ३८ ५२ कौ १६	३५	५० १४	४६	२०	४	१८	मी२७।१०	पुष्ये रविः ७।२७
६	बु ३८ ३३ उ ३७ ४६ अ ३२ ५६ ग ११	१९	४८ १४	४६	२१	५	१९	मीने	भ. ३८।३३ उ. मार्गी भौमः १२।३३
७	गु ३२ ३८ रे ३३ ५४ सु २४ १७ वि ५	३६	४६ १५	४५	२२	६	२०	मे.३३।५४	भ. ५।३६ या. पुनर्वसौ १ गरुः ८।१०
८	शु २६ ३३ अ २९ ४७ भृ १६ ४६ कौ २६	३३	४४ १५	४५	२३	७	२१	मेषे	मन्वादिः
९	श २० २४ भ २५ ३९ शू ८ १४ ग २०	२४	४१ १६	४४	२४	८	२२	वृ.३९।४०	भ. ४७।२० उ.
१०	र १४ १६ कृ २१ ४५ गं ५७ ३६ वि १४	१६	३८ १६	४४	२५	९	२३	वृषे	वृद्धियोग क्षयः५२।३६ भ. १४।१६ या.
११	चं ८ ४४ रो १८ २२ ध्रु ४७ ४६ बा ८	४४	३५ १७	४३	२६	१०	२४	मि४६।३८	भ. ३१।८ कामिका ११ ब्र.
१२	मं ३ ३८ मृ १५ २४ ध्या ४१ ३१ ते ३	३८	३२ १८	४२	२७	११	२५	मिथुने	भ. ५९।२२ उ. प्रदोषः
१३	मं ५५ ४४ ० ० ० ० ० ०	०	० ०	०	०	०	०		
१४	बु ५५ ५९ आ १३ ७ द ३६ ४ वि २७	४१	३० १८	४२	२८	१२	२६	क.५७।२१	भ. २७।४१ या.
१५	गु ५३ ४२ पु १२ ६ च ३१ ३० च २४	५१	२७ १८	४२	२९	१३	२७	कर्के	अमावस्या हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.५मं.इ.३९।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	२	२	४	६	८	३
३	४	१७	१९	१५	९	२०	४
५०	३	२५	४०	१०	२८	५३	११
४५	३८	५१	१२	२८	११	५०	१३
५६	०	३३	१३	६९	१	३	५७
५७	व	मा	२७	९	३०	११	१५

गोचरग्रहाः

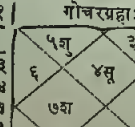

श्रावण कृ.१ शुक्रे
कर्कऽकं: प्र.वा.५
न.५ गतालकाव-
स्था(ऊर्ध्वा)मु.१५
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयःपश्चिम ।

गोचरग्रहाः

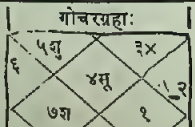

१६पं.श्रा.कृ.१२मं.इ.३९।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	२	२	४	६	८	३
१०	३	२१	२१	२३	९	२०	१०
३०	१७	९	१२	५	५१	३१	५२
२	५०	४९	५५	६	३४	३४	१५
५७	४	६१	१३	६८	२	३	५७
५मा		५	२०	२८	९	११	२०

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११६ सन् १९५४
१	शु	५२	३७	पु	१२	८	सि	२७	४७	किं	२३	१०	३३/२४	५/१९	६/४१	३०	१४	२८	कर्के	भ. ४८।१ नक्त व्रतारम्भः
२	श	५२	५८	श्ले	१३	१३	व्य	२५	९	बा	२२	४८	२१	२०	४०	३१	१५	२९	सिं१३।१३	चन्द्रदर्शनम्
३	र	५४	२५	म	१५	३८	व	२३	२९	तै	२३	४२	१८	२०	४०	१	१६	१	सिंहे	अगस्त मा. ८ ता. ३१ जिल्हेज१२ तीज
४	चं	५७	६	पू	१९	१८	प	२२	४२	व	२५	४७	१५	२१	३९	२	१७	२	कं.३५।३०	भ. २५/४७ उ.५७।६ या. कन्यायां भृगुः ५१/२५
५	मं	६०	०	उ	२४	५	शि	२२	५५	ब	२८	५९	१२	२२	३८	३	१८	३	कन्यायां	
५	बु	०	५२	ह	२९	४८	सि	२३	४९	बा	०	५२	९	२२	३८	४	१९	४	कन्यायां	
६	गु	५	२५	चि	२५	५७	सा	२४	३९	तै	५	२५	६	२३	३७	५	२०	५	तु.२।५२	पुष्ये बुधः ३८।२
७	शु	१०	१७	स्वा	४२	२२	शु	२६	४५	व	१०	१७	३	२३	३७	६	२१	६	तुलायां	भ.१०/१७ उ.४२/४५या. पुनर्वसौ२ गुरु पूषायां२•
८	श	१५	१२	वि	४८	२०	शु	२८	१७	ब	१५	१२	०	२४	३६	७	२२	७	वृ.३१।५०	
९	र	१९	४५	अ	५४	११	ब्र	२९	२०	कौ	१९	४५	३२/५७	२४	३६	८	२३	८	वृश्चिके	कल्किजयन्ती •राहुःआर्द्रायां४केतुः३५/१०
१०	चं	२३	३८	ज्ये	५९	२	ऐं	२९	५०	ग	२३	३८	५४	२५	३५	९	२४	९	व.५९।२	भ. ५५।१० उ. पूर्वास्तं बुधः१।१७ हज्ज
११	मं	२६	१४	मू	६०	०	वै	२९	४०	वि	२६	४१	५०	२६	३४	१०	२५	१०	धनुषि	भ. २६।४१ या. बकरीद पवित्रा ११ व्र.
१२	बु	२८	४१	मू	२	५८	वि	२८	२५	बा	२८	१४	४७	२६	३४	११	२६	११	धनुषि	हस्ते भृगुः ५६।३७ प्रदोषः
१३	गु	२८	४६	पू	५	२४	प्री	२६	१३	तै	२८	४६	४४	२७	३३	१२	२७	१२	म.२०।४६	अश्लेषायां बुधः ४९।४७
१४	शु	२७	५२	उ	६	५४	आ	२३	४	व	२७	५२	४१	२८	३२	१३	२८	१३	मकरे	भ. २७।५२ उ. ५६।४७ या.
१५	श	२५	४२	श्र	७	६	सौ	१९	२	ब	२५	४२	३८	२८	३२	१४	२९	१४	कुं.३६।३४	रक्षाबन्धनम श्रावणी कर्म

१७पं.श्रा.शु.५मं.इ.३९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	२	५	६	९	३
१७	३	०	२२	०	१०	२०	१७
९	५८	५	४३	५४	८	९	३३
५१	३८	५०	५८	८	९	१९	५७
५७	७	९८	१३	५७	२	३	५७
१२	२०	२०	९	२६	४८	११	२४

गोचरग्रहाः

इस मास का फल उत्तम है प्रजामें सुख शांति राजाओं में विरोध हो सुदी में वर्षा सामान्य होगी तैल गुड़ खांड मन्दा

गोचरग्रहाः

१८प.श्रा शु११म.इ.३९।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	२	५	६	८	३
२३	४	१२	२४	८	१०	१९	२४
५०	४७	२७	१३	३५	२८	४७	१६
५८	४०	२०	४४	१	४१	४	२६
५७	११	[illegible]	१३	६६	३	३	५७
२२	६७	[illegible]	४६	३	२७	११	३३

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	२२	३०	ध	६	२	शो	१५	४१	कौ	२२	३०	३२/३४	५/२९	६/३१	१५	३०	१५	कुभे	
२	चं	१८	२५	श	३	५८	अ	७	४९	ग	१८	२५	३०	३०	३०	१६	३१	१६	मी४६।५६	भ. ४५।५७ उ.
३	मं	१३	२९	पू	१/१६	५६/३५	सु	५/२२	२५/५४	वि	१३	२९	२६	३१	२९	१७	३२	१७	मीने	भ. १६।२९ उ. ५६।३५ सिंहेऽर्कः ४।४२
४	बु	७	५५	रे	५३	५३	शू	४६	५१	बा	७	५५	२३	३१	२९	१८	१	१८	मे.५३।५३	
५	गु	२	६	अ	४९	५१	गं	३९	१३	तै	२	६	२०	३२	२८	१९	२	१९	मेषे	भ.५५/५९उ. मघायां सिंहे बुधः२०/५५ चन्द्रषष्ठी
६	गु	५३	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	शु	४९	५३	भ	४५	४०	वृ	३१	३९	वि	२२	५६	१६	३३	२७	२०	३	२०	वृ.५९।४१	भ. २२।५६ या.
८	श	४३	५६	कृ	४१	४४	ध्रु	२४	१०	बा	१६	५५	१२	३४	२६	२१	४	२१	वृषे	जन्माष्टमी व्र. स्मा. वै.
९	र	३९	१५	रो	३८	३	व्या	१६	५०	तै	११	३६	८	३४	२६	२२	५	२२	वृषे	पुनर्वसौ ३ गुरुः ३९।३६
१०	चं	३३	८	मृ	३५	६	ह	१०	४	व	६	१२	४	३५	२५	२३	६	२३	मि६।३४	भ. ६।१२ उ. ३३।८ या.
११	मं	२८	५०	आ	३२	४८	व	३/२९	५४/२०	ब	०	५९	३२/०	३६	२४	२४	७	२४	मिथुने	सिद्धि५४/२०. चित्रायांभृगुः३०।१ अजा११व्र.
१२	बु	२५	२९	पु	३१	२२	व्य	५२	५७	तै	२५	२९	३१/५६	३७	२३	२५	८	२५	क.१६।४३	प्रदोषः वत्स द्वादशी
१३	गु	२३	१२	पु	३१	२	व	४८	५७	व	२३	१२	५२	३८	२२	२६	९	२६	कर्के	भ. ३३/१२ उ. ५२/४० या. पूफायां बुधः ४।२८
१४	शु	२२	७	श्ले	३१	५०	प	४५	५८	श	२२	७	४८	३८	२२	२७	१०	२७	सिं३१।५०	
३०	श	२२	३१	म	३४	०	शि	४४	०	ना	२२	३१	४४	३९	२१	२८	११	२८	सिंहे	लोहार्गल स्नानम् अगस्तोदयः ४।९

१९पं. भा.कृ.३मं.इ.३९।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	३	२	५	६	८	४
०	६	२६	२५	१६	१०	१९	०
३३	२५	३६	४०	८	५४	२४	५९
११	४६	१५	४	८	३	४८	४५
५७	१६	[illegible]	१२	६४	४	३	५७
३४	३	[illegible]	२१	३०	६	११	४०

गोचरग्रहाः

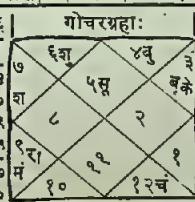

भाद्रपदकृ.३भौमे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न. ६ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (६ न्यभाव मंदा) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

२०पं.भा.कृ.११मं.इ.३९।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	२	५	६	८	४
७	८	१०	२७	२३	११	१९	७
१६	८	३३	३	२९	२२	२	४४
४५	३०	५४	५८	३०	५५	३३	१५
५७	१८	[illegible]	१२	६२	४	३	५७
४५	५६	[illegible]	२	४४	३९	११	४८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) •चंमंरा

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १४६ स.१९५४
१	र	२३	५६	पू	३७	२४	सि	४२	५९	ब	२३	५६	३१/४०	५/४०	६/२०	२९	१२	२९	कं.५३।३२	
२	चं	२६	३६	उ	४१	५५	सा	४२	५८	कौ	२६	३६	३६	४१	१९	३०	१३	३०	कन्यायां	पूफायां रविः५५।३३ चन्द्रद.
३	मं	३०	२४	ह	५०	२५	शु	४३	४१	ग	३०	२४	३२	४२	१८	३१	१४	१	कन्यायां	तुलायां भृगुः०।१५ मोहोरम१सन्१३७४
४	बु	३५	०	चि	५३	२६	शु	४४	५०	व	३	०	२९	४२	१८	१	१५	२	तु.२१।५६	भ.३/० उ.३५/० या.सितम्बरमा.९ता.३०गणेश४
५	गु	३९	५३	स्वा	५३	४६	ब्र	४६	१८	ब	७	५३	२६	४३	१७	२	१६	३	तुलायां	उफायां बुधः १८।३९ ऋषि ५
६	शु	४४	५६	वि	६०	०	ऐं	४७	५६	कौ	१२	२५	२२	४४	१६	३	१७	४	वृ.४३।२६	
७	श	४९	३५	वि	६	०	वै	४८	५६	ग	१७	१६	१८	४४	१६	४	१८	५	वृश्चिके	
८	र	५३	३३	अ	११	५६	वि	४९	३७	वि	२१	३४	१४	४५	१५	५	१९	६	वृश्चिके	भ. ४९/३७ उ. कन्यायां बुधः ६।१५ दूर्वा ८
९	चं	५६	३१	ज्ये	१६	५८	प्री	४९	३५	बा	२५	२	१०	४६	१५	६	२०	७	ध.१६।५८	स्वात्यां भृगुः ४६/२२ ●११व्र.वै. वामनज.
१०	मं	५८	२३	मू	२१	८	आ	४८	५७	तै	२७	२७	६	४७	१३	७	२१	८	धनुषि	मार्गी पूषायां भौमः ३९।१
११	बु	५८	५९	पू	२३	५४	सौ	४६	३३	व	२८	४१	२	४८	१२	८	२२	९	म.३९।२०	भ.३६/४१ उ.५८/५९ या. जलझूलनी११व्र. स्मा.
१२	गु	५८	८	उ	२५	३७	शो	४३	३४	ब	२८	३४	३०/५८	४८	१२	९	२३	१०	मकरे	पुनर्वसी४कर्कगुरुः२०/१५ ताजिया जलझूलनी●
१३	शु	५६	२	श्र	२६	४	अ	३९	३१	कौ	२७	५	५४	४९	११	१०	२४	११	कु.५५।४२	हस्ते बुधः ८।६ प्रदोषः
१४	श	५२	५७	ध	२५	१९	सु	३४	३७	ग	२४	३०	५०	५०	१०	११	२५	१२	कुम्भे	भ. ५२।५७ उ. अनंत १४ व्रतं
१५	र	४८	५७	श	२३	१६	धृ	२८	४९	वि	२०	५७	४६	५१	९	१२	२६	१३	कुम्भे	भ. २०।५७ या. महालयारम्भः

२१पं.भा.शु.३मं.इ.३८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	२	६	६	८	४
१४	१०	२३	२८	०	११	१८	१४
२	३१	३६	२४	३८	५५	४०	२९
५६	४३	३०	२३	५६	८	१८	५४
५७	२२	०/०/२७	११	६०	५	३	५८
५७	६		२५	९	५	११	१

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में पीड़ा होगी। बदी पक्ष में वर्षा साधारण और सुदी में उत्तम होगी।

गोचरग्रहाः

२२पं.भा.शु.१०मं.इ.३८।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	२	६	६	८	४
२०	१३	५	२९	७	१२	१८	२१
४८	१९	४३	४१	३०	३१	१४	१६
३७	५५	८	३६	६	३	२	५९
५८	२४	०/०/१४	१०	५७	५	३	५८
१२	२९		५३	१८	३२	११	१३

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुं रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं	४४	६	पू	२०	२९	शू	२२	२१	बा	१६	३२	३०/४१	५/५२	६/८	१३	२७	१४	मी६।१ १	उफायां रविः ४०।१२
२	मं	३८	३९	उ	१७	२७	गं	१५	२४	तै	११	२२	३६	५३	७	१४	२८	१५	मीने	
३	बु	३२	१०	रे	१३	४६	वृ	७	५९	ब	५	२४	३२	५४	६	१५	२९	१६	मे.१३।४६	भ. ५।२४ उ. ३२।१० या.
४	गु	२६	४७	अ	९	३३	ध्रु	१९/०	५२/१८	बा	२६	४७	२८	५४	६	१६	३०	१७	मेषे	स्वात्यां ३ शनिः ११।५६
५	शु	२०	४५	भ	५	२९	ह	४५	०	तै	२०	४९	२४	५५	५	१७	३१	१८	वृ.१९।१०	कन्यायामर्कः ५।२३
६	श	१४	४९	कृ	१/३२	५६/१९	व	३७	३३	व	१४	११	२०	५६	४	१८	१	१९	वृषे	भ.१४/४९ उ. ४२।० या. चित्रायां बुधः ५४/४५
७	र	९	११	मृ	५४	३७	सि	३०	२७	ब	९	९	१६	५७	३	१९	२	२०	मि२६।१४	
८	चं	४	९	आ	५२	१५	व्य	२३	४७	कौ	४	४	१२	५८	२	२०	३	२१	मिथुने	मात ९ सौभाग्यवतीनां श्राद्धं
९	चं	५५	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	मं	५६	३७	पु	५०	३०	व	१७	५२	व	२८	१६	८	५८	२	२१	४	२२	क ३५।५६	भ. ३६/१६ उ. ५६/३७ या. विशाखायां भृगुः३०/३८
११	बु	५४	२५	पु	४९	५५	प	१२	४१	व	२५	३१	४	५९	१	२२	५	२३	कर्के	इंदिरा ११ व्र. स्मा.
१२	गु	५३	२३	श्ले	५०	३१	शि	८	२७	कौ	२३	५४	०	६/०/६	६/०/५	२३	६	२४	सिं५०।३०	तुलायां बुधः३८।५८ इंदिरा११व्र. वै.निं.
१३	शु	५३	५२	म	५२	०	सि	५	९	ग	२३	३८	३९/५६	१	५६	२४	७	२५	सिंहे	भ. ५३।५२ उ. प्रदोषः
१४	श	५५	२२	पू	५५	२७	सा	२	४९	वि	२४	३७	५२	२	५८	२५	८	२६	सिंहे	भ. २४।३७ या. शस्त्रादिहतानां श्राद्धम्
३०	र	५८	९	उ	५९	४०	शु	१	३१	च	२६	४५	४८	२	५८	२६	९	२७	कं.११।३०	सर्वपित श्राद्धम

२३पं.आ.कृ.२मं.इ.३८।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	३	६	६	८	४
२७	१६	१६	०	१४	१३	१७	२८
३७	२८	५५	५३	०	१०	५५	५
०	४५	७	१८	२५	४५	४७	२१
५८	२७	९४	१०	५३	५	३	५८
२९	७	३१	१०	३२	५७	११	२६

गोचरग्रहाः

आश्विन कृ. ५ शुक्रे कन्यायामर्कः प्र.वा.४न.४कुमारावस्था (बैठी) मु.१५(धान्यभाव तेज)शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

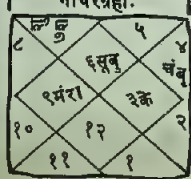

२४पं.आ.कृ.१०मं.इ.३८।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	३	६	६	८	५
४	२०	२७	२	२०	१३	१७	४
२७	२	१०	०	६	५२	१२	५५
५	३१	२५	९	२३	१३	१६	१२
५८	२९	८४	९	४८	६	३	५८
४५	३	२६	२६	४०	२०	११	३८

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७५ स.१९५४
१	चं	६०	०	ह	६०	०	शु	१	६	के	३०	४	२९/४३	६/३	५/५७	२७	१०	२८	कन्यायां	हस्ते रविः १७।५१ नवरात्रा.
१	मं	२	०	ह	४	५६	ब्र	१	२३	ब	२	०	३८	४	५६	२८	११	२९	तु.३७।५०	चंद्रद. स्वात्यां बुधः ५०।४५
२	बु	६	४०	चि	१०	४३	ऐं	२	३१	कौ	६	४०	३४	४	५६	२९	१२	१	तुलायां	सफर २ *२८।९ पापांकुशा११ब्र.
३	गु	११	४०	स्वा	१७	११	वै	३	५५	ग	११	४०	३०	५	५५	३०	१३	२	तुलायां	भ. ४४।१३ उ. पुष्ये १ गुरुः ४८।५०
४	शु	१६	४६	वि	२३	३५	वि	५	२०	वि	१६	४६	२६	६	५४	१	१४	३	वृ.६।५९	भ.१६।४६ या. अक्टूबर मा.१० ता.३१
५	श	२१	३२	अ	२९	३१	प्री	७	१०	बा	२१	३२	२२	७	५३	२	१५	४	वृश्चिके	
६	र	२५	३४	ज्ये	३५	१	आ	७	२४	तै	२५	३४	१८	८	५२	३	१६	५	ध.३५।१	
७	चं	२८	३६	मू	३९	१३	सौ	७	१६	व	२८	३६	१४	९	५१	४	१७	६	धनुषि	भ.३८/३६ उ.५९/३४ या. उषायां भौमः ७।२०×
८	मं	३०	३१	पू	४२	३३	शो	६	२७	ब	३०	३१	१०	१०	५०	५	१८	७	म.५८।३०	वृश्चिके भृगुः ११।५४ सरस्वती पू.
९	बु	३१	१३	उ	४६	२३	अ	१४	३८	बा	०	५२	६	११	४९	६	१९	८	मकरे	सरस्वती बलिदानम् ×सर. वाहनम्
१०	गु	३०	२७	श्र	४४	५८	धृ	५२/१	५९/११	तै	०	५०	२	११	४९	७	२०	९	मकरे	भ.५९/२६ उ. बुद्धज. सरस्वती विस. वि.१०
११	शु	२८	२६	ध	४४	२९	शू	५३	१८	वि	२८	२६	२८/५५	१२	४८	८	२१	१०	कु.१४।४४	भ.३८/२६ या. पूर्वायां१ राहुःआर्द्रायां३ केतुः*
१२	श	२५	२४	श	४२	५३	गं	४७	३८	बा	२५	२४	५४	१३	४७	९	२२	११	कुम्भे	मकरे भौमः २५।४ प्रदोषः
१३	र	२१	२९	पू	४०	२४	वृ	४१	१८	तै	२१	२९	५०	१४	४६	१०	२३	१२	मी२६।२	चित्रायां रविः ४८।२८
१४	चं	१६	४२	उ	३८	६	ध्रु	३४	२३	व	१६	४२	४६	१५	४५	११	२४	१३	मीने	भ.१६/४२ उ.४४।१या. अनुराधायां भृगुः४०/४० +
१५	मं	११	१९	रे	३३	३२	व्या	२७	१	ब	११	१९	४२	१६	४४	१२	२५	१४	मे.३३।३२	कोजागरीव्र. शरद्पू.वै. +शरद्१५स्मा.

२५पं. आ.शु.१मं.इ.३८।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	३	६	६	८	५
११	२३	६	३	२५	१४	१७	११
१९	४५	२५	१	३०	३६	११	४३
११	३९	७	१८	१०	१०	१६	५५
५९	३७	७२	८	४२	६	३	५८
०	४९	७	३६	२२	३२	११	५३

२६पं.आ.शु.८मं इ.३८।१३

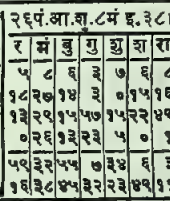

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	३	७	६	८	५
१८	२७	१४	३	०	१५	१६	१८
१३	२९	१५	५७	१५	२२	४९	४०
०	२६	१३	२३	५	०	१	९
५९	३२	५५	७	३४	६	३	५९
१६	३८	४५	३२	२३	४९	११	९

२७पं.आ.शु.१५मं.इ.३८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	६	३	७	६	८	५
२५	१	१९	४	३	१६	१६	२५
८	४८	२	४४	५७	९	२६	३५
४२	२०	२५	५५	४	२९	४५	६
५९	३३	१२	६	२३	७	३	५८
३१	४१	२७	३६	४९	२	११	२१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	बु	५	३४	अ	३९	३१	ह	१९	२१	बा	५	३४	२८/३८	६/१६	५/४४	१३	२६	१५	मेषे	
२	बु	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	गु	५३	३७	भ	२५	३२	व	११	३७	व	२६	३७	३४	१७	४३	१४	२७	१६	वृ.३९।३०	भ. २६।३७ उ. ५३।३७ या.
४	शु	४७	२७	कृ	२१	२३	सि	५३/३	५३/३	ब	२०	३२	३०	१८	४२	१५	२८	१७	वृषे	वक्री बुधः ३४।३२ च. ब्र.
५	श	४२	१५	रो	१७	३४	व	४९	०	कौ	१४	५१	२६	१९	४१	१६	२९	१८	मि४५।५४	
६	र	३७	१८	मृ	१४	१५	प	४२	११	ग	९	४७	२२	२०	४०	१७	३०	१९	मिथुने	भ.३७/१८ उ.तुलायामर्कः३१/१२ विशा.बुधः१५/३३*
७	चं	३२	५९	आ	११	३१	शि	३५	५६	वि	५	९	१८	२०	४०	१८	१	२०	क.५५।४	भ. ५।९ या. *स्वात्यां४ शनिः ५३/३४
८	मं	३०	१	पु	९	३५	सि	३०	३१	बा	१	३०	१४	२१	३९	१९	२	२१	कर्के	अस्तंशनिः२२/२० अभिजित्प्रवृत्तो भौमः३०/५० +
९	बु	२७	४५	पु	८	४७	सा	२६	१०	ग	२७	४५	१०	२२	३८	२०	३	२२	कर्के	भ. ५७।२१ उ. +होई ८
१०	गु	२६	५८	श्ले	९	५	शु	२२	१७	वि	२६	५८	६	२३	३७	२१	४	२३	सिं ९।५	भ. २६।५८ या.
११	शु	२७	३५	म	१०	२७	शु	१९	३४	बा	२७	३५	२	२३	३७	२२	५	२४	सिंहे	रमा ११ ब्र. ×प्रदोषः धन १३
१२	श	२९	१२	पू	१३	२३	ब्र	१८	५	तै	२९	१२	२७/५८	२४	३६	२३	६	२५	कं.२९।२४	पश्चिमास्तं बुधः १०।३४
१३	र	३२	३	उ	१७	२५	ऐं	१७	७	व	०	३८	५४	२५	३५	२४	७	२६	कन्यायां	भ.३३/३ उ. वक्रीभृगुः२८/१८ स्वात्यांरविः१३/१२×
१४	चं	३६	३	ह	२२	२८	वै	१७	२१	वि	४	३	५०	२६	३४	२५	८	२७	तु.५५।२२	भ.४/३ या. श्रवणेभौमः३५/३६ रूप१३नरक१४
३०	मं	४०	४९	चि	२८	१७	वि	१८	४	च	८	२६	४६	२७	३३	२६	९	२८	तुलायां	श्रीमहालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.८मं.इ.३७।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	३	७	६	८	६
२	६	२१	६	६	१६	१६	२
६	४४	३५	२६	२०	५२	४	३१
११	४	४८	३१	३१	३४	३७	३५
५९	३४	५७/९	५	१०	७	३	५९
४६	३८	च	३१	३६	१३	११	३४

गोचरग्रहाः

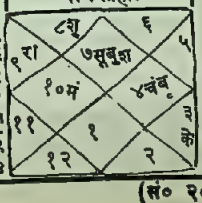

कार्तिक कृ.६रवौ तुलायामर्कः प्र.वा. ३नं.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५ (धान्यभाव तेज)

गोचरग्रहाः

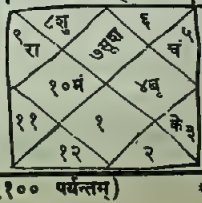

२९पं.का.कृ.३०मं.इ.३७।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	३	७	६	८	६
९	१०	१६	५	६	१७	१५	९
५	३७	३९	५९	५९	४८	४२	२९
३४	४	४३	२५	४३	२	१५	५२
६०	३५	८७/७	४	५६/४	७	३	५९
२	४९	ब	२३	ब	२०	११	४७

*बुशुश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *चरा

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०५ स.१९५४
१	बु	४५	५६	स्वा	३४	३६	प्री	१९	१५	किं	१३	२३	२७/४३	६/२७	५/३३	२७	१०	२९	तुलायां	अभिजिन्निवृत्ती भौमः ४।५६ अन्नकूट
२	गु	५१	९	वि	४१	०	आ	२०	३८	बा	१८	३३	४०	२८	३२	२८	११	३०	बृ.२४।२४	चन्द्रदर्शनम् यम २ भ्रातृ २
३	शु	५५	५७	अ	४७	३	सौ	२१	५२	तै	२३	३३	३६	२९	३१	२९	१२	१	वृश्चिके	रविलावल ३
४	श	६०	०	ज्ये	५२	३६	शो	२२	४०	व	२७	५९	३२	३०	३०	३०	१३	२	ध.५२।३६	भ. २७।५९ उ.
५	र	०	१	मू	५७	९	अ	२२	४८	वि	०	१	२८	३०	३०	३१	१४	३	धनुषि	भ. ०।१ या.
५	चं	३	५	पू	६०	०	सु	२२	१८	बा	३	५	२४	३१	२९	१	१५	४	धनुषि	नवम्बर मा. ११ ता. ३०
६	मं	५	४	पू	०	३६	धृ	२०	३९	तै	५	४	२०	३२	२८	२	१६	५	म.१६।८	
७	बु	५	४५	उ	२	४५	शू	१८	१०	व	५	४५	१७	३३	२७	३	१७	६	मकरे	भ. ५।४५ उ. ३४।५४ या. गोपाष्टमी
८	गु	४	२	श्र	३	४७	गं	१४	३२	व	४	२	१४	३३	२७	४	१८	७	कु.३३।४२	वक्री तुलायां बुधः २९।२६
९	शु	३	३	ध	३	३६	वृ	१०	१	कौ	३	३	११	३४	२६	५	१९	८	कुम्भे	पूर्वोदयं बुधः १९।५७ अक्षय ९
१०	श	२	०	श	३/३	५७/४७	ध्रु	४/३०	५३/५०	ग	२	०	८	३४	२६	६	२०	९	मी४५।२७	भ.२९/४ उ.५७/८ या. पू.भ.क्ष.५७/४३ विशाखायां*
११	श	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*रविः २९/२७ प्रबोधिनी ११ व्र.
१२	र	५१	२३	उ	५६	५८	ह	५१	३१	व	२३	४६	४	३५	२५	७	२१	१०	मीने	मार्गी बुध ४३/३४ प्रबोधिनी ११व्र. वै. नि.
१३	चं	४५	५९	रे	५३	१५	व	४४	१०	कौ	१८	४१	०	३६	२५	८	२२	११	मे.५३।१५	पश्चिमा.भू ४१/४८ वक्रीवि.भृगुः१४/१० प्रदोषः=
१४	मं	४०	२०	अ	४९	१६	सि	३६	३२	ग	१३	१०	२९/५९	३७	२३	९	२३	१२	मेषे	भ. ४०।२० उ. वैकुण्ठ १४ =प.अ.भृ.
१५	बु	३४	२७	भ	४५	१४	व्य	२८	४८	वि	७	२४	५३	३७	२३	१०	२४	१३	बृ.५९।१२	भ.७।२४या.पुष्ये२गुरुः३३।३ का.स्ना.पू.

३०पं.का.शु.६मं.इ.३७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	३	७	६	८	६
१६	१५	८	६	५	१८	१५	१६
६	२२	३१	२२	४८	३७	१९	२९
३७	३४	२	४१	२०	४१	५९	४०
६०	३४	५९/५१	३	३०/३७	७	३	६०
१८	३३	व	९	व	२०	११	४

गोचरग्रहाः

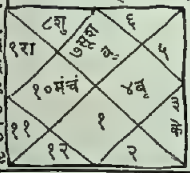

इस मास में पांच बुधवार हैं, रस-कस तेज होगा। धान्य अलसी रुई में मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

३१पं.का.शु.१४मं.इ.३७।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	३	७	६	८	६
२३	१९	५	६	२	१९	१४	२३
९	५१	५४	३८	३४	२९	५७	३१
१५	३	२९	२८	३३	०	४४	१
६०	३७	२२/५४	१	२२/४८	७	३	६०
३०	३०	व	३९	व	२०	११	१७

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२८	३३	कृ	४१	४	व	२१	४	बा	१	३०	२९/५०	६/३८	५/२२	११	२५	१४	वृषे	मार्गी स्वात्या बुधः ३८।३५
२	शु	२२	४८	रो	३७	७	प	१३	२३	ग	२२	४८	४७	३८	२२	१२	२६	१५	वृषे	भ. ५०।८ उ.
३	श	१७	२९	मृ	३३	४४	शि	५५/५३	५२/४७	वि	१७	२९	४४	३९	२१	१३	२७	१६	मि५।२६	सिद्ध योग क्षयः५२/४७ भ. १७/२९ या. च. ब्र.
४	र	१२	३४	आ	३०	५१	सा	५१	९	बा	१२	३४	४१	४०	२०	१४	२८	१७	मिथुने	ध.भौमः२७/७ वक्रीतु.भृगुः२०/२० विशाखायां*
५	चं	८	३६	पु	२८	४७	शु	४६	२५	तै	८	३६	३८	४०	२०	१५	२९	१८	क.१४।१८	
६	मं	५	३३	पु	२७	४५	शु	४१	३३	व	५	३३	३४	४१	१९	१६	३०	१९	कर्के	भ. ५।३३ उ. ३४।३५या. वृ. २३।५५
७	बु	३	३६	श्ले	२७	४६	ब्र	३७	३०	व	३	३६	३२	४२	१८	१७	१	२०	सिं२७।४६	
८	गु	२	४९	म	२९	१	ऐं	३४	२६	कौ	२	४९	३०	४२	१८	१८	२	२१	सिंहे	वक्री गुरुः २७।२० *शनिः४।३७
९	शु	३	३४	पू	३१	५५	वै	३२	२२	ग	३	३४	२८	४२	१८	१९	३	२२	कं.४७।४४	भ.३४।२९उ. अनुराधायां रविः४१।४३
१०	श	५	२४	उ	३५	१३	वि	३१	११	वि	५	२४	२५	४३	१७	२०	४	२३	कन्यायां	भ.२५/२४ या. पूर्वोदयं भृगुः१।१२ पू.उ.भृ.
११	र	८	२७	ह	४०	७	प्री	३१	६	बा	८	२७	२२	४४	१६	२१	५	२४	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र. सर्वेषाम्
१२	चं	१२	३६	चि	४५	५१	आ	३१	४०	तै	१२	३६	१९	४४	१६	२२	६	२५	तु.१२।५९	उदयंशनिः१७/५० वक्री पुष्ये१ गुरुः४१।४८
१३	मं	१७	२८	स्वा	५२	३	सौ	३२	४५	व	१७	२८	१६	४५	१५	२३	७	२६	तुलायां	भ.१७।२८ उ.५०।२या. वि.बुधः९।५६
१४	बु	२२	३७	वि	५८	२२	शो	३३	५७	श	२२	३७	१४	४५	१५	२४	८	२७	बृ.४१।४७	कुम्भे भौमः २३।१४
३०	गु	२७	४८	अ	६०	०	अ	३५	५	ना	२७	४८	१२	४६	१४	२५	९	२८	वृश्चिके	अमावस्या

३२पं.मा.कृ.६मं.इ.३७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	३	६	६	८	७
०	२४	११	६	२८	२०	१४	०
१३	४२	२०	४३	२७	१८	३५	३३
२०	३२	१६	२४	३२	२८	२८	४९
६०	३८	६८	०	३५/५१	७	३	६०
४०	८	३४	२१	व	१६	११	३०

गोचरग्रहाः

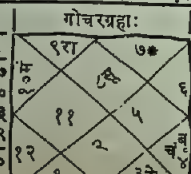

मार्ग. कृ.६ भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.३ वृद्धावस्था (वैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रास्तः पश्चि.

गोचरग्रहाः

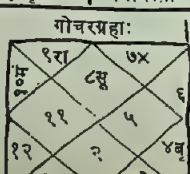

३३पं.मा.कृ.१३मं.इ.३६।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	३	६	६	८	७
७	२९	२०	६	२४	२१	१४	७
१८	३०	३८	३९	३६	८	१३	३७
५०	९	३५	६	१८	६	१३	४२
६०	३८	८५	५९/५२	७	३	६०	
५३	३७	३९	व	व	८	११	४२

*बुशुश

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

×चंबुशुश

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चंन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३५ स.१९५४
१	शु	३२	४७	अ	४	३९	सु	३६	१४	किं	०	१८	२६/१०	६/४६	५/१४	२६	१०	२९	वृश्चिके	
२	श	३६	४८	ज्ये	१०	२२	धृ	३६	१९	बा	४	४८	७	४६	१४	२७	११	३०	ध.१०।२२	चन्द्रदर्शनम्
३	र	४०	५२	मू	१५	५	शू	३६	७	तै	८	५०	४	४७	१३	२८	१२	१	धनुषि	रविलाखर ४
४	चं	४१	४५	पू	१८	५१	गं	३४	४४	व	११	१९	१	४८	१२	२९	१३	२	म.३४।३१	भ.११/१९ उ.४१।४५या. वृश्चिके बुधः ५१/४४
५	मं	४२	२८	उ	२१	३१	वृ	३२	२५	ब	१२	७	२५/५६	४८	१२	३०	१४	३	मकरे	पूर्वास्तो बुधः ७।१५
६	बु	४१	४४	श्र	२२	३६	ध्रु	२९	९	कौ	१२	६	५६	४९	११	१	१५	४	कु.५३।८	दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
७	गु	३९	४४	ध	२३	४०	व्या	२४	४९	ग	१०	४४	५४	४९	११	२	१६	५	कुम्भे	भ.३९/४४उ. ज्येष्ठायांरविः४८/४२ अनुराधायां*
८	शु	३६	४१	श	२१	३०	ह	१९	३८	वि	८	१३	५२	५०	१०	३	१७	६	कुम्भे	भ. ८।१३ या. *बुधः १३।१५
९	श	३२	४९	पू	१९	२४	व	१२	४१	बा	४	४५	५०	५०	१०	४	१८	७	मी४।५५	शते भौमः ६।३०
१०	र	२८	३	उ	१६	२८	सि	०/५	५३/५३	तै	०	२६	४८	५०	१०	५	१९	८	मीने	भ. ५५।२४ उ.
११	चं	२२	४५	रे	१३	६	व	५२	२०	वि	२२	४५	४७	५१	९	६	२०	९	मे.१३।६	भ.२२।४५ या. मोक्षदा ११ ब्र. सर्वेषाम्
१२	मं	१७	७	अ	९	१३	प	४४	३०	बा	१७	७	४६	५१	९	७	२१	१०	मेषे	मार्गी भृगुः ३।२४ प्रदोषः
१३	बु	११	१२	भ	५	९	शि	३६	३३	तै	११	१२	४४	५१	९	८	२२	११	वृ.१९।७	पिशाचमोचन श्राद्धम्
१४	गु	५	२१	कृ	१/१	५६/२	सि	२८	५९	व	५	२१	४३	५१	९	९	२३	१२	वृषे	भ. ५।२१ उ. ३२।३१ या. दत्तजयन्ती
१५	गु	५४	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः

३४पं.मा.शु.५मं.इ.३६।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	३	६	६	८	७
१४	४	१	६	२२	२१	१३	१४
२५	२३	९	२४	४	५६	५०	४२
३९	२९	५१	४८	३	४४	५८	५६
६१	३९	९३	२/२१	१५/१	७	३	६०
३	२	१६	व	च	१	११	५०

गोचरग्रहाः

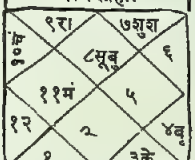

इस मास में धान्य रूई अफीम अलसी चांदी में मन्दी हो। वदी में बु. शु. का योग वर्षा कारक है।

गोचरग्रहाः

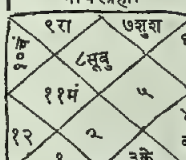

३५पं.मा.शु.१२मं.इ.३६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	३	६	६	८	७
२१	९	१२	६	२१	२२	१३	२१
३३	१९	०	१	३६	४३	२८	४०
२६	४	१	४३	५७	४०	४२	१
६१	३९	९६	३/४१	१/७	६	३	६०
११	२५	१	ब	ब	४१	११	५६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५४	२५	मृ	५३	३३	सा	२१	२०	बा	२७	३	२५/४२	६/५२	५/८	१०	२४	१३	मि२५।१८	ज्येष्ठायां बुधः ३१/२४ मूले४राहुः आर्द्रायां३×
२	श	४९	४१	आ	५०	२८	शु	१	९	तै	२२	३	४१	५२	८	११	२५	१४	मिथुने	
३	र	४५	५०	पु	४८	१७	शु	१७	१८	व	१७	४६	४०	५२	८	१२	२६	१५	क.४३।२२	भ. १७।४६ उ. ५५।५० या.
४	चं	४२	५६	पु	४७	१५	ब्र	१/१४	५४/४४	ब	१४	२३	३९	५२	८	१३	२७	१६	कर्के	विशाखायां २ शनिः ८।३ च. ब्र.
५	मं	४०	३८	श्ले	४६	४१	वै	५१	४१	कौ	११	४७	३८	५२	८	१४	२८	१७	सिं४६।४१	
६	बु	४०	२८	म	४७	३९	वि	४८	१६	ग	१०	३३	३८	५२	८	१५	२९	१८	सिंहे	भ. ४०।२८ उ. धनुष्यर्कः ५२।२७
७	गु	३९	२१	पू	४९	५१	प्री	४५	४६	वि	९	५५	३८	५२	८	१६	१	१९	सिंहे	भ. ९।५५ या. ×केतुः २०।२६
८	शु	४३	११	उ	५३	२२	आ	४४	२१	बा	११	१६	३७	५३	७	१७	२	२०	कं.५।४४	
९	श	४६	३५	ह	५७	५९	सौ	४२	५३	तै	१४	५३	३७	५३	७	१८	३	२१	कन्यायां	
१०	र	५०	४९	चि	६०	०	शो	४४	८	व	१८	४२	३७	५३	७	१९	४	२२	तु.३०।४६	भ.१८।४२ उ. ५०/४९ या. धनुषि १२
११	चं	५५	४५	चि	३	३३	अ	४५	१	ब	२३	१७	३६	५३	७	२०	५	२३	तुलायां	सफला ११ ब्र. स्मा.
१२	मं	६०	०	स्वा	९	४२	सु	४६	१६	कौ	२८	२३	३६	५३	७	२१	६	२४	बृ.५९।३०	सफला ११ ब्र. नि.
१२	बु	१	०	वि	१६	५	धृ	४७	१८	तै	१	०	३६	५३	७	२२	७	२५	वृश्चिके	पूभायां भौमः ४१।५७ प्रदोषः
१३	गु	६	१४	अ	२१	५३	शू	४८	२७	व	६	१४	३७	५३	७	२३	८	२६	वृश्चिके	भ. ६।१४ उ. ३८।४० या.
१४	शु	११	५	ज्ये	२८	३७	गं	४८	५६	श	११	५	३७	५३	७	२४	९	२७	ध.२८।३७	
३०	श	१५	१२	मू	३३	१६	वृ	४८	३०	ना	१५	१२	३७	५३	७	२५	१०	२८	धनुषि	अमावस्या

३६पं. पौ.कृ.५मं.इ.३६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	३	६	६	८	७
२८	१४	२२	५	२२	२३	१३	२८
४२	१६	५५	२९	५४	२९	६	५५
९	५१	१४	३४	४४	२९	२७	५८
६१	३१	९८	४/५९	१६	६	३	६१
१९	४९	४	व	१६	२७	११	१

गोचरग्रहाः

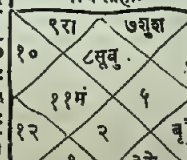

पौष कृ. ६ बुधे धनुष्यर्कः प्र. वा. २न.४वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

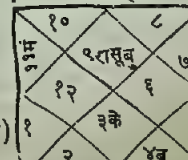

३७पं.पौ.कृ.१२मं.इ.३६।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	३	६	६	८	८
५	१९	३	४	२५	२४	१२	६
५१	१६	५८	४९	५५	११	४४	३
३५	४२	१	४१	५५	१८	१२	३३
६१	४०	९९	६/७	२८	६	३	६१
२२	४	४६	व	२८	११	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*चंशुश

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६									दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तू रविरुत्तरेऽर्हगणः २६५ स. १९५४
१	र	१८	१४	पू	३७	२२	ध्रु	४७	४७	ब	१८	१४	३५ ३८	५२	८	२६	११ २९	म.५२।५६	चन्द्रदर्शनम्
२	चं	२०	४	उ	३७	३६	व्या	४५	४६	को	२०	४	३८	५२	८	२७	१२ १	मकरे	पुषायां बुधः ३२।१८ जमादिलावल ५
३	मं	२०	४०	श्र	४१	३८	ह	४२	४६	ग	२०	४०	३८	५२	८	२८	१३ २	मकरे	भ.५९ उ.पूषायां रविः ५४ मार्गी वृश्चिके*
४	बु	१९	५३	ध	४३	२	व	३८	५३	वि	१९	५३	३९	५२	८	२९	१४ ३	कुं.१२।२४	भ. १९।५३ या. *भृगुः १८।३६
५	गु	१७	४८	श	४१	११	त्रि	३४	२	बा	१७	४८	३९	५२	८	३०	१५ ४	कुम्भे	
६	शु	१४	४३	पू	३९	२५	व्य	२८	१०	ते	१४	४३	४०	५२	८	३१	१६ ५	मी २४।५२	
७	श	१०	४६	उ	३६	३९	व	२१	४८	व	१०	४६	४१	५२	८	१	१७ ६	मीने	भ.१६ उ.३५ या. जनवरी मा.१ ता.३१×
८	र	५	१२	रे	३३	१७	प	१४	५१	आ	५	१२	४३	५२	८	२	१८ ७	मे.३३।१७	वक्री पुनर्वसौ ४ गतः ५।२१
९	चं	०	२८	अ	२९	२४	शि	२२	५३	को	०	२८	४३	५२	८	३	१९ ८	मेषे	×सन् १९५५ अनुराधायां भृगु.५१।४७
१०	चं	५४	२८	०	०	०	०	०	०	व	०	०	०	०	०	०	० ९	बृ.३९।२५	
११	मं	४९	५	भ	२५	३०	सा	५१	४७	व	२२	१	४४	५१	९	४	२० ९		भ. २३ उ. ४९।५ या. उषायां बुधः ४३+
१२	बु	४३	१६	कृ	२१	२१	शु	४४	२	ब	१६	११	४४	५१	९	५	२१ १०	वृषे	मीने मौमः ४०।० पुत्रदा ११ ब्र. नि.
१३	गु	३७	४२	रो	१७	२३	शु	३६	२७	को	१०	२९	४६	५१	९	६	२२ ११	मि४५।३३	मकरे बुधः४१।७ +पुत्रदा११ब्र.स्मा.वै.
१४	शु	३२	३०	मृ	१३	४२	ब	२८	५४	ग	५	६	४८	५०	१०	७	२३ १२	मिथुने	भ. ३२।३० उ.
१५	श	२७	५४	आ	१०	४३	ऐं	२१	५९	वि	०	१२	५०	५०	१०	८	२४ १३	क.५३।५६	भ. ०।१२ या. माघ स्नानारम्भः

३८पं. पौ.शु.३मं.इ.३५।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	३	७	६	८	८
१३	१४	१५	४	०	२४	१२	१३
१	१७	६	२	१०	५१	२१	११
२८	१३	४५	१६	५९	३७	५६	३२
६१	४०	०	५३	३७	५	३	६१
२६	२१	५८	ब	५६	४४	११	६

गोचरग्रहाः

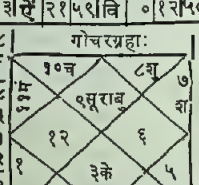

इस मास में साधारण फल होगा रूई सूत जौ गेहूँ चना मंदा हो तेज हो।

गोचरग्रहाः

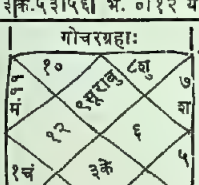

३९पं.पौ.शु.११मं.इ.३५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	३	७	६	८	८
२०	२९	२६	३	५	२५	११	२०
११	१६	२८	१	२४	२८	५९	१९
२६	५१	१२	१	५	४७	४१	३७
६१	४०	०	५४	४५	५	३	६१
२६	२३	२८	ब	२२	१६	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्ष सं. २०११ शाकः १८७६									दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	२४	१०	पु	८	२०	वै	१५	४५	को	२४	१०	५२ ५०	५०	९	९	२५ १४	कर्के	*१०।८ अभिजित्प्रवृत्तो बुधः ४७।५०
२	चं	२१	४	पु	६	३४	वि	१०	१२	ग	२१	४	५४	४९	११	१०	२६ १५	कर्के	भ.२५ उ. उषायां रवि.३५ उभायांभौमः*
३	मं	१९	४२	श्ले	६	९	प्री	५	३४	वि	१९	४२	५६	४९	११	११	२७ १६	सिं ६।९	भ. १९।४२ या. चतुर्थी व्रतम्
४	बु	१९	२२	म	६	५३	आ	३	५७	बा	१९	२२	५८	४८	१२	१२	२८ १७	सिंहे	श्रवणे बुधः ४६।१७
५	गु	२०	२१	पू	८	४६	शो	५७	२४	ते	२०	२१	२	४८	१२	१३	२९ १८	कं.२४।३५	अभिजित्प्रवृत्तो बुधः १७।५२
६	शु	२२	१७	उ	१२	३	अ	५६	३१	व	२२	१७	२	४८	१२	१४	३० १९	कन्यायां	भ.२२।१७ उ.५५ या. मकरेऽर्कः १०।५३
७	श	२५	४०	ह	१६	२१	सु	५६	३३	ब	२५	४०	४	४७	१३	१५	१ २०	तु.४९।२	पश्चिमोदयी बुधः ८।४७
८	र	३०	१६	चि	२१	४३	धृ	५७	१६	को	३०	१६	६	४७	१३	१६	२ २१	तुलायां	=५६ विशाखायां ३ शनिः १५।४४
९	चं	३५	२	स्वा	२७	४७	शू	५९	०	ते	२	३९	९	४६	१४	१७	३ २२	तुलायां	ज्येष्ठायां भृगुः १८।५
१०	मं	४०	१७	वि	३४	८	ग	५९	३९	व	७	४०	१२	४६	१४	१८	४ २३	वृ.१७।३२	भ. ७।४० उ. ४०।१७ या.
११	बु	४५	२८	अ	४०	३५	वृ	६०	०	ब	१२	५३	१४	४६	१५	१९	५ २४	वृश्चिके	षट्तिला ११ व्रतम्
१२	गु	५०	१८	ज्ये	४७	८	वृ	०	४३	को	१७	५३	१६	४५	१५	२०	६ २५	ध.४७।८	अभिजित्प्रवृत्तो रविः ५३ धनिष्ठायांबुधः=
१३	शु	५४	२२	मू	५१	४७	ध्रु	१	२९	ग	२२	२०	१८	४४	१६	२१	७ २६	धनुषि	भ. ५४।२२ उ. प्रदोषः
१४	श	५७	१९	पू	५६	३	व्या	१	३२	वि	२५	५१	२१	४४	१६	२२	८ २७	धनुषि	भ. २५।५१ या.
३०	र	५९	१	उ	५९	१६	ह	५३	३६	च	२८	१०	२४	४३	१७	२३	९ २८	म.११।५१	श्रवणे रविः ५८।१६

४०पं. मा.कृ.३मं.इ.३५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	३	७	६	८	८
२७	४	८	२	११	२६	११	२७
२१	१७	१	१४	२१	२	३७	२७
१७	५३	५	४८	५०	४०	२६	२४
६१	४०	०	५३	५०	४	३	६१
२४	३१	५८	ब	५५	४९	११	६

गोचरग्रहाः

माघ कृ. ६ शुक्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न.२प्रगत्भावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

४१पं. मा.कृ.१०मं.इ.३५।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	३	७	६	८	९
४	९	१९	१	१७	२६	११	४
३०	१७	२१	१८	५१	३२	१५	३५
४५	२५	३५	२८	२४	५२	१०	३३
६१	४०	१६	५५	५५	४	३	६१
१९	२८	२०	ब	१४	१७	११	४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२९४ स.१९५५
१	चं	५८	२७	श्र	६०	०	सि	५६	३९	किं	२८	४४	२९/२७	६/४३	५/१७	२४	१०	२९	मकरे	अभिजिन्निवृत्ती रविः ५०।३२
२	मं	५८	३६	श्र	०	५०	व्य	५२	४७	बा	२८	३२	३०	४२	१८	२५	११	३०	कुं.३१।१५	चन्द्रद. कुम्भे बुधः ४०।२२
३	बु	५६	२७	ध	१	४०	व	४७	४६	तै	२७	३२	३३	४१	१९	२६	१२	१	कुम्भे	जमादिलाखर ६
४	गु	५३	८	श	१/७	५८/१९	प	४३	०	व	२४	४८	३६	४१	१९	२७	१३	२	मी४४।५१	भ. २४।४८ उ. ५३।८ या. तिल ४
५	शु	४९	१७	उ	५६	५१	शि	३६	४८	ब	२१	१३	३९	४०	२०	२८	१४	३	मीने	वक्रीपुनर्वसु३ च.मिथुने गुरुः ३४/१७ वसन्त५
६	श	४४	२०	रे	५३	३९	सि	२९	५९	कौ	१६	४९	४२	४०	२०	२९	१५	४	मे.५३।३९	रेवत्यां भौमः ६।४२
७	र	३८	५८	अ	५०	६	सा	२२	४९	ग	११	३९	४५	३९	२१	३०	१६	५	मेषे	भ.३८।५८ उ. धनुषि भृगुः३५।५ रथ ७
८	चं	३३	१४	भ	४६	६	शु	१५	१७	वि	६	६	४८	३८	२२	३१	१७	६	मेषे	भ. ६।६ या. भीष्माष्टमी
९	मं	२७	२३	कृ	४२	९	शु	७/३२	५२/१	बा	०	१९	५२	३८	२२	१	१८	७	बृ. ०।७	फरवरी मा. २ ता. २८
१०	बु	२१	३७	रो	३८	३	ऐं	५१	५२	ग	२१	३७	५५	३७	२३	२	१९	८	बृषे	भ. ४८।४९ उ.
११	गु	१६	०	मृ	३४	१५	वै	४५	१६	वि	१६	०	५८	३६	२४	३	२०	९	मि ६।९	भ. १६।० या. जया ११ ब्र. सर्वेषाम्
१२	शु	९	५४	आ	३१	१	वि	३७	११	बा	९	५४	२७/१	३६	२४	४	२१	१०	मिथुने	वक्री बुधः १।० भीष्मद्वादशी
१३	श	६	१५	पु	२८	२५	प्री	३०	४६	तै	६	१५	४	३५	२५	५	२२	११	क.१४।४	
१४	र	२	३७	पु	२६	३३	आ	२५	४	व	२	३७	८	३४	२६	६	२३	१२	कर्के	भ.३२/३७ उ.३१/५ या. पश्चिमास्तं बुधः ४८/६ *
१५	र	५७	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *धनि ठायां रविः ४/८ माघस्नानपूर्ति

४२पं. मा.शु.२मं.इ.३५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	३	७	६	८	९
११	१४	२९	०	२४	२६	१०	११
३९	१७	५४	२२	४८	५८	५२	४२
३	१३	५	४२	४२	५३	५५	५९
६१	४०	७८	७/३८	५८	३	३	६०
१३	३८	४०	ब	३९	३७	११	५९

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच रविवार रोग वृद्धि कारक हैं पंचाऽर्कः वासरे' रोगाः रुई सूत कपड़ा घूत तेज होगा ।

गोचरग्रहाः

४३पं.मा.शु.९ मं.इ.३६।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	२	८	६	८	९
१८	१९	५	२९	२	२७	१०	१८
४७	१७	५७	३०	२	२०	३०	४९
३६	२५	३९	५	३१	४	३९	३२
६१	४०	२७	७/४	६१	२	३	६०
४	३८	२९	ब	१८	५५	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५८	१६	श्ले	२५	५५	सौ	२०	११	बा	२९	५	२७/१२	६/३४	५/२६	७	२४	१३	सिं२५।५५	
२	मं	५७	४७	म	२६	२१	शो	१६	१०	तै	२८	२	१६	३३	२७	८	२५	१४	सिंहे	
३	बु	५८	५१	पू	२८	१	अ	१३	८	व	२८	१९	१९	३२	२८	९	२६	१५	कं.४३।५५	भ. २८।१९ उ. ५८।५१ या.
४	गु	६०	०	उ	३०	५७	सु	११	७	ब	२९	५७	२२	३२	२८	१०	२७	१६	कन्यायां	पातस्पर्शः २३/४६ पातमोक्षः ३५/५३ चतुर्थीव्रतम्
४	शु	१	३	ह	३५	३७	धृ	१०	२	बा	१	३	२६	३१	२९	११	२८	१७	कन्यायां	मूले ३ राहुः आर्द्रायां १ केतुः १४।२९
५	श	४	२९	चि	४०	१२	शू	९	४९	तै	४	२९	३०	३०	३०	१२	२९	१८	तु.७।५५	कुम्भेऽर्कः ३८।४ पूषायां भृगुः १०।१७
६	र	८	५३	स्वा	४६	३	गं	१०	२६	व	८	५३	३४	२९	३१	१३	१	१९	तुलायां	भ.५८/३ उ ४१/५२ या. वक्री मकरे बुधः३।१२
७	चं	१४	१०	वि	५२	२८	वृ	११	२७	ब	१४	५०	३८	२८	३२	१४	२	२०	बृ.३५।५२	
८	मं	१९	७	अ	५८	३८	ध्रु	१२	४६	कौ	१९	७	४२	२८	३२	१५	३	२१	बृश्चिके	
९	बु	२४	१६	ज्ये	६०	०	व्या	१३	५७	ग	२४	१६	४६	२७	३३	१६	४	२२	बृश्चिके	भ. ५६।३६ उ. मेषे भौमः ४६।५४
१०	गु	२८	५७	ज्ये	५	३	ह	१४	५१	वि	२८	५७	५०	२६	३४	१७	५	२३	ध. ५।३	भ.२८।५७या. वक्री श्रवणे बुधः५२।२७
११	शु	३२	२८	मू	१०	३५	व	१५	१८	व	०	५८	५४	२५	३५	१८	६	२४	धनुषि	विजया ११ ब्र.
१२	श	३५	४८	पू	१५	३	सि	१४	५८	कौ	४	२३	५८	२४	३६	१९	७	२५	म.३०।५४	पूर्वोदयी बुधः१७।३८ शते रविः१३।२५
१३	र	३७	२१	उ	१८	२७	व्य	१३	४४	ग	६	३५	२८/२	२४	३६	२०	८	२६	मकरे	भ.३७।२१उ. प्रदोषः शिवरात्री ब्र स्मा.
१४	चं	३७	४१	श्र	२०	३५	व	११	१७	वि	७	३१	६	२३	३७	२१	९	२७	कुं.५१।५	भ. ७।३१ या. महाशिवरात्रि ब्र. वै.
३०	मं	३६	४३	ध	२१	३०	प	८	२	च	७	१२	१०	२२	३८	२२	१०	२८	कुम्भे	

४४पं. फा.कृ.२मं.इ.३६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	२	८	६	८	९
२५	२४	४	२८	९	२७	१०	२५
५४	१४	१४	४२	३३	३७	८	५५
२४	५९	७	५०	४१	११	२४	१९
६०	४०	५३/१०	६/१५	६३	२	३	६०
५५	३८	ब	ब	२५	१४	११	४७

४५पं.फा.कृ.८मं.इ.३६।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	२	८	६	८	१०
३	२९	२६	२८	१७	२७	९	३
०	१२	४९	१	१६	४९	४६	०
२७	७	२६	२०	४४	१३	९	६
६०	४०	५४/३८	५/२	६५	१	३	६०
४२	४४	ब	ब	२	३३	११	३७

४६पं.फा.कृ.३०मं.इ.३६।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	२	८	६	८	१०
१०	४	२१	२७	२५	२३	९	१०
५	७	१७	४३	८	५६	२३	१३
५९	४८	५२	५	२५	३२	५३	३६
६०	४०	३५/४७	३/५९	६६	०	३	६०
३१	३३	ब	ब	२९	५२	११	२५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२४ स. १९५५
१	बु ३४ २७ श २१ १७ शि ४९ ५२ कि ५ ३५ ३४	२१	३९	२३	११	२९		कुम्भे	उषायां भृगुः ५९।१८
२	गु ३१ ८ पू १९ ५० सा ५२ ४२ बा २ ४९ १८	२०	४०	२४	१२	३०		मी५।२८	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	शु २७ १ उ १७ २८ शु ४७ १६ ग २७ १ २२	२०	४०	२५	१३	१		मीने	भ. ५४।३० उ. रज्जव ७
४	श २१ ५९ रे १४ ३० शु ३९ १२ वि २१ ५९ २६	१९	४१	२६	१४	२		मे.१४।३०	भ.३१ या. मार्गीबुधः ५१ मकरेभृगुः ५१।५
५	र १६ ३३ अ १० ५४ ब्र ३१ ४३ बा १६ ३३ ३०	१८	४२	२७	१५	३		मेषे	
६	चं १० ४६ भ ६ ५७ ऐ २४ ३५ त्रै १० ४६ ३४	१७	४३	२८	१६	४		वृ.२०।५५	
७	मं ५ ५ कृ ४९ ५९ वै १६ २२ व ५ ५ २८	१६	४४	१	१७	५		वृषे	भ.५ उ.१३ या. मार्चं मा.३ ता.३१ वक्री●
८	मं ५३ ५७ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०		०	
९	बु ५३ २७ मृ ५५ ३ वि ८ ४२ बा २६ १५	१६	४४	२	१८	६		मि२६।५६	●शनिः २९।११ होलाष्टकम् होई ८
१०	गु ४८ १५ आ ५१ ३८ प्री १ ३३ त्रै २० ५१	१५	४५	३	१९	७		मिथुने	+प्रवत्तोभृगुः ४५ आमलकी ११ ब्र. स्मा. वै.
११	शु ४३ ४२ पु ४८ ५७ सो ४७ १ व १५ ५९	१४	४६	४	२०	८		क.३४।३७	भ.१५ उ.४३ या.पूभायांरविः ३६ अभिजि–+
१२	श ४० ३ पु ४६ २१ शो ४१ २७ ब ११ ५३	१३	४७	५	२१	९		कर्के	मार्गीवनिष्ठायांबुधः ५० आमलकी ११ ब्र. नि
१३	र ३७ १९ श्ले ४५ ५२ अ ३६ १६ कौ ८ ४१	१२	४८	६	२२	१०	सि	४५।५२	प्रदोषः =भृगुः ३४।२३
१४	चं ३५ ४० म ४६ ८ सु ३२ २९ ग ६ ३०	११	४९	७	२३	११		सिंहे	भ.३५ उ. भरण्यां भोमः ४५।१४ श्रवणे=
१५	मं ३५ ११ पू ४७ ३२ धृ २८ ५३ वि ५ २६	१०	४९	८	२४	१२		सिंहे	भ.२६ या. अभिजित्प्रवृत्तोभृगुः ३० होलिका

४७पं.फा.शु.७मं.इ.३६।५७							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	२	९	६	८	१०
१७	९	२२	२७	३	२७	९	१७
७	३	९	२	७	५८	१	५
४८	३	२०	१४	७	५९	३८	४७
६०	४०	३६	११	६७	०	३	६०
२०	३१	मा	च	४१	च	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास का फल साधारण है। बदी पक्ष की तिथी वृद्धि और सुदी पक्ष की तिथि क्षय धान्य रुई अफीम गल्लामें तेजी

गोचरग्रहाः

४८पं.फा.शु.१५मं.इ.३७।१६							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	२	९	६	८	१०
२४	१३	२५	२६	११	२७	८	२४
९	५५	४९	५६	११	५६	३९	६
१०	१०	४८	१२	५८	२६	२३	२२
६०	४०	३६	११	६८	४०	३	५९
५३	३३	५	च	३९	च	११	१८

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेफाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु ३६ १३ उ ५० २१ शु २६ ३५ बा ५ ४२	१९	५०	९	२५	१३		कं.३।१४	वसन्तोत्सवः छारेंडी
२	गु ३८ २६ ह ५३ ४ मं २५ २० त्रै ७ २०	१४	९	५१	१०	२६	१४	कन्यायां	
३	शु ४१ ५१ चि ५८ ५७ वृ २४ ५५ व १० ९	१८	८	५२	११	२७	१५	तु.२६।०	भ.१०।९ उ.५१ या. कुम्भे बुधः ५५।३९
४	श ४६ १५ स्वा ६० ० छु २५ २१ ब १४ ३	२३	८	५२	१२	२८	१६	तुलायां	
५	र ५१ १२ स्वा ४ ४७ ज्या २६ १८ कौ १८ ४४	२६	७	५३	१३	२९	१७	वृ.५४।२८	वक्री पुनर्वसौ २ चरणे गुरुः १९।४७
६	चं ५६ २२ वि ११ २ ह २७ ३१ ग २३ ४७	३१	६	५४	१४	३०	१८	वृश्चिके	भ. ५६।२२ उ. मोनेऽर्कः २८।३१
७	मं ६० ० अ १७ २९ व २८ ५१ वि २८ ५६	३६	५	५५	१५	१	१९	वृश्चिके	भ. २८।५६ या. मार्गी गुरुः १२।३६
७	बु १ ३० ज्ये २३ ४६ सि ३० ८ ध १ ३०	४०	४	५६	१६	२	२०	ध.२३।४६	शीतला पूजनं
८	गु ६ १ मू २९ ३० व्य ३० ३९ कौ ६ १	४४	३	५७	१७	३	२१	धनुषि	उभायां रविः ४९।९ शते बुधः ५८।५९
९	शु ९ ५४ पू ३४ १० ध ३० ४९ ग ९ ५४	४८	२	५८	१८	४	२२	म.५०।४	भ. ५१।१४ उ.
१०	श १२ ३३ उ ३७ ४८ प २९ ३७ वि १२ ३३	५२	२	५८	१९	५	२३	मकरे	भ. १२।३६या. धनिष्ठायां भृगुः ०।१५
११	र १४ ३ श्र ४० २ शि २७ ४० बा १४ ३	५८	१	५९	२०	६	२४	मकरे	मार्गी पुनर्वसौ ३ चर्णे गुरुः १३।१२×
१२	चं १४ १४ ध ४१ २८ सि २४ ४८ त्रै १४ १४	३१	०	६	२१	७	२५	कु.१०।४५	प्रदोषः ×पापमोचनी ११ ब्र.
१३	मं १३ ११ श ४१ २७ सा २० ५३ व १३ ११	६	५९	१	२२	८	२६	कुम्भे	भ. १३।११ उ. ४२।० या.
१४	बु १० ४९ पू ४० ५ शु १६ ४ श १० ४९	१०	५८	२	२३	९	२७	मी२५।२६	
१५	गु ७ २७ उ ३८ ९ शु १० ३० बा ७ २७	१४	५७	३	२४	१०	२८	मीने	कुम्भे भृगुः ४३ अहगणः ३५३ च.४ के.

४९पं.चै.कृ.७मं.इ.३७।३६							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	२	९	६	८	११
१	१८	४	२६	१२	२७	८	१
८	४७	३	४०	२०	४८	१७	५
५२	२२	२९	१७	५०	३७	७	४४
५९	४०	६६	९	२५	३	३	५९
४९	३३	२५	मा	५९	च	११	४१

गोचरग्रहाः

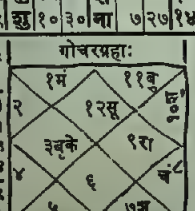

चैत्र कृ. ६ चंद्रे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न.४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे.।

गोचरग्रहाः

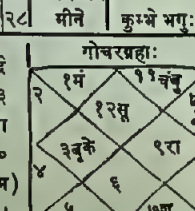

५०पं.चै.कृ.१३मं.इ.३७।५७							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	२	९	६	८	११
८	२३	१३	२६	२७	२७	७	८
६	५६	२	४३	३४	३७	५४	३
४१	५०	३२	१३	३९	१७	५२	४०
५९	४०	८२	१	७०	३	३	५९
३५	३५	२०	२०	११	च	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशि नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०५६ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५६ भोग्यकलिः ४२६९४४ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २०१२ शाकः १८७७ अथास्मिन्वर्षेराजा शुक्रः । मंत्री बुधः । सस्येशश्शनिः । धान्येशश्शुक्रः । मेघेशो बुधः । रसेशश्चन्द्रः । नीरसेशः शनिः । फलेशः भौमः । धनेशोशनिः । दुर्गेशो बुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये शिवविंशतिकायां २ कीलकनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमयेगतमासादिः ३।४।१०।४८ भोग्यमासादिः ८।२५।४९।१२ सौम-दैवतं युगम् । वर्षनाम माघः । मेघ ४नाम द्रोणः । रोहिणी निवासः संधौ । समयनिवासो वणिग्गृहे । समय विश्वा ५ । समय वाहनं दर्दुरः । स्तंभौ २ जलतृणयोः। सोमवत्यमा ३ । सोमवती पंचमी ३ । अंगारकीचतुर्थी ३ । बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी २। रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः३४५। समयदिनानि ३८४। तिथिक्षयः१४। तिथि वृद्धिः ८ । उत्पति विश्वा ८९ । खपति विश्वा १२६ । वर्षा विश्वा ११ । धान्यम् १३, तृणम् ११. शीतम् ५. तेज ५. वायुः १३. वृद्धिः१५। क्षयः १५। विग्रहः ७। ऐक्यं ९५ सत्यम्।। धर्मम् १।। पाप१८ शनि दृष्टिपश्चिमे। ग्रहणानि३, सूर्यस्य२ चन्द्रमसः १।

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जगदम्बे ईश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
बारह विक्रम साल का मुझ से कह दो हाल ।।

भवानी उत्तर

बारह विग्रह होयसी मध्यम वर्ष तोय ।
व्यापारां घट बढ़ चले रोग-युद्ध बहु होय ।।
श्रावण भादव मास में गुरु-मंगल का योग ।
पवन चक्र जग में चले वर्षा योग कुयोग ।।
आपस में भूपति लड़ें बहै रक्त की धार ।
धरा कंप अरु रोग से घटे मही का भार ।।
पण भृगु राजा वर्ष में यह सब जग हर्षाय ।
मंत्री पद बुध को मिला करे न्याय की न्याय ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो है जग कर्तार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	२	११	४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ९।१९

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् १।६

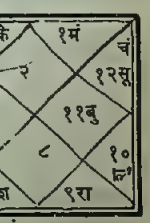

*चंवृशु

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयानांशाः २३।५३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१२।५७

(सं० २००१समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

अथ वर्ष फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम्-शुक्रस्य राज्ये बहु सस्यसंकुला स्वतीव्रवेगाः सारितोम्बु-राशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिवसौख्यसंयुता ।। मंत्री बुधस्तत्फलम्-शशिसुते शुभमन्त्रिसमागते स्वपतिनां कुरुते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुवारिसमन्वितं यवमसूरिचणान्नमहर्घता ।। सस्येशः शनिस्तत्फलम्-रविसुते यदि धान्यपती जनो नृपतिभिः परिपीडितविग्रहः । गदभयं तुषधान्यहरं सदा दुरितवादविवादयुता नराः ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम्-भृगौ पश्चिम-धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशः बुधस्तत्फलम्-अमृतरश्मिसुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् । द्विजवरायजनोत्सुकचेतसाः विविधसौख्ययुताधरणी तदा ।। रसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां बुभुजे युवतिप्रियाम् । जलधरा बहुवारिविधायका रसवती घनधान्यवती मही ।। नीरसेशः शनि-स्तत्फलम्-त्रपुपिंडादिलोहानां कृष्णवस्त्रादिवस्तुनाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके ।। फलेशः भौमस्तत्फलम्-फल-पतिर्यदि भूतनयो भवेत्सुबहुपुष्यफलान्वितमेदिनी । गदभयान्वितदेशजनास्तदा नृपतयो बहुविग्रहकारकाः ।। घनेशः शनिस्तत्फ-लम्-द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अधनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीड़ितमानसाः ।। दुर्गेशः बुधस्तत्फलम्-विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौभवतिराशगते तु विशेषतः । शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित् ।। वर्षनाम माधस्तत्फलम्-सुभिक्षं पूर्वयाम्यांचमध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे रौरवं माघे वर्षे धान्यमहर्घता ।। कीलकनाम सम्वत्सरत्फलम्-कीलकाब्दे त्वीतिभीतिः प्रजाक्षोभनृपाहवौ । तथापि वर्द्धते लोकः समधान्यार्घवृष्टिभिः ।। मेघ-नाम द्रोणस्तत्फलम्-द्रोणेवर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः संघौ फलम्-खण्डवृष्टिश्चसन्विषु ।। समयनिवासो वणिग्गृहे फलम्-वणिग्गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०१२ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

बैसाख मासः

शुक्ला ४ भौमे मृगे ल. गो. रे.८ ।।।।।ऽऽ।। गो. भौमाष्टमे महादोषः

„ ९ शनौ मघा. ल.गो. रे.८।।।।।।।ऽऽ। रिक्ताभौमाष्टम महादोषः पात सामीप्यास्वाज्यमेव.

„ ११ चन्द्रे उफा. ल. १०-१२ रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।। मकरे गुरु-शुक्रौ पूज्यौ गीने चं. पू.

„ १४ गुरौ स्वात्यां ल. १० रे. ९ ।।।।।।ऽ। गु. पू. सत् ब. ४९।५१ यावत् श्रेष्ठं

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा१०भौमे उभा.ल.ऽन्यगो.११रे.६ऽ।।ऽऽऽ। गो.भौ.ने.

„ ११ बुधे रेव.ल.ऽन्यगो.११ रे.९।।।।।ऽचौऽ। गो.भौ.ने.

शुक्ला ९ चन्द्रे उफा. ल.गो.१० रे.८ ।।।।ऽचौऽ।। गौ.भौ.ने. मकरे गुरुः पूज्यः

„ ९ चन्द्रे हस्ते ल. १२ रे. ८ ।।।।ऽचौऽ।। चं. पू. सत्

आषाढ मासः

कृष्णा ९ भौमे रेव. ल. ११-२ रे. ७ ऽऽ।।।ऽऽऽ।

शुक्ला ५ शुक्रे मघा. ल. ११-२ रे. ७ ।।।।ऽऽऽ।। कुम्भे चं.पू.

„ ८ चन्द्रे हस्ते ल.१०रे.६ऽ।।।ऽऽऽ आवश्यकेगुरुःपूज्यः

„ १० बुधे स्वात्यां ल.१०-११रे.८।।।।।ऽऽ। मकरेगुरुःपू.

आषाढ कृ. ३० चन्द्रे खण्डग्रासं सूर्यग्रहणम् विश्वा २।०

		स्प.	म.	मो.	पर्व.		
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	४	५	६	२		
	मि.	२०	२१	३८	१८		
रेल्वे टाइम	घं.	८	८	८	०		
	मि.	१३	४१	८।।	५५		

कार्तिक शु. १५ यां भौमेखण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा ३।५

		स्प.	म.	मो.	पर्व.		
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	३	४	४	३		
	मि.	१७	९	१	४४		
रेल्वे टाइम	घ.	९	१०	११	१		
	मि.	४६	३१	१५	२९		

मागशीर्ष कृ. ३० बुधे खण्डग्रासं सूर्यग्रहणम् विश्वा ८।५

		स्प.	म.	मो.	पर्व.		
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	११	१५	२०	८		
	पल	७	३६	१	५४		
रेल्वे टाइम	घ.	१०	१२	२	३		
	मि.	५६	४३	३०	३४		

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५४ स. १९५५
१	शु	३	५२	रे	३५	१२	ब्र	४/१२	५३/१२	व	३	१२	३०/१८	५/५६	६/४	२५	११	२९	मे.३५।१२	चंद्रद. नवरा. घटस्था. सम्वत्सरारम्भः
२	शु	५४	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *पूभायां बुधः ३०।०
३	श	५२	३१	अ	३१	४५	वै	४९	४६	तै	२५	१९	२२	५६	४	२६	१२	१	मेषे	सावान ८ मत्स्य जयंती गणगौरी पू.
४	र	४६	४१	भ	२७	५४	वि	४२	२६	व	१९	३६	२६	५५	५	२७	१३	२	वृ.४१।५६	भ.१९/३६ उ.४३/४१ या. कृत्तिकायां भौमः ३।५५*
५	चं	४०	४६	कृ	२४	१	प्री	३४	४९	ब	१३	४४	३०	५४	६	२८	१४	३	वृषे	कल्पादिः +भवान्युत्पत्तिः
६	मं	३४	५१	रो	१९	४८	आ	२७	७	कौ	७	४९	३४	५३	७	२९	१५	४	मि४७।४९	
७	बु	२९	१०	मृ	१५	५०	सौ	१९	३१	ग	२	०	३८	५२	८	३०	१६	५	मिथुने	भ. २९/१० उ. ५६/३१ या. शते भृगुः २०।४
८	गु	२३	५३	आ	१२	२५	शो	१२	२०	व	२३	५३	४३	५१	९	३१	१७	६	क.५४।४३	रेवत्यां रविः १६।३७ वृषे भौमः ५९।२९+
९	शु	१९	१९	पु	८	४९	सु	५/३७	५३/५८	कौ	१९	१९	४७	५१	९	१	१८	७	कर्के	अप्रेल मा. ४ ता. ३० राम ९
१०	श	१५	३४	पु	७	१७	धृ	५४	२०	ग	१५	३४	५२	५०	१०	२	१९	८	कर्के	भ. ४४।१० उ. मीने बुध. ५२।२२
११	र	१२	४६	श्ले	६	४	शू	४९	५८	वि	१२	४६	५६	४९	११	३	२०	९	सिं ६।४	भ. १२।४६ या. कामदा ११ ब्र.
१२	चं	११	४	म	५	५९	गं	४६	४४	बा	११	४	३१/००	४८	१२	४	२१	१०	सिंहे	उभायां बुधः ४५।३ प्रदोषः
१३	मं	१०	३०	पू	७	६	वृ	४४	२२	तै	१०	३०	४	४७	१३	५	२२	११	कं.२२।४१	
१४	बु	११	२५	उ	९	२६	ध्रु	४२	३	व	११	२५	८	४६	१४	६	२३	१२	कन्यायां	भ. ११।२५ उ. ४२।२९ या.
१५	गु	१३	३३	ह	१२	४७	व्या	४२	५	व	१३	३३	१२	४६	१४	७	२४	१३	तु.४५।१३	हनुमज्जयंती वै. स्ना. प्रा.

५१पं. चै.शु.६ मं.इ.३८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	२	१०	६	८	११
१५	२८	२३	२६	५	२७	७	१४
२	२४	२३	५५	५०	१५	३२	५९
४९	२८	३५	३४	४२	१८	३७	१४
५९	४०	९५	२	७०	३/४७	३	५९
१८	३६	२१	४७	४८	ब	११	१६

गोचरग्रहाः

इस मास का फल साधारण है, पशु पीड़ा रसकस तेज होगा। शुक्रवार का चन्द्रदर्शन रूई धान्य तेज।

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.शु.१३मं.इ.३८।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	२	१०	६	८	११
२१	३	४	२७	१४	२६	७	२१
५७	११	५५	१६	६	५८	१०	५३
२	३१	३३	४९	३५	२४	२१	२९
५९	४०	०/००	४	७१	३/२१	३	५९
४	२४	५८	३	२०	ब	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	१७	५५	चि	१७	४०	ह	४२	११	कौ	१७	५५	३५/१६	५/४५	६/१५	८	२५	१४	तुलायां	सब्बरात
२	श	२१	१२	स्वा	२३	२१	व	४३	१८	ग	२१	१२	२०	४४	१६	९	२६	१५	तुलायां	भ. ५३।३६ उ.
३	र	२६	१	वि	२९	३६	सि	४४	३३	वि	२६	१	२४	४३	१७	१०	२७	१६	वृ.१३।२	भ.२६।१या. पूर्वास्तं बुधः ४८/१८ पू.भृगुः ३६/५७
४	चं	३१	६	अ	३६	१	व्य	४५	५६	बा	३१	६	२८	४२	१८	११	२८	१७	वृश्चिके	
५	मं	३६	१३	ज्ये	४२	२२	व	४७	१३	कौ	३	४०	३२	४२	१८	१२	२९	१८	ध.४२।२२	रेवत्यां बुधः १०।३३
६	बु	४०	४१	मू	४८	७	प	४८	८	ग	८	२७	३६	४१	१९	१३	३०	१९	धनुषि	भ. ४०।४१ उ. मेषेऽर्कः ५१।८
७	गु	४४	२९	पू	५३	१९	शि	४८	७	वि	१२	३५	४०	४०	२०	१४	१	२०	धनुषि	भ. ७।३५ या.
८	शु	४७	३	उ	५७	५	सि	४७	४२	बा	१५	४६	४४	३९	२१	१५	२	२१	म.९।१५	रो.भौमः ४१/१० मूले २राहुः मृगे ४ केतुः ११।२
९	श	४८	२५	श्र	५९	२७	सा	४६	१४	तै	१७	४४	४८	३८	२२	१६	३	२२	मकरे	
१०	र	४८	३२	ध	६०	०	शु	४३	४३	व	१८	२८	५१	३८	२२	१७	४	२३	कुं.३०।१०	भ. १८।२८ उ. ४८।३२ या.
११	चं	४७	२०	ध	०	५४	शु	४०	३	ब	१७	५६	५५	३७	२३	१८	५	२४	कुम्भे	मेषेबुधः ५३/४२ मीनेभृगुः ५/४४ वरूथिनी ११ब्र.
१२	मं	४४	५६	श	१	११	ब्र	३५	३८	कौ	१६	८	५८	३६	२४	१९	६	२५	मी४५।३३	पातस्पर्शः ५२।३ वरूथिनी ११ ब्र. नि.
१३	बु	४१	२९	पू	१३/०	५९/४	ऐं	३०	१८	ग	१३	१२	३२/२	३६	२४	२०	७	२६	मीने	भ.४१।१९ उ. पातमोक्षः ४।५७ प्रदोषः
१४	गु	३७	७	रे	५६	३६	वै	२३	३०	वि	९	१८	६	३५	२५	२१	८	२७	मे.५६।३६	भ. ९।१८ या. उभायां भृगुः ४६।५
१५	शु	३१	५९	अ	५२	१५	वि	१७	३३	च	४	३३	९	३४	२६	२२	९	२८	मेषे	

१पं. वै.कृ.६ बु.इ.५४।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	२	१०	६	८	०
०	८	२०	२७	२३	२६	६	०
३	४८	५	५१	५६	२८	४४	०
११	३	२७	५७	२४	३३	४	०
५८	४०	५/१८	२/१०	७१	३/५३	३	५८
४५	२६	४२	ब	५०	ब	११	४४

गोचरग्रहाः

वैशाख कृ.६ बुधे मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभावे सम) शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

२पं.वै.कृ.१३ बु.इ.५४।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	२	११	६	८	०
६	१३	४	२८	२	२६	६	६
५३	३०	१४	३१	१८	१	२१	५०
५३	१७	१३	५१	१३	१९	४९	३८
५८	४०	५/१२	६	७२	४/१५	३	५८
२९	१९	१	३२	८	ब	११	३१

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३८३ सन् १९५५
१	श	२६	२२	भ	४८	३५	प्री	१०	२६	ब	२६	२२	३३/१३	५/३३	६/२७	२३	१०	२९	मेषे	चन्द्रदर्शनम्
२	र	२०	२५	कृ	४४	२२	आ	३/५८	२५/२५	कौ	२०	२५	१४	३३	२७	२४	११	१	बृ.२।३२	रमजान ९ रोजा परशुराम ज. के.
३	चं	१४	२४	रो	४०	१९	शो	४७	२३	ग	१४	२४	२१	३२	२८	२५	१२	२	वृषे	भ.४१/२५ उ. भरण्यां बुधः ४/१८ परशुराम ज.
४	मं	८	२६	मृ	३६	२१	अ	४४	५	वि	८	२६	२५	३१	२९	२६	१३	३	मि२।३२	भ. ८।२६ या.
५	बु	२	४५	आ	३२	४८	सु	३२	३८	बा	२	४५	२९	३०	३०	२७	१४	४	मिथुने	भरण्यां रविः ३२।३२
६	बु	५४	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	गु	५२	४३	पु	२९	४१	धृ	२६	७	ग	२५	२	३३	३०	३१	२८	१५	५	क.१५।२८	भ. ५२।४३ उ.
८	शु	४८	५३	पु	२७	२०	शू	१९	४७	वि	२०	४८	३६	२९	३१	२९	१६	६	कर्के	भ. २०।४८ या.
९	श	४५	५९	श्ले	२५	५३	गं	१४	२८	बा	१७	२६	४०	२८	३२	३०	१७	७	सिं२५।५३	कृत्तिकायां बुधः १५।३७
१०	र	४४	११	म	२५	२८	वृ	१०	०	तै	१५	५	४३	२७	३३	१	१८	८	सिंहे	मई मा. ५ ता. ३१
११	चं	४३	४४	पू	२६	२७	ध्रु	६	१३	व	१३	५७	४७	२७	३३	२	१९	९	कं.४१।५५	भ.१३/५७ उ.४३/४४या. वृषे बुधः ५८/१९ मो.११व्र.
१२	मं	४४	२०	उ	२८	१७	व्या	३	३३	ब	१४	२	५०	२६	३४	३	२०	१०	कन्यायां	रेवत्यां भृगुः ४४/४५ पुनर्वसौ४ कर्के गुरुः २७/२२
१३	बु	४६	१७	ह	३१	४७	ह	१	५२	कौ	१५	१८	५४	२५	३५	४	२१	११	कन्यायां	पश्चिमोदयी बुधः ३२।३७ प्रदोषः
१४	गु	४९	४१	चि	३६	१२	व	१	१३	ग	१७	५९	५७	२५	३५	५	२२	१२	तु. ४।०	भ. ४९/४१ उ. मृगे भौमः ३६/४४ नृसिंहजयंती
१५	शु	५३	५१	स्वा	४१	३७	सि	१	२१	वि	२१	४६	३३/१	२४	३६	६	२३	१३	तुलायां	भ.२१/४१या. कूर्मजयंती वै. स्ना. पूर्तिः

३पं. वै.शु.५ बु.इ.५४।५८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	३	२	११	६	८	०
१३	१८	१९	२९	१०	२५	५	१३
४१	१६	२२	१८	४२	३१	५९	३९
५८	१९	२८	१९	५	५३	३४	४१
५७	४०	५/१२५	७	७२	४/३०	३	५८
१२	२१	३५	२७	२८	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

२मं, १२ श, ११, *३, १सूबु, ४, १०, ५, ७श, रा ९, ६, ८

इस मास में ५ शुक्र उत्तम हैं। प्रजामें सुख शांति धान्य अफीम रूई का भाव साधारण

गोचरग्रहाः

२बुमं, १२ श, ३के, १सू, ११, ४बृ, १०, ५, ७श, रा ९, ६चं, ८

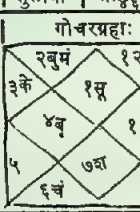

४पं.वै.शु.१३ बु.इ.५५।११							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	३	११	६	८	०
२०	२२	३	०	१८	२५	५	२०
२८	५२	४९	१२	५	०	३७	२७
२४	११	५४	२५	३१	६	१८	२१
५७	४०	५/१२५	८	७२	४/४०	३	५८
५७	५०	३/१	२९	५०	ब	११	६

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्रः
१	श	५८	३४	वि	४७	४६	व्य	२	२२	बा	२६	१२	३३/४	५/२३	६/३७	७	२४	१४	बृ.३१।४१	
२	र	६०	०	अ	५४	१३	व	३	४०	तै	३१	४	७	२३	३७	८	२५	१५	वृश्चिके	रोहिण्यां बुधः ३।२०
२	चं	३	३४	ज्ये	६०	०	प	५	२	ग	३	३४	१०	२२	३८	९	२६	१६	वृश्चिके	भ. ३६।० उ.
३	मं	८	२६	ज्ये	०	३६	शि	६	३२	वि	८	२६	१३	२१	३९	१०	२७	१७	ध.०।३६	भ. ८।२६ या.
४	बु	१२	५४	मू	६	३३	सि	७	३५	बा	१३	५४	१५	२१	३९	११	२८	१८	धनुषि	कृत्तिकायां रविः २०।२७
५	गु	१६	३७	पू	११	४२	सा	८	५	तै	१६	३७	१९	२०	४०	१२	२९	१९	म.२७।४६	
६	शु	१९	१०	उ	१५	५७	शु	७	४४	व	१९	१०	२२	२०	४०	१३	३०	२०	मकरे	भ. १९/१० उ. ४९/५७ या. मेषे भृगुः ५६।०
७	श	२०	४५	श्र	१९	०	शु	६	२४	ब	२०	४५	२५	१९	४१	१४	३१	२१	कुं.४९।५५	वृषेऽर्कः ४८।१४ या.
८	र	२०	३१	ध	२०	४६	ब्र	४	४	कौ	२०	३१	२८	१८	४२	१५	१	२२	कुम्भे	मिथुने भौमः ४२।२०
९	चं	१९	१७	श	२१	१७	ऐं	५०/५५	५५	ग	१९	१७	३१	१८	४२	१६	२	२३	कुम्भे	भ. ४८।२ उ. मृगे बुधः ३८।३३
१०	मं	१६	४८	पू	२०	४३	वि	५१	३०	वि	१६	४८	३४	१७	४३	१७	३	२४	मी५।४२	भ. १६।४८ या.
११	बु	१३	२९	उ	१८	५३	प्री	४५	३६	बा	१३	२९	३६	१७	४३	१८	४	२५	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	गु	८	२५	रे	१६	२४	आ	३९	१६	तै	८	२५	३९	१६	४४	१९	५	२६	मे.१६।२४	प्रदोषः
१३	शु	३	४६	अ	१३	८	सौ	३२	१८	व	३	४६	४१	१६	४४	२०	६	२७	मेषे	भ. ३।४६ उ. ३०।५४ या.
१४	शु	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	श	५२	४	भ	९	२९	शो	२४	५९	च	२५	३	४४	१५	४५	२१	७	२८	बृ.२३।५७	भावुका वट पूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.४ बु.इ.५५।२३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	३	११	६	८	०
२७	२७	१६	१	२७	२४	५	२७
१३	३१	२२	१२	३२	२८	१५	१३
३८	०	५	६	५८	५४	३	२२
५७	३९	९९	९	७३	४/४०	३	५७
४५	५६	०	९९	८	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

२मंबु, १२शु, ३के, १सू, ११, ४बृ, १०, ५, ७श, रा ९ चं, ६, ८

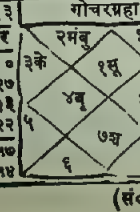

ज्येष्ठ कृ.७ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.३ न. ४ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

१शु, ४ बृ, २सूबु, ५, ११, ६, ८, १०, ७श, ९रा

६पं.ज्ये.कृ.११ बु.इ.५५।३२							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	३	०	६	८	१
३	२	२६	२	५	२३	१४	३
५७	८	०	१६	५९	५७	५२	५८
१५	१३	२६	५५	२०	३२	४७	२६
५७	३९	७०	१०	७३	४/४०	३	५७
३४	४९	१६	२	२०	ब	११	४४

*चंबृके

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरेऽहर्गणः२३५ स. १५५५
१	र	४६	१	कृ	५	२१	अ	१७	३२	किं	१९	२	५	५	२२	८	२९	वृषे	मिथुने बुधः २०।५०
२	चं	३१	५९	रो	२३	५५	सु	९	४६	बा	१३	०	४८	१४	४६	२३	९	३०	मि२९।२१	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	३३	५५	मा	५३	४१	धृ	२५	४३	ते	१	६	५७	१०	१४	४८	२४	१०	१	मिथुने	सव्वाल १० ईद
४	बु	२८	४४	पु	५०	२२	गं	४८	१५	व	१	१९	५२	१४	४६	२५	११	२	क.३६।११	भ.१२उ.३६या.रोहिण्यांरविः१४आर्द्रायां*
५	गु	२४	१	पु	४७	५२	वृ	४१	५६	बा	२४	१	५४	१३	४७	२६	१२	३	कर्के	*भौमः१५ भरण्यांभृगुः५४पुष्ये१गुरुः१६
६	शु	२०	३	श्ले	४७	१४	धु	३६	२७	ते	२०	३	५६	१३	४७	२७	१३	४	सिं४७।१४	वक्री विशाखायां १ शनिः ४२।१०
७	श	१७	३	म	४७	३४	ज्या	३१	४५	व	१७	३	५८	१२	४८	२८	१४	५	सिंहे	भ. १७।३ उ. ४६।६ या.
८	र	१५	९	पू	४७	५४	ह	२८	३	व	१५	९	४०	१२	४८	२९	१५	६	सिंहे	
९	चं	१४	३१	उ	४८	५५	व	२५	५	कौ	१४	३९	२	१२	४८	३०	१६	७	कं. ३।९	
१०	मं	१५	६	ह	५०	५४	सि	२३	२१	ग	१५	६	४	११	४९	३१	१७	८	कन्यायां	भ. ४६।३ उ. गङ्गादशहरा
११	बु	१७	०	चि	५५	१४	व्य	२२	२५	वि	१७	०	६	११	४९	१	१८	९	तु.२३।४	भ.१७या.जून मा.६ता.३० निर्जला११व्र.
१२	गु	२०	८	खा	६०	०	व	२२	२९	बा	२०	८	७	११	४९	२	१९	१०	तुलायां	वक्री बुधः १६।२३ प्रदोषः
१३	शु	२४	१२	खा	०	२४	प	२३	८	ते	२४	१२	९	१०	५०	३	२०	११	वृ.४९।५२	वट सावित्री व्रतारम्भः
१४	श	२९	१	वि	६	२२	शि	२४	३३	व	२९	१	१०	१०	५०	४	२१	१२	वृश्चिके	भ. २९।१ उ. *वट सावित्री पूज.
१५	र	३३	४५	अ	१२	४४	सि	२६	२	वि	२	२३	१२	१०	५०	५	२२	१३	वृश्चिके	भ.३३या. कृत्तिकायां भृगुः१९ गुर्जराणां*

७पं.ज्ये.शु.४बु.इ.५५।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	३	०	६	८	१
१०	६	२	३	१४	२३	४	१०
३९	४४	३१	२६	२३	२७	३०	३२
२६	२	५८	४१	२३	३९	३२	२०
५७	३९	३५	१०	७३	१४	३	५७
२३	५३	२८	४४	३०	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

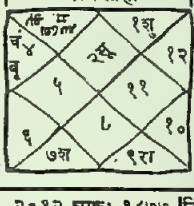

इस मास का फल मध्यम है. प्रजामें पीड़ा रोग अग्नि भय भूकम्प आदि का उपद्रव हो, रुई अनाज तेजी-मंदी

गोचरग्रहाः

८पं.ज्ये.शु.११बु.इ.५५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	३	३	०	६	८	१
१७	११	५	४	२२	२२	४	१७
२०	१८	१८	४१	५३	५८	८	२०
३२	१८	४०	१६	२०	३१	१७	४
५७	३९	१	१९	७३	५३	३	५७
१३	४५	१४	१९	४४	ब	११	२७

ति.	आषाढ कृष्णपक्ष सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३८	३४	ज्ये	१९	१२	सा	२७	२९	बा	६	४	५	५	६	२३	१४	ध. १९।१२	पश्चिमास्त बुधः ५५।२६
२	मं	४२	५९	मू	२५	१७	शु	२८	४५	ते	१०	४६	१५	९	५१	७	२४	१५	धनुषि	वृषे भृगुः ४८।३७
३	बु	४६	३७	पू	३०	३१	शु	२९	२३	व	१४	४८	१६	९	५१	८	२५	१६	म.४६।३८	भ.१४।४८ उ.४६।३७ या. मृगे रविः१३
४	गु	४९	११	उ	३५	१	ब्र	२९	१२	व	१७	५४	१७	९	५१	९	२६	१७	मकरे	
५	शु	५०	२७	श्र	३८	२३	पैं	२८	५	कौ	१९	४९	१८	८	५२	१०	२७	१८	मकरे	
६	श	५०	३३	ध	४०	२४	वै	२६	९	ग	२०	३०	१९	८	५२	११	२८	१९	कु.२४।९	भ. ५०।३३ उ. *पुनर्वसौ भौमः १६
७	र	४९	१८	श	४१	१०	वि	२३	९	वि	१९	५५	२०	८	५२	१२	२९	२०	कुम्भे	भ. १९।५५या. पुष्ये२ गुरुः ३७।५०
८	चं	४६	५०	पू	४०	५६	प्री	१९	६	बा	१८	४	२१	८	५२	१३	३०	२१	मी२६।०	
९	मं	४३	२१	उ	३९	२१	आ	१४	१४	ते	१५	६	२२	८	५२	१४	३१	२२	मीने	
१०	बु	३८	५७	रे	३६	५७	सौ	८	३१	व	११	९	२२	८	५३	१५	३२	२३	मे.३६।५७	भ.११।९ उ.३८।५७ या. मिथुनेऽर्कः ४०
११	गु	३३	४७	अ	३३	२२	शो	२	५३	व	६	२२	२३	७	५३	१६	१	२४	मेषे	रोहिण्यां भृगुः २।१७ योगिनी ११ व्र.
१२	शु	२८	३	भ	३१	३	सु	४८	३	कौ	०	५५	२३	७	५३	१७	२	२५	वृ.४४।५२	वक्री वृषे बुधः ५६ मूले १ राहुः मृगे ३=
१३	श	२२	४	कृ	२६	१८	धृ	४०	२६	व	२२	४	२३	७	५३	१८	३	२६	वृषे	भ.२२।४उ.४९।१या. =केतुः४३ प्रदोषः
१४	र	१५	५७	रो	२२	५३	शृ	३३	८	श	१५	५७	२४	७	५३	१९	४	२७	मि५०।३६	
१५	चं	९	५०	मृ	१८	१९	गं	२५	४५	ना	९	५०	२४	७	५३	२०	५	२८	मिथुने	पातस्पर्शः ८।८ सोमवत्यमा. रविग्रहणम्

९पं.आ.कृ.३बु.इ.५५।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	३	१	५	८	१
२४	१५	४	५	१	२२	३	२४
०	५२	२४	५९	२२	३३	४६	७
२८	१२	१४	४२	३०	२२	१	८
५७	३९	३३	११	७३	३	३	५७
५३	३९	ब	५५	५३	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

आषाढ कृ.१०बुधे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ५ न.५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

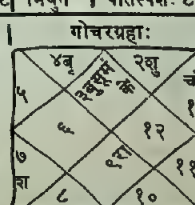

१०पं.आ.कृ.१०बु.इ.५५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	३	१	६	८	२
०	२०	१	७	९	२२	३	०
३९	२४	६	२०	५१	१०	२३	४८
३६	२९	३६	३४	५४	४४	४६	२५
५६	३९	३३	१२	७३	३	३	५७
५७	४४	ब	१८	५६	ब	११	१७

*केबुमं

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४४२ स.१९५५
१	मं	३	५६	आ	१४	५५	वृ	१८	२४	ब	३	५८	३४/२४	५/७	६/५३	२१	६	२९	क.५७।१	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	५४	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	बु	५३	३३	पु	११	३	ध्रु	११	१५	तै	२५	५९	२४	७	५३	२२	७	१	कर्के	जिल्काद ११ आर्द्रायां रविः १५।३२
४	गु	४९	३१	पु	८	३०	व्या	४/५९	५४/१७	व	२१	३२	२४	७	५३	२३	८	२	कर्के	भ. २१।३२ उ. ४९।३१ या.
५	शु	४६	२५	श्ले	६	५७	व	५४	४४	ब	१७	५८	२४	७	५३	२४	९	३	सिं६।५७	अस्तं भौमः २८।४१
६	श	४४	२५	म	५	३०	सि	५०	३०	कौ	१५	२५	२३	७	५३	२५	१०	४	सिंहे	पूर्वोदयी बुधः २०।४८
७	र	४३	३६	पू	५	५१	व्य	४७	३३	ग	१४	०	२३	७	५३	२६	११	५	कं.२१।१३	भ. ४३।३६ उ.
८	चं	४४	१३	उ	७	१८	व	४५	२७	वि	१३	५४	२३	७	५२	२७	१२	६	कन्यायां	भ. १३।५४ या. मृगे भृगुः ३।१
९	मं	४५	५१	ह	१०	५	प	४४	२८	बा	१५	२	२२	८	५२	२८	१३	७	तु.४२।३	
१०	बु	४९	०	चि	१४	०	शि	४४	२०	तै	१७	२५	२२	८	५२	२९	१४	८	तुलायां	मार्गी बुधः ३०।१३ पुष्ये ३ गुरुः १।१६
११	गु	५२	५९	स्वा	१९	८	सि	४५	१	व	२०	५९	२१	८	५२	३०	१५	९	तुलायां	भ २०।५५ उ.५२।५९या. कर्कभौमः ४६/३३ *
१२	शु	५७	३३	वि	२४	४९	सा	४६	१५	ब	२५	१६	२०	८	५२	१	१६	१०	वृ.८।२४	जुलाई मा ७ ता.३१ देवशयनी ११ब्र.नि.
१३	श	६०	०	अ	३१	७	शु	४७	४६	कौ	२९	५६	१९	८	५२	२	१७	११	वृश्चिके	मिथुने भृगुः २६।४४ प्रदोषः
१३	र	२	१९	ज्ये	३७	३५	शु	४९	१७	तै	२	१९	१८	८	५२	३	१८	१२	ध.३७।३५	
१४	चं	७	१५	मू	४३	४२	ब्र	५०	३५	व	७	१५	१७	९	५१	४	१९	१३	धनुषि	भ. ७।१५ उ. ३९।२७ या.
१५	मं	११	३९	पू	४९	१५	ऐं	५१	२६	ब	११	३९	१६	९	५१	५	२०	१४	धनुषि	व्यासपूजा *देवशयनी ११ब्र. स्मा.वै.

११पं.आ.शु.३बु.इ.५५।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	३	१	६	८	२
७	२४	२७	८	१८	२१	३	७
१८	५६	४६	४५	२२	५१	१	२९
४	२५	२८	९	४	२७	३१	१७
५६	३९	३४/१८	१२	७४	२/२५	३	५७
५४	३४	ब	४१	५	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

इस मास में जौ गेहूँ बाजरा चावल रूई अफीम मूंग मन्दा होगा सुदी में प्रजा में कोई बीमारी होगी।

गोचरग्रहाः

१२पं.आ.शु.१०बु.इ.५५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	३	१	६	८	२
१३	२९	२६	१०	२६	२१	२	१४
५६	२६	५४	११	५३	३६	३९	९
७	१९	३५	५१	१५	९	१५	४६
५६	३९	३/१४	१३	७४	१/५२	३	५७
५०	३२	ब	५	८	मा	११	७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१५	१९	उ	५४	८	वै	५१	३१	कौ	१५	१९	३४/१४	५/९	६/५१	६	२१	१५	म.५।२८	पुनर्वसौरविः १९/३३ पुष्येभौमः ८/१ मार्गीबुधः ५४/४०
२	गु	१७	५५	श्र	५७	३५	वि	५०	३३	ग	१७	५५	१३	९	५१	७	२२	१६	मकरे	भ. ४८।३६ उ. आर्द्रायांभृगुः ५४।२२
३	शु	१९	१७	ध	५९	५६	प्री	४८	४३	वि	१९	१७	११	१०	५०	८	२३	१७	कु.२८।४५	भ.१९।१७ या. अस्तं गुरुः५७।३६ अ.गु.
४	श	१९	२६	श	६०	०	आ	४५	५७	बा	१९	२६	१०	१०	५०	९	२४	१८	कुम्भे.	
५	र	१८	१६	श	०	५७	सौ	४२	६	तै	१८	१६	८	१०	५०	१०	२५	१९	मी४६।२	नाग ५
६	चं	१५	४८	पू	१/३	४८/४९	शो	३७	१९	व	१५	४८	७	११	४९	११	२६	२०	मीने	भ. १५।४८ उ. ४४।६ या.
७	मं	१२	२४	रे	५७	१८	अ	३१	४१	ब	१२	२४	६	११	४९	१२	२७	२१	मे.५७।८	मन्वादिः
८	बु	८	०	अ	५४	२६	सु	२५	२६	कौ	८	०	४	११	४९	१३	२८	२२	मेषे	आर्द्रायां बुधः ३५।१५
९	गु	२	५२	भ	५०	५५	धृ	१८	३८	ग	२	५२	२	१२	४८	१४	२९	२३	मेषे	भ.३०।३ उ.५७।१४या. पुष्ये४ गुरुः ३५/५५
१०	गु	५४	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	शु	५१	१८	कृ	४६	५८	शू	११	२७	ब	२४	१६	०	१२	४८	१५	३०	२४	बृ.४।५६	कामिका ११ ब्र. स्मा.
१२	श	४५	७	रो	४२	५३	गं	३/५२	५२/२५	कौ	१८	१२	३३/५८	१२	४८	१६	३१	२५	वृषे	कर्केऽर्कः ५२।१७ कामिका ११ ब्र.
१३	र	३९	०	मृ	३८	४४	ध्रु	४८	५०	ग	१२	३	५६	१३	४७	१७	१	२६	मि१०।४८	भ. ३९।० उ.
१४	चं	३३	५	आ	३४	४६	व्या	४१	२५	वि	६	२	५४	१४	४७	१८	२	२७	मिथुने	भ.६/१या. मार्गीशनिः ४५/२२ पुनर्वसौभृगुः ५०/१
३०	मं	२१	२५	पु	३१	२७	ह	३४	२६	च	०	१५	५२	१४	४६	१९	३	२८	क १७।१७	हरियाली ३०

१३पं.श्रा.कृ.१बु.इ.५५।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	२	६	८	२
२०	३	०	११	५	२१	२	२०
३४	५६	०	४०	२७	२५	१७	५६
३	२९	३२	२७	५	२	०	६
५६	३९	३८	१३	७४	१/१	३	५६
५०	३३	११	१९	१९	ब	११	७

गोचरग्रहाः

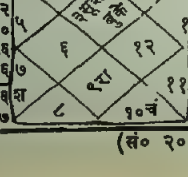

श्रावण कृ. १२ शनौ कर्केऽर्कः प्र. वा.४ न.६ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो. पूर्व.।

गोचरग्रहाः

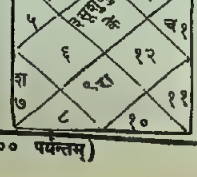

१४पं.श्रा.कृ.८ बु.इ.५५।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	२	६	८	२
२७	८	७	१३	१४	२१	१	२७
१२	२५	५	१०	१	१९	५४	३०
९	४	५५	२९	१	२५	४४	३२
५६	३९	७७	१३	७४	२/२९	३	५७
५५	२९	१८	२५	२०	ब	११	११

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												वि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २६५ सन् १९५५
१	बु	२२	३३	पु	२८	३२	ष	२७	५५	ब	२२	३३	३३/३०	५/१४	६/४६	२०	४	२९	कर्क	चन्द्रदर्शनं पुष्ये रविः २२।५८ नक्तव्रता.
२	गु	१८	२७	श्ले	२६	२८	सि	२१	६	कौ	१८	२७	४७	१५	४५	२१	५	१	सिं २६।२८	जिल्हेज १२ सिंझारा
३	शु	१५	१५	म	२५	१७	व्य	१७	२	ग	१५	१५	४५	१५	४५	२२	६	२	सिंहे	भ. ४४।१३ उ. पुनर्वसौ बुधः १८।२८
४	श	१३	१०	पू	२५	२२	ध	१२	५२	वि	१३	१०	४२	१६	४४	२३	७	३	कं. ४०।३८	भ. १३।१० या.
५	र	१२	१५	उ	२६	२५	प	९	४५	बा	१२	१५	४०	१६	४४	२४	८	४	कन्यायां	नाग ५ ÷भौमः ५२।५९ कर्क×
६	चं	१२	४९	ह	२०	५४	शि	७	२७	तै	१२	४९	३७	१६	४३	२५	९	५	कन्यायां	पूर्वास्तं बुधः २१।१६ वर्ण ६
७	मं	१४	३८	चि	३२	३४	सि	६	१८	ध	१४	३८	३५	१७	४३	२६	१०	६	तु. ०।४४	भ. १४।३८ उ. ४५।५९ या. आश्लेषायां÷
८	बु	१७	२१	स्वा	३७	१५	सा	५	५९	ब	१७	२१	३२	१८	४२	२७	११	७	तुलायां	कर्के बुधः २७।११ दुर्वा ८ ×भृगुः ५९/३०
९	गु	२१	१६	वि	४२	९	शु	६	२९	कौ	२१	१६	३०	१८	४२	२८	१२	८	वृ. २५।५६	कल्किजयन्ती =आश्लेषायां १ गुरुः ४८/३०
१०	शु	२५	५६	अ	४९	१२	शु	७	३६	ग	२५	५६	२७	१९	४१	२९	१३	९	वृश्चिके	भ. ५६/२५ उ. हज्ज पुष्ये बुधः ६/७ पुष्ये भृगुः=
११	श	३०	५४	ज्ये	५५	३७	ब्र	९	५	वि	३०	५४	२४	१९	४१	३०	१४	१०	ध. ५५।२७	भ. ३०।५४ या. बकरीद पवित्रा ११ ब्र.
१२	र	५५	३४	मू	६०	०	ऐं	१०	४१	ब	३	१४	२१	२०	४०	३१	१५	११	धनुषि	पवित्रार्पण ●रक्षाबन्धनम्
१३	चं	४०	०	मू	१	५१	वै	१२	६	कौ	७	४७	१८	२०	४०	१	१६	१२	धनुषि	उदयंगुरुः ३५/२४ अगस्त मा. ८ता. ३१ प्रदोषः
१४	मं	४३	४५	पू	७	३५	वि	१२	५८	ग	११	५३	१५	२१	३९	२	१७	१३	म. २३।४८	भ. ४३।४५ उ. उ. गु.
१५	बु	४६	५४	उ	१२	२८	प्री	१३	१२	वि	१५	१९	१२	२२	३८	३	१८	१४	मकरे	भ. १५/१९ या. सार्पे रविः २३/४६ श्रावणी कर्म●

१५पं.श्रा.शु.१ बु.इ.५५।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	३	२	६	८	३
३	१२	१७	१४	२२	२१	१	४
५०	५२	३०	४२	३५	१७	३२	११
३७	५८	५७	१	२०	५३	२९	१३
५६	३९	१०/१७	१३	७४	०/१३	३	५७
५७	२९	२६	३२	२६	मा	११	१५

१६पं.श्रा.शु.८बु.इ.५५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	३	३	६	८	३
१०	१७	०	१६	१	२१	१	१०
२५	२०	५६	१४	९	२१	१०	५२
५४	४९	२४	१४	०	४८	१४	१५
५७	३९	१२/१२	१३	७४	१	३	५७
५	२६	३८	३८	२९	१	११	२०

१७पं.श्रा.शु.१५बु.इ.५५।५७

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	३	३	६	८	३
१७	२१	१५	१७	९	२१	०	१७
९	४८	३५	४७	४८	२९	४७	३३
४३	५५	२४	४	३६	५८	५८	५७
५७	२९	२४/२२	१३	७४	१	३	५७
१२	२६	२२	३८	३२	४८	११	२४

ति.	प्र.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												वि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४७	५५	श्र	१६	१९	आ	२२	३४	बा	१७	२४	३३/९	५/२२	६/३८	४	१९	१५	कुं. ४७।३८	आश्लेषायां बुधः २६।६
२	शु	४८	१४	ध	२८	५६	सौ	१०	५६	तै	१८	४	६	२३	३७	५	२०	१६	कुम्भे	
३	श	४७	७	श	२०	१९	शो	८	२०	ध	१७	४०	३	२३	३७	६	२१	१७	कुम्भे	भ. १७।४० उ. ४७।७ या.
४	र	४४	४६	पू	२०	२८	अ	४/३४	५५/३५	ब	१५	५७	०	२४	३६	७	२२	१८	मी ५।२६	चतुर्थी व्रतम् पू. अ. भृ.
५	चं	४१	२४	उ	१९	२२	धृ	५४	२५	कौ	१३	५	३२/५७	२५	३५	८	२३	१९	मीने	पूर्वास्तं भृगुः ४३।४८ चन्द्रषष्ठी
६	मं	३७	८	रे	१७	१९	शू	४८	१२	ग	९	१६	५४	२५	३५	९	२४	२०	मे. १७।१९	भ. ३७।८ उ. अश्लेषायां भृगुः ३०।३६
७	बु	३२	६	अ	१४	४०	गं	४१	२५	वि	०	३७	५०	२६	३४	१०	२५	२१	मेषे	भ. ४/३७ या. सिंहे बुधः २९/२१ जन्माष्टमी स्मा.
८	गु	२६	३०	भ	११	९	वृ	३४	९	कौ	२६	३०	४७	२७	३३	११	२६	२२	वृ. २५।११	जन्माष्टमी ब्र. वै.
९	शु	१९	३५	कृ	७	१९	ध्रु	२६	३६	ग	१९	३५	४३	२७	३३	१२	२७	२३	वृषे	भ. ४७।३ उ. गोगा ९
१०	श	१४	३१	रो	३/१२	५९/५२	व्या	१९	२	वि	१४	३१	४०	२८	३२	१३	२८	२४	मि ३१।८	भ. १४।३१ या. आश्लेषायां २ गुरुः ५१/४३
११	र	८	२३	आ	५५	८	ह	११	२९	बा	८	२३	३६	२९	३१	१४	२९	२५	मिथुने	अजा ११ ब्र. वामनावतारः
१२	चं	२	२०	पु	५१	३७	ध	४/००	५२/५३	तै	२	२०	३३	२९	३०	१५	३०	२६	क. ३७।३०	भ. ५६।५३ उ. प्रदोषः गोवत्स पू.
१३	चं	५४	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ●लोहार्गल स्ना. पिठोरी ३०
१४	मं	५१	५३	पु	४८	२८	व्य	५०	१०	वि	२४	२३	२९	३०	३०	१६	३१	२७	कर्के	भ. २४।२३ या. सिंहे भौमः ४६।२७
१५	बु	४७	४१	श्ले	४६	१	ध	४४	५	च	१९	४७	२६	३१	२९	१७	३२	२८	सिं ४६।१	सिंहेऽर्कः २०।१३ कुशाग्रहणी सती पू.●

१८पं.भा.कृ.७ बु.इ.५४।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	३	३	६	८	३
२३	२६	२९	१९	१८	२१	०	२४
५०	१६	५१	१९	२४	४२	२५	१६
५०	५१	०	४८	३६	३९	४३	२६
५७	३९	४/१०/४१	१३	७४	२	३	५७
२२	२६	३८	३८	३९	१९	११	३३

गोचरग्रहाः

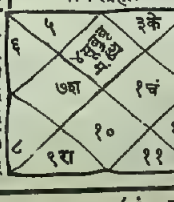

भाद्र. कृ. ३० बुधे सिंहेऽर्कः प्र.वा. ५ न. ५ पुत्रवत्सलावस्था (सूती) मु. ३० (धान्य भाव तेज) शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

१९पं.भा.कृ.३० बु.इ.५४।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	३	३	६	८	४
०	०	१२	२०	२७	२२	०	०
३३	४४	५९	५२	२	०	३	५९
३	३८	२७	१	५६	४३	२८	४५
५७	३९	१०/१२	१३	७४	२	३	५७
३७	१६	१२	३२	३५	५८	११	४०

●शुबुके

ति.	प्र. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७	दि.	उ.	अ.	द.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५०० स.१९५५
१	गु ४४ ३० म ४४ ४६ प ३८ ५१ किं १६ ५	३३	३	२६	१८	१	२९	सिंहे	पूफायाबुधः ४५ ज्येष्ठायां ४ वृश्चिके राहुः●
२	शु ४२ २२ पू ४४ ३३ शि ३४ २५ बा १३ २६	१९	३२	२८	१९	२	३०	कं.५९।४६	चन्द्रदर्शनम् पश्चिमोदयी बुधः २।२६
३	श ४१ २७ उ ४५ २४ सि ३० ५९ ते ११ ५४	१५	३३	२७	२०	३	१	कन्यायां	मोहरम७ सन् १३७५ सिंहे भृगुः १७।५
४	र ४१ ५७ ह ४७ ३१ सा २८ २९ व ११ ४२	१२	३४	२६	२१	४	२	कन्यायां	भ. ११।४२ उ. ४१।५७ या. गणेश ४
५	चं ४३ ३४ चि ५० ५६ शु २६ ५९ ब १२ ३५	८	३४	२६	२२	५	३	तु.१९।१३	●मृगे २ वृषे केतुः ५९।५९
६	मं ४६ २३ स्वा ५५ २६ शु २६ २७ को १४ ५८	४	३५	२५	२३	६	४	तुलायां	
७	बु ५० १६ वि ६० ० ब २६ ४९ ग १८ १९	०	३६	२४	२४	७	५	वृ.४४।३६	भ. ५०।१६ उ.
८	गु ५४ ५४ वि ० ५९ ऐ २७ ५० वि २२ ३५	३१	३७	२३	२५	८	६	वृश्चिके	भ. २२।३५ या. उफायां बुधः ५४।५८
९	शु ५९ ४७ अ ७ ५ वै २८ ४० बा २७ २०	५३	३८	२२	२६	९	७	वृश्चिके	
१०	श ६० ० ज्ये १२ ३० वि ३० ४५ ते ३२ १५	४८	३८	२२	२७	१०	८	घ.१२।३०	कन्यायांबुधः ५३।३७
१०	र ९ ४४ मू १९ ३१ प्री ३२ १४ ग ४ ४४	४४	३९	२१	२८	११	९	धनुषि	भ. ३७।० उ.
११	चं ४ १६ पू २५ ३२ आ ३३ १२ वि ९ १६	४०	४०	२०	२९	१२	१०	म.४१।४८	भ ५३या. ताजिया आश्लेषायां ३ गुरुः ५६×
१२	मं १३ ४ उ ३० ३६ सौ ३३ २८ बा १३ ४	३६	४१	१९	३०	१३	११	मकरे	प्रदोषः ×कमला ११ ब्र. वामन ज.
१३	बु १५ ५२ श्र ३४ ४५ शो ३३ ५८ ते १५ ५२	३२	४२	१८	३१	१४	१२	मकरे	पूफायां रविः ११।४ पूमायां भृगुः ५१।१२
१४	गु १७ ३३ ध ३७ २९ अ ३१ २७ व १७ ३३	२८	४२	१८	१	१५	१३	कु. ६।७	भ.१७ उ.४५या सितम्बर मा.९ ता.३०
१५	शु १७ ५८ श ३९ १५ सु २९ १ ब १७ ५८	२४	४३	१७	२	१६	१४	कुम्भे	

२०पं.प्र.मा.शु.७बु.इ.५४।२९ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	३	४	६	७	४
७	५	२४	२२	५	२२	२९	७
१६	१२	५८	२३	४३	२१	४१	२४
३०	१६	३	३०	१३	३४	१२	१५
५७	२९	०	१३	७४	३	३	५७
५५	१६	२६	३८	३७	११	४८	

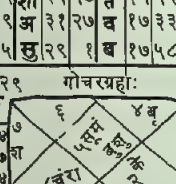

इस मास में बदी पक्ष में गुरु मंगल का योग तथा रवि से आगे मंगल वर्षा का अवरोधक योग है सो वर्षा नहीं होगी।

गोचरग्रहाः

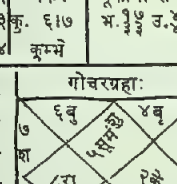

२१पं.प्र.भा.शु.१३बु.इ.५४।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	४	६	७	४
१४	९	६	२३	१३	२२	२९	१४
१	४०	३	४५	२३	४७	१८	२९
४८	१३	०	४०	५६	२५	५७	५४
५७	३९	९१	१३	७४	४	३	५८
५७	१६	१२	२०	३८	१६	११	१

ति.	द्वि. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७	वि.	उ.	अ.	द.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणे प्र.भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श १६ ५९ पू ३९ ३९ धृ २५ ३० को १६ ५९	३१	४४	५६	३	१७	१५	मी२४।३३	हस्ते बुधः ३०।१६
२	र १४ ४६ उ ३८ ५४ शू २१ १० ग १५ ४६	१५	४५	१५	४	१८	१६	मीने	भ. ४३।९ उ.
३	चं ११ ३२ रे ३७ ० गं १५ ३५ वि ११ ३२	१४	४५	१५	५	१९	१७	मे.३७।०	भ. ११।३२ या.
४	मं ७ २५ अ ३४ २६ वृ ९ २७ बा ७ २५	१०	४६	१४	६	२०	१८	मेषे	पूफायां भौमः ४३।६
५	बु २ ३० भ ३१ ९ धु ४२ ५३ ते २ ३०	६	४७	१३	७	२१	१९	वृ.४५।११	भ. ५६।५८ उ.
६	बु ५४ २८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	गु ५१ ७ कृ २७ १८ ह ४८ ५ वि २४ २	२	४८	१२	८	२२	२०	वृषे	भ.२४।२या. मार्गीविशाखायां२शनिः३४
८	शु ४५ ३ रो २३ १६ व ४० २० बा १८ ५	३०	४८	१२	९	२३	२१	मि५१।१०	
९	श ३९ ० मृ १९ ५ सि ३२ ४७ ते १२ १	१५	४९	११	१०	२४	२२	मिथुने	उफायां भृगुः ४७।११
१०	र ३३ ११ आ १५ ७ च २५ १६ ब ६ ५	४९	५०	१०	११	२५	२३	क.५७।१८	भ. ६।५ उ. ३३।११ या.
११	चं २७ ३३ पु ११ २१ ब १८ ०	०	२२	४४	११	९	१३	२६	२४ कर्के	कमला ११ ब्र.
१२	मं २२ ३४ पु ८ १२ प ११ १० ते २२ ३४	४०	५२	८	१३	२७	२५	कर्के	उफायांरविः ५३ चित्रायांबुधः ५९ कन्यायां●
१३	बु १८ २५ श्ले ५ ४४ शि ४७ ३४ ब १८ २५	३६	५३	७	१४	२८	२६	सिं५।४४	भ. ३६ उ. ४६ या. सर्पे ४ गुरुः १३।१८
१४	गु १५ १३ म ४ ६ सा ५४ ३५ श १५ १३	३२	५४	६	१५	२९	२७	सिंहे	
३०	शु १३ ७ पू ३ २९ शु ५० ४७ ना १३ ७	२८	५४	६	१६	३०	२८	क.१८।३८	अमावस्या ●भृगुः २८।१३ प्रदोषः

२२पं.द्वि.भा.कृ.५बु.इ.५४।१२ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	४	६	७	४
२०	१४	१५	२५	२३	२६	२८	२१
४८	६	५४	२२	४	१७	५६	१६
२९	२४	९	३	२४	१५	४१	५०
५८	३९	७८	१३	७४	४	३	५८
१२	९	५०	६	३८	८६	३३	१३

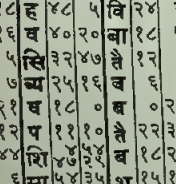

इस मास में पांच शनिवार अशुभ हैं। शनिवारा यदा पंच पातालेकम्पतेफणी। ईशान देशभंगश्च वह्निदाहो महर्घता।

गोचरग्रहाः

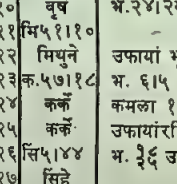

२३पं.द्वि.भा.कृ.१३बु.इ.५४।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	५	६	७	४
२७	१८	२४	२६	१	२३	२८	२८
३६	३३	१७	४८	४६	५०	३४	५
५२	३३	३९	१२	७४	५	३३	२१
५८	३९	६३	१२	७४	५	३	५८
२९	९	४४	३२	१२	११	२१	

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	द्वि.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३० स.१३५५
१	श	१२	१४	उ	४	३	शु	४८	१	ब	१२	१४	३०/२४	५५/५	६/५	१७	३१	२९	कन्याया	चन्द्रदर्शनम् कन्यायामर्कः २०।५४
२	र	१२	४७	ह	५	५५	ब्र	४६	१२	कौ	१२	४७	२०	५६	४	१८	१	१	तु.३७।३०	सफर २
३	चं	१४	२३	चि	९	४	ऐं	४५	२२	ग	१४	२३	१६	५७	३	१९	२	२	तुलायां	भ. ४५।४८ उ.
४	मं	१७	१३	स्वा	१३	२१	वै	४५	३४	वि	१७	१३	१२	५८	२	२०	३	३	तुलायां	भ. १७।१३ या. तुलायां बुधः ६।४९
५	बु	२१	१०	वि	१८	४३	वि	४६	२३	बा	२१	१०	८	५८	२	२१	४	४	वृ.२।२३	हस्ते भृगुः ३०।१७ ऋषि ५
६	गु	२५	५१	अ	२४	३४	प्री	४७	३०	तै	२५	५१	४	५९	१	२२	५	५	वृश्चिके	
७	शु	३०	४८	ज्ये	३०	५४	आ	४८	५७	व	३०	४८	३०/००	६/०	६/०	२३	६	६	व.३०।५४	भ. ३०।४८ उ.
८	श	३५	५१	मू	३७	८	सौ	५०	३४	वि	३	२०	२९/५५	६/१	५/५९	२४	७	७	धनुषि	भ. ३।२० या.
९	र	४०	३०	पू	४३	१५	शो	५१	२०	बा	८	११	५१	२	५८	२५	८	८	म.५९।३३	
१०	चं	४४	२६	उ	४८	२७	अ	५१	४९	तै	१२	२८	४६	३	५७	२६	९	९	मकरे	+उफायां भौमः ३९।२६ जलभू.११ व्र.
११	मं	४७	२१	श्र	५२	५१	सु	५१	२९	व	१५	५३	४२	४	५६	२७	१०	१०	मकरे	भ.१५।५४ उ.४७।२१या. हस्ते रवि:५३/२२+
१२	बु	४९	९	ध	५५	५८	धृ	५०	४०	ब	१८	१५	३८	४	५६	२८	११	११	कु.२४।२५	*मा.१० ता.३१ महालयारम्भः कुमारी×
१३	गु	४९	४१	श	५७	५५	शू	४७	४८	कौ	१९	२५	३४	५	५५	२९	१२	१२	कुम्भे	प्रदोषः ×पू. प्रौष्ठपदी
१४	शु	४८	४७	पू	५८	३२	गं	४४	२९	ग	१९	१४	३०	६	५४	३०	१३	१३	मी४३।२३	भ.४८।४७उ. वक्री बुधः १३।५१ अनन्त
१५	श	४६	३८	उ	५८	८	वृ	४०	८	वि	१७	४२	२६	७	५३	१	१४	१४	मीने	भ.१७।४२या. सिंहेगुरुः११।३१ अक्टूबर*

२४पं.द्वि.भा.शु.५बु.इ.५३।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	३	५	६	७	५
४	२३	१	२८	१०	२४	२८	४
२६	१	१५	१२	२९	२६	१२	५५
५७	१३	५४	१९	२०	५७	११	१२
५८	३९	४२	१२	७४	५	३	५८
४५	९	३२	१८	३२	३९	११	३८

गोचरग्रहाः

द्वि.भाद्र. शुक्ला १ शनौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.५ कुमारावस्था[बैठी]मु.३० धान्य भाव समशुक्रास्तः पूर्वे, वत्सः पूर्वे, राहुः उत्तरे, मूलं स्वर्गे।

गोचरग्रहाः

२५पं.द्वि.भा.शु.१२बु.इ.५३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	३	५	६	७	५
११	२७	५	२९	१९	२५	२७	११
१९	२८	२०	३२	१२	६	४९	४३
३	२२	२४	४३	२१	४३	५५	५५
५९	३९	९	११	७४	६	३	५८
०	२	५८	५३	२८	५	११	५३

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दे. द्वि. भाद्र. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	४३	३२	रे	५६	१५	ध्रु	३४	५६	बा	१५	५	२९/२२	६/८	५/५२	२	१५	१५	मे.५६।१५	कन्यायांभौमः५५।१ चित्रायांभृगुः११।५१
२	चं	३९	३१	अ	५३	४४	व्या	२८	५५	तै	११	३१	१८	८	५२	३	१६	१६	मेषे	
३	मं	३४	४२	भ	५०	४५	ह	२२	१०	व	७	६	१४	९	५१	४	१७	१७	मेषे	भ. ७।६ उ. ३४।४२ या.
४	बु	२९	१२	कृ	४७	९	व	१५	७	ब	१	५७	१०	१०	५०	५	१८	१८	बृ.४।५१	*३ शनिः०।४ शस्त्रादिहतानाम् श्राद्ध
५	गु	२२	४७	रो	४२	५९	सि	३१/७	५२/१	तै	२२	४७	६	११	४९	६	१९	१९	वृषे	उदयी भौमः ४१।२५
६	शु	१७	२८	मृ	३८	५५	व	५२	२	व	१७	२८	२	१२	४८	७	२०	२०	मि१०।५७	भ. १७।२८ उ. ४४।२८ या. पश्चिमास्तं×
७	श	११	२९	आ	३४	५५	प	४४	२४	ब	११	२९	२८/५८	१२	४८	८	२१	२१	मिथुने	×बुधः ३१।११ तुलायांभृगुः ३४।१२
८	र	५	४२	पु	३१	९	शि	३७	१	कौ	५	४२	५४	१३	४७	९	२२	२२	क.१७।६	सौभाग्यवतीनां श्राद्ध
९	चं	०	१०	पु	२७	४७	सि	२९	५७	ग	०	१०	५०	१४	४६	१०	२३	२३	कर्के	भ.२७।४३ उ. ५५।१६ या.
१०	चं	५५	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः =१७।४७ कमला११व्र. स्मा.वै.
११	मं	५१	१६	श्ले	२५	१९	सा	२३	२६	व	२३	१४	४६	१५	४५	११	२४	२४	सिं२५।१६	चित्रायां रविः ३।५९ वक्री कन्यायां बुधः=
१२	बु	४८	४	म	२३	१९	शु	१७	४०	कौ	१९	३७	४२	१६	४४	१२	२५	२५	सिंहे	स्वात्यांभृगुः ५३।२७ कमला ११ व्र. नि.
१३	गु	४६	३	पू	२२	२४	शु	१२	३८	ग	१७	३	३८	१६	४४	१३	२६	२६	कं.३७।३०	भ. ४६।३ उ. प्रदोषः
१४	शु	४५	१४	उ	२२	५०	ब्र	८	३७	वि	१५	३८	३४	१७	४३	१४	२७	२७	कन्यायां	भ.१५/१८या.पश्चिमोदयीभृगुः४०/४८विशाखायां*
१५	श	४५	५३	ह	२३	५९	ऐं	५	२५	च	१५	३४	३०	१८	४२	१५	२८	२८	तु.५५।३५	सर्वपितृ ३० प. उ. भृ.

२६पं.आ.कृ.४बु.इ.५३।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	४	५	६	७	५
१८	१	४	०	२७	२५	२७	१८
१२	५६	२५	४९	५५	४८	२७	४०
५२	११	९	४९	१२	२३	४०	९
५९	३०	४२/१८	११	७४	६	३	५९
१६	२	ब	१४	२६	२३	११	९

गोचरग्रहाः

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथि क्षय हुई है और शुक्ल पक्ष की तिथि बढ़ी है सो हरेक में मंदी का असर होगा।

गोचरग्रहाः

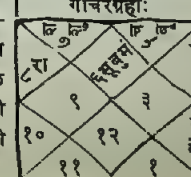

२७पं.आ.कृ.१२बु.इ.५३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	४	६	६	७	५
२५	६	२७	२	६	२६	२७	२५
८	२७	३९	२	३९	३२	५	३५
३४	१	५८	४६	५४	३९	२५	६
५९	३९	८७/५१	१०	७४	६	३	५९
३१	५	ब	३९	२६	३७	११	२१

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७	दि.	उ.	अ.	हं.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरहतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५५९ स.१९५५
१	र ४७ ३२ चि २७ १० ध ३ २१ कि १६ ४३	३६	६	४१	१६	२९	२९	तुलायां	वक्री हस्ते बुधः १०।२८ नवरात्र
२	चं ५० २७ स्वा ३१ ९ वि २ १६ बा १८ ५९	२२	२०	४०	१७	३०	३०	तुलायां	चन्द्रद. तुलायामर्कः ४३।४३
३	मं ५४ २८ वि ३६ १६ प्री २ १ वै २२ २७	१८	२०	४०	१८	१	१	वृ.१९।५८	रविलावल ३ हस्ते भौमः ३१।४३
४	बु ५९ १४ अ ४१ ५४ आ २ ३३ ध २६ ५१	१४	२१	३९	१९	२	२	वृश्चिके	भ. २६।५१ उ. ५९।१४ या.
५	गु ६० ० ज्ये ४८ १९ सौ ३ ३६ ब ३१ ४६	१०	२२	३८	२०	३	३	ध.४८।१९	पूर्वोदयी बुधः ६६ उ. गुरुः ४६ ज्ये.३ राहुः●
५	शु ४ १८ मू ५४ ४३ शो ४ ५७ बा ४ १८	६	२३	३७	२१	४	४	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम् ●मृगे१ केतुः ५७
६	श ९ १५ पू ६० ० अ ६ १६ ते ९ २५	३	२४	३६	२२	५	५	धनुषि	सरस्वती पू. =वि. भृगुः ३३।५९
७	र १४ १२ पू ० ४९ सु ७ २३ व १४ १२	२५	२४	३६	२३	६	६	म.१७।१३	भ. ३४ उ. ४६ या. मार्गी बुधः ०।५७=
८	चं १८ ११ उ ६ २९ धृ ८ ५४ ब १८ ११	५४	२५	३५	२४	७	७	मकरे	स्वात्यांरविः ४५ सरस्वतीविसर्जनं दुर्गापू.
९	मं २१ ८ श्र १० ५३ शू ७ ३८ कौ २१ ८	५०	२६	३४	२५	८	८	कु.४२।४१	बौद्धजयंती दशहरा
१०	बु २३ २ ध १४ २८ गं ६ ३८ ग २२ २	४६	२७	३३	२६	९	९	कुंभें	भ. ५३।२० उ. विजया १०
११	गु २३ ३९ श १७ ४९ वृ ४ २४ वि २३ ३९	४२	२८	३२	२७	१०	१०	कुम्भे	भ. २३।३९ या. पापांकुशा ११ ब्र.
१२	शु २२ ४९ पू १७ २४ धु १२ ५३ आ २२ ४९	२८	२८	३२	२८	११	११	मी २।३०	मार्गी चित्रायां बुधः ४०।३७ प्रदोषः
१३	श २० ४६ उ १७ १६ ह ५२ ९ वै २० ४६	३५	२९	३१	२९	१२	१२	मीने	
१४	र १७ ४३ रे १५ ५० व ४३ १५ व १७ ४३	३१	३०	३०	३०	१३	१३	मे.१५।५०	भ. ३३ उ. ४५ या. अस्तंशनिः ५७ शरत् १५
१५	चं १३ ४५ अ १३ ३० सि २९ ४९ ब १३ ४५	२८	३०	३०	३१	१४	१४	मेषे	वृश्चिके भृगुः ३३।५७ शरत् १५ ब्र.

२८पं.आ.शु.४बु.इ.५३।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	४	६	६	७	६
२	१०	२०	३	१५	२३	२६	२
६	५३	५८	१०	२४	१८	४३	३१
३	३	१३	५६	१	१४८	९	३५
४९	३९	३६	९	७४	६	३	५९
४६	२	४	५५	२२	५६	११	३४

गोचरग्रहाः

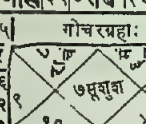

आ. शु. २ चन्द्रे तुलायामर्कः प्र.ना. ३न.४ गतात्का-वस्या (ऊभौ) मु. ३० (धान्य भाव मंदा) शुको. पूर्व.

गोचरग्रहाः

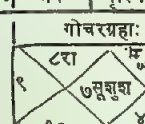

२९पं.आ.शु.१०बृ.इ.५३।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	४	६	६	७	६
९	१५	२१	४	२९	२६	०	९
५	२२	५५	१३	६	६	२०	२९
२६	४३	१८	४३	३९	१०	५४	५१
६०	३९	३६	९	७४	७	३	६०
२	८	४	५५	२२	५६	११	३४

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७	दि.	उ.	अ.	हं.	हि.	नु.	चन्द्रः	शरहतूं रविर्दक्षिणे आविश्नकृष्णेतिमहा.
१	मं ८ ५९ भ ११ २१ व्य ३२ ३७ कौ ८ ५९	३५	६	३९	२५	१	१५	१५	वृ.२५।४१	नवम्बर मा. ११ ता. ३०
२	बु ३ ३८ कृ ६ ५५ व २५ २ ग ३ ३८	२०	३२	२८	३	१६	१६	वृषे	भ. ३०।४६ उ. ५७।५४ या.
३	बु ५४ १६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
४	गु ५२ ० रो ५३ ५३ प १७ २२ व २४ ५७	१७	३३	२७	३	१७	१७	मि ३०।५७	तुलायां बुधः ४६।३१ अनुराधायां भृगुः●
५	शु ४६ ६ आ ५४ ४६ शि ९ ३२ कौ १९ ३	१३	३३	२७	४	१८	१८	मिथुने	
६	श ४० २ पु ५० ५२ सि ४ ११ ३३ ग १३ ४	१०	३४	२६	५	१९	१९	क.३६।५०	भ. ४०।२ उ. ●१५।३५ करक ४
७	र ३४ ५७ पु ४७ २५ शु ४७ ० वि ७ ३०	६	३५	२५	६	२०	२०	कर्के	भ. ७।३० या. विशाखायां रविः ४५।८
८	चं ३० १० श्ले ४४ ३२ शु ४० १९ बा २ ३३	३	३५	२५	७	२१	२१	सिं ४४।३२	
९	मं २५ ५९ म ४२ २७ ब्र ३४ १५ ग २५ ३९	२९	३६	२४	८	२२	२२	सिंहे	भ. ५४।३५ उ. चित्रायां भौमः ४२।२६=
१०	बु २३ ११ पू ४१ २० पें २८ ५७ वि २३ ११	२६	३७	२३	९	२३	२३	क.५६।२२	भ.२३।११या. =स्वात्यांबुधः १३।५८
११	गु २१ १५ उ ४१ २७ वै २४ २३ बा २१ १५	२२	३७	२२	१०	२४	२४	कन्यायां	रमा ११ ब्र. गोवत्स १२
१२	शु २० ३० ह ४२ ३६ वि २१ १२ वै २० ३०	४९	३८	२२	११	२५	२५	कन्यायां	धन १३ ×वि.४वृश्चिकेशनिः ४७रू१४
१३	श २१ १६ चि ४५ १३ प्री १८ ४३ ध १६	४६	३९	२१	१२	२६	२६	तु.१३।५४	म. ३३ उ. ५३ या. पूर्वास्तं बुधः ३।४७
१४	र २३ ४ स्वा ४८ ५९ आ १७ १८ श २३	४३	३९	२१	१३	२७	२७	तुलायां	ज्येष्ठायां भृगुः ५४।१५ महालक्ष्मी पू.
१५	चं २६ ७ वि ५४ ४० सौ १६ ३६ ना २६ ७	४०	४०	२०	१४	२८	२८	वृ.३७।३५	अन्नकूटं बलि पू. गोवर्धन पू.

३०पं.का.कृ.२बृ.इ.५२।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	४	६	६	७	६
१२	१२	२८	५	२	२८	२५	१६
६	१३	२६	१०	५१	५५	५८	२९
२९	२६	३८	११	५४	१८	३८	३०
६०	३९	८२	८	७४	७	३	६०
१८	१	४	१६	१४	१४	११	४

गोचरग्रहाः

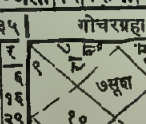

इस मास में पांच मंगलवार प्रजा में अशुभ फल-कारक हैं। नदी में धान्य जौ गेहूँ रुई मंदा हो।

गोचरग्रहाः

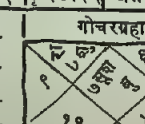

३१पं.का.कृ.१०बृ.इ.५२।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	४	७	६	७	६
२३	२४	९	६	११	२९	२५	२३
९	२२	१३	१	३३	४४	३६	३१
७	१३	८	१९	४८	२१	२३	२
६०	३८	९३	७	७४	७	३	६०
३०	५४	२	१०	८	२०	११	१७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	हिमंतर्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः५८९ सन् १९५५
१	मं ३० १५ अ ५९ २८ शो १६ ५८ ब ३० १५	३७	६	५	१५	२९	२९	वृश्चिके	
२	बु ३५ ६ ज्ये ६० ० अ १७ ४३ बा २ ४०	३४	४१	१९	१६	३०	३०	वृश्चिके	चंद्रद. वृश्चिकेऽर्कः ३९।२६ विशाखायां*
३	गु ४० १७ ज्ये ५ ४४ सु १८ ५७ तै ७ ४०	३१	४२	१८	१७	१	१	ध.५।४४	रविलाखर ४ *बुधः ३१।४१ यम २
४	शु ४५ ३० मू १२ ८ धृ २० १५ व १२ ५२	२९	४२	१८	१८	२	२	धनुषि	भ.१३ उ.४५° या. तुलायांभौमः ३५।१३
५	श ५० १८ पू १८ १७ शू २१ १९ ब १७ ५४	२६	४३	१७	१९	३	३	म.३४।३२	अनुराधायां रविः ५७।१४
६	र ५४ २१ उ २३ १५ गं २१ ५५ कौ २२ २०	२४	४३	१७	२०	४	४	मकरे	
७	चं ५७ २१ श्र २८ ४७ वृ २१ ५५ ग २५ ५१	२१	४४	१६	२१	५	५	मकरे	भ. ५७।२२ उ.
८	मं ५९ १६ ध ३२ २९ धु २१ ४ वि २८ १९	१९	४४	१६	२२	६	६	कु.०।३८	भ. ३९ या. वृश्चिकेबुधः ५४।४६ गोपा.
९	बु ५९ ५२ श ३४ ५६ ब्या १९ ९ बा २९ ३४	१६	४५	१५	२३	७	७	कुम्भे	कुष्माण्ड ९ अक्षय ९
१०	गु ५८ ४ पू ३६ १० ह १६ २३ तै २८ ५८	१४	४५	१५	२४	८	८	मी२०।५२	अनुराधायांबुधः ५७ धनुषिभृगुः ३८।१६
११	शु ५७ ० उ ३६ १६ व १२ २३ व २७ ३२	११	४६	१४	२५	९	९	मीने	भ.३७ उ.५७° या. प्रबोधिनी ११व्र. स्मा.
१२	श ५३ ५७ रे ३५ २ सि ७ ३२ ब २५ २८	९	४६	१४	२६	१०	१०	मे.३५।२	प्रबोधिनी ११व्र.वै.नि. हरिवासरः व.१५उ.
१३	र ५० ० अ ३२ ५७ व्य ५३ ५३ कौ २१ ५९	६	४७	१३	२७	११	११	मेषे	प्रदोषः
१४	चं ४५ १५ भ ३० ८ प ४८ २२ ग १७ ३७	४	४७	१३	२८	१२	१२	वृ.४४।१५	भ. ४५ उ. स्वा. भौमः ५३ वैकुण्ठ १४
१५	मं ३९ ५३ कृ २६ ३८ शि ४० ५३ वि १२ ३४	१	४८	१२	२९	१३	१३	बृषे	भ. ५३ या. पूर्णिमा का.स्ना.प्रति चं. ग्र.

३२पं.का.शु.२ बु.इ.५२।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	४	७	७	७	७
०	२८	२०	६	२०	०	२५	०
१३	५३	३३	४५	१९	३४	१४	३३
१२	१६	५६	२	५५	४८	८	४९
६०	३८	९७	६	७४	७	३	६०
४०	५८	५६	१०	२	२०	११	३०

गोचरग्रहाः

का. शु. २ बुधे
वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.
३न.३ युवावस्था
(सूती) मु. १५
(धान्य भाव तेज)
शुक्रोदयं पश्चि.।

गोचरग्रहाः

३३पं.का.शु.९ बु.इ.५२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	४	७	७	७	७
७	३	१	७	२९	१	२४	७
१८	२४	३३	२०	३	२५	५१	३७
४६	१२	४८	२९	१८	१३	५२	४२
६०	३८	९७	५	७३	७	३	६०
५३	५८	५४	०	५६	२०	११	४२

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु ३४ १५ रो २२ ४१ सि ३३ १० बा ७ ४	३५	६	५	३०	१४	१४	मि५०।४०	
२	गु २८ २५ मृ १८ ३९ सा २५ २५ तै १ २०	५६	४९	११	१	१५	१५	मिथुने	भ. ३५ उ. दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
३	शु २२ ३५ आ १४ २९ शु १७ ३८ वि २२ ३५	५४	४९	११	२	१६	१६	क.५६।३०	भ. २२।३५ या.
४	श १६ ५६ पु १० ३० शु ९ ५७ बा १६ ५६	५३	५०	१०	३	१७	१७	कर्के	ज्येष्ठायांरविः४।१३ उदयंशनिः४१।२२*
५	र ११ ४२ पु ६ ५९ ब्र ३२ ५५ तै ११ ४२	५१	५०	१०	४	१८	१८	कर्के	*ज्येष्ठायां बुधः १५।१५
६	चं ६ ५६ श्ले ३ ५५ वै ४९ ११ व ६ ५६	४९	५०	१०	५	१९	१९	सिं ३।५५	भ.६।५६ उ.३५।० या. पूभायांभृगुः १९
७	मं ३ ५ म १ ४१ वि ४३ ४१ ब ३ ५	४८	५०	१०	६	२०	२०	सिंहे	
८	बु ० १२ पू ० २१ प्री ३८ ५७ कौ ० १२	४६	५१	९	७	२१	२१	कं.१५।१८	
९	बु ५८ १२ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	गु ५७ ४९ उ ० १० आ ३५ १३ व २८ ६	४५	५१	९	८	२२	२२	कन्यायां	भ. २८।६ उ. ५७।४९ या.
११	शु ५८ ४० ह १ १० सौ ३२ २३ ब २८ १४	४३	५१	९	९	२३	२३	तु.३२।१९	उत्पत्ति ११ व्र. स्मा.
१२	श ६० ० चि ३ ३८ शो ३० ३४ कौ २९ ४०	४२	५२	८	१०	२४	२४	तुलायां	उत्पत्ति ११ व्र. वै. नि.
१३	र ० ४० स्वा ६ ५१ अ २९ ३२ तै ० ४०	४१	५२	८	११	२५	२५	वृ.५५।१९	धनुषि बुधः ५५।७ प्रदोषः
१४	चं ३ ५३ वि ११ २८ सु २९ ४१ ब ३ ५३	४०	५२	८	१२	२६	२६	वृश्चिके	भ. ३।५३ उ. ३५।३० या.
१५	मं ७ ८ अ १७ २ धृ ३० २२ श ७ ८	३९	५२	८	१३	२७	२७	बृश्चिके	अनुराधायां १ शनिः १८।२४
३०	बु १३ ४ ज्ये २३ ११ शू ३१ २८ ना १३ ४	३८	५२	८	१४	२८	२८	ध.२३।११	सूर्यग्रहणम्

३४पं.मा.कृ.१ बु.इ.५२।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	४	८	७	७	७
१४	७	१२	७	७	२	२४	१४
२५	५७	४२	४७	४६	१४	२९	४२
३१	३	५२	२४	२६	१२	३७	५६
६१	३९	९९	३	७३	७	३	६०
३	१	२१	५०	५६	१४	११	५०

३५पं.मा.कृ.८ बु.इ.५१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	४	८	७	२	७
२१	१२	२३	८	१६	३	२४	२१
२३	२९	४५	६	२८	३	७	४९
१८	३१	१८	३	४	२५	२२	१
६१	३८	०	२	७३	७	३	६०
११	४७	२८	२५	४४	४	११	५६

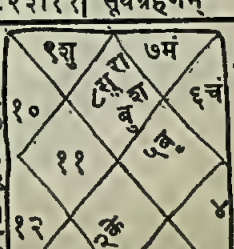

३६पं.मा.कृ.३० बु.इ.५१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	४	८	७	७	७
२८	१७	४	८	२५	३	२३	२८
४२	२	४८	१४	११	५०	४५	५९
१	५	३५	५६	९	४५	६	५८
६१	३८	९८	१	७३	६	३	६१
१९	५१	५	२	३२	५५	११	०

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७	दि.	उ.	अ	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः६१९ स.१९५५
१	गु १८ १६ मू २९ ३० गं ३२ ४० ब १८ १६ ३८	५	६	८	१५	२९	२९	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
२	शु २३ २७ पू ३५ ५० वृ ३३ ४४ कौ २३ २७ ३७	५३	७	१६	३०	१	म.५२।१८		जमादिलावल ५ धनुष्यर्कः७।५८उषायां*
३	श २८ २५ उ ४१ ४१ ध्रु ३४ ४३ ग २८ २५ ३७	५३	७	१७	१	२	मकरे		*भृगुः ४।८
४	र ३२ २१ श्र ४६ ३९ व्या ३४ ४० व ० २३ ३७	५३	७	१८	२	३	मकरे		भ.०।२३ उ.३२।२१ या. मकरेभृगुः ४१ ३६
५	चं ३६ २० ध ५० ३९ ह ३४ ११ ब ४ २० ३६	५३	७	१९	३	४	कु.१८।३९		विशाखायां भौमः २२।४५
६	मं ३७ ७ श ५३ ३९ व ३२ ३० कौ ६ ४४ ३६	५३	७	२०	४	५	कुम्भे		वक्री गुरुः ३१ पूषायांबुधः ५६ चम्पा ६
७	बु ३७ ४४ पू ५४ ५८ सि २९ ५९ ग ७ २५ ३६	५३	७	२१	५	६	मी३९।३८		भ. ३७।४४ उ.
८	गु ३६ ५३ उ ५५ १५ व्य २६ २२ वि ७ १८ ३६	५३	७	२२	६	७	मीने		भ.७।१८ या. ज्येष्ठायां२ राहुः रोहिण्यां×
९	शु ३४ ४६ रे ५४ २२ व २१ ४७ बा ६ ४९ ३७	५३	७	२३	७	८	मे.५४।२२		×३ केतुः ४५।१३
१०	श ३१ ४५ अ ५२ २६ प १६ १२ तै ३ १५ ३७	५३	७	२४	८	९	मेषे		भ.५९।४७ उ. अभिजित्प्रवृत्तोभृगुः ३८
११	र २७ ४८ भ ४९ ४३ शि १० १३ वि २७ ४८ ३७	५३	७	२५	९	१०	मेषे		भ. २७।४८ या. मोक्षदा ११ व्र.
१२	चं २३ १ कृ ४६ २७ सि १६ ५६ बा २३ १ ३८	५२	८	२६	१०	११	बृ.३।५४		श्रवणेभृगुः ४५।३२ प्रदोषः =भृगुः३९
१३	मं १७ ४२ रो ४२ ३८ शु ४८ २५ तै १७ ४२ ३८	५२	८	२७	११	१२	बृषे		पश्चिमोदयीबुधः३५।५३ अभिजिन्नवृत्तो=
१४	बु १२ ४ मृ ३८ ३४ शु ४० ३१ व १२ ४ ३८	५२	८	२८	१२	१३	मि१०।३६		भ.१२।४ उ.३९।७ या. उषायांबुधः ४१+
१५	गु ६ ११ आ ३४ २६ ब्र ३२ ४६ ब ६ ११ ३९	५२	८	२९	१३	१४	मिथुने		पूषायांरविः ९।३५ +दत्तजयंती

३७पं.मा.शु.७ बु.इ.५१।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	४	९	७	७	८
५	२१	१६	८	३	४	२३	६
५१	३६	४	१४	५२	३६	२२	३
२७	१२	४५	११	२२	५१	५१	३३
६१	३८	९८	१९	७३	६	३	६१
२२	४८	१७	ब	२१	३६	११	५

गोचरग्रहाः

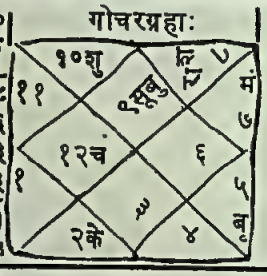

मार्गशीर्ष शु. २ धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न.३गतात्कावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पश्चिमे।

गोचरग्रहाः

३८पं.मा.शु.१४बु.इ.५१।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	४	९	७	७	८
१३	२६	२६	८	१२	५	२३	१३
१	१०	५५	४	३३	२०	०	११
२०	२३	२२	५२	३३	५७	३५	३२
६१	३८	९५	४६	७३	६	३	६१
२६	४६	५७	ब	१४	२२	११	६

ति.	पौष कृष्णपक्ष सं. २०१२ शाकः १८७७	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तू रविरत्तरे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ० २२ पु ३० २६ पै २५ ३ कौ ० २२ ३९	५	६	८	३०	१४	१५	क.१६।२६	मकरे बुधः ४६।४८
२	शु ५४ २५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श ४९ ३४ पु २६ ४८ वै १७ २७ व २२ ११ ४०	५२	८	३१	१५	१६	कर्के		भ. २२।११ उ. ४९।३४ या.
४	र ४४ ५९ श्ले २३ ३४ वि १० २१ ब १७ १६ ४१	५२	८	१	१६	१७	सिं२३।३४		जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९५६
५	चं ४१ १४ म २१ १३ प्री ४८ ५४ कौ १३ २ ४२	५२	८	२	१७	१८	सिंहे		
६	मं ३८ २८ पू १९ ५७ सौ ५२ ५५ ग ९ ४६ ४३	५१	९	३	१८	१९	कं.३४।४५		भ. ३८।२८ उ. वृश्चिके भौमः ४१।३९
७	बु ३६ ४८ उ १९ ८ शो ४८ ५२ वि ७ ३८ ४४	५१	९	४	१९	२०	कन्यायां		भ.७।३८या.अभिजित्प्रवृत्तोबुधः ११।४८
८	गु ३६ १८ ह १९ ५३ अ ४५ ४४ बा ६ ३३ ४५	५१	९	५	२०	२१	तु.५०।४०		
९	शु ३७ १८ चि २१ ४६ सु ४३ २९ तै ६ ४८ ४७	५१	९	६	२१	२२	तुलायां		श्रवणेबुधः २७।२४ धनिष्ठायांभृगुः ३५
१०	श ३९ १८ स्वा २५ २ धृ ४२ २० व ८ १८ ४८	५०	१०	७	२२	२३	तुलायां		भ.८।१८ उ.३५या. अभिजिन्नवृत्तो ३४
११	र ४२ ४९ वि २९ २५ शू ४२ ९ ब ११ ३ ५०	५०	१०	८	२३	२४	बृ.१३।१९		अनुराधायां भौमः ४१ सफला ११ व्र.
१२	चं ४७ ८ अ ३४ ४५ गं ४२ ३६ कौ १४ ५८ ५२	५०	१०	९	२४	२५	बृश्चिके		
१३	मं ५२ ७ ज्ये ४० ५० वृ ४३ ३४ ग १९ ३७ ५४	४९	११	१०	२५	२६	ब्र.४०।५०		भ. ५२।७ उ. प्रदोषः
१४	बु ५७ १४ मू ४७ १३ ध्रु ४४ ५० वि २४ ४१ ५६	४९	११	११	२६	२७	धनुषि		भ.२४।४०या. उफायांरविः ११।३ कुम्भे*
२०	गु ६० ० पू ५३ ३ व्या ४५ ५३ च २९ ५६ ५८	४८	१२	१२	२७	२८	धनुषि		*भृगुः५९।२३ अनुराधायां २ शनिः ३३
२०	शु २ ३७ उ ५९ ५६ ह ४६ ५९ ना २ ३७ २६ ०	४८	१२	१३	२८	२९	म.९।४६		

३९पं.पौ.कृ.७ बु.इ.५१।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	४	९	७	७	८
२०	०	७	७	२१	६	२२	२०
११	२८	२८	४४	१३	१	३८	१९
१८	१३	१३	३१	८	५९	२०	३७
६१	३८	८८	१३	७२	६	३	६१
२६	४०	२९	ब	५८	१	११	१

गोचरग्रहाः

इस मास के लगते ही रुई अनाज गल्ला अफीम चांदी में मंदी होगी, अमावस्या के आस-पास तेजी होगी

गोचरग्रहाः

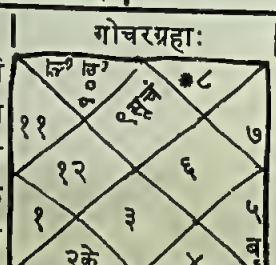

४०पं.पौ.कृ.१४बु.इ.५१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	४	९	७	७	८
२७	५	१६	७	२९	६	२२	२७
२१	१९	३५	१६	५०	४१	१६	२७
९	५५	३७	४०	६	३८	५	४२
६१	३८	६२	२३	७२	५	३	६१
२४	२८	७	ब	४६	३४	११	६

*शमंरा

ति.	पौष	शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४९ स.१९५६
१	श	७ २४	श्र	६० ०	व	४७ १३	ब	७ २४	६ ५	४७ १३	१४ २९	३०	मकरे	चन्द्रदर्शनम् मकरेऽर्के: २६।३०
२	र	११ २२	श्र	४ ४५	सि	४६ २७	को	११ २२	५	४७ १३	१५ १	१	कुं.३६।५५	जमादिलाखर ६
३	चं	१४ १८	ध	९ ५	व्य	४५ ४१	ग	१४ १८	८	४६ १४	१६ २	२	कुम्भे	भ. ४५।९ उ.
४	मं	१६ ०	श	११ ४०	व	४३ २७	वि	१६ ९	१०	४६ १४	१७ ३	३	मी५८।२४	भ. १६।० या. शते भृगुः २४।४४
५	बु	१६ २९	पू	१३ ५८	प	४० ११	बा	१६ २९	१२	४६ १४	१८ ४	४	मीने	वक्रीबुधः४४।४७ वक्रीमघायां२ गुरुः५६
६	गु	१५ ३५	उ	१५ ३२	शि	३६ ४	वै	१५ ३५	१५	४५ १५	१९ ५	५	मीने	
७	शु	१३ २३	रे	१४ २	सि	३० ५८	व	१३ २३	१७	४५ १५	२० ६	६	मे.१४।२	भ.१३उ.४१या. अभिजित्प्रवृत्तोरविः५७
८	श	१० १५	अ	१२ २६	सा	२४ ५९	व	१० १५	२०	४४ १६	२१ ७	७	मेषे	पश्चिमास्तं बुधः १५।२७
९	र	६ १३	भ	९ ४९	शु	१८ २७	को	६ १३	२३	४४ १६	२२ ८	८	वृ.२४।१	
१०	चं	० ३७	भ	६ ३५	शु	११ २०	ग	० ३७	२५	४३ १७	२३ ९	९	वृषे	भ.२८।१७उ.५५।५७या. पुत्रदा११व्र.स्मा.
११	चं	५५ २०	०	० ०	०	० ०	०	० ०	०	० ०	० ०	०	०	क्षयः
१२	मं	५० १६	रो	५५ ५८	ब्र	४७ ५३	ब	२३ ६	२७	४३ १७	२४ १०	१०	मि३०।५६	श्रवणेरविः १३।४७ पुत्रदा ११व्र. वै.नि.
१३	बु	४४ २५	आ	५४ ४६	वै	४८ ११	को	१७ २०	३०	४२ १८	२५ ११	११	मिथुने	अभिजिन्निवृत्तो रविः ६।३ प्रदोषः
१४	गु	३८ ३८	पु	५० ४६	वि	४० ३०	ग	११ ३१	३३	४१ १९	२६ १२	१२	क.३६।४६	भ. ३८।३८ उ.
१५	शु	३३ ७	पु	४७ ०	प्री	३३ ४	वि	५ ५२	३६	४१ १९	२७ १३	१३	कर्के	भ. ५।५२ या. माघ स्ना. प्रा.

४१पं.पौ.शु.५ बु.इ.५११.१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	४	१०	७	७	९
४	९	२०	६	८	७	२१	४
३०	५६	४	४०	२४	१७	५३	३५
३७	४८	३९	३९	१८	४०	४९	३३
६१	३८	५८	५	७२	५	३	६१
१९	२१	ब	ब	२२	६	११	३

पौष शु. १ शनौ मकरेऽर्कः प्र. वा. २न.३ कुमारावस्था(बैठी)मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं प. ।

४२पं. पौ.शु.१३बु.इ.५११५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	५	४	१०	७	७	९
११	१४	१५	५	१६	७	२१	११
३९	२९	१६	५७	५७	४९	३१	४२
२८	३६	२६	२७	५७	४६	३४	५९
६१	३८	६५	५	७२	४	३	६०
१३	१८	ब	ब	१	३८	११	५९

ति.	माघ	कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२७ ५७	ध्रु	४३ ५३	आ	२५ ३०	बा	० ३२	३६ ४०	२०	२८	१४	सिं४३।५३	पूभायां भृगुः २२।५१
२	र	२३ २५	म	४१ १७	सो	१८ ४८	ग	२३ २५	४२ ४०	२०	२९	१५	सिंहे	भ. ५१।३५ उ. ज्येष्ठायांभौमः १५।३१*
३	चं	१९ ४६	पू	३९ २३	शो	१२ ५१	वि	१९ ४६	४५ ३९	२१	३०	१६	कं.५६।१२	भ. १९।४६ या. वक्रीउषायांबुधः ६।४२
४	मं	१७ ६	उ	३८ ३७	अ	७ ४०	बा	१७ ६	४८ ३८	२२	३१	१७	कन्यायां	*वक्री अभिजित्प्रवृत्तोबुधः १५।५३
५	बु	१५ २९	ह	३९ ११	सु	१ ४३	वै	१५ २९	५३ ३८	२२	१	१८	कन्यायां	धृतियोगक्षयः ५६ फरवरी मा.२ ता.२९
६	गु	१५ १६	चि	४० ४४	शू	५७ १३	व	१५ १६	५५ ३७	२३	२	१९	तु.९।५७	भ.१५।१६ उ.४५।४४या. पूर्वोदयीबुधः×
७	शु	१६ ११	खा	४३ ४५	गं	५५ ४८	ब	१६ ११	५९ ३६	२४	३	२०	तुलायां	×२८।५७ वक्रीअभिजिन्निवृत्तोबुधः ५७
८	श	१८ २६	वि	४७ ५०	वृ	५५ १४	को	१८ २६	२७ ३६	२४	४	२१	वृ.३१।४९	
९	र	२१ ५०	अ	५३ १	ध्रु	५५ २३	ग	२१ ५०	६ ३५	२५	५	२२	वृश्चिके	भ. ५४।४ उ. मीनेभृगुः ३४।३२
१०	चं	२६ १८	ज्ये	५८ ५५	ब्या	५६ १८	व	२६ १८	९ ३४	२६	६	२३	ध.५८।५५	भ.२६।१८या. धनिष्ठायांरविः १९।३९
११	मं	३१ १७	मू	६० ०	ह	५८ १०	बा	३१ १७	१३ ३३	२७	७	२४	धनुषि	षट्तिला ११ व्र.
१२	बु	३६ ३२	पू	५ १६	व	५८ ४९	को	३ ५४	१६ ३३	२७	८	२५	धनुषि	उभायां भृगुः २२।४६
१३	गु	४१ ३९	पू	११ ४३	सि	५९ ४९	ग	९ ६	२० ३२	२८	९	२६	म.२८।२३	भ.४१।३९उ. मार्गीबुधः२७।१६ प्रदोषः
१४	शु	४६ २२	उ	१८ २२	व्य	६० ०	वि	१४ ०	२३ ३१	२९	१०	२७	मकरे	भ. १४।० या.
३०	श	५० १८	श्र	२३ १३	व्य	० २७	च	१८ २०	२७ ३१	२९	११	२८	कुं.५५।२९	युगादिः

४३पं.मा.कृ.५ बु.इ.५११.२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	४	११	७	७	९
१८	१९	७	५	२५	८	२१	१८
४७	७	७	८	२६	१८	९	४९
२८	१८	७	२२	२४	९	१९	२२
६१	३८	५१	२०	७१	४	३	६०
५५	८	ब	ब	४४	३	११	५५

इस मास में शीत अधिक पड़ेगा कहीं२ खेतियों में नुकसान होगा। सुदी में रुई सूत धान्य चांदी में तेजी का असर है।

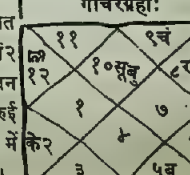

४४पं.मा.कृ.५ बु.इ.५११.१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	४	११	७	७	९
२५	२६	६	४	३	८	२०	२५
५४	४४	२१	१५	५४	४२	४७	५५
१६	२८	४०	८	१४	३७	३	१९
६०	३८	२१	४८	७१	३	३	६०
५५	३	ब	ब	२०	२२	११	४७

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः६७८ स.१९५६
१	र ५३ ६ ध २७ ४५ व २८ ९ ५९ कि २१ ४२ ३७	३	३०	५	१२	२९	२९	कुम्भे	कुम्भेऽर्कः ५३।३५
२	चं ५४ ४० श ३१ ११ शि ५७ ४१ बा २३ ५३ ३४	२९	३१	१३	१	३०		कुम्भे	चन्द्रदर्शनम्
३	मं ५४ ५६ पू ३३ ९ सि ५४ ५३ तै २४ ४८ ३८	२८	३२	१४	२	१	मी	१७।४०	रज्जव ७ मार्गी अभिजित्प्रवृत्तो बुधः ५४
४	बु ५३ ५७ उ ३४ ७ सा ४९ ४७ व २४ २६ ४२	२८	३२	१५	३	२		मीने	भ.२४।२५ उ.५३।५७या. वक्रीमघायां१*
५	गु ५१ ३९ रे ३३ ५६ शु ४५ ४० ब २२ ४८ ४६	२७	३३	१६	४	३	मे.	३३।५६	वसंत ५ *गुरुः ५३।१८ तिल ४
६	शु ४८ १३ अ ३२ २३ शु ४० ३६ कौ १९ ५६ ५०	२६	३४	१७	५	४		मेषे	×बुधः२९ रेवत्यांभृगुः ३६।१२ भीष्मा८
७	श ४३ ४ भ ३० १ ब्र ३४ १७ ग १५ ३८ ५४	२५	३५	१८	६	५	वृ.	४४।१५	भ.४३।४ उ. धनुषिभौमः २८।१९ रथ७
८	र ३९ ४४ कृ २६ ५७ रो २७ १८ वि ११ ९ ५८	२४	३६	१९	७	६		वृषे	भ. ११।९ या. शतेरविः २८।५६ श्रवणे×
९	चं ३३ ४५ रो २३ २९ वै २० ६ बा ६ २९ २६	२४	३६	२०	८	७	मि.	५१।३०	अभिजिन्निवृत्तो बुधः १३।१
१०	मं २८ ० मृ १९ ३१ वि १२ २३ तै ० ५२ ६	२३	३७	२१	९	८		मिथुने	भ. ५५।४ उ.
११	बु २२ ८ आ १५ २५ प्री ३८ १४ वि १२ ८ १०	२२	३८	२२	१०	९	क.	५७।२९	भ. २२।८ या. जया ११ ब्र.
१२	गु १६ २५ पु ११ ३० सौ ४९ १६ बा १६ २५ १४	२१	३९	२३	११	१०		कर्के	ज्येष्ठायां१ राहुः रोहिण्यां३ केतुः३६।४६=
१३	शु १० ४४ पु ७ ३३ शो ४१ ४९ तै १० ४४ १८	२०	४०	२४	१२	११		कर्के	कल्पादिः =प्रदोषः भीष्म १२
१४	श ४ ३७ श्ले ४ ११ अ ३४ ५४ व ४ ३७ २३	२०	४०	२५	१३	१२	सिं.	४।११	भ. ४।३७ उ. ३२।५२ या.
१५	र १ ७ म २६ ५१ सु २८ ४० ब १ ७ २६	१९	४१	२६	१४	१३		सिंहे	माघस्नान पूर्ति.

४५पं.मा.शु.४ बु.इ.५१।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	४	११	७	७	१०
३	२८	७	३	१२	९	२०	३
०	१८	१५	२०	१५	२	२४	०
२९	४९	६	१२	१८	५	४८	६
६०	३७	३९	५९	७०	२	३	६०
४२	४३	मा	ध	४६	४१	११	३७

गोचरग्रहाः

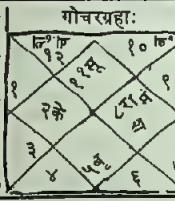

माघ शु. १ रवौ कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ नं.३ बालावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयं पश्चिमे।

गोचरग्रहाः

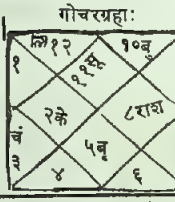

४६पं.मा.शु ११बु.इ.५२।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	३	४	११	७	७	१०
१०	२	१३	२	२०	९	२०	१०
४	५५	३३	२५	३२	१६	२	३
५१	२	३३	१३	४५	५५	३२	३६
६०	३७	६०	५९	७०	१	३	६०
३१	२९	२६	ध	११	५९	११	२५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ५६ २१ उ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं ५४ ४९ ह ५८ २६ भृ २३ १३ तै २६ ८	३६	१८	४२	२७	१५	१४	कं.	१४।१०
३	मं ५३ १४ ह ५८ ४२ शू १८ ३८ व २४ १	३४	१७	४३	२८	१६	१५	कन्यायां	भ. २४।२ उ. ५३।१४ या.
४	बु ५२ ५३ चि ६० ० ग १४ ५९ ब २३ ४	३३	१६	४४	२९	१७	१६	तु.	२९।२२
५	गु ५४ ० चि ० ३ वृ १२ १२ कौ २३ २७	४२	१६	४४	१	१८	१७	तुलायां	मेषे भृगुः ५६।३२ मार्च मा. ३ ता. ३१
६	शु ५६ १७ स्वा २ ४४ घ्रु १० ३६ ग २५ ८	४६	१५	४५	२	१९	१८	वृ.	५१।११ भ. ५६।१७ उ.
७	श ५९ ४७ वि ७ ६ ब्या ९ ३७ वि २८ २	५०	१४	४६	३	२०	१९	वृश्चिके	भ. २६ या. पूभायांरविः ४३ धनिष्ठा
८	र ६० ० अ ११ ३१ ह ९ २० बा ३२ ०	५४	१३	४७	४	२१	२०	वृश्चिके	
८	चं ४ १३ ज्ये १७ १४ व १० ३५ कौ ४ १३	५८	१२	४८	५	२२	२१	ध.	१७।१४
९	मं ९ ९ मू २३ ३६ सि ११ ४१ ग ९ ९	२९	१२	४८	६	२३	२२	धनुषि	भ. ४१।४५ उ. कुम्भे बुधः ५१।२८
१०	बु १४ २२ पू २९ ५२ व्य १३ २२ वि १४ २२	६	११	४९	७	२४	२३	म.	४६।२८ भ. १४।२२ या. +बुधः २।२५
११	गु १९ २३ उ ३६ १७ ध १४ ८ बा १९ २३	१०	१०	५०	८	२५	२४	मकरे	विजया ११ ब्र.
१२	शु २३ ५९ श्र ४१ ५६ प १५ ६ तै २३ ५९	१४	९	५१	९	२६	२५	मकरे	पूषायां भौमः ५१।३२ प्रदोषः
१३	श २७ ४८ ध ४६ ४३ शि १५ २६ व २७ ४८	१७	८	५२	१०	२७	२६	कु.	भ.३८ उ.५९या. महाशिवरात्री ब्र. स्मा.
१४	र ३० २८ श ५० २२ सि १४ ५५ श ३० १८	२३	७	५३	११	२८	२७	कुम्भे	शतेबुधः ३१।४३ महाशिवरात्री वै.
१५	चं ३१ ५२ पू ५२ ४७ सा १३ १८ च १	१०	२८	७	५३	१२	२९	२८	मी ३७।११ वक्री शनिः ४४।४ सोमवती पुण्यम्

४७पं.फा.कृ.४ बु.इ.५२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	४	११	७	७	१०
१७	७	२०	१	२८	९	१९	१७
७	३१	४६	३१	४५	२७	४०	५
४०	५७	२१	५०	४६	३१	१७	४७
६०	३७	७०	२५	६९	१	३	६०
२२	२१	५२	ब	२२	१९	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास का फल सामान्य है, आलू मजीठ, रुई, सूत, अनाज गल्ला मंदा हो, सुदी में गुड़, खांड, घृत, तेल तेंज

गोचरग्रहाः

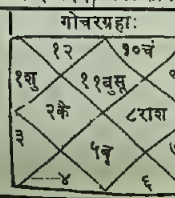

४८पं.फा.कृ.१०बु.इ.५२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	४	८	७	७	१०
२४	१२	१	०	०	९	१९	२४
९	६	२७	४२	४९	३२	१८	६
२	२७	१६	१६	१९	५५	२	३२
६०	३७	८५	५	६८	०	३	५९
५	७	३९	ब	३१	२४	११	५८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ७०८ स.१९५६
१	मं	३२	९	उ	५३	५८	शु	१०	५०	किं	२	०	३२	६	५४	१३	३०	२९	मीने	चंद्रद.सभवः मीनेऽर्कः ४४ भरण्याभृगुः ३७
२	बु	३०	५०	रे	५४	०	शु	७	२१	बा	१	२९	३६	५	५५	१४	१	१	मे.५४।०	सावान ८ वक्री श्लेषायां ४ कर्के गुरुः ३६
३	गु	२८	२४	अ	५२	४६	ब्र	५५	४३	ग	२८	२४	४०	४	५६	१५	२	२	मेषे	भ. ५६।४१ उ. *फुलरिया २
४	शु	२४	५९	भ	५०	३४	वै	५१	२८	वि	२४	५९	४४	३	५७	१६	३	३	मेषे	भ. २४।५९ या.
५	श	२०	४३	कृ	४७	४५	वि	४६	१०	बा	२०	४३	४९	२	५८	१७	४	४	वृ.४।५२	उभायांरविः४।४० पूभायां बुधः५७।५८
६	र	१५	३६	रो	४४	१७	प्री	३७	५०	तै	१५	३६	५३	१	५९	१८	५	५	वृषे	
७	चं	१०	३	मृ	४०	२२	आ	३०	२२	व	१०	३	५७	१	५९	१९	६	६	मि१२।२०	भ.१०।३उ.३७।८या. पूर्वास्तंबुधः२५।८
८	मं	४	१३	आ	३६	१५	सौ	२३	१४	ब	४	१३	३०	६	६	२०	७	७	मिथुने	
९	मं	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	बु	५२	२५	पु	३२	१४	शो	१५	३	तै	२५	२६	६	५	६	२१	८	८	क.१८।१४	
११	गु	४६	५०	पु	२८	२४	अ	७	२९	व	१९	३७	१०	५८	२	२२	९	९	कर्के	भ.१९ उ.४६ या. आमलकी११व्र. स्मा.व.
१२	शु	४१	३७	श्ले	२४	५३	सु	५	५३	ब	१४	१४	१४	५७	३	२३	१०	१०	सिं२४।५३	मीनेबुधः ३३ आमलकी ११ व्र. नि.
१३	श	३७	७	म	२१	५९	शू	४६	४०	कौ	९	२२	१८	५६	४	२४	११	११	सिंहे	प्रदोषः
१४	र	३३	२६	पू	१९	१४	गं	४०	५९	ग	५	१७	२२	५६	४	२५	१२	१२	कं.३४।३	भ.३३।२६ उ. कृत्तिकायां भृगुः ४०।२९
१५	चं	३०	४४	उ	१८	३०	वृ	३६	१२	वि	१	५	२६	५५	५	२६	१३	१३	कन्यायां	भ. २।५ या. होलिकादहनम्

४९पं.फा.शु.२बु.इ.५२।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	३	०	७	७	११
१	१६	१२	२९	१४	९	१८	१
८	४१	१६	५८	४५	३३	५५	५
४४	२६	२८	२८	३२	१६	४६	४४
५९	३६	९६	४४	६७	५२	३	५९
४९	३८	४१	ब	३३	ब	११	४१

गोचरग्रहाः

फाल्गुन शु. १ भौमे मीनेऽर्कः प्र. वा.३न.३कुमारावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

५०पं.फा.शु.१०बु.इ.५३।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	३	०	७	७	११
८	२१	२७	२९	२२	९	१८	८
६	१४	२	२१	३२	२९	३३	३
३८	१४	१८	१२	५२	११	३१	१९
५९	३६	[illegible]	३२	६६	५०	३	५९
३५	२४	[illegible]	ब	१२	ब	११	२९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	२९	१०	ह	१८	३१	ध्रु	३२	१७	कौ	२९	१०	३०	५	६	२७	१४	१४	तु.४९।५	सब्बरात उभायांबुधः १०।१३ छारेंडी
२	बु	२७	४७	चि	१९	३९	व्या	२९	१९	ग	२८	४७	३४	५३	७	२८	१५	१५	तुलायां	भ. ५९।१९ उ. वृषे भृगुः ४६।१०
३	गु	२९	५१	स्वा	२२	१४	ह	२७	२०	वि	२९	५१	३८	५२	८	२९	१६	१६	तुलायां	भ. २९।५१ या. कल्पादिः
४	शु	३२	९	वि	२५	३८	व	२६	२६	बा	१	०	४३	५१	९	३०	१७	१७	वृ.९।४७	रेवत्यांरविः३२।८ उषायांभौमः२२।१९
५	श	३५	३८	अ	३०	१८	सि	२६	१२	कौ	३	५४	४७	५१	९	३१	१८	१८	वृश्चिके	
६	र	४०	०	ज्ये	३५	५८	व्य	२६	५२	ग	७	४९	५२	५०	१०	१	१९	१९	ध.३५।५८	भ. ४०।० उ. अप्रेल मा. ४ ता. ३०
७	चं	४४	५६	मू	४२	१०	व	२८	१	वि	१२	२८	५६	४९	११	२	२०	२०	धनुषि	भ. १२।२८ या. शीतला पूजनम्
८	मं	५०	१	पू	४८	३५	प	२९	१७	बा	१७	२८	३१	४८	१२	३	२१	२१	धनुषि	रेवत्यां बुधः ०।१७
९	बु	५५	२	उ	५४	५७	शि	३०	३०	तै	२२	३१	४	४७	१३	४	२२	२२	म.५।१०	मकरे भौमः २५।५०
१०	गु	५९	२३	श्र	६०	०	सि	३२	१६	व	२७	१२	८	४६	१४	५	२३	२३	मकरे	भ. २७।१२ उ. ५९।२३ या.
११	शु	६०	०	श्र	०	५२	सा	३२	३५	ब	३१	१३	१२	४६	१४	६	२४	२४	कु.३३।१७	पापमोचनी ११ व्र. स्मा.
११	श	३	४	ध	५	४४	शु	३२	९	बा	३	४	१६	४५	१५	७	२५	२५	कुम्भे	रोहिण्यांभृगुः १८ पापमोचनी११व्र.वै.नि.
१२	र	५	३७	श	९	३८	शु	३०	५४	तै	५	३७	२०	४४	१६	८	२६	२६	मी५६।३५	प्रदोषः
१३	चं	६	५४	पू	१२	१४	ब्र	२८	४९	व	६	५४	२३	४३	१७	९	२७	२७	मीने	भ.६।५४उ.३६।५४या. मेषेबुधः२१।२५
१४	मं	६	५४	उ	१३	५०	ऐं	२५	३९	श	६	५४	२६	४२	१८	१०	२८	२८	मीने	मन्वादिः
३०	बु	५	३८	रे	१४	६	वै	२१	३०	ना	५	३८	३०	४२	१८	११	२९	२९	मे.१४।६	अमा. केतकी. अहर्गणः ७३७ चक्रं४

५१पं.चै.कृ.२ बु.इ.५३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	३	१	७	७	११
१५	२५	६	२८	०	९	१८	१४
२	४७	४०	५१	८	२०	११	५५
४१	१	५३	४१	६	२८	१६	१५
५९	३५	[illegible]	३	६४	४१	३	५९
१८	५२	[illegible]	ब	३८	ब	११	१६

गोचरग्रहाः

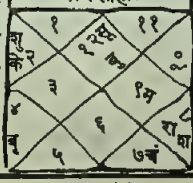

इस मास में प्रजा में रक्तविकारक पीड़ा हो, धान्य गेहूं, चना, तुउर, उड़द तेज होगी।

गोचरग्रहाः

५२पं. चै.कृ.९ बु.इ.५४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	३	१	७	७	११
२१	०	२०	२८	७	९	१७	२१
५६	१६	३१	३०	२८	५	४९	५३
५४	३६	४२	४७	२२	५२	०	२९
५९	३५	[illegible]	३	६२	१८	३	५९
४	२०	[illegible]	ब	५०	ब	११	४

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०५७ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० तेत्रायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५७ भोग्यकलिः ४२६९४३ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २०१३ शाकः १८७८ अथास्मिन्वर्षेराजा गुरुः । मंत्री शुक्रः । सस्येशश्चन्द्रः । धान्येशश्शनिः । मेघेशो गुरुः । रसेशो बुधः । नीरसेशो रविः । फलेशो बुधः । धनेशो रविः। दुर्गेशो गुरुः । एतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ३ सौम्यनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमयेः गतमासादिः ३।८।२४।० भोग्यमासादिः ८।२१।३६।० सौम दैवतं युगम् । वर्षनाम फाल्गुनः । मेघ ४ नाम आवर्तः । रोहिणी निवासस्तटेः । समय निवासो रजकगृहे । समय विश्वा २० । समय वाहनंचातकः । स्तम्भ १ वायोः । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी नास्ति। अंगारकी चतुर्थी ३। बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी १। रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३३० । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १३ । तिथि वृद्धिः ७ । उत्पति विश्वा८७ । खपति विश्वा ११४ । वर्षा विश्वा १७ । धान्यम् १३, तृणम् ११. शीतम् ५. तेज ५. वायु १३ वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ७ ऐक्यं १०१ सत्यं ।।. धर्म १।।. पाप १८ शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहणे द्वे सूर्यचन्द्रमसः ।

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे प्रेम से माता को सिर नाय ।
तेरह संवत् का मुझे हाल कहो समझाय ।।

भवानी उत्तर

माता कहे विचार के सुन हो भैरवलाल ।
तेरह संवत् मांय ने घणां नीपजे माल ।।
राजा गुरु मंत्री भृगु यह हैं सौम्य सुयोग ।
राज प्रजा आनन्द से भोगे उत्तम भोग ।।
चौमासे मघवा चढ़े जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो बोलें मीठे बैन ।।
संबत् वासा रजक घर रोहिणी तट निर्धार ।
मेघाधिप के योग से वर्षे मूसल धार ।।
धान्यादि शनि धान्य में करसी गोल मटोल ।
टीडी मूसा कातरा करें जगत में रोल ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
बंशीधर का कथन है आखिर जगदाधार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

वर्षेश लग्नम् ११।९

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्ष लग्नम् १।१७

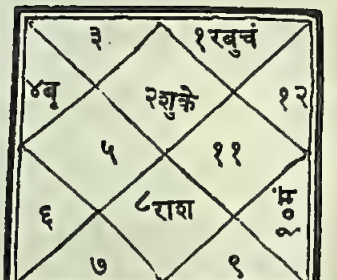

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५४।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१३।४८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम्-गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुधाश्च धेनवः । यजन्ति विप्राः बहवोऽग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वे जनेषु वर्तते ।। मंत्री शुक्रस्तत्फलम्-भृगुसुते ननु मंत्री पदङ्कृते शलभ-मूषकरावय माहिषैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोऽधिकम् ।। सस्येशश्चन्द्रस्तत्फलम्-सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघाः पयो मुञ्चति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपाः धरा भवेद्धान्य धनौघपूर्णाः ।। धान्येशः शनिस्तत्फलम्-दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देश विग्रहम् । सौराष्ट्र देशनष्टश्च यत्र धान्याधिपः शनिः ।। मेघेशो गुरुस्तत्फलम्-गुरुरपिप्रियवृष्टि करः सदाऽखिलविलासवती धरणीतदा । श्रुतिविचारपरा नरपालकाः रस समृद्धियुताऽखिलमानवाः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम्-रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्य घृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहुजलाखिल देश सुरक्षिता ।। नीरसेशो रवि-स्तत्फलम्-नीरसाधिपतौ सूर्ये नृपुचन्दनयोरपि । रत्नमाणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो बुधस्तत्फलम्-यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधराः जलराशि मुचस्तदा । बहु तृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जनसौख्य मुदान्विता ।। धनेशो रविस्तत्फलम्-द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहुद्रव्यसमागमाः । गजतुरङ्गम मेष खरोष्ट्रतो धनचयं लभते क्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुस्तत्फलम्-सुरगुरौ गढ़पे नयशोभिता नरवरा नरपा करपालिता । गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शस्त्रवतां विशाम् ।। वर्षनाम फाल्गुनस्तत्फलम्-सुभिक्षंप्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्यपश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। सौम्यनाम संवत्सरस्तत्फलम्-सौम्याब्दे निखिला लोका बहुसस्यार्घवृष्टिभिः । विवैरणो धराधीशाः विप्राश्चाध्वर तत्पराः ।। मेघनाम आवर्तस्तत्फलम्-आवर्ते छिन्न वृष्टिश्च ।। रोहिणी निवासस्तटे तत्फलम्-तटे वृष्टिः सुशोभनाः ।। समय निवासो रजकगृहे फलम्-रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०१३ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला ९ गुरौ मघायां. ल. ११ रे. ६ ।ऽ।।।ऽचो.।ऽऽ। गणि-तेनक्रांतिसाम्याऽभावत्वेपिरेखास्पत्वान्नेष्टम्
„ ११ शनौ उफा. ल. १२ चं. पू. सत् रे.७ ऽसू।।।ऽरो।।ऽ।
„ १२ रवौ उफा. ल. ऽन्यगो. रे. ९ ऽसू.।।।।।।।।
„ १२ रवौ हस्ते ल. १२ चं. पू. सं. रे. ९ ।।।।।ऽ।।
„ १४ भौमे स्वात्यां ल. ११ रे.६ ।।।।ऽसूऽअ.ऽऽ।आवश्यके

वैशाख मासः

कृष्णा ४ रवौ मूले ल. ११-१२ रे. ८ ।।।।ऽशु।।ऽ।।
„ ६ भौमे उषा. ल. १२(घ. ५५-२३ उ.)रे. ७ ऽचं।ऽशु ।।।।। पादवेधाद्भृगोर्वेधाऽभावः
„ ११ रवौ उभा. ल. ११ रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।
„ १२ चन्द्रे रेव. ल.११ रे.९ ।।।।।ऽ।।कृष्णानंग चतुर्दिनम्
शुक्ला १ शुक्रे रोहि. ल. ११-१२ रे. ९ ।।ऽबु.।ऽश।।।।।
„ ८ गुरौ ल. गो. ११ (कु.चं.पू.) रे. ८ ।।।।ऽमं।।ऽ।।
„ १० शनौ उफा. ल.ऽन्यगो.१२ बं.पू.सत् रे.८ ।ऽ।।।।।ऽ।।
„ ११ रवौ हस्ते ल. १२ (चं.पू.सत्)रे. ८ ।।।।।ऽचौऽ।।।

कार्तिक मासः

शुक्ला १५ रवौ रोहि. ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽआ.रा.ऽअग्निऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ चन्द्रे रोहि. ल. ४ रे. ८ ।।।।ऽसू.श.रा.ऽ।।
„ २ भौमे मृगे ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽनृ.ऽ।।।
„ ७ शनौ मघा ल.७रे.९ऽसू।।।।।।।।। पात साम्यादशुद्धम्
„ १० भौमे हस्ते ल. ऽन्यगो. (सोग्रांग)४-७ रे.७ ।।।।ऽ-अग्निऽऽ।।
शुक्ला ३ बुधे उषा. ल. ७ रे. ९ ।।।।।अ.(घ.३६ उ.)।।।।

वैशाख शु. १५ यां गुरौ सर्वग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा १९।९

		स्प.	म.	मो.	पव.		
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	३१	३६	४०	८		
	पल.	५८	१७	३६	३८		
रेल्वे टाइम	घं.	७	८	१०	३		
	मि.	१४	५८	४१	२७		

मार्गशीर्ष कृ. ३० रवौ खण्डग्रासं सूर्यग्रहणम् विश्वा ५।८

		स्प.	म.	मो.	प.		
उज्जयिनी मध्यमकालः	घं.	१५	१९	२२	६		
	प.	५२	३	२६	३४		
रेल्वे टाइम	घ.	१२	२	२	२		
	मि.	४८	९	२५	३८		

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ७३८ सन् १९५६
१	गु	३	६	अ	१३	८	वि	१६	३४	ब	३	६	३१/३२	५/४२	६/१८	१२	३०	३०	मेषे	चंद्रद. घटस्था. नवरा. सम्वत्सरा.
२	गु	५६	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	५५	१२	भ	११	११	प्री	१०	५२	तै	२७	२४	३६	४१	१९	१३	३१	१	वृ २५।३८	मेषेऽर्कः ६।४० रमजान९ गणगौरी पू.
४	श	५०	२	कृ	८	५७	आ	४/२९	५३/७	व	२२	३७	४०	४०	२०	१४	१	२	वृषे	भ. २२/३७ उ. ५०/२ या. अभिजित्प्रवृत्तौभौ. ५८/५१
५	र	४४	२४	रो	५	३	शो	५०	१९	ब	१७	१३	४४	३९	२१	१५	२	३	मि ३३।१५	भरण्यां बुधः ५१।४६
६	चं	३८	२८	मृ	१/२९	५६/५७	अ	४२	५०	कौ	११	२६	४८	३८	२२	१६	३	४	मिथुने	मार्गी गुरुः १।३५
७	मं	३२	२८	पु	५३	१९	सु	३४	५८	ग	५	२८	५१	३८	२२	१७	४	५	क. ३९।२०	भ. ३२।२८ उ. ५९।३० या.
८	बु	२६	३३	पु	४९	२१	धृ	२७	३५	ब	२६	३३	५४	३७	२३	१८	५	६	कर्के	पश्चिमोदयी बुधः २।३५ भवान्युत्पत्तिः
९	गु	२०	५३	श्ले	४५	५०	शू	१९	४९	कौ	२०	५३	५८	३६	२४	१९	६	७	सिं ४५।५०	राम ९
१०	शु	१५	३३	म	४२	४३	गं	१२	५७	ग	१५	३३	३३/२	३६	२४	२०	७	८	सिंहे	भ. ४३।१५ उ. श्रवणे भौमः ३।२३
११	श	१०	५८	पू	४०	२१	वृ	६	२७	वि	१०	५८	६	३५	२५	२१	८	९	कं. ५५।१	भ. १०/५८ या. अभिजिन्निवृत्तोभौमः ३६/४५ मृगे●
१२	र	७	१७	उ	३९	१	ध्रु	०/३६	५५/८	बा	७	१७	९	३४	२६	२२	९	१०	कन्यायां	कृत्तिकायां बुधः ४७।२७ प्रदोषः
१३	चं	४	२८	ह	३८	३३	ह	५१	३१	तै	४	२८	१३	३३	२७	२३	१०	११	कन्यायां	●भृगुः १३।८ का. ११ व्र.
१४	मं	२	४८	चि	३९	३९	व	४८	२२	व	२	४८	१७	३३	२७	२४	११	१२	तु. ९।१	भ. २।४८ उ. ३३/३२ या. वृषे बुधः ५५।८
१५	बु	२	१९	स्वा	४१	२०	सि	४६	१३	ब	२	१९	२१	३२	२८	२५	१२	१३	तुलायां	हनुमज्जयंती वै. स्ना. प्रा.

१पं. चै.शु.३शु.इ.९।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	१	७	७	०
०	५	७	२८	१५	८	१७	०
३	३६	४८	१६	४९	४४	२२	०
३	१७	२१	१५	२३	२४	४३	०
५८	३५	[illegible]	०/३५	५९	३/३	३	५८
४५	३	३	ब	५५	ब	११	४४

गोचरग्रहाः

चैत्र शु. ३ शुक्रे मेषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

२पं. चै.शु.१० शु.इ.१०।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	१	७	७	०
६	१०	२१	२८	२२	८	१७	६
५३	३	४५	१४	२०	२१	०	५०
१४	५०	११	९	३५	५६	२८	३८
५८	३४	[illegible]	०/५२	५६	३/४०	३	५८
२९	१३	२५	मा	३२	ब	११	३१

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३	१५	वि	४४	५१	व्य	४५	४	कौ	३	१५	३२/२५	५/३१	६/२९	२६	१३	१४	बृ. २८।५८	भरण्या रविः ४८।४ अनुराधायां४ राहुः●
२	शु	५	२३	अ	४९	१८	व	४४	५१	ग	५	२३	२९	३०	३०	२७	१४	१५	बृश्चिके	भ. ३७।८ उ.
३	श	८	५४	ज्ये	५४	४१	प	४५	२४	वि	८	५४	३३	२९	३१	२८	१५	१६	ध. ५४।४१	भ. ८।५४ या. मिथुने भृगुः ४८।५०
४	र	१३	१०	मू	६०	०	शि	४६	३४	बा	१३	१०	३६	२९	३१	२९	१६	१७	धनुषि	●रोहिण्यां २ केतुः ३६।४५
५	चं	१७	५६	मू	०	५१	सि	४७	५४	तै	१७	५६	४०	२८	३२	३०	१७	१८	धनुषि	पातस्पर्शः १८।८ पातमोक्षः ३७।९
६	मं	२२	५८	पू	७	१९	सा	४९	२४	व	२२	५८	४३	२७	३३	१	१८	१९	म. २१।२४	भ. २२/५८ उ. ५५/२३ या. मई मा. ५ ता. ३१
७	बु	२७	४८	उ	१३	४१	शु	५०	५१	ब	२७	४८	४७	२७	३३	२	१९	२०	मकरे	रोहिण्यां बुधः ३६।१६
८	गु	३२	१३	श्र	१९	३९	शु	५१	२७	बा	०	१	५०	२६	३४	३	२०	२१	कु. ५२।१२	
९	शु	३५	५१	ध	२४	४६	ब्र	५१	३०	तै	४	२	५४	२५	३५	४	२१	२२	कुम्भे	
१०	श	३८	१६	श	२९	१	ऐं	५०	३९	व	७	३	५७	२५	३५	५	२२	२३	कुम्भे	भ. ७।३ उ. ३८।१६ या.
११	र	३९	४६	पू	३२	३	वै	४८	४५	ब	९	१	३३/२	२४	३६	६	२३	२४	मी १६।१७	वरूथिनी ११ व्र.
१२	चं	३९	२६	उ	३३	४८	वि	४६	२	कौ	९	३६	४	२३	३७	७	२४	२५	मीने	आर्द्रायां भृगुः २३।५१
१३	मं	३८	५	रे	३४	२१	प्री	४२	१३	ग	८	४६	७	२३	३७	८	२५	२६	मि. ३४।२१	भ. ३८।५ उ. प्रदोषः
१४	बु	३५	३३	अ	३३	४४	आ	३७	२८	वि	६	४९	१०	२२	३८	९	२६	२७	मेषे	भ. ६।४९ या.
३०	गु	३२	७	भ	३१	५५	सौ	३१	५८	च	३	५०	१३	२१	३९	१०	२७	२८	बृ. ४६।१८	कृत्तिकायां रविः ३५।५९

३पं. वै.कृ.२शु.इ.१०।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	३	१	७	७	०
१३	१४	३	२८	२८	७	१६	१३
४१	२९	१६	२३	३३	५६	३८	३९
३८	२०	२३	७	३९	३२	१३	४१
५८	३३	८७	२	५२	४/०	३	५८
१२	२४	८	११	३६	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ गुरुवार शुभ हैं, व्यापारी वस्तुओं में घटा-बढ़ी चना मूंगफली, मटर, लूण तेज हों।

गोचरग्रहाः

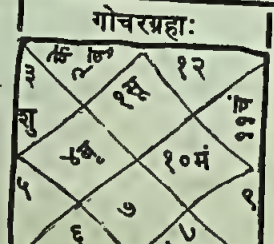

४पं. वै.कृ. ९शु.इ.१०।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	३	२	७	७	०
२०	१८	११	२८	४	७	१६	२०
२८	४८	२१	३९	७	२८	१५	२७
१६	५७	३	३०	१५	१	५७	२१
५७	३२	५१	३	४७	४/११	३	५८
५७	२७	३४	३४	२५	ब	११	६

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ७६७ सन् १९५६
१	शु	२६	५१	कृ	२९	२६	शो	१५	४४	ब	२६	५१	३३/१६	५/२१	६/३९	११	२८	२९	वृषे	चन्द्रदर्शनम् घनिष्ठाया भौमः ५०।११
२	श	२२	१६	रो	२६	९	अ	१८	५८	कौ	२२	१६	१९	२०	४०	१२	२९	१	मि५४।१९	सव्वाल १० ईद
३	र	१६	३१	मृ	२२	२९	सु	११	४८	ग	१६	३१	२२	२०	४०	१३	३०	२	मिथुने	भ. ४३।३४ उ. वक्री बुधः ३०/२३ अक्षया ३
४	चं	१०	३६	आ	१८	२३	धृ	४/१९	५२/१८	वि	१०	३६	२५	१९	४१	१४	३१	३	मिथुने	भ. १०।३६ या. वृषेऽर्कः ३।४६
५	मं	४	३३	पु	१४	२४	गं	४९	१९	बा	४	३३	२८	१८	४२	१५	१	४	क.०।२४	वक्री अनुराधायां १ शनिः ३१।३०
६	मं	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५२	२२	पु	१०	२१	वृ	४१	४४	ग	२५	२७	३१	१८	४२	१६	२	५	कर्के	भ.५२।२२उ. पश्चिमास्तो बुधः २४।३८
८	गु	४७	२५	श्ले	६	४२	ध्रु	३४	४५	वि	१९	५४	३४	१७	४३	१७	३	६	सिं६।४२	भ. १९।५३ या.
९	शु	४२	४७	म	३	२५	व्या	१८	९	बा	१५	६	३६	१७	४३	१८	४	७	सिंहे	
१०	श	३८	५७	पू	०	५४	ह	२२	१४	तै	१०	५२	३९	१६	४४	१९	५	८	कं.१५।४५	
११	र	३६	२	उ	०	१७	व	१७	९	व	७	३०	४१	१६	४४	२०	६	९	कन्यायां	भ. ७।३० उ. ३६।२ या. मोहिनी ११ब्र.
१२	चं	३४	२०	ह	०	३९	सि	१२	५३	ब	५	११	४४	१५	४५	२१	७	१०	तु.३०।४७	*जयंती दानं वै स्ना. पूर्तिः च. ग्र.
१३	मं	३३	५८	चि	०	५५	व्य	९	३८	कौ	४	९	४६	१५	४५	२२	८	११	तुलायां	कुम्भेभौमः ४५/१६ मार्गीसिंहेगुरुः २३/१२ प्रदोषः
१४	बु	३४	३४	स्वा	१	५८	व	७	१५	ग	४	१६	४८	१४	४६	२३	९	१२	बृ.४८।२८	भ. ३४।३४ उ. नृसिंहजयन्ती
१५	गु	३६	३६	वि	३	५८	प	५	५७	वि	५	३५	५०	१४	४६	२४	१०	१३	वृश्चिके	भ. ५।३५ या. रोहिण्यां रविः ३९/३५ कूर्म*

५पं. वै.शु.१ शु.इ.१०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	३	२	७	७	०
१	२२	१५	२९	८	६	१५	२७
३	५९	४८	४	४९	५८	५३	१३
०	१२	११	४०	५५	१४	४२	३२
७	३१	१०	४	३९	४/३४	३	५७
५	३९	१४	४४	२०	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

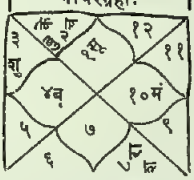

वैशाख शुक्ला ४ चन्द्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

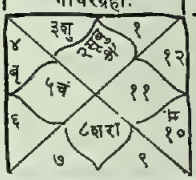

६पं. वै.शु.९ शु इ. १०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	३	२	७	७	१
३	२७	१४	२९	१२	६	१५	३
५७	८	४२	३९	३१	२७	३१	५८
७	३५	३२	३२	४१	३६	२६	२६
५७	३०	३०/३३	५	२९	४/४०	३	५७
३४	४९	ब	४९	३२	ब	११	४४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३९	५३	अ	८	१९	शि	५	३४	बा	८	१४	३३/५२	५/१४	६/४६	२५	११	१४	वृश्चिके	
२	श	४४	४	ज्ये	१३	२८	सि	६	०	तै	११	५८	५४	१३	४७	२६	१२	१५	ध.१३।२८	
३	र	४८	५४	मू	१९	२४	सा	७	६	व	१६	२९	५६	१३	४७	२७	१३	१६	धनुषि	भ. १६।२९ उ. ४५।५४ या.
४	चं	५३	४०	पू	२५	४६	शु	८	३४	ब	२१	१७	५८	१२	४८	२८	१४	१७	म.४२।२४	वक्री कृत्तिकायां बुधः २९।२१ चतुर्थी ब्र.
५	मं	५८	२८	उ	३२	१७	शु	१०	९	कौ	२६	४	३४/०	१२	४८	२९	१५	१८	मकरे	
६	बु	६०	०	श्र	३८	२१	ब्र	११	२६	ग	३०	३८	२	१२	४८	३०	१६	१९	मकरे	
६	गु	२	४८	ध	४३	३५	ऐं	१२	३२	व	२	४८	४	११	४९	३१	१७	२०	कुं.१०।५८	भ. २।४८ उ. ३४।३४ या.
७	शु	६	२१	श	४८	५	वै	१२	३९	ब	६	२१	६	११	४९	१	१८	२१	कुम्भे	वक्री भृगुः ३५।९ जून मा. ६ ता. ३०
८	श	८	४७	पू	५१	२६	वि	१२	५	कौ	८	४७	७	११	४९	२	१९	२२	मी३५।३६	
९	र	९	५५	उ	५३	२५	प्री	१०	२२	ग	९	५५	९	१०	५०	३	२०	२३	मीने	भ. ३९।५५ उ.
१०	चं	९	५६	रे	५४	१५	आ	७	५७	वि	९	५६	१०	१०	५०	४	२१	२४	मे.५४।१५	भ ५६/९ या. पूर्वोदयंबुधः ५/४८ शतेभौमः २७/१२
११	मं	८	३२	अ	५३	५८	सौ	३/२०	५६/२६	बा	८	३२	१२	१०	५०	५	२२	२५	मेषे	अपरा ११ ब्र.
१२	बु	५	५८	भ	५२	२३	अ	५४	२६	तै	५	५८	१३	९	५१	६	२३	२६	मेषे	मार्गी बुधः ४४।१९ प्रदोषः
१३	गु	२	२४	कृ	४९	५९	सु	४८	१२	व	२	२४	१५	९	५१	७	२४	२७	बृ.६।४७	भ.२।२४ उ. ३०/१० या. मृगे रविः २८।४४
१४	गु	५५	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	शु	५२	४२	रो	४६	२३	धृ	४१	४२	च	२५	१९	१६	९	५१	८	२५	२८	वृषे	वटपूजनम्

७प.ज्ये.कृ.१शु.इ.११।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	४	२	७	७	१
१०	१	११	०	१४	५	१५	१०
३९	११	४६	१९	५९	५५	९	४२
१८	५२	३०	४	२४	७	११	२०
५७	२९	३२/१३	६	१६	४/४०	३	५७
२३	३५	ब	४९	५२	ब	११	३५

८पं.ज्ये.कृ.९ शु.इ.११।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	४	२	७	७	१
१७	५	८	१	१६	५	१४	१७
२०	७	२८	५	३५	२४	४६	२५
२४	५३	१	२१	३१	२१	५३	४
५७	२८	२५/५९	७	०	४/३०	३	५७
१३	११	ब	५०	५९	ब	११	२७

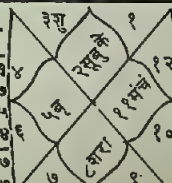

९पं.ज्ये कृ.३०शु.इ.११।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	४	२	७	७	१
२४	८	७	१	१४	४	१४	२४
०	५५	७	५९	३६	५५	२४	७
२०	५५	१४	५६	४७	३७	४०	८
५७	२७	६/४३	८	११/१६	४/११	३	५७
५	१३	मा	४५	ब	ब	११	२२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः७९६ स. १९५६
१	श	४६	५९	मृ	४४	३	शू	३४	३६	किं	१९	५०	३४/१७	५/९	६/५१	९	२६	२९	मि१५।१३	
२	र	४०	५९	आ	३९	१८	गं	२७	११	बा	१३	५९	१८	८	५२	१०	२७	३०	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	३४	५३	पु	३५	५४	वृ	१९	४२	तै	७	५६	१९	८	५२	११	२८	१	क.२१।४५	जिल्काद ११
४	मं	२८	४९	पु	३१	१९	ध्रु	१२	२८	व	१	५१	२०	८	५२	१२	२९	२	कर्के	भ. १।५१ उ. २८।४९ या.
५	बु	२२	५७	श्ले	२७	५६	ध्या	४६/४४	५५/५५	बा	२२	५७	२१	८	५२	१३	३०	३	सिं२७।५६	*रोहिण्यां२४।१६ मघायां२ गुरुः७।३२
६	गु	१७	३०	म	२४	५	व	५१	०	तै	१७	३०	२२	८	५२	१४	३१	४	सिंहे	मिथुनेऽर्कः २९।३२
७	शु	१२	४५	पू	२३	३८	सि	४४	५९	व	१२	४५	२२	८	५२	१५	१	५	क.३७।४३	भ. १२।४५ उ. ४०।४७ या.
८	श	८	४८	उ	१९	५८	व्य	३९	५४	ब	८	४८	२३	७	५३	१६	२	६	कन्यायां	पश्चिमास्तं भृगुः२२।४८ मार्गी रोहिण्यां*
९	र	५	४८	ह	१८	३४	व	३५	१०	कौ	५	४८	२३	७	५३	१७	३	७	तु.४८।४४	भ. ३४।५० उ. प. अ. भृ.
१०	चं	३	५२	चि	१८	५४	प	३१	५७	ग	३	५२	२३	७	५३	१८	४	८	तुलायां	भ. ३।११ या. निर्जला ११ ब्र.
११	मं	३	११	स्वा	२०	२१	शि	२९	१३	वि	३	११	२४	७	५३	१९	५	९	तुलायां	प्रदोषः
१२	बु	३	५६	वि	२३	९	सि	२७	५४	बा	३	५६	२४	७	५३	२०	६	१०	बृ.७।२७	आर्द्रायां रविः ३१।४
१३	गु	५	४०	अ	२७	४	सा	२७	१२	तै	५	४०	२४	७	५३	२१	७	११	बृश्चिके	भ. ८।५३ उ. ४०।५५ या.
१४	शु	८	५३	ज्ये	३२	२४	शु	२७	४४	व	८	५३	२४	७	५३	२२	८	१२	ध.३२।१४	वक्री मृगे भृगुः ३३।५८
१५	श	१२	५८	मू	३७	५८	शु	२८	४०	ब	१२	५८	२४	७	५३	२३	९	१३	धनुषि	

१०पं.ज्ये.शु.७शु.इ.११।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	४	२	७	७	२
०	१२	९	३	११	४	१४	०
३९	२२	१	१	३७	२८	२	४८
२८	१२	५१	२६	३३	४१	२५	२५
५६	२५	२६	९	३०/११	३/५३	३	५७
५७	४७	१२	३९	ब	ब	११	१७

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ शु. ६ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ५न.६ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पश्चिमे।

गोचरग्रहाः

११पं.ज्ये.शु.१४शु.इ.११।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	४	२	७	७	२
७	१५	१४	४	७	४	१३	७
१७	३६	५१	५	३०	३	४०	२९
५६	३४	२१	१५	३१	९	१०	१७
५६	२३	६१	१०	३६/३३	३/३२	३	५७
५४	३१	३१	१५	ब	ब	११	१३

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्ष सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१७	३६	पू	४४	१२	ब्र	३०	९	कौ	१७	३६	३४/२४	५/७	६/५३	२४	१०	१४	धनुषि	
२	चं	२२	२२	उ	५०	४०	ऐं	३१	४५	ग	२२	२२	२३	७	५३	२५	११	१५	म.०।४९	भ. ५४।४९ उ.
३	मं	२७	१६	श्र	५७	४६	वै	३३	९	वि	२७	१६	२३	७	५३	२६	१२	१६	मकरे	भ. २७।१६ या. चतुर्थी व्रतम्
४	बु	३१	३९	ध	६०	०	वि	३४	२०	बा	३१	३९	२३	७	५३	२७	१३	१७	कु.२९।३३	पूर्वोदयं भृगुः १०।१२
५	गु	३५	१४	ध	२	२०	प्री	३४	४३	कौ	३	२६	२२	८	५२	२८	१४	१८	कुम्भे	मृगे बुधः ५०।४९ अनुराधायां ३ राहुः÷
६	शु	३७	५४	श	७	१२	आ	३४	१८	ग	६	३४	२२	८	५२	२९	१५	१९	मी५४।४७	भ. ३७।५४ उ. ÷रोहिण्यां १ केतुः ३१/२५
७	श	३९	१	पू	१०	३९	सौ	३२	५२	वि	८	२७	२१	८	५२	३०	१६	२०	मीने	भ. ८।२८ या. पू. उ. भृ.
८	र	३९	०	उ	१२	५८	शो	३०	३६	बा	९	०	२०	८	५२	१	१७	२१	मीने	पूभायांभौमः ५१/३१ जुलाई मा. ७ ता. ३१
९	चं	३७	४४	रे	१४	०	अ	२७	१२	तै	८	२२	१९	८	५२	२	१८	२२	मे.१३।०	
१०	मं	३५	१२	अ	१४	७	सु	२२	५२	व	६	२८	१८	८	५२	३	१९	२३	मेषे	भ. ६।२८ उ. ३५/१२ या. मिथुने बुधः ११/४४
११	बु	३१	४०	भ	१२	५५	धृ	१७	३९	व	३	२६	१७	९	५१	४	२०	२४	बृ.२७।१६	योगिनी ११ ब्र.
१२	गु	२७	१३	कृ	१०	२०	गं	११	४१	तै	२७	१३	१६	९	५१	५	२१	२५	बृषे	पुनर्वसौरविः ३५।५ प्रदोषः
१३	शु	२२	०	रो	७	२८	वृ	४/५४	५३/११	ब	२२	०	१४	९	५१	६	२२	२६	मि३५।४२	भ. २२/० उ. ४९/१० या. आर्द्रायां गुरुः १०/३२
१४	श	१६	२०	मृ	५३/३	५६/३	ध्रु	५०	३९	श	१६	२०	१३	९	५१	७	२३	२७	मिथुने	वक्री वृषे भृगः १४/४३ मघायां ३ बुधः ४०/१६
३०	र	१०	२२	पु	५५	५४	ध्या	४३	७	ना	१०	२१	११	१०	५०	८	२४	२८	क.४१।५५	पूर्वास्तंबुधः २१/४८ वक्रीविशाखायां४शनिः ५/३७

१२पं.आ.कृ.६शु.इ.१०।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	४	२	२	७	२
१३	१८	२३	५	३	३	१३	१४
५५	५२	५०	१४	२४	४१	१७	९
५९	५४	२०	२६	१८	५	५४	४६
५६	२१	९०	१२	३०/१५	२/५३	३	५७
५०	४	११	५८	ब	ब	११	७

गोचरग्रहाः

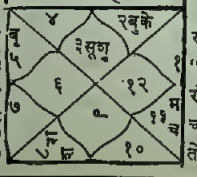

इस मास में पांच रविवार बृद्धिकारक "हैपञ्चाऽर्क वासरे रोगः" बदी में चांदी चपड़ा लाख अलसी तेज हो वर्षा उत्तम।

गोचरग्रहाः

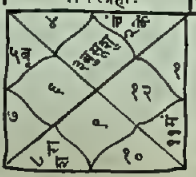

१३पं.आ.कृ.१३शु.इ.१०।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	४	२	७	७	०
२०	२१	५	६	०	३	१२	२०
३३	१९	४३	२८	१७	२४	५५	५०
५५	२४	३८	३४	३८	२२	३९	७
५६	१८	११/५	११	१६/१५	२/१७	३	५७
५०	२२	५	३०	ब	ब	११	७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *चंराश

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८२६ स.१९५६
१	चं	३	१२	पु	५१	४५	ह	३५	३५	ब	३	१२	३४/१०	५/१०	६/५०	९	२५	२९	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
२	चं	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	मं	५२	२०	श्ले	४८	१६	व	२८	५	तै	२५	७	८	१०	५०	१०	२६	१	सिं४८।१६	जिल्हेज १२
४	बु	४६	२८	म	४४	२९	सि	२०	२५	व	१९	१९	७	११	४९	११	२७	२	सिंहे	भ. १९।१९ उ. ४६।२८ या.
५	गु	४१	४६	पू	४१	३४	व्य	१४	८	ब	१४	७	६	११	४९	१२	२८	३	कं.५६।३	
६	शु	३७	४६	उ	३९	२९	व	७	५९	कौ	९	४६	४	११	४९	१३	२९	४	कन्यायां	मार्गीभृगुः ३।२० पुनर्वसौ बुधः २५।३२
७	श	३४	४१	ह	३८	२१	प	३१/२	५५/२६	ग	६	१४	२	१२	४८	१४	३०	५	कन्यायां	भ. ३४।४१ उ.
८	र	३२	४१	चि	३८	२५	सि	५४	१६	वि	३	४१	०	१२	४८	१५	३१	६	तु.८।२३	भ. ३।४१ या.
९	चं	३१	५५	स्वा	३९	२८	सा	५१	३६	बा	२	१८	३३/५९	१२	४८	१६	३२	७	तुलायां	कर्केऽर्कः ७।४९ भडली ९
१०	मं	३२	२३	वि	४१	५९	शु	४९	५५	तै	२	९	५६	१३	४७	१७	१	८	वृ.२६।२१	*बुधः १४।२९ देवशयनी ११ ब्र.
११	बु	३४	२६	अ	४५	३८	शु	४९	१२	व	३	२५	५४	१३	४७	१८	२	९	वृश्चिके	भ. ३।२५ उ. ३४।२६ या. हज्ज कर्के*
१२	गु	३७	१८	ज्ये	५०	२१	ब्र	४९	२३	ब	५	५२	५२	१४	४६	१९	३	१०	ध.५०।२१	बकरीद पुष्येरविः ३८।३० पुष्येबुधः ४९/४१
१३	शु	४१	१८	मू	५५	१३	ऐं	५०	१८	कौ	९	१८	५०	१४	४६	२०	४	११	धनुषि	मार्गी मिथुने भृगुः २६।२८ प्रदोषः
१४	श	४५	५३	पू	६०	०	वै	५१	३४	ग	१३	३५	४७	१५	४५	२१	५	१२	धनुषि	भ. ४५।५३ उ.
१५	र	५०	५९	पू	२	१७	वि	५३	१४	वि	१८	२६	४५	१५	४५	२२	६	१३	म.१८।५३	भ. १८।२६ या. मन्वादिः व्यास पूजा

१४पं.आ.शु६.शु.इ.१०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	४	१	७	७	२
२७	२३	१९	७	२९	३	१२	२७
१२	५४	२९	४५	१५	१०	३३	३०
१	३१	२०	३९	७	५४	२३	३२
५६	१६	१२४/२२	१२	०/१८	१/४२	३	५७
५५	३९	६	६	ब	ब	११	११

गोचरग्रहाः

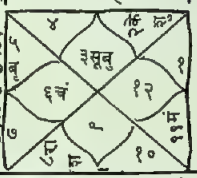

आ. शु. ९ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र.वा.५ न.५गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदय पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

१५पं.आ.शु.१४शु.इ.१०।३७

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	३	४	१	७	७	३
३	२५	४	९	२९	३	१२	४
५०	४४	४	६	५५	१	११	११
२९	४३	१	४	४४	५	८	१३
५६	१४	१२६/४	१२	१६	०/५३	३	५७
५७	१९	४	२५	९	ब	११	१५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५४	३६	उ	८	४२	प्री	५४	४६	बा	२३	१८	३३/४२	५/१६	६/४४	२३	७	१४	मकरे	
२	मं	६०	०	श्र	१४	५५	आ	५५	५४	तै	२७	४८	४०	१६	३४	२४	८	१५	कु.४७।४८	मघायां ४ गुरुः ५३।५१
३	बु	६०	०	ध	२०	४१	सौ	५६	२५	व	३१	४९	३७	१७	४३	२५	९	१६	कुम्भे	भ. ३१।४९ उ.
३	गु	३	३८	श	२५	३२	शो	५६	१५	वि	३	३८	३५	१७	४३	२६	१०	१७	कुम्भे	भ. ३।३८ या. आश्लेषायांबुधः २।३०
४	शु	६	३९	पू	२९	२४	अ	५५	५४	बा	६	३९	३२	१८	४२	२७	११	१८	मी१३।२६	
५	श	७	३३	उ	३१	५८	सु	५२	५४	तै	७	३३	३०	१८	४२	२८	१२	१९	मीने	
६	र	७	४१	रे	३३	२२	धृ	४३	४५	व	७	४१	२७	१९	४१	२९	१३	२०	मे.३३।२२	नाग ५ मरुस्थले
७	चं	६	२६	अ	३३	३१	शू	४५	३४	ब	६	२६	२४	१९	४१	३०	१४	२१	मेषे	भ. ७।४१ उ. ३७।४ या.
८	मं	४	१	भ	३२	२३	गं	४०	३३	कौ	४	१	२१	२०	४०	३१	१५	२२	बृ.४६।५३	मार्गी शनिः ३।५६
९	बु	०	३२	कृ	३०	२१	वृ	३४	४३	ग	०	३२	१८	२०	४०	१	१६	२३	वृषे	भ. ३६/२२ उ. ५६/११ या. पश्चिमोदयीबुधः २१/४०*
१०	बु	५५	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *सिंहेबुधः ५९/३७ अगस्त मा.८ता.३१
११	गु	५१	५	रो	२७	४२	ध्रु	२८	११	ब	२३	३८	१५	२१	३९	२	१७	२४	मि५५।५६	सार्प रविः३९।१८ कामिका ११ब्र. स्मा.
१२	शु	४५	२८	मृ	२४	९	व्या	२०	९	कौ	१८	१६	१२	२२	३८	३	१८	२५	मिथुने	कामिका ११ ब्र. वै. नि.
१३	श	३९	३२	आ	२०	१९	ह	१३	४६	ग	१२	३०	९	२२	३८	४	१९	२६	मिथुने	भ. ३९/३२ उ. आर्द्रायां भृगुः २२/५० प्रदोषः
१४	र	३३	२७	पु	१६	१३	व	६/१३	५३/२३	वि	६	३०	६	२३	३७	५	२०	२७	क.२।१५	भ. ६।३० या.
३०	चं	२७	२८	पु	१२	५	ब	५१	४	च	०	२७	३	२३	३७	६	२१	२८	कर्के	हरियाली ३० सोमवती पुण्यम्

१६पं.श्रा.कृ.४शु.इ १०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	३	४	२	७	७	३
१०	२७	१८	१०	२	२	११	१०
२९	१०	५५	२९	१६	५६	४८	५२
४६	२८	४४	११	३०	२१	५३	२५
५७	११	११९/४८	१२	२८	०/१९	३	५७
५	२७	४८	४९	३४	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

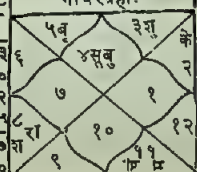

इस मास में ५ चंद्र ५ भौम है, सो रसादि पदार्थ मन्दे होकर तेज होंगे ।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ.१२शु.इ.१०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	४	४	२	७	७	३
१७	२८	२	११	५	२	११	१७
९	४	१०	५४	५३	५५	२६	३३
३५	६	२६	५२	३३	२८	३७	५७
५७	८	०/१०	१३	३८	०/२७	३	५६
१२	५२	४०	११	२६	ब	११	२४

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८५५ सं. १९५६
१	मं	२१	१४	श्ले	८	८	व	४३	४१	ब	२१	१४	३३ ०	५ २४	६ ३६	७	२२	२९	सिं ८।८	चन्द्रदर्शनम् नक्तव्रतारम्भः
२	बु	१५	५०	म	४	३९	प	३६	२९	कौ	१५	५०	३२ ५७	२५	३५	८	२३	१	सिंहे	मोहरम १ सन् १३७६ सिंधारा
३	गु	१०	५५	पू	१ ३७	५७ ३२	शि	३०	२६	ग	१०	५५	५४	२५	३५	९	२४	२	कं.१५।५३	भ.३८।५२ उ. पूफायांबुधः४०।३६ तीज
४	शु	६	४९	ह	५७	४९	सि	२४	४३	वि	६	४९	५०	२६	३४	१०	२५	३	कन्यायां	भ. ६।४९ या. पूफायां १ गुरुः ३।१७
५	श	३	४१	चि	५७	३६	सा	१९	५६	बा	३	४१	४७	२७	३३	११	२६	४	तु.२७।४२	
६	र	१	४०	स्वा	५८	२६	शु	१६	१	तै	१	४०	४३	२७	३३	१२	२७	५	तुलायां	
७	चं	०	५३	वि	६०	०	शु	१३	४	व	०	५३	४०	२८	३२	१३	२८	६	वृ.४।५४	भ. ०।५३ उ. ३१।११ या.
८	मं	१	२९	वि	०	३६	ब्र	११	६	ब	१	२९	३६	२९	३१	१४	२९	७	वृश्चिके	
९	बु	३	१२	अ	४	०	ऐं	१०	१०	कौ	३	१२	३३	२९	३१	१५	३०	८	वृश्चिके	कल्कि जयन्ती
१०	गु	६	५	ज्ये	८	३२	वै	१०	१०	ग	६	५	२९	३०	३०	१६	३१	९	ध.८।३२	भ.३८/३ उ. सिंहेऽर्कः ३५/४५ उभायां बुधः ५७/३०
११	शु	१०	१	मू	१४	४	वि	१०	५४	वि	१०	१	२६	३१	२९	१७	१	१०	धनुषि	भ. १०।१ या. ताजिया पवित्रा ११ ब्र.
१२	श	१४	४१	पू	२०	७	प्री	११	३५	बा	१४	४१	२२	३२	२८	१८	२	११	म.३६।४४	प्रदोषः *श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्
१३	र	१९	३४	उ	२६	३५	आ	१३	४२	तै	१९	३४	१९	३२	२८	१९	३	१२	मकरे	कन्यायां बुधः ११।४०
१४	चं	२४	२६	श्र	३२	३६	सौ	१५	१५	व	२४	२६	१५	३३	२७	२०	४	१३	मकरे	भ. २४।२६ उ. ५६।४० या. अ. गु.
१५	मं	२८	५४	ध	३८	३८	शो	१६	३०	ब	२८	५४	१२	३४	२६	२१	५	१४	कुं.५।३७	अस्तंगुरोः ७।४८ पुनर्वसौ भृगुः ५८।१६*

१८पं.श्रा.शु.४शु.इ.१०।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	४	४	२	७	७	३
२३	२८	१४	१३	१०	३	११	२४
५०	२८	८	२१	३५	०	४	१६
४२	३०	४९	३२	३५	१०	२२	२६
५७	५	९८	१३	४५	१	३	५७
२२	५८	२७	२०	५४	११	११	३३

गोचरग्रहाः

श्रावण शु. १० गुरौ सिंहेऽर्कः प्र. वा.४न.५प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो.पश्चिमे

गोचरग्रहाः

१९पं.श्रा.शु.११शु.इ.११।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	४	४	२	७	७	४
०	२८	२६	१४	१५	३	१०	०
३२	२६	५८	४९	५८	९	४२	५९
५५	३५	४१	४८	५	५५	७	४५
५७	३	८९	१३	६१	१	३	५७
३४	२२	२६	३०	३४	५८	११	४०

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३२	३८	श	४३	४०	अ	१७	६	बा	०	४६	३२ ८	५ ३४	६ २६	२२	६	१५	कुम्भे	
२	गु	३५	१८	पू	४७	४९	सु	१७	३	तै	३	५८	४	३५	२५	२३	७	१६	मी३१।४०	मार्गी अनुराधायां १ शनिः ३२।१६
३	शु	३६	५०	उ	५०	३२	धृ	१६	३	व	६	४	०	३६	२४	२४	८	१७	मीने	भ. ६।४ उ. ३६।५० या.
४	श	३७	७	रे	५२	१८	शू	१४	१	ब	६	५८	३१ ५६	३७	२३	२५	९	१८	मे.५२।३८	पूफायां २ गुरुः ३८।१०
५	र	३५	५९	अ	५२	४३	गं	११	५	कौ	६	३३	५२	३८	२२	२६	१०	१९	मेषे	चन्द्रषष्ठी
६	चं	३३	४०	भ	५१	५५	वृ	७	१२	ग	४	३७	४८	३८	२२	२७	११	२०	मेषे	भ. ३३।४० उ. *जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
७	मं	३०	१८	कृ	५०	२	ध्रु	२ १	५४ १६	वि	१	५०	४४	३९	२१	२८	१२	२१	वृ.६।२७	भ.१।५९या. वक्रीभौमः ७।२६ श्रीकृष्ण*
८	बु	२६	४	रो	४७	२८	ह	४९	५०	कौ	२६	४	४०	४०	२०	२९	१३	२२	वृषे	हस्ते बुधः १४/११ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी वै.
९	गु	२१	३	मृ	४४	१०	व	४२	४९	ग	२१	३	३६	४१	१९	३०	१४	२३	मि१५।४९	भ.४८।१५उ. पूफायांरविः२६।३६ अनु.+
१०	शु	१५	२८	आ	४०	१८	सि	३५	२७	वि	१५	२८	३२	४२	१८	३१	१५	२४	मिथुने	भ. १५।२८ या.
११	श	९	३६	पु	३६	१६	व्य	२७	४९	बा	९	३६	२८	४२	१८	१	१६	२५	क.२२।१६	कर्के भृगुः ३४/१० सितम्बर मा. ९ ता. ३०×
१२	र	३	३१	पु	३२	६	व	२०	१२	तै	३	३१	२४	४३	१७	२	१७	२६	कर्के	भ. ५७।२८ उ. प्रदोषः वत्सद्वादशी
१३	र	५३	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +२राहुःकृत्तिकायां४केतुः२४।३०
१४	चं	५१	३८	श्ले	२८	७	प	१२	३७	वि	२४	३३	२१	४४	१६	३	१८	२७	सिं२८।७	भ. २४।३३ या. ×अजा ११ ब्र.
३०	मं	४५	५	म	२४	२२	शि	५ १२	५३ ०	च	१८	२१	१७	४५	१५	४	१९	२८	सिंहे	कुशाग्रहणी सती पूजनं

२०पं.भा.कृ.३शु.इ.९।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	२	७	७	४
७	२७	३	१६	२२	३	१०	७
१६	५८	५१	२०	२	२१	१९	४४
२९	२८	११	५	३०	३४	५१	१५
५७	०	७०	१३	५५	२	३	५७
४५	५६	३४	३२	५१	३०	११	४८

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में सुखशांति और वर्षा होगी। गुरुवार चन्द्रदर्शन रूई चांदीमें घटा बढ़ी अधिक हो।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.कृ.१०शु.इ.९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	२	७	७	४
१४	२६	११	१७	२८	३	९	१४
१	५६	३६	५२	३६	४२	५७	१९
४०	४७	४७	३७	२०	२३	३६	५४
५७	४३	५०	१३	५९	३	३	५८
५७	ब	१५	३८	१५	९	११	८

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षार्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८८४ स.१९५६
१	बु	४१	९	पू	२१	१४	सा	५१	४१	किं	१३	७	३१/१४	५/४५	६/१५	५	२०	२९	कं.३५।३७	पुष्ये भृगुः २।२८
२	गु	३७	६	उ	१८	४५	शु	४५	४८	बा	९	७	१०	४६	१४	६	२१	३०	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	३३	५८	ह	१७	९	शु	४०	४४	तै	५	३२	६	४७	१४	७	२२	१	तु.४६।५२	सफर २ हरितालिका ३
४	श	३१	५८	चि	१६	३४	ब्र	३६	२९	व	२	५८	२	४८	१२	८	२३	२	तुलायां	भ. २।५८ उ. ३१।८ या. गणेश ४
५	र	३१	११	स्वा	१७	५	ऐं	३३	१८	ब	१	३४	३०/५८	४८	१२	९	२४	३	तुलायां	पूफायां ३ गुरुः ५३।३३ ऋषि ५
६	चं	३१	५१	वि	१८	५९	वै	३१	३	कौ	१	३१	५३	४९	११	१०	२५	४	वृ.३।३१	
७	मं	३३	३३	अ	२२	८	वि	२९	४८	ग	२	४२	४९	५०	१०	११	२६	५	वृश्चिके	भ. ३३।३३ उ. वक्री बुधः ५२।४२
८	बु	३६	२६	ज्ये	२६	२६	प्री	२९	३३	वि	४	५९	४४	५१	९	१२	२७	६	ध.२६।२६	भ. ५।० या.
९	गु	४०	२८	मू	३४	४७	आ	३०	५	बा	८	२७	४०	५२	८	१३	२८	७	धनुषि	उफायां रविः ११।१५
१०	शु	४५	१०	पू	३७	३९	सौ	३१	७	तै	१२	४९	३६	५३	७	१४	२९	८	म.५४।१४	*जलझूलनी ११ ब्र. स्मा. वै. उ.गु.
११	श	५०	५	उ	४३	५९	शो	३२	३१	व	१७	३८	३२	५४	६	१५	३०	९	मकरे	भ.१७/३८ उ. ५०।५या. उदयीगुरुः ३०।३६*
१२	र	५५	६	श्र	५०	१३	अ	३४	७	ब	२२	३५	२८	५४	६	१६	३१	१०	मकरे	कन्यायामर्कः ३६/२६ जलझूल. ११ ब्र. नि.+
१३	चं	५९	३९	ध	५३	२०	सु	३५	१५	कौ	२७	२२	२४	५५	५	१७	१	११	कु.२३।१७	आश्लेषायां भगुः ५४।१५ प्रदोषः
१४	मं	६०	०	श	६०	०	धृ	३५	५९	ग	३१	३३	२०	५६	४	१८	२	१२	कुम्भे	अनन्त १४ +श्रा. द्वा. वामन ज.
१४	बु	३	२७	श	१	३०	शू	३५	१७	ब	३	२७	१६	५७	३	१९	३	१३	मी४९।४९	भ. ३।२७ उ. ३४।५१ या. महालया.
१५	गु	६	१५	पू	५	५५	गं	३५	१८	वि	६	१५	१२	५८	२	२०	४	१४	मीने	पश्चिमास्तं बुधः ७।२४ प्रौष्ठपदी.

२२पं.भा.शु.३शु.इ.९।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	३	७	७	४
२०	२५	१७	१९	५	४	९	२१
४८	३९	२१	२२	३१	५	३५	१६
२१	३	३२	५८	७	३३	२०	५९
५८	२/१९	२५	१३	६१	३	३	५८
१२	ब	५०	३८	५३	४९	११	१३

गोचरग्रहाः

६बुचं ४शु ७ ५सूबृ ३ ८शरा २के ९ ११मं १ १० १२

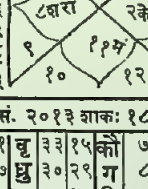

भाद्र.शु. १२रवौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ४न.४ कुमाराव-स्था[बैठी]मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रो.पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

६बु ४शु ७ ५सूबृ ३ ८शरा २के चं९ ११मं १ १० १२

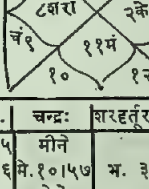

२३पं.भा.शु.१० शु.इ.९।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	३	७	७	४
२७	२४	१९	२०	१२	४	९	२१
३६	१२	५	५५	४०	३३	१३	५
४४	५	५३	२४	३०	३०	५	२१
५८	२/२०	१२/४२	१३	६३	४	३	५८
२९	ब	ब	३४	५५	२७	११	२६

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	७	५२	उ	९	१	वृ	३३	१५	कौ	७	५२	३०/८	५/५८	६/२	२१	५	१५	मीने	
२	श	८	१४	रे	१०	५७	ध्रु	३०	२९	ग	८	१४	४	५९	१	२२	६	१६	मे.१०।५७	भ. ३७।४२ उ.
३	र	७	११	अ	११	३७	व्या	२६	३६	वि	७	११	३०/००	६/०	६/०	२३	७	१७	मेषे	भ. ७।१२ या.
४	चं	४	५६	भ	११	१०	ह	२१	४९	बा	४	५६	२९/५५	६/१	५/५९	२४	८	१८	वृ.२५।४२	
५	मं	१	४२	कृ	९	१७	व	१६	१२	तै	१	४२	५१	२	५८	२५	९	१९	वृषे	भ. ५७।३५ उ. पूफायां ४ गुरुः ३७।१२
६	मं	५५	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	बु	५२	४२	रो	६	४६	सि	९	४७	वि	२५	८	४६	३	५७	२६	१०	२०	मि३७।१६	भ. २५।८ या.
८	गु	४५	११	मृ	३	४६	व्य	२/५५	५२/३८	बा	१८	५६	४२	४	५६	२७	११	२१	मिथुने	हस्तेरविः८।५४ वक्रीउफायांबुधः ४।१२
९	शु	४०	४४	आ	०/९	५५/५२	प	४७	५२	तै	१२	५७	३८	४	५६	२८	१२	२२	क.४२।१	सौभाग्यवतीनां श्राद्धम्
१०	श	३५	२४	पु	५१	५७	शि	४०	११	व	८	४	३४	५	५५	२९	१३	२३	कर्के	भ. ८।४ उ. ३५।२४ या.
११	र	२९	२४	श्ले	४७	५५	सि	३२	३९	ब	२	२४	३०	६	५४	३०	१४	२४	सिं४७।५५	मार्गीभौमः५२/५७ सिंहेभृगुः३६/३२ इंदिरा११ब्र.
१२	चं	२३	३६	म	४४	१०	सा	२५	३५	तै	२३	३६	२६	७	५३	१	१५	२५	सिंहे	अक्टूबर मा. १० ता. ३१ प्रदोषः
१३	मं	१८	९	पू	४०	४९	शु	१७	४८	व	१८	९	२२	८	५२	२	१६	२६	कं.५५।११	भ. १८/९ उ. ४५/४२ या. शस्त्रादिहतानां श्रा.
१४	बु	१३	१६	उ	३८	१८	शु	११	०	श	१३	१६	१८	८	५२	३	१७	२७	कन्यायां	पूर्वोदयीबुधः ३४।४५ पितृकार्येऽमा.
३०	गु	९	१६	ह	३६	२१	ब्र	४/५२	५४/३६	ना	९	१६	१४	९	५१	४	१८	२८	कन्यायां	देवकार्येऽमा.

२४पं.आ.कृ.१शु.इ.९।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	३	७	७	५
४	२२	१५	२२	२०	५	८	४
२६	५५	५१	२५	१०	२	५०	५५
४९	२८	३९	१३	५	२१	५०	१
५८	२/१९	६१/१	१३	६५	४	३	५८
४५	ब	ब	३२	३४	५४	११	३८

गोचरग्रहाः

७ ५बृ शु ४ श ८रा ६सूबृ ९ ३ १० १२चं २के मं११ १

इस मास का फल उत्तम है। कहीं२ बालकों में रोग तथा वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

७ ५बृ ४ श ८र ६सूबृ शु ९ ३चं १० १२ २ के ११मं १

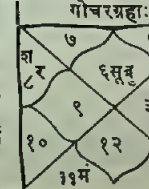

२५पं.आ.कृ. ९शु.इ. ९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	२	७	७	५
११	२१	८	२३	२७	५	८	११
१८	३७	३६	५३	४८	३५	२८	४३
५५	५९	२९	४६	५७	४५	३४	५५
५९	६/३०	७५/९	१३	६६	५	३	५८
०	ब	ब	२०	५९	२०	११	५३

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८	दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुं रविर्दक्षिणेऽर्द्धायणः ९१४ स.१९५६
१	शु ६।१४ चि ३५।२९ वै ५४।५९ बा ६।१४	२९	६	५	५	११	२९	तु.५।५५	चंद्रद. मार्गीबुधः३५।४६ नवरा.घटस्था.●
२	श १८।८ खा ३५।२८ वि ५।२७ कौ ४।१८	६	११	४९	६	२०	१	तुलायां	रविबल ३ ●अभिजिति
३	र ३।३७ वि ३७ २ प्री ४८।५३ ग ३।३७	२	१२	४८	७	२१	२	वृ.२१।४५	भ. ३३।५० उ.
४	चं ४ ४ अ ४०।१४ आ ४५।१८ वि ४	४	२८	१२	४८	८	२२	३	वृश्चिके भ. ४।४ या.
५	मं ६ ७ ज्ये ४४।१३ सौ ४६।४० बा ६	७	५४	१३	४७	९	२३	४	अ.४४।१३ अनुराधायां २ शनिः ४६।३१
६	बु ९ ५ मू ४९।१८ शो ४६।५५ वै ९	५	५०	१४	४६	१०	२४	५	धनुषि चित्रायांरविः १९।३१ सरस्वत्यावाहनम्
७	गु १३।११ पू ५४।५९ अ ४७।४७ व १३	११	४६	१५	४५	११	२५	६	धनुषि भ. १३।११ उ.४५।३४ या. पूफायांभृगुः+
८	शु १७।५७ उ ६० ० सु ४९ १ ब १७	५७	४२	१६	४४	१२	२६	७	म.११।३५ सरस्वती वलिदानम्
९	श २३ ० उ १ २४ धृ ५०।२८ कौ २३	०	२८	१६	४४	१३	२७	८	मकरे सरस्वती विसर्जनम् विजया १०
१०	र २८ ४ श्र ७।४८ शू ५१।४० ग २८	४	३४	१७	४३	१४	२८	९	कु.४०।५० मार्गीहस्तेबुधः१५ विजया।१० पट्टाभिषेके
११	चं ३२ ४५ ध १३।५३ गं ५२।३२ व ०	२४	३०	१८	४२	१५	२९	१०	कुंभे भ. २४ उ. ३५ या. पापांकुशा ११ ब्र.
१२	मं ३९ ३६ श १९।३४ वृ ४४।०२६	१९	४१	१९	४१	१६	३०	११	कुम्भे +५०।१० उफायां १ गुरुः ३२।४३
१३	बु ३९ २८ पू २३।५७ शु ५२ ०	कौ ८	२	२२	२०	४०	१७	३१	१२ मी७।५१ तुलायामर्कः २।१५
१४	गु ४१।११ उ २७ ३२ श्वा ५०।२०	ग १०	१९	१८	२०	४०	१८	१	१३ मीने भ. ४१।११ उ.
१५	शु ४१ ३९ रे ३०।५४ ह ४७ ४७	वि ११	२५	१४	२१	३९	१९	२	१४ मे.३०।५४ भ.११।२५ या. शरत्पूर्णिमा का.स्ना.प्रा.

२६पं.आ.शु.१शु.इ.८।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	४	७	७	५
१८	२१	४	२५	५	६	८	१८
१२	३	०	२३	४२	१४	६	४०
४४	५९	५८	३०	७	४३	१९	९
५९	४७	२४	१३	६८	५	३	५९
१६	मा	ब	१३	७	४७	११	०

२७पं.आ.शु.८शु इ.८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	४	७	७	५
२५	२१	७	२६	१३	६	७	२५
८	४	४२	४७	४१	५४	४४	३५
२६	५	५४	४५	२७	४७	४	६
५५	३	६४	१२	६९	६	३	५९
३१	५३	मा	५३	३	१४	११	२१

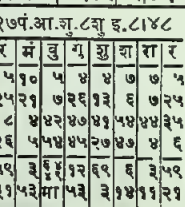

२८पं.आ.शु.१५शु.इ.८।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	५	४	४	७	७	६
२	२१	१६	२८	२१	७	७	२
५	२७	३९	११	४६	३७	२१	३१
५५	१२	३९	१७	४१	१७	४८	३५
५९	६	९१	१२	६९	६	३	५९
४६	५६	४२	३१	५३	२८	११	३४

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुं रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	श ४०।४२ अ ३०।२८ व ४४ ५ बा ११	११	२८	६	३८	२०	३	१५	मेषे
२	र ३८।३१ भ ३०।१९ सि ३९ २८ त ९	३६	६	२३	३७	२१	४	१६	वृ.४४।५७
३	चं ३५।२० कृ २८।५२ व्य २४ ० व ६	५५	२	२४	३६	२२	५	१७	वृषे भ. ६।५५ उ. ३५।२० या. चतुर्थी ब्र.
४	मं ३१।१८ रो २६।३२ व २७	५३	ब	३	१९	५८	२४	३६	२३ ६ १८ मि५५।२७ स्वात्यां रविः ४३।१५ पूर्वास्तं बुधः ४५●
५	बु २६।२६ मृ २४।२३ प २०	५४	त	३	२६	५४	२५	३५	२४ ७ १९ मिथुने उफायां भृगुः २२।९
६	गु २१ २ आ १९।५५ पु १३	३५	व	२१	२	५०	२६	३४	२५ ८ २० मिथुने भ. २१।२ उ. ४८।१० या.
७	शु १५।१७ पु १५।५६ सि ५६	५५	ब	१५	१७	४६	२७	३३	२६ ९ २१ क.१।१६ कन्यायांभृगुः ६।३२ ●चित्रायां बुधः
८	श ९।२० पु १२ ० शु ५०	२५	कौ	९	२०	४२	२८	३२	२७ १० २२ कर्के तुलायां बुधः १८।३१
९	र ३।२५ श्ले ७।४६ शु ४२	४६	ग	३	२५	३८	२८	३२	२८ ११ २३ सिं७।४६ भ. ३०।२३ उ. ५७।२२ या.
१०	र ५३।५७ ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० क्षयः +नवम्बरमा.११ता.३० रूप१४
११	चं ५२।१९ म ३५।३ ब्र ३५	२२	ब	२४	५०	३५	२९	३१	२९ १२ २४ सिंहे रमा ११ ब्र. स्मा.
१२	मं ४७।३३ पू २७।५७ ऐं २८	२३	कौ	१९	४६	३१	३०	३०	३० १३ २५ कं.१४।४४ रमा ११ ब्र. वै. नि.
१३	बु ४३।३० ह ५५।२८ वै २१	५८	ग	१५	३१	२८	३०	३०	३१ १४ २६ कन्यायां भ. ४ उ. स्वा. बुधः १६ प्रदोषः धन१३
१४	गु ४०।४५ चि ५४।२४ वि १६	१८	वि	१२	७	२४	३१	२९	१ १५ २७ तु.२४।५६ भ. १ या. अनु.१ राहुः कृत्ति.३ केतुः १ +
३०	शु ३८।५६ खा ५४।३० प्री ११	३१	च	९	५०	२०	३२	२८	२ १६ २८ तुलायां महालक्ष्मी पू.

२९पं.का.कृ.७शु.इ.८।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	५	४	५	७	७	६
५	२२	२८	२९	०	८	६	९
५	२५	३	३२	२	२०	५९	२९
१८	४५	३	३८	१६	१४	३३	५२
६०	१०	०	१२	७०	६	३	५९
२	५	८	३४	४३	११	४७	

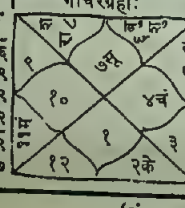

इस मास का फल सामान्य है धान्य रुई गल्ला अफीम गेहूँ, जौ, चावल, मजीठ, मोंठ मंदा होगा।

३०पं.का.कृ.३०शु.इ.८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	५	५	७	७	६
१६	२३	९	०	८	९	६	१६
६	५७	४५	४९	२०	७	३७	२९
२१	१७	१८	४३	५९	४७	१८	४०
६०	१३	०	११	७१	७	३	६०
१८	२०	२	३१	१०	१	११	४

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शरदर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः९४३ स. १९५६
१	श	३८	२१	वि	५५	३८	आं	७	४०	किं	८	३८	२७/१७	६/३३	५/२७	३	१७	२९	वृ.४०।२१	हस्ते भृगुः ३१।४४ अन्नकूटं
२	र	३९	१०	अ	५८	१८	सौ	४	४६	बा	८	४५	१३	३३	२७	४	१८	३०	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् यम २ भ्रातृ २
३	चं	४१	५	ज्ये	६०	०	शो	२	५१	तै	१०	८	१०	३४	२६	५	१९	१	वृश्चिके	रविलाखर ४
४	मं	४४	१७	ज्ये	२	३	अ	१	५४	व	१२	४१	६	३५	२६	६	२०	२	ध. २।३	भ.१२/४१ उ.४४/१७ या. विशाखायां रविः ०/४०
५	बु	४८	२४	मू	६	५३	सु	१	५४	व	१६	२०	३	३५	२५	७	२१	३	धनुषि	
६	गु	५३	१६	पू	१२	३३	धृ	२	३१	कौ	२०	५०	२६/५९	३६	२४	८	२२	४	म.२९।७	विशाखायां बुधः २२।२७
७	शु	५८	२६	उ	१८	४९	शू	३	३३	ग	२५	५१	५६	३७	२३	९	२३	५	मकरे	भ. ५८।२६ उ. अनु. ३ शनिः ५०।४९
८	श	६०	०	श्र	२५	१३	गं	४	५५	वि	३१	०	५२	३८	२२	१०	२४	६	कु.५८।१७	भ.३१।० या. अस्तंशनिः ४२।४६ गो.८
८	र	३	३५	ध	३१	२१	वृ	५	१३	व	३	३५	४९	३८	२२	११	२५	७	कुम्भे	
९	चं	८	१८	श	३७	३	ध्रु	७	९	कौ	८	१८	४६	३९	२१	१२	२६	८	कुम्भे	*भृगुः३०।३ प्रबोधिनी११ब्र. तुलसी वि.
१०	मं	१२	१५	पू	४१	५१	व्या	७	४	ग	१२	१५	४३	३९	२१	१३	२७	९	मी२५।३९	भ. ४३।४१ उ.
११	बु	१५	७	उ	४५	३४	ह	६	५२	वि	१५	७	४०	४०	२०	१४	२८	१०	मीने	भ.१५।७ या. वृश्चिकेबुधः ३६/३९ चित्रायां*
१२	गु	१६	५२	रे	४७	५८	व	५	२७	बा	१६	५२	३७	४१	१९	१५	२९	११	मे.४७।५८	वृश्चिकेऽर्कः ५५।१ प्रदोषः
१३	शु	१७	१९	अ	४९	१३	सि	३/५	५६/३८	तै	१७	१९	३४	४१	१९	१६	१	१२	मेषे	अनु. बुधः ३६/५३ उफायां ३ गुरुः ५६/२८ वै.१४
१४	श	१५	२३	भ	४९	१९	व	५५	१८	व	१५	२२	३१	४३	१८	१७	२	१३	मेषे	भ. १५।२३ उ. ४४।४८ या.
१५	र	१४	१३	कृ	४८	३	प	४९	५६	व	१४	१३	२९	४२	१८	१८	३	१४	वृ.४।१५	पुष्कर यात्रा का. स्ना. पू.

३१पं.का.शु.७शु.इ. ८।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	५	५	७	७	६
३	२५	२१	२	१६	९	६	२३
८	४९	१६	३	४८	५४	१५	३१
५९	५	३७	८	३९	५५	२	१
६०	१७	०/०	१०	७१	७	३	६०
३०	२३	५०	५८	३७	८	११	१७

गोचरग्रहाः

कार्तिक शु. १२ गुरा वृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. २ नं. ४ युवावस्था (सूती) मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयंपू.।

गोचरग्रहाः

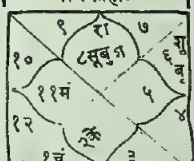

३२पं.का.शु.१३शु.इ.७।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	५	५	७	७	७
०	२८	२	३	२५	१०	५	०
१३	२०	३१	११	१०	४४	५२	३३
४	१९	४४	४४	१७	४१	४७	४९
६०	१९	२९	१०	७१	७	३	६०
४०	२०	४९	१२	५७	१६	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णे तिमहाराष्ट्रा
१	चं	११	४	रो	४५	५९	शि	४३	५०	कौ	११	४	२६/२६	६/४३	५/१७	१९	४	१५	वृषे	अनु. रविः १२।४६ तुलायां भृगुः ५६/३७
२	मं	७	२	मृ	४३	१०	सि	३७	६	ग	७	२	२४	४३	१७	२०	५	१६	मि१४।३४	भ. ३४।३६ उ.
३	बु	२	११	आ	३९	३८	सा	२९	४७	वि	२	११	२१	४४	१६	२१	६	१७	मिथुने	भ. २।११ या. मीने भौमः १२।०
४	बु	५४	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	गु	५१	८	पु	३५	४१	शु	२२	१३	कौ	२३	५८	१९	४४	१६	२२	७	१८	क.२१।४०	
६	शु	४५	१७	पु	३१	३९	शु	१५	२६	ग	१८	१२	१६	४५	१५	२३	८	१९	कर्के	भ. ४५।१७ उ.
७	श	३९	२६	श्ले	२७	२९	ब्र	६/३८	५२/१२	वि	१२	२१	१४	४५	१५	२४	९	२०	सिं२७।२९	भ. १२।२२ या.
८	र	३३	४७	म	२३	३०	वै	५१	१८	बा	६	३६	११	४६	१४	२५	१०	२१	सिंहे	ज्येष्ठायां बुधः १।३७ स्वात्यां भृगुः ३८/२४
९	चं	२८	३६	पू	२०	१	वि	४४	६	तै	१	११	९	४६	१४	२६	११	२२	कं.३४।१५	भ. ५६।१४ उ.
१०	मं	२३	५३	उ	१६	५७	प्री	३७	२९	वि	२३	५३	६	४७	१३	२७	१२	२३	कन्यायां	भ. २३।५३ या.
११	बु	२०	८	ह	१४	४२	आ	३१	३१	बा	२०	८	४	४७	१३	२८	१३	२४	तु.४४।३	उत्पत्ति ११ ब्र.
१२	गु	१७	१९	चि	१३	२५	सौ	२६	२५	तै	१७	१९	१	४८	१२	२९	१४	२५	तुलायां	उभायां भौमः ८।४५ प्रदोषः
१३	शु	१५	३८	स्वा	१३	१३	शो	२२	११	व	१५	३८	२५/५८	४८	१२	३०	१५	२६	वृ.५८।५७	भ. १५।३८ २. ४५।२४ या.
१४	श	१५	११	वि	१४	१२	अ	१८	५५	श	१५	११	५६	४९	११	१	१६	२७	वृश्चिके	दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
३०	र	१६	५	अ	१६	४२	सु	१६	३९	ना	१६	५	५४	४९	११	२	१७	२८	वृश्चिके	ज्येष्ठायां रविः १९।४५ रविग्रहणम्

३३पं.मा.कृ.६ शु.इ.७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	५	६	७	७	७
७	०	१३	४	३	११	५	७
१८	४०	३३	१६	५०	३३	३०	३७
३८	४६	१८	३	१७	४४	३१	४२
६०	२१	९८	९	७२	७	३	६०
५३	९	२५	२७	२०	२०	११	४२

गोचरग्रहाः

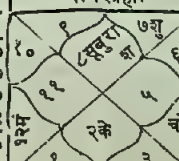

इस मास में पांच सोमवार प्रजा में सुख शांति फल कारक है। रुई अलसी गेहूँ चना में घटाबढ़ी हो।

गोचरग्रहाः

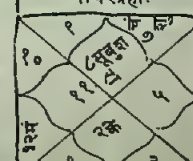

३४पं.मा.कृ.१३शु.इ.७।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	५	६	७	७	७
१४	३	२५	५	१२	१२	५	१४
२५	४३	४१	१३	२१	२३	८	४२
२३	११	४५	५४	३	५२	१६	५६
६१	२३	९६	८	७२	७	३	६०
३	४२	४३	३४	४३	२०	११	५०

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ९७३ सन् १९५६
१	चं	१८	१६	ज्ये	१९	५५	धृ	१५	१६	ब	१८	१६	३५	५०	१०	५	३	१८	२९	ध.१९।५५	चन्द्रद. धनुषि बुधः ५२।२८
२	मं	२१	३५	मू	२४	३४	शू	१५	०	को	२१	३५	५१	५०	१०	४	१९	१		धनुषि	जमादिलावल ५
३	बु	२५	५४	पू	३०	७	गं	१५	२५	ग	२५	५४	४९	५०	१०	५	२०	२		म.४६।३९	भ. ५८।२३ उ.
४	गु	३०	५२	उ	३६	१६	वृ	१६	२२	व	३०	५२	४८	५०	१०	६	२१	३		मकरे	भ.३०।५२या. पश्चिमोदयीबुधः३८।१८*
५	शु	३६	२	श्र	४२	३५	ध्रु	१६	३४	ब	३	२७	४६	५१	९	७	२२	४		मकरे	अनुराधायां ४ शनिः ५७।०
६	श	४१	११	ध	४८	५५	ष्या	१८	५१	को	८	३६	४५	५१	९	८	२३	५		कु.१५।४५	*विशाखायां भृगुः १३।४४
७	र	४६	३	श	५४	४७	ह	२०	१	ग	१३	३७	४३	५१	९	९	२४	६		कुम्भे	भ. ४६।३ उ.
८	चं	४९	५३	पू	५९	४३	व	२०	१३	वि	१७	५८	४२	५२	८	१०	२५	७		मी४३।२९	भ. १७।५८ या.
९	मं	५३	४४	उ	६०	०	सि	२०	८	बा	२१	४८	४१	५२	८	११	२६	८		मीने	कल्पादिः
१०	बु	५४	२४	उ	३	४४	व्य	१८	५६	तै	२४	४	४०	५२	८	१२	२७	९		मीने	पूषायांबुधः ३५ उफायां ४ गुरुः १६।२४
११	गु	५४	५१	रे	६	४१	व	१६	४७	व	२४	३७	३९	५२	८	१३	२८	१०		मे.६।४१	भ.३४ उ.५५ या. मोक्षदा ११ब्र. स्मा वैं.
१२	शु	५३	५४	अ	८	१	प	१३	४३	ब	२४	२२	३८	५२	८	१४	२९	११		मेषे	उदयीशनिः१५।८ वृश्चिके भृगुः १८।५८×
१३	श	५१	४१	भ	८	१९	शि	९	३४	को	२२	४८	३८	५२	८	१५	३०	१२		वृ.२३।५	धनुष्यर्कः ३३० ×मोक्षदा ११ब्र. नि.
१४	र	४८	३३	कृ	७	२३	सि	२९	५४	ग	२०	७	३७	५३	७	१६	१	१३		वृषे	भ. ४८।३३ उ. पिशाचमोचन श्रा.
१५	चं	४४	३९	रो	५	२८	शु	५२	५	वि	१६	३१	३७	५३	७	१७	२	१४		मि३४।६	भ. १६।३१ या. अनुराधायां भृगुः २।५१

३५पं.मा.शु.५श्.इ.७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०७	११	८	५	६	७	७	७
२१	७	५	६	२१	१३	४	२१
२३	३	४	६	५	१३	४६	४९
१०	४७	५९	१४	२	५५	६	६
६१	२५	९३	७	७२	७	३	६०
११	५३	५७	३२	५६	२०	११	५६

गोचरग्रहाः

मार्गशीर्ष शु. १ शनौ धनुष्यर्कः प्र. वा.३न.३ युवावस्था (सूती) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

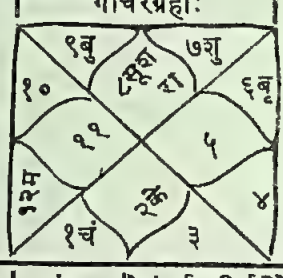

३६पं.मा.शु.१ २श्.इ. ७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	५	६	७	७	७
२८	१०	१५	६	२९	१४	४	२८
४१	३५	३६	५२	४५	३	२३	५५
५३	१६	३६	१	२५	१४	४५	५०
६१	२८	८८	६	७३	७	३	६१
१९	९	४३	३२	१४	१२	११	०

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३९	३७	मृ	४५	४२	शु	४५	०	बा	१२	३	३५	५६	५	१८	३	१५	मिथुने	आर्द्रा. क्षयः ५६।४२
२	बु	३४	१६	पु	५५	३८	ब्र	३७	४१	तै	६	५०	३६	५३	७	१९	४	१६	क.४१।३५	
३	गु	२८	३७	पु	५१	३५	पैं	२९	४५	व	१	२६	३६	५३	७	२०	५	१७	कर्के	भ. १।२६ उ. २८।३७ या.
४	शु	२२	४३	श्ले	४७	२७	वै	२१	५६	बा	१२	४३	३६	५३	७	२१	६	१८	सिं४७।४७	
५	श	१६	५५	म	४३	२६	वि	१४	८	तै	१६	५५	३६	५३	७	२२	७	१९	सिंहे	उषायां बुधः
६	र	११	२१	पू	३९	५०	प्री	२६	५३	व	११	२१	३७	५३	७	२३	८	२०	कं.५४।२	भ. ११।२१ उ. ३८।१७ या.
७	चं	५	१४	उ	३६	३६	सौ	५२	१८	ब	५	१४	३७	५३	७	२४	९	२१	कन्यायां	मकरे बुधः १२।५८
८	मं	१	४३	ह	३४	१४	शो	४६	२	को	१	४३	३७	५३	७	२५	१०	२२	कन्यायां	रेवत्यां भौमः ४।२०
९	मं	५६	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१०	बु	५५	२४	चि	३३	०	अ	४०	३७	व	२६	४४	३८	५२	८	२६	११	२३	तु.३।३७	भ. २६।४४ उ. ५५।२४
११	गु	५६	४९	खा	३२	१३	सु	३६	४	ब	२४	३६	३८	५२	८	२७	१२	२४	तुलायां	ज्येष्ठायां भृगुः३५ सफला११ब्र. स्मा.वैं.
१२	शु	५३	२८	वि	३२	५५	धृ	३२	३३	को	२३	३९	३८	५२	८	२८	१३	२५	वृ.१७।४५	पूषायां रविः २५।७ सफला ११ ब्र. नि
१३	श	५४	३४	अ	३४	५०	शू	२९	५१	ग	२४	१	३९	५२	८	२९	१४	२६	वृश्चिके	भ. ५४।३४ उ. प्रदोषः
१४	र	५६	४०	ज्ये	३३	६	गं	२८	१०	वि	२५	३७	३९	५२	८	३०	१५	२७	ध.३८।६	भ. २५।३७ या.
१५	चं	५०	०	मू	४२	३०	वृ	२७	३३	च	२८	२८	४०	५२	८	३१	१६	२८	धनुषि	
३०	मं	०	१७	पू	४७	५१	ध्रु	२७	४२	ना	०	१७	४१	५२	८	१	१७	२९	धनुषि	वक्रीबुधः १८ जनवरी मा.१ता.३१सन्५७

३७पं.पौ.कृ.४ शु.इ.६।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	५	७	७	७	८
५	१४	२५	७	८	१४	४	६
५१	१८	२४	२९	२७	५०	१	३
१९	१९	५०	४९	४१	५१	३०	३३
६१	२९	७६	५	७३	७	३	६१
२२	११	२६	२०	२१	२	११	५

गोचरग्रहाः

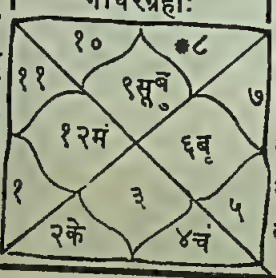

इस मास में सामान्य फल रहेगा गुड़ खांड शक्कर तिल तेल घृत बिनोला नमक चांदी अलसी तेज होगी ।

गोचरग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.१२शु इ.६।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	५	७	७	७	८
१३	१८	२	७	१७	१५	३	१३
१	१२	५२	५८	१३	३४	३९	११
१२	१९	४४	४८	१९	१६	१५	३२
६	३०	४४	४	७३	६	३	६१
२६	२२	२०	११	३५	४७	११	६

*शशुरा ×शराशु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०१३	शाकः १८७८	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १००३ स. १९५७
१	बु	४।४१	उ	५३।५५	व्या	२८।२५	ब	४।४१	३५	५३	५१	३।१८।३०	म.४।२२ चन्द्रदर्शनम्
२	गु	९।४१	श्र	६० ०	द्व	२९।३७	को	९।४१	४३	५१	९	३।१९	१ मकरे	जमादिलाखर६ विशाखायां४राहुः कृति-×
३	शु	१४।५८	श्र	०।१८	च	३०।४२	ग	१४।५८	४४	५१	९	४।२०	२ कुं.३३।१३	भ.४७।३७ उ. पश्चिमास्तं बुधः १०।५४
४	श	२०।१६	ध	६ ९	त्रि	३१।५६	वि	२०।१६	४५	५१	९	५।२१	३ कुम्भे	भ. २०।१६ या. ×कायां२ केतुः ४८
५	र	२४।५१	श	१३ २	व्य	३२।३४	बा	२४।५१	४७	५१	९	६।२२	४ कुम्भे	ज्येष्ठायां १ शनि. ४७।१८
६	चं	२८।४४	पू	१७।४९	व	३२।२६	ते	२८।४४	४८	५०	१०	७।२३	५ मी.३१।३७	धनुषि मृगुः १८।२४
७	मं	३१।३३	उ	२२ ९	प	३१।५१	ग	० ८	५०	५०	१०	८।२४	६ मीने	भ. ३१।३३ उ. वक्री धनुषि बुधः३८।६
८	बु	३३ ७	रे	२४।४३	शि	२९।५१	वि	२।२०	५२	५०	१०	९।२५	७ मे.२४।४३	भ. २।२० या.
९	गु	३६।२८	अ	२७ १	स्वि	२७।१८	बा	३।१७	५४	४९	११	१०।२६	८ मेषे	उषायांरविः२६।३५ वक्रीपूषायांबुधः४४
१०	शु	३२।२७	भ	२८।३६	सा	२३।३३	ते	२।५७	५६	४९	११	११।२७	९ वृ.४३।१३	
११	श	३०।१२	भ	२७ ३	श	३।१५	व	१।१९	५८	४८	१२	१२।२८	१० वृषे	भ.१।१९उ.३२या. पुत्रदा११व्र. मन्वादिः
१२	र	२६।५७	रो	२५।२८	शु	१३।१६	बा	२६।५७	२६	४८	१२	१३।२९	११ मि५४।१०	मकरेऽर्कः ४२।२ प्रदोषः
१३	चं	२२।५०	मृ	२२।५१	ब्र	६।५७	ते	२२।५०	३	४७	१३	१४ १	१२ मिथुने	
१४	मं	१७ ८	आ	१९।३६	वै	७।५२	व	१७ ८	५	४७	१३	१५ २	१३ मिथुने	भ. १७।८ उ. ४४।४८ या.
१५	बु	१२।२९	पु	१५।५७	वि	४५।२३	ब	१२। ९	८	४६	१४	१६ ३	१४ क.१।५२	पूर्वोदयं बुधः ३१।३० मा. स्ना. प्रा.

३९पं.पौ.शु.३शु.इ.६।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	५	७	७	७	८
२०	२२	३	८	२५	१६	३	२०
११	२७	२६	१७	५९	२२	१६	१९
७	४२	१७	३१	१०	२३	५९	३७
६१	३१	२३	२	७३	६	३	६१
२६	४१	ब	५१	४८	३१	११	६

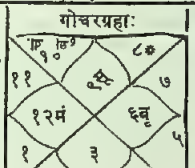

पौष शु.१२ रवौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३ गत.ल्कावस्था (ऊर्ध्वा) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वः।

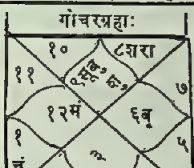

४०पं.पौ.शु.१०शु.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	५	८	७	७	८
२७	२६	२६	८	४	१७	२	२७
२१	२०	४	२८	४१	५	५४	२७
१	९	३०	५०	१३	२१	४४	४२
६१	३१	९५	१	७३	६	३	६१
२४	३३	ब	२१	५६	१७	११	६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं. २०१३	शाकः १८७८	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	६।४८	पु	११।५५	प्री	३७।२०	को	६।४८	३६	४६	१५	१७ ४ १५	कर्के	अश्विन्या मेषे भौमः १४।१९
२	शु	०।५६	श्ले	७।४७	आ	२९।२६	ग	०।५६	१२	४६	१४	१८ ५ १६	सिं७।४७	भ.२८।३ उ.५५या.वक्री गुरु ३६ पूषायां+
३	शु	५४।१४		० ०		० ०		० ०		०		०	०	क्षयः +भृगुः १।३८
४	श	४८।४०	म	३ ४६	सौ	२१।४९	ब	२१।५५	१५	४५	१५	१९ ६ १७	सिंहे	चतुर्थी व्रतम्
५	र	४४।३५	पू	९ ५६	शो	१४।१६	कौ	१६।३८	१७	४५	१५	२० ७ १८	कं.१४।१५	अभिजित्प्रवृत्तो रविः १३।३९
६	चं	४०। ९	ह	५४।१९	अ	७।१३	ग	१२।२२	२०	४४	१६	२१ ८ १९	कन्यायां	भ. ४०।९
७	मं	३६। ३६	त्रि	५२।२५	सु	५४ ५४	वि	८।२२	२३	४४	१६	२२ ९ २०	तु.२३।२२	भ. ८।२२ या. मार्गी बुधः ४९।९
८	बु	३४ १	स्वा	५१।४२	शू	५०।१९	बा	५।१८	२५	४३	१७	२३ १० २१	तुलायां	श्रवणे रविः २९।१९
९	गु	३२ ३३	वि	५२।१३	गं	४६।३१	ते	३।१७	२७	४३	१७	२४ ११ २२	वृ.३७।५	पातस्पर्शः ३६ अभिजित्निवृत्तो रविः ३४
१०	शु	३२।२८	अ	५३।४७	वृ	४३।२८	व	२।३१	३०	४२	१८	२५ १२ २३	वृश्चिके	भ.२।२१ उ.३२ या. पातमोक्षः १०।२३
११	श	३३ ३२	ज्ये	५६।४९	धु	४१।३१	ब	३ ०	३३	४१	१९	२६ १३ २४	व.५६।४९	षट्तिला ११ व्र,
१२	र	३५।५४	मू	६० ०	ध्या	४०।३१	को	४।४३	३६	४१	१९	२७ १४ २५	धनुषि	
१३	चं	३९।२७	मू	० ५४	ह	४०।२५	ग	७।३९	३९	४०	२०	२८ १५ २६	धनुषि	भ.३६।२७ उषायां भगुः ३८।१८ प्रदोषः
१४	मं	४३।५७	पू	६ ५	व	४१ ९	वि	११।४२	४२	४०	२०	२९ १६ २७	म.२२।३४	भ. १०।४२ या.
३०	बु	४९ ०	उ	१२ ०	शु	४२।५५	च	१६।२९	४५	३९	२१	३० १७ २८	मकरे	युगादिः

४१पं.मा.कृ.२शु.इ.६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	५	८	७	७	९
४	०	१८	८	१३	१७	२	४
३०	२९	५५	३१	२६	४५	३२	३५
२९	१	५१	३६	६	३८	२८	३३
६१	३३	३३	३	४	७३	५	३	६१
१९	३१	ब	०	५६	५०	११	३

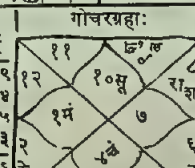

इस मासमें धान्य मन्दा हो। मूंगा रक्तवर्ण की वस्तु गुड़, शक्कर, गेहूँ तेज वर्षा होगी।

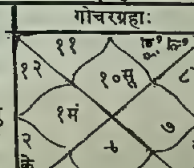

४२पं.मा.कृ.१०शु.इ.६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	५	८	७	७	९
११	४	१८	८	२२	१८	२	११
३२	४५	४१	२४	१२	२३	१०	३२
२०	४९	४९	२	२	२२	१३	५९
६१	३४	२२	३	७४	५	३	६०
१३	१९	मा	ब	२	२३	११	५९

●राशुश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) +चंशरा

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः १०३२ स. १९५७
१	गु ५४ १४ श्र १८ २१ व्य ४३ ३३ किं २१ ३७ ३६	६	२	५	३१	१८	३०	कुं.५१।३४	
२	शु ५९ १९ ध २४ ४८ व ४४ ३२ वा २६ ४६ ५२	३८	२२	१	१९	१		कुंभे	चन्द्रदर्शनम् मकरे भृगुः २०।१० फरवरी×
३	श ६० ० श ३१ २६ प ४५ २७ त्रै ३१ ३९ ५५	३७	२३	२	२०	२		कुम्भे	रज्जव ७ ×मा. २ ता. २८
४	र ३ ५९ पू ३६ १८ शि ४५ ४१ ग ३ ५९ ५९	३६	२४	३	२१	३		मी २०।५	भ. ३५।५५ उ. तिल ४
५	चं ७ ५१ उ ४० ४९ सि ४५ १३ वि ७ ५१ २७	३६	२४	४	२२	४		मीने	भ.७।५१या. मार्गी उपायां बुधः २३।५८
६	मं १० २८ रे ४४ १५ सा ४३ ४७ बा १० २८ ३	३५	२५	५	२३	५		मे. ४४।१५	धनिष्ठायां रविः ३५ अभिजित्प्रवृत्तो भृगुः +
७	बु ११ ५७ अ ४६ १२ शु ४१ २६ त्रै ११ ५७ ९	३४	२६	६	२४	६		मेषे	
८	गु १२ ६ भ ४७ १२ शु ३७ ५१ व १२ ६ १३	३३	२७	७	२५	७		मेषे	भ. १३ उ. ४३ या. मकरे बुधः ७।३६ रथ ७
९	शु १२ ५९ कृ ४६ ५८ ब्र ३३ ० ब १० ५९ १६	३३	२७	८	२६	८		वृ. २।८	भरण्यांभौमः ३१ श्रवणे भृगुः ३१ भीष्माष्टमी
१०	श ८ ३७ रो ४५ २५ वै २८ २४ कौ ८ ३७ २०	३२	२८	९	२७	९		वृषे	अभिजित्रिवृत्तो भृगुः ४।१८
११	र ५ ७ मृ ४३ ३ वै २२ २४ ग ५ ७ २३	३१	२९	१०	२८	१०		मि १४।१४	भ. ३३।० उ. +३९ बसंत ५
१२	चं ० ५२ आ ३९ ५८ वि १५ ४४ वि ० ५२ २७	३१	२९	११	२९	११		मिथुने	भ. ०।५२ या. जया ११ ब्र.
१३	चं ५५ ८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१४	मं ५० ३२ पु ३६ २९ प्री ८ ३२ कौ २३ ४६ ३०	३०	३०	१२	३०	१२		क. २२।२१	कुम्भेऽर्कः ५ अभिजित्प्रवृत्तो बुधः ३५ प्रदोषः
१५	बु ४३ ४६ पु ३२ ३१ आ २ ५२ ग १७ ३९ ३४	२९	३१	१३	१	१३		कर्के	भ. ४४।४६ उ.
१६	गु ३८ ५५ श्ले २८ २७ शे ४५ ३० वि ११ ५० ३८	२८	३२	१४	२	१४		सिं २८।२७	भ. ११।५० या. श्रवणे बुधः ५३।२५

४३पं. मा.शु.२शु.इ.६।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	५	९	७	७	९
१८	८	२३	८	०	१८	१	१८
४७	५६	५५	६	५७	५७	४७	४९
२०	३०	३०	१७	३५	२४	५८	३२
६१	३५	५०	३	७४	४	३	६०
४	१	३	ब	८	५६	११	५५

गोचरग्रहाः

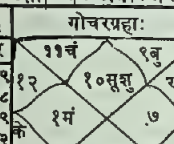

माघ शु. १३ भौमे
कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२
नं. ३गतालकावस्था
(ऊभौ) मु. ४५
(धान्याभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्वं. ।

गोचरग्रहाः

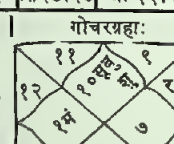

४४पं.मा.शु.८ शु.इ.६।५६

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	५	९	७	७	९
२५	१३	१	७	९	१९	१	२५
५४	११	८	४१	४२	२५	२५	५५
८	१९	२७	५३	२१	२३	४२	१९
६०	३५	६९	३	७४	४	३	६०
५५	२६	१३	ब	१४	२७	११	४७

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तुः रवितुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ३३ १५ म २४ २६ अ ३७ ३२ बा ६ ५	२७	२८	३	१५	३	१५	सिंहे	अभिजित्रिवृत्तो बुधः ३२।१४
२	श २७ ३७ पू २० ३४ सु ३० ८ त्रै ० २६	४६	२७	३३	१६	४	१६	कं.३४।४४	भ.५४।३५उ. ज्येष्ठायां २ शनिः ४९।११
३	र २१ ३३ उ १७ १३ धृ २२ ५७ वि २१ ३३	५०	२६	३४	१७	५	१७	कन्यायां	भ. २१।३३ या.
४	चं १८ १० ह १४ २८ शू १६ ३२ बा १८ १०	५४	२५	३५	१८	६	१८	तु.४३।२७	शते रविः ४४।२८ =मार्च मा.३ ता.३१
५	मं १४ २७ चि १२ २६ गं १० ४७ त्रै १४ २७	५८	२४	३६	१९	७	१९	तुलायां	धनिष्ठायां भृगुः ०।५४
६	बु १२ ७ स्वा ११ ३० वृ ५ ३६ व १२ ७	२६	२४	३६	२०	८	२०	वृ.५६।४१	भ.१२।७उ.३५या. वक्रीउफायां ३गुरुः ५६
७	गु १० ४० वि ११ ४५ धु २४ ५६ ब १० ४०	६	२३	३७	२१	९	२१	वृश्चिके	
८	शु १० २९ अ १३ ६ ह ५६ ० कौ १० २९	१०	२२	३८	२२	१०	२२	वृश्चिके	
९	श ११ ४४ ज्ये १५ ४८ व ५४ ४४ ग ११ ४४	१४	२१	३९	२३	११	२३	ध.१५।४८	भ. ४२।५७ उ. ●भृगुः २३।१९
१०	र १४ १० मू २० १० सि ५४ २४ वि १४ १०	१८	२०	४०	२४	१२	२४	धनुषि	भ. ३४ या. धनिष्ठायां बुधः ४।८ कुम्भे●
११	चं १७ ४५ पू २४ ३७ व्य ५४ ५१ बा १७ ४५	२२	२०	४०	२५	१३	२५	म.४१।२	विजया ११ ब्र. भृगोर्वृद्धत्वारंभः २२।१२
१२	मं २२ १३ उ ३० १९ व ५५ ४९ त्रै २२ १३	२६	१९	४१	२६	१४	२६	मकरे	प्रदोषः ×महाशिवरात्रि ब्र. वै.
१३	बु २७ १२ श्र ३६ ४१ प ५७ १० व २७ १२	३०	१८	४२	२७	१५	२७	मकरे	भ. ३३ उ. ५९ या. महाशिवरात्री ब्र.स्मा.
१४	गु ३२ २६ ध ४२ ५६ शि ५८ २५ श ३२ २६	३४	१७	४३	२८	१६	२८	कु.९।४८	पूर्वास्तं भृगुः ३३ कुम्भे बुधः ५६× पू.अ.भृ
२०	शु ३७ २५ श ४९ २१ सि ५९ ३० च ४	५५	२८	१६	४४	१	१७	२९	कुम्भे कृत्तिकायां भौमः ४६।४ शते भृगुः ५०=

४५पं. फा.कृ.१शु.इ.७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	५	९	७	७	१०
३	१७	१०	७	१८	१९	१	३
०	२५	१८	७	२७	५३	३	०
११	३७	५४	३६	५६	३४	२७	६
६०	३५	८२	१	७४	३	३	६०
४२	५६	२५	ब	२०	४७	११	३७

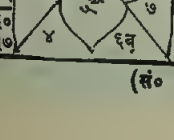

४६पं.फा.कृ.८शु.इ.७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	५	९	७	७	१०
१०	२२	२०	६	२७	२०	०	१०
४	११	९	२८	११	१६	४१	३
४३	४९	४४	१२	२४	४५	१२	३६
६०	३६	९२	२	७४	३	३	६०
३१	१३	४०	ब	२६	६	११	२५

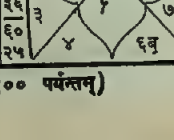

४७पं.फा.कृ.३०शु.इ.७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	५	१०	७	७	१०
१७	२६	१	५	५	२०	८	१७
७	१६	९	४२	४७	३५	१८	५
३२	३२	२	४९	२२	१९	५६	४७
६०	३६	०	८	७४	२	३	६०
२०	४२	५५	ब	२६	२५	११	३२

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १०६२ स. १९५७
१	श	४१	५८	पू	५५	२	सा	६०	०	किं	९	४१	२६/४२	६/१६	५/४४	२	१८	२९	मी ३८।३७	
२	र	४५	४१	उ	५९	४७	सा	०/२	५९/५२	बा	१३	४९	४६	१५	४५	३	१९	३०	मीने	चन्द्रदर्शनम् पूभायां रविः ५९/१६ फुलरिया २
३	चं	४८	१६	रे	६०	०	शु	५८	२८	तै	१६	५८	५०	१४	४६	४	२०	१	मीने	सावान ८ शते बुधः २४।४९
४	मं	४९	३६	रे	३	२६	ब्र	५६	४४	व	१८	५६	५४	१३	४७	५	२१	२	मे. ३।२६	भ. १६/५६ उ. ४९।३६ या. पूर्वास्तं बुधः ४४/१६
५	बु	४९	३८	अ	५	४९	ऐं	५३	३८	ब	१९	३७	५८	१२	४८	६	२२	३	मेषे	वृषे भौमः ५५।२८
६	गु	४८	२१	भ	७	२	वै	५०	२	कौ	१८	५९	२९/२	१२	४८	७	२३	४	बृ. २२।२	विशाखायां ३ तुलायां राहुः कृत्तिकायां १●
७	शु	४५	४९	कृ	७	३	वि	४४	४५	ग	१७	५	६	११	४९	८	२४	५	वृषे	भ. ४५।४९ उ. ●मेषे केतुः ५।३२
८	श	४२	२१	रो	५	४७	प्री	३९	३	वि	१४	५	१०	१०	५०	९	२५	६	मि ३४।४१	भ. १४।५ या. होलाष्टकम्
९	र	३८	०	मृ	३	३६	आ	३३	४०	बा	१०	१०	१४	९	५१	१०	२६	७	मिथुने	
१०	चं	३२	५१	आ	०/५७	५६/३०	सौ	२५	४९	तै	५	२५	१७	८	५२	११	२७	८	क. ४२।५८	
११	मं	२७	१९	पु	५३	२२	शो	१८	२६	व	०	५	२३	७	५३	१२	२८	९	कर्के	भ. ०।५उ २७/१९ या. पूभायांबुधः ७/१३ पूभायां×
१२	बु	२१	२९	श्ले	४९	१७	अ	११	२०	बा	२१	२९	२७	७	५३	१३	२९	१०	सिं ४९।१७	मीनेऽर्कः ५९।३४ प्रदोषः
१३	गु	१५	४५	म	४५	१४	सु	३/७	५३/२२	तै	१५	४५	३२	६	५४	१४	१	११	सिंहे	
१४	शु	९	४४	पू	४१	२४	शू	४७	५८	व	९	४४	३६	५	५५	१५	२	१२	कं. ५५।३२	भ. ९।४४ उ. ३६/५८ या. होलिकादहनं
१५	श	४	१३	उ	३७	५५	गं	४०	४३	ब	४	१३	४०	४	५६	१६	३	१३	कन्यायां	छारेंडी ×भृगुः २४/५७ आमलकी ११ ब्र.

४८पं.फा.शु.७शु.इ. ८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	५	१०	७	६	१०
२४	०	१३	४	१४	२०	२९	२४
८	४४	३	५१	४०	४८	५६	६
५४	४५	३८	२८	४	५३	४१	३२
६०	३६	४/५०	७/४०	७४	१	३	५९
५	५९	५०	ब	२६	४४	११	५८

गोचरग्रहाः

१२ १० ९ १ के ११सू बु शु २मंच ८श ७ रा ५ ३ ४ ६बृ

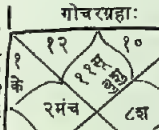

फाल्गुन शु. १२ बुधे मीनेऽर्कः प्र. वा. २न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

१के ११शुबु २ १२सू १० मं ९ ३ ४ श ६बृ ८ ५चं ७रा

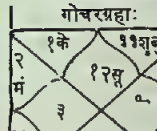

४९पं.फा.शु.१४शु.इ ८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	५	१०	७	६	११
१	५	२५	३	२३	२०	२९	१
८	१	४७	५७	२३	५७	३४	५
३६	५४	५६	३८	१	९	२५	४४
५९	३७	४/५०	७/५२	७४	१	३	५९
४९	१८	१४/१४	ब	३२	४	११	४१

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
२	र	५४	४०	ह	३५	१	वृ	३४	१२	तै	२६	५३	२९/४४	६/३	५/५७	१७	४	१४	कन्यायां	सव्वरात उभायां रविः २०/१२ मीने बुधः १९/३६
३	चं	५१	८	चि	३२	१५	ध्रु	१७	५५	व	२२	५४	४९	२	५८	१८	५	१५	तु. ३।३८	भ. २२।५४ उ. ५१।८ या.
४	मं	४८	३४	स्वा	३१	३४	व्या	२२	४२	ब	१९	५१	५३	१	५९	१९	६	१६	तुलायां	उभायांबुधः ६।१६ वक्रीउफायां २गुरुः ५९/११
५	बु	४७	८	वि	३१	३५	ह	१८	२३	कौ	१७	५१	५७	१	५९	२०	७	१७	बृ. १६।३५	मीने भृगुः २८।३
६	गु	४६	५५	अ	३२	४१	व	१३	५८	ग	१७	१	३०/१	६/००	६/००	२१	८	१८	वृश्चिके	भ. ४६।५५ उ.
७	शु	४८	७	ज्ये	३५	१९	सिं	१२	२८	वि	१७	३१	६	५/५९	६/१	२२	९	१९	ध. ३५।१९	भ. १७/३१ या. रोहिण्यां भौमः ५३/१९ शीतलापू.×
८	श	५०	३२	मू	३८	४२	व्य	११	२	ब	१९	२१	१०	५८	२	२३	१०	२०	धनुषि	उभायां भृगुः ९।२
९	र	५४	८	पू	४३	२४	व	१०	२८	तै	२२	२०	१४	५७	३	२४	११	२१	म. ५९।४९	वक्री शनिः ३१।५४
१०	चं	५८	३४	उ	४९	३	प	१०	४७	व	२६	२१	१८	५६	४	२५	१२	२२	मकरे	भ. २६/४१ उ. ५८।३४ या. रेवत्यां बुधः ४४/१५
११	मं	६०	०	श्र	५५	१५	शि	११	३७	ब	३१	३	२२	५६	४	२६	१३	२३	मकरे	पापमोचनी ११ ब्र. स्मा.
११	बु	३	३२	ध	६०	०	सि	१२	५२	बा	३	३२	२६	५५	५	२७	१४	२४	कु. २८।२७	पापमोचनी ११ ब्र. वै. नि.
१२	गु	८	३८	ध	१	४०	सा	१४	१३	तै	८	३८	३०	५४	६	२८	१५	२५	कुम्भे	प्रदोषः ×रा. चैत्र मा. १दि. ३०सं. १८७९
१३	शु	१३	३८	श	८	२	शु	१५	३४	व	१३	३८	३४	५३	७	२९	१६	२६	मी ५७।२८	भ. १३।३८ उ. ४५।५९ या.
१४	श	१८	०	पू	१३	५७	शु	१६	२३	श	१८	०	३८	५२	८	३०	१७	२७	मीने	रेवत्यां रविः ४७।४०
३०	र	२१	३५	उ	१८	४८	ब्र	१६	३२	ना	२१	३५	४३	५१	९	३१	१८	२८	मीने	के. अहर्गणः १०९१ च. ४

५०पं. चै.कृ.७ शु.इ.८।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	५	११	७	६	११
८	९	९	३	२	२१	२९	८
६	३२	२६	३	५	०	१२	३
३०	४	४५	१	४	५२	१०	१९
५९	३७	०/१२	१२	७४	०	३	५९
३५	३४	३६	४९	३२	१५	११	१९

गोचरग्रहाः

१के ११ २मं १२सूबु शु १० ३ ९ ४ ६बृ चं ८ श ५ ७रा

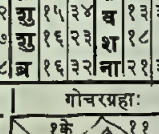

इस मास में पांच रविवार 'पंचाऽर्क-वासरे' रोग वृद्धिः बालकों को पीड़ा रुई अफीम गल्ला मंदा।

गोचरग्रहाः

१के ११च २ १२सूबु शु मं १० ३ ९ ४ ६बृ ८ श ५ ७रा

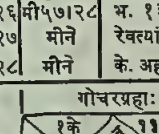

५१पं.चै.कृ.१३शु.इ. ९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	५	११	७	६	११
१५	१३	२३	२	१०	२०	२८	१४
२	५१	४५	९	४६	५८	४९	५९
३३	३४	५०	४५	३२	५७	५५	१९
५९	३७	०/१२	७४/३४	७४	०/२९	३	५९
१८	२८	१५	ब	३२	ब	११	१६

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०५८ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५८ भोग्यकलिः ४२६९४२ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २०१४ शाकः १८७९ अथास्मिन्वर्षेराजा चन्द्रः । मंत्री शनिः । सस्येशो भौमः । धान्येशोरविः। मेघेशो शुक्रः। रसेशो गुरुः। नीरसेशश्चन्द्रः। फलेशः शुक्रः। घनेशश्चन्द्रः। दुर्गेशः शुक्रः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ४ साधारणनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमयेगतमासादिः ३।१२।३७।१२ भोग्यमासादिः ८।१७।२२।४८ सोम-दैवतं युगम्। वर्षनाम फाल्गुनः । मेघ ४नाम संवर्तः । रोहिणी निवासः संधौ। समयनिवासो वणिग्गृहे । समय विश्वा ८। समयवाहनं मृगः। स्तंभौ द्वौ जलतृणयो। सोमवत्यमा २। सोमवती पंचमी१। अंगारकीचतुर्थी १। बुधाष्टमी २। भानुसप्तमी १। रविदशमी १। समयमुहूर्ताः३६०। समयदिनानि ३५४। तिथिक्षयः१३। तिथि वृद्धिः ७। उत्पति विश्वा ९३। खपति विश्वा ८४। वर्षाधिपति विश्वा ९। धान्यम् ५, तृणम् १७. शीतम् ५. तेज ५. वायुः१३. वृद्धिः १५। क्षयः १५। विग्रहः ७। ऐक्यं ९१ सत्यम्।। धर्मम् १।। पाप १८ शनि दृष्टिपश्चिमे। ग्रहणो द्वे चन्द्रमसः।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ भैरव खड़ा सुनो भवानी मात ।
चौदह सम्वत् का कहो श्रीमुख से कुशलात ।।

भवानी उत्तर

चौदह सम्वत् चोगुणा वर्षे झीणा मेह ।
अन धन जन सम्पत्ति बढे राज प्रजा में नेह ।।
अधिक लिया इस सालमें सौम्य ग्रहां अधिकार।
राजा गढ पति योग से सुख पावे संसार ।।
सम्वत् विश्वा आठ है वर्षा विश्वा अंक ।
सबही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक ।।
श्रावण अरु आषाढ में मेघ चढे घनघोर ।
भाद रवि कुंज योग से जग में मांचे शोर ।।
शनि मन्त्री सस्येश कुज इनकी खोटी बान ।
पकी पकाई साख में करसी कुछेक हान ।।
फल सम्वत्सर का कहा यूं मक्खन लाल ।
भजन करें जगदीश का वे करसी प्रतिपाल ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्ष लग्नम् ३।२९

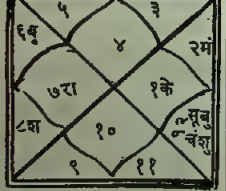

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ४।१०

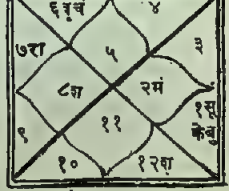

वर्षादी मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१४।४१

अथ वर्ष फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम्–चन्द्र नृपे मङ्गल शोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् सौख्यं जनानामुदयोनृपाणां प्रशाम्यतिव्याधिजरानराणाम् ।। मंत्री शनिस्तत्फलम्–रविसुते यदि मन्त्रिणि पार्थवा विनय संरहिता बहुदुःखदा । नजलदा जलदा बहुतापदा जनपदेषु सुखत्र फलं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम्–प्रथम धान्यपतौ धरणीपतौ गज तुरङ्ग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदा बहुरोग धनौजलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत् ।। धान्येशो रविस्तत्फलम्–पञ्चाद्धान्याधिपेसूर्ये पञ्चाद्धान्यं तदानहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घ ज्वरपीडनम् ।। मेघेशश्शुक्रस्तत्फलम्–भृगुसुतेजलदस्यपतिर्यदा जलजलयुतो जलदा दिविशोभनाः । धननि धानयुता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो गुरुस्तत्फलम्–यदि गुरौ रसपे जन सौख्यदे कमलवन्ति सरांसि तृणानिच । जनपदा द्विजपूजनं तत्परा गज सवाजि रथोष्ट्रयुता नृपाः ।। नीरसेश-श्चन्द्रस्तत्फलम्–शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससाम् । अर्घ वृद्धि प्रजायेत शशांके नीरशाधिपे ।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम्–यदि फलस्यपतौ भृगुजेधरा मृदुकुमार महीरुहराशयः । बहुपथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशश्चंद्रस्तत्फलम्–धनपति-मृगलांछनको यदा रस चयात् क्रयविक्रयतो धनम् । वसनराशियुगं धनज बहुद्रविण तैल घृतं नृप सौख्यकम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम्–नरवरेषु विशेषपतिर्यदा भृगु सुतो बहु सौख्यकरो मतः । विनय वाणिज गेहसमः सुखो गत बनानि विटपे च दूरतः ।। वर्षनाम फाल्गुनस्तत्फलम्–सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्य पश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। साधारणनाम सम्वत्सरस्तत्फलम्–साधारणब्दे वृष्ट्यर्घ भयं साधारणं मतम् । सच्चसम्पद्धराधीशः प्रजासुः स्वस्थ चेतसः ।। मेघनाम सम्वर्तस्तत्फलम्–सम्वर्ते जलपूरिता ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम्–खण्डवृष्टिश्च सन्धिषु ।। समय निवासो वणिग्गृहे फलम्–शुभं नास्ति ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०१४ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

आषाढ मासः

कृष्णा ९ शुक्रे रेव. ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।।।ऽवृ।ऽचो।ऽ। पादवेधाद्वेधाऽभावः

शुक्ला ४ चंद्रे मघा. ल. ऽन्यगो. रे. ७ ऽमं।।।।।ऽऽ।। गोधूल्यां भौमष्टमदोषः

„ ७ गुरौ हस्ते ल. १२(घ.४७।२० या.)गु. पू. स. रे.८ ।।।।।।ऽ। दग्धादोषः

„ ८ शुक्रे स्वात्यां रे. ८ ।।।।ऽऽ।। लग्नाऽभावः

„ ९शनौ स्वात्यां ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽअ.ऽ।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा१२चंद्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. रे. ८ ।।।।।ऽअ.।ऽ।

शुक्ला २शनौ मूले ल. ५-६ रे. ८ ऽवृ.।।।।ऽ।।।

„ ४ चंद्रे उषा. ल.५(अंश२२या.)वा.६रे.७।।ऽशु।।ऽऽ।।

„ १४ शुक्रे रोहि.ल.६रे.७।।।ऽशु.।।ऽऽ।।पादवेधाद्वेधाऽभावः

„ १५शनौ मृगे ल. ६ रे. ८ ।ऽ।ऽसू.।।ऽ।।

पौषः मासः

कृष्णा ६गुरौ मघायां ल. ६ रे.६ ऽचंऽ।ऽशु.।।ऽ।।। पादवेधात-शुक्रवेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३शुक्रे उफा. ल. गो. रे. ९ ।।।।।ऽ।।।

कृष्णा ५शनौ हस्ते ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽरो।ऽ।।

„ ८ भौमे अनु. ल.६ रे.७ऽशु।।।।ऽअग्निपं.।ऽ।। भौमवासरत्वादग्नि भयम्

शुक्ला २ गुरौ उभा. ल.१० श. पू. स. रे.७ ऽशऽ।।।ऽरोग।।।।

„ ३ शुक्रे उभा.ल.६(चं.पू.सत्)वा.ल.८रे.८ऽशऽ।।।।।।।

श्रावण शु. १५ भोमे खण्डग्रास चन्द्रग्रहणम् विश्वा २६।३

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्व.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	४९	५२	५४	५५	५८	८
	मि.	३४	२४	०	३६	२६	५२
रेल्वे टाइम	घं.	२	३	४	४	५	३
	मि.	१७	२५	३	४१	४९	३३

माघ शु. १५ यां गुरौ खग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा ३०।३४

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्व.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घं.	२९	३३	३३	३४	३८	४
	मि.	२६	२४	४३	२	१०	३४
रेल्वे टाइम	घ.	६	७	७	८	९	३
	मि.	१३	४९	६	४	३९	२६

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः १०९२ स.१९५७
१	चं	२४	०	रे	२२	४३	ऐं	१५	४७	ब	२४	०	३० / ४८	५ / ५१	६ / ९	१	११	२९	मे.२२।४३	चन्द्रद. बुध.३७/३८ अप्रेल मा. ४ ता. ३०●
२	मं	२५	१२	अ	२५	१६	वै	१३	५९	कौ	२५	१२	५२	५०	१०	२	१२	१	मेषे	रमजान ९ रोजा पश्चिमोदयी बुधः४४/१६
३	बु	२५	५	भ	२६	५३	वि	११	२५	ग	२५	५	५६	४९	११	३	१३	२	वृ.४१।५७	भ.५४/२४उ. रेवत्यां भृगुः७/५७ मत्स्य जयंती
४	गु	२३	४३	कृ	२७	९	प्री	६	४२	वि	२३	४३	३१ / ००	४८	१२	४	१४	३	वृषे	भ. २३।४३ या.
५	शु	२१	६	रो	२६	९	आ	३ / ६	५५ / १	बा	२१	६	४	४७	१३	५	१५	४	मि५५।११	कल्पादिः ●संवत्सरारम्भः नवरा.घटस्था.
६	श	१७	३०	मृ	२४	१३	शो	५१	४५	तै	१७	३०	८	४६	१४	६	१६	५	मिथुने	
७	र	१३	३	आ	२१	२९	अ	४४	५५	व	१३	३	१२	४६	१४	७	१७	६	मिथुने	भ. १२।३ उ. ४०।२७ या.
८	चं	७	५२	पु	१८	४	सु	३७	२८	ब	७	५२	१६	४५	१५	८	१८	७	क.३।५५	भरण्यां बुधः १४।४४ राम ९
९	मं	२	९	पु	१४	१९	धृ	३०	११	कौ	२	९	२०	४४	१६	९	१९	८	कर्के	
१०	मं	५४	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
११	बु	५०	१९	श्ले	१०	२७	शू	२२	३२	व	२३	१८	२४	४३	१७	१०	२०	९	सिं१०।२७	भ. २३/१८ उ. ५०/१९ या. कामदा ११व. स्मा.
१२	गु	४४	२४	म	६	१३	गं	१४	५१	ब	१७	२२	२८	४२	१८	११	२१	१०	सिंहे	कामदा ११व. वै. नि. हरिदमगोत्सवः
१३	शु	३८	४५	पू	२ / १३	५९ / २९	वृ	७	१८	कौ	११	३४	३२	४२	१८	१२	२२	११	कं.१६।२०	प्रदोषः +मेषे भृगुः ४०/१०
१४	श	३३	३१	ह	५४	५५	ध्रु	० / ४	५३ / १३	ग	६	८	३६	४१	१९	१३	२३	१२	कन्यायां	भ.३३/३१ उ. मेषेऽर्कः२२/११ मृगे भौमः १२।३+
१५	र	२९	५	चि	५३	१४	ह	४७	७	वि	१	१८	४०	४०	२०	१४	२४	१३	तु.२४।५	भ.१।१८ या. हनुमज्जयंती वै.स्ना.प्रा.

५२पं. चै.शु.५ शु.इ.९।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	०	५	११	७	६	११
२१	१८	७	१	१९	२०	२८	२१
५६	१८	१५	२०	२७	५३	२७	५३
४६	२	४८	४३	२४	८	३९	२९
५९	३७	७ / ५५	६ / ५५	७४	१ / १५	३	५५
४	४०	५४	ब	३८	ब	११	४

गोचरग्रहाः

चैत्र शु.१४ शनौ मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ प्रगल्भावस्था(बैठी) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

१पं. चै.शु.१४श.इ.२५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	७	६	०
०	२३	१९	०	२९	२०	२८	०
२	२८	३७	२५	४१	४०	१	०
५५	१९	२२	८	२०	५९	२२	०
५८	३८	७२	५ / ५९	७४	२ / २	३	५८
४५	२	५९	ब	३८	ब	११	४४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२५	३५	स्वा	५२	३	व	४१	४३	कौ	२५	३५	३१ / ४४	५ / ३९	६ / २१	१५	२५	१४	तुलायां	
२	मं	२२	५४	वि	५१	३६	सि	३७	१७	ग	२२	५४	४८	३८	२२	१६	२६	१५	वृ.३६।४३	भ. ५२।७ उ.
३	बु	२१	२१	अ	५२	३३	व्य	३३	३०	वि	२१	२१	५१	३८	२२	१७	२७	१६	वृश्चिके	भ.२१/२१ या. वक्री उफायां १ सिंहे गुरुः२४/२६
४	गु	२१	४	ज्ये	५४	२३	व	३०	५१	बा	२१	४	५५	३७	२३	१८	२८	१७	ध.५४।२३	
५	शु	२२	५	मू	५७	२५	प	२९	१६	तै	२२	५	५८	३६	२४	१९	२९	१८	धनुषि	
६	श	२४	२३	पू	६०	०	शि	२८	३६	व	२४	२३	३२ / २	३६	२४	२०	३०	१९	धनुषि	भ. २४।२३ उ. ५६।१२ या.
७	र	२८	०	पू	२	२३	सि	२८	४६	ब	२८	०	६	३५	२५	२१	१	२०	म.१८।४४	राष्ट्रीय वैशाख मा. २ दि. ३१
८	चं	३२	१८	उ	७	४६	सा	२९	४७	बा	०	९	९	३४	२६	२२	२	२१	मकरे	
९	मं	३७	६	श्र	१३	१६	शु	३१	४	तै	४	४२	१३	३३	२७	२३	३	२२	कुं.४६।५०	मिथुने भौमः ४७।४ कृतिकायां बुधः१४/०
१०	बु	४२	९	ध	२०	२४	शु	३२	२५	व	९	३८	१७	३३	२७	२४	४	२३	कुम्भे	भ.३९/३७उ.४२/१या. वक्री बुधः३६/१५ वक्रीभर.●
११	गु	४६	५६	श	२६	४६	ब्र	३३	५१	ब	१४	३३	२१	३२	२८	२५	५	२४	कुम्भे	वरूथिनी ११व्र. ●बुधः४०/० भर.भृगुः२८/१७
१२	शु	५१	२१	पू	३२	४४	ऐं	३४	४९	कौ	१९	८	२५	३१	२९	२६	६	२५	मी१६।१४	पश्चिमास्तं बुधः ४७।२७
१३	श	५४	५३	उ	३७	५१	वै	३५	१८	ग	२३	७	२९	३०	३०	२७	७	२६	मीने	भ.५४।५३उ. भरण्यां रविः३।३५प्रदोषः
१४	र	५७	१२	रे	४२	५	वि	३४	५४	वि	२६	३	३३	२९	३१	२८	८	२७	मे.४२।५.	भ. २६।२ या.
३०	चं	५८	३८	अ	४५	७	प्री	३३	२५	च	२८	२५	३६	२९	३१	२९	९	२८	मेषे	वक्री ज्येष्ठायां १ शनिः ६।५७

२पं. वै.कृ.६ श.इ.२५।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	४	०	७	६	०
६	२७	२५	२९	८	२०	२७	६
५३	४९	२६	४५	२१	२४	३९	५०
६	५१	२७	२८	१०	४३	७	३८
५८	३८	२६	४ / ४१	७४	२ / ३६	३	५८
२९	८	११	ब	३८	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

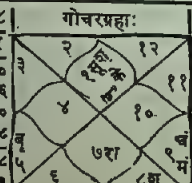

इस मास का फल श्रेष्ठ है, प्रजा में सुख शांति धान्य चांदी मंदी सुदी में गुड़ खांड घृत तेल तेज।

गोचरग्रहाः

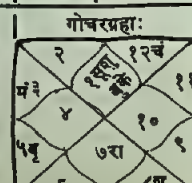

३पं.वै.कृ.१३श.इ.२५।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	७	०	७	६	०
१३	२	२५	२९	१७	३०	२७	१३
४१	१९	५१	१६	०	५	१६	३९
३०	६	२१	३८	२७	२९	५२	४१
५८	३८	१७ / ४०	३ / ४२	७४	३ / १५	३	५८
१२	१०	ब	ब	३२	ब	११	१९

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ११२१ सन् १९५७
१	मं ५८ ११ भ ४६ ५१ आ ३१ १ कि २८ २४ ४० २८ ३ ३० १० २९							मेषे	
२	बु ५६ ४६ कृ ४७ २३ सौ २७ ४४ बा २७ २८ ४३ २७ ३३ १ ११ ३०							वृ. १।५९	चन्द्रदर्शनम् मई मा. ५ ता. ३१
३	गु ५४ १० रो ४६ ४७ शो २३ २१ ते २५ २८ ४७ २७ ३३ २ १२ १							वृषे	सब्बाल १० ईद परसुराम ज. अक्षया ३
४	शु ५० ३६ मृ ४४ ५७ अ १८ १२ ब २४ ५० २६ ३४ ३ १३ २							मिथु ५।१२२	म. २२।२३ उ. ५०।३६ या.
५	श ४५ २७ आ ४२ ३० सु १२ १२ ब १८ १ ५४ २५ ३५ ४ १४ ३							मिथुने	आर्द्रायां भौमः २७।२०
६	र ४० ३१ पु ३९ १० धृ ४६ ५३ को १२ ५९ ५७ २५ ३५ ५ १५ ४							क. २५।०	कृत्तिकायां भगुः १५।१५
७	चं ३४ ५३ पु ३५ ३० गं ५१ २३ ग ७ ४२ ३३ २४ ३६ ६ १६ ५							कर्के	भ. ३४।५३ उ.
८	मं २९ ० श्ले ३१ २४ वृ ४३ ४४ वि १ ५६ ४ २३ ३७ ७ १७ ६							सिं ३१।२४	भ. १।५६ या. वृषे भगुः ५९।२१
९	बु २२ ५८ म २७ २५ छु या २६ ४ को २२ ५८ ७ २३ ३७ ८ १८ ७							सिंहे	पश्चिमोदयी भगुः ४५।३६ प.उ.भ.
१०	गु १७ ० पू २३ २२ या २८ ४४ ग १७ ० १० २२ ३८ ९ १९ ८							कं. ३७।२७	भ ४ उ. विशा. २ राहुः भरण्यां ४ केतुः ५
११	शु ११ ४ उ १९ ४३ ह २१ २७ वि ११ ४ १३ २१ ३९ १० २० ९							कन्यायां	भ. ११।४या. कृति. रविः ३ मोहिनी ११ व्र.
१२	श ६ १ ह १६ २७ ब १४ ३४ बा ६ १ १६ २१ ३९ ११ २१ १०							तु. ४५।१२	प्रदोषः
१३	र १ २६ चि १३ ५६ सि ८ १५ ते १ २६ १९ २० ४० १२ २२ ११							तुलायां	भ. ५७।४३ उ. नृसिंह जयन्ती
१४	र ५६ १७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०	क्षयः ●जलकुंभदान चन्द्रग्रहणम्
१५	चं ५४ ५७ सा १२ १९ व्य ४७ ५९ वि २६ २० २२ २० ४० १३ २३ १२							वृ. ५८।३६	भ. २६।२० या. कूर्मजयंती वै.स्ना.पूर्तिः●

४पं. वै.शु.५श.इ.२५।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
०	२	०	४	०	७	६	०
२०	६	२२	२८	२५	१९	२६	२०
२८	३९	४८	५३	३८	४१	५४	२७
८	७	३२	१६	४५	४५	३६	२१
५७	३८	३५	३२	७४	४९	३	५८
५७	३५	ब	ब	३२	ब	११	६

गोचरग्रहाः

इस मास में सोम वार शुभ है सुदी १५ का चन्द्रग्रहण प्रत्येक व्यापारी वस्तुओं में घटा बढ़ी हो।

गोचरग्रहाः

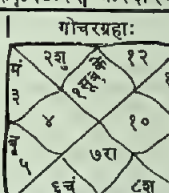

५पं.वै.शु.१२ श.इ.२६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
०	२	०	४	१	७	६	०
२७	११	१८	२८	४१	१९	२६	२७
१३	५	५७	३९	१६	१५	३२	१३
२२	१९	१३	६	५४	३५	३१	३२
५७	३८	३८	१	७४	६	३	५७
४५	२६	ब	ब	३२	ब	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे वैशाखकृष्णे तिमहाराष्ट्राः
१	मं ५३ २३ वि १३ ४२ प ५४ १९ आ २४ १० ३५ ५९ ६ १४ २४ १३							वृश्चिके	बवेऽर्कः १९।१७
२	बु ५३ ६ अ १३ ५८ शि ५१ ४१ ते २३ १४ २८ १८ ४२ १५ २५ १४							वृश्चिके	पूर्वोदयी बुधः ३।५१
३	गु ५३ ५४ ज्ये १५ २ सि ४९ ४१ ब २३ ३० ३१ १८ ४२ १६ २६ १५							धनुषि	भ. ३३ उ ५३ या. मार्गी गुरुः ५९ रोहिण्यां●
४	शु ५६ ३ मू १७ २ सा ४८ ५८ ब २४ ५८ ३४ १७ ४३ १७ २७ १६							धनुषि	
५	श ५९ २६ पू २१ २४ शु ४९ ५ को २७ ४४ ३६ १७ ४३ १८ २८ १७							म. ३७।४१	
६	र ६० ० उ २६ ३३ शु ४९ ५० ग ३१ ३४ ३९ १६ ४४ १९ २९ १८							मकरे	
६	चं ३ ४२ श्र ३२ ३२ ब्र ५१ १४ ब ३ ४२ ४१ १६ ४४ २० ३० १९							मकरे	भ. ३।४२ उ. ३६।८ या. मार्गी बुधः ५३
७	मं ८ ३४ ध ३८ ५४ दे ५२ ४१ ब ८ ३४ ४४ १५ ४५ २१ ३१ २०							कु. ५।४३	
८	बु १३ २३ श ४५ २२ वै ५४ १२ को १३ २३ ४६ १५ ४५ २३ १ २१							कुंभे	राष्ट्रीय ज्येष्ठ मा. ३ दि. ३१
९	गु १८ १२ पू ५१ २६ वि ५५ २७ ग १८ १२ ४८ १४ ४६ २३ २ २२							मी ३४।३५	भ. ५०।२० उ. ●भगुः ६।४१
१०	शु २२ २८ उ ५६ ४० प्री ५५ ५९ वि २२ २८ ५० १४ ४६ २४ ३ २३							मीने	भ. २२।२८ या. रोहिण्यां रविः ४५।२६
११	श २५ ५५ रे ६० ० आ ५५ ४५ बा २५ ५५ ५३ १४ ४६ २५ ४ २४							मीने	पुनर्वसौ भौमः ३९।११ अपरा ११ व्र.
१२	र २८ १६ रे १ ९ सौ ५४ ३३ ते २८ १६ ५४ १३ ४७ २६ ५ २५							मे. १।९	मगे भगुः ५४।५२ प्रदोषः
१३	चं २९ २० अ ४ ३० शो ५२ ३५ ब २९ २० ५६ १३ ४७ २७ ६ २६							मेषे	भ. २९।२० उ. ५१।१६ या.
१४	मं २९ १३ भ ६ २८ अ ४९ २७ श २९ १३ ५८ १२ ४८ २८ ७ २७							वृ. २१।४०	
३०	बु २७ ४४ कृ ७ १८ सु ४५ २४ ना २७ ४४ ३४ १२ ४८ २९ ८ २८							वृषे	भावुका ३० वट पूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.५श.इ.२६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१	२	०	४	१	७	६	१
३	१५	१७	२८	१२	१८	२६	३
५६	३०	९	३३	५३	४६	१०	५८
५९	३७	३२	५७	१३	५५	६	२६
५७	३८	१८	१९	७४	२२	३	५७
३४	२९	ब	मा	२६	ब	११	४४

गोचरग्रहाः

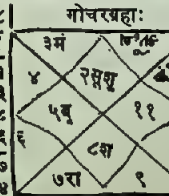

ज्येष्ठ कृ.१भौमे वृषेऽर्कः प्र.वा.४ न.५कुमारावस्था (बैठी) मृ. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे.।

गोचरग्रहाः

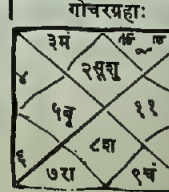

७पं.ज्ये.कृ.११श.इ.२६।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१	२	०	४	१	७	६	१
१०	१९	१७	२८	२१	१८	२५	१०
३९	५१	५४	४०	३०	१९	३७	४२
१०	४६	५७	४३	१	७	११	५०
५७	३८	२१	१७	७४	४	३	५७
२३	३७	ब	३१	२	ब	११	३५

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ११५१ सन् १९५७
१	गु २५ ४ रो ७ १	धृ ४० २० ब २५ ४	३५	५ १२ ४८	३०	९	२९	मि ३६।१३	चंद्रदर्शनम्
२	शु २१ २५ मृ ५ २५	शू ३४ ४२ कौ २१ २५	४	११ ४९	३१	१०	१	मिथुने	जिल्काद ११
३	श १६ ५२ आ ३२ ५६	गं २७ ५९ ग १६ ५२	६	११ ४९	१	११	२	क. ४४।३३	भ. ६ उ. मिथुनेभृगुः ३१ जून मा. ६ता. ३०
४	र ११ ३५ पु ५७ ४	वृ २१ १४ वि ११ ३५	७	११ ४९	२	१२	३	कर्के	भ. ११।३५ या.
५	चं ५ ४८ श्ले ५२ १९	ध्रु १३ ५७ बा ५ ४८	९	१० ५०	३	१३	४	सिं ५२।१९	
६	चं ५४ ३ ० ० ०	० ० ० ० ० ०	०	० ० ०	०	०	०	०	
७	मं ५३ ४४ म ४८ ५५	व्या २४ ३४ ग २६ ४७	१०	१० ५०	४	१४	५	सिंहे	भ. ५३।४४ उ.
८	बु ४७ ४० पू ४४ २०	व ५१ ३९ वि २० ४२	१३	१० ५०	५	१५	६	कं. ५८।२९	भ. ३ या. मार्गी कृतिकायां बुधः १४।७
९	गु ४१ ५१ उ ४० ५७	सि ४४ ७ बा १४ ४५	१३	९ ५१	६	१६	७	कन्यायां	आर्द्रायां भृगुः ४९।१४
१०	शु ३६ २९ ह ३७ ६	व्य ३७ १३ वै १० ४०	१५	९ ५१	७	१७	८	कन्यायां	मृग रविः ६ वृषे बुधः ५ दशहरा
११	श ३१ ४९ चि ३४ ३९	व ३० ४५ व ५ ३९	१६	९ ५१	८	१८	९	तु. ५।५२	भ. ४।९ उ. ३ या. निर्जला ११ ब्र.
१२	र २७ ५९ स्वा ३२ १	प २५ ७ बा २७ ५९	१७	९ ५१	९	१९	१०	तुलायां	प्रदोषः
१३	चं २४ ५६ वि ३१ ३७	शि २० ३७ वै २४ ५६	१८	८ ५२	१०	२०	११	वृ. १६।४३	कर्के भौमः ६ वटसावित्री व्रतारम्भः
१४	मं २३ १८ अ ३१ ५७	सि १६ २७ व २३ १८	१९	८ ५२	११	२१	१२	वृश्चिके	भ. २३।१८ उ. ५३।२ या.
१५	बु २२ ४७ ज्ये ३३ २५	सा १३ ३३ ब २२ ४७	२०	८ ५२	१२	२२	१३	ध. ३३।२५	वटसावित्री पूजा

८पं.ज्ये.शु.३श.इ.२६।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	२	७	६	१
१७	२४	२३	२८	०	२५	२५	१७
२०	५२	९	४८	६	४५	२५	२५
१६	२९	२२	५८	१९	१२	३५	४
५७	३८	४८	२	७४	३	३	५७
१३	३७	२८	५६	२६	ब	११	२७

इस मास में प्रजा में उपद्रव धूप अधिक पड़ेगी अग्नि भय होगा वायु विशेष चलेगी।

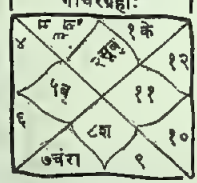

९पं.ज्ये.शु.११श.इ.२६।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	४	२	७	६	१
२४	२८	०	२९	८	१७	२५	२४
०	३४	३३	१०	४०	१	३	७
१२	४४	५५	३४	३१	५५	१९	८
५७	३८	७३	४	७४	३	३	५७
५	४७	४	९	२०	ब	११	२२

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु २३ ३८ मू ३६ १३	शु ११ ३२ कौ २३ ३८	३४	५ ५२	१३	२३	१४	धनुषि	
२	शु २५ ३१ पू ४० ९	शु १० ३५ ग २५ ३१	२२	८ ५२	१४	२४	१५	म. ५६।२६	भ. ५५ उ. मिथुनेऽर्कः ४५।३ रोहिण्यां●
३	श २८ ५२ उ ४५ १९	ब्र १० ३४ वि २८ ५२	२२	८ ५२	१५	२५	१६	मकरे	भ. २८।५२ या. पुष्ये भौमः ५४।५६
४	र ३२ ५९ श्र ५० ५९	हे ११ २० च १ ५३	२३	७ ५३	१६	२६	१७	मकरे	वक्री अनुराधायां ४ शनिः २९।३९
५	चं ३७ ४० ध ५७ १७	वै १२ २९ कौ ५ २०	२३	७ ५३	१७	२७	१८	कु. २४।८	पुनर्वसौ भृगुः ३९।१० ●बुधः ४५
६	मं ४२ २४ श ६० ०	वि १४ ३ ग १० २	२३	७ ५३	१८	२८	१९	कुम्भे	भ. ४२।२४ उ. ×गुरुः ५५।४९
७	बु ४७ १५ श ३ ४५	प्री १५ ४२ वि १४ ४९	२४	७ ५३	१९	२९	२०	मी ५३।२०	भ. १४।५० या. मार्गी उफायां २ कन्यायां×
८	गु ५१ ३५ पू ९ ५१	आ १६ ५२ बा १९ २५	२४	७ ५३	२०	३०	२१	मीने	
९	शु ५५ १ उ १५ २५	सौ १७ ५० तै २३ १८	२४	७ ५३	२१	३१	२२	मीने	आर्द्रायां रविः ४६।३५ =आ. ४दि. २१
१०	श ५७ २२ रे २० १६	शो १७ ४१ व २४ ११	२४	७ ५३	२२	१	२३	मे. २०।१६	भ. ३६ उ. ५३ या. मगे बुधः ५६ राष्ट्रीय=
११	र ५८ ३५ अ २३ ४२	अ १६ ४९ ब २७ ५८	२४	७ ५३	२३	२	२४	मेषे	पूर्वास्तं बुधः ३।२६ योगिनी ११ ब्र. स्मा.
१२	चं ५८ २७ भ २६ १	सु १४ ५५ कौ २८ ३१	२४	७ ५३	२४	३	२५	वृ. ४१।१६	योगिनी ११ ब्र. वै. नि.
१३	मं ५७ ४ कृ २७ ३	धृ १२ ५ ग २७ ४५	२३	७ ५३	२५	४	२६	वृषे	भ. ५७ उ. मिथुने बुधः ३६ कर्के भगुः ५४+
१४	बु ५४ २७ रो २७ १०	शू ८ १४ वि २५ ४६	२३	७ ५३	२६	५	२७	मि ५६।३४	भ. २५।४५ या. +प्रदोषः
१५	गु ५० ५२ मृ २५ ५७	गं २३ ५४ च २२ ३९	२३	७ ५३	२७	६	२८	मिथुने	

१०पं.आ.कृ.३श.इ.२६।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	४	२	७	६	२
०	३	११	२९	१३	१६	२४	०
३९	१	६	३९	१५	४४	४१	४८
२०	४१	२५	११	५८	३९	४	२५
५५	३८	०९	५७	४	३	३	५७
५७	३७	५३	१५	१४	ब	११	१७

आषाढ़ कृ.२शुके मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ प्रगल्भावस्था [बैठी] मु.४५ (धान्य भाव मंदा)

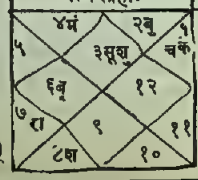

११पं.आ.कृ.१०श.इ.२६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	५	२	७	६	२
७	७	२३	०	२५	१६	२४	७
१७	२३	५०	१५	४८	१६	१८	२९
४८	१५	५८	५९	१९	६	४९	१७
५६	३८	०९	५७	४	३	३	५३
५४	४४	२०	२२	२	ब	११	१३

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ११८०स.१९५७
१	शु	४६	२०	आ	२३	२२	ध्रु	५१	२७	किं	१८	३६	३४/२२	५/८	६/५२	२८	७	२९	मिथुने	आर्द्रायां बुधः३८।० पुष्ये भृगुः ३६।५३
२	श	४१	६	पु	२०	२९	व्या	४४	३७	बा	१३	४३	२२	८	५२	२९	८	३०	क.६।१२	चन्द्रदर्शनम्
३	र	३५	२५	पु	१६	५६	ह	३७	२४	तै	८	१५	२१	८	५२	३०	९	१	कर्के	जिल्हेज १२
४	चं	२९	२४	श्ले	१२	५९	व	२९	४८	व	२	२४	२०	८	५२	१	१०	२	सिं१२।५९	भ.४२/२ उ.२९/२४ या. जुलाई मा.७ ता.३१
५	मं	२३	१६	म	८	५५	सि	२२	१५	बा	२३	१६	१९	८	५२	२	११	३	सिंहे	
६	बु	१७	१०	पू	४	४६	व्य	१४	४७	तै	१७	१०	१८	८	५२	३	१२	४	कं.१८।५४	
७	गु	११	१७	उ	१९/१	५६/५५	व	७	२६	व	११	१७	१७	९	५१	४	१३	५	कन्यायां	भ.११/१७ उ.३८।३६ या. पुनर्वसौ बुधः४४/३४
८	शु	५	५५	चि	५४	३६	प	०/२७	५३/२९	व	५	५५	१६	९	५१	५	१४	६	तु.२६।३	पुनर्वसौ रविः ५०।३६
९	श	१	३	स्वा	५२	३२	सि	४८	११	कौ	१	३	१४	९	५१	६	१५	७	तुलायां	मन्वादिः *देवशयनी११ब्र.
१०	श	५६	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	र	५४	६	वि	५१	२३	सा	४३	१२	व	२५	३६	१३	९	५१	७	१६	८	बृ.३६।४०	भ.३५/३६ उ.५४/६ या. आश्लेषायां भौमः५५/३१*
१२	चं	५२	१५	अ	५१	२८	शु	३९	७	व	२३	१०	११	१०	५०	८	१७	९	वृश्चिके	हज्ज देवशयनी११ब्र.वै. ÷३०/४१ प्रदोषः
१३	मं	५१	३५	ज्ये	५२	३२	शु	३५	५९	कौ	२१	५५	१०	१०	५०	९	१८	१०	ध.५२।३२	बकरीद कर्के बुधः२५/४४ आश्लेषायां भृगुः×
१४	बु	५२	२०	मू	५५	२	ब्र	३३	२७	ग	२१	५७	८	१०	५०	१०	१९	११	धनुषि	भ.५२/२० उ. विशाखायां१ राहुः भरण्यां३+
१५	गु	५४	२३	पू	५८	४३	ऐं	३२	४२	वि	२३	२२	७	११	४९	११	२०	१२	धनुषि	भ.२३/३२ या. पुष्ये बुधः५।१३ +केतुः५६/१८

१२पं.आ.२शु.श.इ.२६।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	५	३	७	६	२
१३	११	८	०	४	१५	२३	१४
५५	४५	२२	५९	२१	५०	५६	९
५१	४६	४	५८	२	४८	३३	४६
५६	३८	२६/१२	७	७४	३/४८	३	५७
५०	५०	३७	१७	०	ब	११	७

गोचरग्रहाः

४* २ ३सूबु १के ५ ६बृ १२ ७रा ९ ११ ८श १०

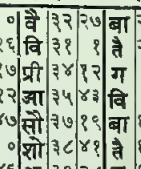

इस मास में पांच गुरुवार श्रेष्ठ हैं। प्रजा में सुखशांति और हवा के साथ वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

४शुम २ ३सूबु १के ५ ६बृ १२ चं ७रा ९ ११ ८श १०

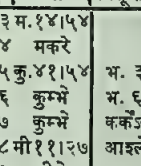

१३पं.आ.शु.९श.इ.२६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	५	३	७	६	२
२०	१६	२३	१	१२	१५	२३	२०
३३	८	३५	५०	५२	२५	३४	५६
४७	११	१०	३	४५	४९	१८	२
५६	३८	२६/१२	८	७३	३/२१	३	५७
५०	४५	३७	१९	५६	ब	११	७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५७	१९	उ	६०	०	वै	३२	२७	बा	२५	५१	३४/६	५/११	६/४९	१२	२१	१३	म.१४।५४	
२	श	६०	०	उ	३	२६	वि	३१	१	तै	२९	२०	४	११	४९	१३	२२	१४	मकरे	
३	र	१	२	श्र	८	१७	प्री	३४	१२	ग	१	२२	२	१२	४८	१४	२३	१५	कु.४१।५४	भ. ३३।४१ उ.
३	चं	६	१	ध	१५	२२	आ	३५	४३	वि	६	१	०	१२	४८	१५	२४	१६	कुम्भे	भ. ६।१ या. पश्चिमोदयी बुधः४६।१२
४	मं	११	५	श	२१	४७	सौ	३७	१९	बा	११	५	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१७	कुम्भे	कर्केऽर्कः २३।२०
५	बु	१५	४०	पू	२८	०	शो	३८	४१	तै	१५	४०	५६	१३	४७	१७	२६	१८	मी११।२७	आश्लेषायां बुधः५८/२३ उफायां३ गुरुः ३८/३४*
६	गु	१९	५८	उ	३३	४६	अ	३९	२८	व	१९	५८	५४	१३	४७	१८	२७	१९	मीने	भ. १९।५८ उ. ५१।४२ या.
७	शु	२३	२६	रे	३८	३७	सु	३९	४२	ब	२३	२६	५२	१४	४६	१९	२८	२०	मे.३८।३७	पुष्ये रविः ५४।१ *नाग ५
८	श	२६	२२	अ	४२	२७	धृ	३९	१	कौ	२६	२२	५०	१४	४६	२०	२९	२१	मेषे	सिंहे भृगुः ३१।४१
९	र	२७	१०	भ	४५	२	शू	३७	१३	ग	२७	१०	४७	१५	४५	२१	३०	२२	मेषे	भ. ५७।१० उ.
१०	चं	२७	१८	कृ	४६	२५	गं	३४	३७	वि	२७	१०	४५	१५	४५	२२	३१	२३	बृ.०।२३	भ. २७।१० या.
११	मं	२५	४९	रो	४६	३३	वृ	३०	५८	बा	२५	४९	४२	१६	४४	२३	१	२४	वृषे	कामदा११ब्र. राष्ट्रीय श्रावणं मा.५दि.३१
१२	बु	२३	१६	मृ	४५	२६	ध्रु	२६	१९	तै	२३	१६	४०	१६	४४	२४	२	२५	मि१५।५५	प्रदोषः ब्र.
१३	गु	१९	४४	आ	४३	२३	व्या	२०	५०	व	१९	४४	३७	१७	४३	२५	३	२६	मिथुने	भ.१९।४४ उ.४७/३० या. सिंहे बुधः३२।४२
१४	शु	१५	१७	पु	४०	४३	ह	१४	३३	श	१५	१७	३५	१७	४३	२६	४	२७	क.२६।१८	
३०	श	१०	८	पु	३७	१०	व	७	४७	ना	१०	८	३२	१८	४२	२७	५	२८	कर्के	

१४पं.श्रा.कृ.२श.इ.२६।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	५	३	७	६	२
२७	२०	८	२	२१	१४	२३	२७
११	३३	२	४५	२२	५८	१२	३०
५३	१४	५२	५६	५४	५४	३	३२
५६	३८	२०/१२	९	७३	३/४३	३	५७
५५	४०	३६	८	४६	ब	११	११

४× २ ३सू १ के ५ ६बृ १२ ७रा ९ ११ ८श १०चं

१५पं.श्रा.कृ.८श.इ.२६।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	५	३	७	६	३
३	२४	२१	३	२९	१४	२२	४
५०	५८	८	४७	५३	४८	४९	११
५१	१३	७	३२	२	५५	४७	१३
५६	३८	४/१२	९	७३	३	३	५७
५७	५५	५८	५२	३२	ब	११	१५

५शु ३ ४सूमंबु ६बृ २ ७रा १चके ८श १० १२ ९ ११

१६पं.श्रा.कृ.३०श.इ.२५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	५	४	७	६	३
१०	२९	३	४	८	१४	२२	१०
२९	२१	०	५४	२१	३६	२७	५२
३८	२३	५	१९	४५	२७	३२	२५
५७	३८	९५	१०	७३	३/२१	३	५७
५	५८	२९	३६	२०	ब	११	२०

*चंमंशु ×मंबुशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२१० स. १९५७
१	र	४	२७	श्ले	३३	२०	सि	३०	५२	ब	४	२७	३३	१८	४२	२८	६	२९ सिं ३३।२०	चन्द्रद. सिंहे भौमः ३५ १८ नक्तव्रतारम्भः
२	र	५४	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	चं	५२	२२	म	२९	१४	व	४५	२५	तै	२५	२५	२७	१९	४१	२९	७	१ सिंहे	मोहोरम १ सन् १३७७ मधुश्रवा ३ गुर्जरे
४	मं	४६	१४	पू	२५	६	प	३७	२४	व	१९	१८	२४	१९	४१	३०	८	२ कं. ३९।७	भ. १९।१८ उ. ४६।१४ या. वरद ४
५	बु	४०	१२	उ	२१	९	शि	३०	३२	ब	१३	१३	२१	२०	४०	३१	९	३ कन्यायां	अस्तं भौमः ४३ ५९ पूफायां भृगु. ३४ १४ नाग ५
६	गु	३४	५१	ह	१७	४०	सि	२३	३१	कौ	७	३२	१८	२०	४०	१	१०	४ तु. ४६।६	अगस्त मा. ८ ता. ३१ वर्ण ६
७	शु	३०	२	चि	१४	३२	सा	१६	४६	ग	२	२६	१५	२१	३९	२	११	५ तुलायां	भ. ३२ उ. ५६ या. सार्परविः ५४ शीतला ७
८	श	२६	१	स्वा	१२	५	शु	१०	४८	व	२६	१	१२	२२	३८	३	१२	६ बृ. ५६।१०	पूफायां बुधः ४२।१६ दुर्गा ८
९	र	२२	५९	वि	१०	५१	शु	४	३८	कौ	२२	५९	९	२२	३८	४	१३	७ बृश्चिके	
१०	चं	२१	४	अ	१०	३९	ब्र	१८	२७	ग	२१	४	६	२३	३७	५	१४	८ वृश्चिके	भ. ५०।४४ उ. कल्किजयन्ती
११	मं	२०	२५	ज्ये	११	३०	वै	५५	२९	वि	२०	२५	३	२३	३७	६	१५	९ ध. ११।३०	भ. ३९ या. उफायां ४ गुरुः ३२ पवित्रा ११ व्र.
१२	बु	२०	३४	मू	१३	२९	वि	५४	०	बा	२०	३४	०	२४	३६	७	१६	१० धनुषि	ताजिया प्रदोषः पवित्रार्पण
१३	गु	२२	५४	पू	१७	४	प्री	५३	३५	तै	२२	५४	३२	२५	३५	८	१७	११ म. ३३।१२	
१४	शु	२५	५५	उ	२१	३७	आ	५४	१	व	२५	५५	५४	२५	३५	९	१८	१२ मकरे	भ. २५।५५ उ. ५७।२५ या.
१५	श	२८	५५	श्र	२७	९	सौ	५५	६	ब	२८	५५	५०	२६	३४	१०	१९	१३ मकरे	रक्षाबन्धनम् श्रावणी कर्म

१७पं.श्रा.शु.८श.इ.२५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	५	४	७	६	३
१७	३	१२	६	१६	१४	२२	१७
९	४४	५८	५	४९	२०	५	३३
२७	८	७	११	१०	४९	१६	५७
५७	२९	७९	११	७३	४०	३	५७
१२	२	१८	११	११	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

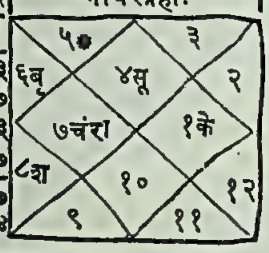

इस मास में वर्षा मध्यम होगी प्रजा में फल साधारण रहेगा। बुध शुक्र का योग धान्य रुई में मन्दी करेगा।

गोचरग्रहाः

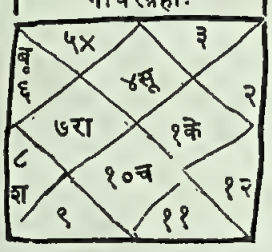

१८पं.श्रा.शु.१५श.इ.२५।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	५	४	७	६	३
२३	८	२१	७	२५	१४	२१	२४
५०	९	२१	२०	१५	२६	४३	१६
३४	२४	७	४५	१४	१३	१	२६
५७	२९	६०	११	७२	०	३	५७
२२	२	२८	४९	५०	ब	११	३३

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	३३	३४	ध	३३	१५	शो	५५	५९	बा	१	१५	३३ ४५	५ २७	३३	११	२०	१४ कुं. ०।१२	मार्गशिनिः २५।३४ उफायांभृगुः ३५।२३
२	चं	३९	२७	श	३९	४०	अ	५८	७	तै	६	३०	४३	२७	३३	१२	२१	१५ कुम्भे	
३	मं	४४	१७	पू	४५	४१	सु	५९	३५	व	११	५२	४०	२८	३२	१३	२२	१६ मी २९।११	भ. ११।५२ उ. ४४।१७ या.
४	बु	४८	४०	उ	५१	४३	धृ	६०	०	ब	१६	२९	३६	२९	३१	१४	२३	१७ मीने	कन्यायां भृगुः २३।३२
५	गु	५२	१६	रे	५०	४५	धृ	०	३०	कौ	२०	२८	३३	२९	३१	१५	२४	१८ मे. ५६।४५	उफायां बुधः २९।६
६	शु	५४	४८	अ	६०	०	शू	०	४७	ग	२३	३२	२९	३०	३०	१६	२५	१९ मेषे	भ. ५४।४८ उ. सिंहेऽर्कः ५१।१६ चन्द्र ६
७	श	५६	११	अ	०	५३	गं	१७	२७	वि	२५	३०	२६	३१	२९	१७	२६	२० मेषे	भ. २५।२९ या.
८	र	५६	२०	भ	३	३६	ध्रु	५६	१६	बा	२६	१६	२२	३२	२८	१८	२७	२१ बृ. १९।२	पूफायां भौमः ३४ जन्माष्टमी स्मा. वै.
९	चं	५५	५	कृ	५	२१	व्या	५२	४६	तै	२५	४३	१९	३२	२८	१९	२८	२२ वृषे	गोगानवमी
१०	मं	५२	३७	रो	५	४५	ह	४८	२३	व	२३	५१	१५	३३	२७	२०	२९	२३ मि ३५।२१	भ. ३३ उ. ५२।३७या. कन्यायां बुधः ५५ ३७
११	बु	४९	८	मृ	४	५८	व	४२	४९	ब	२०	५२	१२	३४	२६	२१	३०	२४ मिथुने	अजा ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	गु	४४	५१	आ	३	४	सि	३६	३८	कौ	१६	५९	८	३४	२६	२२	३१	२५ क. ४६।८	हस्ते भृगुः ४२।३४ अजा ११ ब्र. नि.
१३	शु	३९	४५	पु	२९	५६	व्य	२९	५७	ग	१२	१८	४	३५	२५	२३	१	२६ कर्के	भ. ३९ उ. प्रदोषः राष्ट्रीय भाद्रपद मा. ६=
१४	श	३४	६	श्ले	५३	१९	व	२२	४३	वि	६	५५	०	३६	२४	२४	२	२७ सिं ५३।१९	भ. ६।५५ या. हस्ते १ गुरुः =ता. ३१
२०	र	२८	१३	म	४९	१७	प	१५	१३	च	१	१०	३१ ५९	३७	२३	२५	३	२८ सिंहे	वक्री बुधः ५६ पिठोरी ३० कुशाग्रहणी

१९पं.भा.कृ.७श.इ.२५।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	५	७	६	४
०	१२	२७	८	३	१४	२१	०
३२	३५	५१	३८	३९	२६	२०	५९
४७	६	१५	५३	५८	४९	४६	४५
५७	३९	३६	१२	७२	०	३	५७
३४	९	४५	१६	२८	मा	११	४०

गोचरग्रहाः

भाद्र. कृ. ६ शुक्रे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न. ४ प्रगल्भाव-स्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभावसम) शुक्रोदय पश्चिमे।

गोचरग्रहाः

२०पं.भा.कृ.१४श.इ.२५।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	५	५	७	६	४
७	१७	२	१०	१२	१४	२०	७
१६	०	१०	०	३	३३	५८	४४
२१	४५	३९	३८	२७	१६	३०	१५
५७	३९	९	१२	७२	१	३	५७
४५	९	२७	३८	८	२३	११	४८

*मंबुशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंबुशु +बुबुशु

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२३९ स.१९५७
१	चं	२२	६	पू	४५	७	शि	७/३०	५२/२९	ब	२२	६	३५/५२	५/३८	६/२२	२६	४	२९	कं.५९।७	
२	मं	१६	२	उ	४१	८	सा	५२	३०	कौ	१६	२	४८	३८	२२	२७	५	१	कन्यायां	सफर २
३	बु	१०	१४	ह	३७	२३	शु	४५	२१	ग	१०	१४	४४	३९	२१	२८	६	२	कन्यायां	भ. ३७।२८ उ. हरितालिका३ गणेश४
४	गु	४	४२	चि	३४	१६	शु	३८	३१	वि	४	४२	४०	४०	२०	२९	७	३	तु.५।४९	भ. ४।४२ या. ऋषि
५	गु	५५	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	शु	५५	५०	स्वा	३१	४८	ब्र	३२	१५	कौ	२७	४९	३६	४१	१९	३०	८	४	तुलायां	पूफायां रविः ४।२७
७	श	५२	४८	वि	३०	११	ऐं	२६	४९	ग	२४	१९	३२	४२	१८	३१	९	५	वृ.३५।११	भ. ५२।४८ उ.
८	र	५०	५४	अ	२९	३७	वै	२२	१३	वि	२१	५१	२८	४२	१८	१	१०	६	वृश्चिके	भ.२१।५१ या. सितम्बर मा.९ ता.३०
९	चं	५०	१६	ज्ये	३०	८	वि	१८	३१	बा	२०	३५	२४	४३	१७	२	११	७	ध.३०।८	पश्चिमास्तो बुधः ५०/४ वक्री सिंहे बुधः ३२/२९*
१०	मं	५०	५९	मू	३२	२	प्री	१५	४८	तै	२०	३८	२१	४४	१६	३	१२	८	धनुषि	
११	बु	५०	४९	पू	३५	१२	आ	१४	८	व	२०	५४	१७	४५	१५	४	१३	९	म.५१।२७	भ.२०/५४ उ.५०/४९ या. जलझूलनी ११ब्र.स्मा.वै.
१२	गु	५५	४९	उ	३९	३१	सौ	१३	२८	ब	२३	१९	१४	४५	१५	५	१४	१०	मकरे	जलझूलनी ११ ब्र. नि. वामनजयन्ती
१३	शु	५९	५	श्र	४७	५२	शो	१३	४९	कौ	२७	२७	१०	४६	१४	६	१५	११	मकरे	वक्री पूफायां बुधः ५५।४३ प्रदोषः
१४	श	६०	०	ध	५०	४४	अ	१४	४५	ग	३१	५१	६	४७	१३	७	१६	१२	कु.१९।१८	अनन्त १४ *चित्रायां भृगुः५२।९
१४	र	४	३७	श	५७	४	सु	१५	५४	व	४	३७	२	४८	१२	८	१७	१३	कुम्भे	भ.४/३७ उ.३७/४ या. उफायांभौमः ३०/८ तुलायां×
१५	चं	९	३१	पू	६०	०	धृ	१७	५४	ब	९	३१	३०/५८	४८	१२	९	१८	१४	मी४९।४४	हस्ते२गुरुः ३५/४३ प्रौष्ठपदी ×भृगुः २९/४५ महाल.

२१पं.भा.शु.७श.इ.२५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	५	५	७	६	४
१४	२१	१	११	२०	१४	२०	१४
१	२९	११	२४	२४	४३	३६	२९
३२	१५	५४	३१	५	३	१५	५४
५७	३९	३३/५२	१३	७१	२	३	५८
५७	१९	ब	२	४७	३	११	१

गोचरग्रहाः

६* ४ ३ ७ रा ५सूमं ८शच २ ९ ११ १ के १० १२

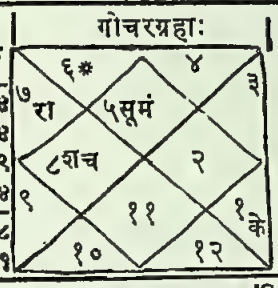

इस मास में पांच रविवार तथा सोमवार साधारण हैं, और रवि से आगे मंगल वर्षा का अवरोधक योग है

गोचरग्रहाः

७ रा ५सूबुमं ४ ३ ८श २ ९ ११चं १ के १० १२

२२पं.भा.शु.१४श.इ.२४।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	५	७	६	४
२०	२५	२६	१२	२८	१४	२०	२१
४८	५७	७	५१	४२	१७	१४	१६
१३	१०	२५	१	५६	४६	०	५९
५८	३९	६६/४८	१३	७१	२	३	५८
१२	२६	ब	१८	२२	४२	११	१३

ति.	आश्विन कृष्णपक्ष सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१३	२८	पू	३	१८	शू	१९	३	कौ	१३	२८	३०/५१	५/४९	६/११	१०	१९	१५	मीने	
२	बु	१८	५७	उ	९	२५	गं	१९	४८	ग	१८	५७	४९	५०	१०	११	२०	१६	मीने	भ.५०/४७ उ.स्वात्यां४राहुःभरण्यां२केतुः ४९/१
३	गु	२२	३७	रे	१४	३६	वृ	२०	१७	वि	२२	३७	४४	५१	९	१२	२१	१७	मे.१४।३६	भ. २२।३७ या.
४	शु	२५	१७	अ	१८	५९	ध्रु	१९	५६	बा	२५	१७	४०	५२	८	१३	२२	१८	मेषे	उफायां रविः २६/४६ कन्यायां भौमः५१।४८
५	श	२६	४७	भ	२२	५	व्या	१९	६	तै	२६	४७	३६	५३	७	१४	२३	१९	बृ.३७।३४	स्वात्यां भृगुः ९।२
६	र	२५	५९	कृ	२४	०	ह	१६	११	व	२६	५९	३२	५४	६	१५	२४	२०	बृषे	भ. २६।५९ उ. ५५।२३ या.
७	चं	२५	४६	रो	२४	४०	व	१२	५०	ब	२५	४६	२८	५४	६	१६	२५	२१	मि५४।२६	कन्यायामर्कः ५१/५७ पूर्वोदयी बुधः ५०/४४
८	मं	२३	२५	मृ	२४	१३	सि	८	२६	कौ	२३	२५	२४	५५	५	१७	२६	२२	मिथुने	
९	बु	२०	३	आ	२२	१९	व्य	३/१६	५३/५४	ग	२०	३	२०	५६	४	१८	२७	२३	मिथुने	भ. ४६।५६ उ.
१०	गु	१५	४९	पु	१९	४७	प	५०	२३	वि	१५	४९	१६	५७	३	१९	२८	२४	क.५।२५	भ. १५।४९ या. मार्गी बुधः ७।११
११	शु	१०	५१	पु	१६	४७	शि	४३	२०	बा	१०	५१	१२	५८	२	२०	२९	२५	कर्के	अस्तं गुरुः ६/३६ इन्दिरा ११ ब्र. अ.गु.
१२	श	५	१५	श्ले	१३	१०	सि	३५	४७	तै	५	१५	८	५८	२	२१	३०	२६	सिं१३।१०	भ. ५८।४५ उ. प्रदोषः
१३	श	५३	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१४	र	५३	२४	म	९	२	सा	३८	५	वि	२६	५	४	५९	१	२२	३१	२७	सिंहे	भ. २६।५ या. +मा.७ दि.३०
३०	चं	४७	२२	पू	४	५८	शु	२०	३१	च	२०	२३	३०/०	६/०	६/०	२३	१	२८	कं.१८।५८	सोमवती अमावस्या राष्ट्रीय आश्विन+

२३पं. आ.कृ.५श.इ.२४।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	६	७	६	४
२७	०	१९	१४	६	१५	१९	२८
३६	२७	३४	१८	५८	१७	५१	५
३६	३४	४२	३४	३४	१४	४४	२१
५८	३९	१५/१९	१३	७०	३	३	५८
२९	३६	ब	२५	४९	२२	११	२६

गोचरग्रहाः

बृ६मं ४ ७ रा शु ५सूबु ३ ८श २ ११ के १ चं ९ १० १२

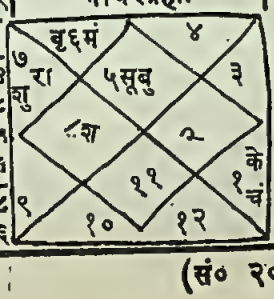

आश्विन कृ.७चंद्रे कन्यायामर्कःप्र.वा. ४नं.५ कुमारावस्था(बैठी)मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पश्चि.।

गोचरग्रहाः

८ श ६सूमंबृ ४ ९ ३ २ १० १२ ११ १के

२४पं.आ.कृ.१२श.इ.२४।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	५	६	७	६	५
४	४	१८	१५	१५	१५	१९	४
२६	५८	१३	४८	१३	४२	२९	५५
४१	३६	४	३७	५३	२७	२९	१२
५८	३९	३५/३०	१३	७०	४	३	५८
४५	३६	मा	३२	१२	१	११	३८

*बुबृशु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९													दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	मं	४१	३६	उ	५६	५६	शु	१२	४७	के	१४	२९	३५	६	५९	२४	२	२९		कन्यायां
२	बु	३६	११	चि	५३	५०	ब्र	२७	५३	बा	८	५३	५१	२	५८	२५	३	३०	तु.	२५।३१
३	गु	३१	२२	स्वा	५१	२०	वै	५२	३	ते	३	४६	४६	३	५७	२६	४	१		तुलायां
४	शु	२७	२९	वि	४९	२४	वि	४६	२१	वि	२७	२९	४२	४	५६	२७	५	२	वृ.	३४।५३
५	श	२३	३२	अ	४८	३२	प्री	४१	२४	बा	२३	३२	३८	४	५६	२८	६	३		वृश्चिके
६	र	२२	४२	ज्ये	४८	५५	आ	३७	३०	त	२२	४२	३४	५	५५	२९	७	४	ध.	४८।५५
७	चं	२२	९	मू	५०	६	सौ	३४	२०	ध	२२	९	३०	६	५४	३०	८	५		धनुषि
८	मं	२२	५४	पू	५३	१८	शो	३२	२४	ब	२२	५४	२६	७	५३	१	९	६		धनुषि
९	बु	२४	५०	उ	५७	१३	अ	३१	२७	की	२४	५०	२२	८	५२	२	१०	७	म.	९।१७
१०	गु	२६	५३	श्र	६०	०	सु	३१	१५	ग	२६	५३	१८	८	५२	३	११	८		मकरे
११	शु	३२	१२	श्र	२	२३	धृ	३१	५५	वि	३२	२	१४	९	५१	४	१२	९	कु.	३५।१३
१२	श	३६	४९	ध	८	४	शू	३२	५८	ध	४	२६	१०	१०	५०	५	१३	१०		कुम्भे
१३	र	४१	५०	श	१४	२९	गं	३४	२७	की	९	१९	६	११	४९	६	१४	११		कुम्भे
१४	चं	४६	५१	पू	२०	५३	धृ	३५	४७	ग	१४	२०	३	१२	४८	७	१५	१२	मी	४।१७
१५	मं	५१	२७	उ	२६	५८	घृ	३६	५६	वि	१९	९	२८	१२	४८	८	१६	१३		मीने

शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽयनगणः १२६८ स. १९५७	
नवरात्रा.	
चंद्रदर्शनम् विशाखायायां भृगुः ३९ हस्ते ३४	
भ. ५६।२९ उ. रविलाव ३	
भ. २७।२९ या. हस्ते रविः २४।२५	
हस्ते भौमः २।३६ ×गुरुः ३२।४	
भ.२२।९उ.५३या. मार्गी उफायां बुध ५	
अक्टूबर मा. १० ता. ३१	
कन्यायां बुधः२२।१७ मन्वादिः वलिदा.	
भ.५९उ.विजया१० बौद्धउ.सरस्वतीविसर्ज	
भ.३२या.वृश्चिकेभृगुः ३९ पापांकुशा ११	
मार्गी ज्येष्ठायां १ शनिः १०।१९	
पूर्वास्तं बुधः १८।२४ प्रदोषः	
भ.४६।५१ उ. अनुराधायां भृगुः०।२६	
भ.१९।९ या: हस्ते बुधः ३३ शरत्पू.१५	

२५पं.आ.शु.५श.इ.२४।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	५	६	७	६	५
११	९	२४	१७	२३	१६	१९	११
१८	३४	२०	१८	२३	१०	७	४३
४७	५२	३५	५५	५७	२	१३	५५
५९	३९	८०	१३	६९	४	३	५८
०	३६	५४	३७	२५	३६	११	५३

गोचरग्रहाः

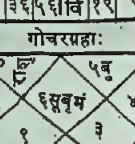

इस मास में प्रजा सुख है। धान्य होगा धान्य रुई में मन्दी। चांदी अलसी में तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

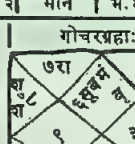

२६पं.आ.शु.१२श.इ.२४।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	५	७	७	६	५
१८	१४	५	१८	१	१६	१८	१८
१२	४	३	४९	३०	४१	४४	४०
२६	१३	२३	४६	५	११	५८	०
५९	३९	९९	१३	६८	५	३	५९
१६	४६	५८	३८	३९	३	११	५

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९													दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	बु	५५	११	रे	३२	३९	ष्या	३८	२८	बा	२३	१९	४८	५	४७	५	९	१७	१४	मे. ३२।३९
२	गु	५७	५४	अ	३७	१	ह	३७	९	त	२६	३३	५०	१४	४६	१०	१८	१५		मेषे
३	शु	५९	३१	भ	४०	३५	ध	३५	५५	ध	२८	४३	४६	१५	४५	११	१९	१६	वृ.	५६।२६
४	श	५९	४६	कृ	४३	५९	स्वि	३३	५१	ध	२९	३९	४२	१६	४४	१२	२०	१७		वृषे
५	र	५८	४३	रो	४३	२१	ब्र	३०	४१	की	२९	१४	३८	१६	४४	१३	२१	१८		वृषे
६	चं	५६	२४	मृ	४३	२१	ध	२६	३५	ग	२८	५	३४	१७	४३	१४	२२	१९	मि	१३।२६
७	मं	५३	६	आ	४१	५४	प	२१	२८	वि	२४	४५	३०	१८	४२	१५	२३	२०		मिथुने
८	बु	४८	५६	पु	३९	३४	शि	१५	३४	बा	२१	१	२६	१९	४१	१६	२४	२१	क.	२५।९
९	गु	४४	२	पु	३७	२४	सि	८	५९	ते	१६	२९	२२	२०	४०	१७	२५	२२		कर्के
१०	शु	३८	३२	श्ले	३२	५६	सा	५२	३३	ध	११	१७	१८	२०	४०	१८	२६	२३	सिं	३२।५६
११	श	३२	४५	म	२८	५७	शु	४६	४५	ध	५	३८	१४	२१	३९	१९	२७	२४		सिंहे
१२	र	२६	४८	पू	२५	१	ब्र	३८	५३	ते	२६	४८	१०	२२	३८	२०	२८	२५	क.	३८।५८
१३	चं	२०	५०	उ	२०	४७	ऐं	३१	११	ध	२०	५०	६	२३	३७	२१	२९	२६		कन्यायां
१४	मं	१४	५०	ह	१६	५४	वै	२३	३६	श	१४	५०	३	२४	३६	२२	३०	२७	तु.	४५।११
३०	बु	९	५०	चि	१३	२८	वि	१६	३६	ना	९	५०	२९	२४	३६	२३	१	२८		तुलायां

चित्रायां रविः ३५।२ हस्ते४ गुरुः५३।१	
भ. २८।४३ उ. ५९।३१ या.	
●राष्ट्रीय कार्तिक मा. ८ दि. ३१	
भ. ५६।२४ उ.	
भ. २४।४५ या.	
उदयं गुरुः ३९ चित्रायां बुध ९ उ.गु.	
तुलायामर्कः १७।४६	
भ ३९उ.३८।३२या. ज्येष्ठायां भृगुः ३५	
चित्रायांभौमः ३४तुलायांबुधः ४३रमा ११	
प्रदोषः घन १३	
भ. २०।५० उ. ४७।५० या. रूप १४	
महालक्ष्मी पूजनम्	
स्वात्यां रविः ५६स्वात्यां बुधः ३६अन्नकूट●	

२७पं.का.कृ.४श.इ.२४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	५	७	७	६	५
२५	१८	१७	२०	९	१७	१८	२५
८	३७	९	२०	३४	१६	२२	३५
१८	२४	४०	७३	१६	१३	५३	६
५५	२९	८	१३	६७	५	३	५९
२१	३४	५५	३८	४०	३०	११	१२

गोचरग्रहाः

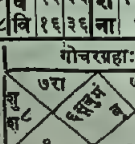

कार्तिक कृ.९गुरौ तुलायामर्कः प्र.वा. ४न.४प्रौढावस्था (बैठी) मृ. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

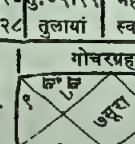

२८पं.का.कृ.११श.इ.२४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	५	७	७	६	६
२	२३	२९	२१	१७	१७	१८	२
६	१२	१५	५०	३३	५३	०	३१
४७	५५	५९	२९	४१	४३	२७	३५
५९	३९	९९	१३	६६	५	३	५९
४६	४५	५८	३२	३१	५४	११	३४

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२९८ स. १९५७
१	गु ५ ८ स्वा १० ३६ प्री ९ ४७ ब ५ ८	२७	६	५	२४	२	२९	वृ.५४।२	चंद्रदर्शनम्
२	शु १ ८ वि ८ ३१ आ ४९ ५४ को १ ८	५४	२६	३४	२५	३	१	वृश्चिके	रविलाक्षर ४.
३	शु ५७ २१ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
४	श ५६ ४४ अ ७ २७ शो ५४ १९ च २७ ३७	४६	२७	३३	२६	४	२	वृश्चिके	भ.३६उ.५६।४४या. चित्रायां १ गुरुः ३६ ३८
५	र ५६ १७ ज्ये ७ ३३ अ ५० ५८ ल २६ ३०	४२	२८	३२	२७	५	३	ध.७।३३	
६	चं ५७ ११ मू ८ ४० सु ४८ ३६ को २६ ४४	३८	२८	३२	२८	६	४	धनुषि	
७	मं ५९ ११ पू ११ २१ धृ ४७ १७ ग २८ ११	३५	२९	३१	२९	७	५	म.२७।१८	भ. ५९।११ उ. तुलायां भौमः ३७।१५
८	बु ६० ० उ १५ ८ शू ४६ ४६ वि ३० ४७	३१	३०	३०	०	८	६	मकरे	भ.३०।४७या.धनुषिमृगुः ३३ गोपाष्टमी
९	गु ३ २४ श्र १० ५८ मं ४७ १४ ब २ २४	२८	३०	३०	३१	९	७	कु.५२।४८	विशाखायां बुधः ५७।३५
१०	शु ६ ४० ध २५ ३८ वृ ४८ ३ को ६ ४०	२४	३१	२९	१	१०	८	कुम्भे	नवम्बर मा. ११ ता. ३०
११	श ११ ३१ श ३१ ५४ धु ४९ १८ ग ११ ३१	२०	३२	२८	२	११	९	कुम्भे	भ. ४४।३२ उ.
१२	र १७ ३२ पू ३८ १८ ध्या ५० ४२ वि १७ ३२	१७	३३	२७	३	१२	१०	मी २१।४२	भ. १७।३२ या. प्रबोधिनी ११ ब्र.
१३	चं २१ ५० उ ४४ २६ ह ५१ ४९ बा २१ ५०	१३	३३	२७	४	१३	११	मीने	प्रदोषः मन्वादिः
१४	मं २६ २६ रे ५० ८ व ५२ २२ तै २६ २६	१०	३४	२६	५	१४	१२	मे.५०।८	
१५	बु ३० १५ अ ५४ ५५ सि ५२ २३ व ३० १५	६	३५	२५	६	१५	१३	मेषे	भ.३०।१५उ. विशाखायां रविः १६।११
१६	गु ३३ १ भ ५८ ३७ व्य ५१ ३३ वि १ ३८	३	३५	२५	७	१६	१४	मेषे	भ.१।३८या. वृश्चिकेबुधः ३१ चन्द्रग्रहणं

२९पं.का.शु.४श.इ.२३।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	५	७	७	६	६
९	२७	१०	२३	२५	१८	१७	९
५	५१	५९	२१	१९	३७	३८	२९
१०	६	५२	३९	४	४	३२	५२
६०	३९	००	१३	६५	६	३	५९
२	५९	४८	२५	६	१९	११	४७

गोचरग्रहाः

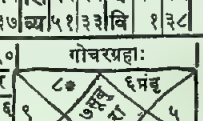

इस मास में गुड़ खांड घृत चावल सौंठ मिर्च नारियल तेज होगा।

गोचरग्रहाः

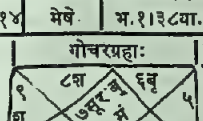

३०पं.का.शु.१०श.इ.२३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	६	५	८	७	९	६
१६	२	२२	२४	३	१९	१७	१६
६	२८	२३	४९	०	१९	१५	२९
१३	४७	२३	७	६	५८	१७	४०
६०	३९	९९	१३	६३	६	३	६०
१८	५२	५७	१८	३२	३३	११	४

ति.	मार्गशीर्षे कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुः रविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ३४ ३७ कृ ६० ० व ४९ ३६ बा ३ ४६	३६	३	२४	५	८	१७	वृ.१४।१३	स्वात्यां भौमः ४१ ज्येष्ठायां २ शनिः ४१
२	श ३४ ५५ कृ १ २ प ४६ ४३ तै ४ ४६	५६	३७	२३	९	१८	१६	वृषे	अनुराधायां बुधः २४।४७
३	र ३२ ५० रो २ १६ शि ४२ ४९ च ३ ५३	५३	३८	२२	१०	१९	१७	मि ३२।१८	भ. ३।५३ उ. ३२।५० या.
४	चं ३१ ३१ मृ २ २१ सि ३७ ५६ व २ १०	४९	३८	२२	११	२०	१८	मिथुने	उदयंभौमः ९।५७ चित्रायां २ गुरुः १२।३२
५	मं २८ १६ आ ३ ५५ सा ३२ १३ तै २८ १६	४६	३९	२१	१२	२१	१९	क.४४।१६	पूषायां भृगुः १०।२२
६	बु २४ ७ पु ५ ६ ११ शु २५ ४३ व २४ ७	४३	३९	२१	१३	२२	२०	कर्के	भ. २४ उ. ५१ या. स्वात्यां ३ राहुः भरण्यां १ ×
७	गु १९ १२ श्ले ५ २ ३९ शु १८ ३५ व १९ १२	४०	४०	२०	१४	२३	२१	सिं ५२।३९	
८	शु १३ ४६ म ४८ ४२ ब्र ११ ४ को १३ ४६	३७	४१	१९	१५	२४	२२	सिंहे	पश्चिमोदयी बुधः २३।५२ × केतुः ४१
९	श ८ ४ पू ४४ ४० ऐं २३ ५३ ग ८ ४	३४	४१	१९	१६	२५	२३	कं.५८।३७	भ. ३५।८ उ. वृश्चिकेऽर्कः १०।३२
१०	र २ १२ उ ४० ३० वि ४७ ५१ वि २ १२	३१	४२	१८	१७	२६	२४	कन्यायां	भ. २।१२ या. उत्पत्ति ११ ब्र. स्मा.
११	र ५४ ८ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१२	चं ५० ४४ ह ३६ ३१ प्री ४० ८ को २३ ३२	२९	४२	१८	१८	२७	२५	कन्यायां	ज्येष्ठायांबुधः १।१६ उत्पत्ति ११ ब्र.वै.नि.
१३	मं ४५ ३६ चि ३३ २ आ ३२ ४७ ग १८ १०	२६	४३	१७	१९	२८	२६	तु.४।४६	भ. ३५ उ. अनुराधायां रविः ३६ प्रदोषः
१४	बु ४० ५८ स्वा २९ ५९ सौ २५ ४३ वि १३ १७	२४	४३	१७	२०	२९	२७	तुलायां	भ. १३।१७ या.
१५	गु ३७ १७ वि २७ ४५ शो १९ २८ च ९ ७	२१	४४	१६	२१	३०	२८	वृ.१३।१९	

३१पं.मा.कृ.२श.इ.२३।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	५	८	७	६	६
२४	७	३	२६	१०	२०	१६	२३
८	६	१७	१६	२८	४	५३	३१
५१	४७	५०	२०	४९	३८	४१	१
६०	४०	९७	१३	६०	६	३	६०
३०	८	१८	१	३२	५०	११	१७

गोचरग्रहाः

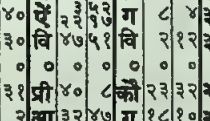

मार्ग. कृ.९ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.४ प्रगलभावस्था (बैठी) नु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पश्चिम.।

गोचरग्रहाः

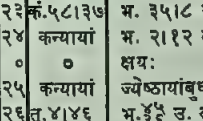

३२पं.मा.कृ.९ श.इ.२३।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	८	७	६	७
०	११	१	२७	१७	२०	१६	०
१२	४९	६	४०	४७	५०	३१	३३
५६	४३	४५	१४	१	४४	२६	४९
६०	४०	९३	१२	५९	७	३	६०
४०	६	४७	२६	२	२	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९	दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १३२७ स.१९५७
१	शु ३४ ३४ अ २६ २८ अ १४ ३ किं ५ ५५	२६	६	५	२२	६	२९	वृश्चिके	अस्तंशनिः ५५/५४ राष्ट्रीय मार्ग.मा.९ दि.३०
२	श ३२ ५८ ज्ये २६ १६ सु ९ २४ बा ३ ४६	१६	४५	१५	२३	७	३०	ध.२६।१६	चन्द्रदर्शनम्
३	र ३२ ३९ मू २७ १५ धृ ५ ४१ तै २ ४८	१४	४५	१५	२४	८	१	धनुषि	जमादिलावल ५
४	चं ३३ ३६ पू २९ ४६ शू २ ५४ व ३ ७	११	४६	१४	२५	९	२	म.४५।३५	भ.३।७ उ. ३३/३ या. उपायां भृगुः २६।३
५	मं ३५ ५४ उ ३२ ५९ गं १ ११ ब ४ ४५	९	४६	१४	२६	१०	३	मकरे	
६	बु ३९ २० श्र ३७ ३९ वृ ० १३ को ७ ३७	६	४७	१३	२७	११	४	मकरे	धनुषि बुधः २४।५१
७	गु ४३ ४२ ध ४३ १२ ध्रु ० ३२ ग ११ ३१	४	४७	१३	२८	१२	५	कु.१०।२५	भ.४३/३ उ.विशाखायां भौमः ३७/८ मकरे भृगुः ४
८	शु ४८ ४१ श ४९ २१ श्रा १ १७ वि १६ ११	१	४८	१२	२९	१३	६	कुम्भे	भ.५६/५ या. ×४८/८ चित्रायां ३ तुलायां गुरुः ५५/५
९	श ५३ ५१ पू ५५ ४० ह २ २६ बा २१ १६	३५/५८	४८	१२	३०	१४	७	मी ३९।१५	कल्यादिः
१०	र ५८ ५७ उ ६० ० व ३ ४० तै २६ २४	५६	४९	११	१	१५	८	मीने	दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
११	चं ६० ० उ २ ० सि ४ ४४ व ३१ २१	५४	४९	११	२	१६	९	मीने	भ.३/१ उ.ज्ये.रविः ३/५ मोक्षदा ११ ब्र.स्मा.
११	मं ३ ४५ रे ७ ५२ व्य ५ ४३ वि ३ ४५	५२	५०	१०	३	१७	१०	मे.७।५२	भ. ३।४५ या. मोक्षदा ११ ब्र.
१२	बु ७ २७ अ १२ ४८ व ५ ३८ बा ७ २७	५१	५०	१०	४	१८	११	मेषे	प्रदोषः
१३	गु ११ १२ भ १६ ४७ प ५ ९ तै ११ १२	४९	५०	१०	५	१९	१२	वृ.३२।३१	
१४	शु ११ ४५ कृ १९ ४४ सि ३ २६ व ११ ४५	४८	५०	१०	६	२०	१३	बृषे	भ.५/५ उ.४३/४ या. अभिजित्प्रवृत्तो भृगुः २५/२७
१५	श १२ ४ रो २१ ४ शि ५९/५९ ब १२ ४	४६	५१	९	७	२१	१४	मि ५१।१३	पूषायां बुधः ४३/४३ ज्येष्ठायां ३ शनिः ५५/५२

३३पं.मा.शु.२श.इ.२६।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	८	७	६	७
७	१६	२४	२९	२४	२१	१६	७
१८	३०	२९	३	४५	३७	९	३७
३०	३४	७	१६	३०	५३	१०	४२
६०	४०	८५	१२	५५	७	३	६०
५३	१६	२९	१३	५०	१४	११	४२

३४पं.मा.शु.९श.इ.२२।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	९	७	६	७
१४	२१	३	०	१	२२	१५	१४
२१	१७	५२	२०	२१	२७	४६	४२
१५	५	२	४८	१३	२१	५५	५६
६१	४०	८०	११	५१	७	३	६०
३	९	२५	४०	५५	२०	११	५०

३५पं.मा.शु.१५श.इ.२२।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	९	७	६	७
२१	२६	१२	१	७	२३	१५	२१
२३	०	५८	२४	२३	१६	२४	४९
२	२१	३३	५५	५२	१	४०	१
६१	४०	६३	११	४६	७	३	६०
११	२३	२१	४	४३	२०	११	५६

ति.	पोष कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र १० ५७ मृ २१ २३ शु ५२ ३३ को १० ५७	२५/५६	६	५	९	८	२२	१५	मिथुने
२	चं ८ ३८ आ २० २६ शु ४७ ६ ग ८ ३८	४३	५१	९	९	२३	१६	मिथुने	भ. ३७।० उ.
३	मं ५ २३ पु १८ २० ब्र ४० ५५ वि ५ २३	४२	५२	८	१०	२४	१७	कं.३।५९	भ. ५।२३ या. श्रवणे भृगुः ३५।८
४	बु १ १३ पु १५ ४६ पें ३३ ५६ बा १ १३	४१	५२	८	११	२५	१८	कर्के	अभिजिन्नवृत्तो भृगुः ३९।५०
५	बु ५५ ४ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
६	गु ५० ५३ श्ले १२ २८ वै २६ ३७ ग २३ ३५	४०	५२	८	१२	२६	१९	सिं १२।२८	भ. ५०।५३ उ.
७	शु ४५ १३ म ८ ३९ वि १९ ० वि १८ ३	३९	५२	८	१३	२७	२०	सिंहे	भ. १८।३ या. वृश्चिके भौमः ९।१२
८	श ३९ २० पू ४ ३६ प्री ११ ६ बा १२ १६	२८	५२	८	१४	२८	२१	कं.१८।३४	
९	र ३३ ३१ उ ० ५५ आ १८/५३ तै ६ २५	३८	५२	८	१५	२९	२२	कन्यायां	
१०	चं २७ ५९ चि ५२ ५१ शो ४८ ० व ० ४५	३७	५३	७	१६	१	२३	तु.२४।३९	भ. ५२।१६ धनुष्यर्कः ३९।१
११	मं २२ ५३ स्वा ४९ ३८ अ ४० ५५ बा २२ ५३	३७	५३	७	१७	२	२४	तुलायां	भ.०।४५ उ.२७।५९ या. वक्री बुधः ८।१९
१२	बु १८ २८ वि ४७ १७ सु ३४ २२ तै १८ २८	३७	५३	७	१८	३	२५	वृ.३२।५२	अनुराधायां भौमः ५५।५ सफला ११ ब्र.
१३	गु १४ ५२ अ ४६ २ धृ २८ ३२ व १४ ५२	३६	५३	७	१९	४	२६	वृश्चिके	चित्रायां ४ गुरुः १५।५५ प्रदोषः
१४	शु १२ २० ज्ये ४५ १६ शू २३ ३५ श १२ २०	३६	५३	७	२०	५	२७	ध.४५।१६	भ. १४/५२ उ. ३३/३ या. पश्चिमास्तो बुधः ४६/३३
२०	श १० ५० मू ४५ ५८ गं १९ ३७ ना १० ५०	३६	५३	७	२१	६	२८	धनुषि	

३६पं.पौ.कृ.८श.इ.२२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	६	९	७	६	७
२८	०	१८	२	१२	२४	१५	२८
४१	४९	४	४५	५०	६	२	५५
४५	२२	१	१०	३१	४३	२४	५८
६१	४०	२२	१०	४०	७	३	६१
१९	२७	२१	२१	१	२०	११	०

गोचरग्रहाः

पौष कृ. ६ रवौ धनुष्यर्कः प्रवा.२ न.३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

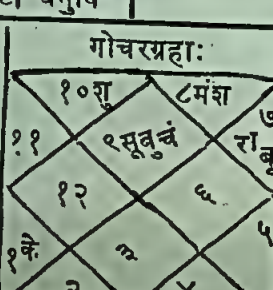

३७पं.पौ.कृ.३०श.इ.२२।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	६	९	७	६	८
५	५	१५	३	१८	२४	१४	६
५१	४०	४४	४९	५५	५५	४०	३
११	१९	१४	४९	४९	३	९	३३
६१	४०	६६	९	२१	७	३	६१
२२	३८	५	३६	२१	१४	११	५

ति.	पौष	शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः १३५७ स. १९५७
१	र	१०।३८ पू ४७।५३	वृ	१६।३०	ब	१०।३८	३५	६	५	२२	७	२९	धनुषि	चन्द्रदर्शनम् राष्ट्रीय पौष मा.१० दि.३०
२	चं	११।५१ उ ५१।१०	छु	१४।२०	को	११।५१	३७	५३	७	२३	८	१	म.३।४२	जमादिलाखर६ वक्री मूले बुधः ३२।४९
३	मं	१४ ६ श्र ५५।३५	ध्या	१३।१३	ग	१४ ६	३७	५३	७	२४	९	२	मकरे	भ. ४५।५७ उ.
४	बु	१७।४८ ध ६० ०	ह	१३ ५	वि	१७।४८	३७	५३	७	२५	१०	३	कुं.२८।१५	भ. १७।४८ या. उदयं शनेः ३९।९
५	गु	२२।१६ ध ० ५६	व	१३।२९	बा	२२।१६	३८	५२	७	२६	११	४	कुम्भे	
६	शु	२७।१८ श ० ५६	सि	१४।३०	तै	२७।१८	३८	५२	८	२७	१२	५	मी५६।४७	
७	श	३२।३४ पू १३।२३	व्य	१५।४७	व	३२।३४	३८	५२	८	२८	१३	६	मीने	भ. ३२।३४ उ. पूषायां रविः ४०।३८
८	र	३७।३९ उ १९।१४	व	१६।५१	वि	५ ६	३९	५२	८	२९	१४	७	मीने	भ. ५।६ या.
९	चं	४२।२० रे २६ ७	ष	१७।५६	बा	१० ०	३९	५२	८	३०	१५	८	मे.२६।७	पूर्वोदयी बुधः ४६।३४
१०	मं	४६ ४ अ ३०।५४	शि	१८ ५	तै	१४।१२	४०	५२	८	३१	१६	९	मेषे	
११	बु	४८।४६ भ ३५।१३	सि	१७।१४	व	१७।३१	४१	५२	८	१	१७	१०	वृ.५०।५२	भ.१७ उ.४६ या.जनवरी मा.१ता.३१सन्●
१२	गु	५०।१४ कृ ३७।४७	सा	१६ २६	ब	१९ ३०	४२	५२	८	२	१८	११	वृषे	पुत्रदा११ब्र.नि ●१९५८पुत्रदा११ब्र.स्मा.वै
१३	शु	५०।२६ रो ४० ४	शु	१४ ८	को	२० २०	४३	५१	९	३	१९	१२	वृषे	प्रदोषः
१४	श	४९।१८ मृ ४१।३९	शु	१०।५०	ग	१९।५२	४४	५१	९	४	२०	१३	मि१०।५१	भ. ४९।१८ उ.
१५	र	४६।५५ आ ४० ६	ब्र	६।४१	वि	१८ ७	४५	५१	९	५	२१	१४	मिथुने	भ.१८।७ या. ज्येष्ठायां४ शनिः३४।१४

३८पं.पौ.शु.७श.इ.२२।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	६	९	७	६	८
१३	१०	६	४	२०	२५	१४	१३
१	२९	५७	५०	४४	४४	१७	११
७	२८	५८	२५	२८	५४	५४	३२
६१	४०	६५	८	२०	७	३	६१
२६	४२	ब	४४	४	७	११	६

गोचरग्रहाः

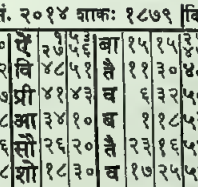

इस मास में ५ रविवार रोग वृद्धि कारक हैं 'पंचार्कः वासरे रोगाः' रुई गल्ला में मंदी होगी ।

गोचरग्रहाः

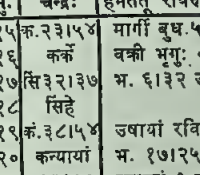

३९पं.पौ.शु.१४श.इ.२२।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	६	९	७	६	८
२०	१५	१	५	२२	२६	१३	२०
११	२१	४३	४३	३६	३१	५५	१९
२	२९	३७	१४	७	३७	२८	३७
६१	४०	१५	७	६	६	३	६१
२६	५६	ब	४५	५	५८	११	६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४।३ पु ३८।३०	ऐं	२७	५६	बा	१५	१५	३५	६	५	६	२२	१५	क.२३।५४	मार्गी बुधः ५।६ ज्येष्ठाया भौमः १७।७
२	मं	३९।२४ पु ३५।५२	वि	४८	५१	तै	११	३०	४८	५०	१०	७	२३	१६	कर्के	वक्री भृगुः ०।३४
३	बु	३३।४० श्ले ३२।२७	प्री	४१	४३	व	६	३२	५०	५०	१०	८	२४	१७	सिं३२।३७	भ. ६।३२ उ. ३३।४० या.
४	गु	२८।५७ म २८।५८	आ	३४	१०	ब	१	१८	५२	५०	१०	९	२५	१८	सिंहे	
५	शु	२३।१६ पू २४।५६	सौ	२६	२०	तै	२३	१६	५४	४९	११	१०	२६	१९	कं.३८।५४	उषायां रविः ४२।६
६	श	१७।२५ उ २०।४८	शो	१८	३०	व	१७	२५	५६	४९	११	११	२७	२०	कन्यायां	भ. १७।२५ उ. ४५।३ या.
७	र	१२।४२ ह १४।४७	अ	१०	४८	ब	१२	४२	५८	४८	१२	१२	२८	२१	तु.४४।५५	स्वात्यां १ गुरुः
८	चं	६।१४ चि १२ २	सु	३३	५३	को	६	१४	२६	४८	१२	१३	२९	२२	तुलायां	मकरेऽर्कः ५७।३३
९	मं	१।१९ स्वा ९।५६	शु	४९	४	ग	१	१२	३	४७	१३	१४	१	२३	वृ.५३।०	भ. २९।० उ. ५६।४९
१०	मं	५५।३७ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
११	बु	५३।२४ वि ७।२१	गं	४३	३	ब	२५	६	५	४७	१३	१५	२	२४	वृश्चिके	स्वात्यां२ राहुः अश्विन्यां४ केतुः ३५ षट्×
१२	गु	५०।५६ अ ५।२८	वृ	३७	५१	को	२२	१०	८	४६	१४	१६	३	२५	वृश्चिके	षट्तिला११ब्र.वै.नि. ×तिला११ब्र.स्मा.
१३	शु	४९।३४ ज्ये ४।४५	धु	३३	२९	ग	२०	१५	१०	४६	१४	१७	४	२६	ध.४।४५	भ. ४९।३४ उ. प्रदोषः
१४	श	४९।२८ मू ५।१३	ध्या	३०	२१	वि	१९	३६	१२	४६	१४	१८	५	२७	धनुषि	भ. १९।३६ या.
१५	र	५०।४८ पू ६।५१	ह	२७	३४	च	२०	१३	१५	४५	१५	१९	६	२८	म.२२।३६	

४०पं. मा.कृ.६श.इ.२२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	६	९	७	६	८
२७	२०	४	६	२२	२७	१३	२७
२१	१४	५	३०	३८	१७	३३	२७
५३	२०	१६	५	२३	९	२३	४२
६१	४१	१५	६	१५	६	३	६१
२४	०	मा	४१	ब	३८	११	६

गोचरग्रहाः

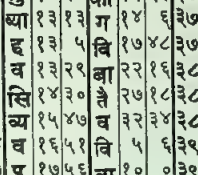

माघ कृ.८ चंद्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.१ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयः ।

गोचरग्रहाः

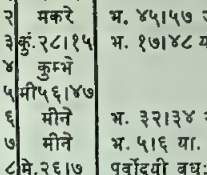

४१पं.मा.कृ.१४श.इ.२१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	६	९	७	६	९
४	२५	११	७	२०	२८	१३	४
३०	९	०	९	४२	१	११	३५
२१	४९	१७	२८	१७	२५	०	३३
६१	४१	६२	५	३५	६	३	६१
१९	५	४६	३४	ब	२५	११	६

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९									दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १३८६ स. १९५८
१	चं	५३	१८	उ	९	५३	ब	२६	१८	किं	२२	३	५६	६	५	२०	३०	२९	मकरे	अभिज. २८।५० मार्गीउषायांबुधः ३५।२१
२	मं	५६	५८	श्र	१३	५९	सि	२५	४३	बा	२५	८	२०	४४	१६	२१	१	३०	कुं. ४६।३४	चन्द्रद. राष्ट्रीय माघ मा. ११ दि. ३०
३	बु	६०	०	ध	१९	१०	व्य	२५	५४	तै	२९	१४	२२	४४	१६	२२	२	१	कुंभे	रज्जब ७
३	गु		१	३१	श	२५	५	व	२६	५०	ग	१	३१	२५	४३	१७	२३	३	२	कुम्भे	भ. ३४।३ उ. श्रवणे रविः ४४।५०
४	शु	६	२६	पू	३१	२६	प	२८	४२	वि	६	३६	२७	४३	१७	२४	४	३	मी	१४।५१	भ. ६३।६ या. अभिजिन्निवृत्तोरविः ३७।५
५	श	११	५२	उ	३७	५३	शि	२९	२१	बा	११	५२	३०	४२	१८	२५	५	४	मीने	पश्चि. भृगुः ४८ धनुषिभौमः १२ प. अ. भृ.
६	र	१६	५४	रे	४४	३१	सि	३०	१९	तै	१६	५४	३३	४१	१९	२६	६	५	मे.	४४।३१	
७	चं	२१	३१	अ	४९	२३	सा	३०	५२	व	२१	३१	३६	४१	१९	२७	७	६	मेषे		भ. २१।३१ उ. ५३।२३ या.
८	मं	२५	१६	भ	५३	५३	शु	३०	४७	ब	२५	१६	३९	४०	२०	२८	८	७	मेषे		
९	बु	२७	४९	कृ	५७	१८	शु	२९	४८	कौ	२७	४९	४२	४०	२०	२९	९	८	वृ.	९।४४	
१०	गु	२९	९	रो	५९	१५	ब्र	२८	१	ग	२९	९	४५	३९	२१	३०	१०	९	वृषे		भ. ५९ उ. पूर्वोदयीभृगुः ३६ उषायांबुधः ४७*
११	शु	२९	१२	मृ	६०	०	ऐं	२५	७	वि	२९	१२	४८	३८	२२	३१	११	१०	मि	२९।४५	भ. २९।१२ या. जया ११ ब्र. *पू. उ. भृ.
१२	श	२७	५८	मृ	०	१५	वै	२१	३	बा	२७	५८	५२	३८	२२	१	१२	११	मिथुने		मकरेबुधः ५९ फरवरीमा. २ता. २८ प्रदोषः
१३	र	२५	३०	आ	०	५८ २६	वि	१५	३२	तै	२५	३०	५५	३७	२३	२	१३	१२	क.	४३।५०	कल्पादिः
१४	चं	२१	५७	पु	५६	४	प्री	१०	३२	व	२१	५७	५९	३६	२४	३	१४	१३	कर्के		भ. २१।५७ उ. ४९।४६ या.
१५	मं	१७	३५	श्ले	५२	५९	आ	४	५२ ५८	ब	१७	३५	२७	३६	२४	४	१५	१४	सिं	५२।५९	वक्री अभिजित्प्रवृत्तो भृगुः २८।४४

४२पं. मा. शु. ५श. इ. २२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	६	९	७	६	९
११	०	१९	७	१७	२८	१२	११
२९	६	२२	४०	१	४३	४८	४२
१२	४५	१७	३५	४२	५०	५२	५९
६१	४१	७६	४	४६	६	३	६०
१३	३	५९	२३	ब	७	१९	५९

गोचरग्रहाः

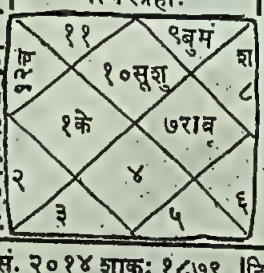

इस मासका फल साधारण है प्रजा में उपद्रव कहीं पर युद्ध की संभावना और शीत अधिक पड़ेगा।

गोचरग्रहाः

४३पं. मा. शु. १२श. इ. २२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	६	९	७	६	९
१८	५	२९	८	१२	२९	१२	१८
४७	४	८	३	४८	२३	३६	४९
१२	३९	८	५६	४९	८	३७	३२
६१	४१	८७	३	३४	५	३	६०
४	६	१५	९	ब	४०	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९									दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१२	३९	म	४९	३०	शो	४९	३८	कौ	१२	३९	२७	६	५	२५	५	१६	१५	सिंहे	धनिष्ठायां रविः ५०।४२
२	गु	७	११	पू	४५	३२	अ	४२	३	ग	७	११	९	३४	२६	६	१७	१६	कं.	५९।३१	भ. ३४ उ. अभिजि. बुधः ३३ वक्री उषायां*
३	शु	१	२५	उ	४१	२८	सु	३४	१७	वि	१	२५	१३	३३	२७	७	१८	१७	कन्यायां		भ. १।२५ या. *भगुः ४०।२०
४	शु	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	श	४९	५९	ह	३७	२७	धृ	२५	२९	कौ	२२	४८	१६	३३	२७	८	१९	१८	कन्यायां		श्रवणे बुधः २९।४३
६	र	४४	२३	चि	३३	३५	शू	१८	४९	ग	१७	११	२०	३२	२८	९	२०	१९	तु.	५।३१	भ. ४४।२३ उ. अभिजन्निवृत्तो बुधः १३।२४
७	चं	३८	२३	स्वा	३०	१४	गं	११	२५	वि	११	२३	२३	३१	२९	१०	२१	२०	तुलायां		भ. ११।२३ या. धनुषि १ शनिः १६।४४
८	मं	३५	६	वि	२७	३०	वृ	४	५३ २८	बा	६	४५	२७	३१	२९	११	२२	२१	बृ.	१३।११	
९	बु	३१	४०	अ	२५	२९	ष्या	५२	५१	तै	३	२३	३०	३०	३०	१२	२३	२२	वृश्चिके		कुम्भेऽर्कः २४।३८ पूषायां भौमः ४६।४२
१०	गु	२९	१६	ज्ये	२४	३३	ह	४८	१६	व	०	२८	३४	२९	३१	१३	२४	२३	ध.	२४।३३	भ. ०।२८ उ. २९।१६ या.
११	शु	२७	२७	मू	२४	४८	व	४४	३५	बा	२७	२७	३८	२८	३२	१४	२५	२४	धनुषि		पूर्वास्तं बुधः विजया ११ ब्र.
१२	श	२७	५६	पू	२६	१०	सि	४१	५८	तै	२७	५६	४५	२८	३२	१५	२६	२५	म.	४२।५०	
१३	र	२९	१९	उ	२८	५२	व्य	४०	९	व	२९	१९	४६	२७	३३	१६	२७	२६	मकरे		भ. २९।१९ उ. प्रदोषः महाशिवरात्री
१४	चं	३१	५४	श्र	३३	१५	व	३९	२२	वि	०	३७	५०	२६	३४	१७	२८	२७	मकरे		भ. ३७ या. वक्री गुरुः ३४ धनिष्ठायां बुधः २४*
२०	मं	३५	३६	ध	३३	४२	प	३९	२५	च	३	४५	५४	२५	३५	१८	२९	२८	कु.	५।२८	शते रविः ५९।५९

४४पं. फा. कृ. ५श. इ. २२।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	६	९	७	६	९
२५	१५	९	८	९	२९	१२	२५
५४	५	३२	१७	१८	५०	४	५५
०	५०	२५	१७	४०	५	२१	१९
६०	११	९५	१	३४	५	३	६०
५५	१८	२	३८	ब	१२	११	४७

गोचरग्रहाः

फाल्गुन कृ. ९ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र. वा. ३ नं. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्याभाव सम)

गोचरग्रहाः

४५पं. फा. कृ. १२श. इ. २२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	६	९	८	६	१०
३	१५	२८	८	७	०	११	३
०	७	३३	२०	३६	३१	४२	०
३	१४	४६	५९	३५	५०	६	६
६०	४१	०	०	४९	४	३	६०
४२	१७	५६	१९	ब	४४	११	३०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९							दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	बु	४०	६	श	४३	२४	शि	४०	३०	किं	७	५१	२७	६
२	गु	४५	१०	पू	४९	४६	सि	४१	२५	बा	१२	३८		
३	शु	५०	२६	उ	५६	१	सा	४२	४८	तै	१७	४८	६	२३
४	श	५५	२३	रे	६०	०	शु	४३	४८	व	२२	५४	१०	२२
५	र	५९	५२	रे	२	२६	शु	४४	४३	ब	२७	४७	४४	२१
६	चं	६०	०	अ	८	७	ब्र	४५	२०	कौ	३१	४१	१८	२०
६	मं	३	३०	भ	१२	५१	ऐं	४४	२०	तै	३	३०	२२	२०
७	बु	५	५७	कृ	१६	२९	वै	४२	३८	व	५	५७	२६	१९
८	गु	७	८	रो	१८	५३	वि	४०	४	ब	७	८	३०	१८
९	शु	७	३	मृ	२०	५	प्री	३६	३२	कौ	७	३	३४	१७
१०	श	५	४०	आ	२०	५	आ	३२	०	ग	५	४०	३८	१६
११	र	३	५	पु	१८	५०	सौ	२६	३५	वि	३	५	४३	१६
१२	र	५६	२६	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०
१३	चं	५५	५	पु	१६	३८	शो	२०	४३	कौ	२७	१८	४६	१५
१४	मं	४९	५८	श्ले	१३	४८	अ	१४	४७	ग	२२	३२	५०	१४
१५	बु	४४	२५	म	१०	१८	सु	६	५२	वि	१७	११	४४	१३

| | | | | | | |

❀ श्री गणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५९ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५९ भोग्यकलिः ४२६९५१ अथास्मिन्सम्बत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०१५ शालिवाहनीय शाकः १८८० अथास्मिन्वर्षे राजा भृगुः । मंत्री रविः । सस्येशोबुधः। धान्येशोचन्द्रः । मेघेशो रविः। रसेशोशुक्रः । नीरसेशोबुधः। फलेशोः शनिः। धनेशोबुधः। दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः। तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ठचब्दांना मध्ये रुद्रविंशतिकायां ५ विरोधकृतनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमयेः गतमासादिः ३।१६।५०।२४ भोग्यमासादिः ८।१३।९।३६ सौम-दैवतं युगम् । वर्षनाम चैत्रः। मेघः ३ नाम पुष्करः । रोहिणीनिवासः समुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा१२ । समय वाहनं दुर्दरं :। स्तम्भ एक तृणस्य । सोमवत्यमा१ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी नास्ती । रविवारीसप्तमी ३ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३९० । समयदिनानि ३८५ । तिथिक्षयः १५ । तिथि वृद्धिः ९ । उत्पत्ति विश्वा ८९ । खपति विश्वा १२६ । वर्षा विश्वा १५ । धान्यम् ५. तृणन् १७ । शीतम् ५ । तेज ५ वायुः १३ वृद्धिः१५ । क्षयः १५। विग्रहः ७ । ऐक्यं ९७ सत्यं ।।धर्म१।। पाप १८ । ग्रहणानित्राण सूर्यस्यैक द्वेचन्द्रमसः ।।

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव खड़ा माता थारे द्वार ।
पन्द्रह सम्वत् का कहो श्रीमुख से शुभसार ।

भवानी उत्तर

भैरव पन्द्र साल का भेद सुनाऊं तोय ।
नभचर चाल विचार से श्रेष्ठ जमाना होय ।।
अधिकलिया इस साल में सौम्य ग्रहाधिकार ।
घर-घर बजे बधावणां घर-घर मंगलाचार ।।
भृगराजा इस वर्ष में दिन मणि हुये प्रधान ।
फूलै फलै वसुन्धरा वर्षे मेघ महान् ।।
रोहिणी बसी समुद्र में संवत् विश्वा अर्क ।
जल तृष्णकी कमती नहीं इसमें रहे न फर्क ।।
पहिले श्रावण वर्ष कर दुजा करसी तंग ।
बुध भार्गव के योग से भादव वर्षे रंग ।।
फल संवत्सर का कहा देख नभश्चर चार ।
'बनवारी' जगदीश का भजन जगत् में सार ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्षेश लग्नम् २३।४

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१५

वर्ष लग्नम् ७।२

वर्षादी मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१४।४१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथ वर्ष फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम्– शुक्रस्यराजे बहु सस्य सकुला स्वतीव्रवेगा सरितोम्बुराशिभिः । फलंति वृक्षा बहुगो प्रसूतिर्वसु धरा पार्थिव सौख्य संयुताः । २। मंत्री रविस्तत्फलम्–नृप भयं गदतोतिहितस्करात् प्रचुर धान्य धनादि महीतले । रसचयहि समर्घतमंतदा रविरमात्य पदंहि समागतः । सस्येशोबुधस्तत्फलम्–जल धरा जल राशिमुचो भृशं सुख समृद्धि युतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः स्तुति पाठकरः सदा प्रथम सस्यपतौ सति बोधने । धान्येशश्चन्द्रस्तत्फलम्–चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजा-वृद्धि प्रजायते । गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषुक्षीरं तथा बहुः ॥५॥ मेघेशोरविस्तत्फलम्–जलपदे यदिवासरपे यदासरसि वैरमते जनता रसम् । यवचनेक्षु निवार सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुविवर्तते । रसेशः शुक्रस्तत्फलम्–यजन याजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः। सुखपुभिक्ष समोदवतीधरा धरणिपाहृत पापगणाः प्रियाः। नीरसेशो बुधस्तत्फलम् चित्र वस्त्रादिवस्तूनां शंख चन्दन पूर्वकम् । अर्धवृद्धिः प्रजायते नीरसेशो बुधोयदि । फलेश-शनिस्तत्तफलम्–यदि शनिः फलपः कलहो भवेज्जनित पुष्पगणस्तरवो ध्रुवम् । हिमभयं नरतस्तरजं तदा जनपदा जन राशि समाकुलाः।। धनेशोबुधस्तत् फलम्–द्रविणपोहिम रश्मिसुदोयदा विविध संग्रह वस्तु मूलाददा । द्विजवश जप यज्ञ सुसंयुता कृषि विशेष विशेषित मानसाः । दुर्गेशोरविस्तत्फलम्–नय विशेषकरस्तरणिस्तदागत-भयानरराज पुरोगमा। समधिकेन तदानृपदोन्यतःपथिषु संव्रजतांनभयंक्वचित् । वर्षनाम् चैत्रस्तत्फलम्–सस्यानि धृतकापसि तैला-दिसुखसंचय चैत्रवर्षे भवेद्बृद्धिनृपं सौख्यफलप्रदा । विरोधकृतत्संवत्सरस्तत्फलम्–विरोधकृद्वत्सरे तु परस्परविरोधिनः सर्वेजनानृपा श्चैवमध्यसस्यार्धवृष्टयः । मेघनामपुष्कर स्तत्फलम्–पुष्करेमन्दवृष्टिश्च । रोहिणीनिवासः समुद्रेफलम् समुद्रे तुमहावृष्टिः । समय-निवासोमालाकारगृहेफलं–मालनःप्रचुरावृष्टिः । एवसंचित्यदैवज्ञैः कथनीयशुभाशुभम् ।

संवत् २०१५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

बैसाख मासः

शुक्ला. ३ भौमे रोहि. ल.८ चंपू. सत्रे ९।।।।।ऽरो.।।।।।
" ४ बुधे. मृगे ल.ऽन्यगो. रे ८।।।।।।ऽऽ।।
" ९ चंद्रे. मघा. ल. गो.८ रे.८।।।।।।ऽ।ऽ।गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः ।
" १२ बुधे उभा. ल.ऽन्यगो८रे ७।।।ऽबु.शु।ऽ।।। पादवेधाद्बुधस्यवेधाऽभावः ।
" १२ बुधे हस्ते ल. १० रे ८ऽसू. ऽ।।।।।।।

ज्येष्ठमासः

कृष्णा. १२ गुरौ रेब ल. ऽन्यगो. रे७ऽमां।ऽसु. ।।।।ऽ।।
शुक्ला. २ भौमे मृगे ल. ऽन्यगो. १० रे ९।।।।।।ऽ।।।
" ९ भौमे. उफा. ल. गो. १०रे ८।।।।मा।ऽ।।।
" १० बुधे हस्ते लंगो. १० रे ८।।।।।ऽ।ऽ।।
" १५ रवौ अनु. ले. १० रे ७।।।।ऽबु. ऽरों. ।ऽ।।

आषाढ मासः

शुक्ला. ८ भौमे हस्ते ल. अन्यगो । १० रे८।।।।।।ऽ।ऽ
१० गुरौ ल. १० रे ७।।।।ऽके. ऽअग्नि ।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला. ३ शनौ उषा ल. ४ (चंपू) रे.९ऽबृ.।।।।।।।।।

पौष मासः

शुक्ला. १२ बुधे मृगे ल. गो. रे ७ऽमं।।।।।।।ऽऽ क्रांति दग्धा दोषत्वान्नेष्टम्

माघ मासः

शुक्ला. ८ चन्द्रेरोहि. ल. ऽन्यगो. रे. ९।।।।ऽबृ.।।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्ण. ७ लवौ अनु. ऽन्यगो १० (श. पू. सत्)
रे. ७।।।।।ऽरोऽऽ।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

वैशाख कृ. ३० शनौ खंडग्रासं सूर्यग्रहणम् विश्वा ७।३६

		स्प.	म.	मो.	पव.		
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	०	३	५	५		
	पल.	२८	०	३१	३		
रेल्वे टाइम	घं.	६	७	८	२		
	मि.	४१	४१	४२	१		

वैशाख शु. १५ शनौ ग्रस्तोदयं चन्द्रग्रहणम् विश्वा ०।३८

		स्प.	म.	मो.	पर्व.		
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	२७	२८	२९	४		
	पल.	५	११	०	३८		
रेल्वे टाइम	घं.	२२	५	६	०		
	मि.	२४	४३	३	३९		

फागुन शु. १५ यां भोमे खंडग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा ५।५६

		स्प.	म.	मो.	प.		
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	४५	४७	५०	४		
	पल.	३८	५४	२०	५२		
रेल्वे टाइम	घं.	१२	१	२	१		
	मि.	३८	३७	३५	७५		

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः १४४६ सन् १९५८
१	शु २७ ८ उ १४ ४५ ब्र ५९ १९ ध २७ ८	३० ६	० ६	२१	३०	२९	मीने	चन्द्रदर्शनम् श्रवणे भौमः ४३ वक्री चित्रायां +
२	श ३२ ९ रे २१ ७ ऐं ६० ० को ३२ ९	६ ५९	६	२२	१	१	मे. २१।७	रमजान ९ रोजा अभिजिन्नि बुर्तो भौमः ३९ *
३	र ३६ ३६ अ २७ २ ऐं ० ३२ तै ४ १७	१० ५८	२	२३	२	२	मेषे	धनिष्ठायां भृगुः ४३ मत्स्यज. गणगौरीपूजा
४	चं ३९ ५४ भ ३१ ५३ वै ० ५५ ध ८ १०	१३ ५७	३	२४	३	३	वृ. ४७।५१	भ. ८।१० उ. ३९।५४ या.
५	मं ४२ १३ कृ ३५ ४६ वि ३६ ३८ ध ११ ३	१८ ५६	४	२५	४	४	वृषे	अश्विन्यां मेषे बुधः ४९।८
६	बु ४३ १८ रो ३८ २० आ ५७ ३ को १२ ४५	२२ ५६	४	२६	५	५	वृषे	*राष्ट्रीय चैत्रारंभः सं. १८८०
७	गु ४३ ४ मृ ३९ ५६ सौ ५३ ४८ ग १३ ११	२६ ५५	५	२७	६	६	मि. ९।८	भ. ४३।४ उ.
८	शु ४१ ३६ आ ४० ११ शे ४९ ३४ वि १२ २०	३० ५४	६	२८	७	७	मिथुने	भ. १२।२० या.
९	श ४८ ५६ पु ३९ १२ अ ४४ ३० मा १० १६	३४ ५३	७	२९	८	८	क. २४।५७	रामनवमी +४ गुरुः १६ संवत्सरारंभः
१०	र ३५ १८ पु ३७ १५ सु ३८ ४६ तै ७ ७	३८ ५२	८	३०	९	९	कर्के	कुम्भेभृगुः २६।३७
११	चं ३० ४६ श्ले ३४ ३० धृ ३२ १८ ध ३ २	४३ ५१	९	३१	१०	१०	सिं ३४।३०	भ. ३।२ उ. ३०।४५ या. रेवत्यांरविः ३।११=
१२	मं २५ ३४ म ३१ ५ शू २५ २० बा २५ ३४	४७ ५१	९	१	११	११	सिंहे	अप्रेल मा. ४ ता. ३०
१३	बु १९ ४९ पू २७ २० गं १७ ३४ तै १९ ४९	५२ ५०	१०	२	१२	१२	कं. ४१।२२	=कामदा ११ ब्र. लक्ष्मीकांत दोलोत्सव
१४	गु १३ ५९ उ २३ २८ वृ १० १६ ध १३ ५९	५६ ४९	११	३	१३	१३	कन्यायां	भ. १३।५९ उ. ४१।१ या.
१५	शु ८ २ ह १० १४ ध्रु ३ ५३ ब ८ २	३१ ४८	१२	४	१४	१४	तु. ४७।१४	हनुमज्जयंती वै. स्ना. प्रा.

५०पं.चै.शु. २ श.इ.२४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	६	९	८	६	११
८	१०	२४	६	२२	२	९	८
६	२८	३९	३३	१६	१३	५०	३
२२	५३	३७	२०	३९	३१	४९	१९
५९	४१	९९	६	४८	१	३	५१
३५	२६	२१	ब	३	२९	११	२९

गोचरग्रहाः

इस मास में फल शुभ होगा। शुक्रवार को चन्द्र दर्शन धान्य, रुई, अफीम में तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

५१पं.चै.शु. ९ श.इ. २४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	०	६	९	८	६	११
१५	१५	३	५	२९	२	९	१४
२	३४	४१	४९	४	१९	२८	५९
२५	४३	५५	२८	५४	४६	३४	१५
५९	४१	६१	५	५३	०	३	५९
१८	४०	५२	ब	१०	४९	११	१६

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०१५ शाकः १८८०	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श २ ९ चि १५ १४ ह ४७ ४० को २ ९	३९ ४७	५ ३	५	१५	१५	तुलायां	वक्रीशनिः ०।१३
२	श ५४ २२ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०	०	भ. २३।५८ उ. ५१।२४ या. वक्रीबुधः ×
३	र ५१ २४ स्वा ११ ४३ ध ४० ३५ ध २३ ५७	८ ४६	१४	६	१६	१६	वृ. ५३।५४	×१९।२९ शतेभृगुः ३२।४४
४	चं ४७ ४ वि ७ ५७ सि ३३ ५३ ध १९ १४	१२ ४६	१४	७	१७	१७	वृश्चिके	
५	मं ४३ ४२ अ ६ १७ ब्य २८ ८ को १५ २३	१६ ४५	१५	८	१८	१८	वृश्चिके	पश्चिमास्तं बुधः ५८।१०
६	बु ४१ ८ ज्ये ४ ४९ ध २३ १२ ग १२ २५	२० ४४	१६	९	१९	१९	ध. ४।४९	भ. ४१।८ उ. धनिष्ठायां भौमः ६।४
७	गु ३९ ४४ मू ४ ३२ प १९ ८ वि १० २६	२४ ४३	१७	१०	२०	२०	धनुषि	भ. १०।२६ या.
८	शु ३९ ३६ पू ५ २३ शि १६ ७ बा ९ ४०	२८ ४२	१८	११	२१	२१	म. २०।५४	
९	श ४० ५३ उ ७ २८ सि १३ ४८ तै १० १४	३२ ४२	१८	१२	२२	२२	मकरे	
१०	र ४३ २१ श्र १० ३५ सा १२ ० ध १२ ७	३६ ४१	१९	१३	२३	२३	कुं. ४२।५५	भ. १२ उ. ४३ या. अश्विन्यांमेषेऽर्कः ३७
११	चं ४७ ५८ ध १५ १६ शु १२ ३३ ध १५ १५	४० ४०	२०	१४	२४	२४	कुंभे	४३ वरूथिनी ११ ब्र.
१२	मं ५१ २४ श २० ४४ शु १२ ५१ को १९ १६	४४ ३९	२१	१५	२५	२५	कुंभे	
१३	बु ५६ १३ पू २७ १ ब्र १४ १५ ग २३ ४८	४८ ३८	२२	१६	२६	२६	मी १०।२७	भ. ५६।१३ उ. प्रदोषः
१४	गु ६० ० उ ३३ २९ ऐं १५ ३४ वि २८ ४५	५१ ३८	२२	१७	२७	२७	मीने	भ. २८।४५ या. कुम्भेभौमः ५०।४०
१५	शु १ १७ रे २९ ५१ वै १७ १ श १ १७	५५ ३७	२३	१८	२८	२८	मि. ३९।५१	वक्रीचित्रायां ३ गुरुः ३१।४
२०	श ६ ५ अ ४५ ४९ वि १८ १३ ना ६ ५	५८ ३६	२४	१९	२९	२९	मेषे	पूषायांभृगुः ४९।१९ सूर्यग्रहणम्

५२पं.वै.कृ.१ श.इ. २४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	०	६	१०	८	६	११
२१	२०	७	५	५	२	९	२१
५६	४६	३९	०	३५	२२	६	५३
३८	५	३६	२२	२८	५८	१८	२९
५९	४१	६	३३	५६	०	३	५९
४	४४	३	ब	५९	ब	११	४

गोचरग्रहाः

वैशाख कृ. १० रवौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ वृद्धावस्था (बेठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

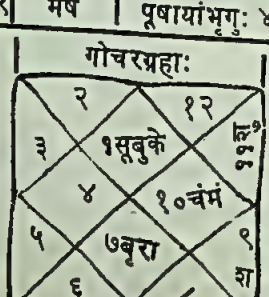

१पंवै.कृ.१० सू.इ.४०।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	६	१०	८	६	०
०	२६	५	३	१३	२	८	०
२	४९	१३	५६	४२	४४	४०	०
४६	४१	२६	२०	३	४९	१	०
५८	४१	४०	५२	६०	४	३	५८
४५	३३	ब	ब	३२	ब	११	४४

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	र	१०	२६	भ	५०	५५	प्री	१८	५९	ब	१०	२६	३३	५	३६	२४	२०	३०	३०	मेषे
२	चं	१३	५०	कृ	५५	९	आ	१८	५३	कौ	१३	५०	६	३५	२५	२१	१	१	१	वृ. ६।५९
३	मं	१६	२	रो	५८	१०	सौ	१७	५९	ग	१६	२	९	३४	२६	२२	२	२	२	वृषे
४	बु	१७	११	मृ	५९	५४	शो	१५	५७	वि	१७	२१	१३	३३	२७	२३	३	३	३	मि २९।२
५	गु	१६	४६	आ	६०	०	अ	१३	८	बा	१६	४६	१७	३३	२७	२४	४	४	४	मिथुने
६	शु	१५	१४	आ	२६	५३	सु	९	१४	तै	१५	१४	२१	३२	२८	२५	५	५	५	पातस्पर्शः ५९।२५
७	श	१२	३३	पु	५७	५९	धृ	२४	५४	व	१२	३३	२५	३१	२९	२६	६	६	६	क. ४४।५२
८	र	८	५५	श्ले	५५	२९	गं	५२	३४	ब	८	५५	२९	३०	३०	२७	७	७	७	कर्के
९	चं	३	५५	म	५२	१२	वृ	४५	४५	कौ	३	५५	३३	२९	३१	२८	८	८	८	सिं ५५।२९
१०	चं	५५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	सिंहे
११	मं	५३	९	पू	४८	३१	ध्रु	३८	३०	व	२६	२	३६	२०	३१	२९	९	९	९	०
१२	बु	४७	१७	उ	४४	२५	व्या	३०	५८	ब	२०	१३	४०	२८	३२	३०	१०	१०	१०	सिंहे
१३	गु	४२	०	ह	४०	२६	ह	२३	१६	कौ	१४	३९	४३	२७	३३	१	११	११	११	कं. २।२९
१४	शु	३५	२३	चि	३६	२३	व	१५	४७	ग	८	४२	४७	२७	३३	२	१२	१२	१२	कन्या
१५	श	२९	२६	स्वा	३१	४५	सि	८	२०	वि	२	२५	५०	२६	३४	३	१३	१३	१३	तुलायां

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १४७६ स. १९५८

चंद्रदर्शनम्

सव्वाल १०ईद वक्रीरेवत्यांबुधः १५ ५३ प.ज.*

भ. ४६।४२ उ. अक्षया ३

भ. १७।२१ या.

पातस्पर्शः ५९।२५ *रा.वै.मा.२वि.३१

पातमोक्षः १८।४८ पूर्वोदयीबुधः २।२१

भ. १२।३३ उ. ४०।४४ या.

भरण्यांरविः १९।७ शतेभौमः ७।११

क्षयः

भ. २६ उ. ५३ या. मीनेभृगुः ५९ मो. ११व्र.

मोहिनी ११ ब्र. वै. नि.

मई मा. ५ ता. ३१ प्रदोषः

भ. ३३ उ. मार्गीबुधः २४ उभायांभृगुः ३३+

भ. २।२५ या. +नृसिंह जयंती

२पं.वै.शु.१ सू.इ.४०।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	६	१०	८	६	०
६	१	०	३	२०	२	८	६
५२	५७	२३	२	५२	३६	१७	५०
५७	३७	२७	५९	५८	४३	४६	३८
५८	४१	४०	५३	६२	३३	३	५८
२९	२८	ब	ब	५०	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

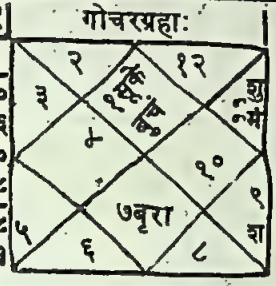

इस मास में ५ शनिवार अशुभ है रुई, चांदी, अनाज गल्ला में घट बढ़ होगी।

गोचरग्रहाः

३पं. वै.शु. ८ सू.इ.४१।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	६	१०	८	६	०
१३	७	२७	२	२८	२	७	१३
४१	३	१६	१०	१६	२३	५५	३९
२१	२७	४६	३	४६	५८	३१	४१
५८	४१	२८	३८	६४	१३	३	५८
१२	२७	ब	ब	३६	ब	११	१९

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	र	२४	३०	वि	२९	२६	व्य	१८	२४	कौ	२४	३०	३३	५४	२५	३५	४	१४	१४	वृ. १५।१
२	चं	२०	१	अ	२६	५८	प	४८	४६	ग	२०	१	५७	२५	३५	५	१५	१५	१५	वृश्चिके
३	मं	१६	२४	ज्ये	२६	२१	शि	४३	४४	वि	१६	२४	३१	२४	३६	६	१६	१६	१६	ध. २६।२१
४	बु	१३	४६	मू	२६	४५	सि	३९	३१	बा	१६	४६	४	२३	३७	७	१७	१७	१७	धनुषि
५	गु	१२	२२	पू	२७	१	सा	३६	१४	तै	१२	२२	७	२३	३७	८	१८	१८	१८	म. ४२।१७
६	शु	१२	११	उ	२८	६	शु	३३	५६	व	१२	११	१०	२२	३८	९	१९	१९	१९	मकरे
७	श	१३	१०	श्र	३०	६	शु	३२	४०	ब	१३	१०	१३	२१	३९	१०	२०	२०	२०	मकरे
८	र	१५	२५	ध	३४	२८	ब्र	३२	१९	कौ	१५	२५	१६	२१	३९	११	२१	२१	२१	कृ. २।१७
९	चं	१८	५४	श	३९	३८	हैं	३२	४५	ग	१८	५४	१९	२०	४०	१२	२२	२२	२२	कुम्भे
१०	मं	२३	१६	पू	४५	३७	वै	३३	५३	वि	२३	१६	२२	२०	४०	१३	२३	२३	२३	मी २९।७
११	बु	२८	१०	उ	५१	५९	वि	३५	२०	बा	२८	१०	२५	१९	४१	१४	२४	२४	२४	मीने
१२	गु	३२	५९	रे	५८	२७	प्री	३६	४५	कौ	०	३५	२८	१८	४२	१५	२५	२५	२५	मे. ५८।२७
१३	शु	३७	४९	अ	६०	०	आ	३८	१८	ग	५	२४	३१	१८	४२	१६	२६	२६	२६	मेषे
१४	श	४२	२	अ	४	३१	सौ	३९	१	वि	९	५५	३४	१७	४३	१७	२७	२७	२७	मेषे
२०	र	४५	२१	भ	१०	१४	शो	३९	१४	च	१३	४१	३६	१७	४३	१८	२८	२८	२८	वृ. २६।१३

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृ.महाराष्ट्राः

भ. ४८।१३ उ.

भ. १६।२४ या.

भ. १३ उ. ४३ या. मार्गी अ. मेषेबुधः २५

कृतिकायां रविः ७।२

भ. ५१।५ उ.

भ. २३।१६ या.

वृषेऽर्कः ३४ रेवत्यांभृगुः ३६ अपरा ११व्र.

पूभायां भौमः १६।११

भ. ३७।४९ उ. प्रदोषः

भ. ५६ या. वक्रीचित्रायां २ क.गुरुः ३४।६

भावुका ३०

४पं.ज्ये.कृ.१सू.इ.४१।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	११	११	८	६	०
२०	१२	२७	१	५	२	७	२०
२७	१०	४०	१९	५२	६	३३	२७
५९	२२	४८	५८	४	५७	१५	२१
५७	४१	२३	७	६६	४७	३	५८
५७	१९	मा	४	७	ब	११	६

५पं.फा.शु.८ सू.इ.४१।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	६	११	८	६	०
२७	१७	१	०	१३	१	७	२७
१३	१५	३४	३३	३४	४६	११	१३
१३	२८	४	५३	२५	२५	०	३२
५७	४१	३९	१९	६७	२१	३	५७
४५	२१	५४	ब	२७	ब	११	५४

६पं.ज्ये.कृ.३०सू.इ.४१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	०	५	११	८	६	१
३	२२	८	२९	२१	१	६	३
५६	२१	२२	५४	२३	२१	४८	५८
५०	७	१	४	४२	४७	४५	२६
५७	४१	६६	१९	६८	५०	३	५७
३४	१२	५	ब	२७	ब	११	४४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १५०५ स.१९५८
१	चं	४७	३६	कृ	१४	१३	अ	३८	३६	किं	१६	२९	३१	१६	४४	१९	२९	२९	वृषे	करिदिनं
२	मं	४८	३३	रो	१७	३३	सु	३६	५५	बा	१८	४	४१	१६	४४	२०	३०	३०	मि	४८।३२ चन्द्रदर्शनम्
३	बु	४८	१८	मृ	१९	३२	पु	३४	२१	तै	१८	२६	४४	१५	४५	२१	३१	१	मिथुने	जिल्काद११ चित्रायां४ राहुः अश्विन्यां२*
४	गु	४६	४४	आ	२०	२१	पू	३०	३९	व	१७	३१	४६	१५	४५	२२	१	२	मिथुने	भ.३१ उ.४६ या. भरण्यांबुधः ४६।११+
५	शु	४४	०	पु	२०	३	ग	२६	५	ब	१५	२२	४८	१४	४६	२३	२	३	क.	५।८ *केतुः २६।३६ रम्भा ब्र.
६	श	४०	१६	पु	१८	२७	पू	२०	४२	कौ	१२	८	५०	१४	४६	२४	३	४	कर्के	+राष्ट्रीय ज्येष्ठारंभः ३
७	र	३५	४२	श्ले	१६	२	धु	१४	२५	ग	७	५९	५१	१४	४६	२५	४	५	सिं	१६।२ भ. ३५।४२ उ. रोहिण्यां रविः ०।५८
८	चं	३०	२३	म	१२	२६	ध्या	७	५१	वि	३	२	५४	१३	४७	२६	५	६	सिंहे	भ. ३।३ या. मेषे भृगुः १७।१९
९	मं	२४	३८	पू	१०	५	ह	४४	३३	कौ	२४	३८	५६	१३	४७	२७	६	७	कं.	२३।५४
१०	बु	१८	३९	उ	५	२०	सि	४५	४७	ग	१८	३९	५८	१२	४८	२८	७	८	कन्यायां	भ. ४५।३७ उ. गंगादशहरा
११	गु	१२	३४	ह	५५	२६	व्य	३८	३३	बा	१२	३४	३४	१२	४८	२९	८	९	तु.	२९।३८ भ.१३ या. मीनेभौमः १३ निर्जला११ब्र.
१२	शु	६	३२	स्वा	५३	५९	व	३०	४५	वि	६	३२	२	१२	४८	३०	९	१०	तुलायां	प्रदोषः वटसावित्री व्रतारंभः
१३	श	०	४३	वि	५०	८	प	२३	४८	तै	०	४३	४	११	४९	३१	१०	११	वृ.	३६।६ भ. ५५।२८ उ. कृतिकायांबुधः २४।४०
१४	श	५४	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	र	५०	५२	अ	४७	४१	शि	१७	०	वि	२३	१०	६	११	४९	१	११	१२	वृश्चिके	भ.२३ या. जून मा.६ ता.३० बटसा.पू.व.

७पं.ज्ये.शु.७शु.इ.४१।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	र	रा
१	१०	०	५	११	८	६	१
१०	२७	१७	२९	२९	०	६	१०
३९	२९	३८	२०	१८	५५	२६	४२
१	५	२०	४८	५७	२५	२९	२०
५७	४१	८८	४	६९	४	३	५७
२३	३	१६	ब	१८	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ. ११ बुधे वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ (धान्य भाव सम) शुक्रोदय पू.।

गोचरग्रहाः

८पंज्य.शु.१५शु इ.४१।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	५	०	८	६	१
१७	२	२८	२८	७	०	६	१७
२०	२०	५९	५५	१८	२६	४	२०
७	५७	७	१३	२६	३२	१४	४
५७	४०	८	१	७०	२८	३	५७
१३	३४	७	ब	७	ब	११	२७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४७	७	ज्ये	४६	३	सि	११	०	बा	१९	०	३४	५	४९	२	१२	१३	ध.	४६।२ वृषे बुधः १५।३९
२	मं	४४	२३	मू	४४	३९	सा	६	१	तै	१५	४५	९	१०	५०	३	१३	१४	धनुषि	उभायां भौमः ९।१२
३	बु	४२	४१	पू	४५	०	शु	२३	५६	व	१३	३२	१०	१०	५०	४	१४	१५	धनुषि	भ. १३।३२ उ. ४२।४१ या.
४	गु	४२	१८	उ	४६	२८	ब्र	५५	२९	ब	१२	२९	१२	१०	५०	५	१५	१६	म.	०।२२
५	शु	४३	१८	श्र	४९	१९	ध	५४	१	कौ	१२	४८	१३	९	५१	६	१६	१७	मकरे	भरण्यां भृगुः ५७।४९
६	श	४५	१६	ध	५३	१३	वै	५३	३६	ग	१५	१७	१५	९	५१	७	१७	१८	कु.	२१।१६ भ.४५।१६ उ. मृगेरविः ५९।४७ पूर्वास्तं*
७	र	४८	४५	श	५८	२४	वि	५३	५७	वि	१७	०	१६	९	५१	८	१८	१९	कुम्भे	भ. १७।१ या. वक्रीज्येष्ठायां ४ बृश्चिके+
८	चं	५२	५८	पू	६०	०	प्री	५४	५८	बा	२०	५१	१७	९	५१	९	१९	२०	मी	४७।३९ *बुधः ४१।६ रोहिण्यांबुधः ३६।४२
९	मं	५७	३९	पू	४	४	आ	५६	२७	तै	२५	१८	१८	८	५२	१०	२०	२१	मीने	+शनिः २।२
१०	बु	६०	०	उ	१०	२२	सौ	५८	२	व	३०	२	१९	८	५२	११	२१	२२	मीने	भ. ३०।२ उ.
१०	गु	२	२४	रे	१६	५०	शो	५९	२८	वि	२	२४	२०	८	५२	१२	२२	२३	मि.	१६।५० भ. २।२४ या.
११	शु	७	१७	अ	२२	५६	अ	६०	०	बा	७	१७	२१	८	५२	१३	२३	२४	मेषे	मृगे बुधः ५५।४८ योगिनी ११ ब्र.
१२	श	११	३२	भ	२८	२९	अ	०	३४	तै	११	३२	२२	८	५२	१४	२४	२५	बृ.	४४।४२ प्रदोषः
१३	र	१४	५२	कृ	३३	२०	सु	०	५६	ब	१४	५२	२२	८	५२	१५	२५	२६	बृषे	भ. १४ उ. ४६ या. मिथुनेऽर्कः ०।३५
१४	चं	१७	९	रो	३६	४६	धृ	२९	३३	श	१७	९	२३	७	५३	१६	२६	२७	बृषे	
३०	मं	१८	१२	मृ	३९	५	गं	५६	३५	ना	१८	१२	२३	७	५३	१७	२७	२८	मि	७।५५ मार्गी गुरुः २४।१ मिथुने बुधः ३।२०

९पं.आ.कृ.७शु.इ.४१।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	५	०	७	६	१
२४	७	१२	२८	१५	२९	५	२४
०	२७	१३	३७	२२	५६	४१	७
३	५८	२४	३४	४५	५४	५८	८
५७	४०	२२	४०	७०	४०	३	५७
५	७	५८	ब	४६	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

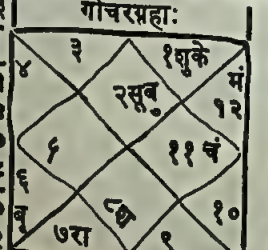

आषाढ कृ. १३ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र. वा.५न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शु. पू.।

गोचरग्रहाः

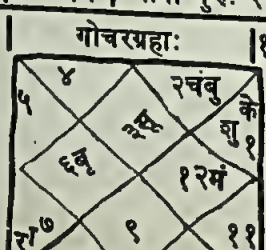

१०पं.आ.कृ.१३शु.इ.४१।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	५	०	७	६	२
०	१२	२७	२८	२३	२९	५	०
३९	१६	६	२९	२५	२५	१९	४८
११	५९	१५	१०	२	१९	४३	२५
५६	३९	३	१८	७१	४०	३	७२
५७	५०	५८	ब	१९	ब	११	१७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०								दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	बु	१७	५६	आ	४०	६	वृ	५३	९	ब	१७	५६	३३	५	६	१८	२८	२९	मिथुने
२	गु	१६	२४	पु	४०	१२	धु	४८	५३	को	१६	२४	२४	७	५३	१९	२९	१	क.२५।११
३	शु	१३	४१	पु	३८	५९	व्या	४३	३०	ग	१३	४१	२४	७	५३	२०	३०	२	कर्के
४	श	९	५७	श्ले	३६	२४	ह	३७	४१	वि	९	५७	२४	७	५३	२१	३१	३	सिं३६।२४
५	र	५	२३	म	३३	३१	व	३०	५१	बा	५	२३	२४	७	५३	२२	१	४	सिंहे
६	चं	०	२	पू	२९	५७	सि	२४	२	तै	०	२	२४	७	५३	२३	२	५	कं.५८।४३
७	चं	५४	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	मं	४८	२२	उ	२६	०	व्य	१६	३१	वि	२१	२२	२४	७	५३	२४	३	६	कन्या
९	बु	४२	१४	ह	२१	५६	व	९	०	बा	१५	१८	२३	७	५३	२५	४	७	तु.४९।५२
१०	गु	३६	११	चि	१७	४९	प	३२	२९	तै	९	१२	२३	७	५३	२६	५	८	तुलायां
११	शु	३०	२०	स्वा	१४	१८	सि	४६	५४	व	३	१५	२३	७	५३	२७	६	९	वृ.५६।२८
१२	श	२५	०	वि	१०	३२	सा	४०	११	बा	२५	०	२२	८	५२	२८	७	१०	वृश्चिके
१३	र	२०	१७	अ	७	३८	शु	३४	२	तै	२०	१७	२२	८	५२	२९	८	११	वृश्चिके
१४	चं	१६	२८	ज्ये	५	३४	शु	२८	३७	व	१६	२८	२१	८	५२	३०	९	१२	ध. ५।३४
१५	मं	१३	३३	मू	४	२६	ब्र	२४	८	ब	१३	३३	२०	८	५२	१	१०	१३	धनुषि

चन्द्रद. कृतिकायांभृगुः ३०।९
जिल्हेज १२ आर्द्रायांबुधः ५६।२६
भ. ४१।४९ उ.
भ.५७ या. रेवत्यांभौमः५३ २४ वृषेभृगुः १७ २१
आर्द्रायांरविः २।७ राष्ट्रीयआषाढ़ारंभः४
भ. ५४।२३ उ.
क्षयः
भ. २१।२३ या.
पुनर्वसौ बुधः १४।८
भ.३।१६ उ.३०या. हज्जदेवशयनी११ब्र.
बकरीद प्रदोषः हरिवासरः घ. ३२ उ.
पश्चिमोदयी बुधः ५६ रोहिण्यांभृगुः ४६ १४
भ. १६।२८ उ. ४५।१ या.
कर्केबुधः ३५ जुलाई मा. ७ ता. ३१

१३पं.आ.शु.७शु.इ.४१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	५	१	७	६	२
७	१७	१२	२८	१	२८	४	७
१७	११	३०	२९	४१	५४	५७	२९
२९	५६	१८	१३	२	१८	२८	१७
५६	२८	२९	५०	७१	३६	३	५७
५४	१६	९५	मा	४६	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

इस मास का फल साधारण है, घृत, तेल, चांदी, धान्य, रुई, तेज होगा। कहीं कहीं वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

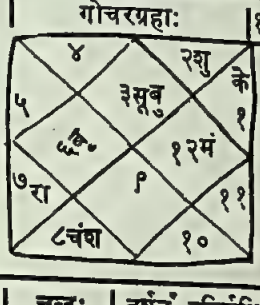

१४पं.आ.शु.९शु.इ.४१।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	५	१	७	६	२
१३	२२	२६	२८	९	२८	४	१४
५५	३	५४	३८	५४	२५	३५	९
४२	३१	१०	५	३७	४	१२	४६
५६	३८	९	२	७२	१	३	५७
५०	५७	९५	१४	७	ब	११	७

ति.	प्र. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०								दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	बु	११	५०	पू	४	३१	ऐं	२०	३२	को	११	५०	३४	५	८	५२	३	११	१४	म.१९।४७
२	गु	११	२०	उ	५	३५	वै	१७	५३	ग	११	२०	१८	८	५२	३	१२	१५	मकरे
३	शु	१२	१२	श्र	८	६	वि	१६	१७	वि	१२	१२	१७	९	५१	४	१३	१६	कु.३९।५६
४	श	१४	२२	ध	११	४७	प्री	१५	३८	बा	१४	२२	१६	९	५१	५	१४	१७	कुम्भे
५	र	१७	२५	श	१६	३१	आ	१५	५०	तै	१७	२५	१४	९	५१	६	१५	१८	कुम्भे
६	चं	२१	३१	पू	२१	२१	सौ	१६	४८	व	२१	३१	१३	९	५१	७	१६	१९	मी ५।९
७	मं	२६	१८	उ	२८	२७	शो	१८	९	ब	२६	१८	११	१०	५०	८	१७	२०	मीने
८	बु	३१	१४	रे	३४	५२	अ	१९	४८	को	३१	१४	१०	१०	५०	९	१८	२१	मि.३४।५२
९	गु	३५	४७	अ	४१	५	सु	२१	१९	तै	३	३०	८	१०	५०	१०	१९	२२	मेषे
१०	शु	४०	१	भ	४६	५१	धृ	२२	२३	व	७	५४	७	११	४९	११	२०	२३	मेषे
११	श	४३	२५	कृ	५१	४१	शू	२२	५५	ब	११	४३	६	११	४९	१२	२१	२४	वृ. ३।३
१२	र	४६	१२	रो	५५	३१	गं	२२	४२	को	१४	४९	४	११	४९	१३	२२	२५	वृषे
१३	चं	४६	५०	मृ	५८	५	वृ	२१	२९	ग	१६	३१	२	१२	४८	१४	२३	२६	मि२६।४८
१४	मं	४६	४४	आ	५९	२८	धु	१९	१६	वि	१६	४७	०	१२	४८	१५	२४	२७	मिथुने
१५	बु	४५	१३	पु	५९	३६	व्या	१६	३	च	१५	५८	५८	१२	४८	१६	२५	२८	क.४४।३४

भ. ४६।५० उ. प्रदोषः
भ. १६।४७ या.
कर्केऽर्क:३६ मिथुनेभृगुः३३ ३८ हरियाली३०

१३पं.प्र.श्रा.कृ५शु.इ.४१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	५	१	७	६	२
२०	२६	९	२८	१८	२७	४	२०
३३	४३	४५	५६	११	५६	१२	५०
३८	५९	५८	३	५४	२५	५७	७
५६	३८	५०	३	७२	४	३	५७
५०	१६	३८	३५	२८	ब	११	७

गोचरग्रहाः

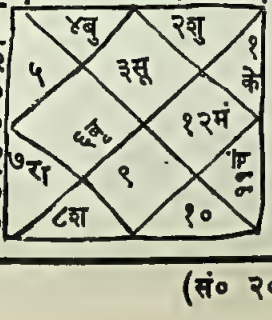

प्रथम श्रावण कृ. ३० बुधे कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न.५ पुत्रवत्सावस्था (सूती) मु.४५(धान्य भाव मन्दा) शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

१४प.प्र.श्रा.कृ.१२शु.इ.४१।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	५	१	७	६	२
२७	१	२१	२९	२६	२७	३	२७
११	१९	१	२१	३१	३०	५०	३०
४४	५१	२९	३१	४	५३	४२	३२
५६	३७	८९	४	७२	४५	३	५७
५५	३१	३३	४४	५०	ब	११	८

ति.|प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०|दि.|उ.|अ.|इं.|हि.|मु.| चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५६४ सं. १९५८

१	गु	४२	३५	पु	५८	२८	ह	११	४८	किं	१३	५४	३३	५	६	१७	२६	२९	कर्क
२	शु	३८	५५	श्ले	५६	२५	व	६	४४	बा	१०	४५	५४	१३	४७	१८	२७	३०	सिं५६।२५
३	श	३४	२०	म	५३	४५	सि	०	५३	तै	६	३७	५२	१४	४६	१९	२८	१	सिंहे
४	र	२९	८	पू	५०	११	व	४७	१५	व	१	४४	५०	१४	४६	२०	२९	२	सिंहे
५	चं	२३	२८	उ	४६	२१	प	३९	५२	बा	२३	२८	४७	१५	४५	२१	३०	३	कं.४।१३
६	मं	१७	२७	ह	४२	१५	शि	३२	१६	तै	१७	२७	४५	१५	४५	२२	३१	४	कन्या.
७	बु	११	२२	चि	३८	७	सि	२४	४६	व	११	२२	४२	१६	४४	२३	१	५	तु.१०।११
८	गु	५	१३	स्वा	३४	१०	सा	१७	१७	ब	५	१३	४०	१६	४४	२४	२	६	तुलायाँ
९	गु	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	शु	५३	५८	वि	३०	४२	शु	१०	०	तै	२६	३७	३७	१७	४३	२५	३	७	वृ.१६।३४
११	श	४९	११	अ	२६	३४	शु	३	५३	व	२१	३४	३५	१७	४३	२६	४	८	वृश्चि.
१२	र	४५	१६	ज्ये	२५	७	ऐं	५१	१३	ब	१७	१४	३२	१८	४२	२७	५	९	ध.२५।७
१३	चं	४२	१९	मू	२३	५४	वै	४६	३१	को	१३	४८	३०	१८	४२	२८	६	१०	धनुषि
१४	मं	४०	३०	पू	२३	४२	वि	४२	४१	ग	११	२४	२७	१९	४१	२९	७	११	म.३८।५५
१५	बु	४०	१	उ	२४	३३	प्री	३९	४९	वि	१०	१६	२४	१९	४१	३०	८	१२	मकरे

भ.३५ उ ४६ या. कमला ११ब्र. स्मा. वै.
कमला ११ ब्र. नि.
ताजिया प्रदोषः
भ. ४०।३० उ.
भ १६ या. वक्रीज्येष्ठायां ३ शनिः५५।४४

१५पं.प्र.श्रा.शु.४सू.इ.४१।२३ | गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	५	२	७	६	३
३	५	०	२९	४	२७	३	४
५०	५२	२९	५४	५२	७	२८	११
१२	५६	५७	५५	४१	५९	२६	१३
५६	३६	७०	५०	७३	१३	३	५८
५७	४०	८	४९	९	ब	११	५१

इस मास का फल उत्तम है। वर्षा होगी, अनाज गेहूँ, जौ, मोंठ, चावल मंदा दोकर तेज होगा।

गोचरग्रहाः

१६पं.प्र.श्रा.शु.१२सू.इ.४१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	६	२	७	६	६
१०	९	७	०	१३	२६	३	१०
२९	५६	५६	३५	१७	४८	६	५२
२९	२९	५०	३६	५८	१६	११	३५
५७	३५	४७	६	७३	३३	३	५७
५	२५	१४	४८	२०	ब	११	२५

त.|द्वि.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०|दि.|उ.|अ.|इं.|हि.|मु.| चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे प्र.श्रा.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	गु	४०	४६	श्र	२६	४३	आ	३८	०	बा	१०	२४	३३	५	६	३१	९	१३	कुं.५८।११
२	शु	४२	३३	ध	२९	३९	सौ	३७	११	तै	१२	१०	२९	२०	४०	१	१०	१४	कुम्भे
३	श	४५	५०	श	३४	४२	शो	३७	१३	व	१४	४२	१८	२०	४०	२	११	१५	कुम्भे
४	र	४९	५६	पू	४०	१४	अ	३८	३	ब	१७	५३	१५	२१	३९	३	१२	१६	मी२३।५१
५	चं	५४	३५	उ	४६	२०	सु	३८	४८	को	२२	१६	१२	२२	३८	४	१३	१७	मीने
६	मं	५९	२७	रे	५२	४५	धृ	४०	५७	ग	२६	१	९	२३	३७	५	१४	१८	मे.५२।४५
७	बु	६०	०	अ	५८	४६	शू	४२	३१	वि	३१	५२	६	२३	३७	६	१५	१९	मेषे
७	गु	४	१६	भ	६०	०	गं	४३	४२	ब	४	१६	३	२४	३६	७	१६	२०	मेषे
८	शु	८	३२	भ	४	४८	वृ	४४	१५	को	८	३२	०	२५	३५	८	१७	२१	वृ.२१।३
९	श	१२	०	कृ	९	४९	धु	४४	१०	ग	१२	०	५७	२५	३५	९	१८	२२	वृषे
१०	र	१४	३७	रो	१३	५७	ध्या	४३	८	वि	१४	३७	५४	२६	३४	१०	१९	२३	मि४५।१८
११	चं	१५	४२	मृ	१६	३९	ह	४१	३	बा	१५	४२	५०	२६	३४	१०	१९	२३	मि४५।१८
१२	मं	१५	३९	आ	१८	२४	व	३८	४	तै	१५	३९	४७	२७	३३	११	२०	२४	मिथुने
१३	बु	१४	१७	पु	१८	४८	सि	३४	११	व	१४	१७	४३	२७	३३	१२	२१	२५	मिथुने
१४	गु	११	४२	पु	१८	०	व्य	३८	५९	श	११	४२	४०	२८	३२	१३	२२	२६	क. ३।४२
३०	शु	८	७	श्ले	१६	६	व	२३	११	ना	८	७	३६	२९	३१	१४	२३	२७	कर्के
													३३			१५	२४	२८	सिं१६।६

अगस्त मा. ८ ता. ३१
भ. १४ उ. ४५ या. भरण्यांभौमः ९।२९*
सार्पे रविः १०।२१
*पुनर्वसु भृगुः १५।५४
भ. ५९।२७ उ. पूफायां बुधः २०।५८
भ. ३१।५२ या.
वक्री बुधः ४६।२०
भ. ४३।१९ उ.
भ. १४।३७ या. कर्के भृगुः २९।२९
कमला ११ ब्र.
प्रदोषः
भः१४।१७ उ.४३।३या पुष्ये भृगुः १२।१३
वक्री मघायां बुधः ३१।४२

१७पं.द्वि.श्रा.कृ.४सू.इ.४१।६ | गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	६	२	७	६	३
१७	१४	१२	१	२१	२६	२	१७
९	१२	४८	२३	४४	३२	४३	३३
१८	२७	९	१५	२६	३३	५५	५७
५७	३४	१९	७	७३	२	३	५७
१२	२१	८	४९	३२	ब	११	२४

इस मास में ५ गुरुवार तथा ५ शुक्रवार श्रेष्ठ हैं, वर्षा साधारण होगी।

गोचरग्रहाः

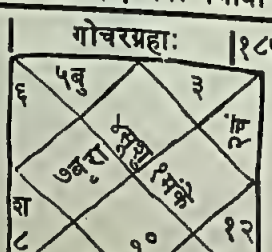

१८पं.द्वि.श्रा.कृ.१०सू.इ.४०।५७

र	मं	बु	ग	शु	श	रा	र
३	०	४	६	३	७	६	३
२३	१८	१४	२	०	२६	२	२४
५०	२२	१७	१७	१४	२०	२१	१६
२५	८	३८	३१	६	१४	४०	२६
५७	३२	३३	८	७३	२३	३	५७
२२	४९	ब	४५	४४	ब	११	३२

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												वि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	श	३	५४	म	१३	३१	प	१६	४६	ब	३	४४	३२	५	६	१६	२५	२९	सिंहे
२	श	५४	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	र	५२	५०	पू	१०	१३	शि	९	४७	ते	२५	४१	२६	३१	२९	१७	२६	१	कं.२४।१५
४	चं	४६	५५	उ	६	२०	सि	२९	२१	व	१९	५३	२२	३२	२८	१८	२७	२	कन्यायां
५	मं	४०	४८	ह	१८	५५	शु	४७	१५	ब	१३	५१	१९	३२	२८	१९	२८	३	तु.३०।१३
६	बु	३४	४२	स्वा	५४	९	शु	३९	४२	कौ	७	४५	१५	३३	२७	२०	२९	४	तुलायां
७	गु	२८	५५	वि	५०	२५	ब्र	३२	२०	ग	१	४८	१२	३४	२६	२१	३०	५	वृ.३६।२१
८	शु	२४	२९	अ	४७	१८	ते	२५	३०	ब	२४	२९	८	३४	२६	२२	३१	६	वृश्चि.
९	श	१८	३७	ज्ये	४४	५०	वै	१८	५१	कौ	१८	३७	४	३५	२५	२३	१	७	ध.४४।५०
१०	र	१४	४४	मू	४३	१४	वि	१३	२	ग	१४	४४	०	३६	२४	२४	२	८	धनुषि
११	चं	११	४९	पू	४२	४०	प्री	८	४	वि	११	४९	३१	३७	२३	२५	३	९	म.५७।४८
१२	मं	१०	०	उ	४३	१२	आ	३	५५	बा	१०	०	५२	३८	२२	२६	४	१०	मकरे
१३	बु	९	३०	श्र	४५	६	सौ	४६	५७	ते	९	३०	४८	३८	२२	२७	५	११	मकरे
१४	गु	१०	१९	ध	४८	१६	अ	५७	३२	व	१०	१९	४४	३९	२१	२८	६	१२	कुं.१६।४१
१५	शु	१२	१३	श	५२	३५	सु	५७	२१	ब	१२	१३	४०	४०	२०	२९	७	१३	कुम्भे

चंद्रद.पश्चिमास्तंबुधः १९° नक्तव्रतारम्भः
क्षयः
सफर२ मघायां सिंहेऽर्कं :६।४८ वर्षा ने.*
भ. १९।५३ उ. ४६।५५ या. वरद ४
चित्रा क्षयः ५५।५०
*चित्रायां४ गुरुः५६।५२ मघुश्रवा ३
भ. २८।५५ उ. ५६।४२ या.

राष्ट्रीय भाद्रपदारंभः ६ दि. ३१
भ.४३उ. मार्गीशनिः८।२९ आश्लेभृगुः १०
भ. ११।४९ या. पवित्रा ११ ब्र.
प्रदोषः
कृतिकायां भौमः३३ ऋगवेदीना श्रा.कर्म
भ. १०।१९ उ. ४१।१६
रक्षाबन्धनं श्रावणी कर्म

१९पं. द्वि.श्रा.शु.३ र.इ.४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	६	३	७	६	४
०	२१	११	३	८	२६	१	०
३२	५८	३७	१७	४४	१४	५९	५९
३८	४५	५२	२८	४२	३९	२५	४५
५७	३१	४७	९	७३	३९	३	५७
३४	९	ब	३३	५६	ब	११	४०

द्वि. श्रा. शु. ३ रवौ सिंहेऽर्कं: प्र. वा.५ न.५ युवावस्था (सूती) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो.पश्चिमे

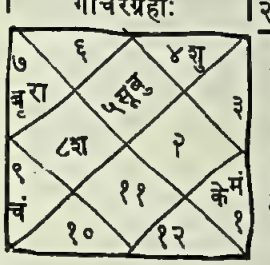

२०पं. द्वि.श्रा.शु.१० र.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	६	३	७	६	४
७	२५	५	४	१७	२६	१	७
१६	३०	४८	२२	१७	१२	३७	४४
१२	५१	१३	३६	४४	४२	९	१५
५७	२९	५९	१०	७३	३	३	५७
४५	१२	च	१७	५७	मा	११	४८

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												वि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	श	१५	१७	पू	६०	०	धृ	५७	५५	कौ	१५	१७	३१	५	१९	३०	८	१४	मी४३।५२
२	र	१९	२८	पू	०	५७	शू	५९	५	ग	१९	२८	३२	४२	१८	३१	९	१५	मीने
३	चं	२४	१०	उ	३	४९	गं	६०	०	वि	२४	१०	२८	४२	१८	१	१०	१६	मीने
४	मं	२९	३	रे	१०	९	गं	०	३२	बा	२९	३	२४	४३	१७	२	११	१७	मे.१०।९
५	बु	३३	०	अ	१६	२३	वृ	२	११	कौ	१	१	२१	४४	१६	३	१२	१८	मेषे
६	गु	३८	२२	भ	२२	३०	धु	३	१७	ग	५	४१	१७	४५	१५	४	१३	१९	वृ.३८।४७
७	शु	४१	५५	कृ	२७	४०	व्या	४	३	वि	१०	८	१४	४५	१५	५	१४	२०	वृषे
८	श	४४	३०	रो	३२	३	ह	४	४	बा	१३	१२	१०	४६	१४	६	१५	२१	वृषे
९	र	४५	५१	मृ	३५	८	व	३	३०	ते	१५	१०	६	४७	१३	७	१६	२२	मि३।३५
१०	चं	४५	५२	आ	३७	३	सि	२४	१५	व	१५	५२	२	४८	१२	८	१७	२३	मिथुने
११	मं	४४	३१	पु	३७	४३	व	५४	४१	ब	१५	१२	३०	४८	१२	९	१८	२४	क.२२।३३
१२	बु	४२	३	पु	३७	१५	प	४९	५३	कौ	१३	१७	५३	४९	११	१०	१९	२५	कर्के
१३	गु	३८	३४	श्ले	३५	२१	शि	४४	१६	ग	१०	१८	४९	५०	१०	११	२०	२६	सिं३५।२१
१४	शु	३४	१४	म	३२	४१	सि	३७	५०	वि	६	२४	४४	५१	९	१२	२१	२७	सिंहे
३०	श	२९	९	पू	२९	४९	सा	३०	५८	च	१	४२	४०	५२	८	१३	२२	२८	कं.४३।५४

चन्द्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
पूफायां रविः ५७।३९
भ. ५१।४९ उ. पूर्वोदयी बुधः ४९।५१
भ. ३४° या. सितम्बर मा. ९ ता. ३०
मार्गी बुधः ४०।३१
वृषे भौमः ३९।५२ चन्द्र ६
भ. ३८।२२ उ. सिंहे भृगुः ०।१७
भ. १०।९ या. जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
जन्माष्टमी ब्र. वै.
स्वात्यां १ गुरुः ३।१५ गोगा ९
भ. १५।५१ उ. ४५।२२ या.
अजा ११ ब्र. स्मा. वै.
अजा ११ ब्र. नि.
भ. ३८।३४ उ. प्रदोषः
भ. ६।२४ या.
उफायां रविः ४२।१८ पिठोरी ३०

२१पं.भा.कृ.२ र.इ.४०।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	६	३	७	६	४
१४	२८	१	५	२५	२६	१	१४
१	५२	४१	३२	५३	१४	१४	२९
२३	३२	३६	१९	२९	१	५४	५४
५७	२७	३०	१०	७४	०	३	५८
५७	१९	च	५९	२५४	११	१	

इस मास में धान्य रुई अलसी जो, गेहूँ, चना मंदा चांदी चंदन चावल पाट कुछ तेज होगा।

२२पं.भा.कृ. ९ र.इ.४०।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	६	४	७	६	४
२०	१	३	६	४	२६	०	२१
४८	३९	३६	४७	५९	२२	५२	१६
४	२०	४३	८	५२	१८	३९	५९
५८	२४	५३	११	७४	१	३	५८
१२	४७	मा	३२	१०	३३	११	१३

| ति. | भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८० | | |

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												वि.	उ.	अ.	हं.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६५२ स. १९५८
१	चं	४४	२५	चि	३८	२	वै	२७	१९	किं	१७	२४	३८	१६	४४	१३	२१	२८	तु. १०।०	नवरात्रारम्भ. घटस्था. अभिजिति.
२	मं	३८	२६	स्वा	३३	४८	वि	१९	३८	बा	१०	२६	३४	१७	४३	१४	२२	२९	तुलायां	चन्द्रदर्शनम् *चित्रायांभृगुः ५५।४६
३	बु	३२	२६	वि	२९	५६	प्री	११	५८	तै	५	२६	३०	१८	४२	१५	२३	१	वृ. १५।५४	भ. ५९।५८ उ. रविलाखर ४
४	गु	२७	२७	अ	२६	३०	आ	३६	५३	वि	२७	२९	२६	१९	४१	१६	२४	२	वृश्चिके	भ. २७।२९ या. स्वात्यां बुधः ७।१५*
५	शु	२२	५१	ज्ये	२३	३८	शो	५१	२५	बा	२२	५१	२२	२०	४०	१७	२५	३	ध. २३।३८	तुलायामर्के: ३३।१८
६	श	१८	५५	मू	२१	२३	अ	४५	३८	तै	१८	५५	१८	२०	४०	१८	२६	४	धनुषि	वक्री भौमः ३८।२३ सरस्वत्यावाहनं
७	र	१६	३१	पू	२०	२९	सु	४१	७	व	१६	२१	१४	२१	३९	१९	२७	५	म. ३५।३१	भ. १६ उ. ४५ या. पूर्वास्तोभृगुः ३३।०×
८	चं	१४	३३	उ	२०	२६	धृ	३७	१९	ब	१४	३३	१०	२२	३८	२०	२८	६	मकरे	अस्तं गुरुः ३९।३६ अ. गु.
९	मं	१४	२२	श्र	२१	४५	शू	३४	२७	कौ	१४	२२	६	२३	३७	२१	२९	७	कु. ३५।५	मन्वादिः विजयादशमी ×स.पू. पू.अ.भृ.
१०	बु	१५	२३	ध	२४	२५	गं	३२	३९	ग	१५	२३	२	२४	३६	२२	३०	८	कुंभे	भ. ४३ उ. तुलायां भृगुः १७ विजया १०
११	गु	१७	२९	श	२८	१२	वृ	३१	५५	वि	१७	२९	५८	२४	३६	२३	१	९	कुम्भे	भ. १७ या. पापांकुशा ११ ब्र. रा. कार्तिकार.
१२	शु	२०	४७	पू	३३	३	ध्रु	३१	५०	बा	२०	४७	५४	२५	३५	२४	२	१०	मी १६।५०	स्वात्यांरविः १४ विशा. बुधः ४० प्रदोषः
१३	श	२५	७	उ	३८	४३	व्या	३२	२०	तै	२५	७	५०	२६	३४	२५	३	११	मीने	पश्चिमोदयी बुधः
१४	र	२९	५९	रे	४४	५९	ह	३३	३७	व	२९	५९	४६	२७	३३	२६	४	१२	मे. ४४।५९	भ. २९ उ. स्वत्यां ४ गुरुः ७।२१ शरत्पूर्णिमा
१५	चं	३५	६	अ	५१	२३	व	३५	०	वि	२	३३	४२	२८	३२	२७	५	१३	मेषे	भ. ३३ या. स्वा. भृगुः ३६ शरत्पूर्णिमा वै.

२८पं.आ.शु.७र.इ.३९।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	६	५	७	५	६
२	८	१२	१५	२६	२८	२८	२
५	१८	८	१६	४३	३७	३९	३१
३०	३४	४०	३	१७	४९	६	३५
५९	४३	०	१३	७४	५	३	५९
४६	ब	०	३२	३२	११	११	३४

गोचरग्रहाः

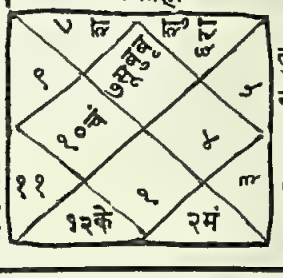

आश्विन शु. ५ शुक्रे तुलायामर्कः प्र.वा. ३ न. ५ गतात्कावस्था (ऊभौ) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

२९पं.आ.शु.१४र.इ.३९।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	६	६	७	५	६
९	७	२३	१६	५	२९	२८	९
४	८	२	४७	२९	१३	१६	२९
५३	५०	५९	१२	२	३३	५१	५२
५९	५	९५	१३	७४	५	३	५९
२	ब	२५	३३	३२	३८	११	४७

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												वि.	उ.	अ.	हं.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुं रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	मं	४०	१३	भ	५७	३१	स्वि	३६	१७	बा	७	३९	३७	३८	३२	२८	६	१४	मेषे	
२	बु	५३	४४	कृ	६०	०	व्य	३७	१२	तै	१२	२८	३५	२९	३१	२९	७	१५	बृ. १३।५६	
३	गु	४८	२३	कृ	३	१३	व	३७	२९	व	१६	३४	३१	३०	३०	३०	८	१६	बृषे	भ. १६।३४ उ. ४८।२३ या.
४	शु	५१	१	रो	७	५९	प	३७	२	ब	१९	४२	२८	३०	३०	३१	९	१७	मि ३९।५०	वृश्चिके बुधः १९।४२
५	श	५२	३०	मृ	११	४१	शि	३५	३५	कौ	२१	५५	२४	३१	२९	१	१०	१८	मिथुने	नवम्बर मा. ११ ता. ३०
६	र	५२	३७	आ	१४	५	स्वि	३३	१०	ग	२२	३४	२०	३२	२८	२	११	१९	मिथुने	भ. ५२।३७ उ. अनुराधायांबुधः ३३।५३
७	चं	५०	२४	पु	१५	१९	सा	२९	४७	वि	२१	३१	१७	३३	२७	३	१२	२०	क. ०।१	भ. ३१ या. मूले १ धनुषि शनिः ४७।५४
८	मं	४९	१	पु	१५	२४	शु	२५	२१	बा	१९	४२	१३	३३	२७	४	१३	२१	कर्के	
९	बु	४७	४७	श्ले	१४	८	शु	२०	२	तै	१८	२४	१०	३४	२६	५	१४	२२	सिं १४।८	
१०	गु	४१	२२	म	१२	३	ब्र	१४	४३	व	१४	३५	६	३५	२५	६	१५	२३	सिंहे	भ. १५ उ. ४१ या. विशाखायां रविः ३१
११	शु	३६	२२	पू	९	१३	ऐं	१०	४५	ब	८	५२	३	३५	२५	७	१६	२४	कं. २३।२०	विशाखायां भृगुः ११।११ रमा ११ ब्र.
१२	श	३०	५४	उ	५	४०	वि	५२	२०	कौ	३	३८	२६	३६	२४	८	१७	२५	कन्यायां	धन १३
१३	र	२५	९	ह	४	५८	प्री	४४	३४	ब	२५	९	५६	३७	२३	९	१८	२६	तु. २९।४२	भ. २५।९ उ. ५२।१३ या. रूप १४
१४	चं	१९	१६	स्वा	५	३	आ	३६	५०	श	१९	१६	५२	३८	२२	१०	१९	२७	तुलायां	विशाखायां १ गुरुः ५९ महालक्ष्मी पूजनं
१५	मं	१३	२२	वि	४९	३२	सौ	२९	७	ना	१३	२२	४९	३८	२२	११	२०	२८	वृ. ३५।३२	ज्येष्ठायां बुधः ५०।३६ अन्नकूटं

३०पं.का.कृ.६ र.इ.३९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	७	६	६	७	५	६
१६	५	३	१८	१४	२९	२७	१६
५	१४	२७	१९	१६	५३	५४	२९
५६	३०	४२	३२	०	१	३६	४०
६०	१	८९	१३	७४	६	३	६०
१८	ब	२६	३८	३८	५	११	४

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में पीड़ा होगी। गुड़ खांड घृत तिल तेल तेज होगा। चांदी में मन्दी हो।

गोचरग्रहाः

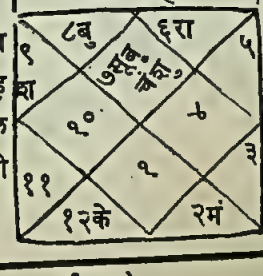

३१पं.का.कृ.१३र.इ.३८।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	७	६	६	८	५	६
२३	२	१३	१९	२३	०	२७	२३
८	५८	२१	५१	३	३४	३२	२१
३४	२	११	८	४०	२७	३०	१
६०	१	८१	१३	७४	६	३	६०
३०	ब	५०	३८	३८	२४	११	१७

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०							दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	बु	७	४७	अ	४६	४	शो	२१	३५	ब	७	४७	२६	३९
२	गु	२	४३	ज्ये	४३	१	अ	१४	२५	कौ	२	४३	४३	३९
३	गु	५५	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	शु	५४	३२	मू	४०	४०	सु	७	४४	व	२६	१९	४०	४०
५	श	५१	५४	पू	३९	३०	धृ	१	५५	व	२३	१३	३७	४१
६	र	५०	२४	उ	३७	१९	गं	५२	४१	कौ	२१	९	३४	४१
७	चं	५०	१३	श्र	४०	१९	वृ	४९	२७	ग	२०	१९	३१	४२
८	मं	५१	१४	ध	४२	५०	ध्रु	४७	१२	वि	२०	४३	२९	४२
९	बु	५३	४१	श	४६	३	व्या	४५	५४	बा	२२	२८	२६	४३
१०	गु	५७	१४	पू	५०	४४	ह	४४	४२	तै	२५	२७	२४	४३
११	शु	६०	०	उ	५६	१७	व	४६	८	ब	२९	२७	२१	४४
११	श	१	४०	रे	६०	०	सि	४७	१०	वि	१	४०	१९	४४
१२	र	६	३८	रे	२	२६	व्य	४८	२४	बा	६	३८	१६	४५
१३	चं	११	४७	अ	८	४५	व	४९	३७	तै	११	४७	१५	४५
१४	मं	१६	५२	भ	१५	५	प	५०	४४	व	१६	५२	११	४६
१५	बु	२१	३४	कृ	२०	५७	शि	५०	५८	ब	२१	३४	९	४६

हि.	मु.	चंद्रः
२१	२९	बृश्चिके
२२	१	ध.४३।१
०	०	०
२३	२	धनुषि
२४	३	म.५३।५७
२५	४	मकरे
२६	५	मकरे
२७	६	कु.११।२४
२८	७	कुम्भे
२९	८	मी३४।३४
३०	९	मीने
१	१०	मीने
२	११	मि.२।२६
३	१२	मेषे
४	१३	वृ.३१।३३
५	१४	बृषे

शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६४२ स. १९५८

चन्द्रदर्शनम्
जमादिलावल ५ भ्रातृ २
क्षयः
भ. २६।२० उ. ५४।३२ या.
उदयंगुरुः ३४ बृश्चिकेभृगुः ८।५९ उ.गु.
बृश्चिकेऽर्कः २६।४
भ.५०।१३ उ. अनुराधायांभृगः ४९।४५
भ.३०४या. वक्रीमेषेभौमः६।४६ गोपाष्टमी
अनुराधायां रविः ४३।३९ कुष्माण्ड ९
*मार्गशीर्ष मासारंभः
भ.३९उ. प्रबोधिनी११ब्र.स्मा. तुलसीवि.
भ. १।४० या. प्रबोधिनी ११ब्र. राष्ट्रीय*
हरिवासरः घ. २।२६ या.
धनुषि बुधः १०।५५ बैकुण्ठ १४
भ.१६ उ.४३ या. विशाखायां२ गुरुः३३
चित्रायां१राहुःरेवत्यां३केतुः४३का.स्ना.पू.

३२पं.का.शु.६ र.इ.३८।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	६	७	८	५	७
०	०	२२	२१	१	१	२७	०
१२	२५	३४	२३	५१	१८	१०	३३
३९	२५	३१	४४	३०	२०	५	४९
६०	१६	४७	१३	७४	६	३	६०
४०	व	१	४२	३८	३७	११	३०

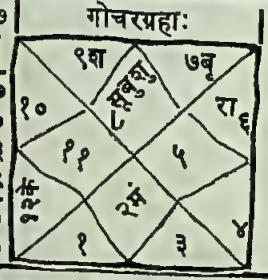

कार्तिक शुक्ला६ रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३ नं. ३ युवावस्था(सूती) मु. ४५ (धान्य भाव सम) शु.पू.।

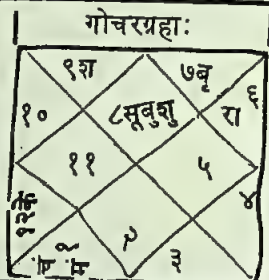

३३पं.का.शु.१२ र.इ.३८।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	७	८	५	७
७	२८	२९	२२	१०	२	२६	७
१८	२	३४	५५	२९	४	४७	३७
१३	७	३१	३	३४	१०	४९	४२
६०	१६	४७	१३	७४	६	३	६०
५३	व	१	२८	३२	५७	११	४२

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०							वि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	गु	२५	७	रो	२५	५२	सि	५०	५०	कौ	२५	७	२६	६
२	शु	२८	४६	मृ	२९	५१	सा	४९	२६	ग	२८	४६	४	४७
३	श	२९	९	आ	३२	४८	शु	४७	२९	वि	२९	९	१	४८
४	र	२९	१८	पु	३४	७	शु	४४	२२	बा	२९	१८	२५	४८
५	चं	२८	४	पु	३४	३४	ब्र	४०	११	तै	२८	४	५६	४९
६	मं	२५	२८	श्ले	३३	२८	ऐं	३५	६	व	२५	३८	५४	४९
७	बु	२२	१८	म	३१	३२	वै	२९	१९	ब	२२	१८	५२	५०
८	गु	१८	३	पू	२८	४८	वि	२२	३८	कौ	१८	३	५१	५०
९	शु	१३	२	उ	२५	२९	प्री	१५	३५	ग	१३	२	४९	५०
१०	श	७	३७	ह	२१	४०	आ	८	८	वि	७	३७	४८	५०
११	र	१	५६	चि	१७	२७	सौ	२	५३	बा	१	५६	४६	५१
१२	र	५४	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	चं	५०	१३	स्वा	१३	२९	अ	४४	४६	ग	२३	७	४५	५१
१४	मं	४४	४०	वि	९	५८	सु	३७	५	वि	१७	२६	४३	५१
२०	बु	३९	३९	अ	५	५३	धृ	२९	५०	च	१२	९	४२	५२

हि.	मु.	चन्द्रः
७	१५	मि५७।५१
८	१६	मिथुने
९	१७	मिथुने
१०	१८	क.१८।४७
११	१९	कर्के
१२	२०	सिं३३।२८
१३	२१	सिंहे
१३	२२	कं.४२।५८
१४	२३	कन्यायां
१५	२४	तु.४९।३४
१६	२५	तुलायां
१७	२६	०
१७	२६	बृ.५५।२८
१८	२७	बृश्चिके
१९	२८	बृश्चिके

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः

वक्री भरण्यां भौमः ५१।४७
भ. ५८।५८ उ. ज्येष्ठायां भृगः २३।०
भ. २९।९ या. वक्री बुधः ५२।५९

विसम्बर मा. १२ ता. ३१
भ.३५ उ.५३या. ज्येष्ठायांरविः५०।४८
*मूले शनिः ५७।७
अस्तंशनिः ७।५९ पश्चिमास्तं बुधः ५४*
भ. ४०।२० उ. वक्री ज्येष्ठायां बृश्चिके×
भ. ७।३७ या. ×बुधः ५२।२१
शौभनयोगक्षयः ५२।११ उत्पत्ति ११ ब्र.
क्षयः +प्रदोषः प.उ.भृ.
भ. ५०।१३ उ. पश्चिमोदयं भृगुः १५।०+
भ. १७।२७ या. मूले धनुषि भृगुः १।५८

३४पं.मा.कृ.४ र.इ.३८।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	८	६	७	८	५	७
१४	२५	२	२४	१९	२	२६	१४
२५	५८	२७	२४	२७	५०	२५	४२
६	१८	२४	२४	५७	५२	३४	५६
६१	१५	५	१३	७४	७	३	६०
३	व	व	२०	३२	५	११	५०

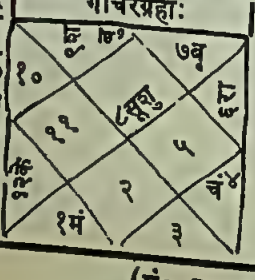

इस मास में प्रजा में सुख शांति रुई अनाज गेहूँ, जौ, चना, मूंग, मोंठ, बाजरा, चावल मंदा होगा।

३५पं.मा.कृ.११ र.इ.३८।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	७	८	५	७
२१	२४	२७	२५	२८	३	२६	२१
३२	२७	२२	५३	१५	३९	३	४९
५३	३२	१	२०	५४	२५	१९	१
६१	११	५९	१३	७४	७	३	६०
११	व	व	७	३२	१४	११	५६

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०						दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १८११ स.१९५८
१	गु	३१	१८	ज्ये	२	४०	शू	२३	०	किं	७	२९	२५ ६	५	११	२०	२९	ध.२।४०	विशाखायां ३ गुरुः २९।३६
२	शु	३१	४८	मू	१०	५६	गं	१६	४४	बा	३	३३	४०	५२	८	१२	२१	३०	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
३	श	२९	२१	उ	५८	१८	वृ	११	२२	तै	०	३४	३९	५२	८	१३	२२	१	म.१३।५३	भ. ५८।२५ उ. जमादिलाखर ६
४	र	२७	२९	श्र	५९	२	ध्रु	६	५३	वि	२७	२९	३८	५२	८	१४	२३	२	मकरे	भ. २७।२९ या.
५	चं	२७	५५	ध	६०	०	ध्या	३	२२	बा	२७	५५	३८	५२	८	१५	२४	३	कु.३०।०	मूलेधनुष्यर्कः ५४।३३ पूर्वोदयीबुधः ५५
६	मं	२९	१५	ध	०	५७	इ	४४	२३	तै	२९	१५	३७	५३	७	१६	२५	४	कुम्भे	वक्री अनुराधायां बुधः २७।५५ चम्पा ६
७	बु	३१	३३	श	४	१४	सि	५८	३३	ग	०	२४	३७	५३	७	१७	२६	५	मी५२।३३	भ. ३१।३३ उ.
८	गु	३५	२२	पू	८	३९	व्य	५८	४२	वि	३	२७	३७	५३	७	१८	२७	६	मीने	भ. ३।२८ या.
९	शु	३९	५३	उ	१४	१	व	५९	२९	बा	७	३७	३६	५३	७	१९	२८	७	मीने	पूषायां भृगुः ३४।५७ कल्पादिः
१०	श	४४	५५	रे	२०	५	प	६०	०	तै	१२	२४	३६	५३	७	२०	२९	८	मे.२०।५	मार्गी बुधः २५।१५
११	र	५०	१०	अ	२६	२८	प	०	४२	व	१७	३२	३६	५३	७	२१	३०	९	मेषे	भ. १७।३३ उ. ५° या. मोक्षदा ११ व्र.
१२	चं	५५	१८	भ	३२	१९	शि	१	४७	ब	२२	४४	३६	५३	७	२२	१	१०	वृ.४९।२	राष्ट्रीय पौष मासः
१३	मं	५९	५२	कृ	३९	१२	सि	२	५८	कौ	२७	३५	३७	५३	७	२३	२	११	बृषे	मार्गीसौमः ५६ मार्गीज्येष्ठायां बुधः ४३*
१४	बु	६०	०	रो	४३	५८	सा	३	३४	ग	३१	४०	३७	५३	७	२४	३	१२	बृषे	पिशाच मोचन श्राद्धम् *प्रदोषः
१४	गु		३	२९	मृ	४८	१७	शु	३	२०	व	३	२९	३७	५३	७	२५	४	१३	मि१६।८	भ. ३।२९ उ. ३४।३७
१५	शु	६	५	आ	५०	५०	शु	२	४४	ब	६	५	३८	५२	८	२६	५	१४	मिथुने	

३६पं. मा.शु.४र.इ.३७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	८	८	५	७
२८	२३	१८	२७	७	४	२५	२८
४१	३७	४२	१९	४	२८	४१	५५
३६	३३	५०	४४	१९	२२	३	५८
६१	५	६३	१२	७४	७	३	६१
१९	ब	ब	४०	३१	२०	११	०

गोचरग्रहाः

मार्गशीर्ष शु. ५ चंद्रे धनुष्यर्कः प्र.वा. २न.३गतात्कावस्था (ऊभौ) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पश्चि.।

गोचरग्रहाः

३७पं.मा.शु.११र.इ.३७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	६	८	८	५	८
५	२३	१६	२८	१५	५	२५	६
५१	२७	११	४३	५२	१८	१८	३
२	२३	७	३५	१३	१४	४८	३३
६१	१	१४	१२	७४	७	३	६१
२२	ब	मा	१७	२६	२३	११	५

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०						दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	७	२५	पु	५३	७	ब्र	४५	५७	कौ	७	२५	३५ ६	५	२७	६	१५	क.३७।३३	
२	र	७	२८	पु	५४	४१	वै	५४	९	ग	७	२८	३८	५२	८	२८	७	१६	कर्के	भ. ३६।५० उ. पूषायां रविः ५६।१०*
३	चं	६	११	श्ले	५३	८	वि	४९	२९	वि	६	११	३९	५२	८	२९	८	१७	सिं५३।८	भ. ६।११ या.
४	मं	३	४२	म	५१	३२	प्री	४३	४७	बा	३	४२	३९	५२	८	३०	९	१८	सिंहे	उषायां भृगुः १२।३०
५	बु	०	१६	पू	४८	५४	आ	३७	२६	तै	०	१६	४०	५२	८	३१	१०	१९	सिंहे	भ. ५६।० उ.
६	बु	५५	४४		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०		०	*विशाखायां४ वृश्चिके गुरुः १८।१३
७	गु	५०	११	उ	४५	३९	सौ	३०	३३	वि	२४	५	४१	५२	८	१	११	२०	कं. ३।५	भ. २४।६ या. मकरे भृगुः ४९।२२×
८	शु	४५	१७	ह	४१	५९	शो	२३	११	बा	१७	४३	४२	५२	८	२	१२	२१	कन्यायां	मूले ३ शनिः २२।५४
९	श	३९	४५	चि	३७	५७	अ	१५	२६	तै	१२	३१	४३	५१	९	३	१३	२२	तु.९।५८	×जनवरी मा. १ ता. ३० सन् १९५९
१०	र	३३	५४	स्वा	३३	४९	सु	३८	५४	व	६	४९	४४	५१	९	४	१४	२३	तुलायां	भ. ६।५० उ. ३३।५४ या.
११	चं	२८	११	वि	२९	४८	शू	४२	११	ब	१	२	४५	५१	९	५	१५	२४	वृ.१५।४८	धनुषि बुधः ४०।७ सफला ११ व्र.
१२	मं	२२	४५	अ	२६	४	गं	४४	३५	तै	२२	४५	४७	५१	९	६	१६	२५	वृश्चिके	उदयं शनेः २५।० प्रदोषः
१३	बु	१७	४९	ज्ये	२२	५८	वृ	३७	३८	व	१७	४९	४८	५०	१०	७	१७	२६	ब.२२।५८	भ.४९ उ.४०या. अभिजित्प्रवृतौभृगुः११
१४	गु	१२	३१	मृ	२०	२३	ध्रु	३१	१५	श	१२	३१	५०	५०	१०	८	१८	२७	धनुषि	
२०	शु	१०	१२	पू	१८	३०	ध्या	२५	३८	ना	१०	१२	५२	५०	१०	९	१९	२८	म.३२।५०	श्रवणे भृगुः ४९।३६

३८पं. पौ.कृ.२र.इ.३७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	७	८	८	५	८
१३	२३	२०	०	२४	६	२४	१३
०	५५	४७	३	४२	७	५६	११
५५	२	५०	४८	८	३८	३३	३२
६१	५	५२	११	७४	७	३	६१
२६	मा	५६	४९	२६	२०	११	६

गोचरग्रहाः

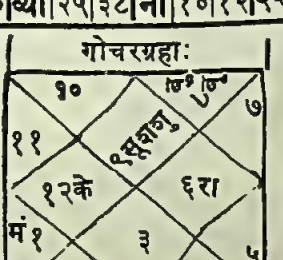

इस मास में पांच शनिवार अशुभ हैं प्रजा में पीड़ा शीत अधिक कहीं कहीं खेतियों में नुकसान होगा।

गोचरग्रहाः

३९पं.पौ.कृ.१०र.इ.३७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	७	९	८	५	८
२०	२४	२८	१	३	६	२४	२०
१०	५७	४३	२०	२८	५६	३४	१९
५३	०	५१	४२	२९	१३	१७	३७
६१	९	७२	११	७४	७	३	६१
२६	७	४८	९	२६	१४	११	६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	श	७	४९	उ	१५	४८	ह	२०	५२	ब	७	४९	२५	६	५	१०	२०	२९	मकरे
२	र	६	३५	श्र	१८	१९	व	१७	७	को	६	३५	५६	४९	११	११	२१	१	कु.४९।६
३	चं	६	५०	ध	१९	५४	सि	१४	६	ग	६	५०	५८	४८	१२	१२	२२	२	कुंभे
४	मं	८	१७	श	२२	५७	व्य	१२	१२	वि	८	१७	२६	४८	१२	१३	२३	३	कुम्भे
५	बु	१०	४३	पू	२७	३	व	११	१४	बा	१०	४३	३	४७	१३	१४	२४	४	मी११।२
६	गु	१४	२७	उ	३२	१५	प	११	७	तै	१४	२७	५	४७	१३	१५	२५	५	मीने
७	शु	१९	२०	रे	३८	१०	शि	११	४६	व	१९	२०	८	४६	१४	१६	२६	६	मे.३८।१०
८	श	२४	१२	अ	४४	३१	सि	१३	३१	ब	२४	१२	१०	४६	१४	१७	२७	७	मेषे
९	र	२९	२७	भ	५०	५८	सा	१४	३	को	२९	२७	१२	४६	१५	१८	२८	८	मेषे
१०	चं	३४	२९	कृ	५७	३६	शु	१५	१२	तै	१	५८	१५	४५	१५	१९	२९	९	वृ.७।३८
११	मं	३८	५९	रो	६०	०	शु	१६	३	व	६	४४	१७	४५	१५	२०	३०	१०	वृषे
१२	बु	४२	३९	रो	२	२७	ब्र	१६	१७	ब	१०	४९	२०	४४	१६	२१	१	११	मि३४।४२
१३	गु	४५	७	मृ	६	५७	दें	१५	४१	को	१३	५३	२२	४४	१६	२२	२	१२	मिथुने
१४	शु	४६	१३	आ	१०	२२	वै	१४	११	ग	१५	४२	२५	४३	१७	२३	३	१३	क.५६।४९
१५	श	४५	१७	पु	१२	१८	वि	११	४४	वि	१५	४५	२७	४३	१७	२४	४	१४	कर्के

चन्द्रदर्शनं उषायां ५७ अभिजिन्निवृत्तो* रज्जब ७ *भृगुः ३२।३९
भ. ३७ ३४ उ. मार्गी कृत्तिकायां भौमः ५१ १५
भ. ८।१७ या.
मकरेऽर्कः १३।५
पूषायां बुधः २८।१०
भ. १९ उ. ५१ या. अनुराधायां १ गुरुः २५ ५७
×धनिष्ठायां भृगुः ३० २८ पुत्रदा ११ ब्र.म.
भ. ४४ ६ उ. ५६ या. अभिजित्प्रवृत्तोरविः ४४ ३३×
प्रदोषः +रविः ५३ ७ उषायांबुधः १७ २२
भ.४६।१७ उ. वृषे भौमः ५६।४२
भ. १५ या. श्रवणरविः २९ अभिजिन्निवृत्तो+

४०पं. पौ.शु.२ र.इ.३७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	७	९	८	५	८
२७	२६	८	२	१२	७	२४	२७
२०	२३	५	३३	१३	४४	१२	२७
४४	५६	३१	२४	३२	३१	२	४२
६१	१३	८३	१०	७४	७	३	६१
२४	३	३३	२९	२०	२	११	२४

गोचरग्रहाः

पौष शु. ५ बुधे मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न.३गतालकावस्था (ऊर्ध्वा) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदय पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

४१पं. पौ.शु.९ र.इ.३७।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	७	९	८	८	९
४	२८	१८	३	२१	८	८	४
३०	११	१२	४१	०	३०	४९	३५
१२	५	३	१९	२	५६	४७	३३
६१	१७	९२	९	७४	६	३	६१
१९	१४	३७	४४	१४	५२	११	३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०										वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	र	४४	५३	पु	१३	३५	प्री	८	५	बा	१५	३	३६	३०	५	२५	५	१५	कर्के
२	चं	४१	१८	श्ले	१३	३	आ	३	५५	तै	१३	५	३३	४१	१९	२६	६	१६	सिं१३।३
३	मं	३८	४१	म	११	२९	शो	५२	२६	व	१०	०	३६	४१	१९	२७	७	१७	सिंहे
४	बु	३४	२४	पू	९	६	अ	५४	३९	ब	६	३३	३९	४०	२०	२८	८	१८	कं.२३।२०
५	गु	२९	१९	उ	६	१	सु	३८	२७	को	१	५२	४२	४०	२१	२९	९	१९	कन्यायां
६	शु	२३	४७	ह	३	२	धृ	३१	३	व	२३	४७	४५	३९	२२	३०	१०	२०	तु.३०।३२
७	श	१८	३	स्वा	५४	२९	शू	२३	१९	ब	१८	३	४८	३८	२२	३१	११	२१	तुलायां
८	र	१२	१२	वि	५०	२८	गं	१५	३२	को	१२	१२	५२	३८	२३	१	१२	२२	वृ.३६।२८
९	चं	६	४०	अ	४६	३७	वृ	७	५३	ग	६	४०	५५	३७	२४	२	१३	२३	वृश्चिके
१०	मं	१	७	ज्ये	४३	१६	ष्या	५२	४७	वि	१	७	५९	३६	२४	३	१४	२४	ध.४३।१६
११	मं	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	बु	५१	५५	मू	४०	३६	ह	४६	२१	को	२३	३३	२७	३६	२५	४	१५	२५	धनुषि
१३	गु	४८	३९	पू	३८	३१	व	४०	२७	ग	२०	१७	६	३५	२५	५	१६	२६	म.५३।१७
१४	शु	४६	२२	उ	३७	३५	सि	३५	२८	वि	१७	३१	९	३४	२६	६	१७	२७	मकरे
२०	श	४५	९	श्र	३७	५१	व्य	३६	१९	च	१५	४६	१३	३३	२७	७	१८	२८	मकरे

शिशिरर्तुं रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
पूर्वास्तं बुधः २३।५२ कुम्भे भृगुः ४९
मकरे बुधः १९।८
भ.१०।० उ. ३८।४१ या. हस्ते ४ राहुः*
*रेवत्यां २ केतुः ५९।४
भ.४७ उ.५९ या. अभिजित्प्रवृत्तो बुधः ३६
पातस्पर्शः ५४।१८ शते भृगुः ८।४८
पातमोक्षः ३७ श्रवणेबुधः ३४ ५१ मूले ४ शनिः×
भ. ३३।५४ उ. अभिजिन्निवृत्तोबुधः ६।२
भ. १।७ या. षट्तिला ११ ब्र. स्मा.
×४३।२२ फरवरी मा. २ ता. २८
षट्तिला ११ ब्र. वै. नि.
भ. ४८।३९ उ. प्रदोषः
भ. १७।३१ या. धनिष्ठायां रविः६।१४

४२पं.मा.कृ.१ र.इ.३७।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	७	९	८	५	९
११	०	२८	४	२९	९	२३	११
२९	३४	५१	४३	४४	१६	२७	४२
३	२१	२४	७	५१	२४	३१	५९
६१	२०	९८	८	७४	६	३	६०
३१	२८	३१	५६	८	३३	११	५९

गोचरग्रहाः

माघ शु. ५ गुरौ कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ न.३कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयो पश्चि.।

गोचरग्रहाः

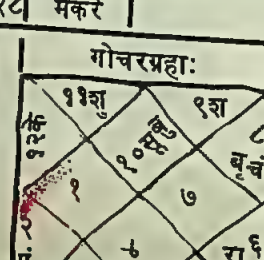

४३पं.मा.कृ.८ र.इ. ३७।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	७	१०	८	५	९
१८	३	१०	५	८	९	२३	१८
४७	१८	४	४०	२९	५९	५	४९
३	५३	३६	२५	३०	३२	१६	३२
६१	२२	९८	७	७४	६	३	६०
४	४३	३५	५८	२	२०	११	५५

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	र	४५	१७	ध	३९	१३	व	२८	७	किं	१५	१३	२७	६	५	८	१९	२९	कुं.९।३२
२	चं	४६	५०	श	४१	५६	प	२५	५५	बा	१६	३	२०	३२	२८	९	२०	३०	कुम्भे
३	मं	४९	३२	पू	४६	१९	शि	२४	४३	तै	१८	११	२३	३१	२९	१०	२१	१	मी३०।१३
४	बु	५३	२२	उ	५०	४७	सि	२४	२५	व	२१	२७	२७	३१	२९	११	२२	२	मीने
५	गु	५७	५७	रे	५६	२९	सा	२४	५३	ब	२५	३९	३०	३०	३०	१२	२३	३	मे.५६।२९
६	शु	६०	०	अ	६०	०	शु	२५	५३	कौ	३०	२९	३४	२९	३१	१३	२४	४	मेषे
६	श	३	०	अ	२	५१	शु	२७	१०	तै	३	०	३८	२८	३२	१४	२५	५	मेषे
६	र	८	१७	भ	९	६	ब्र	२८	१९	व	८	१७	४३	२८	३२	१५	२६	६	वृ.२५।४२
७	चं	१३	१४	कृ	१५	३१	ह्रें	२९	२८	ब	१३	१४	४६	२७	३३	१६	२७	७	वृषे
८	मं	१७	३८	रो	२१	१२	वै	२९	५३	कौ	१७	३८	५०	२६	३४	१७	२८	८	मि५३।३३
९	बु	२१	९	मृ	२५	५५	वि	२९	३९	ग	२१	९	५४	२५	३५	१८	२९	९	मिथुने
१०	गु	२३	३२	आ	२९	३३	प्री	२८	२८	वि	२३	३२	५८	२४	३६	१९	३०	१०	मिथुने
११	शु	२४	३५	प्र	३१	५६	ग्रा	२६	२७	बा	२४	३५	२	२४	३६	२०	१	११	क.१६।२६
१२	श	२४	२५	पु	३३	८	सौ	२३	१२	तै	२४	२५	६	२३	३७	२१	२	१२	कर्के
१३	र	२२	५६	श्ले	३३	८	शो	१९	५	व	२२	५६	१०	२२	३८	२२	३	१३	सिं३३।८
१४	चं	२०	१५	म	३१	५१	अ	१४	२	ब	२०	१५	१४	२१	३९	२३	४	१४	सिंहे

शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १७७० सन् १९५९

चन्द्रदर्शनम् धनिष्ठायां बुधः २८।२०
सावान८ पूभायांभृगुः ५३ २० अनुराधायां२×
भ. २१।२७ उ. ५३।१२ या. तिल ४
कुम्भेऽर्कः ४०।१० वसन्त ५ श्री ५
कुम्भे बुधः २३।३७ ×गुरुः ११।३३
पातस्पर्शः २४।११ मोक्षः ४७।१
भ. ८।१७ उ. ४०।४६ या. रथ ७
शते बुधः ५९।५४ भीष्म ८
रोहिण्यां भौमः २९।१९
भ. ५२।२१ उ. भौमे भृगुः ५८।७
भ.३३या. शतेरविः १५।३१ जया ११व्र.
प्रदोषः भीष्म १२ राष्ट्रीय फाल्गुन मा.=
उभायां भृगुः ३८।३८ =१२ दि. ३०
भ. २२।५६ उ. ५१।३६ या.
सव्बरात माघस्नान पूर्तिः

४४पं.मा.शु.१ र.इ.३७।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	७	१०	८	५	९
२५	५२	१	६	१७	१०	२२	२५
५३	५५	४९	२९	१२	३९	४३	५५
५१	४५	३४	१४	५१	४७	०	१९
६०	२४	०	६	७३	५	३	६०
५५	५९	०	५३	५३	५७	११	४७

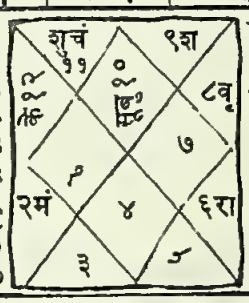

४५पं.मा.शु.७ र.इ.३७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	७	१०	८	५	१०
२	९	४	७	२५	११	२२	३
५९	१०	८	११	५३	१८	२०	०
५४	०	२५	५९	१९	४९	४५	६
६०	२६	०	५	७३	५	३	६०
४२	५६	५८	५०	५६	३०	११	३७

४६पं.मा.शु.१४र.इ.३८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	७	११	८	५	१०
१०	१२	१७	७	४	११	२१	१०
४	२३	९	४६	३३	५३	५८	३
२६	५३	५	४९	११	५०	३०	३६
६०	२८	०	४	७३	५	३	६०
३१	३३	९३	४१	४४	२	११	२५

ति.	फाल्गुण कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०								वि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	१६	३७	पू	२९	४०	सु	८	१६	कौ	१६	३७	२८	२०	४०	२४	५	१५	कं.४३।५७
२	बु	१२	८	उ	२६	५०	धृ	५१	५२	ग	१२	८	२२	२०	४०	२५	६	१६	कन्यायां
३	गु	६	५८	ह	२३	१९	गं	४७	२७	वि	६	५८	२६	१९	४१	२६	७	१७	तु.५१।२१
४	शु	१	१२	चि	१९	२४	वृ	४०	१८	बा	१	२२	३०	१८	४२	२७	८	१८	तुलायां
५	शु	५४	१३		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	श	४९	५२	स्वा	१५	१९	ध्रु	३२	५	ग	२२	४३	३४	१७	४३	२८	९	१९	वृ.५७।१७
७	र	४३	५७	वि	११	१६	व्या	२४	२६	वि	१६	५५	३८	१६	४४	१	१०	२०	वृश्चिके
८	चं	३८	३४	अ	७	२६	ह	१६	४९	बा	११	१५	४२	१६	४४	२	११	२१	वृश्चिके
९	मं	३३	३४	ज्ये	३	५८	व	९	३५	ते	६	४	४६	१५	४५	३	१२	२२	ध.३।५८
१०	बु	२९	२२	मू	०	४५	सि	५३	३६	ब	१	२८	५०	१४	४६	४	१३	२३	धनुषि
११	गु	२६	६	उ	५७	३९	व	५१	३८	बा	२६	६	५४	१३	४७	५	१४	२४	म.१३।१०
१२	शु	२३	४८	श्र	५७	४१	प	४७	१२	ते	२३	४८	५८	१२	४८	६	१५	२५	मकरे
१३	श	२२	३६	ध	५८	४८	शि	४४	१०	ब	२२	३६	२९	१२	४८	७	१६	२६	कु.२८।१४
१४	र	२२	४३	श	६०	०	सि	४१	२५	श	२२	४३	६	११	४९	८	१७	२७	कुम्भे
२०	चं	२४	१२	श	१	२६	सा	४०	०	ना	२४	१२	१०	१०	५०	९	१८	२८	मी४९।०

शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पूभायां बुधः ८।४४
भ. ३९।३३ उ.
भ. ६।५८ या.

क्षयः
भ. ४९।५२ उ.
भ. ५५ या. पश्चिमोदयी बुधः ३३ मीने×
×बुधः २८।३९ मार्च मा. ३ ता. ३१
उभायां बुधः १९।५७
भ.१।२८ उ.२९।२२या. पूभायांरविः३९=
विजया ११ व्र.
प्रदोषः =रेवत्यांभृगुः ३२।४७
भ.३३ उ.५२।४० या. महाशिवरात्री व्र.

सोमवती पुण्यं

४७पं.फा.कृ.७ र.इ.३८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	७	११	८	५	१०
१७	१५	०	८	१३	१२	२१	१७
७	४८	१७	१२	६	२५	३६	५
१५	२	२६	५९	२३	१८	१४	४७
६०	२०	०	३	७३	४	३	६०
२०	११	५५	२८	३२	३५	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ मंगलवार रक्त विकारक पीड़ा कारक है। भूकंप आदि का भय होगा।

गोचरग्रहाः

४८पं.फा.कृ.१४र.इ.३८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	७	११	८	५	१०
२४	१९	११	८	२१	१२	२१	२४
८	१३	४५	३१	४८	५२	१३	६
३७	४	३	३६	४९	१८	५९	३२
६०	३१	८६	२	७३	३	३	५९
५	१२	३८	२	२०	५९	११	५८

*बुशुके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×बुशुके

| ति. | फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८० | | |

❀ श्री गणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०६० तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६० शेषभोग्यकलिः ४२६९४० अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दा सम्वत् २०१६ शाकः १८८१ अथास्मिन्वर्षे राजा गुरुः । मंत्री चन्द्रः । सस्येशो गुरुः । धान्येशो बुधः । मेघेशो चंद्रः । रसेशो शनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशो रविः । धनेशो गुरुः। दुर्गेशो चंद्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ६ परिघाविनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ३।२१।३।३६ भोग्यमासादिः ८।८।५६।२४ सोम-दैवतंयुगम् । वर्षनाम वैशाखः । मेघ ४ नाम द्रोणः । समय निवासो रजकगृहे । रोहिणी निवासः तटे । समय विश्वा १८ । समय वाहनं चातकः । स्तम्भ ३ वाय्वन्नतृणानां । सोमवत्यमां २ । सोमवती पंचमी ३। अंगारकी चतुर्थी २। बुधाष्टमी २। भानुसप्तमी १। रविदशमी २। समय मुहूर्ताः ३६०। समयदिनानि३५४। तिथि क्षयः १८। तिथि वृद्धिः १२। उत्पत्ति विश्वा ८७। खपति विश्वा ११४। वर्षा विश्वा ७। धान्यम् ११. तृणम् १७. शीतम् ५. तेज५. वायुः१३. वृद्धिः१५. क्षयः१५. विग्रह११. ऐक्यं९९. सत्यं।. धर्म१।। पाप१८ शनि दृष्टिपश्चिमे, ग्रहणं नवलदुर्गे नास्ति ।

भैरव भवानी संवाद

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से जिमि पूछे हर साल ।
तिमि पूछो इस साल में कहो शुभाशुभ हाल ॥

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला सम्वत्सर का सार ।
जल वर्षे हर्षे प्रजा मंगल गावें नार ॥
संवत् सोलह साल में राजा भये गुरुराज ।
निशानाथ मंत्री भये सारे सबके काज ॥
तट में रोहिणी वास है वर्षा विश्वा सात ।
स्तम्भ तीन नव वर्ष में हो सुन्दर जलपात ॥
गुरु राजा मंत्री शशि है यह उत्तम योग ।
जग में सुख संपति बढ़े जनता भोगे भोग ॥
कहींक पश्चिम देश में बढ़े रोग और द्वेष ।
पर चिन्ता करना नहीं ईश्वर राखे टेक ॥
धर्म कर्म करते रहो यही जगत में सार ।
फल संवत्सर का कहा देख नभश्चर चार ॥

वर्ष लग्नम् १।१३

वर्षेश लग्नम् १।२५

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१८।२

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम्-गुरौनृपेवर्षतिकामदंजलं महीतलेकामदुघाश्च धेनवः । यजन्ति-विप्राः बहवोऽग्नि होत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषुवर्तते ।। मंत्री चन्द्रस्तत्फलम्-शशिनिमंत्रिगते बहुसस्यवत्यपिधरा रमतेसुखमंडिता । वियति बारिधराबहु वर्षिणोजनपदाः सुखराशि सुशोभिताः ।। सस्येशो गुरुस्तत्फलम्-सस्यपतौ सुरराज पुरोहिते सकल सौख्य-करःश्रुतिपूर्वकाः । जलधराजलदाः बहुसस्यदारसपयांसि बहूनिसूनिवै ।। धान्येशो बुधस्तत्फलम्-बुधे धान्याधिपे मेघाः जलंमुंचति वैभृशम् । सैन्धवे लाटदेशे च भाधवोऽल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम्-शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजवरादिषु दुग्धरस-स्तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननुभामिनी ।। रसेशो शनिस्तत्फलम्-रविसुते रसपे रससंक्षयोनजलदा गददाश्चपयोधराः । अजगवां गजवाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषुनरान्नरसंर्युता ।। नीरसेशो गुरुस्तत्फलम्-हरिद्रापीतवस्तूनां पीतव-स्त्रादिकंचयत् । नीरसेशो यदाजीवः सर्वेषांप्रीतिरुत्तमा ।। फलेशो रविस्तत्फलम्-द्रुमवती फलपुष्पतीधरा प्रमुदिता फल भोग विरोधतः । बहुजलं जलदोभुविमुञ्चति क्वचिदपि प्रमितंफलपोरविः ।। धनेशो गुरुस्तत्फलम्-सुमनसांच गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्तिपरा सुखभाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुविमानवाः ।। दुर्गेशो चन्द्रस्तत्फलम्-गढ़-पतिर्मृग लांछनकोयदा नृपसुराज्य विलासित पौरजाः। बहुधनेक्षुजगोरसभोगिनो नरवरा नरवर्णित विग्रहाः ।। वर्षनाम वैशाख-स्तत्फलम्-अर्धं विविध भावेन जायते द्रविण प्रदम् । नीरुजा निर्भया लोका वैशाखे जनपूजिताः ।। परिधावी नाम संवत्सर-स्तत्फलम्-भुपाहवो महारोगो मध्य सस्यार्ध वृष्टयः । दुखिनोजन्तवः सर्ववत्सरेपरिधाविनी ।। मेघनाम द्रोणः फलम्-द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम्-तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकेगृहे फलम्-रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०१६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १५ गुरौ स्वात्यां ल. ११ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा ४ सूर्ये मूले ल. गो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
„ ६ भौमे उषायां ल.११ (घ.५२-३ उ.)रे.८ ऽऽ।।।।।।।
शुक्ला २ शनौ रोहिण्यां ल. ११ रे. ८ ।।।।ऽगु।ऽ।।
„ ३ सूर्ये मृगे ल. ११ रे. ९ ।।।।।ऽरो४१घ.उ.।।।।
„ ७ शुक्रे मघायां ल. ११ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। चन्द्रोपूज्यः
„ १३ बुधे स्वात्यां ल. ११ रे. ८ ।ऽ।।ऽचो.।।।।
„ १५ शुक्रे अनु. यां. ल. ११ रे. ६ ।।।ऽऽ।ऽऽ।। आवश्यके पादतो बुधस्य वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

शुक्ला ६ शुक्रे मघायां ल. ऽन्यगो. रे. ८ ऽऽ।।।।।।।। बु. पू.

आषाढ़ मासः

कृष्णा २ चन्द्रे उषायां ल. १ रे.८ ऽ।।ऽ।।।। गुरुः सप्तमे समः
„ ८ सूर्ये रेवत्यां ल. १ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।
शुक्ला ५ शनौ उफाया.ल.अन्यगो.सोग्रांगः रे.८ऽमं।।।।ऽचौ।।।।
„ १ भौमे स्वात्यां ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

माघ मासः

कृष्णा २ शनौ मघा. ल. गो. रे.९ ।।।।।ऽअ।।।। क्रां. ल.गो.८
„ ७ गुरौ स्वात्यां ल. ८ रे. ७ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ९ शनौ रोहिण्यां रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽक्रां.। ल. गो. ८

गणितेन क्रां. साम्याऽभावः

अत्रक्वचित्स्मृति दृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

वर्षेऽस्मिन् नवलदुर्गे ग्रहणाऽभावः

आश्विन कृष्णा ३० यां शुक्रे (ता.२-१०-१९५९) पश्चिम भारते क्वचित् ग्रस्तास्तं सूर्यग्रहण संभवः । स्पर्शः रेल्वे ६-३० मोक्षः रेल्वे ७-५१ यह ग्रहण नवलगढ़ जयपुर हरिद्वार मथुरा उदयपुर दिल्ली एवं बंगाल विहार आसाम आदि में नहीं होगा । जहां नहीं दीखे वहां ग्रहण जन्य स्नान-नादि की आवश्यकता नहीं है ।

पश्चिमी राजस्थान जैसलमेर के आस-पास में एवं द्वारिका, जूनागढ़, पोरबन्दर, राजकोट तथा कच्छ-प्रदेश व पश्चिमी पाकिस्तान में ग्रस्तास्त होगा ।

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः १८३० स. १९५९
१	गु	१०	५२	अ	४२	१७	वै	०	४०	ब	१०	४६	३१/२०	५/४४	६/१६	९	१९	३०	मेषे	चंद्रद. वृषेशुक्रः १३/२० सं.नवरात्रा.ध्वजारो.
२	शु	१६	५९	भ	४९	५०	वि	२	५८	कौ	१६	५९	२४	४३	१७	१०	२०	१	मेषे	सव्वाल१० आर्द्रा. भौमः६।४९ सिंघारा
३	श	२३	२२	कृ	५७	२५	प्री	५	१७	ग	२३	२२	२८	४२	१८	११	२१	२	वृ.६।४४	भ. ५६/२० उ. गणगौरी पू. मत्स्य जयन्ती
४	र	२९	१७	रो	६०	०	आ	७	३२	वि	२९	१७	३२	४२	१८	१२	२२	३	बृषे	भ. २९।१७ या.
५	चं	३५	४७	रो	५	१	सौ	९	४१	ब	२	३०	३६	४१	१९	१३	२३	४	मि३८।२०	अश्वि.मेषेऽर्कः ५३/१६ (द्द.५५/५६) मार्गी बुधः ५२/३४*
६	मं	४०	४५	मृ	११	४०	शो	११	४०	कौ	८	१६	४०	४०	२०	१४	२४	५	मिथुने	
७	बु	४४	४६	आ	१७	२३	अ	१२	२०	ग	१२	४५	४३	३९	२१	१५	२५	६	मिथुने	भ. ४४।४६ उ. *कल्पादिः
८	गु	४७	७	पु	२१	४३	सु	११	४७	वि	१५	५६	४७	३९	२१	१६	२६	७	क.५।३८	भ. १५।५६ या. भवान्युत्पत्तिः दुर्गा ८
९	शु	४७	२८	पु	२४	९	धृ	९	५९	बा	१७	१७	५१	३८	२२	१७	२७	८	कर्के	रीहि.शुक्रः ३७/३८ वक्रीशनिः २५/५६ रामनवमी
१०	श	४५	५३	श्ले	२४	४१	शू	६	३६	तै	१६	४०	५५	३७	२३	१८	२८	९	सिं२४।४१	पातस्पर्शः ५।५ पातमोक्षः २२।१४
११	र	४२	१०	म	२३	१०	गं	१/३१	५३/१५	व	१४	१	५८	३६	२४	१९	२९	१०	सिंहे	भ.१४।१उ.४२/१० या. कामदा११ब्र.स्मा.वै.
१२	चं	३६	३३	पू	१९	४१	ध्रु	४६	३२	ब	९	२१	३३/२	३६	२४	२०	३०	११	कं.१३।२२	कामदा ११ ब्र. निं.
१३	मं	२९	१२	उ	१४	२६	व्या	३६	१२	कौ	२	५२	६	३५	२५	२१	१	१२	कन्यायां	राष्ट्रीय वैशाखारम्भः प्रदोषः
१४	बु	२०	३७	ह	७	५०	ह	२६	५४	व	२०	३७	१०	३४	२६	२२	२	१३	तु.३४।१०	भ. २०।३७ उ. ४५।५० या.
१५	गु	११	४	चि	०/३१	५२/१७	व	१६	१४	ब	११	४	१४	३३	२७	२३	३	१४	तुलायां	हनुमज्जन्ती वै. स्ना. प्रा. मन्वादिः

१पं. चै.शु.५ चं.इ.५५।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	७	१	८	५	०
०	८	७	७	५	१३	१९	०
२	५३	४७	३९	३९	४४	१८	०
३७	२४	३८	१८	३२	४६	३२	०
५८	३४	१०/१५	४/४४	७१	०	३	५८
४५	५६	मा	ब	५०	२२	११	४४

गोचरग्रहाः

२शु, के १२, ११, मं ३चं, १सू, ४, १०, ९, ७, श, ५, ६रा, ८बृ

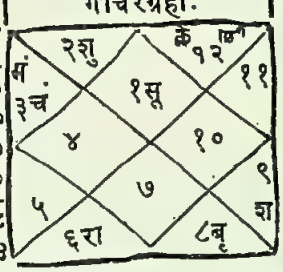

चैत्र शु. ५ चंद्रे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न.३ गताल्कावस्था(ऊभी) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

२शु, के १२, ३मं, १सू, ११, ४, १०, श, ७, ९, ५, ८बृ

२पं. चै.शु.१२चं.इ.५६।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	७	१	८	५	०
६	१२	१०	७	१३	१३	१८	६
५२	५०	३९	३	५६	४३	५६	५०
४८	५६	४०	५०	१७	४८	१७	४१
५८	३५	३०	५/५३	७१	०/२२	३	५८
२९	२१	२२	ब	२३	ब	११	३१

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिंमहाराष्ट्राः
१	शु	१	१९	वि	४५	११	सि	५/२३	४१/३२	कौ	१	१९	३२/१७	५/३३	६/२७	२४	४	१५	वृ.३२।७	
२	शु	५०	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श	४२	३१	अ	३८	२२	व	४४	५६	व	१७	३	२१	३२	२८	२५	५	१६	बृश्चिके	भ.१७।३उ.४२/३१ या. वक्रीअनु.१ गुरुः७।२४
४	र	३४	३८	ज्ये	३२	३३	प	३६	१०	ब	८	३५	२५	३१	२९	२६	६	१७	व.३२।३३	चतुर्थी व्रतम्
५	चं	२८	११	मू	२८	५	शि	२८	३७	कौ	१	२४	२९	३०	३०	२७	७	१८	धनुषि	भरण्यां रविः ३४।३८
६	मं	२३	२६	पू	२५	३१	सि	२२	१५	व	२३	२६	३२	३०	३०	२८	८	१९	म.४०।१८	भ.२३/२६ उ.५१/५६ या. रेवत्यां बुधः३।३८ मृगे*
७	बु	२०	२६	उ	२४	४१	सा	१७	४०	ब	२०	२६	३६	२९	३१	२९	९	२०	मकरे	पातस्पर्शः १९।५८ पातमोक्षः ४२।४६
८	गु	१९	१४	श्र	२५	२९	शु	१४	१२	कौ	१९	१४	४०	२८	३२	३०	१०	२१	कुं.५६।५१	
९	शु	१९	४६	ध	२८	१४	शु	१२	११	ग	१९	४६	४३	२७	३३	१	११	२२	कुम्भे	भ. ५०।४३ उ. मई मा. ५ ता. ३१
१०	श	२१	४०	श	३२	५	ब्र	११	२५	वि	२१	४०	४७	२७	३३	२	१२	२३	कुम्भे	भ. २१।४० या. *शुक्रः ५६।२७
११	र	२५	१	पू	३७	२३	ऐं	११	५४	बा	२५	१	५१	२६	३४	३	१३	२४	मी२१।४	पुनर्वसौ भौमः२६।१० वरूथिनी ११ ब्र.
१२	चं	२९	३७	उ	४३	२८	वै	१२	४९	तै	२९	३७	५४	२५	३५	४	१४	२५	मीने	मिथुने शुक्रः ४३।१८
१३	मं	३४	५२	रे	५०	३१	वि	१४	२७	ग	७	१५	५७	२५	३५	५	१५	२६	मे.५०।३१	भ. ३४।५२ उ. प्रदोषः
१४	बु	४०	४१	अ	५७	३६	प्री	१६	२८	वि	२	४६	३३/१	२४	३६	६	१६	२७	मेषे	भ. ७।४६ या.
३०	गु	४६	५९	भ	६०	०	आ	१८	४६	च	१३	५०	४	२३	३७	७	१७	२८	मेषे	

३पं. वै.कृ.५ चं.इ.५६।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	७	१	८	५	०
१३	१६	१६	६	२२	१३	१८	१३
४१	५२	३३	२१	९	३८	३४	३९
१३	१२	१४	७	१४	१०	१	४४
५८	३५	५६	६	७०	१/१०	३	५८
१२	४०	५३	४२	४९	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

२शु, के १२, ३ मं, १सू, ११, ४, १०, च ९श, ७, ५, ६रा, ८बृ

इस मास का फल श्रेष्ठ रहेगा प्रजा में सुख शांति और प्रसन्नता रहे धान्य गेहूँ, जौ, चना में मन्दी।

गोचरग्रहाः

२, १२*, मं शु ३, १सू, ११, ४, १०, ५, ७, ९श, ६रा, ८बृ

४पं.वै.कृ.१२चं.इ.५६।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	७	२	८	५	०
२०	२०	२४	५	०	१३	१८	२०
२७	५४	५२	३३	१५	२८	११	२७
५३	१८	१९	३६	३२	३०	४६	२२
५७	३५	७७	७/२६	७०	१/४६	३	५८
५७	५९	५३	ब	१०	च	११	६

*चंबुके

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १८५९ सन् १९५९
१	शु	५३	१	भ	५	१५	सौ	२१	१३	किं	२०	०	३३/७	५/२३	६/३७	८	१८	२९	बृ.२२।६	अश्वि. मेषे बुधः ४७।४५
२	श	५९	९	कृ	१२	४०	शो	२३	३५	बा	२६	५	१०	२२	३८	९	१९	३०	बृषे	चन्द्रद. वक्री मूले ४ शनिः २१।२५
३	र	६०	०	रो	२०	८	अ	२५	५३	तै	३१	५९	१३	२१	३९	१०	२०	१	मि५३।३१	जिल्काद११ आर्द्रायां शुक्रः ३६/४६ परशु.ज.×
३	चं	४	५०	मृ	२६	५४	सु	२७	१८	ग	४	५०	१६	२१	३९	११	२१	२	मिथुने	भ.३७।१८उ. कृतिकायां रविः २२।३३
४	मं	९	४७	आ	३२	५०	धृ	२८	३३	वि	९	४७	१९	२०	४०	१२	२२	३	मिथुने	भ.९/४७या. ×अक्षया३त्रेतायुगादिःकल्पादि
५	बु	१३	५२	पु	३७	५३	शू	२९	२	बा	१३	५२	२२	२०	४०	१३	२३	४	क.२१।३७	
६	गु	१६	४१	पु	४१	३५	गं	२८	७	तै	१६	४१	२५	१९	४१	१४	२४	५	कर्के	वृषेऽर्कः ५०।२० (दृश्यः ४९।२४)
७	शु	१८	२	श्ले	४३	४५	वृ	२६	१	व	१८	२	२८	१८	४२	१५	२५	६	सिं४३।४५	भ. १८।२ उ. ४७।५४ या.
८	श	१७	४६	म	४४	९	ध्रु	२२	४४	ब	१७	४६	३१	१८	४२	१६	२६	७	सिंहे	भरण्यां बुधः ५२।३८
९	र	१५	३२	पू	४२	५०	ष्या	१७	४७	कौ	१५	३२	३४	१७	४३	१७	२७	८	कं.५६।५४	
१०	चं	११	३३	उ	३९	२७	ह	११	२५	ग	११	३३	३६	१७	४३	१८	२८	९	कन्यायां	भ. ३८।३८ उ.
११	मं	५	४३	ह	३४	३३	व	३/४०	५०/५६	वि	५	४३	३९	१६	४४	१९	२९	१०	कन्यायां	म. ५।४३ या. मोहिनी ११ ब्र.
१२	मं	५२	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+शुक्रः२८।१वक्री विशाखा.४गुरुः३८।०
१३	बु	४९	२९	चि	२८	१२	व्य	४४	३५	कौ	२३	५८	४१	१६	४४	२०	३०	११	तु.१।२३	कर्के भौमः २९।१८ प्रदोषः
१४	गु	३९	४७	स्वा	२०	४६	व	३३	५०	ग	१४	३८	४३	१५	४५	२१	३१	१२	बृ.५९।४८	भ. ३९।४७ उ. नृसिंह जयंती
१५	शु	२९	४३	वि	१२	४९	प	२२	५७	वि	४	४५	४६	१५	४५	२२	१	१३	बृश्चिके	भ.४/४५या. राष्ट्रीय ज्येष्ठारम्भः पुनर्वसौ+

५पं. वै.शु.३चं.इ.५६।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	७	२	८	५	०
२७	२४	५	४	८	१३	१७	२७
१३	५८	५	४१	१६	१३	४९	१३
७	१	५३	४३	३०	५२	३०	३३
५७	३६	९७	७/५२	६९	२/२२	३	५७
४५	२५	१	ब	१९	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

वशाखशु.६ गुरौ वृषेऽर्कः प्र.वा.४ न.५प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयः पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

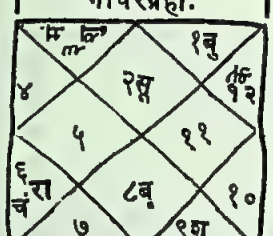

६पं. वै.शु.१०चं.इ.५७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	७	२	८	५	१
३	२९	१७	३	१६	१२	१७	३
५६	३	१३	४८	९	५५	२७	५८
४५	३२	३७	५८	४०	१२	१४	३१
५७	३६	०/००	७/५२	६८	३/२	३	५७
३४	४४	३७	ब	२६	ब	११	४४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१९	३५	अ	४/५३	५२/४१	शि	१२	५	कौ	१९	३५	३३/४८	५/१४	६/४६	२३	२	१४	ध.५७।३४	कृति. बुधः ५५।२७ बुधास्तः २।५६
२	र	१०	१५	मू	५१	१९	सि	१/४६	५०/४५	ग	१०	१५	५०	१४	४६	२४	३	१५	धनुषि	भ. ३६।७ उ.
३	चं	१	५९	पू	४६	३१	शु	४४	३७	वि	१	५९	५२	१४	४६	२५	४	१६	धनुषि	भ.१।५९उ.१६/२९ वृषे बुधः३१।४७ च.ब्र.
४	चं	५३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	मं	५०	३४	उ	४३	५०	शु	३७	५९	कौ	२२	५८	५४	१३	४७	२६	५	१७	म.०।५१	पुष्ये भौमः १०।४४
६	बु	४७	५९	श्र	४२	५२	ब्र	३३	६	ग	१९	१६	५६	१३	४७	२७	६	१८	मकरे	भ. ४७।५९ उ.
७	गु	४७	३२	ध	४४	०	ऐं	२९	४९	वि	१७	४५	५८	१२	४८	२८	७	१९	कु.१३।२६	भ. १७।४५ या.
८	शु	४८	५७	श	४६	५९	वै	२८	१३	बा	१८	१५	३४/०	१२	४८	२९	८	२०	कुंभे	
९	श	५२	०	पू	५१	५८	वि	२८	१४	तै	२०	३८	२	१२	४८	३०	९	२१	मी३५।४४	रोहिण्यां बुधः १३।५६
१०	र	५६	३८	उ	५८	३	प्री	२८	२१	व	२४	१९	४	११	४९	३१	१०	२२	मीने	भ.२४।१९ उ.५६/३८या. कर्के शुक्रः३५।२३
११	चं	६०	०	रे	६०	०	आ	३०	३८	ब	२९	२३	६	११	४९	१	११	२३	मीने	जून मा. ६ ता. ३० अपरा ११ ब्र. स्मा.
११	मं	२	८	रे	५	१०	सौ	३३	१	बा	२	८	७	११	४९	२	१२	२४	मे.५।१०	हस्ते२राहुः उभा.४केतुः५०/१अपरा११ब्र.वै.
१२	बु	८	१५	अ	१२	३६	शो	३५	२९	तै	८	१५	९	१०	५०	३	१३	२५	मेषे	पुष्ये शुक्रः ३८।४८ प्रदोषः
१३	गु	१४	३७	भ	२०	१७	अ	३८	३	व	१४	३७	१०	१०	५०	४	१४	२६	वृ.३७।७	भ. १४।३७ उ. ४६।३६ या.
१४	शु	२०	३४	कृ	२७	३७	सु	४०	२२	श	२०	३४	१२	१०	५०	५	१५	२७	बृषे	मृगे बुधः २५।१६
३०	श	२६	२६	रो	३४	५०	धृ	४२	२३	ना	२६	२६	१३	९	५१	६	१६	२८	बृषे	भावुका ३० वट पूजनम्

७प.ज्ये.कृ.३चं.इ.५७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	७	२	८	५	१
१०	३	०	२	२३	१२	१७	१०
३८	११	५२	५६	५४	३३	४	४२
५६	३८	४१	६	२९	७	५९	२२
५७	३६	१२४/३४	७/५२	६७	३/४१	३	५७
२३	५९		ब	१६	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

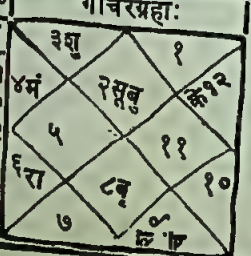

इस मास का फल साधारण रहेगा, घृत गुड़ अनाज आदि में साधारण तेजी गरमी का जोर।

गोचरग्रहाः

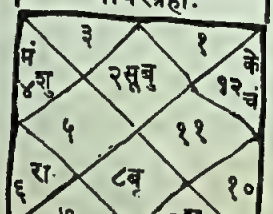

८पं.ज्ये.कृ.११चं.इ.५७।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	७	३	८	५	१
१७	७	१५	२	१	१२	१६	१७
२०	२१	५३	४	२९	७	४२	२५
२	४३	२४	८	४६	४१	४३	९
५७	३७	१२८/४२	७/२५	६५	३/२८	३	५७
१३	१०		ब	४७	ब	११	२७

*चंमंशु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१ दि. उ. अ. इ. हि. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गणः १८८९सन् १९५९

ति.																				
१	र	३१	३२	मृ	४१	१८	शू	४३	५३	ब	३१	३२	१४	५	५	७	१७	२९	मि	८।४
२	चं	३५	५८	आ	४७	०	गं	४४	४६	बा	३	४५	१६	९	५१	८	१८	३०	मिथुने	
३	मं	३९	२६	पु	५१	५०	वृ	४४	५६	तै	७	४२	१७	९	५१	९	१९	१	क.	३५।३८
४	बु	४१	५८	पु	५५	४०	ध्रु	४४	५	व	१०	४२	१८	८	५२	१०	२०	२	कर्के	
५	गु	४३	१०	श्ले	५८	१९	व्या	४२	४३	ब	१२	३४	१९	८	५२	११	२१	३	सिं	५८।१९
६	शु	४३	१७	म	५९	३७	ह	४०	१३	कौ	१३	१३	२०	८	५२	१२	२२	४	सिंहे	
७	श	४१	५४	पू	५९	४४	व	३६	४४	ग	१२	३६	२१	८	५२	१३	२३	५	सिंहे	
८	र	३९	२२	उ	५८	२०	सि	३१	५६	वि	१०	३८	२१	८	५२	१४	२४	६	क.	१४।२३
९	चं	३५	५	ह	५५	३५	व्य	२५	५४	बा	७	१४	२२	८	५२	१५	२५	७	कन्यायां	
१०	मं	२९	३९	चि	५१	२५	व	१८	५७	तै	२	२२	२२	८	५२	१६	२६	८	तु.	२३।३०
११	बु	२२	४१	स्वा	४५	५६	प	१०	४०	वि	२२	४१	२३	७	५३	१७	२७	९	तुलायां	
१२	गु	१४	३५	वि	३९	२२	शि	३५	५८	बा	१४	३५	२३	७	५३	१८	२८	१०	बृ.	२६।०
१३	शु	५	४२	अ	३२	२३	सा	४१	२२	तै	५	४२	२३	७	५३	१९	२९	११	बृश्चिके	
१४	शु	५०	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	श	४६	५८	ज्ये	२५	५	शु	३१	२	वि	२१	३७	२४	७	५३	२०	३०	१२	ध.	२५।५

चन्द्रद. मृगे रविः १५ १८ मिथुने बुधः ३१ ०
जिल्हेज १२
भ. १०।४२ उ. ४१।५८
आर्द्रायां बुधः २९।५८ या.

भ. ४१।५४ उ.
भ. १०।३८या. बुधोदयःपश्चिमायाम् ५१ ०
मिथुनेऽर्कः १६।५ (दृश्यः ६।३०)
भ. ५६।१०उ. आश्ले.भौमः ३५ गंगा १०
भ. ३३या. आश्ले.भौमः ३५ निर्जला ११ व्र.
पुनर्वसौ बुधः १४।५१ प्रदोषः
भ. ५६।१६ उ.
भ. २१।३७ या. वटसावित्री पू. गुर्जराणां

९पं.ज्ये.शु.२चं.इ.५७।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	७	३	८	५	१
२३	११	१	१	८	११	१६	२४
५९	३३	१६	१६	५१	४०	२०	७
५८	०	२३	१९	५८	१९	२८	१०
५७	३७	५९	४२	६४	१६	३	५७
५	२९	५७	ब	७	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

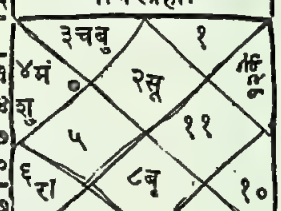

ज्येष्ठ शु.९ चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा.५ न.५गतात्कावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

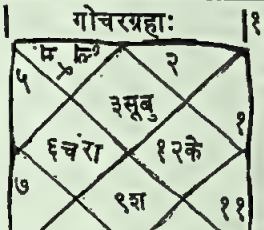

१०पं.ज्ये.शु.९चं.इ.५७।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	७	३	८	५	२
०	१५	१५	०	१६	११	१५	०
२९	४४	३२	३३	१	१०	५८	४८
७	३५	३८	२२	२३	५९	१२	२७
५६	३७	१६	५४	६२	५४	३	५७
५७	४१	३५	ब	४	ब	११	१७

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१ दि. उ. अ. इ. हि. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

ति.																				
१	र	३८	११	मृ	१८	१६	शु	२१	१५	बा	१२	३५	२४	५	५३	२१	३१	१३	धनुषि	
२	चं	३०	३१	पू	१२	२०	ध्रु	१२	५	तै	४	२१	२४	७	५३	२२	१	१४	म.	२६।११
३	मं	२४	२८	उ	७	४६	ध्रु	१४	३७	वि	२४	२८	२४	७	५३	२३	२	१५	मकरे	
४	बु	२०	१६	अ	५	२	वि	५२	५९	बा	२०	१६	२४	७	५३	२४	३	१६	कुं.	३५।४३
५	गु	१८	२५	ध	४	२३	प्री	४९	५१	तै	१८	२५	२३	७	५३	२५	४	१७	कुम्भे	
६	शु	१८	३०	श	५	५६	आ	४८	२८	व	१८	३०	२३	७	५३	२६	५	१८	मी	५३।३८
७	श	२०	५०	पू	९	३२	सौ	४८	३८	ब	२०	५०	२३	७	५३	२७	६	१९	मीने	
८	र	२४	४९	उ	१४	५१	शो	४९	३९	कौ	२४	४९	२२	८	५२	२८	७	२०	मीने	
९	चं	३०	५	रे	२१	२५	अ	५१	४३	ग	३०	५	२२	८	५२	२९	८	२१	मे.	२१।१५
१०	मं	३६	४	अ	२८	४६	सु	५४	५	व	३	४	२१	८	५२	३०	९	२२	मेषे	
११	बु	४२	२९	भ	३६	१७	धृ	५६	४८	ब	९	१६	२०	८	५२	१	१०	२३	बृ.	५३।११
१२	गु	४८	३२	कृ	४३	५१	शू	५९	१५	कौ	१५	३०	१९	८	५२	२	११	२४	बृषे	
१३	शु	५४	१३	रो	५०	५९	गं	६०	०	ग	२१	२२	१८	८	५२	३	१२	२५	बृषे	
१४	श	५८	५९	मृ	५७	१५	गं	१	१२	वि	२६	३६	१७	९	५१	४	१३	२६	मि	२४।७
३०	र	६०	०	आ	६०	०	वृ	२	३३	च	३०	४७	१५	९	५१	५	१४	२७	मिथुने	
३०	चं	२	३४	आ	२	२३	ध्रु	२	५६	ना	२	३४	१४	९	५१	६	१५	२८	क.	५०।४१

विशा. ३ तुलायां गुरुः १८।४४
भ. ५९ उ. राष्ट्रीय आषाढारम्भः आर्द्रायां*
भ. २४।२८ या. चतुर्थी व्र.
कर्के बुधः ८।८ *रविः १७।३८

भ. ३८ उ. ४९।४० या पुष्ये बुधः ७।२३

भ. ३।४ उ. ३६ या. मघा. सिंहे शुक्रः ५६
जुलाई मा. ७ ता. ३१ वक्रीमूले ३शनिः ५६+
भ. ५४ उ. प्रदोषः +योगिनी ११ व्र.
भ. २६।३६ या. ×सोमवती ३०
पुनर्वसौ रविः ३१ आश्लेषा. बुधः ३५।३७

११पं.आ.कृ.२चं.इ.५७।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	६	३	८	५	२
७	१९	२८	२९	२२	१०	१५	७
१७	५७	१	५६	५२	४०	३५	२९
२४	५०	१	५६	४३	२३	५६	१९
५६	३७	०	४५	५९	४०	३	५७
५४	५२	८	ब	२५	ब	११	१३

१२पं.आ.कृ.९चं.इ.५७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	३	८	५	२
१३	२४	८	२९	२९	१०	१५	१४
५५	१२	३३	२७	२२	९	१३	९
२९	५०	२९	५८	५२	१८	४१	४७
५६	३८	८१	४०	५५	४०	३	५७
५०	५	३	ब	५६	ब	११	७

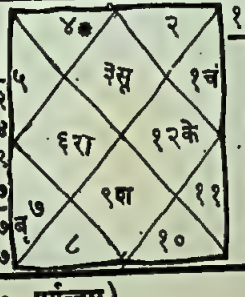

१३पं.आ.कृ.३०चं.इ.५७।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	४	८	५	२
२०	२८	१७	२९	५	९	१४	२०
३३	२८	०	६	२५	२९	११	५०
३३	५२	२५	४७	४४	१४	२५	१३
५६	३८	५७	२३	५१	१३	३	५७
५०	१२	११	ब	२२	ब	११	७

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

*मंबुशु

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९१९ स. १९५९
१	मं	५	१२	पु	६	४७	व्या	२	३७	ब	५	१२	३४/१३	५/९	६/५१	७	१६	२९	कर्के	दक्षिण भारते चंद्रद. संभवः
२	बु	६	४१	पु	९	४९	ह	१/२६	५८/०	कौ	६	४१	११	१०	५०	८	१७	१	कर्के	चन्द्र. मोहरम मा. १ सन् १३७९ हि.×
३	गु	७	२	श्ले	११	४७	सि	५६	३१	ग	७	२	१०	१०	५०	९	१८	२	सिं ११।४७	भ. ३६।४४ उ. ×मधा. सिंहे भौमः २०।११
४	शु	६	२५	म	१२	५५	व्य	५२	५७	वि	६	२५	८	१०	५०	१०	१९	३	सिंहे	भ. ६।२५ या.
५	श	४	४८	पू	१३	१७	व	४८	४१	बा	४	४८	७	११	४९	११	२०	४	कं. २८।४	
६	र	२	११	उ	१२	२४	प	४३	२७	तै	२	११	५	११	४९	१२	२१	५	कन्यायां	भ. ५८।४४ उ.
७	र	५६	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	चं	५४	२८	ह	१०	३४	शि	३७	३५	वि	२६	३६	४	११	४९	१३	२२	६	तु. ३९।१३	भ. २६।३६ या.
९	मं	४९	११	चि	७	५२	सि	३०	५६	बा	२१	५०	२	१२	४८	१४	२३	७	तुलायां	
१०	बु	४३	५	स्वा	४	२८	सा	२३	३४	तै	१६	८	०	१२	४८	१५	२४	८	वृ. ४६।५९	मन्वादिः ●देवशयनी ११ ब्र. चातुर्मा. ब्रता.
११	गु	३६	१०	वि	०/१०	५४/५४	शु	१५	३१	व	९	३७	३३/५८	१२	४८	१६	२५	९	वृश्चिके	भ. ९/३७ उ. ३६/१० या. कर्केऽर्कः ५४/२३ (दृश्यः ३३/४१)●
१२	शु	२८	३४	ज्ये	४९	२५	शु	७/७	५१/०	ब	२	२२	५६	१३	४७	१७	२६	१०	ध. ४९।२५	पूफायां शुक्रः १६।२८ प्रदोषः त. जिया
१३	श	२०	४३	मू	४३	४६	ऐं	४९	६	तै	२०	४३	५४	१३	४७	१८	२७	११	धनुषि	
१४	र	१३	२	पू	३८	२५	वै	४०	२३	ब	१३	२	५२	१४	४६	१९	२८	१२	म. ५२।१५	भ. १३/२ उ. ३९/२६ या. मार्गीगुरुः ५/४४ वायुपरिक्षा×
१५	चं	५	५०	उ	३३	४४	वि	३२	२२	व	५	५०	५०	१४	४६	२०	२९	१३	मकरे	भ. २५/४ वर्षाश्रेष्ठा ×व्यासपू. गुरु १५ मन्वादि

१४पं.आ.शु.८चं.इ.५६।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	६	४	८	५	२
२७	२	२२	२८	१०	९	१४	२७
११	४६	५६	५४	५७	१०	२९	३०
४०	४१	३८	०	१४	१	१०	३४
५६	३८	२९	१/४	४५	१४/१३	३	५७
५५	३१	५९	ब	५७	ब	११	११

गोचरग्रहाः

आषाढ शु. ११ गुरौ कर्केऽर्कः प्र.वा. ४ न ५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

१५पं.आ.शु.१५चं इ.५६।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	६	४	८	५	३
३	७	२५	२८	१५	८	१४	४
५०	६	४७	५०	४०	४२	६	११
७	७	१७	५३	५२	३६	५४	१६
५६	३८	०	२३/०	३८	५८/३	३	५७
५७	३७	४२	मा	२२	ब	११	१५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५३	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	५५	६	श्र	३०	७	प्री	२५	१९	तै	२७	२५	३३/४७	५/१५	६/४५	२१	३०	१४	कु. ५९।१५	वक्री बुधः ६।२३
३	बु	५२	१७	ध	२८	२३	आ	१९	२९	व	२३	४१	४५	१५	४५	२२	३१	१५	कुंभे	भ. २३।४१ उ. ५२।१७ या.
४	गु	५१	२२	श	२८	४०	सौ	१५	८	ब	२१	५०	४२	१६	४४	२३	१	१६	कुम्भे	राष्ट्रीय श्रावणारम्भः चतुर्थी ब्र.
५	शु	५२	४१	पू	३०	४५	शो	१२	२७	कौ	२२	२	४०	१६	४४	२४	२	१७	मी १५।१४	नाग ५ मरुस्थले
६	श	५५	५२	उ	३४	४१	अ	११	२७	ग	२४	१६	३७	१७	४३	२५	३	१८	मीने	भ. ५५।५२ उ.
७	र	६०	०	रे	४०	११	सु	११	२८	वि	२८	१५	३५	१७	४३	२६	४	१९	मे. ४०।११	भ. २८।१५ या.
७	चं	०	३८	अ	४७	८	धृ	१२	५५	ब	०	३८	३२	१८	४२	२७	५	२०	मेषे	
८	मं	६	१७	भ	५४	२८	शू	१४	५६	कौ	६	१७	२९	१८	४२	२८	६	२१	मेषे	बुधास्तः पश्चिमायाम ४०।५६
९	बु	१२	३३	कृ	६०	०	गं	१७	२६	ग	१२	३३	२६	१९	४१	२९	७	२२	वृ. ११।२२	भ. ४५।३४ उ.
१०	गु	१४	३४	कृ	२	४	वृ	१९	५६	वि	१८	३४	२४	१९	४१	३०	८	२३	वृषे	भ. १८।३४ या. पूफायां भौमः ५२।४६
११	गु	२४	१३	रो	९	२१	ध्रु	२२	१२	बा	२४	१३	२१	२०	४०	३१	९	२४	मि ४२।३३	कामिका ११ ब्र.
१२	श	२८	५९	मृ	१५	४५	व्या	२३	३८	तै	२८	५९	१८	२०	४०	१	१०	२५	मिथुने	अगस्त मा. ८ ता. ३१ प्रदोषः
१३	र	३२	९	आ	२०	५६	ह	२४	३	ग	०	३४	१५	२१	३९	२	११	२६	मिथुने	भ. ३२/९ उ. ●स्त्री.चं.चं.वा.गज वर्षासम
१४	चं	३४	१०	पु	२४	५६	व	२३	२४	वि	३	२०	१२	२२	३८	३	१२	२७	क. ८।५६	भ. ३/२० या. आश्लेषायां रविः २५/५२ सं.स्त्री.●
३०	मं	३४	४२	पु	२७	२५	सि	२१	३९	च	४	२१	९	२२	३८	४	१३	२८	कर्के	हस्ते १ राहुः उभा. ३ केतुः ४१/२४ हरि. ३०

१६पं.श्रा.कृ.७चं.इ.५६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	६	४	८	५	३
१०	११	२४	२८	१९	८	१३	१०
२९	२६	५६	५५	२७	१७	४४	५२
२४	१७	४९	४४	१४	५३	३८	२५
५७	३८	२९/५२	१	२८	३/३७	३	५७
५	४४	ब	२७	३८	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

श्रावण मास का फल उत्तम है। वर्षा अच्छी होगी घृत कपास धान्य गुड़ अलसी मंदे होंगे।

गोचरग्रहाः

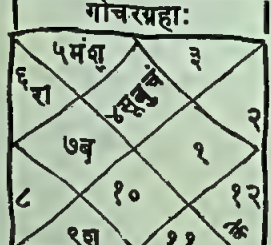

१७पं.श्रा.कृ.१४चं.इ.५६।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	६	४	८	५	३
१७	१५	२०	२९	२१	७	१३	१७
९	४८	३७	९	५८	५६	२२	३४
१२	२२	५९	५४	२६	१७	२३	२
५७	३८	४९/११	२	१६	२/५८	३	५७
१२	५४	ब	५२	१	ब	११	२४

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१	वि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९४८ सन् १९५९
१	बु ३३ ४६ श्ले २८ २८ व्य १८ ५० किं ४ १४ ३३ ५ ६ ५ १४ २९	सि २८।२८	नक्त व्रतारम्भः
२	गु ३१ ४७ म २८ २६ व १५ ६ बा २ ४६ ३ २३ ३७ ६ १५ ३०	सिंहे	चन्द्रदर्शनम्
३	शु २८ ५० पू २७ २२ प १० ४१ तै ० १८ ० २४ ३६ ७ १६ १	कं.४२।९	भ. ५७।४ उ. सफर २
४	श २५ १७ उ २५ ५९ शि ९६ ५५ वि २५ १७ ३३ २५ ३५ ८ १७ २	कन्यायां	भ. २५।१७ या.
५	र २१ ३ ह २३ ३८ सा ५३ ३४ बा २१ ३ ५३ २५ ३५ ९ १८ ३	तु.५२।२४	वक्री पुष्ये बुधः १६।१२ नाग ५
६	चं १६ ३४ चि २१ १० शु ४७ ४ तै १६ ३४ ५० २६ ३४ १० १९ ४	तुलायाँ	वर्ण षष्ठी
७	मं ११ ४५ स्वा १८ ९ शु ४० २७ व ११ ४५ ४७ २७ ३३ ११ २० ५	तुलायां	भ.११।४५ उ.३९ या. वक्री शुक्रः८।४५
८	बु ६ ३८ वि १४ ५१ ब्र ३३ २५ ब ६ ३८ ४३ २७ ३३ १२ २१ ६	वृ.०।४०	
९	गु १ ४ अ ११ १७ दें २६ १९ कौ १ ४ ४० २८ ३२ १३ २२ ७	बृश्चिके	कल्कि जयन्ती
१०	गु ५४ १३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	वक्री गुरुः २२।१ ऋग्वेदीनामुपाकर्म
११	शु ४९ २८ ज्ये ७ ४० वै १८ ४८ व २२ २२ ३६ २९ ३१ १४ २३ ८	ध.७।४०	भ.३३ उ.४९ या. पवित्रा११ब्र. स्मा.
१२	श ४३ ३४ मू ४५ ५६ १४ वि ११ २४ ब १६ ३१ ३३ २९ ३१ १५ २४ ९	धनुषि	पूर्वोदयी बुधः ७।८ पवित्रा ११ ब्र. वै.
१३	र ३८ २ उ ५६ ३७ प्री १४ ५८ २ कौ १० ४८ २९ ३० ३० १६ २५ १०	म.१४।८	भ. ५३।५९ मार्गी बुधः ८।५३ प्रदोषः
१४	चं ३३ ६ श्र ५३ ५६ सौ ५० ४१ ग ५ ३४ २६ ३१ २९ १७ २६ ११	मकरे	भ. ३३।६ उ. २२।१९
१५	मं २९ १७ ध ५२ १० शो ४५ १ वि १ ११ २२ ३२ २८ १८ २७ १२	कुं.२३।३	भ. १।११ या. श्रावणीकर्म रक्षाब.

१८पं.श्रा.शु.६चं.इ.५६।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	६	४	८	५	३
२३	२०	१५	२९	२२	७	१३	२४
५०	१२	३४	३२	५३	३७	०	१६
१९	७	५५	१३	४२	५५	७	२८
५७	३	३६	४	०	१३	३	५७
२२	१	ब	२	३५	ब	११	३२

गोचरग्रहाः

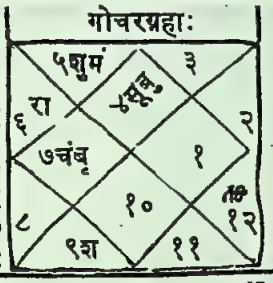

श्रावण शु.१४चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न.६प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

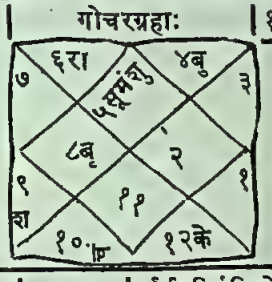

१९पं.श्रा.शु१४चं.इ.५६।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	७	४	८	५	४
०	२४	१४	०	२१	७	१२	०
३२	३७	३९	२	५५	२३	३७	५९
३२	८	३६	५६	८	३५	५२	४७
५७	३९	३०	५	२७	४६	३	५७
३४	८	मा	९	ब	ब	११	४०

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु २६ ५० श ५२ ८ अ ४० ३२ कौ २६ ५० ३३ ३२ २८ १९ २८ १३	कुंभे	
२	गु २५ ५६ पू ५३ २८ सु ३७ ११ ग २५ ५६ १५ ३३ २७ २० २९ १४	मी३८।८	भ. ५६।२१ उ.
३	शु २६ ४५ उ ५६ ३१ धृ ३५ २९ वि २६ ४५ ११ ३४ २६ २१ ३० १५	मीने	भ.३६ या.३४ या.चतुर्थीव्र.शुक्रास्तःपश्चि.
४	श २९ २१ रे ६० ० शू ३४ ४१ बा २९ २१ ८ ३४ २६ २२ ३१ १६	मीने	भ. ३५।१३ शु.अ.प.
५	र ३३ ३२ रे १ ६ गं ३५ २२ कौ १ २६ ४ ३५ २५ २३ १ १७	मे. १।६	राष्ट्रीय भाद्रपदारम्भः चंद्र षष्ठी
६	चं ३८ ४९ अ ७ २८ वृ ३६ ५५ ग ६ १० ० ३६ २४ २४ २ १८	मेषे	भ. ३८।४९ उ.
७	मं ४५ १ भ १४ २० धु ३९ २ वि ११ ५५ ३१ ३७ २३ २५ ३ १९	वृ.३१।१३	भ. ११।५५ या.
८	बु ५१ ७ कृ २१ ५१ ष्या ४१ २५ बा १८ ४ ५३ ३८ २२ २६ ४ २०	वृषे	कन्या.भौमः३१ श्रीकृष्णज.ब्र. मन्वादिः
९	गु ५६ ५७ रो २९ १९ ह ४३ ४६ तै २४ २ ४८ ३८ २२ २७ ५ २१	वृषे	गोगानवमी
१०	शु ६० ० मृ ३६ १४ व ४५ ३८ व २९ २५ ४४ ३९ २१ २८ ६ २२	मि२।४६	भ. २९।५५ उ.
१०	श १ ५३ आ ४१ ५२ सि ४६ २७ वि १ ५३ ४० ४० २० २९ ७ २३	मिथुने	भ. १।५३ या. *मघा.सिंहेबुधः२४।२
११	र ५ २१ पु ४६ ६ व्य ४६ ७ बा ५ २१ ३६ ४१ १९ ३० ८ २४	क. ३०।२	अजा ११ ब्र.
१२	चं ७ २४ पु ४८ ३८ व ४४ ३५ तै ७ २४ ३२ ४२ १८ ३१ ९ २५	कर्के	पूफायां. रविः१३।१० प्रदोषः वत्सद्वादशी
१३	मं ७ ४० श्ले ४९ ३० प ४१ ४० व ७ ४० २८ ४२ १८ १ १० २६	सि४९।३०	भ.४० ७ उ.४७ या. सितम्बर मा.९ ता.३०*
१४	बु ५ ५५ म ४८ ५० शि ३७ १२ श ५ ५५ २५ ४३ १७ २ ११ २७	सिंहे	
३०	गु २ ५६ पू ४६ ४८ सि ३१ ४३ ना २ ५६ २१ ४४ १६ ३ १२ २८	सिंहे	वक्री मघायां शुक्रः ३४ कुशाग्रहणी ३०

२०पं.भा.कृ.६चं.इ.५६।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	७	४	८	५	४
७	२९	१९	०	१९	७	१२	७
१६	३	२६	४१	४	१३	१५	४४
५	५०	४९	२४	४८	५९	३६	१६
५७	२९	७१	६	३९	३	३	५७
४५	१८	५	१७	ब	ब	११	४८

गोचरग्रहाः

इस मास में वर्षा का योग उत्तम है पांच बुधवार है जो प्रजा में सुख शान्ति के द्योतक है

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.कृ.१२चं.इ.५५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	७	४	८	५	४
१४	३	२९	१	१४	७	११	१४
१	३२	११	२७	५६	९	५३	२९
१७	२८	३८	१४	३५	७	२०	५६
५७	२९	७	७	३९	३	३	५८
५७	३५	७	१४	ब	ब	११	१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९७७ स.१९५९
१	गु	५५	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	५३	१२	उ	४३	५०	सा	२५	२५	बा	२५	४८	३१/१७	५/४५	६/१५	४	१३	२९	कं. १।३	चन्द्रद. संभवः ११/५३ पूर्वास्तं बुधः ०।५
३	श	४७	३१	ह	४०	६	शु	१८	२६	तै	२०	२६	१३	४५	१५	५	१४	१	कन्यायां	
४	र	४१	३७	चि	३६	२	शु	१०	५७	व	१४	३४	९	४६	१४	६	१५	२	तु. ८।४	भ.१४।३४ उ.४१।३७ या. ग.च. शु.पू.
५	चं	३५	३७	स्वा	३२	५	ब्र	३/१७	५२/२८	ब	८	३७	५	४७	१३	७	१६	३	तुलायां	भौमास्तः ९।२८ ऋषि ५
६	मं	२९	५२	वि	२८	१५	वै	४८	३१	कौ	२	४४	१	४८	१२	८	१७	४	बृ.१४।१३	पूफायां बुधः ३७।१७ शु.उ.पू.
७	बु	२४	२२	अ	२४	३८	वि	४१	१७	व	२४	२२	३०/५७	४९	११	९	१८	५	वृश्चिके	भ. २४।२२ उ. ५१।४८ या.
८	गु	१९	१४	ज्ये	२१	१८	प्री	३४	२२	ब	१९	१४	५३	४९	११	१०	१९	६	ध.२१।१८	हस्ते भौमः५२।५६ ×अनंतचतुर्दशीब्र.
९	शु	१४	३४	मू	१८	२१	आ	२७	४४	कौ	१४	३४	४८	५०	१०	११	२०	७	धनुषि	
१०	श	१०	५	पू	१५	४६	सौ	२१	३१	ग	१०	५	४४	५१	९	१२	२१	८	म.३०।१९	भ. ३८।५३ उ. रामदेवजी का मेला
११	र	६	२५	उ	१३	५८	शो	१५	३५	वि	६	२५	४०	५२	८	१३	२२	९	मकरे	भ.६।२५ या.५७।४९ जलझूलनी ११ब्र.
१२	चं	३	१०	श्र	१२	४१	अ	१०	२२	बा	३	१०	३६	५३	७	१४	२३	१०	कु.४२।५०	हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१३	मं	०	५२	ध	१२	८	सु	५	४२	तै	०	५२	३२	५४	६	१५	२४	११	कुम्भे	भ ५९/३७ उ. उफायां बुधः ४३/२१ अनु.१गुरुः ४/२१×
१४	मं	५८	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	बु	५९	२९	श	१२	३८	धृ	१/५०	५७/२	वि	२९	३३	२८	५४	६	१६	२५	१२	मी५८।५२	भ ३९/३३ या. ५३/१३ महालयाश्राद्धारंभः कु.संध्यापू

२२पं.भा.५शु.चं.इ.५५।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	७	४	८	५	४
२०	८	१२	२	१०	७	११	२१
४७	२	१	२०	४५	८	३१	१६
५७	४२	२३	२	७	३५	५	५८
५८	३९	[illegible]	८	३१/१३	०/२४	३	५८
१२	४३	[illegible]	२३	ब	मा	११	१३

गोचरग्रहाः

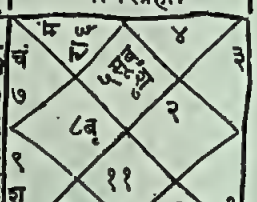

इस मास में २ तिथियों का क्षय हुआ है जिससे १३ दिन का पक्ष आया है। जिसका फल अच्छा नहीं है।

गोचरग्रहाः

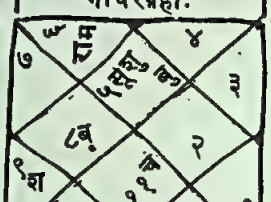

२३पं.भा.शु.१२चं.इ.५५।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	७	४	८	५	४
२७	१२	२५	३	७	७	११	२८
३६	३४	२८	१८	४०	१३	४	५
२०	४८	२६	४०	५९	१९	४९	२२
५८	३९	[illegible]	९	१७	१	३	५८
२९	५२	[illegible]	८	४४	१०	११	२६

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	गु	६०	०	पू	१४	१७	गं	५७	१०	बा	३०	८	३०/२४	५/५५	६/५	१७	२६	१३	मीने	कन्यायां बुधः १९।२
१	शु	०	४८	उ	१७	२७	वृ	५६	१७	कौ	०	४८	२०	५६	४	१८	२७	१४	मीने	
२	श	३	४१	रे	२१	५२	ध्रु	५६	१५	ग	३	४१	१६	५७	३	१९	२८	१५	मे.२१।५२	भ. ३५।४२ उ. +भौमः१७।२
३	र	७	४४	अ	२७	४१	व्या	५७	३५	वि	७	४४	१२	५८	२	२०	२९	१६	मेषे	भ. ७।४४ या. चतुर्थी ब्र.
४	चं	१२	५१	भ	३४	११	ह	५९	१९	बा	१२	५१	८	५८	२	२१	३०	१७	बृ.५१।२	
५	मं	१८	५७	कृ	४१	३७	व	६०	०	तै	१८	५७	४	५९	१	२२	३१	१८	वृषे	हस्ते बुधः४९।२० मार्गी शुक्रः १९।५१
६	बु	२५	१०	रो	४९	१३	व	१	४२	व	२५	१०	३०/०	६/०	६/०	२३	१	१९	वृषे	भ.२५/२० उ.५८/१८ या. राष्ट्रीय आश्विनारम्भः
७	गु	३१	२५	मृ	५६	३५	सि	४	५	ब	३१	२५	२९/५५	६/१	५/५९	२४	२	२०	मि२२।५४	
८	शु	३६	५६	आ	६०	०	व्य	६	२०	बा	४	१०	५१	२	५८	२५	३	२१	मिथुने	
९	श	४०	५९	आ	३	१०	व	७	४०	तै	८	५७	४७	३	५७	२६	४	२२	क.५२।१	मातृ ९ सौभाग्यवतीनाम् श्राद्धम्
१०	र	४३	४१	पु	८	१६	प	८	१३	व	१२	२०	४३	३	५७	२७	५	२३	कर्के	भ. १२।२० उ. ४३।४१ या. ३५।२८
११	चं	४४	२५	पु	११	४७	शि	७	२८	ब	१४	३	३८	४	५६	२८	६	२४	कर्के	इंदिरा ११ व्र. स्मा.
१२	मं	४३	७	श्ले	१३	२४	सि	५	७	कौ	१३	४६	३४	५	५५	२९	७	२५	सिं१३।२४	
१३	बु	३९	५८	म	१३	६	सा	१/१२	५४/४०	ग	११	३२	३०	६	५४	३०	८	२६	सिंहे	भ. ३९।५८ उ. ३४।५४ प्रदोषः
१४	गु	३४	५५	पू	१०	५६	शु	४९	५	वि	७	२६	२६	७	५३	१	९	२७	कं.२५।३	भ.२७/२६ या.अक्टूबरमा.१०ता.३१चित्रायां+
३०	शु	२८	३६	उ	७	२६	ब्र	४१	१६	च	१	४६	२२	८	५२	२	१०	२८	कन्यायां	सर्वपितृ श्राद्धम् प.प्र. क्वचित्सूर्यग्रहणम्

२४पं.आ.कृ.४चं.इ.५५।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	७	४	८	५	५
४	१७	८	४	६	७	१०	४
२६	८	२१	२२	२७	२२	४६	५५
२७	३८	०	५२	४०	४४	३४	१७
५८	३९	[illegible]	९	१/५	१	३	५८
४५	५९	[illegible]	५२	ब	४३	११	३८

गोचरग्रहाः

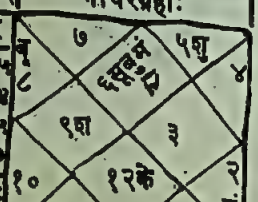

आश्विनकृ.१गुरौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.५कुमारावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदय पूर्वे

गोचरग्रहाः

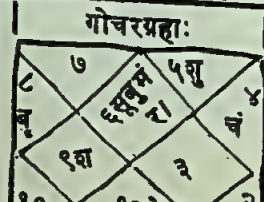

२५पं.आ.कृ.११चं.इ.५५।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	७	४	८	५	५
११	२१	२०	५	७	७	१०	११
१८	४५	२६	३२	१२	३६	२४	४६
३१	७	३८	३५	१८	३२	१८	५३
५९	४०	[illegible]	१०	१४/२२	२	३	५८
०	१०	[illegible]	३५	मा	२९	११	५३

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१			वि.	उ.	अ.	ह.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२००७ स.१९५९
१	श २१ १८	ह २७ २८	ऐं ३२ २५	व २१ १८	२९	६ ५	३	११	२९	तु.२९।४१	मातामह श्रा.
२	र १३ ३८	स्वा ५१ ८	वै २३ २९	कौ १३ ३८	१४	९ ५१	४	१२	३०	तुलायां	चन्द्रद. तुलायां बुधः ४६।५८
३	चं ५ ५३	वि ४५ २८	वि १४ १९	ग ५ ५३	१०	१० ५०	५	१३	१	बृ.३१।५३	भ. ३३ उ. ५८ या. १८ बु. प.३९ ५०
४	चं ५२ ३७	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	० ०	०	०	०	०	
५	मं ५१ ३८	अ ४० १०	प्री ५३ ५१	व २५ ४	६	११ ४९	६	१४	२	वृश्चिके	उफा.४राहुःउभा.२केतुः३३।२७ उ.ल.ब्र.
६	बु ४५ ३३	ज्ये ३५ ४४	सौ ४८ २८	कौ १८ ३६	२	१२ ४८	७	१५	३	ध.३५।४४	
७	गु ४० २६	मू ३२ २	शो ४१ १९	ग १३ ०	३८	१२ ४८	८	१६	४	धनुषि	भ. ४०।२६ उ. स्वात्यांबुधः ५५।२७
८	शु ३६ २०	पू २९ २५	अ ३४ ५६	वि ८ २३	५४	१३ ४७	९	१७	५	म.४४।०	भ. ८।२३ या. सरस्वती पू.
९	श ३३ १७	उ २७ ४५	सु २९ २२	बा ४ ४८	५०	१४ ४६	१०	१८	६	मकरे	स. विसर्जनं
१०	र ३१ ५	श्र २७ ११	धृ २४ ३४	तै २ ११	४६	१५ ४५	११	१९	७	कु.५७।२३	भ.६ वर्षाश्रे. तु.भौमः३५ वि.१० बौद्धज.
११	चं ३० ९	ध २७ ३५	शु २० ३३	व ० ३७	४२	१६ ४४	१२	२०	८	कुंभे	भ.३७ उ.३९ या. पू. शुक्रः४३ पा.११ब्र.
१२	मं ३० २२	श २९ २२	गं १७ २८	व ० १६	३८	१६ ४४	१३	२१	९	कुंभे	
१३	बु ३१ ३१	पू ३१ ५०	वृ १५ २६	कौ ० ५६	३४	१७ ४३	१४	२२	१०	मी १६।१३	प्रदोषः
१४	गु ३३ ५३	उ ३५ ३७	धु १४ ५	ग २ ४२	३०	१८ ४२	१५	२३	११	मीने	भ. ३३।५३ उ. कोजागरी ब्र.
१५	शु ३७ २०	रे ४० २३	ष्या १३ ३८	वि ५ ३६	२६	१९ ४१	१६	२४	१२	मे.४०।२३	भ.३६ या.श.पू.मा. नवा.भक्ष.का.स्ना.प्रा.

२६पं.आ.शु.३चं.इ.५५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	७	४	८	५	५
१८	२६	१	६	९	७	१०	१८
१२	२२	४९	४६	३९	५४	२	४०
१८	५९	४४	५२	२२	४०	२	११
५९	४०	९६	११	२७	३	३	५९
१६	२९	३५	१४	१४	१६	११	९

गोचरग्रहाः

इस मास में जौ गेहूँ,बाजरा,ज्वार मक्का, गुड़,घृत, आदि भोज्य पदार्थ सस्ते होंगे प्रजा में पीड़ा ।

गोचरग्रहाः

२७पं.आ.शु.११चं.इ.५४।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	७	४	८	५	५
२५	१	१२	८	१३	८	९	२५
८	२	३३	५	२७	१७	३९	३५
०	३८	४३	१३	४३	३८	४७	७
५९	४०	९२	११	३७	३	३	५९
३१	३६	४७	५२	२	५०	११	२१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१			वि.	उ.	अ.	ह.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुर विर्दक्षिणे आविश्नकृष्णेतिमहा.
१	श ४२ ०	अ ४६ १३	ह १३ ५३	बा ९ ४०	३९	६ ५	१७	२५	१३	मेषे	तुलायांमर्कः ४८।४९ (दृश्यः २२।९)
२	र ४७ २४	भ ५२ ३८	व १५ २	तै १४ ४२	१८	२० ४०	१८	२६	१४	मेषे	वि. बुधः ४।५९
३	चं ५३ २८	कृ ५९ ५५	सि १६ ३२	व २० २६	१४	२१ ३९	१९	२७	१५	बृ. ९।२७	भ. २०।२६ उ. ५३।२८ या.
४	मं ५९ ४५	रो ६० ०	व्य १८ ४०	ब २६ ३६	१०	२२ ३८	२०	२८	१६	बृषे	करक चतुर्थी व्र.
५	बु ६० ०	रो ७ २८	व २१ १०	कौ ३२ ५६	६	२३ ३७	२१	२९	१७	मि४१।१८	स्वात्यां भौमः १५।१
६	गु ६ ७	मृ १५ ७	प २३ २९	तै ६ ७	२	२४ ३६	२२	३०	१८	मिथुने	अनुराधा. ३ गुरुः ३३।४४
७	शु १२ ८	आ २२ १३	शि २५ ३२	व १२ ८	२७ ५८	२४ ३६	२३	१	१९	मिथुने	भ.१२।८उ.४४ या. राष्ट्रीय कार्तिकारम्भः
८	श १७ १२	पु २८ १८	सि २६ ४६	ब १७ १२	५४	२५ ३५	२४	२	२०	क.१३।५४	स्वात्यां रविः २९।५२
९	र २० ३७	पु ३३ १५	सा २६ ५६	कौ २० ३७	५०	२६ ३४	२५	३	२१	कर्के	वृश्चिके बुधः २०।६
१०	चं २२ ३१	श्ले ३६ २२	शु २५ ५५	ग २२ ३१	४६	२७ ३३	२६	४	२२	सिं३६।२२	भ. ५२।२१ उ.
११	मं २२ १०	म ३७ २९	शु २३ १६	वि २२ १०	४२	२८ ३२	२७	५	२३	सिंहे	भ. २२।१० या.
१२	बु १९ ५३	पू ३६ ३५	ब १९ ६	बा १९ ५३	३९	२८ ३२	२८	६	२४	कं.५०।५३	अनु. बुधः ०।४० रमा ११ ब्र.
१३	गु १५ ४४	उ ३३ ४९	ऐं १३ ९	तै १५ ४४	३५	२९ ३१	२९	७	२५	कन्या	प्रदोषः यमदीपदानं धन १३
१३	शु ९ ३६	ह २९ ८	वै ४० ५१ ९३	व ९ ३६	३१	३० ३०	३०	८	२६	तु.५६।८	भ.३६ उ.३५ या.१९ रूप१४ नरक१४
१४	श २ १	चि २३ ७	प्री ४७ १९	श २ १	२७	३१ २९	३१	९	२७	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	श ५१ २९	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	० ०	०	०	०	०	

२८पं.का.कृ.३चं.इ.५४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	७	४	८	५	६
२	५	२२	९	१८	८	९	२
५	४५	३९	२७	१८	४४	१७	३१
३०	२९	११	२५	०	२४	३१	३२
५९	४०	८४	१२	४४	४	३	५९
४६	३६	४०	१८	५०	३०	११	३४

गोचरग्रहाः

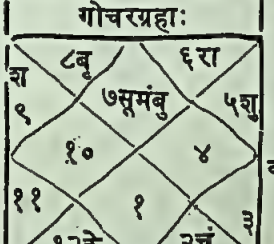

कार्तिक कृष्ण १ शनौतुलायामर्कः प्र.वा.३न.४ युवावस्था (सूती) मु. १५ (धान्यभाव तेज) शुक्रोदयं पू. ।

गोचरग्रहाः

२९पं.का.कृ.९ चं.इ.५४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	७	४	८	५	६
९	१०	१	१०	२३	९	८	९
४	३०	५७	५२	५६	१५	५५	२९
५०	०	४३	४१	३५	०	१६	५१
६०	४०	७४	१२	५०	४	३	५९
२	५६	४४	३८	२२	५६	११	४७

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	र	४४	१७	खा	१६	२६	आ	३७	२	किं	१८	५४	२७	६	५	१	१०	२८	वृ.५५।५५
२	चं	३५	९	वि	९	४	सौ	२६	३०	बा	९	४३	२०	३२	२८	२	११	२९	वृश्चिके
३	मं	२६	३२	अ	५९	५३	शो	१६	७	तै	०	५१	१६	३२	२८	३	१२	१	ध.५५।२६
४	बु	१८	४०	मू	४९	४४	अ	१३	५३	वि	१८	४०	१३	३३	२७	४	१३	२	धनुषि
५	गु	११	५२	पू	४५	३४	धृ	४९	९	बा	११	५२	९	३४	२६	५	१४	३	म.५९।५१
६	शु	६	३५	उ	४२	४१	शू	४२	१९	तै	६	३५	६	३५	२५	६	१५	४	मकरे
७	श	२	५०	श्र	४१	२०	गं	३६	५२	व	२	५०	२	३६	२४	७	१६	५	मकरे
८	र	०	४८	ध	४१	३३	वृ	३२	२९	ब	०	४८	५९	३६	२४	८	१७	६	कु.११।२६
९	चं	०	२	श	४३	२३	ध्रु	२९	२५	कौ	०	२	५६	३७	२३	९	१८	७	कुम्भे
१०	मं	०	५६	पू	४६	३६	ष्या	२७	३३	ग	०	५६	५३	३७	२३	१०	१९	८	मी३०।४८
११	बु	३	१	उ	५०	५०	ह	२६	३२	वि	३	१	४९	३८	२२	११	२०	९	मीने
१२	गु	६	२०	रे	५६	१७	व	२६	५०	बा	६	२०	४६	३९	२१	१२	२१	१०	मे.५६।१७
१३	शु	१०	४४	अ	६०	०	सि	२७	१८	तै	१०	४४	४३	३९	२१	१३	२२	११	मेषे
१४	श	१६	१	अ	२	२७	व्य	२८	४०	व	१६	१	४०	४०	२०	१४	२३	१२	मेषे
१५	र	२१	४६	भं	९	१४	द	३०	२४	ब	२१	४६	३२	४१	१९	१५	२४	१३	वृ.२६।२

नवंबर मा. ११ता. ३० अन्नकूट गोवर्धनपूजा
चंद्रद. कन्या.शुक्रः ४१ कलमदवा.पू. यम २*
भ. ५२।३६ उ. जमादिलावंस ५
भ. १८।४० या. मूल. ४ शनिः ५४।२५

विशाखायां रविः ४७।१४ *भ्रातृ २
भ. २।५० उ. ३१।४९ या. अनु. ४ गुरुः ×
×३५।३३ कल्पादिः गोपाष्टमी
विशा.भौमः ४६ अक्षया९ कुष्मांड९ युगा.
भ. ३१।५८ उ.
भ. ३।१ या. प्रबो.११ब्र. तुलसीविवाह
ज्ये.बुधः ५६ हरिवासराऽभावः प्रदोषः
वक्री बुधः ३९ हस्ते शुक्रः ४ वैकुण्ठ १४
भ. १६ उ. ५६ या. =बुधः ३१।२३
पुष्कर यात्रा का. स्नान पूर्ति वक्री अनु.=

३०पं.का.शु.२चं.इ.५४।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	७	५	८	५	६
१६	१५	१०	१२	०	९	८	१६
५	१६	२	२०	११	४९	३३	२९
५४	५५	३८	५३	३१	८	०	३७
६०	४१	५७	१३	५४	५	३	६०
१८	६	५५	५	५६	२६	११	४

गोचरग्रहाः

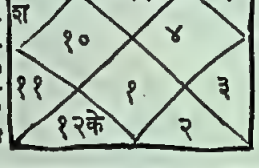

इस मास का फल साधारण है प्रजा में कुछ कष्ट शीत की विशेषता तुला राशि का मंगल धान्य मंदा करेगा।

गोचरग्रहाः

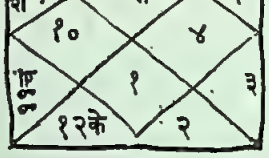

३१पं.का.शु.९ चं.इ.५४।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	७	५	८	५	६
२३	२०	१५	१३	६	१०	८	२३
८	५	३८	५०	५४	२६	१०	३१
३२	४२	२०	४९	५८	३८	४४	०
६०	४१	२८	१३	५८	५	३	६०
३०	१६	१	२०	२९	५०	११	१७

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०१६ शाकः १८८१										दि.	अ.	उ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	चं	२८	१	कृ	१६	२५	प	३२	२२	कौ	२८	१	३६	४१	१९	१६	२५	१४	वृषे
२	मं	३४	२४	रो	२३	५६	शि	३४	३८	तै	१	१३	२१	४२	१८	१७	२६	१५	मि५७।४३
३	बु	४०	४१	मृ	३१	३१	सि	३६	५७	व	७	३२	२९	४२	१८	१८	२७	१६	मिथुने
४	गु	४६	४४	आ	३८	४७	सा	३९	७	ब	१३	४२	२६	४३	१७	१९	२८	१७	मिथुने
५	शु	५१	५२	पु	४५	२५	शु	४०	३१	कौ	१९	१८	२४	४३	१७	२०	२९	१८	क.२८।४९
६	श	५६	५	पु	५१	८	शु	४१	२७	ग	२३	५८	२१	४४	१६	२१	३०	१९	कर्के
७	र	५९	१	श्ले	५५	२६	ब्र	४१	२२	वि	२७	३३	१९	४४	१६	२२	१	२०	सिं५५।२६
८	चं	६०	०	म	५८	१७	ऐं	३९	५६	बा	२९	३०	१६	४५	१५	२३	२	२१	सिंहे
९	मं	५९	२०	पू	५९	१५	वै	३७	१६	तै	२९	४०	१३	४५	१५	२४	३	२२	सिंहे
१०	बु	५६	३१	उ	५८	११	वि	३२	५८	व	२७	५६	११	४६	१४	२५	४	२३	कं.१३।५८
११	गु	५१	५२	ह	५५	१६	प्री	२७	९	ब	२४	१२	८	४६	१४	२६	५	२४	कन्या
१२	शु	४५	२६	चि	५०	३५	आ	१९	३७	कौ	१८	३९	६	४७	१३	२७	६	२५	तु.२२।५५
१३	श	३७	३२	खा	४४	२७	सौ	१०	५३	ग	११	२९	३	४७	१३	२८	७	२६	तुलायां
१४	र	२८	२४	वि	३७	१६	शो	१	४६	वि	२	५८	१	४८	१२	२९	८	२७	बृ.२४।३
३०	चं	१८	४८	अ	२९	२२	सु	३९	१७	ना	१८	४८	२५	४८	१२	३०	९	२८	बृश्चके

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्कः ४१।३२ (दृश्यः २०।३३)

भ. ३२ उ. ४९ या. पश्चिमास्तंबुधः २०।३४
अनु. रविः ५९।२० चतुर्थी ब्र.

भ. ५६।५ उ.
भ. २७।३३ या. राष्ट्रीय मार्गशीर्षारंभः ÷
÷ज्येष्ठा १ गुरुः ४२।७ गुर्वस्तः २४।० गु.अ.
वृश्चिके भौमः ८।२
भ. २६ उ. ५६ या. चित्रायांशुक्रः ४०।४१
उत्पत्ति ११ ब्र. स्मार्तानाम्
वक्री विशा. बुधः ४९ उत्पत्ति ११ब्र. बै.
भ. ३३ उ. अनु. भौमः ५०।४९ प्रदोषः
भ. २।५८ या.
पूर्वोदयी बुधः ३८।३६ सोमवती ३०

३२पं.मा.कृ.१चं.इ.५४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	७	५	८	५	७
०	२४	१५	१५	१४	११	७	०
१२	५७	५१	२२	१	६	४९	३३
३६	०	४०	४४	२३	३६	२९	४४
६०	४१	१५	१३	६१	६	३	६०
४०	३७	ब	२१	१०	१४	११	३०

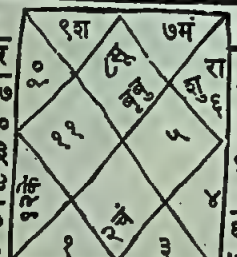

३३पं.मा.कृ.८चं.इ.५३।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	६	५	८	५	७
७	२९	८	१६	२१	११	७	७
१८	५०	४४	५६	२७	४९	२६	३७
९	५६	३८	१०	४	१२	१३	४०
६०	४१	१८	१३	६३	६	३	६०
५३	४०	ब	३२	२३	३१	११	४२

३४पं.मा.कृ.३०चं.इ.५३।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	५	८	५	७
१४	४	१	१८	२९	१२	७	१४
२४	४५	१८	३०	६	३३	३	४२
५५	३६	१८	४०	२५	३२	५८	५५
६१	४१	१५	१३	६५	६	३	६०
३	५०	ब	३८	२	४४	११	५०

*चंबुबु

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०६६ स.१९५९
१	मं	८	५४	ज्ये	२१	३८	धृ	२८	१६	बा	८	५४	२५/५७	६/४९	५/११	१	१०	२९	ध.२१।३८	चंद्रद. दिसंबर मा. १२ ता. ३१ तुला*
२	मं	५०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*शुक्रः ४३।१
३	बु	५१	८	मू	१४	८	शू	१०	३१	तै	२५	२०	५५	४९	११	२	११	१	धनुषि	जमादिलाखर ६
४	गु	४४	१	पू	७	४७	गं	७/४२	५०/५९	व	१७	३५	५३	४९	११	३	१२	२	म.२१।३२	भ.१७।३५ उ.४४।१या. ज्ये.रविः६।१९
५	शु	३८	४०	उ	२/४७	५६/५६	ध्रु	५१	३५	ब	११	२१	५१	५०	१०	४	१३	३	मकरे	मार्गी बुधः २६।२६
६	श	३५	६	ध	५८	२४	व्या	४५	४९	कौ	६	५३	४९	५०	१०	५	१४	४	कु.२९।३	चम्पाषष्ठी
७	र	३३	४०	श	५८	५८	ह	४१	३४	ग	४	२३	४८	५०	१०	६	१५	५	कुम्भे	भ. ३३।४० उ.
८	चं	३४	८	पू	६०	०	व	३८	५०	वि	३	५४	४६	५१	९	७	१६	६	मी४५।५८	भ.५३/५४ या. स्वा. शुक्रः३६/४८ ज्ये.२ गुरुः३१/१४+
९	मं	३६	१९	पू	१	३८	सि	३७	३५	बा	५	१४	४५	५१	९	८	१७	७	मीने	उफा. ३ राहुः उभा. १ केतुः २५।२६
१०	बु	३९	५५	उ	५	४६	व्य	३७	५०	तै	८	७	४४	५१	९	९	१८	८	मीने	+पूषा. १ शनिः ५६।५
११	गु	४४	५४	रे	११	७	व	३८	२०	व	१२	२५	४२	५२	८	१०	१९	९	मे.११।७	भ. १२।२५ उ. ४४।५४ या. अनु. बुधः=
१२	शु	५०	४१	अ	१७	२३	प	३९	५५	ब	१७	४७	४१	५२	८	११	२०	१०	मेषे	=५०।२८ मोक्षदा ११ व्र. गीता ज.
१३	श	५६	५८	भ	२४	४१	शि	४१	५३	कौ	२३	५०	४०	५२	८	१२	२१	११	बृ.४१।३५	शनि प्रदोष व्रतम्
१४	र	६०	०	कृ	३२	१७	सि	४३	५८	ग	३०	११	३९	५२	८	१३	२२	१२	बृषे	पिशाच मौचन श्राद्ध
१४	चं	३	२५	रो	३९	४९	सा	४६	१४	व	३	२५	३८	५२	८	१४	२३	१३	बृषे	भ. ३।२५ उ. ३६।३५ या. दत्त जयंती
१५	मं	९	४४	मृ	४७	६	शु	४८	१७	ब	९	४४	३८	५२	८	१५	२४	१४	मि१३।२७	धनुष्यऽर्कः ५६।१२ अस्तः शनिः ५।४८

३५पं.मा.शु.८चं.इ.५३।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	६	८	५	७
२१	९	१	२०	६	१३	६	२१
३२	४३	३१	५	५८	१९	४१	४८
४२	४१	४४	२	२६	४१	४२	५९
६१	४२	३६/४१	१३	६६	७	३	६०
११	०	मा	३८	३१	२	११	५६

गोचरग्रहाः

मार्गशीर्ष कृष्णा १ चन्द्रे बृश्चिके-ऽर्कः प्र. वा. ३न.३ युवावस्था (सूती) मु.४५[धान्यभाव मंदा]शुक्रोदयं पू.

गोचरग्रहाः

३६पं.मा.शु. ४चं.इ.५३।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	६	८	५	७
२८	१४	८	२१	१४	१४	६	२८
४१	४३	५	४०	५९	७	१९	५५
२५	१६	४९	५	२	१६	२६	५६
६१	४२	६७	१३	६७	७	३	६१
१९	४	५४	३५	४१	८	११	०

ति.	पौष कृष्णपक्ष सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविदक्षिणे मार्गकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१५	५४	आ	५४	१६	शु	५०	१३	कौ	१५	५४	२५/३७	६/५६	५/७	१६	२५	१५	मिथुने	मूले धनुष्यर्कः १९।४
२	गु	२१	३५	पु	६०	०	ब्र	५१	३२	ग	२१	३५	३८	५३	७	१७	२६	१६	क.४४।२	भ.५३/५७उ. ज्ये.भौमः३९/४१ गु.५९/२४ गु. उ.
३	शु	२६	१९	पु	०	३७	ऐं	५२	१६	वि	२६	१९	३७	५३	७	१८	२७	१७	कर्के	भ. २६।१९ या. चतुर्थी व्र.
४	श	३०	२३	पु	६	११	वै	५२	२०	बा	३०	२३	३६	५३	७	१९	२८	१८	कर्के	विशाखायां शुक्रः ७।२४
५	र	३३	२२	श्ले	१०	५५	वि	५१	३२	कौ	१	५२	३६	५३	७	२०	२९	१९	सिं१०।५५	
६	चं	३५	१	म	१४	३१	प्री	४९	४०	ग	४	११	३६	५३	७	२१	३०	२०	सिंहे	भ. ३५।१ उ. ज्येष्ठायां बुधः ३१।३०
७	मं	३५	१९	पू	१६	४३	आ	४६	३७	वि	५	१०	३६	५३	७	२२	१	२१	कं.३१।५३	भ.५/१०या. राष्ट्रीयपौषारंभःज्ये.३गुरुः१९/२९
८	बु	३३	५८	उ	१७	२२	सौ	४२	२५	बा	४	३८	३६	५३	७	२३	२	२२	कन्या	
९	गु	३०	५९	ह	१६	२०	शो	३६	५२	तै	२	२८	३७	५३	७	२४	३	२३	तु.४५।०	भ. ५८।३६ उ. भौमोदयः ७।२५
१०	शु	२६	१३	चि	१३	४०	अ	२९	४९	वि	२६	१३	३७	५३	७	२५	४	२४	तुलायां	भ. २६।१३ या.
११	श	२०	९	स्वा	९	३९	सु	२१	३७	बा	२०	९	३७	५३	७	२६	५	२५	बृ.५०।२६	सफला ११ व्र.
१२	र	१२	३३	वि	४/२	५३/२१	ध्रु	१२	१२	तै	१२	३३	३८	५२	८	२७	६	२६	बृश्चिके	वृश्चिके शुक्रः ३९।२१ प्रदोषः
१३	चं	४	०	ज्ये	५०	२	शू	२/१४	४९/१४	व	४	०	३८	५२	८	२८	७	२७	ध.५०।२	भ. ४।० उ. २९।२० या.
१४	चं	५०	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	मं	४५	१६	मू	४२	२६	गं	४०	३८	च	१९	५८	३९	५२	८	२९	८	२८	धनुषि	पू. षा. यां. रविः ११।४१

३७पं.पौ.कृ.६ चं.इ.५३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	१	७	६	८	५	८
५	१९	१७	२३	२३	१४	५	६
५०	४५	९	१४	९	५५	४७	३
५०	४३	२५	२	४३	४८	११	३२
६१	४२	८१	१३	६८	७	३	६१
३२	१४	३८	३२	४३	१६	११	४

गोचरग्रहाः

पौष कृष्णा १ बुधे धनुष्यकः प्र. वा.३ न.३ गताल्कावस्था ऊभी मु. १५ धान्य भाव तेज शु. पू.

गोचरग्रहाः

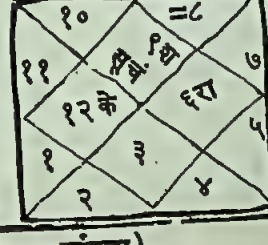

३८पं.पौ.कृ.१३चं.इ.५२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	७	७	८	५	८
१३	२४	२७	२४	१	१५	५	१३
०	४९	८	४७	२५	४५	३४	११
४२	३७	३५	२४	८	०	५५	३०
६१	४२	८९	१३	६९	७	३	६
२६	२९	४३	२०	२८	२७	११	६१

*८मंबृवु

=८मंशुबुबृ

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौषः शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाक: १८८१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः२०९५ स.१९६०
१	बु ३६ २ पू ३५ ३ ध्रु २९ ५३ कि १० ३९	२५	६	५	३०	९	२९	म.४८।२८	भ. ४७।३१ अनुराधा. शुक्रः ३२।२३
२	गु २७ ४९ उ २८ ४३ व्या १९ ५६ बा १ ४५	४०	५२	८	३१	१०	३०	मकरे	चन्द्रदर्शनम्
३	शु २१ २ श्र २३ ४४ ह १० ५९ ग २१ २	४१	५२	८	१	११	१	कुं.५२।८	भ. ४८।३० उ. जनवरी मा. १ ता. ३१*
४	श १५ ५८ ध २० ३२ व १४ ५४ वि १५ ५८	४२	५२	८	२	१२	२	कुम्भे	भ. १५।५८ या.
५	र १२ ५६ श १९ ८ व्य ५३ १९ बा १५ ५६	४३	५१	९	३	१३	३	कुम्भे	*सन् १९६०ई. रज्जब ७
६	चं १२ ८ पू २० ४ व ५० ३७ वै १२ ८	४४	५१	९	४	१४	४	मी४।५०	मूलेधनुषि भौमः५८।३६ पूर्वास्तंबुधः २५ २२
७	मं १३ १८ उ २२ ४९ प ४९ ३७ व १३ १८	४६	५१	९	५	१५	५	मीने	भ.१३।१८उ.४४।५३या.पूषा.२शनिः ३६
८	बु १६ २८ रे २७ ३९ शि ५० ० ब १६ २८	४७	५१	९	६	१६	६	मे.२७।२९	ज्येष्ठा. ४ गुरुः २८।४
९	गु २१ ११ अ ३३ ४५ सि ५१ ७ कौ २१ ११	४९	५०	१०	७	१७	७	मेषे	
१०	शु २७ ५ भ ४१ २ सा ५३ १७ ग २७ ५	५१	५०	१०	८	१८	८	वृ.५७।५३	पूषायांबुधः ४८।११
११	श ३३ २८ कृ ४८ २५ शु ५५ २५ व ० १६	५२	५०	१०	९	१९	९	वृषे	भ.०।१६उ.३३या. पुत्रदा११ब्र. मन्वादिः
१२	र ४० १० रो ५६ ५ शु ५७ ४८ ब ६ ४९	५४	४९	११	१०	२०	१०	बृषे	ज्येष्ठायां शुक्रः ३४।५१
१३	चं ४६ ३५ मृ ६० ० ब्र ५९ ४७ कौ १३ २२	५६	४९	११	११	२१	११	मि२९।४५	उ.षा.यां.रविः १३।९ प्रदोषः
१४	मं ५२ २७ मृ ३ २४ ऐं ६० ० ग १९ ३१	५८	४८	१२	१२	२२	१२	मिथुने	भ. ५२।२७ उ.
१५	बु ५७ ३९ आ १० ३० ऐं १ २८ वि २५ ३	२६	४८	१२	१३	२३	१३	मिथुने	भ. २५।३ या. माघस्नान प्रारम्भः

३९पं.पौ.शु.६ चं.इ.५२।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	७	७	८	५	८
२०	२९	७	२६	९	१६	५	२०
१०	५५	३५	१९	४६	३४	१२	१९
३९	५२	१०	१	४४	२६	४०	३५
६१	४२	९४	१३	७०	७	३	६१
२६	४६	४७	१३	१३	२०	११	६

गोचरग्रहाः

इस मास में शनि रवि का योग प्रजामें कष्ट होगा धान्य भाव सम रूई चांदी में साधारण तेजी आएगी।

गोचरग्रहाः

४०पं.पौ.शु.१३ चं.इ.५२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	७	७	८	५	८
२७	५	१८	२७	१८	१७	४	२७
२०	४	२४	४८	१२	२३	५०	२७
३१	३०	७	४०	०	५३	२४	४१
६१	४२	९८	१२	७०	७	३	६१
२४	५४	५१	५०	५१	१४	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाक: १८८१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरऋतूरविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	गु ६० ० पु १६ २९ वै २ ३५ ब २९ ४४	२६	६	५	१४	२४	१४	क. सूर्योदये	मकरेऽर्कः२८।३६ (दृश्यः २२।२०)
१	शु १ ४९ पु २१ ४३ वि २ ५९ कौ १ ४९	५	४७	१३	१५	२५	१५	कर्के	
२	श ५ १ श्ले २५ ४८ प्री २ ३४ ग ५ १	८	४६	१४	१६	२६	१६	सिं२५।४८	भ. ३६।१० उ.
३	र ७ १८ म २९ १ आ २ ५७ वि ७ १८	१०	४६	१४	१७	२७	१७	सिंहे	भ. ७।१८ या. उषायां बुधः ९।१ उदयः*
४	चं ८ २१ पू ३१ ३ शो ५६ ३३ बा ८ २१	१२	४६	१४	१८	२८	१८	कं.४६।२०	*शनिः २६।२८ च. ब्र.
५	मं ८ २३ उ ३२ १० अ ५२ ५२ ते ८ २३	१५	४५	१५	१९	२९	१९	कन्यायां	मकरे बुधः ६।३८
६	बु ७ २२ ह ३२ १५ सु ४८ १४ व ७ २२	१७	४५	१५	२०	३०	२०	कन्यायां	भ.७।२२उ.३६।१८या. अभि.प्र.रविः ५९ ५४
७	गु ५ १३ चि ३० ५३ धृ ४२ ४० ब ५ १३	२०	४४	१६	२१	१	२१	तु. १।३४	राष्ट्रीय माघारंभः मूलेधनुषिशुक्रः ३९।५४
८	शु १ ५२ स्वा २८ ३६ शू ३६ ५ कौ १ ५२	२२	४४	१६	२२	२	२२	तुलायां	भ. ५६।४२ मूल.१ धनुषि गरुः ३२।५५
९	शु ५५ ३६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	श ५१ ४५ वि. २५ ७ गं २८ ३८ व २४ ३६	२५	४३	१७	२३	३	२३	वृ.१०।५९	भ. २४।३६ उ. ५१।४५ या.
११	र ४५ ५ अ २० ३४ वृ २० २५ ब १८ २५	२७	४३	१७	२४	४	२४	वृश्चिके	भ. १५।५३ षट्तिला ११ब्र. स्मा. वै.
१२	चं ३७ ३३ ज्ये १४ ५९ ध्रु ११ १६ कौ ११ १९	३०	४२	१८	२५	५	२५	ध.१४।५९	भ.८।८श्रवणेबुधः९।३९षट्तिला११ब्र.नि.
१३	मं २९ २२ मू ८ ५६ व्या ४४ १ ५० ग ३ २७	३३	४१	१९	२६	६	२६	धनुषि	भ. २९।२२ उ. ५५।१५ या. प्रदोषः
१४	बु २१ ८ पू ३७ ५३ व ४२ ५ श २१ ८	३६	४१	१९	२७	७	२७	म.१६।२	
२०	गु १३ ९ श्र ५० ४५ सि ३२ ५० ना १३ ९	३९	४०	२०	२८	८	२८	मकरे	युगादिः

४१पं.मा.कृ.४ चं.इ.५२।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	७	७	८	५	९
४	१०	२९	२९	१६	१८	४	४
३०	१४	१६	१६	४१	१२	२८	३५
०	५६	२२	८	१०	४३	८	३१
६१	४३	९८	१२	७१	७	३	६१
१९	८	२०	२२	८	११	३	६

गोचरग्रहाः

माघ कृ. १ गुरौ मकरेऽर्कः प्र.वा.१ न.३कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

४२पं.मा.कृ.१२चं.इ.५२।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	८	८	८	५	९
११	१५	११	०	५	१९	४	११
३८	२७	१६	४०	१२	९	५	४२
५१	७	१	४१	०	२२	५३	५७
६१	४३	९८	१२	७१	६	३	६०
१३	१९	२०	४४	२	४६	५७	११

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २११५ स. १९६०
१	शु ६ ५ ध ४६ २८ व्य २४ ३५ ब ६ ५	२६	४०	२०	२९	९	२९	कुं. १८।३७	चंद्रदर्शनम्
२	श ० १४ श ४३ ४४ व १७ २७ कौ ० १४	४६	३९	२१	३०	१०	१	कुम्भे	सावान ८
३	श ५५ ५३ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
४	र ५४ १५ पू ४२ ५३ प ११ ३९ व २५ ११	४९	३८	२२	३१	११	२	मी २८।६	म. २५।११ उ. ५४।१५ या.
५	चं ५४ १३ उ ४४ १३ शि ७ ४४ ब २४ १४	५२	३८	२२	१	१२	३	मीने	फरवरी मा. २ ता. २९ वसंत पंचमी
६	मं ५६ २३ रे ४७ ४३ सि ५ ३२ कौ २५ १८	५५	३७	२३	२	१३	४	मि. ४७।४३	१९६०
७	बु ६० ० अ ५२ ४८ सा ४ ५६ ग २८ २१	५९	३६	२४	३	१४	५	मेषे	पूषा. ३ शनिः ५६।४ मन्वादिः रथ ७
७	गु ० १८ भ ५९ १९ शु ५ ११ वि ० १८	२७	३६	२४	४	१५	६	मेषे	भ. ०।१८ उ. ३३।२ या.
८	शु ५ ४६ कृ ६० ० शु ६ ५० बा ५ ४६	६	३५	२५	५	१६	७	वृ १६।५	कुम्भेबुधः ३४।१३ भीष्म ८ पा. ४६।२९.
९	श ११ ५७ कृ ६ २३ ब ८ ४८ कौ ११ ५७	९	३४	२६	६	१७	८	वृषे	भ. २१।४५ पातमोक्षः १९।१६
१०	र १८ ३२ रो १४ ९ ऐं ११ ८ ग १८ ३२	१३	३३	२७	७	१८	९	मि ४७।५१	भ. ५१।४५ उ. —
११	चं २४ ५८ मृ २१ ३४ वै १३ १९ वि २४ ५८	१६	३३	२७	८	१९	१०	मिथुने	भ. २४।५८ या. जया ११ व्रतम्
१२	मं ३० ४३ आ २८ ३८ वि १४ ५९ बा ३० ४३	२०	३२	२८	९	२०	११	मिथुने	भ. १७° उषायां भौमः ५३ ३३ भीष्म १२
१३	बु ३५ ३९ पु ३४ ३७ प्री १६ ८ कौ ३ ११	२४	३१	२९	१०	२१	१२	क. १८।८	प्रदोषः
१४	गु ३९ ११ पु ३९ १६ आ १६ १७ ग ७ २५	२७	३१	२९	११	२२	१३	कर्के	भ. ३९।११ उ.
१५	शु ४१ २९ श्ले ४३ ४ सौ १५ २५ वि १० २०	३१	३०	३०	१२	२३	१४	सिं ४३।४	भ. १° या. कुम्भेऽर्कः ५५ ५९ बुधोदयः प. ३२ ९७

४३पं.मा.शु.५चं.इ.५२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	८	८	८	५	९
१८	२०	२३	२	१३	१९	३	१८
४६	४०	२४	०	४४	४६	४३	४९
५२	४४	४३	५०	१३	१९	३७	३१
६१	४३	५	११	७२	६	३	६०
४	२४	५५	२३	५	४०	११	५५

गोचरग्रहाः

माघ शुक्ला १५ शुक्रे कुम्भेऽर्कः प्र. वा. १ नं. २ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

४४पं.मा.शु.११चं.इ.५३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	८	८	८	५	९
२५	२५	५	३	२२	२०	३	२५
५३	५६	५६	१७	१८	३०	२१	५५
३९	३५	३१	३१	५०	२२	२२	१८
६०	४३	३	१०	७२	६	३	६०
५५	५५	४	५०	२९	२६	११	४७

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श ४२ ३५ म ४५ २३ शो १३ ४१ वा १२ २	३५	२९	३१	१३	२४	१५	सिंहे	
२	र ४२ ३३ पू ४६ ३४ अ ११ ३ तै १२ ३४	३८	२८	३२	१४	२५	१६	सिंहे	मकरे भौमः १२।३१
३	चं ४१ २१ उ ४६ ५२ सु ७ २३ व ११ ५७	४२	२८	३२	१५	२६	१७	कं. १।३८	भ. ५१ उ. ३१ या. मकरे शुक्रः ८।१३
४	मं ३९ १५ ह ४६ १९ धृ ११ ५५ व १० १८	४६	२७	३३	१६	२७	१८	कन्यायां	पूभायां बुधः ५७।२१ चतुर्थी व्रतम्
५	बु ३६ २६ चि ४४ ५९ गं ५२ ४२ कौ ७ ५०	५०	२६	३४	१७	२८	१९	तु. १५।३९	
६	गु ३३ ३ स्वा ४३ २ वृ ४६ ४० ग ४ ४५	५४	२५	३५	१८	२९	२०	तुलायां	भ. ३३ उ. पातस्पर्शः ३५ पातमोक्षः ३४
७	शु २९ १३ वि ४० ३६ घु ४० १० वि १ ८	५८	२४	३६	१९	३०	२१	वृ २६।१३	भ. १।८ या. शते रविः ३१।२
८	श २४ २६ अ ३७ १९ ष्या ३३ १५ कौ २४ २६	२९	२४	३६	२०	१	२२	वृश्चिके	राष्ट्रीय फाल्गुनारम्भः
९	र १९ २० ज्ये ३३ ३२ ह २५ ३६ ग १९ २०	६	२३	३७	२१	२	२३	ध. ३३।३२	भ. ४६।२६ उ.
१०	चं १३ ३२ मू २९ २३ व १७ ४७ वि १३ ३२	१०	२२	३८	२२	३	२४	धनुषि	भ. १३।३२ या.
११	मं ७ १७ पू २४ ४६ सि ९ ३५ बा ७ १७	१४	२१	३९	२३	४	२५	म. ३८।३७	श्रवणे शुक्रः १७।५५ विजया ११ व्रतम्
१२	बु ० ५० उ २० ९ व्य २७ ५३ तै ० ५०	१८	२०	४०	२४	५	२६	मकरे	भ ५४।२१ उ. मीनेबुधः २३।५१ प्रदोषः
१३	बु ५३ ३१ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	गु ४८ २० श्र १५ ३५ ष ४५ २८ वि २१ २१	२२	२०	४०	२५	६	२७	कु. ४३।३७	भ. २१।२१ या. श्रीमहाशिवरात्री व्रतम्
१५	शु ४३ ५ ध ११ ५० शि ३८ ३२ च १५ ४३	२६	१९	४१	२६	७	२८	कुम्भे	

४५पं.फा.कृ.३चं.इ.५३।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	८	९	८	५	१०
२	१	१८	४	०	२१	२	३
५९	१३	१२	२९	५४	१२	५९	०
४२	५५	५८	५६	४३	४०	६	४
६०	४४	०	१०	७२	६	३	६०
४२	०	५७	१	४८	११	११	३७

गोचरग्रहाः

यहां धन राशि में शनि गुरु का योग चल रहा है जो प्रजा के लिए साधारण है। धान्य रुई चना आदि तेज होंगे।

गोचरग्रहाः

४६पं.फा.कृ.१०चं.इ.५३।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	८	९	८	५	१०
१०	६	२८	५	४	२१	२	१०
४	३२	१२	३६	३०	५२	३६	३
५५	१०	२५	१८	२२	१	५०	३५
६०	४४	७१	९	७३	५	३	६०
३१	७	३०	१९	०	४८	११	२५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २१५४ स. १९६०
१	श ३९ २ श ९ ९ सि ३२ ३१ कि ११ ४ ३८ ६	५	२७	८	२९	मी	५ ३।९	श्रवणे भौमः २२।१६
२	र ३६ ४८ पू ७ ४९ सा २७ ५५ बा ७ ५५ ३४ १७	४	२८	९	३०	मीने		चंद्रद. फुलरिया २
३	चं ३६ १४ उ ८ १६ शु २४ ३६ तै ६ ३१ ३८ १६	४	२९	१०	१	मीने		रमजान ९
४	मं ३७ ३२ रे १० २० शु २२ ५७ व ६ ५३ ३८ १६	४	१	११	२	मे.	१०।२०	भ.७।५३ उ.३७।३२या. मार्च मा.३ता.३१
५	बु ४० ४१ अ १४ २० ब्र २२ २९ ब ९ ६ १६ १५	४	२	१२	३	मेषे		
६	गु ४५ २० भ १९ ५९ ऐं २३ २१ कौ १३ ० ५० १४	४	३	१३	४	बृ.	३६।४०	पू.भा.यां. रविः ४५।५० प. बुधः २।३५
७	शु ५१ ७ कृ २६ ४० वै २४ ५९ ग १८ १४ ५४ १३	४	४	१४	५	वृषे		भ. ५१।७ उ.
८	श ५७ ३२ रो ३४ २ वि २७ ११ वि २३ २० ५८ १२	४	५	१५	६	वृषे		भ. २४।२० या. ८।१६ हो.
९	र ६० ० मृ ४१ ३२ प्री २९ २७ बा ३० ४४ २९ १२	४	६	१६	७	मि	७।४७	
९	चं ३ ५५ आ ४८ ४४ आ ३१ २८ कौ ३ ५५ ६ ११	४	९	१७	८	मिथने		वक्री कुम्भे बुधः ३७।४५
१०	मं २ ४८ पु ५५ ९ सौ ३३ २ ग ९ ४८ १० १०	५	०	१८	६	क.	३८।३३	भ. ४२।१५ उ.
११	बु १४ ४२ पु ६० ० शो ३३ २२ वि १४ ४२ १४ ९	५	१	१९	१०	कर्के		भ. १४।४२ या. आमलकी ११ व्रतम्
१२	गु १७ ५७ पु ० २ अ ३२ ३९ बा १७ ५७ १९ ८	५	२	२०	११	कर्के		कुम्भे शुक्रः ३५।१० प्रदोषः
१३	शु १९ ५४ श्ले ३ ४१ सु ३० ४० तै १९ ५४ २३ ७	५	३	२१	१२	सिं	३।४१	*भद्रोत्तरे अर्द्धरात्रिपश्चात् होलिकादहनं
१४	श २० १६ म ५ ३६ धृ २७ २० व २० १६ २७ ७	५	३	२२	१३	सिंहे		भ. ३६ उ. ४३ या. पूषा.४ शनिः २।३१*
१५	र १८ ५० पू ६ १ शू २३ ११ ब १८ ५० २२ ६	५	४	२३	१४	कं.	२०।५१	मन्वादिः छारेड़ी

४७पं.फा.शु.३चं.इ.५३।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	८	९	८	५	१०
१७	११	२	६	१८	२२	२	१७
७	५१	३२	३७	७	२८	१४	५
४	४३	२८	१६	४१	४४	३५	४६
६०	४४	८	८	७३	५	३	६०
२०	१३	११	२९	१४	२०	११	१२

गोचरग्रहाः

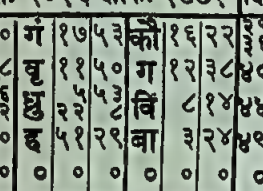

फाल्गुन शुक्ला १५ सूर्य मीनेऽर्कः प्र.वा. २ न.३ कुमारावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

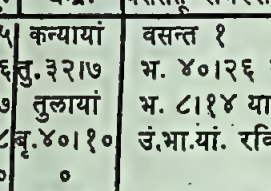

४८पं.फा.शु.९ चं.इ.५४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	८	९	८	५	१०
२४	१७	२९	७	२६	२३	१	२४
८	१२	४४	३२	४३	२	५२	६
२७	१४	३१	१३	१	३५	१९	३०
६०	४४	५६	७	७३	४	३	५९
५	१९	ब	१९	२५	५०	११	५८

ति.	श्री चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं १६ २२ उ ५ २० गं १७ ५३ कौ १६ २२ ३९	६	५	१४	२४	१५		कन्यायां	वसन्त १
२	मं १२ ३८ ह ३ २८ वृ ११ ५० ग १२ ३८ ४०	४	५६	१५	२५	१६		तु.	३२।७ भ. ४०।२६ उ. शते शुक्रः ५९।४७
३	बु ८ १४ चि ४७ ५३ ध्रु २२ ८ वि ८ १४ ४४	३	५७	१६	२६	१७		तुलायां	भ. ८।१४ या. कल्पादिः च. व्रतम्
४	गु ३ २४ वि ५४ २० ह ५१ २९ बा ३ २४ ४९	२	५८	१७	२७	१८	बृ.	४०।१०	उं.भा.यां. रविः ६।४६ पू. बुधः २९।४७
५	गु ५४ ५९ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०		०	
६	शु ५३ ७ अ ५१ ४ व ४४ २२ ग २५ ४५ ५३	१	५९	१८	२८	१९		बृश्चिके	भ. ५३।७ उ. शीतला पू.
७	श ४८ ५ ज्ये ४७ ३७ सि ३७ १२ वि २० ३६ ५७	१	५९	१९	२९	२०		ध.	४७।३७ भ.२०।३६ या. वक्री शते बुधः ४०।२३
८	र ४३ १ मू ४४ १६ व्य ३० ६ बा १५ ३३ ३९	६	०	२०	३०	२१		धनुषि	
९	चं ३७ ५२ पू ४१ २ ब २२ ५९ तै १० २६ ५५	६	१	२१	३१	२२		म.	५५।१४
१०	मं ३२ ५५ उ ३७ ५२ प १६ ५ व ५ २३ १० ५८	२	२२	१	२३			मकरे	भ.५।२३उ.३२।५५या. राष्ट्रीयचैत्रारंभः*
११	बु २८ ५ श्र ३४ ५९ शि ९ २३ ब ० ३० १४ ५७	३	२३	२	२४			मकरे	पापमोचनी ११ व्र. *शके १८८२
१२	गु २३ ४४ ध ३२ ४१ सि ३ ५४ तै २३ ४४ १८ ५६	४	२४	३	२५		कु.	३।५०	कुंभे भौमः ४०।२२ प्रदोषः
१३	शु २० ५ श ३० ५९ शु ५२ २ व २० ५ २३ ५५	५	२५	४	२६			कुम्भे	भ. २०।५ उ. ४८।३४ या.
१४	श १७ २ पू ३० १६ शु ४७ ४५ श १७ २ २७ ५५	५	२६	५	२७		मी	१५।२७	पूभायां शुक्रः ५०।५५ मार्गीबुधः ३।२८
३०	र १५ ३१ उ ३० ५२ ब्र ४४ ३८ ना १५ ३१ ३१ ५४	६	२७	६	२८		मीने		मन्वादिः अहर्गणः २१८३ चक्र ४ केतकी.

४९पं.चै.कृ.१ चं.इ.५४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	८	१०	८	५	११
१	२२	२३	८	५	२३	१	१
८	३३	७	२०	१९	३२	३०	५
९	५४	१२	२	५५	३१	३	३३
५९	४४	५६	६	७३	४	३	५९
४९	२५	ब	२०	३७	२२	११	४१

गोचरग्रहाः

इस मास का फल अच्छा रहेगा; मीन का सूर्य प्रजा में सुख शान्ति का कारक है।

गोचरग्रहाः

५०पं.चै.कृ.९ चं.इ.५४।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	८	१०	८	५	११
८	२७	१९	९	१३	२३	१	८
६	५६	१३	०	५७	५८	७	३
४	५३	२४	२५	२२	२६	४८	२३
५९	४४	२०	५	७३	३	३	५९
३५	३८	ब	१०	४४	४१	११	२९

*१२केचुं

॥ श्रीगणेशायनमः ॥

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दा १९५५८८५०६१ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० तेत्रायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६१ भोग्यकलिः ४२६९३९ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्य राज्यत् सम्वत् २०१७ शाकः १८८२ अथास्मिन्वर्षेराजा चन्द्रः । मंत्री बुधः । सस्येशः शनिः । धान्येशो गुरुः । मेघेशो भौमः ।रसेशश्चन्द्रः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशो भौमः । धनेशो शुक्रः दुर्गेशो भौमः । ऐतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ७ प्रमादीनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्क-समये गतमासादिः ३।२५।१६।४८ भोग्यमासादिः ८।४।४३।१२ दैवतंयुगम् । वर्षनाम ज्येष्ठः । मेघ १ नाम आवर्तः । समय निवासो वणिक गृहे । रोहिणी निवासः संधौ । समय विश्वा ५ । समय वाहनं मृगः । स्तम्भ २ जल तृणयोः । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी २। बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी १। रविदशमी १ । समय मुहूर्ताः ३१५ । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १६ । तिथि वृद्धिः ११। उत्पति विश्वा ९३। खपति विश्वा ८४। वर्षा विश्वा १३ धान्यम् ११, तृणम् १७. शीतम् ५: तेज ५. वायु १३ शनि दृष्टिपश्चिमे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं १०५ सत्यं ।। धर्म १।। पाप १८ ग्रहणे २ चन्द्रमसः । १ सूर्यस्य ।

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
संवत् सत्रह आइया कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला मैं समझाऊं तोय ।
चार ग्रहों का देखतां मध्यम सम्वत् होय ।।
शशिराजा इस वर्ष में मंत्री भये युवराज(बुध)।
प्रचुर धान्य और मेघ से सारे जग का काज ।।
मेघाधिप भये भूमिसुत है यह मध्यम योग ।
कहींक वर्षा अधिक हो कहींक व्यापे रोग ।।
वर्षा विश्वा विश्व (१३)है संवत् विश्वाबाण ।
बसी रोहिणी संधी में हो वर्षा की हान(नि) ।।
समयनिवासो वणिक्घर फल इसका शुभनाय ।
देख ग्रहों से फल कहा संवत् सत्रह मांय ।।
दशाधिकारी योग से संवत् अच्छा होय ।
परगुरु शनि के योग से फल नहीं अच्छा होय ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्षेश लग्नम् २।२५

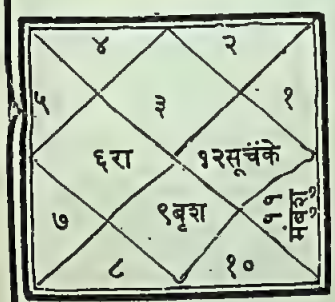

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् १।२९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१७।१२

अथ वर्ष फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम्-चंद्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् । मंत्री बुधस्तत्फलम्-शशिसुते शुभमंत्रि समागते स्वपतिना कुरुते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुवारिसमन्वितंयवमसूरिचणान्नमहर्घता ।। सस्येशः शनिस्तत्फलम्-रविसुते यदि सस्यपतौ जनो नृपतिभिः परिपीडितविग्रहः । गदभयंतुषधान्यहरं सदा दुरितबादविवादयुता नराः ।। धान्येशो गुरुस्तत्फलम्-गुरौ धान्यपतौ याते यव-गोधूमशालयः पच्यंते सर्वदेवेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः ।। मेघेशो भौमस्तत्फलम्-अवनिजे जलदस्यपतौ भुवि श्रुतिविचारविहीन-धराभवाः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतोयदम् ।। रसेशश्चंद्रस्तत्फलम्-यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहुवारिविधायकाः रसवती धन-धान्यवती मही ।। नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम्-कर्पूर राग-रुगंधानां हेममौक्तिकवाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशो भौमस्तत्फलम्-फलपतिर्यदि भूतनयो भवेत्सु-बहुपुष्पफलान्वितमेदिनी । गतभयानृत-देशजनास्तदा नृपतयो बहुविग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम्-द्रविणपोभृगुजो द्रवि-णैर्युता समाधनाः सकला भुवि मानवाः । समसुखाः क्रयविक्रयजीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम्-अवनिजे गढ़नायकतां गते विविवदुःखवियोगसमन्विताः । जनपदेषु जनाःक्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ।। वर्ष नाम ज्येष्ठस्तत्फलम्-तस्करैः पापरोगैर्वा पीड्यते पीडया जनाः । भ्रमंते स्वेच्छया भूम्यांनिर्द्रव्यै ज्येष्ठसंज्ञके ।। प्रमादिनाम संवत्सरस्तत्फलम्-प्रमादिवत्सरे तत्र मध्यसस्यार्घ वृष्टयः । प्रजाः कथंचिज्जीवंति समात्सर्याः क्षितिश्वराः ।। मेघनाम आवर्त-फलम्-आवर्ते छिन्नवृष्टिश्च । रोहिणी निवासः संधौ-फलम्-खंडवृष्टिश्च संधिषु ।समयनिवासो वणिक गृहे-फलम्-वणिक गृहे शुभं नास्ति । एवसंचित्यदैवज्ञैः कथनीयंशुभाशुभम् ।

संवत् २०१७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैसाख मासः

कृष्णा. ५ शनौ मूले ल. गो. ८-१२ रे. ६ ।।ऽ।।।ऽऽ।ऽ
६ सूर्ये उ. षा. यां. ल. १२ रे. ७ ।।।।।ऽनृऽ।।।
७ चन्द्रे उषायां ल. ऽन्यगो. ८ रे. ८ ।।।।ऽऽ।।।
शुक्ला. ३ गुरौ रोहिण्यां ल. १२ रे. ८ ।।।।ऽऽ।।
९ गुरौ मघायां ल. गोधू. रे. ८ ।।।।।।।ऽ।ऽ गणि-तेन क्रां. साम्याभावः

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला. ९ सूर्ये उ.भा.यां. ल. गो. रे. ६ ।।।।ऽऽऽ।ऽ दग्धा आवश्यके
१४ वुक्रे रोहिण्यां ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽऽ।।

पौष मासः

कृष्णा. ८ सूर्ये उ.फा.यां. ल. ऽन्यगो. ७ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
९ चन्द्रे हस्ते ल. रे. ८ ।।।।ऽ।ऽकंप।।

माघ मासः

शुक्ला. १० गुरौ रोहण्यां ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽऽ। गणि-तेन क्रां. साम्याऽभावः

फाल्गुम मासः

कृष्णा. ३ शनौ उ.फायां. ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽनृ.।ऽ।।
४ सूर्ये हस्ते ल. गो. रे. ६ ।।ऽऽ।ऽऽ।। शुक्रस्य पादवेधाद्वेधाऽभावः आवश्यके

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

भाद्रपद शु. १५ यां चन्द्रे खंडग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा २९।२

		स्प.	स.	म.	उ.	मो.	पर्व.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	२१	२४	२५	२७	३०	८
	पल.	३२	५४	५६	४७	२०	४८
रेल्वे टाइम	घं.	१५	१६	१६	१७	१८	३
	मि.	४	५	४९	३४	३५	११

नोट—यह ग्रहण दिन के ३ बजकर ४ मिनट पर स्पर्श होगा तथा ६-३५ पर शुद्ध होगा । अतः जहां सूर्यास्त रेल्वे ६-३५ से पहले होगा, वहां ही यह ग्रहण ग्रस्तोदय दिखाई देगा, अन्यत्र ग्रहण का अभाव रहेगा ।

फाल्गुन शु. १५ गुरौ ग्रस्तोदयं खंड चन्द्रग्रहणम् विश्वा १५।१

		स्प.	म.	मो.	पर्व.		
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	२७	३१	३५	८		
	पल.	१९	२४	२९	१०		
रेल्वे टाइम	घं.	५	७	८	३		
	मि.	२३	१	३९	१६		

फागुन कृ. ३० यां बुधे खंडग्रासं सूर्यग्रहणम् विश्वा ५।३३

		स्प.	म.	मो.	प.		
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	१८	२०	२२	४		
	पल.	२३	४०	५८	३५		
रेल्वे टाइम	घं.	१	२	३	१		
	मि.	४८	४३	३८	५०		

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः २१८४स.१९६०
१	चं १५ ९ रे ३२ ५५ ऐं ४२ ४७ ब १५ ९	३०	५ ५४	६	२८	१५	२९	मे.३२।५५	पूभायां बुधः ५७ ५२ चंद्रद. सवत्सरारम्भः*
२	मं १६ २३ अ ३६ २३ वै ४१ ४३ कौ १६ २३	३४	५३	७	२९	१६	१	मेषे	सिधारा सव्वाल १० *नवरात्रारंभः
३	बु १९ २२ भ ४१ १६ वि ४१ ४९ ग १९ २२	३८	५३	७	३०	१७	२	वृ.५७।५०	सत्स्य ज. गण. भ. ५१ ३ उ. रेव. रविः ३४ १४
४	गु २३ ४० कृ ४७ ३४ प्री ४३ १३ वि २३ ४०	४३	५२	८	३१	१८	३	वृषे	भ. २३।४० या.
५	शु २९ ३ रो ५४ ३० आ ४५ १९ बा २९ ३	४८	५१	९	१	१९	४	वृषे	अप्रेल मा. ४ ता. ३०
६	श ३५ १३ मृ ६० ० सौ ४७ ४१ कौ २ ८	५३	५०	१०	२	२०	५	मि२८।१७	शते भौमः ११।४
७	र ४१ ३३ मृ २ ३ शो ४९ ५६ ग ८ २३	५६	४९	११	३	२१	६	मिथुने	भ ४१।३३ या. मीने शुक्रः ५७।१६
८	चं ४७ ४१ आ ९ २९ अ ५१ ५८ वि १४ ३७	३१ ०	४८	१२	४	२२	७	क.५९।५०	भ. १४।३७ या. उत्पत्तिः
९	मं ५२ ५२ पु १६ ३४ सु ५३ ६ बा २० १६	४	४७	१३	५	२३	८	कर्के	रामनवमी
१०	बु ५६ ३४ पु २२ १४ धृ ५३ ९ वै २५ ४३	८	४६	१४	६	२४	९	कर्के	मूले४ गुरुः ०।५९ उभायां शुक्रः ३९।२२
११	गु ५८ ४१ श्ले २६ ३१ शू ५१ ४८ व २७ ३६	१२	४६	१४	७	२५	१०	सिं२६।३१	भ. ३७ उ. ५६ या. कामदा ११ व्र. स्मा.
१२	शु ५८ ५८ म २८ ५३ गं ४९ १ ब २८ ४९	१६	४५	१५	८	२६	११	सिंहे	कामदा ११ व्र. नि.
१३	श ५७ १५ पू २९ ३१ वृ ४४ ३९ कौ २८ ६	२०	४४	१६	९	२७	१२	कं.४४।१२	प्रदोषः
१४	र ५४ २६ उ २८ १७ धृ ३८ ५५ ग २५ ५०	२४	४३	१७	१०	२८	१३	कन्यायां	मीने बुधः ४१।९ भ. ५४।२६ उ.
१५	चं ४८ ४९ ह २५ ३३ व्या ३१ १८ वि २१ ३७	२८	४२	१८	११	२९	१४	तु.५३।१६	भ. २१।३७ या. मन्वादिः हनुमज्जयती

५१पं.चै.शु. १चं.इ.५५।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	८	१०	८	५	११
१५	३	१९	९	२२	२४	०	१४
२	१८	५८	३२	३४	२०	४५	५९
९	५०	१३	५४	३५	३५	३२	१५
५९	४४	१४	४	७३	३	३	५९
१८	४४	२०	१	५०	५	११	१६

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ है धान्य गेहूँ जौ चना मटर अलसी में मंदी रहेगी रस-कस में सामान्य हो।

गोचरग्रहाः

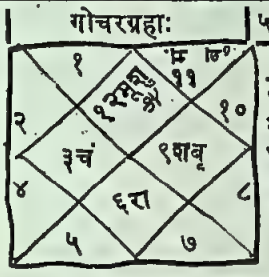

५२पं.चै.शु.८ चं.इ.५५।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	८	११	८	५	११
२१	८	२४	९	१	२४	०	२१
५६	४२	२२	५७	११	३७	२३	५३
२०	२४	२३	०	१०	५९	१७	२९
५९	४४	४३	२	७३	२	३	५९
४	४९	१	४५	५६	२०	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ४२ ४६ चि २१ ३६ ह २३ ९ बा १५ ४७	३१ ४०	५ ४१	६ १९	१२	३०	१५	तुलायां	सिंहे राहुः कुम्भे केतुः ३०।२९
२	बु ३६ ४ स्वा १७ ४ व १५ ० तै ९ २५	४०	४०	२०	१३	३१	१६	वृ.५८।१८	मेषे रविः ८।४६ उभायां बुधः ३३।२३
३	शु २९ ७ वि १२ ३ सि ४७ ७ ५१ ३७ व २ ३५	४६	३९	२१	१४	१	१७	वृश्चिके	भ. २।३५ उ. २९।७ या. च. व्र.
४	शु २२ ५ अ ७ ३ व ५१ १३ बा २२ ५	५१	३८	२२	१५	२	१८	वृश्चिके	
५	श १५ ३१ ज्ये २३ ५० ४४ प ४३ ३४ तै १५ ३१	५६	३७	२३	१६	३	१९	ध.२।२३	
६	र ९ ३६ मू ५४ २४ शि ३६ ० व ९ ३६	३२ ०	३६	२४	१७	४	२०	धनुषि	भ.९।३६ उ. ३६ या. रेवत्यांभृगुः३१।४३
७	चं ४ ७ उ ५१ ४१ सि २९ १८ न ४ ७	३३	३५	२५	१८	५	२१	म.८।४३	
८	चं ५५ १५ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
९	मं ५५ २४ श्र ४९ ३० सा २३ ५ तै २७ २३	७	३५	२५	१९	६	२२	मकरे	पूभायां भौमः४०।५५ वक्री गुरुः ३१।२३
१०	बु ५२ ८ ध ४८ १३ शु १७ ३४ व २३ ४६	१०	३४	२६	२०	७	२३	कु.१८।५१	भ. २३।४६ उ. ५२।८ या.
११	गु ४९ ३९ श ४७ ४६ शु १२ ४२ ब २० ५३	१३	३३	२७	२१	८	२४	कुंभे	वरूथिनी ११ व्र. स्मा. वै.
१२	शु ४८ १३ पू ४७ ९ ब ८ ३७ कौ १८ ५६	१७	३३	२७	२२	९	२५	मी३३।४८	वरूथिनी ११ व्र. नि.
१३	श ४७ ५८ उ ४९ ३७ ऐं ५ २१ ग १८ ५	२०	३२	२८	२३	१०	२६	मीने	भ.४७।५८ उ. रेवत्यां बुधः ११।२ प्रदोषः
१४	र ४८ २५ रे ५२ ८ वै २ ४८ वि १८ ११	२३	३१	२९	२४	११	२७	मे.५२।८	भ. १८।११ या.
१५	चं ५० २६ अ ५५ ५१ वि १ ३० च १९ २५	२७	३१	२९	२५	१२	२८	मेषे	सोमवती अमावस्या

१पं.वै.कृ.२ बु.इ.११।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	८	११	८	४	०
०	१५	२	१०	११	२४	२९	०
२	३	५४	१४	२१	५३	५७	०
२९	१८	२६	५३	४०	४२	५०	०
५८	४५	६९	१	७४	१	३	५८
४५	३	३१	८	२	३३	११	४४

गोचरग्रहाः

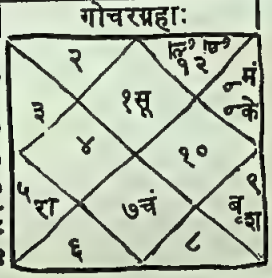

वैशाख कृ. २ बुधे मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ (धान्यभाव तेज) शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

२पं.वै.कृ.१०बु.इ.११।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	८	११	८	४	०
६	२०	१२	१०	१९	२५	२९	६
५२	२३	२०	१९	५७	०	३५	५०
४०	२	१३	४४	३६	५४	३५	३८
५८	४५	८६	७	७४	०	३	५८
२९	२	४९	ब	९	५४	११	३१

*संबुशु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२२१३ सन्१९६०
१	मं ५३ २ भ ६० ० प्री ० १५ किं २१ १३	३३	३०	३०	६	२६	१३	२९	मेषे
२	बु ५७ ४९ भ १ ३१ आ १ ४ बा २५ २५	३४	२९	३१	२७	१४	३०	बृ.१७।५०	भरण्यां रविः ५०।१०
३	गु ६० ० कृ ६ ४६ सौ २ २० तै ३० ४	३८	२८	३२	२८	१५	१	वृषे	वक्री शनिः ३३।२५ चन्द्रद.
३	शु ३ ९ रो १३ २४ शो ३ ५९ ग ३ १९	४२	२८	३२	२९	१६	२	मि४७।१४	मेषेऽश्विन्यां च शुक्रः ३३ परशुराम ज.×
४	श ९ १९ मृ २१ ३ अ ६ १२ वि ९ १९	४६	२७	३३	३०	१७	३	मिथुने	भ. ३६।१४ उ. ×जिल्काद११अक्षया३
५	र १५ ४४ आ २८ ४४ पु ८ ४९ बा १५ ४४	५०	२६	३४	१	१८	४	मिथुने	भ. ९।१९ या.
६	बं २१ ५२ पु ३६ ७ धृ ११ १४ तै २१ ५२	५४	२५	३५	२	१९	५	क.१९।१६	मई मा. ५ ता. ३१ बुधः १३।२५
७	मं २७ ३३ पु ४२ ४४ शू १३ १२ व २७ ३३	५८	२४	३६	३	२०	६	कर्के	पातस्पर्शः ३६।२९ मीने भौमः३९।५०
८	बु ३१ ४९ श्ले ४८ ६ मं १४ १० व ३१ ४९	३३	२४	३६	४	२१	७	सिं४८।६	भ.२७।३३ उ.५९ या. पातमोक्षः६।१८
९	गु ३४ ४७ म ५१ ५३ वृ १३ ५६ बा ३ १८	७	२३	३७	५	२२	८	सिंहे	वक्री मूले ३ गुरुः ३३।३०
१०	शु ३५ ४९ पू ५२ ४२ धु १२ २० तै ५ १८	१२	२२	३८	६	२३	९	सिंहे	पूर्वास्तं बुधः २३।७
११	श ३४ ४६ उ ५३ २२ ष्या ९ ५ व ५ १७	१७	२१	३९	७	२४	१०	कं.७।५२	भ.१५उ.३४ या.मोहिनी११ब्र.उ.भौ.५४ ७
१२	र ३१ ३९ ह ५० ५५ ह १३ ३५ व ३ १२	२१	२०	४०	८	२५	११	कन्यायां	भरण्यां बुधः १२।३० प्रदोषः
१३	बं २६ ३५ वि ४६ १० सि ५० १ तै २६ ३५	२६	१९	४१	९	२६	१२	तु.१८।३३	भरण्यां शुक्रः १४।४८ नृसिंह जयंती
१४	मं १९ ५१ स्वा ४१ ४४ व्य ४१ ३ व १९ ५१	३१	१८	४२	१०	२७	१३	तुलायां	भ. १९।५१ उ.५६ या. कृ. रविः३८।५
१५	बु १२ २ वि ३५ २७ व ३१ ३५ व १२ २	३६	१७	४३	११	२८	१४	बृ.२२।१	अन्नजल कुम्भदानं

३पं. वै.शु.२बु.इ.११।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	८	११	८	४	०
१३	२५	२३	१०	२८	२५	२९	१३
४१	४८	१६	१५	३३	३	१३	३९
५	७	८	३६	४३	१९	१९	३९
५८	४४	५८	१	७४	०	३	५८
१२	४९	१	व	२०	२	११	२०

४पं. मा.शु.८बु.इ.१२।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	०	८	४	०
२०	१	५	१०	७	२५	२८	२०
२७	८	४३	१	९	१	५१	२७
५	४९	२३	१	३२	२३	३	२०
५७	४४	५	५	७४	३०	३	५८
५७	४५	१८	व	२०	व	११	६

५पं. वै.शु.१५बु इ.१२।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	०	८	४	०
२७	६	१९	९	१५	२४	२८	२७
१३	२८	३५	३८	४५	५४	२८	१३
०	३०	५६	३५	४६	४०	४८	३३
५७	४४	५८	३	७४	२३	३	५७
४५	४७	१८	व	२६	व	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु ३ २८ अ २८ ४९ प २१ ४१ कौ ३ २८	३३	५	३	१२	२९	१५	वृश्चिके	
२	गु ५१ १२ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु ४६ ५ ज्ये २२ ३ शि ११ ३६ व २० २२	३८	५	३	१३	३०	१६	ध.२२।३	भ. २०।३२ उ. ४६।५ या.
४	श ३८ १४ मू १६ ११ सि २५ ५१ ब १२ ९	३९	६	४	१४	३१	१७	धनुषि	वृषेऽर्कः५।५२ चतु.ब्र. कृत्तिका.बुधः ३५ २४
५	र ३० ५४ पू १० ४२ शु ४५ १८ कौ ४ २९	४०	६	४	१५	१	१८	म.२४।४९	
६	बं २४ ५५ उ ७ ११ शु ३८ २० व २४ ५५	४०	६	४	१६	२	१९	मकरे	भ.२४।५५ उ.५२।३४ या.वृषेबुधः२।२५
७	मं २० १३ श्र ३ २६ ब्र ३२ ४ ब २० १३	४१	६	४	१७	३	२०	कुं.३२।३४	
८	बु १६ ५० ध १४ ३ दे २७ २६ कौ १६ ५०	४२	६	४	१८	४	२१	कुम्भे	
९	गु १४ ४५ श १२ ९ वै २३ ३५ ग १४ ४५	४४	५	४	१९	५	२२	मी४७।७	भ. ४४।२१ उ.
१०	शु १३ ५८ पू २ २० वि २१ ४८ वि १३ ५८	४७	५	४	२०	६	२३	मीने	भ.५३ या.रोहि.वृषः ३९ कृति.भृगुः३।४९
११	श १४ ४१ उ ४ २७ प्री १९ ५ बा १४ ४१	४९	४	४	२१	७	२४	मीने	अपरा११ब्र. पूर्वास्तो भृगुः ४९ पू.अ.शु.
१२	र १६ १९ रे ७ ३९ आ १८ १७ तै १६ १९	५२	४	४	२२	८	२५	मि.७।३९	वृषे शुक्रः ४९।१५ प्रदोषः
१३	बं १९ १९ अ १२ ९ सौ १८ ३१ व १८ १९	५५	३	४	२३	९	२६	मेषे	भ. १९।१९ उ. ५१।११ या.
१४	मं २३ ४ भ १७ ३२ शो १९ ० श २२ ४	५७	३	४	२४	१०	२७	बृ.३४।५	रोहिण्यां रविः ३२।१ रेवत्यां भौमः ३८
३०	बु २७ १० कृ २३ ४५ अ २० २६ ना २७ १०	३४	२	४	२५	११	२८	वृषे	वट पूजनम्

६पं. ज्ये.कृ.८बु.इ.१२।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	८	०	८	४	१
३	११	४	९	२४	२४	२८	३
५६	४७	४४	७	२१	४२	३	५८
३७	२४	४२	२३	५०	५८	३२	२६
५७	४४	५	३	७४	३	३	५७
२४	३७	४८	व	२६	व	११	४४

गोचरग्रहाः

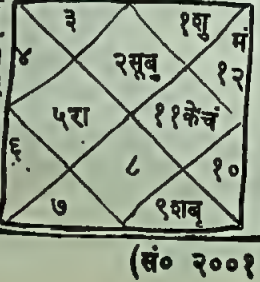

ज्येष्ठ कृ.४ शनौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

७पं.ज्ये.कृ.३०बु.इ.१२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	८	१	८	४	१
१०	१७	१९	८	२	२४	२७	१०
३८	५	५९	२९	५८	२६	४४	४२
४८	६	५४	५६	१	५३	१७	२५
५७	४४	५	३	७४	३२	३	५७
२३	२४	४९	ब	३२	च	११	३५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२२४३सन्१९६०
१	गु	३३	१४	रो	३०	४१	सु	२२	१७	ब	०	६	३४/३	५/१२	६/४८	२६	१२	२९	वृषे	मृगे बुधः ४८।२१
२	शु	३९	१३	मृ	३८	६	धृ	२४	३८	बा	६	१९	५	११	४९	२७	१३	३०	मि४।२३	चन्द्रदर्शनम्
३	श	४५	२१	आ	४५	३८	शू	२७	४	तै	१२	२३	६	११	४९	२८	१४	१	मिथुने	जिल्हेज१२ पश्चिमोदयी बुधः २७।४९
४	र	५१	४९	पु	५३	१४	गं	२९	२७	व	१८	५५	७	११	४९	२९	१५	२	क.३६।२०	भ. १८।२१ उ. ५१।४९ या.
५	चं	५७	२९	पु	६०	०	वृ	३१	४६	ब	२४	३९	९	१०	५०	३०	१६	३	कर्के	मिथुने बुधः ९।५ रोहिण्यां भृगुः ५७।३
६	मं	६०	०	पु	०	१९	ध्रु	३३	३८	कौ	२९	५५	११	१०	५०	३१	१७	४	कर्के	
६	बु	२	२१	श्ले	६	३९	व्या	३४	२३	तै	२	२१	१२	१०	५०	१	१८	५	सिं६।३९	जून मा. ६ ता. ३०
७	गु	५	५७	म	११	४१	ह	३४	०	व	५	५७	१४	९	५१	२	१९	६	सिंहे	भ.५।५७उ.३७।३या. आर्द्रायांबुधः४२।७
८	शु	८	९	पू	१५	५	व	३२	१७	ब	८	९	१६	९	५१	३	२०	७	कं.३०।३४	
९	श	८	२१	उ	१६	२२	सि	२८	५७	कौ	८	२१	१८	९	५१	४	२१	८	कन्यायां	
१०	र	६	३५	ह	१५	५५	व्य	२४	२	ग	६	३५	२०	८	५२	५	२२	९	तु.४५।९	भ. ३४।३५ उ. गंगा दशहरा
११	चं	२	३४	चि	१४	२२	व	१७	३४	वि	२	३४	२२	८	५२	६	२३	१०	तुलायां	भ. २।३४ या. निर्जला ११ ब्र.
१२	चं	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	मं	४९	१०	स्वा	८	५०	प	९	२६	कौ	२२	५६	२४	७	५३	७	२४	११	बृ.४९।५०	मृगे रविः ३०।४९ प्रदोषः
१४	बु	४०	१४	वि	३/३०	५३/२१	शि	०/१४	४९/४५	ग	१४	४५	२५	७	५३	८	२५	१२	वृश्चिके	भ. ४०।१४ उ.
१५	गु	३०	२४	ज्ये	४८	१७	सा	३९	२८	वि	५	१९	२६	७	५३	९	२६	१३	ध.४८।१७	भ. ५।१९ या. गुर्जराणां वट पू.

८पं. ज्ये.शु.६बु.इ.१२।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	८	१	८	८	१
१७	२२	३	७	११	२४	२७	१७
१९	२०	५१	४५	३३	७	२२	२५
५४	१२	५८	११	५४	१६	१	८
५७	४४	१२/१२	६/५७	७४	३	३	५७
५२	१४	३९	ब	३२	११	११	२७

गोचरग्रहाः

३बु, १, ४, २सूश, १२मं, ५रा, ११के, ६, ८, १०, ७, ९शबृ

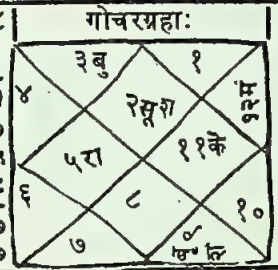

इस मास का फल साधारण है धान्य भाव सम। धूप अधिक रुई चांदी साधारण तेज हो।

गोचरग्रहाः

३बु, १, ४, २सूशु, १२मं, ५रा, ११के, ६, ८, १०, ७, ९शबृ

९पं.ज्ये.शु.१४बु.इ.१२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	८	१	८	४	१
२३	२७	१५	६	२०	२३	२६	२४
५९	३३	३०	५६	९	४४	५९	७
५०	३३	५४	६	४३	२२	४५	८
५७	४४	९३	७/३५	७४	३	३	५७
५	१	१८	ब	३२	४६	११	९

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२०	३५	मू	४०	२४	शु	२८	३३	कौ	२०	३५	३४/२७	५/७	६/५३	१०	२७	१४	धनुषि	पू.बुध.५९/५५मृगेभृगुः४५/५०वक्रीमूले२गुरुः२०/२
२	श	१०	३७	पू	३२	५६	शु	१८	६	ग	१०	५७	२७	७	५३	११	२८	१५	म.४६।२७	भ.३६।२०उ. अश्वि. मेषे भौमः३२।१७
३	र	१	४३	उ	२६	५८	ब्र	७/१०	५२/१३	वि	१	४३	२८	६	५४	१२	२९	१६	मकरे	भ. १।४३ या. च. ब्र.
४	र	५२	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	चं	४७	१५	श्र	२१	१३	वै	५१	४४	कौ	२०	३४	२९	६	५४	१३	३०	१७	कु.५०।३६	*शनिः४६/३८ पूफा.४राहुः पूभा.२केतुः२५/३१
६	मं	४२	३८	ध	१७	५९	वि	४५	२९	ग	१४	५६	२९	६	५४	१४	३१	१८	कुम्भे	भ.४२/३८उ.मिथुनेऽर्कः३१।३६ बक्रीपूषा.३*
७	बु	३९	३२	श	१६	८	प्री	४०	४०	वि	११	५	३०	६	५४	१५	१	१९	कुम्भे	भ. ११।५ या.
८	गु	३८	२८	पू	१६	८	आ	३७	१३	बा	९	०	३०	६	५४	१६	२	२०	मी १।८	मिथुने भृगुः १३।०
९	शु	३९	३	उ	१७	५३	सौ	३५	२३	तै	९	५	३०	६	५४	१७	३	२१	मीने	
१०	श	४१	५	रे	२१	२२	शो	३४	३०	व	१०	३	३१	६	५४	१८	४	२२	मे.२१।२२	भ.१०।४उ.४१।५या. कर्के बुधः४५।११
११	र	४४	३५	अ	२६	४	अ	३५	८	ब	१२	५०	३१	६	५४	१९	५	२३	मेषे	योगिनी ११ ब्र.
१२	चं	४८	५८	भ	३१	४९	सु	३६	४	कौ	१६	४६	३१	६	५४	२०	६	२४	वृ.४८।२८	
१३	मं	५४	१९	कृ	३८	२७	धृ	३७	४८	ग	२१	३८	३१	६	५४	२१	७	२५	वृषे	भ.५४/१९उ.आर्द्रायांरविः३३/१०आर्द्रा.शुक्रः३८/२२×
१४	बु	६०	०	रो	४५	५०	शू	३९	५२	वि	२७	१२	३२	६	५४	२२	८	२६	वृषे	भ. २७।१३ या.
१५	गु	०	६	मृ	५३	८	गं	४२	१४	श	०	६	३२	६	५४	२३	९	२७	मि१९।२९	पुष्ये बुधः ४१।७
३०	शु	६	२१	आ	६०	०	वृ	४५	५१	ना	६	२१	३२	६	५४	२४	१०	२८	मिथुने	

१०पं.आ.कृ.७बु.इ.१२।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	८	१	८	४	२
०	२	२५	६	२८	२३	२६	०
३८	४४	२७	३	४५	१८	३७	४८
५९	३८	६	४	५४	१४	३०	५०
५६	४३	६९	७/५१	७४	४/५	३	५७
५७	४७	२५	ब	३८	ब	११	१७

गोचरग्रहाः

४, २शु, ५रा, ३सूबु, १मं, ६, १२, चं, ९बृश, ११के, ७, ८, १०

आषाढ़ कृ.६भौमे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.६ प्रगल्भावस्था[बैठी]मु.१५ (धान्यभाव तेज)

गोचरग्रहाः

४, २च, ५रा, ३सूबुशु, मं १, ६, १२, ७, ९शबृ, ११के, ८, १०

११पं.आ.कृ.१४बु.इ.१२।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	८	२	८	४	२
७	७	२	५	७	२२	२६	७
१७	४९	२०	९	२२	५०	१५	२९
२६	१	१०	५८	३४	२४	१४	२०
५६	४३	४०	७/५२	७४	४/१९	३	५७
५४	३३	३३	ब	३८	ब	११	१३

*मंबुशु

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२२७३ स.१९६०
१	श १२।२८ आ ०।२९	ध्रु ४७।२९	ब १२।२८	३४ ५ ६	५४	२५	११	२९	क.५१।३	
२	र १८।२५ पु ७।५५	ध्या ४९।४०	कौ १८।२५	३२	६	५४	२६	१२	३०	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथ २
३	चं २३।५९ पु १४।५९	ह ५१ ०	ग २३।५९	३२	६	५४	२७	१३	१	कर्के	भ. ५६।२० उ. मोहोरम१ सन् १३८०
४	मं २८।४१ श्ले २१।२१	व ५२।१०	वि २८।४१	३२	६	५४	२८	१४	२	सिं२१।२१	भ. २८।४१ या.
५	बु ३२।३२ म २६।५३	सि ५२।३८	बा ०।३६	३१	६	५४	२९	१५	३	सिंहे	भरण्यां भौमः ४८।३४
६	गु ३५।१० पू ३१।१४	व्य ५१।५३	कौ ४।५१	३०	६	५४	३०	१६	४	कं.४६।५५	
७	शु ३६।१६ उ ३३।५९	व ५०।२	ग ५।४३	२७	७	५३	१	१७	५	कन्यायां	भ.३६।१६उ. जुलाई मा.७ता.३१ वक्री
८	श ३५।४९ ह ३५।१५	प ४६।४२	वि ६।२	२५	७	५३	२	१८	६	कन्यायां	भ. ६।२ या. पुनर्वसौ भृगुः २६।१
९	र ३३।१६ चि ३४।५७	शि ४२।१	बा ४।३२	२२	८	५२	३	१९	७	तु. ५।६	
१०	चं २९। ९ स्वा ३२।२९	सि ३५।३९	तै ३।१२	२०	८	५२	४	२०	८	तुलायां	भ.५६।१० उ. मन्वादिः ●बुधः ३५।१३
११	मं २३।१२ वि २८।१६	सा २८।४२	वि २३।१२	१८	८	५२	५	२१	९	बृ.१४।१९	भ.३३ या.पुनर्वसौरविः ३७ देवशयनी ११ ब्र.
१२	बु १५।४६ अ २२।३३	शु १९।१२	बा १५।४६	१६	९	५१	६	२२	१०	बृश्चिके	हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१३	गु ६।४७ ज्ये १५।३८	शु ९।२५	तै ६।४७	१५	९	५१	७	२३	११	ध.१५।३८	भ. ५७।८ उ. वक्री मूले १ गुरुः ०।५८
१४	शु ५०।२१ ० ०।०	० ०।०	० ०।०	०	०	०	०	१२	०		
१५	शु ४७।१० मू ७।५७	ऐं ४७।४५	वि २२। ९	१४	९	५१	८	२४	०	धनुषि	भ.२२ या. व्यासपू. पश्चिमास्तं बुधः ३।४

१२पं.आ.शु.५बु.इ.१२।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	८	२	८	४	२
१३	१२	६	४	१५	२२	२५	१४
५५	५४	२	१६	५९	२०	५२	९
२१	२९	२१	४१	१७	५२	५९	४६
५६	४३	१०	४३	७४	३९	३	५७
५०	१	२२	च	३८	च	११	७

गोचरग्रहाः

इस मास का फल साधारण है व्यापारिक घटा-बढ़ी अधिक होगी वर्षा का योग अच्छा है धान्य भाव सम रुई तेज ।

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.शु.१२बु.इ.१२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	८	२	८	४	२
२०	१७	६	३	२४	२१	२५	२०
३३	५५	१९	२५	३६	५०	३०	५४
२५	१९	१६	५२	१४	२	४३	१३
५६	४२	२०	३६	१५	७४	३९	३	५७
५०	४१	च	च	३२	च	११	७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श २७।३६ पू १४।५५	वै २६।५२	बा १२।२३	३४ ५ ५	५१	९	२५	१३	म.१३।२०	
२	र २७।४३ श्र ४५।३०	वि २६।३२	तै २।३९	१३	९	५१	१०	२६	१४	मकरे	भ. ५३।३४ उ. कर्के शुक्रः ३७।४४
३	चं १९।२५ ध ४०। ३	प्री १७। ८	वि १९।२५	१२	१०	५०	११	२७	१५	कु.१२।४६	भ. १९।२५ या. च. ब्र.
४	मं १२।५२ श ३६। ३	आ ९।१२	बा १२।५२	११	१०	५०	१२	२८	१६	कुम्भे	
५	बु ८।११ पू ३४।१७	सौ ३३ ५५ ९	तै ८।११	१०	१०	५०	१३	२९	१७	मी १९।४३	वक्रीपुनर्वसौ बुधः १३ पुष्ये भृगुः १६ नाग५
६	गु ५।३८ उ ३४।३१	अ ५४।२१	ध ५।३८	८	१०	५०	१४	३०	१८	मीने	भ. ५।३८ उ. ३५।३० या.
७	शु ५।२३ रे ३६।४९	सु ५२।४५	ब ५।२३	६	११	४९	१५	३१	१९	मे.३६।४९	
८	श ६।४९ अ ४०।४८	धृ ५२।३८	कौ ६।४९	४	११	४९	१६	३२	२०	मेषे	कर्केऽर्कः ९।५५
९	र १०।१४ भ ४६।२१	शू ५३।२२	ग १०।१४	२	१२	४८	१७	१	२१	मेषे	भ. ४२।३३ उ.
१०	चं १४।५२ कृ ५३। ६	गं ५५। ६	वि १४।५२	०	१२	४८	१८	२	२२	वृ. ३।२	भ.५४ या. कृति. भौमः ४३ वक्री मिथुने×
११	मं २०।४१ रो ५९।५७	वृ ५७।२७	बा २०।४१	५८ ३३	१३	४७	१९	३	२३	वृषे	पुष्ये रविः ४०।३६ कामिका ११ ब्र.
१२	बु २६।२७ मृ ६०। ०	ध्रु ५९।५८	तै २६।२७	५६	१३	४७	२०	४	२४	मि३३।५२	प्रदोषः
१३	गु ३२।५८ मृ ७।४८	व्या ६०। ०	ध ३२।५८	५४	१३	४७	२१	५	२५	मिथुने	भ. ३२।५८ उ. ×बुधः ४१।४६
१४	शु ३८।५२ मा १५।३३	व्या २।३८	वि ५।५५	५२	१४	४६	२२	६	२६	मिथुने	भ. ५।५५ या.
२०	श ४४।४४ पु २२।३८	ह ४।५६	च ११।४८	४९	१४	४६	२३	७	२७	क.५।५२	वृषे भौमः २९।६

१४पं.श्रा.कृ.५बु.इ.१२।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	८	३	८	४	२
२७	२२	३	२	३	२१	२५	२७
११	५१	२३	३९	१२	१८	८	३०
३२	२८	१७	२२	२६	५०	२७	३२
५६	४२	१४	३३	७४	४०	३	५७
५०	१३	च	च	३२	च	११	११

गोचरग्रहाः

श्रा. कृ. ८ शनौ कर्केऽर्कः प्र.वा.५ नं. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

१५पं. श्रा.कृ.१२बु.इ.१२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	८	३	८	४	३
३	२७	२८	१	११	२०	२४	४
५०	४२	४९	५८	४९	४८	४६	११
०	१८	२४	१	१	१	४७	१२	१६
५६	३१	२६	३६	५	७४	२८	३	५७
५७	५७	च	च	३२	च	११	१५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३०२ सन् १९६०
१	र	४९	३७	पु	२९	३८	व	६	५३	किं	१७	१०	३३/४७	५/१५	६/४५	२४	८	२८	कर्के	आश्लेषायां शुक्रः ६।३३
२	चं	५३	५७	श्ले	३५	३०	सि	८	१८	बा	२१	३७	४५	१५	४५	२५	९	२९	सिं३५।३०	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा पूर्वोदयं बुधः ५५/२३
३	मं	५७	१०	म	४०	४	व्य	९	१२	तै	२५	३३	४२	१६	४४	२६	१०	१	सिंहे	तीज सफर २
४	बु	५९	२९	पू	४४	५५	व	९	२६	व	२८	२०	४०	१६	४४	२७	११	२	सिंहे	भ. २८।२० उ. ५९।२९ या. वरद ४
५	गु	६०	०	उ	४८	१३	प	८	२६	ब	३०	१	३७	१७	४३	२८	१२	३	कं.०।४४	मार्गी बुधः ४२/४५ पश्चिमोदयं शुक्रः ५६/१२ प.
५	शु	०	३४	ह	५०	५	शि	७	४	बा	०	३०	३४	१७	४३	२९	१३	४	कन्यायां	नागपंचमी उ.शु.
६	श	०	३१	चि	५०	४९	सि	४	४३	तै	०	३१	३१	१८	४२	३०	१४	५	तु.२०।२७	भ. ५९।२ उ.
७	श	५८	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	र	५६	१५	स्वा	५०	१७	सा	१/८	५५/१३	वि	२७	३८	२९	१८	४२	३१	१५	६	तुलायां	भ. २७।३८ या.
९	चं	५१	५८	वि	४८	०	शु	५०	२७	बा	२४	६	२६	१९	४१	१	१६	७	वृ.३३।३४	अगस्त मा.८ता.३१वक्रीपूषा.२शनिः २९/५७
१०	मं	४६	२७	अ	४४	३५	ब्र	४२	२४	तै	१९	१२	२३	१९	४१	२	१७	८	वृश्चिके	अश्लेषायां रविः ४१।२४
११	बु	३९	३७	ज्ये	३९	४५	ऐं	३५	१८	व	१३	२	२०	२०	४०	३	१८	९	ध.३९।४५	भ.१३।२उ.३९/३७या.मघायांसिंहेचभृगुः ५७/२९×
१२	गु	३१	२२	मू	३३	३९	वै	२६	२०	ब	५	३०	१७	२१	३९	४	१९	१०	धनुषि	कर्केबुधः५३।१९ पुत्रदा११ब्र.नि. प्रदोषः
१३	शु	२२	२५	पू	२७	२	वि	१६	२६	तै	२२	२५	१४	२१	३९	५	२०	११	म.४०।१३	
१४	श	१३	१०	उ	१९	४५	प्री	६/२१	४९/३९	व	१३	१०	१०	२२	३८	६	२१	१२	मकरे	भ.१३/१०उ.३८/३८या. ×पुत्रदा११ब्र.स्मा.वै.
१५	र	४	६	श्र	१२	४९	सौ	४६	११	ब	४	६	७	२३	३७	७	२२	१३	कुं.३९।३९	रोहिण्यांभौमः ४३/५२ श्रावणीकर्म रक्षाबंधन

१६पं.श्रा.शु ४बु.इ.१२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	८	३	८	४	३
१०	२	२६	१	२०	२०	२४	१०
२९	२९	२४	२४	२६	२०	५३	५२
१६	१७	५५	०	३८	२	५६	१९
५७	४१	११/७	३३/४	७४	४/८	३	५७
५	२६	व	व	२६	व	११	२०

गोचरग्रहाः

यह मास साधारण है प्रजा में कष्ट हो। वर्षा कहीं २ अधिक होने से आर्थिक हानि होने का भय है।

गोचरग्रहाः

१७प.श्रा.शु११बु.इ.११।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	८	३	८	४	३
१७	७	२८	०	२९	१९	१४	१७
९	१०	४९	५७	३	५३	१	३४
४	३७	१	४३	२५	३१	४१	१५
५७	४१	४०	२६/३	७४	४६/३	३	५७
१२	१	२०	व	२६	व	११	२४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५१	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४७	५४	ध	६	३०	शो	३७	९	तै	२१	३९	३३/४	५/२३	६/३७	८	२३	१४	कुंभे	पुष्ये बुधः २०।३३
३	मं	४२	५	श	१/२०	५७/२४	अ	२८	५९	व	१४	५९	०	२४	३६	९	२४	१५	मी४३।२३	भ. १४।५९ उ. ४२।५ या.
४	बु	३८	६	उ	५५	५६	सु	२२	२७	ब	१०	५	३२/५६	२५	३५	१०	२५	१६	मीने	चतुर्थी ब्र.
५	गु	३६	१४	रे	५६	३०	धृ	१७	२९	कौ	७	१०	५३	२५	३५	११	२६	१७	मे.५६।३०	चन्द्रषष्ठी
६	शु	३६	४०	अ	५९	११	शू	१४	२२	ग	६	२७	५०	२६	३४	१२	२७	१८	मेषे	भ. ३६।४० उ.
७	श	३९	१३	भ	६०	०	गं	१२	५२	वि	७	५६	४७	२७	३३	१३	२८	१९	मेषे	भ. ७।५६ या. जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
८	र	४३	२०	भ	३	४०	वृ	१२	२	बा	११	१६	४३	२७	३३	१४	२९	२०	वृ.२०।७	पूफायां शुक्रः ४८।४५ जन्माष्टमी ब्र.वै.
९	चं	४८	४५	कृ	९	२९	ध्रु	१३	५६	तै	१६	२	४०	२८	३२	१५	३०	२१	वृषे	गोगा ९
१०	मं	५४	४५	रो	१६	४२	व्या	१६	३	व	२१	४५	३७	२९	३१	१६	३१	२२	मि५०।२५	भ.२१/४५उ.५४/४५या. सिंहेरविः ३७/५१अश्लेषायां●
११	बु	६०	०	मृ	२४	८	ह	१८	२२	ब	२८	२	३४	२९	३१	१७	१	२३	मिथुने	अजा ११ ब्र. स्मा.
११	गु	१	१९	आ	३१	५०	व	२०	५५	बा	१	१९	३०	३०	३०	१८	२	२४	मिथुने	अजा ११ ब्र. पूर्वास्तं बुधः ७।२
१२	शु	७	३३	पु	३९	२	सि	२३	२०	तै	७	३३	२६	३१	२९	१९	३	२५	क.२२।१४	●बुधः ५५/५ पूफा.३ राहुः पूभा.१ केतुः १७/५१
१३	श	१३	७	पु	४५	५२	व्य	२५	२१	व	१३	७	२२	३२	२८	२०	४	२६	कर्के	भ. १३।७ उ. ४५।२८ या.
१४	र	१७	४९	श्ले	५१	२५	व	२६	४१	श	१७	४९	१९	३२	२८	२१	५	२७	सिं५१।२५	मार्गी गुरुः ११।३०
३०	चं	२१	१९	म	५६	१४	प	२६	५९	ना	२१	१९	१५	३३	२७	२२	६	२८	सिंहे	ग्र. सं. पिठोरी ३० कुशाग्रहणी

१८पं. भा.कृ.४बु इ.११।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	८	४	८	४	३
२३	११	६	०	७	१९	२३	२४
५०	४५	०	३९	४०	२९	३९	१६
११	१४	७	११	४१	२४	२५	२६
५७	३९	८६	२/७	७४	३/२५	३	५७
२२	५७	२५	व	२०	व	११	३३

गोचरग्रहाः

भाद्रपदकृ.१०भौमे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

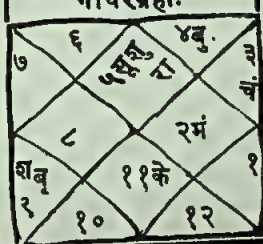

१९पं.भा.कृ.११बु.इ.११।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	३	८	४	८	४	४
०	१६	१७	०	१६	१९	२३	०
३२	१६	१०	१९	१७	८	१७	५९
२४	१	३०	४६	४६	३८	९	४५
५७	३९	[illegible]	४२/०	७४	३/४६	३	५७
३४	१८	[illegible]	व	२०	व	११	४०

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३३२ स.१९६०
१	मं	२३	४२	पू	५९	५०	शि	२६	२९	ब	२३	४२	३२/१२	५/३६	६/२६	२३	७	२९	सिंहे	मघा. सिंहे बुधः ४६।१
२	बु	२५	६	उ	६०	०	सि	२५	२१	कौ	२५	६	८	३४	२६	२४	८	३०	कं.१५।२७	चंद्रदर्शनम्
३	गु	२५	२०	उ	२	२०	सा	२३	१५	ग	२५	२०	४	३५	२५	२५	९	१	कन्यायां	भ.५४/५८ उफायां शुक्रः ३६/५३ हरितालिकाव्रतम्
४	शु	२४	३६	ह	३	४८	शु	२०	५	वि	२४	३६	०	३६	२४	२६	१०	२	तु.३४।४	भ. २४।३६ या. गणेश चतुर्थी
५	श	२२	५६	चि	४	२०	शु	१६	०	बा	२२	५६	३१/५६	३७	२३	२७	११	३	तुलायां	ऋषि पंचमी ×रविलावल ३
६	र	२०	१६	स्वा	४	०	ब्र	१२	१९	तै	२०	१६	५२	३८	२२	२८	१२	४	वृ.४८।६	मृगशीर्षे भौमः ४२/३२ कन्यायां शुक्रः २०/१२
७	चं	१६	३६	वि	२	४८	ऐं	६	५३	व	१६	३६	४८	३८	२२	२९	१३	५	वृश्चिके	भ. १६।३६ उ. ४४।२८ या.
८	मं	१२	२१	अ	०/२७	५९/४६	वै	१/०	५३/३४	ब	१२	२१	४४	३९	२१	३०	१४	६	ध.५७।१३	पूफायां रविः २८/४२ पूफायां बुधः २९।१२
९	बु	७	१०	मू	५३	२३	प्री	४७	६	कौ	७	१०	४०	४०	२०	३१	१५	७	धनुषि	
१०	गु	१	१०	पू	४८	४१	आ	३९	२	ग	१	१०	३६	४१	१९	१	१६	८	धनुषि	भ.२७/४५ उ.५४/२० या. सितम्बर मा.९ ता.३०
११	गु	५३	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	शु	४६	५३	उ	४३	२४	सौ	३०	२९	ब	२०	३६	३२	४२	१८	२	१७	९	म.२।२२	पद्मा ११ ब्र. वै. नि. वामनावतार
१३	श	३९	१४	श्र	३७	४४	शो	२१	४१	कौ	१३	३	२९	४२	१८	३	१८	१०	मकरे	हरिवासरः प्रदोषः +पद्मा११ब्र. स्मा.
१४	र	३१	४१	ध	३२	१०	अ	१२	४६	ग	१५	२७	२५	४३	१७	४	१९	११	कु.४।५७	भ. ३१।४१ उ. ५८।१७ या. अनन्त१४
१५	चं	२४	५३	श	२७	२२	सु	१/५०	५७/२	ब	२४	५३	२२	४४	१६	५	२०	१२	कुम्भे	हस्ते शुक्रः २७।३४ महालयारम्भः

२०पं. भा.शु.२बु.इ.११।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	८	४	८	४	४
७	२०	०	०	२४	१८	२२	७
१५	३९	५०	३०	५४	५१	५४	४४
५७	२२	१३	११	२२	४०	५४	१६
५७	३८	०/४०	०/३२	७४	२/१२	३	५७
४५	६	४०	मा	८	ब	११	४८

गोचरग्रहाः

इस मास का फल अच्छा रहेगा सिंह का सूर्य उत्तम-वर्षाकारक है प्रजा में सुख शांति रुई चांदी मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.शु.९ बु.इ.११।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	८	५	८	४	४
१४	२४	१४	०	३	१८	२२	१४
१	५२	४१	३९	३१	३९	३२	२९
९	३०	४९	२५	१	७	३८	५६
५७	३७	०/४०	१	७४	१/१२	३	५८
५७	१९	४५	४७	२	ब	११	१

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१८	५७	पू	२३	२२	शू	४८	४८	कौ	१८	५७	३१/१८	५/४५	६/१५	६	२१	१३	मी९।२२	उफायां बुधः ३४।३१ ×३६/३२ चतुर्थीव्र.
२	बु	१४	३५	उ	२०	४०	गं	४३	२	ग	१४	३५	१३	४५	१५	७	२२	१४	मीने	भ. ४३।१७ उ.
३	गु	१२	०	रे	१९	५४	वृ	३८	४२	वि	१२	०	९	४६	१४	८	२३	१५	मि.१९।५४	भ.१२।०या.मिथुनेभौमः ५१/३२ कन्यायांबुधः×
४	शु	११	३८	अ	२१	३	ध्रु	३५	५२	बा	११	३८	४	४७	१३	९	२४	१६	मेषे	
५	श	१२	५६	भ	२४	३९	व्या	३४	४८	तै	१२	५६	०	४८	१२	१०	२५	१७	वृ.४०।४४	
६	र	१६	२३	कृ	२८	५९	ह	३४	४४	व	१६	२३	३०/५५	४९	११	११	२६	१८	वृषे	भ.१६।३२ उ.४८।५० =बुधः ३३।५२
७	चं	२१	१७	रो	३५	३३	व	३५	५६	ब	२१	१७	५१	५०	१०	१२	२७	१९	वृषे	
८	मं	२७	६	मृ	४२	३४	सि	३७	५०	कौ	२७	६	४६	५१	९	१३	२८	२०	मि ९।३	उफायां रविः १३।२१
९	बु	३३	२१	आ	५०	१७	व्य	४०	१५	तै	०	१३	४२	५२	८	१४	२९	२१	मिथुने	हस्ते बुधः १०।१३ मातृ ९
१०	गु	३९	५२	पु	५७	४६	व	४२	५९	व	६	३६	३७	५३	७	१५	३०	२२	क.४२।५४	भ.३६/३६ उ.३९/५२ या. मार्गीशनिः २७/२२ पश्चिमो.=
११	शु	४५	१९	पु	६०	०	प	४५	५	ब	१२	३७	३२	५४	६	१६	३१	२३	कर्के	कन्यायामर्कः ३८/३२ चित्रायां शुक्रः १७।२०+
१२	श	५०	८	पु	४	३५	शि	४६	२५	कौ	१७	४३	२८	५४	६	१७	१	२४	कर्के	
१३	र	५३	२०	श्ले	१०	१८	सि	४६	४६	ग	२१	४४	२४	५५	५	१८	२	२५	सिं१०।१८	भ.५३।२०उ. प्रदोषः +इन्दिरा११ब्र.
१४	चं	५५	१४	म	१४	५१	सा	४६	३	वि	२४	१७	२०	५६	४	१९	३	२६	सिंहे	भ. २४।१७ या. शस्त्रादिहतानांश्राद्धम्
३०	मं	५५	३५	पू	१७	५५	शु	४४	१४	च	२५	२४	१६	५७	३	२०	४	२७	कं.३३।८	सर्वपितृ ३०

२२पं.आ.कृ.२बु.इ.११।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	८	५	८	४	४
२०	२८	२७	०	१२	१८	२२	२१
४७	५९	४७	५७	७	३१	१०	१६
४९	१०	३८	५४	४८	१२	२३	५८
५८	३६	०/४०	३	७३	०/४७	३	५८
१२	२१	५३	१९	५६	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

आश्विनकृ.११शुक्रे कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.४कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पश्चि.

गोचरग्रहाः

२३पं.आ.कृ.९ बु.इ.१०।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	८	५	८	४	४
२७	२	१०	१	२०	१८	२१	२८
३६	५३	१	२४	४४	२७	४८	५
१२	३१	१९	३७	३८	५८	७	२२
५८	३५	०/४०	४	७३	०/८	३	५८
२९	१३	४६	२२	४६	ब	११	२६

*सूशुचंबुरा

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३६१ स.१९६०
१	बु	५४	३५	उ	१८	४९	शु	४१	२१	किं	२५	५	३०/१२	५/५८	६/२	२१	५	२८	कन्यायां	आर्द्रायां भौमः १२/५८ तुलायां भृगुः ५९/२३ माता*
२	गु	५२	३२	ह	१९	१४	ब्र	३७	३३	बा	२३	३३	९	५८	२	२२	६	२९	तु.४९।२२	चित्रायां बुधः २२।४ चन्द्रदर्शनम्
३	शु	४९	२९	चि	१९	३१	ऐं	३२	५२	तै	२१	०	५	५९	१	२३	७	१	तुलायां	रविलाखर ४ *महश्राद्धं नवरात्रारम्भः
४	श	४५	५०	स्वा	२०	२	वै	२७	२३	व	१७	३९	२	६/०	०	२४	८	२	तुलायां	भ. १७।३९ उ. ४५।५० या.
५	र	४१	३९	वि	१८	५४	वि	२१	२३	ब	१३	४४	२९/५९	०	०	२५	९	३	वृ.४।११	
६	चं	३७	१३	अ	१७	६	प्री	१५	२०	कौ	९	२६	५६	६/१	५/५९	२६	१०	४	वृश्चिके	तुलायां बुधः ५३।४६ हस्ते रविः५१।०
७	मं	३२	२१	ज्ये	१४	४१	आ	८	५४	ग	४	२७	५३	२	५८	२७	११	५	ध.१४।४१	भ.३२/२१ उ.५९/४६ या. स्वात्यांभृगुः ८/० सरस्वत्य=
८	बु	२७	११	मू	११	५७	सौ	२/८	५२/४९	ब	२७	११	५०	२	५८	२८	१२	६	धनुषि	भद्रकाली ज. बलिदानम् =वाहनम्
९	गु	२१	५९	पू	८	४२	अ	४७	४६	कौ	२१	५९	४७	३	५७	२९	१३	७	म.२२।४६	
१०	शु	१६	१९	उ	५	०	सु	४०	१७	ग	१६	१९	४३	३	५७	३०	१४	८	मकरे	भ. ४३।३३ उ. विजया १० पट्टाभिषेके
११	श	१०	४८	श्र	१/०	५५/३८	धृ	३२	५५	वि	१०	४८	४०	४	५६	१	१५	९	कुं.२७।३८	भ.१०/४८ या अक्टूबर मा.१०ता.३१ स्वात्यां×
१२	र	६	८	श	५२	३०	शू	२५	३७	बा	६	८	३७	५	५५	२	१६	१०	कुम्भे	प्रदोषः ×बुधः २४/४३ पापांकुशा ११ब्र.
१३	र	५३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	चं	५५	३१	पू	४८	३९	गं	१८	४१	ग	२७	४४	३३	५	५५	३	१७	११	मी३४।३७	भ. ५५।३१ उ मूले २ गुरुः २२।३७
१५	मं	५१	४९	उ	४५	३५	वृ	१२	१३	वि	२३	४०	३०	६	५४	४	१८	१२	मीने	भ.२३।४०या. कोजागर ब्र. शरदपूर्णिमा

२४पं. आ.शु.१बु.इ.१०।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	८	५	८	४	५
४	६	२१	१	२९	१८	२१	४
२६	३८	२४	५९	०	२९	२५	५५
२०	१३	७	४२	१७	१७	११	१५
५८	३३	९७	५	७३	०/३६	३	५८
४५	३५	४३	३०	४४	मा	११	३८

गोचरग्रहाः

७ | ५रा | ४ | ८ | ६सूबुगु | ९शबृ | ३मं | १० | १२ | २ | ११के | १

इस मास में ५ मंगलवार अशुभ हैं प्रजा में पीड़ा धान्य जौ गेहूँ चना मूंग मोंठ आदि सस्ते होंगे।

गोचरग्रहाः

७शुबु | ५रा | ४ | ८ | ६सू | ९शबृचं | ३मं | १० | १२ | २ | ११के | १

२५पं.आ.शु. ८बु.इ.१०।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	८	६	८	४	५
११	१०	१	२	७	१८	२१	११
१८	९	५३	४२	५६	३५	३	४६
२३	४	३५	५८	४९	३५	३६	५७
५९	३१	८८	६	७३	१	३	५८
०	४८	३४	३६	३२	२३	११	५३

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४९	३९	रे	४३	४२	ध्रु	६	३४	बा	२०	४४	२९/२६	६/७	५/५३	५	१९	१३	मे.४३।४२	
२	गु	४८	५७	अ	४३	५	व्या	१/४९	५६/४१	तै	१९	१८	२२	८	५२	६	२०	१४	मेषे	
३	शु	५०	८	भ	४४	२९	ध	५६	४८	व	१९	३२	१८	८	५२	७	२१	१५	मेषे	भ. १९।३२ उ. ५०।८ या.
४	श	५३	०	कृ	४७	४०	सि	५५	५२	ब	२१	३४	१४	९	५१	८	२२	१६	बृ.०।१७	विशाखायां भृगुः ०।३३ कर्क ४ ब्र.
५	र	५७	२९	रो	५२	२९	व्य	५६	२३	कौ	२५	१४	१०	१०	५०	९	२३	१७	वृषे	
६	चं	६०	०	मृ	५८	३७	व	५७	५१	ग	३०	८	५	११	४९	१०	२४	१८	मि२५।३२	चित्रायां रविः २१।३७
६	मं	२	४८	आ	६०	०	प	५९	३३	व	२	४८	०	१२	४८	११	२५	१९	मिथुने	भ.२/४८ उ.३६।२या. विशाखायांबुधः ५७/३७
७	बु	९	१६	आ	५	३७	शि	६०	०	ब	९	१६	२८/५६	१३	४७	१२	२६	२०	क.५५।७	
८	गु	१५	३२	पु	१२	५७	शि	१	५३	कौ	१५	३२	५३	१३	४७	१३	२७	२१	कर्के	
९	शु	२१	२६	पु	२०	३५	सि	४	१३	ग	२१	२६	५०	१४	४६	१४	२८	२२	कर्के	भ. ५३/५६ उ. *अनु. शुक्रः ५२/१० रूप१४
१०	श	२६	२६	श्ले	२८	४	सा	५	५७	वि	२६	२६	४७	१५	४५	१५	२९	२३	सिं२८।४	भ. २६।२६ या.
११	र	२९	५५	म	३४	२०	शु	६	४५	बा	२९	५५	४४	१५	४५	१६	३०	२४	सिंहे	वृश्चिके शुक्रः ७।३८ रमा ११ ब्र.
१२	चं	३१	५४	पू	३९	१२	शु	६	१७	कौ	०	५४	४१	१६	४४	१७	३१	२५	कं.५४।४६	तुलायामर्कः ४।२१ धन १३
१३	मं	३२	८	उ	४१	२९	ब्र	४	४०	ग	२	१	३८	१६	४४	१८	१	२६	कन्यायां	भ.३२/८ उ. पूफायां२ राहुःशते४ केतुः १०/१० *
१४	बु	३०	२१	ह	४१	२९	ऐं	१/३६	५५/३३	वि	१	१४	३६	१७	४३	१९	२	२७	कन्यायां	भ.१।१४ या. अनुराधायां शुक्रः२६।२१+
३०	गु	२७	१७	चि	५७	५७	वि	५१	३७	ना	२७	१७	३२	१८	४२	२०	३	२८	तु.१०।४३	अन्नकूट गोवर्धन पू. +महालक्ष्मीपूजनम्

२६पं. का.कृ.१बु.इ.१०।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	८	६	८	४	५
१८	१३	११	३	१६	१८	२०	१८
१२	२५	३८	३३	३२	४६	४१	४०
१०	५२	४०	४०	१०	२३	२०	८
५९	२९	८३	७	७३	२	३	५९
१६	५३	१	३६	२०	४	११	९

७बुशु | ५रा | ४ | ८ | ६सू | ९शबृ | ३मं | १० | १२चं | २ | ११के | १

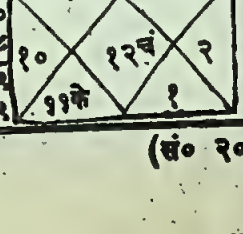

२७पं.का.कृ.७ बु.इ.१०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	८	६	८	४	५
२५	१६	२०	४	२५	१९	२०	२५
७	२४	१३	३१	७	१	१९	३५
५२	३६	४८	३०	४१	३०	५	५
५९	२७	६५	८	७३	२	३	५९
३१	२६	८	३४	१४	४३	११	२१

७बुशु | ५रा | ४ | ८ | ६सू | ९शबृ | ३मंचं | १० | १२ | २ | ११के | १

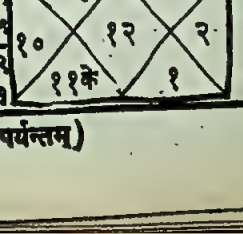

२८पं.का.कृ.१४बु.इ.१०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	८	७	८	४	६
२	१९	२७	५	३	१९	१९	२
५	५	५	३४	४१	२१	५६	३१
२२	३५	४९	४१	५३	४०	४९	३०
५९	२४	४४	९	७२	३	३	५९
४६	५७	११	२५	५६	२४	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

| ति. | कार्तिक शुक्लपक्ष सं. २०१७ शाकः १८८२ | | |

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	हिमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२४१० स.१९६०
१	श	४९	३६	अ	५२	५	अ	४९	१०	किं	२३	१६	२६ ४२	६ ४०	५ २०	१९	४	२८	वृश्चिके	अनु. यां. रविः १४।५२
२	र	४१	५९	ज्ये	४६	१२	सु	४०	९	बा	१५	४७	३९	४०	२०	२०	५	२९	ध.४६।१२	पूषायां भृगुः ४२।२६ चंद्रदर्शनम्
३	चं	३४	९	मू	४०	१२	धृ	३०	५०	तै	८	४	३६	४१	१९	२१	६	१	धनुषि	जमादिलाखर ६
४	मं	२६	३८	पू	३४	४३	शू	२१	२५	व	०	२३	३३	४१	१९	२२	७	२	म.४८।२८	भ. ०।२३ उ. २६।३८ या.
५	बु	२०	१४	उ	२९	४४	गं	१२	४१	बा	२०	१४	२८	४२	१८	२३	८	३	मकरे	
६	गु	१४	३	श्र	२५	२६	वृ	४९ ४	५२ २८	तै	१४	३	२५	४३	१७	२४	९	४	कु.५३।५४	
७	शु	९	६	ध	२२	२२	व्या	५०	३३	व	९	६	२३	४३	१७	२५	१०	५	कुम्भे	भ. ९।६ उ. ३७।८ या. विशाखायां*
८	श	५	१०	श	२०	२०	ह	४४	५८	ब	५	१०	२१	४४	१६	२६	११	६	कुम्भे	वक्री भौमः १६।१६
९	र	२	२०	पू	१९	२९	व	४०	८	कौ	२	२०	१९	४४	१६	२७	१२	७	मी४।४४	*बुधः ३७।४२
१०	चं	०	४१	उ	१९	२४	सि	३६	६	ग	०	४१	१७	४५	१५	२८	१३	८	मीने	भ. ३०।१८ उ. ५९।५६ या. पूषायां १+
११	चं	५९	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+गुरुः ५२।५८ मोक्षदा ११ ब्र. स्मा.
१२	मं	६०	०	रे	२०	३०	व्य	३२	५४	ब	३०	१४	१४	४५	१५	२९	१४	९	मे.२०।३०	मोक्षदा ११ ब्र. वै. नि.
१२	बु	०	३२	अ	२२	५०	व	३०	५६	बा	०	३२	१२	४६	१४	३०	१५	१०	मेषे	प्रदोषः
१३	गु	२	१	भ	२६	३	प	२९	२४	तै	२	१	१०	४६	१४	१	१६	११	वृ.४२।७	दिसंबर मा.१२ता.३१ उषायांभृगुः५१।१०
१४	शु	४	३८	कृ	३०	२०	शि	२८	५३	व	४	३८	८	४६	१४	२	१७	१२	वृषे	भ.३८ ४ उ.२९ ३६ या. ज्येष्ठायांरविः५९ २१ दत्तज.
१५	श	८	२०	रो	३५	३०	सि	२९	९	ब	८	२०	६	४७	१३	३	१८	१३	वृषे	वृश्चिके बुधः १२।६

३३पं.मा.शु.५ बु.इ. ९।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	८	८	८	४	७
७	२५	१७	१२	१६	२२	१८	७
१८	१५	४४	६	१४	०	५	३७
१	३६	४२	३२	४२	०	३१	३६
६०	४	५४	१२	७१	६	३	६०
५३	१	४९	२६	११	१	११	४२

गोचरग्रहाः

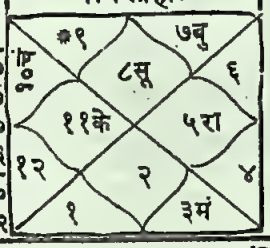

इस मास में तुला की संक्रांति मंगल वार कीं धान्यादि समस्त पदार्थों में तेजी कारक है। पशुओं में रोग।

गोचरग्रहाः

३४पं.मा.शु.१२ बु.इ.८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	८	८	८	४	७
१४	२४	२५	१३	२४	२२	१७	१४
२४	३४	५५	३६	३९	४१	४३	४२
४७	१६	३०	१८	४१	२२	१५	४८
६१	५ ०	७८	१२	७०	६	३	६०
३	ब	४८	५२	३८	२२	११	५०

ति.	पौष कृष्णपक्ष सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	हिमंतर्तुरविदक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१३	१८	मृ	४१	५५	सा	३०	१७	कौ	१३	१८	२६ ४	६ ४७	५ १३	४	१९	१४	मि८।४२	मकरे भृगुः ३२।४१
२	चं	१८	४८	आ	४८	५०	शु	३१	४१	ग	१८	४८	३	४७	१३	५	२०	१५	मिथुने	भ. ५१।५६ उ. अनु. बुधः २३।५७
३	मं	२५	५	पु	५६	२१	शु	३३	४५	वि	२५	५	१	४८	१२	६	२१	१६	क.३९।२९	भ.२५।४या. पूषायां४शनिः२४।१४च.ब्र.
४	बु	३०	५७	पु	६०	०	ब्र	३६	६	बा	३०	५७	०	४८	१२	७	२२	१७	कर्के	
५	गु	३७	५९	पु	३	५१	ऐं	३८	१५	कौ	४	२८	२५ ५९	४८	१२	८	२३	१८	कर्के	
६	शु	४३	५८	श्ले	११	२५	वै	४०	२३	ग	१०	५८	५८	४८	१२	९	२४	१९	सिं११।२५	भ. ४३।५८ उ.
७	श	४९	०	म	१८	३	वि	४१	३२	वि	१६	२९	५७	४९	११	१०	२५	२०	सिंहे	भ. १६।२९ या.
८	र	५२	३६	पू	२३	२९	प्री	४१	४७	बा	२०	४८	५६	४९	११	११	२६	२१	कं.३९।३१	*५५।१९ पूर्वास्तं बुधः १२।५४
९	चं	५४	२०	उ	२७	३६	आ	४०	३९	तै	२३	५८	५५	४९	११	१२	२७	२२	कन्यायां	श्रवणे भृगुः ५९।२१
१०	मं	५४	६	ह	२९	५७	सौ	३७	५७	व	२४	१३	५४	४९	११	१३	२८	२३	कन्यायां	भ. २४।१३ उ.५४।६ या. पूषायां२ गुरुः*
११	बु	५१	५१	चि	३०	६	शो	३३	४१	ब	२२	५७	५२	५०	१०	१४	२९	२४	तु.०।१	ज्ये. बुधः१७।३७ सफला ११ब्र. स्मा. वै.
१२	गु	४७	३३	स्वा	२८	१०	अ	२७	४३	कौ	१९	४२	५२	५०	१०	१५	३०	२५	तुलायां	धनुषिरविः २५।३६ सफला ११ ब्र. नि.
१३	शु	४१	२६	वि	२४	२२	सु	२०	२४	ग	१४	२९	५२	५०	१०	१६	१	२६	बृ.१०।१९	भ. ४१।२५ उ. प्रदोषः
१४	श	३३	४५	अ	१९	०	धृ	११	३५	वि	७	३५	५१	५०	१०	१७	२	२७	वृश्चिके	भ. ७।३५ या.
३०	र	२५	१८	ज्ये	१२	२१	शू	१ ५०	४९ ९	ना	२५	१८	५१	५०	१०	१८	३	२८	ध.१२।२१	वक्री आर्द्रायां भौमः ९।२

३५पं.पौ.कृ.४ बु.इ.८।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	८	९	८	४	७
२१	२३	५	१५	३	२३	१७	२१
३२	१५	५३	८	९	२४	२१	४८
३४	१४	२	४२	६	५४	०	५४
६१	१२ ३०	८७	१३	७०	६	३	६०
११	ब	२८	१३	१	३६	११	५६

गोचरग्रहाः

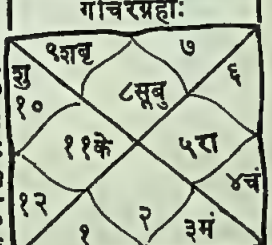

पौष कृष्णा १२ गुरौ धनुष्यर्कःप्र. वा.३ न.३ युवावस्था (सूती) मु. १५ (धान्य भावतेज) शु. पू.

गोचरग्रहाः

३६पं.पौ.कृ.११ बु.इ.८।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	८	९	८	४	७
२८	२१	१६	१६	११	२४	१६	२८
४१	१७	२५	४२	१९	१०	५८	५५
१७	४९	५५	५४	४१	४८	४४	५१
६१	१९ २५	९३	१३	६९	६	३	६१
१९	ब	२४	८	१४	५४	११	०

ति.	पौषः शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽर्हगणः२४५० स.१९६०
१	चं १६ १० मू १८ ४३ वृ ४० ४९ ब १६ १० २५ ५१ ५०	१०	१९	४	२९	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
२	मं ६ ५७ उ ५१ ३ ध्रु ३० १८ कौ ६ ५७ ५१ ५०	१०	२०	५	१	म.७।१८	पूफा. १ राहुः शते३ केतुः२।८ रज्जब ७
३	मं ५१ २४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	
४	बु ५० ३० श्र ४४ ४८ व्या २० १६ व २४ २५ ५०	५०	१०	२१	६	२	मकरे	भ. २४।२५ उ. ५०।३० या.
५	गु ४४ ६ ध ३९ ५३ ह १० ५८ ब १७ १८ ५०	५०	१०	२२	७	३	कुं.१२।२१	मूले धनुषि च बुधः ५२।२१
६	शु ३८ ५० श ३६ १९ व ५८ ५३ कौ ११ २८ ५०	५०	१०	२३	८	४	कुम्भे	
७	श ३५ ११ पू ३४ ८ व्य ५० १८ ग ७ ० ५०	५०	१०	२४	९	५	मी १९।४१	भ. ३५ उ. धनिष्ठायां भृगुः ३७ ५५
८	र ३३ ८ उ ३३ ५६ व ४५ ५७ वि ४ ९ ५०	५०	१०	२५	१०	६	मीने	भ.४।९ या. अस्तंगुरुः ३६ अस्तंशनिः २६ ५
९	चं ३२ ४२ रे ३४ ४८ प ४२ ५३ बा २ ५५ ५०	५०	१०	२६	११	७	मे.३४।४८	अ. गु.
१०	मं ३३ ५४ अ ३७ १७ शि ४० ५४ तै ३ १८ ५०	५०	१०	२७	१२	८	मेषे	
११	बु ३६ २१ भ ४१ ४ सि ३९ ५५ व ५ ७ ५०	५०	१०	२८	१३	९	वृ.५७।२०	भ.५ उ.३६ या. पूषायां रविः २७ पूषायां *
१२	गु ४० ० कृ ४६ ९ सा ४० १३ ब ८ ६० ५२	५०	१०	२९	१४	१०	वृषे	*गुरुः ३३ पुत्रदा ११ व्र.
१३	शु ४४ ३८ रो ५१ ५९ शु ४० ४२ कौ १२ १९ ५४	४९	११	३०	१५	११	बृषे	कुंभे शुक्रः १३।४ प्रदोषः
१४	श ५० १ मृ ५८ ३३ शु ४१ ५६ ग १७ १९ ५६	४९	११	३१	१६	१२	मि२५।१६	भ. ५०।१ उ. पूषायां बुधः १४।५५
१५	र ५५ ४८ आ ६० ० ब्र ४३ ३९ वि २२ ५५ ५८	४८	१२	१	१७	१३	मिथुने	भ. ३३ जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् ६१

३७पं.पौ.शु.४ बु.इ.८।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	७	८	९	८	४	८
५	१८	२७	१८	१९	२४	१६	६
५०	५४	१२	१८	३२	५७	३६	३
४२	५०	१९	१४	६	३६	२९	२८
६१	३५	२६	१३	६८	७	३	६१
२२	व	४८	३२	३०	३	११	५

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ है। कपास, सूत, कपडा, घृत, तेल, तिल, सोना, आदि के भाव में मंदी आयेगी।

गोचरग्रहाः

३८पं.पौ.शु.११ बु.इ.८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	८	९	८	४	८
१३	१६	८	१९	२७	२५	१६	१३
०	३४	१०	५४	३९	४५	१४	११
३४	३७	४१	१८	३२	५८	१३	२४
६१	२८	५९	१३	६७	७	३	६१
२६	ब	२५	३५	३२	१५	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं ६० ० आ ५ ३३ ऐं ४५ ४४ बा २९ १	२५ ५९	६	५	२	१८	१४	क.५६।७	
१	मं २ १५ पु १२ ५८ वै ४७ ५९ कौ २ १५	२६	४८	१२	३	१९	१५	कर्के	
२	बु ८ ४४ पु ३० २८ वि ५० ९ ग ८ ४४	२	४८	१२	४	२०	१६	कर्के	भ. ४१ उ. उषायां १ शनिः ५६।२८
३	गु १५ १ श्ले २७ ५१ प्री ५२ १२ वि १५ १	३	४७	१३	५	२१	१७	सिं२७।५१	भ.१५।१ या. शते शुक्रः२।५६ तिल४ व्र.
४	शु २० ५९ म ३४ ५० आ ५३ ४१ बा २० ५९	४	४७	१३	६	२२	१८	सिंहे	
५	श २६ २ पू ४० ५९ सौ ५४ ३२ तै २६ २	६	४७	१३	७	२३	१९	कं.५७।१४	
६	र ३० १२ उ ४५ ५९ शो ५४ २१ व ३० १२	७	४७	१३	८	२४	२०	कन्यायां	भ. ३०।१२ उ. उषायां बुधः ४४।१
७	चं ३२ ५३ ह ४९ ३८ अ ५३ २ वि १ ३२	८	४६	१४	९	२५	२१	कन्यायां	भ. १।३२ या.
८	मं ३३ ५१ चि ५१ २६ सु ५० २२ बा ३ २२	९	४६	१४	१०	२६	२२	तु.२०।३२	उषायां रविः २८।४१ मकरे बुधः ४०
९	बु ३३ ३ स्वा ५१ ३० धृ ४५ ५९ तै ३ २७	१०	४६	१४	११	२७	२३	तुलायां	पूषा. ४ गुरुः ४६।१७
१०	गु ३० ९ वि ४९ ३८ शू ४० १३ व १ ३६	१२	४६	१४	१२	२८	२४	वृ.३५।६	भ. १।३६ उ. ३०।९ या.
११	शु २५ ३० अ ४५ ५९ गं ३२ ४८ बा २५ ३०	१४	४५	१५	१३	२९	२५	वृश्चिके	मकरेऽर्कः ४४।८ षट्तिला ११ व्र.
१२	श १९ ११ ज्ये ४० ३० वृ २४ ११ तै १९ ११	१६	४५	१५	१४	१	२६	ध.४०।३०	प्रदोषः
१३	र ११ ११ मू ३३ ४१ ध्रु १४ २५ ब ११ ११	१८	४४	१६	१५	२	२७	धनुषि	भ. १९।११ उ. ३६।३७ या.
१४	चं २ ३ पू २६ ११ ब्या ४४ ४३ श २ ३	२०	४४	१६	१६	३	२८	म.३९।१२	श्रवणे बुधः ४९।१८ युगादिः
२०	चं ५० १८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०						०	

३९पं.मा.कृ.२ बु.इ.८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	८	१०	८	४	८
२०	१३	१९	२१	५	२६	१५	२०
१०	४७	२१	३२	३९	३४	११	१९
४१	३८	४	२२	३२	६	५७	३०
६१	२३	०	१३	६६	७	३	६१
२६	ब	३५	३८	१९	२०	११	६

गोचरग्रहाः

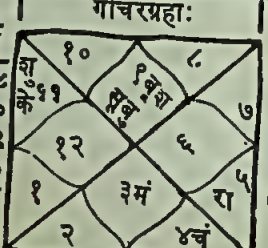

माघ कृ. ११ शुक्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३ गतात्कावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

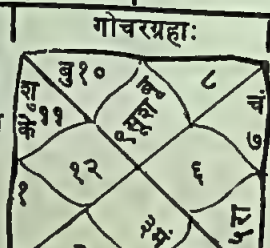

४०पं.मा.कृ. ९ बु.इ.८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	९	८	१०	८	४	८
२७	११	०	२३	१३	२७	१५	२७
२०	३०	४७	११	३०	२४	१९	२७
२३	२९	३५	२०	०	५०	४२	३६
६१	२६	५९	१३	६४	७	३	६१
२४	व	५४	३८	५५	२०	११	६

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२४७९ स.१९६१
१	मं ४२ ३५ उ १८ १५ व ४१ २६ कि १७ २८ २६ ४४ ५६ १७ ४ २९							मकरे	पूभायां भृगुः २।५२
२	बु ३३ ९ श्र १० ३७ सि ३० ४६ बा ७ ५२ २४ ४३ १७ १८ ५ ३०							कुं.३७।८	चन्द्रदर्शनम्
३	गु २४ ५० ध ३८ ५४ व्य २० ५३ ग २४ ५० २६ ४३ १७ १९ ६ १							कुम्भे	भ. ५१।१९ उ. सावान ८
४	शु १७ ४८ पू ५३ ४४ व ११ ४७ वि १७ ४८ २८ ४२ १८ २० ७ २							मी३८।५०	भ.१७।४८या. उदयंगुरुः२७।३६* उ.ग.
५	श १२ ३७ उ ५१ ३० प २९ ५४ बा १२ ३७ ३० ४२ १८ २१ ८ ३							मीने	वसंत ५ *अभि.प्र. रविः१५।२५
६	र ९ १४ रे ५१ ६ सि ५४ १९ तै ९ १४ ३२ ४२ १८ २२ ९ ४							मे.५१।६	×नि.रविः २३।३९
७	चं ७ ४४ अ ५२ ४१ सा ५१ ३२ व ७ ४४ २४ ४१ १९ २३ १० ५							मेषे	भ.७।४४उ.३८।४या.श्रवणेरविः३१/३रथ७
८	मं ८ २४ भ ५६ ४ शु ५० ५ ब ८ २४ ३६ ४१ १९ २४ ११ ६							मेषे	धनिष्ठायां बुधः ३४।१० भीष्म ८ अभि.×
९	बु १० ४१ कृ ६० ० शु ५० २० कौ १० ४१ ३८ ४० २० २५ १२ ७							वृ १२।१९	पश्चिमोदयी बुधः २९।४४
१०	गु १४ ३८ कृ १ ४ ब ५० ५३ ग १४ ३८ ४१ ४० २० २६ १३ ८							वृषे	भ. ४७।१ उ. उषायां १ गुरुः १४।५४+
११	शु १९ ४२ रो ७ ९ रें ५२ ३१ वि १९ ४२ ४४ ३९ २१ २७ १४ ९							मि४०।३८	भ.१९/४या. जया ११व्र. उदयंशनिः४५।५४
१२	श २५ ३७ मृ १४ ७ वै ५४ ३४ बा २५ ३७ ४८ ३९ २१ २८ १५ १०							मिथुने	कुम्भे बुधः २२।४३
१३	र ३१ ५१ आ २१ १६ वि ५६ ४४ तै ३१ ५१ ५२ ३८ २२ २९ १६ ११							मिथुने	उभायां शुक्रः ४०।४८ प्रदोषः
१४	चं ३८ २८ पु २९ २० प्री ५८ ५२ ग ५ ९ ५६ ३७ २३ ३० १७ १२							क.१२।१९	भ. ३८।२८ उ. +मीने शुक्रः ३२।२७
१५	मं ४४ ३६ पु ३६ ५५ आ ६० ० वि ११ ३२ ५९ ३६ २४ ३१ १८ १३							कर्के	भ. ११।३२ या.

४१पं.मा.शु.२बु.इ. ८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	१०	८	४	९
४	९	१२	२४	२१	२८	१५	४
२९	३६	३२	४८	९	१५	७	३५
५२	१९	१०	५०	२९	०	२६	३७
६१	२०	०/५८	१३	६३	७	३	६१
१९	ब	५८	३२	१८	२०	११	३

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में पीडा रोग अधिक होंगे शीत अधिक पड़ेगा।

गोचरग्रहाः

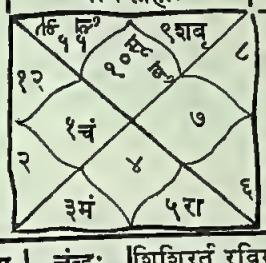

४२पं.मा.शु.९बु.इ. ८।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	१०	८	४	९
११	८	२४	२६	२८	२९	१४	११
३८	१९	२८	२५	३४	३	४५	४२
४३	५५	१	३	८	५४	११	५४
६१	१३	५७/०९	१३	६१	७	३	६०
१३	ब	३३	२५	८	१४	११	५९

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु ५० ४७ श्ले ४३ ५० आ १ १ बा १७ ४१ २७ ४ ३५ २५							सिं४३।५०	फरवरी मा. २ ता. २८ शते बुधः ४/२
२	गु ५६ २० म ५० १४ सो २ ५३ तै २३ ३३ ७ ३५ २५							सिंहे	उषायां २ मकरे च शनिः १४।४१
३	शु ६० ० पू ५६ ११ शो ४ १४ व २८ ३८ १० ३४ २६							सिंहे	भ. २८।३८ उ.
३	श ० ५६ उ ६० ० अ ४ ५६ वि ० ५६ १४ ३३ २७							कं.१२।३०	भ.०।५६या. मार्गीभौमः २७।५१ च.व्र.
४	र ४ ५० उ १ २६ सु ५ २ बा ४ ५० १७ ३३ २७							कन्यायां	धनिष्ठायां रविः ३७।१७
५	चं ७ ३० ह ५ १४ धृ ४ १५ तै ७ ३० २० ३२ २८							तु.३६।४०	
६	मं ८ ५७ चि ८ ११ शू २४ ५७ व ८ ५७ २४ ३१ २९							तुलायां	भ. ८।५७ उ. ३९।० या.
७	बु ९ ३ स्वा ९ ३५ वृ ५५ १४ ब ९ ३ २८ ३० ३०							बृ.५४।३१	×रेवत्यांभृगुः४२।१२ विजया ११व्र.वै.नि.
८	गु ७ ३३ वि ९ ३० ध्रु ४९ ४३ कौ ७ ३३ ३२ ३० ३०							बृश्चिके	पातस्पर्शः ४३।२०
९	शु ४ २९ अ ७ ४२ ध्या ४२ ४६ ग ४ २९ ३६ २९ ३१							बृश्चिके	भ.३२।३ उ.५९।३७ या. उषा.२ मकरे=
१०	शु ५५ ८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०	=गुरुः ५।३० पातमोक्षः ४।२९
११	श ५३ ३३ ज्ये २० ५५ ह ३४ ४४ ब २६ ३५ ३९ २८ ३२							ध.४।२०	विजया ११ व्र. स्मा.
१२	र ४५ ४८ पू ५३ ३२ व २५ ३६ कौ १९ ४० ४२ २८ ३२							धनुषि	कुम्भेऽकं: ११।१३ वक्री बुधः ४४।०×
१३	चं ३७ १४ उ ४६ २७ सि १५ ४२ ग ११ ३१ ४६ २७ ३३							म.६।४६	भ. ३७।१४ उ. महाशिवरात्रि व्रतम्
१४	मं २७ ५९ श्र ३८ ५८ व्य १ ४९ वि २ ३६ ५० २६ ३४							मकरे	भ. २।३६ या. पश्चिमास्तं बुधः ४१।२६
१५	बु १८ ३० ध ३१ ३३ प ४३ २८ ना १८ ३० ५४ २५ ३५							कु.५।१५	सूर्यग्रहणम्

४३पं. फा.कृ.१बु.इ.८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	१०	८	११	८	४	९
१८	७	५	२८	५	२९	१४	१८
४६	३४	४८	०	४३	५२	२२	४९
४४	३७	१४	४०	३०	१२	५५	२६
६१	५४	८९	१३	५८	७	३	६०
४	ब	३७	१९	२८	३	११	५९

४४पं.फा.शु.७बु.इ. ८।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	१०	८	११	९	४	९
२५	७	१३	२९	१२	०	१४	२५
५३	३२	५६	३४	२२	३८	०	५५
३१	६	१०	३०	५५	४६	२९	१५
६०	२५	५२	१३	५४	६	३	६०
५५	मी	२९	४	५५	५४	११	४७

४५पं.फा.कृ.३०चं.इ. ८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	९	११	९	४	१०
२	७	१५	१	१८	४	१३	३
५९	५४	१९	६	४३	२१	३८	०
३४	३२	४४	११	१९	५८	२४	०
६०	६	२७/३३	१२	५०	६	३	६०
४२	३८	ब	३८	३०	३६	११	३७

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२							दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २५०९ स. १९६१
१	गु	१०	१२	श	२४	२७	शि	३३	२७	ब	१०	१२	२७	६	५	१६	४	२९	कुम्भे	चन्द्रदर्शनम्
२	शु	१	९	पू	१८	४७	सि	२४	३५	को	१	९	२३	२४	३६	१७	५	१	मी५।१२	रमजान ९ फुलरिया २
३	शु	५३	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	श	४९	२४	उ	१४	३९	सा	१६	५२	व	२१	५४	६	२३	३७	१८	६	२	मीने	भ.२१।५४ उ.४९।२४ या. शतेरविः ४६ ३४
५	र	४६	२४	रे	१२	१६	शु	१०	५०	ब	१७	५४	९	२२	३८	१९	७	३	मे.१२।१६	
६	चं	४५	४५	अ	१२	११	शु	६	४८	को	१६	४	१२	२२	३८	२०	८	४	मेषे	मघायां ४ राहुः शते २ केतुः ५६।५
७	मं	४७	०	भ	१३	५६	ब्र	४	१०	ग	१६	२२	१६	२१	३९	२१	९	५	वृ.२९।५७	भ. ४७।० उ.
८	बु	५०	१२	कृ	१८	०	ऐं	३	७	वि	१८	३६	२०	२०	४०	२२	१०	६	वृषे	भ. १८।३६ या. होलाष्टक
९	गु	५५	९	रो	२३	२५	वै	३	२५	बा	२२	४०	२४	१९	४१	२३	११	७	मि५६।५५	
१०	शु	६०	०	मृ	२९	२५	वि	४	३२	तै	२८	३	२८	१८	४२	२४	१२	८	मिथुने	वक्री धनिष्ठायां बुधः ३२।४
१०	श	०	५६	आ	३६	५४	प्री	६	४७	ग	०	५६	३३	१७	४३	२५	१३	६	मिथुने	भ.३४।७ उ. उषायां ३ गुरुः ४०।३९
११	र	७	१८	पु	४४	४५	आ	९	०	वि	७	१८	३८	१६	४४	२६	१४	१०	क.२८।१०	भ. ७।१८ या. आमलकी ११ व्र.
१२	चं	१४	८	पु	५२	१९	सौ	११	२९	बा	१४	८	४२	१६	४४	२७	१५	११	कर्के	प्रदोषः
१३	मं	२०	२४	श्ले	५९	१	शो	१३	३८	तै	२०	२४	४६	१५	४५	२८	१६	१२	सिं५९।१	पूर्वोदयी बुधः ३०।१२ *होलिकादहन
१४	बु	२६	८	म	६०	०	अ	१५	१७	व	२६	८	५०	१४	४६	१	१७	१३	सिंहे	भ. २६ उ. ५८ ३४ या. मार्च मा. ३ ता. ३१*
१५	गु	३१	०	म	५	२०	सु	१६	२५	ब	३१	०	५४	१३	४७	२	१८	१४	सिंहे	मेषे शुक्रः १९।५४ ग्रस्तोदयं चंद्रग्रहणं

४६पं.फा.शु.८बु.इ. ८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	९	११	९	४	१०
१०	८	९	२	२४	२	१३	१०
४	५१	३६	३४	२२	८	१६	३
७	०	४०	४८	२६	३१	३२	३२
६०	११	७३	१२	४४	६	३	६०
३१	३३	ब	१६	४७	२१	११	२५

गोचरग्रहाः

फाल्गुन कृष्णा १२ सूर्य कुम्भेऽर्कः प्र.वा. ३न.४गतात्कावस्था (ऊभी) मुहूर्ताः ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पश्चिमे ।

गोचरग्रहाः

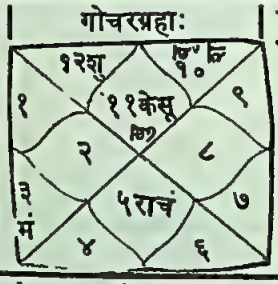

४७पं.फा.शु.१४बु.इ.९।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	९	११	९	४	१०
१७	१०	२	४	२९	२	१२	१७
६	१५	५६	०	१५	४९	५३	५
५६	२२	२४	५८	४०	२६	५३	२४
६०	१५	४६	११	३७	६	३	६०
२०	५०	ब	४७	३९	१	११	१२

ति.	श्री चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२							दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३५	३३	पू	११	२३	धृ	१६	४९	बा	३	१	२८	६	५	३	१९	१५	कं.२७।३८	वसन्त १
२	श	३७	५९	उ	१६	२३	शू	१६	२६	तै	६	३१	२३	१२	४८	४	२०	१६	कन्यायां	पू. भा. यां. रविः १।२२
३	र	३९	४७	ह	२०	२२	गं	१५	१९	व	८	५३	६	११	४९	५	२१	१७	तु.५१।२२	भ.५ ६ उ.३९ ४७ या. कल्पादिः पातस्पर्शः५१
४	चं	४०	३३	चि	२२	२३	वृ	१३	२२	ब	१०	१०	१०	१०	५०	६	२२	१८	तुलायां	उषायां३ शनिः४८।५५ पातमोक्षः५।५८
५	मं	४०	१९	स्वा	२३	५८	ध्रु	१०	३२	को	१०	२६	१४	९	५१	७	२३	१९	तुलायां	
६	बु	३८	५५	वि	२४	३१	व्या	६	४७	ग	९	३७	१८	८	५२	८	२४	२०	वृ.९।२३	भ. ३८।५५ उ. मार्गीबुधः २०।७
७	गु	३६	३३	अ	२३	४१	ह	२३	५४	वि	७	४४	२२	८	५२	९	२५	२१	वृश्चिके	भ. ७।४४ या. शीतलाष्टमी
८	शु	३३	०	ज्ये	२३	५९	शि	५०	१८	बा	४	४६	२७	७	५३	१०	२६	२२	ध.२१।५९	
९	श	२८	२३	मू	१८	५६	व्य	४२	५८	तै	०	४१	३२	६	५४	११	२७	२३	धनुषि	भ. ५५।२६ उ.
१०	र	२२	३०	पू	१५	१३	व	३४	५३	वि	२२	३०	३६	५	५५	१२	२८	२४	म.२८।४५	भ. २२।३० या.
११	चं	१५	५०	उ	१०	२	प	२६	१	बा	१५	५०	४०	४	५६	१३	२९	२५	मकरे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	मं	८	२३	श्र	२७	३३	शि	१६	३५	तै	८	२३	४४	३	५७	१४	३०	२६	कु.३१।१३	मीनेऽर्कः १।४० प्रदोषः
१३	बु	०	१२	श	५१	५९	सि	४४	३२	व	०	१२	४८	२	५८	१५	१	२७	कुम्भे	भ.०।१२उ.२६।९या. उषायां४ गुरुः४।०
१४	बु	५१	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	गु	४४	०	पू	४६	२	शु	४८	९	च	१८	६	५२	२	५८	१६	२	२८	मी३२।३१	मन्वादिः

४८पं.चै.कृ.६बु.इ. ९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१२	२	१०	९	०	९	४	१०
२४	१२	१	५	२	३	१२	२४
८	५१	२	२३	५७	२७	३१	६
१९	३५	५२	६	४७	२९	३७	२८
६०	१९	५१	११	२७	५	३	५९
५	११	ब	८	५४	३४	११	५८

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. १० भौमे मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु.३० (धान्य भावसम) शुक्रोदयं पश्चिमे ।

गोचरग्रहाः

४९पं.चै.कृ.१३बु.इ.४।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	९	०	९	४	११
१	१४	४	६	५	४	१२	१
८	१३	१४	४१	११	४	९	५
१	२२	२०	२	५६	१२	२१	४२
५९	२१	३२	१०	१३	५	३	५९
४९	५३	५७	२९	४०	७	११	४१

*चंबुके

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६२ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० तेत्रायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६२ भोग्यकलिः ४२६९३८ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २०१८ शाकः १८८३ अथास्मिन्वर्षेराजा शुक्रः । मंत्री गुरुः । सस्येशो रविः । धान्येशो शुक्रः । मेघेशो बुधः । रसेशो भौमः । नीरसेशो शनिः । फलेशो बुधः । धनेशो शनिः दुर्गेशो बुधः । ऐतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ८ आनन्दनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्क–समये गतमासादिः ३।२९।३०।० भोग्यमासादिः ८।०।३०।० । वर्षनाम आषाढ़ः । मेघ २ नाम संवर्तः । समय निवासो वणिक् गृहे । रोहिणी निवासः संधौ । समय विश्वा १० । समय वाहनमश्वः । स्तम्भ एक धान्यस्य । सोमवत्यमा १ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी २। बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३। रविदशमी ३ । समय मुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३८३ । तिथिक्षयः १८ । तिथि वृद्धिः ११ । उत्पति विश्वा ९९ । खपति विश्वा १२६ । वर्षा विश्वा ५ । धान्यम् १७, तृणम् १७. शीतम् ५. तेज ५. वायु १३ शनि दृष्टिरुत्तरे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं १०३ सत्यं ।।. धर्मं १।। पाप १८ । ग्रहणं नास्ति ।

भैरव भवानी संवाद

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	४१
खर्च	८	१४	११	११	५	११

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से हाथ जोड़ सिर नाय ।
नया वर्ष अब आइया कहो हाल समझाय ।।

भवानी उत्तर

सुन भैरव माता कहे संवत् सर का हाल ।
ग्रह योगों से देखतां मध्यम निपजे माल ।।
राजा भृगु मंत्री गुरु है यह सुन्दर योग ।
नरनारी आनन्द से भोगें उत्तम भोग ।।
आगे कुज पीछे रवि श्रावण भादों मास ।
कर वर्षा की खेंच कहीं करे धान्य का नाश ।।
समयनिवासो वणिक्घर रोहिणी संधिवास ।
कमती कर शुभ फलों को करें आश का नाश ।।
नीच राशि के गुरूजी प्रथम दिखायें काल ।
मंत्रीपद के कारणें पीछे करें सुकाल ।।
दश विश्वा संवत् बना वर्षा विश्वा बाण(५)।
धान्यपति भृगुजी भये हो न धान्य की हान ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ७।१८

वर्षं लग्नम् ४।२१

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१८।२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा भृगुस्तत्फलम्-शुक्रस्य राज्ये बहु सस्यसंकुला स्वतीव्रवेगाः सरितोम्बुराशिभिः फलंति वृक्षाः बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिवसौख्यसंयुता ।। मंत्री गुरुस्तत्फलम्-विविध धान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुरतोयघना मुदिता भवेत् । नृपतयो जन-पालनतत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्री समागते ।। सस्येशो रविस्तत्फलम्-सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्व-धान्यसमर्घं बहवोऽपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पंचसस्यं बहुभूरुहाश्च ।। धान्येशो शुक्रस्तत्फलम्-भृगौपश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्याः समर्घतां यांति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधस्तत्फलम्-अमृतरश्मि सुते यदि-वारिपे बहुजलं तुष धान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुकचेतसा विविध सौख्ययुता धरणीतदा ।। रसेशो भौमस्तत्फलम्-यदि धरातनयो रसपो भवेन्नरसराशियुता जनताशुभा । नरपतिविषमो जनतापदो न जलदो बहुवृष्टिकरोभुवि ।। नीरसेशो शनिस्तत्फलं-त्रपुपिण्डादि लोहानां कृष्णवस्त्रादि वस्तूनाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसायके ।। फलेशो बुधस्तत्फलम्-यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधराः जलराशिमुचस्तदा । बहुतृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जनसौख्यमुदान्विताः ।। धनेशः शनिस्तत्फलम्-द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरताः धरणीपतयः सदा । अधनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीडितमानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्-विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राशिगते तु विशेषतः । शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित् ।। वर्ष नाम आषाढस्तत्फलम्-अर्घं महर्घतां याति धन धान्यं समंभवेत् । आषाढे स्वल्पवृष्टिश्च तुषधान्य महर्घतां ।। आनन्द नाम संवत्सरस्तत्फलम्-आनन्दाब्देऽखिलालोकाः सर्वदानन्द चेतसः । राजानः सुखिनः सर्वे वत्सरे मेदिनी शिवम् ।। मेघनाम संवर्तस्तत्फलं-संवर्ते जलपूरिता । रोहिणीनिवासः संघौ फलं-खंड वृष्टिश्च संधिषु । समयनिवासो वणिक्गृहे फलम्-वणिक्गृहे शुभं नास्ति । ज्येष्ठो ऽधिकमासस्तत्फलम्-विड्वरं भूमिपाद् भीतिस्तस्करादि भयं भवेत् । घृतं तैलं तथा धान्यं समर्घं स्याद्द्विज्येष्ठके ।। एवसंचित्यदैवज्ञः कथनीयंशुभाशुभम् ।

संवत् २०१८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैसाख मासः

वै. शुक्ला. १३ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो. ८ रे. ८ ऽऽ।।।।।।।

ज्येष्ठ मासः

प्र. ज्ये. कृ ४ गुरौ मूले ल. गो. ८ रे.८ ।।।।ऽग्नि.।ऽकेतु।।
द्वि. ज्ये. शु. ७ भौमे उ. फा. यां. ल. अ. रे. ८ ऽ।।।।।ऽशूल।।
" " ८ बुधे हस्ते ल. २ रे.८ ।।।।ऽचो.।शूल।।दग्धा. राहु पूज्य
" " ९ गुरौ हस्ते ल. अ. रे. ९ ।।।।।।ऽशूल।।
" " १३ चंद्रे अनु. यां. ल. अ. रे. ७ ऽऽ।।ऽग्नि।।।।

आषाढ मासः

आ. कृ. ७ भौमे उ.भा.यां. ल.ऽन्यगो. रे.८ऽ।।।।।।ऽमोह।।

कार्तिक मासः

कार्ति. शु. ११ शनौ रेवत्यां ल. ६ रे. ७ ऽ।।।।ऽग्नि.ऽ।।।
" " १२ सू. रेवत्यां ल.३ रे.१० ।।।।।।।।। गुरुपूज्यः
" " १५ बुधे रो. ल. ५ रे. ६ ।।।ऽऽऽचो.।दंड।। गुरोः पादवेधाऽभावः

मार्गशीर्ष मासः

मार्ग. कृ. १ गुरौ रोहिण्यां ल. ३ रे. ८ ।।।ऽऽ।।दंड।। गुरोः पादवेधाभावः गुरुपूज्यः
मार्ग. कृ. ९ शुक्रे उ.फा.यां. ल. ऽन्यगो. ५ रे. ७ ऽ।।।।ऽचो. ।ऽकंपा।।
" " ११ चंद्रे स्वात्यां ल. ५ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

फाल्गुन मासः

फा. कृ. ८ बुधे मूले ल.८ रे.८ ।।।।ऽऽ।।घ.४४।३२उप.
" " ९ गुरौ मूले ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।।।।।ऽरो.ऽऽ।।
फा. शु. १ बुधे उ. भा. यां. ल. ८-९ रे. १० ।।।।।।।।।।
" " २ गुरौ रेवत्यां ल. ८-९ रे. ८ ।।।।।ऽचोऽ।।।
" " ६ सूर्ये रोहिण्यां ल. ८ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। घ. ४३।३० उप. चं. ७ पू.

वर्षेऽस्मिन् नवलदुर्गे ग्रहणाऽभावः

सूचना—इस वर्ष भारत में दो अदृश्य ग्रहण होंगे । जो दिखाई न देने से अमान्य हैं । श्रावण शुक्ला १५ पूर्णिमा शनिवार को खंडग्रास चन्द्रग्रहण है जिसका स्पर्श मोक्षादिकाल रेल्वे समय प्रातः यह है, ७।११ स्पर्शकाल ८।४४ मध्यकाल १०।१७ मोक्षकाल है । अतः जहां सूर्योदय रेल्वे ७।११ से बाद होगा, ग्रस्तास्त ग्रहण होगा । अन्यत्र नहीं । इसी तरह माघ कृष्णा १४ सूर्यवार को अदृश्य सूर्यग्रहण होगा जिसका स्पर्शकाल रेल्वे ३।३० बजे रात्रि में होगा और मोक्ष रात्रि में ४।५४ बजे ।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः २५३८ सन् १९६१
१	शु ३६ ५८ उ ४१ ४ शु ३९ ५३ किं १० ३०	२९	६ ५८	१७	३	२९	मीने	उभायां रविः ३३ संवत्सराम्भः नवरात्रा
२	श ३१ १६ रे ३७ ४० ब्र ३२ ४९ बा ४ ७	५६	१ ५९	१८	४	३०	मे. ३७।४०	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	र २७ ११ अ ३५ ५० ऐं २७ १२ ग २७ ११	५८	१ ५९	१९	५	१	मेषे	भ. ५६ उ. शते बुधः ३३ गणगौरी पू.*
४	चं २५ १२ भ ३६ १७ वै २३ १ वि २५ १२	३०	० ६	२०	६	२	वृ ५१।५३	भ. २५।१२ या. वक्री मृगुः ४२।४१
५	मं २५ १९ कृ ३८ ४० वि २० ५१ बा २५ १९	३०	० ०	२१	७	३	वृषे	कल्पादिः *सव्वाल १०
६	बु २७ ४२ रो ४२ ४४ प्री २० १० तै २७ ४२	६	५५ १	२२	८	४	वृषे	
७	गु ३१ ३७ मृ ४८ ४२ आ २० ४५ व ३१ ३७	११	५८ २	२३	९	५	मि १५।४३	भ. ३१।३७ उ.
८	शु ३७ ५ आ ५५ ३६ सौ २२ १६ वि ४ २१	१६	५७ ३	२४	१०	६	मिथुने	भ. ४।२१ या.
९	श ४३ १ पु ६० ० शो २४ २१ बा १० ३	२०	५६ ४	२५	११	७	क. ४५।५४	रामनवमी
१०	र ४९ ३५ पु २ ४० अ २६ ४० तै १६ १८	२३	५६ ४	२६	१२	८	कर्के	
११	चं ५५ ४८ पु १० ४४ सु २९ ११ व २२ ४१	२८	५५ ५	२७	१३	९	कर्के	भ. २२।४१ या. ५५।४८ उ. कामदा ११ ब्र.
१२	मं ६० ० श्ले १७ ४९ धृ ३१ २ ब २८ ३६	३२	५४ ६	२८	१४	१०	सिं १७।४९	कामदा ११ ब्र. नि.
१३	बु १ २४ म २४ २० शू ३२ ७ बा १ २४	३४	५३ ७	२९	१५	११	सिंहे	प्रदोषः ×२४।११ रेवत्यांरविः ४९।४६
१४	गु ६ १ पू २९ ४३ गं ३२ १८ तै ६ १	३८	५३ ७	३०	१६	१२	कं. ४५।४४	पुनर्वसौ भौमः ३३।५९ पूभायां बुधः ×
१५	शु ९ २३ उ ३३ ५१ वृ ३१ ३१ व ९ २३	४२	५२ ८	३१	१७	१३	कन्यायां	भ. ९।२३ या. ४०।२३ उ.
१६	श ११ २४ ह ३६ ३८ धु २९ ५२ व ११ २४	४७	५१ ९	१	१८	१४	कन्यायां	अप्रेल मा. ४ ता. २० हनुमज्जयंती

५०पं चै.शु.६ बु.इ.१०।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	९	०	९	४	११
८	१६	१०	७	५	४	११	८
५	४०	२२	५४	४७	३६	४७	३
५६	४८	५९	२५	२०	४०	६	१८
५९	२४	५७	९	३६	४	३	५९
३५	२७	७	४५	व	४०	११	२९

गोचरग्रहाः

इस मास का फल अच्छा रहेगा प्रजा में सुख, शांति, चांदी, रूई धान्यादि के भावों में मंदी रहेगी।

गोचरग्रहाः

५१पं.चै.शु.१२बु.इ.१०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	९	०	९	४	११
१५	१९	१८	९	४	५	११	१४
२	२३	२७	१	२१	५	२४	५९
१	२	२९	५९	५०	१३	५०	१३
५९	२६	७५	८	३९	४	३	५९
१८	३६	२६	५९	व	७	११	१६

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	बसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्रः
१	र ११ ५३ चि ३८ १८ च्या २७ ९ कौ ११ ५३	३०	५ ५०	६	२	१९	१५	तु. ७।२८	
२	चं ११ ३१ स्वा ३८ ५१ ह २३ ३७ ग ११ ३१	५६	४९	११	३	२०	१६	तुलायां	भ. ४०।४३ उ.
३	मं ९ ५५ वि ३८ ३० व १९ २७ वि ९ ५५	३१ ०	४८	१२	४	२१	१७	बृ. २३।४१	भ. ९।५५ या. श्रवणे १ गुरुः ४४।१३ च. ब्र.
४	बु ७ २५ अ ३७ २७ सि १४ ३० बा ७ २५	४	४७	१३	५	२२	१८	बृश्चिके	
५	गु ४ १९ ज्ये ३५ ४६ व्य ९ ० तै ४ १९	८	४७	१३	६	२३	१९	ध. ३५।४६	मीने बुधः १४।२०
६	शु ० ३८ मू ३३ २४ व १० ३३ व ० ३८	१२	४६	१४	७	२४	२०	धनुषि	भ. ३८ उ. ५८ या. वक्री रेवत्यांमीनेशुक्रः ३५ ३२ प. अ. शु.
७	शु ५५ ४१ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
८	श ५१ ३३ पू ३० ३३ शि ४९ ५१ बा २३ ५६	१६	४५	१५	८	२५	२१	म. ४४।४१	पश्चिमास्तोभृगुः ३९।३६ उभायांबुधः २६ ५४
९	र ४६ १२ उ २७ ७ सि ४२ २६ तै १८ ५३	२०	४४	१६	९	२६	२२	मकरे	
१०	चं ४० २५ श्र २३ १६ सा ३४ ४८ व १३ १८	२४	४३	१७	१०	२७	२३	कु. ५१।४	भ. १३।१८ उ. ४०।२५ या.
११	मं ३४ १४ ध १८ ५३ शु २६ ४१ ब ७ २०	२८	४२	१८	११	२८	२४	कुम्भे	वरूथिनी ११ ब्र.
१२	बु २७ ४३ श १४ १६ शु १८ ४३ कौ ० ५८	३२	४२	१८	१२	२९	२५	मी ५५।५१	प्रदोषः
१३	गु २१ २५ पू ९ २ ब्र १० ४४ व २१ २५	३६	४१	१९	१३	३०	२६	मीने	भ. २१।२५ उ. ४८।२७ या. मेषेऽर्कः २४।१९ ×
१४	शु १५ २९ उ ६ १४ ऐं १६ ५३ श १५ २९	४०	४०	२०	१४	१	२७	मीने	×शुक्रोदयः पूर्वस्यां पु. उ. शु.
२०	श १० १८ रे ३ १ वि १० ३३ ना १० १८	४३	३९	२१	१५	२	२८	मे. ३।१	

५२पं. वै.कृ.४ बु.इ.१०।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	९	०	९	४	११
२१	२२	२८	१०	१	५	११	२१
५६	१८	२४	३	११	२९	२	५३
१२	२२	२२	३६	२०	३८	३५	२८
५९	२८	९०	८	३३	३	३	५९
४	२४	३१	५	व	२६	११	४

गोचरग्रहाः

वैशाख कृष्ण १३ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

१पं.वै.कृ.१३बृ.इ.२६।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	९	११	९	४	०
०	२५	११	११	२६	५	१०	०
२	५८	४७	११	७	५५	३६	०
२१	२६	५६	१२	१०	४१	०	०
५८	३०	०	८	३५	२	३	५८
४५	८	२	५२	व	३९	११	४४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*शुबुचं

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५६८सन् १९६१
१	र	६	१५	अ	१	४४	प्री	४५	५६	ब	६	१५	३१/४७	५/३९	६/२१	१६	३	२९	मेषे	रेवत्यां बुधः ११।५८ चन्द्रदर्शनम्
२	चं	३	५८	भ	०	३५	आ	४२	४४	कौ	३	५०	५०	३८	२२	१७	४	१	बृ.१५।५५	जिल्काद ११ परशुराम जयंती
३	मं	३	२४	कृ	१	५४	सौ	४१	८	ग	३	२४	५४	३७	२३	१८	५	२	बृषे	भ. ३४।१० उ. अक्षया ३
४	बु	४	५६	रो	५	६	शो	४०	३६	वि	४	५६	५८	३६	२४	१९	६	३	मि३७।२६	भ. ४।५६ या. पूर्वास्तो बुधः ४९।३१
५	गु	८	५	मृ	९	४७	अ	४१	३४	बा	८	५	३२/२	३६	२४	२०	७	४	मिथुने	
६	शु	१२	४९	आ	१६	११	सु	४३	९	तै	१२	४९	६	३५	२५	२१	८	५	मिथुने	कर्के भौमः ५५।२
७	श	१८	१९	पु	२३	६	धृ	४५	२९	व	१८	१९	१०	३४	२६	२२	९	६	क.६।२२	भ. १८।१९ उ. ५१।३१ या.
८	र	२४	४४	पु	३०	५०	शू	४७	५४	ब	२४	४४	१४	३३	२७	२३	१०	७	कर्के	अश्वि. मेषे बुधः १७।३५
९	चं	३०	४९	श्ले	३८	१२	गं	५०	२	कौ	३०	४९	१८	३२	२८	२४	११	८	सिं३८।१२	मघायां३ राहुः शते१ केतुः४४।३५ पात=
१०	मं	३५	३१	म	४५	०	वृ	५१	४२	तै	३	१०	२२	३२	२८	२५	१२	९	सिंहे	=स्पर्शः २६।५ पातमोक्षः ४६।३१
११	बु	४१	१३	पू	५०	२८	ध्रु	५२	१५	व	८	२२	२६	३१	२९	२६	१३	१०	सिंहे	भ.८।२२ उ.४१।१३या. मोहिनी११ ब्र.
१२	गु	४४	१८	उ	५४	४३	व्या	५१	४८	ब	१२	४५	२९	३०	३०	२७	१४	११	कं.६।३२	भरण्यां रविः ५।४१
१३	शु	४५	५८	ह	५७	१५	ह	४९	५४	कौ	१५	८	३२	३०	३०	२८	१५	१२	कन्यायां	पुष्ये भौमः ४७।१६ प्रदोषः
१४	श	४५	४६	चि	५८	२०	व	४६	४५	ग	१५	५२	३६	२९	३१	२९	१६	१३	तु.२७।४७	भ. ४५।४६ उ. भरण्यां बुधः ४१।५६
१५	र	४४	५	स्वा	५८	५	सि	४२	४०	वि	१४	५६	४०	२८	३२	३०	१७	१४	तुलायां	भ. १४।५६ या. जलकुंभदान अन्नदान.

२पं.वै.शु. ५बृ.इ.२७।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	९	११	९	४	०
६	२९	२४	११	२२	६	१०	६
५२	१४	२७	८	१४	१०	१३	५०
३१	३१	११	४१	१८	४४	४४	३७
५८	३१	७/११	५	२६/२३	२	३	५८
२९	०	४	५२	ब	०	११	३१

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच रविवार हैं, जो साधारण है। जो धान्यादि के भावों में मंदी का असर करेगी पंजार्कवासरे

गोचरग्रहाः

३पं.वै.शु.१२ बृ.इ.२७।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	९	११	९	४	०
१३	२	८	१२	२०	६	९	१३
४०	३७	२५	३८	२	२१	५१	३९
५६	२३	३४	२८	६	४	२८	४३
५८	३२	३१/१	४	१०/३७	१	३	५८
१२	०	५०	४७	ब	२०	११	१९

ति.	प्र.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं.२०१८ शाकः १८८३												दि.	अ.	उ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४१	१२	वि	५६	३०	व्य	३७	१८	बा	१२	२४	३२/४३	५/२७	६/३३	१	१८	१५	बृ.४१।५४	मई मा. ५ ता. ३१ मार्गीशुक्रः ५२।२९
२	मं	३७	१४	अ	५३	४९	व	३१	१२	तै	९	१३	४७	२७	३३	२	१९	१६	बृश्चिके	
३	बु	३२	२६	ज्ये	५१	४	प	२४	४१	व	४	५०	५०	२६	३४	३	२०	१७	ध.५१।४	भ. ४।५० उ. ३२।२६ या. चं. ब्र.
४	गु	२७	२१	मू	४७	४८	शि	१७	४५	बा	२७	२१	५४	२५	३५	४	२१	१८	धनुषि	
५	शु	२१	५६	पू	४४	२४	सि	१०	३३	तै	२१	५६	५७	२५	३५	५	२२	१९	म.५८।३२	कृतिकायां बुधः ५७।२३
६	श	१६	४५	उ	४०	५६	सा	३/२९	५२/५५	व	१६	४५	३३/०	२४	३६	६	२३	२०	मकरे	भ. १६।४५ उ. ४४।१ या.
७	र	११	१७	श्र	३७	२९	शु	४९	३०	ब	११	१७	३	२३	३७	७	२४	२१	मकरे	वृषेबुधः ३१।३९ श्रवणे २ गुरुः १४।१६
८	चं	६	१४	ध	३४	१६	ब्र	४२	१३	कौ	६	१४	६	२३	३७	८	२५	२२	कु.५।५३	
९	मं	०	५७	श	३१	५	ऐं	३५	४७	ग	०	५७	९	२२	३८	९	२६	२३	कुम्भे	भ. २८।२८ उ. ५५।५५ या.
१०	मं	५४	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	बु	५१	११	पू	२८	११	वै	२९	१४	ब	२३	३३	१२	२२	३८	१०	२७	२४	मी१३।५५	वक्रीशनिः ३८/५१ कृतिकायां रविः ५३।३६●
१२	गु	४६	५३	उ	२५	३३	वि	२३	१२	कौ	१९	२	१६	२१	३९	११	२८	२५	मीने	अपरा११ब्र. वै.नि. ●अपरा११ब्र.स्मा.
१३	शु	४३	१५	रे	२३	४०	प्री	१७	११	ग	१५	४	१९	२०	४०	१२	२९	२६	मे.२३।४०	भ.४३/१५ उ. रोहिण्यां बुधः ११।५८ प्रदोषः
१४	श	४०	१६	अ	२२	३३	आ	१२	२७	वि	११	४५	२२	२०	४०	१३	३०	२७	मेषे	भ. ११।४५ या. पश्चिमोदयंबुधः २।५७
३०	र	३८	४१	भ	२२	२२	सौ	८	२९	च	९	२८	२४	१९	४१	१४	३१	२८	बृ.३७।३८	बृषेऽर्कः २१।२३ वट पूजनम्

४पं.प्र.ज्ये.कृ.४बृ.इ.२७।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	९	११	९	४	०
२०	६	२३	१३	१९	६	९	२०
२७	७	२९	९	३५	२७	२९	२७
३६	४१	१७	५४	३८	०	१३	२१
५७	३२	१२/७	३	६/१२	०	३	५८
५७	५३	१७	३८	मा	३८	११	६

गोचरग्रहाः

प्र.ज्येष्ठ कृ. ३० सूर्ये वृषेऽर्कः प्र. वा.४न.४ पुत्रवत्सलावस्था (सूती) मु.१५[धान्यभाव तेज]शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

५पं.प्र.ज्ये.कृ.१२बृ.इ.२७।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	९	११	९	४	०
२७	९	८	१३	२१	६	९	२७
१२	४४	२९	३३	६	२७	६	१३
५०	५३	२४	४०	५८	५०	५७	३६
५७	३३	१२/२	२	२०	०/५	३	५७
४५	३८	४८	१७	५०	ब	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	प्र. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३									दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२५९७ स.१९६१
१	चं	३९	८	कृ	२३	२७	शो	५	२२	कि	८	५४	३३	५	१९	४५	१५	१	२९	बृषे	पुरुषोत्तम मासारम्भः
२	मं	४०	३१	रो	२७	३	अ	३	३९	बा	९	४९	३०	१८	४२	१६	२	३०		मि५९।७	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	४२	४४	मृ	३१	१०	सु	२	४३	तै	११	३७	३३	१७	४३	१७	३	१		मिथुने	जिल्हेज १२
४	गु	४७	९	आ	३६	२४	धृ	२	५९	व	१४	५६	३६	१७	४३	१८	४	२		मिथुने	भ. १४।५६ उ. ३७।९ या.
५	शु	५२	१८	पु	४२	५२	शू	४	१४	ब	१९	४३	३८	१६	४४	१९	५	३		क.२६।१५	मृगशीर्षे बुधः २०।१८
६	श	५८	२७	पु	५०	२६	गं	६	२४	कौ	२५	२३	४०	१६	४४	२०	६	४		कर्के	
७	र	६०	०	श्ले	५७	५२	धृ	८	४७	ग	३१	३५	४३	१५	४५	२१	७	५		सि५७।५२	
७	चं		४	४३	६०	०	मं	११	५६	व		८	४३	४८	१५	४५	२२	८	६	सिंहे	भ. ४।४३ उ. ३७।३७ या.
८	मं	१०	३१	म	५	१२	ब्या	१३	१०	ब	१०	३१	४६	१४	४६	२३	९	७		सिंहे	मिथुने बुधः ३३।३४
९	बु	१५	२६	पू	११	३५	ह	१४	३२	कौ	१५	२६	५०	१४	४६	२४	१०	८		कं.२७।४९	वक्री गुरुः ३८ रोहिण्यां रविः ३३ आश्ले.×
१०	गु	१९	४	उ	१६	३२	व	१४	४०	ग	१९	४	५२	१४	४६	२५	११	९		कन्यायां	भ. ४०।१ उ. ×भौमः ३०।४
११	शु	२०	५८	ह	१९	२३	सि	१३	३२	वि	२०	५८	५४	१३	४७	२६	१२	१०		तु.५०।२१	भ. २०।५८ या. कमला ११ ब्र.
१२	श	२०	४७	चि	२१	१९	व्य	१०	५३	बा	२०	४७	५६	१३	४७	२७	१३	११		तुलायां	प्रदोषः
१३	र	१८	४९	ख्या	२०	५४	व	६	४४	तै	१८	४९	५८	१२	४८	२८	१४	१२		तुलायां	मेषेऽश्विन्यां भृगुः ५९ आर्द्रायां बुधः ३१ ३७
१४	चं	१५	३	वि	१८	४७	प	११	५४	व	१५	३	३४	१२	४८	२९	१५	१३		बृ.३।४७	भ. १५।३ उ. ४२।२६ या.
१५	मं	९	४९	अ	१५	५९	शि	४६	५१	ब	९	४९	३	१२	४८	३०	१६	१४		बृश्चिके	

६पं. प्र.ज्ये.शु. ४ बृ.इ २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	९	११	९	४	१
३	१३	२१	१३	२४	६	८	३
५६	२६	४८	४७	३	२४	४४	५८
२८	४२	४	४८	०	१४	१२	२८
५७	२४	५९	०	३२	५०	३	५७
३४	१२	७	५८	२६	५	११	५४

गोचरग्रहाः

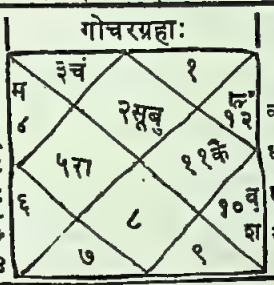

अधिक ज्येष्ठ मास का फल साधारण है धान्यादि पदार्थ तेज एरंडा तेज रुई चांदी सोना में घटा बढ़ी।

गोचरग्रहाः

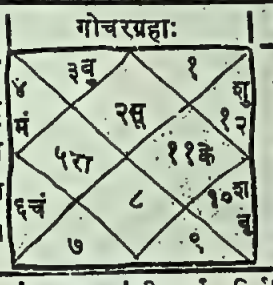

७पं.प्र.ज्ये.शु.१०बृ.इ २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	९	११	९	४	१
१०	१७	२	१३	२८	६	८	१०
३८	१३	३८	५३	१२	१६	२२	४२
३९	३४	४९	६	०	१२	२६	१४
५७	३४	८३	१९	४१	३५	३	५७
२३	४८	१९	ब	१२	ब	११	३७

ति.	द्वि. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३									दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मतूं रविर्दक्षिणे प्र.ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.
१	बु	३	१८	ज्ये	१०	४९	सा	३८	२७	कौ	३	१८	३४	५	११	४९	६	३१	१७	१५	ब.१०।४९	
२	बु	५३	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	गु	४९	१४	मू	५	५०	शु	२९	५९	व	२२	५९	६	११	४९	१	१८	१६		धनुषि	भ.२२।५९ उ.४५ या. जून मा.६ता.३०
४	शु	४२	८	पू	४२	५५	शु	२१	३३	ब	१५	४१	७	११	४९	२	१९	१७		म.१६।५८	चतुर्थी ब्र.
५	श	३५	२१	श्र	५१	१०	ब्र	१३	१२	कौ	८	४४	८	११	४९	३	२०	१८		मकरे	
६	र	२८	५४	ध	४७	१२	ऐं	२७	४९	ग	२	७	१०	१०	५०	४	२१	१९		कुं.१९।११	भ. २८।५४ उ. ५६।१५ या.
७	चं	२३	३६	श	४३	४७	वि	५१	३०	ब	२३	३६	१२	१०	५०	५	२२	२०		कुम्भे	
८	मं	१८	५९	पू	४१	३४	प्री	४५	१३	कौ	१८	१९	१३	१०	५०	६	२३	२१		मी.२७।७	
९	बु	१४	५४	उ	३९	४६	आ	३९	२६	ग	१४	५४	१४	९	५१	७	२४	२२		मीने	भ. ४३।१९ उ. मृगे रविः ४६।२१
१०	गु	११	४४	रे	३७	३१	सौ	३५	२	वि	११	४४	१६	९	५१	८	२५	२३		मि.३७।३१	भ. ११।४४ या.
११	शु	९	२५	अ	३८	५०	शो	३१	६	बा	९	२५	१७	९	५१	९	२६	२४		मेषे	कमला ११ ब्र.
१२	श	७	५०	भ	३९	५४	अ	२८	४	तै	७	५०	१८	८	५२	१०	२७	२५		बृ.५५।१०	प्रदोषः
१३	र	७	४४	कृ	४१	०	सु	२५	४९	व	७	४४	१८	८	५२	११	२८	२६		बृषे	भ. ७।४४ उ. ३८।१
१४	चं	८	१८	रो	४५	८	धृ	२४	२९	श	८	१८	१९	८	५२	१२	२९	२७		बृषे	वक्री बुधः ५६।२५
३०	मं	१०	३५	मृ	४९	४९	शू	२४	३	ना	१०	१५	२०	८	५२	१३	३०	२८		मि१७।२८	भरण्यां शुक्रः ३७ वक्री श्रवणे १ गुरुः ४१

८पं.द्वि.ज्ये कृ.३बृ.इ.२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	९	०	९	४	१
१७	२१	१०	१३	३	६	८	१७
१९	५	४६	४८	१३	३	०	२५
४५	६	५	११	५५	२२	१०	८
५७	३५	५२	३६	४७	१३	३	५७
१३	३३	२७	ब	५८	ब	११	३७

गोचरग्रहाः

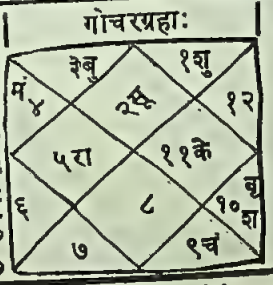

मास फल साधारण है। कहीं २ साधारण बूंदा-बांदी होने की संभावना है। धूप भी अधिक पड़ेगी

गोचरग्रहाः

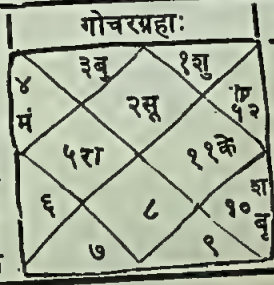

९पं. द्वि ज्ये.कृ.११ब.इ.२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	९	०	९	४	१
२३	२४	१५	१३	८	५	७	२४
५९	५९	३५	३४	४३	४५	३७	७
४१	३८	१३	४४	४८	४०	५५	१०
५७	३५	१९	५५	५३	५०	३	५७
५५	३९	ब	१२	ब	११	२१	

(सं० २००१ समारंभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २६२७सन् १९६१
१	बु १३।४४ आ ५५।२३ गं २४।१५ ब १३।४४	३४	५	६	१४	३१	२९	मिथुने	मिथुनेऽर्कः ४७।९ चंद्रदर्शन संभवः
२	गु १८।३८ पु ६०। ० वृ २५।३९ कौ १८।३८	२२	८	५२	१५	१	१	क.४६।१०	मोहोरम १ सन् १३८१
३	शु २३।२४ पु २। ५ धु २७।१८ ग २३।२४	२२	८	५२	१६	२	२	कर्के	भ. ५६।३२ उ.
४	श २९।४० पु ९। २ श्रे २९।२८ वि २९।४०	२२	८	५२	१७	३	३	कर्के	भ. ३९ या. मघायां सिंहे च भौमः १९
५	र ३५।४९ श्ले १६।४४ ह ३२। २ ब २।४४	२३	७	५३	१८	४	४	सिं१६।४४	पश्चिमास्तं बुधः ६।५
६	चं ४१।४९ म २४।१२ व ३४।४० कौ ८।४९	२३	७	५३	१९	५	५	सिंहे	
७	मं ४७।१८ पू ३१।१८ सि ३६।३० ग १४।३३	२३	७	५३	२०	६	६	कं.४७।४८	भ. ४७।१८
८	बु ५१।३२ उ ३७।१७ व्य ३७।३२ वि १९।२५	२४	७	५३	२१	७	७	कन्यायां	भ. १९।२५ या. आर्द्रायां रविः ४८।४१
९	गु ५४।११ ह ४१।५४ च ३७।२४ बा २२।५१	२४	७	५३	२२	८	८	कन्यायां	
१०	शु ५४।५७ चि ४४।३८ प ३६। २ तै २४।३४	२४	७	५३	२३	९	९	तु.१३।१६	गंगा १०
११	श ५३।४१ स्वा ४४।५६ शि ३३। १ व २४।१९	२४	७	५३	२४	१०	१०	तुलायां	भ.२४ उ.५३ या. निर्जला ११ ब्र. स्मा.
१२	र ५१।२० वि ४४। १ सि २८।१२ ब २२।३१	२४	७	५३	२५	११	११	वृ.२९।१५	निर्जला ११ ब्र. वै. नि.
१३	चं ४५। ४ अ ४१। ३ सा २१।५८ कौ १८।१२	२३	७	५३	२६	१२	१२	वृश्चिके	मघा.२ राहुः धनिष्ठा४ केतुः ४७ प्रदोषः
१४	मं २८। ४ ज्ये ३६।११ शु १४।१५ ग ११।३४	२३	७	५३	२७	१३	१३	ध.३६।११	भ. ३८।४ उ. कृतिकायां शुक्रः ३१।४७
१५	बु ३०।१३ मू ३०। ८ शु २३।५९ वि ४। ८	२३	७	५३	२८	१४	१४	धनुषि	भ. ४।८ या. गुर्जराणां वटसा. ब्र.

१०पं.द्वि.ज्ये.शु.२ बृ.इ.२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	९	०	५	४	२
०	२८	१६	१३	१५	५	७	०
३८	५७	४८	१२	५	२५	१५	४८
५०	२८	३६	५०	१३	१९	३९	२७
५६	३६	११	ब	ब	५७	३	५७
५७	३०	ब	ब	४	ब	११	१७

द्वि.ज्येष्ठ शु.१बुधे
मिथुनेऽर्कः प्र.वा.४
न.५गतात्कावस्था
(ऊर्भी) मु. ५१
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पूर्व.।

११पं. द्वि.ज्ये.शु.९ बृ.इ.५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	९	०	९	४	२
७	२	१४	१२	२१	५	६	७
१७	५८	४५	४१	४४	१	५३	२९
१०	२६	५७	२८	३४	१	२४	२०
५६	३६	३०	५	६०	५०	३	५७
५४	५६	ब	ब	२७	ब	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे द्वि.ज्येष्ठकृष्णेतिमहा
१	गु २१।१६ पू २३।३० ऐं ४६।५६ कौ २१।१६	३४	५	६	२९	१५	१५	म.३६।४६	
२	शु १२।१९ उ १६।३५ वै ३६। २ ग १२।१९	२१	८	५२	३०	१६	१६	मकरे	भ. ३७।५८ उ. बृषे भृगुः ४३।२८
३	श ३।३९ श्र १०।३८ वि २६।२४ वि ३।३९	२०	८	५२	१	१७	१७	कु.३७।५६	भ.३।३९या. जुलाई मा.७ता.३१ च.ग्र.
४	श ५१।४८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
५	र ४८।२७ ध ५५।५४ प्री १७।२८ कौ २२। २	१९	८	५२	२	१८	१८	कुम्भे	
६	चं ४२।२१ पू ५५।४१ आ ९।१३ ग १५।२४	१८	८	५२	३	१९	१९	मी४१।३५	भ. ४२।२१ उ.
७	मं ३६।४१ उ ५३।१५ सौ ३।५४ वि ९।३१	१७	९	५१	४	२०	२०	मीने	भ. ९।३१ या.
८	बु ३४।२२ रे ५२।२० अ ५१।१४ बा ५।३१	१६	९	५१	५	२१	२१	मे.५२।२०	पुनर्वसौ रविः ५२।४२
९	गु ३२।२४ अ ५२।२२ सु ४७।२३ तै ३।२१	१३	९	५१	६	२२	२२	मेषे	पूर्वोदयं बुधः ४१।२४
१०	शु ३२।२० भ ५३।४५ धु ४४।४१ च २।१९	१२	१०	५०	७	२३	२३	मेषे	भ. २।१९ उ. ३२।२० या.
११	श ३२।२५ कृ ५६।१० शृ ४३।१४ ब २।२२	१२	१०	५०	८	२४	२४	बृ.९।२१	योगिनी ११ ब्र.
१२	र ३४।१२ रो ६०। ० गं ४२।३२ कौ ३।१९	१०	१०	५०	९	२५	२५	बृषे	मार्गी बुधः ५७।७
१३	चं ३७।२२ रो ०।४९ मृ ४२।५४ ग ५।४७	८	१०	५०	१०	२६	२६	मि३३।१९	भ.३३ उ.रोहिण्यांशुक्रः २६ प्रदोषःपूफायां*
१४	मं ४१।१५ मृ ५।४९ धु ४३।२७ वि ९।१८	६	११	४९	११	२७	२७	मिथुने	भ. ९।१८ या. *भौमः ११।१४ प्र.
१५	बु ४६।१३ आ ११।४१ श्रा ३४।५२ च १३।४४	५	११	४९	१२	२८	२८	मिथुने	

१२पं.आ.कृ.१ बृ.इ.२७।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	९	०	९	४	२
१३	७	१०	१२	२८	४	६	१४
५५	४	५७	३	४१	३४	३१	९
२२	१९	४८	१४	९	२३	८	४८
५६	३७	३५	६	६२	३	३	५७
५०	२५	ब	ब	३६	ब	११	७

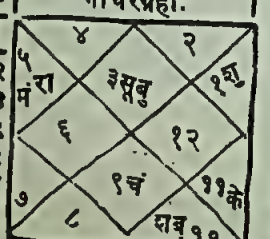

आषाढ शु. ३ रवौ
कर्केऽर्कः प्र.वा.५
न.५प्रगतभावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्व।

१३पं.आ.कृ.९ बृ.इ.२७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	९	१	९	४	२
२०	११	८	११	५	४	६	२०
३३	१३	७	१८	५२	३	८	५०
१६	८	२३	४०	४४	३६	५२	९
५६	३७	१५	५१	६४	४७	३	५७
५०	५२	ब	ब	२९	ब	११	७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*मंबुशु

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २६५६ स. १९६१
१	शु	५१	३३	पु	१८	२३	ह	४६	४१	किं	१८	५३	३४	५	५९	१३	२९	२९	क. १।४३	
२	शु	५७	४०	पु	२५	३६	ह	४८	५७	बा	२४	३६	२	१२	४८	१४	३०	३०	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथ यात्रा
३	श	६०	०	श्ले	३३	९	सि	५१	२४	तै	३०	४६	३४	१२	४८	१५	३१	१	सिं ३३।९	सफर २
४	र	३	५२	म	४०	४७	व्य	५३	५२	ग	३	५२	३५	१२	४८	१६	३२	२	सिंहे	भ. ५६ उ. वक्री उषायां २ शनिः ५६ ३८ *
५	चं	१०	३	पू	४८	१४	व	५६	६	वि	१०	३	५६	१३	४७	१७	१	३	सिंहे	भ. १०।३या. वक्री उषा. ४ गुरुः २५।३०
६	मं	१५	४५	उ	५४	५१	प	५७	५९	बा	१५	४५	५४	१३	४७	१८	२	४	कं. ४।५३	
७	बु	२०	३५	ह	६०	०	शि	५८	४६	तै	२०	३५	५३	१४	४६	१९	३	५	कन्यायां	पुष्ये रविः ५६।७ *कर्केऽकं: २५।२६
८	गु	२४	१	ह	०	३०	सि	५८	२१	व	२४	१	५०	१४	४६	२०	४	६	तु. ३२।४१	भ. २४।१ उ. ५४।५९ या.
९	शु	२५	५७	चि	४	४३	सा	५६	४४	व	२५	५७	४८	१४	४६	२१	५	७	तुलायां	
१०	श	२५	५३	स्वा	६	४६	शु	५३	३२	को	२५	५३	४६	१५	४५	२२	६	८	वृ. ५२।२०	मृगे शुक्रः ४०।३
११	र	२३	५७	वि	७	३१	शु	४८	४३	ग	२३	५७	४४	१५	४५	२३	७	९	वृश्चिके	भ. ५१।५५ उ.
१२	चं	१९	५३	अ	५	५२	ब्र	४२	१४	वि	१९	५३	४१	१६	४४	२४	८	१०	वृश्चिके	भ. १९।५३ या. देवशयनी ११ ब्र.
१३	मं	१३	५०	ज्ये	३३ ३	५५ १३	रें	३४	२२	बा	१३	५०	३८	१६	४४	२५	९	११	ध. २।३३	पुनर्वसौबुधः ३५ हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१३	बु	६	१४	पू	५०	४४	वै	२५	१८	तै	६	१४	३५	१७	४३	२६	१०	१२	धनुषि	भ. ५७।८ उ.
१४	बु	५०	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	गु	४७	२५	उ	४३	४	वि	१५	८	वि	२२	१७	३२	१८	४२	२७	११	१३	म. ३।४८	भ ३३ या. मत्वादिः व्यासपू. वायुपरीक्षा

१४पं. आ.शु. १व. इ. २७।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	९	१	९	४	२
२७	१५	८	१०	१३	३	५	२७
११	२४	५१	२८	१९	३६	४६	३०
२३	२५	०	५९	१	११	३७	३३
५६	३८	१५७	३५	६६	३९	३	५७
५१	६	मा	ब	३	च	११	१२

१५पं. आ.शु. ७ब. इ. २७।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	९	१	९	४	३
३	१९	१३	९	२०	३	५	४
४९	३७	५८	३६	५१	४	२४	१९
५०	४४	१	११	४	५	२१	१३
५६	३८	६३	५	६७	३९	३	१७
५७	३	३४	ब	२६	ब	११	१५

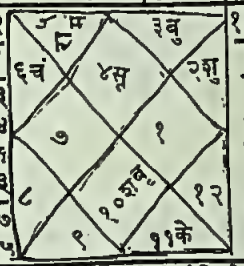

१६पं. आ.शु. १५ब. इ. २७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	९	१	९	४	३
१०	२३	२३	८	२८	२	५	१०
२९	१४	७	४१	३५	३३	२	५२
७	२०	३७	१६	३१	४	६	१९
५७	३८	९९	५७	६८	३९	३	५७
५	५४	९	ब	२८	ब	११	२०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३७	३०	श्र	३५	३२	प्री	३४	४७	बा	१२	२७	३३	१८	४२	२८	१२	१४	मकरे	मिथुने शुक्रः ४१।२५
२	श	२७	४६	ध	२७	४२	सौ	४३	८	तै	२	३८	२६	१९	४१	२९	१३	१५	कुं. १।३७	भ. ५३।११ उ.
३	र	१८	३६	श	२०	३८	शो	३२	५७	वि	१८	३६	२३	१९	४१	३०	१४	१६	कुम्भे	भ. १८।३६ या. चतुर्थी ब्र.
४	चं	१०	४५	पू	१४	२०	अ.	२४	८	बा	१०	४५	२०	२०	४०	३१	१५	१७	मी. ०।५०	कर्के बुधः ३८।२३
५	मं	४	१२	उ	९	३५	सु	१६	१३	तै	४	१२	१७	२१	३९	१	१६	१८	मीने	भ. ५९ ३३ उ. अगस्तमा. ८ता. ३१ उफायांभौमः *
६	मं	५६	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५६	५२	रे	७	५१	धृ	९	५०	वि	२६	११	१५	२१	३९	२	१७	१९	मे. ७।५१	भ. २६ या. पुष्ये बुधः २१ सार्पे रविः ५६ ५५ ×
८	गु	५५	४८	अ	७	७	शू	४	४७	बा	२६	२०	१३	२२	३८	३	१८	२०	मेषे	आर्द्रायां शुक्रः ३९ * ३५ नाग ५ मरुस्थले
९	शु	५६	३३	भ	७	५२	गं	२९	४८	तै	२६	१०	९	२२	३८	४	१९	२१	वृ. २३।३३	
१०	श	५८	४३	कृ	१०	३८	डु	५८	४४	व	२७	३८	६	२३	३७	५	२०	२२	वृषे	भ. ३७ उ. ५४ या. ×पूर्वास्तंबुधः ३२।१५
११	र	६०	०	रो	१४	४७	ध्या	५९	१२	ब	३०	३६	३	२३	३७	६	२१	२३	मि ४७।२४	कन्यायांभौमः ९।४२ कामिका ११ ब्र. स्मा.
११	चं	२	२९	मृ	२०	२	ह	६०	०	बा	२	२९	३३ ३०	२४	३६	७	२२	२४	मिथुने	कामिका ११ ब्र. वं.
१२	मं	७	७	आ	२६	१५	ह	०	१७	तै	७	७	५७	२५	३५	८	२३	२५	मिथुने	अश्लषायां बुधः ५७।४६ प्रदोषः
१३	बु	१२	५१	पु	३३	२३	व	२	११	व	१२	५१	५३	२५	३५	९	२४	२६	क. १६।३६	भ. १२।५१ उ. ४५।३७ या.
१४	गु	१८	२३	पु	४०	३९	सि	४	१२	श	१८	२३	५०	२६	३४	१०	२५	२७	कर्के	
३०	शु	२४	४६	श्ले	४८	७	व्य	६	३७	ना	२४	४६	४६	२७	३३	११	२६	२८	सिं ४८।७	हरियाली ३०

१७पं. श्रा.कृ. ८ब. इ. २७।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	९	२	९	४	३
१७	२८	५	७	६	२	४	१७
८	१३	२९	४८	२६	३	३९	३४
५५	५१	२	१८	५२	१८	५०	१
५७	३९	९९	४४	६९	१५	३	५७
१२	१२	८	ब	९	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

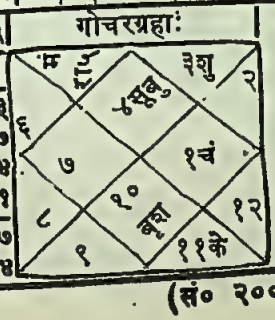

इस मास का फल मध्यम है सूर्य के आगे मंगल है यह वर्षा को रोकता है तेजी का जोर हो।

गोचरग्रहाः

१८पं. श्रा.कृ. १४ब. इ. २७।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	९	२	९	४	३
२३	२	१९	६	१४	१	४	२४
५०	३५	४२	५७	२५	२४	१७	१६
२	४२	२५	०	२४	५२	२४	२८
५७	३९	९९	१५	७०	८	३	५७
१२	३५	८	ब	८	ब	११	२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २६८६ सन् १९६१
१	श	३१	०	म	५५	३६	व	९	९	ब	३१	०	३२/४३	५/२७	६/३३	१२	२७	२९	सिहे	वक्रा उषा. ३ गुरुः ४७।२८
२	र	३६	४३	पू	६०	०	प	११	२४	बा	३	५१	४०	२८	३२	१३	२८	३०	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	४१	४६	पू	२	५०	शि	१३	३९	तै	९	१४	३६	२९	३१	१४	२९	१	कं.१९।३३	तीज रविलावल ३
४	मं	४७	३	उ	९	४१	सि	५	१९	व	१४	२४	३३	३०	३०	१५	३०	२	कन्यायां	भ.१४/२४ उ.४७/३ या. मघायां सिंहेबुधः २८।७●
५	बु	५०	५०	ह	१५	४५	सा	१६	१७	ब	१८	५७	२९	३०	३०	१६	३१	३	तु.४८।१०	सिंहेऽर्कः ५३/२२ नाग५ ●पुनर्वसौशुक्र. २०/२४
६	गु	५३	१५	चि	२०	३६	शु	१५	३९	कौ	२२	२	२६	३१	२९	१७	१	४	तुलायां	
७	शु	५३	५२	स्वा	२४	१२	शु	१४	५१	ग	२३	३३	२२	३२	२८	१८	२	५	तुलायां	भ. ५३।५२ उ.
८	श	५३	३९	वि	२६	११	ब्र	१२	५६	वि	२३	४६	१९	३२	२८	१९	३	६	वृ.१०।४२	भ २३/४६ या. ×बुधः २२/४९ पवित्रा ११ब्र.स्मा.
९	र	५१	१२	अ	२६	२९	ऐं	९	३८	बा	२२	२५	१५	३३	२७	२०	४	७	वृश्चिके	
१०	चं	४६	३५	ज्ये	२५	५	वै	४/५८	५३/४९	तै	१८	५२	१२	३४	२६	२१	५	८	ध.२५।५	
११	मं	४१	१	मू	२१	५२	प्री	५४	१२	व	१३	४८	८	३४	२६	२२	६	९	धनुषि	भ.१३/४८ उ.४१/५ या. हस्ते भौमः २१/५५ पूफायां×
१२	बु	३३	२३	पू	१६	५४	आ	४३	३०	ब	७	१२	४	३५	२५	२३	७	१०	म.३०।३४	कर्के शुक्रः ५३/४३ पवित्रा ११ ब्र. वै.
१३	गु	२४	८	उ	१०	३३	सौ	३२	३९	तै	२४	८	०	३६	२४	२४	८	११	मकरे	प्रदोषः
१४	शु	१४	५४	श्र	१३/२१	५२/२५	शो	२२	०	व	१४	५४	३१/५६	३७	२३	२५	९	१२	कुं.२७।५३	भ. १४।५४ उ. ४०।२४ या.
१५	श	५	५३	श	४७	१८	अ	११	१७	ब	५	५३	५२	३८	२२	२६	१०	१३	कुंभे	पुष्ये शुक्रः ४१।३७ रक्षाबंधनं श्राव.कर्म

१९पं.श्रा.शु.६बु.इ.२६।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	९	२	९	४	४
०	७	३	६	२२	१	३	०
३२	०	५६	९	२८	९	५५	५९
१५	३९	२०	५०	५८	१४	१९	५१
५७	३९	[illegible]	३६/३७	७०	३/४५	३	५७
३४	५३	[illegible]	ब	४९	ब	११	४०

गोचरग्रहाः

श्रावण शु.५ बुधे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न.५गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व ।

गोचरग्रहाः

२०पं.श्रा.शु१३ब.इ.२६।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	९	३	९	४	४
७	११	१७	५	०	०	३	७
१५	२८	१२	२८	३९	४६	३३	४४
४८	५	५७	४१	३२	१	१	१८
५७	४०	[illegible]	५/३७	७१	३/९	३	५७
४५	१०	[illegible]	ब	२२	ब	११	४८

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	४५	४४	पू	४०	८	सु	०/२०	४९/३३	तै	२०	१८	३१/४८	५/३८	६/२२	२७	११	१४	मी२६।५६	×केतुः ३३।१५ पश्चिमोदयं बुधः ५३।१६
३	चं	३७	३९	उ	३३	५०	शू	४०	३८	व	११	४२	४४	३९	२१	२८	१२	१५	मीने	भ ११/४२ उ.३७/३९ या. मघा.१ राहुः धनि.३×
४	मं	३१	२०	रे	२९	०	गं	३२	११	ब	४	३०	४०	४०	२०	२९	१३	१६	मे.२९।०	उफायां बुधः ४९।५५ च. ब्र.
५	बु	२६	५७	अ	२६	२३	वृ	२५	२६	तै	२६	५७	३६	४१	१९	३०	१४	१७	मेषे	पूफायां रविः ४४।१३ चंद्र ६
६	गु	२४	३०	भ	२५	२८	ध्रु	२०	१५	व	२४	३०	३२	४२	१८	३१	१५	१८	वृ.४०।४९	भ.२४।३०उ ५४/२८ या. कन्यायां बुधः ४५।३
७	शु	२४	२५	कृ	२६	५३	व्या	१६	५०	ब	२४	२५	२८	४२	१८	१	१६	१९	वृषे	सितम्बर मा.९ता.३० श्रीकृष्णजयंतीब्र.
८	श	२६	१६	रो	२९	१	ह	१५	१	कौ	२६	१६	२४	४३	१७	२	१७	२०	वृषे	मन्वादिः जन्माष्टमी ब्र. वै.
९	र	२९	३५	मृ	३४	५८	व	१४	५६	ग	२९	३५	२१	४४	१६	३	१८	२१	मि१।५९	गोगा ९
१०	चं	३४	२९	आ	४१	१२	सि	१५	३४	व	२	२	१८	४४	१६	४	१९	२२	मिथुने	भ. २।२ उ. ३४।२९
११	मं	४०	२२	पु	४८	२९	व्य	१६	१५	ब	७	२५	१४	४५	१५	५	२०	२३	क.३१।४०	अजा ११ ब्र. स्मा.
१२	बु	४६	२९	पु	५५	४६	व	१९	४१	कौ	१३	२५	१०	४६	१४	६	२१	२४	कर्के	हस्ते बुधः ५८/१६ आश्लेषा.शुक्रः ५८/४५ वत्स१२
१३	गु	५२	५७	श्ले	६०	०	प	२२	४३	ग	१९	४३	६	४७	१३	७	२२	२५	कर्के	भ. ५२।५७ उ. प्रदोषः
१४	शु	५९	६	श्ले	३	२४	शि	२४	४८	वि	२६	१	२	४८	१२	८	२३	२६	सिं३।२४	भ. २६।१ या.
३०	श	६०	०	म	११	८	सि	२७	५	च	३१	५७	३०/५७	४९	११	९	२४	२७	सिंहे	कुशाग्रहणम्
३०	र	४	४९	पू	१७	५६	सा	२९	५	ना	४	४९	५२	५०	१०	१०	२५	२८	कं.३४।३०	

२१पं. भा.कृ.६बु.इ.२६।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	९	३	९	४	४
१४	१५	२९	४	८	०	३	१४
१	५८	२८	५४	५४	२६	१०	२९
०	१२	१	४०	१७	३८	४८	५५
५७	४०	[illegible]	[illegible]	७१	३३	३	५८
५७	२१	[illegible]	ब	५०	ब	११	१

गोचरग्रहाः

इस मास का फल सामान्य है रूई चांदी चावल आदि मंदे होंगे वर्षा कम और वायु अधिक

गोचरग्रहाः

२२पं.भा.कृ.१३ब.इ.२६।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	९	३	९	४	४
२०	२०	१०	४	१७	०	२	२१
४७	३०	४४	२८	१३	१०	४८	१६
४०	५४	२७	३७	२३	२६	३२	५८
५८	४०	९४	३/२६	७२	१/५७	३	५८
१२	३८	३८	ब	११	ब	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३							वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः २७१६ स.१९६१
१	चं	१०	४२	उ	२४	१३	शु	३०	१९	ब	१०	४२	३०	५०	१०	११	२६	२९	कन्यायां	चित्राया भौमः ३६।१२ चन्द्रदर्शनम्
२	मं	१४	२	ह	२९	४५	शु	३२	२९	को	१४	२	४४	५१	९	१२	२७	१	कन्यायां	रविलाखर ४
३	बु	१७	२३	चि	३३	३८	ब्र	३२	२	ग	१७	२३	४०	५२	८	१३	२८	२	तु.१।४१	भ.३६उ. वक्री उपा.१ उफायां रविः३६०
४	गु	१९	२९	स्वा	३७	११	ऐं	३१	६	वि	१९	२९	३६	५३	७	१४	२९	३	तुलायां	भ. १९।२९ या. गणेश चतुर्थी
५	शु	२०	३७	वि	३९	३६	वै	२९	२३	बा	२०	३७	३०	५४	६	१५	३०	४	बृ.२४।००	ऋषि५ *वक्रीउपा.१ धनुषिशनिः३३
६	श	२०	२७	अ	४१	१४	वि	२६	५७	तै	२०	२७	२६	५५	५	१६	३१	५	वृश्चिके	चित्रायां बुधः ७।१७ कन्यायामर्क५४।३
७	र	१९	११	ज्ये	४१	५२	प्री	२३	१८	ब	१९	११	२२	५६	४	१७	१	६	ध.४१।५२	भ. १९।११ उ. ४७।५० या.
८	चं	१६	२९	मू	४०	३०	आ	१८	३०	ब	१६	२९	१८	५६	४	१८	२	७	धनुषि	मघायां सिंहे च शुक्रः ४।२८
९	मं	११	४९	पू	३७	४०	सौ	१२	३८	को	११	४९	१४	५७	३	१९	३	८	म.५१।३९	
१०	बु	६	२४	उ	३३	३६	शो	३८	५३	ग	६	२४	११	५८	२	२०	४	९	मकरे	भ.३३ उ.५९या. जलझूलनी११ब्र. स्मा.
११	बु	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×नावतार हरिवासर जलझूलनी११ब्र.वैनि
१२	गु	५१	३२	श्र	२८	२३	सु	४८	४२	ब	२५	३९	८	५८	२	२१	५	१०	कु.५५।११	तुलायां भौमः४५ तुलायां बुधः१६ वाम-×
१३	शु	४३	५३	ध	२१	५८	धृ	३९	१	को	१७	१२	४	५९	१	२२	६	११	कुम्भे	प्रदोषः
१४	श	३४	९	श	१५	०	शू	२८	५०	ग	८	३१	०	६	०	२३	७	१२	मी५१।३५	भ. ३४।९ उ. ५९।२७ या. अनंत १४
१५	र	२४	४५	पू	७	४७	गं	१८	२८	ब	२४	४५	२९	१	१	२४	८	१३	मीने	महालयारंभः

२३पं. भा.शु.४व.इ.२६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	९	३	८	४	४
२७	२५	२०	४	२५	२९	२	२७
२६	६	५९	११	३६	५८	२६	५२
३	२	३८	१३	४३	४८	१६	२
५८	४५	८३	३	७२	२१	३	५८
२९	५	२६	ब	३२	च	११	२६

गोचरग्रहाः

भाद्र. शु.६ शनौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.५प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

२४पं.भा.शु.१२बृ.इ.२६।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	९	४	८	४	५
४	२९	०	४	४	२९	२	४
२६	४५	९	२	५	५२	४	५४
१०	४०	३६	५३	२	२९	१	२४
५८	४१	७१	४०	७२	३३	३	५८
४५	२०	५	ब	५३	ब	११	३१

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३							वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	१६	१७	उ	५२	८	धृ	३६	५०	को	१६	१७	५०	३	५८	२५	९	१४	मे.५५।२०	मार्गी गुरुः १०।४
२	मं	९	३	अ	५१	०	ध्या	५१	२२	ग	९	३	४६	३	५७	२६	१०	१५	मेषे	भ. ३६।१७ उ.
३	बु	३	३०	भ	४८	१४	ह	४४	३३	वि	३	३०	४२	४	५६	२७	११	१६	मेषे	भ.३३या. स्वात्यां बुधः४४ मार्गी शनिः*
४	बु	५६	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	शु	५८	२३	कृ	४७	४६	ब	३९	२८	को	२९	५	३८	५	५५	२८	१२	१७	बृ. ३।७	
६	शु	५८	४३	रो	४९	२०	सि	३६	१	ग	२८	३३	३४	५	५५	२९	१३	१८	वृषे	भ. ५८।४३ उ. पूफायां शुक्रः ३।४३
७	श	६०	०	मृ	५२	५७	व्य	३४	२४	वि	३०	१९	३०	६	५४	३०	१४	१९	मि२१।८	भ.३०।१९या. *हस्ते रविः३१ च.ब्र.
७	र	१	५४	आ	५८	१७	व	३४	२८	ब	१	५४	२६	७	५३	१	१५	२०	मिथुने	अक्टूबर मा.१० ता.३१ स्वात्यां भौमः४१
८	चं	६	९	पु	६०	०	प	३५	१४	को	६	९	२१	८	५२	२	१६	२१	क.४८।१९	
९	मं	११	५५	पु	४	५९	शि	३७	२६	ग	११	५५	१८	९	५१	३	१७	२२	कर्के	भ. ४४।५७ उ.
१०	बु	१७	५९	पु	१२	२२	सि	३९	३५	वि	१७	५९	१४	१०	५१	४	१८	२३	कर्के	भ. १७।५९ या.
११	गु	२४	३५	श्ले	२०	६	सा	४२	१२	बा	२४	३५	१०	१०	५०	५	१९	२४	सिं२०।६	इन्दिरा ११ ब्र.
१२	शु	३०	५७	म	२७	४२	शु	४४	३१	तै	३०	५७	६	११	४९	६	२०	२५	सिंहे	
१३	श	३६	३	पू	३४	४७	शु	४६	४७	ग	३	३०	४	११	४९	७	२१	२६	कं.५१।१८	भ.३६।३उ. युगादि प्रदोषः ×पितृ३०
१४	र	४१	१२	उ	४०	५२	ब्र	४७	४७	वि	८	३७	०	१२	४८	८	२२	२७	कन्यायां	भ. ८।३७ या. शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
३०	चं	४४	५१	ह	४५	४८	ऐं	४७	५६	च	१३	१	२८	१३	४७	९	२३	२८	कन्यायां	उफायां शुक्रः ५६ वक्री बुधः ४३ सर्वं×

२५पं. आ.कृ.५बृ.इ.२६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	९	४	८	४	५
११	४	७	४	१२	२९	१	११
१८	२६	५०	४	३३	५०	४१	४६
१४	१२	४२	५२	३९	४९	४५	५५
५९	४१	५४	३५	७३	८	३	५८
०	३२	९	मा	५१	ब	११	५३

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच सोमवार प्रजा में सुख शांतिकारक है। कृष्ण वस्त्र तथा रसकस आदि तेज होंगे, मंदी होगी

गोचरग्रहाः

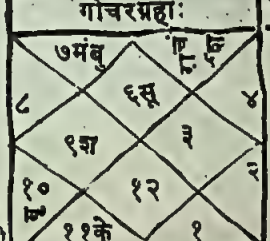

२६पं.आ.कृ.११बृ.इ.२५।५४

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	९	४	८	४	५
१८	९	१३	४	२१	२९	१	१८
१२	१०	१६	१५	७	५३	१९	४०
१	३०	१९	१६	२३	५३	३०	९
५९	४१	२६	१०	७३	०	३	५९
१६	४८	४४	मा	३३	५६	११	९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७४५ स. १९६१
१	मं	४७	३२	चि	४९	५४	वै	४७	२७	किं	१६	३२	२६	६	५	१०	२४	२९	तु. १७।५५	चित्रायारविः ३७ मातामहश्रा. नवरात्रारंभः
२	बु	४८	२३	स्वा	५२	५२	वि	४६	२	बा	१७	२३	४६	१५	४५	११	२५	३०	तुलायां	उषा. २ मकरे शनिः ३९ चंद्रदर्शनम्
३	गु	४८	३२	वि	५४	३४	प्री	४३	३८	तै	१८	३२	४२	१६	४४	१२	२६	१	वृ. ३७।२७	कन्यायां शुक्रः ३९।४३ जमादिलावल्यं
४	शु	४७	४२	अ	५५	४२	आ	४०	२३	व	१८	४२	३८	१६	४४	१३	२७	२	वृश्चिके	भ. १८।७ उ. ४७।४२ या.
५	श	४६	९	ज्ये	५५	४१	सौ	३६	२८	ब	१६	९	३४	१७	४३	१४	२८	३	ध. ५५।४१	
६	र	४३	२१	मू	५४	४०	शो	३२	७	कौ	१४	२१	३०	१८	४२	१५	२९	४	धनुषि	
७	चं	४०	१	पू	५२	५४	अ	२६	३५	ग	११	१	२६	१९	४१	१६	३०	५	धनुषि	भ. ४०।१ उ. अस्तं भौमः ५२।३०
८	मं	३५	४०	उ	५०	१८	सु	२०	३८	वि	७	४०	२२	२०	४०	१७	३१	६	म. ७।१५	भ. ७।५१ या. तुलायामर्कः १९ बलिदानं
९	बु	३०	२९	श्र	४६	५१	धृ	१४	१	बा	३	२९	१८	२०	४०	१८	१	७	मकरे	मन्वादिः दुर्गा९ पश्चिमास्तंबुधः १।४६
१०	गु	२४	३७	ध	४२	३९	शु	४	५७	ग	२४	३७	१४	२१	३९	१९	२	८	कुं. १४।४०	भ. ५१।२१ उ. विजया १० पट्टाभिषेके
११	शु	१८	४	श	३७	४१	वृ	५०	१७	वि	१८	४	९	२२	३८	२०	३	९	कुम्भे	भ १९ या. हस्तेशुक्रः ४६ पापाकुशा ११ ब्र.
१२	श	१०	४८	पू	३२	१२	धु	४१	२३	बा	१०	४८	४	२३	३७	२१	४	१०	मी १८।३४	विशाखायांभौमः ४७ प्रदोषः वक्रीचिबुध ३५
१३	र	३	२९	उ	२६	४८	ध्या	३३	१५	तै	३	२९	२७	२४	३६	२२	५	११	मीने	भ. ५६।३ उ.
१४	र	५२	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	चं	४९	४७	रे	२१	३४	ह	२३	४९	वि	२२	५५	५४	२५	३५	२३	६	१२	मे. २१।३४	भ. २२।५५ या. कोजागरीव्रतं शरद् १५

२७पं.आ.शु.३ब्रू.इ.२५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	९	४	९	४	५
२५	१३	१४	४	२९	०	०	२५
७	५७	३९	३६	४२	१	५७	३५
४३	१८	५०	२९	५४	४८	१४	६
५९	४१	२७	३	७३	३	३	५९
३१	५८	ब	१८	२२	३८	११	२१

गोचरग्रहाः

आश्विन शु. ८ भौमे तुलायामर्कः प्र.वा. ४न. ४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयंपूर्वे

गोचरग्रहाः

२८पं.आ.शु.१०ब्रू.इ.२५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	९	५	९	४	६
२	१८	९	५	८	०	०	२
५	४७	५२	६	२०	१४	३४	३१
१३	२०	१	३६	३४	२०	५८	३३
५९	४२	६६	४	७३	२	३	५९
४६	१४	च	३०	४५	२०	११	३४

ति	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतौ रविर्दक्षिणेआश्वि. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	४४	३	अ	१७	८	व	१५	४४	बा	१६	५५	२७	६	५	२४	७	१३	मेषे	स्वात्यां रविः ०।५५
२	बु	३९	५६	भ	१३	५०	सि	८	२९	तै	११	५९	४६	२७	३३	२५	८	१४	वृ. २८।२६	
३	गु	३७	४५	कृ	१२	१५	व्य	३९	५५	व	८	५१	४२	२८	३२	२६	९	१५	वृषे	भ. ८।५१ उ. ३७।४५ या.
४	शु	३७	२४	रो	१२	३७	प	५५	०	ब	७	३४	३८	२८	३२	२७	१०	१६	मि ४३।३९	वक्री कन्यायां बुधः ५९।८ कर्क ४ ब्र.
५	श	३९	१६	मृ	१४	४१	शि	५३	३६	कौ	८	२०	३५	२९	३१	२८	११	१७	मिथुने	पूर्वोदयं बुधः ५३।३
६	र	४३	०	आ	१८	४९	सि	५३	२३	ग	११	८	३२	३०	३०	२९	१२	१८	मिथुने	भ. ४३।० उ.
७	चं	४८	७	पु	२४	३२	सा	५४	३४	वि	१५	३४	२९	३०	३०	३०	१३	१९	क. ८।६	भ. १५ या. कर्के राहुः मकरे केतुः २५।२२
८	मं	५४	५	पु	३१	२४	श्लो	५६	२२	बा	२१	६	२६	३१	२९	३१	१४	२०	कर्के	नवंबर मा. ११ ता. ३०
९	बु	६०	०	श्ले	३९	४५	शु	५८	३७	तै	२७	२२	२३	३१	२९	१	१५	२१	सिं ३९।४५	
९	गु	०	४०	म	४६	१९	ब्र	६०	०	ग	०	४०	२०	३२	२८	२	१६	२२	सिंहे	भ. ३३।५२ उ.
१०	शु	७	४	पू	५३	४४	ब्र	१	३	वि	७	४	१७	३३	२७	३	१७	२३	सिंहे	भ. ७।४ या. उषायां ४ गुरुः ३८।४०
११	श	१२	४५	उ	६०	०	ऐं	३	६	बा	१२	४५	१४	३३	२७	४	१८	२४	कं. १०।१९	बृश्चिकेभौमः २४ रमा ११ ब्र. तुला. बुधः ९
१२	र	१७	२४	उ	०	३	वै	४	२४	तै	१७	२४	१०	३४	२६	५	१९	२५	कन्यायां	तुलायां भृगुः ५१।४१ प्रदोषः धन १३
१३	चं	२०	४४	ह	५	९	वि	४	४९	व	२०	४४	७	३५	२५	६	२०	२६	तु. ३६।५९	भ. २० उ. २३ या. विशाखायां रविः १७ ×
१४	मं	२३	५७	चि	८	४८	प्री	४	२	श	२३	५७	४	३५	२५	७	२१	२७	तुलायां	महालक्ष्मी पूजा ×रूप १४
२०	बु	२२	५८	स्वा	११	७	आ	३	५६	ना	२२	५८	०	३६	२४	८	२२	२८	बृ. ५६।५१	अन्नकूट गोवर्धन पूजा

२९पं.का.कृ.३ब्रू.इ.२५।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	९	५	९	४	६
९	२३	१	५	१७	०	०	९
७	३९	५०	४४	१	३१	१२	२९
३३	१८	१३	४९	४८	५२	४३	५०
६०	४२	४१	५	७३	२	३	६०
२	३५	ब	३७	५६	५६	११	४७

गोचरग्रहाः

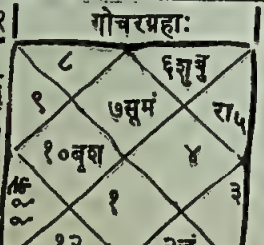

इस मास में पांच मंगलवार प्रजा में पीड़ा कारक है। धान्यादि में मंदी। चांदी सोना पीतवस्त्र आदि तेज।

गोचरग्रहाः

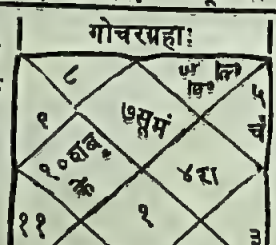

३०पं.का.कृ ९ब्रू.इ.२५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	९	५	९	३	६
१६	२८	२९	३	२५	०	२९	१६
५	३४	१५	२१	४५	५३	५०	२९
७७	१९	३०	५५	३२	५३	२७	३९
६०	४३	३५	६	७३	३	३	६०
१८	१	मा	३६	५६	३८	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७७५ सन् १९६१
१	गु २१ ४७ वि १२ ५ शो ५५ १ ब २१ ४७	२६	६	५	९	२३	२९	वृश्चिके	अनुराधाया भौमः ४५ चन्द्रदर्शन संभवः
२	शु १९ ३९ अ ११ ६० अ ५० २० कौ १९ ३९	५३	३७	२३	१०	२४	१	वृश्चिके	यम २ जमादिलाखर ६
३	श १६ ४७ ज्ये १० ४८ सु ४४ ३६ ग १६ ४७	५०	३८	२२	११	२५	२	व.१०।४८	भ ४५ उ. स्वात्यांबुधः ३ स्वात्यांशुक्रः ३१
४	र १२ ५३ मू ८ ५३ धृ ३९ २ वि १२ ५३	४६	३९	२१	१२	२६	३	धनुषि	भ. १२।५३ या.
५	चं ८ ५३ पू ६ ४५ शू ३२ ४ बा ८ ५३	४३	३९	२१	१३	२७	४	म.२१।३	
६	मं ४ ४४ उ ३ ५६ गं २५ २४ तै ४ ४४	४०	४०	२०	१४	२८	५	मकरे	भ. ५९।३७ उ.
७	मं ५४ ५३ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
८	बु ५४ ४९ श ५ ५६ वृ १८ ३० वि २७ ८	३७	४१	१९	१५	२९	६	कु.२८।५५	भ. २७।८ या. गोपाष्टमी
९	गु ४९ २८ श ५४ ११ ध्रु ११ १४ बा २२ ३	३४	४१	१९	१६	३०	७	कुंभे	बृश्चिकेऽर्कः १२।३५ अक्षय ९ ●११ब्र.
१०	शु ४४ ५ पू ५० ३० व्या ५४ ४३ तै १६ ४६	३२	४२	१८	१७	१	८	मी३६।२५	
११	श ३८ ४३ उ ४६ ४८ व ४९ १७ व ११ २४	२९	४२	१८	१८	२	९	मीने	भ. ११ उ. ३६ या. तुलसीविवाह प्रबोधिनी●
१२	र ३३ २५ रे ४३ २३ सि ४२ ५ ब ६ ४	२६	४३	१७	१९	३	१०	मे.४३।२३	अनुराधाया रविः ३३ हरिवासराऽभावः
१३	चं २८ २३ अ ४० २० व्य ३५ २ कौ ० ५४	२४	४३	१७	२०	४	११	मेषे	विशाखायां बुधः २७ बैकुंठ १४ प्रदोषः
१४	मं २४ ८ भ ३७ ३९ व २८ ३५ व २४ ८	२१	४४	१६	२१	५	१२	वृ.५२।२०	भ. २४ उ. ५३ या. विशाखायां शुक्रः ४८।६
१५	बु २० ५३ कृ ३६ २३ प २२ ५५ ब २० ५३	२०	४४	१६	२२	६	१३	वृषे	मन्वादिः

३१पं. का.शु.१बृ.इ.२४।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	९	६	९	३	६
२३	३	४	७	४	१	२९	२३
८	३२	३९	२५	२८	१९	२८	३०
१५	२७	५०	१२	५१	२३	१२	५९
६०	४३	७३	७	७४	४	३	६०
३०	११	३१	४२	२	२०	११	१७

गोचरग्रहाः

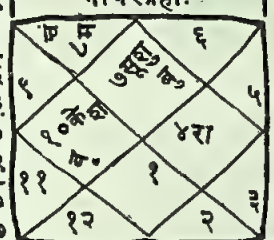

कार्तिक शुक्ला ९
गुरौ बृश्चिकेऽर्कः
प्र.वा.३न.४कुमारावस्था (सूती)
मु. ३० (धान्य भाव तेज)।

गोचरग्रहाः

३२पं.का.शु.९ बृ.इ.२४।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	९	६	९	३	७
०	८	१४	८	१३	१	२९	०
१२	३३	१७	२५	१३	४९	५	३३
१९	८	४९	५९	३३	२६	५६	४६
६०	४३	८१	८	७४	४	३	६०
४०	३१	५३	४२	०	५०	११	३०

ति.	मार्गशीर्षं कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेमार्गं.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु १९ ६ रो ३६ २९ शि १८ ७ कौ १९ ६	२६	४५	१५	२३	७	१४	वृषे	पूर्वास्तं बुधः ४८।१०
२	शु १८ ४४ मृ ३७ ५९ सि १४ ५२ ग १८ ४४	१३	४६	१४	२४	८	१५	मि७।१४	भ. ४९।३२ उ.
३	श २० २० आ ४१ ८ सा १२ ५६ वि २० २०	११	४६	१४	२५	९	१६	मिथुने	भ. २०।२० या. च. ब्र.
४	र २३ ३० पु ४५ ५० शु ११ ४७ बा २३ ३०	८	४७	१३	२६	१०	१७	क.२९।४०	बृश्चिके बुधः ४४ श्रवणे १ गुरुः ९।१९
५	चं २८ ९ पु ५२ २४ शु १२ १० ते २८ ९	६	४७	१३	२७	११	१८	कर्के	ज्येष्ठायां भौमः ३६।४९
६	मं ३३ ५१ श्ले ५९ २४ ब्र १३ २९ ग १ ०	४	४७	१३	२८	१२	१९	सिं५९।२४	भ. ३३।५१ उ. अनु. बुधः ४८।४२
७	बु ४० २१ म ६० ० ऐं १५ १८ वि ७ ६	१	४८	१२	२९	१३	२०	सिंहे	भ. ७।६ या. बृश्चिके शुक्रः ४५।५८
८	गु ४६ ४५ म ६ ५६ वै १७ ३३ बा १३ ३३	२५	४८	१२	३०	१४	२१	सिंहे	
९	शु ५२ ४५ पू १४ १७ वि १९ ४२ ते १९ ४५	२६	४९	११	१	१५	२२	कं.३०।३१	दिसम्बर मा.१२ ता.३१ ●रविः ३७
१०	श ५७ ४२ उ २१ १५ प्री २१ १२ व २५ १३	५५	४९	११	२	१६	२३	कन्यायां	भ. ३५ उ. ५७ या. अनु. भृगुः ३७ ज्येष्ठायां●
११	र ६० ० ह २६ ५१ आ २२ १२ ब २९ २८	५३	४९	११	३	१७	२४	तु.५८।५४	उषायां ३ शनिः ५३ उत्पत्ति ११ब्र. स्मा.
११	चं १ १५ चि ३० ५८ सो २१ ४८ बा १ १५	५२	५०	१०	४	१८	२५	तुलायां	उत्पत्ति ११ ब्र. वै.
१२	मं ३ ११ स्वा ३६ २८ शो २० ७ ते ३ ११	५०	५०	१०	५	१९	२६	तुलायां	प्रदोषः
१३	बु ३ ७ वि ३४ ११ अ १७ १ व ३ ७	४८	५०	१०	६	२०	२७	वृ.१९।०	भ. ३।७ उ. ३२।१४ या.
१४	गु १ २२ अ ३३ २६ सु १२ ३३ श १ २२	४६	५१	९	७	२१	२८	बृश्चिके	ज्येष्ठायां बुधः १४।४२
२०	गु ५६ ४७ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	

३३पं. मा.कृ.१बृ.इ.२४।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	९	६	९	३	७
७	१३	२४	९	२२	२	२८	७
१७	३६	५१	३३	०	२३	४३	३७
५२	१४	३	४०	७	६	४०	४०
६०	४३	९४	९	७४	५	३	६०
५३	४७	४१	३३	१८	१६	११	४२

३४पं. मा.कृ.८बृ.इ.२४।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	९	७	९	३	७
१४	१८	५	१०	०	३	२८	१४
२४	४२	५४	४६	४७	०	२१	४२
३८	४०	२५	४१	३४	०	२५	५४
६१	४३	९६	१०	७४	५	३	६०
३	५६	५१	१८	२०	४४	११	५०

३५पं. मा.कृ.१४बृ.इ.२४।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	९	७	९	३	७
२१	२३	१६	१२	९	३	२७	२१
३२	५१	५५	३	३५	४०	५९	४८
२५	२८	३०	४६	३८	१	९	५८
६१	४४	९८	११	७४	६	३	६०
११	६	२०	२	२६	१२	११	५६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×वृशके ●बृशके

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २८०४ स.१९६१
१	शु ५३ ३६ ज्ये ३१ ३ धृ ६ ५१ कि २५ ५२ ३५ ५१	६	५	९	८	२२	२९	ध.३१।१	
२	श ४८ २१ मू २७ ५५ शू ० ५३ वा २० ५८ ४३ ५१	९	९	२३	३०			धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	र ४२ ३६ पू २४ ३ वृ ४५ ८ तै १५ २८ ४२ ५२	८	१०	२४	१			म.३७।५७	रज्जव ७
४	चं ३६ ३९ उ १९ ४१ ध्रु ३७ ६ व ९ ३७ ४१ ५२	८	११	२५	२			मकरे	भ. ९।३७ उ. ३६।३९ या.
५	मं ३० ५३ श्र १५ ३५ ध्या २९ ६ ब ३ ४६ ४० ५२	८	१२	२६	३			कु.४३।४३	ज्येष्ठायां शुक्रः ५९।३५
६	बु २५ १९ ध ११ ५१ ह २१ ३३ तै २५ १९ २९ ५२	८	१३	२७	४			कुम्भे	श्रवणे २ गुरुः ४३।३३
७	गु २० ३ श ८ ३ व १४ २ व २० ३ २८ ५२	८	१४	२८	५			मी५०।४१	भ. २०।३ उ. ४७।३३ या.
८	शु १५ ३ पू ४ ५३ सि ६ ४८ ब १५ ३ २८ ५२	८	१५	२९	६			मीने	मूले धनुषि च भौमः ३१/५ धनुषि बुधः ३७०
९	श १० ४८ उ ५ ५७ व्य ० ५३ कौ १० ४८ २८ ५२	८	१६	१	७			मे.५९।३०	
१०	र ७ ४९ अ ५७ ४७ प ४७ ५९ ग ७ ४९ २७ ५३	७	१७	२	८			मेषे	भ. ३५।४४ उ. ●धनुष्यकः ४१।७
११	चं ३ ३८ भ ५६ ५५ शि ४२ ४३ वि ३ ३८ २७ ५३	७	१८	३	९			मेषे	भ.३।३८ या. मोक्षदा११ब्र. गीताजयंती
१२	मं १ ८ कृ ५६ ३० सि ३८ ३ बा १ ८ २७ ५३	७	१९	४	१०			वृ.११।४९	प्रदोषः
१३	मं ५८ १३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०			०	
१४	बु ५८ ४८ रो ५७ १४ सा ३४ १२ ग २९ ५ २७ ५३	७	२०	५	११			वृषे	भ. ५८।४८ उ.
१५	गु ५९ १२ मृ ५९ १५ शु ३१ ११ वि २९ ० २६ ५३	७	२१	६	१२			मि२८।१४	भ. २९।० या. दत्त जयंती

३६पं.मा.शु.७बृ.इ.२३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	९	७	९	३	७
२८	२९	२७	१३	१८	४	२७	२८
४१	२	५७	२७	२४	२२	५६	५५
८	२०	३६	१४	४०	२४	५३	५५
६१	४४	९९	११	७४	६	३	६१
१९	३६	४९	२६	२६	२७	११	०

गोचरग्रहाः

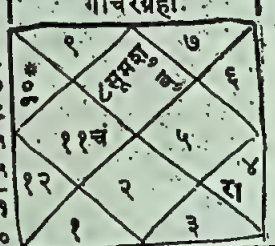

मार्ग. शु. ८ शुक्रे
धनुष्यकः प्र. वा.
२त्र.३ कुमाराव-
स्था (बैठी) मु.४५
(धान्यभाव मंदा)
शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

३७पं.मा.शु.१५बृ.इ.२३।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	५	७	९	३	८
५	४	९	१७	२७	५	२७	६
५०	१५	२	५३	१३	६	१४	३
३३	३६	४९	५३	३४	४३	३७	६१
६१	४४	०	१२	७४	६	३	६१
२२	३६	९५	११	३२	४२	११	५

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ६० ० आ ६० ० शु २९ २७ बा ३० १५ ३६ ५३	५	५	२२	७	१३		मिथुने	
२	श १ १९ आ २ ३७ ब्र २८ १८ कौ १ १९ ३६ ५३	७	२३	८	१४			क.५०।५९	मूले धनुषि च शुक्रः ३७।५७
३	र ४ ३२ पु ७ ३ पै २८ १५ ग ४ ३२ ३६ ५३	७	२४	९	१५			कर्के	भ. ३६।३७ उ. पूषायां बुधः ५।५७
४	चं ८ ४३ पु १३ ६ वै २९ १६ वि ८ ४३ ३६ ५३	७	२५	१०	१६			कर्के	भ. ८।४३ या. च. ब्र.
५	मं १४ १२ श्ले १९ ४५ वि ३० ५२ बा १४ १२ ३७ ५३	७	२६	११	१७			सिं१९।४५	
६	बु २० २८ म २७ ८ प्री ३२ ५१ तै २० २८ ३७ ५३	७	२७	१२	१८			सिंहे	
७	गु २७ ६ पू ३४ ४५ आ ३५ १३ ब २७ ६ ३८ ५२	८	२८	१३	१९			कं.५१।३८	भ. २७।६ उ. पूषायां रविः ४२।४३
८	शु ३३ ३० उ ४२ १७ सौ ३७ २० वि ० २० ३८ ५२	८	२९	१४	२०			कन्यायां	भ.२० या. श्रवणे३ गुरुः ४४ पू.अ.शु.
९	श ३९ २ ह ४८ २७ शो ३८ ३७ बा ६ १६ ३९ ५२	८	३०	१५	२१			कन्यायां	×१३/१ सार्पे३राहुः धनि.१ केतुः १६।४४
१०	र ४३ १५ चि ५४ ४६ अ ३९ ११ तै ११ ८ ४० ५२	८	३१	१६	२२			तु.२१।४१	●१९६२ पूर्वास्तो भृगुः ३६/१ उषायां बुधः×
११	चं ४५ ५५ स्वा ५७ १७ सु ३८ १९ ब १४ ३५ ४१ ५२	८	१	१७	२३			तुलायां	भ.१५/१ उ.४५/१ या.जनवरी मा.१ता.३१सन्०
१२	मं ४६ ४० वि ५८ ५० धृ ३६ ४ ब १६ १७ ४२ ५२	८	२	१८	२४			वृ.४३।२७	पूषायां भौमः ३४/१ सफला११ब्र. स्मा. वै.
१३	बु ४५ १७ अ ५८ २४ शू ३२ ९ को १५ ५८ ४३ ५१	९	३	१९	२५			वृश्चिके	मकरे बुधः २४।३ पूषायां शुक्रः १०।४
१४	गु ४१ ४६ ज्ये ५६ १६ ग २६ ५० ग १३ १ ४४ ५१	९	४	२०	२६			ध.५६।१६	भ.४१/१ उषायां४ शनिः १०।४९ प्रदोषः
१५	शु ३६ ४७ मू ५२ १७ वृ १९ ५९ वि ९ १६ ४५ ५१	९	५	२१	२७			धनुषि	भ. ९।१६ अस्तं शनिः ५४।४१
३८	श ३० १३ पू ४८ ११ धृ ११ ५४ च ३ ३० ४६ ५१	९	६	२२	२८			धनुषि	

३८पं.पौ.कृ.६बृ.इ.२३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	९	८	९	३	८
१३	९	२०	१६	४	५	२६	१३
०	३१	१६	२३	२	५३	५२	११
२५	४४	५२	३०	१०	३०	२२	२९
६१	४४	०	१२	७४	७	३	६१
२६	५७	९	३१	३२	०	११	६

गोचरग्रहाः

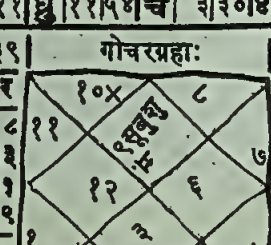

इस मास में पांच शनिवार महा-अशुभ हैं। पश्चिमी देशों का संहार, अग्नि भय होगा।

गोचरग्रहाः

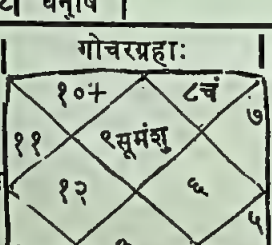

३९पं.पौ.कृ.१३बृ.इ.२३।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	८	९	३	८
२०	१४	१	१७	१४	४	२६	२०
१०	४९	३७	५६	५१	४१	३०	१९
२३	२३	३८	५६	१८	३१	६	३४
६१	४४	९८	३१	७४	७	३	६१
२६	५७	३५	०	३२	८	११	६

●बृशके ×केबृश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) +बुबृशके

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३	दि.	उ.	अ.	घ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२८३४ स.१९६२
१	र २२५२ उ ४१ ४१ व्या ३ ५२ ब २२५२ २५	५६	९	७	२३	२९	म.१.३३	चंद्रदर्शनम् पश्चिमोदयं बुधः ६।२०
२	चं १५ १० श ३५ ३९ ह ४४ ६ कौ १५ १० ५०	५०	१०	८	२४	१	मकरे	सावान ८
३	मं ७ २० ध २९ ४४ सि ३४ ४५ ग ७ २० ५२	५०	१०	९	२५	२	कुं.२।४१	भ.३३।३९उ.५१या. श्रवणेबुधः ३०।५९
४	बु मं ५२ ३७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	
५	बु ५३ २१ श २४ २३ व्य २५ ४५ व २६ ३९ ५४	४९	११	१०	२६	३	कुम्भे	उषायां रविः ४४।१२
६	शु ४७ २८ पू १९ ५१ व १७ २७ कौ २० २४ ५६	४९	११	११	२७	४	मी५।५९	
७	शु ४२ ३१ उ १६ १४ प ९ ४६ ग १४ ५९ ५८	४८	१२	१२	२८	५	मीने	भ. ४२।३१ उ. ●३६ मकरेऽर्कः ३९
८	श ३८ ५१ रे १३ ३१ शि १२३ ५४ वि १० ४१ २६	४८	१२	१३	२९	६	मे.१३।३१	भ.१९या. उषायांशुक्रः ४६ श्रवणे४ गुरुः●
९	र ३६ १ अ १२ ६ सा ५२ ३५ ब ७ २६ २	४८	१२	१४	१	७	मेषे	
१०	चं ३४ ३३ भ ११ ४० शु ४८ ३४ तै ५ १७ ४	४७	१३	१५	२	८	वृ.२६।४९	
११	मं ३४ ३ कृ १२ १७ शु ४५ २६ ब ४ १८ ६	४७	१३	१६	३	९	वृषे	भ.१४उ.३४या.मकरेशुक्रः ३३ पुष्यदा११ब्र.
१२	बु ३४ ५६ रो १४ ६ ब्र ४३ २६ ब ४ २९ ९	४६	१४	१७	४	१०	मि४५।२४	
१३	शु ३६ २७ मृ १६ ४२ ऐं ४२ १० कौ ५ ४१ १३	४६	१४	१८	५	११	मिथुने	धनिष्ठायां बुधः ३८।५० प्रदोषः
१४	शु ३९ २१ आ २० ४८ वै ४१ ५३ ग ७ ५४ १५	४५	१५	१९	६	१२	मिथुने	भ. ३९।११ उ. उषायां भौमः ५४।३१
१५	श ४३ १४ पु २५ ४३ वि ४२ ३ वि ११ १७ १७	४५	१५	२०	७	१३	क.९।२९	भ.११।१७ या. अभि. प्र. रविः३०।५७

४०पं.पौ.शु.६ बृ.इ.२३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	८	९	३	८
२७	२०	१२	१९	२३	७	२६	२७
२०	९	५२	३२	३९	३०	७	३९
१७	११	२६	२४	३६	४३	५०	४७
६१	४५	९४	१३	७४	७	३	६१
२४	२	२	२१	३२	१७	११	५

गोचरग्रहाः

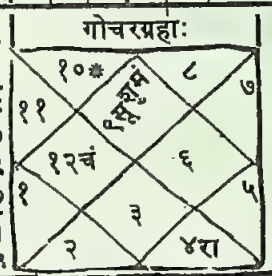

पौष शु. ८ शनौ
मकरेऽर्कः प्र.वा.२
न.३कुमारावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रास्तः पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

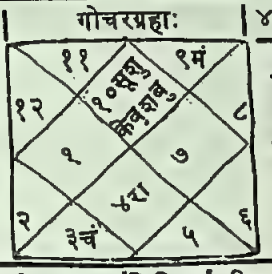

४१पं.पौ.शु.१३ बृ.इ.२३।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	९	९	९	३	९
४	२५	२३	२१	२	८	२५	४
२९	३१	०	९	२८	१९	४५	३५
४३	१२	५०	४०	१२	४०	३५	३०
६१	४५	७६	१३	७४	७	३	६१
१९	२१	५३	२३	३८	२०	११	३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३	दि.	उ.	अ.	घ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे,पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ४८२४ शु ३१ ४१ प्री ४३ ५ बा १५ ४९	३६	६	५	२१	८	१४	कर्के	
२	चं ५३ ५१ छे ३८ २० आ ४४ ३४ तै २१ ७	२३	४३	१७	२३	९	१५	सिं३८।२०	
३	मं ६० ० म ४५ ४२ सौ ४६ ३८ व २७ ०	२५	४३	१७	२३	१०	१६	सिंहे	भ. २७।० उ. श्रवणे रविः ४६।५६
४	बु ० ९ पू ५३ १५ शो ४८ ४७ वि ० ९	२७	४३	१८	२४	११	१७	सिंहे	भ.०।९या. मकरे भौमः १०।४० श्रवणे●
५	शु ० ६ ३७ उ ६० ० अ ५१ २० बा ६ ३७	३०	४२	१८	२५	१२	१८	कं.१०।१०	●शुक्रः ३९ च.ब्र. अभि.नि.रविः ३९।११
६	शु १३ ६ उ ० ५६ सु ५२ ५८ तै १३ ६	३३	४१	१९	२६	१३	१९	कन्यायां	
७	श १८ ५३ ह ८ ३७ धृ ५४ ३ व १८ ५३	३६	४१	१९	२७	१४	२०	तु.४१।२३	भ.१६उ.५१या. वक्रीबुधः ४२ धनिष्ठा.१४
८	र २३ ४४ चि १४ ९ शू ५४ १६ ब २३ ४४	४०	४०	२०	२८	१५	२१	तुलायां	
९	चं २७ ५ स्वा १९ १ गं ५३ २१ कौ २७ ५	४३	४०	२०	२९	१६	२२	तुलायां	अस्तं गुरुः २५।१ अ.गु.
१०	मं २८ ३७ वि २२ २ वृ ५० ५२ ग २८ ३७	४६	३९	२१	३०	१७	२३	वृ.६।१७	भ.५८।२९ उ. पश्चिमास्तं बुधः ६।२०
११	बु २८ २० अ २३ ५ शु ४६ ४४ वि २८ २०	४९	३८	२२	३१	१८	२४	वृश्चिके	भ. २८।२० या. ×गुरुः ४२।२८
१२	शु २५ ५४ ज्ये २२ १४ ध्या ४० ५६ बा २५ ५४	५२	३८	२२	१	१९	२५	ध.२२।१४	फरवरी मा.२ ता.२८ श्रवणे१ शनिः ३१+
१३	शु २१ ३३ मू १९ १८ ह ३३ ४३ तै २१ ३३	५५	३७	२३	२	२०	२६	धनुषि	प्रदोषः +षट्तिला ११ ब्र.
१४	श १५ १५ पू १४ ३९ व २४ ५४ व १५ १५	५७	३७	२३	३	२१	२७	म.२८।९	भ. १५।१५ उ. ४१।२१ या.
१५	र ७ २८ उ ८ ३९ सि १५ १८ श ७ २८	२९	३६	२४	४	२२	२८	मकरे	धनिष्ठायां शुक्रः १।२३
१६	र ५१ २४ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	

४२पं. मा.कृ.४ बृ.इ.२३।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	९	९	९	३	९
११	०	२९	२२	११	९	२५	११
३८	५५	२	४८	१६	१०	२३	४२
३४	१९	४६	४०	४८	१६	१९	५६
६१	४५	२९	१३	७४	७	३	६०
१३	१२	४०	३२	३८	२०	११	५९

गोचरग्रहाः

इस मास का फल अच्छा नहीं है, अमावस्या के पास ८ ग्रह एक राशि में हैं जो बहुत अशुभ हैं।

गोचरग्रहाः

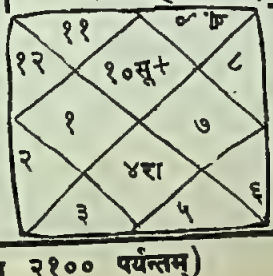

४३पं.मा.कृ.११ बृ.इ.२३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	९	९	९	३	९
१८	६	२७	२४	२०	१०	२५	१८
४६	१९	९	२८	३	०	१	४९
३५	४४	५८	५२	५०	११	४	२९
६१	४६	९३	१३	७४	७	३	६०
४	७	ब	३७	३६	१९	११	५५

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३								दि.		उ.		अ.		इ.		हि.		मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २८६३ स. १९६२
१	चं	४९	३५	श्र	३५	५३	व्य	५६	४९	किं	२४	१४	२७	६	५	५	२३	२९	कु. २७।१०	वक्राश्रवणे बुधः ९।१२ धनि.रवि.५२।४८
२	मं	४०	२९	श	४७	३	व	४३	४०	बा	१५	२	८	३४	२६	६	२४	३०	कुम्भे	श्रवणे भौमः ५।५१ चन्द्रदर्शनम्
३	बु	३१	४६	पू	४०	२१	प	३२	३६	तै	६	७	१२	३४	२६	७	२५	१	मी २७।२	भ. ५७।४० उ. रमजान ९
४	गु	२३	३७	उ	३४	४३	शि	२३	५१	वि	२३	३७	१६	३३	२७	८	२६	२	मीने	भ. २३।३७ या. उदयं शनेः ५३।१४
५	शु	१७	३५	रे	३०	२३	सि	१५	४९	बा	१७	३५	२०	३२	२८	९	२७	३	मे. ३०।२३	कुम्भे भृगुः १९।४२ वसंत ५
६	श	१२	१८	अ	२७	२७	सा	८	४८	तै	१२	१८	२३	३१	२९	१०	२८	४	मेषे	धनिष्ठा. २ गुरुः ३७।५६
७	र	८	४	भ	२६	२०	शु	५३	४३	व	८	४	२६	३१	२९	११	२९	५	वृ. ४१।२४	भ. ८।४ उ ३७।४० या. रथ ७
८	चं	७	१७	कृ	२६	३५	शु	५५	३३	ब	७	१७	३०	३०	३०	१२	३०	६	वृषे	कुम्भेऽर्कः ३६ भीष्माष्मी उर्वोदयंबुधः ३७
९	मं	६	३५	रो	२८	२४	कौ	५३	४६	कौ	६	३५	३४	२९	३१	१३	१	७	वृषे	
१०	बु	७	५१	मृ	३१	४७	ग	५२	५१	ग	७	५१	३८	२८	३२	१४	२	८	मि ०।५	भ. ३९।५ शते शुक्रः ३८।१५
११	गु	१०	१८	आ	३६	१६	वि	५३	१२	वि	१०	१८	४२	२८	३२	१५	३	९	मिथुने	भ. १०।१८ या. जया ११ ब्र
१२	शु	१४	५	पु	४१	३९	प्री	५३	४४	बा	१४	५	४६	२७	३३	१६	४	१०	क. २५।१८	प्रदोषः
१३	श	१८	४१	पु	४८	८	आ	५५	६	तै	१८	४१	५०	२६	३४	१७	५	११	कर्के	
१४	र	२४	२३	श्ले	५४	५६	सौ	५६	४९	व	२४	२३	५४	२५	३५	१८	६	१२	सिं ५४।५७	भ. ३४ उ.५७।१४ या. मार्गी बुधः ५७
१५	चं	३०	५	म	६०	०	अ	५८	५७	ब	३०	५	५६	२५	३५	१९	७	१३	सिंहे	शते रविः २।५

४४पं. मा.शु.४बृ.इ.२३।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	९	९	९	३	९
२५	११	१९	२६	२८	१०	२४	२५
५३	४५	३०	९	५०	४८	३८	५५
२२	१८	३६	३२	३१	४७	४८	१७
६०	४५	३६	१३	७४	७	३	६०
५५	४७	ब	३८	३६	११	११	४७

गोचरग्रहाः

माघ शु. ८ चंद्रे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ नं.४ कुमारावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्याभाव मंदा) शुक्रास्तः पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

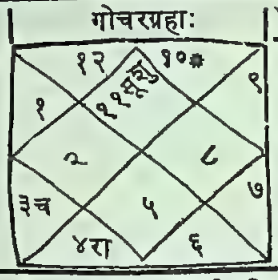

४५पं.मा.शु.११बृ.इ.२४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	९	१०	९	३	१०
२	१७	१५	२७	७	११	२४	३
५९	१२	१७	५०	३६	३७	१६	०
२५	१४	२०	१०	५४	५	३२	४
६०	४५	३६	१३	७४	७	३	६०
४२	५७	ब	३७	३२	२	११	३०

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३								दि.		उ.		अ.		इ.		हि.		मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३६	३०	म	२	१४	सु	६०	०	बा	३	१७	२९	६	२४	३६	२०	८	१४	सिंहे	पश्चिमोदय शुक्रः २१ भौमोदयः ४७ ४५ प.उ.
२	बु	४२	३७	पू	९	५२	सु	१	९	तै	९	३३	६	२३	३७	२१	९	१५	कं. २६।४६	शु.
३	गु	४९	३	उ	१७	१४	धृ	३	२४	व	१५	५०	१०	२२	३८	२२	१०	१६	कन्यायां	भ. १५।५० उ. ४९।३ या.
४	शु	५४	४८	ह	२४	२७	शू	५	३२	ब	२२	१६	१६	२१	३९	२३	११	१७	तु. ५७।३७	धनिष्ठायां भौमः ८।२०
५	श	५९	४४	चि	३०	४८	गं	६	५४	कौ	२७	१६	२०	२०	४०	२४	१२	१८	तुलायां	धनिष्ठा. ३ कुम्भे गुरुः ३६।३१
६	र	६०	०	स्वा	३६	३३	वृ	७	४२	ग	३१	४१	२४	१९	४१	२५	१३	१९	तुलायां	पूभायां शुक्रः २९ उदयं गुरुः ३४ उ.ग.
६	चं	३	३८	वि	४०	४६	धु	७	४५	व	३	३८	२८	१८	४२	२६	१४	२०	बृ. २४।४३	भ. ३।३८ उ. ३४।५५ या.
७	मं	६	१३	अ	४३	३२	व्या	६	२२	ब	६	१३	३१	१८	४२	२७	१५	२१	वृश्चिके	
८	बु	६	५०	ज्ये	४४	३२	ह	५	५५	कौ	६	५०	३४	१७	४३	२८	१६	२२	ध. ४४।३२	
९	गु	५	४३	मू	४३	३२	सि	५४	८	ग	५	४३	३८	१६	४४	१	१७	२३	धनुषि	भ. ३४।१३ उ. मार्च मा. ३ ता. ३१
१०	शु	२	४४	पू	४०	३३	व्य	४६	५५	वि	२	४४	४२	१६	४४	२	१८	२४	म. ५४।२३	भ. २।४४ या. विजया ११ व्र. स्मा.
११	शु	५५	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	श	५१	१३	उ	३५	५२	व	३८	२९	कौ	२४	३२	४६	१५	४५	३	१९	२५	मकरे	कुम्भेभौमः ४३ श्रवणे २ शनिः १७ वि. ११ ब्र
१३	र	४३	१	श्र	२९	४३	प	२८	४७	ग	१७	७	५०	१४	४६	४	२०	२६	कु. ५६।९	भ. ४३ पूभा रविः ६३ प्रदोषः शि.ब्र.स्मा.
१४	चं	३३	५२	ध	२२	३५	शि	१८	२२	वि	८	२६	५४	१३	४७	५	२१	२७	कुंभे	भ. २६ धनिष्ठायां बुध २४ मीने शुक्रः १६ ०
१५	मं	२४	११	श	१४	३३	सि	१२	४९	ना	२४	११	५८	१२	४८	६	२२	२८	मी ५३।४४	●सर्पे २ राहुः श्रवणे ४ केतुः १ शि.ब्र.स्मा.

४६पं. फा.कृ.३बृ.इ.२४।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	९	१०	९	३	१०
१०	२२	१५	२९	१६	१२	२३	१०
२	४०	७	३०	२२	२३	५४	३
५८	१६	१९	११	२६	५३	१७	३४
६०	४६	१९	१३	७४	६	३	६०
३१	१	४५	३२	३२	४६	११	२५

गोचरग्रहाः

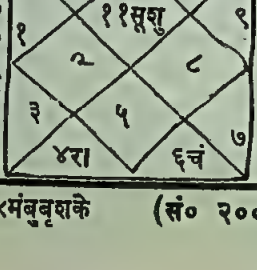

इस मासका फल साधारणहै, गुरु शुक्र का उदय व्यापारी वस्तुओं में घटा बढ़ी में मंदा है ।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.कृ.९ ब.इ.२४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	१०	१०	९	३	१०
१७	२८	२०	१	२५	१३	२३	१७
६	८	३	९	६	८	३२	५
४७	४६	४७	२५	१४	५३	१	४८
६०	४६	४९	१३	७४	६	३	६०
२०	३	०	२४	२६	३०	११	१२

+मंबुबृशुशके ×मंबुबृशके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ●मंबुबृशके =मंबुशके

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २८९३ स. १९६२
१	बु १४ ९ पू ४८ ३३ शु ४५ ३२ ब १४ ९	२९ ३	६ ५	४८	७	२३	२९	मीने	चंद्रदर्शनम्
२	गु ४ ४४ रे ५२ ५१ शु ३५ ३२ को ४ ४४	६ ११	४९	८	२४	१	मे.५२।५१	उभायांशुक्रः ५९° पातस्पर्शः ४६ सव्वाल १०*	
३	शु ५२ ४ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०	०	०	
४	शु ४९ १४ अ ४७ ५६ ब्र ६ २८ ब २३ १	१० १०	५०	९	२५	२	मेषे	भ. २३।१ उ. ४९ या. पातमोक्षः १।८	
५	श ४४ ५ भ ४४ ४२ वै १८ ४८ ब १६ ९	१५ ९	५१	१०	२६	३	बृ.५९।२५	कुम्भे बुधः ३७ धनि.४ गुरुः ५३।१८	
६	र ४० ४६ कृ ४३ ३० वै १३ १ को १२ २५	२० ८	५२	११	२७	४	वृषे		
७	चं ३९ २१ रो ४४ १० वि ८ ३४ ग १० ३	२४ ७	५३	१२	२८	५	वृषे	भ. ३९।२१ उ. शते भौमः २२।४	
८	मं ४० ३ मृ ४७ १ प्री ५ ५० वि ९ ४२	२८ ६	५४	१३	२९	६	मि१५।३५	भ. ९।४२ या. होलाष्टकः	
९	बु ४२ २६ आ ५१ २ आ ४ ३७ बा ११ १४	३२ ६	५४	१४	३०	७	मिथुने	मीनेऽर्कः १७।११ *फुलरिया २	
१०	शु ४६ २६ पु ५६ ३८ सौ ४ ४७ वै १४ ६	३६ ५	५५	१५	१	८	क.४०।१४	शते बुधः २९।४६	
११	शु ५१ २७ पु ६० ० शो ५ ३२ व १८ ५६	४० ४	५६	१६	२	९	कर्के	भ.१६ उ.२७ या. आमलकी ११ ब्र.स्मा.वे.	
१२	श ५७ ३० पु ३ ९ अ ७ १७ ब २४ २८	४४ ३	५७	१७	३	१०	कर्के	उभायां सूर्यः ४९ आमलकी ११ ब्र नि.	
१३	र ६० ० पु १० २७ सु ९ २१ को ३० ३२	४८ २	५८	१८	४	११	सिं१०।२७	रेवत्यां शुक्रः ४५।३ प्रदोष ब्र.	
१३	चं ३ ३५ म १७ ५२ धृ ११ ३७ वै ३ ३५	५३ २	५८	१९	५	१२	सिंहे		
१४	मं १० ४ पू २५ २० शू १३ ५७ ब १० ४	५८ १	५९	२०	६	१३	कं.४१।५५	भ.१० उ.४३ या होलिकादहनं भद्रोत्तरे	
१५	बु १६ १० उ ३१ ४१ मं १६ २३ ब १६ १०	३० ०	६	२१	७	१४	कन्यायां	छारेंडी	

४८पं. फा.शु.२ बृ.इ.२४।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	१०	११	९	३	१०
२४	३	२७	२	३	१३	२३	२४
८	३७	२९	४७	४९	५२	९	६
२०	४१	४२	२	४४	३३	४६	४
६०	४६	६७	१३	७४	६	३	५९
५	८	४८	१८	२६	१७	११	५८

गोचरग्रहाः

फाल्गुन शु.९ बुधे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न.३गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५ (धान्यभाव तेज) शुक्रोदयः पश्चिमे

गोचरग्रहाः

४९पं.फा.शु.१०बृ.इ.२५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	१०	११	९	३	११
१	९	६	४	१२	१४	२२	१
७	६	३३	२३	३२	३२	४७	५
५२	५६	४७	२८	१०	४२	३०	४
५९	४६	८२	१३	७४	५	३	५९
४९	८	५४	२	२६	५३	११	४१

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०१८ शाकः १८८३	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु २२ ११ ह ३८ ४२ चृ १८ १ को २२ ११	२९ ५९	६	२३	८	१५	कन्यायां	वसंत १	
२	शु २७ १८ चि ४५ ५० धु १९ ३२ ग २७ १८	१० ५८	१	२३	९	१६	तु.१२।४६	भ. ५९।३१ उ.	
३	श ३१ ४६ स्वा ५१ २३ ब्या २० ९ वि ३१ ४६	१४ ५७	३	२४	१०	१७	तुलायां	भ.३१ या. पूभायां बुधः ३६।४० च.ब्र.	
४	र ३५ २३ वि ५५ ५६ ह २० ११ ब ३ ३४	१८ ५६	४	२५	११	१८	बृ.३९।३८	शते १ गुरुः ४९।१७	
५	चं ३७ ४४ अ ५९ १८ व १९ २३ को ६ ३३	२२ ५६	४	२६	१२	१९	बृश्चिके		
६	मं ३८ ५७ ज्ये ६० ० सि १७ ३८ ग ८ २०	२६ ५५	५	२७	१३	२०	वृश्चिके	भ. ३८।५७ उ.	
७	बु ३८ ३६ ज्ये १ १९ ब्य १४ ४२ वि ८ ४६	३० ५४	६	२८	१४	२१	ध.१।१९	भ. ८।४६ या. शीतला पूजनम्	
८	शु ३६ ५४ मू १ ५४ व १० ५० बा ७ ४५	३४ ५३	७	२९	१५	२२	धनुषि	पूभा. भौमः ३९ मेषेऽश्विन्यां च शुक्रः ३१	
९	शु ३३ ३६ पू ५७ ३५ प २२ २० तै ५ १५	३८ ५२	८	३०	१६	२३	म.१५।४८	मीने बुधः २५।५९	
१०	श २८ ३७ श्र ५४ १४ सि ५० ५८ वि १ ७	४२ ५२	८	३१	१७	२४	मकरे	भ.१।७ उ.३८ या. रेवत्यां रविः ५।१७	
११	र २२ १४ ध ४८ ३६ सा ४२ ३ बा २२ ४	४६ ५१	९	१	१८	२५	कु.२१।२५	अप्रेल ४ता.३० उभा.बुधः ३९ पा.मो.११ब्र.	
१२	चं १४ २९ श ४८ १२ शु ३२ २१ तै १४ २९	५० ५०	१०	२	१९	२६	कुम्भे	प्रदोषः पूर्वास्तं बुधः ४३।५०	
१३	मं ५ ४२ पू ३४ ५६ शु २१ ४५ व ५ ४२	५५ ४९	११	३	२०	२७	मी२१।४५	भ. ५।४२ उ. ३१।१ या.	
१४	मं ५० ३८ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०	०		
१५	बु ४६ ४४ उ २७ २३ ब्र ११ १० च २१ ३२	० ४८	१२	४	२१	२८	मीने	मन्वादिः केतकीअहर्गणः २९२१ चक्रः ४	

५०पं. चै.कृ.१ बृ.इ.२५।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	१०	११	९	३	११
८	१४	१६	५	२१	१५	२२	८
५	३६	५३	५७	१४	१०	२५	३
४७	२९	५६	१४	१३	४८	१४	२०
५९	४६	८५	१२	७४	५	३	५९
३५	८	५	३६	२३	२४	११	२९

गोचरग्रहाः

इस मास का फल अच्छा रहेगा प्रजा में सुख शांति बढ़ेगी धान्यादि में कुछ महर्घता आयेगी।

गोचरग्रहाः

५१पं. चै.कृ.८ बृ.इ.२५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	१०	११	९	३	११
१५	२०	२८	७	२९	१५	२२	१४
१	४	२४	२७	५३	४५	२	५९
५२	५९	२९	५०	४२	२९	५९	१५
५९	४६	९५	१२	७४	४	३	५९
१८	४	२५	१५	२०	५७	११	१६

*बुशके +मंबुबृ (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंबुबृ =मंबुबृ

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०६३ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६३ भोग्यकलिः ४२६९३७ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०१९ शाकः १८८४ अथास्मिन्वर्षे राजा गुरुः। मंत्री शुक्रः। सस्येशश्चन्द्रः। धान्येशो शनिः। मेघेशः शुक्रः। रसेशो बुधः। नीरसेशश्चंद्रः। फलेशो गुरुः। धनेशश्चंद्रः। दुर्गेशः शुक्रः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ९ राक्षसनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत-मासादिः४।३।४३।१२ भोग्यमासादिः ७।२६।१६।४८। वर्षनाम श्रावणः। मेघ ३ पुष्कर। समय निवासो रजकगृहे। रोहिणी निवासस्तटे। समय विश्वा २०। समय वाहनं चातकः। स्तम्भ २ जलवाय्वोः। सोमवत्यमां १। सोमवती पंचमी २। अंगारकी चतुर्थी १। बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी १। रविदशमी २। समय मुहूर्ताः ३००। समयदिनानि ३५५। तिथिक्षयः १७। तिथि वृद्धिः १२। उत्पत्ति विश्वा ८७। खपतिश्विश्वा ११४। वर्षाविश्वा ११। धान्यम् १७। तृणम् १७। शीतम् ५। तेज ५। वायुः१३। शनिदृष्टिरुत्तरे। वृद्धिः१५। क्षयः१५। विग्रह११। ऐक्यं१०९। सत्यं ।।, धर्म १।।, पाप१८। ग्रहणं१चंद्रस्यः।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

पौष शु. १५ यांबुधे स्वल्पप्रास चंद्रग्रहणम् विश्वा ०।३२

		स्प.	म.	मो.
उज्जयिनी मध्यमकालः	घ.	५५	५६	५६
	प.	४५	११	३७
रेल्वे टाइम	घं.	४	४	५
	मि.	४५	५५	६

वर्ष लग्नम् ८।१४

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तू जग सर्जनहार।
नव संवत् फल जानने आया भैरव द्वार ।।

भवानी उत्तर

आ भैरव नव वर्ष फल कहूँ तुझे समझाय।
शुभ फल ज्यादा जानियो संवत् उन्नीस मांय ।।
अधिक लिया इस वर्ष में सौम्य ग्रहां अधिकार।
चहुँ दिशि सुख-संपति बढ़े जग आनन्द अपार ।।
राजा गुरु मंत्री भृगु मेघ पति भये शुक्र।
दोनों के शुभ योग से विनशे जगत् कुचक्र ।।
सस्य पति शशिजी भये संवत् विश्वा बीस।
जल-वायु के स्तम्भ दो वर्षा विश्वा ईश(११)।।
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट निर्धार।
उत्तम वर्षा योग से नदियां बहे अपार ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् ७।१३

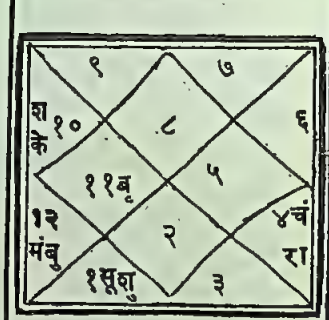

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।०।० केतकी मतेन वेवसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१८।३२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम्-गुरौनृपेवर्षतिकामदंजल महीतलेकामदुधाश्च धेनवः । यजन्ति-विप्राः बहवोऽग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषुवर्तते ।। मंत्री शुक्रस्तत्फलम्-भृगुसुते ननु मंत्रि पदंगत शलभ मूषकरावथ माहिषैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषुजलं सरितोऽधिकम् ।। सस्येशश्चन्द्रस्तत्फलम्-सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघाःपयो-मुंचति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधन तत्परानृपा धरा भवेद्धान्य धनौघपूर्णा ।। धान्येशः शनिस्तत्फलम्-दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देशविग्रहम् । सौराष्ट्र देश नष्टश्च यत्र धान्याधिपःशनिः ।। मेघेशः शुक्रस्तत्फलम्-भृगुसुते जलदस्यपतिर्यदा जलयुतो जलदा दिविशोभनाः । धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम्-रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्यघृतादि युताजनाः । प्रमुदितावरनायकपालिता बहुजलाखिलदेशसुरक्षिताः ।। नीरसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्तारजत वाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ।। फलेशो गुरुस्तत्फलम्-सुरगुरुःफल नायकतांगतो गत-भया वनराशि महाद्रुमाः । यजन याजनकोत्सवः मंदिराः श्रुतिविचारपरा द्विजपूर्वकाः ।। धनेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-धनपतिर्मृग लांछनकोयदा रसचयात् क्रयविक्रयतोधनम् । वसनशालयुगं धनजंबहु द्रविण तैल घृतं नृपसौख्यकम् ।। दुर्गेशो भृगुस्तत्फलम्-नरवरेषुविशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्य करोमतः । विनयवाणिजगेह समःसुखो गतवनंनिकटेपिच दूरतः ।। वर्षनाम श्रावण-स्तत्फलम्-मनोल्हादं प्रकुर्वेन्तिजनाः सौख्यसमायुताः । श्रावणे वृष्टिरत्युग्रा गोमहिष्यादिकं सुखम् ।। राक्षस नाम संवत्सरस्त-त्फलम्-राक्षसाब्देऽखिलालोका राक्षसा इव निष्कृपाः । इन्द्रोपि नजलंदद्यात् सुभिक्षं नैव जायते ।। मेघनाम पुष्करस्तत्फलम्-पुष्करे मन्दवृष्टिश्च ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम्-तटेवृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलम्-रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०१९ शाके १८८४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चै. शु. १२ चं. उफायां ल. ९ रे.८ ऽसू।।।।।।।ऽक्रां. गणितेन क्रां. साम्याऽभावः घ.४५।४३ या.

,, १३ मं. उफायां ल. ९ रे. ९ ऽसू।।।।।।।।।

वै. कृ. ६ गुरौ उषायां ल. ११ रे.८ ।।।।।।मोह।। शनि पू.

वै. शु. ३ सूर्ये मृगे ल. ११ रे. ९ ।।।।ऽनृ।।।। शनि १२ पू.

,, ११ भौमे हस्ते ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

ज्ये. कृ. २ चन्द्रे मूले ल. गो. रे. ७ ।।।ऽऽचोऽ।।।

,, ४ बुधे उषायां ल.गो.१२ रे.६।।।ऽबु।ऽरो.ऽऽउल्का।। (आवश्यके) पादतो वेधाऽभावः

,, १० भौमे रेव. ल. ऽन्यगो. रे.८ ।।।।।।ऽऽकुलिश।।

ज्ये. शु. ८ सूर्ये उफायां ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽशूल।।

,, ११ गुरौ स्वात्यां ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।।।ऽगु।ऽग्निऽ।।।

आ. कृ. ७ सूर्ये उभायां ल.ऽन्यगो. २ रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽऽ वृष लग्ने शु. पू.

आ. शु. ५ शनौ उफायां ल. १ रे. १० ।।।।।।।।। रा. पू.

,, ९ बुधे स्वात्यां ल. गो. रे.८ ।।।ऽगु।।ऽ।।। पादतो.वे.

मा. कृ. १० बुधे उफायां ल. ६ रे. ८ ऽशु.।।।।।।ऽ।। मौ. पू.

,, ११ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।।।।।ऽचौऽऽ।।

मा. शु. २ बुधे मूले ल. ६ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

,, २ गुरौ मूले ल.५ रे.८ ।।।।।ऽनृऽ।।। घ. ४३।११ या. गुरु शुक्रौ मध्यमौ

मा. कृ. ५ चन्द्रे उफायां ल. ८ रे. ९ ।।।।।।।ऽउल्का।।

,, ६ बुधे हस्ते ल. ८ रे. ७ ।।।।ऽऽिनऽ।।।

,, १० सूर्ये अनु.यां ल. ६ रे. ६ ।ऽ।।ऽऽऽ।।

,, १२ भौमे मूले रे.७।।।ऽचंाऽरोऽ।।। ल.६घ.३७।३८उप.

मा. शु. ४ भौमे उभायां ल. ८ रे. ७ ।।।।।ऽचोऽऽऽ।।

,, ५ बुधे रेवत्यां ल. ८ रे. १० ।।।।।।।।।

,, १० सूर्ये रोहिण्यां ल. ६ रे. ७ ।।।।।ऽग्नि।ऽऽ।

फा. कृ. ३ चंद्रे उफायां ल. ८ रे. ७ ।।।।ऽगुऽऽ।।।

,, ६ गुरौ स्वात्यां ल. ८ रे. ६ ऽऽ।।ऽ।।ऽक्रां। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः आवश्यके

,, ७ शनौ अनु.यां रे.८ ।।।।ऽनृ।ऽ।। ल.७ शु.मं.पूज्यौ.

,, ८ सूर्ये अनु.यां ल. ऽन्यगो. ६ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

,, १० भौमे मूले ल. ऽन्यगो. ६ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

फा. शु. २ चन्द्रे उभायां ल.६(घ.३५या.)रे.७।ऽ।।ऽनृ।।।चं.पू.

,, ३ भौमे रेवत्यां रे.१० ।।।।।।।।।। ल.६ चं.पू. लग्न८ तत्र रेखा ९

अत्रक्वचित्स्मृति दृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २९२२स.१९६२
१	गु ३७ ३१ रे २० ८ ऐं ३६ ५३ कि १२ ७	३१ ४	५ ४७	६ १३	५	२२	२९	मे.२०।८	संवत्सारम्भः नवरात्रारभः
२	शु २९ १८ अ १३ ४१ वि ४१ ५७ बा ३ २५	८	४६	१४	६	२३	३०	मेषे	चन्द्रदर्शनम् मत्स्य ज. सिधारा
३	श २२ २९ भ ९ १२ प्री ३४ ११ ग २२ २९	१२	४६	१४	७	२४	१	वृ.२३।१८	भ.४९।५६ उ. गौरी ब्र. जिल्काद११
४	र १७ २४ कृ ५ ३७ आ २७ ५९ वि १७ २४	१६	४५	१५	८	२५	२	वृषे	भ. १७।२४ या. रेवत्यां बुधः ३९।५०
५	चं १४ ३४ रो ४ ११ सौ २३ ५२ बा १४ ३४	२०	४४	१६	९	२६	३	मि३४।४४	भरण्यां शुक्रः १७।५७ कल्पादिः
६	मं १३ ५८ मृ ५ १७ शो २१ ५ ते १३ ५८	२४	४३	१७	१०	२७	४	मिथुने	श्रवणे३ शनिः ५३ शते२ गुरुः २६।४९
७	बु १५ ८ आ ८ ७ अ २० ५ व १५ ८	२८	४२	१८	११	२८	५	क.५६।४४	भ. १५।८ उ.५६ या. मीने भौनः९।२५
८	गु १८ ३२ पु १२ ५७ सु २० ३१ ब १८ ३२	३२	४२	१८	१२	२९	६	कर्के	
९	शु २३ १९ पु १९ १ धृ २१ ४५ कौ २३ १९	३६	४१	१९	१३	३०	७	कर्के	मेषेऽश्विन्यामर्कः ३९।४९ रामनवमी
१०	श २९ १२ श्ले २६ २२ शू २४ ९ ग २९ १२	४०	४०	२०	१४	१	८	सिं२६।२२	
११	र ३५ २६ म ३३ ४७ गं २६ २६ व २ १९	४४	३९	२१	१५	२	९	सिंहे	भ.१९ उ.३५ या. उभायां भौमः३९ मेषे×
१२	चं ४१ ५४ पू ४१ ३३ धृ २९ ३ ब ८ ४०	४८	३९	२१	१६	३	१०	कं.५८।२०	×बुधः१३ कामदा११ व्र पातस्पर्श ४३+
१३	मं ४७ ५६ उ ४८ ४१ घ्रु ३१ १५ कौ १४ ५७	५१	३८	२२	१७	४	११	कन्यायां	प्रदोष व्र.
१४	बु ५३ ३३ ह ५५ ३३ श्रा ३३ ७ ग २० २९	५४	३७	२३	१८	५	१२	कन्यायां	भ. ५३।३३ उ. +मोक्षः ५९।१
१५	गु ५८ ६ चि ६० ० ह ३४ २१ वि २५ ४९	५८	३६	२४	१९	६	१३	तु.२८।३०	भ. २५।४९ या. मन्वादिः हनुमज्जयंती

५२पं. चै.शु. १बृ.इ.२६।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	१०	०	९	३	११
२१	२५	१०	८	८	१६	२१	२१
५६	३२	५९	५५	३३	१६	४०	५३
३	५३	२७	३७	२५	५१	४३	२९
५९	४५	५०	११	७४	४	३	५९
४	५९	५५	४७	१४	३०	११	४

गोचरग्रहाः

चैत्र शु. ९ शुक्रे
मेषेऽर्कः प्र. वा.३
न. ४ युवावस्था
(सूती) मु. १५
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

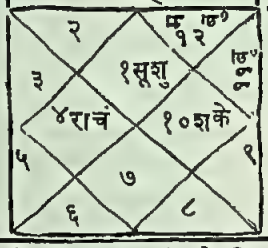

१पं.च.शु.९ शु.इ.४२।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	१०	०	९	३	०
०	१	२७	१०	१८	१६	२१	०
२	५७	१९	३६	३७	५०	१४	०
१२	३	४	१	३४	३४	४५	०
५८	४५	५९	११	७४	३	३	५८
४५	४९	५४	४	२	४६	११	४४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ६० ० चि १ २७ व ३४ ३९ बा २९ ५८	३३ २	३६ ५	२४ ६	२०	७	१४	तुलायां	कृत्तिकायां शुक्रः १०।२८
१	श १ ५० स्वा ६ २७ सि ३४ २१ कौ १ ५०	६	३५	२५	२१	८	१५	वृ.५४।२०	भरण्यां बुधः १४।५७
२	र ४ ३८ वि १० १८ ज्य ३३ १५ ग ४ ३८	१०	३४	२६	२२	९	१६	वृश्चिके	भ. ३५।२२ उ. वृषे शुक्रः५२।३७ च.ग्र.
३	चं ६ ५ अ १३ २१ व ३१ २३ वि ६ ५	१४	३३	२७	२३	१०	१७	वृश्चिके	भ. ६।५ या.
४	मं ६ ३९ ज्ये १५ २० प २८ ३५ बा ६ ३९	१८	३२	२८	२४	११	१८	ध.१५।२०	
५	बु ६ ५ मू १६ १५ शि २४ ५९ ते ६ ५	२२	३२	२८	२५	१२	१९	धनुषि	
६	गु ४ २८ पू १६ ३ सि २० ३९ व ४ २८	२६	३१	२९	२६	१३	२०	म.३०।४२	भ. ४।२८ उ. ३३।१२ या.
७	शु १ ५५ उ १४ ३८ सा १५ १० ब १ ५५	२९	३०	३०	२७	१४	२१	मकरे	कृतिकायां बुधः ३९ भरण्या रविः ३१+
८	शु ५६ १३ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
९	श ५३ १५ श्र १२ १८ शु ८ ५३ ते २५ ४४	३३	२९	३१	२८	१५	२२	कु.४१।३६	शते३ गुरु ४० +पश्चिमोदयं बुधः ३६
१०	र ४७ १७ ध १० ५४ शु ४२ ५३ व २० १६	३६	२९	३२	२९	१६	२३	कुंभे	भ.२०।१६ उ.१७या. वृषे बुधः२१।२०
११	चं ४० ४ श ४ ५३ ऐं ४५ ११ ब १३ ४०	४०	२८	३२	३०	१७	२४	मी४५।२६	वरूथिनी ११ व्र. नि.
१२	मं ३२ ५३ उ ५२ ५६ वै ३५ ५४ कौ ६ २८	४३	२७	३३	१	१८	२५	मीने	मई मा.५ ता.३१ रोहिण्यां शुक्रः२।३९
१३	बु २४ २४ रे ४६ ४६ वि २६ २१ ग २४ २४	४६	२७	३३	२	१९	२६	मे.४६।४६	भ ३४ उ.५०।१९ या. रेवत्यां भौमः४३
१४	गु १६ १४ अ ४० ३९ प्री १६ ५९ श १६ १४	५०	२६	३४	३	२०	२७	मेषे	
१५	शु ८ ९ भ ३५ १८ आ ५८ ५९ ना ८ ९	५४	२५	३५	४	२१	२८	वृ.४९।१६	रोहिण्यां बुधः ५२।२

२पं. वै.कृ.१श.इ.४२।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१०	०	९	३	०
६	७	१२	११	२७	१७	२०	६
५२	२३	११	५५	१९	१३	५२	५०
२८	४५	२४	५८	४८	८	३०	४१
५८	४५	५८	१०	७३	६	३	५८
२९	५५	९	२४	५८	३	११	३१

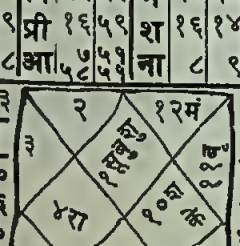

३पं. वै.कृ.७शु.इ.४२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१०	१	९	३	०
१३	१२	२६	१३	५	१७	२०	१३
४०	४८	४५	१०	५४	३१	३०	३९
४८	३६	५०	३०	१८	३३	१४	४२
५८	४५	९	९	७३	२	३	५८
१२	५५	९	४७	५६	२७	११	१९

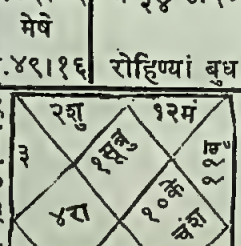

४पं. वै.कृ.३०शु.इ.४२।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	१०	१	९	३	०
२०	१८	९	१४	१४	१७	२०	२०
३७	११	४४	२०	२७	४५	७	२७
२८	२७	४९	१३	७	२१	५८	२०
५७	४५	९९	९	७३	१	३	५८
५७	४४	२२	२	४६	४७	११	६

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२९५२ सन्१९६२
१	श १ ४ कृ ३१ ९ शो ५२ ५६ ब १ ४ ३२ ५ ६ ५ २२ २९							वृषे	चंद्रदर्शनम्
२	श ५४ २७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०	परशुराम ज. जिल्हेज १२ अक्षया ३
३	र ५१ ३२ रो २८ २८ अ ४७ १४ तै २३ ३१ ३३ २४ ३६ ६ २३ १							मि५८।८	भ.३९उ.४९।४२या सार्पे१राहुःश्रवणे३×
४	चं ४९ ४२ मृ २७ ४८ मृ ४३ १२ व २० ३७ ४ २३ ३७ ७ २४ २							मिथुने	
५	मं ४९ ४५ आ २९ ८ धृ ४१ ८ ब १९ ४३ ७ २३ ३७ ८ २५ ३							मिथुने	
६	बु ५१ ५५ पु ३२ ३५ शू ४० ४२ कौ २० ५० १० २२ ३८ ९ २६ ४							क.१६।४४	
७	गु ५५ ५३ पु ३७ ४८ गं ४० ५४ ग २३ ५४ १३ २१ ३९ १० २७ ५							कर्के	भ. ५५।५३ उ. ×केतुः १३।१
८	शु ६० ० श्ले ४४ १७ वृ ४२ ३६ वि २८ ३९ १६ २१ ३९ ११ २८ ६							सि४४।१७	भ. २८।३९ या. कृत्ति. रविः ९।८
८	श १ २६ म ५१ २५ धु ४४ ५१ ब १ २६ १८ २० ४० १२ २९ ७							सिंहे	मृगे शुक्रः ०।४९
९	र ७ १२ पू ५९ ५ ष्या ४७ १७ कौ ७ १२ २१ २० ४० १३ ३० ८							सिंहे	
१०	चं १३ ४२ उ ६० ० ह ४९ ४४ ग १३ ४२ २४ १९ ४१ १४ ३१ ९							कं.१५।५८	भ. ४६।४२ उ. वृषेऽर्कः ३६।५५
११	मं १९ ४३ उ ६ ३६ व ५१ ३४ वि १९ ४३ २७ १९ ४१ १५ १ १०							कन्यायां	भ. १९/३ या. मोहिनी ११ब्र. मृगे बुधः४६
१२	बु २५ ११ ह १३ ३० स्ति ५२ ५३ बा २५ ११ ३० १८ ४२ १६ २ ११							तु.४६।२६	
१३	गु २९ २६ चि १९ २३ व्य ५३ १३ तै २९ २६ ३३ १७ ४३ १७ ३ १२							तुलायां	मिथुने शुक्रः ३६।५
१४	शु ३२ २७ स्वा २३ ५८ व ५२ ३० ग १ २६ ३६ १७ ४३ १८ ४ १३							तुलायां	भ. ३२।२७ उ. नरसिंह ज.
१५	श ३४ ११ वि २७ २३ प ५० ४८ वि ३ १९ ३८ १६ ४४ १९ ५ १४							वृ.११।३२	भ. ३।१९ या. अन्नजलकुंभदानं

५पं. वै.शु.८शु इ.४३।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	१०	१	९	३	०
२७	२३	१८	१५	२२	१७	१९	२७
१२	३१	४७	२३	५८	५४	४५	१३
४२	५५	३५	५६	१२	३६	४३	३३
५७	४५	६८	८	७३	१	३	५७
४५	४०	२७	२	३२	८	११	५४

गोचरग्रहाः

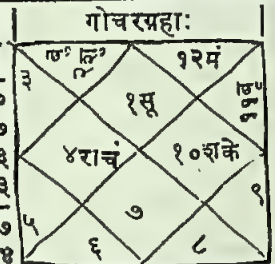

वैशाखशु.१०चंद्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

६पं. वै.शु.१४शु इ.४३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	१०	२	९	३	१
३	२८	२४	१६	१	१७	१९	३
५६	५१	४९	२१	२६	५९	२३	५८
२०	७	३३	३	३५	२०	२७	२१
५७	४५	३०	६	७३	०	३	५७
३४	४४	२७	५५	२०	२१	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ३४ ३० अ ३० ६ शि ४८ १२ बा ४ २० ३३ ५ १६ ४४ २० ६ १५							बृश्चिके	मेषे भौमः १४।१५
२	चं ३३ ४९ ज्ये ३० १८ सि ४४ ३९ तै ४ ९ ३३ १५ ४५ २१ ७ १६							धनुषि	शते ४ गुरुः २७।३०
३	मं ३१ ५५ मू ३० २३ सा ४० २९ व २ ५२ ४६ १५ ४५ २२ ८ १७							म.४४।१०	भ.२।५२ उ.३५ या. वक्री शनिः८।२०
४	बु २९ १६ पू २९ ३४ शु ३५ ३५ ब ० ३६ ४८ १४ ४६ २३ ९ १८							मकरे	आर्द्रायां शुक्रः ४।४६
५	गु २५ ५० उ २८ ४ शु ३० १० तै २५ ५० ५० १४ ४६ २४ १० १९							कुं.५४।१०	वक्री बुधः ४६।४९
६	शु २२ २ श्र २६ ३ ब्र ते २४ १९ व २२ २ ५२ १४ ४६ २५ ११ २०							कुम्भे	रोहिण्यांरविः ३।४ भ. २३ उ. ४९ ४८ या.
७	श १७ ३३ ध २२ १८ वै १७ ५४ ब १७ ३३ ५४ १३ ४७ २६ १२ २१							कुम्भे	
८	र १२ ३८ श १९ १२ वि ११ ६ कौ १२ ३८ ५६ १३ ४७ २७ १३ २२							मी१।१२	भ.३४।१६ उ. पश्चिमास्तं बुधः५१।२१
९	चं ७ ६ पू १५ १२ वि ४ ५३ ग ७ ६ ५८ १२ ४८ २८ १४ २३							मीने	भ. १।२३ या. अपरा ११ ब्र. स्मा.
१०	मं १ २६ उ ११ २६ मा ४८ २८ वि १ २६ ३४ १२ ४८ २९ १५ २४							०	
११	मं ५३ २५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०	अपरा ११ ब्र. वं.
१२	बु ४८ २० रे ६ ५६ सौ ४० ३६ कौ २१ ३५ २ १२ ४८ ३० १६ २५							मे.६।५६	भ. ४१।५९ उ. प्रदोष ब्र.
१३	गु ४१ ५९ अ २६ ४८ शो ३२ ४७ ग १५ ९ ४ ११ ४९ ३१ १७ २६							मेषे	भ. ८।५६ या. जून मा. ६ ता. ३०
१४	शु ३५ ५४ कृ ५४ ३८ अ २५ २६ वि ८ ५६ ६ ११ ४९ १ १८ २७							बृ.१२।२०	भावुका ३० वट पूजनम्
३०	श ३० ४९ रो ५२ ० सु १८ ४४ च ३ २१ ८ १० ५० २ १९ २८							वृषे	

७पं. ज्ये.कृ.६शु.इ.४३।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१०	२	९	३	१
१०	४	२६	१७	९	१७	१९	१०
३८	८	५७	११	५३	५८	१	४२
३१	२७	५४	४५	२४	४०	१२	३०
५७	४५	४४	६	७२	२०	३	५७
२३	९	ब	४	११	ब	११	३७

गोचरग्रहाः

इस मास में रुई चांदी में घटाबढ़ी के साथ तेजी होगी धान्य जौ गेहूँ चना मूंग मोंठ बाजरा रसकस मंदे होंगे।

गोचरग्रहाः

८पं.ज्ये.कृ.१४शु.इ.४३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१०	२	९	३	१
१७	९	२५	१७	१८	१७	१८	१७
१९	२२	२३	५४	१६	५३	३८	२५
३७	५६	४२	३६	४८	३१	५६	८
५७	४४	३३	४	७२	१	३	५७
१३	५७	ब	५९	५०	ब	११	३७

*शकेचं (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४	वि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः २९८१ स. १९६२
१	र २६।५५ मृ ५०।५४ धृ १२।५५ व २६।५५	३४	५	६	३	२०	२९	मि २१।२७	पुनर्वसौ शुक्रः ८।२५
२	चं २४।४५ आ ५१।१८ शू ८।२८ कौ २४।४५	११	१०	५०	४	२१	३०	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
३	मं २४।१७ पु ५३।३६ गं ५।२३ ग २४।१७	१२	१०	५०	५	२२	१	क.३८।२	भ. ५५।४ उ. मोहरम १ सन् १३८२
४	बु २५।५१ पु ५७।४६ वृ ४।५० वि २५।५१	१३	९	५१	६	२३	२	कर्के	भ. ५१ २५ या. वक्री रोहिण्यां बुधः २३।७
५	गु २९ ० पु ६० ० ध्रु ३।२१ बा २९ ०	१५	९	५१	७	२४	३	कर्के	भरण्यां भौमः ३।०
६	शु ३४।४० श्ले २।२६ व्या ४।२५ कौ १५०।	१६	९	५१	८	२५	४	सिं २।२६	मृगे रविः १।५३
७	श ३९।२० म २ ५ ह ६ ७ ग ७ ०	१६	९	५१	९	२६	५	सिंहे	भ. ३९।२० उ.
८	र ४५।३२ पू १७।३५ व ८।२९ वि १२।२६	१७	९	५१	१०	२७	६	कं.३४।२४	भ. १२।२६ या.
९	चं ५१।३५ उ २५ ४ सि १०।५३ बा १८।३३	१८	८	५२	११	२८	७	कन्यायां	कर्के शुक्रः २९।३१
१०	मं ५७ ८ ह ३३ ८ व्य १३ ९ ते २४।२१	१९	८	५२	१२	२९	८	कन्यायां	गंगादशमी
११	बु ६० ० वि ३९।२५ व १४।५३ व २९।२२	२०	८	५२	१३	३०	९	तु.६।१७	भ. २९।२२ उ. निर्जला ११ ब्र. स्मा.
११	गु १।३७ स्वा ४४।२४ प १५।२५ वि १।३७	२१	८	५२	१४	३१	१०	तुलायां	भ. ३७ या. पुष्ये शुक्रः ३३ निर्जला ११ ब्र. वै.
१२	शु ४।२१ वि ४७।४५ शि १४।५९ बा ४।२१	२२	८	५२	१५	३२	११	बृ.३१।५५	मिथुनेऽर्कः २।४१ प्रदोषः
१३	श ५।४७ अ ४९।३३ स्ति १३ ७ ते ५।४७	२२	८	५२	१६	१	१२	वृश्चिके	पूर्वोदयं बुधः ३०।५६
१४	र ५।१८ ज्ये ४९।३८ सा १० ४ व ५।१८	२२	८	५२	१७	२	१३	व.४५।३८	भ. ५।१८ उ. ३४।२० या.
१५	चं ३।२१ मू ४८।३२ शु ५।४८ व ३।२१	२३	८	५३	१८	३	१४	धनुषि	मन्वादिः वटसावित्री ब्र. गुर्जराणां

९पं.ज्ये.शु.६शु.इ.४३।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१०	२	९	३	१
२३	१४	२१	१८	२६	१७	१८	२४
५९	३५	५६	२९	३९	४३	१६	७
३३	२	१३	३८	२५	५१	४०	१२
५७	४४	३३	३	३७	२	४६	३	५७
५	५०	व	५३	२७	व	११	२१

गोचरग्रहाः

ज्ये. शु. १२ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५न.५ कुमारावस्था [बैठी] मु.४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पश्चि.।

गोचरग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु.१२शु.इ.४३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	३	९	३	२
०	१९	१८	१८	४	१७	१७	०
३८	४३	५०	५६	५७	२९	५४	४८
४२	५१	९	१६	२४	४९	२५	२६
५६	४४	३०	२	७२	२०	३	५७
५७	३३	व	३६	५	व	११	१७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४	वि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ० ६ पू ४६।३२ शु ३६ ५४ कौ ० ६	३३	५	५३	१९	४	१५	धनुषि	
२	मं ५५।५१ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
३	बु ५०।५८ उ ४३।२४ ऐं ४८ १ व २३।२७	२३	७	५३	२०	५	१६	म.०।४५	भ. २३ उ. ५८ या. मार्गी बुधः ५२।५६
४	गु ४५।३३ श्र ४०।१० वै ४१ ५ ब १८।१५	२४	७	५३	२१	६	१७	मकरे	चतुर्थी व्रतम्
५	शु ४०ं ० ध ३६।४१ वि ३४ ७ कौ १२।४६	२४	७	५३	२२	७	१८	कु.८।२५	आर्द्रायां रविः ४।१३
६	श ३४।३९ श ३३ ५ प्री २७।१० ग ७।२०	२४	७	५३	२३	८	१९	कुम्भे	भ. ३४।३९ उ.
७	र २९ ९ पू २९।४४ आ २०।११ वि १।५४	२४	७	५३	२४	९	२०	मी १५।३४	भ. १।५४ या.
८	चं २३।५९ उ २६।२२ सौ १३ ५ कौ २३।५९	२३	७	५३	२५	१०	२१	मीने	कृत्तिकायां भौमः १२ सार्पे शुक्रः ३६
९	मं १८।३७ रे २३ २ शो ६ ५३ ग १८।८७	२३	७	५३	२६	११	२२	मे.२३।२	भ. ४६।७ उ.
१०	बु १३।३८ अ २०ं ९ सु ५२।५७ वि १३।३८	२३	७	५३	२७	१२	२३	मेषे	भ. १३।३८ या.
११	गु ८।५२ भ १७।३१ धृ ४६।५४ बा ८।५२	२३	७	५३	२८	१३	२४	वृ.३१।५८	योगिनी ११ ब्र.
१२	शु ४।३६ कृ १५।२१ शू ४१।२४ ते ४।३६	२२	८	५२	२९	१४	२५	वृषे	वृषे भौमः ५२।१९ प्रदोष ब्र.
१३	श १ ७ रो १३।४९ गं ३६।२५ व १ ७	२१	८	५२	३०	१५	२६	मि ४३।४७	भ. १७ उ. ३९ या. मृगे बुधः १९ वक्री गुरुः ४
१४	श ५७।१५ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	र ५६।५९ मृ १३।४४ वृ ३२।४४ च २७।४०	२०	८	५२	१	१६	२७	मिथुने	जुलाई मा. ७ ता. ३१

११पं.आ.कृ.५शु.इ.४३।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	३	९	३	२
७	२४	१८	१९	१३	१७	१७	७
१७	५०	४७	१३	१२	११	३२	२
११	९	६	४८	४६	३५	५	२२
५६	४४	१८	१	७१	५७	३	५७
५४	१७	मा	१६	४४	व	११	१३

गोचरग्रहाः

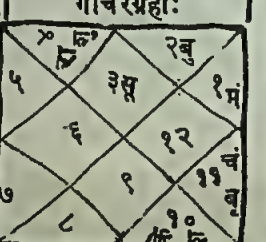

इस मास का फल श्रेष्ठ रहेगा, धान्यादि के भाव मन्दे होंगे।

गोचरग्रहाः

१२पं.आ.कृ.१२शु.इ.४३।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	३	९	३	२
१३	२९	२२	१९	२१	१६	१७	१४
५५	५३	२९	२२	२५	४९	९	९
१३	२४	३८	३७	३०	५५	५४	५१
५६	४३	४३	०	७१	३५	३	५७
५०	५१	४८	मा	१५	ब	११	७

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४	वि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः३०१०स.१९६२
१	चं ५६ ५२ आ १४ ११ धु २९ २८ कि २६ ५५ ३४ ८ ५२ ३ १७ २८							मिथुने	वक्री श्रवणे २ शनिः २९।२०
२	मं ५८ २६ पु १६ २० ध्या २७ ५३ बा २७ ३९ १८ ८ ५२ ३ १८ २९							क.०।४८	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	बु ६० ० पु १९ ५४ ह २६ ५७ तै २९ ५३ १७ ९ ५१ ४ १९ १							कर्के	सफर २
४	गु १ २० श्ले २४ ५६ व २७ १६ ग १ २० १६ ९ ५१ ५ २० २							सिं२४।५६	भ. ३३।३८ उ.
५	शु ५ ५६ म ३१ २५ सि २८ ३५ वि ५ ५६ १४ ९ ५१ ६ २१ ३							सिंहे	भ ५६ पा. मिथुनेबुधः ४४ पुनर्वसौरविः १४
६	श ११ ५ पू ३८ १४ व्य ३० ४८ बा ११ ५ १२ १० ५० ७ २२ ४							कं.५५।४	मघायां सिंहे च शुक्रः ५।२५
७	र १७ २२ उ ४५ ३५ व ३३ १५ तै १७ २२ ११ १० ५० ८ २३ ५							कन्यायां	
८	चं २३ २९ ह ५३ २३ प ३५ ४५ व २३ २९ १० १० ५० ९ २४ ६							कन्यायां	भ.३३ उ.५३ या. पुष्ये४ राहुः श्रवणे२×
९	मं २९ १४ चि ६० ० शि ३७ ५५ ब २९ १४ ८ १० ५० १० २५ ७							तु.२६।४७	
१०	बु ३४ ६ चि ० ११ सि ३९ १४ बा १ ४० ७ ११ ४९ ११ २६ ८							तुलायां	आर्द्रायां बुधः ३०।१८ ×केतुः ७।३
११	गु ३७ २३ स्वा ५ ५५ सा ३९ २० तै ५ ४४ ५ ११ ४९ १२ २७ ९							वृ.५४।६	मन्वादिः
१२	शु ३९ ११ वि १० ९ शु ३८ १२ व ८ १७ ४ ११ ४९ १३ २८ १०							वृश्चिके	भ. १६ उ.३९ या. रोहिण्यां भौमः ५७ ५०+
१३	श ३८ ५२ अ १२ १३ शु ३५ ३० ब ९ १ २ १२ ४८ १४ २९ ११							वृश्चिके	हरिवासराऽभावः +देवशयनी११ब्र.
१४	र ३६ ३९ ज्ये १२ २ ब्र ३१ १७ को ७ ४६ ० १२ ४८ १५ ३० १२							ध.१२।९	प्रदोषः ब्र.
१५	चं ३२ ३७ मू ११ २९ दें २५ ४७ ग ४ ३३ ३३ १२ ४८ १६ ३१ १३							धनुषि	भ.३३ उ. भ ५६ या. कर्केऽर्कः ४०।५८=
१५	मं २७ १४ पू ८ ३२ वै १९ ८ वि २७ १४ ५६ १३ ४७ १७ १							१४म.२२।३१	मन्वादिः व्यास पूजा =वायुपरीक्षा

१३पं.आ.शु.४शु.इ.४२।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	१०	३	९	३	२
२०	४	२९	१९	२९	१६	१६	२०
३३	५२	५८	२१	३३	२५	४७	५०
८	५८	३७	१४	५०	१	३८	१०
५६	४३	८०	१७	७०	५५	३	५७
५०	४२	११	ब	३६	ब	११	७

गोचरग्रहाः

आषाढ़शु.१४चंद्रे कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

१४पं.आ.शु.११शु.इ.४३।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	१०	४	९	३	२
२७	९	१०	१९	७	१५	१६	२७
११	४९	३७	९	३७	५७	२५	३०
१५	४८	४८	५०	८	२५	२३	३४
५६	४३	०	३३	६९	०	३	५७
५५	१९	३३	ब	५७	ब	११	१२

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४	वि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु २० ४० उ २८ ५४ वि ११ २८ को २० ४० ५४ १३ ५ ४७ १८ २ १५							मकरे	पुनर्वसौ बुधः ४७ पूफाया शुक्रः ३५ पूर्वास्त*
२	गु १३ ३५ ध ५४ १७ प्री ३३ ५१ ग १३ ३५ ५२ १४ ४६ १९ ३ १६							कु.२६।४९	भ. ३९।५५ उ. *बुधः २०।६
३	शु ६ १५ श ४९ ४ सौ ४६ ५ वि ६ १५ ५० १४ ४६ २० ४ १७							कुम्भे	भ. ६।१५ या. पुष्ये रविः११।३९
४	शु ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०	
५	श ५२ १४ पू ४४ १४ शो ३७ ४५ को २५ ३९ ४७ १५ ४५ २१ ५ १८							मी३०।२७	नाग. ५ मरुस्थले
६	र ४६ ५ उ ३९ ५३ अ २९ ५० ग १९ ९ ४४ १५ ४५ २२ ६ १९							मीने	भ. ४६।५ उ.
७	चं ४० २५ रे ३६ १८ सु २२ २६ वि १३ १५ ४३ १५ ४५ २३ ७ २०							मे.३६।१८	भ. १३।१५ या. कर्के बुधः ४२।१४
८	मं ३५ ४६ अ ३३ २६ धृ १५ ३७ बा ८ ५ ४० १६ ४४ २४ ८ २१							मेषे	
९	बु ३१ ५१ भ ३१ २१ शू ९ ३२ तै ३ ४८ ३७ १७ ४३ २५ ९ २२							बृ.४६।१	पुष्ये बुधः ८।२
१०	गु २८ ४६ कृ ३० १२ गं ४ ५५ ३२० च ० १८ ३५ १७ ४३ २६ १० २३							बृषे	भ. ०।१८ उ. २८।४६ या.
११	शु २६ ३५ रो २९ ५६ धु ५५ २९ बा २६ ३५ ३२ १८ ४२ २७ ११ २४							मि५९।५८	कामिका ११ ब्र.
१२	श २५ २२ मृ ३० १७ ध्या ५२ २९ तै २५ २२ २९ १८ ४२ २८ १२ २५							मिथुने	प्रदोष ब्र.
१३	र २५ १८ आ ३२ ८ ह ५० १० व २५ १८ २६ १९ ४१ २९ १३ २६							मिथुने	भ. २५।१८ उ. ५५।३९ या.
१४	चं २६ १ पु ३४ ५८ व ४८ ५४ श २६ १ २३ १९ ४१ ३० १४ २७							क.२९।१६	उफायां शुक्रः ३६।३३
३०	मं २८ २४ पु ३८ ५० सि ४८ ३० ना २८ २४ २० २० ४० ३१ १५ २८							कर्के	सार्पे बुधः २९।६ हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.३शु.इ.४२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	१०	४	९	३	३
३	१४	२३	१८	१५	१५	१६	३
४९	४२	५५	५०	३५	२७	३	११
४३	१०	२२	१६	२	४६	७	१५
५६	४३	०	३३	६९	०	३	५७
१७	३५	०	ब	४	ब	११	१५

गोचरग्रहाः

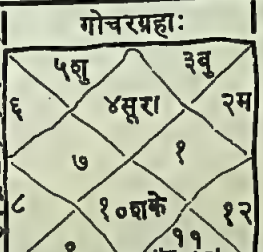

इस मास का फल मध्यम है, कहीं वर्षा अधिक और कहीं कम हो, धान्यादि तेज, शेयर में तेजी।

गोचरग्रहाः

१६पं.श्रा.कृ.११शु.इ.४२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	१०	४	९	३	३
१०	१९	८	१८	२३	१४	१५	१०
२९	३०	४१	२१	२६	५७	४०	५२
०	५७	५६	५०	२८	०	५१	९
५७	४२	२९	५३	६८	४०	३	५७
५	८	५२	ब	८	ब	११	२०

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०४० सन् १९६२
१	बु	३१	४२	श्ले	४३	४९	व्य	४८	४३	किं	०	३	३३/१८	५/२०	६/४०	१	१६	२९	सिं४३।४९	अगस्त मा.८ ता.३१ ●चन्द्रदर्शनम्
२	गु	३६	३१	म	४९	३५	व	५०	८	बा	४	६	१५	२१	३९	२	१७	३०	सिंहे	मृगशीर्षे भौमः ३१/३६ कन्यायां शुक्रः ३६/२२●
३	शु	४१	४८	पू	५६	५२	प	५१	४४	तै	९	९	१२	२२	३८	३	१८	१	सिंहे	अश्ले. रविः१२।३६ तीज रविलावल३
४	श	४७	५५	उं	६०	०	शि	५४	३	व	१४	५१	९	२२	३८	४	१९	२	कं.१३।४५	भ. १४।५१ उ. ४७।५५ या. वरद ४.
५	र	५४	५	उ	४	२४	सि	५६	४४	ब	२१	०	६	२३	३७	५	२०	३	कन्यायां	नागपंचमी
६	चं	६०	०	ह	१२	५	सा	५९	१७	कौ	२७	१०	३	२३	३७	६	२१	४	तु.४५।४८	
६	मं	०	१६	चि	१९	३१	शु	६०	०	तै	०	१६	०	२४	३६	७	२२	५	तुलायां	मघायां सिंहे च बुधः १६।२
७	बु	५	३६	स्वा	२६	३	शु	१	२०	व	५	३६	३२/५७	२५	३५	८	२३	६	तुलायां	भ. ५।३६ उ. ३७।४० या.
८	गु	९	४४	वि	३१	२३	शु	२	१८	ब	९	४४	५४	२५	३५	९	२४	७	बृ.१५।३	
९	शु	१२	२४	अ	३५	१	ब्र	२	१३	कौ	१२	२४	५०	२६	३४	१०	२५	८	बृश्चिके	
१०	श	१३	१	ज्ये	३६	९	ऐं	०/३८	५७/०	ग	१३	१	४७	२७	३३	११	२६	९	ध.३९।९	भ.४२/३१ उ.हस्तेशुक्रः४२/२९ पश्चिमोदयीबुध२८/५२
११	र	११	४०	मू	३६	१८	वि	५२	५२	वि	११	४०	४३	२७	३३	१२	२७	१०	धनुषि	भ ११/४० या. मिथुनेभौमः१३/४० पवित्रा११ब्र.
१२	चं	८	२	पू	३४	२	प्री	४६	३८	बा	८	२	४०	२८	३२	१३	२८	११	म.४८।०	वक्री शते ३ गुरुः ५३।१ प्रदोष ब्र.
१३	मं	२	४४	उ	२९	५५	आ	३८	५०	तै	२	४४	३६	२९	३१	१४	२९	१२	मकरे	भ. ५५।४५ पूफायां बुधः ३२।१३
१४	मं	५३	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	बु	४७	२८	श्र	२४	२७	सौ	२९	५६	वि	२१	३६	३२	३०	३०	१५	३०	१३	कुं.५१।१४	भ.२१।३६ या. श्रावणीकर्म रक्षाबन्धन

१७पं.श्रा.शु.३शु.इ.४२।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	१०	५	९	३	३
१७	२४	२३	१७	१	१४	१५	१७
८	१६	९	४४	१४	२५	१८	२४
४७	२२	४८	३१	९	३३	३६	१
५७	४१	२०/३६	५/१९	६६	४/४०	३	५७
१२	४४		ब	५९	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

इस पक्ष का फल उत्तम है। वर्षा श्रेष्ठ होगी। रुई चांदी सोना लोहा तांबा में साधारण मंदे होंगे।

गोचरग्रहाः

१८पं.श्रा.शु.९ शु.इ.४२।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	१०	५	९	३	३
२३	२८	६	१७	८	१३	१४	२४
४९	५७	३१	१	५४	५४	५६	१६
५४	३२	४	३२	३	३६	२०	२६
५७	४१	३१/३९	३/४४	६५	४/३३	३	५७
२२	६		ब	३५	ब	११	३३

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३८	३९	ध	१८	१	शो	२०	३१	बा	१३	३	३२/२९	५/३०	६/३०	१६	३१	१४	कुंभे	
२	शु	२९	४४	श	११	८	अ	१०	३०	तै	४	१२	२६	३१	२९	१७	३२	१५	मी५०।४५	भ. ५५।२० उ. सिंहेऽर्कः ८।५३
३	श	२०	५७	पू	३/५७	५४/४	सु	०/२८	५०/२१	वि	२०	५७	२२	३२	२८	१८	१	१६	मीने	भ.२०/५७ या. वक्री श्रव १ शनिः४३/३१ च.ब्र.
४	र	१२	३९	रे	५२	२५	शू	४१	४२	बा	१२	५९	१९	३२	२८	१९	२	१७	मे.५२।२५	
५	चं	५	४७	अ	४८	१	गं	३३	२३	तै	५	४७	१५	३३	२७	२०	३	१८	मेषे	भ. ५९।५९ उ. चन्द्रषष्ठी
६	चं	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	मं	५५	१६	भ	४५	३	वृ	२६	११	वि	२७	३७	१२	३४	२६	२१	४	१९	वृ.५९।३७	भ. २७।३७ या.
८	बु	५२	१५	कृ	४३	२१	ध्रु	२०	८	बा	२३	८	९	३४	२६	२२	५	२०	बृषे	आर्द्रायां भौमः३४/१७ उफायां बुधः३८।५७●
९	गु	५०	२४	रो	४३	११	व्या	१५	९	तै	२१	१९	४	३५	२५	२३	६	२१	बृषे	गोगा ९
१०	शु	४९	५८	मृ	४४	१	ह	११	२०	व	२०	११	०	३६	२४	२४	७	२२	मि१३।३६	भ.२०/११ उ.४९/५८ या. कन्यायांबुधः५१/२३ चित्रा.×
११	श	५०	५२	आ	४६	२८	व	८	३०	ब	२०	२५	३१/५६	३७	२३	२५	८	२३	मिथुने	अजा ११ ब्र.
१२	र	५२	४७	पु	४९	५०	सि	६	५५	कौ	२१	४९	५२	३८	२२	२६	९	२४	क.३४।०	वत्स १२ ●मन्वादिः श्रीकृष्ण ज.
१३	चं	५६	१०	पु	५४	३२	व्य	६	८	ग	२४	२८	४८	३८	२२	२७	१०	२५	कर्के	भ. ५६।१० उ. प्रदोष ब्र. ×शुक्रः२३/२७
१४	मं	६०	०	श्ले	६०	०	व	६	३०	वि	२८	१४	४४	३९	२१	२८	११	२६	कर्के	भ. २८।१४ या.
१४	बु	०	१९	श्ले	०	४	प	६	५७	श	०	१९	४०	४०	२०	२९	१२	२७	सिं ०।४	पिठोरी ३० कुशाग्रहणी
३०	गु	५	३३	म	६	२८	शि	८	२६	ना	५	३३	३६	४१	१९	३०	१३	२८	सिंहे	पूफायां रविः ५९।४५ कुशाग्रहणी३०

१९पं. भा.कृ.२शु.इ.४२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१०	५	९	३	४
०	३	१८	१६	१६	१३	१४	०
३२	३४	४३	१२	२०	२४	३४	५९
१७	१२	५१	२१	२०	१८	४	४८
५७	४०	२०/१२	७/२६	६३	४/१३	३	५७
३४	४०		ब	५३	ब	११	४०

गोचरग्रहाः

भाद्र. कृ. २ शुक्रे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ प्रौढावस्था (बैगी) मु. १५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

२०पं.भा.कृ.१०शु.इ.४२।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१०	५	९	३	४
७	८	२९	१५	२३	१३	१४	७
१५	५	४५	१९	३९	५७	११	४
४३	५६	५०	२२	१८	११	४९	१६
५७	४०	९०	७/५१	६१	३/५७	३	५७
४५	१७	२९	ब	५२	ब	११	४८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाक: १८८४	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०७० स. १९६२
१	शु १०।५८ पू १३।१४	खि १०।१५	ब १०।५८	३१ ५ ६	३१ १४ २९	कं. ३०।७	हस्तेबुधः ५८तुलायांशुक्रः २३चन्द्रदर्शनम्
२	श १७।१४ उ २०।४७	सा १२।२९	को १७।१४	२८ ४२ १८	१ १५ १	कन्यायां	सितम्बर मा.९ ता.३० रविलाखर ४
३	र २३।३० ह २८।२१	शु १५ ३	ग २३।३०	२४ ४३ १७	२ १६ २	कन्यायां	भ. ५३।४० उ.
४	चं २९।५१ चि ३६ १	शु १७।१८	वि २९।५१	२१ ४४ १६	३ १७ ३	तु. २।११	भ. २९।५१ या. गणेश चतुर्थी
५	मं ३५।२५ स्वा ४३ २	ब्र १९।३६	ब २।३८	१८ ४४ १६	४ १८ ४	तुलायां	ऋषि ५
६	बु ५०।१४ वि ४९ ८	ऐं २१।२९	को ७।४९	१४ ४५ १५	५ १९ ५	बृ. ३२।३७	
७	गु ४३।४१ अ ५४ ५	वै २३।१०	ग ११।५७	१० ४६ १४	६ २० ६	वृश्चिके	भ. ४३।४१ उ. स्वात्यां शुक्रः ५०।२७
८	शु ४५।२८ ज्ये ५७।२४	वि २१।५०	वि १४।३५	६ ४७ १३	७ २१ ७	ध. ५७।२४	भ. १४।३५ या.
९	श ४५।२५ मू ५८।५४	प्री २०।१२	बा १५।२६	२ ४७ १३	८ २२ ८	धनुषि	वक्री शते २ गुरुः ५१।३५
१०	र ४३।१८ पू ५८।२१	आ १६।५९	वै १४।२१	३० ४८ १२	९ २३ ९	धनुषि	पुष्ये १ राहुः श्रवणे १ केतुः ५९।२८
११	चं ३०।२० उ ५५।५५	सौ ११ ५	ब ११।१९	५४ ४९ ११	१० २४ १०	म. १२।४४	भ. ११।१९ उ. ३९या. जलझूलनी ११ ब्र.
१२	मं ३३।३५ श्र ५१।१७	शो ४०।५३	ब ६।२७	४८ ५० १०	११ २५ ११	मकरे	चित्रायां बुधः ४९।३ वामन १२
१३	बु २५।३३ ध ४५।२०	सु ४८।३८	वै २५।३३	४४ ५१ ९	१२ २६ १२	कुं. १८।१८	पुनर्वसौ भौमः ४९।४७
१४	गु १६।४१ श ३८।१५	धृ ३८।१४	ब १६।४१	४० ५२ ८	१३ २७ १३	कुम्भे	भ. १६।४१ उ. ४१।४५या. उफायांरविः ✕
१५	शु ६।५० पू ३०।३२	शू २७।३९	ब ६।५०	३६ ५३ ७	१४ २८ १४	मी १७।२८	✕४४।२४ अनन्त १४ महालय श्राद्धा.

२१पं.भा.शु.१श इ.४२।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	१०	६	९	३	४
१४	१२	९	१४	०	१२	१३	१४
०	३३	३८	२४	३९	३१	४९	२५
५२	५०	१३	२१	७	५१	३४	७
५७	३९	७८	५९	५९	३६	३	५८
५७	३३	१५	ब	२१	ब	११	१

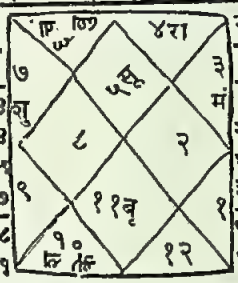

२२पं.भा.शु.८शु इ.४१।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	१०	६	९	३	४
२०	१६	१८	१३	७	१२	१३	२१
४७	५४	३	२९	२७	९	२७	१६
३२	५८	३९	६	५४	४६	१८	५७
५८	३८	७१	५०	५६	३०	३	५८
१२	५४	३१	ब	८	ब	११	१३

२३पं.भा.शु.१५शु.इ.४१।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	१०	६	९	३	४
२७	२१	२५	१२	१३	११	१३	२८
३५	११	१६	३६	४७	५१	५	५
५५	२४	८	५९	२७	७	२	१३
५८	३८	४०	३५	५१	२३	३	५८
२९	१६	२१	ब	५६	ब	११	२६

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाक: १८८४	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ५०।१४ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	६ १५ २९	१५	० मीने	
२	श ४६।४२ उ २२।४५	गं १६।४५	तै २१।५३	३० ५५	६ १६ ३०	१६	मे. १४।५३	भ. १२।३० उ. ३८।१७ या.
३	र ३८।१७ रे १४।५३	वृ ३५ ५०	व १२।३०	२८ ५४	६ १७ ३१	१७	मेषे	कन्यायामर्कः ९।३५
४	चं ३०।३३ अ ८।४७	ध्या ४६ ५१	ब ४।२५	२४ ५५	५ १७ ३१	१७	बृ. १९।५६	
५	मं २४।१६ भ ३५ ५६	ह ३८ ५१	तै २४।१६	२० ५६	४ १८ १	१८	बृषे	भ. २०।१ उ. ४८।४१ या.
६	बु २०।१ रो ५८।२०	व ३२।१८	व २०।१	१६ ५७	३ १९ २	१९	मि २८।२०	
७	गु १७।२० मृ ५८।१९	सि २७।२०	ब १७।२०	१२ ५८	२ २० ३	२०	मिथुने	
८	शु १६।३८ आ ६० ०	व्य २३।४२	को १६।३८	८ ५८	२ २१ ४	२१	क. ४७।५१	भ. ४८ उ. वक्रीबुधः ३४ विशाखायांशुक्रः २९
९	श १७।३८ आ ०।१८	व २१।४५	ग १७।३८	४ ५९	१ २२ ५	२२	कर्के	भ. २०।२ या.
१०	र २०।२ पु ३।४२	प २०।४२	वि २०।२	० ०	० २३ ६	२३	कर्के	इंदिरा ११ ब्र.
११	चं २३।५७ पु ८।३३	शि २१।१५	बा २३।५७	२९ ५८	१ २४ ७	२४	सिं १४।३०	
१२	मं २८।४६ श्ले १४।३०	सि २२ ६	तै २८।४६	२५ ५८	२ २५ ८	२५	सिंहे	भ. ३४।४२ उ. प्रदोष ब्र.
१३	बु ३४।४२ म २१।२०	सा २३।५४	ग १।४४	२६ ५९	३ २६ ९	२६	कं. ४५।२२	भ. ३० या. हस्ते रविः २३ शस्त्रादिहतानांश्रा.
१४	गु ४०।१९ पू २८।३२	शु २५।५५	वि ७।३०	२७ ५९	४ २७ १०	२७	कन्यायां	सर्वपितृ ३०
३०	शु ४७। ० उ ३५।५४	शु २८।१४	च १३।३९	२८ ६०	४ २८ ११	२८		

२४पं.आ.कृ.८शु.इ.४१।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	१०	६	९	३	५
४	२५	२८	११	१९	११	१२	४
२६	१९	१९	४७	३८	३७	४२	५५
२	१२	५१	१३	१४	१	४७	१९
५८	३७	६	६	४६	४७	३	५८
४५	२९	१०	ब	४४	ब	११	३८

गोचरग्रहाः

आश्विन कृ.४चंद्रे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४नं.६ कुमारावस्था (बैठी) मु.१५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पश्चि.।

गोचरग्रहाः

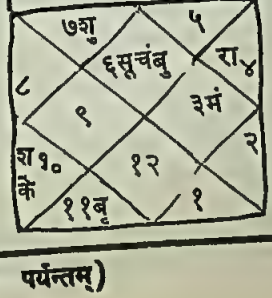

२५पं.आ.कृ.३०शु.इ.४१।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	१०	६	९	३	५
११	२९	२७	११	२४	११	१२	११
१८	२१	२३	४	५१	२७	२०	४६
६	२५	५२	५५	२८	३	३१	५६
५९	३६	४३	४०	१३	३९	५	३	५८
०	४२	ब	ब	ब	५०	ब	११	५३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०९९ स.१९६२
१	श	५३	८	ह	४३	४०	ब्र	३०	३३	किं	२०	४	३९	६	५५	२९	१२	२९	कन्यायां	कर्के भौमः ३७ मा.श्राद्धं नवरात्रारम्भः
२	र	५९	१५	चि	५०	५८	ऐं	३२	५१	आ	२६	११	३०	६	५४	३०	१३	३०	तु.१७।१९	चन्द्रद. पश्चिमास्तं बुधः १४।१०
३	चं	६०	०	स्वा	५७	५१	वै	३५	६	तै	३१	५९	२६	७	५३	१	१४	१	तुलायां	अक्टूबर मा.१०ता.३१ जमादिलावल५
३	मं	४	४३	वि	६०	०	वि	३६	३२	ग	४	४३	२३	८	५२	२	१५	२	वृ.४७।३२	भ. ३७।० उ.
४	बु	९	१८	वि	४	५	प्री	३७	१८	वि	९	१८	१८	८	५२	३	१६	३	बृश्चिके	भ. ९।१८ या. वक्री हस्ते बुधः ४८।४८
५	गु	१३	२१	अ	९	३७	आ	३७	४९	बा	१३	२१	१४	९	५१	४	१७	४	वृश्चिके	
६	शु	१५	४४	ज्ये	१३	५०	सौ	३६	५७	तै	१५	४४	१०	१०	५०	५	१८	५	ध.१३।५०	पुष्ये भौमः ४७।१५
७	श	१६	४५	मू	१६	३९	शो	३५	२	व	१६	४५	९	११	४९	६	१९	६	धनुषि	भ. १६।४६ उ. ४६।२६ या.
८	र	१६	७	पू	१७	४९	अ	३१	४०	ब	१६	७	६	१२	४८	७	२०	७	म.३२।४१	वृश्चिके शुक्रः ११।२६ बलिदानं
९	चं	१३	४५	उ	१७	१८	सु	२६	५७	कौ	१३	४५	२८	१२	४८	८	२१	८	मकरे	मार्गी शनिः५७।१७ मन्वादिः विजया१०
१०	मं	९	३०	श्र	१४	५६	धृ	२०	४२	ग	९	३०	५४	१३	४७	९	२२	९	कुं.४२।४२	भ. ३६।२९ उ. ११ ब्र.
११	बु	३	२८	ध	१०	२५	शू	१३	६	वि	३	२८	५०	१४	४६	१०	२३	१०	कुम्भे	भ.३।२८या.चित्रायांरवि.५३ पापांकुशा०
१२	बु	५२	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	गु	४७	१२	श	१४	५३	गं	२३	५०	कौ	२१	३४	४६	१५	४५	११	२४	११	मी४५।७	
१४	शु	३७	३९	उ	५०	४७	ध्रु	४३	५०	ग	१२	२६	४२	१६	४४	१२	२५	१२	मीने	भ.३७।३९ उ. वक्री शते१ गुरुः५५।५९
१५	श	२७	४५	रे	३८	१८	व्या	३२	५९	वि	२	३७	३८	१६	४४	१३	२६	१३	मि.४३।१८	भ. २।३७ या. पूर्वोदयं बुधः ३९।४७

२६पं.आ.शु.६शु.इ.४१।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१०	६	९	३	५
१८	३	२०	१०	२९	११	११	१८
११	१६	४३	२९	१३	२२	५८	४०
५३	२६	४४	२	३३	८	१५	८
५९	३५	२३	४४	३०	२१	३	५९
१६	४८	ब	ब	५५	ब	११	९

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच शनिवार अशुभ है प्रजामें पीड़ा रोग बढ़े पश्चिम देश में विग्रह हो।

गोचरग्रहाः

२७पं.आ.शु.१४शु.इ.४१।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१०	७	९	३	५
२५	७	१४	१०	२	११	११	२५
७	३	१२	०	२९	२२	३६	३५
३५	१४	१०	५४	२०	५	०	१
५९	३४	३०	३८	१९	२४	३	५९
३१	३९	ब	ब	२८	मा	११	२१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तु रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१८	२	अ	३५	४०	ह	२१	५९	कौ	१८	२	३४	६	५	१४	२७	१४	मेषे	
२	चं	९	७	भ	२८	४४	व	११	२४	ग	९	७	३०	१८	४२	१५	२८	१५	बृ.४२।२२	भ.३५ उ. मार्गी बुधः४६ अनुयां.शुक्रः१७
३	मं	१	१५	कृ	२३	१५	सि	४९	५१	वि	१	१५	२६	१९	४१	१६	२९	१६	बृषे	भ. १।१५ या. कर्के ४ ब्र.
४	मं	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	५०	५८	रो	९	२७	व	४६	३३	कौ	२३	३४	२२	२०	४०	१७	३०	१७	मि४८।३१	तुलायामर्कः ३५।२४
६	गु	४९	१	मृ	१७	३५	प	४१	१६	ग	१९	५९	१८	२०	४०	१८	१	१८	मिथुने	भ. ४९।१ उ.
७	शु	४९	११	आ	१७	५२	शि	३७	४१	वि	१९	६	१४	२१	३९	१९	२	१९	मिथुने	भ. १९।६ या.
८	श	५१	६	पु	२०	११	सि	३५	४५	बा	२०	८	१०	२२	३८	२०	३	२०	क. ४।३६	
९	र	५४	५४	पु	२४	२०	सा	३५	२४	तै	२३	०	५	२३	३७	२१	४	२१	कर्के	वक्री भृगुः ५९।३
१०	चं	६०	०	श्ले	३०	१	शु	३५	५६	व	२७	२८	०	२४	३६	२२	५	२२	सि३०।१	भ. २७।२८ उ.
१०	मं	०	२	म	३६	३६	शु	३७	३५	वि	०	२	५५	२५	३५	२३	६	२३	सिंहे	भ. ०।२ या.
११	बु	६	९	पू	४४	४	ब्र	३९	४२	बा	६	९	५०	२६	३४	२४	७	२४	सिंहे	स्वात्यां रविः १६।२६ रमा ११ ब्र.
१२	गु	१२	१८	उ	५१	४०	ऐं	४२	६	तै	१२	१८	४६	२७	३३	२५	८	२५	कं.०।५८	प्रदोष ब्र.
१३	शु	१८	५७	ह	५९	१६	वै	४४	४१	व	१८	५७	४२	२८	३२	२६	९	२६	कन्यायां	भ. १८।५७ उ.५१।५९ या. दीपदानं
१४	श	२५	२	चि	६०	०	वि	४६	४८	श	२५	२	३९	२८	३२	२७	१०	२७	तु.३२।५२	चित्रायां बुधः ३३।५१ रूप १४
३०	र	३०	५८	चि	६	२८	प्री	४८	३८	ना	३०	५८	३६	२९	३१	२८	११	२८	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.७शु.इ.४०।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	१०	७	९	६	६
२	१०	१४	९	४	११	११	२
५	४०	३३	४२	१८	२६	१३	३१
५	२६	४५	२८	०	३१	४४	३३
५९	३३	३७	१३	५	१	३	५९
४६	२९	मा	ब	१७	११	११	३४

गोचरग्रहाः

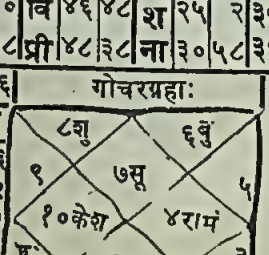

कार्तिक कृ. ५ बुधे तुलायामर्कः प्र. वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु.३०(धान्यभाव सम) शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

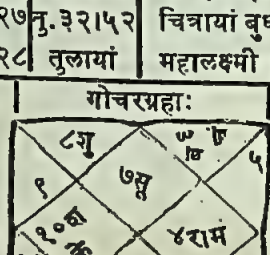

२९पं.का.कृ.१३शु.इ.४०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	१०	७	९	३	६
९	१४	२२	९	४	११	१०	९
४	५	६	३३	१२	२६	११	३३
२५	५०	७	१८	२८	१८	२९	५७
६०	३२	८३	५३	१७	१	३	५९
२	२१	२८	ब	ब	५१	११	४७

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३१२९ सन् १९६२
१	चं ३५ ५९ स्वा १३ १७ आ ४९ ५१ कि ३ २८ ३७	६	३०	५	२९	१२	२९	तुलायां	अन्नकूट गोवर्धन पू.
२	मं ४० १२ वि १९ ५ सौ ५० ३४ बा ८ ५	२९	३०	३०	३०	१३	३०	वृ.२।३८	चन्द्रदर्शनम्
३	बु ४३ ३२ अ २४ २० शो ५० २८ तै ११ ५२	२६	३१	२९	३१	१४	१	वृश्चिके	तुलायांबुधः ५३ वक्री विशाखायांशुक्रः १७
४	गु ४५ ४१ ज्ये २८ १८ अ ४९ २३ व १४ ३६	२३	३१	२९	१	१५	२	ध.२८।१८	भ. १६ उ. ४५ या. नवम्बर मा.११ ता.३०
५	शु ४६ ४१ मू ३१ २० सु ४७ ३३ व १६ ११	२०	३२	२८	२	१६	३	धनुषि	
६	श ४६ २८ पू ३३ १२ धृ ४५ ८ कौ १६ ३५	१७	३३	४७	३	१७	४	म.४८।१९	पूर्वास्तो बुधः ५८ ×श्लेषायां भौमः २१
७	र ४५ ६ उ ३३ ४१ शू ४१ १४ ग १५ ४७	१६	३३	२७	४	१८	५	मकरे	भ. ४५ उ. ●मार्गीगुरुः ३५ जमादिलाखर २६
८	चं ४२ १६ श्र ३२ ५५ गं ३६ २९ वि १३ ४१	१२	३४	२६	५	१९	६	मकरे	भ. ५३ या.स्वात्यांबुधः ५७ पश्चिमा.भृगुः १२
९	मं ३८ ४ ध ३० ५१ वृ ३० ३० बा १० १०	८	३४	२६	६	२०	७	कुं.२।३९	विशाखायां रविः ३३।४९ प.अ.शु.
१०	बु ३२ ४२ श २७ २७ धु २३ ३४ तै ५ २३	४	३५	२५	७	२१	८	कुम्भे	भ. ५९ उ. वक्री तुलायां शुक्रः १७।४९
११	गु २५ ५८ पू २२ ४२ व्या १५ ३३ वि २५ ५८	०	३६	२४	८	२२	९	मी८।५३	भ ५८ या. तुलसीविवाह प्रबोधिनी ११ व्र.
१२	शु १८ ८ उ १७ १ ह २७ ५० बा १८ ८	२६	३७	२३	९	२३	१०	मीने	
१३	श ९ ४५ रे १० २६ सि ४६ ३५ तै ९ ४५	५३	३८	२२	१०	२४	११	मे.१०।२६	
१४	र ० ४० अ १८ ५३ व्य ३६ १ व ० ४०	५०	३८	२२	११	२५	१२	मेषे	भ्र ४०उ. ३६ या. पुष्ये राहुः उषा.४केतुः ५३
१५	र ५१ १२ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	

३०पं. का.शु.५शु.इ.४०।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	१०	७	९	३	६
१६	१७	२	९	२	११	१०	१६
५	१९	४६	३४	१२	५०	२९	२९
२९	५१	२६	३४	१४	३४	४३	३६
६०	३०	९३	२५	३५	२	३	६०
१८	३४	११	मा	व	३२	११	४

गोचरग्रहाः

इस मास का फल मध्यम है लोहादि धातु मन्दे शेयर बाजार में मन्दी, अन्नादि में कुछ समर्घता आवेगी

गोचरग्रहाः

३१पं.का.शु.१२शु.इ.४०।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	१०	६	९	३	६
२३	२०	१४	९	२८	१२	१०	२३
८	१९	८	४५	३७	९	६	३०
७	१९	५३	५४	१२	३६	५७	५३
६०	२८	९९	१	३३	३	३	६०
३०	३९	१३	९	व	१३	११	१७

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं ४३ ४४ कृ ५० ३० व २६ १० बा १७ ४८	३६	३९	२१	१२	२६	१३	बृ.१०।३०	
२	मं ३६ ५६ रो ४५ १८ प १६ ५६ तै १० २०	४३	३९	२१	१३	२७	१४	बृषे	विशाखायां बुधः १९।२९
३	बु ३१ ३६ मृ ४१ ४८ शि ८ ५० वि ४ १६	४०	४०	२०	१४	२८	१५	मि१३।३३	शते २ गुरुः ३५ भ. १६ उ. ३३ या. च.व्र.
४	गु २८ १२ आ ४० १४ सि ५५ ५० बा २८ १२	३७	४१	१९	१५	२९	१६	मिथुने	
५	शु २७ ६ पु ४० ५४ शु ५३ ११ तै २७ ६	२४	४१	१९	१६	३०	१७	क.२५।४४	वृश्चिकेऽर्कः २८।७ पू.उ.शु.
६	श २७ ५८ पु ४३ ३१ शु ५१ २५ व २७ ५८	३१	४२	१८	१७	१	१८	कर्के	भ. ५८ उ. ५९ या. पूर्वोदयं शुक्रः २७।१
७	र ३२ ५ श्ले ४८ २ ब ५१ १८ ब ३१ ५	२९	४२	१८	१८	२	१९	सिं४८।२	
८	चं ३५ ४० म ५४ ४ वैं ५२ १ बा ३ २२	२६	४३	१७	१९	३	२०	सिंहे	वृश्चिके बुधः ३७ अनु. रविः ४५।५५
९	मं ४१ ४१ पू ६० ० वै ५३ ५२ तै ८ ४१	२३	४३	१७	२०	४	२१	सिंहे	
१०	बु ४७ ४९ पू १ १५ दि ५५ ५७ व १४ ४५	२०	४४	१६	२१	५	२२	कं.१८।६	भ. १४।४५ उ. ४९ या.अनुयांबुधः ३७।४७
११	गु ५४ ३६ उ ८ ४२ प्री ५८ ३० ब २१ १३	१८	४४	१६	२२	६	२३	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र. स्मा.
१२	शु ६० ० ह १६ २४ आ ६० ० कौ २७ ४६	१६	४५	१५	२३	७	२४	तु.५०।४	उत्पत्ति ११ व्र. नि.
१२	श ० ५७ चि २३ ४४ आ २ ३५ तै ० ५७	१३	४५	१५	२४	८	२५	तुलायां	प्रदोष व्र.
१३	र ६ ३८ स्वा ३० ३० सौ ० ३२ व ६ ३८	११	४६	१४	२५	९	२६	तुलायां	भ. ३६ उ. ५६ या. वक्री स्वात्यां शुक्रः ४६
१४	चं ११ ८ वि ३५ ५२ शो ३ ३६ श ११ ८	८	४६	१४	२६	१०	२७	बृ.१९।३२	
१५	मं १४ ४६ अ ४० ४२ अ ३ ३६ ना १४ ४६	५	४७	१३	२७	११	२८	बृश्चिके	

३२पं. मा.कृ.५शु.इ.४०।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	६	१०	६	९	३	७
०	२२	२५	१०	२४	१२	९	०
१२	५९	३१	६	२२	३३	४४	३३
११	२४	४४	३२	३२	२५	४२	४७
६०	२६	९९	३	३३	३	३	६०
४०	२९	४१	११	व	५४	११	३०

गोचरग्रहाः

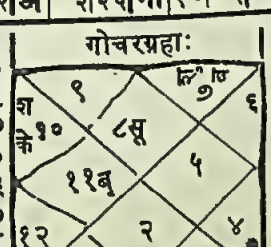

मार्ग. कृ..५ शुक्रे बृश्चिकेऽर्कः प्र. वा.३न.३प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव सम) शुक्रो.पश्चि.

गोचरग्रहाः

३३पं.मा.कृ.१२शु.इ.३९।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१०	६	९	३	७
७	२५	६	१०	२०	१३	९	७
१७	२६	४२	३६	५२	१	२२	३७
४४	१६	५०	३६	४०	१२	२६	३८
६०	२४	९९	३	३३	३	३	६०
५३	९	३८	९	व	३२	११	४२

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३१५९ स.१९६२
१	बु	१७	४	ज्ये	४३	५२	सु	३	४	ब	१७	४	२६ ३	६ ४७	५ १३	२८	१२	२९	ध.४३।५२	चन्द्रदर्शनम्
२	गु	१८	३१	मू	४६	११	धृ	१ ३२	५७ ४०	कौ	१८	३१	०	४८	१२	२९	१३	१	धनुषि	रज्जब ७
३	शु	१८	२८	पू	४७	२०	गं	५५	४४	ग	१८	२८	२५ ५८	४८	१२	३०	१४	२	धनुषि	भ.४८ ० उ. ज्ये.बुधः ५० ५४ श्रवणे२ शनिः १३ ३९
४	श	१७	३३	उ	४७	३९	वृ	५१	४६	वि	१७	३३	५७	४९	११	१	१५	३	म.५।२५	भ.१७।३३ या. दिसम्बर मा.१२ता.३१
५	र	१५	५३	श्र	४७	१२	ध्रु	४७	२२	बा	१५	५३	५६	४९	११	२	१६	४	मकरे	ज्येष्ठायां रविः ५२।५४
६	चं	१३	१२	ध	४५	४६	व्या	४१	५५	तै	१३	१२	५४	४९	११	३	१७	५	कु.१६।२९	
७	मं	९	४४	श	४३	२५	ह	३५	४९	व	९	४४	५२	५०	१०	४	१८	६	कुम्भे	भ. ९ ४४ उ. ३७ ३८ या. मार्गी भृगुः ३५।४३
८	बु	५	३२	पू	४०	२९	व	२९	५	ब	५	३२	५०	५०	१०	५	१९	७	मी२६।१०	
९	गु	०	२६	उ	३६	४४	सि	२१	४२	कौ	०	२६	४८	५०	१०	६	२०	८	मीने	कल्पादिः
१०	गु	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	शु	४८	१२	रे	३२	९	व्य	१३	३९	व	२१	२६	४६	५१	९	७	२१	९	मे.३२।९	भ.२१ २६ उ.४८।१२या. मोक्षदा११व्र.स्मा.
१२	श	४१	८	अ	२७	३	व	५ ८	५१ १२	ब	१४	४०	४४	५१	९	८	२२	१०	मेषे	धनुषि बुधः २४।५६ मोक्षदा ११व्र. वै.
१३	र	३४	१	भ	२१	३६	शि	४७	२३	कौ	७	३४	४३	५१	९	९	२३	११	वृ.३५।१६	प्रदोष व्र.
१४	चं	२७	९	कृ	१६	१८	सि	३८	३८	ग	०	३५	४२	५१	८	१०	२४	१२	बृषे	भ. २७।९ उ. ५३।५६ या. दत्त जः
१५	मं	२०	४४	रो	११	३७	सा	३०	२९	वि	२०	४४	४१	५१	८	११	२५	१३	मि३९।४४	

३४पं.मा.शु.३शु.इ.३९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१०	६	९	३	७
१४	२७	१७	११	१९	१३	९	१४
२४	२६	४४	१५	५	२२	०	४२
३०	५६	१६	४७	६	१०	१०	२२
६१	२०	९९	५	६ ९	४	३	६०
३	५३	२१	३२	ब	५९	११	५०

गोचरग्रहाः

मास फल साधारण है। प्रजा में साधारण कष्ट शीत अधिक। धान्यादि के भाव में कुछ महर्घता।

गोचरग्रहाः

३५पं.मा.शु.११शु.इ.३९।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१०	६	९	३	७
२१	२९	२८	१२	१९	१४	८	२१
३२	३	४५	३	१४	७	३७	४८
१०	४३	०	७	२०	४४	५५	५७
६१	७	९७	६	७ ५	५	३	६०
११	७	५९	३९	मा	२७	११	५६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१५	२५	मृ	७	५१	शु	२३	९	कौ	१५	२५	२५ ४०	६ ५२	५ ८	१२	२६	१४	मिथुने	विशाखा. शुक्रः २८।२०
२	गु	११	४६	आ	५	३९	शु	१७	११	ग	११	४६	३९	५२	८	१३	२७	१५	क.५०।११	भ. ४०।५० उ. सिंहे भौमः ४१।१५
३	शु	९	५४	पु	५	२	ब्र	१२	३५	वि	९	५४	३८	५२	८	१४	२८	१६	कर्के	भ. ९।५४ या. च. ब्र.
४	श	९	४८	पु	६	१२	ऐं	९	२५	बा	९	४८	३८	५२	८	१५	२९	१७	कर्के	धनुष्यर्कः ५६।३९
५	र	१२	०	श्ले	९	३९	वै	८	२०	तै	१२	०	३८	५२	८	१६	१	१८	सिं९।३९	पूषायां बुधः ५८।२०
६	चं	१५	४८	म	१४	३०	वि	८	०	व	१५	४८	३८	५२	८	१७	२	१९	सिंहे	भ.१५ ४८ उ.४८।३२ या. शते३ गुरुः ३४ ३०
७	मं	२१	१६	पू	२०	५९	प्री	९	८	ब	२१	१६	३७	५३	७	१८	३	२०	कं.३७।४७	पश्चिमोदयी बुधः ५३।५
८	बु	२७	२६	उ	२८	१२	आ	१०	५४	कौ	२७	१६	३७	५३	७	१९	४	२१	कन्यायां	
९	गु	३४	२	ह	३५	४८	सौ	१२	५९	तै	०	४४	३७	५३	७	२०	५	२२	कन्यायां	
१०	शु	४०	१७	चि	४३	१२	शो	१५	१५	व	७	९	३६	५३	७	२१	६	२३	तु.९।३०	भ. ७।९ उ. ४०।१७ या.
११	श	४६	६	स्वा	५०	८	अ	१७	१८	ब	१३	११	३६	५३	७	२२	७	२४	तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	र	५०	३६	वि	५५	४८	सु	१८	२९	कौ	१८	२१	३६	५३	७	२३	८	२५	वृ.३९।२१	
१३	चं	५३	५३	अ	६०	०	धृ	१८	४४	ग	२२	१४	३६	५३	७	२४	९	२६	बृश्चिके	भ. ५३।५३ उ. प्रदोष व्र.
१४	मं	५५	३१	अ	०	९	शू	१७	५५	वि	२४	४२	३७	५३	७	२५	१०	२७	वृश्चिके	भ. २४।४२ या. उषायां बुधः ३६।१३
३०	बु	५५	५०	ज्ये	३	४	गं	१५	५१	च	२५	४०	३७	५३	७	२६	११	२८	ध. ३।४	

३६पं. पौ.कृ.३शु.इ.३९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	१०	६	९	३	७
२८	०	९	१२	२१	१४	८	२८
४१	११	४०	५७	७	४६	१५	५२
०	३८	४०	५०	३०	१६	१९	१३
६१	१२	९६	७	२१	५	३	६१
१९	१	२५	४०	११	५०	११	०

गोचरग्रहाः

पौष कृ. ४ शनौ धनुष्यर्कः प्र. वा. २न.३ युवावस्था (सूती) मु. १५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

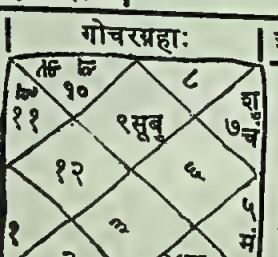

३७पं.पौ.कृ.१०शु.इ.३९।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	१०	६	९	३	८
५	०	२०	१४	२४	१५	७	६
५०	४३	३३	०	४३	२७	५३	३
२५	२६	५४	७	४१	१४	२४	३०
६१	६	९३	८	३२	६	३	६१
२२	३५	४५	४१	१७	१८	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३१८८ स. १९६२
१	गु ५४ १३ मू ४ ३५ वृ १२ ४२ किं २५ १ ३५ ५३ ५ २७	१२	२९	धनुषि	मकरे बुधः ५६।२४
२	शु ५२ १९ पू ४ ४५ ध्रु ८ २८ बा २३ ६ ३८ ५२ ८ २८	१३	३०	म.१९।३४	वक्री भौमः ३४ पूषायां रविः ५४ चन्द्रद.
३	श ४९ २० उ ४ २ व्या ४ ५५ तै २० ४९ ३८ ५२ ८ २९	१४	१	मकरे	वृश्चिके शुक्रः ३३।११ सावान ८
४	र ४५ २९ श्र १३ ४७ व ५१ ३२ व १७ २४ ३९ ५२ ८ ३०	१५	२	कुं.३१।६	भ. १७।२४ उ. ४५।२९ या.
५	चं ४१ २२ श ५७ २४ सि ४५ ११ ब १३ २५ ४० ५२ ८ ३१	१६	३	कुम्भे	
६	मं ३६ ४९ पू ५४ ३५ व्य ३८ ३५ कौ ९ ६ ४१ ५२ ८ १	१७	४	मी ४०।१७	जनवरी मा.१ ता.३१ सन् १९६३
७	बु ३२ २ उ ५२ २४ व ३१ ३८ ग ४ २५ ४२ ५२ ८ २	१८	५	मीने	भ. ३३ उ. ५५ या. अनु शुक्रः ४३ श्रवणे ३*
८	गु २७ ९ रे ४७ ५९ प २४ २४ ब २७ ९ ४३ ५१ ९ ३	१९	६	मे.४७।५९	
९	शु २२ ७ अ ४४ ३० शि १७ १५ कौ २२ ७ ४४ ५१ ९ ४	२०	७	मेषे	श्रवणे बुधः ३७।४८ *शनिः ३५
१०	श १६ ४५ भ ४० ४१ सि ९ ४१ ग १६ ४५ ४५ ५१ ९ ५	२१	८	वृ.५४।४९	भ.४४।९ उ. वक्री कर्के भौमः १६।४४
११	र ११ ३३ कृ ३७ १४ सा १३ ५३ वि ११ ३३ ४६ ५१ ९ ६	२२	९	वृषे	भ.३३ या. शतं४ गुरुः ५।७ पुत्रदा ११ व्र.
१२	चं ६ १ रो ३३ ५२ शु ४८ २ बा ६ १ ४८ ५० १० ७	२३	१०	वृषे	
१३	मं १ ३९ मृ ३१ १४ ब्र ४१ ४१ तै १ ३९ ५० ५० १० ८	२४	११	मि २।३३	भ. ५७।२८ उ.
१४	मं ५५ ४९ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	
१५	बु ५४ ३५ आ २९ १८ ज्ये ३५ ५७ वि २६ २ ५२ ५० १० ९	२५	१२	मिथुने	भ. २६।२ या. स्वल्पग्रासं चन्द्रग्रहणम्

३८पं.पौ.शु.२शु.इ.३९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	१०	६	९	३	८
१३	०	१	१५	२९	१६	७	१३
०	४१	०	८	२३	१०	३१	११
१७	६	५०	५६	२	२१	८	२६
६१	१०	८५	९	४०	६	३	६१
२६	ब	३६	३२	५२	३२	११	६

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच वुधवार प्रजा में सुखशान्तिकारक है। धान्यके भाव सम रहेंगे।

गोचरग्रहाः

३९पं.पौ.शु.९ शु.इ.३८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	१०	७	९	३	८
२०	०	१०	१६	४	१६	७	२०
१०	४	१	२३	५२	५६	८	१८
१४	३७	१२	३१	३०	२०	५२	१४
६१	२७	६२	१०	४७	६	३	६१
२६	ब	२१	१७	३३	५०	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ५३ ४ पु २८ ४८ वै ३१ २४ बा २३ ४९ ५५ ४९ ११ १०	२६	१३	क.१३।५६	उषायां रविः ५९।४४
२	श ५२ ५८ पु २९ ४२ वि २७ ५३ तै २३ १ ५६ ४९ ११ ११	२७	१४	कर्के	वक्री बुधः ३७।४८
३	र ५४ ४६ श्ले ३२ २८ प्री २६ ३ व २३ ५२ ५८ ४८ १२ १२	२८	१५	सिं ३२।२८	भ. २३।५२ उ. ५४।४६ या.
४	चं ५८ १२ म ३६ ३६ आ २४ ५६ ब २६ २९ २६ ४८ १२ १३	२९	१६	सिंहे	पुष्ये १ राहुः उषायां ३ केतुः ३३ चं. व्र.
५	मं ६० ० पू ४२ १७ सौ २५ १२ कौ ३० ४० २ ४८ १२ १४	३०	१७	कं.५८।५६	मकरेऽर्कः १५ पश्चिमास्तो बुधः २३
५	मं ३ ८ उ ४८ ५२ शो २६ ३६ तै ३ ८ ४ ४७ १३ १५	१	१८	कन्यायां	
६	बु ९ ९ ह ५६ २२ अ २८ २६ व ९ ९ ६ ४७ १३ १६	२	१९	कन्यायां	भ.९।९ उ.४२।१४ या. *अस्तंशनिः २६
७	गु १५ २० चि ६० ० सु ३० १० ब १५ २० ९ ४६ १४ १७	३	२०	तु.३०।९	वक्री उषायां बुधः ३३ ज्येष्ठायां शुक्रः ३५*
८	शु २१ ४५ चि ३ ५७ धृ ३२ ४४ कौ २१ ४५ १२ ४६ १४ १८	४	२१	तुलायां	
९	श २७ ५० स्वा ११ ११ शू ३४ ३१ ग २७ ५० १५ ४५ १५ १९	५	२२	तुलायां	
१०	र ३३ १ वि १७ २५ गं ३५ १४ व ० २५ १७ ४५ १५ २०	६	२३	वृ.०।५१	भ.३५ उ.३३।१ या. अभि.प्र. रविः ४६
११	चं ३५ ५७ अ २२ १६ वृ ३४ ४७ ब ४ २९ २० ४४ १६ २१	७	२४	वृश्चिके	षट्तिला ११ व्र. पातस्पर्शः ४८।२
१२	मं ३७ ३८ ज्ये २५ ३६ ध्रु ३३ ९ कौ ६ ४७ २२ ४४ १६ २२	८	२५	ध.२५।३६	पातमोक्षः ३६ पू. भा. १ गुरुः ४२।३८
१३	बु ३६ ३८ मू २७ २९ ब्या ३० ७ ग ७ ८ २४ ४३ १७ २३	९	२६	धनुषि	भ. ३६।३८ उ. प्रदोष व्र.
१४	गु ३५ ३० पू २६ ५६ ह २५ २५ वि ६ ४ २७ ४३ १७ २४	१०	२७	म.४१।२८	भ.६ या. श्रवणेरविः २३ अभि.नि.रविः ५४
२०	शु ३२ ९ उ २५ ४ व १९ ४७ च ३ ४९ ३० ४२ १८ २५	११	२८	मकरे	वक्री धनुषि बुधः ४७।८

४०पं. मा.कृ.२शु.इ.३८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	९	१०	७	९	३	८
२७	२८	१३	१७	११	१७	६	२७
२०	४६	१६	४३	४	४३	४६	२७
६	५८	४	४०	२६	५८	३७	४०
६१	१५	१०	११	५२	७	३	६१
२४	ब	च	०	४३	२	११	५

४१पं.मा.कृ.८शु इ.३८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	१०	७	९	३	९
४	२६	८	१९	१७	१८	६	४
२९	५९	२६	७	४५	३२	२४	३५
३५	२०	५२	३७	२१	४२	२१	२९
६१	२३	२९	११	५६	७	३	६१
१९	ब	ब	३८	३५	१४	११	३

४२पं.मा.कृ.३०शु.इ.३८।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	१०	७	९	३	९
११	२४	०	२०	२४	१९	६	११
३८	५१	८	३५	४९	२२	२	४२
२६	४३	४५	४८	२६	२६	६	५४
६१	३०	४	१२	५९	७	३	६०
१३	ब	ब	११	४३	२०	११	५९

●बुशकेचं +बुशके ÷चंमंरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×बुशके

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२१८ स.१९६६
१	श	२७	२६	श्र	२२	१५	सि	१२	५९	ब	२७	२६	२६/३३	६/४१	५/१९	२६	१२	२९	कुं.५०।२३	पूर्वोदयं बुधः २।१३
२	र	२१	५८	ध	१८	३१	व्य	५/३८	५२/११	कौ	२१	५८	३५	४१	१९	२७	१३	३०	कुम्भे	चंद्रदर्शनम्
३	चं	९६	०	श	१४	१७	प	४९	४६	ग	१६	०	३८	४०	२०	२८	१४	१	मी५६।७	भ. ४३।३ उ. रमजान ९
४	मं	१०	६	पू	१०	४	शि	४१	५१	वि	१०	६	४१	४०	२०	२९	१५	२	मीने	भ. १०।६ या.
५	बु	४	७	उ	६	११	सि	३४	१४	बा	४	७	४४	३९	२१	३०	१६	३	मीने	धनुषि शुक्रः ३२/१८ श्रवणे४ शनिः ५५/३४ वसंत५
६	बु	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	गु	५३	२२	रे	२/३८	५६/३९	सा	२६	४८	ग	२५	५३	४८	३८	२२	३१	१७	४	मे.२।३८	भ. ५३।२२ उ. मन्वादिः रथ ७
८	शु	४८	२१	भ	५६	१२	शु	१९	३६	वि	२०	५२	५२	३८	२२	१	१८	५	मेषे	भ.२०/५२ या. फरवरी मा.२ता.२८मार्गीबुधः*
९	श	४४	५	कृ	५३	४४	शु	१२	४२	बा	१५	१३	५५	३७	२३	२	१९	६	वृ.१०।३५	पातस्पर्शः ४४।२ *४९/३६ भीष्म८
१०	र	४०	१०	रो	५१	३०	ब्र	६	२५	तै	१२	७	५८	३६	२४	३	२०	७	वृषे	पातमोक्षः २।४९
११	चं	३७	१४	मृ	५०	१२	ऐं	०/३७	५४/४४	व	८	४२	२७/२	३६	२४	४	२१	८	मि२०।५१	भ. ३७।१४ उ. जया ११ व्र.
१२	मं	३४	३८	आ	४९	२८	वि	५०	५१	ब	५	५६	५	३५	२५	५	२२	९	मिथुने	भ. ८।४२ या. ×प्रदोषः
१३	बु	३३	१	पु	४९	३७	प्री	४६	५९	कौ	३	४९	९	३४	२६	६	२३	१०	क.३४।३५	पूभायां२ गुरुः ५७/२९ धनिष्ठायां रविः ८/२० ×
१४	गु	३२	४१	पु	५१	४	आ	४३	५९	ग	१	५१	१२	३४	२६	७	२४	११	कर्के	भ. ३२।४१ उ. मकरे बुधः ४९।५४
१५	शु	३३	१८	श्ले	५३	४१	सौ	४२	१५	वि	२	५९	१६	३३	२७	८	२५	१२	सिं५३।४१	भ. २।५९ या.

४३पं. मा.शु.८शु.इ.३९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	१०	८	९	३	९
१८	२२	२७	२२	२	२०	५	१८
४६	३४	२१	७	१०	१२	३९	४९
२७	४	१८	८	५५	३९	५०	२६
६१	३४/५५	५९/०	१२	६२	७	३	६०
४	ब	ब	३५	७	२०	११	५५

गोचरग्रहाः

११बृ, १०सूश के, बु, ९शु, १२, ८, १चं, ७, २, ४मंरा, ६, ३, ५

माघ कृ. ५ चंद्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न.३गताल्कावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

बृ११, ९श, १०सू केशबु, १२, ८, १, ७, ४रा मंचं, २, ३, ५, ६

४४पं.मा.शु.१५शु.इ.३९।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	१०	८	९	३	९
२५	२०	०	२३	९	२१	५	२५
५३	१४	३१	४१	४६	२	१७	५५
१४	३१	१२	५६	२२	५२	३४	१६
६०	३४/३८	३७	१२	६४	७	३	६०
५५	ब	५७	५६	२	२०	११	४७

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	३५	२५	म	५७	३१	शो	४१	३०	बा	४	२१	२७/२०	६/३२	५/२८	९	२६	१३	सिंहे	
२	र	३९	१	पू	६०	०	अ	४१	७	तै	७	१३	२३	३१	२९	१०	२७	१४	सिंहे	
३	चं	४३	४४	पू	२	३९	सु	४२	१२	व	११	२२	२६	३१	२९	११	२८	१५	कं.१९।२७	भ.११/२२ उ.४३।४४ या. पूषायां शुक्र ५९/५२
४	मं	४९	१८	उ	९	२८	धृ	४३	५७	ब	१६	३१	३०	३०	३०	१२	२९	१६	कन्यायां	कुम्भे रविः ४२।१६ च. व्र.
५	बु	५५	४२	ह	१६	४१	शू	४६	९	कौ	२२	३०	३४	२९	३१	१३	१	१७	तु.५०।२३	
६	गु	६०	०	चि	२४	६	गं	४८	२७	ग	२८	५५	३८	२८	३२	१४	२	१८	तुलायां	
६	शु	२	८	स्वा	३१	३८	वृ	५०	३८	व	२	८	४२	२८	३२	१५	३	१९	तुलायां	भ. २।८ या. पातस्पर्शः ४७।३८
७	श	८	२४	वि	३८	५५	ध्रु	५२	२	ब	८	२४	४६	२७	३३	१६	४	२०	वृ.२२।६	पातमोक्षः ४।२६
८	र	१३	३९	अ	४४	३१	व्या	५२	३२	कौ	१३	३९	५०	२६	३४	१७	५	२१	वृश्चिके	
९	चं	१७	४२	ज्ये	४८	५२	ह	५१	४४	ग	१७	४२	५४	२५	३५	१८	६	२२	ध.४८।५२	भ.४८।५३ उ. श्रवणे बुधः ३४।१०
१०	मं	२	५	मू	५१	२२	व	४९	३५	वि	२०	५	५८	२४	३६	१९	७	२३	धनुषि	भ. २०।५ या. शते रविः १७।३७
११	बु	२८	२६	पू	५१	५०	सि	४५	४३	बा	२०	२६	२८/२	२४	३६	२०	८	२४	धनुषि	विजया ११ व्र. उदयं शनिः ०।१३
१२	गु	१५	४१	उ	५०	२३	व्य	४०	२३	तै	१८	४१	६	२३	३७	२१	९	२५	म.६।२८	वक्रीपुष्येभौम १/१६ पूभायां३गुरुः ५४/१४ प्रदोषः
१३	शु	१	५	श्र	४७	२४	व	३३	३२	व	१५	५	१०	२२	३८	२२	१०	२६	मकरे	भ.१५।५ उ.४२।२३ या. शिवरात्रिव्रतं
१४	श	९	४१	ध	४२	४१	प	२५	३५	श	९	४१	१४	२१	३९	२३	११	२७	कु.१५।२	उषायां शुक्रः ४५।०
३०	र	२	५९	श	३७	९	शि	१६	४१	ना	२	५९	१८	२०	४०	२४	१२	२८	कुंभे	

४५पं. फा.कृ.६शु.इ.३९।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	१०	८	९	३	१०
२	१८	७	२५	१७	२१	४	३
५९	१	१	१९	३२	५२	५५	०
१७	४८	७	८	४२	३३	१९	२
६०	३०/२६	६१	१३	६५	७	३	६०
४२	ब	१६	१५	३५	१४	११	३७

गोचरग्रहाः

१२, १०×, ११सूबृ, ९शु, १, २, ८, ३, ५, चं, ७, ४मंरा, ६

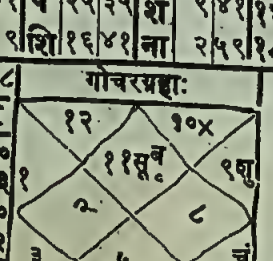

फाल्गुन कृ.४भौमे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ नं.३ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्याभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

१२, १०=, ११सूबृ, ९शु, १, २, ८, ३, ५, ७, ४मंरा, ६

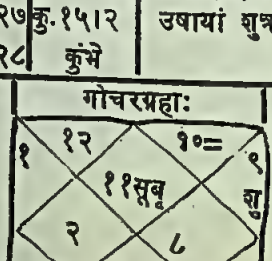

४६पं.फा.कृ.१३शु.इ.३९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	१०	८	९	३	१०
१०	१६	१५	२६	२५	२२	४	१०
३	१	३५	५०	२७	४१	३३	३
५०	१३	३८	८	१०	४५	३	३३
६०	२३/२८	७७	१३	६६	७	३	६०
३१	ब	३०	२२	५६	६	११	२५

×बुशके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) =चंबुशके

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४									दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गणः ३२४८ स. १९६३
१	र	५२	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४७	२७	पू	३१	६	सि	१९	५०	बा	२१	२६	३६	२०	४०	२५	१३	२९	मी १७।३७	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	मं	३९	२५	उ	२५	५	शु	४८	२५	तै	१३	२६	२६	१९	४१	२६	१४	१	मीने	मकरे शुक्रः ३६।२९ सव्वाल १०
४	बु	३२	६	रे	१९	२२	शु	३९	१८	व	५	४५	३०	१८	४२	२७	१५	२	मे. १९।२२	म. ४५ उ. ३६ या. पातस्पर्श ५८।३३
५	गु	२५	२१	अ	१४	१७	ब्र	३१	१८	बा	२५	२१	३४	१७	४३	२८	१६	३	मेषे	धनिष्ठायां बुधः ३५ धनि. १ शनिः १८*
६	शु	१९	२३	भ	१०	१	ऐं	२३	३२	तै	१९	२३	३८	१६	४४	१	१७	४	वृ. २४।१४	मार्चं मा. ३ ता. ३१ *पा. मो. ३५
७	श	१४	३०	कृ	६	५४	वै	१६	५९	व	१४	३०	४२	१६	४४	२	१८	५	वृषे	भ. १४।३० उ. ४२।३५ या.
८	र	१०	४१	रो	४	५१	वि	११	१०	ब	१०	४१	४६	१५	४५	३	१९	६	मि ३४।९	होलाष्टक अ. गु.
९	चं	८	६	मृ	३	२७	प्री	६	२१	को	८	६	५०	१४	४६	४	२०	७	मिथुने	पूभायां रविः ३२।२५
१०	मं	६	२८	आ	४	०	आ	३	५६	ग	६	२८	५४	१३	४७	५	२१	८	क. ५०।१	भ. ३६ उ. कुम्भेबुधः २° अस्तंगुरोः २७।०
११	बु	६	३	पु	५	१९	शो	५	२७	वि	६	३	५८	१२	४८	६	२२	९	कर्के	भ. ६।३ या. आमलकी ११ ब्र.
१२	गु	६	५३	पु	७	४७	अ	५	१०	बा	६	५३	२९	१२	४८	७	२३	१०	कर्के	श्रवणे शुक्रः १५।१७ मीनेगुरुः १६।२६
१३	शु	८	३१	श्ले	११	१२	सु	५	५४	तै	८	३१	६	११	४९	८	२४	११	सिं ११।१२	×होलिकादहनं भद्रोत्तरे
१४	श	११	३८	म	१५	४०	धृ	५	९	व	११	३८	१०	१०	५०	९	२५	१२	सिंहे	भ. ११ उ. ४३ या. शतेवुधः १२।२२×
१५	र	१५	२३	पू	२१	३	शू	५	७	ब	१५	२३	१५	९	५१	१०	२६	१३	कं. ३७।४४	मन्वादिः छारेंडी

४७पं.फा.शु.६शु.इ. ४०।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	१०	९	९	३	१०
१७	१४	२५	२८	३	२३	४	१७
६	२९	६	३८	२८	३०	१०	५
३९	४२	०	९	२२	२८	४८	४६
६०	१६	८८	१३	६८	६	३	६०
२०	ब	२८	३२	०	२९	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच रविवार नेष्ट हैं। प्रजा में रोगादि की संभावना है। रुई, शेयर, चांदी मंदे। धान्यादि सस्ते हों।

गोचरग्रहाः

४८पं.फा.शु.१३शु.इ.४०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	१०	११	९	९	३	१०
२४	१३	५	०	११	२४	३	२४
८	२९	४७	१९	३७	१६	४८	६
२	३८	३४	१	४०	३७	३२	३०
६०	१८	९८	१३	६८	६	३	५९
५	ब	१३	३८	५४	३९	११	५८

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४									दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं	२०	३९	उ	२७	४७	मं	५८	४२	को	२०	३९	३९	८	५३	११	२७	१४	कन्यायां	वसंत १
२	मं	२६	९	ह	३४	४१	बृ	६०	०	ग	२६	९	२४	७	५३	१२	२८	१५	कन्यायां	भ. ५९।१६ उ.
३	बु	३२	२४	चि	४२	१०	वृ	०	५३	वि	३२	२४	२८	६	५४	१३	२९	१६	तु. ८।२५	भ. ३२।२४ या. कल्पादिः
४	गु	३८	४४	खा	४९	५७	धु	३	१९	ब	५	३४	३२	६	५४	१४	३०	१७	तुलायां	मीनेऽर्कः ३२।४३ च. ब्र.
५	शु	४५	१२	वि	५७	२३	श्या	५	३८	को	११	५८	३६	५	५५	१५	१	१८	वृ. ४०।३२	*पूर्वास्तंबुधः २८।४३
६	श	५०	५९	अ	६०	०	ह	७	४४	ग	१८	५	४०	४	५६	१६	२	१९	वृश्चिके	भ. ५०।५९ उ. मार्गीभौमः ४५।५३
७	र	५५	३६	अ	३	५९	व	९	५	वि	२३	१७	४४	३	५७	१७	३	२०	वृश्चिके	भ. ३३ या. पूभायां बुधः ५४ पुन. राहुः+
८	चं	५८	५१	ज्ये	९	३०	सि	९	२०	बा	२७	१३	४८	२	५८	१८	४	२१	ध. ९।३०	धनिष्ठायां शुक्रः ४३ शीतला ८
९	मं	६०	०	मू	१३	१८	व्य	८	३२	तै	२९	३०	५३	१	५९	१९	५	२२	धनुषि	+उषायां २ केतुः ३३ उभायां रविः ५३
९	बु	०	१०	पू	१५	२९	व	६	९	व	०	१०	५८	१	५९	२०	६	२३	म. ३०।३१	भ. २९।५० उ. ५९।३० या.
१०	बु	५९	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	गु	५६	४१	उ	१५	३९	प	१०	१५	ब	२८	५	३२	६	०	२१	७	२४	मकरे	उभायां. १ गुरुः १८ पापमोचनी ११ब्र.स्मा.
१२	शु	५२	२	श्र	१३	३०	सि	४९	१४	को	२४	२१	६	५६	१	२२	८	२५	कुं. ४१।३५	मीने बुधः ३९ पापमोचनी ११ ब्र. वै.
१३	श	४५	२६	ध	९	४१	सा	४०	४२	ग	१८	४४	१०	५८	२	२३	९	२६	कुंभे	भ. ३६ उ. प्रदोषः ×उभा.बुधः २३।१७
१४	र	३७	२३	श	४४	४३	शु	३१	५	वि	११	२४	१४	५७	३	२४	१०	२७	मी ४४।३१	भ. ११।२५ या. कुम्भे शुक्रः २०।२३×
३०	चं	२८	३०	उ	५०	१२	शु	२०	४२	च	२	५६	१८	५६	४	२५	११	२८	मीने	सोमवती ३० अह. ३२।७६ के. च. ४*

४९पं.चै.कृ.५शु.इ. ४०।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	११	९	९	३	११
१	१२	१७	२	१९	२५	३	१
७	५८	२८	०	४७	१	२६	५
४४	४८	४	३६	४५	२२	१७	४२
५९	५९	३०	१३	६९	६	३	५९
४९	ब	३०	३८	४३	२६	११	४१

गोचरग्रहाः

चैत्र कृष्णा ४ गुरौ मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ कुमारावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यभाव सम) शु. पू.।

गोचरग्रहाः

५०पं.चै.कृ.१२शु.इ.४१।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	११	९	९	३	११
८	१३	०	३	२८	२५	३	८
५	४	३	४२	१	४३	४	३
३९	४८	५०	३२	५९	५८	१	१९
५९	२५	३०	१३	७०	६	३	५९
३५	ब	४३	३६	२६	९	११	२९

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०६४ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६४ भोग्यकलिः ४२६९३६ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२० शालिवाहनीय शाकः १८८५ अथास्मिन्वर्षे राजा भौमः। मंत्री शनिः। सस्येशोभौमः। धान्येशश्चन्द्रः । मेघेशः शनिः। रसेशोगुरुः । नीरसेशोभौमः। फलेशोः शुक्रः । धनेशो भौमः । दुर्गेशः शनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १० नल नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ४।७।५६।२४ भोग्यमासादिः ७।२२।३।३६ । वर्षनाम भाद्रपद । मेघः ४ नाम द्रोणः । समयनिवासो मालाकारगृहे (क्यारी में) । रोहिणीनिवासः समुद्रे ।समय विश्वा ८ । समय वाहनं वृषभः । स्तम्भ १ जलस्य । सोमवत्यमा १ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी २ । भानु सप्तमी १ । समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १५ । तिथि वृद्धिः १० । उत्पत्ति विश्वा ९६ । खपति विश्वा १०८ । वर्षा विश्वा १७ । धान्यम् १७. तृणम् १७ । शीतम् ५ । तेज ५ वायुः १३ । शनि दृष्टिरुत्तरे। वृद्धिः १५ । क्षयः १५। विग्रहः ११ । ऐक्यं ११५ सत्यं ।।धर्म१।। पाप १८ । ग्रहणे २ चन्द्रमसः ।।

भैरव भवानी सम्वाद

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	८	२	५	१४	२	५
खर्च	१४	८	५	२	१४	५

भैरव प्रश्न

मात भवानी अम्बिके भैरव करे पुकार।
नया वर्ष अब आइया कहो शुभाशुभ सार ।।

भवानी उत्तर

सुनहो भैरव लाडले संवत् सर का सार।
जल तृण कुछ कमती रहे साखन होय अपार ।।
राजा कुज मंत्री शनि इनकी खोटी वान।
आपस में कर द्वेषता करे जगत् में हान ।।
अधिक लिया इस वर्ष में पापग्रहां अधिकार।
रोहिणी वास समुद्र में संवत् मालाकार ।।
स्तम्भ एक जल का हुआ ग्रहण चन्द्र के दोय।
दशाधिकारी योग से संवत शुभ नहीं होय ।।
पर गुरु शनि के चार से संवत् मध्यम जान।
घटे अशुभ फल बढ़े शुभ कम हो जग में हान ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार।
धर्म कर्म करते रहो यही जगत् का सार ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	२	८	११	१४	१४	११
खर्च	८	१४	५	१४	१४	५

वर्ष लग्नम् ५।३

वर्षेश लग्नम् १०।२१

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१९।४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाऽस्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम्–भौमेनृपे वन्हिभयं जनक्षय चौराकुलं पार्थिव विग्रह च । दुःख प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पंपयोमुंचति वारिवाहाः ।। मंत्री शनिस्तत्फलम्–रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहु दुःखदा, न जलदाजलदा जनतापदा जनपदेषु सुख धनदं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम्–प्रथम धान्य पतौ धरणी पतौ गजतुरंग खरोष्ट्रगवामपि । प्रभवदा बहुरोगधनो जलनं समसौख्यकरं तुषधान्यहृतू ।। धान्येशश्चंद्रस्तत्फलम्–चन्द्रे धान्याधिपेजाते प्रजावृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्वपास्चैव गोषुक्षीरं तथा बहु ।। मेघेशो शनिस्तत्फलम्–रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरतवृष्टिवती वसुदा तदा । मनसिताप करो नृपतिः सदा विविधरोगरता जनता तदा ।। रसेशो गुरुस्तत्फलम्–यदि गुरौ रसये जनसौख्यपदे कमलवन्ति सरांसि तृणानिच । जनपदाद्विज पूजन तत्परा गजसवाजिरथोष्ट्रयुतानृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम्–नीरसेशो यदा भौमः प्रवाला रक्त वाससाम । रक्त चन्दन ताम्राणमर्घं वृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशो शुक्रस्तत्फलम्–यदि फलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदुकुमार महीरहराशचः । बहुयथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुति पाठ परायणाः ।। धनेशो भौमस्तत्फलम्–असति मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि ताम्रकरस्तुषधान्य हृत् । महमिभासिभवे द्विगणं तदा नरपतिर्जनशोकविधायकः ।। दुर्गेशो शनिस्तत्फलं–रविसुतें गढ़पालिनि विग्रहे सकल देश गताश्चलिता जनाः । विविधवैरिविशोषित नागराः कृषिधनं न लभेद्भुवि कश्चन ।। वर्षनाम भाद्रपदस्तत्फलम्–अर्घं महर्घतायाति धन धान्यसमं भवेत् । मघवा वर्ष तिस्वच्छं संपदो भाद्र वर्षके । नलनाम संवत्सरस्तत्फलम्–नलाब्दे मध्यसस्यार्घं वृष्टिभिः प्रवरा धरा, नृप संक्षोभसंजाता भूरित्स्करभीतयः । मेघनाम द्रोणस्तत्फलम्–द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्–समुद्रे तु महावृष्टिः । समय निवासो मालाकार गृहे फलम्–मालिन प्रचुरा वृष्टिः । आश्विनोऽधिकमासस्तत्फलम्–सस्यं महर्घतां याति स्वल्प वृष्टिर्भगं नृपात् शरदानिचस्वल्पानि गज बाधाश्विन द्वये । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०२० शाके १८८५ मध्ये विवाह मुहर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला २ गुरौ रोहिण्यां ल. १२ रे. ८ ऽगु।।।।ऽग्नि।।।।
" ९ गुरौ मघायां ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽशा।ऽऽ। गणितेन क्रां. साम्याऽभावः
" ११ शनौ उफायां ल. अन्यगो रे. ७ ।।।ऽशु।ऽग्निऽ।।। पादतोवेधाऽभावः
" १२ सूर्ये हस्ते ल.ऽन्यगो रे.६ ऽऽ।ऽऽ।।।।।(आवश्यके)

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ११ सूर्ये उभायां ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।ऽशु।।।
" ११ सूर्ये रेवत्यां ल. १ रे. ७ ।।ऽगु।।ऽशु।ऽपरिवेष।।
" १२ चंद्रे रेवत्यां ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।ऽगु।।।।ऽ।।
शुक्ला ९ शुक्रे उफायां ल. गो. रे. ७ ऽमं।।ऽगु।।ऽ।।।
" १० शनौ हस्ते ल. गो. रे. ९ ।।।।।।।ऽग्निअशनि।।
" १२ चंद्रे स्वात्यां ल. ऽन्यगो. रे. ९ ऽसूरा।।।।।।।।
" १३ बुधे अनु. यां. ल. १२ रे. ७ ।।।।ऽबु.शु.ऽग्नि।ऽ।

आषाढ मासः

कृष्णा ८ शनौ उभायां ल. १ रे. ८।।।।।।ऽऽनिर्घात।। अन्य गोधूलौ रेखा ७
शुक्ला ४ भौमे मघायां ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।ऽशा।ऽऽविद्युत।।
" ७ शुक्रे हस्ते ल. २ रे.७ ऽमं।।।।।।ऽशूला।ऽ(दग्धादोष)
" ९ सूर्ये स्वात्यां ल. १ रे. ८ ऽरा।।।।।।।ऽअशनि।। (७मे चंद्रः सामान्यः)

दृश्य गणितादत्र क्षयमासः दोषः

शुक्ल १४ शनौ रोहिण्यां ल.५।६ रे.७।ऽगु।।।ऽसू।।ऽदंड।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ सूर्ये मृगे ल. ६ रे. ८ ।।।।ऽचोऽ।।।गु.७ पूज्य
" ८ सूर्ये उफायः ल. ५ रे. ७ ।।।।नृऽऽ।। गुरु८ नेष्ट
" ११ बुधे स्वास्यां ल. ६ रे. ९ ।।।।।।ऽपरिवेश।। (गुरुर्मध्यमः)

माघ मासः

शुक्ला ५ सूर्ये उभायां ल. ८ रे. ९ ।।।।।ऽ।।।
" ६ चंद्रे रेवत्यां ल. ८ रे. ७ ।।ऽगु।।ऽचो।ऽभूकंप।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ४ शनौ उफ़ायां ल. ८ रे. ७ ।।।ऽगुऽशु।।ऽकेतु।।
" १० शनौ मूले ल. रे. ८ ऽ।।।।।।ऽकुलिस।।

प्र. चैत्र मासः

कृष्णा १ शुक्रे उफायां ल. ८ रे. ९ ।।।ऽशु।गु।ऽ।।। पादतोवेधाऽभाव
" ७ गुरौ अनुयां ल. अन्यगो. रे. ८ ऽचंऽ।।।।।।।
" ९ शनौ मूले ल. अन्यगो रे. ९ ।।।।।।।निर्घात।।

पौष शु. १५ चन्द्रे खंडग्रासं ग्रस्तोदयं चंद्रग्रहणम् विश्वा २७।२

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	प.
उज्जयिनी मध्यमकालः	घं.	२१	२३	२५	२७	२९	८
	प.	११	४९	३१	१३	५१	४०
रेल्वे टाइम	घ.	२	३	४	५	६	३
	मि.	५५	५८	३९	२०	२३	२८
	से.	२४	३६	२४	१२	२४	०

आषाढ़ शु. १५ शनौ खंडग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा १५।५

		स्प.	म.	मो.	पर्व.		
उज्जयिनी मध्यमकाल	घं.	४९	५२	५६	७		
	मि.	१	४९	३७	३६		
रेल्वे टाइम	घं.	२	३	५	३		
	मि.	३	३४	५	२		
	से.	२४	३६	४८	२४		

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२०	शाकः १८८५	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२७७ सन् १९६३
१	मं १९ ५ रे ४२ ५७	ब्र १०४९	ब १९ ५	३२ ५६	६	२६	१२	२९	मे.४२।५७	चंद्रद. संव. नवरात्रा. घटस्था. कल्पादिः
२	बु ९ ४६ अ ३५ ४९	वै ४९	३४ कौ ९	४६ २६	५५	५	२७	१३	१	मेषे जिल्काद ११ मत्स्य जयंती सिधारा
३	गु १ ४ भ २९ ३०	वि ४०	३ ग १	४ ३०	५४	६	२८	१४	२	वृ.४३।१३ भ. २७।० उ. ५२।५६ या. गणगौरी पू.
४	गु ५१ ५२ ० ०	० ०	० ०	० ०	०	०	०	०	०	० *रेवत्यां बुधः १०।७
५	शु ४६ २२ कृ २४ २३	प्री ३१ ५५	ब १९ ३९	३४ ५३	७	२९	१५	३	वृषे	शते शुक्रः ५९।४०
६	श ४१ १२ रो २० ४०	आ २४ ४४	कौ १३ ५१	३९ ५२	८	३०	१६	४	मि४९।४४	=धनिष्ठायां २ शनिः २८।४
७	र ३७ ४८ मृ १८ ४७	सौ १९ १४	ग ९ ३०	४३ ५१	९	३१	१७	५	मिथुने	भ. ३७।४८ उ. रेवत्यां रविः २०।४९*
८	चं ३५ ५० आ १८ १७	शो १४ ४६	वि ६ ४९	४८ ५१	९	१	१८	६	मिथुने	भ. ६।४९ या. अप्रेल मा. ४ ता. ३०=
९	मं ३५ ३२ पु १९ ३७	अ ११ ३९	बा ५ ४१	५२ ५०	१०	२	१९	७	क.४।१७	श्री रामजयन्ती
१०	बु ३६ ४९ पु २२ ५	सु ९ ५१	ते ६ १०	५६ ४९	११	३	२०	८	कर्के	उभायां २ गुरुः ५८।२१
११	गु ३९ १५ श्ले २५ ५७	धृ ८ ५६	व ८ २	३१ ४८	१२	४	२१	९	सिं२५।५७	भ.६उ.३९।१५या. उदयंगुरुः ३५/२६× उ.गु.
१२	शु ४३ १ म ३१ ५	शू ९ २६	ब ११ ८	४ ४७	१३	५	२२	१०	सिंहे	×कामदा ११ ब्र.
१३	श ४३ ३६ पू ३६ ५६	गं १० १	कौ १५ १८	८ ४६	१४	६	२३	११	कं.५३।४०	मेषे बुधः ३५।२१ प्रदोष ब्र.
१४	र ५३ १३ उ ४३ ५१	वृ ११ ३८	ग २० २४	१२ ४६	१४	७	२४	१२	कन्यायां	भ. ५३।१३ उ.
१५	चं ५८ ४३ ह ५० ४७	ध्रु १३ ३३	वि २५ ५८	१६ ४५	१५	८	२५	१३	कन्यायां	भ.२५।५८ या. मन्वादिः हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु. ५ शु.इ.४१।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	११	१०	९	३	११
१५	१३	१३	५	६	२६	२	१४
१	४४	४१	२३	१९	२४	४१	५९
५१	१७	१३	२४	५	७	४६	१४
५९	१०	९	१३	७०	५	३	५९
१८	४४	९	३२	५८	४३	११	१६

गोचरग्रहाः

इस मास का फल अच्छा है। गुरु का उदय व्यापारिक वस्तुओं में मंदी कारक है।

गोचरग्रहाः

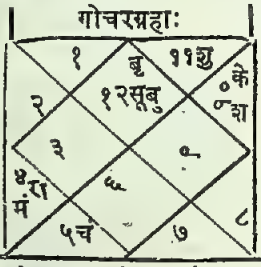

५२पं.चै.शु.१२शु.इ. ४१।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३१	३	११	११	१०	९	३	११
२१	१४	२८	७	१४	२७	२	२१
५५	५१	९	३	२८	१	१९	५३
५४	५०	३२	१०	१३	१२	३०	२०
५९	१४	९	१३	७१	५	३	५९
४	४४	४७	२७	२९	१६	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०२०	शाकः १८८५	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ६० ० चि ५८ १६	व्या १५ ४०	बा ३१ ५३	३० ४५	१६	९	२६	१४	तु.२४।३२	
१	बु ५ २ स्वा ६० ०	ह १८ ०	कौ ५ २	२४ ४३	१७	१०	२७	१५	तुलायां	पूभायां शुक्रः १०।४९
२	गु ११ २५ स्वा ५ ४७	व २० १९	ग ११ २५	२८ ४२	१८	११	२८	१६	वृ.५७।२१	भ. ४४।२९ उ.
३	शु १७ ३२ वि १३ १२	सि २२ २५	वि १७ ३२	३२ ४२	१८	१२	२९	१७	वृश्चिके	भ.३५/२या. पश्चिमोदयं बुधः९।३५ च.ब्र.
४	श २२ ५४ अ २० ०	व्य २४ ३	बा २२ ५४	३६ ४१	१९	१३	३०	१८	वृश्चिके	मेषेऽर्कः ५५।२३ भरण्यां बुधः ११।३६
५	र २७ ५१ ज्ये २६ ६	व २६ ८	ते २७ ५१	४० ४०	२०	१४	१	१९	ध.२६।६	आश्लेषायां भौमः ०।८
६	चं ३१ २५ मू ३१ ७	प २५ १२	व ३१ २५	४३ ३९	२१	१५	२	२०	धनुषि	भ. ३१।२५ उ.
७	मं ३३ ४३ पू ३४ ३५	शि २४ ४	वि २ ३४	४७ ३९	२१	१६	३	२१	म.५०।४	भ. २।३४ या.
८	बु ३३ ५९ उ ३५ २९	सि २१ ३४	बा ३५ १	५० ३८	२२	१७	४	२२	मकरे	उभायां ३ गुरुः ५७।४०
९	गु ३२ ४७ श्र ३६ १८	सा १७ ४१	ते ३ २३	५४ ३७	२३	१८	५	२३	मकरे	मीने शुक्रः ३४।४०
१०	शु २९ २७ ध ३४ २४	शु १२ ६	वि १ ७	५८ ३६	२४	१९	६	२४	कुं.५।२१	भ. १।७ उ. २९।२७ या.
११	श २४ १५ श ३० ३७	शु ५ ५२ ७ २०	बा २४ १५	३३ ३६	२४	२०	७	२५	कुंभे	वरूथिनी ११ ब्र.
१२	र १७ १९ पू २५ ६	ऐं ४७ १६	ते १७ १९	५ ३५	२५	२१	८	२६	मी११।२९	कृति. बुधः ५९° उभायां शुक्रः ३९° प्रदोषः
१३	चं ९ ८ उ १८ २९	वै ३६ ५३	व ९ ८	९ ३४	२६	२२	९	२७	मीने	भ. ९।८ उ. ३४।१८ या.
१४	चं ५० १९ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	०	०	०	०	०	
३०	मं ४९ ८ उ १० ५१	वि २५ ५३	च २४ १७	१३ ३३	२७	२३	१०	२८	मे.१०।५१	वृषे बुधः ३७।४६

१पं.वै.कृ.३ श.इ. ५७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	११	१०	९	३	०
०	१६	१४	९	२४	२७	१	०
२	३८	४५	६	३१	४२	५३	०
२	५६	०	४४	५	४०	१३	०
५८	१९	८	१३	७१	४	३	५८
४५	१४	५९	२०	५२	५०	११	४४

गोचरग्रहाः

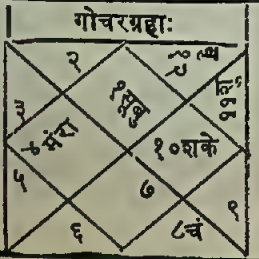

वैशाख कृ. ४ शनौ मेषेऽर्कः प्रः वा.३न.४ गतालका वस्था (ऊभी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

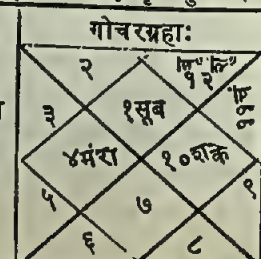

२पं.वै.कृ.११श.इ.५७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	११	११	९	३	०
६	१८	२६	१०	२	२८	१	६
५२	४८	८	३८	५२	१२	३०	५०
२३	०	६	५६	२६	२५	५८	३५
५८	२२	८७	१२	७२	४	३	५८
५९	२६	७	५८	१८	१४	११	३१

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३०६ स. १९६३
१	बु ३९ ३६ अ २९ ५३	प्री १५ २०	किं १४ २२	३३ ५ ६	३३ ३३ २७	२४	११	२९	मेषे
२	गु ३० ७ कृ ४७ ५७	आ २४ ५०	बा ४ ५०	२१ ३२ २८	२५	१२	३०	वृ.८।४	चन्द्रदर्शनम्
३	शु २१ ४४ रो ४२ २	शो ४५ २०	ग २१ ४४	२५ ३१ २९	२६	१३	१	बृषे	भ.४६उ.जिल्हेज १२अक्षया ३परशुरामज.
४	श १४ ३५ मृ ३७ ५१	अ ३७ ५५	वि १४ ३५	२९ ३० ३०	२७	१४	२	मि९।५७	भ. १४।३५ या. भरण्यां रविः ३६।४४
५	र ९ ३३ आ ३५ ४९	सु ३२ १६	बा ९ ३३	२२ २९ ३१	२८	१५	३	मिथुने	
६	चं ६ १ पु ३५ २५	धृ २७ ४८	तै ६ १	२६ २९ ३१	२९	१६	४	क.२०।१९	
७	मं ४ ३५ पु ३७ १७	शू २५ ९	व ४ ३५	४० २८ ३२	३०	१७	५	कर्के	भ. ४।३५ उ. ३५।० या.
८	बु ५ २६ श्ले ४० ४४	गं २३ ५४	ब ५ २६	४३ २७ ३३	१	१८	६	सिं४०।४४	मई मा. ५ ता. ३१ पातस्पर्शः ५२।५
९	गु ७ ३८ म ४५ ५७	वृ २४ ६	कौ ७ ३८	४७ २७ ३३	२	१९	७	सिंहे	रेवत्यांभृगुः ३९ पातमोक्षः ४९ उभा. ४+
१०	शु ११ ३२ पू ५२ १५	धु २४ ३८	ग ११ ३२	५० २६ ३४	३	२०	८	सिंहे	भ. ४४।५ उ. +गुरुः ५०।२६
११	श १६ ३८ उ ५९ १८	ब्या २६ ३२	वि १६ ३८	५४ २५ ३५	४	२१	९	कं.९।१	भ. १६।३८ या. मोहिनी ११ ब्र.
१२	र २२ २२ ह ६० ०	ह २८ ४६	बा २२ २२	५७ २५ ३५	५	२२	१०	कन्यायां	वक्री बुधः ५३।४० प्रदोषः
१३	चं २८ २९ ह ६ २	व ३१ १५	तै २८ २९	३३ २४ ३६	६	२३	११	तु.४०।६	
१४	मं ३४ ४८ चि १४ ११	सि ३३ ३०	ग १ ३८	४ २३ ३७	७	२४	१२	तुलायां	भ. ३४।४८ उ. नरसिंह जयन्ती
१५	बु ४० ३९ स्वा २१ २७	व्य ३५ ४१	वि ७ ४४	७ २३ ३७	८	२५	१३	तुलायां	भ. ७।४४ या. जलकुम्भदानं अन्नदानं

३पं.वै.शु.४ श.इ.५८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	११	११	९	३	०
१३	२९	३	१२	११	२८	१	१३
४०	८	५१	१४	१५	३८	८	३९
३८	३५	२९	१०	३२	६	४२	४०
५८	२४	४७	१३	७२	३	३	५८
१२	५२	५६	३५	३७	३४	११	२०

गोचरग्रहाः

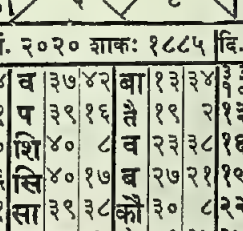

इस मास में सुख शांतीकारक फल है। धान्य, रुई, वस्त्र, अलसी, चांदी मोती सोना अदि सस्ते होंगे।

गोचरग्रहाः

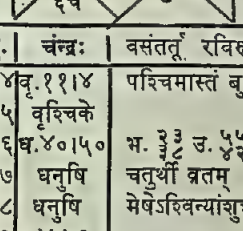

४पं.वै.शु.११ श.इ.५८।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	११	११	९	३	०
२०	२३	७	१३	१९	२८	०	२०
२७	४३	२८	४६	४०	५९	४६	२७
१८	३७	१६	८	५५	२८	२६	२२
५७	२७	५३	१२	७२	२	३	५८
५७	८	मा	१३	५६	५६	११	६

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरे वैशाखकृ.महाराष्ट्राः
१	गु ४६ ३० वि २८ २४	व ३७ ४२	बा १३ ३४	३३ ५ ६	२२ ३८	९	२६	१४	वृ.११।४
२	शु ५१ ३४ अ ३४ १	प ३९ १६	तै १९ २	१३ २१ ३९	१०	२७	१५	वृश्चिके	पश्चिमास्तं बुधः ४।४८
३	श ५५ ४२ ज्ये ४० ५०	शि ४० ८	व २३ ३८	१६ २१ ३९	११	२८	१६	ध.४०।५०	भ. ३३ उ. ५३ या. कृति. रविः २४।३९
४	र ५९ १ मू ४५ ३६	सि ४० १७	ब २७ २१	१९ २० ४०	१२	२९	१७	धनुषि	चतुर्थी व्रतम्
५	चं ६० ० पू ४९ २१	सा ३९ ३८	कौ ३० ८	२२ २० ४०	१३	३०	१८	धनुषि	मेषेऽश्विन्यांशुक्रः ३१।४
५	मं १ १५ उ ५१ ५२	शु ३७ ५४	तै १ १५	२५ १९ ४१	१४	३१	१९	म.४।५९	
६	बु २ ७ श्र ५३ १९	शु ३५ १६	व २ ७	२८ १८ ४२	१५	१	२०	मकरे	
७	गु १ ४५ ध ५३ ८	ब्र ३१ २६	ब १ ४५	३१ १८ ४२	१६	२	२१	कु.२३।१४	
८	शु ५८ ७ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०		०	०	०	वृषेऽर्कः ५२।२६
९	शु ५६ १२ श ५१ ११	रें २६ ५	तै २८ २	३४ १७ ४३	१७	३	२२	कुम्भे	भ. २।७ उ. ३१।५६ या.
१०	श ५० ५३ पू ४७ ५८	वै १९ ३५	व २३ ३२	३६ १७ ४३	१८	४	२३	मी३३।४६	भ.३३ उ.५३या. रेवत्यां १ गुरुः ५१।२८
११	र ४४ २७ उ ४३ १८	वि १२ २	ब १७ ३९	३९ १६ ४४	१९	५	२४	मीने	मघा. सिंहेचभौमः ४६ पुन.३ मिथुनेराहुः=
१२	चं ३६ १८ रे ३७ ७	प्री ३३ २६	कौ १० २२	४१ १६ ४४	२०	६	२५	मे.३७।७	अपरा ११ ब्र. नि.
१३	मं २६ ० अ ३० ८	सौ ४३ ८	बा १ ९	४४ १५ ४५	२१	७	२६	मेषे	भ. २६।० उ. ५२।० या.
१४	बु १७ ५९ भ २२ ४१	शो ३२ ३१	श १७ ५९	४६ १५ ४५	२२	८	२७	बृ.३५।५२	=उषा.१धनुषिकेतुः ३४ अपरा ११ब्र.स्मा.
२०	गु ८ १७ कृ १५ २४	अ २२ ८	ना ८ १७	४८ १४ ४६	२३	९	२८	वृषे	वट पूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.३श.इ.५८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	११	११	९	३	०
२७	२६	६	१५	२८	२९	०	२७
१२	३४	१३	१५	६	१६	२४	१३
३२	५२	५४	४०	५७	५५	११	३४
५७	२८	३६	११	७३	२	३	५७
४५	४९	ब	५२	१४	१४	११	५४

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ. ५ भौमे वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम.) शुक्रोदय पू.।

गोचरग्रहाः

६पं.ज्ये.कृ.१०श.इ.५८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	११	०	९	३	१
३	२९	२	१६	६	२९	०	३
५६	३७	४५	४१	३३	२९	१	५९
१०	५४	३२	९	७	५३	५५	२८
५७	३०	३६	११	७३	१	३	५७
३४	५	ब	१५	२०	३८	११	४४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३३६ स.१९६३
१	गु	५०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	५०	४८	रो	८	४०	सु	१२	१८	बा	२४	५५	३३ ५०	५ १४	६ ४६	२४	१०	२९	मि३५।४३	चन्द्रदर्शनम् वक्रीमेषेबुधः ६ १६ भर.शुक्रः ३० २७
३	श	४४	१३	मृ	२ ४५	५५ ५६	धृ	३ ३२	५२ ३७	तै	१७	३०	५२	१४	४६	२५	११	१	मिथुने	मोहोरम१रान्१३८३ रोहि.रविः१८।३५
४	र	३९	१४	पु	५६	१७	गं	५०	२	व	११	४३	५४	१३	४७	२६	१२	२	क.४१।५२	भ. ११।४३ उ. ३९।१४ या.
५	चं	३६	१८	पु	५६	१८	वृ	४५	५३	ब	७	४६	५६	१३	४७	२७	१३	३	कर्के	पूर्वोदयं बुधः १९।३५
६	मं	३५	४९	श्ले	५८	१५	ध्रु	४३	१२	कौ	५	३३	५८	१२	४८	२८	१४	४	सिं५८।१५	
७	बु	३६	५४	म	६०	०	व्या	४२	१४	ग	६	२१	३४ ०	१२	४८	२९	१५	५	सिंहे	भ. ३६।५४ उ.
८	गु	४०	१६	म	२	३	ह	४२	४२	वि	८	३५	२	१२	४८	३०	१६	६	सिंहे	भ. ८।३५ या.
९	शु	४५	८	पू	७	४०	व	४३	५५	बा	१२	४२	४	११	४९	३१	१७	७	कं.२४।१९	
१०	श	५०	४७	उ	१४	१८	सि	४६	१३	तै	१७	५८	६	११	४९	१	१८	८	कन्यायां	जून मा.६ता.३० मार्गीबुधः २७ २२ गंगादशहरा
११	र	५७	०	ह	२१	५०	व्य	४८	३९	व	२३	५४	८	१०	५०	२	१९	९	तु.५५।३७	भ.२३ ५४ उ.५७।०या. निर्जला११ब्र.स्मा.वै.
१२	चं	६०	०	चि	२९	२४	व	५१	११	ब	३०	८	९	१०	५०	३	२०	१०	तुलायां	वक्री शनिः ४९।१८ निर्जला ११ ब्र. नि.
१२	मं	३	१७	स्वा	३६	१६	प	५३	३५	बा	३	१७	११	१०	५०	४	२१	११	तुलायां	कृतिकायां शुक्रः ३३।१७ प्रदोषः
१३	बु	९	१०	वि	४३	५०	शि	५५	२८	तै	९	१०	१२	१०	५०	५	२२	१२	वृ.२६।५७	रेवत्यां २ गुरुः ५६।५२
१४	गु	१४	३८	अ	५०	५	सि	५६	३७	व	१४	३८	१४	९	५१	६	२३	१३	वृश्चिके	भ.१४।३८ उ.४६।४५या. वृषेबुधः२५।३
१५	शु	१८	५३	ज्ये	५५	२४	सा	५७	१२	ब	१८	५३	१५	९	५१	७	२४	१४	ध.५५।२४	वृषे शुक्रः ३०।४०

७पं.ज्ये.शु.३श.इ.५२।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	११	०	९	२	१
१०	२	२९	१८	१५	२९	२९	१०
३८	४९	१९	३	०	३७	३९	४२
२४	५५	१९	४७	५०	४१	४०	२३
५७	३१	२३ ३६	१०	७३	०	३	५७
२३	२९	ब	३८	३३	५६	११	३५

गोचरग्रहाः

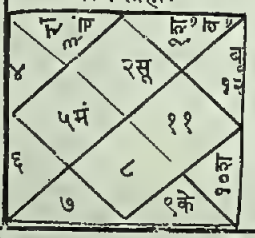

इस मास का फल श्रेष्ठ है। प्रजा में सुख शांति और उत्साह। धान्यादि पदार्थ मन्दे रहेंगे।

गोचरग्रहाः

८पंज्ये.शु.१०श इ.५८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	११	०	९	२	१
१७	६	२८	१९	२३	२९	२९	१७
१९	१२	३३	२०	३०	४१	१७	२५
२७	४	४	३५	०	२०	२४	८
५७	३२	१ ८	९	७३	० १०	३	५७
१३	२९	मा	५६	४७	मा	११	२७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२२	३०	मू	५९	५१	शु	५६	५३	कौ	२२	३०	३४ १६	५ ९	६ ५१	८	२५	१५	धनुषि	मृगे रविः १७।२४
२	र	२४	५६	पू	६०	०	शु	५३	४८	ग	२४	५६	१७	९	५१	९	२६	१६	धनुषि	भ. ५५।३३ उ.
३	चं	२६	१०	पू	३	१३	ब्र	५४	९	वि	२६	१०	१८	८	५२	१०	२७	१७	म.१८।४७	भ. २६।१० या. च. ब्र.
४	मं	२६	२४	उ	५	२९	ऐं	५१	१८	बा	२६	२४	१९	८	५२	११	२८	१८	मकरे	
५	बु	२५	३८	श्र	६	५०	वै	४७	३७	तै	२५	३८	२०	८	५२	१२	२९	१९	कु.३६।५८	
६	गु	२३	५७	ध	७	६	वि	४३	१४	व	२३	५७	२१	८	५२	१३	३०	२०	कुम्भे	भ. २३।५७ उ. ५२।३१ या.
७	शु	२१	६	श	६	१२	प्री	३७	५९	ब	२१	६	२२	८	५२	१४	३१	२१	मी५०।७	
८	श	१७	३	पू	४	४५	आ	३२	२०	कौ	१७	६	२२	८	५२	१५	३२	२२	मीने	मिथुनेऽर्कः१८।१२ पूफायांभौमः५८।४३*
९	र	१२	२१	उ	१ ४०	५६ १२	सौ	२५	४९	ग	१२	२१	२३	७	५३	१६	१	२३	मे.५७।५२	भ. ३९।८ उ. *रोहिण्यांशुक्रः४४।११
१०	चं	५	५६	अ	५३	५	शो	१७	५	वि	५	५६	२३	७	५३	१७	२	२४	मेषे	भ. ५।५६ या. योगिनी ११ ब्र. स्मा.
११	चं	५२	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	मं	५१	२१	भ	४७	११	अ	८ २८	५१ २३	कौ	२५	७	२३	७	५३	१८	३	२५	मेषे	रोहण्यांबुधः १५।३९ योगिनी ११ब्र. व.
१३	बु	४३	७	कृ	४१	६	सु	४९	५७	ग	१७	१४	२४	७	५३	१९	४	२६	बृ.०।४०	भ. ४३।७ उ. प्रदोषः ब्र.
१४	गु	३४	३४	रो	३५	१२	धृ	४०	४३	वि	८	५१	२४	७	५३	२०	५	२७	बृषे	भ. ८।५१ या.
३०	शु	२६	५०	मृ	२९	१६	गं	३१	४२	च	०	३७	२४	७	५३	२१	६	२८	मि२।१४	अमावस्या

९पं.आ.कृ.१श.इ.५८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	११	१	९	२	१
२३	९	१	२०	१	२९	२८	२४
५९	४२	२२	३२	५८	३९	५५	७
२३	२९	८	४२	३४	४०	८	१२
५७	३३	३१	९	७३	० २८	३	५७
५	३२	५४	२०	५६	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

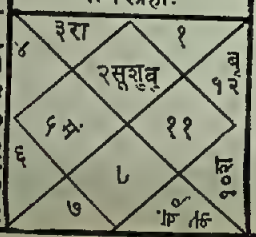

आषाढ कृ. ८ शनौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा.५न.४युवावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव मंदा) शुदक्रोयं पू.

गोचरग्रहाः

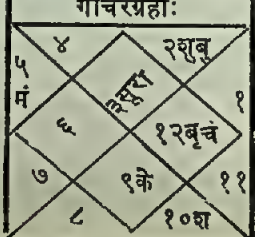

१०पं. आ.कृ.८श.इ.५८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	११	१	९	२	२
०	१३	७	२१	१०	२९	२८	०
३८	२०	३३	३९	२८	३३	३२	४८
३२	२०	४३	३६	२३	४७	५३	२८
५६	३४	६३	८	७३	१ १६	३	७७
५७	३२	५९	३१	५९	ब	११	१७

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	विशेषतः रविर्दक्षिणे उत्तरायणः ३३६५म. ११६३
१	श १९ ५६ आ २४ ४१ वृ २३ ३३ ब १९ ५६	३४	५	५३	२२	७	२९	मिथुने	चन्द्रदर्शनम् आर्द्रायां रविः १९।४८
२	र १४ ९ पु २१ १४ धु १६ ५२ कौ १४ ९	२४	७	५२	२३	८	१	क.७।६	गणेश्वर २ रथयात्रा
३	चं १० १८ पु १९ ४१ व्या ११ १८ ग १० १८	२४	७	५३	२४	९	२	कर्के	भ. ३१।३० उ.
४	मं ८ ४३ श्ले १९ ५९ ह ७ ११ वि ८ ४३	२३	७	५३	२५	१०	३	सिं १९।५९	भ. ८।४३ या.
५	बु ८ ५० म २२ २८ व ४ ५७ बा ८ ५०	२२	७	५३	२६	११	४	सिंहे	मृगेशुक्रः १३।५१
६	गु ११ १७ पू २६ ४७ सि ४ ३१ तै ११ १७	२२	७	५३	२७	१२	५	कं.४३।१६	मृगेबुधः १२।४२ रेवत्यां३गुरुः ४६।३१
७	शु १५ ४ उ ३२ ४४ व्य ४ ५३ व १५ ४	२२	८	५२	२८	१३	६	कन्यायां	भ. १५।४ उ. ४३।५१ या.
८	श २० ३९ ह ३९ ४५ ब ६ २८ ब २० ३०	२१	८	५०	२९	१४	७	कन्यायां	*पूर्वास्तं बुधः ४९
९	र २६ ३५ चि ४७ १ प ८ ४७ कौ २६ ३५	२०	८	५२	३०	१५	८	तु.४५।०	मिथुने बुधः ४७।८
१०	चं ३२ ४७ स्वा ५४ ५२ शि ११ २८ ग ३२ ४७	१९	८	५२	१	१६	९	तुलायां	जुलाई मा.७ ता.३१ मिथुनेशुक्रः५८।४१*
११	मं ३८ ३५ वि ६० ० सि १४ १४ व ५ ४१	१८	८	५२	२	१७	१०	तु.४५।०	भ.५।४१ उ.३८।३५या. रेवत्यन्तनी ११ब्र.
१२	बु ४४ ६ वि १ ४१ सा १५ ४५ ब ११ २७	१७	८	५२	३	१८	११	वृश्चिके	हरिशयनः ब. १।४१ उप.
१३	गु ४८ १२ अ ८ ८ शु १७ ८ कौ १६ ९	१६	८	५१	४	१९	१२	वृश्चिके	आर्द्रायां बुधः९।८ प्रदोषः
१४	शु ५० ५२ ज्ये १३ १५ शु १७ २० ग १९ ३२	१४	९	५१	५	२०	१३	ध.१३।१५	भ.५०।५२ उ. ×वायुपरीक्षा चन्द्रग्रहणम्
१५	श ५२ २४ मू १७ ११ ब्र १६ ३७ वि २१ ३८	१३	९	५१	६	२१	१४	धनुषि	भ. ३१ या.पुनर्वसौ रविः ३५ व्यास पूजा×

११पं.आ.शु.१श.इ.५८।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	११	१	९	२	२
७	१७	१६	२२	१९	२९	२८	७
१७	५	४७	४०	०	२२	१०	२९
०	३५	४१	४४	११	३७	३७	२१
५६	३५	९२	७	७४	५३	३	५७
५४	२	७	३२	२	ब	११	३

१२पं.फा.शु.८श.इ.५८।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	११	१	९	२	२
१३	२०	२८	२३	२७	२९	२७	१४
५५	५६	३५	३४	३१	७	४८	९
४	२०	३८	१९	३०	१६	२२	५१
५६	३५	९२	७	७४	२९	३	५७
५०	४६	९	३०	१२	ब	११	७

१३पं.आ.शु.१५श.इ.५८।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	११	२	९	२	२
२०	२४	१२	२४	६	२८	२७	२०
३२	५१	३३	२१	५	४७	२६	५०
५८	१०	०	५४	४८	५३	६	१०
५६	२६	९०	५	७४	२९	३	५७
५०	२९	३२	२९	२२	ब	११	७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुः रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ५२ ३३ पू १९ ५२ ते १४ ४२ बा २२ २८	३४	५	५६	७	२२	२५	ध.३५।१०	आर्द्रायां शुक्रः २६।५८
२	चं ५१ ३६ उ २१ ५ वै १२ २० तै २२ ४	१०	१०	५०	८	२३	२६	मकरे	
३	मं ४९ ३६ श्र २१ २९ वि ८ ४५ व २० ३६	८	१०	५०	९	२४	२७	कु.५१।११	भ. ३६ उ.४६या. उफायांभौमः ५६।२७
४	बु ४६ ३७ ध २० ५४ प्री ४० ५५ ब १८ ६	७	११	४९	१०	२५	२८	कुम्भे	पुनर्वसौ बुधः ३३।७
५	गु ४३ ८ श १९ ४२ सौ ५४ ११ कौ १४ २२	५	११	४२	११	२६	२९	कुम्भे	नाग ५ मरुत्थले
६	शु ३९ १७ पू १७ ४२ शो ४८ १५ ग ११ १२	४	११	४२	१२	२७	३०	मी ३।१२	भ. ३९।१७ उ.
७	श ३४ ३६ उ १५ २१ अ ४२ १० वि ६ ५७	२	१२	४८	१३	२८	३१	मीने	भ. ६।५७ या.
८	र २९ २० रे १२ २० सु ३५ १४ बा १ ५८	०	१२	४८	१४	२९	२२	मे.१२।२०	
९	चं २४ ४ अ ९ ५ भृ २८ ९ ग २४ ४	३५८	१२	४८	१५	३०	२३	मेषे	भ.५१० या. कन्यायांभौमः ४५ कर्केबुधः ३४
१०	मं १८ १६ भ ५ १५ शू २० ३९ वि १८ १६	५६	१३	४७	१६	३१	२४	वृ.१९।१४	भ.५६ यां कर्केऽर्कः २६ पुष्येबुधः ३३।३८
११	बु ११ ५१ कृ ९ ५५ गं १२ ५० बा ११ ५१	५४	१३	४७	१७	१	२५	वृषे	कामिका ११ ब्र.
१२	गु ५ १७ मृ ५२ २९ वृ १५ ५२ तै ५ १७	५२	१४	४६	१८	२	२६	मि२४।३०	भ.५९।६उ. पुनर्वसौशुक्रः२२।३८ प्रदोषः
१३	शु ५३ ४९ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	शु ५३ २१ आ ४८ ३८ व्या ५० ७ वि २६ १४	५०	१४	४६	१९	३	२७	मिथुने	भ. २६।१४
२०	श ४८ १३ पु ४५ ३९ ह ४३ २६ च २० ४७	४७	१५	४५	२०	४	२८	क.३१।२४	पुष्ये रविः २७।६ हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ७ श.इ.५८।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	११	२	९	२	२
२७	२८	२७	२५	१४	२८	२७	२७
११	५३	४०	०	३७	२५	३	३०
५	५६	८	२५	५९	०	५०	३४
५६	३७	२९	४	७४	४३	३	५७
५५	९	९४	२०	२५	ब	११	११

गोचरग्रहाः

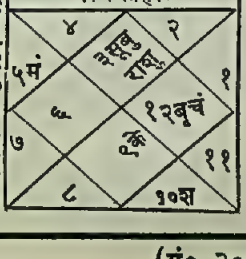

श्रावण कृ.१० भौमे कर्केऽर्कः प्र. वा.४न.५कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

१५प.श्रा.कृ.१२श.इ.५८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	११	२	९	२	३
३	३	१२	२५	२३	२७	२६	४
४९	०	१६	३०	१३	५९	४१	१९
३२	४०	४	३९	१९	४६	३५	१५
५६	३७	२९	४	७४	४३	३	५७
५७	२५	३३	१४	२९	ब	११	१५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३९४ सं. १९६३
१	र ४४ ३२ पु ४३ ४० व ३७ ४३ कि ११ ६ २३ ३३ ५ ५ ६	२१	५	२९	कर्के				पुनर्वसौ २ राहुः पूषायां ४ केतुः २८।८
२	चं ४२ ३८ श्ले ४३ २८ सि ३३ ११ बा १३ ३५ ४२	२२	६	३०	सिं ४३।२८				चन्द्रदर्शनम् सिधारा
३	मं ४२ १८ म ४४ ५९ व्य ३० ३ ते १२ २८ ४०	२३	७	१	सिंहे				रविलावल ३ सार्पे बुधः ८।४३ तीज
४	बु ४४ ६ पू ४८ २१ व २८ ३१ व १३ १२ ३७	२४	८	२	सिंहे				भ. १३।१२ उ. ४४।६ या. वरद ४
५	गु ४७ २२ उ ५३ ० प २८ १५ ब १५ ४४ ३५	२५	९	३	कं.४।३१				नाग ५
६	शु ५२ २० ह ५९ ३० शि २९ ११ कौ १९ ५१ ३२	२६	१०	४	कन्यायां				कर्के भृगुः २९।५० पश्चिमोदयी बुधः १।११
७	श ५७ ४८ चि ६० ० सि ३१ ५२ ग २५ ४ ३०	२७	११	५	तु.३३।४				भ. ५७।४८ उ.
८	र ६० ० चि ६ ३७ सा ३३ ५४ वि ३० ५५ २७	२८	१२	६	तुलायाँ				भ. ३०।५५ या.
८	चं ४ ३ स्वा १४ ५ शु ३६ १२ बा ४ ३ २४	२९	१३	७	तुलायां				पुष्ये भृगुः १०।५२
९	मं ९ ५६ वि २१ २३ शु ३७ ५५ कौ ९ ५६ २१	३०	१४	८	वृ.४।३४				मघायां सिंहेच बुधः ११।१२
१०	बु १५ ३७ अ २८ २३ ब्र ३९ ३३ ग १५ ३७ १८	२०	४०	३१	१५	९		वृश्चि.	भ. ४७।४५ उ.
११	गु १९ ५३ ज्ये ३३ ४५ ऐं ४० ९ वि १९ ५३ १५	२१	३९	१	१६	१०		ध.३३।४५	भ. १९।५३ या. अगस्त मा. ८ ता. ३१*
१२	शु २२ २३ मू ३७ ४२ वै ३९ ४० बा २२ २३ १२	२२	३८	२	१७	११		धनुषि	प्रदोषः *हस्तभौमः४४।१७पवित्रा११व्र.
१३	श २३ ४२ पू ४० १७ वि ३७ ५९ ते ३३ ४२ ९	२२	३८	३	१८	१२		म.५५।३०	आश्लेषायः रविः २७।५७
१४	र २३ ८ उ ४१ ८ प्री ३४ ४५ व २३ ८ ६	२३	३७	४	१९	१३		मकरे	भ. २३।८ उ. ५१।५९ या.
१५	चं २० ५० श्र ४० २४ आ ३० ३१ ब २० ५० ३	२३	३७	५	२०	१४		मकरे	रक्षाबंधनं श्रावणीकर्म

१६पं.श्रा.शु.७श.इ.५८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	११	३	९	२	३
१०	७	२५	२५	१	२७	२६	१०
२८	११	३७	५२	४९	३१	१९	५२
५२	६	५९	४४	४१	५	१९	१९
५७	३७	९	१	७४	१४	३	५७
५	५९	३२	५०	३१	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

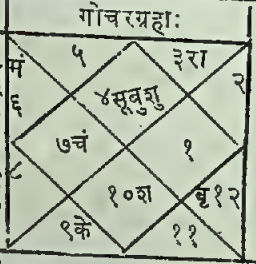

इस मास का फल सामान्य है। प्रजा में रोगादि उपद्रव हो। वर्षा योग है। धान्य तृणादि सस्ते होंगे

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.शु.१३श.इ.५८।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	११	३	९	२	३
१७	११	७	२६	१०	२७	२५	१७
८	२६	४०	५	२६	१	५७	२४
३७	२०	१२	२४	२४	८	४	१
५७	३८	९९	४°	७४	३४	३	५७
१२	४४	३७	मा	३२	ब	११	२४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं १७ ४१ ध ३८ ३९ सौ २५ १४ कौ १७ ८१	३३	०	२४	३६	६	२१	१°	कुं.९।३१
२	बु १३ १४ श ३५ ५५ शो १९ ५२ ग १३ १४	३३	०	२५	३५	७	२२	१६	कुम्भे
३	गु ८ ६ पू ३२ ४७ अ १२ २० वि ८ ६	२४	२५	३४	८	२३	१७	मी १८।३४	
४	शु २ ४५ उ २९ १४ सु ३३ ५० बा २ ४५	५०	२६	३४	९	२४	१८	मीने	
५	शु ५४ २५ ० ० ० शु ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
६	श ५१ ३९ रे २५ ३९ शु ५१ ९ ग २४ २५	४७	२७	३३	१०	२५	१९	मे.२५।३९	
७	र ४६ ११ अ २२ ११ गं ४३ ५९ वि १८ ५५	४३	२७	३३	११	२६	२०	मेषे	
८	चं ४१ ८ भ १८ ३७ वृ ३७ ११ बा १३ ४०	४१	२८	३२	१२	२७	२१	वृ.३२।४९	
९	मं ३५ ५३ कृ १५ २५ ध्रु २० ११ ते ८ ३०	३८	२८	३२	१३	२८	२२	वृषे	
१०	बु ३० ४७ रो १२ २६ व्या २३ ३० व ३ २०	३५	२९	३१	१४	२९	२३	मि ४१।४	
११	गु २६ २२ मृ ९ २ ह १७ ११ व २६ २२	३२	३०	३०	१५	३०	२४	मिथुने	
१२	शु २२ २३ आ ७ २१ व ११ ९ ते २२ २३	२९	३०	३०	१६	३१	२५	क.५१।७	
१३	श १८ ५६ पु ५ ४२ सि ५ ४३ व १८ ५६	२६	३१	२९	१७	३२	२६	कर्के	
१४	र १६ २४ पु ४ ४६ व्य ४३ ५६ श १६ २४	२२	३२	२८	१८	१	२७	कर्के	
१५	चं १५ २७ श्ले ५ २ प ५३ ४३ ना १५ २७	१९	३२	२८	१९	२	२८	सिं ५।२	

भ. ४०।४० पूफायांबुधः २६।५ पू.अ.शु.
भ.८।६या. वक्रीगुरः १ ईवक्रीधनि. १शनिः×
सार्पे शुक्रः १।४१
×४३ पूर्वास्तोभृगुः ४२।३६ च. व्र.
भ. ५१।३९ उ.
भ. १८।५५ या. जन्माष्टमी स्मा.
जन्माष्टमी वैं.
गोगा ९
भ. ३।२० उ. ३०।४७ या.
अजा ११ व्र.
प्रदोप वत्स १२
भ.१८।५६ उ.४७।४० सिंहेऽर्कः २४।२४+
+उफायां बुधः ६।२५
मघायांसिंहेच शुक्रः ४८।३१ कुशाग्रहणं

१८पं.भा.कृ.६श.इ.५७।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	११	३	९	२	३
२३	१५	१८	२६	१९	२६	२५	२४
४९	४६	२३	८	४	२९	३४	१६
४४	४४	९	२८	१९	२०	४८	२६
५७	३९	८५	३°	७४	४°	३	५७
२३	१०	५३	ब	७२	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

भाद्रपद कृ. १३ शनौ सिंहेऽर्कः प्र. वा.५ न.६ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

१९पं.भा.कृ.१३श.इ.५७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	११	३	९	२	४
०	२०	२७	२६	२७	२५	२५	०
३१	१०	३९	१	४२	५८	१२	५९
५७	५९	०	२३	२२	८	३२	४८
५७	३९	६९	३	७४	४°	३	५७
३४	३२	१९	ब	३२	ब	११	४०

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४२४ स. १९६३
१	मं	१५	४०	म	६	२७	शि	५२	१०	ब	१५	४०	३१ १५	५ ३३	६ २७	२०	२९	२९	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् कन्यायां बुधः ०।२०
२	बु	१७	१८	पू	९	३०	सि	५१	६	कौ	१७	८	१२	३४	२६	२१	३०	१	कं.२५।३८	रविलाखर ४
३	गु	२०	२१	उ	१४	१	सा	५१	३३	ग	२०	२१	८	३४	२६	२२	३१	२	कन्यायां	भ. ५२।४६ उ. हरितालिका व्र.
४	शु	२५	१२	ह	१९	५०	शु	५२	३८	वि	२५	१२	४	३५	२५	२३	१	३	तु.५३।१२	भ.३५या चित्रायां भौमः३ गणेशचतुर्थी× ऋषि ५
५	श	३०	३१	चि	२६	३५	शु	५४	४८	बा	३०	३१	०	३६	२४	२४	२	४	तुलायां	
६	र	३६	४२	खा	३३	५०	ब्र	५७	४२	कौ	३	३६	३१	३७	२३	२५	३	५	तुलायां	
७	चं	४२	४९	वि	४१	२५	ऐं	५९	४४	ग	९	४५	५२	३८	२२	२६	४	६	बृ.२४।३१	भ. ४३ उ. ×रा.भाद्रपद मा.६दि.३१
८	मं	४८	३८	अ	४८	५२	वै	६०	०	वि	१५	४४	४८	३८	२२	२७	५	७	वृश्चिके	भ. १५।४४ या. दूर्वा ८
९	बु	५३	२७	ज्ये	५४	५८	वै	१	४९	बा	२१	२	४४	३९	२१	२८	६	८	ध.५४।५८	
१०	गु	५७	४६	मू	६०	०	वि	३	१४	तै	२५	३७	४०	४०	२०	२९	७	९	धनुषि	
११	शु	५८	१९	मू	०	५	प्री	३	२३	व	२८	२	३६	४१	१९	३०	८	१०	धनुषि	भ.२८।२ उ ५६ या. पूफायां शुक्रः ३४
१२	श	५८	२	पू	३	२	आ	१३	५७ ३०	ब	२८	१०	३२	४२	१८	३१	९	११	म.१८।२३	पूफायां रविः १६ हस्तेबुध. १५ वामनावता+
१३	र	५५	४१	उ	४	२४	शो	५५	१८	कौ	२६	५२	२८	४२	१८	१	१०	१२	मकरे	सितम्बर मा.९ता.३० प्रदोषः +नि वै.
१४	चं	५१	३६	श्र	३	५४	अ	४९	४६	ग	२३	३८	२५	४३	१७	२	११	१३	कुं.३२।४५	भ. ३१ उ. तुलायां भौमः ३१ अनंत१४
१५	मं	४५	५७	ध	३१	५६ ३०	सु	४२	५४	वि	१८	४५	२१	४४	१६	३	१२	१४	कुम्भे	भ १८।४५ या. महालयारम्भः

२०पं.भा.शु.५श.इ.५७।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	११	४	९	२	४
७	२४	५	२५	६	२५	२४	७
१५	३८	८	४६	२२	२७	५०	४४
३०	४६	२०	४२	१	७	१७	१६
५७	३९	५०	५९	७४	२८	३	५७
४५	५४	२७	ब	३८	ब	११	३८

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच मंगलवार अशुभ हैं प्रजा में रोग पीडा चिंता आदि रहेंगे धान्यादि के भाव सामान्य वर्षा मध्यम होगी

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.शु.१२श.इ.५७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	११	४	९	२	४
१४	२९	१०	२५	१५	२४	२४	१४
०	१०	१५	१९	२५	३	२८	२९
४२	१२	४०	४१	४२	४०	१	५७
५७	४०	२३	३०	७४	१	३	५८
५७	१९	६	ब	३८	ब	११	१

ति.	प्र.आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	बु	३९	१९	पू	५३	१४	धृ	३४	१२	बा	१३	३८	३१ १८	५ ४४	६ १६	४	१३	१५	मी	३९।२७
२	गु	३२	८	उ	४७	५७	शू	२६	४२	तै	५	४३	१४	४५	१५	५	१४	१६	मीने	भ. ५८।२९ उ वक्री बुधः १०।२८
३	शु	२४	५०	रे	४२	५१	गं	१७	५५	वि	२४	५०	१०	४६	१४	६	१५	१७	मे.	४२।५१ भ. २४।५० या. चतुर्थी व्र.
४	श	१७	३४	अ	३७	४०	वृ	९	२६	बा	१७	३४	६	४७	१३	७	१६	१८	मेषे	
५	र	१०	३९	भ	३२	५३	ध्रु	५३ ५५	५७	तै	२०	३९	३	४८	१२	८	१७	१९	बृ.	४६।५२ +वक्रीउफायांबुध ३९ इंदिरा ११व्र.स्मा.
६	चं	४	३७	कृ	२८	४७	ह	४५	२१	व	४	३७	३०	४८	१२	९	१८	२०	वृषे	भ. ४।३७ उ. ३१।५६ या.
७	चं	५४	३८	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
८	मं	५४	३८	रो	२५	४५	व	३८	२७	बा	२६	५६	५४	४९	११	१०	१९	२१	मि	५४।२८ उफायां शुक्रः १८।५२
९	बु	५१	०	मृ	२३	१२	सि	३२	१२	तै	२२	४९	४९	५०	१०	११	२०	२२	मिथुने	मातृ ९ सौभाग्यवतीनाम् श्राद्धम्
१०	गु	४८	१०	आ	२१	२८	व्य	२६	५१	व	१९	३५	४५	५१	९	१२	२१	२३	मिथुने	भ.३५उ.४८या. स्वा.भौमः३३ क.शुक्र ५९
११	शु	४६	१०	पु	२१	१	व	२२	१०	ब	१७	१०	४०	५२	८	१३	२२	२४	क.	६।८ उफायां रवि ५५ पश्चिमास्तं बुधः ३९+
१२	श	४५	१५	पु	२१	११	प	१८	५	कौ	१५	४३	३६	५३	७	१४	२३	२५	कर्के	इंदिरा ११ व्र. नि.
१३	र	४५	२९	श्ले	२२	२९	शि	१५	३	ग	१५	२२	३२	५४	६	१५	२४	२६	सिं	२२।९ भ. ४५।२९ उ. प्रदोषः
१४	चं	४६	३६	म	२४	४५	सि	१२	३९	वि	१६	२	२८	५४	६	१६	२५	२७	सिंहे	भ. १६ या. शस्त्रा.श्राद्धं दृश्यः क.५२।८
३०	मं	४९	१२	पू	२८	२२	सा	११	२९	च	१७	५४	२४	५५	५	१७	२६	२८	कं.	४४।३० कन्यायामर्कः २५।६

२२पं.प्र.आ.कृ.५श.इ. ५७ १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	११	४	९	२	४
२०	३	११	२४	२३	२४	२४	२१
४७	४६	५३	४५	४३	३०	५	१६
२३	३७	६	५४	५२	११	४६	५७
५८	४०	१५	२८	७४	५३	३	५८
१२	२७	ब	ब	३८	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

प्र.आ.कृ.३०भौमे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४नं.४पुत्रेवत्सलावस्था (सूती) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रास्तः पूर्व

गोचरग्रहाः

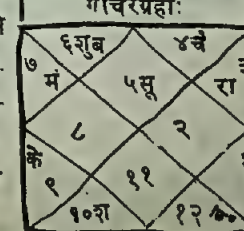

२३पं.प्र.आ.कृ.१२श.इ. ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	११	५	९	२	४
२७	८	८	२४	२	२४	२३	२८
३५	२५	३१	४	२५	५	४३	५
४६	३४	४८	१६	४८	२	३०	१३
५८	४१	५९	२३	७४	२८	३	५८
२९	१०	ब	ब	३२	ब	११	२६

ति.	प्र.आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	बु ५२ ४९ उ ३२ ५२ शु ११ ३ कि	२०	५०	३०	५६	४	१८	२७ २९ कन्यायां
२	गु ५७ ४७ ह ३८ ४५ शु ११ १३ बा	२५	१७	१६	५७	३	१९	२८ ३० कन्यायां
३	शु ६० ० चि ४५ १४ ब्र १२ ३४ तै	३०	३०	१२	५८	२	२०	२९ १ तु.१२।०
३	श ३ १३ खा ५२ ३३ ऐं १४ ५ ग	३	१३	८	५८	२	२१	३० २ तुलायां
४	र ९ ३३ वि ६० ० वै १६ २० वि	९	३३	४	५९	१	२२	३१ ३ बृ.४३।१६
५	चं १५ ४२ वि ० १० वि १८ २२ बा	१५	४२	०	६	०	२३	१ ४ वृश्चिके
६	मं २२ ७ अ ७ ४९ प्री २१ २६ तै	२२	७	२९	१	५	२४	२ ५ वृश्चिके
७	बु २७ २५ ज्ये १४ ५६ आ २३ १८ व	२७	२५	५१	२	५८	२५	३ ६ ध.१४।५६
८	गु ३१ ३८ मू २० ४४ सौ २४ १७ ब	३०	३८	४६	३	५७	२६	४ ७ धनुषि
९	शु ३४ ७ पू २५ १५ शो २४ २० बा	२	५३	४२	४	५६	२७	५ ८ म.४०।५५
१०	श ३४ ४५ उ २७ ५६ अ २२ ४६ तै	४	२६	३८	४	५६	२८	६ ९ मकरे
११	र ३३ १९ श्र २८ ४६ सु १९ ४१ व	४	२	३४	५	५५	२९	७ १० कु.५८।६
१२	चं २९ ४६ ध २७ २६ धृ १४ ५८ ब	१	३२	३०	६	५४	३०	८ ११ कुम्भे
१३	मं २४ २० श २४ २ शू ८ ३३ तै	२४	२०	२६	७	५३	१	९ १२ कुम्भे
१४	बु १७ १४ पू १९ १५ गं ४८ ५० व	१७	१४	२२	८	५२	२	१० १३ मी५।२७
१५	गु ९ ९ उ १३ १५ ध्रु ४२ १७ ब	९	९	१८	८	५२	३	११ १४ मीने

शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४५३स. १९६३

मा.मह श्राद्धं सौरमतनाऽधिकमासारंभः
चन्द्रदर्शनम्
जमादिलावल ५
भ.३६।२३उ.उभा२गुरुः३७हस्तेभृगु.२८
भ.३३या. पुनर्वसौ१ राहुः पू.३ केतु.२९
वक्रीसिंहे बुधः९।१६ =चित्रायां शुक्र.४५

भ. २७।२५ उ. ५९।३१ या.

हस्ते रविः३७।३४ पूर्वोदयं बुधः४२।३३

भ.४ उ.३३या. मार्गीबुधः२३ ११ब्र.
प्रदोषः
अक्टूबर मा.१०ता.३१ विशा. भौमः५५-२४
भ.१७ उ.४३या. वक्री.श्रव.४ शनिः८

२४पं.प्र.आ.शु.३श.इ.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	११	५	९	२	५
११	१३	१	२३	११	२३	२३	४
२५	८	२७	१६	७	४४	२१	५५
५२	३५	४७	३०	४१	१७	१४	१९
५८	४१	७३	५	७४	२	३	५८
४५	२६	ब	ब	३२	ब	११	३८

गोचरग्रहाः

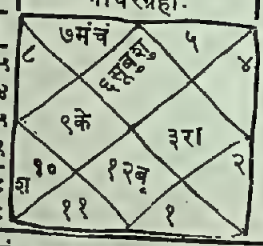

इस मास का फल साधारण है प्रजा में सुख शांति, व्यापार में अधिक घट बढ, शेयर, सोना, चांदी तेज

गोचरग्रहाः

२५पं.प्र.आ.शु.१०श.इ.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	११	५	९	२	५
११	१७	२७	२२	१९	२३	२२	११
१७	५४	२८	२३	५०	२६	५८	४६
५६	५४	३७	५६	१७	५६	५९	५६
५९	४१	२२	४३	७४	१०	३	५८
०	५३	ब	ब	३१	ब	११	५३

सि.	द्वि.आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	शु ० २५ रे ६ ५३ व्या ३२ ० कौ	०	२५	२९	६	५१	४	१२ १५ मे.६।२५
२	शु ५१ ३ ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० मेषे
३	श ४२ ३७ भ ५२ ५० ह २१ ५६ व	१७	३	१०	१०	५०	५	१३ १६
४	र ३४ ५० कृ ४६ ४२ व ११ ५४ ब	८	४३	६	११	४९	६	१४ १७ बृ.६।४८
५	चं २७ ४५ रो ४१ ३६ सि ४९ २३ कौ	१	१८	२	१२	४८	७	१५ १८ बृषे
६	मं २२ ७ मृ ३७ ५५ व ४७ ० व	२२	७	२८	१२	४८	८	१६ १९ मि९।४६
७	बु १७ ३७ आ ३५ ३२ प ४० ४४ ब	१७	३७	५४	१३	४७	९	१७ २० मिथुने
८	गु १४ ५१ पु ३४ २९ शि ३५ ३४ कौ	१४	५१	५०	१४	४६	१०	१८ २१ क.१९।४५
९	शु १२ २८ पु ३४ ५४ सि ३१ ४६ ग	१२	२८	४६	१५	४५	११	१९ २२ कर्के
१०	श १३ १० श्ले ३६ ४२ सा २८ ४८ वि	१३	१०	४२	१६	४४	१२	२० २३ सिं३६।४२
११	र १४ १९ म ३९ ५४ शु २७ ७ बा	१४	१९	३८	१६	४४	१३	२१ २४ सिंहे
१२	चं १६ ४३ पू ४४ ७ शु २६ ८ तै	१६	४२	३४	१७	४३	१४	२२ २५ सिंहे
१३	मं २० २५ उ ४९ २० ब्र २६ ३१ व	२०	२५	३०	१८	४२	१५	२३ २६ कं.०।२५
१४	बु २४ ४१ ह ५५ १४ ऐं २७ ० श	२४	४१	२६	१९	४१	१६	२४ २७ कन्यायां
२०	गु ३० ११ चि ६० ० वै २८ १२ ना	३०	११	२२	२०	४०	१७	२५ २८ तु.२८।३५

शरदर्तू रविर्दक्षिणे प्र.आ.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. १७।३ उ.४३ या. कन्यायां बुधः१९ ४५
चतुर्थी ब्र.
तुलायां शुक्रः ६।५१
भ. २२।७ उ. ४९।५२ या.

भ. ४२।४९ उ. चित्रायां रविः ८।११
भ.१३या. हस्तेबुधः२४ स्वात्यांशुक्रः२६
कमला ११ ब्र.
पश्चिमोदयं शुक्रः४६ प्रदोषः प.उ.शु.
भ. २०।२५ उ. ५२।३३
वक्रीरेवत्यां१ गुरुः५६ बृश्चिकेभौमः३३
तुलायामर्कः ५५(३५)पूर्वास्तो बुधः३६

२६पं.द्वि.आ.कृ.३श.इ.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	११	५	९	२	५
१८	२२	०	२१	२८	२३	२२	१८
११	४४	३९	२८	३२	१३	३६	४०
४३	३५	३६	५	५६	१	४३	८
५५	४२	५८	५	७४	३	३	५९
१६	११	मा	ब	२६	ब	११	९

गोचरग्रहाः

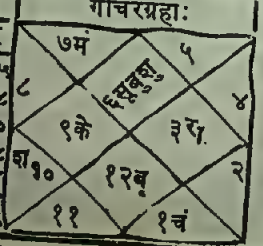

द्वि. आ. कृ: ३० गुरौ तुलायामर्कः प्र.वा.३न.४सन्या-सीव्यवस्था (ऊर्ध्वा) मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

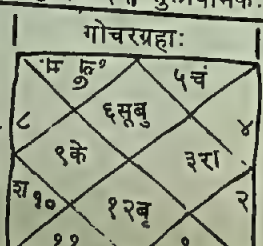

२७पं.द्वि.आ.कृ.१०श.इ.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	११	६	९	२	५
२५	२७	९	२०	७	२३	२२	२५
७	३७	५७	३१	१७	४	१४	३५
२५	५५	७	३०	२८	४८	२८	५
५९	४२	९३	५२	७४	५२	३	५९
३१	२६	५३	ब	२६	ब	११	२१

ति.	द्वि.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४८३ स. १९६३
१	शु	३५ ५१ चि १ ५७ वि २९ ५९ किं ३ १ ३८	२०	४०	५१	१८	२६	२१	तुलायां	नवरात्रारम्भः घटस्थापनं
२	श	४२ १० स्वा ९ १८ प्री ३१ ५९ बा ९ ० १४	२१	३०	१९	२७	३०	वृ.	५९।५९	चन्द्रदर्शनम्
३	र	४८ ४४ वि १६ ५२ आ ३४ ३४ तै १५ २७ १०	२२	३८	२०	२८	१	वृश्चिके		जमा. ६ भौमः ५६° चित्रायां बुधः ५८।५
४	चं	५४ ४९ अ २४ २९ सौ ३६ ५५ व २१ ४७ ६	२३	३७	२१	२९	२	वृश्चिके		भ. २१।४७ उ. ५½या. मार्गशिनिः १५।४
५	मं	६० ० ज्ये ३१ ५९ शो ३८ ५७ ब २७ ४८ २	२४	३६	२२	३०	३	व.	३१।५९	
५	बु	० ४७ मू ३८ २४ अ ४० ४१ बा ० ४७ ३७	२४	३६	२३	१	४	धनुषि		विशाखायां शुक्रः ३६ रा.कार्तिक मा.८×
६	गु	५ ३२ पू ४३ १२ सु ४१ २९ तै ५ ३३ ५४	२५	३५	२४	२	५	म.	५९।५६	स्वात्यां रविः ३१ तुलायां बुधः ४७।३०*
७	शु	८ ५३ उ ४८ १० धृ ४१ ७ व ८ ५३ ५०	२६	३४	२५	३	६	मकरे		भ. ८।५३ उ. ३९।५२ या. ×दि. ३०
८	श	१० ५१ श्र ५० ३८ शू ३९ २४ ब १० ५१ ४६	२७	३३	२६	४	७	मकरे		सरस्वती विसर्जनम् *सरस्वती पूजनम्
९	र	१० ४४ ध ५० ५७ गं ३६ १५ कौ १० ४४ ४२	२८	३२	२७	५	८	कुं.	२०।४८	विजया १० दशहरा
१०	चं	८ ४१ श ४९ ३० वृ ३१ २२ ग ८ ४१ २८	२८	३२	२८	६	९	कुम्भे		भ. ३६।४१ स्वात्यां बुधः ३०।३६
११	मं	४ ४० पू ४६ ३ ध्रु २४ ५३ वि ४ ४० ३५	२९	३१	२९	७	१०	मी	३१।५५	भ. ४।४० या. पापांकुशा ११ ब्र.
१२	मं	५३ ४९ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०		
१३	बु	५१ ४ उ ४० ३४ ब्या १६ ४९ कौ २४ ४६	३१	३०	३०	३०	८	११	मीने	हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१४	गु	४२ १० रे ३४ ९ ह ४९ ४० ग १६ ३८ २८	३०	३०	३१	९	१२	मे.	३४।९	भ. ४२।१० उ. वृश्चिके शुक्रः ६।२९
१५	शु	३२ २५ अ २६ ५३ सि ४६ ४१ वि ७ १७ २४	३१	२९	१	१०	१३	मेषे		भ.७।१७या.नवंबरमा.११ता.३०शरद्१५

२८पं.द्वि.आ.शु.२श.इ.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	११	६	९	२	६
२	२	२१	१९	१६	२३	२१	२
४	३५	३४	३६	१	१५	२३	२१
५५	३४	५२	३६	३०	१६	१२	३३
५९	४२	०९	३६	७४	१०	३	५९
४६	४८	४०	च	२६	ब	११	३४

गोचरग्रहाः

इस मास का फल साधारण है, धान्यादिक का भाव सामान्य, शेयर मार्केट में मंदी, सौर मत से आश्विन अधिक है।

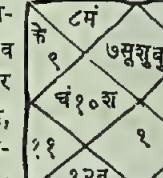

गोचरग्रहाः

२९पं.द्वि.आ.शु.८ श.इ.५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	११	६	९	२	६
९	७	३	१८	२४	२३	२१	९
४	३५	३०	४५	४४	२	२९	२०
१४	३५	२५	०	५३	२१	५६	५०
६०	४३	२९	५६	७४	४४	३	५९
२	१३	४४	ब	२०	मा	११	४७

ति.	कृ.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०२० शाकः १८८५	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुः रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२२ ३९ भ १८ ४८ व्य ३५ ३३ कौ २२ ३९ ३०	३३	२८	२	११	१४	बृ.	३१।५३	अनुराधायां शुक्रः ४८।३९
२	र	१३ १९ कृ ११ ६ व २४ ४५ ग १३ १७ १७	३३	२७	३	१२	१५	वृषे		भ. ३८।५१ उ. +रूप १४ नरक १४
३	चं	४ २४ रो ४ ५४ प १४ १६ वि ४ २४ १३	३३	२७	४	१३	१६	मि	३३।५	भ. ४।२४ या. करक ४ ब्र.
४	चं	५२ २२ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०		
५	मं	५० ३५ आ ५३ ४४ शि ५ ५३ कौ २३ ४१ १०	३४	२६	५	१४	१७	मिथुने		विशाखायां बुधः ४५।५७
६	बु	४६ ३० पु ५१ ९ सा ५० १५ ग १८ ३२ ६	३५	२५	६	१५	१८	क.	३६।४८	भ. ४६।३० उ. विशाखायां रविः ४९।२०
७	गु	४४ १० पु ५० १५ शु ४५ ९ वि १५ २० २	३५	२५	७	१६	१९	कर्के		भ. १५।२० या.
८	शु	४३ ४१ श्ले ५१ २२ शु ४१ २१ बा १३ ५५ २२	३६	२४	८	१७	२०	सिं	५१।२२	ज्येष्ठायां भौमः २६।१३
९	श	४५ ११ म ५४ ८ ब्र ३९ ९ तै १४ २६ ५६	३७	२३	९	१८	२१	सिंहे		धनि. १ शनिः ५८।१२
१०	र	४७ ४९ पू ५८ २० ऐं ३८ ७ व १६ ३० ५२	३८	२२	१०	१९	२२	सिंहे		भ. १६।३० उ. ४७।४९ या.
११	चं	५२ ६ उ ६० ० वै ३८ ३३ ब १९ ५८ ४९	३८	२२	११	२०	२३	कं.	१४।४३	रमा ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	मं	५७ १४ उ ३ ५४ वि ३९ २१ कौ २४ ४० ४६	३९	२१	१२	२१	२४	कन्यायां		वृश्चिके बुधः ४।४५ रमा ११ ब्र. नि.
१३	बु	६० ० ह १० २१ प्री ४० ५६ ग ३० १९ ४३	३९	२१	१३	२२	२५	तु.	४३।५७	ज्येष्ठायां शुक्रः २७।५८ धन १३
१३	गु	३ २५ चि १७ ३४ आ ४२ ५२ व ३ २५ ४०	४०	२०	१४	२३	२६	तुलायां		भ. ३।२५ उ. ३६ या. अनु. बुधः २०।२२+
१४	शु	९ १६ स्वा २४ ५५ सौ ४५ ४ श ९ १६ ३७	४१	१९	१५	२४	२७	तुलायां		महालक्ष्मी पूजनम्
३०	श	१५ ५२ वि ३२ २३ शो ४७ २२ ना १५ ५२ ३४	४१	१९	१६	२५	२८	बृ.	१५।३१	वृश्चिकेऽर्कः ४३ (२२।२) अ.गोवर्धनपू.

३०पं.का.कृ.१श.इ.५५।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	११	७	९	२	६
१६	१२	१५	१७	३	२३	२१	१६
५	२९	११	५८	२८	९	७	२९
१९	१८	२४	१२	५९	७	४१	३६
६०	४२	०९	३९	७४	१	३	६०
१८	२९	४४	ब	११	३६	११	४

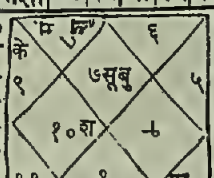

३१पं.का.कृ.९श.इ.५५।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	११	७	९	२	६
२३	१७	२६	१७	१२	२३	२०	२३
७	४५	२५	२०	१२	१९	४५	३०
५७	१४	१६	४६	२५	५५	२५	५३
६०	४३	००	४९	७४	२	३	६०
३०	४३	२९	ब	२१	२	११	१७

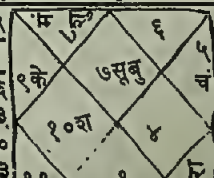

३२पं.का.कृ.३०श.इ.५।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	११	७	९	२	७
०	२२	७	१६	२०	२३	२०	०
१२	५६	३५	५०	५६	३५	२३	३३
१	२४	३१	४	२८	५६	१०	४७
६०	४४	९८	५३	७४	२	३	६०
४०	५	४१	च	१	४४	११	३०

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५	वि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३५१३ सन् १९६३
१	र २२ ७ अ ३९ ५९ अ ४९ २८ ब २२ ७	३६	६	५	१७	२६	२९	बृश्चिके	चद्रदर्शनम् संभवः दक्षिण भारते
२	चं ८ १७ ज्ये ४७ १२ सु ५१ ३७ को २८ १७	२९	४२	१८	१८	२७	१	ब.४७।१२	रज्जव ७ यम भाऊ २
३	मं ३३ ५९ मू ५३ ४५ धृ ५२ ५२ तै १ ८	२६	४३	१७	१९	२८	२	धनुषि	वक्री उभायां ४ गुरुः ३१।३५
४	बु ३८ ४३ पू ५९ ४६ शू ५३ ४६ व ६ २१	२४	४३	१७	२०	२९	३	धनुषि	भ.६।२१ उ.३४या. अनुयां. रविः१।२६
५	गु ४२ २३ उ ६० ० गं ५४ ६ ब १०	२१	४४	१६	२१	०	४	म.१५।५५	
६	शु ४४ ५ उ ४ २३ वृ ५३ १८ कौ १३ ३२	१९	४४	१६	२२	१	५	मकरे	ज्येष्ठायां बुधः४९ रा.मार्ग. मा.९दि.३०
७	श ४५ ४३ श्र ७ ५० ध्रु ५१ ११ ग १५ १८	१६	४५	१५	२३	२	६	कु.३८।५२	भ. ४५।४३ उ.
८	र ४५ १६ ध ९ ५४ व्या ४७ ४७ वि १ ९	१४	४५	१५	२४	३	७	कुंभे	भ.२९या. धनिषशुक्रः१२आर्द्रायां४राहुः*
९	चं ४२ ५८ श १० ९ ह ४३ १० बा १४ ७	११	४६	१४	२५	४	८	मी५२।७	अक्षया ९
१०	मं ३८ ३५ पू ८ ४६ व ३६ ५३ तै १० ४६	९	४६	१४	२६	५	९	मीने	मूले धनुषिच भौमः २६।४४
११	बु २ ५० उ ५ ३८ सि ३९ १८ व १० ५ ४२	६	४७	१३	२७	६	१०	मीने	भ.४२ उ.५०या. तुलसीवि. प्रबो.११व्र.
१२	गु २५ ५ रे ४१ ५५ व्य २० ५ ब २५ १५	४	४८	१२	२८	७	११	मे.०।४१	पश्चिमोदयं बुधः २३।१५
१३	शु १६ ४० भ ४७ ३० व ३३ २५ ब १६ ४०	१	४८	१२	२९	८	१२	मेषे	बेंकुण्ठ १४
१४	श ७ १० कृ ३९ ३७ शि ४९ १ व ७ १०	२५	४८	१२	३०	९	१३	वृ.०।३२	भ. ७।१० उ. ३२।१६ या. दत्तजयंती
१५	श ५० १३ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	*पुषायां २ केतुः १२।१० गोपाष्टमी

३३प. का.शु.७श.इ.५५।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	११	७	९	२	७
७	२८	१८	१६	२९	२३	२०	७
१७	८	२५	२८	३९	५६	०	३७
३४	१०	४१	४४	३६	३१	५४	३८
६०	४४	९५	३७	७३	३	३	६०
५३	५९	५०	ब	५६	३२	११	४२

गोचरग्रहा

का. कृ.३० शनौ बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.४सन्यासिनी-वस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो.पश्चि.

गोचरग्रहाः

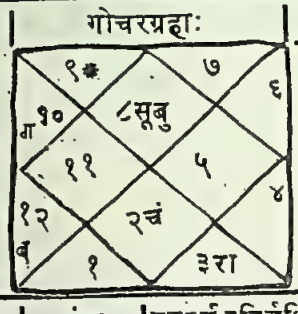

३४पं.का.शु.१४श.इ.५५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	११	८	९	२	७
१४	३	२९	१६	८	२४	१९	१४
२४	२३	३	१६	२३	२२	३८	४२
२०	३४	७	३७	१३	२३	३८	२२
६१	४४	९२	१६	७३	४	३	६०
३	३९	३२	ब	५०	८	११	५०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ४७ ४८ रो ३१ ४७ सि ३७ ५१ बा २५ ३५	२५	६	५१	१	१०	१४	मि५८।८	दिसंबर मा.१२ता.३१मूलेधनुषिचबुधः३५
२	चं ३९ ० मृ २४ २८ सा २७ १० तै १३ २४	५४	४९	११	२	११	१५	मिथुने	
३	मं ३१ २८ आ १८ १२ शु १७ २९ व ५ १४	५३	४९	११	२	१२	१६	क.५९।३८	भ.१५उ.३१या. ज्येष्ठायांरविः२६च.व्र.
४	बु २५ २६ पु १३ २७ शु ९ ४ बा २५ २६	५१	५०	१०	५	१३	१७	कर्के	
५	गु २१ ४६ पु १० ३७ ब ५५ ५४ तै २१ ४६	५०	५०	१०	५	१४	१८	कर्के	पूषायां शुक्रः ५१।५
६	शु २० ५६ श्ले ९ ५६ वै ५२ ४८ व २० ४६	४८	५०	१०	६	१५	१९	सिं९।५६	भ.२०।५६उ.३९या. मार्गी गुरुः२९।२२
७	श २० २१ म ११ १७ वि ५० ४७ ब २० २१	४६	५१	९	७	१६	२०	सिंहे	अस्तं भौमः २५।४०
८	र २२ ३४ पू १४ ३३ प्री ५० १९ कौ २२ ३४	४५	५१	९	८	१७	२१	कं.३०।४८	
९	चं २६ ४६ उ १९ ३३ आ ५० ४९ ग २६ ४६	४३	५१	९	९	१८	२२	कन्यायां	भ. ५९।१९ उ.
१०	मं ३१ ५ ह २५ ४७ सौ ५२ १६ वि ३१ ५२	४२	५२	८	१०	१९	२३	तु.५९।२२	भ. ३१।५२ या. पूषायां बुधः ४२।२२
११	बु ७ १७ चि ३२ ५८ शो ५४ २३ ब ४ ३५	४१	५२	८	११	२०	२४	तुलायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	गु ४४ ३६ स्वा ४० ३६ अ ५६ ३९ कौ १० ५७	४०	५२	८	१२	२१	२५	तुलायां	
१३	शु ५१ २३ वि ४८ ३१ सु ५९ १० ग १७ ५९	३९	५२	८	१३	२२	२६	वृ.३१।३०	भ.५३उ. पूषायां भौमः५६।१४ प्रदोषः
१४	श ५७ ४० अ ५५ ५१ धृ ६० ० वि २४ ३१	३८	५२	८	१४	२३	२७	वृश्चिके	भ. २४।३१ या.
३०	र ६० ० ज्ये ६० ० धृ १ ७ च ३० ३३	३८	५२	८	१५	२४	२८	बृश्चिके	दृश्यो धनुष्यर्कः ५७।४६
३०	चं ३ २६ ज्ये २ ५ शू २ ५४ ना ३ २६	३७	५३	७	१६	२५	२९	ध.२।५१	धनुष्यर्कः १२ (मूले च) उषायां शुक्रः ४१ ४०

५पं. मा.कृ.७श.इ.५४।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	११	८	९	२	७
२१	८	९	१६	१७	२४	१९	२१
२२	४१	२०	१५	५	५१	१६	४८
८	२४	२८	४३	४६	२२	२३	५७
६	४४	८३	२०	७३	४	३	६०
११	५६	२२	मा	४१	४४	११	५६

गोचरग्रहा

मार्ग. कृ.३०चंद्रे धनुष्यर्कः प्रवा.३ न.३ सन्यासिवस्था (बैठी) मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

६पं.मा.कृ.१४श.इ.५४।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	११	८	९	२	७
२८	१४	१८	१६	२५	२५	१८	२८
४०	१	४९	२४	४८	२४	५४	५५
५०	४१	१२	१४	०	४३	७	५४
६१	४५	७४	१	७३	५	३	६१
१९	७	२५	२६	३०	८	११	०

दृश्यः (पौष कृष्णा) ×मबुशुके (क्षयोऽयम् मासः) सूक्ष्म गणिता मार्ग. कृष्णति महाराष्ट्राः *मंशुके +मंबुशुके

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३५४३ स.१९६३
१	मं	८	२५	मू	९	१	गं	३	५७	ब	८	२५	२५/३७	६/५३	५/७	१७	२६	३०	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
२	बु	१२	४०	पू	१४	२६	वृ	४	३१	कौ	१२	४०	३७	५३	७	१८	२७	१	म.३०।३१	सावान ८ मकरे भृगुः २३।५४
३	गु	१५	५१	उ	१८	४७	ध्रु	४	२१	ग	१५	५१	३६	५३	७	१९	२८	२	मकरे	भ. ४६।५७
४	शु	१८	४	श्र	२२	२४	व्या	३	१६	वि	१८	४	३६	५३	७	२०	२९	३	कु.५३।३४	भ. १८।४ या. रेवत्यां १ गुरुः ५३।५३
५	श	१८	५३	ध	२४	४५	ह	१/२२	५७/३०	बा	१८	५३	३६	५३	७	२१	३०	४	कुम्भे	
६	र	१८	४५	श	२५	५८	सि	५४	५९	तै	१८	४५	३६	५३	७	२२	१	५	कुम्भे	रा. पौष मासः १० दि. ३०
७	चं	१७	२२	पू	२५	४९	व्य	५०	३३	व	१७	२२	३६	५३	७	२३	२	६	मी१०।५१	भ. १७।५२ उ. ४५।५१
८	मं	१४	२०	उ	२४	२३	व	४४	१०	ब	१४	२०	३७	५३	७	२४	३	७	मीने	
९	बु	१०	२०	रे	२१	३०	प	३७	१५	कौ	१०	२०	३७	५३	७	२५	४	८	मे.२१।३०	वक्री बुधः५२।६ ×पश्चिमास्तोबुधः ४७/५५
१०	गु	४	५१	अ	१७	३९	शि	२९	४६	ग	४	५१	३७	५३	७	२६	५	९	मेषे	भ.३१/३५ उ.५८/२८या. श्रवणे भृगुः १९/३ पुत्रदा*
११	गु	५३	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	शु	५०	२५	भ	१२	३१	सि	२०	१७	ब	२४	२१	३८	५२	८	२७	६	१०	वृ.२५।५७	पुत्रदा ११ब्र. नि.वै. *११ब्र. स्मा.
१३	श	४१	५५	कृ	६/१४	५३/२१	सा	१०	३६	कौ	१६	१०	३८	५२	८	२८	७	११	वृषे	धनि. २ शनिः ३६।२१ प्रदोषः
१४	र	३३	२०	मृ	५२	३७	शु	०/२८	४९/३४	ग	७	३८	३९	५२	८	२९	८	१२	मि२६।२६	भ. ३३/३० उ. ५८/५९ या. पूषायां रविः १३/४५×
१५	चं	२४	३७	आ	४५	५७	ब्र	४०	३	ब	२४	३७	३९	५२	८	३०	९	१३	मिथुने	चन्द्रग्रहणम् दत्त जयन्ती

३७पं.पौ.शु.५श.इ.५४।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	११	९	९	२	८
५	१९	२५	१६	४	२६	१८	६
५०	२३	४६	४२	२८	६	३१	३
१५	४२	३७	५८	४८	४४	५२	३०
६१	४५	४२	२	७३	५	३	६१
२२	१७	१७	५६	२०	३८	११	५

गोचरग्रहाः

(सौरमत से मार्ग शीर्ष क्षय मास है, दृश्य से द्वि. कार्तिक क्षय है) इस मास में रोग उपद्रव होंगे।

गोचरग्रहाः

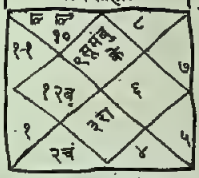

३८पं.पौ.शु.१३श.इ.५४।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	११	९	९	२	८
१३	२४	२६	१७	१३	२६	१८	१३
०	४८	३२	११	८	४१	९	११
७	१८	१३	९	४९	४९	३६	२६
६१	४५	३३/२६	४	७३	६	३	६१
२६	३२	ब	८	१२	२	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१६	३२	पु	४०	१४	ऐं	३०	५२	कौ	१६	३२	२५/४०	६/५२	५/८	३१	१०	१४	क.२६।४०	उषायां भौमः २१।३६
२	बु	१०	७	पु	३६	५	वै	२२	३३	ग	१०	७	४१	५२	८	१	११	१५	कर्के	भ.३७/३० उ. जनवरी मा.१ता.३१सन्१९६४
३	गु	४	५२	श्ले	३३	३५	वि	१५	३४	वि	४	५२	४२	५२	८	२	१२	१६	सिं३३।३५	भ. ४।५२ या. च. ब्र.
४	शु	१	४४	म	३३	१२	प्री	१०	१८	बा	१	४४	४३	५१	९	३	१३	१७	सिंहे	
५	श	०	४७	पू	३४	४८	आ	६	४१	तै	०	४७	४४	५१	९	४	१४	१८	कं.५०।४७	मकरे भौमः ३५।२७
६	र	१	४६	उ	३८	४३	सौ	४	५२	व	१	४६	४६	५१	९	५	१५	१९	कन्यायां	भ. १।४६ उ. ३३।२७ या.
७	चं	५	८	ह	४४	८	शो	४	२६	ब	५	८	४७	५१	९	६	१६	२०	कन्यायां	धनिष्ठायां शुक्रः १०।४७
८	मं	९	४७	चि	५१	८	अ	५	६	कौ	९	४७	४९	५०	१०	७	१७	२१	तु.१७।१८	
९	बु	१६	०	स्वा	५८	१८	सु	६	५९	ग	१६	०	५०	५०	१०	८	१८	२२	तुलायां	भ. ४९।१६
१०	गु	२२	३०	वि	६०	०	धृ	८	५८	वि	२२	३२	५२	५०	१०	९	१९	२३	वृ.४९।११	भ. २२।३३ या. वकी मूले बुधः ४८।०
११	शु	२९	९	वि	६	९	शू	११	३३	बा	२९	९	५४	४९	११	१०	२०	२४	वृश्चिके	षट्तिला ११ ब्र. पूर्वोदयं बुधः २५।१३
१२	श	३५	३१	अ	१३	२५	गं	१३	३४	कौ	२	२०	५६	४९	११	११	२१	२५	वृश्चिके	उषायां रविः १५/१५ कुम्भे शुक्रः ३३।५४
१३	र	४१	१७	ज्ये	२०	२५	वृ	१५	१७	ग	८	२४	५८	४८	१२	१२	२२	२६	ध.२०।२५	भ. ४१।१७ उ.
१४	चं	४५	३९	मू	२६	२३	ध्रु	१६	२४	वि	१३	२८	२६/१	४८	१२	१३	२३	२७	धनुषि	भ. १३।२८ या.
३०	मं	४९	१३	पू	३१	१४	व्या	१६	३५	च	१७	२६	३	४७	१३	१४	२४	२८	म.४७।१५	मकरेऽर्कः ३०।४२ (दृश्यः २३।५३)

३९पं. मा.कृ.५श.इ.५४।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	११	९	९	२	८
२०	०	१९	१७	२१	२७	१७	२०
१०	२४	१९	४९	४६	२३	४७	१९
५	२०	५९	२६	५९	५६	२०	३४
६१	४५	१४/२८	५	७२	६	३	६१
२६	४२	च	२०	५४	२३	११	६

गोचरग्रहाः

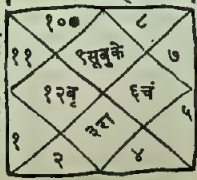

माघ कृ.३० भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३पुत्रवत्सलावस्था (सूती) मु.४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

४०पं.मा.कृ.१२श.इ.४५।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	११	१०	९	२	८
२७	५	१२	१८	०	२८	१७	२७
१९	४२	०	३५	२३	८	२५	२७
५७	१८	२२	२	२८	४६	५	४०
६१	४५	३७/५७	६	७२	६	३	६१
२४	५२	ब	३०	३६	३८	११	६

*मंशुश

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५							दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	बु	५।१	१३	उ	३५	१८	ह	१५	५३	किं	२०	१३	१५	मकरे
२	गु	५२	२२	श्र	३७	५४	व	१४	२१	बा	२१	४८	८	मकरे
३	शु	५२	११	ध	३९	२८	सि	११	५०	तै	२२	१६	१०	कुं.८।४१
४	श	५।१	१९	श	४०	८	व्य	८	२७	व	२१	४५	१२	कुम्भे
५	र	४९	२५	पू	३९	५९	व	२५	५५	ब	२०	२२	१५	मी२५।२
६	चं	४६	३७	उ	३८	५१	शि	५४	२४	कौ	१८	१	१७	मीने
७	मं	४३	८	रे	३६	५७	सि	४८	१९	ग	१४	५२	२०	मे.३६।५७
८	बु	३९	३	अ	३४	३१	सा	४१	३६	वि	११	५	२३	मेषे
९	गु	३३	५५	भ	३०	३०	शु	३४	२५	बा	६	२९	२५	वृ.४४।२७
१०	शु	२८	६	कृ	२६	२०	शु	२६	२६	तै	१	०	२७	वृषे
११	श	२१	४०	रो	२१	३९	ब्र	१७	५४	वि	२१	४०	३०	मि४९।८
१२	र	१४	४९	मृ	१६	३७	ऐं	९	४४	बा	१४	४९	३३	मिथुने
१३	चं	७	४१	आ	११	१९	वै	२३	३०	तै	७	४१	३६	क.५२।४२
१४	मं	०	३६	पु	६	२९	धृ	४	३६	व	०	३६	३९	कर्के
१५	मं	५३	५५		०	०		०	०		०	०	०	०

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५७२ स. १९६४

चन्द्रद. मार्गी बुधः २२।५९
रमजान ९ श्रव. भौमः ३९ शते भृगुः ०।६
भ. २१।४५ उ. ५१।१९ या.
बसन्त ५
●प्र. रविः २।० रा. माघ मा. ११ दि. ३०
भ. ४३।८ उ. मन्वादिः रथ ७ अभि.●
भ. ११।५ या. भीष्माष्टमी
पूषायां बुधः २।५२ रेवत्यां २ गुरुः ३।१८
भ. ५४।५४ उ. श्रवणे रविः १७।५८
भ. ३९ या. जया ११ ब्र. अभि. नि. रविः १९
आर्द्रा. ३ राहुः पूषा. १ केतुः ५।० प्रदोषः
पूभायां शुक्रः ५९।१९ कल्पादिः
भ. ३६ उ. ३३ या. धनि. ३ कुम्भेचशनिः १७

४१पं. मा.शु. ४श.इ.५४।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	११	१०	९	२	९
४	११	११	१९	८	२८	१७	४
२९	११	५२	२८	५७	५५	२	३५
२६	४६	३७	४४	२२	३७	४५	२९
६१	४६	३३	७	७२	६	३	६१
१९	२	मा	३२	१८	५६	११	३

गोचरग्रहाः

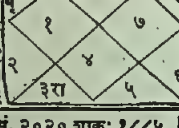

इस मास प्रजा में सुख शांति और उत्साह रहे घृत तेल आदि तेज, धान्यादि में मंदी शीत अधिक ।

गोचरग्रहाः

४२पं. मा.शु. ११श.इ.५४।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	११	१०	९	२	९
११	१६	१७	२०	१७	२९	१६	११
३८	४१	१	३०	२९	४३	४०	४२
१६	४२	८	११	५३	३७	३४	५४
६१	४६	५२	८	७१	७	३	६०
१३	१७	४०	३६	५४	८	११	५९

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५							दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	बु	४९	२८	पु	१७	५६	आ	३६	२२	बा	२२	०	१३	सि५९।१४
२	गु	४५	५६	म	५७	५४	सौ	३०	२३	तै	१७	४२	५५	सिंहे
३	शु	४४	१३	पू	५८	३१	शो	२५	४६	व	१५	४	४८	सिंहे
४	श	४४	१४	उ	६०	०	अ	२२	४१	व	१४	५३	३८	कं.१४।८
५	र	४६	४६	उ	०	५९	सु	२१	२२	कौ	१५	३०	५५	कन्यायां
६	चं	५०	४४	ह	५	२०	धृ	२०	५७	ग	१८	४५	५९	तु.३८।१४
७	मं	५६	१०	चि	११	९	शू	२१	५७	वि	२३	२७	२३	तुलायां
८	बु	६०	०	स्वा	१८	३३	गं	२३	४७	बा	२९	१७	६	तुलायां
८	गु	२	२५	वि	२५	५८	वृ	२६	२	कौ	२	२५	९	धनिष्ठायां रविः २३ मकरे बुधः ४।०
९	शु	९	३	अ	३३	२४	ध्रु	२८	१३	ग	९	३	१३	वृश्चिके
१०	श	१५	१५	ज्ये	४०	४५	व्या	३०	१६	वि	१५	१५	१६	भ. ४२।९ उ.
११	र	२०	५५	मू	४६	५४	ह	३१	२८	बा	२०	५५	२०	भ. १५।१५ या. उभायां शुक्रः १।४
१२	चं	२५	८	पू	५१	३३	व	३१	४३	तै	२५	८	२३	विजया ११ ब्र.
१३	मं	२८	२३	उ	५५	१	सि	३०	५७	व	२८	२३	२७	धनुषि
१४	बु	२९	२६	श्र	५६	५५	व्य	२१	५३	श	२९	३६	३०	धनुषि
२०	गु	२९	३९	ध	५७	३५	व	२५	४६	ना	२९	३९	३४	प्रदोषः
														भ. ३६ उ. ५९।० या. कुम्भे भौमः ४५+
														कुम्भेऽर्कः ५७।४७ (इ. ५८।२१)
														श्रवणे बुधः १८।५

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

अस्त शनेः १५।४०
भ. १५।४ उ. ४४।१३ या.
फरवरी मा. २ ता. २८ च. ब्र.
+रेवत्यां ३ गुरुः ५ महाशिवरात्री ब्र.
भ. ५ उ. धनिष्ठायां भौमः २ उषायां●
भ. २३।२७ या. ●बुधः २८।१५
मीने शुक्रः १६।७
धनिष्ठायां रविः २ मकरे बुधः ४।०
भ. ४२।९ उ.
भ. १५।१५ या. उभायां शुक्रः १।४
विजया ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. ३६ उ. ५९।० या. कुम्भे भौमः ४+
कुम्भेऽर्कः ५७।४७ (इ. ५८।२१)
श्रवणे बुधः १८।५

४३पं. फा.कृ. ४श.इ.५४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	११	१०	१०	२	९
२२	२४	२१	२५	०	२६	१८	२
४६	१२	४८	३७	५८	३२	१८	४८
१३	२९	४७	४८	१९	४२	१८	५४
६१	४६	७०	९	७१	७	३	६०
९	१७	५२	२६	३५	१४	११	५५

गोचरग्रहाः

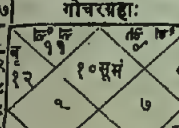

फा. कृ. १४ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ नं.३ पुत्र वत्सलावस्था (बैठी) मु.३० (धान्याभाव सम) शुक्रोदयं पश्चि. ।

गोचरग्रहाः

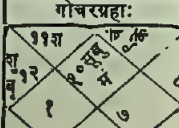

४४पं. फा.कृ. १०श.इ.५४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	११	११	१०	२	९
२५	२७	३	२२	४	१	१५	२५
५३	४४	५५	५०	२३	२३	५६	५५
४	१७	४१	५६	२८	३१	२	१६
६०	४६	८३	१०	७१	७	३	६०
५५	२७	७	११	८	२०	११	४७

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६०२ स.१९६४
१	शु	२८	१३	श	५७	११	प	२१	४०	ब	२८	१३	२७/३८	६/२८	५/३२	१४	२५	२९	कुम्भे	
२	श	२५	५५	पू	५५	५३	शि	१६	४४	कौ	२५	५५	४२	२८	३२	१५	२६	३०	मी४१।१३	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	र	२२	३८	उ	५३	३०	सि	१०	५७	ग	२२	३८	४६	२७	३३	१६	२७	१	मीने	भ. ५०।३८ उ. सव्वाल १०
४	चं	१८	३८	रे	५१	१३	सा	४/३४	५३/३८	वि	१८	३८	५०	२६	३४	१७	२८	२	मे.५१।१३	भ. १८।३८ या.
५	मं	१४	१५	अ	४८	१६	शु	५१	३०	बा	१४	१५	५४	२५	३५	१८	२९	३	मेषे	
६	बु	९	४६	भ	४५	८	ब्र	४४	३६	तै	९	४६	५८	२४	३६	१९	३०	४	बृ.५९।१९	शते रविः ३३।८ रेवत्यां शुक्रः १४।१७
७	गु	४	५२	कृ	४१	५१	ऐं	३७	१३	व	४	५२	२८/२	२४	३६	२०	१	५	वृषे	भ.५४/२उ.३३/२या. शतेभौमः १२/११होलाष्टक*
८	गु	५४	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	शु	५४	४१	रो	३८	२०	वै	३०	२१	बा	२७	१६	६	२३	३७	२१	२	६	वृषे	धनि.यां बुधः ५५/६ *रा.फा.मा.१२दि.३०
१०	श	४९	३३	मृ	३४	५२	वि	२२	५४	तै	२२	७	१०	२२	३८	२२	३	७	मि६।३६	
११	र	४४	७	आ	३१	१८	प्री	१५	४४	व	१६	५०	१४	२१	३९	२३	४	८	मिथुने	भ.१६/५०उ.४४/७या. आमलकी११व्र.स्मा बै.
१२	चं	३८	५२	पु	२७	५९	आ	८	२९	ब	११	३०	१८	२१	३९	२४	५	९	क.१३।४९	धनिष्ठायां४शनिः५७/५०आमलकी११व्र.नि.
१३	मं	३४	२०	पु	२५	९	सौ	१/२६	५४/२	कौ	६	३६	२२	२०	४०	२५	६	१०	कर्के	कुम्भे बुधः ५५।६ प्रदोषः
१४	बु	३०	४०	श्ले	२२	५६	अ	४९	४७	ग	२	३०	२६	१९	४१	२६	७	११	सिं२२।५६	भ.३०/४०उ.५९/५या. होलिकादहनं भद्रापुच्छे×
१५	गु	२७	३०	म	२१	४३	सु	४५	१६	ब	२७	३०	३०	१८	४२	२७	८	१२	सिंहे	मन्वादिः छारेंडी ×पूर्वास्तं बुधः ३६/१५

४५पं. फा.शु.२श.इ.५४।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	११	११	१०	२	१०
२	३	१४	२४	१२	२	१५	३
५९	१५	२	९	४४	१४	३३	०
८	१८	३५	१९	१७	४२	४७	३
६०	४६	९२	१०	७०	७	३	६०
४२	२७	४०	५६	३५	२०	११	३७

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. १४ शुक्रे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न.३पुत्रीवत्सलावस्था (सूती) मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पश्चिमे

गोचरग्रहाः

४६पं.फा.शु.१०श.इ.५५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	११	११	१०	२	१०
१०	८	२४	२५	२१	३	१५	१०
३	४६	५९	३३	०	५	११	३
४०	८	४२	१८	४	१८	३१	३२
६०	४६	९०	११	६९	७	३	६
३१	२७	४०	२९	५५	२०	११	२

ति.	प्र. चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	बसंतर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२६	१०	पू	२२	८	धृ	४१	५०	कौ	२६	१०	३८/३४	६/१७	५/४३	२८	९	१३	कं.३७।३४	रेवत्यां ४ गुरुः १५।२४ वसत १
२	श	२६	११	उ	२३	५३	शू	४०	८	ग	२६	११	३८	१६	४४	२९	१०	१४	कन्यायां	भ. ५७।८ उ. शते बुधः ५४।१७
३	र	२८	६	ह	२७	२१	गं	३८	५४	वि	२८	६	४२	१६	४४	१	११	१५	तु.५९।४५	भ.२६/६या. मार्च मा.३ता.३१ मेषेशुक्रः३९/४५×
४	चं	३१	२२	चि	३२	९	वृ	३९	२१	बा	३१	२२	४६	१५	४५	२	१२	१६	तुलायां	उदयं शनेः ५९।२६ ×च. व्र.
५	मं	३६	३३	स्वा	३८	३७	ध्रु	४०	४४	कौ	३	५७	५०	१४	४६	३	१३	१७	तुलायां	पूभायां रविः ५७।५६
६	बु	४२	३४	वि	४५	३५	व्या	४२	४९	ग	९	३३	५४	१३	४७	४	१४	१८	बृ.२८।५१	भ. ४२।३४ उ.
७	गु	४८	४०	अ	५३	१७	ह	४४	५५	वि	१५	३७	५८	१२	४८	५	१५	१९	वृश्चिके	भ. १५।३७ +भरण्यां शुक्रः२।१८
८	शु	५५	६	ज्ये	६०	०	व	४७	१६	बा	२१	५३	२९/२	१२	४८	६	१६	२०	वृश्चिके	शीतला ८
९	श	६०	०	ज्ये	०	३६	सि	४९	१	तै	२७	५६	६	११	४९	७	१७	२१	ध.०।३६	
९	र	०	४७	मू	७	२२	व्य	४९	५३	ग	०	४७	१०	१०	५०	८	१८	२२	धनुषि	भ. ३३।७ उ. पूभायां भौमः १२।१५×
१०	चं	५	२७	पू	१२	१	व	४९	२८	वि	५	२७	१४	९	५१	९	१९	२३	म.२८।१५	भ.५।२७ या. ×पूभायां बुधः ३०/२७
११	मं	८	३७	उ	१६	५६	प	४७	४९	बा	८	३७	१९	८	५२	१०	२०	२४	मकरे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	बु	१०	४	श्र	१९	१६	शि	४४	४४	तै	१०	४	२३	७	५३	११	२१	२५	कु.४९।३६	प्रदोषः
१३	गु	९	३४	ध	१९	५५	सि	४०	११	व	९	३४	२८	६	५४	१२	२२	२६	कुम्भे	भ. ९।३४ उ. ३८।२४ या.
१४	शु	७	१४	श	१८	४९	सा	३४	३५	श	७	१४	३२	६	५४	१३	२३	२७	कुम्भे	मीनेऽर्कः४८/१४ दृश्यः ५०।१ मीने बुधः३५/५३+
२०	श	३	३४	पू	१६	३४	शु	२७	५६	ना	३	३०	३६	५	५५	१४	२४	२८	मी २।८	मन्वादिः अश्विः १ मेषे गुरुः ३०।५०

४७पं. प्र.चै.कृ.२ श.इ.५५/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	११	११	१०	२	१०
१७	१४	६	२७	२९	३	१४	१७
६	१७	४२	०	९	५५	४९	५
३०	३५	१४	३	२९	१६	१६	४६
६०	४६	९०	१२	६८	७	३	६०
२०	२७	२६	७	५८	१४	११	१२

४८पं.प्र.चै.कृ.९ श.इ.५५/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	११	०	१०	२	१०
२४	१९	१९	२८	७	४	१४	२४
७	४७	१२	३०	११	४४	२७	४
५३	१३	५८	४	१७	३१	०	४१
६०	४६	११	१२	६८	७	३	५९
६	२७	३१	२०	११	२	११	५८

४९पं. प्र.चै.कृ.३०श.इ.५६/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	०	०	१०	२	११
१	२५	२	०	१५	५	१४	१
७	१०	३८	४	६	३२	४	५
३५	४९	४६	२६	२२	४६	४४	४२
५९	४६	११	१२	६७	६	३	५९
४९	१७	१३	३२	६	५०	११	४१

*चबुशु

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०६५ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६५ भोग्यकलिः ४२६९३५ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२१ शाकः १८८६ वर्षेऽस्मिन् राजा शनिः । मंत्री चन्द्रः । सस्येशः बुधः । धान्येशोभौमः । मेघेशोरविः । रसेशोशुक्रः । नीरसेशोबुधः । फलेशोरविः । घनेशोबुधः । दुर्गेशोरविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टिसम्वत्सराणां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ११ पिंगलनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमयेगतमासादिः ५।१।०।२९ भोग्यमासादिः ६।२८।५९।३१ । वर्षनाम आश्विनः । मेघनाम आवर्तः । रोहिणी निवासः संधौ । समयनिवासो वणिग्गृहे । समय विश्वा १२ । समय वाहनमश्वः । स्तंभ १ अन्नस्य । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी ३ । अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३८२ । तिथिक्षयः१८। तिथिवृद्धिः १० । उत्पतिविश्वा ९९ । खपतिविश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ९ । धान्यम् ९ । तृणम् ९ । शीतम् ११ । तेज ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं ९७ । सत्यम् ।।; धर्मम् १।। पाप १८ । शनिदृष्टिरुत्तरे। ग्रहणम् २ चन्द्रस्य ।

सं. २०२१ ज्येष्ठ शु. १५ बुधे संग्रास चंद्रग्रहणम् ग्रस्ताऽस्तः

		स्प.	स.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४	५	६	७	८
मध्यम.	पल	४१	४८	३८	२७	३४
रेल्वे	घं.	४	५	६	६	८
टाइम	मि.	१०	१७	७	५६	३

यह ग्रहण जहां रेल्वे ४-४१ पहिले चंद्रास्त होगा वहां नहीं होगा ।

वर्षे लग्नम् ११।२९

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

मात भवानी अम्बिके पूछे भैरव लाल ।
शुभ संवत् ईक्कीस का मुखसे कहदो हाल ।।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला में समझाऊं तोय ।
संवत्सर इक्कीस का मध्य जमाना होय ।।
राजा शनि महाराज है इनका क्रूर स्वभाव ।
यह सुख से नहीं रहन दे बिच २ खेलें दाव ।।
समय निवासो वणिक घर रोहिणी संधिबास ।
मेघपति सूरज भये करें आश का नाश ।।
मंत्री शशि सस्येश बुध यही सहारा जान ।
जग में सुख संपति करें प्रजा राखे मान ।।
स्तम्भ एक अन्न का बना संवत् विश्वा अर्क ।
संवत्सर उत्तम हुये कहीं कहीं रहसी फर्क ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
बंसीधर का कथन है भजन जगत में सार ।।

सं. २०२१ मार्गशीर्ष १४ शुक्रे ग्रस्तास्तं चन्द्रग्रहणम्

		स्प.	स.	म.	उ.	मो
उज्य.	घ.	६	७	८	८	९
मध्यम.	पल	२९	३८	८	३९	४७
रेल्वे	घं.	६	७	७	८	९
टाइम	मि.	४	१३	४३	१४	२२

यह ग्रहण जहां रेल्वे ६-२९ पहिले चंद्रास्त होगा वहां नहीं दीखेगा ।

वर्षेश लग्नम् २।२२

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२०।३३

(सं० २००१प्रारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

अथ वर्ष फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फलम्–शनैश्चरे भूमिपतौ सकुज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनाः । युद्धं नृणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री चन्द्रस्तत्फलम्–शशिनि मन्त्रिगते बहु सस्य वत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । वियति वारिधरा बहु वर्षिणो जनपदाः सुखराशि सुशोभिनाः ।। सस्येशो बुधस्तत्फलम्–जलधरा जलराशिमुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः श्रुति पाठकरः सदा प्रथमसस्यपतौ सति बोधने ।। धान्येशो भौमस्तत्फलम्–भूमिजे ग्रीष्मधान्येशो ग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालीक्षुघृततैलादि महर्घाणि भवन्ति च ।। मेघेशो रविस्तत्फलम्–जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनतारसम् । यवचणेक्षुनिवार सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुविवर्तते ।। रसेशः शुक्रस्तत्फलम्–यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषितमानसाः । सुखसुभिक्षं सुमोदवतीधरा धरणिपाहत पापगण प्रियाः ।। नीरसेशो बुधस्तत्फलम्–चित्रवस्त्रादिकं चैव शंख चन्दन पूर्वकम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ।। फलेशो रविस्तत्फलम्–द्रुमवती फल पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधस्तत्फलम्–द्रविणपो हिमरश्मि सुतो यदा विविध संग्रह वस्तु फलार्यदा । द्विजवरा जपयज्ञ सुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः ।। दुर्गेशो रविस्तत्फलम्–नयविशेष करस्तरणिस्तदा गतभया नरराजपुरोगमाः । समधिकोन तदा नृपजोऽन्यजः स्वयथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ।। वर्षनामाश्विनस्तत्फलम्–अब्दे त्वाश्वयुजेत्यर्थं सुखिनः सर्वजंतवः । मध्यमं पूर्वसस्यं स्यात् परिपूर्णा विपच्यते ।। पिंगलनाम सम्वत्सरत्फलम्–पिंगलाऽब्दे त्वीति भीतिर्मध्यसस्याधं वृष्टयः । राजानो विक्रमा क्रांना भुंजते शत्रु मेदिनीम् ।। मेघनाम आवर्तस्तत्फलम्–आवर्ते छिन्नवृष्टिश्च ।। रोहिणीनिवासः संधो फलम्–छिन्नवृष्टिश्चसन्धिषु ।। समय निवासो वणिग्गृहे फलम्–वणिग्गृहे शुभं नास्ति ।। चत्रोधिमासस्तत्फलम्–चैत्रेद्वये शुभं धान्ये वैश्यानामुदयो महान् ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०२१ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

बैसाख मासः

शु. २ बुधे मृगे ल. १० रे. ८ ।।।।।ऽअऽ।। शुक्रः ६ दोषः
,, ७ चन्द्रे मघा. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।ऽनृ।ऽ।।
,, १० बुधे उफा. ल. गो. १० रे. ७ ।ऽ।।।ऽचौ।ऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृ. ४ शनौ उषा. ल. १२ रे. ७ ।।।।।ऽचो।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः श.१२ पूज्यः
,, ९ गुरौ उभा ल.अन्यगो.१०रे.८।।।।ऽआऽ।।मकरे शु६दोषः

आषाढ मासः

कृ ६ बुधे उभा. ल. १ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।
,, ७ गुरौ उभा. ल. अन्यगो. १० रे. ७ ।।।।।ऽरो.।ऽ।ऽ
,, ७ गुरौ रेव. ल. १ रे. ६ ।।।।।ऽरोऽऽ।ऽ
,, ८ शुक्रे रेव. ल. अन्यगो. १० रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृ. १ शुक्रे रोहि. ल. ४ रे. ७ ।।।।ऽऽ।ऽ।।
९ शुक्रे उफा.ल.४-७ रे.९।।।।।।।।ऽ।। तु.गुरुःपूज्य.दग्धादोषः
,, १०शनौ हस्ते ल. ७ रे. ६ ऽ।।।।ऽऽऽ।। गुरु पूज्यः
कृ.११रवौ हस्ते ल. अन्यगो. रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।
,, १२चन्द्रे स्वा. ल.४ रे.७।।ऽशु।।ऽचौऽ।।। शुक्रयुतिदोषःआव.

माघ मासः

कृ. २ भौमे मघा. ल. गो. रे. १० ।।।।।।।।।
,, ६ शुक्रे हस्ते ल. गो. ७ रे.७ ऽ।।।।ऽरो।(घ.३१या.)ऽ।।। तु. गु. ७ पू.
,, ९ भौमे अनु.ल.अन्यगो. रे.७।।।।ऽबृ।ऽऽ।।पादतोवेधाऽभावः
,, ११ गुरौ मूले ल. ७ रे. ६ ।।।।ऽ।ऽऽ।ऽ गु. पू. आवश्यके
शु. ४ शुक्रे उभा. ल. ९ रे. ९ ।।।।ऽ।।।। घ. ५२-२ उप.
,, १४ चन्द्रे मघा. ल. ९ रे. ६ ।।।ऽशु।ऽऽ।। पादतोवेधाभावः

फाल्गुन मासः

कृ. ३ गुरौ हस्ते ल.७(घ.३८।२६उप.) रे.६ ऽ।।।।ऽचो।ऽ।ऽ

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं- सुधीभिः

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	५	२	२	११	२	५	१४	५	१४	१४	५

ति.	प्र. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६३२ स. १९६४
१	श ५५ २ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	शु	२०	२९	बा	२५	४३	३९ ६	५६ १५ २५ २९	० मीने	चन्द्रद. उभायां बुधः १६।४३
२	र ५२ ५० उ १३ ७	शु	२०	२९	बा	२५	४३	३९ ६	५६ १५ २५ २९		जिल्काद ११
३	चं ६ ५१ रे ८ ४४	ब्र	१२	२३	त्रै	१९	५१	४४	३	५७ १६ २६ १	मे.८।४४
४	मं ४० ३५ अ ४ २३	ऐं	३	३	व	१३	४३	४९	२	५८ १७ २७ २	मेषे भ. १३ उ. ५३ या. उभायां रवि.८।५२
५	बु ३४ २९ भ ३ २८	वि	४९	२	ब	७	३२	५३	१	५९ १८ २८ ३	बृ.१४।७
६	गु २८ ३३ रो ५२ ४	प्री	४१	३१	कौ	१	३१	५८	६	६ १९ २९ ४	वृषे
७	शु २३ १० मृ ४८ ५३	आ	३४	२२	व	२३	१०	३ २	० ०	२० ३० ५	मि२०।२८ भ. ३३ उ. ५३ या. मीने भौमः ५५।५
८	श १८ १७ आ ४५ ५७	सो	२७	५३	व	१८	१७	६	५९ १	२४ १ ६	मिथुने रेवत्यां बुधः ५५।२४ चैत्रमा.१ दि.३१
९	र १३ ५८ पु ४३ ५३	शो	२१	३०	कौ	१३	५८	१०	५८ २	२३ २ ७	क.२९।४४
१०	चं १० १० पु ४२ १६	अ	१५	५२	ग	१०	१०	१४	५७ ३	२३ ३ ८	कर्के भ.३६ उ. ●शते१ शनि:५६ प्रदोषः
११	मं ७ ० श्ले ४१ २६	सु	१०	४०	वि	७	०	१८	५६ ४	२४ ४ ९	सि४१।२६ भ. ७।० या. कमला ११ व्र.
१२	बु ४ २९ म ४१ १७	धृ	६	१२	बा	४	२९	२२	५६ ४	२५ ५ १०	सिंहे उभायां भौमः १५ कृत्तिकायां शुक्रः ३०●
१३	गु २ ५८ पू ४२ २१	शू	३	५३	त्रै	२	५८	२६	५५ ५	२६ ६ ११	क.५७।५४ पश्चिमोदयं बुधः १०।३०
१४	शु १ ४३ उ ४४ ३३	वृ	५८	७	व	२	४३	३०	५४ ६	२७ ७ १२	कन्यायां भ. २।४३ उ. ३३।१ या.
१५	श ३ २० ह ४८ ४	ध्रु	५७	११	ब	३	२०	३४	५३ ७	२८ ८ १३	कन्यायां मेषेऽश्विन्यांच बुधः५०।१ बृषे शुक्रः३८।०

५०पं.प्र.चै.शु. ८ श.इ. ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	०	०	१०	२	११
८	०	१६	१	२२	६	१३	८
५	४२	४२	४०	४९	१९	४२	३
३०	२	१८	१९	५९	२३	२९	१९
५९	४६	५८	१३	६५	६	३	५५
३५	१३	४५	१३	४२	३४	११	२९

गोचरग्रहाः

सुभिक्षं शुभ वृष्टिश्च धन धान्य समाकुलं घृत तेलं च कार्पासं सुभिक्षं चैत्रकद्वये।

गोचरग्रहाः

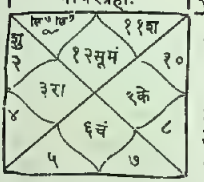

५१पं.प्र.चै.शु.१५ श.इ.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	०	१	१०	२	११
१५	६	०	३	०	७	१३	१४
१	१५	११	१७	१९	३	२०	५९
३५	३२	५३	४९	५९	५९	२३	१४
५९	४६	००	१३	६४	६	३	५९
१८	२	५२	२०	५	२०	११	१६

ति.	द्वि. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे अधिकचैत्रकृष्णेतिमहा.
१	र ५ ४३ चि ५२ ४३	ब्या	५७	३२	कौ	५	४३	३८ ५२	६ २९ ९ १४	तु.२९।२४ अश्वि.२गुरु.३४ आर्द्रा.२राहु.मू.४के.५०
२	चं ९ ७ स्वा ५८ ४३	ह	५८	२९	ग	९	७	४२ ५२	८ ३० १० १५	तुलायां भ. ५१।३४ उ. रेवत्यां रविः ३६।२०
३	मं १४ १ वि ६० ०	व	६०	०	वि	१४	१	४७ ५१	९ २१ ११ १६	बृ.४८।४६ भ. १४।१ या. व. व्र.
४	बु १९ २९ वि ५ २७	व	०	१९	बा	१९	२९	५१ ५०	१० १ १२ १७	वृश्चिके अप्रेल मा. ४ ता. ३०
५	गु २५ ३५ अ १३ ३	सि	२	२८	त्रै	२५	३५	५५ ४९	११ २ १३ १८	वृश्चिके
६	शु २२ ४ ज्ये २० ३१	व्य	४	४८	व	३२	४	५५ ४८	१२ ३ १४ १९	भ. ३२।४ उ.
७	श ३८ ७ मू २७ ५५	व	७	११	वि	५	५	३३ ४७	१३ ४ १५ २०	धनुषि भ. ५।५ या.
८	र ४३ १३ पू ३४ १२	ष	८	४९	बा	१०	४०	८ ४६	१४ ५ १६ २१	म.५०।२८
९	चं ४७ २ उ ३९ १८	शो	९	२३	त्रै	१५	७	११ ४६	१४ ६ १७ २२	मकरे भरण्यां बुधः २६।२१
१०	मं ४९ ० श्र ४२ ४३	सि	८	५१	व	१८	१	१९ ४५	१५ ७ १८ २३	मकरे भ. १६ उ. ४९।० या. रोहिण्यां शुक्रः १५
११	बु ४८ ५७ ध ४४ १०	सा	६	४१	व	१८	५९	१८ ४४	१६ ८ १९ २४	कुं.१३।२६ कमला ११व्र. स्मा. वै.
१२	गु ४६ ५५ श ४३ ४४	शु	३	५५	कौ	१७	५६	२२ ४४	१६ ९ २० २५	कुम्भे कमला ११ व्र. नि.
१३	शु ४३ १० पू ४१ १७	ब्र	५१	११	ग	१५	३	२५ ४३	१७ १० २१ २६	मी२६।५४ भ. ४३।१० उ. प्रदोषः
१४	श ३७ २६ उ ३७ ३३	ऐं	४३	१	वि	१०	१८	२९ ४२	१८ ११ २२ २७	मीने भ. १०।१८ या. रेवत्यां भौमः १४।८
१५	र ३० २३ रे ३३ १२	वै	३४	८	च	३	५४	३२ ४२	१८ १२ २३ २८	मे.३२।१२ अश्वि.३ गुरुः १५।५९ अस्तो गुरुः १८।०

५२पं.द्वि.चै कृ.७ श.इ.५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	०	१	१०	२	११
२१	११	११	४	७	७	१२	२१
५५	४१	२२	५७	३६	४५	५७	५३
४६	५३	३४	१४	५०	५७	५८	२९
५९	४५	७६	१३	६२	६	३	५९
४	५२	५६	२२	२	२	११	४

गोचरग्रहाः

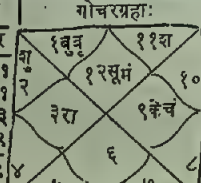

मास फल साधारण है पांच रविवार होने से प्रजा में रोग पीडा आदि उपद्रव होंगे।

गोचरग्रहाः

५३पं.द्वि.चै.कृ.३० चं.इ.१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	०	१	१०	२	११
२९	१७	१७	६	१४	८	१२	२९
४	१४	१७	३९	४८	२८	३४	१
२९	४८	४२	१७	२३	२५	३०	२४
५८	४५	२१	१३	५९	५	३	५८
४५	५७	३९	२८	११	३२	११	४६

ति.	द्वि. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६१स.१९६४
१	चं	२२	३२	अ	२६	३०	वि	२४	५०	ब	२२	३२	३१/३६	५/४१	६/१९	१३	२३	२९	मेषे	दृश्यो मेषेऽर्कः १३/५० (सौरः १०/५४) चंद्रदर्शनम्●
२	मं	१४	२६	भ	२०	७	प्री	१५	२६	कौ	१४	२६	४०	४०	२०	१४	२४	१	वृ.३३।३५	सिंधारा जिल्हेज१२ ●नवरात्रारंभः
३	बु	६	२६	कृ	१४	३	आ	६/५८	५१/४	ग	६	२६	४३	३९	२१	१५	२५	२	वृषे	भ.३२/३२ उ.५८/३८या. गणगौरी मत्स्यजयंती
४	बु	५२	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	गु	५१	४२	रो	८	३६	शो	४८	५२	ब	२५	१०	४७	३९	२१	१६	२६	३	मि३६।१५	वक्री बुधः २२।३३
६	शु	४५	३०	मृ	३	५४	अ	४१	१६	कौ	१८	३६	५१	३८	२२	१७	२७	४	मिथुने	
७	श	४०	३७	आ	०/७	५६/१८	सु	३४	४३	ग	१३	४	५५	३७	२३	१८	२८	५	क.४२।१४	भ.४०।३७उ. पश्चिमास्तो बुधः४५।४४
८	र	३६	४७	पु	५५	५७	धृ	२९	७	वि	९	१२	५८	३६	२४	१९	२९	६	कर्के	भ. ९।१२ या.
९	चं	३४	९	श्ले	५५	४०	शू	२४	२०	बा	५	२८	३२/२	३६	२४	२०	३०	७	सिं५५।४०	रामनवमी
१०	मं	३२	३१	म	५६	२८	गं	२०	२५	तै	३	२०	६	३५	२५	२१	१	८	सिंहे	मृगे शुक्रः२१।४५ राष्ट्रीय वैशाखारम्भः
११	बु	३२	१०	पू	५८	१७	वृ	१७	४१	व	२	२१	१०	३४	२६	२२	२	९	सिंहे	भ.२।२१ उ.३२।१० या. कामदा११व्र.
१२	गु	३३	१	उ	६०	०	ध्रु	१५	३७	ब	२	३५	१४	३३	२७	२३	३	१०	कं.१४।२	
१३	शु	३४	४७	उ	१	१७	व्या	१४	३६	कौ	३	५४	१७	३३	२७	२४	४	११	कन्यायां	प्रदोष व्र.
१४	श	३७	५४	ह	५	३१	ह	१४	२५	ग	६	२१	२१	३२	२८	२५	५	१२	तु.३८।१	भ.३७/५४उ. ×५३/१२)अ.४गुरुः१४/५हनुमज्जय.
१५	र	४१	४३	चि	१०	३२	व	१४	५०	वि	९	४९	२५	३१	२९	२६	६	१३	तुलायां	भ.९/४९या. दृश्यो भरण्या रविः५३/७(सोर×

१पं. द्वि.चै.शु. १चं.इ. १३/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	०	१	१०	२	०
०	१८	१७	६	१५	८	१२	०
०	०	३९	५२	४७	३३	३१	१
०	५४	२१	५५	३४	५७	५८	५५
५८	४५	२१	१३	५९	५	३	५८
४५	५८	३९	३८	१७	३४	११	४४

गोचरग्रहाः

द्वि.चैत्र शु.१चंद्रे मेषेऽर्कः प्र. बा.४ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रास्तः पश्चि.

गोचरग्रहाः

२पं.द्वि.चै.शु.९ चं.इ.१३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	०	१	१०	२	०
६	२३	१७	८	२२	९	१२	६
५०	२६	४७	३४	१६	९	९	५२
४२	४९	९	३३	५१	५४	१२	६
५८	४५	२६/१७	१३	५५	५	३	५८
३१	४७	ब	३८	१४	२	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरे द्वि.चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४६	५१	स्वा	१६	४०	सि	१६	५	बा	१४	१६	३२/२९	५/३०	६/३०	२७	७	१४	तुलायां	
२	मं	५२	२९	वि	२३	१७	व्य	१७	५०	तै	१९	४०	३२	३०	३०	२८	८	१५	बृ.६।३८	वक्रीअश्विन्यांबुधः१५/२७ अश्वि.मेषेभौमः४९/५
३	बु	५८	३४	अ	२९	४१	व	१९	५९	व	२५	३१	३६	२९	३१	२९	९	१६	वृश्चिके	भ.२५।३१ उ.५८/३४या. मिथुनेशुक्रः१८।३८
४	गु	६०	०	ज्ये	३८	१४	प	२२	३२	ब	३१	४२	४०	२८	३२	३०	१०	१७	ध.३८।१४	चतुर्थी व्रतम्
४	शु	४	५०	मू	४५	४९	शि	२४	५५	बा	४	५०	४३	२७	३३	१	११	१८	धनुषि	शते.२ शनिः२४।३ मई मा.५ ता.३१
५	श	११	१	पू	५२	५२	सि	२७	८	तै	११	१	४७	२७	३३	२	१२	१९	धनुषि	
६	र	१६	२४	उ	५९	२	सा	२८	३१	व	१६	२४	५१	२६	३४	३	१३	२०	म.९।२४	भ. १६।२४ उ. ४८।३५ या.
७	चं	२०	४६	श्र	६०	०	शु	२९	२	व	२०	४६	५४	२५	३५	४	१४	२१	मकरे	
८	मं	२३	३३	श्र	३	४५	शु	२८	१५	कौ	२३	३३	५७	२५	३५	५	१५	२२	कु.३५।१५	पूर्वोदयी बुधः ५४।३१
९	बु	२४	४३	ध	६	४६	ब्र	२५	५९	ग	२४	४३	३३/१	२४	३६	६	१६	२३	कुंभे	भ. ५४।१६ उ.
१०	गु	२३	४९	श	७	५५	ऐं	२२	७	वि	२३	४९	४	२३	३७	७	१७	२४	मी५२।६	भ. २३।४९ या. उदयी भौमः ५।१८
११	शु	२०	५२	पू	६	५०	वै	१६	४०	बा	२०	५२	७	२३	३७	८	१८	२५	मीने	वरूथिनी ११ व्र. नि.
१२	श	१५	४५	उ	३/५६	५५/११	वि	९	३८	तै	१५	४५	१०	२२	३८	९	१९	२६	मे.५५।११	आर्द्रा शुक्रः५३/६ प्रदोषव्र. उ.गुरो३२/२४ उ.गु.
१३	र	८	५०	अ	५२	५९	प्री	१६/१	५५/११	व	८	५०	१३	२१	३९	१०	२०	२७	मेषे	भ.५८/५०उ.३४/३७या.दृश्यःकृत्तिकायांरविः३९/२×
१४	चं	०	३५	भ	४५	५४	सौ	४१	१९	श	०	३५	१६	२१	३९	११	२१	२८	वृ.५९।२	×सौरः४०।९ भरणी१ गुरुः७।५५
३०	चं	५०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३पं. वै.कृ.१च.इ.१३।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	०	१	१०	२	०
१३	२८	१४	१०	२८	९	११	१३
३९	४७	०	१५	१४	४२	४६	४०
४३	१६	३६	४३	२०	२१	५७	३१
५८	४५	३९/१६	१३	५०	४	३	५८
१७	३७	ब	३८	३८	३८	११	१२

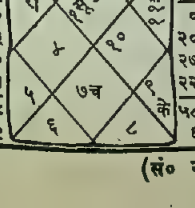

४पं. वै.कृ.७चं.इ.१३।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	०	२	१०	२	०
२०	४	९	११	३	१०	११	२०
२७	२५	५५	५५	३३	११	२४	२७
२२	४९	५१	८	२९	२४	४१	१२
५८	४६	३०/१३	१३	४४	४	३	५७
६	२५	ब	३२	३२	२	११	५७

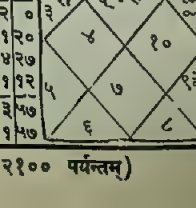

५पं. वै.कृ.१४चं.इ.१३।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	०	२	१०	२	०
२७	९	८	१३	७	१०	११	२७
१३	२१	२१	३४	५९	३६	२	१२
३४	३९	४२	५२	१६	३२	२५	२५
५७	४५	५/४६	१३	३६	३	३	५७
४५	२२	ब	३२	२०	२०	११	४५

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६९० सन् १९६४
१	मं	४१	५६	कृ	३८	२३	शो	३०	४६	किं	१६	४५	३३/५६	५/२०	६/४०	१२	२२	२९	वृषे	मार्गी बुधः ३६।१०
२	बु	३२	२६	रो	३१	१	अ	२०	१४	बा	७	११	२२	२०	४०	१३	२३	३०	मि५७।४२	चंद्रदर्शनम्
३	गु	२३	३०	मृ	२४	२३	सु	१०	१८	ग	२३	३०	२५	१९	४१	१४	२४	१	मिथुने	भ.४९/२७ उ. दृश्यो वृषेऽर्कः ६/१७ सौरः ७।५७+
४	शु	१५	२५	आ	१८	३२	धृ	४१/०	५१/५२	वि	१५	२५	२८	१८	४२	१५	२५	२	मिथुने	भ. १५।२५ या.
५	श	८	४४	पु	१४	४	गं	४५	३९	बा	८	४४	३०	१८	४२	१६	२६	३	क ०।११	भरण्यां भौमः ३५।५
६	र	३	३०	पु	११	१४	वृ	३९	५६	तै	३	३०	३३	१७	४३	१७	२७	४	कर्के	पातस्पर्शः २८।५७ मोक्षः ४६।४०
७	चं	०	४	श्ले	९	५०	ध्रु	३५	३५	व	०	४	३६	१७	४३	१८	२८	५	सिं९।५०	भ. ०।४ उ. २९।३ या.
८	चं	५७	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	मं	५७	४७	म	१०	३	व्या	३२	२७	बा	२७	५४	३९	१६	४४	१९	२९	६	सिंहे	
१०	बु	५९	११	पू	१२	६	ह	३०	४२	तै	२८	२९	४१	१६	४४	२०	३०	७	कं.२७।५७	+अक्षया३ परशु.ज. मो.१सन् १३८४हि.
११	गु	६०	०	उ	१५	३१	व	२९	५८	व	३०	२७	४३	१५	४५	२१	३१	८	कन्यायां	भ. ३०।२७ उ. मोहिनी ११ व्र. स्मा.
११	शु	१	४३	ह	१९	५९	सि	३०	३८	वि	१	४३	४६	१५	४५	२२	१	९	तु.५२।५३	भ ४१/३ या. भरण्यांबुधः ४१/३० मोहिनी ११व्र.*
१२	श	५	२८	चि	२५	४७	व्य	३१	२३	बा	५	२८	४८	१४	४६	२३	२	१०	तुलायां	प्रदोषः *वै. राष्ट्रीय ज्येष्ठारम्भः
१३	र	९	५९	स्वा	३२	१९	व	३२	५५	तै	९	५९	५०	१४	४६	२४	३	११	तुलायां	दृश्योरोहि.रविः २९/५२ (सौरः ३४/६) भरणी२×
१४	चं	१५	३५	वि	३९	१२	प	३४	५४	व	१५	३५	५२	१४	४६	२५	४	१२	बृ.२२।२९	भ.१५/३५ उ.४६/२५ या. ×गुरुः २८/४ नृसिंह१४
१५	मं	२१	१५	अ	४६	३८	शि	३७	१६	ब	२१	१५	५४	१३	४७	२६	५	१३	वृश्चिके	अन्नजल कुम्भदानं

६पं. वै.शु. ७चं.इ.१३।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	०	२	१०	२	१
३	१४	९	१५	११	१०	१०	३
५८	३४	३५	१३	२०	५७	४०	५६
२६	३०	२७	१५	४९	२५	१०	३
५७	४५	२०/३९	१३	२५	२	३	५७
४४	१२	मा	२०	३८	४४	११	३४

गोचरग्रहाः

वैशाखशु.३ गुरौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

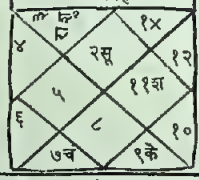

७पं. वै.शु. १४चं इ.१४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	०	२	१०	२	१
१०	१९	१५	१६	१३	११	१०	१०
४२	४५	३४	५०	१४	१३	१७	३८
२५	४	८	९	४२	४८	५४	१४
५७	४४	५२	१३	११	२	३	५७
३५	५७	४५	१४	५६	२	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२७	१७	ज्ये	५४	१	सि	३९	३८	कौ	२७	१७	३३/५६	५/१३	६/४७	२७	६	१४	ध.५४।१	
२	गु	३३	२९	मू	६०	०	सा	४२	१	तै	०	२४	५८	१२	४८	२८	७	१५	धनुषि	
३	शु	३९	२५	मू	१	१९	शु	४४	७	व	६	२७	३४/०	१२	४८	२९	८	१६	धनुषि	भ. ६।२७ उ. ३९।२५ या.
४	श	४४	४४	पू	८	२६	शु	४५	५४	ब	१२	५	२	१२	४८	३०	९	१७	म.२५।२	वक्री शुक्रः २१/१४ आर्द्रा.१ राहु.मूल.३ केतु *
५	र	४९	१४	उ	१४	५०	ब्र	४६	५९	कौ	१६	५९	४	११	४९	३१	१०	१८	मकरे	पातस्पर्शः २।५४ मोक्षः ३६।२२
६	चं	५२	३३	श्र	२०	२६	ऐं	४७	६	ग	२०	५४	६	११	४९	१	११	१९	कुं.५२।३२	भ. ५२।३३ उ. जून मा. ६ ता. ३०
७	मं	५४	३५	ध	२४	३३	वै	४६	१३	वि	२३	३४	७	११	४९	२	१२	२०	कुम्भे	भ. २३।३४ या. *५२/११ च. व्र.
८	बु	५४	५२	श	२७	९	वि	४३	५२	बा	२४	४३	९	१०	५०	३	१३	२१	कुम्भे	कृत्तिका. बुधः ३१/४९ कृत्ति. भौमः ३६।३१
९	गु	५३	१४	पू	२८	२	प्री	३९	५९	तै	२४	३	१०	१०	५०	४	१४	२२	मी१२।४९	
१०	शु	४९	३८	उ	२७	४	आ	३४	३८	व	२१	२६	१२	१०	५०	५	१५	२३	मीने	भ.२१।२६ उ. ४९/३८ या. वृषे बुधः ४६।२
११	श	४४	५	रे	२४	६	सौ	२७	४७	ब	१६	५२	१३	९	५१	६	१६	२४	मे.२४।६	अपरा ११ व्र. स्मा. वै.
१२	र	३७	१६	अ	१९	१८	शो	९	३२	कौ	१०	४०	१४	९	५१	७	१७	२५	मेषे	दृश्यो मृगे रविः ३४/४८ (सौरः ३३/५५) अपरा ११×
१३	चं	२८	४७	भ	१२	१२	अ	१०/१७	४९/२८	ग	३	१	१६	९	५१	८	१८	२६	बृ.२५।३८	भ २८/४७ उ ५३/५६ या. वृषे भौमः १४/५० भरणी३+
१४	मं	१९	६	कृ	५८	५२/१७	धृ	४८	५९	श	१९	६	१७	९	५२	९	१९	२७	वृषे	×व्र. नि. +गुरुः २६/५८ प्रदोषः
३०	बु	९	६	मृ	५०	१८	शू	३८	९	ना	९	६	१८	८	५२	१०	२०	२८	मि२१।१७	वट पूजनम

८पं. ज्ये.कृ.६चं.इ.१४।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	०	२	१०	२	१
१७	२४	२३	१८	१३	११	९	१७
२५	५३	४०	२५	२२	२५	५५	१९
८	४५	१३	१६	४०	३०	३९	२०
५७	४४	७८	१२	५२/४	१	३	५७
२७	४७	१३	५०	ब	२६	११	१३

गोचरग्रहाः

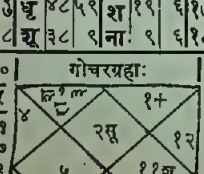

इस मास में रस पदार्थ गुड़ खांड घत तेलादि तेज होंगे सुदी मे रुई चांदीमें घटा बढ़ी अधिक होकर मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

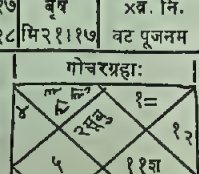

९पं.ज्ये.कृ.१३चं.इ.१४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	०	२	१०	२	१
२४	२९	४	१९	१२	११	९	२३
७	५९	१०	५७	६	३३	३३	५९
१२	३१	३३	२१	३०	१४	२२	१६
५७	४४	०/०	१२	२१/४	०	३	५७
२२	३१	२८	२८	ब	४४	११	५

*मंबुबु +मंबुबृ (सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्) *मंबुबृ =चंमंबृ

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ३७२० स. १९६४
१	बु	४९	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	■	०	०	
२	गु	४८	१९	आ	४३	४३	गं	१७	२८	बा	२३	३८	३४/१९	५/८	६/५२	११	२१	२९	मिथुने	रोहि. बुधः ४०।४९ चंद्रदर्शनम्
३	शु	४०	५६	पु	३७	१९	वृ	१६	४०	तै	१४	३७	२०	८	५२	१२	२२	१	क.२३।५५	सफर २
४	श	३३	५२	पु	३१	४०	ध्रु	८	३९	व	७	२४	२१	८	५२	१३	२३	२	कर्के	भ. ७।२४ उ. ३३।५२ या.
५	र	२८	४३	श्ले	२८	२४	व्या	१/१०	५४/२३	ब	१	१७	२१	८	५२	१४	२४	३	सिं२८।२४	दृश्यो मिथुनेऽर्कः २३/२६ (सौरः ३३/४२) वक्री●
६	चं	२६	१९	म	२७	१	व	५१	२	तै	२६	१९	२२	८	५२	१५	२५	४	सिंहे	पश्चिमास्तं शुक्रः ४८।० प.अ.शु.
७	मं	२४	५	पू	२८	३२	सि	४८	२०	व	२४	५	२२	८	५२	१६	२६	५	कं.४३।५८	भ.२४।५उ ५४/२६ या.पूर्वास्तोबुधः१३।४८
८	बु	२४	४७	उ	३०	१७	व्य	४७	२	ब	२४	४७	२३	७	५३	१७	२७	६	कन्याया	वक्री मृगे शुक्र. ५०।१ ●शनिः ३९/१०
९	गु	२७	२०	ह	३४	३५	व	४७	१४	कौ	२७	२०	२३	७	५३	१८	२८	७	कन्यायां	मृगे बुधः ३२।४४
१०	शु	३१	१८	चि	४०	१३	प	४८	१	ग	२८	४९	२३	७	५३	१९	२९	८	तु.७।२४	गंगादशमी
११	श	३६	१५	स्वा	४६	४९	शि	४९	५२	व	३	४७	२४	७	५३	२०	३०	९	तुलायां	भ.३।४७ उ.३६।१५ या. निर्जला११व्र.
१२	र	४२	६	वि	५४	६	सि	५२	२२	ब	९	१०	२४	७	५३	२१	३१	१०	वृ.३७।१७	दृश्य आर्द्रायांरविः २२/१८ (सौरः ३५/१५) मिथुने×
१३	चं	४८	६	अ	६०	०	सा	५४	४९	कौ	१५	६	२४	७	५३	२२	१	११	वृश्चिके	रोहि भौम ११/१५ प्रदोषः रा.आषाढारंभः
१४	मं	५४	११	अ	१	३१	शु	५७	५	ग	२१	८	२४	७	५३	२३	२	१२	वृश्चिके	भ. ५४।११ उ. ×बुधः ४२/३८
१५	बु	६०	०	ज्ये	९	१०	शु	५९	२९	वि	२७	११	२४	७	५३	२४	३	१३	ध.९।१०	भ.३७/११या.आर्द्रा बुध ५१/४३भरणी४गुरुः ३४/३४=
१५	गु	०	११	मू	१६	९	ब्र	६०	०	ब	०	११	२३	७	५३	२५	४	१४	धनुषि	=शुक्रोदयः पू ४९/१२ चंद्रग्रहगम् शु.उ.पू.

१०पं.ज्ये शु.६चं.इ.१४।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	०	२	१०	२	२
०	५	१६	२१	८	११	९	०
४८	२	४७	२६	७	३५	११	३८
२५	३४	२७	५६	५८	१३	७	२५
५७	४४	५/१०	१२	३३/५२	०/४	३	५६
१७	११	३/१७	८	ब	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ शु.५ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ कुमारावस्था [बैठी] पु.१५ धान्यभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

११पं.ज्ये.शु.१०चं.इ.१४।७

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	०	२	१०	२	२
७	१०	१	२२	३	११	८	७
२९	२	६	५३	४६	३२	४८	१६
२४	६	३६	२	२२	४६	५२	५२
५७	४३	६/१२	११	३५/१०	०/४०	३	५६
१३	५५	५/१६	३२	ब	ब	११	५४

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५	४९	पू	२३	८	ब्र	१	३२	कौ	५	४१	३४/२२	५/७	६/५३	२६	५	१५	म.३९।३८	
२	श	१०	४२	उ	२९	९	ऐं	३	२	ग	१०	४२	२२	७	५३	२७	६	१६	मकरे	भ. ४२।४१ उ.
३	र	१४	४०	श्र	३४	३४	वै	३	४३	वि	१४	४०	२२	८	५२	२८	७	१७	मकरे	भ.१४/४० या. वक्री वृषे शुक्रः ४७।५६ च.व्र.
४	चं	१७	२५	ध	३८	५०	वि	४	०	बा	१७	२५	२२	८	५२	२९	८	१८	कु.६।४२	
५	मं	१९	३२	श	४२	११	प्री	३	२५	तै	१९	३२	२१	८	५२	३०	९	१९	कुम्भे	पुन. बुधः ४८।४१
६	बु	२०	१८	पू	४४	५	आ	१/४४	५७/२८	व	२०	१८	२०	८	५२	१	१०	२०	मी२८।६	भ.२०/१८ उ.४९/५५ या. जुलाई मा.७ ता.३१
७	गु	१९	३२	उ	४४	३१	शो	५५	२०	ब	१९	३२	१९	८	५२	२	११	२१	मीने	
८	शु	१७	२५	रे	४३	३४	अ	५०	१३	कौ	१७	२५	१८	८	५२	३	१२	२२	मे.४३।३४	
९	श	१३	४३	अ	४०	५६	सु	४३	४७	ग	१३	४३	१७	९	५१	४	१३	२३	मेषे	भ. ४१।५ उ.
१०	र	८	२६	भ	३५	५९	धृ	३६	१०	वि	८	२६	१५	९	५१	५	१४	२४	बृ.४९।५४	भ.२६/१८ या. दृश्यः पुन. रविः २१/१४ सौरः ३९/१६×
११	चं	१	४३	कृ	३१	३८	शू	२७	२५	बा	१	४३	१४	९	५१	६	१५	२५	वृषे	योगिनी ११ व्र. ×कर्क बुधः ३४/९
१२	चं	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	मं	४४	५१	रो	२५	१	गं	१८	१	ग	१९	१९	१३	९	५१	७	१६	२६	मि५१।२७	भ-४४।५१उ. पुष्ये बुधः१२।५२ प्रदोषः
१४	बु	३५	१३	भृ	१७	५२	वृ	७/४९	४९/३२	वि	१०	२	११	१०	५०	८	१७	२७	मिथुने	भ.१०।२या. पश्चिमोदयी बुध.३३।१०
३०	गु	२५	२९	आ	१०	२२	व्या	४६	५८	च	०	२१	१०	१०	५०	९	१८	२८	क.५०।२१	देवपितृ कार्येऽमा.

१२पं.आ कृ.४चं.इ.१४।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	०	१	१०	२	२
१४	१४	१६	२४	२९	११	८	१३
९	५८	३७	१६	४८	२५	२६	५४
५०	५१	१	१२	३२	१२	३६	५७
५७	४३	५/१२	११	२६/२२	१/२८	३	५६
७	४५	४२	२	ब	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

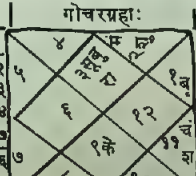

इस मास में पांच शुक्रवार उत्तम है अनाज गेहूँ चना मोंठ बाजरा तेज होगा सुदीमे वर्षा श्रेष्ठ होगी।

गोचरग्रहाः

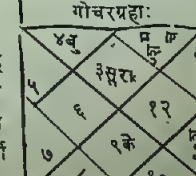

१३पं.आ.कृ.११च.इ.१३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	०	१	१०	२	२
२०	१९	१	२५	२७	११	८	२०
५०	५१	२०	३५	४३	१२	४	३२
१०	२९	३८	२०	१५	४७	२१	५१
५७	४३	५/१२	११	११/२२	२/१०	३	५६
७	२९	३४	२०	ब	ब	११	५०

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६							दि.	उ.		अ.		इ.		रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७४९ स. १९६४
१	शु	१६	२३	पु	४०	५३	ह	३७	१२	ब	१६	२३	४	१०	५	१०	१९	२९	कर्के	मार्गी शुक्रः ४८।११ चन्द्रदर्शनम्
२	श	८	१६	श्ले	५२	११	व	२८	१९	कौ	८	१६	७	११	४९	११	२०	१	सिं	५२।११ मृगे भौमः १७।४४ रथयात्रा रविलावल ३
३	र	१	४३	म	४८	४८	सि	२०	४४	ग	१	४३	५	११	४९	१२	२१	२	सिंहे	भ. ३९ उ. ५३ या. कृत्तिका. १ गुरुः ३४
४	र	५५	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	चं	५४	१२	पू	४७	४७	व्य	१४	२३	ब	२५	३३	४	११	४९	१३	२२	३	सिंहे	
६	मं	५३	४४	उ	४८	५०	व	१०	१८	कौ	२३	५८	२	१२	४८	१४	२३	४	कं. ३।३	आश्लेषा. बुधः २४।३१
७	बु	५५	१६	ह	५१	४४	प	७	४०	ग	२४	३०	०	१२	४८	१५	२४	५	कन्यायां	भ. ५५।१६ उ. दृश्यः कर्केऽर्कः ५०।३८
८	गु	५८	४४	चि	५६	३५	शि	६	५०	वि	२७	०	३	१२	४८	१६	२५	६	तु. २४।९	भ. २७।० या. कर्केऽर्कः (सौरः १२।०)
९	शु	६०	०	स्वा	६०	०	सि	७	१४	बा	३१	५	५६	१३	४७	१७	२६	७	तुलायां	
९	श	३	२६	स्वा	२	४१	सा	८	३०	कौ	३	२६	५४	१३	४७	१८	२७	८	वृ. ५३।७	
१०	र	९	२४	वि	९	५५	शु	१०	५२	ग	९	२४	५२	१४	४६	१९	२८	९	वृश्चिके	भ. ४२ उ. दृश्यः पुष्ये रविः १९ (सौरः ४३)
११	चं	१५	३६	अ	१७	२०	शु	१३	४	वि	१५	३६	५०	१४	४६	२०	२९	१०	वृश्चिके	भ. ५५ या. वृषे भौमः ५३ देवशयनी ११ व्र.
१२	मं	२१	४१	ज्ये	२४	५९	ब्र	१५	४७	बा	२१	४१	४७	१५	४५	२१	३०	११	ध. २४।५९	प्रदोषः
१३	बु	२७	३५	मू	३२	१३	ऐं	१८	३	वै	२७	३५	४५	१५	४५	२२	३१	१२	धनुषि	मघा. सिंहे बुधः ३५।३०
१४	गु	३१	४३	पू	३८	५१	वै	१९	५४	व	३१	४३	४२	१६	४४	२३	१	१३	म. ५५।१६	भ. ३१।४३ उ. राष्ट्रीय श्रावणारम्भः
१५	शु	३६	२६	उ	४४	३२	वि	२१	१०	वि	४	३४	४०	१६	४४	२४	२	१४	मकरे	भ. ४।३४ या. व्यास पूजा वायुपरीक्षा

१४पं.आ.शु.५चं.इ.१३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	०	१	१०	२	२
२७	२४	१४	२६	२६	१०	७	२७
३०	४३	२९	४७	५४	५६	४२	१०
३२	३८	३४	५२	४६	२८	५	५८
५७	४३	१०	९	६	४०	३	५६
११	१९	१३	३८	मा	ब	११	५५

गोचरग्रहाः

आषाढ शु.७ बुधे कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न.५प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व।

गोचरग्रहाः

१५पं.आ.शु.११चं.इ.१३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	०	१	१०	२	३
४	२९	२६	२७	२८	१०	७	३
११	३२	१३	५६	१२	३६	१९	४९
१७	१३	४८	२०	४६	२१	४९	२५
५७	४२	९५	८	२०	६	३	५६
१५	५२	४२	५६	३४	ब	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६							दि.	उ.		अ.		इ.		रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४०	१९	श्र	४९	२१	प्री	२१	३९	ना	८	२२	३	१७	४३	२५	३	१५	मकरे	मिथुने शुक्रः १७।१५
२	र	४२	३७	ध	५२	०	आ	२१	२८	तै	११	२८	३५	१७	४३	२६	४	१६	कु. २१।११	
३	चं	४३	४०	श	५५	४६	सौ	२०	९	व	१३	८	३२	१८	४२	२७	५	१७	कुम्भे	भ. १३।८ उ. ४३।४० या.
४	मं	४३	४७	पू	५७	२६	शो	१८	१४	ब	१३	४४	२९	१८	४२	२८	६	१८	मी ४२।११	चतुर्थी व्र.
५	बु	४२	४९	उ	२८	१०	अ	१५	२९	कौ	१३	१८	२६	१९	४१	२९	७	१९	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	गु	४०	५५	रे	५७	५१	सु	१२	१	ग	११	५१	२४	१९	४०	३०	८	२०	मे. ५७।५१	भ ५९ उ. आर्द्रा. भौमः ५५ वक्री शते १×
७	शु	३७	४८	अ	५६	३४	धृ	७	३८	वि	९	२२	२१	२०	४०	३१	९	२१	मेषे	भ. ९।२२या. =मृगे. ४राहुः मूल. २केतुः ४
८	श	३३	५३	भ	५४	१४	शू	१२	५३	बा	५	५१	१८	२०	३९	१	१०	२२	मेषे	अगस्त मा. ८ ता. ३१ पूफायां बुधः ४
९	र	२८	५८	कृ	४९	५८	वृ	४९	१२	ते	१	२५	१५	२१	३८	२	११	२३	वृ. ८।१०	भ. ५५ उ. दृश्यआश्लेषा. रविः ५ सौरः ५
१०	चं	२२	५३	रो	४६	२६	ध्रु	४१	३५	वि	२२	५३	१२	२२	३८	३	१२	२४	वृषे	भ ५३ या. कृत्तिका. २ वृषे गुरुः ५३।५६
११	मं	१५	४४	मृ	४१	७	व्या	३२	५५	बा	१५	४४	९	२२	३८	४	१३	२५	मि १३।४६	कामिका ११ व्र.
१२	बु	८	१३	आ	३५	१७	ह	२४	२	तै	८	१३	६	२३	३७	५	१४	२६	मिथुने	भ. ५९।५५ उ. आर्द्रा. शुक्रः ५९ प्रदोषः
१३	बु	५१	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	गु	५१	४५	पु	२९	९	व	१४	४०	वि	२५	५०	३	२३	३७	६	१५	२७	क. १५।४१	भ. २५।५० या. ×शनिः ४
३०	शु	४४	३	पु	२३	२८	सि	३२	५१	च	१७	५४	०	२४	३६	७	१६	२८	कर्के	हरियाली अमावस्या

१६पं.श्रा.कृ.३चं.इ.१३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	०	२	१०	२	३
१०	४	६	२८	१	१०	६	१०
१५	२	१७	२५	५९	३	१२	५७
१९	१७	१५	१६	३	२२	३	४२
५७	४२	७८	८	३२	४	३	५७
२०	३६	२५	२	३२	ब	११	५

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार नेष्ट है वर्षा में कमी अ- नाज गल्ला तेज प्रजामें पीडा होवे

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ.१०चं.इ.१३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	०	२	१०	२	३
१७	८	१४	२९	५	९	६	१७
३४	५८	५०	५५	६	४५	३५	८
१	५२	४२	१९	७	४३	१८	३०
५७	४२	५९	६	४१	४	३	५७
२५	९	६	५६	१६	ब	११	१२

*मंशुरा (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ×मंशुरा

| ति. | श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६ | | |

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८०८ स.१९६४
१	चं	४	२	उ	३५	५	सा	१/१०	५५/३१	ब	४	२	३१/५	५/४७	६/१३	७	१६	२९	कन्याया	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	२	२१	ह	३५	४६	शु	५३	२६	कौ	२	२१	१	४८	१२	८	१७	१	कन्यायां	जमादिलावल ५
३	बु	२	२९	चि	३८	१५	ब्र	५१	५४	ग	२	२९	३०/५७	४९	११	९	१८	२	तु. ७।१	भ. ३३/३१ उ.पुष्ये भौमः ४१/२० पुर्वोदयी बुधः ३५/५१ *
४	गु	४	३२	स्वा	४२	२६	ऐं	५१	१५	वि	४	३२	५६	४९	११	१०	१९	३	तुलायां	भ. ४।३२ या. *गणेश४
५	शु	८	२	वि	४८	२५	वै	५२	१९	बा	८	२	४८	५०	१०	११	२०	४	वृ. ३१।५५	मार्गी बुधः ४८।५ ऋषिपंचमी
६	श	१३	७	अ	५४	२	वि	५३	५२	तै	१३	७	४४	५१	९	१२	२१	५	वृश्चिके	दृश्यः उफायां रविः ४४।४८
७	र	१८	५२	ज्ये	६०	०	प्री	५६	८	व	१८	५२	४०	५२	८	१३	२२	६	वृश्चिके	भ. १८/५२ उ. ५२/१ या. उफायां रवि. सौरः १५/२५ ×
८	चं	२५	११	ज्ये	२	२४	आ	५८	३४	ब	२५	११	३६	५३	७	१४	२३	७	ध. २।२४	वक्री धनिष्ठा. ४ शनिः ५३।१९
९	मं	३१	१९	मू	९	५७	सौ	६०	०	कौ	३१	१९	३२	५४	६	१५	२४	८	धनुषि	×वक्री गुरुः ४९/१० +जलझूलनी ११व्र.
१०	बु	३६	४५	पू	१७	८	सौ	०	४०	तै	४	२	२८	५४	६	१६	२५	९	म. ३३।३९	दृश्यः कन्यायामर्कः १०।९ (सौरः ४०/३७)
११	गु	४१	०	उ	२३	१४	शो	२	२०	व	८	५२	२४	५५	५	१७	२६	१०	मकरे	भ. ५६/२ उ. ४१/० या. अश्लेषा. शुक्रः ४३/५६ +
१२	शु	४३	४२	श्र	२७	५६	अ	२	५५	व	१२	२१	२०	५६	४	१८	२७	११	कु. ५९।३५	पूफायां बुधः १३।१८ वामनजयन्ती
१३	श	४४	३९	ध	३१	१४	सु	२	२६	कौ	१४	१०	१६	५७	३	१९	२८	१२	कुम्भे	प्रदोषः
१४	र	४३	५६	श	३२	४४	धृ	३१/०	५७/४७	ग	१४	१७	१२	५८	२	२०	२९	१३	कुम्भे	भ. ४३।५६ उ. अनंत १४
१५	चं	४१	४३	पू	३२	४०	गं	५२	५६	वि	१२	४९	८	५८	२	२१	३०	१४	मी १७।४१	भ. १२।४९ या. महालयारंभः कृ.सं.पू.

२२पं.भा.शु.१चं.इ.१२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	१	३	१०	२	४
२१	१	१२	२	५	७	४	२०
१६	४०	३१	३९	३६	११	४४	४७
५५	४०	४८	९	५४	३१	०	१५
५८	४०	४८/३५	१	६२	४/२२	३	५८
१३	५	ब	८	८	ब	११	१२

२३पं.भा.शु.८चं.इ.१२।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	१	३	१०	२	४
२७	६	११	२	१२	६	४	२८
५	२	३५	४५	५३	४२	२१	३५
२४	९	४५	३	५३	४६	४५	३८
५८	३९	२५/२८	०/४	६४	४/४	३	५८
२६	४२	मा	ब	१०	ब	११	२९

२४पं.भा.शु.१५चं.इ.१२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	१	३	१०	२	५
४	१०	१७	२	२०	६	३	४
५५	२०	२४	४०	२६	१५	५९	२५
१९	१०	११	४४	२४	३	२९	४५
५८	३९	८१/२३	१/२२	६६	३/४६	३	५८
३८	०	५०	ब	२	ब	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३८	२	उ	३१	२२	वृ	४७	२१	बा	९	५२	३०/४	५०/०	६/१	२२	३१	१५	मीने	
२	बु	३३	४५	रे	२९	१२	ध्रु	४१	१२	तै	५	५३	३०/००	६/०	६/०	२३	१	१६	मे. २९।१२	राष्ट्रीय आश्विनारंभः
३	गु	२८	३५	अ	२६	११	व्या	३४	२४	व	१	१०	२९/५५	६/१	५/५९	२४	२	०	मेषे	भ. १।१० उ. २८।३५ या. चतुर्थी ब्र.
४	शु	२३	४	भ	२२	१५	ह	२७	२०	बा	२३	४	५१	२	५८	२५	३	१७	वृ. ३६।२२	
५	श	१७	३४	कृ	१८	४३	व	२०	०	तै	१७	३४	४७	३	५७	२६	४	१८	वृषे	दृश्यो हस्ते रविः २३/१५ (सौरः ५३।६)
६	र	१२	१०	रो	१५	५	सि	१२	४६	व	१२	१०	४३	३	५७	२७	५	१९	मि ४३।१७	भ. १२/१० उ. ३९।२८ या. उफाया बुधः १७/५२
७	चं	६	४७	मृ	११	२९	व्य	५/३२	५३/५३	ब	६	४७	३८	४	५६	२८	६	२०	मिथुने	पूर्वास्तो बुधः ५७/३० ×५८/३८ इंदिरा ११व्र.
८	मं	१	४४	आ	८	११	प	५१	२३	कौ	१	४४	३४	५	५५	२९	७	२१	क ५०।४६	कन्यायां बुधः १४/२५ मघा.सिंहे शुक्रः ५०/१८ मातृ९
९	बु	५४	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२२	०	
१०	बु	५२	६	पु	४	५७	शि	४४	४०	व	२४	५३	३०	६	५४	३०	८	२३	कर्के	भ. २४/५३ उ. ५२।६ या. =प्रदोषः
११	गु	४७	५२	पु	२/९	५७/२७	सि	३८	१५	ब	१९	५९	२६	७	५३	१	९	२४	सिं ५७।२७	अक्टूबर मा. १० ता. ३१ आश्लेषा. भौमः×
१२	शु	४३	५८	म	५७	४९	सा	३२	२०	कौ	१५	५६	२२	८	५२	२	१०	२५	सिंहे	
१३	श	४०	५५	पू	५६	४	शु	२६	५१	ग	१२	२६	१८	८	५२	३	११	२६	सिंहे	भ. ४०/५५ उ. मृग. ३ राहुः मूल. १ केतुः ३७/११ =
१४	र	३८	४६	उ	५६	२४	शु	२१	५५	वि	९	५०	१४	९	५१	४	१२	२७	कं. ११।९	भ. ५०/९ या. हस्तेबुधः ५३/२० शस्त्रादिहता.श्रा.
३०	चं	३८	१	ह	५७	३३	ब्र	१७	५४	च	८	२३	१०	१०	५०	५	१३	२८	कन्यायां	सर्वपितृ ३०

२५पं.आ.कृ.७चं.इ.१२।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	१	३	१०	२	५
११	१४	२८	२	२८	५	३	११
४६	३३	१५	२६	९	५१	३७	१७
५५	२९	४	३४	४६	३	१३	४९
५८	३८	०/०	३/४६	६७	२/१६	३	५९
५३	४१	१४/१४	ब	२६	ब	११	०

गोचरग्रहाः

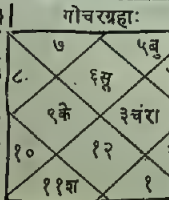

इस मास में गुड़ खांड घृत तेल तिल मूंगफली अलसी तेज, रुई गेहूँ चावल मूंग मोंठ जौ मंदा।

गोचरग्रहाः

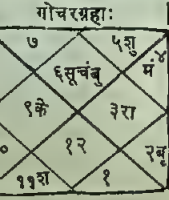

२६पं.आ.कृ.३०चं.इ.१२।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१	४	१०	२	५
१८	१८	१०	२	६	५	३	१८
४०	४२	३४	३	१३	२९	१४	११
८	४३	४	३२	१८	३४	५८	३६
५९	३८	०/०	३/५८	६८	२/४०	३	५९
९	४	३७/४७	ब	३०	ब	११	१६

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८३७ स. १९६४
१	मं	३८	२५	चि	५९	५०	ऐं	१४	४०	किं	८	१३	२९/६	६/११	५/४९	६	१४	२९	तु.२८।४१	मातामह श्राद्ध नवरात्रारम्भः
२	बु	४०	२८	स्वा	६०	०	वै	१३	७	बा	९	२७	२	१२	४८	७	१५	३०	तुलायां	चन्द्रदर्शनम्
३	गु	४३	५६	स्वा	३	४१	वि	१२	४	तै	१२	१२	२८/५८	१२	४८	८	१६	१	वृ.५२।३४	जमादिलाखर ६
४	शु	४८	५९	वि	८	५१	प्री	१२	२१	व	१६	२७	५४	१३	४७	९	१७	२	वृश्चिके	भ.१६/२६ उ.४८।५९या. दृश्श्चित्रा. रविः ५५/१६
५	श	५४	३४	अ	१५	१५	आ	१३	२७	ब	२१	४६	५०	१४	४६	१०	१८	३	वृश्चिके	सौरश्चित्रा. रविः २३।४२
६	र	६०	०	ज्ये	२२	२७	सौ	१५	२७	कौ	२७	४२	४६	१५	४५	११	१९	४	व.२२।२७	पूफायां शुक्रः ३२।३४
६	चं	०	५०	मू	३०	०	शो	१७	५७	तै	०	५०	४२	१६	४४	१२	२०	५	धनुषि	चित्रा. बुधः २४।१८ श्रीसरस्वत्यावाहनं
७	मं	७	१६	पू	३७	४२	अ	२०	११	व	७	१६	३८	१६	४४	१३	२१	६	म.५४।२५	भ ७।१६उ.४०।१५या. सर.पू. भद्र अय.
८	बु	१३	१३	उ	४४	३५	सु	२२	१५	ब	१३	१३	३४	१७	४३	१४	२२	७	मकरे	बलिदानम् ●विजया१० पट्टाभिषेके
९	गु	१८	६	श्र	५०	१४	धृ	२३	३३	कौ	१८	६	३०	१८	४२	१५	२३	८	मकरे	विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
१०	शु	२१	२०	ध	५४	१६	शू	२६	३२	ग	२१	२०	२६	१९	४१	१६	२४	९	कुं.२२।१५	भ.५३/७उ.दृश्यस्तुलाऽर्कः ३९/२तुला.बुधः २२/१० ●
११	श	२२	५५	श	५६	२१	गं	२२	२५	वि	२२	१५	२२	२०	४०	१७	२५	१०	कुम्भे	भ २२/५५या.तुला.सौरः ६/२५ पापांकुशा ११व्र.
१२	र	२२	२२	पू	५६	४५	वृ	१९	४६	बा	२२	२२	१८	२०	४०	१८	२६	११	मी४१।३९	प्रदोष व्र.
१३	चं	१९	५६	उ	५५	१३	ध्रु	१५	२५	तै	१९	५६	१४	२१	३९	१९	२७	१२	मीने	
१४	मं	१५	४७	रे	५२	७	व्या	९	४२	व	१५	४७	१०	२२	३८	२०	२८	१३	मे.५२।७	भ.१५/४७उ.४३/०या. स्वात्यांबुधः १३/५४शरद्१५×
१५	बु	१०	१३	अ	४७	४७	ह	३/५५	५२/०	ब	१०	१३	६	२३	३७	२१	२९	१४	मेषे	शरद्१५वै. का स्ना.प्रा. ×कोजागरी व्र.

२७पं.आ.शु.६चं.इ.११।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१	४	१०	२	५
२५	२२	२२	१	१४	५	२	२५
३५	४७	५७	३१	५	१३	५२	७
६	२७	३६	३३	१३	२३	४२	१८
५९	३७	६/१०	५/४	६९	३/४	३	५९
२१	१६	३८	ब	२०	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

७ ५शु मं ४ ८ ६सूबु ९केचं ३रा २ १० १२ बृ ११श १

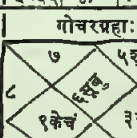

आ. शु. १० शुक्रे तुलायामर्कः प्र. वा.३ न.४ प्रगल्भावस्था(बैठी) मु.३०(धान्यभाव सम) शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

८ ६ के ९ ७सूबु ५ शु १० ४मं ११श ९ रा३ १२चं २बृ

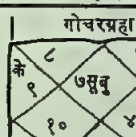

२८पं.आ.शु.१३चं.इ.११।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	१	४	१०	२	६
२	२६	४	०	२२	५	२	२
३१	४६	५२	५०	२५	१	३०	४
३४	१	३८	४६	४८	५५	२७	४८
५९	३६	६/१०	६/१०	७०	१	३	५९
३४	४२	३४	ब	२	२२	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३	३३	भ	४२	३८	सि	४६	१७	कौ	३	३३	२८/२	६/२४	५/३६	२२	३०	१५	बृ.५६।१६	उफायां शुक्रः ५३।१३
२	गु	५४	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	४९	११	कृ	३७	९	व्य	३७	२५	व	२२	४९	२७/५८	२४	३६	२३	१	१६	वृषे	भ.२२/४९ उ. ४९/११ या. दृश्यः स्वा. रविः २१/४●
४	श	४१	५६	रो	३१	४९	व	२८	३४	ब	१५	३३	५४	२५	३५	२४	२	१७	मि५९।१६	करक चतुर्थी व्र.
५	र	३५	१८	मृ	२६	४२	प	१९	५८	कौ	८	३७	५०	२६	३४	२५	३	१८	मिथुने	कन्या. शुक्रः ४३/५३ मघा. सिंहे भौमः५।४१
६	चं	२९	१६	आ	२२	२३	शि	११	४७	ग	२	१७	४६	२७	३३	२६	४	१९	मिथुने	भ.२९/१६ उ.५६/३८ वक्री कृति.१ मेषे गुरुः ४०/५७
७	मं	२४	०	पु	१८	३८	सि	४/२	५२/५८	ब	२४	०	४२	२८	३२	२७	५	२०	क.४।३४	
८	बु	१९	४३	पु	१५	४७	शु	५०	३७	कौ	१९	४३	३९	२८	३२	२८	६	२१	कर्के	विशाखा. बुधः १८।२७
९	गु	१६	८	श्ले	१३	४३	शु	४५	११	ग	१६	८	३५	२९	३१	२९	७	२२	सिं१३।४३	भ.४४/५२ उ. ●(सौरः ४७/२८)राष्ट्रीयकार्ति.
१०	शु	१३	३६	म	१२	४४	ब्र	४०	१९	वि	१३	३६	३१	३०	३०	३०	८	२३	सिंहे	भ. १३।३६ या. +महालक्ष्मी पूजनम्
११	श	११	५५	पू	१२	४५	ऐं	३६	२१	बा	११	५५	२७	३१	२९	३१	९	२४	कं.२७।५६	मार्गी शनिः ५१।२० रमा ११ व्र.
१२	र	११	१७	उ	१३	२८	वै	३३	९	तै	११	१७	२४	३१	२९	१	१०	२५	कन्यायां	नवम्बर मा.११ ता.३० प्रदोषः धन १३
१३	चं	११	५९	ह	१५	४१	वि	३०	५२	व	११	५९	२०	३२	२८	२	११	२६	तु.४७।३२	भ. ११।५९ उ. ४२।४२ या. रूप १४
१४	मं	१३	२५	चि	१९	२४	प्री	२९	३१	श	१३	२५	१६	३३	२७	३	१२	२७	तुलायां	बृश्चिके बुधः ४८।३१ हस्ते शुक्रः७।१५+
३०	बु	१६	२२	स्वा	२५	१३	आ	२८	५७	ना	१६	२२	१३	३३	२७	४	१३	२८	तुलायां	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा

२९पं.का.कृ.६चं.इ.११।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	१	५	१०	२	६
९	०	२६	०	०	४	२	९
२९	३९	२६	३	३३	५४	८	४
४९	२५	३४	२५	४६	३२	१	८
५९	३५	०/१०	६/५८	७०	१०/३४	३	६०
४७	५६	५३	ब	४४	ब	११	२

गोचरग्रहाः

८ ७सूबु ६शु के ९ मं ५ १० ४ ११श १ रा३ चं १२ २बृ

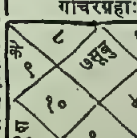

मंगल की लक्ष्मी पूजा उत्तम नहीं है। धान्यादि तेज हो प्रजा में पीड़ा रहे।

गोचरग्रहाः

८ ६चंशु ९के ७सूबु ५मं १० ४ ११श १बृ ३रा १२ २

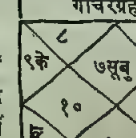

३०पं.का.कृ.१३चं.इ.११।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	०	५	१०	२	६
१६	४	२७	२९	८	४	१	१६
२९	२७	२१	१०	५३	५२	४	५
३८	२१	४३	४	१	४४	५५	१२
६०	३५	९७	७/३४	७१	०/८	३	६०
४	११	४३	ब	२०	मा	११	१८

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८६७स. १९६४
१	गु	२०	८	वि	३१	२४	सौ	२९	४	ब	२०	८	२७/९	६/३४	५/२६	५	१४	२९	बृ. १४।५०	दृश्यो विशाखायां रविः ४१/२७ पश्चिमोदयी*
२	शु	२५	२५	अ	३८	१०	शो	३०	१९	कौ	२५	२५	६	३५	२५	६	१५	३०	वृश्चिके	विशाखा. रविः सौरः ५४/५२ अनु. बुधः १४/०
३	श	३१	११	ज्ये	४४	३६	अ	३१	५८	ग	३१	११	२	३६	२४	७	१६	१	ध. ४४।३६	रज्जब ७ +चन्द्रद. भ्रातुर यम१
४	र	३७	३५	मू	५१	२	सु	३४	७	व	४	२३	२६/५९	३६	२४	८	१७	२	धनुषि	भ. ४।२३ उ. ३७/३५ या. *बुधः ३५/२१
५	चं	४४	६	पू	५७	१२	धृ	३६	२७	ब	१०	५०	५६	३७	२३	९	१८	३	धनुषि	
६	मं	५०	२२	उ	६०	०	शू	३९	१	कौ	१७	१४	५३	३७	२३	१०	१९	४	म. १३।५३	
७	बु	५५	५२	उ	३	५७	गं	४०	४४	ग	२३	७	४९	३८	२२	११	२०	५	मकरे	भ. ५५।१२उ. =५९/९)ज्येष्ठा. बधः १६/१६
८	गु	६०	०	श्र	१०	३०	वृ	४१	३६	वि	२७	५८	४६	३९	२१	१२	२१	६	कु. ४३।१३	भ. २७।५८ या. गोपाष्टमी
८	शु	०	५	ध	१५	५६	ध्रु	४१	३४	ब	०	५	४४	३९	२१	१३	२२	७	कुम्भे	
९	श	२	३७	श	१९	३२	व्या	४०	२	कौ	२	३७	४०	४०	२०	१४	२३	८	कुम्भे	चित्रा. शुक्रः ६।२९ ×वैकुण्ठ १४
१०	र	३	८	पू	२१	१४	ह	३६	५४	ग	३	८	३७	४१	१९	१५	२४	९	मी ५।४९	भ. ३२/२५ उ. दृश्यो वृश्चिकेऽर्कः ३७/२५ (सौरः=
११	चं	१	४२	उ	२०	५५	व	३२	४	वि	१	४२	३४	४१	१९	१६	२५	१०	मीने	भ. ४१/४२ या. प्रबोधिनी ११ब्र. तुलसीविवाहः
१२	चं	५६	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	? ३९/४० पूफायांभौमः १४/३७ मन्वादिः का. स्ना. पू.
१३	मं	५२	३४	रे	१८	२९	सि	२५	४७	कौ	२५	१७	३१	४२	१८	१७	२६	११	मे. १८।२९	प्रदोषः
१४	बु	४५	२६	अ	१४	२३	व्य	१७	५६	ग	१९	०	२९	४२	१८	१८	२७	१२	मेषे	भ. ४५/२६ उ. दृश्योऽनुराधा. रवि. ५५।४९×
१५	गु	३७	२५	भ	८	५०	व	५६/३३	५०/३५	वि	११	२६	२६	४३	१७	१९	२८	१३	बृ. २२।१२	भ. ११/२६ या. अनु. रविः सौरः १६/५७ तुला. शुक्रः?

३१पं. का. शु. ५चं. इ. ११।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	०	५	१०	२	६
२३	८	७	२८	१७	४	१	२३
३०	६	५७	१४	१९	५५	२३	७
५८	५०	२८	४९	५१	३६	४०	५०
६०	३४	९३	७	७१	०	३	६०
१७	१०	५९	४०	४४	५६	११	३०

गोचरग्रहाः

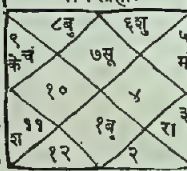

कार्तिकशु. १० रवौ बृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

३२पं. का. शु. ११चं. इ १०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	५	१०	२	७
०	११	१८	२७	२५	५	१	०
३३	३८	१३	७	४९	३	१	११
४७	५२	३३	३१	२३	३९	३४	५४
६०	३३	८६	५७/५२	७२	१	३	६०
३०	२	४९	ब	२	४०	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णे तिमहाराष्ट्राः
१	शु	२८	३६	कृ	२/१७	५२/३०	शि	४८	४७	बा	४	०	२६/२४	६/४३	५/१७	२०	२९	१४	बृषे	वक्री भरणी ४ गुरुः ४९।३
२	श	१९	४९	मृ	४८	१५	सि	३८	३६	ग	१९	४९	२१	४४	१६	२१	३०	१५	मि २०।२२	भ. ४५।३१ उ. =(सौरः २३/५७)
३	र	११	१४	आ	४१	४६	सा	२८	२७	वि	११	१४	१९	४४	१६	२२	१	१६	मिथुने	भ. ११/१४ या. च. ब्र. राष्ट्रीय मार्गशीर्षारम्भः
४	चं	३	२०	पु	३६	७	शु	१९	६	बा	३	२०	१६	४५	१५	२३	२	१७	क. २२।३२	
५	चं	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	मं	५०	५८	पु	३१	४३	शु	१०	२२	ग	२३	४१	१३	४५	१५	२४	३	१८	कर्के	भ. ५०/५८ उ. मूलेधनुषि बुधः ५०/४ पातस्पर्शः ४६/१७
७	बु	४६	५३	श्ले	२८	४०	ब्र	५२/५८	५३/३३	वि	१८	५५	११	४६	१४	२५	४	१९	सिं २८।४०	भ. १८/५५ या. स्वात्यांशुक्रः ३३/३० पातमोक्षः ५।१
८	गु	४४	१४	म	२६	५९	वै	५१	११	बा	१३	३३	९	४६	१४	२६	५	२०	सिंहे	
९	शु	४२	५४	पू	२६	४९	वि	४७	११	तै	१३	३४	६	४७	१३	२७	६	२१	कं. ४२।४	
१०	श	४३	४	उ	२७	४९	प्री	४४	१०	व	१२	५९	३	४७	१३	२८	७	२२	कन्यायां	भ. १२।५९ उ. ४३।४ या.
११	र	४४	४१	ह	३०	२२	आ	४२	२७	ब	१३	५२	१	४८	१२	२९	८	२३	कन्यायां	उत्पत्ति ११ ब्र.
१२	चं	४७	१४	चि	३४	१	सौ	४१	२७	कौ	१५	५८	२५/५९	४८	१२	३०	९	२४	तु. २।१२	
१३	मं	५१	१३	स्वा	३८	५४	शो	४१	४१	ग	१९	१४	५७	४९	११	१	१०	२५	तुलायां	भ. ५१/१३ उ. दिसम्बर मा. १२ता. ३१ प्रदोषः
१४	बु	५५	४१	वि	४४	३९	अ	४२	७	वि	२३	२७	५५	४९	११	२	११	२६	बृ. २८।१२	भ. २३/२७ या. दृश्यो ज्येष्ठा. रविः ५।५९=
३०	गु	६०	०	अ	५१	१५	सु	४३	२७	च	२८	३५	५३	४९	११	३	१२	२७	वृश्चिके	
३०	शु	१	२९	ज्ये	५८	११	धृ	४५	५	ना	१	२९	५१	५०	१०	४	१३	२८	ध. ५८।११	

३३पं. मा. कृ. ४चं. इ. १०।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	६	१०	२	७
७	१५	२७	२६	४	५	०	७
३७	२०	५०	२१	२३	१६	३९	१७
३७	५६	४२	५४	४९	३०	१९	२७
६०	३२	७८	५७/४०	७२	२	३	६०
४२	१	४	ब	२६	२०	११	५३

गोचरग्रहाः

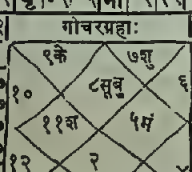

इस मास का फल साधारण है अनाज रुई चावल मूंग सूत कपड़ा चांदी चपड़ी मंदी होकर तेज होवे।

गोचरग्रहाः

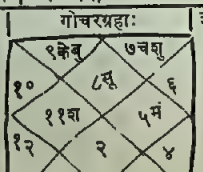

३४पं. मा. कृ. १२चं. इ. १०।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	०	६	१०	२	७
१४	१८	६	२५	१३	५	०	१४
४२	१४	११	२८	०	३४	१६	२४
५४	९	२४	३४	१४	४४	५३	१३
६०	३०	६०	७	७२	३	३	६१
५०	३७	२५	७	५०	२	११	३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८९७ स.१९६४
१	श	७	२२	मू	६०	०	शू	४७	१७	ब	७	२२	३५/४९	६/५०	५/१०	५	१४	२९	धनुषि	विशा.शुक्रः ४८/४१ मृगे २ वृषे राहुः ज्येष्ठा.४वृ.=
२	र	१३	५०	मू	५	४७	गं	४९	२९	कौ	१३	५०	४८	५०	१०	६	१५	१	धनुषि	सावान८ =केतुः २८/५० चंद्रद. संभवः
३	चं	२०	२३	पू	१३	२६	वृ	५१	४९	ग	२०	२३	४६	५१	९	७	१६	२	म.३०।२०	भ. ५३।४७ उ.
४	मं	२६	५४	उ	२१	१	ध्रु	५३	४८	वि	२६	५४	४५	५१	९	८	१७	३	मकरे	भ. २६।५४ या. वक्री बुधः ४६।७
५	बु	३२	३२	श्र	२७	५९	व्या	५५	२८	बा	३२	३२	४४	५१	९	९	१८	४	मकरे	चम्पा ६
६	गु	३७	२३	ध	३३	४७	ह	५६	१६	कौ	४	५७	४२	५२	८	१०	१९	५	कु.०।५३	
७	शु	४०	४८	श	३८	५३	व	५५	४८	ग	९	५	४१	५२	८	११	२०	६	कुम्भे	भ. ४०।४८ उ.
८	श	४२	२२	पू	४२	१४	सि	५४	२	वि	११	३५	४०	५२	८	१२	२१	७	मी२६।२४	भ.११।३५ या. पश्चिमास्तो बुधः ४५।२७
९	र	४२	३५	उ	४३	५०	व्य	५०	४३	बा	१२	२०	३९	५२	८	१३	२२	८	मीने	वृश्चिके शुक्रः ५३।३५ *ग्रस्तास्तन्च
१०	चं	४०	२६	रे	४३	१६	व	४५	५६	तै	११	३०	३८	५२	८	१४	२३	९	मे.४३।१६	+(सौरः ३७/४१) मोक्षदा ११ ब्र. गीता ज.
११	मं	३६	२०	अ	४०	४४	प	३९	२८	व	८	२३	३८	५२	८	१५	२४	१०	मेषे	भ.२८/३ उ.३६/२० या. दृश्यो मूले धनुष्यर्कः १३/११+
१२	बु	३०	१०	भ	३६	१९	शि	३१	३२	ब	३	१५	३७	५३	७	१६	२५	११	वृ.४९।५०	अनु. शुक्रः ३७।२६ प्रदोषः
१३	गु	२२	३२	कृ	३०	२३	सि	२२	२१	तै	२२	३२	३७	५३	७	१७	२६	१२	वृषे	शतभिषा १ शनिः ५९।१०
१४	शु	१३	४७	रो	२३	१७	सा	१२	५	व	१३	४७	३७	५३	७	१८	२७	१३	मि४९।२५	भ.१३/४७ उ.३९।१ या. खग्रास चंद्रग्रहणम्*
१५	श	४	१६	मृ	१५	३४	शु	३/१६	४८/५०	ब	४	१६	३६	५३	७	१९	२८	१४	मिथुने	दत्त जयंती

३५पं.मा.शु.३चं.इ.१०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	०	६	०	१	७
२१	२१	११	२४	२१	५	२९	२१
४८	१५	१५	४१	३९	५७	५४	३२
५८	५८	५०	२	२९	०	३७	०
६०	२८	१८	६/१६	७३	३	३	६१
५६	५९	५७	ब	८	४४	११	११

गोचरग्रहाः

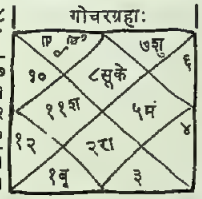

मार्ग.शु.११भौमे धनुष्यर्कः प्र. वा. ३न.३वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

३६पं.मा.शु.१०चं.इ.१०।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	०	७	१०	१	७
२८	२४	८	२३	०	६	२९	२८
५५	३	५९	५९	२०	२४	३२	४०
५२	३२	२०	३८	१०	१८	२२	४२
६१	२७	६४/७	५	७३	४	३	६१
०	८	ब	१०	१४	२०	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	५०	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	४५	३	आ	७	४०	ब्र	३९	११	तै	१९	४९	२५/३६	६/५३	५/७	२०	२९	१५	क.४७।३	
३	चं	३६	२०	पु	०/१०	५३/२६	ऐं	२८	३५	व	१०	४१	३६	५३	७	२१	३०	१६	कर्के	भ.१०/४१ उ.३६/२० या. वक्री ज्येष्ठा.वृ.बुधः ३३/४३+
४	मं	२८	५६	श्ले	४८	१७	वै	१९	२५	ब	२	२	३६	५३	७	२२	१	१७	सिं४८।१७	वक्री भरणी ३ गुरुः ५०।१६
५	बु	२३	२	म	४४	४६	वि	१०	५८	तै	२३	२	३६	५३	७	२३	२	१८	सिंहे	+उफायां भौमः २३/४० राष्ट्रीय पौषारम्भः
६	गु	१९	५	पू	४३	८	प्री	६/४	५४/४०	व	१९	५	३७	५३	७	२४	३	१९	कं.५८।१०	भ.१९।५ उ.४८/१ या. पूर्वोदयी बुधः ६।३७
७	शु	१६	५७	उ	४३	१६	सौ	५४	४५	ब	१६	५७	३७	५३	७	२५	४	२०	कन्यायां	
८	श	१६	४२	ह	४५	१०	शो	५२	३६	कौ	१६	४२	३७	५३	७	२६	५	२१	कन्यायां	
९	र	१८	१७	चि	४८	३८	अ	५१	२८	ग	१८	१७	३८	५२	८	२७	६	२२	तु.१६।५४	भ. ५०।५ उ. ज्येष्ठा. शुक्रः १५।२८
१०	चं	२१	५२	स्वा	५३	४१	सु	५१	५१	वि	२१	५२	३८	५२	८	२८	७	२३	तुलायां	भ.२१/५२ या. दृश्यःपूषायांरविः १८/७[सौरः २९/१९]
११	मं	२६	२५	वि	५९	४८	धृ	५२	३५	बा	२६	२५	३९	५२	८	२९	८	२४	वृ.४३।१६	मार्गी बुधः ३८।३८ सफला ११ ब्र.
१२	बु	३१	४६	अ	६०	०	शू	५४	१४	तै	३१	४६	४०	५२	८	३०	९	२५	वृश्चिके	
१३	गु	३८	१२	अ	६	४१	गं	५६	६	ग	४	५९	४०	५२	८	३१	१०	२६	वृश्चिके	भ. ३८।१२ उ. प्रदोषः
१४	शु	४४	२३	ज्ये	१३	५७	वृ	५८	१३	वि	११	१७	४१	५२	८	१	११	२७	ध.१३।५७	भ.११/१७ या. जनवरी मा.१ता.३१सन्१९६५
२०	श	५०	५८	मू	२१	३३	ध्रु	६०	०	च	१७	४०	४२	५२	८	२	१२	२८	धनुषि	कन्या. भौमः ७।५

३७पं. पौ.कृ.३ चं.इ.९।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	०	७	१०	१	८
६	२६	०	२३	९	६	२९	५
३	३४	३५	२६	३	५५	१०	५०
२९	१९	२	३८	११	२२	६	८
६१	२४	१२/१७	३/५८	७३	४	३	६१
४	५७	ब	ब	२६	५०	११	२२

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ रविवार प्रजा में पीड़ा कारक है। धान्यादि वस्तुओं में मंदी होकर तेजी होवे।

गोचरग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.१०चं.इ.९।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	०	७	१०	१	८
१३	२८	२१	२३	१७	७	२८	१३
११	४७	७	२०	४६	३०	४७	०
३१	१३	३७	३८	४१	०	५१	०
६१	२१	१०	३/४६	७३	५	३	६१
६	३७	५४	ब	३८	२०	११	२६

*बुशुके

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३९२६स.१९६५
१	र	५७	१३	पू	२९	२	ध्रु	०	२९	किं	२४	५	२५/४३	६/५१	५/९	३	१३	२९	म.४५।५३	
२	चं	६०	०	उ	३६	२५	व्या	२	११	बा	३०	१६	४४	५१	९	४	१४	३०	मकरे	चंद्रदर्शनम्
२	मं	३	१९	श्र	४३	१८	ह	४	४६	कौ	३	१९	४६	५१	९	५	१५	१	मकरे	रमजान ९ ×[सौरः ३०/४६]मार्गी गुरुः ३२/२१
३	बु	८	४८	ध	४९	२२	व	६	२	ग	९	४८	४७	५१	९	६	१६	२	कुं.१६।२०	भ. ४१।३ उ. मूले धनुषि शुक्रः ५८।५८
४	गु	१३	१९	श	५४	४६	सि	६	४६	वि	१३	१९	४९	५०	१०	७	१७	३	कुंभे	भ. १३।१९ या. मूले धनुषि बुधः ४४।७
५	शु	१६	४८	पू	५८	५४	व्य	६	५८	बा	१६	४८	५१	५०	१०	८	१८	४	मी४२।५२	
६	श	१९	१	उ	६०	०	व	६	१०	तै	१९	१	५२	५०	१०	९	१९	५	मीने	
७	र	१९	३९	उ	१	३८	प	४	५	व	१९	३९	५४	४९	११	१०	२०	६	मीने	भ. १९/३९ उ ४९/१५ या. दृश्यः उषायांरविः २२/५१×
८	चं	१८	५०	रे	२	५२	शि	०/४५	५५/१८	ब	१८	५०	५६	४९	११	११	२१	७	मे.२।५२	
९	मं	१६	४	अ	२	१४	सा	४९	५५	कौ	१६	४	५८	४८	१२	१२	२२	८	मेषे	
१०	बु	१२	०	भ	०/३०	५५/३७	शु	४२	१९	ग	१२	०	२६/१	४८	१२	१३	२३	९	वृ.१४।१७	भ. ३९/५ उ. दृश्यो मकरेऽर्कः ३९/१५[सौरः ४६/११]
११	गु	६	१०	रो	५०	४२	शु	३३	४०	वि	६	१०	३	४७	१३	१४	२४	१०	वृषे	भ १०/६ या. पुत्रदा ११ ब्र. पातस्पर्शः २२/५०=
१२	गु	५२	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	शु	५०	८	मृ	४३	५८	ब्र	२३	४९	कौ	२४	२७	५	४७	१३	१५	२५	११	मि१७।२०	प्रदोषः
१४	श	४०	४६	आ	३६	२२	ऐं	१३	१३	ग	१५	२५	८	४६	१४	१६	२६	१२	मिथुने	भ. ४०।४६ उ. =पातमोक्षः ४१/१३
१५	र	३०	५५	पु	२८	३३	वै	२/१०	४८/५५	वि	५	५१	१०	४६	१४	१७	२७	१३	क.१५।३०	भ ५५/५१ या. पूषायांशुक्र. ३५/० माघ स्ना.प्रा.

३९पं.पौ.शु.२चं.इ.९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	९	७	१०	१	८
२०	०	२७	२२	२६	८	२८	२०
१९	३	३४	४८	३१	८	२५	९
२६	४२	४८	३६	४४	९	३५	५७
६१	१८	४०/३८	२१/२२	७३	५	३	६१
२	५६	मा	ब	५०	५०	११	२६

गोचरग्रहाः

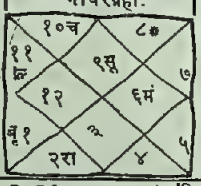

पौष शु. १० बुधे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

४०पं.पौ.शु.८ चं.इ.९।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	०	८	१०	१	८
२७	२	४	२२	५	८	२८	२७
२७	५	२२	४४	१७	४९	३	१९
४०	३१	५९	५२	९	४	१९	४९
६१	१४	६४	०/८	७३	६	३	६१
६	२५	४३	मा	५६	१४	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तुरविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२१	२५	पु	२०	५८	प्री	४०	२७	कौ	२१	२५	२६/१२	६/४६	५/१४	१८	२८	१४	कर्के	पूषाया बुधः १९।३९
२	मं	१२	४७	श्ले	१४	१२	आ	३०	४४	ग	१२	४७	१५	४५	१५	१९	२९	१५	सिं१४।१२	भ.३९।३ उ. *गुरुः ४८/४ षट्तिला ११ब्र.
३	बु	५	१९	म	८	४२	सौ	२२	८	वि	५	१९	१७	४५	१५	२०	३०	१६	सिंहे	भ. ५/१९ या. दृश्योऽभि. प्र.रविः १२/० सौ. १७/३३=
४	बु	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	गु	५५	५०	पू	३	५५	शो	१५	१	कौ	२७	४२	२०	४४	१६	२१	१	१७	कं.१८।४०	राष्ट्रीय माघारम्भः =च.ब्र.
६	शु	५४	१२	उ	२	५६	अ	९	३३	ग	२५	१	२२	४४	१६	२२	२	१८	कन्यायां	भ.५४।१२ उ. शते.२ शनिः २१।१७
७	श	५४	४७	ह	३	१९	सु	५	४६	वि	२४	२९	२५	४३	१७	२३	३	१९	तु.३४।३२	भ. २४/२९ या. दृश्यःश्रव. रविः २८/२३ सौरः ३३/३०
८	र	५७	१८	चि	५	४६	धृ	३	३५	बा	२६	३	२७	४३	१७	२४	४	२०	तुलायां	दृश्योऽभि. नि. रविः २०।५२ सौरः २५/४६
९	चं	६०	०	स्वा	९	५०	शू	२	४	तै	२९	२३	३०	४२	१८	२५	५	२१	बृ.५९।११	
९	मं	१	२८	वि	१५	३८	गं	३	२६	ग	१	२८	३३	४१	१९	२६	६	२२	बृश्चिके	भ.३३।५२ उ. ÷पातमोक्षः ५०/१७
१०	बु	६	१६	अ	२२	३१	वृ	४	५४	वि	६	१६	३६	४१	१९	२७	७	२३	बृश्चिके	भ. १६/१ या. उषायां बुधः ४५/५४ पातस्पर्शः ३२/५÷
११	गु	१३	३३	ज्ये	२९	५४	ध्रु	७	५	बा	१३	३३	३९	४०	२०	२८	८	२४	ध.२९।५४	उषा. शुक्रः १७/३ वक्री भौमः ५८/५२ भरणी४*
१२	शु	१९	४०	मू	३७	३१	व्या	९	२५	तै	१९	४०	४२	४०	२०	२९	९	२५	धनुषि	प्रदोष
१३	श	२६	१८	पू	४५	४	ह	११	४७	व	२६	१८	४६	३९	२१	३०	१०	२६	धनुषि	भ. २६/१८ उ. ५९/२३ या. मकरेबुध ४/१ मकरेशुक्रः ५३/२१
१४	र	३२	२८	उ	५२	४८	व	१३	५२	श	३२	२८	४९	३८	२२	३१	११	२७	म. २।०	
३०	चं	३८	१५	श्र	५८	५५	सि	१५	४०	च	५	२२	५२	३८	२२	१	१२	२८	मकरे	फरवरी मा. २ ता. २८

४१पं.मा.कृ.१चं.इ.९।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	०	८	१०	१	९
४	३	१३	२२	१४	९	२७	४
३५	५	६	५१	२	३२	४१	२९
३१	१६	५४	२१	४५	५२	४	१८
६१	९	७८	१	७४	६	३	६१
३	१७	३९	२०	२	३२	११	१९

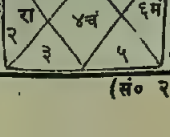

४२पं.मा.कृ.९चं इ.९।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	०	८	१०	१	९
११	३	२२	२३	२२	१०	२७	११
४२	३३	०	७	४८	१८	१८	३८
५८	०	१३	४८	५०	५४	४८	९
६०	३	८८	३	७४	६	३	६१
५९	६	४८	४	२	४४	११	१३

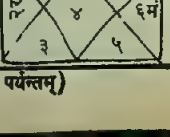

४३पं.मा.कृ.३०चं.इ.९।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	०	९	१०	१	९
१८	३	३	२३	१	११	२६	१८
४९	२७	१८	३३	३४	६	५६	४६
२६	४३	३९	५४	३०	५०	३३	१०
६०	४/१०	९४	४	७४	७	३	६१
५६	ब	४४	८	८	२	११	४

*बुशुके

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ३९५६ स. १९६५
१	मं	४२	७	ध	६०	०	व्य	१६	४३	किं	१०	४१	२६/५५	६/३७	५/२३	२	१३	२९	कु. ३१।४३	
२	बु	४७	३	ध	४	३०	व	१७	२१	बा	१५	५	५९	३६	२४	३	१४	३०	कुंभे	चन्द्रदर्शनम्
३	गु	५०	८	श	९	२८	प	१७	१०	तै	१८	३५	२७/२	३६	२४	४	१५	१	मी ५७।२६	सव्वाल १० *सौरः ३९/२१ श्रवणे बुधः ३४/३८
४	शु	५२	२	पू	१३	२५	शि	१५	५९	व	२१	५	६	३५	२५	५	१६	२	मीने	भ. २१/५ उ. ५२/२ या. दृश्योधनिष्ठा. रविः ३६/४४ *
५	श	५२	४७	उ	१६	७	सि	१४	३	ब	२२	२४	९	३४	२६	६	१७	३	मीने	मृग. १ राहुः ज्येष्ठा ३ केतुः २२/१५ पूर्वास्ता +
६	र	५२	२२	रे	१७	५४	सा	११	३०	कौ	२२	३४	१३	३३	२७	७	१८	४	मे. १७।५४	श्रवणे शुक्रः ५३/५८ +बुधः ०।३९ वसंत ५
७	चं	५०	४०	अ	१८	२९	शु	७	४३	ग	२१	३१	१६	३३	२७	८	१९	५	मेषे	भ. ५०।४० उ. भानु ७ रथ ७
८	मं	४७	५०	भ	१८	३६	शु	३/५६	५४/८	वि	१९	१५	२०	३२	२८	९	२०	६	वृ. ३२।५०	भ. १९/१५ या. अस्तं शनेः १८/१७ भीष्माष्टमी
९	बु	४३	२९	कृ	१५	३४	ऐं	५०	१३	बा	१५	४०	२४	३१	२९	१०	२१	७	वृषे	
१०	गु	३७	५८	रो	१२	११	वै	४२	१३	तै	१०	४४	२७	३१	२९	११	२२	८	मि ३९।५७	×(सौरः १३।१८) जया ११ व्र.
११	शु	३१	२३	मृ	७	४२	वि	३३	१४	व	४	४०	३१	३०	३०	१२	२३	९	मिथुने	भ. ४।४० उ. ३१/२३ या. दृश्यः कुंभेऽर्कः ११/५९ ×
१२	श	२३	३८	आ	२/०	५३/४४	प्री	२२	५४	बा	२३	३८	३५	२९	३१	१३	२४	१०	क. ४०।४४	धनिष्ठा. बुधः ३७।३८ प्रदोषः
१३	र	१५	१३	पु	४८	४७	आ	१३	५३	तै	१५	१३	३८	२८	३२	१४	२५	११	कर्के	
१४	चं	६	१८	श्ले	४२	७	सौ	३/२८	५०/५	व	६	१८	४२	२८	३२	१५	२६	१२	सिं ४२।७	भ. ६।१८ उ. ३२।३ या. माघस्नान पूर्तिः
१५	चं	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

४४पं. मा. शु. ७ चं. इ. १०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	०	९	१०	१	९
२५	२	१४	२४	१०	११	२६	२५
५५	५१	२२	९	१९	५६	३४	५२
१६	२५	४१	६	५२	१३	१७	५७
६०	३१/२५	०/०	५	७४	७	३	६०
४७	ब	०/२०	२३	२०	१४	११	५५

गोचरग्रहाः

माघ शु. ११ शुक्रे कुम्भेऽर्कः प्र. वा. ३ नं. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्याभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

४५पं. मा. शु. १४ चं. इ. १०।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	०	९	१०	१	१०
३	१	२६	२४	१९	१२	२६	२
०	३१	५	५२	४	४६	१२	५९
४	१९	२०	८	३०	२२	१	०
६०	२०/७	०/०	६	७४	७	३	६०
३७	ब	०/८	२६	२०	२०	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	मं	४९	५६	म	३६	८	अ	४४	२२	बा	२३	५६	२७/४६	६/२७	५/३३	१६	२७	१३	सिंहे	
२	बु	४३	२६	पू	३१	४	सु	३६	७	तै	१६	४१	५०	२६	३४	१७	२८	१४	कं. ४५।१३	कुंभे बुधः २१।४० *४८/४० धनिष्ठा शुक्रः ३६/२२
३	गु	३८	२६	उ	२७	४१	धृ	२९	८	व	१०	५६	५४	२५	३५	१८	२९	१५	कन्यायां	भ. १०/५६ उ. ३८/२६ या. दृश्यः शते रविः ४८/२८ सौरः *
४	शु	३५	२५	ह	२६	१०	शू	२३	५२	ब	६	५६	५८	२४	३६	१९	३०	१६	तु. ५६।३४	शते ३ शनिः ४८।४८ च. व्र.
५	श	३४	३८	चि	२६	५९	गं	२०	११	कौ	५	१	२८/२	२४	३६	२०	१	१७	तुलायां	राष्ट्रीय फाल्गुनारम्भः
६	र	३५	५४	स्वा	२९	३८	वृ	१८	१७	ग	५	१६	६	२३	३७	२१	२	१८	तुलायां	भ. ३५।५४ उ. शते बुधः १२।३४
७	चं	३९	१४	वि	३४	६	ध्रु	१८	१	वि	७	३४	१०	२२	३८	२२	३	१९	वृ. १७।५९	भ. ७।३४ या. वक्री सिंहे भौमः ११।३०
८	मं	४४	१	अ	४०	११	व्या	१९	२	बा	११	३८	१४	२१	३९	२३	४	२०	वृश्चिके	कुंभे शुक्रः ५५।४९
९	बु	५०	१७	ज्ये	४७	२७	ह	२०	२०	तै	१७	९	१८	२०	४०	२४	५	२१	ध. ४७।२७	+शते शुक्रः १५/४५ महाशिवरात्री व्र. स्मा.
१०	गु	५६	२८	मू	५४	५६	व	२२	३५	व	२३	२२	२२	२०	४०	२५	६	२२	धनुषि	भ. २३।२२ उ. ५६।२८ या.
११	शु	६०	०	पू	६०	०	सि	२५	५	ब	२९	४५	२६	१९	४१	२६	७	२३	धनुषि	विजया ११ व्र. स्मा.
११	श	३	२	पू	२	३८	व्य	२७	७	बा	३	२	३०	१८	४२	२७	८	२४	म. १९।११	पूर्वास्तं शुक्रः २२/१२ विजया ११ व्र. वै. पू. अ. शु.
१२	र	९	१०	उ	८	५०	व	२९	१३	तै	९	१०	३४	१७	४३	२८	९	२५	मकरे	पू. बुधः २१/३९ कृत्तिका. १ गुरुः ५८/६ प्रदोषः
१३	चं	१४	४४	श्र	१६	२५	प	३०	११	व	१४	४४	३८	१६	४४	१	१०	२६	कुं. ५०।३	भ. १४/४४ उ. ४६।५५ या. मार्चमा. ३ता. ३१+
१४	मं	१९	६	ध	२३	४२	शि	३०	२२	श	१९	६	४२	१६	४४	२	११	२७	कुंभे	महाशिवरात्री व्र. वै.
३०	बु	२२	१०	श	२६	८	सि	२९	४९	ना	२२	१०	४६	१५	४५	३	१२	२८	कुंभे	वक्री पूफायां भौमः ४२।४१

४६पं. फा. कृ. ७ चं. इ. १०।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	०	२९	१०	१	१०
१०	०	८	२५	२७	१३	२५	१०
३	०	२८	४३	४९	३७	४९	३
३२	२८	४	५	१९	१९	४६	३३
६०	३७/३७	०/०	७	७४	७	३	६०
२५	ब	०/५८	२६	२६	२०	११	३१

गोचरग्रहाः

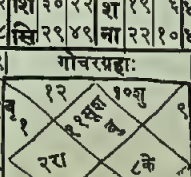

इस मास में प्रजा में रोग भय होवे रस पदार्थ तेज। अनाज गल्ला भी तेज होवे।

गोचरग्रहाः

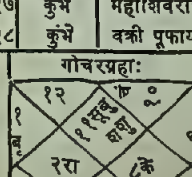

४७पं. फा. कृ. १३ चं. इ. १०।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	०	१०	१०	१	१०
१७	२८	२१	२६	६	१४	२५	१७
५	२	३४	४१	३३	२८	२७	६
४६	४२	४	४४	५०	५९	३०	२२
६०	३२/४०	०/०	८	७४	७	३	६०
१२	ब	०/५३	३२	२६	२०	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												वि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३९८६ स.१९६५
१	गु	२३	५९	पू	२९	९	सा	२८	१३	ब	२३	५९	२८/५०	६/१४	५/४६	४	१३	२९	मी१३।२४	दृश्यःपूभायारविः २४/२५ सौरः ३/२७ चंद्रदर्शनम्
२	शु	२५	७	उ	३१	१४	शु	२५	५०	कौ	२५	७	५४	१३	४७	५	१४	१	मीने	मीने बुधः २६/५५ फुलरिया२ जिल्काद११
३	श	२४	३२	रे	३२	९	शु	२२	२४	ग	२४	३२	५८	१२	४८	६	१५	२	मे.३२।९	भ. ५३।५७ उ.
४	र	२३	२२	अ	३२	२०	ब्र	१८	१२	वि	२३	२२	२९/२	१२	४८	७	१६	३	मेषे	भ. २३।२२ या. उभायां बुधः १३।५६
५	चं	२१	१०	भ	३१	३५	ऐं	१३	४६	बा	२१	१०	६	११	४९	८	१७	४	बृ.४६।११	
६	मं	१८	५	कृ	२९	५९	वै	८	२४	तै	१८	५	१०	१०	५०	९	१८	५	वृषे	
७	बु	१४	२७	रो	२७	४८	वि	२/१६	५३/२७	व	१४	२७	१४	९	५१	१०	१९	६	मि५६।१६	भ.१४/२७ उ.४२/१४ या. पश्चिमोदयी बुधः २८/४३
८	गु	१०	१	मृ	२४	४४	आ	४८	३४	ब	१०	१	१९	८	५२	११	२०	७	मिथुने	पूभायां शुक्रः ५७।५७ होलाष्टक
९	शु	४	५१	आ	२०	२१	सौ	४०	४१	कौ	४	५१	२३	७	५३	१२	२१	८	मिथुने	
१०	शु	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	•रेवत्यां बुधः ३९/१२ आमलकी ११ब्र. वै.
११	श	५२	२९	पु	१६	४०	शो	३२	२९	व	२५	४६	२७	७	५३	१३	२२	९	क.२।३५	भ.२५/४६ उ.५२/२९ या. आमलकी११ब्र. स्मा.
१२	र	४५	२३	पु	११	५४	अ	२३	४९	ब	१८	५६	३२	६	५४	१४	२३	१०	कर्के	दृश्यां मीनेऽर्कः ५।२२ (सौरः ३।४७)•
१३	चं	३८	२९	श्ले	६	४०	सु	१५	१७	कौ	११	५६	३६	५	५५	१५	२४	११	सिं६।४०	उदयं शनेः १६।३० प्रदोषः
१४	मं	३१	३४	म	१/३९	५५/२८	धृ	६/३९	५२/४	ग	४	३१	४०	४	५६	१६	२५	१२	सिंहे	भ.३१/३४ उ.५६/३१ या. होलिकादहनं भद्रोत्तरं
१५	बु	२५	२९	उ	५३	३८	गं	५१	३६	ब	२५	२९	४४	३	५७	१७	२६	१३	कं.१०।०	दृश्यउभायांरविः २६/२६ सौरः२४।२३छारेंडी

४८पं. फा.शु.५चं.इ.११।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	११	०	१०	१०	१	१०
२४	२५	५	२७	१५	१५	२५	२४
६	४७	६	४६	१७	२०	५	७
२९	५३	५०	५	२७	१७	१५	४५
५९	३५/३६	११/१२	९	७४	७	३	६०
५८	ब	८	२०	२६	२०	११	६

गोचरग्रहाः

फाल्गुनशु.१२रवौ मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ वालावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.

गोचरग्रहाः

४९पं.फा.शु.१३चं.इ.११।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	१०	१०	१	११
१	२३	१७	२८	२४	१६	२४	१
५	२८	३३	५६	०	१०	४२	७
४२	५	५७	५२	२१	८	५९	२७
५९	३९/३९	०/०	१०	७४	७	३	५९
४१	ब	०/२४	८	३२	१४	११	४९

ति.	प्र. चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०२१ शाकः १८८६												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२०	२४	ह	५१	१७	वृ	४५	४१	कौ	२०	२४	२९/४९	६/२	५/५८	१८	२७	१४	कन्यायां	वसंत १
२	शु	१७	२८	चि	५०	५४	ध्रु	४१	५	ग	१७	२८	५३	१	५९	१९	२८	१५	तु.२१।५	भ. ४६।२७ उ. शते. ४ शनिः २२।१८
३	श	१५	२७	स्वा	५२	२०	व्या	३८	६	वि	१५	२७	५७	१	५९	२०	२९	१६	तुलायां	भ.१५।२७ या. मीने शुक्रः०।५१ च.ब्र.
४	र	१५	४३	वि	५५	४३	ह	३६	५३	बा	१५	४३	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	१७	वृ.५२।५२	कृत्ति. वृषे गुरुः ३।१
५	चं	१८	४	अ	६०	०	व	३६	३४	तै	१८	४	६	५/५९	१	२२	१	१८	वृश्चिके	उभायां शुक्रः४१/५१ राष्ट्रीय चैत्र मास१८८७
६	मं	२२	७	अ	०	३९	सि	३७	३८	व	२२	७	१०	५८	२	२३	२	१९	वृश्चिके	भ. २२।७ उ. ५४।५३ या.
७	बु	२७	३९	ज्ये	७	११	व्य	३९	३४	ब	२७	३९	१४	५७	३	२४	३	२०	ध.७।११	
८	गु	३३	४२	मू	१४	२०	व	४१	४३	बा	०	४०	१८	५६	४	२५	४	२१	धनुषि	अश्वि. मेषे बुधः३४।३० शीतलापूजनम्
९	शु	४०	४	पू	२१	५७	प	४४	४१	तै	६	५३	२३	५५	५	२६	५	२२	म.३८।४८	
१०	श	४६	११	उ	२९	२१	शि	४६	९	व	१३	८	२७	५५	५	२७	६	२३	मकरे	भ. १३।८ उ. ४६।११ या.
११	र	५१	३३	श्र	३६	८	सि	४७	३१	ब	१८	५२	३१	५४	६	२८	७	२४	मकरे	पापमोचनी११ब्र. •पश्चिमास्तो बुधः १७/७
१२	चं	५५	३८	ध	४१	३५	सा	४७	५१	कौ	२३	३५	३५	५३	७	२९	८	२५	कुं.८।५२	वक्री बुधः १४/१८ ×सौरः५१/५१ प्रदोषः
१३	मं	५८	२३	श	४५	५१	शु	४७	२	ग	२७	१	३९	५२	८	३०	९	२६	कुम्भे	भ.५६/२३ उ.दृश्यो रेवत्यां रविः ५४/९ दृष्यः ५४/९×
१४	बु	५९	२९	पू	४८	२५	शु	४५	५	वि	२८	५६	४४	५१	९	३१	१०	२७	मी३२।४७	भ. २६/५६ या. वक्री रेवत्यां मीने बुधः ५८/२८•
३०	गु	५९	८	उ	४९	४१	ब्र	४१	५८	च	२९	१९	४८	५०	१०	१	११	२८	मीने	अप्रेल मा. ४ ता. ३० मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.५ चं.इ.११।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	१	११	१०	१	११
८	२१	२६	०	२	१६	२४	८
३	१०	३५	१२	४२	५९	२०	५
१८	१९	४९	२५	३९	५२	४३	२२
५९	२७/३७	६०	१०	७४	७	३	५९
२९	ब	२६	५०	३२	२	११	३५

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ है। प्रजामें सुख शांति रहे। चैत्र में वर्षा होना श्रेष्ठ नही है।

गोचरग्रहाः

५१पं.चै.कृ.१२ चं.इ.१२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	०	१	११	०	१	११
१४	१९	०	१	११	१७	२३	१५
५९	६	२	३२	२४	४८	५८	१
१३	३२	२०	२७	१८	२१	२८	२७
५९	२१/४१	०	११	७४	६	३	५९
१६	ब	१०	२०	३२	५०	११	१८

॥ श्री गणेशायनमः ॥

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०६६ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६६ भोग्यकलिः ४२६९३४ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२२ शाकः १८८७ अथास्मिन्वर्षे राजा शुक्रः । मंत्री भौमः । सस्येशो शुक्रः । धान्येशो बुधः । मेघेशश्चन्द्रः । रसेशो शनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशश्चंद्रः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चंद्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १२ कालनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत–मासादिः ५।५।१३।५५ भोग्यमासादिः ६।२४।४६।५ । नासत्यदैवतंयुगम् । वर्ष नाम कार्तिकः । मेघ नाम २ संवर्तः । रोहिणी निवासतस्टे । समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहनं दर्दुरः । स्तम्भ ३ अन्नजल तृणानाम् । सोमवत्यमां सोमवती पंचमी । अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी । समय मुहूर्ताः ४२० । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १७ । तिथिवृद्धिः १२ । उत्पत्तिविश्वा ९९ । क्षपतिविश्वा १२६ । वर्षाविश्वा १५ । धान्यम् ९ । तृणम् ९ । शीतम् ११ । तेज ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०३ । सत्यं ॥, धर्म १॥, पाप१८ । ग्रहणं १ सूर्यस्य भारते । ज्येष्ठ शुक्ले १५ चन्द्रे सुदूर पश्चिम देशे प्रातः ग्रस्ताऽस्तं चंद्र ग्रहणम् । स्पर्शे रे. ६।३१ मोक्षः ८।९ ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

मार्ग. कृ. ३० भौमे ग्रस्तोदयं सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
उज्जयिनी	घ.	१	३	७
मध्यमकाल	प.	१२	५६	१९
रेल्वे टाइम	घं.	६	८	९
	मि.	५६	१	२३

वर्ष लग्नम् ११।१२

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

श्री जगदंबे ईश्वरी तू जग सर्जन हार ।
संवत्सर बाईस का कहो शुभाशुभ सार ॥

भवानी उत्तर

माता बोली प्रेम से सुन भैरव दे ध्यान ।
दशाधिकारी योग से फल उत्तम तूं जान ॥
राजा तो भृगु देव है मंत्री मंगल जानि ।
उत्तम फल होते हुये करें मध्य में हानि ॥
समय निवासो रजक घर रोहिणी तट निर्धार ।
मेघाधिप के योग से वर्ष मूसलधार ॥
वर्षा विश्वा पंचदश स्तंभ बने हैं तीन ।
संवत् अच्छा होयगा इसमें मेघ न मीन ॥
ज्येष्ठ धान्य संग्रह करो लाभ चौगुणा होय ।
रस कस भी तेजी रहे संशय करो न कोय ॥
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जानें वही जो हैं जग करतार ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ५।१२

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२१।२३

अथाधिकारिणां फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम्–शुक्रस्य राज्ये बहुसस्य संकुला स्वतीव्र वेगा सरितोम्बु राशिभिः । फलंति वृक्षाः बहु गोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुताः ।। मंत्री भौमस्तत्फलम्–अवनिजो ननु मंत्रि पदं गतो भवति दस्यु गदादिज वेदनाः । जनपदेषु जयं सुख संचयं न बहु गोषु पयो द्विज कर्म च ।। सस्येशः शुक्रस्तत्फलम्–शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां. मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षुधन प्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ।। धान्येशः बुधस्तत्फलम्–बुधे धान्याधिपे मेघाः जलं मुंचन्ति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशेच माधवोऽल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चन्द्रस्तत्फलम्–शशिनि तोयदपे यदि गो महिष्यजवरादिषु दुग्ध रसं तदा । फलवती धन धान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेशश शनिस्तत्फलम्–रविसुते रसपे रस संक्षयोनजलदागददाश्च पयोधराः । अज गवां गजवाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नराऽनरसंयुताः ।। नीरसेशो गुरुस्तत्फलम्–हरिद्रापीतवस्तूनां पीतवस्त्रादिकञ्च यत् । नीरसेशो यदा जीवो सर्वेषां प्रीतिरुत्तमाः ।। फलेशश्चन्द्रस्तत्फलम्–यदि विधु फलपो द्रुमराशयः फलयुता व्रतिभिः कुसुमैर्युता । द्विजमुखावर भोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः ।। धनेशो गुरुस्तत्फलम्–सुमनसांचगुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपरा सुखभाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्य युता भुवि मानवाः ।। दुर्गेशश्चन्द्रस्तत्फलम्–गढ़पतिर्मृगलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवराः नरवर्णित विग्रहाः ।। वर्षनाम कार्तिकस्तत्फलम्–पाप बुद्धिरताः लोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यन्ते राज्यं च तस्करैर्हृतम् ।। संवर्त नाम मेघस्तत्फलम्–संवर्ते जल पूरिताः ।। काला नाम संवत्सरस्तत्फलम्–वत्सरे कालयुक्तास्ये सुखिनः सर्वजन्तवः । ततोपि संति सस्यानि प्रचुराणि तथा गदाः ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम्–तटे-वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलम्–रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०२२ शाके १८८७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शु. १० चंद्रे उफा. ल. १२ रे. ७ ऽ।।।।ऽरोऽ।।। शु. श. पूज्यौ
" ११ भौमे हस्ते ल. अन्यगो. १२ रे.८ ऽ।।।।।।।। मीनेशुक्र शनि पूज्यौ

आषाढ़ मासः

कृ. ८ भौमे उभा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽ।।ऽ।ऽ दग्धा.
शु. ४ शुक्रे मघा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽरोऽऽ।।
" ९ बुधे स्वा. ल. गो. रे. ७ ऽ।।।।ऽल.ऽ।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृ. ८ भौमे मघा. ल. ६ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।। घ. ५२ या.
" १० गुरौ हस्ते ल. ७ रे. ९ ।।।।।।।ऽ। शु. पू.
" ११ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो. रे.८।।।।।।ऽऽ।। शु.भौ.८ दोषः
शु. ९ गुरौ उभायां ल.६ रे. ९ ।।।।ऽरो।।।। चं. ७ पू.
" १० शुक्रे उभा. ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽरो।।।ऽ भौ.८ दोषः

माघ मासः

कृ. ८ शुक्रे स्वा. ल. ६ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
शु. १० भौमे रोहि. ल. गो. रे.६ ।।।ऽशुक्रे।।ऽऽ। भौ.८ दोषः पादतोवेधा भावः गणितेन क्रां.साम्या भावः आव.

फाल्गुन मासः

कृ. ३ भौमे उफायां ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽ।ऽ।।। भौम८दोषः
" १० चंद्रे मूले ल. १० रे. ६ ।ऽ।।ऽऽअ.।ऽ।। आवश्यके
" ११ भौमे मूले ल. अन्यगो. रे. ७ ।ऽ।।ऽ।।ऽ।। भौम७ दोषः
शु. ३ बुधे रेवत्यां ल.१०रे.७मं।।।।ऽअ.।।।ऽ दग्धा.आवश्यके

चैत्र मासः

कृ. ४ गुरौ स्वा.ल.गो. रे.६।।।।।ऽरो।ऽऽऽभौ.८दोषः गणितेन क्रांति साम्याऽभावः दग्धा. आवश्यके

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०१५ स.१९६५
१	शु	५७	२२	रे	४९	४६	ऐं	३७	५२	किं	२८	१५	३०/५२	५/५०	६/१०	२	१२	२९	मे.४९।४६	रेव. शुक्रः २७/२७ संवत्सरारम्भः नवरात्रा.
२	श	५४	३७	अ	४७	३६	वै	३३	४	बा	२५	५९	५६	४९	११	३	१३	३०	मेषे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	र	५१	१	भ	४५	४४	वि	२७	२२	तै	२२	४९	३१/००	४८	१२	४	१४	१	मेषे	मत्स्य ज. गणगौरी जिल्हेज १२
४	चं	४६	४३	कृ	४४	८	प्री	२०	५६	व	१८	५१	४	४७	१३	५	१५	२	वृ.०।५०	भ. १८।५१ उ. ४६।४३ या.
५	मं	४२	१०	रो	४१	२५	आ	१४	३५	व	१४	२७	८	४६	१४	६	१६	३	वृषे	
६	बु	३७	१३	मृ	३८	२४	सौ	८	१०	कौ	९	४१	१२	४६	१४	७	१७	४	मि९।४९	कृतिका. ३ गुरुः ९।५७
७	गु	३२	१५	आ	३५	९	शो	१/१५	५२/५३	ग	४	४४	१६	४५	१५	८	१८	५	मिथुने	भ. ३२।१५ उ. ५९।४४ या.
८	शु	२७	१३	पु	३१	५०	सु	४७	२	ब	२७	१३	२०	४४	१६	९	१९	६	क.१७।४०	
९	श	२१	४८	पु	२८	१८	धृ	३९	४४	कौ	२१	४८	२४	४३	१७	१०	२०	७	कर्के	रोहि.४ राहुःज्येष्ठा.२केतुः२६/४० रामनवमी
१०	र	१६	२८	श्ले	२४	४७	शू	३२	३८	ग	१६	२८	२८	४२	१८	११	२१	८	सिं२४।४७	भ. १६।२८ उ. ४३।४९ या.
११	चं	११	१०	म	२१	२२	गं	२५	३९	वि	११	१०	३२	४२	१८	१२	२२	९	सिंहे	कामदा ११ व्रतम्
१२	मं	६	६	पू	१८	३०	वृ	१९	४	बा	६	६	३६	४१	१९	१३	२३	१०	कं.३२।५३	दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः २८/१४ (सौरः२६/२५) मेषे×
१३	बु	१	३२	उ	१६	३	ध्रु	१३	५	तै	१	३२	४०	४०	२०	१४	२४	११	कन्यायां	भ.५७।३४ उ. ×शुक्रः१२/५१ प्रदोषः
१४	बु	५६	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	गु	५४	४६	ह	१४	२३	व्या	७	२०	वि	२६	१०	४३	३९	२१	१५	२५	१२	तु.४४।१५	भ.२६।१०या. हनुमज्जयंती मन्वादिः

५२पं. चै.शु.४चं.इ.१२।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	१	११	१०	१	११
२१	१७	२७	२	२०	१८	२३	२१
५३	३०	४२	५६	५	३५	३६	५५
३१	११	५५	२८	१७	१३	१२	३८
५९	१३/४९	३३/२३	११	७४	६	३	५९
४४	ब	ब	५६	३८	३१	११	४

गोचरग्रहाः

१ ११श १२सूशु २ १० ३ ९ वे ६ ८ ४ ५मं ७

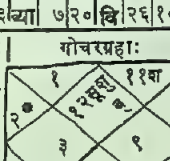

चैत्र शु.१२ भौमे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न.५गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ४५ (धान्य भाव सम) शुक्रास्तः पूर्व.

गोचरग्रहाः

१२बु ३ १सूशू ११श ४ १० मं ५ च ७ ९ ६ ८के

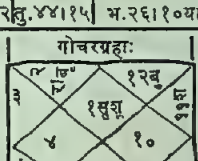

१पं. चै.शु.१२मं.इ.२८।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	१	०	१०	१	०
०	१६	२१	४	०	१९	२३	०
०	१७	३९	३५	१९	२७	१०	१
०	२	५०	१७	८	२२	२२	४७
५८	४/१७	३५/४६	१२	७४	६	३	५८
४४	च	ब	२५	३८	१६	११	४४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५३	२४	चि	१४	४	ह	३/५	५६/३८	बा	२४	५	३१/४७	५/३९	६/२१	१६	२६	१३	तुलायां	पूर्वोदयी बुधः २५।५५
२	श	५३	३८	स्वा	१५	२	सि	५८	७	तै	२३	३१	५१	३८	२२	१७	२७	१४	तुलायां	
३	र	५५	३७	वि	१७	५२	व्य	५७	२	व	२४	३८	५५	३७	२३	१८	२८	१५	वृ.२।१०	भ.३४/३८ उ.५५/३७ या. मार्गी भौमः३६/५६ पूभा.१*
४	चं	५९	१	अ	२२	१३	व	५७	३८	ब	२७	१९	५८	३६	२४	१९	२९	१६	वृश्चिके	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	६०	०	ज्ये	२८	१	प	५९	२	कौ	३१	३३	३२/२	३६	२४	२०	३०	१७	व.२८।१	
५	बु	४	५	मू	३४	३७	शि	६०	०	तै	४	५	६	३५	२५	२१	१	१८	धनुषि	राष्ट्रीय वैशाखारम्भः *शनिः४८/३५
६	गु	९	१८	पू	४२	५	शि	०	५९	व	९	१८	१०	३४	२६	२२	२	१९	म.५८।५७	भ.९।१८ उ.४२/३८ या. कृति.४ गुरुः५८।९
७	शु	१५	५८	उ	४९	३४	सि	३	२५	ब	१५	५८	१४	३३	२७	२३	३	२०	मकरे	भरण्यां शुक्रः ५८।३१
८	श	२२	११	श्र	५६	४४	सा	५	४१	कौ	२२	११	१७	३३	२७	२४	४	२१	मकरे	मार्गी बुधः १६।५५
९	र	२७	४५	ध	६०	०	शु	७	१४	ग	२७	४५	२१	३२	२८	२५	५	२२	कुं.२९।४८	भ. ५९।५६ उ.
१०	चं	३२	७	ध	२	५३	शु	८	३४	वि	३२	७	२५	३१	२९	२६	६	२३	कुम्भे	भ. ३२।७ या. =वरूथिनी ११ व्रतम्
११	मं	३४	५२	श	७	४०	ब्र	८	२९	ब	३	३०	२९	३०	३०	२७	७	२४	मी५४।५४	दृश्योभरण्यां रविः८।३० (सौरः७।४३)=
१२	बु	३६	२	पू	१०	३९	ऐं	६	५४	कौ	५	२७	३२	३०	३०	२८	८	२५	मीने	
१३	गु	३५	९	उ	१२	५	वै	४/४	५५/३०	ग	५	३५	३६	२९	३१	२९	९	२६	मीने	भ. ३५।९ उ. प्रदोषः
१४	शु	३२	३२	रे	११	४४	प्री	५३	५७	वि	३	५१	४०	२८	३२	३०	१०	२७	मे.११।४४	भ. ३।५१ या.
२०	श	२८	३५	अ	९	४६	आ	४७	२१	च	०	३३	४३	२७	३३	१	११	२८	मेषे	मई मा. ५ ता. ३१

२पं. वै.कृ.५मं.इ.२८।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	१	०	१०	१	०
६	१५	१९	६	८	२०	२२	६
५०	५८	२२	७	५८	९	४८	५१
४२	१८	१	५५	४८	४३	६	५८
५८	३३/३५	१५/२५	१२	७४	५	३	५८
३१	मा	ब	५०	३८	५०	११	२९

गोचरग्रहाः

१२बु ३ १सूशु ११श ४ १० मं ५ ७ ९ चं ६ ८के

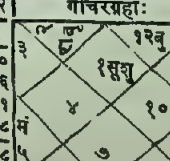

इस मास में प्रजा में भय हो, धान्य रुई अफीम चांदी सोना गुड़ खांड तेज सुदी में तेल तेज रहे।

गोचरग्रहाः

१२बु ३ १सूशु ११श ४ १० ५ मं ७ ९ ६ ८के

३पं.वै.कृ.११मं.इ.२८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	१	०	१०	१	०
१३	१६	१९	७	१७	२०	२२	१३
३९	११	४३	४२	३८	४८	२५	४०
४३	४६	३७	५०	१७	५८	५१	२३
५८	७	१३/४	१३	७४	५	३	५८
१७	४०	मा	११	३२	२४	११	१२

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०४५ सन् १९६५
१	र २३ १२ भ ६ ४० सौ ३९ ५४ ब	२३ १२	३३ ५	३	२	१२	२९	वृ. २०।३९	चन्द्रदर्शनम्
२	सं १७ ४ भ ३९ ५५ शो ३२ ७ कौ	१७ ४	५१ १	२६	३४	३	१३	१ वृषे	परशुराम ज. मोहोरम १ सन् १३८५ हि.
३	मं १० ४० मृ ५३ ४६ अ २४ ० ग	१० ४०	५४ २	५	३५	४	१४	२ मि २५।५८	भ. ३७ उ. कृत्ति. शुक्रः ४८।२ अक्षया ३
४	बु ४ १२ आ ४९ २० सु १६ १ वि	४ १२	५७ २	५	३५	५	१५	३ मिथुने	भ. १६ या. ×शुक्रोदयः पश्चिमायां ३६
५	बु ५३ ५५ ० ० ० ० ० ०	० ०	० ०	०	०	०	०	०	प.उ.शु.
६	शु ५२ २ पु ४५ १८ धृ ८ ३० कौ	२५ ५	३३ २४	३६	६	१६	४	क. ३१।१७	
७	शु ४६ २३ पु ४१ ४७ श ५ ५३ ग	१९ १३	४ २३	३७	७	१७	५	कर्के	भ. ४६ उ. वृषेशुक्रः २३ रोहि. १ गुरुः ३३×
८	श ४१ २३ पु ३८ ४१ वृ ४७ २० वि	१३ ५३	७ २३	३७	८	१८	६	सिं ३८।४१	भ. १३।५८ या. पातस्पर्शः ४७।२४
९	र ३७ ० म ३६ ११ धु ४१ १३ बा	९ १२	१० २२	३८	९	१९	७	सिंहे	पातमोक्षः १।२ ०मेषे बुधः ३५
१०	सं ३३ ११ पू ३४ २१ न्या ३५ ३८ तै	५ ५	१३ २१	३९	१०	२०	८	कं. ४९।२	दृश्यः कृत्तिका. रविः ५४ (सौरः ५०)
११	मं ३० ४ उ ३३ ४ ह ३० ४७ व	१ ३७	१६ २१	३९	११	२१	९	कन्यायां	भ. १।३७ उ. ३०।४ या. मोहिनी ११ ब्र.
१२	बु २७ ३४ ह ३२ ३६ च २६ ३१ बा	२७ ३४	१९ २०	४०	१२	२२	१०	कन्यायां	प्रदोष ब्र.
१३	गु २६ १६ चि ३३ १८ सि २२ ५९ ते	२६ १६	२२ २०	४०	१३	२३	११	तु. २।५७	नृसिंह जयंती =(सौरः ३३)
१४	शु २५ ५६ स्वा ३५ १३ व्य २० १२ व	२५ ५६	२५ १९	४१	१४	२४	१२	तुलायां	भ. २५ उ. २३ या. दृश्यो वृषेऽर्कः ४०=
१५	श २६ ५० वि ३८ ३ व १८ ४५ ब	२६ ५०	२८ १८	४२	१५	२५	१३	वृ. २२।२०	रोहि. शुक्रः ३९।१३ अन्नजल कुंभदानम्

४पं. वै.शु. ३मं.इ.२९।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	१	०	१०	१	०
२०	१६	२४	९	२६	२१	२२	२०
२७	५८	२	१७	१६	२४	३	२७
२२	१२	३८	४४	२३	२९	३५	३
५८	१२	४३	१३	७४	४	३	५७
६	५२	५०	२०	३२	५८	११	५७

गोचरग्रहाः

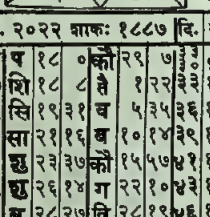

वैशाखशु. १४ शुक्रे वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव महंगा) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

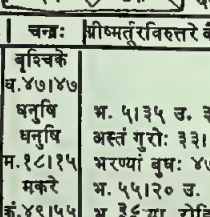

५पं. वै.शु. ११मं.इ.२९।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	१	१	१०	१	०
२७	१८	१	१०	४	२१	२१	२७
१३	३५	१४	५३	५३	५६	२१	१२
३४	५०	२०	४२	४६	५३	२०	१७
५७	१५	६९	१३	७४	४	३	५७
५४	४०	१५	२८	३०	३५	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र २९ ७ अ ४२ २४ प १८ ० कौ	२९ ७	३३ ५	१८	४३	१६	२६	१४	वृश्चिके
२	सं ३३ ३७ ज्ये ४७ ४७ शि १८ ८ ते	१ २२	३३ १७	४३	१७	२७	१५	ध. ४७।४७	
३	मं ३७ ३४ मू ५४ १६ सि १९ ३१ ब	५ ३५	३६ १७	४३	१८	२८	१६	धनुषि	भ. ५।३५ उ. ३७।३४ या.
४	बु ४२ ५४ पू ६० ० सा २१ १६ ब	१० १४	३९ १६	४४	१९	२९	१७	धनुषि	अस्तं गुरोः ३३।० च. ब्र. गु. अ.
५	गु ४९ ० पू १ २० शु २३ ३७ कौ	१५ ५७	४१ १६	४४	२०	३०	१८	म. १८।१५	भरण्यां बुधः ४७।३
६	शु ५५ २० उ ८ ५९ शु २६ १४ ग	२२ १०	४३ १५	४५	२१	३१	१९	मकरे	भ. ५५।२० उ. +ज्येष्ठारम्भः
७	श ६० ० श्र १६ २९ ब्र २८ २७ वि	२८ १९	४६ १५	४५	२२	१	२०	कुं. ४९।५५	भ. ३६ या. रोहि. २ गुरुः ४८ राष्ट्रीय+
७	र १ १८ ध २३ २१ ऐं ३० १४ ब	१ १८	४८ १४	४६	२३	२	२१	कुम्भे	
८	सं ६ ३ श २९ ९ वै ३१ २ कौ	६ ३	५० १४	४६	२४	३	२२	कुम्भे	दृश्यो रोहि. रविः ४५।१५ (सौरः ४५)
९	मं ९ ३१ पू ३३ २६ वि ३० २७ ग	९ ३१	५३ १४	४६	२५	४	२३	मी १७।२२	भ. ४०।२४ उ.
१०	बु ११ १७ उ ३५ ५२ प्री २८ ३२ वि	११ १७	५४ १३	४७	२६	५	२४	मीने	भ. ११।१७ या. मृगे शुक्रः २७।४९
११	गु १० ५७ रे ३६ १२ आ २४ ५३ बा	१० ५७	५६ १३	४७	२७	६	२५	मे. ३६।१२	अपरा ११ ब्र.
१२	शु ८ ३२ अ ३४ ३७ सौ १९ ५७ ते	८ ३२	५८ १२	४८	२८	७	२६	मेषे	कृत्ति. बुधः १७।५१ प्रदोषः
१३	श ४ २३ भ ३१ २४ शो १३ ११ ब	४ २३	३४ १२	४८	२९	८	२७	वृ. ४५।१०	भ. ४।२३ उ. ३५ या. वृषे बुधः ५५।१
१४	श ५४ ३ ० ० ० ० ० ०	० ०	० ०	०	०	०	०	०	
२०	र ५१ ७ कृ २६ २९ अ २३ ५५ च	२४ ४६	२ १२	४८	३०	९	२८	वृषे	वट पूजनम्

६पं. ज्ये.कृ. ३मं.इ.२९।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	१	१	१०	१	१
३	१५	१०	१२	१३	२२	२१	३
५८	१५	४१	२१	२१	२५	१९	५५
२६	४२	१०	१२	५	१९	४	५५
५७	२०	६९	१३	७४	३	३	५७
५४	१९	१२	२२	२६	५५	११	३४

गोचरग्रहाः

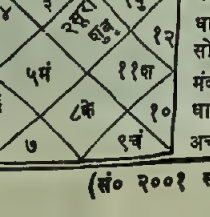

इस मास में रोग पीड़ा खूप अधिक धान्य रूई चांदी सोना सूत गुड़ गेहूँ मंदी होकर तेजी, धान्य संग्रह से अच्छा लाभ हो।

गोचरग्रहाः

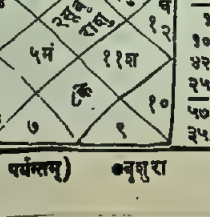

७पं. ज्ये.कृ. ९मं.इ.२९।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	१	१	१०	१	१
१०	२२	२१	१४	२२	२२	२०	१०
४२	७	३८	९	७	४९	५६	३८
२५	१६	२	२९	३७	५२	४८	४
५७	२२	६९	१३	७४	३	३	५७
३५	१८	२	२८	२६	१९	११	२३

| ति. | ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७ | | |

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१०४ स.१९६५
१	मं	५०	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	५०	११	पु	२५	५८	व्या	४४	२७	बा	२५	११	३४/२१	५/८	६/५२	३०	९	२९	क.१२।५०	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	गु	४१	५	पु	१८	४४	ह	३४	२९	तै	१७	३८	२०	८	५२	१	१०	१	कर्के	जुलाई मा. ७ ता. ३१ रविलावल ३
४	शु	३३	१	श्ले	१२	१४	व	२४	५६	व	७	३	१९	८	५२	२	११	२	सिं१२।१४	भ. ७।३ उ. ३३।१ या.
५	श	२६	२०	म	६	५८	सि	१६	४४	बा	२६	२०	१८	८	५२	३	१२	३	सिंहे	
६	र	२१	३	पू	३	१८	व्य	९	४०	तै	२१	३	१७	९	५१	४	१३	४	कं.१७।४९	मृगे. १ गुरुः २३।४४
७	चं	१७	३८	उ	१	२०	व	४/१	५५/३३	व	१७	३८	१५	९	५१	५	१४	५	कन्यायां	भ. १७/३८ उ. ४६/४४ या. दृश्यः पुन. रविः ३६/३७=
८	मं	१५	५०	ह	०	५६	शि	५६	३४	व	१५	५०	१४	९	५१	६	१५	६	तु.३१।१४	=सौरः ५४।५७ हस्ते भौमः३७।२५
९	बु	१५	४७	चि	१	३३	सि	५५	४७	कौ	१५	४७	१३	९	५१	७	१६	७	तुलायां	
१०	गु	१७	६	स्वा	४	५०	सा	५४	०	ग	१७	६	११	१०	५०	८	१७	८	वृ.५२।५५	भ. ४८।२६ उ. अश्लेषा. बुधः ५।३९
११	शु	१९	४७	वि	८	५६	शु	५४	४५	वि	१९	४७	१०	१०	५०	९	१८	९	वृश्चिके	भ.१९/४७या.अश्लेषा.शुक्रः ४/३९देवशयनी११व्र
१२	श	२३	४०	अ	१४	१०	शु	५५	४०	बा	२३	४०	८	१०	५०	१०	१९	१०	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	र	२८	१५	ज्ये	२०	९	ब्र	५७	१५	तै	२८	१५	७	११	४९	११	२०	११	ध.२०।२	
१४	चं	३३	५९	मू	२७	४	ऐं	५९	१२	ग	१	७	५	११	४९	१२	२१	१२	धनुषि	भ. ३३।५९ उ.
१५	मं	३९	४२	पू	३४	१०	वै	६०	०	वि	६	५०	४	११	४९	१३	२२	१३	म.५१।४	भ. ६।५० या. व्यास पूजा वायु परीक्षा

१३पं.आ.शु.८मं.इ.२९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	३	१०	१	२
२०	१०	१४	२३	१३	३	१८	२०
५०	२९	१५	४७	२८	४०	४३	५२
१०	२०	४७	१३	५२	४१	१५	४३
५७	३३	८९	१३	७३	०/४९	३	५६
१०	५४	५०	०	५०	व	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच भौमवार नेष्ट हैं प्रजामें पीड़ा और वायु के साथ वर्षा होगी। गुड़ खांड घृत तेल तेज हो

गोचरग्रहाः

१४पं.आ.शु.१५मं.इ.२९।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	३	१०	१	२
२७	१४	२४	२५	२१	२३	१८	२७
३०	१३	२१	१७	५९	३२	२०	१०
३२	३७	५०	५६	२	२८	५९	५०
५७	३४	६८	१२	७३	१/४	३	५६
११	५८	३७	३५	४३	व	११	५५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४५	४६	उ	४१	४६	वै	१	३३	बा	१२	४४	३४/२	५/१२	६/४८	१४	२३	१४	मकरे	
२	गु	५१	५३	श्र	४९	११	वि	३	५०	तै	१८	५०	०	१२	४८	१५	२४	१५	मकरे	
३	शु	५७	४४	ध	५६	३३	प्री	६	२०	व	२३	४८	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१६	कु.२२।५२	भ.२३/४८उ.५७/४४या.दृश्यःकर्केऽर्कः६/१सौरः२७/३१
४	श	६०	०	श	६०	०	आ	८	३०	व	३०	१९	५६	१३	४७	१७	२६	१७	कुम्भे	चतुर्थी व्रतम्
४	र	२	५४	श	३	१९	सौ	१०	२५	बा	२	५४	५४	१३	४७	१८	२७	१८	मी५२।४४	
५	चं	७	१५	पू	९	१२	शो	११	२६	तै	७	१५	५२	१४	४६	१९	२८	१९	मीने	दृश्यःपुष्येरविः३५/१८ सौरः५८/१२सिंहेबुध.१७/३९×
६	मं	१०	३०	उ	१४	१	अ	११	०	व	१०	३०	५०	१४	४६	२०	२९	२०	मीने	भ.१०/३०उ.४१/२५या.सिंहेशुक्रः५/४९मृगे.२गुरुः२०/८
७	बु	१२	१९	रे	१७	१७	सु	१०	३२	व	१२	१९	४७	१५	४५	२१	३०	२१	मि.१७।१७	×नाग५मरुस्थले *वक्रीपूभा.१ शनिः१५/२०
८	गु	१२	१९	अ	१९	३	धृ	८	१८	कौ	१२	१९	४५	१५	४५	२२	३१	२२	मेषे	
९	शु	१०	४०	भ	१८	५९	शू	४/३६	५४/४०	ग	१०	४०	४२	१६	४४	२३	१	२३	वृ.३३।२८	भ. ३८।५१ उ. राष्ट्रीय श्रावणारम्भः
१०	श	७	२	कृ	१६	५५	वृ	५२	३६	वि	७	२	४०	१६	४४	२४	२	२४	वृषे	भ. ७।२ या.
११	र	१	२४	रो	१३	५	ध्रु	४४	२०	बा	१	२४	३७	१७	४३	२५	३	२५	मि४०।२६	कामिका ११ व्र.
१२	र	५२	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	चं	४५	४२	मृ	७	४७	व्या	३५	५	ग	१९	५९	३५	१७	४३	२६	४	२६	मिथुने	भ. ४५।४२ उ. प्रदोषः
१४	मं	३५	४	आ	१/३	५२/२४	ह	२४	५५	वि	१०	२३	३२	१८	४२	२७	५	२७	क.४०।२१	भ. १०।२३ या.
३०	बु	२५	५८	पु	४५	२९	व	१४	२	ना	२५	५८	२९	१८	४२	२८	६	२८	कर्के	हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.६मं.इ.२९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	१	४	१०	१	३
४	१८	०	२६	०	२३	१७	३
११	५	५४	४५	२८	१९	५८	४९
१७	३५	१४	४७	३०	३०	४४	१७
५७	३६	४५	१२	७३	१/११	३	५६
१५	४	३४	१६	२७	व	११	५७

गोचरग्रहाः

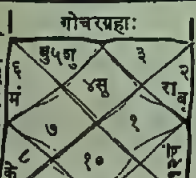

श्रावण कृ.३ शुक्रे कर्केऽर्कः प्र.वा.५ न.५प्रगल्भावस्था (बैठी) मुं. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

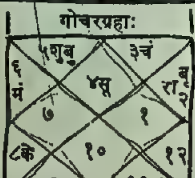

१६पं.श्रा.कृ.१४मं.इ.२८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	१	४	१०	१	३
१०	२२	५	२८	८	२३	१७	१०
५२	५	१९	१०	५६	२	३६	२८
१९	४९	४४	४४	१३	२०	२८	३४
५७	३६	१६	११	७३	३/४५	३	५७
२०	५६	१	४७	१७	व	११	५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४१३३ सन्१९६५
१	गु	१५	५४	श्ले	३७	३३	सि	३/८	४९/२३	ब	१५	५४	३३/२६	५/१९	६/४१	२९	७	२९	सि३७।३३	चित्रा. भौमः २९।२६ चन्द्रद. सिंधारा
२	शु	६	२४	म	३०	४२	व	४२	४०	कौ	६	२४	२४	१९	४१	३०	८	१	सिंहे	वक्री बुधः ५९।२८ तीज रविलाखर ४
३	शु	५१	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	श	५१	९	पू	२४	५३	प	३३	३३	व	२४	३५	२१	२०	४०	३१	९	२	कं.३८।५१	भ.३४/३५ उ.५१।९या. पूफायां शुक्रः८।५८
५	र	४५	५९	उ	२०	४५	शि	२५	४६	ब	१८	३४	१८	२०	४०	१	१०	३	कन्यायां	नाग पंचमी अगस्त मा. ८ ता. ३१
६	चं	४२	४८	ह	१८	३५	सि	२०	२	कौ	१४	२४	१५	२१	३९	२	११	४	तु.४८।२३	दृश्यः आश्लेषा. रविः ३२/१९ (सौरः५९।१)
७	मं	४१	४४	चि	१८	११	सा	१५	३२	ग	१२	१६	१२	२२	३८	३	१२	५	तुलायां	भ. ४१।४४ उ.
८	बु	४२	३६	स्वा	१९	४७	शु	१२	४८	वि	१२	१०	९	२२	३८	४	१३	६	तुलायां	भ. १२।१० या.
९	गु	४५	१०	वि	२३	२१	शु	११	२६	बा	१३	५३	६	२३	३७	५	१४	७	वृ.७।२८	मृगे ३ मिथुने गुरुः ५७।५६
१०	शु	४९	२१	अ	२८	२९	ब्र	११	४४	तै	१७	१५	३	२३	३७	६	१५	८	वृश्चिके	
११	श	५४	२५	ज्ये	३४	४७	ऐं	१२	३५	व	२१	५३	०	२४	३६	७	१६	९	ध.३४।४७	भ.२१।५३ उ. ५४/२५ या. पवित्रा११व्र.
१२	र	६०	०	मू	४१	५३	वै	१४	२२	ब	२७	२४	३३/५६	२५	३५	८	१७	१०	धनुषि	पश्चिमास्तो बुधः ३०/१४ पवित्रा ११व्र. नि.
१२	चं	०	२३	पू	४९	९	वि	१६	४४	बा	०	२३	५३	२५	३५	९	१८	११	धनुषि	तुला. भौमः ४७।३९ प्रदोषः
१३	मं	६	३२	उ	५६	४१	प्री	१९	२	तै	६	३२	५०	२६	३४	१०	१९	१२	म. ६।२	
१४	बु	१२	३७	श्र	६०	०	आ	२१	२६	ब	१२	३७	४७	२७	३३	११	२०	१३	मकरे	भ.१३/३७ उ.४५।३५ या. उफायां शुक्रः १०/५८
१५	गु	१८	३२	श्र	३	५७	सौ	२३	४२	व	१८	३२	४३	२७	३३	१२	२१	१४	कु.३७।३२	श्रावणीकर्म रक्षा बन्धनम्

१७पं.श्रा.शु.७मं.इ.२८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	१	४	१०	१	३
१७	२६	६	२९	१७	२२	१७	१७
३४	१३	२८	३२	२३	४०	१४	८
१	८	२३	१३	१३	१९	१२	२२
५७	३७	१५/५६	११	७३	३/२४	३	५७
२५	३६	ब	११	२	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास का फल उत्तम है। वर्षा श्रेष्ठ अनाज जो गेहूँ बाजरा मोंठ चावल मंदा हो।

गोचरग्रहाः

१८पं.श्रा.शु.१३मं.इ.२८।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	२	४	१०	१	३
२४	०	३	०	२५	२२	१६	२३
१६	२६	३३	४९	४८	१५	५१	४९
२६	६	३६	४४	४०	५८	५७	२९
५७	३८	४६/३५	१०	७२	३/४९	३	५७
३३	१३	ब	३५	४६	ब	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२४	३	ध	११	७	शो	२५	३६	कौ	२४	३	३२/४०	५/२८	६/३१	१३	२२	१५	कुम्भे	कन्या. शुक्र. ५५।५२
२	श	२८	५६	श	१७	४२	अ	२७	८	ग	२८	५६	३६	२९	३१	१४	२३	१६	कुम्भे	वक्रीअश्ले. कर्केबुधः५९/४९ रोहि.२राहुःअनु.●
३	र	३२	४८	पू	२३	२२	सु	२८	०	व	०	५२	३३	२९	३१	१५	२४	१७	मी६।५७	भ. ०।५२ उ. ३२।४८ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	३५	३७	उ	२८	५	धृ	२८	८	ब	४	१३	२९	३०	३०	१६	२५	१८	मीने	दृश्यो मघा. सिंहेऽर्कः २६।१४(सौरः५५/२६)
५	मं	३७	३०	रे	३१	५१	शू	२७	२८	कौ	६	४९	२६	३१	२९	१७	२६	१९	मे.३१।५१	चन्द्रषष्ठी
६	बु	३८	८	अ	३४	१८	गं	२५	४५	ग	७	४९	२२	३२	२८	१८	२७	२०	मेषे	भ. ३८।८ उ. ●४ केतुः १३।५२
७	गु	३७	३०	भ	३५	३५	वृ	२३	५	वि	७	४९	१९	३२	२८	१९	२८	२१	वृ.५०।३०	भ. ७।४९ या. जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	शु	३५	१६	कृ	३५	१७	ध्रु	१९	१६	बा	६	२३	१५	३३	२७	२०	२९	२२	वृषे	स्वात्यां भौमः२६।१७ जन्माष्टमी व्र.वै.
९	श	३१	१८	रो	३३	२७	व्या	१४	११	तै	३	१७	११	३४	२६	२१	३०	२३	वृषे	भ. ५८।४३ उ. गोगा ९
१०	र	२६	९	मृ	३०	७	ह	७	४८	वि	२६	९	८	३४	२६	२२	३१	२४	मि१।३७	भ. २६।९ या. हस्ते शुक्रः १९।५१
११	चं	१९	१७	आ	२५	२७	व	०/१०	५१/२८	बा	१९	१७	४	३५	२५	२३	१	२५	मिथुने	अजा ११ व्र. राष्ट्रीय भाद्रपदारम्भः
१२	मं	११	२१	पु	१९	३६	व्य	४२	१५	तै	११	२१	०	३६	२४	२४	२	२६	क. ६।४	पूर्वोदयी बुधः १३/१७ वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	बु	२	३५	पु	१२	४३	व	३२	१३	व	२	३५	३१/५६	३७	२३	२५	३	२७	कर्के	भ.२।३५ उ.२७/५० या. मृग.४ गुरुः३२।३५
१४	बु	५०	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	गु	४३	३१	श्ले	६/२७	५२/३५	प	२१	३८	च	१८	१८	५२	३८	२२	२६	४	२८	सिं६।२७	मार्गी बधः १३।५२ कुशाग्रहणी

१९पं.भा.कृ.५मं.इ.२८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	२	५	१०	१	४
०	४	२७	२	४	२१	१६	०
५९	४४	४४	१	१२	४८	२९	३१
४९	३५	४८	३१	७	३२	४१	४२
५७	३८	५४/३४	९	७२	४/८	३	५७
४०	५७	ब	५३	२०	ब	११	३४

गोचरग्रहाः

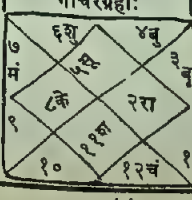

भाद्रपद कृ.४चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न.४कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

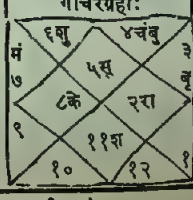

२०पं.भा.कृ.१२मं.इ.२८।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	२	५	१०	१	४
७	९	२४	३	१२	२१	१६	७
४४	१०	२५	१०	३४	१८	७	१५
१७	१	२५	१२	८	४३	२६	१५
५७	३९	१७/२७	९	७१	४/२७	३	५७
४८	३८	ब	९	५९	ब	११	४५

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१६२ स.१९६५
१	शु ३४ २१ पू ५१ २० शि ११ १८ कि ९ ० ३१ ४८ ३८ २१ २७ ५ २९							सिंहे	
२	श २६ ३५ उ ४५ ३० सि २० ५१ कौ २६ ३५ ४४ ३९ २१ २८ ६ ३०							कं.४।५३	चंद्रदर्शनम्
३	र २० १३ ह ४१ २९ शु ४४ ३८ ग २० १३ ४० ४० २० २९ ७ १							कन्यायां	भ.४९ उ. हरितालिका३ जमादिलावल५
४	चं १५ ३९ चि ३९ १८ शु ३८ २८ वि १५ ३९ ३९ ४१ १९ ३० ८ २							तु.१०।२३	भ.३५ यां. इश्यःपूफायांरविः३५सौरः४६●
५	मं १३ १६ खा ३९ १६ ब्र ३४ ९ बा १३ १६ ३३ ४२ १८ ३१ ९ ३							तुलायां	ऋषिपंचमी ●गणेश ४
६	बु १२ ५७ वि ४१ १५ ऐं ३१ २७ त्रै १२ ५७ २८ ४२ १८ १ १० ४							वृ.२५।४५	सितम्बर मा. ९ ता. ३०
७	गु १४ ३८ अ ४५ २० वै ३० १७ व १४ ३८ २५ ४३ १७ २ ११ ५							वृश्चिके	भ.१४।३८ उ.४६ या. चित्रा.शुक्रः३०।३४
८	शु १८ १८ ज्ये ५० ५६ वि ३० ४० ब १८ १८ २१ ४४ १६ ३ १२ ६							ध.५०।५६	
९	श २३ १३ मू ५७ ४७ प्री ३१ ५२ कौ २३ १३ १७ ४५ १५ ४ १३ ७							धनुषि	मघा. सिंहे बुधः २९।५
१०	र २९ २६ पू ६० ० आ ३४ ८ ग ध २९ २६ १३ ४५ १५ ५ १४ ८							धनुषि	
११	चं ३५ ३५ पू ५ २ सौ ३८ ५६ ध ३ ३० ९ ४६ १४ ६ १५ ९							म.२।५८	भ.२।३० उ.३५ या. जलझूलनी ११ ब्र.
१२	मं ४१ ५३ उ १२ ४५ शो ३८ २८ ब ८ ४४ ५ ४७ १३ ७ १६ १०							मकरे	वामनजयंती ×महालयारंभः
१३	बु ४७ ४३ श्र २० १७ अ ४१ १८ कौ १४ ४८ १ ४८ १२ ८ १७ ११							कु.५३।४७	तुलायां शुक्रः ८।५५ प्रदोषः
१४	गु ५२ ५९ ध २७ १८ सु ४३ ७ ग २० २१ ३० ४९ ११ ९ १८ १२							कुम्भे	भ.५२ उ. विशाखा. भौमः५४ अनंत१४
१५	शु ५७ १२ श ३३ २५ धृ ४४ १६ वि २४ ५ ५३ ४९ ११ १० १९ १३							कुम्भे	भ. २४।५ या. वक्री शते ४ शनिः ४५×

२१पं.भा.शु.५मं.इ.२८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	२	५	१०	१	४
१४	१३	२६	४	२०	२०	१५	१४
२९	४३	३८	१२	५३	४७	४५	०
५६	२६	१७	४५	३	२४	१०	२७
५८	४०	५१	८	७१	४	३	५७
१	२२	५९	२०	३८	४०	११	५७

गोचरग्रहाः

इस मासमें चांदी सोना लोहा रुई रंग तेज हो, बदी में मंदी होगी। खेती की हानि। भाव तेज।

गोचरग्रहाः

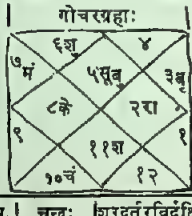

२२पं.भा.शु.१२मं.इ.२८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	२	५	१०	१	४
२१	१८	४	५	२९	२०	१५	२०
१६	२०	३९	७	११	१५	२२	४७
५६	५०	२२	५३	२८	४	५४	७
५८	४०	९३	७	७१	४	३	५८
१३	४५	४०	१८	१४	४	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श ६० ० पू ३९ २८ शु ४४ ३६ बा २८ ४९ ३० ४८ ५० १० ११							मी २२।५७	
१	र ० २६ उ ४२ ४२ गं ४४ १३ कौ ० २६ ४४ ५१ ९ १२ २१							मीने	पूफायां बुधः४३।४ पूर्वास्तो बुधः४६।५७
२	चं २ ३४ रे ४५ ५३ वृ ४२ ५५ ग २ ३४ ४० ५२ ८ १३ २२							मे. ४५।५३	भ.३३ उ. इश्यःउगायां रविः१९सौरः३६●
३	मं ३ ३० अ ४७ ५८ धु ४० ५४ वि ३ ३० ३६ ५३ ७ १४ २३							मेषे	भ.३३ या. चतुर्थी ब्र. ●स्वात्यांशुक्रः ३५
४	बु ३ ३६ भ ४९ ११ था ३८ २ बा ३ ३६ ३२ ५४ ६ १५ २४							मेषे	
५	गु २ ३५ कृ ४९ २१ ह ३४ १६ त्रै २ ३५ २८ ५४ ६ १६ २५							वृ.४।१३	इश्यः कन्यायामर्कः ३५(सौरः ५६।८)
६	शु ० ३२ रो ४८ २३ च २९ ५२ व ० ३२ २४ ५५ ५ १७ २६							वृषे	भ. ०।३२ उ. २९।५ या.
७	शु ५७ ६ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०	
८	श ५३ ३८ मृ ४६ ३१ सि २४ ३३ बा २५ ३८ २० ५६ ४ १८							मि १७।२७	=नवरात्रा. घटस्था. अभिजिति
९	र ४८ ४६ आ ४३ ४२ ब्य १८ २४ त्रै २१ १२ १६ ५७ ३ १९							मिथुने	उफायां बुधः ५०।३२ मातृ ९
१०	चं ४२ ४२ पु ३९ ४४ ब ११ ३० व १५ ४४ १२ ५८ २ २०							क.२५।४३	भ. १५।४४ उ. ४२।४२ या.
११	मं ३५ ५६ पु ३५ २ प ४४ ३३ ब ९ १९ ८ ५८ २ २१							कर्के	कन्या.बुधः३५आर्द्रा१गुरुः४५इंदिरा११ब्र.
१२	बु २८ १८ पु २९ २५ सि २६ २३ त्रै २८ १८ ४ ५९ १ २३							सिं २९।२५	प्रदोषः
१३	गु २० १६ म २३ ३३ सा ३६ ५६ व २० १६ ३० ६ ३० २३							सिंहे	भ.३१ उ.४६ या. राष्ट्रीय आश्विनारम्भः
१४	शु १२ २२ पू १८ ८ शु २८ ४७ श १२ २२ ३५ ३० १ ५५ २४							वृश्चिके	भौमः ४१।३ सर्वपितृ श्राद्धम्
३०	श ४ ४९ उ १२ १४ शु १८ ५१ ना ४ ४९ ५१ २ ५८ २५							कन्यायां	विशाखा. शुक्रः ९।८ मातामह श्राद्धम्=

२३पं.आ.कृ.३मं.इ.२७।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	२	६	१०	१	४
२८	२३	१६	५	७	१९	१५	२७
५	१३	२१	५६	२७	४३	०	३५
१४	३०	५५	४९	२९	१	३९	३०
८	४१	०	६	७०	३	३	५८
६	२४	५३	२२	३७	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

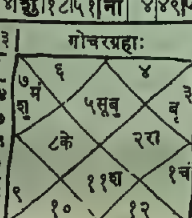

आश्विन कृ.५गुरौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (घान्य भाव सम) शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

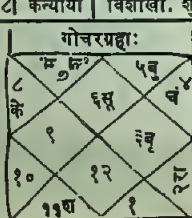

२४पं.आ.कृ.११मं.इ.२७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	२	६	१०	१	४
४	२७	२९	६	१५	१९	१४	४
५५	४८	४०	३८	३९	११	३८	२५
१९	०	५८	२८	३६	३१	३३	३७
५८	४०	९३	७	७१	४	३	५८
३८	५८	४४	१४	५६	ब	११	४५

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१९२ स.१९६५
१	श	५३	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	४३	१३	ह	७	३८	ब्र	१०	४५	बा	२५	४८	२९/४७	६/३	५/५७	२६	४	२९	तु.३६।२	दृश्यो हस्ते रविः ३८।३८ चंद्रदर्शनम्
३	चं	५०	७	चि	४	२५	ऐं	३/४२	५४/१७	तै	२१	४०	४३	३	५७	२७	५	१	तुलायां	हस्ते रविः सौरः ८।३७ हस्ते बुधश्च ६/५८ ●
४	मं	४८	५३	स्वा	३	०	वि	५४	४९	व	१९	३०	३८	४	५६	२८	६	२	वृ.४८।३०	भ.१९/३० उ.४६/५६ या. ●जमादिलाखर६
५	बु	४९	३६	वि	३	३९	प्री	५१	१४	ब	१९	१४	३४	५	५५	२९	७	३	वृश्चिके	अनु. भौमः २४।५६
६	गु	५२	२३	अ	६	९	आ	५०	४६	कौ	२१	०	३०	६	५४	३०	८	४	वृश्चिके	
७	शु	५६	४७	ज्ये	१०	३१	सौ	५०	५१	ग	२४	३५	२६	७	५३	१	९	५	ध.१०।३१	भ. ५६।४७ उ. अक्टूबर मा.१० ता.३१
८	श	६०	०	मू	१६	२७	शो	५२	२३	वि	२९	४२	२२	८	५२	२	१०	६	धनुषि	भ. २९।४२ या. सरस्वत्यावाहनम्
८	र	२	३८	पू	२३	३५	अ	५४	२६	ब	२	३८	१८	८	५२	३	११	७	म.४०।२६	वृश्चिके शुक्रः ४८/० सरस्वतीपूजनं बलिदा.
९	चं	८	४८	उ	३१	२	सु	५६	५४	कौ	८	४८	१४	९	५१	४	१२	८	मकरे	चित्रा. बुधः४३।३४ सरस्वती विसर्जनम्
१०	मं	१५	७	श्र	३८	३६	धृ	५८	१८	ग	१५	७	१०	१०	५०	५	१३	९	मकरे	भ ४८।७ उ. विजयादशमी +११व्र.
११	बु	२१	८	ध	४५	४७	शू	६०	०	वि	२१	८	६	११	४९	६	१४	१०	कुं.१२।१२	भ.२१।८ या. अनु. शुक्रः ४५/३५ पापांकुशा+
१२	गु	२६	५०	श	५२	३	शू	१	१	बा	२६	२०	२	१२	४८	७	१५	११	कुम्भे	प्रदोषः
१३	शु	३०	१८	पू	५६	५२	गं	२	२१	तै	३०	१८	२८/५८	१२	४८	८	१६	१२	मी४०।४०	तुलायां बुधः ३७।३४ ×शरद् पू. वै.
१४	श	३२	५४	उ	६०	०	वृ	२	२३	ग	१	३६	५४	१३	४७	९	१७	१३	मीने	भ. ३२।५४ उ. कोजागरी व्र.
१५	र	३४	११	उ	०	४३	ध्रु	१/३७	४८/७	वि	३	३२	५०	१४	४६	१०	१८	१४	मीने	भ.३३/३ या. दृश्यश्चित्रा.रविः १०/३९ सौरः ३९/३ ×

२५पं.आ.शु.४मं.इ.२७।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	२	६	१०	१	५
११	२	१२	७	२३	१८	१४	११
४६	३९	२७	१०	४८	४२	१६	१७
५५	३६	१४	५२	५०	४७	८	४१
५८	४२	०/०	४	६९	३/४४	३	५९
५३	१३	०/३३	८	११	ब	११	०

गोचरग्रहाः

इस मास का फल मध्यम है प्रजा में रोग भय रहे रुई में घटा बढ़ी सोना चांदी तेज अनाज गल्लाके तेज भाव रहें।

गोचरग्रहाः

२६पं.आ.शु.१०मं.इ.२७।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	२	७	१०	१	५
१८	७	२४	७	१	१८	१३	१८
४०	३३	३४	३४	५३	१६	५३	११
८	४७	५९	३७	१३	३०	५२	२८
५९	४२	०/०	२	६८	३/४४	३	५९
९	४६	०/३४	५२	१९	ब	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	चं	३४	८	रे	३	२	ह	५६	५०	बा	४	१०	२८/४६	६/१५	५/४५	११	१९	१५	मि. ३।२	
२	मं	३२	५७	अ	४	११	व	५३	४१	तै	३	३२	४२	१६	४४	१२	२०	१६	मेषे	स्वात्यां बुधः ४७/३२ ×राष्ट्रीय कार्तिक प्रा.
३	बु	३०	४७	भ	४	१३	सि	४८	३५	व	१	५२	३८	१६	४४	१३	२१	१७	वृ.१९।५	म.१।५२ उ.३०/४७ या. च.व्र. =बुधः १/११
४	गु	२७	५३	कृ	३	४२	व्य	४३	३०	बा	२७	५३	३४	१७	४३	१४	२२	१८	वृषे	
५	शु	२४	८	रो	२	६	व	३७	३८	तै	२४	८	३०	१८	४२	१५	२३	१९	मि३१।६	
६	श	२०	११	मृ	०/७	५७/२८	प	३१	३१	व	२०	११	२६	१९	४१	१६	२४	२०	मिथुने	भ.२०/११ उ.४७/५७ या. दृश्यस्तुलाऽर्कः ५४/२५ रोहि.●
७	र	१५	४३	पु	५४	३९	शि	२५	५	ब	१५	४३	२२	२०	४०	१७	२५	२१	क.४०।२३	तुलायामर्कः सौरः२१।५६ पश्चिमोदयी=
८	चं	१०	५०	पु	५१	१५	सि	१८	२०	कौ	१०	५०	१८	२०	४०	१८	२६	२२	कर्के	ज्येष्ठा. शुक्रः२३।६ ज्येष्ठा. भौमश्च १०/२२
९	मं	५	३३	श्ले	४७	२५	सा	१०	५९	ग	५	३३	१४	२१	३९	१९	२७	२३	सिं४७।२५	भ. ३२।४२ उ. ५९।५१ या.
१०	मं	५४	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●१ राहुः अनु. ३ केतुः ५।५३
११	बु	५३	४३	म	४३	२५	शु	३/३५	५२/१५	ब	२६	४७	१०	२२	३८	२०	२८	२४	सिंहे	वक्री गुरुः १९।३५ रमा ११ व्र. स्मा.
१२	गु	४७	५३	पू	३९	१२	ब्र	४८	३	कौ	२०	४८	६	२३	३७	२१	२९	२५	कं.५३।१३	विशाखा. बुधः १५।४४ रमा ११ व्र. वैं.
१३	शु	४२	२	उ	३५	१५	ऐं	४०	२०	ग	१४	५८	२	२४	३६	२२	३०	२६	कन्यायां	भ. ४२।२ उ. प्रदोष व्र. धन १३
१४	श	३६	४७	ह	३१	१४	वै	३३	३	वि	९	२४	२७/५८	२४	३६	२३	१	२७	कन्यायां	भ.९।२४या. दृश्यःस्वा. रविः ३६/२७ रूप१४×
३०	र	३२	२४	चि	२८	५२	वि	२६	१८	च	४	३५	५४	२५	३५	२४	२	२८	तु.०।१६	स्वात्यांरविःसौरः२।५४ महालक्ष्मीपूजनम

२७पं. का.कृ.२मं.इ.२७।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	२	७	१०	१	५
२५	१२	६	७	९	१७	१३	२५
३५	३३	५	४९	५५	५२	३१	७
६	०	५६	४१	३०	१९	३६	१०
५९	४३	०/०	१	६७	३/१	३	५९
२१	७	०/४४	२६	१९	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

कार्तिक कृ.७रवौ तुलायामर्कःप्र.वा. ४न.५कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

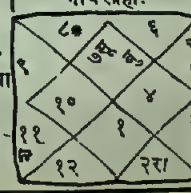

२८पं.का.कृ. ९मं.इ.२७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	२	७	१०	१	६
२	१७	१७	७	१७	१७	१३	२
३१	३५	३	५४	५०	३२	९	४
३४	४९	३६	४०	२४	५३	२२	४०
५९	४३	९७	०	६६	२	३	५९
३४	३९	२५	१०	१	२९	११	४६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

●केशुमं

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२२१ सन् १९६५
१	चं २९ २५ खा २६ १७ प्री २० ३५ ब	२९ २५	३० ६	५ ३५	३ २९			तुलायां	चन्द्रदर्शनम् अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	मं २८ २ वि २७ २३ आ १६ ४ कौ	२८ २	४६ २७	३३ २६	४ १				भातृ २ यम २ रज्जव ७
३	बु २८ २९ अ २९ २ सौ १३ १६ ग	२८ २९	४२ २८	३२ २७	५ २			वृश्चिके	भ. ५९।३८ उ.
४	गु ३० ४८ ज्ये ३२ १६ शो ११ ३ वि	३० ४८	३९ २८	३२ २८	६ ३			ध. ३२।१६	भ. २८।४८ या. वृश्चिके बुधः ८।७
५	शु ३४ ३८ मू ३७ १७ अ ९ ५८ ब	२ ४३	३५ २९	३१ २९	७ ४			धनुषि	×धनुषि भौमः ५६ प्रबोधिनी ११ब्र. वं.
६	श ३९ ५८ पू ४३ ५३ सु ११ १३ कौ	७ १८	२१ ३०	३० ३०	८ ५			धनुषि	अनु.बुधः ३६।३ मूलेधनुषि शुक्रः २४।२०
७	र ४५ ५६ उ ५० ५८ धृ १२ ४४ ग	१२ ४७	३७ ३१	२९ ३१	९ ६			म. ०।३९	भ. ४५।५६ उ.
८	चं ५२ २१ श्र ५८ ३५ शू १४ ५१ वि	१९ ८	२४ ३१	२९ १	१० ७			मकरे	भ. १९ या. गोपाष्टमी नवंबरमा. ११ता. ३०
९	मं ५८ ४० ध ६० ० गं १७ १० बा	२५ ३१	२० ३२	२८ २	११ ८			कु. ३२।१३	कुष्मांड९ अक्षया ९
१०	बु ६० ० ध ५५ १ वृ १९ १४ तै	३१ २५	१६ ३३	२७ ३	१२ ९			कुंभे	
११	गु ४ ० श १२ ३६ ध्रु २० ४२ ग	४ ९	१३ ३३	२७ ४	१३ १०			कुम्भे	भ. ३६ उ. प्रबोधिनी ११ब्र.स्मा. तुलसीवि.
११	शु ८ २६ पू १८ २ ब्या २१ ११ वि	८ २६	९ ३४	२६ ५	१४ ११			मी १।४०	भ. ८।२६या. दृश्यो विशा. रवि. ५६ मूले×
१२	श १० ५२ उ २२ ३ ह २० ३५ बा	१० ५२	६ ३५	२५ ६	१५ १२			मीने	विशाखायां रविः सौरः ३३ प्रदोष व्रतम्
१३	र ११ ५१ रे २४ १७ व १८ ३७ तै	११ ५१	२ ३६	२४ ७	१६ १३			मे. २४।१७	बैकुण्ठ १४
१४	चं ११ ५ अ २४ ५३ सि १५ २३ व	११ ५	३६ ३६	२४ ८	१७ १४			मेषे	भ. ११।५ उ. ३९।५७ या.
१५	मं ८ ४९ भ २४ ३ व्य १० ४१ ब	८ ४९	५५ ३७	२३ ९	१८ १५			वृ. ३८।३३	ज्येष्ठा. बुधः ५८।१७ मन्वादिः

२९पं. का.शु.२मं.इ.२६।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	२	७	१०	१	६
९	२२	२७	७	२५	१७	१२	९
२९	४२	३०	५०	३९	१७	४४	४
४९	२९	१८	३८	१४	१३	५	०
५९	४२	८८	१३	६४	५५	३	६०
४७	५६	४४	ब	३४	ब	११	२

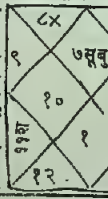

३०पं.का.शु.९मं.इ.२६।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	२	८	१०	१	६
१६	२७	७	७	३	१७	१२	१६
२९	५३	९	३५	११	६	२४	५
४२	३९	३०	५३	६	७	५०	४
६०	४४	८०	३	६२	२	३	६०
४	१३	४३	ब	५२	ब	११	१८

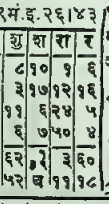

३१पं.का.शु.१५मं.इ.२६।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	२	८	१०	१	६
२३	३	१५	७	१०	१७	१२	२३
३०	५५	९	१२	३६	०	२	७
५८	४९	९	१४	१८	१८	३४	४२
६०	४४	७७	५३	६०	२०	३	६०
१७	३२	१३	ब	४१	ब	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु ५ २० कृ २२ ३ ब १५ ५३ कौ	५ २०	५६ ३७	५ २३	१० १९	१६		वृषे	
२	गु ० ५७ रो १९ १४ शि ५१ ५४ ग	० ५७	४९ ३८	२२ ११	२० १७	मि ४७।३१			भ. २८।१८ उ. ५५।३८ या.
३	गु ५४ ४१ ० ० ० ० ० ०	० ०	० ०	० ०	० ०	०			
४	शु ५० ११ मृ १५ ४८ सि ४४ ४० ब	२२ ५४	४६ ३९	२१ १२	२१ १८	मिथुने			पूषायां शुक्रः ८।२१ च. ब्र.
५	श ४४ ४५ आ १२ ११ सा ३७ ३ कौ	१७ २८	४३ ३९	२१ १३	२२ १९	क. ५४।२३			मार्गी शनिः ३८।१८
६	र ३९ २७ पु ८ २८ शु २८ ४१ ग	१२ ६	४० ४०	२० १४	२३ २०	कर्के			भ. ३९।२७ उ.
७	चं ३४ १३ पु ४ ५१ शु २२ १६ वि	६ ५०	२७ ४१	१९ १५	२४ २१	कर्के			भ. ५६ या. दृश्योबृश्चिकेऽर्कः ५२ पातस्प. ५५०
८	मं २९ ९ श्ले २४ ४६ ब्र १५ ७ बा	१ ४१	३४ ४१	१९ १६	२५ २२	सिं १।२४			वृश्चिकेऽर्कः सौरः १४ वक्रीमृगे ४ गुरुः २६+
९	बु २४ २१ पू ५५ १८ दें ८ ३ ग	२४ २१	३१ ४२	१८ १७	२६ २३	सिंहे			भ. ५२।७ उ. +पातमोक्षः ९।८
१०	गु १९ ५४ उ ५२ ४८ वै १९ ५३ वि	१९ ५४	२९ ४२	१८ १८	२७ २४	कं. ९।४०			भ. १९।५४ या.
११	शु १५ ५० ह ५० ४२ प्री ४८ ४० बा	१५ ५०	२६ ४३	१७ १९	२८ २५	कन्यायां			दृश्योऽनुराधायां रविः ११।१२ सौरः ३३×
१२	श १२ २८ चि ४९ १४ आ ४३ ९ तै	१२ २८	२४ ४३	१७ २०	२९ २६	तु. १९।५८			प्रदोष ब्र.
१३	र ९ ४० स्वा ४८ २७ सौ ३८ ११ व	९ ४०	२१ ४४	१६ २१	३० २७	तुलायां			भ. ९।४० उ. ३६ या. ×उत्पत्ति ११ब्र.
१४	चं ७ ५० वि ४९ ९ शो ३४ ३ श	७ ५०	१६ ४४	१६ २२	१ २८	वृ. ३३।५८			वक्री बुधः ५३ पूषायां भौमः ५७ राष्ट्रीय*
२०	मं ७ २४ अ ५० ४७ अ ३१ २ ना	७ २४	१९ ४५	१५ २३	२ २९	वृश्चिके			सूर्यग्रहणम् *मार्गशीर्षारम्भः

३२पं. मा.कृ.८मं.इ २६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	८	१०	१	७
०	८	२२	६	१७	१६	११	०
३३	२२	५८	२९	४६	५९	४०	११
४७	५२	४	५४	४४	४२	१८	४६
१०	४४	४४	५	५७	१८	३	६०
१०	४८	२८	ब	५८	मा	११	४०

गोचरग्रहाः

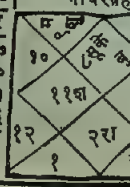

मार्ग. कृ.८ भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रवा.३ न.४ गतात्काव-स्था (ऊर्ध्वा) भू.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं प. ।

गोचरग्रहाः

३३पं.मा.कृ.१३मं.इ.२६।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	८	१०	१	७
७	१३	२५	५	२४	१७	११	७
३७	४१	४४	५८	३१	४	१८	१७
३७	३८	३१	१९	५२	३४	३	१९
६०	४५	५	५	५४	१	३	६०
४२	४	ब	ब	३१	७	११	५३

×चंमंशुके

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२५१ स.१९६५
१	बु	८	८	ज्ये	५४	४८	सु	२९	१९	ब	८	८	२६/१३	६/४५	५/१५	२४	३	३०	ध.५४।८	
२	गु	१०	३८	मू	५८	४०	धृ	२८	१२	कौ	१०	३८	११	४६	१४	२५	४	३१	धनुषि	उषायां शुक्रः ४७।६ चन्द्रदर्शनम्
३	शु	१४	१९	पू	६०	०	शू	२८	३१	ग	१४	१९	८	४६	१४	२६	५	१	धनुषि	भ. ४७।० उ. सावान ८
४	श	१९	४०	पू	४	४१	गं	२९	२८	वि	१९	४०	६	४७	१३	२७	६	२	म.२१।२२	भ.१९।४० या. पश्चिमास्तो बुधः३७।४३
५	र	२५	३३	उ	११	२५	वृ	३१	१८	बा	२५	३३	३	४७	१३	२८	७	३	मकरे	पातस्पर्शः ५५।३
६	चं	३२	१	श्र	१८	५६	ध्रु	३३	४७	तै	३२	१	१	४८	१२	२९	८	४	कुं.५२।४३	मकरे शुक्रः १२/५७ चंपा६ पातमोक्षः१५।३२
७	मं	३८	२५	ध	२६	३०	व्या	३६	५७	ग	५	१३	२५/५९	४८	१२	३०	९	५	कुम्भे	भ. ३८।२५ उ.
८	बु	४४	२३	श	३३	५१	ह	३८	०	वि	११	२४	५७	४९	११	१	१०	६	कुम्भे	भ.११।२४ या. दिसंबर मा.१२ ता.३१
९	गु	४९	११	पू	४०	१	व	३९	३	बा	१६	४७	५५	४९	११	२	११	७	मी२३।२९	दृश्यो ज्येष्ठा. रविः२१।२२(सौरः३९/२८)
१०	शु	५२	२४	उ	४४	५३	सि	३९	१०	तै	२०	४७	५३	४९	११	३	१२	८	मीने	वक्री अनु. बुधः १२।२२
११	श	५३	४८	रे	४७	५८	व्य	३८	१	व	२३	६	५१	५०	१०	४	१३	९	मे.४७।५८	भ.२३/६ उ.५३/४८ या. मीक्षदा११व्र. गीताज.
१२	र	५३	१७	अ	४९	१६	व	३५	१२	ब	२३	३३	४९	५०	१०	५	१४	१०	मेषे	मोक्षदा ११ व्र. निं.
१३	चं	५०	५४	भ	४८	३७	प	३०	५१	कौ	२२	५	४८	५०	१०	६	१५	११	मेषे	
१४	मं	४६	३७	कृ	४६	११	शि	२५	७	ग	१८	४५	४६	५१	९	७	१६	१२	बृ. ३।०	भ. ४६।३७ उ.
१५	बु	४१	५	रो	४२	२१	सि	१८	७	वि	१३	५१	४५	५१	९	८	१७	१३	बृषे	भ.१३/५१ या. पूर्वोदयी बुधः५७/४८ दत्त जयंती

३४पं.मा.शु.७मं.इ.२५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	९	१०	१	७
१४	१९	२०	५	१	१७	१०	१४
४२	३	४५	११	०	१३	५५	२४
५४	४३	०	१०	५४	५६	४७	५
६०	४५	६८/१८	६/५८	५०	१	३	६१
५०	१९	ब	ब	६	४८	११	३

गोचरग्रहाः

९मं ७ ६ १० शु ८सूबुके ११श ५ ४ १२ २रा १ ३बृ

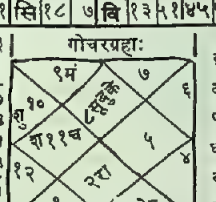

इस मास में ५ बुधवार हैं। रस पदार्थ तेज रहें। धान्यादि वस्तुओं व रुई में मंदी हो चांदी में घटावढ़ी

गोचरग्रहाः

९मं ७ १०शु ८सूबुके ६ ११श ५ १२ २चरा ४ १ ३बृ

३५पं.मा.शु.मं१४.इ.२५।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	९	१०	१	७
२१	२४	१२	४	६	१७	१०	२१
४८	२६	९	१८	५४	२८	३३	३१
५८	४६	४०	२५	७	१६	३२	५२
६०	४५	६९/४८	७/३५	४४	२	३	६१
५६	३४	ब	ब	३२	२९	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३४	१४	मृ	३७	२५	सा	१०	७	बा	७	४०	२५/४४	६/५१	५/९	९	१८	१४	मि९।५३	
२	शु	२७	१४	आ	३२	३	शु	१/२३	५०/५८	ग	२७	१४	४२	५२	८	१०	१९	१५	मिथुने	भ. ४८।३५ उ. उषायां भौमः २१।७
३	श	१९	५६	पु	२६	३५	ब्र	४३	२४	वि	१९	५६	४१	५२	८	११	२०	१६	क.१२।५८	भ.१९/५६ या. श्र.शु.९/५३ च.व्र. पा.स्प.५७।८
४	र	१२	४८	पु	२१	१३	ऐं	३४	३८	बा	१२	४८	४०	५२	८	१२	२१	१७	कर्के	पातमोक्षः १७।२८
५	चं	६	१२	श्ले	१६	२०	वै	२६	८	तै	६	१२	३९	५२	८	१३	२२	१८	सिं१६।२०	मार्गी बुधः ११।८
६	मं	०	११	म	१२	३३	वि	१८	२४	व	०	११	३८	५२	८	१४	२३	१९	सिंहे	भ.१०/११ उ.२७/४१ या. मकरे भौमः३५/१४ वक्री*
७	मं	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	बु	५०	५८	पू	९	१२	प्री	११	१८	बा	२३	५	३८	५२	८	१५	२४	२०	कं.२३।३६	दृश्यो मूले धनु.२८।३४ (सौरः४३।१२)
९	गु	४७	३५	उ	६	४८	आ	४/५१	५४/२२	तै	१९	१६	३७	५३	७	१६	२५	२१	कन्यायां	
१०	शु	४५	१५	ह	५	२०	शो	५४	२२	व	१६	२५	३७	५३	७	१७	२६	२२	तु.३५।८	भ.१६/२५ उ.४५/१५ या. कृत्ति. ४ राहुः अनु.२×
११	श	४३	५६	चि	४	५६	अ	५०	२०	ब	१४	३५	३७	५३	७	१८	२७	२३	तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	र	४३	३५	स्वा	५	१७	सु	४७	११	कौ	१३	४६	३६	५३	७	१९	२८	२४	बृ.५१।३७	×केतुः५७।५० *मृगे.३ गुरुः३५/१६
१३	चं	४४	२५	वि	७	३	धृ	४४	४३	ग	१४	०	३६	५३	७	२०	२९	२५	वृश्चिके	भ. ४४।२५ उ. प्रदोषः
१४	मं	४६	१२	अ	९	२०	शू	४३	२०	वि	१५	१८	३६	५३	७	२१	३०	२६	वृश्चिके	म. १५।१८ या.
३०	बु	४९	२०	ज्ये	१३	१०	गं	४२	४८	च	१७	४६	३६	५३	७	२२	१	२७	ध.१३।१०	ज्येष्ठा. बुधः५८।३ राष्ट्रीय पौषारम्भः

३६पं. पौ.कृ.६मं.इ.२५।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	९	१०	१	७
२८	२९	९	३	१२	१७	१०	२८
५५	५२	२९	२१	०	४८	११	४०
५२	३४	१३	१८	४०	४	१६	३५
६१	४५	१५/१	७/५८	३७	३	३	६१
०	४४	मा	ब	१	११	११	१९

गोचरग्रहाः

९मं ७ ६ शु १० ८सूबुके ११श ५चं १२ २रा ४ १ ३बृ

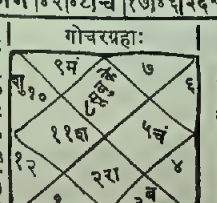

पौष कृ.८ बुधे धनुष्यर्कः प्र.वा.२ न.३गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

मृ १० श ८* ७ श ११ ९सू १२ ६ ५ १ ३बृ २रा ४

३७पं.पौ.कृ.१४मं.इ.२५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	२	९	१०	१	८
६	५	१५	२	१६	१८	९	५
३	२१	१३	२५	११	१२	४९	५०
२९	४	३४	१	१३	२२	०	०
६१	४५	५५	७/५२	२७	३	३	६१
४	४९	५६	ब	३५	५२	११	२२

*चंबुके

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७								दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः ४२८०स.१९६५
१	गु	५३	३०	मू	१७	५९	वृ	४२	५६	कि	२१	२५	३५	५३	५७	२३	२	२८	धनुषि	
२	शु	५८	५०	पू	२३	५३	धृ	४४	१२	बा	२६	१०	३७	५३	७	२४	३	२९	म.४०।३२	चंद्रदर्शनम्
३	श	६०	०	उ	३०	२९	व्या	४५	३३	तै	२७	५१	३७	५३	७	२५	४	१	मकरे	रमजान ९
३	र	४	५३	श्र	३७	५८	ह	४७	४०	ग	४	५३	३७	५३	७	२६	५	२	मकरे	भ. ३८।५ उ
४	चं	११	१६	ध	४५	३२	व	४९	३४	वि	११	१६	३८	५२	८	२७	६	३	कुं.११।४४	भ. ११।१६ या. श्रवणे भौमः १९।५८
५	मं	१७	५४	श	५३	१८	स्ति	५२	३२	बा	१७	५४	३८	५२	८	२८	७	४	कुंभे	दृश्यः पूषायां रविः ३३ सौरः४४।५०
६	बु	२४	१४	पू	६०	०	व्य	५४	२३	तै	२४	१४	३९	५२	८	२९	८	५	मी४३।२९	
७	गु	२९	३७	पू	०	१२	व	५५	१०	व	२९	३७	४०	५२	८	३०	९	६	मीने	भ. २९।३७ या.
८	शु	३३	५०	उ	६	३	प	५५	१२	वि	१	४३	४०	५२	८	३१	१०	७	मीने	भ. १।४३ या.
९	श	३६	१४	रे	१०	४२	शि	५३	३३	बा	५	२	४१	५२	८	१	११	८	मे.१०।४२	जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९६६
१०	र	३६	४२	अ	१३	१८	स्ति	५०	३२	तै	६	२८	४२	५२	८	२	१२	९	मेषे	
११	चं	३५	११	भ	१३	४८	सा	४५	४५	व	५	५७	४३	५१	९	३	१३	१०	वृ.२८।२७	भ. ५७ उ. ३५ या. मूले धनुषि बुधः ४३×
१२	मं	३१	२३	कृ	१२	२५	धृ	३९	२२	ब	३	१७	४४	५१	९	४	१४	११	वृषे	वक्री शुक्रः २३।१६ ×पुत्रदा ११ व्र.
१३	बु	२५	५७	रो	९	१३	शु	३१	३४	तै	२५	५७	४६	५१	९	५	१५	१२	मि३६।३९	प्रदोषः
१४	गु	१८	४३	मृ	४	५३	ब्र	२२	२४	व	१८	४३	४७	५१	९	६	१६	१३	मिथुने	भ. १८।४३ उ. ४४।३८ या.
१५	शु	१०	३४	पु	५१	८	ऐं	१२	३८	ब	२०	३४	४९	५०	१०	७	१७	१४	क.३७।५०	माघ स्ना. प्रा.

३८पं.पौ.शु.५मं.इ.२५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	२	९	१०	१	८
१३	१०	२२	१	१९	१८	९	१२
११	४२	२२	२८	३	४१	२६	५२
२१	५९	३०	३४	२५	६	४५	५२
६१	४५	७५	५	१५	४	३	६१
६	५९	५	४	२८	३१	११	२६

गोचरग्रहाः

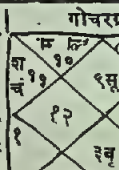

इस मास का फल श्रेष्ठ है। धान्यादि में मंदी सुदी में शुक्र को चंद्रदर्शन से सोना चांदी रुई तज।

गोचरग्रहाः

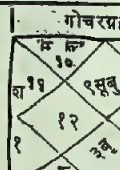

३९पं.पौ.शु.१२मं.इ.२५।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	२	९	१०	१	८
२०	१६	१	०	२०	१९	९	२०
१९	१९	४७	३५	२२	१३	४	९
२६	५५	३८	४२	१	५	२९	४९
६१	४६	८५	५	०	४	३	६१
६	५	४३	४	१९	५९	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७								दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१	४६	पु	४४	७	वै	१८	३५	को	१	४६	५१	५८	१०	८	१८	१५	कर्क	
२	श	५	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
३	र	४४	१६	श्ले	३७	११	प्री	४१	४७	व	१८	३७	५२	५०	१०	९	१९	१६	सि३७।११	भ.१६ उ.४६ या. वक्री मृग. २ गुरुः ३७
४	चं	३६	२७	म	३१	१	आ	३२	१९	ब	१०	२१	५४	४९	११	१०	२०	१७	सिंहे	दृ.उषा. रविः ३६ सौरः ४६।१७ च.व्र.
५	मं	२९	३६	पू	२५	५८	सौ	२३	२०	तै	२९	३६	५६	४९	११	११	२१	१८	कं.४०।४	
६	बु	२४	१७	उ	२२	२२	शो	१५	४७	व	२४	१७	५८	४८	१२	१२	२२	१९	कन्यायां	भ.२४।१७ उ.५३ या. पूषा. बु.३१।५३
७	शु	२०	१२	ह	१९	५६	अ	९	१९	ध	२०	१२	३	४८	१२	१३	२३	२०	तु.४९।२९	दृश्यः मकरेऽर्कः ३ धनिष्ठा.भौमः ३ पूभा.=
८	श	१७	४८	चि	१९	३	सु	५	५६	को	१७	४८	३	४७	१३	१४	२४	२१	तुलायां	मकरेऽर्कः सौरः१।४२ =२ शनिः २५
९	श	१७	८	स्वा	१९	३४	शु	५६	४९	ग	१७	८	५	४७	१३	१५	२५	२२	तुलायां	भ. ४७।१० उ. +उषायां बुधः ४
१०	र	१७	११	वि	२१	३१	नं	५४	५९	वि	१७	११	८	४६	१४	१६	२६	२३	वृ. ६।२	भ. १७।११ या. पूर्वास्तो बुधः २६।२३
११	चं	१८	४६	अ	२४	४७	वृ	५४	०	ब	१८	४६	१०	४६	१४	१७	२७	२४	वृश्चिके	षट्तिला ११ व्र.
१२	मं	२१	३२	ज्ये	२९	४	ध्रु	५४	१६	तै	२१	३२	१२	४६	१४	१८	२८	२५	ध.२९।४	प्रदोषः
१३	बु	२५	३९	मू	३४	४०	व्या	५४	४०	व	२५	३९	१५	४५	१५	१९	२९	२६	धनुषि	भ. २५।३९ उ. ५७।५५ या.
१४	गु	३०	१२	पू	४०	५२	ह	५६	४	श	३०	१२	१७	४५	१५	२०	३०	२७	म.५७।३५	दृश्योऽभि. प्र. रविः २७।२३ सौरः ३३।४+
१५	शु	३६	३३	उ	४७	४२	व	५८	१५	च	३	२२	२०	४४	१६	२१	१	२८	मकरे	कुम्भे भौमः ५०।२५ राष्ट्रीय माधारम्भः

१०पं.मा.कृ.५मं.इ.२५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१	९	१०	१	८
७	२१	११	२९	१९	१९	८	२७
७	२०	३७	४७	३९	४९	४२	१९
५	५०	१९	४६	४	८	१४	४१
४६	९२	१६	२५	५	३	६१	
५	१२	च	च	२६	११	२४	

गोचरग्रहाः

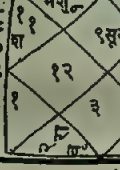

माघ कृ. ७ गुरौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३गतालाक्वावस्था (ऊर्ध्वा) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः प. ।

गोचरग्रहाः

४१पं.मा.कृ.१२मं.इ.२५।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	१	९	१०	१	९
४	२७	२२	२९	१६	२०	८	४
३५	२२	४७	७	५३	२९	१९	२९
३१	१	१०	५	४६	१३	५८	१०
६१	४६	९७	५	३२	५	३	६१
३	९	१७	च	च	५४	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७										दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३१० स. १९६६
१	श	४२	१७	श्र	५४	५७	सि	५९	५६	कि	९	२५	३६	४४	५६	२३	२	२९	मकरे	
२	र	४८	३८	ध	६०	०	व्य	६०	०	बा	१५	२७	२५	४३	१७	२३	३	३०	कु.२८।४५	दृश्यः श्रवणे रविः ४३ (सौरः ४३) मकरे●
३	चं	५५	२०	ध	२	३३	व्य	२	१०	तै	२१	५९	२७	४३	१७	२४	४	१	कुंभे	अभि.नि. रविः ४९७ (दृश्यः ३६) शुक्रास्तः×
४	मं	६०	०	श	१०	८	व	४	२४	व	२८	३०	३०	४२	१८	२५	५	२	कुम्भे	भ. ३९८ उ. ×प.३५ सव्वाल१०
४	बु	१	४०	पू	१७	३५	प	६	१७	वि	१	४०	३३	४१	१९	२६	६	३	मी०।४३	भ.४१० या. ●बुधः ४३ चंद्रद. शु.अ.प.
५	गु	७	१७	उ	२३	५९	शि	७	५७	बा	७	१७	३६	४१	१९	२७	७	४	मीने	वसंत ५
६	शु	११	५७	रे	२९	३३	सि	८	५०	तै	११	५७	३९	४०	२०	२८	८	५	मे.२९।३३	+पातमोक्षः ५४ =पूर्वस्याम् १९ शु.उ.पू.
७	श	१५	१३	अ	३३	४१	सा	८	२७	व	१५	१३	४२	४०	२०	२९	९	६	मेषे	भ.५५ उ.४६ या. श्रवणे बुधः १३ शुक्रोद.=
८	र	१६	५२	भ	३४	५२	शु	६	४९	व	१६	५२	४६	३९	२१	३०	१०	७	वृ.५०।१४	शतेभौमः ३० भौम्याष्टमी पातस्पर्शः ३९+
९	चं	१६	४१	कृ	३६	१९	कौ	३३	३५	कौ	१६	४१	४९	३८	२२	३१	११	८	वृषे	वक्री उषायां शुक्रः ३।१३
१०	मं	१४	२०	रो	३४	५२	यें	५२	३३	ग	१४	२०	५२	३८	२२	१	१२	९	वृषे	भ. ४२।१९ उ. फरवरी मा.२ ता.२८
११	बु	१०	१८	मृ	३१	२०	वैं	४४	४१	वि	१०	१८	५५	३७	२३	२	१३	१०	मि ३।६	भ. १०।१८ या. जया ११ व्र.
१२	गु	३	५८	आ	२६	७	वि	३५	३०	बा	३	५८	५९	३६	२४	३	१४	११	मिथुने	प्रदोषः
१३	शु	५२	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	शु	४७	२३	पु	१९	२९	प्री	२५	१५	ग	२१	५०	२७	३६	२४	४	१५	१२	क. ६।९	भ. ४७।२३ उ. ÷(सौरः ५४)
१५	श	३७	३८	पु	११	५२	आ	१४	३०	वि	१२	३५	६	३५	२५	५	१६	१३	कर्के	भ.१२।३५या. दृश्योघनिष्ठा.रविः५२।७÷

४२पं.मा.शु.४मं इ.२५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१	९	१०	१	९
११	२	३	२८	१३	२१	७	११
४२	५३	५५	३३	१५	११	५७	३८
२८	३८	५२	५४	११	३१	४२	१
६०	४३	०	५५	३५	६	३	६१
५९	९	३	ब	ब	१८	११	१३

गोचरग्रहाः

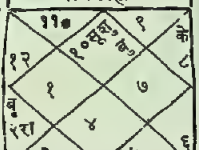

इस मासमें धान्य जौ गेहूँ चावल मूंग बाजरा ज्वार में मंदी होकर सुदीमें तेजी होगी चांदी सोना तेज वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

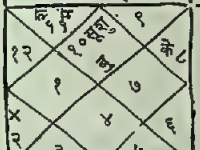

४३पं.मा.शु.१०मं.इ.२५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१	९	१०	१	९
१८	८	१५	२८	९	२१	७	१८
४९	२४	२९	१०	१६	५७	३५	४६
२६	१०	३१	१६	१	०	२७	२
६०	४६	०	३३	३३	६	३	६१
५५	३	३	ब	ब	३२	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७										दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तुः रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	२७	५६	श्रे	५९	५३	सौ	२३	४९	को	२७	५१	१७	३४	२६	६	१७	१४	सिं ३।५९	धनिष्ठा.बुधः १ ×केतुः ५१ महाशिव.व्र.स्मा
२	चं	१८	३१	पू	४९	११	अ	४१	४८	ग	१८	३१	१३	३३	२७	७	१८	१५	सिंहे	भ.४४।९ उ., =महाशिवरात्री व्र. वे.
३	मं	९	४७	उ	४३	१३	सु	३२	२०	वि	९	४७	१६	३३	२७	८	१९	१६	कं.२।४२	भ. ९।४७ या. च. व्र.
४	बु	२	१८	ह	३९	१२	धृ	२४	९	बा	२	१८	२०	३२	२८	९	२०	१७	कन्यायां	कुम्भे बुधः ४९ +विजया ११व्र.
५	बु	५४	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	गु	५२	४५	चि	३६	११	शू	१७	६	ग	२४	४०	२४	३१	२९	१०	२१	१८	तु.७।४२	भ. ५२।४५ उ. *भौमः ४।३१
७	शु	५०	३८	स्वा	३५	२०	गं	११	४८	वि	२१	४२	२७	३१	२९	११	२२	१९	तुलायां	भ. २१।४१ या.
८	श	५०	३५	वि	३६	२९	वृ	७	४७	बा	२०	३७	३१	३०	३०	१२	२३	२०	वृ.२१।१२	दृश्यः कुम्भेऽर्कः २७।२२ (सौरः २८।४९)
९	र	५२	१७	अ	३९	२८	धु	५	३५	तै	२१	२६	३५	२९	३१	१३	२४	२१	वृश्चिके	शतं बुधः ३३ पूभा.२ शनिः ३५।१ अस्तो*
१०	चं	५५	१९	ज्ये	४३	४७	ध्या	४	२६	व	२३	४८	२८	२८	३२	१४	२५	२२	ध.४३।४७	भ. ३४ उ. ५५।१९ या. मार्गी गुरुः ३६
११	मं	५९	४७	मृ	४९	२७	ह	४	४६	व	२७	३३	४२	२८	३२	१५	२६	२३	धनुषि	विजया ११ व्र. स्मा.
१२	बु	६०	०	पू	५५	५४	व	५	२९	कौ	३२	२६	४६	२७	३३	१६	२७	२४	धनुषि	मार्गी शुक्रः ३८ पूभायां सौमः १०।३०+
१३	गु	५	५	उ	६०	०	खि	७	११	तै	५	५	५०	२६	३४	१७	२८	२५	म.१२।४४	प्रदोषः
१३	शु	११	२३	उ	३	१२	व्य	९	५	व	११	२३	५४	२५	३५	१८	२९	२६	मकरे	भ.२३ उ.३४ या. कृत्तिका.३ राहुःअमु.१×
१४	श	१७	४०	श्र	१०	३३	व	११	२१	श	१७	४०	५८	२४	३६	१९	३०	२७	कुं.४४।१९	दृश्यः शतं रविः ३।४३ (सौरः ४।११)=
३०	र	२४	३	ध	१८	५	प	१३	४२	ना	२४	३	२९	२४	३६	२०	१	२८	कुंभे	पूभायां बुधः ३३ राष्ट्रीय फाल्गुनारंभः

४४पं.फा.कृ.३मं.इ.२५।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१	९	१०	१	९
२५	१३	२७	३	६	२२	७	२५
५५	५४	४३	५५	९	४३	१३	५२
१६	५४	१६	१९	३६	४१	११	४९
६०	४६	०	१३	३३	६	३	६०
४७	३	२	ब	ब	४९	११	५५

गोचरग्रहाः

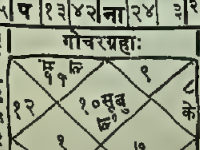

फाल्गुनकृ.८शनौ कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ न.३गतालकावस्था (ऊभौ) मु. ४५ (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

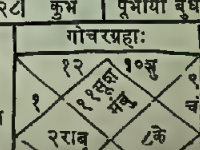

४५पं.फा.कृ.११मं.इ.२५।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१	९	१०	१	१०
३	१९	१०	२७	४	२३	६	३
०	२५	२६	५१	५७	३२	५०	५८
४	३७	२८	४	७	५८	५६	५२
६०	४५	०	१	३३	७	३	६०
३७	५८	३	मा	ब	२	११	४२

*चंमेश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×रा चंबृ

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३४०स.१९६६
१	चं ३०।२५ श ३५।३३ शि १५।४८ ध ३०।२५ २६	३	३७	२१	२	२९	कुम्भे	अस्तं शनिः ३९।३५
२	मं ३६।२२ पू ३२।४५ सि १७।४७ धा ३।२३	१०	२२	३८	२३	३	३०	मी १५।५७	पश्चिमोदयी बुधः ५३ चंद्रद. फुलरिया २
३	बु ४१।३५ उ ३९।१० सा १९।१८ नै ८।५८	१४	२१	३९	२३	४	१	मीने	जिल्काद ११
४	गु ४५।५० रे ४४।४५ शु २०। ३ व १३।४२	१८	२०	४०	२४	५	२	मे. ४४।४५	भ. १३।४२ उ. ४५।५० या.
५	शु ४९।३३ अ ४९।२६ शु २०।११ ब १७।४२	२२	२०	४०	२५	६	३	मेषे	
६	श ५१।४१ भ ५२।५६ ब्र १९।३६ कौ २०।३७	२६	१९	४०	२६	७	४	मेषे	मीने बुधः ९।२८
७	र ५२।२४ कृ ५४।४७ रे १७।३५ ग २२। २	३०	१८	४१	२७	८	५	वृ. ८।२४	भ. ५२।२४ उ.
८	मं ५१।२६ रो ५४।११ वे १४।२१ वि २१।५५	३४	१७	४३	२८	९	६	वृषे	भ ३१ या. उभायांबुधः ३३ मीनेभौमः ३५०
९	मं ४८।३६ मृ ५३।३८ वि ९।५१ बा २०। १	३८	१६	४४	१	१०	७	मि २३।५५	मार्चे मा. ३ ता. ३१ *होलाष्टकं
१०	बु ४४।१७ आ ५०।२२ प्री ३ ५२० ते १६।२६	४२	१६	४४	३	११	८	मिथुने	
११	गु ३८।२२ पु ४५।३८ सौ ४७।४४ ध ११।१९	४६	१५	४५	३	१२	९	क. ३१।४९	भ. १२ उ. ३८।२२ या. आमलकी ११ व्र.
१२	शु ३०।३८ पु ३९।३० शो ३८। ४ ब ४।३०	५०	१४	४६	४	१३	१०	कर्के	दृश्यः पूभायां रविः १२ (सौरः १८) +
१३	श २२। ० श्ले ३२।२६ अ २७।३९ ते २२। ०	५४	१३	४७	५	१४	११	सि ३२।२६	श्रवणे शुक्रः २८ उभायां भौमः ९।७
१४	र १२।२६ म २४।४१ सु १६।४२ व १२।२६	५८	१२	४८	६	१५	१२	सिंहे	भ. १३ उ १४ या. होलिकादहनं भद्रोत्तरे
१५	चं २।४२ पू १६।५७ धृ ५०।४९ ब २।४२	२ ९	१२	४८	७	१६	१३	कं. ३०।७	छारेंडी +प्रदोषः दृश्यः १२

४६पं.फा.शु.२मं.इ.२५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१	९	१०	१	१०
१०	२४	२३	२७	५	२४	६	१०
३	५६	२०	५६	४५	२२	२८	३
३२	२८	२०	२८	११	३०	४०	२५
६०	४५	८०	१३	७	३	६०	३
२५	५८	३३	२७	मा	१३	११	३१

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. ८ चंद्रे मीनेऽर्के: प्र. वा. ३ नं. ४गतालकावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्याभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.श.९ मं.इ.२६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	१	९	१०	१	१०
१७	०	४	२८	८	२५	६	१७
५	२३	४०	११	१७	१३	६	६
२	१८	४१	२०	६	३४	२४	१४
६०	४५	८५	२	२५	७	३	६०
१२	४७	३७	५५	४८	२०	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं ५०।२३ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं ४४।२६ उ ९।३५ गं ४५।२५ ते १८।४५	२६	११	४९	८	१७	१४	कन्यायां	
३	बु ३६।५६ ह २३ ३५ वृ ३६।४४ व १०।४१	१०	१०	५०	९	१८	१५	तु. ३१।५	भ. १९ उ. ३६ या. पातस्पर्शः १९ पातः मो. १६
४	गु ३१।१७ स्वा ५६। ६ धु २९।३६ ब ४। ६	१४	९	५१	१०	१९	१६	तुलायां	चतुर्थी ब्र.
५	शु २७।३३ वि ५५।१४ ध्या २४। ८ ते २७।३३	१९	८	५२	११	२०	१७	वृ. ४०।२७	
६	श २६।११ अ ५६।३९ ह २०।१४ ब २६।११	२३	७	५३	१२	२१	१८	वृश्चिके	भ. ३६ उ. ३६ या. वक्री बुधः ३।२३
७	र २६।४३ ज्ये ६०। ० ह १८।१५ ब २६।४३	२७	७	५३	१३	२२	१९	वृश्चिके	पूभा. ३ शनिः ४६ पश्चिमास्तो बुधः ५४०
८	मं २९।१२ ज्ये ०।१७ सि १७।४७ को २९।१२	३२	६	५४	१४	२३	२०	ध. ०।१७	दृश्यो मीनेऽर्कः ३० (सौरः १२) शीतलापू.
९	मं ३३।३० मू ५।२१ व्य १८।१२ नै १।२१	३६	५	५५	१५	२४	२१	धनुषि	
१०	बु ३८।५४ पू ११।३४ ध १९।३४ ब ६।१२	४०	४	५६	१६	२५	२२	म. २८।२५	भ. ६।१२ उ. ३८।५४ या.
११	गु ४५। ७ उ १८।५६ ष २१।५३ ब १२। ०	४४	३	५७	१७	२६	२३	मकरे	दृश्य उभायां रविः ५३ (सौरः ५९) पापः ×
१२	शु ५१।२६ श्र २६।२० शि २४।१३ को १८।१७	४९	२	५८	१८	२७	२४	मकरे	
१३	श ५७।५९ ध ३४। १ सि २६।४४ ग २४।४२	५३	१	५९	१९	२८	२५	कु. ०।१०	भ. ५७।५९ उ. प्रदोषः ×मोचनी ११ व्र.
१४	र ६०। ० श ४१।२७ सा २८।५४ वि ३०।५९	५७	१	५९	२०	२९	२६	कुम्भे	भ. ३०।५९ या.
१४	चं ३।५९ पू ४८।२३ शु ३१।४५ श ३।५९	३ ०	०	०	२१	३०	२७	मी ३१।३९	
३०	मं ९।२९ उ ५४।२२ शु ३०।५६ ना ९।३९	६	५९	१	२२	१	२८	मीने	रेवत्यां भौमः २८।४८ राष्ट्रीय चैत्रारंभः

४८पं. चै.कृ.२मं.इ.२६।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	१	९	१०	१	१०
२४	५	१०	२८	१२	२५	५	२४
६	५०	४७	३५	१०	४४	४	७
२९	२०	४९	१७	३७	५५	९	३७
१९	४५	३६	४	४५	७	३	६०
१८	४२	२११	५५	२०	११	९	

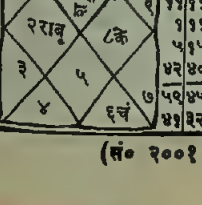

४९पं.चै.कृ.९मं.इ.२६।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१	९	१०	१	११
१	११	११	२९	१७	२६	५	१
५	५	४१	८	२	५७	२१	७
४२	४०	१०	२०	४९	७	४३	१९
५९	४५	३३	६	४३	७	३	५९
४१	३२	४	५५	५३	२०	११	४९

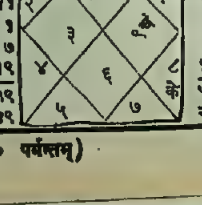

५०पं. चै.कृ.३०मं ह.२७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१	९	१०	१	११
८	१६	७	२९	२७	४	८	
३	३८	३	४९	४०	४८	५९	५
१८	४६	११	५२	१५	४३	३८	१४
५९	४५	५३	६	४९	७	३	६१
२९	२२	४	२८	५१	१४	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः		सिद्धिः
लाभः		शुभम्

स जयति सिधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशि नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०६७ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६७ भोग्यकलिः ४२६९३३ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२३ शाकः १८८८ वर्षेऽस्मिन् राजा बुधः । मंत्री बुधः । सस्येशोशनिः । धान्येशोगुरुः। मेघेशोभौमः । रसेशोचन्द्रः । नीरसेशशनिः । फलेशोभौमः । धनेशोशुक्रः। दुर्गेशोभौम. । एतेदशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १३ सिद्धार्थीनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमयेगतमासादिः ५।९।२७।२२ भोग्यमासादिः६।२०।३२।३८। नासत्यदैवतं युगम्।वर्षनाम मार्गशीर्षः। मेघनामपुष्करः। रोहिणीनिवासस्तटे। समय निवासो रजकगृहे। समय विश्वा ५। समयवाहनं सिंचाणु। स्तंभ१जलस्य। सोमवत्यमा २। सोमवती पंचमी ३। अंगारकी चतुर्थी १। बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी १। रविदशमी २। समयमुहूर्ताः ३६०। समयदिनानि ३८३। तिथिक्षयः१६। तिथिवृद्धिः ९। उत्पतिविश्वा१०५। खपतिविश्वा ९६। वर्षाविश्वा ७। धान्यम् १५। तृणम् ९। शीतम् ११। तेज ५। वायुः१३। वृद्धिः१५। क्षयः १५। विग्रहः ११। ऐक्यं १०१। सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पाप १८। शनिदृष्टिरुत्तरे। ग्रहणम् १ सूर्यस्य भारते।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् १।१८

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

मात भवानी अम्बिके भैरव तणों सवाल ।
शुभसंवत् तेवीस का कैसा निपजे माल ।।

भवानी उत्तर

तूं भैरव सुण ध्यान दे संवत्सर का हाल ।
राज प्रजा संपत्ति रहे मध्यम नीपजे माल ।।
राजा तो बुधजी भये मंत्री पद को पाय ।
धान्याधिप गुरुदेव है यह जग को हर्षाय ।।
मेघपति अरु फलपति गढपति मंगल जान ।
शुभ फल को मध्यम करे मंगल की यह बान ।।
अधिक मास श्रावण बना इसका फल शुभ नांय ।
भाद्रव बुध भृगु योग से फिर जग को हर्षाय ।।
वर्षा विश्वा सात है स्तंभ लगा है एक ।
धर्म कर्म पर डटे रहो ईश्वर राखे टेक ।।
फल संवत्सर का कहा निज गुरुका धर ध्यान ।
'बंसीधर' भगवान का भजन करे कल्याण ।।

संवत् २०२३ शाके १८८८
ज्येष्ठ कृ. ३० शुक्रे सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
उज्य.	घ.	२२	२५	२८
मध्यम.	पल	५६	५०	२३
रेल्वे टाइम	घं.	३	४	५
	मि.	३७	४७	४८

वर्षेश लग्नम् ८।२

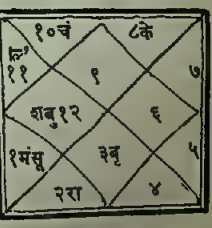

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२२।१३

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्-बुधस्यराज्ये सजलं महीतलं, गृहे गृहे तूर्यं विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ।। मंत्री बुधस्तत्फलम्-शशिसुते शुभ मंत्रि समाहते स्वपतिना कुरुते मदन क्रियाम् । बहु धनं बहुवारि समन्वितम् यव मसूरि चणान्न महर्धता ।। सस्येशः शनिस्तत्फलम्- यदि धान्यपतौ जनो नृपतिभिः परिपीड़ित विग्रहः । गदभयं तुष धान्य हरं सदा दुरितवाद विवाद युता नराः ।। धान्यशो गुरुः फलम्-गुरौ धान्यपतौ याते यव गोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः ।। मेघेशो भौमस्तत्फलम्-अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि, श्रुति विचार विहीन धरा भवाः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतापदम् ।। रसेशश्चन्द्रः फलम्-यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहुवारि विधायका रसवती धन धान्यवती मही ।। नीरसेशः शनिस्तत्फलम्-त्रपुपिंडादिलोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तूनाम् । अर्घ वृद्धि प्रजायेत मंदे नीरसनायके ।। फलेशो भौमः फलम्-फलपतियदि भूतनयो भवेत् सुबहु पुण्य फलान्वित मेदिनी । गत भयानृत देश जनास्तदा नृपतयो बहु विग्रह कारकाः ।। घनेशः शुक्रस्तत्फलम्-द्रविणपे भृगुजे द्रविणैर्युताः समवना सकला भुवि मानवाः । सम सुखाः क्रय विक्रय जीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः ।। दुर्गेशो भौमः फलम्-अवनिजो गढ़नायकतां गतो विविध दुःख वियोग समन्वितः । जन पदेषु जनाः क्रय विक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ।। सिद्धार्थीनाम संवत्सरः फलम्-सिद्धार्थी वत्सरे भूपाः शान्तवैरास्तथा प्रजाः । सकला वसुधाभाति बहु सस्याढ्यं वृष्टिभिः ।। वर्षनाम मार्गशीर्षः फलम्-कार्पासादि महर्घ स्यात् गोधूमाषतिलादिकम् । मेघो वर्षति देवोवा मार्गशीर्षे विशेषतः ।। मेघनाम पुष्करः फलम्-पुष्करे मंद वृष्टिश्च ।। रोहिणीनिवासस्तटे फलम्-तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलम्-रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०२३ शाके १८८८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख ज्येष्ठाषाढ मासेषु गोधूल्यां भौम ७ दोषः

वै. शु. ३ शनौ रोहि. ल. १०-११ रे. १० ।।।।।।।।।
„ ९ शुक्रे मघा. ल. ९-११ रे. ६ ।।।।चोऽ।ऽ। गणितेन-क्रांति साम्याऽभावः आवश्यके
„ ११ रवौ उफा. ल. ९-१० रे. ७ ।।।ऽबुऽशुऽरो।ऽ।।पाद-वेधाऽबुधस्य वेधाऽभावः
„ १२ चंद्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. ९ रे.६ ऽऽ।ऽशु।।।। घ.४२ या. पादवेधात् शुक्रस्य वेधाऽभावः

ज्ये.कृ. ३ शनौ मूले ल. १०:११ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।
„ ४ रवौ मूले ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽचो।ऽ।।
„ ५ चन्द्रे उषा. ल.११ (घ.५०।७ उ.)रे.८ ।ऽ।।।।।।ऽ
„ ६ भौमे उषा. ल. अन्यगो.९ रे. ७ ।ऽ।।।ऽरो।।।ऽ धनु-लग्ने गुरु ७ मध्यमः

ज्ये.शु. १ शनौ रोहि. ल.अन्यगो. सोम्रांगःरे.९ ।।।।।ऽचो।।।
„ १ शनौ मृगे ल. १०-११ रे. ८ ऽ।।।।ऽ।।।
„ ७ गुरौ मघा. ल. ९-११ रे. ७ ।।।।।ऽअऽऽ।।
„ ९ शनौ उफा. ल. ९-१० रे. ८ ।।।।ऽजृ।।।
„ १२भौमे स्वा. ल. ७ (घ.४१ या.) रे. ८ ऽ।।।ऽ।।।।
„ १४गुरौ अनु. ल.११ (घ.४६।५२उ.) रे.८ ।।।।ऽ।ऽ।।

आ. कृ. शनौ मूले ल. १०-११ रे. ८ ।ऽ।।।ऽअ.।।।।
पौ.शु.५ चन्द्रे उभा. ल. अन्यगो ८ ।।।।।ऽअ.ऽ।।।
„ १२चन्द्रे मृगे ल. अन्यगो. रे.८ ऽ।।।।।।।ऽ तिथ्यंत.द.
मा.कृ.१ शुक्रे मघा. ल.८ रे.६ऽ।ऽबुऽऽजृ।।।। पादतोवेधाभावः
„ ४रवौ उफा. ल. गो. ८ रे. ७ ।।।।ऽऽचो।ऽ।।
„ ५चन्द्रे हस्ते ल. गो. ८ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।
„ ११रवौ मूले ल. ८ रे. ६ ।।।।।ऽजृऽऽऽ दग्धा.
मा.शु.९ रवौ मृगेल.अन्यगो.८-१० रे.८।।।।।ऽचोऽ।।।वृश्चिके चं. ७ पू. मकरे गु. ७ पू. रेखा ९
„ १५शुक्रे मघा. ल. ८ रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।
फा.कृ.१शनौ उफा. ल. ८-१० रे. ७ ऽ।।।ऽऽ।।।
„ २रवौ उफा. ल. गो. रे. ७ ऽ।।।ऽऽजृ।।।
„ ९शनौ मूले ल.८ रे.६ऽ।।ऽजृ।ऽआऽ।। पादतोवेधाऽभावः
„ ११चंद्रे उषा. ल. अन्यगो.८ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ। वृश्चिके नृपपंचकः

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३७० सु. १९६६
१	बु १४ १ रे ५९ ३७ ब्र ३२ ३३ ब	१४	१ ३० ५८	६ २३	२	२९	मे. ५९।३७	धनिष्ठा. शुक्रः ९५ संवत्सरारंभः नवरा-*
२	गु १७ ४४ अ ६० ० हैं ३२ २० कौ	१७	४४ १४	५७ ३	२४ ३	१	मेषे	मृगे ३ मिथुने गुरुः ९९ सिंधारा जिल्हेज १२
३	शु २० २९ अ ३ ५३ वै २१ ११ ग	२०	२९ १८	५६ ४	२५ ४	२	मेषे	भ. ५१।१९ उ. मत्स्य जयन्ती गणगौरी
४	श २२ ९ भ ७ ८ वि २९ २६ वि	२२	९ २३	५५ ५	२६ ५	३	वृ. १९।४२	भ. २२।९ या. *नारंभः चंद्रद.
५	र २२ ४२ कृ ९ १७ प्री २७ १ आ	२२	४२ २७	५५ ५	२७ ६	४	वृषे	उदयः शनिः ५६।६
६	चं २१ ५५ रो १० १७ आ २३ १७ तै	२१	५५ ३१	५४ ६	२८ ७	५	मि ४०।१२	पूर्वोदयी बुधः ५३।४८
७	मं २० ७ मृ १० ८ सौ १८ ३९ व	२०	७ ३५	५३ ७	२९ ८	६	मिथुने	भ. २०।७ उ. ४८।३० या.
८	बु १६ ५२ आ ८ ३६ शो १२ ४६ ब	१६	५२ ३९	५२ ८	३० ९	७	क. ५१।३७	कुम्भे शुक्रः ४०।८ राम ९ स्मा.
९	गु १२ ३५ पु ५ ५८ अ ६ ५३ कौ	१२	३५ ४४	५१ ९	३१ १०	८	कर्के	दृश्यो रेवत्यां रविः ३३ (सौरः २७) वक्री×
१०	शु ६ ४८ पु ५ ५४ धृ ४९ ३८ ग	६	४८ ४८	५० १०	१ ११	९	सिं ५६।५३	भ. ३३ उ. कामदा ११ ब्र.स्मा. अप्रेल मा. ४+
११	श ० ४ म ५० ४४ शू ४० २२ वि	०	४ ५२	५० १०	२ १२	१०	सिंहे	भ. ०।४ या. कामदा ११ ब्र.वै. +ता. ३०
१२	श ५२ १ ० ० ० ० ० ०	०	० ०	० ०	० ०	०	०	×कुम्भे बुधः १५।२९ रामनवमी वै.
१३	र ४३ ३४ पू ४४ ११ गं ३० २५ कौ	१७	४९ ५६	४९ ११	३ १३	११	क. ५७।२८	मार्गी बुधः १२।९ प्रदोष ब्र.
१४	चं ३४ ४१ उ ३७ २१ वृ २० ११ ग	९	८ ३१	४८ १२	४ १४	१२	कन्यायां	भ. ३४।४१ उ.
१५	मं २६ ८ ह ३० ५४ ध्रु १० ३० वि	०	२५ ४	४७ १३	५ १५	१३	तु. ५८।११	भ. ०।२५ या. हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.७ मं.इ.२७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	२	९	१०	१	११
१४	२२	१	०	२८	२८	४	१५
५९	०	५३	८	५४	३९	३७	१
१३	५४	२८	१७	४	४७	२२	१९
५९	४६	३३	७	५४	७	३	५९
१६	३२	ब	२६	२९	८	११	१८

इस मास में गुड़ खांड घृत तेल तेज प्रजामें पीड़ा और अनाज के भाव साधारण चांदी सोना मंदा।

५२पं.चै.शु.१५ मं.इ.२७।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	२	१०	१०	१	११
२१	२७	२९	१	५	२९	४	२१
५३	१९	४२	३४	३०	२९	१५	५५
३१	४४	१८	१२	५०	३५	६	३०
५९	४५	१७	८	५८	७	३	५९
४	७	२२	२८	७	१	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु १८ १७ चि २५ २८ ब्या २४ ५१ कौ	१८	१७ ३१	५ ५६	६	१६	१४	तुलायां	मीने बुधः २९।० शते शुक्रः ३९।१५
२	गु ११ ४७ स्वा २१ १२ व ४६ २० ग	११	४७ १२	४६ १४	७	१७	१५	तुलायां	भ. ३९।१५ उ.
३	शु ६ ४४ वि १८ ४५ सि ४१ १० वि	६	४४ १६	४५ १५	८	१८	१६	वृ. ४।२२	भ. ६।४४ या. च. ब्र.
४	श ३ ४९ अ १८ २२ व्य ३७ ३३ वा	३	४९ २०	४४ १६	९	१९	१७	वृश्चिके	अश्वि.मेषे भौमः ५९ पू.भा.४मीने स्नि. ५७
५	र ३ २ ज्ये २० ८ व ३५ ३९ तै	३	२ २४	४३ १७	१०	२०	१८	ध. २०।८	
६	चं ४ २५ मू २३ ५६ प ३५ २६ व	४	२५ २८	४२ १८	११	२१	१९	धनुषि	भ. ४।२५ उ. ३६।५ या.
७	मं ७ ४४ पू २९ १७ शि ३६ ८ ब	७	४४ ३२	४२ १८	१२	२२	२०	म. ४६।३	
८	बु १२ ३० उ ३६ २१ सि ३८ ३ कौ	१२	३० ३६	४१ १९	१३	२३	२१	मकरे	दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः ४३ (सौरः ४७)
९	गु १८ ३२ श्र ४३ ३७ सा ४० ८ ग	१८	३२ ४०	४० २०	१४	२४	२२	मकरे	भ. ५१।३३ उ.
१०	शु २४ ३५ ध ५१ २० शु ४२ ४० वि	२४	३५ ४३	३९ २१	१५	२५	२३	कु. १७।२८	भ. २४।३५ या. उभायां बुधः ३१।८
११	श ३० ५४ श ५८ ४३ शु ४४ ५८ भा	३०	५४ ४७	३९ २१	१६	२६	२४	कुम्भे	वरूथिनी. ११ ब्र.
१२	र ३६ ४१ पू ६० ० ब्र ४७ २ कौ	३	१८ ५१	३८ २२	१७	२७	२५	मी ४८।५७	मृग. ४ गुरुः २४।१७
१३	चं ४१ ७ पू ५ ४२ रे ४८ ११ ग	८	५४ ५५	३७ २३	१८	२८	२६	मीने	भ. ४१।७ उ. प्रदोषः
१४	मं ४६ ७ उ ५ ३५ वै ४८ २६ वि	१३	३७ ५८	३६ २४	१९	२९	२७	मीने	भ. १३।३७ या. पूभायां शुक्रः ४४।३५
२८	बु ४९ १० रे १६ २० वि ४७ ५१ च	१७	९ ३३	३६ २४	२०	३०	२८	मे. १६।२०	

१पं.वै.कृ.८ बु.इ.४।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	२	१०	११	१	०
०	३	२	२	१३	०	३	०
०	३३	१८	४५	४५	२७	४८	१
०	२५	१२	४३	४७	७	५८	२८
५८	४४	३४	९	६१	६	३	५८
४४	४७	१८	२७	२४	४०	११	४५

वैशाख कृ. ८ बुधे मेषेऽर्कः प्र. घा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

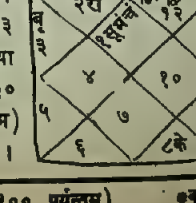

२पं.वै.कृ.३० बु.इ.४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	२	१०	११	१	०
६	८	९	३	२१	१	४	१
५०	४८	२७	५३	२	१३	४	२
४२	४	३६	५३	३९	५	४	३
५८	४४	५९	१०	६३	१	४	४
३१	२६	२०	१३	३१	२	४	५

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३९९ स. १९६६
१	गु	५०	४८	अ	१९	५७	प्री	४६	१३	किं	१९	५९	३२/६	५/३५	६/२५	२१	१	२९	मेषे	राष्ट्रीय वैशाखारम्भः
२	शु	५१	२०	भ	२२	२३	आ	४३	५०	बा	२१	४	१०	३४	२६	२२	२	३०	बृ. ३७।४४	कृत्ति. २ राहुः विशाखा. ४ केतुः ५०/३१ चंद्रद.
३	श	५०	५०	कृ	२३	४९	सौ	४०	३४	तै	२१	५	१४	३३	२७	२३	३	१	वृषे	अक्षया ३ परशुराम जयन्ती मोहोरम १+
४	र	४९	८	रो	२४	८	शो	३६	२३	व	१९	५४	१७	३३	२७	२४	४	२	मि ५४।१	भ. १९/५४ उ. ४९/८ या. +सन् १३८६ हिजरी
५	चं	४६	५०	मृ	२३	५३	अ	३२	०	ध	१७	५९	२१	३२	२८	२५	५	३	मिथुने	
६	मं	४३	२३	आ	२२	३५	सु	२६	४३	कौ	१५	६	२५	३१	२९	२६	६	४	मिथुने	रेवत्यां बुधः ४४।४ भरण्यां भौमः ५०/४८
७	बु	३९	२४	पु	२०	३४	धृ	२०	४८	ग	११	२३	२९	३०	३०	२७	७	५	क. ६।५	भ. ३९/२४ उ. दृश्यो भरण्यां रविः २३/५३ (सौरः २३/१५)
८	गु	३४	४४	पु	१८	०	शू	१४	१७	वि	७	४	३२	३०	३०	२८	८	६	कर्के	भ. ७।४ या.
९	शु	२९	१५	श्ले	१३	५५	गं	७/२१	५३/२३	कौ	२९	१५	३६	२९	३१	२९	९	७	सिं १३।५५	मीने शुक्रः ६।३४ पातस्पर्शः ५६।३१
१०	श	२२	१४	म	१०	२९	ध्रु	५१	३६	ग	२२	१४	४०	२८	३२	३०	१०	८	सिंहे	भ. ४९।१९ उ. पातमोक्षः ७।४३
११	र	१६	२४	पू	५	४९	व्या	४२	६	वि	१६	२४	४३	२७	३३	१	११	९	कं. १९।३४	भ. १६/२४ या. मोहिनी ११ व्र. मई मा. ५ ता. ३१
१२	चं	९	३०	उ	५०/५०	५४/५०	ह	३४	३५	बा	९	३०	४७	२७	३३	२	१२	१०	कन्यायां	उभायां शुक्रः १२।२१ प्रदोषः
१३	मं	२	२८	चि	५०	५४	ध	२६	१३	तै	२	२८	५१	२६	३४	३	१३	११	तु. २३।१६	भ. ५५।३८ उ. नृसिंह जयन्ती
१४	मं	५३	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	बु	४९	५६	स्वा	४७	७	सि	१८	३२	वि	२२	४७	५४	२५	३५	४	१४	१२	तुलायां	भ. २२।४७ या. अन्नजल कुंभदानम्

३पं. वै.शु.४ बु.इ.४४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	२	१०	११	१	०
१३	१३	१७	५	२८	१	३	१३
३९	५९	५९	७	३१	५७	४	४०
४३	२४	२७	८	५	५७	२७	१४
५८	४४	०९	१०	६५	६	३	५८
१७	१७	१८	५५	९	११	११	१२

गोचरग्रहाः

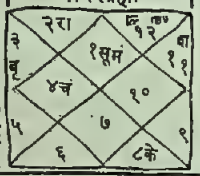

इस मास में पांच बुधवार हैं रस पदार्थ गुड़ खांड़ घृत तिल तेल अलसी तेज हो। धान्य भाव सम।

गोचरग्रहाः

४पं.वै.शु.१५ बु.इ.४४।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	२	११	११	१	०
२०	१९	२८	६	६	२	२	२०
२७	८	२१	२५	८	३९	४२	२६
२२	३८	४३	२३	४९	४३	१२	५४
५८	४४	९६	११	६६	५	३	५७
६	७	३१	२६	३७	४५	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेवैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४३	५४	वि	४३	५७	व्य	११	३४	बा	१६	५५	३२/५७	५/२५	६/३५	५	१५	१३	बृ. २९।४४	अश्वि. मेषे बुधः ४५।३०
२	शु	४१	३६	अ	४२	४७	व	६	४४	तै	१२	४५	३३/१	२४	३६	६	१६	१४	वृश्चिके	आर्द्रा. १ गुरुः १।६
३	श	४०	८	ज्ये	४३	२०	प	१/१४	५७/२	व	१०	५२	४	२३	३७	७	१७	१५	ध. ४३।२०	भ. १०।५२ उ. ४०।८ या.
४	र	४०	४१	मू	४५	४६	सि	५६	५८	व	१०	२४	७	२३	३७	८	१८	१६	धनुषि	चतुर्थी व्र.
५	चं	४२	५३	पू	५०	७	सा	५६	४६	कौ	११	४७	१०	२२	३८	९	१९	१७	धनुषि	
६	मं	४६	४९	उ	५५	५९	शु	५७	५२	ग	१४	५१	१३	२१	३९	१०	२०	१८	म. ६।३५	भ. ४६।४९ उ. *(सौरः ११/१२)
७	बु	५२	८	श्र	६०	०	शु	५९	५१	वि	१९	२९	१६	२१	३९	११	२१	१९	मकरे	भ. १९/२९ या. दृश्यः कृत्तिका. रविः ९।४८*
८	गु	५८	७	श्र	२	४४	ब्र	६०	०	बा	२५	८	१९	२०	४०	१२	२२	२०	कुं. ३६।३१	उ.भा. १ शनिः ४२/८ पातस्पर्शः ३८/५ पात×
९	शु	६०	०	ध	१०	१८	ब्र	२	९	तै	३१	८	२२	२०	४०	१३	२३	२१	कुम्भे	भरण्यां बुधः १९।५८ ×मोक्षः ५३/२६
१०	र	१०	६	पू	२४	५९	वै	४	३४	ग	४	१०	२५	१९	४१	१४	२४	२२	कुम्भे	भ. ३७/८ या. दृश्यो वृषेऽर्कः ३७/३ (सौरः ३९/०)=
११	चं	१५	१६	उ	३१	१	वि	८	१४	बा	१५	१६	२८	१८	४२	१५	२५	२३	मी ८।११	भ. १०/६ या. कृत्तिका. भौमः १/३५ पूर्वास्तो+
१२	मं	१९	२	रे	३५	५१	प्री	८	३८	तै	१९	२	३३	१७	४३	१७	२७	२५	मे ३५।५१	अपरा ११ व्र. स्मा. वै.
१३	बु	२१	३३	अ	३९	२०	आ	८	४	व	२१	३३	३६	१७	४३	१८	२८	२६	मेषे	प्रदोषः
१४	गु	२२	२३	भ	४१	१७	सौ	६	११	श	२२	२३	३९	१६	४४	१९	२९	२७	वृ. ५६।२१	भ. २१।२३ उ. ५१।५८ या. +बुधः ५९।७
३०	शु	२१	४५	कृ	४१	३४	शो	३/६	५५/४८	ना	२१	४५	४१	१६	४४	२०	३०	२८	वृषे	वृषे भौमः ४०।१३ =रेवत्यां शुक्रः १०/४८ कृत्तिका. बुधः २।२७ सूर्यग्रहणम्

५पं. ज्ये.कृ.७ बु.इ.४४।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	२	११	११	१	०
२७	२४	१०	७	१३	३	२	२७
१३	१५	२१	४६	५४	१८	१९	१२
३४	४७	७	३७	१४	२२	५६	७
५७	४३	[illegible]	११	६८	५	३	५७
४४	५६	[illegible]	५८	२	२३	११	४५

गोचरग्रहाः

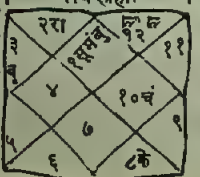

ज्येष्ठ कृ. ९ शनौ वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

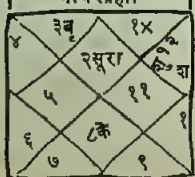

६पं. ज्ये.कृ.१३ बु.इ.४४।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	२	११	११	१	१
३	२९	२४	९	२१	३	१	३
५८	१९	०	११	४६	५४	५७	५५
२६	४१	२	४२	१९	७	४०	४६
५७	४३	[illegible]	१२	६८	४	३	५७
४४	३७	[illegible]	२२	४५	५३	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *बुशुश ×चंमंबु

ति. | ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८ | वि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽर्द्धगणः४४२९स.१६६६

| | | |

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०२३ शाकः १८८८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र ४२ ६ आ ५६ २ मं १० ५३ किं १४ ४९ ३४	५	५३	६	१९	२६	२६	मिथुने
२	चं ३६ ३ पु ५१ ३६ वृ ३४ ५२ बा ६ ६ २४	७	५३	२०	३०	३०		क.३७।३
३	मं २६ १४ पु ४७ ४ व्या ४७ ३१ तै २ ३८ २४	७	५३	२१	३१	१		कर्के
४	बु २२ २४ श्ले ४२ २९ ह ३६ २५ वि २२ २४ २४	७	५३	२२	१	२		सिं४२।२६
५	गु १६ ३ म ३८ ११ ब ३१ ५५ बा १६ ३ २४	७	५३	२३	२	३		सिंहे
६	शु ९ ५६ पू ३४ २७ सि २४ २७ तै ९ ५६ २४	७	५३	२४	३	४		कं.४८।३३
७	श ४ २४ उ ३० ५२ व्य १७ २० व ४ २३ २३	७	५३	२५	४	५		कन्यायां
८	श ५४ ५३ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	८	०	०	८	०
९	र ५४ ३६ ह २८ ५ व १० ४८ बा २६ ५६ २३	७	५३	२६	५	६		तु.५७।५
१०	चं ५० ७ चि २६ ६ प ४४ ५४ ३६ तै २२ ३० २३	७	५३	२७	६	७		तुलायां
११	मं ४८ ५ स्वा २४ ५० सि ५५ २६ व १९ ६ २२	८	५२	२८	७	८		तुलायां
१२	बु ४५ ४८ वि २४ ५ सा ५० १३ ब १६ ५६ २२	८	५२	२९	८	९		वृ.९।१६
१३	गु ४४ २८ अ २४ १० शु ४६ ५० कौ १५ ८ २१	८	५२	३०	९	१०		वृश्चिके
१४	शु ४४ २० ज्ये २५ २८ शु ४४ १५ ग १४ २४ २०	८	५२	१	१०	११		व.२५।२८
१५	श ४५ २३ मू २७ ५१ ब्र ४२ ४९ वि १४ ५२ १९	८	५२	२	११	१२		धनुषि

×३६ ५५ मृगे भौमः ४२ ५१ रविलावल ३
वृषे शुक्रः ५५।११ रथयात्रा चन्द्र द.
भ.५६ उ.द्व. आर्द्रा.रविः ५५ ४ कर्के बुधः×
भ.२३ २४ या.आर्द्रा.रवि सौरः १८ आर्द्रा.४*
*गुरुः १५।१५ राष्ट्रीयआषाढारम्भ
पुष्ये बुधः ७ मेषे राहुः तुला. केतुः ४४=
भ.२४ उ ३१ ५० या. =अस्तंगुरोः १२ ३७ अ.गु
+११ ब्र. स्मा. बै.
D११ ब्र. नि.
-जुलाई मा. ७ ता. ३१
भ.१९।६ उ.४८।५ या. देवशयनी÷
रोहिण्यां शुक्रः २२।४३ देवशयनीD
प्रदोषः
भ.४४।२० उ.मिथुने भौमः १९।४९-
भ. १४ ५२ या. व्यास पूजा. वाय परीक्षा

११पं.आ.शु.४बु.इ.४४।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	२	१	११	५	२
७	२४	१	१६	२	५	०	७
२९	३	३०	४६	११	५४	६	१६
२४	४०	३२	४१	२०	१४	२२	३५
५७	४२	७९	१३	७१	१	३	५६
१३	१४	५५	३२	५०	५२	११	५४

गोचर ग्रहः

इस मास का फल अशुभ है वर्षा में कमी धान्य तेज सुदी में कहीं २ वर्षा होगी।

गोचर ग्रहः

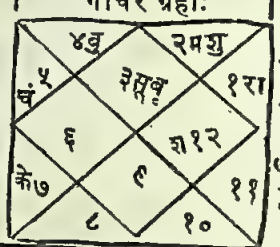

१२पं.आ.शु.१२बृ.इ. ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	२	१	११	०	२
१४	२८	९	१८	१०	६	२९	१३
९	१३	५१	२१	२६	४	४४	५४
५०	२४	१८	१८	३८	२६	७	४०
१७	४२	५५	१३	७२	१	३	५६
७	४	६	३८	१८	१४	११	५०

ति.	प्र.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र ४७ ५२ पू ३१ ३२ ऐं ४२ ८ बा १६ ३८	१८	५	३	३	१२	१३	म.४७।४४
२	चं ५० ५४ उ ३६ १६ वै ४२ १२ तै १९ २३	१७	९	५१	४	१३	१४	मकरे
३	मं ५६ २० श्र ४२ २९ वि ४३ ४७ व २३ ३७	१५	९	५१	५	१४	१५	मकरे
४	बु ६० ० ध ४९ १४ प्री ४५ ३६ ब २९ ४	१४	९	५१	६	१५	१६	कुं.१५।५१
४	गु १ ४८ श ५६ ४४ आ ४७ ५४ बा १ ४८	१३	९	५१	७	१६	१७	कुम्भे
५	शु ७ ५३ पू ६० ० सौ ५० २७ तै ७ ५३	११	१०	५०	८	१७	१८	मी४७।२५
६	श १४ ८ पू ४ १९ शो ५२ ५४ व १४ ८	१०	१०	५०	९	१८	१९	मीने
७	र १९ ५३ उ ११ ४१ अ ५४ ३७ ब १९ ५३	८	१०	५०	१०	१९	२०	मीने
८	चं २४ ३५ रे १८ ४ सु ५५ २९ कौ २४ ३५	७	११	४९	११	२०	२१	मे.९८।४
९	मं २६ ५८ अ २३ ० धृ ५४ ५८ ग २६ ५८	५	११	४९	१२	२१	२२	मेषे
१०	बु २९ २९ भ २६ २० शू ५३ ७ वि २९ २९	४	११	४९	१३	२२	२३	वृ.४१।४०
११	गु २८ ५९ कृ २७ ३९ गं ४६ ३२ बा २८ ५९	२	१२	४८	१४	२३	२४	वृषे
१२	शु २६ २३ रो २७ ७ बृ ४४ ३१ तै २६ २३	०	१२	४८	१५	२४	२५	मि५५।५१
१३	श २२ १ मृ २४ ३५ धु ३७ ५९ ब २२ १	३३ ५८	१२	४८	१६	२५	२६	मिथुने
१४	र १५ ५० आ २० ३० व्या ३० १६ श १५ ५०	५६	१३	४७	७	२६	२७	मिथुने
३०	चं ८ २२ पु १५ ४ पू २१ २१ ना ८ २२	५४	१३	४७	१८	२७	२८	क.१।२६

×पुनर्वसौ रविः १२।०
भ २३।३७ उ. ५६।२० या. दृश्य ×
पुन.रविःसौरः १०।१९ पुन.१गुरुः ५९ ४७=
=उदयो भौमः४।४९ चतुर्थी ब्र.
नाग ५ मरुस्थले
भ.१४ ८ उ, ४७ या. अश्लेषा. बुधः५।५४
मृगे शुक्रः ४०।५
आर्द्रा भौमः १३ २४ वक्री शनिः १८।३०
भ. ५८।१३ उ. वक्री बुधः ४६।३५
भ. २९।२९ या.
कामिका ११ ब्र.
प्रदोषः +२१ २४(सौरः ४ ३)मिथुनेशुक्रः ७
भ. २२ १ उ. ४८ ५५ या. दृश्यः कर्केऽर्कः+
उदयं गुरोः ४३।४८ उ.गु.
सोमवती हरियाली ३०

१३पं. प्र.श्रा कृ ४ बु.इ. ४४

र	मं	बु	गु	श	श	रा	र
०	२	३	२	१	११	०	२
२०	३	१५	१९	१८	६	२९	२०
५०	४०	३४	५६	४३	१०	२१	३२
१०	१	५५	३५	४८	२३	५१	३४
५७	४१	२७	१३	७२	०	३	५६
७	१२	४०	३८	३७	३०	११	५०

गोचर ग्रहः

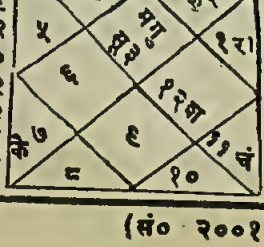

प्र. श्रावण कृ. १३ शनौ कर्केऽर्कः प्र. वा ५ न ५ प्रगल्भावस्था बैठे)मु३० (धान्य भावसम) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहः

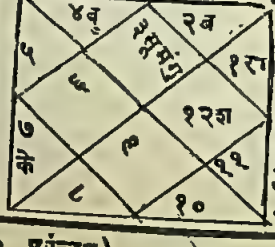

१४पंप्र.श्रा.कृ.१० बु.इ. ४४ ५५

र	गु	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	२	१	११	०	२
२७	८	१७	२१	२७	६	२८	२७
३०	४	४५	३१	४	१०	५९	१०
३२	२९	२५	३४	१९	२८	३६	४१
५७	४१	२४	१३	७२	१६	३	५६
१०	२८	व	३६	५६	ब.	११	५५

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम)

ति.	प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४४८८स.१९६६
१	मं	०	१३	पु	८	५९	व	१२	३	ब	०	१३	३३/५२	५/१४	६/४६	१९	२८	२९	कर्के	दृश्यः पुष्ये रविः५०।४१ चन्द्रदर्शनम्
२	मं	५१	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	(१५।१०पश्चि.बुध१२।५५रविलाखर४
३	बु	४३	२४	श्ले	२/३४	५३/४६	सि	२/२६	५०/३५	तै	१७	३२	५०	१४	४६	२०	२९	१	सिं२।३४	पुष्येरविःसौरः१३।४४ वक्रीपुष्येबुधः(
४	गु	३५	२८	पू	५०	४१	व	४३	४४	व	९	२६	४७	१५	४५	२१	३०	२	सिंहे	भ.९।२६उ.३५।२८या.आर्द्रा.शुक्रः×
५	शु	२८	२४	उ	४५	५२	प	३५	३१	व	१	५६	४५	१५	४५	२२	३१	३	कं.४।२९	×४४।१४ पुन.२ गुरुः ४७।२०
६	श	२२	१३	ह	४२	०	शि	२७	५५	तै	२२	१३	४२	१६	४४	२३	१	४	कन्यायां	राष्ट्रीय श्रावणारम्भः
७	र	१७	१४	चि	३९	२७	सि	२१	१४	व	१७	१४	४०	१६	४४	२४	२	५	तु.८।४३	भ. १७।१४ उ. ४५।१८ या.
८	चं	१३	२३	स्वा	३७	५९	सा	१५	३१	ब	१३	२३	३७	१७	४३	२५	३	६	तुलायां	
९	मं	१०	५८	वि	३७	५२	शु	१०	५२	कौ	१०	५८	३५	१७	४३	२६	४	७	वृ.२२।५४	
१०	बु	९	३८	अ	३८	३८	शु	७	८	ग	९	३८	३२	१८	४२	२७	५	८	वृश्चिके	भ. ३९।३३ उ.
११	गु	९	२९	ज्ये	४०	४६	ब्र	४	२०	वि	९	२९	२९	१८	४२	२८	६	९	ध.४०।४६	भ. ९।२९ या. कमला ११ व्र.
१२	शु	१०	२८	मू	४३	५६	ऐं	२	४३	बा	१०	२८	२६	१९	४१	२९	७	१०	धनषि	प्रदोषः
१३	श	१२	३८	पू	४८	२०	वै	१	४७	तै	१२	३८	२४	१९	४१	३०	८	११	धनुषि	पुन. भौमः ५९।५
१४	र	१५	५३	उ	५३	३४	वि	१	४८	व	१५	५३	२१	२०	४०	३१	९	१२	म.४।३८	भ. १५।५३ उ. ४७।५७ या.
१५	चं	२०	१	श्र	५९	५३	प्री	२	१४	ब	२०	१	१८	२०	४०	१	१०	१३	मकरे	पुन शुक्रः५०।२४ अगस्तमा.८ता.३१

१५पं.प्र.श्रा.शु.३बु.इ. ४४/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	२	२	११	०	३
४	१३	१६	२३	५	६	२८	३
११	६	२४	५	२७	६	३७	४९
१७	४०	३२	४९	०	५०	२०	८
५७	४१	३५/४१	१३	७३	०/५५	३	५६
१५	११	व	३२	१६	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

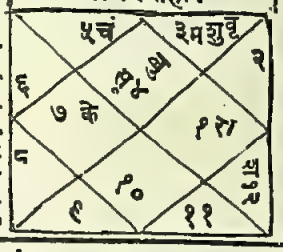

इस मास का फल मध्यम है। गुरुका उदय रुई चांदी सोना सूत गुड़ में तेजी होकर मंदी होवे।

गोचर ग्रहाः

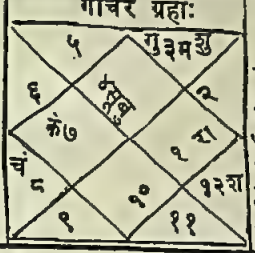

१६पं.प्र.श्रा.शु.१०बु.इ. ४४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	२	२	११	०	३
१०	१७	१२	२४	१३	५	२८	१०
५२	४६	३६	३८	५२	५७	१५	२८
१९	५१	४	३८	१	५४	४	२५
५७	४१	४५/४९	१३	७३	१/३९	३	५७
२०	१	व	२६	२२	व	११	५

ति.	द्वि. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेप्र.श्रावणकृष्णेति महा.
१	मं	२५	१४	ध	६०	०	आ	३	३८	कौ	२५	१४	३२/१५	५/२१	६/३९	२	११	१४	कु.३३।१६	दृश्योऽश्लेषाया रविः ४७।४२
२	बु	३०	५९	ध	६	३९	सौ	५	२२	ग	३०	५९	१२	२२	३८	३	१२	१५	कुम्भे	अश्लेषा. रविः सौरः १४।३३
३	गु	३७	३	श	१३	५४	शो	७	४०	व	४	१	९	२२	३८	४	१३	१६	कुम्भे	भ. ४।१ उ. ३७।३ या.
४	शु	४३	९	पू	२१	२२	अ	१०	८	व	१०	६	६	२३	३७	५	१४	१७	मी४।३०	पुन ३गुरुः५५/५४ पूर्वोदयीबुधः५३/४४ च.व्र.
५	श	४९	७	उ	२९	१	सु	१२	३७	कौ	१६	८	३	२३	३७	६	१५	१८	मीने	
६	र	५४	३१	रे	३६	०	धृ	१४	५८	ग	२१	४९	०	२४	३६	७	१६	१९	मे.३६।०	भ. ५४।३१ उ.
७	चं	५८	३२	अ	४२	२	शू	१६	२४	वि	२६	३१	३२/५६	२५	३५	८	१७	२०	मेषे	भ. २६।१३ या. मार्गीबुधः २७।४५
८	मं	६०	०	भ	४६	४५	गं	१६	५८	बा	२९	४५	५३	२५	३५	९	१८	२१	मेषे	
८	बु	०	५८	कृ	४९	३४	वृ	१६	२२	कौ	०	५८	५०	२६	३४	१०	१९	२२	वृ.२।२७	कर्के शुक्रः ३।४२
९	गु	१	४७	रो	५०	३२	ध्रु	१४	१३	ग	१	४७	४७	२७	३३	११	२०	२३	वृषे	भ. ३१।७ उ.
१०	शु	०	२८	मृ	४९	३५	व्या	१०	३२	वि	०	२८	४३	२७	३३	१२	२१	२४	मि२०।३	भ. ०।२८ या. पुष्ये शुक्रः ४६।१३×
११	शु	५६	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	× कमला११ व्र. स्मा.
१२	श	५१	४०	आ	४६	२७	ह	५/१६	५३/४	कौ	२४	२३	४०	२८	३२	१३	२२	२५	मिथुने	कमला ११ व्र वै.
१३	र	४४	४१	पु	४१	५३	सि	५०	२	ग	१८	१०	३६	२९	३१	१४	२३	२६	क.२८।२	भ. ४४।४१ उ. प्रदोषः
१४	चं	३६	१४	पु	३५	४१	व्य	४०	३२	वि	१०	२७	३३	२९	३१	१५	२४	२७	कर्के	भ. १०।२७ या. कर्के भौमः २७।३५
३०	मं	२६	५७	श्ले	२८	१०	व	३०	२५	ना	२६	५७	२९	३०	३०	१६	२५	२८	सि२८।१०	दृश्यो मघा. सिंहेऽर्कः ४१।३७

१७पं द्वि.श्रा.कृ.२बु.इ ४४/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	२	२	११	०	३
१७	२२	७	२६	२२	५	२७	१७
३४	२३	४८	१०	१९	४३	५२	८
१	२	१८	४८	३७	५२	४९	१३
५७	४०	३२/३३	१३	७३	१/२६	३	५७
२५	४४	व	१८	३८	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

द्वि. श्रावण कृ. ३०भौमे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४न.६प्रव्राजिकावस्था (उभी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शु पू

गोचर ग्रहाः

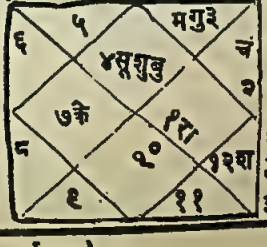

१८पंद्वि.श्राकृ.११बु.इ.४४/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	२	३	११	०	३
२४	२६	७	२७	०	५	२७	२३
१६	५८	२५	५१	४९	२६	३०	४९
२६	५५	४४	१३	३७	४२	३३	२०
५७	४०	१५/३८	१३	७३	२/५०	३	५७
३३	३१	मा	२	५०	व	११	२२

ति.	द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०२३ शाकः १८८८												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५१७स१९६६
१	बु	१७	५	म	२०	३२	प	१९	४४	ब	१७	५	३२/२६	५/३१	६/२९	१७	२६	२९	सिहे	सिहेऽर्कः सोरः १०/५८ सिधारा चन्द्रदशनम्
२	गु	७	३४	पू	१३	५०	शि	९/८	४६/५१	कौ	७	३४	२२	३२	२८	१८	२७	१	कं.२६।५६	तीज जमादिलावल ५
३	गु	५०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	×राष्ट्रीय भाद्रपदारम्भः
४	शु	५०	३८	उ	६	१३	सा	४९	१५	व	२४	९	१९	३२	२८	१९	२८	२	कन्यायां	भ.२४।९ उ. ५०।३८ या. वरद ४
५	श	४४	३	ह	०/१९	५५/२७	शु	४०	५४	ब	१७	२०	१५	३३	२७	२०	२९	३	तु.२८।२	पुष्ये भौमः २५।२८ नागपंचमी
६	र	३८	५५	स्वा	५२	५५	शु	३३	५२	कौ	११	२९	११	३४	२६	२१	३०	४	तुलायां	अश्लें.बुधः २०/४४ पुन.४कर्के गुरुः५४।३७
७	चं	३५	४२	वि	५२	११	ब्र	२८	५१	ग	७	१९	८	३४	२६	२२	३१	५	वृ.३७।२२	भ. ३५।४२ उ.
८	मं	३३	५७	अ	५२	१९	ऐं	२३	२५	वि	४	५०	४	३५	२५	२३	१	६	वृश्चिके	भ.४।५० या.अश्लेषा.शुक्रः ४३।२६×
९	बु	३४	८	ज्ये	५४	३४	वै	२०	२५	बा	४	२	०	३६	२४	२४	२	७	ध.५४।३४	=राहुःविशा.२ केतुः३७।२५ पूर्वास्तो-
१०	गु	३५	४२	मू	५८	५	वि	१८	२८	तै	४	५५	३१/५६	३७	२३	२५	३	८	धनुषि	-बुधः ५३।३७ पवित्रा११ ब्र
११	शु	३८	३८	पू	६०	०	प्री	१७	४९	व	७	१०	५२	३८	२२	२६	४	९	धनुषि	भ. ७।१० उ. ३८।३८ या. भर. ४=
१२	श	४२	४४	पू	३	६	आ	१८	२५	ब	१०	४१	४८	३८	२२	२७	५	१०	म.१९।३४	*श्रावणी कर्म. रक्षाबंधनं भद्रोत्तरे
१३	र	४७	३७	उ	८	५८	सौ	१९	१८	कौ	१५	१०	४४	३९	२१	२८	६	११	मकरे	प्रदोषः
१४	चं	५३	१७	श्र	१५	३१	शो	२०	३८	ग	२०	२७	४०	४०	२०	२९	७	१२	कुं.४९।२	भ.५३।१० उ.मघा. सिंहेबुधः ०।५१
१५	मं	५९	१७	ध	२२	३३	अ	२२	४०	वि	२६	१७	३६	४१	१९	३०	८	१३	कुम्भे	भ २६/१७ या. दृश्य पूषायां रविः३१।१४*

१९पं द्वि.श्रा.शु.१बु.इ.४३/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	२	३	११	०	४
०	१	१२	२९	९	५	२७	०
५९	३१	२०	८	२१	४	८	३
४९	३०	५३	२४	११	४८	१८	३३
५७	४०	७१	१२	७३	३/२९	३	५७
४०	१७	४१	३८	५६	वै	११	३४

गोचर ग्रहाः

६ ४मबुशु ७के ५सू गु ३ ८ २ ९ ११ १रा १० १२श

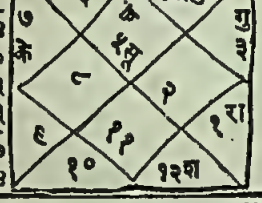

इस मास में कहीं वर्षा अधिक कहीं कम होगी। अनाज गल्ला रुई सोना मसूर चणा तेज हो।

गोचर ग्रहाः

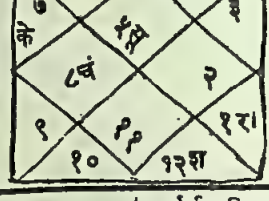

६ ×४ ७के ५सू ३ ८चं २ ९ ११ १रा १० १२श

२०पं.द्वि.श्रा.शु.९बु.इ.४३/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	३	३	११	०	४
७	६	२२	०	१७	४	२६	७
४४	२	१७	३४	५४	३८	४६	१५
१७	२०	९	३७	२२	२०	२	६
५७	३९	४०/१७	१२	७४	३/५१	३	५७
४८	५०		१७	२	वै	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												वि.	उ.	अ.	इं	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविदक्षिण श्रावण कृष्णति महा
१	बु	६०	०	श	२९	५९	सु	२५	५	बा	३२	२२	३१/३२	५/४२	६/१८	३१	९	१४	कुम्भ	पूफाया रविः सोरः १।५०
१	गु	५	२७	पू	३७	२५	धृ	२७	२४	कौ	५	२७	२८	४२	१८	१	१०	१५	मी२०।३४	सितम्बर मा. ९ ता. ३०
२	शु	११	३३	उ	४४	५०	शू	२९	४९	ग	११	३३	२५	४३	१७	२	११	१६	मीने	भ. ४४।२५ उ. चं. ब्र.
३	श	१७	१६	रे	५१	४९	गं	३१	५३	वि	१७	१६	२१	४४	१६	३	१२	१७	मे ५१।४९	भ.१७ १६या. मघा सिंहे शुक्रः३४।५
४	र	२२	२२	अ	५७	५७	वृ	३३	३६	बा	२२	२२	१७	४५	१५	४	१३	१८	मेषे	पूफायां बुधः ५०।५५
५	चं	२६	४४	भ	६०	०	ध्रु	३४	३५	तै	२६	४४	१३	४५	१५	५	१४	१९	मेषे	चन्द्रषष्ठी
६	मं	२९	५९	भ	३	१८	व्या	३४	४३	व	२९	५९	९	४६	१४	६	१५	२०	वृ.१९।२४	भ. २९।५९ उ.
७	बु	३१	४७	कृ	७	४२	ह	३३	४४	वि	०	५३	५	४७	१३	७	१६	२१	वृषे	भ. ०।५३ या. जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
८	गु	३१	४४	रो	९	४०	व	३१	३१	बा	१	४६	१	४८	१२	८	१७	२२	मि४०।५	पुष्य.१ गुरुः३।२९ जन्माष्टमी .वै.
९	शु	३०	१	मृ	१०	२९	सि	२७	४९	तै	०	५३	३०/५७	४९	११	९	१८	२३	मिथुने	भ. ५८।१० उ. गोगा ९
१०	श	२६	१९	आ	९	१९	व्य	२२	३०	वि	२६	१९	५३	४९	११	१०	१९	२४	क.५२।४	भ.२६।१९या. अश्ले. भौमः १९।५५
११	र	२०	३९	पु	६	१९	व	१५	४८	बा	२०	३६	४८	५०	१०	११	२०	२५	कर्के	उफायां बुधः ५७।८ अजा. ११ ब्र.
१२	चं	१३	४२	पु	१/३३	५४/५१	प	८/२०	५०/२६	तै	१३	४२	४४	५१	९	१२	२१	२६	सि५६।२४	वक्रीपू.भा.४शनिः३।२५व.द्वा.प्रदोषः
१३	मं	४	५९	म	४८	५०	सि	४८	१०	व	४	५९	४०	५२	८	१३	२२	२७	सिंहे	भ.४।५९उ.३०।१३या. दृ.उफा.रविः*
१४	मं	५०	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	*१५।३४(सौरः४६।२८)कन्याबुधः ४३/७
३०	बु	४५	३७	पू	४१	१०	सा	३७	१७	च	२०	३२	३६	५३	७	१४	२३	२८	कं.५४।१२	पूफायां शुक्रः २२।७ कुशाग्रहणी

२१पं. भा.कृ.१ बु.इ.४३/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	३	३	११	०	४
१४	१०	५	१	२६	४	२६	१४
२९	३०	१३	५७	२९	९	२३	०
५६	४०	५	२५	३१	५४	४६	१८
५८	३९	५/१७	११	७४	४/१०	३	५७
१	३९	२७	५०	४	वै	११	५७

६ मशुगु ७के ५सू ४ ३ ८ २ ९ ११चं १रा १० १२श

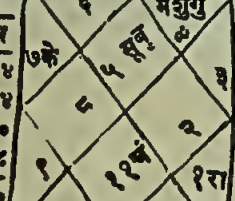

२२पं. भा.कृ ७ बु इ ४३/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	३	४	११	०	४
२१	१४	१८	३	५	३	२६	२०
१६	५६	५१	१६	७	३९	१	४६
५५	५३	३२	१५	८	२९	३१	५८
५८	३९	५/१७	१	७४	४/३१	३	५८
१३	३२		१३	४	वै	११	१२

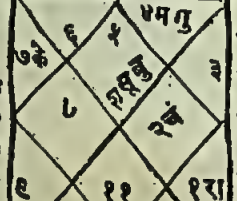

६ ४मगु ७के ५ ३ ८ शसूबु २चं ९ ११ १रा १० १२श

२३पं भा.कृ.३०बु.इ.४३/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	३	४	११	०	४
२८	१९	१	४	१३	३	२५	२७
५	२०	५६	३०	४६	७	३९	३५
२४	४६	३१	४७	१२	३४	१५	२१
५८	३९	५/१७	१०	७४	४/४०	३	५८
२६	११		३७	२०	वै	११	२९

×मबुशुगु

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५४६ स. १९६६
१	गु	३५	३२	उ	३३	१७	शु	२६	२२	किं	१०	३५	३०/३२	५/५४	६/६	१५	२४	२९	कन्याया	
२	शु	२६	१६	ह	२५	४०	शु	१५	३८	बा	१	०	२८	५४	६	१६	२५	३०	तु.५२।३४	दृश्यः कन्याऽर्कः ४०।५५ चंद्रदर्शनम्
३	श	१८	१	चि	१९	२८	ब्र	५/३५	५०/४९	ग	१८	१	२४	५५	५	१७	२६	१	तुलायां	भ.४४/३६ उ.कन्यायामर्कः सौरः ११/४० हरि=
४	र	११	११	स्वा	१४	१६	वै	४८	३७	वि	११	११	२०	५६	४	१८	२७	२	वृ.५६।५६	भ. ११/११ या. गणेश ४
५	चं	६	२२	वि	११	१०	वि	४२	३४	बा	६	२२	१६	५७	३	१९	२८	३	वृश्चिके	हस्तेबुधः १८।५३ ऋषि ५
६	मं	३	२३	अ	९	५०	प्री	३८	२२	तै	३	२३	१२	५८	२	२०	२९	४	वृश्चिके	[=तालिका ३ जमादिलाखर ६
७	बु	२	३८	ज्ये	१०	३७	आ	३५	२०	व	२	३८	८	५८	२	२१	३०	५	ध.१०।३७	भ. २।३८ उ. ३३।१० या.
८	गु	३	४१	मू	१३	२८	सौ	३३	४६	ब	३	४१	४	५९	१	२२	३१	६	धनुषि	[×कन्या.शुक्रः ४७/४८ पश्चिमोदयीबुधः १७/५०
९	शु	६	३८	पू	१७	४४	शो	३३	४०	कौ	६	३८	३०/०	६/०	६/०	२३	१	७	म.३४।१०	रा. अश्विनारंभः
१०	श	११	०	उ	२३	२८	अ	३४	९	ग	११	०	२९/५५	१	५/५९	२४	२	८	मकरे	भ.४३।३८ उ.
११	र	१६	१७	श्र	३०	७	सु	३५	४३	वि	१६	१७	५१	२	५८	२५	३	९	मकरे	भ.१६/१७ या.उफायांशुक्रः ८/३४ जलझू.११ व्र.
१२	चं	२२	२४	ध	३७	३५	धृ	३७	५८	बा	२२	२४	४७	३	५७	२६	४	१०	कुं.३।५१	दृश्यो हस्तेरविः ५४/१ वामनज. प्रदोषः
१३	मं	२८	३८	श	४५	७	शू	३९	५६	तै	२८	३८	४३	३	५७	२७	५	११	कुंभे	हस्ते रविः सौरः २४/९ चित्रा. बुधः १७/२९×
१४	बु	३४	५५	पू	५२	३३	गं	४२	२३	ग	१	४६	३८	४	५६	२८	६	१२	मी३५।४२	भ.३४/५५ उ. पुष्य२ गुरुः४।४ अनन्त१४
१५	गु	४०	५६	उ	५९	४४	बृ	४४	२९	वि	७	५५	३४	५	५५	२९	७	१३	मीने	भ. ७।५५ या. महालयश्श्राद्धारंभः

२४पं.भा शु.७बु.इ. ४३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	३	४	११	०	५
४	२३	१४	५	२२	२	२५	४
५५	४२	१३	४०	२५	३४	१७	२५
१९	४०	१६	५५	६	४१	०	२८
५८	३८	५/०	९	७४	४/४०	३	५८
३८	५१	२२	५२	२६	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

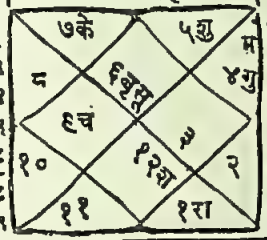

भाद्रपद शुक्ले२ शुक्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४.न.५ युवावस्था (सूती) मु.३०धान्यादिभावेसमता शु.पूर्व. खंड वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

२५पं.भा.शु.१४बु.इ. ४२/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	३	५	११	०	५
११	२८	२५	६	१	२	२४	११
४६	१	४४	४५	८	२	५४	१७
५५	१९	५६	५०	२८	३५	४४	३२
५८	३८	९९	९	७४	४/३४	३	५९
५३	४३	४६	२	२६	व	११	०

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०२३ शाकः १८८८												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुरविर्दक्षिणे भाद्र कृष्णति महा
१	शु	४६	२६	रे	६०	३६	ध्रु	४६	२१	बा	१३	४१	२९/३०	६/६	५/५४	३०	८	१४	मीने	
२	श	५१	१६	रे	६	३५	व्या	४७	३८	तै	१८	५१	२६	७	५३	१	९	१५	मे.६।३५	तुलायांबुधः१६।२३ मघा.सिंहे भौमः÷
३	र	५५	१२	अ	१२	२४	ह	४८	१८	व	२३	१४	२२	८	५२	२	१०	१६	मेषे	भ. २३।१४ उ. ५५।१२ या.
४	चं	५८	५	भ	१७	४१	व	४८	३०	ब	२६	३८	१८	८	५२	३	११	१७	वृ.३३।३४	चतुर्थी व्र.
५	मं	५९	५०	कृ	२१	५३	सि	४७	३९	कौ	२८	५७	१४	९	५१	४	१२	१८	वृषे	[÷४६/५६ अक्टूबर मा.१० ता.३१
६	बु	६०	०	रो	२४	५५	व्य	४५	५८	ग	३०	९	१०	१०	५०	५	१३	१९	मि५५।५१	स्वात्यां बुधः ४१/१५ हस्ते शुक्रः ४९।७
६	गु	०	२८	मृ	२६	४७	व	४३	२०	ब	०	२८	६	११	४९	६	१४	२०	मिथुने	भ. ०।२८ उ. २९।२५ या.
७	गु	५८	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	शु	५७	२७	आ	२७	२२	प	३९	३४	बा	२८	८	२	१२	४८	७	१५	२१	मिथुने	
९	श	५३	३७	पु	२६	६	शि	३४	४०	तै	२५	३२	२८/५८	१२	४८	८	१६	२२	क.११।२५	मातृ ९
१०	र	४८	२९	पु	२४	३७	सि	२८	२०	व	२१	३	५४	१३	४७	९	१७	२३	कर्के	भ. २१।३ उ. ४८।२९ या.
११	चं	४१	४४	श्ले	१९	३६	सा	२१	११	ब	१५	६	५०	१४	४६	१०	१८	२४	सिं१९।३७	दृश्यश्चित्रायां रविः २६।२ (सौरः+
१२	मं	३४	०	म	१४	२०	शु	१२	३५	कौ	७	५२	४६	१५	४५	११	१९	२५	सिंहे	+५४/४५ इंदिरा ११ व्र.
१३	बु	२५	१२	पू	७	५८	शु	३/२३	४९/३९	व	२५	१२	४२	१६	४४	१२	२०	२६	कं.२१।११	भ. २५।१२ उ.५०।३२ या. प्रदोषः
१४	गु	१५	५३	उ	०/५२	५२/३४	ऐं	४२	१५	श	१५	५३	३८	१६	४४	१३	२१	२७	कन्यायां	शस्त्रादि हतानां श्राद्धं पितृकार्येऽमा.
३०	शु	६	४१	चि	४६	२६	वै	३१	४९	ना	६	४१	३४	१७	४३	१४	२२	२८	तु.१९।५६	मातामह श्रा नवरात्रारंभः

२६पं आ कृ.६बु.इ. ४२/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	३	५	११	०	५
१८	२	६	७	९	१	२४	१८
४०	१८	४२	४४	५२	३१	३२	११
८	११	२५	३८	१२	२४	२८	१९
५८	३८	९२	८	७४	४/१४	३	५९
९	१६	७	१६	२६	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

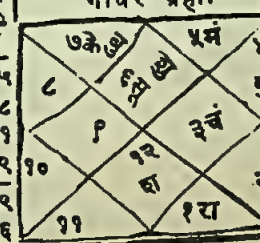

इस मास में धान्य जौ,गेहूं, मूँग मोठ. बाजरा रसपदार्थ चावलमें घटावढ़ी मंदी होकर तेजी होगी।

गोचर ग्रहाः

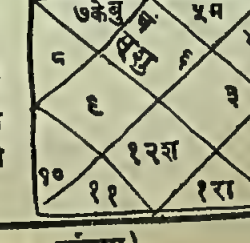

२७पं.आ.कृ १३बु.इ. ४२/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	३	५	११	०	५
२५	६	१६	८	१८	१	२४	२५
३५	३२	३७	३७	३५	२	१०	७
६	२	१९	१२	५६	२८	१२	१
५९	३७	८४	७	७४	३/५९	३	५९
२१	५३	११	१३	३२	व	११	३१

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५७६ स. १९६६
१	शु	५१	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	५०	११	स्वा	४०	१७	वि	२१	५५	बा	२४	१	२८/३०	६/१८	५/४२	१५	२३	२९	तुलायां	विशाखा. बुधः ७।६ चंद्रदर्शनम्
३	र	४४	८	वि	३५	२३	प्री	१२	१६	तै	१७	१०	२६	१९	४१	१६	२४	१	वृ.२१।३७	चित्रा शुक्रः २८।७ रज्जब ७
४	चं	३९	४६	अ	३२	१५	आ	४/१०	५४/३१	व	११	५७	२२	२०	४०	१७	२५	२	वृश्चिके	भ.११/२७ उ.३९/४६ या.दृश्यस्तुलायामर्कः ९/४८=
५	मं	३७	३८	ज्ये	३१	९	शो	५४	१२	व	८	३७	१८	२०	४०	१८	२६	३	ध.३१।९	शुक्रास्तः पू.१८/० (=सौरः ३७/२८) पू.अ.
६	बु	३७	३८	मू	३२	२०	अ	५१	२१	कौ	७	३८	१४	२१	३९	१९	२७	४	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम् शु.
७	गु	३९	४१	पू	३५	१८	सु	५०	६	ग	८	३९	१०	२२	३८	२०	२८	५	म.५१।३१	भ. ३९।४१ उ. सरस्वती पू.
८	शु	४३	४१	उ	४०	१०	धृ	५०	१२	वि	११	४१	६	२३	३७	२१	२९	६	मकरे	भ.११/४१ या.तुलाशुक्र ५०/८ भद्रकाल्यवतार×
९	श	४८	५०	श्र	४६	२०	शू	५१	१६	बा	१६	१६	२	२४	३६	२२	३०	७	मकरे	सरस्वती विसर्जनम् ×बलिदानम्
१०	र	५५	९	ध	५३	३९	गं	५३	३०	तै	२२	०	२७/५८	२४	३६	२३	१	८	कुं.२०।०	दृश्यःस्वा.र.५१/५० वृबुधः १०/५५ विजया १०
११	चं	६०	०	श	६०	०	वृ	५५	३२	व	२८	२०	५४	२५	३५	२४	२	९	कुंभे	भ.२८/२० उ.स्वा.रविः सौरः १८/२६ पूफा.भौ.+
११	मं	१	३२	श	१	७	ध्रु	५८	७	वि	१	३२	५०	२६	३४	२५	३	१०	मी५१।५८	भ.३१/३ या. पापां.११ ब्र.वै.
१२	बु	७	५५	पू	८	५५	व्या	६०	०	बा	७	५५	४६	२७	३३	२६	४	११	मीने	अनु.बुधः २३/५५ पुष्य.३ गुरुः४२।५ प्रदोषः
१३	गु	१३	५८	उ	१५	५९	व्या	०	१९	तै	१३	५८	४२	२८	३२	२७	५	१२	मीने	स्वात्यांशुक्रः८।४४ +१२/५४ पापां:११ब्र.
१४	शु	१९	१३	रे	२२	३८	ह	१	५४	व	१९	१३	३९	२८	३२	२८	६	१३	मे.२२।३८	भ.१९/१० उ.५१/१६ या.भर३ राहुविशा१ केतुः–
१५	श	२३	२०	अ	२८	१५	व	३	१	ब	२३	२०	३५	२९	३१	२९	७	१४	मेषे	शरदपूर्णिमावै. [–२९/४३ शरद१५स्मा.

२८पं.आ.शु.६बु.इ. ४२/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	३	५	११	०	६
२	१०	२५	९	२७	०	२३	२
३१	४३	४५	२२	२१	३६	४७	४
३४	१२	५८	५२	२५	१४	५७	३१
५९	३७	७३	६	७४	३/३८	३	५९
३४	३४	७	१४	३२	व	११	४६

गोचर ग्रहाः

आश्विन शुक्ले ४ चंद्रे तुलायामर्कः प्र. वा.४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० (धान्य भावसम) शु.पू.

गोचर ग्रहाः

२९पं.आ.शु१२बु.इ. ४२/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	३	६	११	०	६
९	१४	३	१०	६	०	२३	९
२९	५२	३७	०	७	१२	२५	३
४९	१२	४	१	९	३२	४२	५१
५९	३७	५५	५	७४	३/१	३	६०
४७	२	४४	५	३२	व	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेतिमहा.
१	र	२६	३६	भ	३२	५२	सि	३	१४	कौ	२६	३६	२७/३१	६/३०	५/३०	३०	८	१५	वृ.४८।४५	
२	चं	२८	५१	कृ	३६	२५	व्य	२	४६	ग	२८	५१	२७	३१	२९	३१	९	१६	वृषे	भ.५९/२३ उ.वक्रीपूभा.३ कुंभेशनिः४।४९
३	मं	२९	३६	रो	३८	५६	व	१/१७	५७/४८	वि	२९	३६	२४	३१	२९	१	१०	१७	वृषे	भ २९/३६ या.च.ब्र.नवंबर मा. ११ ता.३०
४	बु	३०	३०	मृ	४०	३१	शि	५६	३	बा	३०	३०	२०	३२	२८	२	११	१८	मि९।४३	
५	गु	२८	३८	आ	४०	५६	सि	५२	२०	तै	२८	३८	१६	३३	२७	३	१२	१९	मिथुने	×सौर ३५/५५ विशाखा शुक्रः४३।३७
६	शु	२६	४०	पु	४०	२९	सा	४७	४२	व	२६	४०	१३	३३	२७	४	१३	२०	क.२५।३६	भ. २६।४० उ. ५५।१० या.
७	श	२३	३८	पु	३९	८	शु	४२	१९	ब	२३	३८	९	३४	२६	५	१४	२१	कर्के	वक्री बुधः ४१।५९
८	र	१९	४६	श्ले	३६	४३	शु	३६	६	कौ	१९	४६	६	३५	२५	६	१५	२२	सि३६।४३	दृश्यो विशाखा. रवि. १२।१३×
९	चं	१४	४९	म	३३	२३	ब्र	२९	४	ग	१४	४९	२	३६	२४	७	१६	२३	सिंहे	भ. ४१।५७ उ.
१०	मं	९	५	पू	२९	९	ऐं	२१	२४	वि	९	५	२६/५९	३६	२४	८	१७	२४	कं.४२।५२	भ. ९।५ या.
११	बु	२	२०	उ	२४	१	वै	१२	५७	बा	२	२०	५६	३७	२३	९	१८	२५	कन्यायां	रमा. ११ ब्र.
१२	बु	५२	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	=२४।० रूप १४
१३	गु	४७	१७	ह	१८	२०	वि	४/५	५०/३६	ग	२१	१०	५३	३७	२३	१०	१९	२६	तु.४५।२४	भ. ४७।१७ उ. प्रदोषः घन १३
१४	शु	३९	३२	चि	१२	२८	आ	४५	३०	वि	१३	२४	४९	३८	२२	११	२०	२७	तुलायां	भ. १३।२४ या. पश्चिमास्तो बुधः=
३०	श	३२	२१	स्वा	६	५३	सौ	३६	२९	च	५	५६	४६	३९	२१	१२	२१	२८	वृ.४८।१७	महालक्ष्मी पूजनम्

३०पं.का.कृ.४बु.इ. ४२/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	३	६	१०	०	६
१६	१८	८	१०	१४	२९	२३	१६
२९	५७	५९	२९	५४	५३	३	१४
३८	४७	३१	२	७	५३	२६	५५
६०	३६	२५	३	७४	२/२०	३	६०
४	३०	४०	५७	३२	वै	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में अनाज गल्ला चावल मूँग बाजरा जौ गेहूँ में मंदी सोना चांदी सम रोग हो।

गोचर ग्रहाः

३१पं.का.कृ.११बु.इ. ४१/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	३	६	१०	०	६
२३	२२	९	१०	२३	२९	२२	२३
३०	५७	१३	५०	४१	३९	४१	७
५८	३६	४१	२४	४६	०	१०	३३
६०	३६	३४/२५	२	७४	१/४५	३	६०
१७	२	व	२९	३८	व	११	३०

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४६०५स.१९६६
१	र	२६	१२	वि	२/५	५६/७	शो	२८	२०	ब	२६	१२	२६/४३	६/३९	५/२१	१३	२२	२९	वृश्चिके	अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
२	चं	२१	२२	ज्ये	५५	५०	अ	२१	१६	कौ	२१	२२	४०	४०	२०	१४	२३	३०	ध.५५।५०	वृश्चिकेशुक्रः ४१/४० भ्रातृ२यम२चन्द्रद.
३	मं	१८	३०	मू	५५	३१	सु	१५	२२	ग	१८	३०	३७	४१	१९	१५	२४	१	धनुषि	भ ४७/५८ उ.वक्रीवि. बुधः ५६/५१ सावान८
४	बु	१७	२६	पू	५७	२	धृ	११	५	वि	१७	२६	३४	४१	१९	१६	२५	२	धनुषि	भ.१७/२६ या.दृश्योवृ.८/११ (सौरः३०/१२)उ.=
५	गु	१८	३७	उ	६०	०	शू	८	२७	बा	१८	३७	३१	४२	१८	१७	२६	३	म.१२।५८	अनु. शुक्रः २२/२७ [=भौमः १६।३७
६	शु	२१	४१	उ	०	४३	गं	७	११	तै	२१	४१	२९	४३	१७	१८	२७	४	मकरे	वक्री तुला. बुधः ०।१४
७	श	२६	२४	श्र	५	५३	वृ	७	४७	व	२६	२४	२६	४३	१७	१९	२८	५	कुं.३९।१७	भ.२६/२४ उ.५९/२१ या.दृश्योऽनुराधा. रविः×
८	र	३२	१८	ध	१२	४०	ध्रु	९	१०	ब	३२	१८	२४	४३	१७	२०	२९	६	कुम्भे	गोपाष्टमी [×२६/३५ (सौरः४८।०
९	चं	३८	४०	श	१९	५२	व्या	११	५	बा	५	२९	२१	४४	१६	२१	३०	७	कुम्भे	कुष्मांड ९ अक्षय ९
१०	मं	४५	५	पू	२७	३२	ह	१३	२१	तै	११	५२	१९	४४	१६	२२	१	८	मी१०।३७	कन्यायां भौमः १८/२१ रा. मार्गशीर्षारंभः
११	बु	५१	१५	उ	३४	५५	व	१५	३६	व	१८	१३	१६	४५	१५	२३	२	९	मीने	भ.१८/१० उ.५१/१५ या. वक्रीगुरुः ३/४६ पू.बुधः+
१२	गु	५६	३६	रे	४१	३७	सि	१७	२३	व	२३	५५	१३	४५	१५	२४	३	१०	मे.४१।३७	[+५६/५१ प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१३	शु	६०	०	अ	४७	७	व्य	१८	३८	कौ	२८	२९	११	४६	१४	२५	४	११	मेषे	प्रदोषः
१३	श	०	२२	भ	५१	२९	व	१८	३७	तै	०	२२	८	४६	१४	२६	५	१२	मेषे	मार्गीशनिः १।२८
१४	र	३	४	कृ	५४	३०	प	१७	३५	व	३	४	६	४७	१३	२७	६	१३	वृ.७।१४	भ.३।४उ.३३/३७ या. मार्गीबुधः १६/१५ ज्येष्ठा=
१५	चं	४	१०	रो	५६	११	शि	१५	३८	व	४	१०	३	४७	१३	२८	७	१४	वृषे	मन्वादिः [=शुक्र ५५/५५ वैकुण्ठ १४

३२पं.का.शु.४बु.इ.४१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	३	७	१०	०	७
०	२६	२	११	२	२९	२२	०
३३	५४	८	१	२९	२९	१८	११
४७	५४	१३	१६	१७	१३	५५	३७
६०	३५	९७/५६	१	७४	१/१	३	६०
३०	४०	व	११	३८	व	११	४०

गोचर ग्रहाः

९चं ७के ६ १० ८सूशुबु ११श मं५ ४गु १२ २ १रा ३

कार्तिक शुक्ले ४ बुधे वृश्चिकेऽर्कःप्रविष्टः वा.३न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावेसमता शुक्रा. पू.।

गोचर ग्रहाः

९ केबु ७ १० ८सूशु ६म ११श ५ वं१२ ४गु १रा २ ३

३३पं.का.शु.११बु.इ.४१/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	३	७	१०	०	७
७	०	२५	११	११	२९	२१	७
३७	४८	३	२	१७	२४	५६	१७
३७	४०	२५	३१	४६	५०	३९	१०
६०	३५	३९/५८	७/७	७४	०/२७	३	६०
४२	८	व	व	३२	व	११	५३

ति.	मार्गशीर्षकृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	मं	४	१	मृ	५६	५६	सि	१२	३८	कौ	४	६	२६/१	६/४८	५/१२	२९	८	१५	मि२६।३३	
२	बु	२	५४	आ	५६	५३	सा	८	४०	ग	२	५४	२५/५९	४८	१२	३०	९	१६	मिथुने	भ. ३२।१६ उ. दिसम्बर
३	गु	१	३६	पु	५४	५२	शु	३/५५	५४/४९	वि	१	३८	५७	४९	११	१	१०	१७	क.४०।१२	भ.१।३८या.चतुर्थीव्र. दि.१२ ता.३१
४	गु	५६	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	शु	५३	५३	पु	५३	४१	ब्र	५०	४३	कौ	२६	१०	५५	४९	११	२	११	१८	कर्के	दृश्योज्येष्ठा.रविः३६/४५ (सौरः५५।०)
६	श	४९	५७	श्ले	५०	३८	ऐं	४६	३४	ग	२१	५५	५३	४९	११	३	१२	१९	सिं५०।३८	भ. ४९।५७ उ.
७	र	४५	२९	म	४७	५६	वै	४०	२	वि	१७	४३	५१	५०	१०	४	१३	२०	सिंहे	भ. १७।४३ या.
८	चं	४०	३८	पू	४४	४७	वि	३३	८	बा	१३	३	४९	५०	१०	५	१४	२१	कं.५९।४	[=पश्चिमायाम् २५।४८
९	मं	३५	३८	उ	४१	१७	प्री	२५	४९	तै	८	८	४८	५०	१०	६	१५	२२	कन्यायां	वृश्चिके बुधः २०।४४
१०	बु	२९	५९	ह	३७	२१	आ	१८	२०	व	२	४८	४६	५१	९	७	१६	२३	कन्यायां	भ. २।४८ उ. २९।५९ या. शुक्रोदय =
११	गु	२४	१२	चि	३३	२०	सौ	१०	२६	बा	२४	२२	४५	५१	९	८	१७	२४	तु.५।२१	मूलेधनुषिशुक्रः ३४/२२ उत्पत्ति११व्र. शु.उ.
१२	शु	१८	२४	स्वा	२९	१६	शो	२/४९	५२/२२	तै	१८	२४	४४	५१	९	९	१८	२५	तुलायां	अनु. बुधः १२। ६ प्रदोषः प.
१३	श	१२	५३	वि	२५	३६	सु	४७	४९	व	१२	५३	४२	५२	८	१०	१९	२६	वृ.११।३१	भ. १२।५३ उ. ४०।२६ या. हस्ते÷
१४	र	८	०	अ	२२	३०	धृ	४१	१६	श	८	०	४१	५२	८	११	२०	२७	वृश्चिके	[÷भौमः ३७।१७
३०	चं	३	५१	ज्ये	२०	२०	शू	३४	२३	ना	३	५१	४०	५२	८	१२	२१	२८	ध.२०।२०	

३४पं.मा.कृ.२बु.इ.४१।१६

र	मं	बु	ग	शु	श	रा	र
७	५	६	३	७	१०	०	७
१४	४	२४	१०	२०	२९	२१	१४
४२	३६	५२	५४	५	२४	३४	२३
५४	३६	२३	२१	२४	४	२४	५६
६०	३४	३८/७	१/३२	७४	०/३४	३	६१
५०	१३	मा	व	३२	मा	११	३

गोचरग्रहाः

९ ७केबु १० ८सूशु ६मं ११श ५ १२ २ ४वे १रा ३ चं

इस मास में भी मंदी बाजार में रहे, शुक्रका उदय रुई चांदी रस धान्य तृणादि में मंदी कारक है। सुदी में कुछ तेजी

गोचरग्रहा

९ ७व म १० ८शुबु ६च ११श ५ ०२ २ ४रा १रा ३

३५पं.मा.कृ.१०बु.इ.४१।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	३	७	१०	०	७
२१	८	१	१०	२८	२९	२१	२१
४८	२१	३३	३९	५३	३१	१२	३१
५८	२२	२९	१८	४१	८	८	४३
०	३३	६९	२/५८	७४	१	२	६१
५०	३५	४९	व	३२	१७	११	११

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६३५स.१९६६
१	मं	१	१६	मू	१९	५५	गं	३०	४३	ब	१	१६	२५/३९	६/५२	५/८	१३	२२	२९	धनुषि	
२	बु	०	७	पू	२०	४१	वृ	२७	२३	कौ	०	७	३८	५२	८	१४	२३	३०	म.३६।२१	चन्द्र द.
३	गु	०	५३	उ	२३	२०	ध्रु	२५	४३	ग	०	५३	३८	५२	८	१५	२४	१	मकरे	भ.३२/१०उ दृश्योमूले धनुष्यर्कः४३।५७+
४	शु	३	२७	श्र	२७	४८	व्या	२४	५२	वि	३	२७	३७	५३	७	१६	२५	२	मकरे	भ. ३/२७ या. वक्री पुष्य. २ गुरुः ५९/६×
५	श	७	३०	ध	३३	३८	ह	२५	३७	बा	७	३०	३७	५३	७	१७	२६	३	कुं.०।४३	[×पातमोक्षः ७।१५
६	र	१३	१	श	४०	२२	व	२७	५	तै	१३	१	३७	५३	७	१८	२७	४	कुंभे	ज्येष्ठायां बुधः ४७।२१ चम्पा ६
७	चं	१९	१७	पू	४८	१	सि	२९	६	व	१९	१७	३६	५३	७	१९	२८	५	मी३१।८	भ.१९।१७उ.५२/३० या.पूषायांशुक्रः ७/५१
८	मं	२५	४२	उ	५५	२३	व्य	३१	२३	ब	२५	४२	३६	५३	७	२०	२९	६	मीने	[+(सौरः५८/४४)रमजान९ पातस्पर्श४६/२५
९	बु	३२	५	रे	६०	०	व	३३	२०	कौ	३२	५	३६	५३	७	२१	३०	७	मीने	[-४१।२० दत्तजयन्ती
१०	गु	३७	३४	रे	२	३४	प	३४	५४	तै	४	५०	३६	५३	७	२२	१	८	मे.२।३४	पूभा.४ मीने शनिः२६/५० रा पौषारम्भः
११	शु	४१	३८	अ	८	३५	शि	३५	२१	व	९	३६	३६	५३	७	२३	२	९	मेषे	भ.९।३६ उ.४१/३८ या. मोक्षदा ११ व्र.*
१२	श	४४	२३	भ	१३	११	सि	३४	४०	ब	१२	०	३७	५३	७	२४	३	१०	वृ.२८।५८	[*गीताजयंती
१३	र	४५	२	कृ	१६	१९	सा	३२	४४	कौ	१४	४३	३७	५३	७	२५	४	११	वृषे	प्रदोषः व्र.
१४	चं	४४	१३	रो	१७	४८	शु	२९	१०	ग	१४	३७	३७	५३	७	२६	५	१२	मि४७।४०	भ.४४।१३ उ.पूर्वास्तो बुधः१४।४०
१५	मं	४१	४६	मृ	१७	३२	शु	२४	३७	वि	११	५९	३७	५२	८	२७	६	१३	मिथुने	भ. १३।० या. मूले धनुषि बुधः-

३६पं.मा.शु.२ बु.इ.४०।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	३	८	१०	०	७
२८	११	१०	१०	७	२९	२०	२८
५५	५९	४८	९	४१	४२	४९	४०
५२	१७	४३	३६	३५	०	५२	२६
६१	३२	८३	४	७४	१	३	६१
०	४७	३६	१०	२६	५८	११	१९

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष शुक्ले३ गुरौधनुष्यऽर्कः प्र. वा ३ न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादि भावे समता शु. प.।

गोचर ग्रहाः

३७पं.मा.शु.९बु.इ.४०।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	३	८	१०	०	८
६	१५	२१	९	१६	२९	२०	५
३	२९	१	३४	२९	५७	२७	४९
२९	३८	१२	१९	३८	५७	३७	५१
६१	३१	९०	५/२२	७४	२	३	६१
४	४८	२४	व	२६	४०	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति मह
१	बु	३८	१०	आ	१६	५	ब्र	१८	५८	बा	९	५८	२५/३८	६/५२	५/८	२८	७	१४	क.५९।५	दृश्य. पूषायां रविः ४८।५३
२	गु	३३	३३	पु	१३	२५	ऐं	१२	२९	तै	५	५२	३९	५२	८	२९	८	१५	कर्के	पूषायांरविःसौर ०/२२ उषायांशुक्रः४६/४९
३	शु	२८	१३	पु	९	५०	वै	५/२१	५२/३२	व	०	५३	४०	५२	८	३०	९	१६	कर्के	भ.०।५३उ.२८/१३या. भर.२राहु स्वाती+
४	श	२२	४६	श्ले	५	५७	प्री	५०	२१	बा	२२	४६	४०	५२	८	३१	१०	१७	सिं५।५७	[+४केतुः २१।२४ चतुर्थी व्र.
५	र	१७	१४	म	२/३१	५६/१६	आ	४२	३८	तै	१७	१४	४१	५२	८	१	११	१८	सिंहे	मकरेशुक्रः२२/३९ जनवरी मा.१ता.३१×
६	चं	११	५४	उ	५५	१४	सौ	३५	१०	व	११	५४	४२	५२	८	२	१२	१९	कं.१२।५४	भ. ११।५४ उ. ३९।२० या.
७	मं	६	४६	ह	५१	४९	शो	२८	२	ब	६	४६	४३	५१	९	३	१३	२०	कन्यायां	[×सन् १९६७ ई०
८	बु	१	४३	चि	४८	५४	अ	२०	५५	कौ	१	४३	४४	५१	९	४	१४	२१	तु.२०।५१	
९	बु	५५	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	गु	५२	५०	स्वा	४६	१०	सु	१४	१०	व	२५	०	४६	५१	९	५	१५	२२	तुलायां	भ.२५।० उ.५२/५० या.पूषायां बुधः१२/३५
११	शु	४८	५१	वि	४३	५०	धृ	७	३४	ब	२०	५०	४७	५१	९	६	१६	२३	वृ.२९।२५	सफला ११ व्र. स्मा. वै.
१२	श	४५	३९	अ	४२	१३	शू	१/२९	५४/४०	कौ	१७	१५	४९	५०	१०	७	१७	२४	वृश्चिके	चित्राभौमः१६।२६ सफला११व्र.नि.
१३	र	४३	१२	ज्ये	४१	१०	वृ	५१	११	ग	१४	२५	५१	५०	१०	८	१८	२५	ध.४१।१०	भ. ४३।१२ उ. प्रदोष व्र.
१४	चं	४१	३५	मू	४१	१४	ध्रु	४७	१३	वि	१२	२४	५२	५०	१०	९	१९	२६	धनुषि	भ. १२।२४ या.श्रवणे शुक्रः२१।५३
३०	मं	४१	२१	पू	४२	३४	व्या	४४	५	च	११	२८	५४	४९	११	१०	२०	२७	म.५८।१३	दृश्य उषायां रविः ५३।३७

३८पं.पौ.कृ.१ बु.इ.४०।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	३	८	११	०	८
१३	१८	१	८	२५	०	२०	१२
११	४९	३३	५१	१७	१९	५	५९
३१	४८	४०	२९	४९	५	२१	४३
६१	३०	९४	६/२८	७४	३	३	६१
६	३५	५३	वे.	२६	२१	११	२६

गोचर ग्रहाः

पौष कृष्णे४ शनौ मकरेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शु. प.।

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.कृ.८बु.इ.४०।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	३	९	११	०	८
२०	२२	१२	८	४	०	१९	२०
१९	३	२८	३	५	४४	४३	९
२६	०	१३	११	६	३८	६	४०
६१	२९	९६	५/२३	७४	४	३	६१
६	३७	४६	वे	२०	२	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाक: १८८८	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु ४२ २४ उ ४५ ११ ह ४२ ५१ किं ११ ५२	२५	४६	५	११	२१	२८	मकरे
२	गु ४५ ८ श्र ४९ १७ व ४१ ५२ बा १३ ४६	५८	४८	१२	१३	२२	२९	मकरे
३	शु ४९ १० ध ५५ ४४ सि ४२ १३ तै १७ ९	२६	४८	१२	१३	२३	१	कु.२२।३१
४	श ५४ २८ श ६० ० व्य ४३ १७ व २१ ४९	३	४७	१३	१४	२४	२	कुम्भे
५	र ६० ० श १ ११ व ४५ ८ व २७ २८	५	४७	१३	१५	२५	३	मी५१।९
५	चं ० २८ पू ७ ४८ प ४७ ३१ बा ० २८	८	४६	१४	१६	२६	४	मीने
६	मं ६ ५७ उ १५ ० शि ४९ ४३ तै ६ ५७	१०	४६	१४	१७	२७	५	मीने
७	बु १३ २६ रे २३ २६ खि ५१ ४३ व १३ २६	१२	४६	१४	१८	२८	६	मे.२३।२६
८	गु १९ २३ अ ३० १५ सा ५२ ४८ व १९ २३	१५	४५	१५	१९	२९	७	मेषे
९	शु २४ ० अ ३५ ४४ शु ५२ ४० कौ २४ ०	१७	४५	१५	२०	३०	८	वृ.५२।१६
१०	श २७ १३ कृ ३९ ५० शु ५१ १४ ग २७ १३	२०	४४	१६	२१	१	९	वृषे
११	र २८ २४ रो ४१ ५९ ब्र ४८ ३१ वि २८ २४	२२	४४	१६	२२	२	१०	वृषे
१२	चं २७ ४२ मृ ४२ ९ ऐं ४४ ३ बा २७ ४३	२५	४३	१७	२३	३	११	मि१२।४
१३	मं २५ ५ आ ४० ३० वै ३८ ८ तै २५ ५	२७	४३	१७	२४	४	१२	मिथुने
१४	बु २० ४५ पु ३७ २२ वि ३० ५० व २० ४५	३०	४२	१८	२५	५	१३	क.२३।९
१५	गु १४ ५३ पु ३२ ४७ प्री २२ ३७ व १४ ५३	३३	४१	१९	२६	६	१४	कर्के

शिशिरतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६६४स.१९६७

उषायां रविः सौरः १।४९
चन्द्रदर्शनम्
उषायां बुधः ३१।१ सव्वाल १०
भ.३१ उ.५४या. दृश्यो मकरेऽर्कः१०।१●
मकरे बुधः ४५ वक्रीपुष्य.१ गुरुः२३।३६

भ. १३।२६ उ. ४६।२५ या.
धनिष्ठा. शुक्रः ४७।१६ (●सौरः१७)
दृश्योऽभि. ज्ञ. रविः४२।४६ (सौरः४६)
भ.५७ उ. श्रवणे बुधः१९ रा.माघारंभः
भ. २८।२४ या. पुत्रदा ११ व्र.
दृश्यः श्रवणे रविः ५९।९
सौरःश्रवणे रविः३४ दृश्योऽभि. नि.रविः×
भ. ३५ उ.४७।४९ या. कुम्भे शुक्रः ३३
×५१ (सौरः५६) तुला.भौमः१७ प्रदोषः

४०पं. पौ.शु.१बु.इ.४०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	३	९	११	०	८
२७	२५	२३	७	३२	१	९	२७
२७	६	३२	८	५१	१४	२०	१९
४०	३२	३५	४२	४०	५२	५०	३२
६१	२७	०	४५	७४	४	३	६१
६	४१	४३	व	२०	३८	११	२४

४१पं. पौ.शु.७बु.इ.४०।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	३	९	११	०	९
४	२८	५	६	२१	१	१८	४
३५	०	४	११	३७	४८	५८	१९
३१	४०	३७	४२	१९	३२	३४	१
६१	२५	०	५३	७४	५	३	६१
३	३७	९	व	१३	५	११	१९

४२पं. पौ.शु.१४बु.इ.४०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	३	१०	११	०	९
११	०	१६	५	०	२	१८	११
४२	३५	५८	१६	२२	२५	३६	३७
५८	१०	२३	५२	१	४४	१९	५२
६०	२३	०	५६	७४	५	३	६१
५९	२९	४४	व	२	३८	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०२३ शाकः १८८८	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु ७ ५८ श्ले २७ २८ आ १३ ४५ कौ ७ ५८	३६	४१	१९	२७	७	१५	सिं२७।२८
२	श ० ५२ म २१ ४५ सौ ३७ ३६ ग ० ५२	२९	४०	२०	२८	८	१६	सिंहे
३	श ५२ २५ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०
४	र ४६ ९ पू १६ १७ अ ४६ २७ व १९ ४३	४२	४०	२०	२९	९	१७	कं.३०।०
५	चं ३९ २२ उ ११ ७ सु ३७ ५४ कौ १२ ४५	४६	३९	२१	३०	१०	१८	कन्यायां
६	मं ३३ ३५ ह ६ ३९ धृ ३० १४ ग ६ २९	४९	३८	२२	३१	११	१९	तु.३४।४३
७	बु २८ २८ चि २ ४७ शू २३ ० वि १ २५	५३	३८	२२	१	१२	२०	तुलायां
८	गु २४ २४ स्वा ६ ५८ गं १६ ३४ कौ २४ २४	५५	३७	२३	२	१३	२१	वृ.४३।४४
९	शु २१ ९ अ ५७ ११ वृ १० १३ ग २१ ९	५९	३६	२४	३	१४	२२	वृश्चिके
१०	श १८ ५६ ज्ये ५७ २० धु ६ ३२ वि १८ ५६	२७	३६	२४	४	१५	२३	ध.५७।२०
११	र १७ ४४ मू ५८ २१ व्या ४६ ५७ बा १७ ४४	६	३५	२५	५	१६	२४	धनुषि
१२	चं १७ ३२ पू ६० ० व ५७ ४१ तै १७ ३२	९	३४	२६	६	१७	२५	धनुषि
१३	मं १८ ३२ पू ० ३९ सि ५६ ३८ व १८ ३२	१३	३३	२७	७	१८	२६	म.१६।२८
१४	बु २० १५ उ ३ ५५ व्य ५६ ११ श २० १५	१६	३३	२७	८	१९	२७	मकरे
१५	गु २३ ४८ श्र ८ १९ व ५५ ४८ ना २३ ४८	२०	३२	२८	९	२०	२८	कु.४१।१

शिशिरतुं रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. २७।४ उ. ५३।१७ या.
धनिष्ठा. बुधः २०।२१ चतुर्थी व्र.
शते शुक्रः ४२।४६
भ. ३३।३५ उ.
भ. १।२ या. फरवरी मा. २ ता. २८
कुम्भे बुधः ६।२४
भ. ५०।२ उ. उभा. १ शनिः ४४।५
भ.१८।५६ या. ●षट्तिला ११ व्र.
शत बुधः ५३ पश्चिमोदयी बुधः ६।१५●
दृश्यो धनिष्ठा.रविः३० (सौरः२४)प्रदोषः
भ. १८।३२ उ. ४९।२३ या.

४३पं. मा.कृ.७बु.इ.४०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	३	१०	११	०	९
१८	२	२९	४	९	३	१८	१८
४९	५७	१४	२२	५	७	१४	४५
२६	५८	२०	१६	२४	३७	३	५३
६०	२०	०	२८	७४	६	३	६१
५५	३७	९	व	२	१	११	४

इस मासका फल श्रेष्ठ है धान्य रुई चांदी सोना गुड़ अफीम मूंगफली तिल तेल में घटा बढ़ी हो।

४४पं. मा.कृ.१४बु.इ.४०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	१०	३	१०	११	०	९
२५	४	११	३	१७	३	१७	२५
५५	५९	१६	३१	४८	५१	५१	५२
१६	४६	४१	१	१८	४	१८	४०
६०	१७	९८	४४	७३	६	३	६०
४७	४३	६	व	५६	२२	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४६९४ स. १९६७
१	शु	२८	६	ध	१३	४४	प	५६	५९	ब	२८	६	२७/२४	६/३१	५/२९	१०	२१	२९	कुम्भे	पूभा. शुक्रः २७/३९ वक्री पुन. ४ गुरुः १८।५६
२	श	३४	३०	श	२०	५	शि	५८	३४	बा	१	१८	२७	३१	२९	११	२२	३०	कुंभे	चन्द्रदर्शनम्
३	र	३९	२७	पू	२७	१४	सि	६०	०	तै	६	५९	३१	३०	३०	१२	२३	१	मी १०।२७	दृश्यः कुम्भेऽर्कः ४२/४५ (सौरः ४४/२१) जिल्काद ११
४	चं	४५	५७	उ	३४	४९	सि	०	४१	व	१२	४२	३५	२९	३१	१३	२४	२	मीने	भ. १२।४२ उ. ४५।५७ या.
५	मं	५२	३६	रे	४२	२४	सा	३	१	ब	१९	१७	३८	२८	३२	१४	२५	३	मे. ४२।२४	पूभायां बुधः ४०।४४ वसंत ५
६	बु	५८	५०	अ	४९	५८	शु	५	३९	कौ	२५	४३	४२	२८	३२	१५	२६	४	मेषे	स्वात्यां भौमः ३१।३७
७	गु	६०	०	भ	५६	२३	शु	७	२९	ग	३१	२०	४६	२७	३३	१६	२७	५	मेषे	भानु ७
७	शु	४	१	कृ	६०	०	ब्र	८	२७	व	४	१	५०	२६	३४	१७	२८	६	बृ. १२।४१	भ. ४।१ उ. ३६।२ या.
८	श	८	३	कृ	१	३७	ऐं	८	२६	ब	८	३	५४	२५	३५	१८	२९	७	बृषे	मीने शुक्रः ३१।४८ भीष्माष्टमी
९	र	१०	१६	रो	५	११	वै	७	१	कौ	१०	१६	५८	२४	३६	१९	३०	८	मि ३६।०	दृश्यः शते रविः १९।६ (सौरः १९।४३)
१०	चं	१०	३२	मृ	६	५०	वि	४/५	५५/१८	ग	१०	३२	२८/२	२४	३६	२०	१	९	मिथुने	भ. ३९।३६ उ. राष्ट्रीय फाल्गुनारम्भः
११	मं	८	४०	आ	६	२१	आ	५३	१४	वि	८	४०	६	२३	३७	२१	२	१०	क. ४९।३१	भ. ८/४० या. उभा. शुक्रः १२/५ जया ११ब्र.
१२	बु	४	४९	पु	३/५४	५५/४३	सौ	४५	२६	बा	४	४९	१०	२२	३८	२२	३	११	कर्के	प्रदोषः
१३	बु	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	गु	५२	३२	श्ले	५३	५३	शो	३६	२४	ग	२५	४७	१४	२१	३९	२३	४	१२	सिं ५३।५३	भ. ५२।३२ उ. वक्री बुधः १८।४७
१५	शु	४३	१७	म	४७	१५	अ	२६	४०	वि	१७	२५	१८	२०	४०	२४	५	१३	सिंहे	भ. १७।२५ या.

४५पं. मा. शु. ६ बु. इ. ४१।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	३	१०	११	०	१०
३	६	२१	२	२६	४	१७	२
०	४२	१०	४५	२९	३७	२९	५८
४	७	५९	२९	४९	१	३२	४३
६०	१३	७०	५/५३	७३	६	३	६०
३७	३२	४०	च	५०	३५	११	४२

गोचरग्रहाः

माघ. शु. १३ रवौ
कुंभेऽर्कः प्र. वा. २
न. ३ प्रगल्भावस्था
(बैठी) मु. ४५
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

४६पं. मा. शु. १२ बु. इ. ४१।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	३	११	११	०	१०
१०	७	२५	२	५	५	१७	१०
३	५७	२०	७	९	२५	७	३
३२	४७	३८	५	३२	८	१६	१६
६०	८	६	४/४२	७३	६	३	६०
२५	२४	७	ब	४२	५४	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविर्दक्षिणे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	३४	२४	पू	४०	७	सु	१६	१५	बा	८	५१	२८/२२	६/२०	५/४०	२५	६	१४	कं. ५३।२२	पश्चिमास्तो बुधः १२।४५
२	र	२५	२४	उ	३३	८	धृ	५/५२	४९/४७	ग	२५	२४	२६	१९	४१	२६	७	१५	कन्यायां	भ. ५१।१ उ.
३	चं	१६	३८	ह	२६	४३	गं	४६	२	वि	१६	३८	३०	१८	४२	२७	८	१६	तु. ५३।४५	भ. १६।३८ या. च. ब्र. पातस्दर्शः ५३।१३
४	मं	८	३९	चि	२०	४७	वृ	३७	४	बा	८	३९	३४	१७	४३	२८	९	१७	तुलायां	पातमोक्षः २।२६
५	बु	१	५५	स्वा	१६	२२	ध्रु	२९	३१	तै	१	५५	३८	१६	४४	१	१०	१८	वृ. ५९।२	भ. ५६।३२ उ. मार्च मा. ३ ता. ३१
६	बु	५४	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*शते बुधः ४७।५८ रेवत्यां शुक्रः ४।२१
७	गु	५२	२८	वि	१३	१५	व्या	२२	५७	वि	२४	३०	४२	१६	४४	२	११	१९	वृश्चिके	भ. २४।३० या.
८	शु	५०	१	अ	११	३४	ह	१७	५२	बा	२१	१४	४६	१५	४५	३	१२	२०	वृश्चिके	भरणी १ राहुः स्वाती ३ केतुः १६।६
९	श	४८	५३	ज्ये	११	३०	व	१३	३१	तै	१९	२७	५०	१४	४६	४	१३	२१	ध. ११।३०	दृश्यः पूभायां रविः ३५/११ (सौरः ३४/३०) वक्री*
१०	र	४९	२३	मू	१२	३५	सि	१०	३५	व	१९	८	५४	१३	४७	५	१४	२२	धनुषि	भ. १९।८ उ. ४९/२३ या. वक्री भौमः ९।५८×
११	चं	५१	५	पू	१५	२८	व्य	८	५८	ब	२०	१४	५८	१२	४८	६	१५	२३	म. ३१।२४	विजया ११ब्र. स्मा. वै.
१२	मं	५४	०	उ	१९	१४	व	७	५९	कौ	२२	३२	२९/२	१२	४८	७	१६	२४	मकरे	विजया ११ब्र. निं. ×उभा. २शनिः १६/२३
१३	बु	५८	७	श्र	२४	१८	प	८	२३	ग	२६	३	६	११	४९	८	१७	२५	कुं. ५७।९	भ. ५८।७ उ. प्रदोषः
१४	गु	६०	०	ध	३०	०	शि	८	५५	वि	३०	३४	१०	१०	५०	९	१८	२६	कुंभे	भ. ३०।३४ या. महाशिवरात्री व्रतम्
१४	शु	३	१	श	३६	४७	सि	१०	१९	श	३	१	१४	९	५१	१०	१९	२७	कुम्भे	पूर्वोदयी बुधः ४९।३०
३०	श	८	३५	पू	४३	५५	सा	१२	१	ना	८	३५	१९	८	५२	११	२०	२८	मी २७।८	

४७पं. फा. कृ. ५ बु. इ. ४१।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	३	११	११	०	१०
१७	८	२३	१	१३	६	१६	१७
५	४५	१३	३६	४७	१४	४५	६
४६	४३	३७	१८	३१	४९	१	५
६०	३	६२/१२	३/३४	७२	७	३	६०
१२	१७	च	च	२८	२	११	२०

गोचरग्रहाः

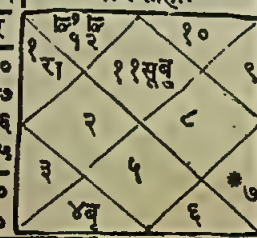

इस मास का फल नेष्ट है। सुदी में रुई सोना चांदी घृत तेल गुड़ तेज धान्य भाव मंदा कहीं२ रोग भय।

गोचरग्रहाः

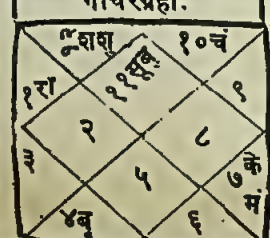

४८पं. फा. कृ. १३ बु. इ. ४१।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	३	११	११	०	१०
२४	९	१५	१	२२	७	१६	२४
६	५	२०	१४	२३	५	२२	७
२९	२४	१३	४२	२८	४६	४५	२८
५९	३/२०	५९/१९	३/१३	७३	७	३	६०
५८	च	च	च	२०	१४	११	६

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४७२४ स.१९६७
१	र	१४	४६	उ	५१	२१	शु	१४	५	ब	१४	४६	२९/२३	६/७	५/५३	१२	२१	२९	मीने	चन्द्रदर्शनम्
२	चं	२१	५	रे	५९	२	शु	१६	२७	कौ	२१	५	२७	७	५३	१३	२२	१	मे.५९।२	फुलरिया२ जिल्काद.१२ पातस्पर्शः २/५०*
३	मं	२७	३५	अ	६०	०	ब्र	१८	५६	ग	२७	३५	३२	६	५४	१४	२३	२	मेषे	मीनेऽर्कः ३४/५० (दृश्यः ३८/६) अश्वि.मेषेशुक्रः ५५/५५
४	बु	३३	३३	अ	६	३७	ऐं	२०	५४	व	०	३४	३६	५	५५	१५	२४	३	मेषे	भ.०।३४ उ.३३।३३ या. *मोक्षः १३/५२
५	गु	३९	१५	भ	१३	२९	वै	२२	३८	ब	६	२४	४०	४	५६	१६	२५	४	बृ.३०।०	
६	शु	४३	४७	कृ	१९	३४	वि	२३	३९	कौ	११	३१	४४	३	५७	१७	२६	५	वृषे	दृश्यः उभायां रविः५७।१२(सौरः ५५/२६)
७	श	४६	४१	रो	२४	२०	प्री	२३	१७	ग	१५	१४	४९	२	५८	१८	२७	६	मि५५।५७	भ. ४६।४१ उ. ×होलाष्टकं
८	र	४८	८	मृ	२७	३४	आ	२१	५०	वि	१७	२५	५३	१	५९	१९	२८	७	मिथुने	भ.१७/२५या. मार्गीबुधः १४/२४ मार्गीगुरुश्च १४/५८×
९	चं	४७	४२	आ	२८	५९	सौ	१८	५५	बा	१७	५५	५७	१	५९	२०	२९	८	मिथुने	
१०	मं	४३	१२	पु	२८	१७	शो	१४	१६	तै	१६	२७	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	९	क.१३।२८	
११	बु	४०	३९	पु	२५	४४	अ	८	४	व	१२	५६	६	५९	१	२२	१	१०	कर्के	भ.१३/५६ उ.४०/३९या.आमलकी११ब्र.रा.चैत्रारं.
१२	गु	३४	९	श्ले	२१	१९	सु	०/२२	५१/१	ब	७	२४	१०	५८	२	२३	२	११	सिं२१।१९	
१३	शु	२६	२०	म	१५	२१	शू	४१	१०	तै	२६	२०	१४	५७	३	२४	३	१२	सिंहे	प्रदोषः
१४	श	१७	१३	पू	८	१२	गं	३०	३१	व	१७	१३	१८	५६	४	२५	४	१३	कं.१२।१६	भ.१७/१३ उ.४३/२३या. भरण्यांशुक्रः ५४/६ होलि+
१५	र	७	३३	उ	०/३०	५२/७	वृ	१९	२८	ब	७	३३	२३	५५	५	२६	५	१४	कन्यायां	छारेंडी +कादहनं भद्रोत्तरे

४९पं. फा.शु.४बु.इ.४२।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	३	०	११	०	११
१	८	११	१	०	७	१६	१
५	५०	३०	२	५७	५७	०	७
४२	१७	३२	३५	२२	२२	३०	१०
५९	१०/२	१८/६	०/४४	७३	७	३	५९
४१	ब	व	ब	७	२०	११	४९

गोचरग्रहाः

१* ११बु १२सूश १० २ ३ ९ बृ ४ ६ ८ ५ ७मंके

फाल्गुन शु.३भौमे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न.३प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

११बु १२सूश १० २ ३ ९ ४बृ चं ६ ८ ५ ७ मं के

५०पं.फा.शु.११बु.इ.४२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	३	०	११	०	११
८	८	१२	०	९	८	१५	८
३	०	३४	५९	२७	४९	३८	५
२८	२२	४४	२४	२९	४१	१४	५
५९	१७/७	१७/४७	०/४३	७२	७	३	५९
२९	ब	मा	मा	५०	२०	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५०	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४६	५८	चि	४४	५३	ध्रु	८/३३	४९/३०	तै	२२	१७	३०/२७	५/५५	६/५	२७	६	१५	तु.१८।४१	
३	मं	३९	११	स्वा	३८	१६	ह	४८	३४	व	१३	४	३१	५४	६	२८	७	१६	तुलायां	भ. १३।४ उ. ३९।११ या.
४	बु	३१	३७	वि	३३	५	व	४०	७	बा	३१	३७	३५	५३	७	२९	८	१७	वृ.१९।२३	वक्री चित्रा..भौमः ३४।१९ च. ब्र.
५	गु	२५	३४	अ	२९	३१	सि	३३	११	तै	२५	३४	३९	५२	८	३०	९	१८	वृश्चिके	
६	शु	२१	५४	ज्ये	२७	५०	व्य	२७	४८	व	२१	५४	४४	५१	९	३१	१०	१९	ध.२७।५०	भ.२१/५४ उ.५०/५३या. दृश्यो रेवत्यां रविः २४/५५+
७	श	१९	५२	मू	२७	५१	व	२३	५१	ब	१९	५२	४८	५०	१०	१	११	२०	धनुषि	पूभायां बुधः ५०/११ उभा.३शनिः १०/१० अप्रेल*
८	र	१९	५१	पू	२९	५६	प	२१	३५	कौ	१९	५१	५२	५०	१०	२	१२	२१	म.४५।५०	
९	चं	२१	३५	उ	३३	३३	शि	२०	३१	ग	२१	३५	५६	४९	११	३	१३	२२	मकरे	भ.५३।५ उ. +(सौरः २२/५०) शीतलापू.
१०	मं	२४	३५	श्र	३८	४४	सि	२१	४	वि	२४	३५	३१/०	४८	१२	४	१४	२३	मकरे	भ. २४।३५ या. *मा.४ ता.३०
११	बु	२९	८	ध	४४	५१	सा	२१	५०	बा	२९	८	४	४७	१३	५	१५	२४	कुं.११।४७	कृत्तिका.शुक्रः५७।१० पापमोचनी११ब्र.
१२	गु	३४	२७	श	५१	५५	शु	२३	३५	कौ	१	४८	७	४७	१३	६	१६	२५	कुम्भे	
१३	शु	४०	३२	पू	५९	५	शु	२५	४७	ग	७	३०	११	४६	१४	७	१७	२६	मी४२।१८	भ. ४०।३२ उ. प्रदोष ब्र.
१४	श	४६	३७	उ	६०	०	ब्र	२८	९	वि	१३	३४	१४	४५	१५	८	१८	२७	मीने	भ. १३।३४ या. वृषे शुक्रः ४३।२९
३०	र	५२	५०	उ	६	४६	ऐं	३०	२७	च	१९	४३	१८	४४	१६	९	१९	२८	मीने	मन्वादिः

५१पं. चै.कृ.४बु.इ.४२।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	३	०	११	०	११
१४	६	१७	१	१७	९	१५	१५
५९	३६	३५	६	५५	४२	१५	१
१३	३६	१३	५०	४१	०	५८	१०
५९	२३/४७	४६	१	७२	७/२०	३	५९
१६	ब	२३	५०	२७	ब	११	१८

गोचरग्रहाः

२ १२सूश बु११ १० ३ ९ ४ बृ ६ ८चं ५ ७ के मं

इस मासमें बालकों को पीड़ा हो। रुई चांदी चावल नमक चपड़ा लाख सब्जी लहसन अनाज तेज हो।

गोचरग्रहाः

२ १२सूश ११ १० ३ ९ ४ बृ ६ ८ ५ ७ के मं

५२पं.चै.कृ.११बु.इ.४३।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	३	०	११	०	११
२१	४	२४	१	२६	१०	१४	२१
५३	४३	३४	२३	२३	३३	५३	५५
३१	१९	८	२४	६	४०	४३	२१
५९	२८/४४	६७	३	७२	७	३	५९
४	ब	३१	१७	६	१४	११	४

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०६८ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६८ भोग्यकलिः ४२६९३२ अथास्मिन्संवत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्संवत् २०२४ शाकः १८८९ वर्षेऽस्मिन्राजा चन्द्रः । मंत्री गुरुः । सस्येशो शनिः । धान्येशो शुक्रः । मेघेशो गुरुः। रसेशो भौमः । नीरसेशो रविः । फलेशोबुधः । धनेशश्शनिः । दुर्गेशोबुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १४ रौद्रनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत-मासादिः ५।१३।४०।४७ भोग्यमासादिः ६।१६।१९।२१ । नासत्यदैवतंयुगम् । वर्ष नाम पौषः । मेघ नाम द्रोणः । रोहिणी निवास समुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समयविश्वा १०। समयवाहनं मृगः। स्तम्भ ३ अन्नजलवायुनाम् । सोमवत्यमा. २ सोमवती पंचमी २ । अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी १ । समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १८ । तिथिवृद्धिः १२ । उत्पत्तिविश्वा ९३ । खपतिविश्वा ८४। वर्षाविश्वा १३। धान्यम् १५ । तृणम् ९ । शीतम् ११ । तेज ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०७ । सत्यं ॥, धर्म १॥, पाप१८ । ग्रहणे २ चंद्रमसः । शनिदृष्टिरुत्तरे ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

संवत् २०२४ शाकः १८८९
चैत्र शु. १५ चन्द्रे खग्रासं
प्रस्तोवितं चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज. मध्यम.	घ.	२३	२६	२७	२९	३२
	पल	४३	२२	५२	३२	११
रेल्वे टाइम	घं.	३	५	५	६	७
	मि.	५	०	३८	१६	१९

वर्ष लग्नम् ९।२४

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तूं जग पालनहार ।
संवत्सर चौबीस का कह दो मुख से सार ॥

भवानी उत्तर

चोबीसो चारु दिशा नवो चलायो राह ।
धनवंता धन संपजे कोई न लेवे थाह ॥
शशि राजा मंत्री गुरु सबकी राखे रेख ।
सुख उपजे दुःख पिछड़े इसमें मीन न मेष ॥
रोहिणी बसी समुद्र में संवत् मालाकार ।
वर्षा ऋतु के मध्य में वर्षे मूसलधार ॥
दश विश्वा वत्सर बना स्तंभ लगे है तीन ।
वर्षा विश्वा विश्व१३है जग में हो सुख चैन ॥
साख प्रथम मध्यम रहे दूजी साख अपार ।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ॥

लाभ-खर्च कोष्टक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ११।२२

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२३।३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम्–चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयोनृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ॥ मंत्री गुरुस्तत्फलम्–विविध धान्य युता खलु मेदिनी प्रचुरतोयघना मुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालन तत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ॥ सस्येशो रविस्तत्फलम्–सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहु भूरुहाश्च ॥ धान्येशश्शुक्रस्तत्फलम्–भृगौ पाश्चिम धान्येशे पञ्चाढ्यान्यं न पच्यते । सस्याः समर्घतां यान्ति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ॥ मेघेशो गुरुः फलम्–गुरुरपि प्रिय वृष्टिकरः सदाखिल विलासवती धरणी तदा । श्रुति विचार परां नरपालकाः रस समृद्धि युता खिल मानवाः । रसेशो भौमस्तत्फलम्–यदि धरा तनयो रसपो भवेत् न रसराशियुता जनताशुभा । नरपतिविर्षभोजन तापदो नजलदो बहु वृष्टि करो भुवि ॥ नीरसेशो रविः फलम्–नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्र चंदनयोरपि । रत्न माणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धि प्रजायते ॥ फलेशो बुधस्तत्फलम्–यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा । बहु तृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जनसौख्य मुदान्विताः ॥ धनेशश्शनिस्तत्फलम्–द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरताः धरणीपतयः सदा । अधनतां वणिजः कृषि जीविनो द्विजवराः परिपीडित मानसाः ॥ दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्–विषय साम्य सुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्र जनेषु विशेषतां । शशिसुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्यवतां न भयं क्वचित् ॥ रौद्र नाम संवत्सरस्तत्फलम्–रौद्राब्दे नृप संभूताः संक्षोभ क्लेश भागिनः । सततं स्वखिलाः लोकाः मध्य सस्यार्धवृष्टयः ॥ वर्षनाम पौषः फलम्–ज्वर रोग क्षुधार्ताश्च नाना जनपदाः सदा । महर्घं तु त्रयोमासाः पौषे स्वास्थ्यं ततः परम् ॥ मेघनाम द्रोणः फलम्–द्रोणे वर्षति सर्वदा ॥ रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्–समुद्रे तु महावृष्टिः ॥ समयनिवासो मालाकार गृहे फलम्–मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ॥ एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०२४ शाके १८८९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला ४ शुक्रे मृगे ल. ११ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा ५ शुक्रे मूले ल. गो. रे. ८ ।।।ऽशु।।।ऽ।। पादवेधाद्-गुरोर्वेधाऽभावः

„ ७ रवौ उषा. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽऽ।ऽशु।।।।।। पादवेधात् शुक्रस्य वेधाऽभावः

शुक्ला ३ शुक्रे मृगे ल. अन्यगो. सौम्यांगः रे. ९ ।।।।।ऽ।।

„ ८ बुधे मघा. ल.अन्यगो. रे. ७ ।।।।।ऽअ.।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

„ १०शुक्रे उफा. ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।।ऽशु।ऽ।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ शनौ उषा. ल.गो.रे. ६ ।।।ऽबु।।ऽऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः

शुक्ला ५ भौमे मघा. ल. अन्यगो. रे. ९ ।ऽ।।।।।।

„ १२ चन्द्रे अनु. ल. २ रे. ८ ।।।।।ऽशु।।। चं.७ मध्यमः

„ १३ भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे. ९ ।।।।।ऽ।।

आषाढ़ मासः

कृष्णा १ शुक्रे उषा. ल. ३ रे. ८ ।।।।ऽऽरो।।।।

„ ६ बुधे उभा. ल. २ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

„ ७ गुरौ उभा. ल. अन्यगो. २ (घ.५५-१५या.) रे. ७ ।।।।ऽशु।ऽ।ऽ

शुक्ला ३ चंद्रे मघा. ल. अन्यगो. २ रे. ९ ।।।।।ऽचो।।।।

„ ६ गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. २ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

मार्गशीर्षादि मासेषु सिंहस्थ गुरु दोषः ।

सं. २०२४ शाके १८८९ आश्विन शु. १५ बुधे खग्रास पूर्व भारते चन्द्रग्रहणम्

		स्प.स.	म.	उ.	मो.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	१८	२१	२३	२५	२७
	मि.	२५	२१	११	१५	६

		१	२	३	४	५
रेल्वे टाइम	घ.					
	मि.	४९	५९	४३	२७	३८

नोटः–यह ग्रहण रेल्वे टाइम ५-३८ से पहिले चंद्रोदय होने वाले प्रदेशों में दृष्ट होगा, अन्यत्र नहीं होगा ।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७५३ स.१९६७
१	चं	५९	९	रे	१४	१५	वै	३२	३५	किं	२६	०	३१/२१	५/४४	६/१६	१०	२०	२९	मे.१४।१५	मीने बुधः९।१९ संवत्सरारंभः नवरात्रा.
२	मं	६०	०	अ	२१	३९	वि	३४	४१	बा	३२	३	२५	४३	१७	११	२१	३०	मेषे	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	४	५७	भ	२८	२१	प्री	३६	१३	कौ	४	५७	२८	४२	१८	१२	२२	१	वृ.४४।५१	उभायां बुधः ३६/३५ सिंधारा मोहोरम १०
३	गु	९	५३	कृ	३४	२१	आ	३७	४	ग	९	५३	३२	४२	१८	१३	२३	२	वृषे	भ. ४१/५५ उ. दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः [illegible]×०
४	शु	१३	५८	रो	३९	३१	सौ	३७	२६	वि	१३	५८	३६	४१	१९	१४	२४	३	वृषे	भ. १३।५८ या. ●सन्१३८७ हि.
५	श	१७	१६	मृ	४३	३३	शो	३६	५१	बा	१७	१६	४०	४०	२०	१५	२५	४	मि११।३२	
६	र	१९	९	आ	४६	११	अ	३४	५३	तै	१९	९	४३	३९	२१	१६	२६	५	मिथुने	
७	चं	१९	२७	पु	४७	१२	सु	३१	५०	व	१९	२७	४७	३९	२१	१७	२७	६	क.३२।५७	भ.१९।२७उ.४८/५४या. रोहि.शुक्रः१०।४६
८	मं	१८	२१	पु	४६	३१	धृ	२६	४६	ब	१८	२१	५१	३८	२२	१८	२८	७	कर्के	
९	बु	१५	२०	श्ले	४४	१७	शू	२१	३५	कौ	१५	२०	५५	३७	२३	१९	२९	८	सिं४४।१७	वक्री कन्या. भौमः ४७।४७ रामनवमी
१०	गु	१०	४२	म	४०	२३	गं	१४	२८	ग	१०	४२	५८	३६	२४	२०	३०	९	सिंहे	भ. ३७।३५ उ. पातस्पर्शः ५१।५७
११	शु	४	२८	पू	३५	२	वृ	६/४	५५/३२	वि	४	२८	३२/२	३६	२४	२१	१	१०	कं.४८।१८	भ.४/२८या. रेवत्यां बुधः१२/१० कामदा११व्र.+
१२	शु	५२	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+रा.वैशाखारम्भः पातमोक्षः १।३७
१३	श	४७	५४	उ	२८	१६	ध्या	४६	११	कौ	२२	१६	६	३५	२५	२२	२	११	कन्यायां	प्रदोष
१४	र	३८	१०	ह	२०	५२	ह	३५	३०	ग	१३	२	१०	३४	२६	२३	३	१२	तु.४७।०	भ.३८।१०उ. ×(सौरः५७/२८)गणगौरी
१५	चं	२८	१५	चि	१३	७	व	२४	३८	वि	३	१२	१४	३३	२७	२४	४	१३	तुलायां	भ. ३।१२ या. चंद्रग्रहणम् हनुमज्जयंती

१ पं. चै.शु.३शु.इ.५९।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	३	१	११	०	०
०	२	५	१	६	११	१४	०
०	१	३४	५०	१०	४७	२७	१
०	४४	३७	२७	५५	२०	३८	३०
५८	३०/२६	८७	४	७१	७	३	५८
४५	ब	२५	४२	४०	५	११	४५

गोचरग्रहाः

१सूरा, ४बृ, ७मंके, ३, ११, ५, ९, ६, ८

चैत्र शु. ३ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रास्तः प.

गोचरग्रहाः

२शु, १सूरा, ४ब, ७के, ६मं, ३, ११, ५, ९, ८

२पं. चै.शु.१०शु.इ.५९।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	११	३	१	११	०	०
६	२९	१६	२	१४	१२	१४	६
५०	२५	३५	२४	२८	३७	५	५१
४२	३०	६	४०	१	१५	२३	४१
५८	२८/५७	०/१०	५	७१	६	३	५८
३१	ब	४२	४८	१२	५७	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मतूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१८	३६	स्वा	५/२९	५३/३८	सि	१४	४	कौ	१८	३६	३२/१७	५/३३	६/२७	२५	५	१४	वृ.४५।४२	
२	बु	९	५६	अ	५२	५०	व्य	४/२२	५१/३३	ग	९	५६	२१	३२	२८	२६	६	१५	वृश्चिके	भ. ३६।७ उ.
३	गु	२	१९	ज्ये	४९	२७	प	४८	४३	वि	२	१९	२५	३१	२९	२७	७	१६	ध.४९।२७	भ.२।१९या. दृश्योभरण्यां रविः३९।१६*
४	गु	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२०	०	०	०	●(सौरः३८/४६)उभा.४शनिः४।५९ च.व्र.
५	शु	५३	०	मू	४७	२६	शि	४३	१४	कौ	२४	५१	२९	३०	३०	२८	८	१७	धनुषि	अश्वि. मेषे बुधः ४९/३७ मृगे शुक्रः३३।४८
६	श	५१	३१	पू	४७	५०	सि	३९	२४	ग	२२	१५	३२	३०	३०	३९	९	१८	धनुषि	भ. ५१।३१ उ. पुष्य.१ गुरुः ४८।३३
७	र	५२	१२	उ	५०	१७	सा	३७	२६	वि	२१	५१	३६	२९	३१	०	१०	१९	म.३।२७	भ. २१।५१ या. पूर्वास्तं बुधः २४।३२
८	चं	५४	३९	श्र	५४	२९	शु	३७	०	बा	२३	२६	४०	२८	३२	१	११	२०	मकरे	मई मा.५ ता.३१ ×१५/४७ वरूथिनी११व्र.
९	मं	५८	५६	ध	६०	०	शु	३७	२९	तै	२६	४७	४३	२७	३३	२	१२	२१	कुं.२७।५६	
१०	बु	६०	०	ध	०	२३	ब्र	३८	५३	व	३१	३१	४७	२७	३३	३	१३	२२	कुम्भे	भ. ३१।३० उ.
१०	गु	४	४	श	७	१२	ऐं	४१	२२	वि	४	४	५१	२६	३४	४	१४	२३	मी५७।४९	भ. ४।४ या. मिथुने शुक्रः २४।१
११	शु	१०	१७	पू	१४	४१	वै	४३	४९	बा	१०	१७	५४	२५	३५	५	१५	२४	मीने	भरण्यांबुधः१९/४ अश्वि.४राहुःस्वा.२केतुः×
१२	श	१६	३७	उ	२२	२७	वि	४६	२२	तै	१६	३७	५७	२५	३५	६	१६	२५	मीने	प्रदोषः
१३	र	२२	५९	रे	२९	५९	प्री	४८	४०	व	२२	५९	३३/१	२४	३६	७	१७	२६	मे.२९।५९	भ. २२।५९ उ. ५५।५० या.
१४	चं	२८	५१	अ	३७	५	आ	५०	३७	श	२८	५१	४	२३	३७	८	१८	२७	मेषे	
३०	मं	३४	८	भ	४३	४०	सौ	५१	५२	च	१	२९	७	२३	३७	९	१९	२८	मेषे	

३पं. वै.कृ.३शु.इ.५९।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	११	३	१	११	०	०
१३	२७	२८	३	२२	१३	१३	१३
३९	७	२४	७	३९	२६	४३	४०
४३	७	४६	२७	४३	२	७	६
५८	३४/३४	११/८	६	७०	६	३	५८
१७	बं		४९	३४	३८	११	१२

गोचरग्रहाः

२शु, १सूरा, ४बृ, ७के, ६मं, ३, ११, ५, ९, ८

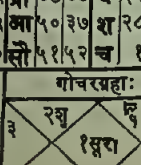

इस मास में ५ मंगलवार अशुभ हैं प्रजा में पीड़ा अग्नि भय होवे। गुड़ खांड शक्कर सोना मसूर मिर्च तेज।

गोचरग्रहाः

२, १सूराबु, ४बृ, ७के, ६मं, ३, ११, ५, ९, ८

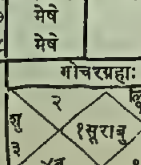

४पं. वै.कृ.१०शु.इ.५९।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	३	२	११	०	०
२०	२४	१२	३	०	१४	१३	२०
२७	४५	४०	५५	४१	१२	२०	२६
२२	५४	४	५५	३८	२८	५१	४६
५८	२०/२	४/१०	७	६९	६	३	५७
६	ब		५०	५३	२५	११	५७

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७८३ सन् १९६७
१	बु	३८	१९	कृ	४९	३	शो	५२	३३	किं	६	१३	३३/१०	५/२२	६/३८	१०	२०	२९	वृ. ०।१	आर्द्रा.शुक्रः १६/१४ वक्री हस्ते भौमः ३९।४२
२	गु	४१	४८	रो	५३	४८	अ	५२	३८	बा	१०	४	१३	२१	३९	११	२१	३०	वृषे	दृश्यः कृत्तिका.रविः २५/११ (सौरः २६/४३) कृत्ति.●
३	शु	४४	१२	मृ	५७	१८	सु	५१	२५	तै	१३	०	१६	२१	३९	१२	२२	१	मि२५।३३	अक्षया३परशु.ज.सफर२ ●बुधः ३२/३० चंद्रद.
४	श	४५	३२	आ	५९	५२	धृ	४९	२८	व	१४	५२	१९	२०	४०	१३	२३	२	मिथुने	भ.१४।५२ उ.४५।३२ या. वृषे बुधः६।०
५	र	४५	४५	पु	६०	०	शू	४७	०	ब	१५	३८	२२	२०	४०	१४	२४	३	क.४६।५	दृ. वर्षेऽर्कः ५२।२६ (सौरः ५४।३१)
६	चं	४४	४५	पु	१	२९	गं	४३	३०	कौ	१५	१५	२५	१९	४१	१५	२५	४	कर्के	
७	मं	४२	३९	पु	२	५	वृ	३८	५६	ग	१३	४२	२८	१८	४२	१६	२६	५	कर्के	भ.४२/३९ उ. पातस्पर्शः ४६/३४ पातमोक्षः ५१/४
८	बु	३९	७	श्ले	१/४	५७/६	ध्रु	३३	१७	वि	१०	५३	३०	१८	४२	१७	२७	६	सिं १।४	भ. १०।५३ या. रोहि. बुधः ३५।४३
९	गु	३५	२२	पू	५५	३६	व्या	२६	४४	बा	७	१४	३३	१७	४३	१८	२८	७	सिंहे	
१०	शु	२८	४५	उ	५१	५	ह	१९	१७	ग	२८	४५	३६	१७	४३	१९	२९	८	कं.९।२८	भ. ५५।३१ उ.
११	श	२२	१८	ह	४५	२७	व	१०	४७	वि	२२	१८	३९	१६	४४	२०	३०	९	कन्यायां	भ. २२।१८ या. मोहिनी ११ व्रतम्
१२	र	१३	४५	चि	३९	११	सि	१/२६	५०/२३	बा	१३	४५	४१	१६	४४	२१	३१	१०	तु.१२।१९	प्रदोषः
१३	चं	५	१४	स्वा	३२	३९	व	४१	४८	तै	५	१४	४३	१५	४५	२२	१	११	तुलायां	भ.५६/२० उ.पुन.शुक्रः ४३/३ बुधोदयः पश्चिः ३/१
१४	चं	५१	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×नृसिंहज. रा.ज्येष्ठारम्भः +कुंभदा
१५	मं	४७	४२	वि	२५	५२	प	३२	११	वि	२२	१	४६	१५	४५	२३	२	१२	वृ.१२।३४	भ.२२।१ या. मार्गी भौमः५।३ अन्नज

५पं. वै.शु. २शु.इ.५९।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	३	२	११	०	०
२७	२३	२७	४	८	१४	१२	२७
१३	५	३८	५१	३९	४६	५८	१२
३४	१६	४५	३५	१४	४२	३६	०
५७	५१/३	५८/२०	८	६८	६	३	५७
५४	च	३०	४६	५८	९	११	४५

गोचरग्रहाः

वैशाखशु. ५ रवौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ४५ (धान्य भाव समर्घता) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

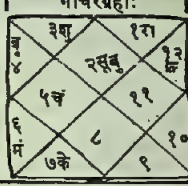

६पं. वै.शु. १०शु इ. ०।

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	३	२	११	०	१
३	२	१२	५	१६	१५	१२	३
५८	८	५५	५२	३१	३९	३६	५५
२६	४५	१९	४४	५८	७	२०	३८
५७	४४/४५	४९/३९	९	६७	७	३	५७
४४	च	३९	३५	५९	४३	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३९	५०	अ	१९	५१	शि	२३	४	बा	१३	४६	३३/४८	५/१४	६/४६	२४	३	१३	वृश्चिके	मृगे बुधः ८।२२ पुष्य. २ गुरुः ८।९
२	गु	३३	२४	ज्ये	१५	३	सि	१५	६	तै	६	३७	५०	१४	४६	२५	४	१४	ध.१५।३	दृश्यो रोहि. रविः १६।१ (सौरः२०।४०)
३	शु	२८	२८	मू	११	३८	सा	८	२०	व	०	५६	५२	१४	४६	२६	५	१५	धनुषि	भ. ०।५६ उ. २८।२८ या. च. ब्र.
४	श	२५	३२	पू	१०	२१	शु	३/२	५६/२५	बा	२५	३२	५४	१३	४७	२७	६	१६	म.२५।३४	मिथुने बुधः ३९।४५
५	र	२४	५१	उ	११	११	ब्र	५७	३६	तै	२४	५१	५६	१३	४७	२८	७	१७	मकरे	पातस्पर्शः ५५।२
६	चं	२६	१४	श्र	१३	४८	ऐं	५७	२१	व	२६	१४	५८	१२	४८	२९	८	१८	कुं.४६।९	भ.२६/१४ उ.५८।० या. पातमोक्षः१०।५५
७	मं	२९	४५	ध	१८	३१	वै	५८	२	ब	२९	४५	३४/०	१२	४८	३०	९	१९	कुम्भे	रेवती १ शनिः १०।३७
८	बु	३४	२०	श	२४	३३	वि	६०	०	बा	२	२	२	१२	४८	३१	१०	२०	कुम्भे	आर्द्रा. बुधः ३९।७ कर्के शुक्रः २२।५।
९	गु	४०	९	पू	३१	५१	वि	०	४	तै	७	१५	४	११	४९	१	११	२१	मी१५।२	जून मा. ६ ता. ३०
१०	शु	४६	२७	उ	३९	१७	प्री	२	२१	ध	१३	८	६	११	४९	२	१२	२२	मीने	भ. १३।१८ उ. ४६।२७ या.
११	श	५२	४१	रे	४६	५७	आ	४	५४	ब	१९	३४	७	११	४९	३	१३	२३	मे.४६।५७	पुष्ये शुक्रः २६/४८ अपरा ११ व्र. स्मा. वै.
१२	र	५८	३०	अ	५३	५९	सौ	७	२०	कौ	२५	३६	९	१०	५०	४	१४	२४	मेषे	अपरा-११ व्र. नि.
१३	चं	६०	०	भ	६०	०	शो	९	१८	ग	३१	२	१०	१०	५०	५	१५	२५	मेषे	प्रदोषः
१३	मं	३	३४	भ	०	२९	अ	१०	३४	व	३	३४	१२	१०	५०	६	१६	२६	वृ.१६।४८	भ. ३।३४ उ. ३५।२२ या.
१४	बु	७	५१	कृ	५	४३	सु	१०	५३	श	७	११	१३	९	५१	७	१७	२७	वृषे	
३०	गु	९	५०	रो	९	४५	धृ	१०	१८	ना	९	५०	१४	९	५१	८	१८	२८	मि४१।१३	दृश्यो मृगे रविः १०/५७ (सौरः १९/२९) वटपूजनम्

७पं. ज्ये.कृ. ३शु.इ.०।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	३	२	११	०	१
१०	२१	२६	६	२४	१६	१२	१०
४२	४२	५१	५९	१४	१८	१४	३७
२५	१४	३९	१६	१३	७	५	३९
५७	३/८	५८/१०	१०	६६	५	३	५७
३५	मा	३२	१८	४९	१७	११	२३

गोचरग्रहाः

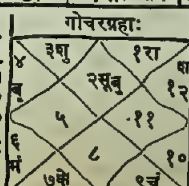

इस मास में धूप अधिक रसपदार्थ गुड़ खांड़ घृत तेल तेज हो। धान्य चावल मूंग मंदा होके तेज।

गोचरग्रहाः

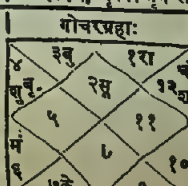

८पं.ज्ये.कृ.१०शु.इ.०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	२	३	३	११	०	१
१७	२१	८	८	१	१६	११	१७
२५	५५	४४	१०	४५	५३	५१	१८
८	१२	४२	५५	५४	४३	४९	५५
५७	७	९२	१०	६५	४	३	५७
२०	४३	१०	५९	१६	५१	११	१३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽर्हगणः४८१३ स.१९६७
१	शु	११	१	मृ	१२	४२	शू	८	५०	ब	११	१	३४/१६	५/९	६/५१	९	१९	२९	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
२	श	११	७	आ	१४	३१	गं	६	२६	कौ	११	७	१७	९	५१	१०	२०	१	मिथुने	पुन. बुधः ४३।५० रविलाबल ३
३	र	१०	२२	पु	१५	१९	वृ	३/११	५५/४८	ग	१०	२२	१८	८	५२	११	२१	२	क. ०।७	भ.३९/३१ उ.चित्रा.भौमः ३१/३९ पुष्यः३गुरुः ४७/४९
४	चं	८	४०	पु	१५	२	ध्या	५४	३२	वि	८	४०	१९	८	५२	१२	२२	३	कर्के	भ. ८।४० या.
५	मं	५	४०	श्ले	१४	१२	ह	४९	२३	बा	५	४०	२०	८	५२	१३	२३	४	सिं१४।१२	
६	बु	२	२०	म	१२	२८	ध	४३	३४	तै	२	२०	२१	८	५२	१४	२४	५	सिंहे	भ. ५८।३० उ.
७	बु	५६	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●गुर्जराणां वट सावित्रीपू. रा.आषाढारंभ
८	गु	५३	३४	पू	१०	२०	सि	३७	७	वि	२६	२	२१	८	५२	१५	२५	६	कं.२४।३५	भ.२६/२ या. दृश्यो मिथुनेऽर्कः ३९/३५ सौरः २०/१६
९	शु	४८	११	उ	७	१९	व्य	३०	१२	बा	२०	५२	२२	८	५२	१६	२६	७	कन्यायां	आश्लेषा. शुक्रः ३४।०
१०	श	४२	६	ह	३/३५	५५/४४	ध	२२	४१	तै	१५	९	२२	८	५२	१७	२७	८	तु.३१।२७	गंगादशमी
११	र	३५	२३	स्वा	५४	१९	प	१४	४९	ध	८	४४	२३	७	५३	१८	२८	९	तुलायां	भ.८।४४ उ.३५।२३ या. निर्जला११व्र.
१२	चं	२८	२४	वि	४९	२१	शि	६/२७	५१/३७	बा	२८	२४	२३	७	५३	१९	२९	१०	बृ.३५।३६	प्रदोषः
१३	मं	२१	२१	अ	४४	३५	सा	५०	५६	तै	२१	२१	२३	७	५३	२०	३०	११	वृश्चिके	पातस्पर्शः २०।३९ पातमोक्षः ३७।५८
१४	बु	१४	३०	ज्ये	४०	१९	शु	४२	१२	ध	१४	३०	२४	७	५३	२१	३१	१२	ध.४०।१९	भ. १४।३० उ. ४१।२८ या.
१५	गु	८	२६	मू	३६	५४	शु	३५	१९	ब	८	२६	२४	७	५३	२२	१	१३	धनुषि	दृश्यः आर्द्रायां रविः ९।२७(सौरः ३१/४९)●

९पं.ज्ये.शु.१शु इ.०।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	२	३	३	११	०	१
२४	२२	१८	९	९	१७	११	२३
७	५०	३	२६	३	२६	२९	५८
१२	२४	४६	१६	३९	१४	३३	५१
५७	१२	६७	१२	६३	४	३	५७
२२	३४	२२	५	३२	२४	११	५

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ शु. ८ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५न.५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु.९ शु.इ.०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	३	११	०	२
०	२४	२४	१०	१६	१७	११	०
४८	११	३९	४५	५	५४	७	३८
२५	२७	५७	२२	२७	१०	१८	०
५७	१६	३६	१३	६१	३	३	५६
१७	४७	२६	८	३०	४६	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३	३१	पू	३४	४८	ध्र	२९	३६	कौ	३	३१	३४/२४	५/७	६/५३	२३	२	१४	म.४९।४५	
२	श	०	२६	उ	३४	३७	ऐं	२५	१२	ग	०	२६	२४	७	५३	२४	३	१५	मकरे	भ. २९/४४ उ. ५९।३ या. वक्री बुधः४९।२
३	श	५८	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	र	५९	२५	श्र	३६	५	वै	२२	१४	ब	२९	१४	२४	७	५३	२५	४	१६	मकरे	चतुर्थी व्रतम्
५	चं	६०	०	ध	३९	२९	वि	२१	४	कौ	३०	४३	२३	७	५३	२६	५	१७	कु.७।४७	
५	मं	२	१	श	४४	२७	प्री	२०	४८	तै	२	१	२३	७	५३	२७	६	१८	कुम्भे	
६	बु	५	५७	पू	५१	३	आ	२१	५९	ध	५	५७	२३	७	५३	२८	७	१९	मी३४।२४	भ. ५।५७ उ. ३८।४१ या.
७	गु	११	२४	उ	५८	१५	सौ	२३	५०	ब	११	२४	२२	८	५२	२९	८	२०	मीने	पुष्य. ४ गुरुः ४।१४
८	शु	१७	२७	रे	६०	०	शो	२६	१७	कौ	१७	२७	२२	८	५२	३०	९	२१	मीने	मघा सिंहे शुक्रः५६।२१ पश्चि.बुधः२५।९
९	श	२३	३२	रे	५	५९	अ	२८	४१	ग	२३	३२	२१	८	५२	१	१०	२२	मे.५।५९	भ. ५६।३५ उ. जुलाई मा. ७ ता. ३१
१०	र	२९	३८	अ	१३	११	सु	३१	१	वि	२९	३८	२०	८	५२	२	११	२३	मेषे	भ. २९।३८ या. ●(सौरः२५।५०)
११	चं	३४	२	भ	१९	५३	धृ	३२	३०	ब	१	५०	१९	८	५२	३	१२	२४	बृ.३६।५९	योगिनी ११ व्र.
१२	मं	३८	७	कृ	२५	२०	शू	३३	२	कौ	६	४	१८	८	५२	४	१३	२५	वृषे	तुला. भौमः ३८।५२
१३	बु	४०	१५	रो	२९	२१	गं	३२	२१	ग	९	११	१७	९	५१	५	१४	२६	वृषे	भ. ४०।१५ उ. प्रदोषः
१४	गु	४०	४०	मृ	३१	४८	वृ	३०	२९	वि	१०	२८	१५	९	५१	६	१५	२७	मि०।३४	भ. १०/२८ या. दृश्यः पुनर्वसौ रविः ७।२३●
३०	शु	३९	५०	आ	३२	५६	ध्रु	२७	२४	च	१०	१५	१४	९	५१	७	१६	२८	मिथुने	अश्वि. ३ राहुः स्वा. १ केतुः ९।५१

११पं.आ.कृ.१शु.इ.०।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	३	११	०	२
७	२६	२७	१२	२२	१८	१०	७
२९	५	५६	७	५१	१८	१५	१६
२४	१६	५६	४१	३९	३९	२	२७
५७	२०	७	१२	५९	३	३	५६
	३३	४०	२६	५२	७	११	५४

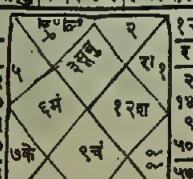

१२पं.आ.कृ.८शु.इ.०।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	३	११	०	२
१४	२८	२७	१३	२९	१८	१०	१३
९	२४	४२	३१	८	३९	२२	५५
५०	३	४३	५८	४९	१४	४७	३२
५७	२३	२१/५६	१२	५४	२	३	५६
७	२५	५	५०	४१	२८	११	५०

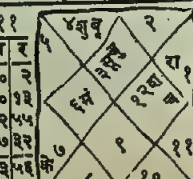

१३पं.आ.कृ.३०शु.इ. ०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	३	४	११	०	२
२०	१	२४	१४	५	१८	१०	२०
५०	२	५१	५९	०	५४	०	३२
१०	३२	३२	२	३६	२८	३१	२६
५७	२६	३३/३६	१३	४९	१	३	५६
७	३४	५	११	४३	५०	११	५०

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४८४२ स.१९६७
१	श	३७	३२	पु	३२	३६	व्या	२३	१४	किं	८	३१	३४/१३	५/९	६/५१	८	१७	२९	क.१७।४१	
२	र	३४	११	पु	३१	१४	ह	१८	२३	बा	५	५२	११	१०	५०	९	१८	३०	कर्के	रथयात्रा चन्द्रदर्शनम्
३	चं	३०	१	श्ले	२९	५	व	१३	४८	तै	२	६	१०	१०	५०	१०	१९	१	सिं२९।५	भ. ५०।३९ उ. रविलाखर ४
४	मं	२५	१७	म	२६	२६	सि	६/१८	५३/२९	वि	२५	१७	८	१०	५०	११	२०	२	सिंहे	भ. २५।१७ या.
५	बु	२०	२०	पू	२३	२३	व	५३	२०	बा	२०	२०	७	११	४९	१२	२१	३	कं.३७।३५	
६	गु	१५	१२	उ	२०	११	प	४६	२५	तै	१५	१२	५	११	४९	१३	२२	४	कन्यायां	वक्री आर्द्रा. बुधः ३९।५३
७	शु	१०	२	ह	१६	४४	शि	३९	२८	व	१०	२	४	११	४९	१४	२३	५	तु.४५।१०	भ.१०।२ उ.३७/६या. आश्लेषा.१गुरुः५०।३
८	श	४	१०	चि	१३	३७	सि	३२	३४	ब	४	१०	२	१२	४८	१५	२४	६	तुलायां	
९	श	५५	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	र	५३	५०	स्वा	१०	१५	सा	२५	२४	तै	२६	३५	०	१२	४८	१६	२५	७	वृ.५२।४२	दृश्यः कर्केऽर्कः ३६।४७(सौर.५८।३४)
११	चं	४८	४२	वि	६	५१	शु	१८	४३	व	२१	१६	३३/५८	१२	४८	१७	२६	८	वृश्चिके	भ.२१/१६ उ.४८/४२या. देवशयनी११व्र.स्मा.वै.
१२	मं	४३	३५	अ	३	४४	शु	११	५१	ब	१६	८	५६	१३	४७	१८	२७	९	वृश्चिके	पूफायां शुक्रः४१/३५ बुधोदयः पू.३३।० देव.*
१३	बु	३९	१८	ज्ये	०/५०	५७/५१	ब्र	५/३१	५४/४	कौ	११	२६	५४	१३	४७	१९	२८	१०	ध.०।५०	स्वात्यां भौमः५६/४१ प्रदोषः *११व्र.नि.
१४	गु	३५	३५	पू	५७	१२	वै	५४	१६	ग	७	२६	५२	१४	४६	२०	२९	११	धनुषि	भ.३५/३५ उ. दृश्यः पुष्ये रविः६/४(सौरः२९/१५)
१५	शु	३३	७	उ	५७	२	वि	५०	३	वि	४	२१	५०	१४	४६	२१	३०	१२	म.१२।९	भ.२४/२१या. मार्गीबुधः४१/२९ व्यासपू.वायु.प.

१४पं.आ.शु.६बृ.इ.५९।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	३	४	१	०	२
२७	३	१९	१६	१०	१९	९	२७
३०	५९	४९	२८	२५	३	३८	१०
३२	१६	८	५२	८	५०	५	३३
५७	२८	३१/४०	१३	४३	१	३	५६
११	४६	ब	२०	२९	११	११	५५

गोचरग्रहाः

आ. शु.१० रवौ कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न. ६ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

१५पं.आ.शु.१४बृ.इ.५९।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	२	३	४	११	०	३
४	७	१८	१७	१४	१९	९	३
११	१२	३९	५९	४१	९	१६	४९
१७	१८	१०	२४	२४	४३	०	०
५७	३०	४/४८	१३	३५	०	३	५६
१५	४३	ब	३०	२०	२६	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	३२	१२	श्र	५८	२१	प्री	४६	५६	बा	२	४०	३३/४७	५/१५	६/४५	२२	३१	१३	मकरे	
२	र	३२	३३	ध	६०	०	आ	४५	२७	तै	२	२२	४५	१५	४५	२३	१	१४	कु.२९।४९	राष्ट्रीय श्रावणारम्भः
३	चं	३४	४९	ध	१	१७	सौ	४४	२८	व	३	४१	४२	१६	४४	२४	२	१५	कुम्भे	भ. ३।४१ उ. ४४।४९ या. च. व्र.
४	मं	३८	२१	श	५	४२	शो	४५	५	ब	६	३५	४०	१६	४४	२५	३	१६	मी५५।५	वक्री शनिः ७।५१
५	बु	४३	३२	पू	११	३३	अ	४६	२७	कौ	१०	५६	३७	१७	४३	२६	४	१७	मीने	पुन. बुधः १०।१३ नाग ५ मरुस्थले
६	गु	४९	१६	उ	१८	१४	सु	४८	३४	ग	१६	२४	३५	१७	४३	२७	५	१८	मीने	भ. ४९/१६ उ. अस्तं गुरोः ७।४८ अ.गु.
७	शु	५५	२६	रे	२५	४३	धृ	५०	५४	वि	२२	२१	३२	१८	४२	२८	६	१९	मे.२५।४४	भ. २२।२ या.
८	श	६०	०	अ	३३	८	शू	५३	२८	बा	२८	२८	२९	१८	४२	२९	७	२०	मेषे	
८	र	१	३०	भ	४०	२५	गं	५५	२७	कौ	१	३०	२६	१९	४१	३०	८	२१	वृ.५६।५९	आश्लेषा. २ गुरुः ८।४१
९	चं	६	४९	कृ	४६	४०	वृ	५६	३१	ग	६	४९	२४	१९	४१	३१	९	२२	वृषे	भ. ३८।४४ उ.
१०	मं	१०	३९	रो	५१	८	ध्रु	५६	२३	वि	१०	३९	२१	२०	४०	१	१०	२३	वृषे	भ. १०।३९ या. अगस्त मा. ८ ता. ३१
११	बु	१३	११	मृ	५४	६	व्या	५५	१	बा	१३	११	१८	२०	४०	२	११	२४	मि२२।३७	कामिका ११ व्र.
१२	गु	१३	४५	आ	५५	१९	ह	५२	१२	तै	१३	४५	१५	२१	३९	३	१२	२५	मिथुने	दृश्यःआश्लेषा.रविः३/५(सौरः३०/४)प्रदोषः
१३	शु	१२	३५	पु	५४	४०	व	४७	५१	व	१२	३५	१२	२२	३८	४	१३	२६	क.३९।५०	भ.१२।३५ उ.४०/५९या. कर्के बुधः३८।५४
१४	श	९	२३	पु	५२	३२	सि	४२	२०	श	९	२३	९	२२	३८	५	१४	२७	कर्के	
२०	र	४	५७	श्ले	४९	८	व्य	३५	३९	ना	४	५७	६	२३	३७	६	१५	२८	सिं४९।८	पुष्ये बुधः ५८।४ हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.६बृ.इ.५९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	२	३	४	११	०	३
१०	१०	२१	१९	१८	१९	८	१०
५२	४२	१९	३०	१	९	५३	२८
१९	०	३०	५४	४४	३९	४	१७
५७	३२	४३/३८	१३	२४	१०/१८	३	५७
२०	३८	मा	३२	३४	ब	११	५

गोचरग्रहाः

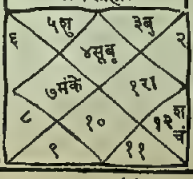

इस मास में वर्षा साधारण हो। अनाज गल्ला अफीम रुई तेज सिंह शुक्र जब होय भवानी। चाले पवन नहीं वर्षे पानी

गोचरग्रहाः

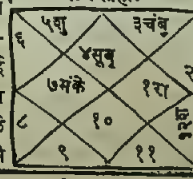

१७पं.श्रा.कृ.१२बृ.इ.५९।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	२	३	४	११	०	३
१७	१४	२९	२१	२०	१९	८	१७
३४	२४	३	३	५	५	३१	८
१	५७	२५	१८	३१	३१	२९	५
५७	३४	८६	१३	१०	५९	३	५७
२५	२	१४	३८	४९	ब	११	१२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४८७२सन्१९६७
१	र	५४	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	५२	४४	म	४४	५५	व	२८	७	बा	२५	५८	३३/३३	५/२३	६/३७	७	१६	२९	सिंहे	सिंधारा चन्द्रदर्शनम्
३	मं	४६	१२	पू	४०	२०	प	२०	१४	तै	१९	२८	०	२४	३६	८	१७	१	कं.५४।९	वक्री शुक्रः ३८।५७ तीज जमादिलावल५
४	बु	३९	१८	उ	३५	३५	शि	१२	१	ब	१२	४४	३२/५६	२५	३५	९	१८	२	कन्यायां	भ. १२।४४ उ. ३९।१८ या. वरद ४
५	गु	३२	५३	ह	३१	४	सि	४१/३१	५२/२२	व	६	५	५३	२५	३५	१०	१९	३	तु.५९।०	नागपंचमी
६	शु	२६	५९	चि	२६	५७	शु	४८	३८	तै	२६	५९	५०	२६	३४	११	२०	४	तुलायां	
७	श	२१	१४	स्वा	२३	१४	शु	४१	२७	व	२१	१४	४७	२७	३३	१२	२१	५	तुलायां	भ.२१।१४उ.४८/४५या. पूर्वास्तोबुधः८।५७
८	र	१६	१५	वि	२०	१३	ब्र	३४	५६	ब	१६	१५	४३	२७	३३	१३	२२	६	वृ.५।५८	विशाखा. भौमः ५८।२
९	चं	१२	५	अ	१७	५२	ऐं	२८	४८	कौ	१२	५	४०	२८	३२	१४	२३	७	वृश्चिके	आश्ले. बुधः३४/३५ आश्ले.३ गुरुः १६।५९
१०	मं	८	२३	ज्ये	१६	११	वै	२३	२०	ग	८	२३	३६	२९	३१	१५	२४	८	ध.१६।११	भ. ३६।५७ उ. +पवित्रा ११ व्र.
११	बु	५	३१	मू	१५	१३	वि	१८	३४	वि	५	३१	३३	२९	३१	१६	२५	९	धनुषि	भ.५।३१या. दृश्यो मघा. सिंहेऽर्कः५७।०+
१२	गु	३	२४	पू	१५	६	प्री	१४	२०	वा	३	२४	२९	३०	३०	१७	२६	१०	म.३०।१९	सिंहेऽर्कः सौरः २६।२९ प्रदोषः
१३	शु	२	२६	उ	१५	५८	आ	१०	५९	ते	२	२६	२६	३१	२९	१८	२७	११	मकरे	●रक्षा बंधन श्रावणीकर्म. उ.गु.
१४	श	२	३०	श्र	१७	४८	सौ	८	१९	व	२	३०	२२	३२	२८	१९	२८	१२	कु.४९।२०	भ.३२/३०उ.३३।९या. शु.पश्चि.४०/१२ प.अ शु.
१५	र	३	४८	ध	२०	५२	शो	६	५६	ब	३	४८	१९	३२	२८	२०	२९	१३	कुम्भे	मघा. सिंहे बुधः४८/४२ उदयं गुरोः३४।१२●

१८पं.श्रा.शु.५बृ.इ.५९।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	३	४	११	०	३
२४	१८	१०	२२	२०	१८	८	२३
६	१४	१४	३५	१६	५५	९	४९
२६	४५	२	६	३३	५८	१३	१२
५७	३५	[illegible]	१३	५/५६	१/४२	३	५७
३३	२१	[illegible]	३८	व	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

श्रावण शु.११बुधे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न.५कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

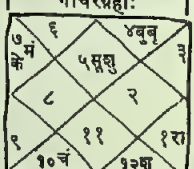

१९पं.श्रा.शु.१२बृ.इ.५९।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	३	४	११	०	४
०	२२	२४	२४	१८	१८	७	०
५९	२२	१	७	३८	४१	४६	३१
४९	५५	११	३०	४९	४९	५७	२५
५७	३६	[illegible]	१३	३१/३४	२/२७	३	५७
४०	२२	[illegible]	३४	व	ब	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	६	२५	श	२५	२१	अ	६	८	कौ	६	२५	३२/१५	५/३३	६/२७	२१	३०	१४	कुम्भे	
२	मं	१०	२३	पू	३१	०	सु	६	२८	ग	१०	२३	११	३४	२६	२२	३१	१५	मी१४।३५	भ. ४२।५१ उ.
३	बु	१५	१९	उ	३७	२३	धृ	७	४७	वि	१५	१९	८	३४	२६	२३	१	१६	मीने	भ.१५।१९ या. च. ब्र. रा.भाद्रपदारंभः
४	गु	२०	५१	रे	४४	४२	शू	९	३८	बा	२०	५१	४	३५	२५	२४	२	१७	मे.४४।४२	
५	शु	२७	४	अ	५२	३०	गं	१२	०	तै	२७	४	०	३६	२४	२५	३	१८	मेषे	चन्द्रषष्ठी
६	श	३३	२५	भ	५९	५४	वृ	१४	२९	ग	०	१४	३१/५६	३७	२३	२६	४	१९	मेषे	भ. ३३।२५ उ. =वृश्चिके भौमः२९।४
७	र	३९	१५	कृ	६०	०	ध्रु	१६	५१	वि	६	२०	५२	३८	२२	२७	५	२०	वृ.१६।३८	भ.६।२०या. पूफायांबुधः३७/३८ जन्माष्टमी×
८	चं	४३	४७	कृ	६	५१	व्या	१८	३६	बा	११	३१	४८	३८	२२	२८	६	२१	वृषे	जन्माष्टमी व्र. वै. ×व्र. स्मा.
९	मं	४७	८	रो	१२	२६	ह	१९	२६	तै	१५	२७	४४	३९	२१	२९	७	२२	मि४४।२८	वक्रीमघा.शुक्रः२०/२०आश्ले.४गुरुः४६/४०गोगा९
१०	बु	४८	३२	मृ	१६	३०	व	१८	५६	ध	१७	५०	४०	४०	२०	३०	८	२३	मिथुने	भ.१७/५० उ.४८/३२या. दृश्यः पूफायां रविः४६/३७=
११	गु	४८	०	आ	१८	५०	सि	१७	८	ब	१८	१६	३६	४१	१९	३१	९	२४	मिथुने	पूफायांरविः सौरः१७/२९ अजा११व्र.स्मा.वै.
१२	शु	४५	२०	पु	१९	९	व्य	१३	३१	कौ	१६	४०	३२	४२	१८	१	१०	२५	क.१४।४	अजा११व्र.नि.वत्स१२ सित.मा.९ ता.३०
१३	श	४०	५१	पु	१७	३६	व	८	३०	ग	१३	५	२८	४२	१८	२	११	२६	कर्के	भ.४०/५१उ. प्रदोषः ●कुशाग्रहणी शु.उ.पू.
१४	र	३४	३२	श्ले	१४	९	प	५/१७	५३/३	वि	७	४१	२५	४३	१७	३	१२	२७	सिं१४।९	भ. ७।४१ या. उफायां बुधः ४८।५८
३०	चं	२७	०	म	९	१५	सि	४५	४	ना	२७	०	२१	४४	१६	४	१३	२८	सिंहे	अनु. भौमः ५५/२२ शुक्रोदयः पूर्वस्यां२४।३

२०पं.भा.कृ.४बृ.इ.५९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	३	४	११	०	४
७	२६	८	२५	१५	१८	७	७
४४	३५	४	३९	३५	२३	२४	१४
१७	५२	४०	३२	१६	३१	४२	५८
५७	३७	[illegible]	१३	३३/३८	२/५४	३	५७
४८	५०	[illegible]	३२	व	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

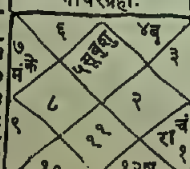

इस मास में वर्षा उत्तम होगी धान्य में मंदी रुई चांदी सोना मजीठ तेज हो। सुपारी का भाव भी तेज रहे

गोचरग्रहाः

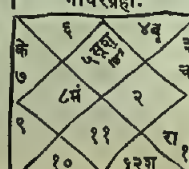

२१पं.भा.कृ.११बृ.इ.५८।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	३	४	११	०	४
१४	०	२१	२७	११	१८	७	१४
२९	५७	२३	९	४	०	२	०
५६	५४	४५	२८	५	५४	२६	१०
५८	३८	[illegible]	१३	३४/४३	३/३३	३	५७
१	४१	[illegible]	२२	व	ब	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९०१ स. १९६७
१	मं	१८	४९	पू	२० ३	४५ ५	सा	३५	४१	ब	१८	४९	३१ १७	४५ ५	१५ ६	५	१४	२९	कं. १६।४६	कन्या. बुधः ५०।१२ +जमादिलाखर६
२	बु	१०	१३	ह	५०	३३	शु	२६	२	कौ	१०	१३	१३	४५	१५	६	१५	३०	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	गु	२	१	चि	४४	२१	शु	१६	२८	ग	२	१	९	४६	१४	७	१६	१	तु. १७।२७	भ. २८।२ उ. ५४।३ या. गणेश चतुर्थी+
४	गु	५२	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	शु	४६	५३	स्वा	३९	९	ब्र	७ २	५१ ३६	ब	२०	२८	५	४७	१३	८	१७	२	तुलायां	अश्वि. २ राहुः चित्रा. ४ केतुः ३/१४ बुधोदयः●
६	श	४१	१	वि	३४	४७	वै	५०	५६	कौ	१३	५७	१	४८	१२	९	१८	३	वृ. २०।५२	
७	र	३६	२२	अ	३१	३५	वि	४४	१०	ग	८	४१	३० ५७	४९	११	१०	१९	४	वृश्चिके	भ. ३६/२२ उ. ●पश्चिमे ३६/१९ ऋषिपंचमी
८	चं	३२	३८	ज्ये	२९	३०	प्री	३८	२२	वि	४	३०	५३	४९	११	११	२०	५	ध. २९।३०	भ. ४।४० या. हस्ते बुधः ४४।४४
९	मं	३०	२५	मू	२८	३९	आ	३३	३३	बा	१	३२	४८	५०	१०	१२	२१	६	धनुषि	
१०	बु	२९	१६	पू	२९	११	सौ	२९	४४	ग	२९	१६	४४	५१	९	१३	२२	७	म. ४४।३६	भ. ५९।२० उ. दृश्यः उफायारविः ३०।५७
११	गु	२९	२४	उ	३०	५१	शो	२६	५५	वि	२९	२४	४०	५२	८	१४	२३	८	मकरे	भ. २९/२४ या. उफायां रविः ५१/९ सिंहे गुरुः ३०/१९=
१२	शु	३०	४२	श्र	३३	४७	अ	२५	११	बा	३०	४२	३६	५३	७	१५	२४	९	मकरे	वामन जयंती =जलझूलनी ११ ब्र.
१३	श	३३	८	ध	३७	३९	सु	२४	१७	कौ	१	५५	३२	५४	६	१६	२५	१०	कु. ५।४३	दृश्य. कन्यायामर्कः ५६।१८ प्रदोषः
१४	र	३६	४४	श	४२	२९	धृ	२४	१५	ग	४	५६	२८	५४	६	१७	२६	११	कुम्भे	भ. ३६/४४ उ. कन्यायामर्कः सौरः २७/११ अनन्त १४
१५	चं	४१	७	पू	४८	२२	शू	२४	४६	वि	८	५५	२४	५५	५	१८	२७	१२	मी ३१।५४	भ. ८।५५ या. महालयारम्भः

२२पं. भा. शु. ३ बृ. इ. ५८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	३	४	११	०	४
२१	५	३	२८	६	१७	६	२०
१६	६	४५	३८	४८	३४	४०	४६
५५	२२	५०	३८	७	४९	११	५०
५८	३९	३०	१३	२७ ५	५३ ६	३	५८
१३	३१	३३	१५	चं	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

६ब ४बु के चं ५सूश ३ ७ ८मं २ ११ रा १ ९ १० १२श

भाद्र. शु. १३ शनौ कन्यायामर्कः प्र. वा. ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव मह.) शुक्रोदयः पू.

गोचरग्रहाः

६बु ४ ७के ५सूशुबृ ३ ८मं २ ९ ११ रा १ १०चं १२श

२३पं. भा. शु. ११ बृ. इ. ५८।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	४	४	११	०	४
२८	१०	१५	०	४	१७	६	२७
५	४	१५	६	५१	५	७	३५
२४	४०	३	३	३	५२	५५	१३
५८	४०	९७	१२	१९ ३८	११ ४	३	५८
२६	१०	२९	४९	ब	ब	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	४६	२४	उ	५४	५७	गं	२६	४	बा	१३	४५	३० २०	५ ५६	६ ४	१९	२८	१३	मीने	
२	बु	५२	१८	रे	६०	०	वृ	२७	३९	तै	१९	२१	१६	५७	३	२०	२९	१४	मीने	चित्रा. बुधः ३१/२६ मार्गीशुक्रः ४१/३१ वक्रीउभा. ४●
३	गु	५८	२९	रे	२	५	ध्रु	२९	५१	ध	२५	२४	१२	५८	२	२१	३०	१५	मे. २।५	भ. २५।२४ उ. ५८।२९या. ●शनिः ५५/३५
४	शु	६०	०	अ	९	३४	व्या	३३	१८	ब	३१	३९	८	५८	२	२२	३१	१६	मेषे	चतुर्थी व्रतम्
४	श	४	४८	भ	१७	१४	ह	३५	४२	बा	४	४८	४	५९	१	२३	१	१७	वृ. ३४।३	वक्री उभा. ४ शनिः रा. आश्विनारंभः
५	र	१०	५१	कृ	२४	३०	व	३७	०	तै	१०	५१	३० ०	६ ०	६ ०	२४	२	१८	वृषे	तुलायां बुधः ५२/१६ ज्येष्ठा. भौमः ४२।५७
६	चं	१५	५७	रो	३०	५३	सि	३८	२२	व	१५	५७	२९ ५५	१	५ ५९	२५	३	१९	वृषे	भ. १५।५७ उ. ४८।० या.
७	मं	२०	४	मृ	३६	२७	व्य	३८	५३	ब	२०	४	५१	२	५८	२६	४	२०	मि ३।४०	
८	बु	२२	२६	आ	४०	१०	व	३८	१९	कौ	२२	२६	४७	३	५७	२७	५	२१	मिथुने	दृश्यो हस्ते रविः ९।२४ (सौरः ३९/४०)
९	गु	२३	२०	पु	४२	१०	प	३६	९	ग	२३	२०	४३	३	५७	२८	६	२२	क. २६।४०	भ. ५२।४१ उ. मातृ ९ ×ता. ३१
१०	शु	२२	३	पु	४२	१४	शि	३२	२४	वि	२२	३	३८	४	५६	२९	७	२३	कर्के	भ. २२।३ या. स्वात्यां बुधः ५४।३१
११	श	१८	४४	श्ले	४०	४	सि	२७	१०	बा	१८	४४	३४	५	५५	३०	८	२४	सिं ४०।१४	इन्दिरा ११ ब्र.
१२	र	१३	१८	म	३६	४	सा	२०	११	तै	१३	१८	३०	६	५४	१	९	२५	सिंहे	मघा. २ गुरुः १०/१७ प्रदोषः अक्टूबर मा. १०×
१३	चं	६	१६	पू	३०	३९	शु	११	५०	ध	६	१६	२६	७	५३	२	१०	२६	कं. ४३।५६	
१४	चं	५१	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	भ. १६/१ उ. ३३/३ या. शस्त्रादिहतानां श्राद्धम्
२०	मं	४८	३४	उ	२३	४९	शु	२ ५०	४९ ५५	च	२३	१२	२२	८	५२	३	११	२७	कन्यायां	

२४पं. आ. कृ. ३ बृ. इ. ५८।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	४	४	११	०	५
४	१४	२५	१	४	१६	५	४
५५	४७	४३	३१	१८	३५	५५	२५
१९	२४	१९	३०	३२	१६	३९	२०
५८	४१	८	१२	२२ ४	३१ ४	३	५८
३८	४	३७	३१	मा	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

७के ६सूबु ४ ८मं ९ ३ १० श १२ २ ११ रा

इस मासमें ज्वार बाजरा जौ मोंठ मूंग गेहूं चावल गुड़ खांड आदि रस पदार्थ तेज होंगे।

गोचरग्रहाः

६सू ४ ८मं ९ ३ १० १२श २ ११ १रा

२५पं. आ. कृ. ९ बृ. इ. ५८।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	४	४	११	०	५
११	१९	५	२	५	१६	५	११
४६	३६	२६	५३	३८	२	३३	१७
५५	५०	५६	१७	३१	३१	२४	२४
५८	४१	७८	२	१९	४० ४	३	५९
५३	४०	४	९	५	ध	११	०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९३० स. १९६७
१	बु	३८	५८	ह	१६	२९	ऐं	४१	२४	किं	१३	४६	२९/१८	६/८	५/५२	४	१२	२८	तु. ४२।३५	नवरात्रारंभः मातामह श्राद्धम्
२	गु	२८	५९	चि	८	४१	वै	३०	३२	बा	३	५८	१४	९	५१	५	१३	२९	तुलायां	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	२०	५३	स्वा	३१/१	५३/२७	वि	२०	१६	ग	२०	५३	१०	१०	५०	६	१४	१	बृ. ४१।३६	भ. ४६।५० उ. रज्जब ७
४	श	१२	४६	अ	४९	४३	प्री	१०	२४	वि	१२	४७	६	११	४९	७	१५	२	वृश्चिके	भ. १३/४३ या. +४१/६ पापांकुशा ११ व्र. स्मा.
५	र	६	१०	ज्ये	४६	५	आ	४९/१	५३/०	बा	६	१०	२	१२	४८	८	१६	३	ध. ४६।५	
६	चं	१	२३	मू	४४	०	शो	४८	३४	तै	१	२३	२८/५८	१२	४८	९	१७	४	धनुषि	भ. ५८/२८ उ. सरस्वत्यावाहनम् =वलिदानश्च
७	चं	५७	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	मं	५६	५९	पू	४३	३३	अ	४३	५७	वि	२७	४३	५४	१३	४७	१०	१८	५	म. ५८।५४	भ. २७/४३ उ. दृश्यश्चित्रा. रविः ४१/२५ सरस्वतीपू.
९	बु	५७	२७	उ	४४	५८	सु	४०	४७	बा	२७	१३	५०	१४	४६	११	१९	६	मकरे	चित्रायां रविः सौरः १०।१६
१०	गु	५९	१२	श्र	४७	५६	धृ	३८	४१	तै	२८	१९	४६	१५	४५	१२	२०	७	मकरे	विशाखा. बुधः २९/४ विजया १० सरस्वतीविस
११	शु	६०	०	ध	५२	१४	शू	३८	५४	व	३०	४४	४२	१६	४४	१३	२१	८	कुं. २०।५	भ. ३०/४४ उ. पूफायां शुक्रः ३०/५४ मूलेधनुषिभौमः +
११	श	२	१६	श	५७	३०	गं	३८	२७	वि	२	१६	३८	१६	४४	१४	२२	९	कुम्भे	भ. २।१६ या. पापांकुशा ११ व्र. वै.
१२	र	६	४१	पू	६०	०	वृ	३९	११	बा	६	४१	३४	१७	४३	१५	२३	१०	मी ४७।५	प्रदोषः
१३	चं	१५	३	पू	३	३७	ध्रु	४०	४४	तै	१२	३	३०	१८	४२	१६	२४	११	मीने	×(सौरः ५२/५९) शरद पूर्णिमा कोजागरीव्र.
१४	मं	१७	४७	उ	१०	४४	व्या	४२	३६	व	१७	४७	२६	१९	४१	१७	२५	१२	मीने	भ. १७/४७ उ. ५०/५० या. दृश्यस्तुलायामर्कः २५/११×
१५	बु	२३	५३	रे	१७	५३	ह	४४	२६	ब	२३	५३	२२	२०	४०	१८	२६	१३	मे. १७।५३	पूर्वं भारते ग्रस्तोदयं चन्द्रग्रहणम्

२६पं.आ.शु.२बृ.इ.५८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	४	४	१०	०	५
१८	२४	१३	४	८	१५	५	१८
४०	३०	५३	१२	३४	२९	११	११
८	३	४९	३९	२६	२७	८	११
५९	४२	६३	१२	३०	४/४०	३	५९
९	०	१२	५	५३	ब	११	१६

गोचरग्रहाः

आश्विन शु. १४ भौमे तुलायामर्कः प्र.वा. ४न. ४वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

२७पं.आ.शु.१०बृ.इ.५८।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	४	४	११	०	५
२५	२९	२०	५	१०	१४	४	२५
३५	२९	३४	२८	५५	५६	४८	६
६	२०	१	१२	२६	५६	५३	५३
५९	४२	४२	११	३९	३/३२	३	५९
२१	४१	०	१	५७	ब	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	गु	३०	५	अ	२५	१९	व	४६	४०	कौ	३०	५	२८/१८	६/२०	५/४०	१९	२७	१४	मेषे	
२	शु	३६	२६	भ	३२	५३	सि	४८	५५	तै	३	१५	१४	२१	३९	२०	२८	१५	बृ. ४९।४२	वक्री बुधः २२।५२ मघा. ३ गुरुः ५।४५
३	श	४२	२०	कृ	४०	९	व्य	५१	३	व	९	२३	१०	२२	३८	२१	२९	१६	वृषे	भ. ९।२३ उ. ४२।२० या. =ता. ३०
४	र	४७	२९	रो	४७	८	व	५२	२५	ब	१४	५४	६	२३	३७	२२	३०	१७	वृषे	चतुर्थी व्रतम्
५	चं	५१	५२	मृ	५२	५८	प	५३	३७	कौ	१९	४०	२	२४	३६	२३	१	१८	मि २०।३	रा. कार्तिकारंभः +प्रदोषः धन १३
६	मं	५५	४	आ	५७	२७	शि	५३	५८	ग	२३	२८	२७/५८	२५	३५	२४	२	१९	मिथुने	भ. ५५।४ उ. दृश्यः स्वात्यां रविः १।१३●
७	बु	५६	४७	पु	६०	०	सि	५२	४९	वि	२५	५५	५४	२५	३५	२५	३	२०	क. ४४।४५	भ. २५।५५ या. ●(सौरः ३३/५७)
८	गु	५६	५२	पु	०	३१	सा	५०	३९	बा	२६	५०	५०	२६	३४	२६	४	२१	कर्के	पश्चिमास्तं बुधः २३।२
९	शु	५५	२	पु	२	६	शु	४६	५७	तै	२५	५७	४६	२७	३३	२७	५	२२	कर्के	
१०	श	५१	२०	श्ले	४७/१	५७/५०	शु	४१	४३	व	२३	११	४०	२८	३२	२८	६	२३	सिं १।४७	भ २३/११ उ. ५१/२० या. वक्रीस्वात्यां बुधः १३।७
११	र	४५	५४	पू	५५	४४	ब्र	३५	४	व	१८	३७	३९	२९	३२	२९	७	२४	सिंहे	रमा ११ व्र. स्मा. वै.
१२	चं	३८	५५	उ	५०	१३	ऐं	२६	५८	कौ	१२	२४	३५	२९	३१	३०	८	२५	कं. ९।२२	उफायां शुक्रः ३१।२६ रमा ११ व्र. नि.
१३	मं	३०	३१	ह	४३	३७	वै	१७	४४	ग	४	४३	३१	३०	३०	३१	९	२६	कन्यायां	भ. ३०/३१ उ. ५५।४३ या. पूषायां भौमः ५१/३४ +
१४	बु	२०	५६	चि	३५	५९	वि	७/२५	४९/१३	श	२०	५६	२७	३१	२९	१	१०	२७	तु. ९।४७	रूप १४ महालक्ष्मीपूजनम् नवंबरमा. ११
३०	गु	११	१७	स्वा	२८	३	आ	४५	३२	ना	११	१७	२४	३१	२९	२	११	२८	तुलायां	कन्यायां शुक्रः ५४/२३ अन्नकूट गोवर्द्धनपूजा

२८पं. का.कृ.१बृ.इ.५७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	४	४	११	०	६
२	४	२४	६	१७	१४	४	२
३१	३६	२	३८	४७	२५	२६	४
३४	१९	१३	३८	२	३७	३७	२३
५९	४३	७३	१०	४६	४४/१३	३	५९
३४	७	५९	२२	५६	ब	११	४६

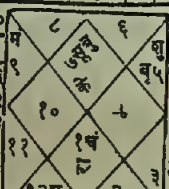

२९पं.का.कृ.८बृ.इ.५७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	४	४	११	०	६
९	९	२१	७	२३	१३	४	९
२९	४०	१९	४५	३३	५५	४	३
४९	३७	४	७	३९	५८	२१	४३
५९	४३	६३/५२	९	५२	३/५५	३	६०
४७	२५	ब	३७	१८	ब	११	२

३०पं.का.कृ.३०बृ.इ.५७।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	४	५	११	०	६
१६	१४	१३	८	०	१३	३	१६
२९	२	२१	४५	२	३०	४२	४
३८	१	५७	०	४९	०	६	४७
६०	४३	९३/६	८	५६	३/३५	३	६०
४	५१	ब	४८	२१	ब	११	१८

●चंबुके

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

| ति. | कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९ | | |

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९							वि.	उ.	अ.	ह.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९८९ स.१९६७
१	श	२७	५४	ज्ये	३५	२९	मृ	३७	४२	ब	२७	५४	५७	४९	१९	३	११	२९	ध.३५।२९	दृश्यो ज्येष्ठा. रविः ५२।८
२	र	२०	२३	मू	३०	३	शू	२८	३०	को	२०	२३	५५	४९	११	३	१२	३०	धनुषि	ज्येष्ठायांरवि.सौर:१३अनु.बुधः२३चंद्रद
३	चं	१४	५०	मू	२६	७	गं	२०	४२	ग	१४	५०	५३	४९	११	४	१३	१	म४.०।४७	भ.४२।४० उ. रमजान ९
४	मं	१०	२९	उ	२४	४८	वृ	१३	०	वि	१०	२९	५१	५०	१०	५	१४	२	मकरे	भ.१९या. श्रवणेभौमः५४ पूर्वास्तंबुधः१६
५	बु	८	३८	श्र	२४	३	धु	९	२१	बा	८	३८	४९	५०	१०	६	१५	३	कु.५५।३	
६	गु	८	५०	ध	२६	३	श्रा	६	२३	ते	८	५०	४८	५०	१०	७	१६	४	कुम्भे	स्वात्यां शुक्रः २२।२४ चंपा ६
७	शु	११	२६	श	३०	८	ह	५	५	ब	११	२६	४६	५१	९	८	१७	५	कुम्भे	भ. ११।२६ उ. ४३।२६ या.
८	श	१५	२७	पू	३५	५२	व	५	५	ब	१५	२७	४५	५१	९	९	१८	६	मी १९।२६	मार्गी शनिः १७।४ ×११व्र. गीताजयंती
९	र	२०	५२	उ	४२	४१	सि	६	४	को	२०	५२	४४	५१	९	१०	१९	७	मीने	
१०	चं	२७	१७	रे	५०	३	व्य	८	१४	ते	२७	१७	४३	५२	८	११	२०	८	मे.५०।३	
११	मं	३३	४७	अ	५७	५२	द	१०	१०	अ	०	३२	४१	५२	८	१२	२१	९	मेषे	भ.३२उ.३३या.ज्येष्ठा.बुधः१६ मोक्षदा×
१२	बु	४०	१५	भ	६०	०	प	१२	४०	व	७	१	४०	५२	८	१३	२२	१०	मेषे	
१३	गु	४६	१३	भ	५	२५	शि	१४	४५	को	१३	१४	३९	५२	८	१४	२३	११	वृ.२२।९	प्रदोषः
१४	शु	५१	२८	कृ	१२	२१	सि	१६	२९	ग	१८	५०	३८	५२	८	१५	२४	१२	वृषे	भ.५१।२८ उ. दृश्यो धनुष्यर्कः५९।२०
१५	श	५५	३९	रो	१८	२४	सा	१७	२३	वि	२३	३३	३८	५२	८	१६	२५	१३	मि५०।५४	भ.३३या. धनुष्यर्कःसौरः१५ दत्तजयंती

३५ पं.मा.शु.६ बृ.इ.५६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	४	६	११	०	७
२१	११	१०	१२	७	१२	१	२१
४८	३१	१९	२	८	२१	५०	३१
५८	१२	१५	२३	६	१९	४८	३५
६०	४४	९४	३	६७	१९	३	६१
५६	४९	७	१८	१०	८	११	११

गोचरग्रहाः

मार्ग.शु.१४ शुक्रे धनुष्यर्कः प्र. वा. २न.३वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

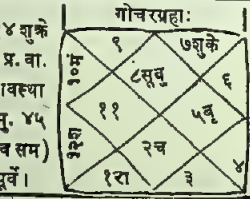

३६ पं.मा.शु.९ बृ.इ.५६।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	४	६	११	०	७
२८	१६	२१	१२	१५	१२	१	२८
५५	५५	९	२७	१८	२२	२८	४०
५२	३२	७	२४	२६	१	३२	१८
६१	४५	७	१६	८	४७	३	६१
०	१	३२	४९	४	मा	११	५९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९							वि.	उ.	अ.	ह.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५८	५६	मृ	२३	२३	शु	१७	३६	बा	२७	१७	३५	५३	७ १७ २६ १४	मिथुने
२	चं	६०	०	आ	२७	२४	शु	१६	५६	ते	२९	५६	३७	५३	७ १८ २७ १५	मिथने
३	मं	०	५७	पु	३०	१२	ब्र	१५	२६	ग	०	५७	३७	५३	७ १९ २८ १६
४	बु	१	४८	पु	३२	२०	ऐं	१३	२	वि	१	४८	३६	५३	७ २० २९ १७
५	गु	१	३८	श्ले	३३	१३	वै	९	५९	जा	१	३८	३६	५३	७ २१ ३० १८
६	शु	०	३३	म	३३	१३	वि	६	३	ते	०	३३	३६	५३	७ २२ १ १९
७	श	५८	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ०
८	र	५५	३८	पू	३२	६	मी	३२	४०	वि	२७	६	३६	५३	७ २३ २ २०
९	चं	५१	४२	उ	३०	१२	सौ	४९	३८	बा	२३	४०	३६	५३	७ २४ ३ २१
१०	मं	४६	५१	ह	२७	२६	शो	४२	४४	ते	१९	१६	३७	५३	७ २५ ४ २२
११	बु	३४	३२	खा	१९	३	मु	२६	२९	व	१३	५९	३७	५३	७ २६ ५ २३
१२	गु	२७	१८	वि	१३	३८	धृ	१७	३२	को	०	५५	३८	५२	८ २८ ७ २५
१३	शु	१९	४७	अ	८	३	शू	१	५९	ध	१९	४७	३८	५२	८ २९ ८ २६
१४	श	१२	१४	ज्ये	३	५४	गृ	५०	१२	श	१२	१४	३९	५२	८ ३० ९ २७
१५	र	५	१०	पू	५२	२९	ध्रु	४२	५	ना	५	१०	४०	५२	८ ३१ १० २८

हिमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

विशाखा. शुक्रः ४९।३९
भ. ३१।२२ उ.
भ.१।४८या. मूलेधनुषिबुधः३८।० च.ग्र.
भ. ५८।३४ उ. रा. पौषारंभः
भ. २७।६ या. धनिष्ठा. भौमः १३।४२
वक्री गुरुः २३।५
भ. १३।५९ उ. ४१।७ या.
वृश्चिके शुक्रः १२।८ सफला ११ व्र.
पूषायां बुधः ५७।२७ प्रदोषः
भ १९ उ.४६या. दृश्यः पूषायां रविः १ ×
अनु. शुक्रः १०।५४ ×(सौरः १५।५३)

३७ पं. पौ.कृ. ४ बृ.इ.५६।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	४	६	११	०	८
६	२२	२	१२	२३	१२	१	५
३	२१	९	२१	२४	१०	६	४९
२९	५०	१०	५०	१२	१४	१७	५३
६१	४४	९९	०	६८	१	३	६१
५६	४९	७	१८	१०	८	११	२२

गोचरग्रहाः

इस मास में रोग पीड़ा और पशुओं को कष्ट हो। साहसी व्यापारी मंदी में माल का संग्रह करें आगे लाभ होगा।

गोचरग्रहाः

३८ पं.पौ.कृ.१२ बृ.इ.५५।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	४	७	११	०	८
१३	२७	१३	१२	१	१२	०	१२
११	२८	१७	१७	१२	९२	४४	५९
३१	३९	२७	३८	३३	१०	१	३५
६१	४५	०	५३	६९	२	३	६१
६	६	१३	च	४६	५	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र ५३५८ ८ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०
२	चं ५४४२ उ ४९२६ ध्या ३४४९ बा २६५५	३५	५६	५	१	११	२९	म.९।४३
३	मं ५२१ ५ श्र ४८१६ ह २९ २ तै २३२३	४१	५२	८	२	१२	१	मकरे
४	बु ५११७ ध ४९५४ व २४४४ च २५४१	४२	५१	८	३	१३	२	कुं.१९।५
५	गु ५२४१ श ५१३३ त्ति २२ १ द्र २१५९	४३	५१	९	४	१४	३	कुंभे
६	शु ५६ ४ पू ५६ ८ व्य २१ ७ कौ २४२२	४४	५१	९	५	१५	४	मी४०।०
७	श ६० ० उ ६० ० व २१११ ग २८२९	४६	५१	९	६	१६	५	मीने
७	र ०५४ उ २ ४ प २२३० व ०५४	४७	५०	९	७	१७	६	मीने
८	चं ६४८ रे ९१५ शि २४२१ ब ६४८	४९	५०	१०	८	१८	७	मे.९।१५
९	मं १३१६ अ १६४४ त्ति २६४७ कौ १३१६	५१	५०	१०	९	१९	८	मेषे
१०	बु १९४३ भ २४२० सा २९ १ ग १९४३	५२	४९	१०	१०	२०	९	वृ.४।१५
११	गु २५५७ कृ ३११९ छ ३०२६ वि २५५६	५४	४९	११	११	२१	१०	वृषे
१२	शु ३१ २ रो ३७२९ शु ३१३८ ज्ञा ३१ २	५६	४९	११	१२	२२	११	वृषे
१३	श ३४४८ मृ ४२२२ ग्र ३१३७ कौ २ ५५	५८	४८	१२	१३	२३	१२	मि९।५५
१४	र ३७२३ आ ४६११ दें ३०४० ग ६ ५	२६	४८	१२	१४	२४	१३	मिथुने
१५	चं ३८२८ पु ४८२० वै २८३७ वि ७५५	३	४७	१३	१५	२५	१४	क.३२।४८

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं ३८ ५ पु ४९१४ वि २५३२ आ ८	१७	२६	५	१६	२६	१५	ककं
२	बु ३६४४ श्ले ४९ ५ प्री २१३० तै ७	२५	८	४६	१४	१७	२७	१६ सिं४९।५
३	गु ३४१५ म ४८ ७ आ १६४१ ध ५	२९	१०	४६	१४	१८	२८	१७ सिंहे
४	शु ३११० पू ४६२३ तौ १२५८ ब ३	१२	१२	४६	१४	१९	२९	१८ सिंहे
५	श २७२१ उ ४४१४ शो २४५३ त्ते २७	२१	१५	४५	१५	२०	३०	१९ कं.०।५१
६	र २३२१ ह ४१३८ सु ५२२९ व २३	२१	१७	४५	१५	२१	१	२० कन्यायां
७	चं १८४१ त्ति ३८३० धृ ४५३१ ब १८	४१	२०	४४	१६	२२	२	२१ तु.१०।४
८	मं १४१० खा ३५१४ शू ३८१३ कौ १४	१०	२२	४४	१६	२३	३	२२ तुलायां
९	बु ९५१ वि ३१५३ गं ३०२३ ग ९	५१	२५	४३	१७	२४	४	२३ वृ.१७।४३
१०	गु ३१८ अ २७४३ वृ २३ २ वि ३	१८	२७	४३	१७	२५	५	२४ वृश्चिके
११	गु ५४२२ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०
१२	शु ५१५९ ज्ये २३४८ ध्रु १५२४ कौ २४	५०	३०	४२	१८	२६	६	२५ कुंभे बुधः३९ पूभायां भौमः२६ षट्तिला=
१३	श ४६५० मू १९५७ ध्या ७५२ ग १९	२४	३३	४१	१९	२७	७	२६ धनुषि भ. ४५ उ. प्रदोषः =११ब्र.वै.
१४	र ४१४३ पू १६३५ ह २८२३ वि १४	१६	३६	४१	१९	२८	८	२७ म.३०।५६ भ.१४।१६ या. +षट्तिला११ब्र.स्मा.
२०	चं ३७५६ उ १३५९ सि ४८२२ च ९	४९	४०	२०	२९	९	२८	मकरे सोमवत्यमा. ×मूले धनुषि शुक्रः४९

पौष शु.१४ रवौ मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न.३प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयः पूर्वे ।

इस मास में घटा-बढ़ी अधिक, पहिले मंदी होकर तेजी होगी, माघ मास जो पड़े न शीत । तबभी समय जानियो मीत

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५०४८ स.१९६८
१	मं ३५ २५ श्र १२ ४६ व्य ४३ ४६ कि ६ ४१ ३६	६	४०	२०	५	३०	१०	२९	कु.४२।५३ वक्री मघा. ३ गुरुः ३५।५२
२	बु ३४ ३६ ध १३ ० व ४० २९ वा ५ १४६	३९	२१	३१	११	३०		कुंभे	चंद्रदर्शनम्
३	गु ३५ ३१ श १४ ५२ प ३९ १७ तै ५ ३	४९	२२	१	१२	१	१	कुम्भे	शतेबुधः ३९ पूधायांशुक्रः १९ फरवरी मा.२×
४	शु ३८ २ पू १८ २० शि ३७ ५६ च ६ ४६	५३	२८	२२	२	१३	२	मी	भ.४६ उ.३८।२या. ×ता.२९जिल्काद ११
५	श ४२ २० उ २३ ३४ सि ३८ ४० ब १० ११	५५	३७	२३	३	१४	३	मीने	बसन्त ५ श्री ५
६	र ४७ ५९ रे ३० ७ सा ४० १९ कौ १५ १०	५९	३६	२४	४	१५	४	मे.	=शुक्रः ४।४९ उभायां भौमः ३९।१३
७	चं ५४ २१ अ ३७ १० गु ४२ २८ ग २१ १०	२७	३६	२४	५	१६	५	मेषे	भ. ५४।२१ उ. भानु ७ रथ ७
८	मं ६० ० भ ४४ ५४ शु ४४ ३४ वि २७ ३३	६	३५	२५	६	१७	६	मेषे	भ.३९या. दृश्यो धनिष्ठा. रविः२२।५ ३
९	बु ० ४६ कृ ५२ ६ ब ४६ ३९ ध ० ४६	९	३४	२६	७	१८	७	वृ.	÷(सौरः३५) वक्रीबुधः२९ भीष्माष्टमी
१०	गु ७ ० रो ५८ ५१ कौ ७ ०	१३	३३	२७	८	१९	८	वृषे	मीने भौमः२३।५९ पश्चिमास्तं बुधः३ ३९
११	शु १२ १९ मृ ६० ० वै ४८ ३६ ग १२ १९	१६	३३	२७	९	२०	९	मि	भ. ४४।१५ उ.
१२	श १६ १२ मृ ४ ७ वि ४७ ४२ वि १६ १२	२०	३२	२८	१०	२१	१०	मिथुने	भ. १६।१२ या. जया ११ ब्र.
१३	र १८ ३७ मा ८ १ प्री ४५ ४५ बा १८ ३७	२४	३१	२९	११	२२	११	क.	वक्री धनिष्ठा. बुधः ५९।५० प्रदोषः
१४	चं १९ १२ पु १० ८ आ ४२ २५ तै १९ १९	२७	३१	२९	१२	२३	१२	कर्के	दृश्यः कुम्भेऽर्कः५८ (सौरः५९) उषायां=
१५	मं १८ ९ पु १० ४५ सी ३७ ५२ च १८ ९	३१	३०	३०	१३	२४	१३	कर्के	भ. १८।९ उ. ४६।५० या.
१५	बु १५ ३० श्ले ८ ३९ शो ३२ १२ व १५ ३०	३५	२९	३१	१४	२५	१४	सिं	मकरे शुक्रः ४३।५२

४३पं. मा.शु.३ बृ.इ.५५।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	१०	४	८	११	११	९
१८	२४	७	९	१४	१४	२८	१८
४९	०	२	४३	१६	५४	२	४५
२६	५४	२७	५८	१९	१४	४३	४५
६०	४४	४२	५९	२	१५	३	६१
५५	५३	४२	ब	१४	ब	११	४

गोचरग्रहाः

माघ शु. १३ चंद्रे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ नं.३प्रगत्यभावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्याभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

४४पं. मा.श.९ बृ.इ.५६।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	४	८	११	११	९
२५	०	८	८	२२	१४	२८	२५
५५	२४	७	५३	५१	३	२०	५२
१६	०	५५	१३	५४	४९	२७	३२
६०	४४	४३	३४	३	३५	३	६०
४७	४७	ब	ब	३२	ब	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु ११ ५१ म ६ २८ अ २५ ४१ कौ ११ ५१	३७	३९	५	१५	२६	१५	सिंहे	
२	शु ६ ५६ पू ४ २० शु १८ २६ ग ६ ५६	४३	२८	३२	१६	२७	१६	कं.	भ.३४।५ उ. ●रेवती.१ शनिः५६
३	श १ १५ उ ३९ ५६ भ ११ २ वि १ १५	४६	२७	३३	१७	२८	१७	कन्यायां	भ.१।१५या. वक्री मकरे बुधः३७ च.ब्र.
४	श ५४ ३० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
५	र ५० १ चि ५२ ५४ शु १९ ३३ कौ २२ ५३	५७	२६	३४	१८	२९	१८	तु.	२४।५२
६	चं ४४ ४० स्वा ४९ १२ वृ ४८ १३ ग १७ २१	५४	२५	३५	१९	३०	१९	तुलायां	
७	मं ३९ २१ वि ४५ ४० शु ४० ५९ वि १२ ०	५८	२४	३६	२०	१	२०	वृ.	भ.४४उ. दृश्यःशते रविः३४ (सौरः३५) ●
८	बु ३४ २० अ ४२ २६ ब्या ३३ ५३ बा ६ ५१	२९	२४	३६	२१	२	२१	वृश्चिके	भ. १२।० या. रा. फाल्गुनारम्भः
९	गु २९ ४६ ज्ये ३९ ३३ ह २७ १२ तै २ ३	६	२३	३७	२२	३	२२	वृ.	बुधोदयः पूर्वस्याम् २९।३५
१०	शु २५ १७ मू ३७ १० व २० ५२ वि २५ १७	१०	२२	३८	२३	४	२३	धनुषि	भ. ७।३१ उ. श्रवणे शुक्रः ५३।१६
११	श २१ ३६ पू ३५ १८ सि १४ ५६ बा २१ ३६	१४	२१	३९	२४	५	२४	म.	भ. २५।१७ या. +महाशिवरात्री ब्र.
१२	र १८ २ उ ३४ २ ब्य ९ ३१ तै १८ २०	१८	२०	४०	२५	६	२५	मकरे	विजया ११ ब्र.
१३	चं १६ १ श्र ३३ २९ ध ४ ५० व १६ १	२२	२०	४०	२६	७	२६	मकरे	प्रदोषः
१४	मं १४ ३६ ध ३४ ३७ प ५९ ५९ श १४ ३६	२६	१९	४१	२७	८	२७	कुं.	भ.१६ उ.४५या. वक्री मघा.२ गुरुः२।५+
१५	बु १४ २९ श ३६ ३५ सि ५६ १५ ना १४ २९	३०	१८	४२	२८	९	२८	कुंभे	

४५पं. फा.कृ.१ बृ.इ.५६।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	४	९	११	११	१०
३	५	२	७	१	१६	२८	२
०	४५	१३	५९	२८	१४	८	५८
४	४७	२	१३	१	५६	१२	३५
१०	४४	५८	५	३२	६	३	६०
९	४२	ब	ब	५०	५	११	४२

गोचरग्रहाः

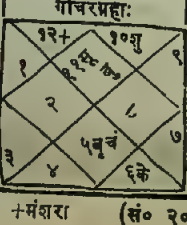

फाल्गुन.शु १४ बुधे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ नं.४प्रगत्यभावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

४६पं. फा.कृ.९ बृ.इ.५६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	४	९	११	११	१०
१०	११	२५	७	१०	१६	२७	१०
३	५	३६	१९	४	५९	४५	३
३२	५५	५७	१९	५	९	५६	८
६०	४४	३५	५	३	६	३	६०
२५	३२	ब	ब	३	२३	११	३१

●चंमंबु +मंशरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशरा =मंशरा

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ५०७८स.१९६८
१	गु	१५	४२	पू	४०	३	सा	५५	१९	ब	१५	४२	२८ ३४	६ १७	५ ४३	२९	१०	२९	मी२३।११	मार्गी बुधः ३९।३९ चन्द्रदर्शनम्
२	शु	१८	३९	उ	४४	४०	शु	५४	३६	कौ	१८	३९	३८	१६	४४	१	११	१	मीने	रेवत्यां भौमः १६/१६ फुलरिया२ मार्च मा.३×
३	श	२२	३४	रे	५०	४४	शु	५५	४२	ग	२२	३४	४२	१६	४४	२	१२	२	मे.५०।४४	भ. ५५/१२ उ. ×ता.३१ जिल्हेज१२
४	र	२७	५०	अ	५७	३६	ब्र	५७	२	वि	२७	५०	४६	१५	४५	३	१३	३	मेषे	भ.२७/५० या. दृश्यःपूभायांरविः ५०/३४ सौरः ५०/१
५	चं	३३	४५	भ	६०	०	ऐं	५९	४१	ब	०	४७	५०	१४	४६	४	१४	४	मेषे	धनिष्ठा. शुक्रः ४१।५९
६	मं	४०	२१	भ	५	५	वै	६०	०	कौ	७	३	५४	१३	४७	५	१५	५	वृ.२१।५८	
७	बु	४६	२१	कृ	१२	३८	वै	१	५६	ग	१३	२१	५८	१२	४८	६	१६	६	वृषे	भ. ४६।२१ उ.
८	गु	५२	२	रो	१९	२	वि	४	४	वि	१९	२१	२९ २	१२	४८	७	१७	७	मि५२।३०	भ. १९।२१ या. होलाष्टकः
९	शु	५६	४७	मृ	२५	५९	प्री	५	१७	बा	२४	३४	६	११	४९	८	१८	८	मिथुने	
१०	श	५९	४८	आ	३१	१६	आ	५	३३	तै	२८	१७	१०	१०	५०	९	१९	९	मिथुने	
११	र	६०	०	पु	३३	५३	सौ	४	३३	व	३०	१६	१४	९	५१	१०	२०	१०	क.१८।१४	भ.३०/१६ उ.कुंभेशुक्रः ४८/४० आमलकी११ब्र.स्मा
११	चं	०	४४	पु	३५	३	शो	३१ ०/१	५८/१६	वि	०	४४	१९	८	५२	११	२१	११	कर्के	भ ४०/४४ या.कुंभेबुधः १९/२५ आमलकी११ब्र.वै.
१२	चं	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	मं	५६	५१	श्ले	३४	१४	सु	५३	४	कौ	२८	१८	२३	७	५३	१२	२२	१२	सिं३४।१४	प्रदोषः ●होलिकादहनं गोधूलीसमयें
१४	बु	५२	५	म	३१	३८	धृ	४६	९	ग	२४	२८	२७	७	५३	१३	२३	१३	सिंहे	भ.५२/३ उ. दृश्यो मीनेऽर्कः ५१/३१ (सौरः ५०/२१)
१५	गु	४६	७	पू	२७	५०	शू	३८	९	वि	१९	६	३२	६	५४	१४	२४	१४	कं.४१।३४	भ.१९/६ या. रेवती३राहुः चित्रा.१केतुः ४३/३३●

४७पं.फा.शु.१बृ.इ.५६।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	४	९	११	११	१०
१७	१६	२३	६	१८	१७	२७	१७
५	२५	५७	९	४२	४६	२३	५
४६	४४	५७	३९	१४	१	४१	५७
६०	४४	३/१६	४५/४९	७३	६	३	६०
१२	१५	मा	ब	२०	३७	११	२०

४८पं.फा.शु.८बृ.इ.५७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	४	९	११	११	१०
२४	२१	२७	५	२७	१८	२७	२४
६	४२	१६	१७	१९	३५	१	७
२९	२९	५८	९	४	२७	२५	२०
५९	४३	३६	५/६	७३	६	३	६०
५८	५५	१७	ब	२८	५६	११	६

४९पं.फा.शु.१५बृ.इ.५७।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	४	१०	११	११	११
१	२६	३	४	५	१९	२६	१
५	५७	३६	३०	५६	२५	३९	७
४२	१८	३९	२५	२४	४८	९	२
५९	४३	५९	६/२०	७३	७	३	५९
४१	४४	३८	ब	४०	४	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तुरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	शु	३८	५७	उ	२२	४४	गं	२९	१४	बा	१२	३२	२९ ३६	६ ५५	५ ५५	१५	२५	१५	कन्यायां	शते शुक्रः ३३।५ छारेंडी वसंत १
२	श	३१	३६	ह	१७	३	वृ	२०	१७	तै	५	१६	४०	४	५६	१६	२६	१६	तु.४४।८	भ.५७।४५ उ. ●(सौरः १०/५७) च.ब्र.
३	र	२३	५५	चि	११	१४	ध्रु	११	५	वि	२३	५५	४४	३	५७	१७	२७	१७	तुलायां	भ. २३/५५ या. दृश्यः उभायां रविः १२।३५●
४	चं	१६	३०	स्वा	५	५७	व्या	२/१५	५१/२८	बा	१६	३०	४९	२	५८	१८	२८	१८	वृ.४७।५६	शते बुधः ३/३ मेषे भौमः ५९/२४ अस्तं शनिः ४७/१५
५	मं	९	४०	वि	१/५६	५४/४४	व	४५	५४	तै	९	४०	५३	१	५९	१९	२९	१९	वृश्चिके	रेवती २ शनिः ३१।५ या.
६	बु	३	३५	ज्ये	५३	२१	सि	३८	५	व	३	३५	५७	१	५९	२०	३०	२०	ध.५३।२१	भ.३।३५ उ.३१।५ या. ×गुरुः ५१/५४
७	बु	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	गु	५४	१६	मू	५०	५४	व्य	३२	१२	बा	२६	२५	३०/१	६/०	६/०	२१	१	२१	धनुषि	शीतला पूजनम् राष्ट्रीय चैत्रारंभः
९	शु	५१	८	पू	४९	३९	व	२६	४७	तै	२२	४२	६	५/५९	१	२२	२	२२	धनुषि	
१०	श	४८	५१	उ	४९	१२	प	२१	५९	व	१९	५९	१०	५८	२	२३	३	२३	म.४।३२	भ. १९।५९ उ. ४८।५१ या.
११	र	४७	४२	श्र	४९	५४	शि	१८	११	ब	१८	१६	१४	५७	३	२४	४	२४	मकरे	पापमोचनी ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	चं	४७	३४	ध	५१	३६	सि	१५	१४	कौ	१७	३८	१८	५६	४	२५	५	२५	कु.२०।४५	पाममोचनी ११ ब्र. नि.
१३	मं	४८	२९	श	५४	२१	सा	१३	५	ग	१८	१	२३	५५	५	२६	६	२६	कुम्भे	भ.४८।२९ उ. पूभायां शुक्रः ३४/५१ प्रदोषः
१४	बु	५०	३६	पू	५८	२१	शु	१२	५६	वि	१९	३३	२७	५५	५	२७	७	२७	मी४२।२१	भ.१९/३३ या. पूभायां बुधः ४३/५७ वक्रो मघा.१×
३०	गु	५३	५१	उ	६०	०	शु	११	४५	च	२२	१३	३१	५४	६	२८	८	२८	मीने	मन्वादिः

५० पं. चै.कृ.८बृ.इ.५७।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	४	१०	११	११	११
८	२	१२	३	१४	२०	२६	८
३	१०	२	४९	३४	१७	१६	४
१८	४	६	४४	३०	१६	३४	५७
५९	४३	७६	५/१५	७३	७	३	५९
२९	४३	२९	ब	५०	१४	११	३५

गोचरग्रहाः

इस मास में मंदी का जोर रहे चांदी सोना आदि धातुओं में तेजी होगी सुदी में गुड़ खांड घृत तेल नमक तेज

गोचरग्रहाः

५१पं.चै.कृ.३०बृ.इ.५८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	४	१०	११	११	११
१४	७	२१	३	२३	२१	२५	१५
५९	१९	५२	१५	९	९	५४	१
१३	५८	७	२९	३	३९	३८	२
५९	४३	९०	५/६	७३	७	३	५९
१६	३५	५५	ब	५६	२०	११	८

●चंमंशरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशरा

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०६९ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६९ भोग्यकलिः ४२६९३१ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२५ शाकः १८९० वर्षेऽस्मिन् राजा शुक्रः । मंत्री शनिः । सस्येशश्चन्द्रः । धान्येशो रविः । मेघेशश्शुक्रः। रसेशो बुधः। नीरसेशश्चंद्रः। फलेशो शुक्रः । धनेशश्चंद्रः । दुर्गेशश्शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १५ दुर्मतिनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ५।१७।५४।१४ भोग्यमासादिः६।१२।५।४६ । नासत्यदैवतं युगम्। वर्षनाम माघः। मेघनामआवर्तः। रोहिणीनिवासःपर्वते । समय निवासोकुंभकारगृहे । समयविश्वा २०। समयवाहनंदुर्दुरः। स्तंभ१ तृणस्य। सोमवत्यमा २। सोमवतीपंचमी १। अंगारकी चतुर्थी ३। बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी २। रविदशमी १। समयमुहूर्ताः ३६० । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः१७। तिथिवृद्धिः १२। उत्पति विश्वा ९९। खपतिविश्वा ८४। वर्षाविश्वा ५। धान्यम् ७। तृणम् १५। शीतम् ११। तेज ५। वायुः१३। वृद्धिः१५। क्षयः १५। विग्रहः ११। ऐक्यं ९७। सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पाप १८। शनिदृष्टिरुत्तरे। ग्रहणे २ सूर्यस्य १ चंद्रमसः १।

संवत् २०२५ शाके १८९०
आश्विन शु.१५ रवौ ग्रस्तोदितं
खग्रासं चन्द्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	२२	२५	२६	२८	३१
मध्यम	पल	२९	४४	५५	६	२१
रेल्वे	घं.	३	४	५	५	६
टाइम	मि.	२७	४५	१३	४१	५९

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ९।२५

*सूचंशरा

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव कहे माता सुण दे कान ।
साल पच्चीस अब आइया कहदो इसका ज्ञान ।।

भवानी उत्तर

पच्चीसै पवन बाजसी पीछे मेहां मार ।
भाग सुभागी नीपजे ना सारे इक सार ।।
राष्ट्रपति अरु मेघपति फलपति भृगु महाराज ।
जग में सुख संपति करै सबका सारे काज ।।
मंत्री पद शनि को मिला इसका फल शुभ नाय ।
कहीं रोग कहीं युद्ध भय वर्षा स्वल्प दिखाय ।।
अधिक लिया इस सालमें सौम्य ग्रहां अधिकार ।
सुजनों को सुख होयसी दुष्टां कष्ट अपार ।।
स्तंभ १ तृण का बना संवत् विश्वा बीस ।
संवत् मध्यम होयगा भजन करो जगदीश ।।

संवत् २०२५ शाके १८९०
आश्विन कृष्णा ३० रवौ
प्रस्तास्तं सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.		
उज्य.	घ.	२५	२८	३०		
मध्यम.	पल	३४	९	१९		
रेल्वे	घं.	४	५	६		
टाइम	मि.	४०	४३	४२		

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ३।०

×बुशुशरा

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।६।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२३।५३

*सूचंमंबु

अथाधिकारिणाम् फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्र-तत्फलम्–शुक्रस्य राज्ये बहु सस्य संकुला स्वतीव्र वेगाः सरितोम्बु राशिभिः । फलंति वृक्षा बहु गो प्रसूतिर्वसंधरा पार्थिव सौख्य संयुता ।। मंत्री शनिः फलम्–रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवाः विनय संरहिता बहु दुःखदा । न जलदाः जलदा जनतापदा जन पदेषु सुखं धनदं क्वचित् ।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम्–सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघः पयो मुञ्चति गोप गोवृक् । देव द्विजाराधन तत्पराः नृपाः धरा भवेद्धान्य धनौघ पूर्णा ।। धान्येशो रविः फलम्–पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वर पीडनम् ।। मेघेशः शुक्रस्तत्फलम्–भृगुसुतौ जलदस्यपतिर्यदा जलमुचो जलदा दिवि शोभनाः । धन निदान युता द्विज पालकाः नृपतयो जनता सुख दायकाः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम्–रसपतौ द्विज राज सुते मही सुलभ धान्य घृतादि युताजनाः । प्रमुदितावर नायक पालिता बहु जलाखिल देश सुरक्षिता ।। नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम्–शुक्ल वर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससाम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायते शशांके नीरसाधिपे ।। फलेशश्शुक्रस्तत्फलम्–यदि फलस्य पतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार महीरुह राशयः । बहुफला नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुति पाठ परायणाः ।। धनेशश्चंद्रस्तत्फलम्–धनपतिर्मृग लाञ्छनको यदा रसं चयात् क्रय विक्रयतो धनम् । वसन शालि सुगंध रसं बहु द्रविण तैल घृतं नृप सौख्यदम् ।। दुर्गेशश्शुक्रस्तत्फलम्–नगर देश विशेष पतिर्यदा भृगु सुतो बहु सौख्य करो मतः । विनय वाणिज गेह समः सुखो नग वने निकटेपिच दूरतः ।। दुर्मतिनाम संवत्सरः फलम्–दुर्मत्सब्दे खिल भूपाः लोका दुर्मतयः सदा । तथापि सुखिनः सर्वे संग्रामा संति चेदपि ।। वर्षनाम माघः फलम्–सुभिक्षं पूर्वयाम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे रौरवं माघे वर्षे धान्य महर्घता ।। मेघनाम आवर्तः फलम्–आवर्ते छिन्न वृष्टिश्च ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम्–रोहिणी नाम नक्षत्रं पर्वतस्यं यदा भवेत् । वृष्टि हानिस्तदा ज्ञेया सर्व सस्य विनाशनम् ।। समय निवासो कुंभकार गृहे फलम्–अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०२५ शाके १८९० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख ज्येष्ठाषाढ मासेषु सिंहस्थ गुरुदोषः

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ३ शुक्रे मूले ल. ५ रे. ८ ।।।।ऽचोऽ।।।

,, ४ शनौ उषा. ल.५(घ.४४-१७उप.)रे.६।ऽ।।।रोऽऽ।।

,, ५ रवौ उषा. ल. अन्यगो. रे. ६ ।ऽ।।।ऽरोऽऽ।।

पौषः मासः

कृष्णा ६ बुधे मघा. ल. अन्यगो. रे. ६ ऽऽ।।।ऽरोऽ।।।

माघ मासः

कृष्णा११भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे. ६ ऽऽ।।।।ऽऽ।।

शुक्ला१० चंद्रे रोहि. ल.८ (चं.७पू.)रे.८।।।।।।।ऽऽ। गणितन क्रांति साम्याऽभावः

, १०भौमे रोहि. ल.गो. रे.७।।।।।ऽचो।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ६ शनौ स्वा. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽऽ।।ऽ।।।।

,, १० बुधे मूले ल. १० रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।। शु. ३ पू.

चैत्र मासः

कृष्णा ३ शुक्रे स्वा. ल.९-१० रे.७।।।।।।।ऽऽऽ दग्धा. गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, ४ शनौ स्वा. ल.गो. रे.६ ।।।।ऽऽचो।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, ८ भौमे मूले ल. अन्यगो. ८ ऽ।।।।।ऽ।।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१०७ स.१९६८
१	शु	५८	२०	उ	३	२६	ब्र	११	५४	किं	२३	५	३०/३५	५/५३	६/७	२९	९	२९	मीने	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	श	६०	०	रे	९	३१	ऐं	१३	१८	बा	३१	२	३९	५२	८	३०	१०	३०	मे.९।३१	दृश्यो रेवत्यां रविः ४०/१८ (सौरः ३८/२५) चंद्रद.
३	र	३	४४	अ	१६	६	वै	१४	५१	कौ	३	४४	४४	५१	९	३१	११	१	मेषे	सिधारा मोहोरम १ सन् १३८८ हि.
३	चं	९	३७	भ	२३	३५	वि	१७	८	ग	९	३७	४८	५०	१०	१	१२	२	बृ.४०।२९	भ.४२/४९ उ. गणगौरी अप्रेल मा.४ ता.३०
४	मं	१५	१	कृ	३१	१०	प्री	१९	३०	वि	१६	१	५२	५०	१०	२	१३	३	बृषे	भ. १६।१ या. =पूर्वास्तो बुधः ३७/३७
५	बु	२१	२९	रो	३८	५७	आ	२२	४	बा	२२	२९	५६	४९	११	३	१४	४	बृषे	मीने बुधः १५।५५ मीने शुक्रश्च ३१।२५
६	गु	२८	३०	मृ	४५	४६	सौ	२४	६	तै	२८	३०	३१/०	४८	१२	४	१५	५	मि१२।१८	
७	शु	३३	२६	आ	५१	३६	शो	२५	६	ग	०	५८	४	४७	१३	५	१६	६	मिथुने	भ. ३३।२६ उ. उभायां बुधः ८।२०
८	श	३७	१२	पु	५५	९	अ	२५	१०	वि	५	१९	८	४६	१४	६	१७	७	क.३९।१६	भ.५/१९ या उभायांशुक्रः १३/३१ भरण्यांभौमः ३८/३१
९	र	३९	१०	पु	५८	४२	सु	२४	६	बा	८	११	१२	४६	१४	७	१८	८	कर्के	रामनवमी
१०	चं	३९	७	श्ले	५९	१०	धृ	२१	८	तै	९	८	१६	४५	१५	८	१९	९	सिं५९।१०	
११	मं	३७	८	म	५७	३३	शू	१६	३१	व	८	७	२०	४४	१६	९	२०	१०	सिंहे	भ. ८।७ उ. ३७।८ या. कामदा ११ ब्र.
१२	बु	३२	४८	पू	५४	११	गं	१०	३२	ब	४	५८	२४	४३	१७	१०	२१	११	सिंहे	
१३	गु	२६	५३	उ	४९	६	वृ	५२/५२	५१/६	तै	२६	५३	२८	४२	१८	११	२२	१२	कं.७।५५	प्रदोषः
१४	शु	१९	७	ह	४२	४५	व्या	४४	१२	व	१९	७	३२	४२	१८	१२	२३	१३	कन्यायां	भ.१९।७ उ. ४४/५० या. रेवत्यां बुधः ४०/५८=
१५	श	१०	३३	चि	३५	५८	ह	३४	०	ब	१०	३३	३६	४१	१९	१३	२४	१४	तु.९।२१	दृश्योऽश्वि.मेषेऽर्कः १४/२३ (सौरः १३/०) हनुमज्ज

५२पं. चै.शु.६बृ.इ.५८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	४	११	११	११	११
२१	१२	३	२	१	२२	२५	२१
५३	२९	३	४५	४७	१	३२	५५
३१	३४	१८	२९	३४	२	२३	१३
५९	४३	[illegible]	३२/३८	७४	७	३	५९
४	१७	[illegible]	ब	२	२६	११	४

गोचरग्रहाः

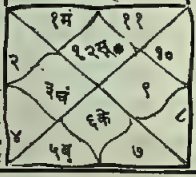

चैत्र शु.१५ शनौ मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

१पं.चै.शु.१५श.इ.१४।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	४	११	११	११	०
०	१८	१७	२	११	२२	२५	०
०	२९	४४	२९	५७	५३	६	१
०	३५	३१	१३	५०	५३	१८	२१
५८	४२	[illegible]	१३/१९	७४	७	३	५८
४४	५९	[illegible]	च	७	२०	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१	२७	स्वा	२८	४७	व	२३	४१	कौ	१	२७	३१/४०	५/४०	६/२०	१४	२५	१५	तुलायां	
२	र	५०	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	चं	४३	३३	वि	२१	४८	सि	१३	१९	ब	१७	५४	४३	३९	२१	१५	२६	१६	बृ.८।३३	भ. १७।५४ उ. ४३।३३ या.
४	मं	३५	१२	अ	१५	३२	व्य	५३/५२	५१/८	ब	९	२३	४७	३९	२१	१६	२७	१७	बृश्चिके	रेवती ३ शनिः ३६।३२ च. ब्र.
५	बु	२८	११	ज्ये	१०	१९	प	४७	१५	कौ	१	४२	५१	३८	२२	१७	२८	१८	ध.१०।१९	रेवत्यां शुक्रः ५।२७ ●भौमः ८।१२
६	गु	२२	४१	नू	६	२६	शि	४०	४७	व	२२	४१	५५	३७	२३	१८	२९	१९	धनुषि	भ. २२।४१ उ. ५०।४२ या.
७	शु	१८	४२	पू	३	४१	सि	३५	१४	ब	१८	४२	५८	३६	२४	१९	३०	२०	म.१८।३५	मेषे बुधः ४३/४३ मार्गी गुरुः ४१।५७ अस्तो●
८	श	१६	१०	उ	३	१७	सा	३१	३४	कौ	१६	१०	३२/३	३६	२४	२०	३१	२१	मकरे	
९	र	१५	१२	श्र	३	४५	शु	२८	३७	ग	१५	१२	६	३५	२५	२१	१	२२	कुं.३४।३७	भ. ४५।२५ उ. रा. वशाखारंभः
१०	चं	१५	३८	ध	५	२९	शु	२७	३	वि	१५	३८	१०	३४	२६	२२	२	२३	कुम्भे	भ. १५।३८ या. उदयं शनिः २९।४९
११	मं	१७	२४	श	९	१४	ब्र	२६	१७	बा	१७	२४	१४	३३	२७	२३	३	२४	मी५७।३७	वरूथिनी ११ ब्र.
१२	बु	२०	२८	पू	१३	४	ऐं	२६	४२	तै	२०	२८	१७	३३	२७	२४	४	२५	मीने	कृत्तिका. भौमः ३३।४३ प्रदोषः
१३	गु	२४	२२	उ	१९	१६	वै	२७	२०	व	२४	२२	२१	३२	२८	२५	५	२६	मीने	भ. २४/२२ उ. ५६/५२ या. भरण्यां बुधः ३९।१
१४	शु	२९	२३	रे	२५	४१	वि	२८	१२	श	२९	२३	२५	३१	२९	२६	६	२७	मे.२५।४१	दृश्यो भरण्यां रविः ५४।३९ (सौरः ५४/१८)
३०	श	३५	४	अ	३२	२९	प्री	२९	५८	च	२	१३	२९	३०	३०	२७	७	२८	मेषे	अश्वि. मेषे शुक्रः ५४।५१

२पं. वै.कृ.८श.इ.१४।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	४	११	११	११	०
६	२३	१	२	२०	२३	२४	६
५०	३३	७	२२	३४	४६	४४	५१
४२	२५	५५	४१	८	१२	२	३२
५८	४२	[illegible]	०/६	७४	७	३	५८
३१	५५	[illegible]	मा	१४	१४	११	२९

गोचरग्रहाः

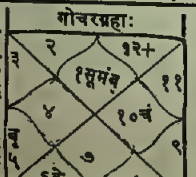

इस मासमें प्रजामें रोग बढ़े। धान्य जौ गेहूँ आदि मंदे सोना चांदी शेयर गुड़ खांड घृत तिल तेल तेज होगा।

गोचरग्रहाः

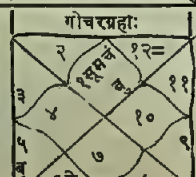

३पं.वै.कृ.३०श.इ.१४।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	४	११	११	११	०
१३	२८	१६	२	२९	२४	२४	१३
३९	३४	२५	२५	१०	३७	२१	४०
४३	२६	१९	१९	३४	४८	४७	५७
५८	२	[illegible]	१	७४	७	३	५८
१७	३५	[illegible]	३२	२०	२	११	१२

●बुशुशरा +शुशरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×बुशुशरा =शुशरा

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१३७ सन् १९६८
१	र	४०	५७	भ	३९	५३	आ	३२	२४	किं	८	०	३२/३२	५/३०	६/३०	२८	८	२९	वृ. ५६।४६	
२	चं	४७	४	कृ	४७	२४	सौ	३४	५२	बा	१४	०	३६	२९	३१	२९	९	३०	वृषे	वृषे भौमः ३५।३१ चन्द्रदर्शनम्
३	मं	५३	३५	रो	५५	१	शो	३७	२९	तै	२०	१९	४०	२८	३२	३०	१०	१	वृषे	अक्षया ३ परशुराम जयन्ती सफर२
४	बु	५९	३५	मृ	६०	०	अ	३९	४३	व	२६	३०	४३	२७	३३	१	११	२	मि२८।३८	भ. ३६/३५ उ. ५९/३५ या. कृत्तिबुधः ५७/४२ मई मा.५+
५	गु	६०	०	मृ	२	१५	सु	४१	३२	व	३२	४	४७	२७	३३	२	१२	३	मिथुने	
५	शु	४	३३	आ	८	४०	धृ	४२	४४	बा	४	३३	५१	२६	३४	३	१३	४	क.५७।४४	वृषे बुधः ३५।३४ +ता.३१
६	श	८	५४	पु	१४	५	शू	४२	४१	तै	८	५४	५४	२५	३५	४	१४	५	कर्के	
७	र	११	८	पु	१८	३	गं	४१	२१	व	११	८	५७	२५	३५	५	१५	६	कर्के	भ. ११।८ उ. ४१।५५ या.
८	चं	१२	४२	श्ले	२०	२३	वृ	३८	३२	व	१२	४२	३३/१	२४	३६	६	१६	७	सिं२०।२३	पश्चिमोदयी बुधः १२।४५
९	मं	१२	२	म	२०	४३	ध्रु	३४	१०	कौ	१२	२	४	२३	३७	७	१७	८	सिंहे	
१०	बु	९	७	पू	१९	१५	व्या	२८	७	ग	९	७	७	२३	३७	८	१८	९	कं.३३।२१	भ. ३६/४५ उ. रोहि.बुधः ३६/३६ भरण्यांशुक्रः ४७/४७
११	गु	४	२४	उ	१५	३८	ह	२०	२७	वि	४	२४	१०	२२	३८	९	१९	१०	कन्यायां	भ. ४।२४ या. मोहिनी ११ ब्र.
१२	गु	५३	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	शु	४९	३४	ह	१०	२१	व	११	३८	कौ	२३	३७	१३	२१	३९	१०	२०	११	तु.३७।३	दृश्यःकृत्तिका.रविः ४०/३४ (सौरः ४३/१५) प्रदोषः
१४	श	४०	२७	चि	३/४५	५३/१६	सि	१/४५	४८/३६	ग	१४	५५	१६	२१	३९	११	२१	१२	तुलायां	भ. ४०।१७ उ. नृसिंह जयन्ती
१५	र	३०	२५	वि	४८	१२	व	४०	१२	वि	५	२१	१९	२०	४०	१२	२२	१३	वृ.३५।९	भ. ५।२१ या. अन्नजल कुम्भदानम्

४पं. वै.शु. ६श.इ.१५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	४	०	११	११	०
२०	३	१	२	७	२५	२३	२०
२७	३२	२०	३६	४६	२८	५९	२६
२५	३४	५६	४३	५५	८	३१	३७
५८	४४	१२२	२	७४	६	३	५७
६	२५	५	४५	२६	५५	११	५७

गोचरग्रहाः

शकुन विचार

शुक्लपक्ष वैशाख की तिथि दशमी दिन देख। बादल हो पावस विसे जल नहीं पड़े विशेष ॥

गोचरग्रहाः

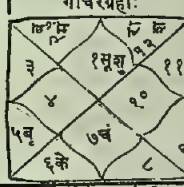

५पं. वै.शु. १४श.इ.१५।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	४	०	११	११	०
२७	८	१४	२	१६	१६	२३	२७
१३	२८	४४	५६	२३	१७	३७	११
३४	४४	९	४२	६	२	१६	५१
५७	४२	७/०	४	७४	६	३	५७
५४	२०	२३	२	२६	३७	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२०	१९	अ	४०	२४	प	२९	१६	कौ	२०	१९	३३/२२	५/२०	६/४०	१३	२३	१४	वृश्चिके	रोहिण्यां भौमः २४।४३
२	मं	१०	४३	ज्ये	३३	१३	शि	१८	५२	ग	१०	४१	२५	१९	४१	१४	२४	१५	ध.३३।१३	भ. ३६/३३ उ.दृश्योवृषेऽर्कः ७।४९ (सौरः १०/३) ●
३	बु	१	४१	मू	२७	२१	सि	९	२०	वि	१	४३	२८	१८	४२	१५	२५	१६	धनुषि	भ. १।४३या. च.ब्र. ●रेवती४ शनिः ४३/३८
४	बु	५२	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	गु	४८	२३	पू	२२	४८	सा	१/२	५३/३	कौ	२१	१५	३०	१८	४२	१६	२६	१७	म.३७।८	मृगे बुधः ४०/५८ रे.२ राहुः हस्ते.४ केतुः ४१/१७
६	शु	४४	२८	उ	२०	८	शु	४८	४२	ग	१६	२५	३३	१७	४३	१७	२७	१८	मकरे	भ. ४४/२८ उ. मघा.२गुरुः १७/४० शुक्रास्तःपूर्वं. २१/०
७	श	४२	२८	श्र	१९	१५	ब्र	४४	५०	वि	१३	२८	३६	१७	४३	१८	२८	१९	कुं.४९।५१	भ. १३।२८ या. शु.अ.पू.
८	र	४२	२४	ध	२०	२७	ऐं	४२	३३	बा	१२	२६	३९	१६	४४	१९	२९	२०	कुम्भे	कृत्तिका. शुक्रः ४०।५ ×ज्येष्ठारम्भः
९	चं	४३	५९	श	२३	२५	वै	४१	३३	तै	१३	११	४१	१६	४४	२०	३०	२१	कुम्भे	
१०	मं	४७	१४	पू	२७	४८	वि	४२	७	व	१५	३६	४३	१५	४५	२१	३१	२२	मी११।४२	भ.१५।३६ उ.४७/१४ या. मिथुने बुधः ३१।५३
११	बु	५१	३५	उ	३३	३५	प्री	४३	१	ब	१९	२४	४६	१५	४५	२२	१	२३	मीने	वृषे शुक्रः २०/५० अपरा११ब्र. स्मा. वै. रा.×
१२	गु	५६	५६	रे	४०	१३	आ	४४	५६	कौ	२४	१५	४८	१४	४६	२३	२	२४	मे.४०।१३	अपरा ११ ब्र. निम्बा.
१३	शु	६०	०	अ	४७	२७	सौ	४७	५	ग	२९	५६	५०	१४	४६	२४	३	२५	मेषे	दृश्योरोहिण्यांरविः ३१/२४ (दृश्यःसौरः ३६/१२)=
१३	श	२	५७	भ	५४	५५	शो	४९	३०	व	२	५७	५२	१४	४६	२५	४	२६	मेषे	भ.२।५७ उ.३६।० या. =प्रदोषः
१४	र	९	१	कृ	६०	०	अ	५२	३	श	९	१	५४	१३	४७	२६	५	२७	वृ.११।५०	
३०	चं	१५	६	कृ	२	३६	सु	५४	५३	ना	१५	६	५६	१३	४७	२७	६	२८	वृषे	वट पूजनम् सोमवती

६पं. ज्ये.कृ.७श.इ.१५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	४	०	११	११	१
३	१३	२५	३	२४	२७	२३	३
५८	२२	३०	२४	५९	३	१५	५५
२६	३०	०	५७	६	५४	०	२९
५७	४२	८२	५	७४	६	३	५७
४४	०	३०	८	२६	२३	११	३४

गोचरग्रहाः

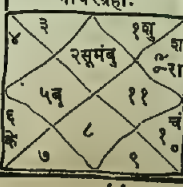

ज्येष्ठ कृ.२ भौमे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ५ प्रौढ़ावस्था (बठी) मु. १५ (धान्य भाव महर्घता) शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

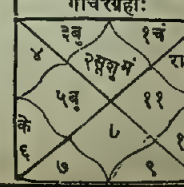

७पं.ज्ये.कृ.१३श.इ.१५।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	४	१	११	११	१
१०	८	३	४	३	२७	२२	१०
४२	१३	१८	०	३५	४८	५२	३७
२५	५८	५०	२५	२७	२९	४४	४०
५७	४५	४९	६	७४	६	३	५७
३५	५०	९	१६	३२	६	११	२३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	श्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५१६७ स.१९६८
१	मं २१ १७ रो ९ ५१ धृ ५६ २९ ब	२१	१७	३३	१२	४८	३८	७ २९ मि	४।३।२२ आर्द्रा. बुधः २६।३० चन्द्रदर्शनम्
२	बु २६ ४६ मृ १६ ५३ शु ५८ २ को	२६	४६	३४	१२	४८	३९	८ १ मिथुने	रविलावल ३
३	गु ३१ ३२ आ २३ ८ मं ५९ ० ग	३१	३२	२	१२	४८	३०	९ २ मिथुने	रोहि. शुक्रः २९।५३
४	शु ३५ ३४ पु २८ ४३ पृ ५९ १२ ब	३	३३	४	११	४९	३१	१० ३ क.	१२।१९ भ. ३।३३ उ. ३५।३४
५	श ३८ ३० पु ३३ ८ घृ ५८ ४७ ब	७	२	६	११	४९	१	११ ४ कर्के	मृगे भौमः४१।२० जून मा. ६ ता. ३०
६	र ४० ६ श्ले ३६ २४ आ ५६ ५८ को	९	१८	७	११	४९	२	१२ ५ सिं	३६।२४
७	चं ४० १६ म ३८ २७ ह ५४ ० ग	१०	११	९	१०	५०	३	१३ ६ सिंहे	भ. ४०।१६ उ. ●निर्जला ११ ब्र.
८	मं ३८ ४५ पू ३८ २१ ब ४९ ४४ वि	९	३१	१०	१०	५०	४	१४ ७ कं.	५३।१ भ. ९।३१ या. वक्री बुधः ४५।५२
९	बु ३५ ४२ उ ३६ ५९ स्वि ४४ ३ बा	७	१३	१२	१०	५०	५	१५ ८ कन्यायां	
१०	गु ३० ३५ ह ३३ ४५ श्र ३७ ६ वै	३	८	१३	९	५१	६	१६ ९ कन्यायां	भ. ५७।२५ उ. गंगादशमी
११	शु २४ १४ चि २९ १२ ब २८ ५८ वि	२४	१४	१४	९	५१	७	१७ १० तु.	१।२८ भ.३४या. दृश्यो मृगे रविः३६ सौरः ३५०
१२	श १६ २० स्वा २३ ४ प १९ ३४ बा	१६	२०	१६	९	५१	८	१८ ११ तुलायां	प्रदोषः
१३	र ७ ११ वि १५ ५२ शि २४ ४९ २० वै	७	११	१७	९	५१	९	१९ १२ वृ.	२।४० भ. ५७।२९ उ. पश्चिमास्तं बधः८।१३
१४	र ५० १८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०	
१५	चं ४७ २७ अ ८ २७ सा ४७ ५८ वि	२२	२९	१८	८	५२	१०	२० १३ वृश्चिके	भ.३२या. मृगे शुक्रः ३६ वटसा.ब्र. गुर्जरा.

८पं.ज्ये.शु.५श.इ.१५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	४	१	११	११	१
१७	२३	७	४	१२	२८	२२	१७
२५	२	३९	४७	११	३०	३०	१८
८	१७	१६	१२	२७	१६	२९	४१
५७	४१	१४	८	७४	५	३	५७
२७	४४	४९	१०	३२	४०	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मासमें५सोम वार श्रेष्ठ हैं। अनाज गल्ला रुई अफीम रस जौ गेहूँ चावल मूंग में तेजी मंदी हो

गोचरग्रहाः

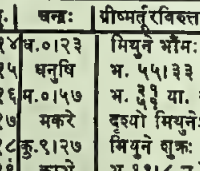

९पं.ज्ये.शु.१२श.इ.१५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	४	१	११	११	१
२४	२७	८	५	२०	२९	२२	२३
७	५०	१०	३४	४७	९	८	५८
१२	४९	२२	८	१३	५४	१३	४२
५७	४१	१४	८	७४	५	३	५७
२२	२४	ब	१३	३२	१४	११	५

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ३७ ५६ ज्ये ३३ ५३ शु ३७ २२ आ	१२	४२	३४	८	५३	११	२१ १४	ध. ०।२३ मिथुने भौमः २२।४७
२	बु २९ १६ पू ४७ ३ शु २७ ५० वै	३	३६	२०	८	५२	१२	२२ १५	धनुषि भ. ५५।३३ उ.
३	गु २१ ५१ उ ४२ ३८ ब्र १९ १४ वि	२१	५१	२१	८	५२	१३	२३ १६	म. ०।५७ भ. ३१ या. वक्री मृगे बुधः ३३ च. ब्र.
४	शु १६ ५ अ ३९ ५० ऐं १२ १२ आ	१६	५	२१	८	५२	१४	२४ १७	मकरे दृश्यो मिथुनेऽर्कः ३४ (सौरः ३५ ४७)
५	श १२ ४२ ध ३९ ५ वै ६ ३४ वै	१२	४२	२२	८	५२	१५	२५ १८	कु. ९।२७ मिथुने शुक्रः ४४।४७
६	र ११ ८ श ४० ३७ वि २ ४६ ब	११	८	२२	८	५२	१६	२६ १९	कुम्भे भ.११।८ उ.३१ या. मघा.३ गुरुः३३
७	चं ११ ४४ पू ४४ ३ प्री ० ३५ ब	११	४४	२३	७	५३	१७	२७ २०	मी २८।१२ +शुक्रः३५ आर्द्रा.भौमश्च३५ योगिनी११ ब्र
८	मं १४ २६ उ ४८ ५७ भा ० १७ को	१४	२६	२३	७	५३	१८	२८ २१	मीने अश्वि. १ मेषे शनिः १३।२४
९	बु १९ ३६ रे ५५ ८ सो ० ४७ ग	१९	३६	२३	७	५३	१९	२९ २२	मे. ५५।८ भ. ५१।४६ उ.
१०	गु २३ ५७ अ ६० ० शो २ १० वि	२३	५७	२४	७	५३	२०	३० २३	मेषे भ. २३।५७ या.
११	शु ३० ७ अ २ ३८ अ ४ ४५ बा	३०	७	२४	७	५३	२१	३१ २४	मेषे दृश्यःआर्द्रायां रविः३५ सौरः३५ आर्द्रा.+
१२	श ३६ १८ भ १० १५ मु ७ १० को	३	१२	२४	७	५३	२२	१ २५	वृ. २७।१६ रा. आषाढ़ारम्भः
१३	र ४२ २७ कृ १८ २१ धृ १० ४ ग	९	२३	२४	७	५३	२३	२ २६	वृषे भ. ४२।२७ उ. प्रदोषः
१४	चं ४८ १४ रो २५ ९ शृ १२ २० वि	१५	२०	२४	७	५३	२४	३ २७	मि ५८।३३ भ. १५।२० या.
३०	मं ५३ २१ मृ ३१ ५७ गं १४ १४ च	२०	१८	२३	७	५३	२५	४ २८	मिथुने

१०पं.आ.कृ.५श.इ.१५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	१	११	११	२
०	२	५	६	२९	२९	२१	०
४८	२६	३९	३०	२३	४५	४५	३७
२५	५४	४३	१४	४९	४७	५८	५१
५७	४१	२१	९	७४	४	३	५६
१७	२१	ब	५	२८	४८	११	५७

गोचरग्रहाः

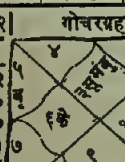

आषाढ़ कृ.४ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५गतालकाव-स्था(ऊभी) मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे.।

गोचरग्रहाः

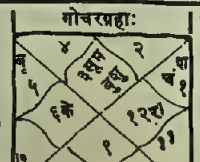

११पं.आ.कृ.१२श.इ.१५।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	२	०	११	२
७	७	१	७	८	०	२१	७
२९	१८	५७	३१	०	१७	२३	१६
२७	१४	५४	४३	२९	५२	४२	१८
५७	४१	२३	९	७४	४	३	५६
१३	६	ब	४८	२८	२०	११	५७

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५१९६ स.१९६८
१	बु	५७	२६	आ	३७	५१	वृ	१५	२४	किं	२५	२३	३४/२३	५/७	६/५३	२६	५	२९	मिथुने	
२	गु	६०	०	पु	४२	४५	ध्रु	१६	११	बा	२९	२	२३	७	५३	२७	६	३०	क.२६।३२	रथयात्रा चन्द्रदर्शनम्
२	शु	०	३८	पु	४६	५६	व्या	१६	२	कौ	०	३८	२२	८	५२	२८	७	१	कर्के	वक्रीवृषेबुधः ३/४ पूर्वोदयंबुधः २/१ रविलाखर४
३	श	२	४७	श्ले	४९	५९	ह	१५	०	ग	२	४७	२२	८	५२	२९	८	२	सिं४९।५९	भ. ३३।३३ उ.
४	र	४	१	म	५२	३६	व	१३	८	वि	४	१	२१	८	५२	३०	९	३	सिंहे	भ. ४।१ या. •मा.७ ता.३१
५	चं	३	५३	पू	५२	५३	सि	१०	४१	बा	३	५३	२०	८	५२	१	१०	४	सिंहे	मार्गी बुधः ३८/३८ पुन. शुक्रः५८।४६ मुलाई•
६	मं	२	४१	उ	५२	३६	व्य	७	१९	तै	२	४१	१९	८	५२	२	११	५	कं.७।४९	
७	बु	०	२७	ह	५१	११	व	४२/४२	५४/४३	व	०	२७	१८	८	५२	३	१२	६	कन्यायां	भ.०।२७ उ.२८/४० या. मिथुने बुधः२२।५७
८	बु	५६	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	गु	५२	७	चि	४८	१७	शि	५०	४५	बा	२४	३०	१७	९	५१	४	१३	७	तु.१९।४४	
१०	शु	४६	७	स्वा	४४	२३	सि	४३	१४	तै	१९	७	१५	९	५१	५	१४	८	तुलायां	दृश्यःपुनर्वसौ रविः२२।४६ (सौरः ४१/२२)
११	श	३९	७	वि	३९	१५	सा	३५	२	व	१२	३७	१४	९	५१	६	१५	९	वृ.२५।३२	भ.१३/३ उ.३९/७ या. देवशयनी११व्र.स्मा.वै.
१२	र	३१	७	अ	३३	२९	शु	२५	५८	ब	५	७	१३	९	५१	७	१६	१०	वृश्चिके	मघा.४गुरुः १३/२७ देवशयनी११व्र.नि. प्रदोषः
१३	चं	२२	३०	ज्ये	२६	५९	शु	१६	११	तै	२२	३०	११	१०	५०	८	१७	११	ध.२६।५९	
१४	मं	१३	४४	मू	२०	१३	ब्र	२६/२६	५०/३१	व	१३	४४	१०	१०	५०	९	१८	१२	धनुषि	भ.१३।४४ उ.३९।२४ या. वायुपरीक्षा
१५	बु	५	४	पू	१३	५८	वै	४७	५३	ब	५	४	८	१०	५०	१०	१९	१३	म.२७।३७	कर्के शुक्रः १०।१ व्यास पूजा

१२पं.आ.शु.३श.इ.१५।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	४	२	०	११	२
१४	१२	२९	८	१६	०	२१	१३
९	०	४४	३८	३७	४६	१	५४
५०	११	३१	२	१	१२	२६	२३
५७	४०	१२/२८	१०	७४	३	३	५६
७	५६	ब	३१	३८	४२	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मास में वायु का जोर रहे, सुदीमें कहीं २ वर्षा अच्छी होगी घृत गुड़ खांड तेज धान्य का भाव सम रहे।

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.शु.११श.इ.१५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	२	०	११	२
२०	१६	१	९	२५	१	२०	२०
५०	३९	७	४९	१३	१०	३९	३२
१०	५०	१५	१५	५५	२२	११	१७
५७	४०	२३/२३	११	७४	३	३	५६
७	४६	मा	८	३२	३	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५१	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५०	७	उ	८	३४	वि	३९	५४	तै	२३	१६	३४/७	५/११	५/४९	११	२०	१४	मकरे	पुनर्वसौ भौमः १९।२५
३	शु	४६	३	श्र	४	३३	प्री	३२	५७	व	१८	५	५	११	४९	१२	२१	१५	कुं.३३।१९	भ.१८।५ उ.४६।३या. पुष्ये शुक्रः५१।२
४	श	४३	३५	ध	२	६	आ	२७	४२	ब	१४	४९	४	११	४९	१३	२२	१६	कुंभे	आर्द्रा. बुधः ११।१ च. व्र.
५	र	४२	५८	श	२	०	सौ	२४	३२	कौ	१३	१६	२	१२	४८	१४	२३	१७	मी४९।०	नाग ५ मरुस्थले
६	चं	४४	३३	पू	४	४०	शो	२२	१६	ग	१३	४५	०	१२	४८	१५	२४	१८	मीने	भ.४४।३३उ. दृश्यः कर्केऽर्कः ५२।१०
७	मं	४८	२	उ	७	३८	अ	२२	५	वि	१७	१८	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१९	मीने	भ. १६।१८ या. कर्केऽर्कः सौरः १४।६
८	बु	५३	०	रे	१३	६	सु	२२	४५	बा	२०	३१	५६	१३	४७	१७	२६	२०	मे.१३।६	
९	गु	५९	०	अ	२०	१	धृ	२४	३५	तै	२६	०	५४	१३	४७	१८	२७	२१	मेषे	रेव. १ राहुः हस्ते ३ केतुः ३४।४२
१०	शु	६०	०	भ	२७	१५	शू	२६	५५	व	३२	१	५२	१४	४६	१९	२८	२२	वृ.४४।८	भ.३२/१ उ. दृश्यःपुष्ये रविः २१/२७ (सौरः ४४/४७)
१०	श	५	३	कृ	३४	४९	ग	२९	२८	वि	५	३	५०	१४	४६	२०	२९	२३	वृषे	भ. ५।३ या. ×श्रावणारंभः
११	र	११	४४	रो	४२	११	वृ	३१	५५	बा	११	४४	४७	१५	४५	२१	३०	२४	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	चं	१६	५८	मृ	४९	५	ध्रु	३३	४८	तै	१६	५८	४५	१५	४५	२२	३१	२५	मि१५।३८	पुन. बुधः ३८।२० प्रदोषः
१३	मं	२१	४६	आ	५४	४८	व्या	३५	२०	व	२१	४६	४२	१६	४४	२३	१	२६	मिथने	भ.२१/४६ उ.५३/२८ या. आश्लेषा.शुक्रः ३९/९ रा.×
१४	बु	२५	११	पु	५९	२८	ह	३५	२५	श	२५	११	४०	१६	४४	२४	२	२७	क.४३।१८	
३०	गु	२७	४३	पु	६०	०	व	३४	५३	ना	२७	४३	३७	१७	४३	२५	३	२८	कर्के	पूफा. १ गुरुः १८।५३ हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.४श.इ.१५।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	३	०	११	२
२७	२१	६	११	३	१	२०	२७
३०	१८	४४	४	५०	३०	१६	१०
३२	२५	४२	२६	१३	७	५५	२४
५७	४०	६४	११	७४	२	३	५६
११	३५	५९	४४	३२	२५	११	५५

गोचरग्रहाः

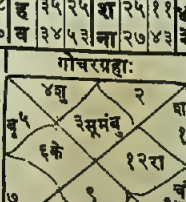

श्रावण कृ.६ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

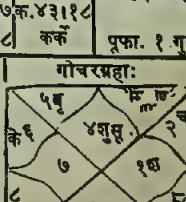

१५पं.श्रा.कृ.१०श.इ.१५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	४	३	०	११	३
४	२५	१६	१२	१२	१	१९	३
११	५३	३	२२	२७	४४	५४	४८
५७	५६	५४	५१	०	५६	४०	५१
५७	४०	९८	१२	७४	१	३	५६
१५	१९	५९	१५	२६	४६	११	५७

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२२६सन्१९६८
१	शु	२८	४८	पु	२	४९	सि	३३	२०	ब	२८	४८	३३/३५	५/१७	६/४३	२६	४	२९	कर्के	कर्के भौमः ३३/५४ शुक्रोदयः पश्चिमायां २५/४८
२	श	२८	४१	श्ले	५	१	व्य	३०	५४	कौ	२८	४१	३२	१८	४२	२७	५	१	सिं ५।१	सिंघारा जमादिलावल ५ शु.उ.प.
३	र	२७	४३	म	६	१	व	२७	३६	ग	२७	४३	२९	१८	४२	२८	६	२	सिंहे	भ. ५६।४० उ. कर्के बुधः२।४४ तीज
४	चं	२५	३८	पू	६	१७	प	२३	२६	वि	२५	३८	२६	१९	४१	२९	७	३	कं.२१।८	भ.२५।३८या. पुष्ये बुधः४७।३४ वरद४
५	मं	२२	५२	उ	५	४१	शि	१८	५६	बा	२२	५२	२४	१९	४१	३०	८	४	कन्यायां	नागपंचमी
६	बु	१९	१४	ह	४	१९	सि	१३	४१	तै	१९	१४	२१	२०	४०	३१	९	५	तु.३३।१९	पुष्ये भौमः ४२।५९
७	गु	१५	२	चि	२/१८	५७/१९	सा	७	४७	ब	१५	२	१८	२०	४०	१	१०	६	तुलायां	भ.१५।२ उ.४२/३८या. अगस्त मा.८ता.३१
८	शु	१०	१४	वि	५६	११	शु	१/२५	५३/१	व	१०	१४	१५	२१	३९	२	११	७	वृ.४२।३	दृश्यः आश्लेषा. रविः१८।२८(सौरः४५/३६)
९	श	४	५३	अ	५१	५८	ब्र	४६	५७	कौ	४	५३	१२	२२	३८	३	१२	८	वृश्चिके	मघा. सिंहे शुक्रः ३०।२८
१०	श	५३	१२	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●पूर्वास्तो बुधः३६/३१ चंद्रद. संभवः
११	र	५२	१०	ज्ये	४७	४३	ऐं	३९	१२	व	२५	७	९	२२	३८	४	१३	९	ध.४७।४३	भ.२५।७ उ.५२/१० या. पवित्रा११व्र.स्मा.
१२	चं	४५	११	मू	४२	५५	वै	३०	५४	ब	१८	४१	६	२३	३७	५	१४	१०	धनुषि	आश्लेषा. बुधः६।३३ पवित्रा११व्र.वै.
१३	मं	३८	१६	पू	३७	५६	वि	२३	४०	कौ	११	४३	३	२३	३७	६	१५	११	म.५१।४८	वक्री शनिः ४४।५६ प्रदोषः
१४	बु	३१	३०	उ	३३	२३	प्री	१४	३७	ग	४	५३	०	२४	३६	७	१६	१२	मकरे	भ. ३१।३० उ. ५८।४१ या.
१५	गु	२५	५२	श्र	२९	४७	आ	६	५१	ब	२५	५२	३३/५६	२५	३५	८	१७	१३	कु.५८।२४	श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्

१६पं.श्रा.शु.२श.इ.१५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	४	३	०	११	३
१०	०	२८	१३	२१	१	१९	१०
५२	२७	२९	४४	३	५५	३२	२८
१९	४०	२	२०	४३	१२	२४	८
५७	४०	११/१९	१२	७४	१	३	५७
२०	१९	२९	३४	२६	८	११	५

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ गुरुवार शुभ हैं। वर्षा कहीं कम कहीं अधिक हो। गल्ला में मंदी हो

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.शु.९ श.इ.१४।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	४	३	०	११	३
१७	५	१२	१५	२९	२	१९	१७
३४	१	५१	८	४०	०	१०	७
१	८	०	२०	४४	५४	८	५६
५७	३९	१२३/६	१२	७४	०	३	५७
२५	५६	६	५९	२६	२	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२१	२०	ध	२७	१	सौ	०/१०	५४/८	कौ	२१	२०	३३/५३	५/२५	६/३५	९	१८	१४	कुम्भे	
२	श	१८	२३	श	२५	५३	अ	४९	४	ग	१८	२३	५०	२६	३४	१०	१९	१५	कुम्भे	भ.४७।३७ उ. पूफा. २ गुरुः ३६।११
३	र	१६	५२	पू	२६	२४	सु	४६	४८	वि	१६	५२	४७	२७	३३	११	२०	१६	मी११।३६	भ.१६/५२ या. मघा. सिंहे बुधः३६।३ च.व्र.
४	चं	१७	५२	उ	२९	६	धृ	४५	३७	बा	१७	५२	४३	२७	३३	१२	२१	१७	मीने	
५	मं	२०	३०	रे	३३	३२	शू	४५	२०	तै	२०	३०	४०	२८	३२	१३	२२	१८	मे.३३।३२	चन्द्रषष्ठी
६	बु	२४	५९	अ	३९	३६	गं	४६	२२	व	२४	५९	३६	२९	३१	१४	२३	१९	मेषे	भ.२४।५९उ.५७/४०या. पूफायांशुक्रः२१।९
७	गु	३०	२१	भ	४६	२५	वृ	४८	१८	ब	३०	२१	३३	२९	३१	१५	२४	२०	मेषे	जन्माष्टमी व्र. स्मा. ●जन्माष्टमी व्र.वै.
८	शु	३६	३६	कृ	५३	५३	ध्रु	५०	४४	बा	३	२८	२९	३०	३०	१६	२५	२१	वृ.३।१७	दृश्यो मघा.सिंहेऽर्कः१२।२३सौरः४२।१●
९	श	४२	३८	रो	६०	०	व्या	५३	४	तै	९	३७	२६	३१	२९	१७	२६	२२	वृषे	गोगा ९ उदयो भौमः २१।१६
१०	र	४८	२७	रो	१	२६	ह	५५	९	व	१५	३३	२२	३२	२८	१८	२७	२३	मि३४।५९	भ.१५।३३ उ.४८/२७या. पूफायांबुधः३५।५९
११	चं	५३	२०	मृ	८	३३	व	५६	५१	ब	२०	५३	१९	३२	२८	१९	२८	२४	मिथुने	अजा ११ व्र. स्मा.वै.
१२	मं	५६	५२	आ	१४	३३	सि	५७	१६	कौ	२५	६	१५	३३	२७	२०	२९	२५	मिथुने	अजा ११ व्र. निम्बा. वत्सद्वादशी
१३	बु	५९	५	पु	१९	२५	व्य	५७	१६	ग	२७	५८	११	३४	२६	२१	३०	२६	क.३।१२	भ.५९।५उ. आश्लेषा. भौमः२६/३८ प्रदोषः×
१४	गु	५९	१९	पु	२२	२९	व	५४	३८	वि	२९	१२	८	३४	२६	२२	३१	२७	कर्के	भ. २९/१२ या. ×पश्चिमोदयो बुधः२९/२७
३०	शु	५८	१३	श्ले	२३	०	प	५१	३०	च	२८	४६	४	३५	२५	२३	१	२८	सिं२३।०	कुशाग्रहणी पिठोरी३० रा.भाद्रपदारंभः

१८पं.भा.कृ.२श.इ.१४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	४	४	०	११	३
२४	९	२७	१६	८	२	१८	२३
१६	३२	१७	३५	१७	१	४७	४९
२६	२८	२	१६	४५	५	५३	३
५७	३९	१२०/१९	१३	७४	०/२२	३	५७
३३	५२	१२०/१९	१६	२०	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

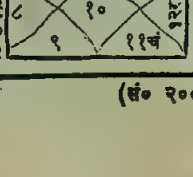

भाद्र. कृ. ८ शुक्रे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न.५गताल्कावस्था (उभी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

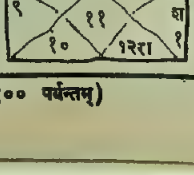

१९पं.भा.कृ.९ श.इ.१४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	४	४	०	११	४
०	१४	१०	१८	१६	१	१८	०
५९	१	४५	३	५४	५६	२५	३१
४९	४८	५४	०	३९	२४	३७	१६
५७	३९	११/४०	१३	७४	१/४	३	५७
४०	४३	११/४०	२२	१४	ब	११	३४

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२५५ स.१९६८
१	श	५५	४४	म	२४	१९	शि	४७	२८	किं	२६	५८	३२/०	५/३६	६/२४	२४	२	२९	सिंहे	
२	र	५३	४३	पू	२३	२६	सि	४२	१४	बा	२४	४४	३१/५६	३७	२३	२५	३	३०	कं.३७।५७	उफायां शुक्रः ९।५० चन्द्रदर्शनं
३	चं	४८	४	उ	२१	३२	सा	३६	३५	तै	२०	५३	५२	३८	२२	२६	४	१	कन्यायां	उफायां बुधः १४/५४ पूफा.३गुरुःअस्तंगुरोः ४०/१२+
४	मं	४३	१३	ह	१८	५१	शु	२९	५९	व	१५	३८	४८	३८	२२	२७	५	२	तु.४७।२०	भ.१५/३८ उ.४३/१३ या. कन्या. शुक्रः ५३/३२ ग.च.
५	बु	३८	१७	चि	१५	४९	शु	२३	२६	व	१०	४५	४४	३९	२१	२८	६	३	तुलायां	कन्या. बुधः २३।३३ ऋषि पंचमी
६	गु	३२	५९	खा	१२	४४	ब्र	१६	५०	तै	५	३८	४०	४०	२०	२९	७	४	वृ.५५।१८	●[सौरः ३२/५३] +जमादिलाखर६ अ.गु.
७	शु	२७	५०	वि	९	२९	वै	९	५३	व	२७	५०	३६	४१	१९	३०	८	५	वृश्चिके	भ २७/५० उ.५५/१५ या. दृश्यःपूफायां रविः२।०●
८	श	२२	४१	अ	५	५७	वै	२/४८	५३/५	व	२२	४१	३२	४२	१८	३१	९	६	वृश्चिके	
९	र	१७	२५	ज्ये	४१/२	५६/३२	प्री	४८	४६	कौ	१७	२५	२८	४२	१८	१	१०	७	ध.२।४१	सितम्बर मा. ९ ता. ३०
१०	चं	११	१८	पू	५६	१२	आ	४१	५१	ग	११	१८	२५	४३	१७	२	११	८	धनुषि	भ. ३९।१० उ. ×१६ व्र. वामन ज.
११	मं	७	१	उ	५३	८	सौ	३५	५	वि	७	१	२१	४४	१६	३	१२	९	म.१०।२६	भ. ७।१ या. हस्ते बुधः ४७/५३ जलझूलनी×
१२	बु	२	१२	श्र	५०	४०	शो	२८	५३	बा	२	१२	१७	४५	१५	४	१३	१०	मकरे	प्रदोषः
१३	बु	५५	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	गु	५४	४७	ध	४८	५८	अ	२३	०	ग	२६	२८	१३	४५	१५	५	१४	११	कु.१९।४०	भ.५४।४७ उ. हस्ते शुक्रः १।४ अनंत१४
१५	शु	५२	३५	श	४८	१९	सु	१७	४४	वि	२३	४१	९	४६	१४	६	१५	१२	कुम्भे	भ. २३।४१ या. महालयारंभः

२०पं.भा.शु.१श.इ.१४।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	४	४	०	११	४
७	१८	२३	१९	२५	०	१८	७
४४	२०	९	३१	३१	४६	३	१४
१७	५०	२८	५५	१९	८	२२	४९
५७	३९	०/०	१३	७४	१/४६	३	५७
४८	३१	५७/५३	३२	८	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

६के ४मं ५सूबु ३ ७ ८ २ १ ११ श ९ १० १२रा

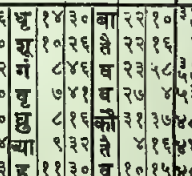

इस मासका फल श्रेष्ठ है। वर्षा उत्तम होगी गुरु का अस्त चांदी सोना रुई सूत में तेजी मंदी।

गोचरग्रहाः

६● ४मं ७ ५सूबु ३ ८चं २ ९ ११ १ श १० १२रा

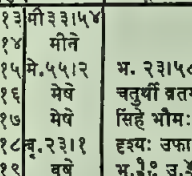

२१पं.भा.शु.८ श.इ.१४।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	५	०	११	४
१४	२२	४	२१	४	१	१७	१४
२९	५८	३०	२	७	३०	४१	०
५६	३०	२५	९	३७	५७	६	१
५७	३९	२५	१३	७४	१/२	३	५७
१	२२	०	३५	२	ब	११	५७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	५१	४६	पू	४९	६	धृ	१४	३०	बा	२२	१०	३१/५	५/४७	६/१३	७	१६	१३	मी३३।५४	
२	र	५२	४५	उ	५१	२०	शू	१०	२६	तै	२२	१६	१	४८	१२	८	१७	१४	मीने	
३	चं	५५	१०	रे	५५	२	गं	८	४६	व	२३	५८	३०/५७	४९	११	९	१८	१५	मे.५५।२	भ. २३।५८ उ. ५५।१० या.
४	मं	५८	५९	अ	६०	०	वृ	७	४१	व	२७	४	५३	४९	११	१०	१९	१६	मेषे	चतुर्थी व्रतम्
५	बु	६०	०	अ	०	१०	ध्रु	८	१६	कौ	३१	३७	४८	५०	१०	११	२०	१७	मेषे	सिंहे भौमः २५।३१ पूफा.४ गुरुः१।२१
५	गु	४	१६	भ	६	४	व्या	९	३२	तै	४	१६	४४	५१	९	१२	२१	१८	वृ.२३।१	दृश्यः उफायां रविः ४६।२०
६	शु	१०	१५	कृ	१३	५३	ह	११	३०	व	१०	१५	४०	५२	८	१३	२२	१९	वृषे	भ.१०/१५ उ.४३/२१ या. उफायां रविः सौरः १७/३१●
७	श	१६	२७	रो	२१	२५	व	१३	५८	व	१६	२७	३६	५३	७	१४	२३	२०	मि५५।७	
८	र	२२	३६	मृ	२८	५०	सि	१६	१६	कौ	२२	३६	३२	५४	६	१५	२४	२१	मिथुने	चित्रायां शुक्रः ५१/२० ●चित्रा. बुधः ४६/५
९	चं	२८	१	आ	३५	३६	व्य	१८	१२	ग	२८	१	२८	५४	६	१६	२५	२२	मिथुने	भ.५३/५२ उ. दृश्यः कन्यायामर्कः ११/४१ सौरः=
१०	मं	३१	४३	पु	४०	२१	व	१९	१८	वि	३१	४३	२४	५५	५	१७	२६	२३	क.२४।१०	भ. ३१।४३ या. =४२।४३ मातृ ९
११	बु	३४	१४	पु	४४	४७	प	१९	१३	व	२	५८	२०	५६	४	१८	२७	२४	कर्के	इन्दिरा ११ व्र.
१२	गु	३४	३९	श्ले	४६	४९	शि	१७	४२	कौ	४	२६	१६	५७	३	१९	२८	२५	सिं४६।४९	तुलायांबुधः ११/५२ उभा.४राहुःहस्ते२केतुः २६/४५
१३	शु	३३	२२	म	४६	५७	सि	१४	५४	ग	४	०	१२	५८	२	२०	२९	२६	सिंहे	भ. ३३।२२ उ. प्रदोषः
१४	श	३०	१३	पू	४५	३३	सा	१०	२३	वि	१	४७	८	५८	२	२१	३०	२७	कं.५९।५०	भ ४१/४७ या.तुलायांशुक्रः १६/५४ उदयंगुरोः ३६/१××
१५	र	२५	३२	उ	४२	४०	शु	४७/४	५३/१२	ना	२५	३२	४	५९	१	२२	३१	२८	कन्यायां	सूर्यग्रहणम् ×शस्त्रादिहतानां श्रा. उ.गु.

२२पं.आ.कृ.१श.इ.१४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	५	०	११	४
२१	२७	१४	२२	१२	१	१७	२०
१६	२५	४७	३३	४४	११	१८	४६
५५	१	९	७	२	५६	५०	४१
५८	३९	८३	१३	७३	३/५८	३	५८
१३	१८	३१	३८	५६	ब	११	१२

६× ४ ७ ५सूबु ३ ८ २ ९ ११चं १ श १० १२रा

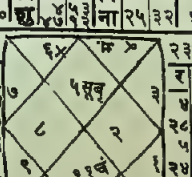

२३पं.आ.कृ.७श.इ.१४।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	४	५	०	११	४
२८	१	२३	२४	२१	०	१६	२७
५	४९	५२	३	२०	४८	५६	३५
२४	३०	२६	४७	१६	४७	३५	४
५८	३९	६९	१३	७३	३/५	३	५८
२६	१	१५	३९	५०	ब	११	२८

६+ ४ ७ ५सूमंबु ३ ८ २चं ९ ११ १श १० १२रा

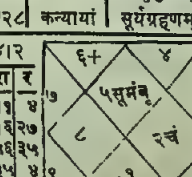

२४पं.आ.कृ.१४श.इ.१३।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	४	५	०	११	५
४	६	१	२५	२९	०	१६	४
५५	१४	२४	३४	५६	२२	३४	२५
१९	३५	३९	४०	१७	१९	१९	११
५८	३८	४१	१३	७३	३/५६	३	५८
३८	४४	३८	३२	४०	ब	११	४५

×बुशुके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ●बुशुके +बुशुके

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२८५ स.१९६८
१	चं	१९	५०	ह	३८	४०	ब्र	५०	२३	ब	१९	५०	३० ००	६ ०	६ ०	२३	१	२९	कन्यायां	मातामहश्रा. नवरात्रारं. रा.आश्विनारंभः
२	मं	१३	२०	चि	३४	९	ऐं	४२	११	कौ	१३	२०	२९ ५५	१	५ ५९	२४	२	३०	तु.६।२४	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	६	३९	स्वा	२९	१२	वै	३३	५९	ग	६	३९	५१	२	५८	२५	३	१	तुलायां	भ. ३३।१४ उ. ५९।४८ या. रज्जव ७
४	बु	५३	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	गु	५३	२८	वि	२४	२८	वि	२५	३५	ब	२६	३८	४७	३	५७	२६	४	२	वृ.१०।३९	दृश्यो हस्ते रविः २४/४७ (सौरः ५५/१२) स्वात्यां×
६	शु	४७	२९	अ	२०	७	प्री	१७	५०	कौ	२०	२८	४३	३	५७	२७	५	३	वृश्चिके	×शुक्रः ४२/१८ उफा.१गुरुः २४/४ वक्रीरे.४मीने=
७	श	४२	७	ज्ये	१६	१०	आ	१०	४	ग	१४	४८	३८	४	५६	२८	६	४	ध.१६।१०	भ. ४२/७ उ.स्वात्यांबुधः ३२/१२ सरस्वत्यावा.मूभे.
८	र	३७	२४	मू	१२	५०	सौ	५४ ३	५३ १५	वि	९	४५	३४	५	५५	२९	७	५	धनुषि	भ.९।४५ या. भद्रकाली ज. =शनिः २२/४६
९	चं	३३	१०	पू	९	१६	अ	४९	५९	बा	५	१७	३०	६	५४	३०	८	६	म.२३।५९	सरस्वतीपू. बलिदानं ●पापांकुशा११व्र.
१०	मं	२९	५५	उ	८	१०	सु	४४	२९	तै	१	३२	२६	७	५३	१	९	७	मकरे	भ. ५८/३६ उ. विजया१० सरस्वती विसर्जनं+
११	बु	२७	७	श्र	६	५०	धृ	३९	३६	वि	२७	१७	२२	८	५२	२	१०	८	कुं.३६।३५	भ. २७/१७ या.वक्रीबुधः०।७ पूफायांभौमः ४१/१०
१२	गु	२५	३४	ध	६	२१	शू	३५	३०	बा	२५	३४	१८	८	५२	३	११	९	कुम्भे	प्रदोषः
१३	शु	२४	५०	श	६	४९	गं	३२	१	तै	२४	५२	१४	९	५१	४	१२	१०	मी५३।६	
१४	श	२५	११	पू	८	३२	वृ	२९	२६	व	२५	११	१०	१०	५०	५	१३	११	मीने	भ. २५/११ उ.५६।० या. शरदपूर्णिमा स्मा.
१५	र	२६	४८	उ	११	६	ध्रु	२७	५८	ब	२६	४८	६	११	४९	६	१४	१२	मीने	खग्रास चन्द्रग्रहणम् +अष्टवरमा.१०ता३१

२५पं.आ.शु.७श.इ.१३।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	४	६	११	११	५
११	१०	६	२७	८	२९	१६	११
४६	३८	३२	४	३१	५२	१२	१७
५५	१७	३८	३७	५५	१२	४	१५
५८	३८	२३	१३	७३	१३/४	३	५९
५३	४१	५२	२८	२६	ब	११	०

गोचरग्रहाः

७शुबु ५मबृ चं८ ६सूके ४ ९ ३ १० १२श रा २ ११ १

आश्विनकृ.९चंद्रे कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

७ बु ५ मं ८ ६सूके ४ ९ ३ १० १२श रा २ ११ १

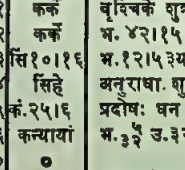

२६पं.आ.शु.१४श.इ.१३।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	४	६	११	११	५
१८	१४	७	२८	१७	२९	१५	१८
४०	५८	५२	३३	६	२०	४९	११
८	५	१९	१०	१८	४६	४	२
५९	३८	२३/२०	१३	७३	३४/३२	३	५९
९	३७	ब	२०	१८	ब	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तु रविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं	२३	५०	रे	१४	५९	व्या	२७	४२	कौ	२९	५१	२९ २	६ १२	५ ४८	७	१५	१३	मे.१४।५९	विशाखा. शुक्रः ३५।४६
२	मं	३३	५३	अ	२०	१	ह	२७	१६	तै	२	२२	२८ ५८	१२	४८	८	१६	१४	मेषे	
३	बु	३९	१५	भ	२६	२०	व	२८	३५	व	६	३४	५४	१३	४७	९	१७	१५	वृ.४३।२	भ. ६/३४ उ. ३९/१५ या. दृश्यश्चित्रा. रविः ५६/४८×
४	गु	४५	५	कृ	३३	८	सि	३०	१७	ब	१२	१०	५०	१४	४६	१०	१८	१६	वृषे	चित्रायां रविः सौरः २५।४८ च. व्र.
५	शु	५१	१७	रो	४०	४१	व्य	३२	३३	कौ	१८	११	४६	१५	४५	११	१९	१७	वृषे	×वक्रीचित्रा.बुधः ३७/३२ पश्चिमास्तोबुधः ४८/३८
६	श	५७	४५	मृ	४८	२३	व	३५	१	ग	२४	३१	४२	१६	४४	१२	२०	१८	मि१४।३२	भ.५७।४५ उ. उफा.२ कन्या.गुरुः१२।२
७	र	६०	०	आ	५५	३८	प	३७	१७	वि	३०	४०	३८	१६	४४	१३	२१	१९	मिथुने	भ. ३०।४० या.
७	चं	३	३६	पु	६०	०	शि	३८	५७	बा	३	३६	३४	१७	४३	१४	२२	२०	क.४५।२३	वक्री कन्या. बुधः ३०।४
८	मं	८	१५	पु	१	५८	सि	३९	३९	कौ	८	१५	३०	१८	४२	१५	२३	२१	कर्के	वृश्चिके शुक्रः ४५।२५
९	बु	११	३७	पु	७	०	सा	३९	८	ग	११	३७	२६	१९	४१	१६	२४	२२	कर्के	भ. ४२।१५ उ. दृश्यस्तुलार्कः ४०।३४
१०	गु	१२	५३	श्ले	१०	१६	शु	३७	१७	वि	१२	५३	२२	२०	४०	१७	२५	२३	सिं१०।१६	भ.१२।५३या. तुलायामर्कः सौरः८।३१
११	शु	१२	२२	म	११	३४	शु	३३	४४	बा	१२	२२	१४	२०	४०	१८	२६	२४	सिंहे	अनुराधा. शुक्रः२७।११ रमा ११ व्रतम्
१२	श	९	४१	पू	१०	४५	ब्र	२८	४०	तै	९	४१	१८	२१	३९	१९	२७	२५	कं.२५।६	प्रदोषः धन १३ =रूप १४
१३	र	५	३२	उ	८	११	ऐं	२१	५७	व	५	३२	१०	२२	३८	२०	२८	२६	कन्यायां	भ. ५/३२ उ.३२।३ या. वक्री हस्ते बुधः ४७/५=
१४	र	५३	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	चं	५१	७	ह	५३ ३	५४ २७	वै	१४	३	च	२४	५१	६	२३	३७	२१	२९	२७	तु.३१।७	महालक्ष्मी पूजा पूर्वोदयं बुधः ४९।५९=

२७पं.का.कृ.६श.इ.१३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	५	६	११	११	५
२५	१९	३	०	२५	२८	१५	२५
३५	१९	०	०	४१	४७	२७	६
६	५५	३६	१८	४५	३१	३२	४४
५९	३८	७९/१७	१३	७३	४०/४	३	५९
२१	२९	ब	८	५	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

बु ५मं ८ ६सूकेबृ ४ ९ ३ १० १२श रा २ चं ११ १

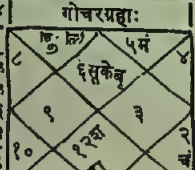

कार्तिक कृ.९ बुधे तुलायामर्कः प्र.वा. ३न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५ (धान्यभाव मह.) शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

८शु ६● ९ ७सू ५ चं मं १० ४ ११ १ ३ २

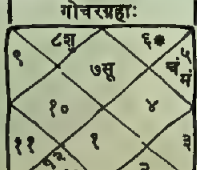

२८पं.का.कृ.१२श.इ.१३।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	५	७	११	११	६
२	२३	२५	१	४	२८	१५	२
३१	३८	८	२५	१५	१३	५	४
३४	४६	३८	२६	५४	४४	१७	१४
५९	३८	६९/२७	१२	७२	४४/४४	३	५९
३४	१२	ब	४३	५०	ब	११	४६

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३१४ मनु १९६८
१	मं	४२	५६	स्वा	५२	७	वि	५/१	५०/२०	किं	१७	१	२६/२	६/२४	५/३६	२२	३०	२८	तुलायां	अन्नकूट गोवर्द्धनं पूजा
२	बु	३४	२६	वि	४५	३२	आ	४५	३१	बा	८	४१	२७/५८	२४	३६	२३	१	२९	बृ.३२।११	इ.स्वात्यां रविः ३३/३६ (सौरः ४९/२९) चन्द्रद.
३	गु	२६	२	अ	३९	११	सौ	३५	२८	ग	२६	२	५४	२५	३५	२४	२	१	बृश्चिके	भ.५३/२० उ.मार्गीबुधः २८/४९ उफायां भौमः १२/० ×
४	शु	१८	३९	ज्ये	३३	१५	शो	२७	१५	वि	१८	३९	५०	२६	३४	२५	३	२	ध.३३।१५	भ. १८।३९ या. ×सावान ८
५	श	११	५३	मू	२८	२७	अ	१७	३८	बा	११	५३	४६	२७	३३	२६	४	३	धनुषि	
६	र	६	१९	पू	२४	३४	सु	९	४५	तै	६	१९	४२	२८	३२	२७	५	४	म.३८।५४	*तुलसीविवाह
७	चं	१	३२	उ	२१	५४	धृ	५३/३	५४/०	ध	१	३२	३८	२८	३२	२८	६	५	मकरे	भ.३/३२ उ.२९/५३ या. चित्रा.बुधः ४९/४५ उफा.३=
८	चं	५६	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	=गुरुः ४८/२२ गोपाष्टमी +अक्षय ९
९	मं	५६	८	श्र	२०	३९	गं	५२	३	बा	२७	१०	३५	२९	३१	२९	७	६	कु.५०।३७	ज्येष्ठायां शुक्रः २४/५३ कन्या. भौमः २७।५६+
१०	बु	५५	१६	ध	२०	३४	वृ	४८	६	तै	२५	४२	३१	३०	३०	३०	८	७	कुंभे	
११	गु	५५	३३	श	२१	३४	ध्रु	४५	१४	ध	२५	२५	२७	३१	२९	३१	९	८	कुम्भे	भ.२५/२५ उ.५५/२३ या. प्रबोधिनी ११व्र. स्मा.*
१२	शु	५७	१	पू	२४	४	व्या	४३	२२	ब	२६	१०	२४	३१	२९	१	१०	९	मी८।२६	प्रबोधिनी ११व्र.नि. नवम्बर मा.११ता.३०
१३	श	५९	४९	उ	२७	३२	ह	४२	२६	कौ	२८	२५	२०	३२	२८	२	११	१०	मीने	प्रदोषः
१४	र	६०	०	रे	३२	२	व	४२	२४	तै	३१	३८	१६	३३	२७	३	१२	११	मे.३२।२	तुलायां बुधः ४५।१ वकुण्ठ १४
१४	चं	३	२८	अ	३७	२३	सि	४२	३८	ध	३	२८	१३	३३	२७	४	१३	१२	मेषे	भ. ३।२८ उ. ३५।४६ या.
१५	मं	८	४	भ	४३	५०	व्य	४४	२	ब	८	४	९	३४	२६	५	१४	१३	मेषे	दृश्यो विशाखा. रविः ४२।५९ मन्वादिः

२९पं. का.शु.५श.इ.१२।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	५	७	११	११	६
९	२७	२२	२	२	२७	१४	९
२९	५६	३५	४८	४८	४१	४३	३
४९	३८	६	७	१८	१७	१	३४
५९	३७	२३/६	१२	७२	४/३०	३	६०
४७	५९	मा	१९	२८	ब	११	२

गोचरग्रहाः

इस मासका फल साधारण है। सुदी में रुई चांदी सोना सूत सण गुड़ खांड गेहूँ तेज होगा।

गोचरग्रहाः

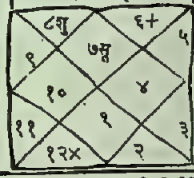

३०पं.का.शु.१३श.इ.१२।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	५	७	११	११	६
१६	२	२७	४	२१	२८	१४	१४
२९	१३	५८	७	२०	९	२०	४
३८	५२	३७	१२	४२	५	४६	३८
६०	२७	७९	११	७२	४/११	३	६०
४	४६	२	५४	९	ब	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणोकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१३	४४	कृ	५०	३३	व	४५	३१	कौ	१३	४४	२७/६	६/३५	५/२५	६	१५	१४	वृ.०।३०	विशाखा. रविः सौरः ६।५८
२	गु	२०	१	रो	५७	५९	प	४७	४१	ग	२०	१	२	३६	२४	७	१६	१५	वृषे	भ. ५३।१० उ.
३	शु	२६	१९	मृ	६०	०	शि	४९	५७	वि	२६	२०	२६/५९	३६	२४	८	१७	१६	मि३१।४८	भ.२६।२०या. स्वात्यांबुधः ३१।३८च.व्र.
४	श	३२	५५	मृ	५	३७	सि	५२	१९	बा	३२	५५	५६	३७	२३	९	१८	१७	मिथुने	धनुषि शुक्रः २०/५६ वक्री रेव.३ शनिः २५।५
५	र	३९	१२	आ	१३	९	सा	५४	२२	कौ	६	३	५३	३७	२३	१०	१९	१८	मिथुने	
६	चं	४४	२३	पु	२५	२	शु	५५	४२	ग	१२	४३	४९	३८	२२	११	२०	१९	क.३।१९	भ.४४।२३ उ. *हस्ते भौमः २।२८
७	मं	४८	३०	पु	२६	७	शु	५६	११	वि	१६	२६	४६	३९	२१	१२	२१	२०	कर्के	भ.१६।२६या. ×उत्पत्ति ११व्र.स्मा.वै.
८	बु	५०	५७	श्ले	३०	५०	ब्र	५५	३१	बा	१९	४३	४३	३९	२१	१३	२२	२१	सिं३०।५०	
९	गु	५१	४०	म	३३	४७	ऐं	५३	२६	तै	२१	१८	४०	४०	२०	१४	२३	२२	सिंहे	पूर्वास्तो बुधः २३।२
१०	शु	५०	१६	पू	३४	४१	वै	४९	३५	ध	२०	५८	३७	४१	१९	१५	२४	२३	कं.४९।२६	भ.२०/५८ उ.५०/१६ या. दृश्यो वृश्चिकेऽर्कः ३८/५७*
११	श	४६	४६	उ	३३	४२	वि	४४	१८	ब	१८	३१	३४	४१	१९	१६	२५	२४	कन्यायां	वृश्चिकेऽर्कः सौरः १/१५ उफा.४ गुरुः ४२/३५×
१२	र	४१	२९	ह	३०	३६	प्री	३७	२८	कौ	१४	७	३१	४२	१८	१७	२६	२५	तु.५८।८	विशाखा. बुधः ३।२९ उत्पत्ति ११व्र. नि.
१३	चं	३४	२४	चि	२५	४१	आ	२८	५६	ग	७	५७	२९	४२	१८	१८	२७	२६	तुलायां	भ.३४/२४ उ. दृश्योऽनुराधा.रविः ५७/२१ प्रदोषः
१४	मं	२६	५	स्वा	१९	३८	सौ	१९	२६	वि	०	१५	२६	४३	१७	१९	२८	२७	वृ.५९।२१	भ. ०।१५ या. अनु. रविः सौरः १।९
३०	बु	१६	५२	वि	१२	३६	शो	९/३	४९/१३	ना	१६	५२	२४	४३	१७	२०	२९	२८	वृश्चिके	पूफायां शुक्रः १९।३८

३१पं. मा.कृ.४श.इ १२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	५	७	११	११	६
२३	६	७	५	२९	२६	१३	२३
३०	२९	४१	२२	५०	४०	५८	७
५८	३१	२०	५५	६	४८	३०	१६
६०	३७	८९	१२	७१	३/५२	३	६०
१७	३१	४०	१५	५०	ब	११	३०

गोचरग्रहाः

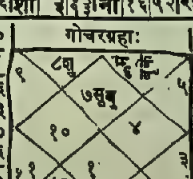

मार्ग.कृ.१० शुक्रे वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव मह.) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

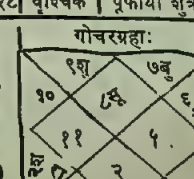

३२पं.मा.कृ.११श.इ.१२।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	५	८	११	११	७
०	१०	१८	६	८	२६	१३	०
३३	४३	३८	३४	१८	१४	३६	११
४७	२६	२४	०	२५	३	१०	२९
६०	३७	९५	१०	७१	३/२८	३	६०
३०	१४	५६	३७	२६	ब	११	४०

*बुबृके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×चंशरा +मंबुबृके =चंमंबृके

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३४४ स.१९६८
१	गु	७	१८	अ	५० ४	५१ ५१	सु	४७	२३	ब	७	१८	२६ २१	४४ ६	१६ ५	२१	३०	२९	ध.५७।४१	उभा. ३ राहुः हस्ते १ केतुः १८।५०
२	गु	५०	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	४९	१४	मू	५०	१६	धृ	३६	५१	तै	२३	३७	१९	४४	१६	२२	१	३०	धनुषि	चंद्रदर्शनम् रा. मार्गशीर्षारंभः
४	श	४१	३२	पू	४४	१७	शू	२६	५५	व	१५	२३	१६	४५	१५	२३	२	१	म.५८।९	भ.१५/२३ उ.४१/३२ या.वृश्चिकेबुधः२८/२१ रमजान९
५	र	३५	१५	उ	३९	४४	गं	१८	७	ब	८	२३	१३	४५	१५	२४	३	२	मकरे	
६	चं	३०	३८	श्र	३६	४७	वृ	१०	३७	कौ	२	५६	११	४६	१४	२५	४	३	मकरे	अनु.बुधः१०/४७ चंपा६ पातस्प.१६/१४ पातमो.२९/२५
७	मं	२७	५२	ध	३५	४२	ध्रु	२५ ४	५५ १६	व	२७	५२	८	४६	१४	२६	५	४	कुं.६।१५	भ. २७।५२ उ. ५७।१८ या.
८	बु	२६	४५	श	३६	१३	ह	५६	२१	ब	२६	४५	६	४७	१३	२७	६	५	कुम्भे	
९	गु	२७	२९	पू	३८	२४	व	५४	१५	कौ	२७	२९	३	४७	१३	२८	७	६	मी२२।५१	
१०	शु	२९	३७	उ	४१	५६	सि	५३	२२	ग	२९	३७	१	४८	१२	२९	८	७	मीने	
११	श	३३	५	रे	४७	२३	व्य	५३	४६	व	१	२१	२५ ५९	४८	१२	३०	९	८	मे.४७।२३	भ.२१/१ उ.३३/५ या. मोक्षदा११ब्र. गीताजयंती
१२	र	३७	३८	अ	५३	०	व	५४	३१	ब	५	२१	५७	४९	११	१	१०	९	मेषे	उषायां शुक्रः३०/१२ दिसम्बर मा.१२ ता.३१
१३	चं	४३	३	भ	५९	३९	प	५५	४९	कौ	१०	२०	५५	४९	११	२	११	१०	मेषे	इ.ज्येष्ठा. रविः७।३१(सौरः२६/३)प्रदोषः
१४	मं	४९	५	कृ	६०	०	शि	५७	४०	ग	१६	५	५३	४९	११	३	१२	११	बृ.१६।२५	भ. ४९।५ उ. +दत्त जयन्ती
१५	बु	५५	२६	कृ	६	४२	सि	५९	५२	वि	२२	१४	५१	५०	१०	४	१३	१२	बृषे	भ.२३/१४ या. ज्येष्ठा.बुधः२०/४ मकरेशुक्रः१३/३+

३३पं. मा.शु.४श.इ.१२।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	८	११	११	७
७	१४	०	७	१६	२५	१३	७
३७	५४	६	४१	४४	५२	१३	१६
३७	५०	२१	२	९	८	५९	५३
६०	३७	९८	९	७०	२/४७	३	६०
४२	१	५	५०	५८	ब	११	५३

गोचरग्रहाः

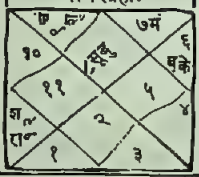

इस मास में ५ बुधवार हैं। रस पदार्थों में तेजी-कारक हैं। 'बुधे पंचरस क्षयः' अनाज में मन्दी होकर तेजी हो।

गोचरग्रहाः

३४पं. मा.शु.११श.इ.१२।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	५	८	११	११	७
१४	१९	१०	८	२५	२५	१२	१४
४२	५	५५	४३	८	३४	५१	२३
५४	८	५	१९	१३	१५	४३	३९
६०	३६	९९	९	७०	२/११	३	६१
५०	३९	२	५	२७	ब	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	६०	०	रो	१४	१४	सा	६०	०	बा	२८	३४	२५ ४९	६ ५०	५ १०	५	१४	१३	मि४७।५८	
१	शु	१	४२	मृ	२१	४२	सा	२	१	कौ	१	४२	४८	५०	१०	६	१५	१४	मिथुने	
२	श	८	८	आ	२९	८	शु	४	१०	ग	८	८	४६	५१	९	७	१६	१५	मिथुने	भ. ४१।५ उ. चित्रा. भौमः १९।४६
३	र	१४	१	पु	३५	५७	शु	६	१६	वि	१४	१	४५	५१	९	८	१७	१६	क.१९।१५	भ. १४।१ या. च. ब्र.
४	चं	१९	५	पु	४२	७	ब्र	७	३५	बा	१९	५	४४	५१	९	९	१८	१७	कर्के	हस्ते १ गुरुः ५०।३२
५	मं	२३	३३	श्ले	४७	२९	ऐं	८	२७	तै	२३	३३	४२	५२	८	१०	१९	१८	सिं४७।२९	
६	बु	२६	४२	म	५१	२९	वै	८	२९	व	२६	४२	४१	५२	८	११	२०	१९	सिंहे	भ. २६।४२ उ. ५८।३३ या.
७	गु	२८	२४	पू	५३	५४	वि	७	२३	ब	२८	२४	४०	५२	८	१२	२१	२०	सिंहे	मूले धनुषि बुधः२३/५८ श्रवणे शुक्रः४३/५३
८	शु	२८	३६	उ	५४	५८	प्री	५	७	कौ	२८	३६	३९	५२	८	१३	२२	२१	कं.९।१०	
९	श	२७	३९	हं	५३	५३	आ	१८ १	५४ ४३	ग	२६	३९	३८	५२	८	१४	२३	२२	कन्यायां	भ. ५५।११ उ. ×)सौरः२९/५७)
१०	र	२३	४३	चि	५०	५९	शो	५०	२३	वि	२३	४३	३८	५२	८	१५	२४	२३	तु.२२।२६	भ. २३/४३ या. दृश्यो मूले धनुष्यर्कः १४/४३×
११	चं	१७	२६	स्वा	४६	२५	अ	४१	१४	बा	१७	२६	३७	५३	७	१६	२५	२४	तुलायां	सफला ११ ब्र.
१२	मं	१०	२६	वि	४०	२५	सु	३२	१	तै	१०	२६	३७	५३	७	१७	२६	२५	वृ.२६।५५	प्रदोषः
१३	बु	२	२	अ	३२	१८	धृ	२१	४७	व	२	२	३७	५३	७	१८	२७	२६	वृश्चिके	भ.२।२ उ.२७/२२ या. तुला. भौमः४७।५६
१४	बु	५०	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	गु	४३	७	ज्ये	२५	४०	शू	१० ४३	४९ ६	च	१७	५४	३६	५३	७	१९	२८	२७	ध.२५।४०	

३५पं. पौ.कृ.२श.इ.११।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	५	९	११	११	७
२१	२३	२१	९	३	२५	१२	२१
८	१५	५८	३८	२७	२०	२९	३१
५८	११	३७	२४	५०	५६	२८	२६
६०	३६	९९	८	६९	२१/२	३	६१
५६	२४	५२	१०	४५	ब	११	११

गोचरग्रहाः

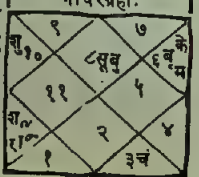

पौषकृ.१४रवौ धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

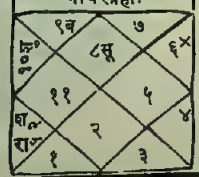

३६पं.पौ.कृ.९ श.इ.११।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	५	९	११	११	७
२८	२७	२	१०	११	२५	१२	२८
५५	२१	५९	२६	४२	१२	७	४०
५२	४	१३	३९	४	३२	१२	९
६१	३५	९९	७	६९	०/४४	३	६१
०	५७	५२	४	०	ब	११	१९

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३७३स.१९६८
१	शु	३३	१७	मू	१७	४१	वृ	४८	३९	किं	८	१२	२५/३६	६/५३	५/७	२०	२९	२८	धनुषि	पूषायां बुधः ४२।२२
२	श	२४	१७	पू	१०	१७	ध्रु	३८	५३	कौ	२४	१७	३६	५३	७	२१	३०	२९	म.२३।४०	मार्गी शनिः २७।२ चंद्रदर्शनम्
३	र	१६	२१	उ	३/४८	५४/४१	व्या	२८	५६	ग	१६	२१	३६	५३	७	२२	१	१	मकरे	भ.४२।४२ उ. रा.पौषारंभः सव्वाल१०
४	चं	९	३	ध	५५	३३	ह	१९	४६	वि	९	३	३६	५३	७	२३	२	२	कु.२७।१	भ. ९।३ या. ●पश्चिमोदयी बुधः ४१/२७
५	मं	५	३९	श	५४	१२	व	१४	२५	बा	५	३९	३७	५३	७	२४	३	३	कुम्भे	धनिष्ठा. शुक्रः १२।१२
६	बु	३	१८	पू	५५	१०	सि	९	३१	तै	३	१८	३७	५३	७	२५	४	४	मी३९।५५	
७	गु	२	५६	उ	५७	५८	व्य	६	२३	व	२	५६	३७	५३	७	२६	५	५	मीने	भ. २।५६ उ. ३३।४५ या.
८	शु	४	३५	रे	६०	०	व	४	३६	ब	४	३५	३८	५२	८	२७	६	६	मीने	
९	श	८	२	रे	२	२८	प	४	३२	कौ	८	२	३८	५२	८	२८	७	७	म.२।२८	दृश्यः पूषायां रविः१९।३९ (सौरः ३९/२५)
१०	र	१२	५०	अ	८	१६	शि	४	५९	ग	१२	५०	३९	५२	८	२९	८	८	मेषे	भ.४५/४१ उ. उषायांबुधः ३३/२ कुम्भे शुक्रः ५८/८●
११	चं	१८	३३	भ	१५	११	सि	६	४५	वि	१८	३३	४०	५२	८	३०	९	९	वृ.३२।१	भ.१/३३ या. स्वात्यां भौमः १५/९ पुत्रदा११व्र.
१२	मं	२५	१	कृ	२२	३२	सा	८	४८	बा	२५	१	४०	५२	८	३१	१०	१०	वृषे	मकरे बुधः ५।३०
१३	बु	३१	३५	रो	३०	१०	शु	१०	५९	तै	३१	३५	४१	५२	८	१	११	११	वृषे	प्रदोषः जनवरी मा.१ ता.३१ सन् १९६९
१४	गु	३८	१४	मृ	३७	३८	शु	१३	१८	ग	४	५५	४२	५२	८	२	१२	१२	मि३।५४	भ. ३८।१४ उ.
१५	शु	४४	३४	आ	४४	४७	ब्र	१५	१६	वि	३१	२४	४३	५१	९	३	१३	१३	मिथुने	भ. ११।२४ या. माघ स्ना. प्रा.

३७प. पा.शु.२श.इ.११।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	५	९	११	११	८
६	१	१४	११	१९	२५	११	५
३	२५	७	८	५४	१०	४४	४९
२९	१	४८	३१	५०	१२	५६	३४
६१	३५	९८	६	६८	०/२	३	६१
४	३२	३१	१	७	व	११	२२

गोचरग्रहाः

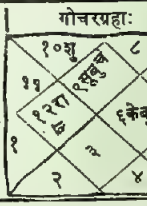

इस मासका फल श्रेष्ठ है। धातु सोना चांदी लोहा पीतल मंदा होगा सुदी में तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

३८पं. पौ.शु.९ श.इ.११।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	५	९	११	११	८
१२	५	२५	११	२८	२५	११	१३
११	२६	१६	४२	०	१३	२२	५९
३१	३५	४४	१८	३२	१२	४१	२६
६१	३५	९७	४	६७	०/५२	३	६१
६	४	३५	५२	७	मा	११	२६

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४९	३४	पु	५१	२५	ऐं	१६	४८	बा	१७	४	२५/४४	६/५१	५/९	४	१४	१४	क.३४।४५	शते शुक्रः ५०।५३ ●(सौरः ३५/५२)
२	र	५४	११	पु	५७	८	वै	१८	१७	तै	२१	५२	४६	५१	९	५	१५	१५	कर्के	
३	चं	५७	५९	श्ले	६०	०	वि	१८	४२	ध	२६	५	४७	५१	९	६	१६	१६	कर्के	भ.२६।५ उ.५८।० या. श्रवणे बुधः ३७/३०
४	मं	६०	०	श्ले	२	१४	प्री	१८	२९	ब	२९	२२	४९	५०	१०	७	१७	१७	सिं२।१४	चतुर्थी व्रतम्
४	बु	०	४४	म	६	२३	आ	१७	३२	बा	०	४४	५१	५०	१०	८	१८	१८	सिंहे	
५	गु	२	२७	पू	९	१५	सौ	१५	४४	तै	२	२७	५२	५०	१०	९	१९	१९	कं.२४।४१	
६	शु	२	५१	उ	१०	५९	शो	१२	५३	ध	२	५१	५४	४९	११	१०	२०	२०	कन्यायां	भ.५१/२ उ.३२/२७ या. दृश्यः उषायां रविः ३४/३३●
७	श	२	४	ह	११	२९	अ	८	५४	ब	२	४	५६	४९	११	११	२१	२१	तु.४०।५३	
८	श	५७	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	र	५६	०	चि	१०	१८	सु	३/४४	५३/४४	तै	२७	५२	५८	४८	१२	१२	२२	२२	तुलायां	×सौरः ४८/१७ पातस्पर्शः ३२/५० पातमोक्षः ४६/२०
१०	चं	५०	५०	स्वा	७	५१	शू	५०	२	व	२३	२५	२६/१	४८	१२	१३	२३	२३	वृ.४९।५५	भ. २३/२५ उ. ५०/५० या. दृश्यो मकरेऽर्कः ४०/४७×
११	मं	४४	१५	वि	३/५६	५४/५०	गं	४१	२८	ब	१७	३२	३	४७	१३	१४	२४	२४	वृश्चिके	षट्तिला ११ व्र. स्मा. वै.
१२	बु	३६	३३	ज्ये	५२	३६	वृ	३२	६	कौ	१०	२४	५	४७	१३	१५	२५	२५	ध.५२।३६	षट्तिला ११ व्र. नि.
१३	गु	२८	९	मू	४५	४१	ध्रु	२१	२१	ग	२	२१	८	४६	१४	१६	२६	२६	धनुषि	भ.२८/९ उ.५३/३६ या. पूभायांशुक्रः ५४/३४ प्रदोषः
१४	शु	१९	४	पू	३८	३०	व्या	११	२१	श	१९	४	१०	४६	१४	१७	२७	२७	म.५१।४६	
१५	श	१०	१०	उ	३१	३५	ह	१/५२	४८/५४	ना	१०	१०	१२	४६	१४	१८	२८	२८	मकरे	

३९पं.मा.कृ.१श.इ.११।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	५	१०	११	११	८
२०	९	६	१२	५	२५	११	२०
१९	२४	१५	७	५६	२१	०	९
२६	२२	२१	५२	३१	२८	२५	२३
६१	३४	९२	३	६५	१	३	६१
६	२९	१०	३८	४९	३२	११	२६

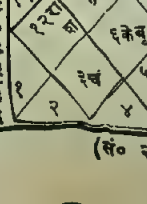

४७पं. मा.कृ.७श.इ.११।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	५	१०	११	११	८
२७	१३	१६	१२	१३	२५	१०	२७
२७	२१	११	२५	४४	३४	३८	१९
४०	४	१३	५	२४	३३	१०	१५
६१	३३	७५	२	६४	२	३	६१
२	५३	७	१०	२०	१३	११	२४

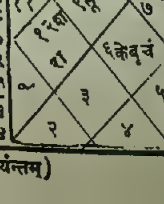

४१पं.मा.कृ.३०श.इ.११।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	५	१०	११	११	९
४	१७	२२	१२	२१	२५	१०	४
३५	११	१६	३२	१९	५३	१५	२८
१३	२०	६	६	५२	४२	५४	४
६१	३३	२८	०	६२	२	३	६१
२	११	३७	४६	३३	५५	११	१९

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४०३स.१९६१
१	र १।३५ श्र २५।३५ सि ४१।५३ ब	१	३५	२६	४६	५	१९	२९	२९ कु.५३।१५	चन्द्रदर्शनम्
२	र ५२।४२ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	चं ४८।२६ ध २०।५६ व्य ३३।५२	तै	२१	२१	१७	४५	१५	२०	३०	१	कुम्भे	ह.अभि.प्र.रविः३३ (सौरः ३९) वक्रीबुधः●
४	मं ४४।५२ श १७।३७ व २७।१०	ब	१६	३९	२०	४४	१६	२१	१	२	कुंभे	भ.१६।३९ उ.४४।५२या. रा.माघारंभः
५	बु ४३।१२ पू १६।३९ प २३।२०	ब	१४	२	२३	४४	१६	२३	२	३	मी १।५४	वक्रीगुरुः३५ वसंत५ पश्चिमास्तंबुधः५५
६	शु ४४।२४ उ १७।५५ शि १९।२०	कौ	१३	४८	२५	४३	१७	२३	३	४	मीने	दृश्यः श्रवणे रविः३६ (सौरः ३६) वि.×
७	शु ४६।१८ रे २०।५६ चि १७।५३	ग	१५	२१	२७	४३	१७	२४	४	५	मे.२०।५६	भ.४६ उ. दृ.अभि.नि. रविः३२ सौरः३२=
८	श ५०।२४ अ २५।५५ सा १७।४५	वि	१८	२१	३०	४२	१८	२५	५	६	मेषे	भ.३६या. भीष्माष्टमी पातस्पर्शः४९।४३
९	र ५६ २ भ ३२।१४ शु १८।५१	ब्रा	२३	१३	३३	४१	१९	२६	६	७	वृ.४९।५	मीने शुक्रः३३ पातमोक्षः३६ =भानु७
१०	चं ६० ० कृ ३९।३० शु २०।५३	तै	२९	१३	३६	४१	१९	२७	७	८	वृषे	×भौमः३५ उभा.२रात्रुः उभा.४केतुः५५
१०	मं २।२३ रो ४७ १ ब्र २२।५०	ग	२	२३	३९	४०	२०	२८	८	९	वृषे	भ.३५।४३ उ. ●२४।४ जिल्काद ११
११	बु ९ ३ मृ ५४।४४ ऐ २५।२२	वि	९	३	४२	४०	२०	२९	९	१०	मि २०।५२	भ.७ या. उभायां शुक्रः४३ जया ११ व्र.
१२	गु १५।१९ आ ६०ः ० वै २७।३५	ब्रा	१५	१९	४६	३९	२१	३०	१०	११	मिथुने	प्रदोषः
१३	शु २१।२० आ १।५० धि २९।११	तै	२१	२०	४९	३८	२२	३१	११	१२	क.५१।४६	रेवती ४ शनिः १२।३२
१४	श २६।३१ पु ८।२४ प्री ३०।१०	च	२६	३१	५३	३८	२२	१	१२	१३	कर्के	भ.३६ उ.५६ या. फरवरी मा.२ ता.२८
१५	र ३०।२२ पु १३।४८ आ ३०।१९	ब	३०	२२	५५	३७	२३	२	१३	१४	कर्के	वक्री. उषायां बुधः ५७।४९

४२पं.मा.शु.८श.इ.११।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	५	१०	११	११	९
११	२०	२०	१२	२८	२६	९	११
४२	५६	१३	३०	३९	१६	५३	३७
५८	४९	५०	२५	२९	३३	३८	३५
६०	३२	६१	०	६०	३	३	६१
५९	१५	ब	व	१७	३६	११	१३

गोचरग्रहाः

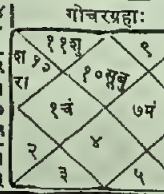

माघ कृ.१० चन्द्रे मकरेऽर्के: प्र.वा.२ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पश्चिच. ।

गोचरग्रहाः

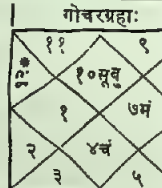

४३पं.मा.शु.१४श.इ ११।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	५	११	११	११	९
१८	२४	१२	१२	५	२६	९	१८
४९	३७	२१	१९	४१	४४	३१	४५
२६	१२	२१	११	५	३८	१२	२३	३६
६०	३१	६१	५	५७	४	३	६१	४
५५	२९	ब	ब	१७	१७	११	ब	ब

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं ३३।२७ श्रे १८।४४ सौ २९।३८ वा	१	५५	३९	५४	३	१४	१५	सि १८।४४	
२	मं ३५।१५ म २५।३५ शो २८।११ वृ	४	२१	२७	३६	२४	४	१५	१६	सिंहे	पूर्वोदयो बुधः ०।११ ●(सौरः ४१)
३	बु ३५।५३ पू १३।५३ अ २५।४७ व	५	३४	६	३५	२५	५	१६	१७	कं.३९।१	भ.३५ उ.५३या. दृश्यो धनिष्ठा.रविः६६●
४	गु ३५।३७ उ २५।१० सु २२।४० ब	५	४५	९	३४	२६	६	१७	१८	कन्यायां	च. व्र.
५	शु ३४।२० ह २५।३४ पृ १८।३५ कौ	४	५८	१३	३३	२७	७	१८	१९	तु.५५।१	
६	श ३२ ८ चि २५ २ शू १४ ५ ग	३	१४	१६	३३	२७	८	१९	२०	तुलायां	भ.३२ उ. पातस्पर्शः ३३ पातमोक्षः ४६
७	र २९ २ स्वा २३।२८ गं ८।३८ वि	०	३५	२०	३२	२८	९	२०	२१	तुलायां	भ. ०।३५ या. ×(सौरः ३५)
८	चं २५ ८ वि २१।११ पृ २७।५३ कौ	२५	८	२४	३१	२९	१०	२१	२२	वृ. ६।४	
९	मं २०।२७ अ १७।५० ज्या ४७।५४ ग	२०	२७	२७	३१	२९	११	२२	२३	वृश्चिके	भ.४३ उ. मार्गोबुधः३५ वृश्चिकेभौमः४३
१०	बु १४।२० ज्ये १३।४७ ह ३९।४१ वि	१४	२०	३१	३०	३०	१२	२३	२४	ध.१३।४	भ.१४।२० या. दृश्यः कुम्भेऽर्कः१३।३१×
११	गु ७।४४ मू ८।५४ ब ३०।५० वा	७	४४	३५	२९	३१	१३	२४	२५	धनुषि	रेवत्यां शुक्रः ६।५० विजया ११ व्र.
१२	शु ०।४१ पू १६।१६ सि २१।३८ तै	०	४१	३८	२८	३२	१४	२५	२६	म.१६।५	भ. ५२।५६ उ. प्रदोषः
१३	शु ५२।१५ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	श ४५।२८ श्र ५२।२० व्य १२।३४ वि	१९	१२	४२	२८	३२	१५	२६	२७	मकरे	भ. १९।१२ या. महाशिवरात्री व्रतम्
१५	र ३८।३५ ध ४७।३२ ब ४५।५३ च	१२	२	४६	२७	३३	१६	२७	२८	कुं.१९।५६	

४४पं.फा.कृ.६श.इ.११।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	५	११	११	११	९
२५	२८	७	११	१२	२७	९	२५
५५	१२	५	५८	१७	१६	९	५२
१६	१८	२०	२७	२०	३४	७	३२
६०	३०	१५	२६	५३	४	३	६०
४७	१७	ब	ब	३३	४७	११	५५

गोचरग्रहाः

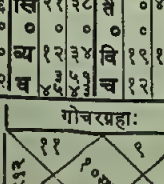

फा. कृ. १० बुधे कुंभेऽर्के: प्र. वा.३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यभाव मह.) शुक्रोदयः पश्चिच. ।

गोचरग्रहाः

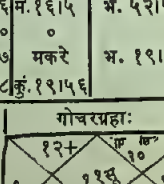

४५पं.फा.कृ.१४श.इ.११।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	५	११	११	११	१०
३	१	८	११	१८	२७	८	२
०	४०	७	३०	२	५२	४६	५८
४	२६	२६	१८	१४	५५	५२	२६
६०	२८	३१	३	४८	७	३	६०
३७	४६	मा	ब	३७	१४	११	५२

×शुशरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ●शुशरा +शुशरा

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४३२ स. १९६९
१	चं	३२	४०	श	४३	५३	शि	४९	२३	कि	५	३८	३७	२६	३४	१७	२८	२९	कुंभे	
२	मं	२८	२५	पू	४१	३७	सि	४४	३४	बा	०	३३	५४	२५	३५	१८	२९	३०	मी	२७।११	दृश्यः शते रविः ४३ (सौरः ५६) अनु.●
३	बु	२५	२१	उ	४१	२७	सा	३९	१८	ग	२५	२१	५८	२४	३६	१९	३०	१	मीने		भ.५५।१५उ. श्रवण बुधः ५६ जिल्हे न १२
४	गु	२५	१०	रे	४३	११	शु	३५	२७	वि	२५	१०	०	२३	३४	२०	१	२	मे.	४३।११	भ. २५।१० या. रा. फाल्गुनारंभः
५	शु	२६	४५	अ	४६	५२	शु	२४	४२	बा	२६	४५	६	२३	३७	२१	२	३	मेषे		
६	श	३०	५	भ	५१	२	ब्र	२४	४४	तै	३०	५	१०	२२	३८	२२	३	४	मेषे		
७	र	३४	५६	कृ	५८	४२	रो	३६	२	ग	३	३०	१४	२१	३९	२३	४	५	वृ.	७।५७	भ.३४।५६ उ. +मेषे शुक्रः २ छारेंडी
८	चं	४०	५५	रो	६०	०	वे	३७	५२	वि	७	५६	१८	२०	४०	२४	५	६	वृषे		भ.७।५६या. होलाष्टकः
९	मं	४७	३६	रो	५	५६	वि	४०	१८	बा	१४	१५	२२	२०	४०	२५	६	७	मि	३९।५१	●भौमः ३ फुलरिया २ चंद्रद.
१०	बु	५३	४६	मृ	१३	४६	प्री	४२	२८	तै	२०	४१	२६	१९	४१	२६	७	८	मिथुने		
११	गु	५९	४६	आ	२१	४	आ	४४	१७	च	२६	४६	३०	१८	४२	२७	८	९	मिथुने		भ.३६उ.५६या. आमलकी ११ व्र. स्मा.वै.
१२	शु	६०	०	पु	२७	४५	सौ	४५	२९	च	३२	१३	३४	१७	४३	२८	९	१०	क.	१।१५	आमलकी ११ व्र. निम्वा. =दहनभद्रोत्तरम्
१३	श	४	४०	पु	३३	४	शे	४५	३२	ना	४	४०	३८	१६	४४		१	११	कर्के		प्रदोषः मार्च मा. ३ ता. ३१
१३	र	८	११	श्ले	३७	१९	अ	४४	४१	ते	८	११	४२	१६	४४		२	११	१२	सिं	३७।१९	वक्री उफा. ४ गुरुः ४६।२२
१४	चं	१०	३१	म	३९	५७	सु	४२	३६	च	१०	३१	४६	१५	४५		३	१२	१३	सिंहे		भ.१९उ.४२या. धनिष्ठा. बुधः ३ होलिका=
१५	मं	११	१४	पू	४१	२४	धृ	३९	२९	च	११	१४	५०	१४	४६		४	१३	१४	कं.	५६।२८	दृश्यः पूभाद्यारविः ५७ (सौरः द. ३) अश्वि.+

४६पं.फा.शु.६श.इ.१२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	५	११	११	११	१०
१०	५	१३	१०	२३	२८	८	१०
३	०	२२	५३	४४	३२	२४	२
३२	१८	४४	५६	४३	१३	३६	५९
६०	२७	४३	४९	४२	५	३	६०
२५	११	५०	ब	८	४२	११	२१

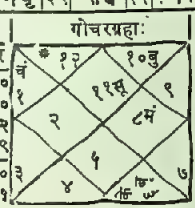

इस मासका फल सामान्य है, सुदी में प्रजा में रवत विकार पीड़ा रस पदार्थ में तेजी हो

४७पं.फा.शु १२श.इ.१२।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	५	११	११	११	१०
१७	८	२०	१०	२८	२९	८	१७
५	१०	१९	१२	१४	१५	२	५
४६	५	१३	७	४२	३०	२०	४८
६०	२५	६९	१६	३६	६	३	६०
१२	२४	४२	ब	४३	९	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०२५ शाकः १८९०								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१०	३४	उ	४१	२२	शू	३५	४१	को	१०	३४	५८	१३	४७	५	१४	१५	कन्यायां	वसन्त १
२	गु	८	५७	ह	४०	५८	मं	३०	४६	ग	८	५७	५८	१२	४८	६	१५	१६	कन्यायां	भ.३७ उ. पातस्पर्शः ३ पातमोक्षः २६।२
३	शु	६	१४	चि	३९	२७	वृ	२५	२३	वि	६	१४	२९	१२	४८	७	१६	१७	तु.	१०।१३	भ. ६।१४ या. च. व्र.
४	श	२	४६	स्वा	३७	२४	धु	१९	२७	बा	२	४६	६	११	४९	८	१७	१८	तुलायां		कुम्भे बुधः २ अश्वि.१ मेषे शनिः ७।४०
५	श	५६	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०		
६	र	५४	३७	वि	३४	५८	ज्या	१३	१४	ग	२६	४५	१०	१०	५०	९	१८	१९	वृ.	२०।३५	भ. ५४।३७ उ.
७	चं	४९	४८	अ	३१	५९	ह	३७	५३	वि	२२	१२	१४	९	५१	१०	१९	२०	वृश्चिके		भ. २२।१२ या. शीतलापूजनम्
८	मं	४५	२	ज्ये	२९	४	स्वि	५२	३६	बा	१७	५५	१९	८	५२	११	२०	२१	ध.	२९।४	
९	बु	३९	४८	मू	२५	२४	व्य	४५	१३	तै	१२	२५	२३	७	५३	१२	२१	२२	धनुषि		शते बुधः ४७।२ +पापमोचनी ११ व्र.
१०	गु	३४	११	पू	२१	३५	ध	३७	३८	च	७	०	२७	७	५३	१३	२२	२३	म.	३५।४०	भ. ७।० उ. ३४।११ या.
११	शु	२८	३२	उ	१७	५७	प	३०	१०	च	१	२१	३२	६	५४	१४	२३	२४	मकरे		दृश्यो मीनेऽर्कः ६।५४ (सौरः ५।५३)+
१२	श	२२	५०	श्र	१४	७	शि	२२	४५	तै	२२	५०	३६	५	५५	१५	२४	२५	कुं.	४२।२२	प्रदोषः
१३	र	१७	३२	ध	१०	३७	सि	१५	४१	च	१७	३२	४०	४	५६	१६	२५	२६	कुम्भे		भ. १७।३२ उ. ४५।६ या.
१४	चं	१२	४१	श	७	५०	सा	९	९	श	१२	४१	४४	३	५७	१७	२६	२७	मी	५१।१८	दृश्यः उमा. रविः २७।५८ (सौरः २६।२९)
१५	मं	९	२	पू	५	४७	शु	२५	५५	ना	९	२	४९	२	५८	१८	२७	२८	मीने		मन्वादिः

४८पं. चै.कृ.४श.इ.१२।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	५	०	०	११	१०
२४	११	०	९	१	०	७	२४
६	९	८	२२	३३	०	२०	७
२९	२२	३८	२६	२९	३२	५	११
५२	२३	८४	२५	२२	६	३	६०
५८	१३	०	ब	२४	२६	११	०

चैत्र कृ. ११ शुक्रे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न.३कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ४५. (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः प. ।

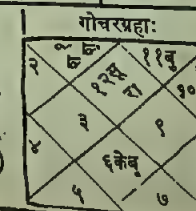

४९पं.चै.कृ.१२श.इ.१२।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	५	०	०	११	११
१	१३	१०	८	३	०	७	१
५	५५	३०	३०	१९	४७	१७	६
४२	३०	४०	१८	१	१३	४९	५३
५९	२०	९४	७	८	६	३	५९
४१	४४	५०	४७	२७	३९	११	४९

●शशुरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×शुशुरा

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०७० तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७० भोग्यकलिः ४२६९३० अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२६ शाकः १८९१ वर्षेऽस्मिन् राजा बुधः । मंत्री रविः । सस्येशो बुधः । धान्येशोचन्द्रः । मेघेशः शनिः । रसेशोगुरुः । नीरसेशोभौमः । फलेशोशनिः । धनेशोभौमः । दुर्गेशःशनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १६ दुंदुभिनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत-मासादिः ५।२२।७।४० भोग्यमासादिः ६।७।५२।२० । भगदैवतंयुगम् । वर्ष नाम फाल्गुनः । मेघ नाम संवर्तः । रोहिणी निवासः तटे । समय निवासो रजकगृहे । समय विश्वा १२ । समय वाहनं सिंचाणुः । स्तम्भ १ अन्नस्य । सोमवत्यमा. २ सोमवती पंचमी ३ । अंगारकीचतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३८४ । तिथिक्षयः १७ । तिथिवृद्धिः ११ । उत्पत्तिविश्वा १०५। खपतिविश्वा ९६। वर्षाविश्वा ११। धान्यम् ७ । तृणम् १५। शीतम् ११ । तेज ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०३ । सत्यं ।।, धर्म १।।, पाप१८ । शनि दृष्टिः पूर्वस्यां । अस्मिन्वर्षे भारते ग्रहणाऽभावः ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सि	कुं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् १।१३

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

माता के दरबार में पूछे भैरव लाल ।
शुभ संवत् छब्बीस का सच्चा कहदो हाल ।।

भवानी उत्तर

छहों दिशा छब्बीस में महंगा घोड़ा बैल ।
रोग उपद्रव युद्ध भय घर २ पड-सी गैल ।।
राजा बुधजी बापड़ा चलै न इनका जोर ।
मंत्री पद रवि को मिला करे और की और ।।
मेघपति अरु फलपति गढपति शनि महाराज ।
शुभफल को कमती करे इनका यही है काज ।।
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट निर्धार ।
स्तंभ एक अन्न का बना होवे बेड़ा पार ।।
दुंदुभि संवत्सर हुवा होय आनंद अपार ।
मंदी का भी जोर हो याद करो करतार ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ५।२०

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२४।४३

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्-बुधस्यराज्ये सजलं महीतलं, गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ।। मंत्री रविः फलम्---नृप भयं गदतोपिहितस्करात् प्रचुर धान्य धनादि महीतले । रस चयं हि भमर्घतमं सदा रवि रमात्य पदं हि समागतः ।। सस्येशो बुधस्तत्फलम्-जल धरा जलराशि मुचो भृशं सुख समृद्धि युतं निरुपद्रवम् । द्विज गणाः श्रुति पाठ करः सदा प्रथमसस्य पतौ सति बोधने ।। धान्येशश्चंद्रः फलम्-चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजा वृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषु क्षीर तदा बहु ।। मेघेशः शनिः फलम्-रविसुते जलदस्य पतौ भवेद्विरल वृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविध रोग रताः जनता मता ।। रसेशो गुरुः फलम्-यदि गुरू रसपो जन सौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानि च । जनपदाः द्विज पूजन तत्परा गज सुवाजि रथोष्ट्र युता नृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम्-नीरसेशो यदा भौमः प्रवाल रक्त वाससाम् । रक्त चन्दन तप्राणामर्घ बृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशः शनिः फलम्---यदि शनिः फलपः फलहा भवेज्जनित पुष्प गणस्य द्रुमः सदा । हिम भयं वर तस्कर जन्तुभीर्जनपदो गद राशि महाकुलाः ।। धनेशो भौमस्तत्फलम्-असम मौल्यकरो धरणी सुतः शरदि तापं करस्तुष धान्य हृत् । सहसि मासि भवद्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोकविधायकः ।। दुर्गेशः शनिः फलम्-रविसुते गढ़ पालिनी विग्रहैः सकल देश गताश्चलिता जनाः । विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनं शलभैर्मुषितं भुवि ।। दुंदुभिनाम संवत्सरः फलम्-सर्व सस्ययुता धात्री पालिता धरणी धरैः । पूर्व देशादिनाशः स्यात् तत्र दुंदुभि वत्सरे ।। वर्षनाम फाल्गुनस्तत्फलम्-सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्य पश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरम् फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम्-संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणी निवासः तटे फलम्---तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलम्---रजके वृष्टि रुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०२६ शाके १८९१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ३ शनौ रोहि. ल. १० रे. १० ।।।।।।।।।

" ५ चंद्रे मृगे ल. अन्यगो ९ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।। धनु लग्ने चंद्र ७ मध्यमः

" ९ शनौ मघा ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

" १४ गुरौ स्वा. ल. १० रे. ७ ।।।।ऽऽरो।ऽ।। शुक्र३पूज्य

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ चंद्रे मूले ल. गो. १० रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

शुक्ला १ शनौ रोहि. ल. अन्यगो. १ रे. ९ ।।ऽवु।।।।।। अन्यगो. भौ. १ दोषः

" २ रवौ मृगे ल. अन्यगो. ९ रे. ७ ।।।।ऽऽनृऽ।।। अन्यगो. भौम १ दोषः

" ७ शुक्रे मघा. ल.९ (घ.३९।५४उ.) रे.८ ।।।।ऽरो।ऽ।।

" ८ शनौ मघा. ल. अन्यगो.९ रे.९ ।।।।।।।ऽ।। अन्यगो. भौम १ दोषः

" १४ शुक्रे अनु.ल.९-१० (घ.७।४४उ.) रे.७ ऽ।।।।ऽचो।ऽ।।

प्र. आषाढ़ मासः

कृष्णा १ रवौ मूले ल. गो.१० रे.७ ऽऽ।।ऽरो।।।। गोधू. भौम १ दोषः

प्र. आ. कृ. ९ रवौ उभा. ल.९-१० रे. ६ ।।।।ऽऽचोऽऽ।।

कार्तिक मासः

शुक्ला १२ गुरौ रेव. ल. गो. ६ रे. ९ ।।।।।ऽनृ।।।। लग्नेचंद्र ७ मध्यमः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ चंद्रे रोहि. ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽऽरो।ऽ।।

" २ भौमे मृगे ल. ६ (घ.४१।२८ या.) रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

" ६ रवौ मघा. ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽऽचो।ऽऽ।। शु. ३ पू.

" १२ शनौ स्वा. ल. ६ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। शु. ३ पूज्यः कृष्णानंगचतुर्दिनम्

शुक्ला २ गुरौ उषा. ल. ६ रे. ९ ।।।।।ऽरो।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ७ शनौ अनु. ल. अन्यगो. ९-१० रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

" ९ चन्द्रे मूले ल. अन्यगो. १० रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। मकर लग्न घ. ५५।३४ या.

शुक्ला २ चन्द्रे रेव. ल. ९-१० रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

" ६ शुक्रे रोहि. ल. अन्यगो. ९-१० रे. ७ ।।।।।ऽऽऽ।।

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४६२ स.१९६९
१	बु	६	३५	उ	५	२२	ब्र	५५	४८	ब	६	३५	२३/५३	६/१	५/५९	१९	२८	३०	मीने	चन्द्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	गु	५	४४	रे	७	२४	ऐं	५४	१२	कौ	५	४४	५७	१	५९	२०	२९	१	मे.७।२४	सिंधारा मत्स्यज. मोहोरम१स.१३८९हि.
३	शु	६	४८	अ	९	२९	वै	५३	१७	ग	६	४८	३०/१	६/००	६/०	२१	३०	२	मेषे	भ. ३८/१५ उ. पूभायां बुधः ४७/९ गणगौरी
४	श	९	४२	भ	१३	४२	वि	५४	७	वि	९	४२	६	५५/५९	१	२२	१	३	वृ.३०।१३	भ.४९/२ या. ज्ये.भौमः ५८/२० राष्ट्रीयचैत्रारंभ
५	र	१३	५३	कृ	१९	४६	प्री	५५	३५	बा	१३	५३	१०	५८	२	२३	२	४	वृषे	+गुरुः ३४/३ कामदा ११ व्रतम्
६	चं	१९	६	रो	२६	२९	आ	५७	३८	तै	१९	६	१४	५७	३	२४	३	५	वृषे	×शनिः६।८ अप्रेल मा. ४ ता. ३०
७	मं	२५	३९	मृ	३४	१	सौ	६०	०	व	२५	३९	१८	५६	४	२५	४	६	मि०।१५	भ. २५।३९ उ. ५८।४४ या.
८	बु	३१	४९	आ	४१	३३	सौ	०	४	ब	३१	४९	२३	५५	५	२६	५	७	मिथुने	मीनेबुधः ५५/३१ पूर्वास्तंबुधः ३६।३८
९	गु	३७	५०	पु	४८	३२	शो	२	१०	बा	४	४९	२७	५५	५	२७	६	८	क.३१।४७	उभा.१राहुः उफा.३केतुः २७/३ रामनवमी
१०	शु	४२	५४	पु	५४	३७	अ	३	५३	तै	१०	२२	३१	५४	६	२८	७	९	कर्के	उभायां बुधः ४०।४१
११	श	४६	४०	श्ले	५९	१२	सु	४	३२	व	१४	४७	३५	५३	७	२९	८	१०	सिं५९।१२	भ.१४।४७उ.४६।४०या. वक्रीउफायां३+
१२	र	४८	४५	म	६०	०	धृ	३	५१	ब	१७	४२	३९	५२	८	३०	९	११	सिंहे	दृश्यो रेवत्यांरविः ५५/४१ (सौरः५३।५७)
१३	चं	४९	५	म	२	६	शू	२/५	५६/४३	कौ	१८	५५	४४	५१	९	३१	१०	१२	सिंहे	प्रदोषः व्रतम्
१४	मं	४७	३६	पू	३	१६	वृ	५४	१६	ग	१८	२०	४८	५०	१०	१	११	१३	कं.१८।९	भ.४७/३६उ. वक्री रेव. मीने शुक्रः २/० अस्त×
१५	बु	४४	४४	उ	२	४९	ध्रु	४८	३७	वि	१६	१०	५२	५०	१०	२	१२	१४	कन्यायां	भ.१६।१०या. हनुमज्जयंती

५०पं. चै.शु.४श.इ.१३।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	५	०	०	११	११
८	१६	२१	७	३	१	६	८
३	२६	५४	३६	२०	३७	५५	४
१८	३८	४७	४०	३१	३७	३४	४८
५९	१७	५/०	०५/५२	८/१०	६	३	५९
१९	४९	०/९	ब	ब	५९	११	३५

गोचरग्रहाः

इस मास में रस पदार्थ घृततिलतेल गुड़खांड आदि तेज होंगे। रुई,चांदी सोना, सण सूत मंदा हो।

गोचरग्रहाः

५१पं. चै.शु.११श.इ.१३।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	५	०	०	११	११
१४	८	४	६	१	२	६	१५
५९	३९	२२	४२	८	२९	३३	०
१३	४७	४१	३०	१३	१०	१८	५३
५९	१४	३४/४	७/४८	२४/१६	७	३	५९
१६	१७	०/५	ब	ब	६	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४०	२४	ह	०/५८	५७/१६	व्या	४२	८	बा	१२	३४	३०/५६	५/४९	६/११	३	१३	१५	तु.२९।७	
२	शु	३५	२३	स्वा	५४	३५	ह	३४	५२	तै	७	५४	३१/०	४८	१२	४	१४	१६	तुलायां	रेवत्यां बुधः ३७।३१
३	श	२९	२९	वि	५०	३४	व	२७	२९	व	२	२६	४	४७	१३	५	१५	१७	बृ.३६।३४	भ.२२/६उ.३९/२९या.शुक्रा.पश्चि.३७/५२अश्वि.२●
४	र	२३	४१	अ	४६	३७	सि	१९	५४	बा	२३	४१	८	४६	१४	६	१६	१८	वृश्चिके	●शनिः ४।१९ चतुर्थी ब्र. शु.अ.प.
५	चं	१७	४९	ज्ये	४२	४२	व्य	१२	२४	तै	१७	४९	१२	४६	१४	७	१७	१९	ध.४२।४२	
६	मं	१२	७	मू	३९	६	व	४/५९	५३/४४	व	१२	७	१६	४५	१५	८	१८	२०	धनुषि	भ. १२।७ उ. ३९।२७ या.
७	बु	६	४७	पू	३५	४२	शि	५०	५१	ब	६	४७	२०	४४	१६	९	१९	२१	म.४९।५८	
८	गु	१	३८	उ	३२	४४	सि	४४	४	कौ	१	३८	२४	४३	१७	१०	२०	२२	मकरे	
९	गु	५५	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+शुक्रोदयः पूर्वस्यां ०।२४ शु.उ.पू.
१०	शु	५२	३१	श्र	२९	५७	सा	३७	५१	व	२४	४७	२८	४२	१८	११	२१	२३	कु.५९।१	भ. २४/४७उ ५३/३१या. अश्वि.मेषेबुधः १।४७+
११	श	४८	४३	ध	२८	५	शु	३२	८	ब	२०	३७	३२	४२	१८	१२	२२	२४	कुम्भे	वरूथिनी ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	र	४५	३६	श	२६	३४	शु	२६	५८	कौ	१७	९	३६	४१	१९	१३	२३	२५	कुम्भे	दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः २९/४६ (सौरः२८।३१)×
१३	चं	४३	१४	पू	२५	४६	ब्र	२१	११	ग	१४	२५	४०	४०	२०	१४	२४	२६	मी१०।५८	भ. ४३।१४ उ. प्रदोषः
१४	मं	४१	५३	उ	२६	८	ऐं	१८	२४	वि	१२	३४	४३	३९	२१	१५	२५	२७	मीने	भ. १२।३४ या. ×वरूथिनी११ ब्र.नि.
२०	बु	४१	५३	रे	२७	३९	वै	१५	४१	च	११	५३	४७	३९	२१	१६	२६	२८	मे.२७।३९	देवपितृ कार्येऽमा.

५२पं. वै.कृ.३ श.इ.१४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	५	११	०	११	११
११	२०	१७	५	२७	३	६	२१
३	३७	५१	५०	२४	२१	११	५५
१	५५	५३	३०	५८	१०	२०	४
५९	१०	२१/१२	७/२०	३४/३७	७	३	५९
४	१३	३२	ब	ब	१४	११	४

गोचरग्रहाः

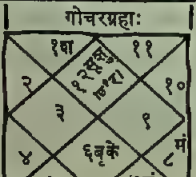

वैशाख कृ.१२ रवौ मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

१पं. वै.कृ.१२सू.इ.२९।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	५	११	०	११	०
०	२२	५	४	२२	४	५	०
०	८	७	५४	५९	२३	४४	१
०	५६	२६	२	५६	१३	५४	१३
५८	५	२४/१२	६/२	३३/४७	७	३	५८
४४	१७	३२	ब	ब	२०	११	४५

●चंशुश

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः५४९१ स.१९६९
१	गु	४३	५	अ	३०	२२	वि	१४	४	किं	१२	२९	३१/५१	५/३८	६/२२	१७	२७	२९	मेषे	भरण्यां बुधः १५।५९
२	शु	४५	५८	भ	३४	३६	प्री	१३	४	बा	१४	३१	५५	३७	२३	१८	२८	३०	वृ.५०।५८	चंद्रदर्शनम्
३	श	४९	२	कृ	४०	५	आ	१३	३१	तै	१७	३०	५८	३६	२४	१९	२९	१	वृषे	अक्षया ३ परशुराम ज. सफर २
४	र	५५	१६	रो	४६	३६	सौ	१४	४१	व	२२	९	३३/३२	३६	२४	२०	३०	२	वृषे	भ.२२/९ उ. ५५/१६ या. बुधोदयः पश्चिमायां ४२/०
५	चं	६०	०	मृ	५३	५५	शो	१६	३२	ब	२८	१८	६	३५	२५	२१	१	३	मि२०।१५	वक्री भौमः १।२६ राष्ट्रीय वैशाखारम्भः
५	मं	१	१९	आ	६०	०	अ	१९	५	बा	१	१९	१०	३४	२६	२२	२	४	मिथुने	
६	बु	७	२९	आ	१	२४	सु	२१	३१	तै	७	२९	१४	३३	२७	२३	३	५	क.५२।३	×अश्वि.३शनिः १८/४८ मई मा. ५ ता. ३१
७	गु	१३	४२	पु	८	५६	धृ	२३	३५	व	१३	४२	१७	३३	२७	२४	४	६	कर्के	भ.१३।४२उ. ४६।२७ या. कृत्ति.बुधः ५/३४
८	शु	१९	१२	पु	१५	४०	शू	२५	१२	ब	१९	१२	२१	३२	२८	२५	५	७	कर्के	•सौरः ९।४९ पातमोक्षः ०।५
९	श	२३	२६	श्ले	२१	९	गं	२५	२६	कौ	२३	२६	२५	३१	२९	२६	६	८	सिं२१।९	वृषे बुधः ९।३६ पातस्पर्शः ४८।३७
१०	र	२६	४	म	२५	२	वृ	२४	३४	ग	२६	४	२९	३०	३०	२७	७	९	सिंहे	भ. ५६/२६ उ. दृश्यो भरण्यां रविः १०।२•
११	चं	२६	४८	पू	२७	४	ध्रु	२१	५९	वि	२६	४८	३२	३०	३०	२८	८	१०	कं.४२।२	भ. २६।४८ या. मोहिनी ११ व्रतम्
१२	मं	२५	२४	उ	२७	४	ध्या	१८	२	बा	२५	२४	३६	२९	३१	२९	९	११	कन्यायां	मार्गी शुक्रः २६।१० प्रदोषः
१३	बु	२२	१२	ह	२५	२०	ह	१२	३१	तै	२२	१२	४०	२८	३२	३०	१०	१२	तु.५३।३९	नृसिंह ज.
१४	गु	१७	११	चि	२१	५८	व	५/३२	५२/४	व	१७	११	४३	२७	३३	१	११	१३	तुलायां	भ. १७/११ उ. ४३/५७ या. वक्री उफा.२ गुरुः ३०/५२×
१५	शु	१०	४४	स्वा	१७	८	व्य	४८	५४	ब	१०	४४	४७	२७	३३	२	१२	१४	बृ.५८।९	अन्नजल कुंभदानम्

२पं. वै.शु.४सू.इ.३०।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	५	११	०	११	०
६	२३	१९	४	१८	५	५	६
५०	२	३९	१२	५७	१०	२२	५१
४२	१३	३	३२	३२	१७	३९	२४
५८	०	७/१०	५/२८	२१/११	७	३	५८
३१	२३	१२/१२	ब	ब	२०	११	२९

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच गुरुवार ५शुक्रवार शुभ हैं धान्यादि मंदा हो। सूदी में रुई चांदी सोना में घटाबढ़ी।

गोचरग्रहाः

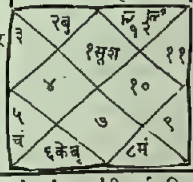

३पं. वै.शु. १०सू.इ.३०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	१	५	११	०	११	०
१३	२३	२	३	१७	६	५	१३
३९	२३	१०	३७	१४	१०	०	३९
४३	२४	४	३७	६	२६	२३	४९
५८	४/४५	९८	४/२२	४/४६	७	३	५८
१७	ब	४४	ब	ब	२०	११	१२

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेवैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	३	१९	वि	११	५०	व	३९	४६	कौ	३	१९	३२/५१	५/२६	६/३४	३	१३	१५	वृश्चिके	रोहि. बुधः १६।२२
२	श	५२	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	र	४७	३८	अ	५	५६	प	३०	३९	व	२१	३७	५४	२५	३५	४	१४	१६	वृश्चिके	भ. २१।३७ उ. ४७।३८ या.
४	चं	४०	७	ज्ये	०/१२	५४/३९	शि	२१	४९	ब	१३	५३	५७	२५	३६	५	१५	१७	ध.०।१२	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	३३	१४	पू	५०	१९	सि	१३	२०	कौ	६	४१	३३/१	२४	३६	६	१६	१८	धनुषि	उदय शनिः २३।३०
६	बु	२७	३	उ	४६	२२	सा	५/२८	५२/५०	बा	०	८	४	२३	३७	७	१७	१९	म.४।२०	भ. २७।३ उ. ५४।२५ या.
७	गु	२१	४७	श्र	४३	३२	शु	५२	०	ब	२१	४७	७	२३	३७	८	१८	२०	मकरे	
८	शु	१७	३१	ध	४१	४१	ब्र	४६	३७	कौ	१७	३१	१०	२२	३८	९	१९	२१	कुं.१२।३७	
९	श	१४	१७	श	४०	४९	ऐं	४१	५४	ग	१४	१७	१३	२१	३९	१०	२०	२२	कुम्भे	भ.४३।६उ. दृश्यकृत्तिका. रविः५५।५७=
१०	र	११	५६	पू	४०	५८	वै	३८	१३	वि	११	५६	१६	२१	३९	११	२१	२३	मी२५।५६	भ. ११।५६ या. =सौरः ५७।४६
११	चं	१०	५२	उ	४२	१६	वि	३५	२०	बा	१०	५२	१९	२०	४०	१२	२२	२४	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	मं	१०	५०	रे	४४	४४	प्री	३३	२०	तै	१०	५०	२२	२०	४०	१३	२३	२५	मे.४४।४४	प्रदोषः
१३	बु	११	५३	अ	४८	१३	आ	३२	१३	व	११	५३	२५	१९	४१	१४	२४	२६	मेषे	भ. ११/५३ उ. ४३/० या. दृश्यो वृषेऽर्कः २३/१२+
१४	गु	१४	५	भ	५२	४३	सौ	३२	४	श	१४	५	२८	१८	४२	१५	२५	२७	मेषे	+सौरः २५।३४
३०	शु	१७	३७	कृ	५८	१७	शो	३२	२३	ना	१७	३७	३०	१८	४२	१६	२६	२८	वृ. ९।७	वक्री बुधः ४६।५ वटपूजनम्

४पं. ज्ये.कृ.३सू.इ.३०।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	१	५	११	०	११	०
२०	२३	११	३	१७	७	४	२०
२७	६	२९	१०	३६	३	३८	२६
२२	२१	४९	१९	५४	७	७	२९
५८	९/५९	७२	३/१४	११/२८	७	३	५७
६	ब	२९	ब	मा	१४	११	५७

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ.१३ बुधे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

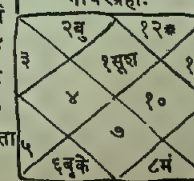

५पं.ज्ये.कृ.१०सू.इ.३०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	१	५	११	०	११	०
२७	२२	१७	२	१९	७	४	२७
१३	८	५	५०	३६	५५	१५	११
३४	३८	४९	६	५४	१९	५२	४१
५७	१०/१४	२५	१/५१	२५	७	३	५७
५४	ब	५८	ब	९	२	११	४५

•चंशुरा

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरेऽहर्गणः५५२१ स.१९६९
१	श २१५० रो ६० ० अ ३३५४ ध २१५० ३३ १७ ४६ १७ २७ २९							वृषे	चद्रदर्शनम्
२	र २७ ७ रो ४ ४८ मृ ३५ २९ को २७ ७ ३६ १७ ४३ १८ २८ १							मि३८।२२	रविलाबल ३
३	चं ३३ ५ मृ ११ ५६ मृ ३७ ५२ तै ० ६ २९ १६ ४४ १९ २९ २							मिथुने	पश्चिमास्तो बुधः ३३।२८
४	मं ३९ १४ आ १९ २६ श्रु ४० १९ ध ६ ९ ४१ १६ ४४ २० ३० ३							मिथुने	भ. ६।९ उ. ३९।१४ या.
५	बु ४५ ३२ पु २७ ७ गं ४३ २ ब १२ २३ ४३ १५ ४५ २१ ३१ ४							क.१०।१०	मार्गी गुरुः ९।५९
६	गु ५१ २१ पु ३४ ३१ पृ ४५ १० को १८ २६ ४६ १५ ४५ २३ १ ५							कर्के	पातस्पर्शः४०।४९ पातमोक्षः ५५।३९●
७	शु ५६ ५ श्ले ३९ ५४ पु ४६ २१ ग २३ ४३ ४८ १४ ४६ २३ २ ६							सि३९।५४	भ. ५६।५ उ. ●रा. ज्येष्ठारंभः
८	श ५९ ३५ म ४६ १ ब्या ४६ ४० वि २७ ५० ५० १४ ४६ २४ ३ ७							सिंहे	भ ३५या.दृश्योरोहि.रविः ५६ (सौरः ५१)
९	र ६० ० पू ४९ २६ ह ४५ ३१ बा ३० २९ ५३ १४ ४६ २५ ४ ८							सिंहे	
१०	मं ० ५९ ह ५० ३१ स्वि ३८ २८ को १ २३ ५४ १३ ४७ २६ ५ ९							क.४।५१	गंगादशमी
११	मं ५७ ३३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							कन्यायां	भ. ३५ उ. ५३ या. निर्जला ११ व्र. स्मा.
१२	बु ५४ ३ चि ४८ ५ व्य ३२ ३५ ब २६ १७ ५८ १२ ४८ २८ ७ ११							तु.१९।१८	+निर्जला ११ व्र. वै. नि.
१३	गु ४९ ४९ स्वा ४३ ४१ ब २५ २ को २० ५६ ३४ १२ ४८ २९ ८ १२							तुलायां	अश्वि मेषे शुक्र ५५ अश्वि. ४शनिः ५१+
१४	शु ३९ ५६ वि ३७ ४४ ध १८ ५२ ग १३ ५२ २ १२ ४८ ३० ९ १३							बृ.२४।१३	पूभा. ४ राहुः उफा. २केतुः ४।५६ प्रदोषः
१५	श ३१ ७ अ ३१ ४ शि ३२ ४९ वि ५ ३१ ४ ११ ४९ ३१ १० १४							बृश्चिके	भ. ३९।५६ उ.
									भ. ५।३१ या वक्री अनु. भौमः ३६।९

६पं.ज्ये.शु.२सू.इ.३०।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	१	५	११	०	११	१
३	२०	८	२	२३	८	३	३
५८	४०	३१	३९	१	४६	५३	५१
२६	१	८	५८	३३	३०	३६	२१
५७	३५	३८	२०	३५	६	३	५७
४४	व	व	व	३८	५३	११	३४

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५शनिवार अशुभ हैं। भूकम्प अग्निभय युद्धभय हों। धान्य अनाज गल्ला रुई रेशम सोनाचांदी तेज रहे।

गोचरग्रहाः

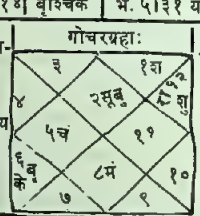

७पं.ज्ये.शु.९ सू.इ.३१।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	१	५	११	०	११	१
१०	१८	१६	२	२७	९	३	१०
४२	३८	१९	३८	३०	३५	३१	३७
२५	४५	९	३	२८	५२	२१	३२
५७	३५	३८	४०	४३	६	३	५७
३५	व	व	मा	४७	३६	११	२३

ति.	प्र. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र २१ ८ ज्ये २३ ४६ सा ४५ ५७ को २१ ४८ ३६ ११ ४९ ६							ध.२३।४६	जन मा. ६ ता. ३०
२	चं १२ २३ मू १६ ३० शु ३५ ४८ ग १२ २३ ७ ११ ४९ २							धनुषि	भ. ३७।५२ उ.
३	मं ३ २१ पू ९ ४९ शु २६ १२ वि ३ २१ ९ १० ५० ३							म.२३।२०	भ. ३।३१ या. चतुर्थी व्रतम्
४	मं ५१ ४४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०	
५	बु ४८ ५ उ ५३ ५६ ब्र १७ १९ को २१ ३५ १० १० ५० ४							मकरे	●उफा. ३ गुरुः २३।३०
६	गु ४२ ३० ध ५६ १० ऐं ९ ३८ ग १५ १७ १२ १० ५० ५							कु.२८।२	भ. ४२।३० उ.
७	शु ३८ ३३ श ५४ ३८ वै ११ ५४ वि १० ३१ १३ ९ ५१ ६							कुम्भे	भ. १०।३१ या.
८	श ३६ १ पू ५४ २६ प्री ५३ ५० बा ७ १७ १४ ९ ५१ ७							मी३९।२९	दृश्योमृगे रविः४१।४३ (सौरः५०।३२)×
९	र ३४ ५५ उ ५५ ४९ आ ५१ ६ तै ५ २८ १६ ९ ५१ ८							मीने	वक्री कृत्ति. बुधः ५८।१७
१०	चं ३५ ३५ रे ५८ ४३ सौ ४९ ३१ ब ५ १५ १७ ९ ५१ ९							मे.५८।४३	भ. ५।१५ उ. ३५।३५ या.
११	मं ३७ २१ अ ६० ० शो ४८ ४९ ध ६ २८ १८ ८ ५२ १०							मेषे	योगिनी ११ व्र. ×बुधोदयः पूर्वस्यां
१२	बु ४० २७ अ २ ४४ अ ४९ ३० को ८ ५४ १९ ८ ५२ ११							मेषे	+बुधः ३०।३७ प्रदोषः
१३	गु ४४ ३२ भ ७ ४३ सु ५० १० ग १२ ३० २० ८ ५२ १२							बृ.२४।१२	भ.४४।३२उ. मार्गी बुधः १।१० रोहि+
१४	शु ४९ ३३ कृ १३ ३८ धृ ५१ ५३ वि १७ २ २१ ८ ५२ १३							बृषे	भ. १७।२ या. भरण्यां शुक्रः ४४।२८
१५	श ५५ १२ रो २० ४० शू ५३ ४७ च २२ २३ २१ ८ ५२ १४							मि५४।१३	दृश्यो मिथुनेऽर्कः ४०।२१ (सौरः ५१) ●

८पं.प्र.आ.कृ.१सू.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	१	५	०	०	११	१
१७	१६	१२	२	२	१०	३	१७
२५	२३	४०	४४	४०	२३	९	१८
८	४५	५६	५६	४१	२०	५	२८
५७	३५	३८	४०	४३	६	३	५७
२७	व	व	४	५३	२३	११	१३

गोचरग्रहाः

प्र.आ.कृ.३० शनौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५सुतार्थिन्यव-स्था(सूती)मु. १५ धान्यदिभावेमहर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

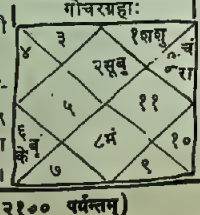

९पं.प्र.आ.कृ.९ सू.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	१	५	०	०	११	१
२४	१४	१०	३	८	११	२	२३
७	८	६	१	४२	८	४६	५८
१२	१६	४६	५४	०	२७	४२	३४
५७	२५	३८	३५	५४	६	३	५७
२२	व	व	२६	३५	७	११	०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	प्र.आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५५५० स.१९६९
१	र	६०	०	मृ	२७	४७	गं	५६	४	किं	२८	८	३४/२२	५/८	६/५२	१५	२५	२९	मिथुने	अधिक मास प्रारम्भ
१	चं	१	५	आ	३५	२१	वृ	५८	३८	व	१	५	२२	८	५२	१६	२६	३०	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	७	१३	पु	४२	५८	ध्रु	६०	०	कौ	७	१३	२३	७	५३	१७	२७	१	क.२६।४	रविलाखर ४
३	बु	१३	२०	पु	५०	२०	ध्रु	१	११	बा	१३	२०	२३	७	५३	१८	२८	२	कर्के	भ. ४६।१९ उ.
४	गु	१९	१८	श्ले	५७	७	व्या	३	१७	वि	१९	१८	२३	७	५३	१९	२९	३	सिं५७।७	भ. १९।१८ या.
५	शु	२४	१५	म	६०	०	ह	५	१	बा	२४	१५	२४	७	५३	२०	३०	४	सिंहे	
६	श	२८	१२	म	२	५९	व	६	१३	तै	२८	१८	२४	७	५३	२१	३१	५	सिंहे	दृश्यः आर्द्रा. रवि. ४०।१३ (सौरः ५३/५३)
७	र	३०	५०	पू	७	३९	सि	६	१२	व	३०	५०	२४	७	५३	२२	१	६	कं.२३।२८	भा. ३०।५० उ. रा. आषाढ़ारम्भः
८	चं	३१	३४	उ	१०	५२	व्य	४	५०	वि	१	१२	२४	७	५३	२३	२	७	कन्यायां	भ. १।१२ या.
९	मं	३०	४०	ह	१२	१२	व	२/११	५५/३९	बा	०	७	२४	७	५३	२४	३	८	तु.४१।५३	
१०	बु	२७	४०	चि	११	३४	शि	५१	५९	ग	२७	४०	२३	७	५३	२५	४	९	तुलायां	भ. ५५।१३ उ.
११	गु	२२	४५	स्वा	८	५५	सि	४५	२९	वि	२२	४५	२३	७	५३	२६	५	१०	वृ.५०।३९	भ. २२।४५ या. कमला ११ व्रतम्
१२	शु	१५	५२	वि	४/३४	५४/००	सा	३७	५२	बा	१५	५२	२३	७	५३	२७	६	११	वृश्चिके	कृत्तिका शुक्रः २८।३७ प्रदोषः
१३	श	८	३८	ज्ये	५१	२२	शु	२५	५९	तै	८	३८	२२	८	५२	२८	७	१२	ध.५१।२२	भ. ५८।१० उ.
१४	श	४९	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	र	४८	११	मू	४३	३०	शु	१५	२४	वि	२३	१०	२२	८	५२	२९	८	१३	धनुषि	भ. २३।१० या. मृगे बुधः ५१।२३

१० पं. प्र.आ.शु.१सू.इ. ३१/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	५	०	०	१	२
०	१२	१०	३	१५	१	२	०
४८	२	४	२५	३	५१	२४	३७
२५	५२	४९	२	३२	२८	४	४३
५७	११/५५	१४/५४	४	५८	५	३	५६
१७	ब	मा	३७	१६	३८	११	५७

११पं. प्र.आ.शु.७सू.इ. ३१/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	५	०	०	११	२
७	१०	१५	३	२१	१२	२	७
२९	२३	२	५७	४७	३०	२	१६
२४	३८	४२	१८	३४	५७	१८	१०
५७	५/३२	४७	५	६१	५	३	५६
१३	ब	५२	४३	५	१४	११	५४

१२पं. प्र.आ.शु.१५सू.इ. ३०/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	५	०	०	११	२
१४	९	२२	४	२८	१३	१	१३
९	२२	५२	३७	४९	७	४०	५४
५०	१	१५	८	१९	१९	३	१५
५७	६/५५	८१	६	६३	४	३	५६
७	ब	३३	४३	२०	४६	११	५०

ति.	द्वि. आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे प्र.आ.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३७	५६	पू	३५	३५	ब्र	४/२६	४९/९	बा	१३	४	३४/२५	५/८	६/५२	३०	९	१४	म.४८।४०	वृषे शुक्रः ३७।५६
२	मं	२८	१९	उ	२७	५६	वै	४३	११	तै	३	८	२०	८	५२	१	१०	१५	मकरे	भ. ५३।५१ उ. जुलाई मा. ७ ता. ३१
३	बु	१९	२४	श्र	२१	११	वि	३३	३७	वि	१९	२४	१९	८	५२	२	११	१६	कुं.४८।३५	भ. १९।२४ या. भरणी१ शनिः १०/३७ च.व.
४	गु	११	५३	ध	१५	५९	प्री	२५	१८	बा	११	५३	१८	८	५२	३	१२	१७	कुंभे	मार्गी भौमः ११।३७
५	शु	६	२	श	१२	१९	आ	१८	१७	तै	६	२	१७	९	५१	४	१३	१८	मी५६।०	मिथुने बुधः ३०।५१
६	श	२	५	पू	१०	३४	सौ	१२	५०	व	२	५	१५	९	५१	५	१४	१९	मीने	भ. २।५ उ. ३१।११ या. दृश्यः पुनर्वसौ×
७	र	०	१७	उ	१०	४२	शो	८	५८	ब	०	१७	१४	९	५१	६	१५	२०	मीने	×रविः ३८।९ (सौरः ५६।५३)
८	चं	०	१८	रे	१२	४७	अ	६	३५	कौ	०	१८	१३	९	५१	७	१६	२१	मे.१२।४७	
९	मं	२	८	अ	१६	३५	सु	४	४१	ग	२	१८	११	१०	५०	८	१७	२२	मेषे	भ. ३३।४३ उ. आर्द्रायां बुधः १२।१९
१०	बु	५	१८	भ	२१	५२	धृ	६	१८	वि	५	१८	१०	१०	५०	९	१८	२३	वृ.३८।२५	भ. ५।१८ या.
११	गु	९	५६	कृ	२८	४	शू	७	१४	बा	९	५६	८	१०	५०	१०	१९	२४	वृषे	रोहि. शुक्रः १८।२८ कमला ११ व्रतम्
१२	शु	१५	२२	रो	३५	१६	गं	९	११	तै	१५	२२	७	११	४९	११	२०	२५	वृषे	पूर्वास्तो बुधः १८।१४ प्रदोषः
१३	श	२१	२०	मृ	४२	३४	वृ	११	२६	व	२१	२०	५	११	४९	१२	२१	२६	मि८।५५	भ. २१।२० उ. ५४।२५ या.
१४	र	२७	३१	आ	४९	५९	ध्रु	१३	५०	श	२७	३१	४	११	४९	१३	२२	२७	मिथुने	
३०	चं	३३	३५	पु	५७	३६	व्या	१६	११	च	०	३३	२	१२	४८	१४	२३	२८	क.४०।४२	सोमवती ३० पुरुषोत्तम मास समाप्तिः

१३पं. द्वि आ.कृ.७सू.इ. ३०/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२	५	१	०	११	२
२०	८	३	५	६	१३	१	२०
५०	५९	३६	२२	९	४०	१७	३२
१०	५२	५०	५५	२१	८	४७	९
५७	२/३८	५/००	१	६५	४	३	५६
७	मा	२२	४४	२	२६	११	५०

गोचरग्रहाः

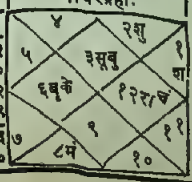

इस मासका फल साधारण है रुई अनाजगल्ला सोना चांदी में तेजी हो कर सुदी में मंदी हो।

गोचरग्रहाः

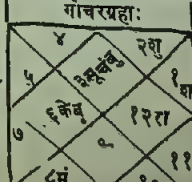

१४पं.द्वि.आ.कृ.११सू.इ. ३०/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२	५	१	०	११	२
२७	९	१६	६	१३	१४	९	२७
३०	१६	५४	१३	३३	८	५५	१०
३२	२६	७	१	१४	२७	३१	१
५७	७	२२	८	६६	३	३	५६
११	५३	१२	४३	३३	४१	११	५५

ति.	द्वि.आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५५८० स.१९६९
१	मं	३९	३२	पु	६०	०	ह	१८	३२	किं	६	३३	३४	५ १२	६ ४८	१५	२४	२९	कर्के	पुनर्वसौ बुधः २।०
२	बु	४४	५४	पु	४	५६	व	२०	४७	बा	१२	१३	३३ ५८	१२	४८	१६	२५	३०	कर्के	दृश्यः कर्केऽर्कः ३ ७/३३ सौरः ३९/३७ उफा. ४गुरुः*
३	गु	४९	३७	श्रे	११	३६	सि	२२	२७	तै	१७	१५	५६	१३	४७	१७	२६	१	सिं११।३६	जमादिलावल ५ ०११/१४ चंद्रदर्श. रथयात्रा
४	शु	५४	२६	म	१७	२५	व्य	२२	१५	व	२०	१	५४	१३	४७	१८	२७	२	सिंहे	भ. २२।१ उ. ५४।२६ या.
५	श	५६	८	पू	२२	१९	व	२३	३३	व	२५	१७	५२	१४	४६	१९	२८	३	कं.३८।१७	दृश्यः पुष्ये रविः ३६।५० कर्के बुधः ४०/१४
६	र	५७	३२	उ	२६	११	प	२२	५९	कौ	२६	५०	५०	१४	४६	२०	२९	४	कन्यायां	पुष्ये रविः सौरः ०।१८
७	चं	५७	३१	ह	२९	३४	शि	२१	१६	ग	२७	३२	४७	१५	४५	२१	३०	५	तु.५९।३३	भ. ५७।३१ उ. पुष्ये बुधः १५।३५
८	मं	५५	५६	चि	२९	३१	सि	१८	२३	वि	२६	४३	४५	१५	४५	२२	३१	६	तुलायां	भ. २६।४३ या. मृगे शुक्रः २३।४२
९	बु	५२	३८	स्वा	२८	५६	सा	१४	९	बा	२४	१७	४२	१६	४४	२३	१	७	तुलायां	रा. श्रावणारंभः
१०	गु	४७	३७	वि	२६	३५	शु	८	२६	तै	२०	८	४०	१६	४४	२४	२	८	वृ.१२।१०	
११	शु	४१	१०	अ	२२	४६	शु	३९ १	५१ ४०	व	१४	२४	३७	१७	४३	२५	३	९	वृश्चिके	भ.३४/२४ उ.४१/१० या. देवशयनी ११ ब्र.स्मा.वै.
१२	श	३३	१४	ज्ये	१७	२५	ऐं	४४	१३	व	१	१२	३५	१७	४३	२६	४	१०	ध.१७।२५	देवशयनी ११ ब्र. नि, प्रदोषः
१३	र	२४	१	मू	११	४८	वै	३४	९	तै	२४	१४	३२	१८	४२	२७	५	११	धनुषि	आश्लेषां. बुधः ३७।१९
१४	चं	१४	२९	पू	४ १८	५१ १९	वि	२३	३१	व	१४	२९	२९	१८	४२	२८	६	१२	म.१६।३८	भ ३४/२९ उ.३९/३८ या. मिथुने शुक्रः २३/१५ वा.प.
१५	मं	४	४७	श्र	४८	६	प्री	१२	४७	व	४	४७	२६	१९	४१	२९	७	१३	मकरे	व्यास पूजा

१५पं.द्वि.आ.शु.६सू.इ.३०/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	५	१	०	११	३
४	१०	१	७	२१	१४	०	३
११	९	४५	१४	२	३३	३३	४८
५७	०	३९	२०	१४	१०	१६	४३
५७	१२	[illegible]	९	६७	३	३	५६
१५	८	१०/१०	२९	४७	२	११	५७

गोचरग्रहाः

द्वि. आ. शुक्ले २ बुधेकर्केऽर्कः प्र.वा. ५न.५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु १५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पू. ।

गोचरग्रहाः

१६पं.द्वि.आ.शु.१३सू.इ.३०/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	५	१	०	११	३
१०	११	१६	८	२८	१४	०	१०
५२	३४	२६	७	५९	५२	११	२८
१९	३३	२	४९	२७	४४	०	१०
५७	१५	[illegible]	०	६८	२	३	५७
२०	५९	५८	११	४९	२९	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेद्वि.आषा.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	५०	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	४६	२२	ध	४१	२६	आ	३ २६	५० १७	तै	२०	४३	३३ २४	५ १९	६ ४१	३०	८	१४	कु.१४।४६	पूभा. ३ कुंभे राहुः उफा. १ सिंहे केतुः ५७/४७
३	गु	३९	२	श	३५	५६	शो	४४	७	व	१२	४२	२१	२०	४०	३१	९	१५	कुम्भे	भ. १२।४२ उ. ३९।२ या. चतुर्थी ब्र.
४	शु	३३	२६	पू	३२	२१	अ	३६	५९	व	६	१४	१८	२०	४०	१	१०	१६	मी१८।१५	अगस्त मा. ८ ता. ३१
५	श	३०	५	उ	३०	२५	सु	३१	२२	कौ	१	४६	१५	२१	३९	२	११	१७	मीने	दृश्यःआश्लेषां.रवि ३३/५१ नाग ५ मरुस्थले
६	र	२८	५०	रे	३०	४७	धृ	२७	२९	व	२८	५०	१२	२२	३८	३	१२	१८	मे.३०।४७	भ २८/५० उ.५९/१५ या. आश्ले.रविःसौरः १/५ सिंहे÷
७	चं	२९	४०	अ	३३	८	शू	२५	१७	व	२९	४०	९	२२	३८	४	१३	१९	मेषे	बुधोदयः पश्चिमायां ७।२९
८	मं	३२	२१	भ	३७	३५	गं	२४	५०	बा	१	०	६	२३	३७	५	१४	२०	वृ.५४।१	÷बुधः ३०।५५ आर्द्रा. शुक्रः १९।५२
९	बु	३६	४७	कृ	४३	१९	वृ	२५	१८	तै	४	३४	३	२३	३७	६	१५	२१	वृषे	हस्ते १ गुरुः ३१।३१
१०	गु	४२	१६	रो	५०	१७	ध्रु	२६	४५	व	९	३२	०	२४	३६	७	१६	२२	वृषे	भ. ९।३२ उ. ४२।१८ या.
११	शु	४८	१८	मृ	५७	४६	ध्या	२९	१४	व	१५	१७	३३ ५६	२५	३५	८	१७	२३	मि२४।१	कामिका ११ ब्र.
१२	श	५४	५५	आ	६०	०	ह	३१	४०	कौ	२१	३६	५३	२५	३५	९	१८	२४	मिथुने	
१३	र	६०	०	आ	५	३४	व	३४	२०	ग	२७	५५	५०	२६	३४	१०	१९	२५	क.५६।१०	प्रदोषः व्रतम्
१३	चं	०	५६	पु	१३	२	सि	३६	३४	व	०	५६	४७	२७	३३	११	२०	२६	कर्के	भ. ५६ उ. ३३/३८ या. पूफायां बुधः ४।१८
१४	मं	५	५९	पु	२०	१२	व्य	३८	३२	श	५	५९	४३	२७	३३	१२	२१	२७	कर्के	ज्येष्ठायां भौमः १९।४७
३०	बु	११	४६	श्रे	२६	१९	व	३९	४१	ना	११	४६	४०	२८	३२	१३	२२	२८	सिं२६।२९	हरियाली अमावस्या

१७पं.श्रा.कृ.६सू.इ.३०।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	५	२	०	१०	३
१७	१३	२९	९	६	१५	२९	१७
३४	३३	५८	२७	५२	८	४८	७
१	५४	५२	०	८	१६	४५	४८
५७	१९	[illegible]	१०	६९	१	३	५७
२५	३४	१०/१०	५५	३७	४०	११	१२

गोचरग्रहाः

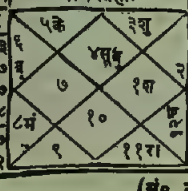

इस मास में ५ बुधवार घृत तैल गुड़आदिरस तेज करे। रुई चांदी सोना सम, सूत गेहूं मन्दा।

गोचरग्रहाः

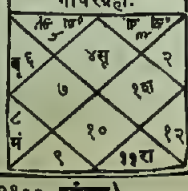

१८पं.श्रा.कृ.१३सू.इ.३०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	४	५	२	०	११	३
२४	१५	१२	१०	१४	१५	२९	२३
१६	५७	१८	३९	५२	१८	२६	४८
२६	४६	५०	१४	१२	२५	२९	५५
५७	२३	[illegible]	११	७०	१	३	५७
३३	२१	३१	२६	२५	८	११	२२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६१०सन्१९६९
१	गु १५।१४ म ३१।४७ पू ४०।१५ ध १५।१४	३३	५	३६	१४	२३	२९	सिंहे	पुनर्वसा शुक्रः ५९।१३
२	शु १८।४० पू ३६।२२ शि ४०।१३ कौ १८।४०	३	२९	३१	१५	२४	३०	कं.५२।१४	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	श २०।४७ उ ३९।५० सि ३९।१२ ग २०।४७	२९	३०	३०	१६	२५	१	कन्यायां	भ. ५१ उ. हस्थो मघा. सिंहेऽर्कः ३५×
४	र २१।३८ ह ४२। ९ सा ३७।१३ वि २१।३८	२६	३१	२९	१७	२६	२	कन्यायां	भ. २१।३८ या. वरद ४
५	चं २१।३५ चि ४३।३६ शु ३४।३७ बा २१।३५	२२	३२	२८	१८	२७	३	तु.१२।५२	नागपंचमी
६	मं २०।२० स्वा ४३।५० शु ३१। ९ ते २०।२०	१९	३२	२८	१९	२८	४	तुलायां	उकायां बुधः ३८।४०
७	बु १७।५२ वि ४२।४९ अ २६।४१ व १७।५२	१५	३३	२७	२०	२९	५	वृ.२८।४	भ. ५३ उ.४६ या. वक्री शनिः ५५।८
८	गु १४।२० अ ४०।३५ हे २१। ८ ब १४।२०	११	३४	२६	२१	३०	६	वृश्चिके	×(सौरः ३५) तीज जमादिलाखर ६
९	शु ९।३५ ज्ये ३७।२८ वै १४।४३ कौ ९।३५	८	३४	२६	२२	३१	७	व.३७।२८	कन्या. बुधः ०।१५
१०	श ३।४० मू ३२।५३ वि २०।३२ ग ३।४०	४	३५	२५	२३	१	८	धनुषि	भ.३९उ.५६या. कर्कशुक्रः३१ पवित्रा११*
११	श ५३। ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०		*व. स्मा. रा.भाद्रपदारंभः
१२	र ४८।४१ पू २७।२५ आ ५०। २ ब २२।४०	०	३६	२४	२४	२	९	म.४०।५४	हस्ते २ गुरुः ५१ पवित्रा ११ व्र. वै.
१३	चं ४०। १४ उ २१।२१ सौ ४०।२६ कौ १४।२७	२९	३७	२३	२५	३	१०	मकरे	प्रदोषः
१४	मं ३१।३४ श्र १४।५३ शो ३०।३४ ग ५।५४	२८	३८	२२	२६	४	११	कु.४१।३९	भ. ३९ उ. ५५ या. पुष्ये शुक्रः १९।११
१५	बु २३।१० ध ८।२५ अ २१। ५ ब २३।१०	४८	३८	२२	२७	५	१२	कुम्भे	श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्

१९पं.श्रा.शु.४सू.इ.२०।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	५	२	०	१०	४
०	१८	२३	११	२२	१५	२९	०
५२	४८	२५	५५	२८	१४	४	३१
४९	३९	४	४८	३०	७	१३	८
५७	२५	९०	१२	७१	०	३	५७
४०	४९	५५	२	१२	११	२४	

गोचरग्रहाः

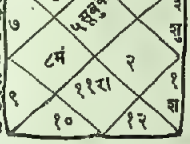

श्रावण शुक्ला ३ शनौ सिंहेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ प्रग-ल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समता शु.पू.

गोचरग्रहाः

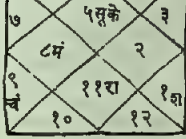

२०पं.श्रा.शु.१२सू.इ.२९।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	३	०	१०	४
७	२१	३	१३	१	१५	२८	७
४४	५९	१५	१५	९	२४	४१	१४
१७	४५	५४	३३	२३	३५	८	३१
५७	२८	७८	१२	७१	२०	३	५७
४८	१४	३४	२२	३४	४	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु १५।४६ श ३४।५६ सु १२। ८ कौ १५।४६	३९	५	२१	२८	६	१३	मीने४४।१	
२	शु ९।३३ उ ५४।३५ धृ ५९ ५३ ग ९।३३	४०	४०	२०	२९	७	१४	मीने	भ. ३७।१७ उ. हस्ते बुधः ५२।४४
३	श ५। १ रे ५३।१६ गं ५१।४० वि ५। १	३६	४१	१९	३०	८	१५	मे.५३।१६	भ.५।१या. दृश्यःपूफायां रविः १७।२३*
४	र २।४० अ ५४।१० कृ ५७।५४ बा २।४०	२२	४२	१८	३१	९	१६	मेषे	*(सौरः ४८।२४) च. व्र.
५	चं २।१६ भ ५७। ५ धु ४६। १ ते २।१६	२८	४२	१८	१	१०	१७	मेषे	चन्द्रषष्ठी सितम्बर मा. ९ ता. ३०
६	मं ४। ६ कृ ६०। ० श्या ४५।३३ व ४। ६	२५	४३	१७	२	११	१८	वृ.१३।१५	भ. ४।६ उ. ३५।५७ या.
७	बु ७।४९ कृ ।४६ ह ४६।१५ व ७।४९	२१	४४	१६	३	१२	१९	वृषे	जन्माष्टमी व्र. स्मा. श्रीकृष्णजयन्ती
८	गु १२।५३ रो ८। २ व ४८। ९ कौ १२।५३	१७	४५	१५	४	१३	२०	मि४१।३५	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	शु १८।४८ मृ १५। ८ सि ५०।१६ ग १८।४८	१३	४५	१५	५	१४	२१	मिथुने	भ. ५२।१ उ. गोगा ९
१०	श २५।१५ आ २२।४३ व्य ५२।५२ वि २५।१५	९	४६	१४	६	१५	२२	मिथुने	भ. २५।१५ या. आश्लेषा. शुक्रः ३४।५१
११	र ३१।१८ पु ३०।१८ व ५५।१४ बा ३१।१८	५	४७	१३	७	१६	२३	क.१३।२४	अजा ११ व्र.
१२	चं ३७। १ पु ३७।१९ प ५७। ८ कौ ४। ९	१	४८	१२	८	१७	२४	कर्के	मूले धनुषि भौमः ५४।५० वत्सद्वादशी
१३	मं ४१।५४ पु ४३।५० शि ५८।२३ ग ७।५७	३०	४९	११	९	१८	२५	सिं४३।५०	भ. ४१।५४ उ. प्रदोषः
१४	बु ४५।२२ म ४८।४६ सि ५८।३६ वि १३।३८	२५	४९	११	१०	१९	२६	सिंहे	भ. १३।३८ या. हस्ते ३ गुरुः १६।४
१५	गु ४७।४९ पू ५२।५० सा ५७।५६ च १६।३६	२०	५०	१०	११	२०	२७	सिंहे	कुशाग्रहणी पिठोरी ३०

२१पं.भा.कृ.४सू.इ.२९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	३	०	१०	४
१४	२५	११	१४	९	५	२८	१३
२९	२९	३६	३७	२५	१९	१९	५९
५६	५२	७	५८	३४	१९	४२	५३
५७	३०	५९	१२	७१	३	३	५७
१	२२	२८	२२	५३	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

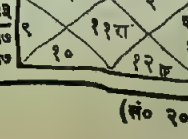

इस मास में ५ गुरुवार शुभ हैं। धान्य जौ गेहूं मूंग मोंठ बाजरा व चावल मंदा हो।

गोचरग्रहाः

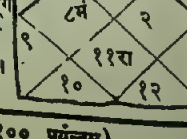

२२पं.भा.कृ.११सू.इ.२९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	३	०	१०	४
२१	२९	१७	१६	१७	१५	२७	२०
१६	१४	५७	३	४५	९	५७	४६
५५	१३	५३	२५	५८	१४	२७	३३
५८	३२	३७	१३	७२	३	३	५८
१३	१३	२	११	२०	ब	११	

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६३९ स.१९६९
१	शु	४८	४४	उ	५५	२२	शु	५६	११	किं	१८	१६	३० ४४	५ ५१	६ ९	१२	२१	२८	कं.८।२८	
२	श	४८	२७	ह	५७	१	शु	५३	३५	बा	१८	३६	४०	५२	८	१३	२२	२९	कन्यायां	दृश्यः उफायां रविः १।४३ सौरः३३।२●
३	र	४७	२३	चि	५७	३८	ब्र	५०	१९	तै	१७	५५	३६	५३	७	१४	२३	१	तु.२७।१९	हरितालिका ३ रज्जब ७ ●चन्द्रद.
४	चं	४५	१७	स्वा	५७	२१	ऐं	४५	५७	व	१६	२०	३२	५४	६	१५	२४	२	तुलायां	भ. १७/२० उ. ४५/१७ या. वक्री बुधः ४।३०×
५	मं	४२	२३	वि	५६	५	वै	४१	१०	ब	१३	४९	२८	५४	६	१६	२५	३	वृ.४१।२४	दृश्यःकन्यायामर्कः२७।४ सौरः५८/१४ऋषि५
६	बु	३८	५४	अ	५४	२७	वि	३५	५५	कौ	१०	३८	२४	५५	५	१७	२६	४	वृश्चिके	मघा. सिंहेशुक्रः ४०।४ ×गणेश चतुर्थी
७	गु	३४	४४	ज्ये	५१	५८	प्री	३०	४	ग	६	४९	२०	५६	४	१८	२७	५	ध.५१।५८	भ. ३४।४४ उ.
८	शु	२९	५६	मू	४९	२	आ	२३	३३	वि	२	२०	१६	५७	३	१९	२८	६	धनुषि	भ. २।२० या.
९	श	२४	३८	पू	४५	१४	सौ	१६	४०	कौ	२४	३८	१२	५८	२	२०	२९	७	म.५९।१२	
१०	र	१७	४७	उ	४१	७	शो	९	८	ग	१७	४७	८	५८	२	२१	३०	८	मकरे	भ. ४५।० उ.
११	चं	१२	११	श्र	३६	३१	अ	१/२२	५१/४२	वि	१२	११	४	५९	१	२२	३१	९	मकरे	भ. १३/११ या. पश्चिमास्तो बुधः ५०।५९+
१२	मं	५	१७	ध	३१	४६	धृ	४४	५४	बा	५	२७	३० ०	६ ०	६ ०	२३	१	१०	कु. ४।८	प्रदोषः रा. आश्विनारंभ.
१३	मं	५३	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+जलझूलनी ११ ब्र. वामनजयंती
१४	बु	५२	२९	श	२७	५	शू	३६	४७	ग	२५	३७	२९ ५५	१	५ ५९	२४	२	११	कुम्भे	भ. ५२।२९ उ. अनन्त १४
१५	गु	४६	५२	पू	२२	५७	गं	२९	१	वि	१९	४५	५१	२	५८	२५	३	१२	मी८।५९	भ. १९।४५ या. महालय श्राद्धारंभः

२३पं.भा.शु.३सू इ.२९।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	५	३	०	१०	४
२८	३	२१	१७	२६	१४	२७	२७
५	१२	२३	३०	९	५३	३५	३४
३४	४३	१३	३९	३	५२	११	५६
५८	३३	३	१३	७२	२२/२२	३	५८
२६	३४	५०	२०	४१	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

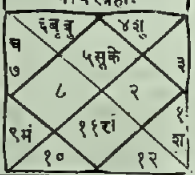

भा. शु. ५ भौमे कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.५ कुम र्य-वस्था (बैठी) मु. ४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो.पू.

गोचरग्रहाः

२४पं.भा.शु.१०सू.इ.२९।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	४	०	१०	५
४	७	२०	१८	४	१४	२७	४
५५	२१	१३	५९	३८	३३	१२	५५
१९	२१	९	९	४९	५	५५	१९
५८	३५	४२/२५	१३	७२	५८/२	३	५८
३८	३	ब	२९	५६	ब	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४२	४०	उ	१९	५६	वृ	२२	१७	बा	१४	२५	२९ ४७	६ ३	५ ५७	२६	४	१३	मीने	दृश्या हस्ते रविः ४०/१० हस्ते४गुरुः २०/७ अस्तं●
२	श	४०	८	रे	१८	१	ध्रु	१६	१९	तै	११	२४	४३	३	५७	२७	५	१४	मे.१८।१	हस्ते रविः सौरः १०।४३ अ.गु.
३	र	३९	१२	अ	१७	५४	व्या	११	४६	व	९	४०	३८	४	५६	२८	६	१५	मेषे	भ. ९/४० उ. ३९/१२ या. पूफायां शुक्रः ३८।३७
४	चं	४०	२०	भ	१९	४४	ह	८	३८	ब	९	४६	३४	५	५५	२९	७	१६	वृ.३५।३६	चतुर्थी ब्र. ●गुरौ; ३।०
५	मं	४३	११	कृ	२३	१३	व	७	२२	कौ	११	४५	३०	६	५४	३०	८	१७	वृषे	भ. ४७/९ उ.वक्रीउफा.बुधः १४/१९ पूषायांभौमः×
६	बु	४७	९	रो	२८	२२	सि	६	५५	ग	१५	१०	२६	७	५३	१	९	१८	वृषे	अक्टूबर मा. १० ता.३१
७	गु	५३	२४	मृ	३४	५९	व्य	७	५४	वि	२०	१६	२२	८	५२	२	१०	१९	मि१।४०	भ. २०।१६ या.
८	शु	५९	४६	आ	४२	७	व	९	३७	बा	२६	३५	१८	८	५२	३	११	२०	मिथुने	+वक्री आश्वि,४शनिः५४।४
९	श	६०	०	पु	४९	४६	प	११	५१	तै	३२	५३	१४	९	५१	४	१२	२१	क.३२।५१	मातृ ९ ×५९/८ पूभा. २राहुः पूफा.४=
९	र	६	१	पु	५७	१	शि	१४	१५	ग	६	१	१०	१०	५०	५	१३	२२	कर्के	भ. ३८।५७ उ. =केतुः ५०/१
१०	चं	११	५३	श्ले	६०	०	सि	१६	१७	वि	११	५३	६	११	४९	६	१४	२३	कर्के	भ. ११।५३ या. बुधोदयः पूर्वस्यां ३४।०
११	मं	१६	४८	श्ले	३	४२	सा	१७	४४	बा	१६	४८	२	१२	४८	७	१५	२४	सिं३।४२	इन्दिरा ११ ब्र.
१२	बु	२०	१२	म	८	५८	शु	१८	८	तै	२०	१२	२८ ५८	१२	४८	८	१६	२५	सिंहे	मार्गी बुधः ३६।१४ प्रदोषः
१३	गु	२२	४	पू	१२	५४	शु	१७	२९	व	२२	१४	५४	१३	४७	९	१७	२६	कं.२८।३०	भ.३३/१४ उ.५२/३५ या. उफायां शुक्रः ३०।५२
१४	शु	२२	३५	उ	१५	१६	ब्र	१५	२९	श	२२	३५	५०	१४	४६	१०	१८	२७	कन्यायां	दृश्यश्चित्रा रविः १२।११ (सौरः ४१/१९)+
३०	श	२१	२३	ह	१६	१२	ऐं	१२	१७	ना	२१	२३	४६	१५	४५	११	१९	२८	तु.४५।५३	चित्रा १ गुरुः ४१।३७ सर्वपितृ ३०

२५पं.आ.कृ.३सू.इ.२९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	४	०	१०	५
११	११	१३	२०	१३	१४	२६	११
४६	४२	४२	२९	८	१०	५०	१७
५५	५४	४६	६	१३	३०	४०	७
५८	३६	८०/५५	१२	३	३७/३	३	५९
५३	२७	ब	३२	१४	ब	११	०

गोचरग्रहाः

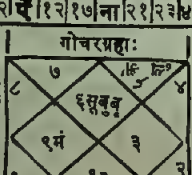

इस मास में गेहूं गुड़ सिरस्युं मूंग-फली रुई सूत चांदी सोनामें मंदी होकर सुदी में तेज होगा,वर्षा होगी.

गोचरग्रहाः

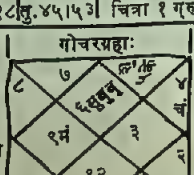

२६पं.आ.कृ.९ सू.इ.२८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	४	०	१०	५
१८	१६	७	२२	२१	१३	२६	१८
४०	१५	२६	०	४२	४३	२८	१०
८	१८	२	१८	७	४७	२४	५४
५९	३७	४०/१	१३	७३	५८/३	३	५९
९	२४	ब	३४	२६	ब	११	१६

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६६९ स.१९६९
१	र	१८	५१	चि	१५	३४	वै	८	४	ब	१८	५१	२८/४२	६/१६	५/४४	१२	२०	२९	तुलायां	कन्या. शुक्रः १३/५० नवरात्रारंभः माता.श्रा.
२	चं	१५	१५	स्वा	१३	२	वि	५२/२	५४/३	कौ	१५	१५	३८	१६	४४	१३	२१	३०	वृ.५७।८	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	११	२	वि	११	५०	आ	५०	१२	ग	११	२	३४	१७	४३	१४	२२	१	वृश्चिके	भ. ३९।११ उ. सावान ८
४	बु	७	२१	अ	८	५३	सौ	४३	१३	वि	७	२१	३०	१८	४२	१५	२३	२	वृश्चिके	भ. ७।२१ या. हस्ते बुधः १०।५२
५	गु	१	२१	ज्ये	५	३७	शो	३६	३४	बा	१	२१	२६	१९	४१	१६	२४	३	ध.५।३७	दृश्यस्तुलायामर्कः ५५।५७
६	गु	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×गुरोः४६/४८ पापांकुशा११ब्र. उ.गु.
७	शु	५१	४	मू	२६/२	५६/३५	अ	२९	३४	ग	२३	३६	२२	२०	४०	१७	२५	४	धनुषि	भ.५१/४ तुलायामर्कःसौरः२४/२ सर.वाह.च
८	श	४५	५८	उ	५५	४४	सु	२२	२६	वि	१८	३१	१८	२०	४०	१८	२६	५	म.१२।५७	भ. १८।३१ या. बलिदानम्
९	र	४०	५२	श्र	५२	२३	धृ	१५	१९	बा	१३	२५	१४	२१	३९	१९	२७	६	मकरे	सरस्वती विसर्जनम्
१०	चं	३५	५२	ध	४९	८	शू	८	१३	तै	८	२२	१०	२२	३८	२०	२८	७	कुं.२०।४५	हस्ते शुक्रः २०।२४ विजया १०
११	मं	३१	५२	श	४६	१०	गं	२३/१	५३/२	व	३	५२	६	२३	३७	२१	२९	८	कुम्भे	भ.५३/२ उ.३१/५२ या. उषायांभौमः२९/२९ उदयं×
१२	बु	२६	३२	पू	४३	३३	ध्रु	४८	८	बा	२६	३२	२	२४	३६	२२	३०	९	मी२९।१२	प्रदोषः +बुधः४०/४६ शरद् १५ स्मा.
१३	गु	२२	४२	उ	४१	३६	व्या	४२	१६	तै	२२	४२	२७/५८	२४	३६	२३	१	१०	मीने	दृश्यःस्वात्यांरविः३७।५९रा.कार्तिकारंभ
१४	शु	१९	३९	रे	४०	२२	ह	३६	५९	व	१९	३९	५४	२५	३५	२४	२	११	मे.४०।२२	भ.१९/३९ उ.४८/४७ या. स्वा.रविःसौरः५/० चित्रा.+
१५	श	१७	५६	अ	४०	४०	व	३२	४१	ब	१७	५६	५०	२६	३४	२५	३	१२	मेषे	मकरे भौमः ५१।११ शरद् १५ वं.

२७पं.आ.शु.१सू.इ.२८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	५	०	१०	५
२५	२०	७	२३	०	१३	२६	२५
३५	५०	५०	३०	१८	१३	६	६
६	३१	३१	४३	२१	१९	९	३६
५९	३८	४७/५६	१३	७३	१४/१४	३	५९
२१	१४	मा	३८	३८	ब	११	३१

मोचरग्रहाः

आ. शु. ५ गुरौ तुलायामर्कः प्र. वा.३न.४युवाव-स्था(बैठी)मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

२८पं.आ.शु.९सू.इ.२८।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	५	५	०	१०	६
२	२५	१५	२५	८	१२	२५	२
३१	३४	२४	१	५६	४०	४३	४
३४	२६	५४	५५	१७	३७	५३	६
५९	३९	८५	१३	७३	३४/३४	३	५९
३४	०	२६	३२	५०	ब	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुं रविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१७	२७	भ	४२	७	सि	२९	३३	कौ	१७	२७	२७/४६	६/२७	५/३३	२६	४	१३	वृ.५७।५४	पूर्वास्तं बुधः ४७।४८ =ता.३०
२	चं	१८	३८	कृ	४५	१६	व्य	२७	४६	ग	१८	३८	४२	२८	३२	२७	५	१४	वृषे	भ. ५०।० उ. चित्रा. २ गुरुः ३।२७
३	मं	२१	२१	रो	४९	४१	व	२६	४४	वि	२१	२१	३९	२८	३२	२८	६	१५	वृषे	भ.२१।२१ या. तुला. बुधः४७।५ च.ब्र.
४	बु	२५	३८	मृ	५५	४४	प	२७	४	बा	२५	३८	३५	२९	३१	२९	७	१६	मि२२।४२	
५	गु	३१	२	आ	६०	०	शि	२८	१९	तै	३१	२	३१	३०	३०	३०	८	१७	मिथुने	
६	शु	३७	१२	आ	२	३४	सि	३०	१७	ग	४	७	२७	३१	२९	३१	९	१८	क.५३।१४	भ. ३७।१२ उ. चित्रा. शुक्र. १।३५
७	श	४३	३३	पु	१०	८	सा	३२	३२	वि	१०	२२	२४	३१	२९	१	१०	१९	कर्के	भ.१०/२२ या. स्वा.बुधः४५/४७ नवम्बर मा.११=
८	र	४९	५२	पु	१७	३३	शु	३४	४३	बा	१६	४३	२०	३२	२८	२	११	२०	कर्के	
९	चं	५५	१३	श्ले	२४	४३	शु	३६	४१	तै	२२	३२	१६	३३	२७	३	१२	२१	सिं२४।४३	
१०	मं	५९	५	म	३०	४०	ब्र	३७	३७	व	२७	९	१३	३३	२७	४	१३	२२	सिंहे	भ.२७।९ उ.५९।५या. +महालक्ष्मीपू.
११	बु	६०	०	पू	३५	२५	ऐं	३७	२८	ब	३०	१७	९	३४	२६	५	१४	२३	कं.५१।८	दृश्यो: विशाखा.रविः५८/२२ तुला.शुक्रः२५/४४×
११	गु	१	३०	उ	३८	१६	वै	३५	५८	बा	१	३०	६	३५	२५	६	१५	२४	कन्यायां	विशाखा.रविः(सौरः २२/२९) रमा११ब्र.वं.
१२	शु	१	५८	ह	३९	२३	वि	३३	१	तै	१	५८	२	३६	२४	७	१६	२५	कन्यायां	प्रदोषः धन १३ ×रमा ११ब्र. स्मा.
१३	श	०	३१	चि	३८	३६	प्री	२८	३०	व	०	३१	२६/५९	३६	२४	८	१७	२६	तु.८।५९	भ. ०।३१ उ. २८।५६ या. रूप १४
१४	श	५६	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	र	५२	४४	स्वा	३५	२८	आ	२२	४६	च	२५	२	५६	३७	२३	९	१८	२७	तुलायां	विशाखा.बुधः४९।१२श्रवणेभौमः१।२६-

२९पं.का.कृ.१सू.इ.२८।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	५	५	५	०	१०	६
९	०	२६	२६	१७	१२	२५	९
२९	२४	१४	३२	३९	७	२१	३
४९	३६	५०	६	७	३०	३७	२६
५९	३९	९७	१३	७३	४०/४०	३	६०
४७	३७	२६	३२	५६	ब	११	२

३०पं.आ.कृ.८सू.इ.२८।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	५	५	०	१०	६
१६	५	७	२८	२६	११	२४	१६
२९	१८	५१	१	२१	३३	५९	४
३८	२८	२९	१९	०	१०	२२	३०
६०	४०	०/०	१३	७४	४०/४०	३	६०
४	१६	०/०	२०	२	ब	११	१८

३१पं.का.कृ.३०सू.इ.२८।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	५	६	०	१०	६
२३	१०	१९	२९	५	११	२४	२३
३०	१८	२४	२९	६	०	३७	७
५८	०	२८	१४	७	०	६	८
६०	४०	०/०	१३	७४	२९/२९	३	६०
१७	३५	४७/४७	१४	२	ब	११	३०

×बुबृशु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

•बुबृशु

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६९८सन्१९६९
१	चं ४६।५४ वि ३२।४० सौ	१५	५०	कि	१९	४९	६	वृ.१८।२२	स्वातौ शुक्रः४४।८ अन्नकूटगोवर्द्धनपूजा
२	मं ४०।२४ अ २८ ८ शो	८	५९	बा	१३	३९	४९	वृश्चिके	चि.३ तुला.गुरुः ३ ३ चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ२
३	बु ३३।५१ ज्ये २३।२८ सु	५१	१७	तै	७	७	४६	३९।२१	१३ २१ १ रमजान ९ ●बृश्चि.बुधः२।३७गोपाष्टमी
४	गु २७ ५ मू १८।३८ धृ	४२	४०	व	०	२८	४३	३९।२१	१३ २२ २ धनुषि भ. ०।२८ उ. २७।५ या.
५	शु २०।४७ पू १४ १ शू	३४	४०	बा	२०	४७	४०	२०	१४ २३ ३ म.२७।५७
६	श २।४५ उ ९ ४५ गं	२६	५३	तै	१४	५६	३७	४१	१९ १५ २४ ४ मकरे हश्यो बृश्चिकेऽर्कः ५४।२०
७	र ९।३७ श्र ६ ८ वृ	१९	२३	व	९	३७	३४	४१	१९ १६ २५ ५ कु.३४।३७ भ.३९ उ.३९या. बृश्चिकेऽर्कः सौरः१६०
८	चं ५ ३ ध ३ ५ ध्रु	१२	३३	व	५	३	३१	४२	१८ १७ २६ ६ कुम्भे
९	मं १ ५ श ३० ३६ ण्या	६	२३	को	१	५	२९	४२	१८ १८ २७ ७ मी४४।३१ अनु. बुधः १।३१ अक्षया ९
१०	मं ५७ ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ० ० × सौरः ३४ प्रबोधिनी ११ ब्र.तुलसीविवाहः
११	बु ५५।४२ उ ५८।३५ द्र	४९	५६	व	२६	५३	२६	४३	१७ १९ २८ ८ मीने भ.२६ उ.५५।४२या. हश्योऽनु.रविः१३
१२	गु ५४।११ रे ५८।३६ सि	५१	३८	व	२४	४७	२४	४३	१७ २० २९ ९ मे.५८।३६ प्रबोधिनी ११ ब्र. वै.
१३	शु ५३।५३ अ ५९।४२ व्य	४८	१२	को	२४	२	२१	४४	१६ २१ ३० १० मेषे विशाखा. शुक्रः २०।९ प्रदोषः
१४	श ५४।३० भ ६० ० व	४५	३६	ग	२३	११	१९	४४	१६ २२ १ ११ मेषे भ.५४ उ. वैकुण्ठ १४ रा.मार्गशीर्षारंभः
१५	र ५६।३२ भ १४५ प	४४	७	वि	२५	३१	१६	४५	१५ २३ २ १२ वृ.१७।३९ भ.३५ या. वक्री अश्वि.३ शनिः १५।२१

३२पं.का.शु.७सू.इ.२७।५० गोचरग्रहाः

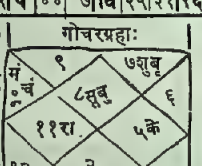

कार्तिकशु.६शनौ बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

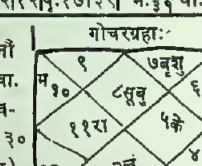

३३पं.का.शु.१५सू.इ.२७।३७							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	६	६	०	१०	७
७	२०	७	११	२	२२	९	२३
३७	२८	४७	१८	३७	५९	५२	१६
३७	१५	३८	४३	५९	११	३५	४५
६०	४१	९९	१२	७४	५३	३	६०
४२	१९	११	२३	२२	ब	११	५२

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तुः रविर्दक्षिणेऽकाति.कृष्णेतिमहाराष्ट्र
१	चं ५९।४४ कृ ५ २१ शि	४३	२०	बा	२८	८	३६	६	वृषे
२	मं ६० ० रो ९ ५१ सि	४३	२४	तै	३२	२	११	४६	१४ २५ ४ १४ मि४२।४५
३	बु ४।२० मृ १५ ४० सा	४४	३५	ग	४	२०	८	४६	१४ २६ ५ १५ मिथुने
४	गु ९।३९ आ २२ ८ शु	४६	१२	वि	९	३९	६	४७	१३ २७ ६ १६ मिथुने भ.९।३९ या. धनिष्ठा. भौमः ३ च.ब्र.
५	शु १५।४६ पु २९ २८ शु	४८	१६	बा	१५	४६	३	४७	१३ २८ ७ १७ क.१२।४५ चित्रा. ४ गुरुः ५३।३६
६	श २२।१४ पु ३७ १६ ब्र	५०	४०	तै	२२	१४	१	४८	१२ २९ ८ १८ कर्के वृश्चिकेशुक्रः १६ पातस्पर्शः १५ मोक्षः ३१
७	र २८।४२ श्ले ४४ ४८ ऐं	५२	५२	व	२८	४२	२५	४८	१२ ३० ९ १९ सि४४।४८ भ. २८।४२ उ. ●शुक्रः ०।१६
८	चं ३४।२५ म ५१ ३५ वै	५३	२५	वि	१	३८	५७	४९	११ १ १० २० भ. १।३८ या. दिसम्बर मा.१२ ता.३१
९	मं ३९।२२ पू ५७ १५ वि	५४	१०	बा	६	५९	५५	४९	११ २ ११ २१ सिंहे इश्यो ज्येष्ठा. रविः ३३ (सौरः ४१) अनु.●
१०	बु ४२।३५ उ ६० ० प्री	५४	४१	तै	१०	५८	५३	४९	११ ३ १२ २२ कं.१३।१७ पूभा. १ राहुः पूफा. ३ केतुः ४१।५१
११	गु ४३।५२ उ १।२३ आ	५२	४६	व	१३	१३	५१	५०	१० ४ १३ २३ कन्यायां भ. १३।१३ उ. ४३।५२ या.
१२	शु ४३।१२ द ३ ४२ सौ	४९	११	व	१३	३२	४०	५०	१० ५ १४ २४ तु.३३।४८ मूले धनुषि बुधः ११।५३ उत्पत्ति११ब्र.
१३	श ४०।३० चि ३५।५० भ	४४	१	को	११	५१	४८	५०	१० ६ १५ २५ तुलायां कुम्भे भौम २२।३१
१४	र ३५।५२ स्वा ३ ३ ३ ३ अ	३७	२४	ग	७	४१	४६	५१	९ ७ १६ २६ वृ.४४।३५ भ. ३५।५२ उ. प्रदोषः
१५	चं २९।३२ अ ५३ ४१ सु	२९	१९	वि	२	४२	५५	५१	९ ८ १७ २७ वृश्चिके भ. २।४२ या.
२०	मं २२।१० ज्ये ४७ ४४ धृ	२०	१७	ना	२२	१०	४४	५१	९ ९ १८ २८ ध. ४७।४४ बुधोदयः पश्चिमायां ३५।९

३४पं.मा.कृ.६सू.इ.२७।२५ गोचरग्रहाः

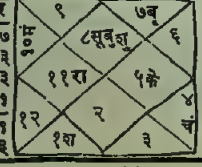

इस मासका फल साधारण है। राजाओंमें विग्रह हो विदेश यात्रा अधिक और अन्नादिक का भाव मन्दा होवे।

गोचरग्रहाः

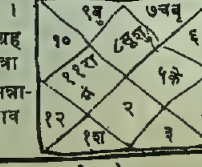

३५पं.मा.कृ.१३सू.इ.२७।१३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	६	७	०	१०	७
२१	०	३	४	१०	९	२३	२१
४८	४५	३५	५५	१३	१०	८	३१
५८	०	२०	५८	३७	१५	४	१८
६०	४१	९५	११	७४	५३	३	६१
५६	४३	२८	२३	२८	ब	११	११

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चंन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५७२८ स.१९६९
१	बु	१३	५६	मू	४१	११	शू	१०	३१	ब	१३	५६	२५/४२	५३	५/८	१०	१९	२९	धनुषि	
२	गु	५	२८	पू	३४	३१	गं	३२	५०/११	कौ	५	२८	४१	५२	८	११	२०	३०	म.४७।५७	चन्द्रदर्शनम्
३	गु	५१	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	शु	४९	३८	उ	२८	१५	ध्रु	४०	५५	व	२३	२६	४०	५२	८	१२	२१	१	मकरे	भ.३३/२६ उ.४९/३८ या. ज्येष्ठा. शुक्रः ३४/२० पात*
५	श	४२	४७	श्र	२३	२	व्या	३१	५६	ब	१६	१३	३९	५२	८	१३	२२	२	कुं.५०।५२	पूषायां बुधः ५२।२७
६	र	३७	७	ध	१८	४१	ह	२४	[illegible]	कौ	९	५७	३८	५२	८	१४	२३	३	कुम्भे	चम्पा ६
७	चं	३२	३८	श	१५	१८	व	१६	५८	ग	४	५२	३८	५२	८	१५	२४	४	मी५८।५०	भ.३२/३८ उ. दृश्यो मूले धनुष्यर्कः ३०/६ (सौरः+
८	मं	२९	३०	पू	१३	२०	सि	१०	५३	वि	१	४	३७	५३	७	१६	२५	५	मीने	भ. १।४ या. +४५/१८)शते भौमः ३१/४८
९	बु	२८	३७	उ	१२	३२	व्य	५	५९	कौ	२८	३७	३७	५३	७	१७	२६	६	मीने	स्वा. १ गुरुः १८।५८
१०	गु	२७	७	रे	१३	७	ध	५९	५७/३	ग	२७	७	३७	५३	७	१८	२७	७	मे.१३।७	भ. ५७।३२ उ.
११	शु	२७	५७	अ	१५	५	शि	५७	६	वि	२७	५७	३६	५३	७	१९	२८	८	मेषे	भ.२७/५७ या. मोक्षदा ११ व्रतं गीताजयंती
१२	श	२९	४२	भ	१८	१३	सि	५६	७	बा	२९	४२	३६	५३	७	२०	२९	९	वृ.३४।१२	*स्पर्शः २०/१४ पातमोक्षः ३४/४९ सव्वाल१०
१३	र	३२	५०	कृ	२२	१०	सा	५६	२	कौ	१	१६	३६	५३	७	२१	३०	१०	वृषे	प्रदोषः
१४	चं	३६	४७	रो	२७	२७	शु	५६	२५	ग	४	४९	३६	५३	७	२२	१	११	वृषे	भ. ३६।४७ उ. रा. पौषारंभः
१५	मं	४१	४७	मृ	३३	२१	शु	५७	३५	वि	९	१७	३६	५३	७	२३	२	१२	मि०।२४	भ.१९/१७ या.उषायांबुधः ४२/३ मूलेधनु.शुक्रः १०/२०

३६पं. मा.शु.६सू.इ.२७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	६	७	०	१०	७
२८	५	१४	६	१८	८	२२	२८
५५	५४	१२	९	५९	५२	४५	४०
५२	३६	४६	०	४२	४८	४८	१
६१	४२	९१	१०	७४	२/१०	३	६१
०	३	३५	४९	२६	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

मार्ग. शु.७ चन्द्रे धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न.४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पू. ।

गोचरग्रहाः

३७पं.मा.शु.१३सू.इ.२६।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	६	७	०	१०	८
६	११	२४	७	२७	८	२२	५
३	६	२८	१३	५१	४०	२३	४९
२९	२१	८	१७	२८	४४	३३	२६
६१	४२	८२	१०	७४	१/२८	३	६१
४	२२	३६	२	३२	ब	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविर्दक्षिणेमार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४७	२२	आ	३९	५८	ब्र	५९	१३	बा	१४	२४	२५/३७	६/५३	५/७	२४	३	१३	मिथुने	
२	गु	५३	४६	पु	४७	२२	ऐं	६०	०	तै	२०	३४	३७	५३	७	२५	४	१४	क.३०।३१	मकरे बुधः २६।४७
३	शु	६०	०	पु	५४	४९	ऐं	१	१४	व	२६	५७	३७	५३	७	२६	५	१५	कर्के	भ. २६।५७ उ.
३	श	०	९	श्ले	६०	०	वै	३	२९	वि	०	९	३८	५२	८	२७	६	१६	कर्के	भ. ०।९ या. च. व्र.
४	र	६	३५	श्ले	२	२६	वि	५	४५	बा	६	३५	३८	५२	८	२८	७	१७	सिं२।२६	दृश्यः पूषायां रविः ३५।२ (सौरः ४६/५६)
५	चं	१२	४६	म	९	४१	प्री	७	४६	तै	१२	४६	३९	५२	८	२९	८	१८	सिंहे	
६	मं	१७	५९	पू	१५	५९	आ	९	७	व	१७	५९	४०	५२	८	३०	९	१९	कं.३२।२०	भ.१७/५९ उ.५०/० या. शुक्रास्तः पूर्वस्याम् १४/१२ शु. अ. पू.
७	बु	२२	०	उ	२१	२४	सौ	९	३८	ब	२२	०	४०	५२	८	३१	१०	२०	कन्यायां	
८	गु	२४	३७	ह	२५	११	शो	८	५९	कौ	२४	३७	४१	५२	८	१	११	२१	तु.५६।९	जनवरी मा.१ ता.३१ सन् १९७०
९	शु	२४	६	चि	२७	७	अ	६	४६	ग	२४	६	४२	५२	८	२	१२	२२	तुलायां	भ.५३/२३ उ. पूषा.शुक्रः ४४/१३ पूभा.भौमः १८/२३
१०	श	२२	४१	स्वा	२७	७	सु	३/२	५४/४७	वि	२२	४१	४३	५१	९	३	१३	२३	तुलायां	भ. २२।४१ या.
११	र	१९	१	वि	२५	८	शू	५०	५६	बा	१९	०	४४	५१	९	४	१४	२४	वृ.१०।३८	वक्रीबुधः २५/४९ मार्गीशनिः ४१/७ सफला११व्र.
१२	चं	१४	४०	अ	२०	५९	गं	४२	३७	तै	१४	४०	४६	५१	९	५	१५	२५	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	मं	७	४१	ज्ये	१५	२६	वृ	३२	५८	व	७	४१	४७	५१	९	६	१६	२६	ध.१५।२६	भ. ७।४१ उ. ३३।२६ या.
१४	मं	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	बु	५०	२	मू	८	३८	ध्रु	२२	३७	च	२४	३७	४९	५०	१०	७	१७	२७	धनुषि	पश्चिमास्तो बुधः २५।५३

३८पं. पौ.कृ.४सू.इ.२६।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	६	८	०	१०	८
१३	१६	२	८	६	८	२२	१३
११	१८	५८	१९	३९	३३	१	५९
३१	३९	४	५१	५७	२१	१७	१८
६१	४२	५९	९	७४	०/४०	३	६१
६	२०	४०	२०	३२	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

इस मास में घटाबढ़ी अधिक होगी। धान्य रुई चांदी सोना मजीठ गुड़ तेज होगा।

गोचरग्रहाः

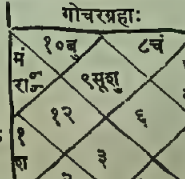

३९पं.पौ.कृ.११सू.इ.२६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	६	८	०	१०	८
२०	२१	६	९	१५	८	२१	२०
१९	३०	२२	१७	२७	३१	३९	९
२६	१०	१९	१०	१४	३३	१	१५
६१	४२	०/७	८	७४	०/२	३	६१
६	११	ब	२०	३२	च	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५७५७स.१९७०
१	गु	४०	२७	पू	१३	५२	व्या	११	४४	किं	१५	१५	२५ ५१	६ ५०	५ १०	८	१८	२८	म.१४।१८	
२	शु	३१	१०	श्र	४६	१२	ह	४७	४९ २७	बा	५	४८	५२	५०	१०	९	१९	२९	मकरे	चन्द्रदर्शनम्
३	श	२१	५६	ध	३९	३२	सि	४०	४	ग	२१	५६	५४	४९	११	१०	२०	१	कु.१२।५२	भ ४८ ३७ उ. दृश्यः उषायां रविः ३९ ४६ (सौरः●
४	र	१४	५९	शं	३४	१७	व्य	३१	११	वि	१४	५९	५६	४९	११	११	२१	२	कुम्भे	भ. १४।५९ या.
५	चं	८	४४	पू	३०	४०	व	२३	३७	बा	८	४४	५८	४८	१२	१२	२२	३	मी१६।३४	वक्री धनु. बुधः ३०।५६
६	मं	४	१९	उ	२८	३३	प	१७	२०	तै	४	१९	२६	४८	१२	१३	२३	४	मीने	दृश्यो मकरेऽर्कः ५६ १० उषायां शुक्रः २१।११
७	बु	१	३६	रे	२८	१४	शि	१२	२६	व	१	३६	३	४७	१३	१४	२४	५	मे.२८।१४	भ ३ १ उ. ३१ ७ या. मकरेऽर्कः सौरः ३।४८
८	गु	०	३८	अ	२९	४१	सि	९	५	ब	०	३८	५	४७	१३	१५	२५	६	मेषे	वक्री पूषायां बुधः १५ २५ मकरे शुक्रः ५७।०×
९	शु	१	३१	भ	३२	४९	सा	६	५५	कौ	१	३१	८	४६	१४	१६	२६	७	वृ.४८।५४	●(सौरः ४८ ३) स्वाती.२गुरु २० ६ जिल्काद ११
१०	श	३	५०	कृ	३७	८	शु	५	५४	ग	३	५०	१०	४६	१४	१७	२७	८	वृषे	भ. ३५।४१ उ. ×मीने भौमः ४४ ३७
११	र	७	३२	रो	४२	१७	शु	६	२२	वि	७	३२	१२	४६	१४	१८	२८	९	वृषे	भ. ७।३२ या. पुत्रदा ११ ब्र.
१२	चं	१२	११	मृ	४८	५९	ब्र	७	३	बा	१२	११	१५	४५	१५	१९	२९	१०	मि१५।३८	बुधोदयः पूर्वस्यां १२।५३ प्रदोषः
१३	मं	१७	५०	आ	५६	९	ऐं	८	३१	तै	१७	५०	१७	४५	१५	२०	३०	११	मिथुने	दृ.अभि.प्र. रविः २८ ५५ (सौरः ३५ १०) उभायां=
१४	बु	२३	४४	पु	६०	०	वै	११	२७	व	२३	४४	२०	४४	१६	२१	१	१२	क.४६।३१	भ.२३।४४ उ.५७।० या. रा.माघारंभः
१५	गु	३०	१७	पु	३	१९	वि	१२	३४	ब	३०	१७	२२	४४	१६	२२	२	१३	कर्के	माघ स्ना. प्रा =भौमः २८।४५

४०पं. पौ.शु.४सू.इ.२६।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	६	८	०	१०	८
२७	२६	१	१०	२४	८	२१	२७
२७	४२	३३	७	१७	३५	१६	१९
४०	३९	२६	५५	३४	२	४६	७
६१	४२	८ ५	७	७४	५६	३	६१
६	१६	व	१४	३५	मा	११	२४

गोचरग्रहाः

१०बु ८ ९सूशु ११ ७ १२ ६ १ ३ के श ५ २ ४

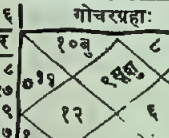

पौष शु.६ भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

११रा ९बु १२म १०सूशु ८ १श ७बृ चं २ ४ ६ ३ ५के

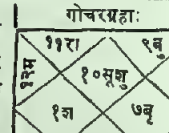

४१पं.पौ.शु.११ सू.इ.२६।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	६	९	०	१०	९
४	१	२३	१०	३	८	२०	४
३५	५४	१२	५२	६	४३	५४	२८
३१	०	५०	३७	३	५१	३०	३२
६१	४२	६५ १	६	७४	१	३	६१
३	१४	ब	१४	३८	३८	११	१९

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३६	३५	पु	१०	५४	प्री	१४	४८	बा	३	२६	२६ २५	६ ४३	५ १७	२३	३	१४	कर्के	दृश्यः श्रवणे रविः ४५ १८ (सौरः ५१ ७) श्रवणे+
२	श	४२	५७	श्ले	१८	२०	आ	१६	५७	तै	९	४६	२७	४३	१७	२४	४	१५	सिं१८।२०	दृश्योऽभि. नि. रविः ३७ ४७ (सौरः ४३।२३)
३	र	४८	४२	म	२५	२८	सौ	१८	४४	व	१५	५०	३०	४२	१८	२५	५	१६	सिंहे	भ.१५।५० उ. ४८ ४२ या. मार्गी बुधः २१।३७
४	चं	५३	४७	पू	३२	१	शो	२०	१४	ब	२१	१५	३३	४१	१९	२६	६	१७	कं.४८।२८	चतुर्थी ब्र
५	मं	५८	२	उ	३४	४५	अ	२१	७	कौ	२५	५४	३६	४१	१९	२७	७	१८	कन्यायां	
६	बु	६०	०	ह	४२	२२	सु	२१	४	ग	२९	३५	३९	४०	२०	२८	८	१९	कन्यायां	
६	गु	१	७	चि	४५	३७	धृ	२०	०	व	१	७	४२	४०	२०	२९	९	२०	तु.१४।०	भ.१।७ उ.३१।५१ या. +शुक्रः ५४ ५०
७	शु	२	३४	स्वा	४७	१३	शू	१७	४१	ब	२	३४	४६	३९	२१	३०	१०	२१	तुलायां	
८	श	१	३३	वि	४७	५	गं	१४	४	कौ	१	३३	४९	३८	२२	३१	११	२२	वृ.३२।७	
९	र	०	२२	अ	४५	१२	वृ	८	५०	ग	०	२२	५३	३८	२२	१	१२	२३	वृश्चिके	भ.२८ २१ उ ५६ ३ या. फरवरी मा.२ ता.२८
१०	र	५६	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	चं	५१	८	ज्ये	४१	२६	ध्रु	१५ २	५२ २	ब	२३	५५	५५	३७	२३	२	१३	२४	ध.४१।२६	षटतिला ११ ब्र. स्मा.
१२	मं	४४	६	मू	३६	७	ह	४५	६	कौ	१७	३७	५९	३६	२४	३	१४	२५	धनुषि	धनि. शुक्रः ३३ ५५ षट्तिला ११ ब्र. वै.
१३	बु	३५	३६	पू	२९	३६	व	३४	३४	ग	९	५१	२७ २	३६	२४	४	१५	२६	म.४२।४४	भ.३५ ३६ उ.शते४राहुः पूफा.२केतुः ३४ ५५ प्रदोषः
१४	गु	२६	१४	उ	२२	८	सि	२४	१	वि	०	५५	९	३५	२५	५	१६	२७	मकरे	भ. ०।५५ या. दृश्यो धनिष्ठा. रविः ५३ ३९×
२०	शु	१६	३७	श्र	१४	१२	व्या	१२	५३	ना	१६	३७	६	३४	२६	६	१७	२८	कु.४०।१८	×(सौरः ५६ ५८) उषायां बुधः ४२।९

४२पं.मा.कृ.३सू.इ.२६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	६	९	०	१०	९
११	७	२०	११	११	८	२०	११
४२	५	२४	२७	५४	५८	३२	३७
५८	१७	४३	२८	१०	१	१५	२८
६०	४२	० ४७	५	७४	२	३	६०
५९	६	मा	४	३८	२०	११	१३

गोचरग्रहाः

११रा ९बु १२म १० सूशु ८ १श ७बृ २ ४ ६ ३ ५के

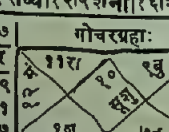

इस मासमें शीत अधिक कहींकहीं खेतियों में हानि हो। खांड़गुड़ घृत गेहूं तेल चांदी सोना तेज।

गोचरग्रहाः

११रा ९बु १२म १० सूशु ८चं १ ७बृ २ ४ ६ ३ ५के

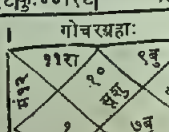

४३पं.मा.कृ.९ सू.इ.२६।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	६	९	०	१०	९
१८	१२	२३	११	२०	९	२०	१८
४९	३४	४८	५५	४१	१६	९	४५
२६	३५	४९	१५	४९	५५	५९	२८
६०	४२	४०	३	७४	२	३	६१
५५	१४	१३	५३	३८	५९	११	४

●चंमंरा

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः५७८७स.१९७०
१	श ६।४७ ध २४ ५३ व ५२ ४८ व	६।४७	२३ ३३ २७	७	१८	२९	कुंभे	मकरे बुधः ५५ रेवत्या भौमः ५६ चन्द्र.
२	श ५१ ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	०	
३	न ४९ ५८ पू ५३ ४७ शि	४२ १३	ते २३ ५२	१६ ३३ २७	८	१९	१	मी४०।१२ कुम्भे शुक्रः ५४।२३ जिल्हेज १२
४	च ४३ ४७ उ ४९ ३७ चि	३३ ५५	व १६ ५२	२० ३२ २८	९	२०	२	भ. १६।५२ उ, ४३।४७ या. मीने
५	मं ३९ २४ रे ४७ २३ सा	२७ २९	व ११ ३५	२४ ३१ २९	१०	२१	३	मे.४७।२३ वसंत ५
६	बु ३७ ३ अ ४७ १८ शु	२२ ३५	को ८	१३ २७ ३१	२९	११	२२	४ मेषे
७	गु ३६ ५७ म ४९ ११ शु	१९ १८	ग ७	० ३१ ३०	३०	१२	२३	५ मेषे भ.३६ उ. दृश्यः कुम्भेऽर्कः २६ (सौरः ३०)=
८	शु ३८ ४५ कृ ५२ ५४ ब्र	१७ ३७	वि ७	५१ ३५	२९	३१	१३	२४ ६ वृ. ५।७ भ.५५ या.अश्वि.४शनिः २५ भौम्याष्टमो
९	श ४२ ११ रो ५८ ७ पुं	१७ २९	बा १०	२८ ३८	२८	३२	१४	२५ ७ वृषे शते शुक्रः ११।१४ =भ्रातृ ७
१०	ए ४७ ४ मृ ६० ० वै	१८ २	ते १४	३७ ४३	२८	३२	१५	२६ ८ मि३१।२१
११	चं ५२ ५८ मृ ४ ३४ वि	१९ ४१	व २०	१ ४६	२७	३३	१६	२७ ९ मिथुने भ.२१ उ.५२ या.श्रवणेबुधः २१ जया११ व्र.
१२	मं ५९ १० आ ११ ४८ प्री	२१ ४०	ब २६	४ ५०	२६	३४	१७	२८ १० मिथुने
१३	बु ६० ० पु १९ १९ आ	२४ ५	को ३२	३० ५४	२५	३५	१८	२९ ११ क.२।२६ पश्चिमोदयं शुक्रस्य १३ प्रदोषः प.उ.शु.
१४	गु ५ ५० पु २६ ५१ ली	२६ २४	ते ५	५० ५८	२४	३६	१९	३० १२ कर्के दृश्यः शते रविः ५।१५ (सौरः ६।१७)
१५	शु १२ १२ पु ३३ ५० शे	२८ २२	व १२	१२ २६	२४	३६	२०	१ १३ सिं ३३।५० भ.१२।१२ उ.४६ या. रा.फाल्गुनारंभः
१५	श १७ २ म ४१ ४ अ	३० १०	ब १७	२ ६	२३	३७	२१	२ १४ सिंहे वक्री गुरुः १२।१

४४पं.मा.शु.३सू.इ.२६।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	६	९०	०	११	९
२५	१७	०	१२	२९	९	१९	२५
५५	२२	३२	२८	२८	४१	३७	५२
१६	८	३१	५५	४०	२७	५३	१५
६०	४२	६२	२७	३	३	३	६०
७७	११	२८	२८	३२	४१	११	५५

गोचरग्रहाः

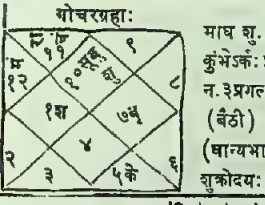

माघ शु. ७ गुरौ कुंभेऽर्कः प्र. वा.३ न.३प्रगत्भावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यभाव मह.) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

४५पं.मा.शु.१०सू.इ २७।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	६	१०	०	१०	१०
३२	२	९	१२	८	१०	१९	२
०	२९	५	२४	१४	९	२५	५८
४	३१	१३	१८	३१	४६	२८	१८
६०	४२	७७	१	७४	४	३	६०
३७	१३	५६	४	३२	२०	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तुः रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	न २३ १८ पू ४७ ११ सु	३१ २०	को २३	१८ ३० २२	३८	२२	३	१५	सिंहे
२	च २७ ५६ उ ५२ ३२ धृ	३१ ५६	ग २७	५६ १४	२१	३९	२३	४	१६ कं.३।३१
३	मं ३१ २४ ह ५६ ५५ शू	३१ ४७	वि ३१	२४ १८	२०	४०	२४	५	१७ कन्यायां भ.३१।२४ या. पूभायां शुक्रः ५३ च. व्र.
४	बु ३५ १९ चि ६० ० गं	३० ५०	व २	४१ २३	२०	४०	२५	६	१८ तु.२८।३९ धनिष्ठा. बुधः ३५।३ मेषे भौमः५७।४८
५	गु ३५ २२ चि ० २२ वृ	२९ ४	को ४	४० २६	१९	४१	२६	७	१९ तुलायां
६	शु ३४ ४० स्वा २ ३७ ध्रु	२६ १३	ग ५	१ ३०	१८	४२	२७	८	२० वृ.४८।५६ भ. ३४।४० उ.
७	श ३४ ३६ वि ३ ४२ व्या	२२ २५	वि ४	३८ ३४	१७	४३	२८	९	२१ वृश्चिके भ. ४।३८ या.
८	न ३२ ७ अ ३ २३ ह	१७ २३	बा ३	२१ ३८	१६	४४	१	१०	२२ वृश्चिके कुंभे बुधः४६।२३ मार्चं मा. ३ ता. ३१
९	चं २८ १० ज्ये ३५ ५६ व	११ ३	ते ०	८ ४२	१६	४४	२	११	२३ ध.१।३५ भ. ५५।३४ उ.
१०	मं २२ ५८ पू ५३ ४९ वि	५ ३१ वि	२२	५८ ४६	१५	४५	३	१२	२४ धनुषि भ. ३८ या. ×शुक्रः ५४ विजया११ व्र.
११	बु १६ ८ उ ४८ १३ व	४६ १४	बा १६	८ ५०	१४	४६	४	१३	२५ म.७।२५ दृश्यः पूभायां रविः ३१ (सौरः २१) मीने×
१२	गु ८ २४ श्र ४१ ३७ प	३६ १७	ते ८	२४ ५४	१३	४७	५	१४	२६ मकरे भ.५९।५२ उ. शते बुधः५९।२१ प्रदोषः
१३	शु ५१ २८ ० ० ० ०	० ०	० ०	० ०	०	०	०	०	०
१४	शु ५० ४६ ध ३४ २७ शि	२५ ५१	वि २५	१९ ५८	१२	४८	६	१५	२७ कुं. ८।२ भ. २५।१९ या. महाशिवरात्री व्र.
१५	श ४१ ५४ श २७ २३ सि	१५ २६	च १६	२० २९	१२	४८	७	१६	२८ कुम्भे उभायां शुक्रः ३४।६

४६पं.फा.कृ.१सू.इ.२७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	६	१०	०	११	१०
१०	२७	१८	१२	१६	१०	१९	१०
३	३३	४०	२५	५९	४३	३	२
३२	१८	५९	३०	४९	८	१२	५१
६०	४१	६१	१४	७४	४	३	६०
२५	५०	४	५	३२	५०	११	३१

गोचरग्रहाः

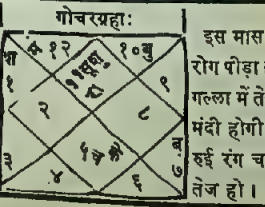

इस मास में प्रजामें रोग पीड़ा हो अनाज गल्ला में तेजी होकर मंदी होगी। सुदी में रुई रंग चांदी सोना तेज हो।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.कृ.८ सू.इ.२७।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	६	१०	०	१०	१०
१७	२	२९	१२	२५	११	१८	१७
५	३६	२९	१७	४३	२०	४०	५
४६	२५	३१	४२	४८	१०	५७	४०
६०	४१	९७	४	७४	५	३	६०
१२	५१	५५	ब २६	१७	११	२०	

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८१६ स.१९७०
१	र	३३	२४	पू	२०	५२	सा	५ ३६	५० ५५	किं	७	३९	२९ ६	६ ११	५ ४९	८	१७	२९	मी७।३०	पूर्वास्तं बुधः ३२/१९ पातस्पर्शः ५७।४६
२	चं	२६	६	उ	१५	२४	शु	४८	३०	कौ	२६	६	१०	१०	५०	९	१८	३०	मीने	चन्द्रद. फुलरिया २ पातमोक्षः ६।३०
३	मं	२०	२८	रे	११	३५	ब्र	४१	५१	ग	२०	२८	१४	९	५१	१०	१९	१	मे.११।३५	भ. ४८/३५ उ. मोहोरम१ सन्१३९० हि.
४	बु	१६	४१	अ	९	३३	ऐं	३७	९	वि	१६	४१	१९	८	५२	११	२०	२	मेषे	भ. १६।४१ या.
५	गु	१५	१४	भ	९	४३	वै	३४	४	बा	१५	१४	२३	७	५३	१२	२१	३	वृ.२५।१४	
६	शु	१५	३५	कृ	११	४६	वि	३२	४१	तै	१५	३५	२७	७	५३	१३	२२	४	वृषे	पूभायां बुधः ३६।४९
७	श	१८	१२	रो	१६	१	प्री	३२	३८	व	१८	१२	३२	६	५४	१४	२३	५	मि४८।५५	भ.१८/१२ उ.५०।२१या. दृश्योमीनेऽर्कः २३/१७+
८	र	२२	३०	मृ	२१	४९	आ	३३	४०	ब	२२	३०	३६	५	५५	१५	२४	६	मिथुने	होलाष्टकः ×शुक्रः १७/५२ आमलकी११ब्र.
९	चं	२८	८	आ	२८	४७	सौ	३५	४४	कौ	२८	८	४०	४	५६	१६	२५	७	मिथुने	भरण्यां भौमः३०।२ +(सौरः२१/२४)
१०	मं	३४	२०	पु	३६	४	शो	३७	४९	तै	१	१४	४४	३	५७	१७	२६	८	क.१९।१५	दृश्यः उभा. रविः ४३।२१(सौरः४२।०)
११	बु	४०	५१	पु	४३	४८	अ	४०	२०	व	७	३६	४९	२	५८	१८	२७	९	कर्के	भ. ७/३६ उ. ४०/५१ या. मीने बुधः ५३/५७ रेव.×
१२	गु	४६	४	श्ले	५१	११	सु	४२	२९	ब	१३	२७	५३	१	५९	१९	२८	१०	सिं५१।११	
१३	शु	५२	४९	म	५८	०	धृ	४४	१९	कौ	१९	२७	५७	१	५९	२०	२९	११	सिंहे	उभायांबुधः४०/५५ भरणी१शनिः५५/२६प्रदोषः
१४	श	५७	३७	पू	६०	०	शू	४५	१९	ग	२५	१३	३० ०	६ ०	६ ०	२१	३०	१२	सिंहे	भ. ५७।३७ उ.
१५	र	६०	०	पू	३	५४	गं	४५	३२	वि	२९	३०	६	५ ५९	१	२२	१	१३	कं.२०।६	भ. २९/३० या. होलिकादहनं रा.चैत्रारंभः
१५	चं	१	२२	उ	८	४२	वृ	४४	५८	व	१	२२	१०	५८	२	२३	२	१४	कन्यायां	छारेंडी

४८पं. फा.शु.१सू.इ.२८।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	६	११	०	१०	१०
२४	७	११	११	४	१२	१८	२४
६	३७	३	५९	२६	०	१८	७
२९	३०	१०	३४	५३	३	४१	३
५९	४१	०/१०	३/११	७४	५	३	६०
५८	५२	१३	ब	२६	४४	११	०

४९पं.फा.कृ.८सू.इ.२८।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	६	११	०	१०	११
१	१२	२३	११	१३	१२	१७	१
५	३७	३१	३३	९	४३	५६	६
४२	१४	१	५७	४३	५१	२५	४५
५९	४१	०/१०	३/११	७४	६	३	५९
४१	३६	३१	ब	२६	११	११	४९

५०पं.फा.शु.१५सू.इ.२८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	६	११	०	१०	११
८	१७	६	११	२१	१३	१७	८
३	३४	५४	०	५१	३०	३४	४
१८	२३	३६	३९	२१	०	१०	४०
५९	४१	०/१०	३/११	७४	६	३	५९
२९	३७	२८	ब	२०	२६	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३	५९	ह	१२	३०	ध्रु	४३	२५	कौ	३	५९	३० ५	५ ५७	६ ३	२४	३	१५	तु.४३।४८	वसन्त १
२	बु	५	३५	चि	१५	६	व्या	४१	५	ग	५	३५	१८	५६	४	२५	४	१६	तुलायां	भ. ३५।४७ उ.
३	गु	५	५९	स्वा	१६	५०	ह	३८	३	वि	५	५९	२३	५५	५	२६	५	१७	तुलायां	भ. ५।५९ या. चतुर्थी ब्र.
४	शु	४	२०	वि	१७	३२	व	३४	११	बा	४	२०	२७	५५	५	२७	६	१८	वृ.२।२२	रेवत्यां बुधः १६।१९
५	श	२	४४	अ	१७	२७	सि	२९	३४	तै	२	४४	३१	५४	६	२८	७	१९	वृश्चिके	
६	र	१	२२	ज्ये	१६	१३	व्य	२३	४९	व	१	२२	३५	५३	७	२९	८	२०	ध.१६।१३	भ.२१/२२ उ.२९/४०या. अश्वि.मेषे शुक्रः३।२९
७	र	५६	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	चं	५३	५५	मू	१४	११	ध	१८	२	बा	२५	५७	३९	५२	८	३०	९	२१	धनुषि	शीतलापूजनम् ●अप्रेल मा.४ता.३०
९	मं	४८	४२	पू	१०	२६	प	११	२०	तै	२१	१९	४४	५१	९	३१	१०	२२	म.२४।४५	दृश्यो रेवत्यां रविः ११।४(सौरः९।२८)
१०	बु	४२	४९	उ	७	४३	शि	३ ५२	५१ ४९	व	१५	४६	४८	५०	१०	१	११	२३	मकरे	भ.१५/४६ उ.४२/४९या. वक्रीस्वा.१ गुरुः३६।९●
११	गु	३६	६	श्र	३ ११	५४ ५४	सा	४७	५	व	९	२७	५२	५०	१०	२	१२	२४	कुं.३०।३८	अश्वि.मेषेबुधः५०/४१ पापमोचनी११ब्र.
१२	शु	२८	५०	श	५२	२६	शु	३८	५	कौ	२	२८	५६	४९	११	३	१३	२५	कुम्भे	प्रदोषः
१३	श	२१	१८	पू	४६	५४	शु	२९	५	व	२१	१८	३१ ००	४८	१२	४	१४	२६	मी३३।१७	भ.२१/१८उ.४७/३२या. कृत्तिका.भौमः२६।२७
१४	र	१३	४७	उ	४१	४३	ब्र	२०	३१	श	१३	४७	४	४७	१३	५	१५	२७	मीने	बुधोदयः पश्चिमायां २१।१७
३०	चं	७	६	रे	३७	५७	ऐं	१२	२९	ना	७	६	८	४६	१४	६	१६	२८	मे.३७।४७	सोमवती३० मन्वादिः

५१पं. चै.कृ.६सू.इ.२९।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	६	०	०	१०	११
४	२२	२१	१०	०	१४	१७	१५
२	३०	८	२०	३१	१८	११	०
६	०	२९	१३	४०	४	५४	४५
५९	४१	०/१०	३/११	७४	६	३	५९
४	२२	२२	ब	२०	४१	११	१८

गोचरग्रहाः

फा. शु. ७ शनौ मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.कृ.१४सू.इ.२९।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	६	०	०	१०	११
२१	२७	५	९	९	१५	१६	२१
५३	२३	०	३३	१०	८	४९	५४
३१	३१	५४	५७	३३	३८	३९	५६
५९	४१	०/१०	३/११	७४	६	३	५९
४	२८	४६	ब	८	५९	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंबुशुश

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७१ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७१ भोग्यकलिः ४२६९२९ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२७ शाकः १८९२ वर्षेऽस्मिन् राजा भौमः । मंत्री चन्द्रः । सस्येशोगुरुः । धान्येशो भौमः । मेघेशोरविः । रसेशश्शनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशोरविः । धनेशो बुधः । दुर्गेशोरविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां रुधिरोद्गारीनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ५।२६।२१।६ भोग्यमासादिः ६।३।३८।५४ । भगदैवतंयुगम् । वर्ष नाम चैत्रः । मेघ नाम पुष्करः । रोहिणी निवासः पर्वते । समयनिवासो कुंभकारगृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहनं वृषभः । स्तम्भो२ अन्नवाख्वोः । सोमवत्यमा. २ सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी२ । बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३६० । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १६ । तिथिवृद्धिः १० । उत्पत्तिविश्वा ९६। खपतिविश्वा १०८। वर्षाविश्वा १७। धान्यम् ७ । तृणम् १५। शीतम् ११ । तेज ५ । वायु १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०९ । सत्यं ।।, धर्म १।।, पाप१८ । शनि दृष्टिः पूर्वस्यां । अस्मिन्वर्षे भारते ग्रहणाऽभावः ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	८	२	५	१४	२	५
खर्च	१४	८	५	२	१४	५

वर्ष लग्नम् १।१५

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

भैरव कहे पुकार के सुन जगदम्बे मात ।
साल सताइस आईया सभी कहो कुशलात ।।

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे सुन ले सोच विचार ।
संवत् सखरो होयसी घर घर दुःख अपार ।।
जन्मे सो जीवें नहीं बालक कष्ट विशेष ।
कामनियां दुख पायसी इसमें मीन न मेष ।।
राष्ट्रपति भये भूमिसुत इनका क्रूर स्वभाव ।
यह सुख से नहीं रहन दे बिच बिच देखे दाव ।।
चन्द्रदेव मंत्री भये सस्यपति गुरु जान ।
यह शुभ फल दातार है बढै मान सम्मान ।।
आषाढां आगे चले रवि रथ से कुजराय ।
श्रावण कृष्णा पाखलौ वर्षा स्वल्प दिखाय ।।
रुधिरोद्गारी वर्ष है तेजी कारक योग ।
ग्रीष्म धान्य संचय करो ईश्वर दें सब भोग ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	२	८	११	१४	१४	११
खर्च	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ८।११

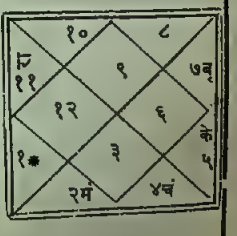

*सूबुशु

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२५।३३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम्-भौमे नृपे वन्हि भयं जन क्षयं चौरा कुलं पार्थिव विग्रहं च। दुःखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुंचति वारिवाहः ॥ मंत्री चन्द्रस्तत्फलम्-शशिनि मन्त्री गते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुख मंडिता। वियति वारिधरा बहुवर्षिणो, जनपदा सुख राशि सुशोभिताः ॥ सस्येशो गुरुस्तत्फलम्-कणपतौ सुर राज पुरोहिते सकल सौख्य करः श्रुति पूर्वकः। जलधरा जलदा बहु सस्यदा रस पयांसि बहूनि वसूनि वै ॥ धान्येशो भौमः फलम्-भूमिजे ग्रीष्म धान्येशे ग्रीष्म धान्य महर्घकम्। शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंति च ॥ मेघेशो रविः फलम्-जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनता रसम्। यव चणेक्षु नीवार सुशालिभिः सुख चयं सुलभं भुवि वर्तते ॥ रसेशश्शनिः फलम्-रवि सुते रस रसपे संक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः। अजगवां गजवाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषुनरा न रसैर्युताः ॥ नीरसेशोगुरुः फलम्-हरिद्रा पीत वस्तूनि पीत वस्त्रादिकं च यत्। नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीति रुत्तमा ॥ फलेशो रविः फलम्-द्रुमवती फल पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता। बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ॥ धनेशो बुधस्तत्फलम्-द्रविणपो हिमरश्मि सुतो यदा विविध संग्रह वस्तु फलार्थदा। द्विजवराजय यज्ञ सुसंयुता कृषि विशेष विशेषित मानसाः ॥ दुर्गेशो रविः फलम्-नय विशेष करस्तरणिस्तदा गतभया नर राज पुरोगमाः। सन्धिको नतदा नृपजोऽन्यजः स्वपथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ॥ रुधिरोद्गारी संवत्सरः फलम्-आहवेनिरताः सर्वे भूपारोगैस्तथा जनाः। यथा कथंचिज्जीवंति रुधिरोद्गारिवत्सरे ॥ वर्षनाम चैत्रस्तत्फलम्-सस्यानि घृत कार्पास तैलादि सुख संचयः। चैत्र वर्षे भवेद्बृद्धिः नृप सौख्य फलप्रदा ॥ मेघनाम पुष्करः फलम्-पुष्करे मंद वृष्टिश्च ॥ रोहिणी निवासः पर्वते फलम्-रोहिणी नाम नक्षत्रं पर्वतस्थं यदा भवेत्। वृष्टि हानिस्तदा ज्ञेया सर्व सस्य विनाशनम् ॥ समयनिवासो कुंभकार गृहे फलम्-अनावृष्टिः प्रजापतौ ॥ एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०२७ शाके १८९२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र वैशाख ज्येष्ठाषाढ मासेषु गोधूल्यां भीम ७।८ दोषः

चै.शु.१०गुरौ मघा. ल.गो. ९ रे.७ ।ऽ।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

„ १२शनौ उफा. ल. ९-१० रे. ९ ऽ।।।।।।।।

„ १३ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. ९-१० रे.९ ।।।।।ऽऽ।।।

वै.कृ. ४ शनौ मूले ल. गो. १० रे. ७ ।।।।ऽअ.ऽऽ।।

„ १२शनौ उभा.ल.१० रे.८।ऽ।।।।।ऽ। तिथ्यंतः कृष्णानंग चतुर्दिनन्च

वै. शु. ३ शुक्रे मृगे ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।ऽवो।।।।

„ ११ रवौ हस्ते ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽअ.ऽ।।।

ज्ये.कृ.९ शुक्रे उभा. ल.अन्यगो. रे.९।।।।।।।।ऽ।। भौ.शु.८ दोषः

„ १०शनौ रेव. ल.अन्यगो. रे.७ ।।।।ऽऽऽ।। भौ.शु.८ दोषः

ज्ये.शु.८ शुक्रे उफा. ल. गो रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। भौ. शु.८ दोषः

आ.कृ. ८शुक्रे रेव. ल. अन्यगो.२ रे.६ ।।।।।ऽअ.ऽऽ।ऽ वृष लग्ने रेखा७ दग्धाऽभावः शु. श. पूज्यौ

आ.शु. ५गुरौ उफा.ल.अन्यगो.२रे.१०।।।।।।।।।।वृषेशनि१२पू.

„ ६ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो.२ रे.८।।।।।ऽऽ।।वृषेशनि१२पू.

मार्ग.कृ.११भौमे हस्ते ल. अन्यगो. ४ रे. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।

मार्ग.शु.२चंद्रे मूले ल. ६ रे. ८ ।।ऽवु.।।।ऽ।।।

„ ४ बुधे उषा. ल. ४-६ रे. ९ ।।।।।।।।। कर्के चं.७ पूज्यः

„ ८रवौ उभा. ल.अन्यगो.६ रे.९।।।।।।।।। कन्या.चं.७पू.

„ १०भौमे रेव. ल. गो. ४(घ.३३½या.)रे.६ ।ऽ।।।ऽनृऽऽ।।

„ १४शुक्रे रोहि. ल.४-६ (घ.३३।७उ.) रे.७ ऽ।।।।ऽऽ।

„ १५शनौ मृगे ल. ४-६ रे. ७ ।ऽ।ऽ।ऽ।।

पौ.कृ.१ रवौ मृगे ल. गो. रे. ६ ।ऽऽ।ऽ।।ऽ।

माघकृ.५शनौ उफा. ल. ६-९ रे. ८ ।।।।ऽअ.।ऽ।।

„ ६ रवौ उफा. ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।

„ ६ रवौ हस्ते ल. ९ रे. ८ ऽ।।।।ऽ।।।

„ ७ भौमे स्वा. ल. ९ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

„ ८ बुधे स्वा. ल. अन्यगो. ६ रे. ७ ।।।।।ऽवोऽऽ।।

माघशु.४शनौ उभा. ल. अन्यगो. ६-९ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

„ ५ रवौ रेव. ल. अन्यगो. ६-९ रे. ९ ।।।।।ऽरो.।।।।

„ ९ गुरौ रोहि.ल.गो.६रे.६ऽ।।ऽ।।ऽऽगणितेनक्रां.सा.अश.

फा.कृ.३शनौ उफा. ल. गो. रे. ९ ।।।।।ऽ।।

„ ४ रवौ हस्ते ल. ९ रे. ८ ।।।।ऽऽ।।

„ ६ भौमे स्वा.ल.गो.६रे.७ऽऽ।।।।ऽ।गणि.क्रां.सा.अभावः

फा.शु.१शुक्रे उभा. ल. ९ रे. ८ ।ऽ।।।ऽ।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८४६ स.१९७०
१	मं	१	५	अ	३४	३७	वै	५/३४	५६/१२	ब	१	५	३१/१२	५/४६	६/१४	७	१७	२९	मेषे	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरा. सिधारा
२	मं	५५	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	बु	५४	१८	भ	३३	३९	प्री	५५	३४	तै	२५	२९	१६	४५	१५	८	१८	१	वृ.४८।४९	भरण्यांशुक्रः ५१/१७ शते ३राहुः पूफा.१केतुः+
४	गु	५३	४४	कृ	३४	१७	आ	५२	४०	व	२४	१	२०	४४	१६	९	१९	२	वृषे	भ.२४/१ उ.५३/४४ या. भरण्यां बुधः ५०/५५ वृषे*
५	शु	५५	१९	रो	४७	७	सौ	५१	५६	व	२४	३१	२४	४३	१७	१०	२०	३	वृषे	*भौमः १५।४८
६	श	५८	३५	मृ	४१	४०	शो	५१	५६	कौ	२६	५७	२८	४२	१८	११	२१	४	मि९।२३	+३१/१६ गणगौरी सफर २
७	र	६०	०	आ	४७	४९	अ	५३	२५	ग	३१	५	३२	४२	१८	१२	२२	५	मिथुने	
७	चं	३	३४	पु	५५	०	सु	५५	२७	व	३	३४	३६	४१	१९	१३	२३	६	क.३८।१२	भ.३३/३४ उ.३६/३० या. दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः ४५/९=
८	मं	९	२५	पु	६०	०	धृ	५७	५०	व	९	२५	४०	४०	२०	१४	२४	७	कर्के	रामनवमी स्मा. =(सौरः ४४।३)
९	बु	१५	५५	पु	२	३७	शू	६०	०	कौ	१५	५५	४३	३९	२१	१५	२५	८	कर्के	अस्तं शनेः ७।५५ रामनवमी वै.
१०	गु	२१	५८	श्ले	१०	२	शू	०	५	ग	२१	५८	४७	३९	२१	१६	२६	९	सिं१०।२	भ. ५४।५२ उ.
११	शु	२७	४७	म	१७	२	गं	२	७	वि	२७	४७	५१	३८	२२	१७	२७	१०	सिंहे	भ.२७/४७ या. भरणी. २ शनिः २९/४० कामदा×
१२	श	३२	१९	पू	२३	१०	वृ	३	२५	बा	०	३५	५५	३७	२३	१८	२८	११	कं.३९।१९	×११ ब्र. पातस्पर्शः १२/१८ मोक्षः १३/४२
१३	र	३५	४०	उ	२७	४६	ध्रु	३	३५	कौ	३	५९	५८	३६	२४	१९	२९	१२	कन्यायां	कृत्तिका. शुक्रः ४५।२४ प्रदोषः
१४	चं	३७	३३	ह	३१	११	व्या	२	४२	ग	६	३६	३३/२	३६	२४	२०	३०	१३	कन्यायां	भ. ३७।३३ उ.
१५	मं	३७	५५	चि	३३	१३	ह	०/४५	५७/०	वि	७	४४	६	३५	२५	२१	१	१४	तु.२।१२	भ.४७/४४ या. कृत्ति.बुधः ५/९ हनुमज्ज. रा वैशा.

१ पं. चै.शु.७चं.इ.४५।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	०	०	१०	०
०	३	१८	८	१९	१६	१६	०
०	६	५७	३६	२०	११	२३	१
०	३९	५७	५७	२४	९	३१	४
५८	४१	८६	७/४७	७४	७	३	५८
४४	१३	३४	ब	२	९	११	४५

गोचरग्रहाः

चैत्र शु. ७ चन्द्रे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्य भाव सम) शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

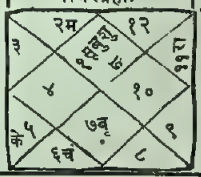

२पं. चै.शु.१४चं.इ.४५।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	०	०	१०	०
६	७	२६	७	२७	१७	१६	६
५०	५६	२५	४२	५४	३	१	५१
४२	४९	१२	४३	०	४६	१५	१५
५८	४०	४५	६५/५२	७३	७	३	५८
३१	५२	५	ब	५६	१७	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३६	५८	स्वा	३३	४९	सि	५३	४३	बा	७	२६	३२/१०	५/३४	६/२६	२२	२	१५	तुलायां	वृषे शुक्रः २७।४२
२	गु	३५	०	वि	३३	२६	व्य	४९	१	तै	५	५९	१४	३३	२७	२३	३	१६	वृ.१८।३२	रोहिण्यां भौमः ४६।१८
३	शु	३१	५३	अ	३२	१६	व	४३	४३	व	३	२६	१७	३३	२७	२४	४	१७	वृश्चिके	भ. ३।२६ उ. ३१।५३ या. च. ब्र.
४	श	२८	१२	ज्ये	३०	१७	प	३७	५१	बा	२८	१२	२१	३२	२८	२५	५	१८	ध.३०।१७	
५	र	२३	५८	नू	२७	५१	शि	३१	३४	तै	२३	५८	२५	३१	२९	२६	६	१९	धनुषि	
६	चं	१९	३१	पू	२५	१	सि	२५	५	व	१९	३१	२९	३०	३०	२७	७	२०	म.३९।१८	भ.१९/३१ उ.४०/६ या. दृश्योभरण्यां रविः २५/२५*
७	मं	१४	४२	उ	२२	८	सा	१८	२०	ब	१४	४२	३२	३०	३०	२८	८	२१	मकरे	*सौरः २५/२१ वक्री बुधः २५।११
८	बु	९	३५	श्र	१८	४१	शु	११	१७	कौ	९	३५	३६	२९	३१	२९	९	२२	कुं.४६।५४	वक्री चित्रा ४ गुरुः २।१४
९	गु	३	१४	ध	१५	७	शु	४/४	५२/३४	ग	३	१४	४०	२८	३२	३०	१०	२३	कुम्भे	भ ३०/५३ उ.५८/३१ या. रोहि.शुक्रः ३६/३ बुधास्तः×
१०	गु	५५	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×पश्चिमाया २१।४६
११	शु	५२	४७	श	११	११	ऐं	४९	१४	ब	२५	३९	४३	२७	३३	१	११	२४	मी५३।२४	बरूथिनी ११ ब्र. स्मा. मई मा. ५ ता.३१
१२	श	४७	१	पू	७	२९	वै	४२	५	कौ	१९	५४	४७	२७	३३	२	१२	२५	मीने	वरूथिनी ११ ब्र. वै.
१३	र	४१	३६	उ	३	५३	वि	३५	४	ग	१४	१९	५१	२६	३४	३	१३	२६	मीने	भ. ४१।३६ उ. प्रदोषः
१४	चं	३६	५७	रे	०/४४	५७/४०	प्री	२८	५०	वि	९	१६	५४	२५	३५	४	१४	२७	मे.०।४४	भ. ९।१६ या.
३०	मं	३३	१९	भ	५७	२२	आ	२३	१५	च	५	८	५७	२५	३५	५	१५	२८	मेषे	

३पं. वै.कृ.६चं.इ.४५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	१	०	१०	०
१३	१२	२९	६	६	१७	१५	१३
३९	४४	१७	५०	३०	५७	३९	३९
४३	६	२०	२	७	२१	०	४०
५८	४०	२/१९	५७/५२	७३	७	३	५८
१७	४८	ब	ब	५६	२०	११	१२

गोचरग्रहाः

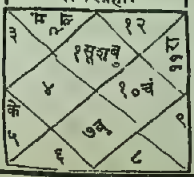

इस मास में मंदी के योग हैं। कृष्ण पक्षकी तिथि घट जाय। एक चीज तो क्या बढ़े सभी चीज बढ़ जाय ॥

गोचरग्रहाः

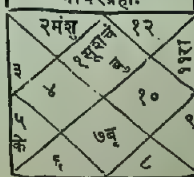

४पं. वै.कृ.१४चं.इ.४५।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	१	०	१०	०
२०	१७	२७	५	१५	१८	१५	२०
२७	३०	३१	५७	२	५२	१६	२६
२५	७	५१	५०	२०	८	४४	२०
५८	४०	३०/२१	५/२८	७३	७	३	५७
६	५५	ब	ब	४३	२०	११	५७

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाक: १८९२	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८७५ सन् १९७०
१	बु ३१ ६ कृ ५७ ५१ सौ १८ ५५ किं २ १३ ३३ २४ ३६	६	१६	२९	वृ. १२।२९	वृषे			वक्री भरण्यां बुधः २८।२६ चन्द्रदर्शनम्
२	गु ३० २० रो ५९ ५१ शो १५ ४७ बा ० ४३ ४ २३ ३७	७	१७	१					परशुराम जयन्ती रविलाबल ३
३	शु ३१ २५ मृ ६० ० अ १४ १० तै ० ५३ ७ २३ ३७	८	१८	२	मि ३१।३८	मिथुने			अक्षया ३
४	श ३४ १२ मृ ३ २५ सु १३ २८ व २ ४८ १० २२ ३८	९	१९	३					भ. २।४८ उ. ३४।१२ या.
५	र ३८ २९ आ ८ ३८ धृ १४ १४ ब ६ २० १३ २१ ३९	१०	२०	४	क. ५८।३५				
६	चं ४३ ४९ पु १५ १४ शू १५ ५८ कौ ११ ९ १६ २१ ३९	११	२१	५	कर्के				दृश्यः कृत्तिका. रवि: ३१ (सौर: १३) मृगे+
७	मं ५० २ पु २२ १९ गं १८ ८ ग १६ ५५ १९ २० ४०	१२	२२	६	कर्के				भ. ५३ उ. पातस्पर्शः ४४ मोक्षः ५६
८	बु ५६ १६ श्ले २९ ५४ वृ २० ३७ वि २३ ९ २२ २० ४०	१३	२३	७	सिं २९।५४	सिंहे			भ. २३ या. मृगे भौमः २४ भरणी. ३ शनिः ४६ ५७
९	गु ६० ० म ३७ ११ धु २२ ४७ बा २९ ११ २५ १९ ४१	१४	२४	८					दृश्यो वृषेऽर्कः ३८।३५ (सौर: ४१।६)
९	शु २ ५ पू ४३ ५६ ब्या २१ २९ कौ २ ५ २८ १८ ४२	१५	२५	९	कं. ५९।५९				
१०	श ६ ३१ उ ४८ ७ ह २५ १२ ग ६ ३१ ३० १८ ४२	१६	२६	१०	कन्यायां				भ. ३८।२५ उ. +शुक्रः ३६।३९
११	र १० २० ह ५२ ५६ व २४ ४७ वि १० २० ३३ १७ ४३	१७	२७	११	कन्यायां				भ. १० या. मिथुने शुक्रः २६ मोहिनी ११ व्र.
१२	चं १२ १ चि ५४ ४६ सि २३ ४ बा १२ १ ३६ १७ ४३	१८	२८	१२	तु. २३।५१				पूर्वोदयी बुधः १७।७ प्रदोषः
१३	मं १२ ७ स्वा ५५ १० व्य १९ ५६ तै १२ ७ ३९ १६ ४४	१९	२९	१३	तुलायां				नृसिंह जयन्ती १४
१४	बु १० १४ वि ५३ ४८ व १५ २२ ब १० १४ ४१ १६ ४४	२०	३०	१४	वृ. ३९।९				भ. १४ उ. ३६ या. उदयं शनेः ४५।२०
१५	गु ६ ५७ अ ५१ २२ प ९ ५१ ब ६ ५७ ४३ १५ ४५	२१	३१	१५	वृश्चिके				यमाय अन्नजल कुम्भदानम्

५पं. वै.शु. ६चं. इ. ४६।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	१	०	१०	०
४७	२२	२४	५	२३	१९	१४	२७
१३	१३	२२	९	३१	४५	५४	११
३४	१९	१५	५८	३७	१४	२८	३४
५७	४०	३१	६	७३	७	३	५७
४४	५०	ब	ब	२७	२०	११	५४

गोचरग्रहाः

वैशाख शु.९ गुरौ वृषेऽर्के: प्र. वा. ४ न. ५ गतालकवस्था (ऊर्ध्वी) मु. ३० धान्यादि भावे सम्मता) शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

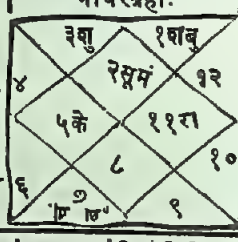

६पं. वै.शु. १४चं. इ. ४६।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	६	२	०	१०	१
३	२६	२०	४	२	२०	१४	३
५८	५५	२०	२५	१	३८	३२	५५
२६	३६	३१	४८	४	३८	१३	२७
५७	४०	३१	६	७३	७	३	५७
४४	५४	ब	ब	१७	१४	११	२४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाक: १८९२	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु २ १९ ज्ये ४७ ५३ शि २० ५३ को २ १९ ३३ ४६ १५ ४५	६	२२	१	१६	ध. ४७।५३	०		आर्द्रा. शुक्रः ३९।२७ रा. ज्येष्ठारम्भः
२	शु ५४ ४२ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०		
३	श ५० ५५ मृ ४३ ५९ सा ४९ ४९ व २३ ५८ ४८ १४ ४६	२३	२	१७				धनुषि	भ. २३।५८ उ. ३५ या. मिथुने भौमः ३३ १५
४	र ४४ ५० पु ३९ ५३ शु ४१ १५ ब १७ ५३ ५० १४ ४६	२४	३	१८	म. ५३।५२				मार्गी बुधः ४।५९ चतुर्थी ब्र.
५	चं ३८ ४१ उ ३५ ४७ शु ३३ ३४ कौ ११ ४५ ५३ १४ ४६	२५	४	१९				मकरे	दृश्यो रोहिण्यां रविः २।१० (सौरः १५)
६	मं ३२ ५५ श्र ३१ ५७ ब्र २५ १० ग ५ ५८ ५४ १३ ४७	२६	५	२०				मकरे	भ. ३२।५५ उ.
७	बु २७ ३१ ध २८ २८ ऐं १९ ५ वि ० १३ ५६ १३ ४७	२७	६	२१	कुं. ०।१३				भ. ०।१३ या.
८	गु २२ ११ श २५ १० वै १२ १३ को २२ ११ ५८ १२ ४८	२८	७	२२				कुम्भे	
९	शु १७ ३१ पू २२ २५ वि ५ ५३ ग १७ ३१ ३४ १२ ४८	२९	८	२३	मी ८।६				भ. ४५।१६ उ.
१०	श १३ २ उ २० ४ आ ५३ ५३ वि १३ २ २ १२ ४८	३०	९	२४				मीने	भ. १३।२ या.
११	र ९ १६ रे १८ २६ सौ ४८ ५६ बा ९ १६ ४ ११ ४९	३१	१०	२५	मे. १८।२६				अपरा ११ ब्र.
१२	चं ६ ५ अ १७ २२ शो ४४ १७ ते ६ ५ ६ ११ ४९	१	११	२६				मेषे	वक्री चित्रा ३ गुरुः ६।३३ प्रदोषः जन×
१३	मं ३ ५२ भ १७ १६ अ ४० ४३ ब ३ ५२ ७ ११ ४९	२	१२	२७	वृ. ३२।३२				भ. ३।५२ उ. ३३।१८ या. पुन. शुक्रः ४६*
१४	बु २ ४४ कृ १८ १९ सु ३७ ५९ श २ ४४ ९ १० ५०	३	१३	२८				वृषे	*आर्द्रा. भौमः २३।४६
३०	गु २ ४३ रो २० ३१ धृ ३६ ३१ ना २ ४३ १० १० ५०	४	१४	२९	मि ५२।१७				वट पूजनम् ×मा. ६ ता. ३०

७पं. ज्ये. कृ. ५चं. इ. ४६।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	६	२	०	१०	१
१०	१	२०	३	१०	२१	१४	१०
४२	३६	१	४७	२७	३१	९	३२
२५	३२	३३	३८	३२	२२	५७	२३
५७	४०	३९	४९	७३	७	३	५७
३५	२८	ब	ब	२	२	११	२३

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ शुक्रवार शुभ हैं। धूपअधिक वायुका जोर रहे अनाज जो गेहूँ आदि में मन्दी होकर तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

८पं. ज्ये. कृ. १२चं. इ. ४६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	६	२	०	१०	१
१७	६	२३	३	१८	२२	१३	१७
२५	१५	३७	१७	५०	२३	४७	१७
८	०	५९	३१	३४	१६	४२	२९
५७	४०	४१	४	७२	६	३	५७
२७	१६	४९	ब	४६	५३	११	१३

×चंबुश

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५९०५ स.१९७०
१	शु	४	३	मृ	२४	३	शू	३५	३९	ब	४	३	३४/१२	५/१०	६/५०	५	१५	३०	मिथुने	कृत्तिका. बुधः ३०।२७ चंद्रदर्शनम्
२	श	६	५३	आ	२८	४९	गं	३६	५	कौ	६	५३	१३	९	५१	६	१६	१	मिथुने	रविलाखर ४
३	र	११	६	पु	३४	५९	वृ	३७	२१	ग	११	६	१४	९	५१	७	१७	२	क.१८।२७	भ. ४३/४३ उ. दृ. मृगे रविः ५७/६ भौमास्तः ५५/३२
४	चं	१६	२१	पु	४१	५८	ध्रु	३९	१६	वि	१६	११	१६	९	५१	८	१८	३	कर्के	भ. १६/११ या. मृगे रविः सौरः ६/४ वृषे बुधः ३०/५७
५	मं	२२	२०	श्ले	४९	३४	व्या	४१	५६	बा	२२	२०	१७	९	५१	९	१९	४	सिं४९।३४	भरणी ४ शनिः ५२।१४
६	बु	२८	३४	म	५७	६	ह	४४	२२	तै	२८	३४	१८	८	५२	१०	२०	५	सिंहे	शते २ राहुः मघा. ४ केतुः २८।५४
७	गु	३४	३५	पू	६०	०	व	४६	४१	ग	१	३४	१९	८	५२	११	२१	६	सिंहे	भ. ३४।३५ उ. कर्के शुक्रः ६।५७
८	शु	३९	५५	पू	४	१७	सि	४८	८	दि	७	१५	२०	८	५२	१२	२२	७	कं.२०।४७	भ. ७।१५ या.
९	श	४३	४३	उ	१०	१९	व्य	४८	३७	बा	११	४९	२१	८	५२	१३	२३	८	कन्यायां	पुष्ये शुक्रः ५९।२
१०	र	४६	१४	ह	१४	५६	व	४७	४९	तै	१४	५८	२२	८	५२	१४	२४	९	तु.४६।३०	दृश्यो मिथुनेऽर्कः ५५।४४ गंगादशमी
११	चं	४६	४३	चि	१८	४	प	४५	२३	व	१६	२८	२२	८	५२	१५	२५	१०	तुलायां	भ. १६/२८ उ. ४६/४३ या. मिथुनेऽर्कः सौरः ६/५० *
१२	मं	४५	२	स्वा	१९	८	शि	४१	२८	ब	१५	५३	२३	७	५३	१६	२६	११	तुलायां	*रोहि. बुधः ५७।३ निर्जला ११ व्र.
१३	बु	४१	३४	वि	१८	१०	सि	३५	५९	कौ	१३	१८	२३	७	५३	१७	२७	१२	बृ.३।२५	प्रदोषः
१४	गु	३५	१०	अ	१५	२३	सा	२९	२	ग	८	२२	२३	७	५३	१८	२८	१३	बृश्चिके	भ. ३५।१० उ.
१५	शु	२९	३७	ज्ये	११	७	शु	२१	१७	वि	२	२४	२४	७	५३	१९	२९	१४	ध.११।७	भ. २।२४ या. वट सावित्री व्र. गुर्ज.

९पं.ज्ये.शु.४चं.इ.४६।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	६	२	०	१०	१
२४	१०	०	२	२७	२३	१३	२३
७	५२	१७	५५	१०	१२	२५	५८
१२	४४	१३	१५	४०	४६	२६	२५
५७	४०	६६	२/२९	७२	६	३	५७
२२	१३	२९	ब	२०	३६	११	५

गोचरग्रहाः

ज्ये. शु.१० रवौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.४ प्रगल्भावस्था(बैठी) मु.१५ धान्यदिभावेसमता शुक्रोदयः प. ।

गोचरग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु.११चं.इ.४६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	६	३	०	१०	२
०	१५	९	२	५	२४	१३	०
४८	२८	४३	४०	२८	०	३	३७
२५	४	३७	२०	४८	५८	१०	२४
५७	४०	९२	१/७	७१	६	३	५६
१७	१३	४९	ब	५६	२३	११	५७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२१	५५	मू	५	५५	शु	१२	३०	कौ	२१	५५	३४/२४	५/७	६/५३	२०	३०	१५	धनुषि	*गुरुः ५१/५२ पातस्पर्शः २६/२० मोक्षः ४२।३५
२	र	१४	७	पू	०/२	५४/२	ब्र	३/२५	५०/४४	ग	१४	७	२४	७	५३	२१	३१	१६	म.१३।३२	भ. ४०/० उ. दृश्यः आर्द्रा.रविः ५५/३६ मार्गी*
३	चं	५	५३	श्र	४८	१९	वै	४५	२३	वि	५	५३	२४	७	५३	२२	१	१७	मकरे	भ. ५।५३ या. आर्द्रा.रविः सौरः ८।२४×
४	चं	५२	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×पुन.भौमः ४१/५५ च.व्र. रा.आषाढ़ारम्भः
५	मं	५१	१३	ध	४३	२१	वि	२६	५१	कौ	२४	४२	२४	७	५३	२३	२	१८	कु.१५।५०	मृगे बुधः ४४।५६
६	बु	४४	५८	श	३९	८	प्री	२८	५७	ग	१८	५	२४	७	५३	२४	३	१९	कुम्भे	भ. ४४।५८ उ.
७	गु	३९	४४	पू	३५	३४	आ	२१	५१	वि	१२	२१	२३	७	५३	२५	४	२०	मी२१।२८	भ. १२।२१ या. आश्ले. शुक्रः १२।३१
८	शु	३५	२६	उ	३३	२०	सौ	१५	३२	बा	७	३५	२३	७	५३	२६	५	२१	मीने	पूर्वास्तं बुधः ८।१०
९	श	३२	१६	रे	३१	५९	शो	१०	८	तै	३	५१	२३	७	५३	२७	६	२२	मे.३१।५९	मिथुने बुधः १९।५८
१०	र	३०	४	अ	३१	४८	अ	५	३४	व	१	१०	२२	८	५२	२८	७	२३	मेषे	भ. १।१० उ. ३०।४ या.
११	चं	२९	४	भ	३२	३५	सु	१/५०	५७/११	बा	२९	४	२२	८	५२	२९	८	२४	बृ.४८।५	योगिनी ११ व्र.
१२	मं	२९	१०	कृ	३४	३५	शू	५७	११	तै	२९	१०	२१	८	५२	३०	९	२५	वृषे	आर्द्रा. बुधः ३१।४४ प्रदोषः
१३	बु	३०	२३	रो	३७	२८	गं	५६	१५	व	३०	२३	२०	८	५२	१	१०	२६	बृषे	भ. ३०।२३ उ. जौलाई मा. ७ ता. ३१
१४	गु	३२	३८	मृ	४१	४४	वृ	५६	११	वि	१	३०	१९	८	५२	२	११	२७	मि९।३६	भ. १।३० या.
३०	शु	३६	६	आ	४६	४७	ध्रु	५६	३५	च	४	२२	१८	८	५२	३	१२	२८	मिथुने	

११पं.आ.कृ.३चं.इ.४६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	६	३	०	१०	२
७	२०	२१	२	१३	२४	१२	७
२९	३	३३	३५	४२	४६	४०	१६
२४	०	२	४५	५७	२२	५५	१
५७	३९	९/१०	०/१०	७१	६	३	५६
३१	५९	४०	ब	३४	७	११	५४

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५शनिवार अशुभ हैं। प्रजा में पीड़ा अग्निभय वर्षाकम और हरेक वस्तु तेज हो।

गोचरग्रहाः

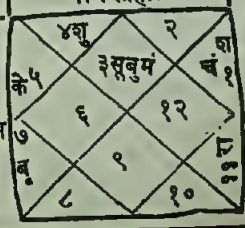

१२पं.आ.कृ.११चं.इ.४६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	६	३	०	१०	२
१४	२४	५	२	२१	२५	१२	१३
९	३६	५	३८	५२	२९	१८	५४
५०	४३	२०	५२	५८	२४	४०	६
५७	३९	१२५/१	१/७१	५	३	३	५६
७	५९	२४	०	४१	११	११	५०

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२	दि.	उ.	अ.	ह.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श ४०।२९ पु ५३। २ श्या ५८। २ किं ८।१३	३४	९	५१	४	१३	२९	क.३६।२८
२	र ४५।४६ पु ५९।४३ ह ५९।४९ ला १३। ७	१५	९	५१	५	१४	३०	कर्के
३	चं ५१।५० श्ले ६०। ० व ६०। ० तै १८।४८	१४	९	५१	६	१५	१	कर्के
४	मं ५८। ८ श्ले ७। ७ व २।११ च २४।५९	१३	९	५१	७	१६	२	सिं ७।७
५	बु ६०। ० म १४।४० सि ४।३२ ह ३१।१२	११	१०	५०	८	१७	३	सिंहे
५	गु ४।१६ पू २२।२१ व्य ७।१६ ला ४।१६	१०	१०	५०	९	१८	४	कं.३९।६
६	शु ९।५६ उ २९।२३ व ९।३५ तै ९।५६	८	१०	५०	१०	१९	५	कन्यायां
७	श १४।३५ ह ३५। ६ प १०।४७ व १४।३५	७	११	४९	११	२०	६	कन्यायां
८	र १७।४९ चि ३९।२९ शि ११। ३ ब १७।४९	५	११	४९	१२	२१	७	तु.७।१७
९	चं १९।२५ स्वा ४१।५८ सि १०। २ को १९।२५	४	११	४९	१३	२२	८	तुलायां
१०	मं १८।५१ वि ४२।१८ सा ७।२१ ग १८।५१	२	१२	४८	१४	२३	९	वृ.२७।१३
११	बु १६।१८ अ ४०।५६ शु ५१।५४ वि १६।१८	०	१२	४८	१५	२४	१०	वृश्चिके
१२	गु ११।३८ ज्ये ३७।२७ ब्र ४९।४७ बा ११।३८	५३	१२	४८	१६	२५	११	घ.३७।२७
१३	शु ५। ८ मू ३२।१६ ऐं ४१। २ तै ५। ८	५६	१३	४७	१७	२६	१२	धनुषि
१४	शु ५२। ४ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०
१५	श ४८।१७ पू २५।५३ वै ३१।३० वि २२।४५	५४	१३	४७	१८	२७	१३	म.३८।३६

दृश्यःपुनर्वसौ रविः ५३ चंद्रदर्श. रथयात्रा
पुन. रविः सौरः १२५ पुनर्व. बुधश्च २६=
भ. २४।५९ उ. ५८।८ या.
कर्के भौमः २।२८

=मघा. सिंहे शुक्रः ४६ जमादिलावल ५
भ. ३४ उ. ४६।१२ या. कर्के बुधः १४
पुष्ये बुधः४७।७ कृत्तिका. १शनिः २४।१९
पुष्ये भौमः १५।१९
भ. ४७।३५ उ.
भ. १६।१८ या. चित्रा.४ गुरुः ३८।११•
दृश्यः कर्केऽर्कः ३३ (सौरः ४५) प्रदोषः
भ. ५७।१२ उ. •देवशयनी ११ व्र
+बुधोदयः पश्चिमायां ३७ व्यास १५
भ ४५ या. आश्ले.बुध. ३९ पूफा.शुक्र ५६+

१३पं.आ.शु.३चं.इ.४६।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	६	४	०	१०	२
२०	२९	३०	२	०	२६	११	२०
५०	९	४१	५१	०	९	५६	३२
१०	१४	१६	२८	०	४६	२४	०
५७	३९	९	२	७०	५	३	५७
७	५९	५६	४७	२७	१४	११	५०

गोचरग्रहाः

आ. शु. १२ गुरौ कर्केऽर्कः प्र.वा.५ न.५गतालकावस्था (ऊर्ध्वा) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

१४पं.आ.शु.९ चं.इ.४६।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	४	०	१०	२
२७	३	५	३	८	२६	११	२७
३०	४०	२०	१२	१	४६	३४	१०
३२	३०	३४	२८	४८	३४	८	७
५७	३९	७	४	६९	४	३	५६
११	५६	५६	२	३८	४९	११	५५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२	वि.	उ.	अ.	ह.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र ३८।५० उ १८।४६ वि २१।१३ बा १३।३४	५३	५	१४	४६	१९	२८	१४
२	चं २९।१९ श्र ११।२६ मी १०।४९ ते ३। ५	५०	१४	४६	२०	२९	१५	मकरे
३	मं २०।२० ध १४।५३ आ ३२।२९ वि २०।२०	४७	१५	४५	२१	३०	१६	कु.३७।५०
४	बु १२। ५ पू ५२।२८ शो ४१।४७ बा १२। ५	४५	१५	४५	२२	३१	१७	कुम्भे
५	गु ५। ५ उ ४८।३६ अ ३४। ८ ते ५। ५	४२	१६	४४	२३	१	१८	मी३८।४८
६	शु ५४।३१ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	मीने
७	शु ५५।३५ रे ४६।२७ मृ २७।३१ वि २७।३५	४०	१६	४४	२४	२	१९	मे.४६।७
८	श ५३।१९ अ ४५।२५ धृ २२।१४ बा २४।२७	३७	१७	४३	२५	३	२०	मेषे
९	र ५२।१८ भ ४६। १ शू १८।१३ ते २२।४९	३५	१७	४३	२६	४	२१	मेषे
१०	चं ५३।११ कृ ४८। ८ गं १५।२६ व २२।४४	३२	१८	४२	२७	५	२२	वृ.१।३३
११	मं ५५। ९ रो ५१।३८ वृ १३।४९ ब २४।१०	२९	१८	४२	२८	६	२३	वृषे
१२	बु ५८।१९ मृ ५६।२२ ध्रु १३।१४ को २६।४४	२६	१९	४१	२९	७	२४	मि२४।०
१३	गु ६०। ० आ ६०। ० व्या १३।५२ ग ३०।२७	२४	१९	४१	३०	८	२५	मिथुने
१३	शु २।३५ आ २।११ ह १४।४३ व ०।३५	२१	२०	४०	३१	९	२६	क.५२।१
१४	श ७।३५ पु ८।३८ व १६।२४ श ५।३५	१८	२०	४०	१	१०	२७	कर्के
२०	र १३।१३ पु १५।३२ सि १८।२४ ना १३।१३	१५	२१	३९	२	११	२८	कर्के

वर्षतूं रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
दृश्यः पुष्ये रविः ५२।१३
भ. ५४।५० उ. पुष्ये रविः सौरः १५।५
भ. २०।२० या. चतुर्थी व्र.

भ. ५९ उ. नाग५मरुस्थले रा. श्रावणारंभ

भ. २७।३५ या.

भ. २२।४४ उ. ५३।११ या. मघा.सिंहे
कामिका ११ व्र. स्मा. वै.
कामिका ११ व्र. नि. ÷बुधः ४।१४
उफायां शुक्रः १७।५३ प्रदोषः व्रतम्
भ. २।३५ उ. ३५।५ या.
अगस्त मा. ८ ता. ३१ ×२२।३०
दृश्यः आश्ले. रविः ४९।१४ कन्या.शुक्र ×

१५पं.श्रा.कृ.२चं.इ.४५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	६	४	०	१०	३
४	८	१९	३	१५	२७	११	३
११	१०	२०	४१	५५	२०	११	४८
१७	४८	५६	५८	२२	६	५२	३४
५७	३९	९	५	६८	४	३	५६
१५	४६	२२	८	५०	२२	११	५७

गोचरग्रहाः

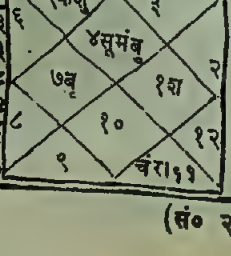

इस मास में ५ रवि ५ सोमवार साधारण हैं प्रजामें रोग,वर्षाकम गुड़ खांड़, घृत धान्य तेज हो। सुदी में वर्षा श्रेष्ठ हों।

गोचरग्रहाः

१६पं.श्रा.कृ.१०चं.इ.४५।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	६	४	०	१०	३
१०	१२	१	४	२३	२७	१०	१०
५२	३८	९	१८	४८	४८	४९	७
१९	२८	१८	४३	१४	२१	३७	५१
५७	३९	९९	६	६७	३	३	५७
२०	४६	५७	१४	४६	४४	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

•बुशुकें

| ति. | श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२ | | |

| ति. | भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२ | | |

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०२३ स. १९७०
१	गु	३६	५८	ह	२०	५६	ब्र	१	१३	किं	५	२७	२९/२६	६/७	५/५३	१	९	२९	तु.५३।२२	उफा.बुधः ५३/१३ माताम.श्रा. नवरात्रारंभः=
२	शु	४०	५३	चि	२५	४९	ऐं	१	४४	बा	८	५५	२२	८	५२	२	१०	३०	तुलायां	चन्द्रदर्शनम् =अक्टूबर मा. १० ता.३१
३	श	४३	०	स्वा	२९	४६	वै	१	२३	तै	११	५७	१८	८	५२	३	११	१	तुलायां	कन्यायां बुधः ४३।५७ सावान ८
४	र	४३	५५	वि	३२	२९	वि	१३/०	५७/५५	ध	१३	२८	१४	९	५१	४	१२	२	वृ.१६।४८	भ. १३/२८ उ. ४३/५५ या. उफ.यांभौमः ५४।११
५	चं	४३	४४	अ	३४	२०	आ	५५	३१	ध	१३	५०	१०	१०	५०	५	१३	३	वृश्चिके	
६	मं	४२	२६	ज्ये	३५	५	सौ	५१	५७	कौ	१३	५	६	११	४९	६	१४	४	ध.३५।५	+(सौरः ५६/५१) कन्या.भौमः १०/४० विजया १०
७	बु	४०	१	मू	३४	४४	शो	४७	१६	ग	११	१३	२	१२	४८	७	१५	५	धनुषि	भ. ४०।१ उ. सरस्वत्यावाहनम्
८	गु	३६	२८	पू	३३	१०	अ	४१	४०	वि	८	१५	२८/५८	१२	४८	८	१६	६	म.४७।२९	भ. ८।१५ या. सरस्वती पू. वलिदानञ्च
९	शु	३१	५२	उ	३०	२५	सु	३५	१७	बा	४	१०	५४	१३	४७	९	१७	७	मकरे	हस्ते बुधः ४९/३१ वृश्चिके शुक्रः ४१।३८×
१०	श	२५	५७	श्र	२६	३८	धृ	२७	५५	ग	२५	५७	५०	१४	४६	१०	१८	८	कुं.५४।११	भ. ५२/३१ उ. दृश्यश्चित्रायां रविः २७।३४+
११	र	१९	६	ध	२१	४४	शू	१९	३७	वि	१९	६	४६	१५	४५	११	१९	९	कुम्भे	भ. १९/६ या. स्वाती.४गुरु ५५/५७ पा.कु. ११व्र
१२	चं	११	१९	श	१५	५९	गं	१०	३४	बा	११	१९	४२	१६	४४	१२	२०	१०	मी५६।१९	प्रदोषः
१३	मं	३	३	पू	९	४५	वृ	१/४	५०/७	तै	३	३	३८	१६	४४	१३	२१	११	मीने	भ. ५४।३७ उ.. ×पूर्वास्तं बुधः ४७।७
१४	मं	५१	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●केतु. १३।४२ शरद् पूर्णिमा
१५	बु	४६	३४	उ	३/२७	५३/४९	व्या	४१	३७	वि	२०	३६	३४	१७	४३	१४	२२	१२	मि.५७।१६	भ.२०।३६या. धनिष्ठा.४राहुः मघा. २●

२६पं.आ.शु.५चं.इ.४४।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	६	६	०	१०	५
१८	२७	३	१५	२८	२८	७	१८
४०	१२	१२	३४	१	१६	७	१०
८	३२	७	१५	१५	४८	१	४५
५९	३८	९५	१३	२६	३/०	३	५९
९	५५	४४	२	५६	व	११	१६

गोचरग्रहाः

७शुबु ५मके ८चं ६सूबु ४ ९ ३ १० १२ २ ११रा १श

इस मासमें तिल तैल अलसी सिरस्यूं मूंगफली घृत गुड़ खांड तेज सुदीमें सोना चांदी तेज हो।

गोचरग्रहाः

७बृ ५के शु ८ ६सूबुमं ४ ९ ३ २ १२ १० ११रा १श

२७पं.आ.शु.१२चं.इ.४४।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	६	७	०	१०	९
२५	१	१५	१७	०	२७	६	२५
३५	३८	३	१	४४	५३	४४	६
६	५९	०	४८	३४	६	४५	२७
५९	३८	३०/०	१३	१४	३/३४	३	५९
२१	४७	६	१९	३९	व	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणे आश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३९	१९	अ	५२	३	ह	३२	३१	बा	१२	५७	२८/३०	६/१८	५/४२	१५	२३	१३	मेषे	
२	शु	३३	२५	भ	४८	११	ध	२४	१९	तै	६	२२	२६	१९	४१	१६	२४	१४	मेषे	
३	श	२९	१४	कृ	४५	४९	सि	१७	२३	व	१	२०	२२	२०	४०	१७	२५	१५	वृ.२।३६	भ. १/२० उ. २९/१४ या. दृश्यस्तुलायामर्कः ११/२० ●
४	र	२७	१०	रो	४५	५२	[illegible]	११	४९	बा	२७	१०	१८	२०	४०	१८	२६	१६	वृषे	●सौरः ३९/३४ चित्रा. बुधः ३०/३० करक ४ व्र.
५	चं	२७	६	मृ	४७	३९	ध	६	५७	तै	२७	६	१४	२१	३९	१९	२७	१७	मि१६।४६	वक्री शुक्रः ३२।१५
६	मं	२९	१६	आ	५१	३५	प	५	५५	ध	२९	१६	१०	२२	३८	२०	२८	१८	मिथुने	भ. २९।१५ उ.
७	बु	३३	१२	पु	५६	५९	शि	५	२५	वि	१	१४	६	२३	३७	२१	२९	१९	क.४०।३८	भ. १।१४ या. तुलायां बुधः १९।३३
८	गु	३८	३६	पु	६०	०	सि	५	५१	बा	५	५४	२	२४	३६	२२	३०	२०	कर्के	
९	शु	४४	३३	पु	३	५२	सा	७	३८	तै	११	३४	२७/५८	२४	३६	२३	१	२१	कर्के	दृश्यः स्वात्यां रविः ५३/२२ रा. कार्तिकारंभः
१०	श	५१	१०	श्ले	११	१२	शु	९	४३	ध	१७	५१	५४	२५	३५	२४	२	२२	सिं११।१२	भ. १७/५१ उ. ५१/१० या. स्वा. रविः सौरः ३०/३२
११	र	५७	३३	म	१८	५६	शु	१२	९	ब	२४	२१	५०	२६	३४	२५	३	२३	सिंहे	स्वा. बुधः २०/२२ हस्ते भौमः ५५/६ स्मा ११ व्र.
१२	चं	६०	०	पू	२६	१४	ब्र	१४	२४	कौ	३०	२०	४६	२७	३३	२६	४	२४	कं.४२।५५	विशा. १ गुरुः ३५/३७ अस्तं गुरोः २३/१२ अ.गु.
१२	मं	३	७	उ	३२	५८	ऐं	१६	१९	तै	३	७	४२	२८	३२	२७	५	२५	कन्यायां	प्रदोषः धन १३
१३	बु	८	५	ह	३८	३९	वै	१७	२५	ध	८	५	३९	२८	३२	२८	६	२६	कन्यायां	भ. ८।५ उ. ३९।४८ या. रूप १४
१४	गु	११	३०	चि	४३	७	वि	१७	३२	श	११	३०	३५	२९	३१	२९	७	२७	तु.१०।५३	महालक्ष्मीपूजनम् ×अन्नकूट गोवर्द्धन पू
३०	शु	१३	४५	स्वा	४६	२०	प्री	१६	४७	ना	१३	४५	३१	३०	३०	३०	८	२८	तुलायां	वक्री तुला.शुक्रः ४०/५३ वक्री भरणी४श.५८/५१×

२८पं.का.कृ.५चं.इ.४४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	६	७	०	१०	६
२	६	२७	१८	१	२७	६	२
३१	४	१३	३०	५४	२५	२२	३
३४	४०	८	२८	५०	३३	३०	५७
५९	३८	४०/०	१३	२०/०	५९/३	३	५९
३४	४०	४७	२५	व	व	११	४६

गोचरग्रहाः

८शु ६मंबु के ९ ७सूबु ५ १० ४ ११रा १श चं ३ १२ २

कार्त्ति.कृ.३ शनौ तुलायामर्कः प्र. वा.४न.४वृद्धावस्था(बैठी)मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

८शु ६मचं ९ ७सूबुबु ५के १० ४ ११रा १श ३ १२ २

२९पं.का.कृ.१२चं.इ.४३।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	६	७	०	१०	६
९	१०	९	२०	१	२६	६	९
२९	३१	३	१	१०	५४	०	३
४९	१८	४०	५१	५१	२८	१४	१७
५९	३८	४०/०	१३	१६/३४	१४/१४	३	६०
४७	३३	१८	३२	व	व	११	२

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श १४।४४ वि ४८।१८ आ १४।५६ ध	१४।४४	२७	६	५।३१	९	२९	वृ.३२।४८
२	र १४।२७ अ ४९।१७ सो १२।१३ को	१४।२७	२४	३१	२९	१	१०	३० वृश्चिके
३	चं २३।१८ ज्ये ४९।१४ शो ८।४१ ग	१३।१८	२०	३२	२८	२	११	१ ध.४९।१४
४	मं ११।१० मू ४८।२३ अ ४।५५ वि	११।१०	१६	३३	२७	३	१२	२ धनुषि
५	बु ८।२० पू ४६।५६ धृ ५३।५४ बा	८।२०	१३	३३	२७	४	१३	३ धनुषि
६	गु ४।४८ उ ४४।४१ शू ४७।४९ तै	४।४८	९	३४	२६	५	१४	४ म.१।२२
७	शु ०।४३ श्र ४२। ० गं ४१।१५ ब	०।४३	६	३५	२५	६	१५	५ मकरे
८	श ५३।१७ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०
९	श ५०।४७ ध ३८।४३ पू ३४।१९ बा	२२।२४	२	३६	२४	७	१६	६ कु.१०।२१
१०	र ४५। २ श ३४।५१ ध्रु २६।४६ तै	१७।५४	२९	३६	२४	८	१७	७ कुम्भे
११	चं ३८।४८ पू ३०।२९ त्या १८।५८ ब	११।५५	२६	३७	२३	९	१८	८ मी १६।३४
१२	मं ३२।१६ उ २५।४८ ह १०।३७ ब	५।३२	२३	३८	२२	१०	१९	९ मीने
१३	बु २५।४९ रे २०।४६ व २।५१ तै	२५।४९	४९	३९	२१	११	२०	१० मे.२०।४६
१४	गु १९।५८ अ १६।५९ व्य ४६।२६ व	१९।५८	४६	३९	२१	१२	२१	११ मेषे
१५	शु १४।४१ भ १३।३५ ब ३९।३६ ब	१४।४१	४२	४०	२०	१३	२२	१२ वृ.२७।५७

Nollember

चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम २ न. ११ ला. ३०
भ ४३ उ. विशाखा. बुधः ३३ रमजान ९
भ. ११० या. पश्चिमास्तं शुक्रः ४३ शु.अ.

भ.४३ उ.३७ या. दृश्योविशाखा.रविः १३ ×
×सौरः ३८।१ गोपाष्टमी

कूष्मांड ९ अक्षया ९
वृश्चिके बुधः ४४।३१
भ.५५ उ. ३८ या. प्रबो. ११ व्र. तुलसी वि.
अनु. बुधः ४६।२६ विशा. २ गुरुः ४२।२४
प्रदोषः वैकुण्ठ १४
भ. १९।५८ उ. ४७।२० या.
पुष्कर स्नानं मन्वादिः

३०पं. का.शु.३चं.इ.४३।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	६	६	६	०	१०
१६	१४	२०	२१	२८	२६	५	१६
२९	५८	३०	३४	२९	२२	३७	४
३८	१२	१८	१९	२०	३३	५८	२१
६०	३८	०	१३	२३	३४	३	६०
४	३७	२८	ब	ब	११	१८	

गोचरग्रहाः

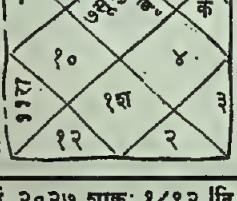

इस मासका फल श्रेष्ठ है वर्षा होगी मंदी का यहां से जोर होगा धान्य गेहूं चावल मूंग मोठ बाजरा मन्दा हो।

गोचरग्रहाः

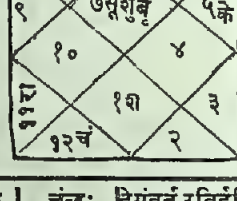

३१पं.का.शु.११चं.इ.४३।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	६	६	०	१०	६
२३	१९	१	२३	२४	२५	५	२३
३०	२४	३६	६	३३	४८	१५	६०
५८	१४	२९	३६	१०	५३	४३	५९
६०	३८	९८	१३	३३	४०	३	६०
१७	३७	२६	३८	ब	ब	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श १०।४३ कृ ११। ५ प ३३।४४ को	१०।४३	२६	६	५।२०	१४	२३	१३ वृषे
२	र ८।४२ रो १०।१४ शि २९। ३ ग	८।४२	३७	४१	१९	१५	२४	१४ मि ४०।३५
३	चं ७।५१ मृ १०।५६ सि २५।४७ वि	७।५१	३४	४१	१९	१६	२५	१५ मिथुने
४	मं ९।१४ आ १३।४८ सा २४।२५ बा	९।१४	३१	४२	१८	१७	२६	१६ मिथुने
५	बु १२।२९ पु १८।२० शु २३।५० तै	१२।२९	२९	४२	१८	१८	२७	१७ क.२।१२
६	गु १७।२२ पु २४।२१ शु २४।३८ व	१७।२२	२६	४३	१७	१९	२८	१८ कर्के
७	शु २३। ७ श्ले ३१।१० न्र २६।१५ ब	२३। ७	२४	४४	१६	२०	२९	१९ सिं ३१।१०
८	श २९।३६ म ३८।४४ पै २८।३१ को	२९।३६	२१	४४	१६	२१	३०	२० सिंहे
९	र ३६। ० पू ४६।१३ वै ३०।४२ तै	२।४८	१९	४४	१६	२२	१	२१ सिंहे
१०	चं ४१।५१ उ ५३।१४ वि ३२।४१ ब	८।५५	१६	४५	१५	२३	२	२२ कं.२।५८
११	मं ४६।५२ ह ५९।१६ प्री ३३।१० ब	१४।२१	१३	४५	१५	२४	३	२३ कन्यायां
१२	बु ५०।१८ चि ६०। ० मा ३४।२९ को	१८।३५	११	४६	१४	२५	४	२४ तु.३१।३०
१३	गु ५२।१५ चि ३।४५ सो ३३।४५ ग	२१।१६	८	४६	१४	२६	५	२५ तुलायां
१४	शु ५२।३८ खा ६।५४ शो ३१।४० वि	२२।२६	६	४७	१३	२७	६	२६ वृ.५३।७
१५	श ५१।११ वि ८।३१ अ २८।१६ ब	२१।५४	३	४७	१३	२८	७	२७ वृश्चिके

+शुक्रोदयः पूर्वं. २१।० च. व्र. शु.उ.पू.
भ. ३८।१६ उ. चित्रा. भौमः ५७।४९
भ.५१ या. दृश्योबृश्चिकेऽर्कः ४३ सौरः ३२+
वक्री स्वात्यां शुक्रः ४६।५४
बुधोदयः पश्चिमायां ४१।४
भ. १२ उ. १५ या. दृश्योऽनु. रविः २९÷
÷सौरः ५१ ज्येष्ठा. बुधः २३।२६
उदयं गुरोः १९।१२ उ.गु.
रा. मार्गशीर्षारंभः
भ. ८।५५ उ. ४१।५१ या.
उत्पत्ति ११ व्र.
विशाखा. ३ गुरुः ५१।३९
भ. ५२।१५ उ. तुला. भौमः ३२ प्रदोषः
भ. २२।२६ या.
मूले धनुषि बुधः ३३।५९

३२पं. मा.कृ.३चं.इ ४३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	६	६	०	१०	७
०	२३	१२	२४	२०	२५	४	०
२३	४५	२५	३९	३३	१४	५३	११
४७	२२	८	३६	४३	३१	२७	३
६०	३८	९५	१३	३३	४०	३	६०
३०	४०	२७	३७	ब	ब	११	४०

गोचरग्रहाः

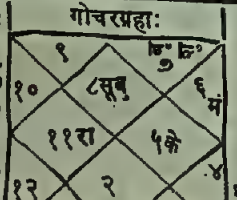

मार्ग. कृ. ३ चंद्रे बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

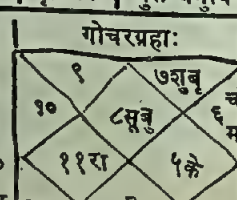

३३पं.मा.कृ.१०चं.इ.४३।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	६	६	०	१०	७
७	२८	२३	२६	१७	२४	४	७
३७	१७	२१	१०	४२	४०	३१	१९
३७	५६	५०	५९	४३	५९	१२	३९
६०	३८	९१	१३	३४	२८	३	६०
४२	२६	५	३२	ब	ब	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०८२स.१९७०
१	र	४८	४४	अ	८	३४	सु	२३	५३	किं	१९	५८	२६ १	६ ४८	५ १२	२९	८	२९	वृश्चिके	
२	चं	४५	१	ज्ये	७	२३	धृ	१८	३२	बा	१६	५२	२५ ५९	४८	१२	३०	९	३०	ध.७।२३	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	४०	४२	मू	५	१६	शू	१२	२६	तै	१२	५१	५७	४९	११	१	१०	१	धनुषि	दिसम्बर मा. १२ ता. ३१ सव्वाल १०
४	बु	३५	५९	पू	२ २०	५६ ५५	गं	५ ४०	५२ ५२	व	८	२०	५५	४९	११	२	११	२	म.१६।३४	भ.२८ उ.३६ या. दृश्यो.ज्येष्ठा. रविः ३८ ७ *
५	गु	३१	४	श्र	५६	०	ध्रु	५१	४७	ब	३	३२	५३	४९	११	३	१२	३	मकरे	*सौरः ५७ ६ मार्गी शुक्रः ९ ३६ पा.४२ ४८ मो.५८ ०
६	शु	२५	५३	ध	५२	३१	व्या	४४	३८	तै	२५	५३	५१	५०	१०	४	१३	४	कुं.२४।१५	चंपा ६
७	श	२०	५१	श	४९	५	ह	३७	१३	व	२०	५१	४९	५०	१०	५	१४	५	कुम्भे	भं. २०।५१ २. ४८।२३ या.
८	र	१५	५५	पू	४५	५३	व	३०	११	ब	१५	५५	४८	५०	१०	६	१५	६	मी३१।४१	स्वात्यां भौमः ५४।२५
९	चं	१०	५६	उ	४२	४०	सि	२३	१	कौ	१०	५६	४६	५१	९	७	१६	७	मीने	
१०	मं	६	११	रे	३९	३९	व्य	१६	१	ग	६	११	४५	५१	९	८	१७	८	मे.३९।३९	भ. ३३।५१ उ. पूषायां बुधः ३७।४४
११	बु	१	३२	अ	३६	५२	व	९	१२	वि	१	३२	४४	५१	९	९	१८	९	मेषे	भ. १।३२ या. मोक्षदा ११ ब्र. गीता ज.
१२	बु	५५	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	गु	५३	५२	भ	३४	३८	प	५२ ३	५४ ५	कौ	२५	३७	४२	५२	८	१०	१९	१०	बृ.४९।१५	प्रदोषः
१४	शु	५१	२	कृ	३३	७	सि	५१	४४	ग	२२	२७	४१	५२	८	११	२०	११	वृषे	भ.५१।२उ. विशाखा.४ वृश्चिके गुरुः ४० ५
१५	श	४९	४१	रो	३२	४४	सा	४७	१८	वि	२०	२२	४०	५२	८	१२	२१	१२	वृषे	भ.२०।२२ या. वक्री भरणी.३ शनिः ४० १९

३४पं.मा.शु.२चं.इ.४२।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	६	०	१०	७
१४	२	३	२७	१६	२४	४	१४
४२	४४	१	४२	२४	८	८	२३
५४	२०	४०	५०	३	२०	५६	२२
६०	३८	८४	१३	३ १२	४ ८	३	६१
५५	२६	३७	२२	ब	ब	११	३

गोचरग्रहाः

९चंबु, *७, १०, ८सू, ६, ११रा, ५के, २, १२, ४, १श, ३

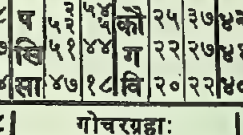

पौष कृ. ३ भौमे धनुष्यर्कः प्र.वा. २न.४वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पू. ।

गोचरग्रहाः

९बु, ×७, ६, १०, ८सू, ११रा, ५के, ४, २, १श, ३

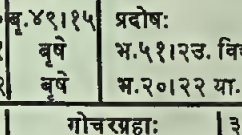

३५पं.मा.शु.९ चं.इ.४२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	६	०	१०	७
२१	७	१२	२९	१७	२३	३	२१
४८	१०	१६	१२	१८	३९	४६	३१
५८	४४	१	१४	२८	४६	४०	९
६०	३८	६९	१३	१३ १७	३ ४	३	६१
५६	१६	३८	१५	मा	ब	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	४९	२८	मृ	३३	५९	शु	४४	८	बा	१९	३५	२५ ३९	६ ५२	५ ८	१३	२२	१३	मि३।२१	
२	चं	५०	५९	आ	३६	२२	शु	४२	२४	तै	२०	१३	३८	५२	८	१४	२३	१४	मिथुने	
३	मं	५४	०	पु	४०	१७	ब्र	४१	११	व	२२	२९	३८	५२	८	१५	२४	१५	क.२४।१८	भ.२२ २९ उ.५४ ० या. दृश्योमूले धनुष्यर्कः ४५ २९ *
४	बु	५८	२४	पु	४५	३८	ऐं	४२	३१	व	२६	१२	३७	५३	७	१६	२५	१६	कर्के	धनुष्यर्कःसौरः ५० ० धनिष्ठा३राहुःमघा.१= =केतुः ५।३९ चतुर्थी ब्र.
५	गु	६०	०	श्ले	५२	६	वै	४२	४२	कौ	३१	९	३७	५३	७	१७	२६	१७	सिं५२।६	
५	शु	३	५३	म	५९	१९	वि	४४	३५	तै	५	५३	३७	५३	७	१८	२७	१८	सिंहे	वक्री बुधः ४०।४२ *विशा. शुक्रः १५ ३७
६	श	१०	२५	पू	६०	०	प्री	४६	४०	व	१०	२५	३६	५३	७	१९	२८	१९	सिंहे	भ. १०।२५ उ. ४३।४१ या.
७	र	१६	५८	पू	७	३	आ	४८	५५	ब	१६	५८	३६	५३	७	२०	२९	२०	कं.२३।५३	
८	चं	२३	७	उ	१४	२४	सौ	५०	४७	कौ	२३	७	३६	५३	७	२१	३०	२१	कन्यायां	
९	मं	२८	३३	ह	२१	१	शो	५१	४२	ग	२८	३३	३६	५३	७	२२	१	२२	तु.५३।३९	पश्चिमास्तं बुधः १४।१५ रा. पौषारंभः
१०	बु	३२	२६	चि	२६	१७	अ	५१	२९	व	०	२९	३६	५३	७	२३	२	२३	तुलायां	भ. ०।२९ उ. ३२।२६ या.
११	गु	३४	४२	स्वा	३०	४	सु	४९	५८	ब	३	३४	३७	५३	७	२४	३	२४	तुलायां	सफला ११ ब्र. +अनु.१गुरुः ३ २ सोमवती
१२	शु	३५	२	वि	३१	५९	धृ	४७	४	कौ	४	५२	३७	५३	७	२५	४	२५	वृ.१६।३०	
१३	श	३३	३३	अ	३२	४	शू	४२	२०	ग	४	१७	३७	५३	७	२६	५	२६	वृश्चिके	भ. ३३।३३ उ. प्रदोषः
१४	र	३०	१९	ज्ये	३०	३४	गं	३६	३१	वि	१	५६	३८	५२	८	२७	६	२७	ध.३०।३४	भ. १।५६ या. विशाखा. भौमः ५२।३०
३०	चं	२५	२४	मू	२७	३२	वृ	२९	३७	ना	२५	२४	३८	५२	८	२८	७	२८	धनुषि	दृश्यः पूषायां रवि.५० २५ वक्री मूले बुधः १० ५७+

३६पं.पौ.कृ.२चं.इ.४२।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	७	६	०	१०	७
२८	११	१९	०	१९	२३	३	२८
५५	३७	४	३९	४५	१३	२४	३९
५२	२६	४०	१८	५०	९	२५	५२
६१	३८	४०	१२	२५	३ २२	३	६१
०	१३	३९	५६	३५	ब	११	१९

९बु, मं ७ शु, १०, ८सू, ६, ११रा, ५के, १२, २, ४, १श, ३चं

३७पं.पौ.कृ.८ चं.इ.४२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	७	६	०	१०	८
६	१६	१९	२	२३	२२	३	५
३	४	५२	५	४१	५१	२	४९
२९	५८	३३	५६	३८	४३	९	१७
६१	३७	१० ५७	१२	३५	२ ४०	३	६१
४	५७	ब	२९	५३	ब	११	२२

१०, ८बु, ११रा, ९सूबु, मं शु चं ७, १२, ६, १श, ३, ५के, २, ४

३८पं.पौ.कृ.३०चं.इ.४२।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	७	६	०	१०	८
१३	२०	१२	३	२८	२२	२	१२
११	३१	२९	२८	४१	३४	३९	५९
३१	१९	३४	१	२८	३०	५४	९
६१	३७	५७ १०	१२	४१	३ ४	३	६१
६	५३	ब	९	४४	ब	११	२६

*मंशुबृ

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

×शुबुमं

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तुः रविर्दक्षिणेऽर्गणः ६।१२ स १९७०
१	मं १९।३१ पू २३।१३ ध्रु २१।४२ ब १९।३१	३५	६	५	२९	८	२९	म.३७।१	पूषायां रविः सौरः २।२८
२	बु १२।५८ उ १८।२३ ध्या १३।२५ कौ १२।५८	४०	५२	८	३०	९	३०	मकरे	वृश्चिके शुक्रः ३५।० चन्द्रदर्शनम्
३	गु ६।२० श्र १३।२४ ह ५३।५५ ग ६।२०	४०	५२	८	३१	१०	१	कु.४०।५५	भ. ३३।० उ. ५९।३९ या. जिल्काद ११
४	शु ५३।१९ ० ०।० ० ०।० ०	०	०	०	०	०	०	०	
५	शु ५३।१६ ध ८।२६ सि ४७।५५ ब	२५	५७	४१	५२	८	१	१।१	२ कुंभे जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९७१
६	श ४७।३० श ३।५८ व्य ४०। ६ कौ	२०	२३	४२	५२	८	२	१२	३ मी ४६।३
७	र ४२। ८ पू ०।५६ व ३२।२९ ग	१४	४९	४३	५१	९	३	१३	४ मीने भ.४२।८ उ. अनु.शुक्रः १९।३० बुधोदयः*
८	चं.३७।४४ रे ५३।५७ प ३५।४१ वि	९	५६	४४	५१	९	४	१४	५ मे.५३।५७ भ. ९।५६ या. *पूर्वस्यां २५।४९
९	मं ३४। १ अ ५२। १ शि १९।१७ बा	५	५३	४६	५१	९	५	१५	६ मेषे
१०	बु ३१। ६ भ ५०।५९ सि १३।४२ तै	२	३३	४७	५१	९	६	१६	७ मेषे
११	गु २९। १ कृ ५०।४० सा ८।५२ वं	०	३	४९	५०	१०	७	१७	८ वृ.५।५४ भ. ०।३ उ. २९।१ या. पुत्रदा ११ ब्र.
१२	शु २७।४१ रो ५१।२६ शु ४।३९ बा	२७	४१	५१	५०	१०	८	१८	९ बृषे मार्गी बुधः ५७।५६
१३	श २७।४० मृ ५३।१७ शु २५।१२ तै	२७	४४	५२	५०	१०	९	१९	१० मि २२।२१ प्रदोषः ×उषायां रविः ५५।९
१४	र २८।३३ आ ५६।११ सं ५६।५९ व	२८	३३	५४	४९	११	१०	२०	११ मिथुने भ.३६ उ.५९ या. दृश्यः उषायां रविः ५९
१५	चं ३०।४९ पु ६०। ० वै ५६।१७ ब	३०	४९	५६	४९	११	११	२१	१२ क.४४।१३ उषायां रविः सौरः ३।५५

२९पं.पौ.८शु.चं.इ.४२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	७	७	०	१०	८
२०२४	५	४	४२२	२	२०		
१९५७	१४	४७	२७	२१	१७	९	
२६२५	२	२५	१८	४७	३८	६	
६१३७	३५	११	४८	१७	३	६१	
६३३	व	२२	५६	व	११	२६	

गोचरग्रहाः

इस मासका फल साधारण है सोम वती अमावस्या हरेक वस्तु में मंदीकारक है कहीं २ वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

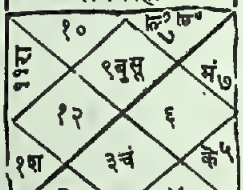

४०पं.पौ.शु.१५चं.इ.४१।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	७	७	०	१०	८
२७२९	५	६	१०	२२	१	२७	
२७२२	८	३	५१	१४	५५	१८	
४०४८	२	४३	०	२७	२२	५८	
६१३७	२	१०	५४	३	३	६१	
६१९	मा	५८	४२	व	११	२	

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तुः रविर्दक्षिणे पौष.कृष्णेतिमहाराष्ट्र
१	मं ३४।१६ पु ०।१४ वि ५८।२३ ब्रा २।३३	३५	४८	११	१२	२२	१३	कर्के	बृश्चिके भौमः ४१।४८
२	बु ३८।५७ पु ५।३३ प्री ५७।२८ तै ६।३६	२६	४८	१२	१३	२३	१४	कर्के	
३	गु ४४।१७ श्ले १२। २ आ ५९। ९ च	११	३७	३	४७	१३	१४	२४	१५ सिं १२।२ भ.११।३७ उ.४४ या. दृश्योमकरेऽर्कः ३३
४	शु ५०।३७ म १८।५२ सौ ६०। ० ब	१७	२७	५	४७	१३	१५	२५	१६ सिंहे अनु. २ गुरुः ०।२९ च. ब्र.
५	श ५७।१३ पू २६।३० सौ १।१६ कौ	२३	५५	८	४६	१४	१६	२६	१७ कं.४३।२४
६	र ६०। ० उ ३४। ७ शो ३।३५ ग	३०	२७	१०	४६	१४	१७	२७	१८ कन्यायां ज्येष्ठा.शुक्रः ३९।१० अनु.भौमः ५५ मार्गी=
६	चं ३।४० ह ४१।२५ अ ५।४३ व	३	४०	१२	४६	१४	१८	२८	१९ कन्यायां भ. ३।४० उ. ३६।३६ या.
७	मं ९।३२ चि ४७।३६ सु ७।२२ ब	९	३२	१५	४५	१५	१९	२९	२० तु.१४।३०
८	बु १४।१२ स्वा ५२।४४ धृ ८। ८ कौ	१४	१२	१७	४५	१५	२०	३०	२१ तुलायां दृश्योऽभि. प्र. रविः ४४ (सौरः ५०।४२)
९	गु १७।१४ वि ५५।४९ शू ७।३६ ग	१७	१४	२०	४४	१६	२१	१	२२ बृ.४०।३ भ.४७ उ. पूषायां बुधः ४६ रा.माघारंभः
१०	शु १८।२० अ ५७। ८ गं ५।४० वि	१८	२०	२३	४४	१६	२२	२	२३ वृश्चिके भ. १८।२० या. *(सौरः २९)
११	श १७।३५ ज्ये ५६।१६ वृ ११।५५ बा	१७	३५	२५	४३	१७	२३	३	२४ ध.५६।१६ षट्तिला ११ ब्र. =शनिः ३३।३५
१२	र १४।४४ मू ५३।३४ ध्या ५०।३२ तै	१४	४४	२७	४३	१७	२४	४	२५ धनुषि दृश्यः श्रवणे रविः ०।४१ (सौरः ३६)
१३	चं ९।५७ पू ४९।१३ ह ४२।२६ व	९	५७	३०	४२	१८	२५	५	२६ धनुषि भ. ९।५७ उ. ३६।३५ या. ×प्रदोषः
१४	मं ३।३२ उ ४३।३७ ब ३४।१५ श	३	३२	३३	४१	१९	२६	६	२७ म.२।४९ +दृश्योऽभि.नि. रविः ५३।१० (सौरः ५
२०	मं ५२।२४ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०

४१पं.मा.कृ.६चं.इ.४१।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	७	७	०	१०	९
४	३	१०	७	१७	२२	१	४
३५	४८	३०	१४	४०	१२	३३	२७
३१	३७	१८	२५	३०	४७	७	२८
६१	३७	५४	१०	५७	०	३	६१
३	५	४३	५	४९	मा	११	१९

गोचरग्रहाः

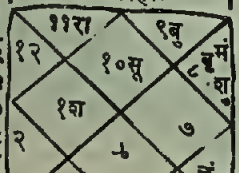

माघ कृ. ३ गुरौ मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न.२प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शु.पू.।

गोचरग्रहाः

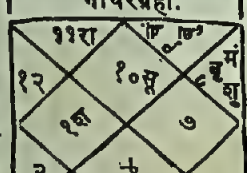

४२प.मा.कृ.१३चं.इ.४२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	७	७	०	१०	९
११	८	१८	८	२७	२२	१	११
४२	१२	२६	२०	५१	१७	१०	४३
५८	२५	१०	४६	३	१२	५१	१८
६०	३६	७२	९	६०	०	३	६१
५९	५६	४६	३२	३८	५८	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६१४१ स.१९७१
१	बु	४७	३४	श्र	३७	१०	सि	२३	३२	किं	२१	४५	२६/३६	६/४१	५/१९	२७	७	२८	मकरे	
२	गु	३८	५९	ध	३०	३१	व्य	१३	३०	बा	१२	१९	३९	४०	२०	२८	८	२९	कुं.३।५०	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	३०	४१	श	२३	५५	व	३/३३	५०/१४	तै	४	५०	४२	४०	२०	२९	९	१	कुम्भे	भ. ५६।५२ उ. जिल्हेज १२
४	श	२३	३	पू	१७	५९	शि	४४	४९	वि	२३	३	४६	३९	२१	३०	१०	२	मी४।२८	भ. २३।३ या. सूले धनु. शुक्रः ३१।१९
५	र	१६	११	उ	१३	५३	सि	३६	४९	बा	१६	११	४९	३८	२२	३१	११	३	मीने	उषायां बुधः ५७।३१ वसन्त ५
६	चं	१०	३७	रे	८	५७	सा	२९	४२	तै	१०	३७	५२	३८	२२	१	१२	४	मे.८।५७	फरवरी मा.२ता.२८ पा.स्प.४५/२ मोक्षः५६/४०
७	मं	६	५	अ	६	२८	शु	२४	२९	व	६	५	५५	३७	२३	२	१३	५	मेषे	भ. ६।५ उ. ३४।३७ या. भानु ७
८	बु	३	१०	भ	५	११	शु	१९	३६	ब	३	१०	५९	३६	२४	३	१४	६	वृ.१९।५७	मकरे बुधः २०।२९ भीष्म ८
९	गु	१	२८	कृ	४	१४	ब्र	१४	३१	कौ	१	२८	२७/२	३६	२४	४	१५	७	वृषे	
१०	शु	०	५९	रो	६	२६	ऐं	११	३८	ग	०	५९	६	३५	२५	५	१६	८	मि३७।४६	भ. ३१।२७ उ.
११	श	१	५६	मृ	९	७	वै	९	५०	वि	१	५६	९	३४	२६	६	१७	९	मिथुने	भ.५६/१ या. दृश्यो धनिष्ठा.रविः९/२ (सौरः*
१२	र	३	५०	आ	१२	३८	वि	८	५५	बा	३	५०	१३	३३	२७	७	१८	१०	मिथुने	प्रदोषः *१२/३०)अनु.३गुरुः४०/२७जया११ब्र.
१३	चं	७	८	पु	१७	२६	प्री	८	५८	तै	७	८	१६	३३	२७	८	१९	११	क.१।१४	ज्येष्ठा. भौमः ८।४८
१४	मं	११	१३	पु	२३	०	आ	९	१५	व	११	१३	२०	३२	२८	९	२०	१२	कर्के	भ. ११।१३ उ. ४३।४५ या.
१५	बु	१६	१६	श्ले	२९	३७	सौ	१०	२८	ब	१६	१६	२४	३१	२९	१०	२१	१३	सिं२९।३७	श्रवणे बुधः १७।२७

४३पं.मा.शु.६चं.इ.४२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	७	८	०	१०	०
१८	१२	२७	९	२	२२	०	१८
४९	३६	४२	३०	१७	२६	४८	४५
२६	२२	२५	६	६	३६	३६	१९
६०	३६	८३	८	६२	१	३	६१
५५	३४	५६	३३	५३	४०	११	४

गोचरग्रहाः

११रा, १०सू, ८ बृमं, १२, १चंश, ७, ४, २, ३, ५के, ६

इस मास में अलसी सिरस्युं तिल मूंगफली घृत गुड़ खांड़ तेज हो। चांदी सोना में घटाबढ़ी

गोचरग्रहाः

११रा, ९शु, १२, १०सू, ८ बृमं, १श, ७, २, ४चं, ६, ३, ५के

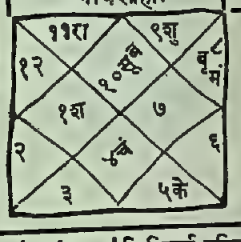

४४पं.मा.शु.१३ चं.इ.४२।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	७	८	०	१०	९
२५	१७	७	१०	९	२२	०	२५
५५	०	३२	१५	५८	४१	२६	५२
१६	१४	४५	१८	३३	२०	२०	६
६०	३६	९२	७	६४	२	३	६०
४७	१४	५१	३२	३७	२०	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२१	५२	म	३६	२७	शो	१२	१०	कौ	२१	५२	२७/२७	६/३१	५/२९	११	२२	१४	सिंहे	पूषायां शुक्रः ४९।२१
२	शु	२८	१९	पू	४४	०	अ	१४	१३	ग	२८	१९	३१	३०	३०	१२	२३	१५	सिंहे	दृश्यः कुंभेऽर्कः ४४।१७(सौरः४६।२७)
३	श	३४	४४	उ	५१	१७	सु	१६	३२	व	१	३२	३५	२९	३१	१३	२४	१६	कं.०।४९	भ. १।३२ उ. ३४।४४ या.
४	र	४१	७	ह	५९	७	धृ	१८	५१	ब	७	५५	३८	२८	३२	१४	२५	१७	कन्यायां	चतुर्थी ब्र. *कर्के केतुः ५९।११
५	चं	४७	६	चि	६०	०	शू	२०	५४	कौ	१४	७	४२	२८	३२	१५	२६	१८	तु.३२।३०	पातस्पर्शः २२।२६ मोक्षः ३४।२८
६	मं	५२	१९	चि	५	५३	गं	२२	१७	ग	१९	४२	४६	२७	३३	१६	२७	१९	तुलायां	भ. ५२/१९ उ. धनि. २ मकरे राहुः आश्ले ४*
७	बु	५६	५	स्वा	११	५५	वृ	२२	५१	वि	२४	१२	५०	२६	३४	१७	२८	२०	तुलायां	भ. २४।१२ या. पूर्वास्तो बुधः ३०।४४
८	गु	५८	२१	वि	१६	२४	ध्रु	२२	१०	बा	२७	१३	५४	२५	३५	१८	२९	२१	वृ.०।१७	धनिष्ठा. बुधः २५।६
९	शु	५८	४७	अ	१९	१६	व्या	२०	२	तै	२८	३४	५८	२४	३६	१९	३०	२२	वृश्चिके	दृश्यः शते रविः२०।३८(सौरः२१।४९)
१०	श	५६	१३	ज्ये	२०	७	ह	१६	२८	व	२७	३०	२८/२	२४	३६	२०	१	२३	ध.२०।७	भ. ३७/३० उ. ५६/१३ या. रा. फ़ाल्गुनारंभः
११	र	५३	२३	मू	१९	९	व	११	१९	ब	२४	४८	६	२३	३७	२१	२	२४	धनुषि	भरणी.४ शनिः ११/४२ विजया ११ब्र.स्मा.
१२	चं	४७	४४	पू	१६	४	सि	४/३२	५१/४२	कौ	२०	३३	१०	२२	३८	२२	३	२५	म.३०।६०	कुंभे बुधः ३०।१२ विजया ११ ब्र. वै.
१३	मं	४०	२९	उ	१२	१३	व	४६	५०	ग	१४	७	१४	२१	३९	२३	४	२६	मकरे	भ. ४०।२९ उ. उषायां शुक्रः ३०।७×
१४	बु	३२	१	श्र	४/५६	५२/४२	प	३६	२४	वि	६	१६	१८	२०	४०	२४	५	२७	कु.३१।१७	भ. ६।१६ या. महाशिवरात्री ब्र. वै.
१५	गु	२२	३१	श	५०	७	शि	२५	३६	ना	२२	३१	२२	२०	४०	२५	६	२८	कुम्भे	×प्रदोषः महाशिवरात्री ब्र. स्मा.

४५पं.फा.कृ.५चं.इ.४२।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	७	८	०	१०	१०
३	२१	१८	११	१७	२३	०	३
०	२२	४८	२	४९	१	४	५८
४	४४	२९	१०	२६	१	४	९
६०	३५	०/०	६	६६	३	३	६०
३७	५५	१९/१९	२८	५	१	११	४२

गोचरग्रहाः

१२, १०बु, १ श, ११सूरा, ९ शु, २, ८मंबृ, ३, ५के, ७ चं, ४, ६

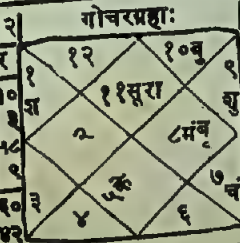

फा. कृ. २ शुक्रे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.४ नं.४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५(धान्यादि भावे समर्घता) शुक्रोदयं पू.।

गोचरग्रहाः

१२, १०रा, १श, ११सूबु, ९शु, २, ८बृमं, ३, ५, ७, के४, ६

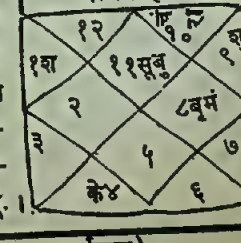

४६यं.फा.कृ.१२चं.इ.४२।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	७	८	०	९	१०
१०	२५	१०	११	२५	२३	२९	१०
३	४४	२२	४२	४६	२५	४१	२
३२	२	२२	४	१५	३७	४९	४२
६०	३५	०/०	५	६७	३	३	६०
२५	२८	४१/४१	२२	२३	४२	११	३१

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाक: १८९२	वि.	उ.	अ.	ह.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६१७१ स.१९७१
१	शु १२ ५० पू ४२ २० सि १४ ४० बा १२ ५० २६ १९ ४१ २६	७	२९	मी २९।१७	शते बुधः ५१।५ मकरे शुक्रः ३६ चंद्रद.
२	श ३ ३० उ ३५ २३ सा ७ ५८ को ३ ३० ३० १८ ४२ २७	८	१	मीने	फुलरिया २ पातस्पर्शः ३६ मोक्षः ४८।६+
३	श ५० ५३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	+मोहोरम १ सन् १३९१ हि.
४	र ४७ ८ रे २९ १३ शु ४५ ० ध २० ४५ ३४ १७ ४३ २८	९	२	मे.२९।१३	भ. २०।४५ उ. ४७।८ या.
५	चं ४० ५६ अ २४ ४३ त्र ३७ २१ ब १४ २ ३८ १६ ४४	१	१०	३	मूले धनुषि भौमः ३६ मार्चं मा.३ता.३१
६	मं ३६ ३७ भ २१ ४४ ऐ ३१ १० को ९ १६ ४२ १६ ४४	३	११	४ बृ.३६।२८	
७	बु ३३ ५० कृ २० ३९ वै २६ १५ ग ५ १३ ४६ १५ ४५	३	१२	५ वृषे	भ. ३३।५० उ. ✱(सौरः ३६) होलाष्टक
८	गु ३३ २ रो २१ ५ वि २२ ५१ वि ३ २६ ५० १४ ४६	४	१३	६ मि५१।१५	भ.३।२६या. दृश्यः पूभायां रविः ३६।४३✱
९	शु ३३ ५६ मृ २३ २६ प्री २० ५२ बा ३ २९ ५४ १३ ४७	५	१४	७ मिथुने	पूभायां बुधः ४२।४७
१०	श ३६ १८ आ २७ ८ आ १९ ५८ ते ५ ७ ५८ १२ ४८	६	१५	८ मिथुने	श्रवणे शुक्रः ५७।४९
११	र ४० ४ पु ३२ १६ सौ २० २९ ब ८ ११ २९ १२ ४८	७	१६	९ क.१५।५९	भ.८।११ उ.४०।४ या. आमलकी ११ब्र.
१२	चं ४४ ४९ पु ३७ ५५ शो २१ १९ ब १२ २६ ६ ११ ४९	८	१७	१० कर्के	
१३	मं ५० २६ श्लै ४५ १८ अ २२ ५० को १७ ३६ १० १० ५०	९	१८	११ सिं४५।१८	प्रदोषः
१४	बु ५६ १० म ५२ १४ मु २४ ३४ ग २३ १३ १४ ९ ५१	१०	१९	१२ सिंहे	भ. ५६।१० उ. मीने बुधः ५०।१३
१५	गु ६० ० पू ५९ ५३ धृ २६ ५४ वि २९ २४ १९ ८ ५२	११	२०	१३ सिंहे	भ. २९।२० या. होलिकादहनम्
१५	शु २ ३८ उ ६० ० शू २९ १० ब २ ३८ २३ ७ ५३	१२	२१	१४ कं.१६।४३	उभायां बुधः ३६ छारेंडी पातस्पर्शः ५०

४७पं.फा.शु.५चं.इ.४३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	७	९	०	९	१०
१७	०	१२	१२	४	२३	२९	१७
५	२	१	१४	५१	५४	१९	५
४६	४५	५८	३७	३२	४३	३३	३०
६०	३४	४	४	६८	४	३	६०
१२	५५	१९	९	३५	२३	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मास का फल उत्तम है। धान्य रुई चावल जौ गेहूँ बाजरा मोंठ मूंग मंदा होगा। सुदी में तेजी होकर मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

४८पं.फा.शु.१२चं.इ.४३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	७	९	०	९	१०
२४	४	२५	१२	१२	२४	२८	२४
६	२०	५२	३७	१	२९	५७	६
२९	३४	३०	१६	४८	१०	१८	५४
५९	३४	२	२	६९	४	३	६०
५८	३४	९	५६	१३	५२	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२	वि.	उ.	अ.	ह.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श ९ १ उ ७ १५ गं ३१ २२ को ९ १ ३९ ६ ७	५३	१३	२२	१५	कन्यायां	वसन्त १ पातमोक्षः १।५४
२	र १५ २८ ह १४ ३७ वृ ३३ १७ ग १५ २८ ३३ ६	५४	१४	२३	१६	तु.४८।५	भ. ४८।० उ. दृश्यो मीनेऽर्के: ३७।४०+
३	चं २० ५० चि २१ ३४ ध्रु ३४ ५० वि २० ५० ३६ ५	५५	१५	२४	१७	तुलायां	भ. २०।५० या. चतुर्थी ब्र.
४	मं २५ ४१ स्वा २७ ३८ व्या ३५ ४६ बा २५ ४१ ४० ४	५६	१६	२५	१८	तुलायां	
५	बु २९ ४६ वि ३२ ४१ ह ३५ ४७ ते २९ ४६ ४४ ४	५७	१७	२६	१९	बृ.१६।१५	दृश्यः उभायां रविः ५९ (सौरः ५७।३२)
६	गु ३२ २६ अ ३६ ३७ ध ३४ ४७ ग १ ६ ४९ २	५८	१८	२७	२०	वृश्चिके	भ. ३२।२६ उ. धनिष्ठा. शुक्रः २३।३६
७	शु ३३ ४३ ज्ये ३९ ७ सि ३२ ३७ वि ३ ४ ५३ १	५९	१९	२८	२१	ध.३९।७	भ. ३।४ या. रेवत्यां बुधः ४५ शीतला पू.
८	श ३३ २४ मू ३९ ४७ व्य २९ २ बा ३ ३३ ५७ १	५९	२०	२९	२२	धनुषि	बुधोदयः पश्चिमायां ६।०
९	र ३१ ४ पू ३८ ४७ ध २४ २ ते २ १४ ३० ६	०	६	२१	३०	२३	म.५३।३	भ. ५९।३ उ. ×पापमोचनी ११ ब्र.
१०	चं २७ १ उ ३५ ५१ प १७ ३४ वि २७ १ ६ ५९	१	२२	१	२४	मकरे	भ. २७।१ या. रा. चैत्रारम्भः
११	मं २१ १३ श्र ३१ १९ शि ९ ४४ बा २१ १३ १० ५८	२	२३	२	२५	कु.५८।२१	पूषायां भौमः ३९।५५ वक्री गुरुः ४०।२५×
१२	बु १३ ५८ ध २५ २४ सि ३३ ४९ ते १३ ५८ १४ ५७	३	२४	३	२६	कुम्भे	कुंभे शुक्रः ०।२० प्रदोषः
१३	गु ५ २० श १८ १९ शु ३९ ५२ ध ५ २० १८ ५६	४	२५	४	२७	मी५७।३३	भ. ५।२० उ. ३०।४० या.
१४	शु ५० ३९ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०				०	
३०	शु ४६ ७ पू १० ३७ शु २८ ५६ च २१ ३ २३ ५५	५	२६	५	२८	मीने	अश्वि. मेषे बुधः ५६।४ मन्वादिः

४९पं.चै.कृ.३चं.इ.४३।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	७	९	०	९	११
१	८	९	१२	२०	२५	२८	१
५	३५	१९	५१	१३	६	३५	६
४२	५६	५५	४३	२९	१८	२	३६
५९	३३	३	१	७०	५	३	५९
४१	५०	२२	२८	०	१८	११	४९

गोचरग्रहाः

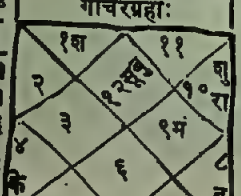

चैत्र कृ. २ रवौ मीनेऽर्के: प्र.वा.३ न.स्वप्नगलभावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यादि भावे समता) शुक्रो. पूं.

गोचरग्रहाः

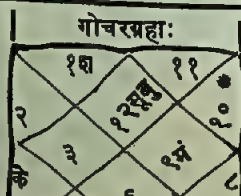

५०पं.चै.कृ.१०चं.इ.४४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	७	९	०	९	११
८	१२	२३	१२	२८	२५	२८	८
३	४९	६	५६	३०	४६	१२	३
१८	१४	७	२४	१४	४१	४६	३१
५९	३३	९	०	७०	५	३	५९
२९	४	९	११	३८	४६	११	३५

✱राचंशु

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०७२ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७२ भोग्यकलिः ४२६९२८ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २०२८ शाकः १८९३ अथास्मिन्वर्षेराजा शनिः । मंत्री बुधः । सस्येशो शुक्रः । धान्येशो गुरुः । मेघेशोभौमः । रसेशोरविः । नीरसेशो शुक्रः । फलेशश्चन्द्रः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चन्द्रः । एतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १८ रक्ताक्षीनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ६।०।३४।३३ भोग्यमासादिः ५।२९।२५।२७ भगदैवतं युगम् । वर्षनामः वैशाखः । मेघ नाम द्रोणः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा १८ । समयवाहनं महिषः । स्तंभाः १तृणस्य । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी ० । अंगारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी ० । रविदशमी ० । समयमूहूर्ताः ३०० । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १६ । तिथि वृद्धिः ११ । उत्पति विश्वा ९३। खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ९। धान्यम् १३, तृणम् १५ शीतम् ११. तेज ५. वायु १३ वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०७ सत्यम्।। धर्मम् १।। पाप १८ शनिदृष्टिः पूर्वस्यां । ग्रहण.२ चन्द्रमसः ।

सं. २०२८ श्रावण शु. १५ शुक्रे खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	स.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घं.	४२	४४	४६	४८	५१
मध्यम	पल.	२७	४७	५०	५३	१३
रेल्वे	घं.	११	१२	१	२	२
टाइम	मि.	२६	२२	११	०	५६

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ८।४

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी ज्वालामुखी भैरव आया द्वार ।
अष्टाविंशति साल का कह दो फल विस्तार ।।

भवानी उत्तर

भैरव सुन तूं ध्यान से कहती फल समझाय ।
घर घर खेलै बालका दूजै धोली गाय ।।
रोहिणी सिंध में वसी संवत् मालाकार ।
अष्टादश विश्वा समय होवे जय जयकार ।।
मंत्री बुधजी बापड़ा चले न इनका जोर ।
राजा तो रवि तनय है करें और की और ।।
वर्षा तो विश्वा बनी भौम भये मेघेश ।
रस कस कमती जानलो रसपति भये दिनेश ।।
शुभलक्षण शुभचार से कहा वर्ष निर्धार ।
धर्म कर्म करते रहो यही जगत में सार ।।

सं. २०२८ माघ शु. १५ रवौ प्रस्तोवयं खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प	स.	म.	उ.	मो
उज्ज.	घ.	२०	२४	२४	२५	२९
मध्यम	पल.	३९	५	५६	४७	१३
रेल्वे	घं.	२	४	४	४	६
टाइम	मि.	४३	५	२५	४६	८

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ०।४

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२६।२९

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फलम्–शनैश्चरे भूमिपतौ सङ्कुज्जलं प्रभूत रोगैः परिपीड्यते जनाः । युद्धंनृपाणां गद तस्कराद्यैः भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री बुधस्तत्फलम्–शशिसुते शुभ मंत्रि समागते, स्वपतिना रमते मदन क्रियाम् । बहु घनं बहु वारि समन्वितं यवमसूर चणान्न महर्धता ।। सस्येशः शुक्रस्तत्फलम्–शुक्रोयदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालीक्षुघनं प्रियंगु, वृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ।। धान्येशो गुरुः फलम्–गुरौ धान्य पतौयाते यव गोधूम शालयः । पच्यन्ते सर्व देशेषु यज्वानो ब्राह्मणादयः ।। मेघेशो भौमस्तत्फलम्–अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुति विचार विहीन धरामराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदम् ।। रसेशो रविः फलम्–रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भाग रताल्प पयोधराः । वसन तैल घृत प्रिय मानवाः सुखरसं न भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम्–कर्पुरागर गन्धानां हेम मौक्तिक वाससां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशश्चन्द्रस्तत्फलम्–यदि विधु-फलपो-द्रुमराशयः फलयुतावलिभिः कुसुमैर्युताः । द्विज मुखावरभोगसमन्विता नृपतयो नय नाटन तत्पराः ।। धनेशो गुरुः फलम्–सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्तिपराः सुख भाजनाः । फलित् पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुविमानवाः ।। दुर्गेशश्चन्द्रः तफलम्–गढ़पति शश लान्छनको यदा नृपसुतांज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुजगोरस भोगिनो, नरवरावर वर्णित विग्रहाः ।। रक्ताक्षी नाम संवत्सरः फलम्–रक्ताक्षीवत्सरे सस्य वृद्धिर्बृष्टिरनुत्तमा । प्रेक्षते सर्वदाऽन्योन्यं राजानो रक्त लोचनाः ।। वर्षनाम वैशाखः फलम्–अर्घं विविध भावेन जायते द्रविणप्रदम् । नीरुजा निर्भया लोकाः वेशाखे जन पूजिताः ।। मेषनाम द्रोणस्तत्फलम्–द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्–समुद्रे तु महा बृष्टिः ।। समय निवासो मालाकार गृहे फलम्–मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०२८ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा ५ शुक्रे मूले ल. गो. ८ रे. ६ ।।।।ऽअऽऽऽ दग्धादोषः
शुक्ला ३ भौमे रोहि. ल. ११-१२ रे. ६ ऽ।।ऽऽनृऽ।।
„ ११ गुरौ उफा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।ऽशु.।ऽनृऽ।। पाद वेधात्शुक्रस्य वेधाऽभावः
„ ११ गुरौ हस्ते ल. ९-१२ रे.६ ऽऽ।।।ऽनृ।।।।मीने चं.७ पू.
„ १२ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो. ९ रे. ८ ऽऽ।।।।।।। धनु लग्नघटी ४३।५० यावत्

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १ भौमे अनु. ल. ११-१२ रे. ६ ।।ऽगु.।ऽ।ऽऽ।।
„ ३ गुरौ मूले ल. १२ रे. ८ ।।।।ऽअऽ।।।
„ ५ शनौ उषा. ल. गो. ९-१२ रे. ५ ।।।।।ऽऽऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः
„ १० गुरौ उभा. ल. अन्यगो. ९ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
„ १२ शुक्रे रेव. ल. अन्यगो. ९ रे. ८ ।।।।।चौ।ऽ।।
शुक्ला ९ बुधे उफा. ल. गो. ९ रे. ८ ।।।।।ऽरोऽ।।।
„ १४ चंद्रे अनु. ल. ११-१२ रे. ६ ।।ऽगु।ऽऽनृ।ऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णा १ बुधे मूले ल. गो. ११-१२ रे. ६ ।।।।चौऽऽ।।
„ ९ गुरौ रेव. ल. अन्यगो. ११ रे. ७ ऽ।।।।ऽअ.।ऽ।।
शुक्ला ६ भौमे उफा. ल. १२ रे. ६ ।ऽ।।।ऽनृऽऽ।।
„ ९ शुक्रे स्वा. ल. गो. ११ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।
„ १० शनौ स्वा. ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽरो।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला २ शनौ मूले ल. ६-७ रे. ८ ।।।।।ऽनृऽ।।।
„ ४ चंद्रे उषा. ल. ६-७ रे. ६ ।ऽ।।।ऽचौऽऽ।।

माघ मासः

शुक्ला ४ गुरौ उभा. ल. ९ रे. ८ ।।।।।ऽचौऽ।।।
„ ५ शुक्रे उभा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।
„ १० भौमे रोहि. ल. गो. रे. ७ ।।।।।ऽअ.।ऽऽ। गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ४ गुरौ उफा. ल. गो. सोग्रांगः रे. ९ ।।।।ऽऽअ।ऽ।।
„ ४ गुरौ हस्ते ल. ९ रे. ७ ।।।।।ऽअ.ऽऽ।।
„ ५ शुक्रे हस्ते ल. गो. सोग्रांगः रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
„ ७ रवौ स्वा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः ९ रे.८ ।ऽ।ऽ।।।।।
„ ९ भौमे अनु. ल. अन्यगो. सोग्रांगः ९ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
शुक्ला ४ शुक्रे रेव. ल. ९ रे. ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णा १ बुधे उफा. ल. गो. ९ रे. ८ ।।।।ऽऽ।।।।
„ ४ शनौ स्वा. ल. गो. ९ रे. ६ ।।।।ऽऽअ.।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः आवश्यके

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽर्हगणः६२०० स.१९७१
१	श ३७ १३ उ ४३ ५३	ब्र	१७ ५८	कि	१२ ४०	३०	५५	६	२७ ६ २९	मे.५५।२५	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	र २७ ८ अ ४८ ५२	ऐं	४६ ५०	कौ	२७ ८	३१	५४	६	२८ ७ ३०	मेषे	चन्द्रदर्शनम् सिंघारा
३	चं १९ १८ भ ४३ ४८	वि	५० ५	ग	१९ १८	३५	५३	७	२९ ८ १	वृ.५८।०	भ.४६ उ. शतेशुक्रः ३६ मत्स्यज. गणगोरी*
४	मं १३ ११ कृ ४० ३७	प्री	४३ ३८	वि	१३ ११	३९	५२	८	३० ९ २	वृषे	भ. १३।११ या. *सफर २
५	बु ८ ५० रो ३९ १९	आ	३८ ४६	बा	८ ५०	४४	५१	९	३१ १० ३	वृषे	दृश्यो रेवत्यां नविः ३६ (सौरः २५।०)×
६	गु ६ २७ मृ ४० १३	सौ	३५ ३७	तै	६ २७	४८	५०	१०	१ ११ ४	मिथु९।४६	अप्रेल मा.४ता.३० ×कृत्ति.१शनिः ५३
७	शु ६ २० आ ४२ ५९	शो	३३ ५४	व	६ २०	५२	५०	१०	२ १२ ५	मिथुने	भ. ६।२० उ. ३७।१३ या.
८	श ८ ५ पु ४७ २७	अ	३३ ४९	ब	८ ५	५६	४९	११	३ १३ ६	क.३१।२०	रामनवमी स्मा.
९	र ११ ३८ पु ५३ २८	सु	३४ २६	को	११ ३८	३१	४८	१२	४ १४ ७	कर्के	राम ९ वैं.
१०	चं १६ २९ पु ६० ०	धृ	३६ ११	ग	१६ २९	४	४७	१३	५ १५ ८	कर्के	भ. ४९।२५ उ.
११	मं २२ २१ श्ले ० ३३	शू	३८ २७	वि	२२ २१	७	४७	१३	६ १६ ९	सिं०।३३	भ. २२।२१ या. कामदा ११ ब्र.
१२	बु २८ १८ म ७ ५६	गं	४० ५५	बा	२८ १८	११	४६	१४	७ १७ १०	सिंहे	
१३	गु ३४ ५० पू १५ ३१	वृ	४३ २०	को	१ १४	१४	४५	१५	८ १८ ११	कं.३०।५३	प्रदोषः
१४	शु ४१ २ उ २३ १	ध्रु	४५ २२	ग	७ ५६	१८	४४	१६	९ १९ १२	कन्यायां	भ.४३ उ. वक्री बुधः ४३ पूभा. शुक्रः ५७
१५	श ४६ ४४ ह ३० १०	व्या	४७ १५	वि	१३ ५३	२१	४४	१६	१० २० १३	कन्यायां	भ. १३।५३ या. हनुमज्जयन्ती

५१पं.चै.शु.३ चं.इ.४४।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	०	७	१०	०	९	११
१४	१६	३	१२	६	२६	२७	१५
५९	५८	४०	५३	४९	३१	५०	०
१३	२२	३७	४९	३७	४	३१	२६
५९	३२	७८	११	७१	६	३	५९
१६	८	३७	ब	१०	१२	११	१८

गोचरग्रहाः

इस मासका फल मध्यम है प्रजा में रोग भय हो। धान्य गेहूँ चावल जौ तिल सोना चांदी तेज हों।

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.शु.१०चं.इ.४४।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	०	७	१०	०	९	११
२१	२०	९	१२	१५	२७	२०	२१
५३	५९	३१	४०	८	१७	२८	५४
३१	४२	१४	४०	४६	४९	१५	३०
५९	३०	२६	३	७१	६	३	५९
४	५९	४९	ब	२८	२६	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ५१ ४९ चि ३६ ३४	ह	४८ ३२	बा	२० १६	३१	५	६	१७ ११ २१ १४	तु.३।२२	पश्चिमास्तं बुधः ३९।५
२	चं ५६ ८ खा ४२ ५	ब	४९ ३	तै	२३ ५९	२८	४२	१८	१३ २२ १५	तुलायां	
३	मं ५९ २२ वि ४७ ५३	व	४८ ५९	व	२७ ४५	३२	४२	१८	१३ २३ १६	वृ.३१।२७	भ.३७ उ.५९ या. अश्वि.मेषेऽर्कः सौरः ५४
४	बु ६० ० अ ५१ २	स्वि	४८ ११	ब	२९ ४१	३६	४१	१९	१४ २४ १७	वृश्चिके	दृश्नोऽश्वि. मेषेऽर्कः ०।३१ चतुर्थी ब्र.
४	गु १ ३६ ज्ये ५३ ४२	व्य	४८ १९	बा	१ ३६	४०	४०	२०	१५ २५ १८	ध.५३।४२	
५	शु २ ४७ मू ५५ १८	ब	४३ ३२	तै	२ ४७	४३	३९	२१	१६ २६ १९	धनुषि	उषायां भौमः १।१३
६	श २ ४३ पू ५५ ४१	प	३९ ५६	व	२ ४३	४७	३९	२१	१७ २७ २०	धनुषि	भ. २।४३ उ. ३२।२ या.
७	र १ २० उ ५४ २९	शि	३४ ५७	ब	१ २०	५१	३८	२२	१८ २८ २१	म.१०।२३	मीने शुक्रः ११।५२ ×रा. वैशाखारंभः
८	र ५७ १० ० ० ०	सि	० ०	०	० ०	०	०	०	० ० ०	०	
९	चं ५३ २६ श्र ५२ २	सा	२८ ५५	तै	२५ ५८	५५	३७	२३	१९ २९ २२	मकरे	
१०	मं ४८ ५८ ध ४८ ७	शु	२१ ५०	व	२० १२	५८	३६	२४	२० ३० २३	कुं.२०।४	भ. ३१ उ. ४८ या. उभा. शुक्रः ५७*
११	बु ४२ ० श ४२ ५९	शु	१३ ३७	ब	१५ २९	३३	३६	२४	२१ १ २४	कुम्भे	मकरे भौमः ४१।१० वरूथिनी ११ ब्र.×
१२	गु ३४ ५ पू ३७ ०	ब्र	३४ ५०	को	८ २	६	३५	२५	२२ २ २५	मी२३।३०	*धनिष्ठा.१ राहुः आश्ले.३ केतुः ५७
१३	शु २५ ३३ उ ३० १२	वै	४४ ३५	ग	२५ ३३	१०	३४	२६	२३ ३ २६	मीने	भ. २५।३३ उ. ५०।५८ या. प्रदोषः
१४	श १६ २३ रे २३ ४	वि	३४ १६	श	१६ २३	१४	३३	२७	२४ ४ २७	मे.२३।४	
३०	र ७ २६ अ १६ २१	प्री	२४ ३४	ना	७ २६	१७	३३	२७	२५ ५ २८	मेषे	

१पं.वै.कृ.४ बु.इ.०।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	७	१०	०	९	०
०	२५	९	१२	२५	२८	२७	०
०	३०	३१	१६	०	११	२	०
०	४३	२३	२३	२५	१७	७	५६
५८	२९	४६	३	७२	६	३	५८
४४	५८	ब	ब	२	४४	११	४५

गोचरग्रहाः

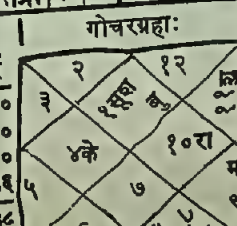

वैशाख कृ.४ बुधे मेषेऽर्कः प्र.वा.४ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव मंदा) शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

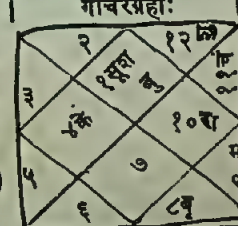

२पं.वै.कृ.११ बु.इ.०।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	७	११	०	९	०
६	२९	५	११	३	२९	२६	६
५०	४०	१०	४४	२४	२	३२	५१
४२	३४	३७	४२	०	२०	५१	७
५८	२८	३३	१५	७२	६	३	५८
३१	३९	ब	ब	२७	५९	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* चंवुश

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६२३० स.१९७१
१	र	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	५१	४१	भ	१०	१३	आ	१५	३४	बा	२५	१९	३२/२१	५/३२	६/२८	२६	६	२९	वृ.२४।२	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	४६	८	कृ	५	३१	सौ	७/३९	५०/२०	तै	१८	५४	२५	३१	३९	२७	७	१	वृषे	दृश्यो भरण्यां रविः ४०/४८ सौरः ४०/५२ अक्षया ३×
४	बु	४३	१९	रो	२	२६	अ	५६	१९	व	१४	४३	२९	३०	३०	२८	८	२	मि ३१।५८	भ. १४/४३ उ. ४३/१९ या. कृत्ति. २ वृषे शनिः ४५/३१+
५	गु	४०	५१	मृ	१	३१	सु	५३	१८	ब	१२	५	३२	३०	३०	२९	९	३	मिथुने	अस्तं शनिः २९।४ ×रविलावल ३
६	शु	४१	१९	आ	२	४९	धृ	५१	५९	कौ	११	५	३६	२९	३१	३०	१०	४	क.५०।१२	
७	श	४४	५	पु	५	५९	शू	५२	७	ग	१२	४२	४०	२८	३२	१	११	५	कर्के	भ. ४४।५ उ. मई मा. ५ ता. ३१
८	र	४८	१३	पु	१०	५२	गं	५३	३	वि	१६	९	४३	२७	३३	२	१२	६	कर्के	भ. १६।९ या. रेवत्यां शुक्रः ३।३२
९	चं	५३	४२	श्ले	१७	१५	वृ	५५	१४	बा	२०	५८	४७	२७	३३	३	१३	७	सिं १७।१५	
१०	मं	५९	४१	म	२४	३२	ध्रु	५७	२०	तै	२६	४१	५१	२६	३४	४	१४	८	सिंहे	
११	बु	६०	०	पू	३२	८	व्या	५९	५८	व	३२	५७	५४	२५	३५	५	१५	९	कं.४९।२	भ. ३३/५७ मार्गीबुधः २३/४५ मोहिनी ११ ब्र. स्मा.
११	गु	६	१४	उ	३९	४३	ह	६०	०	वि	६	१४	५७	२५	३५	६	१६	१०	कन्यायां	भ. ६।१४ या. मोहिनी ११ ब्र. वै.
१२	शु	१२	१३	ह	४६	५०	ह	२	२३	बा	१२	२३	३३/१	२४	३६	७	१७	११	कन्यायां	प्रदोषः +बुधोदयः पूर्वस्यां २।८
१३	श	१७	५३	चि	५३	१२	व	४	८	तै	१७	५३	४	२३	३७	८	१८	१२	तु.२०।१	वक्री अनु. २ गुरुः ११।८ नृसिंह जयन्ती
१४	र	२२	२५	स्वा	५८	२४	सि	५	८	व	२२	२५	७	२३	३७	९	१९	१३	तुलायां	भ. २२।२५ उ. ५४।६ या.
१५	चं	२५	४८	वि	६०	०	व्य	५	३४	ब	२५	४८	१०	२२	३८	१०	२०	१४	वृ.४४।३६	श्रवणेभौमः ४/४३ यमाय जलान्न कुंभदानं

३पं. वै.शु.४ बु.इ.१।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	७	११	०	९	०
१३	३	०	११	११	२९	२६	१३
३९	२७	४१	६	४८	५४	१७	३९
४३	११	१३	३६	५८	४३	३६	३२
५७	२७	२५/५६	६/१३	७२	७	३	५७
१७	५	व	व	४६	८	११	१२

गोचरग्रहाः

२चं १२शु ३ १सूशबु ११ ४के १०राम ५ ७ ९ ६ ८बृ

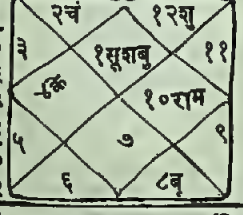

इस मास का फल साधारण है रुई अलसी सरसों पाट कुष्टा सण सूत वारदाना फल फूल तेज हो।

गोचरग्रहाः

२श १२शु ३ १सूबु ११ ४के १०रा मं ५ ७ ९ चं ६ ८बृ

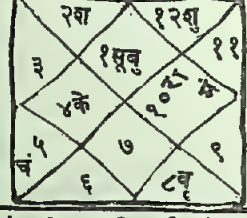

४पं. वै.शु.११बु.इ.१।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	७	११	१	९	०
२०	७	०	१०	२०	०	२५	२०
२७	४	०	२२	१६	४८	५५	२६
२२	५२	२५	१२	५	७	२०	१२
५८	२५	१/३४	७/१	७३	७	३	५७
६	२१	व	व	०	१४	११	५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	२८	१०	वि	२	३७	व	४	५७	कौ	२८	१०	३३/१३	५/२१	६/३९	११	२१	१५	वृश्चिके	दृश्यः कृत्तिका. रविः २६।४३ (सौरः २८/४९)
२	बु	२९	२०	अ	५	४६	प	३	३१	ग	२९	२०	१६	२१	३९	१२	२२	१६	वृश्चिके	भ. ५९।२१ उ.
३	गु	२९	२२	ज्ये	७	४६	शि	१/१३	५६/५५	वि	२९	२२	१९	२०	४०	१३	२३	१७	ध.७।४६	भ. २९/२२ या. अश्वि. मेषे शुक्रः ५/५९ च. ब्र.
४	शु	२८	२२	मू	८	५१	सा	५४	१५	बा	२८	२२	२२	२०	४०	१४	२४	१८	धनुषि	दृश्यो वृषेऽर्कः ५३।५८ (सौरः ५३।३७)
५	श	२६	३२	पू	८	५७	शु	४९	४७	तै	२६	३२	२५	१९	४१	१५	२५	१९	म.२३।४७	
६	र	२३	५	उ	८	१९	शु	४४	२६	व	२३	५	२८	१८	४२	१६	२६	२०	मकरे	भ.२२।५ उ.५१।४या. पातस्पर्शः २३।७*
७	चं	२०	१६	श्र	६	५०	ब्र	३८	३१	ब	२०	१६	३०	१८	४२	१७	२७	२१	कु.३५।३७	
८	मं	१५	५७	ध	४	२५	ऐं	३१	५२	कौ	१५	५७	३३	१७	४३	१८	२८	२२	कुम्भे	
९	बु	१०	३८	श	१/७	५५/५१	वै	२४	३४	ग	१०	३८	३६	१७	४३	१९	२९	२३	मी ४३।०	भ. ३७।३३ उ. *मोक्षः ३६।२१
१०	गु	४	२७	उ	५२	११	वि	१६	३६	वि	४	२७	३९	१६	४४	२०	३०	२४	मीने	भ. ४।२७ या. अपरा ११ ब्र.
११	गु	५३	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	शु	५०	१६	रे	४६	४४	प्री	८/८	५१/१३	कौ	२३	५९	४१	१६	४४	२१	३१	२५	मे.४६।४४	
१३	श	४२	५३	अ	४१	१५	सौ	५०	३८	ग	१६	३५	४३	१५	४५	२२	१	२६	मेषे	भ.४२।५३ उ. प्रदोषः रा. ज्येष्ठारम्भः
१४	र	३५	१२	भ	३६	३	शो	४२	७	वि	९	३	४६	१५	४५	२३	२	२७	वृ.४९।५५	भ.९।३या. भरण्यांबुधः ३७/१० ×वटपूजा
३०	चं	२८	३०	कृ	३१	३०	अ	३५	१३	च	१	५१	४८	१४	४६	२४	३	२८	वृषे	भरण्यां शुक्रः ११/५ कृत्तिका. ३ शनिः ३२/१

५पं.ज्ये.कृ.२बु.इ.१।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	७	७	११	१	९	०
२७	१०	२	९	२८	१	२५	२७
१३	३२	२१	३३	४१	४२	३३	११
३४	६	०	२२	१८	४३	५	२६
५७	२४	२९/७	७/४०	७३	७	३	५७
५४	३३	व	व	१४	२०	११	४५

गोचरग्रहाः

२श १२शु ३ १सूबु ११ ४के १०रा मं ५ ७ ९ ६ ८बृचं

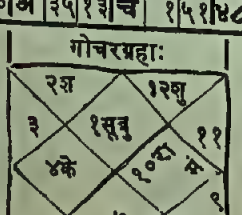

ज्येष्ठ कृ. ४ शुक्रे वृषेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्यादि भावे समता) शु.पूर्व।

गोचरग्रहाः

३ के ४ २सूश १२ ५ ११चं ६ ८बृ ७ ९ *१०

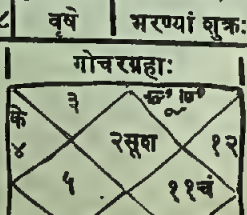

६पं. ज्ये.कृ.९ बु.इ.१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	७	०	१	९	१
३	१३	८	८	७	२	२५	३
५८	४८	१३	४०	७	३६	१०	५५
२६	१८	८	५२	५२	४७	४९	४
५७	२१	५६	५७/५२	७३	७	३	५७
४४	५८	२६	व	२६	२०	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*मंरा

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ६२५९ स. १९७१
१	मं २२।४६ रो २७।५३ सु २७।१६ ब २२।४६	३३ ५०	५ १४	४६	२५	४	२९	मि५६।५२	दृश्यो रोहि. रविः १७ (सौरः २२।४६)
२	बु १८।२८ मृ २५।५२ धृ २१।४० को १८।२८	५२	१४	४६	२६	५	१	मिथुने	रविलाखर ४ ●चंद्रदर्शनम्
३	गु १६ ४ आ २५।५३ शू १७।३१ ग १९ ४	५४	१३	४७	२७	६	२	मिथुने	भ. ४५।४९ उ.
४	शु १५।३४ पु २७।३० गं १४।४३ वि १५।३४	५६	१३	४७	२८	७	३	क.१२।११	भ. १५।३४ या.
५	श १७।१९ पु ३१।१९ वृ १३।५८ बा १७।१९	५८	१२	४८	२९	८	४	कर्के	
६	र २०।३९ श्ले ३६।३४ धु १४ ५ ते २०।३९	३४ ००	१२	४८	३०	९	५	सिं३६।३४	
७	चं २५।२८ म ४३।१६ ब्या १५।३४ व २५।२८	२	१२	४८	३१	१०	६	सिंहे	भ. २५।२८ उ. ५८।१९ या.
८	मं ३१।११ पू ५०।३६ ह १७।३५ ब ३१।११	४	११	४९	१	११	७	सिंहे	कृत्तिका. बुधः ४१।४३ जून मा. ६ता. ३०
९	बु ३७।३५ उ ५८।१५ व २०। ५ बा ४	२३	६	११	४९	२	१२	कं.७।३१	(+सौरः २१।३५)
१०	गु ४३।४२ ह ६०। ० सि २२।२५ ते १०।३८	७	११	४९	३	१३	९	कन्यायां	वृषे बुधः ३९।१५ गंगादशमी
११	शु ४९। ७ ह ५।३१ व्य २४।२८ ब १६।२४	९	१०	५०	४	१४	१०	तु.३८।४६	भ. १६ उ. ४९।८ या. कृत्ति. शुक्रः ८।६×
१२	श ५३।३१ चि १२। २ च २५।५३ ब २१।१९	१०	१०	५०	५	१५	११	तुलायां	×वक्री अनु. १गुरुः ०।१ उदयं शनेः ३४=
१३	र ५६।३५ स्वा १७।२१ प २६। ८ को २४।५८	१२	१०	५०	६	१६	१२	तुलायां	वृषे शुक्रः ५६।१७ प्रदोषः
१४	चं ५८। ८ वि २१।१७ शि २५।१९ ग २७।२१	१३	९	५१	७	१७	१३	वृ.५।१८	भ. ५८।८ उ. =निर्जला ११ व्र.
१५	मं ५८।१२ अ २३।४८ सि २३।२१ वि २८।१०	१४	९	५१	८	१८	१४	वृश्चिके	भ. २८।१० या. दृश्यो मृगे रविः १३+

७पं. ज्ये.शु.२बु.इ.१।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	७	०	१	९	१
१०	१६	१६	७	१५	३	२४	१०
४२	५०	२६	४७	३५	३०	४८	३७
२५	२४	२	३५	४९	५८	३३	१५
५७	२०	७७	५२	७३	७	३	५७
३५	१	१२	व	३८	२०	११	२३

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ मंगलवार अशुभ हैं पीड़ा अग्नि भय हो गुड़ खांड़ घृत रस तेज धान्य जौ चावल गेहूं चना मंदा होवें।

गोचरग्रहाः

८पं.ज्ये.शु.९ बु.इ.१।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	७	०	१	९	१
१७	१९	२७	६	२४	४	२४	१७
२५	३४	१४	५५	४	२४	२६	१८
८	३०	४२	१२	३७	२५	१८	२१
५७	१७	०	४३	७३	७	३	५७
२७	२६	२६	व	५०	१४	११	१३

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु ५६।५८ ज्ये २५। ७ सा २०।२५ बा २६।५०	३४ ५	९	५१	९	१९	१५	ध.२५।७	रोहि. बुधः ७।५०
२	गु ५४।१३ मू २५। ८ शु १६।३३ ते २३।३६	१७ ९	५१	१०	२०	१६	धनुषि	पूर्वास्तो बुधः १९।३३	
३	शु ५१।२३ पू २४। ४ शु ११।४० च २२।१८	१८ ८	५२	११	२१	१७	म.३८।३७	भ. २२।१८ उ. ५१।२३ या.	
४	श ४७।२४ उ २२।१८ ब्र ६।१९ ब १९।२३	१९ ८	५२	१२	२२	१८	मकरे	धनिष्ठा. मौमः ५८।२१ चतुर्थी व्र.	
५	र ४२।५५ श्र १९।५६ ऐं २५ ५३ को १५। ९	२० ८	५२	१३	२३	१९	कु.४८।३४		
६	चं ३८।२२ ध १७।१८ त्रि ४७।४५ ग १०।३८	२१ ८	५२	१४	२४	२०	कुम्भे	भ. ३८।२२ उ.	
७	मं ३३।१४ श १४।३० प्री ४१। ५ वि ५।५३	२१ ८	५२	१५	२५	२१	मी५७।६	भ. २३ या. दृश्यो मिथुनेऽर्कः ११।७●	
८	बु २८। ६ पू ११।१८ आ ३४। ३ बा ०।४५	२२ ८	५२	१६	२६	२२	मीने	●सौरः २३ मृगे बुधः ३६ रोहि. शुक्रः ६	
९	गु २२।४८ उ ७।५४ सौ २७। ० ग २२।४८	२२ ८	५२	१७	२७	२३	मीने	भ. ४९।२३ उ.	
१०	शु १५।५८ रे ४।१२ शो १९।३६ वि १५।५८	२३ ७	५३	१८	२८	२४	मे.४।१२	भ. १५।५८ या. मिथुनें बुधः ४५।६	
११	श ११।१४ अ २४ ५६ अ १२।२६ बा ११।१४	२३ ७	५३	१९	२९	२५	मेषे	योगिनी ११ व्र.	
१२	र ५।३४ कृ ५३।३४ सु १२ १७ ते ५।३४	२३ ७	५३	२०	३०	२६	वृ.१०।५५	कृत्तिका. ४ शनिः ०।५३ प्रदोषः	
१३	चं ०।२२ रो ५०।५४ शृ ५२।२३ ब ०।२२	२४ ७	५३	२१	३१	२७	वृषे	भ. ०।२२ उ. २८।१ या. आर्द्रा. बुधः ३६	
१४	चं ५५।१८ ० ० ० ० ० ०	० ७	०	०	०		०	×राहुःआश्ले.२केतुः ५३ रा.आषाढ़ारम्भः	
१५	मं ५२। ७ मृ ४९।१२ गं ४७। ० ब २३।५४	२४ ७	५३	२२	१	२८	मि२०।३	दृश्यः आर्द्रा. रविः १० सौरः ३३ श्रवणे×	

९पं. आ.कृ.१बु.इ.१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	७	१	१	९	१
२४	२१	९	६	२	५	२४	२३
७	५७	४८	४	३४	१७	४	५८
१२	२२	११	२६	३७	२५	२	१७
५७	१४	५८	५	७३	७	३	५७
२२	४२	२३	व	५३	३	११	५

गोचरग्रहाः

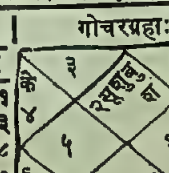

आ. कृ. ७ भौमे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यदिभावेमहर्घंता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

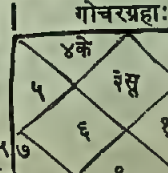

१०पं.आ.कृ.८ बु.इ.१।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	१	७	१	१	९	२
०	२३	२४	५	११	६	२३	०
४८	५५	१३	१८	६	९	४१	३७
२५	५९	३०	२२	१८	३२	४७	२६
५७	११	२	२	७४	७	३	५६
१७	४६	२०	व	२५	१४	११	११

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

●शुद्ध

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३										दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६२८८ स. १९७१
१	बु	४९	५७	आ	४८	५४	वृ	४२	३८	कि	२१	२	३४	५	२३	२	२९	मिथुने
२	गु	४९	१८	पु	५०	१२	धु	३९	४०	ला	१९	३७	२४	७	५३	२४	३	३०	क.३४।५३	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	शु	५०	३८	पु	५३	९	श्ले	३८	१४	ता	१९	५८	२४	७	५३	२५	४	१	कर्के	जमादिलावल ५
४	श	५३	३४	श्ले	५७	३४	ह	३७	२५	व	२२	६	२३	७	५३	२६	५	२	सिं५७।३४	भ. २२।६ उ. ५३।३४ या. मृगे शुक्रः ४७
५	र	५७	५५	म	६०	०	व	३८	१९	ब	२५	४४	२३	७	५३	२७	६	३	सिंहे	
६	चं	६०	०	म	३	४४	सि	३९	५९	कौ	२८	५७	२३	७	५३	२८	७	४	सिंहे	पुनर्वसौ बुधः २।४६
६	मं	३	१०	पू	१०	३०	व्य	४२	८	ते	३	१०	२२	८	५२	२९	८	५	कं.२७।२३	
७	बु	९	२६	उ	१८	१	व	४४	४०	व	९	२६	२२	८	५२	३०	९	६	कन्यायां	भ. ९।२६ उ. ४२।२९ या.
८	गु	१५	३२	ह	२५	३०	प	४६	५३	ब	१५	३२	२१	८	५२	१	१०	७	तु.५९।०	मिथुने शुक्रः ३१ जुलाई मा. ७ ता. ३१
९	शु	२१	१२	चि	३२	३१	शि	४८	५१	कौ	२१	१२	२०	८	५२	२	११	८	तुलायां	कर्के बुधः ४५ बुधोदयः पश्चिमायां ४८
१०	श	२५	५५	स्वा	३८	२५	सि	४९	३९	ग	२५	५५	१९	८	५२	३	१२	९	तुलायां	भ. ५८।२४ उ.
११	र	२९	५३	वि	४२	५३	सा	४९	१०	वि	२९	५३	१८	८	५२	४	१३	१०	बृ.२६।४६	भ.५३ या. पुष्येबुधः ३७ देवशयनी ११ व्र.
१२	चं	३०	३९	अ	४५	३४	शु	४७	३३	व	०	४६	१७	९	५१	५	१४	११	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	मं	३०	२२	ज्ये	४६	४०	शु	४१	२१	कौ	०	३०	१५	९	५१	६	१५	१२	ध.४६।४०	दृश्यः पुन. रविः ८।५५ (सौरः ५६)
१४	बु	२८	१४	मू	४५	५८	ब्र	३९	५४	व	२८	१४	१४	९	५१	७	१६	१३	धनुषि	भ.३६ उ.५६ या. आर्द्रा.शुक्रः २५ वा.यु प.
१५	गु	२४	४४	पू	४३	५७	ते	३४	२२	ह	२४	४४	१३	९	५१	८	१७	१४	म.५८।१०	व्यास पूजा गुरु १५

११पं.आ.शु.१बु.इ.१।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	२	७	१	१	९	२
७	२५	९	४	१९	७	२३	७
२९	३२	३६	३७	३६	०	१९	१७
२४	१३	११	१२	२२	०	३१	५३
५७	९	२८	२८	७४	६	३	५६
१३	२८	२९	ब	८	३८	११	५४

१२पं.श्रा.शु.७बृ.इ.१।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	२	७	१	१	९	२
१४	२६	२४	४	२८	७	२२	१३
९	३३	२४	३	८	४८	५७	५३
५०	४७	४०	११	२०	१४	१५	५८
५७	६	२९	२०	७४	६	३	५६
७	३१	४०	ब	१४	२६	११	५०

१३पं.आ.शु.१४बु.इ.१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	३	७	२	१	९	२
२०	२७	७	३	६	८	२२	२०
५०	९	४७	३६	४१	३३	३५	३१
१०	४०	३१	४७	३८	५८	०	५२
५७	२	०	१३	७४	६	३	५६
७	२३	४०	ब	२०	५	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३										दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२०	२	उ	४०	४८	वै	२८	४३	कौ	२०	२	३४	१०	५०	९	१८	१५	मकरे	
२	श	१४	२४	श्र	३६	४३	वि	२०	४१	ग	१४	२४	१०	१०	५०	१०	१९	१६	मकरे	भ. ४१।१८ उ.
३	र	८	१२	ध	३२	४९	प्री	१३	२	वि	८	१२	८	१०	५०	११	२०	१७	कु.४।४६	भ. ८।१२ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	१	५४	श	२८	४३	मा	२४	५३	ला	१	५४	७	११	४९	१२	२१	१८	कुम्भे	आश्ले. बुधः १७।२ नाग ५ मरुस्थले
५	चं	५३	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	मं	४९	५०	पू	२४	२८	शो	४९	१३	ग	२२	४६	५	११	४९	१३	२२	१९	मी १०।३२	भ. ४९।५० उ. वक्री विशा. ४ गुरुः १४ ४५
७	बु	४४	१९	उ	२०	४६	अ	४३	५	वि	१७	५	४	११	४९	१४	२३	२०	मीने	भ. १७।५ या.
८	गु	३८	२	रे	१७	२७	सु	३६	४	ला	११	१०	२	१२	४८	१५	२४	२१	मे. १७।२७	+रविः ७।३६ (सौरः ३१।२१)
९	शु	३४	२२	अ	१४	३४	धृ	२९	४४	ते	६	१२	०	१२	४८	१६	२५	२२	मेषे	दृश्यः कर्केऽर्कः ३८।१९
१०	श	३०	२	भ	११	५६	शू	२३	४०	व	२	२२	३३	१२	४८	१७	२६	२३	वृ.२६।२५	भ.१३ उ.३९ या. कर्केऽर्कः सौरः ४० पुन.
११	र	२६	२१	कृ	९	५४	गं	१८	११	ला	२६	२१	५६	१३	४७	१८	२७	२४	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	चं	२३	२४	रो	८	४६	वृ	१३	४	ते	२३	२४	५४	१३	४७	१९	२८	२५	मि ३८।३०	वक्री भौमः ६।२९ प्रदोषः व्रतम्
१३	मं	२१	१८	मृ	८	१३	धु	८	४०	व	२१	१८	५२	१४	४६	२०	२९	२६	मिथुने	भ. २१।१८ उ. ५०।४८ या. दृश्यः पुष्ये+
१४	बु	२०	१८	आ	९	२६	श्रा	५	८	श	२०	१८	५०	१४	४६	२१	३०	२७	क.५५।१५	म. सिंहे बुधः १४ रोहि. १ शनिः २०।५८
२०	गु	२०	२७	पु	१०	३१	ह	२	३५	ला	२०	२७	४७	१५	४५	२२	३१	२८	कर्के	हरियाली ३० *शुक्रः ५५।३

१४पं.श्रा.कृ.७बु.इ.१।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	३	७	२	१	९	२
२७	२७	१९	३	१५	९	२२	२७
३०	१२	२७	१८	१६	१७	१२	९
३२	१८	०	३२	३१	३१	४४	५९
५७	१	५५	५३	७४	५	३	५६
११	२५	५६	ब	२६	४४	११	५५

गोचरग्रहाः

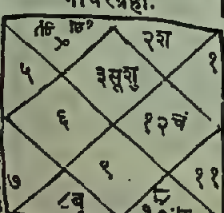

श्रावण कृ.९ शुक्रे कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न.६प्रगलभावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

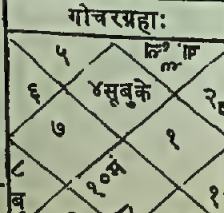

१५पं.श्रा.कृ.१४बु.इ.१।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	३	७	२	१	९	३
४	२६	२९	३	२३	९	२१	३
११	४६	४३	९	५१	५८	५०	४८
१७	३३	४१	२५	७	१६	३९	१७
५७	३२	७७	११	७४	५	३	५६
१५	ब	२४	ब	२६	१८	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

| ति. | श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३ | | |

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३४७ स. १९७१
१	श ५९।३० म ४१।१६ प २१।३९ कि २७ ७	५५	५	६	२१	३०	२८	सिंहे	
२	र ६० ० पू ४७।५२ शि २२ ७ बा २९।४५	११	३४	२६	२२	३१	२९	सिंहे	वक्री मघा. बुधः ४१।३ चन्द्रदर्शनम्
३	चं ४।४५ उ ५५ २ सि २३।४३ कौ ४।४५	८	३४	२६	२३	१	१	कं.४।३९	रा. भाद्रपदारम्भः रज्जव ७
४	मं १०।५४ ह ६० ० सा २६ ९ ग १०।५४	४	३५	२५	२४	२	२	कन्यायां	भ.४५ उ. ध्रव. ३ राहुः आश्ले.१केतुः ४५ १२
५	बु १७।१३ ह २।३८ शु २९।३२ वि १७।१३	०	३६	२४	२५	३	३	तु.३६।२७	भ. १७।१२ या. गणेश ४
६	गु २३।३० चि १०।१६ शु ३१ ५ बा २३।३०	३१	३७	२३	२६	४	४	तुलायां	मार्गी भौमः ७।१९ ऋषि ५
७	शु २९ ४ स्वा १७।४० ब्र ३३।२६ तै २९ ४	५३	३८	२२	२७	५	५	तुलायां	
८	श ३३।४४ वि २३।५४ रे ३४।३९ ग १।२४	४८	३८	२२	२८	६	६	वृ.७।१८	भ. ३३।४४ उ. *सितम्बर मा.९ता.३०
९	र ३६।५९ अ २९ ८ वै ३४।५५ वि ५।२१	४४	३९	२१	२९	७	७	वृश्चिके	भ. ४।२१ या. ×शुक्रश्च ७।१९
१०	चं ३७।२४ ज्ये ३२।२५ वि ३३।५१ बा ७।१२	४०	४०	२०	३०	८	८	ध.३२।२५	दृश्यः पूफायां रविः ४८।९ पूफायांx
११	मं ३७।४८ मू ३३।५८ प्री ३१।२१ तै ७।३६	३६	४१	१९	३१	९	९	धनुषि	पूफायां रविः (सौरः १९।२७)
१२	बु ३५ ६ पू ३३।२५ आ २७ ७ ध ६।५७	३३	४२	१८	१	१०	१०	म.४७।४७	भ.६।५७उ.३५।६या. जलझूलनी ११ब्र.०
१३	गु ३०।२३ उ ३०।५३ सौ २१।१२ ध २।४५	२८	४२	१८	२	११	११	मकरे	वामन १२ प्रदोषः
१४	शु २३।५० श्र २६।२४ शो १३।४६ तै २३।५०	२५	४३	१७	३	१२	१२	कुं.५४।०	पूर्वोदयी बुधः ०।१९
१५	श १५।४५ ध २१।३६ अ ३।५७ ध १५।४५	२१	४४	१६	४	१३	१३	कुम्भे	भ. १५।४५ उ. ४१।१७ या. अनंत १४+
१५	र ६।५० श १३।४४ भृ ४५ १ ध ६।५०	१७	४५	१५	५	१४	१४	मी५३।१४	मार्गी बुधः २०।४१ +महालयारंभ

२०पं. भा.शु.४बु.इ.०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	७	४	१	९	४
७	२१	११	४	७	१२	१९	७
२९	६	६	३४	०	२५	५९	१४
१७	५०	४०	४८	११	१२	११	२४
५७	२५	२०	५	७४	२	३	५७
२८	ब	ब	३५	३८	२८	११	४५

गोचरग्रहाः

इस मासमें प्रजा में रोग पीड़ा अन्नादि का भाव तेज हो। सुदी में सरसों मूंगफली बिनोला मंदा चांदी सोना तेज।

गोचरग्रहाः

२१पं. भा.शु.११बु.इ.०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	७	४	१	९	४
१४	२०	५	५	१५	१२	१९	१३
२९	२३	११	१६	४०	४१	३६	५२
५६	२०	५३	५९	४८	२०	५५	३६
५८	३	४२	४४	६	७४	१	३
१	मा	ब	३५	३८	४३	११	५७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूं रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ५०।३३ ० ० ० शू ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं ४८ ० पू ६।५३ शू ३४ ३० तै २२।४२	३३	४५	१५	६	१५	१५	मीने	
३	मं ३९ १ रे ५२ ८ ग २४ ८ व १३ ३०	९	४६	१४	७	१६	१६	मे.५२।८	भ. १३।३० उ. ३९।१ या.
४	बु ३०।४८ अ ४६ १२ वृ १४ १९ ब ४ ५	५	४७	१३	८	१७	१७	मेषे	चतुर्थी ब्र.
५	गु २४ ४ भ ४१ २३ धु ८ ५५ तै २४ ४	१	४८	१२	९	१८	१८	वृ.५५।४०	उफायां शुक्रः ५१।२०
६	शु १८।४२ कृ ३८ ३० ह ५० ३७ व १८।४२	५७	४९	११	१०	१९	१९	वृषे	भ. १८।४२ उ. ४६।५० या.
७	श १४।५८ रो ३६ ४९ ब ४४ ६ ब १४।५८	५३	४९	११	११	२०	२०	वृषे	
८	र १२।४८ मृ ३६ ४३ सि ४० ५९ कौ १२।४८	४८	५०	१०	१२	२१	२१	मि६।४६	कन्या. शुक्रः ३२।३७ अनु. २ गुरुः ४४।४
९	चं १२।१२ आ ३८ १६ व्य ३८ ४ ग १२।१२	४४	५१	९	१३	२२	२२	मिथुने	भ.४३ उ. दृश्यः उफायां रविः ३२ मातु ९
१०	मं १३।१४ पु ४१ २० ब ३६ २९ वि १३।१४	४०	५२	८	१४	२३	२३	क.३०।४४	भ. १३।१४ या. उफायां रविः सौरः ४।५
११	बु १५।२२ पु ४५ २७ प ३५ ४७ बा १५।२२	३६	५३	७	१५	२४	२४	कर्के	इन्दिरा ११ ब्र.
१२	गु १८।५४ श्ले ५० ४० शि ३६ १९ तै १८।५४	३२	५४	६	१६	२५	२५	सिं५०।४०	दृश्यः कन्यायामर्कः ५७।५० प्रदोषः
१३	शु २३।२१ म ५६ ४२ सि ३७ ५ व २३।२१	२८	५४	६	१७	२६	२६	सिंहे	भ.२३।११उ.५६।२या. कन्याऽर्कः सौरः
१४	श २८।४३ पू ६० ० सा ३८ ४४ श २८।४३	२४	५५	५	१८	२७	२७	सिंहे	वक्री शनिः ५३।२०
३०	र ३४।२७ पू ३।५० शु ४० ४४ च १।३५	२०	५६	४	१९	२८	२८	क.२०।३८	सर्वपितृ ३० *२९ पूफायां बुधः ५६

२२पं. आ.कृ.४बु.इ.०।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	७	४	१	९	४
२१	२०	४	६	२४	१२	१९	२०
१६	५	४४	४	२१	५२	१४	४६
५७	१०	२५	४१	५८	५	३९	१६
५८	४	३६	७	७४	१	३	५८
१३	७७	मा	३७	३६	१०	११	१२

गोचरग्रहाः

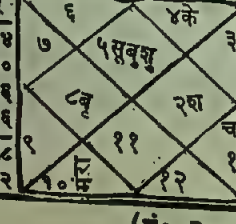

आ. कृ.१२ गुरौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो.पू.।

गोचरग्रहाः

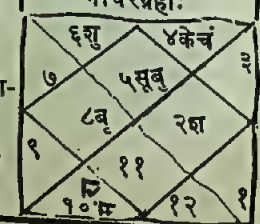

२३पं.आ.कृ.११बु.इ.०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	७	५	१	९	४
२८	२०	१०	६	३	१२	१८	२७
५	२७	३२	५९	३	५८	५२	३४
२४	२५	३८	३५	१८	२३	२४	३९
५८	७	८१	८	७४	०	३	५८
२६	३६	४८	३८	२२	२५	११	२५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३७७ स. १९७१
१	चं	४०	४०	उ	११	३	शु	४२	५०	किं	७	३३	३०/१६	५/५७	६/३	२०	२९	२९	कन्यायां	हस्ते शुक्रः ३४/५६ मातमह श्री. नवरात्रारंभः
२	मं	४६	५५	ह	१८	३१	ब्र	४५	१७	बा	१३	४८	१२	५८	२	२१	३०	३०	तु.५२।१६	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	५३	१२	चि	२६	०	ऐं	४७	४९	तै	२०	४	८	५८	२	२२	३१	१	तुलायां	पूर्वास्तं बुधः ४४।३१ सावान ८
४	गु	५८	५४	स्वा	३३	२८	वै	४९	५०	व	२६	३	४	५९	१	२३	१	२	तुलायां	भ. २६/३ उ. ५८/५४ या. रा. आश्विनारंभः
५	शु	६०	०	वि	४०	१०	वि	५१	५४	ब	२८	५७	३०/००	६/०	६/०	२४	२	३	बृ.२३।२०	
५	श	३	५३	अ	४६	७	प्री	५३	२८	बा	३	५३	२९/५५	१	५/५९	२५	३	४	वृश्चिके	उफायां बुधः ३।३३
६	र	७	४३	ज्ये	५०	३६	आ	५२	१४	तै	७	४३	५१	२	५८	२६	४	५	ध.५०।३६	कन्यायां बुधः ४७।२५
७	चं	१०	६	मू	५३	४४	सौ	५१	६	व	१०	६	४७	३	५७	२७	५	६	धनुषि	भ. १०/६ उ. ४०/२७ या. दृश्योहस्ते रविः १०/५६●
८	मं	१०	४८	पू	५४	५९	शो	४८	२५	ब	१०	४८	४३	३	५७	२८	६	७	धनुषि	सरस्वती पूजनं बलिदानञ्च
९	बु	८	४०	उ	५४	२५	अ	४४	९	कौ	८	४०	३८	४	५६	२९	७	८	म.९।५०	*सौरः ४१/४६ सरस्वत्यावाहनम्
१०	गु	६	३६	श्र	५१	४७	सु	३८	२५	ग	६	३६	३४	५	५५	३०	८	९	मकरे	भ. ३४/७ उ. विजया १० सरस्वतीविसर्जनम्
११	शु	१	३९	ध	४७	२३	धृ	३०	५०	वि	१	३९	३०	६	५४	१	९	१०	कुं.१९।३५	भ. १/३९ या. चित्रा. शुक्रः १८/४४ पा.कु. ११ व्र.×
१२	शु	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×अक्टूबर मा. १० ता. ३१
१३	श	४६	३४	श	४१	२६	शू	२२	१४	कौ	२०	३७	२६	७	५३	२	१०	११	कुम्भे	हस्ते बुधः १७।५१ प्रदोषः
१४	र	३७	११	पू	३५	२६	गं	१२	२५	ग	११	५३	२२	८	५२	३	११	१२	मी२१।५६	भ. ३७।११ उ. धनिष्ठा. भौमः ५।४८
१५	चं	२७	१७	उ	२६	३४	वृ	१/४२	४८/५५	वि	२	१२	१८	८	५२	४	१२	१३	मीने	भ. २।१२ या. अनु. ३ गुरुः १२।४२

२४पं.आ.शु.३बु.इ. ०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	४	७	५	१	९	५
४	२१	२१	८	११	१२	१८	४
५५	३	२१	१	४५	५८	३०	२४
१९	५८	३६	८	४०	१९	८	४६
५८	१०	४०/०	९	७४	२०/०	३	५८
३८	५४	५/५	३१	३२	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

७चं ५बु ८ ६सूशु ४के बृ ९ ३ म० रा १२ श २ ११ १

इस मासका फल साधारण है सुदी में अनाज गुड़खांड घृत अलसी चांदी सोना तेज होकर मन्दा हो।

गोचरग्रहाः

७ ५ के ४ बृ ८ ६सूबुशु ९चं ३ २ श १२ ११ १

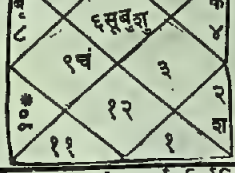

२५पं.आ.शु.८ मं.इ.५९।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	७	५	१	९	५
११	२२	४	९	२०	१२	१८	११
४६	१९	०	७	२७	५३	७	१६
५५	५५	३२	५२	४०	३८	५३	५०
५८	१३	७/०	१०	७४	१/३	३	५९
५३	३१	५७/५७	११	२८	ब	११	०

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तु रविर्दक्षिणे आश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१७	१७	रे	१८	३१	व्या	३९	४२	कौ	१७	५७	२९/१४	६/९	५/५१	५	१३	१४	मे.१८।३१	
२	बु	७	४६	अ	१०	५५	ह	२८	५८	ग	७	४६	१०	१०	५०	६	१४	१५	मेषे	भ. ३३/२८ उ. ५९/१० या. तुला. शुक्रः ३९।८
३	बु	५१	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	गु	५१	५७	भ	४/१२	५४/४१	व	१९	१३	ब	२५	३४	६	११	४९	७	१५	१६	बृ.१७।५२	करक चतुर्थी व्र.
५	शु	४६	३२	रो	५५	१५	सि	१०	४०	कौ	१९	१५	२	१२	४८	८	१६	१७	वृषे	
६	श	४३	२	मृ	५३	३१	व्य	३/१६	५४/१७	ग	१४	४७	२८/५८	१२	४८	९	१७	१८	मि२४।२३	भ. ४७।२ उ. चित्रा. बुधः ५१।५१
७	र	४१	३६	आ	५३	३५	प	५३	२२	वि	१२	१९	५४	१३	४७	१०	१८	१९	मिथुने	भ. १२।१९ या. दृश्यश्चित्रायां रविः ४२/५७
८	चं	४२	१०	पु	५५	५६	शि	५१	१	बा	११	५३	५०	१४	४६	११	१९	२०	क.४०।२२	चित्रा. रविः सौरः १२/२२ स्वात्यां शुक्रः ५९/१८●
९	मं	४४	२५	पु	५९	४६	सि	४९	४८	तै	१२	४८	४६	१५	४५	१२	२०	२१	कर्के	*शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ५०/२४ शु.उ.प.
१०	बु	४८	१३	श्ले	६०	०	सा	५०	१०	व	१६	१९	४२	१६	४४	१३	२१	२२	कर्के	भ. १६/१९ उ. ४६/१३ या. तुलायां बुधः ४०/३६
११	गु	५३	१३	श्ले	५	१८	शु	५१	३	ब	२०	४३	३८	१६	४४	१४	२२	२३	सिं५।१८	रमा ११ व्र.
१२	शु	५९	७	म	११	३०	शु	५२	५१	कौ	२६	१०	३४	१७	४३	१५	२३	२४	सिंहे	×सौरः ५५/५ स्वा. बुधः ५०/१३ रूप १४
१३	श	६०	०	पू	१८	४६	ब्र	५४	५९	ग	२९	३३	३०	१८	४२	१६	२४	२५	कं.३५।३६	प्रदोषः धन १३
१३	र	५	१४	उ	२६	८	ऐं	५७	१३	व	५	१४	२६	१९	४१	१७	२५	२६	कन्यायां	भ. ५/१४ उ. ३८/३० या. दृश्यस्तुलायामर्कः ३६/४३×
१४	चं	११	४६	ह	३३	५०	वै	५९	३६	श	११	४६	२२	२०	४०	१८	२६	२७	कन्यायां	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	मं	१७	५७	चि	४१	१४	वि	६०	०	ना	१७	५७	१८	२०	४०	१९	२७	२८	तु.७।३२	अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा

२६पं.का.कृ.१मं.इ.५९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	७	५	१	९	५
१८	२४	१६	१०	२९	१२	१७	१८
४०	६	३६	१९	११	४३	४५	१०
८	४०	४०	३०	६	८	३७	३७
५९	१६	७/०	१०	७४	१/४६	३	५९
९	६	५/५९	५६	२६	ब	११	१६

७ ५ के ४ बृ ८ ६सूबु ९ ३ ० रा मं १२ २श ११ १

२७पं. मा.कृ.९मं.इ.५९।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	७	६	१	९	५
२५	२६	२८	११	७	१२	१७	२५
३५	२२	४८	३६	५४	२८	२३	६
६	८	११	४	४३	५	२१	१९
५९	१९	४०/०	११	७४	२/२०	३	५९
२१	७	५५/५५	२८	२६	ब	११	३१

७शु ५ चं ४के बृ ८ ६सूबु ९ ३ ० मं रा १२ २ श ११ १

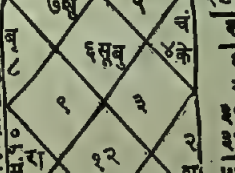

२८पं.का.कृ.३०मं.इ.५९।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	७	६	१	९	६
२	२९	१०	१२	१६	१२	१७	२
३१	१	१७	५६	३८	७	१	३
३४	१	४६	१७	४९	५९	६	४९
५९	२१	७/०	१२	७४	३/०	३	५९
३४	३०	१०/१०	६	२०	ब	११	४६

●मंरा

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४०७सन् १९७१
१	बु	२४	३	स्वा	४८	३०	वि	१	४०	व	२४	३	२८/१४	६/२१	५/३९	२०	२८	२९	तुलायां	
२	गु	२९	२२	वि	५४	५२	प्री	३	४८	कौ	२९	२२	१०	२२	३८	२१	२९	३०	बृ.३८।१७	अनु. ४ गुरुः ५६/५८ चन्द्रदर्शनम् यम २
३	शु	३४	४	अ	६०	०	आ	५	१२	तै	१	४३	६	२३	३७	२२	३०	१	बृश्चिके	विशा.शुक्रः ४५/२९ कुम्भेभौमः ४३/५८ [illegible]
४	श	३८	४४	अ	०	३७	सौ	५	४९	व	६	२४	२	२४	३६	२३	१	२	वृश्चिके	भ. ६।२४उ.३८।४४या. रा. कार्ति[illegible]
५	र	४०	२४	ज्ये	५	२८	शो	५	५६	ब	९	३४	२७/५८	२४	३६	२४	२	३	ध.५।२८	दृश्यः स्वात्यां रविः ८।४५ (सौरः ३६/३)
६	चं	४१	४३	मू	९	१३	अ	५	१९	कौ	११	४	५४	२५	३५	२५	३	४	धनुषि	×२ राहुः पुष्ये. ४ केतुः ३७।१२
७	मं	४१	३६	पू	११	४६	सु	३	२२	ग	११	३९	५०	२६	३४	२६	४	५	म.२६।५७	भ. ४१।३६ उ. विशा.बुधः ८।६ श्रवणे×
८	बु	३९	५८	उ	१२	३१	धृ	०/२०	५५/४३	वि	१०	४७	४६	२७	३३	२७	५	६	मकरे	भ. १०।४७ या. गोपाष्टमी
९	गु	३६	४७	श्र	११	५१	गं	५०	३४	बा	८	२३	४२	२८	३२	२८	६	७	कु.४०।४१	बुधोदयः पश्चिमायां ४७।५ अक्षया ९-
१०	शु	३१	५१	ध	९	३०	वृ	४३	४०	तै	३	४९	३९	२८	३२	२९	७	८	कुम्भे	भ. ५८।४० उ.
११	श	२५	२९	श	५	३९	ध्रु	३५	२८	वि	२५	२९	३५	२९	३१	३०	८	९	मी४६।४६	भ. २५/१९ या. बृश्चिके शुक्रः ४०/१८ प्रबोधिनी•
१२	र	१७	३८	पू	०/२८	५३/३१	व्या	२६	१३	बा	१७	३८	३१	३०	३०	३१	९	१०	मीने	प्रदोषः •११ व्र. तुलसी विवाह
१३	चं	८	५४	रे	४६	५१	ह	१६	८	तै	८	५४	२७	३०	२९	१	१०	११	मे.४६।५१	भ. ५९/३२ उ. वृश्चिकेबुधः ४१/३५ वकुण्ठ १४+
१४	चं	५०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+नवम्बर मा. ११ ता. ३०
१५	मं	४९	५७	अ	३९	८	व	५/३३	४९/५५	वि	२४	४४	२४	३१	२९	२	११	१२	मेषे	भ. २४/४४ या. अनु. शुक्रः २२/१० मन्वादिः

२९पं. का.शु.७ मं.इ.५९।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	७	६	१	९	६
९	२	२१	१४	२५	११	१६	९
२९	०	२३	१९	२२	४४	३८	३
४९	५४	४१	४४	३६	१७	५०	९
५९	२३	९७	१२	७४	३/४०	३	६०
४७	२२	७	२०	१५	ब	११	२

गोचरग्रहाः

८बृ ६ ९ ७सूबुशु ५ १०चंरा ४के ११मं १ ३ १२ २श

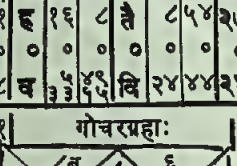

कार्त्ति.कृ.१३ रवौ तुलायामर्कः प्र. वा.४न.४बृद्धावस्था(बैठी)मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

८• ६ ९ ७सू ५ १०रा ४के ११मं १च ३ १२ २श

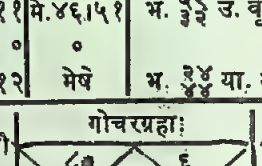

३०पं.का.शु.१५मं.इ.५९।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	७	७	७	१	९	६
१६	५	१	१५	४	११	१६	१६
२९	२२	५८	४६	५	१६	१६	४
३८	१	५९	४१	३१	३४	३५	१३
६०	२६	९२	१२	७४	३/५८	३	६०
४	३७	१३	५०	८	ब	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	बु	४०	४५	भ	३१	४२	व्य	४४	८	बा	१५	२१	२७/२०	६/३२	५/२८	३	१२	१३	बृ.४५।१	अनु. बुधः ५१।४३
२	गु	३२	४०	कृ	२४	५८	व	३४	१२	तै	६	४२	१६	३३	२७	४	१३	१४	वृषे	भ. ५९।१२ उ.
३	शु	२५	४४	रो	१९	३५	प	२५	१९	वि	२५	४४	१३	३३	२७	५	१४	१५	मि४७।१७	भ. २५/४४ या. शते भौमः ५७।३५ च. व्र.
४	श	२०	४२	मृ	१५	०	शि	१७	५८	बा	२०	४२	९	३४	२६	६	१५	१६	मिथुने	दृश्यो विशाखा. रविः २९।८(सौरः ५३/३२)
५	र	१७	४६	आ	१४	१४	सि	१२	०	तै	१७	४६	६	३५	२५	७	१६	१७	क.५९।३२	ज्येष्ठा. १ गुरुः १३।३७
६	चं	१७	१३	पु	१४	३९	सा	७	४८	व	१७	१३	२	३६	२४	८	१७	१८	कर्के	भ. १७।१३ उ. ४७।५४ या.
७	मं	१८	३५	पु	१७	७	शु	५	१९	ब	१८	३५	२६/५९	३६	२४	९	१८	१९	कर्के	
८	बु	२१	५८	श्ले	२१	४०	शु	४	३८	कौ	२१	५८	५६	३७	२३	१०	१९	२०	सिं२१।४०	
९	गु	२६	४५	म	२७	२७	ब्र	४	५४	ग	२६	४५	५३	३७	२३	११	२०	२१	सिंहे	
१०	शु	३२	३४	पू	३४	३७	ऐं	६	६	वि	०	१५	४९	३८	२२	१२	२१	२२	कं.५१।३१	भ. ०।१५ उ. ३२।४४ या.
११	श	३९	२	उ	४२	१३	वै	८	१४	ब	५	५३	४६	३९	२१	१३	२२	२३	कन्यायां	ज्येष्ठा. बुधः १०।१३ ज्येष्ठा. शुक्रश्च×
१२	र	४५	४५	ह	४९	५८	वि	१०	३४	कौ	१२	२३	४३	३९	२१	१४	२३	२४	कन्यायां	×५।४५ उत्पत्ति ११ व्र.
१३	चं	५२	८	चि	५७	२५	प्री	१३	८	ग	१८	५६	४०	४०	२०	१५	२४	२५	तु.२३।४२	भ. ५२।८ उ. प्रदोषः
१४	मं	५७	५४	स्वा	६०	०	आ	१५	१२	वि	२५	१	३७	४१	१९	१६	२५	२६	तुलायां	भ. २५।१ या. दृश्यो वृश्चिकेऽर्कः २५/६+
३०	बु	६०	०	स्वा	४	२४	सौ	१६	५६	च	२८	५७	३४	४१	१९	१७	२६	२७	बृ.५४।३	+(सौरः ४७।४९)
३०	गु	२	४९	वि	१०	३६	शो	१७	५३	ना	२	४९	३१	४२	१८	१८	२७	२८	वृश्चिके	

३१पं. मा.कृ.७मं.इ.५८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	७	७	७	१	९	६
२३	८	१२	१७	१२	१०	१५	२३
३०	५२	६	१६	४९	४५	५४	६
५८	१६	११	२६	१९	४३	१९	५१
६०	२८	८५	१३	७४	३/१६	३	६०
१७	२	५०	१४	२	ब	११	३०

गोचरग्रहाः

८× ६ ९ ७सू ५ १०रा ४के चं ११मं १ ३ १२ २श

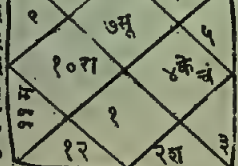

मार्ग.कृ.१४ भौमे बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३ न. ३ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यभाव महर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

९ ७चं १०रा ८सूबुबृशु ६ ११मं ५ १२ २श ४के १ ३

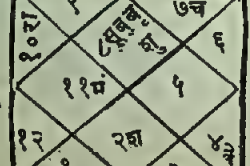

३२पं.मा.कृ.१४मं.इ.५८।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	७	१	९	७
०	१२	२१	१८	२१	१०	१५	०
३३	४०	३१	४७	३३	१२	३२	१०
४७	५२	३७	४६	७	४०	३	५५
६०	२९	७५	१३	७३	४/३४	३	६०
३०	१९	१३	२०	५६	ब	११	४०

×बुबृशु (सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्) •बुबशु

| ति. | मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३ | | |

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४६६स.१९७१
१	श	४६	५६	मू	४०	७	गं	२९	५	किं	१६	३०	३५/३७	६/५३	५/७	१८	२७	२८	धनुषि	बुधोदयः पूर्वस्यां ४।९
२	र	४६	३७	पू	४१	२२	वृ	२६	१३	बा	१६	४६	३७	५३	७	१९	२८	२९	म.५६।२९	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	४५	१८	उ	४१	५०	ध्रु	२२	२९	तै	१५	५७	३६	५३	७	२०	२९	१	मकरे	जिल्काद ११ ●ज्येष्ठा. ४ गुरुः ५५/३३
४	मं	४३	९	श्र	४१	२६	व्या	१७	५४	व	१४	१३	३६	५३	७	२१	३०	२	मकरे	भ. १४/१३ उ. ४३/१ या. उभाया. भौमः २८/१६
५	बु	४०	१३	ध	३९	५९	ह	१२	५७	व	११	४१	३६	५३	७	२२	१	३	कु.१०।४२	रा. पौषारंभः उदयं गुरौः ५८।१२
६	गु	३७	३७	श	३८	२	व	७	२७	कौ	८	५५	३६	५३	७	२३	२	४	कुम्भे	मार्गी बुधः १९।५५
७	शु	३२	३५	पू	३५	३१	सि	१/२१	५३/४४	ग	५	६	३६	५३	७	२४	३	५	मी२१।९	भ. ३२।३५ उ.
८	श	२७	५७	उ	३२	३०	व	४७	४६	वि	०	१६	३७	५३	७	२५	४	६	मीने	भ. ०।१६ या. श्रवणे शुक्रः ५४।२३
९	र	२२	४६	रे	२९	२	प	४०	३	कौ	२२	४६	३७	५३	७	२६	५	७	मे.२९।२	
१०	चं	१७	११	अ	२५	२	शि	३२	१३	ग	१७	११	३७	५३	७	२७	६	८	मेषे	भ. ४४।७ उ.
११	मं	११	३	भ	२०	३२	सि	२४	२	वि	११	३	३८	५२	८	२८	७	९	वृ.३४।८	भ. ११।३ या. श्रवणे १ राहुः पुष्ये ३×
१२	बु	४	४३	कृ	१४	५६	सा	१६	२	बा	४	४३	३८	५२	८	२९	८	१०	वृषे	दृश्यः पूषायां रविः ५।४८ (सौरः १७/५९)+
१३	बु	५३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×केतुः २९।१२ पुत्रदा ११ व्र.
१४	गु	५२	४६	रो	११	२६	शु	७	५४	ग	२५	३४	३९	५२	८	३०	९	११	मि३९।३४	भ. ५२।४६ उ. +प्रदोषः
१५	शु	४७	४३	मृ	७	४१	शु	०/९	५३/३	वि	२०	१४	४०	५२	८	३१	१०	१२	मिथुने	भ. २०।१४ या.

३७पं. पौ.शु.४मं.इ.५७।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	७	७	९	१	९	८
६	३	२४	२६	५	७	१३	५
३	३७	२८	४०	३	२९	४०	४९
२९	१२	८	१	१८	२८	४५	९
६१	३४	१०/२८	१३	७३	३/५२	३	६१
४	५३	ब	३२	१४	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

१०● ८बुबृ ११ ९सू ७ १२म ६ १ ३ ५ २श ४के

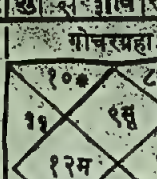

इस मासका फल उत्तम है सुदी में धान्य रुई चांदी सोना सरसों मूंग फली बिनोला गुड़ खांड मंदा हो।

गोचरग्रहाः

१०रा ८बुबृ ११ ९सू ७ १२म ६ १ ३ ५ २श ४के

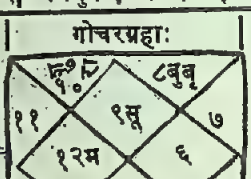

३८पं.पौ.शु.११मं.इ.५७।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	७	७	९	१	९	८
१३	८	२०	२८	१३	७	१३	१२
११	३	५७	१४	४२	३	१८	५९
३१	४७	३२	१७	५४	२२	३०	१
६१	३५	४२/५७	१३	७३	३/२०	३	६१
६	२४	मा	२६	३	ब	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४४	३	आ	४	३६	ऐं	४७	२६	बा	१५	५३	२५/४०	६/५२	५/८	१	११	१३	क.४८।३६	जनवरी मा.१ ता.३१ सन् १९७२
२	र	४२	९	पु	३	१६	वै	४२	४४	तै	१३	६	४१	५२	८	२	१२	१४	कर्के	
३	चं	४१	३९	पु	३	२१	वि	३९	२०	व	११	५४	४२	५२	८	३	१३	१५	कर्के	भ. ११।५४ उ. ४१।३९ या.
४	मं	४३	२६	श्ले	५	१२	प्री	३८	२	ब	१२	६	४३	५१	९	४	१४	१६	सिं५।१२	तिल चतुर्थी व्र.
५	बु	४६	४९	म	८	५४	आ	३७	२०	कौ	१५	८	४४	५१	९	५	१५	१७	सिंहे	धनिष्ठा. शुक्रः ४६/३२ मूले धनुषि गुरुः ५५/४४●
६	गु	५२	५५	पू	१४	५	सौ	३८	६	ग	१९	५२	४६	५१	९	६	१६	१८	कं.३०।४४	भ. ५२।५५ उ. मूले धनु. बुधः ४६।२७
७	शु	५७	४८	उ	२०	४२	शो	३९	५०	वि	२५	२१	४७	५१	९	७	१७	१९	कन्यायां	भ. २५।२१ या.
८	श	६०	०	ह	२७	५५	अ	४१	५५	बा	२८	५४	४९	५०	१०	८	१८	२०	कन्यायां	●वक्री कृत्ति. ३ शनिः २६।२६
८	र	४	१९	चि	३५	३५	सु	४४	७	कौ	४	१९	५१	५०	१०	९	१९	२१	तु.२।१५	
९	चं	१०	४३	स्वा	४२	५२	धृ	४६	५	ग	१०	४३	५२	५०	१०	१०	२०	२२	तुलायां	भ. ४३।४२ उ.
१०	मं	१६	४२	वि	४९	३२	शू	४७	१८	वि	१६	४२	५४	४९	११	११	२१	२३	वृ.३२।५२	भ.१६।४२ या. दृश्यः उषायां रविः १०/३२=
११	बु	२१	२६	अ	५४	३८	गं	४७	३५	बा	२१	२६	५६	४९	११	१२	२२	२४	वृश्चिके	षट्तिला ११ व्र.
१२	गु	२४	४४	ज्ये	५८	३५	वृ	४६	५५	तै	२४	४४	५८	४८	१२	१३	२३	२५	ध.५८।३५	=(सौरः १९/२६)कुंभे शुक्रः १०/३८ रे.भौमः १२/५५
१३	शु	२६	४०	मू	६०	०	ध्रु	४४	४३	व	२६	४०	२६/१	४८	१२	१४	२४	२६	धनुषि	भ. २६/४० उ. ५६/४० या. दृश्यो मकरेऽर्कः २५/५६+
१४	श	२६	४०	मू	०	४८	व्या	४१	२२	श	२६	४०	३	४७	१३	१५	२५	२७	धनुषि	+(सौरः ३४।५१) प्रदोषः
३०	र	२५	१५	पू	१	२५	ह	३६	५२	ना	२५	१५	५	४७	१३	१६	२६	२८	म.१६।१५	पूफायां बुधः ४१/२६ शते शुक्रः ३७।५१

३९पं.मा.कृ.४मं.इ.५७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	७	७	९	१	९	८
२०	१२	२७	२९	२२	६	१२	२०
१९	३३	५७	४७	२०	४१	५६	८
२६	२९	४३	२	२०	१७	१४	५८
६१	३५	६७	१३	७२	३/३२	३	६१
६	५२	१६	२०	५०	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

१०रा ८बुबृ ११ ९सू ७ १२मं ६ १ ३ ५ चं २श ४के

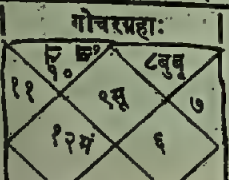

मार्ग.कृ.१३ शुक्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

१०रा ८चं ११ ९सूबुबृ ७ १२मं ६ १ ३ ५ २श ४के

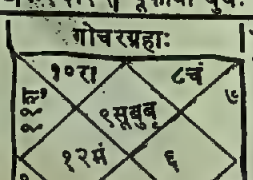

४०पं.मा.कृ.१०मं.इ.५७।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	८	१०	१	९	८
२७	१७	७	१	०	६	१२	२७
२७	६	९	१८	५६	२३	३३	१८
४०	५८	३६	१८	२८	५६	५९	५०
६१	३६	८०	१३	७२	३/३	३	६१
६	२५	३७	३	३२	ब	११	२४

●चंशुरा

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६४९६ स. १९७२
१	चं	२२	२९	उ	०/४६	५८/११	ध	३१	२४	ब	२२	२९	२६/८	६/४६	५/१४	१७	२७	२९	मकरे	चन्द्रदर्शनम् सम्भवः
२	मं	१८	४७	ध	५६	१९	सि	२५	१३	कौ	१८	४७	१०	४६	१४	१८	२८	१	कुं.२७।३८	जिल्हेज १२
३	बु	१४	१९	श	५३	५	व्य	१८	३०	ग	१४	१९	१२	४६	१४	१९	२९	२	कुंभे	भ. ४१।४६ उ.
४	गु	९	२३	पू	४९	५९	ध	११	१२	वि	९	२३	१५	४५	१५	२०	३०	३	मी३५।४६	भ. ९।२३ या. दृश्योऽभि.प्र.रविः ५९।४१
५	शु	४	२०	उ	४६	३२	प	४/१२	५२/४८	बा	४	२०	१७	४५	१५	२१	१	४	मीने	अभि.प्र.रविः सौरः ६।१३ मूले. २ गुरुः*
६	शु	५४	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*३३।२७ वसन्त ५ रा.माघारभः
७	श	५४	११	रे	४३	४	सि	४९	३३	ग	२६	४३	२०	४४	१६	२२	२	५	मे.४३।४	भ. ५४।११ उ. भानु ७
८	र	४९	१७	अ	३९	४२	सा	४२	४२	वि	२१	४४	२२	४४	१६	२३	३	६	मेषे	भ.२१/४४ या. भीष्म ८ पा.स्प.४३/१३ मोक्षः५६/५९
९	चं	४४	१७	भ	३६	२९	शु	३५	३४	बा	१६	४६	२५	४३	१७	२४	४	७	वृ.५०।४१	दृश्यः श्रवणे रविः १६/४ (सौरः २२।१०)
१०	मं	३९	३६	कृ	३३	१८	शु	२८	१९	तै	११	५७	२७	४३	१७	२५	५	८	वृषे	दृश्योऽभि.नि.रविः ३८/३३ (सौरः १४/२६) उषा.=
११	बु	३५	१०	रो	३०	३६	ब्र	२१	४५	व	७	२३	३०	४२	१८	२६	६	९	मि५९।२७	भ.७/२३ उ.३५/१० या. जया ११ व्र. =बुधः ३७/९
१२	गु	३०	५१	मृ	२८	१९	ऐं	१५	३२	ब	३	०	३३	४१	१९	२७	७	१०	मिथुने	मकरे बुधः ४२/१९ पूभायां शुक्रः ३६।४५
१३	शु	२७	३८	आ	२६	३७	वै	९	४१	तै	२७	३८	३६	४१	१९	२८	८	११	मिथुने	प्रदोषः पूर्वास्ता बुधः ३३।६
१४	श	२५	५	पु	२५	४०	वि	४	२५	ध	२५	५	३९	४०	२०	२९	९	१२	क.१०।५४	भ. २५।५ उ. ५४।२९ या.
१५	र	२३	५२	पु	२६	७	प्री	०/१३	५६/४९	ब	२३	५२	४२	४०	२०	३०	१०	१३	कर्के	मार्गी शनिः ५१।३० ग्रस्तोदय चन्द्रग्रहणं

४१पं. मा.शु.२मं.इ.५७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	८	१०	१	९	९
४	२१	१६	२	९	६	१२	४
३५	४१	४३	४७	३०	१२	११	२८
३१	१७	३४	३८	७	०	४३	१९
६१	३६	८८	१०	७२	१/२२	३	६१
३	५९	३५	३६	९	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ शनि ५ रवि हैं प्रजामें पीड़ा भय कारक हैं। अनाज रुई चांदी गुड़ खांड़ तेज हो।

गोचरग्रहाः

४२पं.मा.शु.१०मं.इ ५७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	८	१०	१	९	९
११	२६	२७	४	१८	६	११	११
४२	१७	१२	१९	१	५	४९	३७
५८	२४	१८	५५	१	१३	२७	१०
६०	३७	९५	१२	७१	०/२८	३	६१
५९	२६	५२	१४	५०	ब	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२३	५३	श्ले	२७	४८	सौ	५५	१८	कौ	२३	५३	२६/४६	६/३९	५/२१	३१	११	१४	सिं२७।४८	अश्वि. मेषे भौमः ३०।४३
२	मं	२५	४३	म	३१	१	शो	५४	१२	ग	२५	४३	४९	३८	२२	१	१२	१५	सिंहे	भ. ५७।१४ उ. फरवरी मा. २ ता. २९
३	बु	२८	४६	पू	३५	४४	अ	५४	३०	वि	२८	४६	५२	३८	२२	२	१३	१६	कं.५२।१६	भ.२८।४६या. श्रवणे बुधः ५९।४१ च.व्र.
४	गु	३३	२५	उ	४१	५४	सु	५५	४३	ध	१	६	५५	३७	२३	३	१४	१७	कन्यायां	
५	शु	३८	५९	ह	४८	३८	धृ	५७	३३	कौ	६	१२	५९	३६	२४	४	१५	१८	कन्यायां	मीने शुक्रः ५४।३३
६	श	४५	२८	चि	५६	५६	शू	५९	४९	ग	१२	१४	२७/२	३६	२४	५	१६	१९	तु.२२।२७	भ. ४५/२८ उ. पा. स्प ४४/४८ मोक्षः ५८।५४
७	र	५१	५५	स्वा	६०	०	गं	६०	०	वि	१८	४२	६	३५	२५	६	१७	२०	तुलायां	भ.१८/४२ या. दृश्योघनिष्ठा.रविः २४/२५ सौ. २८/१
८	चं	५८	४	स्वा	३	२२	गं	१	५६	बा	२४	५९	९	३४	२६	७	१८	२१	वृ.५४।१	उभा. शुक्रः ३८।५० मूले ३ गुरुः २७।२
९	मं	६०	०	वि	१०	५४	वृ	३	४८	तै	२९	२	१३	३३	२७	८	१९	२२	वृश्चिके	
९	बु	३	१९	अ	१६	४६	ध्रु	४	४९	ग	३	१९	१६	३३	२७	९	२०	२३	वृश्चिके	भ. ३५।९ उ.
१०	गु	६	५८	ज्ये	२१	२६	व्या	४	४२	वि	६	५८	२०	३२	२८	१०	२१	२४	ध.२१।२६	भ. ६।५८ या. धनिष्ठा. बुधः ५७।३३
११	शु	९	२	मू	२४	१३	ह	३	७	बा	९	२	२४	३१	२९	११	२२	२५	धनुषि	विजया ११ व्र.
१२	श	९	११	पू	२५	९	व	०/१४	५५/२८	तै	९	११	२७	३१	२९	१२	२३	२६	म.३९।५७	दृश्यः कुंभेऽर्कः ५९।४० प्रदोषः
१३	र	७	२९	उ	२४	२०	व्य	४९	५९	व	७	२९	३१	३०	३०	१३	२४	२७	मकरे	भ. ७/२९ उ. ३५/४१ या. कुंभेऽर्कः सौरः १।५८*
१४	चं	३	५२	श्र	२१	५५	ध	४३	१	श	३	५२	३५	२९	३१	१४	२५	२८	कु.५०।३	कुंभे बुधः ५२।२९
३०	चं	५५	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*महाशिवरात्री व्र.

४३पं.फा.कृ.२मं.इ.५७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	८	१०	१	९	९
१८	०	८	५	२६	६	११	१८
४९	५४	१२	३७	२९	३	२७	४५
२६	२९	४७	१६	१३	३२	१२	११
६०	३७	[illegible]	११	७१	१२	३	६१
५५	३९	[illegible]	४७	२६	मा	११	४

गोचरग्रहाः

फा. कृ. १२ शनौ कुंभेऽर्कः प्र. वा.२ न.३प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

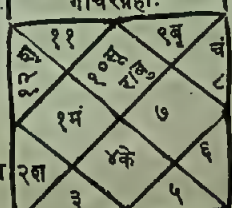

४४पं.फा.कृ.९ मं.इ.५७।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	८	११	१	९	९
२५	५	१९	६	४	६	११	२५
५५	३१	४८	५६	५३	८	४	५३
१६	१९	३४	४९	१७	१०	५६	५८
६०	३७	[illegible]	११	७१	१	३	६०
४७	४३	[illegible]	८	०	०	११	५५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३	दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५२५ स. १९७२
१	मं ५२५४ ध १८१० प ३५ ५ किं २५१७	३७	६	५	१५	२६	२९	कुंभे	*५४ पातस्पर्शः ३२ ६ मोक्षः ४२ १८
२	बु ४६ ७ श १३३१ शि २६ ३५ बा २० ०	४३	२८	३२	१६	२७	३०	मी ५४।४८	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	गु ३९१४ पू ८ ३४ सि १८ २ तै १२ ४०	४६	२७	३३	१७	२८	१	मीने	मोहोरम १ सन् १३९२ हि.
४	शु ३२२५ उ २४५५ १० सा ९ ११ व ५ ४९	५०	२६	३४	१८	२९	२	मे. ५८।३४	भ. ४९ उ. ३५ या. शते बुधः ३१ रेव. शुक्रः *
५	श २६ ४ अ ५४१३ ५३ १३ बा २६ ४	५४	२५	३५	१९	३०	३	मेषे	दृश्यः शनै रविः ३६।१ (सौरः ३७।२०)
६	र २०१० भ ५०२२ ब्र ४५ ३८ तै २० १०	५८	२४	३६	२०	१	४	मेषे	भरण्यां भौमः ४२।४६ रा. फाल्गुनारंभः
७	चं १४५० कृ ४७२२ ऐं ३८ ४२ व १४ ५०	२९	२४	३६	२१	२	५	बृ. ४।३७	भ. १४।५० उ. ४७।३८ या.
८	मं १०२५ रो ४५ २ वै ३२ ३४ ब १० २५	६	२३	३७	२२	३	६	वृषे	होलाष्टकः
९	बु ६४६ मृ ४३ ४२ वि २६ ५० कौ ६ ४६	१०	२२	३८	२३	४	७	मि १४।२२	
१०	गु ३४९ आ ४३ ८ प्री २२ ४ ग ३ ४९	१४	२१	३९	२४	५	८	मिथुने	भ. ३२।४६ उ.
११	शु १४३ पु ४३ २५ आ १७ ५२ वि १ ४३	१८	२०	४०	२५	६	९	क. २८।२१	भ. ४३ या. पूभायां बुधः ४१ कृत्ति. ४×
१२	श ०३८ पु ४४ ४४ सौ १४ ४५ बा ० ३८	२२	२०	४०	२६	७	१०	कर्के	मूले ४ गुरुः ३८।११ प्रदोषः
१३	र ०४१ श्ले ४७१५ शो १२ १२ तै ० ४१	२६	१९	४१	२७	८	११	सिं ४७।१५	×शनिः ५७ १८ आमलकी ११ ब्र.
१४	चं १३५ म ५०५६ अ ११ ३९ ब १ ३५	३०	१८	४२	२८	९	१२	सिंहे	भ. ३५ उ. ४७ या. होलिकादहनं भद्रोत्तरम्
१५	मं ३५९ पू ५५ ४३ सु १० २ ब ३ ५९	३४	१७	४३	२९	१०	१३	सिंहे	उषा. ४ राहुः पुष्ये २ केतुः ३३ छारेंडी

४५पं.फा.शु.१मं.इ.५७।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	८	११	१	९	१०
३	१०	२	८	१३	६	१०	२
०	८	०	१२	१२	१७	४२	५८
४	३८	४०	११	४०	४६	४१	१
६०	३८	००	१०	७०	१	३	६०
३७	३	४०	२९	२२	३५	११	४२

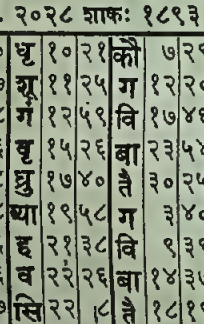

४६पं.फा.शु.८मं.इ.५८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	८	११	१	९	१०
१०	१४	१४	९	२१	६	१०	१०
३	४६	५२	२३	२५	३२	२०	२
३२	२३	३४	६	५२	५६	२५	३४
६०	३८	००	९	६९	२	३	६०
५२	१७	००	४४	३७	२२	११	३१

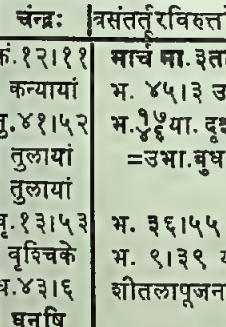

४७पं.फा.शु.१५मं.इ.५८।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	८	११	१	९	१०
१७	१९	२८	१०	२९	६	९	१७
५	२३	९	२९	३४	५३	५८	५
४६	१०	३६	४९	५	६	९	२३
६०	३८	००	८	६८	३	३	६०
१२	३२	२३	५६	५१	८	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०२८ शाकः १८९३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु ७२९ उ ६० ० धृ १० २१ कौ ७ २९	३८	६	५५	१	११	१४	कं. १२।११	मार्च मा. ३ ता. ३१ मीने बुधः ५७ २४ अश्वि.×
२	गु १२२० उ १ ३७ शू ११ २५ ग १२ २०	४३	१६	४४	२	१२	१५	कन्यायां	भ. ४५।३ उ. पातस्पर्शः १६ ५ मोक्षः ३५
३	शु १७४६ ह ८ ८ गं १२ ५९ वि १७ ४६	४६	१५	४५	३	१३	१६	तु. ४१।५२	भ. १६ या. दृश्यःपूभायांरविः ५३ सौरः ५७=
४	श २३५४ चि १५ ३६ वृ १५ २६ बा २३ ५४	५०	१४	४६	४	१४	१७	तुलायां	=उभा. बुधः ४१ बुधोदयः पश्चि. १३ च.त्र.
५	र ३० २५ स्वा २३ ८ ध्रु १७ ४० तै ३० २५	५४	१३	४७	५	१५	१८	तुलायां	
६	चं ३६ ५५ वि ३० ४८ ण्या १९ ५८ ग ३ ४०	५८	१२	४८	६	१६	१९	वृ. १३।५३	भ. ३६।५५ उ. ×मेषे शुक्रः २१
७	मं ४२ २२ अ ३७ २६ ह २१ ३८ वि ९ ३९	२९	१२	४८	७	१७	२०	वृश्चिके	भ. ९।३९ या.
८	बु ४६ ५२ ज्ये ४३ ६ व २२ २६ बा १४ ३७	६	११	४९	८	१८	२१	ध. ४३।६	शीतलापूजनम्
९	गु ४९ ४६ मू ४७ १७ सि २२ ८ तै १८ १९	१०	१०	५०	९	१९	२२	धनुषि	
१०	शु ५० ३६ पू ४९ २१ व्य २० १७ व २० ११	१४	९	५१	१०	२०	२३	धनुषि	भ. २०।११ उ. ५०।३६ या.
११	श ४९ ३३ उ ४९ ४० व १६ ५८ ब २० ४	१९	८	५२	११	२१	२४	म. ४।२६	कृत्ति. भौमः ५७।४८ पापमोचनी ११ ब्र
१२	र ४६ २१ श्र ४७ ४६ प ११ ५२ कौ १७ ५७	२३	७	५३	१२	२२	२५	मकरे	रेवत्यां बुधः १२।३२
१३	चं ४१ २३ ध ४४ ७ शि १६ ५३ ग १३ ४७	२७	७	५३	१३	२३	२६	कुं. १५।५६	भ. ४१ उ. दृश्योमीनेऽर्कः ५३ सौरः ५२+
१४	मं ३४ ४० श ३९ १४ सा ४८ २८ वि ८ २	३२	६	५४	१४	२४	२७	कुम्भे	भ. ८।२ या. +भरण्यां शुक्रः ६।४ प्रदोषः
३०	बु २६ ५४ पू ३२ ५८ शु ३९ ३३ च ०	४७	३६	५	५५	१५	२५	२८ मी १९।३५	मन्वादिः

४८पं. चै.कृ.७मं.इ.५८।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	११	८	०	१	९	१०
२४	२४	११	११	७	७	९	२४
६	०	१०	२८	३३	१८	३५	६
२९	२५	१९	१२	३२	१८	५४	४६
५९	३८	९६	८	६७	३	३	६०
५८	३५	५८	२५	३३	४३	११	०

गोचरग्रहाः

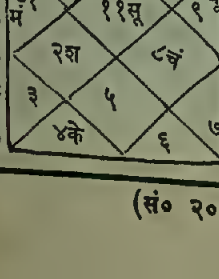

चैत्र कृ. १३ चन्द्रे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभाव महर्घता शुक्रोदयः प. ।

गोचरग्रहाः

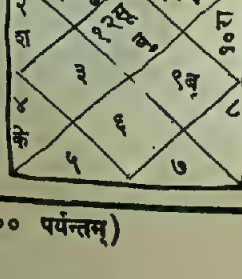

४९पं.चै.कृ.१४मं.इ.५९।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	८	०	१	९	११
१२	८	१९	१२	१५	७	९	१
५	३६	२५	२०	२५	४७	१३	६
४२	३२	३०	३८	२४	२४	३८	२८
५९	३८	५९	६	६६	४	३	५९
४१	३४	३७	५२	३९	२३	११	४९

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७३ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७३ भोग्यकलिः ४२६९२७ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२९ शाकः १८९४ वर्षेऽस्मिन् राजा गुरुः । मंत्री गुरुः । सस्येशोशनिः । धान्येशो शुक्रः । मेघेशोबुधः । रसेशश्चन्द्रः । नीरसेशः शनिः । फलेशो बुधः । धनेशश्शनिः । दुर्गेशोबुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १९ क्रोधन नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ६।४।४७।५९ भोग्यमासादिः ५।२५।१२।१ । भगदैवतंयुगम् । वर्ष नाम ज्येष्ठः । मेघ नाम आवर्तः । रोहिणी निवासः पर्वते । समयनिवासो कुंभकारगृहे । समय विश्वा ५ । समयवाहनं चातकः । स्तम्भौ२ अन्नवाच्यौः । सोमवत्यमा. २ सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी१ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ४०५ । समयदिनानि ३८४ । तिथिक्षयः १७ । तिथिवृद्धिः ११ । उत्पत्तिविश्वा ८७। खपतिविश्वा ११४। वर्षाविश्वा १५ । धान्यम्१५। तृणम् १५। शीतम् ११ । तेज ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं ११३ । सत्यं ।।, धर्म १।।, पाप१८ । शनि दृष्टिः पूर्वस्यां । ग्रहणस्याऽभावोऽस्मिन्वर्षे ।

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

भैरव बोला प्रेम से सुन मात चितलाय ।
गुनतीसा अब आईया हाल कहो समझाय।।

भवानी उत्तर

गुनतीसो गुण आगलो झीना वर्षे मेह ।
जग में सुख संपति बढ़े राज प्रजा में नेह ।।
गुरु राजा इस वर्ष में आप भये परधान ।
तृण की कुछ कमती रहे वर्षा मध्यम जान ।।
जौ गेहूँ संचय करो श्रावण दुगुणा दाम ।
भादव वर्षा वर्ष सी तेजी की हो थाम ।।
रोहिणी पर्वत में बसी समय बसे घटकार ।
कहीं क पूर्व देश में मांचे हाहाकार ।।
अनहोनी होवे नहीं होणी होय सो होय ।
परमेश्वरके भजन बिन सुख नहीं पाया कोय ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ४।१८

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् ३।८

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२७।१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुः फलम्–गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले काम दुग्धाश्च धेनवः । यजन्ति विप्राः वहवोऽग्नि होत्रिणो महोत्सवं सर्वं जनेषु वर्तते ।। मंत्री गुरुः फलम्–विविध धान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुर तोय घना मुदिता भवेत् । नृपतयो जन पालन तत्पराः, सुर गुरौ ननु मन्त्रि समागते ।। सस्येशः शनिः फलम्–रवि सुते यदि धान्यपतौ जनाः नृपतिभिः परि पीड़ित विग्रहाः । गद भयं तुष धान्यहरं सदा दुरितवाद विवाद युताः नराः ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम्–भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशोबुधस्तत्फलम्–अमृत रश्मि सुते यदि वारिपे बहु जलं तुष धान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुता धरणी तदा ।। रसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्–यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहुवारि विधायकाः रसवती धनधान्यवती मही ।। नीरसेशः शनि फलम्–त्रपु पिंडादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तुनां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरस नायके ।। फलेशोबुधस्तत्फलम्–यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा । बहु तृणं कुसुमैः कमलेर्युतं जनपदा-जन सौख्य मुदान्वितः ।। धनेशः शनिः फलम्–द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अधनतां वणिजो कृषि-जीविनः द्विजवराः पर पीडन मानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्–विषम साम्य सुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्र जनेषु विशेषतां । शशिसुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्यवतां न भयं क्वचित् ।। क्रोधन नाम संवत्सरः फलम्–क्रं धनाब्दे मध्य वृष्टिः पूर्व देशे विशेषतः । संग्राम निरता सर्वे भूपाः क्रोधः परायणाः ।। वर्षनाम ज्येष्ठस्तत्फलम्–तस्करैः पाप रोगैर्वा पीडयन्ते पीडया जनाः । भ्रमन्ते स्वच्छया भूम्यां निर्द्रव्यैः ज्येष्ठ संज्ञके ।। मेघनाम आवर्तः फलम्–आवर्ते छिन्नवृष्टिस्यात् ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम्–रोहिणी नाम नक्षत्रं पर्वतस्थं यदा भवेत् । वृष्टि हानिस्तदा ज्ञेया सर्व सस्य विनाशनम् ।। समयनिवासो कुंभकार गृहे फलम्–अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०२९ शाके १८९४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

द्वि. वैशाख ज्येष्ठाषाढ़ मासेषु गोधूल्यां भौमः ७।८ दोषः

द्वि. बैसाख मासः

शु. ९ रवौ उफा. ल. ११।१ रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।। कुंभे चं.७ पूज्यः
,, १० चंद्रे उफा. ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।।ऽरो.।ऽ।।
,, १० चंद्रे हस्ते ल. १२-१ रे.८ ।।।।।ऽरो.ऽ।।। मीनेचं.७पू.
,, ११ भौमेहस्तेल.१२(घ.५४।१३या.)रे.९।।।।।।ऽ।।। चं.७पू.
,, १३ गुरौ स्वा. ल.११-१रे.८ ऽ।।।ऽअ.।।।। मेषे चं.७मध्य.

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ८ चंद्रे उभा. ल. ११-१ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।
,, ९ भौमे उभा. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽबु.।।।।ऽनृ ।ऽ।।

आषाढ़ मासः

कृष्णा ७ चंद्रे उभा. ल. अन्यगो. ११-१ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। कुंभे मेषे दग्धातिथिदोषः रे. ८

कार्तिक मासः

शुक्ले ११ शुक्रे रेवत्यां ल.६रे.७ ऽ।।।।ऽअ.ऽ।।। चं. ७ मध्यमः
,, १२ शनौ रेव. ल. गो. रे. ७ ऽ।।।।ऽअ.।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ भौमे रोहि. ल. ४-६ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। कन्यालग्ने रेखा ७ चौरपंचकः
, ६ रवौ मघा. ल. ६ रे. ८ ।।।।।ऽअ.ऽ।ऽ।।
, ८ भौमे उफा. ल. ६(घ.५०।५उ.)रे.७ ऽ।।।।ऽनृ।ऽ।।
, ९ बुधे उफा. ल. अन्यगो. ४ रे. ६ ऽ।।।।ऽनृ।ऽ।ऽ कर्क लग्ने रेखा ७ नृपपंचकाऽभावः
,, १० गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. ४ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। कर्के लग्ने रेखा ७ चौरपंचकः

माघ मासः

शुक्ले ४ बुधे उभा. ल.अन्यगो. रे. १० ।।।।।।।।।।
,, ५ गुरौ रेव. ल. अन्यगो. रे. ६ ।ऽ।।।ऽरोऽऽ।।
,, १५ शनौ मघा. ल. ७ रे. ६ ।।।ऽशु.ऽ।ऽऽ।। पादवेधात् शुक्रस्य वधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ चंद्रे उफा. ल. गो. ७ रे. ९ ।।।।ऽ।।।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः६५५५ स.१९७२
१	शु १८।२० उ २६।२१ शु २८।४६ ब १८।२०	२९	६	५।१६	२६	२९		मीने	चन्द्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	शु ९।३६ रे १९।३४ ब्र १८।४६ कौ ९।३६	४४	३	५७	१७	२७	१	मे.१९।३४	हृश्यः उभायां रविः १४ (सौरः १३) वृषे×
३	श १।११ अ १३।१३ ऐं ५८।५५ ग १।११	४९	२	५८	१८	२८	२	मेषे	भ. २७।५२ उ. ५४।३४ या. गणगौरी
४	श ५३।२३ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	×भौमः ८।५७ सिंवारा सफर २
५	र ४६।२५ भ ७।३२ वि ५२।३८ ब २०।१९	५३	१	५९	१९	२९	३	वृ.२१।२७	
६	बं ४०।२६ कृ १३।३० प्री ४४।४३ कौ १३।२५	५७	१	५९	२०	३०	४	वृषे	वक्री बुधः २।२२
७	मं ३६।१६ मृ ५७।३६ आ ३८।३५ ग ८।२१	३०	०	६	२१	१	५	मि२८।३९	भ. ३६।१६ उ. राष्ट्रीय चैत्रारंभः
८	बु ३३।११ आ ५७। ८ सौ ३३।४२ वि ४।४४	६	५९	१	२२	२	६	मिथुने	भ. ४।४४ या. पश्चिमास्तं बुधः५९।५
९	गु ३१।२२ पु ५७।४३ शो २९।४२ बा ०।२७	१०	५८	२	२३	३	७	क.४१।३४	रामनवमी
१०	शु ३१। ८ पु ५९।५० अ २६।५७ तै १। १	१४	५७	३	२४	४	८	कर्के	पूषायां १ गुरुः १६।३
११	श ३२। ५ श्ले ६०। ० सु २५।१२ व २।३४	१८	५६	४	२५	५	९	कर्के	भ. १।३७ उ. ३२।५ या. कृत्तिका.शुक्रः+
१२	र ३३।५७ श्ले २५।६ धृ २४।२४ ब ४।५३	२३	५५	५	२६	६	१०	सिं२।५६	+१६।४५ कामदा ११ व्रतम्
१३	बं ३७।१९ म ७।१६ शु २४।३२ कौ ९ ०।	२७	५५	५	२७	७	११	सिंहे	प्रदोषः व्रतम्
१४	मं ४१।२० पू १२।३० गं २५। ४ ग १३।२०	३१	५४	६	२८	८	१२	कं.२९।२	भ. ४१।२० उ. वृषे शुक्रः २९।२०
१५	बु ४६।३६ उ १८।३८ वृ २६।२३ वि १९।१४	३५	५३	७	२९	९	१३	कन्यायां	भ.१६।१४ या. हनुमज्जयंती

५०पं. चै.शु.७मं.इ.५९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	८	०	१	९	११
८	३	२२	१३	२३	८	८	८
३	१३	२५	६	५	२१	५१	४
१८	५९	२९	२५	५३	२५	२३	२३
५९	३८	३३	५	६५	४	३	५९
२९	४२	ब	५८	७	५०	११	३५

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ बुधवार हैं रसकस गुड़ घृत खांड तेल तिल अलसी मूंग-फली नमक तेज करे ।

गोचरग्रहाः

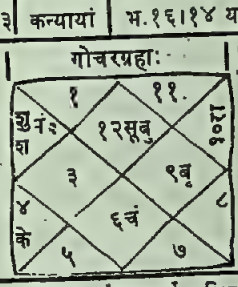

५१पं. चै.शु.१४मं.इ.५९।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	८	१	१	९	११
१४	७	१९	१३	०	८	८	१५
५९	४६	२९	४४	३२	५७	२९	०
१३	२४	१०	२०	१३	१३	७	२८
५९	३८	४५	४	६३	५	३	५९
१६	५०	ब	५२	२७	१८	११	१८

ति.	प्र. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ५१।५९ ह २५।२० धु २७।५१ बा १९।१८	३०	५३	६	३०	१०	१४	तु.५९।४	हृश्या रेवत्यां रविः ५१ (सौरः४०।३१)
२	शु ५८।२५ चि ३२।४५ ब्या ३०।१० त्वै २५।१२	४४	५१	९	३१	११	१५	तुलायां	
३	श ६०। ० खा ४०।१६ ह ३२।३७ ध २९।१०	४८	५०	१०	१	१२	१६		भ. ३३ उ. वक्री उभा. बुधः ३५ रोहि.●
४	र ४।४० वि ४७।४९ ध ३४।५५ वि ४।४०	५२	५०	१०	२	१३	१७	वृ.३०।५६	भ. ४।४० या. चतुर्थी ब्र.
५	बं १०।५९ अ ५५। १ सि ३७। ३ बा १०।५९	५६	४९	११	३	१४	१८	वृश्चिके	●भौमः ५८ अप्रेल मा. ४ ता. ३०
६	मं १६।४२ ज्ये ६०। ० व्य ३८।४० त्वै १६।४२	३१	४८	१२	४	१५	१९	वृश्चिके	
७	बु २१।३६ ज्ये १।१२ ध ३९।१५ ध २१।३६	४	४७	१३	५	१६	२०	ध.१।१२	भ. २१।३६ उ. ५३।२५ या.
८	गु २५।१४ मू ६।४० प ३८।४७ ब २५।१४	८	४६	१४	६	१७	२१	धनुषि	
९	शु २७। ८ पू १०।२२ शि ३३।५९ कौ २७। ८	१२	४६	१४	७	१८	२२	म.२५।४९	रोहिण्यां शुक्रः १४।४६
१०	श २७।१४ उ १२। ९ सि ३३।३२ ग २७।१४	१६	४५	१५	८	१९	२३	मकरे	भ. ५६।१४ उ. रोहिणी १ शनिः ३६×
११	र २५।१४ श्र १२। ५ सा २८।३५ वि २५।१४	२०	४४	१६	९	२०	२४	कु.४१।४	भ. २५।१४ या.
१२	बं २१।२१ ध १०। ३ शु २१।५४ बा २१।२१	२४	४३	१७	१०	२१	२५	कुम्भे	वरूथिनी ११ ब्र.
१३	मं १५।२७ श ६। १ शु १३।४४ त्वै १५।२७	२८	४२	१८	११	२२	२६	मी४७।४८	प्रदोषः
१४	बु ७।५८ पू २३।५५ ब २९।४५ ध ७।५८	३२	४२	१८	१२	२३	२७	मीने	भ. ७।५८ उ. ३३।३४ या.
१५	बु ५१।५२ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	×बुधोदयः पूर्वस्याम् २३।४७
३०	गु ४९।३८ रे ४६। ० वै ४३।४० च २४।२४	३६	४१	१९	१३	२४	२८	मि.४६।०	दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः १५ (सौरः१५।६)

५२पं. प्र.वै.कृ.६ बृ.इ.०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	८	१	१	९	११
२१	१२	१३	१४	७	९	८	२१
५३	२१	५६	१४	४२	४०	६	५४
३१	७	२४	६	४३	८	५१	३९
५९	३८	३०	३	६१	५	३	५९
४	५५	ब	३८	११	४६	११	४

गोचरग्रहाः

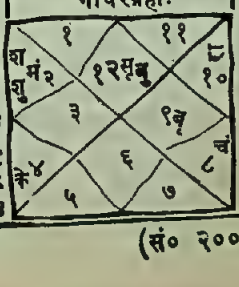

प्र.वै.कृ. ३० गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न.४ अतिवम्ब्याव-स्था (सूनी) मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

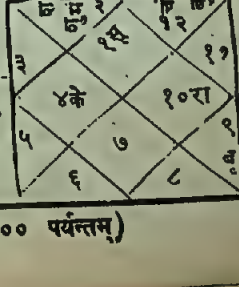

१पं. प्र.वै.कृ.३० बृ.इ.५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	११	८	१	१	९	०
०	१७	१०	१४	१५	१०	७	०
०	४३	२१	४०	४४	३२	४०	०
०	२३	१६	४४	२६	१०	४३	४७
५९	३८	१९	२	५७	६	३	५८
४४	५८	ब	०	४४	१५	११	५५

ति.	प्र. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः ६५८४स.१९७२
१	शु	३९	४४	अ	३८	२२	वि	३२	३५	किं	१४	४१	३१/४०	५/४०	६/२०	१४	२५	२९	मेषे	मार्गी बुधः ४५।६ अधिक मासारम्भः
२	श	३०	५	भ	३०	५०	प्री	२२	७	बा	४	५४	४३	३९	२१	१५	२६	३०	वृ.४४।११	चन्द्रदर्शनम्
३	र	२१	१३	कृ	२४	१२	आ	१२	४	ग	२१	१३	४७	३९	२१	१६	२७	१	वृषे	भ. ४७।२२ उ. रविलावल ३
४	चं	१३	३१	रो	१८	२८	सौ	३/२	५२/१७	वि	१३	३१	५१	३८	२२	१७	२८	२	मि४६।१३	भ. १३।३१ या.
५	मं	७	२२	मृ	१४	५९	अ	४९	११	बा	७	२२	५५	३७	२३	१८	२९	३	मिथुने	×भौमश्च ५५।२०
६	बु	२	५५	आ	१२	५६	सु	४४	१४	तै	२	५५	५८	३६	२४	१९	३०	४	क.५७।३९	●कमला ११ व्रतम्
७	गु	०	१०	पु	१२	३३	धृ	४०	५१	व	०	१०	३२/०	३६	२४	२०	३१	५	कर्के	भ. ०।१० उ. २९।३७ या.
८	गु	५९	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	शु	६०	०	पु	१४	८	शू	३८	४९	बा	२९	४२	६	३५	२५	२१	१	६	कर्के	रा. वैशाखारम्भः मृगे शुक्रः ४१।४ मृगे
९	श	०	२३	श्ले	१७	२३	गं	३८	२	कौ	०	२३	१०	३४	२६	२२	२	७	सिं१७।२३	
१०	र	२	४२	म	२१	४९	वृ	३८	३८	ग	२	४२	१४	३३	२७	२३	३	८	सिंहे	भ. ३४।३४ उ.
११	चं	६	२६	पू	२६	२६	ध्रु	३९	३५	वि	६	४६	१७	३३	२७	२४	४	९	कं.४३।१९	भ. ६।२६ या. वक्री गुरुः २३।१३●
१२	मं	११	५	उ	३३	५९	व्या	४१	११	बा	११	५	२१	३२	२८	२५	५	१०	कन्यायां	प्रदोषः
१३	बु	१७	७	ह	४१	४	ह	४३	२२	तै	१७	७	२५	३१	२९	२६	६	११	कन्यायां	दृश्यो भरण्यां रविः ५६/११ (सौरः५६।२४)
१४	गु	२२	३४	चि	४८	२०	व	४५	३९	व	२२	३४	२९	३०	३०	२७	७	१२	तु.१४।३२	भ.२२/३४ उ.५५।४३या. रेवत्यांबुधः १२।३
१५	शु	२८	५२	स्वा	५५	३४	सि	४७	५९	ब	२८	५२	३२	३०	३०	२८	८	१३	तुलायां	

२पं. प्र.वै.शु.७ बृ.इ १६/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	८	१	१	९	०
६	२२	११	१४	२२	११	७	६
५०	१५	६	५१	४	१९	१८	५०
४२	३२	५०	२२	२३	२३	२८	५८
५८	३९	१९/४३	०	५३	६	३	५८
३१	१	मा	४७	२८	२८	११	२९

गोचरग्रहाः

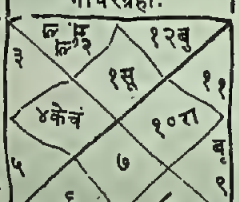

इस मास का फल श्रेष्ठ है प्रजा में सुख शांति रहे। धान्य रुई चांदी सोना, अफीम में घटाबढ़ी हो सुदी तेजी हो।

गोचरग्रहाः

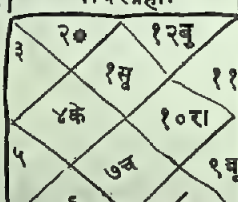

३पं. प्र.वै.शु.१४ बृ.इ.१६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	८	१	१	९	०
१३	२६	१६	१४	२७	१२	६	१३
३९	४६	४२	५२	५०	८	५६	३९
४३	५५	४३	४४	२४	२८	१२	२३
५८	३९	४७	३०/३३	४८	६	३	५८
१७	३	११	ब	४३	४३	११	१२

ति.	द्वि. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेप्र.वैशा.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	३४	५३	वि	६०	०	व्य	५०	१३	बा	१	५२	३२/३६	५/२९	६/३१	२९	९	१४	वृ.४६।२४	मिथुन शुक्रः ५४।२
२	र	४१	४	वि	३	२०	व	५२	१४	तै	७	५८	४०	२८	३२	३०	१०	१५	वृश्चिके	+१ केतुः २२।३९ चतुर्थी व्र.
३	चं	४६	२२	अ	१०	२९	प	५३	५१	व	१३	४३	४३	२७	३३	१	११	१६	वृश्चिके	भ. १३/४३ उ. ४६/२२ या. मई मा. ५ ता. ३१
४	मं	५०	५७	ज्ये	१६	३६	शि	५४	४९	ब	१८	४०	४७	२७	३३	२	१२	१७	ध.१६।३६	मिथुने भौमः १७।५३ उषा.३राहुःपुष्यः+
५	बु	५४	३८	मू	२२	२०	सि	५५	१	कौ	२२	४७	५१	२६	३४	३	१३	१८	धनुषि	
६	गु	५७	६	पू	२६	४९	सा	५४	७	ग	२५	५२	५४	२५	३५	४	१४	१९	म.४२।३५	भ. ५७।६ उ. ●मेषे बुधः ५७।८
७	शु	५८	३	उ	२९	५३	शु	५२	५	वि	२७	३५	५७	२५	३५	५	१५	२०	मकरे	भ. २७।४५ या.
८	श	५७	२६	श्र	३१	२९	शु	४८	४३	बा	२७	४५	३३/१	२४	३६	६	१६	२१	मकरे	
९	र	५४	५७	ध	३१	१९	ब्र	४३	५३	तै	२६	११	४	२३	३७	७	१७	२२	कुं.१।२४	रोहिणी. २ शनिः ५।८
१०	चं	५०	३७	श	२९	५५	ऐं	३७	३४	व	२२	१७	७	२३	३७	८	१८	२३	कुंभे	भ. २२।१७ उ. ५०।३७ या. अश्वि.●
११	मं	४४	२६	पू	२५	३८	वै	२९	५६	ब	१७	३२	१०	२२	३८	९	१९	२४	मी११।४२	कमला ११ व्र ×आर्द्रा. शुक्रः ५२।७
१२	बु	३७	६	उ	२०	२०	वि	२१	६	कौ	१०	४६	१३	२१	३९	१०	२०	२५	मीने	दृश्यः कृत्तिका. रविः ४२।६ सौरः ४४/२१
१३	गु	२८	२४	रे	१३	५१	प्री	११	१७	ग	२	४५	१६	२१	३९	११	२१	२६	मे.१३।५१	भ. २८।२४ उ. ५३।३४ या.
१४	शु	१८	४५	अ	६/१९	५२/११	आ	०/४१	४९/१२	श	१८	४५	१९	२०	४०	१२	२२	२७	मेषे	आर्द्रा. भौमः ३८।१८
३०	श	९	४७	कृ	५०	४०	शो	३८	५०	ना	९	४७	२२	२०	४०	१३	२३	२८	बृ.११।३२	अस्तं शनेः १३।४४

४पं. द्वि.वै.कृ.६ बृ.इ.१६/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	८	२	१	९	०
२०	१	२४	१४	२	१३	६	२०
२७	१७	२२	४५	५१	०	३३	२६
२२	१७	१२	२५	४१	१८	५७	३
५८	३९	७०	५१/५९	४१	७	३	५७
६	२	२	ब	५६	१	११	५७

गोचरग्रहाः

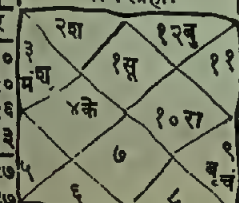

इस मासमें साधारण फल होंगे अनाजगल्ला बिनौला जीरा धनिया कालीमिर्च तेज सुदी बाजार में सब मंदा हो।

गोचरग्रहाः

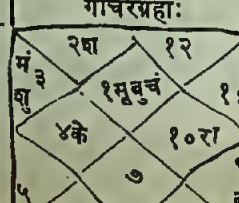

५पं.द्वि.वै.कृ.१३ बृ.इ.१६/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	८	२	१	९	०
२७	५	३	१४	६	१३	६	२७
१३	४७	४६	२८	५९	५२	११	११
३४	२	१	३०	२०	३०	४१	१७
५७	३९	९७	३०/२०	३३	७	३	५७
५४	९	२	ब	२२	६	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ●मंशुश

ति. | द्वि. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६६१४ स. १९७२

१	श	४९	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	४९	४९	रो	४३	४६	अ	२८	४३	बा	२४	२१	३३	१५	४९	१४	२४	२९	वृषे
३	चं	४१	५७	मृ	३८	१	सु	१९	२१	तै	१५	५३	२५	१८	४२	१५	२५	१	मि १०।५३
४	मं	३५	४२	आ	३३	५५	पु	११	८	व	८	४९	३०	१८	४२	१६	२६	२	मिथुने
५	बु	३१	२४	पु	३१	३६	श्ले	३७	५३	ब	३	३३	३२	१७	४३	१७	२७	३	क. १७।११
६	गु	२९	७	पु	३१	२७	मे	५६	३४	कौ	०	१५	२६	१७	४३	१८	२८	४	कर्के
७	शु	२८	५८	श्ले	३३	२२	धु	५४	५४	ग	२८	५८	२९	१६	४४	१९	२९	५	सिं ३३।२२
८	श	३०	४३	म	३६	५१	श्रा	५४	५५	वि	०	२०	४१	१६	४४	२०	३०	६	सिंहे
९	र	३४	२०	पू	४२	१७	ह	५५	२९	बा	२	३१	४३	१५	४५	२१	३१	७	कं. ५८।५५
१०	चं	३९	१	उ	४८	४७	व	५७	२४	तै	६	४०	४६	१५	४५	२२	१	८	कन्यायां
११	मं	४४	५७	ह	५६	१३	सि	५९	४०	व	११	५९	४८	१४	४६	२३	२	९	कन्यायां
१२	बु	५०	५७	चि	६०	०	व्य	६०	०	ब	१७	५७	५०	१४	४६	२४	३	१०	तु. २९।५३
१३	गु	५७	२०	चि	३	३२	व्य	२	११	कौ	२४	९	५२	१४	४६	२५	४	११	तुलायां
१४	शु	६०	०	स्वा	११	१८	व	४	४०	ग	२८	४०	५४	१३	४७	२६	५	१२	तुलायां
१५	श	७।४१		वि	१८	३०	प	६	५३	व	३	११	५६	१३	४७	२७	६	१३	वृ. १।४२
१५	र	९	५३	अ	२५	१८	शि	८	५०	ब	९	५३	५८	१२	४८	२८	७	१४	वृश्चिके

दृश्यो वृषेऽर्कः २९ (सौरः १२) चन्द्रदर्श. अक्षया ३ परशुराम जयंती रविलाखर ४ भ. ८।४९ उ. ३५।४२ या. भरण्यां बुधः १४।१३

भ. २८।५८ उ. +मूल. ४ गुरुः ८।४६ भ. ०।२० या.

रा. ज्येष्ठारंभः भ. ११।५९ उ. ४४।५७ या. मोहिनी ११ व्र. दृश्यो रोहि. रविः ३२।५६ (सौरः ३८)* वृषे बुधः ५५।१० प्र. व्र. नृसिंह १४ *कृत्ति. बुध. २४ पूर्वा. बुधः २६ भ. ३।११ उ. ३६ या. वक्री शुक्रः ५६ वक्री+

६पं. द्वि.वै.शु.६ बृ.इ.१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	८	२	१	९	१
३	१०	१५	१४	९	१४	५	३
५८	१४	११	३	४८	४६	४९	५४
२६	४९	१३	१४	४७	१२	२५	५५
५७	३९	०८	२८	२१	७	३	५७
४४	११	१३	ब	१९	१४	११	३४

गोचरग्रहाः

द्वि. वै. शु. २ रवौ वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

७पं. द्वि.वै.शु.१३ बृ.इ.१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	८	२	१	९	१
१०	१४	२८	१३	११	१५	५	१०
४२	४४	४७	३०	३१	४०	२७	३७
२५	२०	२	१४	२९	१२	१०	९
५७	३९	२१	३०	६	७	३	५७
३५	८	२०	ब	३५	२०	११	२३

ति. | ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४ | वि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेद्वि.वैशा.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	चं	१३	४१	ज्ये	३१	११	सि	१०	४	कौ	१३	४१	३४	१२	४८	२९	८	१५	ध. ३१।११
२	मं	१७	४१	मू	३६	११	सा	१०	४५	ग	१७	४१	२	१२	४८	३०	९	१६	धनुषि
३	बु	२०	४०	पू	४०	३५	शु	१०	४२	वि	२०	४०	४	११	४९	३१	१०	१७	म. ५६।२४
४	गु	२२	३२	उ	४३	५२	शु	९	५७	बा	२२	३२	६	११	४९	१	११	१८	मकरे
५	शु	२३	२६	श्र	४५	५७	ब्र	८	७	तै	२३	२६	७	११	४९	२	१२	१९	मकरे
६	श	२३	६	ध	४६	५१	ऐं	५	३१	व	२३	६	९	१०	५०	३	१३	२०	कुं. १६।२४
७	र	२१	३१	श	४६	१६	वै	५२	५५	च	२१	३१	१०	१०	५०	४	१४	२१	कुम्भे
८	चं	१८	३२	पू	४४	२८	प्री	५१	७	कौ	१८	३२	१२	१०	५०	५	१५	२२	मी २९।५५
९	मं	१४	८	उ	४१	१५	आ	४४	१३	ग	१४	८	१३	९	५१	६	१६	२३	मीने
१०	बु	८	३२	रे	३६	४४	सौ	३६	१४	वि	८	३२	१४	९	५१	७	१७	२४	मे. ३६।४४
११	गु	१	३३	अ	३१	१६	शो	२७	१८	बा	१	३३	१६	९	५१	८	१८	२५	मेषे
१२	शु	५२	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	शु	४४	५४	भ	२४	४७	अ	१७	४७	ग	१९	१४	१७	९	५१	९	१९	२६	वृ. ३८।५
१४	श	३५	३३	कृ	१७	५९	सु	३४	५५	वि	१०	१३	१८	८	५२	१०	२०	२७	वृषे
२०	र	२६	३५	रो	१०	५४	धृ	४७	५०	च	१	३	१९	८	५२	११	२१	२८	मि ३७।४१

भ. ४९।११ उ. रोहिण्यां बुधः ५३।५२ भ. २०।४० या. चतुर्थी व्र. रोहिणी. ३. शनि. ५३।५४ जूनमा. ६ ता. ३० पुनर्वसु. भौमः ३०।५१ भ. २३।६ उ. ५२।१८ या.

मृगे बुधः ५५।१० भ. ४१।२० उ. भ. ३६ या. दृश्यो मृगे रविः ३७ (सौरः ३७) अपरा ११ व्र.

भ. ४४।५४ उ. मिथुनेबुधः ०।३१ प्रदोषः भ. १०।१३ या. वक्री मृगे शुक्रः ५४।३८ वटपूजनम्

८पं. ज्ये.कृ.४ बृ.इ.१७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	८	२	१	९	१
१७	१९	१२	१२	१०	१६	५	१७
२५	१२	५७	४९	४५	३५	४	१८
८	११	५०	५२	३६	३१	५४	१२
५७	३८	२८	३०	३४	७	३	५७
२७	५८	५	ब	ब	२०	११	१३

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच सोमवार उत्तम हैं गेहूं जौ, चना रुई, ऐरंडा सींगदाना सोना चांदी तेल तिल मंदा सुदीमें कुछ तेजी हो।

गोचरग्रहाः

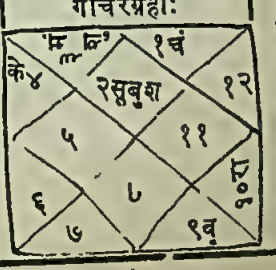

९पं. ज्ये.कृ.११ बृ.इ.१७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	८	२	१	९	१
२४	२३	२८	१२	८	१७	४	२३
७	३९	२६	४	१५	२९	४२	५८
१२	३९	३५	२६	४५	५६	३९	८
५७	३९	२९	१३	३६	७	३	५७
२२	४	३१	ब	ब	२०	११	१३

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ६६४३स.१९७२
१	चं १८ २ मृ २९ ४९ गं ३८ ५८ ब १८ २ ३४	५	८	५३	१२	२२	२९	मिथुने	आर्द्रा. बुधः २३।२५ चन्द्रदर्शनम्
२	मं १० ५९ पु ५५ २९ वृ ३१ १ को १० ५९ २१	८	८	५२	१३	२३	१	क.४१।२४	जमादिलावल५ ●शुक्रा.पश्चि. ३५/६ शु.अ.प.
३	बु ५ ३० पु ५३ २३ धृ २४ ३२ ग ५ ३० २१	८	८	५२	१४	२४	२	कर्के	भ.३३/४० उ. दृश्यो मिथुनेऽर्कः ३६ सौरः ३७●
४	गु १ ५० श्ले ५३ ३८ ष्या १९ ४९ वि १ ५० २२	८	८	५२	१५	२५	३	सिं५३।३८	भ.१।५० या. ×शुक्रः ३६/३० निर्जला ११ व्र.
५	शु ० ३१ म ५५ ५१ ह १६ ४६ बा ० ३१ २२	८	८	५२	१६	२६	४	सिंहे	बुधोदयः पश्चिमायाम् २९/७ +गंगादशमी
६	श ० ५८ पू ६० ० द १५ २८ तै ० ५८ २३	७	५३	१७	२७	५	सिंहे		
७	र ३ ४९ पू ० ३ सि १५ २८ ब ३ ४९ २३	७	५३	१८	२८	६	कं.१६।२३		भ.४९/३ उ.३५/५० या.कर्के भौमः ५८/१० उदयंशनेः ३३/६
८	चं ७ ५२ उ ५ २५ व्य १६ २९ व ७ ५२ २३	७	५३	१९	२९	७	कन्यायां		पुन. बुधः २।४७ =मोक्षः ३१/५८ शु.उ.पू.
९	मं १३ ३७ ह १२ ४३ व १८ ४० को १३ ३७ २४	७	५३	२०	३०	८	तु.४६।२२		
१०	बु १९ ३० चि २० १ प २० ५२ ग १९ ३० २४	७	५३	२१	३१	९	तुलायां		भ.५२/४० उ. दृश्य आर्द्रा. रविः ३६/३२ सौरः ३९/२७+
११	गु २५ ५० स्वा २७ ४२ शि २३ ३२ वि २५ ५० २४	७	५३	२२	१	१०	तुलायां		रा. आषाढारंभः भ. २५/५० या. वक्री वृ.×
१२	शु ३१ ४७ वि ३५ ८ सि २६ २ बा ३१ ४७ २४	७	५३	२३	२	११	वृ.१८।१६		पुष्येभौमः ३०/५ शुक्रो.पू.४३/६ पातस्पर्शः २९/३=
१३	श ३७ ७ अ ४१ ५६ सा २७ ५५ को ४ २७ २४	७	५३	२४	३	१२	वृश्चिके		कर्केबुध.३३/९ वक्रीमूल.३गुरुः ५२/६ प्रदोषः
१४	र ४१ ३१ ज्ये ४७ ११ शु २९ ६ ग ९ १९ २३	७	५३	२५	४	१३	ध.४७।११		भ. ४१।३१ उ.
१५	चं ४४ ४५ मू ५२ ११ शु २९ १६ वि १३ ८ २३	७	५३	२६	५	१४	धनुषि		भ. १३।८ या. पुष्ये बुधः २९।१२

१०पं.ज्ये.शु.४बृ.इ.१७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	८	२	१	९	२
०	२८	१२	११	४	१८	४	०
४८	७	५४	१३	३२	२३	२०	२७
२५	१	४३	१९	३५	५५	२३	१७
५७	३९	८१	४३	३५	७	३	५६
१७	१	२३	व	व	१४	११	५७

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ शु. ३ बुधे मिथुनेऽर्कः प्र.वा.४ न.५ प्रगल्भावस्था (बैठो) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

११पं.ज्ये.शु.११बृ.इ.१७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	८	२	१	९	२
७	२	२५	१०	०	१९	३	७
२९	३२	४६	२०	५	१६	५८	१५
२४	२८	३०	३१	१७	५५	७	४४
५७	३९	८०	५२	५३	७	३	५६
१३	७	८२	व	व	४	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ४६ ४९ पू ५५ ४१ ब्र २८ ४० बा १५ ४७ ३४	५	७	५३	२७	६	१५	धनुषि	रोहिणी. ४ शनिः ५८।२४
२	बु ४७ ४६ उ ५८ १७ ऐं २७ १५ तै १७ १८ २२	८	५२	२८	७	१६		म.११।२०	
३	गु ४७ ३४ श्र ५९ ३७ वै २४ ५५ व १७ ४० २२	८	५२	२९	८	१७		मकरे	भ. १७।४० उ. ४७।३४ या.
४	शु ४६ १६ ध ५९ ४३ वि २१ ५३ ब १७ ० २१	८	५२	३०	९	१८	कु.२९।४०		चतुर्थी व्रतम्
५	श ४४ २२ श ५९ ४३ प्री १८ १ को १५ १९ २०	८	५२	१	१०	१९		कुम्भे	जुलाई मा. ७ ता. ३१
६	र ४१ २६ पू ५८ २३ आ १३ ३६ ग १२ ५४ १९	८	५२	२	११	२०	मी४३।४३		भ. ४१।२६ उ.
७	चं ३७ ५४ उ ५६ २६ सौ ८ १३ वि ९ ४० १८	८	५२	३	१२	२१		मीने	भ. ९।४० या.
८	मं ३३ १४ रे ५३ ३२ शो १७/३३ बा ५ ३४ १७	९	५१	४	१३	२२	मे.५३।३२		उषा. २ राहुः पुनः ४ केतुः १६।२४
९	बु २७ ५० अ ५० २१ सु ४८ ३५ तै ० ३२ १५	९	५१	५	१४	२३		मेषे	भ.५४।७उ.दृश्यपुनःरविः २४ (सौरः ४३/२८)
१०	गु २१ ४४ भ ४५ २५ धृ ४० ४१ वि २१ ४४ १४	९	५१	६	१५	२४	बृ.५९।१०		भ.२१।४४या. आश्लेषा. बुधः १२।४३
११	शु १४ ५८ कृ ४० २३ शू ३२ १६ बा १४ ५८ १३	९	५१	७	१६	२५		वृषे	योगिनी ११ ब्र.
१२	श ७ ३५ रो ३४ ५८ गं २३ ३८ तै ७ ३५ ११	१०	५०	८	१७	२६		वृषे	मार्गी शुक्रः २४।७ प्रदोषः
१३	र ० ७ मृ ३० ३० वृ १५ ५ व ० ७ १०	१०	५०	९	१८	२७	मि२।४४		भ. ०।७ उ. २६।२४ या.
१४	र ५२ ३३ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०		
२०	चं ४६ २ आ २४ ४४ ध्रु ४१ ५२ च १९ २१	८	१०	५०	१०	१९	२८	मिथने	सोमवती ३०

१२पं.आ.कृ.३बृ.इ.१७।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	८	१	१	९	२
१४	६	७	९	२६	२०	३	१३
९	५८	२७	२६	४१	९	३५	५३
५०	४४	३२	४२	३८	७	५२	५०
५७	३९	८८	५३	३३	६	३	५६
७	५२	व	व	५७	११	५०	

गोचरग्रहाः

इस मासमें सोमवती अमावस्या हरेक वस्तुमें मंदी कारक है अनाज रुई, लोहा, चांदी सोना मंदा ।

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.कृ.१०बृ इ.१७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	८	१	१	९	२
२०	११	१६	८	२४	२१	३	२०
५०	२४	४४	३४	४८	०	१३	३१
१०	२९	४९	१	७	११	३६	४३
५७	३९	६६	३७	५५/८	६	३	५६
७	५५	३	व	व	३८	११	५०

●मंबुके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंबुके

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६६७२स.१९७२
१	मं ४०।२५ पु २०।४३ ह ५१।४८ कि १३।१३	३४	५	६	११	२०	२९	क.६।४३	
२	बु ३६।१५ पु १७।५६ व ४६।१९ वा ८।२२	७	११	४९	१२	२१	३०	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	गु ३४।१० श्ले १६।४ सि ४२।१३ तै ५।१४	५	११	४९	१३	२२	१	सिं१६।४	जमादिलाखर ६
४	शु ३३।४८ म १७।५१ व्य ३९।१९ व ३।५९	२	१२	४८	१४	२३	२	सिंहे	भ. ५९ उ. ४८ या. आश्ले. भौमः ३४
५	श ३५।३६ पू २०।५३ व ३८।३७ ब ४।४२	०	१२	४८	१५	२४	३	कं.३७।५	दृश्यः कर्कऽर्कः ५३।४२
६	र ३९। १ उ २५।४३ प ३८।४६ कौ ७।१८	३३	१२	४८	१६	२५	४	कन्यायां	कर्कऽर्कः सौरः १६।१२
७	चं ४४। ८ ह ३१।४१ शि ४०।११ ग ११।३४	५८	१२	४८	१६	२५	४	कन्यायां	भ. ४४।८ भौमाऽस्तः १०।५८
८	मं ४९।४६ चि ३८।४१ सि ४२। ९ वि १६।५७	५६	१३	४७	१७	२६	५	तु.४।११	भ. १६।५७ या.
९	बु ५५। ७ स्वा ४६।१६ सा ४४।४२ बा २१।२६	५४	१३	४७	१८	२७	६	तुलायां	दृश्यः पुष्ये रविः २२।५९ (सौरः ४६)
१०	गु ६०। ० वि ५३।३८ शु ४७। ८ तै २६।३३	५२	१४	४६	१९	२८	७	वृ.३६।४८	
१०	शु २। ७ अ ६०। ० शु ४९।१४ ग २। ७	५०	१४	४६	२०	२९	८	वृश्चिके	भ. ३४।५३ उ. देवशयनी ११ व्र. स्मा.
११	श ७।३७ अ ०।३७ ब ५०।३३ वि ७।३४	४७	१५	४५	२१	३०	९	वृश्चिके	भ. ७।३७ या. देवशयनी ११ व्र.
१२	र ११।४३ ज्ये ६।२९ रे ५०।५१ बा ११।४३	४५	१५	४५	२२	३१	१०	ध.६।२९	रा श्रावणारंभः वक्री बुधः २९।४९ वक्री
१३	चं १४।४२ मू ११। ४ वै ४९।५९ तै १४।४२	४२	१६	४४	२३	१	११	धनुषि	*मूले. २ गुरुः १९।५४ प्रदोषः
१४	मं १६।१७ पू १४।२४ वि ४८। १ व १६।१७	४०	१६	४४	२४	२	१२	म.२९।४९	भ. १६।१७ उ. ४६।६ या. वायु परीक्षा
१५	बु १५।५६ उ १६। ४ प्री ४५। ० ध १५।५६	३७	१७	४३	२६	४	१४	मकरे	व्यास पूजा गुरु १५

१४पं.आ.शु.३वृ.इ.१६।५२

र.	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	८	१	१	९	२
२७	१५	२३	७	२४	२१	२	२७
३०	४९	४०	४४	५६	४८	५१	९
३२	३७	५२	३१	२०	५६	२१	५०
५७	३९	४१	७	११	६	३	५६
११	९	२९	ब	मा	२६	११	५५

गोचरग्रहाः

आ. शु. ५ शनौ कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ प्रगल्भावस्था (ऊभी) मु. ४५धान्यादिभावे समर्घता शु. पू.।

गोचरग्रहाः

१५पं.आ.शु.१०बृ.इ.१६।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	८	१	१	९	३
४	२०	२७	६	६	२२	२	३
११	१४	४८	५९	४८	३५	२९	४८
१७	५३	२९	१७	११	६	५	१७
५७	२९	११	१	२५	६	३	५६
१५	२	५३	ब	१०	११	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु १४।२६ श्र १६।३१ आ ४०।५८ कौ १४।२६	३३	५	६	२७	५	१५	कु.४६।११	मिथुने शुक्रः ७।५९ मृगे १ शनिः१९।५३
२	शु ११।५५ ध १५।५० सौ ३६।१० ग ११।५५	२९	१८	४२	२८	६	१६	कुम्भे	भ. ४०।१२ उ.
३	श ८।२८ श १४।२१ शो ३०।४३ वि ८।२८	२६	१९	४१	२९	७	१७	मी५७।४१	भ. ८।२८ या. च. व्र.
४	र ४।१८ पू १२। ७ अ २४।५० बा ४।१८	२४	१९	४१	३०	८	१८	मीने	नाग ५ मरुस्थले
५	र ५५।२८ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
६	चं ५४।५९ उ ९।२९ सु १८।३४ ग २७।२२	२१	२०	४०	३१	९	१९	मीने	भ. ५४।५९ उ. बुधास्तः पश्चिमायां १९
७	मं ५०। ९ रे ६।५१ धृ ११।५९ वि २२।३४	१८	२०	४०	१	१०	२०	मे.६।५१	भ. २२।३४ या. अगस्त मा. ८ ता. ३१
८	बु ४४।५० अ ३।४० शू १७।५३ बा १७।२९	१५	२१	३९	२	११	२१	मेषे	दृश्यः आश्लेषा. रविः२०।० (सौरः ४७)
९	गु ३९।२५ भ १२।२६ वृ ५१।११ तै १२। ८	१२	२२	३८	३	१२	२२	वृ.१४।१९	
१०	शु ३३।४० रो ५३। ५ धु ४३।५५ व ६।३३	९	२२	३८	४	१३	२३	वृषे	भ. ३३ उ. ४० या. मघा. सिंहे भौमः ३९
११	श २८। ३ मृ ४९।२२ व्या ३६।४९ बा २८। ३	६	२३	३७	५	१४	२४	मि२१।१३	कामिका ११ व्र.
१२	र २२।३१ आ ४६। २ ह २९।५२ तै २२।३१	३	२३	३७	६	१५	२५	मिथुने	आर्द्रा. शुक्रः १०।५१ प्रदोषः व्रतम्
१३	चं १७।३५ पु ४३।१३ व २३। ८ व १७।३५	०	२४	३६	७	१६	२६	क.२८।५५	भ. १७।३५ उ. ४५।१७ या.
१४	मं १२।५९ पु ४१। ८ सि १७। १ श १२।५९	५७	२५	३५	८	१७	२७	कर्के.	
२०	बु ९।४८ श्ले ४०।२२ व्य ११।३७ ना ९।४८	५२	२६	३४	९	१८	२८	सिं४०।२२	हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.१बृ.इ.१६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	८	२	१	९	३
१०	२४	२८	६	०	२३	२	१०
५२	४०	२६	२०	५	१९	६	२७
१९	४४	१७	२०	४२	४१	४२	३४
५७	३९	४१	७	११	६	३	५७
२०	२	ब	ब	३८	४५	११	५

गोचरग्रहाः

श्राव. कृ. ७ बुधे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न.५प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

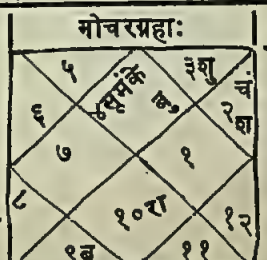

१७पं.श्रा.कृ. ९बृ.इ.१६।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	८	२	१	९	३
१७	२९	२५	५	४	२३	१	१७
३४	६	१७	४८	२९	५९	४४	७
९	२२	२४	३६	२४	३५	३४	२२
५७	३९	४१	८	४३	५	३	५७
२५	९	ब	ब	४६	१९	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७०२ सन् १९७२
१	गु	७	५१	म	४०	५५	व	७	१७	ब	७	५१	३२/५०	५/२६	६/३४	१०	१९	२९	सिंहे	
२	शु	७	२६	पू	४३	०	प	४	४७	कौ	७	२६	४७	२७	३३	११	२०	३०	कं.५८।५७	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	श	८	५९	उ	४३	४९	शि	२	४७	ग	८	५९	४३	२७	३३	१२	२१	१	कन्यायां	भ. ४०।३० उ. तीज रज्जव ७
४	र	१२	२	ह	५२	१८	सि	१	५९	वि	१२	२	४०	२८	३२	१३	२२	२	कन्यायां	भ. १२।२ या. वरद चतुर्थी ब्र.
५	चं	१६	४७	चि	५८	५२	सा	२	४७	बा	१६	४७	३६	२९	३१	१४	२३	३	तु.२५।३५	नागपंचमी
६	मं	२२	५	स्वा	६०	०	शु	४	२८	तै	२२	५	३३	२९	३१	१५	२४	४	तुलायां	*४४।७ बुधोदयः पूर्वस्यां ८।३२
७	बु	२८	१४	स्वा	६	४	शु	६	४२	व	२८	१४	२९	३०	३०	१६	२५	५	बृ.५६।२०	भ. २८/१४ उ. दृश्योमघा. सिंहेऽर्कः १३/५५ सौरः*
८	गु	३४	२६	वि	१३	५	ब्र	९	१०	वि	१	२०	२६	३१	२९	१७	२६	६	वृश्चिके	भ. १।२० या. वक्री पुष्ये बुधः २०।३६
९	शु	४०	१३	अ	२०	५६	ऐं	११	१०	बा	७	२०	२२	३२	२८	१८	२७	७	वृश्चिके	मार्गी बुधः ३५।५५
१०	श	४४	४७	ज्ये	२७	३०	वै	१३	४	तै	१२	३०	१९	३२	२८	१९	२८	८	ध.२७।३०	
११	र	४७	५६	मू	३२	२७	वि	१३	५९	व	१६	२२	१५	३३	२७	२०	२९	९	धनुषि	भ. १६/३२ उ. ४७/५६ या. आश्लेषा. बुधः ५३/४×
१२	चं	४९	४१	पू	३६	८	प्री	१३	३२	ब	१८	४८	११	३४	२६	२१	३०	१०	म.५१।५०	×पवित्रा ११ व्र.
१३	मं	४८	५५	उ	३८	५७	आ	११	४५	कौ	१९	१८	८	३४	२६	२२	३१	११	मकरे	पुनर्वसौ शुक्रः २१।४४ प्रदोषः
१४	बु	४६	५६	श्र	३८	१	सौ	८	३९	ग	१७	५५	४	३५	२५	२३	१	१२	मकरे	भ. ४६।५६ उ. रा. भाद्रपदारम्भः
१५	गु	४२	५१	ध	३६	३०	शो	४/७	५४/२२	वि	१४	५३	०	३६	२४	२४	२	१३	कुं.७।१६	भ. १४/५३ या. श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम् भद्रो

१८पं.श्रा.शु.१बृ.इ.१६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	८	२	१	९	३
२४	३	२०	५	९	२६	१	२३
१६	३१	१	२४	३९	३८	२२	४८
२६	५५	३०	२२	५४	१३	१८	२९
५७	३९	४९/२७	३/१	४९	४	३	५७
३३	३	ब	ब	५४	५४	११	२२

१९पं.श्रा.शु.८बृ.इ.१६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	८	२	१	९	४
०	७	१६	५	१५	२५	१	०
५९	५७	४०	९	३२	१२	०	३०
४९	४७	५५	४०	२४	४८	३	४२
५७	३९	१२/२१	१/४१	५४	४	३	५७
४०	९	ब	ब	३५	२८	११	३४

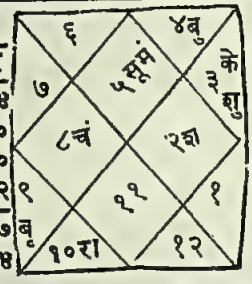

२०पं.श्रा.शु.१५बृ.इ.१५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	८	२	१	९	४
७	१२	१९	५	२१	२५	०	७
४४	२४	३८	४	५३	४२	३७	१४
१७	५४	१०	१	४६	५०	४७	१५
५७	३९	५२/४१	०/१९	५८	३	३	५७
४८	१६	मा	ब	१७	५०	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३९	१	श	३३	५०	सु	५१	५०	बा	१०	५६	३१/५६	६/३७	५/२३	२५	३	१४	कुम्भे	पूफायां भौमः ४०।११
२	श	३२	१७	पू	३०	९	धृ	४४	३१	तै	५	३९	५२	३८	२२	२६	४	१५	मी१६।४	भ. ५९।९ उ. मार्गी गुरुः २।२३
३	र	२६	०	उ	२६	४	शू	३६	५५	वि	२६	०	४८	३८	२२	२७	५	१६	मीने	भ. २६।० या. चतुर्थी व्र.
४	चं	१९	४४	रे	२१	४४	गं	२९	८	बा	१९	४४	४४	३९	२१	२८	६	१७	मे.२१।४४	*मिथुने केतुः ८।४७ प्रदोषः
५	मं	१३	२९	अ	१७	२६	वृ	२१	१४	तै	१३	२९	४०	४०	२०	२९	७	१८	मेषे	चन्द्रषष्ठी
६	बु	७	४७	भ	१३	२२	ध्रु	१३	४४	व	७	४७	३६	४१	१९	३०	८	१९	बृ.२७।२८	भ. ७/४७ उ. ३५/७ या. दृश्य.पूधायांरविः ३३/३२×
७	गु	२	२७	कृ	९	४६	व्या	६/३२	५२/५८	ब	२	२७	३२	४२	१८	३१	९	२०	वृषे	जन्माष्टी व्रतम् ×(सौरः ३४।५९)
८	गु	५४	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+गोगा ९ सितम्बर मा. ९ ता. ३०
९	शु	५२	३३	रो	६	२७	व	५२	५८	तै	२४	४७	२८	४२	१८	१	१०	२१	मि३५।११	मघा. सिंहे बुधः ४२।८ कर्के शुक्रः ३४/१३+
१०	श	४८	२७	मृ	३	५५	सि	४६	४९	व	२०	३०	२५	४३	१७	२	११	२२	मिथुने	भ. २०।३० उ. ४८।२७ या.
११	र	४४	५५	आ	१	४८	व्य	४१	२२	ब	१६	४१	२१	४४	१६	३	१२	२३	क.४५।४१	अजा ११ व्र.
१२	चं	४२	१७	पु	०/१९	५९/१७	व	३६	१७	कौ	१३	३६	१७	४५	१५	४	१३	२४	कर्के	पुष्ये शुक्रः ५७।४४ वत्स १२
१३	मं	४०	२९	श्ले	५९	४०	प	३१	५६	ग	११	२३	१३	४५	१५	५	१४	२५	सिं५९।४०	भ. ४०/२९ उ. उषा. १ धनुषि राहुः पुन. ३*
१४	बु	३९	४४	म	६०	०	शि	२८	१९	वि	१०	६	९	४६	१४	६	१५	२६	सिंहे	भ. १०।६ या. पूर्वास्तो बुधः ८।५३
३०	गु	४०	९	म	१	४	सि	२५	४४	च	९	५६	५	४७	१३	७	१६	२७	सिंहे	कुशाग्रहणी मन्वादिः

२१पं. भा.कृ.७बृ.इ.१५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	८	२	१	९	४
१४	१६	२७	५	२८	२६	०	१३
२९	५२	४३	६	४०	९	१५	५९
५६	३०	५९	४३	१२	०	३१	२७
५८	३९	९४	०/५६	६१	३	३	५७
१	१०	३५	मा	६	११	११	५७

गोचरग्रहाः

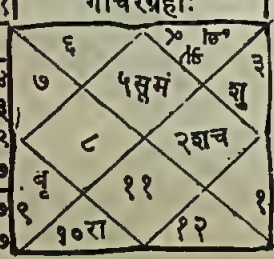

इस मास में रवि से आगे मंगल वर्षा कम करे। आगे मंगल पीछे भान। वर्षा होवे ओस समान।

गोचरग्रहाः

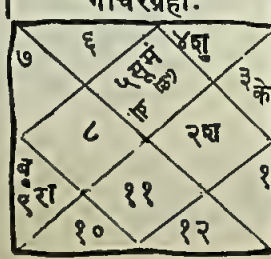

२२पं.भा.कृ.३०बृ.इ.१५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	८	३	१	८	४
२१	२१	९	५	५	२६	२९	२०
१६	१९	१६	१८	४६	३०	५३	४६
५५	४८	१	४३	४४	४०	१६	७
५८	३९	०/००	२	६३	२	३	५८
१३	१६	१७	१५	२१	३२	११	१२

| ति. | भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४ | | |

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४	वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७६१ स.१९७२
१	र २२।५९ चि ३७।३५ वै ४२।४७ ब २२।५९	२८	६	५	८	१६	२९	तु.३।५०	नवरात्रारंभः मातमह श्रा.
२	चं २८।२८ खा ४३।२१ वि ४४।१७ को २८।२८	५४	१३	४७	९	१७	३०	तुलायां	दृश्यश्चित्रा. रविः ५८ स्वात्यां बुधः ३०•
३	मं ३४।४६ वि ५०।५८ प्री ४६।४७ तै १।३७	५०	१४	४६	१०	१८	१	वृ.३४।४	चित्रा. रविः सौरः २७।५४ रमजान ९
४	बु ४१।१० अ ५८।२६ आ ४९।४ ब ७।५८	४६	१५	४५	११	१९	२	वृश्चिके	भ. ५८ उ. ४१ या. पूफायां शुक्रः १३।४२
५	गु ४७।३९ ज्ये ६०।० सौ ५१।३८ ब १४।२५	४२	१६	४४	१२	२०	३	वृश्चिके	•चन्द्रदर्शनम्
६	शु ५३।१४ ज्ये ६।७ शो ५३।४६ को २०।२७	३८	१६	४४	१३	२१	४		ध. ६।७
७	श ५७।५८ मू १३।५ अ ५४।५६ ग २५।३६	३४	१७	४३	१४	२२	५	धनुषि	भ. ५७।५८ उ. सरस्वत्यावाहनम्
८	र ६०।० पू १९।८ सु ५५।६ वि २८।५९	३०	१८	४२	१५	२३	६	म.३५।१२	भ. २८।५९ या. सरस्वती पूजनं बलिदा.
८	चं १।१२ उ २३।२३ धृ ५३।५६ ब १।१२	२६	१९	४१	१६	२४	७	मकरे	दृश्यस्तुलायामर्कः ४२।६
९	मं २।४१ श्र २५।५० शू ५०।२१ को २।४१	२२	२०	४०	१७	२५	८	कुं.५६।५	तुलाऽर्कः सौरः १०।३७ विजया १०
१०	बु २।२ ध २६।१९ गं ४७।१३ ग २।२	१८	२०	४०	१८	२६	९	कुम्भे	भ. ३९ उ. ५९ या. विशांखा. बुधः ५६×
११	बु ५७।१३ ०।० ०।० ० ०।० ०।०	०	०	०	०	०	०	०	×पापांकुशा ११ व्र. स्मा.
१२	गु ५४।३५ श २४।३७ वृ ४१।१७ ब २६।५५	१४	२१	३९	१९	२७	१०	कुम्भे	पापांकुशा ११ व्र. वै.
१३	शु ४७।५९ पू २१।१३ ध्रु ३३।५० को २१।१७	१०	२२	३८	२०	२८	११	मी ७।४	प्रदोषः
१४	श ४०।५ उ १५।५६ व्या २५।४ ग १४।२	६	२३	३७	२१	२९	१२	मीने	भ. ४०।५ उ. कोजागरी व्र.
१५	र ३१।४ रे ९।३२ ह १५।८ वि ५।३५	२	२४	३६	२२	३०	१३	मे.९।३२	भ ५ या. उफायांशुक्रः ३८ मूल.४ गुरुः ४९

२७पं.आ.शु.५ब.इ.१४।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	८	४	१	८	५
२५	१३	११	८	१४	२७	२८	२५
३५	५१	०	२७	३०	०	१	६
६	२२	२९	४०	५४	२५	५८	१०
५९	३९	९५	७	६९	३	३	५९
२९	२९	१३	५६	३७	व	११	३१

गोचरग्रहाः

आ. शु. ८ चन्द्रे तुलायामर्कः प्र.वा. ३न.४गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

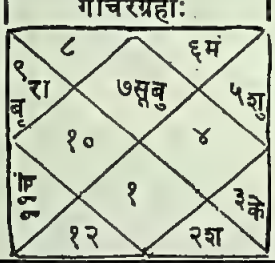

२८पं.आ.शु.१०बृ.इ.१४।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	८	४	१	८	६
२	१८	२१	९	२२	२६	२७	२
३१	२३	२२	२७	४१	५०	२९	३
३४	४२	१२	५८	२०	२०	४२	४०
५९	३९	८७	८	७०	४४	३	५९
३४	३०	५९	५२	२४	ब	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४	वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणे आश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं २१।४० अ १३।२४ ब २७।२७ को २१।४०	२७	६	५	२३	१	१४	मेषे	दृश्यः स्वा.रविः २४ सौरः ५५ रा. वाति
२	मं १२।२३ कृ ४७।३२ व्य ४३।३६ ग १२।२३	५४	२५	३५	२४	२	१५	बृ.७।५८	भ. ५८ उ. वक्री मृगे. १ शनिः ६।२१
३	बु ३।३३ रो ४१।५ व ३३।३४ वि ३।३३	५०	२६	३४	२५	३	१६	वृषे	भ. ३३ या. वृश्चिकेबुधः ५८ कन्या. शुक्रः*
४	बु ५१।२९ ०।० ०।० ० ०।० ०।०	०	०	०	०	०	०	०	*२३।२७ करक चतुर्थी व्र.
५	गु ४८।४९ मृ ३५।३८ प २४।१७ को २१।५६	४६	२७	३३	२६	४	१७	मि८।२१	चित्रायां भौमः ३८।४४
६	शु ४३।४१ आ ३१।३४ शि १६।१२ ग १६।१५	४२	२८	३२	२७	५	१८	मिथुने	भ. ४३।४१ उ. भौमोदयः ३६।३३
७	श ४०।२४ पु २९।१३ सि ९।१३ वि १२।२	३९	२८	३२	२८	६	१९	क.१४।४८	भ. १२।२ या. अनु. बुधः ०।३६
८	र ३८।२२ पु २८।३१ सा ४०।४६ वा ९।२३	३५	२९	३१	२९	७	२०	कर्के	
९	चं ३७।४ श्ले २९।२३ शु ५६।२४ ते ७।४३	३१	३०	३०	३०	८	२१	सिं२९।२३	
१०	मं ३९।२० म ३१।१७ ब्र ५४।३७ व ८।१२	२७	३१	२९	३१	९	२२	सिंहे	भ. ८।१२ उ. ३९।२० या.
११	बु ४१।४९ पू ३५।१७ दें ५४।० ब १०।३५	२४	३१	२९	१	१०	२३	कं.५१।३२	रमा ११ व्र. नवम्बर मा. ११ ता. ३०
१२	गु ४५।३९ उ ४०।१६ वै ५४।२९ को १३।४४	२०	३२	२८	२	११	२४	कन्यायां	हस्ते शुक्रः ४४।३३ ×महालक्ष्मी पू
१३	शु ५०।२५ ह ४६।२ वि ५५।५ ग १८।२	१६	३३	२७	३	१२	२५	कन्यायां	भ. ५०।२५ उ. प्रदोषः घन १३
१४	श ५६।२ चि ५२।५० प्री ५६।४० वि २३।१४	१३	३३	२७	४	१३	२६	तु.१९।२६	भ. २३।१४ या. रूप १४
३०	र ६०।० खा ५९।४३ आ ५८।२९ च २८।१	९	३४	२६	५	१४	२७	तुलायां	दृश्योविशाखा.रविः ४९ तुलायांभौमः ५९×
३०	चं १।५१ वि ६०।० सौ ६०।० ना १।५१	६	३५	२५	६	१५	२८	वृ.५०।२८	विशाखा.रविः सौरः ९ अन्नकूटगोवर्द्धन पू

२९पं.का.कृ.५ब.इ.१४।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	८	५	१	८	६
९	२२	१	१०	१	२६	२७	९
२९	५७	०	३३	०	३४	१७	३
४९	२९	९	११	४०	४८	२७	०
५९	३९	७९	९	७०	२३	३	६०
४७	३२	८	४०	५९	ब	११	२

गोचरग्रहाः

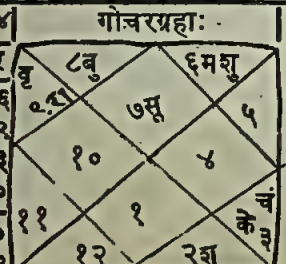

इस मास में पांच सोमवार उत्तम हैं व्यापारी वस्तुओं में घटाबढ़ी अधिक होगी। सोना चांदी तेज।

गोचरग्रहाः

३०पं.का.कृ.१२ब.इ.१४।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	८	५	१	८	६
१६	२७	९	११	९	२६	२६	१६
२९	३२	३७	४४	२४	१४	५५	४
३८	१०	५५	४९	०	५३	११	४
६०	३९	६५	१०	७१	५३	३	६०
४	३५	५५	२५	२९	ब	११	१८

•चंमंशु

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७९१ सन् १९७२
१	मं	८	१८	वि	७	२३	सौ	०	४७	व	८	१८	२७/२	६/३६	५/२४	७	१६	२९	वृश्चिके	पूषा ४ राहुः पुन. २ केतुः ०।४१
२	बु	१४	४२	अ	१४	४९	शो	२	५८	कौ	१४	४२	२६/५९	३६	२४	८	१७	३०	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम २
३	गु	२१	६	ज्ये	२२	२०	अ	५	२३	ग	२१	६	५६	३७	२३	९	१८	१	ध.२२।२०	भ.५३/३३ उ. ज्येष्ठा.बुधः ३७।२० सव्वाल १०
४	शु	२६	०	मू	२९	२२	सु	७	१६	वि	२६	०	५३	३७	२३	१०	१९	२	धनुषि	भ. २६।० या. पूषा. १ गुरुः ५७।३५
५	श	३१	५१	पू	३५	४३	धृ	८	४०	बा	३१	५१	४९	३८	२२	११	२०	३	म.५२।१	+४।१० अक्षया ९
६	र	३५	४६	उ	४०	५५	शू	९	४६	कौ	३	४९	४६	३९	२१	१२	२१	४	मकरे	×१४।३३ वैकुण्ठ १४
७	चं	३८	१३	श्र	४४	३५	गं	९	३७	ग	७	०	४३	३९	२१	१३	२२	५	मकरे	भ. ३८।१३ उ. चित्रायां शुक्रः ४२।२७
८	मं	४८	५१	ध	४६	४६	वृ	७	७	वि	८	३२	४०	४०	२०	१४	२३	६	कु.१५।४०	भ. ८।३२ या. गोपाष्टमी
९	बु	३७	४४	श	४७	९	ध्रु	५	३१	बा	८	१७	३७	४१	१९	१५	२४	७	कुम्भे	दृश्यो वृश्चिकेऽर्कः ४०।२९ वक्री बुधः+
१०	गु	३४	३७	पू	४५	३७	व्या	१/१२	५४/८	तै	६	१०	३५	४१	१९	१६	२५	८	मी ३१।०	वृश्चिकेऽर्कःसौरः ३/२१ स्वात्यां भौमः ५/४०
११	शु	२९	३६	उ	४१	५९	व	४७	५२	ब	२	७	३१	४२	१८	१७	२६	९	मीने	भ.२।७उ.२९/३६ या. प्रबोधिनी ११ व्र. तु.वि.
१२	श	२२	४६	रे	३६	४९	सि	३९	२०	बा	२२	४६	२९	४२	१८	१८	२७	१०	मे.३६।४९	दृश्योऽनुराधा. रविः ५८।५३ प्रदोषः
१३	र	१४	४५	अ	३०	२१	व्य	२९	२७	तै	१४	४५	२६	४३	१७	१९	२८	११	मेषे	अनु. रविः सौरः २१।९ तुलायां शुक्रः×
१४	चं	५	४३	भ	२२	५४	व	१८	४७	व	५	४३	२४	४३	१७	२०	२९	१२	वृ.३५।५३	भ. ५।४३ उ. ३०।४० या. पश्चिमास्तो*
१५	चं	४९	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*बुधः ३६।५०

३१पं. का.शु. ३वृ.इ.१४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	८	५	१	८	६
२३	२	१६	१३	१७	२५	२६	२३
३०	८	२३	०	५१	१०	३२	६
५८	४६	३८	५४	२५	५६	५५	४२
६०	३९	४२	११	७१	३/३४	३	६०
१७	३५	२५	५	५०	व	११	३०

गोचरग्रहाः

कार्तिक शु.९बुधे वृश्चिकेऽर्कःप्र.वा. ३न.३युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

३२पं.का.शु.१०बृ.इ.१३।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	५	१	८	७
०	६	१९	१४	२६	२५	२६	०
३३	४५	५	२२	२२	२३	१०	१०
४७	२९	५६	१६	३०	२८	४०	४६
६०	३९	७/३	११	७२	३/५८	३	६०
३०	३९	व	४२	१६	व	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	मं	४५	४५	कृ	१४	४९	व	७/३८	४८/५६	बा	२१	४१	२६/२१	६/४४	५/१६	२१	३०	१३	वृषे	वक्री अनु. बुधः ३०।२७
२	बु	३६	२१	रो	७/१	५२/३९	सि	४५	३७	तै	११	३	१९	४४	१६	२२	१	१४	मि३३।२०	रा. मार्गशीर्षारंभः
३	गु	२८	२	आ	५३	३६	सा	३५	४७	व	२	११	१६	४५	१५	२३	२	१५	मिथुने	भ. २।११ उ. २८।२ या. च. व्र.
४	शु	२१	०	पु	४८	५९	शु	२७	४	बा	२१	०	१३	४५	१५	२४	३	१६	क.३५।८	स्वात्यां शुक्रः ३९।३ पातस्पर्शः ३१।४२*
५	श	१५	४५	पु	४६	२६	शु	१९	३२	तै	१५	४५	११	४६	१४	२५	४	१७	कर्के	*मोक्षः ४८।४०
६	र	१३	४१	श्ले	४५	४०	ब्र	१३	४२	व	१३	४१	८	४६	१४	२६	५	१८	सिं४५।४०	भ. १३।४१ उ. ४३।७ या.
७	चं	१२	३४	म	४६	५६	ऐं	९	१७	ब	१२	३४	६	४७	१३	२७	६	१९	सिंहे	पूषा. २ गुरुः ३०।४
८	मं	१२	२२	पू	५०	५	वै	६	३७	कौ	१२	२२	३	४७	१३	२८	७	२०	सिंहे	×विशाखा.बुधः २८/२ बुधोदयः पूर्वस्यां ६।८
९	बु	१४	४६	उ	५४	४६	वि	५	२२	ग	१४	४६	१	४८	१२	२९	८	२१	कं.६।१५	भ. ४६।४९ उ.
१०	गु	१८	५२	ह	६०	०	प्री	५	४१	वि	१८	५२	२५/५९	४८	१२	३०	९	२२	कन्यायां	भ. १८।५२ या.
११	शु	२४	५	ह	१	४३	आ	६	२७	बा	२४	५	५७	४९	११	१	१०	२३	तु.३४।४४	उत्पत्ति ११ व्र. दिसम्बर मा.१२ ता.३१
१२	श	३०	१४	चि	७	४२	सौ	८	७	तै	३०	१४	५५	४९	११	२	११	२४	तुलायां	दृश्यो ज्येष्ठा.रविः९।३ सौरः२८।९वक्री×
१३	र	३६	३१	स्वा	१४	५८	शो	१०	१६	ग	३	२३	५३	४९	११	३	१२	२५	तुलायां	भ. ३६।३१ उ. प्रदोषः
१४	चं	४३	५	वि	२२	३५	अ	१२	२६	वि	९	४८	५१	५०	१०	४	१३	२६	वृ.५।४१	भ. ९।४८ या.
३०	मं	४९	२०	अ	३०	१०	सु	१४	४३	च	१६	१३	४९	५०	१०	५	१४	२७	वृश्चिके	मार्गी बध २४।२९ विशाखा. शुक्रः २३/२९

३३पं. मा.कृ.३बृ.इ १३।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	६	१	८	७
७	११	१४	१५	४	२४	२५	७
३७	२४	८	४७	५६	५१	४८	१६
३७	३२	२	१०	४९	५८	२४	१९
६०	३९	८८/१६	१२	७२	४/१३	३	६०
४२	४२	व	१४	३५	व	११	५३

गोचरग्रहाः

इस मास में गुड़ गेहूं रुई चांदी सोना अफीम सण सूत तेज हो सुदी में हरेक वस्तु में मन्दी होगी।

गोचरग्रहाः

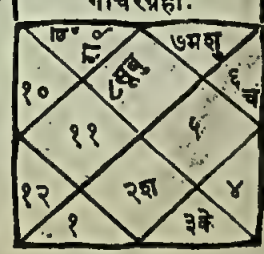

३४पं.मा.कृ.३०बृ.इ.१३।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	६	१	८	७
१४	१६	५	१७	१३	२४	२५	१४
४२	३	६	१४	३४	१९	२६	२३
५४	५५	४३	१३	२३	८	८	५
६०	३९	४७/३८	१२	७२	४/३४	३	६१
५०	४६	व	३५	५५	व	११	३

×बुबृशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *बुबशु

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चंन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६८२०स.१९७२
१	बु ५५ २९ ज्ये ३७ ३२ धृ १६ ५० कि २२ २४	४८	५०	१०	६	१५	२८	ध.३७।३२	विशाखा. भौमः ७।११
२	गु ६० ० मू ४४ १२ शू १८ ४१ बा २७ ४४	४६	५१	९	७	१६	२९	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
२	शु ० ५० पू ५० १२ गं २० २ कौ ० ५०	४५	५१	९	८	१७	१	धनुषि	जिल्काद ११
३	श ५ ३० उ ५५ २९ वृ २० ४१ ग ५ ३०	४४	५१	९	९	१८	२	म.६।३१	भ. ३७।२५ उ. अनु. बुधः ३।३४
४	र ९ २१ श्र ५९ ४९ ध्रु २० २९ वि ९ २१	४२	५२	८	१०	१९	३	मकरे	भ. ९।२१ या.
५	चं ११ ५७ ध ६० ० व्या १९ ४४ बा ११ ५७	४१	५२	८	११	२०	४	कुं.३१।१६	वक्री रोहिणी ४ शनिः ५७।५
६	मं १३ ११ ध २ ४४ इ १७ ५३ तै १३ ११	४०	५२	८	१२	२१	५	कुम्भे	पूषा. ३ गुरुः ४९।३३ चम्पा ६
७	बु १३ ५ श ४ २५ व १४ ४४ द १३ ५	३९	५२	८	१३	२२	६	मी४९।४७	भ.१३।५उ.४२।१४या. बृश्चिके शुक्रः २७ ४६
८	गु ११ २३ पू ४ ५४ सि १० २८ ब ११ २३	३८	५२	८	१४	२३	७	मीने	
९	शु ८ ९ उ ३ १९ व्य ४ ५३ कौ ८ ९	३८	५२	८	१५	२४	८	मीने	दृश्यो मूले धनुष्यर्कः १६।१५ (सौरः ३१ ३३)
१०	श ३ ८ रे ० ५५ प ४९ १७ ग ३ ८	३७	५३	७	१६	२५	९	मे. ०।७	भ. ३० उ. ५६ या. अनु. शुक्रः १५ मोक्षदा×
११	श ५३ ४७ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	×११ व्र. स्मा. गीताजयंती
१२	र ४९ १३ भ ४९ ४६ शि ४० ४३ ब २३ २४	३७	५३	७	१७	२६	१०	मेषे	मोक्षदा ११ व्र. वै.
१३	चं ४० ३६ कृ ४२ ५३ सि ३० ४० कौ १४ ५४	३७	५३	७	१८	२७	११	बृ. ३।३	प्रदोषः
१४	मं ३१ ३९ रो ३५ ३६ सा १९ ५९ ग ६ ७	३६	५३	७	१९	२८	१२	बृषे	भ. ३१।३९ उ. ५६।४२ या.
१५	बु २१ ४४ मृ २७ ५८ शु ८ २६ ब २१ ४४	३६	५३	७	२०	२९	१३	मि १।४७	बृश्चिके भौमः ५७।२९ दत्त जयन्ती

३५पं.मा.शु.२बृ.इ.१३।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	६	१	८	७
२१	२०	२	१८	२२	२३	२५	२१
४८	४३	४९	४५	१४	४५	३	३०
५८	५९	२३	३६	६	२५	५३	५२
६०	३९	१६ ४०	१३	७३	४०	३	६१
५६	५३	मा	२	१४	ब	११	११

गोचरग्रहाः

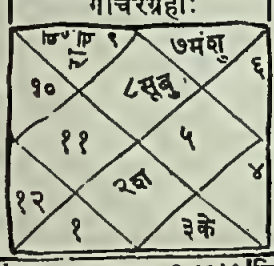

माघ शु. ९ शुक्रे धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न. ४ युवावस्था (सूतौ) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं पू.

गोचरग्रहाः

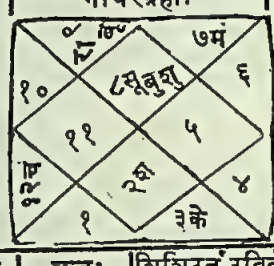

३६पं.मा.शु. ८बृ.इ.१३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	७	१	८	७
२८	२५	७	२०	०	२३	२४	२८
५५	२६	३५	१८	५३	९	४१	३९
५२	४२	५३	३२	२	२५	३७	३५
६१	३९	५७	१३	७३	४०	३	६१
०	५०	२७	१८	२०	ब	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविर्दक्षिणेमार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु १२ ४८ आ २० ५१ ब्र ४८ २८ कौ १२ ४८	३६	५३	७	२१	३०	१४	मिथुने	ज्येष्ठा. बुधः ४३।३२
२	शु ४ ५१ पु १४ ५० ऐं ३९ ३२ ग ४ ५१	३६	५३	७	२२	१	१५	क.१।२०	भ.३१।२१उ.५७।५२या. रा. पौषारंभः
३	शु ५३ १ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
४	श ५३ २८ पु १० १७ वै ३२ १ ब २५ ४०	३६	५३	७	२३	२	१६	कर्के	चतुर्थी व्र.
५	र ५० ४२ श्लै ८ ३७ वि २५ ५६ कौ २२ ५	३७	५३	७	२४	३	१७	सिं८।३७	
६	चं ५० ३७ म ७ ७ प्री २१ ३३ ग २० ३९	३७	५३	७	२५	४	१८	सिंहे	भ. ५०।३७ उ. अनु. भौमः ५०।४८
७	मं ५२ ७ पू ८ ४३ आ १९ १ वि २१ २२	३७	५३	७	२६	५	१९	कं.२४।३६	भ. २१।२२ या. ज्येष्ठा. शुक्रः ४८।५७
८	बु ५५ ३४ उ १२ १६ सौ १८ ११ बा २३ ५१	३८	५२	८	२७	६	२०	कन्यायां	पूषायां ४ गुरुः २४।३१
९	गु ६० ० ह १७ २५ शो १८ २२ तै २७ ४७	३८	५२	८	२८	७	२१	तु.५०।३७	दृश्यः पूषायां रविः २१।११ (सौरः ३३ ३५)
९	शु ० २५ चि २३ ४९ अ १९ ३८ ग ० २५	३९	५२	८	२९	८	२२	तुलायां	भ. ३३।३४ उ. अस्तं गुरोः ५७ ३६ अ.गु.
१०	श ३ ४४ स्वा ३१ १३ सु २१ ४७ वि ६ ४४	४०	५२	८	३०	९	२३	तुलायां	भ. ६।४४ या.
११	र १३ ८ वि ३८ ५६ धृ २४ २ बा १३ ८	४०	५२	८	३१	१०	२४	वृ.२२।०	मूले धनुषि बुधः ११।३१ सफला ११ व्र.
१२	चं १९ ५३ अ ४६ ३७ शु २६ २५ तै १९ ५३	४१	५२	८	१	११	२५	वृश्चिके	प्रदोषः जनवरी मा.१ ता.३१ सन् १९७३
१३	मं २६ १४ ज्ये ५३ ४८ गं २८ ३४ व २६ १४	४२	५२	८	२	१२	२६	ध.५३।४८	भ. २६।१४ उ. ५९।२ या.
१४	बु ३१ ५० मू ६० ० वृ ३० १९ श ३१ ५०	४३	५१	९	३	१३	२७	धनुषि	
२०	गु ३६ ४८ मू ० ३२ ध्रु ३१ १३ च ४ १९	४४	५१	९	४	१४	२८	धनुषि	

३७पं.पो.कृ.१बृ.इ.१३।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	८	७	१	८	८
६	०	१६	२१	९	२२	२४	५
३	१०	०	५३	३८	३६	१९	४९
२९	१९	४७	५३	४२	७	२२	०
६१	३९	७७	१३	७३	२८	३	६१
४	५३	४	२५	३२	ब	११	२२

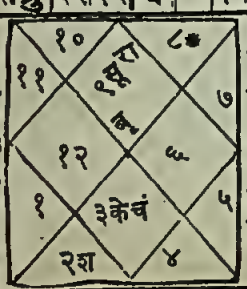

३८प.मा.कृ.९बृ.इ.१२।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	८	७	१	८	८
१३	४	२५	२३	१८	२२	२३	१२
११	५५	४२	३०	२३	३	५७	५८
३१	१	२९	५४	६	५०	६	५२
६१	४०	८६	१३	७३	४	३	६१
६	८	२९	३२	४४	७	११	२६

३९पं.पौ.कृ.१५बृ.इ.१२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	८	७	१	८	८
२०	९	६	२५	२७	२१	२३	२०
१९	४०	०	८	७	३४	३४	८
२६	२६	२५	२४	१६	४१	५१	४९
६१	४०	९३	१३	७३	४८	३	६१
६	८	८	३८	५३	ब	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु ४०।४२ पू ६।१	व्या ३१।२४	किं ८।४५	२५ ६	५	५	१५	२९ म.२२।१२
२	श ४३।३७ उ १०।४५	ह ३०।५५	बा १२।९	४७ ५१	९	६	१६	३० मकरे
३	र ४५।३४ अ १४।२२	व २९।३४	तै १६।३६	४२ ५०	१०	७	१७	१ कुं.४५।४७
४	चं ४६।१८ ध १७।१२	सि २७।१४	व १५।५६	५१ ५०	१०	८	१८	२ कुम्भे
५	मं ४५।५२ श १८।४४	व्य २४।२५	ब १६।५	५२ ५०	१०	९	१९	३ कुम्भे
६	बु ४४।२८ पू १९।१८	व २०।४४	कौ १४।५५	५४ ४९	११	१०	२०	४ मी४।१०
७	गु ४२।२ उ १९।०	प १५।५४	ग १३।१५	५६ ४९	११	११	२१	५ मीने
८	शु ३८।२५ रे १७।८	शि १०।१४	वि १०।१३	५८ ४८	१२	१२	२२	६ मे.१७।८
९	श ३३।५५ अ १४।३५	सि ४९ ५२ ३८	बा ६।१०	२६ ४८	१२	१३	२३	७ मेषे
१०	र २८।८ भ १०।५३	शु ४८।१६	तै १।३१	३ ४७	१३	१४	२४	८ वृ.२४।४४
११	चं २१।२९ कृ ६।१६	शु ३९।२४	वि २१।२९	५ ४७	१३	१५	२५	९ वृषे
१२	मं १४।३ रो ४०।५३	ब्र २९।५५	बा १४।३	८ ४६	१४	१६	२६	१० मि२१।३२
१३	बु ५।५५ आ ४८।८	यें २०।७	तै ५।५५	१० ४६	१४	१७	२७	११ मिथुने
१४	बु ५२।१४ ० ०।०	० ०।०	० ०।०	० ०	०	०	०	०
१५	गु ५०।१० पु ४२।१९	वै ११।२९	वि २४।९	१२ ४५	१४	१८	२८	१२ क.२८।४६

×४०।४६ चन्द्रदर्शनम्
मूले धनुषि शुक्रः ३३।१ पूर्वास्तं बुधः×
जिल्हेज १२
भ.५१ उ.५६ या.पूषा.३ राहुः पुन.१ केतुः ५७
पूषायां बुधः ७।३२
दृश्यः उषा.रविः ३५ (सौरः ३४) उषा. १+
भ. ४२।२ उ. +गुरुः ४२
भ. १०।१३ या.
दृश्यः मकरेऽर्कः ४२।१९ (सौरः ५३)
भ. ५४।४८ उ. ज्येष्ठा. भौमः २९।५८
भ. २१।२९ या. पुत्रदा ११ व्र.
प्रदोषः
भ. ५८।९ उ. उषायां बुधः ३५।३७●
●पूषायां शुक्रः ८।१७
भ. २४।९ या. माघ स्नान प्रारम्भः

४०पं. पा.शु.७वृ.इ.१२।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	८	८	१	८	८
२७	१४	१६	२६	५	२१	२३	२७
२७	२७	४३	४६	५३	८	१२	१८
४०	५८	४८	५९	४६	६	३५	४१
६१	४०	९७	१३	७३	१ ६	३	६१
६	१०	४०	२८	५६	व	११	२४

गोचरग्रहाः

पौष शु. ९ शनौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे मन्दर्घता शुक्रो.पू.।

गोचरग्रहाः

४१पं.पौ.शु.१५बृ.इ.१२।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	८	८	१	८	९
४	१९	२७	२८	१४	२०	२२	४
३५	१६	४२	३५	३९	४५	५०	२८
३१	३४	५०	२३	२९	५०	१९	१०
६१	४०	९८	१३	७४	३ ६	३	६१
३	८	४१	३६	२	ब	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०२९ शाकः १८९४	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु ४३।३१ पु ३७।२५	वि २९ १	५१ ४४	बा १६।५०	२६ ६	५	१९	२९ १३ कर्क
२	श ३८।२ श्ले ३३।३८	आ ४६।७	तै १०।४६	१७ ४५	१५	२०	३०	१४ सिं३३।३८
३	र ३४।१९ म ३२।४६	सौ ४०।२७	व ६।११	२० ४४	१६	२१	१	१५ सिंहे
४	चं ३२।४८ पू ३१।३२	शो ३६।३२	ब ३।३३	२२ ४४	१६	२२	२	१६ कं.४७।१
५	मं ३३।२ उ ३३।२८	अ ३४।१६	कौ २।५५	२५ ४३	१७	२३	३	१७ कन्यायां
६	बु ३५।४३ ह ३७।२२	सु ३३।२९	ग ४।२२	२७ ४३	१७	२४	४	१८ कन्यायां
७	गु ४०।५ चि ४२।५९	धृ ३३।४८	वि ७।५४	३० ४२	१८	२५	५	१९ तु.१०।१०
८	शु ४५।४९ स्वा ४९।४७	शू ३५।२१	बा १२।५७	३३ ४१	१९	२६	६	२० तुलायां
९	श ५१।५५ वि ५७।२१	गं ३७।१९	तै १८।५२	३६ ४१	१९	२७	७	२१ वृ.४०।२७
१०	र ५७।३५ अ ६०।०	वृ ३९।४०	व २४।४५	३९ ४०	२०	२८	८	२२ वृश्चिके
११	चं ६०।० अ ४।५७	धु ४२।०	ब २८।४७	४२ ४०	२०	२९	९	२३ वृश्चिके
११	मं ४।५३ ज्ये १२।१६	व्या ४३।४१	बा ४।५३	४६ ३९	२१	३०	१०	२४ ध.१२।१६
१२	बु १०।३७ मू १८।२६	ह ४४।४१	तै १०।३७	४९ ३८	२२	३१	११	२५ धनुषि
१३	गु १५।११ पू २४।२६	व ४४।४३	व १५।११	५२ ३८	२२	१	१२	२६ म.४०।३३
१४	शु १८।२९ उ २८।५५	सि ४३।५०	श १८।२९	५५ ३७	२३	२	१३	२७ मकरे
२०	श २०।२९ श्र ३१।४८	व्य ४२।१	ना २०।२९	५९ ३६	२४	३	१४	२८ मकरे

मकरे बुधः ३३।३८
दृश्यः अभि. प्र. रविः १५।४ (सौरः ३५)
भ.६।११ उ. ३४।१९ या. रा. माघारम्भः
तिल चतुर्थी व्र.
दृश्यः श्रवणे रविः ३१।२७ (सौरः ३७)
भ.३५ उ. दृ. अभि.नि.रविः २६ सौरः २९●
भ.५४ या.श्रवणे बुधः ३६ उदयंगुरौ ३६ उ.गु.
●उषा. २ मकरे गुरुः ५७।५८
उषायां शुक्रः ५०।२०
भ. २४।४५ उ. ५८।३५ या.
षट्तिला ११ व्र. स्मा.
मकरे शुक्रः २६।४४ षट्तिला ११ व्र. वै.
प्रदोषः
फरवरी मा. २ ता. २८
भ.१९ उ.२९ या. धनिष्ठा. बुधः २०।१३+
=धनुषि भौमः ४६।३४

४२पं.मा.कृ.७ बृ.इ.१२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	९	८	१	८	९
११	२४	९	०	२३	२०	२२	११
४२	६	३३	३	२५	२८	२८	३७
५८	७	७	१८	२६	३७	४	१
६०	४०	९९	१३	७४	३	३	६१
५९	५	९२	३२	५	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

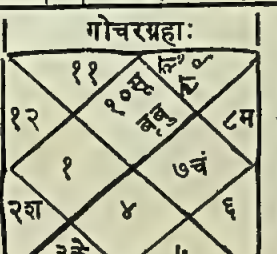

इस मास में घृत तिल तेल रुईपाट वारदाना सोना चांदी धान्य अलसी सरसों तेज सर्दी का प्रकोप हो।

गोचरग्रहाः

४३पं.मा.कृ.१३बृ.इ.१२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	९	९	१	८	९
१८	२८	२१	१	२	२०	२२	१८
४९	५७	१८	३९	११	१६	५	४५
२६	२५	४७	२६	२०	१९	४८	२
६०	४०	९०	१३	७४	२२	३	६१
५६	५	९३	२२	१४	ब	११	४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६८८०स. १९७३
१	र २१ ७ ध ३३ ३३ व ३९ ९ ब २१ ७	२७	३६	२४	५	४	१५	२९	कु. २।४० चन्द्रदर्शनम्
२	चं २० ३६ श ३४ १३ प ३५ २० को २० ३६	६	३५	२५	५	१६	१		कुंभे दृश्योधनिष्ठा. रविः ३९।४८ (सौरः ४३)
३	मं १९ २ पू ३३ ५५ शि ३० ४० ग १९ २	९	३४	२६	६	१७	२		मी १९।० भ. ५२।५१ उ. कुंभे बुधः १९।४०
४	बु १६ ४० उ ३२ ५४ सि २५ ३५ वि १६ ४०	१३	३३	२७	७	१८	३		मीने भ. १६।४० या. श्रवण शुक्रः २७।६
५	गु १३ ३४ रे ३१ १७ सा २० ३ बा १३ ३४	१६	३३	२७	८	१९	४		मे. ३१।१७ उषा. ३ गुरुः ३५/४६ पा.स्प. ३७° मोक्षः ४९ ×२४×
६	शु ९ ५१ अ २९ ४ शु १३ ५३ तै ९ ५१	२०	३२	२८	९	२०	५		मेषे शते बुधः ५८।३० ×वसन्त ५
७	श ५ ४४ भ २६ ९ शु ७ २१ व ५ ४४	२४	३१	२९	१०	२१	६		वृ. ४०।३७ भ. ५।४४ उ. ३३।३७ या. भानु ७
८	र १ १ कृ २३ ० ब्र २३ ५२ १७ ब १ १	२७	३१	२९	११	२२	७		वृषे भीष्म ८ ●मोहोरम १ स. १३६९ हि
९	र ५४ ५० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०		०
१०	चं ५० ४ रो १९ १६ वै ४५ १६ तै २२ ५७	३१	३०	३०	१२	२३	८		मि ४७।११ दृश्यः कुंभेऽर्कः १५।३ (सौरः १७।३०)
११	मं ४४ ५ मृ १५ ५ वि ३६ ५९ व १७ ४	३५	२९	३१	१३	२४	९		मिथुने भ. १७।४ उ. ४४।५ या. मार्गशिनिः ३५+
१२	बु ३८ २८ आ १० ५९ प्री २९ ५ ब ११ १६	३८	२८	३२	१४	२५	१०		क. ५२।२२ बुधोदयः पश्चिमायां ४०।५९
१३	गु ३१ ४१ पु ६ ९ आ २१ १ को ५ ४	४२	२८	३२	१५	२६	११		कर्के प्रदोषः +जया ११ व्र.
१४	शु २६ १९ पु १० ५६ सौ १३ ३२ व २६ १९	४६	२७	३३	१६	२७	१२		सिं ५८।५५ भ. २६।१९ उ. ५३।४२ या.
१५	श २१ ६ म ५६ ३५ शो ६ ३६ ब २१ ६	५०	२६	३४	१७	२८	१३		सिंहे पूभायां बुधः १७।२७ मा. स्ना. पूर्तिः

४४पं. मा.शु.५बृ.इ.१३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	९	९	१	८	९
२५	३	३	३	१०	२०	२१	२५
५५	४९	२७	१५	५६	९	४३	५१
१६	५	१३	०	५६	४७	३३	४९
६०	४०	९	१२	७४	१०	३	६०
३७	११	५१	१४	२०	ब	११	५५

गोचरग्रहाः

मा. शु. १० चंद्रे कुंभेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे सम घंता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

४५पं.मा.शु.१३बृ.इ १३।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	९	९	१	८	१०
३	८	१६	४	१९	२०	२१	२
०	४१	२३	४८	४१	८	२१	५७
४	२८	४२	४०	१३	६	१७	५२
६०	४०	९	१२	७४	१०	३	६०
३७	८	५१	५५	२३	मा	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र १७ ३९ पू ५६ ० अ ० ५५ को १७ ३९	२७	५४	२५	५	१८	२९	१४	सिंहे दृश्य. शते रविः ५१/२४ (सौरः ५३) धनिष्ठा. ●
२	चं १५ ५२ उ ५६ ५६ भृ ५२ ५९ ग १५ ५२	५८	२४	३६	१९	३०	१५		कं. ११।१४ भ. ४५।४३ उ. ●शुक्रः ९।४६
३	मं १५ ३४ ह ५९ ५२ शू ५१ ३७ वि १५ ३४	२९	२४	३६	२०	१	१६		कन्यायां भ. १५/३४ या. च. व्र. रा. फाल्गुनारंभः पा.×
४	बु १७ २० चि ६० ० गं ५० ५२ बा १७ २०	७	२३	३७	२१	२	१७		तु. ३२।२० पूभायां भौमः ५१।५
५	गु २० ४६ चि ४ ४७ वृ ५१ ४६ तै २० ४६	१०	२२	३८	२२	३	१८		तुलायां ×स्पर्शः ४७।४७ मोक्षः ५९।५०
६	शु २६ ७ स्वा १० ३१ ध्रु ५३ १८ व २६ ७	१४	२१	३९	२३	४	१९		तुलायां भ. २६/७ उ. ५९/१ या. मीने बुधः ५४/१८ कुंभे शुक्रः+
७	श ३१ ५६ वि १७ २९ ष्या ५५ २९ ब ३१ ५६	१८	२०	४०	२४	५	२०		वृ. ०।४५ +२८।४१ उषा. ४ गुरुः ४९।३६
८	र ३८ २० अ २४ ५६ ह ५७ ५३ बा ५ ८	२२	२०	४०	२५	६	२१		वृश्चिके शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ८।२४ शु.अ.पू.
९	चं ४४ ३९ ज्ये ३३ १९ व ५९ ५६ तै ११ २९	२६	१९	४१	२६	७	२२		ध. ३३।१९
१०	मं ५० २५ मू ३९ २७ सि ६० ० व १६ ३२	३०	१८	४२	२७	८	२३		धनुषि भ. १६/३२ उ. ५९/२ या. उभायां बुधः ३।३२
११	बु ५५ ३४ पू ४५ १७ सि १ १७ ब २२ ५७	३४	१७	४३	२८	९	२४		धनुषि शते शुक्रः ४८।३५ विजया ११ व्र.
१२	गु ५८ ७ उ ४९ ४१ व्य १ ३९ को २६ ५१	३८	१६	४४	१	१०	२५		म. १।२३ मार्च मा. ३ ता. ३१ =वक्रीबुधः ७।५४
१३	शु ५९ ४२ अ ५२ ३५ व ५६ ५३ ग २८ ५४	४२	१६	४४	२	११	२६		मकरे भ. ५९।४२ उ. प्रदोषः
१४	श ५९ २९ ध ५३ ५१ शि ५५ ३४ वि २९ ३५	४६	१५	४५	३	१२	२७		कुं. २३।१३ भ. २९।३५ या. महाशिवरात्री व्र.
३०	र ५७ ४२ श ५३ ४३ सि ५१ २ च २८ ३५	५०	१४	४६	४	१३	२८		कुम्भे दृश्यः पूभायां रविः ७।२९ (सौरः ३९) =

४६पं. फा.कृ.५बृ.इ.१३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	९	९	१	८	१०
१०	१३	२७	६	२८	२०	२०	१०
३	३५	३७	१९	२६	१२	५९	२
३२	२	३०	५९	४६	५८	१	२५
६०	४०	८४	१०	७४	१	३	६०
२५	११	५४	२९	२६	१	११	३१

गोचरग्रहाः

कुंभे राशौ स्थिते शुक्रे सुभिक्षंप्रचुरं जलम्। भवत्यत्र न सन्देहो लोकाः सर्वे निरामयाः॥

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.कृ.१२बृ.इ.१३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	११	९	१०	१	८	१०
१७	१८	४	७	७	२०	२०	१७
५	२९	१९	४८	११	२२	३६	५
४६	४६	२६	४	२०	३७	४६	१४
६०	४०	२७	१२	७४	१	३	६०
१२	३	२२	११	२६	४७	११	२०

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४	वि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६९०९स.१९७३
१	चं ५४ ३७ पू ५२ १६ सा ४५ ४१ किं २६ ९	५८	१३	४७	५	१४	२९	मी ३७।३८	
२	मं ५० ४१ उ ४९ ५६ शु ३९ २५ बा २२ ३९	५८	१२	४८	६	१५	३०	मीने	बुधास्तःपश्चिमायां ३१ चन्द्रद.फुलरिया २
३	बु ४५ ५६ रे ४६ ४५ शु ३२ ३२ तै १७ ४८	२९	१२	४८	७	१६	१	मे.४६।४५	सफर २
४	गु ४० ४९ अ ४३ २८ ब्र ३५ १९ व १३ २२	६	११	४९	८	१७	२	मेषे	भ. १३।२२ उ. ४०।४९ या.
५	शु ३५ ४२ भ ३९ ५९ ऐं १८ १६ ब ८ १५	१०	१०	५०	९	१८	३	बृ.५४।६	वक्री पूभायां बुधः १९।१
६	श ३० १८ कृ ३६ २८ वै ११ १ कौ ३ ०	१४	९	५१	१०	१९	४	वृषे	*पूषा.२राहुःआर्द्रा.४केतुः ३६ होलाष्टकः
७	र २५ ५ रो ३३ ६ वि ३३ ५३ ५० व २५ ५	१९	८	५२	११	२०	५	वृषे	भ.२५।५उ.५२।३७या. पूभायां शुक्रः ३१
८	चं २० ९ मृ २९ ५३ आ ४९ ३८ ब २० ९	२३	७	५३	१२	२१	६	मि१।३०	उषायां भौमः ४१ श्रवणे १ गुरुः ६।१८*
९	मं १५ ४ आ २७ ६ सौ ४२ ४३ कौ १५ ४	२७	७	५३	१३	२२	७	मिथुने	वक्री कुम्भे बुधः ३९।२३
१०	बु १० २० पु २४ ४ शो ३६ १७ ग १० २०	३२	६	५४	१४	२३	८	क.९।५०	भ.३७।४५उ. दृश्योमीनेऽर्कः २६ सौरः २७
११	शु ५ १० पु २१ २६ अ ३० ९ वि ५ १०	३६	५	५५	१५	२४	९	कर्के	भ. ५।१० आमलकी ११ व्र.
१२	शु २ ० श्ले १९ ३५ सु २४ ३१ बा २ ०	४०	४	५६	१६	२५	१०	सिं१९।३५	प्रदोषः
१३	शु ५६ ४० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	×सौरः २८।३५ मकरे भौमः ४४।२४
१४	श ५६ २७ म १८ २३ धृ १९ ३१ ग २७ ३४	४४	३	५७	१७	२६	११	सिंहे	भ. ५७।२७ उ. दृश्यः उभायां रविः ३९ ×
१५	र ५५ १ पू १८ १६ शू १५ २३ वि २५ ४४	४९	२	५८	१८	२७	१२	कं.३३।३३	भ. २५।४४ या. होलिकादहनं

४८पं. फा.शु.४बृ.इ.१४।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	११	९	१०	१	८	१०
२४	२३	४	९	१५	२०	२०	२४
६	२४	१	१३	५५	३७	१४	६
२९	११	४८	८	३०	४१	३०	३७
५९	४०	३८ ४०	११	७४	२	३	६०
५८	२	ब	३४	३०	२२	११	६

गोचरग्रहाः

फा. शु. १० बुधे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न. ४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रास्तः पू.।

गोचरग्रहाः

४९पं.फा.शु.११बृ.इ.१४।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	९	१०	१	८	११
१	२८	२८	१०	२४	२०	१९	१
५	२१	२२	३४	३८	५७	५२	६
४२	१८	१२	३०	१३	४३	१५	१९
५९	३९	३३ ४३	११	७४	३	३	५९
४१	५०	च	०	३२	२	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०२९ शाकः १८९४	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं ५५ ७ उ १९ २५ गं १२ १४ बा २४ ३४	५३	६	५९	१९	२८	१३	कन्यायां	मीने शुक्रः ३३।४२ वसंत छारेंडी
२	मं ५६ ५५ ह २२ ३ वृ ९ ४१ तै २६ १	५७	१	५९	२०	२९	१४	तु.५३।५९	बुधोदयः पूर्वस्यां ५६।५
३	बु ६० ० चि २५ ५६ धु ९ ३१ व २८ २८	३०	६	०	२१	३०	१५	तुलायां	भ. २८।२८ उ.
३	गु ० ३ स्वा ३१ ३६ ध्या ९ ५८ वि ० ३	६	५९	१	२२	१	१६	तुलायां	भ. ०।३ या. उभायांशुक्रः १४।४२ च.व्र.+
४	शु ४ ५१ वि ३८ ० ह ११ १४ ला ४ ५१	१०	५८	२	२३	२	१७	बृ.२१।२४	
५	श १० ७ अ ४५ २६ व १३ ४ तै १० ७	१४	५७	३	२४	३	१८	वृश्चिके	
६	र १६ ४२ ज्ये ५२ ५९ सि १५ २६ व १६ ४२	१८	५६	४	२५	४	१९	ध.५२।५९	भ. १६।४२ उ. ४९।५५ या.
७	चं २३ ७ मू ६० ० व्य १७ ४६ ब २३ ७	२३	५५	५	२६	५	२०	धनुषि	शीतलापूजनम् +रा. चैत्रारम्भः
८	मं २८ ५५ मू ० २३ व १९ ४३ कौ २८ ५५	२७	५५	५	२७	६	२१	धनुषि	
९	बु ३४ २७ पू ६ ५५ प २० ५६ तै १ ४०	३१	५४	६	२८	७	२२	म.२३।११	×श्रवणे २गुरुः५८।२ पापमोचनी ११ व्र
१०	गु ३७ २२ उ ११ ५९ शि २० ४६ व ५ ५५	३५	५३	७	२९	८	२३	मकरे	भ. ५।५५ उ. ३२ या. मार्गी बुधः२३।२९
११	शु ३९ ११ श्र १५ ५२ सि १९ २४ ब ८ १७	३९	५२	८	३०	९	२४	कु.४६।४२	दृश्यो रेवत्यां रविः ५७।१३ (सौरः ५६) ×
१२	श ३८ ५९ ध १७ ३३ सा १६ ३४ कौ ९ ५	४४	५१	९	३१	१०	२५	कुंभे	श्रवणे भौमः ५३।१४
१३	र ३६ ५० श १६ २९ शु १२ १४ ग ७ ५५	४८	५०	१०	१	११	२६	कुम्भे	भ. ३६।५० उ. प्रदोषः अप्रेल ४ ता. ३०
१४	चं ३३ ४ पू १५ ४१ शु २९ ५३ वि ४ ५७	५२	५०	१०	२	१२	२७	मी १।८	भ. ४।५७ या. रेवत्यां शुक्रः १।४२
३०	मं २७ ४९ उ १२ २८ दें ५१ ३७ च ० २६	५६	४९	११	३	१३	२८	मीने	मन्वादिः

५०पं. चै.कृ.३बृ.इ.१४।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	९	११	१	८	११
८	३	२२	११	३	२१	१९	८
३	१८	५८	५१	२०	२३	२९	४
१८	१४	१९	२५	१०	१३	५९	१४
५९	३९	३४ ३४	१०	७४	३	३	५९
२९	५०	च	१७	३२	४२	११	३५

गोचरग्रहाः

इस मासका फल साधारण है। बालकों में चेचक रोग फैले अनाज गल्ला रुई, पाट, घृत तेलगुड़में मंदी होकर तेजी हो।

गोचरग्रहाः

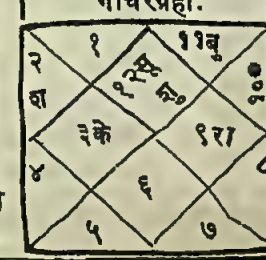

५१पं.चै.कृ.१०बृ.इ.१५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	९	११	१	८	११
१४	८	२१	१३	१२	२१	१९	१५
५९	१४	५३	३	१	५३	७	०
१३	५४	२२	३६	५५	३८	४३	१९
५९	३९	३०	९	७४	३३	३	५९
१६	५३	ब	३४	३२	ब	११	१८

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०७४ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७४ भोग्यकलिः ४२६९२६ अथाऽस्मिन्संम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्समवत् २०३० शाकः १८९५ वर्षेऽस्मिन् राजा बुधः । मंत्री शुक्रः । सस्येशश्चन्द्रः । धान्येशःशनिः । मेघेशोगुरुः । रसेशोभौमः । नीरसेशोरविः । फलेशोगुरुः । धनेशोरविः । दुर्गेशोगुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां २० क्षय नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमयेः गतमासादिः ६।९।११।२६ भोग्यमासादिः ५।२०।५८।३४। भगदैवतं युगम्। वर्षेनाम श्रावणः। मेघनामसंवर्तः । रोहिणीनिवासःसमुद्रे । समय निवासोमालाकारगृहे । समयविश्वा २० । स्तंभाः४अन्नजलतृणवायूनाम् । सोमवत्यमा. १ । सोमवतीपंचमी ३। अंगारकीचतुर्थी ३ । बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः१७ । तिथिवृद्धिः ११ । उत्पत्ति विश्वा १०५। खपतिविश्वा ९६ । वर्षाविश्वा ७ । धान्यम् ५ । तृणम् ७ । शीतम् १७ । तेज ५ । वायुः१३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं ९५ । सत्यम् ॥, धर्मम् १॥, पाप १८ । शनिदृष्टिः पूर्वस्यां । ग्रहणं १ चंद्रमसः १ ।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ५।४

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

श्री अम्बे मातेश्वरी, भैरव पूछे तोय ।
विक्रम संवत् तीस का हाल सुना दो मोय ॥

भवानी उत्तर

चंद्र तनय राजा हुये, मन्त्री भृगु महाराज ।
कलानाथ सस्येश हैं, सारें जग का काज ॥
रोहिणी बसी समुद्र में, संवत् मालाकार ।
मेघपति गुरुदेव हैं, वर्षे उत्तम धार ॥
आषाढां हल जोत हो जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो बोलें मीठे बैन ॥
कठिन मास कार्तिक हुवा जन हानि का योग ।
चीन आदि कुरु देश में युद्ध रोग दुःख भोग ॥
अन्न तृण की कमती नहीं, संवत् सातों तूर ।
रस में होवे गड़बड़ी, रस का मालिक क्रूर ॥
संवत् विश्वा बीस है, स्तंभ लगे हैं चार ।
धर्म कर्म पर डट रहो, भली करे करतार ॥

संवत् २०३० शाके १८९५
मार्गशीर्ष शुक्ला १५ चंद्रे
खंडग्रासं ग्रस्तास्तं चन्द्रग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
उज्य.	घ.	०	१	३
मध्यम.	पल	१४	५८	४२
रेल्वे	घं.	६	७	७
टाइम	मि.	३३	१४	५६

वर्षेश लग्नम् ५।२८

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।११।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२८।३

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्-बुधस्यराज्ये सजलं महीतलं, गृहे गृहे तूर्यं विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ।। मंत्री शुक्रस्तत्फलम्—भृगु सुते ननु मन्त्रि पदं गते शलभ मूषकरावथ माहिषैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोऽधिकम् ।। सस्येशश्चंद्रः फलम्—सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघाः पयो मुंचति गोप गोधुक् । देवं द्विजाराधन तत्परा नृपाः धरा भवेत् धान्य धनौघपूर्णा ।। धान्येशः शनिः फलम्-निर्धनाः क्षिति भुजो रणादराः सस्य मल्प मति रोगिणो नराः । नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्याद्यदा कणपतिः शनैश्चरः ।। मेघेशो गुरुः फलम्-गुरुरपि प्रिय वृष्टि करः सदा खिलविलासवतीं धरणी तदा । श्रुति विचार परा नर पालका रस समृद्धि युता खिल मानवाः ।। रसेशो भौमस्तत्फलम्-यदि धरातनयो रसपो भवेत् न रस राशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विष भोजनतापदोः नजलदो बहु वृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम्-नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्र चन्दनयो रपि । रत्न माणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशः गुरुः फलम्—सुरगुरुः फल नायकतां गतो गत भया वन राशि महाद्रुमाः । यजनया जनकोत्सवमन्दिराः श्रुति विचार पराद्विज पूर्वकाः ।। धनेशो रविः फलम्-द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहु द्रव्य समागमः । गज तुरंगम मेष खरोष्ट्रतो धनचयं लभते क्रय विक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम्-सुरगुरौ गढपे नय शोभिता । नरवरा नरपाः करपालिताः । गिरिपुवैनगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शस्त्रवेत्ताऽनिशम् ।। क्षयनाम संवत्सरस्तत्फलम्-कार्पास गन्ध तैलेक्षु मधुसस्य विनाशनम् । क्षीय माणाश्चापिनरा जीवन्ति क्षयवत्सरे ।। वर्षनाम श्रावणस्तत्फलम्-श्रावणाब्दे धरा भाति त्रिदशर्पद्धि मानवैः । धरा पुण्य फलैर्युक्ता परिपूर्णा ध्वरादिभिः ।। मेघनाम संवर्तः फलम्-संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्—समुद्रे तु महा वृष्टिः ।। समयनिवासो मालाकार गृहे फलम्—मालिनः प्रचुरा वृष्टि ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०३० शाके १८९५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ९ गुरौ मघा ल. गो. रे. ६ ।।।ऽवृ।ऽरोऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः पादतोवेधाऽभावः आवश्यके

,, १२ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. १० रे. ८ ।।।।।ऽअ.ऽ।।।

,, १५ गुरौ अनु. ल. १०-१२ रे. ६ ।।।।ऽऽअ.ऽऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा २ शनौ मूले ल.गो.१०-१२ रें.७ ।।।।ऽऽनृ(घ.३६या.)ऽ।।।

,, १० रवौ उभा. ल. १ रे. ७ ऽ।।।।ऽनृ.।ऽ।।

,, ११ चंद्रे रेव. ल.अन्यगो.१०-१ रे.६ ऽ।।।।ऽ।।।।ऽनृ.ऽऽ।।

शुक्ला ६ बुधे मघा. ल. १ रे. ६ ।।।ऽगु।ऽनृ.ऽऽ।। पादवेधात् गुरोर्वेधाऽभावः

, ८ शुक्रे उफा. ल. गो. १२ रे.६ ऽ।।।ऽऽचौ।ऽ।। चंद्र७पू.

,, ११ चंद्रे स्वा. ल. अन्यगो. १ रे.९ ।।।।।।ऽ।।।मेषे चंद्र७पू.

,, १३ बुधे अनु. ल. ११ रे. ८ ।।।।।ऽअ.ऽ।।।

आषाढ़ मासः

कृष्णा ८ रवौ रेव. ल. अन्यगो.सोग्रांगः रे.७ ऽ।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ४ भौमे मघा. ल. २(घ.५४उ.)रे.७ ।।।ऽगु।।ऽऽ।।घटी ५५।२१ या. पादवेधः

आ.शु. ६ गुरौ उफा. ल. २ रे. ८ ऽश।।।।ऽअ.।।।।

,, ९ रवौ स्वा. ल. गो. सोग्रांगः १ रे. ८ ।।।।।ऽनृ।ऽ।।

मेषे-नृप पंचकाऽभावः रेखा ९ चं मध्यमः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ११ भौमे हस्ते ल. अन्यगो. ५ रे. ७ ऽ।।।।ऽनृ.ऽ।।।

शुक्ला ९ भौमे उभा. ल. गो.रे. १० ।।।।।।।।।।

माघ मासः

कृष्णा ९ बुधे स्वा. ल. अन्यगो. रे. ६ ऽ।।।।ऽअ.ऽऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णा १ शनौ हस्ते ल. गो. रे. ९ ।ऽ।।।।।।।

,, ३ चंद्रे स्वा. ल. गो. रे. ६ ।।।ऽगु।।ऽऽऽ गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः पादवेधागृदुरोर्वेधाऽभावः

,, ५ बुधे अनु. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽऽ।।।ऽअ.।।।।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६९३९ स.१९७३
१	बु	२१	२३	रे	७	५२	वै	४३	२०	ब	२१	२३	३१ ०	५ ४८	६ १२	४	१४	२९	मे.७।५२	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	गु	१४	२०	अ	२ ४९	५५ २१	वि	३४	३९	कौ	१४	२०	४	४७	१३	५	१५	१	मेषे	सिंधारा मत्स्य जयंती रविलावल ३
३	शु	७	२२	कृ	५२	५६	प्री	२५	५०	ग	७	२२	८	४६	१४	६	१६	२	बृ.११।४४	भ. ३३।४८ उ. गणगौरी
४	श	०	१४	रो	४७	५३	आ	१७	३७	वि	०	१४	१२	४६	१४	७	१७	३	बृषे	भ. ०।१४ या.
५	श	५३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	र	४७	३२	मृ	४३	४३	सौ	९	४७	कौ	२०	३५	१६	४५	१५	८	१८	४	मि१५।४८	×३१।१७ सौरः३०।३७ कामदा११ व्र.
७	चं	४२	१०	आ	४०	१७	शो	२ १९	५३ ८	ग	१४	५१	२०	४४	१६	९	१९	५	मिथुने	भ. ४२।१० उ.
८	मं	३७	३८	पु	३७	४३	सु	४९	१६	वि	९	५४	२४	४३	१७	१०	२०	६	क.२३।२४	भ. ९।५४ या.
९	बु	३३	५२	पु	३५	५२	धृ	४३	४७	बा	५	४५	२८	४२	१८	११	२१	७	कर्के	मीने बुधः ७।१ रामनवमी
१०	गु	३१	१२	श्ले	३४	५८	शू	३९	१२	तै	२	३२	३२	४२	१८	१२	२२	८	सिं३४।५८	अश्वि. मेषे शुक्रः ४५।२६
११	शु	२९	६	म	३५	७	गं	३५	९	व	०	९	३६	४१	१९	१३	२३	९	सिंहे	भ.०।९उ.२९।६या. दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः×
१२	श	२७	५७	पू	३६	८	वृ	३२	७	बा	२७	५७	४०	४०	२०	१४	२४	१०	कं.५१।४०	उभायां बुधः २०।५६ प्रदोषः
१३	र	२७	५८	उ	३८	१६	ध्रु	२९	३३	तै	२७	५८	४३	३९	२१	१५	२५	११	कन्यायां	मृगे. १ शनिः २९।४७
१४	चं	२९	१	ह	४१	२०	व्या	२८	२३	व	२९	१	४७	३९	२१	१६	२६	१२	कन्यायां	भ. २९।१ उ. ०।१२ या.
१५	मं	३१	२४	चि	४५	३४	ह	२७	५३	वि	०	१२	५१	३८	२२	१७	२७	१३	तु.१३।२७	हनुमज्जयन्ती

५२ पं. चै.शु.२बृ.इ.५१।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	९	११	१	८	११
२१	१३	२५	१४	२०	२२	१८	२१
५३	११	०	९	४२	२६	४५	५४
३१	२	५०	५८	५८	३८	२८	३०
५९	३९	३३ ४	८	७४	४	३	५९
४	४६	मा	५२	३८	५०	११	४

गोचरग्रहाः

चैत्र शु.११ शुक्रे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. २० धान्यादिभावे समता शुक्रा. पू. ।

गोचरग्रहाः

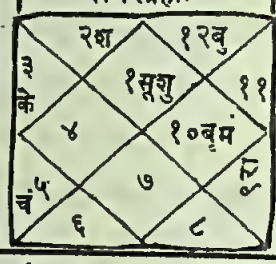

१पं. चै.शु.११शु.इ.३१।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	९	०	१	८	०
०	१९	२	१५	०	२३	१८	०
०	१	२८	२२	५७	९	१९	०
०	१६	४८	१६	४	२६	४१	३९
५८	३९	६१	७	७४	५	३	५८
४४	४०	५३	३५	४०	२१	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३४	५६	स्वा	५०	५३	व	२८	४	बा	३	१०	३१ ५५	५ ३७	६ २३	१८	२८	१४	तुलायां	
२	गु	३९	५०	वि	५७	६	सि	२९	२८	तै	७	२३	५८	३६	२४	१९	२९	१५	बृ.४०।३३	धनिष्ठा. भौमः ३४।७
३	शु	४५	३	अ	६०	०	व्य	३१	९	व	१२	२७	३२ २	३६	२४	२०	३०	१६	बृश्चिके	भ. १२।२७ उ. ४५।३ या.
४	श	५१	२०	अ	४	१९	व	३३	२५	ब	१८	११	६	३५	२५	२१	१	१७	वृश्चिके	चतुर्थी व्र. रा वैशाखारंभः
५	र	५७	३०	ज्ये	११	५२	प	३५	५१	कौ	२४	२५	१०	३४	२६	२२	२	१८	ध.११।५२	
६	चं	६०	०	मू	१९	३३	शि	३८	२३	ग	३०	४०	१४	३३	२७	२३	३	१९	धनुषि	भरण्यां शुक्रः ३१।५
६	मं	३	४९	पू	२६	५०	सि	४०	५	व	३	४९	१७	३३	२७	२४	४	२०	म.४३।२१	भ. ३।४९ उ. ३६।३० या. रेवत्यां बुधः●
७	बु	९	११	उ	३२	५५	सा	४१	७	व	९	११	२१	३२	२८	२५	५	२१	मकरे	●२८।२८ श्रवणे ३ गुरुः २३।४३
८	गु	१३	२८	श्र	३७	५४	शु	४०	५१	कौ	१३	२८	२५	३१	२९	२६	६	२२	मकरे	
९	शु	१६	१	ध	४०	५३	शु	३९	१६	ग	१६	१	२९	३०	३०	२७	७	२३	कुं.९।२४	भ. ४६।२० उ. दृश्यो भरण्यां रविः ११ ३४×
१०	श	१६	३९	श	४२	७	ब्र	३६	१	वि	१६	३९	३२	३०	३०	२८	८	२४	कुम्भे	भ. १६।३९ या.
११	र	१५	१०	पू	४१	१६	ऐं	३१	१६	बा	१५	१०	३६	२९	३१	२९	९	२५	मी२६।२९	कुंभे भौमः १३।९ बरूथिनी ११ व्र.
१२	चं	११	३८	उ	३८	२५	वै	२४	५१	तै	११	३८	४०	२८	३२	३०	१०	२६	मीने	प्रदोषः ×(सौरः ११।१५)
१३	मं	६	२५	रे	३४	२०	वि	१७	२	व	६	२५	४३	२७	३३	१	११	२७	मे.३४।२०	भ.६।२५उ.३२।५४या. मई मा.५ ता.३१
१४	मं	५२	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	बु	५१	१५	अ	२८	१०	प्री	६ ६	५० २२	च	२५	१९	४७	२७	३३	२	१२	२८	मेषे	अश्वि. मेषे बुधः ३७।१९

२पं. वै.कृ.३शु.इ.३१।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	९	०	१	८	०
६	२३	११	१६	९	२३	१७	६
५०	५७	१०	१४	३५	५१	५७	५०
४२	४३	५	२	४३	४७	२६	५०
५८	३९	७९	६	७४	५	३	५८
३१	२३	५९	३७	३८	४५	११	२९

गोचरग्रहाः

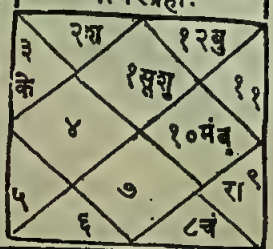

यदा मेष स्थिति भानुः फलं तूल तिलादिकम् । ईक्ष्वादि तिल तैलादे स्तदा चैव महर्घता ॥

गोचरग्रहाः

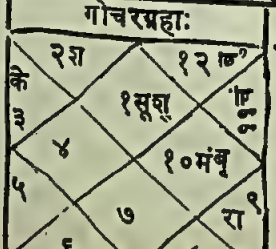

३पं.वै.कृ.९ शु.इ.३१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	९	०	१	८	०
१३	२८	२१	१७	१८	२४	१७	१३
३९	५३	३६	०	१६	३६	३५	३९
४३	५६	५८	२५	८	३२	१०	१५
५८	३९	९७	५	७४	६	३	५८
१७	८	१०	३६	३२	१४	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु ४२ ५१ भ २१ ३० सौ ४८ २४ कि १७ ३	३३	५	६				
२	शु ३३ २७ कृ १४ ३९ शो ३८ ३१ बा ८ ९	५१	२६	३४	३	१३	२९	वृ.३४।४७
३	श ३४ ४९ रो ७ ५९ अ २८ ४३ ग २४ ४९	५४	२५	३५	४	१४	३०	वृषे
४	र १६ ५९ मृ ४६ ५२ सु १९ ३७ वि १६ ५९	५७	२५	३५	५	१५	१	मि३४।५३
५	चं ९ ४९ पु ५२ ४१ भृ ११ ३७ बा ९ ४९	३३	२४	३६	६	१६	२	मिथुने
६	मं ४ १ पु ४९ ५३ शू ३४ ५२ तै ४ १	४	२३	३७	७	१७	३	क.३८।४०
७	मं ५५ २८ ० ० ० ० ० ० ० ०	७	२३	३७	८	१८	४	कर्के
८	बु ५६ ३१ श्ले ४८ ५१ वृ ५३ ३१ वि २८ ०	१०	२२	३८	९	१९	५	०
९	गु ५४ ४८ म ४८ ४६ घ्रु ४९ ४६ बा २५ ४०	१३	२१	३९	१०	२०	६	सिं४८।५१
१०	शु ५४ २४ पू ४९ १० ध्या ४७ १ तै २४ ३६	१६	२१	३९	११	२१	७	सिंहे
११	श ५५ २९ उ ५२ ५९ ह ४५ २३ व २४ ५७	१९	२०	४०	१२	२२	८	सिंहे
१२	र ५७ २५ ह ५६ ४० व ४४ ४० ब २६ २७	२२	२०	४०	१३	२३	९	कं. ५।७
१३	चं ६० ० चि ६० ० सि ४४ ५७ कौ २९ ७	२५	१९	४१	१४	२४	१०	कन्यायां
१३	मं ० ४९ चि १ ४७ व्य ४५ २१ तै ० ४९	२८	१८	४२	१५	२५	११	तु.२९।१४
१४	बु ४ ५४ स्वा ७ २६ व ४६ ४९ व ४ ५४	३०	१८	४२	१६	२६	१२	तुलायां
१५	गु १० ११ वि १४ १० प ४८ ४५ ब १० ११	३३	१७	४३	१७	२७	१३	वृ.५७।२९
								वृश्चिके

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २८ सन् १९७३

*शुक्रोदयः पश्चिमायां ५३/५२ शु.उ.प.
कृत्तिका शुक्रः २०।३० चन्द्रदर्शनम्*
भ. ५४ उ. अक्षया ३ रविलाखर ४
भ. १६।५९ या.
वृषे शुक्रः १।३०
भ. ५९ उ. शते भौमः ३१ पूर्वास्तं बुधः ४९ ×
×पानस्पर्शः ११ मोक्षः ११
भ. २८।० या. भरण्यां बुधः ४०।५
दृश्यः कृत्तिका. रविः ५२ (सौरः ५९।५२)
+७।३६ नृसिंह जयन्ती १४
भ. ५४ उ. ५५ या. मोहिनी ११ ब्र.
=पूषा. १ राहुः आर्द्रा. ३ केतुः ५३ प्रदोषः
दृश्यो वृषेऽर्कः २४।४४ (सौरः २७।४०) =
रोहिण्यां शुक्रः १२।१४ मृगे २ शनिः+
भ. ५४ उ. ३२ या. कृत्तिका. बुधः ७।२७
वृषे बुधः ४२।१५

४पं. वै.शु. २शु.इ.३२।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	९	०	१	८	०
२०	३	३	१७	२६	२५	१७	२०
२७	४८	३२	३८	५४	२३	१२	२५
२२	५८	१०	१०	२२	४२	५४	५५
५८	३९	०	४	७४	६	३	५७
६	१	२६	३२	२८	११	५७	

गोचरग्रहाः

वैशाख शु.१३ चंद्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.५ गतालकवस्था (ऊभौ) मु. ३० धान्यादि भावे सम_ता) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

५पं. वै.शु. १०शु इ.३२।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	९	१	१	८	०
२७	८	१७	१८	५	२६	१६	२७
१३	४२	१०	७	२१	१२	५०	११
३४	५५	१९	३७	३२	२५	३९	९
५७	३८	२२	३	७४	६	३	५७
५४	४१	११	९	३२	४१	११	४५

ति.	ज्येठ कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु १५ ३३ अ २१ ३ शि ५१ ७ कौ १५ ३३	३३	५	६				
२	श २१ ४२ ज्ये २८ ३३ सि ५३ ३० ग २१ ४२	३९	१६	४४	१९	२९	१५	वृश्चिके
३	र २७ ४७ मू ३६ ३ सा ५५ ५६ वि २७ ४७	४१	१६	४४	२०	३०	१६	ध.२८।३३
४	चं ३३ ५४ पू ४३ ३२ शु ५८ १२ ब ० ५०	४३	१५	४५	२१	३१	१७	धनुषि
५	मं ३९ २९ उ ५० १८ शु ५९ ४३ कौ ६ १२	४४	१५	४५	२२	१	१८	धनुषि
६	बु ४४ ७ श्र ५६ ३ ब्र ६० ० ग ११ ४८	४८	१४	४६	२३	२	१९	म.०।१३
७	गु ४७ २८ ध ६० ० ब्र ० २९ वि १५ ४७	५०	१४	४६	२४	३	२०	मकरे
८	शु ४९ १० ध ० ३२ ऐं १३ ५८ बा १८ १९	५२	१४	४६	२५	४	२१	कुं.२८।१८
९	श ४९ १ श ३ १९ वि ५५ १५ तै १९ ५	५४	१३	४७	२६	५	२२	कुम्भे
१०	र ४६ ४७ पू ३ ५७ प्री ५० २३ व १७ ५४	५६	१३	४७	२७	६	२३	मी४८।१८
११	चं ४२ ३४ उ ३ ३ आ ४३ ५७ ब १४ ४०	५८	१२	४८	२८	७	२४	मीने
१२	मं ३६ २७ रे ८ ५४ सौ ३५ ५९ कौ ९ ३१	०	१२	४८	२९	८	२५	मीने
१३	बु २८ ४७ भ ४८ ४० शो २६ ४७ ग २ ३७	३	१२	४८	३०	९	२६	मे. ०।८
१४	गु २० ८ कृ ४१ २८ अ १६ २१ श २० ८	४	११	४९	३१	१०	२७	मेषे
३०	शु ९ ५५ रो ३३ ४१ सु ५८ ४९ ना ९ ५५	६	११	४९	१	११	२८	वृ.१।५२
								मि५९।५६

ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ५४।४५ उ.
भ. २७।४७ या. चतुर्थी ब्र.

रोहिण्यां बुधः ५।४ रा. ज्येष्ठारम्भः
भ. ४४।७ उ.
भ. १५।४७ या. दृश्यो रोहिण्यांरविः ४९*
+शनेः ११।५७ अपरा ११ ब्र.
मृगे शुक्रः १।५६ *(सौरः ५३/४९)
भ. १७।५४ उ. ४६।४७ या.
मृगे बुधः ३२ पूभायांभौमः७।१६ अस्तं+
वक्री गुरुः २।३१ =पश्चिमायां १९/४२
भ. २८।४७ उ. ५४।२७ या. प्रदोषः
मिथुनेबुधः ३३ मिथुनेशुक्रश्च ३३ बुधोदयः=
वट पूजनम् जून मा. ६ ता. ३०

६पं. ज्ये.कृ.१शु.इ.३२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	९	१	१	८	१
३	१३	१	१८	१४	२७	१६	३
५८	३४	४५	२८	८	३	२८	५४
२६	३७	५०	५२	२०	५०	२३	४७
५७	३८	२२	१	७४	६	३	५७
४४	१९	५५	५२	२६	५६	११	३४

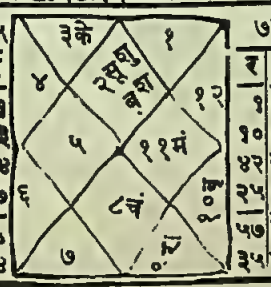

७पं.ज्ये.कृ.८शु.इ.३२।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	९	१	१	८	१
१०	१८	१७	१८	२२	२७	१६	१०
४२	२२	१९	४०	४३	५६	६	३६
२५	१९	५५	३४	३०	३१	८	५८
५७	३७	०	०	७४	७	३	५७
३५	५३	२४	३७	२६	७	११	२३

८पं.ज्ये.कृ.३०शु.इ.३२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	९	२	१	८	१
१७	२३	१	१८	१	२८	१५	१७
२५	७	३८	४२	२०	४९	४३	१८
८	३७	३१	४०	२५	५२	५२	४
५७	३७	२	०	७४	७	३	५७
२७	२५	५९	ब	२०	१४	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*बुशुके

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	प्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽर्हणः ५८ स.१९७३
१	शु	५०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	५०	२०	मृ	२६	१०	शु	४४	४१	बा	२५	८	३४	५	४६	२	१२	२९	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
३	र	४१	१७	आ	१९	०	गं	३४	४०	तै	१५	४९	९	१०	५०	३	१३	१	क.५९।१३	जमादिलावल ५
४	चं	३३	३७	पु	१२	३७	वृ	२५	३०	च	७	२७	१०	१०	५०	४	१४	२	कर्के	भ. ७।२७ उ. ३३।३७ या. आर्द्रा. बुधः
५	मं	२७	१४	पु	८	१	छु	१७	४९	बा	२७	१४	१२	१०	५०	५	१५	३	कर्के	आर्द्रायां शुक्रः ५४।३६
६	बु	२२	५४	श्ले	५	१	च्या	११	३०	तै	२२	५४	१३	९	५१	६	१६	४	सिं ५।१	
७	गु	२०	१४	म	३	४७	ह	६	४०	ब	२०	१४	१४	९	५१	७	१७	५	सिंहे	भ.२०।१४उ.४९।४८या. दृश्योमृगेरविः●
८	शु	१९	२३	पू	४	२३	द	३	२१	च	१९	२३	१६	९	५१	८	१८	६	कं.२०।०	●४३।१५ (सौरः ५२।३८)
९	श	२०	३०	उ	६	५०	सि	१	२१	कौ	२०	३०	१७	९	५१	९	१९	७	कन्यायां	
१०	र	२२	४९	ह	१०	४०	व्य	०	३८	ग	२२	४९	१८	८	५२	१०	२०	८	तु.४३।१५	भ.५४उ. मृगे३मिथुनेशनिः४५ गंगादशमी
११	चं	२६	४४	चि	१५	५०	व	१	२४	वि	२६	४४	१९	८	५२	११	२१	९	तुलायां	भ. २६।४४ या. निर्जला ११ व्र.
१२	मं	३२	३१	स्वा	२१	५८	प	२	२०	बा	३२	३१	२०	८	५२	१२	२२	१०	तुलायां	पुन. बुधः २।५ मीने भौमः ५।०
१३	बु	३७	१४	वि	२९	३	शि	४	८	कौ	४	५२	२१	८	५२	१३	२३	११	वृ.१२।१७	प्रदोषः ×(सौरः ५३।२५)
१४	गु	४२	४६	अ	३६	१२	सि	६	१३	ग	१०	०	२१	८	५२	१४	२४	१२	वृश्चिके	भ. ४२।४६ उ. दृश्यो मिथुनेऽर्कः ४३×
१५	शु	४८	५८	ज्ये	४३	४७	सा	८	३३	वि	१५	५२	२२	८	५२	१५	२५	१३	ध.४३।४७	भ. १५।५२ या. गुर्जराणां वट सा. पू.

९पं.ज्ये.शु.८शु.इ.३२।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	९	२	१	८	१
२४	२७	१४	१८	९	२९	१५	२३
७	४९	१६	३५	५५	४४	२१	५८
१२	३७	८	३५	३०	१३	३६	०
५७	३६	०२	३	७४	७	३	५७
२२	५०	१३	ब	१४	२०	११	५

गोचरग्रहाः

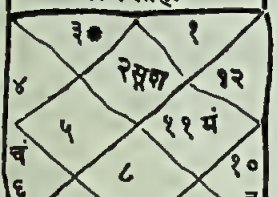

ज्येष्ठ शु. १४ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा.४ न.५ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

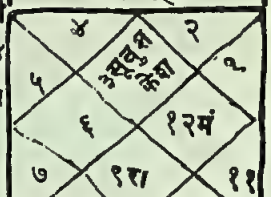

१०पं.ज्ये.शु.१५शु.इ.३२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	९	२	२	८	२
०	२	२४	१८	१८	०	१४	०
४८	२७	३६	१९	२८	३८	५९	१७
२५	५८	४७	२६	५९	२८	२१	९
५७	३६	७८	३२०	७४	७	३	५६
१७	१७	५३		८	२०	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराज्ञाः
१	श	५४	५८	मू	५१	१७	शु	१०	५८	बा	२२	५८	३४	५	५२	१६	२६	१४	धनुषि	पुनःशुक्रः ४६ उभायांभौमः ५६ पातस्पर्शः●
२	र	६०	०	पू	५८	३५	शु	१३	१९	तै	२७	५४	२३	७	५३	१७	२७	१५	धनुषि	पातमोक्षः २४।५७ ●४०।५१
२	चं	०	५०	उ	६०	०	ब्र	१५	२२	ग	०	५०	२३	७	५३	१८	२८	१६	म.१५।७	भ. ३३।२७ उ.
३	मं	६	४	उ	४	४४	दें	१६	५५	वि	६	४	२३	७	५३	१९	२९	१७	मकरे	भ.६।४या. कर्के बुधः ३२।२१ चतुर्थी व्र.
४	बु	१०	२७	श्र	११	५	वै	१८	१	बा	१०	२७	२४	७	५३	२०	३०	१८	कु.४३।३१	
५	गु	१४	१	ध	१५	५८	वि	१८	१६	तै	१४	१	२४	७	५३	२१	३१	१९	कुम्भे	दृश्य आर्द्रायां रविः ४५ (सौरः ५४)
६	शु	१६	११	श	१९	५८	प्री	१७	२६	व	१६	११	२४	७	५३	२२	१	२०	कुम्भे	भ. १६ उ. ३६ या. रा. आषाढारंभः
७	श	१६	५२	पू	२२	८	आ	१५	३१	ब	१६	५२	२४	७	५३	२३	२	२१	मी६।३६	पुष्ये बुधः २१।५३
८	र	१६	५	उ	२२	४७	सौ	१२	२०	कौ	१६	५	२४	७	५३	२४	३	२२	मीने	कर्के शुक्रः ५७।१८
९	चं	१३	२६	रे	२१	४६	शो	७	३२	ग	१३	२६	२३	७	५३	२५	४	२३	मे.२१।४६	भ. ४१।११ उ.
१०	मं	८	५५	अ	१८	४९	अ	२२	५२ ३०	वि	८	५५	२३	७	५३	२६	५	२४	मेषे	भ. ८।५५ या. योगिनी ११ व्र. स्मा.
११	बु	२	४७	भ	१४	१५	धृ	४५	११	बा	२	४७	२३	७	५३	२७	६	२५	बृ.२८।१	पुष्ये शुक्रः ४४।७ योगिनी ११ व्र. वै.
१२	बु	५२	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	गु	४६	१८	कृ	९	२४	शु	३५	२६	ग	२०	५४	२२	८	५२	२८	७	२६	बृषे	भ. ४६।१८ उ. प्रदोषः
१४	शु	३६	३५	रो	५२	५५	गं	२४	५६	वि	११	२७	२२	८	५२	२९	८	२७	मि२७।४५	भ. ११।२७ या.
३०	श	२६	३०	आ	४६	३	वृ	१४	४	च	१	३२	२१	८	५२	३०	९	२८	मिथुने	

११पं.आ.कृ.६शु.इ.३२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	९	२	२	८	२
७	६	२	१७	२७	१	१४	७
२९	५९	३७	५४	१	३३	३७	१५
२४	५६	१	४०	३४	५०	५	३६
५७	३५	५२	२३	७४	७	३	५६
१३	३७	२७	ब	२	२०	११	५४

गोचरग्रहाः

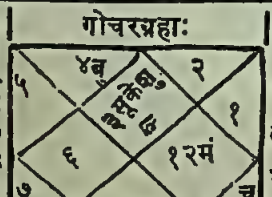

शनेश्च पंचके दृष्ट्वा पाताले कंपते फणी । ईशानदेशे भंगश्च बन्हिदाहो महर्घता । हरेक वस्तु तेज रहे ।

गोचरग्रहाः

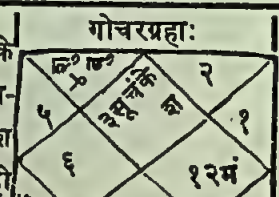

१२पं.आ.कृ.१४शु इ.३२।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	९	३	२	८	२
१४	११	७	१७	५	२	१४	१३
९	२५	४५	२२	३३	२८	१४	५३
५०	३४	३९	१	३२	२२	५०	४१
५७	३४	२२	२५	७३	७	३	५६
७	३४	५३	ब	५६	१४	११	५०

●बुशुके

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८७ स. १९७३
१	र	१६	४२	पु	३८	२३	ध्रु	३/१५	४९/५८	व	१६	४२	३४/२०	५/८	६/५२	१	१०	२९	क.२५।१८	चन्द्रदर्शन संभवः जुलाई मा. ७ ता. ३१
२	चं	७	३२	पु	३१	५०	ह	४३	५०	कौ	७	३२	१९	८	५२	२	११	१	कर्के	रथयात्रा जमादिलाखर ६
३	चं	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	मं	५३	३८	श्ले	२६	५६	व	३५	३२	व	२६	४३	१८	८	५२	३	१२	२	सिं२६।५६	भ. २६/४३ उ. ५३/३८ या. उदयं शनेः ३३।५८
५	बु	४९	२१	म	२३	४७	सि	२८	५९	व	२१	२९	१७	९	५१	४	१३	३	सिंहे	वक्री बुधः ३८।५९
६	गु	४७	७	पू	२२	३२	व्य	२४	८	कौ	१८	१४	१५	९	५१	५	१४	४	कं.३७।४८	दृश्यः पुन. रविः ३९।४१ (सौरः ५८/५९)
७	शु	४७	१४	उ	२३	३८	व	२०	५३	ग	१७	१०	१४	९	५१	६	१५	५	कन्यायां	भ. ४७/१४ उ. वक्री श्रवणे २ गुरुः ४८/२४ मृगे ४*
८	श	४९	७	ह	२६	१०	प	१९	७	वि	१८	१०	१३	९	५१	७	१६	६	तु.५८।३०	भ. १८।१० या. *शनिः २०।२७
९	र	५२	४०	चि	३०	५१	शि	१९	१२	बा	२०	५३	११	१०	५०	८	१७	७	तुलायां	आश्ले. शुक्रः ३७/५८ रेवत्यां भौमः १६/१७
१०	चं	५७	३३	स्वा	३७	५	सि	२०	५०	तै	२५	६	१०	१०	५०	९	१८	८	तुलायां	
११	मं	६०	०	वि	४३	५५	सा	२१	३७	व	३०	३३	८	१०	५०	१०	१९	९	वृ.२७।१२	भ. ३९।३३ उ. देवशयनी ११ ब्र. स्मा.
११	बु	३	३२	अ	५१	१४	शु	२३	५६	वि	३	३२	७	११	४९	११	२०	१०	वृश्चिके	भ. ३/३२ या. पश्चि.बुधः १८/२४ देवश. ११ ब्र. वै.
१२	गु	९	२८	ज्ये	५८	५६	शु	२६	३१	बा	९	२८	५	११	४९	१२	२१	११	ध.५८।५६	प्रदोषः
१३	शु	१५	४७	मू	६०	०	ब्र	२९	२	तै	१५	४७	४	११	४९	१३	२२	१२	धनुषि	
१४	श	२१	३२	मू	६	११	ऐं	३१	८	व	२१	३२	२	१२	४८	१४	२३	१३	धनुषि	भ. २१।३२ उ. ५४।२० या. वायु परीक्षा
१५	र	२७	७	पू	१३	२३	वै	३३	५	व	२७	७	०	१२	४८	१५	२४	१४	म.२९।५७	व्यास पूजा गुरुः १५

१३पं.आ.शु.७शु.इ.३२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	९	३	२	८	२
२०	१५	९	१६	१४	३	१३	२०
५०	४१	३१	४१	५	२१	५२	३१
१०	३१	३७	४२	३१	२५	३४	३५
५७	३३	६/२८	६/२३	७३	७	३	५६
७	४६	व	व	५०	६	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मास में बुध शुक्र का योग उत्तम वर्षा कारक है। धान्य में तेजी होकर मन्दी होगी।

गोचरग्रहाः

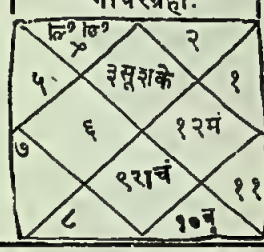

१४पं.आ.श.१३शु.इ.३२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	९	३	२	८	२
२७	१९	७	१५	२२	४	१३	२७
३०	५०	४	५५	३४	१४	३०	९
३२	३१	४	४८	३२	१३	१८	४२
५७	३२	३५/२२	५/११	७३	६	३	५६
११	३४	व	व	३८	५९	११	५५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३१	४६	उ	१९	३९	वि	३४	३२	कौ	३१	४६	३३/५८	५/१२	६/४८	१६	२५	१५	मकरे	दृश्यः कर्केऽर्कः ९/५ (सौरः ३१/४३) मूले.४ राहुः४
२	मं	३५	४०	श्र	२५	१५	प्री	३५	१०	तै	३	४३	५६	१३	४७	१७	२६	१६	कु.५७।३६	×आर्द्रा. २ केतुः ४६।२३
३	बु	३८	३२	ध	२९	५८	आ	३५	५	व	७	६	५४	१३	४७	१८	२७	१७	कुम्भे	भ. ७।६ उ. ३८।३२ या.
४	गु	४०	१९	श	३३	३९	सौ	३४	१४	व	९	२६	५२	१४	४६	१९	२८	१८	कुम्भे	दृश्यः पुष्ये रविः ३८/२२ सिंहे शुक्रः ४०/१९ च. व्र.
५	शु	४०	५१	पू	३६	११	शो	३२	२५	कौ	१०	३५	५०	१४	४६	२०	२९	१९	मी२०।३३	पुष्ये रविः सौरः २/२४ वक्री पुन. बुधः ५५/३३+
६	श	४०	२२	उ	३७	३३	अ	२९	४७	ग	१०	३६	४७	१५	४५	२१	३०	२०	मीने	भ. ४०।२२ उ +नाग ५ मरुस्थले
७	र	३८	४६	रे	३७	३९	सु	२६	२१	वि	९	३४	४५	१५	४५	२२	३१	२१	मे.३७।३९	भ. ९।३४ या.
८	चं	३५	३४	अ	३६	२९	धृ	२१	२९	बा	७	१०	४२	१६	४४	२३	१	२२	मेषे	राष्ट्रीय श्रावणारंभः
९	मं	३१	११	भ	३४	२	शू	१५	३३	तै	३	२२	४०	१६	४४	२४	२	२३	वृ.४८।५	भ. ५८।२९ उ.
१०	बु	२५	४७	कृ	३०	१५	गं	८	३९	वि	२५	४७	३७	१७	४३	२५	३	२४	वृषे	भ. २५।४७ या.
११	गु	१८	३०	रो	२५	१५	वृ	०/४६	५१/७	बा	१८	३०	३५	१७	४३	२६	४	२५	मि५२।१३	कामिका ११ ब्र.
१२	शु	११	२०	मृ	१९	११	व्या	४२	२८	तै	११	२०	३२	१८	४२	२७	५	२६	मिथुने	प्रदोषः
१३	श	१	४७	आ	१२	३५	ह	३२	५३	व	१	४७	२९	१८	४२	२८	६	२७	क.५२।१९	भ. १।४७ उ. २७।१० या.
१४	श	५०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२०	र	४३	३९	पु	५/३४	५३/२५	व	२३	८	च	१८	६	२६	१९	४१	२९	७	२८	कर्के	बुधोदयः पूर्वस्यां ४२।१७ हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.५शु.इ.३२।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	९	४	२	८	३
४	२३	३	१५	१	५	१३	३
११	४९	३६	५	३	५	८	४८
१७	२३	३९	६	२१	६	३	९
५७	३१	४२/३७	५/४१	७३	६	३	५६
१५	१४	व	व	२३	४१	११	५७

गोचरग्रहाः

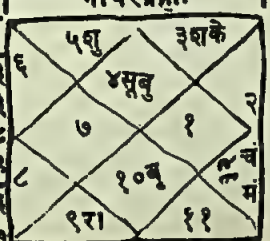

श्रावण कृ.१ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र.वा.५ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ (धान्य भाव सम) शु. प.

गोचरग्रहाः

१६पं.श्रा.कृ.१२शु.इ.३१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	९	४	२	८	३
१०	२७	०	१४	९	५	१२	१०
५२	३५	५४	११	३०	५२	४५	२७
१९	४६	३९	२०	४३	२२	४७	२६
५७	२९	३६/३७	५/५२	७३	६	३	५७
२०	३७	व	व	१४	२७	११	५

*चंशके

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११६ सन् १९७३
१	चं ३५ १९ श्ले ५३ ४ सि	१२	४६	कि	९	२९	३३ २४	५ १९	४१ ३० ८ २९ सि ५३।४ पूफायांशुक्रः ३९।३९ ×ता.३१रज्जब७
२	मं २८ १९ म ४८ २८ व्य	५३ ५२	७	कौ	२८	१९	२१	२०	४० ३१ ९ ३० सिंहे मार्गी बुधः ६।३० चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	बु २२ ५७ पू ४५ ३२ प	४९	२६	ग	२२	५७	१८	२०	४० १ १० १ सिंहे भ. ५१ ३ उ मेषेभौमः ३५ तीज अगस्तमा.८×
४	गु १९ २९ उ ४४ ४५ शि	४४	३५	वि	१९	२९	१५	२१	३९ २ ११ २ कं.०।२१ भ. ३९ या. दृश्यः आश्ले. रविः ३५।२३
५	शु १८ १४ ह ४६ १ सि	४१	२६	बा	१८	१४	१२	२२	३८ ३ १२ ३ कन्यायां आश्ले.रविः सौरः १३ वक्री श्रवणे १गुरुः+
६	श १९ १ चि ४९ १० सा	४०	८	तै	१९	१	९	२२	३८ ४ १३ ४ तु.१७।३६ +८।१९ आर्द्रा. १ शनिः ३२।४९ नाग५
७	र २१ ४८ स्वा ५४ ५४ शु	४०	०	व	२१	४८	६	२३	३७ ५ १४ ५ तुलायां भ. २१।४८ उ. ५४।१ या.
८	चं २६ १४ वि ६० ० शु	४१	७	ब	२६	१४	३	२३	३७ ६ १५ ६ बृ.४४।१३
९	मं ३२ ४ वि ० ३९ ब्र	४३	१९	को	३२	४	०	२४	३६ ७ १६ ७ वृश्चिके
१०	बु ३७ ५५ अ ७ ५१ ऐं	४५	३४	तै	५	५९	३३ २५	३५	८ १७ ८ वृश्चिके पुष्ये बुधः ४७।१४
११	गु ४४ २४ ज्ये १५ २९ वै	४८	१०	व	११	१०	५३	२५	३५ ९ १८ ९ व.१५।२९ भ. ११ उ. ४४ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	शु ५० १६ मू २३ १६ वि	५०	२६	ब	१७	२०	५०	२६	३४ १० १९ १० धनुषि उफायां शुक्रः ४७।७
१३	श ५५ ३७ पू ३० ७ प्री	५२	२०	को	२२	५६	४७	२७	३३ ११ २० ११ म.४३।३४ प्रदोषः
१४	र ५९ ४७ उ ३६ १६ मा	५३	२३	ग	२७	४२	४३	२७	३३ १२ २१ १२ मकरे भ. ५९।४७ उ.
१५	चं ६० ० श्र ४१ १३ सौ	५३	३६	वि	३१	२३	४०	२८	३२ १३ २२ १३ मकरे भ. ३३ या. कन्यायां शुक्रः ३२ श्रावणीकर्म*
१५	मं २ ५९ ध ४५ ३४ शो	५३	२	ब	२	५९	३६	२९	३१ १४ २३ १४ कु.१३।२३ *रक्षाबन्धन भद्रोत्तरम्

१७पं.श्रा.शु.५शु.इ.३१।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	९	४	२	८	३
१७	१	०	१३	१७	६	१२	१७
२४	६	२२	१६	५६	३९	२३	७
१	४	४५	५५	२	५४	३२	१४
५७	२७	१४	५९	७२	६	३	५७
२५	५२	मा:	ब	५६	८	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास में गेहूँ चना जौ मटर अरहर मूंग उड़द बाजरा मंदा हो। घृत, गुड़ तैलादि रस तेज रहे।

गोचरग्रहाः

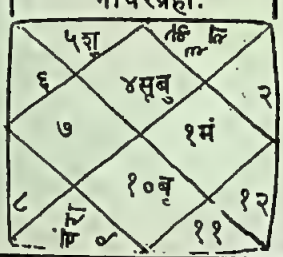

१८पं.श्रा.शु.१२शु.इ.३१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	९	४	२	८	३
२४	४	५	१२	२६	७	१२	२३
१६	२०	२६	२२	२१	३६	१	४८
२६	१७	२	३७	१८	१३	१६	११
५७	२५	७२	५६	७२	५	३	५७
३३	५३	२४	ब	४३	४८	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु ४ ५६ श ४८ २५ अ	५१	३०	कौ	४	५६	३३ २९	५ ३१	६ १५ २४ १५ कुम्भे
२	गु ५ ४५ पू ५० ८ सु	४९	८	ग	५	४५	२९	३०	३० १६ २५ १६ मी ३४।४२ भ. ३५।३० उ. दृश्यो मघा सिंहेऽर्कः ३१ ×(सौरः ५९ ३८)
३	शु ५ १४ उ ५१ १ धृ	४५	५८	वि	५	१४	२६	३१	२९ १७ २६ १७ मीनें भ. ५।१४ या. च. व्र.
४	श ३ ५९ रे ५१ ९ शू	४२	०	बा	३	५९	२२	३२	२८ १८ २७ १८ मे.५१।९ आश्लेषायां बुधः १७।५७
५	र १ ५६ अ ५० ७ गं	३७	२५	तै	१	५६	१९	३२	२८ १९ २८ १९ मेषे भ. ५८।५६ उ. चन्द्रषष्ठी
६	र ५७ ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ०
७	चं ५५ १४ भ ४८ २५ वृ	३२	८	वि	२७	५	१५	३३	२७ २० २९ २० मेषे भ. २७।५ या. बुधास्तः पूर्वस्यां ५७।५०
८	मं ५१ ४ कृ ४५ ५५ ध्रु	२६	१३	बा	२३	९	११	३४	२६ २१ ३० २१ वृ.२।४८ हस्ते शुक्रः ५६।२५ जन्माष्टमी व्र.
९	बु ४५ २२ रो ४२ ४० ज्या	१९	३२	तै	१८	१३	८	३४	२६ २२ ३१ २२ वृषे गोगा ९
१०	गु ३९ ९ मृ ३८ ३९ हृ	१२	४३	व	१२	१६	४	३५	२५ २३ १ २३ मि १०।४० भ.१२।१६ उ.३९।९ या. रा. भाद्रपदारंभः
११	शु ३४ ३० आ ३३ ५९ व	३९	५१ २०	ब	५	४९	०	३६	२४ २४ २ २४ मिथुने अजा ११ व्र.
१२	श २५ १५ पु २८ ४२ व्य	४७	३७	तै	२५	१५	३५	३७	२३ २५ ३ २५ क.१५।१ मघा. सिंहे बुधः २२।१७ वत्स द्वादशी+
१३	र १७ ५८ पु २३ २९ व	३९	२	व	१७	५८	५२	३८	२२ २६ ४ २६ कर्के भ. १७।५८ उ. ४४।२० या.
१४	चं १० ४१ श्ले १८ २८ प	३०	४३	श	१०	४१	४८	३८	२२ २७ ५ २७ सिं १८।२८ +प्रदोषः
२०	मं ४ १९ म १४ ५ शि	२२	५६	ना	४	१९	४४	३९	२१ २८ ६ २८ सिंहे कुशाग्रहणी मन्वादिः

१९पं.भा.कृ.३शु.इ.३१।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	३	९	५	२	८	४
०	७	१५	११	४	८	११	०
५९	१३	१९	३२	४३	८	३९	३०
४९	३०	१५	४९	५५	२४	०	३४
५७	२३	३०	५८	७२	५	३	५७
४०	२९	३३	ब	१४	२२	११	३१

गोचरग्रहाः

भाद्रं. कृ. २ गुरौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न.५ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

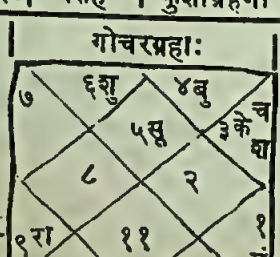

२०पं.भा.कृ.११शु.इ.३१।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	३	९	५	२	८	४
७	९	२८	१०	१३	८	११	७
४४	४३	२०	४७	५	४६	१६	१४
१७	१६	५२	१६	३१	१५	४५	७
५७	२०	३३	२९	७१	४	३	५७
४८	१५	४२	ब	५०	५७	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं	५४	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	बु	५५	९	पू	१०	५०	सि	१५	५४	बा	२७	१	३१	५	६	२९	७	२९	कं.२५।२१
३	गु	५३	२०	उ	८	५४	सा	१०	१७	तै	२४	१४	३६	४१	१९	३०	८	१	कन्यायां
४	शु	५३	११	ह	९	५	शु	६	१२	ब	२३	१५	३२	४२	१८	३१	९	२	तु.४०।१
५	श	५५	१५	चि	१०	५८	शु	३	१८	ब	२४	१३	२८	४२	१८	१	१०	३	तुलायां
६	र	५८	५२	स्वा	१४	४५	ब्र	२	२३	को	२७	३	२५	४३	१७	२	११	४	तुलायां
७	चं	६०	०	वि	२०	१०	दें	२	२७	ग	३१	३०	२१	४४	१६	३	१२	५	बृ.३।४९
७	मं	४	८	अ	२६	५५	वै	३	५३	ब	४	८	१७	४५	१५	४	१३	६	वृश्चिके
८	बु	९	५८	ज्ये	३४	१३	वि	५	४९	ब	९	५८	१३	४५	१५	५	१४	७	ध.३४।१३
९	गु	१६	२१	मू	४१	४७	प्री	८	१६	को	१६	२१	९	४६	१४	६	१५	८	धनुषि
१०	शु	२२	१९	पू	४९	१	आ	१०	३२	ग	२२	१९	५	४७	१३	७	१६	९	धनुषि
११	श	२७	४६	उ	५५	३३	सौ	१२	३२	वि	२७	४६	१	४८	१२	८	१७	१०	म.५।३९
१२	र	३१	५२	श्र	६०	०	शो	१३	५३	बा	३१	५२	३०	४९	११	९	१८	११	मकरे
१३	चं	३४	४८	श्र	०	४०	अ	१४	७	को	३	२०	५२	४९	११	१०	१९	१२	कुं.३२।३७
१४	मं	३६	१	ध	४	३५	सु	१३	१३	ग	५	२४	४८	५०	१०	११	२०	१३	कुम्भे
१५	बु	३५	५८	श	६	५०	धृ	११	१२	वि	६	०	४४	५१	९	१२	२१	१४	मी५२।३५

शरदर्तूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १४६ स. १९७३

चन्द्रदर्शनम् सम्भवः
दृश्यःपूफायांरविः१५ सौरः३० सावान ८
भ. २३।१५ उ. ५३।११या. गणेश चतुर्थी
पूफायांबुधः१ ऋषि५ सितम्बर ९ ता. ३०
चित्रायां शुक्रः १३ वक्री उषा. ४ गुरुः२३
भ. ४।८ उ. ३७।३ या.

*भौमः ३६ रामदेवजीका मेला
भ. ५५ उ. तुलायांशुक्रः४७।३४ भरण्यां*
भ.३६ या. उफा. बुधः ३१ जलभू.११ व्र.
कन्यायांबुधः३३ आर्द्रा.२शनिः३९ वा.१२
प्रदोषः
भ. ३६।१ उ. अनंत १४
भ. ६।० या. महालय श्राद्धारंभः

२१पं.भा.शु.४शु.इ.३१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	९	५	२	८	४
१४	११	१२	१०	२१	९	१०	१३
२९	४६	१३	८	२४	२१	५४	५९
५६	५९	२६	१६	२८	२१	२९	१९
५८	१७	५७	२५	७	४	३	५७
१	३१	५८	ब	२	३१	११	५७

गोचरग्रहाः

भूमिपुत्रो यदा मेषे सुभिक्षं सर्वधान्यकम् । रसादीनि महर्घाणि क्षोधवास्तु भवेन्नृप. ।।

गोचरग्रहाः

२२पं.भा.शु.१०शु.इ.३१।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	९	५	२	८	४
२१	१३	२५	९	२९	९	१०	२०
१६	१८	३३	३६	४०	५१	३२	४५
५५	५०	१०	३९	३०	४३	१४	५९
५८	१३	५८	२९	७०	३	३	५८
१३	५५	८	ब	५९	५३	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	३४	१५	पू	७	५२	शू	८	५	बा	५	६	३०	५	६	१३	२२	१५	मीने
२	शु	३१	४४	उ	७	३७	गं	५६	५५	तै	३	०	३६	५३	७	१४	२३	१६	मीने
३	श	२८	१२	रे	६	२५	धु	५३	१९	वि	२८	१२	३२	५४	६	१५	२४	१७	मे.६।२५
४	र	२४	०	अ	४	३०	व्या	४७	१६	बा	२४	०	२८	५४	६	१६	२५	१८	मेषे
५	चं	१९	२९	भ	२	५७	ह	४०	५०	तै	१९	२९	२४	५५	५	१७	२६	१९	वृ.१६।१८
६	मं	१५	५	रो	१	५६	५	व	३४	१३	व	१५	५	२०	५६	४	१८	२७	२०	वृषे
७	बु	९	४४	मृ	५२	५८	सि	२७	२६	ब	९	४४	१६	५७	३	१९	२८	२१	मि२४।३१
८	गु	४	३१	आ	४९	३१	व्य	२०	१९	को	४	३१	१२	५८	२	२०	२९	२२	मिथुने
९	गु	५४	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२३	० -
१०	शु	५३	४३	मु	४५	२७	व	१३	११	व	२६	२८	८	५८	२	२१	३०	२४	क.३१।२८
११	श	४८	१४	पु	४२	२५	प	५५	५२	ब	२०	४७	४	५९	१	२२	३१	०	कर्के
१२	र	४३	१	श्ले	३९	०	सि	५१	५०	को	१५	३८	३०	०	६	२३	१	२५	सिं२९।०
१३	चं	३८	१६	म	३५	५७	सा	४५	४	ग	१०	३८	२९	०	१	२४	२	२६	सिंहे
१४	मं	३४	२	पू	३३	३६	शु	३८	५७	वि	६	९	५१	२	५८	२५	३	२७	क.४८।१४
३०	बु	३१	७	उ	३२	८	शु	३३	३५	च	२	३४	४७	३	५७	२६	४	२८	कन्यायां

शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

दृश्यः उफायां रविः१५ (सौरः३५) स्वा.×
भ. ५९।५८ उ. ×त्यां शुक्रः १६
भ. ३६ या. हस्ते बुधः ३७।६ चतुर्थी ब्र.
दृश्यः कन्यायामर्कः २८।३६
कन्याऽर्कः सौरः२९ मूल.३राहुः आर्द्रा.१*
भ. १५ उ. ३५ या. *केतुः३८।२८
बुधोदयः पश्चिमायाम् २।१७
मातृ ९

भ. २६।२८ उ. ५३।४३ या.
इन्दिरा ११ व्र.
चित्रायां बुधः ४३।४८ रा. आश्विनारंभः
भ. ३६ उ. विशाखा. शुक्रः १२ प्रदोषः
भ. ६।९ या. शस्त्रादि हतानां श्रा.
दृश्यो हस्ते रविः ४१।४२ सर्वपितृ ३०

२३पं.आ.कृ.२शु.इ.३०।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	५	९	६	२	८	४
२८	१४	८	९	७	१०	१०	२७
५	१५	०	१२	५५	१८	९	३४
२४	२९	१४	४६	८	११	५७	२२
५८	१०	५८	३७	७०	३	३	५८
२६	०	५७	ब	२५	१४	११	२९

गोचरग्रहाः

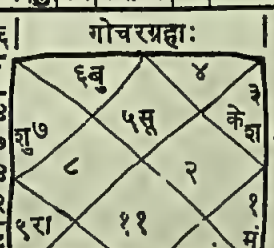

आ. कृ. ४ रवौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

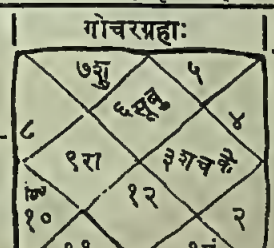

२४पं.आ.कृ.१०शु.इ.३०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	५	९	६	२	८	५
४	१४	१९	८	१६	१०	९	४
५५	३१	३७	५८	६	४०	४७	२४
१९	४१	५१	१२	०	१९	४२	२९
५८	५	१०	४१	६९	२	३	५८
३८	४६	८	ब	४०	३५	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५	वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७५ स. १९७३
१	गु २९ ३७ ह ३२ १३ ब्र २९ १८ ब २९ ३७	३९	६	५७	२७	५	२९	कन्यायां	हस्ते रविः सौरः १२ नवरा.मातामह श्रा.
२	शु २९ ३२ चि ३३ ३९ ऐं २६ १३ कौ २८ ४९	३८	४	५६	२८	६	३०	तु.२।५६	तुलायां बुधः ११।४४ चन्द्रदर्शनम्
३	श ३१ १८ स्वा ३६ ४७ वै २४ ४० तै ० २५	३४	५	५५	२९	७	१	तुलायां	रमजान ९
४	र ३४ ४१ वि ४१ २२ वि २३ ४४ व २ ५९	३०	६	५४	३०	८	२	बृ.२५।१३	भ. ३ उ. ३४ या. मार्गी गुरुः ११।२७
५	चं ३९ ४१ अ ४७ ३१ प्री २४ २३ ब ७ ११	२६	७	५३	१	९	३	बृश्चिके	वक्री भौमः १२ अक्टूबर मा. १० ता.३१
६	मं ४५ १३ ज्ये ५४ २३ आ २६ १ कौ १२ २७	२२	८	५२	२	१०	४	ब.५४।२३	स्वात्यां बुधः ४२।५३
७	बु ५१ ३० मू ६० ० सौ २७ ५७ ग १८ २१	१८	८	५२	३	११	५	धनुषि	भ. ५१ उ. बृश्चिके शुक्रः ३९ वक्री अश्वि.*
८	गु ५७ ४७ मू १ ५६ शो ३० ३० वि २४ ३९	१४	९	५१	४	१२	६	धनुषि	भ. ३४ या. सरस्वती पूजनं बलिदा.
९	शु ६० ० पू ९ २२ अ ३२ ३४ वा ३० ४१	१०	१०	५०	५	१३	७	म.२६।८	*भौमः ४५।५ सरस्वत्यावाहनम्
९	श ३ ३५ उ १६ २७ सु ३४ २० कौ १ ३५	६	११	४९	६	१४	८	मकरे	अनु. शुक्रः ३५ विजया १० सरस्वती विस.
१०	र ८ १० श्र २२ १२ धृ ३५ ४ ग २ १०	२	१२	४८	७	१५	९	कुं.५४।१९	भ. ३९।४३ उ.
११	चं ११ १७ ध २६ २६ शू ३४ ३४ वि ११ १७	२९	१२	४८	८	१६	१०	कुम्भे	भ. ११।३७ या. पापांकुशा ११ ब्र.
१२	मं १२ ३४ श २९ ७ गं ३२ ५१ वा १२ ३४	५४	१३	४७	९	१७	११	कुम्भे	प्रदोषः
१३	बु १२ ११ पू ३० २ वृ २९ ३७ तै १२ ११	५०	१४	४६	१०	१८	१२	मी १४।४८	दृश्यश्चित्रा. रविः १३।४३ (सौरः ४३)
१४	गु ९ ४७ उ २९ १९ ध्रु २४ ५३ व ९ ४७	४६	१५	४५	११	१९	१३	मीने	भ. ४७ उ. ५५ या. शरद १५ कोजागरी ब्र.
१५	शु ६ ४ रे २६ ५७ श्रा १९ १६ ब ६ ४	४२	१६	४४	१२	२०	१४	मे.२६।५७	विशांखा. बुधः ५३।२

२५पं.आ.शु.२शु.इ.३०।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	९	६	२	८	५
११	१४	०	८	२४	१०	९	११
४६	१३	२९	५३	१३	५७	२५	१६
५५	२६	२	५२	१९	७	२७	३३
५८	१	९२	१८	६८	१	३	५९
५३	३२	७	ब	५३	५५	११	०

२६पं.आ.शु.९शु.इ.३०।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	९	७	२	८	५
१८	१३	१०	८	२	११	९	१८
४०	१५	३०	५८	१५	८	३	१०
८	४०	१०	२२	४३	४२	११	२०
५९	२	८२	५०	६७	१	३	५९
९	ब	२४	मा	५७	१६	११	१६

२७पं.आ.शु.१५शु.इ.३०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	९	७	२	८	५
२५	११	१९	९	१०	११	८	२५
३५	४२	३३	११	१४	१६	४०	१
६	३२	४	१२	३१	१२	५६	२
५९	६	७१	२	६६	०	३	५९
२१	ब	५	१७	५२	३१	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५	वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुः रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श १ ८ अ २३ ४५ ह १२ २६ कौ १ ८	३८	६	५	१३	२१	१५	मेषे	
२	श ५४ १४ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	×सौरः २६।८ वक्री शनिः १।२३
३	र ४९ ११ भ १९ ४२ व ५९ ५२ व २२ १७	३४	१७	४३	१४	२२	१६	बृ.३३।३९	भ. २२।१७ उ. ४९।११ या.
४	चं ४३ २० कृ १५ २९ व्य ४९ ७ ब १६ १६	३०	१८	४२	१५	२३	१७	वृषे	करक चतुर्थी व्र.
५	मं ३६ ४७ रो १० ५८ व ४१ ८ कौ १० ४	२६	१९	४१	१६	२४	१८	मि३८।५८	दृश्यस्तुलायामर्कः ५७।२९
६	बु ३० ५३ मृ ६ ५९ प ३३ ५६ ग ३ ५०	२२	२०	४०	१७	२५	१९	मिथुने	भ. ३०।५३ उ. ५८।१३ या. तुलार्कः×
७	गु २५ ३४ आ ३ ५६ शि २६ १६ ब २५ ५४	१८	२०	४०	१८	२६	२०	क.४५।२४	ज्येष्ठायां भौमः १०।४२
८	शु १९ ४१ पु ५६ ३५ सि १८ ५८ कौ १९ ४१	१४	२१	३९	१९	२७	२१	कर्के	•सौरः७।६ श्रवणे १ गुरुः ४६ रूप १४
९	श १६ १४ श्ले ५४ १९ सा १२ १६ ग १६ १४	१०	२२	३८	२०	२८	२२	सिं५४।१९	भ. ४४।४४ उ.
१०	र १३ १४ म ५२ ३५ शु ६ ९ वि १३ १४	६	२३	३७	२१	२९	२३	सिंहे	भ. १३।१४ या. +कार्तिकारंभः
११	चं ९ १६ पू ५१ ३१ शु ३५ ५४ वा ९ १६	२	२४	३६	२२	३०	२४	सिंहे	वृश्चिके बुधः ३८।५९ रमा ११ ब्र.
१२	मं ६ ४६ उ ५१ १२ ऐं ५१ ७ तै ६ ४६	२७	२४	३६	२३	१	२५	कं.६।२६	दृश्यःस्वात्यांरविः३९ प्रदोषः घन१३रा.+
१३	बु ५ १४ ह ५२ १ वै ४७ ३१ व ५ १४	५४	२५	३५	२४	२	२६	कन्यायां	भ. ५।१४ उ. ३५।७ या. स्वात्यां रविः•
१४	गु ४ ५९ चि ५३ ५३ वि ४४ ५८ च ४ ५९	५०	२६	३४	२५	३	२७	तु.२२।५७	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	शु ५ ४४ स्वा ५७ २१ प्री ४३ ३३ ना ५ ४४	४६	२७	३३	२६	४	२८	तुलायां	अन्नकूट गोवर्द्धन पूजनम्

२८पं.का.कृ.८शु.इ.३०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	६	९	७	२	८	६
२	९	२७	९	१८	११	८	२
३१	४४	११	३५	७	१६	१८	३
३४	४२	४९	५३	८	८	४०	३२
५९	३९	५३	३	६५	१०	३	५९
३४	ब	२६	४१	४९	ब	११	४६

गोचरग्रहाः

का. कृ. ५ भौमे तुलायामर्कः प्र.वा. ३न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

२९पं.का.कृ.३०शु.इ.२९।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	७	९	७	२	८	६
९	७	२	१०	२५	११	७	९
२९	३४	२१	८	४९	११	५६	२
४९	५	११	२०	१	४६	२४	५२
५९	३९	२३	४	६३	५९	३	६०
४७	ब	२४	५१	५८	ब	११	२

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २०५सन् १९७३
१	श ७।५८ वि ६।० ० आ ४२।३१ ब ७।५८	२७	६	५	२७	५	२९	वृ.४५।४०	
२	र ११।३२ वि १।४६ सौ ४२।५२ कौ ११।३२	४२	२८	३३	२७	६	३०	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम २
३	बं १६।३१ अ ७।३७ शो ४४ ४ ग १६।३१	३५	२९	३१	२९	७	१	वृश्चिके	भ. ४१ उ. वक्री बुधः ६।२ सव्वाल १०
४	मं २२। १ ज्ये १४ ६ अ ४५।४१ वि २२। १	३१	३०	३०	३०	८	२	ध.१४।६	भ. २२।१ या. मूले धनुषि शुक्रः १७।५५
५	बु २८।२७ मू २१।५१ सु ४८।१० वा २८।२७	२७	३१	२९	३१	९	३	धनुषि	
६	गु ३४।४७ पू २९।२४ धृ ५०।३२ कौ १।३७	२४	३१	२९	१	१०	४	म.४६।१५	नवम्बर मा. ११ ता. ३०
७	शु ४१। ५ उ ३६।४९ शू ५२।४१ ग ७।५६	२०	३२	२८	२	११	५	मकरे	भ. ४१।५ उ.
८	श ४६।१७ श्र ४३।३२ गं ५४ ९ वि १३।४१	१६	३३	२७	३	१२	६	मकरे	भ. १३ या. पश्चिमास्तोबुधः ५५ गोपाष्टमी
९	र ५०।१४ ध ४८।५३ वृ ५४।३३ वा १८।१५	१३	३३	२७	४	१३	७	कु.१६।१२	अक्षया ९ कुष्माण्ड ९
१०	बं ५२।१९ श ५२।३२ ध्रु ५३।४१ वै २१।१६	९	३४	२६	५	१४	८	कुम्भे	दृश्यो विशाखा. रविः ५९।५४ वक्री*
११	मं ५२।३५ पू ५४।२५ व्या ५१।११ व २२।२७	६	३५	२५	६	१५	९	मी ३८।५७	भ. ३३ उ. ५३ या. विशाखा. रविः सौरः×
१२	बु ५०।३४ उ ५४।१६ ह ४७।२१ ब २१।३५	३	३६	२४	७	१६	१०	मीने	×३४ प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.
१३	गु ४६।५२ रे ५२।३४ व ४१।४४ कौ १८।४३	२९	३६	२४	८	१७	११	मे.५२।३४	प्रदोषः *तुलायां बुधः २०।३२
१४	शु ४१।२२ अ ४८।२३ सि ३४।४१ ग १४ ७	५६	३७	२३	९	१८	१२	मेषे	भ. ४१।२२ उ. वैकुण्ठ १४
१५	श ३४।२६ भ ४३।३१ व्य २६।३१ वि ७।५४	५३	३७	२३	१०	१९	१३	वृ.५७।१	भ. ७।५४ या. पुष्कर यात्रा

३०पं.का.शु.७शु.इ.२९।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	७	९	८	२	८	६
१६	५	१	१०	३	११	७	१६
२९	३१	५२	४९	१८	१	३४	३
३८	१	३७	५५	४७	५९	९	५६
६०	२०	३५	५	६२	४३	३	६०
४	ब	ब	५८	१०	ब	११	१८

गोचरग्रहाः

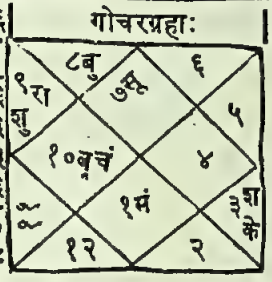

इस मासमें पांच शनिवार अशुभ हैं। प्रजामें पीड़ा एवं अग्नि युद्ध भय हो। रसपदार्थ तेच धान्य भाव साधारण रहे

गोचरग्रहाः

३१पं.का.शु.१४शु.इ.२९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	६	९	८	२	८	६
२३	३	२५	११	१०	१०	७	२३
३०	४४	३	३७	३८	४६	१२	६
५८	४२	२६	४१	५३	४	५३	३४
६०	९	९५	६	५९	१३	३	६०
१७	ब	ब	४९	४२	ब	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र २६।४७ कृ ३७।३१ च १७।३१ वा ०	३६	३८	२३	५	११	२०	१४	वृषे	×पूषायां शुक्रः ११।३०
२	बं १९।१५ रो ३७।२८ ष ५६ ५७ ग १९	१५	४६	३९	२१	१२	२१	१५	मि५८।२८	भ. ४५।२ उ. वक्रीस्वात्यांबुधः ३६।५४×
३	मं १०।४९ मृ २५।२८ सि ४८ ५६ वि १०	४९	४३	३९	२१	१३	२२	१६	मिथुने	भ. १०।४९ या.
४	बु ३ ८ आ १९।५३ सा ३९।५० वा ३	८	४०	४०	२०	१४	२३	१७	मिथुने	=पातस्पर्शः ६।४१ मोक्षः २३।१५
५	बु ५३।११ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०	*बुधोदयः पूर्वस्यां ४९।२४
६	गु ५०।२२ पु १५ १ शु २१।३६ ग २३	२०	३७	४१	१९	१५	२४	१८	क.१।१४	भ. ५०।२२ उ. दृश्यो वृश्चिकेऽर्कः ५५=
७	शु ४५।३२ पु ११ ९ शु २३।५७ वि १७	५७	३४	४१	१९	१६	२५	१९	कर्के	भ. १७।५७ या. वृश्चिकेऽर्कः सौरः १६*
८	श ४१।४६ श्ले ८ ९ ब १७।१७ वा १३	३९	३१	४२	१८	१७	२६	२०	सिं ८।९	+राहुः मृगे. ४ केतुः ३०।५५
९	र ३९।२३ म ६ २५ दे ११।४० वै १०	३४	२९	४२	१८	१८	२७	२१	सिंहे	÷रविः १४।१६ (सौरः ३६०) मूले. २÷
१०	बं ३७।५७ पू ५ ५४ वै ७ ० व ८	४०	२६	४३	१७	१९	२८	२२	कं.२१।१	भ. ८।४०उ. ३७।५७या. दृश्योऽनुराधा.÷
११	मं ३७।३४ उ ६ २३ वि ३ ८ द ७	४५	२५	४३	१७	२०	२९	२३	कन्यायां	मार्गी बुधः २।५२ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	बु ३८।३७ ह ८ ७ प्री १६ ५६ कौ ८	५	२१	४४	१६	२१	३०	२४	तु.३९।३३	श्रवणे २ गुरुः २७।२८
१३	गु ४०।३३ चि १० ५९ सौ ५७ २० ग ९	३५	१९	४४	१६	२२	१	२५	तुलायां	भ.४०।३३उ. प्रदोषः रा. मार्गशीर्षारंभः
१४	शु ४३।४६ स्वा १४ ५० शो ५७ १६ वि १२	९	१६	४५	१५	२३	२	२६	तुलायां	भ. १२।९ या. मार्गी भौमः १।३०
१५	श ४७।५३ वि १९।५८ अ ५७।३५ च १५	५०	१३	४५	१५	२४	३	२७	बृ.३।४१	वक्री आर्द्रा. १ शनिः ७।१

३२पं. मा.कृ.७शु.इ.२९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	६	९	८	२	८	७
०	२	१८	१२	१७	१०	६	०
३३	३२	७	३४	४२	२६	४९	१०
४७	२४	३७	३७	०	४९	३८	३८
६०	५	४०	८	५६	५३	३	६०
३०	ब	ब	३	४६	ब	११	४०

गोचरग्रहाः

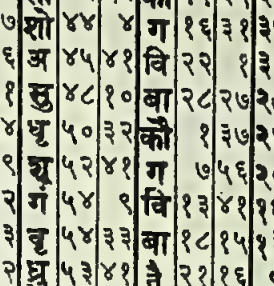

मार्ग. कृ. ६ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.४वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

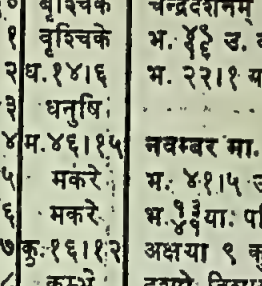

३३पं.मा.कृ.१४शु.इ.२९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	६	९	८	२	८	७
७	१	१८	१३	२४	१०	६	७
३७	५६	१२	३८	२४	२	२७	१६
३७	१७	१८	१३	५८	१७	२२	११
६०	२५	३९	८	५३	३७	३	६०
४२	मा	मा	५९	५	ब	११	५३

×बृवृशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *बुवशु

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५									दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३४स.१९७३
१	र	५३	१७	अ	२५	५३	सु	५८	४३	कि	२०	३५	११	४६	५४	२५	४	२८	बृश्चिके	
२	चं	५८	५६	ज्ये	३२	३५	धृ	६०	०	बा	२६	७	८	४६	१४	२६	५	२९	ध.३२।३५	विशाखा. बुधः ११।४६ उषायां शुक्र =
३	मं	६०	०	मू	३९	५७	धृ	०	२२	तै	३२	१०	६	४७	१३	२७	६	१	धनुषि	जिल्काद ११
३	बु	५	२५	पू	४७	३४	शू	२	३९	ग	५	२५	३	४७	१३	२८	७	२	धनुषि	भ. ३८।४३ उ. =१।४६ चन्द्रदर्शनम्
४	गु	१२	०	उ	५५	५	गं	४	४४	वि	१२	०	१	४८	१२	२९	८	३	म.४।२७	भ. १२।० या. मकरे शुक्रः ४१।२३
५	शु	१८	३०	श्र	६०	०	वृ	७	१८	बा	१८	३०	२५	४८	१२	३०	९	४	मकरे	
६	श	२४	७	श्र	२	२२	ध्रु	९	२०	तै	२४	७	५७	४९	११	१	१०	५	कुं.३५।३१	चम्पा ६ **विसम्बर मा. १२ ता. ३१**
७	र	२८	५३	ध	८	४०	ष्या	१०	२३	व	२८	५३	५५	४९	११	२	११	६	कुम्भे	भ. २८।५३ उ. दृश्यो ज्येष्ठा. रविः*
८	चं	३२	१	श	१३	४७	ह	१०	३५	वि	०	२७	५३	४९	११	३	१२	७	कुंभे	भ. ०।२७ या.
९	मं	३३	२७	पू	१७	२	व	९	३०	बा	२	४४	५१	५०	१०	४	१३	८	मी१।१३	बृश्चिके बुधः १७।४२
१०	बु	३२	४७	उ	१८	३२	सि	६	४९	तै	३	७	४९	५०	१०	५	१४	९	मीने	*२४।२६ (सौरः ४३।४०)
११	गु	३०	४	रे	१८	७	व्य	३५	५५	व	१	२५	४८	५०	१०	६	१५	१०	मि.१८।७	भ. १।२५ उ. ३०।४ या. अनु. बुध ३६×
१२	शु	२५	२०	अ	१५	४२	व	४९	१६	बा	२५	२०	४६	५१	९	७	१६	११	मेषे	प्रदोषः
१३	श	१८	४४	भ	११	२	शि	४०	२६	तै	१८	४४	४५	५१	९	८	१७	१२	बृ.२४।३२	×मोक्षदा ११ व्र. गीता जयंती
१४	र	१०	४१	कृ	४	५३	सि	३०	३२	व	१०	४१	४४	५१	९	९	१८	१३	बृषे	भ. १०।४१ उ. ३६।२९ या. ग्रस्तास्त+
१५	चं	२	१७	मृ	५०	३९	सा	२०	०	ब	२	१७	४२	५२	८	१०	१९	१४	मि२४।२४	पात स्पर्शः ४१।१८ +चन्द्रग्रहणम्

३४पं.मा.शु.५शु.इ.२८।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	६	९	९	२	८	७
१४	१	२५	१४	०	९	६	१४
४२	५८	२	४७	३८	३५	५	२२
५४	४१	६	२०	१३	२	६	५७
६०	२	७१	९	४८	५३	३	६१
५०	२	५०	४६	१३	ब	११	३

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ रवि ५सोम सामान्य हैं सोमवारा यदा पंचश्चांदमासे भवन्ति हि। धनं धान्यं समृद्धिः स्यात्सुखं सर्वत्र सुन्दरं ।।

गोचरग्रहाः

३५पं.मा.शु.१२शु.इ.२८।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	९	९	२	८	७
२१	२	४	१६	६	९	५	२१
४८	३८	३०	२	१४	४	४२	३०
५८	५३	३२	३१	६	१	५१	४४
६०	६	८४	१०	४१	१५	३	६१
५६	३५	५८	३१	५६	ब	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४३	११	आ	४३	७	शु	९४	४९	तै	१७	५३	३५	५२	५	११	२०	१५	मिथुने	श्रवणे ३ गुरुः २।३५ पातमोक्षः २४।२२
३	बु	३४	३२	पु	३६	१५	ब्र	४८	२०	व	८	५१	४०	५२	८	१२	२१	१६	क.२२।५८	भ. ८।५१उ. ३४।३२ या. श्रवणे शुक्रः ४१
४	गु	२६	३९	पु	३०	१९	ऐं	३८	४६	ब	०	३६	३९	५२	८	१३	२२	१७	कर्के	चतुर्थी व्र.
५	शु	२०	९	श्ले	२५	३५	वै	३०	३६	तै	२०	९	३८	५२	८	१४	२३	१८	सिं२५।३५	
६	श	१५	७	म	२२	२३	वि	२३	३१	व	१५	७	३८	५२	८	१५	२४	१९	सिंहे	भ.१५।७उ.४३ या. दृश्यो मूले धनुष्यर्कः×
७	र	११	५५	पू	२०	४१	प्री	१७	५०	ब	११	५५	३७	५३	७	१६	२५	२०	कं.३५।४०	पूर्वास्तं बुधः ४०।३२
८	चं	१०	१४	उ	२०	३५	आ	१३	२७	कौ	१०	१४	३७	५३	७	१७	२६	२१	कन्यायां	×३१ सौरः ४७ ज्येष्ठा. बुधः ४१।४७
९	मं	१०	१२	ह	२२	२७	सौ	१०	२२	ग	१०	१२	३७	५३	७	१८	२७	२२	तु.५४।५	भ. ४०।५८ उ.
१०	बु	११	४४	चि	२५	४३	शो	८	२८	वि	११	४४	२६	५३	७	१९	२८	२३	तुलायां	भ. ११।४४ या.
११	गु	१४	२४	स्वा	३०	१	अ	७	४७	बा	१४	२४	३६	५३	७	२०	२९	२४	तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	शु	१८	३५	वि	३५	२८	सु	८	८	तै	१८	३५	३६	५३	७	२१	३०	२५	वृ.१९।६	प्रदोषः
१३	श	२३	२९	अ	४१	४६	धृ	८	५०	व	२३	२९	३६	५३	७	२२	१	२६	वृश्चिके	भ. २३।२९ उ. ५६।२६ या. रा.पौषारंभः
१४	र	२९	२३	ज्ये	४८	५३	शू	९	२०	श	२९	२३	३६	५३	७	२३	२	२७	ध.४८।५३	
३०	चं	३५	१६	मू	५५	५९	गं	१२	१८	च	२	२०	३७	५३	७	२४	३	२८	धनुषि	मूले धनुषि बुधः १६।३२ सोमवती ३०

३६पं.पौ.कृ.५शु.इ.२८।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	९	९	२	८	७
२८	३	१४	१७	११	८	५	२८
५५	५५	४७	२२	०	३०	२०	३९
५२	५५	४२	१६	३६	५०	३५	२७
६१	१०	९१	११	३३	३५	३	६१
०	५२	५९	९	५३	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

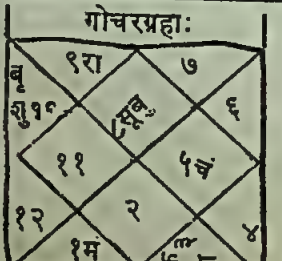

पौष कृ. ६ शनौ धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

३७पं.पौ.कृ.१२शु.इ.२८।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	९	९	२	८	८
६	५	२५	१८	१४	७	४	५
३	४०	३१	४६	४७	५६	५८	४८
२९	४१	२६	५२	१२	१०	२०	५२
६१	१३	९५	११	२३	४०	३	६१
४	५४	५०	४९	२२	ब	११	२२

*बृशुचं

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २६४स.१९७४
१	मं	४१	४९	पू	६०	०	वृ	१३	२१	किं	८	३२	२५/३७	६/५३	५/७	२५	४	२९	धनुषि	
२	बु	४८	१७	पू	३	४९	ध्रु	१६	२९	बा	१५	३	३७	५३	७	२६	५	३०	म.२०।४०	चन्द्रदर्शनम्
३	गु	५४	४३	उ	११	१५	व्या	१८	५०	तै	२१	३०	३८	५२	८	२७	६	१	मकरे	श्रवणे ४ गुरुः १४।२४ जिल्हेज १२
४	शु	६०	०	श्र	१८	३२	ह	२०	४५	व	२७	३७	३८	५२	८	२८	७	२	कु.५१।४८	भ. २७।३७ उ. दृश्यः पूषायां रविः ३६/३४●
४	श	०	३०	ध	२५	५	व	२२	८	वि	०	३०	३९	५२	८	२९	८	३	कुम्भे	भ. ०।३० या. ●(सौरः ४९/२)
५	र	५	२६	श	३०	५५	सि	२३	४	बा	५	२६	४०	५२	८	३०	९	४	कुम्भे	
६	चं	९	९	पू	३५	२७	व्य	२२	५८	तै	९	९	४०	५२	८	३१	१०	५	मी१९।१९	
७	मं	११	४०	उ	३८	२७	व	२१	३७	व	११	४०	४१	५२	८	१	११	६	मीने	भ. ११/४० उ. ४१/५६ या. वक्री शुक्रः ५८/५७×
८	बु	१२	१२	रे	३९	४७	प	१८	४३	ब	१२	१२	४२	५२	८	२	१२	७	मे.३९।४७	पूषायां बुधः ०।४
९	गु	११	६	अ	३९	९	शि	१४	३३	कौ	११	६	४३	५१	९	३	१३	८	मेषे	×जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९७४
१०	शु	७	४९	भ	३६	५२	सि	८	४९	ग	७	४९	४४	५१	९	४	१४	९	वृ.५०।४१	भ. ३५।१८ उ. पुत्रदा ११ व्र. स्मा.
११	श	२	४८	कृ	३२	९	सा	१/२३	५१/२३	वि	२	४८	४६	५१	९	५	१५	१०	वृषे	भ. २।४८ या. पुत्रदा ११ व्र. वै.
१२	श	५३	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	र	४८	१४	रो	२६	१४	शु	४२	५७	कौ	२२	७	४७	५१	९	६	१६	११	मि५२।४७	वक्री मृगे. ४ शनिः ११।५८ प्रदोषः
१४	चं	३८	३६	मृ	१९	५	ब्र	३२	२२	ग	१३	२५	४९	५०	१०	७	१७	१२	मिथुने	भ. ३८।३६ उ.
१५	मं	२८	४३	आ	११	२१	ऐं	२१	६	वि	३	५१	५१	५०	१०	८	१८	१३	क.५०।२३	भ. ३।४० या. माघ स्नान प्रारम्भः

३८पं.पौ.शु.४शु.इ.२८।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	९	९	२	८	८
१३	७	६	२०	१७	७	४	१२
११	५१	२४	१५	८	२१	३६	५८
३१	०	३६	७	२	०	४	४४
६१	१७	९२	१२	१०	४/४०	३	६१
६	३३	२८	१७	८	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

इस मास में घृत गुड़ तिल तेल नमक बिनौला चांदी अलसी एरण्डा शेयर्स में तेजी हो।

गोचरग्रहाः

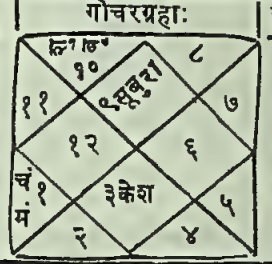

३९पं.पौ.शु.१०शु.इ.२८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	९	९	२	८	८
२०	१०	१७	२१	१७	६	४	२०
१९	२१	३०	४६	३९	४७	१३	८
२६	५०	१४	८	५०	४२	४८	४१
६१	२०	०/०	१२	५/३५	४/२७	३	६१
६	११	०/२३	४०	ब	ब	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेपौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१८	३४	पु	३/२३	५२/२०	वै	९/५९	४९/५	कौ	१८	३४	२६/५२	६/५०	५/१०	९	१९	१४	कर्के	●(सौरः ५०।२९) उषायां बुधः १०/२५
२	गु	९	४२	श्ले	४९	१	प्री	४९	१	ग	९	४२	५४	४९	११	१०	२०	१५	सिं४९।१	भ. २५/३६ उ. दृश्यः उषायां रविः ४१।१८●
३	शु	१	३०	म	४३	४०	आ	४२	९	वि	१	३०	५६	४९	११	११	२१	१६	सिंहे	भ. १/३० या. भरण्यां भौमः ५०/४९ धनिष्ठा.१×
४	शु	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×गुरुः २५।४० चतुर्थी व्र.
५	श	४९	३३	पू	४०	१६	सौ	३२	३१	कौ	२२	५	५८	४८	१२	१२	२२	१७	कं.५४।५०	मकरे बुधः ७।१०
६	र	४६	२८	उ	३८	३४	शो	२६	४२	ग	१८	१	२६/१	४८	१२	१३	२३	१८	कन्यायां	भ. ४६/२८ उ. दृश्यो मकरेऽर्कः ५७।४२
७	चं	४५	३४	ह	३८	५२	अ	२२	१३	वि	१६	१	३	४७	१३	१४	२४	१९	कन्यायां	भ. १६।१ या. मकरेऽर्कः सौरः ५।५४
८	मं	४६	३५	चि	४१	१०	सु	१९	३०	बा	१६	४	५	४७	१३	१५	२५	२०	तु.१०।१	
९	बु	४९	११	स्वा	४५	७	धृ	१८	३	तै	१८	५३	८	४६	१४	१६	२६	२१	तुलायां	
१०	गु	५३	२५	वि	५०	२८	शू	१८	२२	व	२१	१८	१०	४६	१४	१७	२७	२२	वृ.३४।८	भ २१/१८ उ. ५३/३५ या. पा. स्प. ३/१ मोक्षः ३८/४०
११	शु	५८	४४	अ	५६	५२	गं	१९	७	ब	२६	४	१२	४६	१४	१८	२८	२३	वृश्चिके	श्रवणे बुधः ७।३८ षट्तिला ११ व्र.
१२	श	६०	०	ज्ये	६०	०	वृ	२०	४६	कौ	३१	५३	१५	४५	१५	१९	२९	२४	वृश्चिके	
१२	र	५	१	ज्ये	४	१९	ध्रु	२२	५६	तै	५	१	१७	४५	१५	२०	३०	२५	ध.४।१९	दृश्योऽभि प्र. रविः ३०/२७ (सौरः ३७/१६) प्रदोषः
१३	चं	११	३५	मू	१२	४८	व्या	२५	१०	व	११	३५	२०	४४	१६	२१	१	२६	धनुषि	भ. ११/३५ उ ४४/४४ या. मूले १ राहुः मृगे.३केतुः+
१४	मं	१७	५४	पू	१९	२४	ह	२७	३०	श	१७	५४	२२	४४	१६	२२	२	२७	म.३६।१३	+२३/३ शुक्रास्तः पश्चि. ५९/२४ रा. माघा.
२०	बु	२४	१९	उ	२६	४०	व	२९	३१	ना	२४	१९	२५	४३	१७	२३	३	२८	मकरे	दृश्यः श्रवणे रविः ४६/५० (सौरः ५३/१३)

४०पं. मा.कृ.३शु.इ.२८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	९	९	२	८	८
२७	१३	२८	२३	१६	६	३	२७
२७	११	५३	२०	११	१५	५१	१८
४०	१०	६	३२	२८	११	३३	३३
६१	२३	०/१०	१३	२०/५०	४/७	३	६१
६	२१	०/४७	५	ब	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

माघ कृ. ६ रवौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

४१पं.मा.कृ.११शु.इ.२८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	९	९	२	८	९
४	१६	१०	२४	१३	५	३	४
३५	१४	३५	५८	७	४५	२९	२८
३१	२	३८	१६	८	४७	१७	२
६१	२५	०/१०	१३	३३/२४	३/४७	३	६१
३	२९	०/३४	२०	ब	ब	११	१९

●चंबृशु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	३०	१५	श्र	३३	२६	सि	३१	२६	ब	३०	१५	२६	४३	५	१७	२४	४	२९	मकरे
२	शु	३५	३१	ध	४०	१२	व्य	३२	३२	बा	२	५३	३०	४२	१८	२५	५	३०	कुं.६।४९
३	श	४०	७	श	४५	५३	व	३३	८	तै	७	४९	३३	४१	१९	२६	६	१	कुंभे
४	र	४३	३७	पू	५०	३०	प	३३	४	ब	११	५२	३६	४१	१९	२७	७	२	मी ३४।२१
५	चं	४६	४	उ	५४	४	शि	३२	१३	ब	१४	५०	३९	४०	२०	२८	८	३	मीने
६	मं	४७	७	रे	५६	२४	सि	३०	२२	को	१६	३५	४२	४०	२०	२९	९	४	मे.५६।३४
७	बु	४६	५८	अ	५७	११	सा	२७	२०	ग	१७	२	४६	३९	२१	३०	१०	५	मेषे
८	गु	४५	९	भ	५६	३५	शु	२३	५	वि	१६	३	४९	३८	२२	३१	११	६	मेषे
९	शु	४१	५०	कृ	५४	१७	शु	१७	३०	बा	१३	२९	५२	३८	२२	१	१२	७	वृ.११।०
१०	श	३६	४४	रो	५०	३४	ब्र	१०	४७	तै	९	१७	५५	३७	२३	२	१३	८	वृषे
११	र	३०	५४	मृ	४५	२३	ऐं	३	५०	व	३	४९	५९	३६	२४	३	१४	९	मि १७।५८
१२	चं	२२	४५	आ	३९	३	वि	४३	४३	बा	२२	४५	२७	३६	२४	४	१५	१०	मिथुने
१३	मं	१३	५८	पु	३१	५२	प्री	३३	१६	तै	१३	५८	६	३५	२५	५	१६	११	क. १८।४०
१४	बु	४	४१	पु	२४	२१	आ	२२	२६	ब	४	४१	९	३४	२६	६	१७	१२	कर्के
१५	बु	५०	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

दृ.ऽभि.नि.रविः ३९ सौरः ४५ वक्री उषा.●
धनि. बुधः ५५ धनि. गुरुः ४६ चन्द्रदर्शनम्
शुक्रोदयः पूर्व. ४३ मोहोरम १ स. १३९४
भ. ५३ उ. ३७ या. ●शुक्रः ४६ शु.उ.पू.
बुधोदयः पश्चिमायां २५।३ वसन्त ५
कुंभे बुधः ४४।१
भ. ४६।५८ उ. भानु ७ रथ ७
भ. १६।३ या. भीष्माष्टमी
फरवरी मा. २ ता. २८
शते बुधः ५२।५६
भ. ३।४९ उ. ३०।५४ या. अस्तं गुरोः×
प्रदोषः ×१८।० जया ११ ब्र. अ.गु.
दृश्यो धनिष्ठा. रविः ५५।११ (सौरः ५९)
भ. ४।४१ उ. ३९ या. माघ-स्ना. पूर्तिः

४२पं.मा.शु.२श.इ.२८।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	९	९	२	८	९
११	१९	२२	२६	९	५	३	११
४२	३०	३५	३५	१२	१९	७	३६
५८	०	५३	४९	५०	१३	२	५३
६०	२७	९	१३	३५	१७	३	६१
५९	२८	५	२७	व	व	११	१३

गोचरग्रहाः

माघमें तेजी जानिये
फाल्गुन मंदी चाल।
रसकस बेचो माघ में
अन्न खरीदो साध ॥
सरसों अण्डी तेल
में मन्दी के ग्रह
चाल ॥

गोचरग्रहाः

४३पं.मा.शु. ९शु.इ.२८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	१०	९	९	२	८	९
१८	२२	४	२८	५	४	२	१८
४९	५७	२३	१४	१२	५७	४४	५७
२६	३४	५६	५६	५४	२५	४६	२
६०	२८	९६	१३	५५	३५	३	६१
५५	४३	२५	३२	व	व	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	४५	१९	श्ले	१७	१९	सौ	११	४८	बा	२०	१६	२७	३३	२७	७	१८	१३	सिं १७।१९
२	शु	३८	२५	म	१०	२६	शो	४९	५१	तै	११	५१	१६	३३	२७	८	१९	१४	सिंहे
३	श	३१	५६	पू	५	१०	सु	४५	१७	व	५	१०	२०	३२	२८	९	२०	१५	कं.१९।१६
४	र	२७	१८	उ	१	३३	भृ	३९	१०	बा	२७	१८	२४	३१	२९	१०	२१	१६	कन्यायां
५	चं	२४	४६	ह	०	३	शु	३४	५०	तै	२४	४६	२७	३१	२९	११	२२	१७	तु.३०।१९
६	मं	२४	३५	चि	०	३५	गं	३२	४२	व	२४	३५	३१	३०	३०	१२	२३	१८	तुलायां
७	बु	२६	१४	खा	३	४	वृ	३१	२२	ब	२६	१४	३५	२९	३१	१३	२४	१९	वृ.५१।१०
८	गु	२९	५४	वि	७	३९	द्धु	३१	३४	को	२९	५४	३८	२८	३२	१४	२५	२०	वृश्चिके
९	शु	३४	५७	अ	१३	५५	व्या	३२	४५	तै	२	२५	४२	२८	३२	१५	२६	२१	वृश्चिके
१०	श	४१	६	ज्ये	२०	४३	ह	३४	५२	व	८	२	४६	२७	३३	१६	२७	२२	ध.२०।४३
११	र	४७	२७	मू	२८	१५	व	३७	१३	ब	१४	१६	५०	२६	३४	१७	२८	२३	धनुषि
१२	चं	५४	१०	पू	३५	५३	सि	३९	४३	को	२०	४८	५४	२५	३५	१८	२९	२४	म.५२।४५
१३	मं	६०	०	उ	४३	२१	व्य	४१	५५	ग	२७	१८	५८	२४	३६	१९	३०	२५	मकरे
१३	बु	०	२६	श्र	५०	१७	व	४३	३५	व	०	२६	२९	२४	३६	२०	१	२६	मकरे
१४	गु	६	१	ध	५६	१३	प	४४	३०	श	६	१	६	२३	३७	२१	२	२७	कुं.२३।१५
२०	शु	१०	४३	श	६०	०	शि	४४	४२	ना	१०	४३	१०	२२	३८	२२	३	२८	कुम्भे

वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
कृत्ति.भौमः ५६ धनिष्ठा. कुंभे ३ गुरुः ५४
भ. ५।१० उ. ३१।५६ या. च. ब्र.
भ. २४।३५ उ. ५५।२५ या. दृश्यः●
●कुंभेऽर्कः ३०।२६ (सौरः ३३।१)
मार्गी शुक्रः १२।२३
वक्री बुधः ५५।२० बृषे भौमः ९।४६,
भ. ८।२ उ. ४१।६ या.
बुधास्तः पश्चिमायां ५३ विजया ११ ब्र.
दृश्यः शते रविः ४७ (सौरः २६) प्रदोषः
भ. ०।२६ उ. ३३।१३ या. महाशिवरात्रि×
×ब्र. रा. फाल्गुनारंभः
धनिष्ठा. ४ गुरुः ४४।६

४४पं.फा.कृ.२शु.इ.२८।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	१०	९	९	२	८	९
२५	२६	१४	२९	२	४	२	२५
५५	२८	११	५४	४४	४०	२२	५१
१६	४४	६	५०	२८	१९	३०	४१
६०	३०	६९	१३	३३	९	३	६०
५७	१६	३७	३७	व	व	११	५५

४५पं.मा.कृ.९शु.इ.२८।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	१०	९	२	८	१०
३	०	१८	१	२	४	२	२
०	९	१५	३५	२४	२७	०	५७
४५	५४	२५	३८	५०	४७	१५	४४
६०	३१	४	१३	०	२०	३	६०
२७	२६	२९	३८	मा	ब	११	४२

४६पं.फा.कृ.३०शु.इ.२८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	१०	९	२	८	१०
१०	३	१४	३	३	४	१	१०
३	५६	४६	१६	४९	२१	३७	२
३२	३५	१९	३४	२३	११	५९	१७
६०	३२	६१	१३	१४	९	३	६०
२५	२३	व	३४	३८	व	११	३१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

| ति. | फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५ | | |

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०७५ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७५ भोग्यकलिः ४२६९२५ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३१ शाकः १८९६ वर्षेऽस्मिन् राजा रविः । मंत्री शनिः । सस्येशो भौमः । धान्येशो रविः । मेघेशोशुक्रः । रसेशोगुरुः । नीरसेशो भौमः । फलेशो शुक्रः । धनेशश्चन्द्रः । दुर्गेशो शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १ प्रभव नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ६।१३।१४।५२ भोग्यमासादिः ५।१६।४५।८ । विष्णुदैवतंयुगम् । वर्षनाम भाद्रपदः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासः संधौ । समय निवासो वणिक्गृहे । समय विश्वा ८ । समय वाहनमश्वः । स्तम्भः १ तृणस्य । सोमवत्यमा. २ सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी१ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३८५ । तिथिक्षयः १९ । तिथिवृद्धिः १३ । उत्पत्तिविश्वा ९९ । खपतिविश्वा ९३। वर्षाविश्वा १३ । धान्यम् ५। तृणम् ७ । शीतम् १७ । तेज ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०१ । सत्यं ।।, धर्म १।।, पाप१८ । शनि दृष्टिः पूर्वस्यां । ग्रहणम् २ चन्द्रमसः ।

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

नतमस्तक भैरव खड़ा माता के दरबार ।
शुभ संवत् इकतीस का कह दो हाल विचार ।।

भवानी उत्तर

एकतीसो सषरो समय सुन ले ध्यान लगाय ।
वर्षा मध्यम वर्षसी मंद मंद बाजे वाय ।।
राजा रवि मन्त्री शनि यह है योग कुयोग ।
आपस में हो शत्रुता, बढ़े द्वेष अरु रोग ।।
सस्यपति मंगल हुवा धान्याधिप रवि जान ।
मक्ष खेती के मायने होसी खेंचा तान ।।
टीडी मूसा कातरा करें धान्य का नाश ।
फलपति भृगु महाराज हैं पूर्ण करसी आश ।।
फल संवत्सर का कहा निज गुरु का धर ध्यान ।
बंशीधर का कथन है भली करें भगवान ।।

सं. २०३१ शाके १८९६ ज्येष्ठ शु. १५ भौमे खंडग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
उज्जयिनी मध्यमकाल	घ.	४९	५३	५७
	प.	२	६	९
रेल्वे टाइम	घं.	२	३	५
	मि.	३	४१	१९

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

वर्ष लग्नम् ४।१८

संवत् २०३१ शाके १८९६ शुक्ले १५ शुक्रे खग्रासं चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज. मध्य.	घ.	३१	३३	३५	३७	४०
	पल	१६	५९	३९	१९	२
रेल्वे टाइम	घं.	६	८	८	९	१०
	मि.	५७	३	४३	२३	२८

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ३।८

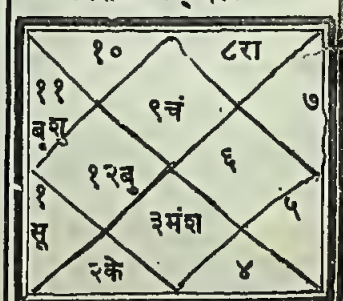

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२८।५५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् । वर्षेऽस्मिन् राजा रविः फलम्-सूर्ये नृपे स्वल्प फलाश्च मेघाः स्वल्पं पयो गोषु जनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्प वृक्षाश्चौराग्निवाधा निधनं नृपाणाम् ।। मन्त्रि शनिः फलम्---रविसुते यदि मंत्रिणी पार्थिवाः विनय संरहिता बहुदुःखदाः । नजलदा जलदा जनता पदा जन पदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम्-प्रथम धान्यपतौ धरणी सुते गज तुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग घनो जलं न सम सौख्य करं तुष धान्य हृत् ।। धान्येशो रविः फलम्-पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्य तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वर पीडनम् ।। मेघेशःशुक्रस्तत्फलम्-भृगुः सुतो जलदस्य पतिर्यदा जलमुचा जलदा दिविशोभनाः । धन निधान युता द्विज पालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो गुरुः फलम्-यदि गुरू रसपो जन सौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विज पूजन तत्परा गज सुवाजि रथोष्ट्र युता नृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम्-नीरसेशो यदा भौमः प्रवाल रक्त वाससाम् । रक्त चन्दन ताम्राणामर्घ वृद्धि दिनेदिने ।। फलेशःशुक्रस्तत्फलम्-यदि फलस्य पतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार महीरुह राशयः । बहुफला नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठ परायणाः ।। धनेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-धनपतिर्मृगलाञ्छनको यदा रस चयात्क्रय विक्रयतो धनम् । वसन शालि सुगन्ध रसं बहु द्रविण तैल घृतं नृप सौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम्-नगर देश विशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्यकरो मतः । विनय वाणिज गेह समः सुखो नग वने निकटेपिच दूरतः ।। प्रभव नाम संवत्सरः फलम्-ईतयश्चाग्निकोपश्च व्याधयः प्रचुरा भुवि । प्रभवाब्दे मंद वृष्टिः तथापि सुखिनो जनाः ।। वर्षनाम भाद्रपदः फलम्-अर्घं महर्घतां याति धन धान्यं समं भवेत् । मघवा वर्षति स्वच्छं संपदो भाद्र वर्षके ।। मेघनाम पुष्करः फलम्-पुष्करे मंद वृष्टिच ।। रोहिणीनिवासः संधौफलम्-खण्डवृष्टिश्च संधिषु ।। समय निवासो वणिग्गृहे फलम्- वणिग्गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०३१ शाके १८९६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

बैसाख मासः

शु. ९ भौमे मघा. ल. गो. ११ रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः कुंभे चं.७ पूज्यः

,, ११ गुरौ उफा.ल. अन्यगो.१२ रे. ९।।।।।।ऽ।। मीनेचं.७पू.

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ गुरौ ल. गो. ११-१२ रे. ८ ।।।ऽ।।ऽ।।

,, १० शुक्रे उभा.ल. ११-१ रे. ६ ऽ।।।ऽअ.ऽऽ।। मेषेऽग्नि-पंचकाऽभावः रेखा ७

शु. ६ चंद्रे मघा. ल.११-१ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। कुंभे चं. ७पू.

,, ९ बुधे उफा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १२ रे.८ ।।।।ऽ।ऽ।।। मीने चं. ७ पूज्यः

,, १० गुरौ हस्ते ल. सोग्रांगः १२ रे. ८ ।।।।।ऽचो.।ऽ।

,, १२ शनौ स्वा.ल.अन्यगो.सोग्रांगः११ रे.७ऽ।।।ऽशु.ऽरो.।।।।

आषाढ़ मासः

कृष्णा ९ रेवत्यां ल. अन्यगो. रे. ७ ऽ।।।।ऽअ.।ऽ।। मासांतः

शुक्ले ४ रवौ मघा. ल.१ रे. ६ ऽ।।।।ऽरो.ऽऽ।।

,, ५ चंद्रे मघा. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।। भौम८दोषः

, ७ बुधे हस्ते ल.१२ (चं.७पू.) रे.६ ऽ।।।।ऽअ.।ऽ।ऽदग्धा. आवश्यके

, ९ शुक्रे स्वा. ल.११-१२ रे. ८ ।।।।।ऽनृ।ऽ।। मेषे चं.७पू.

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १२ भौमे स्वा. ल.५ (घ.४०।२२या.) रे.६ ऽ।।ऽगु।ऽचौ।ऽ। पादवेधाद्गुरोर्वेधाऽभावः गु. ७ पू.

पौषः मासः

शु. ६ शनौ उभा. ल.अन्यगो.६ रे. ८ ।।।।।ऽ।।। कन्यायांचं.७पू.

७ रवौ रेव. ल.अन्यगो.६ रे.९ ।।।।।।ऽनृऽ।।।कंन्यायांचं७पू.

माघ मासः

कृष्णा ३ गुरौ उफा. ल. गो. ७ रे. ८ ।।।ऽ।।ऽ।।

,, ४ शुक्रे हस्ते ल. गो. रे. ६ ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।

,, ११ गुरौ मूले ल. ७ रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।।

शु. ३ शुक्रे उभा. ल. १० रे. ८ ।।।।।ऽअ.।।।ऽदग्धः

,, ४ शनौ रेव. ल. १० रे. ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।।

फाल्गुन मासः

कृ. २ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ९ ।।।।ऽ।।।।।

,, ९ गुरौ मूले ल. अन्यगो. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५३ स.१९७४
१	र ५२।३१ उ २५।१९ ब्र ५४।२८ किं २१।५०	३० ५	६ २४	३ २९	मीने	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	चं ५०।३८ रे २६।१७ ऐं ५०।४६ बा २१।३४	१८ ५६	४ २५	४ ३०	मे.२६।१७	ज्ये. ४ वृश्चिके राहुः मृगे २ वृषे केतुः १८*
३	मं ४८।५५ अ २६।२५ वै ४६।१४ तै १९।४६	२३ ५५	५ २६	५ १	मेषे	मत्स्य जयंती गणगौरी रविलावल ३
४	बु ४६।१९ भ २५।३३ वि ४१ ९ व १७।३७	२७ ५५	५ २७	६ २	वृ.४०।११	भ. १७।३४ उ. ४६।१९ या.
५	गु ४२।४९ कृ २४ ५ प्री ३५।३५ ब १४।३४	३१ ५४	६ २८	७ ३	वृषे	मृगे भौमः ४३।५७
६	शु ३८।५५ रो २२ ७ आ २९।२९ कौ १०।५२	३५ ५३	७ २९	८ ४	मि५०।५२	*चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
७	श ३४।५७ मृ १९।३७ सौ २२।५३ ग ६।५६	३९ ५२	८ ३०	९ ५	मिथुने	भ. ३४।५७ उ. कुंभे शुक्रः ५३।३५
८	र २९।४२ आ १६।३४ शो १६ ७ वि २।१९	४४ ५१	९ ३१	१० ६	क.५८।४७	भ.१९ या.ह.रेवत्यांरविः १३ (सौरः १४)×
९	चं २४।१९ पु १२।५२ अ ८।४९ कौ २४।१९	४८ ५०	१० १	११ ७	कर्के	रामनवमी अप्रेल मा. ४ ता. ३०
१०	मं १८।३४ पु ८।५८ सु १२।५३ ग १८।३४	५२ ५०	१० २	१२ ८	कर्के	भ. ४५।३१ उ. ×पूभायां बुधः २२।२३
११	बु १२।२८ श्ले ४।३४ शू ४५।२३ वि १२।२८	५६ ४९	११ ३	१३ ९	सिं४।३४	भ. १२।२८ या. कामदा ११ व्रतम्
१२	गु ६ ६ म २३।५५ गं ३७।३३ वा ६ ६	३१ ४८	१२ ४	१४ १०	सिंहे	प्रदोषः व्रतम्
१३	गु ५३।५० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०	० ०	० ०	०	
१४	शु ५४।२१ उ ५२।२५ वृ ३०।१५ ग २७ ८	४ ४७	१३ ५	१५ ११	कं.९।४१	भ. ५४।२१ उ. +हनुमज्जयंती
१५	श ४९।२९ ह ४९।४१ ध्रु २३।३१ वि २१।५५	८ ४६	१४ ६	१६ १२	कन्यायां	भ. २१।५५ या. शते शुक्रः ४७।११+

५१पं. चै.शु.६शु.इ.३०।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१०	९	२	७	११
१४	२३	१७	११	२८	५	२९	१५
५९	४७	५१	२२	४२	८	४६	०
१३	२४	४	२३	४०	३१	४१	११
५९	३५	६९	१२	५५	२	३	५९
१६	१६	११	२०	५५	५९	११	१८

गोचरग्रहाः

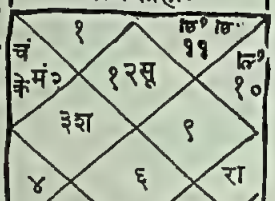

इस मास में वृष का मंगल संपूर्ण धान्य रुई वस्त्र चंदन केसर तेज कारक है। प्रजा में पीड़ा हो।

गोचरग्रहाः

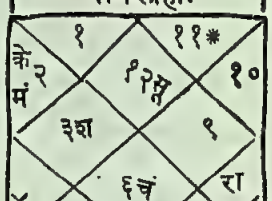

५२पं.चै.शु.१४शु.इ.३०।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१०	१०	२	७	११
२१	२७	२७	१२	५	५	२९	२१
५३	५५	६	५२	२५	३३	२४	५४
३१	३४	२५	५	८	५०	२५	२२
५९	३५	८५	१२	५८	३	३	५९
४	५१	११	१०	५३	४०	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ४६। १ चि ४८।२२ त्वा १७।५८ बा १७।४५	३१ ५	६ ७	१७ १३	तु.१९।१	मीने बुधः ३३।१० शते २ गुरुः
२	चं ४४।२३ खा ४८।४१ ह १४।२६ ते १५।१२	१६ ४५	१५ ८	१८ १४	तुलायां	मिथुने भौमः ५९।१०
३	मं ४४।१० वि ५०।३७ व १०।११ व १४।१६	२० ४४	१६ ९	१९ १५	बृ.३५।८	भ. १४ उ. ४४ या. उभायां बुधः ५३।४
४	बु ४६। २ अ ५४।३० सि ८।५५ ब १५। ६	२४ ४३	१७ १०	२० १६	वृश्चिके	चतुर्थी ब्र.
५	गु ४९।२९ ज्ये ५९।५१ व्य ८।१६ कौ १७।४५	२८ ४२	१८ ११	२१ १७	ध.५९।४१	
६	शु ५४।३८ मू ६०ं ० व ९।१० ग २२। ३	३२ ४२	१८ १२	२२ १८	धनुषि	भ. ५४।३४ उ.
७	श ६०ं ० मू ६।२५ प १०।५४ वि २७।३४	३६ ४१	१९ १३	२३ १९	धनुषि	भ.३७ या. अश्वि. मेषेऽर्कः ४६ (सौरः ४६)
७	र ०।३० पू १३।५५ शि १३ ५ ब ०।३०	४० ४०	२० १४	२४ २०	म.३०।४८	
८	चं ६।५० उ २१।२६ सि १५।२७ कौ ६।५०	४३ ३९	२१ १५	२५ २१	मकरे	*२२।२ आर्द्रा. १ शनिः ४३।५
९	मं १२।५९ श्र २८।४४ सा १७।३१ ग १२।५९	४७ ३९	२१ १६	२६ २२	मकरे	भ. ४५।४३ उ.
१०	बु १८।२८ ध ३५।१६ शु १९ ४ वि १८।२८	५१ ३८	२२ १७	२७ २३	कु. २।०	भ. १८।२८ या. रेवत्यां बुधः ५०।३६
११	गु २२।४७ श ४०।१५ शु १९।३४ वा २२।४७	५५ ३७	२३ १८	२८ २४	कुम्भे	वरूथिनी ११ ब्र.
१२	शु २५।३७ पू ४४ ४ ब्र १७ ८ ते २५।३७	५८ ३६	२४ १९	२९ २५	मी२८।७	पूभायां शुक्रः ३८।१५ प्रदोषः
१३	श २६।४७ उ ४५।५५ ऐ १३।४६ व २६।४७	३३ ३६	२४ २०	३० २६	मीने	भ. २६।४७ उ. ५९।२९ या. आर्द्रा.भौमः*
१४	र २६।११ रे ४६।२६ वै ९।२० श २६।११	६ ३५	२५ २१	१ २७	मे.४६।२६	राष्ट्रीय वैशाखारंभः
३०	चं २४।१० अ ४५।२८ वि ५५ ३ ५४ ना २४।१०	१० ३४	२६ २२	२ २८	मेषे	पूर्वास्तो बुधः ३८।१८ सोमवती ३० वै.

१पं. वै.कृ.७श.इ. ४६।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	१०	१०	२	७	०
०	२	९	१४	१३	६	२८	०
०	४४	५५	३६	५१	६	५८	०
०	१०	१५	४३	३६	५४	१७	३२
५८	३६	०	११	६२	४	३	५८
५४	१६	११	२९	११	२७	११	४५

गोचरग्रहाः

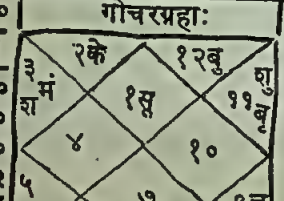

वैशा.कृ. ७ शनौ मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू..।

गोचरग्रहाः

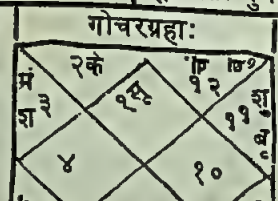

२पं. वै.कृ.३०श.इ.४६।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	१०	१०	२	७	०
६	६	२२	१५	२१	६	२८	६
५०	५४	१०	५८	१३	४०	३६	५०
४२	५४	३६	२६	२६	१९	२	४३
५८	३६	०	१०	६४	४	३	५८
३१	२४	११	५७	७	५३	११	२९

*बुबृशु

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ३८३ स. १९७४
१	मं २०।४७ भ ४३।२६ आ ५८ ३ ब २०।४७	३२	५	६					
२	बु १६।२८ कृ ४०।३४ सौ ५१।१७ कौ १६।२८	१४	३३	२७	२३	३	२९	वृ.५७।४३	चन्द्रदर्शनम्
३	गु ११।२५ रो ३७।१० शो ४३।४९ ग ११।२५	१७	३३	२७	२४	४	१	वृषे	अश्वि. मेषे बुधः ५३ शतभिषा४ गुरुः १९*
४	शु ६ ४ मृ ३३।३४ अ ३६।४४ वि ६ ४	२१	३२	२८	२५	५	२	वृषे	भ. ३८।४५ उ. अक्षया ३
५	श ० ४० आ २९ ४ सु २९।४९ बा ० ४०	२५	३१	२९	२६	६	३	मि५।२२	भ. ६।४ या.
६	र ५४।२१ ० ० ० ० ० ०	२९	३०	३०	२७	७	४	मिथुने	भरण्यां रविः २६।५७ (सौरः २७।२७)
७	र ४९।४७ पु २६।२६ धृ २२।२८ ग	०						०	*रविलाखर ४
८	चं ४४।३५ पु २३ ८ शू १५।३२ वि	२२	३०	३०	२८	८	५	क.१२।५	भ. ४९।४७ उ. मीने शुक्रः ५५।१२
९	मं ३९।२२ श्ले १९।४७ मं ८।३४ बा	१७	२९	३१	२९	९	६	कर्के	भ. १७।४१ या.
१०	बु ३४।४१ म १६।५२ वृ ५६ ५४ वै	१२	२८	३२	३०	१०	७	सिं१९।४७	पातस्पर्शः ८।५९ पात मोक्षः २२।२९
११	गु ३०।१५ पू १४।१६ व्या ४९।२५ व	७	२७	३३	१	११	८	सिंहे	भरण्यां बुधः ३३ उभायां शुक्रः ५९।४७×
१२	शु २६।१२ उ १२।३१ ह ४३।५५ बा	२	२८	३३	२	१२	९	कं.२८।४५	भ. २।२८ उ. ३०।१५ या. मोहिनी ११ व्र.
१३	श २२।५३ ह १०।४० व ३८।५९ वै	२६	१२	३४	३	१३	१०	कन्यायां	प्रदोषः नृसिंह जयंती
१४	र २०।२९ चि १०।५ स्वि ३५ २ व	२२	५३	३५	४	१४	११	तु.४०।२२	×मई मा. ५ ता. ३१
१५	चं १९।३३ स्वा १०।४६ व्य ३२ ५ ब	२०	२९	३५	५	१५	१२	तुलायां	भ.२०।२९ उ. ५०।१ या.
		१९	३३	२४	६	१६	१३	वृ.५७।१४	यमाय जलान्नकुंभदानम्

३पं. वै.शु.५ श.इ.४७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१०	१०	२	७	०
१३	११	५	१७	२८	७	२८	१३
२९	५	४६	१७	४५	१८	१३	२९
४३	२२	३०	१०	३६	४६	४६	८
५८	३६	५९	१०	६५	५	३	५८
१९	४२	७	१४	४१	१९	११	१२

गोचरग्रहाः

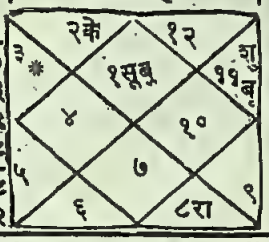

इस मासमें धान्य भाव साधारण रहे सोना चांदी शेयर पाट वार-दाना घृत तैल चौपाया पशु तेज हो।

गोचरग्रहाः

४पं. वै.शु.१३ श.इ.४७।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१०	११	२	७	०
२०	१५	२०	१८	६	८	२७	२०
२७	१५	३४	३०	२७	०	५१	२५
२२	५४	४४	५०	२५	०	३१	४९
५८	३६	५९	९	६७	५	३	५७
६	५७	७	२७	४५	३	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखाकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं १९।४४ वि १२।४३ व ३३।४० कौ	३४	२३	३७	७	१७	१४	वृश्चिके	कृत्तिका. बुधः ३८।३९
२	बु २१।३५ अ १६ ५ प २९।३७ ग	२१	३५	७	२३	३७	८	१८	१५ वृश्चिके	भ. ५३।१० उ. वृषे बुधः ५९।३९
३	गु २४।४५ ज्ये २०।५२ शि ३० ७ वि	२४	४५	१०	२२	३८	९	१९	१६ ध.२०।५२	भ. २४।४५ या. चतुर्थी व्र.
४	शु २९।२७ मू २७ ७ स्वि ३१।२५ बा	२९	२७	१३	२१	३९	१०	२०	१७ धनुषि	
५	श ३४।५२ पू ३३।४७ सा ३३।२७ कौ	२	१०	१६	२१	३९	११	२१	१८ म.५०।४१	कृत्तिका. रविः १२।५२ (सौरः१५।२४)
६	र ४१ २ उ ४१।२३ शु ३५।५३ ग	७	५७	१९	२०	४०	१२	२२	१९ मकरे	भ. ४१।२ उ. पुनर्वसौ भौमः ३७।२३
७	चं ४७।१९ भ ४९।५४ शु ३७।४७ वि	१४	५७	२२	२०	४०	१३	२३	२० मकरे	भ.१४या. रोहि. बुधः४७ रेवत्यां शुक्रः ५४
८	मं ५३ ९ ध ५५।५६ बु ४०ं १९ बा	२०	१४	२५	१९	४१	१४	२४	२१ कुं.२२।२५	वृषेऽर्कः ४० (सौरः ४३) पूभा. १ गुरुः १० २४
९	बु ५७।५५ श ६० ० ऐं ४१।३१ वै	२५	३२	२८	१८	४२	१५	२५	२२ कुम्भे	पश्चिमोदयो बुधः ४६।२७
१०	गु ६० ० श २ २ वै ४१।३४ व	२९	३१	३०	१८	४२	१६	२६	२३ मी५०।११	भ. २९।३१ उ.
१०	शु १ ७ पू ६।१३ वि ४०।२४ वि	१	७	३३	१७	४३	१७	२७	२४ मीने	भ. १।७ या. अपरा ११ व्र. स्मा.
११	श २।३५ उ ९ ३ प्री ३७।४८ बा	२	३५	३६	१७	४३	१८	२८	२५ मीने	अपरा ११ व्र. वै.
१२	र २ ५ रे ९।५६ आ ३३।२६ वै	२	५	३९	१६	४४	१९	२९	२६ मे.९।५६	भ. ५९।४३ उ. प्रदोषः
१३	र ५७।३८ ० ० ० ० ०	०						०	
१४	चं ५५।२३ अ ८।४९ सौ २७।५० वि	२७	३३	४१	१६	४४	२०	३०	२७ मेषे	भ. २७।३३ या. मृगे बुधः ३७।७
१५	मं ४९।५३ भ ६ ५ शो २१ १ च	२२	३८	४३	१५	४५	२१	३१	२८ वृ.२०।६	वटपूजनम्

५पं. ज्ये.कृ.५ श.इ.४७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१०	११	२	७	०
२७	१९	५	१९	१४	८	२७	२७
१३	२९	४९	२९	१५	४४	२९	११
३४	२	१५	१८	४३	३४	१५	३
५७	३७	५९	८	६८	६	३	५७
५४	२२	७	४२	९	११	११	४५

गोचरग्रहाः

ज्ये. कृ. ८ भौमे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

६पं.ज्ये.कृ.११श.इ.४७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१०	११	२	७	१
३	२३	१९	२०	२२	९	२७	३
५८	४२	५०	४०	९	३१	६	५४
२६	५०	५२	४०	२५	१	५९	४२
५७	३७	८	७	४९	६	३	५७
४४	२३	४७	४६	९	२६	११	३४

*चंमंश

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४१२ स.१९७४
१	बु ४३ ८ कृ ३ ५५ अ १३ १० कि १६ ३१	३३	५	६	२२	१	२९	वृषे	आर्द्रा. २ शनिः ४५।५७ रा. ज्येष्ठारंभः
२	गु ३५ ५२ मृ ५० ५३ सु ४६ ५१ बा ९ ३०	४८	१४	४६	२३	२	३०	मि२४।५	चंद्रदर्शनम्
३	शु २८ ३७ आ ४६ ४० शू ४७ १९ तै २ १४	५०	१४	४६	२४	३	१	मिथुने	भ.५४उ. मिथुने बुधः४३ जमादिलावल५
४	श २१ २२ पु ४१ ३५ गं ३९ २ वि २१ २२	५२	१४	४६	२५	४	२	क.२७।५२	भ. ३१ या. राहि. रविः४३ (सौरः२९)*
५	र १४ ३५ पु ३७ ८ वृ ३१ १३ बा १४ ३५	५४	१३	४७	२६	५	३	कर्के	*अश्वि. मेषे शुक्रः ४०।४
६	चं ८ १८ श्ले ३३ २३ धु २३ ४४ तै ८ १८	५६	१३	४७	२७	६	४	सिं३३।२३	ज्येष्ठा. ३ राहुः मृगे १ केतुः १७।६
७	मं २ ४९ म ३० १३ ष्या १६ ५२ व २ ४९	५८	१२	४८	२८	७	५	सिंहे	भ.४९उ. ३२या. आर्द्रा. बुधः ५९।५४
८	मं ५५ २६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
९	बु ५४ ३२ पू २८ १ ह १० ४४ बा २६ २३	३४	१२	४८	२९	८	६	कं.४२।४१	कर्के भौमः ३।३२
१०	गु ५१ ३६ उ २६ ४० व ५ २४ तै २३ ४	२	१२	४८	३०	९	७	कन्यायां	गंगादशमी
११	शु ४९ ४१ ह २६ २३ सि ५० ५६ व २० ३८	४	११	४९	३१	१०	८	तु.५६।३५	भ. ३८ उ. ४९ या. निर्जला ११ व्र.
१२	श ४८ ३५ चि २६ ४७ व ५४ ४ ब १९ ११	६	११	४९	१	११	९	तुलायां	जून मा. ६ ता. ३०
१३	र ४८ ५२ स्वा २८ २३ प ५१ ४९ कौ १८ ४४	७	११	४९	२	१२	१०	तुलायां	प्रदोषः
१४	चं ४९ ५८ वि ३० ५९ शि ५० ३७ ग १९ २५	९	१०	५०	३	१३	११	बृ.१५।२०	भ. ४९।५८ उ. पुष्ये भौमः ३६।३
१५	मं ५२ २८ अ ३४ ४७ सि ५० १३ वि २१ १३	१०	१०	५०	४	१४	१२	वृश्चिके	भ. ३१ या. चन्द्रग्रहणं पातस्पर्शः ४० ११

७पं.ज्य.शु.४श.इ.४७।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	१०	०	२	७	१
१०	२७	१	२१	०	१०	२६	१०
४२	५७	४१	३६	९	२०	४४	३६
२५	११	५२	५८	७	१०	४४	५३
५७	३७	९३	६	६९	६	३	५७
३५	४०	१०	४६	५३	३९	११	२३

गोचरग्रहाः

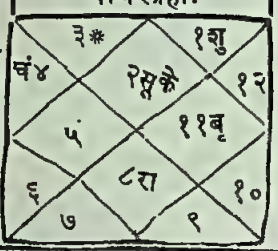

बुधो मिथुन राशिस्थो महर्घं च चतुष्पदाम्। तदा वायु विजानीयान्मेघच प्रचुरो भवेत्॥ वायु का जोर, कहीं२ वर्षा।

गोचरग्रहाः

८पं.ज्ये.शु.१२श.इ.४७।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	१०	०	२	७	१
१७	२	१०	२२	८	११	२६	१७
२५	११	४८	२५	११	१०	२२	१७
८	४६	५७	३४	४१	३०	२८	५९
५७	३७	६४	५	७०	६	३	५७
२७	५३	१८	३५	३५	५८	११	२३

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु ५५ ५९ ज्ये ३९ ३८ सा ५० ३७ बा २४ १३	३४	५	६	५	१५	१३	ध.३९।३८	
२	गु ६० ० मू ४५ ४९ शु ५१ ० तै २८ २५	१३	९	५१	६	१६	१४	धनुषि	भरण्यां शुक्रः १६।४७
२	शु ० ५० पू ५२ २५ शु ५३ ४४ ग ० ५०	१४	९	५१	७	१७	१५	धनुषि	भ. ३३ उ. मृगे रविः ५८ पातमोक्षः ३१
३	श ६ १३ उ ५९ ५० ब्र ५६ १३ वि ६ १३	१६	९	५१	८	१८	१६	म.१०।१	भ. १६ या. मृगे रविःसौरः८।१० चतुर्थी व्र.
४	र १२ १५ श्र ६० ० ऐं ५८ ४० बा १२ १५	१७	९	५१	९	१९	१७	मकरे	
५	चं १८ ३३ श्र ७ ३८ वै ६० ० तै १८ ३३	१८	८	५२	१०	२०	१८	कु.४१।१८	
६	मं २४ ३२ ध १५ ४ वै १ ८ व २४ ३२	१९	८	५२	११	२१	१९	कुम्भे	भ. ३४ उ. ५६ या. पूभा. २ गुरुः ३७।४९
७	बु २८ ५९ श २१ ३६ वि ३ २ ब २८ ५९	२०	८	५२	१२	२२	२०	कुम्भे	अस्तं शनिः १८।४२
८	गु ३३ ४६ पू २७ १३ प्री ४ ९ बा १ २२	२१	८	५२	१३	२३	२१	मी १०।४९	
९	शु ३६ ७ उ ३१ १४ आ ४ १ तै ४ ५६	२१	८	५२	१४	२४	२२	मीने	मिथुनेऽर्कः ५७।१६
१०	श ३६ २७ रे ३३ २७ सौ ३७ ५२ व ६ १६	२२	८	५२	१५	२५	२३	मे.३३।२७	भ. १६ उ. ३६ या. मिथुनेऽर्कः सौरः ८।५७
११	र ३४ ५२ अ ३३ ३२ अ ५४ ४६ ब ५ ४७	२२	८	५२	१६	२६	२४	मेषे	वक्री बुधः ८।११ योगिनी ११ व्र.
१२	चं ३१ ५ भ ३१ ३८ सु ४८ २५ कौ २ ५८	२३	७	५३	१७	२७	२५	वृ.४५।४२	कृत्तिका. शुक्रः ३७।२७ प्रदोषः
१३	मं २५ २९ कृ २७ ५२ धृ ४० ४९ व २५ २९	२३	७	५३	१८	२८	२६	वृषे	भ. २५ उ. ५१ या. आर्द्रा. ३ शनिः ५९
१४	बु १८ ७ रो २२ ३५ शू ३१ ४९ श १८ ७	२३	७	५३	१९	२९	२७	मि४९।२६	
२०	गु ९ ५० मृ १६ १७ गं २२ १५ ना ९ ५०	२४	७	५३	२०	३०	२८	मिथुने	वृषे शुक्रः ३२।२२

९पं.आ.कृ.३श.इ.४८।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	१०	०	२	७	१
२४	६	१७	२३	१६	१२	२६	२३
७	२७	८	६	१९	३	०	५७
१२	४३	४२	३९	२२	४७	१३	५५
५७	३७	३२	४	७१	७	३	५७
२२	५४	४५	४३	१९	५	११	५

गोचरग्रहाः

आ. कृ. ९ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यदिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

१०पं.आ.कृ.१०श.इ.४७।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१०	०	२	७	२
०	१०	१९	२३	२४	१२	२५	०
४८	४४	४३	३९	२९	५६	३७	३७
२५	२४	१२	४०	२०	५६	५७	०४
५७	३८	१	३	७१	७	३	५६
१७	५	१५	३५	३७	१४	११	५७

*मंबुश

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४४२ स.१९७४
१	शु	१	५	आ	९	२८	वृ	१२	१३	ब	१	५	३४ २४	५ ७	६ ५३	२१	३१	२९	क.४९।१७	आर्द्रा. रविः ५६।८ पश्चिमास्तो बुधः●
२	शु	५०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●४२।२१ चन्द्रदर्शन रथयात्रा
३	श	४३	६	पु	३३ २३	५३ २६	ध्रु	२५ २५	५० ७	तै	१७	१	२४	७	५३	२२	१	१	कर्के	आर्द्रा.रविः सौरः १० ३० रा. आषाढ़ारम्भः×
४	र	३५	५	श्ले	५०	१	ह	४३	२३	व	९	५	२४	७	५३	२३	२	२	सिं५०।१	भ. ९।५ उ. ३५।५ या.
५	चं	२७	५०	म	४५	३७	व	३५	७	ब	१	२८	२४	७	५३	२४	३	३	सिंहे	×जमादिलाखर ६
६	मं	२२	३	पू	४२	१०	सि	२८	१	तै	२२	३	२३	७	५३	२५	४	४	कं.५६।४१	आश्ले. भौमः २२।५४
७	बु	१७	३४	उ	४०	२५	व्य	२२	३	व	१७	३४	२३	७	५३	२६	५	५	कन्यायां	भ. १७।३४ उ. ४६।४ या.
८	गु	१४	३५	ह	३९	४२	व	१७	३	ब	१४	३५	२३	७	५३	२७	६	६	कन्यायां	
९	शु	११	५५	चि	४०	२८	प	१३	२४	कौ	११	५५	२२	८	५२	२८	७	७	तु.१०।३	रोहि. शुक्रः ५९।२४
१०	श	१२	३८	स्वा	४१	४१	शि	१३	४३	ग	१२	३८	२२	८	५२	२९	८	८	तुलायां	भ. ४३।१४ उ.
११	र	१३	५०	वि	४५	५६	सिं	९	१०	वि	१३	५०	२१	८	५२	३०	९	९	वृ.२९।५२	भ. १३।५० या. देवशयनी ११ व्र.
१२	चं	१५	५८	अ	५०	२०	सा	९	२९	बा	१५	५८	२०	८	५२	१	१०	१०	वृश्चिके	प्रदोषः जुलाई मा. ७ ता. ३१
१३	मं	१९	२८	ज्ये	५५	५७	शु	८	५२	तै	१९	२८	१९	८	५२	२	११	११	ध.५५।५७	
१४	बु	२३	३६	मू	६०	०	शु	९	३१	व	२३	३६	१८	८	५२	३	१२	१२	धनुषि	भ. २३।३६ उ. ५६।१५या. वायु परीक्षा
१५	गु	२८	५४	मू	३	८	ब्र	११	५	व	२८	५४	१७	९	५१	४	१३	१३	धनुषि	व्यास पूजा गुरुः १५

११पं.आ.शु.३श.इ.४७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१०	१	२	७	२
७	१५	१८	२४	२	१३	२५	७
२९	१	५९	४	४२	५१	१५	१५
२४	३७	९	१	३६	३६	४१	३१
५७	३८	२४ ४५	२	७१	७	३	५६
१३	१२	ब	१४	५८	२०	११	५४

गोचरग्रहाः

इस मास में वृष राशि का शुक्र सुभिक्षकारक है सुदी में वर्षा होगी। रुई धान्य तिल अलसी तेज हो।

गोचरग्रहाः

१२पं.आ.शु.१०श.इ.४७।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१०	१	२	७	२
१४	१९	१५	२४	१०	१४	२४	१३
९	१९	३१	१९	५८	४५	५३	५३
५०	५२	३०	३७	२६	५०	२६	३६
५७	३८	३५ २१	०	७२	७	३	५६
७	१५	ब	५८	२०	२०	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३४	२०	पू	८	५८	ऐं	१२	५४	बा	१	३७	३४ १५	५ ९	६ ५१	५	१४	१४	म.२५।४८	पुनर्वसौ रविः ५५।४ वक्रा गुरुः २६।६
२	श	४०	२९	उ	१६	१९	वै	१५	१३	तै	७	२५	१४	९	५१	६	१५	१५	मकरे	पुन. रविः (सौरः १४।३१
३	र	४६	३२	श्र	२३	४४	वि	१७	४१	व	१३	३१	१३	९	५१	७	१६	१६	कु.५७।३	भ. १३।३१ उ. ४६।३२ या.
४	चं	५२	२०	ध	३१	१९	प्री	२०	४	ब	१९	२६	११	१०	५०	८	१७	१७	कुम्भे	च. व्र.
५	मं	५७	५६	श	३८	२२	आ	२२	२७	कौ	२५	८	१०	१०	५०	९	१८	१८	कुम्भे	पूर्वोदयी बुधः ३७ ३५ नाग ५ मरुस्थले
६	बु	६०	०	पू	४४	३७	सौ	२४	४	ग	३०	१३	८	१०	५०	१०	१९	१९	मी२८।४	मृगे शुक्रः ८।१७
६	गु	२	२९	उ	४९	५६	शो	२४	५०	व	२	२९	७	११	४९	११	२०	२०	मीने	भ. २।२९ उ ३४।१ या.
७	शु	५	३४	रे	५३	३२	अ	२४	४०	ब	५	३४	५	११	४९	१२	२१	२१	मे.५३।३२	×कामिका ११ व्र स्मा.
८	श	७	८	अ	५५	१५	सु	२२	५३	कौ	७	८	४	११	४९	१३	२२	२२	मेषे	मार्गी बुधः २६।३८
९	र	६	५१	भ	५५	६	धृ	१९	४२	ग	६	५१	२	१२	४८	१४	२३	२३	मेषे	भ. ३५।३९ उ. आर्द्रा ४ शनिः २८।१७
१०	चं	४	२६	कृ	५३	७	शू	१४	५९	वि	४	२६	०	१२	४८	१५	२४	२४	वृ.९।३६	भ. ४।२६ या. मिथुने शुक्रः ४४।३×
११	मं	०	४	रो	४९	१	गं	८	३५	बा	०	४	३३ ५८	१२	४८	१६	२५	२५	वृषे	कर्केऽर्कः २४।२८ (सौरः ४७।१५) सिंहे●
१२	मं	५३	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●भौमः ५६।४४ कामिका ११ व्र. वै.
१३	बु	४५	५९	मृ	४३	२४	वृ	१ ३	५० ५३	ग	१९	५१	५६	१३	४७	१७	२६	२६	मि१६।१६	भ. ४५।५९ उ. प्रदोषः
१४	गु	३६	५६	आ	३६	३५	व्या	४२	२	वि	११	२७	५४	१३	४७	१८	२७	२७	मिथुने	भ. ११।२७ या. उदयं शनिः ४४।५३
३०	शु	२७	११	पु	२९	१	ह	३१	२९	च	२	३	५२	१४	४६	१९	२८	२८	क.१५।५५	पुष्ये रविः ५३।४५ हरियाली ३०

१३पं.श्रा.कृ.२श.इ.४७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१०	१	२	७	२
२०	२३	११	२४	१९	१५	२४	२०
५०	३९	५२	२५	१६	४०	३१	३१
१०	१	२६	८	४८	५	१०	३०
५७	३८	२६ २९	१४ ०	७२	७	३	५६
७	४३	ब	ब	४६	२०	११	५०

गोचरग्रहाः

श्रा. कृ.११ भौमे कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५धान्यादिभावे समता शु. पू.।

गोचरग्रहाः

१४पं.श्रा.कृ. ८श.इ.४७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१०	१	२	७	२
२७	२७	१०	२४	२७	१६	२४	२७
३०	५८	१४	२१	३८	३५	८	९
३२	३०	४५	११	२०	६	५५	३७
५७	३८	२ ३०	१ ३४	७३	७	३	५६
११	३३	मा	ब	०	१४	११	५५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४७१. सन् १९७४
१	श	१७	४	पु	२१	८	ध	२०	३१	ब	१७	४	३३/५०	५/१४	६/४६	२०	२९	२९	कर्के	पुष्ये रविः सौरः १७।५६ सिंधारा
२	र	७	२२	श्ले	१३	३८	सि	९/५८	४९/५१	कौ	७	२२	४७	१५	४५	२१	३०	३०	सिं १३।३८	आर्द्रा. शुक्रः १९।११ चन्द्रदर्शनम् तीज
३	र	५१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+१८।४५ श्रावणी कर्म रक्षाबन्धनम्
४	चं	५०	३४	म	६	५५	व	५०	३७	व	२४	२८	४५	१५	४५	२२	३१	१	सिंहे	भ. २४।२८ उ. ५०।३४ या. रज्जब ७
५	मं	४४	३०	पू	१/२१	५६/७	प	४२	४९	ब	१७	३२	४२	१६	४४	२३	१	२	कं. १५।२३	नाग पंचमी राष्ट्रीय श्रावणारंभः
६	बु	४०	५	ह	५५	२२	शि	३६	२३	कौ	१२	१७	४०	१६	४४	२४	२	३	कन्यायां	×कर्के बुधः १।४८ वक्री पूभा. १ गुरुः ५५/४४
७	गु	३७	३४	चि	५५	५	सि	३१	२५	ग	८	५०	३७	१७	४३	२५	३	४	तु. २५।१३	भ. ३७।३४ उ.
८	शु	३६	५३	स्वा	५६	४०	सा	२७	५७	वि	७	१४	३५	१७	४३	२६	४	५	तुलायां	भ. ७।१४ या. पुनर्वसौ बुधः २६।१३
९	श	३८	९	वि	५९	५२	शु	२५	५०	बा	७	३१	३२	१८	४२	२७	५	६	वृ. ४४।४	
१०	र	४०	४१	अ	६०	०	शु	२४	४९	तै	९	२५	२९	१८	४२	२८	६	७	वृश्चिके	
११	चं	४४	४४	अ	४	२५	ब्र	२५	३२	व	१२	४३	२६	१९	४१	२९	७	८	वृश्चिके	भ. १२/४३ उ. ४४/४४ या. ज्येष्ठा. २ राहुः=
१२	मं	४९	२९	ज्ये	१०	४६	ऐं	२६	२८	ब	१७	४	२४	१९	४१	३०	८	९	ध. १०।४६	=रोहि. ४ केतुः ९।५८ पवित्रा ११ व्र.
१३	बु	५५	२०	मू	१६	५९	वै	२८	१४	कौ	२२	२५	२१	२०	४०	३१	९	१०	धनुषि	प्रदोषः
१४	गु	६०	०	पू	२४	८	वि	३०	१९	ग	२८	११	१८	२०	४०	१	१०	११	म. ४०।५८	पुन. शुक्रः २५।१२ अगस्त मा. ८ ता. ३१
१४	शु	१	१	उ	३१	२९	प्री	३२	३५	व	१	१	१५	२१	३९	२	११	१२	मकरे	भ. १।१ उ ३४।७ या. आश्लेषा. रविः ५०/४६×
१५	श	७	१४	श्र	३९	२	आ	३५	७	ब	७	१४	१२	२२	३८	३	१२	१३	मकरे	पुष्ये बुधः ४९।३६ आश्ले. रविः सौरः+

१५पं. श्रा. शु. १ श. इ. ४७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	१०	२	२	७	३
४	२	१४	२४	६	१७	२३	३
११	१९	१४	८	१	२८	४६	४८
१७	४८	२४	१७	१९	५२	३९	४
५७	३८	४६	५३/३	७३	७	३	५६
१५	३४	२४	ब	१६	८	११	५७

१६पं. श्रा. शु. ९ श. इ. ७४।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	१०	२	२	७	३
१०	६	२१	२३	१४	१८	२३	१०
५२	४२	५६	४६	२७	२१	२४	२७
१९	०	२	२३	०	१८	२३	२१
५७	३८	८५	४/३	७३	७	३	५७
२०	३८	४९	ब	२६	१	११	५

१७पं. श्रा. शु. १५ श. इ. ४७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१०	२	२	७	३
१७	११	३	२३	२२	१९	२३	१७
३४	४	१५	१५	५४	१२	२	७
१	३४	३६	४०	४४	२९	८	९
५७	३८	११/१	५/९	७३	६	३	५७
२५	५८	८	ब	४१	४०	११	१२

ति.	प्र. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१३	१६	ध	४६	१३	सौ	३७	२८	कौ	१३	१६	३३/९	५/२२	६/३८	४	१३	१४	कु. १२।३८	*१शनिः २७।३५ जन्माष्टमी व्र. स्मा.
२	चं	१८	५९	श	५३	३१	शो	२९	३७	ग	१८	५९	६	२३	३७	५	१४	१५	कुम्भे	भ. ५१।३४ उ. पूर्वास्तो बुधः १४।४८
३	मं	२४	९	पू	५९	२४	अ	४१	७	वि	२४	९	३	२३	३७	६	१५	१६	मी ४२।५०	भ. २४।९ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	२८	२८	उ	६०	०	सु	४२	१४	बा	२८	२८	०	२४	३६	७	१६	१७	मीने	पूफायां. भौमः २८।३४
५	गु	३१	४९	उ	४	५५	धृ	४२	३३	कौ	०	८	३२/५६	२५	३५	८	१७	१८	मीने	चन्द्रषष्ठी
६	शु	३३	५३	रे	९	१७	शू	४१	४८	ग	२	५१	५३	२५	३५	९	१८	१९	मे. ९।१७	भ. ३३।५३ उ. कर्के शुक्रः ३७।५६
७	श	३४	३३	अ	१२	५५	गं	३९	५५	वि	४	१३	५०	२६	३४	१०	१९	२०	मेषे	भ. ४।१३ या. आश्ले. बुधः ३४/३८ पुन.*
८	र	३३	३८	भ	१३	४७	वृ	३६	३८	बा	४	५	४७	२७	३३	११	२०	२१	वृ. २८।४४	जन्माष्टमी व्र. बै.
९	चं	३०	५३	कृ	१३	३८	ध्रु	३२	१०	तै	२	१६	४३	२७	३३	१२	२१	२२	वृषे	भ. ५८।३३ उ. पुष्ये शुक्रः २०/२८ गोगा ९
१०	मं	२६	१३	रो	११	२७	व्या	२६	५	वि	२६	१३	४०	२८	३२	१३	२२	२३	मि ३९।३	भ. २६।१३ या.
११	बु	२०	१०	मृ	६	३९	ह	१८	२९	बा	२०	१०	३६	२९	३१	१४	२३	२४	मिथुने	अजा ११ व्र.
१२	गु	१२	३५	आ	२/४०	५३/३६	व	९	५२	तै	१२	३५	३३	२९	३१	१५	२४	२५	क. ४२।५२	वत्स द्वादशी प्रदोषः
१३	शु	३	४७	पु	४८	५५	सि	०/२	४९/४०	व	३	४७	२९	३०	३०	१६	२५	२६	कर्के	भ. ३/४७ उ. २८/५२ या. मघा. सिंहेऽर्कः ४४/४१
१४	शु	५०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×सौरः १५।१० कुशाग्रहणी
३०	श	४३	५९	श्ले	४१	१२	व	३९	२	च	१८	५८	२६	३१	२९	१७	२६	२७	सिं ४१।१२	मघा. सिंहे बुधः ५।३८ मघा. सिंहेऽर्कः×

१८पं. प्र. भा. कृ. ७ श. इ. ४७/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१०	३	२	७	३
२४	१५	१७	२२	१	२०	२२	२३
१६	२८	५	३७	२५	२	३९	४८
२६	५५	६	५	४	६	५२	१६
५७	३८	१२१/७	६/१३	७३	६	३	५७
३३	५८		ब	५०	२८	११	२२

गोचरग्रहाः

प्र. भाद्र. कृ. १३ शुक्रे सिंहेऽर्कः प्र. वा. ५ न. ५ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

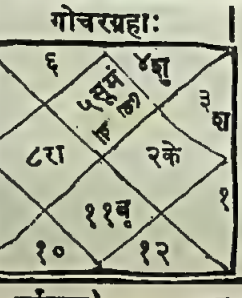

१९पं. प्र. भा. कृ. ३० श. इ. ४६/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१०	३	२	७	४
०	१९	१	२१	९	२०	२२	०
५९	५३	२२	५१	५६	४९	१७	३०
४१	५३	५८	५७	४९	०	३७	२५
५७	३९	१२०/३४	६/५६	७३	६	३	५७
४०	५		ब	५६	१६	११	३४

*बुशुश

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

×बुशुश

ति.	प्र.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६				दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूरविदक्षिणेऽहर्गणः ५०० स.१९७४
१	र ३४ ११	म ३३ २४	प २८ १	कि ९ ५	३३	३३	२८	१८	२७	२८	सिंहे	
२	चं २५ १५	पू २६ २४	शि १७ ४६	कौ २५ १५	१९	३२	२८	१९	२८	२९	कं.३९।५८	चन्द्रदर्शनम्
३	मं १७ ३८	उ २० ४१	सि ८ २२	ग १७ ३८	१५	३३	२७	२०	२९	१	कन्यायां	भ. ४४।३८ उ. सावान ८
४	बु ११ ३८	ह १६ ३३	सा ० ४	वि ११ ३८	११	३४	२६	२१	३०	२	तु.४५।२४	भ. ११।३८ या.
५	गु ७ ३९	चि १४ १५	शु ४८ २०	बा ७ ३९	८	३४	२६	२२	३१	३	तुलायां	
६	शु ५ २५	स्वा १४ ११	ब्र ४४ ५६	तै ५ २५	४	३५	२५	२३	१	४	तुलायां	पूफा. बुधः ५६।० आश्ले. शुक्रः ५६*
७	श ५ ५१	वि १६ १४	ब ४३ ५	ब ५ ५१	०	३६	२४	२४	२	५	वृ.०।४३	भ. ५।५१ उ. ३६।२४ या.
८	र ७ ५६	अ १९ ५६	वै ४३ ८	ब ७ ५६	३१	३७	२३	२५	३	६	वृश्चिके	*अस्तौ भौमः २८।३९ रा.भाद्रपदारंभः
९	चं ११ ४४	ज्ये २५ १७	वि ४३ ३२	कौ ११ ४४	५२	३८	२२	२६	४	७	ध.२५।१७	+४७।५९ सितम्बर मा. ९ ता. ३०
१०	मं १६ ४५	मू ३१ ५२	प्री ४५ २४	ग ११ ४५	४८	३८	२२	२७	५	८	धनुषि	भ. ४९।४७ उ.
११	बु २२ ५०	पू ३९ १७	आ ४७ ४१	वि २२ ५०	४४	३९	२१	२८	६	९	म.५६।८	भ. २२।५० या. उफा. भौमः ३०।१६×
१२	गु २८ ५४	उ ४६ ४०	सौ ५० १२	गा २८ ५४	४०	४०	२०	२९	७	१०	मकरे	=बुधः ३९ पूफायां रविः सौरः ६।२
१३	शु ३५ १४	श्र ५३ ११	शो ५२ ४७	कौ २ ४	३६	४१	१९	३०	८	११	मकरे	पूफा. रविः ३४।१८ ×कमला ११ ब्र.
१४	श ४१ १०	ध ६० ०	अ ५४ ५७	ग ८ १२	३२	४२	१८	३१	९	१२	कुं.२७।१९	भ.४१ उ. उफायां बुधः ५६ पश्चिमोदयो=
१५	र ४६ ३६	ध १ २६	सु ५६ ४५	वि १२ ५३	२८	४२	१८	१	१०	१३	कुंभे	भ. १२।५३ या. वक्री शतभिषा. ४ गुरुः+

२०पं. प्र.भा.शु.७श.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१०	३	२	७	४
७	२४	१४	२१	१८	२१	२१	७
४४	२०	५६	१	३०	३४	५५	१४
१७	२८	४९	२२	५०	१८	२१	१
५७	३९	९	५	७४	५	३	५७
४८	२२	२८	च	२	५१	११	४५

गोचरग्रहाः

अधिक मास फल द्वि.भाद्रे क्षेममारोग्यं सस्यनिष्पत्तिरुत्तमा । बहु क्षीर घृताः गावो वृष्टि तव च शोभनाः ।

गोचरग्रहाः

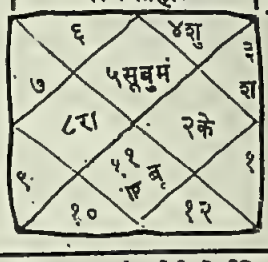

२१पं.प्र.भा.शु.१४श.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१०	३	२	७	४
१४	२८	२७	२०	२७	२२	२१	१३
२९	४८	२९	७	६	१६	३३	५९
५६	५०	१३	५५	४७	८	५	१३
५८	३९	९	५२	७४	५	३	५७
१	२२	२८	च	८	२५	११	५७

ति.	द्वि.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६				दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूरविदक्षिणेप्र.भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं ५१ १६	श ८ ११	धृ ५८ २	बा १८ ५६	३१	३५	४३	१७	२	११	१४ मी५७।३४	कन्यायांभौमः३५।५ कन्या.बुधश्च११।५३
२	मं ५४ १	पू १४ १	शू ५८ २५	तै २२ ३८	२१	४४	१६	३	१२	१५	मीने	मघा. सिंहे शुक्रः ६।४९
३	बु ५७ ४२	उ १९ १	गं ५८ १९	व २५ ५२	१७	४५	१५	४	१३	१६	मीने	भ. २५।५२ उ. ५७।४२ या.
४	गु ५९ २५	रे २३ ९	वृ ५७ २२	ब २८ ३४	१३	४५	१५	५	१४	१७	मे.२३।९	चतुर्थी ब्र.
५	शु ५९ ५८	अ २६ ११	ध्रु ५५ २९	कौ २९ ४२	९	४६	१४	६	१५	१८	मेषे	
६	श ५९ २६	भ २८ ८	व्या ५२ ५२	ग २९ ४३	५	४७	१३	७	१६	१९	वृ.४३।१९	भ. ५९।२३ उ.
७	र ५७ ३६	कृ २८ ५३	ह ४९ १४	वि २८ ३१	१	४८	१२	८	१७	२०	वृषे	भ. २८।३१ या. हस्ते बुधः २०।५१
८	चं ५५ २७	रो २८ १९	व ४४ १९	बा २६ ३४	३० ५७	४९	११	९	१८	२१	मि५७।२२	
९	मं ५० ६	मृ २६ २५	सि ३८ ३३	तै २२ ४६	५३	४९	११	१०	१९	२२	मिथुने	
१०	बु ४४ २६	आ २३ २२	व्य ३१ ४०	ब १७ १६	४८	५०	१०	११	२०	२३	मिथुने	भ. १७।१६ उ. ४४।२६ या.
११	शु ३७ ४१	पु १८ ५५	ब २३ ५६	ब ११ ४	४४	५१	९	१२	२१	२४	क. ५।२	पुन. २ शनिः ३६।२० कमला ११ ब्र
१२	शु २९ ४१	पु १३ २६	प १५ ७	कौ ३ ४१	४०	५२	८	१३	२२	२५	कर्के	उ. फा. रविः १८।३८ सौरः ५०।४०*
१३	श २१ ५	श्ले ७ २२	शि ३० ५५	ग २१ ५	३६	५३	७	१४	२३	२६	सिं७।२२	भा. २१।५ उ. ४६।३४ या.
१४	र १२ ३	म ३० ५३	सा ४५ ३१	श १२ ३	३२	५४	६	१५	२४	२७	सिंहे	*पूफायां शुक्रः ५५।९
१५	चं ३ २६	उ ४८ ४४	शु ३५ ५२	ना ३ २६	२८	५४	६	१६	२५	२८	कं.७।२६	कन्यायामर्कः ४३।५९ सोमवती ३०

२२पं. द्वि.भा.कृ.६श.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	१०	४	२	७	४
२१	३	९	१९	५	२२	२१	२०
१६	१८	३	१२	४४	५४	१०	४५
५५	०	५७	२८	३८	३६	५०	५३
५८	३९	९७	५३	७४	५	३	५८
१३	३९	४९	च	१७	१	११	१२

गोचरग्रहाः

द्वि.भा.कृ.३०चंद्रे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४नं.५ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. पूर्व.

गोचरग्रहाः

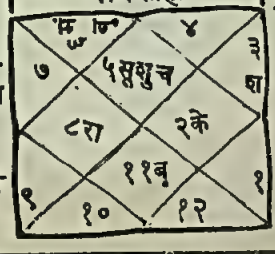

२३पं.द्वि.भा.कृ.१३श.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	१०	४	२	७	४
२८	७	१९	१८	१४	२३	२०	२७
५	४८	४१	१७	२३	२९	४८	३४
२४	५८	६	५६	२४	५६	३४	१५
५८	३९	८७	४९	७४	४	३	५८
२६	३९	५८	च	२०	३३	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *मंशुश

ति.	द्वि.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३० स.१९७४
१	चं ५१ ५९ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	*सौरः १५।५२ चन्द्रदर्शनम्
२	मं ४८ ३५ ह ४२ १५ शु २६ ५२ बा २१ २८	३०	५	६	१७	२६	३०	कन्यायां	चित्रायां बुधः १७।१ कन्यायामर्कः*
३	बु ४३ २८ चि ३८ ३५ ब्र १८ ५९ तै १६ १	२०	५६	४	१८	२७	१	तु.१०।२५	हस्ते भौमः ४।३६ रमजान १
४	गु ४१ १७ खा ३६ ३२ तें १३ १६ व १२ ४२	१६	५७	३	१९	२८	२	तुलायां	भ. १२।२२उ. ४१।१७ या. गणेश चतुर्थी
५	शु ३९ १७ वि ३६ ५८ वै ७ ९ ब १० १७	१२	५८	२	२०	२९	३	बृ.२१।२५	ऋषि पंचमी
६	श ४० २० अ ३९ १६ वि ३ ५६ कौ ९ ४९	८	५८	२	२१	३०	४	वृश्चिके	×हस्ते रविः सौरः २६ जलझूलनी ११ ब्र.वै.
७	र ४३ २६ ज्ये ४३ २९ प्री २ ३१ ग ११ ५३	४	५९	१	२२	३१	५	ध.४३।२९	भ. ४३।२६ उ. तुलायां बुधः २०।२०
८	चं ४८ १ मू ४९ १७ आ २ २० वि १५ ४३	३०	६	६	२३	१	६	धनुषि	भ. १५।४४ या. रा. आश्विनारंभः
९	मं ५३ ५६ पू ५६ १६ सौ ४ ९ बा २० ५९	२९	६	५९	२४	२	७	धनुषि	उफा. शुक्रः ४०।१५
१०	बु ६० ० उ ६० ० शो ५ १३ ते २७ १	५१	२	५८	२५	३	८	म.१३।७	+रोहि. ३ केतुः २।२२ अनंत १४
१०	गु ० ५ उ ३ ३७ अ ७ २२ ग ० ५	४७	३	५७	२६	४	९	मकरे	भ. ३३।२० उ. हस्ते रविः ५७।५ जल-=
११	शु ६ ३६ श्र ११ १९ सु १० १ वि ६ ३६	४३	३	५६	२७	५	१०	कुं.४४।५८	भ.४६या. स्वा.बुधः ५१ कन्या. शुक्रः ३६×
१२	श १२ ३१ ध १८ ३७ धृ ११ ५३ बा १२ ३१	३८	४	५६	२८	६	११	कुम्भे	प्रदोषः =झूलनी ११ ब्र. स्मा.
१३	र १७ ५८ श २५ १९ शू १४ १ तै १७ ५८	३४	५	५५	२९	७	१२	कुंभे	वक्री शत. ३ गुरुः ०।१६
१४	चं २२ ७ पू ३० ४९ गं १५ २ व २२ ७	३०	६	५४	३०	८	१३	मी १४।२७	भ.२२।७उ.५३।४०या. ज्येष्ठा.१ राहुः+
१५	मं २५ १३ उ ३५ २६ वृ १५ १० ब २५ १३	२६	७	५३	१	९	१४	मीने	महालय श्राद्धारंभः अक्टूबर १० ता. ३१

२४पं. द्वि.भा.शु. ६श.इ. ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	१०	४	२	७	५
४	१२	२९	१७	२३	२४	२०	४
५५	२१	१६	२५	४	०	२६	२४
१९	११	३३	५५	१	५८	१९	२२
५८	३९	७६	५	७४	३	३	५८
३८	४९	१६	ब	२६	५७	११	४५

गोचरग्रहाः

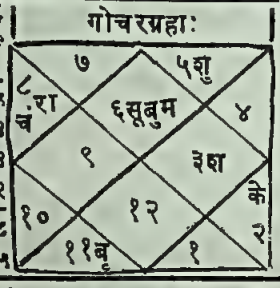

इस मासमें धान्य घृत गुड़ खांड तिल तैल अलसी धातु मूंगफली में मंदी होकर तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

२५पं.द्वि.भा.शु.१२श.इ. ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	१०	५	२	७	५
११	१६	७	१६	१	२४	२०	११
४६	५५	३५	३८	४६	२७	४	१६
५५	२३	१३	२८	१२	३२	३	२५
५८	४०	६०	२६	७४	३	३	५९
५३	६	५२	ब	२६	१७	११	०

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूंरविर्दक्षिणेद्वि.भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु २७ ४ रे ३८ ४३ ध्रु १४ २६ को २७ ४	३९	६	५३	३	१०	१५	मे.३८।४३	
२	गु २७ ४९ अ ४० ५८ ज्या १२ ४९ ग २७ ४९	१८	६	५२	३	११	१६	मेषे	भ. ५७।३६ उ.
३	शु २७ २३ भ ४२ १६ ह १० १७ वि २७ २३	१४	९	५१	४	१२	१७	बृ.५७।१९	भ. २७।२३ या. चतुर्थी ब्र.
४	श २६ ० कृ ४२ ३१ व ७ ८ बा २६ ०	१०	१०	५०	५	१३	१८	बृषे	हस्ते शुक्रः २२।०
५	र २३ ५५ रो ४२ २ सि ३ ५५ ते २३ ५५	६	११	४९	६	१४	१९	बृषे	
६	चं २० ५० मृ ४० ३९ व ५२ ४६ व २० ५०	२	१२	४८	७	१५	२०	मि११।२०	भ. २०।५० उ. ४९।२ या.
७	मं १७ १३ आ ३८ ३५ प ४६ ४७ ब १७ १३	५९	१२	४८	८	१६	२१	मिथुने	चित्रा. भौमः २८।७
८	बु १२ ४९ पु ३५ ३७ शि ४० ५ कौ १२ ४९	५४	१३	४७	९	१७	२२	क.२१।२२	मातृ ९
९	गु ७ ३२ पु ३२ २ सि ३३ २ ग ७ ३२	५०	१४	४६	१०	१८	२३	कर्के	भ. ३४।३३ उ. चित्रा. रविः २९।६*
१०	शु १ ३७ श्ले २७ ४४ सा २५ ८ वि १ ३७	४६	१५	४५	११	१९	२४	सिं२७।४४	भ. १।३७ या. इन्दिरा ११ ब्र. स्मा.
११	शु ५३ २१ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	*(सौरः ५८।५७)
१२	श ४७ ५६ म २२ ५१ शु १६ ५३ कौ २१ २७	४२	१६	४४	१२	२०	२५	सिंहे	वक्री बुधः ५६।३६ इन्दिरा ११ ब्र. व.
१३	र ४० ५५ पू १७ ३७ शु १० ५१ ग १४ २५	३८	१६	४४	१३	२१	२६	क.३१।५२	भ. ४०।५५ उ. प्रदोषः
१४	चं ३४ २० उ १२ ३८ दें ५१ १८ वि ७ ७	३४	१७	४३	१४	२२	२७	कन्यायां	भ. ७।७ शस्त्रादि हतानां श्रा.
१५	मं २७ ५३ ह ८ ४ वै ४३ २३ च १ ७	३०	१८	४२	१५	२३	२८	तु.३९।९	सर्वपितृ ३०

२६पं.आ.कृ.४श.इ.४५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	१०	५	२	७	५
१८	२१	१४	१५	१०	२४	१९	१८
४०	३१	२	५६	२९	४९	४१	१०
८	३४	२०	५३	३८	४४	४७	१२
५९	४०	३८	३५	७४	२	३	५९
९	६	५१	ब	२९	३७	११	१६

गोचरग्रहाः

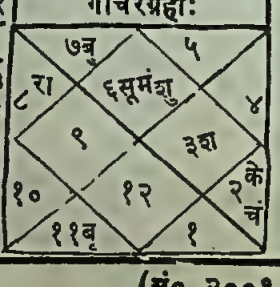

इस मासमें हरेक वस्तु मंदी होगी कृष्णपक्षकी तिथि घटे शुक्लपक्ष बढ़ जाय। एक चीज तो क्या बढ़े सभी चीज बढ़ जायं।।

गोचरग्रहाः

२७पं.आ.कृ.१२श.इ.४५।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	१०	५	२	७	५
२५	२६	१७	१५	१९	२५	१९	२५
३५	९	१६	२२	१४	७	१९	५
६	११	२२	२६	१३	८	३२	५४
५९	४०	१	२४	७४	१	३	५९
२१	१६	३७	ब	३२	५८	११	३१

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५५९ स.१९७४
१	बु २२ ४४ चि ४ १५ वि ३६ ११ ब २२ ४४	२६	६	५	१६	२४	२९	तुलायां	चित्रा. शुक्रः ३३ नवरा. मातामह श्रा.
२	गु १९ १७ स्वा १ ४५ प्री ३० ३४ कौ १९ १७	२२	२०	४०	१७	२५	३०	वृ.४६।४	तुलायामर्कः १२ (सौरः ४९) चन्द्रदर्शनम्
३	शु १७ ४६ वि ० ५० आ २६ २६ ग १७ ४६	१६	२०	४०	१८	२६	१	वृश्चिके	भ. ४५ उ. तुला. भौमः ३३ शुक्रास्तः+
४	श १८ ४ अ १ ४९ सौ २३ १५ वि १८ ४	१४	२१	३९	१९	२७	२	वृश्चिके	भ. १४ या. पश्चिमास्तो बुधः २३।३३
५	र २० २७ ज्ये ४ ५० शो २२ १४ बा २० २७	१०	२२	३८	२०	२८	३	ध.४।५०	+पू. २७।० सव्वाल १०
६	चं २४ १९ मू ९ ३१ अ २२ १३ तै २४ १९	६	२३	३७	२१	२९	४	धनुषि	तुलायां शुक्रः ३२ सरस्वत्यावाहनम्
७	मं २९ ५० पू १५ ५५ सु २३ २२ व २९ ५०	२	२४	३६	२२	३०	५	म.३२।३९	भ. २९।५० उ. सरस्वती पूजनं
८	बु ३५ ५४ उ २९ ५० धृ २५ १३ वि २ ५२	२७	२४	३६	२३	१	६	मकरे	भ. ५३ या. स्वात्यां रविः ५४ बलिदानं×
९	गु ४२ २० श्र ३० ५८ शू २७ ३३ बा ९ ७	५४	२५	३५	२४	२	७	मकरे	स्वात्यां रविः सौरः ३२ सरस्वती विस.
१०	शु ४८ ३५ ध ३७ ५६ गं २९ १३ तै १५ २४	५०	२६	३४	२५	३	८	कु.४।२७	विजया दशमी ×रा. कार्तिकारंभः
११	श ५३ ५३ श ४४ ३८ वृ ३१ ५० व २१ ११	४६	२७	३३	२६	४	९	कुम्भे	भ. ११ उ. ५३ या. वक्री चित्रा. बुधः ५१ •
१२	र ५८ ५ पू ५० ४२ धृ ३३ २ ब २५ ५९	४२	२८	३२	२७	५	१०	मी३४।११	•स्वात्यां शुक्रः ४५ पापांकुशा ११ व्र.
१३	चं ६० ० उ ५५ २ व्या ३३ १४ कौ २९ ३१	३९	२८	३२	२८	६	११	मीने	स्वात्यां भौमः २७।४३ प्रदोषः
१३	मं ० ५६ रे ५८ ४ ह ३२ १६ तै ० ५६	३५	२९	३१	२९	७	१२	मे.५८।४	
१४	बु २ १ अ ५९ ३८ व ३० ८ व २ १	३१	३०	३०	३०	८	१३	मेषे	भ. ३ उ. ५३ या. शरद् पू. कोजागरी व्र.
१५	शु १ ४६ भ ६० ० स्ति २६ ५२ ब १ ४६	२७	३१	२९	३१	९	१४	मेषे	वक्री शनिः १९ पूर्वोदयी बुधः ५६।३३

२८पं.आ.शु.४श.इ.४५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१०	६	२	७	६
२	०	१४	१४	२७	२५	१८	२
३१	४९	४७	५३	५९	१८	५७	३
२४	३७	३८	१४	९	५०	१६	२३
५९	४०	६०	३	७४	१	३	५९
३४	२६	ब	ब	३२	१७	११	४३

गोचरग्रहाः

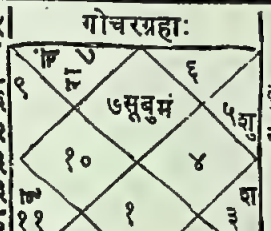

आ. शु. २ गुरौ तुलायामर्कः प्र.वा.४ न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

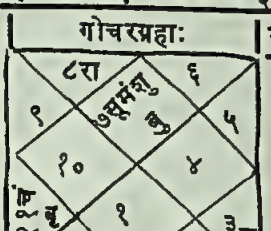

२९पं.आ.शु.११श.इ.४५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१०	६	२	७	६
९	५	६	१४	६	२५	१८	९
२९	३०	४९	४१	४५	२५	३५	२
४९	४३	४	२८	१८	५९	१	४३
५९	०	९०	५७	७४	०	३	६०
४७	३६	ब	ब	२६	२८	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ० २६ भ ३० २९ व्य २२ ३४ कौ ० १४	२४	३१	२९	१	१०	१५	वृ.१५।२२	नवम्बर मा. ११ ता. ३०
२	शु ५७ ५५ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श ५३ २८ रो ५८ १८ व १७ २९ ब २५ ४४	२०	३२	२८	२	११	१६	वृषे	भ. २५।४४ उ. ५३।५८ या.
४	र ४९ १८ मृ ५४ ५७ प ११ ४३ ब २१ ५१	१६	३३	२७	३	१२	१७	मि२६।३७	मार्गी बुधः २२।५५ करक चतुर्थी व्र.
५	चं ४५ २८ आ ५२ ११ शि २३ ५३ सा ५१ ५९ कौ १७ ३३ ग १२ ५८	१३	३३	२७	४	१३	१८	मिथुने	
६	मं ४० ५९ पु ४९ १० सा ५१ ५९ ग १२ ५८	९	३४	२६	५	१४	१९	क.३४।५५	भ. ४०।३६ उ. मार्गी गुरुः २८।४७
७	बु ३५ ९ पु ४६ २ शु ४५ २ वि ८ ११	६	३५	२५	६	१५	२०	कर्के	भ. ८।११ या. विशाखा. रविः १५।१७×
८	गु ३० ५० श्ले ४२ ४१ शु ३७ ५६ बा २ १६	२	३६	२४	७	१६	२१	सिं४२।४१	×(सौरः ४७) विशाखा. शुक्रः १६।१४
९	शु २५ २५ म ३९ १७ ध्रु ३० ४४ ग २५ ३९	२६	३६	२४	८	१७	२२	सिंहे	भ. ५२।५६ उ.
१०	श २० ४० पू ३५ ४४ रें २५ २३ वि २० १४	५६	३७	२३	९	१८	२३	कं.४९।५२	भ. २०।१४ या.
११	र १५ ३ उ ३२ १५ वै १७ २३ बा १५ ५	५३	३७	२३	१०	१९	२४	कन्यायां	रमा ११ व्र.
१२	चं १० ३१ ह २९ ७ वि ९ १८ तै १० ५	४९	३८	२२	११	२०	२५	तु.५७।५२	प्रदोषः धन १३
१३	मं ५ ३५ चि २६ ३९ प्री २३ ५० व ५ ४३	४६	३९	२१	१२	२१	२६	तुलायां	भ.४९उ.३५या. स्वात्यांबुधः४४ रूप १४
१४	बु ३ ५९ स्वा २४ ५१ सौ ५० ५८ श १ ४९	४३	३९	२१	१३	२२	२७	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	बु ५७ ४८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	

३०पं.का.कृ.३श.इ.४५।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१०	६	२	७	६
१६	१०	१	१४	१५	२५	१८	१६
२९	१४	३०	३५	३२	२६	१२	३
३८	१७	२८	३१	२०	३८	४५	४७
६०	४०	४८	३०	५७	५०	३	६०
४	२९	ब	ब	२६	ब	११	१८

गोचरग्रहाः

इस मास में तेरह दिन का पक्ष अशुभ है धान्य रुई चौ. पशुओं का नाश हो। रस धातु सोना चादी तेज हो।

गोचरग्रहाः

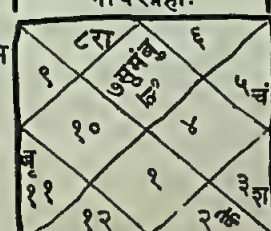

३१पं.का.कृ.१०श.इ.४४।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१०	६	२	७	६
२३	१४	४	१४	२४	२५	१७	२३
३०	५९	२४	३९	१९	२२	५०	६
५८	२०	०	०	३७	४१	३८	२४
६०	४०	५८	४०	७४	५७	३	६०
१७	५०	मा	मा	३८	ब	११	३०

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५८८सन्१९७४
१	गु	५७	५५	वि	२४	२१	शो	४६	४१	किं	२८	३३	२६/४०	६/४०	५/२०	१४	२३	२८	बृ.९।२८	वृश्चिके शुक्रः १३/५४ अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
२	शु	५८	१३	अ	२५	९	अ	४३	२०	बा	२८	४	३७	४१	१९	१५	२४	२९	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २
३	श	६०	०	ज्ये	२७	२९	सु	४१	३९	तै	२९	१९	३४	४१	१९	१६	२५	१	ध.२७।२९	वृश्चिकेऽर्कः ११/१४ (सौरः ३४/२४) अनु. शुक्रः×
३	र	०	२५	मू	३१	३१	धृ	३९	४१	ग	०	२५	३१	४२	१८	१७	२६	२	धनुषि	भ. ३२।१० उ. विशाखा. भौमः
४	चं	३	५५	पू	३७	१	शू	४१	९	वि	३	५५	२९	४२	१८	१८	२७	३	म.५३।४१	भ. ३।५५ या. ×५४।४१ जिल्काद ११
५	मं	९	५	उ	४३	४३	गं	४२	४३	बा	९	५	२६	४३	१७	१९	२८	४	मकरे	अनु. रविः २९।३९ (सौरः २५।१२)
६	बु	१५	१	श्र	५१	१	वृ	४४	४३	तै	१५	१	२४	४३	१७	२०	२९	५	मकरे	
७	गु	२१	२२	ध	५८	३३	ध्रु	४६	५८	व	२१	२२	२१	४४	१६	२१	३०	६	कुं.२४।४७	भ.२१/२२ उ.५४/३४ या. विशाखा. बुधः ३७।५०
८	शु	२७	४६	श	६०	०	व्या	४९	३	व	२७	४६	१९	४४	१६	२२	१	७	कुम्भे	गोपाष्टमी रा. मार्गशीर्षारम्भः
९	श	३३	३५	श	५	४९	ह	५०	४४	बा	०	४१	१६	४५	१५	२३	२	८	मी५५।४०	अक्षय ९ कूष्माण्ड ९
१०	र	३८	१८	पू	१२	१७	व	५१	३२	तै	५	५६	१३	४५	१५	२४	३	९	मीने	
११	चं	४१	२२	उ	१७	३०	सि	५०	५८	व	९	५०	११	४६	१४	२५	४	१०	मीने	भ. ९/५० उ. ४१/२२ या. प्रबोधिनी ११ व्र.●
१२	मं	४२	४०	रे	२०	५१	व्य	४९	११	व	१२	१	८	४६	१४	२६	५	११	मे.२०।५१	पूर्वास्तो बुधः २६/३६ ●तुलसी विवाहः
१३	बु	४२	५	अ	२२	३१	व	४५	५२	कौ	१२	२३	६	४७	१३	२७	६	१२	मेषे	ज्येष्ठायां शुक्रः २८।७ प्रदोषः
१४	गु	३९	४३	भ	२२	२९	प	४१	१०	ग	१०	५४	३	४७	१३	२८	७	१३	बृ.३७।४	भ. ३९/४३ उ. वृश्चिके बुधः १३/४३ वैकुंठ १४
१५	शु	३५	५२	कृ	२०	४९	शि	३५	११	वि	७	४७	१	४८	१२	२९	८	१४	वृषे	भ. ४७।७ या. चन्द्रग्रहणं

३२पं.का.शु.३श.इ.४४।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	१०	७	२	७	७
०	१९	१२	१४	३	२५	१७	०
३३	४६	५४	५२	७	१२	२८	१०
४७	३४	७	४८	३७	११	१४	२८
६०	४१	८२	२	७४	१/४३	३	६०
३०	०	३८	७	३८	व	११	४०

गोचरग्रहाः

का. शु. ३ शनौ बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

३३पं.का.शु. ९श.इ.४४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	१०	७	२	७	७
७	२४	२३	१५	११	२४	१७	७
३७	३५	१८	१६	५५	५७	५	१६
३७	४९	२८	४४	४१	४७	५८	१
६०	४१	९४	३	७४	२/१९	३	६०
४२	४	०	३३	३२	व	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा.
१	श	३०	५२	रो	१८	३	सि	२८	२५	बा	३	२२	२५/५९	६/४८	५/१२	३०	९	१५	मि४६।७	अनु. बुधः १९।९
२	र	२५	२	मृ	१४	११	सा	२०	४२	ग	२५	२	५७	४९	११	१	१०	१६	मिथुने	भ.५१/५८ उ. वृश्चिके भौमः ३२/२० अनु.४राहुः●
३	चं	१८	५४	आ	९	४१	शु	१२	४१	वि	१८	५४	५५	४९	११	२	११	१७	क.५१।१४	भ. १८।५४ या. ज्येष्ठायां रविः३९।४९+
४	मं	१२	३५	पु	५	५	शु	४/४	५१/२३	बा	१२	३५	५३	४९	११	३	१२	१८	कर्के	●रोहि. २ केतुः ५४/२२ दिसम्बर१२ ता. ३१
५	बु	६	२०	पु	०/४४	५५/५३	ऐं	४८	३५	तै	६	२०	५१	५०	१०	४	१३	१९	सिं५६।३७	+(सौरः ५९।१२)
६	गु	०	५२	म	५३	११	वै	४१	५	व	०	५२	४९	५०	१०	५	१४	२०	सिंहे	भ. ०।५२ उ. २८।१२ या.
७	गु	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	शु	५०	४५	पू	४९	५३	वि	३३	४७	बा	२३	५	४८	५०	१०	६	१५	२१	सिंहे	अनुराधा. भौमः १७।७ उदयी भौमः १५/३८
९	श	४६	३३	उ	४७	२६	प्री	२७	१२	तै	१८	३९	४६	५१	९	७	१६	२२	कं.४।१६	शुक्रोदयः पश्चिमायां ३१।२२ शु.उ.प.
१०	र	४२	५९	ह	४५	१८	आ	२०	५५	व	१४	४६	४५	५१	९	८	१७	२३	कन्यायां	भ.१४।४६उ.४२।५९ या. ज्येष्ठा. बुधः×
११	चं	४०	२	चि	४४	०	सौ	१५	१९	व	११	३१	४४	५१	९	९	१८	२४	तु.१४।३९	शतभिषा.४गुरुः १७।५२ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	मं	३७	५१	स्वा	४३	२२	शो	१०	१३	कौ	८	५६	४२	५२	८	१०	१९	२५	तुलायां	
१३	बु	३६	४४	वि	४३	५६	अ	५	४५	ग	७	१७	४१	५२	८	११	२०	२६	वृ.२८।४७	भ. ३६।४४ उ. प्रदोषः
१४	गु	३६	४२	अ	४५	३२	सु	२/१२	५७/१३	वि	६	४३	४०	५२	८	१२	२१	२७	वृश्चिके	भ. ६।४३ या.
३०	शु	३७	५०	ज्ये	४८	२२	शू	५७	५२	च	७	१६	३९	५२	८	१३	२२	२८	ध.४८।२२	

३४पं. मा.कृ.१श.इ.४४।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१०	७	२	७	७
१४	२९	४	१५	२०	२४	१६	१४
४२	२७	०	४९	४३	३७	४३	२२
५४	०	७	३३	४४	५१	४३	४७
६०	४१	९५	४	७४	१/५८	३	६१
५०	१४	४०	४५	३२	व	११	३

गोचरग्रहाः

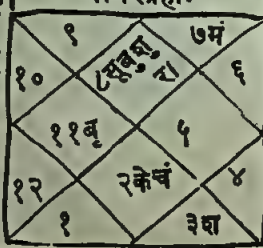

मार्ग. शु. २ रवौ धनुष्यर्कः प्र.वा.२ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

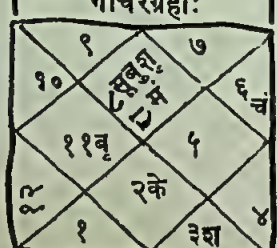

३५पं.मा.कृ. ९श.इ.४४।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१०	७	२	७	७
२१	४	१५	१६	२९	२४	१६	२१
४८	२०	९	३०	३१	१३	२१	३०
५८	६	५०	५०	४८	४८	२७	५३
६०	४१	९९	५	७४	३/३७	३	१३
५६	२१	७	५२	३२	व	११	११

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६१८स.१९७४
१	श ४०।२४ मू ५२।१९ गं ५६।५७ किं ९ ७	३५	५३	५	१४	२३	२९	धनुषि	
२	र ४४ २ पू ५७।२७ वृ ५७।१० बा १२ १३	३८	५२	८	१५	२४	३०	धनुषि	मूले धनुष्यर्कः ४७।१ चन्द्रदर्शनम्
३	चं ४९।२३ उ ६० ० ध्रु ५८।१८ तै १६ ४३	३७	५३	७	१६	२५	१	म.१४।३	मू. धनुष्यर्कः सौरः २।५६ जिल्हेज १२
४	मं ५५ ० उ ३।५२ व्या ५९।५५ व २२ ११	३७	५३	७	१७	२६	२	मकरे	भ. २३ उ. ५५ या. मूले धनुषि बुधः ३५
५	बु ६० ० श्र १०।५० ह ६० ० ब २८ २२	३७	५३	७	१८	२७	३	कुं.४४।४२	पूषायां शुक्रः ४०।२३
५	गु १।३२ ध १८।३० ह २।१५ बा १ १२	३६	५३	७	१९	२८	४	कुम्भे	
६	शु ८ ८ श २६ ९ व ४।३७ तै ८ ८	३६	५३	७	२०	२९	५	कुंभे	वक्री पुन. १ शनिः ३४।५० चम्पा ६
७	श १४।२३ पू ३३।२१ रे ६।४० व १४ २३	३६	५३	७	२१	३०	६	मी१६।३३	भ. १४।२३ उ. ४७।० या.
८	र १९।३७ उ ३९।२२ व्य ८ २ ब १९ ३७	३६	५३	७	२२	१	७	मीने	रा. पौषारंभः
९	चं २३।२८ रे ४३।५३ व ८।३० कौ २३ २८	३६	५३	७	२३	२	८	मे.४३।५३	×३९।३८ मोक्षदा ११ व्र. गीता जयंती
१०	मं २५।३१ अ ४६।३९ प ७।४२ ग २५ ३१	३७	५३	७	२४	३	९	मेषे	भ. ५५।३३ उ.
११	बु २५।३५ भ ४७।३२ शि ५।२२ वि २५ ३५	३७	५३	७	२५	४	१०	मेषे	भ.३५ या. ज्येष्ठा. भौमः १५ पू.षा. बुधः×
१२	शु २३।३२ कृ ४६।२२ सि १९ २३ बा २३ ३२	३७	५३	७	२६	५	११	बृ. २।१४	प्रदोषः
१३	शु १९।४१ रो ४३।२८ शु ४८।४४ तै १९ ४१	३८	५२	८	२७	६	१२	वृषे	
१४	श १४ ३ मृ ३८।५१ शु ४०।२९ व १४ ३	३८	५२	८	२८	७	१३	मि११।१०	भ. १४ उ. ४२ या. पू.षा. रविः ५१।५७
१५	र ७ २ आ ३३।२० न ३१।२२ ब ७ २	३९	५२	८	२९	८	१४	मिथुने	उषायां शुक्रः १९ पूषायां रविः सौरः ३४

३६पं.मा.शु.१श.इ.४३।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१०	८	२	७	७
२८	९।२६	१७	८	२३	१५	२८	
५५	५५	८	२०	१९	४६	५९	३९
५२	१५	२७	५३	३४	८	११	१६
६१	४१	९९	६	७४	५३	३	६१
०	२८	२८	५२	२६	ब	११	१९

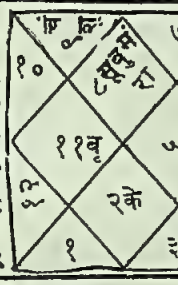

३७पं.मा.शु.७श.इ.४३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१०	८	२	७	८
६	१४	७	१८	१७	२३	१५	५
३	१३	१५	१७	७	१५	३६	४८
२९	८	१४	४९	३०	७	५६	४१
६१	४१	०	७	७४	१५	३	६१
४	४२	५९	५९	२६	ब	११	२२

३८पं.मा.शु.१४श.इ.४३।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१०	८	२	७	८
१३	१९	१८	१९	२५	२२	१५	१२
११	१२	२८	२२	५५	४२	१४	५८
३१	११	५	२६	१२	७	४०	३३
६१	४१	०	८	७४	३५	३	६१
६	५२	३३	५६	२६	च	११	२६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ५२।३० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं ५१।२० पु २७ ८ ऐं २१।५२ तै २५ २६	३५	५३	८	३०	९	१५	क.१३।४१	●बुधः ५६ पश्चिमोदयी बुधः २१।३०
३	मं ४३।२३ पु २०।५२ वै १२ १० व १७ २२	४०	५२	८	३१	१०	१६	कर्के	भ. १७।२२ उ. ४३।२३ या.
४	बु ३५।४६ श्ले १४।४३ वि ३३ ५३ व ९ ३४	४१	५२	८	१	११	१७	सिं१४।४३	पूभा. १ गुरुः ३० मकरे शुक्रः १।६ च.व्र.+
५	शु २९ ० म ९।३७ आ ४४ ५६ कौ २ २३	४२	५२	८	२	१२	१८	सिंहे	उषायां बुधः ५०।३२
६	शु २३ १ पू ५ १ सौ ३७ १७ व २३ १	४३	५१	९	३	१३	१९	कं.१९।८	भ. २३।१ उ. ५०।४१ या.
७	श १८।२८ उ ३३ ५५ शो २८।३५ ब १८ २२	४४	५१	९	४	१४	२०	कन्यायां	मकरे बुधः ४९।४४
८	र १४।५१ चि ५७।१८ अ २४।४७ कौ १४ ५१	४६	५१	९	५	१५	२१	तु.२८।२२	+जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९७५
९	चं १२।२८ खा ५७।१६ सु १९ ५९ ग १२ २८	४७	५१	९	६	१६	२२	तुलायां	भ. ४१।४७ उ.
१०	मं ११ ९ वि ५९।२२ धृ १६ ७ वि ११ ९	४९	५०	१०	७	१७	२३	वृ.४३।५८	भ. ११।९ या.
११	बु ११ ८ अ ६० ० शू १३ १३ बा ११ ८	५१	५०	१०	८	१८	२४	वृश्चिके	श्रवणे शुक्रः ५५।१ सफला ११ व्र.
१२	गु १२ २३ अ २ १ गं ११ २० तै १२ २३	५२	५०	१०	९	१९	२५	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	शु १४ २९ ज्ये ५ ३० वृ १० १९ व १४ ३९	५४	४९	११	१०	२०	२६	ध.५।३०	भ.१४ उ.४६ या. उ.षा. रविः५६ श्रवणे●
१४	श १८ १ मू ९।५७ धृ १० ४ श १८ १	५६	४९	११	११	२१	२७	धनुषि	उषायां रविः सौरः ६।१
३०	र २२ २१ पू १५ २४ व्या १३ २२ ना २२ २१	५८	४८	१२	१२	२२	२८	म.३२।४	मूले धनुषि भौमः ४४।५४

३९पं.पौ.कृ.७श.इ.४३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१०	९	२	७	८
२०	२४	२९	२०	४	२२	१४	२०
१९	१३	४९	३२	४१	८	५२	८
२६	२६	३६	५६	२७	२	२५	३०
६१	४१	०	९	७४	४०	३	६१
६	५६	४०	४३	२०	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

धनु राशि का मंगल सोना चांदी शेयर्स घृत तिल तैल रुई पाट बारदाना सिरस्युं अलसी तेज करेगा।

गोचरग्रहाः

४०पं.पौ.कृ.१४श.इ.४३।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	१०	९	२	७	८
२७	२९	११	२१	१३	२१	१४	२७
२७	१६	१५	४९	२८	३२	३०	१८
४०	४८	७	८	३०	२४	९	२२
६१	४२	९५	१०	७४	४०	३	६१
६	११	४९	२९	१५	च	११	२४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं २७।४९ उ २२। २ ह ११। ९ ब २७।४९	२६	६	५	१३	२३	२९	मकरे
२	मं ३३।४४ श्र २९। ८ व १३।१४ बा ०।४६	३	४।७	१३	१४	२४	३०	मकरे
३	बु ४०। ८ ध ३६।३६ सि १५।२६ तै ६।५६	५	४।७	१३	१५	२५	१	कु.२।५२
४	गु ४६।५१ श ४४।१३ व्य १७।३३ व १३।२९	८	४६	१४	१६	२६	२	कुम्भे
५	शु ५३।२० पू ५१।२४ व १९।४९ ब २०। ५	१०	४६	१४	१७	२७	३	मी३४।३७
६	श ५८।५५ उ ५८।३५ प २१।४७ कौ २६। ७	१२	४६	१४	१८	२८	४	मीने
७	र ६०। ० रे ६०। ० शि २३। ५ ग ३१।१२	१५	४५	१५	१९	२९	५	मीने
७	चं ३३०। रे ४।२० सि २३।२२ ग ३।३०	१७	४५	१५	२०	३०	६	मे.४।२०
८	मं ५।३७ अ ८।३६ सा २२।२८ ब ५।३७	२०	४४	१६	२१	१	७	मेषे
९	बु ७।४२ भ ११। ४ शु १९।४८ कौ ७।४२	२२	४४	१६	२२	२	८	बृ.२६।५९
१०	गु ७। २ कृ ११।३० शु १५।४२ ग ७। २	२५	४३	१७	२३	३	९	बृषे
११	शु ४।१४ रो ९।५५ न ९।५२ वि ४।१४	२७	४३	१७	२४	४	१०	मि३८।४
१२	शु ५५। ४ ० ०। ० ० ० ०। ०	०	०	०	०	०	०	०
१३	श ५२।३४ मृ ६।१३ रें २९।०५ कौ २५।५६	३०	४२	१८	२५	५	११	मिथुने
१४	र ४४।२७ आ ५९।२२ वि ४३।३६ ग १८।३१	३३	४१	१९	२६	६	१२	क.४१।२०
१५	चं ३५।३५ पु ४६।५० प्री ३३।१७ वि १०। १	३६	४१	१९	२७	७	१३	कर्के

शिशिरतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७४१स.१९७५
मकरेऽर्कः १३।५ (सौरः ३१) चन्द्रदर्शनम्
मोहोरम १ सन् १३९५ हि.
भ. १३।२९ उ. ४६।५१ या.
÷३२।२५ धनि. शुक्रः ३६।४३
×रविः ३५।५० (सौरः ५२।४८)
धनिष्ठा. बुधः ३४।५८ पूभा. २ गुरुः÷
भ. ३।३० उ. ३४।३३ या. अभि. प्र.×
रा. माघारम्भः
पात स्पर्शः ७।३९ पात मोक्षः ३६।५
भ. ३५।३८ उ. पुत्रदा ११ व्र. स्मा.
भ. १४ या. श्रवणे रविः १३ सौरः ४६ कुंभे*
*शुक्रः ५५ अभि.नि. रविः ५४ पु. ११ व्र. वै.
कुंभे बुधः ३४।३५ अभि.नि. रविः सौरः+
भ. ४४।२७ उ. +१।१ प्रदोषः
भ. १०।१ या. माघ स्नान प्रारम्भः

४१पं.पौ.शु.६श.इ.४३।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	९	२	७	९
४	४	२२	२३	२२	२०	१४	४
३५	२१	५	१०	१४	५९	७	२७
३१	२५	४२	५५	१३	२	५३	५१
६१	४२	८६	११	७४	४	३	६१
३	२२	३४	८	८	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

पौष शु. २ भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न.२ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

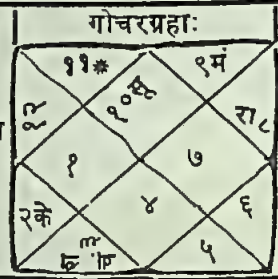

४२पं.पौ.शु.१३श.इ.४३।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	१०	१०	२	७	९
११	९	०	२४	०	२०	१३	११
४२	२७	७	३५	५८	२६	४५	३६
५८	२८	४४	४९	५१	५३	२८	४३
६०	४२	५१	११	७४	४	३	६१
५९	२६	४९	४७	२	ब	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०३१ शाकः १८९६	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं २६।१० श्ले ३९।३६ आ २२।३२ कौ २६।१०	३६	६	५	२८	८	१४	सि३९।३६
२	बु १६।५६ म ३२।१६ सौ ११।४३ ग १६।५६	४२	४०	२०	२९	९	१५	सिंहे
३	गु ८। ३ पू २५।४१ शो ३०।२५ वि ८। ३	४६	३९	२१	३०	१०	१६	कं.३९।१७
४	शु ०। ५ उ २०। ४ सु ४३।३२ बा ०। ५	४९	३८	२२	३१	११	१७	कन्यायां
५	शु ५३।३९ ० ०। ० ० ० ०। ०	०	०	०	०	०	०	०
६	श ४८।४७ ह १६।१० धृ ३६।१९ ग २१।१६	५२	३८	२२	१	१२	१८	तु.४४।५९
७	र ४५।३३ चि १३।४९ शू ३३।३८ वि १७।१३	५५	३७	२३	२	१३	१९	तुलायां
८	चं ४४।१५ खा १३। ५ गं २६।१४ बा १४।५२	५९	३६	२४	३	१४	२०	बृ.५८।४३
९	मं ४४। ४ वि १३।५५ वृ २३। ७ तै १४। ९	२७	३६	२४	४	१५	२१	वृश्चिके
१०	बु ४५।५३ अ १६।२० ध्रु २१।१७ व १५। ४	६	३५	२५	५	१६	२२	बृश्चिके
११	गु ४८।४८ ज्ये २०।१२ ब्या २०।२९ ब १७।२०	९	३४	२६	६	१७	२३	ध.२०।१३
१२	शु ५३। ३ मू २५।२१ ह २०।५१ कौ २०।५५	१३	३३	२७	७	१८	२४	धनुषि
१३	श ५७।५५ पू ३१।२२ व २१।३२ ग २५।२९	१६	३३	२७	८	१९	२५	म.४८।४
१४	र ६०। ० उ ३५।११ सि २३। ४ वि ३०।५५	२०	३२	२८	९	२०	२६	मकरे
१४	चं ३।५४ श्र ४५।११ व्य २४।५० श ३।५४	२४	३१	२९	१०	२१	२७	मकरे
२०	मं ९।५८ ध ५२।४४ व २७। ० ना ९।५८	२७	३१	२९	११	२२	२८	कु.१८।५७

शिशिरतूं रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
भ. ४२।२९ उ.
भ.८।३या. पूषायां भौमः १६।५५ वक्री*
*बुधः ११।४ शते शुक्रः १५।२६ च.ग्र.
×पश्चिमास्तो बुधः ३५ फरवरी २ ता.२८
भ. ४७ उ. वक्री आर्द्रा. ४ शनिः ६।१३×
भ. १७ या. अनु. ३ राहुः रोहि.१ केतुः ४७।६
वक्री मकरे बुधः २१ पूभा.३ गुरुः ३३।४७
भ. १५।४ उ. ४५।५३ या.
धनिष्ठा. रविः १०।३४ (सौरः १४।३६)+
+षट्तिला ११ व्र.
भ. ५७।५५ उ. प्रदोषः
भ. ३०।५५ या. वक्री श्रवणे बुधः ५२ ५०
पूभायां शुक्रः १।११

४३पं.मा.कृ.६श.इ.४३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	१०	१०	२	७	९
१८	१४	१	२१	९	१९	१३	१८
४९	३६	१४	५	४२	५७	२३	४४
२९	१८	२४	१३	४३	३९	२३	४४
६०	४२	३९	१२	७३	४७	३	६१
५५	५२	ब	१६	१८	ब	११	४

गोचरग्रहाः

कुंभ राशौ स्थिते शुक्रे सुभिक्षंप्रचुरं जलम्। भवत्यत्र न सन्देहो लोकाः सर्वे निरामयाः॥ सुभिक्ष व मंदी होवे।

गोचरग्रहाः

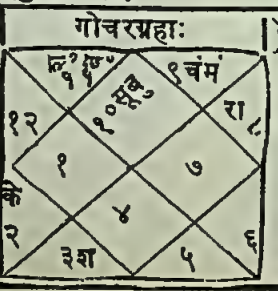

४४पं.मा.कृ.१३श.इ.४३।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	२	१०	१०	२	७	९
२५	१९	२४	२७	१८	१९	१३	२५
५५	४६	५१	३७	२४	३१	१	५१
१६	४१	१८	५१	४०	८	७	२१
६०	४२	५९	१२	७३	१७	३	६०
४७	५७	ब	३८	५६	ब	११	५५

×शुबुबु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *बुबृशु

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६७८स.१९७५
१	बु १६ २२ श ६० ० प २९ १६ ब १६ २२	३७	६	५	१२	२३	२९	कुंभे	कुंभेऽर्कः ४५।४९ (सौर:४८।३३) चन्द्र द.
२	गु २२ ५० श ० २३ शि ३१ ४३ कौ २२ ५०	३५	२९	३१	१३	२४	१	मी५१।२	सफर २
३	शु २९ ११ पू ७ ५६ स्वि ३३ ३६ ग २९ ११	३८	२८	३२	१४	२५	२	मीने	पूर्वोदयी बुधः ३५।५०
४	श ३४ ५१ उ १४ ४५ सा ३५ २ व २ १	४२	२८	३२	१५	२६	३	मीने	भ. २।१ उ. ३४।५१ या.
५	र ३९ ३५ रे २१ ५ शु ३६ १ ब ७ १३	४६	२७	३३	१६	२७	४	मे.२१।५	वसन्त ५ श्री ५
६	चं ४३ ७ अ २६ ११ शु ३५ ५६ कौ ११ २१	५०	२६	३४	१७	२८	५	मेषे	=मीने शुक्रः ५।५८ भानु ७
७	मं ४५ १७ भ २९ ५७ ब्र ३४ ३९ ग १४ ९	५४	२५	३५	१८	२९	६	वृ.४५।२९	भ. ४५।१७ उ. उषायां भौमः ५।५४=
८	बु ४५ ४७ कृ ३२ ५ वै ३२ ४ वि १५ ३२	५८	२४	३६	१९	३०	७	वृषे	भ. १५।३२ या. शते रविः ३२ (सौर:×
९	गु ४४ २२ रो ३२ २० वै २८ २ बा १५ ४	२	२४	३६	२०	१	८	वृषे	उभायां शुक्रः ४६।८ रा. फाल्गुनार्स्रमः
१०	शु ४१ ३ मृ ३० ४७ वि २२ २१ तै १२ ४२	६	२३	३७	२१	२	९	मि१।३३	×२३ पूभा. ४ गुरुः ३५ भीष्माष्टमी
११	श ३५ ४२ आ २७ १३ प्री १५ ५ च ८ २२	१०	२२	३८	२२	३	१०	मिथुने	भ.८।२२उ.३५।४२या. मकरे भौमः ५५*
१२	र २८ ५० पु २२ ८ आ ३४ ५० ब २ १६	१४	२१	३९	२३	४	११	क.८।२५	*मार्गी बुधः २।१९ जया ११ ब्र.
१३	चं २० ३५ पु ३५ ४० शो ४६ २५ तै २० ३५	१८	२०	४०	२४	५	१२	कर्के	प्रदोषः
१४	मं ११ ७ श्ले ८ ५ अ २५ १६ ब ११ ७	२२	२०	४०	२५	६	१३	सिं ८।५	भ. ११।७ उ. ३६।१५ या.
१५	बु १ २२ म ९ ५२ पु २३ १९ ब १ २२	२६	१९	४१	२६	७	१४	सिंहे	माघ स्नान पूर्तिः

४५पं.मा.शु.४श.इ.४४।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	१०	१०	२	७	१०
३	२४	१७	२९	२७	१९	१२	२
०	५८	५९	१३	५	८	३८	५७
४	१६	३८	१९	३४	४१	५१	३४
६०	४३	५९	१३	७३	३८	३	६०
३७	२	व	४	५०	च	११	४२

गोचरग्रहाः

माघ शु. १ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

४६पं.मा.शु.११श.इ.४४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	११	११	२	७	१०
१०	०	१७	०	५	१८	१२	१०
३	११	४५	११	४५	५१	१६	२
३२	२६	१८	०	०	०	३५	७
६०	४३	५	१३	७३	३८	३	६०
२५	७	मा	१९	३८	ब	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु ५० ४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु ४२ १ उ ४४ ५८ धृ १३ १९ ते १६ ४६	३८	१८	४२	२७	८	१५	कं.५।२८	+११।२९ पात मोक्षः १९।५६
३	शु ३७ ४९ ह ३९ १५ शू ११ ५१ व ७ ५८	३४	१७	४३	२८	९	१६	कन्यायां	भ. ७।५८ उ.३३ या. च. ब्र. पातस्पर्शः+
४	श २७ २ चि ३४ १० वृ ४६ ४० ब ० २५	३८	१६	४४	१	१०	१७	तु.७।१६	मार्च मा. ३ ता. ३१
५	र २२ २ स्वा ३१ ४० ध्रु ४० ४० ते २२ २	४२	१६	४४	२	११	१८	तुलायां	
६	चं १९ १ वि ३० ९ व्या ३६ १० ब १९ १	४६	१५	४५	३	१२	१९	बृ.१६।७	भ.१९।१उ.४८।३२या. रेवत्यां शुक्रः ३६
७	मं १८ २ अ ३२ १३ ह ३३ २७ ब १८ २	५०	१४	४६	४	१३	२०	बृश्चिके	पू. भा. रविः ३८।१५ (सौरः ३८।४२)
८	बु १९ ११ ज्ये ३५ १९ व ३२ २ कौ १९ ११	५४	१३	४७	५	१४	२१	ध.३५।१९	धनिष्ठा. बुधः १९ उभा. १ गुरुः २७।५९
९	शु २१ ५० मू ४० १३ स्वि ३२ २३ ग २१ ५०	५८	१२	४८	६	१५	२२	धनुषि	भ. ५४।३ उ.
१०	शु २६ १६ पू ४६ १३ व्य ३३ ५ वि २६ १६	२	१२	४८	७	१६	२३	धनुषि	भ. २६।१६ या. श्रवणे भौमः ४६।१५
११	श ३१ ३० उ ५३ ३४ ब ३४ ५२ बा ३१ ३०	६	११	४९	८	१७	२४	म.२।४०	विजया ११ ब्र.
१२	र ३७ ४७ श्र ६० ० प ३७ ४ कौ ४ ३८	१०	१०	५०	९	१८	२५	मकरे	
१३	चं ४४ ४ श्र ० ३७ शि ३९ १८ ग १० ५५	१४	९	५१	१०	१९	२६	कु.३४।२२	भ. ४४।४ उ. प्रदोषः
१४	मं ५० २६ ध ८ ७ स्वि ४१ ३८ वि १७ १४	१९	८	५२	११	२०	२७	कुंभे	भ.१७ या. कुंभे बुधः ४३ महाशिवरात्री ब्र.
१५	बु ५६ ४४ श १५ ५० सा ४३ ४३ च २३ ३५	२२	७	५३	१२	२१	२८	कुम्भे	अस्तं गुरोः १।१२ अ. गु.

७७पं.फा.कृ.४श.इ.४४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	११	११	२	७	१०
१७	५	२०	२	१८	१८	११	१७
५	२४	२३	३०	२२	३८	५४	४
४४	२	१६	१४	४४	५३	२०	५७
६०	४३	३९	१३	७३	२३	३	६०
१२	२०	१	२२	२५	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

मकरे च स्थिते भौमे घृत तेल महर्घता । सुभिक्षं सर्व धान्यानां लोकानां दुःख पीडनम् ॥

गोचरग्रहाः

४८पं.फा.कृ.११श.इ.४४।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	११	११	२	७	१०
२४	१०	२६	४	२२	१८	११	२४
६	४१	५८	१०	५८	३२	३२	६
२९	४२	५५	४४	८	२०	४	२०
५९	४३	६१	१३	७३	३८	३	६०
५८	२३	२१	३२	१४	ब	११	४

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु ६० ० पू २३ ४ शु ४५ ४२ किं	२९	३७	२९	६	५३	१३	२२ २९ मी ६।१६
१	शु २ ३० उ २९ ५० शु ४७ ५ ब	२	३०	३२	६	५४	१४	२३ ३० मीने
२	श ७ ४३ रे ३५ ४७ ब्र ४७ ४१ कौ	७	४३	३६	५	५५	१५	२४ १ मे. ४५।४७
३	र ११ ५४ अ ४० ५३ ऐं ४७ ३२ ग	११	५४	४०	४	५६	१६	२५ २ मेषे
४	चं १५ १० भ ४४ ५६ वै ४६ ५६ वि	१५	१०	४४	३	५७	१७	२६ ३ मेषे
५	मं १७ २३ कृ ४७ ४८ वि ४५ ११ बा	१७	२३	४९	२	५८	१८	२७ ४ बृ. ०।३९
६	बु १८ ७ रो ४९ १८ प्री ४४ १६ तै	१८	७	५३	१	५९	१९	२८ ५ बृषे
७	गु १७ ३८ मृ ४९ २६ आ ३८ १४ ब	१७	३८	५७	१	५९	२०	२९ ६ मि १९।२२
८	शु १५ ४१ आ ४७ ५३ सौ ३२ ४० ब	१५	४१	३१	६	०	२१	३० ७ मिथुने
९	श ११ ५५ पु ४४ ४८ शो २६ १३ कौ	११	५५	६	५९	१	२२	१ ८ क. ३०।३४
१०	र ६ ५५ पु ४० २५ अ १८ २२ ग	६	५५	१०	५८	२	२३	२ ९ कर्के
११	चं ० २० श्ले ३४ ४१ सु २७ ५१ वि	०	२०	१४	५७	३	२४	३ १० सिं ३४।४१
१२	चं ५२ ८ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० ०
१३	मं ४४ १९ म २६ ५२ शू ४९ १३ कौ	१९	२३	१८	५६	४	२५	४ ११ सिंहे
१४	बु ३४ २१ पू २० ३१ गं ३८ २८ ग	९	२०	२३	५५	५	२६	५ १२ कं. ३३।४०
१५	गु २४ ४६ उ १३ २ वृ २८ १ ब	२४	४३	२७	५५	६	२७	६ १३ कन्यायां

वसन्ततूरविरुत्तरेऽहर्गणः ७०७ स. १९७५

●मानेऽर्कः ३१ (सौरः ३१) चन्द्रदर्शनम्
अश्वि. मेषे शुक्रः ३१ मार्गी शनिः २१
फुलरिया २ रविलावल ३
भ. ४३।३२ उ. शते बुधः ३९।४२
भ. १५।१० या. उभायां रविः सौरः ५९ ३८
उभायां रविः ०।१६
उभायां २ गुरुः १७।१८
भ. १७।३८ उ. ४६।४०' या.
होलाष्टकः
रा. चैत्रारम्भः
भ. ३३।३७ उ. आमलकी ११ व्र. स्मा.
भ. ०।२० या. आमलकी ११ व्र. वै.
×भरण्यां शुक्रः २९।३६ प्रदोषः
धनिष्ठा. भौमः ३५।४८ पूभायां बुधः ४७×
भ. ३४ उ. ५३ या. होलिकादहनं भद्रा पुच्छे
छारेंडी

४९पं.फा.शु.२श.इ.४५।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	११	०	२	७	११
१	१५	५	५	१	१८	११	१
५	५८	२८	५१	२९	३०	९	६
४२	१९	४४	४९	५२	४७	४९	२
५९	४३	७८	१३	७२	९	३	५९
४२	२७	३२	३८	५८	मा	११	४९

गोचरग्रहाः

फा.शु. १ शुक्रे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न.४ गतालकावस्था (ऊभौ) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

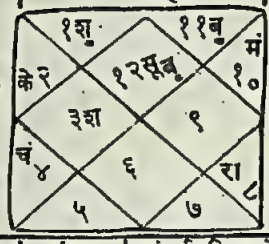

५०पं.फा.शु. ९श.इ.४५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	११	०	२	७	११
८	२१	१५	७	१०	१८	१०	८
३	१९	२४	३३	१	२४	४७	३
१८	८	१४	४०	१५	४८	३९	५७
५९	४३	२१	१९	७२	०	३	५९
२९	४०	३	३८	४४	५८	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०३१ शाकः १८९६	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु १५ ५१ हृ ६ ८ धु १८ ८ कौ	१५	५०	३१	५	५४	६	२८ ७ १४ तु. ३३।५
२	श ७ ५५ चि २ ५५ ब्या ९ १० ग	७	५५	३५	५	५३	७	२९ ८ १५ तुलायां
३	र १ १८ वि ५२ ५७ हृ ३४ ५३ वि	१	१८	२९	५२	८	३०	९ १६ वृ ३८।३७
४	र ५५ २० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० ०
५	चं ५४ २२ अ ५२ २२ स्वि ५१ १४ कौ	२५	३४	४४	५१	९	३१	१० १७ बृश्चिके
६	मं ५४ १० ज्ये ५४ ४ ब्य ४८ ३२ ग	२४	१६	४८	५०	१०	१	११ १८ ध. ५४।४
७	बु ५५ ५५ मू ५७ ३४ ब ४७ ४३ वि	२५	२	५२	५०	१०	२	१२ १९ धनुषि
८	गु ५९ ३५ पू ६० ० प ४१ ५ बा	२७	४५	५६	४९	११	३	१३ २० धनुषि
९	शु ६० ० पू २ ५० शि ४२ ९ तै	३२	३	३१	४८	१२	४	१४ २१ म. १९।२८
९	श ४ ३१ उ ९ २३ स्वि ५४ २५ ग	४	३१	४	४७	१३	५	१५ २२ मकरे
१०	र १० ४५ श्र १६ ४४ सा ५७ ४६ वि	१०	४५	८	४६	१४	६	१६ २३ कुं. ५०।३४
११	चं १६ ५९ ध २४ २५ शु ५९ २३ बा	१६	५९	११	४६	१४	७	१७ २४ कुम्भे
१२	मं २३ २२ श ३२ ४ शु ५१ ३४ तै	२३	२२	१५	४५	१५	८	१८ २५ कुंभे
१३	बु २९ २६ पू ३९ १५ ब्र ६० ० व	२९	२६	१९	४४	१६	९	१९ २६ मी २२।२८
१४	गु ३४ ५२ उ ४५ ४३ ब्र ० २० वि	२	१५	२२	४४	१६	१०	२० २७ मीने
२०	शु ३९ २० रे ५१ ५ ऐं १ २१ च	७	५	२६	४३	१७	११	२१ २८ मे. ५१।५

वसंततूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

वसंत १
भ. ३४।३६ उ.
भ. १।१८ या. चतुर्थी व्र.

रेवत्यां रविः ६९ (सौरः २९) मीने बुधः ४८
भ. १५ उ. उभा. ३ गुरुः ५९ अप्रेल ४ ता. ३०
भ. २५।२ या. उभायां बुधः ५२।३९
कुम्भे भौमः १२।४३ शीतलापूजनम्
÷पूर्वास्तो बुधः ५३।४१
भ. ३७।३८ उ. कृत्तिकायां शुक्रः ३५।४६÷
भ. १५ या. अनु. २ राहुः कृत्ति. ४ केतुः ४३ ३८
पापमोचनी ११ व्र.
बृषे शुक्रः २२।३५ प्रदोषः
भ. २९।२६ उ. रेवत्यां बुधः ५७।३७
भ. २।१५ या. उदयं गुरौ ३१।१२ गु
मन्वादिः

५१पं. चै.कृ.२श.इ.४५।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	११	०	२	७	११
१४	२६	२६	९	१८	१८	१०	१५
५९	१३	३०	१५	२८	४४	२५	०
१३	४७	४०	४	३३	१०	१७	३
५९	४३	८	१४	७२	१	३	५९
१६	४२	२४	३८	२०	३४	११	१८

गोचरग्रहाः

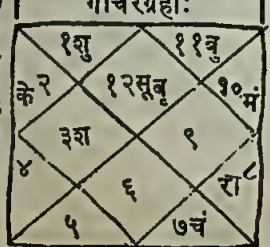

इस मास में गुरु का उदय वर्षा कारक है। धान्य रुई चांदी आदि धातु मंदा हो।

गोचरग्रहाः

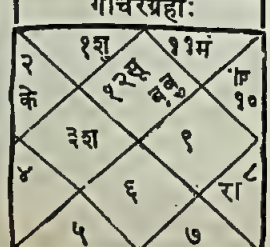

५२पं.चै.कृ. ९श.इ.४५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	११	०	२	७	११
२१	१	८	१०	२६	१८	१०	२१
५३	५२	४६	५६	५२	५८	३	५७
३१	१	५२	२	३७	५५	२	१४
५९	४३	५८	१३	७१	२	३	५९
४	४६	५७	३२	५७	१८	११	४

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०७६ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७६ भोग्यकलिः ४२६९२४ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३२ शाकः १८९७ वर्षेऽस्मिन् राजा शनिः । मंत्री चन्द्रः । सस्येशो बुधः । धान्येशोभौमः । मेघेशोरविः । रसेशोशुक्रः । नीरसेशोबुधः । फलेशोशनिः । धनेशोभौमः । दुर्गेशोरविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां २ विभव नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ६।१७।२८।१८भोग्यमासादिः५।१२।३१।४२ । विष्णुदैवतंयुगम्। वर्षनामभाद्रपदः। मेघनामद्रोणः । रोहिणीनिवासःसमुद्रे । समय निवासोमालाकारगृहे। समयविश्वा १२। समयवाहनंमहिषः। स्तंभाःरवाव्वन्नयोः। सोमवत्यमा.२। सोमवतीपंचमी १। अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी + । रविदशमी १ । समयमुहूर्ताः ३३० । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः१४। तिथिवृद्धिः ७ । उत्पत्ति विश्वा ९३। खपतिविश्वा ९३ । वर्षाविश्वा ५ । धान्यम् ११ । तृणम् ७ । शीतम् १७ । तेज ५ । वायुः१३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं ९९ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पाप १८ । शनिदृष्टिः पूर्वस्यां । ग्रहणं १ चंद्रमसः ।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्ष लग्नम् ७।८

*सूचंबुबु

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

नमो नमो जगजननी सों करि हूं बारंबार ।
सुष्ठु साल बत्तीस का मोसूं कहिये सार ।।

भवानी उत्तर

बत्तीसो आछो समय प्रजा दुःख न पाय ।
अन्नको भाव सुहावणु कहां आव कहां जाय ।।
विभव नाम वत्सर बना मन्त्री भये द्विजराज ।
सस्याधिप बुध होण से सारें जग का काज ।।
सागर में रोहिणी वसी संवत् विश्वा अर्क ।
संवत् अच्छा होयगा कहीं कहीं रहसी फर्क ।।
रविसुत तो राजा भये ले फलपति अधिकार ।
युद्ध रोग फैले घणा प्रजा होय बेकार ।।
पण भैरव भय मत करे रक्षक है करतार ।
ईश्वरदत्त गुरु ज्ञान से बंशीधर कहा सार ।।

संवत् २०३२ शाके १८९७ कार्तिक शुक्ला १५ भौमे खग्रासं चन्द्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्य. मध्यम.	घ.	४९	५३	५३	५४	५८
	पल	३४	३	५५	४७	१६
रेल्वे टाइम	घं.	२	३	४	४	५
	मि.	१७	४०	१	१२	४५

वर्षेश लग्नम् ०।१६

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२९।४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फलम्-शनैश्चरे भूमिपतौ सकुज्जलं प्रभूत रोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री चंद्रस्तत्फलम्-शशिनि मंत्रिगते बहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशिसुशोभिताः ।। सस्येशो बुधस्तत्फलम्—जलधरा जलराशि मुचोभृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणः स्तुतिपाठकरः सदा प्रथमसस्यपतौ सतिबोधने ।। धान्येशो भौमस्तत्फलम्-भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्यमहर्षकम् । शालिक्षुघृततैलादि महर्घाणि भवंति च ।। मेघेशो रविः फलम्-जलदपे यदिवासरपे तदा सरसिवै रमतें जनता रसम् । यवचनेक्षुनिवारसुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शुक्रस्तत्फलम्-यजन याजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः । सुखसुभिक्ष सुमोदवतीधरा धरणीपाहत पापगणाप्रिया ।। नीरसेशो बुधः फलम्-चित्रवस्त्रादिकं चैव शंखचंदनपूर्वकम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ।। फलेशो शनिः फलम्-यदि शनिः फलपः कलहो भवेज्जनित पुष्पगणास्तरवः सदा । हिमभयं नरतस्करजं सदा जनपदा जनराशिसमाकुलाः ।। धनेशो भौमस्तत्फलम्-असितमौल्यकरो धरणीसुतः शरदि वाऽभ्रकरस्तुषधान्यहृत् । सहसिमासि भवेद्द्विगुणंतदा नरपतिर्जनशोकविधायकः ।। दुर्गेशः रविः फलम्-नयविशेषकरस्तरणिस्तदागतभया नरराजपुरोगमा । समधिकेन तदानृपतोऽन्यनः पथिषु संव्रजतां न भयंक्वचित् ।। विभव नाम संवत्सरस्तत्फलम्-दण्डनीतिपराभूपाः बहुसस्यार्घवृष्टयः । विभवाब्देऽखिलालोकाः सुखिनः स्युर्विवैरिणः ।। वर्ष नाम भाद्रपदः फलम्-अर्घमहर्षतां याति धनधान्यं समं भवेत् । मघवा वर्षति स्वच्छं सम्पदो भाद्रवर्षके ।। मेधनाम द्रोणफलम्-द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्—समुद्रे तु महा वृष्टिः ।। समयनिवासो मालाकार गृहे फलम्—मालिनः प्रचुराः वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०३२ शाके १८९७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शु. ५ बुधे मृगे ल. १२ रे. ६ ।।।।ऽअ.ऽऽ।ऽ आवश्यके
„ १० चंद्रे मघा. ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।।।ऽऽ। गणितेनक्रांति-साम्याऽभावः
„ १२ बुधे उफा. ल. अन्यगो. रे. ९ ऽ।।।।।।।।
„ १२ बुधे हस्ते ल. १२ रे.७ ।।।ऽगुऽ।ऽ।। पादतोवेधाऽभावः चंद्र ७ पूज्यः

वैशाख मासः

शु. ८ रवौ मघा ल. अन्यगो. १ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।
„ १३ शुक्रे स्वा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।ऽ।।।ऽरोऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ गुरौ उषा. ल. गो. सोग्रांगः रे. ६ ।।।ऽबृऽ।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः पादतो वेधाऽभावः
शु. ५ शनौ मघा. ल.अन्यगो. सोग्रांगः १ रे.८ ।ऽ।।।ऽअ.।।।।
„ ८ भौमे हस्ते ल. अन्यगो. रे. ७ ।ऽअ.ऽ।।।।।
„ ११ गुरौ स्वत्यां ल. १ रे. ८ ।।।।ऽजु.ऽ।।। चंद्र ७ पूज्यः

आषाढ़ मासः

कृ. २ बुधे उषा. ल. गो. रे. ९ ।।।।ऽ।।।।।
„ ६ चंद्रे उभा. ल. ११ रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।
„ ७ भौमे उभा. ल. अन्यगो. रे. ६ ऽ।।।।ऽचौ।ऽ।ऽ दग्धा.
„ ८ बुधे रेव. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।ऽबृ।।।ऽऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृ. ७ भौमे मघा. ल. ६ रे. ९ ऽ।।।।।।ऽ।। गुरु भौमौ पूज्यौ
„ ९ गुरौ उफा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।ऽबृ।ऽअ.।ऽ।। पादवेधाद्गुरोर्वेधाऽभावः
शु. ८ गुरौ उभा. ल. गो. रे. ९ ऽमं।।।।।।।।
„ १० शनौ रेव. ल. गो. रे. ६ ।ऽऽबृ।।।ऽ।।

माघ मासः

कृ. ३ चंद्रे मघा. ल. ९ रे.९ ।।।ऽबु।।।।।। पादतो वेधाभावः
„ ४ भौमे उफा. ल. १(घ.५५।२२उ.)रे.७ ।।।ऽबृ।ऽचो।ऽ।।
„ ५ बुधे उफा. ल. गो. रे.८ ।।।ऽबृ।।।ऽ।। पादतोवेधाभावः
„ ६ गुरौ हस्ते ल. गो. रे. ७ ऽ।।।ऽरोऽ।।।
„ ७ शुक्रे स्वा. ल. ९ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।
शु. ४ बुधे उभा. ल. ९ रे ८ ।।।।।।ऽऽ।।
„ ५ गुरौ रेव. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।ऽबृ।।ऽजु.।।।।
„ ९ चन्द्रे रोहि. ल. ६ (घ.३४।५०उ.) रे.७ ऽ।।।।ऽ।ऽ। गु. ७ पूज्यः गणितेन क्रां-तिसाम्याऽभावः
„ १५ रवौ मघा. ल. ९ रे. ६ ।।।।ऽऽ।।ऽऽ आवश्यके

फाल्गुन मासः

कृ. ३ बुधे हस्ते ल. गो. ९ रे. ८ ।।।।।।।ऽ।ऽ दग्धा.
शु. ७ चन्द्रे रोहि. ल. अन्यगो. रे ७ ।।।।।ऽचोऽऽ।। दग्धा.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ११५१ स. १९७६
१	र ४ १४ मृ ४९ १२ धृ २३ ११ ब	४ १४ ३४	५ ६	३०	९	३०	मि १७।१७	रोहिण्या शुक्रः २।४४ चन्द्रदर्शनम्
२	चं ६ ७ आ ५२ ५ शू २१ ५५ को	६ ७ ४	११ ४९	३१	१०	१	मिथुने	जमादिलाखर ६
३	मं ७ १० पु ५३ ५३ गं १९ ४७ ग	७ १० ६	११ ४९	१	११	२	क. ३८।२६	भ. ३७।७ उ. जून मा. ६ ता. ३०
४	बु ७ ५ पु ५५ ३८ वृ १६ ५५ वि	७ ५ ७	११ ४९	२	१२	३	कर्के	भ. ७।५ या.
५	गु ५ ५७ श्ले ५४ २५ ध्रु १३ २३ बा	५ ५७ ९	१० ५०	३	१३	४	सिं ५४।२५	आश्लेषा. भौमः ३।५२ मार्गीबुधः ५१।२०
६	शु ३ ४५ म ५३ ८ व्या ८ ५५ तै	३ ४५ १०	१० ५०	४	१४	५	सिंहे	
७	श ० ३७ पू ५१ २ ह ३७ ४६ व	० ३७ १२	१० ५०	५	१५	६	सिंहे	भ. ३° उ. ३६ या. भरणी. ४ गुरुः ५४
८	श ५५ ५८ ० ० ० ० ० ०	० ० ०	० ०	०	०	०	०	
९	र ५० २५ उ ४७ ५३ सि ५० २ बा	२३ २५ १३	९ ५१	६	१६	७	कं. ५।१४	पुष्य. २ शनिः ७।५०
१०	चं ४४ २२ ह ४३ ४१ व्य ४२ ४७ तै	१७ २४ १४	९ ५१	७	१७	८	कन्यायां	मृगेरविः २९।२४ (सौरः ३३) गंगादशमी
११	मं ३८ २१ वि ३९ ३७ व ३४ २२ व	११ २२ १६	९ ५१	८	१८	९	तु. ११।३८	भ. ११।२२ उ. ३८।२१ या. निर्जला ११ व्र.
१२	बु ३० ४१ स्वा ३२ ५९ ष २५ ३१ ब	४ ३१ १७	९ ५१	९	१९	१०	तुलायां	मृगे शुक्रः ५०।५८ प्रदोषः
१३	गु २२ २८ वि २७ ३ शि १६ ८ तै	२२ २८ १८	८ ५२	१०	२०	११	वृ. १३।३२	
१४	शु १४ २५ अ २१ ० सि ५ ५१ व	१४ २५ १९	८ ५२	११	२१	१२	वृश्चिके	भ. १४।२५ उ. ४०।३६ या.
१५	श ६ ४७ ज्ये १५ ४६ शु ५० २२ ब	६ ४७ २०	८ ५२	१२	२२	१३	ध. १५।४६	गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

८पं.ज्ये.शु.३मं.इ.१८।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	०	१	३	६	१
१७	१५	१	२२	१२	६	१७	१७
२५	३६	२९	१५	४८	९	३९	१७
८	४०	३१	२२	५८	३२	४८	४२
५७	३६	२९	१३	७४	५	३	५७
२७	९	ब	८	३२	४१	१९	१३

गोचरग्रहाः

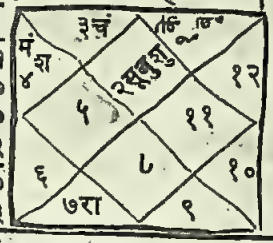

इस मास में सोना चांदी रस पदार्थ एवं धान्यादि में तेजी होगी। प्रजा में रोगों का भय और उपद्रव हो।

गोचरग्रहाः

९पं.ज्ये.शु.११मं.इ.१८।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	०	१	३	६	१
२४	१९	२	२३	२१	६	१७	२३
७	३७	५०	४९	२५	५३	१७	५७
१२	८	३८	४८	१९	१०	२३	३८
५७	३६	२९	१२	७४	६	३	५७
२२	२८	मा	४३	३८	२	११	५

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ० १३ मृ ११ ४ शु ४३ २५ को	० १३ ३४	५ ६	१३	२३	१४		धनुषि	
२	र ५४ ५३ ० ० ० ० ० ०	० ० ०	८ ५२	०	०	०		०	
३	चं ५१ ४५ पू ८ ५५ ब्र ३७ ५१ व	२३ २५ २१	८ ५२	१४	२४	१५		म. २३।४३	भ. ३३ उ. ५५ या. मिथुनेऽर्कः २६ सौरः ४०
४	मं ५० १५ उ ८ ४ ऐं ३६ ५९ व	२१ ० २२	८ ५२	१५	२५	१६		मकरे	मिथुने शुक्रः १७।४४ च. व्र.
५	बु ५० ५९ श्र ८ ५९ वै ३१ ३७ को	२० ३७ २२	८ ५२	१६	२६	१७		कुं. ४०।३३	
६	गु ५३ ४६ ध १२ ७ वि ३१ ३ ग	२२ २२ २३	७ ५३	१७	२७	१८		कुंभे	भ. ५३।४६ उ.
७	शु ५८ ४ श १७ १ प्री ३१ २८ वि	२५ ५५ २३	७ ५३	१८	२८	१९		कुम्भे	भ. २५।५५ या. रोहिण्यां बुधः ८।२६
८	श ६० ० पू २३ २३ आ ३३ ११ बा	३० ५३ २३	७ ५३	१९	२९	२०		मी ६।४८	
९	र ३ ४३ उ ३० २७ सौ ३५ १६ को	३ ४३ २४	७ ५३	२०	३०	२१		मीने	आर्द्रा.शुक्रः ३३ स्वाती.३ राहुः भ.१के.७।५
१०	चं ९ ४५ रे ३८ ११ शो ३७ ४९ ग	९ ४५ २४	७ ५३	२१	३१	२२		मे. ३८।११	भ. ४३ उ. आर्द्रायां रविः २६।५४ (सौरः *
११	मं १५ ४८ अ ४५ ३९ अ ४० २४ वि	१५ ४८ २४	७ ५३	२२	१	२३		मेषे	भ. १५।४८ या. रा. आषाढ़ारंभः
१२	बु २१ २६ भ ५२ ३७ सु ४२ १७ बा	२१ २६ २४	७ ५३	२३	२	२४		मेषे	योगिनी ११ व्र.
१३	गु २६ ४२ कृ ५८ ३४ धृ ४३ ३९ तै	२६ ४२ २४	७ ५३	२४	३	२५		वृ. ९।७	प्रदोषः *४१।३३) कृत्तिका.१ गुरुः ३३
१४	शु ३० ३२ रो ६० ० शू ४३ ५२ व	३० ३२ २३	७ ५३	२५	४	२६		बृषे	भ. ३०।३२ उ.
१५	श ३२ ५६ रो ३ ७ गं ४३ ८ वि	१ ४४ २३	७ ५३	२६	५	२७		मि ३४।५०	भ. १।४४ या. मघा. सिंहे भौमः ८।१
३०	र ३४ २ मृ ६ ३५ वृ ४२ २१ च	३ २९ २३	७ ५३	२७	६	२८		मिथुने	मृगे बुधः २९।१३

१०पं.आ.कृ.४मं.इ.१८।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	०	२	३	६	२
०	२३	७	२५	०	७	१६	०
४८	४२	२९	२१	१	३८	५५	३६
२५	४	२	३६	१६	४६	१७	४७
५७	३६	५३	१२	७४	६	३	५६
१७	५५	२३	२०	३८	२२	११	५७

गोचरग्रहाः

आ. कृ. ३ चन्द्रे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४ न.५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शु. पू.।

गोचरग्रहाः

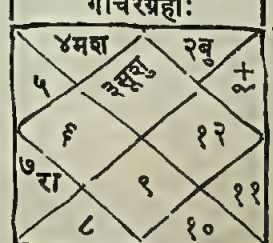

११पं.आ.कृ.१०मं.इ.१८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	०	२	३	६	२
७	२७	१५	२६	८	८	१६	७
२९	४९	४६	४८	३८	२६	३३	१५
२४	४१	८	५४	२०	५३	१	१४
५७	३७	८४	१२	७४	६	३	५६
१३	१९	२८	१	३८	३७	११	५४

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाक: १८९८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गरणः ११८०स.१९७६
१	चं ३३।४२ आ ८।३७ धु ३८।२९ किं ३।५२	३४	८	५२	२८	७	२९	क.५३।३५	
२	मं ३२।१६ पु ९।३४ ष्या ३४।४७ बा २।५९	२२	८	५२	२९	८	३०	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	बु २९।५७ पु ९।१८ ह ३०।१३ तै १ ७	२१	८	५२	३०	९	१	कर्के	भ. ५८।२३ उ. रज्जव ७
४	गु २६।४९ श्ले ८।११ व २५ ५ वि २६	४९ २०	८	५२	१	१०	२	सिं८।११	भ. २६।४९ या. मिथुने बुधः १२।० पुन.*
५	शु २२।५२ म ६।२२ सि १९।३६ बा २२	५२ १९	८	५२	२	११	३	सिंहे	*शुक्रः ३१।८ जुलाई मा. ७ ता. ३१
६	श १८।४३ पू ४।१० व्य १३।४२ तै १८	४३ १८	८	५२	३	१२	४	कं.१८।३२	=बुधः ४४।२४ पूर्वास्तं बुधः २६।३५
७	र १३।५८ उ ३७।१६ व ७।१७ व १३	५८ १७	९	५१	४	१३	५	कन्यायां	भ. १३।५८ उ. ४१।२२ या. आर्द्रायां=
८	चं ८।४६ चि ५४।५८ प ३५।५३ बा ८	४६ १५	९	५१	५	१४	६	तु.२६।४४	पुन. रविः२५।५० (सौरः ४५।३४) पुष्य.×
९	मं ३।१३ स्वा ५१ २ सि ४६ ९ को ३	१३ १४	९	५१	६	१५	७	तुलायां	×३ शनिः ३।२९
१०	मं ५४।१० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	+३०।४९ व्यासपूजा
११	बु ५१।१६ वि ४६।५८ सा ३८।२६ व २४	१९ १३	९	५१	७	१६	८	बृ.३२।५९	भ.२४ उ.५१ या. देवशयनी ११ ब्र.स्मा.
१२	गु ४४।५६ अ ४२।४७ शु ३०।५३ ब १८	१ ११	१०	५०	८	१७	९	वृश्चिके	कृत्ति.२वृषेगुरुः२८।२१ देवशयनी ११ब्र.वै.
१३	शु ३९।४८ ज्ये ३८।४७ शु २३।२४ को १२	२२ १०	१०	५०	९	१८	१०	ध.३८।४७	कर्के शुक्रः ३८।४१ प्रदोषः
१४	श ३३।३१ मू ३५।२३ ब्र १६।१६ ग ६	४० ८	१०	५०	१०	१९	११	धनुषि	भ. ३३।३१ उ. वायुपरीक्षा
१५	र २८।५४ पू ३२।४९ ऐं ९।४७ वि १	१३ ७	११	४९	११	२०	१२	म.४७।३२	भ. १।१३ या. पुन. बुधः २।५६ शन्यस्तः+

१२पं.आ.शु.२मं.इ.१८।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	०	२	३	६	२
१४	१२	२९	२८	१७	९	१६	१३
९	५९	३६	१३	१५	१६	१०	५३
५०	२४	२२	५९	१८	५५	४६	१९
५७	३७	०	११	७४	६	३	५६
७	३५	४३	२५	३५	५२	११	५०

गोचरग्रहाः

मिथुने कर्कटे संस्थो यस्मिन्काले भृगोः सुतः। वातो वाति तदा नित्यं जल वृष्टिश्च जायते ॥ कहीं २ वर्षा हो, धान्य तेज।

गोचरग्रहाः

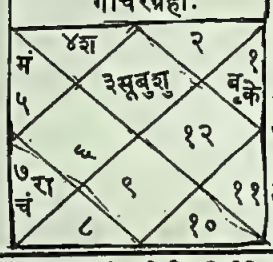

१३पं.आ.शु.९मं.इ.१८।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	०	२	३	६	२
२०	६	९	२९	२५	१०	१५	२०
५०	१०	५२	३६	५१	८	४८	३१
१०	३७	२६	२५	२२	४९	३०	१३
५७	३७	०	११	७४	७	३	५६
७	५८	४२	५४	३२	२	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाक: १८९८	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतुं रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं २५।२३ उ ३१।४१ वै ५१।४० को २५	३४	५	५१	४९	१२	२१	१३	मकरे	पुष्ये शुक्रः २३।१०
२	मं २४।१९ श्र ३२ ८ प्री ५६।४२ आ ५६	२२	५	११	४९	१३	२२	१४	मकरे	भ. ५४।२३ उ.
३	बु २४।२७ ध ३४।५६ आ ५६	२२	१२	४८	१४	२३	१५	कु.३।१७	भ. २४।२७ या. चतुर्थी व्र.
४	गु २६।३४ श ३८।२२ सौ ५५ १ बा २६	३४ ०	१२	४८	१५	२४	१६	कुम्भे	कर्केऽर्कः ५५।१४ कर्के बुधश्च ४७।२४
५	शु ३० ८ पू ४३।५० शो ५५ ५५ ते ३०	८ ३३	१२	४८	१६	२५	१७	मी२७।२८	कर्केऽर्कः सौरः १८।१८ नाग ५ मरुस्थले
६	श ३५।१७ उ ५०।३० अ ५७।४१ ग २	४३ ५६	१३	४७	१७	२६	१८	मीने	भ. ३५।१७ उ. पुष्ये बुधः १३।०
७	र ४१ ९ रे ५७।४७ सु ५९।५३ वि ८	१३ ५४	१३	४७	१८	२७	१९	मे.५७।४७	भ. ८।१३ या. पूफायां भौमः १२।५३
८	चं ४७।१४ अ ६० ० धृ ६०ः ० बा १४	११ ५२	१४	४६	१९	२८	२०	मेषे	पुष्ये रविः २४।३१ (सौरः ४८।५९)
९	मं ५३।२० अ ४।५६ धृ २।२५ ते २०	१७ ५०	१४	४६	२०	२९	२१	मेषे	
१०	बु ५८।३१ भ १२।२६ शू ४।४३ व २५	५५ ४७	१५	४५	२१	३०	२२	वृ.२९।३	भ. २५।५५ उ. ५८।३१ या.
११	गु ६० ० कृ १८।५२ गं ६।१६ ब ३०	३३ ४५	१५	४५	२२	३१	२३	बृषे	कामिका ११ व्र. स्मा.
११	शु २।३५ रो २३।४४ वृ ६।५१ बा २	३५ ४२	१६	४४	२३	१	२४	मि५५।३२	आश्ले बुधः ५३ आश्ले.शुक्रः ५० शुक्रोदयः*
१२	श ४।४४ मृ २७।२२ धु ६।३१ ते ४	४४ ४०	१६	४४	२४	२	२५	मिथुने	प्रदोषः *पश्चिमायां ३५ रा.श्रावणारंभः+
१३	र ५।२६ आ २९।१४ ष्या ७।३२ व ५	२६ ३७	१७	४३	२५	३	२६	मिथुने	भ. ५।२६ उ. ३४।५३ या.
१४	चं ४।२० पु २९।२२ ह १६ ५३ ब ४	२० ३५	१७	४३	२६	४	२७	क.१४।२०	+कामिका ११ व्र. वै. (शु.उ.प.)
३०	मं १।४५ पु २८।११ सि ५१।२३ ना १	४५ ३२	१८	४२	२७	५	२८	कर्के	बुधोदयः पश्चिमायां ४७।१२

१४पं.श्रा.कृ.२मं.इ.१८।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	१	३	३	६	२
२७	१०	२४	१	४	११	१५	२७
३०	२३	४६	५३	२८	१	२६	९
३२	४२	४१	६	३७	४८	१५	२०
५७	३८	५८	१०	७४	७	३	५६
११	१२	५८	१२	३२	१४	११	५५

गोचरग्रहाः

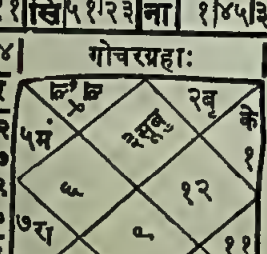

श्रावण कृ. ४ गुरौ कर्केऽर्कः प्र. वा.४न ५गतालकावस्था (ऊर्ध्वा) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

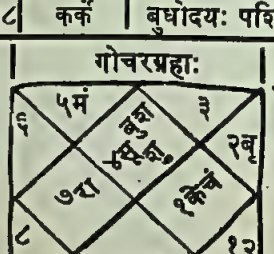

१५प.श्रा.कृ.९ मं.इ.१८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	१	३	३	६	२
४	१४	९	२	१३	११	१५	२
११	४०	२९	४	४	५५	३	४७
१७	१९	१४	५५	२३	१	५९	४७
५७	३८	५८	९	७४	७	३	५६
१५	२६	४२	२९	२६	२०	११	५७

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽह्नर्गणः १२१०सन् १९७६

१	मं	५६	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	५२	५८	श्ले	२६	५८	व्य	४५	११	बा	२५	२७	३३	१५	४६	२८	६	२९	सि २६।५८
३	गु	४७	३९	म	२३	४३	व	३७	५९	तै	२०	१९	२६	१९	४१	२९	७	१	सिंहे
४	शु	४२	२	पू	१८	३१	प	३१	७	व	१४	५०	२४	१९	४१	३०	८	२	कं. ३२।४४
५	श	३६	१४	उ	१५	२१	शि	२४	११	ब	९	८	२१	२०	४०	३१	९	३	कन्यायां
६	र	३०	२९	ह	११	४१	सि	१६	५२	कौ	३	२२	१८	२०	४०	१	१०	४	तु. ३९।५०
७	चं	२५	४	चि	७	५९	सा	९	३६	व	२५	४	१५	२१	३९	२	११	५	तुलायां
८	मं	१९	४९	स्वा	४	३८	शु	३३	५३	ब	१९	४९	१२	२२	३८	३	१२	६	बृ. ४७।१३
९	बु	१४	४७	वि	२५	५७	ब्र	४८	४४	कौ	१४	४७	९	२२	३८	४	१३	७	वृश्चिके
१०	गु	१०	३	ज्ये	५६	८	ग्रे	४२	५५	ग	१०	३	६	२३	३७	५	१४	८	पुष्य. ४ शनिः ८।४५
११	शु	५	३४	मू	५४	१३	वै	३६	५५	वि	५	३४	३	२३	३७	६	१५	९	धनुषि
१२	श	१	४७	पू	५२	५६	वि	३१	४१	बा	१	५७	०	२४	३६	७	१६	१०	धनुषि
१३	श	५७	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	र	५७	४	उ	५३	४२	प्री	२७	४७	ग	२८	२	३३	२४	३६	८	१७	११	म. ८।७
१५	चं	५६	३५	श्र	५३	३८	आ	२३	१०	वि	२६	३७	५३	२५	३५	९	१८	१२	मकरे

प्रदोषः +भद्रोत्तरम्
×रविः २१।३२ (सौरः ४९।४८)
भ. ५७।४ उ. उफायां भौमः ४३ पूफायां बुधः ३३४
भ. २५।४ उ. ५२।२७ या. आश्लेषा.×
मघा. सिंहे शुक्रः २।४२
भ. ३७।४८ उ.
म. ५।३४ या. पवित्रा ११ ब्र.
भ. २६।३७ या. श्रावणीकर्म रक्षाबंधनं+

अगस्त मा. ८ ता. ३१

नागपंचमी

भ. १४° उ. ४३ या. मघा. सिंहे बुधः ५५३४

तीज ३ सावान ८

कृत्तिकाः ३ गुरुः चन्द्रदर्शनम् सिंधारा

१६पं.श्रा.शु.१मं.इ.१८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१	३	३	६	३
१०	१८	२३	३	२१	१२	१४	१०
१२	१७	२४	११	४१	४८	२१	२७
१९	५४	१४	५३	३१	२२	४३	४
५७	३८	५९	८	७४	७	३	५७
२०	४३	१९	४१	२६	२०	११	५

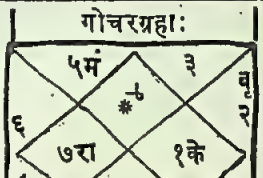

इस मास में पांच सोमवार उत्तम है वर्षा श्रेष्ठ होगी धान्य रुई अफीम धातु मंदा रहेगा।

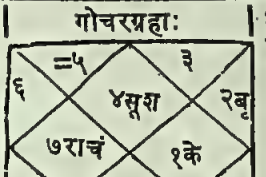

१७पं.श्रा.शु. ८मं.इ.१७।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	१	४	३	६	३
१७	२३	५	४	०	१३	१४	१७
३४	१८	५२	१२	१८	१३	१९	६
१	५८	१	३६	५८	४८	२८	५२
५७	३८	४०	८	७४	७	३	५७
२५	५०	३५	४४	२६	२०	११	१२

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८ वि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	मं	५७	२	ध	५५	४३	सौ	२०	१३	बा	२६	३७	३३	२६	३४	१०	१९	१३	कुं. २४।४०
२	बु	५९	१६	श	५९	१०	शो	१८	५०	तै	२८	९	४७	२७	३३	११	२०	१४	कुम्भे
३	गु	६०	०	पू	६०	०	अ	१७	५५	व	३०	५५	४३	२७	३३	१२	२१	१५	मी ४७।५२
४	शु	२	३४	पू	४	५	सु	१८	२९	वि	२	३४	४०	२८	३२	१३	२२	१६	मीने
५	श	७	५२	उ	१०	३४	धृ	१९	५३	बा	७	५२	३६	२९	३१	१४	२३	१७	मीने
६	र	१३	११	रे	१७	३१	शू	२१	४७	तै	१३	११	३३	२९	३१	१५	२४	१८	मि. १७।३१
७	चं	१९	२३	अ	२५	१	गं	२४	१३	व	१९	२३	२९	३०	३०	१६	२५	१९	मेषे
८	मं	२५	३४	भ	३२	३०	धृ	२६	३८	व	२५	३४	२६	३१	२९	१७	२६	२०	बृ. ४९।१६
९	बु	३१	१०	कृ	३९	३५	ध्रु	२८	४७	कौ	३१	१०	२२	३२	२८	१८	२७	२१	बृषे
१०	गु	३५	३९	रो	४५	१७	व्या	३०	२	तै	३	२५	१९	३२	२८	१९	२८	२२	बृषे
११	शु	३८	३८	मृ	४९	३९	ह	३०	१	व	७	८	१५	३३	२७	२०	२९	२३	मि १७।२८
१२	श	३९	४०	आ	५२	१८	व	२९	१०	ब	९	८	११	३४	२६	२१	३०	२४	मिथुने
१३	र	३८	५२	पु	५२	५९	सि	२६	२८	कौ	९	१६	८	३४	२६	२२	३१	२५	क. ३७।४९
१४	चं	३६	५	पु	५१	४५	व्य	२२	१८	ग	७	२८	४	३५	२५	२३	१	२६	कर्के
१५	मं	३१	२८	श्ले	४८	५५	व	१६	४०	वि	३	४७	०	३६	२४	२४	२	२७	सि ४८।५५
१६	बु	२५	३४	म	४४	५०	प	९	५०	ना	२५	३४	३१	३७	२३	२५	३	२८	सिंहे

वत्स द्वादशी. ×अजा ११ ब्र.

भ. ३६।५ उ. रा. भाद्रपदारम्भः प्रदोषः

भ. ३।४७ या. उफायां शुक्रः ४३।३०

कृत्तिका. ४ गुरुः ४१।१३ कुशाग्रहणी.

१८पं.भा.कृ.१मं.इ.१७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	१	४	३	६	३
२४	२७	१७	५	८	१४	१३	२३
१६	४१	४३	६	५४	३६	५७	४७
२६	५३	४४	२२	४०	३६	१२	५९
५७	३९	९०	६	७४	७	३	५७
३३	८	४३	४०	२०	१४	११	२२

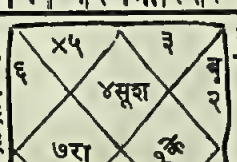

१९पं.भा.कृ.७ मं.इ.१७।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	१	४	३	६	३
०	२	२६	५	१७	१५	१३	०
५९	६	५०	५३	३१	२९	३४	३०
४९	४०	२४	५३	५२	२	५७	१२
५७	३९	७५	५	७४	७	३	५७
४०	२५	३९	४७	१४	८	११	३४

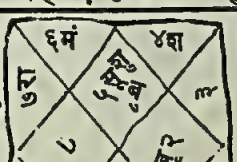

२०पं.भा.कृ.१४मं.इ.१७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	५	१	४	३	६	३
७	६	४	६	२६	१६	१३	७
४४	३३	३	३३	७	२२	१२	१३
१७	११	७	२९	५५	५२	४१	४४
५७	३९	५७	४	७४	७	३	५७
४८	२५	२२	४०	५	२	११	४५

* सूचंबुशु ×मंबुशु (सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्) =मंबुशु

| ति. | भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८ | | |

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२६८ स. १९७६
१	शु ३८ ३५ ह ५२ ५ शु ३९ ४८ कि १३ ६	२९	६	५	२४	२	२८	कन्यायां	मातामह श्रा. नवरात्रारंभः =५९।४१
२	श २९ २७ चि ४५ ११ ऐं ४९ १४ बा ४ १	५१	२	५८	२५	३	२९	तु.१८।३८	आश्लेषा. २ शनिः २।५९ चंद्रदर्शनम्
३	र २० ४८ खा ३८ २९ वै ३९ १२ ग २० ४८	४७	३	५७	२६	४	१	तुलायां	भ.४६ उ.हस्तेरविः५५ (सौरः५९)स्वात्यां*
४	चं १२ ५० वि ३२ ३१ वि २९ ४० वि १२ ५०	४३	३	५७	२७	५	२	वृ.१९।०	भ. १२।५० या. *शुक्रः ५६ स.१०
५	मं ९ ५७ अ २७ ५७ प्री २१ ७ बा ९ ५७	२८	४	५६	२८	६	३	वृश्चिके	+बुधः ५३ बुधोदयः पूर्वस्याम् २६ भौमास्तः=
६	बु ० १९ ज्ये २४ २६ आ १३ ५५ वै ० १९	२४	५	५५	२९	७	४		भ.५६ उ. तुलायांभौमः ८।३६ वक्रीसिंहे+
७	बु ५५ ५३ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
८	गु ५३ ३९ मू २२ ३० सौ ७ २९ वि २४ ५५	३०	६	५४	३०	८	५	धनुषि	भ. २४।५५ या. सरस्वत्या वाहनम्
९	शु ५२ २६ पू २१ ५८ शो २६ ५६ बा २३ २	२६	७	५३	१	९	६	म.३७।१३	मार्गीबुधः १९।५५ अक्टबरमा.१०ता.३१×
१०	श ५२ ४६ उ २२ ५८ सु ५५ ४४ वै २२ ३६	२२	८	५२	२	१०	७	मकरे	विजयादशमी सरस्वती विसर्जनम्
११	र ५४ २० श्र २५ १७ धृ ५४ १२ व २३ ३२	१८	८	५२	३	११	८	कु.५७।१	भ.२३।३१ उ. ५४।२० या. कन्या. बुधः*
१२	चं ५६ ५७ ध २८ ४६ शू ५२ २५ ब २५ ३८	१४	९	५१	४	१२	९	कुंभे	×सरस्वती.पू. बलिदानं च
१३	मं ६० ० श ३३ ३२ गं ५२ ४३ को २८ ५६	१०	१०	५०	५	१३	१०	कुम्भे	प्रदोषः *४४।२६ पापांकुशा ११ व्र.
१३	बु ० ५५ पू ३९ २१ वृ ५४ १४ वै ० ५५	६	११	४९	६	१४	११	मी२२।५४	
१४	गु ५ ३२ उ ४५ ३९ ध्रु ५५ ४१ व ५ ३२	२	१२	४८	७	१५	१२	मीने	भ.५।३२ उ.३८।१८ या. विशाखाशुक्रः%
१५	शु ११ ४ रे ५२ २८ व्या ५७ २९ ब ११ ५	२८	१२	४८	८	१६	१३	मे.५२।२८	%१९ शरदूपूर्णिमा कोजागरी व्रतं

२५पं.आ.शु.५मं.इ.१६।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	१	६	३	६	५
११	२९	०	७	९	२०	११	११
४६	२४	३४	३३	७	१७	२१	१६
५५	५४	१	५४	८	४६	२३	८
५८	४०	३६	१७	७३	५	३	५९
५३	२९	ब	ब	२३	२०	११	०

गोचरग्रहाः

इस मास के आ. बुध शुक्र का योग उत्तम वर्षाकारक है। अनाज गल्ला मन्दा, गुड़ खांड किराना तेज हो।

गोचरग्रहाः

२६पं.आ.शु.१३मं.इ.१६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	१	६	३	६	५
१८	४	१	७	१७	२०	१०	१८
४०	६	५	१६	४१	५६	५९	९
८	२९	६	४८	३१	१३	७	५५
५९	४०	४५	५३	७३	५	३	५९
९	५३	मा	ब	१४	२	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	श १६ ५८ अ ५९ ५० ह ५९ ४३ को १६ ५८	२८	१३	४७	५	९	१७	१४	मेषे	चित्रायां रविः ५३ स्वात्यां भौमः ५४
२	र २३ १५ भ ६० १० व ६० ० ग २३ १५	५०	१४	४६	१०	१८	१५		मेषे	भ.५६।२५उ. चित्रा. रविः सौरः३०।०
३	चं २९ ३४ भ ७ १८ व २ १ वि २९ ३४	४६	१५	४५	११	१९	१६	वृ.२४।११	भ. २९।३४ या. चतुर्थी व्र.
४	मं ३५ ३७ कृ १४ ४९ सि ४ २७ ब २ ३५	४२	१६	४४	१२	२०	१७		बृषे	×अश्वि. ३ केतुः ५५ रा. कार्तिकारंभः*
५	बु ४० ५७ रो २१ ५३ व्य ६ २९ को ८ १७	३८	१६	४४	१३	२१	१८	मि५५।४	हस्ते बुधः १८।८ *अन्नकूट गोवर्द्धनम्
६	गु ४५ ३५ मृ २८ १४ व ७ ५८ ग १३ १६	३४	१७	४३	१४	२२	१९		मिथुने	भ.३५ उ. वक्री कृत्तिका.३ गुरुः ४२।४६
७	शु ४८ ३५ आ ३३ १४ प ८ ४९ वि १७ ५	३०	१८	४२	१५	२३	२०		मिथुने	भ. १७।५ या वृश्चिके शुक्रः २१।१५
८	श ५० १ पु ३६ ४९ शे १८ २५ बा १९ १८	२६	१९	४१	१६	२४	२१		क.२०।५५	तुलायामर्कः ४३।३८
९	र ४९ ४३ पु ३८ ४१ सि ६ ४२ वै १९ ५२	२२	२०	४०	१७	२५	२२		कर्के	तुलार्क शौरः १२।४३
१०	चं ४७ १३ श्लै ३८ २५ सा ३३ ५५ व १८ २८	१८	२०	४०	१८	२६	२३		सिं३८।२६	भ.१८।२८उ.४७।१३या. अनु.शुक्रः२।२
११	मं ४२ ४९ म ३६ २८ शु ५२ २६ ब १४ १	१४	२१	३९	१९	२७	२४		सिंहे	बुधास्तः पूर्वस्यां ०।४७ रमा ११ व्र.
१२	बु ३६ २८ पू ३२ १४ ब ४४ ४५ को ९ ३८	१०	२२	३८	२०	२८	२५		कं.४५।५१	+२६।४६ प्रदोष व्र. धन १३
१३	गु २८ ४३ उ २६ ४० ऐं ३५ ३५ ग २ ३५	६	२३	३७	२१	२९	२६		कन्यायां	भ.२८।४३ उ. ५४।२१ या. चित्रा. बुधः+
१४	शु १९ ४० ह १९ ५४ वै २५ २४ श १९ ४०	२	२४	३६	२२	३०	२७		तु.४६।७	रूप १४ प्रभातस्नानं महालक्ष्मीपूजनम्
२०	श १० ४ चि १२ १९ वि १४ १४ ना १० ४	२८	२४	३६	२३	१	२८		तुलायां	स्वात्यांरविः ३० (सौरः ५३) स्वा.१ राहुः×

२७पं.का.कृ.४मं.इ.१६।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	१	६	३	६	५
२५	८	८	६	२६	२१	१०	२५
३५	५१	३०	५०	१५	३१	३६	५
६	४	४७	१७	२२	१६	५२	३७
५९	४१	८६	१३	७२	४	३	५९
२१	४	४७	ब	५६	२८	११	३१

गोचरग्रहाः

का. कृ. ८ शनौ तुलायामर्कः प्र.वा.३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

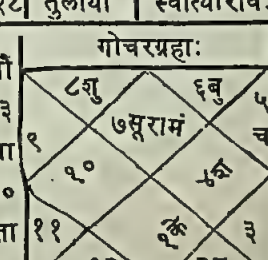

२८पं.का.कृ.११मं.इ.१६।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	१	७	३	६	६
२	१३	१९	६	४२	२२	१०	२
३१	३७	४२	१५	४९	२	१४	३
३४	८	४	२५	५९	२८	३६	६
५९	४१	०	२५	७२	४	३	५९
३४	२०	९३	ब	४३	०	११	४६

×मंशुरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *मंशुरा

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२९८ स. १९७६
१	र ० १३ खा २३ ५३ प्री ३७ ४९ ब ० १३ ५४ २५ ३५ २४	२	२९	बृ ४३।४३	चन्द्रदर्शनम् भातृ २ यम २
२	र ५० २६ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	
३	चं ४२ ८ अ ५० १ सौ ४२ २६ तै १६ २३ ५० २६ ३४ २५	३	१	बृश्चिके	तुलायां बुधः २१।२४ जिल्काद ११
४	मं ३४ ३५ ज्ये ४४ २८ शो ३२ ८ व ८ २२ ४६ २७ ३३ २६	४	२	ध.४४।२८	भ. ८।२२ उ. ३४।३५ या.
५	बु २८ ५४ मू ४० ३४ अ २४ ४८ ब १ ४४ ४२ २८ ३२ २७	५	३	धनुषि	
६	गु २४ ५६ पू ३८ २६ सु १८ ७ तै २४ ५६ ३९ २८ ३२ २८	६	४	म.५३।२०	विशाखा भौमः ३१ स्वात्यां बुधः ५६।६
७	शु २२ ५५ उ ३८ ४ धृ १२ ५७ ब २२ ५९ ३५ २९ ३१ २९	७	५	मकरे	भ.२२।५९उ.५३या. ज्येष्ठायांशुक्रः १।४३
८	श २२ ५५ श्र ३९ ५६ शू ९ १ ब २२ ५५ ३१ ३० ३० ३०	८	६	मकरे	गोपाष्टमी *तुलसी विवाह
९	र २४ ३१ ध ४३ १७ गं ६ ५८ कौ २४ ३१ २७ ३१ २९ ३१	९	७	कु.११।३६	अक्षय ९ कुष्मांड ९
१०	चं २७ ४१ श ४८ ४ वृ ५ ५४ ग २७ ४१ २४ ३१ २९ १	१०	८	कुम्भे	भ. ५९।५६ उ. नवंबर मा. ११ ता. ३०
११	मं ३२ ११ पू ५४ ५ ध्रु ६ ३२ वि ३२ ११ २० ३२ २८ २	११	९	मी३७।३५	भ. ३२।११ या. प्रबोधिनी ११ ब्र. *
१२	बु ३७ ३१ उ ५९ ५२ ब्या ७ १५ ब. ४ ५१ १६ ३३ २७ ३	१२	१०	मीने	+विशाखा. बुधः २९।५
१३	गु ४३ ३० रे ६० ० द ८ ५७ कौ १० ३१ १३ ३३ २७ ४	१३	११	मीने	प्रदोषः ×वैकुण्ठ १४
१४	शु ४९ ४४ रे ८ १ व १० ५८ ग १६ ३७ ९ ३४ २६ ५	१४	१२	मे. ८।१	भ. ४९।४४ उ. विशाखा. रविः ४६।३×
१५	श ५६ ४ अ १५ २८ सि १३ १० वि २२ ५३ ६ ३५ २५ ६	१५	१३	मेषे	भ.२२।५३या. विशाखा. रविः सौरः ५१० +

२९पं.का.शु.४मं.इ.१६।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१	७	३	६	६
९	१८	१	५	१३	२२	९	९
२९	२६	३३	३२	२०	२८	५२	२
४९	१३	२५	४६	६	१६	२१	२६
५९	४१	०	२०	७२	३	३	६०
४७	३०	२८	ब	२५	२६	११	२

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ है अग्निभय और धान्य जौ, गेहूँ, आदि तेज रहे। रोग पीड़ा हो।

गोचरग्रहाः

३०पं.का.शु.११मं.इ.१५।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१	७	३	६	६
१६	२३	१३	४	२१	२२	९	१६
२९	१८	१६	४३	५१	४९	३०	३
३८	२५	४८	३७	१८	५९	५	३०
६०	४१	०	५७	७२	२	३	६०
४	५०	३७	ब	२	३९	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ६० ० भ २२ ५१ व्य १५ २९ वा २९ १३ २७ ३६ २४	७	१६	१४	बृ.३९।४३	
१	चं २ २३ कृ ३० १७ व १७ ३६ कौ २ २३ २९ ३६ २४	८	१७	१५	बृषे	मूले धनुषि शुक्रः ५८।३३
२	मं ८ १६ रो ३७ ३ प १८ २० ग ८ १६ ५६ ३७ २३	९	१८	१६	बृषे	भ. ४।४६ उ.
३	बु १३ १६ मृ ४३ ८ शि २० ४६ वि १३ १६ ५३ ३७ २३	१०	१९	१७	मि १०।५	भ. १३।१६ या. चतुर्थी ब्र.
४	गु १७ ४३ आ ४८ ५ सि २१ ३६ बा १७ ४३ ४९ ३८ २२	११	२०	१८	मिथुने	बृश्चिके भौमः ४८।११
५	शु २० ५५ पु ५२ ५४ सा २१ ३१ तै २० ५५ ४६ ३९ २१	१२	२१	१९	क.३६।४९	वृश्चिके बुधः ३५ वक्रीकृत्तिका.२ गुरुः ५१ ४४
६	श २३ ५ पु ५५ ३३ शु २० ३३ व २३ ५ ४३ ३९ २१	१३	२२	२०	कर्के	भ. २३।५ उ. ५३।२५ या.
७	र २३ ४४ श्ले ५७ १४ शु १८ ३५ ब २३ ४४ ४० ४० २०	१४	२३	२१	सिं५७।१४	अनु. बुधः ५६।२६
८	चं २२ ४२ म ५७ १ ब्र १५ १७ कौ २२ ४२ ३७ ४१ १९	१५	२४	२२	सिंहे	बृश्चिकेऽर्कः ४२।५
९	मं २० ३ पू ५५ ४ ऐं १० ३७ ग २० ३ ३४ ४१ १९	१६	२५	२३	सिंहे	भ.४७ उ. बृश्चिकेऽर्कः सौरः ५।२७ अनु.*
१०	बु १५ २३ उ ५१ ३२ वै २४ ५३ वि १५ २३ ३१ ४२ १८	१७	२६	२४	कं. ९।११	भ. १५।२३ या.
११	गु ९ २६ ह ४६ ५९ प्री ४८ १८ बा ९ २६ २९ ४२ १८	१८	२७	२५	कन्यायां	उत्पत्ति ११ ब्र.
१२	शु १ ५८ चि ४० २ आ ३९ ४३ तै १ ५८ २६ ४३ १७	१९	२८	२६	तु १३।२६	भ. ५३।२९ उ. अनु. रविः ०।२५ (सौरः×
१३	शु ५१ ३१ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०			०	×२३।१५) पूषायांशुक्रः ५८।४ प्रदोषः
१४	श ४३ ५८ स्वा ३२ ४७ सौ २८ ७ वि १८ ४४ २४ ४३ १७	२०	२९	२७	तुलायां	भ. १८।४४ या.
३०	र ३४ १६ वि २५ २ शो १७ २३ च ९ ७ २१ ४४ १६	२१	३०	२८	बृ.११।५८	*भौमः २९।३० आश्लेषा.३ शनिः २१।३९

३१पं.मा.कृ.२मं.इ.१५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१	८	३	६	६
२३	२८	२४	३	०	२३	९	२३
३०	१२	४०	४९	२०	८	७	६
५८	५८	४५	५५	३१	२०	४९	७
६०	४२	०	५७	७१	१	३	६०
१७	१७	२३	ब	४२	५९	११	३०

गोचरग्रहाः

मार्ग. कृ. ८ चन्द्रे वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३नं.३ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

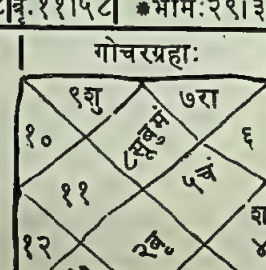

३२पं.मा.कृ.९मं.इ.१५।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१	८	३	६	७
०	३	५	२	८	२३	८	०
३३	१०	३१	५३	४८	१९	४५	१०
४७	८	१	१७	११	५२	३४	११
६०	४२	९९	५३	७१	१	३	६०
३०	१६	२६	ब	१८	१८	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १३२७स.१९७६
१	चं	२४	५१	अ	१७	२७	अ	६/१६	४९/३४	ब	२४	५१	२६/१९	६/४४	५/१६	२२	१	२९	वृश्चिके	रा. मार्गशीर्षारंभः
२	मं	१६	२१	ज्ये	१०	३२	धृ	४६	१३	कौ	१६	२१	१६	४५	१५	२३	२	३०	ध.१०।३२	ज्येष्ठायां बुधः १२।११ चन्द्रदर्शनम्
३	बु	९	४	मू	४	४६	शू	३७	४२	ग	९	४	१३	४५	१५	२४	३	१	धनुषि	भ. ३६।२२ उ. जिल्हेज १२
४	गु	३	४०	पू	०/३७	५७/५३	गं	३०	३०	वि	३	४०	११	४६	१४	२५	४	२	म.१५।४	भ. ३।४० या.
५	शु	०	१२	श्र	५८	३०	वृ	२५	८	बा	०	१२	८	४६	१४	२६	५	३	मकरे	चम्पा ६
६	शु	५८	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	श	५९	३७	ध	६०	०	ध्रु	२१	१७	ग	२९	१३	६	४७	१३	२७	६	४	कु.२९।३४	भ ५९।३७ उ.
८	र	६०	०	ध	०	३८	व्या	१९	२९	वि	३१	२६	३	४७	१३	२८	७	५	कुम्भे	भ. ३१।२६ या. वक्री शनिः ५।५१
८	चं	२	१४	श	४	२९	ह	१९	५	ब	२	१४	१	४७	१३	२९	८	६	मी५३।३२	+शुक्रः १०।३ दिसम्बर मा.१२ ता.३१
९	मं	६	३८	पू	९	५२	व	१९	१४	कौ	६	३८	२५/५९	४८	१२	३०	९	७	मीने	बुधोदयः पश्चिमायां ४०।२०
१०	बु	१२	३	उ	१६	२९	सि	२०	५६	ग	१२	३	५७	४९	११	१	१०	८	मीने	भ. ४५/१८ उ. मूले धनुषि बुध ५१/२ उषायां+
११	गु	१८	२४	रे	२३	५५	व्य	२३	७	वि	१८	३४	५२	४९	११	२	११	९	मे.२३।५५	भ. १८/३४ या. ज्येष्ठा.रविः १०/३५ (सौरः ३०/१५)×
१२	शु	२४	१६	अ	३१	२६	व	२५	२२	बा	२४	१६	५३	४९	११	३	१२	१०	मेषे	मकरे शुक्रः ५२।३७
१३	श	३१	२३	भ	३९	५	प	२७	४३	तै	३१	२३	५१	५०	१०	४	१३	११	वृ.५५।५२	प्रदोषः ×मोक्षदा ११ ब्र. गीताजयंती
१४	र	३७	२९	कृ	४६	१३	शि	२९	४०	ग	४	२६	४९	५०	१०	५	१४	१२	बृषे	भ. ३७।२९ उ. ज्येष्ठायां भौमः ०।५०
१५	चं	४३	०	रो	५२	३७	सि	३७	१९	वि	१०	१४	४८	५०	१०	६	१५	१३	बृषे	भ. १०।१४ या. दत्तजयंती

३३पं. मा.शु.२मं.इ.१५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१	८	३	६	७
७	८	१६	१	१७	२३	८	७
३७	९	४५	५७	१२	२६	२३	१५
३७	२२	०	०	४०	१७	१८	२४
६०	४२	९६	७/५२	७०	०	३	६०
४२	२६	५९	ब	४७	३६	११	५३

गोचरग्रहाः

इस मासका फल श्रेष्ठ है, अनाज मंदा होगा। सुदी में मंगलबार को चंद्रदर्शन होगा। यह तेजीकारक है

गोचरग्रहाः

३४पं.मा.शु. ९मं.इ.१५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१	८	३	६	७
१४	१३	२७	१	२५	२३	८	१४
४२	११	२८	१	३५	२७	१	२२
५४	३१	४१	१	४२	०	३	३०
६०	४२	९४	७/३४	७०	०/१६	३	६१
५०	४६	३७	ब	११	ब	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	४७	२९	मृ	५८	२९	सा	३२	२८	बा	१५	१४	२५/४६	६/५१	५/९	७	१६	१४	मि२५।४२	
२	बु	५१	२३	आ	६०	०	शु	३२	४२	तै	१९	२६	४५	५१	९	८	१७	१५	मिथुने	वक्री कृ. मेषे गुरुः ३८।४८
३	गु	५३	५७	आ	३	२३	शु	३२	१८	व	२२	४०	४४	५१	९	९	१८	१६	क.५१।१६	भ.२२/४० उ.५३/५७ या. वक्रीआश्ले.२ शनिः ५७/६
४	शु	५५	३३	पु	७	१०	ब्र	३१	१३	ब	२४	४५	४२	५२	८	१०	१९	१७	कर्के	पूषायां बुधः ५०।११ चतुर्थी ब्र.
५	श	५६	१	पु	१०	२८	ऐं	२९	९	कौ	२५	५०	४१	५२	८	११	२०	१८	कर्के	
६	र	५५	३७	श्ले	११	५३	वै	२६	१६	ग	२५	५२	४०	५२	८	१२	२१	१९	सिं११।५३	भ. ५५।३७ श्रवणे शुक्रः २५।५९
७	चं	५३	३२	म	१२	३२	वि	२२	२०	वि	२४	३४	३९	५२	८	१३	२२	२०	सिंहे	भ. २४।२४ या.
८	मं	५०	३७	पू	१२	१२	प्री	१७	२८	बा	२२	४	३८	५२	८	१४	२३	२१	कं.२६।४३	
९	बु	४६	२३	उ	१०	१६	आ	११	३३	तै	१८	२९	३८	५२	८	१५	२४	२२	कन्यायां	मूले धनुष्यर्कः १७।४७ (सौर.३३।५९)
१०	गु	४०	४६	ह	७	१६	सौ	४/५५	५२/८	व	१३	३४	३७	५३	७	१६	२५	२३	तु.३५।५	भ. १३।३४ उ. ४०।४६ या.
११	शु	३४	८	चि	०/५६	५३/३८	अ	४८	९	ब	७	२७	३७	५३	७	१७	२६	२४	तुलायां	सफला ११ ब्र.
१२	श	२६	३०	वि	५१	३२	सु	३८	३९	कौ	०	१९	३७	५३	७	१८	२७	२५	वृ.३८।३	प्रदोषः
१३	र	१८	१७	अ	४४	५३	धृ	२८	३४	व	१८	१७	३६	५३	७	१९	२८	२६	वृश्चिके	भ. १८।१७ उ. ४३।५८ या.
१४	चं	९	३९	ज्ये	३८	१७	शू	१८	२९	श	९	३९	३६	५३	७	२०	२९	२७	ध.३८।१७	
३०	मं	१	२४	मू	३२	८	गं	७/४०	५२/७	ना	१	२४	३६	५३	७	२१	३०	२८	धनुषि	उषायां बुधः ४१।६

३५पं. पौ.कृ.१मं.इ.१४।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	१	९	३	६	७
२१	१८	८	०	३	२३	७	२१
४८	१५	१७	९	५४	२२	३८	३०
५८	५८	६	३२	७	३४	४७	१६
६०	४२	८९	६/४९	६९	०/५७	३	६१
५६	५४	३९	ब	२७	ब	११	११

३६पं. पौ.कृ.८मं.इ.१४।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	०	९	३	६	७
२८	२३	१७	२९	१२	२३	७	२८
५५	२२	५२	२५	६	१२	१६	३८
५२	५५	२३	५	११	५	३१	५९
६१	४३	७९	६/४	६८	१/४४	३	६१
०	१३	५५	ब	४४	ब	११	१९

३७पं.पौ.कृ.३०मं इ.१४।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	०	९	३	६	८
६	२८	२६	२८	२०	२२	६	५
३	३२	१४	४४	१७	५७	५४	४८
२९	६	१७	४२	२०	११	१६	२४
६१	४३	५७	४/५२	६७	२/१२	३	६१
४	३१	३२	ब	४७	ब	११	२२

| ति. | पौष शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८ | | |

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १३८६स.१९७७
१	गु २७ २१ श्र ४७ ११ व ५ ५४ व २७ २१	२६ १७	६ ४५	५ १५	२०	३०	२९	मकरे	अभि. प्र. रविः ३१६ (सौरः २३।५१)
२	शु २४ २२ ध ४६ २३ व्य ५४ ५६ कौ २४ २२	२० ४४	१६	२१	१	३०	कुं. १६।४७	चन्द्रदर्शनम् रा. मावारम्भः	
३	श २३ २७ श ४७ ३८ व ५१ ४५ ग २३ २७	२२ ४४	१६	२२	२	१	कुंभे	भ.५३।५०उ. सफर २ ●(सौरः ३१८)	
४	र २४ १४ पू ५० ५३ ष ५० ३१ वि २४ १४	२५ ४३	१७	२३	३	२	मी ३५।४	भ. २४।१४ या. श्रवणे रविः ३२।५९●	
५	चं २७ १ उ ५५ ४१ शि ५० ११ बा २७ ४	२७ ४३	१७	२४	४	३	मीने	अभि. नि. रविः ३१८ (सौरः ३३४) वसन्त ५	
६	मं ३१ २० रे ६० ० सि ५१ १७ तै ३१ २०	३० ४२	१८	२५	५	४	मीने	भौमोदयः ४०।४९	
७	बु ३७ १ रे २ ५ सा ५२ २ ग ४ १३	३३ ४१	१९	२६	६	५	मे. २।५	भ. ३७।१ उ. मीने शुक्रः ३५।१४ भानु ७	
८	गु ४३ २० अ ८ २८ शु ५५ १७ वि १० १३	३८ ४१	१९	२७	७	६	मेषे	भ. १३ या. उषायां भौमः ४३ भीष्माष्टमी	
९	शु ४९ ५१ भ १५ ३७ शु ५७ २५ बा १६ ३५	३९ ४०	२०	२८	८	७	वृ. ३२।४२	पातस्पर्शः ५४।२४	
१०	श ५५ ७ कृ २० ५९ ब्र ५९ २४ तै २२ २९	४३ ४०	२०	२९	९	८	वृषे	उभायां शुक्रः ४९।२१ पातमोक्षः ४४।४२	
११	र ६० ० रो ३० ५९ ऐं ६० ० च २८ १६	४६ ३९	२१	३०	१०	९	वृषे	भ. २८।१६ उ. जया ११ ब्र. सेमा.	
११	चं १ २५ मृ ३६ ४० ऐं ० ३४ वि १ २५	४९ ३८	२२	३१	११	१०	मि ३।५०	भ. २५ या. मकरे भौमः ५९ जया ११ ब्र. वै.	
१२	मं ५ १८ आ ४० ५८ वै ४७ ५४ बा ५ १८	५२ ३८	२२	१	१२	११	मिथुने	फरवरी मा. २ ता. २८ प्रदोषः	
१३	बु ७ ५६ पु ४३ ५२ प्री ५७ २५ तै ७ ५६	५५ ३७	२३	२	१३	१२	क. २८।८	चक्री आश्लेषा. १ शनिः ४०।५३	
१४	गु ८ ४३ पु ४५ ११ आ ५४ ८ च ८ ४३	५९ ३६	२४	३	१४	१३	कर्के	भ. ८।४३ उ. ३८।२६ या.	
१५	शु ८ १० श्ले ४५ ८ सौ ४९ ४३ ब ८ १०	२७ ३६	२४	४	१५	१४	सिं ४५।८	उषायां बुधः ३३२ माघ स्नान समाप्तिः	

४२पं. मा.शु.६मं.इ.१४।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	०	१०	३	६	९
११	२४	१७	२७	२८	२०	५	११
४२	५०	९	५०	४०	४०	२	३६
५८	२३	४७	२०	१	५५	५८	२५
६०	४४	४३	१	५९	३४	३	६१
५९	३५	१०	४६	१७	व	११	१३

गोचरग्रहाः

मकरे च स्थिते भौमे घृत तेल महर्घता । सुभिक्षं सर्व धान्यानां लोकानां दुःख पीडनम् ॥

गोचरग्रहाः

४३पं.मा.शु.१२मं.इ.१४।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	●	११	३	६	९
१८	०	२३	२८	५	२०	४	१८
४९	११	५	९	३५	६	४०	४४
२६	२	४५	४३	२४	५८	४२	२७
६०	४४	६४	३	५६	४०	३	६१
५५	४१	५१	१५	०	ब	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श ६ १७ म ४४ ४ शो ४४ २० कौ ६ १७	२७ ६	३५	२५	५	१६	१५	सिंहे	धनिष्ठा. रविः ४१।२० (सौरः ४५।३९)
२	र ३ ३४ पू ४२ १ अ ३८ २५ ग ३ ३४	९ ३४	२६	६	१७	१६	कं. ५६।२३	भ. ३१।३८उ. ५९।४२या. मकरे बुधः ३५	
३	र ५६ ८ ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०	०	०	
४	चं ५४ ५५ उ ३९ १७ सु ३१ ५७ ब २७ १३	१३ ३३	२७	७	१८	१७	कन्यायां	चतुर्थी ब्र.	
५	मं ५० २३ ह ३६ ३८ धृ २५ १४ कौ २२ ३९	१६ ३३	२७	८	१९	१८	कन्यायां		
६	बु ४५ ३२ चि ३३ २९ शू १८ १४ ग १७ ५७	२० ३२	२८	९	२०	१९	तु. ५।४	भ. ४५।३२ उ.	
७	गु ४० ३९ स्वा ३० १२ गं ११ १३ वि १३ ५	२४ ३१	२९	१०	२१	२०	तुलायां	भ. १३।५ या. पात स्पर्शः ५२ मोक्षः ४७	
८	शु ३५ ४७ वि २६ ५५ वृ ४ ५३ बा ८ १३	२७ ३१	२९	११	२२	२१	बृ. १२।४४		
९	श ३० ३७ अ २३ ३७ ब्या ४९ ३४ तै ३ १२	३१ ३०	३०	१२	२३	२२	वृश्चिके	भ. ५८।२ उ. कुंभेऽर्कः १६।३५ सौरः ३१	
१०	र २५ २७ ज्ये २० १३ ह ४२ ३५ वि २५ २७	३५ २९	३१	१३	२४	२३	ध. २०।१३	भ. ३५ या. श्रवणे भौमः ५६ श्रवणे●	
११	चं २० ३१ मू १७ १ व ३५ ३९ बा २० ३१	३८ २८	३२	१४	२५	२४	धनुषि	विजया ११ ब्र.	
१२	मं १५ ४८ पू १४ १ सि ३० ८ तै १५ ४८	४२ २८	३२	१५	२६	२५	म. २८।३२	प्रदोषः	
१३	बु ११ ४३ उ ११ ५० व्य २३ १ व ११ ४३	४६ २७	३३	१६	२७	२६	मकरे	भ. ४१ उ. ३९।५८ या. महाशिवरात्री ब्र.	
१४	गु ८ १४ श्र १० १४ ध १७ ४३ श ८ १४	५० २६	३४	१७	२८	२७	कु. ४०।२	●बुधश्च ३५ रेवत्यां शुक्रः ४१।३५	
३०	शु ६ ७ ध ९ ५० प १२ २६ ना ६ ७	५४ २५	३५	१८	२९	२८	कुम्भे	शते रविः ५२।५६ सौरः ५४।५८	

४४पं.फा.कृ.५मं.इ.१४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	०	११	३	६	९
२५	५	२	२८	१२	१९	४	२५
५५	३३	४७	३७	१	३२	१८	५१
१६	५०	५६	४४	१२	१७	२७	४१
६०	४४	७८	४	५१	४	३	६०
४७	४७	३७	२६	४४	४०	११	५५

गोचरग्रहाः

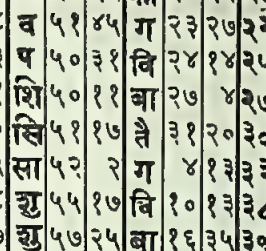

फा. कृ. ९ शनौ कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

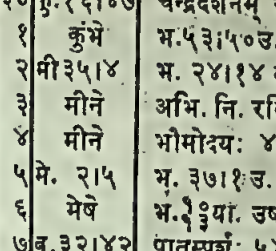

४५पं.फा.कृ.१२मं.इ.१४।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	०	११	३	६	१०
३	१०	१२	२९	१७	१८	३	२
०	५७	३४	१४	५२	५८	५६	५७
४	१४	१२	४६	१२	५५	११	१७
६०	४४	८९	५	४६	२५	३	६०
३७	५७	३७	३८	२८	ब	११	४२

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १४१६स. १९७७
१	श ५ १९ श १० ५० शि १० १६ ब ५ १९	२७	६	५	१९	३०	२९	मी५७।५	चन्द्रदर्शनम्
२	र ६ १ पू १३ २९ सि ८ ४१ कौ ६ १	२८	२४	३६	२०	१	१	मीने	रा.फाल्गुनारंभः फुलरिया २ रविलावल ३
३	बं ८ ३३ उ १७ ३७ सा ७ ४५ ग १८ ३३	६	२३	३७	२१	२	२	मीने	भ. ४०।३० उ.
४	मं १२ २८ रे २३ ११ शु ८ २ वि १२ २८	१०	२२	३८	२२	३	३	मे.२३।११	भ. १२ या. धनिष्ठा. बुधः २९ कृत्ति. २●
५	बु १७ ५० अ २९ ४६ शु ९ ३३ बा १७ ५०	१४	२१	३९	२३	४	४	मेषे	●वृषे गुरुः ९।१ पातस्पर्शः २९ मोक्षः ४६
६	गु २३ ४३ भ ३७ १० ब्र ११ ३२ ते २३ ४३	१८	२०	४०	२४	५	५	बृ.५४।४	
७	शु ३० ७ कृ ४४ ४३ रें १३ ५६ व ३० ७	२२	२०	४०	२५	६	६	बृषे	भ. ३०।७ उ.
८	श ३६ ३१ रो ५२ ९ वै १५ ५९ वि ३ १९	२६	१९	४१	२६	७	७	बृषे	भ. १९ या. कुंभे बुधः ३५ चित्रायां ३×
९	र ४२ २ मृ ५८ ३३ वि १६ ४६ ला ९ १६	३०	१८	४२	२७	८	८	मि२५।२१	×राहुः अश्वि. १ केतुः १८ होलाष्टकः
१०	बं ४६ २० आ ६० ० प्री १८ २९ ते १९ १६	३४	१७	४३	२८	९	९	मिथुने	पूर्वास्तं बुधः २७।३१
११	मं ४९ २२ मा ३ २४ आ १८ ९ च १७ ४८	३८	१६	४४	१	१०	१०	क.५१।०	भ. १७ उ. ३९ या. मार्च मा. ३ ता. ३१+
१२	बु ५० १ पु ६ ५२ सौ १६ २८ वि १९ ३८	४२	१६	४४	२	११	११	कर्के	शते बुधः २२।१४ +आमलकी ११ व्र.
१३	गु ४९ ६ पु ८ २३ शो १३ १० कौ १९ ३४	४६	१५	४५	३	१२	१२	कर्के	धनिष्ठा. भौमः १६।३४ प्रदोषः
१४	शु ४६ १३ श्ले ८ १३ अ ८ ३२ ग १७ ४०	५०	१४	४६	४	१३	१३	सिं८।१३	भ. ४९ उ. पूभायां रविः ९ (सौरः ४९)
१५	श ४१ ५६ म ७ १८ सु ३९ ५२ वि १४ ४	५४	१३	४७	५	१४	१४	सिंहे	भ. १४।४ या. होलिकादहनं सायंकाले

४६पं.फा.शु.४मं.इ.१५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	१	११	३	६	१०
१०	१६	२३	०	२२	१८	३	१०
३	२२	१२	०	५९	२७	३३	२
३२	२६	५४	४०	२४	५८	५५	५४
६०	४५	९८	६	३९	४	३	६०
२५	२	१७	३८	२६	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ शनि एवं शनिवारी होली श्रेष्ठ नहीं है धान्य जो गेहूं चावल मूंग मोठ बाजरा तिल तैल घृतं तेज होगा।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.शु.११मं.इ.१५।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	१	११	३	६	१०
१७	२१	४	७	२७	१७	३	१७
५	४८	४२	५२	३	५८	११	४
४६	४०	७	५२	५८	१९	४०	३०
६०	४५	९	७	३०	५३	३	६०
१२	१३	४८	४३	४	ब	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०३३ शाकः १८९८	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ३६ ३८ पू २८ ३५ शु ४८ ० बा ९ १६	२८	६	४८	६	१५	१५	कं.१७।२०	छारेंडी वसंत १
२	बं ३० २३ ह ५४ २७ गं ३९ ४९ ते ३ ३०	२९	१२	४८	७	१६	१६	कन्यायां	भ. ५७ उ. पात स्पर्शः १९ पातमोक्षः ३९
३	मं २३ ५५ चि ४९ ४ वृ ३१ ३८ वि २३ ५५	६	११	४९	८	१७	१७	तु.२२।४	भ. ५३ या. अश्वि. मेषे शुक्रः ५३ च. व्र.
४	बु १७ १६ स्वा ४५ ३ ध्रु २३ १७ बा १७ १६	१०	१०	५०	९	१८	१८	तुलायां	पूभायां बुधः ५१।४३
५	गु ११ ५ वि ४० ५३ ज्या १५ १८ ते ११ ५	१४	९	५१	१०	१९	१९	वृ.२६।५४	
६	शु ५ १६ अ ३७ १५ ह ७ ४३ व ५ १६	१९	८	५२	११	२०	२०	बृश्चिके	भ. १६ उ. ३४ या. कुम्भे भौमः ४३ शीतला८
७	शु ५४ ३७ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
८	श ५५ ० ज्ये ३४ ३ व ३४ १६ बा २७ २६	२३	७	५३	१२	२१	२१	ध.३४।३	●कृत्तिका. ३ गुरुः २२।२४ प्रदोषः
९	र ५० ५६ मू ३१ ३० व्य ४७ ४९ ते २२ ५८	२७	७	५३	१३	२२	२२	धनुषि	
१०	बं ४७ २२ पू २९ ४७ व ४२ १७ व १९ ९	३२	६	५४	१४	२३	२३	म.४४।३१	भ. १९ उ. ४७ या. मीनेऽर्कः ५८ (सौरः १५)
११	मं ४४ ४३ उ २८ ४३ प ३७ २२ ब १६ २	३६	५	५५	१५	२४	२४	मकरे	मीने बुधः १०।४० पापमोचनी ११ व्र.
१२	बु ४२ ५१ श्र २८ २८ शि ३३ ० कौ १३ ४७	४०	४	५६	१६	२५	२५	कुं.५८।४०	उभायां बुधः ५१।५३ वक्री शुक्रः ३।३३
१३	गु ४१ ५५ ध २९ ३ सि २९ ४६ ग १२ २३	४४	३	५७	१७	२६	२६	कुम्भे	भ. ४५ उ. उभायां रविः ३१ (सौरः ४९)●
१४	शु ४१ ५६ श ३० ४९ सा २७ १५ वि ११ ५५	४९	२	५८	१८	२७	२७	कुंभे	भ. ११।५५ या.
२०	श ४३ ३२ पू ३३ ४४ शु २५ ५४ च १२ १३	५३	१	५९	१९	२८	२८	मी१८।०	मन्वादिः

४८पं. चै.कृ.३मं.इ.१५।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	१	११	३	६	१०
२४	२७	१७	१	२९	१७	२	२४
६	१४	०	५३	५७	३१	४९	६
२९	५३	७	१७	१४	३७	२४	३०
५९	४५	९८	८	१८	१६	३	६०
५८	२८	२३	४३	४	ब	११	६

गोचरग्रहाः

चैत्र.कृ. १० चंद्रे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

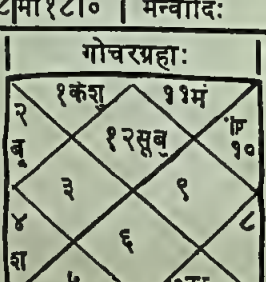

४९पं.चै.कृ.११मं.इ.१६।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	१	०	३	६	११
१	२	०	२	१	१७	२	१
५	४१	१०	५९	७	१०	२७	६
४२	४०	३४	५३	५२	२६	९	२
५९	४५	९८	९	२	३६	३	५९
४२	३९	३३	३३	५०	ब	११	४९

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०७८ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७८ भोग्यकलिः ४२६९२२ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३४ शाकः १८९९ वर्षेऽस्मिन् राजा रविः । मंत्री बुधः । सस्येशो शनिः । धान्येशो गुरुः । मेघेशोभौमः । रसेशो रविः । नीरसेशश्शुक्रः । फलेशोभौमः । धनेशोशुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ४ प्रमोद नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गतमासादिः ६।२५।५५।११ भोग्यमासादिः ५।४।४।४९ । विष्णुदैवतंयुगम् । वर्षनाम कार्तिकः । मेघनाम संवर्तः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा ५ । समय वाहनमश्वः । स्तम्भाऽभावः । सोमवत्यमा. २ सोमवती पंचमी ३ । अंगारकी चतुर्थी२ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्ताः ३६० । समयदिनानि ३८४ । तिथिक्षयः १९ । तिथिवृद्धिः १३ । उत्पत्तिविश्वा ९९ । खपतिविश्वा ९३। वर्षाविश्वा १७ । धान्यम्११। तृणम् ७ । शीतम् १७ । तेज ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं ११ । सत्यं ।।, धर्म १।।, पाप१८ । शनि दृष्टिर्दक्षिणे । ग्रहणम् १ चन्द्रमसः ।

सं. २०३४ शाके १८९९ फाल्गुन शु. १५ शुक्रे खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	३३	३६	३८	४०	४२
मध्य.	पल	५५	३६	२७	१८	५९
रेल्वे	घं.	८	९	९	१०	११
टाइम	मि	१	५	५०	३४	३९

वर्ष लग्नम् ७।१७

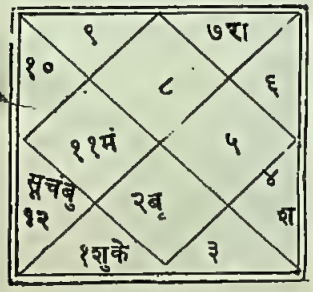

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जय माता अम्बिका बंदो बारम्बार ।
हाथ जोड़ पूछूं तुझे चौंतीसा का सार ।।

भवानी उत्तर

चौंतीसा चारूं दिशा संचय करो सब कोय ।
फलपति मंगल होण से लाभ सवाया होय ।।
रोहिणी वासो सिंधु में संवत् मालाकार ।
धान्यपति गुरुदेव हैं होवे जय जयकार ।।
राजा रवि मेघेश कुज, पापी क्रूर स्वभाव ।
यह सुख से नहीं रहन दे, बिच २ खेले दाव ।।
श्रावण अरु आषाढ़ में वर्षा होय समान ।
भाद्रव कुज गुरु योग से होसी खेंचा तान ।।
पण भैरव भय मत करे रक्षक जगदाधार ।
धर्म कर्म करते रहो यही जगत का सार ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	२
खर्च	१४	५	२	२	११	१४

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ६।७

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३१।२५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् । वर्षेऽस्मिन् राजा रविः फलम्-सूर्ये नृपे स्वल्प फलाश्च मेघाः स्वल्पं पयो गोषु जनषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमप्प वृक्षाश्चौराग्निवाधा निधनं नृपाणाम् ।। मन्त्री बुधस्तत्फलम्-शशिसुते शुभमंत्रि समागते स्वपतिना रमते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुदारिसमन्वितं यवमसूरचणाश्च महर्घता ।। सस्येशश्शनिः फलम्-रविसुते यदि धान्यपतौ जना नृपतिभिः परिपीड़ितविग्रहाः । गदभयं तुषधान्यहरं सदा दुरितवादविवादयुता नराः ।। धान्येशो गुरुः फलम्-गुरौ धान्यपतौ याते यवगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्व देशेषु यज्वानो ब्राह्मणादयः ।। मेघेशो भौमस्तत्फलम्-अवनिजे जलदस्यपतौ भुवि श्रुतिविचारविहीनधरानराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहु तोयदम् ।। रसेशो रविः फलम्-रसपतौ तरणौ धरणीं तदा विरसभागरतात्पपयोधरा । वसनतैलघृतप्रिय मानवाः सुखरसं न भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम्-कर्पूरागरुगन्धानां हेममौक्तिकवाससां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरशेशो भृगुर्यदि ।। फलेशो भौमरतत्फलम्-फलपतिर्यदि भूतनयो भवेन्न बहुपुष्पफलान्वितपादपाः । गदभयान्वित देशजनास्तदा नृपतयो बहुविग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम्-द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधना लकल ननु मानवाः । समसुखाः क्रयविक्रयजीविनोनृपतयो जनपालनतत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम्-अवनिजो गढ़नायकतां गतो विविधदुःखवियोगसमन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ।। प्रमोद नाम संवत्सरः फलम्-प्रमोदाब्दे प्रमोदन्ते राजानो निखिला जनाः । वीतरोगा वीतभया ईतिवैरिविवर्जिताः ।। वर्षनामकार्तिकः फलम्-पापबुद्धिरता लोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यन्ते राज्यञ्च तस्करैर्हृतम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम्-संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम्--समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समयनिवासो मालाकारगृहे फलम्--मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०३४ शाके १८९९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

बैसाख मासः

शुक्ले ३ गुरौ रोहि. ल. ८ रे. ९ ।।ऽगु।।।।।। चं. गु. ७ पू.
„ ५ शनौ मृगे ल. अन्यगो.सोग्रांगः रे.८ ।।।।।ऽऽ।
„ ९ गुरौ मघा. ल. गो. ८ रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः वृश्चिके गु. ७ पूज्यः
„ ११ शनौ उफा.ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ९ ।।।।।ऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे ३ शुक्रे मूले ल. गो. ८ रे. ८ ।।।।।नृऽ।ऽ।। वृश्चिके गुरु ७ पूज्यः
„ ६ रवौ उषा.ल. अन्यगो. ७ रे.६ ऽऽ।।चौ.।।।ऽऽ दग्धादोषः आवश्यके
„ ११ शुक्रे उभा. ल. ८ रे. ७ ।।।।ऽअ.ऽऽ।। गु. ७ पूज्यः

शुक्ले १ गुरौ रोहि. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।ऽवृ।।ऽनृ।।।।
„ १ गुरौ मृगे ल. १ रे. ९ ।।।।।ऽ।।।

आषाढ़ मासः

शुक्ले ५ भौमे मघा. ल. अन्यगो २ रे. ६ ऽऽ।।चौ।ऽ।। वृषेपाताऽभावः रेखा ७
„ ७ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो २ रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ दग्धा.
„ १० रवौ स्वा. ल. गो. २ रे. ८ ।।।।।ऽअ.।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ले २ चंद्रे उषा. ल. ७ रे. ८ ।।।।ऽअ.।।।। भौ. १० पूज्यः
„ ३ भौमे उषा. ल. अन्यगो. रे. ९ ऽ।।।।।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णे १ शुक्रे उफा. ल. ७ रे. ८ ।।।।ऽऽऽअ.।।।।
७ बुधे अनु. ल. अन्यगो. ७ रे. ६ ऽ।।।।ऽरो.ऽऽ।।
„ ११ रवौ उषा. ल. ७ रे. ६ ऽ।।ऽबृऽ।।ऽ।। पादवेधात्-गुरोर्वेधाऽभावः आवश्यके

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १४४५स.१९७७
१	र	४६	१६	उ	३७	५०	शु	२४	१८	किं	१४	४९	२९/५७	३/१	५/५९	२०	२९	२९	मीने	शते भौमः १९/१८ संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	चं	५०	१४	रे	४३	१५	ब्र	२५	१३	बा	१८	१५	३०/१	६/००	६/००	२१	३०	३०	मे.४३।१५	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	मं	५५	३२	अ	४९	३८	ऐं	२६	४३	तै	२२	५३	६	५/५९	१	२२	१	१	मेषे	रा. चैत्रारंभः मत्स्यं जयंती गणगौरी*
४	बु	६०	०	भ	५६	४८	वै	२८	१८	व	२८	१४	१०	५८	२	२३	२	२	मेषे	भ. २८/१४ उ. रेवत्यां बुधः ३४/११ वक्री रेवत्यां×
४	गु	०	५६	कृ	६०	०	वि	३०	३८	वि	०	५६	१४	५७	३	२४	३	३	बृ.१३।५१	भ. ०।५६ या. ×मीने शुक्रः ५४।२३
५	शु	७	३९	कृ	४	२३	प्री	३३	९	बा	७	३९	१८	५६	४	२५	४	४	वृषे	*रविलाखर ४
६	श	१४	८	रो	११	५६	आ	३५	२६	तै	१४	८	२३	५५	५	२६	५	५	मि४४।३१	=९।० हनुमज्जयंती
७	र	२०	७	मृ	१८	१	सौ	३६	५६	व	२०	७	२७	५५	५	२७	६	६	मिथुने	भ. २०।७ उ. ५२।३० या.
८	चं	२४	५२	आ	२५	४	शो	३७	३७	ब	२४	५२	३१	५४	६	२८	७	७	मिथुने	½(सौरः ५८/९)अश्वि. मेषे बुधः १५।२+
९	मं	२८	१९	पु	३०	८	अ	३६	५५	कौ	२८	१९	३५	५३	७	२९	८	८	क.१३।५२	बुधोदयः पश्चिमायां ६।३९ रामनवमी
१०	बु	२९	५५	पु	३२	२०	सु	३४	४२	ग	२९	५५	३९	५२	८	३०	९	९	कर्के	भ. ५९।४५ उ. रेवत्यां रविः ५८।४५½
११	गु	२९	३५	श्ले	३३	४	धृ	३०	५५	वि	२९	३५	४४	५१	९	३१	१०	१०	सिं३३।४	भ. २९।३५ या. कामदा ११ व्रतम्
१२	शु	२७	०	म	३१	४९	शू	२५	४०	बा	२७	०	४८	५०	१०	१	११	११	सिंहे	अप्रेल मा. ४ ता. ३० प्रदोषः व्रतम्
१३	श	२२	३९	पू	२८	३५	गं	१७	४५	तै	२२	३९	५२	५०	१०	२	१२	१२	कं.४३।१४	+वक्री पुष्ये ४ शनिः ५।१
१४	र	१६	२९	उ	२४	११	वृ	१०	४०	व	१६	२९	५६	४९	११	३	१३	१३	कन्यायां	भ. १६।२९ उ. ४२।४४ या.
१५	चं	८	५९	ह	१८	१८	ध्रु	१/३७	५०/२१	ब	८	५९	३१/०	४८	१२	४	१४	१४	तु.४५।५	कृत्ति ४ गुरुः २७/३८ शक्रास्तः पश्चिमायां=

५०पं. चै.शु.३मं.इ.१६।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	१	०	३	६	११
८	८	१४	४	०	१३	२	८
३	८	३	११	१९	५३	४	३
१८	५६	५०	३१	१६	३८	५३	४०
५९	४५	१२०/२५	१०	१३/८	२/०	३	५९
२९	३५	२५	१७	ब	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

चैत पाछले पाख नौ दिन बीज लखोई राख। आढे नवमी निरत कर जोय. जहां चमके तहां दुर्भिक्ष होय ॥

गोचरग्रहाः

५१पं.चै.शु. ९मं.इ.१६।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	१	११	३	६	११
१४	१३	२८	५	२७	१६	१	१४
५९	३६	८	२७	३७	४१	४२	५९
१३	१८	३१	५०	१२	६	३७	४६
५९	४५	४०/१४	१०	२८/५९	१/२२	३	५९
१६	४४	३४	५६	ब	ब	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	बसन्तर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	०	५८	चि	११	५३	ह	४२	१७	कौ	०	५८	३१/४	५/४७	६/१३	५	१५	१५	तुलायां	
२	मं	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	बु	४४	२०	स्वा	५/२७	५/४४	व	३२	४६	व	१८	२४	८	४७	१३	६	१६	१६	बृ.४५।०	भ. १८।२४ उ. ४४/२० या. पूभायां भौमः ३२/१४
४	गु	३६	१७	अ	५३	४३	सि	२३	३४	ब	१०	१८	१२	४६	१४	७	१७	१७	बृश्चिके	भरण्यां बुधः २६।१० चतुर्थी ब्र.
५	शु	२९	१६	ज्ये	४९	७	व्य	१५	५	कौ	२	४६	१६	४५	१५	८	१८	१८	ध.४९।७	शुक्रोदयः पूर्वस्याम् २७।०
६	श	२३	१७	मू	४५	३५	व	१	१९	व	२३	१७	२०	४४	१६	९	१९	१९	धनुषि	भ. २३।१७ उ. ५०।२५ या.
७	र	१७	३२	पू	४३	२०	प	०/२९	५४/२०	ब	१७	३२	२४	४३	१७	१०	२०	२०	म.५८।६	
८	चं	१४	५६	उ	४२	२६	सि	३०	८	कौ	१४	५६	२८	४२	१८	११	२१	२१	मकरे	मार्गी शनिः १२।४९
९	मं	१२	३६	श्र	४२	२६	सा	२६	३७	ग	१२	३६	३२	४२	१८	१२	२२	२२	मकरे	भ. ४२।२ उ.
१०	बु	११	२८	ध	४४	१	शु	२३	७	वि	११	२८	३६	४१	१९	१३	२३	२३	कु.१३।१३	भ. ११।२८ या. अश्वि. मेषेऽर्कः ३२।४९*
११	गु	११	३५	श	४६	४०	शु	१९	३६	बा	११	३५	४०	४०	२०	१४	२४	२४	कुम्भे	वरूथिनी ११ ब्र.
१२	शु	१२	५४	पू	५०	३६	ब्र	४१	९	तै	१२	५४	४३	३९	२१	१५	२५	२५	मी३४।२९	प्रदोषः *(सौरः ३२।४३)
१३	श	१५	१५	उ	५४	५	ऐं	४१	१६	व	१५	१५	४७	३९	२१	१६	२६	२६	मीने	भ. १५।१५ उ. ४७।०या. वक्री उभायां×
१४	र	१८	४५	रे	६०	०	वै	४१	४७	श	१८	४५	५१	३८	२२	१७	२७	२७	मीने	
३०	चं	२३	१२	रे	०	४३	वि	४३	१६	ना	२३	१२	५५	३७	२३	१८	२८	२८	मे.०।४३	सोमवती ३० ×शुक्रः ५९।८

५२पं. वै.कृ.१मं.इ. १७।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	०	१	११	३	६	११
२१	१९	१०	६	२३	१६	१	२१
५३	२	३	४९	३१	३३	२०	५३
३१	५३	४७	३०	४८	५०	२२	५७
५९	४५	९१	११	३६/१८	०/३०	३	५९
४	४१	१८	३२	ब	ब	११	४

गोचरग्रहाः

वैशा.कृ. १० बुधे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

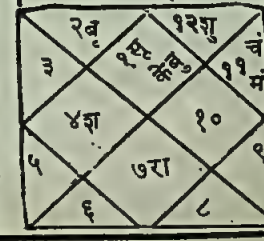

१पं. वै.कृ.१०बु.इ.३२।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	१	११	३	६	०
०	२५	१८	८	१८	१६	०	०
०	२७	५७	२९	३९	३०	५४	०
०	७	२५	४९	४०	५०	१४	७
५८	४५	३४	१२	२९/५५	०/१५	३	५८
४४	१	२५	१३	ब	मा	११	४५

*चंशुके

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाक: १८९९	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं २८ ३५ अ ७ १० प्री ४५ ५६ ब	२८	३५	५८	३६	२४	१९	२९	२९	मेषे
२	बु ३४ २७ भ १४ १४ आ ४७ २० ब	१	३१	३२	३६	२४	२०	३०	१	वृ.३१।११
३	गु ४० ४५ कृ २२ ० सौ ४९ ४० त	७	३६	६	३५	२५	२१	१	२	वृषे
४	शु ४७ १० रो २९ ३१ शो ५२ ७ व	१३	५८	१०	३४	२६	२२	२	३	वृषे
५	श ५३ २२ मृ ३६ ५८ अ ५४ २७ ब	२०	१६	१४	३३	२७	२३	३	४	मि३।१४
६	र ५८ २१ आ ४३ ४४ सु ५५ ४४ कौ	२५	५१	१७	३३	२७	२४	४	५	मिथुने
७	चं ६० ० पु ४९ २१ धृ ५६ १४ ग	३०	२८	२१	३२	२८	२५	५	६	क.३२।५६
७	मं २ ३६ पु ५३ ३० शू ५५ २६ व	२	५६	२५	३१	२९	२६	६	७	कर्के
८	बु ५ १ श्ले ५५ ४४ गं ५३ १४ ब	५	१	२९	३०	३०	२७	७	८	सिं५५।४४
९	गु ५ ४९ म ५६ ७ वृ ५९ २२ कौ	५	४९	३२	३०	३०	२८	८	९	सिंहे
१०	शु ४ ३४ पू ५५ ३५ धु ४३ ५१ ग	४	३४	३६	२९	३१	२९	९	१०	सिंहे
११	श १ १२ उ ५० ५६ ब्या ३६ ५० वि	१	१२	४०	२८	३२	३०	१०	११	कं.९।१२
१२	श ५४ ३२ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	र ४८ ३० ह ४५ ३५ ह २८ १३ कौ	२२	७	४३	२७	३३	१	११	१२	कन्यायां
१४	चं ४० १ चि ३८ ५३ व १८ १४ ग	१४	१६	४७	२७	३३	२	१२	१३	तु.१२।१४
१५	मं ३० २५ स्वा ३० ४४ सि ५६ ४६ वि	५	१८	५१	२६	३४	३	१३	१४	तूलायां

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १४७५स.१९७७

मीने भौमः ३६ वक्री बुधः ५१ चन्द्र द. संभ.
रोहिणी. १ गुरुः ४५ जमादिलावल ५
बुधास्तः पश्चिमायां ३५ रा.वैशाखारंभः
भ. ५८ उ. ४७ या. अक्षया ३ परशु.जय.
उभायां भौमः ४८।३७
आश्लेषा. १ शनिः ७।५७

भ. ५६ उ ३९ या. पात स्पर्शः ३६ मोक्षः ४७
भरण्यां रविः १६ (सौरः १४ मार्गी शुक्रः ९

भ. ३२।५३ उ. मोहिनी ११ व्र. स्मा.
भ. १२ या. चि.२ कन्या. राहुः रे. ४ मीने+
+केतुः ३६ मोहिनी ११ व्र. वै.
मई मा. ५ ता. ३१ प्रदोषः
भ. ४०।१ उ. नृसिंह जयंती
भ. ५।१८ या. यमाय जलान्नकुंभदानम्

२पं. वै.शु.२ बु.इ.३३।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१	११	३	६	०
६	०	२१	९	१५	१६	०	६
५०	५१	१०	५८	४२	३६	३१	५०
४२	७	१२	१२	५८	३८	५८	३८
५८	४५	१६	१२	२५	१	३	५८
३१	४६	ब	३१	ब	२	११	२९

गोचरग्रहाः

इस मासमें सोमवती अमा. धान्य में मंदीकारक है सोना चांदी गुड़ अलसी सरसोंतिल तैल सुदी में तेज हो।

गोचरग्रहाः

३पं. वै.शु. ८ बु.इ.३३।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१	११	३	६	०
१३	६	१८	११	१४	१६	०	१३
३९	१७	३९	२९	५१	४५	९	३८
४३	१०	२५	२८	३२	२९	४२	४३
५८	४५	३६	१२	५९	१	३	५८
१९	४१	ब	५१	मा	४२	११	३२

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाक: १८९९	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु २० ५० वि २३ ५४ ब ४६ ५१ कौ	२०	५०	३३	५	६	४	१४	१५	वृ.१०।३७
२	गु ११ १६ अ १६ २७ प ३६ ३७ ग	११	१६	५४	२५	३५	५	१५	१६	वृश्चिके
३	शु २ १४ ज्ये ९ ४३ शि २७ ७ वि	२	१४	५७	२५	३५	६	१६	१७	ध.९।४३
४	शु ५१ ५७ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	३३	२४	३६	६	१६	१७	०
५	श ४७ ३५ मू ४ ११ सि १८ ४० कौ	२०	५३	०	०	०	०	०	०	०
६	र ४२ २९ पू २२ ५७ सा ११ ३१ ग	१५	२	४	२३	३७	७	१७	१८	धनुषि
७	चं ३९ २३ श्र ५७ ८ शु ५ ३३ वि	१०	५५	७	२३	३७	८	१८	१९	म.१४।४५
८	मं ३७ ४७ ध ५७ ४७ शु १६ ५७ ब्रा	८	३४	१३	२१	३९	१०	२०	२१	मकरे
९	बु ३७ ५८ श ६० ० पै ५६ ३८ ते	७	५३	१६	२१	३९	११	२१	२२	कुं.२७।२८
१०	गु ३९ ४१ श १ १० वै ५६ २ व	८	४९	१९	२०	४०	१२	२२	२३	कुम्भे
११	शु ४२ ३८ पू ४ २३ वि ५६ ४१ ब	११	१०	२२	२०	४०	१३	२३	२४	मी४८।३५
१२	श ४६ ५५ उ ९ १६ प्री ५७ ३८ कौ	१४	४६	२५	१९	४१	१४	२४	२५	मीने
१३	र ५१ ५८ रे १५ ४६ आ ५८ ५२ ग	१९	२६	२८	१८	४२	१५	२५	२६	मी.१५।४६
१४	चं ५७ २९ अ २२ ४१ सौ ६० ० वि	२४	४९	३०	१८	४२	१६	२६	२७	मेषे
३०	मं ६० ० भ २९ ४८ सौ १ २५ च	३०	४१	३३	१७	४३	१७	२७	२८	वृ.४६।४१
३८	बु ३ ४३ कृ ३७ २३ शो ३ ४४ ना	३	४३	३६	१७	४३	१८	२८	२९	बृषे

वक्री अश्वि. बुधः ५७ पात स्पर्शः ५७
भ. ४९ उ. रेवत्यां शुक्रः ३४ पातमोक्षः १७
भ. १५ या. बुधोदयः पूर्वस्यां २७।१४
कृत्तिका. रविः ५९।१
कृत्तिका.रविः सौरः ५८ रेवत्यां भौमः १४
भ. ८।४९ उ. ३९।४१ या.
अपरा ११ व्र. वै.
वृषेऽर्कः २६।१६ (सौरः २९।४६)
भ. ५८ उ. मार्गी बुधः ४१।२३ प्रदोषः
भ. २४।४९ या.
वटपूजनम्

४पं. ज्यें.कृ.१बु.इ.३३।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१	११	३	५	०
२०	११	१४	१३	१५	१७	२९	२०
२७	४१	३८	३	४१	०	४७	२५
२२	१३	२८	४	४९	५८	२७	२४
५८	४५	३५	१३	१६	२	३	५७
६	३७	ब	१६	३३	२१	११	५७

५पं ज्यें.कृ.९बु.इ.३३।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१	११	३	५	०
२७	१७	११	१४	१८	१७	२९	२७
१३	२	३५	३७	२९	१९	३५	१०
३४	२४	११	५९	३७	५९	११	३८
५७	४५	१५	१३	२९	३	३	५७
५४	३२	ब	२१	१	१	११	४५

६पं.ज्ये.कृ.३०बु.इ.३३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	१	११	३	५	१
३	२२	११	१६	२२	१७	२९	३
५८	२२	४८	१४	७	४४	२	५४
२६	२३	२९	१०	२३	२४	५६	१७
५७	४५	२६	१३	३८	३	३	५७
४४	१६	मा	३२	४०	४०	११	३४

*मंशुके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशुके

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः. १५०५स. १९७७
१	गु ९।५२ रो ४५।२४ अ ५।१६ ब ९।५२	३३	१६	४६	१९	२९	३०	वृषे	चंद्रदर्शनम्
२	शु १५।५६ मृ ५२।१६ सु ८।३९ कौ १५।५६	४१	१६	४४	२०	३०	१	मि१८।३५	रोहिणी.३ गुरुः २९।४३ जमादिलाखर ६
३	श २१।५० आ ५८।३१ धृ १०।४६ ग २१।४०	४३	१५	४५	२१	३१	२	मिथुने	भ. ५४।२४ उ. भरण्यां बुधः ३४।५०
४	र २६।५९ पु ६०ः ० शू १२।१७ वि २६।२९	४६	१५	४५	२२	१	३	क.४८।३३	भ. २६।५९ या. रा. ज्येष्ठारंभः
५	चं ३१।२० पु ५ ५ ग १३।२५ वा ३१।२०	४८	१४	४६	२३	२	४	कर्के	
६	मं ३४।१३ पु १० ७ धृ १३।३७ कौ २।४६	५०	१४	४६	२४	३	५	कर्के	रोहिण्यां रविः४९।५१ (सौरः५५।५५)×
७	बु ३५।५३ श्ले १३।५० ध्रु १२।३४ ग ५ ३	५२	१४	४६	२५	४	६	सि१३।५०	भ. ३५।५३ उ. अ. गु
८	गु ३५।५३ म १५।५० व्या १०।११ वि ५।५३	५४	१३	४७	२६	५	७	सिंहे	भ. ५।५३ या. ×अस्तं गुरौः ४१।२४
९	शु ३३।५५ पू १६ ४ ह ६।३४ वा ४।५४	५६	१३	४७	२७	६	८	कं.३०।४१	
१०	श ३०ः ४ उ १४।३३ व ७।५३ तै १।५९	५८	१२	४८	२८	७	९	कन्यायां	भ. ५७।११ उ. अश्वि. मेषे भौमः ३५*
११	र २४।१९ ह १०।५३ व्य ४६ २ वि २४।१९	३४	१२	४८	२९	८	१०	तु.३८।२१	भ. २४।१९ या. अश्वि. मेषे शुक्रः ४३+
१२	चं १७ १ चि ४९।५५ व ३६।४६ वा १७ १	३६	१२	४८	३०	९	११	तुलायां	प्रदोषः +निर्जला ११ व्र.
१३	मं ८ १३ वि ५१।२० प २६।३० तै ८।१३	४	११	४९	३१	१०	१२	बृ.३८।४२	भ. ५८।४४ उ. *गंगादशमी
१४	मं ५०।३१ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	+गुर्जराणां वट सावित्री व्र.
१५	बु ४८।३३ अ ४३।४९ शि १५।३८ वि २३।३८	६	११	४९	१	११	१३	वृश्चिके	भ. २३।३८ या. जन मा. ६ ता. ३०=

७पं. ज्ये.शु.७बु.इ.३४।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	१	११	३	५	१
१०	२७	१६	१७	२६	१८	२८	१०
४२	४०	३	५०	५५	१२	४०	३६
२५	१९	३५	५६	५	४३	४०	२८
५७	४५	४०	१२	४६	४	३	५७
३५	८	५१	३४	४	१८	११	२३

गोचरग्रहाः

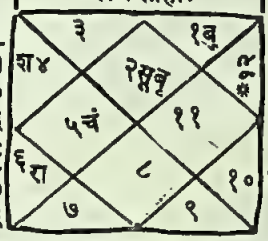

ज्ये. कृ. १२ शनौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू. ।

गोचरग्रहाः

८पं.ज्ये.शु.१५बु.इ.३४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	१	०	३	५	१
१७	२	२३	१९	२	१८	२८	१७
२५	५६	४	२८	२६	५५	१८	१७
८	२८	३०	४१	३८	२२	२९	३४
५७	४४	६९	१३	५१	४	३	५७
२७	५२	४	२८	२८	४६	११	१३

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु ३८।२७ ज्ये ३५।५५ सि ४६।४९ वा १३।३०	३४	१५	४९	२	१२	१४	ध.३५।५५	
२	शु २९ १ मू २८।४० शु ४३।५५ तै ६।४४	९	१०	५०	३	१३	१५	धनुषि	भ. ५४।४८ उ. रोहिणी. ४ गुरुः ५१।५७
३	श २०।३५ पू २२।२७ शु ३५ ० वि २०।३५	१०	१०	५०	४	१४	१६	म.३६।१९	भ. २०।३५ या. कृत्तिका. बुधः ३९।५२*
४	र १३।३५ उ १७।५६ ब्र २७।२३ वा १३।३५	१२	१०	५०	५	१५	१७	मकरे	
५	चं ६।४३ श्र १५।१८ ब्रे २१।२६ तै ६।४३	१३	९	५१	६	१६	१८	कु.४४।५६	वृषे बुधः ४०।४० *चतुर्थी व्र.
६	मं ५।४९ ध १४।३५ वै १६।५८ व ५।४९	१४	९	५१	७	१७	१९	कुम्भे	भ. ५।४९ उ. २५।२३ या. मृगे रविः×
७	बु ४।५७ श १५।५२ वि १४ ८ ब ४।५७	१६	९	५१	८	१८	२०	कुम्भे	×४४।४७ (सौरः ५४।४४)
८	गु ६ ७ पू १८।५६ प्री १२।४९ कौ ६ ७	१७	९	५१	९	१९	२१	मी३।१०	=(सौरः ५५।३१)
९	शु ८।४६ उ २३।५९ आ १३।२२ ग ८।४६	१८	८	५२	१०	२०	२२	मीने	भ. ४०।५९ उ.
१०	श १३।१३ रे ३० ७ सौ १४।११ वि १३।१३	१९	८	५२	११	२१	२३	मे.३०।७	भ. १३।३३ या.
११	र १८।२६ अ ३७ ८ शो १४।१५ वा १८।२६	२०	८	५२	१२	२२	२४	मेषे	योगिनी ११ व्र. +५१।१ प्रदोषः
१२	चं २४।३६ भ ४४।२८ अ १८।३५ तै २४।३६	२१	८	५२	१३	२३	२५	मेषे	रोहिण्यां बुधः १४।४० भरण्यां शुक्रः+
१३	मं ३०।४४ कृ ५२।२० सु २१ ० व ३०।४४	२१	८	५२	१४	२४	२६	बृ.१।२६	भ. ३०।४४ उ. मिथुनेऽर्कः ४३।२५=
१४	बु ३६।४७ रो ५९।४७ धृ २३।२६ वि ३।४६	२२	८	५२	१५	२५	२७	वृषे	भ. ३।४६ या. भरण्यां भौमः ३४।९@
१५	गु ४२।४८ मृ ६०ः ० शू २५।४७ च ९।४७	२२	८	५२	१६	२६	२८	मि३३।२०	@आश्लेषा. २ शनिः १४।५८

९पं. आ.कृ.७बु.इ.३४।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१	०	३	५	१
२४	८	२२	२१	८	१९	२७	२३
७	१०	४२	५	३४	२२	५६	५७
१२	८	७	५३	१	१२	९	३०
५७	४४	९०	१३	५५	५	३	५७
२२	४६	३०	१८	५८	१३	११	१

गोचरग्रहाः

आ. कृ. १३ भौमे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४ न. ४ वृद्धावस्था(बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपू. ।

गोचरग्रहाः

१०पं.आ.कृ.१०बु.इ.३४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१	०	३	५	२
०	१३	१४	२२	१५	२०	२७	०
४८	१९	२३	४३	२	१	३३	३६
२५	५९	४०	२३	२	४८	५३	३९
५७	४४	९९	१३	५९	५	३	५७
१७	१६	३४	२२	२२	३८	११	५६

●मंशुके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंबुशु +चंबुबृ

ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५३४स.१९७७

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु ४८ ७ मृ ६ ५५ गं २७ ४६ किं १५ २७ ३४	५	७	५३	१७	२७	२९	मिथुने
२	श ५२ ४६ आ १३ २५ वृ २९ १४ बा २० २८ २३	६	७	५३	१८	२८	३०	मिथुने
३	र ५६ ३५ पु १९ ८ धु ३० ४ तै २४ ४० २२	६	७	५३	१९	२९	१	क.२।४३
४	चं ५९ १८ पु २४ ९ व्या २९ ५६ व २७ ५६ २४	६	७	५३	२०	३०	२	कर्के
५	मं ६० ० श्ले २७ ५८ ह २९ १६ ब ३० १४ २४	६	७	५३	२१	३१	३	सिं २७।५८
५	बु ०।५२ म ३० ४४ व २७ ४१ बा ० ५२ २४	६	७	५३	२२	१	४	सिंहे
६	गु १।११ पू ३२ ८ सि २४ ५६ तै १ ११ २४	६	७	५३	२३	२	५	कं.४७।७
७	शु ०।१७ उ ३२ ४ व्य २१ १ व ० १७ २४	६	७	५३	२४	३	६	कन्यायां
८	शु ५७ २७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०
९	श ५३ ४३ ह ३० २९ व १६ २ बा २५ ४३ २३	६	७	५३	२५	४	७	तु.५८।५८
१०	र ४८ १९ चि २७ २६ प ९ ३७ तै २१ १ २२	६	७	५३	२६	५	८	तुलायां
११	चं ४१ २६ स्वा २३ ५ शि ३३ ५१ २१ व १४ ५२ २३	६	७	५३	२७	६	९	तुलायां
१२	मं ३३ २२ वि १७ ३१ सा ४४ १४ ब ७ २४ २२	८	५	२	२८	७	१०	वृ.३।५४
१३	बु २४ २३ अ १० ४३ शु ३४ ३९ तै २४ २३ २२	८	५	२	२९	८	११	बृश्चिके
१४	गु १४ ५५ ज्ये ३५ ३८ शु २३ ५१ व १४ ५५ २१	८	५	२	३०	९	१२	ध.३।३५
१५	शु ५ २३ पू ४९ १३ ब्र १३ २१ ब ५ २३ २०	८	५	२	१	१०	१३	धनुषि

उदयं गुराः ५०।२४ उ.गु.
मृगे. १ गुरुः २६ चन्द्रदर्शनम् रथशाखा
पूर्वास्तं बुधः १२।२४ रज्जव ७
भ. २७ उ. ५९ या. मृगे बुधः ८।२४
आर्द्रायां रविः ४२।१७ (सौरः ५७।४)
राष्ट्रीय आषाढ़ारंभः
मिथुने बुधः ४।१७
भ. ०।१७ उ. २९।१ या.

आर्द्रायां बुधः १८।२३
भ. १४ उ ४१ या. त्तिका. शुक्रः ३३*
प्रदोषः *देवशयनो ११ व्र.

भ.५५उ.४९या. वृषेशुक्रः ३६ वायु परीक्षा
जुलाई मा. ७ ता. ३१ व्यासपूजा गुरु १५

११पं.आ.शु.५बु.इ.३४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१	०	३	५	२
७	१८	२९	२४	२१	२०	२७	७
२९	२७	२६	१९	५२	४४	११	१५
२४	४०	५३	३७	५	५३	३८	६
५७	४४	५८	१३	६१	६	३	५६
१३	१०	२३	३१	५५	४	११	१४

गोचरग्रहाः

इस मासका फल श्रेष्ठ है सुदी में वर्षा होगी। धान्य रुई सोनाचांदी गुड़ मूंगफली सिरस्युं घटाबढ़ी रुख तेज।

गोचरग्रहाः

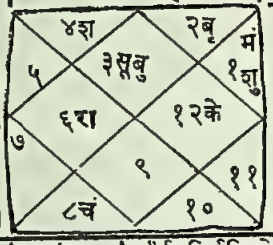

१२पं.आ.शु.१३बु.इ.३४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	१	०	३	५	२
१४	२३	१३	२५	२९	२१	२६	१३
९	५१	४०	५५	०	३०	४९	५३
५०	३०	८	२६	४	४	२२	११
५७	४६	५८	१३	६३	६	३	५६
७	४८	५९	२०	५६	२२	११	५०

ति.	प्र.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु ५१ १ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०
२	श ४९ ३२ उ ४३ २२ ऐं ३४ ५१ ४ तै २२ २५ ३४	५	६	५२	२	११	१४	म.२।४५
३	र ४२ १३ श्र ३८ ५३ वि ४७ ९ व १५ २२ १८	८	५	२	३	१२	१५	मकरे
४	चं ३७ ३५ ध ३६ १३ प्री ४१ १२ ब ९ ५३ १७	९	५१	४	१३	१६	कु.७।३३	
५	मं ३५ २० श ३५ ५१ आ ३६ ३७ कौ ६ २८ १५	९	५१	५	१४	१७	कुम्भे	
६	बु ३५ १५ पू ३७ २२ सौ ३३ ५४ ग ५ १७ १४	९	५१	६	१५	१८	मी २१।५९	
७	गु ३७ १० उ ४१ १ शो ३३ ४ वि ६ १२ १३	९	५१	७	१६	१९	मीने	
८	शु ४० ५५ रे ४६ २६ अ ३३ ३१ बा ९ २ ११	१०	५०	८	१७	२०	मे.४६।२६	
९	श ४५ ५६ अ ५३ १ सु ३४ ४६ तै १३ २६ १०	१०	५०	९	१८	२१	मेषे	
१०	र ५१ ५९ भ ६० ० धृ ३७ ४६ व १८ ५८ ८	१०	५०	१०	१९	२२	मेषे	
११	चं ५८ ११ भ ० २८ शू ३९ ३१ ब २५ ५ ७	११	४९	११	२०	२३	वृ.१७।२३	
१२	मं ६० ० कृ ८ ११ गं ४० १२ कौ ३१ २० ५	११	४९	१२	२१	२४	वृषे	
१२	बु ४ ३० रो १५ ३६ वृ ४४ ३० तै ४ ३० ४	११	४९	१३	२२	२५	मि ४९।८	
१३	गु १० २० मृ २२ ४० धु ४६ २२ व १० २० २	१२	४८	१४	२३	२६	मिथुने	
१४	शु १५ १६ आ २९ ४ व्या ४७ ३१ श १५ १६ ०	१२	४८	१५	२४	२७	मिथुने	
२०	श १९ ११ पु ३४ २६ ह ४८ ० ना १९ ११ ३३	१२	४८	१६	२५	२८	क.१८।५	

×रैवत्यां ३ कतुः ३०।३४
पुन.बुधः ५४ मृग.२गुरुः ५९ चित्रा.१राहुः×
भ. ५५ उ. ४३ या. कृत्तिका.भौमः ५० १४
चतुर्थी व्र.
पुनर्वसु रविः ४१।१३ नाग ५ मरुस्थले
भ. ३५।१५ उ पुन. रविः सौरः १।५
भ. ६।१२ या. कर्के बुधः ९।५
वृषे भौमः २६।११ पुष्ये बुधः ४५।५६
रौहिण्यां शुक्रः ५४।३३
भ. १८।५८ उ. ५१।५९ या.
बुधोदयः पश्चिमे ५० कामिका ११ व्र.

प्रदोषः
भ. १०।२० उ. ४२।४८ या.
आश्लेषा. बुधः ४९ आश्लेषा. ३ शनिः ३६
कर्केऽर्कः १०।३७ (सौरः ३३।४९)

१३पं. प्र.श्रा.कृ.६बु.इ.३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	१	१	३	५	२
२०	२८	२८	२७	६	२२	२६	२०
५०	३८	४४	२९	२०	१७	२७	३१
१०	३८	५६	३०	१३	१९	६	५
५७	४३	५९	१३	६५	६	३	५६
७	२९	१९	१३	३५	२५	११	५०

गोचरग्रहाः

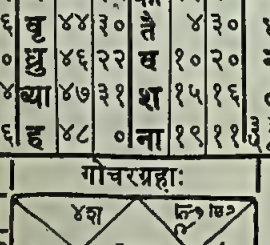

प्र.श्रा.कृ ३० शनौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ५ न. ६ सुप्तावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समता शुक्रो.पू.।

गोचरग्रहाः

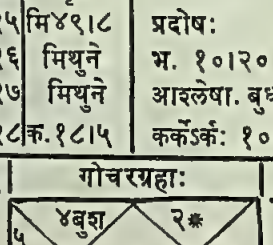

१४पं. प्र.श्रा.कृ.१२बु.इ.३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	१	१	३	५	२
२७	३	१२	२९	१३	२३	२६	२७
३०	३७	२१	१	५१	७	४	९
३२	१	५४	३७	५३	८	५१	१२
५७	४२	५९	१२	६७	६	३	५६
११	५४	५०	५३	०	५२	११	५५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*चमंवृश्चु

ति.	प्र. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५६४ स.१९७७
१	र	२२	७	पु	३८	५०	व	४७	३८	ब	२२	७	३३/५६	५/१३	६/४७	१७	२६	२९	कर्के	
२	चं	२३	५६	श्ले	४२	५	सि	४६	२२	कौ	२३	५६	५४	१३	४७	१८	२७	३०	सिं४२।५	मृगे. ३ मिथुने गुरुः १।१४ चन्द्रदर्शनम्
३	मं	२४	४१	म	४४	१३	व्य	४४	३	ग	२४	४१	५२	१४	४६	१९	२८	१	सिंहे	भ.५४।३३उ.पुष्येरविः३९।५४ सावान८
४	बु	२४	२५	पू	४५	२८	व	४१	१०	वि	२४	२५	५०	१४	४६	२०	२९	२	सिंहे	भ. २४।२५ या. पुष्ये रविः सौरः ४।३०
५	गु	२३	११	उ	४५	५४	प	३७	३८	बा	२३	११	४७	१५	४५	२१	३०	३	कं.०।२३	
६	शु	२०	४९	ह	४४	५५	शि	३३	९	तै	२०	४९	४५	१५	४५	२२	३१	४	कन्यायां	रोहिण्यां भौमः ४७।२० मृगे. शुक्रः८।५८
७	श	१७	३२	चि	४३	२	सि	२७	४४	व	१७	३२	४२	१६	४४	२३	१	५	तु.३१।५८	भ. १७।३२ उ. ४५।५८ या. मघा. सिंहे●
८	र	१४	२४	स्वा	४०	२३	सा	२१	४६	ब	१४	२४	४०	१६	४४	२४	२	६	तुलायां	●बुधः ४०।८ रा. श्रावणारंभः
९	चं	८	१७	वि	३६	४६	शु	१४	५१	कौ	८	१७	३७	१७	४३	२५	३	७	वृ.२४।५१	
१०	मं	२	११	अ	३२	१४	शु	७/१२	५०/४१	ग	२	११	३५	१७	४३	२६	४	८	वृश्चिके	भ. ३८/४१ उ. ५५/१२ या. अस्तं शनैः १९।१६×
११	मं	५३	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×कमला ११ व्र. स्मा.
१२	बु	४७	३१	ज्ये	२६	५८	ऐं	४९	५	ब	२१	२१	३२	१८	४२	२७	५	९	ध.२६।५८	कमला ११ व्र. वै.
१३	गु	३९	२९	मू	२१	१	वै	३९	५१	कौ	१३	३०	२९	१८	४२	२८	६	१०	धनुषि	मिथुने शुक्रः ५।५९ प्रदोषः
१४	शु	३१	३१	पू	१५	२३	वि	३२	२	ग	५	३०	२६	१९	४१	२९	७	११	म.२८।५५	भ. ३१।३१ उ. ५७।४३ या.
१५	श	२३	५५	उ	९	३७	प्री	२३	८	व	२३	५५	२४	१९	४१	३०	८	१२	मकरे	

१५पं. प्र.श्रा.शु.४बु.इ.३३/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	२	१	३	५	३
४	८	२४	०	२१	२३	२५	३
११	२४	३५	३१	३२	५८	४२	४७
१७	५४	२	३०	४६	१	३५	३९
५७	४२	०/०	१२	६८	७	३	५६
१५	४१	३६	२४	८	२	११	५७

गोचरग्रहाः

वृष राशौ यदा भौमः सर्व धान्य महर्घता । चंदनं कुंकुंम वस्त्रं कार्पासादि महर्घता ।। वर्षा होगी ।

गोचरग्रहाः

१६पं.प्र.श्रा.शु.१२बु.इ.३३/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	२	१	३	५	३
१०	१३	५	१	२९	२४	२५	१०
५२	१४	२८	५७	२२	५०	२०	२६
१९	५६	५	५८	३८	२०	२०	५६
५७	४१	८४	१२	६९	७	३	५७
२०	५३	२१	१०	२	१४	११	५

ति.	द्वि. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे प्र.श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१७	३८	श्र	४०	५३	आ	१५	१४	कौ	१७	३८	३३/२१	५/२०	६/४०	३१	९	१३	कुं.३३।८	
२	चं	१२	२९	ध	१/२२	५८/१४	सौ	८	२०	ग	१२	२९	१८	२०	४०	१	१०	१४	कुम्भे	भ. ४०।५७ उ. अगस्त मा. ८ ता. ३१
३	मं	९	२६	पू	५९	४६	शो	२/४१	५५/११	वि	९	२६	१५	२१	३९	२	११	१५	मी४४।४३	भ. ९।२३ या. आश्लेषा. रविः ३६।५५●
४	बु	८	५	उ	६०	०	सु	५५	२६	बा	८	५	१२	२२	३८	३	१२	१६	मीने	आ ले. रविः सौरः ५।१९ मृगे. ४ गुरुः×
५	गु	९	५	उ	१	५६	धृ	५५	५०	तै	९	५	९	२२	३८	४	१३	१७	मीने	×२४।३० आर्द्रा शुक्रः २।३१
६	शु	१२	२	रे	६	१	शू	५६	१४	व	१२	२	६	२३	३७	५	१४	१८	मे. ६।१	भ. १२।२ उ. ४४।१३ या.
७	श	१६	२५	अ	११	४०	गं	५७	५६	ब	१६	२५	३	२३	३७	६	१५	१९	मेषे	●पूफायां बुधः ३२।५० चतुर्थी व्र.
८	र	२२	५	भ	१८	४१	वृ	५९	५८	कौ	२२	५	०	२४	३६	७	१६	२०	वृ.३५।२९	
९	चं	२८	१४	कृ	२६	२	ध्रु	६०	०	ग	१८	१४	३३/५६	२५	३५	८	१७	२१	वृषे	
१०	मं	३४	२६	रो	३३	४३	ध्रु	२	२८	व	१	२०	५३	२५	३५	९	१८	२२	वृषे	भ. १।२० उ. ३४।२६ या.
११	बु	४०	१३	मृ	४०	५५	व्या	४	५२	ब	७	१९	५०	२६	३४	१०	१९	२३	मि७।१९	आश्लेषा. ४ शनिः ५५/१० कमला ११ व्र.
१२	गु	४५	१९	आ	४७	१९	ह	६	५३	कौ	१२	४६	४७	२७	३३	११	२०	२४	मिथुने	मृगे भौमः २९।२७
१३	शु	४८	५२	पु	५२	२४	व	८	११	ग	१७	५	४३	२७	३३	१२	२१	२५	क.३६।८	भ. ४८।५२ उ. प्रदोषः
१४	श	५१	१०	पु	५६	२६	सि	८	२२	वि	२०	१	४०	२८	३२	१३	२२	२६	कर्के	भ. २०।१ या.
३०	र	५२	८	श्ले	५९	७	व्य	७	३१	च	२१	२९	३६	२९	३१	१४	२३	२७	सिं५९।७	पुन. शुक्रः ३८।२३

१७पं.द्वि.श्रा.कृ.४बु.इ.३३/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	२	२	३	५	३
१७	१७	१४	३	७	२५	२४	१७
३४	५९	२७	२१	१७	४३	५८	६
१	२८	०	४३	३८	४१	४	४४
५७	४१	६६	११	६९	७	३	५७
२५	३३	२५	३७	५५	२०	११	१२

गोचरग्रहाः

श्रावण अधिकमास होना दुर्भिक्ष एवं तेजी कारक हैं रुई अलसीसिरसों पाट कुष्टा सूत बारदाना तेज होगा ।

गोचरग्रहाः

१८पं.द्वि.श्रा.कृ.११बु.इ.३३/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	२	२	३	५	३
२४	२२	२१	४	१५	२६	२४	२३
१६	४१	३४	४२	१९	३७	३५	४७
२६	१०	५५	५०	५९	१९	४८	५१
५७	४१	४४	११	७०	७	३	५७
३३	८	८	४	४१	२०	११	२२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*चंबृशु

ति.	द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९	दि.	उ. अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽर्हगणः १५९३ सन् १९७७
१	चं ५१ ३९ म ६० ० व ५ ४२ किं २१ ५३	३३	५	६	१५	२४	२८	सिंहे
२	मं ५० ० म ० २६ प ५३ ५६ बा २० ४९	२९	३०	३०	१६	२५	२९	सिंहे
३	बु ४७ ३२ पू ३३ ५९ सि ५४ २१ ते १८ ४६	२६	३१	२९	१७	२६	१	कं.१५।२३
४	गु ४४ १५ ह ५८ ११ सा ४९ १० व १५ ५३	२२	३२	२८	१८	२७	२	कन्यायां
५	शु ४० २० चि ५६ ११ शु ४३ ३० ब १२ १७	१९	३२	२८	१९	२८	३	तु.२७।११
६	श ३६ ४ स्वा ५३ ४८ शु ३७ ३५ को ८ ११	१५	३३	२७	२०	२९	४	तुलायां
७	र ३१ १९ वि ५० ५३ ब्र ३१ ८ ग ३ ४१	११	३४	२६	२१	३०	५	बृ.३६।३७
८	चं २६ २२ अ ४७ ३८ ज्ये २४ २० ब २६ २२	८	३४	२६	२२	३१	६	वृश्चिके
९	मं २० ४५ ज्ये ४३ ५४ वै १७ ८ को २० ४५	४	३५	२५	२३	१	७	ध.४३।५४
१०	बु १४ ४७ मू ३९ ५७ वि ९ ५५ ग १४ ४७	०	३६	२४	२४	२	८	धनुषि
११	गु ८ ४९ पू ३५ ४९ प्री १७ ३३ वि ८ ४९	३९	३७	२३	२५	३	९	म.४९।५०
१२	शु २ ४६ उ ३१ ५७ सौ ४७ १९ बा २ ४६	५३	३८	२२	२६	४	१०	मकरे
१३	शु ५४ ७ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०
१४	श ५१ ४७ श्र २८ २० शो ४० ८ ग २४ १९	४८	३८	२२	२७	५	११	कु.५६।५३
१५	र ४७ २५ ध २५ २६ अ ३३ ४३ वि १९ ३६	४४	३९	२१	२८	६	१२	कुम्भे

मघा. सिंहेऽर्कः ३०/५० चन्द्रदर्शनम् सिधारा
मघा.सिंहेऽर्कः सौरः १।४४ तीज रमजान९
भ. १५।५३ उ. ४४। १५ या. वरद ४
उफायां बुधः ३३।५० नाग पंचमी
वक्री बुधः ४०।२६
भ.३१।१९ उ.५६ या. मिथुने भौमः ५३/४७*
*आर्द्रा. १ गुरुः ३४।४०
कर्के शुक्रः १०।५३ रा. भाद्रपदारम्भः
भ. ४१।४८ उ.
भ. ८।४९ या. वक्री पूफायां बुधः ४७/१४पुष्ये×
प्रदोषः
×शुक्रः ५८।३६ पवित्रा ११ व्र.
भ. ५१।४७ उ. +भद्रोत्तरं
भ. १९।३६ या. श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनं+

१९पं.द्वि.श्रा.शु.३ बु.इ.३३/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	२	२	३	५	४
०	२७	२६	५	२३	२७	२४	०
५९	१६	८	५७	२७	३१	१३	२०
४९	१२	२०	११	२५	३७	३३	४/९
५७	४०	१५	१०	७१	७	३	५७
४०	२९	४४	२४	१३	२०	११	३४

गोचरग्रहाः

द्वि.श्रा. शु. २ भौमे
सिंहेऽर्कः प्र.वा.४
न. ५ गतालकावस्था
(ऊभी) मु. ३०
धान्यादिभावे समता
शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

२०पं.द्वि.श्रा.शु.१० बु.इ.३३/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	२	३	३	५	४
७	१	२७	७	१	२८	२३	७
४४	४५	४	८	३७	२४	५१	१३
१७	५४	१२	४६	५९	४३	१७	३७
५७	३९	३/२	९	७१	७	३	५७
४८	५६	च	४१	४१	१८	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९	दि.	उ. अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं ४४ ३५ श २३ २९ सु २८ ११ बा १५ ५८	३१	५	६	२९	७	१३	कुम्भे
२	मं ४३ २९ पू २३ २२ भृ २३ ५१ ते १४ १	३६	४१	१९	३०	८	१४	मी८।२४
३	बु ४३ ४७ उ २४ ४४ शू २० ३८ व १३ ३९	३२	४२	१८	३१	९	१५	मीने
४	गु ४६ ८ रे २७ ५२ गं १९ १८ ब १४ ५८	२८	४२	१८	१	१०	१६	मे.२७।५२
५	शु ४९ ५६ अ ३२ ३४ वृ १८ ४५ को १८ ८	२५	४३	१७	२	११	१७	मेषे
६	श ५५ १३ भ ३८ ५० धु १९ ३६ ग २२ ३४	२१	४४	१६	३	१२	१८	वृ.५५।१९
७	र ६० ० कृ ४४ ४६ ध्या २१ १६ वि २८ १४	१७	४५	१५	४	१३	१९	बृषे
७	चं १ १६ रो ५२ १६ ह २३ ३१ ब १ १६	१३	४५	१५	५	१४	२०	वृषे
८	मं ७ ३० मृ ६० ० व २५ ५७ को ७ ३०	९	४६	१४	६	१५	२१	मि२६।३१
९	बु १३ ३५ मृ ० ४६ सि २८ ८ ग १३ ३५	५	४७	१३	७	१६	२२	मिथुने
१०	गु १८ ४३ आ ७ ३७ ध्य २९ ४७ वि १८ ४३	१	४८	१२	८	१७	२३	क.५६।५५
११	शु २२ २५ पु १३ २० व ३० १९ बा २२ २५	३०/५७	४९	११	९	१८	२४	कर्के
१२	श २४ ५० पु १७ २९ प २९ ५० ते २४ ५०	५३	४९	११	१०	१९	२५	कर्के
१३	र २५ २३ श्ले २० ६ शि २७ ५६ ब २५ २३	४८	५०	१०	११	२०	२६	सिं२०।६
१४	चं २४ १६ म २० ५५ सि २४ ३५ श २४ ६	४४	५१	९	१२	२१	२७	सिंहे
३०	मं २१ ३४ पू २० २० सा २० ४ ना २१ ३४	४०	५२	८	१३	२२	२८	क.३४।५३

बुधास्त पश्चिमायाम् २७।३५
पूफायां रविः २०।२७ (सौरः ५२।३६)
भ. १३/९ उ. ४३ या. उदयं शनेः १८।६
आर्द्रा.भौमः ३०/० सितम्बर९ ना. ३० च. व्र.
भ. ५५/१३ उ. हस्ते४ राहुः रेवती. २ केतुः २३/०
भ. २८।१४ या. *चन्द्रषष्ठी
जन्माष्टमी व्र.
आश्लेषा. शुक्रः ११।१८ मघा. १ सिंहे×
भ. ४६।९ उ. गोगा ९
भ. १८।४३ या. ×शनिः ११।४३
अजा ११ व्र.
वत्स द्वादशी प्रदोषः
भ. २५।२३ उ. ५४।४९ या.
उफायांरविः ४४ (सौरः ३७)आर्द्रा.२ गुरुः+
+३०/० बुधोदयः पूर्वस्यां ३०/६ कुशाग्रहणी

२१पं.भा.कृ.३ बु.इ.३२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	२	३	३	५	४
१४	६	२३	८	९	२९	२३	१३
२९	९	२९	१३	५६	१७	२९	५८
५६	४	३५	५२	३८	३८	२	४८
५८	३९	५/३३	८	७२	७	३	५७
११	१०	ब	५५	२	११	११	५७

गोचरग्रहाः

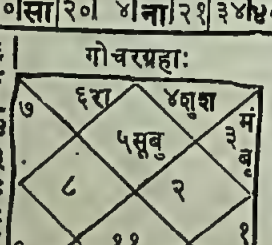

इस मास में पूर्व में बुध का उदय और गुरुवार को चंद्रदर्शन वर्षाश्रेष्ठ करेगा रुई, चांदी, अनाज, गल्ला मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

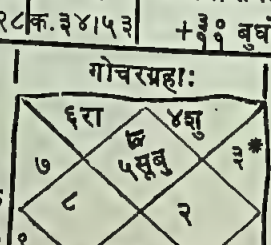

२२पं.भा.कृ. ९ बु.इ.३२।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	२	३	४	५	४
२१	१०	१६	९	१८	०	२३	२०
१६	२६	५३	१३	१८	९	१०	४५
५६	४९	२४	५५	६	२९	४६	२८
५८	३८	३/३०	८	७२	७	३	५८
१३	१७	ब	१	२३	२	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*चंमंबु

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६२३स.१९७७
१	बु	१७	४०	उ	१८	३२	शु	१४	२५	ब	१७	४०	३०/३६	५/५३	६/७	१४	२३	२९	कन्यायां	मार्गी बुधः ४६।१६
२	गु	१२	४४	ह	१५	४५	शु	८	७	कौ	१२	४४	३२	५४	६	१५	२४	३०	तु.४३।५७	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	७	१३	चि	१२	९	ब्र	५/५५	५२/५०	ग	७	१३	२८	५४	६	१६	२५	१	तुलायां	भा.३४/२० उ.कन्यायामर्कः ३०/८ गणेश४ सव्वाल
४	श	१	३६	स्वा	८	२०	वै	४६	३४	वि	१	३६	२४	५५	५	१७	२६	२	बृ.५०।२५	भ.१/३६ या. कन्याऽर्कः सौरः २/२४ मघा.सिंहे●
५	श	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●शुक्रः १४।४५ ऋषि पंचमी
६	र	५०	१२	वि	४	२७	वि	३९	७	कौ	२३	२	२०	५६	४	१८	२७	३	वृश्चिके	
७	चं	४४	५०	अ	०/४७	५६/२७	प्री	३२	७	ग	१७	३४	१६	५७	३	१९	२८	४	ध.५७।१४	भ. ४४।५० उ.
८	मं	३९	३८	मू	५४	३	आ	२४	३२	वि	१२	१४	१२	५८	२	२०	२९	५	धनुषि	भ. १२।१४ या.
९	बु	३४	५०	पू	५१	१	सौ	१७	३८	बा	७	१४	८	५८	२	२१	३०	६	धनुषि	
१०	गु	३०	१३	उ	४८	२६	शो	११	५	तै	२	३१	४	५९	१	२२	३१	७	म.५।२२	भ. ५८/१२ उ. रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
११	शु	२६	११	श्र	४६	२५	अ	४/४१	५४/१	वि	२६	११	३०/००	६/०	६/०	२३	१	८	मकरे	भ. २६।११ या. पुन. भौमः ४२/२९ रा.×
१२	श	२२	४३	ध	४४	५४	धृ	५३	३६	बा	२२	४३	२९/५५	६/१	५/५९	२४	२	९	कुं.१५।३९	×आश्विनारंभः जलझूलनी ११ व्र.
१३	र	२०	०	श	४४	८	शू	४८	३७	तै	२०	०	५१	२	५८	२५	३	१०	कुम्भे	वामन १२ प्रदोषः
१४	चं	१८	२१	पू	४४	३६	गं	४५	५	व	१८	२१	४७	३	५७	२६	४	११	मी२९।२९	भ.१८/२१ उ.४८/१० या.हस्ते रविःसौरः ४३/१४ अनंत१४
१५	मं	१७	५९	उ	४६	४	वृ	४२	१०	ब	१७	५९	४३	३	५७	२७	५	१२	मीने	हस्ते रविः सौरः १४/५५ महालय श्राद्धारंभ

२३पं.भा.शु.१बु.इ.३२।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	२	३	४	५	४
२८	१४	१३	१०	२६	०	२२	२७
५	३७	३८	७	४२	५९	४४	३३
२४	३०	२४	१६	५०	४२	३०	५०
५८	३७	२/१७	७	७२	६	३	५८
२६	३४	ब	०	५०	४१	११	२९

गोचरग्रहा.

भाद्र. शु. ३ शुक्रे कन्यायामर्कःप्र.वा. ४नं.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभा वेसमता शुक्रो. पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

२४पं. भा.शु.बु ९.इ.३२।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	४	२	४	४	५	५
४	१८	१७	१०	५	१	२२	४
५५	४०	२	५३	११	४९	२२	२३
१९	५५	४९	३८	१०	५	१५	५७
५८	३३	६७/१२	६	७३	६	३	५८
३८	२७	मा	३	५	२९	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१८	५५	रे	४९	१५	ध्रु	४०	४३	कौ	१८	५५	२९/३८	६/४	५/५६	२८	६	१३	मे.४९।१५	उफायांबुधः२०।३३ पूफायां शुक्रः१४।३१
२	गु	२१	३३	अ	५३	३२	व्या	३९	४५	ग	२१	३३	३४	५	५५	२९	७	१४	मेषे	भ. ५३।२३ उ.
३	शु	२५	१४	भ	५९	२५	ह	४०	१	वि	२५	१४	३०	६	५४	३०	८	१५	मेषे	भ.२५।१४या. कन्या. बुधः२३।३३ च. व्र.
४	श	३०	२०	कृ	६०	०	व	४१	२३	बा	३०	२०	२६	७	५३	१	९	१६	वृ.१६।२	बुधास्तः पूर्वस्यां १६/५१ अक्टूबर १० ता. ३१
५	र	३६	११	कृ	५	५३	सि	४३	१६	कौ	३	१६	२२	८	५२	२	१०	१७	वृषे	
६	चं	४२	३१	रो	१३	१८	व्य	४५	३८	ग	९	२१	१८	८	५२	३	११	१८	मि४७।५	भ. ४२।३१ उ.
७	मं	४८	५५	मृ	२०	५३	व	४८	३	वि	१५	४४	१४	९	५१	४	१२	१९	मिथुने	भ. १५।४४ या.
८	बु	५४	३४	आ	२८	१	प	५०	१०	बा	२१	५०	१०	१०	५०	५	१३	२०	मिथुने	मघा. २ शनिः २०।४२
९	गु	५८	५८	पु	३४	३८	शि	५१	२२	तै	२६	४६	६	११	४९	६	१४	२१	क.१७।५९	हस्ते बुधः २६।१ मातृ ९
१०	शु	६०	०	पु	३९	५०	सि	५१	२५	व	३०	२६	२	१२	४८	७	१५	२२	कर्के	भ. ३०।२६ उ.
१०	श	१	५४	श्ले	४३	१६	सा	५०	१०	वि	१	५४	२८/५८	१२	४८	८	१६	२३	सिं४३।१६	भ. १।५४ या.
११	र	२	५२	म	४४	५५	शु	४७	३४	बा	२	५२	५३	१३	४७	९	१७	२४	सिंहे	उफायां शुक्रः ४।५७ इन्दिरा ११ व्र.
१२	चं	२	९	पू	४४	३०	शु	४३	१७	तै	२	०	५०	१४	४६	१०	१८	२५	कं.५८।५५	भ.५९/९ उ. चित्रा.रविः १५/१५ सौरः ४५/३१ प्रदोषः
१३	चं	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	मं	५४	३१	उ	४२	११	ब्र	३७	३५	वि	२६	५०	४६	१५	४५	११	१९	२६	कन्यायां	भ. २६।५० या. कन्यायां शुक्रः ४७।४२
३०	बु	४८	३८	ह	३८	३३	ऐं	३०	३८	च	२१	३४	४२	१६	४४	१२	२०	२७	कन्यायां	कर्के भौमः ४८।३० सर्व पितृ ३०

२५पं.,आ.कृ.१बु.इ.३२।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	४	२	४	४	५	५
११	२२	२६	११	१३	२	२१	११
४६	३४	५८	३१	४१	३६	५९	१६
५५	४४	५५	३८	३५	१४	५९	०
५८	३५	९७	४	७३	६	३	५९
५३	३५	३४	५५	२०	१९	११	०

२६पं. आ.कृ.८बु.इ.३२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	२	४	४	५	५
१८	२६	८	१२	२२	३	२१	१८
४०	१९	२४	१	१७	२१	३७	९
८	२६	३६	५५	४२	७	४४	४७
५९	३४	५०/०	३	७३	५	३	५९
९	१९	५९	४६	२९	५५	११	१६

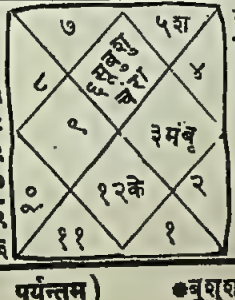

२७पं.आ.कृ.३०बु.इ.३१।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	२	५	४	५	५
२५	२९	२०	१२	०	४	२१	२५
३५	५३	५२	२३	५४	३	१५	५
६	५९	५२	१७	१४	७	१८	२९
५९	३३	६७/१०	२	७३	५	३	५८
२१	३	१३	२४	४४	२९	११	१२

×बुशुश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ●बुशुश

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु ४१ ३४ चि ३३ ५३ वै २२ ३८ किं १५ १	२८	१६	५५	१३	२१	२८	तु.६।१८
२	शु ३४ १४ स्वा २८ ३८ वि १३ ५२ बा ७ ५४	२४	१७	४३	१४	२२	२९	तुलायां
३	श २६ ४१ वि २३ ४ प्री ५५ ३ तै ० २८	३०	१८	४२	१५	२३	१	वृ.९।२८
४	र १९ २८ अ १७ २८ सौ ४६ ५३ वि १९ २८	२६	१९	४१	१६	२४	२	वृश्चिके
५	चं १२ ४७ ज्ये १२ ३८ शो २८ ४५ बा १२ ४७	२२	२०	४०	१७	२५	३	ध.१२।३८
६	मं ६ ४१ मू ८ १६ अ ३१ १ तै ६ ४१	१८	२०	४०	१८	२६	४	धनुषि
७	बु १ २५ पू ४ ४९ सु २३ ५६ व १ २५	१४	२१	३९	१९	२७	५	म.१९।१०
८	बु ५६ ७ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०
९	शु ५३ ५९ उ २ १३ धृ १७ ४१ ना २५ ४५	१०	२२	३८	२०	२८	६	मकरे
१०	शु ५१ ४१ श्र ३४ २३ शू १२ १६ तै २२ ५०	६	२३	३७	२१	२९	७	कु.३०।१५
११	श ५० २५ श ६० ० गं ७ ३१ व २१ ३	२	२४	३६	२२	३०	८	कुम्भे
१२	र ५० ८ श ० १३ वृ ३ ३७ ब २० १७	२७	२४	३६	२३	१	९	मी४६।१९
१३	चं ५१ ७ पू १ ४१ ध्रु ४६ ५७ कौ २० ३८	५८	२५	३५	२४	२	१०	मीने
१४	मं ५२ १ उ ४ १० ह ५७ १४ ग २१ ३४	५४	२६	३४	२५	३	११	मीने
१५	बु ५६ १८ रे ७ ४० व ५६ ५७ वि २४ १०	५०	२७	३३	२६	४	१२	मे.७।४०

शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः १६५२ स.१९७७
चित्रा. बुधः ५३।५७ नवरा. मातामह श्रा.
चन्द्रदर्शनम्
भ. ५३।४ उ. जिल्काद ११
भ. १९।२८ या. तुलायामर्कः ५९।१
तुलार्कः सौरः २८।१४ तुला. बुधः ५१।३
सरस्वत्यावाहनम्
भ.१।२५ उ.३९ या. पुष्ये भौमः ४३ हस्ते×
×शुक्रः ५३ सरस्वतीपूजनं बलिदानं

२८पं.आ.शु.७ब.इ.३१।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	२	५	४	५	६
२	३	२	१२	९	४	२०	२
३१	१४	५४	३४	३२	४०	५३	३
३४	३१	४३	२३	५३	४४	१२	५८
५९	३१	०	१	७४	५	३	५९
३४	१६	९	२	५२	२	११	४६

गोचरग्रहाः

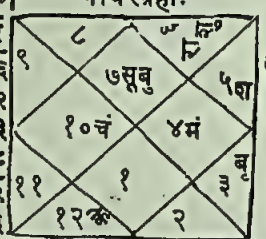

आ. शु. ४ रवौ तुलायामर्कः प्र.वा.३ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे मर्घता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

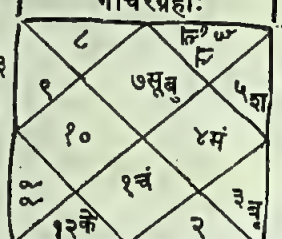

२९पं.आ.शु.१५बु.इ.३१।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	२	५	४	५	६
९	६	१४	१२	१८	५	२०	९
२९	२१	१०	३६	१४	१५	३०	२
४९	४७	१६	४४	४९	४७	५७	१८
५९	२९	०	१	७३	४	३	६०
४७	२३	९	ब	५६	२५	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु ६० ० अ १२ २५ सि ५७ १२ बा २८ २५	३७	६	५	२७	५	१३	मेषे
१	शु ० ३२ भ १८ ८ व्य ५८ २८ कौ ० ३२	३९	२८	३२	२८	६	१४	वृ.३४।४४
२	श ५ ५४ कृ २४ ३३ व ० १ ग ५ ५४	३५	२९	३१	२९	७	१५	वृषे
३	र ११ ४२ रो ३१ ४९ प ० ० वि ११ ४२	३१	३०	३०	३०	८	१६	वृषे
४	चं १८ ७ मृ ३९ २९ प २ १७ बा १८ ७	२७	३१	२९	३१	९	१७	मि५।३९
५	मं २४ ३५ आ ४७ ८ शि ४ ४१ ते २४ ३५	२४	३१	२९	१	१०	१८	मिथुने
६	बु ३० ४४ पु ५४ १८ सि ७ २ व ३० ४४	२०	३२	२८	२	११	१९	क.३७।३१
७	गु ३५ ३८ पु ६० ० सा ८ ४८ वि ३ ११	१६	३३	२७	३	१२	२०	कर्के
८	शु ३९ ४७ पु ० २१ शु ९ ४९ बा ७ ४२	१३	३३	२७	४	१३	२१	कर्के
९	श ४१ ५० श्ले ५ १२ शु ९ ३६ ते १० ४९	९	३४	२६	५	१४	२२	सिं५।१२
१०	र ४२ २ म ८ १३ ब ८ ९ व ११ ५६	६	३५	२५	६	१५	२३	सिंहे
११	चं ४० ० पू ९ १० रे ५ ७ ब ११ १	३	३६	२४	७	१६	२४	कं.२४।५
१२	मं ३५ २८ उ ८ ५० वै २३ ३७ कौ ७ ४४	२९	३६	२४	८	१७	२५	कन्यायां
१३	बु ३० २१ ह ५ १३ प्री ४६ १६ ग २ ५५	५६	३७	२३	९	१८	२६	तु.३२।४९
१४	गु २२ ५८ चि २५ ५४ आ ३७ १६ श २२ ५८	५३	३७	२३	१०	१९	२७	तुलायां
२०	शु १४ ४१ वि ४७ ४२ सौ २७ २६ ना १४ ४१	४९	३८	२२	११	२०	२८	वृ.३४।२४

शरदर्तू रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
×१ केतुः १४।५८
●१।२६ (सौरः २६।४१)
भ. ३८।४८ उ. विशाखा. बुधः ५८।३६
भ. ११।४२ या. चित्रा. शुक्रः ३४ च. व्र
नवम्बर मा. ११ ता. ३०
भ. ३०।४४ उ.
भ. ३।११ या.
तुलायां शुक्रः ५८।५०
वृश्चिके बुधः १९ हस्ते ३ राहुः रेवती×
भ.११।५६उ.४२।२या. विशाखा. रविः●
अनु. बुधः ३४।४ रमा ११ व्र.
+पश्चिमायां४१।४७ प्रदोषः घन १३
भ. ३०।२१ उ. ५६।४० या. बुधोदयः+
स्वात्यां शुक्रः १७।१६ महालक्ष्मी पूजनम्
अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा

३०पं.का.कृ.६बु.इ.३१।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	२	५	४	५	६
१६	९	२५	१२	२६	५	२०	१६
२९	१२	३८	२७	५७	४५	८	३
३८	०	१०	२७	५८	४७	४१	२२
६०	२७	९८	३	७४	३	३	६०
४	१६	२८	ब	२	५९	११	१८

गोचरग्रहाः

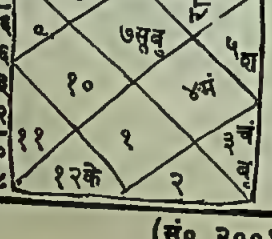

इस मास में ५ गुरु ५ शुक्रवार श्रेष्ठ हैं सुभिक्ष हो धान्य रुई गेहूं मूंग मोठ बाजरा चावल मंदा होगा ।

गोचरग्रहाः

३१पं.का.कृ.१३बु.इ.३१।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	२	६	४	५	६
२३	११	६	१२	५	६	१९	२३
३०	९४	२४	१०	४२	१२	४६	५
५८	३८	५०	३७	५८	३२	२६	५९
६०	२४	९४	३	१४	३	३	६०
१७	१६	४५	ब	८	१८	११	३०

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६८२सन् १९७७
१	श	५	४६	अ	४०	४०	शो	१७	९	व	५	४६	२६/४६	६/३९	५/२१	१२	२१	२९	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम २
२	श	५१	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	र	४८	१०	ज्ये	३३	४६	अ	६/४०	४९/५५	तै	२२	२५	४३	३९	२१	१३	२२	१	ध.३३।४६	जिल्हेज १२
४	चं	४०	२३	मू	२७	२५	धृ	४६	५३	व	१४	१५	४०	४०	२०	१४	२३	२	धनुषि	भ. १४।१५ उ. ४०।२३ या.
५	मं	३३	३४	पू	२१	५८	शू	३९	३	व	६	५७	३७	४१	१९	१५	२४	३	म.३५।५८	वृश्चिकेऽर्कः ५७।२८
६	बु	२८	७	उ	१७	५८	गं	३०	४०	कौ	०	५०	३४	४१	१९	१६	२५	४	मकरे	वृश्चिकेऽर्कः सौरः २०/५८ ज्येष्ठायां बुधः ३४/२८
७	गु	२४	८	श्र	१५	११	वृ	२४	१०	व	२४	८	३१	४२	१८	१७	२६	५	कुं.४४।३७	भ. २४।८ उ. ५३।२ या.
८	शु	२१	५५	ध	१५	४	ध्रु	१९	२	ब	२१	५५	२९	४२	१८	१८	२७	६	कुंभे	मघा. ३ शनिः ४६।३३ गोपाष्टमी
९	श	२०	५९	श	१४	१६	व्या	१४	५८	कौ	२०	५९	२६	४३	१७	१९	२८	७	कुम्भे	अनु. रविः १५/४८ (सौरः ३८/४६) अक्षय ९
१०	र	२१	२९	पू	१६	७	ह	११	५९	ग	२१	२९	२४	४३	१७	२०	२९	८	मी०।४०	भ. ५२/२७ उ. विशाखा. शुक्रः ५२।५८
११	चं	२३	२५	उ	१९	१६	व	१०	२०	वि	२३	२५	२१	४४	१६	२१	३०	९	मीने	भ. २३/२५ या. प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसीविवाहः
१२	मं	२६	२०	रे	२३	२८	सि	९	३०	बा	२६	२०	१९	४४	१६	२२	१	१०	मे.२३।२८	रा. मार्गशीर्षारम्भः
१३	बु	३०	३८	अ	२८	३५	व्य	९	५१	तै	३०	३८	१६	४५	१५	२३	२	११	मेषे	प्रदोषः
१४	गु	३५	२६	भ	३४	४२	व	१०	२७	ग	३	२	१३	४५	१५	२४	३	१२	वृ.५१।२२	भ. ३५।२६ उ. वैकुंठ १४
१५	शु	४१	११	कृ	४१	२२	प	११	५०	वि	८	१९	११	४६	१४	२५	४	१३	वृषे	भ. ८/१९ या. मूले धनुषि बुधः ५३/३३ मन्वादि

३२पं.का.शु.६बु.इ.३०।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	२	६	४	५	७
०	१३	१६	११	१४	६	१९	०
३३	४८	४९	४३	२८	३४	२४	१०
४७	५०	३७	८	१९	५	१०	३
६०	२१	८९	१३/४	७४	२	३	६०
३०	४४	५२	ब	१४	३७	११	४०

गोचरग्रहाः

९ ७शु ६ रा ८सूबु १० चं ११ ५श ४ मं २ १ ३बु १२ के

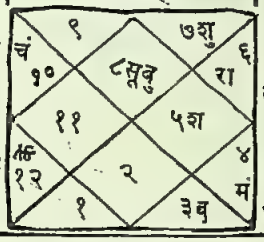

का. शु. ५ भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३ न.४ यतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावेस मर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

९ ७शु १० ८सूबु रा ६ ११ ५श मं २ ४ १च ३बु १२ के

३३पं.का.शु.१३बु.इ.३०।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	२	६	४	५	७
७	१५	२६	११	२३	६	१९	७
३७	३६	४५	८	१५	५०	१	१५
३७	४३	२५	२४	२५	३५	५४	३६
६०	१७	८२	२४/५	७४	१	३	६०
४२	४३	१७	ब	२०	५६	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४७	२३	रो	४८	३९	शि	१३	३१	बा	१४	१६	२६/८	६/४६	५/१४	२६	५	१४	वृषे	
२	र	५३	४४	मृ	५६	१२	सि	१५	३८	तै	२०	३२	६	४७	१३	२७	६	१५	मि२२।२५	
३	चं	६०	०	आ	६०	०	सा	१७	५३	व	३०	०	३	४७	१३	२८	७	१६	मिथुने	भ. ३०।० उ. वृश्चिके शुक्रः ५१।१६
३	मं	०	१४	आ	३	४७	शु	२०	८	वि	०	१४	१	४८	१२	२९	८	१७	क.५४।२०	भ. ०।१४ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	६	२३	पु	११	११	शु	२२	८	बा	६	२३	२५/५९	४८	१२	३०	९	१८	कर्के	आश्लेषा. भौमः ८।२९
५	गु	११	५३	पु	१७	४२	ब्र	२३	३१	तै	११	५३	५७	४९	११	१	१०	१९	कर्के	अनु. शुक्रः ३२।२९ दिसम्बर १२ ता. ३१
६	शु	१६	१६	श्ले	२३	१४	ऐं	२४	७	व	१६	१६	५५	४९	११	२	११	२०	सिं२३।१४	भ. १६/१६ उ. ४७/४६ या. ज्येष्ठायां रविः २५/५८*
७	श	१९	१६	म	२७	३७	वै	२३	४६	ब	१९	१६	५३	४९	११	३	१२	२१	सिंहे	*सौरः ४५।४६
८	र	२०	४४	पू	३०	१८	वि	२२	१	कौ	२०	४४	५१	५०	१०	४	१३	२२	कं.४५।३१	वक्री आर्द्रा. १ गुरुः ५।४५
९	चं	१९	१४	उ	३१	१०	प्री	१८	५२	ग	१९	१४	४९	५०	१०	५	१४	२३	कन्यायां	भ. ४८।३० उ.
१०	मं	१७	४६	ह	३०	१	आ	१४	९	वि	१७	४६	४८	५०	१०	६	१५	२४	तु.५८।२९	भ. १७।४६ या.
११	बु	१३	२३	चि	२६	५६	सौ	७/४९	५१/१०	बा	१३	२३	४६	५१	९	७	१६	२५	तुलायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	गु	६	५८	स्वा	२२	४	अ	५०	४७	तै	६	५८	४५	५१	९	८	१७	२६	तुलायां	भ. ५९।२२ उ. पूषायां बुधः ५०/५६ प्रदोषः
१३	गु	५२	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	शु	५०	२५	वि	१५	५०	सु	४०	४१	वि	२४	५३	४४	५१	९	९	१८	२७	वृ.२।२४	भ. २४।५३ या.
३०	श	४०	५३	अ	८	२६	धृ	२९	५२	च	१५	३९	४२	५२	८	१०	१९	२८	वृश्चिके	

३४पं. मा.कृ.४बु.इ ३०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	८	२	७	४	५	७
१४	१६	५	१०	२	७	१८	१४
४२	४४	४५	२४	३	१	३९	२२
५४	४९	३६	३२	४	४८	३९	२२
६०	१३	६९	६/२८	७४	१	३	६१
५०	९	१७	ब	२६	१६	११	३

गोचरग्रहाः

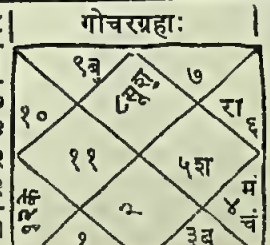

९बु ७ ८सूशु रा ६ १० ११ ५श मं ४ चं २ १ ३बु १२ के

इस मास सुदी में ४ ग्रह वक्रीहोरहे हैं यह अशुभ है। प्रजामें पीड़ा, भय हो सोना चांदी सूत अनाज तिलहन तेज रहे।

गोचरग्रहाः

९बु ७चं १० ८सूशु रा ६ ११ ५श मं २ ४ १२ के १ ३बु

३५पं.मा.कृ.११बु.इ.३०।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	८	२	७	४	५	७
२१	१७	१२	९	१०	७	१८	२१
४८	३८	४५	३५	५२	७	१७	३०
५८	५०	३६	२४	३४	५२	२३	८
६०	७	३९	१३/४	७४	०	३	६१
५५	३९	१६	ब	२६	२९	११	१३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः १७११स.१९७७
१	र ३१ ८ ज्ये ३६ १४ शू १८ ४३ किं ६ १ ३५ ५३	६	५	११	२०	२९	ध.०।३६	वक्री बुधः ३३ वक्री शनिश्च ४३।४९
२	चं २२ ४६ पू ४५ ३७ गं ५० २६ कौ २१ ४६	४०	५२	८	१३	२१	३०	म.५९।५	ज्येष्ठा. शुक्रः ४।४३ चन्द्रदर्शनम्
३	मं १३ १४ उ ३९ ३२ धु ४७ ४१ ग १३ १४	३९	५२	८	१३	२२	१	मकरे	भ. ३९।३७ उ. मोहोरम १ सन्१३९८हि
४	बु ६ ० श्र ३४ ५० ष्या ३९ १८ वि ६ ०	२८	५२	८	१४	२३	२	मकरे	भ. ६।० या. वक्री मूले बुधः १४।४८
५	गु ० २५ ध ३१ ५६ ह ३२ ३१ बा ० २५	३८	५२	८	१५	२४	३	कु.३।२३	मूले धनुष्यर्कः ३३ (सौरः ३९) वक्री●
६	शु ५६ २३ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	●भौमः ३९ पश्चिमास्तं बुधः १९ चम्पा६
७	शु ५४ ५१ श ३० ४० व २७ ९ ग २४ ५१	३७	५३	७	१६	२५	४	कुम्भे	भ. ५४।५१ उ.
८	श ५५ १४ पू ३१ १७ सि २३ १८ वि २५ १४	३७	५३	७	१७	२६	५	मी१६।८	भ. २५।२ या.
९	र ५७ ४ उ ३४ ३ व्य २० ५७ बा २६ ८	३६	५३	७	१८	२७	६	मीने	
१०	चं ६० ० रे ३८ १६ व १९ ४९ वै २८ ४४	३६	५३	७	१९	२८	७	मे.३८।१६	
१८	मं ० २४ अ ४३ ४० प २० २४ ग ० २४	३६	५३	७	२०	२९	८	मेषे	भ. ३२।४८ उ.
११	बु ५ १२ भ ५० ० शि २१ १० वि ५ १२	३६	५३	७	२१	३०	९	मेषे	भ. १२ या. मोक्षदा ११ व्र. गीताजयंती
१२	गु १० ३७ कृ ५७ ११ सि २२ ४६ बा १० ३७	२६	५३	७	२२	१	१०	वृ. ७।२	मूले धनुषि शुक्रः ४३ रा.पौषारंभः प्रदोषः
१३	शु १६ ५३ रो ६० ० सा २४ ४३ वै १६ ५३	२६	५३	७	२३	२	११	वृषे	
१४	श २० ५५ रो ३ ५८ शु २६ ५५ व २३ १०	३७	५३	७	२४	३	१२	मि३८।१३	भ. ३३ उ. ५६ या. वक्री पुष्ये भौमः ४९
१५	र २९ ३२ मृ ११ ५९ शु २९ १३ ब २९ ३२	३७	५३	७	२५	४	१३	मिथुने	श्रीदत्त जयन्ती

३६पं. मा.शु.४बु.इ.३०।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	८	२	७	४	५	७
२८	१७	१३	८	१९	७	१७	२८
५५	३३	११	४१	४०	९	५५	३८
५२	३२	५६	२८	१९	३८	७	५१
६१	१	३३	४३	७४	१२	३	६१
४	५५	ब	ब	२६	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

मार्गः शु. ५ गुरौ धनुष्यर्कः प्र.वा ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो पू.. ।

गोचरग्रहाः

३७पं.मा.शु.११बु.इ.२९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	२	७	४	५	८
६	१६	५	७	२८	७	१७	५
३	५७	५९	४४	२९	३	३२	४८
२९	५४	६	३१	१३	१४	५२	१६
६१	३५	३८	५२	७४	१	३	६१
४	ब	ब	च	३२	च	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं ३५ ५६ आ १९ २६ व्र ३१ १ बा २	४४	३५	५३	५	२६	५	१४	मिथुने	वक्री ज्येष्ठा. वृश्चिके बुधः ८।१५
२	मं ४१ ४९ पु २६ ४४ ते ३२ ५० ते ८	५२	३८	५२	८	२७	६	१५	क.९।५५	बुधोदयः पूर्वस्यां ३९ शुक्रास्तः पूर्वस्यां ४९ *
३	बु ४६ ४९ पु ३३ २ वै ३४ ९ व १४ १९	३८	५२	८	२८	७	१६	कर्के	भ. १४।१९ उ. ४६।४९ या. पूषायां रविः×
४	गु ५१ १ श्रे ३८ ३८ वि ३४ ५८ ब १८	५७	३९	५२	८	२९	८	१७	सिं३८।३८	वक्री मृगे ४ गुरुः २४।४९ चतुर्थी व्र.
५	शु ५४ १४ म ४३ २५ प्री ३४ ४८ कौ २२	४०	४०	५२	८	३०	९	१८	सिंहे	×३८।६ (सौरः५१।८) ●शु.अ.पू.
६	श ५६ १९ पू ४६ ५९ आ ३३ ५३ ग २५	१७	४१	५२	८	३१	१०	१९	सिंहे	भ. ५६।१९ उ.
७	र ५६ ५० उ ४९ १६ सौ ३१ ४७ वि २६	३५	४२	५२	८	१	११	२०	कं.२।३३	भ. ३६ या. मार्गीबुधः ४३ जनवरी मा. १+
८	चं ५५ ४६ ह ४९ ५१ शो २८ २४ बा २६	१८	४३	५१	९	२	१२	२१	कन्यायां	पूषायां शुक्रः १५।५७
९	मं ५३ ४ चि ४८ ३८ अ २३ ४९ ते २४	२५	४३	५१	९	३	१३	२२	तु.१९।१४	वक्री मघा. २ शनिः ७।१
१०	बु ४७ ४४ स्वा ४५ ५२ सु १७ ४४ व २०	२४	४४	५१	९	४	१४	२३	तुलायां	भ. २०।२४ उ. ४७।४४ या.
११	गु ४२ २९ वि ४१ ३२ धृ १० २८ व १५	७	४६	५१	९	५	१५	२४	वृ.२३।३७	सफला ११ व्र. +ता. ३१ सन्१९७८ई.
१२	शु ३४ ५८ अ ३५ ४६ शू ४३ २९ कौ ८	४४	४७	५१	९	६	१६	२५	वृश्चिके	=उभा. ४ केतुः ५।११ प्रदोषः
१३	श २६ २५ ज्ये २८ ५८ वृ ४१ ४० ग ०	४१	४९	५०	१०	७	१७	२६	ध.२८।५८	भ. २६।२५ उ. ५१।४५ या. हस्ते २ राहुः=
१४	र १७ ४ मू २१ २८ ध्रु ३० ५५ श १७	४	५१	५०	१०	८	१८	२७	धनुषि	मूले धनुषि बुधः १६।४५
३०	चं ७ २८ पू १३ ४२ ध्या १९ ५३ ना ७	२८	५२	५०	१०	९	१९	२८	म.२६।५२	सोमवती ३०

३८पं. पौ.कृ.३बु.इ.२९।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	२	८	४	५	८
१३	१५	२८	६	७	६	१७	१२
११	४३	२७	४७	१८	५२	१७	५८
६१	२६	४७	१३	१४	२३	३६	८
६१	३३	३८	५२	७	१	३	६१
६	च	च	च	३२	च	११	२६

गोचरग्रहाः

इस मासमें हरेक वस्तु में घटाबढ़ी होगी । मंदी हो वह वस्तु खरीदे तेज हो वह बेचे लाभ होगा ।

गोचरग्रहाः

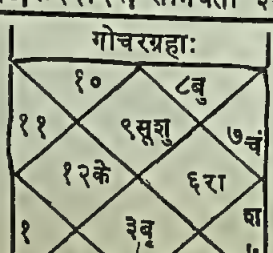

३९पं.पौ.कृ.१०बु.इ.२९।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	२	८	४	५	८
२०	१३	२८	५	१६	६	१६	२०
१९	५५	२२	५२	६	३६	४८	८
२६	३०	५२	३७	७	४३	२१	५
६१	२१	३५	२९	७४	२३	३	६१
६	ब	मा	ब	३२	ब	११	२९

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७४१स.१९७८
१	चं	५०	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४९	४६	उ	६	२३	ह	९/२२	५०/१३	बा	२३	५९	२५/५४	६/४९	५/११	१०	२०	२९	मकरे	उषायां रविः ४२/५० (सौरः ५२/३५) चन्द्रदर्शनम्
३	बु	४२	४०	श्र	०/५	५५/५	सि	५१	१७	तै	१६	१३	५६	४९	११	११	२१	१	कु.२७।३७	सफर २
४	गु	३७	२६	श	५२	१३	व्य	४३	४१	व	१०	४	५८	४८	१२	१२	२२	२	कुम्भे	भ. १०/४ उ. ३७/२६ या. उषायां शुक्रः ४९/२३
५	शु	३४	१	पू	५१	६	व	३८	१३	ब	५	४६	२६/१	४८	१२	१३	२३	३	मी३६।२३	मकरेऽर्कः ५९।१४
६	श	३२	५५	उ	५२	४	प	३४	३५	कौ	३	३१	३	४७	१३	१४	२४	४	मीने	मकरेऽर्कः सौरः ८।०
७	र	३३	५७	रे	५५	७	शि	३२	२५	ग	३	२६	५	४७	१३	१५	२५	५	मे.५५।७	भ. ३३।५७ उ. मकरे शुक्रः २९।२४
८	चं	३६	४७	अ	५९	५३	सि	३१	५१	वि	५	२२	८	४६	१४	१६	२६	६	मेषे	भ. ५।२२ या.
९	मं	४१	१५	भ	६०	०	सा	३२	१३	बा	९	१	१०	४६	१४	१७	२७	७	मेषे	
१०	बु	४७	५०	भ	५	५९	शु	३३	४२	तै	१४	३२	१२	४६	१४	१८	२८	८	बृ.२२।४९	•पुत्रदा ११ व्र.
११	गु	५३	१८	कृ	१३	२०	शु	३५	५०	व	२०	३४	१५	४६	१४	१९	२९	९	वृषे	भ. ३०/३४ उ. ५३/३८ या. पूषायां बुधः २८।१९•
१२	शु	५९	४६	रो	२०	४४	ब्र	३८	७	ब	२६	३२	१७	४५	१५	२०	३०	१०	मि५४।३२	अभि. प्र. रविः ३१।५९ (सौरः २९/२२)
१३	श	६०	०	मृ	२८	२२	ऐं	४०	३२	कौ	३३	०	२०	४४	१६	२१	१	११	मिथुने	रा. माघारंभः प्रदोषः
१३	र	६	१४	आ	३५	४५	वै	४३	३२	तै	६	१४	२२	४४	१६	२२	२	१२	मिथुने	+(सौरः ५५/१९) श्रवणे शुक्रः २७।२३
१४	चं	१२	२३	पु	४१	३८	वि	४४	७	व	१२	२३	२५	४३	१७	२३	३	१३	क.२५।१०	भ. १३/२३ उ. ४५/४ या. श्रवणे रविः ४८।२२+
१५	मं	१७	४५	पु	४७	४४	प्री	४५	१०	ब	१७	४५	२७	४३	१७	२४	४	१४	कर्के	अभि. नि. रविः ४०।५१ (सौरः ४७/३५)

४०पं. पौ.शु.३बु.इ.२९।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	२	८	४	५	८
२७	११	३	५	२४	६	१६	२७
२७	४१	५९	०	५५	१६	२६	१७
४०	६	६	४३	३७	५	५	५७
६१	२८/५९	५६	६/४४	७४	३/४	३	६१
६	ब	८	व	३८	व	११	२४

गोचरग्रहाः

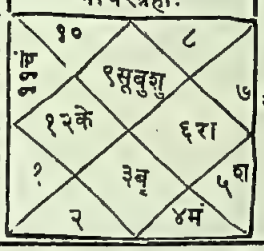

पौष शु. ५ शुक्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पू.।

गोचरग्रहाः

४१पं.पौ.शु.१०बु.इ.२९।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	२	९	४	५	९
४	९	१२	४	३	५	१६	४
३५	१८	७	१५	४४	५१	३	२७
३१	०	२३	७	१०	३६	४०	२६
६१	३२/३२	७४	५/५४	७४	३/४१	३	६१
३	ब	११	ब	३८	ब	११	२

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२२	१०	श्ले	५२	५६	आ	४५	२४	कौ	२२	१०	२६/३०	६/४२	५/१८	२५	५	१५	सि५२।५६	
२	गु	२५	४५	म	५८	१५	सौ	४४	५४	ग	२५	४५	३३	४१	१९	२६	६	१६	सिंहे	भ. ५७।० उ.
३	शु	२८	१६	पू	६०	०	शो	४३	४४	वि	२८	१६	३६	४१	१९	२७	७	१७	सिंहे	भ. २८।१६ या. चतुर्थी ब्र.
४	श	२९	४०	पू	१	२९	अ	४१	३४	बा	२९	४०	३९	४०	२०	२८	८	१८	कं.१७।२	
५	र	३०	१	उ	३	४१	सु	३८	४४	तै	३०	१	४२	४०	२०	२९	९	१९	कन्यायां	उषायां बुधः ५५/९ वक्री मृगे ३ गुरुः ३/११
६	चं	२९	१६	ह	४	५६	धृ	३४	५२	व	२९	१६	४६	३९	२१	३०	१०	२०	तु.३४।५४	भ. २९।१६ उ. ५८।२० या.
७	मं	२७	२५	चि	४	५२	शू	३०	४	ब	२७	२५	४९	३८	२२	३१	११	२१	तुलायां	मकरे बुधः २३।४२
८	बु	२४	८	स्वा	३	३४	गं	२४	८	कौ	२४	८	५२	३८	२२	१	१२	२२	बृ.४६।१५	फरवरी मा. २ ता. २८
९	गु	१९	५३	वि	१/८	५६/२९	वृ	१७	२४	ग	१९	५३	५५	३७	२३	२	१३	२३	वृश्चिके	भ. ४७।३ उ.
१०	शु	१४	१४	ज्ये	५२	४८	ध्रु	९	३४	वि	१४	१४	५९	३६	२४	३	१४	२४	ध.५२।४८	भ. १४।१४ या. धनिष्ठा. शुक्रः ६।३५
११	श	७	३४	मू	४६	५९	व्या	१/१	५१/३२	बा	७	३४	२७/२	३६	२४	४	१५	२५	धनुषि	वक्री पुन. भौमः १३/४ षट्तिला ११ व्र.
१२	श	५२	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	र	५१	४१	पू	४०	५०	व	४१	५१	ग	२५	४७	६	३५	२५	५	१६	२६	म.५४।७	भ. ५१/४१ उ. धनिष्ठा. रविः ५६/४३ प्रदोषः
१४	चं	४३	७	उ	३३	५९	सि	३१	४७	वि	१७	२३	९	३४	२६	६	१७	२७	मकरे	भ. १७/२३ या. धनिष्ठा. रविः सौरः १०/१•
३०	मं	३४	५९	श्र	२७	४०	व्य	२२	४	च	९	२	१३	३३	२७	७	१८	२८	कुं.५४।५५	•श्रवणे बुधः ५७।४३

४२पं. मा.कृ.१बु.इ.२९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	२	९	४	५	९
११	६	२१	३	१२	५	१५	११
४२	५१	३०	३६	३२	२४	४१	३६
५८	५०	३२	४०	६	४	३४	१७
६०	३३/१८	८६	४	७४	४/३	३	६१
५९	ब	३	४१	३८	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

मा. शु. ५ रवौ कुंभेऽर्कः प्र. वा.३ न.३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पू.।

गोचरग्रहाः

४३ पं.मा.कृ. ८बु.इ.२९।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	२	९	४	५	९
१८	४	१	३	२१	४	१५	१८
४९	४०	४२	६	१९	५२	१९	४४
२६	४१	४०	४०	३७	४८	१८	१९
६०	२९/३०	९३	३/२३	७४	४/१८	३	६१
५५	ब	११	ब	३८	ब	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १७७०स.१९७८
१	बु	२७	१६	ध	२२	१०	व	१२	५२	किं	१	७	२७/१६	६/३३	५/२७	८	१९	२९	कुम्भे	कुम्भे शुक्रः २४।१
२	गु	२१	२४	श	१७	५८	प	४/५२	५३/४	कौ	२१	२४	२०	३२	२८	९	२०	३०	कुंभे	पूर्वास्तो बुधः १।३४ चन्द्रदर्शनम्
३	शु	१७	२	पू	१५	१५	सि	५२	३१	ग	१७	२	२४	३१	२९	१०	२१	१	मी०।५६	भ. ४५।४० उ. रविलावल ३
४	श	१४	३८	उ	१३	४०	सा	४८	५६	वि	१४	३८	२७	३१	२९	११	२२	२	मीने	भ. १४।३८ या.
५	र	१५	१७	रे	१५	५९	शु	४७	२१	बा	१४	१७	३१	३०	३०	१२	२३	३	मे.१५।५९	कुंभेऽर्कः ३१।५८ (सौरः ३५/७) वसन्त ५
६	चं	१७	४	अ	१९	३१	शु	४६	५९	तै	१७	४	३५	२९	३१	१३	२४	४	मेषे	शते शुक्रः ४३।४३
७	मं	१९	४९	भ	२४	३७	ब्र	४७	३२	व	१९	४९	३८	२८	३२	१४	२५	५	वृ.४१।१७	भ. १९।४९ उ. ५२/५२ भानु ७ रथ ७
८	बु	२५	५४	कृ	३१	१७	ऐं	४९	२६	ब	२५	५४	४२	२८	३२	१५	२६	६	वृषे	धनिष्ठा.बुधः४।४२ शुक्रोदयःपश्चिमायां•
९	गु	३१	१	रो	३८	२९	वै	५१	२३	कौ	३१	१	४६	२७	३३	१६	२७	७	वृषे	•२९।२४ भीष्माष्टमी शु.उ.प.
१०	शु	३७	२८	मृ	४६	१२	वि	५३	५३	तै	४	१४	५०	२६	३४	१७	२८	८	मि१२।२०	×५२/१९ मार्गी गुरुः ४८।६ जया ११ व्र.
११	श	४३	५७	आ	५३	४६	प्री	५५	५८	व	१०	४२	५४	२५	३५	१८	२९	९	मिथुने	भ. १०।४२ उ. ४३।५७ या. कुंभे बुधः×
१२	र	४९	५९	पु	६०	०	आ	५७	४९	ब	१६	५८	५८	२५	३६	१९	३०	१०	क.४४।०	शते रविः ८।१९ (सौरः १०।२९)
१३	चं	५५	७	पु	०	४४	सौ	५७	४३	कौ	२२	३२	२८/२	२४	३६	२०	१	११	कर्के	वक्री मघा.१ शनिः ४६/५४ रा.फाल्गुनारंभः+
१४	मं	५८	४९	पु	६	३८	शो	५८	३६	ग	२६	५८	६	२३	३७	२१	२	१२	कर्के	भ. ५८।४९ उ. +प्रदोषः
१५	बु	६०	०	श्ले	११	११	अ	५७	४६	वि	३०	१३	१०	२२	३८	२२	३	१३	सिं११।११	भ. ३०।१३ या. शते बुधः ४२।५२
१५	गु	१	३७	म	१५	८	सु	५५	५६	व	१	३७	१४	२१	३९	२३	४	१४	सिंहे	वक्री मिथुने भौमः २७।६

४४पं. मा.शु.२बु.इ.२९।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	२	१०	४	५	९
२५	२	१२	२	०	४	१४	२५
५५	३८	३४	४५	७	१९	५७	५१
१६	३१	२३	४०	१	५९	३	६
६०	२६/४७	०/००	३/१३	७४	४/३७	३	६०
४७	ब	२६	व	३२	व	११	५५

४५पं. मा.शु.८बु.इ.३०।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	२	१०	४	५	१०
३	१	२४	२	८	३	१४	२
०	७	४	३४	५२	४५	३४	५७
४	१२	४८	१९	१६	५८	४७	९
६०	१५/५६	५/००	०/४२	७४	४	३	६०
३७	ब	२५	ब	३२	४०	११	४२

४६पं.मा.शु.१५बु.इ.३०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	१०	२	१०	४	५	१०
१०	०	६	२	१७	३	१४	१०
३	८	१७	३३	३७	१२	१२	१
३२	१०	२	७	१२	०	३२	४२
६०	८/३०	०/००	०/३६	७४	४/३९	३	६०
२५	ब	५७	मा	३२	ब	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२	५८	पू	१७	३३	धृ	५२	७	कौ	२	५८	२८/१८	६/२०	५/४०	२४	५	१५	कं.३२।५२	पूभाया शुक्रः २५।२४
२	श	३	२०	उ	१८	४८	शू	४९	३४	ग	३	२०	२२	२०	४०	२५	६	१६	कन्यायां	भ. ३२।५३ उ.
३	र	२	२७	ह	१९	२०	गं	४५	१९	वि	२	२७	२६	१९	४१	२६	७	१७	तु.४९।९	भ. २।२७ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	०	३७	चि	१८	५८	वृ	४०	१९	बा	०	३७	३०	१८	४२	२७	८	१८	तुलायां	•मार्च मा. ३ ता. ३१
५	चं	५७	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	मं	५४	५८	स्वा	१७	४६	ध्रु	३३	४७	ग	२६	३५	३४	१७	४३	२८	९	१९	तुलायां	भ. ५४।५८ उ.
७	बु	५१	१	वि	१५	४७	व्या	२८	४५	वि	२३	२	३८	१६	४४	१	१०	२०	वृ.१।१७	भ. २३।२ या. पूभायां बुधः ५४।३८•
८	गु	४६	३७	अ	१३	१७	ह	२२	४	बा	१८	५२	४२	१६	४४	२	११	२१	वृश्चिके	मार्गी भौमः ५०।३६
९	शु	४१	२६	ज्ये	१०	०	व	१५	१	तै	१४	१	४६	१५	४५	३	१२	२२	ध.१०।०	×(सौरः २५।१६) मीने शुक्रः २६।१४
१०	श	३५	३१	मू	६	२	सि	७/१८	५२/७	व	८	२८	५०	१४	४६	४	१३	२३	धनुषि	भ. ८।२८ उ. ३५/३१ या. पूभायां रविः २४/२४×
११	र	२९	१०	पू	४३/१	५५/११	व	५०	५२	ब	२	२०	५४	१३	४७	५	१४	२४	म.१५।३१	विजया ११ व्र.
१२	चं	२२	३१	श्र	५२	८	प	४२	३१	तै	२२	३१	५८	१२	४८	६	१५	२५	मकरे	प्रदोषः
१३	मं	१५	४९	ध	४७	२८	शि	३४	२१	व	१५	४९	२९/२	१२	४८	७	१६	२६	कु.१९।४७	भ.१५।४९उ.४२।३२या. मीने बुधः ५/१०+
१४	बु	९	१४	श	४३	३२	सि	२५	३७	श	९	१४	६	११	४९	८	१७	२७	कुम्भे	उभायां बुधः ४८।४८
३०	गु	०	१३	पू	४०	३५	सा	१९	४५	ना	०	१३	१०	१०	५०	९	१८	२८	मी२६।१९	+उभायां शुक्रः ६/५३ महाशिवरात्री व्र.

४७पं.फा.कृ.७बु.इ.३०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	२	१०	४	५	१०
१७	२९	१९	२	२६	२	१३	१७
५	४२	१३	४१	२१	३८	५०	४
४६	११	५२	२	२४	३८	१६	३२
६०	१३/१	५/००	१	७४	४	३	६०
१२	ब	५०	५५	२६	२४	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मासके आरंभ से पूर्व ही मंदी चालू होगी। धान्य गेहूं चावल रुई सोना चांदी में मन्दी और वर्षा हो।

गोचरग्रहाः

४८पं.फा.कृ.१४बु.इ.३१।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	२	११	४	५	१०
२४	२९	२	२	५	२	१३	२४
६	५१	४५	५९	४	७	२८	५
२९	४०	५०	१७	२६	२६	०	५५
५९	५/११	५/००	३	७४	४/६	३	६०
५८	मा	५७	२२	२६	ब	११	६

•बृशुके

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूरविरुत्तरेऽहर्गणः १८००स.१९७८
१	गु ५९ ७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु ५६ ३१ उ ३९ २० शु १३ ५० बा २७ ५६ २९ ६ ५५	१०	१९	२९				मीने	*पातस्पर्शः ३७।५६ मोक्षः ५२।२६
३	श ५५ ३५ मे ३९ ४७ शु ९ ३१ तै २६ ३ १९ ८ ५२	११	२०	१				मे.	कर्के भौमः ७।३२ चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २०
४	र ५६ २६ अ ४१ ५३ ब्र ६ २९ व २६ १ २३ ७ ५३	१२	२१	२				मे. ३९।४७	हस्त. १ राहुः उभा. ३ केतुः ५१ रविलाखर ४
५	चं ५९ २२ भ ४५ ५३ दें ५ १९ ब २७ ५४ २७ ७ ५३	१३	२२	३				मेषे	भ. २६।१ उ. ५६।२६ या.
६	मं ६० ० कृ ५१ ४० वै ५ ८ को ३१ ३२ ३२ ६ ५४	१४	२३	४				मेषे	बुधोदयः पश्चिमायाम् ७।३३
७	बु ३ ४२ रो ५८ २२ वि ६ १६ ते ३ ४२ ३६ ५ ५५	१५	२४	५				वृषे	मीनेऽर्कः ३५ (सौरः ३६) मृगे. ४ गुरुः ६।५
८	गु ९ २३ मृ ६० ० प्री ७ ५९ व ९ २३ ४० ४ ५६	१६	२५	६				मि	३२।१६ रेवत्यां बुधः ५४।५३
९	शु १५ ४३ मृ ५ ५० आ १० २३ ब १५ ४३ ४६ ३ ५७	१७	२६	७				मिथुने	भ. ९।२३ उ. ४२।३३ या.
१०	श २२ १ आ १३ २० सौ १२ ३३ को २२ १ ४९ २ ५८	१८	२७	८				मिथुने	उभायां रविः ४६ (सौरः ४६) रेवत्यां शुक्रः ×
११	र २८ ४ पु २० ३२ शो १४ ३५ ग २८ ४ ५३ १ ५९	१९	२८	९				क.	×५०।३२ होलाष्टकः ३।४४
१२	चं ३३ १० पु २६ ५३ अ १५ ५२ व ० ३७ ५८ १ ५९	२०	२९	१०				कर्के	भ. ०।३७ उ. ३३।१० या. आमलकी ११ व्र.
१३	मं ३६ ४३ श्ले ३१ ५३ सु १६ ४ व ४ ५६ ३० ० ६ ० ०	२१	३०	११				सिं	३१।५३
१४	बु ३९ ५ म ३५ २२ धृ १५ ७ को ७ ५४ ६ ५९	२२	१	१२				सिंहे	रा. चैत्रारम्भः प्रदोषः
१५	शु ३८ ४३ उ ३७ ४६ गं ९ ३५ वि ९ ८ १४ ५७	२३	२	१३				कं.	५२।२२ भ. ३९।३४ उ.
		२४	३	१४				कन्यायां	भ. ९।८ या. चंद्रग्रहणम् होलिकादहनं सायं

४९पं.फा.शु.६ब्.इ.३१।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	२	११	४	५	११
१	०	१५	३	१३	१	१३	१
५	३१	५८	२६	४०	३९	५	५
४२	४१	१६	३१	२४	१४	४५	३७
५९	१०	०	४	७४	४७	३	५९
४१	१६	३८	३५	२६	ब	११	४९

गोचरग्रहाः

फा.शु. ६ भौमे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न.३ गतालकावस्था (ऊभौ) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

५०पं.फा.शु.१३ब्.इ.३१।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	२	११	४	५	११
८	१	२६	४	२२	१	१२	८
३	४१	३०	१	२८	१३	४३	३
१८	१३	१४	३०	८	५५	२९	३२
५९	१४	७७	५	७४	१	३	५९
२९	४९	१३	४२	२०	ब	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०३४ शाकः १८९९	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श ३६ २५ हु ३७ ४ वृ ११ ५५ बा ७ ३४ ३० ५ ६	२५	४	१५				कन्यायां	अश्वि. मेषे बुधः १५ वसंत १ छारेंडो
२	र ३३ ११ चि ३५ २५ श्या ५४ २ ते ४ ४७ २३ ५५ ५	२६	५	१६				तु.	६।१४
३	चं २९ ४ स्वा ३२ ५३ ह ४७ ३२ व १ ८ २७ ५५ ५	२७	६	१७				तुलायां	भ. १।८ उ. २९।४ या. चतुर्थी व्र.
४	मं २४ १७ वि ३० ४ व ४० ६० बा २४ १७ २१ ५४ ६	२८	७	१८				वृ.	१५।४६ अश्वि. मेषे शुक्रः ३७।३१
५	बु १९ २६ अ २६ ५५ सि ३३ ५६ ते १९ २६ ३५ ५३ ७	२९	८	१९				वृश्चिके	पुष्ये भौमः ३९।३५
६	गु १४ २५ ज्ये २३ ३७ व्य २६ ४९ व १४ २५ ३० ५२ ८	३०	९	२०				ध.	२३।३६ भ. १४।२५ उ. २१।५६ या.
७	शु ९ २६ मू २० १६ व १९ ४४ ब ९ २६ ४५ ५१ ९	३१	१०	२१				धनुषि	रेवत्यां रविः १४ (सौरः १३) शीतलापूजनम्
८	श ४ १७ पू १६ ५६ ष १२ ४७ को ४ १७ ४८ ५० १०	१	११	२२				म.	३१।५ वक्री बुधः ५५ अप्रेल मा. ४ ता. ३०
९	श ५५ ५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०				०	
१०	र ५३ ५३ उ १३ ३२ शि ३२ ५५ ३७ व २६ ३८ ५२ ५० १०	२	१२	२३				मकरे	भ. २६।३८ उ. ५३।५३ या.
११	चं ४८ ३२ श्र १० १८ सा ५१ ५७ ब २१ २२ ५६ ४९ ११	३	१३	२४				कुं.	३८।४८ बुधास्तः पश्चिमायां ३६ पापमोचनी ११ व्र.
१२	मं ४४ ८ ध ७ १८ शु ४५ ३३ को १६ २९ ३१ ४८ १२	४	१४	२५				कुम्भे	
१३	बु ४० १ श ४ ५० शु ३९ ४१ ग १२ ८ ४ ४७ १३	५	१५	२६				मी	४८।२३ भ. ४०।१ उ. प्रदोषः
१४	गु ३६ ५९ पू २ ५३ ब्र ३४ ३१ वि ८ ३४ ८ ४६ १४	६	१६	२७				मीने	भ. ८।३४ या.
२०	शु ३४ ३५ उ २ १ हं ३० २६ च ५ ४७ १२ ४६ १४	७	१७	२८				मीने	मन्वादिः

५१पं. चै.कृ.५ब्.इ.३२।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	०	२	०	४	५	११
१४	३	२	४	१	०	१२	१४
५९	१७	६	४५	८	५२	२१	५९
१३	४२	३६	२५	४६	२३	१४	३८
५९	१८	२३	६	७४	३५	३	५९
१६	२७	२०	४५	१४	ब	११	१८

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में रोग पीड़ा और मंदीका जोर रहे वर्षा का योग है। सुदी में तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.कृ.१३ब्.इ.३२।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	०	२	०	४	५	११
२१	५	१	५	९	०	११	२१
५३	१२	५५	३५	४६	३५	५८	५३
३१	२२	१६	३८	५५	२८	५८	४९
५९	२१	३३	७	७४	१	३	५९
४	३२	ब	४७	८	ब	११	४

श्री गणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०७९ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७९ भोग्यकलिः ४२६९२१ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३५ शाकः १९०० वर्षेऽस्मिन् राजा शनिः । मंत्री गुरुः । सस्येशो रविः । धान्येशो शुक्रः । मेघेशोबुधः । रसेशो भौमः । नीरसेशोरविः । फलेशो बुधः । धनेशश्शनिः । दुर्गेशो बुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ५ प्रजापतिनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत-मासादिः ७।०।८।३८ भोग्यमासादिः ४।२९।५१।२२ । विष्णुदैवतंयुगम् । वर्षनाम मार्गशीर्षः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासः संध्यौ । समयनिवासो वणिग्गृहे । समयविश्वा १० । समयवाहनम् महिषः । स्तम्भाः ३ अन्नजलवायूनां। सोमवत्यमा.३ सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी२। बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी १ । समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः १५ । तिथिवृद्धिः ८ । उत्पत्तिविश्वा ९३ । खपतिविश्वा ९३। वर्षाविश्वा ९ । धान्यम्१७। तृणम्७ । शीतम् १७ । तेजः ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०९ । सत्यं ।।, धर्म १।।, पाप१८ । शनि दृष्टिर्दक्षिणे । ग्रहणम् २ चन्द्रमसः ।

सं. २०३५ शाके १९०० भाद्रपद शु. १५ शनौ. खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज. मध्य.	घ.	४१	४३	४५	४७	४९
	पल	६	४७	२७	७	४८
रेल्वे टाइम	घं.	१०	११	१२	१	२
	मि.	५३	५८	३८	१८	२२

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ६।१२

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय अम्बे जगदीश्वरी तू है रक्षक माय ।
शुभ संवत् पैंतीस का सांचा भेद बताय ।।

भवानी उत्तर

सुणजे भैरव चेतकर मैं समझावूं तोय ।
राजा मन्त्री देखतां मध्य जमानूं होय ।।
पण धान्याधिप शुक्र है करै धान्य की सार ।
स्तंभ तीन मेघेश बुध करसी बेड़ा पार ।।
संवत् वासो वैश्य घर तेजी का यह योग ।
सभी धान्य संचय करो उसमें मिलसी भोग ।।
दशाधिकारी योग में शुभ पद पाये पांच ।
सम संवत्सर होयसी यह तुम जानो सांच ।।

सं. २०३५ शाके १९०० फाल्गुन शु. १५ भौमे खंडग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.		
उज्ज. मध्य.	घ.	४६	५०	५४		
	पल	१६	२८	४२		
रेल्वे टाइम	घं.	१२	२	४		
	मि.	५७	३८	१९		

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ८।२९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१६।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३२।१५

*सूचके

अथाधिकारिणां फलम् । वर्षेऽस्मिन् राजा शनिस्तत्फलम्—शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनाः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मन्त्री गुरुस्तत्फलम्—विविध धान्ययुता खलुमेदिनी प्रचुरतोयघना मुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रिसमागते ।। सस्येशो रविः फलम्—सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं वहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहुभूरुहाश्च ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम्—भृगौ पश्चिम धान्येशो पश्चाद्धान्यन्न पच्यते । सस्यं समर्घता याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधस्तत्फलम्—अमृतरश्मिसुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुकचेतसो विविधसौख्युता धरणी तदा ।। रसेशो भौमस्तत्फलम्—यदि धरातनयो रसपो भवेत् न रसराशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमो जनतापदो न जलदो बहुवृष्टिकरो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम्—नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्रचंदनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायत ।। फलेशो बुधस्तत्फलम्—यदि बुधे फलपे फलमुत्तमम् जलधरा जलराशिमुचस्तदा । बहु तृणं कुसुमैः कमलैर्युतं जनपदो जनसौख्य मुदान्वितः ।। धनेशः शनिः फलम्—द्रविणपेरविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अधनतां वणिजो कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीडितमानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्—विषयसाम्यसुखं शशिजेप्रभौ भवति राष्ट्रजनेषु विशेषता । शशिसुते यदिकोटक पालके पथिषु द्रव्यवतां नभयंक्वचित् ।। प्रजापति नाम संवत्सरः फलम्—न चलत्यखिला लोकाः स्वस्वमार्गात् कथंचन । अब्दे प्रजापतौ नूनं बहुसस्यार्घं वृष्टयः ।। वर्षनाम मार्गशीर्षः फलम्—कार्पासादि महर्घं स्यात् गोधूमाषतिलादिकम् । मेघो वर्षति देवो वा मार्गशीर्षे विशेषतः ।। मेघनाम पुष्करः फलम्—पुष्करे मंदवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणीनिवासः संधौ फलम्—खंड वृष्टिश्चः संधिषु ।। समयनिवासो वणिग्गृहे फलम्—वणिग्गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०३५ शाके १९०० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैसाख मासः

शुक्ले ३ बुधे मृगे ल. अन्यगो. रे. ९ ।।।।ऽरो.।।।।
,, १३ शनौ स्वा. ल. १ रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।। चं. ७ पू.

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे २ बुधे मूले ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।
,, ५ शुक्रे उषा. ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽअ.।ऽऽ। गणितेनक्रांतिसाम्याऽभावः
शुक्ले ११ शनौ स्वा. ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽअ.ऽ।।।
,, १२ रवौ अनु. ल. २ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।। चं. ७ पूज्यः
,, १५ भौमे मूले ल. १ रे. ६ ।।।।ऽ।ऽऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः आवश्यके

आषाढ़ मासः

कृष्णे २ गुरौ उषा. ल. गो. १ रे. ९ ।।।।ऽ।।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे ७ बुधे मघा. ल. ४-७ रे. ८ ।।।।।ऽचौ.।ऽ।।
,, १० शनौ हस्ते ल. ४-७ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।
शुक्ले १ शुक्रे मूले ल. ६-७ रे. ८ ।।।।।ऽचौ.ऽ।।।
,, ४ रवौ उषा. ल. ७ रे. ९ ।।।।।ऽरो.।।।।
,, ९ शुक्रे उभा. ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽऽनू.।।।। भौ. ८ दोषः
,, १५ गुरौ मृगे ल. ७ घ.४९।५१ उप. रे. ६ ।ऽ।।ऽऽअ.।ऽ।।

माघ मासः

कृष्णे ३ भौमे मघा. ल. ७-८ रे. ९ ।।।।।ऽअ.।।।।
,, ६ शुक्रे हस्ते ल. ७-८ रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।। वृश्चिके लग्न घ. ५०।४८ या.
,, ८ रवौ स्वात्यां ल. ८ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ले ४ बुधे उभा. ल. ८ रे. ७ ।।।।।ऽरो.ऽऽ।।
,, ५ गुरौ रेवत्यां ल. ८ रे. १० ।।।।।।।।।।
,, १० भौमे रोहि. ल. गो. रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याभावः भौम ७ दोषः
, १५ चंद्रे मघा.ल.गो.रे. ६ ।।।।ऽऽऽऽ।। भौ.७दोषः मासांतः

फाल्गुन मासः

कृष्णे २ बुधे उफा.ल.८रे.७ ।।।।ऽऽअ.ऽ।।। घ.४५उ.४८।३४या.
,, ३ गुरौ हस्ते ल. ७-८ रे. ७ ।।।।।ऽअ.।ऽ।ऽ
,, ४ शुक्रे हस्ते ल. गो. रे ९ ।।।।।।।ऽ।।
,, ८ भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। भौम७ दोषः
,, १० गुरौ मूले ल. अन्यगो. रे ७ ऽ।।।।ऽऽ।। भौ. ७ दोषः
शुक्ले २ बुधे उभा. ल. ८ रे. ७ ऽऽ।।।।ऽ।।।
,, ३ गुरौ रेव. ल. ६ रे. ९ ।।।।।।।।ऽ चं. ७ पूज्यः दग्धा.

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १८२९स.१९७८
१	श	३३	५१	रे	२	२९	वै	२७	१७	किं	४	१३	३१/१६	५/४५	६/१५	८	१८	२९	मे.२।२९	वक्री रेव. मीने बुधः ५१/२७ भरण्यां शुक्रः×
२	र	३४	४१	अ	४	२३	वि	२५	५५	बा	४	१३	२०	४४	१६	९	१९	३०	मेषे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	३७	१४	भ	७	५३	प्री	२५	५	तै	५	५८	२४	४३	१७	१०	२०	१	वृ.२४।४	मत्स्यजयंती गणगौरी जमादिलावल ५
४	मं	४१	११	कृ	१२	३६	आ	२५	२८	व	९	१३	२८	४२	१८	११	२१	२	वृषे	भ. ९।१३ उ. ४१।११ या.
५	बु	४६	२३	रो	१९	१	सौ	२६	५५	ब	१३	४७	३२	४२	१८	१२	२२	३	मि५२।३०	×२४/५४ नवरात्रारंभः संवत्सरारंभः
६	गु	५२	२२	मृ	२५	५९	शो	२९	८	कौ	१९	५३	३६	४१	१९	१३	२३	४	मिथुने	अश्वि. मेषेऽर्कः ४८/१२ (सौरः ४८/१५) आर्द्रा.*
७	शु	५८	३८	आ	३३	३७	अ	३१	२६	ग	२५	३०	४०	४०	२०	१४	२४	५	मिथुने	भ. ५८।३८ उ. *१गुरुः १८।२९
८	श	६०	०	पु	४१	१०	सु	३३	३८	वि	३१	४४	४३	३९	२१	१५	२५	६	क.२४।१७	भ. ३१।४४ या.
८	र	४	५०	पु	४७	१६	धृ	३५	३४	ब	४	५०	४७	३९	२१	१६	२६	७	कर्के	रामनवमी स्मा.
९	चं	१०	१४	श्ले	५३	४१	शू	३६	३३	कौ	१०	४	५१	३८	२२	१७	२७	८	सिं५३।४१	रामनवमी वै.
१०	मं	१४	४	म	५७	५६	गं	३६	१६	ग	१४	४	५५	३७	२३	१८	२८	९	सिंहे	भ. ४५।२० उ.
११	बु	१६	३७	पू	६०	०	वृ	३४	३७	वि	१६	३७	५८	३६	२४	१९	२९	१०	सिंहे	भ. १६/३७ या. कृत्ति. शुक्रः १७/१४ बुधोदयः ४७/८+
१२	गु	१७	३१	पू	०	१९	ध्रु	३१	३१	ब	१७	३१	३२/२	३६	२४	२०	३०	११	कं.१५।२८	प्रदोषः व्रतम् +कामदा ११ व्रतम्
१३	शु	१५	५३	उ	५५	५८	व्या	२६	५७	तै	१५	५३	६	३५	२५	२१	१	१२	कन्यायां	वृषे शुक्रः ५९।३५ रा. वैशाखारंभः
१४	श	१२	४५	चि	५७	७	ह	२१	२	व	१२	४५	१०	३४	२६	२२	२	१३	तु.२८।२५	भ. १२।४५ उ. ४०।३० या.
१५	र	८	१४	स्वा	५३	१७	व	१४	१३	ब	८	१४	१४	३३	२७	२३	३	१४	तुलायां	हनुमज्जयंती

१पं. चै.शु.६ बृ.इ.४८।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	२	०	४	५	११
०	७	२६	६	१९	०	११	२९
०	५९	२६	४४	५७	२०	३२	५९
०	६	३८	२४	०	३५	५०	५८
५८	२४	४४/३४	८	७४	१/१३	३	५८
४४	३१	च	५३	२	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

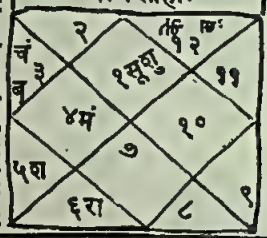

चैत्र शु. ६ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महमता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

२पं.चै.शु.१२बृ.इ.४८।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	२	०	४	५	०
६	१०	२२	७	२८	०	११	६
५०	३५	२३	४९	३२	१४	१०	५०
४२	२४	३५	२६	२०	१०	३४	९
५८	२६	२६/४१	९	७३	०/२८	३	५८
३१	३१	ब	४०	५६	ब	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२	२८	वि	४८	४८	सि	६/२८	५१/५९	कौ	२	२८	३२/१८	५/३३	६/२७	२४	४	१५	वृ.३४।५५	
२	चं	५३	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	मं	४९	५	अ	४४	२४	व	५०	१०	व	२२	२९	२१	३२	२८	२५	५	१६	वृश्चिके	भ. २२/२९ उ. ४९।५या. मार्गी शनिः ३५/३२
४	बु	४२	१७	ज्ये	३९	२९	प	४१	५५	ब	१५	४१	२५	३१	२९	२६	६	१७	ध.३९।२९	चतुर्थी ब्र.
५	गु	३५	४९	मू	३५	१	शि	३३	५९	कौ	९	२	२९	३०	३०	२७	७	१८	धनुषि	भरण्यां रविः २८/२९ (सौरः २९/३३) मार्गीबुधः ११/१६
६	शु	२९	५२	पू	३०	३२	सि	२६	३२	ग	२	५०	३२	३०	३०	२८	८	१९	म.४४।२६	भ. २९।५२ उ. ५७।६ या.
७	श	२४	२०	उ	२६	७	सा	१९	१९	ब	२४	२०	३६	२९	३१	२९	९	२०	मकरे	
८	र	१९	२८	श्र	२४	१३	शु	१२	४०	कौ	१९	२८	४०	२८	३२	३०	१०	२१	कु.५३।१९	रोहि. शुक्रः १०।१०
९	चं	१५	१३	ध	२२	२५	शु	६	३८	ग	१५	१३	४३	२७	३३	१	११	२२	कुंभे	भ. ४३।३० उ. मई मा. ५ ता. ३१
१०	मं	११	४६	श	२०	५१	ब्र	१/१७	५५/१४	वि	११	४६	४७	२७	३३	२	१२	२३	कुम्भे	भ. ११।४६ या.
११	बु	९	०	पू	२०	१३	वै	५२	२९	बा	९	०	५१	२६	३४	३	१३	२४	मी५।२२	आर्द्रा. २ गुरुः ३६/४७ वरूथिनी ११ ब्र.
१२	गु	७	१३	उ	२०	१६	वि	४९	११	तै	७	१३	५४	२५	३५	४	१४	२५	मीने	प्रदोषः
१३	शु	६	२०	रे	२१	३१	प्री	४६	४७	व	६	२०	५७	२५	३५	५	१५	२६	मे.२१।३१	भ. ६।२० उ. ३६।१२ या. आश्ले.भौमः×
१४	श	६	५	अ	२३	४९	आ	४५	४०	श	६	५	३३/१	२४	३६	६	१६	२७	मेषे	×१२।५
३०	र	८	८	भ	२७	५५	सौ	४४	५५	ना	८	८	४	२३	३७	७	१७	२८	वृ.४३।५९	

३पं. वै.कृ.५ बृ.इ.४८।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	२	१	४	५	०
१३	१३	२१	९	७	०	१०	१३
३९	२५	२१	३	६	१३	४८	३८
४३	४८	२५	५८	०	१	१९	३४
५८	२८	२/३७	१०	७३	०/१३	३	५८
१९	१५	मा	२३	५०	मा	११	१२

गोचरग्रहाः

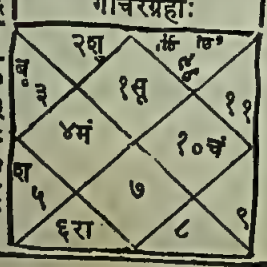

इस मासका फल श्रेष्ठ है धान्य जो गेहूं चणा चावल सिरस्युं सण मंदा हो। मंदी में खरीदना अनाज में लाभ होगा।

गोचरग्रहाः

४पं. वै.कृ.१२बृ.इ.४८।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	२	१	४	५	०
२०	१६	२४	१०	१५	०	१०	२०
२७	२८	५०	१३	३८	१७	२६	२५
२२	२६	४२	१९	२०	५३	३	१५
५८	२९	३२	११	७३	१	३	५७
६	५४	२२	४	३८	२	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्

*चंबुके

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १८५९स.१९७८
१	चं १०।५५ कृ ३२।११ शो ४५।२० ब १०।५५	३३	५	६	८	१८	२९	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
२	मं १४।५४ रो ३८।५८ अ ४६।४३ कौ १४।५४	१०	२२	३८	९	१९	१	वृषे	परशुराम जयन्ती जमादिलाखर ६
३	बु २० १ मृ ४४।५७ सु ४८।२२ ग २० १	१३	२१	३९	१०	२०	२	मि ११।५७	भ. ५३ उ. अश्वि. मेषे बुधः ५३ अक्षया ३
४	गु २५।४६ मा ५२।१५ भृ ५०।५५ वि २५।४६	१६	२१	३९	११	२१	३	मिथुने	भ. २५।४६ या. कृत्तिका. रविः १४।२४●
५	शु ३२ ७ पु ५९।५९ शू ५३।३५ बा ३२ ७	१९	२०	४०	१२	२२	४	क. ४३।४	●(सौरः १७।३०) मृगे शुक्रः १०।१
६	श ३८।३१ पु ६०ः ० गं ५५।५३ कौ ५ १९	२२	२०	४०	१३	२३	५	कर्के	उफा. ४ राहुः उभा. २ केतुः ०।४८
७	र ४४।१३ पु ७ २५ वृ ५७।२५ ग ११ १९	२५	१९	४१	१४	२४	६	कर्के	भ. ४३ उ. वृषेऽर्कः ३१ (सौरः ४५।१८)
८	चं ४८।४३ श्ले १४ २२ श्रु ५८।१७ वि १६ २८	२८	१८	४२	१५	२५	७	सिं १४।२२	भ. १६।२८ या.
९	मं ५२ ३ म १९ २३ ब्या ५७।४४ बा २० २३	३०	१८	४२	१६	२६	८	सिंहे	मिथुने शुक्रः ४२।१
१०	बु ५३ २० पू २३ २१ ह ५५।४४ वै २२ ४१	३३	१७	४३	१७	२७	९	कं. ३८।४८	
११	गु ५२ ३८ उ २१ १० व ५२ ० व २२ ५९	३६	१७	४३	१८	२८	१०	कन्यायां	×ज्येष्ठारंभः
१२	शु ४९ ८ ह २४ ४९ सि ४६ ५२ ब २१ ११	३९	१६	४४	१९	२९	११	तु. ५३।३६	भ. २२।५९ उ. ५२।३८ या. मोहिनी ११ व.
१३	श ४४ ५८ चि २२ २४ ब्य ४० ६ कौ १७ २१	४१	१६	४४	२०	३०	१२	तुलायां	आर्द्रा. ३ गुरुः ५३।५१ प्रदोषः
१४	र ३८ ३८ स्वा १८ २३ व ३२ ४ ग ११ ४७	४३	१५	४५	२१	३१	१३	बृ. ५९।२०	भ. ३८।३८ उ. भरण्यां बुधः ३५ नृसिंह १४
१५	चं ३० ४९ वि १२ ५९ प २३ ५ वि ४ ४३	४६	१५	४५	२२	१	१४	वृश्चिके	भ. ४।४३ या. आर्द्रा. शुक्रः ९।४४ रा.×

५पं. वै.शु.४ बृ.इ.४९।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	२	१	४	५	०
२७	१९	०	११	२४	०	१०	२७
१३	२९	५७	३२	७	२७	३	१०
३४	४३	३६	१७	५५	४	४८	२९
५७	३१	५८	११	७३	१	३	५७
५४	५	३८	३८	२४	४१	११	४५

गोचरग्रहाः

वैशा. शु. ७ रवौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

६पं. वै.शु.११ बृ.इ.४९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	२	२	४	५	१
३	२२	९	१२	२	०	९	३
५८	५८	३३	५४	३५	४१	४१	५४
२६	१९	४७	४३	२४	२४	३२	८
५७	३२	८१	१२	७३	२	३	५७
४४	७	३५	११	१४	२०	११	३४

ज्ये.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखाकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं २२।३० अ ६।५५ शि १३।४१ कौ २२।३०	३३	५	६	२३	२	१५	वृश्चिके	
२	बु १३।४९ ज्ये २।५३ सि ५३।२५ ग १३।४९	५०	१४	४६	२४	३	१६	ध. ०।२२	भ. ३९।३३ उ.
३	गु ५।१७ पू ४७।४७ शु ४५ ५ वि ५।१७	५२	१४	४६	२५	४	१७	धनुषि	भ. ५।१७ या. रोहि. रविः ५।१४ (सौरः●
४	शु ५२ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	●११।२७) चतुर्थी ब.
५	शु ४९।४२ उ ४२।४४ शु ३६।३१ कौ २३।२९	५५	१३	४७	२६	५	१८	म. १।३१	
६	श ४४ ५ श्र ३८।३७ ब्र २९।२९ ग १६।५३	५६	१३	४७	२७	६	१९	मकरे	भ. ४४।५ उ.
७	र ३९।११ ध ३५।३५ धें २२ २ वि ११।३८	५८	१२	४८	२८	७	२०	कु. ७।६	भ. ११।३८ या.
८	चं ३५।४१ श ३३।२५ वै १६।२५ बा ७।२६	३४	१२	४८	२९	८	२१	कुम्भे	कृत्तिका. बुधः ३०।२२
९	मं ३३।२० पू ३३।३८ वि ११।४८ तै ४।३१	२	१२	४८	३०	९	२२	मी १८।३५	
१०	बु ३२।१६ उ ३४।२३ प्री ८ ५ व २।४८	४	११	४९	३१	१०	२३	मीने	भ. २।४८ उ. ३६ या. वृषे बुधः २२।२३
११	गु ३२।४० रे ३६।३१ आ ५।२७ ब २।२८	६	११	४९	१	११	२४	मि. ३६।३१	मघा सिंहे भौमः ४५ जून मा. ६ ता. ३०×
१२	शु ३४ ५ अ ३९।३५ सौ ३।५२ कौ ३।२२	७	११	४९	२	१२	२५	मेषे	पुन. शुक्रः २०।१ ×अपरा ११ ब.
१३	श ३६।४० भ ४४ ० शो ३।१३ ग ५।२३	९	१०	५०	३	१३	२६	मेषे	भ. ३६ उ. बुधास्तः पूर्वस्यां ३३ प्रदोषः
१४	र ३९।५१ कृ ४९।२१ अ ३।२४ वि ८।१६	१०	१०	५०	४	१४	२७	बृ. ०।२०	भ. ८।१६ या.
३०	चं ४३।२१ रो ५५।३५ सु ४ १ च १९।३७	१२	१०	५०	५	१५	२८	वृषे	रोहि. बुधः २८।४९ वटपू. सोमवती ३०

७पं.ज्ये.कृ.३ बृ.इ.४९।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	२	२	४	५	१
१०	२६	२०	१४	१०	१	९	१०
४२	२७	२६	१९	५९	०	१९	३६
५२	४	५२	२	५६	३६	१६	१९
५७	३३	०	१२	७२	२	३	५७
३५	११	२०	२९	५६	५८	११	२३

गोचरग्रहाः

इस मासमें सोमवती अमावस्या मंदी कारक है। सुदी में गुड़ खांड़ तिलहन तेज होगा।

गोचरग्रहाः

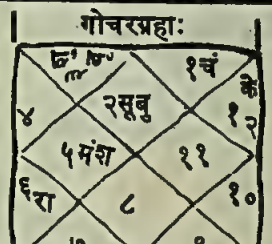

८पं.ज्ये.कृ.११ बृ.इ.४९।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	२	२	४	५	१
१७	०	२	१५	१९	१	८	१७
२५	२	५०	४६	२३	२४	५७	१७
८	२४	४६	५२	६	३६	१	२५
५७	३३	२	१२	७२	३	३	५७
२७	५५	३४	५४	३७	३८	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १८८८स.१९७८
१	मं	४९	१	मृ	६०	०	धृ	५	३५	किं	१६	११	३४	५	५१	६	१६	२९	मि२८।५८	आर्द्रा. ४ गुरुः ५१।३४
२	बु	५५	२२	मृ	२	२०	शू	७	२२	बा	२२	११	१४	९	५१	७	१७	३०	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
३	गु	६०	०	आ	९	४३	गं	९	५३	तै	२८	३४	१६	९	५१	८	१८	१	मिथुने	मृगे रविः ०।१० (सौरः १०।१६) रज्जव०
३	शु	१	४६	पु	१७	१६	वृ	१२	१३	ग	१	४६	१७	९	५१	९	१९	२	क.०।२२	भ. ३५।७ उ.
४	श	८	२८	पु	२४	४६	ध्रु	१४	४३	वि	८	२८	१८	८	५२	१०	२०	३	कर्के	भ. ८।२८ या. कक शुक्रः ४२।३७
५	र	१३	५८	श्ले	३२	७	व्या	१७	१०	बा	१३	५८	१९	८	५२	११	२१	४	सि३२।७	मृगे बुधः ४५।२०
६	चं	१८	५०	म	३८	९	ह	१८	३५	तै	१८	५०	२०	८	५२	१२	२२	५	सिंहे	
७	मं	२२	५०	पू	४३	१३	व	१९	११	व	२२	५०	२१	८	५२	१३	२३	६	कं.५९।२	भ.२२।५०उ.५४।३या. पुष्येशुक्रः३६।४१
८	बु	२५	१५	उ	४६	३१	सि	१८	३८	ब	२५	१५	२१	८	५२	१४	२४	७	कन्यायां	मिथुनेऽर्कः ५८।४८ मिथुने बुधः ३८।३४
९	गु	२५	४१	ह	४७	५०	व्य	१६	२८	कौ	२५	४१	२२	८	५२	१५	२५	८	कन्यायां	मिथुनेऽर्कः सौरः ११।३
१०	शु	२४	१०	चि	४७	१३	व	१४	४२	ग	२४	१०	२२	८	५२	१६	२६	९	तु.१७।३१	भ. ५२।१२ उ. गंगादशमी
११	श	२०	१४	स्वा	४४	३५	प	७	२०	वि	२०	१४	२३	७	५३	१७	२७	१०	तुलायां	भ. २०।१४ या. आर्द्रायां बुधः ४४।४७+
१२	र	१४	४७	वि	३९	५३	शि	२४	३४	बा	१४	४७	२३	७	५३	१८	२८	११	बृ.२६।४	प्रदोषः
१३	चं	७	२५	अ	३३	१८	सा	४२	२४	तै	७	२५	२३	७	५३	१९	२९	१२	वृश्चिके	भ. ५८।४५ उ. +निर्जला ११ व्रः
१४	चं	५१	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	मं	४९	१३	ज्ये	२६	५५	शु	३२	६	वि	२३	५९	२४	७	५३	२०	३०	१३	ध.२६।५५	भ. २३।५९ या. गुर्जराणां वटसावित्री व्र

९पं.ज्ये.शु.३बृ.इ.४९।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	२	२	४	५	१
२४	३	१७	१७	२७	१	८	२३
७	४५	६	१७	४३	५२	३४	५७
१२	४७	२९	२	१	१६	४५	२१
५७	३४	५९	१३	७२	४	३	५७
२२	२८	२२	१३	१४	१७	११	५

गोचरग्रहाः

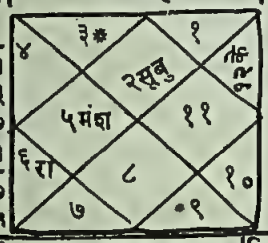

ज्ये.शु. ८ बुधे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यदिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु. ९बृ.इ.४९।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	२	३	४	५	२
०	७	२	१८	५	२	८	०
४८	३२	३२	४८	५९	२४	१२	३८
२५	४२	२४	३२	२	४७	३०	३०
५७	३५	५९	१३	७१	४	३	५७
१७	२०	५३	२०	५०	४६	११	५६

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३९	२०	मृ	१९	८	शु	२१	२८	बा	१४	१२	३४	५	५३	६	२१	३१	१४	धनुषि	आर्द्रा. रविः ५७।४० पुन. १ गुरुः १३।११
२	गु	२९	४१	पू	११	१७	ब्र	१०	४५	तै	४	३१	२४	७	५३	२२	१	१५	म.२४।३१	भ.५४।५१उ. आर्द्रा.रविः सौरः १२।३६०
३	शु	२०	२	उ	१९	५३	पै	२०	५०	वि	२०	२	२४	७	५३	२३	२	१६	मकरे	भ. २०।२ या. चतुर्थी व्र.
४	श	१२	२३	ध	५३	६	वि	४२	२८	बा	१२	२३	२४	७	५३	२४	३	१७	कुं.२५।३५	पुन. बुधः १।४३
५	र	५	४९	श	४९	४४	प्री	३५	१४	तै	५	४९	२३	७	५३	२५	४	१८	कुम्भे	आश्ले. शुक्रः २४ बुधोदयः पश्चिमायां ३१
६	चं	०	५६	पू	४८	११	आ	२९	२४	व	०	५६	२३	७	५३	२६	५	१९	मी३३।३५	भ. ०।५६ उ. २९।१८ या. पूफायां भौमः×
७	चं	५६	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×१।२७ मघा. २ शनिः ११।१६
८	मं	५६	११	उ	४८	१५	सौ	२५	३	बा	२६	५५	२३	७	५३	२७	६	२०	मीने	+१६।८ अस्तं गुरोः ९।० अ. गु.
९	बु	५६	२४	रे	५०	७	शो	२२	२	तै	२६	१९	२२	८	५२	२८	७	२१	मे.५०।७	*राष्ट्रीय आषाढारंभः
१०	गु	५८	१६	अ	५३	३७	अ	२०	१७	व	२७	२०	२२	८	५२	२९	८	२२	मेषे	भ. २७।२० उ. ५८।१६ या. कर्के बुधः+
११	शु	६०	०	भ	५८	१	सु	१९	४२	ब	२९	४७	२१	८	५२	३०	९	२३	मेषे	योगिनी ११ व्र. स्मा.
११	श	१	१९	कृ	६०	०	धृ	२०	२७	बा	१	१९	२०	८	५२	१	१०	२४	वृ.१४।२९	पुष्ये बुधः ३।५१ जुलाई मा. ७ ता. ३१=
१२	र	४	४०	कृ	३	५६	शू	२१	३१	तै	४	४०	१९	८	५२	२	११	२५	वृषे	प्रदोषः =योगिनी ११ व्र. वै.
१३	चं	१०	९	रो	१०	२९	गं	२३	१९	व	१०	९	१८	८	५२	३	१२	२६	मि४४।४	भ. १०।९ उ. ४३।१७ या.
१४	मं	१६	२५	मृ	१७	३९	वृ	२५	२५	श	१६	२५	१७	९	५१	४	१३	२७	मिथुने	
१५	बु	२२	२८	आ	२४	५८	ध्रु	२७	४७	ना	२२	२८	१५	९	५१	५	१४	२८	मिथुने	पुन. रविः ५६।३६

११पं.आ.कृ.२बृ.इ.४९।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	२	३	४	५	२
७	११	१७	२०	१४	३	७	७
२९	२५	३१	२१	१२	०	५०	१४
२४	१२	३७	४३	२९	५४	१४	५७
७७	३६	५९	१३	७१	५	३	५६
१३	४	१४	३२	२५	११	११	१४

गोचरग्रहाः

इस मासका फल श्रेष्ठ है वर्षा उत्तम होगी रस पदार्थ तेज रहे धान्यादि में मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

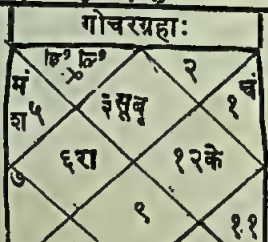

१२पं.आ.कृ.१०बृ.इ.४९।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	३	४	५	२
१४	१५	१	२१	२२	३	७	१३
९	२१	१५	५५	२२	३९	२७	५३
५०	५४	४८	१६	१५	५८	५८	२
५७	३६	५९	१३	७०	५	३	५६
७	२२	१३	३२	५१	३७	११	५०

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९१८स.१९७८
१	गु	२८	३०	पु	३२	३२	ध्या	३०	११	ब	२८	३०	३४/१४	५/९	६/५१	६	१५	२९	क.१५।३९	पुन. रविः १६/३७ पुन. २ गुरुः ५।० मघा.*
२	शु	३५	८	पु	३९	५७	ह	३२	४०	बा	१	४९	१३	९	५१	७	१६	३०	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा *सिंहे शुक्रः २६/४७
३	श	४०	२६	श्ले	४७	६	व	३४	५५	तै	७	४७	११	१०	५०	८	१७	१	सिं४७।६	सावान ८
४	र	४५	१९	म	५३	२०	सि	३६	२७	व	१२	५२	१०	१०	५०	९	१८	२	सिंहे	भ.१२/५२ उ. ४५/१९ या. आश्ले. बुधः ११/४२
५	चं	४९	२९	पू	५९	३	व्य	३७	२६	ब	१७	२४	८	१०	५०	१०	१९	३	सिंहे	+मघा. सिंहे बुधः ३४/२ वायु परीक्षा
६	मं	५२	१९	उ	६०	०	व	३७	५०	कौ	२०	५४	७	११	४९	११	२०	४	कं.१५।८	×पुन. ३ गुरुः ५४।१७ गुरु १५
७	बु	५३	४३	उ	३	२२	प	३६	५२	ग	२३	१	५	११	४९	१२	२१	५	कन्यायां	भ. ५३।४३ उ.
८	गु	५३	३६	ह	५	३७	शि	३४	३७	वि	२३	३९	४	११	४९	१३	२२	६	तु.३६।२७	भ. २३।३९ या.
९	शु	५१	२२	चि	७	१५	सि	३०	५०	बा	२२	२९	२	१२	४८	१४	२३	७	तुलायां	उफा. ३ राहुः उभा. १ केतुः ५४।१२
१०	श	४७	५६	स्वा	६	४९	सा	२५	३७	तै	१९	३८	०	१२	४८	१५	२४	८	वृ.४९।५१	=४९/२१) देवशयनी ११ व्र.
११	र	४१	९	वि	४/११	५५/३५	शु	१८	५१	व	१४	३२	३३/५८	१२	४८	१६	२५	९	वृश्चिके	भ. १४/३२ उ ४१/९ या. कर्केऽर्कः २६।० (सौरः=
१२	चं	३४	१५	ज्ये	५३	५७	शु	१०	५६	ब	७	४२	५६	१३	४७	१७	२६	१०	ध.५३।५७	प्रदोषः
१३	मं	२५	२९	मू	४६	५०	ब्र	१/४४	४९/४७	तै	२५	२९	५४	१३	४७	१८	२७	११	धनुषि	पूफा. शुक्रः १६।३१
१४	बु	१५	४६	पू	३९	३६	वै	४०	३९	व	१५	४६	५२	१४	४६	१९	२८	१२	म.५२।२८	भ. १५।४६ उ ४०/४३ या. पुष्ये रविः ५५/१७+
१५	गु	५	४१	उ	३१	१३	वि	२९	४६	ब	५	४१	५०	१४	४६	२०	२९	१३	मकरे	पुष्ये रविः सौरः २०।२ उफा. भौमः १४/३७×

१३पं. आ.शु.१बृ.इ.४९।१८

र.	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	४	४	५	२
२०	१९	१२	२४	०	४	७	२०
५०	२०	५३	३०	२६	२२	५	३०
१०	५६	१३	४	४२	१९	४३	५६
५७	३६	९५	१३	७१	६	३	५६
७	५६	३३	३८	९	३	११	५०

४चंबु २ ५० ३सूबृ १ ६रा १२के ७ ९ ११ ८ १०

१४पं. आ.कृ.८बृ.इ.४९।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	४	४	५	२
२७	२३	२२	२५	८	५	६	२७
३०	२८	५८	४	२६	७	४३	९
३२	५५	४४	१६	४६	५	२७	३
५७	३७	७६	१३	६९	६	३	५६
११	२०	२०	३८	२०	२२	११	५५

४बु २ ५× ३सूबृ १ ६रा १२के चं ७ ९ ११ ८ १०

१५पं.आ.शु.१५बृ.इ.४९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	२	४	४	५	३
४	२७	१	२६	१६	५	६	३
११	३९	५	३८	२१	५४	२१	४७
१७	३२	३५	४९	११	११	१२	३०
५७	३७	५२	१३	६८	६	३	५६
१५	५०	२७	३२	२६	३४	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४९	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	४६	४	श्र	२३	२४	प्री	१८	५५	तै	२०	३५	३३/४७	५/१५	६/४५	२१	३०	१४	कु.५०।२	
३	श	३७	४६	ध	१६	४०	आ	८/५२	५०/५९	व	११	५५	४५	१५	४५	२२	३१	१५	कुम्भे	भ.११/५५ उ.३७/४६ या. उ.गुरौः ३७/१२ च. व्र. उ.गु.
४	र	३०	५५	श	११	२२	शो	५२	७	ब	४	२०	४२	१६	४४	२३	१	१६	मी५३।४३	रा. श्रावणारम्भः
५	चं	२६	४	पू	७	५०	अ	४६	१	तै	२६	४	४०	१६	४४	२४	२	१७	मीने	कन्यायां भौमः ५२।५० नाग ५ मरुस्थले
६	मं	२३	१५	उ	५	५६	सु	४१	३१	व	२३	१५	३७	१७	४३	२५	३	१८	मीने	भ. २३।१५ उ. ५३।१७ या.
७	बु	२३	१८	रे	६	१७	धृ	३८	४३	ब	२३	१८	३५	१७	४३	२६	४	१९	मे.६।१७	
८	गु	२३	५७	अ	८	४४	शू	३७	२२	कौ	२३	५७	३२	१८	४२	२७	५	२०	मेषे	मघा. ३ शनिः २५।३५
९	शु	२६	४८	भ	१२	४५	गं	३७	४२	ग	२६	४८	२९	१८	४२	२८	६	२१	वृ.२९।८	भ. ५९।२ उ.
१०	श	३१	१७	कृ	१८	१९	वृ	३८	३५	वि	३१	१७	२६	१९	४१	२९	७	२२	वृषे	भ. ३१।१७ या.
११	र	३६	३७	रो	२४	५७	ध्रु	४०	३३	ब	३	५६	२४	१९	४१	३०	८	२३	मि५८।३६	उफा. शुक्रः ३।१६ कामिका ११ व्र.
१२	चं	४२	५०	मृ	३२	१६	व्या	४२	५५	कौ	९	४३	२१	२०	४०	३१	९	२४	मिथुने	*वक्री बुधः ५३।१२ कन्या शुक्रः ९।४
१३	मं	४९	१	आ	३९	४९	ह	४५	२५	ग	१५	५६	१८	२०	४०	१	१०	२५	मिथुने	भ. ४९।१ उ. अगस्त मा. ८ता. ३१ प्रदोषः
१४	बु	५५	३	पु	४७	५५	व	४७	५६	वि	२२	२	१५	२१	३९	२	११	२६	क.३०।५४	भ. २२।२ या. आश्लेषा. रविः ५२।१८*
३०	गु	६०	०	पु	५४	४५	सि	५०	१३	च	२७	३८	१२	२२	३८	३	१२	२७	कर्के	आश्लेषा. रविः सौरः २०/५१ हरियाली ३०
३०	शु	०	१३	श्ले	६०	०	व्य	५२	११	ना	०	१३	९	२२	३८	४	१३	२८	कर्के	पुन. कर्के गुरुः ५७।१८

१६पं.श्रा.कृ.८बृ.इ.४८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	२	४	४	५	३
१०	१	६	२८	२४	६	५	१०
५२	५२	४४	१२	९	४२	५८	२६
१९	५५	४९	०	०	४०	५६	४७
५७	३८	२७	१३	६७	६	३	५७
२०	२८	२०	३२	२५	५२	११	५

गोचरग्रहाः

५+ ३बृ ६ मं रा ४सूचं २ ७ १ ८ १० के १२ ९ ११

आ. शु. ११ रवौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ५ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

३बृ मं शु रा ६ ४सूचं २ ७ १ ८ १० के १२ ९ ११

१७पं. श्रा.कृ.३०बृ.इ.४८।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	२	५	४	५	३
१७	६	९	२९	१	७	५	१७
३४	९	५	४४	४९	३३	३६	६
१	५८	५८	४६	३७	४०	४०	३५
५७	३८	४/१०	१३	६५	७	३	५७
२५	५०	च	२०	५९	२	११	१२

*मंशुश +बुशुश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशुश

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००													दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः १९४८सन् १९७८
१	श	६	४	श्ले	१	४९	व	५३	३४	ब	६	४	३३	२	३७	५	१४	२९	सिं	१।४९	
२	र	१०	३४	म	७	३७	प	५४	२२	कौ	१०	३४	३	२३	३७	६	१५	३०	सिंहे		चन्द्रदर्शनम् सिंघारा
३	चं	१४	२५	पू	१२	५६	शि	५४	१८	ग	१४	२५	०	२४	३६	७	१६	१	कं.	२९।०	भ. ४५।१२ उ. तीज रमजान ९
४	मं	१६	०	उ	१७	१३	सि	५३	३८	वि	१६	०	३३	२५	३५	८	१७	२	कन्यायां		भ. १६।० या. वरद ४
५	बु	१८	३०	ह	२०	२८	सा	५२	०	बा	१८	३०	५३	२५	३५	९	१८	३	तु.	५१।२६	अस्तं शनैः ४७।१५ नाग पंचमी
६	गु	१८	३८	चि	२२	२५	शु	४९	१०	तै	१८	३८	५०	२६	३४	१०	१९	४	तुलायां		हस्ते भौमः १।३४
७	शु	१७	३४	स्वा	२३	७	शु	४५	२०	व	१७	३४	४७	२७	३३	११	२०	५	तुलायां		भ. ३४ उ. ४६ या. हस्ते शुक्रः २६।७*
८	श	१५	२	वि	२२	१७	ब्र	४०	१६	ब	१५	२	४३	२७	३३	१२	२१	६	बृ.	७।२९	*बुधास्त पश्चिमायाम् १३।१७
९	र	१०	५१	अ	१९	५३	ऐं	३३	५७	कौ	१०	५१	४०	२८	३२	१३	२२	७	वृश्चिके		
१०	चं	५	३१	ज्ये	१६	३४	वै	२६	३७	ग	५	३१	३३	२९	३१	१४	२३	८	घ.	१६।३४	भ. ३३ उ. ५६ या. पवित्रा ११ व्र. स्मा.
११	चं	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
१२	मं	५०	३७	मू	११	३४	वि	१८	७	ब	२४	३६	३३	२९	३१	१५	२४	९	धनुषि		पवित्रा ११ व्र. वै.
१३	बु	४१	३९	पू	५३	५३	प्री	५४	४९	कौ	१६	८	२९	३०	३०	१६	२५	१०	म.	१८।२५	मघा. सिंहेऽर्कः ४६।१३ प्रदोषः
१४	गु	३२	५९	श्र	५११	७	सौ	४८	२०	ग	७	१९	२६	३१	२९	१७	२६	११	मकरे		भ. ५९ उ. २६ या. मघा. सिंहेऽर्कः सौरः १७ १६
१५	शु	२३	५२	ध	४४	०	शो	३८	१	ब	२३	५२	२२	३२	२८	१८	२७	१२	कु.	१७।३४	श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनं

१८पं.श्रा.शु.६बृ.इ.४८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	३	५	४	५	३
२४	१०	७	१	९	८	५	२३
१६	३०	५२	१६	१९	२४	१४	४७
२६	४०	२५	१	४१	५८	२५	४२
५७	३९	३३	१३	६४	७	३	५७
३३	७	ब	१४	२८	१३	११	२२

गोचरग्रहाः

श्रा. शु. १३ बुधे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

१९पं.श्रा.शु.१४बृ.इ.४८।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	३	५	४	५	४
०	१४	२	२	१६	९	४	०
५९	५५	५१	४५	४०	१८	५२	२९
४९	१२	७	४०	४४	०	९	५५
५७	३९	५७	१२	६२	७	३	५७
४०	३०	ब	५५	३५	२०	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००													दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१४	०	श	३७	४१	अ	२८	१४	कौ	१४	०	३२	५	६	१९	२८	१३	कुम्भे		पुष्य १ गुरुः २७।४६
२	र	६	२७	पू	३२	२२	सु	१९	१७	ग	६	२७	१५	३३	२७	२०	२९	१४	मी	१८।४२	भ. ३३।२० उ. वक्री आश्ले. कर्के बुधः ४२ ४७
३	चं	०	१४	उ	२८	५५	धृ	११	३९	वि	०	१४	११	३४	२६	२१	३०	१५	मीने		भ. ०।१४ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	५५	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
५	मं	५३	५३	रे	२७	१६	शु	५	२९	कौ	२४	५५	८	३४	२६	२२	३१	१६	मे.	२७।१६	*५६।५६ वत्स द्वादशी प्रदोषः
६	बु	५३	५६	अ	२८	८	गं	५९	५७	ग	२३	५५	४	३५	२५	२३	१	१७	मेषे		भ. ५३ उ. मघा. ४ शनिः २१।५० रा.×
७	गु	५६	९	भ	३०	४७	द्रु	५७	१२	वि	२५	२	०	३६	२४	२४	२	१८	वृ.	४६।५३	भ. २५।२ या. चित्रायां शुक्रः २१।२१
८	शु	६०	०	कृ	३५	१४	ष्या	५७	२२	बा	२८	५	५९	३७	२३	२५	३	१९	वृषे		श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्र. +शुक्रः १३।९
८	श	०	२	रो	४१	१४	ह	५८	३४	कौ	०	२	५२	३८	२२	२६	४	२०	वृषे		बुधोदयः पूर्वस्यां २९।१९ गोगा ९
९	र	५	१५	मृ	४८	२९	व	६०	०	ग	५	१५	४८	३८	२२	२७	५	२१	मि	१४।५१	भ. ३८।१५ उ.
१०	चं	११	१६	आ	५५	५३	व	०	५०	वि	११	१६	४४	३९	२१	२८	६	२२	मिथुने		भ. ११।१६ या. मार्गी बुधः ३०।५२
११	मं	१७	५२	पु	६०	०	सि	३	१६	बा	१७	५२	४०	४०	२०	२९	७	२३	क.	४९।४९	अजा ११ व्र. ×भाद्रपदारंभः चन्द्रषष्ठी
१२	बु	२३	५९	पु	३	४७	ष्य	५	५२	तै	२३	५९	३६	४१	१९	३०	८	२४	कर्के		पूफायां रविः ३५।५० चित्रायां भौमः●
१३	गु	२९	५०	पु	१०	५३	व	८	१५	व	२९	५०	३२	४२	१८	३१	९	२५	कर्के		भ. ३९ उ. पूफा. रविः सौरः ८।८ तुलायां+
१४	शु	३४	५२	श्ले	१७	३८	प	१०	५	वि	२	२१	२८	४२	१८	१	१०	२६	सि	१७।३८	भ. २।२१ या. सितम्बर मा. ९ ता. ३०
२०	श	३८	३१	म	२३	१९	शि	११	११	च	६	४२	२५	४३	१७	२	११	२७	सिंहे		कुशाग्रहणी पिठोरी ३० मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.७बृ.इ.४८।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	३	५	४	५	४
७	१९	२७	४	२३	१०	४	७
४४	२२	१६	११	४७	१०	२९	१३
१७	५९	१२	४६	२	३४	५४	२७
५७	३९	३३	१२	६०	७	३	५७
४८	४९	ब	२०	१२	२०	११	४५

गोचरग्रहाः

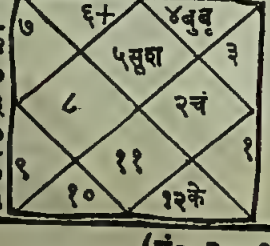

भाद्रमासमें उदय बुध भाव सुलभ बहु होय। बुध ऊगे आसोज में कमल कांकरा होय ॥ भादवा में बुधका उदय श्रेष्ठ है।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.कृ.१३बृ.इ.४८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	३	५	४	५	४
१४	२३	२७	५	०	११	४	१३
२९	५४	३७	३६	३२	५	७	५८
५६	२९	४४	७	५३	४१	३८	३९
५८	४०	२८	१२	५६	७	३	५७
१	१२	मा	११	२३	२०	११	५७

+मंशुरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशुरा ●चंबुबृ

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ७३७ स.१९७५
१	श ४२ ३९ अ ५५ ४३ वै १ ४१ किं १० ५९ ३९	४	६	१२	२२	२९	मेषे	शते भौमः ४ संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	र ४४ ५० भ ५९ १० वि २ ५७ बा १३ ४६ ३३	४	१८	१३	२३	३०	मेषे	चंद्रदर्शनम् सिधारा
३	चं ४६ १० कृ ६० ० आ ५७ ५२ तै १५ २५ ३६	४	१९	१३	२३	३०		अश्वि.मेषेऽर्कः २।३सौरः १।४० गणगौरी
४	मं ४६ २६ कृ १ ४० सौ ५५ २ व १६ १७ ४०	४	२०	१५	२५	२	वृ.१४।४७	भ. १६।१७ उ. ४६।२६ या.
५	बु ४५ ३४ रो ३ १२ शो ५१ ३० ब १५ ५९ ४३	३	९	२१	१६	२६	३	अश्वि. मेषे बुधः ३८।३१ रोहिण्यां शुक्रः×
६	गु ४३ ४० मृ ३ ३८ अ ४७ १ कौ १४ ३७ ४७	३	२१	१७	२७	४	मिथुने	×४८।१० उभा. ४ गुरुः ३।५५
७	शु ४० ३७ आ २ ५५ सु ४१ २७ ग १२ ८ ५१	३	८	२२	१८	२८	५	क.४६।४१ भ. ४०।३७ उ. *रविलाखर ४
८	श ३६ ४३ पु १७ ५७ धृ ३५ ८ वि ८ ४० ५५	३	२३	१९	२९	६	कर्के	भ. ८।४० या.
९	र ३१ ५१ श्ले २० ५४ ५६ शू २८ १३ वा ४ १७ ५८	३	२४	२०	३०	७	सिं५४।५६	रामनवमी पातस्पर्शः ५४ पातमोक्षः ३६
१०	चं २४ ५२ म ५० २० गं १९ २० ग २४ ५२ ३३	३	२६	२४	२१	१	८	सिंहे भ. ५२।१ उ. रा. वैशाखारंभः
११	मं १९ १० पू ४४ ४७ वृ ११ ४० वि १९ १० ६	३	२५	२५	२२	२	९	क.५८।१६ भ. १९।१० या. भरण्यां बुधः ५२।३९+
१२	बु ११ १६ उ ३८ ४४ धु ४ ५० बा ११ १६ १०	३	३४	२६	२३	३	१०	कन्यायां प्रदोषः +कामदा ११ व्र.
१३	गु ३ ११ ह ३२ ४५ ह ४ ५३ कौ ३ ११ १४	३	३३	२७	२४	४	११	तु.५९।५२ भ. ५४।२२ उ. पुनर्व. १ शनिः ३१।२९
१४	शु ५१ ११ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०
१५	शु ४७ २३ चि २६ ५९ व ३५ २ वि २० ५२	१७	३३	२७	२५	५	१२	तुलायां भ. २०।५२ या. हनुमज्जयन्ती

१पं.चै.शु.३चं.इ. २।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	११	१	२	७	०
०	८	२४	१२	६	१९	९	०
०	६	४१	५२	४२	२०	३६	०
०	५४	९	५१	०	५३	५७	२४
५८	४३	२२	१३	७१	३	३	५८
४४	४१	१६	२२	२१	५	११	४५

गोचरग्रहाः

चैत्र शु. ३ चंद्रे मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

२पं. चै.शु.१०चं.इ.२।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	११	१	२	७	०
६	१३	९	१४	१४	१९	९	६
५०	२०	२२	३१	५५	४६	१४	५०
४२	१७	१६	१	३३	२६	४२	३५
५८	४३	२९	१३	७१	३	३	५८
३१	५६	१९	९५	४	४४	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मतूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श ४० ५५ स्वा २२ ३ सि २७ १ बा १४ ९ ३२	३	५	२८	२६	६	१३	तुलायां	
२	र ३५ ३० वि १८ २७ ष्य २० २ तै ८ १३ २५	३	१२	२९	२७	७	१४	वृ.४।२१	भरण्यां रविः ४२।२० (सौरः ४२।५८)
३	चं ३२ ० अ १६ ४५ व १४ २४ व ३ १२ २९	३	३०	२८	२८	८	१५	वृश्चिके	भ.३।१२उ.३२।०या. मृगे.शुक्रः १५ च.व्र
४	मं ३० ३३ ज्ये १६ ३५ प १० ३४ ब १ १६ ३२	३	३०	२९	९	१६		ध.१६।३५	पूभायां भौमः ४५ कृत्तिका. बुधः १२।४९
५	बु ३१ ७ मू १८ ४० शि ८ १० कौ ० ५० ३६	२९	३१	३०	१०	१७		धनुषि	वृषे बुधः ५१।२९ रेवती.१ गुरुः ३१।२×
६	शु ३३ ५८ पू २२ ३७ सि ७ ३८ ग २ ३२ ४०	२८	३२	१	११	१८		म.३९।०	भ. ३३।५८ उ. मई मा. ५ ता. ३१
७	शु ३७ ५९ उ २८ १० सा ७ ५९ वि ५ ५८ ४३	२७	३३	२	१२	१९		मकरे	भ. ५।५८ या.
८	श ४३ ४३ श्र ३५ ७ शु ९ ४२ बा १० ५१ ४७	२७	३३	३	१३	२०		मकरे	×बुधोदयः पश्चिमायां १७।१
९	र ४९ ४३ ध ४२ २५ शु ११ २५ तै १६ ४३ ५१	२६	३४	४	१४	२१		कुं.८।४६	मिथुने शुक्रः ३।४८
१०	चं ५५ ५९ श ५० २ ब्र १४ १६ व २२ ५० ५४	२५	३५	५	१५	२२		कुम्भे	भ. २२।५० उ. ५५।५९ या.
११	मं ६० ० पू ५७ २४ रे १६ ४१ व २८ ५९ ५७	२५	३५	६	१६	२३		मी४०।३४	रोहिण्यां बुधः ३९ बरूथिनी ११ व्र. स्मा.
११	बु २ ० उ ६० ० वै १८ ४० बा २ ० ३३	२४	३६	७	१७	२४		मीने	वरूथिनी ११ व्र. वै.
१२	शु ७ १९ उ ४ ० वि १९ ५५ तै ७ १९ ४	२३	३७	८	१८	२५		मीने	प्रदोषः
१३	शु ११ १९ रे ९ २५ प्री २० ५ व ११ १९ ७	२३	३७	९	१९	२६		मे.९।२५	भ. ११।१९उ. ४२।३८या. आर्द्रा. शुक्रः*
१४	श १३ ५६ अ १३ २८ आ १९ १७ श १३ ५६ १०	२२	३८	१०	२०	२७		मेषे	*५७।१९
३०	र १५ १६ भ १६ १३ सो १७ ३१ ना १५ १६ १३	२१	३९	११	२१	२८		वृ.३०।३९	कृत्तिका. रविः २८।१५ (सौरः ३०।५५)

३पं. वै.कृ.३चं.इ.२।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	११	१	२	७	०
१३	१८	२४	१६	२३	२०	८	१२
३९	४५	१७	७	५	१५	५२	३९
४६	४	३८	५८	२१	३२	२६	१०
५८	४३	२१	१२	७०	४	३	५८
१९	५७	३०	५७	२५	२३	११	१२

गोचरग्रहाः

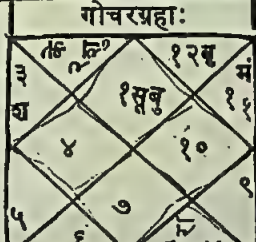

इस मास में ५ शनि५रवि मध्यम हैं रुई पाट वारदाना सोना चांदी गुड़ खांड़ अनाज चावल सिरस्यं अलसी तेज हो ।

गोचरग्रहाः

४पं.वै.कृ.१०चं.इ.२।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	११	२	२	७	०
२०	२४	७	१७	१	२०	८	२०
२७	३	४१	४१	८	४९	३०	२५
२२	२५	२०	४९	२७	३७	१०	००
५८	४३	९	१२	६९	४	३	५७
६	४५	९	३२	३४	५१	११	५७

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः७६७ सन् १९७५
१	चं १५।१२ कृ १७।४० शो १४।४४ ब १५।१२	३३	५	६	१२	२२	२९	वृषे	मीने भौमः ५८।४५ चन्द्रदर्शनम्
२	मं १३।५६ रो १८। ९ अ ११। २ कौ १३।५६	१९	२०	४०	१३	२३	१	मि४७।५१	परशुराम जयंती जमादिलावल ५
३	बु ११।५९ मृ १७।३४ रु ६।३१ ग ११।५९	२२	२०	४०	१४	२४	२	मिथुने	भ. ४०।३० उ. वृषेऽर्कः ५५।३० (सौरः=
४	गु ९। २ आ १६।२२ धृ २०।३१ वि ९। २	२५	१९	४१	१५	२५	३	मिथुने	भ. ९।२ या. मृगे बुधः ४६।३७ रेवती.×
५	शु ५।१५ पु १४।४० गं ४९।५२ बा ५।१५	२८	१८	४२	१६	२६	४	क. ०।५	=५८।४३ अक्षया ३
६	श १।१३ पु १२।१५ वृ ४३।३८ तै १।१३	३०	१८	४२	१७	२७	५	कर्के	भ. ५६।३८ उ. उभायां भौमः १९।१०
७	श ५५।२५ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	×२ गुरुः ३६।५५
८	र ५१।३७ श्ले ९।२६ द्वि ३६।३८ वि २४।१३	३३	१७	४३	१८	२८	६	सिं९।२६	भ. २४।१३ या.
९	चं ४६।१४ म ६। १ आ २९।३५ वा १८।५६	३६	१७	४३	१९	२९	७	सिंहे	+मोहिनी ११ ब्र.
१०	मं ४०। ९ पू ५२।५६ ह २२। २ तै १३।११	३९	१६	४४	२०	३०	८	कं.१५।५१	
११	बु ३४। ० उ ५३।३२ व १४।२२ व ७। ४	४१	१६	४४	२१	३१	९	कन्यायां	भ. ७।४ उ. ३४।० या. पुनर्व. शुक्रः ४६+
१२	गु २७।४२ चि ४९।२६ स्वा ४३।१६ ब ०।५१	४३	१५	४५	२२	१	१०	तु.२१।२९	प्रदोषः रा. ज्येष्ठारम्भः
१३	शु २१।३२ स्वा ४५।४८ वि ५१।४४ तै २१।३२	४६	१५	४५	२३	२	११	तुलायां	नृसिंह जयन्ती
१४	श १५।५९ वि ४२।४२ प ४५।१२ व १५।५९	४८	१४	४६	२४	३	१२	वृ.२८।२९	भ. १५।५९ उ. ४३।३७ या.
१५	र ११।१५ अ ४०।४४ शे ३८।४६ ब ११।१५	५०	१४	४६	२५	४	१३	बृश्चिके	रोहिण्यां रविः १९।५ (सौरः २४।५२)

५पं. वै.श. १चं.इ. ३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०।१०	१।११	२	२	७	०		
२७।२९	१८।१९	९।२१	८।२७				
१३।१९	१९।१४	४।२६	७।१०				
३४।१९	३७।३४	४।५२	५५।५५				
५७।४३	८१।१२	६८। ५	३।५७				
५४।४९	५४।१४	४३।१६	११।४५				

गोचरग्रहाः

वैशाख शु.३ बुधे वृषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे मह घंता शुक्रा. पू.।

गोचरग्रहाः

६पं. वै.शु.९ चं.इ.३।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	२	२	७	१
३	४	२५	२०	१६	२२	७	३
५८	३५	४७	४०	५३	८	४५	५४
२६	४२	५२	४	४९	३१	३९	३४
५७	४३	४५	११	६७	२	३	५७
४४	४०	८	४९	३८	४३	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं ७।५७ ज्ये ४०।३२ सि ३५।१७ कौ ७।५७	३३	५	६	२६	५	१४	ध.४०।३२	
२	मं ६।१४ मू ४१।५० सा ३२।१२ ग ६।१४	५४	१३	४७	२७	६	१५	धनुषि	भ. ३६।१७ उ.
३	बु ६।२० पू ४४।४९ शु ३०।५५ वि ६।२०	५६	१३	४७	२८	७	१६	धनुषि	भ. ६।२० या. वक्री बुधः २०।२३ च.ब्र.
४	गु ८। ९ उ ४९। १ शु ३०।१९ वा ८। ९	५८	१२	४८	२९	८	१७	म.०।५२	
५	शु ११।४१ श्र ५५।१७ ब्र ३१।१० तै ११।४१	३४	१२	४८	३०	९	१८	मकरे	पुन. २ शनिः २६।३६
६	श १६।४४ ध ६०। ० रें ३२।५५ व १६।४४	२	१२	४८	३१	१०	१९	कुं.२८।४२	भ. १६ उ. ३९ या. कर्के शुक्रः १३।१९
७	र २२।३१ ध २। ७ वै ३५।१६ ब २२।३१	४	११	४९	१	११	२०	कुम्भे	रेवती ३ गुरुः ३५ पश्चिमास्तं बुधः १७ *
८	चं २८।३७ श ९।४५ वि ३७।४४ को २८।३७	६	११	४९	२	१२	२१	कुम्भे	*जून मा. ६ ता. ३०
९	मं ३४।३१ पू १७।११ प्री ३९।५९ तै १।३४	७	११	४९	३	१३	२२	मी०।१९	पुष्ये शुक्रः २०।९
१०	बु ३९। ३ उ २४। ८ आ ४१।३८ व ६।४७	९	१०	५०	४	१४	२३	मीने	भ. ४७ उ. ३९ या. रेवत्यां भौमः ५८
११	गु ४४। ३ रे २९।४९ सौ ४२। ३ व १२। ३	१०	१०	५०	५	१५	२४	मे.२९।४९	अपरा ११ ब्र.
१२	शु ४६।३८ अ ३४। ६ शो ४१।४२ को १५।२१	१२	१०	५०	६	१६	२५	मेषे	+अनु. १ राहुः कृत्तिका. ३केतुः ४२।५
१३	श ४७।३२ भ ३६।५६ अ ३९।४९ ग १७। ५	१३	९	५१	७	१७	२६	वृ.५२।११	भ. ४७।३२ उ. प्रदोषः
१४	र ४६।३८ कृ ३७।५६ सु ३६।३७ वि १७। ५	१४	९	५१	८	१८	२७	वृषे	भ. १५ या. मृगे रविः १४ (सौरः ३३)+
३०	चं ४४।१४ रो ३७।२९ धृ ३२।१२ च १५।२६	१६	९	५१	९	१९	२८	वृषे	वट पूजनम् सोमवती ३०

७पं. ज्ये.कृ. १चं.इ.३।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	२	२	७	१
१०	९	२९	२२	२४	२२	७	१०
४२	४९	३२	५	३२	५१	२३	३६
२५	५९	४५	२८	८	३९	२४	४५
५७	४३	९	१०	६६	१	३	५७
३५	३७	१४	५५	१६	८	११	२३

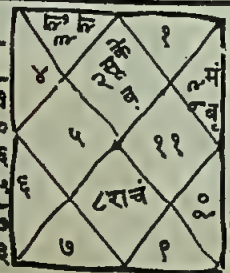

८पं.ज्ये.कृ.८चं.इ.३।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	३	२	७	१
१७	१५	२९	२३	१	२३	१७	१७
२५	२	२४	२६	५८	३७	१	१७
८	२८	०	३८	१५	२३	८	५१
५७	४३	१	१०	६४	६	३	५७
२७	२१	ब	२९	४०	४३	११	१३

९पं.ज्ये.कृ.३०चं.इ.३।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	३	२	७	१
२४	२०	२६	२४	९	२४	९	२३
७	१२	२७	४४	१२	२६	३८	५७
१२	३२	५४	१३	३२	९	५२	४७
५७	४३	३३	९	६२	६	३	५७
२२	७	ब	४७	५१	३७	११	५

*चंबुके

ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७

ति.		उ.		अ.		इ.		रा.		मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ७९६ स.१९७५
१	मं	४०	३८	मृ	३५	४८	शू	२६	४८	किं	१२	२६	३४	५	६	१०	२०	२९	मि ६।४३	
२	बु	३५	५९	आ	३३	१४	गं	२०	३३	वा	८	१९	१८	८	५२	११	२१	३०	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
३	गु	३०	४१	पु	२९	५२	वृ	१३	४७	तै	३०	२१	१९	८	५२	१२	२२	१	क. १५।४३	भ. ५७।५४ उ. जमादिलाखर ६
४	शु	२५	७	पु	२६	१६	धु	२६	५६	वि	२५	७	२०	८	५२	१३	२३	२	कर्के	भ. २५।७ या.
५	श	१९	२९	श्ले	२२	४३	ह	५२	३५	वा	१९	२९	२१	८	५२	१४	२४	३	सिं २२।४३	=रोहि. बुधः १२।१५
६	र	१३	५०	म	१९	१५	व	४५	२२	तै	१३	५०	२१	८	५२	१५	२५	४	सिंहे	मिथुनेऽर्कः १२।३९ (सौरः २४।२८) वक्री=
७	चं	८	२९	पू	१५	३७	सि	३८	२२	व	८	२९	२२	८	५२	१६	२६	५	कं. २९।४९	भ. ८।२९ उ. ३५।४७ या. आश्ले. शुक्रः ३३ २२
८	मं	३	५	उ	१२	२५	व्य	३१	२८	ब	३	५	२२	८	५२	१७	२७	६	कन्यायां	
९	मं	५.४	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×(सौरः २६।१) अश्वि. मेषे भौमः ३१ २२
१०	बु	५३	११	ह	९	१७	व	२४	५६	तै	२५	३६	२३	७	५३	१८	२८	७	तु. ३७।५३	गंगादशमी
११	गु	४८	४५	चि	६	२३	प	१८	३१	ब	२०	५७	२३	७	५३	१९	२९	८	तुलायां	भ. २०।५७ उ. ४५ या. निर्जला ११ व्र
१२	शु	४४	४९	स्वा	४	११	शि	१२	३८	व	१६	४७	२३	७	५३	२०	३०	९	वृ. ४७।५७	रेवती ४ गुरुः ३७ बुधोदयः पूर्वस्याम् ८।४६
१३	श	४१	४०	वि	२	३२	सि	६	१६	कौ	१३	१४	२४	७	५३	२१	३१	१०	वृश्चिके	प्रदोषः
१४	र	३९	२५	अ	१	३२	सा	३४	५६	ग	१०	३२	२४	७	५३	२२	१	११	वृश्चिके	भ. ३९।२५ उ. आर्द्रा. रविः ११।३१×
१५	चं	३८	२८	ज्ये	१	४३	शु	५५	५५	वि	८	५६	२४	७	५३	२३	२	१२	ध. १।४३	भ. ८।५६ या. गुर्जराणां वट सा. पू.

१०पं.ज्ये.शु.७चं.इ.३।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	११	३	२	७	२
०	२५	२२	२५	१६	२५	६	०
४८	१८	५७	५५	९	१६	१६	३६
२५	२५	१४	२३	३९	५१	३६	५६
५७	४२	२३ ५४	९	६०	६	३	५६
१७	५१	ब	४	२३	५६	११	५७

ज्येष्ठ शु. ६ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा.५ न.५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

११पं.ज्ये.शु.१५चं.इ.३।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	११	३	२	७	२
७	०	२१	२७	२२	२६	५	७
२९	२२	२४	०	४६	९	५४	१५
२४	४१	२८	०	४०	१८	२१	२४
५७	४२	२३ ६	८	५७	७	३	५६
१३	३६	ब	१४	१	३	११	५४

ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७

ति.		उ.		अ.		इ.		रा.		मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३८	४७	मृ	२	५९	व्र	५४	२४	वा	८	३८	३४	५	६	२४	३	१३	धनुषि	मार्गी बुधः १७।१२
२	बु	४०	५५	पू	५	४४	दै	५३	२७	तै	९	५१	२४	७	५३	२५	४	१४	म. २१।४७	
३	गु	४४	३	उ	९	५५	वै	५३	५६	व	१२	२९	२३	७	५३	२६	५	१५	मकरे	भ. १२।२९ उ. ४४।३ या. पुन. ३ शनिः ५७ २२
४	शु	४८	५९	श्र	१५	३५	वि	५५	२५	ब	१६	३१	२३	७	५३	२७	६	१६	कु. ४८।५२	अस्तं शनेः २९।५८ चतुर्थी व्र.
५	श	५४	२०	ध	२२	८	प्री	५७	२३	कौ	२१	४०	२३	७	५३	२८	७	१७	कुम्भे	
६	र	६०	०	श	२९	३१	आ	५९	५०	ग	२७	२४	२२	८	५२	२९	८	१८	कुम्भे	मृगे बुधः ४८।४०
६	चं	०	२८	पू	३७	१	सौ	६०	०	व	०	२८	२२	८	५२	३०	९	१९	मी २०।१९	भ. ०।२८ उ. ३३।३३ या.
७	मं	६	३७	उ	४४	२२	सौ	२	१४	ब	६	३७	२१	८	५२	१	१०	२०	मीने	मघा. सिंहे शुक्रः ११।४७ जुलाई मा.७*
८	बु	१२	१४	रे	५०	५२	शो	४	२३	कौ	११	१४	२०	८	५२	२	११	२१	मे. ५०।५२	
९	गु	१६	५३	अ	५५	५७	अ	५	५०	ग	१६	५०	१९	८	५२	३	१२	२२	मेषे	भ. ४८।२२ उ. *ता. ३१
१०	शु	१९	५२	भ	५९	३६	सु	४	५२	वि	१९	५२	१८	८	५२	४	१३	२३	मेषे	भ. १९।५२ या.
११	श	२१	५	कृ	६०	०	धृ	४	४६	ना	२१	५	१७	९	५१	५	१४	२४	वृ. १४।५९	योगिनी ११ व्र.
१२	र	२०	२२	कृ	१	११	शू	१३	४३	तै	२०	२२	१५	९	५१	६	१५	२५	बृषे	पुन. रविः १०।२७ सौरः ३०।२ प्रदोषः
१३	चं	१७	४६	रो	५९	५९	वृ	५२	१९	व	१७	४६	१४	९	५१	७	१६	२६	मि ३०।१	भ. १७।४६ उ. ४६।२ या. मिथुनेबुधः ३७ ४२
१४	मं	१४	१९	आ	५५	३५	धु	४५	९	श	१४	१९	१३	९	५१	८	१७	२७	मिथुने	
२५	बु	७	३७	पु	५०	५३	व्या	३७	४१	ना	७	३७	११	१०	५०	९	१८	२८	क. ३७।४	

१२पं.आ.कृ.६चं.इ.३।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	११	३	२	७	२
१४	५	२३	२७	२८	२७	५	१३
९	२३	२७	५९	५९	२	३२	५३
५०	२	१४	६	९	२७	६	२८
५७	४२	२५	७	५३	७	३	५६
७	७	मा	१७	१६	१४	११	५०

इस मास में जो गेहूं चना मटर मूंग बाजरा मंदा हो। घृत तैल गुड़ खांड़ तेज भाव रहें।

१३पं.आ.कृ.१३चं इ. ३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	११	३	२	७	२
२०	१०	२९	२८	४	२७	५	२०
५०	१९	३१	५०	३८	५६	९	३१
१०	३७	२६	५६	३४	१३	५०	२२
५७	४१	६७	६	४७	७	३	५६
७	४६	२८	१८	५३	२०	११	५०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*चंबुके

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८२६ स.१९७५
१	गु ०।२६ पु ४५।३७ ह २९।१२ ब ०।२६	३४	५	६	१०	१९	२९	कर्के	चन्द्रदर्शन संभवः रथयात्रा
२	गु ५२।४० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु ४५।४३ श्ले ४०।१९ ब २०।३८ ते १९।२६	८	१०	२०	११	२०	१	सिं४०।१९	भरण्यां भौमः १९।१८ रज्जब ७
४	श ३८।२५ म ३४।५९ सि ११।४६ ब १२ ४	७	११	४९	१२	२१	२	सिंहे	भ. १२।४ उ. ३८।२५ या. आर्द्रा.बुधः ३६/३४
५	र ३१।३५ पू २९।५८ ब्य १७।५३ ब ४ ५९	५	११	४९	१३	२२	३	कं.४३।५५	
६	चं २५।१७ उ २५।४६ प ४७।५३ ते २५।१७	४	११	४९	१४	२३	४	कन्यायां	*१५ राष्ट्रीय श्रावणारंभः
७	मं १९।४८ ह २२।२३ शि ४१ १ व १९।४८	३	१२	४८	१५	२४	५	तु.५१।७	भ. १९।४८ उ. ४७।२ या.
८	बु १४।१६ चि १९।५२ सि ३५ २ ब १४।१६	०	१२	४८	१६	२५	६	तुलायां	कर्केऽर्कः ३९।५१
९	गु ११।३२ स्वा १८ ५ सा २९।४२ कौ ११।३२	३३/३२	१२	४८	१७	२६	७	तुलायां	कर्केऽर्कः सौरः २।४६ अश्वि. मेषे गुरुः ४४/४६
१०	शु ८।४४ वि १७।२२ शु २५।११ ग ८।४४	५६	१३	४७	१८	२७	८	वृ.२।३३	भ. ३७।५४ उ.
११	श ७ ३ अ १७।२३ शु २१।१७ वि ७ ३	५४	१३	४७	१९	२८	९	बृश्चिके	भ. ७।३ या. देवशयनी ११ ब्र.
१२	र ६ ८ ज्ये १८।३४ ब्र १८।२८ बा ६ ८	५२	१४	४६	२०	२९	१०	ध.१८।३४	पुष्ये रविः९।८ (सौरः ३३/३७) पुन. बुधः ३१/३० ×
१३	चं ६।३२ मू २०।५१ दे १६।१३ ते ६।३२	५०	१४	४६	२१	३०	११	धनुषि	×पूफा. शुक्रः १७/१४ पूर्वास्तं बुधः ५२/३६ प्रदोषः
१४	मं ७।४४ पू २४ ७ वै १५ ५ व ७।४४	४७	१५	४५	२२	३१	१२	म.४०।११	भ. ७।४४ उ. ३९।६ या. वायु परीक्षा
१५	बु १०।२८ उ २८।२३ वि १४।४४ ब १०।२८	४५	१५	४५	२३	१	१३	मकरे	पुन. ४ कर्के शनिः २।१२ व्यास पूजा*

१४पं.आ.शु.६चं.इ. ३।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	११	४	२	७	३
२७	१५	९	२९	९	२८	४	२७
३०	१२	१	३५	३८	५०	४७	९
३२	२२	४	४९	२४	२०	३४	२९
५७	४१	९८	५४०	७	३	५६	
११	११	६	१३	५८	२०	११	५५

गोचरग्रहाः

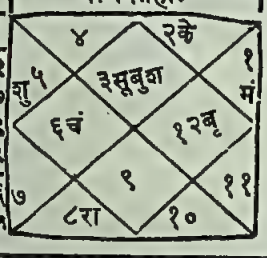

आ. शु. ८ बुधे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न. ६ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. १५धान्यादिभावे महर्घता शु. प.।

गोचरग्रहाः

१५पं.आ.शु.१३चं.इ.२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	०	४	२	७	३
४	२०	२१	०	१३	२९	४	३
११	१	२१	१३	४४	४५	२५	४७
१७	१९	२९	३३	२७	२५	१९	५६
५७	४०	९/४४	४	३२	७	३	५६
१५	४५		१०	१	२०	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु १४ ८ श्र ३४।१६ प्री १५ ३ कौ १४ ८	३३/४२	५	६/४४	२४	२	१४	मकरे	कर्के बुधः ५३।४९
२	शु १९।१३ ध ४०।४३ आ १६।३० ग १९।१३	४०	१६	४४	२५	३	१५	कु.७।२९	भ. ५१।५३ उ.
३	श २४।३४ श ४७।४८ सौ १८।१३ वि २४।३४	३७	१७	४३	२६	४	१६	कुम्भे	भ. २४।३४ या. पुष्ये बुधः ३१/१७ च. ब्र.
४	र ३०।३६ पू ५५।२२ शो २०।४४ बा ३०।३६	३५	१७	४३	२७	५	१७	मी३८।२८	*७।४६ उदयं शनेः ५०।११
५	चं ३६।४९ उ ६०। ० अ २२।१३ कौ ३४।३३	३२	१८	४२	२८	६	१८	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	मं ४२।५१ उ २।५७ सु २५।४२ ग ९५०।२९	१८	४२	२९	७	१९	मीने	भ. ४२।५१ उ.	
७	बु ४७।५८ रे १०। ७ धृ २७।४० वि १५।२४	२६	१९	४१	३०	८	२०	मे.१०।७	भ. १५।२४ या. कृत्तिका. भौमः ५९।६
८	गु ५१।४८ अ १६। ७ शू २८।४६ बा १९।५३	२४	१९	४१	३१	९	२१	मेषे	
९	शु ५४। ४ भ २०।५९ गं २८।४६ ते २२।५६	२१	२०	४०	१	१०	२२	वृ.३६।४६	**अगस्त मा. ८ ता. ३१**
१०	श ५४।११ कृ २४। १ वृ २७।१८ व २४। ७	१८	२०	४०	२	११	२३	वृषे	भ.२४।७उ. ५४।११या. आश्लेषा. बुधः*
११	र ५२।२५ रो २५।१० धु २४।१७ ब २३।१८	१५	२१	३९	३	१२	२४	मि५४।४३	आश्लेषा. रविः ६।९ (सौरः ३४।१६) ×
१२	चं ४८।३६ मृ २४।१६ ब्या १९।३५ कौ २०।३१	१२	२२	३८	४	१३	२५	मिथुने	×कामिका ११ ब्र.
१३	मं ४२।५० आ २१।२५ ह १३।२२ ग १५।४३	९	२२	३८	५	१४	२६	मिथुने	भ. ४२।५० उ वृषे भौमः ४।४६ प्रदोषः
१४	बु ३५।२२ पु १६।३८ व ५४२।५५१० वि ९ १	६	२३	३७	६	१५	२७	क.२।५०	भ. ९।१ या. वक्री शुक्रः २१।४६
३०	गु २७ १ पु १०।४२ ब्य ४७।१९ च १ १११	३	२३	३७	७	१६	२८	कर्के	हरियाली २०

१६पं.श्रा.कृ.५चं.इ.२।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	०	४	३	७	३
१०	२४	६	०	१६	०	४	१०
५२	४२	२७	४१	३५	३९	३	५२
१९	२२	३९	४९	९	२८	३	१९
५७	४०	९/४४	२	२०	७	३	५७
२०	१		५८	१३	१६	११	२०

गोचरग्रहाः

वृष राशौ यदा भौमः सर्व धान्य महर्घता। चंदनं कुंकुंम वस्त्रं कापासादि महर्घता॥ सुदी में वर्षा श्रेष्ठ हो।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ.१२चं.इ.२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	०	४	३	७	३
१७	२९	२०	१	१८	१	३	१७
३४	१९	३३	१	२	३३	४०	७
१	१६	३	२६	९	२१	४८	१
५७	३९	९/४४	१	५	७	३	५७
२५	१७		३७	३३	९	११	१२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८५५ सन् १९७५
१	शु	१७	५९	श्ले	३/२	५३/४९	व	३७	२	ब	१७	५९	३३/०	५/२४	६/३६	८	१७	२९	सिं ३।२	मघा. सिहे बुधः ५४।१६
२	श	८	५२	पू	५०	१०	प	२७	८	कौ	८	५२	३२/५६	२५	३५	९	१८	३०	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	र	०	७	उ	४३	५५	शि	१७	५	ग	०	७	५३	२५	३५	१०	१९	१	कं.३।३६	भ.२६।४उ.५२।२या. विशाखा. ४ राहुः*
४	र	५१	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*कृत्ति. २ केतुः ३४।४८ तीज सावान ८
५	चं	४४	५९	ह	३८	३३	सि	७/४७	५१/४०	ब	१८	३०	५०	२६	३४	११	२०	२	कन्यायां	नाग पंचमी
६	मं	३९	१७	चि	३४	२९	शु	५२	२१	कौ	१२	८	४७	२७	३३	१२	२१	३	तु.६।३१	+शुक्रास्त पश्चिमायाम् ३९/३६ पवित्रा ११ व्र.
७	बु	३४	५४	स्वा	३१	५५	शु	४६	११	ग	७	५	४३	२७	३३	१३	२२	४	तुलायां	भ. ३४।५४ उ. वक्री गुरुः ५।३९
८	गु	३२	३	वि	३०	४९	ब्र	४१	१३	वि	३	२८	४०	२८	३२	१४	२३	५	वृ.१६।६	भ. ३/२८ या. बुधोदयः पश्चिमायां ३५।१०
९	शु	३०	३७	अ	३०	५६	ऐं	३७	२८	बा	१	२०	३६	२९	३१	१५	२४	६	वृश्चिके	×श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनं भद्रोत्तरम्
१०	श	३०	३४	ज्ये	३२	३१	वै	३४	४४	तै	०	३४	३३	२९	३१	१६	२५	७	ध.३२।३१	पूफायां बुधः ५।४०
११	र	३१	५५	मू	३५	२९	वि	३३	१३	व	१	१४	२९	३०	३०	१७	२६	८	धनुषि	भ.१/१४उ.३१/५५या.मघा.सिंहेऽर्कः ०/४सौरः ३०/४१+
१२	चं	३४	११	पू	३९	३१	प्री	३२	२९	ब	३	२	२६	३१	२९	१८	२७	९	म.५५।४६	पुष्ये १ शनिः ३७।४४ शु.अ.प.
१३	मं	३७	५९	उ	४४	३१	आ	३२	५५	कौ	६	२	२२	३२	२८	१९	२८	१०	मकरे	प्रदोषः
१४	बु	४२	१२	श्र	५०	२०	सौ	३३	२४	ग	१०	५	१९	३२	२८	२०	२९	११	मकरे	भ. ४२।१२ उ.
१५	गु	४६	४०	ध	५७	९	शो	३५	२	वि	१४	४४	१५	३३	२७	२१	३०	१२	कु.२३।४५	भ. १४।४४ या. रोहिण्यां भौमः ३/२१×

१८पं.श्रा.शु.५चं.इ.२।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	०	४	३	७	३
२४	३	४	१	१७	२	३	२३
१६	४८	५	११	३५	२५	१८	४८
२६	२२	४२	५३	३१	२३	३२	८
५७	३८	[illegible]	०	११/१२	७	३	५७
३३	२७	०	२२	ब	२	११	२२

गोचरग्रहाः

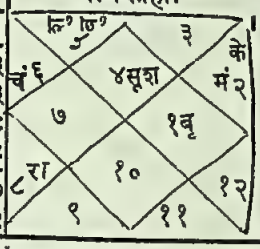

श्रा. शु. ११ रवौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

१९पं.श्रा.शु.१२चं.इ.२।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	०	४	३	७	४
०	८	१६	१	१५	३	२	०
५९	७	४५	११	२२	१६	५६	३०
४२	१६	१४	४२	५२	१	१६	२१
५७	३७	[illegible]	०/५३	२६/३७	६	३	५७
४०	३४	३५	ब	ब	४५	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५३	२९	श	६०	०	अ	३६	४४	बा	२०	२८	३२/११	५/३४	६/२६	२२	३१	१३	कुम्भे	वक्री मघा शुक्रः २।१०
२	श	५९	२३	श	४	९	सु	३९	११	तै	२६	२०	८	३४	२६	२३	१	१४	मी५४।४७	राष्ट्रीय भाद्रपदारम्भः
३	र	६०	०	पू	११	३९	धृ	४१	३४	व	३२	२९	४	३५	२५	२४	२	१५	मीने	भ. ३२।२९ उ. उफायां बुधः ३।७
३	चं	५	३६	उ	१९	८	शू	४३	५८	वि	५	३६	०	३६	२४	२५	३	१६	मीने	भ. ५।३६ या. चतुर्थी व्र.
४	मं	११	३५	रे	२६	३८	गं	४६	८	बा	११	३५	३१/५६	३७	२३	२६	४	१७	मे.२६।३८	कन्या. बुधः ९।३१
५	बु	१६	५५	अ	३३	१३	वृ	४७	५२	तै	१६	५५	५३	३८	२२	२७	५	१८	मेषे	चन्द्रषष्ठी
६	गु	२१	२३	भ	३९	१	ध्रु	४८	५२	व	२१	२३	४८	३८	२२	२८	६	१९	वृ.५५।६	भ. २१।२३ उ. ५२।५७ या.
७	शु	२४	३१	कृ	४३	२१	व्या	४८	१८	ब	२४	३१	४४	३९	२१	२९	७	२०	वृषे	जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	श	२५	५८	रो	४६	७	ह	४६	३६	कौ	२५	५८	४०	४०	२०	३०	८	२१	वृषे	पूफायां. रविः ४९/४१ जन्माष्टमी व्र. वै.
९	र	२५	२९	मृ	४६	४९	व	४३	३२	ग	२५	२९	३६	४१	१९	३१	९	२२	मि१६।५८	भ.५४/२०उ. पूफा. रविः सौरः २१/३३ गोगा ९
१०	चं	२३	११	आ	४५	४२	सि	३८	५३	वि	२३	११	३२	४२	१८	१	१०	२३	मिथुने	भ. २३/११ या. सितम्बर मा. ९ ता. ३०
११	मं	१८	४७	पु	४२	३४	व्य	३२	२९	बा	१८	४७	२८	४२	१७	२	११	२४	क.२८।२१	हस्ते बुधः २३।२० शुक्रोदयः पूर्वस्यां*
१२	बु	१२	१८	पु	३७	४०	व	२४	४०	तै	१२	१८	२५	४३	१७	३	१२	२५	कर्के	वत्स द्वादशी प्रदोषः
१३	गु	४	२८	श्ले	३१	२७	प	१५	४०	व	४	२८	२१	४४	१६	४	१३	२६	सिं३१।२७	भ. ४।२८ उ. २९।५७ या.
१४	गु	५०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*१४।२४ अजा ११ व्र.
३०	शु	४५	४९	म	२४	४७	शि	५/३३	४९/२०	च	२०	३७	१७	४५	१५	५	१४	२७	सिंहे	कुशाग्रहणी मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.३चं.इ. २।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	०	४	३	७	४
७	१२	२८	१	११	४	२	७
४४	१८	१३	१	३४	५	३४	१३
१७	३२	२३	५६	२२	५३	६१	५३
५७	३६	९४	२/१७	३५/१३	६	३	५७
४८	२३	५७	ब	ब	३०	११	४५

गोचरग्रहाः

इस मास में रुई सोनाचांदी शेयर के भावों में घटा बढ़ी रुख तेज रहे तिलतेल गुड़खांड़ तेज होवे।

गोचरग्रहाः

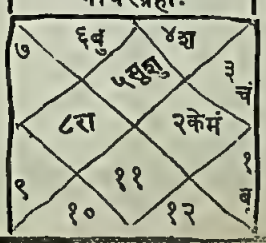

२१पं.भा.कृ.१०चं.इ. २।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	०	४	३	७	४
१४	१६	८	०	७	४	२	१३
२९	२०	७	४२	१८	५३	११	५९
५६	६	१२	५०	२२	३५	४५	५
५८	३५	८३	३/३४	३४/२	६	३	५७
१	७	१३	[illegible]	[illegible]	१७	११	५७

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८८४ स.१९७५
१	श ३५ ४७ पू १६ २२ सा ४३ ४७ किं १० ४८	३१ ९३	४५	१५ ६	१५	२८	कं.२९।२५	
२	र २६ ३ उ ८ ३७ शु ३३ १२ ला ० ५५	९	४६	१४	७	१६	२९	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	चं १७ १२ ह २३ ५३ शु २३ ३ ग १७ १२	५	४७	१३	८	१७	१	तु.२८।१५	भ. ४३।२७ उ. गणेश ४ रमजान ९
४	मं ९ ४३ स्वा ५० २८ ब्र १३ ४१ वि ९ ४३	१	४८	१२	९	१८	२	तुलायां	भ. ९।४३ या. ऋषि पंचमी
५	बु ३ ४२ वि ४७ ३१ ऐं ४४ ५३ बा ३ ४२	५७ ३०	४९	११	१०	१९	३	बृ.३३।१६	
६	बु ५५ ५१ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
७	गु ५७ १५ अ ४६ १५ वि ५४ १० ग २८ २४	५३	४९	११	११	२०	४	बृश्चिके	भ. ५७ १५ उ. वक्री रेवती ४ मीने गुरुः ४०
८	शु ५६ ५३ ज्ये ४६ ५० प्री ५० ३५ वि २६ ४	४८	५०	१०	१२	२१	५	ध.४६।५०	भ. २६।४ या.
९	श ५८ १५ मू ४९ ३३ आ ४८ २८ बा २७ ३४	४४	५१	९	१३	२२	६	धनुषि	उफायां रविः ३४ चित्रा बुधः ७।२४
१०	र ६० ० पू ५३ ३७ सौ ४७ ३७ ते २९ ३७	४०	५२	८	१४	२३	७	धनुषि	उफायां रविः सौरः १६ मृगे भौमः १२ ४०
१०	चं १ ० उ ५८ ५९ शो ४८ १४ ग १ ०	३६	५३	७	१५	२४	८	म.९।५७	भ. ३३।१० उ. ×रामदेवजी का मेला
११	मं ५ २० श्र ६० ० अ ४९ ११ वि ५ २०	३२	५४	६	१६	२५	९	मकरे	भ.२० या. कन्यायामर्कः ५९ जलझू. ११ व्र.
१२	बु १० १६ श्र ५ ९ सु ५० ५८ बा १० १६	२८	५४	६	१७	२६	१०	कुं.३८।४३	कन्यार्कः सौरः ३१।२३ प्रदोषः
१३	गु १६ १४ ध १२ १६ धृ ५३ ५ ते १६ १४	२४	५५	५	१८	२७	११	कुम्भे	मार्गी शुक्रः २६।२ पुष्ये २ शनिः ३० १४
१४	शु २२ १७ श १९ २७ शू ५५ १९ व ३२ १०	२०	५६	४	१९	२८	१२	कुंभे	भ. २२।१७ उ. ५५।२२ या. अनन्त १४
१५	श २८ २८ पू २७ २ गं ५७ ४० ड २८ २८	१६	५७	३	२०	२९	१३	मी १०।८	महालय श्राद्धारंभः

२२पं.भा.शु.३चं.इ.१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	०	४	३	७	४
२१	२०	१७	०	३	५	१	२०
१६	९	२२	१६	५४	३८	४९	४५
५५	४३	४१	८	२५	६	३०	४५
५८	३३	६८	२६	२३	५	३	५८
१३	४६	२१	ब	ब	५३	११	१२

गोचरग्रहाः

भा.कृ. ११ भौमे कन्यायामर्कः प्र.वा. ३नं. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रो. पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

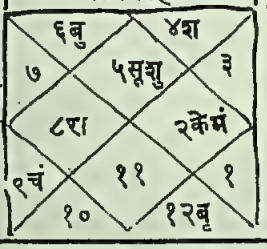

२३पं.भा.शु.१०चं.इ.१।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	११	४	३	७	४
२८	२३	२४	२९	२	६	१	२८
५	४६	५३	४०	४	२१	२७	३४
२४	१	५३	८	२३	०	१४	७
५८	३३	४९	५८	१९	५	३	५९
२६	५०	१७	ब	ब	२८	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ३४ ३२ उ ३४ १९ वृ ५९ ४९ बा १ २९	३० ९३	५८	६ ३	२१	३०	१४	मीने	
२	चं ४० २९ रे ४१ ३१ धु ६० ० ते ७ ३१	८	५८	२	२२	३१	१५	मे.४१।३१	तुलायां बुधः २५।४२
३	मं ४५ २६ अ ४८ २ धु १ ५७ व १७ ५८	४	५९	१	२३	१	१६	मेषे	भा. १२।५८ उ. ४५ रा. आश्विनारंभः
४	बु ४९ ४३ भ ५३ ५९ ष्या ३ २६ ब १२ ३४	३० ०	०	६ ०	२४	२	१७	मेषे	चतुर्थी व्र.
५	गु ५३ ४ कृ ५८ ४७ ह ४ १८ कौ २१ २३	५५ ५९	१	५९	२५	३	१८	बृ.१०।११	वक्री बुधः १४।७
६	शु ५५ ८ रो ६० ० व ४ १९ ग २४ १	५१	२	५८	२६	४	१९	वृषे	भ. ५५।८ उ.
७	श ५५ ४४ रो २ २६ सि ३ २९ वि २५ २६	४७	३	५७	२७	५	२०	मि ३३।३२	भ. ३५ या. हस्ते रविः १२।२८ (सौरः ४३)
८	र ५४ ५३ मृ ४ ३९ व्य १ ३४ ४३ बा २५ १९	४३	३	५७	२८	६	२१	मिथुने	मिथुने भौमः ३७।३८
९	चं ५२ २० आ ५ १६ प ५३ ३४ ते २३ ३१	३८	४	५६	२९	७	२२	क.४९।३२	मातृ ९
१०	मं ४७ ३२ पु ४ १७ शि ४७ ३३ व १९ ५१	३४	५	५५	३०	८	२३	कर्के	भ. २९।५१ उ. ४७।३२ या.
११	बु ४१ २९ पु २७ १५ सि ४० ९ ब १४ ३१	३०	६	५४	१	९	२४	सिं ५७।४	वक्री कन्या. बुधः २०।५ इन्दिरा ११ व्र*
१२	गु ३३ ५६ म ५१ २३ सा ३१ २५ कौ ७ ४३	२६	७	५३	२	१०	२५	सिंहे	*अक्टबर मा. १० ता. ३१
१३	शु २५ १६ पू ४४ २८ शु २१ ४५ व २५ १६	२२	८	५२	३	११	२६	कं.५७।२२	भ. ३५ उ. ५७ या. पश्चिमास्तो बुधः ३५ ग्रदोषः
१४	श १५ ३८ उ २६ ३९ शु ११ २० श १५ ३८	१८	८	५२	४	१२	२७	कन्यायां	शस्त्रादि हतानां श्राद्धम् सर्व पितृ ३०
३०	र ५ ४९ ह २८ ५१ ब्र ३७ ४९ ना ४९ १४	१४	९	५१	५	१३	२८	तु.५५।११	मातामहश्राद्धम्

२४पं.आ.कृ.२च.इ.१।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	११	४	३	७	५
४	२७	२९	२८	२	६	१	४
५५	७	५२	५६	४	५९	४	२४
१९	१६	१९	३५	२३	२०	५८	१४
५८	२९	१९	६ ४०	४७	५	३	५८
३८	३९	५	ब	मा	०	११	४५

गोचरग्रहाः

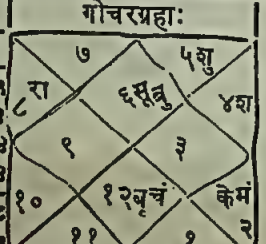

आ. शु. १३ शुक्रे तुलायामर्कः प्र. वा.४न.४ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

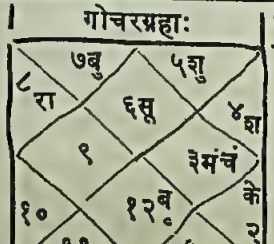

२५पं.आ.कृ. ९चं.इ.१।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	११	४	३	७	५
११	०	०	२८	४	७	०	११
४६	१०	५२	६	१०	३५	४२	१६
५५	५५	५	५८	४१	१०	४३	१७
५८	२७	३२	२१	२३	४	३	५९
५३	३२	ब	ब	२६	२४	११	०

तिथि: आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः

१	र	५०	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	चं	४७	२७	चि	२१	३२	वै	३९	१५	बा	२१	४९	३९	६	५	६	१४	२९	तुलायां
३	मं	४०	१	स्वा	१५	३	वि	२९	३७	तै	१३	४४	६	११	४९	७	१५	१	वृ.५६।२०
४	बु	३४	३१	वि	१०	५	प्री	२१	१३	व	७	१०	२	१२	४८	८	१६	२	वृश्चिके
५	गु	३०	२८	अ	७	१	आ	१४	१९	ब	२	२३	२८	१२	४८	९	१७	३	वृश्चिके
६	शु	२८	५१	ज्ये	५	४६	सौ	९	११	तै	२८	५१	५४	१३	४७	१०	१८	४	ध.५।४६
७	श	२९	२०	मू	६	४५	शो	५	४१	व	२९	२०	५०	१४	४६	११	१९	५	धनुषि
८	र	३१	४१	पू	९	३३	अ	३	४३	वि	०	३१	४६	१५	४५	१२	२०	६	म.२५।४४
९	चं	३५	४९	उ	१४	१९	सु	३	२६	बा	३	४५	४२	१६	४४	१३	२१	७	मकरे
१०	मं	४१	६	श्र	२०	३१	धृ	३	५३	तै	८	२८	३८	१६	४४	१४	२२	८	कुं.५४।८
११	बु	४७	२२	ध	२७	४६	शू	५	३५	व	१४	१४	३४	१७	४३	१५	२३	९	कुम्भे
१२	गु	५३	३२	श	३५	०	गं	७	४५	ब	२०	२७	३०	१८	४२	१६	२४	१०	कुम्भे
१३	शु	६०	०	पू	४२	४४	वृ	१०	२	कौ	२६	४७	२६	१९	४१	१७	२५	११	मी२५।४९
१३	श	०	४	उ	५०	८	ध्रु	१२	३४	तै	०	१	२३	२०	४०	१८	२६	१२	मीने
१४	र	५	५८	रे	५७	१	व्या	१४	४०	व	५	५८	१८	२०	४०	१९	२७	१३	मे.५७।१
१५	चं	११	३२	अ	६०	०	ह	१६	१३	व	११	३२	१४	२१	३९	२०	२८	१४	मेषे

शरदर्तौ रविर्दक्षिणेऽर्गणः९१४ स १९७५

नवरात्रा
वक्री हस्ते बुधः ३८।५६ चंद्रदर्शनम्
सव्वाल १० ×सरस्वती पू.
भ. ७।१० उ. ३४।३१ या.
*सरस्वत्याव्हानम्
चित्रा रविः ३/४ वक्री रेवती ३गुरुः५।१०*
भ. २९।२० उ. चित्रा रविः सौरः ३/४×
भ. ३/९ या. विशा. ३ तुला. राहुः कृ. १+
+मेषे केतुः २७।२८ बलिदानम्
पूफायां शुक्रः ५६।१५ विजया दशमी
भ. १४।१४ उ. ४७।२२ या. बुधोदयः÷
÷पूर्वस्यां ४४।३६ पापांकुशा ११ व्र
तुलायामर्कः २८।१५ (सौरः५७/९१) प्रदोषः
आर्द्रा. भौमः ४६।४१ मार्गी बुधः२९।३७
भ. ५।५८ उ. ३/४६ या. शरद पूर्णिमा=
=कोजागरी व्र.

२६पं.आ.शु.२चं.इ.१।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	११	४	३	७	५
१८	२	२४	२७	७	८	०	१८
४०	५३	२	१३	२८	६	२०	१०
८	४६	८	८	१२	०	२७	४
५९	२५	६७	५८	३४	३	३	५९
९	१६	ब	ब	२३	५९	११	१६

२७पं.आ.शु.९चं.इ. १।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	११	४	३	६	५
२५	५	१८	२६	११	८	२९	२५
३५	१४	२२	१६	५८	३३	५८	१५
६	२	५३	५५	१९	४३	१२	४६
५९	२१	६६	५५	५२	४२	३	५९
२१	३१	ब	ब	३३	२०	११	३१

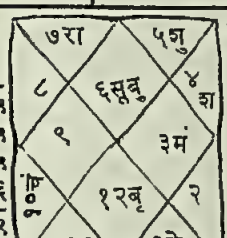

२८पं.आ.शु.१५चं.इ.०।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	५	११	४	३	६	६
२	७	१५	२५	१७	८	२९	२
३१	२	५२	२०	७	५५	३५	३
३४	६	१६	४६	८	२३	५६	१५
५९	१७	२३	५३	४९	२	३	५९
३४	५२	मा	ब	४६	३९	११	४६

तिथि: कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः

१	मं	१६	६	अ	३	१६	व	१७	२९	कौ	१६	६	३८	६	५	२१	२९	१५	मेषे
२	बु	१९	५२	भ	८	३५	सि	१७	५९	ग	१९	५२	९	२३	३८	२२	३०	१६	वृ.२४।४३
३	गु	२२	३७	कृ	१३	७	व्य	१७	३८	वि	२२	३७	२	२४	३६	२३	१	१७	वृषे
४	शु	२४	१३	रो	१६	३१	व	१६	४०	बा	२४	१०	५८	२४	३६	२४	२	१८	मि४७।४४
५	श	२४	५२	मृ	१८	५८	प	१४	३१	तै	२४	५२	५४	२५	३५	२५	३	१९	मिथुने
६	र	२४	८	आ	२०	९	शि	११	४८	व	२४	८	५०	२६	३४	२६	४	२०	मिथुने
७	चं	२२	३३	पु	२०	२३	सि	८	३	ब	२२	३३	४६	२७	३३	२७	५	२१	क.५।२०
८	मं	१९	२३	पु	१९	१	सा	१७	५४	कौ	१९	२३	४२	२८	३२	२८	६	२२	कर्के
९	बु	१५	५	श्ले	१५	३८	गु	१५	२८	ग	१५	५	३९	२८	३२	२९	७	२३	सि१५।३८
१०	गु	९	२५	म	१२	५६	ब्र	१२	३२	वि	९	२५	३५	२९	३१	३०	८	२४	सिंहे
११	शु	२	४७	पू	८	५	ते	३३	४९	बा	२	४७	३१	३०	३०	३१	९	२५	कं.२१।३८
१२	शु	५२	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	श	४६	३४	उ	१९	३८	वै	२४	२४	ग	२०	४७	२७	३१	२९	१	१०	२६	कन्यायां
१४	र	३७	४७	चि	४९	३	वि	१४	२५	वि	१२	१४	२४	३१	२९	२	११	२७	तु.२२।२५
१५	चं	२९	२४	स्वा	४२	२६	प्री	१५	४५	च	३	३५	२०	३२	२८	३	१२	२८	तुलायां

शरदर्तौ रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ५१।१५ उ.
भ. ३/३३ या. रा. कार्तिकारंभः करक च. व्र
स्वात्यां रविः १०।१७ (सौरः ३८।९)

भ. २४।८ उ. ५३।२० या.

चित्रायां बुधः ४२।२६
भ. ४२।१५ उ.
भ. २/९ या. उफायांशुक्रः ३/४ रमा ११ व्र.स्मा.
रमा ११ व्र. वै.

भ. ४/६ उ. प्रदोषः धन१३ नव.११ ता.३०
भ. ३/४ या. तुला. बुधः १५।१५ रूप १४
कन्या शुक्रः १/२४ सोमवती महालक्ष्मी पूजा

२९पं.का.कृ.७चं.इ.०।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	५	११	४	३	६	६
९	८	२१	२४	२३	९	२९	९
२९	२१	१६	२६	२४	१२	१३	२
४९	७	२६	१७	११	५८	४०	३५
५९	१३	७०	२५	५३	१	३	६०
४७	८	२३	ब	४७	५९	११	२

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ मंगलवार तेजी कारक हैं। सोमवती अमावस्या होने से बीच में मंदी भी होगी। प्रजामें पीड़ा रस तेज

गोचरग्रहाः

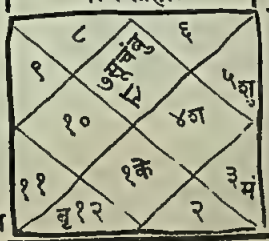

३०पं.का.कृ.३०चं.इ.०।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	११	४	३	६	६
१६	९	१	२३	२९	९	२८	१६
२९	२	९	२६	५९	२४	५१	३
३८	३८	१४	११	१०	७	२५	३९
६०	७	९१	४०	५७	१	३	६०
	४४०	४४	ब	२६	१९	११	१८

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२२१३ स.१९७९
१	शु	२५	१	भ	३२	३८	आ	३२	५५	ब	२५	१	३३	२९	२७	७	२९	वृ.४७।३१	भरण्यारविः ४३ (सौरः ४५) रेव.बुधः ३६*
२	श	२२	१९	कृ	३२	११	सौ	२८	४४	कौ	२२	१९	२९	३०	३०	२८	८	१	वृषे	परशुराम ज. जमादिलाखर ६
३	र	२१	१७	रो	३३	८	शो	२५	४९	ग	२१	१७	३२	३०	३०	२९	९	२	वृषे	भ. ५१।४७ उ. अक्षया ३
४	चं	२२	१८	मृ	३६	४	अ	२४	३४	वि	२२	१८	३६	२९	३१	३०	१०	३	मि४।३६	भ. २२।१८ या. *चन्द्रदर्शनम्
५	मं	२५	१३	आ	४०	२६	सु	२४	२१	ग	२५	१३	४०	२८	३२	१	११	४	मिथुने	रेवत्यां शुक्रः ४१।१५ मई मा.५ ता.३१
६	बु	२९	३४	पु	४६	३८	धृ	२५	४०	तै	२९	३४	४३	२७	३३	२	१२	५	क.३०।५	
७	गु	३५	५	पु	५३	२८	शू	२७	३०	ग	२	१९	४७	२७	३३	३	१३	६	कर्के	भ. ३५।५ उ. पातस्पर्शः १८।१९ पात-×
८	शु	४१	१७	श्ले	६०	०	ग	२९	५३	वि	८	१३	५१	२६	१४	४	१४	७	कर्के	भ. ८।१३ या. ×मोक्षः ४७।२५
९	श	४७	२५	श्ले	१	५५	वृ	३२	१४	बा	१४	२१	५४	२५	३५	५	१५	८	सि१।५५	+अश्वि.मेषेभौमः ४६ मोहिनी ११ ब्र.
१०	र	५३	१८	म	९	१८	धु	३४	२४	तै	२०	२१	५७	२५	३५	६	१६	९	सिंहे	÷२९।४७ (सौरः ३३।१)
११	चं	५८	१३	पू	१६	८	व्या	३५	४७	व	२५	४६	३३	२४	३६	७	१७	१०	कं.३२।३१	भ.२५।४६उ.५६या. अश्वि.मेषे बुधः १५+
१२	मं	६०	०	उ	२५	४३	ह	३६	८	ब	२९	५३	४	२३	३७	८	१८	११	कन्यायां	
१३	बु	१	३२	ह	२५	५७	व	३५	१७	बा	१	३२	७	२३	३७	९	१९	१२	तु.५७।१४	मार्गी शनिः ५४।३४ प्रदोषः
१३	गु	३	२८	चि	२८	३२	सि	३३	१०	तै	३	२८	१०	२२	३८	१०	२०	१३	तुलायां	नृसिंह १४
१४	शु	३	४४	खा	२९	३९	व्य	२९	५१	व	३	४४	१३	२१	३९	११	२१	१४	तुलायां	भ. ३।४४ उ. ३३।५ या. कृति. रवि.÷
१५	श	२	२७	वि	२९	२३	व	२५	३९	ब	२	२७	१६	२१	३९	१२	२२	१५	वृ.१४।२७	अश्वि.मेषेशुक्रः ४०य मायजलान्नकुंभदा.

३पं.वै.शु. २श.इ. ४।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	३	११	४	४	०
१३	२२	१७	७	१२	१३	२१	१३
३९	३८	१३	८	२१	४६	२६	३८
४३	२०	१	२४	५०	१६	५२	२६
५८	४५	७१	५६	७२	१९	३	५८
१९	३८	५५	१९	५०	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

मुहुरत पंद्रह की लगी मेष राशि संक्रांति। सरसों गल्ला तेल तिल तेजी में दिन राति।। तेजी का नफा जल्दी ले लें

गोचरग्रहाः

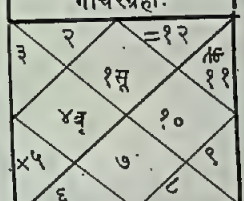

४पं.वै.शु. ९ श.इ. ४।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	३	११	४	४	०
२०	२७	२६	७	२०	१३	२१	२०
२७	५८	५५	५२	४७	४१	४	५०
२२	४४	१९	५५	३५	३८	३९	७
५८	४५	९१	७	७३	२९	३	५७
६	२८	४०	१०	८	ब	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृ.महाराष्ट्राः
१	श	५७	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	५६	८	अ	२७	५८	प	२०	२१	तै	२८	०	३३	५	६	१३	२३	१६	वृश्चिके	×भरण्यां बधः ५३।२
३	चं	५१	५१	ज्ये	२५	४७	शि	१५	१७	व	२३	५९	२२	२०	४०	१४	२४	१७	ध.२५।४७	भ.२३।५९ उ.५१।५१ या. वृषेऽर्कः७।२×
४	मं	४६	४६	मू	२२	५५	सि	७	५४	ब	१९	१८	२५	१९	४१	१५	२५	१८	धनुषि	वृषेऽर्कः सौरः ०।४९ चतुर्थी ब्र.
५	बु	४१	४८	पू	१९	५१	सा	१३	५३	कौ	१४	१७	२८	१८	४२	१६	२६	१९	म.३४।६	=३ गुरुः ९।३५
६	गु	३६	३२	उ	१६	३७	शु	४७	२१	ग	९	१०	३०	१८	४३	१७	२७	२०	मकरे	भ. ३६।२३ उ.
७	शु	३१	१८	श्र	१३	१९	ब्र	४०	२२	वि	३	५५	३३	१७	४३	१८	२८	२१	कु.४१।४०	भ.३।५५ या. बुधास्तः पूर्वस्याम् ४२।३५
८	श	२४	३१	ध	१०	२	धै	३३	२७	कौ	२४	३१	३६	१७	४३	१९	२९	२२	कुम्भे	
९	र	२०	४३	श	६	३२	वै	२०	१७	ग	२०	४३	३९	१६	४४	२०	३०	२३	मी४९।६	भ. ४८।६ उ.
१०	चं	१५	३०	पू	३	१७	वि	१९	३४	वि	१५	३०	४१	१६	४४	२१	३१	२४	मीने.	भ:१५।३० या. कृति. बुध:४३।२९ पुष्य=
११	मं	१०	२०	उ	१	१९	प्री	१३	१	बा	१०	२०	४३	१५	४५	२२	१	२५	मे.५७।२०	रा. ज्येष्ठारम्भः अपरा ११ ब्र.
१२	बु	५	४६	अ	५५	२६	आ	६	४८	तै	५	४६	४६	१५	४५	२३	२	२६	मेषे	भरण्यां शुक्रः ४५।२६ वृषे बुधः १८।३६+
१३	गु	१	३९	भ	५४	५	सौ	६	५४	व	१	३९	४८	१४	४६	२४	३	२७	मेषे	भ. १।३९ उ. ३०।५७ या. +प्रदोषः
१४	गु	५८	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*३४ पूफा.२ राहुःशते.४ केतुः५५ वटपूजा
३०	शु	५६	२५	कृ	५३	५८	अ	५२	३	च	२७	३१	५०	१४	४६	२५	४	२८	वृ. ९।४	रोहि.रविः ३७ (सौरः ३६) भरण्यां भौमः*

५पं.ज्ये.कृ.१श.इ.४।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	३	११	४	४	०
२७	३	८	८	२९	१३	२०	२७
१३	१७	२०	४४	१५	३९	३२	३०
३४	२६	३८	२०	३	२५	२४	२१
५७	४५	००	८	७३	१३	३	५७
५४	२३	३७	१०	२०	मा	११	४५

गोचरग्रहाः

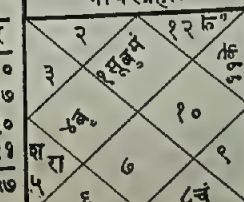

ज्येष्ठ कृ. ४ भौमे.. वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० (धा.भावे समर्धता) शु.उ. पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

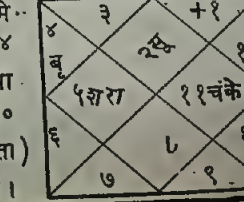

६पं.ज्ये.कृ. ८श.इ.४।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	३	०	४	४	१
३	८	२१	९	७	१३	२०	३
५८	३४	२१	४१	४२	४४	३०	५४
२६	१९	३२	१०	३२	६	५	०
५७	४५	००	९	७३	१	३	५७
४४	१३	२१	३	२६	१	११	३४

*बृशमं (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×राशचं =शुबुमं +मंशुबु

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३९४सन् १९८२
१	बु	३४	४७	पु	३४	९	व	२९	५	किं	९	२८	३३/४७	५/१५	६/४५	२१	३०	२९	कर्के	कर्के बुधः २१।८ ●चन्द्रद. सिंघारा
२	गु	२६	३२	श्ले	२८	५	सि	१९	२९	बा	०	३९	४५	१५	४५	२२	३१	३०	सिं२८।५	पुष्ये बुधः ५६/४४ तुलायां भौमः ३९।५०●
३	शु	१९	३८	म	२४	१५	व्य	११/१	४२/३७	ग	१९	३८	४२	१६	४४	२३	१	१	सिंहे	भ. ४७/७ उ. रा.श्रावणारंभः तीज सव्वाल१०
४	श	१४	३५	पू	२०	९	प	५७	५९	वि	१४	३५	४०	१६	४४	२४	२	२	कं.३४।५२	भ. १४।३५ या. वरद ४
५	र	११	२९	उ	१९	१	शि	५४	१३	बा	११	२९	३७	१७	४३	२५	३	३	कन्यायां	नाग पंचमी ×स्वात्यां भौमः ५१/१५
६	चं	१०	४५	ह	२०	१४	सि	५२	२	तै	१०	४५	३५	१७	४३	२६	४	४	तु.५१।४६	
७	मं	११	५०	चि	२३	१९	सा	५१	३३	व	११	५०	३२	१८	४२	२७	५	५	तुलायां	भ. ११।५० उ. ४३।२६ या.
८	बु	१५	३	स्वा	२८	५	शु	५२	५	ब	१५	३	२९	१८	४२	२८	६	६	तुलायां	चित्रायां १ शनिः ४२।२०
९	गु	१९	३५	वि	३४	१६	शु	५३	४०	कौ	१९	३५	२६	१९	४१	२९	७	७	वृ.१७।४३	आश्लेषा. बुधः १५।१
१०	शु	२५	२५	अ	४१	२५	ब्र	५६	१	ग	२५	२५	२४	१९	४१	३०	८	८	वृश्चिके	भ. ५८।२४ उ.
११	श	३१	२४	ज्ये	४९	८	ऐं	५८	२६	वि	३१	२४	२१	२०	४०	३१	९	९	ध.४९।८	भ. ३१/२४ या. पुन. शुक्रः ५८/३३ पवित्रा ११ व्र.
१२	र	३७	४९	मू	५६	४४	वै	६०	०	ब	४	३७	१८	२०	४०	१	१०	१०	धनुषि	अगस्त मा. ८ ता. ३१ +भद्रोत्तरं
१३	चं	४३	४५	पू	६०	०	वै	१	४	कौ	१०	४७	१५	२१	३९	२	११	११	धनुषि	आश्ले. रविः ५३।५० प्रदोषः
१४	मं	४९	५	पू	३	५८	वि	३	२६	ग	१६	२५	१२	२२	३८	३	१२	१२	म.२०।३९	भ. ४९।५ उ. आश्ले. रविः सौरः ३३/३७×
१५	बु	५३	४२	उ	१०	४१	प्री	५	४	वि	२०	५३	९	२२	३८	४	१३	१३	मकरे	भ २०।५३ या. श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनं+

१६पं.श्रा.शु.७मं.इ.५०।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	६	२	५	२	३
१०	२	१३	८	१५	२३	१८	१०
५२	४३	४६	७	२	१६	३३	२६
१९	३०	१९	२६	१०	४१	२४	१३
५७	३४	[illegible]	५	७३	३	३	५७
२०	५२	१०	३२	३२	५०	११	५

गोचरग्रहाः

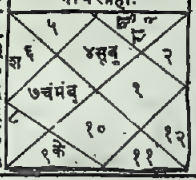

इस मासमें ५ बुध वार रस पदार्थ तेज करें बुधे पंच रस क्षयः" अनाज गल्ला किराना सोना चांदी में मंदी होगी ।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.शु.१४मं.इ.५०।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	६	२	५	२	३
१७	६	२०	८	२३	२३	१८	१७
३४	३९	४१	४७	३१	४४	११	४
१	२५	६	३१	१	६	९	१
५७	३४	[illegible]	६	७३	४	३	५७
२५	५२	[illegible]	३५	४४	२८	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतुं रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	५७	१८	श्र	१६	१८	आ	६	८	बा	२५	३०	३३/६	५/२३	६/३७	५	१४	१४	कु.४८।४६	मघायां सिंहे बुधः १।३५
२	शु	५९	५६	ध	२१	१३	सौ	६	४१	तै	२८	३७	३	२३	३७	६	१५	१५	कुम्भे	बुधोदयः पश्चिमायाम् ४४।५०
३	श	६०	०	श	२५	१	शो	६	१७	ध	३०	४८	०	२४	३६	७	१६	१६	कुम्भे	भ. ३०।४८ उ.
३	र	१	४१	पू	२७	५८	अ	५	७	वि	१	४१	३३/५६	२५	३५	८	१७	१७	मी१२।१४	भ. १।४१ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	१	५०	उ	२९	४५	सु	३	७	बा	१	५०	५३	२५	३५	९	१८	१८	मीने	कर्के शुक्रः ११।५२
५	मं	१	८	रे	३०	४०	धृ	०/१६	५६/१४	तै	१	८	५०	२६	३४	१०	१९	१९	मे.३०।४०	भ. ५९।३२ उ. चन्द्रषष्ठी
६	मं	५८	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५६	५०	अ	३०	२३	गं	५१	५४	वि	२८	११	४७	२७	३३	११	२०	२०	मेषे	भ. २८।११ या. पुष्ये शुक्रः ५४।१७
८	गु	५३	२	भ	२८	४९	वृ	४६	२६	बा	२४	५६	४३	२७	३३	१२	२१	२१	वृ.४३।१८	पूफायां बुधः ३०।४ जन्माष्टमी व्र.
९	शु	५०	२	कृ	२६	२१	ध्रु	४०	८	तै	२१	३५	४०	२८	३२	१३	२२	२२	वृषे	गोगा ९ ●सौरः १९।२२
१०	श	४२	८	रो	२२	५५	व्या	३२	५०	व	१६	७	३६	२९	३१	१४	२३	२३	मि५०।४०	भ. १६।७ उ. ४२।८या. स्वाती १ गुरुः ४४/४९
११	र	३४	८	मृ	१८	२४	ह	२४	४७	ब	८	८	३३	२९	३१	१५	२४	२४	मिथुने	अजा ११ व्र.
१२	चं	२७	२६	आ	१२	५८	व	१६	४	कौ	०	४७	२९	३०	३०	१६	२५	२५	क.५३।२५	मघायां सिंहेऽर्कः ४७/४५ वत्स द्वादशी प्रदोषः
१३	मं	१९	०	पु	६	५५	सि	६/४१	५०/३१	व	१९	०	२६	३०	३०	१७	२६	२६	कर्के	भ. १९।०उ.४४।५१या. मघा. सिंहेऽर्कः●
१४	बु	१०	४३	पु	०/४१	५३/५९	व	४७	४३	श	१०	४३	२२	३१	२९	१८	२७	२७	सिं५४।३८	
३०	गु	२	४८	म	४९	१७	प	३८	५५	ना	२	४८	१९	३२	२८	१९	२८	२८	सिंहे	कुशाग्रहणी पिठोरी ३० मन्वादिः

१८पं.भा.कृ.५मं.इ.५०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	६	३	५	२	३
२४	१०	१०	९	२	२४	१७	२३
१६	४३	२१	३६	१	१५	४८	४७
२६	४८	३५	४	४	४७	५३	८
५७	३७	[illegible]	७	७३	४	३	५७
३३	४	५६	४४	५६	५३	११	२२

गोचरग्रहाः

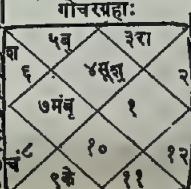

भा. कृ. १३ भौमे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न. ६ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू. ।

गोचरग्रहाः

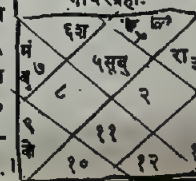

१९पं.भा.कृ.१३मं.इ.४९।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	६	३	५	२	४
०	१४	२१	१०	१०	२४	१७	०
५९	५७	५३	२६	३३	५०	२६	२९
४२	२५	४६	२०	१४	३१	३८	२१
५७	३७	९५	८	७४	५	३	५७
४०	५५	१०	३२	१	१९	११	३४

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४२४स.१९८२
१	गु ५२ ५७ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु ४९ ५७ पू ४५ १५ शि ३१ १० बा	२२	५१	३५	५	३३	२७	२० २९ २९	कं.५९।३८ उफा. बुधः ५०।२६ चन्द्रदर्शनम्
३	श ४६ २ उ ४२ ४९ सि २४ १७ तै	१७	५९	११	३४	२६	२१	३० १	कन्यायां हरितालिका ३ जिल्काद ११
४	र ४४ १३ ह ४२ १७ सा १९ ५ व	१५	७	८	३४	२६	२२	३१ २	कन्यायां भ.१५ उ.१३ या. आश्ले. शुक्रः ५१ गणेश४
५	चं ४४ २२ चि ४३ ३४ शु १५ १० ब	१४	१७	४	३५	२५	२३	१ ३	कन्यायांबुधः १६ रा.भाद्रपदारंभः ऋषि५
६	मं ४६ २२ स्वा ४७ २९ शु १३ ३८ कौ	१५	२२	०	३६	२४	२४	२ ४	तुलायां
७	बु ५० २२ वि ५२ ४९ ब्र १३ ९ ग	१८	२२	३१	३७	२३	२५	३ ५	बृ.३६।२९ भ. ५०।२२ उ. विशाखा भौमः ५४।२५
८	गु ५५ ४९ अ ५९ ३१ ऐं १३ ४८ वि	२३	५	५२	३८	२२	२६	४ ६	वृश्चिके भ. २३।५ या. ●जलझूलनी ११ व्र.
९	शु ६० ० ज्ये ६० ० वै १५ ४१ वा	२८	४६	४८	३८	२२	२७	५ ७	वृश्चिके ×सितम्बर मा. ९ ता. ३०
९	श १ ४२ ज्ये ६ ३५ वि १७ ५१ कौ	१	४२	४४	३९	२१	२८	६ ८	ब.६।३५
१०	र ८ ४ मू १४ १६ प्री २० २८ ग	८	४	४०	४०	२०	२९	७ ९	धनुषि भ. ४१ उ. रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
११	चं १४ ५ पू २१ ३१ आ २२ ३८ वि	१४	५	३६	४१	१९	३०	८ १०	म.३८।१५ भ. १५ या. पूफा. रविः ३७ हस्ते बुधः ५१●
१२	मं १९ ४० उ २८ २८ सौ २४ ४१ बा	१९	४०	३२	४२	१८	३१	९ ११	मकरे पूभा. रविः सौरः १० वामन १२ प्रदोषः
१३	बु २३ ५४ अ ३४ ११ शो २५ ४३ त्रै	२३	५४	२८	४२	१८	१	१० १२	मकरे आर्द्रा. ३ राहुः पूषा. १ केतुः २९।१५×
१४	गु २७ १० ध ३८ ४३ अ २५ ४१ व	२७	१०	२५	४३	१७	२	११ १३	कु.६।२६ भ.३७ उ.५७ या. म. सिंहे शुक्रः ३१ अ. १४
१५	शु २८ ४३ श ४१ ५० ध २४ ४८ ब	२८	४३	२१	४४	१६	३	१२ १४	कुम्भे महालय श्राद्धारंभः

२०पं.भा.शु.६मं.इ.४९।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	६	३	५	२	४
७	१९	२	११	१९	२५	१७	७
४४	१८	१२	२५	८	२८	४	१३
१७	७	१४	३४	६	५२	२२	५३
५७	३८	८४	९	७४	५	३	५७
४८	५३	५०	२२	२	४६	११	४५

गोचरग्रहाः

इस मासमें शुक्रवार को चंद्रदर्शन श्रेष्ठ वर्षा कारक है और तुला राशि में गुरु मंगल का योग हो रहा है।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.शु.१२मं.इ.४९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	६	३	५	२	४
१४	२३	११	१२	२७	२६	१६	१३
२९	४५	४	२९	४३	१०	४२	५८
५६	२५	१	१३	४१	१	६	५
५८	३९	६६	१०	७४	६	३	५७
१	३४	३४	६	१०	१२	११	५७

ति.	प्र.आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श २९ ७ पू ४३ ५० धृ २३ ३१ कौ	२९	७	३१	४५	५	४	१३ १५	मी२८।२६
२	र २८ २६ उ ४४ ३९ शू २० १० ग	२८	२६	१३	४५	१५	५	१४ १६	मीने भ. ५७।३१ उ. चित्रा. २ शनिः ४२।२२
३	चं २६ ३७ रे ४४ ४० गं १५ ५९ वि	२६	३७	९	४६	१४	६	१५ १७	मे.४४।४० भ. ३६ या. स्वाती. ३ गुरुः १६ चतुर्थी व्र.
४	मं २४ ४० अ ४३ ४९ वृ १२ ११ बा	२४	४०	५	४७	१३	७	१६ १८	मेषे
५	बु २० ३९ भ ४२ १३ द्यु ८ ९ त्रै	२०	३९	१	४८	१२	८	१७ १९	बृ.५६।४०
६	गु १६ ४९ कृ ४० १ ष्या ३३ ५३ व	१६	४९	३०	४९	११	९	१८ २०	बृषे
७	शु १२ २९ रो ३७ १६ च ४९ ४ ब	१२	२९	५३	४९	११	१०	१९ २१	बृषे भ. १६।४९ उ. ४४।३९ या.
८	श ७ ३७ मृ ३४ १७ सि ४२ १७ कौ	७	३७	४८	५०	१०	११	२० २२	वृश्चिके भौमः १८।५४ ●प्रदोषः
९	र २ १३ आ ३० ३० व्य ३४ ५६ ग	२	१३	४४	५१	९	१२	२१ २३	मातृ ९ ×इन्दिरा ११ व्र. स्मा.
१०	र ५४ ७ ० ० ० ०	०	०	०	०	०	१३	२२ २४	मिथुने भ. २६ उ. ५६ या. बुधास्त.पश्चिमायाम् ३६
११	चं ४९ ५५ पु २६ २८ व २७ १४ ब	२३	८	४०	५२	८	१३	२२ २४	० +सर्वपितृ श्राद्ध.
१२	मं ४३ ३५ पु २२ १ प १९ ९ कौ	१६	१५	३६	५३	७	१४	२३ २५	क.१२।२८ उफा.रविः ३१ (सौरः ५४) पूफा.शुक्रः २८×
१३	बु ३७ १७ श्ले १७ ३६ शि ११ १४ ग	१०	२६	३२	५४	६	१५	२४ २६	कर्के इन्दिरा ११ व्र. वै.
१४	गु ३१ २७ म १३ १७ सि २५ ४० वि	४	२०	२८	५४	६	१६	२५ २७	सिं१७।३६ भ. ३७ उ. चित्रा. बुधः ५० अनु. भौमः ५०●
१५	शु २६ २१ पू ९ ५६ शु ४९ २९ ना	२६	२१	२४	५५	५	१७	२६ २८	सिंहे भ. २० या. कन्यायामर्कः ४७।३
									कं.२४।९ कन्यायामर्कः सौरः २३ वक्री बुधः ४६+

२२पं.प्र.आ.कृ.४ मं.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	६	४	५	२	४
११	२८	१८	१३	६	२६	१६	२०
६	१९	१९	३८	२२	५३	१९	४४
५	३०	५५	१७	३४	३८	५१	४५
८	४०	४६	१०	७४	६	३	५८
३	२२	२३	५०	२०	२६	११	१२

गोचरग्रहाः

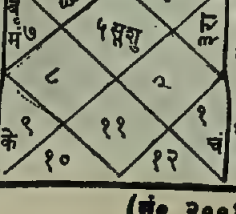

प्र.आ.कृ. १४गुरौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ३ नं.४अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मृ. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

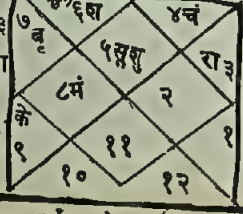

२३पं.प्र.आ.कृ.१२मं.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	६	४	५	२	४
२८	२	२३	१४	१५	२७	१५	२७
५	५८	०	५२	०	३९	५७	३३
२४	३४	२२	३०	४३	४	३५	७
५८	४०	१७	११	७४	६	३	५८
२६	५३	५७	२३	२३	४०	११	२९

●चंमंबृ

तिथि प्र.आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४५३स.१९८२

१	श	२२	३६	उ	७	२२	शु	४४	८	व	२२	३६	३०	५६	६	१८	२७	२९	कन्यायां
२	र	२०	३४	ह	६	२६	ब्र	४०	३९	कौ	२०	३४	१६	५७	३	१९	२८	१	तु.३६।४५
३	बं	२०	१३	चि	७	५	त्रैं	३८	५४	ग	२०	१३	१२	५८	२	२०	२९	२	तुलायां
४	मं	२२	८	स्वा	९	३५	वै	३७	५२	वि	२२	८	८	५८	२	२१	३०	३	वृ.५७।४७
५	बु	२५	३१	वि	१३	५२	वि	३८	३४	बा	२५	३१	४	५९	१	२२	३१	४	वृश्चिके
६	गु	३०	३८	अ	१९	३७	प्री	४०	८	त	३०	३८	३० ००	००	६	२३	१	५	वृश्चिके
७	शु	३५	४४	ज्ये	२६	२४	आ	४२	९	ग	३	११	५५	५९	५	२४	२	६	ध.२६।२४
८	श	४२	२९	मू	३३	५२	सौ	४४	२६	वि	९	७	५१	२	५८	२५	३	७	धनुषि
९	र	४८	४७	पू	४१	१७	शो	४७	११	बा	१५	३८	४७	३	५७	२६	४	८	म.५८।६
१०	बं	५४	२२	उ	४८	३२	अ	४८	३६	त	२१	३४	४३	३	५७	२७	५	९	मकरे
११	मं	५८	४८	श्र	५४	३५	सु	४९	२०	व	२६	३५	३८	४	५६	२८	६	१०	मकरे
१२	बु	६०	०	ध	५९	२२	धृ	४९	३	ब	३०	१७	३४	५	५५	२९	७	११	कु.२६।५८
१३	गु	१	४७	श	६०	०	शू	४८	२६	बा	१	४७	३०	६	५४	३०	८	१२	कुम्भे
१३	शु	२	५७	श	२	४१	गं	४५	२२	त	२	५७	२६	७	५३	१	९	१३	मी४८।४४
१४	श	२	४१	पू	४	७	वृ	४०	५	व	२	४१	२२	८	५२	२	१०	१४	मीने
१५	र	०	५३	उ	४	१०	ध्रु	३५	३७	ब	०	५३	१८	८	५२	३	११	१५	मीने

चन्द्रदर्शनम् अधिकमास आरम्भः
जिल्हेज १२
भ. ५१।१० उ.
भ. २२।८ या.
वक्री हस्ते बुधः ५८।४१
रा. आश्विनारंभः
भ.३५उ. उषा. शुक्रः१२ स्वाती ४गुरुः१५
भ. ९।७ या.
कन्यायां शुक्रः ५२।४०
हस्ते रविः ०।९ (सौरः ३२।३३)
भ. २६।३५ उ. ५८ या. कमला ११ व्र.

प्रदोषः
अस्तं शनेः ४५ अक्टूबर मा. १० ता. ३१
भ. २।४१ उ. ३१।४७ या.

२४पं. प्र.आ.शु.४मं इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	६	४	५	२	५
४	७	२३	१६	२३	२८	१५	४
५५	४४	४७	१०	४१	२५	३५	२३
१९	२०	३६	४७	५३	५२	२०	१४
५८	४१	३३	१२	७४	६	३	५८
३८	२९	व	१	२६	५९	११	४५

गोचरग्रहाः

यदा वृश्चिक राशिस्थो जायते च मही-सुतः। महर्घं सर्वं द्रव्याणां नृपाणां क्रोधमादिशेत्॥ धान्य धातु तिलहन में तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

२५पं.प्र.आ.शु.११मं.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	६	५	५	२	५
११	१२	१८	१७	२	२९	१५	११
४६	३५	५७	३१	२४	१५	१३	१५
५५	४२	४३	३४	२५	२२	४	१७
५८	४२	५९	१२	७४	७	३	५९
५३	१३	व	२१	२६	६	११	०

तिथि द्वि.आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेप्र.आश्वि.कृष्णेतिमहारा.

१	र	५६	५६	रे	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	बं	५३	४६	अ	४७	३	४	ख्या	२९	२६	त्रै	२५	५०	२९	६	५५	४	१२	१६
३	मं	४८	५६	अ	४७	५७	५	ह	२२	२५	व	२०	५१	१०	१०	५०	५	१३	१७
४	बु	४३	४३	कृ	५४	३७	व	१४	५९	ब	१५	५१	६	११	४९	६	१४	१८	
५	शु	३८	२६	रो	५१	७	त्रि	३१	२६	कौ	११	४	३	१२	४८	७	१५	१९	
६	शु	३३	८	मृ	४७	३४	व	५१	३४	ग	५	४७	२८	१२	४८	८	१६	२०	
७	श	२७	५०	आ	४४	६	प	४४	२३	वि	०	२९	५४	१३	४७	९	१७	२१	
८	र	२२	६	पु	४०	४९	शि	३७	२४	को	२२	६	५०	१४	४६	१०	१८	२२	
९	बं	१७	३७	पु	३७	३५	त्रि	३०	४४	ग	१७	३७	४६	१५	४५	११	१९	२३	
१०	मं	१२	४७	श्ले	३४	३९	सा	२७	४१	वि	१२	४७	४२	१६	४४	१२	२०	२४	सि३४।३९
११	बु	८	१७	म	३२	७	शु	२१	९	बा	८	१७	३८	१६	४४	१३	२१	२५	
१२	गु	४	१७	पू	३०	४	शु	१५	५	त	४	१७	३४	१७	४३	१४	२२	२६	कं.४४।४३
१३	शु	०	५८	उ	२८	४०	व्र	९	३२	व	०	५८	३०	१८	४२	१५	२३	२७	
१४	शु	५७	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	श	५७	१६	ह	२८	१९	त्रैं	४	२६	च	२७	४९	२६	१९	४१	१६	२४	२८	तु.५८।४९

हस्ते शुक्रः ५४ ज्येष्ठायां भौमः ३६।३९
भ. ५१ उ. ५६ या. चित्रा. ३ तुला. शनिः
चतुर्थी व्र. ४८ विशा. १ गुरुः २४
वक्री उफायां बुधः ९।२३
भ. ३३।८ उ. बुधोदयः पूर्वस्याम् ३५।४२
भ. ०।२९ या.
चित्रायां रविः ३२।१०
भ.४५उ. चित्रा. रविः सौरः३ मार्गीबुधः
भ. १२।४७ या.
शुक्रास्तः पूर्व. ३५ कमला ११ व्र. शु.अ.पू.
भ. ०।५८ उ. ३९ या. हस्ते बुधः ४।१४×
×चित्रा. शुक्रः ३६।१
अधिकमास समाप्तिः

२६पं.द्वि.आ.कृ.३मं.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	६	५	६	२	५
१८	१७	११	१८	११	०	१४	१८
४०	३१	२८	५५	७	५	५०	९
८	३०	५९	६	५९	२४	४८	४
५९	४२	६३	१२	७४	७	३	५९
९	३७	व	४६	३२	१४	११	१६

गोचरग्रहाः

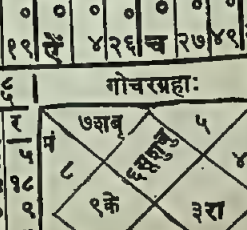

इस मास में व्यापारिक वस्तुओं में घटाबढ़ी होकर तेजी होगी। तेजी में हरचढ़े भाव पिछला स्टाक खतम करना चाहिने।

गोचरग्रहाः

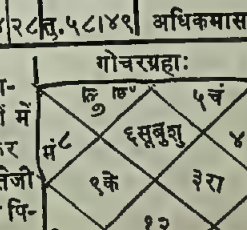

२७पं.द्वि.आ.कृ.१०मं.इ.४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	६	५	६	२	५
२५	२२	९	२०	१९	०	१४	२५
३५	३१	१०	२२	५२	५६	२८	४
६	१२	४४	१	१२	५२	३३	४६
५९	४२	३३	१३	७४	७	३	५९
२१	५९	मा	१०	३२	२०	११	३१

ति.	हि.आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४८२ स.१९८२
१	र ५७ १९ चि २९ १९ वै ३७ ५७ कि २७ १७	३६	२०	४०	१७	२५	२९	तुलायां	तुलायामर्कः १५६ (सौरः ४५३) नवरात्रारंभः
२	सं ५९ ० खा ३१ ३३ प्री ५५ ५९ बा २८ ९	१८	२०	४०	१८	२६	३०	तुलायां	चन्द्रदर्शनम् ●रा.कार्तिकारंभः सरस्वतीपू.
३	मं ६० ० वि ३५ २२ भा ५५ ११ तै ३० ९	१४	२१	३९	१९	२७	१	वृ.१९।२५	मोहोरम १ सन् १४०३ हि.
४	बु १ १९ अ ४० २९ सौ ५५ २८ ग १ १९	१०	२२	३८	२०	२८	२	वृश्चिके	भ. ३३।४० उ. तुलायां शुक्रः ५४।५३
५	गु ६ २ ज्ये ४६ ५३ शो ५६ ५२ वि ६ २	६	२३	३७	२१	२९	३	व.४६।५३	भ. ६।२ या.
६	शु ११ २५ मू ५४ २ अ ५८ ५५ बा ११ २५	२	२४	३६	२२	३०	४	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम्
७	श १७ ४४ पू ६० ● सु ६० ० तै १७ ४४	५८	२४	३६	२३	१	५	धनुषि	स्वात्यां रविः ५८ मूले धनुषि भौमः ७●
८	र २४ ३ पू १ ४१ सु १ १७ च २४ ३	५४	२५	३५	२४	२	६	म.१७।२	भ. २३ उ. ५६ या. स्वा. रविः सौरः २६ बलि.
९	सं २९ ५५ उ ९ ४ धृ ३ ३२ ब २९ ५५	५०	२६	३४	२५	३	७	मकरे	×२ गुरुः ४३।२५ सरस्वती विसर्जनम्
१०	मं ३५ २ श्र १५ ५५ शू ५ २९ भा २ २७	४६	२७	३३	२६	४	८	कु.४८।३६	चित्रा. बुधः २९ स्वात्यां शुक्रः ३३ विशा ×
११	बु ३८ ३४ ध २१ १८ गं ६ २४ तै ६ ४८	४२	२८	३२	२७	५	९	कुम्भे	विजयादशमी
१२	गु ४० २८ श २५ ३० वृ ६ १६ व ९ ३१	३९	२८	३२	२८	६	१०	कुम्भे	भ.९।३१ उ. ३८ या. पापांकुशा ११ व्र.
१३	शु ४१ ४३ पू २७ ३८ धु ४ ४० ब ११ ८	३५	२९	३१	२९	७	११	मी १२।६	बुधास्तः पूर्वस्याम् ४७।५९
१४	श ३९ ४५ उ २७ ५३ श्वा ३ ५५ को १० ४४	३१	३०	३०	३०	८	१२	मीने	तुलायां बुधः ६।५६ प्रदोषः
१५	र ३५ ५८ रे २६ २३ व ५० ५९ ग ७ ५१	२७	३१	२९	३१	९	१३	मि.२६।२३	भ. ३५।५८ उ. कोजागरी व्र.
१५	सं ३० ४६ अ २३ २३ सि ४३ ५९ वि ३ २२	२४	३१	२९	१	१०	१४	मेषे	भ. २३ या. चित्रा. ४शनिः ४६ नव. ११ ता. ३०

२८पं.हि.आ.शु.३मं.इ.३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	६	५	६	२	६
२	२७	१४	२१	२८	१	१३	२
३१	२६	३१	५०	३७	४७	६	२
२४	१४	३७	४२	३७	२०	१७	१५
५९	४३	७५	१३	७४	७	३	५९
३४	२३	३९	२०	३२	२०	११	४६

गोचरग्रहाः

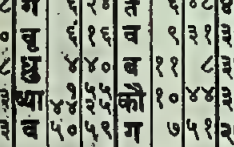

द्वि.आ.शु. १ रवौ
तुलायामर्कः प्र.वा.४
न.४ प्रव्राजिकावस्था
(ऊभी) मु. ३०
धान्यादिभावे सम-
र्घता शुक्रा. पू. ।

गोचरग्रहाः

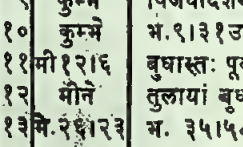

२९पं.द्वि.आ.शु. ९मं.इ.३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	६	६	६	२	६
९	२	२४	२३	७	२	१३	९
२९	४५	२९	२१	२४	३८	४४	१
४९	११	२	७	११	२०	२	३५
५९	४३	९४	१३	७४	७	३	६०
४७	४८	२०	३०	३८	२०	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तूं रविर्दक्षिणेद्वि.आश्वि.कृष्णेतिमहारा.
१	मं २४ २९ भ १९ ११ व्य ३५ ५७ को २४ २९	२७	३	८	५	२	११	१५ वृ.३२।५६	●आर्द्रा. २ राहुः मूले ४ केतुः २१।३०
२	बु १७ ३७ कृ १४ १४ व ३७ २४ ग १७ ३७	१६	३३	२७	३	१२	१६	वृषे	भ. ४४।५ उ. स्वात्यां बुधः १२।३८●
३	गु १० ३३ रो ९ ४ प १८ ४१ वि १० ३३	१३	३३	२७	४	१३	१७	मि३६।२९	भ. ३३ या. अस्तं गुरोः ३५ चतुर्थी व्र.
४	शु ३ ३३ मृ ५८ ५९ शि १० १ ला ३ ३३	९	३४	२६	५	१४	१८	मिथुने	विशाखायां शुक्रः ५३ उदयं शनैः ३३।२१
५	शु ५३ २३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
६	श ५१ ५ पु ५४ ५३ सि २४ १३ ग २४ १	६	३५	२५	६	१५	१९	क.४०।५६	भ. ५१ उ. विशा. रविः ३६ (सौरः ४४)
७	र ४५ ४३ पु ५१ १४ सु ४६ १५ वि १८ २३	२	३६	२४	७	१६	२०	कर्के	भ. १८।२३ या.
८	चं ४१ २० श्ले ४८ २९ शु ३७ ३१ बा १३ ३१	२९	३६	२४	८	१७	२१	सिं४८।२९	
९	मं ३७ ३९ म ४६ २८ ब्र ३३ १४ ते ८ ५९	५६	३७	२३	९	१८	२२	सिंहे	पूषायां भौमः ५८।१७
१०	बु ३४ ५२ पू ४५ २० ऐं २७ ४७ व ६ १६	५३	३७	२३	१०	१९	२३	सिंहे	भ. ६।१६ उ. ३५ या. विशा. ३ गुरुः ५७
११	शु ३२ ५९ उ ४५ ८ वै २३ १ ब ३ ५६	४९	३८	२२	११	२०	२४	कं.०।१७	विशाखा. बुधः १६।३५ रमा ११ व्र.
१२	शु ३२ ७ ह ४६ ३ वि १९ २ को २ ३३	४६	३९	२१	१२	२१	२५	कन्यायां	
१३	श ३२ १४ चि ४८ १ प्री १५ ५१ ग २ १०	४३	३९	२१	१३	२२	२६	तु.१७।२	भ.३२।१४ उ. वृश्चिके शुक्रः ४६ प्रदोषः ×
१४	र ३३ १७ खा ५० ५० आ १३ ४० वि २ ४६	४०	४०	२०	१४	२३	२७	तुलायां	भ. २।४६ या. रूप १४ ×धन १३
२०	चं ३५ ५६ वि ५४ ४७ सौ १२ १८ च ४ ४२	३७	४१	१९	१५	२४	२८	वृ.३८।४८	सोयवती ३० महालक्ष्मी पूजनं

३०पं.का.कृ.१मं.इ.४८।१२

र.	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	६	६	६	२	६
१६	७	६	२४	१६	३	१३	१६
२९	५८	०	५२	१०	२८	२१	२
३८	१६	१४	४६	३०	३७	४६	३९
६०	४४	९४	१३	७४	७	३	६०
४	८	४१	२२	३८	१४	११	१८

गोचरग्रहाः

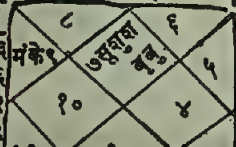

का. शु. १ भौमे
वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.२
न.४ बालावस्था
(बैठी) मु. ३०
धान्यादिभावे सम-
ता शुक्रास्तः पू. ।

गोचरग्रहाः

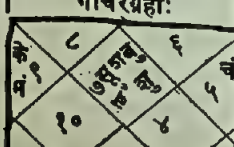

३१पं.का.कृ. ९मं.इ.४८।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	६	६	६	२	६
२३	१३	१७	२६	२४	४	१२	२३
३०	१२	३२	२४	४८	१८	५९	५
५८	२२	२८	७	१६	२९	३०	१६
६०	४४	९९	१३	७४	७	३	६०
१७	२२	५६	३८	३८	२	११	३०

तिथि कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४ वि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः

१	मं	३९	३२	अ	५९	५७	शो	११	४३	कि	७	४४	३६	६	५	१६	२५	२९	वृश्चिके
२	बु	४४	३१	ज्ये	६०	०	अ	११	५२	बा	१२	२	३१	४२	१८	१७	२६	३०	वृश्चिके
३	गु	५०	०	ज्ये	६	२१	मु	१३	११	तै	१७	१६	२९	४२	१८	१८	२७	१	ध. ६।२०
४	शु	५६	३४	मू	१३	१०	पू	१५	१७	व	२३	१७	२६	४३	१७	१९	२८	२	धनुषि
५	श	६०	०	पू	२०	४९	उ	१७	२८	व	२९	४६	२४	४३	१७	२०	२९	३	म. ३७।४४
५	र	२	५९	उ	२८	३१	गं	१९	२९	बा	२	५९	२१	४४	१६	२१	३०	४	मकरे
६	चं	९	२५	श्र	३५	५६	धृ	२१	५१	तै	९	२५	१९	४४	१६	२२	१	५	मकरे
७	मं	१३	१	ध	४२	२२	शु	२३	२८	व	१५	१	१६	४६	१५	२३	२	६	कुं. ९।९
८	बु	१९	२३	श	४७	२९	ल्या	२४	१३	व	१९	२३	१३	४५	१५	२४	३	७	कुम्भे
९	गु	२२	१९	पू	५०	५५	ह	२३	४९	को	२२	१९	११	४५	१४	२५	४	८	मी ३५।१०
१०	शु	२३	२१	उ	५२	३८	व	२१	५३	ग	२३	२१	८	४६	१४	२६	५	९	मीने
११	श	२२	१३	रे	५२	०	सि	१८	११	वि	२२	१३	६	४७	१३	२७	६	१०	मे. ५२।९
१२	र	१८	५२	अ	४९	४३	व्य	१३	२	बा	१८	५२	३	४७	१३	२८	७	११	मेषे
१३	चं	१३	४५	भ	४५	३६	व	१४	६	तै	१३	४५	१	४८	१२	२९	८	१२	वृ. ५९।१०
१४	मं	७	५	कृ	३९	५४	शि	४८	५४	व	७	५	२५	४८	१२	३०	९	१३	वृषे
१५	मं	५२	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५९	०	०	०	०	०	०

हेमंतर्तुः रविर्दक्षिणेऽर्धगोलः ३५१२ सन् १९८२

वृश्चिकेऽर्कः २३ (सौरः १६) अनु. शुक्रः २७°
वृश्चिके बुधः ३६ चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २
सफर २ •अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
भ २३ उ. ५६ या. अनु. रविः ३३ (सौरः×
+भौमः ३३ प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.

रा. मार्गशीर्षारम्भः
भ. १५।१ उ. ४७।१२ या.
गोपाष्टमी ×२५ अनु. बुधः २५।३१
विशाखा, ४ गुरुः ५६।५८ अक्षय ९
भ. ५२।४७ उ.
भ. ३३ या. ज्येष्ठा. शुक्रः ६।१ उषा.+
ज्येष्ठा. बुधः ८।२१ प्रदोषः
वैकुंठ १४
भ. ७।५ उ. ३३।६ या. उदयं गुरोः १५।०
गु. उ.

३२पं.का.शु.१मं.इ.४७।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	६	७	६	२	७
०	१८	२८	२७	३	५	१२	०
३३	३०	५५	५७	५५	६	३७	९
४७	२९	१२	४०	३९	४३	१५	२०
६०	४४	०	१३	७४	६	३	६०
३०	५०	४४	२८	२८	५३	११	४०

३३पं.का.शु.७मं.इ.४७।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	६	७	६	२	७
७	२३	१०	२०	१२	५	१२	७
३७	५१	१९	३०	३३	५३	१४	१४
३७	११	२६	४३	२९	६	५९	५३
६०	४४	९९	१३	७४	६	३	६०
४२	५८	४१	२२	३२	३५	११	५३

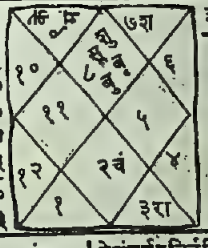

३४पं.का.शु.१४मं.इ.४७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	७	७	६	२	७
१४	२९	२१	१	२१	६	११	१४
४२	१४	०	२	२०	३८	५२	२१
५४	३५	५८	४६	५३	६	३४	३९
६०	४५	९८	१३	७४	६	३	६१
५०	१७	२५	३०	३२	२१	११	३

तिथि मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४ वि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः

१	बु	५०	४९	रो	३३	१९	सि	३९	८	बा	२४	५७	३५	५७	४९	११	मि ५९।५५
२	गु	४१	५७	मृ	२६	३१	सा	२८	५३	तै	१६	२३	३५	५५	४९	११	मिथुने
३	शु	३३	२२	आ	१९	४८	शु	१८	४१	व	७	४०	३५	५३	४९	११	मिथुने
४	श	२५	३८	पु	१३	२७	शु	८	५०	बा	२५	३८	३५	५१	५०	१०	४	१३	१०	कर्के
५	र	१८	३६	पु	८	१२	ब्र	४३	५३	तै	१८	३६	३५	४९	५०	१०	५	१४	१८	सिं ३।५९
६	चं	१३	८	श्ले	३	५९	वै	४४	१७	व	१३	८	३५	४८	५०	१०	६	१५	१९	सिंहे
७	मं	८	४६	म	२	५८	वि	३८	१४	व	८	४६	३५	४६	५१	९	७	१६	२०	कं. १४।२६
८	बु	६	५	उ	५९	१९	प्री	३३	१९	को	६	५	३५	४५	५१	९	८	१७	२१	कन्यायां
९	गु	४	२५	ह	६०	०	आ	२९	२६	ग	४	२५	३५	४४	५१	९	९	१८	२२	तु. ३१।४१
१०	शु	४	२५	ह	०	२४	सो	२६	३९	वि	४	२५	३५	४३	५२	८	१०	१९	२३	तुलायां
११	श	५	२६	चि	२	५९	शो	२४	५३	बा	५	२६	३५	४१	५२	८	११	२०	२४	वृ. ५५।१५
१२	र	७	५०	स्वा	६	२६	अ	२४	७	तै	७	५०	३५	४०	५२	८	१२	२१	२५	वृश्चिके
१३	चं	११	३३	वि	११	३१	सु	२४	११	व	११	३३	३५	३९	५२	८	१३	२२	२६	वृश्चिके
१४	मं	१५	४४	अ	१७	२	धृ	२४	४६	श	१५	४४	३८	५२		८	१४	२३	२७	
१५	बु	२१	२६	ज्ये	२२	४०	शू	२६	१०	ना	२१	२६	३८	५२		८	१५	२४	२८	ध. २२।४०

हेमंतर्तुः रविर्दक्षिणे क्रांति. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मकरे भौमः ४७ स्वाती १ शनिः ५।१९•
ज्येष्ठायां रविः ४२।५३
भ. २० उ. ३३ या. ज्येष्ठा. रविः× शु. उ. प.
चतुर्थी व्र.
×सौरः २६ शुक्रोदयः पश्चिमायां ४३
भ. १३ उ. ४० या. मूले धनुषि बुधः ३६
मूले धनुषि शुक्रः ३९।४६
•दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
भ. ३४।२५ उ.
भ. ४।२५ या.
अनु. १ गुरुः १९।५६ उत्पत्ति ११ व्र.
प्रदोषः
भ ११३ उ. ४३ या. बुधोदयः पश्चिमायां ३८
श्रवणे भौमः ३७।३४ +बुधः ३३
मूले धनुष्यर्कः ५९ सूर्यग्रहणम् पूर्वायां+

३५पं.मा.कृ.७मं इ.४७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	७	८	६	२	७
२१	४	१	२	०	७	११	२१
४८	३९	५५	३३	९	२०	३०	२९
५८	७	३०	४३	११	३१	२८	२५
६०	४५	९७	१३	७४	५	३	६१
५६	२३	२८	२०	२९	५६	११	११

गोचरग्रहाः

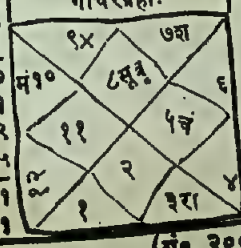

मकर का मंगल अनाज तिलहन में मंदी कारक है। मकरे च स्थिते भौमे घृत तैल महर्घता।

गोचरग्रहाः

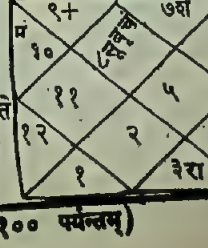

३६पं.मा.कृ.१४मं.इ.४६।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	७	८	६	२	७
२८	१०	१२	४	८	७	११	२८
५५	६	५९	३	५७	५९	८	२८
५२	७	२३	३६	१८	५६	१२	८
६१	५५	९३	१३	७४	५	३	६१
०	२८	४४	१२	२६	३२	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

•बुवृश ×शुबुके +केशुबु

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४	दि. उ. अ.	इं. रा. मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३५४२स.१९८३
१	गु २६ ५० मू ३० २८ गं २७ ४३ ध २६ ५० ३५ ६ ५	१६ २५ २९	धनुषि	मूले धनुष्यर्कः सोरः ७।८
२	शु ३३ ३५ पू ३७ ५९ वृ २९ ५३ ध ० ३१ ३७ ५३ ७	१७ २६ ३०	म.५४।५४	चन्द्रदर्शनम्
३	श ४० ४ उ ४५ ३९ द्यु ३२ २० ते ६ ४९ ३७ ५३ ७	१८ २७ १	मकरे	पूषायां शुक्रः १८।४३ रविलाखर ३
४	र ४६ ४३ श्र ५३ १८ व्या ३४ २६ च १३ २३ ३६ ५३ ७	१९ २८ २	मकरे	भ. १३।२३ उ. ४६।४३ या.
५	चं ५२ ३४ ध ६० ० ह ३६ २६ व १९ ३८ ३६ ५३ ७	२० २९ ३	कु.२६।४८	
६	मं ५७ ३७ ध ० १९ व ३७ ५८ को २५ ५ ३६ ५३ ७	२१ ३० ४	कुम्भे	चम्पा ६
७	बु ६० ० श ६ २३ खि ३८ २६ ग २९ २९ ३६ ५३ ७	२२ १ ५	मी५४।५५	रा. पौषारंभः
७	गु १ २२ पू ११ ५ व्य ३७ ४५ व १ २२ ३६ ५३ ७	२३ २ ६	मीने	भं. २३/१ उ. ३३/३ या. उषा. बुधः ५८।३७
८	शु ३ २५ उ १४ २२ व ३५ ४२ व ३ २५ ३७ ५३ ७	२४ ३ ७	मीने	
९	श ३ ३७ रे १६ ३२ प ३२ १ को ३ ३७ ३७ ५३ ७	२५ ४ ८	मे.१६।३२	
१०	र १ ४५ अ १४ ५५ शि २६ ४० ग १ ४५ ३७ ५३ ७	२६ ५ ९	मेषे	भ. २९।५२ उ. ५७।५९ या. मकरे बुधः●
११	र ५६ १४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	●३०।१० मोक्षदा ११ व्र.स्मा. गीता ज.
१२	चं ४२ ५ भ १२ १६ सि १९ ५९ व २५ २ ३८ ५२ ८	२७ ६ १०	बृ.२६।७	अनु. २ गुरुः ३१।१ मोक्षदा ११ व्र. वै.
१३	मं ४४ ४० कृ ७ ४० सा ११ २९ को १८ २२ ३८ ५२ ८	२८ ७ ११	बृषे	पूषायां रविः ५५/१ उषा. शुक्रः ५२/२ प्रदोषः
१४	बु ३६ २ रो ३१ ५३ शु २० ४९ ग १० २१ ३९ ५२ ८	२९ ८ १२	मि२७।५८	भ. ३६।२ उ. पूषायां रविः सोरः ८।४६
१५	गु २६ ४५ आ ४६ ४३ व्र ४० ३८ वि १ २३ ४० ५२ ८	३० ९ १३	मिथुने	भ. २३/१ या. खग्रास ग्रस्तोदय चन्द्रग्रहणम्

३७पं.मा.शु.६मं.इ.४६।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	७	८	६	२	८
६।५	२३	५।१७	८	१०	५		
३	२२	१६	१०	४५	२७	४५	४७
२९	५६	५	५८	७	३०	५७	३३
६१	४५	५२	१२	७४	५	३	६१
४	३५	५०	४५	२६	५	११	२२

गोचरग्रहाः

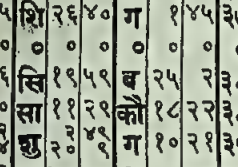

मार्ग.शु.१ गुरौ धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे स मता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

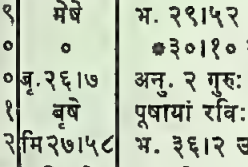

३८पं.मा.शु.१३म.इ.४६।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	७	८	६	२	८
१३	२१	२	६	२६	९	१०	१२
११	१	३९	५५	३२	१०	२३	५७
३१	५२	७७	३३	४९	१	४१	२५
६१	४५	७०	१२	७४	४	३	६१
६	४१	१४	२०	२३	३४	११	२६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४	वि. उ. अ.	इ. रा. मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेमार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु १६ ५८ पु ३९ १८ दै २९ २६ को १६ ५८ २५ ६ ५	३१ १० १४	क.२६।१०	मकरे शुक्रः ३३।४८ धनि. भौमः ४८।५
२	श ७ ३१ पु ३२ ३० वै १८ ३८ ग ७ ३१ ४१ ५२ ८	१ ११ १५	कर्के	भ. ३३/३ उ. ५६/५ या. जनवरी १ता. ३१ १९८३
३	श ५१ ४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	
४	र ५१ ५ श्ले २५ १५ वि २५ ५० ध २४ ५० ४२ ५२ ८	२ १२ १६	सि२५।१५	चतुर्थी व्र. +बुधास्तः पश्चिमायां ०।१७
५	चं ४५ १ म २० १३ आ ५१ ३२ को १८ २ ४३ ५१ ९	३ १३ १७	सिंहे	
६	मं ४० ५८ पू १६ ४६ सो ४५ २० ग १२ ५६ ४४ ५१ ९	४ १४ १८	कं.३१।२२	भ. ४०।५८ उ. ×श्रवणे शुक्रः २८।०
७	बु ३८ ३४ उ १५ ११ शो ४० १० वि ९ ४६ ४६ ५१ ९	५ १५ १९	कन्यायां	भ. ९।४६ या. श्रवणे बुधः ५०।३०●
८	गु ३८ २ ह १५ २२ अ ३६ ४६ बा ८ १८ ४७ ५१ ९	६ १६ २०	तु.४६।२९	●आर्द्रा. १ राहुः मूले ३ केतुः १३।३६
९	शु ३९ २२ चि १७ ३६ सु ३४ ४६ तै ८ ४२ ४९ ५० १०	७ १७ २१	तुलायां	वक्री बुधः ६।३५
१०	श ४१ ५६ स्वा २१ ५ धृ ३३ ५३ व १० ३९ ५१ ५० १०	८ १८ २२	तुलायां	भ. ३९/१ उ. ४९/१ या. वक्री उषा. बुधः ४०×
११	र ४६ ४ वि २६ ६ शू ३४ २९ व १४ ० ५३ ५० १०	९ १९ २३	वृ.९।५१	कुंभे भौमः ८।८ सफला ११ व्र.
१२	चं ५१ ८ अ ३२ ९ गं ३५ १५ को १८ ३६ ५४ ४९ ११	१० २० २४	बृश्चिके	उषा. रविः ५५ स्वाती २ शनिः ३६/१+
१३	मं ५७ २६ ज्ये ३९ २ वृ ३६ ४८ ग २४ १७ ५६ ४९ ११	११ २१ २५	ध.३९।२	भ. ५७/२ उ. उषा. रविः सौरः १९/३ प्रदोषः
१४	बु ६० ० मू ४६ १८ द्यु ३८ ४८ वि ३० १९ ५८ ४८ १२	१२ २२ २६	धनुषि	भ. ३०।१९ या.
१५	गु ३ १३ पू ५३ ५७ ध्या ४१ २ श ३ १३ २६ ४८ १२	१३ २३ २७	धनुषि	अनुराधा ३ गुरुः ५३।३२
३०	शु ९ ५४ उ ६० ० ह ४३ १९ ना ९ ५४ ३३ ४७ १३	१४ २४ २८	म.१०।५०	मकरेऽर्कः १६।९ (सौरः २५।३८)

३९पं.पौ.कृ.६मं.इ.४६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	७	९	६	२	८
२०।२६	९	८	५	९	१०	२०	
१९	३१	२७	१७	२०	३९	१	७
२६	३७	३६	२०	६	५४	२६	२२
६१	४५	३०	११	७४	४	३	६१
६	४६	२५	५६	२९	१	११	२६

गोचरग्रहाः

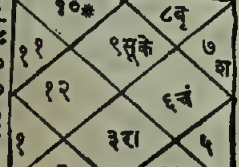

पौष कृ. ३० शुक्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्पणा शु.उ.प.।

गोचरग्रहाः

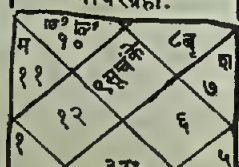

४०पं.पौ.कृ.१३मं.इ.४६।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	७	९	६	२	८
२७	२	६	९	१४	१०	९	२७
२७	०	५१	३६	५	३	३९	१७
४०	३२	३२	७	३८	५४	१०	१४
६१	४५	६०	११	७४	३	३	६१
६	३९	४	१७	१४	२०	११	२४

●मंबुशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

तिथ्यादि: मार्ग शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५७२स. १९८३

१	श	१६	११	उ	१	३१	व	४४	३०	ब	१६	११	२६	६	५	१५	२५	२९	मकरे	चन्द्रदर्शने सभवः
२	र	२२	३१	श्र	८	५५	सि	४७	२३	कौ	२२	३१	८	४७	१३	१५	२५	२९	कुं.४२।१७	रविलाख्र ४ .
३	चं	२८	१४	ध	१५	३९	व्य	४८	३४	ग	२८	१४	१०	४६	१४	१६	२६	१	कुंभे	वक्री कुंभे बुधः ३७।१ शते भौमः ४०।९
४	मं	३३	८	श	२२	०	व	४९	२१	व	०	४१	१२	४६	१४	१७	२७	२	कुंभे	भ. ०।४१ उ. ३३।८ या.
५	बु	३७	१२	पू	२७	२२	प	४९	२८	ब	५	१०	१५	४५	१५	१९	२९	४	मी ११।२	वक्री पूषा. बुधः धनि. शुक्रः ५६ वसन्त ५
६	गु	३९	४३	उ	३१	३१	शि	४८	१७	कौ	८	२७	१७	४५	१५	२०	३०	५	मीने	अभि. प्र. रवि. ४८।५४ (सौरः ५७।०)
७	शु	४०	५३	रे	३४	८	खि	४६	८	ग	१०	१८	२०	४४	१६	२१	१	६	मे. ३४।८	भ ४३ उ. बुधोदयः पूर्वस्याम् ३१।५८ रा.*
८	श	४०	२४	अ	३५	११	सा	४२	२८	वि	१०	३८	२२	४४	१६	२२	२	७	मेषे	भ. १०।३८ या. भीष्माष्टमी
९	र	३८	१३	भ	३४	२८	शु	३७	१७	बा	९	१९	२५	४३	१७	२३	३	८	वृ. ४८।५०	×अभि.नि. रविः ५४ कुम्भे शुक्रः ३०।१२
१०	चं	३४	१७	कृ	३२	२	शु	३०	४७	तै	६	१५	२७	४३	१७	२४	४	९	वृषे	श्रवणे रविः ५।१७ (रविः १२।५७) ×
११	मं	२८	१६	रो	२७	४३	ब्र	२२	४४	व	१	१६	३०	४२	१८	२५	५	१०	मि ५४।५६	भ. १।१६ उ. २८।१६या. अभि.नि.रविः+
१२	बु	२०	५७	मृ	२२	११	दें	१३	४८	बा	२०	५७	३३	४१	१९	२६	६	११	मिथुने	प्रदोषः *माधारम्भः भानु ७
१३	गु	१२	२८	आ	१५	१९	वै	३५	४९	तै	१२	२८	३६	४१	१९	२७	७	१२	क. ५४।२८	+सौरः ५।१४ जया ११ व्र.
१४	शु	३	०	पु	३०	५३	प्री	४१	४८	व	३	०	३९	४०	२०	२८	८	१३	कर्के	भ. ३।०उ. २८।८या. मार्गी बुधः ४२।११
१५	शु	५०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		

४१पं.मा.शु.४मं.इ.४६।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	७	९	६	२	९
४	७	२८	१०	२२	१०	९	४
३५	३०	२०	५०	५१	२४	१६	२६
३१	२२	३५	२	४	७	५४	४३
६१	४५	८१	१०	७४	२	३	६१
३	३२	ब	३९	७	३८	११	१९

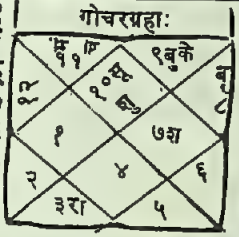

मार्गशीर्ष मासमें सूर्य चन्द्र के दोनों ग्रहण और पौष मासका क्षय होने से संसार में अघटित घटना होगी।

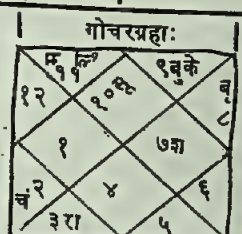

४२पं.मा.शु.११मं.इ ४६।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	७	१०	६	२	९
११	१२	२२	११	१	१०	८	११
४१	५९	५९	५१	३५	३९	५४	३५
५८	१३	१६	५६	५३	४३	३९	३४
६०	४५	३९	९	७४	१	३	६१
५९	३४	ब	५२	२	५७	११	१३

तिथ्यादि: प्र. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा.

१	श	४३	३२	श्रे	५२	९	आ	३०	२९	बा	१८	२३	२६	६	५	२९	९	१४	सि ५२।९	शत शुक्रः ४९।६
२	र	३४	४१	म	४५	२१	सौ	२०	८	तै	९	७	४६	३९	२१	३०	१०	१५	सिंहे	*४८।२० अनु. ४ गुरुः १२।३४
३	चं	२७	१	पू	३९	५६	शो	१०	३६	व	०	५१	४९	३८	२२	३१	११	१६	कं.५४।१	भ. ०।५१ उ. २७।१ या. चतुर्थी व्र.
४	मं	२१	६	उ	३६	१७	अ	२९	५३	बा	२१	६	५२	३८	२२	१	१२	१७	कन्यायां	फरवरीमा. २ ता. २८
५	बु	१७	१	ह	३४	४३	धृ	५०	४४	तै	१७	१	५५	३७	२३	२	१३	१८	कन्यायां	
६	गु	१५	१३	चि	३५	१०	शू	४७	२३	व	१५	१३	५९	३६	२४	३	१४	१९	तु. ४।५६	भ. १५।१३ उ. ४५।१६या. पूभा. भौमः*
७	शु	१५	२०	स्वा	३७	४१	गं	४५	३५	व	१५	२०	२७	३६	२४	४	१५	२०	तुलायां	उषा. बुधः २९।४
८	श	१७	३१	वि	४२	५३	धृ	४५	४०	कौ	१७	३१	६	३५	२५	५	१६	२१	वृ. २५।५०	पातस्पर्शः २९।५५ पातमोक्षः ४६।३०
९	र	२१	२१	अ	४७	४३	धृ	४६	५	ग	२१	२१	९	३४	२६	६	१७	२२	वृश्चिके	भ ५३।५६ उ. धनि. रविः ३३ (सौरः १८)
१०	चं	२६	३२	ज्ये	५४	३७	व्या	४७	५३	वि	२६	३२	१३	३३	२७	७	१८	२३	व ५.४।३७	भ. २६।३२ या.
११	मं	३२	४९	मू	६०	०	ह	४९	५७	बा	३२	४९	१६	३३	२७	८	१९	२४	धनुषि	मकरे बुधः ७।४३ विजया ११ व्र.
१२	बु	३९	१	मू	२	४	व	५२	१६	कौ	५	५५	२०	३२	२८	९	२०	२५	धनुषि	पूभा. शुक्रः ३५।८
१३	गु	४५	५३	पू	९	४६	सि	५४	३१	ग	१२	२७	२४	३१	२९	१०	२१	२६	म. २६।२८	भ. ४५।५३ उ. प्रदोषः
१४	शु	५१	५८	उ	१७	१४	व्य	५६	३९	वि	१८	५५	२७	३१	२९	११	२२	२७	मकरे	भ. १८।५५ या. महाशिवरात्री व्र.
२०	श	५७	४९	श्र	२४	३६	व	५८	२६	च	२४	५६	३१	३०	३०	१२	२३	२८	कु. ५७।५६	कुंभेऽर्कः ४८।५३ (सौरः ५२।४५)

४३पं. प्र.फा.कृ.४मं.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	७	१०	६	२	९
१८	१८	२४	१३	१०	१०	८	१८
४९	२७	३५	३	१८	४९	३२	४३
२६	४७	२	०	३१	३४	२३	३६
६०	४५	३९	९	७३	१	३	६१
५५	२८	मा	५	५६	१७	११	४

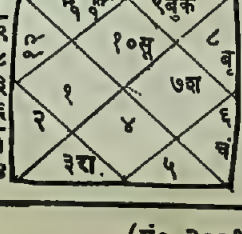

प्र.फा.कृ. ३० शनौ कुंभेऽर्कः प्र. वा.२ न.३ सुताधिन्यवस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

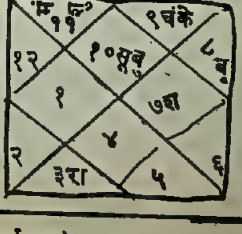

४४पं.प्र.फा.कृ.११मं.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	७	१०	६	२	९
२५	२३	०	१४	१९	१०	८	२५
५५	५५	३५	१	०	५४	१०	५०
१६	२३	४५	१९	३२	५३	८	२३
६०	४५	५४	८	७३	०	३	६०
५७	१२	५३	११	५५	२९	११	५५

ति.	प्र. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६०१स.१९८३
१	र	६०	०	ध	३१	१६	प	५९	३४	किं	३०	२३	३७/३५	६/२९	५/३१	१३	२४	२९	कुम्भे	वक्री शनिः ०।५१ अधिकमासारम्भः
१	चं	२	५८	श	३६	५३	शि	५९	५८	ब	२	५८	३८	२८	३२	१४	२५	३०	कुम्भे	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	७	२२	पू	४२	२	सि	५९	४१	कौ	७	२२	४२	२८	३२	१५	२६	१	मी२५।४८	जमादिलावल ५
३	बु	१०	४०	उ	४५	५४	सा	५८	३३	ग	१०	४०	४६	२७	३३	१६	२७	२	मीने	भ. ४१।४७ उ. मीने भौम [illegible]
४	गु	१२	५४	रे	४८	५६	शु	५६	३९	वि	१२	५४	५०	२६	३४	१७	२८	३	मे.४८।५६	भ. १३/५४ या. श्रवणे बुधः ५३/२१ [illegible] शुक्रः ४०/४
५	शु	१३	५५	अ	५०	३८	शु	५३	५०	बा	१३	५५	५४	२५	३५	१८	२९	४	मेषे	
६	श	१३	४४	भ	५१	१६	ब्र	४९	५५	तै	१३	४४	५८	२४	३६	१९	३०	५	मेषे	शते रविः २५।१४ (सौरः २८।७)
७	र	१२	२६	कृ	५०	१९	ऐं	४४	५५	व	१२	२६	२८/२	२४	३६	२०	१	६	वृ. ६।१	भ. १३/२६ उ. ४०/५८ या. उभा. शुक्रः २०/१३ उभा ●
८	चं	९	३१	रो	४८	७	वै	३९	४०	व	९	३१	६	२३	३७	२१	२	७	वृषे	●भौमः ५३।४० रा. फाल्गुनारंभः
९	मं	५	३१	मृ	४४	३२	वि	३१	३४	कौ	५	३१	१०	२२	३८	२२	३	८	मि१६।१९	
१०	बु	०	९	आ	३९	३८	प्री	३३	१७	ग	०	९	१४	२१	३९	२३	४	९	मिथुने	भ. २६/४६ उ. ५३/२२ या. कमला ११ ब्र. स्मा.
११	बु	५३	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	
१२	गु	४५	३२	पु	३३	४३	आ	१४	१२	ब	१९	२७	१८	२०	४०	२४	५	१०	क.२०।१२	कमला ११ ब्र. वै.
१३	शु	३७	८	पु	२७	११	सौ	४/१९	४९/३९	कौ	११	३०	२२	२०	४०	२५	६	११	कर्के	
१४	श	२८	१	श्ले	२०	५	अ	४३	४३	ग	२	३४	२६	१९	४१	२६	७	१२	सिं२०।५	भ. २८।१ उ. ५३।३९ या.
१५	र	१९	१८	म	१३	१८	सु	३३	४७	व	१९	१८	३०	१८	४२	२७	८	१३	सिंहे	धनिष्ठा. बुधः ३।४७

४५ पं.प्र.फा.शु.२मं.इ.४७/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	७	१०	६	२	१०
३	२९	८	१४	२७	१०	७	२
०	२१	४	५३	४१	५५	४७	५६
४	११	५५	१०	१०	१	५२	२६
६०	४५	७२	७	७३	१/१९	३	६०
३७	२०	३०	६	४४	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

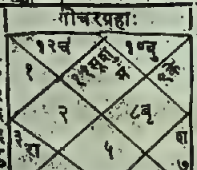

इस मासमें ५ शनि ५ रविवार मध्यम है प्रजामें भय उपद्रव हो धान्य रुई धातु गुड़ खोड़ तिल तेल अफीम तेज होगी।

गोचरग्रहाः

४६पं.प्र.फा.शु. ९म.इ.४७/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	७	११	६	२	१०
१०	४	१७	१५	६	१०	७	१०
३	४५	२१	३७	२०	५०	२५	१
३२	४०	४६	३०	२०	३८	३६	०
६०	४५	८४	६	७३	१/१	३	६०
२५	१३	५६	५	३२	ब	११	३१

ति.	द्वि. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तुरविरुत्तरेप्र.फाल्गु.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं	१०	५०	पू	७	१०	धृ	२४	४६	कौ	१०	५०	३८/३४	६/१७	५/४३	२८	९	१४	कं.२०।५९	
२	मं	४	२०	उ	२/२९	५६/२३	शू	१६	४७	ग	४	२०	३८	१६	४४	१	१०	१५	कन्यायां	भ. ३१/४० उ. ५९/० या. मार्च मा. ३ ता. ३१
३	मं	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	बु	५४	३६	चि	५७	३४	गं	१०	११	ब	२६	४८	४३	१६	४४	२	११	१६	तु.२८।१३	चतुर्थी ब्र.
५	गु	५४	२८	स्वा	५८	२२	वृ	५	३३	कौ	२४	३२	४६	१५	४५	३	१२	१७	तुलायां	कुम्भे बुधः ३०/२५ रेवत्यां शुक्रः ११।१७
६	शु	५५	१७	वि	६०	०	ध्रु	२	८	ग	२५	४६	५०	१४	४६	४	१३	१८	वृ.४५।२९	भ. ५५।१७उ. पूभा. रविः ४१/१९ (सौरः ४३/५४)
७	श	५८	२१	वि	१	११	व्या	०	४५	वि	२६	४९	५४	१३	४७	५	१४	१९	वृश्चिके	भ. २६।४९ या. ●५।३३ सोमवती३०
८	र	६०	०	अ	५	५०	ह	०	४०	बा	३०	३९	५८	१२	४८	६	१५	२०	वृश्चिके	
८	चं	२	५७	ज्ये	११	५०	व	१	३३	कौ	२	५७	२९/२	१२	४८	७	१६	२१	ध.११।५०	शते बुधः २३।४५ ज्येष्ठा. १ गुरुः ५७/१८
९	मं	८	५३	मू	१९	१३	सि	३	४१	ग	८	५३	६	११	४९	८	१७	२२	धनुषि	भ. ४१।५८ उ.
१०	बु	१५	४	पू	२६	४३	व्य	५	५६	वि	१५	४	१०	१०	५०	९	१८	२३	मं.४३।३६	भ. १५।४या. मृगे४राहःमूले२ केतुः८।२३
११	गु	२१	५	उ	३४	१७	व	८	२१	बा	२१	५	१४	९	५१	१०	१९	२४	मकरे	रेवत्यां भौमः २१।३८ कमला ११ ब्र.
१२	शु	२७	५६	श्र	४१	३३	प	१०	३२	तै	२७	५६	१९	८	५२	११	२०	२५	मकरे	बुधास्तः पूर्वस्याम् ३०।५४
१३	श	३३	३५	ध	४८	१४	शि	१२	१६	ग	०	४५	२३	७	५३	१२	२१	२६	कु.१४।५३	भ. ३३।३५ उ. प्रदोषः
१४	र	३८	३	श	५३	३८	सि	१३	९	वि	५	४९	२७	७	५३	१३	२२	२७	कुम्भे	भ. ५।४९ या.
३०	चं	४१	३४	पू	५८	१०	सा	१३	१९	च	९	४८	३२	६	५४	१४	२३	२८	मी४२।२	मीनेऽर्कः ४३/४६ (सौरः ४३/१४) अश्वि.मेषे शुक्रः●

४७पं.द्वि.फा.कृ.२मं.इ.४७/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	७	११	६	२	१०
१७	१०	२७	१६	१४	१०	७	१७
५	९	३६	१४	५७	३९	३	४
४६	२९	४	३५	४७	४७	२१	४९
६०	४४	९३	४	७३	१/४७	३	६०
१२	५०	४६	५५	२०	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

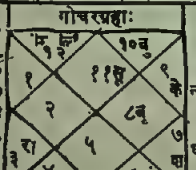

द्वि.फा.शु.३० चंद्रे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ नं.३प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

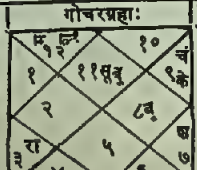

४८पं.द्वि फा.कृ.१२मं.इ.४७/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	७	११	६	२	१०
२४	१५	९	१६	२३	१०	३	२४
६	३१	६	४३	३३	२५	४१	५
२९	५	५७	१०	४	१	५	१२
५९	४४	[illegible]	३	७३	१/२३	३	६०
५८	४०	[illegible]	४५	१४	ब	११	६

ति.	द्वि.फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविदेक्षिणेऽहर्गणः ३६३१स.१९८३
१	मं	४३	४७	उ	६०	०	शु	१२	३१	किं	१२	४०	३९/३६	६/५	५/५५	१५	२४	२९	मीने	पूभायां बुधः ६।१३
२	बु	४४	५८	उ	१	२८	शु	१०	५४	बा	१४	२३	४०	४	५६	१६	२५	३०	मीने	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	गु	४५	०	रे	३	३८	ब्र	८	२९	तै	१४	५९	४४	३	५७	१७	२६	१	मे.३।३८	वक्री स्वाती १शनिः४१।३ जमादिलाखर६
४	शु	४४	१	अ	४	४२	ऐं	५	५	व	१४	३०	४९	२	५८	१८	२७	२	मेषे	भ. १४।३० उ.४१।१या. उभा. रविः ३/२० ●
५	श	४२	१३	भ	४	५८	वै	१/१	५५/३२	ब	१३	७	५३	१	५९	१९	२८	३	बृ.१९।५०	
६	र	४०	२६	कृ	४	२४	प्री	५०	५८	कौ	११	१९	५७	१	५९	२०	२९	४	वृषे	मीने बुधः ३३।४०
७	चं	३५	५४	रो	२	४८	आ	४४	४९	ग	८	१०	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	५	मि३१।४१	भ. ३५।५४ उ ●(सौरः ३।५०)
८	मं	३१	२८	मृ	०/३४	५६/५२	सौ	३८	७	वि	३	४०	६	५/५९	१	२२	१	६	मिथुने	भ. ३।४० या. उभायां बुधः १५।२८ रा.×
९	बु	२६	२३	पु	५३	३५	शो	३०	४७	कौ	२६	२३	१०	५८	२	२३	२	७	क.३९।३३	+१५।३ होलिकादहनं
१०	गु	२०	२५	पु	४९	१	अ	२२	४७	ग	२०	२५	१४	५७	३	२४	३	८	कर्के	भ. ४७।७ उ. ×चैत्रारंभः होलाष्टकः
११	शु	१३	५०	श्ले	४३	५०	सु	१४	१०	वि	१३	५०	१८	५६	४	२५	४	९	सिं४३।५०	भ. १३।५० या. भरण्यां शुक्रः ५।२४=
१२	श	६	३७	म	३८	२१	धृ	५/२१	५१/१५	बा	६	३७	२३	५५	५	२६	५	१०	सिंहे	प्रदोषः =आमलकी ११ व्र
१३	श	५२	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*अस्तो भौमः २५।१६
१४	र	५१	४६	पू	३३	१०	गं	४८	५	ग	२५	३४	२७	५५	५	२७	६	११	कं.४६।५९	भ. ५१।४६ उ. अश्वि. मेषे भौमः ५६/७*
१५	चं	४५	३५	उ	२९	३०	वृ	४०	२१	वि	१८	४०	३१	५४	६	२८	७	१२	कन्यायां	भ. १८/४० या. रेवत्यां बुधः ५१/५७ वक्री गुरुः+

४९पं.द्वि.फा.शु.१मं.इ. ४८/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	७	०	६	२	११
१	२०	२१	१७	२	१०	६	१
५	५०	१२	४	४	५	१८	४
४२	३८	५४	१	५२	४२	५०	५४
५९	४४	७/०	२	७२	३/२	३	५९
४१	४०	५५/५५	२३	५५	ब	११	४९

गोचरग्रहाः

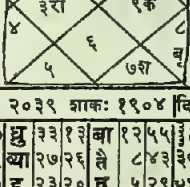

इस मासमें ५ सोमवार उत्तम हैं। अनाज गल्ला में मंदी होगी गुड़ खांड घृत तैलरुई तेज हो।

गोचरग्रहाः

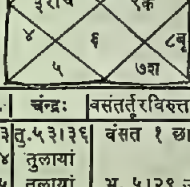

५०पं.द्वि.फा.शु. ८मं.इ. ४८/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	७	०	६	२	११
८	२६	४	१७	१०	९	५	८
३	७	२५	१५	३४	४३	५६	२
८	३४	४४	४	३४	५	३४	४९
५९	४४	७/०	०	७२	३/४०	३	५९
२९	२१	५३/५३	५९	३५	ब	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेद्वि.फाल्गु.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	मं	४०	१६	ह	२४	४७	ध्रु	३३	१३	बा	१२	५५	३०/३५	५/५२	६/७	२९	८	१३	तु.५३।३६	वंसत १ छारेंडी
२	बु	३६	२८	चि	२२	२५	व्या	२७	२६	तै	८	४३	३९	५२	८	३०	९	१४	तुलायां	
३	गु	३४	३०	स्वा	२२	७	ह	२३	२०	व	५	२९	४४	५१	९	३१	१०	१५	तुलायां	भ. ५।२९ उ. ३४।३० या. रेवत्यांरविः●
४	शु	३३	१४	वि	२३	३४	व	२०	३७	ब	३	५२	४८	५०	१०	१	११	१६	वृ.८।१२	अप्रेल मा. ४ ता. ३०
५	श	३६	१७	अ	२७	२७	सि	१९	३२	कौ	४	४५	५२	५०	१०	२	१२	१७	वृश्चिके	●३१।३ (सौरः ३१।१८) चतुर्थी व्र
६	र	३९	५८	ज्ये	३१	५६	व्य	१९	४०	ग	८	७	५६	४९	११	३	१३	१८	ध३१।५६	भ. ३९।५८ उ.
७	चं	४५	१८	मू	३८	३२	व	२१	१	वि	१२	३८	३१/००	४८	१२	४	१४	१९	धनुषि	भ. १२।३८ या. अश्वि. मेषे बुधः १६/१६×
८	मं	५१	७	पू	४५	४१	प	२२	५६	बा	१८	१३	४	४७	१३	५	१५	२०	धनुषि	कृत्ति. शुक्रः १२।२९ ×शीतलापूजनम्
९	बु	५२	३७	उ	५३	२५	शि	२५	२२	तै	२४	२२	८	४६	१४	६	१६	२१	म.२।१३	
१०	गु	६०	०	श्र	६०	०	सि	२७	४६	व	३०	३९	११	४६	१४	७	१७	२२	मकरे	भ. ३०।३९ उ. बृषे शुक्रः ५९/३२ बुधोदयः+
१०	शु	३	४१	श्र	०	४३	सा	२९	४८	वि	३	४१	१५	४५	१५	८	१८	२३	कु.३४।७	भ. ३।४१ या.
११	श	९	११	ध	७	३२	शु	३१	०	बा	९	११	१९	४४	१६	९	१९	२४	कुंभे	पापमोचनी ११ व्र. +पश्चिमायाम् ५०/१०
१२	र	१३	५४	श	१२	५९	शु	३१	१०	तै	१३	५४	२२	४४	१६	१०	२०	२५	कुम्भे	प्रदोषः
१३	चं	१६	४१	पू	१७	२०	ब्र	३०	५	व	१६	४१	२६	४३	१७	११	२१	२६	मी१।१५	भ. १६/४१ उ.४७।२४या. भरण्यां बुधः २६/२१
१४	मं	१८	८	उ	२०	१	ऐं	२८	५	श	१८	८	२९	४२	१८	१२	२२	२७	मीने	
१५	बु	१८	९	रे	२१	२८	वै	२४	५२	ना	१८	९	३३	४१	१९	१३	२३	२८	मे.२१।२८	मन्वादिः

५१पं. चै.कृ.१.इ.मं४९।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	७	०	६	२	११
१४	१	१८	१७	१९	९	५	१४
५९	२३	३५	१८	०	१७	३४	५८
१३	१७	४५	५८	३२	१४	१८	५५
५९	४४	७/०	०/१७	७२	४/०	३	५९
१६	१६	४४/३४	ब	९	ब	११	१८

गोचरग्रहाः

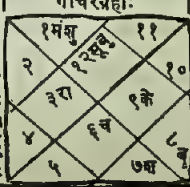

गोचरग्रहाः

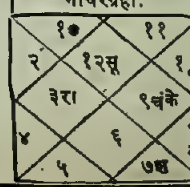

५२पं. चै.कृ. ८मं.इ.४९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	७	०	६	२	११
२१	६	२	१७	२७	८	५	२१
५३	३६	५४	९	२४	४८	१२	५३
३१	७	४०	५४	७	४	३	६
५९	४४	७/०	०/४३	७१	४/१५	३	५९
४	६	५/५	ब	५०	८	११	४

(मं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

●मंबुशु

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०८४ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०८४ भोग्यकलिः ४२६९१६ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४० शाकः १९०५ वर्षेऽस्मिन् राजा गुरुः । मंत्री गुरुः । सस्येशश्शनिः । धान्येशोशुक्रः । मेघेशोबुधः । रसेशश्चन्द्रः । नीरसेश्शशनिः । फलेशोभौमः । धनेशश्शनिः । दुर्गेशोबुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १० धातृनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ७।२१।१५।५०भोग्यमासादिः४।८।४४।१० । बार्हस्पत्यदैवतंयुगम्। वर्षनामज्येष्ठः । मेघनामद्रोणः । रोहिणीनिवासःसंधौ । समय निवासोवणिक्गृहे । समयविश्वा ५। समयवाहनंचातकः । स्तंभ १ अन्नस्य । सोमवत्यमा. १ । सोमवतीपंचमी १। अंगारकीचतुर्थी २। बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः१६। तिथिवृद्धिः ९। उत्पत्तिविश्वा८७ । खपतिविश्वा११४। वर्षाविश्वा११। धान्यम् १५। तृणम् १३ । शीतम् १७ । तेजः५ । वायुः१३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं ११५ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पाप १८ । शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहणाऽभावो भारते ।

भारतेग्रहणाऽभावः

सं० २०४० मार्गशीर्ष कृष्णा ३० रविवार को सूर्यग्रहण पश्चिम प्रदेशों में होगा । जिसका स्पर्श रेल्वे टा. १८।३९ मोक्ष २०।२७ है ।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ३।१९

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जगदम्बा से नमन कर पूछे भैरव बात ।
शुभ संवत् चालीस का हाल कहो सब मात ।।

भवानी उत्तर

चालीसो चंचल समय चहुँ दिश ऊढे चाल ।
संवत् सखरो होयसी न जमानु न काल ।।
देव गुरु राजा हुये मन्त्री पद को पाय ।
धान्याधिप भृगु तनय है यह सब जग हर्षाय ।।
समय निवासो वणिक घर रोहिणी संधिवास ।
शुभ फल में कर न्यूनता करे आश का नाश ।।
संवत् विश्वा पांच है स्तंभ लगा है एक ।
धर्म कर्म करते रहो ईश्वर राखे टेक ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् १।९

●सूचंमंबु

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२१।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३६।२८

अथाधिकारिणां फलम् । वर्षेऽस्मिन् राजा गुरुः फलम्—गुरौ नृपे वर्षति कामवं जलं महीतले कामदुग्धाश्च धेनवः । यजन्ति विप्राः बहवोऽग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ॥ मन्त्री गुरुः फलम्—विविध धान्ययुता खलुमेदिनी प्रचुरतोयधना मुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रिसमागते ॥ सस्येशो शनिः फलम्—रविसुते यदि धान्यपतौ जनो नृपतिभिः परिपीडितविग्रहः । गदभयंतुष धान्यहरंसदा दुरितवाद विवाद युता नराः ॥ धान्येशः शुक्रस्तत्फलम्—भृगौ पश्चिम धान्येशो पश्चाद्धान्यन्न पच्यते । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ॥ मेघेशो बुधस्तत्फलम्—अमृतदधिमधुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुकचेतसो विविधसौख्ययुता धरणी तदा ॥ रसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्—यदि विधौ रसपेभुवि मानवोनवनवांयुवतीं बुभुजेप्रियाम् । जलधरा बहुवारि विधायका रसवती धनधान्यवती मही ॥ नीरसेशःशनिः फलम्—त्रपुपिडादिलोहानां कृष्णवस्त्रादि वस्तुनां । अर्घवृद्धिः प्रजायेत मदे नीरस नायके ॥ फलेशोभौमस्तत्फलम्—फलपतिर्यदि भूतनयो भवेत् सुबहु पुष्प फलान्वितमेदिनी । गतभयानृपदेशजनास्तदा नृपतयोबहुविग्रहकारकाः ॥ धनेशः शनिः फलम्—द्रविणपेरविज्ञे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अधनतां वणिजो कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीडितमानसाः ॥ दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्—विषयसाम्यसुखं शशिजेप्रभौ भवति राष्ट्रजनेषु विशेषता । शशिसुते यदिकोटक पालके पथिषु द्रव्यवतां न भयंक्वचित् ॥ धातूनाम संवत्सरः फलम्—धातु वर्षेऽखिलाः क्षमेशाः सदा युद्ध परायणाः । सम्पूर्णा धरणी भाति बहुसस्यार्घवृष्टिभिः ॥ वर्षनाम ज्येष्ठः फलम्—तस्करैः पापरोगैर्वा पीडयंते पीडयाजनाः । भ्रमन्ते स्वेच्छया भूम्यां निर्द्रव्यैः ज्येष्ठसंज्ञके ॥ मेघनाम द्रोणः फलम्—द्रोणे वर्षति सर्वदा ॥ रोहिणीनिवासः संधौ फलम्—खंड वृष्टिश्चः संधिषु ॥ समयनिवासो वणिग्गृहे फलम्—वणिग्गृहे शुभं नास्ति ॥ एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०४० शाके १९०५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र वैशाख ज्येष्ठाषाढ़ मासेषु गोधूल्यां भौमः ७ दोषः

चैत्र मासः

शुक्ले १० शुक्रे मघा. ल. गो. ११ रे. ६ ।ऽ।।।ऽरो.।ऽऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः कुम्भे चन्द्र ७ पूज्यः

„ ११ शनौ उफा. ल. ११ (चं. ७ पू.) रे. ९ ।।।।।।।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याभावः

„ १३ चंद्रे हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।

वैसाख मासः

कृष्णे ११ रवौ उभा, ल.११(घ.५१।५८उ.)रे.७।ऽ।।।ऽचौ।ऽ।।

„ १२ चन्द्रे रेव. ल. ११(घ.५१।२३या.)रे.९ ।।।।ऽ।।।

शुक्ले ७ गुरौ मघा. ल. ११ रे. ८ ।।।।।ऽगु।ऽ। चं. ७ पू.

„ १० शनौ उफा. ल. गो.१२ रे.७।ऽ।।।चौ.।ऽ। मीने चं.७पू.

„ ११ रवौ हस्ते ल. १२(चं.७पू.) रे. ८ ऽ।।।।ऽ।।।

„ १३ भौमे स्वा. ल. अन्यगो. ११ रे. ८ ।ऽ।।।ऽ।।।

„ १५ गुरौ अनु. ल. ११-१२ रे. ६ ।।ऽबुऽबु।ऽआ।ऽ।। पाद वेधाऽबुधस्य वेधाऽभावः आवश्यके

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे ९ रवौ उभा. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।ऋ.।ऽ।।

„ १० चन्द्रे रेवत्यां ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

शुक्ले ५ बुधे मघा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ९ ।ऽ।।।।।।।।

„ ८ शनौ हस्ते ल.अन्यगो.१२ रे.७ ऽऽ।।।ऽ।।। मीने चं.७पू.

शुक्ले १० चन्द्रे स्वात्यां ल. गो. सोग्रांगः रे. ९ ।।।।।ऽ।।।

„ १५ बुधे अनु. ल.अन्यगो. १२ रे. ६ ऽऽऽगु।ऽऽचौ.या.।।।।

आषाढ़ मासः

कृष्णे ७ शनौ उभा. ल. अन्यगो. २ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे २ भौमे मृगे ल. गो. ४-५ रे. ७ ।।।।ऽऽचौ.ऽ।।।

„ ९ चन्द्रे उफा. ल. ४ रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।

माघ मासः

कृष्णे २ शुक्रे मघा.ल.गो.६(घ.४१।२या.)रे.९ ।।।।।ऽचौ.।।।।

„ ५ रवौ उफा. ल. गो. ९ रे. ७ ऽ।।।ऽरो.।ऽ।।

„ ६ चन्द्रे हस्ते ल. गो. रे ९ ।।।।।।ऽ।।

„ १० शुक्रे अनु. ल. ६ (घ.३८।१९उ.)रे. ६ ऽ।।।।ऽगु.ऽऽ।।

शुक्ले ४ चन्द्रे उभा. ल. अन्यगो. ६ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। कन्या लग्ने चन्द्र ७ पूज्यः रेखा १०

„ ४ चन्द्रे रेवत्यां ल. ९ रे. ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।।

„ ५ भौमे रेवत्यां ल. अन्यगो. ६ रे. ६ ।ऽ।।।ऽचौ।ऽऽ।।

„ १४ गुरौ मघा.ल.९ रे. ६ ।।।ऽबुऽऽऽ।। पादतो वेधाभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णे २ शनौ उफा. ल. ६-९ रे. ८ ।।।।।ऽ।।।

„ ९ शनौ मूले ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

„ ११ चन्द्रे उषा. ल. ९ रे ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।।

शुक्ले २ रवौ उभा. ल. ९ रे. ९ ऽ।।।।ऽऋ.।।।।

„ ३ चन्द्रे रेवत्यां ल. ९ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६१स.१९८३
१	गु	१६	४२	अ	२१	४४	वि	१८	४६	ब	१६	४२	३१/३६	५/४१	६/१९	१४	२४	२९	मेषे	अश्वि. मेषेऽर्कः ५/६ (सौरः ५/५२) भरण्यां●
२	शु	१४	१४	भ	२०	४९	प्री	१५	५२	कौ	१४	१४	४०	४०	२०	१५	२५	१	वृ.३५।२३	सिंधारा रज्जब ७ ×जयंती गणगौरी
३	श	१०	५९	कृ	१९	७	आ	१०	८	ग	१०	५९	४३	३९	२१	१६	२६	२	वृषे	भ. ३८।५७ उ. रोहि शुक्रः २२/३० मत्स्य×
४	र	६	५५	रो	१६	४९	सौ	४/०	५३/५०	वि	६	५५	४७	३९	२१	१७	२७	३	मि४५।३१	भ. ६।५५ या. स्व. अनु. ४ गुरुः १७।५२
५	चं	२	३५	मृ	१४	१३	अ	५१	८	बा	२	३५	५१	३८	२२	१८	२८	४	मिथुने	●भौमः ५४/४६ चन्द्रद संवत्सरारंभः नवरा.
६	चं	५५	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	मं	५२	५०	आ	११	१३	सु	४४	१६	ग	२५	१७	५५	३७	२३	१९	२९	५	क.५३।५०	भ. ५२।५० उ.
८	बु	४७	४१	पु	८	२	धृ	३७	१९	वि	२०	१६	५८	३६	२४	२०	३०	६	कर्के	भ. २०।१६ या. कृत्ति. बुधः ४५।४३
९	गु	४२	२४	पु	४	३३	शू	३०	७	बा	१५	२	३२/२	३६	२४	२१	१	७	कर्के	रा. वैशाखारंभः रामनवमी
१०	शु	३६	५०	श्ले	१/०	५६/२२	गं	२२	५०	तै	९	३७	६	३५	२५	२२	२	८	सिं १।०	+पातमोक्षः १४।३५ कामदा ११ व्रतम्
११	श	३१	२२	पू	५३	४६	वृ	१५	३१	व	४	६	१०	३४	२६	२३	३	९	सिंहे	भ.४।६उ.३१।२२या. पातस्पर्शः ३।१८+
१२	र	२५	५३	उ	५०	३७	ध्रु	८	२८	बा	२५	५३	१४	३३	२७	२४	४	१०	कं.७।५८	वृषे बुधः ३।९ प्रदोष. व्रतम्
१३	चं	२१	१	ह	४७	५८	व्या	१/४५	५३/५०	तै	२१	१	१७	३३	२७	२५	५	११	कन्यायां	
१४	मं	१६	३८	चि	४६	४	व	५०	१६	व	१६	३८	२१	३२	२८	२६	६	१२	तु.१७।१	भ. १६।३८ उ. ४५।३ या.
१५	बु	१३	२८	स्वा	४५	३४	सि	४५	५९	ब	१३	२८	२५	३१	२९	२७	७	१३	तुलायां	भरण्यांरविः ४५/२४ (सौरः ४७/१०) हनुमज्जयंती

१पं. चै.शु. १बृ.इ. ५।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	७	१	६	२	११
०	१२	१७	१६	७	८	४	२९
०	४३	३८	५०	१६	१२	४५	५९
०	५	१३	४९	३४	३९	५८	१६
५८	४३	९८	३/२२	७१	४/३७	३	५८
४४	४६	४४	ब	२२	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

२शु १२ ३रा १सूबुमं ११ ४ १० ५ ७श ९के ६ ८बृ

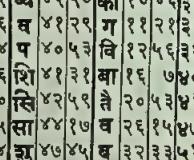

चैत्र शु. १ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

२शु १२ ३रा १सूबुमं ११ ४च १० ५ ७श ९के ६ ८बृ

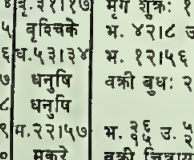

२पं.चै.शु. ९ बृ.इ.५।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	७	१	६	२	०
६	१७	२६	१६	१५	७	४	६
५०	५०	५९	२४	२४	४०	२३	४९
४२	५३	५६	८	२५	३७	४३	२७
५८	४३	६०	४/२५	७०	४/४०	३	५८
३१	३१	३५	ब	४८	ब	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	१०	४६	वि	४६	३१	व्य	४२	५०	कौ	१०	४६	३२/२९	५/३०	६/३०	२८	८	१४	वृ.३१।१७	मृगे शुक्रः १६।१८
२	शु	११	२१	अ	४९	१६	व	४१	२९	ग	११	२१	३२	३०	३०	२९	९	१५	वृश्चिके	भ. ४२।८ उ.
३	श	१२	५६	ज्ये	५३	३४	प	४०	५३	वि	१२	५६	३६	२९	३१	३०	१०	१६	ध.५३।३४	भ. १२।५६ या. चतुर्थी ब्र.
४	र	१६	७	मू	५९	२६	शि	४१	३१	बा	१६	७	४०	२८	३२	१	११	१७	धनुषि	वक्री बुधः २८।५० मई मा. ५ ता. ३१
५	चं	२०	५३	पू	६०	०	सि	४२	५९	तै	२०	५३	४३	२७	३३	२	१२	१८	धनुषि	
६	मं	२६	१५	पू	६	५	सा	४४	१७	व	२६	१५	४७	२७	३३	३	१३	१९	म.२२।५७	भ. २६/१५ उ. ५९/२४ या. मिथुने शुक्रः४५।१२●
७	बु	३२	३३	उ	१३	३४	शु	४७	४५	ब	३२	३३	५१	२६	३४	४	१४	२०	मकरे	वक्री चित्रायां ४ शनिः २४।५०
८	गु	३८	४४	श्र	२१	८	शु	४९	३८	बा	५	३८	५४	२५	३५	५	१५	२१	कु.५४।४१	●कृत्ति. भौमः १६/४ बुधास्तः पश्चिमायां ५६/२६
९	शु	४४	२९	ध	२८	१४	ब्र	५१	३५	तै	११	३७	५७	२५	३५	६	१६	२२	कुंभे	
१०	श	४९	५	श	३४	२३	ऐं	५२	२८	व	१६	४७	३३/१	२४	३६	७	१७	२३	कुम्भे	भ. १६।४७ उ. ४९।५ या. वृषे भौमः ५३/५७
११	र	५२	१०	पू	३९	६	वै	५१	५८	ब	२०	३८	४	२३	३७	८	१८	२४	मी२२।५५	वक्री मेषे बुधः ४३/३६ वरूथिनी ११ ब्र.
१२	चं	५३	२३	उ	४२	९	वि	५०	११	कौ	२२	४	७	२३	३७	९	१९	२५	मीने	आर्द्रा. शुक्रः ३९।५३
१३	मं	५३	११	रे	४३	३१	प्री	४७	२	ग	२३	१७	१०	२२	३८	१०	२०	२६	मे.४३।३१	भ. ५३।११ उ. प्रदोषः
१४	बु	५०	५५	अ	४३	४	आ	४२	२१	वि	२२	२	१३	२१	३९	११	२१	२७	मेषे	भ. २२।२ या. कृत्तिका. रविः ३१/१९ (सौरः×
३०	गु	४७	७	भ	४१	११	सौ	३६	३७	च	१९	१	१६	२१	३९	१२	२२	२८	वृ.५५।२६	×३५/७) मृगे ३ राहुः मूले १ केतुः १८/१७

३पं. वै.कृ. १बृ.इ.५।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	७	१	६	२	०
१३	२२	१	१५	२३	७	४	१३
३९	५५	३१	५१	३२	८	१	३७
४३	५९	१	२२	२४	२४	२७	५२
५८	४३	१९	५/३४	६९	४/४०	३	५८
१९	२१	२०	ब	५८	ब	११	१२

२बुशु १२ ३रा १सूमं ११ ४ १० ५ ७शचं ९के ६ ८बृ

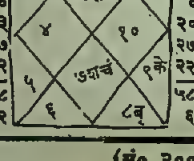

४पं.वै.कृ. ८बृ.इ.५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	७	२	६	२	०
२०	२७	१	१५	१	६	३	२०
२७	५९	२८	१०	३३	३६	३९	२४
२२	२	४१	२६	११	५८	१२	३३
५८	४३	३०/३८	६/३२	६९	४/२६	३	५७
६	११	ब	च	१७	ब	११	५७

२बु १२ ३रा शु १सूमं ११ ४ १०चं ५ ७श ९के ६ ८बृ

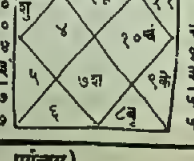

५पं. वै.कृ.३०बृ.इ. ६।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	७	२	६	२	०
२७	२	२८	१४	९	६	३	२७
१४	५९	२	२४	२६	७	१६	९
३४	४९	५३	२२	३८	३४	५६	४७
५७	४३	३४/३२	७/१६	६८	४/७	३	५७
५४	२	ब	ब	२३	ब	११	४५

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६९० सन् १९८३
१	शु	४२	७	कृ	३८	११	शो	२९	५८	किं	१४	३७	३३/५९	५/२०	६/४०	१३	२३	२९	वृषे	
२	श	३६	२२	रो	३४	२३	अ	२२	३८	बा	९	१४	२२	२०	४०	१४	२४	३०	वृषे	वृषेऽर्कः ५८/३४ वक्रीभरण्यांबुध ३९/३९ चन्द्रदर्शन
३	र	३०	११	मृ	३०	१७	सु	१५	२	तै	३	१६	२५	१९	४१	१५	२५	१	मि२।२०	भ. ५७/३ उ. वृषेऽर्कः सौरः ५५/२ अक्षया३●
४	चं	२३	५६	आ	२२	५५	भृ	७/२	५२/२४	वि	२३	५६	२८	१८	४२	१६	२६	२	मिथुने	भ. २३।५६ या. +नृसिंह १४
५	मं	१७	४०	पु	२१	५१	गं	५१	५२	बा	१७	४०	३०	१८	४२	१७	२७	३	क.७।५२	●परशुरामजयंती सावान ८
६	बु	११	४४	पु	१७	५७	वृ	४३	४१	तै	११	४४	३३	१७	४३	१८	२८	४	कर्के	पातस्पर्शः ३८।३० पातमोक्षः ५५।४७
७	गु	६	१८	श्ले	१४	२२	ध्रु	३७	३९	ध	६	१८	३६	१७	४३	१९	२९	५	सिं१४।२२	भ. ६।१८ उ. ३३।४३ या.
८	शु	१	८	म	११	१९	व्या	३१	१०	ब	१	८	३९	१६	४४	२०	३०	६	सिंहे	वक्री अनु. ३ गुरुः ५१।४५
९	शु	५५	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	श	५२	२७	पू	८	५३	ह	२५	८	तै	२४	२९	४१	१६	४४	२१	३१	७	कं.२३।१६	पुन. शुक्रः ३५/५७ रोहि. भौमः ५७/५३ बुधोदयः×
११	र	४९	१९	उ	६	२४	व	१९	४१	व	२०	४७	४३	१५	४५	२२	१	८	कन्यायां	भ. २०/४७ उ ४९/१९ या. रा.ज्येष्ठा. मोहिनी ११व्र.
१२	चं	४६	११	ह	५	२९	सि	१४	४२	व	१७	४५	४६	१५	४५	२३	२	९	तु.३५।११	
१३	मं	४४	२०	चि	४	५२	व्य	१०	२६	कौ	१५	१६	४८	१४	४६	२४	३	१०	तुलायां	प्रदोषः ×पूर्वस्याम् २८।४८
१४	बु	४३	४३	स्वा	५	२६	व	६	५६	ग	१४	२	५०	१४	४६	२५	४	११	वृ.५१।४७	भ. ४३/४३ उ. रोहि. रविः २२/२ (सौरः २९/४)+
१५	गु	४४	६	वि	७	१४	प	४	२२	वि	१३	५५	५२	१४	४६	२६	५	१२	वृश्चिके	भ. १३/५५ या. यमायसान्नजलकुंभ दानम्

६पं. वैं.शु ७वृ इ.६।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	७	२	६	२	१
३	७	२४	१३	१७	५	२	३
५८	५८	२२	३३	१२	४०	५४	५३
२६	५	५५	३६	७	५	४०	२६
५७	४२	२८/१४	७/४४	६७	३/४८	३	५७
४४	३७	ब	ब	१७	ब	११	३४

गोचरग्रहाः

शु३रा, १बु, २सूमं, ४, १२, चं, ५, ११, ६, ८बृ, १०, ७श, ९के

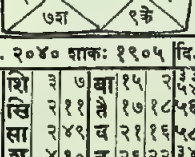

वैशा.शु. २ शनौ वृषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

४, १बु, २सूमं, १२, ५, ११, ६, ८बृचं, १०, ७श, ९के

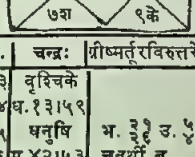

७पं. वैं.शु.१५बृ.इ.६।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	७	२	६	२	१
१०	१२	२२	१२	२४	५	२	१०
४२	५३	४८	४०	४६	१५	३२	३५
२५	३१	५८	३४	५५	१४	२५	३७
५७	४२	२४/२४	७/५२	६५	३/२३	३	५७
३५	२६	ब	ब	५०	ब	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४५	५८	अ	९	५०	शि	३	७	बा	१५	२	३३/५४	५/१३	६/४७	२७	६	१३	वृश्चिके	
२	श	४८	४३	ज्ये	१३	५९	सि	२	११	तै	१७	१८	५६	१३	४७	२८	७	१४	ध.१३।५९	
३	र	५३	४८	मू	१९	२०	सा	२	४९	व	२१	१६	५८	१२	४८	२९	८	१५	धनुषि	भ. २१/२६ उ. ५३/४८ या. मार्गी बुधः ४६।२३
४	चं	५८	५७	पू	२६	१०	शु	४	१०	ब	२६	२२	३४/००	१२	४८	३०	९	१६	म.४२।५३	चतुर्थी व्र.
५	मं	६०	०	उ	३३	१	शु	५	४२	कौ	३२	१	२	१२	४८	३१	१०	१७	मकरे	कर्के शुक्रः ४।३७
५	बु	५	५	श्र	४०	३४	ब्र	८	३१	तै	५	५	४	११	४९	१	११	१८	मकरे	जून मा. ६ ता. ३०
६	गु	११	१४	ध	४८	४	ऐं	११	१	व	११	१४	६	११	४९	२	१२	१९	कुं.१४।१९	भ. ११।१४ उ. ४४।१५ या.
७	शु	१७	१७	श	५५	१	वै	१३	१४	ब	१७	१७	७	११	४९	३	१३	२०	कुम्भे	पुष्ये शुक्रः ११।३७
८	श	२२	२०	पू	६०	०	वि	१४	४६	कौ	२२	२०	९	१०	५०	४	१४	२१	मी४४।१०	
९	र	२६	२	पू	०	३७	प्री	१५	१४	ग	२६	२	१०	१०	५०	५	१५	२२	मीने	भ. ५७।५ उ. कृत्तिका. बुधः १६।२८
१०	चं	२८	८	उ	४	२९	आ	१४	२२	वि	२८	८	१२	१०	५०	६	१६	२३	मीने	भ. २८।८ या.
११	मं	२८	५	रे	७	४	सौ	१२	८	बा	२८	५	१३	९	५१	७	१७	२४	मे. ७।४	अपरा ११ व्र.
१२	बु	२६	७	अ	७	१५	शो	८	११	तै	२६	७	१४	९	५१	८	१८	२५	मेषे	मृगे रविः १७/५ (सौरः २७/५३) वृषे बुधः ४९/५१●
१३	गु	२२	१६	भ	५	४७	अ	३/४१	५३/१३	व	२२	१६	१६	९	५१	९	१९	२६	वृ.२०।१	भ. २२।१६ उ. ४९।५४ या. ●प्रदोषः
१४	शु	१७	३२	कृ	३/४३	५५/६	धृ	४७	४६	श	१७	३२	१७	९	५१	१०	२०	२७	वृषे	मृगे भौमः ६।४४
३०	श	९	३४	मृ	५२	३	शू	३८	५७	ना	९	३४	१८	८	५२	११	२१	२८	मि२४।५६	वट सावित्री व्र.

८पं.ज्ये.कृ.६बृ.इ.६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	७	३	६	२	१
१७	१७	२४	११	२	४	२	१७
२५	४६	५०	४७	१०	५३	१०	१६
८	२३	२	१३	१६	२४	९	४३
५७	४२	२२/१४	७/५२	६४	३/४३	३	५७
२७	१६	मा	ब	१०	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

३रा, १बु, शु ४, २सूमं, १२, ५, ११, ६, ८बृ, १०, ७श, ९के

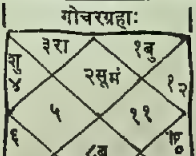

इस मास में जौ गेहूं चना आदि धान्य मंदा होगा। मास के आरंभ में ही धान्य का संग्रह करना चाहिये।

गोचरग्रहाः

३रा, १चं, ४, २सूमं, १२, शु, ५, ११, ६, ८बृ, १०, ७श, ९के

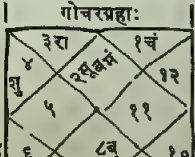

९पं.ज्ये.कृ.१३बृ.इ.६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	७	३	६	२	१
२४	२२	०	१०	९	४	१	२३
७	३७	११	५४	१८	३६	४७	५६
१२	४४	३५	४३	५८	५८	५४	३९
५७	४२	५५	७/३३	६२	२/१०	३	५७
२२	७	१३	ब	७	ब	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अखिल–भारतवर्षोपयोगि–सूक्ष्म–दृश्य–गणित–युतं श्रीवेंकटेश्वर–शताब्दि–पञ्चाङ्गम्

| ति. | ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५ | | |

| ति. | आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५ | | |

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७७८सन् १९८३
१	मं	३४	२८	श्ले	१६	२९	व	४५	१३	किं	९	४२	३२/५६	५/२५	६/३५	९	१८	२९	सि१६।२९	पुष्ये भौमः १।४४
२	बु	२५	४	म	८	५४	प	३४	२९	कौ	२५	४	५३	२५	३५	१०	१९	३०	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	गु	१६	३४	पू	१/५६	५४/१७	शि	२४	५६	ग	१६	३४	५०	२६	३४	११	२०	१	क.१५।३१	भ. ४३।१ उ. तीज जिल्काद ११
४	शु	९	२९	ह	५२	२	सि	१६	१३	वि	९	२९	४७	२७	३३	१२	२१	२	कन्यायां	भ. ९।२९ या. वरद ४
५	श	४	१४	चि	५०	२२	सा	८	४	बा	४	१४	४३	२७	३३	१३	२२	३	तु.२१।१२	नागपंचमी
६	र	०	४४	स्वा	५०	१	शु	३/४३	५५/५४	तै	०	४४	४०	२८	३२	१४	२३	४	तुलायां	भ. ५९।२२ उ.
७	र	५८	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×कर्म रक्षाबन्धनम्
८	चं	६०	०	वि	५१	५५	ब्र	५७	११	वि	२४	४३	३६	२९	३१	१५	२४	५	वृ.३६।२६	भ. २४/४३ या. उफा. बुधः ४९/१६ वक्री मघायां●
८	मं	०	४	अ	५९	२७	ऐं	५६	१६	ध	०	४	३३	२९	३१	१६	२५	६	वृश्चिके	शु. अ. प.
९	बु	२	१७	ज्ये	६०	०	वै	५६	३९	कौ	२	१७	२९	३०	३०	१७	२६	७	वृश्चिके	मघा. सिंहेऽर्कः ३।८ (सौरः ३४।५३)
१०	गु	६	१०	ज्ये	०	४३	वि	५७	३९	ग	६	१०	२६	३१	२९	१८	२७	८	ध.०।४३	भ. ३८।४१ उ.
११	शु	११	१२	मू	६	५९	प्री	५९	३५	वि	११	१२	२२	३२	२८	१९	२८	९	धनुषि	भ. ११।१२ या. कन्यायां बुधः २४।०=
१२	श	१७	२	पू	१४	२	आ	६०	०	बा	१७	२	१९	३२	२८	२०	२९	१०	म.३०।४९	प्रदोषः =पवित्रा ११ व्र.
१३	र	२२	५८	उ	२१	११	आ	१	४९	तै	२२	५८	१५	३३	२७	२१	३०	११	मकरे	●शुक्रः ३७/३३ शुक्रास्तः पश्चिमायां ३६।०
१४	चं	२९	१५	श्र	२८	३७	सौ	४	९	ध	२९	१५	११	३४	२६	२२	३१	१२	मकरे	भ. २९।१५ उ.
१५	मं	३५	९	ध	३६	२	शो	६	३०	वि	२	१२	८	३४	२६	२३	१	१३	कुं.२।१९	भ. २।१२ या. रा. भाद्रपदारंभः श्रावणी×

१८पं.श्रा.शु.३बृ.इ.५।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	७	४	६	१	३
२४	४	२०	७	१४	५	२८	२३
१६	४२	२०	४२	५१	३१	२७	४७
२६	४३	४२	०	४३	५	३३	०
५७	४०	७४	२	१६/५१	३	३	५७
३३	६	४९	२५	ब	५७	११	२२

गोचरग्रहाः

५● ३ ६ ४गुमं रा २ ७श १ ८के बृ १० १२ ९ ११

श्रा. शु. ९ बुधे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ नं. ५ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः प. ।

गोचरग्रहाः

६ ४म ७श ५सूशु ३ ८केबृ २रा चं ९ ११ १ १० १२

१९पं.श्रा.शु.१०बृ.इ.५।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	७	४	६	१	४
०	९	२८	८	११	५	२८	०
५९	१३	४७	२	४९	५८	५	२९
४९	३७	१०	४६	५५	५९	१८	१३
५७	३९	५५	३	३०/२४	४	३	५७
४०	४९	३४	४६	ब	३३	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४०	५२	श	४३	१७	अ	८	४९	बा	८	०	३२/४	५/३५	६/२५	२४	२	१४	कुम्भे	
२	गु	४५	५९	पू	४९	४४	सु	१०	४८	तै	१३	२५	०	३६	२४	२५	३	१५	मी३३।८	
३	शु	५०	४	उ	५५	३०	धृ	१२	८	व	१८	१	३१/५६	३७	२३	२६	४	१६	मीने	भ. १८।१उ.५०।४या. स्वाती १ शनिः ५१/५६
४	श	५३	२३	रे	६०	०	शू	१२	४७	ब	२१	१४	५२	३८	२२	२७	५	१७	मीने	चतुर्थी व्र.
५	र	५५	३४	रे	०	२६	गं	१२	५६	कौ	२४	२६	४८	३८	२२	२८	६	१८	मे.०।२६	×शुक्रोदयः पूर्वस्यां २।२४ श्रीकृष्णजन्मा.व्र.
६	चं	५६	२८	अ	४	७	वृ	१२	६	ग	२६	१	४४	३९	२१	२९	७	१९	मेषे	भ. ५६।२८ उ. आश्ले. भौमः ४७।२०●
७	मं	५६	३	भ	६	३६	ध्रु	११	१७	वि	२६	१५	४०	४०	२०	३०	८	२०	वृ.२१।५३	भ. २६।१५ या. पूफायां रविः ५२।४५
८	बु	५४	११	कृ	७	४६	व्या	८	२०	बा	२५	७	३६	४१	१९	३१	९	२१	वृषे	पूफा रविः सौरः २५/४५ वक्री बुधः४०।५१×
९	गु	५०	३४	रो	७	२२	ह	१३/१२	५४/२५	तै	२२	२२	३२	४२	१८	१	१०	२२	मि३६।२४	सितम्बर मा. ९ ता. ३० गोगा ९
१०	शु	४५	२०	मृ	५	२६	सि	५०	५६	व	१७	५६	२८	४२	१८	२	११	२३	मिथुने	भ. १७।५६ उ. ४५।२० या.
११	श	३८	४५	आ	१/५६	५५/१५	व्य	४३	३	ब	१२	२	२५	४३	१७	३	१२	२४	क.४३।२३	अजा ११ व्र. ●चन्द्रषष्ठी
१२	र	३०	४९	पु	५०	५८	व	३४	२	कौ	४	४७	२१	४४	१६	४	१३	२५	कर्के	वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	चं	२१	५६	श्ले	४४	२	ए	२४	१०	ध	२१	५६	१७	४५	१५	५	१४	२६	सिं४४।२	भ. २१।५६ उ. ४७।१२ या.
१४	मं	१२	२९	म	३६	३५	शि	१३	५१	श	१२	२९	१३	४५	१५	६	१५	२७	सिंहे	
३०	बु	२	५०	पू	२९	१०	सि	३/१२	४९/३४	ना	२	५०	९	४६	१४	७	१६	२८	कं.४२।३०	कुशाग्रहणी मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.२बृ.इ.५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	७	४	६	१	४
७	१३	४	८	७	६	२७	७
४४	४३	२०	३१	४७	३१	४३	१३
१७	८	३१	४८	३०	८	२	४५
५७	३९	३४	४	३६/३२	४	३	५७
४९	३९	२१	५३	ब	५९	११	४५

गोचरग्रहाः

६बु ४मं श ७ ५सूशु ३ ८केबृ २रा ९ ११चं १ १० १२

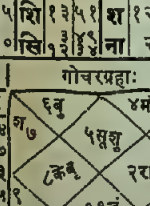

भा.शु. ११ शनौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ४ नं. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

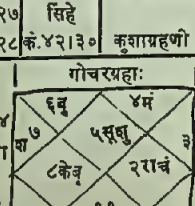

६बु ४मं श ७ ५सूशु ३ ८केबृ २राचं ९ ११ १ १० १२

२१पं.भा.कृ. ९वृ.इ. ५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	४	६	१	४
१४	१८	६	९	३	७	२७	१३
२९	१०	९	९	३७	६	२०	५७
५६	४४	२२	१८	४८	३२	४६	५७
५८	३९	३/६	५	३०/३२	५	३	५७
१	३२	ब	५९	ब	२५	११	५७

●चंबुशु

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५	दि.	उ.	अ.	इं. रा. मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८०८स.१९८३
१	बु ५०।४७ ० ० ०	० ० ० ० ० ०	०	० ० ०	० ० ०	०	
२	गु ४५।३१ उ २२।२९ शु ४२ ३ बा १९।३४	३१ ४५ १६	८	१७।२९	१	कन्यायां	बुधास्तः पश्चिमायाम् ४८।२ चन्द्रदर्शनम्
३	शु ३८।५५ ह १६।५० शु ३४।२९ ते १२।१३	१ ४८।१२	९	१८।१	१	तु.४४।५२	अनु. ३ गुरुः ४५ हरितालिका जिव्हेज १२
४	श ३४।४ चि १२।५५ ब्र २६ २ व ६।२९	३ ४९ ११	१०	१९।२	२	तुलायां	भ. २६ उ. ३४ या. वक्री कर्कआश्ले.शुक्रः●
५	र ३१।१६ स्वा १०।४२ ते २१।११ ब २।४१	५३ ४९ ११	११	२०।३	३	वृ.५६।०	ऋषि ५ ●२६।४१ गणेश ४
६	चं ३०।५२ वि १०।५२ वै १७।२३ को १ ५	४८ ५० १०	१२	२१।४	४	वृश्चिके	×ज्येष्ठा. ४ केतुः ५४।४
७	मं ३२।८ अ १३ २ वि १५।३० ग १।३०	४४ ५१ ९	१३	२२।५	५	वृश्चिके	भ.३२।८उ. उफा. रविः ३५ मृगे १ राहुः×
८	बु ३५।४२ ज्ये १७ ६ प्री १४।२९ वि २।५५	४० ५२ ८	१४	२३।६	६	ध.१७।६	भ. ५५ या. उफा.रविःसौरः ३३ वक्रीसिंहे+
९	गु ४०।२७ मू २२।४८ आ १४।४८ ब्रा १३।२५	३६ ५३ ७	१५	२४।७	७	धनुषि	मार्गी शुक्रः २०।२४ +बुधः२९।४१
१०	शु ४६।२३ पू २९।४० सो १६।१८ ते १८।४७	३२ ५४ ६	१६	२५।८	८	म.४६।३२	रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
११	श ५२।३३ उ ३७ ९ शो १८।३२ व १९।४५	२८ ५४ ६	१७	२६।९	९	मकरे	भ.३३ उ.५३ या. कन्यायामर्कः २३ (सौरः= =३५)वक्रीपूफा बुधः १३ जलझू. ११ ब्र.
१२	र ५८।५५ श्र ४४।४४ अ २०।५६ ब २५।४३	२४ ५५ ५	१८	२७।१०	१०	मकरे	मघा. सिंहे भौमः ५४।८ प्रदोषः
१३	चं ६० ० ध ५२।११ सु २३।३२ को ३१।५६	२० ५६ ४	१९	२८।११	११	कु.१८।२८	मघा. सिंहे शुक्रः ३५।४८ अनन्त १४
१३	मं ४ ५७ श ५९।१६ धृ २५।२६ ते ४ ५७	१६ ५७ ३	२०	२९।१२		कुम्भे	भ. १०।८ उ.४२।३१ या. महालयारंभः
१४	बु १० ८ पू ६० ० शू २७।१८ व १० ८	१२ ५८ २	२१	३०।१३		मी४८।५३	कुमारीणां संध्यापूजनम्
१५	गु १४।५५ पू ५।२५ गं २८।१३ ब १४।५५	८ ५८ २	२२	३१।१४		मीने	

२२पं.भा.शु.२ब.इ.४।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	७	४	६	१	४
२१	२२	५	९	०	७	२६	२०
१६	३७	३२	५३	४०	४४	५८	४४
५५	१६	१०	२४	३४	५३	३१	३७
५८	३९	४४	६	३५	५	३	५८
१३	१५	ब	५८	च	५२	११	१२

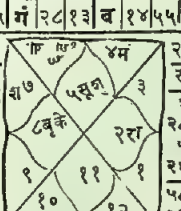

२३पं.भा.शु.९ब.इ.४।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	७	३	६	१	४
२८	२७	२९	१०	२९	८	२६	२७
५	१	१७	४४	३५	२६	२६	३२
२४	४८	१३	३१	३२	१५	५५	९
५८	३९	४	३	६	३	५८	
२६	४	ब	५७	ब	१९	११	२९

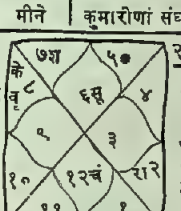

२४पं.भा.शु.१५ब.इ.४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	७	४	६	१	५
४	१२	३१९	०	९	२६	४	
५५	२४	३७	४२	२२	१०	१४	२३
१९	४३	१२	५८	१२	६	०	६
५८	३८	३५	८	३५	६	३	५८
३८	५८	ब	५५	ब	३०	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५	दि.	उ.	अ.	इं. रा. मु.	चन्द्रः	शरदर्तूं रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु १८।२८ उ १०।३२ वृ २८।४४ को १८।२८	३० ५५ १६	२३	११।५		मीने	बुधोदयः पूर्वस्याम् २४ रा. आश्विनारंभः
२	श २१ १ रे १५ १ धु २८।१४ ग २१ १	३० ० ०	२४	२।६		मे.१५।१	भ. ५१।४४ उ.
३	र २२।२७ अ १८।१४ व्या २६।४७ वि २२।२७	२९ ५५ १६	२५	३।७		मेषे	भ. ३३ या. मार्गी बुधः ८।५४ चतुर्थी ब्र.
४	चं २२।४२ भ २४।२५ ह २४।४२ बा २२।४२	५१ २	५८	२६ ४	१८	बृ.३५।४४	
५	मं २२ ७ कृ २१।४० व २१।४७ ते २२ ७	४७ ३	५७	२७ ५	१९	वृषे	हस्ते रविः १५।३२ (सौरः ४८।४)
६	बु २०।३१ रो २१।५६ सि १८ १ व २०।३१	४३ ३	५७	२८ ६	२०	मि५१।५५	भ. २०।३१ उ. ४९।८ या.
७	गु १७।४६ मृ २१।५५ व्य १३।२४ ब १७।४६	३८ ४	५६	२९ ७	२१	मिथुने	
८	शु १३।१८ आ १९ २ व ७।५० को १३।१८	२४ ५	५५	३० ८	२२	मिथुने	स्वाती. २ शनिः २४।५३
९	श ९।३६ पु १६ ३ प २९।५३ ग ९।३६	३० ६	५४	१ ९	२३	क.१।४८	भ.३६।३६उ. अक्टूबर मा. १० ता. ३१
१०	र ३।३७ पु ११।५९ सि ४६ ८ वि ३।३७	२६ ७	५३	२ १०	२४	कर्के	भ.३७ या. उफा. बुधः ३९ अनु.४गुरुः ३५*
११	र ५३।३३ ० ० ० ० ० ०	० ० ०	०	० ०		०	●×इन्दिरा ११ ब्र. स्मा.
१२	चं ४९।२१ श्ले ७ ४ सा ३७।२१ को २३ ५	२२ ८	५२	३ ११	२५	सिं ७।४	इन्दिरा ११ ब्र. वै.
१३	मं ४०।४७ म २९ ५३ शु २८ ३ ग १५ ४	१८ ८	५२	४ १२	२६	सिंहे	भ. ४९ उ. कन्यायां बुधः ५३।१२ प्रदोषः
१४	बु ३२।३३ उ ४९।११ शु १८।४३ वि ६ ४०	१४ ९	५१	५ १३	२७	कं.८।५३	भ. ६।४० या. शस्त्रादिहतानां श्राद्धं
१५	गु २४।३४ ह ४३।२८ ब्र ९।२३ ना २४।३४	१८ १०	५०	६ १४	२८	कन्यायां	सर्वपितृ श्राद्धम्

२५पं.आ.कृ.७ब.इ.४।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	७	४	६	१	५
११	५	२४	१२	२	९	२५	११
४६	४६	१८	४६	४५	५५	५१	५५
५५	२३	२५	१६	५०	४४	४४	१०
५८	३८	४७	९	२७	६	३	५९
५३	४०	२८	४१	६	४५	११	०

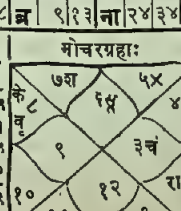

ग्रासोजां के मेह से दोनों बात विनास। बोरड़ियों के बोर नहीं, बण के नहीं कपास।।

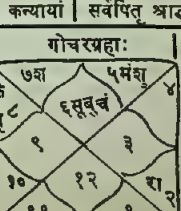

२६पं.आ.कृ.३०ब.इ.४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	४	६	१	५
१८	१०	३	१३	६	१०	२५	१८
४०	६	५१	५५	२९	४३	२९	७
८	२९	७	४१	६	८	२८	५६
५९	३८	९३	१०	३५	७	३	५९
९	३२	४६	२५	५४	२	११	१६

×मंबुशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ●मंबुशु

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८३७ स.१९८३
१	शु	१८	७	चि	३८	५२	ऐं	०/१७	५२/०	ब	१८	७	२९/६	६/११	५/४९	७	१५	२९	तु.११।१०	मातामह आ. चन्द्रदर्शन संभवः नवरात्रा.
२	श	१२	३२	स्वा	३५	३७	वि	४५	२७	कौ	१२	३२	२	१२	४८	८	१६	१	तुलायां	मोहोरम १ सन् १४०४ हि.
३	र	९	३	वि	३४	१३	प्री	४०	४	ग	९	३	२८/५८	१२	४८	९	१७	२	वृ.१९।३४	भ. ३८।१६ उ.
४	चं	७	३०	अ	३४	५२	आ	३६	८	वि	७	३०	५४	१३	४७	१०	१८	३	वृश्चिके	भ. ७।३० या. चित्रा. रविः ४७।३३
५	मं	७	४९	ज्ये	३७	३१	सौ	३४	१३	बा	७	४९	५०	१४	४६	११	१९	४	ध.३७।३१	चित्रा.रविः सौरः १८/४० हस्ते बुधः १४/४ पूफा.●
६	बु	१०	१७	मू	४१	५९	शो	३३	४९	तै	१०	१७	४६	१५	४५	१२	२०	५	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम् बुधास्तः पूर्वस्याम् १८/२४
७	गु	१४	२९	पू	४८	८	अ	३४	१९	व	१४	२९	४२	१६	४४	१३	२१	६	धनुषि	भ. १४।२९उ. ४७/१९ या. सरस्वतीपूजनम्
८	शु	२०	१०	उ	५५	१२	सु	३६	२	ब	२०	१०	३८	१६	४४	१४	२२	७	म.४।५४	अस्तंशने: ९/१४ बलिदानम् ●भौमः २३/५५
९	श	२६	१७	श्र	६०	०	धृ	३८	४	कौ	२६	२७	३४	१७	४३	१५	२३	८	मकरे	पूफा. शुक्रः ४२।५१ विजयादशमी पूजो.
१०	र	३२	३९	श्र	२	४४	शू	४०	३८	तै	३२	३९	३०	१८	४२	१६	२४	९	कु.३६।३१	विजया १० पट्टाभिषेके ×कुशा ११व्र.
११	चं	३८	५२	ध	१०	१९	गं	४२	४३	व	५	४६	२६	१९	४१	१७	२५	१०	कुम्भे	भ. ५/४६ उ. ३८/५२ या. तुलायामर्कः ३१/१९ पापां-×
१२	मं	४४	२६	श	१७	२२	वृ	४४	३५	ब	११	३९	२२	२०	४०	१८	२६	११	कुम्भे	तुलायामर्कः सौरः १/२३ चित्रा. बुधः ५३/४६
१३	बु	४८	३९	पू	२३	४३	ध्रु	४५	३४	कौ	१६	३२	१८	२०	४०	१९	२७	१२	मी ७।८	प्रदोषः
१४	गु	५१	४४	उ	२८	४२	व्या	४५	२६	ग	२०	११	१४	२१	३९	२०	२८	१३	मीने	भ. ५१।४४ उ. +कोजागरी व्र.
१५	शु	५३	२२	रे	३२	३१	ह	४४	३१	वि	२२	३३	१०	२२	३८	२१	२९	१४	मि.३२।३१	भ.३३/३३ या. ज्येष्ठा.१गुरुः २/४७ शरद् पूर्णि.+

२७पं.आ.शु.७बृ.इ. ४।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	४	६	१	५
२५	१४	१३	१५	११	११	२५	२५
३५	२४	७	९	२०	३१	७	४
६	७	८	०	३५	४४	१३	३८
५९	३८	१०/२	११	४५	७	३	५९
२१	१२	३/२	६	७	१०	११	३१

गोचरग्रहाः

आ.शु. ११ चंद्रे तुलायामर्कः प्र.बा. ३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रा. पू. ।

गोचरग्रहाः

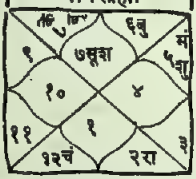

२८पं.आ.शु.१४बृ.इ.३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	७	४	६	१	६
२	१८	२५	१६	१६	१२	२४	२
३१	३९	१२	२७	५६	२१	४४	२
३४	५८	०	२९	२८	३२	५७	७
५९	३७	०/१०	१२	५०	७	३	५९
३४	५९	१८/१८	४२	४७	१७	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तु रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	५३	४९	अ	३५	१	व	४४	३१	बा	२३	३५	२८/६	६/२३	५/३७	२२	३०	१५	मेषे	तुलायां बुधः ४९।३७
२	र	५२	५८	भ	३६	२०	सि	३९	३४	तै	२३	२३	२	२४	३६	२३	१	१६	वृ.५१।२५	रा. कार्तिकारंभः
३	चं	५१	१३	कृ	३६	४०	व्य	३५	४०	व	२२	५	२७/५८	२४	३६	२४	२	१७	वृषे	भ. २२/५ उ. ५१/१३ या. स्वात्यां रविः १३/२१●
४	मं	४८	३३	रो	३५	५८	व	३१	१४	ब	१९	५३	५४	२५	३५	२५	३	१८	वृषे	चतुर्थी व्र. ●(सौरः ४२।२१)
५	बु	४५	११	मृ	३४	३१	प	२५	५८	कौ	१६	५२	५०	२६	३४	२६	४	१९	मि५।१४	स्वात्यां बुधः ४८।२४
६	गु	४१	४९	आ	३२	४१	शि	२०	२२	ग	१३	२९	४६	२७	३३	२७	५	२०	मिथुने	भ. ४१।४९ उ.
७	शु	३७	१३	पु	३०	१०	सि	१४	११	वि	१८	३१	४२	२८	३२	२८	६	२१	कं.१५।४७	भ.१८।३१या. स्वाती ३ शनिः २४।५४
८	श	३२	२३	पु	२७	२०	सा	७	३८	बा	४	४७	३९	२८	३२	२९	७	२२	कर्के	
९	र	२७	३	श्ले	२३	४७	शु	०/३८	५३/४१	ग	२७	३	३५	२९	३१	३०	८	२३	सिं२३।४७	भ. ५४।१३ उ. उफा. शुक्रः ४३।२२
१०	चं	२१	२३	म	१९	५९	ब्र	४५	३८	वि	२१	२३	३१	३०	३०	३१	९	२४	सिंहे	भ. २१।२३ या.
११	मं	१५	१६	पू	१५	५१	ऐं	३७	३२	बा	१५	१६	२७	३१	२९	१	१०	२५	कं.२९।४४	नवम्बर मा. ११ ता. ३० रमा ११ व्र.
१२	बु	९	१	उ	११	२५	वै	२९	४१	तै	९	१	२४	३१	२९	२	११	२६	कन्यायां	उफायां भौमः ५९।४७ प्रदोषः घन १३
१३	गु	३	२	ह	७	१७	वि	२१	५५	व	३	२	२०	३२	२८	३	१२	२७	तु.३५।२१	भ. ३।२उ. ३०।१७या. विशा. बुधः ५१/२९×
१४	गु	५४	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×कन्यायां शुक्रः ४।४० रूप १४
३०	शु	५२	४६	चि	३	२५	प्री	१४	३४	च	२५	९	१६	३३	२७	४	१३	२८	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२९पं.का.कृ.६बृ.इ.३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	७	४	६	१	६
९	२२	७	१७	२३	१३	२४	९
२९	५४	६	४९	१२	१०	२२	१
४९	३६	३२	४१	१८	५	४२	२७
५९	३७	०/१०	१२	५५	७	३	६०
४७	४६	३६/३६	१४	१२	२०	११	२

गोचरग्रहाः

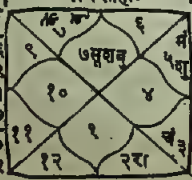

इस मासमें अनाज गल्ला किराना तिलहन पाट वारदाना खांड गुड़ सोना चांदी में तेजी होके मंदी होगी ।

गोचरग्रहाः

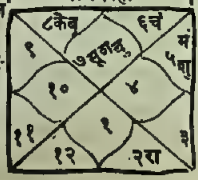

३०पं.का.कृ.१३बृ.इ.३।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	७	४	६	१	६
१६	२७	१८	१९	२९	१४	२४	१६
२९	७	३८	१४	५८	०	०	२
३८	१६	४९	४६	५५	२९	२६	३१
६०	३७	०/१०	१२	५९	७	३	६०
४	२१	४२/४२	३५	३७	२०	११	१८

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८६६ संन् १९८३
१	श ४९ १७ स्वा ३१ ५६ आ ७ ४७ किं २६ १ ३७ ३३ २७ ५	५	१४	२९	वृ. २४।१७	अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
२	र ४७ ३८ अ ५८ ५३ ती ३ ५५ बा १८ २७ ९ ३४ २६ ६	१५	३०		वृश्चिके	विशा. रविः ३३ (सौरः ५५) ज्येष्ठा. २●
३	चं ४७ ३८ ज्ये ६० ० अ ५४ ४० त्रै १७ ३८ ६ ३५ २५ ७	१६	१		वृश्चिके	कन्यायां भौमः ५५।५२ सफर २
४	मं ४९ ३७ ज्ये ० ३२ सु ५३ १४ व १८ ३७ २ ३६ २४ ८	१७	२		व. ०।३२	भ. १८।३७ उ. ४९।४७ या.
५	बु ५३ १६ मू ३ ५५ पृ ५२ ४७ ब २९ २६ ३६ २४ ९	१८	३		धनुषि	●गुरुः ४७।१ चन्द्रदर्शनम्
६	गु ५८ २८ पू ८ ४९ ध ५३ ५५ कौ २५ ५२ ५६ ३७ २३ १०	१९	४		म. २५।२८	वृश्चिके बुधः १४।८
७	शु ६० ० उ १५ २६ गं ५५ २६ ग ३१ २२ ५३ ३७ २३ ११	२०	५		मकरे	
७	श ४ १६ श्र २२ ३४ वृ ५७ ३७ व ४ १६ ४९ ३८ २२ १२	२१	६		कुं. ५६।२६	भ. १ ४ उ. ३५ या. अनु. बुधः १५ हस्ते×
८	र १० ४७ ध ३० १८ घु ५९ ५२ ब १० ४७ ४६ ३९ २१ १३	२२	७		कुम्भे	गोपाष्टमी ×शुक्रः ५४।१२
८	चं १७ ३७ श ३७ ३९ व्या ६० ० कौ १७ ७४ ३३ ३९ २१ १४	२३	८		कुम्भे	अक्षय ९ +ज्येष्ठा. अधः ५९।५०
१०	मं २२ ५३ पू ४४ २५ धृ १ ५८ ग २२ ५३ ५० ४० २० १५	२४	९		मी २७।४३	भ. ५७ उ. रोहि. ४ राहुः ज्ये. २ केतुः ३६
११	बु २७ २२ उ ४९ ४९ ह ३ १७ वि २७ २२ ३७ ४१ १९ १६	२५	१०		मीने	भ. ३२ या. वृश्चिकेऽर्कः ३६ (सौरः ५४) ÷
१२	शु ३० १७ रे ५३ ४८ व ३ २५ बा ३० १७ ३४ ४१ १९ १७	२६	११		मे. ५३।४८	उदयं शनेः १३।३६
१३	शु ३१ ४१ अ ५६ ३ स्वि २ २८ कौ ० ५९ ३१ ४२ १८ १८	२७	१२		मेषे	प्रदोषः +प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.
१४	श ३१ २० भ ५६ ४६ व्य १७ ३५ ग १ ३१ २९ ४२ १८ १९	२८	१३		मेषे	भ. ३१।२० उ. अनु. रविः ४८ वैकुंठ १४
१५	र २९ ३४ कृ ५६ १३ प ५२ ११ वि ० २७ २६ ४३ १७ २०	२९	१४		बृ. ११।३८	भ. ०।२७ या. अनु. रविः सौरः ११।५५+

३१पं.का.शु.६ब्.इ.३।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	७	५	६	१	६
२३	१२	९	२०	७	१४	२३	२३
३०	१८	४२	४२	५	५२	३८	५
५८	४०	१८	३६	२	५९	१०	८
६०	३७	९९	१३	६१	७	३	६०
१७	१	१३	१	२४	१९	११	३०

गोचरग्रहाः

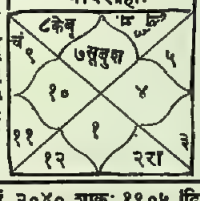

का. शु. ११ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.३ न.३ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रास्तः पू.।

गोचरग्रहाः

३२पं.का.शु.१२ब्.इ.३।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	७	५	६	१	७
०	५	१०	२२	१४	१५	२३	०
३३	२८	४५	१३	२८	४३	१५	९
४७	१९	४१	३४	१	५५	१२	
६०	३६	२६	१३	६३	७	३	६०
२०	३८	१८	१७	२१	१२	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेकार्ति. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं २६ २२ रो ५४ १८ शि ४६ ३४ कौ २६ २२ ३६ ४३ १७	२१	३०	१५	वृषे	
२	मं २२ २० मृ ५१ ३२ स्वि ४० ८ ग २२ २० २१ ४४ १६	२२	१	१६	मि २२।५५	भ. ५९।५४ उ. ज्येष्ठा. ३ गुरुः ९।३१ रा.●
३	बु १७ २८ आ ४८ १८ सा ३३ ४ वि १७ २८ १९ ४४ १६	२३	२	१७	मिथुने	भ. १७।२८ या. चतुर्थी व्र.
४	गु १२ १२ पु ४४ ४१ शु २६ १ बा १२ १२ १६ ४५ १५	२४	३	१८	क. ३०।३५	हस्ते भौमः ४७।१७ ×पातस्पर्शः ५३
५	शु ७ ० पु ४१ १६ शु १८ ४६ त्रै ७ ० १३ ४५ १५	२५	४	१९	कर्के	चित्रायां शुक्रः ८।५६ स्वाती ४ शनिः ३४×
६	श १ ४३ श्ले ३७ ३७ ब्र ११ २५ व १ ४३ ११ ४६ १४	२६	५	२०	सिं ३७।३७	भ. १।४३ उ. २९।७ या. पातमोक्षः ९।५८
७	श ५४ ४९ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	●मार्गशीर्षारम्भः बुधोदयः प. ३७।१
८	र ५१ ३६ म ३४ १४ ऐ ४ ५३ बा २४ ४ ८ ४६ १४	२७	६	२१	सिंहे	
९	कं ४६ ४५ पू ३१ ५ वि ४९ ५० त्रै १९ १० ६ ४७ १३	२८	७	२२	कं. ४५।२०	
१०	मं ४२ ४ उ २८ ५ प्री ४२ ५९ व १४ २५ ३ ४७ १३	२९	८	२३	कन्यायां	भ. ३ ५ उ. ४ ३ या. मूले धनुषि बुधः २४।३०
११	बु ३७ ५० ह २५ २१ आ ३६ ३५ ब ९ ५४ १ ४८ १२	३०	९	२४	तु. ५४।१०	उत्पत्ति ११ व्र. +ता. ३१
१२	गु ३४ ५१ चि २६ ० सो ३० २५ कौ ५ ५७ २५ ४८ १२	१	१०	२५	तुलायां	तुलायां शुक्रः ३।११ दिसम्बर मा. १२+
१३	शु ३१ १ स्वा २१ २८ शो २४ ४७ ग २ ३३ ५५ ४९ ११	२	११	२६	तुलायां	भ. ३११।१ उ. ५९।५३ या. ज्येष्ठा. रविः=
१४	श २८ ४६ वि २० ३७ अ १९ ४९ श २८ ४६ ५७ ४९ ११	३	१२	२७	वृ. ५।५०	ज्येष्ठा. रविः सौरः १८।५५
२०	र २७ ५९ अ २१ ९ सु १५ ५२ ना २७ ५९ ५३ ४९ ११	४	१३	२८	वृश्चिके	=५६ अस्तं गुरोः ०।१२ प्रदोषः

३३पं.मा.कृ.४ब्.इ.२।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	७	५	६	१	७
७	९	२१	२३	२२	१६	२२	७
३७	३३	२३	४५	८	३१	५३	१४
३७	११	५३	२२	१३	३७	३९	४५
६०	३६	९३	१३	६५	७	३	६०
४२	१७	१	२५	१५	२	११	५३

गोचरग्रहाः

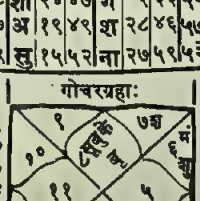

इस मासमें मूंग मोठ बाजरा जौ गेहूं रुई पाट सोना चांदीगुड़खांड़तिल तेल में मंदी होगी। सुदीमें लाल रंगकी वस्तु तेज होगी।

गोचरग्रहाः

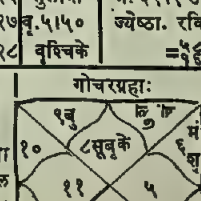

३४पं.मा.कृ.१२ब्.इ.२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	५	६	१	७
१४	१२	१	२५	२९	१७	२२	१४
४२	२५	४३	१९	५९	१९	३१	२१
५४	२०	१६	४१	३१	१२	२४	३१
६०	३५	६३	१३	६६	६	३	६१
५०	४८	४	३२	३७	४७	११	३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८९६स.१९८३
१	चं	२८	१९	ज्ये	२२	४१	धृ	१२	५०	ब	२८	२९	२५/५१	६/४९	५/११	५	१४	२९	ध.२२।४१	
२	मं	३०	२२	मू	२५	०	शू	११	२३	कौ	३०	२२	४९	५०	१०	६	१५	३०	धनुषि	ज्येष्ठा. ४ गुरुः ५९।३३ चन्द्रदर्शनम्
३	बु	३३	५१	पू	३०	३३	गं	१०	१९	तै	२	७	४८	५०	१०	७	१६	१	म.४६।५९	रविलाखर ३
४	गु	३९	१	उ	३६	१७	वृ	१०	४०	व	६	२६	४६	५१	९	८	१७	२	मकरे	भ. ६।२६ उ. ३९।१ या.
५	शु	४४	३५	श्र	४२	३४	ध्रु	११	५०	ब	११	४८	४५	५१	९	९	१८	३	मकरे	पूषायां बुधः ४६।४९ स्वात्यांशुक्रः १३।२०
६	श	५१	५	ध	५०	४१	व्या	१३	५०	कौ	१७	५०	४४	५१	९	१०	१९	४	कु.१६।३५	चम्पा ६
७	र	५७	२९	श	५८	१४	ह	१६	१०	ग	२४	१७	४२	५२	८	११	२०	५	कुम्भे	भ. ५७।२९ उ.
८	चं	६०	०	पू	६०	०	व	१९	२३	वि	३०	३४	४१	५२	८	१२	२१	६	मी४८।४०	भ. ३०।३४ या.
८	मं	३	३८	पू	५	२७	सि	२०	१४	ब	३	३८	४०	५२	८	१३	२२	७	मीने	
९	बु	८	५	उ	११	५५	व्य	२१	१	कौ	८	५	३९	५२	८	१४	२३	८	मीने	
१०	गु	१२	१९	रे	१६	४३	व	२०	४९	ग	१२	१९	३८	५२	८	१५	२४	९	मे.१६।४३	भ. ४३।१५ उ.
११	शु	१४	११	अ	१९	४१	प	१९	१५	वि	१४	११	३८	५२	८	१६	२५	१०	मेषे	भ. १४।११ या. मूले धनुष्यर्कः ५।२८●
१२	श	१३	५८	भ	२०	५६	शि	१६	११	बा	१३	५८	३७	५३	७	१७	२६	११	बृ.३५।४५	प्रदोषः ●(सौरः २३/३९)×
१३	र	११	५२	कृ	२०	१०	सि	११	३६	तै	११	५२	३७	५३	७	१८	२७	१२	वृषे	विशाखा. शुक्रः २३/५४ चित्रा. भौमः ८।३७
१४	चं	८	१	रो	१७	४५	सा	५/३३	५२/४६	व	८	१	३७	५३	७	१९	२८	१३	मि४५।५४	भ. ८।१ उ. ३५।२५ या. दत्तजयंती
१५	मं	२	५०	मृ	१४	३	शु	५०	७	ब	२	५०	३६	५३	७	२०	२९	१४	मिथुने	×मोक्षदा ११ व्र. गीता ज.

३५पं. मा.शु.४बृ.इ.२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	६	६	१	७
२१	१७	११	२६	८	१८	२२	२१
४८	३५	१३	५४	०	४	९	२९
५८	२	३४	२९	३६	५५	८	१७
६०	३५	६९	१३	६७	६	३	६१
५६	२७	४९	३८	४७	३१	११	११

गोचरग्रहाः

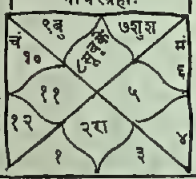

मार्ग.शु.११ शुक्रे धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं पू.

गोचरग्रहाः

३६पं.मा.शु.१०बृ.इ.२।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	६	६	१	७
२८	२१	१९	२८	१६	१८	२१	२८
५५	३१	३१	२९	८	४८	४६	३८
५२	५२	८	५६	५६	३२	५२	०
६१	३४	५५	१३	६८	६	३	६१
०	५०	५६	३८	४७	१७	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	५३	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+अनु. शुक्रः २९।४६
२	बु	४९	२९	आ	९	२०	ब	४१	३४	तै	२७	५६	२५/३६	६/५३	५/७	२१	३०	१५	क.५०।४०	वक्री बुधः ५६/३८ मूले १ धनुषि गुरुः ३७/५२
३	गु	४२	२७	पु	४/२	५४/४०	ऐं	३२	३७	व	१५	५८	३६	५३	७	२२	१	१६	कर्के	भ. १५।५८उ.४२।२७ या. रा. पौषारंभः
४	शु	३५	२३	श्ले	५४	९	वै	२३	५२	ब	८	५५	३६	५३	७	२३	२	१७	सिं५४।९	चतुर्थी व्र.
५	श	२८	४९	म	४९	२	वि	१५	२४	कौ	२	५	३६	५३	७	२४	३	१८	सिंहे	
६	र	२२	५६	पू	४५	४	प्री	७/१६	५२/२८	व	२२	५६	३७	५३	७	२५	४	१९	कं.५९।१७	भ.२३/५६ उ.५०/२४ या. पश्चिमास्तो बुधः ५३।३
७	चं	१७	५३	उ	४१	५६	सौ	५२	३१	ब	१७	५३	३७	५३	७	२६	५	२०	कन्यायां	वृश्चिके शुक्रः ३९।५
८	मं	१३	२८	ह	३९	२९	शो	४६	३६	कौ	१३	२८	३७	५३	७	२७	६	२१	कन्यायां	विशाखा.१शनिः४१।४उदयंगुरोः४६।१२
९	बु	१०	१	चि	३८	२	अ	४०	५८	ग	१०	१	३८	५२	८	२८	७	२२	तु.८।४६	भ. ३८।४३ उ. उ.गु.
१०	गु	७	२६	स्वा	३७	३५	सु	३६	२३	वि	७	२६	३८	५२	८	२९	८	२३	तुलायां	भ.७।२६या. पूषा. रविः १०/२४ (सौरः २४/१७)+
११	शु	५	४३	वि	३७	९	धृ	३२	१६	बा	५	४३	३९	५२	८	३०	९	२४	वृ.२२।४६	तुलायां भौमः २३।५४ सफला ११ व्र.
१२	श	४	५९	अ	३९	१९	शू	२९	२३	तै	४	५९	४०	५२	८	३१	१०	२५	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	र	५	३२	ज्ये	४१	४१	गं	२६	४४	व	५	३२	४०	५२	८	१	११	२६	ध.४१।४१	भ. ५।३२उ. ३६/१९ या. वक्री मूले बुधः ३६/४२●
१४	चं	६	५१	मू	४५	२०	वृ	२५	४२	श	६	५१	४१	५२	८	२	१२	२७	धनुषि	●जनवरी मा. १ ता.३१ सन् १९८४ ई.
३०	मं	९	४२	पू	५०	५	ध्रु	२४	५९	ना	९	४२	४२	५२	८	३	१३	२८	धनुषि	

३७पं. पौ.कृ.३बृ.इ.२।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	८	६	६	१	८
६	२५	२३	०	२४	१५	२१	५
३	२४	०	५	२५	२९	२४	४७
२९	३९	१८	३१	५	४२	३७	२५
६१	३४	२०/२९	३१	६९	५	३	६१
४	७	ब	३७	३२	५२	११	२२

गोचरग्रहाः

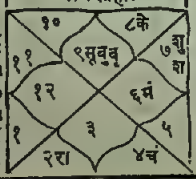

इस मासमें अनाज गुड़ गुवार सिरस्युं पाट बारदाना रुई चांदी सोना सूत मूंगफली में तेजी होगी सुदी में मंदी हो।

गोचरग्रहाः

३८पं. पौ.कृ.१०बृ.इ. २।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	८	७	६	१	८
१३	२९	१८	१	२	२०	२१	१२
११	१४	३०	४०	४७	८	२	५७
३१	२	५०	५९	३१	५६	२१	१७
६१	३३	८६/५३	१३	७०	५	३	६१
६	४२	ब	३२	१८	२३	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५							दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु	१३	३२	उ	५५	५८	ज्या	२५	१८	ब	१३	३२	३५	५१	९	५	४	१४	२९	म.६।३४
२	शु	१८	४३	श्र	६०	०	ह	२६	२८	कौ	१८	४३	४४	५१	९	५	१५	३०		मकरे
३	शु	२४	२६	श्र	२	३१	व	२८	१०	ग	२४	२६	४६	५१	९	६	१६	१	कु.	३६।१०
४	श	३०	५४	ध	९	५०	सि	३०	७	वि	३०	५४	४७	५१	९	७	१७	२		कुंभे
५	र	३७	२६	श	१७	३४	व्य	३२	४४	ब	४	१०	४९	५०	१०	८	१८	३		कुम्भे
६	चं	४३	५५	पू	२५	१६	व	३४	५९	कौ	१०	४१	५१	५०	१०	९	१९	४	मी	८।२१
७	मं	४८	२८	उ	३२	७	प	३६	४०	ग	१६	११	५२	५०	१०	१०	२०	५		मीने
८	बु	५३	५७	रे	३७	४१	शि	३७	१५	वि	२१	१३	५४	४९	११	११	२१	६	मे.	३७।४१
९	गु	५६	३१	अ	४२	२६	सि	३६	४६	बा	२५	८	५६	४९	११	१२	२२	७		मेषे
१०	शु	५७	२९	अ	४५	६	सा	३४	५५	ते	२७	०	५८	४८	१२	१३	२३	८		मषे
११	श	५६	१३	कृ	४५	३५	शु	३१	२२	व	२६	५१	२६	४८	१२	१४	२४	९	बृ.	०।१३
१२	र	५२	४९	रो	४४	८	शु	२६	१७	ब	२४	३१	३	४७	१३	१५	२५	१०		बृषे
१३	चं	४७	३६	मृ	४०	४१	ब्र	१९	३४	कौ	२०	१३	५	४७	१३	१६	२६	११	मि	१२।२५
१४	मं	४०	४१	आ	३५	३९	ऐं	११	२६	ग	१४	८	८	४६	१४	१७	२७	१२		मिथुने
१५	बु	३२	४४	पु	२९	३०	वै	३	५०	वि	४	४३	१०	४६	१४	१८	२८	१३	कं.	१६।१२

३९पं. पौ.शु. २ब.इ.१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	८	७	६	१	८
२०	२	८	३	११	२०	२०	२०
१९	५८	२२	१५	१२	४३	४०	७
२६	२६	२३	०	११	२३	६	१४
६१	३२	६९	१३	७०	५	३	६१
६	५१	ब	२२	५३	५६	११	२६

गोचरग्रहाः

पौष शु. ११शनौ मकरेऽर्के:प्र.वा.२ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्या.भावे समता शुक्रोदयः पू. ।

गोचरग्रहाः

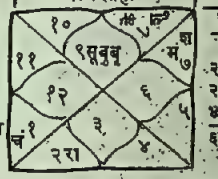

४०पं.पौ.शु. ९ब.इ.१।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	८	७	६	१	८
२७	६	६	४	१९	२१	२०	२७
२७	३५	४३	४७	४०	१४	१७	१७
४०	२८	१	५६	३७	३८	५०	६
६१	३१	२	१३	७१	४	३	६१
५	५३	मा	१४	२३	२९	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०४० शाकः १९०५							दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	२४	१०	पु	२२	४५	प्री	४१	५८	कौ	२४	१०	३६	४६	१५	१९	२९	१४		कर्के
२	शु	१५	१९	श्ले	१५	५५	आ	३१	४३	ग	१५	१९	१५	४५	१५	२०	३०	१५	सिं	१५।५५
३	श	६	४६	म	९	१०	सौ	२१	५२	वि	६	४६	१७	४५	१५	२१	१	१६		सिंहे
४	श	५२	१२	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०
५	र	५२	९	पू	१९	५५	शे	१२	३४	कौ	२५	३३	२०	४४	१६	२२	२	१७	क.	१७।५
६	चं	४६	४०	ह	५४	४७	अ	१३	५२	ग	१९	२२	२२	४४	१६	२३	३	१८		कन्यायां
७	मं	४२	२५	चि	५२	५२	धृ	५०	४९	वि	१५	२	२५	४३	१७	२४	४	१९	तु.	२३।५०
८	बु	३९	४७	स्वा	५१	४६	शू	४५	४६	बा	११	३६	२७	४३	१७	२५	५	२०		तुलायां
९	गु	३८	२१	वि	५१	१४	गं	४२	०	ते	९	४	३०	४२	१८	२६	६	२१	बृ.	३७।७
१०	शु	३८	१९	अ	५४	८	वृ	३९	६	व	८	२०	३३	४१	१९	२७	७	२२		बृश्चिके
११	श	३९	२३	ज्ये	५७	१९	ध्रु	३७	२२	ब	८	५१	३६	४१	१९	२८	८	२३	ध.	५७।९
१२	र	४१	५०	मू	६०	०	ज्या	३६	४२	कौ	१०	३७	३९	४०	२०	२९	९	२४		धनुषि
१३	चं	४६	२	मू	१	३५	ह	३६	५५	ग	१३	५६	४२	४०	२०	३०	१०	२५		धनुषि
१४	मं	५१	२५	पू	६	५२	व	३७	२९	वि	१८	४३	४६	३९	२१	३१	११	२६	म.	२३।२५
१५	बु	५५	५६	उ	१३	३	सि	३८	५६	च	२६	४१	४९	३८	२२	१	१२	२७		मकरे

४१पं. मा.कृ. १ब.इ.१।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	८	७	६	१	९
४	१०	१०	६	२८	२१	१९	४
३५	६	३२	१९	१२	४१	५५	२६
३१	२२	१०	८	७	५५	३४	३५
६१	३०	४५	१२	७१	३	३	६१
३	५४	१०	५५	४९	४८	११	१९

गोचरग्रहाः

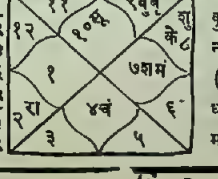

मा. शु. ११ चंद्रे कुम्भेऽर्के:प्र.वा.३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.

गोचरग्रहाः

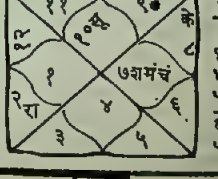

४२पं.मा.कृ. ९ब.इ.१।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	८	८	६	१	९
११	१३	१७	७	६	२२	१९	११
४२	३०	४०	४७	७५	४	३३	३५
५८	२५	२६	५६	२९	५२	१९	२६
६०	२९	६६	१२	७२	३	३	६१
५९	३७	४१	२९	७	७	११	१३

•बुवृशु

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ३९५५स.१९८४
१	गु	६०	०	श्र	१९	४८	व्य	४०	३०	किं	२८	५५	२६/५२	६/३८	५/२२	२	१३	२८	कुं.५३।३१	उषायां बुधः ७।५
१	शु	१	५४	ध	२७	१५	व	४२	४६	ब	१	५४	५५	३७	२३	३	१४	२९	कुम्भे	चंद्रदर्शनम्
२	श	८	१९	श	३४	४७	प	४५	९	कौ	८	१९	५९	३६	२४	४	१५	१	कुम्भे	मकरे बुधः ३७।५ जमादिलावल ५
३	र	१४	५५	पू	४२	२८	शि	४७	१६	ग	१४	५५	२७/२	३६	२४	५	१६	२	मी२५।३२	भ. ४८।१० उ. मूले ४ गुरुः ५५।३४
४	चं	२१	२५	उ	४९	३८	सि	४८	१७	वि	२१	२५	६	३५	२५	६	१७	३	मीने	भ. २१/२५ या. धनि. रविः२९।१(सौरः ३४/१९)
५	मं	२७	१२	रे	५६	९	सा	५०	४४	बा	२७	१२	९	३४	२६	७	१८	४	मे.५६।८	वसंत पंचमी
६	बु	३२	५	अ	६०	०	शु	५१	१३	तै	३२	५	१३	३३	२७	८	१९	५	मेषे	•पातस्पर्शः ४३।३१ पातमोक्षः ५७।१७
७	गु	३५	३१	अ	१	४१	शु	५०	३८	ग	३	४८	१६	३३	२७	९	२०	६	मेषे	भ. ३५/३१ उ. विशाखायां भौमः १७/५७ भानु ७•
८	शु	३७	३१	भ	५	४७	ब्र	४८	३८	वि	६	३१	२०	३२	२८	१०	२१	७	वृ.२१।२०	भ. ६/३१ या. श्रवणे बुधः ५४/७ भीष्माष्टमी
९	श	३७	३१	कृ	७	५८	ऐं	४५	४	बा	७	३१	२४	३१	२९	११	२२	८	वृषे	उषायां शुक्रः १५।३९
१०	र	३५	३३	रो	८	१६	वै	३९	४४	तै	६	१८	२७	३१	२९	१२	२३	९	मि३७।१	
११	चं	३१	३६	मृ	५	४७	वि	३३	२	ब	३	३४	३१	३०	३०	१३	२४	१०	मिथुने	भ. ३।३४ उ. ३१/३६ या. कुंभेऽर्कः ४।१६×
१२	मं	२५	३१	आ	२/५९	५४/३२	प्री	२४	५८	बा	२५	३१	३५	२९	३१	१४	२५	११	क.४३।५९	प्रदोषः
१३	बु	१८	७	पु	५०	५६	आ	१५	२२	तै	१८	७	३८	२८	३२	१५	२६	१२	कर्के	×(सौरः ६/१६)मकरे शुक्रः ५५/० जया ११व.
१४	गु	९	१६	श्ले	४३	२५	सौ	४/५५	४९/८	व	९	१६	४२	२८	३२	१६	२७	१३	सिं४३।२५	भ. ९।१६ उ. ३४।२७ या.
१५	गु	५०	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

४३पं. मा.शु.१बृ.इ. २।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	८	८	६	१	९
१८	१६	२६	९	१५	२२	१९	१८
४९	४६	३३	१३	२१	२३	११	४३
२६	२३	३६	१२	२९	२४	३	२८
६०	२८	७९	१२	७२	२	३	६१
५५	१८	४७	९	२६	२५	११	४

४४पं. मा.शु.७बृ.इ.२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	८	८	६	१	९
२५	१९	६	१०	२३	२२	१८	२५
५५	५३	२२	३५	५८	३६	४८	५०
१६	२	३४	५३	५	११	४८	१५
६०	२६	२५/१३	११	७२	१	३	६०
४७	१४	३३	३२	५०	४४	११	५५

४५पं.मा.शु.१४बृ.इ.२।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	८	९	६	१	१०
३	२२	१७	११	२	२२	१८	२
०	४६	०	५४	३५	४५	२६	५६
४	५२	५८	४	१३	०	३२	१८
६०	२४	९७	१०	७३	१	३	६०
३७	१९	२९	५८	२	३	११	४५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	शु	४९	४९	म	३५	२६	अ	४२	५६	बा	२४	४४	२७/४६	६/२७	५/३३	१७	२८	१४	सिंहे	
२	श	४०	१९	पू	२७	५४	सु	३२	८	तै	१५	४	५०	२६	३४	१८	२९	१५	कं.४१।७	•४०/३७ (सौरः ४३/३८) चतुर्थी व्र.
३	र	३१	४०	उ	२०	४७	धृ	२१	५९	व	५	५९	५४	२५	३५	१९	३०	१६	कन्यायां	भ. ५।५९ उ. ३१।४० या. शते रविः•
४	चं	२४	०	ह	१५	६	शू	१२	५२	बा	२४	०	५८	२४	३६	२०	१	१७	तु.४२।५९	धनिष्ठा. बुधः ८।२३ रा. फाल्गुनारंभः
५	मं	१८	३	चि	१०	५३	गं	४/५४	५३/३३	तै	१८	३	२६/२	२४	३६	२१	२	१८	तुलायां	बुधःस्तः पूर्वस्याम् १३।३७
६	बु	१३	५५	स्वा	८	२२	ध्रु	५३	२९	व	१३	५५	६	२३	३७	२२	३	१९	वृ.५२।४७	भ.१३।५५उ.४२।३५या. श्रवणे शुक्रः३।१
७	गु	११	३५	वि	७	३५	व्या	५०	१२	ध	११	३५	१०	२२	३८	२३	४	२०	वृश्चिके	कुंभे बुधः ५७।५८
८	शु	११	६	अ	७	५२	ह	४८	६	कौ	११	६	१४	२१	३९	२४	५	२१	वृश्चिके	पूषायां १ गुरुः १२।७
९	श	१२	२८	ज्ये	११	५०	व	४७	१६	ग	१२	२७	१८	२०	४०	२५	६	२२	ध.११।५०	भ. ४३।५१ उ. वक्री शनिः ६।४९
१०	र	१५	१५	मू	१६	१२	सि	४७	५५	वि	१५	१५	२२	२०	४०	२६	७	२३	धनुषि	भ. १५।१५ या.
११	चं	१९	२९	पू	२१	५३	व्य	४८	४२	बा	१९	२९	२६	१९	४१	२७	८	२४	म.३८।२८	विजया ११ व्र.
१२	मं	२४	३८	उ	२८	१६	व	५०	३१	तै	२४	३८	३०	१८	४२	२८	९	२५	मकरे	शते बुधः ११।३९
१३	बु	३०	४४	श्र	३५	३२	प	५२	३१	ब	३०	४४	३४	१७	४३	२९	१०	२६	मकरे	भ. ३०।४४उ. प्रदोषः महाशिवरात्रि स्मा.
१४	गु	३६	४०	ध	४२	५०	शि	५४	३३	वि	३	४२	३८	१६	४४	१	११	२७	कु.९।११	भ. ३।४२ या. महाशिवरात्रि व्र. वैं.×
३०	शु	४३	१३	श	५०	३१	सि	५६	५९	च	९	५६	४२	१६	४४	२	१२	२८	कुम्भे	×मार्च मा. ३ ता. ३.१

४६पं. फा.कृ.७बृ.इ.२।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	८	६	६	१	१०
१०	२५	२८	१३	११	२२	१८	१०
३	२८	२३	८	१२	४८	४	०
३२	३७	४६	१०	५४	७	१६	५१
६०	२१	७०/०	१०	७३	०	३	६०
२५	३६	३२/३२	१४	१५	१३	११	३१

गोचरग्रहाः

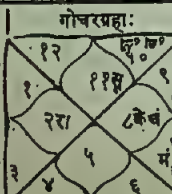

माघ फाल्गुन में शनि मंगलका योग होरहा है यह अशुभ फलकारक है "युद्ध दो शनि माहेयौ" रुई धान्य धातु रसादि तेज।

गोचरग्रहाः

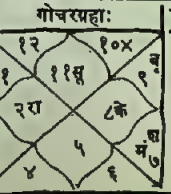

४७पं.फा.कृ.१४बृ.इ. ३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	८	९	६	१	१०
१७	२७	१०	१४	१९	२२	१७	१७
५	५५	६	१७	५१	४४	४२	३
४६	३०	११	२४	४	५९	१	४१
६०	१८	७०/०	९	७३	३०/३१	३	६०
१२	५६	४	२९	२६	ब	११	२०

•बुबृशु (मं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्) ×चंबुशु

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३९८५स.१९८४
१	श	४९	२६	पू	५७	५५	सा	५९	१७	किं	१६	१९	२८/४६	६/१५	५/४५	३	१३	२९	मी४१।४	पूभा. रविः ५६/४२ (सौरः ५८/२५) धनि. शुक्रः ५३/४५
२	र	५५	३३	उ	६०	०	शु	६०	०	बा	२२	२९	५०	१४	४६	४	१४	३०	मीने	फुलरिया २ चन्द्रदर्शनम्
३	चं	६०	०	उ	५	७	शु	१	१२	तै	२८	३०	५४	१३	४७	५	१५	१	मीने	जमादिलाखर ६ ●१ ३/४ मोक्षः १६।४
३	मं	१	८	रे	११	३१	शु	२	७	ग	१	८	५८	१२	४८	६	१६	२	मे.११।३१	भ. ३३/३० उ. पूभा. बुधः १५।१ पातस्पर्शः●
४	बु	५	५३	अ	१७	२१	ब्र	३	२२	वि	५	५३	२९/२	१२	४८	७	१७	३	मेषे	भ. ५।५३ या. बृश्चिके भौमः ५४।३३
५	गु	९	२८	भ	२१	५९	ऐं	४	२८	बा	९	२८	६	११	४९	८	१८	४	वृ.३७।५०	+पूषा. २ गुरुः ३७।३९ छारेंडी
६	शु	११	५५	कृ	२५	२३	वै	२	२८	तै	११	५५	१०	१०	५०	९	१९	५	वृषे	कुम्भे शुक्रः १७।३ ×वहनं भद्रापुच्छे
७	श	१२	४९	रो	२७	८	वि	०/१०	५५/४१	व	१२	४९	१४	९	५१	१०	२०	६	मि५७।१४	भ. १२।४९ उ. ४२।२८ या. होलाष्टकः
८	र	१२	७	मृ	२७	२०	आ	५१	४६	ब	१२	७	१९	८	५२	११	२१	७	मिथुने	मीने बुधः २४।३३
९	चं	५	३९	आ	२५	४९	सौ	४५	१५	कौ	९	३९	२३	७	५३	१२	२२	८	मिथुने	
१०	मं	९	१९	पु	२२	४१	शो	३७	२८	ग	५	१९	२७	७	५३	१३	२३	९	क.८।२८	भ.३४/५१ उ.५९/५ या.मीनेऽर्कः ५७/५९ (सौरः ५८/४५)=
११	मं	५३	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	=उभा. बुधः १३/२८ आमलकी ११ व्र.स्मा.
१२	बु	५१	५६	पु	१७	३५	अ	२८	३१	ब	२५	४१	३२	६	५४	१४	२४	१०	कर्के	आमलकी ११ व्र. वै.
१३	गु	४३	१७	श्ले	११	१६	सु	१८	३८	कौ	१७	३७	३६	५	५५	१५	२५	११	सिं११।५६	शते शुक्रः २६।२ प्रदोषः
१४	शु	३३	४२	म	४/८	५२/५	धृ	७/५४	४९/०	ग	८	३०	४०	४	५६	१६	२६	१२	सिंहे	भ. ३३।४२ उ. ५८।४४ या. होलिका×
१५	श	२३	४६	उ	४८	२२	गं	४५	५६	ब	२३	४६	४४	३	५७	१७	२७	१३	कं.९।१६	उभा. रविः १८।४३ (सौरः १९।२१)+

४८पं.फा.शु.५बृ.इ.३।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	८	९	६	१	१०
२४	०	२३	१५	२८	२२	१७	२४
६	२	३०	१९	२९	४०	१९	५
२९	१७	०	५५	३१	५५	४५	४
५९	१५	[illegible]	८	७३	१/१८	३	६०
५८	३४	१८	३७	३८	ब	११	६

गोचरग्रहाः

१२ १०शु ९ बृ चं १ २रा ८मंके श ३ ५ ७ ४ ६

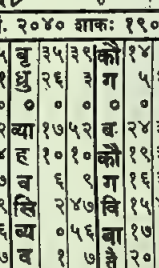

फा.शु. १० भौमे मीनेऽर्कः प्र.वा.२ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

११शु २ रा १२सूबु १० ३ ९बृ के चं४ ६ ८मं ५ ७श

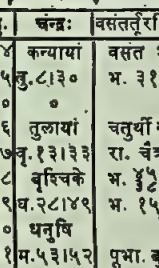

४९पं.फा.शु.१३बृ.इ.३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	८	१०	६	१	११
१	१	७	१६	७	२२	१६	१
५	४९	१४	१८	७	२९	५७	४
४२	४८	४६	४७	३०	२८	३०	४६
५९	११	[illegible]	७	७३	१	३	५९
४१	३१	४८	३७	५०	५८	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१४	६	ह	४१	५	बृ	३५	३९	कौ	१४	६	२९/४९	६/२	५/५८	१८	२८	१४	कन्यायां	वसंत १ ●बुधः ४५।२६
२	चं	५	१३	चि	३५	१	ध्रु	२६	३	ग	५	१३	५३	१	५९	१९	२९	१५	तु.८।३०	भ. ३१।२३ उ. ५७।३३ या. रेवत्यां●
३	चं	५२	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	मं	५१	२८	स्वा	३०	३२	व्या	१७	५२	ब	२४	३१	५७	१	५९	२०	३०	१६	तुलायां	चतुर्थी व्र. रोहि. २ राहुः अनु. ४ केतुः×
५	बु	४७	३३	वि	२७	५४	ह	१०	१०	कौ	१९	३१	३०/१	६/००	६/००	२१	१	१७	वृ.१३।३३	रा. चैत्रारम्भः ×३५।११
६	गु	४५	३८	अ	२६	७	व	६	९	ग	१६	३५	६	५/५९	१	२२	२	१८	वृश्चिके	भ. ४५/३८ उ. बुधोदयः पश्चिमायाम् ३।३८
७	शु	४५	५९	ज्ये	२८	४९	सि	२	४७	वि	१५	४९	१०	५८	२	२३	३	१९	ध.२८।४९	भ. १५।४९ या. अनु. भौमः १७।५९+
८	श	४८	७	मू	३२	१६	व्य	०	५६	बा	१७	०	१४	५७	३	२४	४	२०	धनुषि	
९	र	५२	२	पू	३७	१७	व	१	७	तै	२०	४	१८	५६	४	२५	५	२१	म.५३।५२	पूभा. बुधः ३०।५० +शीतलापूजनम्
१०	चं	५७	८	उ	४३	३६	प	१	३७	व	२४	३५	२३	५५	५	२६	६	२२	मकरे	भ. २४।३५ उ. ५७।८ या.
११	मं	६०	०	श्र	५०	५९	शि	३	२५	ब	३०	१३	२७	५५	५	२७	७	२३	मकरे	अश्वि. मेषे बुधः ८।४ पापमोचनी ११=
११	बु	३	१९	ध	५८	२३	सि	५	४१	बा	३	१९	३१	५४	६	२८	८	२४	कुं.२४।४१	पापमोचनी ११ व्र. वै. =व्र. स्मा.
१२	गु	९	३२	श	६०	०	सा	८	१२	तै	९	३२	३५	५३	७	२९	९	२५	कुम्भे	प्रदोषः
१३	शु	१६	२	श	६	७	शु	१०	२९	व	१६	२	३९	५२	८	३०	१०	२६	मी५६।३२	भ. १६।२ उ. ४९/३० या. रेवत्यां रविः ४६/२६*
१४	श	२२	५९	पू	१३	२९	शु	१२	३७	श	२२	५९	४४	५१	९	३१	११	२७	मीने	*(सौरः ४६।४९) वक्री भौमः ३२।२९
२०	र	२८	४०	उ	२०	२४	ब्र	१४	२१	ना	२८	४०	४८	५०	१०	१	१२	२८	मीने	मन्वादिः अप्रैल मा. ४ ता. ३०

५०पं. चै.कृ.६बृ.इ. ४।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	८	१०	६	१	११
८	३	२१	१७	१५	२२	१६	८
३	११	३	८	४५	१२	३५	२
१८	३१	५०	५३	११	४०	१४	४१
५९	६	[illegible]	६	७३	३/३	३	५९
२९	५३	१३	३७	५६	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

१ ११शु २ रा १२सू १० ३ ९बृ ४ ६ ८● ५ ७श

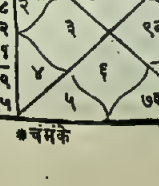

इस मास में प्रजा में रोग पीड़ा हो बालकों में चेचक रोग फैले। धान्य अफीम रुई गल्ला किराना गुड़ खांड तेज होकर मंदा हो

गोचरग्रहाः

१बु ११शु २रा १२सू १० ३ ९बृ ४ ६ ८मं ५ ७श

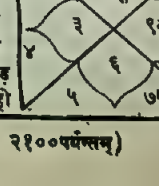

५१पं.चै.कृ.१२बृ.इ.४।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	०	८	१०	६	१	११
१४	४	२	१७	२४	२१	१६	१४
५९	७	५५	५२	२३	५३	१२	५८
१३	३०	३४	५२	२४	१७	५८	४७
५९	१	९१	५	७४	३/३	३	५९
१६	१३	४	३१	०	ब	११	१८

*चंमंके

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०८५ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०८५ भोग्यकलिः ४२६९१५ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४१ शाकः १९०६ वर्षेऽस्मिन् राजा चन्द्रः । मंत्री शुक्रः । सस्येशो रविः । धान्येशो शनिः । मेघेशो गुरुः । रसेशो भौमः । नीरसेशोरविः । फलेशो गुरुः । धनेशो रविः । दुर्गेशो गुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ११ ईश्वरनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत-मासादिः ७।२५।२९।१६ भोग्यमासादिः ४।४।३०।४४ । इन्द्रदैवतंयुगम् । वर्षनाम आषाढ़ः । मेघनाम आवर्तः । रोहिणी निवासःसमुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समयविश्वा १० । समयवाहनम् मृगः । स्तम्भाः २ अन्नजलयोः । सोमवत्यमा. १ सोमवती पंचमी २ । अंगारकीचतुर्थी ० । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी १ । समय मुहूर्ताः ३३० । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः १६ । तिथिवृद्धिः ९ । उत्पत्तिविश्वा ९३ । खपतिविश्वा ८४ । वर्षाविश्वा १७ । धान्यम् १५। तृणम् १३। शीतम् १७ । तेजः ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १२१ । सत्यं ।।, धर्मं १।।, पाप १८ । शनि दृष्टिपश्चिमे । ग्रहणाऽभावो भारते ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्ष लग्नम् ५।७

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

अम्बादेवी मात से भैरव पूछत जाय ।
इक्तालीस की साल का हाल मुझे बतलाय ।।

भवानी उत्तर

इकतालीस संवत् लगा सुनो हाल चितलाय ।
राजा शशि मन्त्री भृगु शुभ योगा मिल जाय ।।
चौमासा वर्षे सही जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो बोले मीठे बैन ।।
शनि मंगल युत ज्येष्ठ से तीन मास तक होय ।
पशुओं को चारा नहीं रोग उपद्रव होय ।।
अनजल के दो स्तम्भ हैं संवत् मालाकार ।
सिंधु में रोहिणी बसी ईश्वर करसी सार ।।
धान्याधिपति धान्य में करसी गोल मटोल ।
मंदी में संग्रह करो होय सवाया मोल ।।
फल संवत्सर का कहा निज गुरु का धरध्यान ।
बंशीधर का कथन है भली करे भगवान ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ४।१

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३७।१७

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम्—चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयोनृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ।। मंत्री शुक्रस्तत्फलम्—भृगुसुते ननुमंत्रिपदंगते शलभ-मूषकरावथ माहिषैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषुजलं सरितोधिकम् ।। सस्येशो रविः फलम्—सस्याधिनाथे तरणी-हिपूर्व धान्यं समर्घ वहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहुभूरुहाश्च ।। धान्येशः शनिः फलम्—निर्घृणाः क्षितिभुजो रणादराः सस्यमल्पमतिरोगिणोजनाः । नैववर्षतिजलं सुरेश्वरः स्याद्यदाकणपतिः शनैश्चरः ।। मेघेशो गुरुः फलम्—गुरुपिप्रिय वृष्टिकरः सदाखिलविलासवती धरणीतदा । श्रुतिविचारपरानरपालका रससमृद्धियुताखिलमानवाः ।। रसेशो भौमस्तफलम्—यदिधरातनयो रसपोभवेन्नरसराशियुताजनताशुभा । नरपतिर्विषमोजनतापदो न जलदो बहुवृष्टकरोभुवि ।। नीरसेशो रविः फलम्—नीरसाधिपतौ सूर्येताम्र चंदनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेर्घबृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो गुरुः फलम्—सुरगुरुः फलनायकतां गतोगतभयावनराशि महाद्रुमाः । यजन याजनकोत्सव मन्दिरा श्रुति विचार पराद्विजपूर्वकाः ।। धनेशो रविः फलम्—द्रविणपे यदिवासरपेतदा वणिजतो बहुद्रव्य समागमः । गजतुरंगम मेषखरोष्ट्रतो धनचयं लभते क्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम्—सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवरा नरपाः करपालिताः । गिरिपुवैनगरेषु सम सुखं सुखमनि द्विज शास्त्र-वतोनिशम् ।। ईश्वरनाम संवत्सरः फलम्—ईश्वराब्देखिलान्जन्तून् धात्रीभातीव सर्वदा । पोषयत्यतुलं चान्नं फलं सूते च पुष्कलम् ।। वर्षनाम आषाढ़ःफलम्—अर्घ महर्घतां भांति धनधान्यं समं भवेत् । आषाढे स्वल्प वृष्टिश्च तुष धान्यमहर्घता ।। मेघनाम आवर्तः फलम्—आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्—समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समय निवासो मालाकारगृहे फलम्—मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०४१ शाके१९०६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ले १२ शुक्रे उफा. ल. ९-१० रे. ९ ऽ।।।।।।।।

वैशाख मासः

कृष्णे १ चंद्रे स्वात्यां ल. ९-१० रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽऽ।।
„ ४ गुरौ मूले ल. १२ रे. ६ ऽ।।।।चौऽऽ।। आवश्यके
„ ५ शुक्रे मूले ल. गो. रे. ७ ।।।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा दोषः
„ ६ शनौ उषा. ल. १२ रे. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।
„ ७ रवौ उषा. ल.अन्यगो.सोग्रांगः९-१२ रे.८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ले ८ भौमे मघा.ल.११(च.५०।६उ.)रे.७ ।।।।।ऽचौ.ऽ।ऽ। चन्द्र ७ पूज्यः गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
„ ९ बुधे मघा. ल. ९ रे ८ ।।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांति-साम्याऽभावः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे ८ शुक्रे मघा. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ले २ शनौ मूले ल. ५-६ रे. ८ ।।ऽबु।।।ऽ।।।
„ ४ चन्द्रे उषा. ल. ६ रे. ६ ।ऽ।।।ऽअ.ऽऽ।।
„ १० रवौ उभा. ल. गो. ६ रे. ९ ।।।।।।।।ऽ कन्या लग्ने रेखा ८ रोग पंचकः चंद्र ७ पूज्यः
शुक्ले १५ शनौ मूगे ल. ६ रे. ७ ।।।ऽशु।।ऽ।। पादवेधाद् शुक्रवेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णे ३ शुक्रे उफा. ल. गो. रे. ८।।।।।ऽरो.ऽ।।।
„ १० गुरौ मूले ल. १० रे. ७ ।ऽ।।।ऽअ.।ऽ।।
शुक्ले २ गुरौ उभा. ल. १० रे. ७ ऽऽ।।।।ऽ।।।

चैत्र मासः

कृष्णे २ शुक्रे हस्ते ल. गो. १० रे. ६ ।ऽ।ऽबुऽऽचौ।।।। पादतो वेधाऽभावः आवश्यके ।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०१५स.१९८४
१	चं	३३	३५	रे	२६	३२	ऐं	१६	३८	किं	१	७	३०/२५	५/५०	६/१०	२	१३	२९	मे.२६।३२	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	मं	३७	४०	अ	३२	५१	वै	१६	११	बा	५	३७	५६	४९	११	३	१४	३०	मेषे	सिंधारा चंद्रदर्शनम्
३	बु	४०	३६	भ	३६	१४	वि	१६	१	तै	९	८	३१/००	४८	१२	४	१५	१	बृ.५२।३	मत्स्य जयन्ती गणगौरी रज्जव ७
४	गु	४२	३५	कृ	३९	३०	प्री	१४	५१	व	११	३६	४	४७	१३	५	१६	२	वृषे	भ.११।३६उ.४२/३५या. उभायां शुक्रः २०।०
५	शु	४३	१०	रो	४१	५०	आ	१३	०	व	१२	५२	८	४६	१४	६	१७	३	वृषे	
६	श	४२	४५	मृ	४२	५२	सौ	१०	२३	कौ	१२	५७	१२	४६	१४	७	१८	४	मि१२।२१	
७	र	४०	५२	आ	४२	४०	शो	६	३५	ग	११	४८	१६	४५	१५	८	१९	५	मिथुने	भ. ४०।५२ उ. भरण्यां बुधः ८।४८
८	चं	३७	३८	पु	४१	२५	अ	१/३८	५३/५५	वि	९	१५	२०	४४	१६	९	२०	६	क.२६।४४	भ. ९।१५ या.
९	मं	३३	१३	पु	३८	५४	धृ	४८	१९	बा	५	२६	२४	४३	१७	१०	२१	७	कर्के	रामनवमी
१०	बु	२७	२८	श्ले	३३	२१	शू	४०	२९	तै	०	२१	२८	४२	१८	११	२२	८	सिं३३।२१	भ. ५३।५५ उ. वक्री बुधः ३०।२२
११	गु	२०	२१	म	२८	४२	गं	३१	२९	वि	२०	२१	३२	४२	१८	१२	२३	९	सिंहे	भ. ३०/२१या. वक्री अश्वि.बुध. ३१/५९ कामदा●
१२	शु	१२	२८	पू	२२	३५	वृ	२१	४९	बा	१२	२७	३६	४१	१९	१३	२४	१०	कं.३६।०	आश्वि.मेषेऽर्कः ३०/२९ (सौरः २१/२४) बुधास्तः×
१३	श	४	२४	उ	१६	१४	ध्रु	११	४१	तै	४	२४	४०	४०	२०	१४	२५	११	कन्यायां	भ. ५५।२२ उ. ●११ व्र.
१४	श	५०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×पश्चिमायां २६/५९ प्रदोषः पात. १०/५ मोक्षः+
१५	र	४६	२६	ह	८	५१	व्या	१/२९	५०/२०	वि	२०	५९	४३	३९	२१	१५	२६	१२	तु.३५।३७	भ. २०।५९ या. हनुमज्जयन्ती +१९/५८

५२पं.चै.शु.४गु.इ.४।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	०	८	११	६	१	११
२१	४	१०	१८	३	२१	१५	२१
५३	२९	४०	२८	१	२९	५०	५२
३१	१७	३४	८	८	१६	४३	५८
५९	४/३५	५१	४	७४	३/४६	३	५९
४	ब	५८	२४	२	ब	११	४

गोचरग्रहाः

चैं. शु. १२शुक्रे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

१पं.चै.शु.१२शु.इ.२०।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	८	११	६	१	११
०	४	१३	१८	१३	२०	१५	२९
०	११	७	५८	१०	५९	२४	५९
०	२८	५९	३४	३०	२८	३९	९
५८	११/११	१४/५२	२	७४	४/७	३	५८
४४	ब	ब	५६	१३	ब	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३८	११	चि	२/२३	५४/४६	व	४२	४९	बा	१२	१९	३५/४७	५/३९	६/२१	१६	२७	१३	तुलायां	रेवत्यां शुक्रः ९।५१
२	मं	३१	२२	वि	५२	४३	सि	३४	५२	तै	४	४२	५१	३८	२२	१७	२८	१४	बृ.३८।४४	भ. ५८।३६ उ.
३	बु	२५	५९	अ	५०	१९	व्य	२८	२२	वि	२५	५०	५५	३७	२३	१८	२९	१५	वृश्चिके	भ. २५।५० या. चतुर्थी व्र.
४	गु	२२	२२	ज्ये	४९	२	व	२३	३८	बा	२२	२२	५८	३६	२४	१९	३०	१६	ध.४९।२	
५	शु	२१	९	मू	५१	४७	प	२०	२५	तै	२१	९	३२/२	३६	२४	२०	३१	१७	धनुषि	वक्री विशायां भौमः ११।१
६	श	२२	१	पू	५५	४०	शि	१९	३	व	२२	१	६	३५	२५	२१	१	१८	धनुषि	भ. २२।१उ.५३।२४या. रा. वैशाखारंभः
७	र	२४	५७	उ	६०	०	सि	२०	२८	व	२४	५७	१०	३४	२६	२२	२	१९	म.१२।३	
८	चं	२९	२३	उ	१	१२	सा	२०	०	कौ	२९	२३	१४	३३	२७	२३	३	२०	मकरे	
९	मं	३५	११	श्र	८	२९	शु	२२	१०	तै	२	१७	१७	३३	२७	२४	४	२१	कुं.४२।८	●मेषे शुक्रः ५१/४ वक्री स्वाती ४ शनिः ३८/३७
१०	बु	४१	१०	ध	१५	४६	शु	२४	२७	व	८	१३	२१	३२	२८	२५	५	२२	कुम्भे	भ. ८।१३ उ. ४१।१० या.
११	गु	४७	४३	श	२३	३२	ब्र	२७	५	व	१४	२६	२५	३१	२९	२६	६	२३	कुंभे	वरूथिनी ११ व्र.
१२	शु	५३	४१	पू	३०	५७	ऐं	२९	२३	कौ	२०	४२	२९	३०	३०	२७	७	२४	मी१४।५	भरण्यां रविः ०।४७ (सौरः ४२/३) आश्वि.●
१३	श	५९	१७	उ	३७	४९	वै	३१	१७	ग	२६	२९	३२	३०	३०	२८	८	२५	मीने	भ. ५९।१७ उ. वक्री गुरुः ४७।१२ प्रदोषः
१४	र	६०	०	रे	४३	४१	वि	३२	१४	वि	३१	२२	३६	२९	३१	२९	९	२६	मे.४३।४१	भ. ३१।२२ या.
१४	चं	३	२७	अ	४८	२६	प्री	३२	२५	श	३	२७	४०	२८	३२	३०	१०	२७	मेषे	बुधोदयः पूर्वस्याम् ३५।२१
३०	मं	६	४९	भ	५२	४	आ	३१	४४	ना	६	४९	४३	२७	३३	१	११	२८	मेषे	मई मा. ५ ता. ३१

२पं.वै.कृ.५श.इ.२०।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	८	११	६	१	०
६	३	९	१९	१	२०	१५	६
५०	१७	५६	१४	४८	३०	२	४९
४२	१७	४९	३८	११	४	२३	२०
५८	१६/४१	३९/२६	१	७४	४/२६	३	५८
३१	ब	ब	३१	२०	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

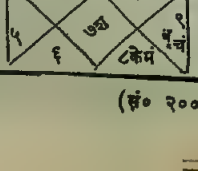

इस मासमें ५ सोम ५मंगलवार मध्यम हैं अनाज जौ गेहूं चना रुई चांदी अफीम किराना तिल मंदा होकर तेज हो ।

गोचरग्रहाः

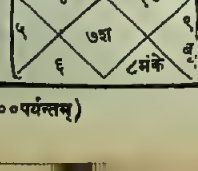

३पं.वै.कृ.१२शु.इ.२१।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	८	०	६	१	०
१३	१	५	१९	०	१९	१४	१३
३९	४३	३१	२२	२४	५९	४०	३७
४३	८	१	५	१८	२	७	४५
५८	२१/१०	३१/३८	०	७४	४/४०	३	५८
१९	ब	ब	१६	२२	ब	११	१२

ति.	वैशाख			शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०४५स.१९८४
१	बु	८	५०	कृ	५४	२९	सौ	२९	५८	व	८	५०	३२/४७	५/२७	६/३३	२	१२	२९	बृ.७।४०	चंद्रदर्शनम्
२	गु	९	४१	रो	५५	५४	शो	२७	३७	कौ	९	४१	५१	२६	३४	३	१३	१	वृषे	वक्री तुलायां भौमः ३७/२५ परशुराम जयंती*
३	शु	९	२५	मृ	५६	२५	अ	२४	१७	ग	९	२५	५४	२५	३५	४	१४	२	मि२६।९	भ. ३८।५० उ. अक्षय ३ *सावान ८
४	श	८	१६	आ	५७	७	सु	२०	१७	वि	८	१६	५७	२५	३५	५	१५	३	मिथुने	भ. ८।१६ या.
५	र	६	२०	पु	५४	४४	धृ	१५	५३	बा	६	२०	३३/१	२४	३६	६	१६	४	क.४०।५	
६	चं	३	२२	पु	५२	४९	शू	११	११	तै	३	२२	४	२३	३७	७	१७	५	कर्के	भ. ५९/४१ उ. भरण्यां शुक्र ५३/४५ मार्गी बुधः ३८/३४
७	चं	५६	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	मं	५५	१०	श्ले	५०	६	गं	४/२१	५३/२८	वि	२७	२५	७	२३	३७	८	१८	६	सिं५०।६	भ. २७।२५ या. पातस्पर्शः ५९।२६
९	बु	४९	४७	म	४६	३५	ध्रु	५०	३३	बा	२२	२९	१०	२२	३८	९	१९	७	सिंहे	पातमोक्षः १२।२६
१०	गु	४३	४२	पू	४२	२२	व्या	४२	४१	तै	१६	४४	१३	२१	३९	१०	२०	८	कं.५६।७	कृत्तिका. रविः ४६।४२ (सौरः ५०।३९)
११	शु	३७	२	उ	३७	२०	ह	३४	२६	व	१०	२२	१६	२१	३९	११	२१	९	कन्यायां	भ. १०।२२ उ. ३७।२ या. मोहिनी ११ व्र
१२	श	२९	४६	ह	३२	१६	व	२५	५०	व	३	२४	१९	२०	४०	१२	२२	१०	तु.५९।२	प्रदोषः
१३	र	२२	२७	चि	२६	५९	स्वि	१७	१४	तै	२२	२७	२२	२०	४०	१३	२३	११	तुलायां	शुक्रास्तः पूर्वं ४७/२४ नृसिंह १४ शु.अ.पू.
१४	चं	१५	७	स्वा	२२	३२	व्य	८	४१	व	१५	७	२५	१९	४१	१४	२४	१२	तुलायां	भ. १५/७ उ. ४१/५४ या. वृषेऽर्कः १३/५७ (सौरः १८/२७)
१५	मं	८	४१	वि	१८	२५	व	०/५१	५३/१९	व	८	४१	२८	१८	४२	१५	२५	१३	बृ.४।२७	यमायसान्नजलकुम्भदानं

४पं. वै.शु.७ शु.इ.२१।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	०	८	०	६	१	०
२०	२९	२	१९	९	१९	१४	२०
२७	३८	५८	२०	१	२७	१७	२४
२२	३१	४४	५६	१६	४	५२	२७
५८	२३/५६	११/६	१/२	७४	४/४०	३	५७
६	व	व	व	२६	व	११	५७

गोचरग्रहाः

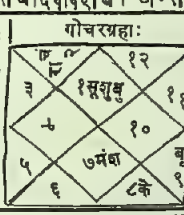

वैशा. शु. ४ चंद्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ नं.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

५पं.वै.शु.११शु.इ.२१।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	०	८	०	६	१	०
२७	२७	४	१९	१७	१८	१३	२७
१३	१५	२	१०	३७	५५	५५	९
३४	२९	३५	१२	४१	१६	३६	४१
५७	२३/२८	१६/४६	३/२५	७४	४/३६	३	५७
५४	व	मा	व	२६	व	११	४५

ति.	ज्येष्ठ			कृष्णपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेवैशाखाकृष्णेतिमहारा.ष्ट्राः
१	बु	३	१४	अ	१५	२४	शि	४९	४५	कौ	३	१४	३३/३०	५/१८	६/४२	१६	२६	१४	वृश्चिके	
२	बु	५६	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	गु	५७	२०	ज्ये	१४	१०	सि	४४	२५	ग	२८	२६	३३	१७	४३	१७	२७	१५	ध.१४।१०	भ. २८।२६ उ. ५७।२० या.
४	शु	५७	४	मू	१४	४६	सा	४१	५१	व	२७	१२	३६	१७	४३	१८	२८	१६	धनुषि	कृत्तिका. शुक्रः ४२।२२ चतुर्थी व्र.
५	श	५९	२	पू	१७	६	शु	४०	५०	कौ	२८	३	३९	१६	४४	१९	२९	१७	म.३३।१३	रोहि. १ राहुः अनु. ३ केतुः ३६।२३
६	र	६०	०	उ	२१	३७	शु	४०	५८	ग	३०	५३	४१	१६	४४	२०	३०	१८	मकरे	
६	चं	२	४४	श्र	२७	२३	ब्र	४२	२२	व	२	४४	४३	१५	४५	२१	३१	१९	मकरे	भ. २।४४ उ. ३४/५१ या. वृषे शुक्रः २७।४२
७	मं	६	५९	ध	३४	१७	ऐं	४४	२५	व	६	५८	४६	१५	४५	२२	१	२०	कु.०।५०	रा. ज्येष्ठारंभः
८	बु	१३	३८	श	४१	५१	वै	४६	५०	कौ	१३	३८	४८	१४	४६	२३	२	२१	कुम्भे	भरण्यां बुधः १३।८
९	गु	२०	०	पू	४९	२१	वि	४९	१७	ग	२०	०	५०	१४	४६	२४	३	२२	मी३२।५९	भ. ५२।५९ उ. रोहिण्यां रविः ३७।३२×
१०	शु	२५	५८	उ	५६	२६	प्री	५१	२२	वि	२५	५८	५२	१४	४६	२५	४	२३	मीने	भ. २५।५८ या.
११	श	३१	२५	रे	६०	०	आ	५२	४०	बा	३१	२५	५४	१३	४७	२६	५	२४	मीने	अपरा ११ व्र. ×(सौरः ४४।३६)
१२	र	३५	२६	रे	२	४१	सौ	५२	३७	कौ	३	२६	५६	१३	४७	२७	६	२५	मे.२।४१	
१३	चं	३८	२२	अ	७	१९	शो	५२	२	ग	६	५४	५८	१२	४८	२८	७	२६	मेषे	भ. ३८।२२ उ. प्रदोषः
१४	मं	३९	३७	भ	१०	४३	अ	५०	५७	वि	८	५३	३४/००	१२	४८	२९	८	२७	बृ.२६।१३	भ. ८।५३ या. रोहि शुक्रः ३५/२७ बुधास्तः*
३०	बु	३९	२८	कृ	१२	४१	सु	४६	५०	च	९	३२	२	१२	४८	३०	९	२८	वृषे	वटपूजनम् *पूर्वस्याम् ९।४३

६पं.ज्ये.कृ.४शु.इ.२१।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	८	०	६	१	१
३	२४	८	१८	२६	१८	१३	३
५८	४६	३०	५०	१४	२४	३३	५३
२६	१	५०	४२	१३	५८	२०	२१
५७	२१/३७	४४	३/४२	७४	४/१९	३	५७
४४	व	४७	व	३२	व	११	३४

गोचरग्रहाः

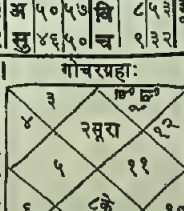

इस मास में रस पदार्थ गुड़ खांड़ घृत तिल तेल तेज हो। गरमी का जोर रहेगा। अनाज चांदी भी तेज हो।

गोचरग्रहाः

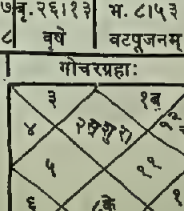

७पं.ज्ये.कृ.१०शु.इ.२१।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	८	१	६	१	१
१०	२२	१५	१८	४	१७	१३	१०
४२	२३	५३	२३	५०	५५	११	३५
२५	५६	४६	६	४२	५५	५	३२
५७	१७/४३	७१	४/४७	७४	४/४	३	५७
३५	व	४५	व	३२	व	११	२३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०७४स.१९८४
१	गु	३७	४४	रो	१३	२०	धृ	४२	४४	किं	८	३६	३४/४	५/११	६/४९	३१	१०	२९	मि४३।२	
२	शु	३५	९	मृ	१२	४५	शू	३७	५२	बा	६	२७	६	११	४९	१	११	३०	मिथुने	कृत्तिका. बुधः ५६/४६ चन्द्रदर्शनम् जून मा.●
३	श	३१	४१	आ	११	२६	गं	३२	१५	तै	३	२५	७	११	४९	२	१२	१	क.५४।४१	भ. ५९।३६ उ. रमजान ९
४	र	२७	३२	पु	९	६	वृ	२६	१	वि	२७	३२	९	१०	५०	३	१३	२	कर्के	भ. २७।३२ या. वक्री स्वात्यां भौमः ३३/४७
५	चं	२२	५८	पु	६	३१	ध्रु	१९	४८	बा	२२	५८	१०	१०	५०	४	१४	३	कर्के	वृषे बुधः ६।७ ●६ ता. ३०
६	मं	१८	०	श्ले	३	२९	व्या	१३	१०	तै	१८	०	१२	१०	५०	५	१५	४	सिं३।२९	
७	बु	१२	५५	म	०/२४	५६/४७	ह	६/२८	५३/२३	व	१२	५५	१३	९	५१	६	१६	५	सिंहे	भ. १२।५५ उ. ४०।१६ या.
८	गु	७	३८	उ	५३	४३	सि	५२	२७	ब	७	३८	१४	९	५१	७	१७	६	कं.११।१९	मृगे रविः ३२।२८ (सौरः ४३।२५)
९	शु	२	१८	ह	५०	५	व्य	४५	१३	कौ	२	१८	१६	९	५१	८	१८	७	कन्यायां	गंगादशमी
१०	शु	५३	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●	+रोहि. बुधः५१।६ निर्जला ११ व.स्मा
११	श	५१	७	चि	४६	३७	व	३८	१३	व	२३	४२	१७	९	५१	९	१९	८	तु.१८।२१	भ. २३।४२ उ. ५१।७ या. मृगे शुक्रः ३३/३२+
१२	र	४५	३०	स्वा	४३	१७	प	३१	२३	ब	१८	२१	१८	८	५२	१०	२०	९	तुलायां	निर्जला ११ व. वै.
१३	चं	४०	४३	वि	४०	१९	शि	२४	३७	कौ	१३	९	१९	८	५२	११	२१	१०	वृ.२६।३	प्रदोषः
१४	मं	३६	२०	अ	३८	५	सि	१८	३६	ग	८	३१	२०	८	५२	१२	२२	११	वृश्चिके	भ. ३६।२० उ. वक्री पूषा. १ गुरुः१६।३२
१५	बु	३३	८	ज्ये	३७	१४	सा	१३	२५	वि	४	४४	२१	८	५२	१३	२३	१२	ध.३७।४	भ. ४।४४ या. गुर्जरा. वटसावित्री व्र.

८पं.ज्ये.शु.२शु.इ.२१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	८	१	६	१	१
१७	२०	२५	१७	१३	१७	१२	१७
२५	२७	४२	४७	२६	२९	४८	१६
८	४३	७	७	३८	५३	४९	३८
५७	१३/३६	९३	५/३१	७४	३/४६	३	५७
२७	ब	५८	ब	३२	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ अमावस दिवस वा रजनी बादल होय । चौमासा सूखा रहे भारी गड़बड़ होय ॥

गोचरग्रहाः

९पं.ज्ये.शु. ९शु.इ.२१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	८	१	६	१	१
२४	१९	७	१७	२२	१७	१२	२३
७	५	११	५	३	५	२६	५६
१२	२०	४९	२	१४	२४	३४	३४
५७	६/२२	१३/१	६/४२	७४	३/१३	३	५७
२२	ब	११/१	ब	३८	ब	११	५

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३१	२६	मू	३७	४०	शु	९	२१	बा	२	१७	३४/२१	५/८	६/५२	१४	२४	१३	धनुषि	मिथुनेऽर्कः ३१।६ (सारः ४४/१२) मिथुने●
२	शु	३१	८	पू	३९	३९	शु	६	१५	तै	१	१७	२२	८	५२	१५	२५	१४	म.५५।३१	
३	श	३२	४१	उ	४३	६	ब्र	४	४४	व	१	५५	२२	८	५२	१६	२६	१५	मकरे	भ.१।५५उ. ३३/४१ या. मृगे बुधः १६/५७ मार्गी×
४	र	३५	४४	श्र	४८	८	दै	४	१२	ब	४	१३	२३	७	५३	१७	२७	१६	मकरे	वक्री स्वाती ३ शनिः ३८।१०
५	चं	४०	३५	ध	५४	३१	वै	४	५८	कौ	८	१०	२३	७	५३	१८	२८	१७	कुं.२१।१९	
६	मं	४५	५५	श	६०	०	वि	६	३६	ग	१३	१५	२३	७	५३	१९	२९	१८	कुम्भे	भ. ४५।५५ उ. मिथुने बुधः १६।२४
७	बु	५२	७	श	१	३४	प्री	८	५०	वि	१९	१	२४	७	५३	२०	३०	१९	मी५२।२०	भ. १९।१ या. आर्द्रायां शुक्रः १५।५९
८	गु	५८	१२	पू	९	१६	आ	११	१५	बा	२५	१०	२४	७	५३	२१	३१	२०	मीने	आर्द्रायां रविः २९।५८(सौरः ४५।४५)
९	शु	६०	०	उ	१६	३८	सौ	१३	३५	तै	३१	०	२४	७	५३	२२	१	२१	मीने	आर्द्रा. बुधः २२।४८ रा. आषाढ़ारम्भः
९	श	३	४८	रे	२३	२०	शो	१५	२५	ग	३	४८	२४	७	५३	२३	२	२२	मे.२३।२०	भ. ३६।१ उ. ●शुक्रः ४९।४९
१०	र	८	१५	अ	२८	४१	अ	१६	१७	वि	८	१५	२४	७	५३	२४	३	२३	मेषे	भ. ८।१५ या.
११	चं	११	११	भ	३२	२८	सु	१५	५४	बा	११	११	२३	७	५३	२५	४	२४	वृ.४७।५९	योगिनी ११ व्र.
१२	मं	१२	३१	कृ	३४	३३	धृ	१४	११	तै	१२	३१	२३	७	५३	२६	५	२५	वृषे	प्रदोषः ×भौमः ५।४९ चतुर्थी व्र.
१३	बु	११	५५	रो	३५	२	शू	१०	५८	व	११	५५	२३	७	५३	२७	६	२६	वृषे	भ. ११।५५ उ. ४०।३९ या.
१४	गु	९	२४	मृ	३३	५२	गं	६	२९	श	९	२४	२२	८	५२	२८	७	२७	मि४।२७	पुन. बुधः ३०।४७
३०	शु	५	३५	आ	३१	११	वृ	०/४६	५२/५५	ना	५	३५	२२	८	५२	२९	८	२८	मिथुने	

१०पं.आ.कृ.२शु.इ.२१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	१	८	२	६	१	२
०	१८	२१	१६	०	१६	१२	०
४८	२१	२४	१७	३९	४५	४	३५
२५	११	२५	६	४७	५०	१८	४३
५७	०/३७	१२/५	७/२५	७४	२/३४	३	५६
१३	ब	४५/४५	ब	३८	ब	११	५७

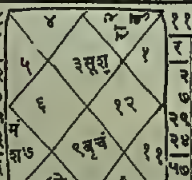

११पं.मा.कृ.९शु.इ.२१।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	८	२	६	१	२
७	१८	६	१५	९	१६	११	७
२९	१९	३७	२५	१६	२९	४२	१४
२४	५	४४	१६	२६	४६	३	१०
५७	५/१६	१२/५०	७/५०	७४	३/३	३	५६
१३	मा	४५	ब	३८	ब	११	५४

१२पं.आ.कृ.३०शु.इ.२१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	८	२	६	१	२
१४	१८	२१	१४	१७	१६	११	१३
९	५६	४५	३२	५३	१७	१९	५२
५०	६	५४	१३	२	४९	४७	१५
५७	१०	१२/५०	७/५२	७४	२/२२	३	५६
७	३७	५०	ब	३२	ब	११	५०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१०४स.१९८४
१	श	०	३०	पु	२७	४६	व्या	४६	३८	ब	०	३०	३४/२१	५/८	६/५२	३०	९	२९	क.१३।३७	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
२	श	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	र	४८	२०	पु	२३	२५	ह	३९	०	तै	२१	२७	२०	८	५२	१	१०	१	कर्के	पुन. शुक्रः ३।५४ जुलाई मा.७ ता. ३१*
४	चं	४१	५३	श्ले	१८	५८	व	३१	२	व	१५	७	१९	८	५२	२	११	२	सिं१८।५८	भ.१५।७उ.४१।५३या. *सव्वाल १०
५	मं	३५	३४	म	१४	३८	सि	२३	१३	व	८	४३	१८	८	५२	३	१२	३	सिंहे	कर्के बुधः २४।४६
६	बु	२९	२६	पू	१०	२७	व्य	१५	५०	कौ	२	३०	१७	९	५१	४	१३	४	कं.२४।३२	बुधोदयः पश्चिमायाम् ३।३५
७	गु	२३	५५	उ	६	४७	व	८	४८	व	२३	५५	१५	९	५१	५	१४	५	कन्यायां	भ. २३/५५ उ. ५१/२२ या. पुन. रविः २८/५४ (सौरः× ×४९/४६) पुष्ये बुधः ९/२६ विशाखा.भौमः ४८/४९
८	शु	१८	५०	ह	३	२७	प	१/३४	५३/४२	ब	१८	५०	१४	९	५१	६	१५	६	तु.३२।०	
९	श	१४	१०	चि	३३/०	५७/५४	सि	४९	५	कौ	१४	१०	१३	९	५१	७	१६	७	तुलायां	
१०	र	१०	७	वि	५७	१	सा	४३	४७	ग	१०	७	११	१०	५०	८	१७	८	वृ.४२।२२	भ. ३८।२५ उ. वक्री मूले ४ गुरुः ४५।३७
११	चं	६	४३	अ	५५	१६	शु	३८	५३	वि	६	४३	१०	१०	५०	९	१८	९	वृश्चिके	भ. ६/४३ या. कर्के शुक्रः ९/५८ देवशयनी ११ व्र.
१२	मं	३	५२	ज्ये	५६	८	शु	३४	४२	आ	३	५२	८	१०	५०	१०	१९	१०	ध.५६।८	प्रदोषः
१३	बु	२	५	मू	५६	२५	ब्र	३१	२६	तै	२	५	७	११	४९	११	२०	११	धनुषि	पुष्ये शुक्रः ५६।१३
१४	गु	१	३५	पू	५९	३८	ऐं	२८	४९	व	१	३५	५	११	४९	१२	२१	१२	धनुषि	भ. १/३५ उ. ३१/४५ या. आश्ले. बुधः ३५/२४ वायु प
१५	शु	१	५६	उ	६०	०	वै	२७	३४	ब	१	५६	४	११	४९	१३	२२	१३	म.१५।३४	मार्गी शनिः १०।४१ व्यासपूजा गुरु१५

१३पं.आ.शु.८शु.इ.२१।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	८	२	६	१	२
२०	२०	५	१३	२६	१६	१०	२०
५०	८	३७	३८	३०	१०	५७	३०
१०	६	५२	५३	५०	५५	३१	९
५७	१४	३/५२	५/५२	७४	०/३८	३	५६
७	५०	३९	ब	३२	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

आ. कृ. १ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न. ५ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

१४पं.आ.शु.१५शु.इ.२१।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	८	३	६	१	२
२७	२१	१७	१२	५	१६	१०	२७
३०	५३	५७	४५	५	८	३५	८
३२	१३	२५	३०	५३	३८	१६	१६
५७	१८	०/२८	५/७४	०/१	३	५६	
११	३५	५३	ब	३२	मा	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	३	५३	उ	३	२०	वि	२६	४६	कौ	३	५३	३४/२	५/१२	६/४८	१४	२३	१४	मकरे	
२	र	७	१०	श्र	८	१	प्री	२७	१५	ग	७	१०	०	१२	४८	१५	२४	१५	कुं.४१।५	भ. ३९।५९ उ. कर्केऽर्कः ५८।१८
३	चं	११	४९	ध	१४	१०	आ	२८	३९	वि	११	४९	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१६	कुम्भे	भ. ११/४९ या. कर्केऽर्कः सौरः २२।३० च.व्र
४	मं	१६	५८	श	२१	४	सौ	३०	४१	बा	१६	५८	५६	१३	४७	१७	२६	१७	कुंभे	
५	बु	२३	७	पू	२८	२९	शो	३३	३	तै	२३	७	५४	१३	४७	१८	२७	१८	मी१२।१४	नाग ५ मरुस्थले
६	गु	२९	२२	उ	३५	१६	अ	३५	३७	व	२९	२२	५२	१४	४६	१९	२८	१९	मीने	भ. २९।२२उ पुष्ये रविः २७/३५ (सौरः ५३/११)
७	शु	३५	२४	रे	४३	१७	सु	३७	५०	वि	२	२३	५०	१४	४६	२०	२९	२०	मे.४३।१७	भ. २।२३ या शुक्रोदयः पश्चिमायां ५९/२५
८	श	४०	२०	अ	४९	३२	धृ	३९	३४	बा	७	५२	४७	१५	४५	२१	३०	२१	मेषे	मघा सिंहे बुधः १७/१२ कृत्ति. ४ राहुः अनु ×
९	र	४४	१	भ	५४	३१	शू	४०	१	तै	१२	११	४५	१५	४५	२२	३१	२२	मेषे	आश्ले. शुक्रः ४४।२५ ×२ केतुः २९।४८
१०	चं	४५	५८	कृ	५७	४२	गं	३९	८	व	१४	५९	४२	१६	४४	२३	१	२३	वृ.१०।१९	भ. १४।५९ उ. ४५/४८ या. रा. श्रावणारम्भः
११	मं	४५	५७	रो	५९	५	वृ	३६	५६	ब	१५	५७	४०	१६	४४	२४	२	२४	वृषे	कामिका ११ व्र
१२	बु	४३	४३	मृ	५८	२०	ध्रु	३२	५८	कौ	१४	५०	३७	१७	४३	२५	३	२५	मि२८।४२	
१३	गु	४०	५६	आ	५५	४८	व्या	२७	४२	ग	१२	२०	३५	१७	४३	२६	४	२६	मिथुने	भ. ४०।५६ उ. प्रदोषः
१४	शु	३४	८	पु	५१	३३	ह	२०	४७	वि	७	३२	३२	१८	४२	२७	५	२७	क.३७।३७	भ. ७।३२ या.
१५	श	२७	८	पु	४६	१९	व	१२	४४	च	०	३८	२९	१८	४२	२८	६	२८	कर्के	हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.७शु.इ.२१।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	८	३	६	१	३
४	२४	२८	११	१३	१६	१०	३
११	५	४२	५७	४२	११	१३	४६
१७	६	५८	५८	२९	१०	०	४३
५७	२१	८२	६/५३	७४	०	३	५६
१५	५३	४२	ब	२६	५२	११	५७

गोचरग्रहाः

श्रा. कृ. २ रवौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

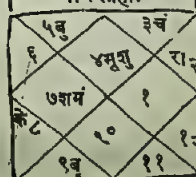

१६पं.श्रा.कृ.१४शु.इ.२१।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	८	३	६	१	३
१०	२६	७	११	२२	१६	९	१०
५२	४२	४४	१४	१९	१८	५०	२६
१९	४७	२	३८	५	२२	४५	४
५७	२५	६५	६/२	७४	१	३	५७
२०	७	१९	ब	२६	३१	११	५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१३३सन् १९८४
१	र १८।१० श्रे ४०।१९ सि ४९ ५० ध १८।१० ३३ ५३ ९२ ४१ २९ ७ २९ सि ४०।१९								चन्द्रदर्शनम्
२	चं १०।५५ म ३४ ३ व ४४।१२ कौ १०।५५ २४ १९ ४१ ३० ८ १ सिंहे								सिंधारा जिल्काद ११
३	मं २।४४ पू २८ १ प ३५।५३ ग २।४४ २१ २०।४० ३१ ९ २ क.४१।४३								भ. २८।४७ उ. ५४।५० या. तीज
४	मं ५२ ६ ० ० ०

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१६२स.१९८४
१	चं	३६	४४	पू	५२	१२	शि	१२	२६	किं	११	३२	३१/४८	५/३८	६/२२	२७	५	२९	सिंहे	
२	मं	२७	१०	उ	४४	४६	सि	१/३४	४९/३२	बा	१	५७	४४	३९	२१	२८	६	३०	कं.५।२०	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	१८	१६	ह	३८	१	शु	४१	१२	ग	१८	१६	४०	४०	२०	२९	७	१	कन्यायां	भ. ४४/१६ उ. हरितालिका ३ गणेश ४ जि.१२
४	गु	१०	१६	चि	३२	१६	शु	३२	७	वि	१०	१६	३६	४१	१९	३०	८	२	तु. ५।८	भ. १०/१६ या. पूफा. रविः ८/८ (सौरः ४१/१७) मार्गी*
५	शु	३	३२	स्वा	२८	१	ब्र	२३	५२	बा	३	३२	३२	४२	१८	३१	९	३	तुलायां	*गुरुः २५।३ ऋषि ५
६	शु	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	श	५४	४३	वि	२५	११	ऐं	१७	९	ग	२६	२८	२८	४२	१८	१	१०	४	वृ.१०।५४	भ. ५४।४३ उ. सितम्बर मा. ९ ता. ३०
८	र	५२	४०	अ	२४	१३	वै	११	३५	वि	२३	४१	२५	४३	१७	२	११	५	वृश्चिके	भ. २३।४१ या.
९	चं	५२	१९	ज्ये	२४	३७	वि	७	२६	बा	२२	२९	२१	४४	१६	३	१२	६	ध.२४।३७	
१०	मं	५३	४३	मू	२६	४७	प्री	४	४१	तै	२३	१	१७	४५	१५	४	१३	७	धनुषि	हस्ते शुक्रः २३/८ ज्येष्ठा. भौमः १३।१९
११	बु	५५	५	पू	३०	१३	आ	३	५	व	२४	५४	१३	४५	१५	५	१४	८	म.४६।२५	भ. २४/५४ उ. ५५/५ या. बुधोदयः पूर्वस्याम् १७/५६×
१२	गु	५९	४९	उ	३४	५९	सौ	२	३५	ब	२८	५७	९	४६	१४	६	१५	९	मकरे	मार्गी बुधः ३०।७ वामन जयन्ती
१३	शु	६०	०	श्र	४०	४०	शो	३	८	कौ	३२	४	५	४७	१३	७	१६	१०	मकरे	प्रदोषः ×जलझूलनी ११ व्र.
१३	श	४	१९	ध	४७	२१	अ	४	२	तै	४	१९	१	४८	१२	८	१७	११	कु.१४।१	
१४	र	९	५५	श	५४	८	सु	५	४७	व	९	५५	३०/५७	४९	११	९	१८	१२	कुम्भे	भ. ९।५५ उ. ४२।४३ या. अनन्त १४
१५	चं	१५	३२	पू	६०	०	धृ	७	३९	ब	१५	३२	५३	४९	११	१०	१९	१३	मी.५४।४१	महालयाश्राद्धारंभः

२१पं.भा.शु.५शु.इ.२०।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	८	५	६	१	४
१४	९	९	९	५	१८	७	१३
२९	२०	२६	३३	२०	१	५९	५७
५६	४९	४२	१८	३८	१९	२७	५१
५८	३४	६६/६	०/६	७३	४	३	५७
१	५६	च	मा	५६	४०	११	५७

गोचरग्रहाः

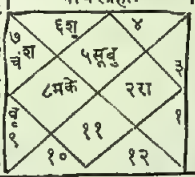

भाद्रबड़े बुध ऊगसी बहु भाद्र बड़ा होय । बुध ऊगे आसोज में कमल कांकरा होय ॥

गोचरग्रहाः

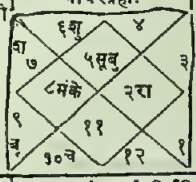

२२पं.भा.शु.१३शु.इ.२०।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	८	५	६	१	४
२१	१८	६	९	१३	१८	७	२०
१६	३२	३६	३९	५६	३३	३७	४४
५५	४२	२९	२५	२८	२५	११	३१
५८	३६	५८/५८	१	७३	५	३	५८
१३	१०	ब	२०	५६	५	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	२१	४८	पू	१	३२	शू	९	५९	कौ	२१	४८	३०/४८	५/५०	६/१०	११	२०	१४	मीने	×आश्विनारंभः प्रदोषः
२	बु	२८	४	उ	८	५९	गं	१२	१४	ग	२८	४	४४	५१	९	१२	२१	१५	मीने	उफा. रविः ५२।२८
३	गु	३४	५	रे	१६	४०	वृ	१४	२९	व	१	४	४०	५२	८	१३	२२	१६	मे.१६।४०	भ. १/४ उ. ३४/५ या. उफा. रविः सौरः २५/५५
४	शु	३९	३४	अ	२३	३७	ध्रु	१६	३२	ध	६	४९	३६	५३	७	१४	२३	१७	मेषे	चित्रा. शुक्रः ५९।१३ चतुर्थी व्र.
५	श	४४	१३	भ	२९	५२	व्या	१८	११	कौ	११	५३	३२	५४	६	१५	२४	१८	वृ.४६।१४	*५१/६) मूले ४ गुरुः १३।३३
६	र	४७	५०	कृ	३५	२३	ह	१९	७	ग	१६	१	२८	५४	६	१६	२५	१९	वृषे	भ. ४७/५० उ. कन्यायामर्कः १७।४९ (सौरः*
७	चं	५०	४	रो	३९	२३	व	१८	५६	वि	१८	५७	२४	५५	५	१७	२६	२०	वृषे	भ. १८।५७ या. पूफा. बुधः ७।०
८	मं	५०	२७	मृ	४१	५२	सि	१७	४४	बा	२०	१५	२०	५६	४	१८	२७	२१	मि११।७	=धनुषि भौमः १४/३१ मातामह श्रा. नवरात्रा.
९	बु	४९	१०	आ	४२	३५	व्य	१५	१	तै	१९	४८	१६	५७	३	१९	२८	२२	मिथुने	मातृनवमी +हतानांश्राद्धं सर्वपितृ ३०
१०	गु	४५	४४	पु	४१	२७	व	१०	५६	व	१७	२७	१२	५८	२	२०	२९	२३	क.२६।४४	भ. १७/२७ उ. ४५/४४ या. तुलायां शुक्रः २५।१४
११	शु	४०	२३	पु	३८	१७	प	५/११	५३/४३	ब	१३	४	८	५८	२	२१	३०	२४	कर्के	इन्दिरा ११ व्र.
१२	श	३३	३३	श्ले	३३	२५	सि	४९	३२	कौ	६	५८	४	५९	१	२२	३१	२५	सिं३३।२५	कृत्ति. ३ राहुः अनु. १ केतुः २१।५१
१३	र	२५	१५	म	२७	२४	सा	३९	५४	ब	२५	१५	३०/००	६/००	६/००	२३	१	२६	सिंहे	भ. २५/१५ उ. ५०/२९ या. विशा.१शनिः ४९/४५ रा.×
१४	चं	१५	४४	पू	१९	५२	शु	२९	२६	श	१५	४४	२९/५५	६/१	५/५९	२४	२	२७	कं.३२।५६	बुधास्तः पूर्वस्याम् ४९।५६ शस्त्रादि+
३०	मं	५	५०	उ	१२	१०	शु	१८	२२	ना	५	५०	५१	२	५८	२५	३	२८	कन्यायां	स्वात्यां शुक्रः ५०/५६ उफा. बुधः २६/५२ मूले=

२३पं.आ.कृ.४शु.इ.२०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	८	५	६	१	४
२८	२२	१०	९	२२	१९	७	२७
५	५४	१२	५४	३१	९	१४	३२
२४	३६	५८	५०	५८	२५	५५	५२
५८	३७	६७	२	७३	५	३	५८
२६	२२	१५	४४	४४	३२	११	२९

गोचरग्रहाः

आ. कृ. ६ रवौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ४ नं. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

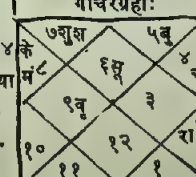

२४पं.आ.कृ.११शु.इ.१९।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	८	६	६	१	५
४	२७	१९	१०	१	१९	६	४
५५	२४	३५	१९	७	४९	५२	२३
१९	३२	१७	३४	५	५	४०	५९
५८	३८	९८	४	७३	५	३	५८
३८	४०	४१	१	३२	५८	११	४५

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६	वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१९२ स.१९८४
१	मं ५०।० ० ०

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२२१ सन् १९८४
१	गु	१८	५०	स्वा	१७	४२	प्री	१२	२५	ब	१८	५०	२७/५०	६/२६	५/३४	२५	३	२९	बृ.५८।२	अस्त शनेः १७/३४ अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
२	शु	१०	५२	वि	११	२९	आ	३/३६	५२/२७	कौ	१०	५२	४६	२७	३३	२६	४	३०	वृश्चिके	विशा. बुधः ३२/३० चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २
३	श	४	२८	अ	६	४४	शो	४६	४६	ग	४	२८	४२	२८	३२	२७	५	१	वृश्चिके	भ. ३२।७ उ. ५९।४७ या. सफर २
४	श	५५	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	र	५७	१३	ज्ये	३	३४	अ	४०	१७	ब	२८	२९	३९	२८	३२	२८	६	२	ध.३।३४	ज्येष्ठा. शुक्रः ३७।२२
६	चं	५६	५६	मू	२	४०	सु	३६	१४	कौ	२७	५	३५	२९	३१	२९	७	३	धनुषि	
७	मं	५८	२८	पू	४	१	धृ	३३	४८	ग	२७	४३	३१	३०	३०	३०	८	४	म.१९।४८	भ. ५८।२८ उ.
८	बु	६०	०	उ	७	११	शू	३३	४	वि	३०	१७	२७	३१	२९	३१	९	५	मकरे	भ. ३०/१७ या. बुधोदयः पश्चिमायाम् ४२/२७●
८	गु	२	७	श्र	१२	५	गं	३३	११	ब	२	७	२४	३१	२९	१	१०	६	कुं.४५।११	नवम्बर मा. ११ ता. ३० ●गोपाष्टमी
९	शु	७	१	ध	१८	१७	वृ	३४	४२	कौ	७	१	२०	३२	२८	२	११	७	कुम्भे	वृश्चिके बुधः ३/३३ उषा. भौमः १४/९ अक्षय९
१०	श	१३	१३	श	२५	४०	ध्रु	३६	४५	ग	१३	१३	१६	३३	२७	३	१२	८	कुम्भे	भ. ४६।२३ उ.
११	र	१९	३३	पू	३३	८	व्या	३८	५९	वि	१९	३३	१३	३३	२७	४	१३	९	मी१६।१६	भ. १९/३३ या. अनु. बुधः ११/५ प्रबोधिनी ११×
१२	चं	२५	५६	उ	४०	४९	ह	४१	३७	बा	२५	५६	९	३४	२६	५	१४	१०	मीने	विशा. रविः ४९।७ ×तुलसी वि.
१३	मं	३२	२	रे	४७	५८	व	४३	३४	तै	३२	२	६	३५	२५	६	१५	११	मे.४७।५८	विशा. रविःसौरः १५/२२ मकरेभौमः ४१/२१ प्रदोषः
१४	बु	३७	४१	अ	५४	३६	सि	४५	१७	ग	४	५२	२	३६	२४	७	१६	१२	मेषे	भ. ३७।४१ उ. वैकुंठ १४
१५	गु	४२	१४	भ	६०	०	व्य	४६	१७	वि	९	५७	२६/५९	३६	२४	८	१७	१३	मेषे	भ. ९/५७ या. चंद्रग्रहणम् मूले धनुषिशुक्रः ३३/६

२९पं.का.शु.२श.इ १९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	८	७	६	१	६
९	२१	१९	१४	१३	२३	५	९
२९	३७	३८	२०	५३	३५	१	१
४९	३७	६	५६	१०	४२	२२	१८
५९	४१	९८	९	७२	७	३	६०
४७	४९	२७	९	२०	१४	११	२

गोचरग्रहाः

इस मास में जौ गेहूं चना चावल रुई रेशम मसूर सिरस्युं पीतल तांबा तेज होकर मंदा होगा ।

गोचरग्रहाः

३०पं.का.शु. ९श.इ.१८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	८	७	६	१	६
१६	२६	०	१५	२२	२४	४	१६
२९	४३	२४	२९	२३	२५	३९	२
३८	२३	११	१०	६	२३	६	२२
६०	४२	९४	९	७१	७	३	६०
४	१३	५	५५	५१	२०	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुर्रविर्दक्षिणेकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४५	५५	भ	०	१७	व	४६	१२	बा	१४	५	२६/५६	६/३७	५/२३	९	१८	१४	बृ.१६।२८	पूषायां २ गुरुः ४।१०
२	श	४८	२७	कृ	५	५९	प	४५	४४	तै	१७	११	५३	३७	२३	१०	१९	१५	वृषे	
३	र	४९	५७	रो	८	३५	शि	४४	१०	व	१९	१२	४९	३८	२२	११	२०	१६	मि३९।५६	भ. १९।१२ उ. ४९।५७ या.
४	चं	५०	२३	मृ	११	१७	सि	४१	५३	ब	२०	१०	४६	३९	२१	१२	२१	१७	मिथुने	चतुर्थी व्र.
५	मं	४९	५२	आ	१३	९	सा	३९	२३	कौ	२०	८	४३	३९	२१	१३	२२	१८	क.५७।३६	ज्येष्ठा. बुधः २५।१९
६	बु	४८	२०	पु	१३	४५	शु	३४	५८	ग	१९	६	४०	४०	२०	१४	२३	१९	कर्के	भ. ४८।२० उ. ●पातमोक्षः१७।३५
७	गु	४५	३४	पु	१३	२५	शु	३०	८	वि	१६	५७	३७	४१	१९	१५	२४	२०	कर्के	भ. १६।५७ या. वृश्चिकेऽर्कः ४५।९
८	शु	४१	५९	श्ले	११	५६	ब्र	२४	२९	बा	१३	४७	३४	४१	१९	१६	२५	२१	सि११।५६	वृश्चिकेर्कः सौरः ९/३९ पातस्पर्शः ३।४६●
९	श	३७	१८	म	९	२४	ऐं	१८	१२	तै	९	३९	३१	४२	१८	१७	२६	२२	सिंहे	
१०	र	३१	२२	पू	५	५७	वै	१०	५१	व	४	२०	२९	४२	१८	१८	२७	२३	कं.१९।५१	भ. ४।२० उ. ३१।२२ या.
११	चं	२४	४९	उ	१/३३	५४/४४	वि	१/४९	५२/८	बा	२४	४९	२६	४३	१७	१९	२८	२४	कन्यायां	अनु. रविः ३/२९ (सौरः २७/३७) पूषा. शुक्रः ४३/८×
१२	मं	१७	२४	चि	५०	३१	मा	४४	४०	तै	१७	२४	२४	४३	१७	२०	२९	२५	तु.२३।२३	श्रवणे भौमः ७।५५ प्रदोषः
१३	बु	९	३१	स्वा	४४	२०	सौ	३५	१३	व	९	३१	२१	४४	१६	२१	३०	२६	तुलायां	भ. ९/३१ उ. ३५/२८ या. विशा.३शनिः १३।३०
१४	गु	१	२५	वि	३८	३३	शो	२५	४६	श	१	२५	१९	४४	१६	२२	१	२७	बृ.२५।०	रा. मार्गशीर्षारम्भः ×उत्पत्ति ११ व्र.
३०	गु	५२	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३१पं. मा.कृ.१श.इ १८।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	८	८	६	१	६
२३	१	१०	१६	०	२५	४	२३
३०	५१	४४	४२	५०	१४	१६	४
५८	४३	२८	३६	५३	३५	५०	५८
६०	४२	८८	१०	७१	७	३	६०
१७	३५	५	४१	३३	२०	११	३०

गोचरग्रहाः

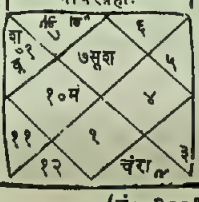

मार्ग कृ. ७ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यानि त्वे महर्घता शुक्रास्तः प. ।

गोचरग्रहाः

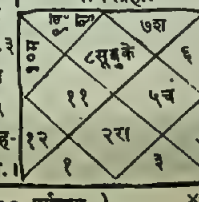

३२पं.मा.कृ. ८शु.इ.१८।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	८	६	१	७
०	७	२०	१८	९	२६	३	०
३३	३	३१	१	१७	५	५४	९
४७	७	४८	१९	३१	५३	३५	२
६०	४२	८०	११	७१	७	३	६०
३०	५२	१७	१६	७	२०	११	४०

●चंशुके

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

×बृशुके

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६	वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२५०स.१९८४
१	शु ४७ २६ अ ३३ २६ अ १६ ५१ कि २० ४१ ३६ ४५ ५५ २३	२	२८	वृश्चिके	मूले धनुषि बुधः ५२।०
२	श ४२ १० ज्ये २९ ३४ सु ८ ५५ बा १४ ४८ १३ ४५ १५ २४	३	२९	ब.२९।३४	कृत्ति.२ राहुः विशा. केतुः ३३ चन्द्रदर्शनम्
३	र ३८ ४५ मू २७ १५ ध ५३ ५३ तै १० २८ ११ ४६ १४ २५	४	१	धनुषि	रविलाखर ३
४	चं ३७ ३१ पू २६ ५८ गं ५२ १६ व ८ ८ ८ ४६ १४ २६	५	२	म.४२।२४	भ. ८।८उ. ३५ या. पूषाया३ गुरुः १८।४५
५	मं ३८ ० उ २८ ४१ वृ ५० ११ ध ७ ४५ ६ ४७ १३ २७	६	३	मकरे	
६	बु ४० ४६ श्र ३२ २६ ध्रु ४९ ४६ को ९ २३ ३ ४७ १३ २८	७	४	मकरे	उदयं शनेः ४६ पातस्पर्शः १३।२३ मोक्षः●
७	गु ४५ २ ध ३७ ३७ व्या ५० १ ग १२ ५४ १ ४८ १२ २९	८	५	कु. ५।१	भ. ४५।२ उ. ●३१।२७ चम्पा ६
८	शु ५० ५० श ४४ २७ ह ५१ ३७ वि १७ ५६ २५ ४८ १२ ३०	९	६	कुम्भे	भ. १७।५६ या. उषाया शुक्रः ४९।५७
९	श ५७ ५ पू ५१ ३४ व ५३ ३५ बा २३ ५८ ५५ ४९ ११ १	१०	७	मी ३४।४७	दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
१०	र ६० ० उ ५९ १७ सि ५६ ६ तै ३० २१ ५७ ४९ ११ २	११	८	मीने	ज्येष्ठा. रविः १३।३९(सौरः ३४।३७)
१०	चं ३ ३७ रे ६० ० व्य ५८ १० ग ३ ३७ ५३ ४९ ११ ३	१२	९	मीने	भ. ३६।४४ उ. मकरे शुक्रः ४१।२५
११	मं ९ ५१ रे ६ ३८ व ५९ ५६ वि ९ ५१ ५१ ५० १० ४	१३	१०	मे.६।३८	भ. ९।५१ या. वक्री बुधः १६।३९ मो-×
१२	बु १५ २५ अ १३ २२ प ६० ० बा १५ २५ ४९ ५० १० ५	१४	११	मेषे	प्रदोषः ×क्षदा ११ ब्र. गीता ज.
१३	गु १९ ४५ भ १९ १ प ० ४८ तै १९ २५ ४८ ५० १० ६	१५	१२	वृ.३५।७	
१४	शु २२ ५२ कृ २३ २५ शि ४० ५६ व २३ ५२ ४६ ५१ ९ ७	१६	१३	वृषे	भ.३३ उ.५३ या धनिः भौम ५४ दत्तजयंती
१५	श २४ ३० रो २६ २८ सा ५७ २८ ह २४ ३० ४५ ५१ ९ ८	१७	१४	मि५७।२०	बुधास्तः पश्चिमायाम् ५१।२८

३३पं.मा.शु.१श्रु.इ.१९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	८	६	१	७
७	१२	२९	१९	१७	२६	३	७
३७	१६	१६	२४	४१	५५	३२	१४
२७	३४	५२	७२	०	५	१९	३५
६०	५३	०६	११	७६	७	३	६०
४२	२	५२	५६	३४	१५	११	५३

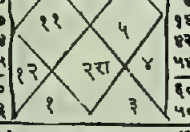

३४पं. मा.शु.८श्रु.इ.१८।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	८	८	६	१	७
१४	१७	५	२०	२६	२७	३	१४
४२	३२	४४	५०	२	४४	१०	२१
५४	३८	३१	३१	५३	२४	५१	२१
६०	४३	३७	१२	६९	७	३	६१
५०	१३	२७	२०	५९	७	११	३

३५पं.मा.शु.१४शु इ.१७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	८	९	६	१	७
२१	२२	७	२२	४	२८	२	२१
४८	५०	८	१९	१९	३२	४७	२९
५८	३१	३१	४१	३०	३१	४८	६
६०	४३	३६	१२	६९	६	३	६१
५६	२१	७	४४	११	५९	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६	वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र २४ ४९ मृ ३८ १३ शु ५४ २३ कौ २४ ४९ ३५ ५६ ५	९	१८	१५	मिथुने	
२	चं २४ ९ आ २८ ५३ शु ५० २२ ग २४ ९ ४३ ५२ ८	१०	१९	१६	मिथुने	भ. ५३।१८ उ.
३	मं २२ २७ पु २८ ३५ ब्र ४४ ५४ वि २२ २७ ४१ ५२ ८	११	२०	१७	क.१३।४०	भ.३७ वा. पूषा. ४ गुरुः ४९।३८ चतुर्थी व्र.
४	बु १९ ५३ पु २७ २६ ये ४० २६ बा १९ ५३ ४० ५२ ८	१२	२१	१८	कर्के	श्रवणे शुक्रः ४।२२
५	गु १६ ३३ श्ले २५ ५१ वै ३४ २९ तै १६ ३३ २९ ५२ ८	१३	२२	१९	सि२५।५१	वक्री ज्येष्ठा वृश्चिके बुधः ५६।४६
६	शु १२ ५२ म २३ ४१ वि २८ २० व १२ ५२ ३८ ५२ ८	१४	२३	२०	सिंहे	भ. १२।५२ उ. ४०।४६ या.
७	श ८ ४१ पू २० ५२ प्री २२ ५ व ८ ४१ ३८ ५२ ८	१५	२४	२१	कं.३५।४	मूले धनुष्यर्कः २०।५१(सौरः३८।११)
८	र ३ ५६ उ १७ ४४ मा १४ ५१ कौ ३ ५६ ३७ ५३ ८	१६	२५	२२	कन्यायां	कुम्भे भौमः ४९।९
९	र ५५ १४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०				
१०	चं ५४ ५ ह १३ ५९ सौ २० ५७ व २६ ३८ ३७ ५३ ७	१७	२६	२३	तु.४२।२	भ. २६।३८ उ. ५४।५ या.
११	मं ४७ १५ चि १० ५ अ ५१ ३७ ध २० ४० ३७ ५३ ७	१८	२७	२४	तुलायां	सफला ११ ब्र.
१२	बु ४१ ८ स्वा ५ ४५ सु ४३ ४५ कौ १४ १२ ३६ ५३ ७	१९	२८	२५	वृ.४७।४	●४५।६ पूर्वस्याम् बुधोदयः प्रदोषः
१३	गु ३५ १४ वि ३१ ५६ धृ ३५ ५५ ग ८ ११ ३६ ५३ ७	२०	२९	२६	वृश्चिके	भ. ३५।१४ उ. विशा. ४ वृश्चिके शनिः●
१४	शु २९ ५५ ज्ये ५४ ३१ शू २८ ३१ वि २ ३४ ३६ ५३ ७	२१	३०	२७	ध.५४।३१	भ. २।३४ या.
१५	श २५ २२ मू ५२ ११ सा २१ ५४ ना २५ २२ ३६ ५३ ७	२२	१	२८	धनुषि	रा. पौषारंभः

३६पं. पौ.कृ.६शु.इ.१७।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	९	६	१	७
१८	२८	२९	२३	१२	२९	२	२८
५५	१०	२५	५२	३२	१८	२५	३८
५२	१	१४१	३०	२	४७	३३	५९
१	२३	३६	१३	६८	६	३	६१
२	३५	८	१०	२४	४०	११	१९

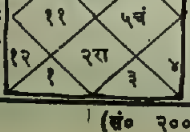

पौष कृ.७ शनौ धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न.३ कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं प.

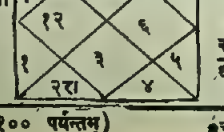

३७पं. पौ.कृ.१४शु.इ.१७।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	८	९	७	१	८
६	३	२१	२५	२०	०	२	५
३	२९	४५	२७	३९	३	३	७७
२९	६	३२	७	७	२९	१७	१४
६१	४३	३८	१३	६७	६	३	६१
४	३१	८	२०	२६	२६	११	२२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

●चंद्रयुक्ते

ति.	पौष	शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तुः रविस्तरेऽहर्गणः ४२८०स.१९८४
१	र	२२ ८ पू ५१ ३० वृ	१६	११	ब	२२ ८	३६	५६	५	५ २३ २ २९ धनुषि धनिष्ठायां शुक्रः ४०।४४
२	चं	२० ३४ उ ५२ १४ ध्रु	११	५२	को	२० ३४	३७	५३	७	२४ ३ ३० म.६।४१ चंद्रदर्शनम्
३	मं	२० ४६ श्र ५५ २ व्या	८	४४	ग	२० ४६	३७	५३	७	२५ ४ १ मकरे भ.५३ उ. मार्गी बुधः २३ शते भौमः १७०
४	बु	२२ ५९ ध ५९ २५ हृ	७	५	चि	२२ ५९	३७	५३	७	२६ ५ २ कुं.२७।१३ भ. २२।५९ या. उषायां १ गुरुः ३३।५३
५	गु	२६ ३८ श ६० ० व	६	३१	बा	२६ ३८	३८	५२	८	२७ ६ ३ कुंभे
६	शु	३१ ५५ श ६ २० त्रि	७	३८	त्रै	३१ ५५	३८	५२	८	२८ ७ ४ मी५५।३५ पूषायां. रविः २५।४७ (सौरः ३९।३९)
७	श	३७ ५६ पू १२ १ ब्य	९	१०	ग	४ ५५	३९	५२	८	२९ ८ ५ मीने भ. ३७।५६ उ. कुम्भे शुक्रः ३१।२१
८	र	४४ २६ उ १९ ३३ व	११	२०	वि	११ ११	४०	५२	८	३० ९ ६ मीने भ ११।११ या. *रविलाङ्गर ४
९	चं	५० ५२ रे २७ ५ प	१३	१६	आ	१७ ३९	४०	५२	८	३१ १० ७ मे.२७।५५
१०	मं	५६ ३४ अ ३४ १६ शि	१५	३५	त्रै	२३ ४३	४१	५२	८	१ १ ८ मेषे जनवरी मा. १ ता. ३१ सन १९८५ ई.
११	बु	६० ० भ ४० १७ त्रि	१६	५०	व	२८ ४९	४२	५२	८	२ १२ ९ वृ.५६।५५ भ. २८।४९ उ. पुत्रदा ११ व्र. स्मा.
११	गु	१ ५ कृ ४४ ५२ सा	१६	५७	वि	१ ५	४३	५१	९	३ १३ १० वृषे भ. १।५ या पुत्रदा ११ व्र. वै.
१२	शु	४ ४ रो ४८ २ शु	१६	७	बा	४ ४	४४	५१	९	४ १४ ११ वृषे शते शुक्रः २४ अस्तं गुरोः १।१२ प्रदोषः
१३	श	५ २० मृ ४९ २१ शु	१३	४९	त्रै	५ २०	४६	५१	९	५ १५ १२ मि१८।४१
१४	र	५ ५ आ ४९ ८ ब्र	१०	५	च	५ ५	४७	५१	९	६ १६ १३ मिथुने भ. ५।५ उ. ३ या. मूले धनुषि बुधः ३६
१५	चं	३ २ पु ४७ ५१ हैं	५	५	व	३ २	४९	५०	१०	७ १७ १४ क.३३।१० माघस्नान प्रारम्भः

३८पं.पौ.शु.६शु इ.१७।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	८	९	७	१	८
१३	८	२१	२७	२८	०	१	१२
११	४९	४१	३	३८	४५	४१	५७
३१	२६	२६	१८	२८	५८	१	६
६१	४३	३५	१३	६६	६	३	६१
६	३३	मा	३०	११	९	११	२६

गोचरग्रहाः

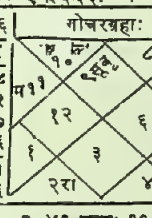

इस मासमें गुरु
का अस्त हुई चांदी
सोना सूत सिरस्युं
मूंगफली गेहूं गुड़
में मंदी लाकर
तेजी करेगा।

गोचरग्रहाः

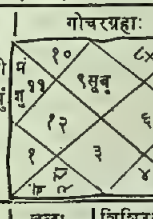

३९पं.पौ.शु.१२शु.इ.१७।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	८	१०	७	१	८
२०	१४	२७	२८	६	१	१	२०
१९	९	२९	४०	२८	२४	१८	७
२६	५०	१०	३०	२६	४०	४६	३
६१	४३	७६	१३	६४	५	३	६१
६	३५	२५	३२	४५	४१	११	२६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः सं० २०४१ शाकः १९०६	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तुः रविस्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५६ ५५ ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	मं	५५ ५२ पु ४५ २९ वि	५३	१६	त्रै	२७ ५५	३५	५०	८	१८ १५ कर्के
३	बु	५० ५० श्ले ४२ १५ प्री	४६	११	व	२३ २१	५२	५०	९	१९ १६ सि४२।१५ भ.३३ उ ५० या. उषायां २ मकरे शुक्रः ५३
४	गु	४५ ४४ म ३८ ४० आ	३९	२	ब	१८ १७	५४	४९	११	१० २० १७ सिंहे उषा.रविः ३०।३१ (सौरः ४१।१६) च.व्र.
५	शु	४० २९ पू ३५ ९ सो	३१	२३	को	१३ ७	५६	४९	११	११ २१ १८ कं.४९।१६ पूभायां भौमः ५८।५५
६	श	३५ १४ उ ३१ ३६ शो	२४	३	ग	७ ५१	५८	४८	१२	१२ २२ १९ कन्यायां भ. ३५।१४ उ.
७	र	३० १० ह २८ ४ अ	१६	३८	वि	२ ४२	५९	४८	१२	१३ २३ २० तु.५६।४७ भ. ४३ या. मकरेऽर्कः ४६।५५ (सौरः ५६)
८	चं	२५ ९ चि २४ ४८ सु	९	१३	को	२५ ९	३	४७	१३	१४ २४ २१ तुलायां
९	मं	१९ १४ स्वा २१ ४७ धृ	३३	१३	ग	१९ १४	५	४७	१३	१५ २५ २२ तुलायां भ. ४७।३१ उ.
१०	बु	१५ ४९ वि १८ ५७ मं	४९	८	वि	१५ ४९	८	४६	१४	१६ २६ २३ वृ.४।४० भ. ५९ या. पूषा. शुक्रः ५९ पूषा. बुधः ५३
११	गु	११ ३३ अ १६ ३२ वृ	४३	४	वा	११ ३३	१०	४६	१४	१७ २७ २४ वृश्चिके बुधास्तः पूर्वस्याम् ३३ षट्तिला ११ व्र.
१२	शु	७ ५३ ज्ये १४ ३५ घ्रु	३७	३१	त्रै	७ ५३	१२	४६	१४	१८ २८ २५ ध.१४।३५ प्रदोषः
१३	श	४ ५२ मृ १३ ३३ ब्या	३२	३५	व	४ ५२	१५	४५	१५	१९ २९ २६ धनुषि भ. ४।५२ उ. ३३।५१ या.
१४	र	२ ५० पु १३ २९ ह	२०	३८	श	२ ५०	१७	४५	१५	२० ३० २७ म.२८।४७ अभि. प्र. रविः १९।४० (सौरः २८।३)
१५	चं	२ ५ उ १४ ४५ व	२५	३७	ना	२ ५	२०	४४	१६	२१ १ २८ मकरे रा. माघारंभः सोमवती ३०

४०पं.मा.कृ.५शु इ.१७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	९	१०	७	१	८
२७	१९	५	०	१४	२	०	२७
२७	२९	४९	१९	८	२५	६	१६
४०	४९	१६	२३	२	३३	३०	५५
६१	५३	७५	३३	६३	५	३	६१
५	२२	२७	३८	७	१४	११	२४

गोचरग्रहाः

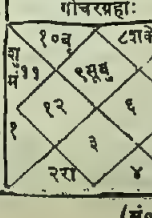

माघ कृ. ७ रवौ
मकरेऽर्कः प्र.वा.२
न.४ कुमार्यवस्था
(बैठी) मृ. ३०
धान्या.भावे समता
शुक्रोदयः प. ।

गोचरग्रहाः

४१पं.मा.कृ.१२शु.इ.१७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	९	१०	७	१	९
४	२४	१५	१	२१	२	०	४
३५	४७	२०	७	३३	३६	३४	३६
३१	४२	२४	२९	४	१८	३५	२४
६१	४३	८६	१३	६०	४	३	६१
३	३५	११	२८	५६	४६	११	१९

*बुशके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×बुशके

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३१०स.१९८५
१	मं	२	४०	श्र	१७	८	सि	२४	१६	ब	२	४०	२६/२२	६/४४	५/१६	२२	२	२९	कुं.४९।६	चन्द्रदर्शनम् •गुरुः ५९/१८ जमादिलावल५
२	बु	४	५२	ध	२१	५	व्य	२३	१८	कौ	४	५२	२५	४३	१७	२३	३	१	कुम्भे	श्रवणे रविः ३६/३ (सौरः ४४/०) उषायां ३•
३	गु	८	२४	श	२६	३१	व	२३	३२	ग	८	२४	२७	४३	१७	२४	४	२	कुम्भे	भ. ४०/५७ उ. अभि. नि. रविः २८/३२ (सौरः ३६/१६)
४	शु	१३	३१	पू	३२	२६	प	२४	४०	वि	१३	१९	३०	४२	१८	२५	५	३	मी १५।५७	भ. १३/३१ या. उषा. बुधः ५१/३७ मीने भौमः ५८/५९
५	श	१९	११	उ	४०	१४	शि	२६	४९	बा	१९	११	३३	४१	१९	२६	६	४	मीने	मीने शुक्रः ३९/१६ कृत्ति. १ मेषे राहुः विशा.×
६	र	२५	४१	रे	४७	५२	सि	२८	५८	तै	२५	४१	३६	४१	१९	२७	७	५	मे.४७।५२	मकरे बुधः ५९।४७
७	चं	३२	९	अ	५५	१९	सा	३१	१३	व	३२	९	३९	४०	२०	२८	८	६	मेषे	भ. ३२।९ उ. भानु ७ रथ ७
८	मं	३८	१६	अ	६०	०	शु	३३	१०	वि	५	१३	४२	४०	२०	२९	९	७	मेषे	भ. १५/१३ या. उभा. भौमः २६/३३ अनु १ शनिः+
९	बु	४३	१९	भ	२	०	शु	३४	३	बा	१०	४७	४६	३९	२१	३०	१०	८	वृ.१८।२१	उदयं गुरोः ५८।१२ +२३/३७ भीष्माष्टमी
१०	गु	४६	४७	कृ	७	२४	ब्र	३३	५६	तै	१५	३	४९	३८	२२	३१	११	९	वृषे	उभा शुक्रः ५।५५ =जया ११ व्र.
११	शु	४८	३४	रो	११	२३	ऐं	३२	२३	व	१७	४०	५२	३८	२२	१	१२	१०	मि४२।२७	भ. १७/४० उ. ४८/३४ या. फरवरी मा. २ ता. २८=
१२	श	४८	१५	मृ	१३	३१	वै	२९	१९	ब	१८	२४	५५	३७	२३	२	१३	११	मिथुने	×३तुलायां केतुः ६।३९ वसंत ५
१३	र	४६	१०	आ	१३	३७	वि	२४	४४	कौ	१७	१३	५९	३६	२४	३	१४	१२	क.५७।२५	श्रवणे बुधः २७।१७ प्रदोषः
१४	चं	४२	८	पु	१२	१	प्री	१८	३७	ग	१४	९	२७/२	३६	२४	४	१५	१३	कर्के	भ. ४२।८ उ. ÷माघस्नान पूर्तिः
१५	मं	३६	४८	पु	८	५२	आ	११	३१	वि	९	२८	६	३५	२५	५	१६	१४	कर्के	भ. २९/२८ या धनि. रविः ४४/२४ (सौरः ४९/५१) ÷

४२पं.मा.शु.४शु इ.१७।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	९	१०	७	१	९
११	०	२५	३	२८	३	०	११
४२	६	४६	३६	४०	५	११	३५
५८	४	३०	१८	३०	४६	५९	१५
६०	४३	९३	१२	५८	४	३	६१
५९	३४	३८	३२	१३	१५	११	१३

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ मंगलवार अशुभ हैं। धातु धान्य रस आदि पदार्थ तेज होंगे।

गोचरग्रहाः

४३पं.मा.शु ११शु इ १७।२८

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	९	११	७	०	९
१८	५	६	५	५	३	२९	१८
४९	२२	२५	१४	२५	३१	४९	४३
२६	४१	१२	१०	५	२३	४३	१८
६०	४३	९९	१२	५४	३	३	६१
५५	३२	१७	३०	३५	३४	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	बु	३०	१४	श्ले	२३	४९	सौ	२४	५१	बा	३	३१	२७/९	६/३४	५/२६	६	१७	१५	सि४।२२	
२	गु	२३	२०	पू	५३	४६	अ	४५	३५	ग	२३	२०	१३	३३	२७	७	१८	१६	सिंहे	भ. ४९।४५ उ. उषा. ४ गुरुः २४।१०
३	शु	१६	११	उ	४८	२४	सु	३६	५०	वि	१६	११	१६	३३	२७	८	१९	१७	कं.७।२६	भ. १६।११ या. चतुर्थी व्र.
४	श	९	१	ह	४३	३०	धृ	२८	१२	बा	९	१	२०	३२	२८	९	२०	१८	कन्यायां	
५	र	२	२६	चि	३८	१२	शू	१९	५८	तै	२	२६	२४	३१	२९	१०	२१	१९	तु.१०।५१	भ. ५४।१ उ.
६	र	५१	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	चं	५१	१३	स्वा	३५	३७	गं	१२	२२	वि	२३	५२	२७	३१	२९	११	२२	२०	तुलायां	भ. २३।५२ या. धनिष्ठा. बुधः २३।२•
८	मं	४६	५९	वि	३२	५०	वृ	५/२०	५३/५४	बा	१९	६	३१	३०	३०	१२	२३	२१	वृ.१८।३२	कुंभेऽर्कः १९।३९ (सौरः २३।४८)
९	बु	४३	२९	अ	३१	५	व्या	५३	४९	तै	१५	१४	३५	२९	३१	१३	२४	२२	वृश्चिके	•पातस्पर्शः १७।६ पातमोक्षः २८।१८
१०	गु	४०	५३	ज्ये	३०	७	ह	४९	१०	व	१२	११	३८	२८	३२	१४	२५	२३	ध.३०।७	भ. १२।११ उ ४०/५३ या. रेवत्यां शुक्रः ३३/३५
११	शु	३९	११	मू	३०	१०	व	४५	१३	व	१०	२	४२	२८	३२	१५	२६	२४	धनुषि	कुंभे बुधः २१।४० विजया ११ व्र.
१२	श	३८	२७	पू	३१	४	सि	४२	७	कौ	८	४९	४६	२७	३३	१६	२७	२५	म.४६।३६	रेवत्यां भौमः २४।३६
१३	र	३९	४	उ	३३	१४	व्य	३९	४७	ग	८	४५	५०	२६	३४	१७	२८	२६	मकरे	भ. ३९।४ उ प्रदोषः महाशिवरात्रि स्मा.
१४	चं	४०	२६	श्र	३६	२१	व	३८	४२	वि	९	४५	५४	२५	३५	१८	२९	२७	मकरे	भ.९।४५या. शते रविः ५६/० (सौरः ५९/१०)×
३०	मं	४३	२२	ध	४०	२७	प	३८	१२	च	११	५५	५८	२४	३६	१९	३०	२८	कु ८।२४	शते बुधः १०।७ ×महाशिवरात्रि व्र.

४४पं. फा.कृ.३शु.इ.१७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	९	११	७	०	९
२५	१०	१७	६	११	३	२९	२५
५५	३७	५६	५१	४१	५२	२७	५०
१६	५९	५३	५३	३८	२३	२८	५
६०	४३	९०	१३	५०	२	३	६०
४७	१९	३४	२०	८	५२	११	५५

गोचरग्रहाः

फा. कृ. ८ भौमे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

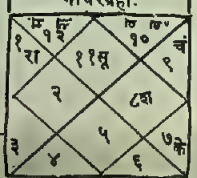

४५पं.फा.कृ.११शु.इ.१७।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	९	११	७	०	१०
३	१५	२९	८	१७	४	२९	२
०	५२	५३	२५	२०	८	५	५६
४	५	६	४८	६	४२	१२	८
६०	४३	९०	१३	४४	२	३	६०
३७	५	१०	१०	१९	११	११	४५

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४३३९स. १९८५
१	बु ४७ ८ श ४५ ४० शि ३८ २६ किं १५ १५	२६	६	५	२०	१	२९	कुंभे	रा. फाल्गुनारभः
२	गु ५२ १८ पू ५२ १५ स्वि ३९ ४६ बा १९ ४३	६	२३	३७	२१	२	३०	मी ३५।३७	फुलरिया २ चन्द्रदर्शनम्
३	शु ५८ २ उ ५९ १४ सा ४१ ३५ वै २५ १०	१०	२२	३८	२२	३	१	मीने	श्रवणे १ गुरुः २७।३७ जमादिलाखर ६
४	श ६० ० रे ६० ० शु ४३ ४६ व ३१ १५	१४	२१	३९	२३	४	२	मीने	भ ३१।१५ उ.
५	र ४ २९ रे ६ ४४ शु ४६ ६ वि ४ २९	१८	२०	४०	२४	५	३	मे. ६।४४	भ. ४।२९ या.
६	चं १० ५९ अ १४ २५ ब्र ४८ ३७ बा १० ५९	२२	१९	४०	२५	६	४	मेषे	
७	मं १७ २१ भ २१ ५५ रें ५० १२ वै १७ २१	२६	१९	४१	२६	७	५	बृ. ३८।३१	पूभायां बुधः १२।२८
८	बु २३ ४५ कृ २८ २० वै ५१ ४ ब २२ ४५	३०	१८	४२	२७	८	६	वृषे	भ. २२।४५ उ. ५४।५७ या.
९	गु २७ १० रो ३३ ४२ वि ५० ४१ ब २७ १०	३४	१७	४३	२८	९	७	वृषे	होलाष्टकः *होलिकादहनं भद्रोत्तरं
१०	शु २९ ४७ मृ ३६ ५८ प्री ४८ ५९ कौ २९ ४७	३८	१६	४४	१	१०	८	मि ५।२०	मार्च मा. ३ ता. ३१
११	श ३० २६ आ ३८ २६ आ ४५ २८ ग ३० २६	४२	१६	४४	२	११	९	मिथुने	भ. ५९।४४ उ.
१२	र २९ ३ पु ३७ ४३ सौ ४० २७ वि २९ ३	४६	१५	४५	३	१२	१०	क. २२।५३	म. २९३ या. मीने बुधः ३९ आमलकी ११ व्र.
१३	चं २५ ३१ पु ३५ १७ शो ३३ ५२ बा २५ ३१	५०	१४	४६	४	१३	११	कर्के	पूभा. रविः १२।५ (सौरः १३।५७) प्रदोषः
१४	मं २० ४ श्ले ३० ४४ अ २५ ४७ वै २० ४	५४	१३	४७	५	१४	१२	सि ३०।४४	उभा. बुधः ४ बुधोदयः पश्चिमायां ५३।३७
१५	बु १२ ५८ म २४ ५३ सु १६ २८ व १२ ५८	५८	१२	४८	६	१५	१३	सिंहे	भ. १२ उ. २६ या. अश्वि. मेषे. भौमः २२*
१५	गु ४ ५६ पू १८ १८ धृ ४६ ४९ ब ४ ५६	२९	१२	४८	७	१६	१४	कं. ३१।३१	वक्री शनिः ४७।२ छारेंडी

४६पं.फा.श.३शु.इ.१८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	९	११	७	०	१०
१०	२१	१२	९	२२	४	२८	१०
३	४	३५	५९	५	२०	४२	०
३२	१२	१३	२८	२०	२४	५७	४१
६०	४३	५१	१२	३६	१	३	६०
२५	२	२१	४६	३१	३०	११	३१

गोचरग्रहाः

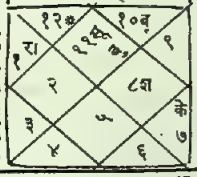

इस मासमें गुरु वारको चंद्रदर्शन है। रुई चांदी में भारी घटाबढ़ी होगी चांदी मंदी हो।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.श.९शु.इ.१८।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	९	११	७	०	१०
१७	२६	२५	११	२५	४	२८	१७
५	१४	५२	२९	५२	२७	२०	३
४६	४६	१६	४९	१९	२२	४३	३२
६०	४२	५१	१२	२६	०	३	६०
१२	५९	२१	२०	२१	४९	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेफाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु ५१ १५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	६	५	०	०	०	०	०	
२	शु ४७ १९ उ ११ ७ गं ४६ २१ वै २१ ४५	२९	११	४२	८	१७	१५	कन्यायां	
३	श ३८ ४० ह १४ ५३ वृ ३६ १९ व १२ ५९	१०	१०	५०	९	१८	१६	तु. ३०।३२	भ. १२ उ. ३८ या पातस्पर्शः ५३ मोक्षः १२
४	र ३० ३८ स्वा ५२ २० ध्रु २७ २ ब ४ ३९	१४	९	५१	१०	१९	१७	तुलायां	श्रवणे २ गुरुः १४।१४ चतुर्थी व्र.
५	चं २३ ४१ वि ८ ७ व्या १८ ३२ वै २३ ४१	१९	८	५२	११	२०	१८	वृ. ३४।१०	
६	मं १८ ७ अ ४५ १६ ह ११ १७ व १८ ७	२३	७	५३	१२	२१	१९	वृश्चिके	भ. १८।७ उ. ४५।५८ या.
७	बु १३ ४९ ज्ये ४४ १९ व ५ १३ ब १३ ४९	२७	७	५३	१३	२२	२०	ध. ४४।१९	वक्री शुक्रः ५९।४८ रेवत्यां बुधः ११।४३
८	गु ११ ५ मू ४४ १० सि १४ ५६ कौ ११ ५	३२	६	५४	१४	२३	२१	धनुषि	मीनेऽर्कः १३।२ (सौरः १४) शीतलापूजनम्
९	शु ९ ३३ पू ४६ २३ व ५३ ४० ग ९ ३३	३६	५	५५	१५	२४	२२	धनुषि	भ. ३९।३२ उ.
१०	श ९ ३२ उ ४८ १० ष ५२ ७ वि ९ ३२	४०	४	५६	१६	२५	२३	म. १।२	भ. ९।३२ या.
११	र ११ २ श्र ५१ ५० शि ५१ २५ वा ११ २	४४	३	५७	१७	२६	२४	मकरे	उभा. रविः ३५ (सौरः ३५) पापमोचनी*
१२	चं १३ १७ ध ५६ ४८ स्वि ५१ ४५ वै १३ १७	४९	२	५८	१८	२७	२५	कु. २४।१८	प्रदोषः *११ व्र.
१३	मं १७ ४ श ६० ० सा ५२ २६ व १७ ४	५३	१	५९	१९	२८	२६	कुम्भे	भ. १७।४ उ. ४९।१३ या.
१४	बु २१ २३ श २ २७ शु ५३ ५७ श २१ २३	५७	१	५९	२०	२९	२७	मी ५२।१६	
१५	गु २६ ५६ पू ८ ५२ शु ५५ ४१ ना २६ ५६	३०	०	६	२१	३०	२८	मीने	मन्वादिः

४८पं.चै.कृ.२शु.इ.१८।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	११	९	११	७	०	१०
२४	१	८	१२	२८	४	२७	२४
६	२३	५५	५६	६	२९	५८	४
२९	२	३४	५६	१४	२४	२५	५५
५९	४२	४	११	१२	०	३	६०
५८	४४	५९	५८	ब	११	५	

गोचरग्रहाः

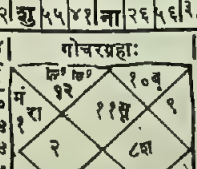

चैत्र कृ. ८ गुरौ मीनेऽर्के प्र.वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

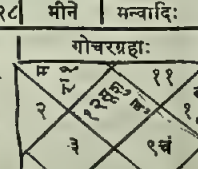

४९पं.चै.कृ. ९शु.इ.१९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५१	०	११	९	११	७	०	१०
१	६	१९	१४	२८	४	२७	१
५	२८	२३	२१	४०	२६	३६	४
४२	५२	२	३२	४८	१७	१०	३७
५९	४२	७६	११	ब	ब	३	५९
४१	४०	४९	२१	ब	११	५	३९

*चंमंशु

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंदुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०८६ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलि. ५०८६ भोग्यकलिः ४२६९१४ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४२ शाकः १९०७ वर्षेऽस्मिन राजा शुक्रः । मंत्री शनिः । सस्येशो भौमः । धान्येशोरविः । मेघेशश्शुक्रः । रसेशोगुरुः । नीरसेशोभौमः । फलेशोशुक्रः । धनेशश्चन्द्रः । दुर्गेशो शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेनप्रभवादिषष्टिसम्वत्सराणां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १२ बहुधान्यानाम-सम्वत्सरः प्रवर्त्ततेतस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ७।२९।४२।४२ भोग्यमासादिः ४।०।१७।१८। इन्द्रदैवतंयुगम् । वर्षनामश्रावण. । मेघनाम संवर्तः । रोहिणीनिवासस्तटे । समय निवासोरजकगृहे । समयविश्वा ८ । समयवाहनंदर्दुरः । स्तंभ १ तृणस्य । सोमवत्यमा. २ । सोमवतीपंचमी २ । अंगारकीचतुर्थी १ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी १ । समयमुहूर्ताः ३१५ । समयदिनानि ३८२ । तिथिक्षयः१८। तिथिवृद्धिः१०। उत्पतिविश्वा९९ । खपतिविश्वा१२६। वर्षाविश्वा ९। धान्यम् ७। तृणम् ५। गीतम् ९ । तेजः११ । वायुः१३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं ९५ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पापम् १८ । शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहणे २ चन्द्रमसः ।

सं. २०४२ शाके १९०७ वैशाख शु. १५ शनौ खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४४	४७	४८	५०	५२
मध्य.	पल	४०	२८	४९	१०	५८
रेल्वे	घं.	१२	१	१	२	३
टाइम	मि	१९	२६	५९	३१	३८

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ४।२१

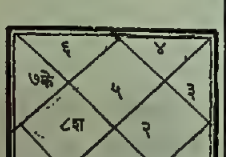

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

सुनहु मात जगदीश्वरी कह भैरव शिर नाय ।
बयालीस की साल को सांचो भेद सुणाय ।।

भवानी उत्तर

सुण भैरव तू ध्यान से फल समझावुं तोय ।
राजा मन्त्री देखतां मध्यम संवत् होय ।।
भृगु राजा इस वर्ष में यह सब जग हर्षाय ।
मंत्रीपद शनि को मिले करै न्याय अन्याय ।।
सस्याधिप मंगल हुआ संवत् विश्वा आठ ।
पण भृगुसुत मेघेश है करसी वर्षा ठाठ ।।
धान्याधिप सूरज बने ईतो भव अधिकाय ।
टीडी मूसा कातरा सुवा फिर फिर खाय ।।
श्रावण वदि आषाढ में रवि आगे कुबराय ।
पवनचक्र जग में चले वर्षा स्वल्प दिखाय ।।
कहींक पश्चिम देश मे बढ़े रोग अरु द्वेष ।
पर चिन्ता करना नहीं ईश्वर राखे टेक ।।

सं. २०४२ शाके १९०७ आश्विन शु. १५ चंद्रे खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्य.	घ.	३७	४१	४२	४३	४७
मध्यम.	पल	५४	१७	२७	३७	०
रेल्वे	घं.	९	१०	११	११	१
टाइम	मि	३७	५८	२६	५४	१५

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	मि.	म.	कुं.	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ६।२२

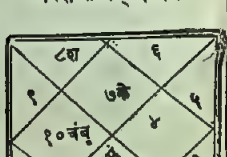

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३८।७

*सूचंबुश

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् । वर्षेऽस्मिन् राजा शुक्रस्तत्फलम्—शुक्रस्य राज्ये बहु सस्य संकुला सुतीव्रवेगाः सरितोम्बुराशिभिः । फलंति वृक्षा बहु गोप्रसूतीर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्यसंयुता ।। मन्त्री शनिः फलम्–रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहितां बहु दुःखदाः । नजलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम्—प्रथम धान्यपतो धरणीसुते गजतुरंगखरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग धनोजलं न समसौख्यकरं तुष धान्यहृत् ।। धान्येशो रविः फलम्—पश्चाद्धान्याधिपेसूर्ये पश्चाद्धान्यन्न पच्यते । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घ ज्वरपीडनम् ।। मेघेशः शुक्रस्तत्फलम्—भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलमुचो जलदा दिवि शोभनाः । धन निधान युताद्विज पालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो गुरुः फलम्—यदि गुरु रसपोजन सौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानिच । जनपदा द्विजपूजनतत्परा गज सुवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम्—नीरसेशोयदा भौमः प्रवाल रक्तवाससाम् । रक्तचंदन ताम्राणामर्घवृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम्—यदि फलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार महीरुहराशयः । बहुफला नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठ परायणाः ।। धनेशश्चन्द्रः फलम्–धनपतिर्मृगलांछनकोयदा रसचयात्क्रय विक्रयतो धनम् । वसन शालि सुगंध रसंबहु द्रवण तैल घृतं नृप सौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रः फलम्—नगरदेश विशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्य करोमताः । विनय वाणिजगृहे समः सुखे नगवने निकटेपिच दूरतः ।। बहुधनाख्य नाम संवत्सरः फलम्—अनोतिरतुला वृष्टिर्बहुधानाख्यवत्सरे विधिवैः धान्य निचयैः सम्पूर्णा निखिलाधरा ।। वर्षनाम श्रावणः फलम्—मनोल्हादं प्रकुर्वतिजनाः सौख्य समायुताः । श्रावणे वृष्टिरत्युग्रा गोमहिष्यादिकं सुखम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम्—संवर्ते जलपूरिता ।। रोहिणीनिवासः तटे फलम्—तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलम्—रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०४२ शाके १९०७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख ज्येष्ठाषाढ़ मासेषु गोधूल्यां ७-८ दोषः

वैसाख मासः

शुक्ले ३ भौमे रोहि. ल. १० रे. १० ।।।।।।।।।

„ ४ बुधे मृगे ल. ११-१२ रे. ६ ऽ।।।ऽअ.ऽऽ।।

„ ११ बुधे उफा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ७ ।।।ऽबु।ऽरो.ऽ।।।

पादवेधाद्बुधस्य वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे ३ भौमे मूले ल. १०-११-१२ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

„ ५ गुरौ उषा. ल. गो. सोग्रांग्रः ११-१२ रे.७ ऽऽ।।।।।ऽ।।

कुंभ मीने रेखा ८ लातदोषाऽभावः

शुक्ले ९ भौमे उफा. ल. १२ रे. ७ ।।।ऽशु।नृऽ।।। पादतोवेधाऽभावः चन्द्र ७ पूज्यः

„ १० बुधे हस्ते ल. गो. सोग्रांगः १०-१२ रे.९ ।।।।।।।ऽ।।

मीने चंद्र ७ पूज्यः

„ १२ शुक्रे स्वा. ल. अन्यगो. सोग्रांग्रः १० रे.८ ।।।ऽ।।।।।

मकर घ. ४४।७ या.

आषाढ़ मासः

कृष्णे २ भौमे मूले ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।ऽऽअ.।।।। मकर लग्ने घ. ४३।४ या.

९ भौमे उभा. ल. अन्यगो. १०-११ रे. ६ ऽ।।।।ऽऽरो.ऽ।।

मकर कुम्भे रेखा ७ रोगपंचकाऽभावः

शुक्ले ४ शनौ मघा. ल. २ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

„ ५ रवौ मघा. ल. अन्यगो. ११ रे. ६ ऽ।।।।ऽरो.ऽऽ।। कुंभे नक्षत्रांतदोषः आवश्यके

„ ९ गुरौ स्वात्यां ल. ११ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

कार्तिक मासः

शुक्ले ११ शनौ रेव. ल. ४ रे. ८ ।।।ऽ।।।।। कर्के गुरु ७ पू.

„ १५ बुधे रोहि. ल. ४-५ रे. ७ ।।।।ऽऽ।ऽ।। कर्के गु. ७ पू.

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे १ गुरौ मृगे ल. ४-५ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।। कर्के गुरु ७पूज्यः

„ २ शुक्रे मृगे ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽनृऽ।।।

„ ९ शुक्रे उफा. ल. अन्यगो. ५ रे ७ ।।।।।ऽअ.ऽऽ।।

„ १० शनौ हस्ते ल. ५ (घ.३९।३१उ.) रे.८ ऽ।।।।।ऽ।।

शुक्ले ३ शनौ उषा. ल. ६ रे. ९ ।।।।।ऽअ.।।।।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३६९स.१९८५
१	शु	३२	४३	उ	१६	३	ब्र	५७	५८	ब	३२	४३	३०/६	५/५९	६/१	२२	१	२९	मीने	रा.चैत्रारम्भः संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	श	३९	२	रे	२३	३५	ऐं	६०	०	वा	५	५३	१०	५८	२	२३	२	३०	मे.२३।३५	सिंधारा चन्द्रदर्शनम्
३	र	४५	२९	अ	३१	१३	ऐं	०	२३	तै	१२	१६	१४	५७	३	२४	३	१	मेषे	भरण्यां भौमः ५१/१२ वक्री बुधः ४३/३० गणगौरी●
४	चं	५१	५६	भ	३८	४८	वै	२	३४	व	१८	४३	१८	५६	४	२५	४	२	वृ.५५।३०	भ. १८।४३ उ. ५१।५६ या.
५	मं	५७	३१	कृ	४५	३७	वि	४	४५	ब	२४	४३	२३	५५	५	२६	५	३	वृषे	बुधास्तः पश्चिमायां ४८।५४
६	बु	६०	०	रो	५१	३७	प्री	६	१८	कौ	२९	५३	२७	५५	५	२७	६	४	वृषे	श्रवणे ३ गुरुः ३३।३९
६	गु	२	१६	मृ	५६	१७	आ	६	५८	तै	२	१६	३१	५४	६	२८	७	५	मि२३।५७	
७	शु	५	३५	आ	५९	३०	सौ	६	३२	व	५	३५	३५	५३	७	२९	८	६	मिथुने	भ. ५।३५उ. ३६/२८ या. ●मत्स्यजयंती
८	श	७	२१	पु	६०	०	शो	४	३७	ब	७	२१	३९	५२	८	३०	९	७	क.४५।२३	रामनवमी ×राहुः विशा. २ केतुः २/२९
९	र	७	१४	पु	०	४७	अ	१/१२	५५/५५	कौ	७	१४	४४	५१	९	३१	१०	८	कर्के	रेवत्यां रविः १/४९ (सौरः २/२१) भरणी ४×
१०	चं	५	९	पु	०/२	५७/१६	धृ	४९	३८	ग	५	९	४८	५०	१०	१	११	९	सिं५७।२०	भ. ३३/३ उ. अप्रेल मा. ४ ता. ३० शुक्रास्तः+
११	मं	०	५७	म	५२	३६	शू	४१	३०	वि	०	५७	५२	५०	१०	२	१२	१०	सिंहे	भ. ०।५७ या. कामदा ११ व्रतम्
१२	मं	५३	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	बु	४७	०	पू	४६	३६	गं	३२	१५	कौ	२०	५१	५६	४९	११	३	१३	११	कं.५९।४१	प्रदोषः +पश्चिमायाम् ५१/० शु.अ.प
१४	गु	३८	९	उ	३९	२२	वृ	२१	४९	ग	१२	३४	३१/००	४८	१२	४	१४	१२	कन्यायां	भ. ३८।९ उ. =हनुमज्जयन्ती शु.उ.पू
१५	शु	२८	२५	ह	३१	३३	ध्रु	११	०	वि	३	१७	४	४७	१३	५	१५	१३	तु.५७।३८	भ. ३।१७ या. शुक्रोदयः पूर्वस्या ५७।३६=

५०पं. चै.शु.१ शु.इ.१९।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	९	११	७	०	११
८	११	२४	१५	२७	४	२७	८
३	३२	४९	४२	९	१७	१३	२
१८	४२	१	२२	४७	४६	२४	३२
५९	४२	२१	१०	१९/३५	१/३१	३	५९
२९	२५	३८	४७	व	व	११	३५

५१पं.चै.शु. ७शु.इ.१९।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	९	११	७	०	११
१४	१६	२३	१६	२३	४	२६	१४
५९	३५	५६	५७	५४	५	५१	५८
१३	१७	२०	५०	१४	४९	३९	३९
५९	४२	३७/२०	१०	३२/३२	२/११	३	५९
१६	५	व	५	व	ब	११	१८

५२पं.च.शु.१५शु.इ.२०।६

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	९	११	७	०	११
२१	२१	१९	१८	१९	३	२६	२१
५३	३५	१४	२	३८	४८	२९	५२
३१	६	२	५३	५६	४०	२३	५०
५९	४२	४९/१३	९	३५/४७	२/४५	३	५९
४	१	ब	१७	व	व	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१८	२९	चि	२३	४४	व्या	०/३	४९/३०	कौ	१८	२२	३१/८	५/४६	६/१४	६	१६	१४	तुलायां	
२	र	[illegible]	५१	स्वा	१६	१३	व	३९	१३	ग	८	५१	१२	४६	१४	७	१७	१५	वृ.५६।२९	भ. ३४।१९ उ. ५९।४८ या.
३	चं	५०	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	चं	५२	८	वि	९	५४	सि	३०	२	ब	२५	५४	१६	४५	१५	८	१८	१६	वृश्चिके	वक्री उभायां बुधः २७।५३ चतुर्थी ब्र.
५	मं	४६	२	अ	४	४४	व्य	२२	८	कौ	१९	५	२०	४४	१६	९	१९	१७	वृश्चिके	वक्री उभायां शुक्रः ४७।५१
६	बु	४१	५१	ज्ये	१/२७	५८/२	व	१५	३८	ग	१३	५६	२४	४३	१७	१०	२०	१८	ध.१।२७	भ. ४१।५१ उ.
७	गु	३९	२२	पू	६०	०	प	१०	४०	वि	१०	३७	२८	४२	१८	११	२१	१९	धनुषि	भ. १०।३७या. बुधोदयः पूर्वस्याम् २२।५५
८	शु	३८	४९	पू	०	२	शि	७	२०	बा	९	५	३२	४२	१८	१२	२२	२०	म.१५।३५	कृत्तिका. भौमः ३०।३१
९	श	४०	१४	उ	२	१७	सि	५	२४	तै	९	३१	३६	४१	१९	१३	२३	२१	मकरे	अश्वि. मेषेऽर्कः ३५।५३ (सौरः ३६।५५)
१०	र	४३	५	श्र	५	५९	सा	४	३५	व	११	४०	४०	४०	२०	१४	२४	२२	कुं.३८।३५	भ. ११।४० उ. ४३।५ या.
११	चं	४७	१४	ध	११	१२	शु	५	६	ब	१५	१०	४३	३९	२१	१५	२५	२३	कुम्भे	वक्री विशा. ४ शनिः १९/२६ वरूथिनी ११ ब्र.
१२	मं	५२	१७	श	१७	१५	शु	६	९	कौ	१९	४६	४७	३९	२१	१६	२६	२४	कुम्भे	श्रवणे ४ गुरुः ४३।१८
१३	बु	५८	२५	पू	२४	१८	ब्र	८	५	ग	२५	२१	५१	३८	२२	१७	२७	२५	मी७।३२	भ. ५८।२५ उ. वृषे भौमः १४।७ प्रदोषः
१४	गु	६०	०	उ	३१	२५	ऐं	९	१०	वि	३१	२१	५५	३७	२३	१८	२८	२६	मीने	भ. ३१।२१ या.
१४	शु	४	१७	रे	३९	५	वै	१२	३५	श	४	१७	५८	३६	२४	१९	२९	२७	मे.३९।५	मार्गी बुधः २।२४
३०	श	१०	३८	अ	४६	३४	वि	१४	५९	ना	१०	३८	३२/२	३६	२४	२०	३०	२८	मेषे	

१पं. वै.कृ.९श.इ.३५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	९	११	७	०	११
०	२७	१३	१९	१५	३	२६	२९
०	२५	५५	२२	१	२६	३	५९
०	३४	१६	५	१६	६	१५	१
५८	४१	२३/३२	८	२५/५९	३/३२	३	५८
४४	५१	व	१३	व	व	११	४५

गोचरग्रहाः

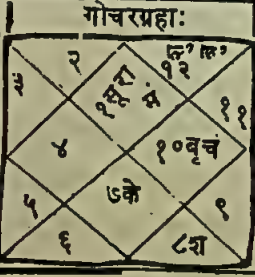

वैशा. कृ. ९ शनौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

२पं.वै.कृ.३०श.इ.३६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	९	११	७	०	०
६	२	१४	२०	१२	३	२५	६
५०	२०	२९	२०	५३	०	४१	४९
४२	३८	३७	५६	१०	२२	०	२७
५८	४१	७/५	७	१०/२	३/५३	३	५८
३१	४६	मा	१६	व	व	११	२९

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३९९ सन् १९८५
१	र	१६	४२	भ	५३	५२	प्री	१७	१६	ब	१६	४२	३३ ६	५ ३५	६ २५	२१	१	२९	मेषे	चन्द्रदर्शनम् रा. वैशाखारंभः
२	चं	२२	४०	कृ	६०	०	आ	१९	१४	कौ	२२	४०	१०	३४	२६	२२	२	१	वृ. १०।३५	परशुराम जयंती सावान ८
३	मं	२७	५७	कृ	०	४३	सौ	२०	४२	ग	२७	५७	१४	३३	२७	२३	३	२	वृषे	अक्षया ३
४	बु	३२	२२	रो	६	४०	शो	२१	२९	वि	०	१९	१७	३३	२७	२४	४	३	मि ३९।२०	भ. ०।१९ उ. ३२।२२ या. मार्गी शुक्रः ४८/१५
५	गु	३५	४२	मृ	११	५९	अ	२१	४४	ब	४	२	२१	३२	२८	२५	५	४	मिथुने	×मई मा. ५ ता. ३१ मोहिनी ११ ब्र.
६	शु	३७	४९	आ	१५	५३	सु	२०	४९	कौ	६	१५	२५	३१	२९	२६	६	५	मिथुने	रेवत्यां बुधः ३२।५० ●(सौरः १६/१३)
७	श	३८	२८	पु	१८	३१	धृ	१८	५२	ग	८	८	२९	३०	३०	२७	७	६	क. २।५२	भ. ३८।२८ उ भरण्यां रविः १६।१०●
८	र	३७	३३	पु	१९	२४	शू	१५	२४	वि	८	०	३२	३०	३०	२८	८	७	कर्के	भ. ८।० या +यमायसान्नजलकुंभ दा
९	चं	३४	४९	श्ले	१८	४४	गं	१०	३९	बा	६	११	३६	२९	३१	२९	९	८	सिं १८।४४	पातस्पर्शः ५८।१०
१०	मं	३०	८	म	१६	१०	वृ	४ २२	५२ २०	तै	२	२८	४०	२८	३२	३०	१०	९	सिंहे	भ. ५७।६ उ. पातमोक्षः ९।१०
११	बु	२४	४	पू	१२	१	व्या	४८	३	वि	२४	४	४३	२७	३३	१	११	१०	कं. २५।३७	भ. २४।४ या. रोहि. भौमः ३५।२७×
१२	गु	१६	२०	उ	६ २५	५३ १०	ह	३८	१८	बा	१६	२०	४६	२७	३३	२	१२	११	कन्यायां	प्रदोषः
१३	शु	७	२८	चि	५१	५८	व	२७	३९	तै	७	२८	५१	२६	३४	३	१३	१२	तु. २५।४६	भ. ५७।४६ उ. नृसिंह १४
१४	शु	५०	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	श	४७	४३	स्वा	४३	५	सि	१६	५१	वि	२२	४४	५४	२५	३५	४	१४	१३	तुलायां	भ. २२।४४ या. खग्रास चन्द्रग्रहणम्+

३पं. वै.शु.७श इ ३६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	९	११	७	०	०
१३	७	१७	२१	१२	२	२५	१३
३९	१४	१८	१०	३१	३२	१८	३७
४३	२	२५	४१	१	३१	४४	३७
५८	४१	३६	६	६ ४२	४ ११	३	५८
१९	३२	१५	१६	मा	व	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार तेजी कारक हैं प्रजामें अग्नि भय आदि उपद्रव होंगे ।

गोचरग्रहाः

४पं. वै.शु.१५श.इ.३६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	९	११	७	०	०
२०	१२	२३	२१	१४	२	२४	२०
२७	४	४७	५४	८	३	५६	२४
२२	५५	२४	१४	३८	२९	२८	१९
५८	४१	६३	५	२१	४ ३१	३	५७
६	२२	२१	१४	५	व	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	३७	५८	वि	३६	३५	व्य	५ ५४	४९ ४५	बा	१२	५०	३२ ५७	५ २५	६ ३५	५	१५	१४	वृ. २३।१३	
२	चं	२९	८	अ	२९	४८	प	४६	११	तै	३	३३	३३ १	२४	३६	६	१६	१५	वृश्चिके	भ. ४५।१५ उ.
३	मं	२१	२३	ज्ये	२४	२३	शि	३७	५७	वि	२१	२३	४	२३	३७	७	१७	१६	ध. २४।२३	भ. २१।२३ या. चतुर्थी ब्र.
४	बु	१५	२४	मू	२०	४९	सि	३१	१४	बा	१५	२४	७	२३	३७	८	१८	१७	धनुषि	
५	गु	११	२६	पू	१९	४	सा	२६	२२	तै	११	२६	१०	२२	३८	९	१९	१८	म. ३४।१३	अश्वि. मेषे बुधः ४३।१७
६	शु	९	२८	उ	१९	४०	शु	२३	१	व	९	२८	१३	२१	३९	१०	२०	१९	मकरे	भ. ९।२८ उ. ३९।४० या. रेवत्यां शुक्रः●
७	श	९	५२	श्र	२२	६	शु	२१	१९	ब	९	५२	१६	२१	३९	११	२१	२०	कु. ५४।१६	कृत्तिका. रविः २।५ (सौरः ६/१०) पात-×
८	र	१२	४	ध	२६	२६	ब्र	२१	२८	कौ	१२	४	१९	२०	४०	१२	२२	२१	कुंभे	पातमोक्षः ९।१६ ×स्पर्शः ५५।१०
९	चं	१५	५५	श	३२	७	ऐं	२१	५८	ग	१५	५५	२२	२०	४०	१३	२३	२२	कुम्भे	भ. ४८।२९ उ.
१०	मं	२१	३	पू	३९	२२	वै	२३	५६	वि	२१	३	२५	१९	४१	१४	२४	२३	मी २२।३३	भ. २१।३ या. वृषेऽर्कः २९/२० (सौरः ३३/५८)
११	बु	२७	११	उ	४६	४४	वि	२६	३	बा	२७	११	२८	१८	४२	१५	२५	२४	मीने	अपरा ११ ब्र.
१२	गु	३३	२४	रे	५४	२५	प्री	२८	३६	कौ	०	४७	३०	१८	४२	१६	२६	२५	मे. ५४।२५	
१३	शु	३९	५४	अ	६०	०	आ	३१	१३	ग	६	३९	३३	१७	४३	१७	२७	२६	मेषे	भ. ३९।५४ उ. प्रदोषः
१४	श	४५	३६	अ	१	५२	सौ	३३	२७	वि	१२	४५	३६	१७	४३	१८	२८	२७	मेषे	भ. १२।४५ या. भरण्यां बुधः ३४।४४
३०	र	५१	८	भ	९	६	शो	३५	२४	च	१८	२२	३९	१६	४४	१९	२९	२८	वृ. २५।४१	वट पूजनम् सावित्री ब्र. ●४२।५९

५पं.ज्ये.कृ.७श.इ.३६।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	९	११	७	०	०
२७	१६	२	२२	१७	१	२४	२७
१४	५३	३६	२९	९	३२	३४	९
३४	४९	५०	४३	२२	३१	१३	३३
५७	४१	८२	४	३२	४ ४०	३	५७
५४	१७	५२	५	४३	व	११	४५

गोचरग्रहाः

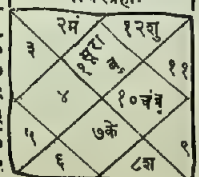

ज्ये.कृ. १० भौमे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

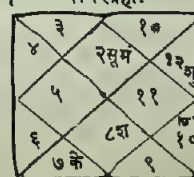

६पं.ज्ये.कृ.१४श.इ.३६।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	९	११	७	०	१
३	२१	१३	२२	२१	१	२४	३
५८	४०	२३	१६	२१	०	११	५३
२६	४४	४९	४६	२२	४७	५९	१३
५७	४१	८०	२	४७	४ ४०	३	५७
४४	७	३२	५१	२३	व	११	३४

●चंवुरा

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरऽहर्गणः ४४२८स.१९८५
१	चं	५५	३६	कृ	१५	२८	अ	३६	३२	किं	२३	२२	३३/४१	५/१६	६/४४	२०	३०	२९	वृषे	÷अश्वि. मेषे शुक्रः २८/२ निर्जला ११ व्र.
२	मं	५९	१६	रो	२१	५	सु	३६	३७	बा	२७	२६	४३	१५	४५	२१	३१	३०	मि५३।३१	मृगे भौमः ५१/० अस्तो भौमः ९/४३ चन्द्रद.
३	बु	६०	०	मृ	२५	५८	धृ	३६	५५	तै	३०	४०	४६	१५	४५	२२	१	१	मिथुने	रा. ज्येष्ठारंभः रमजान ९
३	गु	२	५	आ	२९	४४	शू	३५	५४	ग	२	५	४८	१४	४६	२३	२	२	क.१६।४४	भ. ३२।५१ उ.
४	शु	१	३८	पु	३२	२३	गं	३४	४	वि	३	३८	५०	१४	४६	२४	३	३	कर्के	भ. ३।३८ या. रोहि. रविः ५२।५५
५	श	४	१	पु	३४	१	वृ	३१	३०	बा	४	११	५२	१४	४६	२५	४	४	कर्के	रोहि. रविः सौरः ०।७ पातस्पर्शः ५२।४
६	र	३	२६	श्ले	३४	२९	ध्रु	२७	५१	तै	३	२६	५४	१३	४७	२६	५	५	सिं३४।२९	कृत्ति. बुधः ९।२७ पातमोक्षः ७।५२
७	चं	१	३४	म	३३	२५	व्या	२२	५९	व	१	३४	५६	१३	४७	२७	६	६	सिंहे	भ. ३१/४ उ. २९/५२ या. वृषे बुधः ५२/२१ बुधास्तः
८	चं	५६	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	मं	५३	४३	पू	३१	१०	ह	१७	१३	बा	२५	५७	५८	१२	४८	२८	७	७	कं.४५।१६	धनिष्ठा. १ गुरुः ४४।३५
१०	बु	४७	५९	उ	२७	३२	व	१०	१३	तै	२०	५१	३४/००	१२	४८	२९	८	८	कन्यायां	गंगादशमी ●पूर्वस्याम् ४४।३८
११	गु	४१	४	ह	२२	५०	सि	२/१८	५१/१६	व	१४	३२	२	१२	४८	३०	९	९	तु.५०।०	भ.१४।३२उ. ४१/४ या मिथुने भौमः ५३/४४ ÷
१२	शु	३३	०	चि	१७	१०	व	४४	७	ब	७	२	४	११	४९	३१	१०	१०	तुलायां	प्रदोषः ×४४/४४ जून मा. ६ ता. ३०
१३	श	२४	१४	स्वा	१०	४०	प	३४	६	तै	२४	१४	६	११	४९	१	११	११	वृ.५०।२८	रोहि.बुधः ३४/४ वक्री विशा. ३तुलायांशनिः ×
१४	र	१५	६	वि	३/४४	५३/२०	शि	२४	२	व	१५	६	७	११	४९	२	१२	१२	वृश्चिके	भ. १५।६ उ. ४०।४४ या.
१५	चं	६	२२	ज्ये	५०	५६	सि	१४	२९	ब	६	२२	९	१०	५०	३	१३	१३	व.५०।५६	वक्रीगुरुः ०/४ भरणी ३ राहुः विशा. १ केतुः ५७/१६

७पं.ज्ये.शु.५श.इ.३७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	९	११	७	०	१
१०	२६	२५	२३	२६	०	२३	१०
४२	२५	३७	१५	३०	२९	४९	३५
२५	२३	५	२५	५०	३५	४२	२४
५७	४१	[illegible]	१	४८	३४/३३	३	५७
३५	४	३७	२८	७	ब	११	२३

गोचरग्रहाः

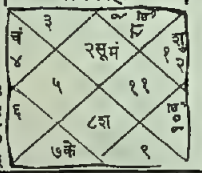

इस मासमें मंगलवार को चंद्रदर्शन और मंगलवारी संक्रांति है यह हरेक वस्तु तेज करे ।

गोचरग्रहाः

८पं.ज्ये.शु.१३श.इ.३७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	९	०	७	०	१
१७	१	१०	२३	२	०	२३	१७
२५	८	६	२४	१२	०	२७	२६
८	४९	३६	१८	१८	३२	२६	३०
५७	४०	[illegible]	०	५३	१६/१४	३	[illegible]
२७	५३	२८	१५	२१	ब	११	१

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५१	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	५१	२५	मू	४६	४	सा	५/२८	५२/१३	तै	२४	४९	३४/१०	५/१०	६/५०	४	१४	१४	धनुषि	
३	बु	४६	५	पू	४२	४५	शु	५१	१०	व	१८	४५	१२	१०	५०	५	१५	१५	म.५६।११	भ. १८।४५ उ. ४६।५ या.
४	गु	४२	५०	उ	४१	३४	ब्र	४६	२६	व	१४	२८	१३	१०	५०	६	१६	१६	मकरे	चतुर्थी व्र.
५	शु	४१	५१	श्र	४२	२४	ऐं	४३	१२	कौ	१२	२०	१४	९	५१	७	१७	१७	मकरे	मृगे रविः ४७/५१ (सौरः ५८/५६) मृगे बुधः ३७/४७ ●
६	श	४२	४९	ध	४५	१७	वै	४१	५३	ग	१२	२०	१६	९	५१	८	१८	१८	कु.१३।५०	भ. ४२।४९ उ.
७	र	४५	५६	श	४०	५९	वि	४१	५४	वि	१४	२२	१७	९	५१	९	१९	१९	कुम्भे	भ. १४।२२ या. आर्द्रा. भौमः ५०।४८
८	चं	५०	२५	पू	५६	५	प्री	४२	४७	बा	१८	१०	१८	९	५१	१०	२०	२०	मी३९।३४	मिथुने बुधः ४४।६
९	मं	५६	२६	उ	६०	०	आ	४५	७	तै	२३	२५	१९	८	५२	११	२१	२१	मीने	
१०	बु	६०	०	उ	४	२३	सौ	४७	३१	व	२९	२५	२०	८	५२	१२	२२	२२	मीने	भ. २९।२५ उ. वक्री श्रवणे ४ गुरुः ५७/५०
१०	गु	२	२३	रे	११	५०	शो	५०	७	वि	२	२३	२१	८	५२	१३	२३	२३	मे.११।५०	भ. २३/३ या. आर्द्रा. बुधः ४३/४४ भरण्यां शुक्रः ५४/३७
११	शु	८	४१	अ	१८	४०	अ	५२	२९	बा	८	४१	२१	८	५२	१४	२४	२४	मेषे	मिथुनेऽर्कः ४६/२९ (सौरः ५९/४३) योगिनी ११ व्र.
१२	श	१४	३३	भ	२५	५१	सु	५४	२५	तै	१४	३३	२२	८	५२	१५	२५	२५	वृ.४२।२८	प्रदोषः ●पातस्पर्शः ३/२० पातमोक्षः २१/५२
१३	र	१९	५०	कृ	३२	२१	धृ	५५	२६	व	१९	५०	२२	८	५२	१६	२६	२६	वृषे	भ. १९।५० उ. ५१।४९ या.
१४	चं	२३	४९	रो	३७	३१	शू	५५	४९	श	२३	४९	२३	७	५३	१७	२७	२७	वृषे	
३०	मं	२६	४१	मृ	४१	४३	गं	५५	१४	ना	२६	४१	२३	७	५३	१८	२८	२८	मि९।३७	बुधोदयः पश्चिमायाम् २९।२५

९पं.आ.कृ.६श.इ.३७।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	९	०	६	०	१
२४	५	२५	२३	८	२९	२३	२३
	१	२७	२४	२४	३१	५	५६
		२	२५	३२	२३	१०	२६
		[illegible]	१	५७	५१/१	३	५७
				९	ब	११	५

गोचरग्रहाः

आ. कृ. ११ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यदिभावे महर्घता शुक्रोदयः पू. ।

गोचरग्रहाः

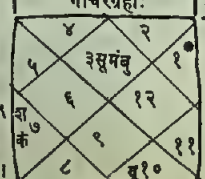

१०पं.आ.कृ.१२श.इ.३७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	९	०	६	०	२
०	१०	१०	२३	१५	२९	२२	०
४८	२९	३५	१४	२	६	४२	३५
२५	२८	२४	२	२	२९	५२	३५
५७	४०	[illegible]	३/२३	६०	३/३८	३	५६
१७	२९	३१	ब	१७	ब	११	५७

●चशुरा

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४४५८स.१९८५
१	बु २८।२१ आ ४४।४३	वृ	५४	१७	व	२८	२१	३३	५	५३	१९	२९	२९	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
२	गु २८।५० पु ४६।४३	ध्रु	५०	५८	कौ	२८	५०	२४	७	५३	२०	३०	१	क.१३।३१	पुन. बुधः २१।३९ रथयात्रा सव्वाल १०
३	शु २८।२२ पु ४७।३५	व्या	४७	३८	ग	२८	२२	२४	७	५३	२१	३१	२	कर्के	भ. ५७।३४ उ. आर्द्रा. रविः ४५।२१
४	श २६।४६ पु ४७।३७	ह	४३	३५	वि	२६	४६	२४	७	५३	२२	१	३	सिं ४७।३७	भ. २६।४६ या. आर्द्रा. रविः सौरः १।६*
५	र २४।२६ म ४६।४६	च	३९	८	बा	२४	२६	२४	७	५३	२३	२	४	सिंहे	*रा. आषाढारम्भः
६	चं २१ ७ पू ४५।१०	सि	३३	४८	ते	२१	७	२४	७	५३	२४	३	५	कं.५९।३३	
७	मं १७।१४ उ ४२।४४	व्य	२७	४१	व	१७	१४	२३	७	५३	२५	४	६	कन्यायां	भ.१७।१४उ.४४।५५या.कर्केबुधः४१।५४
८	बु १२।३७ ह ३९।५१	ध	२१	१६	ज	१२	३७	२३	७	५३	२६	५	७	कन्यायां	
९	गु ७।१५ चि ३५।४९	प	१४	१०	कौ	७	१५	२३	७	५३	२७	६	८	तु.७।४५	पुष्ये बुधः ५२।१६ कृत्तिः शुक्रः १५।५२
१०	शु १ १ खा ३१।२८	शि	२४	५०	ग	१	१	२२	८	५२	२८	७	९	तुलायां	भ ३९ उ. ५४ या. देवशयनी ११ व्र. स्मा.
११	शु ५३।१७ ८ ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१०		
१२	श ४६।५८ वि २६।१८	सा	४९	४०	ज	२०	३८	२२	८	५२	२९	८	११	वृ.१२।३५	देवशयनी ११ व्र. वै.
१३	र ३९।४९ अ २१ ५	शु	४१	१७	कौ	१३	२४	२१	८	५२	३०	९	१२	वृश्चिके	पुन भौमः १।३२ वृषे शुक्रः ३३ प्रदोषः
१४	चं ३२।४० ज्ये १६ ४	शु	३२	५९	ग	६	१४	२०	८	५२	१	१०	१३	ध.१६।४	भ. ३२ उ. ५९ या. जुलाई मा. ७ ता. ३१×
१५	मं २६।२१ मू ४१।३५	ब्र	२५	२५	ज	२६	२१	१९	८	५२	२	११	१४	धनुषि	व्यासपूजा गुरुः १५ ×वायु परीक्षा

११पं.आ.शु.४श.इ.३७।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	९	०	६	०	२
७	१५	२४	२२	२२	२८	२२	७
२९	७	१३	५५	०	४३	२०	१४
२४	१९	४८	४४	१४	५९	३९	२
५७	४०	२२	३३	६२	३३	३	५६
१३	१९	२१	४० व	३९ व	११	५४	

गोचरग्रहाः

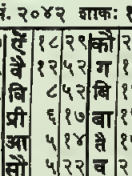

इस मासमें रवि से आगे मंगल है यह वर्षामें कमी धान्य तेज करे। आगे मंगल पीछे भान। वर्षा होवे ओस समान ॥

गोचरग्रहाः

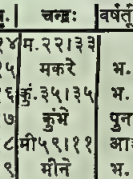

१२पं.आ.शु.१२श.इ.३७।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	०	६	०	२
१४	१९	६	२२	२९	२८	२१	१३
९	४३	६	२८	११	२७	५८	५२
५०	३०	७	१६	४९	५८	२४	७
५७	४०	२५	४३	६४	३३	३	५६
७	२६	७	व	३१	व	११	५०

ति.	प्र.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु २० १० पू ८ ७ हे	१८	२९	कौ	२०	१०	३८	६	५	३	१२	१४	म.२२।३३	
२	गु १७ ३५ उ ५ ५९ वै	१२	५२	ग	१७	३५	१७	९	५१	४	१३	१५	मकरे	भ. ४६।४० उ.
३	शु १५ ४४ श्र ५ ४९ वि	८	५२	वि	१५	४४	१५	९	५१	५	१४	१६	कुं.३५।३५	भ. १५।४४ या. पुन. रविः ४४।१७ च.व्र.
४	श १५ ५१ ध ७ २२ प्री	६	१७	बा	१५	५१	१४	९	५१	६	१५	१७	कुंभे	पुन. रविः सौरः ५।१७
५	र १७ ५८ श ९ ४० आ	५	१४	ते	१७	५८	१३	९	५१	७	१६	१८	मी ५९।११	आश्लेषा. बुधः २।५५ नाग ५ मरुत्स्थले
६	चं २१ ४८ पू १५ २० सौ	५	२२	व	२१	४८	११	१०	५०	८	१७	१९	मीने	भ. २१।४८ उ. ५४।२९ या.
७	मं २७ १० उ २२ ३० शो	६	५२	ब	२७	१०	१०	१०	५०	९	१८	२०	मीने	रोहि. शुक्रः ४१।४७
८	बु ३३ ० रे २९ ४२ अ	८	५१	बा	०	१०	८	१०	५०	१०	१९	२१	मे.२९।४२	
९	गु ३९ १० अ ३७ २० सु	११	२२	ते	६	५	७	११	४९	११	२०	२२	मेषे	
१०	शु ४५ ९ भ ४४ ३४ धृ	१३	४६	व	१२	१०	५	११	४९	१२	२१	२३	मषे	भ. १२।१० उ. ४५।८ या.
११	श ५० २१ कृ ५१ १७ शू	१५	५६	ब	१७	४६	४	११	४९	१३	२२	२४	वृ.१।२४	कामिका ११ व्र.
१२	र ५४ १४ रो ५६ ४७ ग	१७	१२	कौ	२२	१८	२	१२	४८	१४	२३	२५	वृषे	
१३	चं ५६ ४५ मृ ६० ० वृ	१७	२५	ग	२५	२९	०	१२	४८	१५	२४	२६	मि २८।४७	भ. ५६ उ. कर्के भौमः १७।४९ प्रदोषः
१४	मं ५७ ३८ मृ ० ४७ घु	१६	२७	वि	२७	१२	३३	१२	४८	१६	२५	२७	मिथुने	भ. ९३ या. कर्केऽर्कः १३।४१ (रविः ३६)
३०	बु ५७ ११ आ ३ २३ व्या	१४	४०	च	२७	२५	५६	१३	४७	१७	२६	२८	क.४९।१७	हरियाली ३०

१३पं.प्र.श्रा.कृ.७श.इ.३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	१	६	०	२
२०	२४	३६	२१	६	२८	२१	२०
५०	१९	७	५२	३६	१०	३६	३०
१०	८	२३	५२	२९	५	८	१
५७	४०	७५	४०	६६	५३	३	५६
७	१३	१८	व	४	व	११	५०

गोचरग्रहाः

प्र.श्रा.कृ.१४ भौमे कर्केऽर्कः प्र. वा. ५ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५धान्यादिभावे समघंता शुक्रो.पू.।

गोचरग्रहाः

१४पं.प्र.श्रा.कृ.१४श.इ.३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	१	६	०	२
२७	२८	२४	२१	१४	२७	२१	२७
३०	५२	३	११	१०	५९	१३	८
३२	३०	२५	१०	५५	२०	५२	८
५७	४०	५२	३६	६७	३३	३	५६
११	६	७	व	२७	व	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	प्र. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४४८७स.१९८५
१	गु ५५ ११ पु ४ ३५	ह	११ ३४	कि	२६ ११	३३ ५	१३ ४७	१८ २७	२९ कर्क	अधिकमास प्रारम्भः
२	शु ५२ १९ पु ४ २६	व	७ १९	बा	२३ ४५	५२	१४ ४६	१९ २८	३० कर्क	पुष्ये रविः ४२।५८ चन्द्रदर्शनम्
३	श ४८ ३१ श्ले ३ १६	सि	२० २२	ते	२० २५	५०	१४ ४६	२० २९	१ सि ३।१६	पुष्ये रविः सौरः ८।४२ पुष्ये भौमः ३१ ५७ ●
४	र ४४ ३ म १६ २४	व	५० १७	ष	१६ १७	४७	१५ ४५	२१ ३०	२ सिंहे	भ. १६।१७ उ. ४४।३या. मृगे शुक्रः ५१।८
५	चं ३९ २० उ ५५ ४९	प	४४ ३	व	११ ४१	४५	१५ ४५	२२ ३१	३ कं. १२।५८	मघा. सिंहे बुधः ११।४२
६	मं ३४ १५ ह ५२ ४४	शि	३७ २६	कौ	६ ४७	४२	१६ ४४	२३ १	४ कन्यायां	वक्री श्रवणे ३ गुरुः ४५ रा. श्रावणारंभः
७	बु २९ १३ चि ४९ ३७	सि	३० ४१	ग	२ ४४	४०	१६ ४४	२४ २	५ तु. २१।११	भ. २९।१३ उ. ५६।३३ या.
८	गु २३ ५३ स्वा ४६ ११	सा	२३ ४०	ब	२३ ५३	३७	१७ ४३	२५ ३	६ तुलायां	मार्गी शनिः १६।३२ ●जित्कादः ११
९	शु १८ २७ वि ४२ ४४	शु	१६ ४०	को	१८ २७	३५	१७ ४३	२६ ४	७ वृ. २८।३६	
१०	श १२ ५५ अ ३९ ७	शु	९ ३२	ग	१२ ५५	३२	१८ ४२	२७ ५	८ वृश्चिके	भ. ४०।१४ उ. वक्री बुधः १८।५५×
११	र ७ ३४ ज्ये ३५ ४३	ब	१३ ५३	वि	७ ३४	२९	१८ ४२	२८ ६	९ ध. ३५।४३	भ. ७।३४ या. व.मला ११ ब्र.
१२	चं २ १३ मू ३२ ४२	वै	४९ १९	बा	२ १३	२६	१९ ४१	२९ ७	१० धनुषि	प्रदोषः ×मिथुने शुक्रः ४८।१९
१३	चं ५५ २३ ० ०	०	० ०	०	० ०	०	० ०	० ०	०	
१४	मं ५३ ३८ पू ३० २७	वि	४३ १७	ग	२२ ४०	२४	१९ ४१	३० ८	११ म. ४५।२	भ. ५३।३१ उ.
१५	बु ५० ४१ उ २८ ४६	प्री	३८ १०	चि	२२ ७	२१	२० ४०	३१ ९	१२ मकरे	भ. २२।७ या.

१५पं.प्र.श्रा.शु. ३अ.इ. ३६/४१								गोचरग्रहाः	सोमां शुक्रां सुर गुरां जो चन्दा उगंत। डंक कहे सुन भडली जल थल एक करंत ॥ सुदीमें वर्षा होगी।	गोचरग्रहाः	१६पं.प्र.श्रा.शु. १०अ.इ. ३६/४२							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र				र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	५	१	६	०	३				३	३	४	५	१	६	०	३
४	३	२९	२०	२१	२०	२०	३				१०	७	१	१९	२९	२७	२०	१०
११	२३	२२	२२	५५	५३	५१	४६				५२	५७	२७	३०	४६	५२	३९	२५
१७	५०	१	२८	१	२८	३६	३५				१९	२९	२९	३६	२३	२५	२१	५२
५७	४०	२३	२९	६८	२०	३	५६				५७	३२	३	४८	६९	१५	३	५७
१५	६	५९	७	२९	७	११	५७				२०	५६	७	७	२०	७	११	५

ति.	द्वि. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुं रविर्दक्षिणेप्र.श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	गु ४९ १० श्र २८ ३७	आ	३४ २	चा	१९ ५६	३३ ५ ६	१	१० १३	कु. ५९।१३
२	शु ४९ २२ ध २९ ४९	सो	३० ०	ते	१९ १६	१५ २१	३९	२ ११ १४	कुम्भे
३	श ५१ १० श ३२ ४४	शो	२९ २०	ष	२० १७	१२ २२	३८	३ १२ १५	कुम्भे
४	र ५४ २८ पू ३५ ५८	अ	२८ ५९	ब	२२ ४९	९ २२	३८	४ १३ १६	मी २०।९
५	चं ५९ २५ उ ४२ ५४	सु	२९ ३७	को	२६ ५६	६ २३	३७	५ १४ १७	मीने
६	मं ६० ० रे ४९ ४१	धृ	३१ २०	ग	२२ ११	३ २३	३७	६ १५ १८	मे. ४९।४१
७	बु ४ ५७ अ ५७ ८	शू	३३ ३५	ब	४ ५७	० २४	३६	७ १६ १९	मेषे
८	गु ११ ८ भ ६० ०	गं	३५ ५०	ब	११ ८	५३ २५	३५	८ १७ २०	मेषे
९	शु १७ १४ भ ४ २४	वृ	३८ १७	को	१७ १४	५३ २५	३५	९ १८ २१	वृ. २१।२३
१०	श २२ ४९ कृ ११ ४६	धृ	४० १	ग	२२ ४९	५० २६	३४	१० १९ २२	वृषे
११	र २७ ६ रो १७ ४९	श्या	४० ४९	वि	२७ ६	४७ २७	३३	११ २० २३	मि ५०।८
१२	चं २९ ४८ मृ २३ २६	ह	४० २९	बा	२९ ४८	४३ २७	३३	१२ २१ २४	मिथुने
१३	मं ३० ५५ आ २५ १८	व	३८ ४४	ते	३० ५५	४० २८	३२	१३ २२ २५	मिथुने
१३	बु २९ ५७ पु २६ ३९	सि	३५ ४१	व	२९ ५७	३६ २९	३१	१४ २३ २६	क. ११।१९
१४	गु २७ १७ पु २६ २	श्ले	३१ ३०	श	२७ १७	३३ २९	३१	१५ २४ २७	कर्के
२०	शु २३ १४ श्ले २४ ४	व	२५ १९	ना	२३ १४	२९ ३०	३०	१६ २५ २८	सि २४।४

१७पं.द्वि.श्रा.कृ. ३अ.इ. ३६/४४								गोचरग्रहाः	द्वि.श्रा.कृ.३० शुक्रे सिंहेऽर्कः प्र. वा.४ न.५प्रव्राजिकावस्था (ऊर्भी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुकोदयः पू.।	गोचरग्रहाः	१८पं.द्वि.श्रा.कृ. ९अ.इ. ३६/४५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र				र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	२	६	०	३				३	३	३	९	२	६	०	३
१७	१२	२९	१८	७	२७	२०	१७				२४	१६	२५	१७	१५	२८	१९	२३
२४	२८	५७	३७	४३	५६	७	५				१६	५८	४६	४२	४८	४	४४	४६
१	१२	५०	३०	५५	३८	६	४०				२६	८	१२	५४	३२	१२	५०	४७
५७	३९	३५	५५	७०	१	३	५७				५७	३९	५६	५५	७०	१	३	५७
२५	४६	व	व	१०	२	११	१२				३३	३९	ब	ब	४९	४१	११	२२

तिथि द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः वर्षर्तुः रविर्दक्षिणेऽयने हेमंतः ४५ १७सन् १९८५

| | | |

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५४६स.१९८५
१	र ३८।१७ उ ३४।४३ शु २६।५६ किं १२।१९	३०	५४	६	१५	२४	२९	कन्यायां	●विशा.४बृश्चिकेच शनिः ३½ चन्द्रदर्शनम्
२	चं ३० २ ह २८।४२ शु १७।३६ बा ४।१०	२८	५४	६	१६	२५	३०	तु.५५।२८	कन्यायामर्कः ३३ मघा. सिंहे शुक्रः ४९●
३	मं २२ १ थि २२।१९ ब्र ५९।३३ ग २२ १	२४	५५	५	१७	२६	१	तुलायां	भ. ४८ उ. कन्यायामर्कः सौरः ३६ उफा.×
४	बु १४।१३ स्वा १६।२५ वै ४९।३८ वि १४।१३	२०	५६	४	१८	२७	२	वृ.५७।३४	भ. ३½ या. केचिन्मतेन गणेश ४ ऋषि ५
५	गु ७।१४ वि ११।१६ वि ४१।२७ बा ७।१४	१६	५७	३	१९	२८	३	वृश्चिके	कन्यायां बुधः ३१।२५ +शुक्रः ४७ अनन्त१४
६	शु १ ५ अ ७ ८ प्री ३४।२२ वै १ ५	१२	५८	२	२०	२९	४	वृश्चिके	×बुधः ४४।४९ गणेश४ मोहोरम १ सन्=
७	शु ५५ ४ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	भ. २४।१७ या. पूफा. भौमः ६।३५
८	श ५२।२५ ज्ये ४ ० आ २७।२३ वि २४।१७	८	५८	२	२१	३०	५	ध. ४।०	
९	र ४९।५६ मू २ ३ सौ २१।५६ बा २१।१०	४	५९	१	२२	३१	६	धनुषि	
१०	चं ४८।३१ पू १।१६ शो १७।१६ वै १९।१३	३०	०	६०	२३	१	७	म.१६।७	रा. आश्विनारंभः राममेवजी का मेला*
११	मं ४८।२२ उ १।४० अ १३।३४ ध १८।२६	२५	१	५९	२४	२	८	मकरे	भ. ३६ उ. ५६ या. जलझूलनी ११ व्र.
१२	बु ४९।२२ श्र ३।१५ सु १०।५८ ध १८।५२	२१	२	५८	२५	३	९	कु.३४।४१	हस्ते बुधः २।४८ वामन १२
१३	गु ५१।२६ ध ६ ८ धृ ९।११ कौ २०।२४	१७	३	५७	२६	४	१०	कुम्भे	हस्ते रविः ४६।१८ प्रदोषः *नवलदुर्गे
१४	शु ५४।४१ श ९।४९ शु ८।२३ ग २३ ४	१३	३	५७	२७	५	११	मी५८।२२	भ.५४।४१उ. हस्ते रविः सौरः १९ पूफा.+
१५	श ५८।५० पू १४।३२ गं ८।१६ वि २६।४६	२८	४	५६	२८	६	१२	मीने	भ. २६।४६ या. महालयश्राद्धारंभः

२४पं.भा.शु.८श.इ.३५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	९	४	७	०	५
११	१३	३	१३	५	०	१७	४
४६	३८	५०	४९	४६	२५	३१	२२
१९	३५	१७	५	५३	३०	१६	५१
५८	३८	३	७	३	५	३	५८
३८	४७	३०	ब	१४	१३	११	४५

गोचरग्रहाः

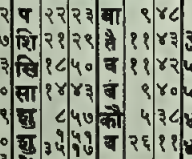

भा.शु.२ चन्द्रे कन्यायामर्कःप्र.वा. ४नं.५ युवावस्था (सूती) मृ. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

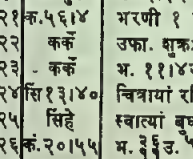

२५पं.भा.शु.१५श.इ.३५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	९	४	७	०	५
११	१८	१६	१३	१४	१	१७	११
४६	३	२०	३७	१७	१	९	१४
५५	५८	४२	४१	५३	४४	१	५३
५८	३८	४	१२	७३	५	३	५९
५३	ब	३२	ब	२०	४०	११	०

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ६० ० उ २० २० वृ ८।४१ बा ३१ ३०	३३	५५	२९	७	१३		मीने	
२	चं ४ १० रे २६।४७ घ्रु १० १४ ग ४ १०	३०	६	५४	३०	८	१४	मे.२६।४७	●२१।१७ बुधोदयः पश्चिमायाम्५०।५७
३	मं ९ ५५ अ ३३ ५६ व्या ११ ५३ वि ९ ५५	२६	७	५३	१	९	१५	मेषे	भ. ४२।५८ उ. अक्टूबर मा. १० ता. ३१
४	बु १६ २ भ ४१ ३० ह १३ ३६ बा १६ २	२२	८	५२	२	१०	१६	वृ.५८।२५	भ. १६।२ या. चित्रा. बुधः ३८ चतुर्थी व्र.
५	गु २२ २४ कृ ४९ १० ब १६ ३७ ते २२ २४	१८	८	५२	३	११	१७	बृषे	×इन्दिरा ११ व्र. +मातामह श्रा.
६	शु २८ ४० रो ५६ ३१ सि १८ ५९ ब २८ ४०	१४	९	५१	४	१२	१८	बृषे	
७	श ३४ ० मृ ६० ० व्य २१ २ ग १ २०	१०	१०	५०	५	१३	१९	मि२९।४०	भ. ३४।० उ. मार्गी गुरुः ९।७
८	र ३८ २ २ मृ २ ५० ब २३ १३ वि ६ १२	६	११	४९	६	१४	२०	मिथुने	भ. ६।१२ या. तुलायां बुधः ४२।४४
९	चं ४१ १३ आ ८ २२ प २२ २३ बा ९ ४८	२	१२	४८	७	१५	२१	क.५६।४	भरणी १ राहुः स्वाती ३ केतुः ४५।२५
१०	मं ४२ १३ पु ११ ५७ शि २१ २९ ते ११ ४३	३८	१२	४८	८	१६	२२	कर्के	उफा. शुक्रः ४०।० मातृ नवमी
११	बु ४१ १० पु १३ ४३ सि १८ ५० व ११ ४२	५४	१३	४७	९	१७	२३	कर्के	भ. ११।४२ उ. ४१।१० या.
१२	गु ३८ ९ श्ले १३ ४० सा १४ ४३ ब ९ ४०	५०	१४	४६	१०	१८	२४	सि१३।४०	चित्रायां रविः१७।१९ (सौरः४९।४३)×
१३	शु ३३ ६ म ११ २९ शु ८ ५७ कौ ५ ३८	४६	१५	४५	११	१९	२५	सिंहे	स्वात्यां बुधः ६।४६ कन्यायां शुक्रः●
१३	श ३० २६ ११ पू ७ २० शु ३५ ५७ ब २६ ११	४२	१६	४४	१२	२०	२६	कं.२०।५५	भ. ३६ उ. ५३ या. उफा. भौमः ३५ प्रदोषः
१४	र १७ ५७ उ ४० २५ ऐं ४३ ८ श १७ ५७	३८	१६	४४	१३	२१	२७	कन्यायां	शस्त्रादिहतानां श्राद्धं पितृकार्यंऽमा.
१५	चं ८ ५६ वि ४७ ४३ वै ३२ ४६ ना ८ ५६	३४	१७	४३	१४	२२	२८	तु.२१।२५	सोमवती देवकार्यंऽमा. नवरात्रारम्भः+

२६पं.आ.कृ.६श.इ.३५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	९	४	७	०	५
१८	२२	२८	१३	२२	१	१६	१८
४०	२७	९	३६	५३	४१	४६	८
८	३६	१४	७	२०	२४	५५	४०
५९	३८	९८	८	७३	७	३	५९
९	४७	११	ब	२२	७	११	१२

गोचरग्रहाः

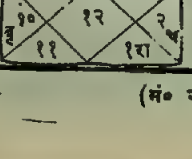

इस मास में ५ रविवार रोगपीड़ा कारक हैं और ५ सोमवार सोमवती अमावस्या मन्दी कारक है गुड़खांड़ रस तेज हों।

गोचरग्रहाः

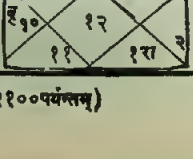

२७पं.आ.कृ.१३श.इ.३४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	९	५	७	०	५
२५	२६	९	१३	१	२	१६	२५
३५	५२	२	४४	३०	२३	२४	४
६	२३	५३	९	२९	१३	३०	२२
५९	३८	९७	१	७३	६	३	५९
२१	२७	१९	२४	४७	२४	११	३१

ति.	आश्विन शुक्ल	सं. २०७९ शाके १९०७	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५७६ स. १९८५
१	चं ५०।३५	० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं ५०।५	खा ४० ९	वि २२	८	वा २४	४८	३६	१६	४२	१५ २३ २९ तुलायां चन्द्रदर्शनम्
३	बु ४१।१०	वि ३३ ४	प्री ११	३१	ते १५	३८	२६	१९	४१	१६ २४ १ वृ. १९।५० सफर २
४	गु ३३।२०	अ २६ ४०	आ २३	२३	च ७	१८	२२	२०	४०	१७ २५ २ वृश्चिके भ. १७ उ. ३३ या. तुलायामर्कः ३ (सौरः●
५	शु २६।४८	ज्ये २१ ४२	शो ४३	४२	वा २६	४८	१८	२०	४०	१८ २६ ३ ●३३ कन्यायां भौमः ३९ अनु. १शनिः ३९ व. २१।४२
६	श २१।४९	मू १८ ५	अ ३६	४७	ते २१	४९	१४	२१	३९	१९ २७ ४ धनुषि विशाखा. बुधः ३७।५० हस्तं शुक्रः ३६×
७	र १९।३५	पू १६ ११	सु ३१	८	च १९	३५	१०	२२	३८	२० २८ ५ म. ३१।५ भ. १९।३५ उ. ४८।१८ या. सरस्वती पूज.
८	चं १७ २	उ १५ ५८	पृ २६	४९	च १७	२	६	२३	३७	२१ २९ ६ मकरे बलिदानम् ×सरस्वत्यावाहनम्
९	मं १७ ८	श्र १७ १७	शू २३	५१	को १७	८	२	२४	३६	२२ ३० ७ कु. ४८।४७ विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
१०	बु १८।४५	ध १७ ३०	ग २१	१२	ग १८	४५	२७	२४	३६	२३ १ ८ कुम्भे भ. ५९ उ. स्वात्यां रविः ४ रा आश्विना.
११	गु २१।३८	श २४ २९	वृ २१	३८	वि २१	३८	५४	२५	३५	२४ २ ९ कुम्भे भ. २१।३८ या. स्वात्यां रविः सौरः ३ +पापांकुशा ११ व्र.
१२	शु २५।४६	पू २९ ४७	ध्रु २२	८	वा २५	४६	५०	२६	३४	२५ ३ १० मी १३।२८
१३	श ३०।३४	उ ३५ ५०	व्या २२	५२	ते ३०	३४	४६	२७	३३	२६ ४ ११ मीने वृश्चिके बुधः ४०।३१ प्रदोषः
१४	र ३६।३२	रे ४२ ५२	ह २४	२८	ग ३	३३	४२	२८	३२	२७ ५ १२ मि. ४२।५२ भ. ३६।३२ उ. कोजागरी व्र.
१५	चं ४२।३०	अ ५० १	च २६	२३	वि ९	३१	३९	२८	३२	२८ ६ १३ मेषे भ. ९।३१ या. खग्रास चन्द्रग्रहणम्

२८पं.आ.शु.६श.इ.३४।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	९	५	७	०	६
२	१	१९	१४	१०	३	१६	२
२१	१७	५५	१	९	७	२	१
३४	६	१६	४४	१४	८	१४	५७
५९	३८	९०	२	७	६	३	५९
३४	२७	३१	४६	५६	३८	११	४६

गोचरग्रहाः

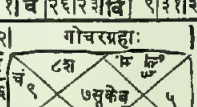

आश्वि.कृ.४ गुरौ तुलायामर्कः प्र.वा.४ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

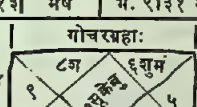

२९पं.आ.शु.१३श.इ.३४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	९	५	७	०	६
९	५	२५	१४	१८	३	१५	९
२९	३८	५१	२८	५१	५३	३९	१
४९	३५	४३	४४	१४	२८	५९	१०
५९	३८	८२	४७	३	६	३	६०
४०	१७	४८	४५	८५	७१	१५	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः	सं. २०४२ शाकः १९०७	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	पु.	चन्द्रः	शरदतुं रविर्दक्षिणेऽश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ४८।४१	भ ५७ २६	सि २८	३२	वा १५	४२	३७	६	२९	७ १४ मेषे अनु. बुधः ५।२६
२	बु ५५।१०	कृ ६० ०	व्य ३०	४५	ते २१	५६	३१	३०	३०	३० ८ १५ वृ. १४।१९ चित्रायां शुक्रः ७।२४
३	गु ६० ०	कृ ५ ०	व ३३	२	च २८	१२	२७	३१	२९	३१ ९ १६ वृषे भ. २८।१२ उ.
४	शु १।१३	रो १२ २३	प ३५	०	वि १	१३	२४	३१	२९	१ १० १७ मि ४५।४३ भ. १।१३ या तुवम्बरमा ११ ता. ३०
५	श ६।३७	मृ १९ ४	शि ३६	२५	वा ६	३७	२०	३२	२८	२ ११ १८ मिथुने हस्ते भौमः ३१।१० ●चतुर्थी व्र.
६	र ११।१४	आ २४ ४९	सि ३७	१४	ते ११	१४	१६	३३	२७	३ १२ १९ मिथुने
७	चं १४।४६	पु २९ ३४	सा ३७	०	च १४	४६	१३	३३	२७	४ १३ २० क. १३।२२ भ. १४।४६ उ. ४५।४८ या. तुलायां शुक्रः×
८	मं १६।५०	पु ३२ ४६	शु ३५	४४	च १६	५०	९	३४	२६	५ १४ २१ कर्के
९	बु १७ २	श्ले २४ २०	शु ३३	५	को १७	२	६	३५	२५	६ १५ २२ सिं ३४।२० विशा. रविः ४ (सौरः ३) अस्तं शनेः ३
१०	गु १५।३६	म ३४ १४	ग २८	५०	ग १५	३६	२	३६	२४	७ १६ २३ सिंहे भ. ४३।५६ उ. ×३१।३५
११	शु १२।१७	पू ३२ ०	ऐं २३	११	वि १२	१७	५६	३६	२४	८ १७ २४ कं. ४६।१ भ. १२।१७ या.
१२	श ६।५२	उ २८ २	वै १५	५५	ना ६	५२	५६	३७	२३	९ १८ २५ कन्यायां ज्येष्ठा. बुधः ३७।१५ स्वात्यां शुक्रः ५२
१३	र ०।३	ह २२ २९	वि २८	७ ५० २४	ते ०	३	५३	३७	२३	१० १९ २६ तु. ४९।४ भ. ५१।४३ उ. प्रदोषः घन १३
१४	र ५१।४०	० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०

| ति. | कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | हेमंतर्तुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६०५सन् १९८५ |
|---|---|---

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६३४ स.१९८५
१	गु ४९।४६ ज्ये १३।३२ शू २७।२४ किं २४ ६ २५।५६ ८।१२	२१	२८	ध.१३।३२					
२	शु ४२ ४ मू ७ ३ गं १७।२८ बा १५।५५ ३९।५२ ८	१३	२२	२९	धनुषि	चंद्रदर्शनम्			
३	श ३६ १ पू ३१ ५६ वृ ८ ३१ ते ९ २ ३८।५२ ८	१४	२३	१	म.१५।३८	रविलाक्षर ४			
४	र ३१।३४ श्र ५५।३९ ध्रु ५८ ५७ व ३ ४७ ३८।५२ ८	१५	२४	२	मकरे	भ.३।४७ उ.३३ या. मूलेधनुष्यर्कः ३६*			
५	चं २९।२९ ध ५५।५२ ह ५० ४० ब ० २९ ३७।५३ ७	१६	२५	३	कु.२५।४५	*सौरः५३स्वात्यांभौमः२४।२ पातस्पर्शः+			
६	मं २९।२६ श ५७।५७ व ४८ ५ ते २९ २६ ३७।५३ ७	१७	२६	४	कुम्भे	चंपा ६ +१८।११ पातमोक्षः ३६।५			
७	बु ३१।२३ पू ६० ० स्ते ४७।१४ ग ० ४९ ३७।५३ ७	१८	२७	५	मी४६।१३	भ. ३१।२३ उ. अनु. ३ शनिः ८।५९			
८	गु ३५।२२ पू २ १८ व्य ४७।१४ वि ३ २२ ३६।५३ ७	१९	२८	६	मीने	भ. ३।२२ या·			
९	शु ४०।३२ उ ८ १ व ४८।३१ बा ७५७ ३६।५३ ७	२०	२९	७	मीने				
१०	श ४७ ० रे १४।५३ प ५०।३९ ते १३ ४६ ३६।५३ ७	२१	३०	८	मे.१४।५३				
११	र ५३।२५ अ २२।१३ शि ५२ ४९ व २० १३ ३६।५३ ७	२२	१	९	मेषे	भ.३९ उ.५६ या. ज्येष्ठा. बुधः ५६ मूले×			
१२	चं ६० ० भ २९।५९ सि ५५ १९ ब २६ ४३ ३६।५३ ७	२३	२	१०	बृ.४६।५०	×धनुषि शुक्रः ५६ मोक्षदा ११ ब्र. गीता=			
१३	मं ० २ कृ ३७।२४ सा ५७।१८ बा ० २ ३७।५३ ७	२४	३	११	बृषे	प्रदोषः =जयंती रा. पौषारंभः			
१३	बु ६ ४ रो ४४।२४ शु ५८।५२ ते ६ ४ ३७।५३ ७	२५	४	१२	बृषे	धनि.१ गुरुः४९ शुक्रास्तःपूर्वस्यां४८ शु.			
१४	गु ११ ३५ मृ ५०।२८ शु ५९।३८ व ११ ३६ ३७।५३ ७	२६	५	१३	मि१७।२६	भ.११।३५ उ.४९ या. दत्तजयंती अ.पू.			
१५	शु १६ ४ आ ५५।३१ ब्र ५९।४४ ब १६ ४ ३८।५२ ८	२७	६	१४	मिथुने				

३६पं.मा.शु.३श.इ.३३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	९	८	७	०	७
२८	६	७	२९	२०	९	१३	२८
५५	७	४२	१२	१८	३६	४	३७
५२	३७	७	३२	७	४३	९	४१
६१	३७	५९	५०	७४	७	३	६१
०	४५	मा	४७	२६	२	१९	१९

गोचरग्रहाः

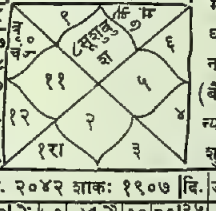

मार्ग. शु. ४ रवौ धनुष्यर्कः प्र.वा.२ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु.३० (धान्यादि भावे समता) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

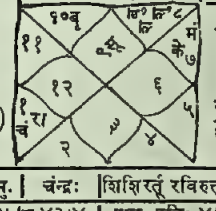

३७पं.मा.शु.१०श.इ.३२।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	९	७	७	०	८
६	१०	१५	२२	२५	१०	१२	५
३	२७	४	३४	७	२३	४१	४७
२९	४७	३०	३४	५	२४	५४	६
६१	३७	७०	११	७४	६	३	६१
४	२९	५५	२०	३२	५३	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्ष सं. २०४२ शाकः १९०७	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श १९।२६ पु ५९।४२ ऐं ५९ ४ कौ १९।२६ ३८।५३ ८	२८	७	१५	क.४३।४०	पूषा. रविः ४१।१० (सौरः ५५।२०)			
२	र २१।५२ पु ६० ० वै ५७।२६ ग २१।५२ ३९।५२ ८	२९	८	१६	कर्के	भ. ५२।२८ उ.			
३	चं २३ ५ पु २।४० वि ५५ ९ वि २३ ५ ४०।५२ ८	३०	९	१७	कर्के	भ. २३।५ या. चतुर्थी ब्र.			
४	मं २३।२० श्ले ४।४१ प्री आ ४८ ५ ते २३ ३७ ४१।५२ ८	३१	१०	१८	सिं४१।४१				
५	बु २२ ३७ म ५।० आ ४८ ५ ते २३ ३७ ४१।५२ ८	१	११	१९	सिंहे	मूले धनुषि बुधः३४।४३ पूषा. शुक्रः४७+			
६	गु २०।५८ पू ५।५७ सौ ४३।१३ व २० ५८ ४२।५२ ८	२	१२	२०	कं.२०।४२	भ. २०।५८ उ. ४९।३२ या.			
७	शु १८ ७ उ ४।५६ शो ३७।४२ ब १८ ७ ४३।५१ ९	३	१३	२१	कन्यायां	+जनवरी मा. १ ता.३१ सन् १९८६			
८	श १४।१७ ह २।५९ अ ३१।१२ कौ १४ १७ ४४।५१ ९	४	१४	२२	तु.३१।३०				
९	र ९।३७ चि ०।५६ सु २४ १ ग ९ ३७ ४६।५१ ९	५	१५	२३	तुलायां	भ. ३६।४५ उ.			
१०	चं ३।५३ वि ५१।१३ धृ १५ ५५ वि ३ ५३ ४७।५१ ९	६	१६	२४	बृ.३७।२६	भ.३।५३या. विशा. भौमः७।३८ सफला=			
११	चं ५३।२१ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०				०	×बुधास्तः पूर्वस्यां ३४।५५			
१२	मं ४९।५५ अ ४५।४४ शू ८५६ कौ २३ ३५ ४९ ५०	१०	७	१७	२५	बृश्चिके	सफला ११ ब्र. वै. =११ ब्र. स्मा.		
१३	बु ४२ ९ ज्ये ३९।५२ वृ ४८ २८ ग १६ १ ५१ ५०	१०	८	१८	२६	ध.३९।५२	भ. ४२।९ उ. प्रदोषः		
१४	गु ३४।२० मू ३४ ० ध्रु ३९ १० वि ८ १४ ५२ ५०	१०	९	१९	२७	धनुषि	भ. ८।१४ या. धनि. २ गुरुः ४९।१५		
२०	शु २७ ८ पू २८।२७ ध्या ३० १४ च ० ४७ ५४ ४९	११	१०	२०	२८	म.४२।१८	उषा.रविः५५ (सौरः५६) पूषा. बुधः३९×		

३८पं.पौ.कृ.१ श.इ.३२।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	५	८	७	०	८
१३	१४	२४	२४	७	११	१२	१२
११	४४	२८	०	५६	९	१९	५६
३१	५८	५५	१८	११	१८	३८	५८
६१	३७	८३	१२	७४	६	३	६१
६	२०	७	२	३२	३७	११	२६

गोचरग्रहाः

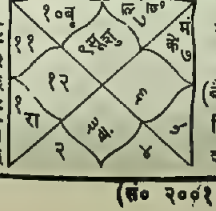

पौष शु. ४ भौमे मकरेऽर्कः प्र. वा. ३ न.३ बृद्धावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदय पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

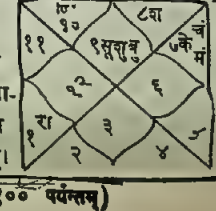

३९पं. पौ.कृ.८ श.इ.३२।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	९	८	७	०	८
२०	१९	४	२५	१६	११	११	२०
१९	१	२९	२९	४४	५२	५७	६
२६	१०	२	४२	४९	२६	२२	५५
६१	३७	९०	१२	७४	६	३	६१
६	१७	४१	२२	३२	२०	११	२६

(सं० २०४१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४६६४ स. १९८६
१	श	२०	५२	उ	२३	५९	ह	२२	४	ब	२०	५२	२५/५६	६/४९	५/११	११	२१	२९	मकरे	
२	र	१५	५४	श्र	२१	१	व	१५	११	कौ	१५	५४	५८	४८	१२	१२	२२	३०	कुं.५०।२६	उषा. शुक्रः २६।१ चंद्रदर्शनम्
३	चं	१२	५९	ध	१९	५०	सि	९	३८	ग	१२	५९	२६/१	४८	१२	१३	२३	१	कुम्भे	भ. ४२।२७ उ. जमादिलावल ५
४	मं	११	५६	श	१९	४०	व्य	५	३१	वि	११	५६	३	४७	१३	१४	२४	२	कुम्भे	भ. ११/५६ या. मकरेऽर्कः २।१८ (सौरः १३/१२)
५	बु	१२	५०	पू	२२	२२	व	३	२२	बा	१२	५०	५	४७	१३	१५	२५	३	मी ८।११	मकरे शुक्रः ३।१८
६	गु	१५	५०	उ	२६	५८	प	२	४५	तै	१५	५०	८	४६	१४	१६	२६	४	मीने	
७	शु	२०	२२	रे	३४	३	शि	३	३	व	२०	२२	१०	४६	१४	१७	२७	५	मे. ३४।३	भ. २०।२२ उ. ५३।२३ या.
८	श	२६	२५	अ	४१	८	सि	४	३५	ब	२६	२५	१२	४६	१४	१८	२८	६	मेषे	उषा. बुधः ५६।३४ *पुत्रदा ११ व्र.
९	र	३२	४२	भ	४८	४३	सा	६	२८	कौ	३२	४२	१५	४५	१५	१९	२९	७	मेषे	अनु. ४ शनिः ५७।४०
१०	चं	३९	१२	कृ	५६	१७	शु	८	५३	तै	५	५७	१७	४५	१५	२०	३०	८	वृ. ५।३५	अभि.प्र.रविः ३५/३ (सौरः ४३/३४) मकरेबुधः ५९/३०
११	मं	४५	२०	रो	६०	०	शु	१०	५८	व	१२	१६	२०	४४	१६	२१	१	९	वृषे	भ. १२।१६ उ. ४५।२० या. रा. माघारंभः*
१२	बु	५०	४६	रो	३	१८	ब्र	१२	४४	ब	१८	३	२२	४४	१६	२२	२	१०	मि ३६।२३	वृश्चिके भौमः ४५/४१ श्रवणे शुक्रः ५९/५२
१३	गु	५४	५६	मृ	९	२९	ऐं	१३	४७	कौ	२२	५१	२५	४३	१७	२३	३	११	मिथुने	श्रवणे रविः ५१/२६ (सौरः ५९/३५) प्रदोषः
१४	शु	५७	४०	आ	१४	२०	वै	१३	२८	ग	२६	१८	२७	४३	१७	२४	४	१२	मिथुने	भ. ५७/४० उ. अभि.नि. रविः ४३/५५ (सौरः ५१/४७)+
१५	श	५९	७	पु	१८	३	वि	१२	२३	वि	२८	२३	३०	४२	१८	२५	५	१३	क. २।८	भ. २८।२३ या. +धनि. ३ गुरुः २१।९

४०पं.पौ.शु.१ श.इ.२३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	९	८	७	०	८
२७	२३	१५	२७	२५	१२	११	२७
२७	१६	१	२	३३	३३	३५	१६
४०	२६	१८	२	४०	१८	७	४७
६१	३६	९६	१२	७४	५	३	६१
६	५७	२	४७	३८	५९	११	२४

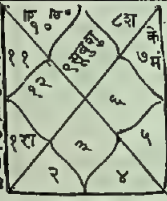

४१पं.पौ.शु.८श.इ.३२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	९	९	७	०	९
४	२७	२६	२८	४	१३	११	४
३५	२९	०	३८	२०	१२	१२	२६
३१	२०	६	६	२४	११	५१	१६
६१	३६	०/०	१३	७४	५	३	६१
३	३८	११/११	११	३८	३१	११	१९

४२पं.पौ.शु.१५श.इ.३२।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	१०	९	७	०	९
११	१	७	०	१३	१३	१०	११
४२	४२	२३	१५	९	४७	५०	३५
५८	४	५६	१४	५८	४६	३६	७
६०	३६	०/०	१३	७४	५	३	६१
५९	४०	३७/३७	२०	३८	४	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५९	१२	पु	२०	२३	प्री	१०	१५	बा	२९	१०	२६/३३	६/४१	५/१९	२६	६	१४	कर्के	
२	चं	५८	११	श्ले	२१	२३	आ	७	८	तै	२८	४२	२६	४१	१९	२७	७	१५	सिं २१।२३	श्रवणे बुधः ३।४
३	मं	५६	९	म	२१	२४	सौ	३/५	५५/१३	व	२७	१०	३९	४०	२०	२८	८	१६	सिंहे	भ. २७/१० उ. ५६।९ या. अनु. भौमः १२/५७
४	बु	५३	२०	पू	२०	४७	अ	५४	२	ब	२४	४५	४२	४०	२०	२९	९	१७	कं. ३५।२१	चतुर्थी व्र.
५	गु	४९	४३	उ	१९	२	सु	४७	१	कौ	२१	३१	४६	३९	२१	३०	१०	१८	कन्यायां	
६	शु	४५	५३	ह	१६	५९	धृ	४०	४९	ग	१७	४८	४९	३८	२२	३१	११	१९	तु. ४५।३८	भ. ४५।५३ उ.
७	श	४१	३४	चि	१४	१८	शू	३४	१२	वि	१३	४३	५२	३८	२२	१	१२	२०	तुलायां	भ. १३।४३ या. फरवरी मा. २ ता. २८
८	र	३६	४७	स्वा	११	२२	गं	२७	१६	बा	९	११	५५	३७	२३	२	१३	२१	वृ. ५३।२३	धनि. शुक्रः ३९।२१
९	चं	३१	४१	वि	८	३	वृ	१९	५०	तै	४	१४	५९	३६	२४	३	१४	२२	वृश्चिके	भ. ५८।४८ उ.
१०	मं	२५	५५	अ	४	१७	ध्रु	१२	१९	वि	२५	५५	२७/२	३६	२४	४	१५	२३	वृश्चिके	भ. २५।५५ या. धनि. बुधः ४८।४७
११	बु	२०	९	ज्ये	०/१४	५५/५०	व्या	४/२७	५३/५१	बा	२०	९	६	३५	२५	५	१६	२४	ध. ०।१४	धनि. रविः ५९।४७ षट्तिला ११ व्र.
१२	गु	१४	१३	पू	५२	२	व	५८	४८	तै	१४	१३	९	३४	२६	६	१७	२५	धनुषि	धनि. रविः सौरः ५।२२ प्रदोषः
१३	शु	८	३१	उ	४८	३२	सि	५९	४५	व	८	३१	१३	३३	२७	७	१८	२६	म. ६।९	भ. ८।३१ उ. ३५/५७ या. कुंभे बुधः ४३/३२×
१४	श	३	२४	श्र	४५	५५	व्य	६०	३८	श	३	२४	१६	३३	२७	८	१९	२७	मकरे	अस्तं गुरोः ३४।४८
३०	श	५५	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×कुंभे शुक्रः ५७।३९ धनि. ४ गुरुः २६/४३

४३पं.मा.कृ.७ श.इ.३२।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	१०	९	७	०	९
१८	५	१९	१	२१	१४	१०	१८
४९	५२	१५	५४	५७	१९	२८	४३
२६	२६	२२	३२	२२	१	२०	१०
६०	३६	०/०	१२	७४	४	३	६१
५५	१	५८	३२	३२	३५	११	४

गोचरग्रहाः

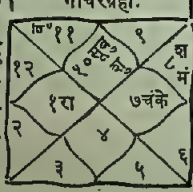

इस मास में गुरु अस्त और पश्चिम में शुक्र का उदय होगा। यह हरेक वस्तु में घटाबढ़ी अधिक करेंगे।

गोचरग्रहाः

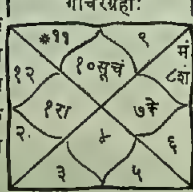

४४पं.मा.कृ.१४ श.इ.३३।

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	१०	१०	७	०	९
२५	१०	१	३	०	१४	१०	२५
५५	०	३१	३४	४३	४६	६	४९
१६	२५	५५	१६	५५	२६	४	५७
६०	३५	०/०	१३	७४	३	३	६०
४६	३१	१७/१७	३२	३२	५९	११	५५

*बुबृशु

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्हगणः४६९३ स.
१	र ५६।१२ ध ४४।२९	व २९।२३	कि २६।२६	३७ ३६	२८	९	२०	२८	कु.१५।१२
२	चं ५४।५५ श ४४।४५	प २४।५७	बा २५।३४	२४	३१	२९	१०	२१	२९ कुम्भे
३	मं ५५।२० पू ४६।३५	शि २१।५४	तै २५। ८	२७	३१	२९	११	२२	१ मी३१।८
४	बु ५७।४७ उ ५०।१०	सि २०।१९	व २६।३४	३१	३०	३०	१२	२३	२ मीने
५	गु ६०। ० रे ५५।१५	सा १९।५०	ध २९।४६	३५	२९	३१	१३	२४	३ मे.५५।१५
५	शु १।४५ अ ६०। ०	शु २०।५३	बा १।४५	३८	२८	३२	१४	२५	४ मेषे
६	श ७ ५ अ १।४५	शु २३।२३	तै ७ ५	४२	२८	३२	१५	२६	५ मेषे
७	र १३।१० भ ९ २	ब्र २४।३५	व १३।१०	४६	२७	३३	१६	२७	६ वृ.२५।५८
८	चं १९।३४ कृ १६।४४	रो २६।५०	व १९।३४	५०	२६	३४	१७	२८	७ वृषे
९	मं २५।५४ रो २३।५५	वै २८।४६	कौ २५।५४	५४	२५	३५	१८	२९	८ मि५७।१८
१०	बु ३१।२८ मृ ३०।४२	वि ३१।२८	ग ५८	२४	३६	१९	३०	९	मिथुने
११	गु ३६।४३ आ ३५।५२	प्री ३०।२९	व ३।४२	२९	२४	३६	२०	१	१० मिथुने
१२	शु ३८।१९ पु ३९।४२	आ २९।३८	ब ७ १	६	२३	३७	२१	२	११ क.२३।४४
१३	श ३९।१६ पु ४१।४७	सो २७।२१	कौ ८।४७	१०	२२	३८	२२	३	१२ कर्के
१४	र ३८।२० श्ले ४२।२५	शो २३।४७	ग ८।५३	१४	२१	३९	२३	४	१३ सि४२।२५
१५	चं ३६।१३ म ४१।१७	अ १९। ७	वि ७।२२	१८	२०	४०	२४	५	१४ सिंहे

शते शुक्रः १९।२९ वसंतपंचसी
*शुक्रोदयः पश्चिमायां ५६ शु.उ.प.
भ. १३।१० उ. ४६।२२ या. भानु ७
बुधोदयः पश्चि. ३६।२५ भीष्माष्टमी
पूभा. बुधः ४०।२४
शते रविः ११।२३ (सौरः १४।४१)
भ. ३।४२ उ. ३६ या. ज्ये. भौमः ३।३=
शतभिषा १ गुरुः २२।५५
प्रदोषः =रा.फाल्गुनारम्भः जया ११ व्र.
भ. ३८।३० उ. पूभा. शुक्रः ५७।४६
भ. ७।२२ या. मीने बुधः ४७।३

४५पं.मा.शु.६श.इ.३३।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१०	१०	७	०	१०
३	१४	१४	५	९	१५	९	२
०	५	२२	१५	२९	१०	४३	५६
४	२०	१२	२८	५३	५९	४९	०
६०	३५	४	१३	७४	३	३	६०
३७	११	५७	२८	३२	१८	११	४२

गोचरग्रहाः

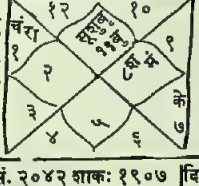

माघ शु. ४ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ नं. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु.४५(घा-न्यादि भावे समघंता) शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

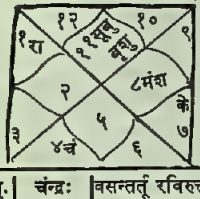

४६पं.मा.शु.१३श.इ.३३।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१०	१०	७	०	१०
१०	१८	२६	६	१८	१५	९	१०
३	६	२८	५६	१५	३०	२१	०
३२	२०	२७	२	०	२५	२३	३३
६०	३४	९५	१३	७४	२	३	६०
२५	२६	२	३८	३२	३७	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ३२।४४ पू ३९।२३	सु १३।२९	बा ४२	२६	२०	४०	२५	६	१५ कं.५३।३७
२	बु २८।२३ उ ३६।१७	धृ ५४	तै ०	३४	२६	१९	४१	२६	७ १६ कन्यायां भ. ५५।४३ उ.
३	गु २३। ३ ह ३२।५०	गं ५२	वि २३। ३		३०	१८	४२	२७	८ १७ कन्यायां भ. २३।३या. उभा. बुधः १५ चतुर्थी व्र.
४	शु १७।३३ चि २९।११	वृ ४५। ५	बा १७।३३		३४	१७	४३	२८	९ १८ तु. १।१
५	श १२। ६ स्वा २५।३१	ध्रु ३७	४९	तै १२। ६		३८	१६	४४	१ १० १९ तुलायां **मार्च मा. ३ ता. ३१**
६	र ६।४६ वि २१।५२	व्या ३०।१६	व ६।४६		४२	१६	४४	२	१ ११ २० वृ.७।४६ भ. ६।४६ उ. ३४।१० या.
७	चं १।३५ अ १८।२१	ह २३।११	ब १।३५		४६	१५	४५	३	१२ २१ वृश्चिके मीने शुक्रः ५९।४०
८	चं ५४।५५ ० ० ०	० ० ०	० ०	०	०	०	०	०	० *प्रदोषः महाशिवरात्री व्र. स्मा.
९	मं ५१।३८ ज्ये १५।१०	व १६। ५	तै २४। ४		५०	१४	४६	४	१३ २२ ध.१५।१० पूफा. रविः २७।२८ (सौरः २९।२८)
१०	बु ४७। ८ मू १२।१२	सि ९।२७	व १९।२३		५४	१३	४७	५	१४ २३ धनुषि भ. १९।२३ उ. ४७।८ या.
११	गु ४२।५९ पू ९।४५	व्य ३५	५४	व १५। ४		५८	१२	४८	६ १५ २४ म.२४।१४ उभा. शुक्रः ३९।४७ विजया ११ व्र.
१२	शु ३९।३१ उ ७।४३	प ५१।४४	कौ ११	१५	२५	१२	४८	७	१६ २५ मकरे वक्रीबुधः२४।१६शतभिषा२गुरुः १७।२८
१३	श ३६।४३ श्र ६।१९	शि ४७	ग १	८	७	११	४९	८	१७ २६ कु.३५।३० भ. उ. बुधास्तः पश्चिमायां ५७।४५*
१४	र ३४।५५ ध ५।४१	सि ४३	८	वि ५	४९	१०	१०	५०	९ १८ २७ कुंम्भे भ. ५।४९ या. महाशिवरात्री व्र. वै.
१५	चं ३४।२० श ६।२४	सा ४०	१०	च ४	३७	१४	९	५१	१० १९ २८ मी५२।५५ सोमवती ३० उदयं गुरोः ६।० उ. गु.

४७पं.फा.कृ.५श.इ.३३।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	११	१०	१०	७	०	१०
१७	२२	५	८	२६	१५	८	१७
५	४	३५	३७	५९	४५	५९	३
४६	८	२	१९	२	७	१८	२४
६०	३३	५८	१३	७४	१	३	६०
१२	२९	०	३२	२६	५६	११	२०

गोचरग्रहाः

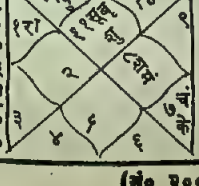

फाल्गुन कारी दूज दिन, निर्मल रहे आकाश। श्रावण भादों जल बहु सुधर जाय चौमास।

गोचरग्रहाः

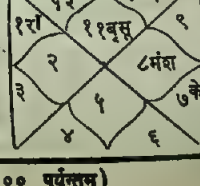

४८पं.फा.कृ.१३श.इ.३४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	११	१०	११	७	८	१०
२४	२५	७	१०	५	१५	८	२४
६	५७	३४	३७	४२	५५	३७	४
२९	२२	४१	१३	१४	१	२	३७
५९	३२	३३	१३	७४	१	३	६०
५८	५९	ब २९	२६	१५	११		५

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७२३ स.१९८६
१	मं	३५	०	पू	८	२५	शु	३८	३८	किं	४	४०	२९ / १९	६ / ८	५ / ५२	११	२०	२९	मीने	
२	बु	३७	३१	उ	११	४४	शु	३७	४४	बा	६	१६	२३	७	५३	१२	२१	३०	मीने	फुलरिया २ चन्द्रदर्शनम्
३	गु	४१	८	रे	१६	२५	ब्र	३८	१९	तै	९	१९	२७	७	५३	१३	२२	१	मे.१६।२५	रज्जव ७
४	शु	४६	२२	अ	२२	३४	ऐं	३९	२८	व	१३	४५	३२	६	५४	१४	२३	२	मेषे	भ.१३।४५ उ.४६।२२ या. मीनेऽर्कः ३८/२५*
५	श	५२	१०	भ	२९	२६	वै	४१	३२	ब	१९	१६	३६	५	५५	१५	२४	३	बृ.४६।१९	मूलेधनुषिभौमः५८।५ वक्रीपूभा.बुधः ५/४५
६	र	५८	३२	कृ	३६	५५	वि	४३	५३	कौ	२५	२१	४०	४	५६	१६	२५	४	वृषे	
७	चं	६०	०	रो	४४	३४	प्री	४६	१६	ग	३१	४३	४४	३	५७	१७	२६	५	वृषे	उभा. रविः ४९।२९ (सौरः ५०।२४)×
७	मं	४	५४	मृ	५१	४८	आ	४८	१३	व	४	५४	४९	२	५८	१८	२७	६	मि१८।११	भ. ४।५४ उ. ३७।४८ या. होलाष्टक
८	बु	१०	४३	आ	५७	४८	सौ	४९	२०	ब	१०	४३	५३	१	५९	१९	२८	७	मिथुने	वक्री कुम्भे बुधः ९।५७
९	गु	१५	२४	पु	६०	०	शो	४९	१३	कौ	१५	२४	५७	१	५९	२०	२९	८	क.४६।२०	वक्री शनिः१४।४७ *(सौरः२९।४८)
१०	शु	१८	३४	पु	२	३१	अ	४७	४६	ग	१८	३४	३० / १	६ / ०	६ / ०	२१	३०	९	कर्के	भ.४९।११उ. शतभिषा.३ गुरुः ३२।३९
११	श	१९	४८	पु	५	२४	सु	४३	५३	वि	१९	४८	६	५९	१	२२	१	१०	कर्के	भ.१९/४८या. रा.चैत्रारंभः आमलकी ११व्र.
१२	र	१९	१३	श्ले	६	३२	धृ	४०	२२	बा	१९	१३	१०	५८	२	२३	२	११	सिं६।३२	प्रदोषः ×रेवत्यां शुक्रः २३।२६
१३	चं	१६	३९	म	५	४०	शू	३४	२५	तै	१६	३९	१४	५७	३	२४	३	१२	सिंहे	बुधोदयः पूर्वस्यां २२।५३
१४	मं	१२	१३	पू	३ / ५	५६ / ७	गं	२७	१७	व	१२	१३	१८	५६	४	२५	४	१३	कं.१७।७	भ.१२।१३ उ.३९।२४या. होलिकादहनं+
१५	बु	६	३५	ह	५४	१२	वृ	१९	११	ब	६	३५	२३	५५	५	२६	५	१४	कन्यायां	छारेंडी +भद्रोत्तरे

४९पं.फा.शु.५श.इ.३४।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	१०	११	७	०	११
१	२९	३	११	१४	१६	८	१
५	४७	३१	५६	२४	०	१४	४
४२	२०	१	१३	५४	७	४६	२९
५९	३२	५८ / ४५	१३	७४	०	३	५९
४१	८	ब	२०	२२	३६	११	४९

गोचरग्रहाः

फाल्गुन शु. ४ शुक्रे मीनेऽर्कः प्र. वा.३ न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यादिभावे महर्घता) शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

५०पं.फा.शु.११श.इ ३४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१०	११	७	०	११
८	३	२८	१३	२३	१६	७	८
३	३०	१	३३	५	०	५२	२
१८	२५	५२	२५	१३	०	३१	२४
५९	३०	३६ / ५९	१३	७४	० / १८	३	५९
२९	५५	ब	१०	२०	ब	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५३	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५२	२६	चि	४९	४६	ध्रु	१०	३५	तै	२६	२	३० / २७	५ / ५५	६ / ५	२७	६	१५	तु.२१।५९	
३	शु	४४	४९	स्वा	४३	९	व्या	३५	५१ / ७	व	१८	३७	३१	५४	६	२८	७	१६	तुलायां	भ. १८।३७ उ. ४४।४९ या. अश्वि. मेषे*
४	श	३७	३८	वि	३८	२	व	४४	१	ब	११	१४	३५	५३	७	२९	८	१७	बृ.२४।१९	चतुर्थी ब्र. *शुक्रः ९।४९
५	र	३०	५१	अ	३३	१३	सि	३५	४९	कौ	४	१५	३९	५२	८	३०	९	१८	वृश्चिके	
६	चं	२४	५२	ज्ये	२९	८	व्य	२८	१३	व	२४	५२	४४	५१	९	३१	१०	१९	ध.२९।८	भ.२४।५२ उ.५२।१३या. रेवत्यां रविः×
७	मं	१९	३५	मू	२५	५६	व	२१	१९	ब	१९	३५	४८	५०	१०	१	११	२०	धनुषि	मार्गी बुधः २।४६ अप्रेल मा.४ ता.३०
८	बु	१५	११	पू	२३	३७	प	१५	८	कौ	१५	११	५२	५०	१०	२	१२	२१	म.३८।१६	शीतलापूजनम्
९	गु	११	४०	उ	२२	१३	शि	९	४७	ग	११	४०	५६	४९	११	३	१३	२२	मकरे	भ. ४०।२५ उ.
१०	शु	९	११	श्र	२१	४७	सि	५	१७	वि	९	११	३१ / ००	४८	१२	४	१४	२३	कु.५२।१	भ. ९।११ या.
११	श	८	१४	ध	२२	१६	सा	२८	५७ / ६	बा	८	१४	४	४७	१३	५	१५	२४	कुम्भे	शतभिषा. ४ गुरुः २८।२९ पापमोचनी+
१२	र	७	१०	श	२३	५२	शु	५६	३४	तै	७	१०	८	४६	१४	६	१६	२५	कुम्भे	प्रदोषः +११ व्रतम्
१३	चं	७	४८	पू	२६	२९	ब्र	५५	१३	व	७	४८	१२	४६	१४	७	१७	२६	मी१०।५०	भ. ७।४८ उ. ३८/३२ या. भरण्यांशुक्रः ५८/३०
१४	मं	९	१७	उ	३०	२५	ऐं	५५	८	श	९	१७	१६	४५	१५	८	१८	२७	मीने	×१७।१२ (सौरः १७।५२)
३०	बु	१२	१९	रे	३५	१९	वै	५५	२८	ना	१२	१९	२०	४४	१६	९	१९	२८	मे.३५।१९	मन्वादिः

५०पं. चै.कृ.४ श.इ.३५।८

	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
	८	१०	१०	०	७	०	११
	७	२४	१५	१	१५	७	१४
५९	६	३	९	४५	५५	३०	५८
१३	४३	४८	१४	३२	३७	१५	३१
			१२	७४	१ / ०	३	५९
			७	१३	ब	११	१८

गोचरग्रहाः

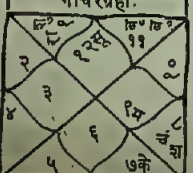

इस मास में सोना चांदी लोहा तांबा घृत तेल चावल में तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

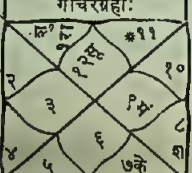

५२पं. चै.कृ.११श.इ.३५।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१०	०	७	०	११
२१	१०	२६	२६	१०	१५	७	२१
५३	३४	९	४१	२३	४६	८	५२
३१	१२	५४	२०	३८	१६	०	४२
५९	२७	३१ / ३७	१२	७४	४ / १४	३	५९
४	४३	मा	२१	२	ब	११	४

*चंवृबु

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०८७ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०८७ भोग्यकलिः ४२६९१३ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २०४३ शाकः १९०८ अथास्मिन्वर्षेराजा गुरुः । मंत्री रविः । सस्येशो बुधः । धान्येशश्चन्द्रः । मेघेशो रविः। रसेशश्शुक्रः। नीरसेशो बुधः। फलेशो शनिः। धनेशो भौमः। दुर्गेशो शनिः । एतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां१३ प्रमाधीनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमयेः गतमासादिः ८।३।५८।९ भोग्यमासादिः ३।२६।१।५१ इन्द्रदैवतं युगम्। वर्षनामः भाद्रपदः। मेघ नाम पुष्करः। रोहिणी निवासःसमुद्रे ।समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा १२ । समयवाहनं चातकः । स्तंभाः ३ वाय्वन्न तृणानाम् । सोमवत्यमा २ । सोमवतीपंचमी १। अंगारकी चतुर्थी ३। बुधाष्टमी २। भानुसप्तमी १। रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः ३९० । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १५ । तिथि वृद्धिः १० । उत्पति विश्वा८७ । खपति विश्वा ११४ । वर्षा विश्वा १५ । धान्यम् ७, तृणम् ५. शीतम् ९. तेज ११. वायु १३ वृद्धिः १५ । क्षयः १५। विग्रहः ११ । ऐक्यं १०१ सत्यम्।। धर्मम् १।। पाप १८ शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहण २ चन्द्रमसः ।

सं. २०४३ चैत्र शु. १५ गुरौ ग्रस्तोदित खग्रासं चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज. मध्यम	घं.	२६	२९	३०	३१	३४
	पल.	१५	३	२५	४७	३५
रेल्वे टाइम	घं.	४	६	६	७	८
	मि.	५७	४	३७	१०	१७

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् २।१६

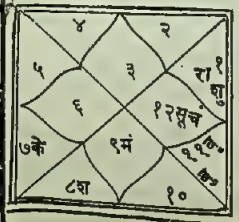

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

नत मस्तक हो मात से भैरव पूछे बात ।
साल तीन चालीस का हाल कहो मम मात ।।

भवानी उत्तर

तियालीस की साल का हाल सुनो दे कान ।
सुरगुरु राजा होण से संग्रह करलो धान ।।
मेघ पति रविदेव हैं वर्षा मध्यम जान ।
भयें शनिश्चर फलपति करें साख में हान ।।
रोहिणी वासो सिंधु में संवत् विश्वा अर्क ।
संवत्सर उत्तम हुवे कहीं कहीं रहसी फर्क ।।
स्तंभ तीन इस वर्ष में संवत् मालाकार ।
ईश्वर का भजन जगत में सार ।।

सं. २०४३ आश्विन शु. १५ शुक्रे खग्रासं चंद्रग्रहणं

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज. मध्यम	घ.	४१	४४	४५	४७	५०
	पल.	२६	३२	५७	२२	२८
रेल्वे टाइम	घं.	११	१२	१२	१	२
	मि.	१	१६	५०	२४	३८

सं २०४३ चैत्र कृष्णा ३० रविवार को पश्चिम प्रदेशों में ग्रस्तास्त सूर्यग्रहण होगा। भारत में नहीं होगा ।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् ९।२०

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवोक्तायनांशाः २४।२४।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३८।५७

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम्-गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुधाश्च धेनवः । यजन्ति विप्राः बहवोऽग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ।। मंत्री रविः फलम्-नृप भयं गदतोपिहि तस्करा प्रचुर धान्य धनादिमहीतले । रसचर्यंहि समर्घतमं सदा रविरमात्यपदं हि समागताः ।। सस्येशो बुधस्तत्फलम्-जलधरा जलराशि मुचोभूशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः श्रुतिपाठकरः सदाप्रथमसस्यपतौ सति बोधने ।। धान्येशश्चंद्रः फलम्-चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्पपाश्चैव गोषु क्षीरं तदा बहु ।। मेघेशो रविः फलम्-जलदपेयदिवासरपे तदा सरसि व रमते जनता रसम् । यवचणेक्षु नीवारसुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुविवर्तते ।। रसेशः शुक्रस्तत्फलम्-यजन याजन-कोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः । सुख सुभिक्षमुमोदवती धरा धरणीपाहतपापगणः प्रियाः ।। नीरसेशो बुधस्त-त्फलम्-चित्र वस्त्रादिकञ्चैवशंख चंदन पूर्वकम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशोबुधोयदि ।। फलेशः शनिः फलम्-यदि शनि फलपः फलहा भवेज्जनितपुष्प गणस्य द्रुमः सदा । हिमभयंवर तस्कर जन्तुभीर्जनपदोगदराशि समाकुलः ।। धनेशो भौमस्त-त्फलम्-असममौल्यकरो धरणीसुतः शरदि तापकरस्तुपधान्यहृत । सहसि मासि भवेद्विगुणंतदा नरपतिर्जनशोक विधायकः ।। दुर्गेशः शनिः फलम्-रविसुते गढ पालिनि विग्रहैः सकल देशगताश्चलिताजनाः । विविध वैरि विशेषित नागराः कृषिधनं-शलभैर्भुषितं भुवि ।। प्रमाथी-नाम संवत्सरः फलम्-न मुंचन्ति पयोवाहाः कुत्रचित्कुत्रचिज्जलम् । मध्यमा वृष्टिरर्घश्चनूनमब्दे प्रमाथिनी। वर्षनाम भाद्रपदः फलम्-अर्घं महर्घतां यांति धनधान्यं समं भवेत् । मघवा वर्षति स्वच्छं संपदो भाद्र वर्षके ।। मेघ-नाम पुस्करः फलम्-पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्-समुद्रेतु महावृष्टिः ।। समय निवासो मालाकार गृहे फलम्-मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०४३ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ले १० शनौ मघा. ल. गो. ११ रे.७।ऽ।।।।।ऽऽ। कुंभे चं.७ पूज्यः गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः
„ १२ चंद्रे उफा. ल. गो. १० रे. ९ ऽ।।।।।।।। मकरे रेखा ८ या.मित्र

वैशाख मासः

कृष्णे ३ रवौ मूले ल. १२ रे. ८ ।।।।ऽनृ।ऽ। भौ. १० पू.
„ ५ चंद्रे मूले ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।
„ ७ बुधे उषा. ल. अन्यगो. रे. ८ ऽऽ।।।।।।
शुक्ले २ शनौ रोहि. ल. १०-११ रे. ७ ।।।।ऽऽरोऽ।।।
„ २ रवौ मृगे ल. १०-११ रे.८ ।।ऽशु।।।ऽ।। शुक्रयुतिः
„ ८ शनौ मघा. ल. अन्यगो. सोंग्रांगः रे.८ ।।।।।ऽअ.।ऽ।
„ १० चंद्रे उफा. ल. गो. सोग्रांगः रे. ६ ।ऽ।।ऽऽनृ।ऽ।
„ १० चंद्रे हस्ते ल. १२ रे. ८ ।।।।ऽनृऽ।।। चं. ७ पूज्य
„ ११ भौमे हस्ते ल. गो. सोग्रांगः रे. ९ ।।।।।ऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे १० चंद्रे रेव. ल.ज्यगो. सोग्रांगः ११ रे.८ ।।।।।ऽऽ।।
शुक्ले ८ रवौ उफा.ल.अ. भौमे१ दोषःरे.७ ।।।।ऽ।ऽऽ। दग्धा

आषाढ मासः

कृष्णे ७ शनौ उभा. ल.अन्यगो. भौ.१ दोषः रे.८।।।।।।।ऽ।ऽ
कृष्णे ८ रवौ रेव. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽनृऽऽ। लग्नस्थ-भौम दोषः
शुक्ले ३ गुरौ मघा. ल.अन्यगो. रे.८ ।।ऽशु।।ऽचौ।।। लग्नस्थ भौमः दोषः शुक्रयुतिश्च आवश्यके
„ ५ शनौ उफा. ल. अन्यगो. रे.८।।।।ऽऽरो।।।।भौ.१दोषः
„ ६ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। , „

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे २ भौमे मृगेल.३-७रे.९।।।।ऽअ.।।।।तुला५६-३६उप
„ ७ चंद्रे मघा. ल. अन्यगो. ३ घ. ३८-४४ या. रे. ७ ।।।ऽऽरो।ऽ।।
„ १० गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. ३-७ रे. ७ ।।।।ऽअ.ऽऽ।
शुक्ले ३ गुरौ उषा. ल. ३ रे. १० ।।।।।।।। चं. ७ पू.
„ ९ भौमे उभा. ल. गो. रे. ९ ऽ।।।।।।।

माघ मासः

कृष्णे २ शनौ मघा. ल. ७-९ रे. १० ।।।।।।।।
„ ३ रवौ मघा. ल. गो. रे. ९ ।।।।ऽनृ।।।।
„ ७ गुरौ स्वा. ल. ९ घ.५५-३७ उ. रे. ७।।।।ऽरोऽऽ।
„ ८ शुक्रे स्वा. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
„ १० रवौ अनु. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽअ.ऽऽ।।
„ ११ चंद्रे मूले ल. ७ अंश १५ उप. रे. ६ ।।।ऽचं।।ऽऽ।ऽ पादवेधाऽभाव. आवश्यके
शुक्ले ९ शनौ रोहि. ल.गो. रे.७।।।।।ऽचौऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णे ८ शनौ अनु.ल.अन्यगो.९घ.५५या.रे.७।।।।।ऽरो४५या.ऽ।।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७५३ सन् १९८६
१	गु	१६	१७	अ	४१	२७	वि	५६	४७	ब	१६	१७	३१/२२	५/४४	६/१६	१०	२०	२९	मेषे	संवत्सरारंभः चन्द्रदर्शनम् नवरात्रा.
२	शु	२१	२९	भ	४७	५७	प्री	५८	४१	कौ	२१	२९	२६	४३	१७	११	२१	१	मेषे	पूषा.भौमः ५/४ मीनेबुधः १०/१७ सिंधारा सावान८
३	श	२७	१४	कृ	५५	२६	आ	६०	०	ग	२७	१४	२९	४२	१८	१२	२२	२	वृ ४।५०	मत्स्य जयंती गणगौरी
४	र	३३	३०	रो	६०	०	आ	०	५७	व	०	२२	३३	४१	१९	१३	२३	३	वृषे	भ.०।२२ उ.३३।३०या. अश्वि. मेषेऽर्कः●
५	चं	३९	५३	रो	३	१०	सौ	३	३४	ब	६	४१	३६	४१	१९	१४	२४	४	मि३६।५६	उभा. बुध: ५६/३३ अश्वि. २ राहुः चित्रा४÷
६	मं	४७	०	मृ	१०	४७	शो	६	०	कौ	१३	२६	४०	४०	२०	१५	२५	५	मिथुने	●५१।१४ (सौरः ५२।२७)
७	बु	५१	११	आ	१७	४१	अ	७	५६	ग	१९	५	४३	३९	२१	१६	२६	६	मिथुने	भ. ५१।११ उ. ÷केतुः २८।२४
८	गु	५५	८	पु	२३	३१	सु	८	४६	वि	२३	१०	४७	३९	२१	१७	२७	७	क. ७।४	भ. २३।१० या.
९	शु	५७	२०	पु	२७	४६	धृ	८	३४	बा	२६	१४	५१	३८	२२	१८	२८	८	कर्के	कृत्ति. शुक्रः ५१।६ रामनवमी
१०	श	५७	४२	श्ले	३०	१७	शू	६	५६	तै	२७	३१	५५	३७	२३	१९	२९	९	सिं३०।१७	×रा. वैशाखारंभः कामदा ११ व्र. वै.
११	र	५४	५७	म	३०	४७	गं	३/३९	५५/११	व	२६	१९	५८	३६	२४	२०	३०	१०	सिंहे	भ. २६/१४ उ. ५४/५८ या. कामदा ११ व्र. स्मा.+
१२	चं	५१	४७	पू	२९	१०	ध्रु	५२	२३	व	२३	२२	३३/२	३६	२४	२१	१	११	कं.४३।१७	पूभा.१ गुरुः ४४।११ वृषे शुक्रः ३३।२४×
१३	मं	४६	१७	उ	२५	४१	व्या	४४	२८	कौ	१९	२	६	३५	२५	२२	२	१२	कन्यायां	प्रदोषः +पातस्प.३८।२ पा.मो. ४८/१७
१४	बु	३८	४२	ह	२०	२९	ह	३५	१७	ग	१२	२९	१०	३४	२६	२३	३	१३	तु.४७।२२	भ. ३८।४२ उ. =चन्द्रग्रहणम्
१५	गु	३०	२२	चि	१४	१४	व	२५	३२	वि	४	३२	१४	३३	२७	२४	४	१४	तुलायां	भ.४।३२ या. हनुमज्ज. ग्रस्तोदय खग्रास=

१पं. चै.शु.४ र.इ.५१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१०	०	७	०	११
०	१४	२	१८	२०	१५	६	२९
०	२३	२२	२३	३३	३१	४१	५८
०	२८	१६	६	३६	८	५५	५२
५८	२२	५३	११	७४	२/२५	३	५८
४४	५५	२	५५	५२	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

चैत्र शु. ४ रवौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ३ न.४ वालावस्था (बैठी) मु.१५ (धान्यादि भावे समर्घता) शु. उ. पू.।

गोचरग्रहाः

२पं. चै.शु.११ र.इ.५१।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१०	०	७	०	०
६	१७	१०	१९	२९	१५	६	६
५०	२९	१७	५०	८	२२	१९	४९
४२	२	५६	६	२४	३४	३९	३
५८	२०	७३	११	७३	३/२	३	५८
३१	२७	३५	१३	५६	ब	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२१	१६	स्वा	७	२२	सि	१५	१९	कौ	२१	१६	३२/१७	५/३३	६/२७	२५	५	१५	बृ.४७।०	रेवत्यां बुधः ४०।१६
२	श	१२	१४	वि	०/१३	५३/११	व्य	५/९	४८/५९	ग	१२	१४	२१	३२	२८	२६	६	१६	वृश्चिके	भ. ३७।४५ उ.
३	र	३	१७	ज्ये	४७	१६	प	४५	५७	वि	३	१७	२५	३१	२९	२७	७	१७	ध.४७।१६	भ. ३।१७ या. भरण्यां रविः ३१।३३●
४	र	५१	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●(सौरः ३३।४५) चतुर्थी व्र.
५	चं	४८	१०	मू	४२	१४	शि	३७	२७	कौ	२१	४२	२९	३०	३०	२८	८	१८	धनुषि	
६	मं	४२	३०	पू	३८	३१	सि	३०	१६	ग	१५	२०	३२	३०	३०	२९	९	१९	म.५२।५६	भ. ४२।३० उ. रोहि. शुक्रः ४४।२३
७	बु	३८	१६	उ	३६	१६	सा	२४	८	वि	१०	२३	३६	२९	३१	३०	१०	२०	मकरे	भ. १०।२३ या.
८	गु	३५	३४	श्र	३५	२९	शु	१९	१०	बा	७	०	४०	२८	३२	१	११	२१	मकरे	मई मा. ५ ता. ३१
९	शु	३४	११	ध	३६	७	शु	१५	२७	तै	४	५२	४३	२७	३३	२	१२	२२	कु.५।४८	पातस्पर्शः ३२।३५ पातमोक्षः ४४।२३
१०	श	३४	१८	श	३८	१४	ब्र	१२	४६	व	४	१९	४७	२७	३३	३	१३	२३	कुम्भे	भ. ४।१९ उ. ३४।१८ या.
११	र	३५	४२	पू	४१	२९	ऐं	११	२२	ब	५	०	५१	२६	३४	४	१४	२४	मी२५।३५	अश्वि. मेषे बुधः १।२२ वरूथिनी ११व्र.
१२	चं	३८	११	उ	४५	५४	वै	१०	४९	कौ	६	५६	५४	२५	३५	५	१५	२५	मीने	
१३	मं	४१	८	रे	५१	२९	वि	११	१५	ग	९	३९	५७	२५	३५	६	१६	२६	मे.५१।२९	भ. ४१।८ उ. प्रदोषः
१४	बु	४६	३४	अ	५७	४३	प्री	१२	७	वि	१३	५१	३३/१	२४	३६	७	१७	२७	मेषे	भ. १३।५१ या.
३०	गु	५२	२६	भ	६०	०	आ	१३	४३	च	१९	३०	४	२३	३७	८	१८	२८	मेषे	पूभा. २ गुरुः ३४।४०

३पं. वै.कृ.३ र.इ.५१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१०	१	७	०	०
१३	२०	१९	२१	७	१४	५	१३
३९	१७	५८	१२	४१	५०	५७	३७
४३	१७	१९	०	३५	५	२३	२८
५८	१८	९०	१०	७३	३/४२	३	५८
१९	३	२८	४४	४६	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

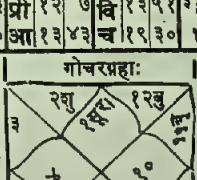

धन राशि का मंगल सोना, चांदी, घृत, तिल तैल, रुई, पाट, वार दाना, सरसों, अलसी, शेयर्स तेज करे।

गोचरग्रहाः

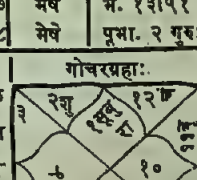

४पं.वै.कृ.११ र.इ.५२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१०	१	७	०	०
२०	२२	१	२२	१६	१४	५	२०
२७	४७	३०	२९	१३	२४	३५	२४
२२	४२	७	४६	३०	२९	८	१०
५८	१५	९०	१०	७३	४/१	३	५७
६	२०	२५	१	३२	ब	११	५७

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः४७८२ सन्१९८६
१	शु ५७ ५८ भ ४ २४ सौ १५ ३४ किं २५ १२	३३ ७	२३ ३५	६	९	१९	२९	वृ.२१।२७	
२	श ६० ० कृ ११ ५९ शो १८ २ बा ३१ १	१०	२२ ३८	१०	२०	३०		वृषे	मृगे शुक्रः ४४।३५ चन्द्रदर्शनम्
३	र ४ ५ रो १९ ३२ अ २० २७ कौ २ ५	१३	२१ ३९	११	२१	१		मि५३।१६	कृत्ति. रविः ३७ (सौरः ३१) भरण्यां बुधः*
४	मं १० १८ मृ २७ ० सु २२ ५३ ग ४ ५	१६	२१ ३९	१२	२२	२		मिथुने	भ. ४३।२२ उ. अक्षया ३
५	बु ११ ५० पु ४० ४१ पू २६ ३८ बा २१ ५०	२२	२० ४०	१३	२३	३		मिथुने	भ. १६।२६ या.
६	गु २६ १६ पु ४६ १३ गं २७ २५ तै २६ १६	२५	१९ ४१	१४	२४	४		क.२४।५	वृषेऽर्कः ४४।४३ (सौरः ४९।३०)
७	शु २९ १४ श्ले ५० ४ वृ २६ ५९ च २९ १४	२८	१८ ४२	१६	२६	६		कर्के सिं५०।४	*३७ बुधास्तः पू.३७ परशु.जयं.रमजान९
८	श ३० ३८ म ५२ १७ घ २५ १५ ब ३० ३८	३०	१८ ४२	१७	२७	७		सिंहे	भ. ३९ उ.५९ या. मिथुनेशुक्रः १६।५५
९	र ३० ९ पू ५२ ४० श्या २२ ६ बा ० २३	३३	१७ ४३	१८	२८	८		सिंहे	कृत्ति. बुधः ५४।५२
१०	चं २७ ३४ उ ५० ५७ ह १७ १५ ग २७ ३४	३६	१७ ४३	१९	२९	९		कं.७।१४	उषा. भौमः २०।२१
११	मं २३ ८ ह ४६ ५९ व १० ४७ वि २३ ८	३९	१६ ४४	२०	३०	१०		कन्यायां	भ. ५५।२१ उ. वृषे बुधः २८।५४
१२	बु १६ ३१ चि ४१ ३६ त्ति ४७ ५३ बा १६ ३१	४१	१६ ४४	२१	३१	११		तु.१४।१७	भ.२३।८या. वक्री ग्रनु.३ शनिः१८।६३+
१३	शु ८ ३४ स्वा ३४ ५२ व ४३ २७ तै ८ ३४	४३	१५ ४५	२२	१	१२		तुलायां	आर्द्रा. शुक्रः ४४।५२ प्रदोषः
१४	गु ५० ५८ ० ० ० ० ० ०	०	० ०	०	०	०		०	भ.५९।३२उ. रा. ज्येष्ठारंभः नृसिंह१४
१५	शु ४९ २६ वि २७ १३ प ३२ ४७ वि २४ २९	४६	१५ ४५	२३	२	१३		वृ.१४।८	+मोहिनी ११ ब्र.
									भ. २४।२९ या. रोहि. बुधः ५३।४५

५पं.वै.शु.२ र.इ.५२।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१०	१	७	०	०
२७	२४	१४	२३	२४	१३	५	२७
१३	५८	२८	४१	४२	५६	१२	९
२४	१	३४	१७	४०	२	५२	२४
५७	११	८	९	७३	३	३	५७
५४	५५	५३	१७	२०	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

वै. शु. ५ बुधे वृषेऽर्कःप्र.वा.४न. ५ गतात्कावस्था (ऊर्ध्वा) मु. ३० (धा. भावे समता) शु.उ.पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

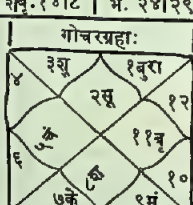

६पं.वै.शु. ९ र.इ.५२।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	०	१०	२	७	०	१
३	२६	२८	२४	३	१३	४	३
५८	४४	४२	४८	९	२६	५०	५३
२६	४६	१८	३२	३६	३	३७	४
५७	८	८	७३	३	३	३	५७
४४	५६	२८	११	ब	११	३४	

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	श ३९ २८ अ १९ २५ शि २१ ४६ आ १४ २७	३३	५४	४६	२४	३	१४	वृश्चिके	भ५५ उ. रोहि. रविः८।१७ (सौरः ३५)
२	र २९ ४० ज्ये ११ ४१ सि ११ ९ तै ४ ३४	५०	१४	४६	२५	४	१५	ब्र.११।४१	भ. २०।४० या. चतुर्थी ब्र.
३	चं २० ४० मू ३५ ५३ सा ५५ ५६ वि २० ४०	५२	१४	४६	२६	५	१६	धनुषि	
४	मं १२ ५२ उ ५४ २९ शु ४३ ५५ बा १२ ५२	५४	१३	४७	२७	६	१७	म.१२।४२	
५	बु ७ १५ श्र ५१ ४९ ब्र ३७ २७ तै ७ १५	५६	१३	४७	२८	७	१८	मकरे	
६	गु २ ४६ ध ५१ ९ ऐं ३२ २८ च २ ४६	५८	१२	४८	२९	८	१९	कुं.२१।२९	
७	शु ० २५ श ५२ ३१ वै २९ २ ब ० २५	३४	१२	४८	३०	९	२०	कुम्भे	भ. २।२६ उ. ३१।३६ या.
८	श ० ४ पू ५५ ३५ वि २७ १० कौ ० ४	२	१२	४८	३१	१०	२१	मी३९।३१	मृगे बुधः ४।३७
९	र १ २५ उ ६० ० प्री २६ २५ ग १ २५	४	११	४९	१	११	२२	मीने	
१०	चं ४ १३ उ ० ३ मा २७ १५ वि ४ १३	६	११	४९	२	१२	२३	मीने	भ.३२।४९ उ. पू.भा.३ गुरुः २८।७ पुन.*
११	मं ८ २९ रे ६ ४० सौ २८ १४ बा ८ २९	७	११	४९	३	१३	२४	मे.६।४०	भ. ४।१३ या. मिथुने बुधः २३।३५
१२	बु १३ ४२ अ १२ ११ शो ३० १३ तै १३ ४२	९	१०	५०	४	१४	२५	मेषे	बुधोदयः पश्चिमायां ३८ अपरा ११ ब्र.
१३	शु १९ २९ भ १९ १७ अ ३३ १६ व १९ २९	१०	१०	५०	५	१५	२६	बृ.३६।१७	वक्री भौमः ३३।३९ प्रदोषः
१४	गु २५ २५ कृ २६ ५४ सु ३४ १६ श २५ २५	१२	१०	५०	६	१६	२७	वृषे	भ. १९ उ. ५३ या. आर्द्रा. बुधः४८।१८
१५	श ३१ ३५ रो ३४ २३ धृ ३७ २० ना ३१ ३५	१३	९	५१	७	१७	२८	वृषे	*शुक्रः ५६।२२ जून मा. ६ ता. ३०
									वटसावित्री ब्र.

७पं.ज्ये.कृ.२र.इ.५२।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	१०	२	७	०	१
१०	२८	१७	२५	११	१२	४	१०
४२	७	१२	४९	२३	५६	२८	३५
२५	४८	३३	३९	५८	२४	२१	१५
५७	५	८	७२	४	३	५७	
२५	११	१६	२८	५०	ब	११	२३

गोचरग्रहाः

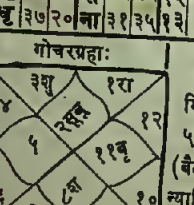

ज्ये. शु. ८ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५न.४वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० (धान्यादि भावे समता) शु. उ. प.।

गोचरग्रहाः

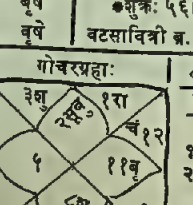

८पं.ज्ये.कृ. ९र.इ.५२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	१०	२	७	०	१
१७	२८	२९	२६	१९	१२	४	१७
२५	४८	२	४२	५५	२४	६	१६
८	३२	३६	४८	२३	०	५	२१
५७	१	८	७२	४	३	५७	
२७	२४	३२	२८	ब	११	१३	

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ४८१२स.१९८६
१	र	३७	४३	मृ	४१	५२	शू	३९	४५	किं	४	३९	३४/१४	५/९	६/५१	८	१८	२९	मि ८।७	मृगे रविः ३।१४ (सौरः १४।२८)
२	चं	४३	२१	आ	४८	५८	गं	४१	४९	बा	१०	३२	१६	९	५१	९	१९	३०	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	४८	२१	पु	५५	१७	वृ	४३	१७	तै	१५	५१	१७	९	५१	१०	२०	१	क.३८।४२	कर्के शुक्रः २०।८ सव्वाल १०
४	बु	५२	३४	पु	६०	०	ध्रु	४५	७	व	२०	२७	१८	८	५२	११	२१	२	कर्के	भ. २०।२७उ. ५२।३४ या.
५	गु	५५	४६	पु	०	४८	व्या	४४	२२	ब	२४	१०	१९	८	५२	१२	२२	३	कर्के	×आषाढ़ारम्भः गुर्जरा. वटसावित्री व्र.
६	शु	५७	३८	श्ले	४	१७	ह	४३	४०	कौ	२६	४२	२०	८	५२	१३	२३	४	सिं४।१७	पुन. बुधः ४५।२८ पुष्ये शुक्रः १३।२६
७	श	५८	५	म	८	३५	व	४१	४१	ग	२७	२२	२१	८	५२	१४	२४	५	सिंहे	भ. ५८।५ उ. •पातमोक्षः २९।१५
८	र	५६	४९	पू	१०	३४	सि	३८	२३	वि	२७	२७	२१	८	५२	१५	२५	६	कं.२५।३४	भ.२७।२७या. मिथुनेऽर्कः ५३/५२ (सौरः १५/१५)
९	चं	५४	१	उ	१०	३४	व्य	३३	४६	बा	२५	२५	२२	८	५२	१६	२६	७	कन्यायां	अश्वि. १ राहुः चित्रा. ३ केतुः १२।३९
१०	मं	४९	९	ह	९	५८	ध	२७	४०	तै	२१	३५	२२	८	५२	१७	२७	८	तु.३७।४९	गंगादशमी
११	बु	४३	२	चि	५	४१	प	२०	१४	व	१६	५	२३	७	५३	१८	२८	९	तुलायां	भ. १६।५ उ. ४३।२ या. निर्जला ११ व्र.
१२	गु	३५	३	स्वा	३८/०	५३/४९	शि	११	३२	ब	९	२	२३	७	५३	१९	२९	१०	वृ.४१।०	
१३	शु	२६	८	अ	४७	१७	सि	५९/१	४९/३१	कौ	०	३५	२३	७	५३	२०	३०	११	वृश्चिके	कर्के बुधः २१/२० प्रदोषः पातस्पर्शः १३।९•
१४	श	१६	२०	ज्ये	३९	२४	शु	४०	४६	व	१६	२०	२४	७	५३	२१	३१	१२	ध.३९।२४	भ. १६।२० उ. ४१।१९ या.
१५	र	६	१७	मू	३१	४१	शु	२९	५१	ज	६	१७	२४	७	५३	२२	१	१३	धनुषि	आर्द्रा. रविः ०।४४(सौरः १६।४८) रा.×

९पं.ज्ये.शु.१सू.इ.५२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१०	२	७	०	१
२४	२९	१२	२७	२८	११	३	२३
७	१	७	३०	१४	५३	४३	५६
१२	५२	४१	७	५६	२८	५०	१७
५७	२/१५	७/०	५	७२	४/१९	३	५७
२२	ब	४२	२८	५	ब	११	५

१०पं.ज्ये.शु.८सू.इ.५२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	३	७	०	२
०	२८	२३	२८	६	११	३	०
४८	४२	४	९	३०	२४	२१	३५
२५	२९	१९	४	१४	२२	३४	२६
५७	३/५२	८७	४	७१	४/१०	३	५६
१७	ब	१	२३	४४	ब	११	५७

११पं.ज्ये.शु.१५सू.इ.५२।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	३	१०	३	७	०	२
७	२७	२	२८	१४	१०	२	७
२९	४८	३७	३९	४१	५७	५९	१३
२४	३२	५	३६	४६	७	१९	५३
५७	६/१९	६२	३	७१	३/५२	३	५६
१३	ब	२१	१८	२२	ब	११	५४

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५०	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४७	३२	पू	२४	३०	ब्र	१९	४४	तै	२१	५९	३४/२४	५/७	६/५३	२३	२	१४	म.३७।५९	पुष्ये बुधः ३३।४८
३	मं	३९	४६	उ	१८	२५	ऐं	१०	१४	व	१३	३९	२४	७	५३	२४	३	१५	मकरे	भ. १३।३९ उ. ३९।४६ या. आश्लेषा.•
४	बु	३३	५८	श्र	१४	८	वै	३/४	५३/१६	ब	६	५२	२४	७	५३	२५	४	१६	कुं.४२।३२	•शुक्रः ३१।५४ चतुर्थी व्र.
५	गु	२९	५९	ध	११	८	प्री	५०	१७	कौ	१	५८	२३	७	५३	२६	५	१७	कुम्भे	
६	शु	२८	२०	श	१०	३२	आ	४६	५५	व	२८	२०	२३	७	५३	२७	६	१८	मी५६।४७	भ. २८।२० उ. ५८।५६ या.
७	श	२८	३२	पू	१२	१३	सौ	४५	९	ब	२८	३२	२३	७	५३	२८	७	१९	मीने	वक्री पूषा. भौमः ३१।३५
८	र	३०	५४	उ	१५	४२	शो	४६	११	कौ	३०	५४	२२	८	५२	२९	८	२०	मीने	
९	चं	३४	५८	रे	२०	४६	अ	४५	५२	तै	२	५६	२२	८	५२	३०	९	२१	मे.२०।४६	
१०	मं	४०	५	अ	२७	४	सु	४७	५०	व	७	३१	२१	८	५२	१	१०	२२	मेषे	भ.७।३१उ.४०।५या. जुलाई ७ ता. ३१
११	बु	४६	८	भ	३४	२८	धृ	५०	१२	ब	१३	७	२०	८	५२	२	११	२३	बृ.५०।५०	योगिनी ११ व्र.
१२	गु	५२	१९	कृ	४१	५७	शू	५३	४६	कौ	१९	१३	१९	८	५२	३	१२	२४	वृषे	
१३	शु	५८	३२	रो	४९	४५	गं	५५	२१	ग	२५	२६	१८	८	५२	४	१३	२५	वृषे	भ. ५८।३२ उ. प्रदोषः
१४	श	६०	०	मृ	५६	५९	वृ	५७	३२	वि	३१	२६	१७	९	५१	५	१४	२६	मि२३।२२	भ. ३१।२६ या. पुन. रविः ५९।४०
१४	र	४	२०	आ	६०	०	ध्रु	५९	२९	श	४	२०	१५	९	५१	६	१५	२७	मिथुने	पुन. रविःसौरः २०/४९ मघा सिंहे शुक्रः ७।५
३०	चं	९	४३	आ	३	४६	व्या	६०	०	ना	९	४३	१४	९	५१	७	१६	२८	क.५३।१७	वक्री बुधः ५७।२६ सोमवती ३०

१२पं.आ.कृ.८सू.इ.५२।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	३	१०	३	७	०	२
१४	२६	८	२९	२२	१०	२	१३
९	२९	५७	१	४९	३२	३७	५१
५०	२०	४०	५२	५५	२	३	५८
५७	७/५५	२१	१	७०	३/३१	३	५६
७	ब	२५	५२	३३	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

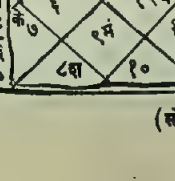

इस मास में ५ सोमवार और सोमवती अमावस्या धान्यादि में मंदी एवं वर्षा कारक है। सुदी में रस तेज हो।

गोचरग्रहाः

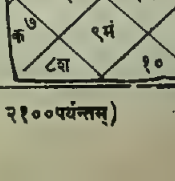

१३पं.आ.कृ.१४सू.इ.५२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	३	१०	४	७	०	२
२०	२४	१२	२९	०	१०	२	२०
५०	५५	७	१४	५२	१०	१४	२९
१०	१६	५५	३८	४४	५५	४७	५२
५७	८/०	४	०	६९	३/४६	३	५६
७	ब	३५	४०	५६	ब	११	५०

३९.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८४२स.१९८६
१	मं	१३	५८	पु	९	४७	व्या	०	३९	ब	१३	५८	३४/१३	५/९	६/५१	८	१७	२९	कर्के	चन्द्रदर्शनम्
२	बु	१७	३३	पु	१४	४७	ह	१	१४	कौ	१७	३३	११	१०	५०	९	१८	१	कर्के	रथयात्रा जिल्काद ११
३	गु	२०	४	श्ले	१९	६	व	१	१२	ग	२०	४	१०	१०	५०	१०	१९	२	सिं१९।६	भ.५०।४६उ वक्री गुरुः ३९/२२ वक्री अनु.●
४	शु	२१	२८	म	२२	१४	सि	०/५	५६/३	वि	२१	२८	८	१०	५०	११	२०	३	सिंहे	भ. २१।२८ या. ●२शनिः ३८।३१
५	श	२१	५०	पू	२४	१९	व	५५	३७	बा	२१	५०	७	११	४९	१२	२१	४	कं.३९।२१	
६	र	२१	११	उ	२५	१४	प	५२	९	तै	२१	११	५	११	४९	१३	२२	५	कन्यायां	
७	चं	१८	५५	ह	२४	४५	शि	४७	८	व	१८	५५	४	११	४९	१४	२३	६	तु.५३।३२	भ. १६/५५उ. ४७/१२या. बुधास्तः पश्चिमायां ४९/१५
८	मं	१५	२८	चि	२२	१९	सि	४१	२०	ब	१५	२८	२	१२	४८	१५	२४	७	तुलायां	
९	बु	१०	५८	स्वा	२०	२८	सा	३४	३२	कौ	१०	५८	०	१२	४८	१६	२५	८	तुलायां	कर्केऽर्कः २९।४ (सौरः ५३।३३)
१०	गु	५	५९	वि	१६	२३	शु	२६	४९	ग	५	५९	३३/५८	१२	४८	१७	२६	९	वृ.२।२४	भ. ३२।२उ. ५८/५ या. पूफा. शुक्रः ५३।१×
११	गु	५२	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×देवशयनी ११ व्र. स्मा.
१२	शु	४९	१५	अ	११	१३	शु	१८	१०	ब	२३	५९	५६	१३	४७	१८	२७	१०	वृश्चिके	देवशयनी ११ व्र. वै.
१३	श	४१	१७	ज्ये	५/७	५३/२२	व्र	५६/५२	५०/९	कौ	१५	३५	५४	१३	४७	१९	२८	११	व. ५।७	पुष्ये रविः ५८।२१ प्रदोषः
१४	र	३२	१३	पू	५१	३५	वै	४८	५७	ग	६	४४	५२	१४	४६	२०	२९	१२	धनुषि	भ.३२।१३उ ५७/५३या पुष्येरविःसौरः २४/१४+
१५	चं	२३	३२	उ	४५	१२	वि	३९	१६	व	२३	३२	५०	१४	४६	२१	३०	१३	म.४।५९	व्यासपूजा +वायु परीक्षा

१४पं.आ.शु.६सू.इ.५२।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	१	१०	४	७	०	२
२७	२३	११	२९	८	९	१	२७
३०	१७	४८	१७	५१	५२	५२	७
३२	२	४०	३५	२९	४१	३२	५९
५७	७/११	२४/५९	३४/३	६९	३/१६	३	५६
११	व	व	व	५	व	११	५४

गोचरग्रहाः

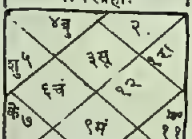

आ.शु. ९ बुधे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न. ६ युवावस्था (सूती) मु. ४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

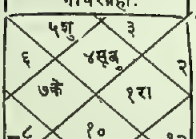

१५पं.आ.शु.१४सू.इ.५२।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	४	७	०	३
४	२१	८	२९	१६	९	१	३
११	४२	१७	११	४३	३८	३०	४६
१७	३२	२	२८	१९	५३	१६	२६
५७	५/२९	४१/४०	१/५८	६८	३/४१	३	५६
१५	व	व	व	८	व	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	मं	१५	३०	श्र	३९	४४	प्री	३०	२६	कौ	१५	३०	३३/४७	५/१५	६/४५	२२	३१	१४	मकरे	
२	बु	८	५१	ध	३५	४६	आ	२३	३४	ग	८	५१	४५	१५	४५	२३	१	१५	कुं.७।४५	भ. ३६।१८ उ रा. श्रावणारम्भः
३	गु	३	४६	श	३३	२५	सौ	१६	२	वि	३	४६	४२	१६	४४	२४	२	१६	कुम्भे	भ. ३।४६ या. चतुर्थी व्र
४	शु	०	४०	पू	३३	१७	शो	११	१४	बा	०	४०	४०	१६	४४	२५	३	१७	मी१८।१९	नाग ५ मरुस्थले
५	शु	५९	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×मार्गी बुधः ५७।११ प्रदोषः
६	श	६०	०	उ	३५	९	अ	७	५५	ग	३०	१६	३७	१७	४३	२६	४	१८	मीने	●अगस्त मा.८ ता. ३१ कामिका ११ व्र.
६	र	०	५५	रे	३९	१०	सु	६	२९	व	०	५५	३५	१७	४३	२७	५	१९	मे.३९।१०	भ. ०।५५ उ. ३२।३८ या.
७	चं	४	२०	अ	४४	३२	धृ	६	२९	ब	४	२०	३२	१८	४२	२८	६	२०	मेषे	वक्री पुन. बुधः २१।४१
८	मं	८	४७	भ	५१	२६	शू	७	३२	कौ	८	४७	२९	१८	४२	२९	७	२१	मेषे	उफा. शुक्रः ५०।१३
९	बु	१४	५१	कृ	५८	४२	गं	९	४४	ग	१४	५१	२६	१९	४१	३०	८	२२	वृ.८।१५	भ. ४७।४८ उ.
१०	गु	२०	४६	रो	६०	०	वृ	१२	५	वि	२०	४६	२४	१९	४१	३१	९	२३	वृषे	भ. २०।४६ या. मार्गी भौमः ५१।४७
११	शु	२७	२	रो	६	२७	ध्रु	१४	४९	बा	२७	२	२१	२०	४०	१	१०	२४	मि४०।७	कन्यायां शुक्रः ५७/२ बुधोदयः पूर्वस्याम् १५/३६●
१२	श	३२	५२	मृ	१३	४६	व्या	१७	४	तै	३२	५२	१८	२०	४०	२	११	२५	मिथुने	आश्ले. रविः ५५।२२
१३	र	३८	४	आ	२०	४६	ह	१९	०	ग	५	२८	१५	२१	३९	३	१२	२६	मिथुने	भ. ३८।४उ. आश्ले. रविः सौरः २५।१×
१४	चं	४१	४९	पु	२६	३३	व	२०	१	वि	९	५६	१२	२२	३८	४	१३	२७	क.१०।४	भ. ९।५६ या.
३०	मं	४४	३८	पु	३१	७	सि	२०	१३	च	१३	१३	९	२२	३८	५	१४	२८	कर्के	हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.६सू.इ.५१।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	४	७	०	३
१०	२०	३	२८	२४	९	१	१०
५२	२५	३९	५५	२७	२९	८	२५
१९	१९	०	५८	४८	४६	१	४३
५७	१/५६	३८/२१	३/१६	६६	०/५७	३	५७
२०	व	व	व	५८	व	११	५

गोचरग्रहाः

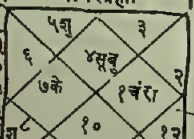

इस मास में ५ मंगलवार नेष्ट हैं प्रजामें पीड़ा वर्षा में कमी हो सुदी में रुई चांदी धान्य सोना मन्दा हो।

गोचरग्रहाः

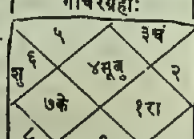

१७पं.श्रा.कृ.१३सू.इ.५१।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	५	७	०	३
१७	१९	२	२८	२	९	०	१७
३४	३५	२	३०	५	२५	४५	५
१	३५	४२	४०	२०	३०	४५	३१
५७	१/२७	०/४३	४/१९	६५	०/१६	३	५७
२५	मा	व	व	३२	व	११	१२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाक: १९०८	दि.	उ. अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८७१सन् १९८६
१	बु ४६ ५ श्ले ३४ ३६ व्य १९ ३० किं १५ २२	१ ६	२ ३ ३ ६	६	१५	२९	सिं ३४।३६	मार्गी शनिः २१।७
२	शु ४६ २४ म ३६ ५९ व १७ ५२ बा १६ १५	३	२ ३ ३७	७	१६	३०	सिंहे	सिंधारा चन्द्रदर्शनम्
३	शु ४५ ५१ पू ३८ १७ प १५ २३ त्रै १६ ७	०	२४ ३६	८	१७	१	क.५३।२०	पुष्ये बुधः ३०।१० तीज जिल्हेज १२
४	श ४४ १ उ ३८ ३० शि १२ १ व १४ ५६	३ ४	२५ ३५	९	१८	२	कन्यायां	भ. १४।५६ उ. ४४।११ या. वरद ४
५	र ४१ ३९ ह ३८ ७ सि ७ ५० ब १२ ४९	५ ३	२५ ३५	१०	१९	३	कन्यायां	नागपंचमी •श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्
६	चं ३८ १६ चि ३६ ५२ सा १३ ३८ कौ ९ ५७	५०	२६ ३४	११	२०	४	तु.७।२९	हस्ते शुक्रः २१।१०
७	मं ३४ २२ स्वा ३४ ४४ शु ५१ ५० ग ६ १९	४७	२७ ३३	१२	२१	५	तुलायां	भ. ३४।२२ उ. ×कन्या केतुः १४।४४
८	बु २९ ५४ वि ३२ २ ब ४५ २५ वि १ ५९	४३	२७ ३३	१३	२२	६	वृ.१७।४३	भ. १।५९ या.
९	गु २४ १६ अ २८ ३८ ऐं ३८ १८ कौ २४ १६	४०	२८ ३२	१४	२३	७	वृश्चिके	
१०	शु १८ १३ ज्ये २४ ३५ वै ३० ३८ ग १८ १३	३६	२९ ३१	१५	२४	८	ध.२४।३५	भ. ४४।५२ उ. +पवित्रा ११ व्र.
११	श ११ ३१ मू १९ ५९ वि २२ ३३ वि १२ ३१	३५	२९ ३१	१६	२५	९	धनुषि	भ. ११।३१या. मघा. सिंहेऽर्कः ४९।१७+
१२	र ४ १९ पू १४ ५५ प्री १४ ३ बा ४ १९	२९	३० ३०	१७	२६	१०	म.२८।३७	मघा सिंहेऽर्कः सौरः २१।२८ प्रदोषः
१३	र ५२ ५६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	० ०	०	०	०	०	
१४	चं ५० २१ उ ९ ४६ आ ५ ५१ ग २३ ४८	२६	३१ २९	१८	२७	११	मकरे	भ. ५०।२१ उ. कुम्भे राहुः चित्रायां २×
१५	मं ४४ १९ श्र ४ ५६ शो ४९ ४६ वि १७ २०	२२	३२ २८	१९	२८	१२	कुं.३३।१	भ. १७।२० या. आश्ले. बुधः ३८।३४•

१८पं.श्रा.शु.५सू.इ.५१।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	५	७	०	३
२४	१९	५	२७	९	९	०	२३
१६	२२	२९	५८	२८	२५	२३	४६
२६	५५	३८	२३	३४	१९	२९	३८
५७	५	५४	२५	६३	२९	३	५७
३३	१	५९	व	५२	मा	११	२२

गोचरग्रहाः

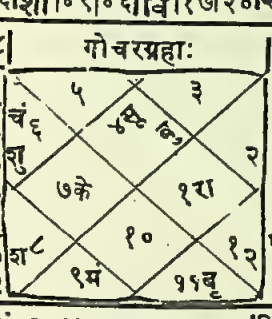

श्रा.शु. ११ शनौ सिंहेऽर्कः प्र. वा.४ न.५ कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

१९पं.श्रा.शु.१२सू.इ.५१।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	३	१०	५	७	०	४
०	१९	१३	२७	१६	९	०	०
५९	४७	४७	१८	४७	३०	१	२८
४९	४६	५६	१४	५६	१९	१४	५१
५७	८	९६	२६	६१	१	३	५७
४०	२	२५	ब	५०	१३	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाक: १९०८	दि.	उ. अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु ३९ १६ ध ७ ५७ ८ अ ४२ ५९ बा ११ ४८	३३ १९	३ ५ २६	२०	२९	१३	कुम्भे	
२	गु ३६ १ पू ५७ ८ सु ३७ २० त्रै ७ ३८	१५	३३ २७	२१	३०	१४	मी ४२।२५	
३	शु ३४ २५ उ ५७ ५० धृ ३४ १० व ५ १३	५१	३४ २६	२२	३१	१५	मीने	भ. ५।१३ उ. ३५ या. वक्री पूभा. २ गुरुः•
४	श ३४ ४२ रे ६० ० शू ३० ३२ व ४ ३४	८	३४ २६	२३	१	१६	मीने	बुधास्तः पूर्वस्याम् ३१ ४४ रा. भाद्रपदारंभः
५	र ३७ ३ रे ० २९ गं २९ ३४ कौ ५ ५२	४	३५ २५	२४	२	१७	मे.०।२९	चित्रायां शुक्रः २३।२० चन्द्रषष्ठी
६	चं ४१ ७ अ ४ ५८ वृ २५ ३१ ग ९ ५	०	३६ २४	२५	३	१८	मेषे	भ. ४१।७ उ. •४२।५५ चतुर्थी व्र.
७	मं ४६ ३२ भ १० ५८ धु ३० ४७ वि १३ ४९	३१	३७ २३	२६	४	१९	वृ.२७।४०	भ. १३।४९ या. मघा. सिंहे बुधः५८।११
८	बु ५२ ३१ कृ १७ ४९ व्या ३२ ४६ बा १९ ३१	५२	३८ २२	२७	५	२०	बृषे	जन्माष्टमी व्र.
९	गु ५८ ४३ रो २५ २० ह ३५ १४ त्रै २५ ३७	४८	३८ २२	२८	६	२१	मि ५९।५	गोगा ९ +अनु. ३ शनिः २९।३४
१०	शु ६० ० मृ ३२ ५० व ३७ ४४ व ३१ ४१	४४	३९ २१	२९	७	२२	मिथुने	भ. ३१।४१ उ.
१०	श ४ ४१ आ ३९ ५३ सि ३९ ४१ वि ४ ४१	४०	४० २०	३०	८	२३	मिथुने	भ. ४।४१ या. पूफा. रविः ३८।५४
११	र ९ ५६ पु ४६ ५७ व्य ४१ २ बा ९ ५६	३६	४१ १९	३१	९	२४	क.३०।११	पूफा. रविः सौरः १२ २० तुलायां शुक्रः ३५×
१२	चं १३ ४३ पु ५० ४२ व ४१ १६ त्रै १३ ४३	३२	४२ १८	१	१०	२५	कर्के	सितम्बर मा. ९ ता. ३० वत्स १२ प्रदोषः
१३	मं १६ १३ श्ले ५३ ५७ प ४० २२ व १६ १३	२८	४२ १८	२	११	२६	सिं ५३।५७	भ. १६ ३ उ. ४९ या. पूफा. बुधः ४१।५७+
१४	बु १७ ५ म ५५ ४० शि ३८ २४ श १७ ५	२५	४३ १७	३	१२	२७	सिंहे	
२०	गु १६ १७ पू ५५ ५८ सि ३५ ० ना १६ १७	२१	४४ १६	४	१३	२८	सिंहे	कुशाग्रहणी ×अजा ११ व्र.

२०पं.भा.कृ.५सू.इ.५१।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	३	१०	५	७	११	४
७	२०	२५	२६	२३	९	२९	७
४४	३२	५८	३१	४७	३९	३८	१२
१७	२६	५९	५	२८	२९	५८	२२
५७	१२	११	१०	५८	१	३	५७
५९	१	५९	घ	५४	५२	११	४५

गोचरग्रहाः

श्रावण कृष्णा चतुर्थी और पंचमी जोय। गरजे बरसे दमदमे सही जमाना होय ॥ रस तेज होगा।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.कृ.११सू.इ.५१।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	१०	६	७	११	४
१४	२१	९	२५	०	५	२९	१३
२९	५५	४३	३९	२९	५४	१६	५७
५६	२६	५५	२२	४६	१४	५३	३४
५८	१५	२ ३	४०	५५	३	३	५७
१	११	३	ब	५५	२१	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९०१स.१९८६
१	शु १४ १४ उ ५५ १३ सा ३० ४७ व १४ १४	३१	५७	५५	५	१४	२९	क.१०।४६	●हस्ते बुधः १४ अनन्त १४ महालयारंभः
२	श ११ ११ ह ५३ ३३ शु २५ ४३ कौ ११ ११	१३	४५	१५	६	१५	३०	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	र ७ २३ चि ५० ५९ शु १९ ५२ ग ७ २३	९	४६	१४	७	१६	१	तु.२२।१६	भ.३५उ. स्वात्यां शुक्रः ३५ हरितालिका×
४	चं २ ४७ स्वा ४८ १६ बु १३ २२ वि २ ४७	५	४७	१३	८	१७	२	तुलायां	भ. २।४७ या. ऋषि ५
५	चं ५५ १७ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	×३ गणेश ४ मोहोरम १ सन् १४०७हि
६	मं ५३ १ वि ४५ १७ गु ७ २ को २५ ३२	१	४८	१२	९	१८	३	वृ.३१।२	उफा. बुधः ३८।२८
७	बु ४७ ५७ अ ४२ ४ वै २९ ५३ ग २० २९	३०	४९	११	१०	१९	४	वृश्चिके	भ. ४६।५७ उ.
८	शु ४२ ४९ ज्ये ३८ ३७ प्री ४६ २२ वि १५ २३	५३	४९	११	११	२०	५	ध.३८।३७	भ. १५।२३ या. कन्यायां बुधः ३४।१८
९	शु ३७ ३४ मू ३५ १३ आ ३९ २४ बा १० ११	४८	५०	१०	१२	२१	६	धनुषि	
१०	श ३२ १६ पू ३१ ५२ सो ३२ १२ ते ४ ४९	४४	५१	९	१३	२२	७	म.४६।२	भ.५९।१२उ. उफा रविः ३३ (सौरः ५६)
११	र २६ ४९ उ २८ ३१ शो २५ १८ वि २६ ४९	४०	५२	८	१४	२३	८	मकरे	भ. २६।४९ या. जलझूलनी ११ ब्र.
१२	चं २१ ५१ श्र २५ २८ अ १८ २० बा २१ ५१	३६	५३	७	१५	२४	९	कु.५४।८	वामन जयन्ती प्रदोषः
१३	मं १७ २९ ध २२ ४९ शु ११ ४५ ते १७ २९	३२	५४	६	१६	२५	१०	कुम्भे	कन्यायामर्कः४८।५३ उषा. भौमः११।५४
१४	बु १३ ३७ श २० ५५ बृ ५ ५३ ध १३ ३७	२८	५४	६	१७	२६	११	कुम्भे	भ. ३३उ. ४३या. कन्यायामर्कः सौरः २२●
१५	शु ११ १२ पू २० ९ शु ४० ५६ ब १९ १२	२४	५५	५	१८	२७	१२	मी५।२०	वक्री पूभा. १ गुरुः ३१।९

२२पं.भा.शु.३सू.इ.५१।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	१०	६	७	११	४
२१	२३	२३	२४	६	१०	२८	२०
१६	५०	१३	४४	५७	१२	५४	४४
५५	१०	५५	३५	३५	५४	२७	१४
५८	१८	५९	५६	५१	३	३	५८
१३	२४	९	ब	४६	११	११	१२

गोचरग्रहाः

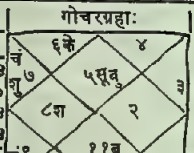

भा. शु. १३ भौमे कन्यायामर्कः प्र.वा ४ नं.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प ।

गोचरग्रहाः

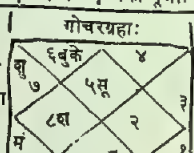

२३पं.भा.शु.११सू.इ.५०।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	१०	६	७	११	४
२८	२६	५	२३	१२	१०	२८	२७
५	११	५४	४८	३५	२६	३२	३२
२४	१७	३६	५८	१७	७	११	३५
५८	२१	५९	५६	४६	३	३	५८
२६	१६	४८	ब	२०	५०	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ९ ५९ उ २० ५० वृ ५३ ३३ कौ ९ ५९	३०	५६	४	१९	२८	१३	मीने	
२	श १० २० रे २१ ५७ शु ५२ ४ ग १० २०	१६	५७	३	२०	२९	१४	मे.२१।५७	भ. ४१।२८ उ.
३	र १२ ३६ अ २६ ४१ ब्या ५१ २२ वि १२ ३६	१३	५८	२	२१	३०	१५	मेषे	भ. १२।३६ या. बुधोदयः पश्चिमायाम●
४	चं १६ ६ भ ३१ ५२ ह ५२ ० बा १६ ६	८	५८	२	२२	३१	१६	बृ.४८।२६	
५	मं २१ १३ कृ ३८ १० व ५३ ३० ते २१ १३	४	५९	१	२३	१	१७	वृषे	रा. आश्विनारंभः ●५९।१९ च. ब्र.
६	बु २७ ० रो ४५ ३० सि ५५ ४० व २७ ०	३०	०	०	२४	२	१८	वृषे	भ.२७।०उ. मकरे भौमः२३।१६ विशा.×
७	शु ३३ १४ मृ ५२ ४६ व्य ५८ ० वि ० ७	२५	१	५९	२५	३	१९	मि१९।१३	भ. ०।७ या. चित्रा बुधः ५।२१
८	शु ३९ ३० आ ६० ० व ६० ० बा ६ २२	५१	२	५८	२६	४	२०	मिथुने	
९	श ४५ १ आ ० २४ व ० १७ ते १२ १६	४७	३	५७	२७	५	२१	क.५०।३४	हस्ते रविः १।४१ (सौरः ३४) मातृ ९
१०	र ४९ १७ पु ७ ० ष २ १ ध १७ ९	४३	३	५७	२८	६	२२	कर्के	भ. १७।९ उ. ४९।१७ या.
११	चं ५२ ५ पु १२ १८ शि २ ४४ व २० ४१	३८	४	५६	२९	७	२३	कर्के	तुलायां बुधः ३२।१८ इन्दिरा ११ ब्र.
१२	मं ५२ ५९ श्ले १६ ११ सि २ २३ को २२ ३२	३४	५	५५	३०	८	२४	सिं१६।११	
१३	बु ५२ ५ म १८ १३ सा ३८ ५६ ग २२ ३२	३०	६	५४	१	९	२५	सिंहे	भ.५२।५उ. अक्टूबरमा.१०ता.३१प्रदोष.
१४	शु ४९ २२ पू १८ २३ शु ५२ ४६ वि २० ४३	२६	७	५३	२	१०	२६	कं.३३।१	भ. २०।४३ या. शस्त्राहितानांश्राद्धं
३०	शु ४५ ११ उ १६ ५८ ब्र ४६ ४४ च १७ १६	२२	८	५२	३	११	२७	कन्यायां	सर्वपितृश्राद्धम् ×शुक्रः ५६।३९

२४पं.आ.कृ.३सू.इ.५०।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	१०	६	७	११	५
४	२८	१७	२२	१७	११	२८	४
५५	५९	४९	५४	४५	३	९	२२
१९	४२	५	४०	२५	०	५६	४२
५८	२३	५९	३८	३९	४	३	५८
२८	४३	९	ब	१७	२९	११	४५

गोचरग्रहाः

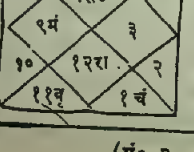

इस मास में ५ शुक्रवार शुभ हैं। बुध का उदय कहीं कहीं वर्षा करेगा। रुई चांदी सोना गेहूं गुड़ मन्दा होगा।

गोचरग्रहाः

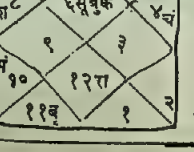

२५पं.आ.कृ.१०सू.इ.५०।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	१०	६	७	११	५
११	२	२८	२२	२१	१	२७	११
४६	८	५४	३	५८	३३	४७	१४
५५	४६	७	४७	१	३२	४०	४४
५८	२६	९४	६	३०	४	३	५९
५३	३	४९	ब	१६	५६	११	०

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९३० स.१९८६
१	श	४०	५१	ह	१४	१४	ऐं	३९	५८	किं	१३	१	२९/१८	६/८	५/५२	४	१२	२८	तु.४२।१४	स्वात्यांबुधः ७।५५ मातामहश्रा. नवरात्रा.
२	र	३३	३९	चि	१०	१४	वै	३२	२२	बा	७	१५	१४	९	५१	५	१३	२९	तुलायां	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	२७	१६	स्वा	६	५८	वि	२४	२५	तै	०	२७	१०	१०	५०	६	१४	१	वृ.४८।१	भ. ५३।५७ उ. सफर २
४	मं	२०	३८	वि	१/२१	५५/२६	प्री	१६	१	वि	२०	३८	६	११	४९	७	१५	२	वृश्चिके	भ. २०।३८ या. ×खग्रास चन्द्रग्रहणम्
५	बु	१४	२७	ज्ये	५२	३१	आ	७	५६	बा	१४	२७	२	१२	४८	८	१६	३	ध.५२।३१	
६	गु	८	२९	मू	४८	४१	शो	०/१५	५३/३२	तै	८	२९	२८/५८	१२	४८	९	१७	४	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम्
७	शु	३	८	पू	४५	१९	अ	४५	३२	ध	३	८	५४	१३	४७	१०	१८	५	म.५९।३९	भ.३/८ उ.३०/४० या. चित्रा.रविः ३३/४३ सरस्वती पू
८	शु	५५	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	श	५३	५५	उ	४२	४१	सु	३९	८	बा	२६	४	५०	१४	४६	११	१९	६	मकरे	चित्रायां रविः सौरः ५।१५ बलिदानम्
१०	र	५०	२२	श्र	४०	४१	धृ	३३	१	तै	२२	९	४६	१५	४५	१२	२०	७	मकरे	विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
११	चं	४७	३४	ध	३९	३०	शू	२७	३३	व	१८	५८	४२	१६	४४	१३	२१	८	कु.१०।५	भ.१८।५८उ.४७।३४या. विशाखा.बुधः●
१२	मं	४५	१७	श	३८	५७	गं	२२	३८	ब	१६	२५	३८	१६	४४	१४	२२	९	कुम्भे	श्रवणे भौमः १९।११ वक्री शुक्रः ३५।२१
१३	बु	४३	२३	पू	३९	१३	वृ	१८	२२	कौ	१४	२०	३४	१७	४३	१५	२३	१०	मी२४।९	प्रदोषः ●५३।३१ पापांकुशा ११ व्र.
१४	गु	४३	२४	उ	४०	४२	ध्रु	१५	३	ग	१३	२३	३०	१८	४२	१६	२४	११	मीने	भ. ४३।२४ उ.
१५	शु	४५	४२	रे	४३	१३	व्या	१२	२५	वि	१४	३३	२६	१९	४१	१७	२५	१२	मे.४३।१३	भ. १४/३३ या तुलायामर्कः १७/२८ (सौरः ४५/५८)×

२६पं आ.शु.२सू.इ.५०।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	६	१०	६	७	११	५
१८	५	९	२१	२५	१२	२७	१८
४०	२७	१३	१६	६	७	२५	८
८	१८	३७	२६	०	३७	२५	३१
५९	२८	८९	६/१९	१८	५	३	५९
९	११	४६	ब	३५	२२	११	१६

गोचरग्रहाः

आश्वि.शु.१५ शुक्रे तुलायामर्कः प्र.वा.४ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो पू.।

गोचरग्रहाः

२७पं.आ.शु.१०सू.इ.५०।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	६	१०	६	७	११	५
२५	९	१८	२०	२६	१२	२७	२५
३५	१६	३९	३८	४१	४४	३	४
६	३०	५०	१०	४२	२२	९	१३
५९	२९	७६	५/१४	४	७	३	५९
२१	२१	१	ब	८	४९	११	२१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४८	१९	अ	४६	३९	ह	११	१०	बा	१७	१	२८/२२	६/२०	५/४०	१८	२६	१३	मेषे	अनु. ४ शनिः ४।१७
२	र	५२	१२	भ	५१	५१	व	१०	२०	तै	२०	१६	१८	२०	४०	१९	२७	१४	मेषे	
३	चं	५७	१७	कृ	५८	९	सि	१०	४४	व	२४	४४	१४	२१	३९	२०	२८	१५	वृ.८।२५	भ २४/४४ उ. ५७/१७ या. रेव. ३ राहुः चित्रा. १●
४	मं	६०	०	रो	६०	०	व्य	१२	१	ब	३०	७	१०	२२	३८	२१	२९	१६	वृषे	वक्री शते ४ गुरुः १६।३२ चतुर्थी व्र.
४	बु	२	५८	रो	४	५६	व	१३	४७	बा	२	५८	६	२३	३७	२२	३०	१७	मि३८।४४	वृश्चिके बुधः ५०।११ ●केतुः ५।३९
५	गु	९	१५	मृ	१२	३३	प	१६	३	तै	९	१५	२	२४	३६	२३	१	१८	मिथुने	स्वात्यां रविः ५९।३० रा कार्तिकारम्भः
६	शु	१०	४७	आ	२०	९	शि	१८	२३	व	१५	४७	२७/५८	२४	३६	२४	२	१९	मिथुने	भ. १५/४७ उ. ४८/४७ या. स्वात्यां रविः सौरः २८/५६
७	श	२१	४६	पु	२७	१९	सि	२०	३६	ब	२१	४६	५४	२५	३५	२५	३	२०	क.१०।३१	
८	र	२६	४४	पु	३३	३५	सा	२२	७	कौ	२६	४४	५०	२६	३४	२६	४	२१	कर्के	अनु. बुधः ५६।५८
९	चं	३०	१६	श्ले	३८	३३	शु	२२	४०	ग	३०	१६	४६	२७	३३	२७	५	२२	सिं३८।३३	
१०	मं	३२	६	म	४१	३७	शु	२१	४४	व	१	११	४२	२८	३२	२८	६	२३	सिंहे	भ. १।११ उ. ३२।६ या.
११	बु	३१	४७	पू	४२	५३	ब्र	१९	२४	ध	१	५६	३९	२८	३२	२९	७	२४	कं.५७।४०	शुक्रास्तःपश्चिमायां २५/४८ रमा ११व्र.शु.अ.प.
१२	गु	२९	२६	उ	४२	०	ऐं	१५	२२	कौ	०	७	३५	२९	३१	३०	८	२५	कन्यायां	प्रदोषः घन १३ +महालक्ष्मी पूजनम्
१३	शु	२५	१७	ह	३९	२७	वै	९	५५	व	२५	१७	३१	३०	३०	३१	९	२६	कन्यायां	भ. २५।१७ उ. ५२।१९ या. रूप १४
१४	श	१९	२०	चि	३५	१३	वि	२/५८	५१/५१	श	१९	२०	२७	३१	२९	१	१०	२७	तु.७।२०	वक्री बुधः २१/२७ नवम्बर मा. ११ ता. ३०+
१५	र	१२	५	स्वा	२९	४५	आ	४५	३९	ना	१२	५	२४	३१	२९	२	११	२८	तुलायां	अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा

२८पं.का.कृ.२सू.इ.५०।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	१०	६	७	११	६
२	१३	२६	२०	२६	१३	२६	२
३१	१२	५६	५	१४	२४	४०	१
३४	७	४२	५३	२८	४७	५३	४१
५९	३१	६१	४/५	१३/२३	६	३	५९
३४	२४	४	ब	ब	१६	११	४६

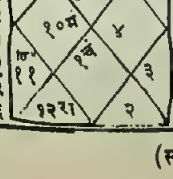

२९पं.का कृ.८सू.इ.४९।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	११	६	७	११	६
९	१७	३	१९	२४	१४	२६	९
२९	१८	१५	४३	२५	०	१८	१
४९	५८	३६	२६	५९	४८	३८	१
५९	३२	३७	५३/२३	२६/४४	६	३	६०
४७	३१	२२	ब	ब	२९	११	५२

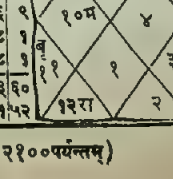

३०पं.का.कृ.३०सू.इ.४९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	१०	६	७	११	६
१६	२१	५	१९	२०	१४	२५	१६
२९	२९	३७	३१	४२	५२	५६	२
३८	२	५२	१	११	५	२२	५
६०	३३	५८/१९	३१/३१	३५/८	६	३	६०
४	५२	ब	ब	ब	४४	११	१८

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९६०सन् १९८६
१	चं	४	१३	वि	२३	३५	सौ	३६	११	ब	४	१३	२७/२०	६/३२	५/२८	३	१२	२९	बृ.१०।७	वक्री स्वात्यां शुक्रः १।४५ भ्रातृ २
२	चं	५१	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	मं	४७	५४	अ	१७	१४	शो	२६	२३	तै	२१	५५	१६	३३	२७	४	१३	३०	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम्
४	बु	४०	१०	ज्ये	११	५	अ	१६	५०	व	१४	२	१३	३३	२७	५	१४	१	ध.११।५	भ. १४।२ उ. ४०।१० या. रविलावल ३
५	गु	३३	२१	मू	५	२८	सु	७/२४	५१/४४	ब	६	४६	९	३४	२६	६	१५	२	धनुषि	विशा.रविः १९/५३ (सौर.४६/२५) धनि.भौमः ६/१९
६	शु	२७	२८	पू	०/४६	५६/१५	शू	५१	३४	कौ	०	२५	६	३५	२५	७	१६	३	म.१४।५०	बुधास्तः पश्चिमायाम् २९।३९
७	श	२२	४३	श्र	५४	३४	गं	४४	५३	व	२२	४३	२	३६	२४	८	१७	४	मकरे	भ. २३/४३ उ. ५०/५७ या. वक्री विशा. बुधः १७/२०
८	र	१९	११	ध	५३	११	वृ	३९	१६	ब	१९	११	२६/५९	३६	२४	९	१८	५	कुं.२३।५२	गोपाष्टमी ●३३।९ अक्षय ९
९	चं	१७	०	श	५३	८	ध्रु	३४	३४	कौ	१७	०	५६	३७	२३	१०	१९	६	कुम्भे	वक्री तुलायां बुधः २७।१९ मार्गी गुरुः●
१०	मं	१५	५७	पू	५४	७	व्या	३०	५०	ग	१५	५७	५३	३७	२३	११	२०	७	मी३८।५३	भ.४६।१उ. शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ३७/४८ शु.उ.पू.
११	बु	१६	५	उ	५६	२४	ह	२८	१	वि	१६	५	४९	३८	२२	१२	२१	८	मीने	भ. १६।५ या. प्रबोधिनी ११ व्र.
१२	गु	१७	२२	रे	५९	५६	व	२६	११	बा	१७	२२	४६	३९	२१	१३	२२	९	मे.५९।५६	प्रदोषः
१३	शु	१९	४७	अ	६०	०	सि	२५	२०	तै	१९	४७	४३	३९	२१	१४	२३	१०	मेषे	वैकुंठ १४
१४	श	२३	१९	अ	४	२७	व्य	२५	१०	व	२३	१९	४०	४०	२०	१५	२४	११	मेषे	भ.२३।१९उ. ५५/३१ या. कुम्भे भौमः ५९।४९
१५	र	२७	४३	भ	९	४०	व	२६	३४	ब	२७	४३	३७	४१	१९	१६	२५	१२	बृ.२६।१६	वृश्चिकेऽर्कः १५।१५ (सौरः ४०।४२)

३१पं.का.शु.८सू.इ.४९।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	१०	६	७	११	६
२३	२५	०	१९	१६	१५	२५	२३
३०	५८	५३	२७	३०	३८	३४	४
५८	२३	१७	४३	३६	४२	७	४१
६०	३४	८४/३५	०/७	३३/१२	७	३	६०
१७	५२	व	व	व	२	११	३०

गोचरग्रहाः

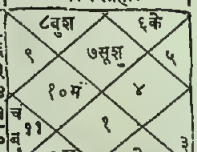

का शु. १५ रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

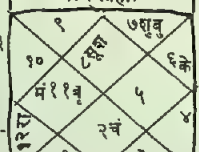

३२पं.का.शु.१५सू.इ.४९।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	६	१०	६	७	११	७
०	०	२२	१९	१३	१६	२५	०
३३	२९	३०	३५	११	२६	११	८
४७	२८	४०	२	३५	३१	५१	४५
६०	३५	७१/२९	१/१०	२३/१६	७	३	६०
३०	४४	व	मा	व	१०	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे कार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३३	२३	कृ	१६	७	प	२७	०	बा	०	३३	२६/३४	६/४१	५/१९	१७	२६	१३	वृषे	अस्त शनेः ४८।३८
२	मं	३९	४	रो	२२	४८	शि	२८	२९	तै	६	१४	३१	४२	१८	१८	२७	१४	मि५६।३६	वक्री स्वात्यां बुधः ५५/४६ ज्येष्ठा. १ शनिः ४२/११
३	बु	४५	३७	मृ	३०	२३	सि	३०	४५	व	१२	२१	२९	४२	१८	१९	२८	१५	मिथुने	भ.१२।२१उ.४५।३७या. अनु. रविः ३४/१५×
४	गु	५१	५९	आ	३७	५५	सा	३३	७	ब	१८	४८	२६	४३	१७	२०	२९	१६	मिथुने	चतुर्थी व्र. ●पातमोक्षः २८।१६
५	शु	५८	१५	पु	४५	३१	शु	३५	२७	कौ	२५	७	२४	४३	१७	२१	३०	१७	क.२८।३७	×(सौरः ५८/३०) बुधोदयः पूर्वस्याम् ४।१६
६	श	६०	०	पु	५२	२४	शु	३७	१७	ग	३१	३	२१	४४	१६	२२	१	१८	कर्के	मार्गी बुधः २३।५१ रा. मार्गशीर्षारंभः
६	र	३	५४	श्ले	५८	२१	ब्र	३८	२८	व	३	५४	१९	४४	१६	२३	२	१९	सिं५८।२१	भ. ३।५४ उ. ३३।२ या. पातस्पर्शः १३/१८●
७	चं	८	१०	म	६०	०	ऐं	३८	४४	ब	८	१०	१६	४५	१५	२४	३	२०	सिंहे	
८	मं	११	१	म	२	५३	वै	३७	४०	कौ	११	१	१३	४५	१५	२५	४	२१	सिंहे	विशा. बुधः २६।०
९	बु	११	५९	पू	५	३८	वि	३५	७	ग	११	५९	११	४६	१४	२६	५	२२	कं.२०।५१	भ. ४१।२६ उ. शते भौमः २३।१४
१०	गु	१०	५६	उ	६	२९	प्री	३०	५६	वि	१०	५६	८	४६	१४	२७	६	२३	कन्यायां	भ.१०।५६या. पूभा.१गुरुः १।४३ मार्गी+
११	शु	७	५३	ह	५	१९	आ	२५	८	बा	७	५३	६	४७	१३	२८	७	२४	तु.३३।४३	उत्पत्ति ११ व्र. +शुक्रः १२।३२
१२	श	२	४३	चि	२/५	५५/९	सौ	१७	४७	तै	२	४३	३	४७	१३	२९	८	२५	तुलायां	भ. ५६।० उ. प्रदोषः
१३	श	५३	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	र	४७	४६	वि	५०	५६	शो	५८/५८	५०/१५	वि	२१	५२	१	४८	१२	३०	९	२६	वृ.३७।२८	भ. २१।५२ या.
३०	चं	३८	४०	अ	४३	३८	सु	४८	४२	च	१३	१३	२५/५९	४८	१२	१	१०	२७	वृश्चिके	दिसम्बर मा. १२ ता.३१ सोमवती ३०

३३पं.मा.कृ.६सू.इ.४९।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	६	१०	६	७	११	७
	५	१९	१९	११	१७	२४	७
		१०	५१	२९	१५	४४	१४
		१६	३२	५६	२९	३५	१८
			२	४६/७	७	३	६०
			१२	व	१७	११	५३

गोचरग्रहाः

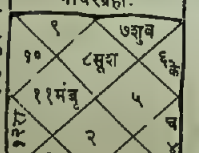

इस मासमें सोमवती अमावस्या अनाज गल्ला रुई पाट वारदाना गुड़ खांड़ मंदा होकर सुदी में तेज होगा।

गोचरग्रहाः

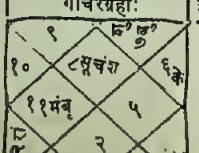

३४पं.मा.कृ.१४सू.इ.४८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	६	१०	६	७	११	७
१४	९	२४	२०	११	१८	२४	१४
४२	४६	२८	१७	४४	४	२७	२१
५४	२६	५९	५६	२	३७	२०	४
६०	३७	६२	४	१६/८	७	३	६१
५०	११	५७	४	मा	२०	११	३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९८९स.१९८६
१	मं	२९	१६	ज्ये	३६	१३	धृ	३७	५७	किं	३	५८	२५/५७	६/४९	५/११	२	११	२८	ध.३६।१३	ज्येष्ठा. रविः ४४।२५
२	बु	१९	५५	मू	२८	४३	शू	२७	११	कौ	१९	५५	५५	४९	११	३	१२	२९	धनुषि	ज्येष्ठा रविः सौरः ५।४० चन्द्रदर्शनम्
३	गु	११	१४	पू	२१	५९	गं	१६	५६	ग	११	१४	५३	४९	११	४	१३	१	म.३५।३२	भ. ३७।२२ उ. रविलाखर ४
४	शु	३	३०	उ	१६	१०	वृ	७/९	५१/४१	वि	३	३०	५१	५०	१०	५	१४	२	मकरे	भ.३ ३/० या वृश्चिके बुधः २३।२ पातस्पर्शः●
५	शु	५३	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	श	५२	२०	श्र	११	४९	व्या	५१	४९	कौ	२४	४५	४९	५०	१०	६	१५	३	कु.४०।२७	चम्पा ६ ●३७।१५ मोक्षः ५१।४०
७	र	४९	२३	ध	९	५	ह	४६	४	ग	२०	४५	४८	५०	१०	७	१६	४	कुम्भे	भ. ४९।२३ उ. अनु. बुधः ५१।३५
८	चं	४८	०	श	८	७	व	४१	४०	वि	१८	४५	४६	५१	९	८	१७	५	मी५३।२८	भ. १८।४५ या.
९	मं	४८	२५	पू	८	३५	सि	३८	३५	बा	१८	१३	४५	५१	९	९	१८	६	मीने	
१०	बु	५०	१९	उ	१०	५०	व्य	३६	४६	तै	१९	२२	४४	५१	९	१०	१९	७	मीने	
११	गु	५३	४१	रे	१४	२३	व	३६	२	व	२२	३	४२	५२	८	११	२०	८	मे.१४।२३	भ.२ ३/३ उ ५ ३/४१ या. मोक्षदा ११ व्र. गीता ज.
१२	शु	५७	५३	अ	१९	२२	प	३६	३०	ब	२५	४७	४१	५२	८	१२	२१	९	मेषे	
१३	श	६०	०	भ	२५	३०	शि	३७	७	कौ	३०	२८	४०	५२	८	१३	२२	१०	वृ.४२।९	प्रदोषः ×पूभा.भौमः५२।२९ दत्तजयंती
१३	र	३	३	कृ	३२	७	सि	३८	४६	तै	३	३	३९	५२	८	१४	२३	११	वृषे	
१४	चं	९	१	रो	३९	११	सा	४०	३२	व	९	१	३८	५२	८	१५	२४	१२	वृषे	भ. ९/१ उ. ४ ३/५ या. मूले धनुष्यर्कः.५१।३७×
१५	मं	१५	७	मृ	४६	२६	शु	४२	५०	ब	१५	७	३८	५२	८	१६	२५	१३	मि१२।५५	मूले धनुष्यर्कः सौरः ९/१४ ज्ये. २ शनिः ५८/१९

३५पं.मा.शु.७सू.इ.४८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	६	७	११	७
२१	१४	३	२०	१३	१८	२४	२१
४८	३०	१५	५३	४७	५४	५	२८
५५	१४	५८	३५	४६	५०	४	४९
६०	३७	८०	५	२१	७	३	६१
५६	४९	५५	५	५६	२०	११	११

गोचरग्रहाः

९ ७शु १० ८सूबुश ६के ११मं चं ७ ५ १२रा २ ४ १ ३

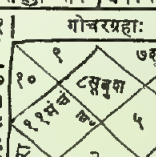

मार्ग. शु १४ चंद्रे धनुष्यर्कः प्र.वा.२ न.३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं पू.

गोचरग्रहाः

९ ७श के १० ८सूबुश ६ ११मं ७ ५ १२रा २चं ४ १ ३

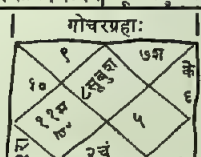

३६पं.मा.शु.१३सू.इ.४८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	६	७	११	७
२८	१९	१३	२१	१७	१९	२३	२८
५५	१९	२०	३७	१९	४४	४२	३७
५२	२६	२०	४४	३७	१०	४९	३२
६१	३८	८९	६	३३	७	३	६१
०	२	१३	१५	१४	१९	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२१	३२	आ	५४	०	शु	४४	५५	कौ	२१	३२	२५/३७	५ ६/३	५/७	१७	२६	१४	मिथुने	ज्येष्ठा. बुधः २।४६
२	गु	२७	५६	पु	६०	०	ब्र	४७	७	ग	२७	५६	३७	५३	७	१८	२७	१५	क.४४।३८	विशा. शुक्रः ४५।३५
३	शु	३३	५९	पु	१	३०	ऐं	४९	१३	व	०	५८	३७	५३	७	१९	२८	१६	कर्के	भ. ०।५८ उ. ३३।५९ या.
४	श	३९	२३	पु	८	३२	वै	५०	१९	ब	६	४१	३६	५३	७	२०	२९	१७	कर्के	बुधास्तः पूर्वस्याम् २०।५५ चतुर्थी व्र.
५	र	४०	५	श्ले	१४	४३	वि	५०	५९	कौ	११	४४	३६	५३	७	२१	३०	१८	सिं१४।४३	रेव.२ राहुः हस्ते ४केतुः ५८/३९ उदयं शनेः १४/२३
६	चं	४७	३५	म	२०	७	प्री	५०	४७	ग	१५	५०	३६	५३	७	२२	१	१९	सिंहे	भ. ४७।३५ उ. रा. पौषारंभः
७	मं	४९	३३	पू	२३	५८	आ	४९	२७	वि	१८	३४	३६	५३	७	२३	२	२०	कं.३९।३३	भ. १८।३४ या.
८	बु	४९	४४	उ	२६	२१	सौ	४६	४७	बा	१९	३८	३६	५३	७	२४	३	२१	कन्यायां	
९	गु	४८	१६	ह	२७	८	शो	४२	४३	तै	१९	०	३७	५३	७	२५	४	२२	तु.५६।३२	मूले धनुषि बुधः ५६।९
१०	शु	४४	५०	चि	२५	५६	अ	३७	४	व	१६	३३	३७	५३	७	२६	५	२३	तुलायां	भ. १६।३३ उ. ४४।५० या.
११	श	३९	२७	स्वा	२२	५५	सु	२९	४६	ब	१२	८	३७	५३	७	२७	६	२४	तुलायां	पूभा. २ गुरुः ३५।२१ सफला ११ व्र.
१२	र	३२	३५	वि	१८	१	धृ	२१	२०	कौ	६	१	३८	५२	८	२८	७	२५	वृ.४।१४	पूषायां रविः ५६।३३
१३	चं	२४	१७	अ	११	५९	शू	११	४३	व	२४	१७	३८	५२	८	२९	८	२६	वृश्चिके	भ. ३४/१७ उ. ४९/४० या. पूषा. रविः १०/५२ प्रदोषः
१४	मं	१५	२	ज्ये	४४/४४	५२/५	गं	१६/१	४८/४८	श	१५	२	३९	५२	८	३०	९	२७	ध.४।४४	मीने भौमः २४।४१
३०	बु	५	२१	पू	४८	५५	ध्रु	३९	१	ना	५	२१	४०	५२	८	३१	१०	२८	धनुषि	वृश्चिके शुक्रः ४२।१८

३७पं. पौ.कृ.५सू.इ.४८।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	१०	६	७	११	८
६	२४	२३	२२	२२	२०	२३	५
३	७	५१	३०	६	३३	२०	४६
२९	८	४७	२५	१८	०	३३	५७
६१	३८	९४	७	४१	७	३	६१
४	१३	१३	१५	२८	११	११	२२

गोचरग्रहाः

१० ८शबु ११मं ९सू ७शु १२रा ६के १ ३ ५ चं २ ४

धनु राशि गतो भानुःसुभिक्षं तत्र जायते। तिलं तैल महर्घं च कार्पासादि तथैव च॥ गुड़बिनोलाअलसी मंदी हो।

गोचरग्रहाः

१० ८शबु ११मं ९सूबु ७शु १२रा ६के १ ३ ५ २ ४

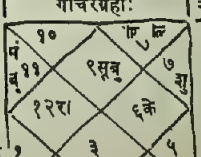

३८पं. पौ.कृ.१२सू.इ.४८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	१०	६	७	११	८
१३	२८	४	२३	२७	२१	२२	१२
११	५७	४०	३०	४०	२०	५८	५६
३१	४७	३७	७	४८	२४	१७	४९
६१	३८	९७	८	४७	७	३	६१
६	४१	५२	२०	५८	२	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ५०१९स.१९८७
१	बु	५०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	४६	२९	उ	४१	४३	ब्या	२७	५५	बा	२१	२	३५	५६	५	१	११	२९	म. २।७	जनवरी मा.१ता.३१ सन् १९८७ई. चंद्रद.
३	शु	३८	२६	श्र	३५	२६	ह	१८	२	तै	१२	२८	४१	५२	८	२	१२	१	मकरे	जमादिलावल ५
४	श	३१	५०	ध	३०	२६	व	८	५२	च	५	८	४२	५२	८	३	१३	२	कुं.२।५६	भ. ५।८ उ. ३१ या. पूषायां बुधः २३।३३
५	र	२७	१५	श	२७	२०	सि	१३	४५	बा	२७	१५	४३	५१	९	४	१४	३	कुंभे	उभा. भौमः ३२।२८ अनु. शुक्रः १४।२२
६	चं	२४	४०	पू	२६	११	व	५०	५१	तै	२४	४०	४४	५१	९	५	१५	४	मी ११।२९	
७	मं	२३	५८	उ	२७	१०	प	४८	७	व	२३	५८	४६	५१	९	६	१६	५	मीने	भ. २३।५८ उ. ५४।४० या.
८	बु	२५	२१	रे	३०	८	शि	४६	४२	ब	२५	२१	४७	५१	९	७	१७	६	मे. ३०।८	
९	गु	२८	३१	अ	३४	४३	सि	४६	५९	कौ	२८	३१	४९	५०	१०	८	१८	७	मेषे	
१०	शु	३२	५९	भ	४०	४४	सा	४७	४५	ते	०	४५	५०	५०	१०	९	१९	८	बृ. ५७।१०	
११	श	३८	३१	कृ	४६	३०	शु	४९	२६	ध	५	४५	५२	५०	१०	१०	२०	९	वृषे	भ. ५।४५ उ. ३६ या. पुत्रदा ११ व्र.
१२	र	४४	५३	रो	५४	४६	शु	५१	२८	ब	११	४२	५४	४९	११	११	२१	१०	वृषे	उषा. रविः १७ सौरः १२ उषायां बुधः ३५ ३६
१३	चं	५१	१७	मृ	६०	०	ब्र	५३	३८	कौ	१८	५	५६	४९	११	१२	२२	११	मिरे ८।३६	प्रदोषः
१४	मं	५७	४७	मृ	२	२६	ऐं	५६	२२	ग	२४	३२	५८	४८	१२	१३	२३	१२	मिथुने	भ. ५७।४७ उ. मकरे बुधः ३१।४१
१५	बु	६०	०	आ	९	५८	वै	५७	५३	वि	३०	५२	२६	४८	१२	१४	२४	१३	मिथुने	भ. ३२ या. मकरेऽर्कः १७।४१ (सौरः २७ ४४)
१५	गु	३	५८	पु	१७	११	वि	५९	३५	ब	३	५८	३	४७	१३	१५	२५	१४	क. ०।२३	

३९पं.पौ.शु.५सू.इ.४८।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	१०	७	७	११	८
२७	३	१५	२७	३	२२	२२	२०
१९	५०	४१	२६	४९	७	३६	६
२६	१०	२०	३६	५	५	२	४६
६१	३९	०	९	५३	६	६	६१
६	१	१८	१२	१२	४५	११	२६

गोचरग्रहाः

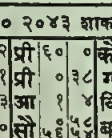

पौष शु. १५ बुधे मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्या.भावे समर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

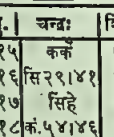

४०पं.पौ.शु.१२सू.इ.४८।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	१०	७	७	११	८
२७	७	२७	२५	१०	२२	२२	२७
३७	४२	१	४८	३५	५१	१३	१६
४०	३६	५९	२३	३५	२९	४४	३८
६३	३९	०	९	५८	६	३	६१
६	२१	२	५८	५०	२९	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	९	३८	पु	२३	५२	प्री	६०	०	कौ	९	३८	५६	४७	१३	१६	२६	१५	कर्के	पूभाया ३ गुरुः ३१ ज्येष्ठायां ३ शनिः २९।८
२	श	१४	४१	श्ले	१४	४१	प्री	०	३८	ग	१४	४१	८	४६	१४	१७	२७	१६	सिं २९।४१	भ. ४६।४३ उ. ज्यष्ठा. शुक्रः ४७।३४
३	र	१८	४६	म	३४	५३	आ	१	४	वि	१८	४६	१०	४६	१४	१८	२८	१७	सिंहे	भ. १८।४६ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	२१	५५	पू	३९	०	सौ	५६	५८	बा	२१	५५	१२	४६	१४	१९	२९	१८	कं.५४।४६	श्रवणे बुधः ३४।११
५	मं	२३	४३	उ	४२	२	अ	५७	५३	तै	२३	४३	१५	४५	१५	२०	३०	१९	कन्यायां	अभि. प्र. रविः ५०।२६ (सौरः ५९।६)
६	बु	२४	३३	ह	४३	४४	सु	५४	५६	व	२४	३३	१७	४५	१५	२१	१	२०	कन्यायां	भ.२४।३३उ.५४।१५या. रा. माघारंभः
७	गु	२३	५६	चि	४४	१९	धृ	५०	३७	ब	२३	५६	२०	४४	१६	२२	२	२१	तु.१३।५८	
८	शु	२१	५३	स्वा	४२	५५	शू	४३	८	कौ	२१	५३	२२	४४	१६	२३	३	२२	तुलायां	रेवत्यां भौमः २।१३ पातस्पर्शः ४८।४४
९	श	१८	१४	वि	४०	९	गं	३८	३३	ग	१८	१४	२५	४३	१७	२४	४	२३	तु. २५।५०	भ. ४५।४३उ. श्रवणे रविः ६।४९ (सौरः०
१०	र	१३	१३	अ	३६	५	वृ	३०	३८	वि	१३	१३	२७	४३	१७	२५	५	२४	वृश्चिके	म. ३३ या. अभि. नि. रविः सौरः ७।१९
११	चं	६	३९	ज्ये	३०	४४	धृ	२१	४३	आ	६	३९	३०	४२	१८	२६	६	२५	ध. ३०।४४	षटतिला ११ व्र.
१२	मं	५	२२	मं	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●१५३ अभि नि. रविः ५१ मोक्षः १।९
१३	बु	५०	३२	मृ	२४	१८	व्या	११	५९	ग	२४	४७	३३	४१	१९	२७	७	२६	धनुषि	भ.५०।३२उ. धनि. बुधः २०।२९ प्रदोषः
१४	बु	४१	१६	पू	१७	१३	व	४	११	वि	१५	५४	३६	४१	१९	२८	८	२७	म. ३०।४३	भ. १५।५४ या.
१५	गु	३२	११	उ	९	४९	सि	४०	३३	च	६	४४	३९	४०	२०	२९	९	२८	मकरे	

४१पं.मा.कृ.३सू.इ.४८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	१०	७	७	११	९
४	१३	८	२७	१७	२२	२१	४
३५	३५	२८	६	४०	३४	५१	२६
३१	२८	३१	२३	२६	३०	३१	७
६१	३९	०	१०	५९	६	३	६१
५	३५	२६	४४	५८	१५	११	१९

गोचरग्रहाः

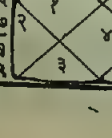

इस मासमें ५ शुक्रवार शुभ है धा. मंदा चांदी सोना सूत रुई तेज हो। गुड़ का वायदा मंदा रहे।

गोचरग्रहाः

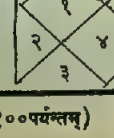

४२पं.मा.कृ.१०सू.इ.४८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	१०	७	७	११	९
११	१८	२०	२८	२५	२४	२१	११
४२	२९	३७	३०	७	३३	२९	३४
५८	२०	५९	४०	३०	५२	१५	५८
६०	३९	०	११	६२	५	३	६१
५९	३३	२	२०	१७	४८	११	२३

(सं० २००१ समारम्य २१००पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८													दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	२	३	३१	श्र	५	८	५४	व्य	३	०	४०	ब	२	३	३१	२६	६	२०	१०	२५	कुं. ३०।२५
२	श	१	५	५६	श	५	२	१०	व	२	१	५८	कौ	१	५	५६	४६	३	९	२१	३०	कुम्भे
३	र	१	०	२	पू	४	९	७	ष	१	४	१०	ग	१	०	२	४९	३	८	२२	१	मी ३४।५३
४	चं	५	४	५	उ	४	८	२४	शि	७	५	३	वि	५	४	५	५२	३	८	२२	२	मीने
५	मं	३	४	९	रे	४	९	३८	त्ति	३	३	७	आ	३	४	९	५५	३	७	२३	३	मे. ४९।३८
६	बु	३	५	०	अ	५	२	५६	सा	१	४	३	वै	३	५	०	५९	३	६	२४	४	मेषे
७	गु	६	६		भ	५	७	५०	शु	०	९	५	व	६	६		२७	३	६	२४	५	मेषे
८	शु	१	०	७	कृ	६	०	०	शु	०	८	५	ब	१	०	७	६	३	५	२५	६	वृ. १४।२६
९	श	१	५	२४	कृ	४	१	२	ब्र	१	३	८	कौ	१	५	२४	९	३	४	२६	७	वृषे
१०	र	२	१	४६	रो	११	३	२	रे	३	३	१	ग	२	१	४६	१३	३	३	२७	८	मि ४५।२१
११	चं	२	८	११	मृ	१	९	१०	वै	५	४	७	वि	२	८	११	१६	३	३	२७	९	२०	९	मिथुने
१२	मं	३	४	४०	आ	२	६	४५	वि	८	१	१	व	१	२	६	२०	३	२	२८	१०	२१	१०	मिथुने
१३	बु	४	०	४९	पु	३	३	५५	प्री	१	०	११	कौ	७	४	४	२४	३	१	२९	११	२२	११	क. १७।७
१४	गु	४	६	५	पु	४	०	३४	आ	११	४	९	ग	१	३	२७	२७	३	१	२९	१२	२३	१२	कर्के
१५	शु	५	०	९	पु	४	६	२	सो	१	२	३८	वि	१८	७	३	१	३	०	३०	१३	२४	१३	सिं ४६।२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८													दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	५	३	२०	म	५	०	३६	शे	१	२	४६	बा	२	१	४५	३५	६	२५	३	१४	२५	१४	सिंहे
२	र	५	५	५७	पू	५	४	०	अ	१	२	७	वै	२	४	३८	३८	२	२	३२	१५	२६	१५	सिंहे
३	चं	५	६	४५	उ	५	६	३२	सु	१	०	२६	व	२	६	२१	४२	२	८	३२	१६	२७	१६	कं. १९३८
४	मं	५	६	४७	ह	५	८	०	धृ	८	५	५	व	२	६	४६	४६	२	७	३३	१७	२८	१७	कन्यायां
५	बु	५	५	५१	चि	५	८	२५	शू	४	५	३	को	२	६	१९	५०	२	६	३४	१८	२९	१८	तु. २८।१२
६	गु	५	४	०	स्वा	५	७	५८	गं	५२	५४	३	ग	२	४	५६	५४	२	५	३५	१९	३०	१९	तुलायां
७	शु	५	०	५०	वि	५	६	२२	धृ	५	०	३७	वि	२	२	२९	५८	२	४	३६	२०	१	२०	वृ. ४१।४६
८	श	४	७	१३	अ	५	४	५५	व्या	४	४	१८	बा	१	९	६	२९	२	४	३६	२१	२	२१	वृश्चिके
९	र	४	२	१६	ज्ये	५	०	२६	ह	३	७	७	वै	१	४	४४	६	२	३	३७	२२	३	२२	ब. ५०।२६
१०	चं	३	६	३१	मू	४	६	७	व	२	९	१७	व	९	२	३	१०	२	२	३८	२३	४	२३	धनुषि
११	मं	२	९	४६	पू	४	०	५९	ष	२	०	३६	ब	३	८	१४	२१	२	१	३९	२४	५	२४	म. ५४।३१
१२	बु	२	२	२६	उ	३	५	८	व्य	१	१	३९	वै	२	२	६	१८	२	०	४०	२५	६	२५	मकरे
१३	गु	१	४	४३	श्र	२	९	१६	व	१	७	४८	व	१	४	३	२२	२	०	४०	२६	७	२६	कु. ५६।३५
१४	शु	६	५	८	ध	२	३	५४	शि	४	४	१२	श	६	५	८	२६	१	९	४१	२७	८	२७	कुम्भे
३०	शु	५	२	४९		०				०				०										०

माघ शु. १४ गुरौ कुम्भेऽर्के प्र. वा. २ नं. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (घात्यादि भावे महत्ता) शुक्रोदयं पू.।

फाल्गुन शु. १४ शनौ मीनेऽर्के: प्र. वा. ३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धात्यादिभावे समता) शुक्रो. पू.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५०७७ स.१९८७
१	श	५३	३७	श	१८	५६	सि	३६	१०	किं	२६	११	३८/३०	६/१८	५/४२	२८	९	२८	कुम्भे	ज्येष्ठा. ४ शनिः ३१।४२
२	र	४७	४७	पू	१५	१९	सा	२९	१७	बा	२०	४१	३४	१७	४३	१	१०	२९	मी १।७	मार्च सा.३ता.३१ चन्द्रदर्शनमफुलरिया२
३	चं	४५	४३	उ	१३	१	शु	२३	४६	तै	१६	४५	३८	१६	४४	२	११	१	मीने	भरण्या भौमः ४६।७ रज्जव ७
४	मं	४४	४७	रे	१३	१४	शु	२०	४०	व	१५	१५	४२	१६	४४	३	१२	२	मे.१३।१४	भ. १५/१५ उ.४४/४७ या. उभा. २ गुरुः ४४।४
५	बु	४५	५७	अ	१४	३७	ब्र	१७	२८	ब	१५	२२	४६	१५	४५	४	१३	३	मेषे	पूभा. रविः ४२।५१ (सौरः ४५।०)
६	गु	४८	५९	भ	१८	२२	ऐं	१७	०	कौ	१७	२८	५०	१४	४६	५	१४	४	बृ.३४।४१	
७	शु	५३	२६	कृ	२३	४१	वै	१७	१५	ग	२१	१३	५४	१३	४७	६	१५	५	वृषे	भ. ५३/२६ उ. श्रवणे शुक्रः ३३/३३ बुधो. पू.३४/४३
८	श	५९	२८	रो	३०	२९	वि	१८	५९	वि	२६	२७	५८	१२	४८	७	१६	६	वृषे	भ. २६।२७ या. होलाष्टकः
९	र	६०	०	मृ	३७	४२	प्री	२०	४८	बा	३२	३८	२९/२	१२	४८	८	१७	७	मि ४।५	
९	चं	५	४८	आ	४५	२३	आ	२३	१७	कौ	५	४८	६	११	४९	९	१८	८	मिथुने	
१०	मं	१२	१४	पु	५२	४७	सौ	२५	२९	ग	१२	१४	१०	१०	५०	१०	१९	९	क.३५।५२	भ.४५।१४ उ. वक्री धनि. बुधः ३२।३४
११	बु	१८	१४	पु	५९	२५	शो	२७	१०	वि	१८	१४	१४	९	५१	११	२०	१०	कर्के	भ. १८।१४ या. आमलकी ११ ब्र.
१२	गु	२३	२२	श्ले	६०	०	अ	२८	१८	बा	२३	२२	१९	८	५२	१२	२१	११	कर्के	प्रदोषः ●मार्गी बुधः २४।३७
१३	शु	२७	१७	श्ले	४	४५	सु	२८	१	तै	२७	१७	२३	७	५३	१३	२२	१२	सिं४।४५	
१४	श	२९	४८	म	९	०	धृ	२७	५	व	२९	४९	२७	७	५३	१४	२३	१३	सिंहे	भ. २९/४९ उ. मीनेऽर्कः ४३/४८ (सौरः४५।२०)●
१५	र	३१	२	पू	१२	४	शू	२५	२	वि	०	२५	३२	६	५४	१५	२४	१४	कं.२७।३०	भ.०।२५ या. शते बुधः १७/५५ होलिकादहनं

४७पं.फा.शु.२र.इ.४९।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	११	९	७	११	१०
१७	१२	१२	६	४	२६	१९	१७
५	४२	३४	१४	३८	४३	३७	३
४६	७	१	३८	४६	५५	५७	१५
६०	३९	६९/३७	१३	६९	३	३	६०
१२	५५	ब	२०	१	२	११	२०

४८पं.फा.शु.९ र.इ.४९।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	११	९	७	११	१०
२४	१७	७	७	१२	२७	१९	२४
६	३०	३६	५४	५०	१	१५	४
२९	५४	५४	२५	५२	२३	४१	३८
५९	३९	३३/७	१३	६९	२	३	६०
५८	५८	ब	२०	४७	२२	११	५

४९पं.फा.शु.१५र.इ ४९।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	११	९	७	११	११
१	२२	६	९	२१	२७	१८	१
५	१५	४४	३३	७	१४	५३	४
४२	११	२९	१७	३०	६	२६	२०
५९	४०	८/२६	१३	७०	१	३	५९
२९	७	मा	२३	२९	४१	११	४९

त.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं	३०	४३	उ	१३	४४	गं	२१	४६	बा	०	२२	२९/३६	६/५	५/५५	१६	२५	१५	कन्याया	वसंत १ छारेंडी
२	मं	२९	२६	ह	१३	५६	वृ	१७	४९	तै	०	४	४०	४	५६	१७	२६	१६	तु.४३।४०	भ.५८।१६उ. उभा.३ गुरुः३९।२४धनि.●
३	बु	२७	६	चि	१३	२४	ध्रु	१३	२	वि	२७	६	४४	३	५७	१८	२७	१७	तुलायां	भ. २७/६या. उभा.रविः ५४/२ (सौरः २५/६) च.ब्र
४	गु	२३	५५	स्वा	१२	१०	व्या	७	४७	बा	२३	५५	४९	२	५८	१९	२८	१८	बृ.५५।३६	●शुक्रः४२।३७ अस्तं गुरुः २४।३३
५	शु	२०	६	वि	१०	५	ह	५५/५५	५३/४९	तै	२०	६	५३	१	५९	२०	२९	१९	वृश्चिके	
६	श	१६	९	अ	७	४५	सि	४९	१	व	१६	९	५७	१	५९	२१	३०	२०	वृश्चिके	भ. १६।९ उ. ४३।५२ या.
७	र	११	३४	ज्ये	४	५५	व्य	४२	११	ब	११	३४	३०/१	६/०	६/०	२२	१	२१	ध.४।५५	कृत्ति. भौमः १७।७ रा. चैत्रारंभः
८	चं	६	३६	मू	१/४७	५६/२५	व	३४	५७	कौ	६	३६	६	५/५९	१	२३	२	२२	धनुषि	कुम्भे शुक्रः १८।३९ शीतलापूजनम्
९	मं	१	२७	उ	५४	१७	प	२७	२९	ग	१	२७	१०	५८	२	२४	३	२३	म.१२।१४	भ. २८।३१ उ. ५५।३५ या.
१०	मं	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	बु	४९	५१	श्र	५०	१३	शि	१९	४७	ब	२१	४३	१४	५७	३	२५	४	२४	मकरे	पापमोचनी ११ व्रतम् स्मा.
१२	गु	४३	५६	ध	४६	७	सि	११	९	कौ	१६	५३	१८	५६	४	२६	५	२५	कु.१८।१०	पापमोचनी ११ ब्र. वै. नि.
१३	शु	३८	५	श	४२	३१	सा	४/३४	५२/५६	ग	११	१	२३	५५	५	२७	६	२६	कुम्भे	भ.३८।५उ. वृषेभौमः ११।११ प्रदोषः
१४	श	३३	०	पू	३९	२५	शु	५१	९	वि	५	३२	२७	५५	५	२८	७	२७	मी२४।५६	भ. ५।३२ या. शते शुक्रः ५४।२
३०	र	२८	४४	उ	३७	२३	ब्र	४५	२५	च	०	५२	३१	५४	६	२९	८	२८	मीने	मन्वादिः

५०पं. चै.कृ.७ र.इ.५०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	११	९	७	११	११
८	२७	१०	११	२९	२७	१८	८
	१	४३	१७	२६	२१	३१	२
			६	१७	५८	१०	१५
			१३	७१	१	३	५९
			३८	१	१	११	३५

गोचरग्रहाः

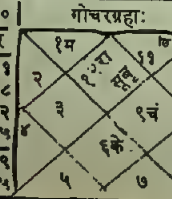

इस मासमें अमावस्या रविवार और होली भी रविवार की होने से धान्यादि के बाजार में तेजी होगी। रोग पीड़ा हो।

गोचरग्रहाः

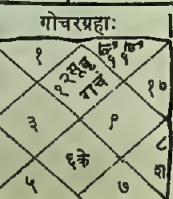

५१पं. चै.कृ.३०र.इ.५०।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	११	१०	७	११	११
१४	१	१७	१२	७	२७	१८	१४
५९	४६	२१	५८	४७	२५	८	५८
१३	८	४३	१२	२०	३७	५५	२२
५९	३९	६२	१३	७१	०	३	५९
१६	५८	१५	३८	३१	१४	११	१८

●चंवृरा

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०८८ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०८८ भोग्यकलिः ४२६९१२ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २०४४ शाकः १९०९ अथास्मिन्वर्षेराजा चन्द्रः । मंत्री भौमः । सस्येशो गुरुः । धान्येशो बुधः । मेघेशश्चन्द्रः । रसेशश्शनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशो रविः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चन्द्रः । एतेदशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्त्य–मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १४ विक्रमनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये: गतमासादिः ८।८।११।३५ भोग्यमासादिः ३।२१।४८।२५ इन्द्रदैवतं युगम् । वर्षनामः भाद्रपदः । मेघ नाम द्रोणः । रोहिणी निवासः पर्वते । समयनिवासो कुंभकारगृहे । समय विश्वा १८ । समयवाहनं मृगः । स्तभाः ३अन्न जलतृणानाम् । सोमवत्यमा १ । सोमवती पंचमी ३। अंगारकी चतुर्थी २। बुधाष्टमी ३। भानुसप्तमी २। रविदशमी १ । समयमुहूर्ताः ३९० । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः १७ । तिथि वृद्धिः १० । उत्पति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ८४ । वर्षा विश्वा ७ । धान्यम् १३, तृणम् ५. शीतम् ९. तेज ११. वायु १३ वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं ९९ सत्यम्॥. धर्मम् १॥. पाप १८ शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहण २ सूर्यस्य ।

सं. २०४४ आश्विन कृ. ३० बुध खंडग्रासं ग्रस्तोदयं सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.		
उज्ज.	घं.	५८	०	३		
मध्यम	पल.	३१	३४	१४		
रेल्वे	घं.	५	६	७		
टाइम	मि.	५१	४१	३७		

फा. शु. १५ गुरुवार को रात्रि में रेल्वे ९॥ बजे अंगुल्याल्प चंद्रग्रहण होना संभव है और मानने योग्य नहीं है ।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्ष लग्नम ५।५

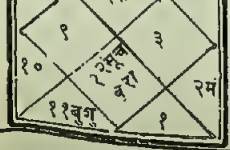

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव खड़ा माता के दरबार ।
चवालीस की साल का कहदो मुखसे सार ।।

भवानी उत्तर

शशि राजा इस वर्ष में शुभफल कारक योग ।
मंत्रीमद कुज को मिला वडै द्वेष अरु रोग ।।
श्रावण में आगे चला रवि रथ से कुजराय ।
भाद्रव कृष्णा पांखलों वर्षा स्वल्प दिखाय ।।
सस्याधिप गुरु होण से सिद्ध होय सब काज ।
अन्नजल तृण के स्तंभ है धान्याधिप युवराज ।।
रोहिणी पर्वत में वसी समय बसे घटकार ।
कहींक पश्चिम देश में मांचे हाहाकार ।।
रजनी पति राजा भये ले दुर्ग मेघ अधिकार ।
राज प्रजा सुख से रहे होसी नैया पार ।।

सं. २०४४ चैत्र कृ. ३० शुक्रे खंडग्रासं ग्रस्तोदयं सूर्यग्रहणं

		स्प.	म.	मो.		
उज्ज.	घ.	५८	०	१		
मध्यम	पल.	९	२	४६		
रेल्वे	घं.	५	६	७		
टाइम	मि.	४३	२८	९		

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ११७

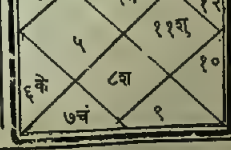

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३९।४७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चन्द्रः फलम्-चन्द्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरंधान्यम् सौख्यंजनानमुदयो नृपाणांप्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् ।। मंत्री भौमस्तत्फलम्-अवनिजोननु मंत्रिपद गतो भवति दस्यु गदा-दिज वेदना । जनपदेषुजयं सुखसंचयं न बहुगोषुपयो द्विजकर्म च ।। सस्येशो गुरुः फलम्-कणपतौ सुरराज पुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुति पूर्वकः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि च ।। धान्येशो बुधस्तत्फलम्-बुधे धान्याधिपे मेघाःजलं मुचति वैभृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवोत्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-शशिनितोयदपे यदि गोमहिष्यजख-रादिषुदुग्ध रसंतदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती नरुभामिनी ।। रसेशः शनिः फलम्-रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गज वाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरानरसंर्युताः ।। नीरसेशोगुरुफलम्-हरिद्रापीत वस्तूनि चित्र वस्त्रादिकञ्चयेत् । नीरसेशो यदाजीवो सर्वेषां प्रीति स्तमाः ।। फलेशोः रविः फलम्-द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिताफल भोगविशोषिता । बहुजलं जलदोभुविर्मुचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो गुरुः फलम्-सुमनसाचगुरुर्द्रविणा धिपो वणिज वृत्तिपरा सुख भाजनाः । फलित् पुष्पित भूमिरूह्राः सदा विविध द्रव्ययुता भुविमानवाः ।। दुर्गेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-गढ़पतिः शशलान्छनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरंजाः । वहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवरावर वर्णित विग्रहाः ।। विक्रमनाम संवत्सरस्तत्फलम्-विक्रमाब्दे धराधीशा विक्रमा क्रांतभूतयः । सर्वत्रसर्वदा मेघाः मुचंति कामदं जलम् ।। वर्षनाम भाद्रपदस्त-त्फलम्-अर्घ महर्घतां यांति धनधान्यं समं भवेत् । मघवावर्षति स्वच्छं संपदो भाद्रवर्षके ।। मेघनाम द्रोणः फलम्-द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम्-पर्वते विंदुमात्रश्च ।। समय निवासो कुंभकार गृहे फलम्-अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०४४ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख ज्येष्ठाषाढ मासेषु गोधूल्यां भौमः ७।८ स्थित दोष

वैशाख मासः

कृष्णे ५ शनौ मूले ल. १०-११ रे. ६ ।।।।।ऽनृऽऽ।ऽ दग्धा.
,, ७ चंद्रे उषा. ल. अन्यगो. ९-११ रे.६ ऽ।।।।ऽचौ.ऽऽ।
शुक्ले ९ गुरौ मघा ल. गो. ९ रे. ७ ।।।।।ऽनृऽ।ऽ। गणितेन-क्रांति साम्याऽभावः
,, ११ शनौ उफा. ल. १० रे. ८ ।।।ऽगु.शु.।।ऽ।।। पादवेधा-द्वेधाऽभावः
,, १४ भौमे स्वा. ल. ११ रे. ७ ।ऽ।।ऽऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे १ गुरौ अनु. ल. गो. रे. ६ ।।।।ऽऽशऽऽ।।
,, ११ शनौ रेव. ल. ११-११-१ रे. ६ ।।ऽगु।ऽऽरो।ऽ।।
शुक्ले ६ बुधे मघा. ल. अन्यगो. सौग्रांगः ११ रे.८ ।।।।।।ऽऽ।।
कुम्भे चं. ७ पूज्यः घटी ४७ या.
,, ८ शुक्र उफा. ल. गो. १० रे. ७ ।।।ऽगु।ऽअऽ।।। पादतो-वेधाऽभावः
,, ११ चंद्रे स्वा. ल. १ रे. ९ ।।।।।ऽ।।। चं. ७ पू.
,, १३ बुधे अनु. ल. १०-११ रे. ८ ।।।।ऽ।ऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णे ९ शुक्रे रेव. ल. १०-११-१ रे. ६ ऽ।।।ऽऽनृ।।।
शुक्ले ४ भौमे मघा. ल. ११-१ रे. ८ ।।।।।।ऽ।।
,, ७ शुक्रे उफा. ल. अन्यगो. रे. ६ ।ऽ।।।ऽरोऽऽ।।
,, १० चंद्रे स्वा. ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽऽअऽ।।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ले ५ बुध उषा. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

माघ मासः

शुक्ला ५ शनौ उभायां ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।।।।
,, १० गुरौ रोहि. ल.गो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।गणितेन क्रांति-साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णे ४ रवौ हस्ते ल.गो.रे.६।।।ऽशऽऽचौऽ।।।पादतोवेधाऽभावः

चैत्र मासः

कृष्णे २ शनौ हस्ते ल. गो. रे. ९ ।ऽ।।।।।।।
,, ४ चंद्रे स्वा. ल. १० घ. ५४।१४ उ. रे. ७ ।।।।ऽ।।ऽऽ। गणितेनक्रांति साम्याभावः
,, ५ भौमे स्वा. ल. गो. रे. ६ ।।।।ऽऽचौ.।ऽऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः
,, ६ बुधे अनु. ल. १० घ. ५६।२२ या. रे ८ ऽऽ।।।।।।।
,, ७ गुरौ अनु. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽऽ।।।ऽरो।।।।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१०७ सन् १९८७
१	चं	२५	५९	रे	३६	५६	ह्रीं	४०	४४	त	२५	५९	३०	५	६	३०	९	२९	मे. ३६।५६	संवत्सरारम्भः चन्द्रदर्शनम् नवरात्रा.
२	मं	२४	४६	अ	३७	४७	वै	३८	१०	को	२४	४६	३९	५२	८	३१	१०	१	मेषे	रेवत्यां रविः ३३/५५ (सौरः ३३/२४) उभा. ४●
३	बु	२५	३	भ	४०	४३	वि	३६	४७	ग	२५	३	४४	५१	९	१	११	२	वृ. ५६।५०	भ. ५६।२४ उ. पूभा. बुधः २३।५ वक्री×
४	गु	२७	४५	कृ	४५	१३	प्री	३६	१३	वि	२७	४५	४८	५०	१०	२	१२	३	वृषे	भ. २७।४५ या.
५	शु	३१	४०	रो	५१	१०	आ	३७	२१	बा	३१	४०	५२	५०	१०	३	१३	४	वृषे	×शनिः १७।३१ अप्रेल मा.४ता.३० गणगौरी
६	श	३६	५९	मृ	५७	५८	सौ	३९	२	को	४	१९	५६	४९	११	४	१४	५	मि २४।३४	
७	र	४३	१	आ	६०	०	शो	४१	१३	ग	१०	०	३१	४८	१२	५	१५	६	मिथुने	भ. ४३।१उ. ●गुरुः ३५/३३ सिंघारा सावान८
८	चं	४९	२०	आ	५	२८	अ	४३	२९	वि	१६	१०	४	४७	१३	६	१६	७	क. ५६।५	भ. १६।१० या.
९	मं	५५	३२	पु	१२	५७	सु	४५	४४	बा	२२	२६	८	४६	१४	७	१७	८	कर्के	रामनवमी
१०	बु	६०	०	पु	१९	१	कृ	४७	१६	त	२८	६	११	४६	१४	८	१८	९	कर्के	मीने बुधः ५०।९
१०	गु	०	४१	ले	२५	५८	शु	४७	३९	ग	०	४१	१५	४५	१५	९	१९	१०	सिं २५।५८	भ. ३२।४० उ. पूभा. शुक्रः २।५८
११	शु	४	२८	म	३०	२७	गं	४६	५४	वि	४	३८	१९	४४	१६	१०	२०	११	सिंहे	भ. ४।३८ या. कामदा ११ व्र.
१२	श	७	१	पू	३३	२०	वृ	४४	४३	बा	७	१	२४	४३	१७	११	२१	१२	कं. ४८।३८	उभा.बुधः ६।४९ रोहि.भौमः ०।२८ प्रदोषः
१३	र	७	४६	उ	३४	३४	हु	४१	१२	त	७	४६	२८	४२	१८	१२	२२	१३	कन्यायां	
१४	चं	६	३७	ह	३४	१०	ष्या	३६	३६	व	६	३७	३२	४२	१८	१३	२३	१४	कन्यायां	भ. ६।३७ उ. ३५/५५ या. रेवती १ गुरुः ५७
१५	मं	३	५३	चि	३२	४१	ह	३०	५६	ल	३	५३	३६	४१	१९	१४	२४	१५	तु. ३।२६	अश्वि.मेषेऽर्कः ३९/५७ (सौरः ५८) हनुमज्जयंती

५२पं. चै.शु.७ र.इ.५०।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१८	११	१०	७	११	११
२१	६	२९	१४	१९	२७	१७	२१
५३	२८	०	३९	९	२३	४६	५२
२१	३०	३६	४७	५८	३५	३९	३३
५२	३९	८०	१३	७१	२९	३	५९
४	५७	७	३४	५६	व	११	४

गोचरग्रहाः

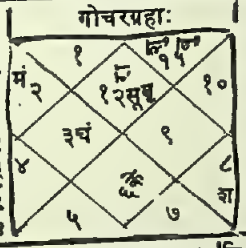

चैत्र शु. १५ भौमे
मेषेऽर्कः प्र. वा.४
न.४कुमार्यावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यादि भावे
समता) शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

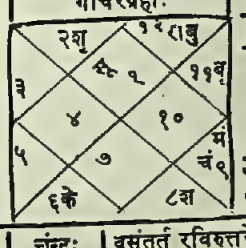

१पं. चै.शु.१५मं.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	११	१०	७	११	११
०	१२	८	१६	२६	२७	१७	२९
०	३	११	४३	१	१८	२०	५८
०	३२	१०	३४	५२	४१	३४	४४
५८	३९	९७	१३	७२	२९	३	५८
४४	४९	१०	३१	१९	ब	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	५५	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	५५	२०	स्वा	३०	५	व	२४	२४	त	२७	१४	३१	४०	५	२०	१५	२५	१६	तुलायां
३	गु	४९	४५	वि	२६	३७	सि	१७	१९	व	२२	३२	४३	३९	२१	१६	२६	१७	वृ. १२।२९	उदयं गुरोः ४०।१२
४	शु	४४	६	अ	२२	५३	व्य	१०	४	ब	१६	५५	४७	३९	२१	१७	२७	१८	वृश्चिके	भ. २२।३२ उ. ४९।४५ या.
५	श	३८	२१	ज्ये	१९	७	व	४३	३६	को	११	१३	५१	३८	२२	१८	२८	१९	ध. १९।७	मीने शुक्रः २४।१३ चतुर्थी व्र.
६	र	३२	५१	मू	१५	२३	शि	४७	५५	ग	५	३६	५५	३७	२३	१९	२९	२०	धनुषि	●उभा. ४ राहुः हस्ते २ केतुः ५२।४४
७	चं	२७	२९	पू	११	५०	ति	४०	५९	वि	०	१०	५८	३६	२४	२०	३०	२१	म. २६।१	भ. ३२।५१ उ. रेवत्यां बुधः १५।२३
८	मं	२२	१२	उ	८	३१	सा	३३	५६	को	२२	१२	३३	३६	२४	२१	१	२२	मकरे	भ. ०।१० या. उभा. शुक्रः १०।३
९	बु	१७	२५	श्र	५	२६	शु	२७	२०	ग	१७	२५	६	३५	२५	२२	२	२३	कु. ३४।४	रा. वैशाखारम्भः
१०	गु	१२	४७	ध	२	४३	क्ल	२१	१४	वि	१२	४७	१०	३४	२६	२३	३	२४	कुम्भे	भ. ४५।६ उ.
११	शु	८	३८	श	२९	५९	ब्र	१५	१६	बा	८	३८	१४	३३	२७	२४	४	२५	मी ४४।१५	भ. १२।४७ या.
१२	श	५	७	पु	५७	५२	ह्रीं	१०	९	त	५	७	१७	३३	२७	२५	५	२६	मीने	वरूथिनी ११ व्र.
१३	र	२	२०	रे	५८	६	वै	५	२९	व	२	२०	२१	३२	२८	२६	६	२७	मे. ५८।१६	बुधास्तः पूर्वस्यां ४५।४५ प्रदोषः
१४	चं	०	३९	अ	५९	२०	वि	५०	५५	श	०	३९	२५	३१	२९	२७	७	२८	मेषे	भ. २० उ. ३१/० या. अश्वि. मेषे बुधः ३३/५१●
२०	मं	०	८	भ	६०	०	आ	५७	४९	ना	०	८	२९	३०	३०	२८	८	२९	मेषे	भरण्यां रविः ४६।५६ (सौरः ४९।१६)

२पं. वै.कृ.८ मं.इ.६।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	११	११	७	११	०
६	१६	२०	१८	४	२७	१६	६
५०	३९	३	१५	२८	६	५८	४८
४२	२२	५४	४०	५५	०	१९	५५
५८	३९	९०	१३	७२	३३	३	५८
३१	५७	४१	२०	४३	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

वृष राशौ यदा
भौम सर्व धान्य
महर्घता । चंदन
कुंकुम वस्त्रं कार्पा
सादि महर्घता ॥
सोना चांदी तेज
होकर मंदी हो ।

गोचरग्रहाः

३पं. वै.कृ.३० मं.इ.७।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	११	११	७	११	०
१३	२१	३	१९	१२	२६	१६	१३
३९	१७	७	५३	५५	४९	३६	३७
४३	१७	४१	५६	५	२६	३	२०
५८	३९	०	१३	७२	२९	३	५८
१९	४७	३९	१२	५६	ब	११	१२

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

●राबृशुबु ×बृराशु

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः५१३७ सन्१९८७
१	शु ०।५८ भ २ ३ सौ।५६।५६ ब ०।५८	३३ ३५	३० ६	२९ ९	३०	वृ.१८।५	चन्द्रदर्शनम्
२	गु ३।२५ कृ ६।१२ शो।५७।३८ कौ ३।२५	३६ २९	३१ ३०	१० १		बृषे	परशुराम ज. रमजान ९
३	शु ७।१३ रो ११।४४ अ५८।४५ ग ७।१३	४० २८	२२ १	१११	२	मि४४।५७	भ.३६उ. रेवत्यां शुक्रः ३३ मृगे भौमः ३६+
४	श १२।१६ मृ १८।१० सु ६० ० वि १२।१६	४३ २७	३३ २	१२	३	मिथुने	भ. १२।१६ या.
५	र १७।५९ आ २५।३१ सु ०।५५ बा १७।५९	४७ २७	३३ ३	१३	४	मिथुने	मरण्यां बुधः ३।३५
६	चं २४ ८ पु ३३ २ धृ ३।२३ वै २४ ८	५१ २६	३४ ४	१४	५	क.१६।९	+वक्री ज्येष्ठा. ३ शनिः ५५ अक्षया ३=
७	मं ३०।२५ पु ४०।३८ शु ५।५० व ३०।२५	५४ २५	३५ ५	१५	६	कर्के	भ. ३०।२५ उ. =मई मा.५ ता.३१
८	बु ३५।५६ श्ले ४७।१४ गं ७।५१ वि ३।१०	५७ २५	३५ ६	१६	७	सिं४७।१४	भ. ३।१० या. पातस्पर्शः ४९।४३
९	गु ४०।३२ म ५२।३४ वृ ९ ६ आ ८।१४	३ २४	३६ ७	१७	८	सिंहे	पातमोक्षः २।१६
१०	शु ४१।२६ पू ५६।३३ धु ९।२० वै ११।५९	४ २३	३७ ८	१८	९	सिंहे	●बुधः४२।२ मिथुने भौमः२१।७ प्रदोषः
११	श ४४।२४ उ ५८।२३ ब्या ७।५८ व १३।५५	७ २३	३७ ९	१९	१०	कं.१२।१	भ. १३ उ. १५ या. मोहिनी ११ ब्र.
१२	र ४३।१९ ह ५।८।२४ ह ५।११ व १३।५२	१० २२	३८ १०	२०	११	कन्यायां	कृत्ति. बुधः ६।५३
१३	चं ४०।२५ चि ५६ ४० व ४६।५४ कौ ११।५२	१३ २१	३९ ११	२१	१२	तु.२७।३२	कृत्ति. रविः३२।५१ (सौरः३७।१३) वृषे●
१४	मं ३५।४० स्वा ५३।१३ ब्य ४७।५३ ग ८।३७	१६ २१	३९ १२	२२	१३	तुलायां	भ.३५उ. अश्वि. मेषे शुक्रः १६ नृसिंह१४
१५	बु २९।४० वि ४८।३३ व ३९।४८ वि २।४४	१९ २०	४० १३	२३	१४	वृ.३४।४३	भ. २।४४ या. रेवती ३ गुरुः २६।३३

४पं. वै.शु.७ मं.इ.७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	११	११	७	११	०
२०	२५	१७	२१	२१	२६	१६	२०
२७	५४	४२	२९	२१	२९	१३	२४
३२	२२	०	४२	४०	२५	४८	२
५८	३९	५८	१२	७३	१३	३	५७
६	४३	५८	५०	१४	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

मुहूरत पंद्रह की लगी बृष राशि संक्रांति । सरसों गल्ला तैल तिल तेजी में दिन रात ।।

गोचरग्रहाः

५पं. वै.शु.१४मं.इ. ७।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	११	११	७	११	०
२७	०	२	२३	२९	२६	१५	२७
३३	३०	५९	३	४९	६	५१	९
३४	४३	४९	४०	५	२९	३२	१६
५७	३९	५८	६२	७३	ब	३	५७
५४	३९	५६	२६	२०	ब	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	गु २२।३७ अ ४३ ९ प ३० ७ कौ २२ ३७	३३ २०	४० १४	२४	१५	बृश्चिके	
२	शु १५ ९ ज्ये ३७ ३७ शि २२ ११ ग १५ ९	४१ १९	४१ १५	२५	१६	ब.३७।३७	भ.४१।१३उ. वृषेऽर्कः०।६(सौरः५।१)+
३	श ७।१७ मू ३२ १ सि १३।१९ वि ७।१७	२८ १८	४२ १६	२६	१७	धनुषि	भ. ७।१७ या. चतुर्थी ब्र.
४	श ५१।३८ ० ० ० ० ० ० ०	० ०	० ०	०		०	
५	र ५२।५९ पू २७ ० सा ३७।५३ कौ २५।५७	३० १८	४२ १७	२७	१८	म.४०।५२	+रोहि. बुधः ९।४१
६	चं ४६।४७ उ २२ ३० शु ४८।५९ ग १९।५३	३३ १७	४३ १८	२८	१९	मकरे	भ.४६उ. बुधोदयः पश्चिमायां १४।५७
७	मं ४१।२० श्र १८।४४ ब्र ४२ १ वि १४ ४	३६ १७	४३ १९	२९	२०	कुं.४७।२२	भ. १४।४ या.
८	बु ३५।५६ ध १६ १ पै ३५।४० बा ८।३८	३९ १६	४४ २०	३०	२१	कुम्भे	
९	गु ३३।२५ श १४ ८ वै २९।४१ ते ४।५९	४१ १६	४४ २१	३१	२२	मी५८।२६	मृगे बुधः ५३।५७ आर्द्रा. भौमः ३२।१२
१०	शु ३०।५७ पू १३ १२ वि २६ १७ व २।११	४३ १५	४५ २२	१	२३	मीने	भ.२।११ उ.३०।५७.या. रा.ज्येष्ठारंभः
११	श २९।२३ उ १३ २५ प्री २२।३३ व ०।१०	४६ १५	४५ २३	२	२४	मीने	भरण्यां शुक्रः २०।३१ अपरा ११ ब्र.
१२	र २८।५६ रे १४ ३६ आ १९।५१ ते २८।५६	१४ १४	४६ २४	३	२५	मे.१४।३६	प्रदोषः ●(सौरः ३१।१०)
१३	चं २९।४० अ १७ १ सौ १८।५३ व २९ ४०	५० १४	४६ २५	४	२६	मेषे	भ. २९।४० उ. रोहि. रविः २३।४१●
१४	मं ३१।२३ भ २० १५ शो १७ ० वि ० ३१	५२ १४	४६ २६	५	२७	बृ.३६।२१	भ. ०।३१ या. मिथुने बुधः ३।५६
१५	बु ३४।२५ कृ २४ ४० अ १६ ४७ च २ ५४	५४ १३	४७ २७	६	२८	वृषे	वटसावित्री ब्र.

६पं.ज्ये.कृ.७मं.इ.७।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	११	०	७	११	१
३	५	१७	२४	८	२५	१५	३
५८	४	११	३३	१७	४०	२९	५२
२६	१६	७	३६	२०	४८	१६	५६
५७	३९	५८	१२	७३	५३	३	५७
४४	४६	५८	८	२४	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

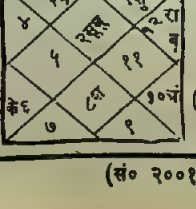

ज्ये. कृ. २ शुक्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ६ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (घा.भावे महर्घता) शुक्रो. पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

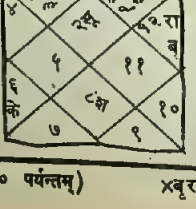

७पं.ज्ये.कृ.१४मं.इ.७।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	०	७	११	१
२०	९	०	२६	१६	२५	१५	२०
४२	२८	६	१	४५	१२	७	३५
२५	६	२६	२६	४४	३६	१	७
५७	३९	५९	११	७३	२०	३	५७
३५	३५	५९	३२	५६	ब	११	२३

●बृशुरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×बूराशु

| ति. | ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९ | | |

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५१९६ स.१९८७
१	श	१७	१३	पु	६०	०	ध्रु	४१	३७	ब	१७	१३	३४/२३	५/७	६/५३	२७	६	२९	क.५०।१४	चद्रदर्शनम्
२	र	२३	२०	पु	७	१७	व्या	४३	९	कौ	२३	२०	२३	७	५३	२८	७	१	कर्के	उभा. ३ राहुः हस्ते १ केतुः ४७।५ रथ०
३	चं	२९	३८	पु	१४	५०	ह	४६	३१	ग	२९	३८	२२	८	५२	२९	८	२	कर्के	●यात्रा जिल्काद ११
४	मं	३५	३७	श्ले	२१	१९	व	४८	३६	व	२	३७	२२	८	५२	३०	९	३	सिं२१।१९	भ. २।३७ उ. ३५।३७ या. वक्री आर्द्रा.×
५	बु	४०	४४	म	२९	१२	सि	५०	२६	ब	८	१०	२१	८	५२	१	१०	४	सिंहे	पुष्ये भौमः ५४।२१ जौलाई मा.७ता.३१
६	गु	४५	०	पू	३५	२	व्य	५१	२५	कौ	१२	५२	२०	८	५२	२	११	५	कं.५१।११	×बुधः १८।० मिथुने शुक्रः ३७।५
७	शु	४७	४३	उ	३९	३७	व	५१	३	ग	१६	२२	१९	८	५२	३	१२	६	कन्यायां	भ. ४७।४३ उ. अस्तो भौमः ३१।५०
८	श	४८	५७	ह	४२	४६	प	४९	२९	वि	१८	२०	१८	८	५२	४	१३	७	कन्यायां	भ. १८।२० या.
९	र	४८	१४	चि	४३	५३	शि	४६	१८	बा	१८	३५	१७	९	५१	५	१४	८	तु.१३।२०	
१०	चं	४५	३०	स्वा	४३	४	सि	४१	२८	तै	१६	५२	१५	९	५१	६	१५	९	तुलायां	पुन. रविः १५/३ (सौरः ३६/२०) आर्द्रा. शुक्रः ५/३५
११	मं	४०	४८	वि	४०	२०	सा	३५	१३	व	१३	९	१४	९	५१	७	१६	१०	वृ.२६।१	भ. १३।९ उ. ४०/४८ या. देवशयनी ११ ब्र.
१२	बु	३४	१	अ	३५	४३	शु	२७	२२	ब	७	२५	१३	९	५१	८	१७	११	वृश्चिके	अश्वि. २ गुरुः २१।२ प्रदोषः
१३	गु	२६	४	ज्ये	२९	३४	शु	१८	१४	कौ	०	३	११	१०	५०	९	१८	१२	ध.२९।३४	
१४	शु	१६	४१	मू	२२	२१	ब्र	८/१४	४९/१९	व	१६	४१	१०	१०	५०	१०	१९	१३	धनुषि	भ.१६।४१ उ. ४१।४४ या. वायु परीक्षा
१५	श	६	४७	पू	१४	३२	वै	४६	३९	ब	६	४७	८	१०	५०	११	२०	१४	म.२७।३४	व्यास पूजा

१२पं.आ.शु.४मं.इ.७।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	०	१	७	११	२
१४	२	२०	२	२९	२२	१३	१३
९	१०	५	१२	२२	४०	१५	५१
५०	१	४२	२२	३८	५९	४३	५०
५७	३९	३३/३२	७	७४	४	३	५६
७	२५	ब	५८	२०	७	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मास का फल साधारण है वायु का जोर कहीं २ वर्षा भी होगी। सोना चांदी गेहूँ जौ चना मटर मदा। सुदी में तेज हो।

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.शु.११मं.इ.७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	०	२	७	११	२
२०	६	१६	३	७	२२	१२	२०
५०	३८	७	११	५७	१५	५३	२९
१०	१०	४४	२८	४	०	२७	४४
५७	३९	३५/२	६	७४	३	३	५६
७	२२	ब	५९	२५	४७	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४९	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	४७	५३	उ	६/३२	५२/३७	वि	३५	५२	तै	२२	१७	३४/७	५/११	६/४९	१२	२१	१५	मकरे	
३	चं	३८	४	ध	५२	२८	प्री	२५	३४	ब	१२	५८	५	११	४९	१३	२२	१६	कु.२५।४९	भ. १२।५८ उ. ३८।४ या. बुधोदयः●
४	मं	३०	१३	श	४७	३५	आ	१६	२६	ब	४	८	४	११	४९	१४	२३	१७	कुम्भे	●पूर्वस्यां २२।२९ चतुर्थी ब्र.
५	बु	२४	१४	पू	४४	४	सौ	८	३२	तै	२४	१४	२	१२	४८	१५	२४	१८	मी२९।५७	नाग ५ मरुस्थले
६	गु	२०	१२	उ	४२	३७	शो	०/५५	५५/५९	व	२०	१२	०	१२	४८	१६	२५	१९	मीने	भ.२०/१२ उ.४९।४ या. कर्केऽर्कः ४४/६७ मार्गी+
७	शु	१७	५६	रे	४२	५०	सु	५३	३१	ब	१७	५६	३३/५८	१२	४८	१७	२६	२०	मे.४२।५०	कर्केऽर्कः सौरः ९।४
८	श	१७	४३	अ	४५	७	धृ	५१	३२	कौ	१७	४३	५६	१३	४७	१८	२७	२१	मेषे	+बुधः २६।१७ पुन. शुक्रः ५६।८
९	र	१९	१६	भ	४८	५०	शू	५०	५८	ग	१९	१६	५४	१३	४७	१९	२८	२२	मेषे	भ. ५०।४२ उ.
१०	चं	२२	८	कृ	५४	१३	गं	५१	३४	वि	२२	८	५२	१४	४६	२०	२९	२३	वृ.५।१०	भ.२२।८ या. पुष्ये रविः १३/४४ (सौर.३९/४५)
११	मं	२६	३४	रो	६०	०	वृ	५२	३४	बा	२६	३४	५०	१४	४६	२१	३०	२४	वृषे	कामिका ११ ब्र.
१२	बु	३१	४२	रो	०	१६	ध्रु	५४	३८	तै	३१	४२	४७	१५	४५	२२	३१	२५	मि३३।४९	अश्वि. भौमः ४८।४४
१३	गु	३७	३८	मृ	७	२२	व्या	५६	५३	ग	४	४०	४५	१५	४५	२३	१	२६	मिथुने	भ. ३७।३८ उ. रा.श्रावणारंभः प्रदोषः
१४	शु	४३	४०	आ	१४	३१	ह	५९	१६	वि	१०	३९	४२	१६	४४	२४	२	२७	मिथुने	भ. १०।३९ या.
३०	श	४९	४९	पु	२२	१०	व	६०	०	च	१६	४४	४०	१६	४४	२५	३	२८	क.५।१६	कर्के शुक्रः ७।५२ हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.४मं.इ.७।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	०	२	७	११	२
२७	११	१३	३	१६	२१	१२	२७
३०	६	३६	५९	३०	५१	३१	७
३२	२९	३६	४२	५४	४	१२	५१
५७	३९	१४/१९	५	७४/२६	३	३	५६
११	१२	ब	५०	ब	२०	११	५४

गोचरग्रहाः

श्रा. कृ. ६ गुरौ कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न. ६ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयपूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

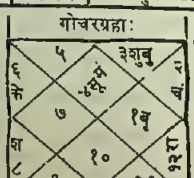

१५पं.श्रा.कृ.११मं.इ.७।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	०	२	७	११	३
४	१५	१३	४	२५	२१	१२	३
११	३३	३९	४२	६	३०	८	४६
१७	३६	३२	७	२९	४७	५६	१८
५७	३९	२९/२	४	७४	३/४१	३	५६
१५	२०	मा	५७	२६	ब	११	५७

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षंतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२२५सन् १९८७
१	र ५५ ५३ पु २९ ३८ ध १ ४४ कि २२ ५०	३३	१७	४३	२६	४	२९	कर्के	
२	चं ६० ० श्ले ३६ ५९ सि ४ ८ बा २८ ४१	३५	१७	४३	२७	५	३०	सिं३६।५९	पुष्ये शुक्रः ४८।५२ चन्द्रदर्शनम्
३	मं १ २९ म ४३ ३८ व्य ६ ११ कौ १ २९	३२	१८	४२	२८	६	१	सिंहे	पुन. बुधः ५०।४७ सिंघारा जिल्हेज १२
४	बु ६ २० पू ४९ १९ च ७ ४१ ग ६ २०	२९	१८	४२	२९	७	२	सिंहे	भ. ३८।२३ उ. तीज
५	गु १० २७ उ ५४ ३१ प ८ ३२ वि १० २७	२६	१९	४१	३०	८	३	क.५।३७	भ. १०।२७ या. वरद ४
६	शु १३ २६ ह ५८ २२ शि ९ ३८ बा १३ २६	२४	१९	४१	३१	९	४	कन्यायां	शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ५१।० नाग ५ शु.अ.पू.
७	श १५ ८ चि ६० ० सि ८ ६ वै १५ ८	२१	२०	४०	१	१०	५	तु.२९।३४	अगस्त मा. ८ ता. ३१
८	र १५ २३ चि ० ४६ सा ६ ४ व १५ २३	१८	२०	४०	२	११	६	तुलायां	भ. १५।२३ उ. ४४।४४ या.
९	चं १४ ४ स्वा १ ४४ शु ५ ५५ ब १४ ४	१५	२१	३९	३	१२	७	वृ.४६।९	आश्ले. रविः ३५ (सौरः ३६) कर्के बुधः २३
१०	मं १० ५६ वि ५७ ३७ ज्ये ५४ २० ऐं ४ ३ ५२	१२	२२	३८	४	१३	८	वृश्चिके	
११	बु ६ ११ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	१०	९	०	
१२	गु ५१ ५८ मू ४८ ५२ वै ३५ २२ ब २५ ५६	६	२३	३७	६	१५	१०	धनुषि	पवित्रा ११ ब्र. वै. ●११ ब्र. स्मा.
१३	शु ४३ ८ पू ४२ ४ वि २६ ५३ कौ १७ ३२	३	२३	३७	७	१६	११	म.५५।१२	आश्ले. शुक्रः ३५।४३ प्रदोषः
१४	श ३३ २० उ ३४ ३५ प्री १६ २१ ग ८ १४	०	२४	३६	८	१७	१२	मकरे	भ. ३३ उ. ५८ या. बुधास्तः पूर्वस्याम् ३५ ५०
१५	र २३ १६ श्र २६ ४९ आ ३५ ४९ व २३ १६	३३	२५	३५	९	१८	१३	कुं.५२।५८	श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्

१६पं.श्रा.शु.२मं.इ.७।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	०	३	७	११	३
१०	२०	१९	५	३	२१	११	१०
५२	०	१४	१६	४२	१४	४६	२५
१९	३६	४२	१९	५४	१३	४	३५
५७	३९	६२	३	७४	३	३	५७
२०	२०	३१	४८	३२	४	११	५

गोचरग्रहाः

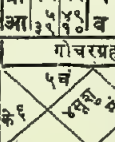

इस मास में रविसे आगे भौम वर्षा में कमी करे और बुध शुक्रका योग कहीं अच्छी वर्षाभी करे धान्यादि में घटा-बढ़ी हो।

गोचरग्रहाः

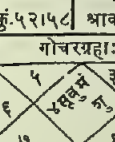

१७पं.श्रा.शु. ९मं.इ.७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	०	३	७	११	३
१७	२४	१	५	१२	२१	११	१७
३४	२६	२१	४३	२०	२	२४	५
१	५३	४०	१	५६	५३	२५	२३
५७	३९	०	२	७४	२	३	५७
२५	२०	५९	२३	३२	४	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षंतूं रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं १३ ३७ ध १९ ७ शो ४४ २८ कौ १३ ३७	३३	२५	४५	१०	१९	१४	कुम्भे	
२	मं ४ ५० श १२ २९ अ ३४ ४७ ग ४ ५०	५०	२६	३४	११	२०	१५	मी५३।२२	भ. ३१।१ उ. ५७।१२ या.
३	बु ५ २२ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
४	बु ५१ ३१ पू ७ ० सु २६ ४० ब २४ २१	४७	२७	३३	१२	२१	१६	मीने	आश्ले. बुधः ३६ मघा. सिंहे भौमः ४७ ०
५	गु ४७ ४५ उ ३ ३३ भृ २० ५६ कौ १९ ३८	४३	२७	३३	१३	२२	१७	मीने	×शुक्रश्च २६।४ वक्री गुरुः ३५ मार्गी+
६	शु ४६ १९ रे २ ५५ शू १४ ५० ग १७ २	४०	२८	३२	१४	२३	१८	मे.२।५५	भ. ४६।१९ उ. चन्द्रषष्ठी ●चतुर्थी व्र
७	श ४६ ५० अ २ ३३ ग ११ २२ वि १६ ३४	३६	२९	३१	१५	२४	१९	मेषे	भ. १६।३४ या. +शनिः ४७।५३
८	र ४९ १३ भ ५ १ वृ ९ ३८ बा १८ २	३५	२९	३१	१६	२५	२०	वृ.२१।८	जन्माष्टमी व्र.
९	चं ५३ ३२ कृ ९ ३१ छु ९ ५ ते २१ २२	२९	३०	३०	१७	२६	२१	वृषे	मघा. सिंहेऽर्कः ४।४० (सौरः ३६) गोगा ९
१०	मं ५८ ४१ रो १५ २९ श्या १० ५ व २६ ३६	२६	३१	२९	१८	२७	२२	मि४८।५७	भ. ३६ उ. ५६ या. मघा सिंहे बुधः ४३×
११	बु ६० ० मृ २२ २५ ह १२ ५९ ब ३१ ४७	२३	३२	२८	१९	२८	२३	मिथुने	अजा ११ व्र. स्मा.
११	गु ४ ५४ आ २९ ३४ च १४ १७ बा ४ ५४	१९	३२	२८	२०	२९	२४	मिथुने	अजा ११ व्र. वै.
१२	शु ११ ९ पु ३० २९ सि १६ ५२ ते ११ ९	१५	३३	२७	२१	३०	२५	क.२०।३०	प्रदोषः वत्स १२
१३	श १७ २६ पु ४४ ५९ ब्य १९ १३ व १७ २६	११	३४	२६	२२	३१	२६	कर्के	भ. १७।२६ उ. ५०।२३ या.
१४	र २३ २० श्ले ५२ ७ व २० ५० श २३ २०	८	३४	२६	२३	१	२७	सिं५२।७	रा. भाद्रपदारंभः
३८	चं २८ ३३ म ५८ २९ प २२ २१ ना २८ ३३	४	३५	२५	२४	२	२८	सिंहे	सोमवती ३० कुशाग्रहणी

१८पं.भा.कृ.२मं.इ. ७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	०	३	७	११	३
२४	२८	१४	५	२०	२०	११	२३
१६	५४	१६	५८	५७	५३	२	४६
२६	११	१	५५	५४	४९	९	३०
५७	३९	०	०	७४	४	३	५७
३३	१६	२२	१५	३२	४	११	२२

गोचरग्रहाः

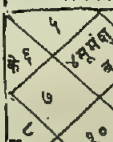

भा. कृ. ९ चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र. वा.४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुकोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

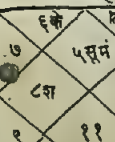

१९पं.भा.कृ.१०मं.इ.६।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	०	३	७	११	४
०	३	२८	६	२६	२०	१०	०
५९	२१	४७	६	३६	५१	३९	२८
४९	१८	१०	५८	११	०	५९	४३
५७	३९	०	०	७४	४	३	५७
४०	१६	२	२६	४	४	११	२४

ति.| भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९ | वि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२५५स.१९८७

| | | |

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२८५ स.१९८७
१	गु	७	५	ह	२७	३७	ब्र	३९	५२	ध	७	५	३०	६	६	२४	२	२९	तु.५८।२७	नवरात्रारम्भः ●सरस्वत्यावाहनम्
२	शु	७	२७	चि	२९	१८	ऐं	३७	१३	कौ	७	२७	२९ ५५	६ १	५ ५९	२५	३	३०	तुलायां	चन्द्रदर्शनम् +पूर्णिमा कोजागरी व्र.
३	श	६	४०	स्वा	२९	५६	वै	३३	४८	ग	६	४०	५१	२	५८	२६	४	१	तुलायां	भ. ३५।४७ उ. सफर २
४	र	४	५४	वि	२९	४४	वि	२९	२५	वि	४	५४	४७	३	५७	२७	५	२	वृ.१४।४७	भ.४।५४या. हस्ते रविः१७।४(सौरः ५० १०)
५	चं	२	२६	अ	२८	४७	प्री	२४	४६	बा	२	२६	४३	३	५७	२८	६	३	वृश्चिके	स्वात्यां बुधः ४५ २५ कन्यायां भौमः ५३।२३
६	चं	५६	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	मं	५५	१३	ज्ये	२७	२	आ	१९	१९	ग	२७	७	३८	४	५६	२९	७	४	ध.२७।२	भ. ५५।१३ उ.
८	बु	५०	३८	मू	२४	४१	सौ	१३	१८	वि	२२	५५	३४	५	५५	३०	८	५	धनुषि	भ. २२।५५ या. चित्रायां शुक्रः २३।५२●
९	गु	४५	२५	पू	२१	४	शो	७ ३६	५२ १७	बा	१८	१	३०	६	५४	१	९	६	म.३५।१५	वक्री अश्वि.१ गुरुः३२।५२ अक्टूबर मा.×
१०	शु	३९	२८	उ	१७	४७	सु	५१	५६	तै	१२	२६	२६	७	५३	२	१०	७	मकरे	विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
११	श	३२	५९	श्र	१३	२६	धृ	४३	४४	ध	६	१३	२२	८	५२	३	११	८	कु.४१।१	भ ६।१३उ.३२।५९या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	र	२६	१	ध	८	३६	शू	३५	२०	बा	२६	१	१८	८	५२	४	१२	९	कुम्भे	प्रदोषः ×१० ता.३१ सरस्वतीपू. बलि.
१३	चं	१९	८	श	३ ३८	५५ १२	गं	२६	५७	तै	१९	८	१४	९	५१	५	१३	१०	मी४५।२	तुलायां शुक्रः ४४।२३
१४	मं	१२	२४	उ	५४	३०	वृ	१९	३७	ध	१२	२४	१०	१०	५०	६	१४	११	मीने	भ. १२।२४ उ. ३९।३२ या. शरद्+
१५	बु	६	३९	रे	५१	२०	ध्रु	११	०	ब	६	३९	६	११	४९	७	१५	१२	मे.५१।२०	शुक्रोदयः पश्चिमायां ४८।३६ शु.उ.प.

२५पं.आ.शु.७मं.इ.५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	०	५	७	११	५
११	०	७	३	२१	२२	८	११
४६	८	३	३६	४३	९	२७	१४
५५	१३	७	२९	२३	५८	२०	३६
५८	३९	६७	६ ४४	७४	९	३	५९
५३	९	२५	ब	२६	१४	११	०

गोचरग्रहाः

आश्वि. कृ. १०गुरौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ४ नं.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

२६पं.आ.शु.१४मं.इ.५।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	०	६	७	११	५
१८	४	१४	२	०	२२	८	१८
४०	३५	२२	४१	२६	३८	५	८
८	३१	३०	४७	३५	६	४	२३
५९	३९	४७	७	७४	४	३	५९
९	१२	२९	३१	२६	२६	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२	१	अ	४९	२८	व्या	४ ९	५४ १३	कौ	२	१	२९ २	६ १२	५ ४८	८	१६	१३	मेषे	
२	गु	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	५७	४९	भ	४९	२५	व	५४	१३	ध	२८	२५	२८ ५८	१२	४८	९	१७	१४	मेषे	भ. २८।२५ उ. ५७।४९ या.
४	श	५८	२२	कृ	५१	५	सि	५१	२८	ब	२८	५	५४	१३	४७	१०	१८	१५	वृ.४।५०	चित्रा. रविः ४८।५ चतुर्थी व्र.
५	र	६०	०	रो	५४	३७	व्य	५०	१९	कौ	२९	४१	५०	१४	४६	११	१९	१६	वृषे	चित्रा. रविः सौरः २० ४६ स्वात्यां शुक्रः४।२७
५	चं	१	२	मृ	६०	०	व	५०	९	तै	१	२	४६	१५	४५	१२	२०	१७	मि२७।२३	
६	मं	५	२२	मृ	०	११	प	५१	२५	ध	५	२२	४२	१६	४४	१३	२१	१८	मिथुने	भ. ५।२२ उ. ३८।१० या.
७	बु	१०	५७	आ	७	३९	शि	५३	१४	ब	१०	५७	३८	१६	४४	१४	२२	१९	क.५८।४	हस्ते भौमः२९।४६ उदयं भौमः २५।५०
८	गु	१७	१५	पु	१३	३२	सि	५५	१८	कौ	१७	१५	३४	१७	४३	१५	२३	२०	कर्के	वक्री बुधः ३५।५३ ज्येष्ठा.३शनिः ९।१०
९	शु	२३	३१	पु	२१	२८	सा	५७	५१	ग	२३	३१	३०	१८	४२	१६	२४	२१	कर्के	भ. ५६।३६ उ.
१०	श	२९	४२	श्ले	२८	२०	शु	५९	५३	वि	२९	४२	२६	१९	४१	१७	२५	२२	सिं२८।२०	भ. २९।२४ या. तुलायामर्कः ३२।५१
११	र	३४	५०	म	३५	२८	शु	६०	०	ब	२	१६	२२	२०	४०	१८	२६	२३	सिंहे	तुलायामर्कः सौरः ३।२९ रंभा ११ व्र.
१२	चं	३८	३१	पू	४०	४१	शु	१	४	कौ	६	४०	१८	२०	४०	१९	२७	२४	कं.५६।३८	
१३	मं	४०	५९	उ	४४	३२	ब्र	१	१४	ग	९	४५	१४	२१	३९	२०	२८	२५	कन्यायां	भ. ४०।५९ उ. प्रदोषः घन १३
१४	बु	४१	३६	ह	४६	५७	ऐं	० १३	५७ ४९	वि	११	१७	१०	२२	३८	२१	२९	२६	कन्यायां	भ.११ १७या. विशाखा.शुक्रः४७।५० रूप१४
१५	गु	४१	१	चि	४७	५८	वि	५४	४६	च	११	१८	६	२३	३७	२२	३०	२७	तु.१७।२७	बुधास्त पश्चिमायां १२।० महालक्ष्मी पू.

२७पं.का.कृ.६मं.इ.५।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	०	६	७	११	५
२५	९	१९	१	९	२३	७	२५
३५	५	१९	५१	१०	९	४२	४
६	२	१२	५८	८	३२	४९	१३
५९	३९	७६	७ २५	७४	५	३	५९
२१	२१	१	ब	२०	५	११	३१

गोचरग्रहाः

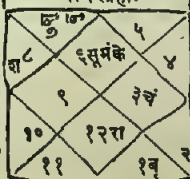

का.कृ.१० शनौ तुलायामर्कः प्र.वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. द. ।

गोचरग्रहाः

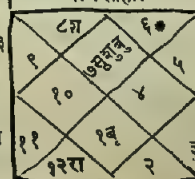

२८पं.का.कृ.१३मं.इ.५।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	०	६	७	११	६
२	१३	१८	०	१७	२३	७	२
३१	३५	५३	५४	५३	४४	२०	१
३४	२४	१७	३६	१०	३१	३३	४१
५९	३	३६ ५	७ ५२	७४	५	३	५९
३४	२४	ब	ब	२०	३२	११	४६

●चंमंके

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३१४ सन् १९८७
१	शु	३८	५३	स्वा	४७	३७	प्री	५०	११	किं	९	५७	२८/२	६/२४	५/३६	२३	१	२८	तुलाया	रा. कार्तिकारम्भः अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
२	श	३५	४६	वि	४६	१५	आ	४५	०	बा	७	२०	२७/५८	२४	३६	२४	२	२९	वृ. ३१।३५	स्वात्यां रविः ५४/३ (सौरः ४४/२७). चन्द्रदर्शनम्
३	र	३१	४९	अ	४३	२७	सौ	३९	६	तै	३	४७	५४	२५	३५	२५	३	१	वृश्चिके	भ. ५९।३६ उ. रविलावल ३
४	चं	२७	२३	ज्ये	४१	१३	शो	३२	३०	वि	२७	२३	५०	२६	३४	२६	४	२	ध. ४१।१३	भ. २७/२३ या. वक्री रेवती ४ मीने गुरुः ५९/१३
५	मं	२२	३८	मू	३८	११	अ	२५	५२	बा	२२	३८	४६	२७	३३	२७	५	३	धनुषि	
६	बु	१७	४३	पू	३५	३	सु	१९	४	तै	१७	४३	४२	२८	३२	२८	६	४	म. ४९।१४	
७	गु	१२	४६	उ	३१	४६	धृ	१२	५	व	१२	४६	३९	२८	३२	२९	७	५	मकरे	भ. १२/४६ उ. ४०/१४ या. वृश्चिके शुक्रः ५९/३० गोपा ८
८	शु	७	४१	श्र	२८	२४	शू	५/३६	५२/१७	ब	७	४१	३५	२९	३१	३०	८	६	कुं. ५६।४२	×११ता. ३० प्रबोधिनी ११ व्र. स्मा. तु. सिं
९	श	२	३४	ध	२५	१	वृ	५०	३२	कौ	२	३४	३१	३०	३०	३१	९	७	कुम्भे	वक्री चित्रा. बुधः ३५।२५ अक्षय ९
१०	श	५५	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*राहुः उफा. ३ केतुः ३१।२९ नवम्बरमा. ×
११	र	५२	२१	श	२२	७	ध्रु	४३	३७	व	२४	५०	२७	३१	२९	१	१०	८	कुम्भे	भ २४/५० उ ५२/२१ या. अनु. शुक्रः ३०/३८ उभा. १०
१२	चं	४७	३२	पू	१८	३७	व्या	३६	३८	ब	१९	५६	२४	३१	२९	२	११	९	मी ४।२९	प्रबोधिनी ११ वै. व्र.
१३	मं	४३	३१	उ	१५	५२	ह	३०	१५	कौ	१५	३१	२०	३२	२८	३	१२	१०	मीने	बुधोदयः पूर्वस्याम् ५६।१९ प्रदोषः
१४	बु	४०	७	रे	१३	१४	व	२४	१४	ग	११	४९	१६	३३	२७	४	१३	११	मे. १३।४१	भ. ४०।७ उ. चित्रा. भौमः ९।१० वैकुंठ १४
१५	गु	३७	४९	अ	१२	२२	सि	१८	५५	वि	८	५८	१३	३३	२७	५	१४	१२	मेषे	भ. ८।५८ या. मन्वादिः

२९पं. का. शु. ५ मं. इ. ५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	११	६	७	११	६
९	१८	१२	२९	२६	२४	६	९
२९	५	३६	५९	३६	२३	५७	०
४९	४९	३२	१३	४०	४९	१८	५३
५९	३९	९/१६	७/४५	७४	५	३	६०
४०	८	ब	ब	१०	५७	११	२

गोचरग्रहाः

कन्याराशि का मंगल सोना चांदी रुई रेशम गुड़ अलसी सिरस्युं तिल तेज करे। तेजी में बेचें आगे मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

३०पं. का. शु. १३ मं. इ. ५।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	११	७	७	११	६
१६	२२	४	२९	५	२५	६	१६
२९	३८	५६	५	१८	४	३५	१
३८	१३	२१	४२	५८	२६	२	५७
६०	३९	४१/३३	७/१६	७४	६	३	६०
४	८	ब	ब	२	२०	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुं रविर्दक्षिणे कार्ति. कृष्णेति महाराष्ट्रा
१	शु	३७	७	भ	१२	२९	व्य	१४	४६	बा	७	२६	२७/९	६/३४	५/२६	६	१५	१३	वृ. २७।४९	विशा. रविः ३५।१६ मार्गी बुधः ३३।१६
२	श	३७	४९	कृ	१३	५१	व	११	३७	तै	७	२८	६	३५	२५	७	१६	१४	वृषे	विशा. रविः सौरः १।५६
३	र	४०	२०	रो	१६	५५	प	१०	११	व	९	३४	२	३६	२४	८	१७	१५	मि ४९।९	भ. ९।३४ उ. ४०।२० या.
४	चं	४४	१३	मृ	२१	२३	शि	९	१५	ब	१२	१६	२६/५९	३६	२४	९	१८	१६	मिथुने	चतुर्थी व्र.
५	मं	४९	३४	आ	२७	२५	सि	९	४४	कौ	१६	५३	५६	३७	२३	१०	१९	१७	मिथुने	
६	बु	५५	३५	पु	३४	१३	सा	११	१३	ग	२२	३४	५३	३७	२३	११	२०	१८	क. १७।३१	भ. ५५।३५ उ.
७	गु	६०	०	पु	४१	४९	शु	१३	१३	वि	२८	४८	४९	३८	२२	१२	२१	१९	कर्के	भ. २८।४८ या. स्वात्यां बुधः ४०/५५ ज्येष्ठा.*
७	शु	२	२	श्ले	४९	२६	शु	१५	२९	ब	२	२	४६	३९	२१	१३	२२	२०	सिं ४९।२६	*शुक्रः १२।१२
८	श	८	२७	म	५६	३७	ब्र	१७	३६	कौ	८	२७	४३	३९	२१	१४	२३	२१	सिंहे	तुलायां भौमः २६।२२
९	र	१३	५९	पू	६०	०	ऐं	१९	१८	ग	१३	५९	४०	४०	२०	१५	२४	२२	सिंहे	भ. ४६।२ उ.
१०	चं	१८	५	पू	२	३०	वै	१९	५६	वि	१८	५	३७	४१	१९	१६	२५	२३	कं. १८।४०	भ. १८।५ या. वृश्चिकेऽर्कः ३१/१८ (सौरः ५६/१३)
११	मं	२०	५१	उ	७	१०	वि	१९	३५	बा	२०	५१	३४	४१	१९	१७	२६	२४	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	बु	२१	४०	ह	९	४९	प्री	१७	४१	तै	२१	४०	३१	४२	१८	१८	२७	२५	तु. ४०।२२	ज्येष्ठायां ४ शनिः ६।२६ प्रदोषः
१३	गु	२०	४२	चि	१०	५६	आ	१४	२३	व	२०	४२	२९	४२	१८	१९	२८	२६	तुलायां	भ. २०।४२ उ. ४९/१९ या. अनु. रविः ४९।३८
१४	शु	१७	५५	स्वा	१०	१९	सौ	९	४४	श	१७	५५	२६	४३	१७	२०	२९	२७	वृ. ५३।४३	अनु. रविः सौरः १३।१
३०	श	१३	४४	वि	८	११	शो	३/३९	५२/५८	ना	१३	४४	२४	४३	१७	२१	३०	२८	वृश्चिके	

३१पं. मा. कृ. ५ मं. इ. ४।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	११	७	७	११	६
२३	२७	४	२८	१४	२५	६	२३
३०	९	५०	१६	२	४७	१२	४
५८	५०	३१	४८	५६	२४	४६	३३
६०	३९	४२/१७	६/३१	७४	६	३	६०
१७	११	मा	ब	२	३४	११	३०

गोचरग्रहाः

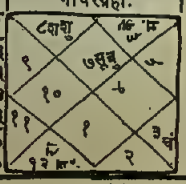

मा. कृ. १० चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पू. १

गोचरग्रहाः

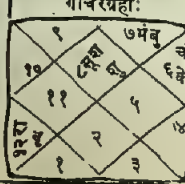

३२पं. मा. कृ. ११ मं. इ. ४।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	११	७	७	११	७
०	१	११	२७	२२	२६	५	०
३३	४३	४९	३४	४५	३२	५०	८
४७	३४	५	३४	४०	४६	३१	३७
६०	३९	७७	५/३१	७३	६	३	६०
३०	१५	११	ब	५६	५२	११	४०

*बृरा

ति.	मार्गशीर्ष	शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३४४स.१९८७
१	र ८।२०	अ ४।३७	सु ४८।५१	ब ८।२०	३५ ६	१६ २२	१।२९		वृश्चिके	विशा. बुधः ५२।२ रा. मार्गशीर्षारम्भः
२	चं २ ।	ज्ये० ०	कृ ४०।४२	को २ ।	१९।४४	१६ २३	२।३०		ध.०।२०	मूले धनुषि शुक्रः ९।६ चन्द्रदर्शनम्
३	मं ५३।४२	० ०	० ०	० ०	० ०	० ०	० ०		०	
४	बु ४९।१६	पू ५०।५९	शू ३२।१९	व २२।२९	१६ ४५	१५ २४	३ १		धनुषि	भ. ३२ उ. ४९ या. स्वात्यां भौमः ३९।१●
५	गु ४३ ।	उ ४६।२२	गं २४ ।	ब १६।११	१३ ४५	१५ २५	४ २		म.४।५१	×मा.१२ ता.३१ मोक्षदा ११ व्र. गीता ज.
६	शु ३७।१९	श्र ४२।२१	वृ १६ ९	को १०।१३	११ ४६	१४ २६	५ ३		मकरे	चम्पा ६ पातस्पर्शः १५।० मोक्षः २८।५
७	शु ३२ ३	ध ३८।४७	शु ८ ३१	ग ४।४१	८ ४६	१४ २७	६ ४		कु.१०।३४	भ. ३२।३ उ. ५९।४० या.
८	श २७।१६	श ३५।५५	व्या १७ ५३	ब २७।१६	६ ४७	१३ २८	७ ५		कुम्भे	+अस्तं शनेः ३५ बुधास्तः पूर्वस्याम् १५
९	र २३।१६	पू ३३।३३	व ४८।२४	को २३।१६	३ ४७	१३ २९	८ ६		मी१९।८	वृश्चिके बुधः २९ वक्री रेवती ३गुरुः ३४+
१०	चं १९।५२	उ ३२ १	सि ४२।५२	ग १९।५२	१ ४८	१२ ३०	९ ७		मीने	भ. ४८।३६ उ. ●रविलाखर ४
११	मं १७।२०	रे ३१ ८	व्य ३७।५९	वि १७।२०	२५ ४८	१२ १	१० ८		मे.३१।८	भ. ३९ या. अनु. बुधः २७।२० विसम्बर×
१२	बु १५।४४	अ ३१ ५	ध ३३।४३	बा १५।४४	२७ ४९	११ २	११ ९		मेषे	ज्येष्ठा. रविः ५९।४८ प्रदोषः
१३	गु १४।४८	भ ३१।५६	प ३०।२०	वै १४।४८	५५ ४९	११ ३	१२ १०		वृ.४७।२५	ज्येष्ठा. रविः सौरः २१।१ पूषा. शुक्र ३८
१४	शु १५ ५	कृ ३३।५२	शि २७।४२	व १५ ५	५३ ४९	११ ४	१३ ११		वृषे	भ. १५।५ उ. ४६।२१ या. दत्तजयंती
१५	श १७।३७	रो ३७।१८	सि २६।२७	ब १७।३७	५१ ४९	११ ५	१४ १२		वृषे	

३३पं.मा.शु.४मं.इ.४।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	११	८	७	११	७
२१	६	२१	२७	१२	५	११	७
४७	१७	४७	०	२८	१९	२८	१४
५७	२४	३१	१४	८	३०	५	१०
६०	३९	८९	३	७	३	६०	
५२	५५	४	८	५०	२	११	५३

गोचरग्रहाः

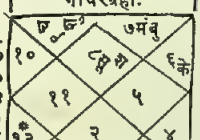

इस मासमें अनाज गल्ला मूंग बाजरा चावल मंदा होगा। गुड़ खांड़ तिलका संग्रह करे लाभ होगा।

गोचरग्रहाः

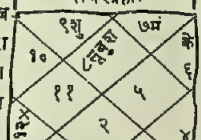

३४पं.मा.शु.११मं.इ.४।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	८	७	११	७
१४	१०	२	२६	१०	२८	५	१४
४२	५२	४३	३५	१०	७	६	२०
५४	१	४८	१०	१२	४४	०	५६
६०	३९	९४	३	७३	७	३	६१
५०	१८	१८	१३	३८	१४	११	३

ति.	पौष	कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्गं.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र १९।३८	मृ ४२।५८	सा २५।२८	को १९।३८	३५ ६	५ ६	१५ १३		मि१०।८	
२	चं २३।४७	आ ४७।३१	शु २५।४६	ग २३।४७	४८ ५०	१० ७	१६ १४		मियुने	भ. ५६।२७ उ.
३	मं २९ ६	पु ५४ ८	शु २७ ४	वि २९ ६	४६ ५१	९ ८	१७ १५		क.३७।२९	भ. २९।६ या.
४	बु ३४।५९	पु ६० ०	ब्र २८।५१	ब २ २	४५ ५१	९ ९	१८ १६		कर्के	चतुर्था व्र. पातस्पर्शः ३१ मोक्षः ४९।७
५	गु ४१।२८	पु १।२९	ऐं ३०।५८	को ८।१३	४४ ५१	९ १०	१९ १७		कर्के	ज्येष्ठा. बुधः ५।७
६	शु ४८।११	श्ले ९ ८	वै ३३।१७	ग १४।४९	४२ ५२	८ ११	२० १८		सि ९।८	भ. ४८।११ उ.
७	श ५४।१३	म १६।४०	वि ३५।२२	वि २१।११	४१ ५२	८ १२	२१ १९		सिंहे	भ. २१।११ या.
८	र ५९ २	पू २३।२५	प्री ३६।४१	बा २६।३७	४० ५२	८ १३	२२ २०		कं.३९।५१	
९	चं ६० ०	उ २९।१०	आ ३७।११	वै ३०।४९	३९ ५२	८ १४	२३ २१		कन्यायां	उषा. शुक्रः २०।५६ विशा. भौमः५६।५३
९	मं २ ३७	ह ३३।१७	सौ ३६।१६	ग २ ३८	३८ ५२	८ १५	२४ २२		कन्यायां	भ. ३३।२७ उ.
१०	बु ४ १७	चि ३५।२७	शो ३४ २	वि ४।१७	३८ ५२	८ १६	२५ २३		तु.४।२२	भ. ५ या. मूले धनुष्यर्कः ७ (सौरः ३५)●
११	गु ३ ५६	स्वा ३५।३३	अ ३० १	बा ३ ५६	३७ ५३	७ १७	२६ २४		तुलायां	मकरे शुक्रः ४।३५ सफला ११ व्र.
१२	शु १।३१	वि ३३।४८	सु २४।३४	वै १।३१	३७ ५३	७ १८	२७ २५		वृ १९।१४	भ ५५ उ. मूले धनुषि बुधः ४५ प्रदोषः
१३	शु ५५।५२	० ०	० ०	० ०	० ०	० ०	० ०		०	●मार्गी गुरुः ५९ मूले धनुषि शनिः ५५
१४	श ५१।१३	अ ३०।१३	धृ १७ ३५	वि २४।१८	३७ ५३	७ १९	२८ २६		वृश्चिके	भ. २४।४८ या.
२०	र ४४ ४	ज्ये २५।१६	शू ९।२१	च १७ ३८	३६ ५३	७ २०	२९ २७		ध.२५।१६	

३५पं.पौ.कृ.३मं.इ. ४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	८	७	११	७
२१	५	१३	२६	१८	२८	४	२१
४८	२८	२५	१८	५२	६	४३	२८
५८	५२	४१	२५	१२	३५	५४	४१
६०	३९	९६	३	७३	७	३	६१
५६	११	१९	च	२६	२०	११	११

गोचरग्रहाः

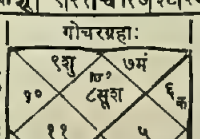

पौष कृ. १० बुधे धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न.३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

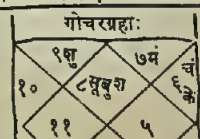

३६पं. पौ.कृ. ९मं.इ.३।५२

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	८	७	११	७
२८	२०	२४	२६	२७	२९	४	२८
५५	४	२४	१२	३२	४५	२१	३७
५२	३४	३६	४०	२८	५८	२८	२४
६१	३९	९९	१	७३	७	३	६१
०	१३	२	ब	२०	२०	११	१९

●राहू (सं० २००१ समाप्य २१०० पर्यन्तम्) ×चंद्रारा

तिथि	पौष शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्ततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ५३७३स.१९८७
१	चं ३६ ५ मू १९ २१ गं ३ ५० कि १० ४ ३५ ५३ ५ ७	२१	३०	२८	धनुषि				
२	मं २७ ४९ पू ११ ५७ छु ४० २९ बा १ ५७ ३६ ५३ ७ २२	१	२९	म.२५।३५	रा. पौषारंभः चंद्र दर्शनम्				
३	बु १९ ४९ उ ६ ३१ ब्या ३० ५० ग १९ ४९ ३६ ५३ ७ २३	२	१	मकरे	भ. ४६।१ उ. जमादिलावल ५				
४	गु १२ १३ अ २० ५३ ह १९ २० वि १२ १३ ३६ ५३ ७ २४	३	२	कुं.२६।३७	भ. १२।३१ या.				
५	शु ५ २२ श ५० ५८ व १२ ४० बा ५ २२ ३७ ५३ ७ २५	४	३	कुंभे	श्रवणे शुक्रः १०।२६				
६	शु ५४ १४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०							
७	श ५५ ० पू ४७ ५८ सि १३ ५५ ३ ग २७ १८ ३७ ५३ ७ २६	५	४	मी ३३।४३	भ. ५५।० उ. ×पुत्रदा ११ व्र.				
८	र ५१ ३८ उ ४६ ९ व ५२ ३३ वि २३ १९ ३७ ५३ ७ २७	६	५	मीनें	भ. २३।१९ या. पूषायां बुधः ५।५१				
९	चं ४९ ४१ रे ४५ २३ च ४७ ५२ बा २० ४० ३८ ५२ ८ २८	७	६	मे.४५।२३	●मा.१ ता. ३१ सन् १९८८ ई. प्रदोषः -				
१०	मं ४८ ४९ अ ४५ ५० शि ४४ २ वै १९ १५ ३८ ५२ ८ २९	८	७	मेषे	पूषायां रविः ११।५६ (सौरः २६।२३)				
११	बु ४९ ७ भ ४७ ३२ सि ४१ २३ व १८ ५८ ३९ ५२ ८ ३०	९	८	मेषे	भ. ५८ उ. ४७ या. वृश्चिके भौमः ५।३७×				
१२	गु ५० ४६ कृ ४९ ३६ सा ३९ ३२ व १९ ५६ ४० ५२ ८ ३१	१०	९	वृ. ३।३					
१३	शु ५३ २२ रो ५४ ४० शु ३८ ४० कौ २२ ४ ४० ५२ ८ १	११	१०	वृषे	रेवती४ गुरुः ३४ उदयं शनेः ३६ जनवरी●				
१४	श ५७ ७ मृ ५९ ७ शु ३८ २३ ग २५ १४ ४१ ५२ ८ २	१२	११	मि२६।१३	भ. ५७।७ उ. +भौमः १९।१३				
१५	र ६० ० आ ६० ० ब्र ३८ ४७ वि २९ २७ ४२ ५२ ८ ३	१३	१२	मिथुने	भ. ३९ या. पूभा. ४ राहुः उफा.२ केतुः ३३				
१५	चं १ ४७ आ ६ ३७ ते ४० १६ व १ ४७ ४३ ५१ ९ ४	१४	१३	क.५५।२९	उषायां बुधः १५ धनि. शुक्रः५८।२ अनु.+				

३७पं. पो.शु.२मं.इ.३।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	११	९	८	११	८
६	२४	५	२६	६	०	३	५
३	४०	३१	१७	१२	३५	५९	४६
२९	२३	२४	३८	२२	५२	१३	४९
११	३९	०	५६	७	३	६१	
४	११	५३	८	९	२०	११	२२

गोचरग्रहाः

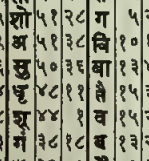

धनु राशि गतो भानु शुभिक्षं तत्र जायते । तिलं तैल महर्घं च कार्पासादि तथैव च ।। इई तिल तैल मंदी हो ।

गोचरग्रहाः

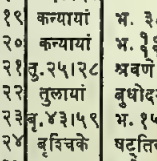

३८पं.पौ.शु.१०मं.इ.३।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	११	९	८	११	८
१३	२९	१६	२६	१४	१	३	१२
११	१९	३८	३१	५०	२४	३६	५६
३१	३०	२	४८	२४	४३	५७	४१
६१	३९	०	२	७२	७	३	६१
६	१०	५६	२०	५१	१४	११	२६

तिथि	माघ कृष्णपक्षः सं० २०४४ शाकः १९०९	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्ततूं रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ७ २० पु ११ ४६ वै ४१ ४७ कौ ७ २० ३५ ४६ ५ ५	१५	१४	कर्के					
२	बु १३ २९ पु १९ २३ वि ४३ ५३ ग १३ २९ ४६ ५१ ९ ६	१६	१५	कर्के	भ. ४६।४० उ. मकरे बुधः १४।३५				
३	गु १९ ५० श्ले २६ ५५ प्री ४६ २३ वि १९ ५० ४७ ५१ ९ ७	१७	१६	सिं	भ. १९।५० या. चतुर्थी व्र.				
४	शु २६ २६ म ३४ ४० आ ४८ २३ बा २६ २६ ४९ ५० १० ८	१८	१७	सिंहे					
५	श ३२ ४६ पू ४१ ५२ सौ ५० २९ ते ३२ ४६ ५० ५० १० ९	१९	१८	कं.५८।२८					
६	र ३८ १ उ ४८ ९५ शो ५१ २८ ग ५ २३ ५२ ५० १० १०	२०	१९	कन्यायां	भ. ३८।१ उ. कुम्भे शुक्रः १४।३३				
७	मं ४२ २३ ह ५३ ३९ अ ५१ ३८ वि १० ११ ५४ ४९ ११ ११	२१	२०	कन्यायां	भ. १९ या. उषा.रविः १६।४० (सौरः २७)				
८	मं ४५ ८ चि ५७ १६ सु ५० ३६ बा १३ ४५ ५६ ४९ ११ १२	२२	२१	तु.२५।२८	श्रवणे बुधः २०।५				
९	बु ४६ ३ स्वा ५९ ४ धृ ४८ ११ ते १५ ३५ ५८ ४८ १२ १३	२३	२२	तुलायां	बुधोदयः पश्चिमायाम् २९।४४				
१०	गु ४४ ५५ वि ५८ ५८ शू ४४ १ व १५ २९ ६ ४८ १२ १४	२४	२३	वृ.४३।५९	भ. १५।२९ उ. ५५ या. मकरेऽर्कः ३३।४०				
११	शु ४१ ५२ अ ५६ ५३ मं ३८ १८ ब १३ २३ ३ ४७ १३ १५	२५	२४	वृश्चिके	षट्तिला ११ व्र.				
१२	श ३६ २८ ज्ये ५२ ४१ मू ३२ ९ कौ ९ १० ५ ४७ १३ १६	२६	२५	धनुषि	शते शुक्रः ५५।३				
१३	र २९ ३७ मू ४७ ४ धृ २२ १६ ग ३ २ ८ ४६ १४ १७	२७	२६	धनुषि	भ. २९।३७ उ. ५५।३० या. प्रदोषः				
१४	चं २१ २२ पू ४० ९ व्या ११ २९ श २१ २२ १० ४६ १४ १८	२८	२७	म.५३।१६	*(सौरः ३५) मूले २ शनिः ५६।५				
२०	मं १२ २१ उ ३२ ३९ ह ५७ ४९ ना १२ २१ १२ ४६ १४ १९	२९	२८	मकरे					

३९पं.मा कृ.१मं इ.३।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	११	९	८	११	८
२०	३	२८	२६	२३	२	३	२०
१९	५८	०	५६	२६	३३	१५	६
२६	५२	२५	२०	३५	३२	४२	३८
६१	३९	०	३	७२	७	३	६१
६	८	५५	४४	३३	५	११	२६

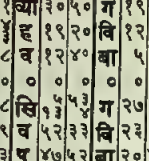

४०पं.मा कृ.८मं.इ.३।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	११	१०	८	११	८
२७	८	९	२७	२	२	२	२७
२७	३७	३२	३०	१	५९	५२	१६
४०	५५	२४	१४	८	५६	२६	३०
६१	३९	९९	४	७२	६	३	६१
६	८	३२	५६	१५	५६	११	२४

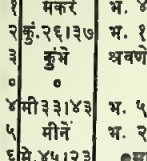

४१पं.मा.कृ.३०मं.इ.३।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	११	१०	८	११	९
४	१३	२०	२८	१०	१	३	४
३५	१८	५०	११	२३	४५	३०	२५
३१	२५	१३	५३	४३	३३	१०	५९
६१	३९	९२	६	७१	६	३	६१
३	३	२९	५५	५१	२४	११	१९

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४०३स.१९८
१	बु	२	४९	श्र	२५	१३	सि	४०	१६	ब	२	४९	२६/१५	६/४५	५/१५	२०	३०	२९	कुं.५१।३५	धनिष्ठा. बुधः ४०।३५ चन्द्रदर्शनम्
२	बु	५०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	गु	४४	४६	ध	१७	५९	व्या	३०	२	तै	१९	१०	१७	४५	१५	२१	१	१	कुम्भे	अभि. प्र. रविः ५।४९ (सौरः १४/३७) रा ●
४	शु	३७	७	श	११	५६	व	२०	८	व	१०	५७	२०	४४	१६	२२	२	२	मी५२।४६	भ. १०।५७ उ. ३७।७ या.
५	श	३०	५२	पू	६	२३	प	११	४६	ब	३	५९	२२	४४	१६	२३	३	३	मीने	वसंत ५ ●माघारंभः जमादिलाखर ६
६	र	२६	३	उ	२	४७	शि	४३/४३	५३/५४	तै	२६	३	२५	४३	१७	२४	४	४	मीने	श्रवणे रविः २२/१२ (सौरः ३०/३४) ज्ये.भौमः०।४
७	चं	२३	१७	रे	०	५३	सा	५४	४	व	२३	१७	२७	४३	१७	२५	५	५	मे.०।५३	भ. २३/१७ उ. ५२/४० या. अभि. नि. रविः १४/४१×
८	मं	२२	२	अ	०	४३	शु	५०	५९	व	२२	२	३०	४२	१८	२६	६	६	मेषे	पूभा. शुक्रः५४।० भीष्माष्टमी पातस्पर्शः+
९	बु	२२	३५	भ	२	११	शु	४९	१४	कौ	२२	३५	३३	४१	१९	२७	७	७	वृ.१७।५९	×(सौरः २२/५०) कुंभे बुधः ४३/५० भानु ७
१०	गु	२४	३४	कृ	५	२०	ब्र	४८	३५	ग	२४	३४	३६	४१	१९	२८	८	८	वृषे	भ.५६।१४उ. +१५/५६ पातमोक्षः २८/४७
११	शु	२७	५५	रो	९	४०	ऐं	४८	२६	वि	२७	५५	३९	४०	२०	२९	९	९	मि४२।२४	भ. २७।५५ या. जया ११ व्र.
१२	श	३२	२६	मृ	१५	९	वै	४९	५३	ब	०	१०	४२	४०	२०	३०	१०	१०	मिथुने	
१३	र	३७	४३	आ	२१	२०	वि	५१	२५	कौ	५	४	४६	३९	२१	३१	११	११	मिथुने	प्रदोषः =फरवरी मा. २ ता. २९
१४	चं	४३	४१	पु	२८	३०	प्री	५३	१६	ग	१०	४२	४९	३८	२२	१	१२	१२	क.११।३१	भ. ४३।४१ उ. अश्वि. १ मेषे गुरुः ५६/३०=
१५	मं	४९	५६	पु	३५	४०	आ	५५	२८	वि	१६	४९	५२	३८	२२	२	१३	१३	कर्के	भ. १६।४९ या. वक्री बुधः २५।१४

४२पं.मा.शु.८मं.इ.३।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	११	१०	८	११	९
११	१८	०	२९	१८	४	२	११
४२	०	१७	२	५९	२९	७	३४
५८	२२	३१	४६	४६	३१	५५	५०
६०	३८	६७	७	७१	६	३	६१
५९	५५	१४	६	३२	२३	११	१३

गोचरग्रहाः

मा. कृ. १० गुरौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

४३पं.मा.शु.१५मं.इ.३।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	०	१०	८	११	९
१८	२२	४	०	२७	५	१	१८
४९	४०	१५	०	२८	१०	४५	४९
२५	४४	५४	५८	५२	३०	३९	२६
६०	३८	४	८	७१	६	३	६०
५५	५०	७	१०	५	४	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	बु	५६	२१	श्ले	४३	२५	सौ	५७	३८	बा	२३	९	२६/५५	६/३७	५/२३	३	१४	१४	सि४३।२५	
२	गु	६०	०	म	५०	३५	शो	५९	५२	तै	२९	३२	५९	३६	२४	४	१५	१५	सिंहे	मीने शुक्रः ११/१० बुधास्त.पश्चिमायाम् ४१।५
३	शु	२	४४	पू	५७	५१	अ	६०	०	ग	२	४४	२७/२	३६	२४	५	१६	१६	सिंहे	भ. ३५।४५ उ.
३	श	८	४७	उ	६०	०	अ	१	२४	वि	८	४७	६	३५	२५	६	१७	१७	कं.१४।३०	भ.८।४७या. धनि.रविः ३०/३३ (सौरः ३६/२५) ●
४	र	१३	५७	उ	४	२७	सु	३	५	बा	१३	५७	९	३४	२६	७	१८	१८	कन्यायां	उभा. शुक्रः १०।२९ ●चतुर्थी व्र
५	चं	१८	२४	ह	१०	९	धृ	३	४८	तै	१८	२४	१३	३३	२७	८	१९	१९	तु.४२।२८	
६	मं	२१	४३	चि	१४	४७	शू	३	२९	व	२१	४३	१६	३३	२७	९	२०	२०	तुलायां	भ. २१/४३ उ. ५२/३० या. वक्री मकरे बुधः १६।३×
७	बु	२३	२९	स्वा	१८	२	गं	३/१६	५७/२२	व	२३	२९	२०	३२	२८	१०	२१	२१	तुलायां	×पातस्पर्शः १४।१० मोक्षः २५।४३
८	गु	२३	४०	वि	१९	३१	ध्रु	५५	३५	कौ	२३	४०	२४	३१	२९	११	२२	२२	वृ. ४।९	
९	शु	२१	५६	अ	१९	१८	व्या	५०	४	ग	२१	५६	२७	३१	२९	१२	२३	२३	वृश्चिके	भ. ५०।९ उ. मूले धनुषि भौमः ४८।२३
१०	श	१८	२२	ज्ये	१७	१७	ह	४२	५८	वि	१८	२२	३४	३०	३०	१३	२४	२४	ध.१७।१७	भ. १८/२२ या. कुंभेऽर्कः ५।४८ (सौरः १०/२२)
११	र	१२	५२	मू	१३	१७	व	३४	४१	बा	१२	५२	३५	२९	३१	१४	२५	२५	धनुषि	विजया ११ व्र.
१२	चं	५	५६	पू	७	५५	सि	२५	८	तै	५	५६	३८	२८	३२	१५	२६	२६	म.२१।१४	भ. ५७।३५उ. वक्री श्रवणे बुधः १९/३१ प्रदोषः
१३	चं	५१	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	मं	४८	११	उ	१/९	५३/२६	व्य	१५	४६	वि	२२	५३	४२	२८	३२	१६	२७	२७	मकरे	भ. २२।५३ या महाशिवरात्रि व्र.
१५	बु	३८	२६	ध	४५	४९	व	४/३१	४८/८	च	१३	१९	४६	२७	३३	१७	२८	२८	कु.१९।४२	बुधोदयः पूर्वस्याम् १७।३६

४४पं.फा.कृ.६मं.इ.३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	०	११	८	११	९
२५	२७	०	१	५	५	१	२५
५५	२३	१५	५	५०	४९	२३	४९
१६	१३	३२	४६	२४	५२	२४	४०
६०	३८	७५/५०	९	७०	५	३	६०
३७	५०	ब	५	३२	३७	११	५५

गोचरग्रहाः

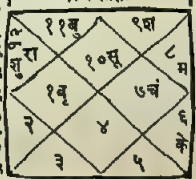

फा. कृ.१० शनौ कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

४५पं.फा.कृ.१४मं.इ. ४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	०	११	८	११	१०
३	२	२२	२	१४	६	१	२
०	६	३२	१६	६	२५	१	५५
४	४	४२	२३	२५	१६	८	४३
६०	३८	६३/४८	१०	६९	५	३	६०
३७	४०	ब	५०	५१	३	११	४२

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	२८	३७	श	३८	२	शि	४१	४४	कि	३	३२	२७	६	५	१८	२९	२९	कुम्भे
२	शु	१९	३०	पू	३१	१	सि	३१	४१	कौ	१९	३०	५४	२५	३५	१९	३०	३०	मी १७।४६
३	श	११	३४	उ	२५	२५	सा	२२	३५	ग	११	३४	५८	२४	३६	२०	१	१	मीने
४	र	५	१९	रे	२१	३०	शु	१४	४९	वि	५	१९	२६	२४	३६	२१	२	२	मे. २१।३०
५	चं	०	२९	अ	१९	२८	शु	८	५२	बा	०	२९	६	२३	३७	२२	३	३	मेषे
६	चं	५७	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	मं	५७	१७	भ	१९	१५	ब्र	४	२४	ग	२७	२६	१०	२२	३८	२३	४	४	वृ. ३४।४६
८	बु	५८	४८	कृ	२१	१९	तें	१	३२	दि	२८	२	१४	२१	३९	२४	५	५	बृषे
९	गु	६०	०	रो	२४	५९	वै	०	६	बा	३०	२०	१८	२०	४०	२५	६	६	मि ५७।४१
९	शु	१	५२	मृ	३०	२३	वि	०	२८	कौ	१	५२	२२	२०	४०	२६	७	७	मिथुने
१०	श	६	३८	आ	३६	५०	प्री	१	१६	ग	६	३८	२६	१९	४१	२७	८	८	मिथुने
११	र	१२	१०	पु	४४	२	आ	२	५९	वि	१२	१०	३०	१८	४२	२८	९	९	क. २७।१४
१२	चं	१८	२६	पु	५१	२६	सौ	५	११	बा	१८	२६	३४	१७	४३	२९	१०	१०	कर्के
१३	मं	२४	५२	श्ले	५८	५३	शो	७	२४	तै	२४	५२	३८	१६	४४	१	११	११	सिं ५८।५३
१४	बु	३१	१०	म	६०	०	अ	९	३८	व	३१	१०	४२	१६	४४	२	१२	१२	सिंहे
१५	गु	३७	१६	म	६	१६	सु	११	३९	वि	४	१३	४६	१५	४५	३	१३	१३	सिंहे

चन्द्रः शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ५४३२ स. १९८८

रेवत्यां शुक्रः १५/५६ मूल ३ शनिः ५९।३
शते रविः ३२ (सौरः ४५/४४) चन्द्रदर्शनम्●
भ. ३८।२६ उ. रज्जव ७ रा. फाल्गुनारंभः
भ. १९ या. अश्वि. २ गुरुः ४६/१ पातस्पर्शः ९/८×
भ. ५७।१७ उ. ×पातमोक्षः १८।३७
भ. २८।२ या. होलाष्टकः
मार्गी बुधः १२।१२ ●फुलरिया २
भ. ३९।२४ उ.
भ. १२।१० या. आमलकी ११ व्र.
अश्वि. मेषे शुक्रः ४७।५ प्रदोषः
मार्च मा. ३ ता. ३१
भ. ३१।१० उ. +होलिकादहनं
भ. १३ या पूभा. रविः ५८/५४ पूषा.भौमः ५२/५९+

४६पं.फा.७शु.मं.इ.४।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	०	११	८	११	१०
१०	६	१६	३	२२	६	०	१०
३	४८	५५	३३	१६	५८	४८	०
३२	५८	३४	४	८	१९	५२	१६
६०	३८	१३	१०	६९	४	३	६०
२५	३७	ब	३५	४	४१	११	३१

गोचरग्रहाः

इस मासमें सोना चांदी शेयर्स घृत तिल तैल रुई पाट वारदाना सरसों अलसी में तेजीका रुख हो।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.शु.१३मं.इ.४।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	०	०	८	११	१०
१७	११	२१	४	०	७	०	१७
५	३२	८	५३	१९	२६	१६	३
४६	६	४९	२४	५२	१७	३७	७
६०	३८	२७	११	६८	४	३	६०
१२	२८	मा	१३	१५	८	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	४२	४४	पू	१३	१६	धृ	१३	३४	बा	१०	०	२८/२९	५	४६	४	१४	१४	कं. २९।४९
२	श	४७	२९	उ	१९	२५	शू	१४	४७	तै	१५	६	५४	१३	४७	५	१५	१५	कन्यायां
३	र	५१	२०	ह	२४	५८	गं	१५	८	व	१९	२५	५८	१२	४८	६	१६	१६	तु. ५७।११
४	चं	५४	१४	चि	२९	२६	वृ	१५	१	ब	२२	४७	२९/२२	१२	४८	७	१७	१७	तुलायां
५	मं	५५	५२	स्वा	३१	५७	ध्रु	१३	५२	कौ	२५	३	६	११	४९	८	१८	१८	तुलायां
६	बु	५६	२२	वि	३५	१३	ज्या	११	०	ग	२६	७	१०	१०	५०	९	१९	१९	वृ. १९।३९
७	गु	५५	३२	अ	३६	२०	ह	८	५६	वि	२५	५७	१४	९	५१	१०	२०	२०	बृश्चिके
८	शु	५३	२३	ज्ये	३५	५३	व	४	४४	बा	२४	२७	१९	८	५२	११	२१	२१	ध. ३५।५३
९	श	४९	२८	मू	३४	११	सि	२९/२८	५१/२६	तै	२१	२५	२३	७	५३	१२	२२	२२	धनुषि
१०	र	४४	१२	पू	३०	३१	व	४५	१६	व	१६	५०	२७	७	५३	१३	२३	२३	म. ४४।२२
११	चं	३७	३७	उ	२५	५५	ष	३६	३६	ब	१०	५५	३२	६	५४	१४	२४	२४	मकरे
१२	मं	२९	४७	श्र	२०	९	शि	२६	५९	कौ	३	४२	३६	५	५५	१५	२५	२५	कुं. ४६।४४
१३	बु	२१	१४	ध	१३	१९	सि	१६	५२	व	२१	१४	४०	४	५६	१६	२६	२६	कुम्भे
१४	गु	१२	२	श	६	५३	सा	६/१९	४९/३८	श	१२	२	४४	३	५७	१७	२७	२७	मी ४६।२२
३०	शु	२	४७	उ	५२	२२	शु	४६	१०	ना	२	४७	४९	२	५८	१८	२८	२८	मीने

वसंतर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पूभा. रविः सौरः ३/२ धनि. बुध. १/२ वसंत १●
पातस्पर्शः ५०।२३ ●छारेंडी
भ ३५ उ ३० या. पूभा. ३ राहु उफा. १ केतुः ×
चतुर्थी व्र. ×१८।२२ पातमोक्षः ५/४

भ. ५६।२२ उ. अश्वि. ३ गुरुः ४५।५३
भ. २५।५७ या.
कुम्भे बुधः ४३।४७ शीतलापूजनम्

भ. १६।५० उ. ४४।१२ या. मीनेऽर्कः ५९/१९
मीनेऽर्कः सौरः ०।५१ पापमोचनी ११ व्र
प्रदोषः
भ. २१।१४ उ. ४६।३८ या. शते बुधः ५९/१९
उभा. रविः २५ (सौरः ३१/३७) भरण्यां शुक्रः ३७/५७
सूर्यग्रहणम् मन्वादिः

४८पं.चै.कृ.५मं.इ.४।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	०	०	८	१०	१०
२४	१६	२६	६	८	७	२९	२४
६	१६	४६	१८	१५	५१	५४	४
२९	१६	८	२२	५०	३२	२१	३०
५९	३८	५३	१२	६७	३	३	६०
५८	८	७	५१	२	२८	११	६

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. १० रवी मीनेऽर्कः प्र.वा.२ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता-शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

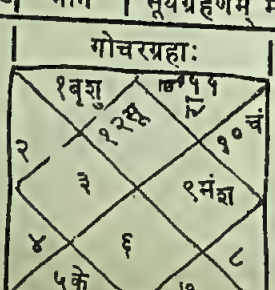

४९पं.चै.कृ.१२मं.इ.५।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	०	०	८	१०	११
१	२०	४	७	१६	८	२९	१
५	५९	४२	४७	०	११	३२	४
३१	३१	५८	१४	३२	६	६	१२
५९	३७	७१	१२	६५	३	३	५९
४१	५९	५०	१८	३८	४७	११	४९

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०८९ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०८९ भोग्यकलिः ४२६९११ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४५ शाकः १९१० वर्षेऽस्मिन् राजा शुक्रः । मंत्री बुधः । सस्येशो शुक्रः । धान्येशो गुरुः । मेघेशो भौमः । रसेशोरविः । नीरसेशो शुक्रः । फलेशोभौमः । धनेशो शुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १५ वृषनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ८।१२।२५।२ भोग्यमासादिः ३।१७।३४।५८ । इन्द्रदैवतंयुगम् । वर्षनाम आश्विनः । मेघनाम आवर्तः । रोहिणी निवासःसमुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समयविश्वा १८ । समयवाहनम् दर्दुरः । स्तम्भाः २ अन्नजलयोः । सोमवत्यमा.२ सोमवती पंचमी १ । अंगारकीचतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्ताः ३१५ । समयदिनानि ३८२ । तिथिक्षयः १८ । तिथिवृद्धिः १२ । उत्पत्तिविश्वा ९३ । खपतिविश्वा ९३ । वर्षाविश्वा १३ । धान्यम् १३। तृणम् ५। शीतम् ९ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०५ । सत्यं ।।, धर्म १।, पाप१८ । शनि दृष्टिपश्चिमे । ग्रहण २ चन्द्र सूर्यमोः ।

संवत् २०४५ शाके १९१० भाद्रपद कृष्णे ३० रवौ खंडग्रास सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म	मो
उज्जयिनी मध्यमकाल	घ.	२	४	६
	प.	२६	५३	१४
रेल्वे टाइम	घं.	७	८	८
	मि.	२५	२४	५७

लाभ-खर्च कोष्टक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ११।२७

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

कर जोड़े तव द्वार पै पूछत भैरवलाल ।
पैतालीस की साल का सत्य कहो सब हाल ।।

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे संवत्सर का सार ।
दशाधिकारी योग से सुख पावै संसार ।।
पैतालीसो पाहुणों होसी मोठ जुंवार ।
साधारण हो बाजरो ऊनालु अन्न अपार ।।
जलनिधि में रोहिणी बसी हर्ष चन्द्र चकोर ।
कर्षकजन हर्षित रहें गाज बीज घनघोर ।।
मेघपति अरु फलपति गढ़पति मंगल जानि ।
यह सुख से नहीं रहनदे करे जगत में हानि ।।
राजा मन्त्री देखतां संवत् उत्तम होय ।
व्यापारी रहें लाभ में संशय करो न कोय ।।

संवत् २०४५ शाके १९१० माघ शुक्ले १५ चन्द्रे खग्रास चन्द्रग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.		
उज्ज. मध्य.	घ.	३१	३४	३६	३८	४१
	पल	५५	५८	३७	१६	१९
रेल्वे टाइम	घं.	७	८	९	९	१०
	मि	१३	२६	६	४५	५९

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ४।९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२६।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४०।३७

अधाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रः फलम्—शुक्रस्य राज्ये बहुसस्यसंकुला सुतीव्रवेगाः सरितोम्बुराशिभिः । फलंति वृक्षा बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुताः ।। मंत्री बुधस्तत्फलम्—शशिसुते शुभ मंत्रि समागते स्वपतिना रमते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुवारिसमन्वितं यवमसूरचणान्न महर्घता ।। सस्येशः शुक्रस्तत्फलम्—शुक्रोयदा धान्यपतिर्घरायां मेघोजलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूमशालीक्षुधनंप्रियंगु वृक्षेषुपुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशो गुरुः फलम्—गुरौ धान्यपतौ याते यवगोधूमशालयः । पच्यंते सर्वदेशेषु यज्ञानोब्राह्मणादयः ।। मेघेशो भौमस्तफलम्—अवनिजो जलदस्यपतौ भुवि श्रुतिविचारविहीन धराभवाः । क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदं क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकम् ।। रसेशो रविः फलम्—रसपतौ तरणी धरणीतदा विरस भोगरतात्मपयोधरा । वसनतैलघृत प्रियमानवा सुखरसंनभुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रः फलम्—कर्पूरागरु गन्धानां हेममौक्तिक वाससां । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशोभृगुर्यदि ।। फलेशो भौमस्तत्फलम्—फलपतिर्यदिभूतनयोभवेन्न बहुपुष्पफलान्वित पादपाः । गदभयान्वित देश जनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम्—द्रविणपो भृगुजो द्रविणंयुंताः समधनाः सकला भुवि मानवाः । समसुखं क्रयविक्रय जीविनो नृपतयोजन पालनतत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्त्फलम्—अवनिजो गढ़नायकतां गतो विविधदुःखवियोग समन्वितः । जनपदेषुजनाः क्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ।। वृषनाम संवत्सरः फलम्—वृषाब्दे निखिलाः क्ष्मेशाः युध्यन्ति वृषभं इव । विद्या प्रसक्ता विप्रेंद्राः यजन्ते सततं सुरान् ।। वर्षनाम आश्विनः फलम्—सुभिक्षं पूर्वं सस्यं साज्ज्वररोगाकुलं जगत् । आश्विने शोभना वृष्टिः नृप सौख्यकरी सदा ।। मेघनामं आवर्तः फलम्—आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्—समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समय निवासो मालाकारगृहे फलम्—मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०४५ शाके १९१० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

द्वि ज्येष्ठ मासः

शुक्ले ८ बुधे हस्ते ल. १०-२ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ

„ १० शुक्रे स्वात्यां ल. १ रे. ९ ।।।।।।ऽ।। चं. ७ पूज्यः

„ ११ रवौ अनु. लं. २ रे. ६ ऽऽ।।ऽऽऽ.।।।। चंद्र ७ पूज्यः

„ १२ चन्द्रे अनु. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १० रे.७ ऽऽ।।ऽ।।।।।

आषाढ़ मासः

कृष्णे १ गुरौ उषा. ल. १२-१ रे. ७ ।।।ऽधु।ऽचौ।।ऽ। गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः पादतो बुधवेधाभावः

„ ६ भौमे उभा.ल.अन्यगो.सोग्रांगः१२-१रे.७ ऽ।।।ऽअ.ऽ।।।

„ ८ बुधे रेवत्यां ल. अन्यगो. सोग्रांग १० रे.८ ।।।।।।ऽ।ऽ

„ १२ रवौ रोहि. ल. १०-१ रे. ६।ऽऽशु।।ऽचौ।ऽ।। शुक्रयुतिः मेषे रेखा ७ चौर पंचकाऽभावः

कार्तिक मासः

शुक्ले ११ रवौ रेवत्यां ल. गो. ४ रे. ९ ।।।।।ऽनृ।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे १ गुरौ रोहि. ल.(घ.३९।३८या.) रे. ७ ।।।।ऽऽरो।ऽ।।

„ २ शुक्रे मृगे ल. गो.(घ.३८।४या.) रे. ८ ऽ।।।।ऽ।।।

„ ९ शुक्रे उफा. ल. अन्यगो. ४ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

शुक्ले ३ चन्द्रे उषा. ल. अन्यगो. रे. १० ।।।।।।।।।

माघ मासः

कृष्णे ४ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

„ ५ शुक्रे हस्ते ल. गो. रे. ७ ।।।।।ऽनृऽऽ।।

शुक्ले ९ भौमे मृगे ल.१०(घ.५६।५६उ.)रे. ७ ।ऽ।।।ऽप्र ।ऽ।।

„ १० बुधे मृगे ल. गो. सोग्रांगः रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४६२स.१९८८
१	शु	५१	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	शुक्रवासरे संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	श	४६	३५	रे	४६	५६	ब्र	३८	१७	बा	२०	२१	२५ ५३	६ १	५ ५९	१९	२९	२९	मे.४६।५६	सिंधारा चंद्रदर्शनम्
३	र	४०	३७	अ	४३	८	ऐं	२९	३९	तै	१३	३६	५७	१	५९	२०	३०	१	मेषे	मत्स्य जयन्ती गणगौरी सावान ८
४	चं	३६	२६	भ	४१	२	वै	२२	३८	व	८	३१	३० १	६ ०	६ ०	२१	१	२	वृ.५६।६	भ. ८।३१ उ. ३६।२६ या. रा. चैत्रारम्भः
५	मं	३४	३२	कृ	४१	१९	वि	१९	८	ब	५	२९	६	५ ५९	१	२२	२	३	वृषे	
६	बु	३४	४०	रो	४३	३२	प्री	१७	३७	कौ	४	६	१०	५८	२	२३	३	४	वृषे	उषायां भौमः ३५।४२
७	गु	३६	५४	मृ	४७	३२	आ	१५	४१	ग	५	१७	१४	५७	३	२४	४	५	मि१५।३२	भ. ३६।५४ उ.
८	शु	४०	५७	आ	५३	४१	सौ	२५	४७	वि	८	५५	१८	५६	४	२५	५	६	मिथुने	भ.५८ ५५ या.कृत्ति.शुक्रः ५१ ५५ अश्वि.४गुरुः १३ ५३
९	श	४६	८	पु	६०	०	शो	१७	१०	बा	१३	३२	२३	५५	५	२६	६	७	क.४३।३४	पूभायां बुधः १५।३३ रामनवमी
१०	र	५१	२१	पु	०	११	अ	१९	१६	तै	१८	४४	२७	५५	५	२७	७	८	कर्के	
११	चं	५८	४६	पु	७	५९	सु	२१	४०	व	२५	३	३१	५४	६	२८	८	९	कर्के	भ. २५।३ उ. ५८ ४६ या. वृषे शुक्रः १९।४६●
१२	मं	६०	०	श्ले	१५	४०	धृ	२४	९	ब	३१	५८	३५	५३	७	२९	९	१०	सिं१५।४०	●मकरे भौमः ३५ ३३ कामदा ११ व्र.
१२	बु	५	११	म	२३	४	शू	२६	१२	बा	५	११	३९	५२	८	३०	१०	११	सिंहे	रेवत्यां रविः ४७।५८ (सौरः ४८ ५५) प्रदोषः
१३	गु	११	५	पू	२८	५५	ग	२७	५२	तै	११	५	४४	५१	९	३१	११	१२	कं.४५।३४	×अप्रेल मा. ४ ता. ३०
१४	शु	१६	८	उ	३५	३२	वृ	२८	४८	व	१६	८	४८	५०	१०	१	१२	१३	कन्यायां	भ. १६।८ उ. ४८।६ या. मीने बुधः १३ ५७×
१५	श	२०	३	ह	४०	५४	ध्रु	२८	५७	ब	२०	३	५२	५०	१०	२	१३	१४	कन्यायां	हनुमज्जयन्ती

५०पं.चै.शु.५मं इ.५।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	०	०	८	१०	११
८	२५	१४	९	२३	८	२९	८
३	४३	१८	२०	३१	२६	९	२
१८	५	११	१०	३०	५६	५०	७
५९	३७	८७	१२	६४	२	३	५९
२९	४४	४४	४०	७	७	११	३५

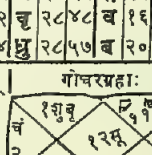

गोचरग्रहाः

१शुबृ, ११ रा, १०, चं २, १२सू, ३, ९मंश, ४, ६, ८, ५के, ७

वत्सरादौ वसंतादौ बलिराज्ये तथैवच। पूर्वविद्वंच कर्तव्या प्रतिपत्सर्वदाबुधैः॥ अमायुक्त प्रतिपदा को संवत्सरारम्भ करना।

गोचरग्रहाः

१बृ, ११ रा, २ शु, १२सू, १०, ३, ९श, ४, ६, ८, चं, ५के, ७

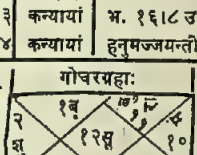

५१पं.चै.शु.१२मं.इ.५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	०	१	८	१०	११
१४	०	२४	१०	०	८	२८	१४
५९	२५	४५	५३	४७	३७	४३	५८
१३	५	१४	२८	३५	५९	३४	१४
५९	३७	० ०	१३	६२	१	३	५९
१६	३२	० ०	५	१७	२६	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	२३	३	चि	४४	३८	व्या	२८	२०	कौ	२३	३	३० ५६	५ ४९	६ ११	३	१४	१५	तु.१२।४६	उभायां बुधः ४२।४४
२	चं	२४	५५	स्वा	४७	२९	ह	२७	४९	ग	२४	५५	३१ ००	४८	१२	४	१५	१६	तुलायां	भ. ५५।१५ उ.
३	मं	२५	३५	वि	४९	१३	व	२४	१०	वि	२५	३५	४	४७	१३	५	१६	१७	वृ.३३।४७	भ. २५।३५ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	२५	१७	अ	५०	२	सि	२१	१७	बा	२५	१७	८	४६	१४	६	१७	१८	वृश्चिके	
५	गु	२४	१	ज्ये	५०	०	व्य	१७	२९	तै	२४	१	१२	४६	१४	७	१८	१९	ध.५०।०	रोहि. शुक्रः १४।४३
६	शु	२१	४७	मू	४८	५१	व	१२	४७	व	२१	४७	१६	४५	१५	८	१९	२०	धनुषि	भ. २१।४७उ.५० ११ या. भरणी १ गुरुः ५१ ४५●
७	श	१८	३५	पू	४६	५३	प	७	१७	ब	१८	३५	२०	४४	१६	९	२०	२१	धनुषि	●बुधास्तः पूर्वस्याम् २।२५
८	र	१४	३२	उ	४३	५९	शि	१ ७	५३ ९	कौ	१४	३२	२४	४३	१७	१०	२१	२२	म.१।१०	रेवत्यां बुधः २८।३८
९	चं	९	३३	श्र	४०	४	सा	४६	२३	ग	९	३३	२८	४२	१८	११	२२	२३	मकरे	भ. ३६।३२ उ. वक्री शनिः ४७।५२
१०	मं	३	३१	ध	३५	२२	शु	३७	५९	वि	३	३१	३२	४२	१८	१२	२३	२४	कुं.७।४३	भ. ३ ३ १ या. श्रवणे भौमः १८ ६ बरूथिनी×
११	मं	५३	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	बु	४९	१४	श	३०	२९	शु	२९	१३	कौ	२२	५५	३६	४१	१९	१३	२४	२५	कुम्भे	अश्वि. मेषेऽर्कः २२।० (सौरः २३।३०)+
१३	गु	४१	३१	पू	२४	२८	ब्र	१९	५५	ग	१५	२२	४०	४०	२०	१४	२५	२६	मी१०।५६	भ. ४१।३१ उ. प्रदोषः ×११ व्र. स्मा
१४	शु	३३	३९	उ	१८	४२	ऐं	१०	४४	वि	७	३५	४३	३९	२१	१५	२६	२७	मीने	भ. ७।३५ या. +बरूथिनी ११ व्र. वै.
३०	श	२६	३१	रे	१३	२७	वै	२ १४	५२ ५	च	०	५	४७	३९	२१	१६	२७	२८	मे.१३।२७	

५२पं. वै.कृ. ३म.इ.६।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१३	९	११	०	१	८	१०	११
२१	५	५	१२	७	८	२८	२१
५३	७	४९	२९	५२	४४	२५	५२
३१	५५	८	५३	८	२०	१५	२५
५९	३७	० ०	१३	५९	०	३	५९
४	३३	१७	२०	४३	४५	११	४

गोचरग्रहाः

१बृ, ११ रा, शु २, १२सू, १०, ३, ९श, ४, ६, ८, ५के, ७चं

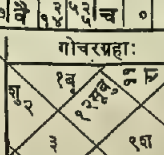

वैशा. कृ. १२बुधे मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्री. प.।

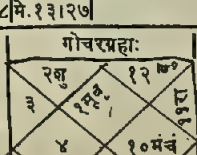

गोचरग्रहाः

२शु, १२ रा, ३, १२सू, ११ रा, ४, १०मंचं, ९, ५के, ७, श, ६, ८

१पं. वै.कृ.१२बु.इ.२२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	०	१	८	१०	११
०	१०	२२	१४	१५	८	२७	२९
०	३९	२७	२५	३०	४८	५९	५८
०	७	५०	१६	५८	१८	११	३५
५८	३६	० ०	१३	५५	१३	३	५८
४४	४३	१७	२६	१०	व	११	४५

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४९१स.१९८८
१	र	२०	१९	अ	९	१०	प्री	४७	३१	ब	२०	१९	३१/५१	५/३८	६/२२	१७	२८	२९	मेषे	आश्वि. मषे बुधः १६।५ चद्रदर्शनम्
२	चं	१५	३६	भ	६	१३	आ	४२	२	कौ	१५	३६	५५	३७	२३	१८	२९	१	बृ.२१।५७	परशुराम जयंती रमजान ९
३	मं	१२	४९	कृ	५	१०	सौ	३८	२	ग	१२	४९	५८	३६	२४	१९	३०	२	वृषे	भ. ४२।१७ उ. अक्षय ३
४	बु	११	४६	रो	५	५३	शो	३५	५२	वि	११	४६	३३/२	३६	२४	२०	३१	३	मि३७।२०	भ. ११।४६ या.
५	गु	१३	१	मृ	८	४७	अ	३५	२०	बा	१३	१	६	३५	२५	२१	१	४	मिथुने	रा. वैशाखारंभः
६	शु	१६	२	आ	१३	२५	सु	३५	५३	तै	१६	२	१०	३४	२६	२२	२	५	मिथुने	मृगे शुक्रः ३३।५० भरणी २ गुरुः ५९।४१
७	श	२०	४२	पु	१९	३२	धृ	३७	१८	व	२०	४२	१४	३३	२७	२३	३	६	क. ३।०	भ. २०।४२ उ. ५३/३२ या. भरण्यां बुधः ३५/३१ ●
८	र	२६	२२	पु	२६	३७	शू	३९	२९	ब	२६	३२	१७	३३	२७	२४	४	७	कर्के	●अस्तं गुरोः ३।३६ अ गु.
९	चं	३२	३८	श्ले	३४	१३	गं	४१	५५	कौ	३२	३८	२१	३२	२८	२५	५	८	सिं३४।१३	
१०	मं	३८	४९	म	४१	४८	वृ	४४	२५	तै	५	४३	२५	३१	२९	२६	६	९	सिंहे	=पश्चिमायां ५६।११ मई मा.५ ता. ३१
११	बु	४४	४६	पू	४८	४३	ध्रु	४६	१०	व	११	४७	२९	३०	३०	२७	७	१०	सिंहे	भ. ११/४७ उ. ४४/४६ या. भरण्यां रविः २।१९×
१२	गु	४९	३८	उ	५४	४०	व्या	४७	१९	ब	१७	१२	३२	३०	३०	२८	८	११	कं.५।१२	×(सौरः४।४८) मोहिनी ११ व्र.
१३	शु	५३	४	ह	५९	१९	ह	४७	१३	कौ	२१	२०	३६	२९	३१	२९	९	१२	कन्यायां	कृत्तिका. बुधः ४८।५९ प्रदोषः
१४	श	५५	२५	चि	६०	०	व	४५	१४	ग	२४	१४	४०	२८	३२	३०	१०	१३	तु.३१।६	भ. ५५।२५ उ. नृसिंह १४
१५	र	५६	१०	चि	२	५३	सि	४४	१४	वि	२५	४७	४३	२७	३३	१	११	१४	तुलायां	भ. २५।४७ या. वृषे बुधः ३१/३७ बुधोदयः+

२पं. वै.शु. ४बु.इ.२२।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	०	१	८	१०	०
६	१५	६	१६	२१	८	२७	६
५०	१८	३२	४	२९	४४	३६	४८
४२	४३	३१	२२	४२	१७	५५	४६
५८	३६	२६/२९	१३	५०	०/५२	३	५८
३१	१२	२९	३२	१९	व	११	२९

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ रविवार रोग पीड़ा करें। अनाज गल्ला तिलहन गुड़ खांड़ घृत तिल तेल अलसी अरंडा तेज होवे।

गोचरग्रहाः

३पं.वै.शु.११बु.इ.२२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	०	१	८	१०	०
१३	१९	२१	१७	२६	८	२७	१३
३९	५६	३४	४४	४८	३५	१४	३७
४३	१०	५५	६	५४	३५	३९	११
५८	३६	२६/२९	१३	४४	१/३८	३	५८
१९	९	०/१	२६	२९	ब	११	१२

ति.	प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशखाकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं	५६	३०	स्वा	४	५१	व्य	४१	१४	बा	२६	२०	३२/४७	५/२७	६/३३	२	१२	१५	बृ.५०।२९	मिथुने शुक्रः १५।५९ धनि. भौमः२१।२६
२	मं	५४	४	वि	५	४१	व	३७	७	तै	२५	१७	५१	२६	३४	३	१३	१६	वृश्चिके	
३	बु	५१	६	अ	५	२९	प	३२	२०	व	२२	३५	५४	२५	३५	४	१४	१७	वृश्चिके	भ. २२।३५ उ. ५१।६ या.
४	गु	४७	४४	ज्ये	४	३०	शि	२७	१२	ब	१९	२५	५७	२५	३५	५	१५	१८	ध.४।३०	चतुर्थी व्र. ×(सौरः २०।३३)
५	शु	४३	४८	मू	२	४७	सि	२१	१६	कौ	१५	४६	३३/१	२४	३६	६	१६	१९	धनुषि	रोहिण्यां बुधः ३८।५
६	श	३९	२३	पू	०/२१	५७/२६	सा	१५	८	ग	११	३५	४	२३	३७	७	१७	२०	म.२९।४३	भ. ३९।२३ उ. भरणी ३ गुरुः २।५०
७	र	३४	४९	श्र	५४	३५	शु	८	३३	वि	७	५	७	२३	३७	८	१८	२१	मकरे	भ. ७।५या. पूभा. २ राहुः पूफा.४ केतुः १७/१
८	चं	२९	४०	ध	५१	१६	शु	१/५८	५२/४९	बा	२	१४	१०	२२	३८	९	१९	२२	कु.२२।५५	
९	मं	२४	१४	श	४७	३१	ऐं	४७	२३	ग	२४	१४	१३	२१	३९	१०	२०	२३	कुम्भे	भ.५१।१५उ. कृत्ति. रविः ४८/१४ (सौरः ५३/४५)
१०	बु	१८	१७	पू	४३	३१	वै	३९	५०	वि	१८	१७	१६	२१	३९	११	२१	२४	मी२९।३१	भ. १८।१७ या.
११	गु	११	१९	उ	३९	३७	वि	३२	२३	बा	११	१९	१९	२०	४०	१२	२२	२५	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	शु	६	२६	रे	३५	४७	प्री	२५	०	तै	६	२६	२२	२०	४०	१३	२३	२६	मि ३५।४७	कुम्भे भौमः ०।५६ प्रदोषः
१३	श	०	५१	अ	३२	३८	आ	१८	०	व	०	५१	२५	१९	४१	१४	२४	२७	मेषे	भ.०।५१उ.२८।१८या. वृषेऽर्कः१५।२९×
१४	श	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	र	५१	४२	भ	३०	४१	सौ	११	४८	च	२३	१३	२८	१८	४२	१५	२५	२८	बृ.४४।५०	मृगे बुधः ३१।४१ वटसावित्री व्र.

४पं. प्र.ज्ये.कृ.३बु.इ.२२/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	०	२	८	१०	०
२०	२४	५	१९	१	८	२६	२०
२७	३१	४३	२३	१६	२२	५२	२३
२२	५२	३०	३८	३०	१२	२५	५३
५८	३५	११/४५	१३	३६	३/१३	३	५७
६	३२	४५	३८	१२	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

प्र.ज्ये. कृ. १ शनौ वृषेऽर्कः प्र वा.४ नं.५ कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

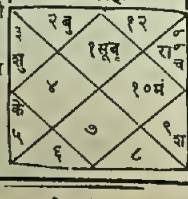

५पं.प्र.ज्ये कृ.१०बु.इ.२२/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	०	२	८	१०	०
२७	२९	१७	२१	४	८	२६	२७
१३	३	२५	३	३९	५	३०	९
३४	१८	२	५४	४	१०	८	७
५७	३४	९१	१३	२५	३/५१	३	५७
५४	४४	२२	३८	३६	ब	११	४५

ति.	प्र. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ५२२०स.१९८८
१	चं ४९।५२ कृ २९ । शो ६ २३ किं २० ४७	३ ५	५ ४	१६	२६	२९	वृषे	अधिकमास प्रारम्भः
२	मं ४८।३१ रो २९ । अ ३४ ५६ वा १९ ११	३३	१७	३७	३०		वृषे	चन्द्रदर्शनम् ●गुरोः २२।४८ उ.गु.
३	बु ४८।२९ मृ ३१ । २२ पु ५७ ५८ पै १८ ३०	३६	१७	४३	१८	२८	१	मि०।२२	सव्वाल १०
४	गु ५०।५४ आ ३४ । ४६ पू ५७ २५ च १९ ४१	३९	१६	४४	१९	२९	२	मिथुने	भ ३९ उ ५५ या. आर्द्रा. शुक्रः १५ उदयं●
५	शु ५४।५० पु ४० । १० श ५८ ३७ व २२ ५२	४१	१६	४४	२०	३०	३	क.२३।४९	
६	श ६० । ० पु ४६ । ४३ पू ६० । ० कौ २७ २८	४३	१५	४५	२१	३१	४	कर्के	मिथुने बुधः ३९ भरणी ४ गुरुः ३।२०
६	र ० । ७ श्ले ५३ । ५३ पू ० । २२ पै ० ७	४६	१५	४५	२२	१	५	सिं५३।५३	शतें भौमः ५४।४७ रा. ज्येष्ठारंभः
७	चं ६ । ४ म ६० । ० पु २ । ३९ व ६ ४	४८	१४	४६	२३	२	६	सिंहे	भ. ६।४ उ. ३९।७ या. वक्री शुक्रः ३५
८	मं १२ । ९ म १ । ३१ या ५ । १२ व १२ । ०	५०	१४	४६	२४	३	७	सिंहे	रोहि. रविः ३९।४ (सौरः ४६।४२)
९	बु १८।१० पू ८ । ४८ ह ७ । २५ कौ १८ । १०	५२	१४	४६	२५	४	८	कं.२५।२८	मृगे शुक्रः ८।२
१०	गु २३।१८ उ १५ । २७ ह ९ । १ ग २३ । १८	५४	१३	४७	२६	५	९	कन्यायां	भ. ५५।३ उ.
११	शु २६।४९ ह २० । ३० चि २९ । ९ वि २६ । ४९	५६	१३	४७	२७	६	१०	तु.५२।२२	भ. २६।४९ या. कमला ११ ब.
१२	श २९ । १ चि २४ । १५ व्य ८ । ४८ वा २९ । १	५८	१२	४८	२८	७	११	तुलायां	प्रदोषः
१३	र २९ । २३ स्वा २६ । ६ व ६ । ४६ पै २९ । २३	३ ० ०	१२	४८	२९	८	१२	तुलायां	
१४	चं २७।५८ वि २६ । २४ प १९ २६ व २७ । ५८	२	१२	४८	३०	९	१३	वृ.११।२०	भ. २७।५८ उ ५६।२९ या. वक्री बुधः ५५
१५	मं २४।५९ अ २५ । १३ वि ५३ । ७ व २४ । ५९	४	११	४९	३१	१०	१४	वृश्चिके	

६ पं.प्र.ज्ये.शु. ३ बु.इ. २ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	०	२	८	१०	१
३	३	२६	२२	६	७	२६	३
५८	३२	९	५३	२९	४४	७	५२
२६	२०	५८	५२	५६	१७	५३	४७
५७	३३	५९	२३	११	३ ०	३	५७
४४	५९	२९	३२	३७	ब	११	३४

गोचरग्रहाः

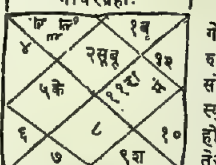

इस मासमें जौ गेहूं चणा चावल दई पाट बारदाना सोना चांदी सिरस्युं व्यलसी में मंदी होकर सुदी में तेजी हो ।

गोचरग्रहाः

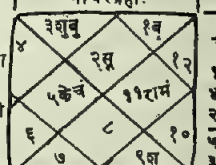

७पं.प्र.ज्ये.शु. ९ बु.इ. ३ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	०	२	८	१०	१
१०	७	१	२४	९	७	२५	१०
४२	५६	२७	२२	३८	१५	४५	३४
२५	३५	२५	१२	४६	४१	३०	५८
५७	३३	२३	१३	५३	५३	३	५७
३५	४५	२६	ब	ब	११	२३	

ति.	द्वि. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे प्र.ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु २०।४१ ज्ये २२ । ५३ सा ४६ । ३८ कौ २० । ४१	३ ४	५ ५	१	१	१५	ध.२२।५३	जून मा. ६ ता. ३०
२	गु १५।४३ मू १९ । ४२ शु ३९ । २६ ग १५ । ४३	७	११	४६	२	१२	१६	धनुषि	भ. ४२।४९ उ.
३	शु ९।५५ पू १५ । ५६ शु ३२ । ९ वि ९ । ५५	९	१०	५०	३	१३	१७	म.२९।५७	भ. ५६ या. बुधास्तः पश्चिमायां ३५ च.ब.
४	श ३ । ४ उ १२ । ० ब्र २४ । ४४ वा ३ । ४	१०	१०	५०	४	१४	१८	मकरे	कृत्ति. १ गुरुः २५ वक्री मूले २शनिः २५
५	श ५५ । २ ० । ० ० । ० ० । ० ० । ०	०	०	०	०	०	०	०	
६	र ५२।१९ श्र ८ । १० ऐं १७ । २३ ग २५ । १२	१३	१०	५०	५	१५	१९	कुं.३६।१३	भ. ५२।१९ उ.
७	चं ४६।४६ ध ४ । १७ वै १० । ५ वि १९ । ३२	१३	९	५१	६	१६	२०	कुंभे	भ. १९।३२ या.
८	मं ४१।३४ श ५ ३९ वि ८ ५८ वा १४ । १३	१४	९	५१	७	१७	२१	मी४३।२६	मृगे रविः ३४।० (रविः ४५।३१)
९	बु ३६।४० उ ५४ । ५३ आ ४९ । ४९ पै ९ । ७	१६	९	५१	८	१८	२२	मीने	
१०	गु ३२ । २ रे ५२ । २९ सौ ४३ । ३९ व ४ । २०	१७	९	५१	९	१९	२३	मे.५२।२९	भ. ४।२० उ. ३२।२ या.
११	शु २८ । २ अ ५० । ४१ शो ३७ । ५३ ब ० । १	१८	८	५२	१०	२०	२४	मेषे	वक्री वृषे शुक्रः ३५ वक्री वृषे बुधः ३५●
१२	श २४।२८ भ ४९ । २३ अ ३२ । ५८ पै २४ । २८	१९	८	५२	११	२१	२५	मषे	प्रदोषः ×३६ अधिकमास समाप्तिः
१३	र २१।५४ कृ ४९ । ० सु २८ । ३५ व २१ । ५४	२०	८	५२	१२	२२	२६	वृ.४।१७	भ. २१।५४ उ. ५१।६ या.
१४	चं २० । १७ रो ५० । १६ मृ २४ । ५३ श २० । १७	२१	८	५२	१३	२३	२७	वृषे	●शुक्रास्तः प.१५ कमला ११ ब. शु.ब.प
१५	मं १९।४८ मृ ५२ । २१ शु २२ । ९ ना १९ । ४८	२१	८	५२	१४	२४	२८	मि२१।१९	मिथुनेऽर्कः ३१ (सौरः ३५) पूभा. भौमः×

८पं द्वि.ज्ये.कृ. १ बु.इ. २ २

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	०	२	८	१०	१
१७	१२	२	२५	४	६	२५	१७
२५	१४	५२	५९	४८	५२	२३	१६
८	४६	३०	४९	४३	३७	२१	४
५७	३२	१९	१३	३३	१०	३	५७
२७	२	ब	१६	ब	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

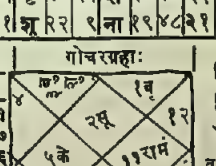

द्वि.ज्ये.कृ ३० भौमे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४न.५ प्रव्राजिकावस्था (ऊर्ध्वा) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः प. ।

गोचरग्रहाः

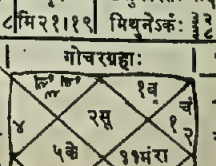

९पं.द्वि.ज्ये.कृ. ९ बु.इ. ३ ०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	०	२	८	१०	१
२४	१६	०	२७	१	६	२५	२३
७	२५	५५	३४	१४	२४	१५	१५
१२	२३	१९	४१	५३	७	५४	०
५७	३१	९९	१२	३३	२८	३	५७
२२	२२	ब	५८	ब	ब	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

ति.	द्वि. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५५५० स.१९८८
१	बु	२०	५३	आ	५५	४७	गं	२०	५९	ब	२०	५३	३४/२२	५/८	६/५२	१५	२५	२९	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
२	गु	२३	२४	पु	६०	०	वृ	२०	२३	कौ	२३	२४	२२	८	५२	१६	२६	१	क.४४।२३	
३	शु	२७	१२	पु	०	३५	ध्रु	२०	५६	ग	२७	१२	२३	७	५३	१७	२७	२	कर्के	भ. ५९।४४ उ. जिल्काद ११
४	श	३२	१६	पु	६	२८	व्या	२२	१२	वि	३२	१६	२३	७	५३	१८	२८	३	कर्के	भ. ३२।१६ या. ●रोहि. शुक्रः ४५/१८
५	र	३८	७	श्ले	१३	५८	ह	२४	१९	व	५	११	२३	७	५३	१९	२९	४	सिं१३।५८	कृत्ति.२ वृषे गुरुः १८/२७ शुक्रोदयः पूर्वस्याम्×
६	चं	४४	११	म	२१	६	व	२६	५८	कौ	११	९	२४	७	५३	२०	३०	५	सिंहे	×९।३६ शु.उ.पू.
७	मं	५०	२२	पू	२८	३७	सि	२९	२९	ग	१७	१६	२४	७	५३	२१	३१	६	कं.४५।२६	भ.५०/२२ उ.आर्द्रा.रविः ३१/३० (सौरः ४७/५१) वक्री●
८	बु	५५	४५	उ	३५	५३	व्य	३१	३७	वि	२३	३	२४	७	५३	२२	१	७	कन्यायां	भ. २३।३या. बुधोदयः पूर्वस्याम् २९।०+
९	गु	५९	५८	ह	४१	५७	व	३१	५४	बा	२७	५१	२४	७	५३	२३	२	८	कन्यायां	
१०	शु	६०	०	चि	४६	३४	प	३३	८	तै	३१	१९	२४	७	५३	२४	३	९	तु.१४।१५	गंगादशमी
१०	श	२	४१	स्वा	४९	१७	शि	३१	५०	ग	२	४१	२३	७	५३	२५	४	१०	तुलायां	भ. ३३।१ उ. +रा. आषाढ़ारम्भः
११	र	३	२१	वि	५०	२०	सि	२७	१०	वि	३	२१	२३	७	५३	२६	५	११	वृ.३५।४	भ. ३।३१ या. मार्गी बुधः १४/३५ निर्जला=
१२	चं	२	७	अ	४९	१७	सा	२४	५२	बा	२	७	२३	७	५३	२७	६	१२	वृश्चिके	प्रदोषः पातमोक्षः ३३।४
१३	चं	५६	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	मं	५३	५९	ज्ये	४६	३४	शु	१९	४	ग	२६	३२	२२	८	५२	२८	७	१३	ध.४६।३४	भ.५३।५९उ. =११ ब्र.पातस्पर्शः १५/३७
१५	बु	४७	४४	मू	४२	२२	शु	१२	२	वि	२०	२०	२२	८	५२	२९	८	१४	धनुषि	भ. २०।५१ या. गुर्जरा. वटसावित्री ब्र.

१०पं. द्वि.ज्ये.शु.१बु.इ २३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	०	१	८	१०	२
०	२०	२७	२९	२६	५	२४	०
४८	२८	१८	८	५७	५४	३८	३५
२५	३०	४०	१०	३६	०	५०	९
५७	३०	३३/११	१२	३५/४१	४/४०	३	५७
१७	१५	ब	३४	ब	ब	११	५६

११पं. द्वि.ज्ये.शु.८बु.इ.२३/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	१	१	८	१०	२
७	२४	२४	०	२३	५	२४	७
२९	२३	३६	३७	३	२२	१६	१३
२४	२८	३२	४४	२२	३०	३५	३६
५७	२८	१७/२६	१२	२६/१५	४/४०	३	५६
१३	५८	ब	१५	ब	ब	११	५४

१२पं.द्वि.ज्ये.शु.१५बु.इ.२३/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	१	१	८	१०	२
१४	२८	२५	२	२०	४	२३	१३
९	६	२	५	३९	५२	५४	५१
५०	४	२०	२८	३२	१६	१९	४१
५७	२७	१४/११	११	१०/२६	४/३४	३	५६
७	३२	मा	५१	ब	ब	११	५०

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविरुत्तरे द्वि.ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४०	२४	पू	३७	१७	ब्र	५९	५१/१९	बा	१४	३	३४/२१	५/८	६/५२	३०	९	१५	म.५०।५०	
२	शु	३२	४६	उ	३१	३०	वै	४६	३१	तै	६	३५	२०	८	५२	१	१०	१६	मकरे	भ. ५८।४७ उ. जुलाई मा. ७ ता. ३१
३	श	२४	४९	श्र	२५	४८	वि	३७	२०	वि	२४	४९	१९	८	५२	२	११	१७	कुं.५३।४	भ. २४।४९ या. माने भौमः ४५/८ चतुर्थी ब्र.
४	र	१७	१७	ध	२०	२०	प्री	२८	४७	बा	१७	१७	१८	८	५२	३	१२	१८	कुम्भे	मार्गी शुक्रः ४२।५४
५	चं	१०	१४	श	१५	२२	आ	२०	३२	तै	१०	१४	१७	९	५१	४	१३	१९	मी५७।१८	
६	मं	३	५३	पू	११	१६	सौ	१२	४९	व	३	५३	१५	९	५१	५	१४	२०	मीने	भ.३।५४उ.३१/३६ या. पुन. रविः ३०/२६ (सौरः●
७	बु	५४	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●५१।५२ कृत्ति. ३ गुरुः २९।५७
८	गु	५४	७	उ	७	५७	शो	५९/५९	५९/३७	बा	२६	२३	१४	९	५१	६	१५	२१	मीने	मिथुने बुधः ५३।३९ ×पातमोक्षः १२/१९
९	शु	५०	४९	रे	५	३९	सु	५४	४०	तै	२२	२९	१३	९	५१	७	१६	२२	मे. ५।३९	
१०	श	४८	१८	अ	४	३३	धृ	५०	१६	व	१९	३४	११	१०	५०	८	१७	२३	मेषे	भ. १९।३४उ. ४८।१८या. पातस्पर्शः ५६/२७
११	र	४६	५७	भ	३	१०	शू	४६	४३	ब	१७	३७	१०	१०	५०	९	१८	२४	वृ.१८।३५	उभा. भौमः ३८।४२ योगिनी ११ ब्र.×
१२	चं	४६	४०	कृ	४	५२	गं	४४	०	कौ	१६	४९	८	१०	५०	१०	१९	२५	वृषे	पूभा. १ राहुः पूफा. ३ केतुः १३।५१
१३	मं	४७	३१	रो	६	४३	वृ	४२	२०	ग	१७	५	७	११	४९	११	२०	२६	मि३८।८	भ ४७।४१ उ. प्रदोषः
१४	बु	४९	२५	मृ	९	३४	ध्रु	४१	१६	वि	१८	२८	५	११	४९	१२	२१	२७	मिथुने	भ. १८।२८ या. अर्द्रा. बुधः ३५।५५
३०	गु	५२	३४	आ	१३	३२	ध्या	४०	४८	च	२०	५९	४	११	४९	१३	२२	२८	मिथुने	

१३पं.आ.कृ.८बु.इ.२३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	१	१	८	१०	२
२०	१	२९	३	२०	४	२३	२०
५०	३३	३३	२९	१०	२२	३२	२९
१०	५८	०	५८	५२	१९	३	३५
५७	२५	५३	११	६/२६	४/१६	३	५६
७	५२	२	१५	मा	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

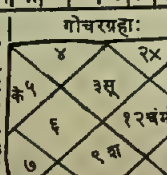

इस मासके आरंभ ही वर्षा अच्छी हो। रुई चांदी गुड़ बिनौला अलसी सिरस्युं अनाज मंदा हो

गोचरग्रहाः

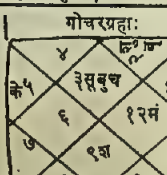

१४पं.आ.कृ.३०बु.इ.२२।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	१	१	८	१०	२
२७	४	७	४	२१	३	२३	२७
३०	४८	४८	४९	२९	५४	९	७
३२	५०	०	३४	४२	१४	४८	४२
५७	२३	८६	१०	२०	४/२	३	५६
११	४६	४२	३८	५८	ब	११	५४

×बुबृशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम् ●बुबृशु

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५५७९स.१९८८
१	गु	५६	४७	पु	१८	३७	ह	४१	२८	किं	२४	४०	३४/२	५/१२	६/४८	१४	२३	२९	क. २।२६	
२	शु	६०	०	पु	२४	५५	व	४३	१	बा	२९	२१	०	१२	४८	१५	२४	३०	कर्के	कर्केऽर्कः ५९।५० चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
२	श	१	५५	श्ले	३१	३८	सि	४५	७	कौ	१	५५	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१	सिं३१।३८	कर्केऽर्कः सौरः २४।३६ जिल्हेज १२
३	र	७	४९	म	३९	५४	व्य	४७	२६	ग	७	४९	५६	१३	४७	१७	२६	२	सिंहे	भ. ४०।५३ उ.
४	चं	१३	५५	पू	४६	३९	व	४९	५९	वि	१३	५५	५४	१३	४७	१८	२७	३	सिंहे	भ. १३।५५ या. मृगे शुक्रः २९।३१
५	मं	२०	१६	उ	५४	२०	प	५२	४४	बा	२०	१६	५२	१४	४६	१९	२८	४	कं. ३।३४	पुष्ये रविः २९।७ सौरः ५५।१७
६	बु	२६	३	ह	६०	०	शि	५४	२५	तै	२६	३	५०	१४	४६	२०	२९	५	कन्यायां	पुन. बुधः ४६।२८
७	गु	३०	४६	ह	१	११	सि	५५	४०	व	३०	४६	४७	१५	४५	२१	३०	६	तु.३३।२९	भ. ३०।४६ उ. ●पूर्वस्याम् २७।२३
८	शु	३४	२९	चि	६	४८	सा	५५	३९	वि	२	३७	४५	१५	४५	२२	३१	७	तुलायां	भ. ३/३७ या. वक्री मूले शनिः ३९/१८ बुधास्तः●
९	श	३६	१७	स्वा	११	५	शु	५४	९	बा	५	२३	४२	१६	४४	२३	१	८	वृ.५७।५१	कृत्ति. ४ गुरुः ५५।५१ रा. श्रावणारम्भः
१०	र	३६	७	वि	१३	२६	शु	५१	८	तै	६	११	४०	१६	४४	२४	२	९	वृश्चिके	
११	चं	३३	४६	अ	१३	५१	ब्र	४६	२७	व	४	५९	३७	१७	४३	२५	३	१०	वृश्चिके	भ. ४।५९उ ३३।४६या. कर्के बुधः ५५/४×
१२	मं	२९	२६	ज्ये	१२	१५	ऐं	४०	१५	व	१	३६	३५	१७	४३	२६	४	११	ध.१२।१५	प्रदोषः ×देवशयनी ११ ब्र.
१३	बु	२३	१६	मू	८	३१	वै	३२	३३	तै	२३	१६	३२	१८	४२	२७	५	१२	धनुषि	पुष्ये बुधः ३२।२८
१४	गु	१५	३२	पू	१९/३	५३/३४	वि	२४	२३	व	१५	३२	२९	१८	४२	२८	६	१३	म.१६।४२	भ. १५।३२ उ. ४१।८ या. वायु परीक्षा
१५	शु	६	४४	श्र	४९	५१	प्री	१३	४७	व	६	४४	२६	१९	४१	२९	७	१४	मकरे	मिथुने शुक्रः ४१।३६ व्यासपूजा गुरु १५

१५पं.आ.शु.६बु.इ.२२।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	२	१	१	८	१०	३
४	७	१९	६	२४	३	२२	३
११	४४	१५	४	२१	२८	४७	४६
१७	२८	२९	४४	३२	३४	३२	९
५७	२१	[illegible]	९	२३	३/४६	३	५७
१५	५६	[illegible]	५६	३५	व	११	५

गोचरग्रहाः

५के ३बु बृ २शु ४सू ६ चं ७ १ ८ १० मं १२ ९श ११रा

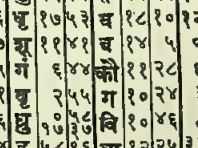

आ. शु. २ शुक्रे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो.पू.।

गोचरग्रहाः

५के ३ ६ ४सूबु २शु बृ ७ १ ८ १० मं १२ ९चंश ११रा

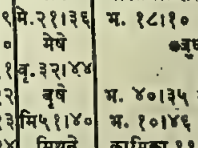

१६पं.आ.श.१३बु.इ.२२।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	१	१	३	१०	३
१०	१०	२	७	२८	६	२२	१०
५२	१७	५९	१४	२४	९	२५	२५
१९	४६	५३	५६	११	२९	१७	२६
५७	१९	[illegible]	९	४१	३	३	५७
२०	२७	[illegible]	१९	२३	८	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५०	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	४८	९	ध	४३	२८	आ	३४/३	४९/३८	तै	२२	४८	३३/२४	५/१९	६/४१	३०	८	१५	कुं.१६।३९	
३	र	३९	१३	श	३५	४६	शो	४३	१२	व	१३	४१	२१	२०	४०	३१	९	१६	कुम्भे	भ. १३।४१ उ. ३९।१३ या. चतुर्थी ब्र.
४	चं	३०	५२	पू	२९	२६	अ	३३	५०	ब	५	२	१८	२०	४०	१	१०	१७	मी१६।१	अगस्त म. ८ ता. ३१
५	मं	२३	२१	उ	२४	१९	सु	२५	११	तै	२३	५१	१५	२१	३९	२	११	१८	मीने	आश्लेषा. रविः २६/८ (सौरः ५६/४) आश्ले.●
६	बु	१८	१०	रे	२१	३६	धृ	१७	५३	व	१८	१०	१२	२२	३८	३	१२	१९	मे.२१।३६	भ. १८।१० उ. ४६।८ या.
७	गु	१४	५	अ	१९	७	शू	११	४१	व	१४	५	९	२२	३८	४	१३	२०	मेषे	●बुधः ५१।४० नाग ५ मरुस्थले
८	शु	११	२८	भ	१७	३५	गं	६	४४	कौ	११	२८	६	२३	३७	५	१४	२१	वृ.३२।४४	
९	श	१०	२४	कृ	१८	११	वृ	२	५५	ग	१०	२४	३	२३	३७	६	१५	२२	वृषे	भ. ४०।३५ उ.
१०	र	१०	४६	रो	१९	२६	ध्रु	०/१७	५८/३७	वि	१०	४६	०	२४	३६	७	१६	२३	मि५१।४०	भ. १०।४६ या. आर्द्रा. शुक्रः ४८।४
११	चं	१२	२५	मृ	२३	५४	ह	५८	९६	बा	१२	२५	३२/५६	२५	३५	८	१७	२४	मिथुने	कामिका ११ ब्र.
१२	मं	१५	२९	आ	२८	३२	व	५८	४८	तै	१५	२९	५३	२५	३५	९	१८	२५	मिथुने	मघा सिंहे बुधः २५।१५ प्रदोषः
१३	बु	१९	२८	पु	३४	१३	सि	५९	२५	व	१९	२८	५०	२६	३४	१०	१९	२६	क.१७।४८	भ. १९।२८ उ. ५१।५३ या.
१४	गु	२४	१८	पु	४०	३७	व्य	६०	०	श	२४	१८	४७	२७	३३	११	२०	२७	कर्के	
३०	शु	२९	५०	श्ले	४७	२०	व्य	१	३२	ना	२९	५०	४३	२७	३३	१२	२१	२८	सिं४७।२०	हरियाली ३०

१७पं.श्रा.कृ.६बु.इ.२२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	१	२	८	१०	३
१७	१२	१७	८	३	२	२२	१७
३४	२६	४५	१९	२२	४७	३	५
१	४९	१४	३४	१९	३५	१	१४
५७	१६	[illegible]	८	४८	२६/३	३	५७
२५	४३	२८	३१	३	व	११	१२

गोचरग्रहाः

५के ३शु बृ २ ६ ४सूबु ७ १ चं ८ १० मं १२ ९श ११रा

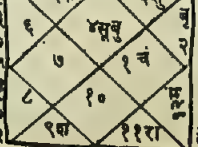

कर्कटस्थे यदा सूर्यस्तता वर्षतिमाधवाः। तस्मिन् कालेतु धान्यानि क्वचिद्यांति महर्घताम् ॥ धान्य तेज वर्षामध्यम हो।

गोचरग्रहाः

५बुके ३शु ६ ४सूचं २बृ ७ १ ८ १० मं १२ ९श ११रा

१८पं.श्रा.कृ.१३बु.इ.२२।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	४	१	२	८	१०	३
२४	१४	१	९	८	२	२१	२३
१६	७	५३	१८	५६	३२	४०	४६
१६	५५	५३	३२	३५	१३	४५	२१
५७	१३	[illegible]	७	५३	५/१०	३	५७
३३	५०	[illegible]	५३	६	व	११	२२

(मं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽयने:५६०९सन्१९८८
१	श ३५ ४४ म ५५ ३ व ३ २५ कि २ ४७	३	५	३	१३	२२	२९	सिंहे	
२	र ४१ ४८ पू ६० ० प ५ ४९ बा ८ ४६	३६	२९	३१	१४	२३	३०	सिंहे	सिधारा चन्द्रदर्शनम्
३	चं ४८ १५ पू ७ २ ४१ शि ८ २० वै १५	१	३	२९	३१	१५	२४	१	रोहि. १ गुरुः ४८।२० तीज सोड्डोरम १०
४	मं ५४ ५ उ १० १३ सि १० ४३ व २१	१०	२९	३०	३०	१६	२५	२	कन्यायां भ. ३१ उ. ५४ या. मघा. सिंहेऽर्कः २०।३×
५	बु ५९ ५ ह १७ १८ सा १३ ५३ ब २६	३५	२६	३०	३०	१७	२६	३	तु.५०।२९ नाग ५ ●सन् १७०९ हि.
६	गु ६० ० चि २३ ४१ शु १५ २२ कौ ३१	१६	२२	३१	२९	१८	२७	४	तुलायां ×(सौरः ५३) पूफा. बुधः ४५ बुधोदयः+
७	शु ३ २६ स्वा २८ ५९ शु १५ २० वै ३	२६	१९	३२	२८	१९	२८	५	तुलायां
८	श ६ ७ वि २२ ४६ ब्र १५ ८ व ६	७	१५	३३	२७	२०	२९	६	वृ.१६।४९
९	र ७ ११ अ ३४ ५२ पै १३ ३७ ब ७	११	११	३४	२६	२१	३०	७	भ. ६।७ उ. ३६।३९ या. वृश्चिके
१०	चं ६ २९ ज्ये ३५ ४ वे १० ३४ कौ ६	२९	८	३४	२६	२२	३१	८	ब.३५।४
११	मं ३ २३ मू ३ २१ वि ४६ ५३ ग ३	३३	४	३५	२५	२३	१	९	पुन शुक्रः २९।७ +पश्चिमायाम् ५३ धनुषि
१२	मं ५५ २५ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	म. ३१।१५ उ. ५८।५८ या. रा. भाद्र-= =पदारंभः पवित्रा ११ व्र. स्मा.
१३	बु ५२ १ पू २९ ३६ आ ५१ ४७ ब २५	२९	०	३६	२४	२५	२	१०	म.४३।१४ उफायां बुधः २६।१२ पवित्रा ११ व्र. वै.
१४	गु ४ ३५ ६ उ २४ ९ सौ ४२ ३८ कौ १७	५९	३३	३७	२३	२५	३	११	मकरे प्रदोषः
१५	शु ३४ ३८ श्र १७ ४० शो ३२ २८ ग ९	१७	५४	३८	२२	२६	४	१२	कु.४३।४४ भ. ३४ उ. ५९ या. कन्यायां बुधः २७।४४
१५	श २४ ४० ध ९ ४७ ऊ २१ ४९ व २४	४०	४८	३८	२२	२७	५	१३	कुम्भे श्रावणी कर्म रक्षाबन्धनम्

१९पं.श्रा.शु.५ बु.इ.२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	४	१	२	८	१०	४
०	१५	१४	१०	१५	२	२१	०
५९	१७	२४	१०	१४	२१	१८	२८
४९	२०	१८	१२	१३	४	३०	२४
५७	१०	२०	६	५७	१८	३	५७
४०	५०	२३	२१	१२	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

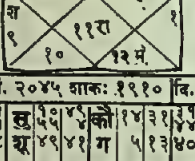

आ. शु. ४ भौमे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोद. पू.।

गोचरग्रहाः

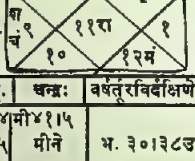

२०पं.श्रा.शु.१२ बु.इ.२२।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	४	१	२	८	१०	४
७	१५	२६	१०	२१	२	२०	७
४४	५६	३३	५४	५३	१५	५६	१२
१७	६	१४	५०	२८	०	१४	५
५९	७	९८	५६	३	३	५७	३
४०	४६	४४	२७	१६	ब	११	४०

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र १४ ३१ श ५६ ५१ ल ५० ४ कौ १४	३१	४४	३९	३१	२८	६	१४	मी ४१।५
२	चं ५ १३ उ ४६ ५८ शु ४९ ४१ ग ५	१३	४०	४०	२०	२९	७	१५	मीने भ. ३०।३८ उ.५६।३ या. मार्गी शनिः १६
३	चं ५० ३० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	मं ४८ ५० रे ४१ ७ मं ४० २८ ब २२	१६	३६	४१	१९	३०	८	१६	मे.४१।७ पूफा. रविः ९।४० (सौरः ४३) चतुर्थी व्र.
५	बु ४२ ४६ अ ३७ २७ वृ ३२ ४८ कौ १५	३८	३२	४२	१८	३१	९	१७	मेषे
६	गु ३८ ४९ भ ३४ १० धु २५ ३५ ग १०	४७	२८	४२	१८	१	१०	१८	बृ.४९।१ भ. ३८।४९ उ. कर्के शुक्रः ३५ सितम्बर●
७	शु ३६ ५३ कृ ३३ ३५ ब्या २० २५ वि ७	५१	३५	४३	१७	२	११	१९	भ.७।५१ या. हस्ते बुधः १४।५६ श्रीकृष्ण×
८	श ३६ ५२ रो ३५ ० ह १६ ५३ बा ६	५३	२१	४४	१६	३	१२	२०	वृषे जन्माष्टमी व्र. वै. ×जयंती व्र. स्मा
९	र ३८ ३४ मृ ३८ ४ व १४	५१	३	४५	१५	४	१३	२१	मि६।३२ पुष्ये शुक्रः ४३।३७ गोगा ९
१०	चं ४१ ४७ आ ४२ ३८ सि १३	५९	ब	१०	११	३	४५	१५	५ १४ २२ मिथुने भ. १०।११ उ. ४१।४७ या.
११	मं ४६ १९ पु ४८ ३१ ब्य १४	३९	ब	१४	६	९	४६	१४	६ १५ २३ क.३२।३ अजा ११ व. ●मा. ९ ता. ३०
१२	बु ५१ ४० पु ५५ १२ व १५	४६	कौ	१८	५९	५	४७	१३	७ १६ २४ कर्के वत्स द्वादशी
१३	गु ५७ ४९ श्ले ६० ० प १७	४३	ग	२४	४४	१	४८	१२	८ १७ २५ कर्के भ. ५७।४९ उ. प्रदोषः
१४	शु ६० ० श्ले २ ३२ शि १९	५५	वि	३०	५१	३०	४९	११	९ १८ २६ सिं २।३२ भ. ३०।५१ या.
१४	श ३ ५८ म १० १ खि २२	२३	श	३५	८	५४	४९	११	१० १९ २७ सिंहे +पूफा. २केतुः ४८ सूर्यग्रहणम् कुशाग्रहणी
३०	र १० ८ पू १७ ३१ सा २४	१७	ना	१०	८	४८	५०	१०	११ २० २८ कं.३४।१२ वक्री भौमः ३८।४७ शतभिषा. ४ राहुः+

२१पं.भा.कृ.५ बु.इ.२१।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	५	१	२	८	१०	४
१४	१५	७	११	२८	२	२०	१३
२९	५०	१५	३१	५३	१३	३३	५७
५६	२४	७	८	४६	५	२९	१७
५८	४	८७	४	६२	१०	३	५७
१	११	३४	१९	४१	मा	११	५७

गोचरग्रहाः

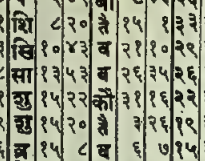

इस मास में ५ रविवार प्रजा में पीड़ा कारक हैं रविवार को सूर्य ग्रहण घृत तेल गुड़ खांड़ रुई सूत कपड़ा गेहूं तेज।

गोचरग्रहाः

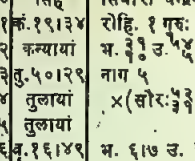

२२पं.भा.कृ.१२ बु.इ.२१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	५	१	३	८	१०	४
२१	१५	१६	११	६	२	२०	२०
१६	२४	४४	५८	१०	१६	११	५३
५५	५३	४९	५९	१९	३०	४३	५७
५८	२	७४	३	६४	०	३	५८
१३	३०	९	१३	६	१९	११	१२

तिं.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०	वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मृ.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽह्नि[ण] : ५६३९स.१९८८
१	चं १६ १८ उ २४ ४१ शु २६ ५५ ब १६ १८	३० ५ ४४ ५१	६	१३	२१	२९	कन्यायां	उत्का. रवि. ५४।० चित्रायां बुधः ४८।४१
२	मं २१ ५१ ह ३२ १ शु २८ ५० की २१ ५१	४० ५२	८	१३	२२	३०	कन्यायां	उत्का. रविः सौरः २८।१ चन्द्रदर्शनम्
३	बु २६ ४९ चि ३८ ११ ब्र ३० १६ ग २६ ४९	३६ ५३	७	१४	२३	१	तु. ५।७	भ. ५८।४८ उ. हरितालिका ३ सफर २
४	गु ३० ४८ स्वा ४३ ४० ते ३१ ८ वि ३० ४८	३२ ५४	६	१५	२४	२	तुलायां	भ. ३०।४८ या. गणेश चतुर्थी
५	शु ३३ ४७ वि ४८ ४ वै ३१ १३ ब २ १७	२८ ५४	६	१६	२५	३	वृ. ३१।५८	कन्यायामर्कः १९।२१ (सौरः ३३) ऋषि५
६	श ३५ २६ अ ५१ ११ वि ३० २३ की ४ ३७	२४ ५५	५	१७	२६	४	वृश्चिके	आश्ले. शुक्रः ४।३०
७	र ३५ ४३ ज्ये ५२ ५४ प्री २८ २७ ग ५ ३४	२० ५६	४	१८	२७	५	ध. ५२।५४	भ. ३५।४३ उ.
८	चं ३४ १४ मू ५३ १ आ २५ १३ वि ४ ५८	१६ ५७	३	१९	२८	६	धनुषि	भ. ४।५८ या.
९	मं ३१ १९ पू ५१ १४ सौ २० ३९ बा २ ४७	१२ ५८	२	२०	२९	७	धनुषि	
१०	बु २६ २५ उ ४८ ६ शो १४ २९ ग २६ २५	८ ५८	२	२१	३०	८	म.५।२५	भ. ५३ उ. रामभेवजो का मेलालवलदुर्गे
११	गु २० १० श्र ४३ १३ अ ७ ५१ वि २० १०	४ ५९	१	२३	३१	९	मकरे	भ. ३०या. तुलायां बुधः ५० जलझू. ११व.
१२	शु १२ १७ ध ३७ ७ धृ ४९ १३ बा १२ १७	३० ६ ५९	२	२३	१	१०	कु. १०।१०	वामन १२ रा. आश्विनारंभः प्रदोषः
१३	श ३ २० श २९ ५३ शू ३८ ४५ वै ३ २०	२९ ५५ १५९	२	२४	२	११	कुम्भे	भ. ५५।५३ उ. वक्री गुरुः ३६ अनन्त १४
१४	श ५० २३ ० ० ० ० ० ० ८	० ० ०	०	०	०	०	०	
१५	र ४३ ५९ पू २२ २० मं २७ ५९ वि १८ ५६	५१ २ ५८	२५	३	१२	मी	९।१४	भ. १८।५६ या. महालयश्राद्धारंभः

२३पं.भा.शु.३ब्रु इ.२१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	५	१	३	८	१०	५
२८	१४	२४	१२	१३	२	१९	२७
५	२५	४७	१८	४०	२४	४९	२२
२४	५१	४२	०	३०	११	२७	१८
५८	३८	५६	१	६६	१	३	५८
२६	ब	३६	४६	८	३८	११	२९

गोचरग्रहाः

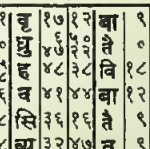

भा. शु. ५ शुक्रे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४ नं.४ कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे सम-र्घता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

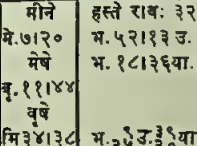

२४पं.भा.शु.१०ब्रु इ.२१।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	६	१	३	८	१०	५
४	१३	०	१२	२१	२	१९	४
५५	२	४९	२०	२३	२६	२७	२२
१९	४२	१	४२	६	२५	१२	२५
५८	३३	०	६७	२	३	५८	
३८	ब	६	२७	२६	१८	११	४५

तिं.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०	वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मृ.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं ३४ ३२ उ १४ ३१ वृ १७ १२ बा ९ १६	२९ ५७	५	२६	४	१३	मीने	हस्ते रावः ३२।२७
२	मं २५ ५२ रे ७ २० धु ४७ ते ० १२	३० ४३	३	५७	२७	५	१४	भ. ५२।१३ उ. हस्ते रविः सौरः ५।४२
३	बु १८ ३६ अ ४४ ५५ ह ४८ ३८ वि १८ ३६	३८ ४	५	६	१५	मेषे		भ. १८।३६या. मघा. सिंहे शुक्रः ५९ क.व.
४	गु १२ ५ कृ ५४ १६ व ४१ ४४ बा १२ ५	३४ ५	५	७	१६	वृ. ११।४४		७वक्री बुधः ३४।५५
५	शु ९ ४० रो ५३ ४८ सि ३६ १६ ते ९ ४०	३० ६	५	४	८	१७	वृषे	
६	श ९ २५ मृ ५५ २८ व्य ३२ ४७ व ९ २५	२६ ७	५	३	१	९	१८	मि ३४।३८ भ. २५ उ. ३९ या. अक्टूबर मा. १० ता. ३१
७	र ९ १५ आ ५८ ५९ च ३० ४७ व ९ १५	२२ ८	५	२	१०	१९	मिथुने	×शुक्रः ३६।२९ सोमवती सर्वपितृश्राद्धम्
८	चं १२ ५ पु ६० ० प ३० ४७ की १२ ५	१८ ८	५	२	११	२०	क. ४७।५३	
९	मं १६ २८ पु ४ २ शि ३१ १४ ग १६ २८	१४ ९	५	१	१२	२१	कर्के	भ. ४३ उ. बुधास्तः प. ४५।२६ मातृ ९
१०	बु २१ ५६ पु १० २८ सि ३३ १ वि २१ ५६	१० १०	५	०	१३	२२	कर्के	भ. २१।५६ या. वक्री कन्यायां बुधः ४९।६
११	गु २८ १६ श्ले १८ १ सा ३५ १० बा २८ १६	६ ११	४	९	६	१४	२३	सिंहे १८।१ मूले २ शनिः ४३।४६ इन्दिरा ११ ब्र.
१२	शु ३४ ४६ म २५ २१ शु ३७ ३५ की १ ३१	२ १२	४	८	७	१५	२४	सिंहे
१३	श ४१ २ पू ३३ ७ शु ४० ५ ग ७ ५४	२८ १२	४	८	८	१६	२५	कं. ४९।५८ भ. ४१।२ उ. प्रदोषः
१४	र ४६ ५४ उ ४० २८ म ४२ १४ वि १३ ५८	५४ १३	४	७	९	१७	२६	कन्यायां भ. १३।५८ या.
१५	चं ५२ ९ ह ४७ १७ चे ४३ ५९ च १९ ३१	५८ १४	४	७	१०	१८	२७	कन्यायां चित्रा. रविः ३।२८ (सौरः ३६) पूषा.×

२५पं.आ.कृ.३ब्रु इ.२१।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	६	१	३	८	१०	५
११	११	३	१२	२९	२	१९	११
४६	२५	३३	२०	१५	५३	४	१४
५५	५	१४	७	५८	३८	५६	२७
५८	३९	ब	४८	६८	२	३	५९
५३	ब	ब	ब	३३	५९	११	०

गोचरग्रहाः

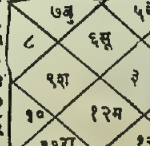

सोमवती अमावस्या कुछ मंदी कारक है सुदी में जौ गेहूं मटर मसूर गुड़ मूंगफली रुई बिनौला तिल तैल घृत चांदी तेज हो।

गोचरग्रहाः

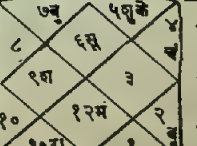

२६पं.आ.कृ.१०ब्रु इ.२१।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	६	१	४	८	१०	५
१८	९	०	१२	७	३	१८	१८
४०	२७	२८	१६	१५	५५	३२	८
८	३६	२६	५२	५८	०	४१	१४
५५	५	११	२	२६	२	३	५९
९	ब	ब	११	२०	३८	११	१६

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६६८ स.१९८८
१	मं ५६ २२ चि ५३ ३ वै ४४ ७ किं २४ १६	३६	१५	४५	११	१९	२८	तु.२०।१०	मातामह्श्रा. नवरात्रारम्भः
२	बु ५९ ४९ खा ५८ १ वि ४५ २३ बा २८ ५	५२	१६	४४	१२	२०	२९	तुलायां	हस्ते बुधः १८।४९ चन्द्रदर्शनम्
३	गु ६० ० वि ६० ० प्री ४४ ४ वै ३० ५	९	३८	१६	४४	१३	२१	१	वृ.४६।१० रविलावल ३ ×पापांकुशा ११ व.
४	शु ० २१० वि ० २ आ ४३ ५० ग २	१०	३४	१७	४३	१४	२२	२	वृश्चिके भ. ३२।५० उ.
५	श ३ ३१ अ ५ १३ सौ ४१ २९ वि ३	३१	३०	१८	४२	१५	२३	३	वृश्चिके भ. ३।३१ या. ●सरस्वती पू.
६	र ३ ४७ ज्ये ७ १ शो ३८ ५५ मा ३	४७	२६	१९	४१	१६	२४	४	ध. ७।१ तुलायामर्कः ४८।१४ सरस्वत्यावाहनम्
७	चं २ ४० मू ७ ५० अ ३५ ७ वै २	४०	२२	२०	४०	१७	२५	५	धनुषि तुलायामर्कः सौरः १६ मार्गी भौमः ३९●
८	मं ० २८ पू ७ २२ सु ३१ २१ व ०	२८	१८	२०	४०	१८	२६	६	म.२१।५८ भ. २८उ.६६या. बुधोदयः पूर्वस्याम् ५७+ =रा. कार्तिकारम्भः प्रदोषः
९	बु ५२ ४६ उ ५ ४९ धृ २४ २६ बा २५ १	१४	२१	३९	१९	२७	७	मकरे	सरस्वती विसर्जनम् +बलिदानं
१०	गु ४६ ५७ श्र ५५ ५६ शू १७ २८ वै १९ ५	२	१०	२२	३८	२०	२८	८	कु.३०।५५ मार्गी बुधः १४।१८ विजया १०
११	शु ४० १३ श ५३ ५० गं ९ ५३ व १३ ३५	६	२३	३७	२१	२९	९	कुम्भे	भ. १३।३५ उ. ४३ या. उषा शुक्रः ५५×
१२	श ३२ २३ पू ४७ ५६ वृ २० ५० ३६ व	६	१८	२	२४	३६	२२	३०	मी ३४।२५
१३	र २४ ५ उ ४१ २७ ध्या ४२ १२ वै २४	५	२७	२४	३६	२३	१	१	मीने स्वात्यां रविः ३०।१६ (सौरः ५९।५९)=
१४	चं १५ २४ रे ३४ ४४ ह ३२ ७ व १५	२४	५४	२५	३५	२४	२	१२	मे.३४।४४ भ.१५।२४उ.४१।१५या. कन्यायां शुक्रः*
१५	मं ७ ६ अ २८ ३१ व २३ ११ व ७	६	५०	२६	३४	२५	३	१३	मेषे *३९।३५ शरद् १५ कोजागरो व.

२७पं.आ.शु.२ब.इ.२१।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	५	१	४	८	१०	५
२५	८	२३	११	१५	३	१८	२५
३५	२२	१६	५६	२२	४०	२०	३
६	८	५२	५६	१६	३७	२५	५६
५९	३३	८	३	७०	४	३	५९
२१	व	व	व	११	१८	११	३१

गोचरग्रहाः

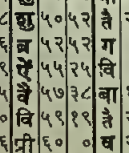

आश्वि.कृ.५ रवौ तुलायामर्कः प्र.वा.३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो पू.।

गोचरग्रहाः

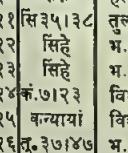

२८प.आ.शु. ९ब्.इ.२०।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	५	१	४	८	१०	६
२	७	१८	११	२३	४	१७	२
३१	१८	८	२७	३८	९	५८	१
३४	२५	१६	५४	१०	५०	९	२४
५९	३३	५८	३	७०	४	३	५९
३४	व	व	व	११	१८	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुः रविर्दक्षिणेऽश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	मं ५२ ३० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु ५३ ३१ भ २३ १९ सि १३ ३३ ते २६	३४	२७	४६	३३	२६	४	१४	वृ.३७।१८
३	गु ४८ ५८ कृ १९ १४ व्य २५ ५३ ध २१	१४	४२	२८	३२	२७	५	१५	वृषे भ. २१।१४ उ. ४८।५८ या.
४	शु ४६ ३१ रो १७ ९ प ५३ ३८ ब १७	४४	३९	२८	३२	२८	६	१६	मि४७।१० चित्रायां बुधः ३९।५८ चतुर्थी व.
५	श ४६ ८ मृ १७ ११ शि ५० ४ कौ १६	१९	३५	२९	३१	२९	७	१७	मिथुने
६	र ४८ २ मा १९ १३ सि ४८ २३ ग १७	५	३१	३०	३०	३०	८	१८	मिथुने भ. ४८।२ उ.
७	चं ५१ ३७ पु २३ १७ सा ४८ १३ वि १९	४९	३७	२१	२९	३१	९	१९	क.७।१६ भ. १९।४९ या.
८	मं ५६ ४९ पु २८ ४२ शु ४८ ४७ ब्रा २४	१३	२४	३१	२९	१	१०	२०	कर्के हस्ते शुक्रः ५३ नवम्बर मा. ११ ता. ३०
९	बु ६० ० श्ले ३५ ३८ श्रु ५० ५२ ते २९	५६	३०	३२	२८	२	११	२१	सि३५।३८ तुलायां बुधः ३१।१४
१०	गु ३ ३ म ४२ ५६ ब्र ५२ ५२ ग ३	३	१६	३३	२७	३	१२	२२	सिंहे भ.३६।१७उ. वक्री कृत्तिका ४ गुरुः ३५
११	शु ९ ३२ पू ५० ४९ ते ५५ २५ वि ९	३२	१३	३३	२७	४	१३	२३	सिंहे भ. ९।३२ या.
१२	श १५ ५० उ ५८ ५ वै ५७ ३८ ब्रा १५	५०	९	३४	२६	५	१४	२४	कं.७।२३ विशा. रविः ३०।३९ रमा ११ व.
१३	र २१ ४९ ह ६० ० वि ५९ १९ ते २१	४९	६	३५	२५	६	१५	२५	कन्यायां विशा. रविः १७।२८ प्रदोषः
१४	चं २६ ५६ ह ४ ५६ प्री ६० ० ष २६	५६	२	३६	२४	७	१६	२६	तु.३७।४७ भ. २६।५६उ.५८।४६या. स्वात्यां बुधः●
१५	मं ३० ३५ चि १० ३२ प्री ० १९ श ३०	३५	२६	३६	२४	८	१७	२७	तुलायां रूप १४ ●४।४७ घन १३
३०	बु ३३ १९ स्वा १५ १ आ २५ ५३ च १५	५६	१५६	३७	२३	९	१८	२८	तुलायां बुधास्तः पूर्वस्यां ११ महालक्ष्मी पूजनम्

२९पं.का.कृ.२ब्.इ.२०।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	५	१	५	८	१०	६
९	६	२०	१०	२	४	१७	९
२९	४९	५८	५०	०	४३	३५	२९
४९	५	३४	४६	१४	१६	५४	४९
५९	३३	६०	४४	७१	५	३	६०
१७	मा	५५	व	२२	१५	११	१

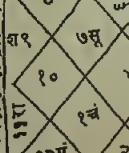

३०पं.का.कृ.९ब्.इ.२०।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	५	१	५	८	१०	६
१६	६	२९	१०	१०	५	१७	१६
२९	५१	४४	५	२६	१९	५३	१
३८	७	२४	१३	१७	२१	३८	४८
६०	४	८७	६	७१	५	३	६०
४	०	५	व	४८	४४	११	१८

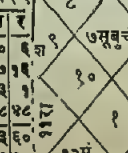

३१पं.का.कृ.३०ब्.इ.२०।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	६	१	५	८	१०	६
२३	७	१०	९	१८	५	१६	२३
३०	३५	३६	१५	५३	५८	५१	४
५८	३८	२१	४	१०	३४	२३	२४
६०	९	९५	३	७२	६	३	६०
१७	५	४८	व	८	७	११	३०

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०													दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६९८सन्१९८८
१	शु	३४	४४	वि	१८	२०	शो	५७	२३	किं	४	१	५६	६	५						
२	शु	३४	१३	अ	२०	२६	अ	५४	३१	बा	४	५०	४९	३७	२३	१०	१९	२९	वृ.२।३१	अन्नकूट गावर्द्धन पूजा	
३	श	३४	१३	ज्ये	२१	१६	सु	५०	५२	तै	४	३५	४६	३८	२२	११	२०	३०	वृश्चिके	भ्रातृ २ चन्द्रदर्शनम्	
४	र	३२	२५	मू	२१	४७	धृ	४६	२२	व	३	१९	४३	३९	२१	१२	२१	१	ध.२१।१६	चित्रा. शुक्रः ५४ शतभि. ३ राहुः पूफा. १●	
५	चं	२९	५३	पू	२१	१७	शू	४१	३७	व	१	९	४०	३८	२०	१३	२२	२	धनुषि	भ. ३।१९ उ. ३२।२५ या.	
६	मं	२६	३८	उ	१९	४१	गं	३६	६	वै	२६	३८	३७	४१	१९	१४	२३	३	म.३५।५३	●केतुः ५४ रविलाखर ४	
७	बु	२२	४४	श्र	१७	३९	वृ	२९	५२	व	२२	४४	३४	४१	१९	१६	२५	५	कुं.४६।१७	वृश्चिकेऽर्के: ४६।४१ विशा.बुधः १२।२५	
८	गु	१८	७	ध	१४	५५	धु	२३	८	व	१८	७	३१	४२	१८	१७	२६	६	कुम्भे	भ. ३३ उ. ५२ या. वृश्चिकेऽर्के: सौरः ३५×	
९	शु	१२	५५	श	११	५५	व्या	१६	१०	कौ	१२	५५	२९	४२	१८	१८	२७	७	मी५३।३५	गोपाष्टमी ×मूले ३ शनिः १४।१९	
१०	श	७	७	पू	७	२८	हृ	८	२५	ग	७	७	२६	४३	१७	१९	२८	८	मीने	तुलायां शुक्रः २५।४२ अक्षय ९	
११	र	०	५३	उ	३	५५	व	१९	२५	वि	०	५३	२४	४३	१७	२०	२९	९	मे.५८।१०	भ. ५३ या. प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.	
१२	र	५३	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
१३	चं	४७	३०	अ	५३	१८	ब्य	४२	४३	कौ	२०	५०	२१	४४	१६	२१	३०	१०	मेषे	वृश्चिके बुधः २८।८ प्रदोषः	
१४	मं	४१	९	भ	४८	५२	व	३५	८	ग	१४	१९	१९	४४	१६	२३	१	११	मेषे	भ. ४३ उ. वकुंठ १४ रा. मार्गशीर्षारंभः	
१५	बु	३५	४४	कृ	४५	१६	ध	२७	२८	वि	८	२६	१६	४५	१५	२३	२	१२	वृ.२।५८	भ.२६ या. स्वात्यां शुक्रः ४३ अनु. बुधः ३६	

३२पं.का.शु.७बु.इ.२०।४

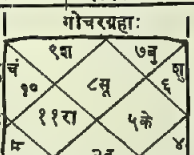

का. शु. ७ गुरौ वृश्चिकेऽर्के:प्र.वा.३ न.४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुकोदयः पू.।

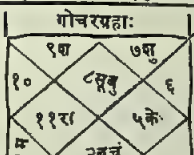

३३पं.का.शु.१५बु.इ.१९।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	१	६	८	१०	७
७	१०	३	७	६	७	१६	७
३७	३०	५	२२	४	२४	६	१४
३७	११	४९	४८	२६	१४	५१	२
६०	१४	९९	५३	७२	६	३	६०
४२	१७	४८	व	३०	२८	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०													दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुः रविर्दक्षिणेकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३१	२६	रो	४२	३८	शि	२०	४०	बा	३	३५	५३	४५	१५	२४	३	१३	वृषे		
२	शु	२८	४४	मृ	४१	४०	सि	१४	४७	तै	०	५	११	४६	१४	२५	४	१४	मि१२।८	भ. ५८।१३ उ.	
३	श	२७	४३	आ	४२	३२	सा	१०	४३	वि	२७	४३	८	४६	१४	२६	५	१५	मिथुने	भ. २७।४३ या. चतुर्थी व्र.	
४	र	२८	४९	पु	४५	२९	शु	७	३३	बा	२८	४९	६	४७	१३	२७	६	१६	क.२९।४५		
५	चं	३१	४४	पु	४९	५६	शु	६	२०	कौ	०	१७	३	४७	१३	२८	७	१७	कर्के	बकी कृत्तिका. ३ गुरुः ३२।४४	
६	मं	३६	२२	श्ले	५६	७	ब्र	६	८	ग	४	३	१	४८	१२	२९	८	१८	सिं५६।७	भ. ३६।२२ उ.	
७	बु	४२	७	म	६०	०	ले	८	१३	वि	९	१४	२९	४८	१२	३०	९	१९	सिंहे	भ. ९।१४ या.	
८	गु	४८	३७	म	२	५८	वै	८	४८	बा	१५	२२	५७	४९	११	१	१०	२०	सिंहे	ज्येष्ठा बुधः ३६ दिसम्बर मा.१२ ता.३१	
९	शु	५४	५७	पू	१०	२९	वि	११	८	तै	२१	४७	५५	४९	११	२	११	२१	कं.२७।२१	ज्येष्ठा. रविः १५।११ (सौरः ३६।४३)	
१०	श	६०	०	उ	१७	५८	प्री	१३	२५	व	२७	५८	५३	४९	११	३	१२	२२	कन्यायां	भ. २७।५८ उ.	
१०	र	०	५९	हृ	२४	५४	आ	१५	९	वि	०	५९	५१	५०	१०	४	१३	२३	तु.५७।५६	भ. ०।५९ या. विशा. शुक्रः ३२।२३	
११	चं	६	११	चि	३०	५८	सौ	१६	२७	बा	६	११	४९	५०	१०	५	१४	२४	तुलायां	उत्पत्ति ११ व्र.	
१२	मं	९	५२	स्वा	३५	२८	शो	१६	३०	तै	९	५२	४८	५०	१०	६	१५	२५	तुलायां	प्रदोषः	
१३	बु	१२	२५	वि	३८	३२	अ	१५	२८	व	१२	५२	४६	५१	९	७	१६	२६	वृ.२२।५३	भ. १२।५२ उ. ४२।५५ या.	
१४	गु	१२	५८	अ	४०	१३	सु	१४	१७	श	१२	५८	४५	५१	९	८	१७	२७	वृश्चिके		
२०	शु	१२	११	ज्ये	४०	२२	धृ	९	४३	ना	१२	११	४४	५१	९	९	१८	२८	ध.४०।२२	अस्तं शनेः ४२।४७	

३४पं. मा.कृ ७बु इ.१९।३९

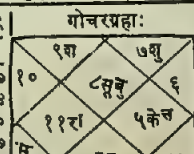

इस मासमें धान्य घृत तिलतैल खांड रुई पाट बारदाना मटर उड़द गुवार में घटाबढ़ी हो। मंदीमें संग्रहकरना लाभ होगी।

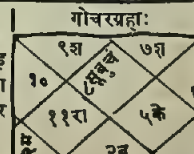

३५पं.मा.कृ.१३बु.इ.१९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	१	६	८	१०	७
२३	१५	२५	५३	८	१५	२१	
४८	१६	१४	३१	२४	५७	२२	२८
५८	१२	२०	२६	११	२९	२०	३२
६०	२०	९९	५३	७३	७	३	६१
५६	४८	०	व	२०	८	११	११

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५७२८स.१९८८
१	श	९	५८	मू	३९	२१	शू	५/५	५४/४४	ब	९	५८	२५/४२	६/५३	५/८	१०	१९	२९	धनुषि	मूले धनुषि बुधः १२।३५
२	र	६	४७	पू	३७	१९	वृ	५३	५४	कौ	६	५७	४१	५२	८	११	२०	३०	म.५१।४०	रेवत्यां भौमः २१।११ चन्द्रदर्शनम्
३	चं	२	५०	उ	३४	४४	ध्रु	४६	५८	ग	२	५०	४०	५२	८	१२	२१	१	मकरे	भ ३०/३६ उ ५८/२२ या वृश्चिके शुक्रः ३६।१८●
४	चं	५५	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●पातस्पर्शः ९।८ पातमोक्षः २५।७×
५	मं	५३	४२	श्र	३१	५५	व्या	४१	७	व	२६	२	३९	५२	८	१३	२२	२	मकरे	
६	बु	४८	४१	ध	२८	४९	ह	३३	२०	कौ	२१	११	३८	५२	८	१४	२३	३	कु.०।२२	चम्पा ६ ×जमादिलावल ५
७	गु	४३	५७	श	२५	२६	व	२६	५	ग	१६	१९	३८	५२	८	१५	२४	४	कुम्भे	भ. ४३/५७ उ. मूले धनुष्यऽर्कः २३/२३ (सौरः+
८	शु	३८	४८	पू	२२	८	सि	१८	५०	वि	११	२२	३७	५३	७	१६	२५	५	मी७।५८	भ. ११।२२ या मूले ४ शनिः १३।४३
९	श	३३	४४	उ	१८	४४	व्य	११	४५	बा	५	४६	३७	५३	७	१७	२६	६	मीने	
१०	र	२८	५०	रे	१५	२६	व	४/३१	५३/४३	तै	१	१७	३७	५३	७	१८	२७	७	मे.१५।२६	भ. ५६।२३ उ पूषा. बुधः ४९।२
११	चं	२३	५७	अ	१२	२२	शि	५०	३४	वि	२३	५७	३६	५३	७	१९	२८	८	मेषे	भ.२३।५७या मोक्षदा ११ व्र. गीता ज.
१२	मं	१९	४५	भ	९	४८	सि	४४	९	बा	१९	२५	३६	५३	७	२०	२९	९	बृ.२४।७	प्रदोषः +४०/१७) अनु. शुक्रः १९।३८
१३	बु	१५	३५	कृ	७	३	सा	३८	५	तै	१५	३५	३६	५३	७	२१	३०	१०	वृषे	
१४	गु	१२	३१	रो	५	२३	शु	३२	५३	व	१२	३१	३६	५३	७	२२	१	११	मि३५।८	भ.१२/३१उ. ४१/३४या. रा. पौषारंभः दत्तजयंती
१५	शु	१०	३७	मृ	४	५२	शु	२८	४१	ब	१०	३७	३६	५३	७	२३	२	१२	मिथुने	

३६पं.मा.शु.६बु इ.१९।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	१	७	८	१०	७
२८	१८	६	४	२	९	१५	२८
५५	१०	१६	५१	६	४६	०	५५
५२	१	८	३१	४	१२	५	५२
६१	२२	९६	६/३६	७३	७	३	६१
०	३१	४५	ब	२८	१४	११	०

गोचरग्रहाः

मा शु.६ भौमे धनुष्यर्कः प्र.वा ३ न.३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घना शुक्रोदयं पू.

गोचरग्रहाः

३७पं.मा.शु.१३बु इ.१९।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	१	७	८	१०	८
६	२१	१७	३	१०	१०	१४	५
३	१९	१८	५७	५०	३५	३७	४६
२९	८	५८	११	०	१०	४९	४०
६१	२४	९६	६/३२	७३	७	३	६१
४	५६	५०	ब	४४	२०	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	श	१०	२	आ	५	४५	ब्र	२५	२२	कौ	१०	२	२५/३७	६/५३	५/७	२४	३	१३	क.५१।३६	बुधोदयः पश्चिमायाम् ५३।२४
२	र	११	१३	पु	७	७	ऐं	२४	६	ग	११	१३	३७	५३	७	२५	४	१४	कर्के	भ. ४२।३३ उ. ज्येष्ठायां शुक्रः ५६।३९
३	चं	१३	५४	पु	१२	४	वै	२३	१	वि	१३	५४	३७	५३	७	२६	५	१५	कर्के	भ १३।५४ या. चतुर्थी व्र.
४	मं	१८	०	श्ले	१७	२९	वि	२३	३४	बा	१८	०	३८	५२	८	२७	६	१६	सिं१७।२९	उषा. बुधः २७।१७ ●गुरुः ३०।५४
५	बु	२३	२९	म	२३	५६	प्री	२४	५०	तै	२३	२९	३८	५२	८	२८	७	१७	सिंहे	पूषा. रविः २७/१९ (सौर ४१/५५) वक्री कृत्ति.२●
६	गु	२९	४८	पू	३१	११	आ	२७	५०	व	२९	४८	३९	५२	८	२९	८	१८	कं.४८।५	भ. २९।४८ उ. मकरे बुधः ३६।४०
७	शु	३६	७	उ	३८	४६	सौ	२९	६	वि	२	५७	४०	५२	८	३०	९	१९	कन्यायां	भ. २।५७ या.
८	श	४२	३४	ह	४६	१	शो	३१	१६	बा	९	२०	४०	५२	८	३१	१०	२०	कन्यायां	
९	र	४८	६	चि	५२	४७	अ	३२	५२	तै	१५	२०	४१	५२	८	१	११	२१	तु.१९।२४	जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९८९ ई.
१०	चं	५२	६	स्वा	५७	५३	सु	३३	३३	व	२०	६	४२	५२	८	२	१२	२२	तुलायां	भ. २०।६ उ. ५२।६ या.
११	मं	५४	४९	वि	६०	०	धृ	३३	३	ब	२३	२७	४३	५१	९	३	१३	२३	वृ.४५।४५	सफला ११ व्र. ×बुधः २१/२१ प्रदोषः
१२	बु	५५	३४	वि	१	४३	शू	३१	१५	कौ	२५	११	४४	५१	९	४	१४	२४	वृश्चिके	
१३	गु	५४	२८	अ	३	३१	ग	२७	५८	ग	२५	१	४६	५१	९	५	१५	२५	वृश्चिके	भ.५४/२८उ मूलेधनुषि शुक्रः ३९।२५श्रवणे×
१४	शु	५१	२९	ज्ये	३	३५	वृ	२३	७	वि	२२	५८	४७	५१	९	६	१६	२६	ध.३।३५	भ. २२।५८ या.
३०	श	४७	५	मू	१/५८	५७/१७	ध्रु	१७	५५	च	१९	१७	४९	५०	१०	७	१७	२७	धनुषि	

३८पं. पौ.कृ.५बु इ.१८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	१	७	८	१०	८
१३	२४	२७	३	१९	११	१४	१२
११	४२	५९	२०	३५	२४	५५	५६
३१	२५	५३	५३	६	३१	३३	३२
६१	२६	९२	६/२६	७३	७	३	६१
६	५३	४४	ब	५०	२०	११	२६

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ शनिवार अशुभ हैं, गुड़ खांड़ पाट वारदाना सिरस्युं सोना चांदी उड़द मूँग चावल हल्दी जीरा किराना तेज।

गोचरग्रहाः

३९प पौ कृ बु १२.इ १८।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	१	७	८	१०	८
२०	२८	८	२	२८	१२	१३	२०
१९	९	३५	५३	२०	१४	५३	६
२६	१४	६	१०	४९	३१	१८	२९
६१	२८	८१	३	७३	७	३	६१
६	२१	३२	१९	५३	२०	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५७५७स.१९८९
१	र	४१	३७	उ	५५	७	व्या	१०	१	किं	१४	२८	२५/५१	६/५०	५/१०	८	१८	२८	म.१३।१३	अश्वि. मेषे भौमः १२।१०
२	चं	३५	१९	श्र	५०	२२	ह	२/७	५१/४६	बा	८	२१	५२	५०	१०	९	१९	२९	मकरे	चंद्रदर्शनम् ●जमादिलाखर ६
३	मं	२८	४९	ध	४५	३६	सि	४५	२२	तै	२	४	५४	४९	११	१०	२०	१	कुं.१७।५९	भ.५५/३४उ. उषा. रविः३२।३ (सौरः४३/२२)●
४	बु	२२	२०	श	४०	५२	व्य	३६	५३	वि	२२	२०	५६	४९	११	११	२१	२	कुंभे	भ. २२।२० या. उदयं शनेः ५७।५६
५	गु	१६	६	पू	३६	३९	व	२८	५४	बा	१६	६	५८	४८	१२	१२	२२	३	मी२२।४३	
६	शु	१०	१९	उ	३२	५३	प	२१	१७	तै	१०	१९	२६/१	४८	१२	१३	२३	४	मीने	मकरेऽर्कः४८/२७(सौरः५८/४७)पूषा.१ शनिः४२/१२
७	श	५	७	रे	२९	३०	शि	१३	५५	व	५	७	३	४७	१३	१४	२४	५	मे.२९।३०	भ. ५।७उ.३२/५०या. शतभि.२ राहुः मघा.×
८	र	०	३२	अ	२६	५३	सि	७	१३	ब	०	३२	५	४७	१३	१५	२५	६	मेषे	वक्री बुधः ५४।५० पातस्पर्शः ५५।३१
९	र	५५	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+मार्गी गुरुः ६।३८
१०	चं	५३	२३	भ	२४	५५	सा	१/२	५४/२४	तै	२४	५७	८	४६	१४	१६	२६	७	बृ.३९।३८	पूषायां शुक्रः १६।३७ पातमोक्षः ९।१६
११	मं	५०	५८	कृ	२३	४८	शु	५०	३३	व	२२	१०	१०	४६	१४	१७	२७	८	वृषे	भ.२२।१०उ.५०।५८या. पुत्रदा ११ व्र.
१२	बु	४९	२३	रो	२३	१८	ब्र	४६	२२	ब	२०	१०	१२	४६	१४	१८	२८	९	मि५३।४१	बुधास्तः पश्चिमायाम् २४।६
१३	गु	४८	५३	मृ	२४	५	ऐं	४३	४	कौ	१९	८	१५	४५	१५	१९	२९	१०	मिथुने	प्रदोषः ×४ केतुः ४६।४७
१४	शु	४९	१९	आ	२५	४५	वै	४०	२९	ग	१९	५	१७	४५	१५	२०	३०	११	मिथुने	भ.४९/१९उ.अभि.प्र.रविः२१/१२(सौरः३०/९)+
१५	श	५१	२३	पु	२८	२८	वि	३८	३६	वि	२०	१७	२०	४४	१६	२१	१	१२	क.१२।४७	भ. २०।१७ या. रा. माघारंभः

४०पं.पा.शु.४बु.इ.१८।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	९	१	८	८	१०	८
२७	१	१६	२	७	१३	१३	२७
२७	५७	२२	३४	६	२	३१	१६
४०	१८	५५	४८	३२	४९	२	२१
६१	३९	४९	१/५५	७३	७	३	६१
६	५७	३२	ब	५९	१०	११	२४

गोचरग्रहाः

पौष शु. ६शनौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

४१पं. पौ.शु.१२ बु.इ.१८/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	१	८	८	१०	९
४	५	१७	२	१५	१३	१३	४
३५	४८	२७	२७	५३	५०	८	२५
३१	०	१४	४७	२०	५३	४७	५९
६१	३१	३३/४३	१२/१९	७४	७	३	६१
३	१४	ब	ब	५	२	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५४	२२	पु	३२	२८	प्री	३८	२५	बा	२२	४७	२६/२२	६/४४	५/१६	२२	२	१३	कर्के	
२	चं	५८	३६	श्ले	३७	१६	आ	३८	४४	तै	२६	२९	२५	४३	१७	२३	३	१४	सिं३७।१६	श्रवणे रविः ३७।३५ (सौरः ४६।६)
३	मं	६०	०	म	४३	५४	सौ	३९	५२	व	३१	२०	२७	४३	१७	२४	४	१५	सिंहे	भ.३१/२०उ. अभि. नि. रविः३०/४(सौरः३८/२२)
३	बु	४	४	पू	५०	५३	शो	४१	३३	वि	४	४	३०	४२	१८	२५	५	१६	सिंहे	भ. ४।४या. वक्री उषा. बुधः ५१/३७ चतुर्थी व्र
४	गु	१०	३	उ	५८	३२	अ	४३	४४	बा	१०	३	३३	४१	१९	२६	६	१७	कं.७।४७	उषायां शुक्रः ५६।३५
५	शु	१६	२९	ह	६०	०	सु	४६	३८	तै	१६	२९	३६	४१	१९	२७	७	१८	कन्यायां	
६	श	२३	९	ह	६	४	धृ	४८	१०	व	२३	९	३९	४०	२०	२८	८	१९	तु.३९।४६	भ. २३।९ उ. ५६।६ या.
७	र	२९	३	चि	१३	२६	शू	४९	३७	ब	२९	३	४२	४०	२०	२९	९	२०	तुलायां	मकरे शुक्रः ३३।१८ पातस्पर्शः ३६।१६●
८	चं	३३	४८	स्वा	१९	३१	गं	५०	६	बा	१	२५	४६	३९	२१	३०	१०	२१	तुलायां	●पातमोक्षः ४९।४१
९	मं	३७	१७	वि	२४	२५	वृ	४९	२२	तै	५	३२	४९	३८	२२	३१	११	२२	वृ.८।११	भरण्यां भौमः ३४/२७ बुधोदयः पूर्वस्याम् ५९/१
१०	बु	३८	४१	अ	२७	२९	ध्रु	४७	२	व	७	५९	५२	३८	२२	१	१२	२३	वृश्चिके	भ.५९/७ उ.३८/३१ या. फरवरी मा. २ ता. २८
११	गु	३८	१५	ज्ये	२८	४३	व्या	४३	५	ब	८	२८	५५	३७	२३	२	१३	२४	ध.२८।४३	षट्तिला ११ व्र.
१२	शु	३५	४७	मू	२७	४७	ह	३७	३८	कौ	७	१	५९	३६	२४	३	१४	२५	धनुषि	
१३	श	३१	१४	पू	२४	५६	व	३०	४५	ग	३	३०	२७/२	३६	२४	४	१५	२६	म.३८।५१	भ. ३१।१४ उ. ५८।९ प्रदोषः
१४	र	२५	४	उ	२०	३५	सि	२२	३०	श	२५	४	६	३५	२५	५	१६	२७	मकरे	धनिष्ठा. रविः ४५।५६ (सौरः ५१।५७)
३०	चं	१७	४२	श्र	१४	५३	व्य	१३	१६	ना	१७	४२	९	३४	२६	६	१७	२८	कुं.४१।४७	श्रवणे शुक्रः ३३/३३ मार्गी बुधः ५७/१७ सोमवती

४२पंमा कृ.३ बु.इ.१८।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	१	८	८	१०	९
११	९	१०	२	२४	१४	१२	११
४२	४२	४८	२९	३९	३७	४६	३४
५८	२९	२९	२	२२	२६	३१	४१
६०	३२	८८	०/५५	७४	६	३	६१
५९	११	४७	मा	११	४७	११	१३

गोचरग्रहाः

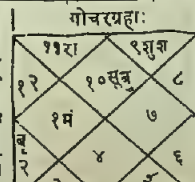

पांच रवि अरु सोम हैं माघ मास केमाय। सोमवती मावस हुई वस्तु मंदी होजांय ।। सुदीमें तेजीहोगी।

गोचरग्रहाः

४३पं.मा.कृ.१० बु.इ. १८/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	१	९	८	१०	९
१८	१३	३	२	३	१५	१२	१८
४९	४४	३३	४१	२५	२१	२४	४२
२६	३५	५०	३८	१६	५८	१५	४४
६०	३३	४४/४५	२	७४	६	३	६१
५५	७	ब	१६	२०	३२	११	४

(मं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५७८७स. १९८९
१	मं	९	३२	ध	८	४१	व	३४	५०	ब	९	३२	२७	३३	५	७	१८	२९	कुम्भे	चन्द्रदर्शनम्
२	बु	१	१०	श	११	५३	शि	४३	५५	कौ	१	१०	१६	३३	२७	८	१९	१	मी४२।२८	रज्जव ७
३	बु	५१	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	गु	४५	२०	उ	५०	८	सि	३४	२०	व	१९	१०	२०	३२	२८	९	२०	२	मीने	भ. १९।१० उ. ४५।२० या.
५	शु	३८	२९	रे	४५	१४	सा	२५	४४	ब	११	५५	२४	३१	२९	१०	२१	३	मे.४५।१४	वसंत पंचमी
६	श	३२	४४	अ	४१	४१	शु	१८	१	कौ	५	३७	२७	३१	२९	११	२२	४	मेषे	●२५/५४) कृत्तिका. ३ गुरुः १६।६ भानु ७
७	र	२८	९	भ	३९	९	शु	११	१०	ग	०	२६	३१	३०	३०	१२	२३	५	वृ.५३।५२	भ. २८/९ उ. ५६/३४ या. कुंभेऽर्कः २१/११ (सौरः●
८	चं	२४	५९	कृ	३८	१	ब्र	५	२८	ब	२४	५९	३५	२९	३१	१३	२४	६	वृषे	भीष्माष्टमी
९	मं	२२	५९	रो	३८	३	ऐं	४०	५६/१६	कौ	२२	५९	३८	२८	३२	१४	२५	७	वृषे	पूषायां २ शनिः २४।५२
१०	बु	२२	१६	मृ	३९	१५	वि	५४	१६	ग	२२	१६	४२	२८	३२	१५	२६	८	मि८।३९	भ. ५३।० उ.
११	गु	२३	४३	आ	४१	४४	प्री	५२	२२	वि	२३	४३	४६	२७	३३	१६	२७	९	मिथुने	भ. २३।४३ या. जया ११ व्र.
१२	शु	२४	१७	पु	४५	२१	आ	५१	३३	बा	२४	१७	५०	२६	३४	१७	२८	१०	क.२९।२७	धनिष्ठा. शुक्रः १५।३ प्रदोषः
१३	श	२७	१९	पु	४९	५३	सौ	५१	३४	तै	२७	१९	५४	२५	३५	१८	२९	११	कर्के	शते रविः ५७।३२ श्रवणे बुधः ४३।१५
१४	र	३०	१	श्ले	५५	१९	शो	५१	५९	व	३०	१	५८	२४	३६	१९	३०	१२	सिं५५।१९	भ. ३०।१ उ. शते रविः सौरः १।१६
१५	चं	३५	४८	म	६०	०	आ	५३	२६	वि	२	५५	२८/२	२४	३६	२०	१	१३	सिंहे	भ ५२/५५ या. खग्रासचन्द्रग्रहणम् रा फाल्गुना

४४पं. मा.शु.२बु.इ.१९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	१	९	८	१०	९
२५	१७	२	३	१२	१६	१२	२५
५५	४७	४०	३	११	४	२	४९
१६	३८	१९	४२	२०	४८	०	३१
६०	३३	१०/५०	३	७४	६	३	६०
४७	५२	मा	४१	२३	१८	११	५५

गोचरग्रहाः

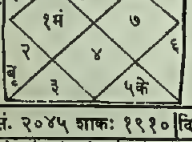

१२ १०सू ११ बु ९श ८ १मं ७ २ ४ ६ बृ ३ ५के

माघ शु.७ रवौ कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ न.३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पू.

गोचरग्रहाः

१२ १०बु ११सू ९श १ २बृ ८ चं ३ ५के ७ ४ ६

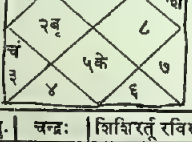

४५पं.मा.शु.१०बु.इ.१९।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१	९	८	१०	१०
३	२१	६	३	२०	१६	११	२
०	५६	५१	३४	५६	४५	३९	५५
४	६	५८	५२	४९	१८	४४	३४
६०	३४	४४	४	७४	५	३	६०
३७	३८	६	५२	२६	५१	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	मं	४१	२३	म	१	४९	सु	५४	५७	बा	८	३५	२८/६	६/२३	५/३७	२१	२	१४	सिंहे	शुक्रास्तः पूर्वस्याम् १०।४८ शु.अ.पू
२	बु	४७	३४	पू	८	४१	धृ	५७	१९	तै	१४	२८	१०	२२	३८	२२	३	१५	कं.२५।३३	कुंभे शुक्रः ३४।९
३	गु	५३	५०	उ	१६	७	शू	५९	२९	व	२०	४५	१४	२१	३९	२३	४	१६	कन्यायां	भ. २०/४५ उ. ५३/५० या कृत्ति. भौमः १७।५
४	शु	६०	०	ह	२३	४४	गं	६०	०	ब	२७	४	१८	२०	४०	२४	५	१७	तु.५७।३१	चतुर्थी व्र.
४	श	०	१८	चि	३१	१९	गं	१	५९	बा	०	१८	२२	२०	४०	२५	६	१८	तुलायां	
५	र	६	२६	स्वा	३८	३	वृ	३	५९	तै	६	२६	२६	१९	४१	२६	७	१९	तुलायां	
६	चं	११	३२	वि	४४	१	ध्रु	५	८	व	११	३२	३०	१८	४२	२७	८	२०	बृ.२७।३२	भ. ११/३२ उ. ४३/४१ या. शते शुक्रः ५४।१०
७	मं	१५	४९	अ	४८	१४	व्या	५	२५	ब	१५	४९	३४	१७	४३	२८	९	२१	वृश्चिके	वृषे भौमः ५०।४५
८	बु	१८	१७	ज्ये	५१	१०	ह	५	३९	कौ	१८	१७	३८	१६	४४	१	१०	२२	ध.५१।१०	धनि. बुधः ५१।४० मार्च मा.३ ता. ३१
९	गु	१८	५९	मू	५१	५५	व	३/४	५५/५८	ग	१८	५९	४२	१६	४४	२	११	२३	धनुषि	भ. ४८।१८ उ.
१०	शु	१७	३७	पू	५०	४९	व्य	५०	३४	वि	१७	३७	४६	१५	४५	३	१२	२४	धनुषि	भ. १७।३७ या.
११	श	१४	६	उ	४७	३२	व	४५	२०	बा	१४	६	५०	१४	४६	४	१३	२५	म.४।५९	पूभा. रविः १३/३७ (सौरः १६/३) विजया ११व्र
१२	र	८	४१	श्र	४२	३०	प	३६	४५	तै	८	४१	५४	१३	४७	५	१४	२६	मकरे	प्रदोषः
१३	चं	१	३८	ध	३६	११	शि	२७	२	व	१	३८	५८	१२	४८	६	१५	२७	कु.९।२२	भ. १।३८उ २७।२५या. कुम्भे बुध ३७/५१●
१४	चं	५१	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●महाशिवरात्रि व्र.
३०	मं	४३	५९	श	२८	५८	सि	१६	४०	च	१८	३५	२९/२	१२	४८	७	१६	२८	कुम्भे	

४६पं. फा.कृ.२बु.इ.१९।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१	९	८	१०	१०
१०	२६	१३	४	२९	१७	११	१०
३	६	५२	१६	४२	२३	१७	०
३२	१४	२	१	०	१३	२९	७
६०	३५	६४	६	७४	५	३	६०
२५	१६	३७	४	२६	२६	११	३१

गोचरग्रहाः

१२ १०बु ११सू ९श १ २बृ ८ ३ ५के ७ ४ ६च

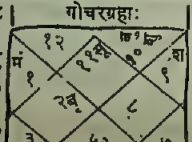

फा. शु. ८ भौमे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

१२ १०बु ११सू ९श १ २मंबृ ८चं ३ ५के ७ ४ ६

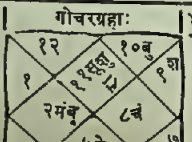

४७पं.फा.कृ. ८बु.इ.१९।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	१	१०	८	१०	१०
१७	०	२२	५	८	१७	१०	१७
५	१७	३७	३	२६	५७	५५	२
४६	२४	३७	०	२८	४०	१३	५८
६०	३५	८०	६	७४	४	३	६०
१२	४६	८	५६	२९	५६	११	२०

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५८१६स.१९८९
१	बु	३४	१९	पू	२१	२०	सा	५ ४४	४५	किं	९	९	२९ ६	६ ११	५ ४९	८	१७	२९	मी८।१५	
२	गु	२४	५७	उ	१३	५१	शु	४४	३६	कौ	२४	५७	१०	१०	५०	९	१८	३०	मीने	फुलरिया २ चन्द्रदर्शनम् ×होलाष्टकः
३	शु	१६	५	रे	६	५४	ब्र	३४	३८	ग	१६	५	१४	९	५१	१०	१९	१	मे.६।५४	भ. ४३/१४ उ. पूभा. शुक्रः ३७/१४ शते बुधः ५८/५५*
४	श	८	२४	अ	१ ६	५५ ५५	ऐं	२६	१४	वि	८	२४	१९	८	५२	११	२०	२	मेषे	भ. ८।२४ या. *सावान ८
५	र	२	६	कृ	५३	५०	वै	१९	७	बा	२	६	२३	७	५३	१२	२१	३	बृ.१०।५६	+३६/५९)रोहि.भौमः १६/४० आमलकी ११ब्र.स्मा.
६	र	५५	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	चं	५४	३२	रो	५२	५९	वि	१३	११	ग	२५	५४	२७	७	५३	१३	२२	४	वृषे	भ. ५४।३२ उ. कृत्तिका. ४ गुरुः १०।१४
८	मं	५३	१९	मृ	५३	३६	प्री	८	४१	वि	२३	५५	३२	६	५४	१४	२३	५	मि२३।१७	भ. २३/५५ या. मीनेऽर्कः १४/३४ (सौरः १६/२३)×
९	बु	५३	५७	आ	५६	३	आ	५	३७	बा	२३	३८	३६	५	५५	१५	२४	६	मिथुने	
१०	गु	५५	५८	पु	५९	४१	सौ	३	५८	तै	२४	५७	४०	४	५६	१६	२५	७	क.४३।४७	÷मघा ३ केतुः ४२/१६ अ.मलकी ११ ब्र.वै.
११	शु	५९	२४	पु	६०	०	शो	३	१८	व	२७	४१	४४	३	५७	१७	२६	८	कर्के	भ.२७/४१ उ.५९/२४ या. उभा. रविः ३५/३८ (सौरः+
१२	श	६०	०	पु	४	५३	अ	३	४९	ब	३१	३८	४९	२	५८	१८	२७	९	कर्के	मीने शुक्रः ३९।६ शतभिषा. १ राहुः÷
१३	र	३	५२	श्ले	१०	४९	सु	४	४३	बा	३	५२	५३	१	५९	१९	२८	१०	सिं१०।४९	प्रदोषः पूभायां बुधः १५।४६
१३	चं	९	११	म	१६	४१	धृ	६	२०	तै	९	११	५७	१	५९	२०	२९	११	सिंहे	=बुधास्तः पू. ३५/३३ होलिकादहनं भद्रोत्तरं
१४	मं	१५	२	पू	२४	३७	शू	८	७	व	१५	२	३० ०	६ ०	६ ०	२१	३०	१२	कं.४१।२९	भ. १५।२ उ. ४८/११ या. उभा. शुक्रः २०।०=
१५	बु	२१	२०	उ	३२	७	गं	१०	३६	ब	२१	३०	६	५ ५९	१	२२	१	१३	कन्यायां	रा. चैत्रारम्भः छारेंडी

४८पं.फा.शु.१बु.इ.२०।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	१	१०	८	१०	१०
२४	४	२	५	१७	१८	१०	२४
६	३४	३६	५८	९	२८	३२	४
२९	१२	५४	८	५०	४४	५७	२१
५९	३५	९१	८	७४	४	३	६०
५८	५५	५६	७	३२	३४	११	५

४९पं फा.शु.९बु इ २०।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१	१०	८	१०	११
१	८	१३	६	२५	१८	१०	१
५	४९	३५	५९	५३	५५	१०	४
४२	५२	५३	३१	२४	४४	४२	३
५९	३६	० ०	८	७४	३	३	५९
४१	१५	४६	५९	३२	५३	११	४९

५०पं.फा.शु.१५बु इ.२९।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१	११	८	१०	१
८	१३	२५	८	४	१९	९	
३	६	४२	७	३५	१९	४८	
१८	२२	२२	३०	४२	५	२६	५८
५९	३६	११	९	७४	३	३	५९
२९	३७	८	४५	३२	१९	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेफाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२७	२८	ह	३९	३५	वृ	१२	५०	कौ	२७	२८	३० ०	५ ५८	६ २	२३	२	१४	कन्याया	वसन्त १
२	शु	३३	४३	चि	४६	५७	ध्रु	१५	४	तै	०	३५	१४	५७	३	२४	३	१५	तु.१३।२६	मीने बुधः ४१।६
३	श	३९	३१	स्वा	५३	४९	व्या	१७	०	व.	६	३७	१८	५६	४	२५	४	१६	तुलायां	भ. ६।३७ उ ३९।३१ या.
४	र	४४	२७	वि	५९	५४	ह	१८	३४	ब	११	५९	२३	५५	५	२६	५	१७	वृ.३४।२३	उषायां बुधः ३८।२५ चतुर्थी ब्र.
५	चं	४८	४६	अ	६०	०	व	१९	२०	कौ	१६	३७	२७	५५	५	२७	६	१८	वृश्चिके	
६	मं	५१	५२	अ	५	४	सि	१९	१०	ग	२०	१९	३१	५४	६	२८	७	१९	वृश्चिके	भ. ५१।५२ उ.
७	बु	५३	१४	ज्ये	९	३	व्य	१८	३	वि	२२	३३	३५	५३	७	२९	८	२०	ध. ९।३	भ. २२।३३ या.
८	गु	५३	११	मू	११	११	व	१५	५३	बा	२३	१३	३९	५२	८	३०	९	२१	धनुषि	शीतलापूजनम्
९	शु	५१	१४	पू	११	४७	प	११	३५	तै	२२	१३	४४	५१	९	३१	१०	२२	म.२६।३२	रेवत्यां रविः ३।२१ (सौरः ४।२७)
१०	श	४७	२२	उ	१०	४५	शि	६ २०	५२ ५८	व	१९	१८	४८	५०	१०	१	११	२३	मकरे	भ.१९/१८ उ.४७/२२ या. रेवत्यां शुक्रः रोहिणी १
११	र	४१	३९	श्र	७	३६	सा	५१	११	ब	१४	३१	५२	५०	१०	२	१२	२४	कु.३५।१३	रेवत्यां बुधः ३२।११ पापमोचनी ११
१२	चं	३४	२८	ध	२ ५१	५३ ५९	शु	४१	४८	कौ	८	४	५६	४९	११	३	१३	२५	कुम्भे	*गुरुः ५५।५७ अप्रेल मा. ४ ता. ३
१३	मं	२६	४	पू	४९	३६	शु	३१	३०	ग	०	१६	३१ ०	४८	१२	४	१४	२६	मी३६।२५	भ. २६।४ उ. ५१।१३ या. प्रदोषः
१४	बु	१६	२१	उ	४१	४६	ब्र	२०	३५	श	१६	२१	४	४७	१३	५	१५	२७	मीने	
२०	गु	६	३६	रे	३३	५६	ऐं	९ ३९	४९ १६	ना	६	३६	८	४६	१४	६	१६	२८	मे.३३।५६	मन्वादिः संवत्सरारंभः प्रतिपत्क्षयत्वात्

५१पं. चै.कृ.७बु.इ.२१।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	१	११	८	१०	११
१४	१७	८	९	१३	१९	९	१४
५९	२४	४०	२०	१७	३७	२६	५८
१३	३२	३७	३८	३५	५९	११	५
५९	३७	४	१०	७४	२	३	५९
१६	३७	७	२९	३५	३२	११	१८

गोचरग्रहाः

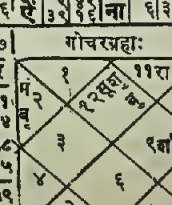

यत्र मासे पंचवारा जायते च बृहस्पतेः। विग्रहः पश्चिमे देशे पीड़ायुद्धंच जायते।। पांच शुक्रवार है सो सुख सुभिक्ष हो।

गोचरग्रहाः

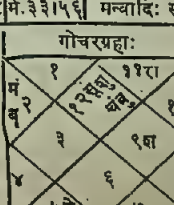

५२पं.चै.कृ.१४बु.इ.२१।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	१	११	८	१०	११
२१	२१	२२	१०	२१	१९	९	
५३	४२	३०	३८	५८	५२		
३१	२९	४	१०	४१	२६	५	
५९	३७	४	११	७४	१		
४	१०	५६	७	३८	५२	१	

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९० तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९० भोग्यकलिः ४२६९१० अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति--वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४६ शाकः १९११ वर्षेऽस्मिन राजा गुरुः । मंत्री गुरुः । सस्येशो रविः । धान्येशोशुक्रः । मेघेशोबुधः । रसेशो भौमः । नीरसेशो रविः । फलेशो बुधः । धनेश्शनिः । दुर्गेशो शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य--मानेनप्रभवादिषष्टयब्दानांमध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १६ वृषनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ६।१६।३८।२८ भोग्यमासादिः३।१३।२१।२९। इन्द्रदैवतंयुगम् । वर्षनामकार्तिकः । मेघनामसंवर्तः । रोहिणीनिवासःसंधौ । समय निवासोवणिक्गृहे । समयविश्वा १० । समयवाहनंचातकः । स्तंभः१अन्नस्य । सोमवत्यमा.२ । सोमवतीपंचमी १ । अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी ३ । समयमुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः१६ । तिथिवृद्धिः ९। उत्पतिविश्वा९९ । खपतिविश्वा१२६। वर्षाविश्वा ५। धान्यम् ५। तृणम् ११। शीतम् ९ । तेजः११ । वायुः१३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं ९५ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पापम् १८ । शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहणं १ चन्द्रमसः ।

सं. २०४६ शाके १९११ माघ शु. १५ शुक्रे खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४१	४४	४५	४६	५०
मध्य.	पल	२६	४५	४५	४५	४
रेल्वे	घं.	११	१२	१२	१	२
टाइम	मि	१	२१	४५	९	२९

श्रावण शुक्ला १४ बुधवार को अर्द्धरात्रि पश्चात् प्रातः पश्चिम प्रदेशों में ग्रस्तास्त चन्द्र ग्रहण होगा। जहां रेल्वे ६-५१ के बाद चन्द्रास्त होगा वहां दीखेगा, भारत में नहीं होगा।

वर्षं लग्नम् ८।२४

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

माथ नाय कर जोड़ के भैरव करै पुकार ।
साल छियालीस आइया कहदो फल विस्तार ।।

भवानी उत्तर

छियालीसो छत्रपति करसी रास विलास ।
मन माग्या मेह वर्ष सी मोक्ता होसी घास ।।
इन्द्र पुरोहित राष्ट्रपति ले मन्त्री का भार ।
अन धन सुख संपति बढ़े इसका यह है सार ।।
संवत् वासो वैश्य घर रोहिणी संधि वास ।
खंडित वर्षा भादवे पवन चालसी खास ।।
व्यापारी व्यापार में थैला भरें सम्हाल ।
बंशीधर का कथन है मध्यम रहसी साल ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	बृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् ७।०

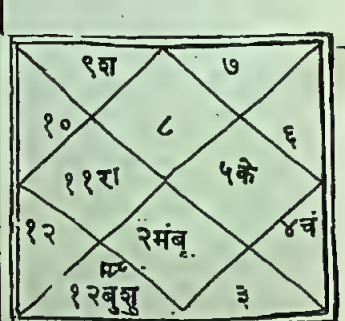

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४१।२८

अथाधिकारिणां फलम् । वर्षेऽस्मिन् राजा गुरुस्तत्फलम्—गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुघाश्च धेनवः । यजंति विप्राः बहवोग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ॥ मन्त्री गुरुः फलम्—विविधधान्ययुतासलुमेदिनी प्रचुर-तोयघनामुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननुमंत्रि समागते ॥ सस्येशो रविः फलम्—सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्वं धान्यंसमर्घं वहवोपिचौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहु भूरुहाश्च ॥ धान्येशः शुक्रस्तत्फलम्—भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यन्न पच्यते । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पंक्षीरं गवामपि ॥ मेघेशो बुधस्तत्फलम्—अमृतरश्मिसुते यदिवारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकं । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुताधरणीतदा ॥ रसेशो भौमस्तत्फलम्—यदिधरातनयो रसपोभवेन्नरस राशियुता जनताशुभा । नरपतिर्विषमो जनतापदोनजलदोबहुवृष्टि करोभुवि। नीरसेशो रविः नीरसाधिपतौ सूर्येतास्रचंदनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ॥ फलेशो बुधस्तत्फलम्—यदि बुधे फलपे फलमुत्त-मम् जलधराजलराशि मुचस्तदा । बहु तृणंकुसुमैः कमलैर्युतं जनपदो जन सौख्यमुदान्वितः ॥ धनेशः शनिः फलम्—द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अधनतां वणिजां कृषिजीविनोद्विजवराः परिपीडित मानसाः ॥ दुर्गेशः बुधस्त-त्फलम्—विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभोभवति राष्ट्रजनेषुविशेषताम् । शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषुद्रव्युतां न भयंक्वचित् ॥ चित्रभानुनाम संवत्सरः फलम्—चित्रार्घवृष्टिः सस्यार्घं विचित्रा निखिलाधरा । निराकुलाखिला लोकाश्चित्रभानोश्चवत्सरे ॥ वर्षनाम कार्तिकस्तत्फलम्—पापबुद्धिरतालोका भवंतिकार्तिकेयदा । देवता नैवमन्यन्ते राज्यंच तस्करैर्हृतम् ॥ मेघनाम संवर्तः फलम्—संवर्ते जलपूरिता ॥ रोहिणीनिवासः संधौ फलम्—खण्डवृष्टिश्च संधिषु ॥ समयनिवासो वणिक्गृहे फलम्—वणिक् गृहे शुभं नास्ति ॥ एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०४६ शाके १९११ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैसाख मासः

शुक्ले १ शनौ रोहि. ल. १०-१२ रे. ८ ।।।।।ऽनुऽ।।।
,, २ रवौ मृगे ल. १०-१२ रे. ९ ऽ।।।।।।।।।
,, ९ रवौ उफा. ल. १ घ. ५६।२३ उ. रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।।
,, ११ भौमे हस्ते ल. १०-१२ रे. ८ ।।।।।ऽअ.ऽ।।। मीनेचंशपू.
, १५ शनौ अनु. ल. १०-१२ रे. ६ ।।।।ऽऽचौऽऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे ४ बुधे उषा.ल.१० ध.४४।५३या. रे.६ ।।।।ऽ।ऽऽ।ऽअ.ल.१२

आषाढ़ मासः

कृष्णे ८ चन्द्रे उभा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ७ ।।।।।ऽअ।ऽ।ऽ
भौम शुक्र ८ दोषः दग्धा. आवश्यके
,, ८ चन्द्रे रेव. ल. १-२ रे. ६ ऽ।।।।ऽअऽऽ।।
,, ९ भौमे रेव. ल. अन्यगो. सोग्रांग्रः रे.७ ऽ।।।।।ऽऽ।।
मं. शु. ८ दोषः
शुक्ले ५ शनौ उफा. ल. १-२ रे. ९ ।।।।।ऽनु।।।।
,, ९ बुधे स्वा. ल. गो. सोग्रांगः १ रे. ८ ।।।।।ऽरो.ऽ।।।
मं. शु. दोषः मेषे चन्द्र ७ पूज्यः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे ७ रवौ मघा. ल. ६ घ. ४९।९ उ. रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
,, ८ चन्द्रे मघा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽऽनु।ऽ।।
,, ११ गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. ५ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ले ४ शनौ उषा. ल. ६ रे. ९ ।।ऽशु।।।।।। शुक्र युतिः
,, ९ गुरौ उभा. ल. गो. रे. ९ ।।।।।।।।
,, १५ भौमे मृगे ल. ६-७ रे. ७ ।ऽ।।ऽ।।ऽ।। तुला लग्न
घ. ५१।१६ उपरांत

माघ मासः

शुक्ले ४ भौमे उभा. ल. ६ (चं. ७ पूज्यः) रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ५ बुधे रेवत्यां ल. अन्यगो. ६ रे. ८ ऽ।।।।ऽरो.।।।।
कन्या लग्ने चं. ७ पूज्यः
,, ९ रवौ रोहि. ल. गो. ६ रे. ८ ।।।।।।।।ऽऽ गणितेन
क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णे ४ भौमे हस्ते ल. गो. रे. ८ ।।।।।।।ऽ।ऽ
,, ७ शनौ अनु. ल. ६-७ घ. ३५।१७ उ. रे.८ ऽ।।।।।ऽ।।
,, ८ रवौ अनु. ल. अन्यगो. ६ रे ८ ऽ।।।।।ऽ।।
,, १० भौमे मूले ल.अन्यगो.६-७ रे.८ ।।।।।।(रोग३२उ.)ऽऽ।।
शुक्ले २ भौमे उभा. ल. ६ (चं. ७ पूज्यः) रे. ७ ।ऽ।।।ऽऽ।।
,, ७ शनौ रोहि. ल. अन्यगो. रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।।

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८४६स.१९८९
१	गु ५० ६ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	३१	५	६	७	१७	२९	०	
२	शु ४७ १५ अ २६ २९ वि ४८ ५५ ना २० ५८	१२	४६	१४				मेषे	मृगे भौमः ५९।३ सिंधारा चन्द्रदर्शनम्
३	श ३९ १६ भ २० १४ प्री ३९ ५२ तै १३ १५	१६	४५	१५	८	१८	१	वृ.३३।५८	अश्वि. मेषे बुधः ५९।३७ मत्स्य जयंती●
४	र ३२ ४७ कृ १५ ८ आ ३१ ५९ व ६ १	२०	४४	१६	९	१९	२	वृषे	भ.६।१ उ. ४७ या. पूषा.३ शनिः २४।५०
५	चं २८ १४ रो १२ १६ सौ २६ ७ ब ० ३१	२४	४३	१७	१०	२०	३	मि४१।४०	
६	मं २५ ३८ मृ ११ ५ शो २१ ३६ ते २५ ३८	२८	४२	१८	११	२१	४	मिथुने	अश्वि. मेषे शुक्रः ५०।४४
७	बु २५ ४ आ १२ १० अ १८ ४९ व २५ ४	३२	४२	१८	१२	२२	५	क.५९।२६	भ. २५।४ उ. ५५।४९ या.
८	गु २६ ३३ पु १५ ११ सु १७ २३ ब २६ ३३	३६	४१	१९	१३	२३	६	ककें	अश्वि. मेषेऽर्कः ३७।२३ (सौरः ३९।१)
९	शु २९ ४९ पु १९ ५३ धृ १७ ४६ कौ २९ ४९	४०	४०	२०	१४	२४	७	कर्के	रामनवमी ●गणगौरी रमजान ९
१०	श ३४ २५ श्ले २५ ४८ शू १८ २५ ते २ ७	४३	३९	२१	१५	२५	८	सिं२५।४८	भरण्यां बुधः १४।५१
११	र ३९ ५६ म ३२ ४२ गं २० ३१ व ७ १०	४७	३९	२१	१६	२६	९	सिंहे	भ.७।१०उ. ३९।५६या. बुधोदयः पश्चि.×
१२	चं ४६ २ पू ४० ५ वृ २२ ४९ ब १२ ५९	५१	३८	२२	१७	२७	१०	कं.५७।०	×२८।२२ कामदा ११ व्रतम्
१३	मं ५२ ३५ उ ४७ ४४ घु २५ ७ कौ १९ १८	५५	३७	२३	१८	२८	११	कन्यायां	मिथुने भौमः ५२।१६ रोहि. २ गुरुः ५४+
१४	बु ५८ ४१ ह ५५ २ ण्या २७ ३२ ग २५ ३८	५८	३६	२४	१९	२९	१२	कन्यायां	भ. ५८।४१ उ. +प्रदोषः
१५	गु ६० ० चि ६० ० ह २९ ३७ वि ३१ ३५	३३	३६	२४	२०	३०	१३	तु.२८।३९	भ. ३१।३५ या. हनुमज्जयन्ती
१५	शु ४ २९ चि २ १६ व ३१ ३१ ब ४ २९	६	३५	२५	२१	१	१४	तुलायां	रा. वैशाखारंभः

१पं. चै.शु.८बृ.इ.३७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	१	०	८	१०	११
०	२६	१०	१२	२	२०	८	२९
०	५०	३	१५	१२	५	३७	५८
०	४६	२५	४	४०	२३	४७	२७
५८	३७	०	११	७४	१	३	५८
४४	१६	४३	५१	३८	५	११	४५

गोचरग्रहाः

चैत्र शु. ८ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रा. पू.।

गोचरग्रहाः

२पं.चै.शु.१५बु.इ.३७।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१	०	८	१०	०
६	१	२३	१३	१०	२०	८	६
५०	६	२७	४१	५२	९	१५	४८
४२	०	३६	१०	१	२९	३१	३८
५८	३७	०	१२	७४	०	३	५८
३१	३४	५४	१६	३२	२०	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततुं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श ९ ४७ स्वा ८ ४८ सि ३२ ३६ कौ ९ ४७	३३	१०	३४	२६	२२	२	१५	कृत्तिका. बुधः २५।४० भरण्यां शुक्रः ३६ ४९
२	र १४ ३१ वि १४ २९ ख ३३ १२ ग १४ ३१	१४	३३	२७	२३	३	१६	वृश्चिके	भ. ४६।८ उ. ●शनिः ७।४१ च. ब्र.
३	चं १७ ४६ अ १९ १७ व ३३ १२ वि १७ ४६	१७	३३	२७	२४	४	१७	वृश्चिके	भ. १७।४६ या. वृषे बुधः ३७।३० वक्री●
४	मं २० १४ ज्ये २३ २७ प ३२ १४ ना २० १४	२१	३२	२८	२५	५	१८	ध.२३।२७	
५	बु २२ २१ मू २६ १२ शि ३० २० ते २२ २१	२५	३१	२९	२६	६	१९	धनुषि	
६	गु २१ ५५ पू २७ ४३ सि २७ २७ व २१ ५५	२९	३०	३०	२७	७	२०	म.४२।४७	भ. २१।५५ उ. ५१।१९ या. भरण्यां×
७	शु २० ४३ उ २८ २ सा २३ २८ ब २० ४३	३२	३०	३०	२८	८	२१	मकरे	×रविः १७।४२ (सौरः २०।१९)
८	श १८ १४ श्र २५ ४५ शु १८ १९ कौ १८ १४	३६	२९	३१	२९	९	२२	कुं.५५।२६	आर्द्रा. भौमः ३५।२
९	र १४ ३ ध २४ ८ शु ११ ५६ ग १४ ३	४०	२८	३२	३०	१०	२३	कुम्भे	भ. ४१।२४ उ. शुक्रोदयः+ शु.उ.प.
१०	चं ८ ४५ श २० २ ब्र २६ ५५ वि ८ ४५	४३	२७	३३	१	११	२४	कुम्भे	भ. ८।४५ या. मई मा. ५ ता. ३१
११	मं १ ४६ पू १४ ४३ वै ४६ २५ ना १ ४६	४७	२७	३३	२	१२	२५	मी १।२	वरूथिनी ११ ब्र. +पश्चिमायां १५।३६
१२	मं ५२ ९ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	बु ४४ ५८ उ ८ २८ वि ३६ २५ ग १९ २६	५१	२६	३४	२	१३	२६	मीने	भ.४४।५८उ. रोहि.बुधः १४।५८ कृत्ति.=
१४	गु ३६ ४६ रे २७ ५३ प्री २६ ७ वि १० २२	५४	२५	३५	४	१४	२७	मे.१।२७	भ. १०।२२ या. रोहि. ३ गुरुः २८।६
२०	शु २६ ४० भ ४७ २६ आ १५ ५५ च १ १३	५७	२५	३५	५	१५	२८	मेषे	=शुक्रः २६।१३ प्रदोषः

३पं. वै.कृ.६ बृ.इ.३७।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१	०	८	१०	०
१३	५	३	१५	१२	२०	७	१३
३९	२६	५४	९	३१	८	५३	३७
४३	२०	४७	५०	१९	२०	१६	३
५८	३७	७८	१२	७४	२०	३	५८
१९	४५	४	३५	३२	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मासमें धान्य तृण रुई चांदी चावल जौ गेहूं मंदा होकर सुदी में तेज हो रस तेज कहीं वर्षा हो।

गोचरग्रहाः

४पं.वै.कृ.३०बृ.इ.३८।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१	०	८	१०	०
२०	९	१०	१६	२८	२०	७	२०
२७	४६	५१	४२	९	२	३१	२३
२२	१९	५३	११	२२	३८	०	४५
५८	३७	३७	१३	७४	१३	३	५७
६	५८	२५	१	३२	ब	११	५७

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ५८७५स.१९८९
१	श १७।५८ कृ ४१।२३ सौ ५४।१६ ब १७।५८	३३	५	६	६	१६	२९	वृ.०।५५	वृषे शुक्रः ७।१४ वक्री पूषा. २ शनिः ३१०
२	र १०।२५ रो ३६।४५ अ ५०। ५ कौ १०।२५	४	२३	३६	६	१६	२९	वृषे	परशुराम जयंती सव्वाल १०
३	चं ४।३१ मृ ३३।४६ सु ४३।४६ ग ४।३१	७	२३	३७	७	१७	१		भ.३२।२८उ. अक्षय ३ *चंद्रदर्शनम्
४	मं ०।२६ आ ३३। २ धृ ३९।२९ वि ०।२६	१०	२२	३८	९	१९	३	मिथुने	भ. ०।२६ या.
५	मं ५८। ६ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
६	बु ५८।३९ पु ३४।२२ शू ३६।५७ कौ २८।२२	१३	२१	३९	१०	२०	४	क.१९।२	
७	शु ६०। ० पु ३७।३४ गं ३६।१० ग २९।१९	१६	२१	३९	११	२१	५	कर्के	कृत्ति. रविः ३३ (सौरः १६) वक्री बुधः १६
७	शु ०।५८ श्ले ४२।३२ वृ ३६।१४ व ०।५८	१९	२०	४०	१२	२२	६	सिं४२।३२	भ. ०।५८ उ. ३२।५९ या.
८	श ५। १ म ४८।५४ धु ३७।३७ ब ५। १	२३	२०	४०	१३	२३	७	सिंहे	
९	र १०।२० पू ५६।२३ व्या ३९।४४ कौ १०।२०	२५	१९	४१	१४	२४	८	सिंहे	वृषेऽर्कः ३०।५२ (सौरः ३६) रोहि. शुक्रः×
१०	चं १६।२० उ ६०। ० ह ४२।१० ग १६।२०	२८	१८	४२	१५	२५	९	कं.१३।१६	भ. ४९।३४ उ.
११	मं २२।४९ उ ३।५६ व ४४।५२ वि २२।४९	३०	१८	४२	१६	२६	१०	कन्यायां	भ. २२।४९ या. मोहिनी ११ व्र.
१२	बु २८।५० ह ११।३७ सि ४७। १ बा २८।५०	३३	१७	४३	१७	२७	११	तु.४५।१०	×१३० बुधास्तः पश्चिमायाम् ३४।५५
१३	शु ३४।३३ चि १८।४२ व्य ४८।४७ कौ १।४१	३६	१७	४३	१८	२८	१२	तुलायां	प्रदोषः
१४	शु ३९।२१ खा २५। ८ व ४९।४६ ग ६।५७	३९	१६	४४	१९	२९	१३	तुलायां	भ. ३९ उ. रोहि.४गुरुः १९।१८ नृसिंह१४
१५	श ४३।११ वि ३०।१९ प ४९।५७ वि ११।१६	४१	१६	४४	२०	३०	१४	वृ.४१।१	भ. ११ या. धनि.४ राहुः मघा. २ केतुः ४०

५पं. वै.शु. ७बृ.इ.३८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१	१	८	१०	०
२७	१४	१३	१८	६	१९	७	२७
१३	५	१०	१४	४७	५२	८	८
२४	३१	१	५३	२०	१९	४५	५९
५७	३८	४	१३	७४	४६	३	५७
५४	२	ब	२०	२६	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

वैशाख शु. ९ रवौ
वर्षेऽर्कः प्र. वा.४
नं. ४ युवावस्था
(सूती) मु. ३०
धान्यादिभावे स-
मता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

६पं.वै.शु.१३बृ.इ.३८।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१	१	८	१०	१
३	१८	११	१९	१५	१९	६	१३
५८	२५	३६	५०	२३	३७	४६	५२
२६	५५	३६	१०	४२	२३	२०	३०
५७	३८	४०	१३	७४	२२	३	५७
४४	१६	ब	२६	२६	ब	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ४५।३८ अ ३४।४४ शि ४९।२३ बा १४।२४	३३	१५	४५	२१	३१	१५	वृश्चिके	पुन. भौमः ५।५२
२	चं ४७।१३ ज्ये ३७।५३ सि ४७।५६ तै १६।२५	४६	१५	४५	२२	१	१६	ध.३७।५३	वक्री कृत्तिका. बुधः ३।५० रा. ज्येष्ठारंभः
३	मं ४७।२९ मू ४०। ३ सा ४५।३२ द १७।२१	४८	१४	४६	२३	२	१७	धनुषि	भ. १७।२१ उ. ४७।२९ या.
४	बु ४६।५३ पू ४१।२३ सु ४२।३२ ब १७।११	५०	१४	४६	२४	३	१८	म.५६।२६	रोहि. रविः ५४।२७ चतुर्थी व्र.
५	शु ४५।२१ उ ४१।३६ शु ४०। ७ कौ १६। ७	५२	१४	४६	२५	४	१९	मकरे	रोहि.रविः सौरः २।१३ मृगे शुक्रः६।४२●
६	शु ४२।५४ श्र ४०।५८ ब ३४। १ ग १४। ७	५४	१३	४७	२६	५	२०	मकरे	भ. ४२।५४ उ.
७	श ३९।२८ ध ३९।१८ वै २८।३९ वि ११।११	५६	१३	४७	२७	६	२१	कु.१०।८	भ. ११।११ या.
८	र ३५।१३ श ३६।५० वै २२।४० बा ७।२०	५८	१२	४८	२८	७	२२	कुम्भे	●पातस्पर्शः ४१।३१ मोक्षः ५६।११
९	चं ३०। ० पू ३३।२५ वि १५।४३ तै २।३६	३४	१२	४८	२९	८	२३	मी१९।१६	भ. ५७।० उ. अस्तं गुरोः ५६।२४
१०	मं २४। ० उ २९।२३ भी ८।५५ वि २४। ०	२।	१२	४८	३०	९	२४	मीने	भ. २४।० या. मिथुने शुक्रः ३४।३२
११	बु १६।५९ रे २४। ७ सौ ५१।११ बा १६।५९	४	११	४९	३१	१०	२५	मे.२४।७	अपरा ११ व्र.
१२	शु ८।४९ अ १८।२९ शो ४२। ९ तै ८।४९	६	११	४९	१	११	२६	मेषे	जून मा. ६ ता. ३० प्रदोषः
१३	शु १।४० भ १२।५१ अ ३३।१९ व १।४०	७	११	४९	२	१२	२७	बृ.२६।३०	भ. १।४० उ. २७।४८ या. मृगे १ गुरुः×
१४	शु ५२।१५ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	×५२।५१ बुधोदयः पूर्वस्याम् ३।४६
२०	श ४७। ४ कृ ७।२७ सु २४।४५ च २०।२९	९	१०	५०	३	१३	२८	वृषे	वटसावित्री व्र.

७पं. ज्ये.कृ.५बृ.इ.३८।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१	१	८	१०	१
१०	२२	७	२१	२३	१९	६	१०
४२	४६	५८	२६	२९	१८	२४	३४
२५	२३	५२	६	३५	४०	१३	५०
५७	३८	४३	१३	७४	३३	३	५७
३५	१७	ब	३२	२५	ब	११	२३

गोचरग्रहाः

इस मासमें प्रजामें पीड़ा हैजे का प्र-कोप हो चांदीसोना रुई सूत, सिरस्युं मूंगफली गुड़ गेहूं में मंदी होके तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

८पं. ज्ये.कृ.१२ बृ.इ.३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१	२	८	१०	१
१७	२७	५	२३	२	१८	६	१७
२५	६	०	३	३३	५६	१	१५
८	२५	४०	७	५०	३८	५८	५६
५७	३८	३७	१३	७४	४३	३	५७
२७	१५	ब	३८	२०	ब	११	१३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११	वि.	उ.	अ.	ह.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरऽहर्गणः५९०४ स.१९८९
१	र ४०।४४ रो ३।५६	धृ १७ १	किं १३।५४	३४ १०।५६	४	१४	२९	मि ३०।५२	आर्द्रा. शुक्रः ५७।२४
२	चं ३६ ८ मा ५७ ५	शु १० २०	बा ८।२६	१२ १०।५०	५	१५	३०	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
३	मं ३३ १७ पु ५७ २	गं ४ ५५	तै ४।४२	१३ ९।५१	६	१६	१	क. ४२।३	कर्के भौमः २२।४० जिल्काद ११
४	बु ३२ २५ पु ५८ ५६	वृ ४५ ५९	व २।५१	१४ ९।५१	७	१७	२	कर्के	भ.२।५१ उ. ३३ या. मृगे रविः ४९ मार्गी●
५	गु ३३ ४० श्ले ६० ०	श्रा ५८ १६	ध ३ २	१६ ९।५१	८	१८	३	कर्के	मृगे रविः सौरः १।२ ●बुधः ३१।४८
६	शु ३६ ४७ श्ले २।४१	ह ५८ ४०	कौ ५ १३	१७ ९।५१	९	१९	४	सिं २।४१	
७	श ४१ ३२ म ८ १	ध ६० ०	ग ९ ९	१८ ८।५२	१०	२०	५	सिंहे	भ. ४१।३२ उ.
८	र ४७ ११ पू १४ ४४	ध ०।२३	वि १४ २१	१९ ८।५२	११	२१	६	कं. ३११।३४	भ. १४।२१ या. पुष्ये भौमः ३५।२६
९	चं ५३ ३८ उ २२ ४	त्रि २।२९	बा २० २४	२० ८।५२	१२	२२	७	कन्यायां	
१०	मं ५९ ३४ ह २९ ३८	व्य ५।३२	तै २६ ३६	२१ ८।५२	१३	२३	८	कन्यायां	गंगादशमी
११	बु ६० ० चि ३७ ८	ध ६।५८	ष ३२ २३	२१ ८।५२	१४	२४	९	तु. ३।२३	भ. ३३ उ. मिथुनेऽर्कः ४६ निर्जला ११ व्र.स्मा.
११	गु ५।१३ स्वा ४३ ४५	प ९ २३	वि ५।१३	२२ ८।५२	१५	२५	१०	तुलायां	भ. १३ या. मिथुनेऽर्कः सौरः ४२ पुन.शुक्रः×
१२	शु ९।५१ वि ४८ ५९	शि १० ३७	बा ९।५१	२२ ८।५२	१६	२६	११	बृ. ३२।४१	प्रदोषः ×३६ निर्जला ११ व्र. वै
१३	श १३ २३ अ ५२ ५९	सि १० ३४	तै १३ २३	२३ ७।५३	१७	२७	१२	वृश्चिके	मृगे २ गुरुः १३।२
१४	र १५ ७ ज्ये ५५ ३१	सा ७।४०	व १५ ७	२३ ७।५३	१८	२८	१३	ध. ५५।३१	भ. १५।७ उ. ३५ या. रोहि. बुधः २९।११
१५	चं १५ ३४ मू ५६ ५२	शु ७।४०	व १५ ३४	२३ ७।५३	१९	२९	१४	धनुषि	गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

९पं.ज्ये.शु.५ब्र.इ.३८।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	१	२	८	१०	१
२७	१	४	२४	११	१८	५	२३
७	२७	४७	४०	८	३१	३९	५५
१२	०	३१	२३	५३	१२	४२	५२
५७	३८	५५	१३	७४	३	३	५७
२२	२२	मा	३८	८	५८	११	५

गोचरग्रहाः

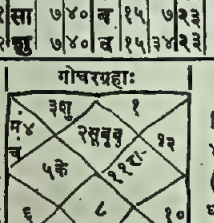

ज्ये.शु.१०बुधे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४ न.५ बृद्धावस्था (बैठी) मु.. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुको. प. ।

गोचरग्रहाः

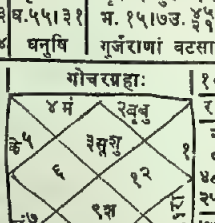

१०पं.ज्ये.शु.११ ब्र.इ.३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	२	८	१०	२
०	५	८	२६	१९	१८	५	०
४८	४७	९	१८	४२	३	१७	२५
२५	२०	५०	४	४	४०	२७	१
५७	३८	३८	१३	७४	१	३	५६
१७	३४	४४	३८	२	ब	११	५६

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११	वि.	उ.	अ.	ह.	रा.	मु.	चंद्रः	वर्षर्तु रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं १४।४३ पू ५७ ७	शु ४ ३५	कौ १४।४३	३४ ५	५	२०	३०	१५	धनुषि
२	बु १२।४९ उ ५६ १३	भ ३५ ५४	ग १२।४९	२४ ७।५३	२१	३१	१६	म. ११।५३	भ. ४१।१७ उ. आर्द्रा. रविः ४६।५३
३	गु ९।४६ अ ५४ ४०	वे ५० ३७	वि ९।४६	२४ ७।५३	२२	१	१७	मकरे	भ. ४९ या. आर्द्रा. रविः सौरः २३ उदयं●
४	शु ६ ४ ध ५२ ३०	वि ४४ ४३	बा ६ ४	२४ ७।५३	२३	२	१८	कुं. २३।३५	●गुरोः ४२ रा. आषाढ़ारम्भः× उ. गु.
५	श १।५४ श ५० २	प्री ३८ ३०	तै १।५४	२४ ७।५३	२४	३	१९	कुम्भे	भ. ५७।२४ उ. कर्के शुक्रः ४।३५
६	श ५५ ३० ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	०	
७	र ५२ ३५ पू ४६ ५८	आ ३२ ५	वि २४ ५९	२३ ७।५३	२५	४	२०	मी ३२।४४	भ. २४।५९ या. ×चतुर्थी व्र.
८	चं ४७ २२ उ ४३ ४७	सौ २५ २०	आ १९ ५८	२३ ७।५३	२६	५	२१	मीने	पुष्ये शुक्रः ५१।२७
९	मं ४१ ५१ रे ४० १३	शो १८ १६	ते १४ ३६	२३ ७।५३	२७	६	२२	मे. ४०।१३	
१०	बु ३६ २ अ ३६ २९	अ ११ ४	व ८ ५६	२२ ८।५२	२८	७	२३	मेषे	भ. ८।५६ उ. ३६।२ या. मृगे बुधः ३९।५९
११	गु ३० २ भ ३२ ३७	सु ३४ ३२	व ३ २	२२ ८।५२	२९	८	२४	बृ. ४६।४०	योगिनी ११ व्र.
१२	शु २४ १० कृ २८ ४८	शू ४९ ४	ते २४ १०	२१ ८।५२	३०	९	२५	बृषे	प्रदोषः +जलाई मा. ७ ता. ३१
१३	श १८ ३९ रो २५ १९	गं ४२ १६	व १८ ३९	२० ८।५२	१	१०	२६	मि ५३।५५	भ. १६ उ. ४६ या. मृगे ३ मिथुने ५३+
१४	र १३ ३१ मृ २२ ३१	चू ३६ २	श १३ ३१	१९ ८।५२	२	११	२७	मिथुने	मिथुने बुधः ४०।५८
१५	चं ९।५५ आ २० ३८	धु ३० ४४	ना ९।५५	१८ ८।५२	३	१२	२८	मिथुने	आश्लेषा. भौमः १।२३ सोमवती ३०

११पं.आ.कृ.२ब्र.इ.३८।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	२	८	१०	२
७	१०	१४	२७	२८	१७	४	७
२५	८	३०	५४	१४	३४	५५	१३
२४	४८	२२	३२	६	६	११	२८
५७	३८	७१	१३	७३	३४	३	५६
१३	३६	४४	३२	५६	व	११	५४

गोचरग्रहाः

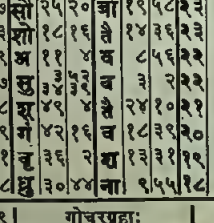

बुधो मिथुन राशिस्थो महर्घं च चतुष्पदाम् । तदा वायुर्विजानीयात् मेघश्च प्रचुरोभवेत् ।। हर एक वस्तु में घटाबढ़ी होगी ।

गोचरग्रहाः

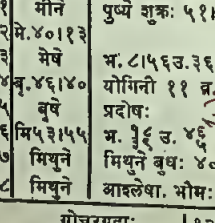

१२पं.आ.कृ.११ब्र.इ.३८।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	३	८	१०	२
१४	१४	२४	२९	६	१७	४	१३
९	२९	५७	३०	४५	३	३२	५१
५०	४२	१८	१४	४०	५४	५५	३३
५७	३८	९९	१३	७३	४०	३	५६
७	३३	३५	२९	५०	ब	११	५०

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९३४स.१९८९
१	मं	७	८	पु	२०	१८	ध्या	२६	३५	ब	७	८	३४/१७	५/९	६/५१	४	१३	२९	क.५।२३	चन्द्रदर्शनम् *रथयात्रा जिल्हेज १२
२	बु	६	२	पु	२१	३५	ह	२३	५	कौ	६	२	१५	९	५१	५	१	१	कर्के	पुन. रविः ४५/५० वक्री पूषा. १ शनिः ८/३८*
३	गु	६	५९	श्ले	२४	३०	व	२२	२७	ग	६	५९	१४	९	५१	६	१५	२	सिं२४।३०	भ.३८/१८उ.पुन.रविःसौरः ७/२३ आर्द्रा.बुधः १५/५८
४	शु	९	३७	म	२८	५१	सि	२१	५१	वि	९	३७	१३	९	५१	७	१६	३	सिंहे	भ.९/३७या.आश्ले.शुक्रः ४७/४ बुधास्तः पूर्व.
५	श	१३	४४	पू	३५	५	व्य	२२	५९	बा	१३	४४	११	१०	५०	८	१७	४	कं.५१।४६	
६	र	१८	५३	उ	४१	४७	व	२४	५६	तै	१८	५३	१०	१०	५०	९	१८	५	कन्यायां	
७	चं	२४	५८	ह	४९	२८	प	२७	१६	व	२४	५८	८	१०	५०	१०	१९	६	कन्यायां	भ. २४।५८ उ. ५८।० या.
८	मं	३१	२	चि	५६	५०	शि	२९	३५	ब	३१	२	७	११	४९	११	२०	७	तु.२३।९	
९	बु	३६	५१	स्वा	६०	०	सि	३०	५५	बा	३	५६	५	११	४९	१२	२१	८	तुलायां	पुन. बुधः ४५।४९
१०	गु	४१	४९	स्वा	३	५४	सा	३३	३८	तै	९	२०	४	११	४९	१३	२२	९	वृ.५३।१६	
११	शु	४५	३५	वि	९	४४	शु	३४	२	व	१३	४२	२	१२	४८	१४	२३	१०	वृश्चिके	भ. १३।४२उ. ४५/३५ या. देवशयनी ११ व्र.
१२	श	४७	१०	अ	१४	१३	शु	३३	२४	ब	१६	२२	०	१२	४८	१५	२४	११	वृश्चिके	×व्यासपूजा +प्रदोषः
१३	र	४७	१७	ज्ये	१६	५८	ब्र	३१	२६	कौ	१७	१३	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१२	ध.१६।५८	कर्केऽर्कः १५/२३ (सौरः ४०/७) मृगे४ गुरुः ५२/१२+
१४	चं	४५	३७	मू	१८	२	ऐं	२८	४	ग	१६	२७	५६	१३	४७	१७	२६	१३	धनुषि	भ. ४५।३७ उ. कर्के बुधः १६।४२
१५	मं	४२	३२	पू	१७	२५	वै	२३	२५	वि	१४	४	५४	१३	४७	१८	२७	१४	म.३१।५६	भ. १४/४ या. पुष्ये बुधः ५२/५१ वायु परीक्षा×

१३पं.आ.शु.३बृ.इ.३८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	२	३	८	१०	२
२०	१८	७	१	१५	१६	४	२०
५०	५१	२५	४	१५	३२	१०	२९
१०	४	५	४४	४३	५६	४०	२७
५७	३८	५/१८	१३	७३	४/४०	३	५६
७	३७	२३	२०	४४	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

४शुमं, २, ५चंके, ३सूबुबु, १, ६, १२, ७, ९श, ११रा, ८, १०

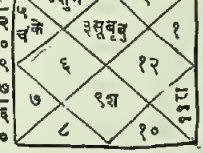

आ. शु. १३ रवौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ५न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५घान्यादिभावे महर्घता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

४मशु, २, के ५, ३सूबुबु, १, ६, १२, ७ चं, ९श, ११रा, ८, १०

१४पं.आ.शु.१०वृ.इ.३८।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	२	३	८	१०	२
२७	२३	२१	२	२३	१६	३	२७
३०	१४	५०	३७	४४	२	४८	७
३२	१६	१३	३४	४९	३८	२४	३४
५७	३८	५/१८	१३	७३	४/३२	३	५६
११	४०	५२	८	२७	ब	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३८	३	उ	१५	३१	वि	१७	५१	बा	१०	१७	३३/५२	५/१४	६/४६	१९	२८	१५	मकरे	पुष्ये रविः ४४/३० मघा सिंहे शुक्रः ५०।१४
२	गु	३२	५५	श्र	१२	३८	प्री	११	१४	तै	५	२९	५०	१४	४६	२०	२९	१६	कुं.४०।४९	भ. ५९।५४उ पुष्ये रविः सौरः १०।४८
३	शु	२६	५३	ध	९	१	आ	४/४	५२/३६	वि	२६	५३	४७	१५	४५	२१	३०	१७	कुम्भे	भ. २६।५३ या. चतुर्थी व्र.
४	श	२०	५०	श	४	५२	शो	४९	५	बा	२०	५०	४५	१५	४५	२२	३१	१८	मी४६।५३	वनि. ३ राहुः मघा. १ केतुः ३३।५९
५	र	१४	५०	पू	५३	५६/७	अ	४१	४१	तै	१४	५०	४२	१६	४४	२३	१	१९	मीने	रा. श्रावणारम्भः नाग ५ मरुस्थले
६	चं	९	४	रे	५३	२०	सु	३४	२२	व	९	४	४०	१६	४४	२४	२	२०	मे.५३।२०	भ.९।४उ. ३६/१७ या. मघा. सिंहे भौमः ३१/१७
७	मं	३	३०	अ	५०	२	धृ	२७	१९	ब	३	३०	३७	१७	४३	२५	३	२१	मेषे	आश्ले. बुधः २३।२९
८	मं	५३	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	बु	५३	२६	भ	४७	४	शू	२०	२४	तै	२५	२३	३५	१७	४३	२६	४	२२	मेषे	*अगस्त मा. ८ ता. ३१ हरियाली ३०
१०	गु	४८	५२	कृ	४४	२६	गं	१४	१	व	२१	९	३२	१८	४२	२७	५	२३	वृ.१।२५	भ. २१।९ उ. ४८।५२ या.
११	शु	४४	५८	रो	४२	२२	वृ	८	१	ब	१६	५५	२९	१८	४२	२८	६	२४	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	श	४१	४०	मृ	४०	५७	ध्रु	२५	५५/१	कौ	१३	१९	२६	१९	४१	२९	७	२५	मि११।४०	पूफा. शुक्रः ५०।४८
१३	र	३९	१२	आ	४०	२१	ह	५२	५८	ग	१०	२६	२३	१९	४१	३०	८	२६	मिथुने	भ. ३९/१२उ. बुधोदयः पश्चिमायाम् २८।२×
१४	चं	३७	४९	पु	४०	३९	व	४९	३४	वि	८	३०	२१	२०	४०	३१	९	२७	क.२५।३४	भ. ८।३० या. ×प्रदोषः
३०	मं	३७	३७	पु	४२	१३	सि	४६	४९	च	७	४३	१८	२०	४०	१	१०	२८	कर्के	मघा. सिंहे बुधः ३७/३६ आर्द्रा. १ गुरुः ४४/५४*

१५पं.श्रा.कृ.२बृ.इ.३८।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	२	४	८	१०	३
४	२७	६	४	२	१५	३	३
११	३६	५९	८	११	३३	२६	४६
१७	३६	६	५६	५३	२२	९	१
५७	३८	५/१८	१२	७३	४/१५	३	५७
१५	४७	४१	४६	१७	ब	११	५

गोचरग्रहाः

५शुके, ३बृ, ६, ४सूमंबु, २, ७, १, ८, १०चं, १२, ९श, ११रा

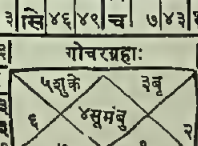

श्रा. शु.१४ बुधे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोद. प.।

गोचरग्रहाः

५*, ३बृ, ६, ४सूबु, २चं, ७, १, ८, १०, १२, ९श, ११रा

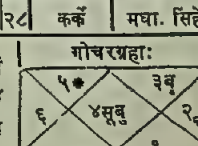

१६पं.श्रा.कृ.१०बृ.इ.३८।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	२	४	८	१०	३
१०	२	२१	५	१०	१५	३	१०
५२	०	२	३७	३८	५	३	२५
१९	५०	४९	१२	२०	५६	५३	१८
५७	३८	५/१८	१३	७३	३/५६	३	५७
२०	४९	१०	२०	२	ब	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *मंशुके

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९६३ सन् १९८९
१	बु	३८	४९	श्ले	४५	९	व्य	४५	३४	किं	८	१३	३३/१५	५/२१	६/३९	२	११	२९	सिं४५।९	आश्ले. रविः ४१।३१
२	गु	४१	३४	म	४९	२८	व	४४	५८	बा	१०	११	१२	२२	३८	३	१२	३०	सिंहे	आश्ले. रविःसौरः ११/३५ चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	शु	४५	२८	पू	५५	५	प	४५	४०	तै	१३	३१	९	२२	३८	४	१३	१	सिंहे	तीज मोहोरम १ सन् १४१० हि.
४	श	५०	३८	उ	६०	०	शि	४६	५२	व	१८	३	६	२३	३७	५	१४	२	कं.११।४२	भ. १८।३ उ. ५०।३८ या.
५	र	५६	३२	उ	१	३४	सि	४९	१	व	२३	३५	३	२३	३७	६	१५	३	कन्यायां	नाग पंचमी
६	चं	६०	०	ह	८	५५	सा	५१	५०	कौ	२९	३६	०	२४	३६	७	१६	४	तु.४२।४३	
६	मं	२	४०	चि	१६	३१	शु	५४	१	तै	२	४०	३२/५६	२५	३५	८	१७	५	तुलायां	
७	बु	८	४६	स्वा	२४	७	शु	५६	१५	व	८	४६	५३	२५	३५	९	१८	६	तुलायां	भ.८।४६उ.४१।३०या. पूफा. बुधः १५/५६*
८	गु	१५	१३	वि	३०	४०	ब्र	५७	२२	ब	१४	१३	५०	२६	३४	१०	१९	७	वृ.१४।२	*उफायांशुक्रः ५७/४५ अस्तं भौमः ५।४१
९	शु	१८	४१	अ	३५	५४	ऐं	५७	३९	कौ	१८	४१	४७	२७	३३	११	२०	८	वृश्चिके	
१०	श	२०	५८	ज्ये	३९	३९	वै	५६	३०	ग	२०	५८	४३	२७	३३	१२	२१	९	ध.३९।३९	भ. ५१।१७ उ. कन्यायां शुक्रः ४३।२८
११	र	२१	३६	मू	४१	३१	वि	५३	५०	वि	२१	३६	४०	२८	३२	१३	२२	१०	धनुषि	भ. २१।३६ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	चं	२०	१०	पू	४१	३३	प्री	४९	३२	बा	२०	१०	३६	२९	३१	१४	२३	११	म.५६।४	पूफा. भौमः ४३।६ प्रदोषः
१३	मं	१७	५८	उ	३९	३७	आ	४३	४८	तै	१७	५८	३३	२९	३१	१५	२४	१२	मकरे	
१४	बु	११	५१	श्र	३६	९	सौ	३५	४३	व	११	५१	२९	३०	३०	१६	२५	१३	मकरे	भ. ११/५१ उ. ३८/३५ या. मघा. सिंहेऽर्कः ३५।२६
१५	गु	५	१९	ध	३१	१९	शो	२८	४१	ब	५	१९	२६	३१	२९	१७	२६	१४	कु.३।४१	मघा. सिंहेऽर्कः सौरः ६/२ श्रावणीकर्म रक्षाबं

१७पं.श्रा.शु.२बृ.इ.३७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	२	४	८	१०	३
१७	६	३	७	१९	१४	२	१७
३४	२३	५४	२	३	३९	४१	५
१	३८	४	४२	१८	४३	३७	६
५७	३८	७/०/४५	१२	७२	३/३५	३	५७
२५	५५		३	४६	ब	११	१२

१८पं.श्रा.शु.८बृ.इ.३७।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	२	४	८	१०	३
२४	१०	१५	८	२७	१४	२	२३
१६	४८	३०	२५	२८	१९	१९	४६
२६	०	२२	१	१९	३७	२२	११
५७	३९	९५	११	७२	२/५६	३	५७
३३	२	३४	२४	२५	ब	११	२२

१९पं.श्रा.शु.१५बृ.इ.३७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	२	५	८	१०	४
०	१५	२५	९	५	१४	१	०
५९	१४	४८	४३	४७	२	५७	२८
४९	२	१८	१९	४२	१३	६	२६
५७	३९	८१	१०	७२	२/१७	३	५७
४०	१२	५६	५६	२	ब	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	५२	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	५०	११	श	२५	३९	अ	१९	४६	तै	२३	५७	३२/२२	५/३२	६/२८	१८	२७	१५	कुम्भे	उफा. बुधः १५।३०
३	श	४१	१३	पू	१९	५४	सु	१०	१५	व	१५	४२	१९	३२	२८	१९	२८	१६	मी६।२०	भ. १५/४२ उ. ४१/१३ या. आर्द्रा. २ गुरुः ९।११
४	र	३४	३८	उ	१४	०	धृ	१/३५	५१/२०	ब	७	५५	१५	३३	२७	२०	२९	१७	मीने	कन्यायां बुधः ४२।१ चतुर्थी व्र.
५	चं	२७	४२	रे	८	४४	गं	४४	३१	कौ	१	१०	११	३४	२६	२१	३०	१८	मे.८।४४	हस्ते शुक्रः ११।४७ चन्द्रषष्ठी
६	मं	२०	१	अ	४	१२	वृ	३६	४४	व	२०	१	८	३४	२६	२२	३१	१९	मेषे	भ. २०।१ उ. ४८।६ या.
७	बु	१६	११	भ	०/२७	५७/१४	ध्रु	२९	४१	ब	१६	११	४	३५	२५	२३	१	२०	वृ.१४।४६	रा. भाद्रपदारंभः जन्माष्टी व्र. स्मा.
८	गु	११	५३	रो	५५	५६	व्या	२३	३८	कौ	११	५३	०	३६	२४	२४	२	२१	वृषे	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	शु	८	४०	मृ	५५	१०	ह	१८	१६	ग	८	४०	३१/५६	३७	२३	२५	३	२२	मि२५।३२	भ. ३७।२९ उ. गोगा ९
१०	श	६	१९	आ	५५	२९	व	१३	५२	वि	६	१९	५४	३८	२२	२६	४	२३	मिथुने	भ. ६।१९ या.
११	र	५	१५	पु	५६	५३	सि	१०	१७	बा	५	१५	४८	३८	२२	२७	५	२४	क.४१।३२	हस्ते बुधः ४१।५९ अजा ११ व्र.
१२	चं	५	१२	पु	५९	१६	व्य	७	४१	तै	५	१२	४४	३९	२१	२८	६	२५	कर्के	वत्स द्वादशी प्रदोषः
१३	मं	६	१३	श्ले	६०	०	व	५	३७	व	६	१३	४०	४०	२०	२९	७	२६	कर्के	भ. ६।१३ उ. ३७।२० या.
१४	बु	८	२६	श्ले	२	५२	प	४	५०	श	८	२६	३६	४१	१९	३०	८	२७	सिं२।५२	पूफा. रविः २५।३ (सौरः ५८।४४)
३०	गु	१२	२	म	७	३२	शि	४	४६	ना	१२	२	३२	४२	१८	३१	९	२८	सिंहे	कुशाग्रहणी

२०पं.भा.कृ.८बृ.इ.३७।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	२	५	८	१०	४
७	१९	४	१०	१४	१३	१	७
४४	४०	३९	५७	६	४७	३४	११
१७	४१	२९	१४	४०	४९	५१	५७
५७	३९	६५	१०	७१	१/४४	३	५७
४९	१९	१४	१३	३८	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

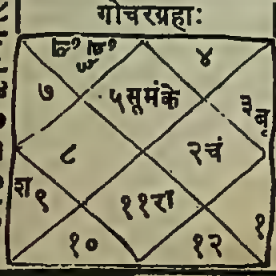

इस मास में ५ शुक्रवार और बुध शुक्र का योग सुभिक्ष कारक है। सूर्य से आगे मंगल वर्षा कहीं कम कहीं अधिक करेगा।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.कृ.३०बृ.इ.३७।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	२	५	८	१०	४
१४	२४	१२	१२	२२	१३	१	१३
२९	७	५	६	२३	३८	१२	५७
५६	५२	२	४०	४६	३७	३५	९
५८	३९	४२	९	७१	०/५९	३	५७
१	१९	४७	३५	११	ब	११	५७

*चंमंबुशुके

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

| ति. | भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११ | | |

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाक: १९११	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०२२ स.१९८९
१	श ५८।१६ ह ४३ २ ब्र २४।५७ किं २५।१४	३०	६	५	३०	८	२८	कन्यायां	मातामहश्रा. नवरात्रारम्भः
२	र ६० ० चि ५०।३३ दें २७।१६ बा ३१।२४	२६	७	५३	१	९	२९	तु.१६।४७	बुधोदयः पूर्व. ३२ चन्द्रदर्शनम् अष्टूबर०
३	चं ४।३२ स्वा ५८।११ वै २९।३१ को ४।३२	२२	८	५२	२	१०	१	तुलायां	वृश्चिके शुक्रः ५७।४१ रविलाबल ३
४	मं १०।५७ वि ६० ० वि ३१।५९ ग १०।५७	१८	८	५२	३	११	२	वृ.४८।४१	भ. ४३।५६ उ. मार्गी बुधः ५४।१
५	बु १६।५६ वि ५।३१ प्री ३४ २ वि १६।५६	१४	९	५१	४	१२	३	बृश्चिके	भ. १६।५६ या. *मा.१० ता. ३१
६	गु २२ ५ अ १२।१९ आ ३५।३८ बा २२ ५	१०	१०	५०	५	१३	४	बृश्चिके	अनु. शुक्रः ५६।१२
७	शु २६।१० ज्ये १८।११ सौ ३५।२५ तै २६ १०	६	११	४९	६	१४	५	ध.१८।११	
८	श २९ १ मू २२।४५ शो ३६ ३ च २९ १	२	१२	४८	७	१५	६	धनुषि	भ.२९।१उ.५९।२९या. सरस्वत्यावाहनम्
९	र २९।५६ पू २५।४९ अ ३४।२२ ब २९।५६	२८	१२	४८	८	१६	७	म.४१।५	सरस्वती पू. ×शरद्१५ कोजागरी व्र.
१०	चं २९।१० उ २६।५४ सु ३१।१८ को २९।१०	५४	१३	४७	९	१७	८	मकरे	बलिदानं +विजया १० सरस्वती वि.
११	मं २६।२१ श्र २६ ८ धृ २६।३२ ग २६।२१	५०	१४	४६	१०	१८	९	कु.५४।४४	भ. ५३ उ. चित्रा. रविः १९ (सौरः ५१) +
१२	बु २१।३६ ध २३।२० शू २०।५३ वि २१।३६	४६	१५	४५	११	१९	१०	कुम्भे	भ. २१।३६ या. आर्द्रा. ४ गुरुः ३७।५३=
१३	गु १४।५० श १८।५० गं १२।३४ बा १४।५०	४२	१६	४४	१२	२०	११	मी५९।१४	प्रदोषः =पापांकुशा ११ व्र.
१४	शु ७।५१ पू १२।४२ वृ ३९ ४९ ३ तै ७।५१	३८	१६	४४	१३	२१	१२	मीने	भ. ५७।३६ उ.
१५	श ४९।४५ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	श ४७।५० उ ४० ५३ ९३ ज्या ४२।३८ वि २२।४३	३४	१७	४३	१४	२२	१३	मि.५७।५२	भ. २२।४३ या. हस्ते बुधः १५।३२×

२६पं.आ.शु.५बृ.इ.३६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	७	८	९	५
१८	१६	२	१६	२	१४	२९	१८
४०	४४	२४	१६	५८	२	२१	८
८	१३	३२	४४	१	१०	१७	६
५९	३९	१३	४	६७	२	३	५९
९	५६	मा	३१	१३	३२	११	१६

गोचरग्रहाः

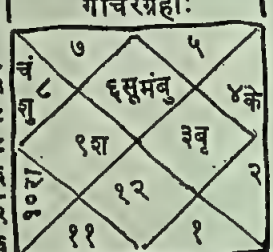

इसमासमें५ शनिवार अशुभ हैं। प्रजामें रोगपीड़ा हो। धान्यगल्ला रुई रस किराना घृत तेज होगा।

गोचरग्रहाः

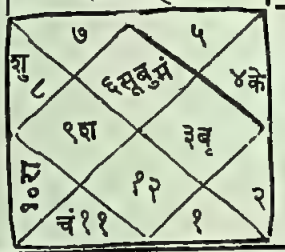

२७पं.आ.शु.१२बृ.इ.३६।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	७	८	९	५
२५	२१	७	१६	१०	१४	२८	२५
३५	१९	५१	४३	५०	२०	५९	३
६	५९	४	१६	४९	२	१	४८
५९	३९	७८	३	६५	३	३	५९
२१	५६	२	२१	५३	१९	११	२१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाक: १९११	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ३७।४८ अ ४९।५४ ह ३१ ३२ बा १२।४९	३०	१८	४२	१५	२३	१४	मेषे	चित्रायां भौमः ३६।४४
२	चं २८।१८ भ ४२।२६ व २० ३४ तै ३ ३	२६	१९	४१	१६	२४	१५	वृ.५५।४७	भ. ५३।५९ उ.
३	मं १९।४१ कृ ३५।४९ सि ९ ५० वि १९।४१	२२	२०	४०	१७	२५	१६	वृषे	भ. १९ या. तुलायामर्कः ३।३७ (सौरः*
४	बु १२।१६ रो ३०।३८ व्य ३७ ५१ ३४ बा १२।१६	१८	२०	४०	१८	२६	१७	मि५८।५४	*३३ ३४ ज्येष्ठा. शुक्रः ४६।३३ चतुर्थी व्र.
५	गु ६ ४ मृ २७।११ प ४५।२४ तै ६ ४	१४	२१	३९	१९	२७	१८	मिथुने	
६	शु ३।२४ आ २५।४० शि ४० ४ व ३।२४	१०	२२	३८	२०	२८	१९	मिथुने	भ. ३।२४ उ. ३२।२४ या.
७	श १।२३ पु २५।४८ सि ३६।१६ ब १।२३	६	२३	३७	२१	२९	२०	क.१०।४६	
८	र १।३७ पु २८।१७ सा ३४ ६ को १।३७	२	२४	३६	२२	३०	२१	कर्के	चित्रा.बुधः ५५ बुधास्तः पूर्वस्यांम् ११।१
९	चं ३।४१ श्लै ३२।१२ शु ३३।१५ ग ३।४१	२७	२४	३६	२३	१	२२	सिं३२।१२	भ. ३५।२४ उ. स्वात्यां रविः ४५।३९×
१०	मं ७ ७ म ३७।३४ शु ३३।४९ वि ७ ७	५४	२५	३५	२४	२	२३	सिंहे	भ. ७।७ या. स्वात्यां रविः सौरः१५।३०
११	बु ११।५८ पू ४३।४४ ब्र ३४।४७ बा ११।५८	५०	२६	३४	२५	३	२४	सिंहे	तुलायां भौमः ४३।५ रमा ११ व्र.
१२	गु १७।३६ उ ५०।५७ दें ३६।३४ तै १७।३६	४६	२७	३३	२६	४	२५	कं.०।३२	तुलायां बुधः ४९।२२ प्रदोषः
१३	शु २३।४७ ह ५८।१६ वै ३८।४१ व २३।४७	४२	२८	३२	२७	५	२६	कन्यायां	भ. २३।४७ उ. ५७।१ या. घन १३
१४	श ३०।१५ चि ६० ० वि ४१ ३ श ३०।१५	३९	२८	३२	२८	६	२७	तु.३२।८	रूप १४ ×रा. कार्तिकारम्भः
३०	र ३६।३१ चि ६ १ प्री ४३।२३ च ३।२३	३५	२९	३१	२९	७	२८	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.५बृ.इ.३६।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	२	७	८	९	६
२	२५	१७	१७	१८	१४	२८	२
३१	५७	५७	०	३७	४३	३६	१
३४	१४	१४	८	३७	५५	४६	१६
५९	३९	९६	१	६४	३	३	५९
३४	५९	८	५३	२६	५३	११	४६

गोचरग्रहाः

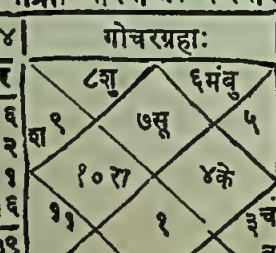

का.कृ. ३ भौमे तुलायामर्कः प्र.वा.४ न. ५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

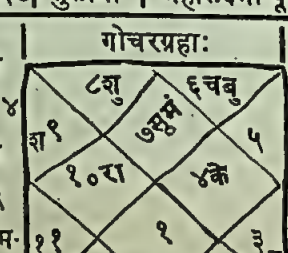

२९पं.का.कृ.१२बृ.इ.३६।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	२	७	८	९	६
९	०	२९	१७	२६	१५	२८	९
२९	३५	३७	९	११	१०	१४	०
४९	२८	३०	२९	२	५५	३०	३६
५९	३९	९८	०	६२	४	३	६०
४७	५९	२६	४३	४०	३४	११	२

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११							दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०५२सन् १९८९
१	चं	४२	४१	खा	१३	२३	आ	४५	३२	किं	९	३६	३	३०	३०	५	३०	८	२९	तुलायां	स्वात्यां बुधः ३ वक्रीगुरुः ३ मूलेधनुषि•
२	मं	४८	२२	वि	२०	४३	सो	४७	२४	बा	१५	३१	२	३७	३१	२९	३१	९	३०	वृ. ३।५३	भ्रातृ २ चन्द्रदर्शनम्
३	बु	५३	१४	अ	२७	१०	शो	४८	४४	ते	२०	४८	२	२४	३१	२९	१	१०	१	वृश्चिके	नवम्बर मा. ११ ता. ३० रविलाखर ४
४	गु	५७	२१	ज्ये	३३	५	अ	४९	१६	व	२५	१७	२०	३२	२८	३	३१	२	३१	ध. ३३।५	भ. २५।१७ उ. ५७।२१ या.
५	शु	६०	०	मू	३७	५०	सु	४९	१६	ब	२८	५०	१६	३३	२७	३	३२	३	३२	धनुषि,	•शुक्रः ५।२ अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
५	श	०	१९	पू	४१	४०	धृ	४८	२६	बा	०	१९	१३	३३	२७	४	१३	४	३३	म. ५७।१६	स्वात्यां भौमः ४२।३२
६	र	१	५७	उ	४४	२	शू	४६	१६	ते	१	५७	९	३४	२६	५	१४	५	३४	मकरे	
७	चं	२	९	श्र	४४	५३	ग	४३	१	व	२	९	६	३५	२५	६	१५	६	३५	मकरे	भ. ३ उ. ३ या. विशा. रविः ६ (सौरः ३ ३) ×
८	मं	०	४७	ध	४४	६	वृ	३८	१९	ब	०	४७	२	३६	२४	७	१६	७	कुं. १४।२९		विशा. बुधः ५ ४ अक्षय ९ ×गोपाष्टमी
९	मं	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	बु	५३	१	श	४१	३८	धु	३२	१७	ते	२५	०	२६	३६	२४	८	१७	८	कुम्भे		
११	गु	४६	५२	पू	३८	४०	ब्या	२५	६	व	१९	५६	५३	३७	२३	९	१८	९	मी	२४।२४	भ ५ ६ उ ४ ५ या. प्रबोधिनी ११ व्र तुल.वि.
१२	शु	३९	१०	उ	३२	१२	ह	१६	३२	ब	१३	१	५६	३७	२३	१०	१९	१०	मीने		
१३	श	३०	२९	रे	२५	३०	व	२८	५९	कौ	४	४९	४९	३८	२२	११	२०	११	मे.	२५।३०	प्रदोषः वकुंठ १४
१४	र	२०	५९	अ	१८	१३	व्य	४५	४५	ग	२०	५९	४६	३९	२१	१२	२१	१२	मेषे		भ. २०।५९ उ. ४ ६ या. पूषा. शुक्रः ३ ४
१५	चं	११	३५	भ	१०	२७	व	३४	४५	ब	११	३५	४३	३९	२१	१३	२२	१३	वृ.	२३।४४	मन्वादिः

३०पं.का.शु.४ बृ.इ.३५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	२	८	८	९	६
२६	५११	१७	३१	२७	२६	१६	२६
२९	१४	२१	७	२२	४१	५२	१
२८	३१	१८	८	१७	३८	५५	४०
६०	४०	९९	३	६०	४	३	६०
४	१०	३३	ब	२५	८	११	१८

इस मासमें अनाज गल्ला तिलहन रुई बारदाना मजीठ मोंठ धातु में घटाबढ़ी होगी खरीदकरने वालों को लाभ होगा।

३१पं.का.शु.११ बृ.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	२	८	८	९	६
२३	९२२	१६	१०	१६	२७	२६	२३
३०	५६	५०	५६	३९	१६	२९	४
५८	३१	५६	६	२२	५	५९	१६
६०	४०	९९	१	५३	५	३	६०
१७	२३	९	ब	४१	२६	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११							दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तुः रविर्दक्षिणेकांति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	२	८	कृ	३	३२	प	२४	१९	कौ	२	८	३	३०	३०	२३	१४	२३	१४	वृषे	वृश्चिके बुधः १०।१ पूषा. २ शनिः ९।३
२	मं	५१	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	बु	४६	३८	मृ	५१	१२	शि	१४	३१	व	२०	१०	३७	४१	१९	१५	२४	१५	मि	२३।५१	भ. ३ उ. ४ ६ या. वर्क्षा आर्द्रा. ३ गुरुः ५
४	गु	४१	१८	आ	४७	४१	सि	५५	५	ब	१३	५८	२४	४१	१९	१६	२५	१६	मिथुने		वृश्चिकेऽर्कः ३ (सौरः ३ ६) अनु. बुधः ३ ३ •
५	शु	३८	११	पु	४५	४	शु	५३	१६	कौ	९	४४	३१	४२	१८	१७	२६	१७	क.	३१।२८	
६	श	३८	१७	पु	४७	४०	शु	४९	३७	ग	८	१४	२९	४२	१८	१८	२७	१८	कर्के		भ. ३८।१७ उ. पातस्पर्शः ३ ६ मोक्षः ४ ३
७	र	३८	२२	श्ले	४९	९	ब्र	४७	२८	वि	८	१९	२६	४३	१७	१९	२८	१९	सिं	४९।९	भ. ५ ६ या. अनु. रविः २०।२४ (सौरः ४ ४)
८	चं	४१	२२	म	५३	४७	सैं	४७	१३	वा	९	५२	२४	४३	१७	२०	२९	२०	सिंहे		उदयो भौमः १।३३ •चतुर्थी व्र.
९	मं	४६	२	पू	५९	४४	कैं	४७	२९	ते	१३	४२	२१	४४	१६	२१	३०	२१	सिंहे		
१०	बु	५१	४४	उ	६०	०	वि	४९	८	ब	१८	५३	१९	४४	१६	२२	१	२२	कं.	१६।३२	भ. १८।५३ उ. ५ ५ या. रा. मार्गशीर्षारंभः
११	गु	५८	१०	उ	६	५५	प्री	५१	२२	ब	२४	५७	१६	४५	१५	२३	२	२३	कन्यायां		उत्पत्ति ११ व्र.
१२	शु	६०	०	ह	१४	१७	आ	५३	४०	कौ	३१	३५	१३	४५	१५	२४	३	२४	तु.	४८।१०	विशा. भौमः २७।३ ज्येष्ठा. बुधः ३ ३
१३	श	५	१	चि	२२	२	सौ	५६	२	ते	५	१	११	४६	१४	२५	४	२५	तुलायां		धनि. १ राहुः आश्ले. ३ केतुः ५ ६ प्रदोषः
१३	र	११	१६	खा	२९	२६	शो	५८	७	ब	११	१६	८	४६	१४	२६	५	२६	तुलायां		भ. ११।१६ उ. ४३।५३ या.
१४	चं	१६	३९	वि	३६	३२	अ	५९	४४	श	१६	३९	६	४७	१३	२७	६	२७	वृ.	१९।४६	उषा. शुक्रः २।३८
२०	मं	२२	४१	अ	४२	५३	सु	६०	०	ना	२२	४१	३	४७	१३	२८	७	२८	वृश्चिके		

३२पं.मा.कृ.४ बृ.इ.३५।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	२	८	८	९	७
०	१४	४	१६	१७	१६	२७	०
२३	४०	१	३४	२७	५४	७	८
२७	५	४१	५९	५४	१४	४२	२०
६०	४०	९९	३	५४	५	३	६०
३०	२३	४१	ब	१	४०	११	४०

मा. कृ. ४ गुरौ वृश्चिकेऽर्के प्र.वा. ३ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः प.।

३३पं.मा.कृ.११ बृ.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	२	८	८	९	७
७	१९	१४	१६	२३	१७	२६	७
३७	२५	५८	४	४८	३४	४५	३
३७	५	३७	५५	५०	२०	२८	५३
६०	४०	९९	३	४९	६	३	६०
४२	२१	१४	ब	३०	१७	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११	वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०८२स.१९८९
१	बु २६।४९ ज्ये ४८।१३ सु ०।४६ ध २६।४९	२६	६	१२	२९	८	२९	ध.४८।१३	
२	शु ३० ६ मू ५२।३५ धृ ०।५५ को ३० ६	२५	४८	१२	३०	९	३०	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
३	शु ३२।३१ पू ५६ २ शू २५।३६ तै १।१८	५३	४९	११	१	१०	१	धनुषि	मकरे शुक्रः ४५ विसम्बर मा.१२ता.३१×
४	श ३३।४१ उ ५८।१९ वृ ५६।५२ ध ३ ६	५५	४९	११	२	११	२	म.११।३६	भ.३ उ.४३ या. ज्य रविः ३५ (सौरः ५३) ●
५	र ३४।५२ अ ५९।३८ धु ५४ ० ध ३।४६	५३	४९	११	३	१२	३	मकरे	मूले धनुषि बुधः ३१ बुधोदयः पश्चि. ४७
६	चं ३२।३२ ध ५९।४५ या ५०।१३ को ३।११	५१	५०	१०	४	१३	४	कु.२९।४१	चम्पा ६ ×जमादिलावल ५
७	मं ३०।४२ श ५८।३६ ह ४४।११ ग १।३७	४९	५०	१०	५	१४	५	कुम्भे	भ. ३०।४२ उ. ५९।२ या.
८	बु २७।२२ पू ५६।२८ व ३९।२३ ब २७।२२	४८	५०	१०	६	१५	६	मी४२।०	
९	गु २२।५७ उ ५३।१० स्वि ३२।४१ को २२।५७	४६	५१	९	७	१६	७	मीने	●पातस्पर्शः २८।४२ पातमोक्षः ४५।५८
१०	शु १७।१६ रे ४८।४० व्य २४।४७ ग १७।१६	४५	५१	९	८	१७	८	मे.४८।४०	भ. ४३।५८ उ.
११	श १०।४० अ ४३ ४ व १६।१७ वि १०।४०	४४	५१	९	९	१८	९	मेषे	भ. १०।४० या. वृश्चिके भौमः २।३९+
१२	र २।५५ भ ३६।५५ प ५४।५० बा २।५५	४२	५२	८	१०	१९	१०	बृ.५०।१८	प्रदोषः +मोक्षदा ११ व्र. गीता ज.
१३	र ५२।५४ ० ० ० ८ ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	चं ४५।४४ कृ ३०।२९ स्वि ४७।११ ग २०। ६	५१	५२	८	११	२०	११	वृषे	भ. ४५।२४ उ.
१५	मं ३८।१८ रो २४। १ सा ३७।२३ वि ११।५१	४०	५२	८	१२	२१	१२	मि५१।१६	म.११।५१या. पूषा. बुधः ९।८ दत्तजयंती

३४पं.मा.शु.२व्.इ.३५।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	२	८	८	९	७
१४	२४	२५	१५	२९	१८	२६	१४
४२	११	५०	२६	३८	१७	२३	२०
५४	३५	३५	२	१७	२४	१२	३९
६०	४०	९५	५०	४३	६	३	६१
५०	३८	४९	ब	५३	३२	११	३

गोचरग्रहाः

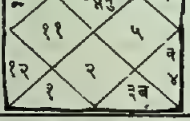

इस मासमें ५ मंगलवार हैं वृश्चिक की संक्रांति १५ मुहूर्ती है। धान्यादि तेज हो दीवाली से ही खरीदी करना।

गोचरग्रहाः

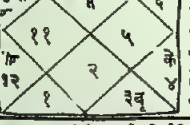

३५पं.मा.शु.९व्.इ.३४।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	२	९	८	९	७
२१	२९	६	१४	४	१९	२६	२१
४८	०	२९	३९	१	२	०	२८
५८	२९	५६	२५	२०	६	७	२४
६०	४०	९२	५३	३६	६	३	६१
५६	४०	२३	ब	१४	४६	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११	वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्र
१	बु ३१।१० मृ १८।३१ शु २८।२२ बा ४।४४	३५	६	१	१३	२२	१३	मिथुने	अनु. भौमः ४९।६
२	गु २५।१३ आ १३।५१ शु २०।१५ ग २५।१३	३८	५२	८	१४	२३	१४	क.५६।३२	भ. ५३।३ उ.
३	शु २०।५३ पु १०।४६ ब्र १३।२२ वि २०।५३	३८	५२	८	१५	२४	१५	कर्के	भ. २०।५३ या. मूले धनुष्यऊर्कः ३७।४६●
४	श १८।४८ पु ९।४० ऐं ८।१७ बा १८।४८	३७	५३	७	१६	२५	१६	कर्के	पूषा. ३ शनिः ११।३
५	र १८।३८ श्ले १०।४६ वै ४।३३ वै १८।३८	३७	५३	७	१७	२६	१७	सिं१०।४६	श्रवणे शुक्रः १३।५७
६	चं २०।४६ म १३।४८ वि २।४२ व २०।४६	३७	५३	७	१८	२७	१८	सिंहे	भ.२०।४६उ.५३ या. वक्री आर्द्रा.२ गुरुः×
७	मं २४।४८ पू १८।५२ प्री २।२० ब २४।४८	३६	५३	७	१९	२८	१९	क.३५।२६	●(सौरः ५५) चतुर्थी व्र. पातस्पर्शः ९+
८	बु ३० ५ उ २५।१२ आ २।५३ को ३० ५	३६	५३	७	२०	२९	२०	कन्यायां	
९	गु ३६।१६ ह ३२।२२ सौ ४।५२ वै ३।१०	३६	५३	७	२१	३०	२१	कन्यायां	अस्तं शनेः ५।२ ×२२।५३
१०	शु ४३।२५ चि ४० २ शो ६।५० व ९।५०	३६	५३	७	२२	१	२२	तु.६।१२	भ.५ उ.५३ या.उषा.बुधः १० रा.पौषारंभ.
११	श ४९।१८ स्वा ४७।३० अ ९।२८ ब १६।२१	३६	५३	७	२३	२	२३	तुलायां	सफला ११ व्र. +पातमोक्षः १८।८
१२	र ५५।१९ वि ५४।३० शु ११।२६ को २२।१७	३७	५३	७	२४	३	२४	बृ.२७।४५	
१३	चं ६०। ० अ ६०। ० धृ १३।१० ग २७।४९	३७	५३	७	२५	४	२५	वृश्चिके	मकरे बुधः ४।३९ प्रदोषः
१३	मं ०।२२ अ ०।४७ शू १३।५६ व ०।२२	३७	५३	७	२६	५	२६	वृश्चिके	भ. ०।२२उ. ३२।१४या. वक्री शुक्रः ३।०
१४	बु ४ ५ ज्ये ५।५२ गं १३।४९ श ४ ५	३८	५२	८	२७	६	२७	ध.५।५२	
३०	गु ६।४७ मू ९।४३ वृ १२।५० ना ६।४७	३८	५२	८	२८	७	२८	धनुषि	पूषा. रविः ४२।४२ (सौरः ५७।२९)

३६पं. पौ.कृ.२व्.इ.३४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	८	२	९	८	९	७
२८	३	१६	१९	२५	११	२५	५	२८
५५	५०	४६	४२	४७	४८	३८	३७	
५२	३५	४१	४८	४२	३३	४१	७	
६१	४०	८५	५	४३	२६	७	३	६१
०	४४	१४	ब	३६	२	११	१९	

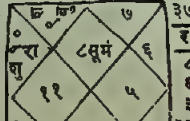

३७पं.पौ.कृ.९ बृ.इ.३४।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	२	९	८	९	८
६	८	२५	१२	११	२०	२५	५
३	४३	५८	५३	३२	३७	१६	४६
२९	१	५५	४३	३८	१	२५	३२
६१	४०	६८	९	१३	७	३	६१
४	५३	५१	५२	५८	८	११	२२

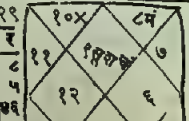

३८पं. पौ.कृ.३० बृ.इ.३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	२	९	८	९	८
१३	१३	१	११	१२	२१	२४	१२
११	३६	४४	५६	३९	२५	५४	५६
३१	४३	४९	५३	३२	५५	१०	२४
६१	४१	२६	५५	४८	७	३	६१
६	५४	६	ब	ब	२०	११	२९

*बंधुश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×बुशुरा

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६११२ स.१९८९
१	शु	७	५६	पू	१२	१७	ध्रु	११	१४	ब	७	५६	३५/३९	६/५२	५/८	२९	८	२९	म.२७।४०	चन्द्रदर्शनम्
२	श	७	५८	उ	१३	४७	व्या	७	५९	कौ	७	५८	४०	५२	८	३०	९	१	मकरे	वक्री बुधः ३९।१२ जमादिलाखर ६
३	र	७	२	श्र	१४	२०	ह	४/३२	५५/८	ग	७	२	४०	५२	८	३१	१०	२	कुं.४४।७	भ. ३६।७ उ.
४	चं	५	१३	ध	१३	५४	सि	५४	४१	वि	५	१३	४१	५२	८	१	११	३	कुंभे	भ. ५।१३ या. जनवरी मा.१ता.३१ सन्●
५	मं	२	३३	श	१२	४६	व्य	४९	९	बा	२	३३	४२	५२	८	२	१२	४	मी५६।२५	ज्येष्ठायां भौमः २७/२१ बुधास्तः पश्चि. ५१/५४
६	मं	५७	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५५	२०	पू	१०	५८	ध	४२	५५	ग	२७	१८	४३	५१	९	३	१३	५	मीने	भ. ५५।२० उ. ●१९९० ई.
८	गु	५०	४४	उ	८	२६	प	३६	८	वि	२३	२	४४	५१	९	४	१४	६	मीने	भ. २३।२ या. वक्री धनुषि बुधः २१।१
९	शु	४५	४२	रे	५	२१	शि	२९	५	बा	१८	११	४६	५१	९	५	१५	७	मे.५।२१	
१०	श	३९	५८	अ	१/३८	५५/५६	सि	२१	१८	तै	१२	५०	४७	५१	९	६	१६	८	मेषे	वक्री पूषायां बुधः २८।५६
११	र	३३	४३	कृ	५२	४१	सा	१३	१७	व	६	५०	४९	५०	१०	७	१७	९	वृ.११।२०	भ. ६।५० उ. ३३।४३ या. पुत्रदा ११व्र.
१२	चं	२७	१४	रो	४८	८	शु	४/५१	५१/४२	ब	०	२८	५१	५०	१०	८	१८	१०	वृषे	×४७।२६ (सौरः ५८।५३)
१३	मं	२०	३५	मृ	४३	२८	ब्र	४८	२२	तै	२०	३५	५२	५०	१०	९	१९	११	मि१५।४७	वक्री उपा. शुक्रः ३७।४८ प्रदोषः
१४	बु	१४	४०	आ	३९	२५	ऐं	४०	४६	व	१४	४०	५४	४९	११	१०	२०	१२	मिथुने	भ. १४।४० उ.४१।५९या. उषायां रविः×
१५	गु	९	१८	पु	३६	२६	वै	३३	४५	ब	९	१७	५६	४९	११	११	२१	१३	क.२२।११	माघ स्नान प्रा.

३९पं. पौ.शु.८बृ.इ.३४।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	२	९	८	९	८
२०	१८	२९	११	११	२२	२४	२०
१९	३२	४६	०	४७	१५	३१	६
२६	३५	८	४७	४६	१८	५४	२१
६१	४१	६३/५६	६/४९	५/१७	७	३	६१
६	१३	ब	ब	ब	२०	११	२६

गोचरग्रहाः

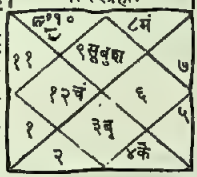

पौष.कृ.३ शुक्रे धनुष्यर्कः प्र.वा.२ न.३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

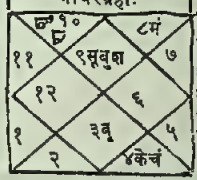

४०पं. पौ.शु.१५ बृ.इ.३४/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	२	९	८	९	८
२७	२३	२१	१०	९	२३	२४	२७
२७	२९	२९	६	०	४	९	१६
४०	५६	२८	४०	३२	४४	३९	१३
६१	४१	८७/१	६/१५	३०/४९	७	३	६१
६	२३	ब	ब	ब	२०	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०४६ शाकः १९११												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५	१४	पु	३४	५०	वि	२७	५५	कौ	५	१४	२५/५८	६/४८	५/१२	१२	२२	१४	कर्के	वक्री आर्द्रा. १ गुरुः २९।२३
२	श	२	५४	श्ले	३५	४	प्री	२३	३८	ग	२	५४	२६/१	४८	१२	१३	२३	१५	सिं३५।४	भ. ३२।३३ उ. पूषा. ४ शनिः ३९।८
३	र	२	१२	म	३६	५८	आ	२०	४६	वि	२	१२	३	४७	१३	१४	२४	१६	सिंहे	भ.२।१२या. मकरेऽर्कः ३/५० (सौरः १४/१८)●
४	चं	४	३२	पू	४०	३५	सौ	१९	२८	बा	४	३२	५	४७	१३	१५	२५	१७	कं.५६।२५	●बुधोदयः पूर्वस्याम् २५।४ चतुर्थी व्र.
५	मं	६	३१	उ	४५	५४	शो	१९	६	तै	६	३१	८	४६	१४	१६	२६	१८	कन्यायां	
६	बु	११	२२	ह	५२	४१	अ	२०	६	व	११	२२	१०	४६	१४	१७	२७	१९	कन्यायां	भ.११/२२उ.४४/१४या. शुक्रास्तः प. १३/४८ शु.अ.प.
७	गु	१७	५	चि	५९	४५	सु	२१	५२	ब	१७	५	१२	४६	१४	१८	२८	२०	तु.२६।१३	
८	शु	२३	३४	स्वा	६०	०	धृ	२४	७	कौ	२३	३४	१५	४५	१५	१९	२९	२१	तुलायां	
९	श	२९	५९	स्वा	७	३५	शू	२६	२०	ग	२९	५९	१७	४५	१५	२०	३०	२२	वृ.५७।४८	अभि.प्र.रविः ३६/३५ (सौरः ४५/४०) मूले धनुषि×
१०	र	३६	२	वि	१४	४०	गं	२८	५	व	२	०	२०	४४	१६	२१	१	२३	वृश्चिके	भ.३/० उ.३६/३या.मार्गीबुधः १४/२१ रा.माघारंभः
११	चं	४१	८	अ	२१	२६	वृ	२९	२३	ब	८	३५	२२	४४	१६	२२	२	२४	वृश्चिके	षट्तिला ११व्र. शुक्रोदयः पूर्वं. ३९/० शु.उ.पू.
१२	मं	४४	४४	ज्ये	२६	३३	ध्रु	२९	३७	कौ	१२	५६	२५	४३	१७	२३	३	२५	ध.२६।३३	श्रवणे रविः ५२।५८ उदयं शनेः २०।२३
१३	बु	४६	५४	मू	३०	२१	व्या	२८	२६	ग	१५	४९	२७	४३	१७	२४	४	२६	धनुषि	भ. ४६।५४ उ. अभि. नि. रविः ४२।२७+
१४	गु	४७	२८	पू	३२	३१	ह	२६	६	वि	१७	११	३०	४२	१८	२५	५	२७	म.४७।४४	भ. १७।११ या. ×भौमः ४५।५२
१५	शु	४६	२२	उ	३३	२६	व	२२	३०	ब	१६	५५	३३	४१	१९	२६	६	२८	मकरे	+(सौरः ५३/५३) श्रवणे रविःसौरः १/३७ प्रदोषः

४१पंमा कृ.३ बृ.इ.३४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	२	९	८	९	९
४	२८	१६	९	४	२३	२३	४
३५	२९	२	१६	५५	५३	४७	२५
३१	६	५३	३०	५५	५६	२३	४२
६१	४१	१९/४	६/२४	३६/२५	७	३	६१
३	२५	ब	ब	ब	१४	११	१९

गोचरग्रहाः

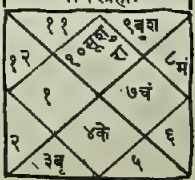

माघ कृ.३. रवौ मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

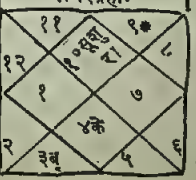

४२पं.मा.कृ १४ बृ.इ. ३४/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	२	९	८	९	९
११	३	१७	८	०	२४	२३	११
४२	२९	५०	३३	५१	४२	२५	३४
५८	४६	१०	३२	२२	५०	७	३३
६०	४१	३०/५८	५/२६	३०/१६	७	३	६१
५९	२७	मा	ब	ब	८	११	१३

(मं० २००१ समारम्भ २१००पर्यन्तम्)

●चंमंबुश

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६१४१स.१९९०
१	श	४३	३	श्र	३२	४४	सि	१७	५८	किं	१४	४२	२६/३६	६/४१	५/१९	२७	७	२९	मकरे	वक्री धनुषिशुक्रः १२/४ श्रवणे४राहुःआश्ले×
२	र	४०	३२	ध	३१	५	व्य	१२	३३	बा	११	४७	३९	४०	२०	२८	८	३०	कुं.१।५४	चंद्रदर्शनम् ×२ केतुः १०।४०
३	चं	३६	३०	श	२८	४४	व	६/२०	५३/१४	तै	८	३१	४२	४०	२०	२९	९	१	कुम्भे	रज्जव ७
४	मं	३१	५०	पू	२५	४०	शि	५२	४१	व	४	१०	४६	३९	२१	३०	१०	२	मी ११।२६	भ. ४।१० उ. ३१।५० या.
५	बु	२७	२	उ	२२	३४	सि	४५	४६	बा	२७	२	४९	३८	२२	३१	११	३	मीने	वसंत पंचमी
६	गु	२१	५५	रे	१९	१४	सा	३८	३७	तै	२१	५५	५२	३८	२२	१	१२	४	मे.१९।१४	पातस्पर्शः ४९।२७ फरवरी मा. २ ता. २८
७	शु	१६	५८	अ	१५	५६	शु	३१	२३	व	१६	५८	५५	३७	२३	२	१३	५	मेषे	भ. १६/५८ उ ४४/३० या. भानु ७ पातमोक्षः १।८
८	श	१२	२	भ	१२	३९	शु	२४	२१	व	१२	२	५९	३६	२४	३	१४	६	वृ.२६।४९	भीष्माष्टमी
९	र	७	०	कृ	९	१७	ब्र	१६	१४	कौ	७	०	२७/२	३६	२४	४	१५	७	वृषे	उषा. बुधः ४१।२०
१०	चं	२	११	रो	६	५	ऐं	१०	१	ग	२	११	६	३५	२५	५	१६	८	मि ३४।३७	भ. २९।४७उ. ५७/२३ या. जया ११ व्र. स्मा
११	चं	५५	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	मं	५२	५८	मृ	३	१०	वै	३/२१	५३/३५	व	२५	१०	९	३४	२६	६	१७	९	मिथुने	धनि. रविः १/१९ (सौरः ७/२८) जया ११ व्र. वै.
१३	बु	४९	१६	आ	३७	५८/९	प्री	५१	५	कौ	२१	७	१३	३३	२७	७	१८	१०	क.४०।५०	मकरे बुधः ७।१७ प्रदोषः
१४	गु	४६	१६	पु	५७	४७	आ	४६	२	ग	१७	४६	१६	३३	२७	८	१९	११	कर्के	भ. ४६।१६ उ. पूषायां भौमः १२।४७
१५	शु	४५	३६	श्ले	५८	१	सौ	४१	४३	वि	१५	५६	२०	३२	२८	९	२०	१२	सि ५८।१	भ. १५/५६ या. मार्गी शुक्रः १३/३३ चन्द्रग्रहणम्

४३पं. मा.श.६बृ.इ.३४।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	२	८	८	९	९
१८	८	२३	७	२८	२५	२३	१८
४९	३०	४१	५७	०	३०	२	४२
२६	५८	२४	५८	५८	३२	५२	३६
६०	४१	५७	४/१३	१८/३	६	३	६१
५५	५२	१९	व	च	५६	११	४

गोचरग्रहाः

धन राशिमें शनि मंगल का योग सोना चांदी शेयर्स तिलतैल रुई पाट वारदाना सिरस्युं अलसी घृत तेज करे।

गोचरग्रहाः

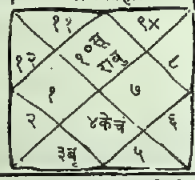

४४पं मा शु.१४बृ.इ.३४/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	२	८	८	९	९
२५	१३	१	७	२७	२६	२२	२५
५५	३५	४७	३१	५	१६	४०	४९
१६	१३	४९	३०	५३	२६	३६	२३
६०	४१	७४	३/६	१/२५	६	३	६०
४७	५६	९	व	च	३८	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	श	४४	१७	म	५९	४३	शो	३८	४२	बा	१४	५६	२७/२४	६/३१	५/२९	१०	२१	१३	सिंहे	
२	र	४५	३०	पू	६०	०	अ	३७	२	तै	१४	५३	२७	३१	२९	११	२२	१४	सिंहे	उषायां १ शनिः २०।२८
३	चं	४८	१५	पू	२	५९	सु	३६	१४	व	१०	५२	३१	३०	३०	१२	२३	१५	कं.१९।१०	भ.१६।५२उ.४८/५५ या. कुंभेऽर्कः ३६।३४●
४	मं	५२	३८	उ	७	४४	धृ	३६	४७	व	२०	२६	३५	२९	३१	१३	२४	१६	कन्यायां	चतुर्थी व्र. ●(सौरः ४१।२५)
५	बु	५८	५	ह	१३	४८	शू	३८	७	कौ	२५	२१	३८	२८	३२	१४	२५	१७	तु.४७।१४	श्रवणे बुधः ४८/३६ पातस्पर्शः ३३/३२ मोक्षः ४५/४७
६	गु	६०	०	चि	२०	४०	गं	४०	२	ग	३१	१२	४२	२८	३२	१५	२६	१८	तुलायां	
६	शु	४	२०	स्वा	२८	११	वृ	४२	३१	व	४	२०	४६	२७	३३	१६	२७	१९	तुलायां	भ. ४।२० उ. ३७।३२ या.
७	श	१०	४३	वि	३५	१७	ध्रु	४४	३२	व	१०	४३	५०	२६	३४	१७	२८	२०	वृ.१८।३१	
८	र	१७	२	अ	४२	४४	व्या	४६	१०	कौ	१७	२	५४	२५	३५	१८	२९	२१	वृश्चिके	
९	चं	२२	२८	ज्ये	४८	३९	ह	४६	५६	ग	२२	२८	५८	२४	३६	१९	३०	२२	ध.४८।३९	भ.५४।२४उ. शते रविः १३/५५ (सौरः १६/४७)
१०	मं	२६	२०	मू	५३	११	व	४६	३५	वि	२६	२०	२६/२	२४	३६	२०	१	२३	धनुषि	भ. २६।२० या. मकरे शुक्रः ४१।७ रा×
११	बु	२८	४४	पू	५५	५०	सि	४४	४६	बा	२८	४४	६	२३	३७	२१	२	२४	धनुषि	विजया ११ व्र. ×फाल्गुनारम्भः
१२	गु	३०	१९	उ	५६	४७	व्य	४१	३३	तै	३०	१९	१०	२२	३८	२२	३	२५	म.११।५	
१३	शु	२७	५३	श्र	५५	५३	व	३६	५२	व	२७	५३	१४	२१	३९	२३	४	२६	मकरे	भ २७/५३ उ.५६/१७ या.धनि.बुधः ३७/३२ मार्गीगुरुः+
१४	श	२४	४१	ध	५३	२६	प	३०	५०	श	२४	४१	१८	२०	४०	२४	५	२७	कु.२४।३९	महाशिवरात्रि व्र. वै.
३०	र	२०	५	श	४९	४९	शि	२३	४०	ना	२०	५	२२	२०	४०	२५	६	२८	कुम्भे	+१६/२६ प्रदोषः महाशिवरात्रि व्र. स्मा.

४५पं. फा.कृ.६बृ.इ.३४।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	२	८	८	९	१०
३	१८	११	७	२८	२७	२२	२
०	४१	६	१३	६	०	१८	५५
४	६	७	४४	४०	५०	२१	२६
६०	४१	८५/५७	१	१३	६	३	६०
३७	५७	व	३९	५०	२६	११	४२

गोचरग्रहाः

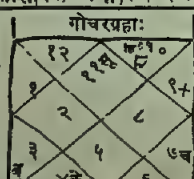

फा. कृ. ३ चंद्रे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पू.

गोचरग्रहाः

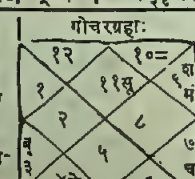

४६पं. फा.कृ.१२बृ.इ.३५/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	२	९	८	९	१०
१०	२३	२१	७	०	२७	२१	९
३	४७	४०	५	४९	४२	५६	५९
३२	२०	२६	५३	८	३६	५	५९
६०	४२	९५	०/२५	६	३	६	६०
२५	७	५	च	५३	८	११	३१

●मंबुशुश +मंशुश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशुश =बुशुरा

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११							दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ६१७१स.१९९०
१	चं	१४	१६	पू	४५	१२	सि	१५	५८	ब	१४	१६	३६	१९	४१	२६	७	२९	मी	३१।२१	उषा. भौमः २३।१४ चन्द्रदर्शनम्
२	मं	७	४७	उ	४०	३०	सा	३२	५१	को	७	४७	३०	१८	४२	२७	८	१		मीने	कुम्भे बुधः ५८ फुलरिया २ पातस्पर्शः●
३	बु	१	५	रे	३५	३१	शु	५०	३१	ग	१	५	२४	१७	४३	२८	९	२	मे.	३५।३१	भ. २७।४६ उ. ५४।२६ या.
४	बु	५३	२१	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३		०	●३६ पातमोक्षः ४७।४७ सावान ८
५	गु	४८	८	अ	३०	५९	ब्र	४२	२६	ब	२१	१७	३८	१६	४४	१	१०	३		मेषे	मार्च मा. ३ ता. ३१
६	शु	४२	१७	भ	२६	४३	वै	३४	५१	को	१५	१२	४२	१६	४४	३	११	४		वृ.	४०।४९ ×बुधः५०।१४ वुधास्तः पूर्वस्याम् २४।५
७	श	३६	५६	कृ	२३	७	वै	२७	३५	ग	९	३६	४६	१५	४५	३	१२	५		वृषे	भ. ३६।५६ उ. मकरे भौमः ८।९ शते×
८	र	३२	१७	रो	२०	७	वि	२०	५५	दि	४	३६	५९	१४	४६	४	१३	६	मि	४८।५८	भ. ४।३६ या. पूभा. रविः २९।० (सौरः+
९	चं	२८	१९	मृ	१७	४९	प्री	१४	४५	बा	०	१८	५४	१३	४७	५	१४	७		मिथुने	
१०	मं	२५	१४	आ	१६	२३	आ	९	२१	ग	२५	१४	५८	१२	४८	६	१५	८		मिथुने	भ. ५४।१ उ. +३१/३४) होलाष्टकः
११	बु	२२	४८	पु	१५	४४	सो	४	३७	वि	२२	४८	२९	१२	४८	७	१६	९	क.	०।५३	भ. २२।४८ या. आमलकी ११ व्र.
१२	गु	२१	१३	पु	१५	५२	शो	३०	४५	बा	२१	१३	६	११	४९	८	१७	१०		कर्के	श्रवणे शुक्रः ५२।५८ प्रदोषः
१३	शु	२०	५५	श्ले	१७	७	सु	५४	४८	तै	२०	५५	१०	१०	५०	९	१८	११	सि	१७।७	
१४	श	२१	२६	म	१९	१४	धृ	५३	३१	ब	२१	२६	१४	९	५१	१०	१९	१२		सिंहे	भ. ३१/३४ उ. ५३/३४ या. होलिकादहनं भद्रोत्तरं
१५	र	२३	२२	पू	२२	५५	शू	५२	४८	ब	२३	२२	१९	८	५२	११	२०	१३	कं.	३९।६	पूभा. बुधः १८।४१ छारेंडी

४७पं.फा.५शु.व.इ.३५।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	२	९	८	९	१०
१७	२८	२	७	४	२८	२१	१७
५	५४	४७	७	४७	२२	३३	२
४२	५०	२०	५९	३१	१	१४९	५०
६०	४२	०/०	१/१	३६	५	३	६०
१२	७	मी	मी	४३	४४	११	२०

गोचरग्रहाः

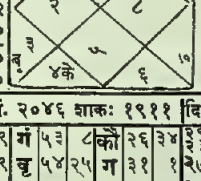

फाल्गुन में शनि पांच है और पांच रविवार। घटा-बढ़ी होवे घनी तेजी का संचार।।

गोचरग्रहाः

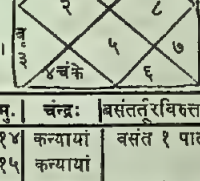

४८पं.फा.शु.१२व.इ.३५।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	२	९	८	९	१०
२४	४	१५	७	९	२८	२१	२४
६	३	१	१८	४७	५८	३१	६
२९	४७	२३	५८	१०	३४	३४	१३
५५	४२	०/०	३	४४	५	३	६०
५८	२२	५३	२७	२५	१६	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०४६ शाकः १९११							दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२६	३४	उ	२७	३९	गं	५३	८	को	२६	३४	३३	६	७	५३	१२	२१	१४	कन्यायां	वसंत १ पातस्पर्शः ६।५७ पातमोक्षः ३/५८
२	मं	३१	१	ह	३३	२२	बृ	५४	२५	ग	३१	१	२७	७	५३	१३	२२	१५		कन्यायां	
३	बु	३६	१९	चि	४०	७	ध्रु	५६	१४	ब	३	४०	२३	६	५४	१४	२३	१६	तु.	६।५१	भ. ३।४० उ. ३६।१९ या. मीनेऽर्कः●
४	गु	४२	२०	स्वा	४७	३५	व्या	५८	३५	ब	९	१९	३६	५	५५	१५	२४	१७		तुलायां	चतुर्थी व्र. ●२९।५७ (सौरः ३१/५४)
५	शु	४८	४३	वि	५५	७	ह	६०	०	को	१५	३१	४०	४	५६	१६	२५	१८	बृ.	३८।१५	श्रवणे भौमः ४।५० मीने बुधः ४४।५७
६	श	५५	१०	अ	६०	०	ह	०	१६	ग	२१	५६	४४	३	५७	१७	२६	१९		वृश्चिके	भ.५५।१०उ. उभा. रविः ५१/५३ (सौरः ५२/५०)
७	र	६०	०	अ	२	४३	व	३	३१	वि	२८	२	४९	२	५८	१८	२७	२०		वृश्चिके	भ. २८।२ या. उभा. बुधः २७।३२
८	चं	०	५५	ज्ये	९	३४	सि	४	३१	ब	०	५५	५३	१	५९	१९	२८	२१	ध.	९।३४	शीतलापूजनम् ×रा. चैत्रारंभः
९	मं	५	३२	मू	१५	२	व्य	५	१८	को	५	३२	५७	१	५९	२०	२९	२२		धनुषि	
१०	बु	८	४३	पू	१८	५५	ध	४	३३	ग	८	४३	३०	०	६/०	२१	३०	२३	म.	३४।२६	भ. ३९।१७ उ.
११	गु	९	५२	उ	२१	१	प	३	५६	वि	९	५२	६	५९/५९	१	२२	१	२४		मकरे	भ.९।५२या. उषा.२मकरेशनिः १२।५५×
१२	शु	९	५	श्र	२१	७	सि	५३	२९	बा	९	५	१०	५८	२	२३	२	२५	कुं.	५०।७	पापमोचनी ११ व्र.
१३	श	५	१५	ध	१९	८	सा	४६	३२	तै	५	१५	१४	५७	३	२४	३	२६		कुम्भे	धनिष्ठा. शुक्रः १७।८ प्रदोषः
१४	र	१	२९	श	१५	३२	शु	३८	२६	ब	१	२९	१८	५६	४	२५	४	२७	मी	५५।५६	भ. १।२९उ. २८।१६या. रेवत्यां बुधः ४७
१५	र	५३	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	
३०	चं	४७	३४	पू	९	२३	शु	२९	१७	च	२१	१८	२३	५५	५	२६	५	२८		मीने	सोमवती ३० मन्वादिः

४९पं.चै.कृ.४व.इ.३५।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	२	९	८	९	११
१	९	२७	७	१५	२९	२०	१
५	१३	४५	३९	३१	३१	४९	३
३१	२३	३२	५४	२६	४८	१८	५५
५९	४२	०/०	३	५०	४	३	५९
४१	२८	५९	५०	४	५०	११	४९

गोचरग्रहाः

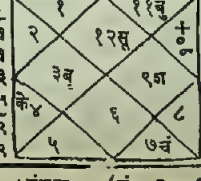

चैत्र कृ. ३ वृषे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

५०पं.चै.कृ.१०व.इ.२६।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	२	९	९	९	११
८	१४	११	८	२१	०/०	२०	८
३	२५	३४	९	४८	१२	२७	१
१८	१	४१	४०	३६	४१	३	५०
५९	४२	०/०	५	५४	४	३	५९
२९	३०	५९/५९	०	४४	१२	११	३५

+मंशुरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशुरा ●चंमंशुधरा

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९१ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९१ भोग्यकलिः ४२६९०९ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४७ शाकः १९१२ वर्षेऽस्मिन् राजा भौमः । मंत्री शुक्रः । सस्येशो भौमः । धान्येशः शनिः । मेघेशः शुक्रः । रसेशो बुधः । नीरसेशश्चंद्रः । फलेशो बुधः । धनेशो रविः । दुर्गेशो गुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १७ सुभानुनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ८।२०।५१।५४ भोग्यमासादिः ३।९।८।६ । अग्निदैवतंयुगम् । वर्षनाम मार्गशीर्षः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासःसमुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समयविश्वा २० । समयवाहनम् वृषभः । स्तम्भाः २ अन्नतृणयोः । सोमवत्यमा.२ सोमवती पंचमी ३ । अंगारकीचतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी × । रविदशमी १ । समय मुहूर्ताः २८५ । समयदिनानि ३५२ । तिथिक्षयः १८ । तिथिवृद्धिः १० । उत्पत्तिविश्वा ९६ । खपतिविश्वा १०८। वर्षाविश्वा ११ । धान्यम् ५। तृणम् ११। शीतम् ९ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०१ । सत्यं ॥, धर्म १॥, पाप१८ । शनि दृष्टिउत्तरे । ग्रहणं १ चन्द्रमसः ।

संवत् २०४७ शाके १९१२ श्रावण शुक्ले १५ चंद्रवासरे खंडग्रासं ग्रस्तोदित चन्द्रग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
उज्जयिनी मध्यमकाल	घ.	२९	३३	३६
	प.	२६	७	४८
रेल्वे टाइम	घं.	६	७	९
	मि.	१३	४२	१०

आसाम में यह ग्रहण चन्दोदय होने के बाद स्पर्श होगा, भारत में ग्रस्तोदय नहीं होगा ।

वर्ष लग्नम् ८।१३

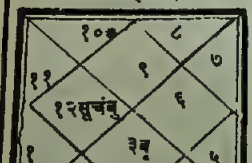

●मंशुशरा

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ विनती करके म ता से अर्ज सुनाता है ।
सैंतालीसा का हाल कहो सुनने को जी ललचाता है ॥

भवानी उत्तर

प्रेम सहित माता कहती संवत्सर हाल सुनाती हूं ।
सब देख नभश्चर चार जगत में साधारण फल पाती हूं ॥
इस वर्ष का राजा भूमितनय यह क्रूर स्वभाव दिखावेगा ।
कहीं चोर रोग अग्नि भय हो कहीं द्वंद युद्ध करवावेगा ॥
पण मन्त्री भृगुदेव भये जो सुख संपत्ति संचार करे ।
सस्येश सहारा पाकर के जल अरु तृण का भंडार भरे ॥
रोहिणी वासो जलनिधि में संवत्सर विश्वा है खासा ।
अन्नतृण के दो स्तंभ बने इस में नहीं झूठ एक मासा ॥
नाम सुभानु संवत्सर जिसका फल मध्यम पाया है ।
ईश्वरदत्त गुरु ज्ञान दिया वह बंशीधर दरसाया है ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	क
लाभ	८	२	५	१४	२	५
खर्च	१४	८	५	२	१४	५

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	२	८	११	१४	१४	११
खर्च	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् १०।३

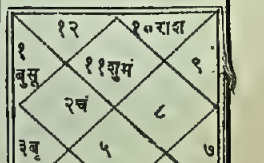

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४२।१८

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम्—भौमे नृपे वन्हि भयंजनक्षयं चौराकुलं पार्थिवविग्रहश्च । दुःखं प्रजाव्याधिवियोगपीड़ा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः ।। मंत्री शुक्रस्तफलम्—भृगुसुतेननु मंत्रि समागते शलभ मूषक रावथमाहिषैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ।। सस्येशश्चन्द्रस्तत्फलम्—सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघः पयो मुंचति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधन तत्परा नरा धराभवेद्धान्यधनौघपूर्णा ।। धान्येशः शनिः फलम्—दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देशविग्रहः । सौराष्ट्र देश नष्टश्च यत्र धान्याधिपो शनिः ।। मेघेशः शुक्रस्तत्फलम्—भृगुसुते जलदस्यपतिर्यदा जलयुता जलदादिविशोभनाः । धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम्—रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्य घृतादियुताजनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहुजलाखिलदेशसुरक्षिता ।। नीरसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्—शुक्लवर्णादिवस्तूनां मुक्तारजत वाससां । अर्घबृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ।। फलेशो गुरुः फलम्—सुरगुरुः फलनायकतांगतो गतभया वनराशि महाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सव मंदिरा श्रुतिविचारपरा द्विजपूर्वकाः ।। धनेशो रविः फलम्—द्रविणपे यदिवासरपेतदा वणिजतो बहुद्रव्यसमागमः । गजतुरंगममेष खरोष्ट्रतो धनचयंलभते क्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम्—सुरगुरौ गढ़पेनय शोभिता नरवरानरपाः करपालिताः । गिरिषु नगरेषुसमं सुखं सुखमति द्विजशास्त्रवतां विशाम् ।। सुभानुनाम संवत्सरः फलम्—सुभानुवत्सरे भूमौ भूमिपानां च विग्रहैः । भातिभूभूरिसस्याढ्या भयंकर भुजंगमा ।। वर्षनाम मार्गशीर्षः फलम्—कार्पासादि महर्घं स्याद्गौधूमादितिलादिकम् । मेघोवर्षतिदेवोवा मार्गशीर्षे विशेषतः ।। मेघनाम पुष्करः फलम्—पुष्करे मन्द वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्—समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समय निवासो मालाकारगृहे फलम्—मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०४७ शाके १९१२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णे ५ रवौ मूले ल. १२ रे. ६ ।।।।।ऽअ.ऽऽऽ दग्धा आवश्यके
शुक्ले ३ शुक्रे रोहि. ल. १२ रे. ८ ।।।।ऽनृऽ।।।
„ ११ शनौ उफा. ल. अन्यगो. ९-१२ रे. ९ ।।।।।ऽ।।।
धन लग्ने गु. ७ पूज्यः मीने चं. ७ पूज्यः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे १० रवौ उभा. ल. अन्यगो. ९ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। धन लग्ने गुरु ७ पूज्यः
„ ११ चन्द्रे रेवत्यां ल. अन्यगो. ९ रे. ६ ऽ।ऽशु।।ऽचौ।ऽ।।
धन लग्ने गुरु ७ पूज्यः शुक्रयुतिः
शुक्ले ११ चन्द्रे स्वात्यां ल. ९ रे. ७ ऽ।।।ऽऽअ।।। गु.७पूज्यः
„ १३ बुधे अनु.ल.११ रे.६ ।।।शुऽऽ।ऽ।। पादलोवेधाऽभावः

आषाढ़ मासः

शुक्ले ७ शुक्रे हस्ते ल. २ रे. ८ ।।।।।।।ऽ।ऽ

पौषः मासः

कृष्णे ८ रवौ उफा. ल. अन्यगो. ५ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। अन्यगोधूल्यां भौम १ दोषः
„ ९ चंद्रे हस्ते ल. अन्यगो. ५ रे.८ ।।।।ऽचौ।ऽ।। अन्यगोधूल्यां भौम १ दोषः सिंहे रेखा ७ दग्धादोषः
„ ११ बुधे स्वा. ल. ५-६ रे. ७ ऽशु।।।ऽरो।ऽ।।

माघ मासः

शुक्ले ५ चंद्रे उभा.ल.अन्यगो.६रे. ९ ।।।।।ऽ।।। कन्या चं.७पू.
६ भौमे रेव.ल.अन्यगो.६ रे.८ ।।।।ऽरो।ऽ।। कं. चं.७पू.

फाल्गुन मासः

कृष्णे ५ रवौ हस्ते ल. गो. रे. ६ ऽ।।।।ऽअ.ऽऽ।।
, ८ गुरौ अनु. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णे ५ भौमे स्वात्यां ल. गो. रे. ८ ।।।।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः
„ ७ गुरौ अनु. ल. अन्यगो. रे. ८ ।ऽ।।।ऽनृ।।।।

| ति. | श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२ | | |

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६२३०सन् १९९०
१	बु	५०	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५०	२	भ	९	४८	आ	१३	५६	बा	२४	४९	३३/३१	५/३२	६/२८	२६	६	२९	वृ. २२।५६	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	४१	८	कृ	२०/२	५३/२९	सौ	४४/३	५०/२४	तै	१५	३५	२५	३१	२९	२७	७	१	वृषे	भरण्यां रविः ३३/५ (सौरः ३५/५१) अक्षया३●
४	श	३३	२२	मृ	५०	३९	अ	४५	१९	व	७	१५	२९	३०	३०	२८	८	२	मि २३।१४	भ. ७।१५ उ. ३३/२२ या. मीने शुक्रः २९।३१
५	र	२६	५५	आ	४६	५९	सु	३८	१४	ब	०	८	३२	३०	३०	२९	९	३	मिथुने	●परशुराम जयन्ती सव्वाल १०
६	चं	२२	१६	पु	४५	३	धृ	३२	१७	तै	२२	१६	३६	२९	३१	३०	१०	४	क. ३०।३२	
७	मं	१९	२१	पु	४४	४९	शू	२७	५४	व	१९	२१	४०	२८	३२	१	११	५	कर्के	भ. १९।२१ उ. ४८/४४ या. उभा. शुक्रः ३३/२६×
८	बु	१८	६	श्ले	४६	२६	गं	२४	४६	ब	१८	६	४३	२७	३३	२	१२	६	सिं ४६।२६	×आर्द्रा. ३ गुरुः ३६/१९ मई मा. ५ ता. ३१
९	गु	१८	४३	म	४९	३५	वृ	२३	१०	कौ	१८	४३	४७	२७	३३	३	१३	७	सिंहे	
१०	शु	२०	४४	पू	५४	१०	ध्रु	२२	३५	ग	२०	४४	५१	२६	३४	४	१४	८	सिंहे	भ. ५२।२६ उ. वक्री शनिः ४५।३८
११	श	२४	८	उ	६०	०	व्या	२३	१६	वि	२४	८	५४	२५	३५	५	१५	९	कं. १०।३८	भ. २४।८ या. मोहिनी ११ व्र.
१२	र	२८	४२	उ	०	२	ह	२४	२१	बा	२८	४२	५७	५	३५	६	१६	१०	कन्यायां	
१३	चं	३४	१	ह	६	४	व	२६	१०	कौ	१	२१	३३/१	२४	३६	७	१७	११	तु. ३९।३७	प्रदोषः +यमायसान्नजलकुंभदानं
१४	मं	३९	११	चि	१२	१०	सि	२७	५७	ग	६	३६	४	२३	३७	८	१८	१२	तुलायां	भ. ३९।११ उ. नृसिंह १४
१५	बु	४५	५५	स्वा	२०	२९	व्य	३०	२८	वि	१२	३३	७	२३	३७	९	१९	१३	तुलायां	भ. १२।३३ या. पूभा. भौमः २५।११+

३पं. वै. शु. ३ शु. इ. ५३।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	१०	९	९	०
१३	११	२२	१२	२९	१	१८	१३
३९	२२	५६	४३	१९	२९	३१	३६
४३	३९	२४	५९	४८	५३	५२	५४
५८	२२	१८/४५	९	६६	०	३	५८
१९	२९	व	५३	४०	५२	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास में बुध वक्री रुई पाटवार-दाना सोना चांदी खांड़ गुड़ चावल सिरस्युं अलसी तेज करेगा।

गोचरग्रहाः

४पं. वै. शु. १० शु. इ. ५३।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	११	९	९	०
२०	१६	१९	१३	७	१	१८	२०
२७	३४	३	५४	७	३२	९	२५
२२	४८	३६	५८	२३	१३	३६	३६
५८	४२	३६/४३	१०	६७	०/१	३	५७
६	२२	व	३७	२०	व	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	५१	५५	वि	२७	५५	व	३२	५०	बा	१८	५५	३३/१०	५/२२	६/३८	१०	२०	१४	वृ. ११।४	
२	शु	५८	२	अ	३५	२२	प	३५	४	तै	२४	५५	१३	२१	३९	११	२१	१५	वृश्चिके	कृत्तिका. रविः १९।० (सौरः २३।४८)
३	श	६०	०	ज्ये	४२	२९	शि	३७	१	व	३०	४५	१६	२१	३९	१२	२२	१६	ध. ४२।२९	भ. ३०।४५ उ. बुधोदयः पूर्वस्याम् ५२।१७
३	र	३	२९	मू	४८	४७	सि	३८	४६	वि	३	२९	१९	२०	४०	१३	२३	१७	धनुषि	भ. ३।२९ या. रेवत्यां शुक्रः ३५/१५ चतुर्थी व्र
४	चं	८	२१	पू	५४	३०	सा	३९	३३	बा	८	२१	२२	२०	४०	१४	२४	१८	धनुषि	वृषेऽर्कः ४६।१५ (सौरः ५१।३६)
५	मं	१२	२३	उ	५८	५९	शु	३९	३२	तै	१२	२३	२५	१९	४१	१५	२५	१९	म. १०।३७	
६	बु	१५	९	श्र	६०	०	शु	३०	२८	व	१५	९	२८	१८	४२	१६	२६	२०	मकरे	भ. १५।९ उ. ४५।४५ या.
७	गु	१६	२०	श्र	२	५	ब्र	३६	१३	ब	१६	२०	३०	१८	४२	१७	२७	२१	कुं. ३२।५१	
८	शु	१५	५९	ध	३	३७	ऐं	३२	२३	कौ	१५	५९	३३	१७	४३	१८	२८	२२	कुम्भे	मार्गी बुधः ५८।५४
९	श	१३	४०	श	३	२२	वै	२७	१४	ग	१३	४०	३६	१७	४३	१९	२९	२३	मी ४६।४६	भ. ४१।३७ उ. आर्द्रा. ४ गुरुः ४७।१९
१०	र	९	३५	पू	१४/१	५६/२	वि	२१	२५	वि	९	३५	३९	१६	४४	२०	३०	२४	मीने	भ. ९।३५ या.
११	चं	३	३७	रे	५१	४९	प्री	१२	२३	बा	३	३७	४१	१६	४४	२१	३१	२५	मे. ५१।४९	अपरा ११ व्र.
१२	चं	५२	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	मं	४७	३४	अ	४५	१२	आ	१३/३	४९/५४	ग	२१	५७	४३	१५	४५	२२	१	२६	मेषे	भ. ४७/३४ उ. मीने भौमः ५८/५५ रा. ज्येष्ठारंभः●
१४	बु	३७	५४	भ	३७	३९	शो	४०	२६	वि	१२	४४	४६	१५	४५	२३	२	२७	वृ. ५०।३९	भ. १२।४४ या. ●प्रदोषः
३०	गु	२७	५३	कृ	२९	४०	अ	३१	१०	च	२	५३	४८	१४	४६	२४	३	२८	वृषे	वट सावित्री व्र.

५पं. ज्ये. कृ. २ शु. इ. ५३।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	११	९	९	०
२७	२१	१५	१५	१५	१	१७	२७
१३	४४	३५	१०	०	३०	४७	८
३४	४९	२४	१९	४३	१४	२१	५०
५७	४२	३५/५२	११	६८	०/३३	३	५७
५४	२०	व	१३	५२	व	११	४५

गोचरग्रहाः

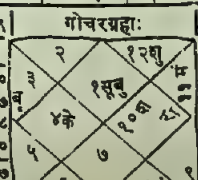

ज्ये. कृ. ४ चन्द्रे वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रो पू.।

गोचरग्रहाः

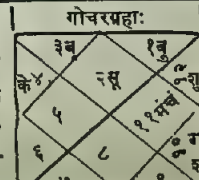

६पं. ज्ये. कृ. ८ शु. इ. ५३।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	०	२	११	९	९	१
३	२६	१४	१६	२२	१	१७	३
५८	५४	२७	२९	५८	२३	२५	५२
२६	३२	५८	२८	४४	१६	५	३०
५७	४२	३०/२१	११	६९	१	३	५७
४४	१६	व	५०	३७	२५	११	२४

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६२५९ स. १९९०
१	शु	१७	५४	रो	२१	४९	सु	२०	४६	ब	१७	५४	३३/५०	५/१४	६/४६	२५	४	२९	मि४८।२८	चन्द्रदर्शनम् रोहि. रविः ९/५० (सौरः १७/४५) *
२	श	८	३६	मृ	१५	१	धृ	१०	५३	कौ	८	३६	५२	१४	४६	२६	५	१	मिथुने	जिल्काद ११ *अश्वि. मेषे शुक्रः ३१/३१
३	र	०	३२	आ	९	२५	शू	१/५०	५२/८	ग	०	३२	५४	१३	४७	२७	६	२	क.५१।२५	भ.२७।१७उ.५४/३या. उभा. भौमः४४।५१
४	र	५३	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	चं	९९	२६	पु	५	२५	वृ	४७	५७	ब	२१	४४	५६	१३	४७	२८	७	३	कर्के	×गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
६	मं	४६	५०	पु	३	१६	ध्रु	४३	३१	कौ	१८	८	५८	१२	४८	२९	८	४	कर्के	
७	बु	४६	२८	श्ले	३	१७	व्या	४०	४९	ग	१६	३९	३४/००	१२	४८	३०	९	५	सिं३।१७	भ. ४६।२८ उ.
८	गु	४७	५६	म	५	२२	ह	३९	२८	वि	१७	१२	२	१२	४८	३१	१०	६	सिंहे	भ. १७।२० या. +१गुरुः १५/१० प्रदोषः
९	शु	५१	२९	पू	९	७	व	३९	५१	बा	१९	४२	४	११	४९	१	११	७	कं.२५।२७	जून मा. ६ ता. ३० =गंगादशमी
१०	श	५५	४४	उ	१४	२८	सि	४०	४६	तै	२३	३६	६	११	४९	२	१२	८	कन्यायां	श्रवणे २ राहुः पुष्ये ४ केतुः ४।४५=
११	र	६०	०	ह	२०	५२	व्य	४२	४२	व	२८	३५	७	११	४९	३	१३	९	तु.५४।३०	भ. २८।३५ उ. निर्जला ११ व्र. स्मा.
११	चं	१	२५	चि	२८	८	व	४५	५	वि	१	२५	९	१०	५०	४	१४	१०	तुलायां	भ. १।२५ या. निर्जला ११ व्र. वै.
१२	मं	७	१७	स्वा	३५	३४	प	४७	३०	बा	७	१७	१०	१०	५०	५	१५	११	तुलायां	कृत्ति. बुधः ४७/३ भरण्यां शुक्रः ३४/२४ पुन.+
१३	बु	१३	३७	वि	४३	१५	शि	४९	५४	तै	१३	३७	१२	१०	५०	६	१६	१२	वृ.२६।२०	
१४	गु	१९	३१	अ	५०	२५	सि	५२	७	व	१९	३१	१३	९	५१	७	१७	१३	वृश्चिके	भ. १९।३१ उ. ३२।२५ या. वृषे बुधः ४९/४२
१५	शु	२५	१९	ज्ये	५६	२८	सा	५४	४	व	२५	१९	१४	९	५१	८	१८	१४	व.५६।३८	मृगे रविः ४।४६ (सौरः १६।३४)×

७पं.ज्ये.शु.१शु.इ.५४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	२	०	९	९	१
१०	२	१६	१७	१	१	१७	१०
४२	२	५९	५२	१	११	२	३४
२५	२८	४६	८	३४	२०	५०	४१
५७	४१	२९/५	१२	७०	२	३	५७
३५	५८	मा	१६	२३	४	११	२३

८पं.ज्ये.शु.९शु.इ.५४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	२	०	९	९	१
१७	७	२२	१९	९	०	१६	१७
२५	८	५१	१७	७	५५	४०	१५
८	१७	४	५३	५२	२३	३४	४७
५७	४१	५८	१२	७०	२/३७	३	५७
२७	५०	५८	३४	५८	ब	११	१३

९पं.ज्ये.शु.१५शु.इ.५४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	२	०	९	९	१
२४	१२	१	२०	१७	०	१६	२३
७	१२	३०	४६	१७	३५	१८	५५
१२	२९	४०	५	५६	३१	१८	४३
५७	४१	८४	१२	७१	३/१६	३	५७
२२	४३	२८	५८	२९	ब	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	३०	१५	मू	६०	०	शु	५५	१६	कौ	३०	१५	३४/१६	५/५१	६/५१	९	१९	१५	धनुषि	
२	र	३४	४१	मू	३	२०	शु	५५	५६	तै	२	२८	१७	९	५१	१०	२०	१६	धनुषि	×शनिः८।५३ योगिनी ११ व्र.
३	चं	३७	५१	पू	८	४०	ब्र	५५	५०	व	६	१६	१८	८	५२	११	२१	१७	म.२४।४२	भ.६।१६उ.३७।५१या. चतुर्थी व्र. पात*
४	मं	४०	१०	उ	१२	४९	ऐं	५४	४९	ब	९	०	१९	८	५२	१२	२२	१८	मकरे	*स्पर्शः ११।२० मोक्षः ३३।४०
५	बु	४१	१८	श्र	१६	१०	वै	५३	७	कौ	१०	४४	२०	८	५२	१३	२३	१९	कुं.४७।१४	
६	गु	४०	१९	ध	१८	२०	वि	५०	१६	ग	१०	४८	२१	८	५२	१४	२४	२०	कुम्भे	भ. ४०।१९ उ. रोहि. बुधः २४।३३
७	शु	३९	५९	श	१९	२५	प्री	४६	२०	वि	१०	९	२१	८	५२	१५	२५	२१	कुम्भे	भ. १०।९ या. मिथुनेऽर्कः ३।२४(सौरः+
८	श	३७	१९	पू	१८	४६	आ	४१	१७	बा	८	३९	२२	८	५२	१६	२६	२२	मी३।५६	कृत्ति. शुक्रः ५२।५७
९	र	३२	५९	उ	१६	४५	सौ	३४	२	तै	५	९	२२	८	५२	१७	२७	२३	मीने	+१७।२१) रेवत्यां भौमः४।१२
१०	चं	२७	३२	रे	१३	२५	शो	२७	४६	व	०	१५	२३	७	५३	१८	२८	२४	मे.१३।२५	भ. ०।१५ उ. २७।३२ या.
११	मं	२०	२८	अ	८	४६	अ	१९	१७	बा	२०	२८	२३	७	५३	१९	२९	२५	मेषे	वृषे शुक्रः ४६।५५ वक्री उषा. १ धनुषिच×
१२	बु	१२	३२	भ	२/५४	५३/५६	सु	१०	७	तै	१२	३२	२३	७	५३	२०	३०	२६	वृ.१६।१६	पुन. २ गुरुः ४९।३२ प्रदोषः
१३	गु	३	४१	रो	४९	१३	धृ	०/१६	४९/४५	व	३	४१	२४	७	५३	२१	३१	२७	वृषे	भ.३।४१उ.२९।०या. मृगे बुधः४७।२४÷
१४	गु	५०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	÷बुधास्तः पूर्वस्याम् ५२।५०
३०	शु	४५	७	मृ	४२	९	गं	३९	५४	च	१९	४३	२४	७	५३	२२	१	२८	मि१५।४१	आर्द्रा.रविः ३/१६ (सौरः १८/५४) रा.आषाढारंभः

१०पं.आ.कृ.७शु.इ.५४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	२	०	९	९	२
१७	१२	२२	२५	०	१५	०	
	३९	१५	२९	१२	५६	३४	
	५०	५४	३१	१७	३	५२	
	७/१०	१३	७१	३/४७	३	५६	
	७/१०	१७	५०	ब	११	५६	

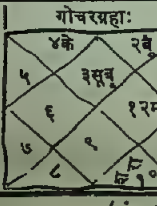

आ. कृ. ७ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५ न.५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. पू.।

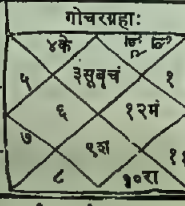

११पं.आ.कृ.३०शु.इ.५४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	२	१	८	९	२
७	२२	२५	२३	३	२९	१५	७
२९	१२	३६	४७	४५	४६	३३	१३
२४	११	४०	५३	२५	२३	४७	१९
५७	४०	१२/३	१३	७२	४/५	३	५६
१३	५२	८	२६	१६	ब	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६२८८स.१९९०
१	श ३६ ३१ आ ३५ ४४ वृ ३० ११ कि १० ४९ ३४	५	६	२३	२	२९	मिथुने	
२	र २८ ५२ मृ ३० २६ ध्रु २१ २७ वा २ ४१ २४	७	५३	२४	३	३०	क.१६।४६	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	चं २६ १० पु २६ ३८ श्ले न्या १४ १ ग २३ १० २४	७	५३	२५	४	१	कर्के	भ.५१।६उ. मिथुने बुधः २३ जिव्हेज १२
४	मं १९ ३ श्ले म २४ ३८ ह वि १९ ३ २३	७	५३	२६	५	२	सिं २४।३८	भ. १९।३ या. ●देवशयनी ११ ब्र.
५	बु १७ ३१ म २४ ५६ च ३ २८ वा १७ ३१ २३	७	५३	२७	६	३	सिंहे	आर्द्रा. बुधः ५९।१२
६	गु १७ ३५ पू २७ १७ सि १ १ तै १७ ३५ २३	७	५३	२८	७	४	कं.४३।२२	रोहिण्यां शुक्रः ११।१५
७	शु १९ ५३ उ ३१ ३६ ब्य ० ३ व १९ ५३ २२	८	५२	२९	८	५	कन्यायां	भ. १९।५३ उ. ५१।५७ या.
८	श २४ ० ह ३७ २२ च ० ११ ब २४ ० २२	८	५२	३०	९	६	कन्यायां	
९	र २९ २१ चि ४४ २३ प १ ३४ कौ २९ २१ २१	८	५२	१	१०	७	तु.१०।५३	जुलाई मा. ७ ता. ३१
१०	चं ३५ २१ स्वा ५१ ३९ शि ३ ५३ ते २ २१ २०	८	५२	२	११	८	तुलायां	
११	मं ४१ ४४ वि ५९ २७ सि ६ २१ च ८ ३२ १९	८	५२	३	१२	९	वृ.४२।३०	भ. ३६उ.४१या. अश्वि. मेषे भौमः ५५●
१२	बु ४७ ४३ अ ६० ० सा ८ ५५ च १४ ४३ १८	८	५२	४	१३	१०	वृश्चिके	पुन. बुधः ३।५८ अस्तं गुरोः ६।३६
१३	गु ५३ १४ अ ६ ४९ शु ११ १६ कौ २० २८ १७	९	५१	५	१४	११	वृश्चिके	पुन. ३ गुरुः ५०।८ प्रदोषः
१४	शु ५७ १४ ज्ये १३ ३८ शु १२ ५९ ग २५ १४ १५	९	५१	६	१५	१२	ध.१३।३८	भ. ५४ उ पुन. रविः १।१२(सौरः ३३५)
१५	श ६० ० मू १९ २१ ब्र १३ ५६ वि २९ १६ १४	९	५१	७	१६	१३	धनुषि	भ. २९।१६ या. व्यासपूजा वायु परीक्षा
१५	र ११ १९ पू २४ ५ ते १४ १७ ब १ १९ १३	९	५१	८	१७	१४	म.३९।५९	कर्के बुधः ५०।२०

१२पं.आ.शु.७शु ड.५३।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	२	१	८	९	२
१४	२७	१०	२५	१२	२९	१५	१३
९	६	४३	२०	४	१७	११	५१
५०	४७	४१	४६	१६	४९	३२	२४
५७	४०	५९	१३	७२	२५	३	५६
७	२६	५६	३२	३७	ब	११	५०

इस मासमें मिथुन का बुध तेजी कारक है। वायु का जोर कहीं२ अच्छी वर्षा हो चौपाया पशु तेज रहे।

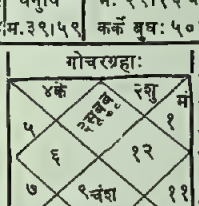

१३पं.आ.शु.१४शु.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	२	१	८	९	२
२०	१	२५	२६	२०	२८	१४	२०
५०	५६	५५	५४	२३	४८	४९	२२
१०	५४	५९	२९	१३	२२	१६	१८
५७	३९	५९	१३	७३	३५	३	५६
७	५४	५३	२८	५१	ब	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं ३ ४६ उ २७ ४० वै १३ २९ कौ ३ ४६ ३४	५	१०	५०	९	१८	१५	मकरे	मृग शुक्रः १९।१८
२	मं ५ ८ श्र ३० ० वि १२ ४ ग ५ ८ १०	१०	५०	१०	१९	१६	मकरे	भ. ३५।१० उ. पुष्ये बुधः २८।१७
३	बु ५ १३ ध ३१ ४९ प्री ९ ३९ वि ५ १३ ८	१०	५०	११	२०	१७	कुं.०।५४	भ. ५।१३ या. चतुर्थी ब्र.
४	गु ४ २८ श ३२ ३२ आ ६ ३८ वा ४ २८ ७	११	४९	१२	२१	१८	कुम्भे	
५	शु २ ४० पू ३२ १० सौ ५३ ५५ ते २ ४० ५	११	४९	१३	२२	१९	मी १७।१६	नाग ५ मरुस्थले
६	श ० ११ उ ३० ५१ अ ५२ ४० व ० ११ ४	११	४९	१४	२३	२०	मीने	भ. ०।११ उ. २८।५२ या. मिथुने शुक्रः●
७	श ५७ २२ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	●५४।५६ बुधोदयः पश्चिमायाम् २४
८	र ५२ ११ रे २८ ५५ सु ४६ ४२ वा २४ ५२ ३	१२	४८	१५	२४	२१	मे.२८।५५	
९	चं ४६ ४९ अ २६ ४ धृ ३९ ५८ ते १९ ३० ०	१२	४८	१६	२५	२२	मेषे	कर्केऽर्कः ३०।३६ (सौरः ५५।३९)
१०	मं ४० ४७ भ २२ १२ शू ३२ ३१ ध १३ ४८ ३३	१२	४८	१७	२६	२३	वृ.३६।४	भ.१३।४८उ.४७या. आश्ले. बुधः२४।५७
११	बु ३३ ५२ कृ १७ ३९ गं २४ २७ ब ७ २० ५६	१३	४७	१८	२७	२४	वृषे	कामिका ११ ब्र.
१२	शु २६ २० रो १२ २९ वृ १५ ४७ कौ ० १० ५४	१३	४७	१९	२८	२५	मि ३९।३८	पुष्ये रविः ५९।५३ प्रदोषः
१३	शु १८ ५१ मृ ६ ४८ ध्रु ५२ ५२ व १८ ४५ ५२	१४	४६	२०	२९	२६	मिथुने	भ. ३६ उ. ६४ या. पुष्ये रविः सौरः ३६×
१४	श ११ ६ आ ४२ ५५ ह ४९ ३७ श ११ ६ ५०	१४	४६	२१	३०	२७	क.४२।३७	×आर्द्रा. शुक्रः ३६ पुन. ४ कर्के गुरुः ५३
३०	र ४ ८ पु ५१ ८ व ४१ ५२ ना ४ ८ ४७	१५	४५	२२	३१	२८	कर्के	हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.५शु.इ.५३।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	२	१	८	९	२
२७	६	१०	२८	२८	२८	१४	२७
३०	२८	३	२८	४५	१७	२७	७
३२	३५	२६	५२	१८	२४	०	२५
५७	३९	५९	१३	७३	४०	३	५६
११	७	४६	४८	१४	ब	११	५४

श्रा. कृ. ९ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४न.६ प्रौढ़ावस्था. (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो.पू.।

१५पं.श्रा.कृ.१३शु.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	३	२	८	९	३
४	११	२२	०	३	२७	१४	३
११	१४	४६	२	१०	३६	४	४५
१७	१३	१९	२८	१२	१२	४४	५२
५७	२८	०	१३	७३	४०	३	५६
१५	३०	५३	२८	२२	ब	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्मणः६३१८सन्१९९०
१	र ५४ २	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं ५३ ३९	श्ले ४९ १९	सि ३५ ५	बा २५ ५४	३३ ४५	१५ ४५	२३ १	२९	सिं४९।१९ चन्द्रदर्शनम् रा. श्रावणारम्भः सिंघारा
३	मं ५१ ९	म ४८ २७	ब्य २९ ४०	ते २२ २४	४२ १६	४४ २५	२ १		भरण्यां भौमः ९।२८ तीज मोहोरम १●
४	बु ५० ३२	पू ४९ १४	च २५ ४६	ब २० ५०	४० १६	४४ २५	३ २		सिंहे भ ५० उ. ५३ या. मघा सिंहे बुधः ३६×
५	गु ५१ ५३	उ ५२ ९	च २३ २९	ब २१ १२	३७ १७	४३ २६	४ ३	कं.४।५८	नाग पंचमी उपाकर्मः
६	शु ५५ ५	ह ५६ ५३	शि २२ ५९	कौ २३ २९	३५ १७	४३ २७	५ ४		कन्यायां उदयं गुरोः ४५।३६ उ. गु.
७	श ५९ ५१	चि ६० ०	स्वि २३ १९	ग २७ २८	३२ १८	४२ २८	६ ५		तु.२९।५९ भ. ५९।५१ उ. ●सन् १४११ हि.
८	र ६० ०	चि ३ ४३	सा २५ १०	वि ३२ ४२	२९ १८	४२ २९	७ ६		तुलायां भ. ३२।४२ या. ×वरद ४
९	चं ५ ३४	स्वा १० ५	शु २७ ६	व ५ ३४	२६ १९	४१ ३०	८ ७		तुलायां +श्रवणे १ राहुः पुष्ये ३ केतुः ५३ प्रदोषः
१०	मं ११ ५२	वि १७ ४३	शु २९ ४३	कौ ११ ५२	२३ १९	४१ ३१	९ ८		वृ.०।४८ पुन. शुक्रः ३३।४
११	बु १७ ५३	अ २५ ११	ज्ये ३२ १६	ग १७ ५३	२१ २०	४० १	१० ९		वृश्चिके भ. ५०।४१ उ अगस्त मा. ८ ता. ३१
१२	गु २३ ३०	ज्ये ३२ १६	पू ३४ ४	वि २३ ३०	१८ २०	४० २	११ १०		धनुषि भ ३३ या आश्ले. रविः ५६ पविश्रा ११ व्र.
१३	शु २८ २	मू ३७ ५६	वै ३५ १२	बा २८ २	१५ २१	३९ ३	१२ ११		आश्ले. रविः सौरः २७ पूफा. बुधः ३७+
१४	श ३१ १५	पू ४२ ३४	वि ३५ २२	ते ३१ १५	१३ २२	३८ ४	१३ १२		पुष्ये १ गुरुः ३९।१५ म.५८।२२
१५	र ३२ ५५	उ ४५ ४९	प्री ३४ १६	ग २ ५	९ २२	३८ ५	१४ १३		मकरे भ. ३२।५५ उ. वक्री पूषा. ४ शनिः ४७
१५	चं ३३ १६	श्र ४७ ४१	आ ३२ १४	वि ३ ५	६ २३	३७ ६	१५ १४		मकरे भ. ३।५ या. रक्षाबं ग्रस्तोदयं चंद्रग्रहणम्

१६पं.श्रा.शु. ६ शु इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	३	२	८	९	३
१७	१५	४	१	१५	१७	१३	१७
५२	४८	२	३६	३७	१६	४२	२५
१९	४	२६	४७	८	१	२९	९
५७	२७	९०	१३	७३	२५	३	५७
२०	२३	५१	२२	३७	३	११	५

गोचरग्रहाः

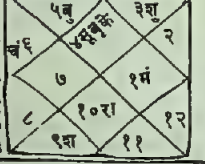

मिथुने च यदा शुक्रो महर्घं तत्र जायते। यवगोधूम चणकाः शालिश्चैव विशेषतः॥ घटाबढ़ी के साथ तेजी हो।

गोचरग्रहाः

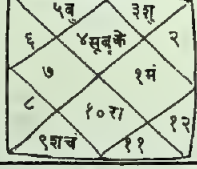

१७पं.श्रा.शु.१२ शु इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	३	२	८	९	३
१७	२०	१३	३	२४	२६	१३	१७
२४	१०	५१	९	६	४७	२०	४
१	३६	२९	४३	२२	५३	१४	५७
५७	३६	७३	१३	७३	४	३	५७
२५	५५	३१	२६	५०	४	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ३२ ९	ध ४८ १६	सो २९ १०	बा २ ४२	३३ २३	५ ३७	७ १६	१५	कुं.१७।५९
२	बु ३० १०	श ४७ ४६	शो २५ ५	ते १ १०	० २४	३६ ८	१७ १६		कुम्भे भ. ५८।३२ उ. कर्के शुक्रः ४५।२७
३	गु २६ ५५	पू ४६ २८	अ २० १९	वि २६ ५५	३३ २५	३५ ९	१८ १७		मी ३१।४७ भ. २६।५५ या. चतुर्थी व्र.
४	शु २३ १२	उ ४४ २६	मु १४ ५६	बा २३ १२	५३ २५	३५ १०	१९ १८		मीने
५	श १८ ५६	रे १२ १	भृ ८ ५०	ते १८ ५६	४० २६	३४ ११	२० १९		मे.४२।१ पुष्ये शुक्रः ३६।२६ चन्द्रषष्ठी
६	र १४ २६	अ ३९ १०	श ३७ ३२	व १४ २६	४७ २७	३३ १२	२१ २०		मेषे भ. १४।२६ उ. ४१।५९ या.
७	चं ९ ३१	भ ३६ ५	वृ ४९ २०	ब ९ ३१	४३ २७	३३ १३	२२ २१		वृ.५०।१६ जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	मं ४ २२	कृ ३२ ४६	घ्रु ४२ २४	कौ ४ २२	४० २८	३२ १४	२३ २२		वृषे कृत्ति. भौमः ४५ जन्माष्टी व्र. वै. गोगा९
९	मं ५५ ३७	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०		०
१०	बु ५३ १६	रो २९ १७	ज्या ३५ ९	व २६ ३७	३६ २९	३१ १५	२४ २३		मि५७।१८ भ. २६।३७ उ. ५३।१६ या.
११	गु ४७ २०	मृ २५ २०	ह २७ ५०	ब २० १८	३३ २९	३१ १६	२५ २४		मिथुने मघा. सिंहेऽर्कः ५९ उका. बुधः १९ अजा●
१२	शु ४१ ३४	आ २१ ४३	व २० २८	कौ १४ २७	२९ ३०	३० १७	२६ २५		मिथुने मघा. सिंहेऽर्कः सौरः २३।३४ वत्स द्वादशी
१३	श ३६ १४	पु १८ ७	सि १३ १२	ग ८ ५४	२६ ३१	२९ १८	२७ २६	क. ४।१	भ ३६।१४ उ. प्रदोषः ●११ व्र.
१४	र ३१ २९	पु १५ ५	ब्य ६ २५	वि ३ ५१	२२ ३२	२८ १९	२८ २७		कर्के भ. ३।५१ या. ×कुशाग्रहणी स मवती
१५	चं २७ ४९	श्ले १२ ३८	व १९ ५३	ना २७ ४९	१९ ३२	२८ २०	२९ २८		सि१२।३८ वृषे भौमः ३८।३६ पुष्ये २ गुरुः ३।२२×

१८पं.भा.कृ.४शु.इ.५३।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	३	३	८	९	३
२४	२४	२०	४	२	२६	१२	२६
१६	२४	५८	४१	३७	२०	५१	४६
२६	२२	४८	२४	२३	६	०८	४
५७	३५	५३	१३	७३	४	३	५७
३	२२	५७	२०	५६	च	११	२२

गोचरग्रहाः

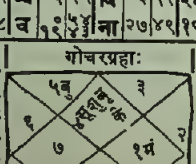

भा. कृ ११ गुरौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न.५ गतालकावस्था (ऊर्ध्वा) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुकोद. पू.।

गोचरग्रहाः

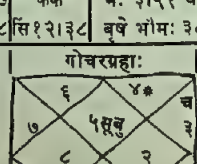

१९पं.भा.कृ.१२ शु.इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	३	३	८	९	४
०	२८	२७	६	११	२५	१२	०
५९	२६	२२	११	१०	५३	२५	२८
४९	१०	५९	२८	१३	८	४२	१७
५७	२४	२७	१३	७३	३	३	५७
४०	०	३७	८	२	च	११	३४

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३४७स.१९९०
१	मं	२५	३३	म	११	४०	शि	५०	५६	व	२५	३३	३२/१५	५/३३	६/२७	२१	३०	२९	सिंहे	
२	बु	२४	५०	पू	१२	२२	सि	४७	५६	कौ	२४	५०	११	३४	२६	२२	३१	३०	कं.२७।५३	आश्ले. शुक्रः २३।१० चन्द्रदर्शनम्
३	गु	२५	४८	उ	१४	२९	सा	४६	४१	ग	२५	४८	८	३४	२६	२३	१	१	कन्यायां	भ. ५६।४ उ. वक्री बुधः ५१।३५ रा.●
४	शु	२६	२०	ह	१८	१३	शु	४६	४	वि	२६	२०	४	३५	२५	२४	२	२	तु.५०।५३	भ. २६।२० या. गणेश चतुर्थी
५	श	३२	५२	चि	२३	३३	शु	४७	३	बा	३२	५२	०	३६	२४	२५	३	३	तुलायां	ऋषि ५ ×पश्चिमायाम् ३४।३२
६	र	३८	११	स्वा	२९	३८	ब्र	४८	५४	कौ	५	३१	३१/५६	३७	२३	२६	४	४	तुलायां	●भाद्रपदारंभः हरितालिका ३ सफर २
७	चं	४४	२५	वि	३७	१७	ऐं	५१	११	ग	११	१८	५२	३८	२२	२७	५	५	वृ.२०।२२	भ. ४४।२५ उ.
८	मं	५०	३६	अ	४५	८	वै	५३	३५	वि	१७	३०	४८	३८	२२	२८	६	६	वृश्चिके	भ. १७।३० या.
९	बु	५६	२४	ज्ये	५२	१७	वि	५५	५१	बा	२३	३०	४४	३९	२१	२९	७	७	ध.५२।१७	
१०	गु	६०	०	मू	५८	४९	प्री	५७	३१	तै	२८	३६	४०	४०	२०	३०	८	८	धनुषि	पूफा. रविः ४०।२६ राममेवजी का मेला
१०	शु	१	९	पू	६०	०	आ	५८	१	ग	१	९	३६	४१	१९	३१	९	९	धनुषि	भ. ३२/५७ उ. पूफा. रविः सौरः १४/२६ बुधास्तः×
११	श	४	४५	पू	३	४४	सौ	५७	१८	वि	४	४५	३२	४२	१८	१	१०	१०	म.१९।४१	भ ४/४५ या. वक्री पूफा. बुधः १६/४९ सितम्बर+
१२	र	६	२५	उ	७	२६	शो	५५	१६	बा	६	२५	२८	४२	१८	२	११	११	मकरे	मघा. सिंहे शुक्रः १२।४४ प्रदोषः
१३	चं	७	३१	श्र	९	२६	अ	५१	५१	तै	७	३१	२५	४३	१७	३	१२	१२	कु.३९।१९	+मा. ९ ता. ३० जलझूलनी ११ व्र.
१४	मं	४	४२	ध	९	२२	सु	४७	९	व	४	४२	२१	४४	१६	४	१३	१३	कुम्भे	भ. ४/४२ उ. ३३/५ या अनन्त १४ महालयश्रा.
१५	बु	१	२८	श	८	१	धृ	४१	१३	व	१	२८	१७	४५	१५	५	१४	१४	मी५१।११	पुष्ये ३ गुरुः ३२।३२

२०पं.भा.शु.४शु.इ.५२।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	३	३	८	९	४
७	२	२९	७	१९	२५	१२	७
४४	१५	५०	३९	४४	३६	१३	११
१०	४३	२४	५८	४६	७	२७	४८
५७	३२	४३/४३	१२	७४	५/४४	३	५७
४९	५८	व	४७	४	व	११	४५

गोचरग्रहाः

६च ४+ ७ ५सूबु ३ ८ २मं श ९ ११ १ १० रा १२

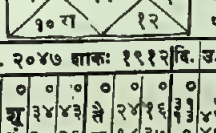

इस मासमें कहीं वर्षा अधिक कहीं कम होगी। कर्क गुरौ अनावृष्टि देशभंगो महर्घता। कर्कका गुरु नेष्ट फल करे।

गोचरग्रहाः

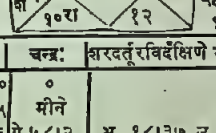

६ ४● ७ ५सूबु ३ ८ २मं चं श ९ ११ १ १०रा १२

२१पं.भा.शु.१० शु.इ.५३/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	३	३	८	९	४
१४	५	२६	९	२८	२५	११	१३
२९	५२	५८	५	२१	१९	५१	५७
५६	५	२६	२४	०	१२	११	०
५८	३१	४५/५३	१२	७४	२/१०	३	५७
१	२४	व	२०	१४	व	११	५७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५५	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५१	३८	पू	५	३४	शु	३४	४३	तै	२४	१६	३१/१३	५/४५	६/१५	६	१५	१५	मीने	
३	शु	४५	३७	उ	१/५०	५६/७	गं	२७	२६	व	१८	३७	९	४६	१४	७	१६	१६	मे.५८।२	भ. १८।३७ उ. ४५।३७ या.
४	श	३९	३२	अ	५३	५४	वृ	१९	५१	ब	१२	३४	५	४७	१३	८	१७	१७	मेषे	चतुर्थी व्र.
५	र	३३	२५	भ	४९	२८	ध्रु	१२	१२	कौ	६	२८	१	४८	१२	९	१८	१८	मेषे	रोहि. भौमः ३२।५
६	चं	२७	४६	कृ	४५	५७	व्या	४/४२	५२/३२	ग	०	३५	३०/५७	४९	११	१०	१९	१९	वृ.३।३५	भ. २७।४६ उ. ५५।७ या.
७	मं	२२	२७	रो	४२	३१	व	४९	५७	व	२२	२७	५३	४९	११	११	२०	२०	वृषे	
८	बु	१७	१५	मृ	३९	१३	सि	४३	८	कौ	१७	१५	४८	५०	१०	१२	२१	२१	मि१०।५२	
९	गु	१२	३४	आ	३६	४३	व्य	३६	४३	ग	१२	३४	४४	५१	९	१३	२२	२२	मिथुने	भ. ४०/२२ उ. उफा. रविः ३४/४६ (सौरः ५९/४)●
१०	शु	८	११	पु	३४	३५	व	३०	३७	वि	८	११	४०	५२	८	१४	२३	२३	क.२०।७	भ. ८।११ या. ●पूफा. शुक्रः ०।४८
११	श	४	३०	पु	३२	५	प	२४	५५	बा	४	३०	३६	५३	७	१५	२४	२४	कर्के	बुधोदयः पूर्वस्याम् ३९/४५ इन्दिरा ११ व्र.
१२	र	१	२९	श्ले	३१	५३	शि	१९	५२	तै	१	२९	३२	५४	६	१६	२५	२५	सिं३१।५३	भ.५९।१८उ. कन्यायामर्कः ५०।७ प्रदोषः
१३	र	५७	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	चं	५८	१६	म	३१	४९	सि	१५	३१	वि	२८	४७	२८	५४	६	१७	२६	२६	सिंहे	भ. २८।४७ या. कन्यायामर्कः सौरः २४/१५×
२०	मं	५८	२२	पू	३३	४	सा	१२	२	च	२८	१९	२४	५५	५	१८	२७	२७	कं.४८।४०	सर्वपितृश्राद्धम् ×मार्गी बुधः ३२।५४

२२पं.आ.कृ.३शु.इ.५२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	३	४	८	९	४
२१	९	२१	१०	६	२५	११	२०
१६	१३	५३	२८	५९	६	१८	४३
५५	[illegible]	२	५	२८	५४	५६	४०
[illegible]	[illegible]	६९/३०	१२	७४	३१/१	३	५८
[illegible]	[illegible]	व	२	२०	व	११	१२

गोचरग्रहाः

६ ४केबृ ७ ५सूबुशु ३ ८ २मं श ९ ११ १ १०रा १२चं

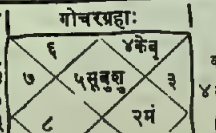

आ.कृ. १२ रवौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ४ नं. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

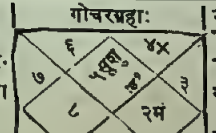

६ ४× ७ ५सूबु शु ३ ८ २मं श ९ ११ १ १०रा १२

२३पं.आ.कृ.१० शु.इ.५२/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	३	४	८	९	४
२८	१२	१६	११	१५	२४	११	२०
५	१७	१४	४७	३८	५९	६	३२
२४	४२	२०	२८	२८	२४	४०	१
५८	२९	२८/५६	११	७४	४/४३	३	५८
२६	१९	व	२५	२६	व	११	२९

+बृशुके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ●बृशुके ×चंबृके

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३७६ स. १९९०
१	बु ५९ ४७ उ ३५ २८ शु ९ २५ किं २९ ४	३०	५	६	१९	२८	२८	कन्यायां	मातामहश्रा. नवरात्रारम्भः
२	गु ६० ० ह ३९ २२ शु ८ ६ बा ३१ ४५	१६	५७	३	२०	२९	२९	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम् ●रा. आश्विनारंभः
२	शु ३ ४३ चि ४३ ५६ ब्र ७ १७ कौ ३ ४३	१२	५८	२	२१	३०	१	तु. ११।३९	रविलावल ३
३	श ७ ३ खा ५० २० ऐं ७ ५८ ग ७ ३	८	५८	२	२२	३१	२	तुलायां	भ. ३९।४१ उ. मार्गी शनि. ४१।४०
४	र १२ २० वि ५७ ११ वै ९ ७ वि १२ २०	४	५९	१	२३	१	३	वृ. ४०।२८	भ १३/२०या. उफा. शुक्रः ३४/३० पुष्ये ४ गुरुः ५३/५४●
५	चं १८ ३१ अ ६० ० वि ११ ५ बा १८ ३१	३००	६	६	२४	२	४	बृश्चिके	
६	मं २४ ५२ अ ४ ५० प्री १३ ४१ तै २४ ५२	२९५५	६	५९	२५	३	५	बृश्चिके	×बुधास्तः पूर्वस्यां ५७।७ शरद् १५ वै.
७	बु ३१ ० ज्ये १२ २० आ १५ ५५ द ३१ ०	५१	२	५८	२६	४	६	ध. १२।२०	भ. ३१/०उ.कन्यायांशुक्रः २५/० सरस्वत्यावाहनं
८	गु ३६ २८ मू १९ ३२ सौ १८ ११ वि ३ ४४	४७	३	५७	२७	५	७	धनुषि	भ. ३।४४ या. हस्ते रविः १३/३ (सौरः ३६/४५)
९	शु ४० ३२ पू २५ २९ शो १९ ११ बा ८ ३०	४३	३	५७	२८	६	८	म. ४१।३८	सरस्वती पूजनम् बलिदानं
१०	श ४३ ४ उ ३० ६ अ १९ ३० ते ११ ४८	३८	४	५६	२९	७	९	मकरे	उफा बुधः ५७/३४ विजया १० सरस्वती विस.
११	र ४३ ४२ श्र ३२ ५४ सु १८ २३ द १३ २३	३४	५	५५	३०	८	१०	मकरे	भ. १३।२३ उ. ४३।४२ या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	चं ४२ ११ ध ३३ ४७ धृ १५ ३७ द १२ ५६	३०	६	५४	१	९	११	कु. ३।२०	**अक्टूबर मा. १० ता. ३१**
१३	मं ३८ ५१ श ३२ ३४ शू ११ १९ कौ १० ३१	२६	७	५३	२	१०	१२	कुम्भे	कन्यायां बुधः ११।१९ प्रदोषः
१४	बु ३३ ३८ पू २९ ४६ गं २७ ५२/५० ग ६ १५	२२	८	५२	३	११	१३	मी १५।२८	भ. ३३।३८ उ. कोजागरी व्र. शरद् १५ स्मा
१५	गु २७ १३ उ २५ २३ द्यु ५० ७ वि ० २५	१८	८	५२	४	१२	१४	मीने	भ. ०।२५ या. हस्ते शुक्रः २७।०×

२४पं.आ.शु.२शु.इ.५२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	४	३	४	८	९	५
४	१४	१७	१३	२४	२४	१०	४
५५	५५	२८	३	१९	५६	४४	२२
१९	५९	२६	२२	३७	१०	२४	८
५८	२३	४६/४५	१०	७४	०/०	३	५८
३८	३५	मा ५३	२६	च ११	४५		

गोचरग्रहाः

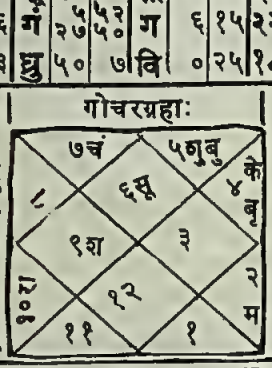

वृषराशिका मंगल मंदीको रोकेगा। वृष राशौ यदा भौमः सर्व धान्य महर्घता। चंदनं कुंकुंम वस्त्रं कांपासादि महर्घता॥

गोचरग्रहाः

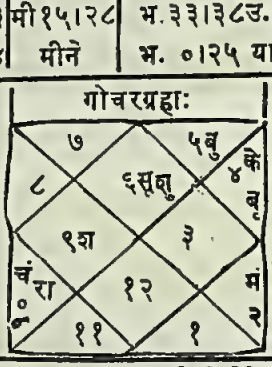

२५पं.आ.शु. ९शु.इ.५२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	४	३	५	८	९	५
११	१७	२५	१४	३	२४	१०	११
४६	८	२	१३	२	५८	२२	१७
५५	४२	१०	५९	३१	५	९	१०
५८	१९	८९	१०	७४	४/४	३	५९
५३	४७	४३	१०	२६	मा	११	०

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतुं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु १९ ४३ रे २० ३ ब्या ४१ १५ कौ १९ ४३	२९	६	५१	५	१३	१५	मे. २०।३	उषा. ४ राहुः पुष्ये २ केतुः ४९।४६
२	श १२ ४ अ १४ ११ ह ३१ ५९ ग १२ ४	१०	५०	६	१४	१६		मेषे	भ. ३८।३ उ.
३	र ४ २ भ ८ १४ व २२ ३७ वि ४ २	६	११	४९	७	१५	१७	वृ. २१।५१	भ. ४।२ या. हस्ते बुधः ५९।१७ चतुर्थी व्र.
४	र ५२ ३० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
५	चं ४९ ४३ कृ ४०/२ ५४/५९ सि १३ ४५ कौ २३ ७	२	१२	४८	८	१६	१८	वृषे	
६	मं ४३ ४० मृ ५३ २३ ब्य ७/५ ५३/७ ग १६ ४१	२८	१२	४८	९	१७	१९	मि २५।३१	भ. ४३।४० उ.
७	बु ३८ ३५ आ ५० ४ प ५० १ वि ११ ७	५४	१३	४७	१०	१८	२०	मिथुने	भ. ११।७ या. चित्रायां रविः ३५।१४
८	गु ३४ २५ पु ४७ ५५ शि ४३ ५६ बा ६ ३०	५०	१४	४६	११	१९	२१	क. ३३।२७	चित्रा. रविः सौरः २१/५ शुक्रास्तः ×शु.अ.पू.
९	शु ३१ २९ पु ४६ ४६ सि ३८ २९ ते २ ५७	४६	१५	४५	१२	२०	२२	कर्के	
१०	श २९ ३० श्ले ४६ ४३ सा ३४ ६ व ० २९	४२	१६	४४	१३	२१	२३	सिं ४६।४३	भ. ०।२९ उ. २९।३० या.
११	र २८ ४१ म ४७ ३६ शु ३० १९ बा २८ ४१	३८	१६	४४	१४	२२	२४	सिंहे	रमा ११ व्र. ×पूर्वस्यांम् १२।३६
१२	चं २९ २ पू ४९ ४८ शु २७ ३१ ते २९ २	३४	१७	४३	१५	२३	२५	सिंहे	चित्रा. बुधः ३५/४८ चित्रा शुक्रः ४६ आश्ले.●
१३	मं ३० २० उ ५२ ५६ ब्र २५ ३५ व ३० २०	३०	१८	४२	१६	२४	२६	कं. ५।३५	भ. ३०।२० उ. प्रदोषः घन १३
१४	बु ३२ ५३ ह ५७ ९ ऐं २४ ४२ वि १ ४२	२६	१९	४१	१७	२५	२७	कन्यायां	भ. ३१/२ या. तुलायामर्कः १९/० सौरः ५३/५४ रूप १४
३०	गु ३६ ३१ चि ६० ० वै २४ ३१ च ४ ३६	२२	२०	४०	१८	२६	२८	तु. २९।४३	महालक्ष्मी पूजनम् ●१ गुरुः १५।३५

२६पं.का.कृ.१शु.इ.५१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	३	५	८	९	५
१८	१८	६	१५	११	२५	९	१८
४०	५२	२०	१९	४५	४	५९	७
८	३७	३५	२३	३२	३०	५३	५७
५९	१६	८/९	९	७४	१	३	५९
९	१३	२४	२९	२२	२६	११	१६

गोचरग्रहाः

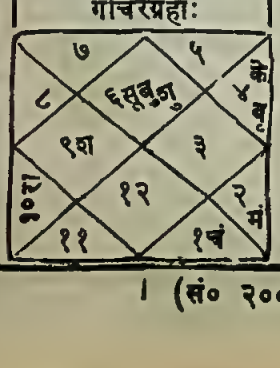

का.कृ. १४ बुधे तुलायामर्कः प्र.वा.४ न.४ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो पू।

गोचरग्रहाः

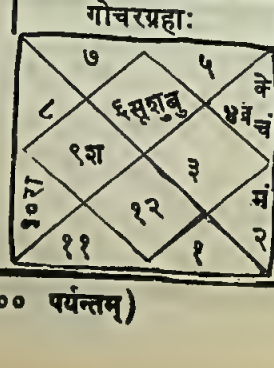

२७पं.का.कृ.९शु.इ.५१।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	३	५	८	९	५
२५	२०	१८	१६	२०	२५	९	२५
३५	२	७७	१९	३१	१५	३७	३
६	२	५६	२५	५५	२२	३८	३९
५९	१०	८/०	८	७४	२	३	५९
२१	२६	२९	३५	३२	६	११	२१

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४०६ सन् १९९०
१	शु ४१ ७ चि २ १७ वि २४ ४९ किं ८ ४९	२८	६	५	१९	२७	२९	तुलायां	तुलायां बुधः २०।७ अन्नकूट गोवर्द्धनपूजः
२	श ४६ ३७ स्वा ८ ४१ प्री २६ २२ वा १३ ५२	१४	२१	३९	२०	२८	३०	बृ.५८।४०	तुलायां शुक्रः २७।२७ चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २
३	र ५२ ५५ वि १५ २० मा २८ ९ तै १९ ४६	१०	२२	३८	२१	२९	१	वृश्चिके	रविलाखर ४
४	चं ५९ २६ अ २२ ५८ सौ ३० १९ व २६ ५	६	२३	३७	२२	३०	२	वृश्चिके	भ. २६।५ उ. ५९।२६ या.
५	मं ६० ० ज्ये ३० ३४ शो ३२ ५० ब ३३ ६	२	२४	३६	२३	१	३	ध.३०।३४	स्वात्यां बुधः ८।३७ रा. कार्तिकारम्भः
५	बु ५ ४७ मू ३८ ४३ अ ३५ २२ मा ५ ४७	२९	२४	३६	२४	२	४	धनुषि	स्वात्यां रविः १।२ (सौरः ३१।२)
६	गु ११ ४३ पू ४४ ५९ सु ३७ ११ तै ११ ४३	५४	२५	३५	२५	३	५	धनुषि	स्वात्यां शुक्रः ४५।४३
७	शु १६ २२ उ ५० ४० धृ ३८ २ व १६ २२	५०	२६	३४	२६	४	६	म.१।२४	भ. १६।२२ उ. ४८।१२ या.
८	श २० २ श्र ५४ ४७ शू ३८ ९ ब २० ३	४६	२७	३३	२७	५	७	मकरे	वक्री भौमः ४०।४२ गोपाष्टमी
९	र २१ ५१ ध ५७ १३ गं ३६ ३७ कौ २१ ५१	४२	२८	३२	२८	६	८	कुं.२६।०	अक्षय ९
१०	चं २१ ३४ श ५७ २६ वृ ३३ ३७ ग २१ ३४	३९	२८	३२	२९	७	९	कुम्भे	भ. ५०।२३ उ.
११	मं १९ १३ पू ५५ ४६ ध्रु २८ ५१ वि १९ १३	३५	२९	३१	३०	८	१०	मी४१।११	भ.१९।१३या. प्रबोधिनी ११ व्र. तुल. वि.
१२	बु १४ ४७ उ ५२ १४ ध्या २२ ३५ वा १४ ४७	३१	३०	३०	३१	९	११	मीने	विशा. बुधः ३१।३४ प्रदोषः
१३	गु ८ ३४ रे ४६ ५५ ह १४ ४४ तै ८ ३४	२७	३१	२९	१	१०	१२	मे.४६।५५	नवम्बर मा. ११ ता. ३० वकुंठ १४
१४	शु ० ४७ अ ४० २९ व ३७ ५१ व ० ४७	२४	३१	२९	२	११	१३	मेषे	भ. ०।४७ उ. २६।२९ या.
१५	शु ५१ २३ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	

२८पं.का.शु.१शु.इ.५१।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	३	५	८	९	६
२	२०	०	१७	२९	२५	९	२
३१	३५	५५	१४	१५	३१	१५	१
३४	१०	८	६	२९	८	२२	७
५९	७	५९	७	७४	३	३	५९
३४	१४	५९	३४	३२	४७	११	४९

२९पं.का.शु.७शु.इ.५१।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	३	६	८	९	६
९	२०	१२	१८	८	२५	८	९
२९	२२	३५	०	१	५१	५३	०
४९	८	४२	४	४४	११	६	२७
५९	०	०	६	७४	३	३	६०
४७	४०	५३	३७	३८	२७	११	२

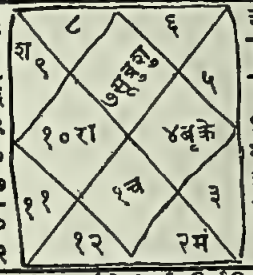

३०पं. का.शु.१४ शु.इ.५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	३	६	८	९	६
१६	१९	२३	१८	१६	२६	८	१६
२९	२६	५१	३९	४८	१६	३०	१
३८	२	११	३६	७	३०	५१	३१
६०	५	५९	५	७४	४	३	६०
४	८	१८	२४	३७	८	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तुः रविर्दक्षिणे कार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श ४२ ५९ म ३३ २१ व्य ४५ १६ वा १७ ३५	२७	६	५	३	१२	१४	बृ.४६।३१	
२	र ३३ ४४ कृ २६ ० ध ३४ ४१ तै ८ २१	१६	३३	२८	४	१३	१५	वृषे	भ. ५९।२० उ.
३	चं २४ ५७ रो १८ ५४ प २४ १३ वि २४ ५७	१३	३३	२७	५	१४	१६	मि४५।४४	भ.२४।५७या. विशा. शुक्र. ३५ चतुर्थी व्र.
४	मं १६ ५६ मृ १२ ३४ शि १४ ३५ वा १६ ५६	९	३४	२६	६	१५	१७	मिथुने	विशा.रविः ३१ सौरः ४६ वृश्चिके बुधः ५३
५	बु १० २६ आ ७ २१ सि ३४ ५३ तै १० २६	६	३५	२५	७	१६	१८	क.४९।३१	
६	गु ५ २ पु ३ ३३ शु ५१ १७ व ५ २	२	३६	२४	८	१७	१९	कर्के	भ.५।२उ.३३।११या. अनु.बुधः ५७।२५●
७	शु १ २० पु १ २३ शु ४६ ४ ब १ २०	२६	३६	२४	९	१८	२०	कर्के	
८	शु ५७ ५४ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
९	श ५८ ३८ श्ले ० ४७ ब्र ४२ ६ तै २८ ५६	५३	३७	२३	१०	१९	२१	सिं०।४७	
१०	र ५९ ४० म १ २९ रें ३९ ११ व २९ ९	५६	३७	२३	११	२०	२२	सिंहे	भ. २९।९ उ. ५०।४० या.
११	चं ६० ० पू ३ ४८ वै ३७ ३८ ब ३० ४८	४९	३८	२२	१२	२१	२३	कं.१९।४५	बुधोदयः प.४७।३५ उत्पत्ति ११ व्र. स्मा
११	मं ४ ५६ उ ७ ३७ वि ३७ ४ वा १ ५६	४६	३९	२१	१३	२२	२४	कन्यायां	बृश्चिके शुक्रः २३।१८ उत्पत्ति ११ व्र. वै.
१२	बु ५ २२ ह १२ २७ प्री ३७ २६ तै ५ २२	४३	३९	२१	१४	२३	२५	तु.४५।२२	प्रदोषः ●उषा. १ शनिः ४३।९
१३	गु ९ ५३ चि १८ १८ आ ३८ १७ व ९ ५३	४०	४०	२०	१५	२४	२६	तुलायां	भ.९।५३उ.४२।३२या. अनु.शुक्रः५८।५९
१४	शु १५ ११ स्वा २४ ५६ सो ३९ ५१ श १५ ११	३७	४१	१९	१६	२५	२७	तुलायां	वृश्चिकेऽर्कः १७।२७ (सौरः ४२।४८)
१५	श २१ ३ वि ३१ ५२ शो ४१ ३४ ना २१ ३	२४	४१	१९	१७	२६	२८	वृ.१५।८	ज्येष्ठा. बुधः ४२।५८

३१पं. मा.कृ.७शु.इ.५१।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	७	३	६	८	९	६
२३	१७	४	१९	२५	२६	८	२३
३०	४८	४५	१०	२६	४५	८	४
५८	११	५०	५२	११	१८	२५	७
६०	२५	९६	४	७४	४	३	६०
१७	ब	१	१३	३८	४१	११	३०

गोचरग्रहाः

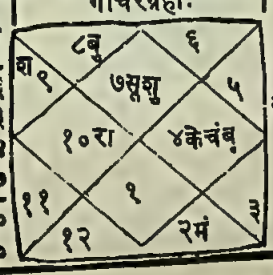

मा. कृ. १४ शुक्रे बृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३ न.३अतिबन्ध्यावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

३२पं. मा.कृ.१४ शु.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	३	७	८	९	७
०	१५	१५	१९	४	२७	७	०
३३	१३	२०	३२	२३	१६	४६	८
४७	३८	६	४२	४२	१	२०	११
६०	२५	९१	३	७४	५	३	६०
३०	ब	५८	१	३२	८	११	४०

तिथि: मार्गशीर्षं शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२ | दि. उ. अ. | इं. रा. मु. | चन्द्रः हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४३६स.१९९०

| | | |

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्ततौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ६४६६ स. १९९०
१	मं १५ २३ मू ९ ५० वृ ६० ० ब १५ २३	३५	६	५	१८	२७	२९	धनुषि	
२	बु २१ २ पू १६ ४४ वृ १ २२ को २१ २	३७	५३	७	१९	२८	३०	म. ३३।१७	बुधास्त. पश्चिमायाम् ५।४१ चंद्रदर्शनम्
३	गु २६ १ उ २२ ५४ धु २ ३५ ग २६ १	३६	५३	७	२०	२९	१	मकरे	भ. ५७।८ उ. वक्री मूले बुधः ३२।२९●
४	शु २९ ५६ श्र २८ १८ श्रा ३ ५ वि २९ ५६	३६	५३	७	२१	३०	२	मकरे	भ. २९।५६ या.
५	श ३२ ५५ ध ३२ ३२ व ३ १ ब १ २५	३६	५३	७	२२	१	३	कुं. ०।२५	रा.पौषारंभः ●जमादिलाखर ६
६	र ३४ २८ श ३५ २५ ह २ ५ को ३ ४१	३६	५३	७	२३	२	४	कुंभे	
७	चं ३४ ४२ पू ३७ ४ सि ० ५६ ग ४ ३५	३६	५३	७	२४	३	५	मी २१।३९	भ. ३४।४२ उ.
८	मं ३३ १० उ ३७ १२ व ५२ ५ वि ३ ५६	३७	५३	७	२५	४	६	मीने	भ. ३।५६ या. ×पुत्रदा ११ व्र.
९	बु ३० ११ रे ३५ ३३ प ४५ ५४ बा २ ४०	३७	५३	७	२६	५	७	मे. ३५।३३	
१०	गु २५ २० अ ३२ २२ शि ३८ ४१ ग २५ २०	३७	५३	७	२७	६	८	मेषे	भ. ५२।१५ उ. +मकरे शुक्रः ६।५५
११	शु १९ १० भ २७ ४० सि ३० ३७ वि १९ १०	३८	५२	८	२८	७	९	वृ. ४१।७	भ. १९ या. पूषा. रविः ५८ उषा. शुक्रः ३५ ३९×
१२	श ११ ३४ कृ २१ ३० सा २० ४६ बा ११ ३४	३८	५२	८	२९	८	१०	वृषे	पूषायां रविः सौरः १२।५८ प्रदोषः
१३	र २ ५९ रो १४ २६ शु २६ ४९ ९२ तै २ ५९	३९	५२	८	३०	९	११	मि ४०।४३	भ. ५३।३७ उ. बुधोदयः पूर्वस्याम् २।४६
१४	र ५० ३८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०				०			
१५	चं ४४ ३ मृ ६ ५९ ब्र ४८ ३८ वि १८ ५०	४०	५२	८	३१	१०	१२	मिथुने	भ १९ या. वक्री ज्येष्ठा. वृश्चिके बुधः १६ ५० +

३७पं. पौ.शु. ४ शु.इ. ४९।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	३	८	९	९	८
६	४	११	१९	१८	०	५	५
३	५०	२६	३	२२	४३	५५	४६
२९	३१	१७	३६	५९	३७	२	२३
६१	१०	१८	५५	७४	६	३	६१
४	व	ब	ब	२६	५६	११	२२

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ सोमवार श्रेष्ठ हैं। सोमस्यपंचवाराः स्युः यत्रमासेभवन्तिहि। धनधान्यं समृद्धिश्चसुखंभवति सर्वदा ।।

गोचरग्रहाः

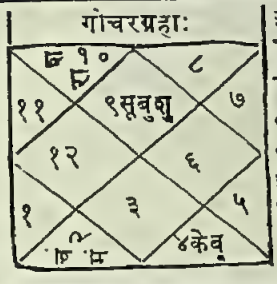

३८पं. पौ.शु. ११ शु.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	३	८	९	९	८
१३	४	२	१८	२७	१	५	१२
११	१३	४९	३०	१०	३१	३२	५६
३१	३०	५९	४	१	१	४६	१५
६१	४	५९	२०	५	७४	७	३	६१
६	ब	ब	८	२०	५	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०४७ शाकः १९१२	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतौ रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ३४ ५५ आ १९ ५३ श्रे ३८ ११ बा ९ २९	४०	५३	८	१	११	१३	क. ३९।१९	अस्तशनैः ३९ जनवरी मा. १ ता. ३१ सन्●
२	बु २६ ४१ पु ४६ १५ वै २८ १६ ते ० ४८	४१	५२	८	२	१२	१४	कर्के	भ. ५३।३९ उ. ●१९९१ ई.
३	गु २० ३७ श्ले ४१ ५० वि १९ ३७ वि २० ३७	४२	५२	८	३	१३	१५	सिं ४१।५०	भ. २०।३७ या. चतुर्थी व्र.
४	शु १४ ४५ म ३९ ४ प्री १२ २८ बा १४ ४५	४३	५१	९	४	१४	१६	सिंहे	मार्गी भौमः ९।७ मार्गी बुधः २।३८
५	श ११ ४९ पू ३८ ५० आ ६ ४८ ते ११ ४९	४४	५१	९	५	१५	१७	कं. ५४।१६	
६	र ११ ११ उ ४० ३४ सौ २ ५४ व ११ ११	४६	५१	९	६	१६	१८	कन्यायां	भ. ११ उ. ४१ या. मूले धनुषि बुधः १६ ५
७	चं १२ २३ ह ४४ १५ शो ० ४५ ब १२ २३	४७	५१	९	७	१७	१९	कन्यायां	
८	मं १५ ४० चि ४९ २९ अ ० २२ को १५ ४०	४९	५०	१०	८	१८	२०	तु. १६।५२	श्रवणे शुक्रः ५।५८
९	बु २० २३ स्वा ५५ ५९ सु ० ३६ ग २० २३	५१	५०	१०	९	१९	२१	तुलायां	भ. ५३।१९ उ.
१०	गु २६ १५ वि ६० ० धृ २ १३ वि २६ १५	५३	५०	१०	१०	२०	२२	वृ. ४६।३७	भ. २६।१५ या.
११	शु ३२ ४४ वि ३ २९ शू ४ २२ बा ३२ ४४	५४	४९	११	११	२१	२३	वृश्चिके	उषा. रविः ४९ (सौरः १४ २५) षट्तिला ११ व्र
१२	श ३९ २८ अ १० ५९ गं ६ २९ को ६ ६	५६	४९	११	१२	२२	२४	वृश्चिके	
१३	र ४६ १ ज्ये १९ ३ वृ ८ ५५ ग १२ ४४	५८	४८	१२	१३	२३	२५	ध. १९।३	भ ४६।१ उ. उषा. ३ शनिः १७ ४१ प्रदोषः
१४	चं ५१ ५१ मू २६ ८ धु ११ ६ वि १८ ५६	२६	४८	१२	१४	२४	२६	धनुषि	भ. १८।५६ या. मकरेऽर्कः १९।१३ (सौरः●
१५	मं ५७ २ पू ३२ ५२ ध्या १२ ३० च २४ २६	३	४७	१३	१५	२५	२७	म. ४९।१७	●२९ ५०) वक्री पुष्ये. ४ गुरुः ५२।५९

२९पं. मा कृ. ४ शु. इ. ४९।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	७	३	९	९	९	८
२०	४	२९	१७	५	२	५	२०
१९	१३	५६	४९	५६	१९	१०	६
३६	५५	४२	१६	४६	४८	१०	१२
६१	७	२९	१२	७४	७	३	६१
६	मा	मा	ब	२०	२४	११	२६

गोचरग्रहाः

माघ कृ. १४ चंद्रे मकरेऽर्कः प्र.वा. ३ न. ३ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प. ।

गोचरग्रहाः

४०पं. मा. कृ. ११ शु. इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	३	९	९	९	८
२७	४	३	१७	१४	३	४	२७
२७	५०	४९	१	४२	९	४८	१६
४०	४१	५९	२३	४०	१४	१५	४
६१	५	४७	३	७४	७	३	६१
६	५६	५२	ब	९	२०	११	२४

-४३ +चंशरा ●शुशरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×शुशरा

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६४९५स.१९९१
१	बु	६०	०	उ	३८	३२	ह	१३	३२	किं	२९	९	२६/५	६/४७	५/१३	१६	२६	२८	मकरे	
१	गु	१	१६	श्र	४३	१२	व	१३	४२	ब	१	१६	८	४६	१४	१७	२७	२९	मकरे	चन्द्रदर्शनम्
२	शु	४	३५	ध	४७	५	सि	१३	५	कौ	४	३५	१०	४६	१४	१८	२८	१	कुं.१५।८	धनि. शुक्रः ४३।३३ रज्जव ७
३	श	६	३९	श	४९	४५	व्य	११	४८	ग	६	३९	१२	४६	१४	१९	२९	२	कुम्भे	भ. ३७।११ उ.
४	र	७	४४	पू	५१	३८	व	९	२४	वि	७	४४	१५	४५	१५	२०	३०	३	मी३६।१०	भ.७/४४या. अभि.प्र.रविः५१/५८ पूषा. बुधः३७/१
५	चं	७	४१	उ	५२	१५	प	६	२८	बा	७	४१	१७	४५	१५	२१	१	४	मीने	अभि.प्र. रविः सौरः १।१२रा.माघारंभः●
६	मं	६	३४	रे	५१	५०	शि	२/४०	५५/१३	तै	६	३४	२०	४४	१६	२२	२	५	मे.५१।५०	●वसंत पंचमी
७	बु	४	२१	अ	५०	५	सा	५२	२	व	४	२१	२२	४४	१६	२३	३	६	मेषे	भ.४।२१उ.३२/४०या. भानु ७ पातस्पर्शः५१/१३
८	गु	०	५९	भ	४७	२०	शु	४५	२२	ब	०	५९	२५	४३	१७	२४	४	७	मेषे	श्रवणेरविः२८/२१(सौरः१७/९)कुंभे शुक्रः२/२०×
९	गु	५५	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	शु	५०	४९	कृ	४३	२१	शु	३७	२९	तै	२३	४०	२७	४३	१७	२५	५	८	वृ.१।२०	अभि. नि. रविः ०।५० (सौरः ९।२५)
११	श	४४	५	रो	३८	२५	ब्र	२८	५९	व	१७	२७	३०	४२	१८	२६	६	९	वृषे	भ. १७।२५ उ. ४४।५ या. जया ११ व्र.
१२	र	३६	२९	मृ	३२	४४	ऐं	१९	५०	ब	१०	१७	३३	४१	१९	२७	७	१०	मि५।३४	
१३	चं	२८	२०	आ	२६	१९	वै	१०	८	कौ	२	२४	३६	४१	१९	२८	८	११	मिथुने	प्रदोषः ×पातमोक्षः ५।४५
१४	मं	२०	४	पु	१९	५२	वि	०/४	५०/३१	व	२०	४	३९	४०	२०	२९	९	१२	क.६।२९	भ. २०।४ उ. ४६।५या. शतेशुक्रः२२।४२
१५	बु	१२	६	पु	१३	५३	आ	४१	३५	ब	१२	६	४२	४०	२०	३०	१०	१३	कर्के	उषायां बुधः २८।३२

४१पं.मा.शु.२शु.इ.४९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	३	९	९	९	९
४	६	११	१६	२३	३	४	४
३५	१	१८	९	२७	५९	२५	२५
३१	३०	३२	७	२५	२४	५९	३३
६१	१०	६७	७/४०	७४	७	३	६१
३	४४	५६	ब	२	२०	११	१९

गोचरग्रहाः

इस मासमें जौगेहूं गुड़मूंग मोंठ मसूर चना चंदन केसर कपड़ा चांदी रुई तेज होकर मंदे होवेंगे।

गोचरग्रहाः

४२पं. मा.शु.१०शु.इ.४९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	२	१०	९	९	९
११	७	२०	१५	२	४	४	११
४२	३९	१७	१३	१२	४८	३	३४
५८	५४	१७	१९	२२	४३	४४	२४
६०	१३	८१	७/५२	७४	७	३	६१
५९	४८	२	ब	२	२०	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४	५८	श्ले	८	५२	सौ	३३	२९	कौ	४	५८	२६/४६	६/३९	५/२१	३१	११	१४	सिं८।५२	
२	गु	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●राहुःपुन.४ केतुः३४/४० फरवरी २ ता. २८
३	शु	५५	१	म	४	५९	शो	२६	२९	व	२७	६	४९	३८	२२	१	१२	१५	सिंहे	भ.२७/६उ.५५/१या. मकरे बुधः४१/३४ उषा. २●
४	श	५३	१३	पू	२	५२	अ	२१	२२	ब	२४	७	५२	३८	२२	२	१३	१६	कं.१७।५६	रोहि. भौमः ४७।४ चतुर्थी व्र.
५	र	५३	१५	उ	३	१०	सु	१७	४०	कौ	२३	१४	५५	३७	२३	३	१४	१७	कन्यायां	उदयं शनेः ५२।११
६	चं	५५	५९	ह	५	१०	धृ	१५	४९	ग	२४	३७	५९	३६	२४	४	१५	१८	तु.३७।९	भ. ५५।५९ उ. पातस्पर्शः ५७।३९
७	मं	५९	३४	चि	९	८	शू	१५	२३	वि	२७	४६	२७/२	३६	२४	५	१६	१९	तुलायां	भ. २७।४५ या. पातमोक्षः ११।२२
८	बु	६०	०	स्वा	१४	४७	गं	१५	५८	बा	३२	१८	६	३५	२५	६	१७	२०	तुलायां	धनि. रविः १६।४२ (सौरः २३।०)
८	गु	५	२	वि	२१	४९	वृ	१७	५२	कौ	५	२	९	३४	२६	७	१८	२१	बृ. ५।४	
९	शु	११	७	अ	२९	६	ध्रु	१९	५६	ग	११	७	१३	३३	२७	८	१९	२२	बृश्चिके	भ. ४४।२७ उ. श्रवणे बुधः १८।४७
१०	श	१७	४८	ज्ये	३६	५२	व्या	२२	२०	वि	१७	४८	१६	३३	२७	९	२०	२३	ध.३६।५२	भ. १७/४८ या. पूभा.शुक्रः ८।४१ वक्री पुष्ये×
११	र	२४	१४	मू	४४	८	ह	२४	२६	बा	२४	१४	२०	३२	२८	१०	२१	२४	धनुषि	उषा. ४ शनिः ४४।११ विजया ११ व्र.
१२	चं	२९	५८	पू	५०	४८	व	२६	६	तै	२९	५८	२४	३१	२९	११	२२	२५	धनुषि	×३ गुरुः ११।५५
१३	मं	३४	५६	उ	५६	२९	सि	२६	५८	ग	२	२७	२७	३१	२९	१२	२३	२६	म.७।१३	भ.३४।५६उ. कुंभेऽर्कः ५१/५७(सौरः५६/४७)+
१४	बु	३८	२५	श्र	६०	०	व्य	२६	५४	वि	६	४०	३१	३०	३०	१३	२४	२७	मकरे	भ. ६।४० या महाशिवरात्रि व्र. वै.
३०	गु	४०	४४	श्र	१	४७	ध	२५	५७	च	९	३४	३५	२९	३१	१४	२५	२८	कु.२४।३९	+बुधास्तः पू.१२/१७ प्रदोषः महाशिव व्र.स्मा.

४३पं.फा.कृ.३शु.इ.४९।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	३	१०	९	९	९
१८	९	०	१४	१०	५	३	१८
४९	४३	१२	१८	५५	३७	४१	४२
२६	१२	१८	४	८	४१	२८	२७
६०	१७	९०	७/५२	७३	७	३	६१
५५	३५	१२	ब	५६	१४	११	४

गोचरग्रहाः

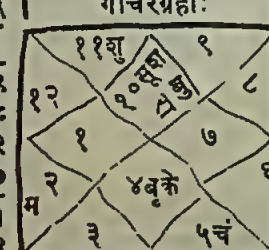

फा. कृ. १४ बुधे कुम्भेऽर्कःप्र.वा.३न. ४ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

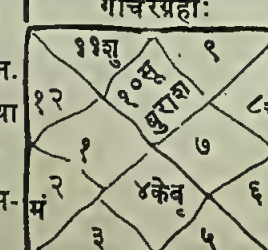

४४पं.फा.कृ.९शु.इ.४९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	३	१०	९	९	९
२५	१२	१०	१३	१९	६	३	२५
५५	१	५०	२२	३६	२६	१९	४९
१६	५	४२	४८	५४	२	१२	१४
६०	२१	९७	७/३८	७३	७	३	६०
४७	२८	४३	ब	५०	२०	११	५५

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६५२५स.१९९१
१	शु	४१	४३	ध	४	२	प	२३	५६	किं	११	१३	३७/३८	६/२८	५/३२	१५	२६	२९	कुम्भे	
२	श	४१	३४	श	६	६	शि	२१	०	बा	११	३८	४२	२८	३२	१६	२७	३०	मी५१।३६	धनि. बुधः ३१।२० चन्द्रद. फुलरिया २
३	र	४०	२८	पू	६	४७	सि	१७	१७	तै	११	१	४६	२७	३३	१७	२८	१	मीने	मीने शुक्रः १४।१९ सावान ८
४	चं	३८	२०	उ	६	४१	सा	१२	३७	व	९	२४	५०	२६	३४	१८	२९	२	मीने	भ.९/२४ उ.३८/२० या. पातस्पर्शः ३३/४० मोक्षः ४४/४५
५	मं	३५	३५	रे	५	४५	शु	७	३४	ब	६	५७	५४	२५	३५	१९	३०	३	मे.५।४५	शते रविः २८/१८ (सौरः ३२/१९) उषा. शुक्रः ५६/२४
६	बु	३२	५	अ	४	१७	शु	२/५	५३/५०	कौ	३	५०	५८	२४	३६	२०	१	४	मेषे	कुम्भे बुधः ३५।२० रा. फाल्गुनारम्भः
७	गु	२८	७	भ	१/५६	५७/१०	ऐं	४९	१६	ग	०	६	२८/२	२४	३६	२१	२	५	बृ.१६।१३	भ. २८।७ उ. ५६।१५ या.
८	शु	२४	२३	रो	५५	४४	वै	४१	१५	व	२४	२३	६	२३	३७	२२	३	६	बृषे	होलाष्टकः
९	श	१८	१०	मृ	५१	५०	वि	३४	३४	कौ	१८	१०	१०	२२	३८	२३	४	७	मि२३।४७	
१०	र	१२	२५	आ	४७	२६	प्री	२६	४१	ग	१२	२५	१४	२१	३९	२४	५	८	मिथुने	भ. ३९।१७ उ. शते बुधः १३।३७
११	चं	६	१०	पु	४२	५०	आ	१८	२३	वि	६	१०	१८	२०	४०	२५	६	९	क.२८।५९	भ. ६।१० या. आमलकी ११ व्र.
१२	चं	५३	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	मं	५३	१२	पु	३८	८	सौ	१०	१७	कौ	२६	२५	२२	२०	४०	२६	७	१०	कर्के	प्रदोषः
१४	बु	४७	१५	श्ले	३४	२	शो	१/७	५२/२६	ग	२०	१३	२६	१९	४१	२७	८	११	सिं३४।२	भ. ४७।१५ उ.
१५	गु	४१	४९	म	३०	४०	सु	४७	५३	वि	१४	३२	३०	१८	४२	२८	९	१२	सिंहे	भ. १४।३२ या. होलिकादहनं

४५पं.फा.शु.१शु.इ.५०।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	३	१०	९	९	१०
३	१४	२२	१२	२८	७	२	२
०	३५	८	३०	१६	१३	५६	५५
४	४९	४६	५८	४१	१	५७	१७
६०	१३	[illegible]	६/५५	७३	६	३	६०
३७	५०	[illegible]	ब	३९	३५	११	४२

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. १३गुरौ मीनेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

४६पं.फा.शु.८शु.इ.५०।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	३	११	९	९	१०
१०	१७	४	११	६	७	२	९
३	२६	७	४३	५५	५८	३४	५९
३२	१७	१९	३०	४४	४८	४१	५०
६०	२६	[illegible]	६	०३	६	३	६०
२५	२८	[illegible]	८	२६	३५	११	३१

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेफाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३८	४	पू	२८	१५	धृ	४२	६	बा	९	५६	३८/३४	६/१७	५/४३	१	१०	१३	कं.४३।४	मार्च मा. ३ ता. ३१ वसन्त १ छारेंडी
२	श	३५	५०	उ	२७	३०	शू	३७	४६	तै	६	५७	३८	१६	४४	२	११	१४	कन्यायां	रेवत्यां शुक्रः ४६/५ पातस्पर्शः ३७/४७ मोक्षः ४८/५६
३	र	३५	११	ह	२८	२६	गं	३४	५०	व	५	३०	४२	१६	४४	३	१२	१५	तु.५९।५९	भ.५।३०उ.३५।११या. पूभा. बुधः२०।३
४	चं	३६	२९	चि	३१	३३	वृ	३३	४०	ब	५	५०	४६	१५	४५	४	१३	१६	तुलायां	पूभायां रविः४४।२३ (सौरः ४७/६) च. व्र.
५	मं	३९	४३	स्वा	३६	५	ध्रु	३३	२५	कौ	८	६	५०	१४	४६	५	१४	१७	तुलायां	
६	बु	४४	३२	वि	४२	१३	व्या	३४	२९	ग	१२	७	५४	१३	४७	६	१५	१८	वृ.२५।४१	भ. ४४।३२ उ.
७	गु	५०	१४	अ	४८	२	ह	३६	१०	वि	१७	२३	५८	१२	४८	७	१६	१९	वृश्चिके	भ. १७।२३ या. मृगे भौमः ४८।४४
८	शु	५६	३९	ज्ये	५६	४०	व	३८	२६	बा	२३	२६	२९/२	१२	४८	८	१७	२०	ध.५६।४०	मीने बुधः ४०।० शीतलापूजनम्
९	श	६०	०	मू	६०	०	सि	४०	५३	तै	२९	५१	६	११	४९	९	१८	२१	धनुषि	
९	र	३	३	मू	४	८	व्य	४२	४०	ग	३	३	१०	१०	५०	१०	१९	२२	धनुषि	भ. ३५।५५ उ. उभा. बुधः २२।५४
१०	चं	८	४७	पू	११	५	व	४३	३५	वि	८	४७	१४	९	५१	११	२०	२३	म.२७।३३	भ. ८।४७ या.
११	मं	१३	४३	उ	१६	५६	प	४३	४४	बा	१३	४३	१९	८	५२	१२	२१	२४	मकरे	पापमोचनी ११ व्र. *(सौरः ४७/२६)
१२	बु	१७	८	श्र	२१	२७	शि	४३	३	तै	१७	८	२३	७	५३	१३	२२	२५	कु.५२।५५	अश्वि. मेषे शुक्रः ४०।१ प्रदोषः
१३	गु	१८	५५	ध	२४	२४	सि	४०	५३	व	१८	५५	२७	७	५३	१४	२३	२६	कुम्भे	भ.१८।५५उ.४९/३या. मीनेऽर्कः ४५।२०*
१४	शु	१९	११	श	२५	५०	सा	३७	२४	श	१९	११	३२	६	५४	१५	२४	२७	कुम्भे	श्रवणे १ शनिः २५।२९
३०	श	१७	४४	पू	२५	४६	शु	३२	५०	ना	१७	४४	३६	५	५५	१६	२५	२८	मी१०।४७	बुधोदयः पश्चिमायाम् मन्वादिः

४७पं. चै.कृ.१शु.इ.५०।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	३	११	९	९	१०
१७	२०	१७	११	१५	८	२	१७
५	३३	९	४	३२	४२	१२	२
४६	५०	३६	१	२०	११	१६	४१
६०	२७	[illegible]	५/१	७३	६	३	६०
१२	३५	[illegible]	ब	१९	४०	११	२०

४८पं.का कृ.८शु.इ.५१।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	३	११	९	९	१०
२४	२३	०	१०	२४	९	१	२४
६	५०	२१	३१	६	२३	५०	४
२९	२८	२५	३०	२५	१७	१०	४
५९	२९	[illegible]	३/४९	७३	५	३	६०
५८	२०	३५	ब	५	५९	११	५

४९पं. चै.कृ.१४ शु.इ.५१/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	३	०	९	९	११
१	२७	१३	१०	२	१०	१	१
५	१४	५२	७	३९	२	२७	३
४२	२	५२	४४	२५	४९	५४	४६
५९	३०	[illegible]	३/३२	७२	६	३	५९
४१	२९	[illegible]	ब	५०	१२	११	४९

=बुशरा *राश (सं० २००१ समारम्य २१००पर्यन्तम्)

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशि नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९२ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९२ भोग्यकलिः ४२६९०८ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति—वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४८ शाकः १९१३ वर्षेऽस्मिन् राजा रविः । मंत्री रविः । सस्येशो भौमः । धान्येशश्चंद्रः । मेघेशःशनिः । रसेशोगुरुः । नीरसेशोभौमः । फलेशःशनिः । धनेशोभौमः । दुर्गेशःशनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य—मानेनप्रभवादिषष्टयब्दानांमध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १८ तारणनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ८।२५।५।२१ भोग्यमासादिः ३।४।५४।३९ । अग्निदैवतंयुगम् । वर्षेनामपौषः । मेघनाम४द्रोणः । रोहिणीनिवासापर्वते । समय निवासोकुंभकारगृहे । समयविश्वा ८ । समयवाहनं अश्वः । स्तंभः२वायवन्नयोः । सोमवत्यमा.२ । सोमवती पं.२ । अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः ४२० । समयदिनानि ३८३ । तिथिक्षयः१७ । तिथिवृद्धिः१० । उत्पत्तिविश्वा९९ । खपतिविश्वा ९३। वर्षाविश्वा१७। धान्यम् ५। तृणम् ११ । शीतम् ९ । तेजः११ । वायुः१३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं १०७ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पापम् १८ । शनिदृष्टिरुत्तरे । भारते ग्रहणाऽभावः ।

सं. २०४८ शाके १९१३ मार्गशीर्ष शु. १५ शनिवार ग्रस्तोदयं खंडग्रास चंद्रग्रहणम्

पूर्वी भारत (कलकत्ता से पूर्व) आसाम में होगा । स्पर्श दिन में रेल्वे ३।२३ मोक्ष ४।४२ पर होगा । जहां सूर्यास्त रेल्वे ४।४२ से पहिले होगा वहां यह ग्रहण ग्रस्तोदय दीखेगा । राजस्थान, पंजाब, बिहार यू. पी., मध्यभारत, सौराष्ट्र, गुजरात में नहीं होगा । जहां नहीं दीखे वहां इसके मानने की आवश्यकता नहीं है ।

वर्ष लग्नम् ३।०

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जननी जगदम्बा सुणो भैरव प्रश्न विनीत ।
अड़तालीस की साल का हाल कहो नवनीत ।।

भवानी उत्तर

अड़तालीसो अघकलो ईश्वर राखे टेक ।
कइयां के अन्न नीपजे कईक रहसी देख ।।
पापग्रहों के कबज में मिले बहुत अधिकार ।
शुभफल में हो न्यूनता इसका यह ही सार ।।
राजा मन्त्री सूर्य है फलपति शनि को जान ।
भूमिपुत्र सस्येश है करें जगत में हान ।।
चाल ग्रहों की देखतां बहुत बढ़े व्यापार ।
पकी पकाई साख में मंगल करे बिगाड़ ।।
नित उठ प्रातःकाल में याद करो प्रभु नाम ।
धान्याधिप शशि होण से सिद्ध होय सब काम ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् १।२६

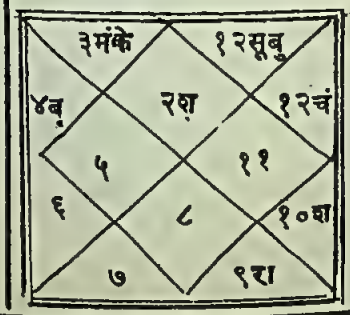

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४३।८

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन्वर्षे राजा रविः फलम्—सूर्येनृपे स्वल्प फलाश्चमेघा स्वल्पं पयोगोषु जनेष पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाः चौराग्निबाधा निधनं नृपाणाम् ।। मन्त्री रविः फलम्—नृपभयं गदतोपिहितस्करात् प्रचुर धान्य-धनादिमहीतले । रसचयं हि समर्घतमं तदा रविरमात्यपदं हि समागते ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम्—प्रथम धान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंगखरोष्ट्रगवामपि । प्रभवदा बहुरोगघनोजलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत् ।। धान्येशश्चन्द्रस्तत्फलम्—चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजा बृद्धिः प्रजायते । गोधूमासर्षपाश्चव गोषु क्षीरं तदा बहु ।। मेघेशः शनिः फलम्—रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरत वृष्टिवती वसुधा तदा । मनसितापकरो नृपतिः सदा विविधरोगरता जनतापदा ।। रसेशो गुरुः फलम्—यदि गुरौ रसपे जन-सौख्यदो कमलवन्ति सरांसितृणानिच । जनपदाद्विजपूजनतत्परा गजसुवाजिरथोष्ट्रयुतानराः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम्—नी-रसेशोयदा भौम प्रवालरक्तवा ससाम् । रक्तचंदन ताम्राणामर्घवृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशः शनिः फलम्—यदि शनि फलपः फलहा भवेज्जनितपुष्पगणस्य द्रुमःसदा । हिम भयं वरतस्करजन्तुभीर्जनपदोगदराशि महाकुलः ।। धनेशो भौमस्तत्फलम्—असम मौल्य क़रो धरणीसुतः शरदितापकरस्तुष धान्यहृत् । सहसिमासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जनशोक विधायक ।। दुर्गेशः शनिः फलम्—रविसुते गढ़पालिनि विग्रहैः सकलदेशगताश्चलिता जनाः । विविधवैरि विशेषित नागराः कृषिधनं शलभैर्मुषितं भुवि ।। तारणनाम संवत्सरः फलम्—कथंचिन्निखिला लोकाः तरंति प्रतिपन्नताम् । नृपाहव क्षताद्रोगाद्भेषज्येतारणाब्दके ।। वर्षनाम पोषः फलम्—ज्वर रोग क्षुधार्ताश्च जनाजनपदाः सदा । महर्घंतु त्रयोमासाः पौषे स्वास्थ्यंततः परम् ।। रोहिणीनिवासः पर्वते फलम्—पर्वते विन्दुमात्रश्च ।। मेघनाम द्रोणः फलम्—द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। समयनिवासो कुंभकारगृहे फलम्—अनावृष्टि प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०४८ शाके १९१३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

द्वि. वैसाख मासः

शुक्ले १ बुधे रोहि. ल. अन्यगो. रे. १० ।।।।।।।।।

,, ९ बुधे उफा.ल.अन्यगो.१२-१ रे.८ ।ऽ।।।।ऽ।। मीनेचं७पू.

,, १० गुरौ हस्ते ल. गो. रे. ७ ऽ।।।।ऽरो.ऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे ८ गुरौ उभा. ल. अन्यगो. ११-१ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। कुंभे शनि १२ पूज्यः

शुक्ले ८ बुधे हस्ते ल. १२-२ रे. ७ ।ऽ।।।ऽनृऽ।। मीन लग्न घ. ४८ उपरांत

ज्येष्ठ मासः

शुक्ले ९ गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ८ ।ऽ।।।ऽ।।। (भौ. गु. शु. ८ दोषः)आवश्यके

,, १० शुक्रे स्वा. ल. १ रे. ८ ।।।।।चौऽ।।।

,, १३ चन्द्रे अनु. ल.१२-२ रे. ८ ऽऽ।।।।।।।। वृषेचन्द्र७पूज्यः

आषाढ़ मासः

कृष्णे १ शुक्रे उषा. ल. १२-१-२ रे. ९ ।।।ऽ।।।।।

,, ७ गुरौ उभा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। मेषे रेखा ८ दग्धा. दोषः

,, ११ चन्द्रे रोहि.ल.१२-१(घ.४५।३१उ.)रे.७।ऽ।।।ऽनृ।ऽ।।

कार्तिकादि मासेषु सिंहस्थ गुरु दोषः

| ति. | श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३ | | |

ति.	प्र. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५८४स.१९९१
१	चं ४१।१६ अ ३९। ७ वि ३३।३४ कि १४।१९ ३१।४० ५। ० २०।१५ २५।२९							मेषे	वक्रीमानेरेवात्यांबुधः ५५अधिकमासारंभः
२	मं ३४।२८ भ ३४।३६ प्री २५।१६ बा ७।५२ ४३ ३९।२१ १६।२६ ३०							वृ.४८।२६	रोहि. शुक्रः ५।३० चन्द्रदर्शनम्
३	बु २७।३७ कृ २९।५५ आ १६।४९ ते १ २।४७ ३९।२१ १७।२७ १							वृषे	म. ५४।११ उ. सब्वाल १०
४	गु २०।४६ रो २५।२० सौ ८।१३ वि २०।४६ ५१ ३८।२२ १८।२८ २							मि५३।११	भ. २०।४६ या.
५	शु १४। ५ मृ २१। २ शो ८।१२ बा १४। ५ ५५ ३७।२३ १९।२९ ३							मिथुने	
६	श ८। ८ आ १७।१४ सु ४५।२३ ते ८। ८ ५८ ३६।२४ २०।३० ४							क.५९।४६	
७	र २।३८ पु १३।५६ धृ ३८।४२ व २।३८ ३३ ३६।२४ २१। १ ५							कर्के	भ. २।३८उ.३०।२०या. रा. वैशाखारंभः
८	र ५५।२४ ० ०। ० ० ०। ० ० ०। ० ० ०							०	
९	चं ५३।५४ पु ११।२३ शू ३२।४१ ब २५।५८ ६ ३५।२५ २३। २ ६							कर्के	वृधोदयः पूर्वस्याम् ५४।७
१०	मं ५०।५४ श्ले ९।३२ मं २७।२६ ते २२।२४ १० ३४।२६ २३। ३ ७							सिं९।३२	
११	बु ४८।२४ म ८। १ पू २२।४९ व १९।३९ १४ ३३।२७ २४। ४ ८							सिंहे	भ.१९।३९उ.४८।२४या. कमला ११ व्र.
१२	गु ४६।५३ पू ७।१८ धु १८।४८ न १७।३८ १७ ३३।२७ २५। ५ ९							कं.२२।२६	●मृगे शुक्रः ३५।१८ पुन भौमः ४९।४१
१३	शु ४६।४३ उ ७।४९ श्वा १५।४० को १६।४८ २१ ३२।२८ २६। ६ १०							कन्यायां	प्रदोषः
१४	श ४७।१९ ह ९।३० ह १३।३२ ग १७। १ २५ ३१।२९ २७। ७ ११							तु.४०।५२	भ. ४९ उ. भरण्यां रविः ४८ (रविः ५१)●
१५	र ४९।२३ चि १२।१३ च १२।२२ वि १८।२१ २९ ३०।३० २८। ८ १२							तुलायां	भ. १८।२१ या.

२पं.प्र.वै.शु.७सू.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	३	१	९	८	०
६	१६	२६	१०	१५	१२	२९	६
५०	१८	३४	३२	५२	२९	३२	४८
४२	११	५२	५६	५५	२८	४४	२०
५८	२४	३५	४	७०	२	३	५८
२१	४७	च	२२	४२	३०	११	२९

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५रवि वार तथा बुधवकी है। रुई पाट सोना चांदी गुड़ खांड़ सिरस्युं अलसी चावल तेज होगा।

गोचरग्रहाः

३पं.प्र.वै.शु.१५ सू.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	३	१	९	८	०
१३	२०	२४	११	२३	१२	२९	१३
३९	११	२९	४	५८	४४	१०	३६
४३	६	२	२३	५५	२८	४८	४५
५८	३५	२९	५	६९	१	३	५८
१९	२	ब	२८	५३	५८	११	१२

ति.	द्वि. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरेऽप्र.वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं ५२।३४ स्वा १६।३१ सि ११।५० वा २०।५८ ३३ ३०। ५ ३०। ६ २९ ९ १३							तुलायां	
२	मं ५६।५९ वि २१।५९ व्य १२।१७ वै २४।४६ ३६ २९।३१ ३०। १ १४							वृ.५।३७	मार्गी बुधः १७।२६
३	बु ६०। ० अ २८।४६ च १३।४१ ध २९।३२ ४० २८।३२ १। ११ १५							वृश्चिके	म. २९।३२ उ. मई मा. ५ ता. ३१
४	गु २। ६ ज्ये ३५।५३ प १५।३६ वि २। ६ ४३ २७।३३ २। १२ १६							व.३५।५३	भ. २।६ या. चतुर्थी व्र.
५	शु ८। ९ मू ४३।५२ शि १७।५३ बा ८। ९ ४७ २७।३३ ३। १३ १७							धनुषि	मिथुने शुक्रः २७।१३
६	श १४।२६ पू ५२। १ सि २०।२२ वै १४।२६ ५१ २६।३४ ४। १४ १८							धनुषि	
७	र २०।३७ उ ५९।१६ सा २२।३८ व २०।३७ ५४ २५।३५ ५। १५ १९							म.८।५०	भ. २०।३७ उ. ५३।२४ या.
८	चं २६।११ श ६०। ० शु २४।२५ ब २६।११ ५७ २५।३५ ६। १६ २०							मकरे	
९	मं ३०।४४ श्र ५।२२ शु २५। ४ को ३०।४४ ३३ २४।३६ ७। १७ २१							कुं.३७।४३	
१०	बु ३३।२८ ध १०। ४ ब २४।४० ते २। १ ४ २३।३७ ८। १८ २२							कुंभे	
११	गु ३४।१८ श १२।४७ रें २२।३८ व ३।५३ ७ २३।३७ ९। १९ २३							मी५८।१६	भ.३।५३उ. ३५ या. आर्द्रा. शुक्रः २४।१३
१२	शु ३३।११ पू १३।२६ वै १८।५६ ब ३।४४ १० २२।३८ १०। २० २४							मीने	अश्वि. मेषे बुधः ५७।४४ कमला ११ व्र.
१३	श ३०। ५ उ १२। ५ वि १३।५९ को १।३८ १३ २१।३९ ११। २१ २५							मीने	कृत्ति. रविः ३४।२३ (सौरः ३५) प्रदोषः
१४	र २५। १ रे ८।५६ मी ८ ३५३ व २५। १ १६ २१।३९ १२। २२ २६							मे.८।५६	भ. २५।१ उ. ५१।३६ या.
१५	चं १८।११ अ ४ ७ ५४ सौ ४९।५७ श १८।११ १९ २०।४० १३। २३ २७							मषे	
२०	मं १०।२७ कृ ५१।५९ शो ४०।११ ना १०।२७ २२ २०।४० १४। २४ २८							वृ.११।४७	अधिकमास समाप्तिः

४पं.द्वि.वै.कृ.६ सू.इ.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	३	२	९	८	०
२०	२४	२६	११	१	१२	२८	२०
२७	८	९	४४	१७	५४	४८	२३
२२	३५	०	१०	१४	२३	१३	२७
५८	३५	२९	६	६९	१	३	५७
६	३०	मा	३४	२	१९	११	५७

गोचरग्रहाः

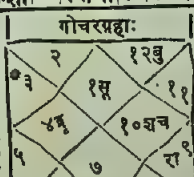

अधिक मास फल-स्वल्प वृष्टिर्भवेन्मेघो धनधान्य समाकुलं। घृतं तैलंच कार्पास सुभिक्षं माधव द्वये॥

गोचरग्रहाः

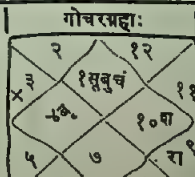

५पं.द्वि.वै.कृ.१३सू.इ.९।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	२	९	८	०
२७	२८	०	१२	९	१३	२८	२७
१३	७	५३	३०	४८	०	५५	८
३४	२६	३१	५४	११	१४	५७	४३
५७	३५	४४	७	४८	०	३	५७
५४	५५	५९	२२	४	३७	११	४५

●मंशुके (सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्) ×मंशुके

ति.	द्वि. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६६१४स.१९९१
१	बु	१	५०	रो	४५	४९	अ	३०	२९	ब	१	५०	३३/२५	५/१९	६/४१	१५	२५	२९	वृषे	वृषेऽर्कः १।३८ (सौरः ७/७) कर्के भौमः १७/१० ●
२	बु	५१	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	गु	४४	२४	मृ	३९	२८	सु	२०	४८	तै	१८	४०	२८	१८	४२	१६	२६	१	मि १२।३८	परशुराम जयंती अक्षय ३ जिल्काद ११
४	शु	३६	२८	आ	३४	२	धृ	११	१०	व	१०	२६	३०	१८	४२	१७	२७	२	मिथुने	भ. १०।२६ उ. ३६।२८ या. वक्री शनिः २६/२५
५	श	२९	२३	पु	२९	१९	शू	२२/२९	५३/२१	ब	२	५५	३३	१७	४३	१८	२८	३	क. १५।३०	पुष्ये ४ गुरुः ४५।५० ●चंद्रदर्शनम्
६	र	२३	३१	पु	२५	४९	वृ	४७	१८	तै	२३	३१	३६	१७	४३	१९	२९	४	कर्के	
७	चं	१८	४०	श्ले	२३	१७	ध्रु	४२	१२	व	१८	४०	३९	१६	४४	२०	३०	५	सिं २३।१७	भ. १८।४० उ. ४७।३ या.
८	मं	१५	२६	म	२२	०	व्या	३७	३६	ब	१५	२६	४१	१६	४४	२१	३१	६	सिंहे	पुन. शुक्रः २३।१६ पुष्ये भौमः ६।३१
९	बु	१३	२९	पू	२२	५	ह	३४	५	कौ	१३	२९	४३	१५	४५	२२	१	७	कं. ३७।२	भरण्यां बुधः ५२।२७ रा. ज्येष्ठारंभः
१०	गु	१२	४४	उ	२२	५३	व	३१	३८	ग	१२	४४	४६	१५	४५	२३	२	८	कन्यायां	भ. ४३।३ उ.
११	शु	१३	२३	ह	२५	१४	सि	२९	५९	वि	१३	२३	४८	१४	४६	२४	३	९	तु. ५६।५७	भ. १३।२३ या. मोहिनी ११ व्र.
१२	श	१५	२	चि	२८	४०	व्य	२९	२५	बा	१५	२	५०	१४	४६	२५	४	१०	तुलायां	रोहि. रविः २५।१३ (सौरः ३३/१६) प्रदोषः
१३	र	१८	५	स्वा	३३	७	व	२९	४४	तै	१८	५	५२	१४	४६	२६	५	११	तुलायां	नृसिंह जयन्ती
१४	चं	२१	५४	वि	३८	३५	प	३०	२९	व	२१	५४	५४	१३	४७	२७	६	१२	वृ. २२।१३	भ. २१।५४ उ. ५४।१६ या.
१५	मं	२६	३७	अ	४४	५१	शि	३२	१०	ब	२६	३७	५६	१३	४७	२८	७	१३	वृश्चिके	यमाय सान्नजल कुंभदानम्

६पं. द्वि.वै.शु ६सू.इ.९/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	३	२	९	८	१
३	२	८	१३	१७	१३	२८	३
५८	९	४६	२३	३०	१	३	५२
२६	३५	८	२०	४७	२६	४१	२१
५७	३६	७३	८	६६	०/१२	३	५७
४४	२	३८	३२	४९	ब	११	३४

गोचरग्रहाः

द्वि.वैशाख शु.१बुधे वृषेऽर्कः प्र वा.४ नं.५ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

७पं.द्वि.वै.शु.१३सू.इ.९/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	३	२	९	८	१
१०	६	१८	१४	२५	१२	२७	१०
४२	११	४३	२२	२	५७	४१	३४
२५	४६	५९	२९	१७	५०	२६	३२
५७	३६	९४	९	६५	०/५१	३	५७
३५	२९	४३	२१	१७	ब	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३१	३८	ज्ये	५२	१४	सि	३४	४३	कौ	३१	५८	३३/५८	५/१२	६/४८	२९	८	१४	ध. ५२।१४	
२	गु	३८	१०	मू	५९	५२	सा	३६	१४	तै	५	४	३४/०	१२	४८	३०	९	१५	धनुषि	कर्के शुक्रः ५७।९
३	शु	४४	१७	पू	६०	०	शु	३८	५७	व	११	१३	२	१२	४८	३१	१०	१६	धनुषि	भ. ११।२३ उ. ४४।१७ या. कृत्ति. बुधः २/२०
४	श	५०	२१	पू	७	१	शु	४१	१४	ब	१७	१९	४	११	४९	१	११	१७	म. २४।५०	वृषे बुधः ४८।५२ जून मा. ६ ता. ३० च.व्र.
५	र	५५	५५	उ	१५	१७	ब्र	४३	२२	कौ	२३	८	६	११	४९	२	१२	१८	मकरे	
६	चं	६०	०	श्र	२२	५३	ऐं	४४	४०	ग	२८	२७	७	११	४९	३	१३	१९	कु. ५५।५१	पुष्ये शुक्रः ५।४३
६	मं	०	५९	ध	२८	४९	वै	४५	१७	व	०	५९	९	१०	५०	४	१४	२०	कुम्भे	भ. ०।५९ उ. ३२।४६ या.
७	बु	४	३२	श	३३	४८	वि	४४	३७	व	४	३२	१०	१०	५०	५	१५	२१	कुम्भे	
८	गु	६	२५	पू	३५	४१	प्री	४२	३१	कौ	६	२५	१२	१०	५०	६	१६	२२	मी २०।१३	बुधास्तः पूर्वस्याम् १६।५
९	शु	६	३२	उ	३६	११	आ	३८	५०	ग	६	३२	१३	९	५१	७	१७	२३	मीने	भ. ३५।३६ उ. रोहि. बुधः ३।२८
१०	श	४	४१	रे	३४	४४	सौ	३४	३८	वि	४	४१	१४	९	५१	८	१८	२४	मे. ३४।४४	भ. ४।४१ या. मृगे रविः २०/९ (सौरः ३२/५)
११	र	०	३९	अ	३०	५६	शो	२६	४३	बा	०	३९	१६	९	५१	९	१९	२५	मेषे	आश्ले. १ गुरुः ३३।२४ अपरा ११ व्र.
१२	र	५४	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	चं	४७	१२	भ	२५	३९	अ	१८	१९	ग	२०	५६	१७	९	५१	१०	२०	२६	वृ. ३९।०	भ. ४७।१२ उ. प्रदोषः
१४	मं	३८	२३	कृ	१९	४	सु	८/५७	४९/४७	वि	१२	४७	१८	८	५२	११	२१	२७	वृषे	भ. १२।४७ या.
३०	बु	२८	४१	रो	११	३६	शू	४८	७	च	३	३२	१९	८	५२	१२	२२	२८	मि ३७।४९	वटसावित्री व्र.

८पं.ज्ये.कृ.५सू.इ.९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	३	३	९	८	१
१७	१०	०	१५	२	१२	२७	१७
२५	१७	३८	२६	२०	४९	१९	१५
८	३८	३८	३१	२४	२५	१०	३८
५७	३६	[illegible]	१०	६३	१/३६	३	५७
२७	५५	[illegible]	४	३३	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

—शकुन विचार—
ज्येष्ठ अमावस दिवस व रजनी बादल होय। चौमासा सूखा रहे भारी गड़बड़ होय॥

गोचरग्रहाः

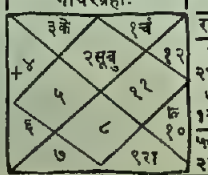

९पं.ज्ये.कृ.११ सू.इ.९/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	३	३	९	८	१
२४	१४	१४	१६	९	१२	२६	२३
७	२६	२३	३५	२४	३६	५६	५५
१२	४६	१०	४२	४०	४७	५५	३४
५७	३८	[illegible]	१०	६१	१/३	३	५७
२२	८	[illegible]	४७	१७	ब	११	५

●चंमंबृ ×मंबृशु (सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्) +मंबृशु

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरऽहर्गणः ६६४३ स.१९९१
१	गु	१८	४३	मृ	४/३	५२/३४	गं	३७	३६	ब	१८	४३	३४/२०	५/८	६/५२	१३	२३	२९	मिथुने	मृग बुध. १२/२३ आश्ले. भौम. ३/४४ चन्द्रदर्शनम्
२	शु	९	१०	पु	५०	११	वृ	२७	२	कौ	९	१०	२१	८	५२	१४	२४	१	क.३६।४८	पूषा.४ राहुः पुन. २ केतुः २/३४ जिल्हेज १२
३	श	०	४	पु	४४	३३	ध्रु	१७	९	ग	०	४	२१	८	५२	१५	२५	२	कर्के	भ. २६/१० उ. ५२/१७ या मिथुनेऽर्कः १८।४७*
४	श	५२	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	र	४५	४७	श्ले	४५	२५	व्या	८	३८	ब	१९	०	२२	८	५२	१६	२६	३	सिं४०।२५	मिथुने बुधः १८।२५ आश्ले. शुक्रः ४१।५४
६	चं	४१	१४	म	३७	४७	ह	१/२५	५४/२१	कौ	१३	३०	२२	८	५२	१७	२७	४	सिंहे	
७	मं	३८	१३	पू	३६	५०	सि	५१	४६	ग	९	४३	२३	७	५३	१८	२८	५	कं.५१।५८	भ. ३८।१३ उ
८	बु	३७	११	उ	३७	२२	व्य	४७	५८	वि	७	४२	२३	७	५३	१९	२९	६	कन्यायां	भ. ७।४२ या आर्द्रा. बुधः २५।५६
९	गु	३७	२६	ह	३९	४०	व	४६	२३	बा	७	१८	२३	७	५३	२०	३०	७	कन्यायां	×३४/२५) रा आषाढारंभः निर्जला ११ व्र.
१०	शु	३९	५६	चि	४३	१६	प	४५	५८	तै	८	४१	२४	७	५३	२१	३१	८	तु.११।२८	गंगादशमी *(सौरः ३२।५२)
११	श	४३	२९	स्वा	४८	९	शि	४६	३५	व	११	४२	२४	७	५३	२२	१	९	तुलायां	भ.११/४२ उ ४३/२९ या. आर्द्रा. रविः १७/३९ (सौरः×
१२	र	४८	२	वि	५३	४९	सि	४७	३९	ब	१५	४५	२४	७	५३	२३	२	१०	वृ.३७।२४	पातस्पर्शः ३०।३७ मोक्षः ५८।४९
१३	चं	५३	२०	अ	६०	०	सा	४९	३७	कौ	२०	४१	२४	७	५३	२४	३	११	वृश्चिके	प्रदोषः
१४	मं	५८	५६	अ	०	३४	शु	५१	३८	ग	२६	८	२४	७	५३	२५	४	१२	वृश्चिके	भ. ५८।५६ उ. पुन. बुधः ३०।२३
१५	बु	६०	०	ज्ये	७	२२	शु	५४	५	वि	३२	३	२३	७	५३	२६	५	१३	ध.७।२२	भ. ३२।३ या. गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
१५	गु	५	१०	मू	१४	५५	ब्र	५६	२९	ब	५	१०	२३	७	५३	२७	६	१४	धनुषि	आश्ले २ गुरुः ५३।६

१०पं.ज्ये.शु.५सू.इ.९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	३	३	९	८	२
०	१८	२९	१७	१६	१२	२६	०
४८	३५	३९	४२	८	१९	३४	३४
२५	४२	४३	४८	३५	४८	३९	४३
५७	३७	५/४०	११	५८	३/४८	३	५६
१७	२५	४०	२०	२५	ब	११	५६

गोचरग्रहाः

४* २बु ५ ३सूके १ ६ १२ ७ ९रा ११ ८ १० श

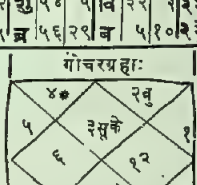

ज्ये. शु. ३शनौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

४× २ ५ ३सूके १ ६ १२ ७ चं ९रा ११ ८ १० श

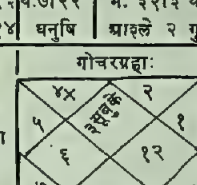

११पं.ज्ये.शु.१२सू.इ.९।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	३	९	८	२
७	२२	१५	१९	२२	११	२६	०
२९	४३	६	७	२९	५८	१२	१३
२४	४४	३६	२६	२४	३४	२३	१०
५७	३७	५/४०	११	५४	३/२६	३	५६
१३	३७	५/४०	५७	२१	ब	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	११	१६	पू	२२	२२	ऐं	५८	५०	कौ	११	१६	३४/२३	५/७	६/५३	२८	७	१५	म.३९।१९	
२	श	१७	८	उ	३०	९	वै	६०	०	ग	१७	८	२२	८	५२	२९	८	१६	मकरे	भ. ४९/५० उ. बुधोदयः पश्चिमायाम् ४०/३६
३	र	२२	३२	श्र	३७	११	वै	०	५०	वि	२२	३२	२२	८	५२	३०	९	१७	मकरे	भ. २२।३२ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	२७	१२	ध	४३	३३	वि	२	२६	बा	२७	१२	२१	८	५२	१	१०	१८	कुं.१०।२२	कर्के बुधः ८।३८ जुलाई मा. ७ ता. ३१
५	मं	३०	५२	श	४८	४६	प्री	३	२०	तै	३०	५३	२०	८	५२	२	११	१९	कुम्भे	पुष्ये बुधः ५०/४१ मघा. सिंहे शुक्रः १०।९
६	बु	३३	२५	पू	५२	४३	आ	३	२९	ग	२	८	१९	८	५२	३	१२	२०	मी३६।४४	भ. ३३।२५ उ.
७	गु	३४	३२	उ	५४	५९	सौ	२	२७	वि	३	५८	१८	८	५२	४	१३	२१	मीने	भ. ३।५८ या.
८	शु	३३	५६	रे	५५	२९	शो	०/१	५७/२७	बा	४	१४	१७	९	५१	५	१४	२२	मे.५५।२९	मघायां सिंहे भौमः ४३।४०
९	श	३१	२१	अ	५३	५९	सु	५१	३०	तै	२	३८	१५	९	५१	६	१५	२३	मेषे	भ. ५९/१५ उ. पुन. रविः १६/३५ (सौरः ३८/२६)
१०	र	२७	९	भ	५०	३०	धृ	४४	५१	वि	२७	९	१४	९	५१	७	१६	२४	मेषे	भ. २७।९ या. पातस्पर्शः ४३।५६
११	चं	२१	१०	कृ	४५	३१	शू	३६	५२	बा	२१	१०	१३	९	५१	८	१७	२५	वृ.४।१९	पातमोक्षः ५।० योगिनी ११ व्र.
१२	मं	१३	४१	रो	३९	१०	गं	२७	४९	तै	१३	४१	११	१०	५०	९	१८	२६	वृषे	प्रदोषः
१३	बु	४	५०	मृ	३१	४६	वृ	१७	५२	व	४	५०	१०	१०	५०	१०	१९	२७	मि५।२८	भ.४।५०उ.२९/५७या. आश्ले. बुधः २१।२६
१४	बु	५०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	गु	४५	१०	आ	२३	५२	ध्रु	७/७	४९/३४	च	२०	१७	८	१०	५०	११	२०	२८	मिथुने	

१२पं. आ.कृ.३सू.इ.९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	३	९	८	२
१४	२६	२८	२०	२८	११	२५	१३
९	५९	५	२७	२०	३३	५०	५१
५०	४६	२२	५८	२८	५४	८	१५
५७	३७	५/४०	१२	४९	३/५०	३	५६
७	५०	५८	१९	२६	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

४+ २ ५ ३सूके १ ६ १२ ७ ९रा ११ ८ १० श

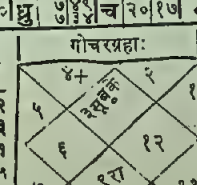

इस मासमें सिंह राशिमें मंगलशुक्र का योग कह वर्षा अधिक कहीं कम करेगा, सोनाचांदी गेहूं अलसी मिर्च तांबा तेज हो।

गोचरग्रहाः

मं ५ शु ३सूके २ चं १ ६ १२ ७ ९रा ११ ८ १० श

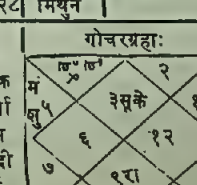

१३पं.आ.कृ.१०सू.इ.९।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	३	४	९	८	२
२०	१	११	२१	३	११	२५	२०
५०	१४	१५	५१	३२	७	२७	५९
१०	१३	४०	१८	५३	२५	५२	९
५७	३८	५/४०	११	४३	३/९	३	५६
७	१	१५	२४	३२	ब	११	५०

*चंमंबृशु +मंबृशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मबृशु

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६६७२सँ.१९९१
१	शु ३६ ६ पु १६ ७ ह ४५ ३० किं १० ३८	३४	५	६	१२	२१	२९	क. ३।४	
२	श २५ ५६ पु ९ २ व ३५ ३१ बा १ १	५	११	४९	१३	२२	३०	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	र १७ ४७ श्ले २ ५५ सि २६ २६ ग १७ ४७	४	११	४९	१४	२३	१	सिं२।४८	भ.४४उ.आश्ले.३ गुरुः २१ मोहोरम १०
४	चं ११ ३३ पू ५५ ५० व्य १८ ३३ वि ११ ३३	२	१२	४८	१५	२४	२	सिंहे	भ. ११।३३ या. ●सन् १४१२ हि.
५	मं ११ ३३ २१७ २१८ पू ५४ ५८ व १२ ३४ बा ७ २	०	१२	४८	१६	२५	३	कं.१०।३७	कर्केऽर्कः ४५।५९
६	बु ४ २८ ह ५६ ७ प ८ ११ तै ४ २८	३३ ५८	१२	४८	१७	२६	४	कन्यायां	कर्केऽर्कः सौरः ११।१०
७	गु ४ १३ चि ५८ ५६ शि ५ २२ व ४ १३	५६	१३	४७	१८	२७	५	तु.२७।३२	भ. ४।१३ उ. ३५।१ या.
८	शु ५ ४८ स्वा ६० ० सि ३ ५५ ब ५ ४८	५४	१३	४७	१९	२८	६	तुलायां	
९	श ९ १४ स्वा ३ २८ सा ४ १४ कौ ९ १४	५२	१४	४६	२०	२९	७	वृ.५२।५०	पुष्येरविः १५ (सौरः ४१) मघासिंहेबुधः १७ १३
१०	र १३ ५८ वि ९ १७ शु ५ १५ ग १३ ५८	५०	१४	४६	२१	३०	८	बृश्चिके	भ. ४६।४८ उ.
११	चं १९ ३८ अ १५ ५३ शु ७ ७ वि १९ ३८	४७	१५	४५	२२	३१	९	बृश्चिके	भ. ३९ या. वक्री उषा. ४ शनिः ३८।३२×
१२	मं २५ ३४ ज्ये २२ ४७ ब्र ९ २५ बा २५ ३४	४५	१५	४५	२३	१	१०	ध.२२।४७	रा. श्रावणारम्भः प्रदोषः
१३	बु ३१ ५६ मू ३० ८ दें ११ ५३ तै ३१ ५६	४२	१६	४४	२४	२	११	धनुषि	
१४	गु ३७ ५९ पू ३७ २२ वै १४ ४८ ग ४ ५७	४०	१६	४४	२५	३	१२	म.५४।८	भ. ३७।५९ उ. ×देवशयनी ११ ब्र
१५	शु ४३ ३१ उ ४४ २९ वि १६ ३२ वि १० ४५	३७	१७	४३	२६	४	१३	मकरे	भ. १०।४५ या. वायु परीक्षा व्यास १५

१४पं.आ.शु.३सू.इ. ९।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	३	४	९	८	२
२७	५	२१	२३	७	१०	२५	२७
३०	३०	५५	१७	५७	३७	५	७
३२	११	३०	२४	३६	३४	३७	१६
५७	३७	८३	१३	३५	२८	३	५६
११	२२	३५	७	१४	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

आ.शु. ५ भौमे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४न.५ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

१५पं.आ.शु.१०सू.इ.८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	३	४	९	८	३
४	९	०	२४	११	१०	२४	३
११	४७	५४	४५	८	६	४३	३५
१७	३८	५०	१८	६	५८	२१	४३
५७	३८	६३	१३	२४	४० ४१	३	५६
१५	२९	३४	२०	४	ब	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श ४८ २४ श्र ५१ १ प्री १८ २८ बा १५ ५७	३५	१७	४३	२७	५	१४	मकरे	पूफायां भौमः ३।२९
२	र ५२ ३५ ध ५६ ५० आ १९ ३२ तै २० २९	३२	१८	४२	२८	६	१५	कुं.२३।५८	
३	चं ५५ ४२ श ६० ० सौ २० ११ व २४ ८	२९	१८	४२	२९	७	१६	कुम्भे	भ. २४।८ उ. ५५।४२ या.
४	मं ५७ ४३ श १ ५८ शो २० १२ ब २६ ४२	२६	१९	४१	३	८	१७	मी५०।३	आश्ले. ४ गुरुः १।० चतुर्थी ब्र.
५	बु ५८ २८ पू ६ ५ अ १९ ११ कौ २८ १०	२३	१९	४१	३१	९	१८	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	गु ५८ ३७ उ ९ १६ सु १७ २२ ग २८ ३७	२१	२०	४०	१	१०	१९	मीने	भ. ३८ उ. वक्री शुक्रः ३८।४१ अगस्त●
७	शु ५७ ३ रे १० ४३ धृ १४ ३५ वि २७ ५०	१८	२०	४०	२	११	२०	मे.१०।४३	भ. २७।५० या. ●मा. ८ ता. ३१
८	श ५५ १३ अ १० ५८ शू १० ४२ बा २६ ८	१५	२१	३९	३	१२	२१	मेषे	आश्ले. रविः १२।१७ (सौरः ४२।३८)
९	र ५० ० भ ६ ३४ गं ४० ५५ ५२ तै २२ ३६	१२	२२	३८	४	१३	२२	वृ.२३।५०	
१०	चं ४४ २० कृ ९ ३८ ध्रु ५२ १८ व १७ १०	९	२२	३८	५	१४	२३	बृषे	भ. १७ उ. ४४ या. अस्तं गुरोः ३४।३६
११	मं ३७ १९ रो २३ ५३ २६ ख्या ४३ ५८ ब १० ४९	६	२३	३७	६	१५	२४	मि२९।३४	वक्री बुधः ०।५९ कामिका ११ ब्र.
१२	बु २९ १४ आ ५० १३ ह ३४ ५१ कौ ३ २१	३	२३	३७	७	१६	२५	मिथुने	प्रदोषः
१३	गु २० ४१ पु ४३ ४० व २५ ४ व २० ४१	०	२४	३६	८	१७	२६	क.३०।१८	भ. २०।४१ उ. ४५।५९ या.
१४	शु ११ १७ पु ३५ ५६ सि १४ ५१ श ११ १७	३३ ५८	२५	३५	९	१८	२७	कर्के	
३०	श २ १८ श्ले २९ १७ व्य ४४ ५३ ना २ १८	५३	२५	३५	१०	१९	२८	सिं२९।१७	हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.२सू.इ.८।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	३	४	९	८	३
१०	१४	७	२६	१२	९	२४	१०
५२	८	३५	१४	१८	३६	२१	२५
१९	२०	२४	५३	५०	७	५	०
५७	३८	४४	१३	१०	४० ४१	३	५७
५	४७	२७	२६	२५	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

श्रा. शु. ८ शनौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोद. पः।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ.९सू.इ.८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	३	४	९	८	३
१७	१८	११	२७	१३	९	२३	१७
३४	३०	२४	४५	११	५	५८	४
१	७	५४	४०	२२	२४	५०	४८
५७	३८	८	१३	४५ ४६	३४	३	५७
२५	५४	३१	३२	ब	ब	११	१२

●चंमंशु +मंबुशु (सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्) ×मंबुशु =मंबुशु

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७०२सन्१९९१
१	श ५०३० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र ४६ २ म २३३१ प ४६१९ बा १९२५	३२	५	६	११	२०	२९	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंघारा
३	चं ४०४९ पू १९१३ शि ३८४९ तै १३२६	४७	२७	३३	१२	२१	१	कं.३३।३४	तीज सफर २ *नाग पंचमी
४	मं ३६५९ उ १६४० सि ३२२३ व ८५४	४३	२७	३३	१३	२२	२	कन्याया	भ.५४उ.३६या. शुक्रास्तः प. ३६ शु.अ.प.
५	बु ३५३१ ह १६२६ सा २७५७ ब ६१५	४०	२८	३२	१४	२३	३	तु.४७।१७	मघा. सिंहे गुरुः १५ बुधास्तः पश्चि. ४७*
६	गु ३५५५ चि १८ ८ शु २५२७ कौ ५४३	२६	२९	३१	१५	२४	४	तुलायां	
७	शु ३८३५ खा २१३७ शु २४२६ ग ७१५	३३	२९	३१	१६	२५	५	तुलायां	भ. ३६ उ. पूषा. ३ राहुः पुन. १ केतुः ३१
८	श ४२४२ वि २६४५ ब्र २४३२ वि १०३८	२९	३०	३०	१७	२६	६	वृ.१०।२८	भ. १८या. मघा. सिंहेऽर्कः १६ (सौरः ३९)×
९	र ४८१३ अ ३३ ८ ऐं २५५० बा १५२७	२६	३१	२९	१८	२७	७	वृश्चिके	
१०	चं ५४११ ज्ये ४०११ वै २८ ० तै २११२	२२	३२	२८	१९	२८	८	ध.४०।११	
११	मं ६० ० मू ४७२० वि ३०२८ व २७१३	१९	३२	२८	२०	२९	९	धनुषि	भ. २७।२३ उ. पवित्रा ११ व्र.
११	बु ० ३५ पू ५४३१ प्री ३३ २ वि ० ६	१५	३३	२७	२१	३०	१०	धनुषि	भ. ०।६ या. ×उफा.भौमः१०।१२
१२	गु ६४७ उ ६० ० आ ३५१२ बा ६४७	११	३४	२६	२२	३१	११	म.११।२८	कन्यायां भौमः २८।३६ प्रदोषः
१३	शु १२१७ उ २१९ सौ ३७ १ तै १२१७	८	३४	२६	२३	१	१२	मकरे	रा. भाद्रपदारंभः
१४	श १६४४ श्र ७१७ शो ३७५३ व १६४४	४	३५	२५	२४	२	१३	कु.३९।४९	भ. १६।४४ उ. ४८।२५ या.
१५	र २० ५ ध १२२२ अ ३८ ३ ब २० ५	०	२६	२४	२५	३	१४	कुंभे	श्रावणी कर्म रक्षा बन्धनम्

१८पं.श्रा.शु.२सू इ.८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	३	४	९	८	३
२४	२२	११	२९	११	८	२३	२३
१६	५२	३९	१६	३५	३५	३६	४५
२६	१६	२२	४८	२८	२	३४	५५
५७	३९	३३	१३	५३	१४	३	५७
२३	४	ब	३७	ब	ब	११	२२

१९पं.श्रा.शु ९सू.इ.८।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	४	४	९	८	४
०	२७	७	०	८	८	२३	०
५९	१८	४४	४८	१३	६	१४	२८
४९	०	२०	३२	४४	२९	१९	८
५७	३९	५४	१३	५९	४	३	५७
४०	११	च	३८	च	ब	११	३४

२०पं.श्रा.शु.१५सू.इ.८।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	४	९	८	४
७	१	१	२	३	७	२२	७
४४	४५	५४	२०	५८	४०	५२	११
१७	४	३२	२८	२४	५९	३	२९
५७	३९	५३	१३	३५	४४	३	५७
४९	२९	ब	३८	ब	ब	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं २२२७ श १६४३ सु ३७२२ कौ २२२७	३१	५	६	२६	४	१५	कुम्भे	
२	मं २३३६ पू २० १ धृ ३५४७ ग २३३६	५२	३८	२२	२७	५	१६	मी४।११	भ. ५३ उ. वक्री कर्के आश्ले. बुधः १८।०
३	बु २३३९ उ २२ ८ शू ३३२१ वि २३३९	४८	३८	२२	२८	६	१७	मीने	भ. ३३या. शुक्रोदयः पूर्व. ३५ च.ब्र. शु.उ.पू.
४	शु २२४० रे २३३७ गं ३०१७ बा २२४०	४४	३९	२१	२९	७	१८	मे.२३।३७	मघा. २गुरुः ४७ बुधोदयः पूर्वस्याम् ५९
५	शु २०४६ अ २४ १ वृ २६११ तै २०४६	४०	४०	२०	३०	८	१९	मेषे	पूफा. रविः ५५ उदयं गुरोः १५ चन्द्रषष्ठी
६	श १८१० भ २३१७ ध्रु २२ १ व १८१०	३६	४१	१९	३१	९	२०	वृ.३७।५५	भ. १९उ ३३ या. पूफा. रविः सौरः २७*
७	र १४३५ कृ २१४८ व्या १६ ६ ब १४३५	३२	४२	१८	१	१०	२१	वृषे	वक्री आश्ले. कर्के शुक्रः ३३ सितम्बर मा.×
८	चं १०२० रो १९१० ह १०११ कौ १०२०	२८	४२	१८	२	११	२२	मि४७।२३	जन्माष्टी व्र. वै. *मार्गी बुधः ५७
९	मं ५ १ मृ १५३६ व १०३५ ग ५ १	२५	४३	१७	३	१२	२३	मिथुने	भ. ५।१ उ. ३१।५८ या. गोगा ९
१०	मं ५३५३ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	×९ ता. ३० जन्माष्टमी व्र. स्मा.
११	बु ५२१३ आ १११० व्य ४७४३ ब २५३३	२१	४४	१६	४	१३	२४	क.५२।१४	अजा ११ व्र. स्मा. +वत्स द्वादशी
१२	शु ४४५० पु ५५५५ व ३९ ९ कौ १८३१	१७	४५	१५	५	१४	२५	कर्के	मघा. सिंहे बुधः २३ अजा ११ व्र. वै.+
१३	शु ३७२९ पु ५४५४ प ३०२० ग ११ ९	१३	४५	१५	६	१५	२६	सिं५४।२६	भ ३७।२९ उ. प्रदोषः
१४	श २९५५ म ४९१० शि २१३२ वि ३ ४२	९	४६	१४	७	१६	२७	सिंहे	भ. ३।४२ या. हस्ते भौमः ०।४६
१५	र २३१२ पू ४४३९ सि १३ २ ना २३१२	५	४७	१३	८	१७	२८	कं.५८।४९	कुशाग्रहणी पिठोरी ३० मन्वादिः

२१पं.भा.कृ.७सू.इ. ८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	४	४	९	८	४
१४	६	२९	३	०	७	२२	१३
२९	१३	२९	५१	६	१७	२९	५६
५६	२३	३१	४७	३६	५७	४७	५१
५८	३९	२३	१३	२६	१३	३	५७
१	२९	मा	३२	च	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

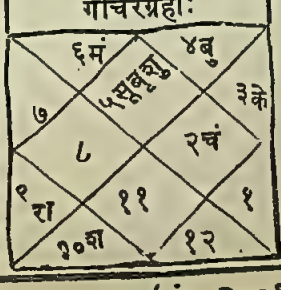

इस मास में ५ सोमवार तथा बुध गुरु शुक्र का उदय वर्षा श्रेष्ठ करे। धान्यगुड़गेहूं सोना सिरस्युं मूंगफली तेज होकर मंदी हो।

गोचरग्रहाः

२२पं.भा.कृ.३०सू.इ.७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	३	९	८	४
२१	१०	३	५	२७	६	२२	२०
१६	४४	१८	२२	४७	५८	७	४४
५५	३१	५४	२६	५२	१६	३२	३१
५८	३९	६३	१३	११	३३	३	५८
१३	४६	१३	२५	च	ब	११	१२

*चंमंबुशु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७३१स.१९९१
१	चं	१७	२९	उ	४१	२१	सा	५/१५	५३/१९	ब	१७	२९	३१/१	५/४८	६/१२	९	१८	२९	कन्यायां	
२	मं	१३	२०	ह	३९	५४	शु	५३	६	कौ	१३	२०	३०/५७	४९	११	१०	१९	३०	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	११	२	चि	४०	२२	ब्र	४९	४	ग	११	२	५३	४९	११	११	२०	१	तु.१०।८	भ. ४०/५१ उ. हरितालिका ३ गणेश चतुर्थी●
४	गु	१०	४०	स्वा	४२	३४	ऐं	४६	४१	वि	१०	४०	४८	५०	१०	१२	२१	२	तुलायां	भ. १०।४० या. मार्गी शुक्रः ५८।४७
५	शु	१२	६	वि	४६	५६	वै	४६	४	बा	१२	२६	४४	५१	९	१३	२२	३	वृ.३०।५०	उफा. रविः ४०।९ ऋषि पंचमी
६	श	१५	५२	अ	५२	३१	वि	४६	२०	तै	१५	५२	४०	५२	८	१४	२३	४	वृश्चिके	उफा.रविः सौरः १४/३५ मघा.३ गुरुः १६।३४
७	र	२०	५०	ज्ये	५९	२३	प्री	४७	५५	व	२०	५०	३६	५३	७	१५	२४	५	ध.५९।२३	भ २०/५० उ ५३/४५ या. पूफा. बुधः ३३/५६ अस्तो+
८	चं	२६	३९	मृ	६०	०	आ	४९	५८	ब	२६	३९	३२	५४	६	१६	२५	६	धनुषि	वक्री उषा. ३ शनिः २३।२६
९	मं	३३	७	मू	६	३७	सौ	५२	२८	कौ	३३	७	२८	५४	६	१७	२६	७	धनुषि	कन्यायामर्कः ५।३० (सौरः ३९।४६)
१०	बु	३९	१०	पू	१३	५५	शो	५४	४३	तै	६	१३	२४	५५	५	१८	२७	८	म.३०।३९	बुधास्तः पूर्वस्याम् ४७।११
११	गु	४४	५०	उ	२०	५१	अ	५६	४१	व	१२	४	२०	५६	४	१९	२८	९	मकरे	भ. १२।४ उ. ४४/५० या. जलझूलनी ११ व्र.
१२	शु	४९	२०	श्र	२६	५८	सु	५७	३९	ब	१७	५	१६	५७	३	२०	२९	१०	कु.५९।२४	वामन जयन्ती ●रविलावल ३
१३	श	५२	३०	ध	३१	५०	धृ	५७	३७	कौ	२०	५५	१२	५८	२	२१	३०	११	कुम्भे	प्रदोषः +भौमः ४६।५६
१४	र	५४	९	श	३५	२६	शू	५६	३७	ग	२३	१९	८	५८	२	२२	३१	१२	कुम्भे	भ.५४।९उ. उफा. बुधः ५७/१३ अनन्त १४
१५	चं	५४	२०	पू	३७	५३	गं	५४	३०	वि	२४	१४	४	५९	१	२३	१	१३	मी२२।१६	भ. २४/१४ या. रा. आश्विनारंभः महालयारं.

२३पं.भा.शु.७सू.इ.७।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	३	९	८	४
२८	१५	१२	६	२७	६	२१	२७
५	१७	३६	५१	१७	४२	४५	३१
२४	३१	४९	२२	२	२५	१६	५२
५८	३९	९९	१३	५/५	१/५५	३	५८
२६	५२	४	१९	मा	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

६म ४शु ७ ५सूबुबु ३के ८चं २ ९रा ११ १ १०श १२

भा. शु. ९ भौमे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४नं.४गतालकावस्था (बैठी) मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

७ ५बुव ८ ६सूमं ४शु ९रा ३के १०श १२ २ ११च १

२४पं.भा.शु.१४सू.इ.७।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	४	३	९	८	५
४	१९	२५	८	२८	६	२१	४
५५	५२	९	१८	४०	३१	२३	२१
१९	४८	११	५०	१	८	१	५९
५८	४०	९/१०	१३	१९	१/१९	३	५८
३८	१३	५०	३	४४	ब	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	५३	१०	उ	३९	०	वृ	५१	१५	बा	२३	४५	३०/००	६/००	६/००	२४	२	१४	मीने	कन्यायां बुधः ४६।२९
२	बु	५१	०	रे	३८	४७	ध्रु	४६	५८	तै	२२	५	२९/५५	६/१	५/५९	२५	३	१५	मे.३८।४७	
३	गु	४७	४६	अ	३८	२४	व्या	४१	५९	व	१९	२३	५१	२	५८	२६	४	१६	मेषे	भ. १९/२३ उ. ४७/४६ या. मघा. सिंहे शुक्रः १।४३
४	शु	४३	५६	भ	३६	५६	ह	३६	३५	ब	१५	५१	४७	३	५७	२७	५	१७	बृ.५१।२५	हस्ते रविः १८।३६ (सौरः ५२/१६) चित्रा.●
५	श	३९	३४	कृ	३४	५२	व	३०	२६	कौ	११	४५	४३	३	५७	२८	६	१८	वृषे	●भौमः २६।२९ चतुर्थी व्र.
६	र	३५	८	रो	३२	३१	सि	२४	२७	ग	७	२१	३८	४	५६	२९	७	१९	वृषे	भ. ३५।८ उ.
७	चं	३०	२०	मृ	२९	४१	व्य	१७	२३	वि	२	४४	३४	५	५५	३०	८	२०	मि १।५	भ.२।४४या हस्ते बुधः १/४५ मघा.४गुरुः २१/१६
८	मं	२५	१३	आ	२६	२६	व	१०	४०	कौ	२५	१३	३०	६	५४	१	९	२१	मिथुने	अक्टूबर मा. १० ता. ३१
९	बु	२०	२	पु	२२	४३	प	३/२८	५२/४३	ग	२०	२	२६	७	५३	२	१०	२२	क.८।३९	भ. ४७।१३ उ. मातृ ९
१०	गु	१४	२५	पु	१८	४९	सि	४८	४८	वि	१४	२५	२२	८	५२	३	११	२३	कर्के	भ. १४।२५ या.
११	शु	८	४९	श्ले	१४	४५	सा	४१	३३	बा	८	४९	१८	८	५२	४	१२	२४	सिं१४।४५	मार्गी शनिः २९।४० इन्दिरा ११ व्र.
१२	श	३	२१	म	१०	४७	शु	३४	२६	तै	३	२१	१४	९	५०	५	१३	२५	सिंहे	भ. ५८।१८ उ. प्रदोषः
१३	श	५४	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×सर्वपितृश्राद्धम् सोमवती ३०
१४	र	५३	२५	पू	७	५५	शु	२७	३२	वि	२६	४	१०	१०	५१	६	१४	२६	कं.२२।६	भ. २६।४ या. शस्त्रादिहतानां श्राद्धं
३०	चं	५०	२८	उ	४	३८	ब्र	२१	२०	च	२२	९	६	११	४९	७	१५	२७	कन्यायां	चित्रा. बुधः ४२।२० तुलायां भौमः २३/७×

२५पं.आ.कृ.६सू.इ.७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	४	४	९	८	५
११	२४	८	९	१	६	२१	११
४६	२८	२०	४४	३७	२५	०	१४
५५	१६	२०	२८	१	१६	४५	१
५८	४०	०/११	१२	३१	०/३३	३	५९
५३	२३	१३	३८	२०	ब	११	०

गोचरग्रहाः

७ ५शुबुचं ८ ६सूमबु ४ ९रा ३के १०श १२ चं २ ११ १

सिंहका गुरु सुभिक्ष एवं मंदी करे। वृहस्पतिर्यदा सिंहे सुभिक्षं तत्रजायते। मेघाश्च प्रबलास्तत्र बहुपस्या च मेदिनी ॥

गोचरग्रहाः

७ ५शुबुचं ८ ६सूबुमं ४ ९रा ३के १०श १२ २ ११ १

२६पं.आ.कृ.१४सू.इ.७।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	४	४	९	८	५
१८	२९	२०	११	५	६	२०	१८
४०	८	३०	६	५०	२३	३८	७
८	३८	४	४०	६	३७	२९	४८
५९	४०	७/१०	१२	४०	०/१०	३	५९
९	३९	१९	१७	२१	मा	११	१६

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं ४८ २८ ह ३ १९ ऐं १६ ५ कि १९ २८	२९	६	५	८	१६	२८	तु.३३।३१
२	बु ४७ ५८ वि ३ ४४ वै ११ ४६ बा १८ १३	२८	१२	४८	९	१७	२९	तुलायां
३	गु ४९ ३१ स्वा ४ ४९ वि ८ ५३ तै १८ ४४	५४	१३	४७	१०	१८	१	वृ.५२।२३
४	शु ५२ ३४ वि ८ १४ प्री ७ ३२ व २१ २	५०	१४	४६	११	१९	२	वृश्चिके
५	श ५७ १० अ १३ २९ आ ६ ४८ ब २४ ५२	४६	१५	४५	१२	२०	३	वृश्चिके
६	र ६० ० ज्ये १९ ५२ सौ ७ ४१ कौ २२ ५४	४२	१६	४४	१३	२१	४	ध.१९।५२
६	चं २ ३८ मू २६ ५३ शो ९ १० तै २ ३८	३८	१६	४४	१४	२२	५	धनुषि
७	मं ९ ७ पू ३४ ३२ अ ११ ३७ ब ९ ७	३४	१७	४३	१५	२३	६	म.५१।१४
८	बु १५ २६ उ ४१ २३ सु १३ ५४ ब १५ २६	३०	१८	४२	१६	२४	७	मकरे
९	गु २१ १४ श्र ४८ ३४ धृ १६ ० कौ २१ १४	२६	१९	४१	१७	२५	८	मकरे
१०	शु २६ १३ ध ५३ ५८ शू १७ ३४ ग २६ १३	२२	२०	४०	१८	२६	९	कु.२१।१६
११	श २९ ३७ श ५७ ५८ गं १८ १ वि २९ ३७	१८	२०	४०	१९	२७	१०	कुम्भे
१२	र ३१ १९ पू ६० ० वृ १७ १९ ब ० २८	१४	२१	३९	२०	२८	११	मी४६।११
१३	चं ३१ १६ पू ० १५ ध्रु १५ १४ कौ १ १७	१०	२२	३८	२१	२९	१२	मीने
१४	मं २९ १९ उ ० ५० ण्या ११ ३७ ग ० १७	६	२३	३७	२२	३०	१३	मीने
१५	बु २६ १ रे २ ५३ ह ६ ४९ ब २६ १	२	२४	३६	२३	१	१४	मि. ०।२

नवरात्रारम्भः मातामहश्रा.
चन्द्रदर्शनम् *तुलायां बुधः ४५।८
चित्रायां रविः ५०।३७ रविलाखर ४
भ.२१ उ.५३ या. चित्रा. रविः सौरः ३३ *
×१६ पूषा. २ राहुः आर्द्रा. ४ केतुः २६ +
=विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
सरस्वत्यावाहनं +विजया१० पट्टा.
भ.९।७उ. ४७या. स्वात्यां बुधः ३८।४५+
पूफा. शुक्रः १६।२८ बलिदानं
तुलायामर्कः ३४ स्वात्यां भौमः २०।३९=
भ ५५उ तुलार्कः सौरः ५ पूफा. १ गुरुः×
भ. २९।३७ या. पापांकुशा ११ व्र.

प्रदोषः +सरस्वती पूजनम्
भ.२९।१९उ.५७।४०या. कोजागरी व्र.
उषा.४शनिः १४ बुधोदयः प. रा.कार्तिका.

२७पं.आ.शु.६सू.इ.७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	४	४	९	८	५
२५	३	२	१२	१०	६	२०	२५
३५	४९	२०	२६	५१	२६	१६	३
६	४८	२६	२४	४	१०	१४	३०
५९	४०	२९	११	४१	०	३	५९
२१	४०	४५	४८	१२	५९	११	३१

गोचरग्रहाः

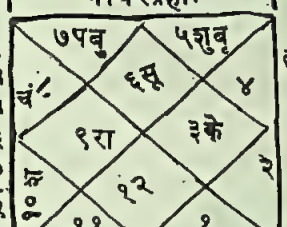

आ.शु. ९ गुरौ तुलायामर्कः प्र.वा.३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो पू ।

गोचरग्रहाः

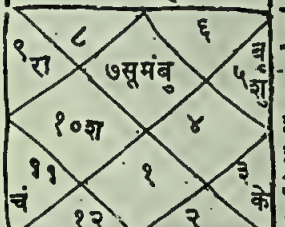

२८पं.आ.शु.१२सू.इ.६।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	४	९	८	६
२	८	१३	१३	१६	६	१९	२
३१	३३	३७	४२	३७	३४	५३	०
२४	४३	४०	६	२६	४८	५८	५८
५९	४१	९	११	५२	१	३	५९
३४	१	३८	१०	३५	४०	११	३९

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु २१ २६ भ ५४ ५९ व ३ ५ कौ २१ २६	२७	६	५	२४	२	१५	मेषे
२	शु १६ ८ कृ ५१ २४ व्य ४६ ४१ ग १६ ८	५४	२५	३५	२५	३	१६	वृ. ९।५
३	श १० ८ रो ४७ ३८ व ३८ ५५ वि १० ८	५०	२६	३४	२६	४	१७	वृषे
४	र ४ ५ मृ ४३ ४२ प ३१ ८ बा ४ ५	४६	२७	३३	२७	५	१८	मि२५।३१
५	र ५३ ५५ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०
६	चं ५२ १६ आ ४० ४ शि २३ २८ ग २५ ८	४२	२८	३२	२८	६	१९	मिथुने
७	मं ४७ ११ पु ३६ २८ सि १५ ५५ वि १९ ४३	३९	२८	३२	२९	७	२०	क.२२।२२
८	बु ४२ ८ पु ३३ ० सा ८ ३५ बा १४ ४०	३५	२९	३१	३०	८	२१	कर्के
९	गु ३७ ४४ श्ले ३० १ शु ० ५३ तै ९ ५६	३१	३०	३०	३१	९	२२	सिं३०।०
१०	शु ३३ ३७ म २७ २३ ब ४८ ४६ व ५ ४०	२७	३१	२९	१	१०	२३	सिंहे
११	श ३० १२ पू २५ ११ वै ४३ ८ ब १ ५४	२४	३१	२९	२	११	२४	कं.३९।४९
१२	र २७ २२ उ २३ ४३ वै ३८ ६ तै २७ ३२	२०	३२	२८	३	१२	२५	कन्यायां
१३	चं २५ ४३ ह २२ ५४ वि ३३ १४ व २५ ४३	१६	३३	२७	४	१३	२६	तु.५३।९
१४	मं २४ ५६ चि २३ २४ प्री ३० २ श २४ ५६	१३	३३	२७	५	१४	२७	तुलायां
३०	बु १५ २० स्वा २५ ५ आ २७ १८ ना २५ २०	९	३४	२६	६	१५	२८	तुलायां

स्वात्यां रविः १६ (सौरः ४) विश.×
भ. ४३।८ उ.
भ. १०।८ या. करक चतुर्थी व्र.

भ. ५२।१६ उ.
भ. १९।४३ या. ×बुधः १७।५०
वृश्चिके बुधः ५२।५६ उफा. शुक्रः ५३।२

भ.४०उ ३३या. नवम्बर मा. ११ ता. ३०
अनु बुधः ११।२६ रमा ११ व्र.
कन्यायां शुक्रः ४।५ प्रदोषः घन १३
भ. २५।४३ उ. ५५।२० या. रूप १४
विशा. भौमः ४८।४८ महालक्ष्मी पूजनम्
विशा. रविः ३६।४८ अन्नकूट गोवर्द्धनपूजा

२९पं.का.कृ.४सू.इ.६।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	४	९	८	६
९	१३	२४	१४	२३	६	१९	९
२९	१९	२४	५३	६	४७	३१	०
४९	२६	०	२४	५४	२८	४२	१८
५९	४१	९३	१०	५६	२	३	६०
४७	१६	४५	३१	३१	२०	११	२

गोचरग्रहाः

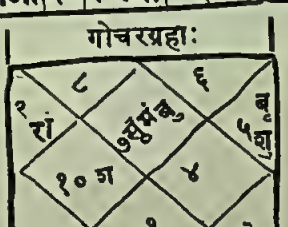

इस मासमें ५ गुरुवार श्रेष्ठ हैं। मंगलवारी दीपमालिका अनाज बाजरा मूंग मक्का आदिका संग्रह से लाभकारक रहे।

गोचरग्रहाः

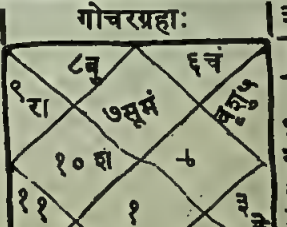

३०पं.का.कृ.१२सू.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	५	९	८	६
१६	१८	४	१५	०	७	१९	१६
२९	७	२९	५९	४	५	९	१
३८	५९	४०	५६	१२	१३	२७	२२
६०	४१	८६	९	५९	३	३	६०
४२	६	३८	४६	४५	१	११	१८

शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७९०सन् १९९१

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु २७ १५ वि २८ ३६ सौ २६ ४ ब	२७	१५	२७	३५	२५	७	१६ २९
२	शु ३० ३२ अ ३३ ११ शो २४ ५८ कौ	३०	३२	२	३६	२४	८	१७ ३०
३	श ३५ ११ ज्ये ३९ १६ अ २५ ३८ तै	२	५१	२६	३६	२४	९	१८ १
४	र ४० ३५ मू ४५ ३६ सु २६ ५० व	७	५३	५३	३७	२३	१०	१९ २
५	चं ४६ ५८ पू ५३ ५९ धृ २८ ५२ ब	१३	४६	५६	३७	२३	११	२० ३
६	मं ५३ २९ उ ६० ० शू ३१ १० कौ	२०	१३	४९	३८	२२	१२	२१ ४
७	बु ५९ ४८ उ १ ५५ गं ३३ २६ ग	२६	३८	४६	३९	२१	१३	२२ ५
८	गु ६० ० अ ९ ३४ वृ ३५ २८ वि	३२	३२	४३	३९	२१	१४	२३ ६
८	शु ५ १७ ध १६ ८ ध्रु ३६ ४३ ब	५	१७	४०	४०	२०	१५	२४ ७
९	श ९ २० श २१ १३ ब्या ३६ ४१ कौ	९	२०	३७	४१	१९	१६	२५ ८
१०	र ११ ५५ पू २४ ३४ ह ३५ २८ ग	११	५५	३४	४१	१९	१७	२६ ९
११	चं १२ २३ उ २५ ५८ व ३२ ४६ वि	१२	२३	३१	४२	१८	१८	२७ १०
१२	मं १० ४९ रे २५ २१ सि २८ २६ बा	१०	४९	२९	४२	१८	१९	२८ ११
१३	बु ७ २५ अ २३ ५ व्य २२ ३५ तै	७	२५	२६	४३	१७	२०	२९ १२
१४	गु २ २० भ १९ १७ व १५ १६ व	२	२०	२४	४३	१७	२१	३० १३
१५	गु ५३ २२ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०

विशा. रविः सौरः ४।२ पूफा. २ गुरुः ४ २५
चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २
जमादिलावल ५
भ. ७।५३ उ. ४०।३५ या.

ज्येष्ठा. बुधः ३।२७ हस्ते शुक्रः ४८।२७
भ. ५९।४८ उ.
भ. ३२।३२ या. गोपाष्टमी

वृश्चिकेऽर्कः ३२।५० (सौरः ५ १६) अक्षय ९
भ. ४२।९ उ.
भ. १३ या. प्रबोधिनी ११ व्र. तुल. वि.
अनु. रविः ५१।१० प्रदोषः
अनु. रविः सौरः १५ वृश्चिके भौमः १९ ०
भ. २।२० उ. २९।१ या. ०वकुंठ १४

३१पं.का.शु.४सू.इ.६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	५	९	८	६
२३	२२	१४	१७	७	७	१८	२३
३०	५९	१६	१	१२	२७	४७	३
५८	५९	२३	३४	४	२२	११	५८
६०	४१	७३	८	६२	३	३	६०
१७	३७	३८	५९	११	४२	११	३०

गोचरग्रहाः

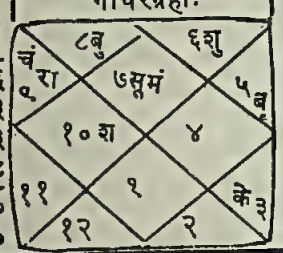

का.शु. ९ शनौ
बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.
३न.३ युवावस्था
(सूती) मु. १५
धान्यादिभावे सम-
मता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

३२पं.का.शु.१०सू.इ.६।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	४	५	९	८	७
०	२७	२२	१७	१४	७	१८	०
३३	५२	४८	५७	४१	५३	२४	८
४७	३७	४७	७	२८	४६	५६	२
६०	४१	६४	८	६४	४	३	६०
३०	४६	४०	३	७	२३	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु ४८ १८ कृ १४ १६ प ५२ ५७ बा	२२	१	२१	४४	१६	२२	१ १४
२	श ४० ३१ रो ८ ४६ सि ४८ २९ तै	१४	२४	१९	४४	१६	२३	२ १५
३	र ३२ २८ मृ ३ ५४ सा ३८ ५८ ब	६	२९	१६	४५	१५	२४	३ १६
४	चं २५ ११ पु ५२ १६ शु २० १ बा	२५	११	१३	४५	१५	२५	४ १७
५	मं १८ २३ पु ४८ १० शु २१ १४ तै	१८	२३	११	४६	१४	२६	५ १८
६	बु १२ ३६ श्ले ४४ २८ ब्र १३ ८ व	१२	३६	८	४६	१४	२७	६ १९
७	गु ७ ३८ म ४१ ४७ ऐं ५९ ५२ ब	७	३८	६	४७	१३	२८	७ २०
८	शु ३ ४६ पू ३९ ५९ वि ५३ ५३ कौ	३	४६	३	४७	१३	२९	८ २१
९	श १ ५ उ ३९ ५ प्री ४९ १९ ग	१	५	१	४८	१२	३०	९ २२
१०	श ५७ १५ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०
११	र ५८ ४४ ह ३९ ५ आ ४५ ३७ ब	२९	२	२५ ५९	४८	१२	१	१० २३
१२	चं ५९ २६ चि ४० २८ सौ ४२ ४६ कौ	२९	५	५७	४९	११	२	११ २४
१३	मं ६० ० स्वा ४२ ५० शो ४० ५९ ग	३०	१४	५५	४९	११	३	१२ २५
१३	बु १ २ वि ४६ २३ अ ३९ ५२ व	१	२	५३	४९	११	४	१३ २६
१४	गु ३ ५३ अ ५१ २० सु ३९ ३५ श	३	५३	५१	५०	१०	५	१४ २७
३०	शु ७ ४६ ज्ये ५७ २८ धृ ३९ ५१ ना	७	४६	४९	५०	१०	६	१५ २८

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्ति. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

रा. मार्गशीर्षारंभः

भ. ६।२९ उ. ३२ २८ या. चित्रा. शुक्रः ५६ २१ ०
चतुर्थी व्र. ०अनु. भौमः ५१।१४

भ. १२।३६ उ. ४०।७ या. वक्री बुधः ५३।५

भ. ३०।१२ उ. ५९ ३० या. तुलायां शुक्रः ४६ ३३

दिसम्बर १२ ता. ३१ उत्पत्ति ११ व्र. स्मा.
बुधास्तः पश्चि. ३१।२ उत्पत्ति ११ व्र. वै.
ज्येष्ठा. रविः १।२० (सौरः २३ ७) प्रदोषः
भ. १।२ उ. ३२।२८ या.
×३ केतुः ५।१४
स्वात्यां शुक्रः ३५।९ पूषा. १ राहुः आर्द्रा.×

३३पं.मा.कृ.३सू.इ.५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	५	९	८	७
७	२	२९	१८	२२	८	१८	७
३७	४८	५	४५	२४	२४	२	१३
३७	२२	३१	२२	५०	०	३०	३५
६०	४१	३५	६	६५	४	३	६०
४२	५६	२२	५८	२३	५२	११	५३

गोचरग्रहाः

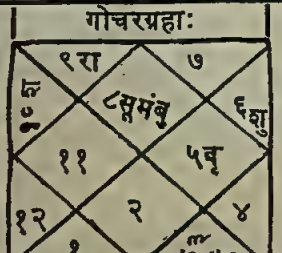

मार्गशीर्ष में ५ शनि शुक्रवार भी पांच। घटाबढ़ी होवेघनी दोतरफा यह चाल।। हरेक वस्तुमें मंदीहोकर तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

३४पं.मा.कृ.११सू.इ.५।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	६	९	८	७
१४	७	२९	१९	०	८	१७	१४
४२	४६	५१	२५	१९	५७	३०	२०
५४	४४	४०	१९	१६	५०	२५	२१
६०	४१	३९	५	६७	५	३	६१
५०	१७	८	५६	४	१९	११	३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६८२०स.१९९१
१	श	१२	५२	मू	६०	०	शू	४१	२२	ब	१२	५२	२५/४८	६/५०	५/१०	७	१६	२९	धनुषि	पूफा. ३ गुरुः ५९।२९
२	र	१८	२१	मू	४	१६	गं	४३	७	कौ	१८	२१	४६	५१	९	८	१७	३०	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	२४	५३	पू	११	५४	वृ	४५	२२	ग	२४	५३	४५	५१	९	९	१८	१	म.२८।५३	भ. ५८।१० उ. जमादिलाखर ६
४	मं	३१	२८	उ	१९	५०	ध्रु	४७	३१	वि	३१	२८	४४	५१	२	१०	१९	२	मकरे	भ. ३१।२८ या.
५	बु	३८	७	श्र	२७	४९	व्या	४९	५६	ब	४	४७	४२	५२	८	११	२०	३	मकरे	
६	गु	४३	५५	ध	३५	१५	ह	५१	४६	कौ	११	१	४१	५२	८	१२	२१	४	कु.१।३२	श्रवणे १ शनिः ३७।२८ चम्पा ६
७	शु	४८	५२	श	४१	३७	व	५२	४७	ग	१६	२३	४०	५२	८	१३	२२	५	कुम्भे	भ.४८/५२ उ. वक्री अनु. बुधः७।२० ज्येष्ठा.●
८	श	५२	२३	पू	४६	४०	सि	५२	३७	वि	२०	३७	३९	५२	८	१४	२३	६	मी३०।२५	भ. २०।३७ या. बुधोदयः पूर्व. ३६।६
९	र	५४	२	उ	४९	४६	व्य	५१	११	बा	२३	१२	३८	५२	८	१५	२४	७	मीने	
१०	चं	५४	३०	रे	५०	४५	व	४८	९	तै	२४	१६	३८	५२	८	१६	२५	८	मे.५०।४५	मूले धनुष्यर्कः ८।३२ (सौरः २६।५१)
११	मं	५१	११	अ	४९	४१	प	४३	२६	व	२२	५१	३७	५३	७	१७	२६	९	मेषे	भ.२२/५१ उ.५१/१२ या. मोक्षदा ११ व्र. गीता ज.
१२	बु	४६	४१	भ	४६	४२	शि	३७	८	ब	१८	५६	३७	५३	७	१८	२७	१०	मेषे	विशा. शुक्रः ६।२७ ●भौमः २८।७
१३	गु	४०	२७	कृ	४१	४३	सि	२९	१९	कौ	१३	३४	३७	५३	७	१९	२८	११	वृ.०।२५	मार्गी बुधः २६।४६ प्रदोषः
१४	शु	३२	४०	रो	३५	३८	सा	१९	५७	ग	६	३३	३६	५३	७	२०	२९	१२	वृषे	भ. ३२।४० उ. ५८।२० या.
१५	श	२३	५९	मृ	२८	४१	शु	१०/१२	४९/२३	ब	२३	५९	३६	५३	७	२१	३०	१३	मि२।१०	दत्तजयंती पूर्व प्रदेशे चंद्रग्रहणम्

३५पं.मा.शु.५सू.इ.५।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	६	९	८	७
२१	१२	२२	२०	८	९	१७	२१
४८	४६	४०	०	२२	३५	१८	२८
५८	४८	८	२९	४४	४२	९	६
६०	४२	१९/२२	४	६८	५	३	६१
५६	२०	ब	४५	९	४६	११	११

गोचरग्रहाः

मा. शु.१० चंद्रे धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं पू.

गोचरग्रहाः

३६पं.मा.शु. ९सू.इ.५।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	६	९	८	७
२८	१७	१५	२०	१६	१०	१६	२८
५५	४९	२	२५	३१	१५	५५	३६
५२	१२	५५	४८	३४	२२	५३	४९
६१	४२	४९/५४	३	६९	६	३	६१
०	४१	ब	३४	४	१४	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१४	४६	आ	२१	२६	ब्र	४८	५६	कौ	१४	४६	२५/३६	६/५३	५/७	२२	१	१४	मिथुने	रा. पौषारंभः
२	चं	५	४१	पु	१४	२५	ऐं	३८	२६	ग	५	४१	३६	५३	७	२३	२	१५	क.१।१०	भ. ३१।३८ उ. ५६।५६ या.
३	चं	५१	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	मं	४८	५९	पु	८	३	वै	२८	३४	ब	२२	५७	३६	५३	७	२४	३	१६	कर्के	चतुर्थी व्र.
५	बु	४३	२२	श्ले	२/२५	५५/५२	वि	१९	२५	कौ	१६	१०	३७	५३	७	२५	४	१७	सिं२।२५	ज्येष्ठा. बुधः २१।४०
६	गु	३८	२०	पू	५५	२७	प्री	११	२७	ग	१०	५१	३७	५३	७	२६	५	१८	सिंहे	भ. ३८।२० उ. वृश्चिके शुक्रः २०।५६
७	शु	३३	५३	उ	५४	६	आ	४/५०	५४/३८	वि	६	६	३७	५३	७	२७	६	१९	कं.१०।७	भ. ६।६ या.
८	श	३१	५५	ह	५४	६	शो	५५	२२	बा	२	५४	३८	५२	८	२८	७	२०	कन्यायां	
९	र	३१	३८	चि	५५	२९	अ	५२	३२	तै	१	४६	३८	५२	८	२९	८	२१	तु.२४।४७	पूषा.रविः १३/२८ (सौरः २८/२९) अनु. शुक्रः ११/४
१०	चं	३२	५०	स्वा	५८	२३	सु	५१	०	व	२	१४	३९	५२	८	३०	९	२२	तुलायां	भ. २।१४ उ. ३२।५० या.
११	मं	३५	१७	वि	६०	०	धृ	५०	२२	ब	४	३	४०	५२	८	३१	१०	२३	वृ.४६।२०	मूले धनुषि भौमः ५२।७ सफला ११ व्र.
१२	बु	३९	२८	वि	२	१९	शू	५०	४१	कौ	७	२२	४०	५२	८	१	११	२४	वृश्चिके	वक्री गुरुः५६।३२ जनवरी मा.१ता.३१●
१३	गु	४३	४६	अ	७	३४	गं	५१	३२	ग	११	३७	४१	५२	८	२	१२	२५	वृश्चिके	भ. ४३।४६ उ. प्रदोषः
१४	शु	४९	२१	ज्ये	१३	२२	वृ	५३	२	वि	१६	३३	४२	५२	८	३	१३	२६	ध.१३।२२	भ. १६।३३ या.
३०	शं	५५	१७	मू	२०	२३	ध्रु	५४	४८	च	२२	१९	४३	५२	९	४	१४	२७	धनुषि	उदयो भौमः ३२।५७ ●सन् १९९२

३७पं. पौ.कृ.१सू.इ.५।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	४	६	९	८	८
६	२२	१५	२०	२४	१०	१६	५
३	५४	१	४२	५१	५८	३३	४६
२९	११	१	१४	५०	५२	३८	१४
६०	४२	३०/१४	२	६९	६	३	६१
५६	२६	ब	६	५०	२८	११	२२

गोचरग्रहाः

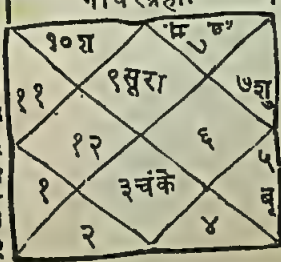

पौष शु.९ भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

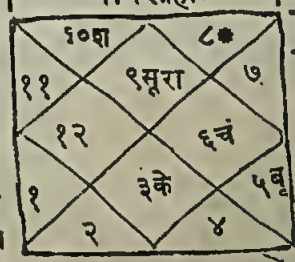

३८पं. पौ.कृ. ९सू.इ.५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	४	७	९	८	८
१३	२८	२०	२०	३	११	१६	१२
११	०	५९	४८	१२	४३	११	५६
३१	३२	२४	४०	५८	२३	२२	६
६१	४२	६२	०	७०	६	३	६१
६	५५	४	४३	३२	४४	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६८४९ स. १९९२
१	र	६०	०	पू	२७	३१	व्या	५६	५३	किं	२८	३१	२५/४४	६/५१	५/९	५	१५	२८	म.४४।२९	मूले धनुषि बुधः २८।५
१	चं	१	४६	उ	३५	२४	ह	५९	८	व	१	४६	४६	५१	९	६	१६	२९	मकरे	चंद्रदर्शनम्
२	मं	८	१३	श्र	४३	११	व	६०	०	कौ	८	१३	४७	५१	९	७	१७	१	मकरे	रज्जव ७
३	बु	१४	४५	ध	५१	५	व	१	३०	ग	१४	४५	४९	५०	१०	८	१८	२	कुं.१७।८	भ. ४७।४३ उ.
४	गु	२०	४२	श	५८	०	सि	३	१७	वि	२०	४२	५१	५०	१०	९	१९	३	कुंभे	
५	शु	२५	४९	पू	६०	०	व्य	४	४६	बा	२५	४९	५२	५०	१०	१०	२०	४	मी४७।३१	भ. २०।४२ या. ज्येष्ठा. शुक्रः ७।५५
६	श	२९	५३	पू	४	२	व	६	२९	तै	२९	५३	५४	४९	११	११	२१	५	मीने	उषा. रविः १८।१२ (सौरः २९।५६)
७	र	३२	३१	उ	८	३७	प	५	६	ग	१	१२	५६	४९	११	१२	२२	६	मीने	भ. ३२।३१ उ. श्रवणे २ शनिः १८।१३
८	चं	३३	२१	रे	११	२७	शि	३	२७	वि	२	५६	५८	४८	१२	१३	२३	७	मे.११।२७	भ. २।५६ या. अस्तं शनेः १।२६
९	मं	३२	२५	अ	१२	४०	सि	२३/०	५५/८	बा	२	५३	२६/१	४८	१२	१४	२४	८	मेषे	मकरेऽर्कः ३४।३६ (सौरः ४५/२१) पूषायां●
१०	बु	२९	३३	भ	११	३५	शु	४९	३१	तै	०	५९	३	४७	१३	१५	२५	९	वृ.२५।४९	भ. ५७।८ उ.
११	गु	२४	४३	कृ	८	३१	शु	४१	४९	वि	२४	४३	५	४७	१३	१६	२६	१०	बृषे	भ. २४।४३ या. पुत्रदा ११ व्र.
१२	शु	१८	३	रो	३/५०	५४/५९	ब्र	३२	४७	बा	१८	३	८	४६	१४	१७	२७	११	मि३०।४३	प्रदोषः ●बुधः ५७।१०
१३	श	१०	१	आ	४९	५२	ऐं	२२	४१	तै	१०	१	१०	४६	१४	१८	२८	१२	मिथुने	पूषायां भौमः ४५।५७
१४	र	०	४७	पु	४१	५९	वै	११	५०	व	०	४७	१२	४६	१४	१९	२९	१३	क.२८।५७	भ. ०।४७ उ. २५।५४ या.
१५	र	५०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३९पं. पौ.शु.१सू.इ. ५।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	४	७	९	८	८
२०	३	२९	२०	११	१२	१५	२०
१९	९	३०	४६	३८	३०	४९	६
२६	४७	२२	८	५५	७	७	३
६१	४३	७७	३५/०	७१	७	३	६१
६	३	१	ब	५	२	११	२६

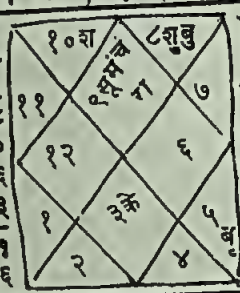

४०पं. पौ.शु.७सू.इ.४।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	४	७	९	८	८
२७	८	९	२०	२०	१३	१५	२७
२७	१९	१०	३४	११	१८	२६	१५
४०	५६	४४	१६	६	२५	५१	५५
६१	४३	८६	२/७	७१	७	३	६१
६	२०	४६	ब	३२	१०	११	२४

४१पं. पौ.शु.१४सू.इ.४।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	४	७	९	८	९
४	१३	१९	२०	२८	१४	१५	४
३५	३३	३०	१२	४३	७	४	२५
३१	४७	४	५०	३०	४४	३५	२४
६१	४३	९३	३१/३	७१	७	३	६१
३	३४	५७	ब	५१	१८	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४१	१२	पु	३४	१४	वि	३९/०	४८/५८	बा	१६	७	२६/१५	६/४५	५/१५	२०	३०	१४	कर्के	मूले धनुषि शुक्रः ८।४९
२	मं	३१	५०	श्ले	२६	४९	आ	३८	५०	तै	६	३१	१७	४५	१५	२१	१	१५	सिं२६।४९	भ.५७/३८ उ. अभि.प्र. रविः २७/२१ (सौर.१६/४३) ●
३	बु	२३	२६	म	२०	२९	सौ	२९	४	वि	२३	२६	२०	४४	१६	२२	२	१६	सिंहे	भ २३/२६ या. वक्री पूफा.२गुरुः ४३/५४ चतुर्थी ब्र.
४	गु	१६	३३	पू	१५	४६	शो	२०	३२	बा	१६	३३	२२	४४	१६	२३	३	१७	कं.३०।०	उषा. बुधः ४९/३१ बुधास्तः पूर्वस्याम् २३।५
५	शु	११	५	उ	१२	४२	अ	१३	२६	तै	११	५	२५	४३	१७	२४	४	१८	कन्यायां	श्रवणे रविः २३।४४ (सौरः ३२।४०)
६	श	७	५३	ह	११	१४	सु	७	५०	व	७	५३	२७	४३	१७	२५	५	१९	तु.४१।३५	भ. ७।५३उ. ३७।१४या. अभि.ति.रविः×
७	र	६	३४	चि	११	५५	धृ	३	५०	ब	६	३४	३०	४२	१८	२६	६	२०	तुलायां	×१६।१३ (सौरः २४/५६) मकरे बुधः ५३/३१
८	चं	७	२१	स्वा	१४	२०	शू	१	२३	कौ	७	२१	३३	४१	१९	२७	७	२१	तुलायां	
९	मं	९	४२	वि	१८	६	गं	०	२३	ग	९	४२	३६	४१	१९	२८	८	२२	वृ.२।१०	भ. ४१।४२ उ.
१०	बु	१३	४३	अ	२३	९	वृ	०	५३	वि	१३	४३	३९	४०	२०	२९	९	२३	वृश्चिके	भ. १३।४३ या.
११	गु	१८	४४	ज्ये	२९	९	ध्रु	१	५३	बा	१८	४४	४२	४०	२०	३०	१०	२४	ध्र.२९।९	पूषा. शुक्रः ५७।४४ षट्तिला ११ व्र.
१२	शु	२४	५०	मू	३६	९	व्या	३	२९	तै	२४	५०	४६	३९	२१	३१	११	२५	धनुषि	
१३	श	३१	५	पू	४३	१९	ह	५	३९	व	३१	५	४९	३८	२२	१	१२	२६	धनुषि	भ.३१/५ उ. श्रवणे बुधः ७/११ फरवरी मा.२+
१४	र	३७	४२	उ	५०	५३	व	८	१	वि	४	२३	५२	३८	२२	२	१३	२७	म.०।१३	भ. ४।२३ या. +ता. २९ प्रदोषः
३०	चं	४४	४	श्र	५८	१८	सि	१०	१३	च	१०	५३	५५	३७	२३	३	१४	२८	मकरे	सोमवती ३० ●रा. माघारंभः

४२पं.मा.कृ.७सू.इ.४।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	८	९	८	९
११	१८	०	१९	७	१४	१४	११
४२	४८	१८	४२	१८	५७	४२	३४
५८	११	४०	५८	१८	४०	२०	१५
६०	४३	९६	३९/३	७२	७	३	६१
५९	४५	५४	ब	१६	२०	११	१३

गोचरग्रहाः

—मास फल—
उड़द, मूंग और बाजरा, मक्का मंदी जान। मंगल धन के जब रहे मंदीमें लो मान॥

गोचरग्रहाः

४३पं.मा.कृ.१४सू.इ.५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	८	९	८	९
१८	२४	११	१९	१५	१५	१४	१८
४९	५	३९	५	५४	४८	२०	४२
२६	२०	१८	४२	४	११	४	१८
६०	४४	९३/०	५२/५	७२	७	३	६१
५५	१	१	ब	३४	२०	११	४

●मंशुरा (सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशुरा

तिथि: माघ शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाक: १९१३ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६८७९स.१९९२

१	मं	५०	१३	ध	६०	०	व्य	१२	२३	किं	१७	८	२६	३६	२४	५	४	१५	२९	कुं.३१।५९
२	बु	५५	४१	ध	५	४१	व	१४	८	ना	२२	५७	२७	३६	२४	५	१६	३०		कुम्भे
३	गु	६०	०	श	१२	२१	प	१५	१०	तै	२८	३	६	३५	२५	६	१७	१		कुम्भे
३	शु	०	२६	पू	१८	२१	शि	१५	५७	ग	०	२६	९	३४	२६	७	१८	२		मी२।३६
४	श	४	१६	उ	२१	३५	सि	१५	३४	वि	४	१६	१३	३३	२७	८	१९	३		मीने
५	र	६	५८	रे	२७	२२	सा	१४	४८	बा	६	५८	१६	३३	२७	९	२०	४		मे.२७।२२
६	चं	८	२१	अ	२९	४७	शु	१२	४४	तै	८	२१	२०	३२	२८	१०	२१	५		मेषे
७	मं	८	१५	भ	३०	३७	शु	९	२७	व	८	१५	२४	३१	२९	११	२२	६		वृ.४५।२३
८	बु	६	४६	कृ	२९	३९	ब्र	४७	५४	ब	६	४६	२७	३१	२९	१२	२३	७		वृषे
९	गु	३	३७	रो	२७	७	वै	५१	५०	कौ	३	३७	३१	३०	३०	१३	२४	८		मि५५।७
१०	गु	५५	७	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०
११	शु	५२	२६	मृ	२३	८	वि	४३	३५	ब	२५	३५	३५	२९	३१	१४	२५	९		मिथुने
१२	श	४४	४०	आ	१६	५९	प्री	३४	११	ब	१८	३३	३३	२८	३२	१५	२६	१०		क.५६।५४
१३	र	३५	५९	पु	१०	१२	आ	२३	५०	कौ	१०	१९	४२	२९	३२	१६	२७	११		कर्के
१४	चं	२६	३९	पु	४४	५२	सौ	१३	१३	ग	१	१९	४६	२७	३३	१७	२८	१२		सिं१५।३
१५	मं	१७	५	म	४७	३६	शो	५६	३९	ब	१७	५	५०	२६	३४	१८	२९	१३		सिंहे

४४पं.मा.शु.५सू.इ.५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	८	९	८	९
२५	२९	२३	१८	२४	१६	१३	२५
५५	२३	३१	२१	३१	३८	५७	४९
१६	३८	२५	११	१२	२	४९	५
६०	४४	७	४५	७२	७	३	६०
४७	१	५९	ब	५३	१८	११	५५

गोचरग्रहाः

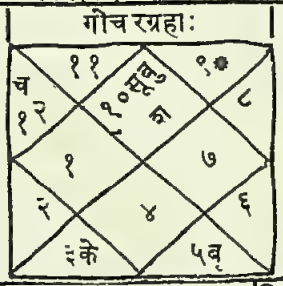

मा. शु. ९ गुरौ कुम्भेऽर्के: प्र.वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे सम. घंता शुक्रोदयः पू.

गोचरग्रहाः

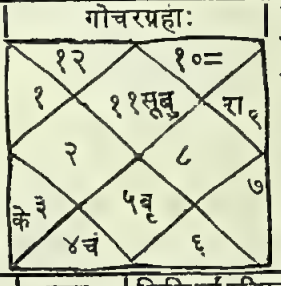

४५पं.मा.शु.१३सू.इ.५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	४	९	९	८	१०
३	४	६	१७	३	१७	१३	२
०	४२	१	३१	९	२७	३५	५५
४	५८	५	२३	२९	२५	३३	८
६०	४४	९	२८	७३	७	३	६०
३७	१६	२३	ब	११	११	११	४२

तिथि: फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाक: १९१३ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	बु	७	५८	पू	४१	१७	सु	४१	५३	कौ	७	५८	२७	६	५	१९	३०	१४		क.५४।५८
२	बु	५१	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५४	२५	३५	०	०	०		०
३	गु	५३	५	उ	३६	२६	धृ	३३	१६	व	२६	३०	५८	२४	३६	२०	१	१५		कन्यायां
४	शु	४८	३	ह	३३	२३	शू	२६	५	ब	२०	३४	२९	२४	३६	२१	२	१६		कन्यायां
५	श	४५	३	चि	३२	६	गं	२०	२२	कौ	१६	३३	६	२३	३७	२२	३	१७		तु.२।४४
६	र	४४	३६	स्वा	३३	१	वृ	१६	३२	ग	१४	४९	१०	२२	३८	२३	४	१८		तुलायां
७	चं	४५	५९	वि	३५	४४	ध्रु	१४	१५	वि	१५	१७	१४	२१	३९	२४	५	१९		बृ.२०।४
८	मं	४९	२३	अ	४०	२५	व्या	१३	४८	बा	१७	४१	१८	२०	४०	२५	६	२०		वृश्चिके
९	बु	५४	१०	ज्ये	४६	११	ह	१४	१०	तै	२१	५१	२२	२०	४०	२६	७	२१		ध.४६।११
१०	गु	६०	०	मू	५३	८	व	१५	४५	व	२७	९	२६	१९	४१	२७	८	२२		धनुषि
१०	शु	०	८	पू	६०	०	सि	१७	५३	वि	०	८	३०	१८	४२	२८	९	२३		धनुषि
११	श	६	२६	पू	०	११	व्य	२०	२१	बा	६	२६	२४	१७	४३	२९	१०	२४		म.१७।१
१२	र	१३	११	उ	७	३२	व	२२	४३	तै	१३	११	३८	१६	४४	१	११	२५		मकरे
१३	चं	१९	३१	श्र	१४	३५	प	२४	१	व	१९	३१	४२	१६	४४	२	१२	२६		कु.४८।४
१४	मं	२५	१७	ध	२१	३३	शि	२६	३०	श	२५	१७	४६	१५	४५	३	१३	२७		कुंभे
२०	बु	३०	७	श	१७	५१	सि	२७	२६	ना	३०	७	५०	१४	४६	४	१४	२८		कुंभे

शते रविः ४३।४१ (सौरः ४७।५०)

भ.३६ उ.५३ या. मूले४राहुःआर्द्रा.२केतुः×
श्रवणे शुक्रः ३७।३९ चतुर्थी व्र.
वक्री पूफा. १ गुरुः ४८।२९
भ.४६ उ. पूभा. बुध.४६ श्रवणे भौमः१२°
भ. १५।१७ या.
×५९।१० रा. फाल्गुनारम्भः
*महाशिवरात्रि व्र. स्मा.
भ. २७।९ उ.
भ.०।८या. बुधोदयः पश्चिमायाम् ७।४३
मीने बुधः १३।५ विजया ११ व्र.
मार्च मा. ३ ता. ३१ प्रदोषः
भ. १९।३१उ.५२ या. उभा. बुधः ८।४८*
पूभा.रवि:५९ धनि.शुक्र:३६ महाशि.व्र.वै.
पूभा. रविः सौरः २।३७

४६पं.फा.कृ.६सू.इ.५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	४	९	९	८	१०
१०	१०	१९	१६	११	१८	१३	९
३	४	२	३७	४७	१५	१३	५९
३२	८	१३	४४	४२	४०	१७	४१
६०	४४	११	५८	७३	७	३	६०
२५	३१	४४	ब	२०	२०	११	३१

गोचरग्रहाः

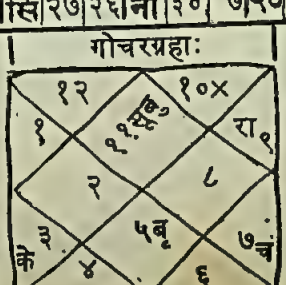

इस मास में घृत तिल तैल गुड़खांड एरंडा सोनाचांदी तांबा गेहूं तेज रहेगा।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.कृ.१२सू.इ.६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	४	९	९	८	१०
१७	१५	१	१५	२०	१९	१२	१७
५	२६	३१	४३	२६	२	५१	२
४६	२८	३४	२६	२८	४६	२	३२
६०	४४	८	५५	७३	६	३	६०
१२	३७	४३	ब	३०	४६	११	२०

४४ *मंशुरा ×मंशुश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) =मंशुश +मंशुश

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३	दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंततौ रविरुत्तरेऽहर्गणः६९०९स.१९९२
१	गु ३४ ४ पू ३२ ४९ सा २७ ४० कि २ ५	५४	१३	४७	५	१५	२९	मी १६।३९	
२	शु ३७ ५ उ ३७ १५ शु २७ ६ बा ५ ३४	५८	१२	४८	६	१६	३०	मीने	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	श ३८ ५६ रे ४० ५२ शु २५ ४६ ते ८ ०	२९	१२	४८	७	१७	१	मे.४०।५२	रमजान ९ ●शते शुक्रः १५।२१
४	र ३९ ४४ अ ४३ २२ ब २३ २३ व ९ २०	६	११	४९	८	१८	२	मेषे	भ. ९।२०उ. ३९ या. कुम्भे शुक्रः ५१।८
५	चं ३९ २८ भ ४४ ४४ रें २० ३५ ब ९ ३६	१०	१०	५०	९	१९	३	बृ.५९।४७	श्रवणे ४ शनिः ५५।१७
६	मं ३८ ४ कृ ४४ ५६ वै १६ ४६ कौ ८ ४६	१४	९	५१	१०	२०	४	बृषे	
७	बु ३५ ३३ रो ४३ ५७ वि ११ ५५ ग ६ ४८	१९	८	५२	११	२१	५	बृषे	भ. ३५।३३ उ. धनिष्ठा. भौमः २८।४०
८	गु ३२ ३ मृ ४१ ३९ प्री ६ ३३ वि ३ ४८	२३	७	५३	१२	२२	६	मि १२।४८	भ. ४८ या. रेवत्यां बुधः ५३ होलाष्टकः
९	शु २७ २३ आ ३९ २५ सौ ५२ ५ कौ २७ २३	२७	७	५३	१३	२३	७	मिथुने	
१०	श २१ ३२ पु ३३ ३४ शो ४३ ४६ ग २१ ३२	३२	६	५४	१४	२४	८	क.१९।४६	भ. ४६ उ. मीनेऽर्कः ०।४३ (सौरः ५७)
११	र १४ ४७ पु २७ ४३ अ ३४ ४६ वि १४ ४७	३६	५	५५	१५	२५	९	कर्के	भ. १४।४७ या. आमलकी ११ व्र.
१२	चं ७ १० श्ले २१ २० सु २५ ११ बा ७ १०	४०	४	५६	१६	२६	१०	सिं २१।२०	वक्री बुधः ५०।५३ प्रदोषः
१३	चं ५१ ४८ ० ० ० ० ० ० ८ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	मं ५० ४१ म १४ ४९ धृ १५ २३ ग २१ ४९	४४	३	५७	१७	२७	११	सिंहे	भ.५०।४१उ. उभा. रविः ३१ (सौरः ३३)
१५	बु ४२ ४० पू ८ २४ शू ५३ ५१ वि १६ ४०	४९	२	५८	१८	२८	१२	कं.२२।१	भ. १६।४० या. होलिकादहनं

४८पं.फा.४शु.सू.इ.६।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	४	९	९	८	१०
२४	२०	१२	१४	२९	१५	१२	२४
६	४८	१७	४८	५	४८	२८	३
२९	५८	१३	४३	२	१४	४६	५५
५९	४४	७५	५७	७३	६	३	६०
५८	४८	२१	व	४३	२९	११	४२

गोचरग्रहाः

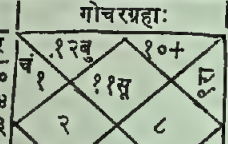

फा.शु. १० शनौ मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न. ४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

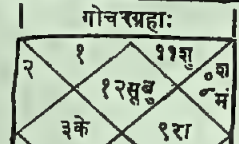

४९पं.फा.शु.११सू.इ.६।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	४	१०	९	८	११
१	२६	१७	१३	७	२०	१२	१
५	१३	२१	५६	४३	३१	६	३
३१	३७	४३	३५	१२	३७	३१	३७
५९	४४	१७	५५	७३	६	३	५९
४१	५३	२४	व	५०	१२	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०४८ शाकः १९१३	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंततौ रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु ३६ ४१ उ ३५ ५३ वृ ४८ ५७ बा ९ ४०	५३	६	५३	१९	२९	१३	कन्यायां	कुंभे भौमः ५३ पश्चिमास्तो बुधः ३६ छारेंडी
२	शु ३० ४ चि ५६ ३ ध्रु ४२ ८ ते ३ २२	५७	१	५९	२०	३०	१४	तु.२७।२४	भ.५७।५८उ. वक्री मघा. ४ गुरुः १८।७
३	श २५ ५३ स्वा ५५ २९ ब्या ३६ ५९ वि २५ ५३	३०	६	०	२१	१	१५	तुलायां	भ. ५३ या. वक्री उभा. बुधः २४।१३●
४	र २४ ५ वि ५६ ५८ ह ३३ २० बा २४ ५	६	५	१	२२	२	१६	बृ.४१।३५	●रा. चैत्रारंभः चतुर्थी व्र.
५	चं २३ ५९ अ ६० ० व ३१ २३ ते २३ ५९	१०	५८	२	२३	३	१७	बृश्चिके	
६	मं २६ ३० अ ० २२ लि ३१ २ व २६ ३०	१४	५७	३	२४	४	१८	बृश्चिके	भ. २६।३० उ. ५८।३० या.
७	बु ३० ३० ज्ये ५ २२ व्य ३१ ३७ ब ३० ३०	१८	५६	४	२५	५	१९	ध.५।२२	पूभा. शुक्रः ४।८
८	गु ३६ ० मू ११ ४९ व ३३ ३५ बा ३ ०	२३	५५	५	२६	६	२०	धनुषि	शीतलापूजनम्
९	शु ४१ ५८ पू १८ ५५ प ३५ ४६ ते ८ ५९	२७	५५	५	२७	७	२१	म.३५।४५	
१०	श ४८ ३२ उ २६ १४ शि ३८ १४ व १५ १५	३१	५४	६	२८	८	२२	मकरे	भ.१५।१५उ. ३६ या. शते भौमः ३९।४६
११	र ५४ ४३ श्र ३३ २५ सि ४० २३ ब २१ ३७	३५	५३	७	२९	९	२३	मकरे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	चं ६० ० ध ४० ३ सा ४२ १६ कौ २७ ३७	३९	५२	८	३०	१०	२४	कुं.६।४४	रेवत्यां रविः ४९।३० (सौरः ५१।१)
१३	मं ० ३१ श ४५ ५० शु ४३ ११ ते ० ३१	४४	५३	९	३१	११	२५	कुम्भे	प्रदोषः
१३	बु ५ ५ पू ५० २५ शु ४३ ११ व ५ ५	४८	५०	१०	१	१२	२६	मी ३४।१७	भ.५।५उ.३६।४०या. अप्रेल मा.४ता.३०
१४	गु ८ १४ उ ५४ ७ ब ४२ १७ श ८ १४	५३	५०	१०	२	१३	२७	मीने	मीने शुक्रः १२।२६
२०	शु १४ १४ रे ५६ ३० रें ४० १२ ना १० १५	५६	४९	११	३	१४	२८	मे.५६।३०	बुधोदयः पूर्वस्याम् ७।८ मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.४सू.इ. ७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	४	१०	९	८	११
८	१	१६	१३	१६	२१	११	८
३	३७	२	८	२१	१२	४४	१
१८	५	१३	१०	४७	११	१५	३२
५९	४५	५५	५	७३	५	३	५९
२९	२	व	व	५६	५०	११	३५

गोचरग्रहाः

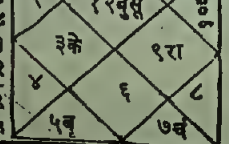

भूसुतः कुंभः राशिस्थः सर्वे धान्ये महर्घता। एवंप्रजायतेह्यर्घं लोकमध्ये तु निर्भयम्।। कुंभ का मंगल धान्य धातु रस तेज करे।

गोचरग्रहाः

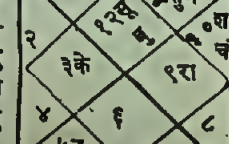

५१पं. चै.कृ.११सू.इ.७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	४	१०	९	८	११
१४	७	१०	१२	२४	२१	११	१४
५९	०	२२	२५	५९	४९	२१	५७
१३	४३	१६	५९	३८	४४	५९	३९
५९	४४	५३	२२	७४	५	३	५९
१६	५८	व	व	२२	११	१८	

+मंशुद्ध

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९३ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९३ भोग्यकलिः ४२६९०७ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४९ शाकः १९१४ वर्षेऽस्मिन् राजा शनिः । मंत्री चन्द्रः । सस्येशो गुरुः । धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः । रसेशः शुक्रः । नीरसेशो बुधः । फलेशोरविः । धनेशो बुधः । दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १९ पार्थिवनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ८।२९।१८।४७ भोग्यमासादिः ३।०।४१।१३ । अग्निदैवतंयुगम् । वर्षनाम माघः । मेघनाम आवर्तः । रोहिणी निवासःसमुद्रे । समयनिवासोमालाकारगृहे । समयविश्वा १८ । समयवाहनंमहिषः । स्तम्भाः३ अन्नवायुतृणानां । सोमवत्यमा.१ सोमवती पंचमी १ । अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्ताः ३०० । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १७ । तिथिवृद्धिः ११ । उत्पत्तिविश्वा ९३ । खपतिविश्वा ९३ । वर्षाविश्वा ९ । धान्यम् ११। तृणम् ११। शीतम् ९ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०५ । सत्यं ।।, धर्मं १।।, पाप १८ । शनि दृष्टिरुत्तरे । ग्रहणं १ चन्द्रमसः ।

संवत् २०४९ शाके १९१४ मार्गशीर्ष शुक्ले १४ बुधवासरे खग्रास चन्द्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	५२	५५	५६	५८	१
मध्य.	पल	२७	९	४९	२९	११
रेल्वे	घं.	३	४	५	५	६
टाइम	मि.	२६	३१	११	५१	५५

यह ग्रहण बंगाल, बिहार, आसाम में ग्रस्तास्त होगा । जहां चन्द्रास्त रेल्वे ६।५५ के बाद होगा वहां ग्रस्तास्त नहीं होगा । राजस्थान में ग्रस्तास्त नहीं होगा ।

वर्ष लग्नम् २।१

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे भाव से जगजननी पे आय ।
उनंचास की साल का हाल कहो समझाय ॥

भवानी उत्तर

सुन भैरव भोपाल जी संवत् का फल खास ।
अन धन जन सम होयसी मुकता होसी घास ॥
राजा शनि मन्त्री शशि करें परस्पर द्वेष ।
रोग युद्ध फैले घणा करे अनेकों भेष ॥
मेघमाल वर्षा करे शुक्ल पक्ष आषाढ़ ।
भाद्रव खेंच दिखावसी पवन लगावे झाड़ ॥
संवत् होसी सांतरो दरखत बेलां लूम ।
कोई दिशा के मांयने दीडी करसी धूम ॥
धान्याधिप कुज धान्य में करसी गोल मटोल ।
करण हार ईश्वर धणी उन्हें भजो दिल खोल ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ४।१७

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४३।५८

•सूचंबुश

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शनिः फलम्---शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धे नृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री चन्द्रस्तत्फलम्---शशिनि मंत्रिगते बहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशिसुशोभिताः ।। सस्येशो गुरुः फलम्---कणपतौ सुरराजपुरोहिते सकलसौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनिवै ।। धान्येशो भौमस्तत्फलम्---भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालिक्षुघृततैलानि महर्घाणि भवन्ति हि ।। मेघेशो रविः फलम्---जलदपे यदि वासरपे तदा सरसिवै रमते जनता रसम् । यवचणेक्षुनीवारसुशालिभिः सुख चयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शुक्रस्तफलम्---यजनयाजनकोत्सवकौत्सुका जनपदा जलतोषितमानसाः । सुखसुभिक्ष सुमोदवती धरा धरणीपाहृत पापगणप्रियाः ।। नीरसेशो बुधस्तत्फलम्---चित्रवस्त्रादिकञ्चैव शंखचंदनपूर्वकम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ।। फलेशो रविः फलम्---द्रुपवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फलभोगविशेषिता । बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधः फलग्---द्रविणपो हिमरश्मिसुतोयदा विविधसंग्रहदस्तुफलार्थदा । द्विजवरा जपयज्ञसुसंयुताः कृषिविशेषविशेषितमानसाः ।। दुर्गेशो रविः फलम्---नयदिशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया तरराजपुरोगमा । समधिको न तदा नृपजोऽन्यजः स्वपथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ।। पार्थिवनाम संवत्सरः फलम्---पार्थिवाब्दे तु राजानः सुखिनः सुप्रजाभृशम् । बहुभिः फलपुष्पाद्यैः विविधैश्च पयोधरैः ।। वर्षनाम माघस्तत्फलम्---सुभिक्षं पूर्वयाम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरेरौरवं माघे वर्षे धान्यमहर्घता ।। मेघनाम आवर्तः फलम्---आवर्ते छिन्नवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम्---समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समयनिवासो मालीगृहे फलम्---मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०४९ शाके १९१४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे १० गुरौ उफा. ल. ५-७ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।। तुला लग्ने रेखा ८ नृपपंचकः भौम १० पूज्यः

" ११ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो.सोग्रांगः ५ रे. ६ ।।ऽ।।वृ।।ऽनृ. (घ. ४५ या.)ऽऽ।।

शुक्ले २ गुरौ मूले ल. ५-६ रे ७ ।।।।ऽऽअ.ऽ।।। सिंह लग्न घ. ४१।२३ उपरांत

" ९ गुरौ उभा. ल. ६ रे. ८ ऽ।।ऽवृ।।।।।। चं. ७ पूज्यः पादवेधाद्गुरोर्वेधाऽभावः

माघ मासः

कृष्णे १० रवौ अनु. ल. ७ रे. ६ ।ऽ।।नृऽऽ।। आवश्यके

" ११ चन्द्रे अनु. ल. अन्यगो. रे. ६ ।ऽ।।।ऽनृऽ।।

शुक्ले ५ गुरौ रेवत्यां ल. अन्यगो. रे. ९ ।।।।ऽ।।।।

" ६ शुक्रे रेव. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।ऽऽचौ।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णे १ रवौ मघा. ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

" ८ रवौ अनु. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।ऽअ।ऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णे १ भौमे हस्ते ल. गो. १० रे. ८ ।ऽऽवृ।।।।।।।

" ४ गुरौ स्वात्यां ल. गो. १० रे. ७ ।।।।।।।ऽऽऽ गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः । मकरे रेखा ८ दग्धाऽभावः

" ६ शनौ अनु. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽऽ।।।ऽअ।।।। मासांतः

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४							दि.	उ.		अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६९३९स.१९९२
१	श	१०	५४	अ	५७	५८	वै	३७	२३	ब	१०	५४	३५	५	६	४	१५	२९	मेषे	उभा.शुक्रः ५३/२७ चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः*
२	र	१०	२१	भ	५८	३२	वि	३३	४६	कौ	१०	२१	४	४७	१३	५	१६	१	मेषे	सिंधारा सव्वाल १०
३	चं	८	५३	कृ	५८	२०	प्री	२९	८	ग	८	५३	८	४६	१४	६	१७	२	बृ.१३।३२	भ. ३७।४३ उ. गणगौरी
४	मं	६	३४	रो	५७	१८	आ	२४	१०	वि	६	३४	१२	४६	१४	७	१८	३	बृषे	भ. ६।३४ या. *नवरात्रारंभोऽभिजिनि
५	बु	३	१५	मृ	५५	२९	सौ	१८	४३	आ	३	१९	१६	४५	१५	८	१९	४	मि२६।२३	
६	बु	५६	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	गु	५५	२०	आ	५३	८	शो	१२	३३	ग	२७	२५	२०	४४	१६	९	२०	५	मिथुने	भ. ५५।२० उ.
८	शु	५०	३४	पु	४९	५२	अ	६	५३	वि	२२	५७	२४	४३	१७	१०	२१	६	क.३५।४१	भ. २२।५७ या.
९	श	४५	१०	पु	४५	५७	धृ	५१	३५	बा	१७	५२	२८	४२	१८	११	२२	७	कर्के	मार्गी बुधः ३६।१४ रामनवमी
१०	र	३९	१४	श्ले	४१	३४	शू	४३	५८	तै	१२	१२	३२	४२	१८	१२	२३	८	सिं४१।३४	
११	चं	३३	०	म	३६	५१	गं	३५	४६	ब	६	७	३६	४१	१९	१३	२४	९	सिंहे	भ.६ उ.३३ या. आश्वि. मेषेऽर्कः २३।३१×
१२	मं	२६	२७	पू	३२	३७	वृ	२७	४६	बा	२६	२८	४०	४०	२०	१४	२५	१०	कं.४६।२९	प्रदोषः ×(सौरः२५।३६) कामदा११व्र.
१३	बु	२०	६	उ	२८	८	धु	१९	४६	तै	२०	६	४३	३९	२१	१५	२६	११	कन्यायां	पूभायां भौमः १।४२ रेवत्यां शुक्रः ४३/५४
१४	गु	१४	४	ह	२४	२०	ब्या	१२	२५	च	१४	४	४७	३९	२१	१६	२७	१२	तु.५२।५५	भ. १४।४ उ. ४१।२६ या.
१५	शु	८	४८	चि	२१	२९	ह	५	५३	च	८	४८	५१	३८	२२	१७	२८	१३	तुलायां	धनिष्ठा. १ शनिः ४३।१ हनुमज्जयन्ती

५पं. चै.शु.२सू.इ.७।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	४	११	९	८	११
२१	१२	५	११	३	२२	१०	२१
५३	२७	५८	५०	२६	३०	५९	५१
३१	०	२६	३८	२५	४०	४४	५०
५९	४५	२६	८	७४	४	३	५९
४	१४	व	व	४	२७	११	४

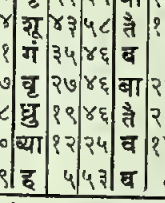

चैत्र शु. ११ चंद्रे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

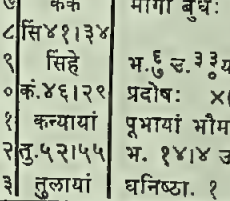

१पं. चै.शु.११ चं.इ.३३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१८	११	४	११	९	८	११
०	१८	६	११	१३	२३	१०	२१
०	४५	१७	२१	४७	३	३३	५८
०	१४	१०	८	२८	३८	५४	१
५८	४५	९/३७	५८/३	७४	४	३	५९
४४	१७	मा	व	१६	२५	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४							दि.	उ.		अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४	५५	स्वा	२०	७	व	१०	५६	कौ	४	५५	३५	३७	२३	१८	२९	१४	तुलायां	
२	र	२४	९	वि	१९	४८	व्य	५३	१३	ग	२	४९	५८	३६	२४	१९	३०	१५	बृ.४।५३	भ. ३२।३१ उ.
३	चं	२	१३	अ	२०	१४	व	५२	२	वि	२	१३	३३	३६	२४	२०	३१	१६	बृश्चिके	भ. २।१३ या. चतुर्थी व्र.
४	मं	३	४३	ज्ये	२५	२८	प	५१	४३	बा	३	४३	६	३५	२५	२१	१	१७	ध.२५।२८	रा. वैशाखारंभः
५	बु	६	४८	मू	३१	२९	शि	५२	५५	तै	६	४८	१०	३४	२६	२२	२	१८	धनुषि	
६	गु	११	४६	पू	३८	१६	सि	५४	४१	व	११	४६	१४	३३	२७	२३	३	१९	म.५५।४	भ. ११।४६ उ. ४४।३१ या.
७	शु	१७	१६	उ	४५	३१	सा	५७	१३	ब	१७	१६	१७	३३	२७	२४	४	२०	मकरे	मूले ३ राहुः आर्द्रा. १ केतुः ३।१४
८	श	२३	३४	श्र	५३	३	शु	५९	२८	कौ	२३	३४	२१	३२	२८	२५	५	२१	मकरे	×बुधः २२।१३ मार्गी गुरुः ५४।५८
९	र	२९	४८	ध	६०	०	शु	६०	०	ग	२९	४८	२५	३१	२९	२६	६	२२	कुं.२६।३७	अश्विन. मेषे शुक्रः ३४।३९
१०	चं	३५	३०	ध	०	११	शु	१	४१	व	२	३९	२९	३०	३०	२७	७	२३	कुम्भे	भ.२।३९उ.५३/५७या. भरण्यां रविः ३।५१*
११	मं	४०	२	श	६	४४	ब्र	३	१	ब	७	४६	३३	३०	३०	२८	८	२४	मी५५।२८	वरूथिनी ११ व्र.
१२	बु	४३	३	पू	११	४२	रे	३	१६	कौ	११	३१	३६	२९	३१	२९	९	२५	मीने	*(सौरः ५६/५४)मीने भौमः ५९/१० रेवत्यां×
१३	गु	४४	५२	उ	१५	२५	वै	२	२१	ग	१३	५२	४०	२८	३२	३०	१०	२६	मीने	भ. ४४।४२ उ. प्रदोषः
१४	शु	४४	२८	रे	१८	४	वि	१७	३६	वि	१४	३५	४३	२७	३३	१	११	२७	मे.१८।४	भ. १४।३५ या. मई मा. ५ ता. ३१
१५	श	४२	४४	अ	१७	५५	आ	५२	२१	च	१३	३६	४७	२७	३३	२	१२	२८	मेषे	उषायां भौमः १२।३३

२पं. वै.कृ.३चं.इ.२३।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	४	११	९	८	०
६	२४	९	११	२२	२३	१०	६
५०	१४	५०	२	२५	३०	११	४८
४२	३५	४९	३८	१	३	३८	१२
५८	४५	४०	९/३५	७४	३	३	५८
३१	१२	५६	व	२०	४५	११	२९

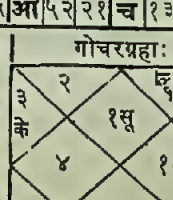

इसमासमें ५शनिवार अशुभ हैं। शनिवाराः यदा पंच पाताले कंपते फणी। ईशानदेश भंगश्च बन्हिदाहो महद्घंता ।।

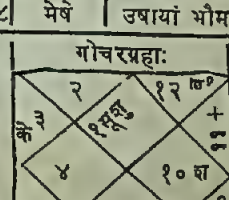

३पं. वै.कृ.१० चं.इ.२४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१८	११	४	०	९	८	०
१३	२९	१६	१०	१	२३	९	१३
३९	३७	४२	५४	१	५२	४९	३६
४३	२८	०	१८	१९	५१	२३	३७
५८	४५	६४	९/७	७४	३	३	५८
२९	१७	१७	व	२६	११	११	१२

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २८ सन् १९९२
१	र	३९	४०	भ	१७	२	सौ	४६	५३	किं	११	१२	३२/५१	५/२६	६/३४	३	१३	२९	वृ.३१।३३	
२	चं	३५	४१	कृ	१५	८	शो	४०	४६	बा	७	४०	५४	२५	३५	४	१४	३०	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	३०	५४	रो	१२	३१	अ	३४	१	तै	३	१७	५७	२५	३५	५	१५	१	मि४०।५३	भ.५८।२२ उ. अक्षया ३ परशुराम ज.●
४	बु	२५	५०	मृ	९	१४	सु	२७	५	वि	२५	५०	३३/१	२४	३६	६	१६	२	मिथुने	भ. २५।५० या. ●जिल्काद ११
५	गु	२०	२९	आ	५	५५	धृ	२०	१३	बा	२०	२९	४	२३	३७	७	१७	३	क.४८।२२	अश्वि. मेषे बुधः २९।१ भरण्यां शुक्रः २२/५९
६	शु	१५	१०	पु	२/३१	५६/३२	शू	१३	७	तै	१५	१०	७	२३	३७	८	१८	४	कर्के	
७	श	९	४६	श्ले	५५	४७	गं	६/३	५३/५	व	९	४६	१०	२२	३८	९	१९	५	सिं५५।४७	भ. ९।४६ उ. ३७।१० या.
८	र	४	३४	म	५२	२२	घ्रु	५२	५	ब	४	३४	१३	२१	३९	१०	२०	६	सिंहे	कृत्तिका. रविः ४९।४६ (सौरः ५४।५१)
९	र	५४	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	चं	५४	२२	पू	४९	२०	व्या	४५	२८	तै	२६	५१	१६	२१	३९	११	२१	७	सिंहे	शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ६।० शु.अ.पू.
११	मं	४९	४३	उ	४६	३३	ह	३८	५९	व	२२	२	१९	२०	४०	१२	२२	८	कं.३।३८	भ. २२।२उ. ४९।४३या. मोहिनी ११ व्र.
१२	बु	४५	१६	ह	४४	१९	व	३२	५२	ब	१७	२९	२२	२०	४०	१३	२३	९	कन्यायां	
१३	गु	४१	४१	चि	४२	४०	सि	२७	२५	कौ	१३	२८	२५	१९	४१	१४	२४	१०	तु.१३।२	वृषेऽर्कः १७।१ (सौरः २२।३९) प्रदोषः
१४	शु	२८	५३	स्वा	४१	५५	व्य	२२	३४	ग	१०	१७	२८	१८	४२	१५	२५	११	तुलायां	भ. ३८/३५ उ. भरण्यां बुधः २८/३५ नृसिंह १४
१५	श	३७	२८	वि	४२	३०	व	१८	३३	वि	८	१०	३०	१८	४२	१६	२६	१२	बृ.२७।२१	भ. ८।१० या. यमाय सान्नजल कुंभदानं

४पं. वै.शु.२ चं.इ.२४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	४	०	९	८	०
२०	४	२५	१०	९	२४	९	२०
२७	५९	४१	५४	३८	११	२७	२३
२२	१३	९	१३	२०	४२	७	१९
५८	४५	८४	१/३	७४	२	३	५७
६	११	५	मा	२६	२६	११	५७

गोचरग्रहाः

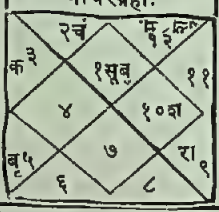

वै. शु. १३ गुरौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रा. पू. ।

गोचरग्रहाः

५पं. वै.शु.१० चं.इ.२४/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	४	०	९	८	०
२७	१०	६	११	१८	२४	९	२७
१३	२१	३१	२	१५	२५	४	८
३४	३२	५५	३१	२९	१५	५२	३३
५७	४५	८/०	२	७४	१	३	५७
५४	२	५०/०	२३	२६	४३	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	३७	१०	अ	४४	१९	प	१५	४३	बा	७	१९	३३/३३	५/१७	६/४३	१७	२७	१३	वृश्चिके	
२	चं	३८	४१	ज्ये	४६	५८	शि	१४	२६	तै	७	५५	३६	१७	४३	१८	२८	१४	ध.४६।५८	कृत्तिका. शुक्रः १५।७
३	मं	४१	२५	मू	५२	२०	सि	१३	४३	व	१०	३	३९	१६	४४	१९	२९	१५	धनुषि	भ.१०।३उ.४१/२५या. रेवत्यां भौमः ४९।२२
४	बु	४५	५०	पू	५८	१४	सा	१४	२२	ब	१३	३७	४१	१६	४४	२०	३०	१६	धनुषि	वृषे शुक्रः५६।८ बुधास्तः पू. २५/३१ चतुर्थी व्र.
५	गु	५१	४	उ	६०	०	शु	१५	५२	कौ	१८	२७	४३	१५	४५	२१	३१	१७	म.१४।५१	
६	शु	५७	१७	उ	४	४३	शु	१७	५९	ग	२४	१०	४६	१५	४५	२२	१	१८	मकरे	भ. ५७/१७ उ. कृत्ति. बुधः २०/५६ रा. ज्येष्ठारंभ.
७	श	६०	०	श्र	१२	५८	ब्र	२०	२८	वि	३०	२२	४८	१४	४६	२३	२	१९	कुं.४६।४५	भ. ३०।२२ या. बृषे बुधः ५५।२८
७	र	३	२७	ध	२०	३२	ऐं	२२	५२	ब	३	२७	५०	१४	४६	२४	३	२०	कुम्भे	रोहि. रविः ४०।३६ (सौरः ४८।४८)
८	चं	९	२०	श	२७	३२	वै	२४	४७	कौ	९	२०	५२	१४	४६	२५	४	२१	कुम्भे	
९	मं	१४	१७	पू	३३	२२	वि	२५	४४	ग	१४	१७	५४	१४	४७	२६	५	२२	मी१६।५५	भ. ४५।५८ उ.
१०	बु	१७	४०	उ	३७	४६	प्री	२५	३९	वि	१७	४०	५६	१३	४७	२७	६	२३	मीने	भ. १७।४० या. ●सावित्री व्र.
११	गु	१९	२९	रे	४०	१४	आ	२४	८	बा	१९	२९	५८	१३	४८	२८	७	२४	मे.४०।१८	रोहि. बुधः ४०।३७ अपरा ११ व्र.
१२	शु	१९	१७	अ	४१	७	सौ	२१	२	तै	१९	१७	३४/०	१२	४८	२९	८	२५	मेषे	रोहि. शुक्रः ८/९ वक्री शनिः २१/४५ प्रदोषः
१३	श	१७	२०	भ	३९	५६	शो	१६	३४	व	१७	२०	२	१२	४८	३०	९	२६	बृ.५४।२०	भ. १७।२० उ. ४५।२२ या.
१४	र	१३	२३	कृ	३७	३२	अ	१०	३८	श	१३	२३	४	११	४९	३१	१०	२७	बृषे	
३०	चं	८	११	रो	३३	२६	सु	३/१३	५२/१८	ना	८	११	६	११	४९	१	११	२८	बृषे	जन मा. ६ ता. ३० सोमवती ३० वट●

६पं.ज्ये.कृ.१चं.इ.२४।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	४	०	९	८	१
३	१५	१९	११	२६	२४	८	३
५८	४०	०	१९	५१	३४	४२	५२
२६	१९	४७	५९	५०	८	३६	१३
५७	४४	११६/८	३	७४	१	३	५७
४४	५९	८/४४	३२	७	११	३४	

७पं.ज्ये.कृ.८चं.इ.२४।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	४	१	९	८	१
१०	२०	३	११	५	२४	८	१०
४२	५६	५	४६	२८	३९	२०	३४
२५	३५	३५	२६	२६	०	२०	२४
५७	४४	१२६/५७	४	७४	०	३	५७
३५	४९	५७	५२	२३	२२	११	२३

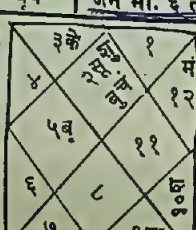

८पं.ज्ये.कृ.३० चं.इ.२४/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	४	१	९	८	१
१७	२६	१८	१२	१४	२४	७	१७
२५	१२	१५	२०	४	३८	५८	१५
८	१८	३२	३१	१९	२७	५	३०
५७	४४	१२८/५५	६	७४	१/१७	३	५७
२७	३८		१	३२	ध	११	१३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८ स.१९९२
१	मं	१	४६	मृ	२८	४७	शू	४७	३४	ब	१	४६	३४ ७	५ ११	६ ४९	२	१२	२९	मि १।७	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	५२	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	बु	४७	३९	आ	२३	४१	गं	३९	५	तै	२३	५२	९	१०	५०	३	१३	१	मिथुने	मृगे बुधः ४६।३३ जिल्हेज १२
४	गु	४०	२९	पु	१८	२१	वृ	३०	२७	व	१४	४	१०	१०	५०	४	१४	२	क.४।४१	भ.१४।४उ. ४०/२९ या. पूफायां १ गुरुः ४।१३
५	शु	३३	४७	पु	१३	३८	ध्रु	२२	२३	ब	७	८	१२	१०	५०	५	१५	३	कर्के	
६	श	२७	४०	श्ले	९	१९	व्या	१४	५६	कौ	०	४३	१३	९	५१	६	१६	४	सिं९।१९	अश्वि. मेषे भौमः २८।१ मिथुने बुधः ३९/५८
७	र	२२	५	म	५	४२	ह	७	३४	व	२२	५	१४	९	५१	७	१७	५	सिंहे	भ. २२।५ उ. ४९/४३ या. मृगे रविः ३५।३२*
८	चं	१७	२१	पू	३	२	व	०/५८	५४/५	ब	१७	२१	१६	९	५१	८	१८	६	कं.१७।२४	मृगे शुक्रः ५६।२ *(सौरः ४७/३७)
९	मं	१३	३०	उ	०/२९	५८/४३	व्य	४९	५१	कौ	१३	३०	१७	९	५१	९	१९	७	कन्यायां	आर्द्रा. बुधः ५३।५०
१०	बु	१०	१७	चि	५८	३५	व	४५	२३	ग	१०	१७	१८	८	५२	१०	२०	८	तु.२८।५३	भ. ३९।३६ उ. गंगादशमी
११	गु	७	५५	स्वा	५८	५१	प	४१	३०	वि	७	५५	१९	८	५२	११	२१	९	तुलायां	भ. ५७/५५ या. बुधोदयः प. ३५/१३ निर्जला ११व्र.
१२	शु	६	३५	वि	६०	०	शि	३८	३५	बा	६	३५	२०	८	५२	१२	२२	१०	बृ.४४।५५	प्रदोषः ×४८/२४) मिथुने शुक्रः २२।१९
१३	श	६	२६	वि	०	१६	सि	३६	२९	तै	६	२६	२१	८	५२	१३	२३	११	वृश्चिके	
१४	र	७	२	अ	२	४३	सा	३५	२५	व	७	२	२१	८	५२	१४	२४	१२	वृश्चिके	भ.७।२उ. ३८/८ या. मिथुनेऽर्कः ३४/१० (सौरः×
१५	चं	९	१३	ज्ये	६	५२	शु	३४	५५	ब	९	१३	२२	८	५२	१५	२५	१३	ध.६।५२	गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

९पं.ज्ये.शु.८चं.इ.२४।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	४	१	९	८	१
२४	१	३	१३	२२	२४	७	२३
७	२६	३६	१	४१	३३	३५	५५
१२	१०	४५	५१	१३	४७	४९	२६
५७	४४	[illegible]	६	७४	१/५	३	५७
२२	१५	४८	५०	३८	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

बु३के, १मं, २सूशु, ४, १२, ५बृ, ११, ६, ८, ७, ९रा, चं, १०

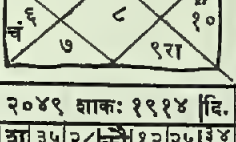

ज्ये. शु. १४रवौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रा. पू.।

गोचरग्रहाः

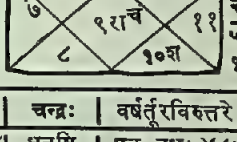

४, २, ३सूबुके, बृ५, १मं, ६, १२, ७, ९राचं, ११, ८, १०श

१०पं.ज्ये.शु.१५चं.इ. २४/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	४	२	९	८	२
०	६	१७	१३	१	२४	७	०
४८	३७	२१	४२	१७	२३	१३	३४
२५	५५	४६	४१	४५	४९	३४	३५
५७	४३	[illegible]	७	७४	१/४८	३	५६
१७	५९	[illegible]	५८	३८	ब	११	५६

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१२	२५	मू	११	३७	शु	३५	२८	कौ	१२	२५	३४ २२	५ ८	६ ५२	१६	२६	१४	धनुषि	पुन. बुधः ४८।५१
२	बु	१७	२	पू	१७	३६	ब्र	३६	५५	ग	१७	२	२२	८	५२	१७	२७	१५	म.३४।१४	भ. ४९।३६ उ.
३	गु	२२	१०	उ	२४	१०	ऐं	३८	५५	वि	२२	१०	२३	७	५३	१८	२८	१६	मकरे	भ. २२।१० या. चतुर्थी व्र.
४	शु	२८	८	श्र	३१	२९	वै	४१	१९	वा	२८	८	२३	७	५३	१९	२९	१७	मकरे	आर्द्रा. शुक्रः ४८।३२
५	श	३४	२३	ध	३९	१४	वि	४३	४९	कौ	१	१५	२३	७	५३	२०	३०	१८	कुं.५।२२	
६	र	४०	३५	श	४७	१३	प्री	४६	१२	ग	७	२९	२४	७	५३	२१	३१	१९	कुम्भे	भ. ४०/३५ उ. आर्द्रा. रविः ३३।२ (सौरः ४९/५७)
७	चं	४५	५०	पू	५४	८	आ	४८	०	वि	१३	१२	२४	७	५३	२२	१	२०	मी३७।२४	भ. १३/१२ या. कर्के बुधः ५२/२४ रा. आषाढ़ारंभः
८	मं	५०	४	उ	५८	५९	सौ	४८	५१	बा	१७	५७	२४	७	५३	२३	२	२१	मीने	
९	बु	५२	४०	रे	६०	०	शो	४८	३१	तै	२१	२२	२४	७	५३	२४	३	२२	मीने	भरण्यां भौमः ३२।५४ पुष्ये बुधः ४७।२९
१०	गु	५३	२०	रे	२	५६	अ	४६	५५	व	२३	०	२३	७	५३	२५	४	२३	मे.२।५६	भ. २३।० उ. ५३/२० या. मूले २ राहुः मृगे ४*
११	शु	५१	५६	अ	४	४६	सु	४३	२	ब	२२	३८	२३	७	५३	२६	५	२४	मेषे	योगिनी ११ व्र. *केतुः ५७।४६
१२	श	४८	३३	भ	४	४४	धृ	३८	०	कौ	२०	१४	२३	७	५३	२७	६	२५	बृ.१९।१४	
१३	र	४३	२२	कृ	२६	५६/९	शू	३१	२३	ग	१५	५७	२२	८	५२	२८	७	२६	वृषे	भ. ४३।२२ उ. प्रदोषः
१४	चं	३६	१९	मृ	५३	४१	गं	२३	१७	वि	९	५०	२२	८	५२	२९	८	२७	मि२६।१८	भ. ९।५० या.
३०	मं	२८	२१	आ	४७	२९	वृ	१४	११	च	२	२०	२१	८	५२	३०	९	२८	मिथुने	पुन. शुक्रः ३६।१०

११पं.आ.कृ.७चं.इ.२४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	४	२	९	८	२
७	११	२९	१४	९	२४	६	७
२९	४६	२६	४४	५४	९	५१	१३
२४	२६	५	३४	२१	२५	१८	२
५७	४३	९५	८	७४	२/२२	३	५६
१३	४९	२४	४९	३८	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

४, २, ३सूबुके, बृ५, १मं, ६, १२, ७, ९रा, ११, ८, १०श

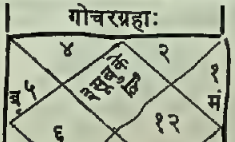

इस मासमें मंगलवार पीड़ाकारक हैं। बदीमें वायुका जोरकहीं २वर्षाभी होगी। रुई कपास तिल तेल तेज हो।

गोचरग्रहाः

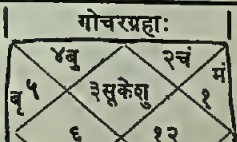

४बु, २चं, मं, बृ५, ३सूकेशु, १, ६, १२, ७, ९रा, ११, ८, १०श

१२पं.आ.कृ.१४चं.इ. २४/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	२	९	८	२
१४	१६	९	१५	१८	२३	६	१३
९	५०	१३	४३	३१	५१	२९	५१
५०	५६	८	५५	१५	३	२	७
५७	४३	७५	९	७४	२/५८	३	५६
७	२६	५६	३८	३२	ब	११	५०

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४										दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८७ स. १९९२
१	बु	१९	३१	पु	४०	४१	धु	३५	५०	ब	१९	३१	३४	५	५२	६	१	१०	२९	क.२७।२३
२	गु	१०	३२	पु	३३	५१	ह	४५	१	कौ	१०	३२	१९	८	५२	२	१	११	३०	कर्के
३	शु	१	५८	श्ले	२७	३०	व	३५	२१	ग	१	५८	१८	८	५२	३	१	१२	१	सि २७।३०
४	शु	५२	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	श	४६	४०	म	२१	५६	सि	२६	३७	ब्र	२०	२२	१७	९	५१	४	१	३	२	सिंहे
६	र	४०	४५	पू	१७	३१	व्य	१८	४९	कौ	१३	४२	१५	९	५१	५	१	४	३	कं.३१।४३
७	चं	३६	४	उ	१४	१६	व	११	५६	ग	८	२४	१४	९	५१	६	१	५	४	कन्यायां
८	मं	३२	५३	ह	१२	२३	प	९	१३	वि	४	२८	१३	९	५१	७	१	६	५	तु.४२।१६
९	बु	३०	५६	चि	१२	८	शि	४	५६	बा	१	५४	११	१०	५०	८	१	७	६	तुलायां
१०	गु	३०	२५	स्वा	१२	४६	सा	५५	४३	तै	०	४०	१०	१०	५०	९	१	८	७	कर्के शुक्रः ४३।४१
११	शु	३१	१३	वि	१४	५५	शु	५४	८	व	०	४९	८	१०	५०	१०	१	९	८	बृ.५९।२३
१२	श	३२	५८	अ	१७	५	शु	५३	१७	ब	२	५	७	११	४९	११	२	०	९	वृश्चिके
१३	र	३६	११	ज्ये	२२	२०	ब्र	५४	३	कौ	४	३४	५	११	४९	१२	२	१	१०	वृश्चिके
१४	चं	४०	३	मू	२७	५१	ऐं	५४	३६	ग	८	७	४	११	४९	१३	२	२	११	धनुषि
१५	मं	४५	१०	पू	३४	९	वै	५६	१७	वि	१२	३६	२	१२	४८	१४	२	३	१२	म.५०।४९

भ. १९।३१ उ. ३४ वक्री बुध: ११।२१
भ. १२।३६ या. व्यास १५ वायु परीक्षा
भ. ४०।३ उ. कृत्तिका. भौम: ११।२१
प्रदोष:
धनुषि
कर्के शुक्र: ४३।४१
तुलायां
भ. ३६।४ उ. आश्ले. बुध: ६।५०
भ. २४ या. बक्री श्रवणे ४ शनि: ५३।३२
पुन. रवि: ३१/५८ (सौर: ५३/५८) पूफा. २ गुरु: ३९/३३
कंन्यायां
भ. ४।३ उ. ज्येष्ठा. मौम: ११।२१
भ. ३९।५ उ. वृषे भौम: ५९ वक्री बुध: ५४/३३
भ. २।३६ या. चतुर्थी व्र.
पुष्ये रवि: ३०।३९ (सौर: ५७।२३)
नाग ५ मरुस्थले
भ. १९।४ उ. ५०।४७ या.
आश्ले. शुक्र: १७।२७
रा. श्रावणारम्भ:
भ. ५३।९ उ. पूफा. ३ गुरु: ५२।३९
भ. २५ या. बुधास्त: पश्चिमायाम् ५१।४१
कामिका ११ व्र.
प्रदोष:
भ. ४।१९ उ. २९।५० या.
हरियाली ३०

१३पं.आ.शु.७चं.इ.२४।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	२	९	८	२
२०	२१	१६	१६	२७	२३	६	२०
५०	५२	५४	४९	७	२८	६	५२
१०	१	३६	३०	१५	५९	४७	१
५७	४३	४९	१०	७४	३७	३	५६
७	७	७	२५	३२	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

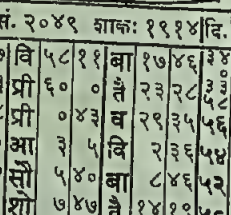

इस मासमें बुध शुक्रका योग और गुरुवार को चंद्र दर्शन वर्षा श्रेष्ठ कारक है। सोना चांदी मंदा अनाज में घटाबढ़ी हो।

गोचरग्रहाः

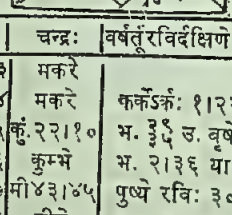

१४पं.आ.शु.१४चं.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	३	९	८	२
२७	२६	२१	१७	५	२३	५	२७
३०	४९	५१	५८	४३	४	४४	७
३२	२३	७	५५	४८	५	२१	८
५७	४२	२०	१०	७४	५८	३	५६
११	५१	७	५८	३२	ब	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४										दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५०	२२	उ	४०	४७	वि	५८	११	बा	१७	४६	३४	५	५९	१५	२४	१३	मकरे
२	गु	५६	३४	श्र	५८	२३	प्री	६०	०	तै	२३	२८	३३	१२	४८	१६	२५	१४	मकरे
३	शु	६०	०	ध	५५	५८	प्री	०	४३	व	२९	३५	५६	१३	४७	१७	२६	१५	कुं.२२।१०
३	श	२	३६	श	६०	०	आ	३	५	वि	२	३६	५४	१३	४७	१८	२७	१६	कुम्भे
४	र	८	४६	श	३	२७	सौ	५	४०	बा	८	४६	५२	१४	४६	१९	२८	१७	मी४३।४५
५	चं	१४	१९	पू	१०	३१	शो	७	४७	तै	१४	१९	५०	१४	४६	२०	२९	१८	मीने
६	मं	१९	४	उ	१६	३६	अ	९	११	व	१९	४	४७	१५	४५	२१	३०	१९	मीने
७	बु	२२	२९	रे	२१	४८	सु	९	४३	ब	२२	२९	४५	१५	४५	२२	३१	२०	मे.२१।४८
८	गु	२४	१९	अ	२५	१९	धृ	९	१४	कौ	२४	१९	४२	१६	४४	२३	१	२१	मेषे
९	शु	२४	१३	भ	२७	१	शू	७	११	ग	२४	१३	४०	१६	४४	२४	२	२२	बृ.४१।५६
१०	श	२२	५	कृ	२६	४३	गं	३	५४	वि	२२	५	३७	१७	४३	२५	३	२३	बृषे
११	र	१८	१	रो	२४	३३	धृ	५१	३१	बा	१८	१	३५	१७	४३	२६	४	२४	मि५२।२४
१२	चं	११	५३	मृ	२०	१६	व्या	४३	१७	तै	११	५३	३२	१८	४२	२७	५	२५	मिथुने
१३	मं	४	१९	आ	१४	२९	ह	३३	५०	व	४	१९	२९	१८	४२	२८	६	२६	क.५४।१९
१४	मं	५१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	बु	४५	४४	पु	७	३५	व	२३	४६	च	२०	३२	२६	१९	४१	२९	७	२७	कर्के

कर्केऽर्कः १।२२ (सौरः २६।४२)
भ. ३९ उ. वृषे भौम: ५९ वक्री बुध: ५४/३३
भ. २।३६ या. चतुर्थी व्र.
पुष्ये रविः ३०।३९ (सौरः ५७।२३)
नाग ५ मरुस्थले
भ. १९।४ उ. ५०।४७ या.
आश्ले. शुक्रः १७।२७
रा. श्रावणारम्भः
भ. ५३।९ उ. पूफा. ३ गुरुः ५२।३९
भ. २५ या. बुधास्तः पश्चिमायाम् ५१।४१
कामिका ११ व्र.
प्रदोषः
भ. ४।१९ उ. २९।५० या.
हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.५चं.इ.२४।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	४	३	९	८	३
४	१	२३	१९	१४	२२	५	३
११	४२	२८	१३	१९	३६	२२	४५
१७	५०	४४	३०	४१	११	१६	३५
५७	४२	३३	११	७४	३३	३	५६
१५	१०	ब	३५	२६	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

श्रा. कृ. २ गुरौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ५न.५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

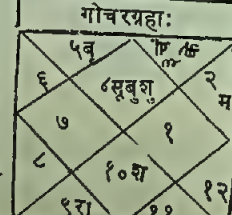

१६पं.श्रा.कृ.१२चं.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	४	३	९	८	३
१०	६	२१	२०	२२	२२	५	१०
५२	३२	२३	३०	५६	६	०	२४
१९	६	३८	४६	५६	४७	०	५२
५७	४१	३३	१२	७४	३३	३	५७
२०	३९	ब	११	२६	ब	११	५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११६ सन् १९९२
१	गु	३५	४३	पु	०/२	५२/११	सि	१३	४	किं	१०	४३	३३/३४	५/१९	६/४१	३०	८	२८	सि५२।१३	
२	शु	२६	२	म	४५	१५	व्य	२/१९	४९/३२	बा	०	५२	२१	२०	४०	३१	९	२९	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंघारा
३	श	१६	५६	पू	३८	१४	प	४१	५५	ग	१६	५६	१८	२०	४०	१	१०	१	कं.५१।५५	भ.४३।३उ. रोहि भौमः ३६/१३ अगस्त मा.*
४	र	९	१५	उ	३३	१	शि	३३	१५	वि	९	१५	१५	२१	३९	२	११	२	कन्यायां	भ. ९/१५ या. आश्ले. रविः २७/४० (सौरः ५८/१०)×
५	चं	२	५८	ह	२९	१४	सि	२६	१	बा	२	५८	१२	२२	३८	३	१२	३	तु.५७।५९	वक्री पुष्ये बुधः १७।१९ नाग पंचमी
६	चं	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	मं	५५	३२	चि	२६	४५	सा	२०	२	ग	२६	५६	९	२२	३८	४	१३	४	तुलायां	भ. ५५।३२उ. ×मघा.सिंहे शुक्रः८।३१
८	बु	५४	३७	स्वा	२७	५	शु	१४	५२	वि	२५	४	६	२३	३७	५	१४	५	तुलायां	भ. २५।४ या.
९	गु	५५	३४	वि	२८	४३	शु	१२	४७	बा	२५	५	३	२३	३७	६	१५	६	बृ.१३।१८	*८ ता. ३१ तीज सफर २
१०	शु	५७	४६	अ	३२	१	ब्र	१०	४६	तै	२६	४०	०	२४	३६	७	१६	७	वृश्चिके	
११	श	६०	०	ज्ये	३६	४३	ऐं	१०	१४	व	२९	३६	३२/५६	२५	३५	८	१७	८	ध.३६।४३	भ. २९।३६ उ. पवित्रा ११ व्र. स्मा.
११	र	१	२७	मू	४२	२३	वै	१०	५७	वि	१	२७	५३	२५	३५	९	१८	९	धनुषि	भ. १।२७ या. पवित्रा ११ व्र. वै.
१२	चं	६	४	पू	४९	०	वि	११	५८	बा	६	४	५०	२६	३४	१०	१९	१०	धनुषि	पूफा. ४ गुरुः ५१।३१ प्रदोषः
१३	मं	११	४९	उ	५६	४	प्री	१३	५४	तै	११	४९	४७	२७	३३	११	२०	११	म.५।४६	बुधोदयः पूर्वस्याम् २०।०
१४	बु	१७	२३	श्र	६०	०	आ	१५	५०	व	१७	२३	४३	२७	३३	१२	२१	१२	मकरे	भ.१७।२३उ. ५०/३१ या. पूफा. शुक्रः ५७।७
१५	गु	२३	३९	श्र	३	२०	सौ	१८	१३	ब	२३	३९	४०	२८	३२	१३	२२	१३	कु.३७।९	मार्गो बुधः ३४।२० श्रावणी कर्म रक्षाबं.

१७पं.श्रा.शु.५चं.इ.२४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	४	४	९	८	३
१७	११	१६	२१	१	२१	४	१७
३४	१३	३४	५०	३३	३५	३७	४
१	५९	३७	४५	३६	२५	४८	४०
५७	४१	४४/५४	१२	७४	४/४०	३	५७
२५	१०	ब	२५	२०	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मासका फल श्रेष्ठ है। श्रावण पहली पंचमी वर्षे करेनिहाल। पवन चले तो अति बुरी पड़े हलाहल काल ॥

गोचरग्रहाः

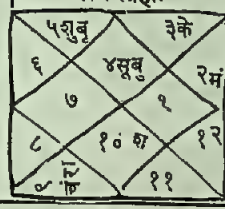

१८पं.श्रा.शु.१२चं.इ. २३/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	४	४	९	८	३
२४	१५	१२	२३	१०	२१	४	२३
१६	५२	३५	१४	१०	३	१५	४५
२६	२६	२	६	३३	५७	२९	४७
५७	४१	२६/३२	१२	७४	४/४०	३	५७
३३	३३	ब	५०	१४	ब	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२९	४०	ध	१०	५९	शो	२०	४०	कौ	२९	४०	३२/३६	५/२९	६/३१	१४	२३	१४	कुम्भे	
२	श	३५	४४	श	१७	५९	अ	२२	५९	तै	२	४२	३३	२९	३१	१५	२४	१५	कुम्भे	
३	र	४०	५६	पू	२५	२२	सु	२५	१	व	८	२०	२९	३०	३०	१६	२५	१६	मी८।३१	भ.८।२०उ. ४०/५६ या. मघा. सिंहेऽर्कः ३१/३५*
४	चं	४५	३१	उ	३१	३४	धृ	२६	३५	ब	१३	१३	२६	३१	२९	१७	२६	१७	मीने	चतुर्थी व्र. *(सौरः ५४।३७)
५	मं	४९	१३	रे	३७	११	शू	२७	२५	कौ	१७	२२	२२	३२	२८	१८	२७	१८	मे.३७।११	
६	बु	५१	४०	अ	४१	३६	गं	२७	२०	ग	२०	२६	१९	३२	२८	१९	२८	१९	मेषे	भ. ५१।४० उ चन्द्रषष्ठी
७	गु	५२	३४	भ	४४	२९	वृ	२६	२७	वि	२२	७	१५	३३	२७	२०	२९	२०	बृ.५९।५०	भ. २२।७ या.
८	शु	५१	५४	कृ	४५	५२	ध्रु	२४	१३	बा	२२	१४	११	३४	२६	२१	३०	२१	वृषे	जन्माष्टी व्र.
९	श	४८	२६	रो	४५	३९	व्या	२०	३१	तै	२०	१०	८	३४	२६	२२	३१	२२	वृषे	मृगे भौमः २४/२९ आश्ले. बुधः ८।४ गोगा ९
१०	र	४५	१	मृ	४३	२८	ह	१५	२९	व	१६	४३	४	३५	२५	२३	१	२३	मि१४।३३	भ.१६।४३उ.४५।१या. उफा. शुक्रः ५०/११×
११	चं	३९	०	आ	३९	३८	व	८	४४	ब	१२	०	०	३६	२४	२४	२	२४	मिथुने	अजा ११ व्र. ×रा. भाद्रपदारंभः
१२	मं	३१	२९	पु	३४	७	सि	१/३	५१/०	कौ	५	१५	३१/५६	३७	२३	२५	३	२५	क.२०।३०	वक्री श्रवणे३शनिः४।१७ वत्स १२ प्रदोषः
१३	बु	२३	४७	पु	२७	३२	व	४२	४	व	२३	४७	५२	३८	२२	२६	४	२६	कर्के	भ. २३।४७उ. ४८।२७या. उफा. १ गुरुः+
१४	गु	१३	७	श्ले	२०	२	प	३१	२५	श	१३	७	४८	३८	२२	२७	५	२७	सिं२०।२	+४५।१६ कन्यायां शुक्रः ३२।१६
३०	शु	४	१२	म	१२	१६	शि	२०	३७	ना	४	६	४४	३९	२१	२८	६	२८	सिंहे	कुशाग्रहणी पिठोरी ३० मन्वादिः

१९पं.भा.कृ.४चं.इ.२३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	३	४	४	९	८	४
०	२०	१३	२४	१८	२०	३	०
५९	२४	२५	३९	४५	३३	५३	२८
४९	४०	३३	५४	५४	०	१३	०
५७	३९	३१/५६	१३	७४	४	३	५७
४०	४९	मा	१४	८	ब	११	३४

गोचरग्रहाः

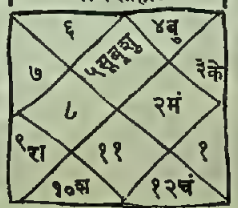

भा. कृ ३ रवौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोद. प.।

गोचरग्रहाः

२०पं.भा.कृ.११चं.इ. २३/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	३	४	४	९	८	४
७	२४	१९	२६	२७	२०	३	७
४४	५०	५०	८	२१	२	३०	११
१७	४२	९	३१	१४	५५	५८	३१
५७	३९	८४	१३	७४	४/१६	३	५७
४९	७	११	२०	२	ब	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १४६ स.१९९२
१	शु	४९	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	४४	२	पू	४ २७	५३ ५७	सि	९ ४०	५० ३	बा	१८	३६	३१ ४०	५ ४०	६ २०	२९	७	२९	कं.१७।५०	चन्द्रदर्शनम्
३	र	३६	२३	ह	५१	५६	शु	५०	३८	तै	१०	१३	३६	४१	१९	३०	८	१	कन्यायां	पूफा. रविः ११/१२ (सौरः ४५/२९) मघा. सिंहे●
४	चं	३०	७	चि	४७	५२	शु	४२	२९	व	३	१५	३२	४२	१८	३१	९	२	तु.१९।५४	भ. ३।१५ उ. ३०।७ या. गणेश चतुर्थी
५	मं	२५	४९	स्वा	४५	५८	ब्र	३६	२०	बा	२५	४९	२८	४२	१८	१	१०	३	तुलायां	मिथुने भौमः ४२।१२ बुधास्तः पूर्वस्याम्×
६	बु	२३	४१	वि	४५	५३	ऐं	३१	४१	तै	२३	४१	२५	४३	१७	२	११	४	वृ.३०।५४	●बुधः ५९/६ हरितालिका ३ रविलावल३
७	गु	२३	३०	अ	४८	१	वै	२८	५१	व	२३	३०	२१	४४	१६	३	१२	५	बृश्चिके	भ. २३।३०उ.५४।२५या. हस्ते शुक्रः ४०/४९
८	शु	२५	१९	ज्ये	५१	५३	वि	२७	२०	ब	२५	१९	१७	४५	१५	४	१३	६	ध.५१।५३	अस्तं गुरोः २८।४८
९	श	२८	५७	मू	५७	२०	प्री	२७	३१	कौ	२८	५७	१३	४५	१५	५	१४	७	धनुषि	×सितम्बर मा. ९ ता. ३० ऋषि पंचमी
१०	र	३३	४४	पू	६०	०	आ	२८	२२	तै	१	२१	९	४६	१४	६	१५	८	धनुषि	रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
११	चं	३९	४०	पू	३	४६	सौ	३०	१४	व	६	४२	५	४७	१३	७	१६	९	म.२०।३८	भ. ६।४२उ.३९।४०या. पूफा. बुधः ३१/१०+
१२	मं	४५	४०	उ	११	१३	शो	३२	३४	ब	१२	४०	१	४८	१२	८	१७	१०	मकरे	वामन १२ +जलझूलनी ११ व्र.
१३	बु	५२	१०	श्र	१८	३८	अ	३५	१	कौ	१८	५५	३०/५७	४९	११	९	१८	११	कु.५२।२६	प्रदोषः =अनन्त १४
१४	गु	५८	७	ध	२६	१५	सु	३७	२५	ग	२५	८	५३	४९	११	१०	१९	१२	कुंभे	भ.५८।७उ. मूले१ राहुः मृगे ३ केतुः ५०/१८=
१५	शु	६०	०	श	३३	२५	धृ	३९	२८	वि	३१	१	४८	५०	१०	११	२०	१३	कुम्भे	भ. ३१।१ या. उफा. २ कन्यायां गुरुः ४२/४३*
१५	श	३	५६	पू	४०	१४	शू	४१	२२	ब	३	५६	४४	५१	९	१२	२१	१४	मी२३।३२	उफा. रविः ५५/३२ *महालयश्राद्धारंभः

२१पं.भा.शु.४चं.इ.२३।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	४	५	९	८	४
१४	२९	०	२७	५	१९	३	१३
२९	९	४४	३६	५६	३४	८	५६
५६	५८	४	३	५३	४४	४२	४३
५८	३८	४/०	१३	७३	३/५८	३	५७
१	८	२६	३२	५५	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

६शु ४ ७चं ५सूबुबु ३के ८ २मं ९रा ११ १ १०श १२

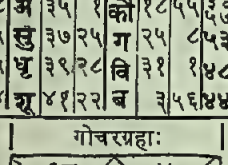

इस मासका फल मध्यम है। रक्त वस्तु रसादिपदार्थ गुड़खांड़ चीनीघृत तैल तेज हो। पूर्णिमा को बादल हो तो श्रेष्ठ रहे।

गोचरग्रहाः

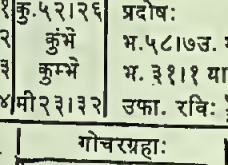

६शु ४ ७ ५सूबु ३के म ८ २ ९रा ११ १ १० १२

२२पं.भा.शु.११चं.इ. २३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	४	५	९	८	४
२१	३	१३	२९	१४	१९	२	२०
१६	२९	१	५	३२	९	४६	४४
५५	५०	८	३८	३५	५४	२६	२३
५८	३७	४/०	१३	७३	३/४०	३	५८
१३	१४	२	३२	५०	ब	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	८	४४	उ	४६	६	गं	४२	२४	कौ	८	४४	३०/४०	५/५२	६/८	१३	२२	१५	मीने	उफा. रविः सौरः ३०/७ आर्द्रा. भौमः ९।४६
२	चं	१२	५०	रे	५१	२०	वृ	४२	५५	ग	१२	५०	३६	५३	७	१४	२३	१६	मे.५१।२०	भ.४४/३३उ. उफा. बुधः ०/२३ चित्रा. शुक्रः ३३/४४
३	मं	१५	५६	अ	५५	३२	ध्रु	४२	४२	वि	१५	५६	३२	५४	६	१५	२४	१७	मेषे	भ. १५/५६ या. कन्यायां बुधः ४६/१६ चतुर्थी व्र.
४	बु	१७	५६	भ	५८	४१	व्या	४१	३९	बा	१७	५६	२८	५४	६	१६	२५	१८	मेषे	कन्यायामर्कः २०।५३ (सौरः ५५।१८)
५	गु	१८	५३	कृ	६०	०	ह	३९	४१	तै	१८	५२	२४	५५	५	१७	२६	१९	वृ.१४।१०	
६	शु	१८	३८	कृ	०	३५	व	३६	५०	व	१८	३८	२०	५६	४	१८	२७	२०	वृषे	भ. १८।३८ उ. ४७।५४ या.
७	श	१७	१०	रो	१	१८	सि	३३	२	ब	१७	१०	१६	५७	३	१९	२८	२१	मि३१।२	तुलायां शुक्रः ५९।३१
८	र	१४	१६	मृ	४६/०	५८/३	व्य	२७	५१	कौ	१४	१६	१२	५८	२	२०	२९	२२	मिथुने	
९	चं	१०	१	पु	५६	२६	व	२१	३८	ग	१०	१	८	५८	२	२१	३०	२३	क.४२।२	भ. ३७।१५ उ. हस्ते बुधः १९।५२
१०	मं	४	२९	पु	५१	४	प	१४	२६	वि	४	२९	४	५९	१	२२	३१	२४	कर्के	भ. ४।२९ या. इन्दिरा ११ व्र. स्मा.
११	मं	५३	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	बु	४९	४५	श्ले	४५	२३	शि	६/१२	५०/५५	कौ	२३	३८	३०/००	६/००	६/००	२३	१	२५	सिं४५।२३	रा. आश्विनारंभः इन्दिरा ११ व्र. वै.
१३	गु	४१	११	म	३८	५४	सा	४७	१९	ग	१५	२८	२९/५७	६/१	५/५९	२४	२	२६	सिंहे	भ. ४१।११ उ. प्रदोषः
१४	शु	३१	५५	पू	३१	५५	शु	३७	२	वि	६	३३	५१	२	५८	२५	३	२७	कं.४५।१२	भ. ६।३३ या. स्वात्यां शुक्रः २५।०
३०	श	२३	७	उ	२५	२	शु	२६	५८	ना	२३	७	४७	३	५७	२६	४	२८	कन्यायां	हस्ते रविः ३३।५९ सर्वपितृश्राद्धम्

२३पं.आ.कृ.२चं.इ.२३।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	५	९	८	४
२८	७	२७	०	२३	१८	२	२७
५	२४	२३	३६	७	४७	२४	३१
२४	०	२	३२	१	३१	११	४४
५८	३६	३/१९	१३	७३	३/०	३	५८
२६	३	१९	२८	४४	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

४ ७ ५सूबु मं ३के ८ २ ९रा ११ १ १०श १२चं

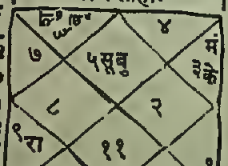

आ. कृ. ४ बुधे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४नं.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

७शु ५ ८ ६सूबुबु ४ ९रा ३केमंचं १२ २ ११ १

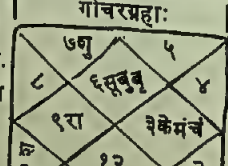

२४पं.आ.कृ. ९चं.इ.२३।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	५	६	९	८	५
४	११	१०	२	१	१८	२	४
५५	१६	५	६	४२	२८	१	२२
१९	४४	३५	५४	११	५५	५५	५१
५८	३४	७/१०	१३	७३	२/२०	३	५८
३८	५८	५०	३८	२६	ब	११	४५

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७५ स.१९९२
१	र	१४	५०	ह	१८	४२	ब्र	१७	१७	ब	१४	५०	२९/४३	६/३	५/५७	२७	५	२९	तु.४६।६	हस्ते रविः सौरः ७/४८ उफा. ३ गुरुः ७/६ ●
२	चं	७	५०	चि	१३	३०	ऐं	८	२३	कौ	७	५०	३८	४	५६	२८	६	३०	तुलायां	चन्द्रदर्शनम् ●मातामहश्रा. नवरात्रा.
३	मं	२	२९	स्वा	९	४७	वै	०/४१	५३/३३	ग	२	२९	३४	५	५५	२९	७	१	वृ.५३।२४	भ.३०/४५ उ.५९/२ या. चित्रा. बुधः ८/० रविलाख र४
४	मं	५६	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	५७	४७	वि	७	५६	प्री	४९	४१	व	२८	२४	३०	६	५४	३०	८	२	वृश्चिके	उदयं गुरोः १०।४८ उ.गु.
६	गु	५८	२६	अ	८	२७	आ	४६	५८	कौ	२८	६	२६	७	५३	१	९	३	वृश्चिके	अक्टूबर मा. १० ता. ३१
७	शु	६०	०	ज्ये	१०	४९	सौ	४५	५१	ग	२९	५५	२२	८	५२	२	१०	४	ध.१०।४९	बुधोदयः पश्चि. ४९।३४ सरस्वत्यावाहनं
७	श	१	२४	मू	१५	८	शो	४५	५३	व	१	२४	१८	८	५२	३	११	५	धनुषि	भ. २१/४ उ. ३३/३३ या. तुलायां बुधः २०।५४
८	र	५	३९	पू	२१	२३	अ	४७	४	ब	५	३९	१४	९	५०	४	१२	६	म.३८।४	सरस्वती पूजनम्
९	चं	११	३२	उ	२८	५	सु	४९	८	कौ	११	३२	१०	१०	५१	५	१३	७	मकरे	बलिदानं विजयादशमी पूजोत्सवः
१०	मं	१७	३८	श्र	३५	३२	धृ	५१	२६	ग	१७	३८	६	११	४९	६	१४	८	मकरे	भ. ५०/२३ उ. विशा. शुक्रः २०/२० विजया १०×
११	बु	२४	८	ध	४३	९	शू	५३	५२	वि	२४	८	२	१२	४८	७	१५	९	कु.९।२०	भ. २४/८ या. स्वात्यांबुधः २७/४६ पापांकुशा ११ व्र.
१२	गु	३०	१०	श	५१	२२	गं	५६	८	बा	३०	१०	२८/५८	१२	४८	८	१६	१०	कुम्भे	पुन. भौमः १५।४८
१३	शु	३५	५१	पू	५७	८	वृ	५७	४६	कौ	३	०	५४	१३	४७	९	१७	११	मी४०।४१	प्रदोषः ×सरस्वती विसर्जनम्
१४	श	४०	२०	उ	६०	०	ध्रु	५८	३३	ग	८	५	५०	१४	४६	१०	१८	१२	मीने	भ.४०।२०उ. चित्रा. रविः ६/० (सौरः ३८/२४)
१५	र	४३	४१	उ	२	४६	व्या	५८	४०	वि	१२	०	४६	१५	४५	११	१९	१३	मीने	भ. १२।० या. शरद् १५ कोजागरी व्र.

२५पं.आ.शु.२चं.इ.२२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	५	६	९	८	५
११	१४	२२	३	१०	१८	१	११
४६	५७	२	३७	१६	१४	३९	१३
५५	४३	२०	६	१९	१३	४०	५३
५८	३३	०३	१३	७३	१/४६	३	५९
५३	४०	२३	३२	१७	ब	११	०

गोचरग्रहाः

७शुचं ५ ८ ६सूबुबृ ४ ९रा ३केम २ १०श १२ ११ १

इस मासमें ५ रविवार प्रजामें रोग पीड़ाकारक हैं। पंचार्कवासरे रोगाः व्यापार में मंदी होकर तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

७बुशु ५ ८ ६सूबृ ४ ९रा ३केमं २ श १० चं १२ ११ १

२६पं.आ.शु.९चं.इ.२२।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	५	६	९	८	५
१८	१८	३	५	१८	१८	१	१८
४०	२७	१७	७	४९	४	१७	७
८	१८	२०	४८	५१	१२	२४	४०
५९	३२	९७	१३	७३	१/३	३	५९
९	८	१४	३२	३	ब	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४६	०	रे	७	१७	ह	५७	५१	बा	१४	५१	२८/४२	६/१६	५/४४	१२	२०	१४	मे.७।१७	उफा. ४ गुरुः ३९।११
२	मं	४७	१०	अ	१०	४८	व	५६	६	तै	१६	३५	३८	१६	४४	१३	२१	१५	मेषे	मार्गी शनिः २।३२
३	बु	४७	८	भ	१३	१५	सि	५३	२८	व	१७	९	३४	१७	४३	१४	२२	१६	वृ.३८।२५	भ.१७।९उ.४७/८ या. वृश्चिके शुक्रः३२।१७
४	गु	४६	६	कृ	१४	३८	व्य	५०	१०	ब	१६	३७	३०	१८	४२	१५	२३	१७	वृषे	चतुर्थी व्र.
५	शु	४४	२०	रो	१५	२५	व	४६	१	कौ	१५	१३	२६	१९	४१	१६	२४	१८	मि४४।५३	तुलायामर्कः ४९।४६ विशा. बुधः ४९।८
६	श	४१	४०	मृ	१४	४५	प	४१	१७	ग	१३	०	२२	२०	४०	१७	२५	१९	मिथुने	भ.४१/४० उ. तुलार्कः सौरः २१/७ अनु. शुक्रः १४/४
७	र	३८	५०	आ	१३	२१	शि	३५	४६	वि	९	५७	१८	२०	४०	१८	२६	२०	क.५६।४४	भ. ९।५७ या.
८	चं	३३	४७	पु	११	१२	सि	२९	३९	बा	६	१	१४	२१	३९	१९	२७	२१	कर्के	
९	मं	२८	४१	पु	८	१३	सा	२२	४३	तै	१	१४	१०	२२	३८	२०	२८	२२	कर्के	भ. ५५।५४ उ.
१०	बु	२२	४७	श्ले	४	३७	शु	१५	२०	वि	२२	४७	६	२३	३७	२१	२९	२३	सिं४।३७	भ. २२।४७ या.
११	गु	१६	१४	म	०/५	५४/५६	शु	७/१३	५१/२३	बा	१६	१४	२	२४	३६	२२	३०	२४	सिंहे	रमा ११ व्र.
१२	शु	८	५९	उ	४९	३३	ऐं	४९	४९	तै	८	५९	२७/५८	२४	३६	२३	१	२५	कं.८।३९	स्वात्यांरविः ३१/४८ रा.कार्तिकारम्भःप्रदोषः×
१३	श	१	२२	ह	४४	२५	वै	४०	५६	व	१	५२	५४	२५	३५	२४	२	२६	कन्यायां	भ.५१/२ उ २८/१५ या. स्वात्यां रविः २/५ (सौरः●
१४	श	५२	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●वृश्चिके बुधः ९।२० रूप १४
३०	र	४८	१४	चि	३९	३७	वि	३२	३१	च	२१	२६	५०	२६	३४	२५	३	२७	तु.१२।१	महालक्ष्मी पूजनम् ×धन १३

२७पं.का.कृ.१चं.इ.२२।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	५	६	९	८	५
२५	२१	१३	६	२७	१७	०	२५
३५	४२	५४	३६	२२	५८	५५	३
६	७	११	१८	३०	५९	८	२२
५९	२९	९०	१३	७२	०/१६	३	५९
२१	४७	७	२०	५०	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

७शुबु ५ ८ ६सूबृ ४ ९रा ३केमं २ १०श १२ ११ १चं

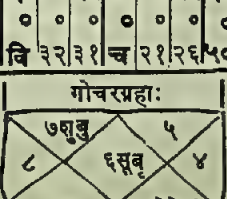

का. कृ. ५ शुक्रे तुलायामर्कः प्र.वा.३ न. ४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

८शु ६वृ ९रा ७सूबु ५ १०श ४चं ११ १ ३मं के १२ २

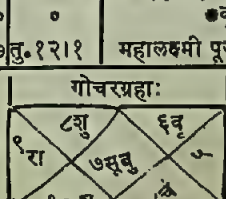

२८पं.का.कृ.८चं.इ.२२।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	५	७	९	८	६
२	२४	२३	८	५	१७	०	२
३१	३९	२९	३	५४	५८	३२	०
३४	४०	४५	४३	५७	५१	५३	५०
५९	२७	८२	१३	७२	२६	३	५९
३४	३९	८	१०	३१	मा	११	४६

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २०४ सन् १९९२
१	चं ४२ ४८ स्वा ३५ ४० प्री २४ ४० किं १५ ३१	२७ ४६	२७ ३३	५	२६	४	२८	तुलाया	अन्नकूट गोवर्द्धनपूज
२	मं ३८ ५९ वि ३२ ५८ आ १७ ४५ बा १० ५३	४२ २८	३२	२७	५	२९	बृ. १८।३८	अनु बुधः १।३ चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २	
३	बु ३७ ४ अ ३२ १३ सौ १२ १६ ते ८ १	३९ २८	३२	२८	६	१	वृश्चिके	हस्ते १ गुरुः ४६ ज्येष्ठा. शुक्रः १६ जमादि. ५	
४	गु ३६ ५५ ज्ये ३३ ६ शो ८ ६ व ६ ५९	३५ २९	३१	२९	७	२	ध. ३३।६	भ. ५९ उ ५५ या ज्येष्ठा. ४ वृश्चिके राहुः *	
५	शु ३९ १ मू ३६ ३० अ ५ ३४ ब ७ ५८	३१ ३०	३०	२०	८	३	धनुषि	*मृगे २ वृषे केतुः ४२।१७	
६	श ४२ ३७ पू ४१ १९ सु ४ ४७ कौ १० ४९	२७ ३१	२९	३१	९	४	म. ५७।५३		
७	र ४७ ५९ उ ४७ ३७ धृ ४ ५९ ग १५ १८	२४ ३१	२९	१	१०	५	मकरे	भ. ४७।५९ उ. नवम्बर मा. ११ ता. ३०	
८	चं ५३ ५३ श्र ५४ ३४ शू ६ २४ वि २० ५६	२० ३२	२८	२	११	६	मकरे	भ. २०।५६ या. गोपाष्टमी	
९	मं ६० ० ध ६० ० गं ८ ३६ बा २७ ११	१६ ३३	२७	३	१२	७	कुं. २८।२३	कर्के भौमः ४३।३८ अक्षय ९	
९	बु ० ३० ध २ १२ वृ १० ४६ कौ ० ३०	१३ ३३	२७	४	१३	८	कुम्भे		
१०	गु ६ ४४ श ९ ३७ ध्रु १२ ५५ ग ६ ४४	९ ३४	२६	५	१४	९	मी ५९।४६	भ. ३९।३५ उ. त्रिशा. रविः ५२।११	
११	शु १२ २६ पू १६ २९ श्या १४ ४७ वि १२ २६	६ ३५	२५	६	१५	१०	मीने	भ. १३ या. विशा. रविः सौरः १९ प्रबोधिनी ×	
१२	श १६ ५१ उ २२ २१ ह १५ ४७ बा १६ ५१	२ ३६	२४	७	१६	११	मीने	मूले धनुषि शुक्रः १३।१७ प्रदोषः	
१३	र २० ४ रे २६ ४६ व १५ ३७ ते २० ४	५६ ३६	२४	८	१७	१२	मे. २६।४६	वैकुंठ १४ ×११ ब्र. तुलसी वि.	
१४	चं २१ ५८ अ २९ ५१ सि १४ २७ व २१ ५८	५६ ३७	२३	९	१८	१३	मेषे	भ. २१।५८ उ. ५५।५४ या.	
१५	मं २१ ५० भ ३१ २८ व्य १२ १२ ब २१ ५०	५३ ३७	२३	१०	१९	१४	बृ. ४६।३२	वक्री बुधः ३९।९ मन्वादिः	

२९पं.का.शु.१चं.इ.२२।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	७	५	७	९	८	६
९	२७	२	९	१४	१८	०	९
२९	१६	३४	२९	२५	४	१०	०
४९	५९	४४	३४	३४	३०	३७	१०
५९	२५	६९	१२	७२	१	३	६०
४७	८	५३	४९	७	१९	११	२

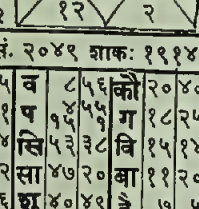

३०पं.का.शु.८चं.इ.२२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	७	५	७	९	७	६
१६	२९	१०	१०	२२	१८	२९	१६
२९	२९	७	५१	५३	५९	४८	१
३८	५३	२६	४३	५६	१३	२२	१४
६०	२२	५०	१२	७१	१	३	६०
४	११	५४	२०	४८	५३	११	१८

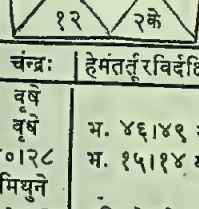

३१पं.का.शु.१४चं.इ. ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	५	८	९	७	६
२३	१	१४	१२	१	१८	२९	२३
३०	२५	२९	१२	२१	२९	२६	३
५८	५५	२०	७	३३	२	६	५०
६०	१८	१३	८	७१	२	३	६०
१७	४३	३५	३	२४	१६	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणेकार्ति. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा.
१	बु २० ४० कृ ३१ ४५ व ८ ५६ कौ	२० ४०	२९ ३६	५	११	२०	१५	वृषे	
२	गु १८ २५ रो ३१ ११ प १५ ५५ ग	१८ २५	४६ ३९	२१	१२	२१	१६	वृषे	भ. ४६।४९ उ.
३	शु १५ १४ मृ २९ ४४ सि ५३ ३८ वि	१५ १४	४३ ३९	२१	१३	२२	१७	मि० १८	भ. १५।१४ या. चतुर्थी व्र.
४	श ११ २० आ २७ २२ सा ४७ २० आ	११ २०	४० ४०	२०	१४	२३	१८	मिथुने	
५	र ७ ५ पु २४ ५६ शु ४० ४९ ते	७ ५	३७ ४१	१९	१५	२४	१९	क. १०।३२	
६	चं २ ३४ पु २२ ८ शु ३४ २ व	२ ३४	३४ ४१	१९	१६	२५	२०	कर्के	वृश्चिकेऽर्कः ४६ बुधास्तः पश्चि. ५०।१३
७	चं ५५ २५ ० ० ० ० ० ०	० ०	० ०	०	०	०	०	०	भ. २।३४ उ. ३०।१७ या. वृश्चिकेऽर्कः ×
८	मं ५२ ५३ श्ले १८ ५९ ब्र २७ ६ बा	२५ २६	३१ ४२	१८	१७	२६	२१	सिं १८।५९	४सौरः १३।५१ हस्ते २ गुरुः ३५।४५
९	बु ४७ ५० म १५ ३७ रें १९ ५८ ते	२० २१	२९ ४२	१८	१८	२७	२२	सिंहे	
१०	गु ४२ २१ पू १२ १० वै १२ ४२ व	१५ ५	२६ ४३	१७	१९	२८	२३	कं. २६।१५	
११	शु ३७ २ उ ८ ३१ वि ५ ५३ ब	९ ४१	२४ ४३	१७	२०	२९	२४	कन्यायां	भ. १५।५० उ. ४३ या अनु. ३६ (सौरः ३९) *
१२	श ३१ ४३ ह ४ ५३ आ ५० ४० कौ	४ २२	३१ ४४	१६	२१	३०	२५	तु. ३३।१६	उत्पत्ति ११ व्र. *पूषा. शुक्रः २०।३४
१३	र २७ १ चि ३८ ५७ सौ ४३ ५१ व	२७ १	१९ ४४	१६	२२	१	२६	तुलायां	पुष्ये भौमः ४८।३४
१४	चं २२ ५० वि ५६ ४४ शो ३७ ४३ श	२२ ५०	१६ ४५	१५	२३	२	२७	वृ. २४।१५	भ. २७।१७ उ. ५४ या. रा. मार्गशीर्षारंभः +
१५	मं १९ ५३ अ ५६ १ अ ३२ २९ ना	१९ ५३	१३ ४५	१५	२४	३	२८	वृश्चिके	वक्री विशा. बुधः २।८ +प्रदोषः

३२पं.मा.कृ.६चं.इ.२१।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	८	९	७	७
०	२	१२	१३	९	१८	२९	०
३३	४६	३०	२८	४६	४८	३	७
४७	२६	४३	४१	४८	३९	५०	५४
६०	१२	६०	११	७०	१	३	६०
३०	५७	ब	२२	५८	२१	११	४०

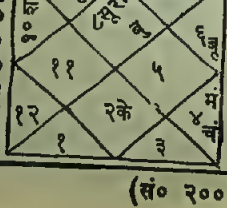

मा. कृ. ५ रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.३ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

३३पं.मा.कृ.१४चं.इ. २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	८	९	७	७
७	३	४	१४	१८	१९	२८	७
३७	३३	२३	३९	९	१२	४१	१३
३७	३२	२७	४३	३६	५०	३५	२७
६०	८	३३	१०	७०	३	३	६०
४२	४५	ब	३७	२१	५६	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३४ स.१९९२
१	बु	१८	९	ज्ये	५६	५०	सु	२८	५	ब	१८	९	२६/११	६/४६	५/१४	२५	४	२९	ध.५६।५०	
२	गु	१८	४	मू	५९	१२	धृ	२४	५९	कौ	१८	४	८	४६	१४	२६	५	३०	धनुषि	वक्री तुलायां बुधः १०।२० चन्द्रदर्शनम्
३	शु	१९	५०	पू	६०	०	शू	२३	३५	ग	१९	५०	६	४७	१३	२७	६	१	धनुषि	भ. ५१।३० उ. बुधोदयः पूर्व. ३६।१०*
४	श	२३	१०	पू	३	१८	गं	२२	४६	वि	२३	१०	३	४७	१३	२८	७	२	म.१९।४०	भ. २३।१० या.
५	र	२८	११	उ	८	४४	वृ	२३	७	बा	२८	११	१	४८	१२	२९	८	३	मकरे	*जमादिलाखर६ पातस्पर्शः १२/१८ मोक्षः ३६/१२
६	चं	३३	४६	श्र	१५	१७	ध्रु	२४	४६	कौ	०	५८	२५/५९	४८	१२	३०	९	४	कु.४८।४३	उषा. शुक्रः ३०।१८ चम्पा ६
७	मं	४०	१४	ध	२२	८	व्या	२७	११	ग	७	०	५७	४९	११	१	१०	५	कुम्भे	भ. ४०/१४ उ. मार्गी बुधः ४१/५८ दिस.१२ता.३१
८	बु	४६	४०	श	३०	११	ह	२९	२८	वि	१३	२७	५५	४९	११	२	११	६	कुम्भे	भ. १३/२७ या. ज्येष्ठा. रविः १६/४३ (सौरः ३८/३९)
९	गु	५२	४०	पू	३७	२७	व	३९	३७	बा	१९	४०	५३	४९	११	३	१२	७	मी२०।३८	वक्री भौमः ४।५७ मकरे शुक्रः २२।३४
१०	शु	५७	३३	उ	४३	५०	सि	३३	४	तै	२५	६	५१	५०	१०	४	१३	८	मीने	वक्री पुन. भौमः ११/४७ श्रवणे ४ शनिः ५२/२८
११	श	६०	०	रे	४८	५२	व्य	३३	२४	व	२९	१४	४९	५०	१०	५	१४	९	मे.४८।५२	भ. २९/१४ उ. मोक्षदा ११ व्र. स्मा. गीता ज.
११	र	०	५६	अ	५२	२०	व	३२	४१	वि	०	५६	४८	५०	१०	६	१५	१०	मेषे	भ.०।५६या. वृश्चिके बुधः ३।१३ हस्ते ३×
१२	चं	२	४१	भ	५४	७	प	३०	३०	बा	२	४१	४६	५१	९	७	१६	११	मेषे	प्रदोषः ×गुरुः १०/१३ मोक्षदा ११ व्र. वै
१३	मं	२	२८	कृ	५४	२	शि	२६	५९	तै	२	२८	४५	५१	९	८	१७	१२	वृ. ९।५	
१४	बु	०	५२	रो	५२	१९	सि	२१	५८	व	०	५२	४४	५१	९	९	१८	१३	वृषे	भ. ५२/० उ २८/५७ या. दत्तजयंती चंद्रग्रहणम्
१५	बु	५६	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३४पं.मा.शु.६चं.इ.२१।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	६	५	८	९	७	७
१४	३	२८	१५	२६	१९	२८	१४
४२	३६	२८	४८	२९	४०	१९	२०
५४	१४	१२	३२	२४	३३	१९	१३
६०	२	९/५९	९	६९	४	३	६१
५०	४३	ब	५९	३९	३८	११	३

गोचरग्रहाः

९शु ७बु श चं१० ८सूरा ६बृ ११ ५ १२ २के ४ मं १ ३

इस मासका फल साधारण है। रुई अनाज गल्ला रस पदार्थ गुड़ खांड़ आदिमें घटाबढ़ी सोना चांदी मंदा हो।

गोचरग्रहाः

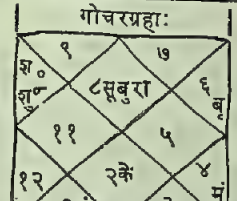

९ ७ श० शु० ८सूबुरा ६बृ ११ ५ १२ २के ४ मं १चं ३

३५पं.मा.शु.१२चं.इ. २०/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	९	९	७	७
२१	३	१	१६	४	२०	२७	२१
४८	६	४	५०	४४	१२	५७	२७
५८	३६	१९	५३	३१	२५	४	५८
६०	४/१५	४९/३८	९	६८	५	३	६१
५६	ब	मा	१६	५३	१	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	५२	३२	मृ	४९	१०	सा	१६	५	बा	२४	४७	२५/४२	६/५२	५/१०	१०	१९	१४	मि२१।७	अनु. बुधः ४।४८
२	शु	४७	५	आ	४५	५२	शु	९	१३	तै	१९	४८	४१	५२	८	११	२०	१५	मिथुने	श्रवणे शुक्रः ४६।६
३	श	४१	६	पु	४१	४७	शु	१/२९	५३/२	व	१४	५	४०	५२	८	१२	२१	१६	क.२७।४९	भ. १४।४ उ. ४१।६ या.
४	र	३५	५	पु	३७	४१	ऐं	४५	३०	ब	८	६	३९	५२	८	१३	२२	१७	कर्के	चतुर्थी व्र.
५	चं	२९	७	श्ले	३३	२२	वै	३७	४०	कौ	२	६	३८	५२	८	१४	२३	१८	सिं३३।२२	
६	मं	२३	३४	म	२९	२९	वि	२९	५५	व	२२	३४	३८	५२	८	१५	२४	१९	सिंहे	भ. २३।३४ उ. ५१।३या. मूले धनुष्यर्कः*
७	बु	१८	३२	पू	२५	५७	प्री	२२	३२	ब	१८	३२	३७	५३	७	१६	२५	२०	कं.३९।५२	
८	गु	१३	२२	उ	२१	३५	आ	१५	३२	कौ	१३	२२	३७	५३	७	१७	२६	२१	कन्यायां	
९	शु	९	११	ह	१९	१४	सौ	८	४७	ग	९	११	३७	५३	७	१८	२७	२२	तु.४८।१४	भ. ३७।१७ उ. ×२३/५५ (सौरः ४३/२३)
१०	श	५	२४	चि	१७	१४	शो	२/३५	५४/१९	वि	५	२४	३६	५३	७	१९	२८	२३	तुलायां	भ. ५।२४ या. सफला ११ व्र. स्मा.
११	र	२	५	स्वा	१५	४७	सु	५१	४८	बा	२	५	३६	५३	७	२०	२९	२४	तुलायां	ज्येष्ठा. बुधः १७।११ सफला ११ व्र. वै
१२	र	५७	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	चं	५८	११	वि	१५	१०	धृ	४७	२३	ग	२८	५३	३६	५३	७	२१	३०	२५	बृ.०।१९	भ. ५६/११ उ. वक्री मिथुने भौमः ३२/७ प्रदोषः
१४	मं	५७	३५	अ	१५	३५	शू	४३	४९	वि	२७	५४	३६	५३	७	२२	१	२६	वृश्चिके	भ. २७।५४ या. रा. पौषारंभः
१५	बु	५८	२३	ज्ये	१६	४७	गं	४१	१२	च	२७	५९	३६	५३	७	२३	२	२७	ध.१६।४७	

३६पं. पौ.कृ.५चं.इ.२०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	९	९	७	७
२८	१	८	१७	१२	२०	२७	२८
५५	५६	५१	४७	५५	४७	३४	३६
५२	१३	३२	२४	२२	५६	४८	४१
६१	११/५५	७४	८	६८	५	३	६१
०	च	२७	२६	२	३०	११	१९

गोचरग्रहाः

९ ७ शु श१० ८सूरा ६बृ ११ ५ १२ २के ४चं मं १ ३

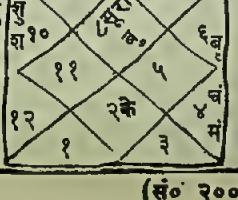

पौष कृ.६ भौमे धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

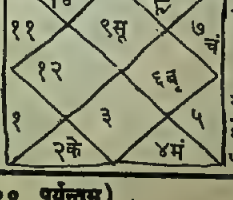

९सू ११ ७चं १२ ६बृ १ ३ ५ २के ४मं

३७पं.पौ.कृ.१३चं.इ. २०/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	५	९	९	७	८
६	०	१८	१८	२०	२१	२७	५
३	३	८	३७	५८	२७	१२	४६
२९	४३	९	२६	१५	२५	३२	६
६०	१९/२४	८३	७	६६	५	३	६१
५६	ब	२३	१४	५९	५३	११	२२

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २६३स.१९९२-९३
१	शु ६० ० मू १९ २२ वृ ३९ ५५ किं २९ २७ ३५ ६ ५				२४	३	२८	धनुषि	धनिष्ठा. शुक्रः २७।३५
१	शु ० ३१ पू २३ १३ ध्रु ३८ ५९ ब ० ३१ ३७ ५३				२५	४	२९	म.३९।२४	चंद्रदर्शनम्
२	श ३ ५६ उ २७ ५८ ध्या ३९ २७ कौ ३ ५६ ३७ ५३				२६	५	१	मकरे	रज्जव ७
३	र ८ ५४ श्र ३४ ४५ ह ४० ३० ग ८ ५४ ३८ ५२				२७	६	२	मकरे	भ. ४१।४१ उ.
४	चं १४ २९ ध ४१ ४७ व ४२ १६ वि १४ २९ ३८ ५२				२८	७	३	कुं.८।१६	भ. १४ या. पूषा रविः २६ (सौरः ४४)
५	मं २१ ० श ४९ २४ सि ४४ ३८ बा २१ ० ३९ ५२				२९	८	४	कुंभे	कुम्भे शुक्रः १८।४५
६	बु २७ २७ पू ५७ १३ व्य ४६ ५८ तै २७ २७ ४० ५२				३०	९	५	मी४०।१६	मूले धनुषि बुधः २०।१२
७	गु ३३ ५२ उ ६० ० ब ४९ २ ग ० ३९ ४० ५२				३१	१०	६	मीने	भ.५३ उ. ज्येष्ठा. ३ राहुः मृगे १ केतुः ३४
८	शु ३९ १५ उ ४ ५ प ५० ९ वि ६ ३३ ४१ ५२				१	११	७	मीने	भ. ३६ या. जनवरी १ता. ३१ सन् १९९३
९	श ४३ १९ रे १० ३ शि ५० १८ बा ११ १७ ४२ ५२				२	१२	८	मे.१०।३	•बुधास्तः पूर्वस्याम् ३९।५५
१०	र ४५ ४७ अ १५ ३७ सि ४९ ४ तै १४ ३३ ४३ ५१				३	१३	९	मेषे	
११	चं ४६ १० भ १८ २० सा ४६ १९ ब १५ ५८ ४४ ५१				४	१४	१०	बृ.३३।३१	भ. १५८ उ. ४६ या. शते शुक्रः १६ पुत्रदा×
१२	मं ४४ ३५ कृ १९ १ शु ४१ ५५ ब १५ २२ ४६ ५१				५	१५	११	बृषे	हस्ते ४ गुरुः १३।५ ×११ व्र.
१३	बु ४० ५९ रो १७ ४७ शु ३६ १ कौ १२ ४७ ४७ ५१				६	१६	१२	मि४६।१६	प्रदोषः
१४	गु ३६ ८ मृ १४ ४५ ब्र २८ ४५ ग ८ ३३ ४९ ५०				७	१७	१३	मिथुने	भ. ३६।८ उ. पूषा. बुधः २।४२
१५	शु २९ २ आ १० १६ दें २० २२ वि २ ३५ ५१ ५०				८	१८	१४	क.५१।११	भ. २।३५ या. धनिष्ठा. १ शनिः ३६।१०

३८पं.पौ.शु.४चं.इ.२०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	७	५	९	९	७	८
१३	२७	२८	१९	२८	२२	२६	१२
११	४०	२८	२०	५६	८	५०	५५
३१	१६	१५	२४	१३	४५	१७	५८
६१	२६	९२	६	६५	६	३	६१
६	ब	१०	१६	४०	२०	११	२६

गोचरग्रहाः

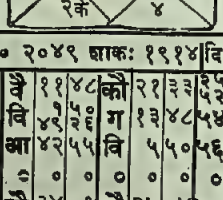

इस मासमें भौम वक्री है अतः धान्य रुई सूत बिनोला सण सोना चांदी मूंगफली अलसी अंडी तेज रहे।

गोचरग्रहाः

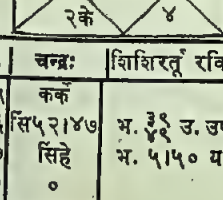

३९पं.पौ.शु.११चं.इ. ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	५	१०	९	७	८
२०	२५	८	१९	६	२२	२६	२०
१९	११	५९	५५	४२	५२	२८	५
२६	३५	२४	३३	४३	३०	१	५५
६१	३९	९६	५	६४	६	३	६१
६	ब	२०	४	१०	३२	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०४९ शाकः १९१४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श २१ ३३ पु ४९ ५४ वै ११ ४८ कौ २१ ३३ ३५ ६	५०	१०	५	९	१९	१५	कर्के	
२	र १३ ४८ श्ले ५२ ४७ वि ४९ २६ ग १३ ४८ ५४ ४९	११	१०	२०	१६	सिं५२।४७			भ. ३९ उ. उषा. रविः ३३ (सौरः ४५)
३	चं ५ ५० म ४६ ५५ आ ४२ ५५ वि ५ ५० ५६ ४९	११	११	२१	१७	सिंहे			भ. ५।५० या. चतुर्थी व्र.
४	चं ५२ ३५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०							
५	मं ५१ ४३ पू ४१ ५९ सौ ३४ १ कौ २५ ४ ५८ ४८	१२	१३	२२	१८	कं.५५।५२			
६	बु ४५ ३९ उ ३७ ३१ शो २५ ५३ ग १८ ४१ २६ ४८	१२	१३	२३	१९	कन्यायां			भ. ४५।३९ उ. मकरेऽर्कः ४३।५९
७	गु ४१ ५ ह ३४ २५ अ १८ २८ वि १३ २२ ३ ४७	१३	१४	२४	२०	तु.३।१९			भ. १३।२२ या. मकरेऽर्कः सौरः ०।५३
८	शु ३७ १४ चि ३२ १४ सु १२ २ बा ९ १० ५ ४७	१३	१५	२५	२१	तुलायां			उषा. बुधः ३९।५५
९	श ३४ ४० स्वा ३१ १४ भृ ६ ३१ तै ५ ५७ ८ ४६	१४	१६	२६	२२	तुलायां			पूभा. शुक्रः ४७।४८ पातस्पर्शः ५५।४०
१०	र ३३ ६ वि ३० ५९ शु ५४ ५६ ब ३ ५३ १० ४६	१४	१७	२७	२३	बृ.१६।२			भ. ३।५३ उ. ३३।६ या. मकरे बुधः ३६
११	चं ३२ ४३ अ ३२ १६ वृ ५५ २० ब २ ५४ १२ ४६	१४	१८	२८	२४	बृश्चिके			षट्तिला ११ व्र. •पातमोक्षः २२ ५९
१२	मं ३३ ३४ ज्ये ३४ ४२ ध्रु ५३ २५ कौ ३ ८ १५ ४६	१४	१९	२९	२५	ध.३४।४२			वक्री आर्द्रा. भौमः २।४६
१३	बु ३५ २३ मू ३७ ५९ ब्या ५२ ३६ ग ४ २८ १७ ४५	१५	२०	३०	२६	धनुषि			भ. ३५ उ. अभि.प्र.रविः २३ (सौर ११५)×
१४	गु ३८ २२ पू ४२ २४ ह ५२ २७ वि ६ ५२ २० ४४	१६	२१	१	२७	म.५८।४४			भ. ६।५२ वा. रा. माघारंभः ×प्रदोष
३०	शु ४२ २८ उ ४७ ४४ ब ५२ ४६ च १० २५ २२ ४४	१६	२२	२	२८	मकरे			

४०पं.मा.कृ.३चं.इ.२०।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	५	१०	९	७	८
२७	२२	१९	२०	१४	२३	२६	२७
२७	३८	५४	२२	१६	३८	५	१५
४०	४२	५३	३३	५१	४२	३६	२७
६१	३९	२७	३	६२	६	३	६१
६	ब	२०	१२	२०	५०	११	२४

गोचरग्रहाः

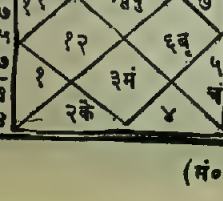

माघ कृ. ६ वृषे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

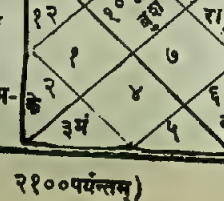

४१पं.मा.कृ.११चं.इ. ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	५	१०	९	७	९
४	२०	१	२०	२१	२४	२५	४
३५	२०	१५	४१	३७	२६	४३	२५
३१	२	१८	२०	१५	२४	३०	१६
६१	३६	९९	२	६३	७	३	६१
३	ब	५९	२७	४	२	११	१९

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श ४७ ३८ श्र ५४ ११ सि ५४ १४ कि १५ ३	३५	४ ६	५ ७	३ ३	३	२९	मकरे
२	र ५३ २० ध ६० ० व्य ५५ ४८ बा २० २९	२७	४ ३	१७	२४	४	३०	कुं. २७।४०
३	चं ५९ ४४ ध १ १० व ५७ ५८ तै २६ ३२	३०	४२	१८	२५	५	१	कुम्भे
४	मं ६० ० श ८ ४५ प ६० ० व ३३ २	३३	४१	१९	२६	६	२	मी ५९।२८
५	बु ६ २० पू १६ २२ प ० १२ वि ६ २०	३६	४१	१९	२७	७	३	मीने
६	गु १२ ५५ उ २४ २० शि २ ३७ बा १२ ५५	३९	४०	२०	२८	८	४	मीने
७	शु १८ ४१ रे ३० ४० सि ४ ३२ तै १८ ४१	४२	४०	२०	२९	९	५	मे. ३०।००
८	श २३ २८ अ ३६ २३ सा ५ ३३ व २३ २८	४६	३९	२१	३०	१०	६	मेषे
९	र २५ ५२ भ ४० २८ शु ५ २५ ब २५ ५२	४९	३८	२२	३१	११	७	वृ. ५६।३
१०	चं २८ २० कृ ४२ ५० शु ४ ५ को २८ २०	५३	३८	२२	१	१२	८	वृषे
११	मं २७ ५५ रो ४३ १३ ब्र ७ ५५ ग २७ ५५	५५	३७	२३	२	१३	९	वृषे
१२	बु २५ १८ मृ ४१ २० वै ५० १७ वि २५ १८	५९	३६	२४	३	१४	१०	मि १२।१७
१३	गु २० ४१ आ ३७ ४३ वि ४२ ४१ बा २० ४१	२७	३६	२४	४	१५	११	मिथुने
१३	शु १४ १६ पु ३२ २१ प्री ३४ २९ तै १४ ५६	६	३५	२५	५	१६	१२	क. १८।४१
१४	श ६ ३५ पु २६ ६ आ २३ २९ व ६ ३५	९	३४	२६	६	१७	१३	कर्के
१५	श ५० ५३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २९३ स. १९९३

श्रवणे रविः ३९ (सौरः ४६) श्रवणे बुधः ●
अभि. नि. रविः ३१ (सौरः ३०) चन्द्रदर्शनम्
सावान ८ ●३१ अस्तं शनेः ४२
भ. ३२।२ उ. मीने शुक्रः ५२।८
भ. ६।२० या.
वसंत पंचमी
×पातस्पर्शः ३३।३१ मोक्षः ५२ भानु ७
भ. ३३ उ. ५४ या. उभा. शुक्रः ११।२५×
धनि. बुधः ३८ वक्री गुरुः ३७ भीष्माष्टमी
फर्वरी मा. २ ता. २८
भ. ५६।३६ उ.
भ. २५।१८ या. जया ११ ब्र.
कुंभे बुधः १३।२० प्रदोषः
धनि. रविः ४७।२८ (सौरः ५४।३)
भ. ६।३५ उ. ३२।२ या. धनि. २ शनिः २१

४२पं.मा.शु.३चं.इ.२०।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	५	१०	९	७	९
११	१८	१२	२०	२८	२५	२५	११
४२	२७	५४	५०	३२	१५	२१	३४
५८	३२	२५	२०	५२	७	१४	७
६०	३३	९	१	५६	७	३	६१
५९	ब	३३	२	५८	१४	११	३३

गोचरग्रहाः

माघ मास जो पढ़े न शीत, तो भी समय जानियो मीत। माघ पांच जो हों शनिवार, तो भी जोशी काल विचार ।।

गोचरग्रहाः

४३पं.मा.शु.९चं.इ.२०।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	५	११	९	७	९
१८	१६	२४	२०	५	२६	२४	१८
४९	५५	५०	४९	१४	५	५८	३२
२६	३०	१६	३०	६	१३	५९	१०
६०	१३	९	११	५३	७	३	६१
५५	ब	३३	ब	२	२०	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र ४८ १३ श्ले १८ ३२ सौ १२ ५५ बा २२ ५१	२७	३ ६	२७	७	१८	१४	सिं १८।३२
२	चं ३९ २ म ११ ७ शो १६ ३९ तै १३ ३७	१६	३३	२७	८	१९	१५	सिंहे
३	मं ३० १४ पू ५९ ३२ सु ४१ ४३ व ४ ३८	२०	३२	२८	९	२०	१६	कं. १७।२१
४	बु २२ १६ ह ५२ ११ धृ ३२ २५ बा २२ १६	२४	३१	२९	१०	२१	१७	कन्यायां
५	गु १५ ४१ चि ४८ २९ शू २४ ३१ तै १५ ४१	२७	३१	२९	११	२२	१८	तु. २०।२०
६	शु १० ३७ स्वा ४६ १४ मं १७ ५२ व १० ३७	३१	३०	३०	१२	२३	१९	तुलायां
७	श ७ २५ वि ४५ ४० वृ १२ २८ च ७ २५	३५	२९	३१	१३	२४	२०	वृ. ३०।४९
८	र ५ २६ अ ४६ २८ धु ८ १० को ५ २६	३८	२८	३२	१४	२५	२१	वृश्चिके
९	चं ५ ११ ज्ये ४९ ५ ष्या ५ २८ ग ५ ११	४२	२९	३२	१५	२६	२२	ध. ४९।५
१०	मं ६ ३१ मू ५२ ५२ ह ३ ५१ वि ६ ३१	४६	२७	३३	१६	२७	२३	धनुषि
११	बु ९ ० पू ५७ ४९ च ३ २३ बा ९ ०	५०	२६	३४	१७	२८	२४	धनुषि
१२	गु १२ ५५ उ ६० ० सि ३ ३९ तै १२ ५५	५४	२५	३५	१८	२९	२५	म. १४।१९
१३	शु १७ ४३ उ ३ ४९ व्य ४ ३९ व १७ ४३	५८	२४	३६	१९	३०	२६	मकरे
१४	श २३ २५ श्र १० ४७ ब्र ६ १७ श २३ २५	१ ६	२४	३६	२०	१	२७	कु. ४४।९
२०	र २९ १४ ध १७ ३२ प ८ ५ ना २९ १४	६	२३	३७	२१	२	२८	कुंभे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

शते बुधः ४९।५

भ. ४।३८ उ. ३०।१४ या. चतुर्थी ब्र.
बुधोदयः पश्चिमायाम् ६।५१
पातस्पर्शः २३।५८ पातमोक्षः ३७।१९
भ. ३९ उ. ३९।१ या. कुंभेऽर्कः २२।४३×

●महाशिवरात्रि ब्र. स्मा.
भ. ३५ उ. पूभा. बुधः ४९ रेवत्यां शुक्रः ३१
भ. ६।३१ या. मार्गी भौमः १३।३३
विजया ११ ब्र. ×(सौरः २८।०)
शते रविः ५९।४ प्रदोषः
भ. १७।४३ उ. ५० या. शते रविः सौरः ३३ ●
रा. फाल्गुनारम्भः महाशिवरात्रि ब्र. वै.

४४पं.फा.कृ.२चं.इ.२०।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	१०	५	११	९	७	९
२५	१६	७	२०	११	२६	२४	२५
५५	२	३५	४०	१७	५५	३६	४८
१६	२०	३१	५५	२०	४४	४३	५७
६०	४५	९	१	४८	७	३	६०
३७	ब	५५	ब	११	२०	११	५०

गोचरग्रहाः

फा. कृ. ६ शुक्रे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

४५पं.फा.कृ.९चं.इ.२०।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	११	९	७	१०
३	१५	१९	२०	१६	२७	२४	३
०	४३	२८	२२	३९	४६	१४	५५
४	२६	३३	१	२८	३७	२८	०
६०	४०	९४	१	३८	७	३	६०
३७	ब	५	ब	१३	२०	११	४९

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३२३ स.१९९३
१	चं ३५ ३६ श २४ ५८ शि १० ८	किं २	२५	३८ २३	३५	२२	३	२९	कुम्भे
२	मं ४२ ४ पू ३२ ३१ सि १२ ३५	बा ८	५१	१४	२१	३९	२३	४	३० मी १५।३८
३	बु ४८ २९ उ ३९ ४१ सा १४ ५४	तै १५	१७	१८	२०	४०	२४	५	१ मीने
४	गु ५४ १७ रे ४६ ४२ शु १६ ४३	व २१	२३	२२	२०	४०	२५	६	२ मे.४६।४२
५	शु ५९ १४ अ ५३ २० शु १८ ११	ब २६	४५	२६	१९	४१	२६	७	३ मेषे
६	श ६० ० भ ५८ १६ ब्र १९ २	कौ ३१	११	३०	१८	४२	२७	८	४ मेषे
६	र ३ ७ कृ ६० ० रें १८ ३७	तै ३	७	३४	१७	४३	२८	९	५ बृ.१४।१३
७	चं ५ ३४ कृ २ ७ वै १७ ९	व ५	३४	३८	१६	४४	१	१०	६ बृषे
८	मं ६ १५ रो ४ ९ वि १४ ११	ब ६	१५	४२	१६	४४	२	११	७ मि ३४।१४
९	बु ५ ५ मृ ४ २० प्री ९ ३७	कौ ५	५	४६	१५	४५	३	१२	८ मिथुने
१०	गु १ ५८ आ ३६ ५६ आ ४० ५७	ग १	५८	५०	१४	४६	४	१३	९ क.४४।४७
११	गु ५४ ५३ ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०	०	०	०
१२	शु ४९ ५९ पु ५३ ३९ शो ४७ १३	ब २३	२५	५४	१३	४७	५	१४	१० कर्के
१३	श ४२ ५५ श्ले ४७ १ अ ३७ ९	कौ १६	२७	५८	१२	४८	६	१५	११ सिं ४७।१७
१४	र ३२ ५१ म ३९ २१ सु २६ २३	ग ७	५३	२५	१२	४८	७	१६	१२ सिंहे
१५	चं २२ ४० पू ३१ २९ धृ १५ १६	ब २२	४०	६	११	४९	८	१७	१३ कं.४४।२६

छारेंडी =३६ आमलकी ११ व्र. स्मा

४६पं.फा.शु.१चं.इ.२१।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	११	९	७	१०
१०	१५	२८	१९	२१	२८	२३	९
३	५९	७	५५	८	३६	५१	५९
३२	४६	१	५	९	३२	१२	३३
६०	५	५६	१ ४	३३	१ ५	३	६०
२५	मा	४९	ब	१४	ब	११	३१

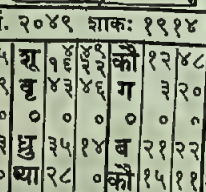

४७पं.फा.शु.७चं.इ.२१।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	५	११	९	७	१०
१७	१६	०	१९	२४	२९	२३	१७
५	४५	१८	२०	२१	२६	२९	२
४६	५८	४३	४९	१४	९	५६	२४
६०	१०	१६	२८	३१	२२	७	३ ६०
३७	४०	ब	ब	१३	८	११	२०

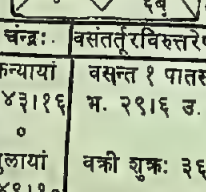

४८पं.फा.शु.१५चं.इ. ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	११	१०	७	१०
२४	१८	२५	१८	२६	०	२३	२४
६	२४	२९	१०	१३	७	३	
२९	४९	२५	३	४१	११	४१	४७
५९	१४	५६	२६	७	६	३	६०
५८	५२	ब	ब	४५	५६	११	५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेफाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं १२ ४८ उ २३ ३५ शू १६ ४९	कौ १२	४८	३९	६	५	९	१८	१४ कन्यायां
२	बु ३ २० ह १६ ९ वृ ४३ ४६	ग ३	२०	१४	९	५१	१०	१९	१५ तु.४३।१६
३	बु ५१ ३३ ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०	०	०	० ०
४	गुं ४७ ५१ चि १० २३ धु ३५ १४	ब २१	२२	१९	८	५२	११	२०	१६ तुलायां
५	शु ४२ ३२ स्वा ६ ० था २८ ०	कौ १५	११	२३	७	५३	१२	२१	१७ वृ.४९।१०
६	श ३९ २२ वि ३ ३३ ह २२ २९	ग १०	५७	२७	७	५३	१३	२२	१८ वृश्चिके
७	र ३८ १० अ ३ ८ व १८ ३०	वि ८	४६	३२	६	५४	१४	२३	१९ वृश्चिके
८	चं ३८ ५२ ज्ये ४ ३२ सि १६ ७	बा ८	३१	३६	५	५५	१५	२४	२० ध.४।३२
९	मं ४१ १६ मू ७ ४४ व्य १५ ७	तै १०	४	४०	४	५६	१६	२५	२१ धनुषि
१०	बु ४५ १५ पू १२ ३४ व १५ ३८	व १३	१५	४४	३	५७	१७	२६	२२ म.२९।५
११	गु ५० १५ उ १८ ३८ प १६ ३७	ब १७	४५	४९	२	५८	१८	२७	२३ मकरे
१२	शु ५६ २४ श्र २५ ३७ शि १८ २९	कौ २३	१९	५३	१	५९	१९	२८	२४ कु.५९।१७
१३	श ६० ० ध ३२ ५८ सि २० ४०	ग २९	२८	५७	१	५९	२०	२९	२५ कुम्भे
१३	र २ ३२ श ४० ३५ सा २३ ५	व २	३२	३०	०	०	२१	३०	२६ कुम्भे
१४	चं ८ ५८ पू ४८ ७ शु २५ २५	श ८	५८	६	५९	१	२२	१	२७ मी ३१।२६
२०	मं १५ ९ उ ५५ २० शु २७ ३४	ना १५	९	१०	५९	२	२३	२	२८ मीने

४९पं. चै.कृ.८चं.इ.२२।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	११	१०	७	११
१	१९	१९	१७	२५	१	२२	१
५	४३	३३	५२	५३	१	४५	३
१२	४८	५८	८	५६	३०	२५	२९
५९	१८	४६	१५	५४	६	३	५९
४१	१२	ब	ब	५३	११	४९	

गोचरग्रहाः

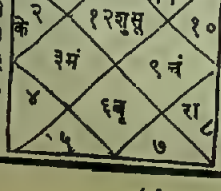

चैत्र कृ. ७रवी मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

५०पं. चै.कृ.१४ चं.इ.३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	११	१०	७	११
८	२१	२६	१७	२३	१	२२	८
३	४६	४५	०	५१	४६	२३	१
१८	१९	०	१९	२८	३७	१०	२७
५९	२१	२	५	३५	६	३	५९
२९	१७	च	ब	ब	१६	११	३५

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९४ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९४ भोग्यकलिः ४२६९०६ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति—वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०५० शाकः १९१५ वर्षेऽस्मिन् राजा बुधः । मंत्री भौमः । सस्येशो शुक्रः । धान्येशो बुधः । मेघेशश्चंद्रः । रसेशो रविः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशश्चंद्रः । धनेशोगुरुः । दुर्गेशश्चंद्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य—मानेनप्रभवादिषष्टयब्दानांमध्ये ब्रह्मविंशतिकायां २० व्ययनाम--सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ९।३।३२।१४भोग्यमासादिः२।२६।२७।४६। अग्निदैवतंयुगम् । वर्षनामफाल्गुनः । मेघनाम संवर्तः । रोहिणीनिवास पर्वते । समय निवासोकुंभकारगृहे । समयविश्वा १८ । समयवाहनं सिंचाणुः । स्तमः१जलस्यः । सोमवत्यमा.२ । सोमवती पं.२ । अंगारकीचतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी १ । समयमुहूर्ताः ४०५ । समयदिनानि ३८१ । तिथिक्षयः१८। तिथिवृद्धिः ९। उत्पत्तिविश्वा १०५। खपतिविश्वा ९६। वर्षाविश्वा१५। धान्यम् ११। तृणम् ११ । शीतम् ९ । तेजः११ । वायुः१३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं १११ । सत्यम् ।। धर्मम् १।। पापम् १८ । शनिदृष्टिरुत्तरे । ग्रहणं १ चन्द्रमसः ।

सं. २०५० शाके १९१५
ज्येष्ठ शु. १५ शुक्रवासरे
खग्रास ग्रस्तोदयं चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मी.
उज्य.	घ.	२५	२८	३०	३२	३४
मध्यम.	पल	४१	१५	१४	१३	४७
रेल्वे	घं.	४	५	६	७	८
टाइम	मि	४३	४५	३३	२०	२२

यह ग्रहण भारत में सर्वत्र ग्रस्तोदय दीखेगा ।

वर्ष लग्नम् २।२०

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

हे जगदम्बे कालिका मत राखे तू पोल ।
संवत्सर पचास का कहो हाल सब खोल ।।

भवानी उत्तर

सांवलिया भैरव सुणो कहूं हाल सब खोल ।
संवत्सर पचास में बजे जुझाऊ ढोल ।।
राजा बुधजी वापड़ा चलै न इनका जोर ।
मन्त्री मंगल क्रूर है करै और की और ।।
संवत्सर व्यय नाम का खर्चा अधिक कराय ।
रोहिणी पर्वत में बसी वर्षा अल्प दिखाय ।।
मेघपति अरु फलपति गढ़पति शशि को जान ।
उत्तम फल दरसाय के सब को राखे स्थान ।।
अर्द्ध शताब्दी वर्ष में स्तम्भ लगा है एक ।
बंशीधर का कथन है ईश्वर राखे टेक ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ७।८

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३१।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४४।४९

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन्वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्—बुधस्यराज्ये सजलं महीतलं गृहेगृहे तूर्यं विवाहमंगलम् । प्रकुर्वतेंदानदयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धनधान्य संकुलम् ।। मन्त्री भौमस्तत्फलम्—अवन्तिजोननु मंत्रिकतांगतो भवति दस्युग-दादिज वेदना । जनपदेषु जयं सुख संचयं न बहु गोषु पयो द्विजकर्म च ।। सस्येशः शुक्रस्तत्फलम्—शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूमशालीक्षु घनं प्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ।। धान्येशो बुधस्तत्फलम्—बुधे धान्याधिपे मेघा जलंमुंचन्ति वैभृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवोऽल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चन्द्रस्तत्फलम्—शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धन धान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेशो रविः फलम्—रस-पतौ तरणौ धरणी तदा विरस भोगरताल्प पयोधराः । वसन तैल घृत प्रिय मानवाः सुखरसन्नभुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशो शुक्रस्तत्फलम्—कर्पूरागरु गन्धानां हेममौक्तिक वाससां । अर्घवृद्धि प्रजायते नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशश्चन्द्रस्तत्फलम्—यदि विधुः फलपोद्रुम राशयः फलयुता वलिभिः कुसुमैर्युताः । द्विजमुखावर भोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः ।। धनेशो गुरुः फलम्—सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्तिपरा सुख भाजनाः । फलितपुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवाः ।। दुर्गेशश्चन्द्रः फलम्—गढ़पतिः शशलाञ्छनको यदा नृपसुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेषु च गोरस भोगिनो नरवरा वर वर्णित विग्रहाः ।। व्ययनाम संवत्सरः फलम्—व्ययाब्दे निखिलालोका बहुव्ययपरा भृशम् । वीरमत्तेभ तुरगैः रथैर्भूपति सर्वदा ।। वर्षनाम फाल्गुनः फलम्—सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरेयाम्य पश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरम् फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम्—संवर्ते जलपूरिता ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम्—पर्वते विन्दुमात्रश्च ।। समय निवासो कुंभकारगृहे फलम्—अनावृष्टि प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०५० शाके १९१५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैसाख मासः

कृष्णे ७ भौमे उषा. ल. १२ रे. ७ ।।।।SISSS।। गुरु ७पूज्यः
,, ८ बुधे उषा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।SISSS।।
शुक्ले ४ चन्द्रे मृगे ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।SISSS।।
,, ९ शुक्रे मघा. ल. गो. रे. ६ S।।।SISISS। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः ग्रावश्यके
,, ११ रवौ उफा. ल. १२ रे. ९ ।।।।।।S।।। गु. चं. ७ पूज्यौ

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे ३ शनौ मूले ल.१२(घ.५५।४०उ.)रे. ८ ।।।।।ऽचौ।S।।आ
,, ४ रवौ मूले ल. गो. रे. ९ ।।।।।।S।।
,, ५ चन्द्रे उषा. ल. १२ रे ७ ।S।।।Sरो।।।S दग्धा. गु ७पू.
,, ६ भौमे उषा. ल.अन्यगो. रे.७ ।।।।।।SSIS दग्धा. आवश्यके
,, १० रवौ उभा.ल.१रे. ६ ।।ऽवृ।ऽअऽऽ।। पादतोवेधाऽभावः
,, ११ चन्द्रे रेव. ल. अन्यगो. सोग्रांगः१ रे.६ ।।ऽशु।ऽऽअ।S।।
शुक्रयुतिः मेषे रेखा ७ अग्निपंचकाऽभावः
शुक्ले ६ गुरौ मघा. ल. १ रे. ७ ।।।।SISSS।।
,, ९ रवौ हस्ते ल. १२ रे.७ ।।ऽवृ।।ऽचौ।S।। गुरु चंद्रौ७पूज्यौ
,, १२ भौमे स्वा. ल. अन्यगो.सोग्रांगः रे. ७ S।।।SSरो.।।।।

आषाढ़ मासः

कृष्णे १शनौमूले ल.गो.सोग्रांगः१२-१रे.९।S।।।।।।।।मीनेगु.७पू.
,, ३ चन्द्रे उषा. ल. गो. सं.ग्रांगः१२ रे. ७ ।।।।।।।SSS मीन लग्न घ. ५०।५५ या. गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
कृष्णे ९ रवौ रेवत्यां ल. १ रे. ७ ।।।।SSग्र.।S।।
शुक्ले ९ चन्द्रे स्वा. ल. १ रे. ८ ।।।।।ऽनृ।S।। चन्द्र ७ पूज्यः

कार्तिक मासः

शुक्ले १५ चन्द्रे रोहि. ल. ४-६ रे. ७ ।।।।SSनृ।S।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे १ भौमे मृगे ल. ४-६ रे. ८ ।।।।S।S।।। तुलायां रेखा ७ चौर पंचकः
,, ८ भौमे उफा. ल. ४-७ रे. ८ ।।।।।।SS।। तुला लग्ने रेखा ७ नृप पंचकः
,, १२ शुक्रे स्वात्यां ल. ४ रे. ७ ।।Sवृ।।Sचो।S।।

माघ मासः

शुक्ले ४ चन्द्रे रेव. ल. ९ रे. ६ ।S।।।Sअऽऽ।।
,, ९ रवौ मृगे ल. अन्यगो. ७-९ रे. ९ ।।।।।।(रो. ३४उ.) S।।। तुला लग्न घ. ३८।३२ उ. धनु लग्नेचं. ७ पूज्यः
,, १४ शुक्रे मघा. ल. ७-९ रे. ७ ।।।।SSनृ।S।।

फाल्गुन मासः

कृष्णे २ रवौ उफा. ल. गो. ७ रे. ९ ।।।।S।(चो.३१उ.)।।।। गोधूल्यां भौम ७ दोषः
,, ८ शनौ मूले ल. १० रे. ९ ।।।।।।।S।।
,, १० चन्द्रे उषा. ल. अन्यगो. ९ रे. ७ S।।।।ऽनृ.३१या.।S।। अन्य. गोधूल्यां भौम ७ दोषः
शुक्ले १ रवौ रेव.ल.९-१(घ.५०।२०उ.)रे. ८ ।।।।।ऽअऽ।।।

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५३स.१९९३
१	बु	२१	७	रे	६०	०	ब्र	२९	२०	ब	२१	७	३०/१४	५/५७	६/३	२४	३	२९	मीने	चन्द्रद. मार्गी बुधः सवत्सरारंभः नवरा.
२	गु	२६	२३	रे	२	७	ऐं	३०	३७	कौ	२६	२३	१८	५६	४	२५	४	१	मे. २।७	वक्री हस्ते २गुरुः ३०/३७ सिंधारा सव्वाल १०
३	शु	३०	५६	अ	८	०	वै	३१	१६	ग	३०	५६	२३	५५	५	२६	५	२	मेषे	मत्स्य जयंती गणगौरी
४	श	३४	३४	भ	१३	११	वि	३१	११	व	२	४५	२७	५५	५	२७	६	३	वृ.२९।८	भ. २।४५ उ. ३४।३४ या.
५	र	३६	५८	कृ	१६	५४	प्री	३०	२३	ब	५	४६	३१	५४	६	२८	७	४	वृषे	
६	चं	३८	५	रो	२०	११	आ	२८	२९	कौ	७	३१	३५	५३	७	२९	८	५	मि५०।५६	
७	मं	३७	४५	मृ	२१	४१	सौ	२५	१०	ग	७	५५	३९	५२	८	३०	९	६	मिथुने	भ. ३७/४५ उ. शुक्रास्त पश्चिमायां ४३/४८ शु.अ.प.
८	बु	३६	३	आ	२१	४१	शो	२०	४८	वि	६	५४	४४	५१	९	३१	१०	७	मिथुने	भ. ५६/५४ या. रेवत्या रविः ५४/३३ (सौरः ३६/३३)
९	गु	३२	३६	पु	१९	५९	अ	१५	८	बा	४	१९	४८	५०	१०	१	११	८	क.५।२५	पूभा. बुधः २३/१८ रामनवमी अप्रैल४ता.३०
१०	शु	२७	२८	पु	१६	५०	सु	४०/८	५१/५५	तै	०	२	५२	५०	१०	२	१२	९	कर्के	भ. ५४।१५ उ.
११	श	२१	२	श्ले	१२	१०	शू	५१	४४	वि	२१	२	५६	४९	११	३	१३	१०	सिं१२।१०	भ. २१/२ या. वक्रीउभा शुक्रः ५१/१४ शुक्रोदयः*
१२	र	१३	१०	म	६/११	५३/१८	गं	४०	३५	बा	१३	१०	३१/००	४८	१२	४	१४	११	सिंहे	प्रदोषः
१३	चं	४	२१	उ	५२	४०	वृ	३०	७	तै	४	२१	४	४७	१३	५	१५	१२	कं.१२।४७	भ. ५५।१५ उ.
१४	चं	५०	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*पूर्वस्यां ४२/० कामदा ११ ब्र शु.उ.पू.
१५	मं	४५	११	ह	४४	१२	ध्रु	१९	१९	वि	२०	१३	८	४६	१४	६	१६	१३	कन्यायां	भ. २०/१३ या. धनि.४ शनिः २६/३७ हनुमज्जयन्ती

५१पं. चै.शु.६चं.इ.२२।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	११	१०	७	११
१४	२४	१८	१६	२०	२	२२	१४
५९	८	४६	७	०	२८	०	५७
१३	२	३१	८	५४	४१	५४	३१
५९	२४	२४/२५	५२/७	३५/१८	६	३	५९
१६	१४	मा	ब	ब	६	११	१८

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ मंगलवार अशुभ हैं। यत्र मासे महीसुनो जायंते पंचवासराः। रक्ते न पूरितापृथ्वी छत्र भंग तदा भवेत्॥

गोचरग्रहाः

५२पं. चै.शु.१३चं.इ.२३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	११	१०	७	११
२१	२६	२४	१५	१५	३	२१	२१
५३	४४	७	१३	४६	८	३८	५१
३१	२४	१९	२६	४८	५६	३८	४२
५९	२९	५१	५२/७	३४/४३	५	३	५९
४	३१	१३	ब	ब	४४	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३५	५६	चि	३७	१५	व्या	९/४	५०/१३	बा	१०	३३	३१/१२	५/४६	६/१४	७	१७	१४	तु.१०।४३	
२	गु	२७	५०	स्वा	३१	३३	व	५०	३४	तै	१	५३	१६	४५	१५	८	१८	१५	तुलायां	भ. ५४।२७ उ.
३	शु	२१	४	वि	२६	५३	सि	४३	२५	वि	२१	४	२०	४४	१६	९	१९	१६	वृ.१३।३	भ. २१।४ या. चतुर्थी ब्र.
४	श	१६	७	अ	२४	२१	व्य	३७	४४	बा	१६	७	२४	४३	१७	१०	२०	१७	वृश्चिके	मीने बुधः ५१।०
५	र	१३	९	ज्ये	२३	५७	ध	३३	५१	तै	१३	९	२८	४२	१८	११	२१	१८	ध.२३।५७	
६	चं	१२	४७	मू	२६	२१	प	३१	३४	व	१२	४७	३२	४२	१८	१२	२२	१९	धनुषि	भ. १२।४७ उ. ४३।२७ या.
७	मं	१४	७	पू	२९	३२	शि	३१	१६	ब	१४	७	३६	४१	१९	१३	२३	२०	म.४५।५२	अश्वि. मेषेऽर्कः ३८।५४ (सौरः ४१।७)*
८	बु	१७	२६	उ	३४	५३	सि	३१	३९	कौ	१७	२६	४०	४०	२०	१४	२४	२१	मकरे	*कर्के भौमः २३।५४ उभा. बुधः ३२।२६
९	गु	२२	११	श्र	४१	२५	सा	३३	१३	ग	२२	११	४३	३९	२१	१५	२५	२२	मकरे	भ. ५५।९ उ.
१०	शु	२८	८	ध	४८	५२	शु	३५	२९	वि	२८	८	४७	३९	२१	१६	२६	२३	कुं.१५।१३	भ. २८।८ या.
११	श	३४	१८	श	५६	३२	शु	३७	०	ब	१	१३	५१	३८	२२	१७	२७	२४	कुम्भे	वरूथिनी ११ ब्र.
१२	र	४०	५०	पू	६०	०	ब्र	४०	३२	कौ	७	३४	५५	३७	२३	१८	२८	२५	मी४७।७	
१३	चं	४६	५८	पू	३	५९	ऐं	४२	४७	ग	१३	५४	५८	३६	२४	१९	२९	२६	मीने	भ. ४६।५८ उ. प्रदोषः
१४	मं	५२	२८	उ	११	१४	वै	४४	२७	वि	१९	४३	३२/२	३६	२४	२०	३०	२७	मीने	भ. १९।४३ या. पुष्ये भौमः ५६।१
३०	बु	५७	८	रे	१७	५५	वि	४५	३२	च	२४	४८	६	३५	२५	२१	१	२८	मे.१७।५५	वक्री हस्ते. १ गुरुः ४६/२१ रा. वैशाखारम्भः

१पं. वै.कृ.७ मं.इ.३८।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	११	१०	७	११
०	०	३	१४	११	३	२१	२९
०	७	२८	१३	३३	५४	१२	५७
०	३	१	१	४	१८	३४	५३
५८	२८	७४	७/२२	२०/४३	५	३	५८
४४	११	२०	ब	ब	९	११	४५

गोचरग्रहाः

वै.कृ. ७ भौमे मेषेऽर्कः प्र.वा.३न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

२पं. वै.कृ.१४ मं.इ.३९/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	११	१०	७	०
६	३	१३	१३	१०	४	२०	६
५०	११	२१	२५	०	२७	५०	४८
४२	४२	२९	१२	२२	३२	१८	४
५८	२९	९१	६/३७	४/३	४	३	५८
३१	३७	५९	ब	ब	४७	११	२९

*चंबुशु

| ति. | वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५ | | |

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ४१२ स.१९९३
१	श २३ ४९ रो ४९ ५२ अ १८ १५	कि ३	२०	३३ ५	६	२३	१	२९	वृषे रा. ज्येष्ठारम्भः
२	र २३ २३ मृ ५० १६ मृ ५४ ५०	वा ३	६	४८ १४	४६	२३	२	३०	मि २०।८ चन्द्रदर्शनम्
३	चं ३० ३१ आ ५० ८ शु ५० १७	तै १	२७	५० १४	४६	२४	३	१	मिथुने भ. ५९ उ. रोहि. रविः ५५ जिल्हेज १२०
४	मं २७ ५३ पु ४८ ५३ गं ४५ २२	वि २७	५३	५३ १४	४६	२५	४	२	क. ३४।१२ भ. २७।५३ या. रोहि. रविः सौरः ४।१९
५	बु २४ २९ पु ४७ ३९ वृ ३९ ५६	वा २४	२९	५४ १३	४७	२६	५	३	कर्के मृगे बुधः १७।२०
६	गु २० ३१ श्ले ४४ ४७ धु ३३ ५९	तै २०	३१	५६ १३	४७	२७	६	४	सिं ४४।४७ बुधोदयः पश्चिमायाम् २०।२५
७	शु १६ ८ म ४१ १३ च्या २७ २९	व १६	८	५८ १२	४८	२८	७	५	सिंहे भ. १६।८ उ. ४३।३७ या.
८	श ११ ५ पू ३८ ३८ ह २० ३४	ब ११	५	३४ १२	४८	२९	८	६	कं. ५२।४० मिथुने वृषः ३६।४२ मार्गी गुरुः ४१।४१
९	र ५ ३९ उ ३४ ४४ व १३ १५	कौ ५	३९	२ १२	४८	३०	९	७	कन्यायां अश्वि. मेषे शुक्रः ३३।१३ गंगादशमी
१०	र ५३ ५५ ० ० ० ० ०	० ०	०	० ०	०	०	०	०	०पातस्पर्शः ४।१६ मोक्षः ४४।३७
११	चं ५३ १६ ह ३० ३२ सि ३५ ५३	व २६	२५	४ ११	४९	३१	१०	८	तु. ५८।१७ भ. २६।२५ उ ५९ या. निर्जला ११ व्र. स्मा.
१२	मं ४६ ३७ चि २६ २ स्व ४९ ५१	व १९	५६	६ ११	४९	१	११	९	तुलायां जून मा. ६ ता. ३० निर्जला ११ व्र. वै.
१३	बु ४० १८ स्वा २१ ४० प ४२ ९	कौ १३	२७	७ ११	४९	२	१२	१०	तुलायां आर्द्रा. बुधः १८।४५ प्रदोषः
१४	गु ३४ ४४ वि १७ ३३ शि ३४ ५३	ग ७	३१	९ १०	५०	३	१३	११	वृ. ३।३५ भ. ३४।४४ उ.
१५	शु २९ १३ अ १३ ५५ सि २८ १८	वि १	५८	१० १०	५०	४	१४	१२	वृश्चिके भ. ५१ या. गुर्ज.वटसावित्री व्र. ग्रस्तो.चं.ग्र.

७पं.ज्ये.शु.४मं.इ.४०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	५	११	१०	७	१
१०	२०	२२	११	२५	६	१८	१०
४२	२९	१०	२	५९	१५	५९	२४
२५	५६	१	२४	२४	२२	०	१६
५७	३४	५२	४६	४९	१	३	५७
३५	१८	५३	ब	४९	३७	११	२३

गोचरग्रहाः

वृषराशौ यदा सूर्यं कनकान्न महर्घता। वातंच वहते दीर्घं कार्पासादि विनश्यति ॥ धान्य रुई सोना तेज वायु का जोर।

गोचरग्रहाः

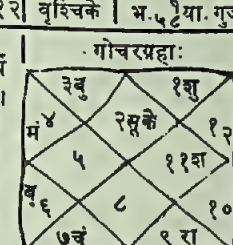

८पं.ज्ये.शु.१२मं.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	५	०	१०	७	१
१७	२४	५	१०	१	६	१८	१७
२५	१६	३८	५९	५५	२३	३६	१५
८	१	३२	१३	५	२४	४५	२२
५७	३४	५४	३०	५४	०	३	५७
२७	५८	५	या	३४	५८	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५	वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श २५ २५ ज्ये १२ ३ सा २२ ५३	कौ २५	२६	३५ १०	५०	५	१५	१३	ध. १२।३
२	र २३ २६ मू ११ ३५ शु १८ ४४	ग २३	२५	१३ ९	५१	६	१६	१४	धनुषि भ. ५३।९ उ.
३	चं २२ ५३ पू १२ ४३ शु १५ ५८	वि २२	५३	१४ ९	५१	७	१७	१५	म. २८।३१ भ. २२।५३ या. मृगे रविः ५०।५५ च. ब्र.
४	मं २४ २२ उ १५ ५५ ब्र १४ ५५	वा २४	२२	१६ ९	५१	८	१८	१६	मकरे मृगे रविः सौरः ३।८
५	बु २७ ३४ श्र २० १० दे १४ ४६	तै २७	३४	१७ ९	५१	९	१९	१७	कुं. ५३।२६
६	गु ३२ ४१ ध २६ ४३ वे १५ ५४	ग ०	७	१८ ९	५२	१०	२०	१८	कुम्भे भ. ३३ उ. पुन. बुधः ५२ वक्री शनिः ४५।४
७	शु ३८ १४ श ३३ २६ वि १७ ५२	वि ५	२७	१९ ८	५२	११	२१	१९	कुम्भे भ. ५।२७ या.
८	श ४४ २१ पू ४१ ४ प्री २० १५	वा ११	१७	२० ८	५२	१२	२२	२०	मी २४।९ मघायां सिंहे भौमः १९।१६
९	र ५० १५ उ ४९ २ आ २२ ३८	तै १७	१८	२१ ८	५२	१३	२३	२१	मीने भरण्यां शुक्रः ५७।१७
१०	चं ५५ ५६ रे ५५ ३२ सौ २४ ४७	व २३	५	२१ ८	५२	१४	२४	२२	मे. ५५।३२ भ. २३।५ उ. ५६ या. मिथुनेऽर्कः ४९।३३
११	मं ६० ० अ ६० ० शो २६ १६	ब २८	४	२२ ८	५२	१५	२५	२३	मेषे मिथुनेऽर्कः सौरः ५३ योगिनी ११ व्र. स्मा.
११	बु ० १३ अ १ १८ भ २६ ३५	आ ०	१३	२२ ८	५२	१६	२६	२४	मेषे योगिनी ११ व्र. वै.
१२	गु ३ ३ भ ५ ३६ मु २५ ४६	तै ३	३	२३ ७	५३	१७	२७	२५	बृ. २१।१७ प्रदोषः
१३	शु ४ २३ कृ ८ २० धृ २३ ३८	व ४	२३	२३ ७	५३	१८	२८	२६	वृषे भ. ४।२३ उ. ३४।१० या.
१४	श ३ ५६ रो ९ २६ शू २० २०	श ३	५६	२३ ७	५३	१९	२९	२७	मि ३९।१९ कर्के बुधः ५१।५५
३०	र १ ५२ मृ ९ १३ गं १५ ४५	ना १	५२	२४ ७	५३	२०	३०	२८	मिथुने

९पं.आ.कृ.४मं.इ.४०।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	५	०	१०	७	१
२४	२८	१६	११	८	६	१८	२३
७	६	३९	४	१९	२७	१४	५५
१२	१४	५८	१२	१९	११	२९	१८
५७	३५	८६	१	५८	०	३	५७
२२	४३	११	४२	१६	११	११	५४

गोचरग्रहाः

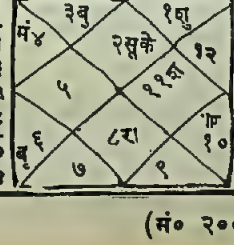

आ. कृ. १० चंद्रे मिथुनेऽर्के: प्र.वा. ४न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

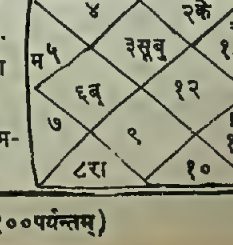

१०पं.आ.कृ.११मं.इ.४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	०	१०	७	२
०	२	२५	११	१५	६	१७	०
४८	०	२५	१८	४	२५	५२	३४
२५	३६	८	४	४४	२३	१३	२७
५७	३६	६०	३	६१	२९	३	५६
१७	१	२३	८	४	७	११	५६

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण. ४४२ स.१९९३
१	र	५६	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	५४	२१	आ	७	३७	वृ	१०	२२	बा	२६	२७	३४/२४	५/७	६/५३	२१	३०	२९	क.५०।५२	आर्द्रा. रविः ४८/२५ चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	मं	४९	२१	पु	५	१७	ध्रु	४/१५	५४/१६	तै	२१	५१	२४	७	५३	२२	१	१	कर्के	आर्द्रा. रविः सौरः ५/२८ रा. आषाढारंभः●
४	बु	४४	२	पु	२/८	५६/३५	ह	५०	२९	व	१६	४१	२४	७	५३	२३	२	२	सिं५८।४३	भ. १६।४१ उ. ४४।२ या.
५	गु	३८	३४	म	५५	१४	व	४३	३८	ब	११	१८	२४	७	५३	२४	३	३	सिंहे	●मोहोरम १ सन् १४१४ हि.
६	शु	३३	१	पू	५१	३७	सि	३६	४०	कौ	५	४७	२३	७	५३	२५	४	४	सिंहे	
७	श	२७	२९	उ	४८	१३	व्य	२९	२९	ग	०	१५	२३	७	५३	२६	५	५	कं.५।४६	भ. २७/२९ उ. ५४/५३ या. पुष्ये बुधः ३१।०
८	र	२२	१६	ह	४४	५६	व	२२	३८	ब	२२	१६	२३	७	५३	२७	६	६	कन्यायां	कृत्ति. शुक्रः ८।६
९	चं	१७	२	चि	४१	४७	प	१५	४०	कौ	१७	२	२२	८	५२	२८	७	७	तु.१३।२२	
१०	मं	१२	१	स्वा	३८	५२	शि	८	१०	ग	१२	१	२२	८	५२	२९	८	८	तुलायां	भ. ३९।४३ उ. वक्री बुधः ३८।३१
११	बु	७	२५	वि	३६	२८	सि	२/४१	५४/७	वि	७	२५	२१	८	५२	३०	९	९	वृ.२२।४	भ. ७/२५ या. वृषे शुक्रः १२/३७ देवशयनी ११ व्र
१२	गु	३	१३	अ	३४	२५	शु	५१	२८	बा	३	१३	२०	८	५२	१	१०	१०	वृश्चिके	जुलाई मा. ७ ता. ३१ प्रदोषः
१३	गु	५६	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	शु	५७	१७	ज्ये	३३	८	शु	४६	३५	ग	२८	२८	१९	८	५२	२	११	११	ध.३३।८	भ. ५७।१७ उ.
१५	श	५५	४०	मू	३३	१६	ब्र	४२	४७	वि	२६	२९	१८	८	५२	३	१२	१२	धनुषि	भ. २६।२९ या. व्यास १५ वायु परीक्षा

११पं.आ.शु.३मं.इ.४०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	०	१०	७	२
७	५	१	११	२२	६	१७	७
२९	५९	२४	४०	७	१९	२९	१२
२४	२४	७	१२	१२	२३	५८	५४
५७	३६	३०	४	६३	१७	३	५६
१३	२६	७	१६	२०	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

४चबु २के म५ ३सू १शु ६बृ १२ ७ ९ ११श ८रा १०

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं वर्षा की कमी वायु अधिक चले धान्यादिमें तेजी सुदी में कहीं २ वर्षा हो।

गोचरग्रहाः

४बु २के शु १ मं५ ३सू ६बृ १२ चं७ ९ ११श ८रा १०

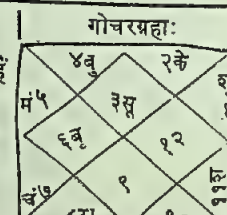

१२पं.आ.शु.१०मं.इ.४०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	०	१०	७	२
१४	१०	४	१२	२९	६	१७	१३
९	१	६	१०	२४	२	७	५०
५०	१६	४७	२३	४७	८	४२	५९
५७	३६	०/७	५	६५	१/५०	३	५६
७	५९	ब	३२	२	ब	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५५	४२	पू	३४	५३	ऐं	४०	४	बा	२५	४१	३४/१७	५/९	६/५१	४	१३	१३	म.५०।२५	
२	चं	५७	९	उ	३७	०	वै	३८	४१	तै	२६	२५	१५	९	५१	५	१४	१४	मकरे	पुन. रविः ४७।२१ पूफा. भौमः २३।४६
३	मं	६०	०	श्र	४१	२५	वि	३८	७	व	२८	३६	१४	९	५१	६	१५	१५	मकरे	भ. २८।३६ उ. पुन. रविः सौरः ९।२९×
३	बु	०	४	ध	४६	५५	प्री	३८	४६	वि	०	४	१३	९	५१	७	१६	१६	कुं.१४।१०	भ. ०।४ या. चतुर्थी व्र.
४	गु	४	४३	श	५३	२६	आ	४०	१९	बा	४	४३	११	१०	५०	८	१७	१७	कुम्भे	वक्री पुन बुधः २२।४० अनु. ४ राहुः●
५	शु	९	४५	पू	६०	०	सौ	४२	३२	तै	९	४५	१०	१०	५०	९	१८	१८	मी४४।०	रोहि. शुक्रः २८।२७ नाग ५ मरुस्थले
६	श	१६	३	पू	०	५१	शो	४५	२४	व	१६	३	८	१०	५०	१०	१९	१९	मीने	भ. १६।३ उ. ४९।११ या.
७	र	२२	१९	उ	८	२६	अ	४७	२२	ब	२२	१९	७	११	४९	११	२०	२०	मीने	×बुधास्तः पश्चिमायाम् १९।०
८	चं	२७	५७	रे	१५	१८	सु	४९	२३	कौ	२७	५७	५	११	४९	१२	२१	२१	मे.१५।१८	●रोहि. २ केतुः २२।४३
९	मं	३२	४६	अ	२१	५३	धृ	५०	२५	तै	०	२१	४	११	४९	१३	२२	२२	मेषे	वक्री मिथुने बुधः ११।४५
१०	बु	३५	५८	भ	२७	१६	शू	५०	१७	व	४	२२	२	१२	४८	१४	२३	२३	वृ.४३।१२	भ. ४।२२ उ. ३५।५८ या.
११	गु	३७	४३	कृ	३०	५९	गं	४८	४३	ब	६	५१	०	१२	४८	१५	२४	२४	वृषे	हस्ते २ गुरुः २१।६ कामिका ११ व्र.
१२	शु	३७	१७	रो	३२	३२	वृ	४५	५१	कौ	७	३०	३३/५८	१२	४८	१६	२५	२५	वृषे	कर्केऽर्कः १६।४५ (सौरः ४२।१३)
१३	श	३५	५	मृ	३२	१८	ध्रु	४१	२२	ग	६	११	५६	१३	४७	१७	२६	२६	मि२।२५	भ. ३५।५ उ. प्रदोषः
१४	र	३०	५६	आ	३०	२२	व्या	३५	३४	वि	३	०	५४	१३	४७	१८	२७	२७	मिथुने	भ. ३।० या.
३०	चं	२५	१५	पु	२६	५८	ह	२८	३४	ना	२५	१५	५२	१४	४६	१९	२८	२८	क.१२।४९	पुष्ये रविः ४६।२ सोमवती हरियाली३०

१३पं.श्रा.कृ.३मं.इ.४०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	१	१०	७	२
२०	१४	३	१२	६	५	१६	२०
५०	२७	२०	४८	५३	५२	४५	२८
१०	७	४६	२२	६	३४	२७	५३
५७	३७	३६/५३	६	६६	२/२९	३	५६
७	२०	ब	२९	३४	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

४बु २के शु १ मं५ ३सू ६बृ १२ ७ ९ ११श ८रा १०चं

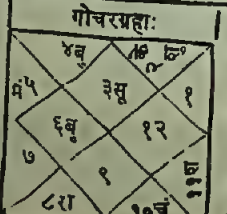

श्रा. कृ. १२ शुक्रे कर्केऽर्कः प्र. वा. ५न.५ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

४ २शुके १ मं५ ३सूबु चं ६बृ १२ ७ ९ ११श ८रा १०

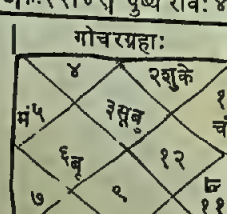

१४पं.श्रा.कृ.९मं.इ.३९।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	१	१०	७	२
२७	१८	२९	१३	१४	५	१६	२७
३०	१६	४१	३३	३०	३३	२३	७
३२	५९	२४	४	२२	११	११	०
५७	३७	३९/४१	७	६७	३/७	३	५६
११	४९	ब	२७	४७	ब	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४७१ सन् १९९३
१	मं	१८	५०	पु	२२	४०	व	२०	३७	ब	१८	५०	३३/५०	५/१४	६/४६	२०	२९	२९	कर्के	पुष्ये रविः सौरः १२।५४
२	बु	१२	७	श्ले	१७	१०	सि	१२	१४	कौ	१२	७	४७	१५	४५	२१	३०	३०	सिं१७।१०	चन्द्रदर्शनम् मृगे शुक्रः ३३।५३ सिंधारा
३	गु	४	३५	म	१२	८	व्य	३/४३	५१/११	ग	४	३५	४५	१५	४५	२२	३१	१	सिंहे	भ. ३०/५३ उ. ५७/११ या. तीज वरद ४ सफर २
४	गु	५२	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	शु	५०	३४	पू	६	५८	प	४६	४८	ब	२३	५२	४२	१६	४४	२३	१	२	कं.२०।४७	रा. श्रावणारम्भः नागपंचमी
६	श	४४	२३	उ	२/१७	५६/२६	शि	३९	१५	कौ	१७	२८	४०	१६	४४	२४	२	३	कन्यायां	बुधोदयः पूर्वस्याम् ४१।२१
७	र	३८	४७	चि	५४	५८	सि	३१	५५	ग	११	३५	३७	१७	४३	२५	३	४	तु.२६।५०	भ. ३८।४७ उ.
८	चं	३४	८	स्वा	५२	२८	सा	२५	१८	वि	६	२७	३५	१७	४३	२६	४	५	तुलायां	भ. ६।२७ या.
९	मं	३०	१६	वि	५०	३२	शु	१९	२२	बा	२	१२	३२	१८	४२	२७	५	६	वृ.२६।१	उफा.भौमः ३१।४५ मिथुने शुक्रः २९।१४
१०	बु	२७	१९	अ	४८	५१	शु	१४	२०	ग	२७	१९	२९	१८	४२	२८	६	७	वृश्चिके	भ. ५६।१५ उ. मार्गी बुधः ५६।५४
११	गु	२५	११	ज्ये	४९	३९	ब्र	९	४४	वि	२५	११	२६	१९	४१	२९	७	८	ध.४९।३९	भ. २५।११ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	शु	२३	५५	मू	५०	४२	ऐं	५	५९	बा	२३	५५	२४	१९	४१	३०	८	९	धनुषि	प्रदोषः
१३	श	२३	५४	पू	५२	५२	वै	३	२	तै	२३	५४	२१	२०	४०	३१	९	१०	धनुषि	×शुक्रः २१/३२ श्रावणी कर्म रक्षाबंधनं
१४	र	२४	४३	उ	५६	२	वि	०	५८	व	२४	४३	१८	२०	४०	१	१०	११	मं.८।३९	भ. २४/४३ उ ५५/५६ या. अगस्त मा. ८ ता. ३१
१५	चं	२७	८	श्र	६०	०	प्री	०/१	५९/३२	ब	२७	८	१५	२१	३९	२	११	१२	मकरे	आश्ले. रविः ४३/३ कन्यायां भौमः १/८ आर्द्रा.×

१५पं.श्रा.शु.१मं.इ.३९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	५	१	१०	७	३
४	१२	२५	१४	२२	५	१६	३
११	२९	२९	२४	१७	१०	०	४५
१७	२८	२	१८	५३	४४	५५	२७
५७	३८	३९/३२	८	६८	३/४६	३	५६
१५	५	ब	३१	५०	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

५मं ३बु के २शु ४सूचं वृ ६ ७ १ १० १२ ८रा ९ ११श

श्रा.में कर्कसंक्रांति ४५ मुहूर्ती धान्यादि में मन्दी और श्रेष्ठ वर्षा कारक है। श्रावणे कर्क संक्रांतौ जाते मेघ महोदयः।

गोचरग्रहाः

५मं ४सू २के वृ ६ ७ १ १० १२ ८रा चं ९ ११श

१६पं.श्रा.शु.९मं.इ.३९।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	५	२	१०	७	३
१०	२६	२४	१५	०	४	१५	१०
५२	४५	२३	२०	१२	४४	३८	२४
१९	०	३५	५३	०	२८	४०	४४
५७	३८	१२/५६	९	६९	४/१	३	५७
२०	२७	ब	१९	३८	ब	११	५

ति.	प्र. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३०	३२	श्र	०	३१	सौ	६०	०	कौ	३०	३२	३३/१२	५/२२	६/३८	३	१२	१३	कु.३३।२४	आश्ले. रविः सौरः १३।४१
२	बु	३५	२१	ध	६	१८	सौ	०	१०	तै	२	५६	९	२२	३८	४	१३	१४	कुम्भे	
३	गु	४१	२६	श	१२	१७	शो	१	३७	व	८	२३	६	२३	३७	५	१४	१५	कुम्भे	भ.८।२३उ.४१/२६ या. कर्के बुधः २४/३२ हस्ते ३●
४	शु	४६	३४	पू	१९	२४	अ	३	२२	ब	१४	०	३	२३	३७	६	१५	१६	मी२।३७	चतुर्थी व्र. ●गुरुः १६।२९
५	श	५२	४४	उ	२६	५८	सु	५	५५	कौ	१९	३९	०	२४	३६	७	१६	१७	मीने	÷५४।३३ कुशाग्रहणी मन्वादिः
६	र	५८	५४	रे	३४	४१	धृ	८	२५	ग	२५	५४	३२/५६	२५	३५	८	१७	१८	मे.३४।४१	भ.५८।५४उ. पुष्ये बुधः २७/२३ चन्द्रषष्ठी
७	चं	६०	०	अ	४१	४३	शू	१०	४६	वि	३१	३३	५३	२५	३५	९	१८	१९	मेषे	भ. ३१।३३ या.
७	मं	४	१३	भ	४७	४६	गं	१२	३८	ब	४	१३	५०	२६	३४	१०	१९	२०	मेषे	जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	बु	८	२६	कृ	५२	३८	वृ	१३	२१	कौ	८	२६	४७	२७	३३	११	२०	२१	वृ.३।५९	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	गु	१०	५५	रो	५५	२५	ध्रु	१३	३	ग	१०	५५	४३	२७	३३	१२	२१	२२	वृषे	भ. ४१।१० उ. गोगा ९
१०	शु	११	२६	मृ	५६	२८	व्या	१२	१२	वि	११	२६	४०	२८	३२	१३	२२	२३	मि२५।५६	भ. ११।२६ या. पुन. शुक्रः ४७।१५
११	श	९	५६	आ	५५	३२	ह	७	३७	बा	९	५६	३६	२९	३१	१४	२३	२४	मिथुने	अजा ११ व्र. +बुधास्तः पूर्वस्याम् ३५/७३
१२	र	६	२३	पु	५२	३६	व	२/३७	५३/२६	तै	६	२३	३३	२९	३१	१५	२४	२५	क.३८।२०	प्रदोषः वत्स १२
१३	चं	२	४	पु	४७	५५	व्य	४८	४	व	१	४	२९	३०	३०	१६	२५	२६	कर्के	भ.१।४उ.२७/३० या. मघा. सिंहेऽर्कः ३६।५८×
१४	चं	५२	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×आश्ले बुधः १७/१३ वक्री धनि. ३शनिः ३८/३९+
३०	मं	४५	४९	श्ले	४२	६	व	३८	५६	च	१९	५७	२६	३१	२९	१७	२६	२७	सिं४२।६	मघा. सिंहेऽर्कः सौरः १०।८ हस्ते भौमः÷

१७पं.प्र.भा.कृ.१मं.इ.३९/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	५	२	१०	७	३
१७	१	२८	१६	८	४	१५	१७
३४	३	१९	२३	११	१५	१६	४
१	३६	३७	५६	२८	५४	३४	३२
५७	३८	५७/१९	९	७०	४/१६	३	५७
२५	४८	मा	५६	२६	ब	११	१२

५ ३शुबु मं ६ बृ ४सू २के ७ १ रा १० १२ ८ ९ ११

१८पं.प्र.भा.कृ.७मं.इ.३९/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	२	१०	७	३
२४	५	६	१७	१६	३	१४	२३
१६	२५	५१	३१	१७	४५	५४	४५
२६	१६	२९	२३	२०	३२	९	३९
५७	३९	९६	१०	७१	४/३४	३	५७
३३	१२	११	४१	५	ब	११	२२

६मंवृ ७ ५सू ३शु ८रा २के ९ ११श १ १० १२

१९पं.प्र.भा.कृ.३०मं.इ.३९/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	५	२	१०	७	४
०	९	१९	१८	२४	३	१४	०
५९	४९	०	४३	२७	१४	३१	२८
४९	५२	११	२३	१८	३१	५३	५२
५७	३९	४/५५	११	७१	४/४०	३	५७
४०	२९	५५	१७	३२	ब	११	३४

(मं० २००१ समारम्य २१००पर्यन्तम्)

ति.	प्र.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५०० स.१९९३
१	बु	३६	५९	म	३५	२४	प	२९	१७	किं	११	२४	३२/२२	५/३२	६/२८	१८	२७	२८	सिंहे	अधिकमास प्रारंभः
२	गु	२७	५४	पू	२८	३२	शि	१९	१५	बा	२	२६	१९	३२	२८	१९	२८	२९	कं.४१।५०	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	१९	२०	उ	२१	४६	सि	९/२३	५०/१३	ग	१९	२०	१५	३३	२७	२०	२९	१	कन्यायां	भ. ४५।२३ उ. रविलावल ३
४	श	११	२६	ह	१५	४७	शु	५०	४१	वि	११	२६	११	३४	२६	२१	३०	२	तु.४३।४३	भ. ११।२६ या.
५	र	४	१६	चि	११	३८	शु	४२	५२	बा	४	१६	७	३४	२६	२२	३१	३	तुलायां	कर्के शुक्रः २३।४८
६	र	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	चं	५३	५०	स्वा	७	११	ब्र	३५	५०	ग	२६	८	४	३५	२५	२३	१	४	बृ.४९।५९	भ.५३।५०उ. मघा. सिंहे बुधः १२।१०●
८	मं	५०	५२	वि	४	१४	ऐं	३०	५	वि	२२	१२	०	३६	२४	२४	२	५	बृश्चिके	भ. २२।२१ या. हस्ते ४ गुरुः ४३।८
९	बु	४९	१०	अ	३	७	वै	२५	२१	बा	२०	१	३१/५६	३७	२३	२५	३	६	वृश्चिके	पुष्ये शुक्रः १०।२२ ●रा. भाद्रपदारंभः
१०	गु	४८	४४	ज्ये	३	१९	वि	२१	४६	तै	१८	५७	५२	३८	२२	२६	४	७	ध.३।१९	
११	शु	४९	४७	मू	४	५१	प्री	१९	२०	व	१९	१५	४८	३८	२२	२७	५	८	धनुषि	भ.१९।१५उ ४९।४७या. कमला ११ ब्र.
१२	श	५१	४४	पू	७	५०	आ	१७	४९	व	२०	४६	४४	३९	२१	२८	६	९	म.२३।४७	
१३	र	५५	८	उ	११	३८	सौ	१७	३	कौ	२३	२६	४०	४०	२०	२९	७	१०	मकरे	पूफा. बुधः ५२।१४ प्रदोषः
१४	चं	५९	१९	श्र	१६	२९	शो	१७	३३	ग	२७	१३	३६	४१	१९	३०	८	११	कुं.४९।२८	भ. ५९।१९ उ. पूफा. रविः २६।३५
१५	मं	६०	०	ध	२२	२७	अ	१८	१०	वि	३१	५७	३२	४२	१८	३१	९	१२	कुंभे	भ. ३१।५७ या. पूफा. रविः सौरः १।०
१५	बु	४	३५	श	२९	१	सु	१९	५३	व	४	३५	२८	४२	१८	१	१०	१३	कुम्भे	सितम्बर मा. ९ ता. ३१

२०पं.प्र.भा.शु.८मं.इ.३८/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	३	१०	७	४
७	१४	२	१९	२	२	१४	७
४४	१७	५१	५९	४२	४२	९	११
१७	४२	५३	१०	११	२२	३७	२३
५७	३९	४/१०	११	७१	४	३	५७
४९	३८	४०/४०	५४	५९	४०	११	४५

गोचरग्रहाः

६मंबृ ४शु ७ ५सूबु ३ ८राचं २के ९ ११श १ १० १२

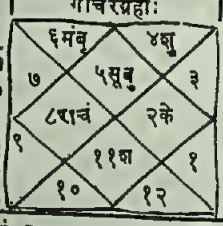

प्र.भा.कृ.१३चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र. वा.४ न.५ वंध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

६मंबृ ४शु ७ ५सूबु ३ ८रा २के ९ ११च श १० १२ १

२१पं.प्र.भा.शु.१५मं.इ.३८/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	३	१०	७	४
१४	१८	१६	२१	११	२	१३	१३
२९	४७	४६	१८	१	११	४७	५६
५६	५३	५	१८	२३	२०	२२	३५
५८	३९	४/१०	१२	७२	४/२८	३	५७
१	५९	५८/४८	१९	२०	ब	११	५७

ति.	द्वि.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे प्र.भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	९	५९	पू	३६	५	धृ	२१	४०	कौ	९	५९	३१/२५	५/४३	६/१७	२	११	१४	मी१९।१९	
२	शु	१६	११	उ	४३	३१	शू	२४	१	ग	१६	११	२१	४४	१६	३	१२	१५	मीने	भ. ४९।१५ उ.
३	श	२२	२०	रे	५१	१०	गं	२६	२३	वि	२२	२०	१७	४५	१५	४	१३	१६	मे.५१।१०	भ. २२।२० या. चतुर्थी ब्र.
४	र	२८	३१	अ	५८	३४	वृ	२९	२	बा	२८	३१	१३	४५	१५	५	१४	१७	मेषे	उफा. बुधः ५७।४४ आश्ले. शुक्रः २३।२५
५	चं	३४	७	भ	६०	०	ध्रु	३१	३	कौ	१	१९	९	४६	१४	६	१५	१८	मेषे	●कन्यायां बुधः ४९।१८
६	मं	३८	५०	भ	५	१५	व्या	३२	२८	ग	६	२८	५	४७	१३	७	१६	१९	बृ.२१।४१	भ. ३८।५० उ. चित्रा. भौमः ३६।१३●
७	बु	४२	९	कृ	११	४	ह	३३	१	वि	१०	२९	१	४८	१२	८	१७	२०	बृषे	भ. १०।२९ या.
८	गु	४३	५२	रो	१५	१४	व	३२	२९	बा	१३	०	३०/५७	४९	११	९	१८	२१	मि४६।३९	अनु. ३ राहुः रोहि. १ केतुः १४।४९
९	शु	४३	३७	मृ	१८	४	सि	३०	२०	तै	१३	४४	५३	४९	११	१०	१९	२२	मिथुने	चित्रायां १ गुरुः ४५।३०
१०	श	४१	४१	आ	१८	३५	व्य	२६	४३	व	१२	३९	४८	५०	१०	११	२०	२३	मिथुने	भ. १२।३९ उ. ४१।४१ या.
११	र	३७	३८	पु	१७	१३	व	२१	३८	व	९	३९	४४	५१	९	१२	२१	२४	क.२।३४	कमला ११ ब्र.
१२	चं	३१	३०	पु	१३	५७	प	१४	४९	कौ	४	३४	४०	५२	८	१३	२२	२५	कर्के	उफा. रविः १०/५५ (रविः ४५/३८) हस्तेबुधः ४०/४९×
१३	मं	२३	५६	श्ले	९	०	शि	६/३५	५०/३८	व	२३	५६	३६	५३	७	१४	२३	२६	सिं ९।०	भ. २३।५६ उ. ४९।२८ या. प्रदोषः
१४	बु	१४	५९	म	२/४२	५२/४१	सा	४६	५४	श	१४	५९	३२	५४	६	१५	२४	२७	सिंहे	●बुधोदयः पश्चिमायाम् ५३।१४
३०	गु	५	२०	उ	४७	४०	शु	३६	१५	ना	५	२०	२८	५४	६	१६	२५	२८	कं.८।२८	कन्यायामर्कः ३६/१६ मघायां सिंहे शुक्रः २५/२५

२२पं.द्वि.भा.कृ.६मं.इ.३८/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	३	१०	७	४
२१	२३	२९	२२	१९	१	१३	२०
१६	२१	४०	४०	२३	४१	२५	४३
५५	४०	३०	३७	५३	५३	६	१५
५८	४०	०/१०	१२	७२	४/१०	३	५८
१३	२१	४१/४१	३९	४१	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

मं बु ४शु ७ ५सूबु ३ ८रा २केचं ९ ११श १ १० १२

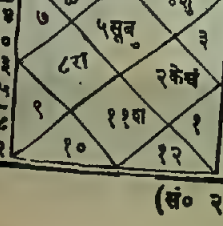

द्वि.भा.कृ. ३० गुरौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ४नं.५बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्पता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

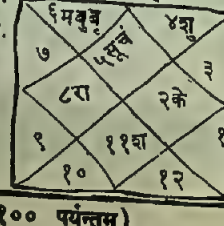

६मबुबृ ४शु ७ ५सूचं ३ ८रा २के ९ ११श १ १० १२

२३पं.द्वि.भा.कृ.१३मं.इ.३८/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	५	३	१०	७	४
२८	२७	११	२४	२७	१	१३	२७
५	५७	३८	५	५०	१४	२	३१
२४	४७	५३	३१	६	२०	५१	३६
५८	४०	०/१०	१३	७२	३/५२	३	५८
२६	३८	४६/४६	५	५६	ब	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	द्वि-भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३० स.१९९३
१	गु	५०	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	४५	५०	ह	३९	५२	शु	२५	१३	बा	२०	५५	३० २४	५५	६ ५	१७	२६	२९	कन्यायां	कन्यायामर्कः सौरः १० ५९ चन्द्रव. तुलायां●
३	श	३६	५६	चि	३२	५८	ब्र	१४	४६	तै	११	२३	२०	५६	४	१८	२७	१	तु.६।२५	हरितालिका३ रविलाखर४ ●भौमः ३४ १
४	र	२९	१९	स्वा	२६	४४	ऐं	४३ ४	५१ २	ध	३	७	१६	५७	३	१९	२८	२	तुलायां	भ. ३।७ उ. २९।१९ या. गणेश चतुर्थी
५	चं	२३	७	वि	२२	२२	वि	४८	१९	बा	२३	७	१२	५८	२	२०	२९	३	वृ.८।२८	ऋषिपंचमी ×जलझूलनी ११ व्र.
६	मं	१८	५०	अ	१९	३४	प्री	४२	१६	तै	१८	५०	८	५८	२	२१	३०	४	वृश्चिके	चित्रायां बुधः ५९।३०
७	बु	१६	११	ज्ये	१८	२७	आ	३७	३४	व	१६	११	४	५९	१	२२	३१	५	ध.१८।२७	भ. १६।११ उ. ४५।५३ या.
८	गु	१५	३४	मू	१९	१४	सौ	३४	१७	ब	१५	३४	३० ००	६ ००	६ ००	२३	१	६	धनुषि	रा. आश्विनारंभः
९	शु	१६	४७	पू	२१	५५	शो	३२	३४	कौ	१६	४७	२९ ५५	६ १	५ ५९	२४	२	७	म.३७।५३	+चित्रा.२गुरुः ५ ७ पूफा.शुक्रः २३ १ वामनज
१०	श	१९	११	उ	२५	४९	अ	३१	५५	ग	१९	११	५१	२	५८	२५	३	८	मकरे	भ. ५१।१३ उ. मेला रामदेवजी नवलदुर्ग
११	र	२३	१५	श्र	३१	७	सु	३२	४४	वि	२३	१५	४७	३	५७	२६	४	९	मकरे	भ २३ १ या. हस्ते रविः ४९ २२ तुलायांबुधः ३० ५ ×
१२	चं	२८	७	ध	३७	१६	धृ	३३	३७	बा	२८	७	४३	३	५७	२७	५	१०	कु.४।११	हस्ते रविः सौरः २३ १९ स्वात्यां भौमः ४३ ० +
१३	मं	३४	२	श	४४	२०	शू	३५	२७	कौ	१	४	३८	४	५६	२८	६	११	कुम्भे	प्रदोषः
१४	बु	३९	४४	पू	५१	२८	गं	३७	२५	ग	६	५३	३४	५	५५	२९	७	१२	मी३४।४१	भ. ३९।४४ उ. अनन्त १४
१५	शु	४६	९	उ	५९	३	वृ	३९	५२	वि	१२	५६	३०	६	५४	३०	८	१३	मीने	भ. १२।५६ या महालयश्राद्धारंभः

२४पं.द्वि.भा.शु.६मं.इ. ३८ २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	५	४	१०	७	५
४	२	२२	२५	६	०	१२	४
५५	३६	४६	३२	१९	४९	४०	२१
१९	५४	३४	१७	३१	८	३५	४३
५८	४०	९४	१३	७३	२३ २९	३	५८
३८	४८	५८	२०	१४	व	११	४५

गोचरग्रहाः

७म ५शु चं ८ रा ६सूबुबृ ४ ९ ३ १० १२ २के ११श १

अधिक मास फल द्विभाद्रे क्षेममारोग्यं सस्यनिष्पत्तिरुत्तमा। बहुक्षीरघृतागावो वृष्टिः कार्तिक संमिता॥

गोचरग्रहाः

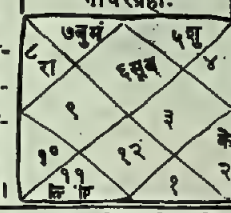

७बुमं ५शु ८ रा ६सूब ४ ९ ३ १० १२ के २ ११ १

२५पं.द्वि.भा.शु.१३मं.इ. ३८ १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	४	१०	७	५
११	७	३	२७	१४	०	१२	११
४६	१८	३	०	५२	२८	१८	१३
५५	१०	५४	४७	५	५	१९	४५
५८	४१	८६	१३	७३	३ ४	३	५९
५३	१५	५	२६	२६	व	११	०

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५२	१६	रे	६०	०	ध्रु	४२	२	बा	१९	१२	२९ २६	६ ७	५ ५३	१	९	१४	मीने	स्वात्यां बुधः ८।५४ अक्टूबर १० ता. ३१
२	श	५८	२१	रे	६	२३	व्या	४४	१७	तै	२५	१९	२२	८	५२	२	१०	१५	मे.६।२३	
३	र	६०	०	अ	१३	४४	ह	४६	१०	व	३१	१	१८	८	५२	३	११	१६	मेषे	भ. ३१।१ उ.
३	चं	३	४१	भ	२०	१४	व	४७	३९	वि	३	४१	१४	९	५०	४	१२	१७	वृ.३६।४४	भ ३ ४१ या. अस्तं गुरोः २४।३६ चतुर्थी व्र.
४	मं	८	१६	कृ	२६	१४	सि	४८	२३	बा	८	१६	१०	१०	५१	५	१३	१८	वृषे	●कन्यायां शुक्रः ५६।२१
५	बु	११	५५	रो	३१	१	व्य	४८	२१	तै	११	५५	६	११	४९	६	१४	१९	वृषे	
६	गु	१४	२०	मृ	३४	११	ध	४७	१०	व	१४	२०	२	१२	४८	७	१५	२०	मि२।५४	भ. १४।२० उ. ४४।४६ या.
७	शु	१५	१२	आ	३६	५०	प	४४	४९	ब	१५	१२	२८ ५८	१२	४८	८	१६	२१	मिथुने	उफा. शुक्रः १४।३७
८	श	१४	३४	पु	३७	२६	शि	४१	१७	कौ	१४	३४	५४	१३	४७	९	१७	२२	क.२२।१७	
९	र	१२	८	पु	३६	१६	सि	३६	८	ग	१२	८	५०	१४	४६	१०	१८	२३	कर्के	भ.३९ ५५ उ. चित्रा. रविः २१ २३ (सौरः ५३ ५५)●
१०	चं	७	४३	श्ले	३३	१७	सा	३०	३७	वि	७	४३	४६	१५	४५	११	१९	२४	सिं३३।१७	भ. ७ ४३ या. वक्री धनि. २ मकरे शनिः २१ ३०
११	मं	१	४५	म	२८	४०	शु	२१	४८	बा	१	४५	४२	१५	४५	१२	२०	२५	सिंहे	विशा.बुधः ५१ ५८ चित्रा.३गुरुः इन्दिरा११व्र.
१२	मं	५२	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	बु	४५	४३	पू	२२	३०	शु	१२	४७	ग	२०	१	३८	१६	४४	१३	२१	२६	कं.३५।५४	भ. ४५।४३ उ. प्रदोषः
१४	गु	३६	१०	उ	१६	६	ब्र	२ ५६	४९ २२	वि	१०	५६	३४	१७	४३	१४	२२	२७	कन्यायां	भ. १०।५६ या. शस्त्रादिहतानां श्राद्धं
३०	शु	२६	२०	ह	८	२९	वै	४१	१०	च	१	१५	३०	१८	४२	१५	२३	२८	तु.३४।१९	सर्वपितृश्राद्धम्

२६पं.आ.कृ.४मं.इ.३८।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	४	१०	७	५
१८	१२	१२	२८	२३	०	११	१८
४०	४	२६	३०	२७	१०	५६	७
८	३४	३८	५४	४३	३४	४	३२
५९	४१	७४	१३	७३	२ १०	३	५९
९	२२	४७	३२	४१	व	११	१६

गोचरग्रहाः

७मबु ५शु ८ रा ६सूबृ ४ ९ ३ १० १२ २के ११श १

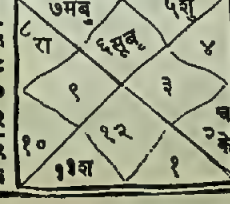

इस मासका फल मध्यम है। सुदी में चार ग्रहों का योग वर्षाकरे तथा कहीं युद्धादि उपद्रव हो। बाजारमें घटाबढ़ी अधिक हो.

गोचरग्रहाः

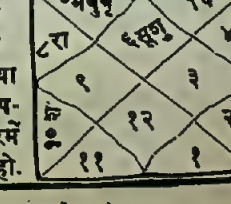

७मंबुबृ ५चं ८ रा ६सूशु ४ ९ ३ १० १२ २के ११ १

२७पं.आ.कृ.११मं.इ. ३७ ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	६	५	९	७	५
२५	१६	२०	०	२	२९	११	२५
३५	५३	३५	१	४	५६	३३	३
६	१०	२०	५७	४९	२४	४८	१४
५९	४१	५८	१३	७३	३ ५	३	५९
२१	४२	५९	३८	५०	व	११	३१

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५५९ स.१९९३
१	श १६।४६ चि १०।५२ वि ३० ४ द्व १६।४६	३६	१९	४१	१६	२४	२९	तुलायां	मातामहश्रा. नवरात्रारम्भः
२	र ७।४६ वि ४६।२७ प्री २० ० कौ ७।४६	२२	२०	४०	१७	२५	३०	वृ.३३।३	तुलायामर्कः ६(सौरः ३६) चन्द्रदर्शनम्●
३	चं ० ८ अ ४१।५२ आ १०।५२ ग ० ८	१८	२०	४०	१८	२६	१	वृश्चिके	भ. २७।९ उ. ५४।१० जमादिलावल ५
४	चं ५४ २ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	●विशा.भौमः २९ ×सरस्वती विसर्ज.
५	मं ५० ११ ज्ये ३८ ३५ सौ ३७ ३५ ब २२ १०	१४	२१	३९	१९	२७	२	घ.३८।३५	हस्ते शुक्रः ०।५७ +विजया १०
६	बु ४८ १० मृ ३८ १९ अ ५१ २८	कौ १९ १०	१०	२२	३८	२०	२८	३	धनुषि	सरस्वत्यावाहनं =भौमः४।५० प्रदोष.
७	गु ४८ ३२ पू ३८ ३९ सु ४८ १९	ग १८ २१	६	२३	३७	२१	२९	४	म.५४।२३	भ. ४८।३२ उ. सरस्वती पूजनम्
८	शु ५० ३२ उ ४१ ३४ धृ ४६ ४०	वि १९ ३२	२	२४	३६	२३	३०	५	मकरे	भ. १९।३२ या. बलिदानं
९	श ५४ २५ श्र ४६ २५ शू ४६ ५१	बा २२ २८	३७	२४	३६	२३	१	६	मकरे	स्वात्यां रविः ४७।११ रा.कार्तिकारम्भः×
१०	र ५९ ३२ ध ५३ ३१ गं ४७ २९	ते २६ ५८	५४	२५	३५	२४	२	७	कु.१९।२८	स्वात्यां रविः सौरः ३७ वक्री बुधः५१।७+
११	चं ६० ० श ५९ ४३ कृ ४९ २१	व ३२ ३८	५०	२६	३४	२५	३	८	कुम्भे	भ. ३२।३८ उ. पापाकुशा ११ व्र. स्मा.
११	मं ५ ४५ पू ६० ० ध्रु ५१ ३१	वि ५	४५	४६	२७	३३	२६	४	९	मी५०।१५	भ. ५।४५ या. पापांकुशा ११ व्र. वै.
१२	बु ११ ५१ पू ७ ५ ध्या ५३ ५०	बा ११ ५१	४२	२८	३२	२७	५	१०	मीने	चित्रा. ४ गुरुः ४६ मार्गी शनिः ५८ अस्तो=
१३	गु १८ २७ उ १४ ४३ ह ५६ १	ते १८ २७	३९	२८	३२	२८	६	११	मीने	÷शरद् १५ स्मा. कोजागरी व्र.
१४	शु २४ २८ रे २२ १३ व ५८ ७	व २४ २८	३५	२९	३१	२९	७	१२	मे.२२।१३	भ. ३८उ.५७।७या. चित्रा.शुक्रः१५।२८÷
१५	श २९ ४६ अ २९ ९ सि ५९ ५७	ब २९ ४६	३१	३०	३०	३०	८	१३	मेषे	उदयं गुरोः ३४।४८ शरद् १५ वैं. उ.गु

२८पं.आ.शु.५मं.इ.३७।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	६	५	९	७	६
२	२१	२६	१	१०	२९	११	२
३१	४३	४०	३३	४५	४८	११	०
३४	४८	३७	४	१८	४३	३३	४२
५९	४१	३४	१३	७३	४९	३५	५९
३४	५८	३१	३८	५२	ब	११	४६

गोचरग्रहाः

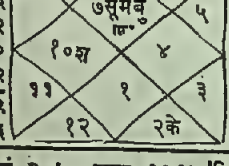

आ. शु. २ रवौ तुलायामर्कः प्र.वा.४ न.५ गतालकावस्था (ऊभौ) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

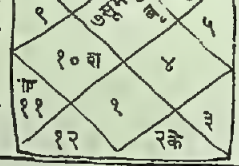

२९पं.आ.शु.११मं.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	६	५	९	७	६
९	२६	२८	३	१९	२९	१०	९
२९	३७	५०	४	२८	४५	४९	०
४९	४८	२८	२६	१२	१८	१७	२
५९	४२	१३	१३	७४	०	३	६०
४७	१३	ब	३८	१	ब	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतुं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ३५ ७ भ ३५ २९ व्य ६० ० बा २।२६	२७	३१	२९	३१	९	१४	वृ.५१।५२	वृश्चिके भौमः ३३ बुधास्तः पश्चिमा. ५४
२	चं ३९ १६ कृ ४० ५३ व्य ० ४६ ते ७।११	२४	३१	२९	१	१०	१५	वृषे	नवम्बर मा. ११ ता. ३०
३	मं ४२ २३ रो ४५ २७ व १ १३ व १० ४९	२०	३२	२८	२	११	१६	वृषे	भ. १०।४९ उ. ४२।२३ या.
४	बु ४४ २३ मृ ४९ ० प ५२ ५८ ब १३ २३	१६	३३	२७	३	१२	१७	मि १७।१६	चतुर्थी व्र.
५	गु ४५ १४ आ ५१ ७ सि ५७ ३८ कौ १४ ४८	१३	३३	२७	४	१३	१८	मिथुने	तुलायां शुक्रः ४।१९
६	शु ४५ ० पु ५२ ५३ सा ५४ ४० ग १५ ७	९	३४	२६	५	१४	१९	क.३७।२६	भ. ४५।० उ. अनु. भौमः ५।४७
७	श ४३ ३४ पु ५२ ४५ शु ५० ४२ वि १४ १७	६	३५	२५	६	१५	२०	कर्के	भ.१४।१७या. विशा.रविः७।३४(सौरः●
८	र ४० ४१ श्ले ५१ ३० शु ४५ ३२ बा १२ ७	२	३६	२४	७	१६	२१	सिं५१।३०	●३५।५) वक्री स्वात्यां बुधः २०।३
९	चं ३६ ३२ म ४९ २ ब्र ३९ २६ ते ८ ३६	२६	३६	२४	८	१७	२२	सिंहे	
१०	मं ३१ २ पू ४५ १० पैं ३२ ४७ व ३ ४७	५६	३७	२३	९	१८	२३	कं.५८।५३	भ. ३।४७ उ. ३१।२ या. स्वात्यां बुधः ३२
११	बु २४ २१ उ ४० ५ वै २३ ५६ बा २४ २१	५३	३७	२३	१०	१९	२४	कन्यायां	रमा ११ व्र.
१२	गु १६ २९ ह ३३ ५९ वि १४ ४१ ते १६ २९	४९	३८	२२	११	२०	२५	कन्यायां	अनु.२राहुःकृत्ति.४ केतुः७ प्रदोषः घन १३
१३	शु ८ १६ चि २७ २८ प्री ५५ ४७ व ८ १६	४६	३९	२१	१२	२१	२६	तु.०।४६	भ.८।१६उ.३३या स्वातौ१गुरुः१५।४४×
१४	शु ५१ २ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	×बुधोदयः पूर्वस्याम् ३।८ रूप १४
२०	श ५० ४१ स्वा २० ४४ सौ ४४ ३० च २४	५९	४३	३९	२१	१३	२२	२७	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

३०पं.का.कृ.३मं.इ.३७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	६	५	९	७	६
१६	१	२५	४	२८	२९	१०	१६
२९	३४	१३	३५	१२	४६	२७	१
३८	४१	५	१७	३६	५२	१	६
६०	४२	६३	१३	७४	१५	३	६०
४	३५	ब	३२	८	मा	११	३८

गोचरग्रहाः

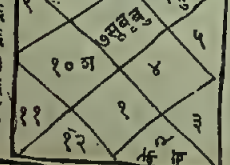

दीपमालिका शनिवारी होने से धान्य संग्रह से लाभ हो। शनि मंगल आवे दीवाली। मरे रंक जीवे भंडशाली ॥

गोचरग्रहाः

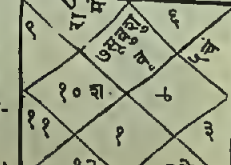

३१पं.का.कृ.१०मं.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	६	६	९	७	६
२३	६	१५	६	६	२९	१०	२३
३०	३४	५७	४	५७	५३	४	३
५८	२३	१८	४१	५०	४६	४६	४२
६०	४२	६३	१३	७४	१	३	६०
१७	४५	ब	२३	१४	२६	११	३०

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५८८ सन्१९९३
१	र ४२ ३६ वि १४ २ शो ३४ ५० कि १६ ३८	२६ ४०	२०	१४	२३	२८	वृ.०।४३	धनि. ३ कुम्भे शनिः ३३ अन्नकूटगोव.पूजा
२	चं ३५ ५२ अ ८ १४ अ २६ ० बा ९ १४	३७ ४१	१९	१५	२४	२९	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम् मार्गो बुधः १३।४६ भ्रातृ २
३	मं ३० ४५ ज्ये ३ ४४ मु १८ ३ तै ३ १८	३४ ४१	१९	१६	२५	१	ध.३।४४	भ.५९।८उ. वृश्चिकेऽर्कः ३३ (सौरः ३३)*
४	बु २७ ३१ मू १ ११ धृ ११ ३१ वि २७ ३१	३१ ४२	१८	१७	२६	२	धनुषि	भ. २७।३१ या. *जमादिलाखर ६
५	शु २६ ४० पू ० २५ शू ६ ३८ बा २६ ४०	२९ ४२	१८	१८	२७	३	म.१५।४७	
६	शु २७ ४१ उ १ ५५ मं ३ ५० तै २७ ४१	२६ ४३	१७	१९	२८	४	मकरे	अनु. रविः २१।५६ (सौरः ४६।१०)
७	श ३० ४७ श्र ५ २० बृ २ ३२ व ३० ४७	२४ ४३	१७	२०	२९	५	कुं.३७।५४	भ. ३०।४७ उ. विशा. शुक्रः २।५६
८	र ३५ २६ ध १० २८ शु २ २२ वि ३ ६	२१ ४४	१६	२१	३०	६	कुम्भे	भ. ३।६ या. गोपाष्टमी
९	चं ४१ २९ श १७ १० या ३ १९ बा ८ २७	१९ ४४	१६	२२	१	७	कुम्भे	रा. मार्गशीर्षरंभः अक्षय ९
१०	मं ४७ ५२ पू २४ २ ह ५ २० तै १४ ४०	१६ ४५	१५	२३	२	८	मी७।३५	ज्येष्ठा. भौमः ३२।१३
११	बु ५४ २९ उ ३२ ४ व ७ ४२ व २१ ११	१३ ४५	१५	२४	३	९	मीने	भ. २१।११ उ. ५४।२९ या. प्रबोधिनी१
१२	शु ६० ० रे ३९ २८ चि १० ७ द २७ ३२	११ ४६	१४	२५	४	१०	मे.३९।३८	विशा. बुधः २७।२५
१३	शु ० ३५ अ ४६ ३१ ब्य १२ ६ बा ० ३५	८ ४६	१४	२६	५	११	मेषे	प्रदोषः ×११ व्र. तुलसी विवाह
१४	श ६ १९ भ ५२ ४२ व १३ ४४ तै ६ १९	६ ४७	१३	२७	६	१२	मेषे	वृश्चिके शुक्रः ५५।१२ वैकुंठ १४
१५	र १० ४० कृ ५७ ४० प १४ २५ व १० ४०	३ ४७	१३	२८	७	१३	बृ.८।५४	भ.१०।४०.उ. ३३ या. स्वाती २ गुरुः ४१
१६	चं १४ ७ रो ६० ० शि १४ २० ब १४ ७	१ ४८	१२	२९	८	१४	वृषे	मन्वादिः

३२पं.का.शु.३मं.इ.३६।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	६	६	१०	७	७
०	२१	१२	७	१५	०	९	०
३२	३७	५३	३३	४४	५४	३	७
४७	८	१०	७	४९	६	३०	४६
६०	४३	३९	१३	७४	२	३	६०
३०	१	मा	१४	२०	७	११	४०

गोचरग्रहाः

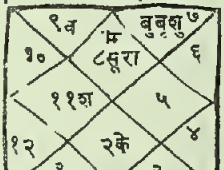

का. शु. ३ भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

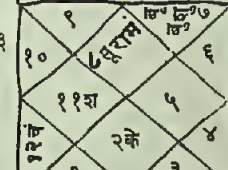

३३पं.का.शु.१०मं.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	६	६	१०	७	७
७	१६	१७	८	२४	०	९	७
३७	४३	५२	५९	३१	२१	२०	१३
३७	१६	५२	३१	५५	५०	१५	१९
६०	४३	६५	१२	७४	२	३	६०
४२	११	१९	५३	२६	४७	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणे कार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं १६ १९ रो १ ३१ खि १३ २७ कौ १८ १९	५९ ४८	६	५	३०	९	१५	मि३३।१	अनु. शुक्रः ३६।३३
२	बु १७ २५ मृ ४ ३२ सा ११ ३७ ग १७ २५	५७ ४९	११	१	१०	१६		मिथुने	भ. ४७।१९ उ. सिंहस्थ मा. १२ सा. ३१
३	शु १७ १३ आ ६ १ शु ८ ५१ वि १७ १३	५५ ४९	११	२	११	१७	क.५१।४४		भ.१७।१३या. ज्येष्ठा. रविः ३३ (सौरः*
४	शु १६ १३ पु ६ ५८ शु ५ २५ बा १६ १३	५३ ४९	११	३	१२	१८	कर्के		*५४) वृश्चिके बुधः ५०।२६ चतुर्थीव्र.
५	श १४ २० पु ७ ५ ब्र ७ ५४ तै १४ २०	५१ ५०	१०	४	१३	१९	कर्के		
६	र ११ २० पु ५ ५१ वै ५० ३८ व ११ ४०	४९ ५०	१०	५	१४	२०	सिं५।५१		भ.११।४०उ.३९।५७या. अनु.बुधः४।११
७	चं ८ १४ म ४ १७ वि ४४ २२ ब ८ १४	४८ ५०	१०	६	१५	२१	सिंहे		
८	मं ३ ५७ पू १ ५६ प्री ३७ ५३ कौ ३ ५७	४६ ५१	९	७	१६	२२	कं.१५।५३		
९	मं ५४ ५४ ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०	०		
१०	बु ५३ २ ह ५४ १७ मा ३० ९ व २५ ५६	४५ ५१	९	८	१७	२३	कन्यायां		भ. २५।५६ उ. ५३।२ या.
११	शु ४६ ४० वि ४९ ३४ सौ २२ ३ ब १९ ५१	४४ ५१	९	९	१८	२४	तु.२१।५६		उत्पत्ति ११ व्र.
१२	शु ३९ ४४ सा ४४ ५५ शो १३ २३ कौ १३ १२	४२ ५२	८	१०	१९	२५	तुलायां		ज्येष्ठा. शुक्रः ९।४४ बुधास्तः पूर्व. ५६।१९
१३	श ३२ ४५ वि ३९ १० अ ३४ ५१ ग ६ १४	४१ ५२	८	११	२०	२६	वृ.२।५।३७		भ. ३३ उ. ५९ या. मूले धनुषि भौमः ३५×
१४	र २५ ४६ अ ३४ ११ धृ ४७ २३ श २५ ४६	४० ५२	८	१२	२१	२७	वृश्चिके		×प्रदोषः
२०	चं १९ ३८ ज्ये ३० ४ शु ३९ २८ ना १९ ३८	३९ ५२	८	१३	२२	२८	ध.३०।४		ज्येष्ठा. बुधः ५४।४२ सोमवती ३०

३४पं. मा.कृ.१मं.इ ३६।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	६	७	१०	७	७
१४	२१	२६	१०	३	०	८	१४
४२	५०	५४	२३	२०	४२	५७	२०
५४	५३	७	५३	१०	५८	५९	५
६०	४३	८३	१२	७४	३	३	६१
५०	४१	१९	२५	२६	३२	११	३

गोचरग्रहाः

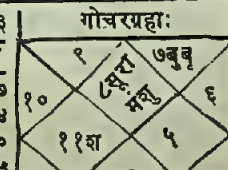

मार्ग. शु २ वृषे धनुष्यर्कः प्र.वा.२ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

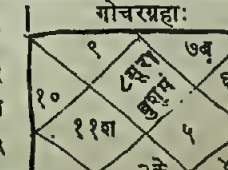

३५पं.मा.कृ.८मं.इ.३६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	६	७	१०	७	७
२१	२७	३	११	१२	१	८	२१
४८	१	९	४४	८	८	३५	२७
५८	१६	५८	४९	६	४९	४३	५०
६०	४३	९०	१२	७४	४	३	६१
५६	५६	४१	१०	२६	१०	११	११

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६१८ स.१९९३
१	मं	१४	२८	मू	२६	४४	गं	३२	३७	ब	१४	२८	३५/३८	६/५२	५/८	१४	२३	२९	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
२	बु	११	१९	पू	२५	१२	वृ	२६	५२	कौ	११	१९	३८	५३	७	१५	२४	१	म.४०।१७	मूले धनुष्यर्कः ३९/१८ (सौरः ५७/५४) रज्जव ७
३	गु	९	२३	उ	२५	३२	ध्रु	२२	४१	ग	९	२३	३७	५३	७	१६	२५	२	मकरे	भ. ३९।२६ उ. स्वाती ३ गुरुः ८।३०
४	शु	९	२९	श्र	२७	३७	व्या	२०	१	वि	९	२९	३७	५३	७	१७	२६	३	कुं.५९।३४	भ. ९।२९ या.
५	श	१२	२५	ध	३१	३१	ह	१९	७	बा	१२	२५	३७	५३	७	१८	२७	४	कुम्भे	
६	र	१५	४९	श	३६	४१	व	२०	१४	तै	१५	४९	३६	५३	७	१९	२८	५	कुम्भे	चम्पा ६
७	चं	२१	१७	पू	४४	२	सि	२०	३८	व	२१	१७	३६	५३	७	२०	२९	६	मी२७।११	भ. २१।१७ उ. ५४।२० या.
८	मं	२७	२२	उ	५१	२६	व्य	२२	२०	ब	२७	२२	३६	५३	७	२१	३०	७	मीने	मूले धनुषि शुक्रः ४८।४
९	बु	३४	४	रे	५९	७	व	२४	४४	बा	०	४३	३६	५३	७	२२	१	८	मे.५९।७	मूले धनुषि बुधः २६/५३ शुक्रास्तः● शु.अ.पू.
१०	गु	४०	१७	अ	६०	०	प	२६	५६	तै	७	१०	३६	५३	७	२३	२	९	मेषे	
११	शु	४६	२	अ	६	१२	शि	२८	४१	व	१३	१०	३७	५३	७	२४	३	१०	मेषे	भ. १३/१० उ. ४६/२ या. मोक्षदा ११ व्र. गीता ज.
१२	श	५२	२२	भ	१२	४१	सि	२९	४०	ब	१८	१२	३७	५३	७	२५	४	११	बृ.२८।५७	
१३	र	५३	२८	कृ	१७	४३	सा	२९	२५	कौ	२१	५५	३	५३	७	२६	५	१२	वृषे	प्रदोषः ●पूर्वस्याम् २८/१२ रा. पौषारंभः
१४	चं	५४	५६	रो	२१	२३	शु	२८	१४	ग	२४	१२	३८	५२	८	२७	६	१३	मि५२।३१	भ. ५४।५६ उ. ×दत्तजयंती
१५	मं	५५	५	मृ	२३	४०	शु	२५	५६	वि	२५	०	३८	५२	८	२८	७	१४	मिथुने	भ.२५।०या. पूषा. रविः ४४/१४ (सौरः ५९/३२)×

३६पं.मा.शु.१मं.इ.३६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	६	७	१०	७	७
२८	२	१७	१३	२०	१	८	२८
५५	१३	४४	२	५६	३८	१३	३६
५२	८	५३	१७	२५	१३	२८	३३
६१	४४	९५	११	७४	४	३	६१
०	७	२२	३१	३२	४५	११	१९

३७ पं.मा.शु.८मं.इ.३६।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	६	७	१०	७	८
६	७	२८	१४	२९	२	७	५
३	३०	३७	१७	४५	११	५१	४५
२९	४०	१	१०	४	३८	१२	५८
६१	४४	९७	०	७४	५	३	६१
४	२६	५१	५६	३२	९	११	२२

३८पं.मा.शु.१५मं.इ. ३५/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	६	८	१०	७	८
१३	१२	९	१५	८	२	७	१२
११	४८	३७	२६	३३	४८	२८	५५
३१	११	५	४६	५८	४७	५७	५०
६१	४४	९९	०	७४	५	३	६१
६	३७	४८	११	३२	३८	११	२६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५३	४१	आ	२४	३८	ब्र	२५	२६	बा	२४	२१	३५/३९	६/५२	५/८	२९	८	१५	मिथुने	पूषा. भौमः १८।३८
२	गु	५१	१९	पु	२४	१७	ऐं	१८	१	तै	२२	३०	४०	५२	८	३०	९	१६	क.९।२३	पूषा. बुधः ५०।५२
३	शु	४८	५	पु	२२	२५	वै	१२	४९	व	१९	४२	४०	५२	८	३१	१०	१७	कर्के	भ. १९।४२ उ. ४८।५ या.
४	श	४४	६	श्ले	२०	५०	वि	६	५९	ब	१६	५	४१	५२	८	१	११	१८	सिं२०।५०	पूषा. शुक्रः २१/४१ जनवरी १ ता. ३१ सन्●
५	र	३९	४९	म	१८	२५	प्री	०/२४	५३/२८	कौ	११	५७	४२	५२	८	२	१२	१९	सिंहे	
६	चं	३५	१२	पू	१६	५	सौ	४७	८	ग	७	३०	४३	५१	९	३	१३	२०	कं.३०।४	भ. ३५।१२ उ. धनि. ४ शनिः ४।३६
७	मं	३०	२८	उ	१२	२	शो	४०	१०	वि	२	५०	४४	५१	९	४	१४	२१	कन्यायां	भ. २।५० या. ●१९९४ चतुर्थी व्र.
८	बु	२५	३१	ह	९	१९	अ	३२	५६	कौ	२५	३१	४६	५१	९	५	१५	२२	तु.३७।३७	स्वाती ४ गुरुः ३४।१४
९	गु	२०	२९	चि	५	५५	सु	२५	३४	ग	२०	२९	४७	५१	९	६	१६	२३	तुलायां	भ. ४७।५१ उ.
१०	शु	१५	१४	स्वा	२/११	५६/३९	धृ	१८	७	वि	१५	१४	४९	५०	१०	७	१७	२४	बृ.४४।४१	भ. १५।१४ या.
११	श	९	५७	अ	५५	२५	शू	१०	५१	बा	९	५७	५१	५०	१०	८	१८	२५	वृश्चिके	उषा. बुधः २।३५ सफला ११ व्र.
१२	र	४	५४	ज्ये	५२	३९	गं	३/४७	५३/१७	तै	४	५४	५२	५०	१०	९	१९	२६	ध.५२।२९	प्रदोषः ×मकरे बुधः १३।१
१३	चं	०	२३	मू	५०	८	ध्रु	५०	५०	व	०	२३	५४	४९	११	१०	२०	२७	धनुषि	भ.०।२३उ. २८/२४ या. उषा. रविः४८।१८×
१४	चं	५६	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	मं	५३	४०	पू	४८	५२	व्या	४५	२८	च	२५	२	५६	४९	११	११	२१	२८	धनुषि	उषा. रविः सौरः०।५९ उषा. शुक्रः ५९/११

३९पं. पी.कृ.७मं इ.३५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	६	८	१०	७	८
२०	१८	२०	१६	१७	३	७	२०
१९	७	४९	३०	२१	२९	६	५
२१	८	१६	२९	२५	१०	४१	४०
६१	४४	[illegible]	९	७४	६	३	६१
६	५७	२५	२	३८	२	११	२६

गोचरग्रहाः

धन राशिका मंगल सोना चांदी शेयर तिल तैल घृत रुई पाट बारदाना अलसी सिरस्युं में तेजी करेगा।

गोचरग्रहाः

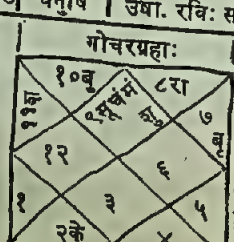

४०पं.पी.कृ.३०मं.इ. ३५/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	६	८	१०	७	८
२७	२३	२	१७	२६	४	६	२७
२७	२९	२१	२९	१०	११	४४	१५
४०	३१	५४	३१	४८	५६	२५	३९
६१	४५	[illegible]	८	७४	६	३	६१
६	७	५६	३४	३८	२५	११	२४

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ६४७ स.१९९४
१	बु	५१	२४	उ	४९	९	ह	४१	१०	किं	२२	३२	२५/५८	६/४८	५/१२	१२	२२	२९	म.३।५६	अनु. १ राहुः कृत्ति. ३ कतुः ५८।५९
२	गु	५२	२९	श्र	५१	१७	ध	३८	१०	बा	२१	५६	२६/१	४८	१२	१३	२३	३०	मकरे	चद्रदर्शनम्
३	शु	५४	२३	ध	५४	३२	सि	३६	४१	तै	२३	२६	३	४७	१३	१४	२४	१	कुं.२२।५५	मकरेऽर्कः ५/२२ (सौरः १६/२४) मकरेशुक्रः ३८/५६●
४	श	५७	५९	श	५९	१	व्य	३५	५४	व	२६	११	५	४७	१३	१५	२५	२	कुंभे	भ. २६।११ उ. ५७/५९ या. उषा. भौमः २६/२६
५	र	६०	०	पू	६०	०	ध	३६	२९	ब	३०	३४	८	४६	१४	१६	२६	३	मी४८।३६	श्रवणे बुधः १९।३६ ●सावान ८
५	चं	३	१०	पू	५	७	प	३८	८	बा	३	१०	१०	४६	१४	१७	२७	४	मीने	×पश्चिमायाम् ५४/४२ पुत्रदा११ व्र.
६	मं	८	५२	उ	१२	८	शि	४०	१०	तै	८	५२	१२	४६	१४	१८	२८	५	मीने	
७	बु	१५	२०	रे	१९	४३	सि	४२	२३	व	१५	२०	१५	४६	१४	१९	२९	६	मे.१९।४३	भ. १५।२० उ. ४८।३४ या.
८	गु	२१	४७	अ	२७	१६	सा	४४	३१	ब	२१	४७	१७	४५	१५	२०	३०	७	मेषे	अभि.प्र.रविः ३८।७ (सौरः ४७/४६) मकरे+
९	शु	२७	४५	भ	३४	८	शु	४५	५९	कौ	२७	४५	२०	४४	१६	२१	१	८	वृ.५०।३४	रा. माघारंभः +भौमः १०।३४
१०	श	३२	२९	कृ	३९	५०	शु	४६	३१	तै	०	७	२२	४४	१६	२२	२	९	वृषे	श्रवणे शुक्रः ३२।७
११	र	३५	४९	रो	४४	२	ब्र	४५	४३	व	४	९	२५	४३	१७	२३	३	१०	वृषे	भ.४/९ उ. ३५/४९ या. श्रवणे रविः ५४/३० बुधोदयः×
१२	चं	३७	९	मृ	४६	३२	ऐं	४३	३६	ब	६	२९	२७	४३	१७	२४	४	११	मि१५।१९	अभि. नि. रविः ४६/५९ (सौरः ५५/५९) श्रवणे=
१३	मं	३७	४	आ	४६	२०	वै	३९	५५	कौ	७	६	३०	४२	१८	२५	५	१२	मिथुने	प्रदोषः =रविः सौरः ३/४३ धनि. बुधः १/३५
१४	बु	३४	४५	पु	४६	२४	वि	३४	४२	ग	५	५४	३३	४१	१९	२६	६	१३	क.३१।२३	भ. ३४।४५ उ.
१५	गु	३१	१४	पु	४४	०	प्री	२८	५४	वि	२	५९	३६	४१	१९	२७	७	१४	कर्के	भ २।५९ या. माघ स्नान प्रा.

४१पं. पौ.शु.६मं.इ.३५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	६	९	१०	७	९
४	२८	१४	१८	४	४	६	४
३५	५३	१०	२२	५८	५७	२२	२५
३१	१७	१६	५	४४	०	१०	८
६१	४२	४०	७	७४	६	३	६१
३	१२	५९	२९	३८	३८	११	१९

गोचरग्रहाः

११श ९म चं १२ १०सूशु बु रा ८ १ ७बृ क २ ४ ६ ३ ५

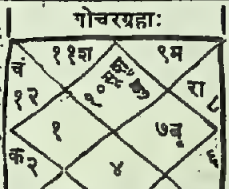

पौष शु. ३ शुक्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

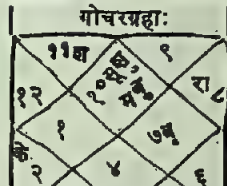

गोचरग्रहाः

११श ९ १२ १०सूशु मं बु रा ८ १ ७बृ के २ ४ ६ ३चं ५

४२पं. पौ.शु.१३मं.इ. ३५/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	६	९	१०	७	९
११	४	२५	१९	१३	५	५	११
४२	१८	५४	७	४६	४४	५९	३३
५८	२५	७	८	४१	१७	५४	५९
६०	४५	९८	६	७४	६	३	६१
५९	२२	१२	२७	३८	५६	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०५० शाकः १९१५												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	शु	२६	२३	श्ले	४०	३९	आ	२१	५५	कौ	२६	२३	३६/३९	६/४०	५/२०	२८	८	१५	सि४०।३९	कुम्भे बुधः ५।५९
२	श	२०	४७	म	३६	१८	सौ	१४	१४	ग	२०	४७	४२	४०	२०	२९	९	१६	सिंहे	भ. ४७।४३ उ.
३	र	१४	४०	पू	३२	३४	शो	६/१९	५१/५९	वि	१४	४०	४६	३९	२१	३०	१०	१७	कं.४६।२२	भ. १४।४० या. चतुर्थी व्र.
४	चं	८	३५	उ	२७	४४	सु	५०	१७	बा	८	३५	४९	३८	२२	३१	११	१८	कन्यायां	●३५।१३ कर्बरी मा. २ ता. २८
५	मं	२	२९	ह	२३	३४	धृ	४२	२६	तै	२	२९	५२	३८	२२	१	१२	१९	तु.५१।५६	भ.५६।४३उ. श्रवणे भौमः ५६/८ शते बुधः●
६	मं	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५१	३६	चि	२०	१९	शू	३५	४	वि	२४	१०	५५	३७	२३	२	१३	२०	तुलायां	भ.२४।१०या. धनिष्ठा. शुक्रः १३/३४ शते१×
८	गु	४५	४९	स्वा	१६	३२	गं	२७	५७	बा	१८	४२	५९	३६	२४	३	१४	२१	वृ.५९।१७	
९	शु	४२	३१	वि	१३	३२	वृ	२१	२३	तै	१४	१०	२७/२	३६	२४	४	१५	२२	वृश्चिके	विशाखा. १ गुरुः २४।२५
१०	श	३८	४४	अ	११	१८	ध्रु	१५	१०	व	१०	३७	६	३५	२५	५	१६	२३	वृश्चिके	भ.१०।३७उ. ३८/४४ या. अस्तं शनेः४०।१७
११	र	३५	४२	ज्ये	९	३५	व्या	९	३१	ब	७	१३	९	३४	२६	६	१७	२४	ध.९।३५	धनि.रविः ५३/५१ (सौरः ९/३४) षट्तिला११व्र
१२	चं	३३	१८	मू	८	४३	ह	४	४१	कौ	४	३०	१३	३३	२७	७	१८	२५	धनुषि	कुम्भे शुक्रः ३०।४८
१३	मं	३१	५३	पू	८	२२	व	०/१६	५६/२५	ग	२	३५	१६	३३	२७	८	१९	२६	म.२३।४६	भ. ३१।५३ उ. प्रदोषः
१४	बु	३१	४०	उ	९	२७	व्य	५४	५	वि	१	४६	२०	३२	२८	९	२०	२७	मकरे	भ १।४६ या. ×शनिः ३४।१२
३०	गु	३२	३७	श्र	११	३३	ध	५२	४७	च	२	८	२४	३१	२९	१०	२१	२८	कुं.४३।१७	शुक्रोदयः पश्चिमायाम् २४।०

४३पं.मा कृ.५मं इ.३५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	१०	६	९	१०	७	९
१८	९	६	१९	२२	६	५	१८
४९	४४	४०	४५	३४	३३	३७	४२
२६	३८	५५	१८	२६	४	३९	२
६०	४५	८१	५	७४	७	३	६१
५५	३२	५८	१४	३२	८	११	४

गोचरग्रहाः

११श ९ १२ १०सूशु मं रा ८ १ ७बृ के २ ४ ६ चं ३ ५

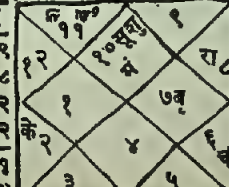

माघ मासका फल रुई धान्य कपास में मंदी माघ में होय। घृत गुड़ का संग्रह करो लाभ सवाया होय ॥

गोचरग्रहाः

११● ९ १२ १०सूशु मं रा ८ १ ७बृ के २ ४ ६ ३ ५

४४पं.मा.कृ.१३मं.इ.३६।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	१०	६	१०	१०	७	९
२५	१५	१३	२०	१	७	५	२५
५५	१२	११	१४	२१	२२	१५	४८
१६	२२	४४	४९	४	५९	२३	४९
६०	४५	३३	४	७४	७	३	६०
४०	४२	३१	२	३२	१४	११	५५

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६७७ स.१९९४
१	शु	३४	५०	ध	१४	५९	प	५१	३१	किं	३	४३	२७	६	५	११	२२	२९	कुंभे	वक्री बुधः २२।५१
२	श	३८	२७	श	१९	४५	शि	५२	३४	बा	६	३८	३१	३०	३०	१२	२३	३०	कुम्भे	कुंभेऽर्कः ३८।६ (सौरः ४३/३१) चन्द्रदर्शनम्
३	र	४३	२९	पू	२५	४	सि	५३	४३	तै	१०	५८	३५	२९	३१	१३	२४	१	मी८।४४	बुधास्तः पश्चिमायां ३१।३९ रमजान ९
४	चं	४९	७	उ	३२	९	सा	५५	४७	व	१६	१८	३८	२८	३२	१४	२५	२	मीने	भ. १६।१८ उ. ४९।७ या.
५	मं	५५	३७	रे	३९	४८	शु	५७	५४	ब	२२	२२	४२	२९	३२	१५	२६	३	मे.३९।४८	पातस्पर्शः ४२।५४ वसंत पंचमी
६	बु	६०	०	अ	४७	२८	शु	६०	०	कौ	२८	४८	४६	२७	३३	१६	२७	४	मेषे	पातमोक्षः सूर्योदयकाले
६	गु	२	०	भ	५४	५४	शु	०	१३	तै	२	०	५०	२६	३४	१७	२८	५	मेषे	•शते शुक्रः ४९।५
७	शु	८	१९	कृ	६०	०	ब्र	१	४९	व	८	१९	५४	२५	३५	१८	२९	६	वृ.११।३२	भ. १९/८ उ. ४०/५७ या. धनि. भौमः ५७/१० भानु ७
८	श	१३	३५	कृ	१	२७	ऐं	३	३६	ब	१३	३५	५८	२४	३६	१९	३०	७	वृषे	शते रविः १४।२७ (सौरः १८/५३) भीष्माष्टमी
९	र	१७	३१	रो	६	४६	वै	३	४९	कौ	१७	३१	२८/२	२४	३६	२०	१	८	मि३८।३२	रा. फाल्गुनारम्भः
१०	चं	१९	४२	मृ	१०	१९	वि	३६/३६	२३/२३	ग	१९	४२	६	२३	३७	२१	२	९	मिथुने	भ. ४९।५० उ. वक्री धनि. बुधः १७।३७
११	मं	१९	५८	आ	११	५७	आ	५५	३७	वि	१९	५८	१०	२२	३८	२२	३	१०	क.५६।४७	भ. १९।५८ या. जया ११ व्र.
१२	बु	१७	५७	पु	११	४४	सौ	४९	४९	बा	१७	५७	१४	२१	३९	२३	४	११	कर्के	पूभा. शुक्रः ३०।४७ प्रदोषः
१३	गु	१४	१६	पु	९	२९	शो	४२	३६	तै	१४	१६	१८	२०	४०	२४	५	१२	कर्के	
१४	शु	८	४५	श्ले	४	४३	अ	३४	१३	व	८	४५	२२	२०	४०	२५	६	१३	सिं४।४३	भ. ८।४५ उ. ३५।१६ या.
१५	श	१	४७	म	०/२८	५४/७	सु	२५	१३	ब	१	४७	२६	१९	४१	२६	७	१४	सिंहे	बुधोदयः पूर्वस्याम् ३८/५७ माघ स्नान समा.

४५पं.मा.शु.५मं.इ.३६।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	६	१०	१०	७	१०
३	२०	१२	२०	१०	८	४	२
०	४१	८	३५	७	१३	५३	५४
४	२	४६	५३	५२	३७	७	५२
६०	४५	५०/५३	२	७४	७	३	६०
३७	५८	ब	४६	३२	२०	११	४२

गोचरग्रहाः

१२चं १०मं ११सूबु ९ १ २के ८रा ३ ५ बु ७ ४ ६

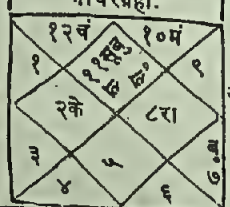

माघशु. २ शनौ कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ न.३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प ।

गोचरग्रहाः

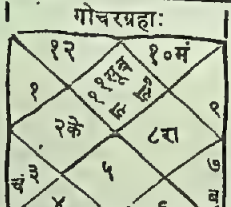

१२ १०मं ११सूबु ९ १ २के ८रा ३ ५ ७ चं ४ ६ बु

४६पं.मा.शु.११मं.इ. ३६/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	६	१०	१०	७	१०
१०	२६	५	२०	१८	९	४	९
३	१०	३	४७	५२	४	३०	५९
३२	१९	४७	२०	४१	४८	५२	२५
६०	४५	७३/९	१	७४	७	३	६०
२५	५८	ब	१९	२७	२०	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	५२	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	४६	११	उ	४८	२२	धृ	१५	४२	तै	२०	११	२८/३०	६/१८	५/४२	२७	८	१५	कं. ८।२	कुंभे भौमः २६।२२
३	चं	३८	७	ह	४२	३४	शू	५५/५९	५०/४९	व	१२	९	३४	१७	४३	२८	९	१६	कन्यायां	भ.१२।९उ.३८/७या. वक्री मकरे बुधः ४९/७•
४	मं	३०	३०	चि	३६	४४	वृ	४७	४७	ब	४	१८	३८	१६	४४	१	१०	१७	तु.९।३९	चतुर्थी व्र. मार्च मा. ३ ता. ३१
५	बु	२३	४०	स्वा	३१	५८	ध्रु	३९	३३	तै	२३	४०	४२	१६	४४	२	११	१८	तुलायां	वक्री गुरुः ३३/४३ शतभिषा.२ शनिः ७।१९
६	गु	१७	४२	वि	२८	१	व्या	३२	१४	व	१७	४२	४६	१५	४५	३	१२	१९	वृ.१४।०	भ १७।४२उ. ४५/१५ या. मीने शुक्रः ३२।४४
७	शु	१२	४८	अ	२५	१६	ह	२५	४४	ब	१२	४८	५०	१४	४६	४	१३	२०	वृश्चिके	पूभा. रविः ३०।३२ (सौरः ३३।४०)
८	श	९	१	ज्ये	२३	३३	ध	२०	२०	कौ	९	१	५४	१३	४७	५	१४	२१	ध.२३।३३	•पातस्पर्शः १४।४३ मोक्षः २६।४४
९	र	७	३३	मू	२३	११	सि	१५	४२	ग	७	३३	५८	१२	४८	६	१५	२२	धनुषि	भ.३६।१६उ. मार्गी बुधः ४२।३५ उभा.×
१०	चं	४	५९	पू	२३	४१	व्य	१२	१२	वि	४	५९	२९/२	१२	४८	७	१६	२३	म.३९।९	भ. ४।५९ या. शते भौमः ५७।३०
११	मं	४	५५	उ	२५	३२	व	९	२५	बा	४	५५	६	११	४९	८	१७	२४	मकरे	उदयो भौमः ५४।११ विजया ११ व्र.
१२	बु	५	४०	श्र	२८	२८	प	७	४६	तै	५	४०	१०	१०	५०	९	१८	२५	मकरे	प्रदोषः ×शुक्रः ११।४३
१३	गु	७	३४	ध	३२	२६	शि	६	४६	व	७	३४	१४	९	५१	१०	१९	२६	कु.०।१६	भ.७।३४उ.३९।८या. कुंभे बुधः४८।१९+
१४	शु	१०	४१	श	३७	३६	सि	६	३७	श	१०	४१	१९	८	५२	११	२०	२७	कुंभे	+उदयं शनेः ३०।० महाशिवरात्रि व्र.
३०	श	१४	४४	पू	४३	४२	सा	७	२	ना	१४	४४	२३	७	५३	१२	२१	२८	मी२७।११	पातस्पर्शः ४२।३१ पातमोक्षः ५६।२१

४७पं.फा.कृ.४मं.इ.३६।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	६	१०	१०	७	१०
१७	१	२९	२०	२७	९	४	१७
५	४५	३५	५०	३६	५५	८	२
४६	१९	२०	३५	४७	३०	३६	१६
६०	४६	३१/१	०	७४	७	३	६०
१२	८	ब	१३	२६	२०	११	२०

गोचरग्रहाः

१२ १०बु ११सूबु ९ १ २के ८रा ३ ५ बु ७च ४ ६

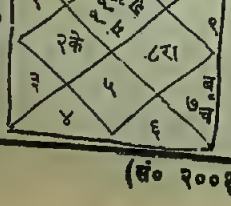

इस मासमें शनि मंगल सूर्यका योग भयप्रद है। व्यापारी लोग पहले मंदीमें संग्रह करें यहां अच्छी तेजी बाजारमें आवेगी।

गोचरग्रहाः

१२शु ११सू १० बु ९ १ २के ८रा ३ ५ ७बु ४ ६

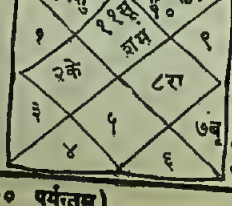

४८पं.फा.कृ.११मं.इ.३७।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	६	११	१०	७	१०
२४	७	२९	२०	६	१०	३	२४
६	१०	३४	४५	२०	४५	४६	३
२९	२६	३४	४	२६	४०	२१	३९
५९	४६	११/३८	१/२३	७४	७	३	६०
५८	३	ब	ब	२६	१४	११	४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५	दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः७०७-स.१९९४
१	र २० ४ उ ५० २० शु ८ ३४ ब २० ४	३९	६	५	१३	२२	२९	मीने	चन्द्रदर्शनम्
२	चं २६ ३३ रे ५७ ४८ शु १० २७ कौ २६ ३३	३३	६	५४	१४	२३	१	मे.५७।४८	मीनेऽर्कः ३१ (सौरः ३४) फुलरिया २•
३	मं ३२ ३ अ ६० ० ब्र १२ ४० ग ३२ ३	३६	५	५५	१५	२४	२	मेषे	•सव्वाल १०
४	बु ३९ ८ अ ५ २२ ऐं १४ ५७ व ५ ३५	४०	४	५६	१६	२५	३	मेषे	भ. ५।३५ उ. ३९ या. रेवत्यां शुक्रः ५५×
५	गु ४५ ४ श्र १३ ५ वै १७ ३१ ब १२ ६	४४	३	५७	१७	२६	४	वृ.२९।५२	उभा. रविः ५२।३३ (सौरः ५४।३६)
६	शु ५० ३३ कृ २० १६ वि १९ २४ कौ १७ ४८	४९	२	५८	१८	२७	५	वृषे	×विशा. ४ राहुः कृत्ति. २ केतुः ३४
७	श ५५ ७ रो २७ ३ प्री २० ३४ ग २२ ५०	५३	१	५८	१९	२८	६	मि५९।२३	भ. ५५।७ उ शते बुधः १३।३१
८	र ५८ १२ मृ ३१ ४४ आ २० ३८ वि २६ २९	५७	१	५९	२०	२९	७	मिथुने	भ. २९।३९ या. होलाष्टकः
९	चं ५८ ३१ आ ३४ ४७ पु १० १२ आ २८ २१	३०	६	५९	२१	३०	८	मिथुने	
१०	मं ५७ ४० पु ३५ ५३ शे १६ २६ पु ३८ ५	६	५९	०	२२	१	९	क.२१।२	रा. चैत्रारंभः सं० १९१६
११	बु ५५ ५३ पु ३५ ५ अ १२ ५ व २६ ४६	१०	५८	१	२३	२	१०	कर्के	भ.३६ उ.५३ या. आमलकी ११ ब्र. स्मा.
१२	गु ५० ५६ श्ले २२ २५ मु ६ ५३ ब २३ २६	१४	५७	२	२४	३	११	सिं३२।२२	वक्री स्वाती ४ गुरुः २७ आमलकी११ब्र.वै.
१३	शु ४४ १४ म २७ ५० मू ४९ २५ कौ १७ ३६	१८	५६	३	२५	४	१२	सिंहे	पूभा. भौमः १।११ प्रदोषः
१४	श ३६ ८ पू २१ ३९ गं ३९ २६ ग १० ११	२३	५५	४	२६	५	१३	कं.३४।५५	भ. ३६।८ उ. होलिकादहनं भद्रापुच्छे
१५	र २७ ५ उ १४ ४३ वृ २९ ३ वि १ ३६	२७	५५	५	२७	६	१४	कन्यायां	भ. ३९ या. अश्वि. मेषे शुक्रः ४३ छारेंडी

४९पं.फा.शु.३मं.इ.३७।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	११	१०	७	११
१	१२	३	२०	१५	११	३	१
५	४०	४५	२९	३	३५	२४	३
३१	२६	११	४२	११	१०	५	२१
५९	४६	४१	४३	७४	७	३	५९
४१	१३	५२	ब	२०	२	११	४९

गोचरग्रहाः

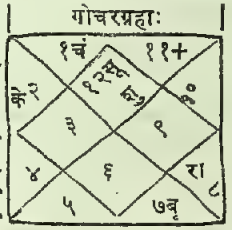

फा शु. २ चंद्रे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुको. प.।

गोचरग्रहाः

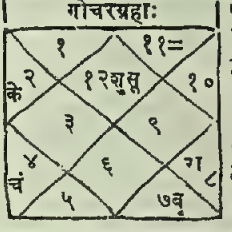

५०पं.फा.शु.१०मं.इ.३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	११	१०	७	११
८	१८	१०	२०	२३	१२	३	८
३	९	३६	६	४४	२३	१	१
१८	४७	१४	४	६	२८	४२	१६
५९	४६	६८	४	७४	६	३	५९
२९	८	५३	ब	१७	१०	१	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०५० शाकः १९१५	दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं १७ ३४ ह ७ ७ द्यु १८ २२ कौ १७ ३४	३१	५	५४	६	३८	७	१५ तु.३३।३४	वसत १
२	मं ८ १ चि २ ५२ व्या १५ ४९ ग ८ १	२५	५	३	७	२९	८	१६ तुलायां	भ. ३३।३६ उ. ५९।१२ या.
३	मं ५१ ११ ८ ० ० ० ० ० ८ ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
४	बु ५१ १९ वि ४६ ५२ ध ४८ ३७ ब २५ १५	३९	५२	८	३०	९	१७	वृ.३३।२१	पूभा. बुधः ६।४९ चतुर्थी ब्र.
५	गु ४४ ३७ अ ४१ ११ सि ४० ४४ कौ १७ ५८	४४	५३	९	३१	१०	१८	वृश्चिके	रेवत्यांरविः ३९ (सौरः ३४) शते ३ शनिः ६
६	शु ३९ २८ ज्ये ३९ २६ व्य ३३ ५२ ग १२ २	४८	५०	१०	१	११	१९	ध.३९।३६	भ. ३९ उ.अप्रेल मा.४ ता.३० शीतला पू.
७	श ३६ ३ मू ३७ ४० ध २८ ३६ वि ७	४५	५२	५०	१०	२	१२	२० धनुषि	भ. ७।४५ या.
८	र ३४ ११ पू ३७ ४९ ष २४ २६ बा ५ ७	५६	४९	११	३	१३	२१	म.५३।१७	
९	चं ३३ ५७ उ ३९ ४१ शि २१ ३७ ते ४ ४	३१	४८	१२	४	१४	२२	मकरे	
१०	मं ३५ २१ श्र ४२ ५३ सि २० ८ ध ४ ३९	४	४७	१३	५	१५	२३	मकरे	भ. ४।३९ उ. ३५ या. मीने बुधः ५२।४२
११	बु ३७ ५३ ध ४७ २१ सा १९ ४४ ब ६ ३७	८	४६	१४	६	१६	२४	कुं.१५।१३	मीने भौमः ४७।४४ पापमोचनी ११ ब्र.
१२	गु ४१ ४८ श ५२ ५३ शु २० २५ कौ ९ ५०	१२	४६	१४	७	१७	२५	कुम्भे	भरण्यां शुक्रः ३१।१८ उभा. बुधः ५९।२१
१३	शु ४६ २८ पू ५९ २२ शु २१ २३ ग १४ ८	१६	४५	१५	८	१८	२६	मी४२।४४	भ. ४६।२८ उ. प्रदोषः
१४	श ५२ ९ उ ६० ० ब्र २३ ५ व १९ १८	२०	४४	१६	९	१९	२७	मीने	भ. १९।१८ या.
१५	र ५७ ५४ उ ६ ७ ऐं २४ ५५ च २५ १	२४	४३	१७	१०	२०	२८	मीने	मन्वादिः

५१पं.चै.कृ.२मं.इ.३८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	०	१०	७	११
१४	२३	१९	१९	२	१३	२	१४
५९	३८	२१	३३	२२	१०	३९	५७
१३	५३	१९	४७	३८	१६	३४	२३
५९	४६	८०	१४	७४	६	३	५९
१६	८	५५	ब	८	३३	११	१८

गोचरग्रहाः

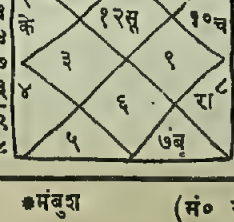

इस मास में रुई पाट वारदाना शेयर सोना चांदी अलसी अरहर सिरसों गुड़खांड़ मटरमें घटाबढ़ीके साथ मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.कृ.१०मं.इ.३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	६	०	१०	७	११
२१	२९	२९	१८	११	१३	२	२१
५३	६	३७	५५	०	५४	१७	५१
३१	४७	३७	८	५०	५८	१८	३४
५९	४६	९४	१	७४	६	३	५९
४	८	४३	ब	२	२०	११	४

+मंबुश •मंबुश (सं० २००१ समारम्भ २१००पर्यन्तम्) =मंबुश ×मंबुश

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन्वर्षे सृष्टितोगताब्दाः १९५५८८५०९५ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९५ भोग्यकलिः ४२६९०५ अथास्मिन्शुभसंवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्य राज्यतोगताब्दाः संम्वत् २०५१ शाकः १९१६ वर्षेऽस्मिन् राजाचंद्रः । मंत्री– बुधः । सस्येशः शनिः । धान्येशोगुरुः । मेघेशोबुधः । रसेशश्चंद्रः । नीरसेशः शनिः । फलेशोभौमः । धनेशः शुक्रः दुर्गेशोभौमः । एतेदशाधिकारिणः । तत्रबार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानांमध्ये विष्णुविंशतिकायां सर्वजिन्नाम संवत्सरः प्रवर्त्तते तस्य मेषार्कसमयेगतमासादिः ९।७।४५।४०।। भोग्यमासादिः २।२२।१४।२०।। त्वष्टृ–दैवतंयुगम् । वर्षनाम चैत्रः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समयनिवासोमालाकारगृहे । समयविश्वा ५ समय वाहनं मृगः । स्तम्भा ३ जलान्नवायूनाम् । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी२ । अंगारकी चतुर्थी २। बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी १ । रविदशमी २। समय मुहूर्ता ३६० । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १५। तिथिवृद्धिः १०। उत्पत्ति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ८४ वर्षाविश्वा ७ धान्यं १७ तृणम् ११. शीतं ९. तेज११, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५ निग्रह : ११ ऐक्यं १०९ सत्यं ।। धर्म १।। पाप १८ शनिदृष्टिरुत्तरे ग्रहणाऽभावः ।

भैरव भवानी सम्वाद

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

भैरव प्रश्न

जय जयदंबे मातचंडिके भैरव पूछे बात यही ।
इक्कावन संवत्सरका सब हाल सुनादो सही सही

भवानी उत्तर

माता कहती है ध्यान लगा सुण भैरव फल संवत्सरके
हैं राष्ट्रपती श्रीनिशानाथ शुभ फल सूचक हैं घरघरके ।
मंत्री का पद युवराज लिया अरुवसी रोहिणी सागरमें
धान्येश जहां हों देव पूज्य रहता आनंद चराचर में
फलपति अरु दुर्गेश भौम नहिं वे चूकेंगे लाखोंमें
कहिं युद्ध रचावें धरणीपर अरु विघ्न मचावें साखोंमें
अनजल वायू के स्तंभतीन ये रक्षक हैं संवत्सरके
सवविघ्नविपत्ती दूर होंय जव ध्यानधरें विश्वंभरका ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षलग्नम् ११।१०

वर्षेश लग्नम् १०।१२

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३२।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४५।४०

अथाधिकारिणां फलम् ।।अथास्मिन्बर्षेराजा चन्द्रस्तत्फलम्-चन्द्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरंच धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् । मंत्रीबुधस्तत्फलम्–शशिसुतें ननु मंत्रिपदं गते स्व-पतिनारमते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुवाजिसमन्वितं यवमसूरचणान्न–महर्घता ।। सश्येशः शनिस्तत्फलम्– रविसुतेयदि धान्यपतौजना नृपतिभिः परिपीड़ित विग्रहाः । गदभयं तुषधान्यहरंसदादुरितवादविवादयुतानराः धान्योशोगुरुस्तत्फलम्-गुरौ धान्याधिपेयाते यवगोधूमशालयः । पच्यंते सर्व देशेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः ।। मेघेशोबुधस्तत्फलम्–अमृतरस्मिसुतेयदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् द्विजवरायजनोत्सुकचेतसो विविध सौख्ययुता धरणी तदा ।। रसेशश्चन्द्रस्तत्फलं-यदि वि धौरसपेभुविमानवा नवनवां बुभुजे युवतीं प्रियाम् । जलधराबहुवारिविधायका रसवती धनधान्यवती मही ।। फलेशोः भौम-स्तत्फलम्-फलपतिर्यदि भूतनयोभवेन्नबहुपुष्पफलान्वित पादपाः । गद्भयान्वित-देशजनास्तदानृपतयोबहुविग्रहकारकाः ।। नीर-सेशः शनिस्तत्फलं-अयः पिंडादिलोहानां कृष्णवस्त्रादिवस्तुनां । अर्धवृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम्-यदिफलस्यपतौ भृगुजेधरा मुदुकुमारमहीरुहराशयः । बहुफला नरनाथसुभोगदा द्विजवराश्श्रुति–पाठ–परायणाः । दुर्गेशोभौम स्तत्फलं-अवनिजे गढनायकतांगते विविध, दुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भयविशेषतयान फलं क्वचित् ।। सर्वजिन्नामसंवत्सरस्तत्फलम्-सर्वजिद्वत्सरे सर्वे जनास्त्रिदश सन्निभाः ।। राजानो - विलयं यांतिभीमसंग्राम–भूमिषु ।। वर्षनाम चैत्रस्तत्फलम्-सस्यानिघृकार्पास तैलादिसुख संचयः । चैत्रवर्षे भवेद्वृद्धिः नृपसौख्यफलप्रदाः । मेघनाम पुष्करस्तत्फलम्-पुष्करे मंद वृष्टिश्च । रोहिणी निवासः समुद्रेत्तत्फलम्-समुद्रेतु महाबृष्टिः ।। समयनिवासो मालाकारगृहे फलम्-मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवं संचिन्त्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं. २०५१ मध्ये विवाह मूहूर्ताः

चैत्रमासः

शुक्ला ३ गुरौ रो.ल. १० (घ.४६।३४या) रे६ ऽ।।।।।।।।
" ५ शनौ मृगे ल. ऽन्यगो ६ रे. ६ ।।।।ऽऽ।ऽ घन लग्ने चंद्रः ७ मः पूज्य
" १० गुरौ मघा. ल. गो. रे ७।ऽ।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः ।
" १२ शनौ उफा. ल. ऽन्यगो. १० रे. ६ ऽ।।।।।।।।

वैशाखमासः

कृष्णा २ बुधे अनु. ल. गो. रे. ६ ।ऽ।।ऽऽ नृ ऽ।।
" ४ शुक्रे मूले ल. गो. १० रे. ८।।।।।ऽ चौ ।ऽ।।
" ११ शुक्रे उमा. ल. १० रे. ७ ।ऽ।।। ऽ नृ.।ऽ।।
शुक्ला ७बुधे. मघा. ल.ऽन्यगो रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।
१० शुक्रे उफा. ल. गो. रे ८।ऽ।।।।।ऽ।।

ज्येष्ठमासः

कृष्णा २ गुरौ मूले. ल. गो. रे. ८।ऽ।।ऽ।।।।।
" ६ गुरौ उभा. ल. ऽन्यगो. रे ६ ।।।।।।।ऽ।।
शुक्ला ५.भौमे मघा. ल. ऽ न्यगो. रे ८।ऽ।।ऽअ।।।।
८ शुक्रे हस्ते ल. २ रे ७ ।ऽ।।।ऽ अ ऽ।।।
" १३ भौमे अनु. ल. ऽन्य. गो. २ रे ७।।।।ऽऽ चौ ऽ ।।। बृषे (चंद्रः ७ मे पूज्यः)

आषाढमासः

कृष्णा १ शुक्रे उषा ल. २ (घ. ५७।०उ.) रे १०।ऽ।।।।।।।।
कृष्णा७ गुरौ उभा. ल. ऽन्यगो. रे. ८।।।।।।।ऽ।ऽ दग्धादोषः
" ८ शुक्रे रेव. ल. ऽन्यगोरे. ७।।।।। ऽ चौ ऽऽ।।

मार्गशीर्षमासः

शुक्ला ४ भौमे उषा. ल. ऽ.न्य गो. रे. ६।।।।।ऽ अ।।।।
" ८ शनौ उमा. ल. ४-६ रे ६।।।।।ऽ चौ ।।।।कर्कल. घ ३६।२७उ कन्याल. चं. ७ पूज्यः
" १० चन्द्रे रेव. ल. ४-६ रे. ६ ।ऽ।।।ऽरोऽऽ।। कन्यालग्नं घटी ४५।३६ यावत् चं. ७ पूज्य.

माघमासः

कृष्णा५ शनौ उफा. ल. गो. ८-६ रे ८ऽ।।।।।।ऽ।।
" ६ रवौ हस्ते. ल. गो. रे. ७ ऽ।।।।ऽ रो ऽ।।।
शुक्ला४ शुक्रे उभा. ल. ८।६ रे. ७।।।। ऽ अ ऽऽ।।
" ५ शनौ रेव. ल. ऽन्य गो. ८।६ रे १० ।।।।।।।।।।
" ८ बुधे रोहि ल. ८ (घ. ४८।२० उ) रे ८।।।।।। ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः
" ६ गुरौ. रोहि. ल. गो. ६रे. ७।।।।। ऽ रो ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

फाल्गुनमासः

कृष्णा२ शुक्रे उफा. ल. ८ रे ८।।।।। ऽनृप ऽ।।।
" ३ शनौ हस्ते ल. गो. ८ रे ८।।।।।।।ऽ।ऽ दग्धादोषः
शुक्ला१ गुरौ उभा. ल. ८ रे ७ ।ऽ।।।ऽ रो ऽ।।।
" २ शुक्रे. उभा. ल. ६ रे.८।ऽ।।।ऽ।।। चं. ७ मः पूज्यः
" ७ बुधे रोहि. ल. ऽ न्य गो. ६ रे ८।।।।।।ऽऽ।।

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्री चैत्र शुक्ल पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ७३६ सन् १९९४
१	चं	६०	०	रे	१३	२६	वै	२७	१४	किं	३१	६	३५/२७	५/४३	६/१७	२१	२९	११	मे.१३।२६	उमा. भौमः ०।५८ संवत्सरारंभः
१	मं	४	१८	अ	२१	९	वि	२९	४१	ब	४	१८	३०	४२	१८	२२	३०	१२	मेषे	चंद्रदर्शनम् नवरात्रारंभ :
२	बु	१०	२९	भ	२५	११	प्री	३२	१०	कौ	१०	२९	३४	४१	१९	२३	१	१३	बृ४५।५९	अश्वि. मेषेऽर्क ५४।१७ (सौर ५६।३४)=
३	गु	१६	४६	कृ	३६	२२	आ	३३	५८	ग	१६	४६	३८	४०	२०	२४	२	१४	वृषे	भ. ४९।३४ उ. गणगोरी मत्स्यज.
४	शु	२२	२२	रो	४२	३०	सौ	३५	३३	वि	२२	२२	४२	४०	२०	२५	३	१५	वृषे	भ. २२।२२ या. रेवत्यां बुधः ४१।३२.
५	श	२७	८	मृ	४८	२९	शो	३६	२९	वा	२७	८	४६	३९	२१	२६	४	१६	मि१५।३४	[=सिंघारा जिल्काद ११
६	र	३०	३२	आ	५२	४७	अ	३६	२०	तै	३०	३२	५०	३८	२२	२७	५	१७	मिथुने	[8 बुधास्तः पूर्वस्यां १८।३८.
७	चं	३२	४७	पु	५५	३२	सु	३४	५३	ग	१	३९	५३	३७	२३	२८	६	१८	क३९।५३	भ. ३२।४७ उ. कृत्ति शुक्रः २४।५१8
८	मं	३३	७	पु	५६	४२	धृ	३२	३	वि	२	५७	५७	३७	२३	२९	७	१९	कर्के	भ. २।५७ या. [A भा. वैशाखारंभः
९	बु	३१	४९	श्ले	५५	५५	शू	२७	४३	बा	२	२८	३२/१	३६	२४	३०	८	२०	सिं५५।५५	रामनवमी पातस्पर्शः ८।४५ मोक्षः २३/२९
१०	गु	२७	२१	म	५३	९	गं	२१	४९	ग	२७	२१	५	३५	२५	१	९	२१	सिंहे	भ. ५५।११ उ. वृषे शुक्रः ७।२७ A
११	शु	२३	२	पू	४८	३५	वृ	१४	२२	वि	२३	२	९	३४	२६	२	१०	२२	सिंहे	भ. २३।२ या. अश्वि.मेषे बुधः४०।३६B
१२	श	१६	१	उ	४२	३१	ध्रु	५/४३	५०/१५	वा	१६	१	१२	३४	२६	३	११	२३	कं.२।४	प्रदोषः [B कामदा ११ व्र.
१३	र	७	४१	ह	३५	२३	ह	४५	१६	तै	७	४१	१६	३३	२७	४	१२	२४	कन्यायां	भ. ५८।२ उ.,
१४	र	५०	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	[÷ ३०।२४ हनुमज्जयंती.
१५	चं	४७	५९	चि	२७	२८	व	३४	१९	वि	२३	०	२०	३२	२८	५	१३	२५	तु.१।२५	भ. २३।० या वक्री स्वाती ३ गुरुः ÷

१ पं. चै.शु.२बु.इ. ५४।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	६	०	१०	७	११
०	५	१३	१८	२१	१४	१	२९
०	३३	२४	१	९	४७	५१	५७
०	४	५८	४४	४३	२४	१४	४६
५८	४६	०/०	७/११	७३	५	३	५८
४४	४	०/७	व.	५६	५४	११	४५

गोचर ग्रहाः

२केचं बुमं१२ सू १ शु ११ श ३ ४ १० ७ ९ ५ ६ वृ ८रा

चैत्र शुक्ला २ बुधे मेषे ऽर्कः प्रविष्टः वाः. न. प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिर्भाव समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

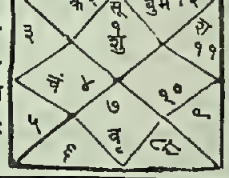

के२ सू १ शु बुमं१२ शे ११ ३ चं ४ १० ७ ९ ५ ६ वृ ८रा

२ पं. चै.शु.९बु.इ.५४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	६	०	१०	७	०
६	१०	२४	१७	२९	१५	१	६
५०	५८	२८	११	४४	२६	२८	४७
४२	२३	५९	६	१०	५३	५८	५७
५८	४५	०/०	७	७३	५	३	५८
३१	५३	०/२५	४३	५०	३२	११	२९

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्रा
१	मं	३७	५२	स्वा	१९	३४	सि	२३	२१	बा	१२	५५	३२/२३	५/३१	६/२९	६	१४	२६	वृ५८।४६	[÷(सौर: ३७।५९).
२	बु	२८	२८	वि	११	५०	व्य	१२	४५	तै	३	१०	२७	३१	२९	७	१५	२७	वृश्चिके	भ. ५४।१० उ. भरण्यां रवि. ३४।३०÷
३	गु	१९	५३	अ	५	१४	व	२/५८	५१/२५	वि	१९	५३	३१	३०	३०	८	१६	२८	वृश्चिके	भ. १९।५३ या. रेवत्यां भौमः 8
४	शु	१२	४५	ज्ये	०/१	५६/३५	शि	४७	१६	बा	१२	४५	३४	२९	३१	९	१७	२९	घ.०।१	भरण्यां बुधः ८।१९ रोहि. शुक्रः १८।५३
५	श	७	३५	पू	५५	१	सि	४१	४४	तै	७	३५	३८	२८	३२	१०	१८	३०	धनुषि	[8१८।४८ च. व्र.
६	र	४	१६	उ	५५	२२	सा	३७	४७	व	४	१६	४१	२८	३२	११	१९	१	म.१०।७	भ. ४।१६ उ.३३।४०या मई ५ ता. ३१+
७	चं	३	४	श्र	५७	५२	शु	३५	२५	ब	३	४	४५	२७	३३	१२	२०	२	मकरे	[+पातस्पर्शः ३४।४३ पातमोक्षः५३।१७
८	मं	३	५०	ध	६०	०	शु	३४	२१	कौ	३	५०	४८	२६	३४	१३	२१	३	कुं.२९।५३	[Aशर्ताभिषा ४ शनिः ४१।२८.
९	बु	६	११	ध	१	५५	ब्र	३५	६	ग	६	११	५२	२६	३४	१४	२२	४	कुंभे	भ. ३८।११उ.
१०	गु	१०	११	श	७	२५	ऐं	३६	८	वि	१०	११	५५	२५	३५	१५	२३	५	मी५७।१७	भ. १०।११ या कृति बुधः १७।५७ A
११	शु	१५	१९	पू	१३	५५	वै	३८	७	बा	१५	१९	५८	२४	३६	१६	२४	६	मीने	वृषे बुधः ५३।६ वरूथिनी ११ व्र.
१२	श	२१	२२	उ	२०	५९	वि	४०	२७	तै	२१	२२	३३/२	२४	३६	१७	२५	७	मीने	प्रदोषः
१३	र	२७	२०	रे	२८	४३	प्री	४२	५०	व	२७	२०	५	२३	३७	१८	२६	८	मे.२८।४३	भ. २७।२० उ.
१४	चं	३३	४०	अ	३६	१९	आ	४५	१८	वि	०	३०	८	२२	३८	१९	२७	९	मेषे	भ. ०।३० या.
३०	मं	३९	४६	भ	४३	४०	सौ	४७	३६	च	६	४३	११	२२	३८	२०	२८	१०	मेषे	मृगे शुक्रः २०।२१.

३ पं.वै.कृ.२बु.इ. ५४।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	६	१	१०	७	०
१३	१६	१०	१६	८	१६	१	१३
३९	२१	४५	१९	१६	३	६	३६
४७	४३	२९	५	४४	३२	४२	२२
५८	४५	१२६/५	५/५२	७३	५	३	५९
१९	४९	१२/१२	व.	४४	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

केशु२ सू १ बु १२मं ११ श ३ ४ १० ७ ९ ५ ६ वृ चं८रा

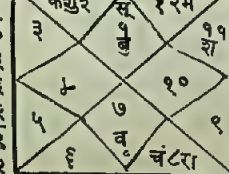

वैशाख शुक्ल ४ शनौ वृषेऽर्क प्रविष्टः वा. ४ न. ४ बृद्धा वस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

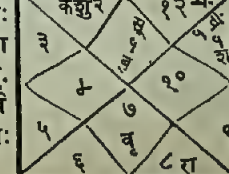

केशु२ १२मं सू १ बु ११ श ३ ४ १० ७ ९ ५ ६ वृ ८रा

४ पं.वैं.कृ.९बु.इ. ५५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	६	१	१०	७	०
२०	२१	२५	१५	१६	१६	०	२०
२७	४४	५१	२५	४७	३६	४४	२३
५५	३५	५८	४४	४९	२५	२७	०५
५८	४५	१२६/५	५/५२	७३	४	३	५७
६	३९	१२/५	व.	२८	३८	११	५७

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६												दि	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुतरेऽहर्ग. ७६६ सन् १९९४
१	बु	४५	२९	कृ	५०	४६	शो	४९	२८	किं	१२	३७	३३/१४	५/२१	६/३९	२१	२९	११	बृ.०।२५	कृति रवि २०।२६ (सौर; २५।५१) रोहि-
२	गु	५०	२९	रो	५७	२	अ	५०	५१	बा	१७	५९	१७	२१	३९	२२	३०	१२	वृषे	चंद्र दर्शनम् [—बुधः४०।४७ बुधोदयः:
३	शु	५४	४८	मृ	६०	०	सु	५१	३४	तै	२२	३८	२०	२०	४०	२३	१	१३	मि. २९/४७	परशुराम जयंती अक्षया ३ जिल्हेज १२
४	श	५७	५९	मृ	२	३२	धृ	५१	२०	व	२६	२३	२३	१९	४१	२४	२	१४	मिथुने	भ.२६।२३उ.५७।५९या. बृषेऽर्क४७।४१8
५	र	६०	०	आ	७	१	शू	५०	३७	ब	२९	४	२६	१९	४१	२५	३	१५	क५४।४४	अश्वि. मेषे भौमः ४५।३ मिथुने शुक्रः ५१/५२
५	चं	०	९	पु	१०	३९	गं	४८	४९	बा	०	९	२८	१८	४२	२६	४	१६	कर्के	[::पश्चिमायां४०।२९ [8सौरः५३।३६
६	मं	०	५६	पु	१२	४४	वृ	४५	४७	तै	०	५६	३१	१८	४२	२७	५	१७	कर्के	भ.०।२९ उ.२८।४५ या.विशा.३ तुलायांA
७/८	बु	०/२९	५७/३१	श्ले	१३	३४	ध्रु	४१	२७	व	०	२९	३४	१७	४३	२८	६	१५	सिं१३।३४	[Aराहुः कृत्ति १ मेषे केतुः ५४।१०
९	गु	५४	४४	म	१२	४०	व्या	३५	५७	बा	२५	५२	३७	१७	४३	२९	७	१९	सिंहे	मृगे बुधः ०।५५
१०	शु	४९	२६	पू	१०	१३	ह	२९	५	तै	२२	५	३९	१६	४४	३०	८	२०	कं२४।१२	[B-२१।२८ मोहिनी११व्र
११	श	४२	५०	उ	६	११	ब	२१	१०	व	१६	८	४२	१६	४४	३१	९	२१	कन्ययां	भ. १६।८ उ.४२।५० या. आर्द्रा शुक्रःB
१२	र	३४	४९	ह	०/५५	५३/३२	सि	१२	११	ब	८	४९	४४	१५	४५	१	१०	२२	तु२७।५१	वक्री स्वाती २ गुरुः २२।२८भा.ज्येष्ठारंभ
१३	चं	२५	४७	स्वा	४७	१४	व्य	२/१३	४९/३६	कौ	०	१८	४७	१५	४५	२	११	२३	तुलायां	मिथुने बुधः १८।३९ प्रदोषः नृसिंह १४
१४	मं	१६	८	वि	३९	४४	प	४१	१०	व	१६	८	४९	१४	४६	३	१२	२४	वृ२६।३७	भ. १६।८ उ. ४१।१८ या.
१५	बु	६	२८	ग्र	३२	२६	शि	३०	५६	ब	६	२८	५२	१४	४६	४	१३	२५	वृश्चिके	रोहि. रविः ११।१५(सौरः १९।४६)

५पं.वै.शु. १बु. इ. ५५।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	६	१	१०	७	०
२७	२७	१०	१४	२५	१७	०	२७
१३	५	३१	३३	१५	६	२२	८
३७	२४	१२	२२	५४	४	११	१९
५७	४५	२९/१४	७/३८	७३	४	३	५७
५४	३४		व.	१६	४	११	४५

६ पं.वै.शु. ७बु.इ.५५।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	६	२	१०	६	१
३	२	२३	१३	३	१७	२९	३
५८	२३	१०	४३	४२	३१	५९	५२
३७	५६	४४	५९	१४	१६	५६	०
५७	४५	०/५४	६/५७	७३	३	३	५७
४४	२२		व	२	३१	११	३४

७पं.वै.शु.१५बु.इ.५५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	६	२	१०	६	१
१०	७	३	१२	१२	१७	२९	१०
४२	३८	१३	५९	६	५२	३७	३४
२९	४६	२३	१३	२५	२३	४०	११
५७	४५	७३	६/११	७२	२	३	५७
३५	८	५८	व	४७	४६	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुतरेवैशाखकृष्णति महाराष्ट्रा
१	बु	५०	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
२	गु	४९	७	ज्ये	२५	५७	सि	२१	१५	तै	२३	६	३३/५४	५/१३	६/४७	५	१४	२६	घ२५।५७	
३	शु	४२	१९	मू	२०	४७	सा	१२	३५	व	१५	४३	५६	१३	४७	६	१५	२७	धनुषि	भ. १५।४३ उ. ४२।१९ या.
४	श	३७	२५	पू	१७	१३	शु	५/२९	५४/१४	ब	९	५२	५८	१२	४८	७	१६	२८	म३१।४९	आर्द्रा बुधः ४३।७ चतुर्थी व्रत
५	र	३४	३८	उ	१५	३७	ब्र	५५	५४	कौ	६	१	३४/०	१२	४८	८	१७	२९	मकरे	
६	चं	३४	६	श्र	१६	२७	ऐं	५३	४०	ग	४	२२	२	१२	४८	९	१८	३०	कुं४७।४७	भ. ३४।६ उ.
७	मं	३५	३१	ध	१९	८	वै	५३	२२	वि	४	४८	३	११	४९	१०	१९	३१	कुंभे	भ. ४।४८ या.
८	बु	३८	५६	श	२३	५२	वि	५३	४६	बा	७	१३	५	११	४९	११	२०	१	कुंभे	पुन. शुक्र ३२।२० जून ६ ता. ३०
९	गु	४३	४२	पू	२९	४६	प्री	५५	३०	तै	११	१९	७	११	४९	१२	२१	२	मी१३।१७	भरण्यां भौमः ३२:२४
१०	शु	४९	३८	उ	३७	४	प्री	५७	४७	व	१६	४०	९	१०	५०	१३	२२	३	मीने	भ. १६।४० उ. ४९।३८ या.
११	श	५५	४५	रे	४४	२४	सौ	६०	०	व	२२	४१	१०	१०	५०	१४	२३	४	मे४४।२४	अपरा ११ व्रतम्
१२	र	६०	०	अ	५२	९	सौ	०	२२	कौ	२८	५५	१२	१०	५०	१५	२४	५	मेषे	
१२	चं	२	५	भ	५९	२९	शा	२	५६	तै	२	५	१३	९	५१	१६	२५	६	मेषे	प्रदोषः
१३	मं	८	४	कृ	६०	०	अ	५	१२	व	८	४	१५	९	५१	१७	२६	७	वृ१६।१२	भ. ८।४ उ. ४०।४५ या.
१४	बु	१३	२५	कृ	६	२३	सु	७	२	श	१३	२५	१६	९	५१	१८	२७	८	वृषे	मृगे रविः ६।८ (सौरः १८।३६)
३०	गु	१७	४८	रो	१२	१६	धृ	८	८	ना	१७	४८	१७	९	५१	१९	२८	९	मि४४।४९	कर्के शुक्रः ५७।११ वटार्चनम्

८पं. ज्ये.कृ. ८बु.इ.५५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	६	२	१०	६	१
१७	१२	१०	१२	१०	१८	२९	१७
२५	५२	१७	२०	२८	९	१५	१५
१९	३०	२८	१०	५	२५	२४	१७
५७	४४	४०	५	७२	२	३	५७
२७	५५	५६	११	२५	७	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में अनाज गल्ला जौ गेहूं चना रुई बिनोला मटर अरहर सोना चांदी तेज हो किराना लाख-चपड़ा मंदा हो

गोचर ग्रहाः

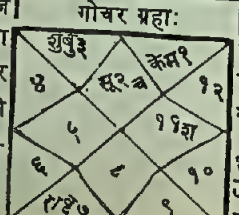

९पं.ज्ये.कृ.१४बु.इ५५।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	६	२	१०	६	१
२४	१८	१३	११	२८	१८	२८	२३
७	३	५६	४७	४६	२०	५३	५५
१९	११	३१	४२	५	५६	९	१३
५७	४४	७	४/२	७२	१	३	५७
२२	४३	५५	व	२	२८	११	५

ति.	ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ऽहर्ग. ७९६ सन् १९९४
१	शु	२१	१७	मृ	१७	२१	शू	८	२५	ब	२१	१७	३४/१८	५/८	६/५२	२०	२९	१०	मिथुने	वक्री बुधः ५७।४४
२	श	२३	२९	आ	२१	१६	गं	७	४९	कौ	२३	२९	१९	८	५२	२१	३०	११	मिथुने	चंद्र दर्शनम्
३	र	२४	५३	पु	२४	१४	वृ	६	३९	ग	२४	५३	१९	८	५२	२२	१	१२	क८।३०	भ.५५।०उ.पुष्ये शुक्रः ५०।२४ मोहोरमA
४	चं	२५	७	पु	२६	२	ध्रु	४	२५	वि	२५	७	२०	८	५२	२३	२	१३	कर्के	भ. २५।७ या. [A१ सन् १४१५ हि.
५	मं	२४	२२	श्ले	२६	५८	व्या	१/३९	५६/२४	बा	२४	२२	२१	८	५२	२४	३	१४	सिं. २६/५८	
६	बु	२२	२७	म	२७	१	व	५३	२६	तै	२२	२७	२१	८	५२	२५	४	१५	सिंहे	मिथुनेऽर्क ४।४२ (सौरः १९।२४)
७	गु	१९	२५	पू	२५	४८	सि	४६	४९	व	१९	२५	२२	८	५२	२६	५	१६	क.४०।१४	भ. १९।२५ उ. ४७।२८ या. बुधास्तः×
८	शु	१५	३१	उ	२३	३४	व्य	४१	३५	ब	१५	३१	२२	८	५२	२७	६	१७	कन्यायां	[×पश्चिमायां ५।२६
९	श	१०	३४	ह	२०	१६	व	३४	१४	कौ	१०	३४	२३	७	५३	२८	७	१८	तु.४८।३	[=११व्र. स्मा.
१०	र	४	२६	चि	१५	५०	प	२६	१६	ग	४	२६	२३	७	५३	२९	८	१९	तुलायां	भ. ३०।५६ उ. ५७।२६ या. निर्जला =
११	र	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ ३।३७ (सौरः २०।५७) वक्री शनिः+
१२	चं	४९	३५	स्वा	१०	३४	शि	१७	३४	ब	२३	३०	२३	७	५३	३०	९	२०	वृ.५१।१२	कृत्ति. भौमः ४२।४८ निर्जला ११ व्र. वै.
१३	मं	४१	२०	वि	४/४४	५३/५१	सि	८/२०	५०/३३	कौ	१५	२७	२४	७	५३	३१	१०	२१	वृश्चिके	प्रदोष व्रत [+४७।९ भा.आषाढारंभः
१४	बु	३२	५६	ज्ये	५२	२९	शु	४९	३८	ग	७	८	२४	७	५३	१	११	२२	ध.५२।२९	भ. ३२।५६ उ. ५९।१ या. आर्द्रा.रविः÷
५	गु	२५	५	मू	४७	७	शु	४१	२	ब	२५	५	२४	७	५३	२	१२	२३	धनुषि	गुर्जराणां वट सावित्री व्र.

१०पं.ज्ये.शु.६बु.इ.५५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	६	३	१०	६	२
०	२३	१४	११	७	१८	२८	०
४८	११	१	२३	०	२८	३०	३४
३६	२४	१	३८	५४	८	५३	२२
५७	४४	१९/१९	२/४९	७१	०	३	५६
१७	२७	व.	व.	३४	४९	११	५७

गोचर ग्रहाः

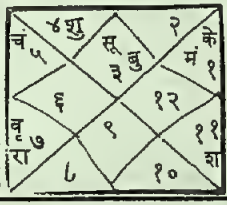

ज्येष्ठ शुक्ले ६ बुधे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टःवा. ५ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३०धान्या दिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

११पंज्ये.शु१४बु.इ५५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	६	३	१०	६	२
७	२८	११	११	१५	१८	२८	७
२९	१७	१२	७	११	३०	८	१२
३१	४६	१४	४४	५६	४३	३८	४९
५७	४४	३२/४९	१/२९	७१	०/१	३	५६
१३	११	व.	व.	७	व.	११	५४

ति.	आषाढ कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	शु	१८	८	पू	४२	५२	ब्र	३३	९	कौ	१८	८	३४/२४	५/७	६/५३	३	१३	२४	म५७।०.	आश्ले शुक्रः ९।५१
२	श	१२	३९	उ	३९	५६	ऐं	२६	२५	ग	१२	३९	२४	७	५३	४	१४	२५	मकरे	भ. ४०।४१ उ. वृषे भौमः १४।९
३	र	८	४४	श्र	३८	१०	वै	२१	१८	वि	८	४४	२३	७	५३	५	१५	२६	मकरे	भ. ८।४४ या. चतुर्थी व्रत
४	चं	७	९	ध	४०	१७	वि	१७	४३	बा	७	९	२३	७	५३	६	१६	२७	कुं ९।४६	
५	मं	७	२०	श	४३	३४	प्री	१५	४७	तै	७	२०	२२	८	५२	७	१७	२८	कुंभे	[×५५।२९
६	बु	९	४४	पू	४५	३१	आ	१५	३३	व	९	४४	२२	८	५२	८	१८	२९	मी३२।१७	भ. ९।४४ उ. ४१।४६ या. मार्गी गुरु×
७	गु	१३	४७	उ	५५	०	सौ	१६	१२	व	१३	४७	२१	८	५२	९	१९	३०	मीने	
८	शु	१९	१८	रे	६०	०	शो	१८	१८	कौ	१९	१८	२०	८	५२	१०	२०	१	मीने	वक्री मृगे बुधः २६।७ जौलाई ७ ता. ३१
९	श	२५	५	र	२	३	अ	२०	२०	ग	२५	५	१९	८	५२	११	२१	२	मे. २।३	भ. ५८।२० उ.
१०	र	३१	३४	अ	९	४६	सु	२३	४	वि	३१	३४	१८	८	५२	१२	२२	३	मेषे	भ. ३१।३४ या.
११	चं	३७	२९	भ	१७	१२	धृ	२५	२९	ब	४	३१	१७	९	५१	१३	२३	४	बृ३३।४१	बुधोदयः पूर्वस्याम् ४५।३७ योगिनी ११व्र.
१२	मं	४२	४६	कृ	२३	७	शू	२७	२३	कौ	१०	७	१६	९	५१	१४	२४	५	वृषे	मघायां सिंहे शुक्रः ४६।४१
१३	बु	४६	४९	रो	२९	५८	गं	२८	२४	ग	१४	४७	१५	९	५१	१५	२५	६	वृषे	भ. ४६।४९ उ. पुन. रविः २।२७ (सौर=
१४	गु	४९	३४	मृ	३४	४४	वृ	२८	३०	वि	१८	११	१४	९	५१	१६	२६	७	मिं २।२१	भ. १८।११ या. [=२४।५९)प्रदोषः
३०	शु	५१	२६	आ	३८	१०	ध्रु	२७	३८	च	२०	३०	१३	९	५१	१७	२७	८	मिथुने	मार्गी बुधः १५।१५

१२ पं.आ.कृ.६ बु.५५।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	३	१०	६	२
१४	३	७	११	२३	१८	२७	१३
९	१९	२५	०	१८	२८	४६	५०
५८	१	५२	१०	१८	२३	२२	५४
५९	४३	३१/२२	०/०	७०	०/३४	३	५६
७	५३	व.	व.	२६	व.	११	५०

गोचर ग्रहाः

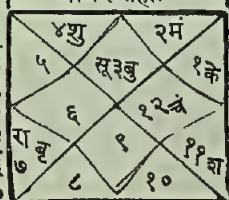

वृष राशि का भौम सब धान्य चंदन केसर वस्त्र कपास रुई तेज करे। हवा के साथ वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

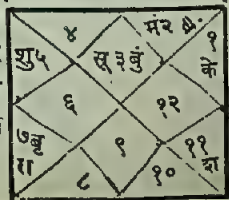

१३ पं.आ.कृ.१३बु. इ. ५५/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	४	१०	६	२
२०	८	५	११	१	१८	२७	२०
५०	१८	२९	२	१९	२१	२४	२८
२४	२९	५६	२०	४४	११	६	४८
५७	४३	७/५०	१/४	६९	१/२५	३	५६
७	१३	व.	मा	३८	व.	११	५०

ति.	आषाढ शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८२५ सन् १९९४
१	श ५१ ८ पु ४० १३ व्या २५ ४३ किं २१ १७	३४	५	६	१८	२८	९	क्र.२४।४३	रोहि. भौमः १६।१९
२	र ४९ ५६ पु ४१ १२ ह २२ ५२ बा २० ३२	१०	१०	५०	१९	२९	१०	कर्के	चंद्र दर्शनम् रथयात्रा.
३	चं ४८ ४ श्ले ४१ १४ व १९ ८ तै १९ ०	८	१०	५०	२०	१	११	सिं. ४१	सफरू २
४	मं ४५ १३ म ४० २३ सि १४ ३४ व १६ ३८	७	११	४९	२१	२	१२	सिंहे	भ. १६।३८ उ. ४५।१३ या. आर्द्रा ×
५	बु ४१ ३५ पू ३८ ४२ व्य ९ २६ त्र १३ २४	५	११	४९	२२	३	१३	कं ५३।१०	[× बुधः १०।५१
६	गु ३७ ३५ उ ३६ २५ व ४ ५३ कौ ९ ३५	३	११	४९	२३	४	१४	कन्यायां	
७	शु ३३ १ ह ३४ ८ शि ५१ ३३ ग ५ १८	१	१२	४८	२४	५	१५	कन्यायां	भ. ३३।१ उ.
८	श २७ ५९ चि ३० ५८ सि ४४ ४८ वि ० ३०	३३	१३	४८	२५	६	१६	तुं २।२३	भ. ०।३० या. कर्केऽर्कः ३१।५३ =
९	र २२ २६ स्वा २७ २४ सा ३७ ३६ कौ २२ २६	५७	१३	४७	२६	७	१७	तुलायां	पूफा शुक्रः ३५।४५
१०	चं १६ २६ वि २३ ३१ शु ३० ७ ग १६ २६	५५	१३	४७	२७	८	१८	वृ.९।२९	भ. ४३।१७ उ. [=(सौर : ५७।४३)
११	मं १० ८ अ १९ १३ शु २२ ८ वि १० ८	५२	१४	४६	२८	९	१९	वृश्चिके	भ. १०।८ या. देवशयनी ११ व्र.
१२	बु ३ ३९ ज्ये १४ ५४ व्र १४ २७ वा ३ ३९	५०	१४	४६	२९	१०	२०	ध.१४।५४	पुष्ये रविः १।११ (सौरः २८।२४) +
१३	गु ५३ ४३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०					० ०	[+विशा.२ राहुः भरणी ४ केतुः ÷
१४	शु ५१ ३७ मू १० ४४ ऐं ६ ५२ ग २४ २९	४६	१४	४६	३०	११	२१	धनुषि	भ. ५१।३७ उ. [÷ ४७।१६ प्रदोषः
१५	श ४६ ४१ पू ६ ५६ वि ५३ ११ वि १९ ९	४५	१५	४५	३१	१२	२२	म.२१।१६	भ. १९।९ या. गुरु १५ वायु परीक्षा !

१४ प.आ.शु.५. बु.इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	६	४	१०	६	२
२७	१३	७	११	९	१८	२७	२७
३०	१४	३७	१२	१५	९	१	६
४३	२४	१	१४	३२	१४	५१	५५
५७	४२	३९	२	६८	३	३	५६
११	५६	मा	२४	४९	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले ८ शनौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः बा. ४ न. ६ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

१५ प.आ.शु.१२ बु.इ.५५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	६	४	१०	६	३
४	१८	१४	११	१७	१७	२६	३
११	५	९	३१	५	१२	३०	४५
२८	५६	४३	२३	१०	५५	३५	२२
५७	४२	७५	२	६७	३	३	५६
१५	३८	४४	४४	४६	व.	११	५८

ति.	श्रावण कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	अ.	उ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषा. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श ४३ २ उ ४ १७ प्री ४७ ३६ वा १४ ५१	३३	५५	५६	१	१३	२३	मकरे	भा. श्रावणारंभः
२	र ४१ १८ श्र ३ ७ मा ४३ ३१ तै १२ १०	४०	१६	५४	५	१४	२४	कुं.३३।२०	
३	चं ४० ५७ ध ३ ३२ सौ ४० ४४ ब ११ ७	३८	१६	५४	३	१५	२५	कुंभे	भ. ११।७ उ. ४०।५७ या. पुन. बुधः+
४	मं ४२ ४२ श ५ ४२ शो ३९ ४० ब ११ ४९	३५	१७	४३	४	१६	२६	मी. ५३	चतुर्थी व्र. [+२६।४०
५	बु ४६ २ पू ९ ४३ अ ३९ २२ कौ १४ २२	३३	१७	४३	५	१७	२७	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	गु ५० ५९ उ १५ १४ सु ४० ३३ ग १८ ३०	३०	१८	४२	६	२८	२८	मीने	भ. ५०।५९ उ. मृगे भौमः ३२।७
७	शु ५६ ४३ रे २१ ४० धृ ४२ २५ वि २३ ५१	२७	१९	४१	७	१९	२९	मे२१।५७	भ. २३।५१ या. उफा. शुक्रः ३७।८
८	श ६० ० अ २९ ४ शू ४४ ४८ बा २९ ३४	२४	१९	४१	८	२०	३०	मेषे	[÷शुक्रः४५।१२ बुधास्तः पूर्वस्यां ८।१४=
९	र २ २६ भ ३६ ३७ गं ४७ २३ कौ २ २६	२२	२०	४०	९	२१	३१	कर्के बुधः ६।१७. [=अगस्त ८ता. ३१
१०	चं ८ ५५ कृ ४३ ५५ वृ ४९ २९ ग ८ ५५	१९	२०	४०	१०	२२	१	वृषे	भ. ४१।३५ उ. पुष्ये बुधः ५३ कन्यायां÷
११	मं १४ १६ रो ५० १९ मृ ५१ २ वि १४ १६	१६	२१	३९	११	२३	२	वृषे	भ. १४।१६ या आश्ले. रविः ५८।१२
१२	बु १८ २३ मृ ५५ ११ व्या ५१ १९ बा १८ २३	१३	२१	३९	१२	२४	३	मि२२।४३	आश्ले. रविःसौरः २९।११ कामिका×
१३	गु २१ १६ आ ५८ ४० ह ५० ३६ तै २१ १६	१०	२२	३८	१३	२५	४	मिथुने	प्रदोषः [×११ व्र.
१४	शु २२ १३ पु ६० ० व ४८ २६ व २२ १३	७	२३	३७	१४	२६	५	कं४५।२	भ. २२।१३ उ. ५१।५४ या.
१५	श २१ ३५ पु ० २९ सि ४५ ४ श २१ ३५	४	२३	३७	१५	२७	६	कर्के	
२०	र १९ २३ पु ४३ ५९ व्य ४० ३० ना १९ २३	०	२४	३६	१६	२८	७	सिं. ५९ ४३	मिथुने भौमः ३१।४५ हरियाली ३०.

१६ पं.श्रा.कृ.५ बु.इ.५४।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	६	४	१०	६	३
१०	२२	२४	११	२४	१७	२६	१०
१२	५४	२१	५८	४६	३२	१७	२४
३०	४८	५०	४८	४४	२८	२०	३९
५७	४२	००	३	६६	१५	३	५७
२०	१९	३	५२	३१	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

इस मास का फल मध्यम है जौ बोहूं चावल मूंग धूल तैल तेज वर्षा में कमी, कहीं २ वर्षा अधिक होगी।

गोचर ग्रहाः

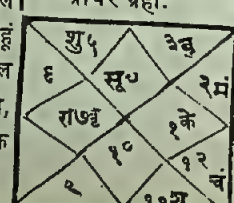

१७ पं.श्रा.कृ.११.बु.इ.५४।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	६	५	१०	४	३
१७	२७	७	१२	२	१७	२५	१७
३४	३९	२८	३३	२०	८	५५	४
१२	२२	४४	५८	२४	५३	४	२७
५७	४१	००	५	६४	३	३	५७
२५	४७	१३	५९	५९	व.	११	१२

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८५५ स. १९९४
१	चं	१५	५८	म	५७	४१	व	३५	२	व	१५	५८	३२/५७	२४/२५	६/३५	१७	२९	८	सिंहे	आश्ले. बुधः १८।१०
२	मं	११	३१	पू	५४	३८	प	२८	५१	कौ	११	३१	५४	२५	३५	१८	३०	९	सिंहे	चंद्र दर्शनम् सिधारा
३	बु	६	२२	उ	५१	८	शि	२१	५३	ग	६	२२	५०	२६	३४	१९	१	१०	कं.८।४५	भ. ३३।४१ उ. तीज. रविलावल ३
४	गु	१	०	ह	४७	३५	सि	१४	४२	वि	१	०	४७	२७	३३	२०	२	११	कन्यायां	भ. १।० या. स्वाती ३ गुरुः २४।१० A
५	गु	५४	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	[A हस्ते शुक्रः ११।१ वक्रीशते ३ B
६	शु	५०	१	चि	४३	५६	सा	७	४२	कौ	२२	४६	४४	२७	३३	२१	३	१२	तु.१५।४६	[B शनिः २५।५५ नागपंचमी
७	श	४४	३१	स्वा	४०	२६	शु	०/४०	५२/५२	ग	१७	१६	४०	२८	३२	२२	४	१३	तुलायां	भ. ४४।३१ उ.
८	र	३९	४०	वि	३७	१७	ब्र	४६	३८	वि	१२	५	३७	२९	३१	२३	५	१४	वृ.२३।५	भ. १२।५ या. मघा. सिंहै बुधः ४८।४८
९	चं	३४	१४	अ	३४	४	ऐं	३९	४९	बा	६	५७	३३	२९	३१	२४	६	१५	वृश्चिके	[× २५।३६ आर्दा भौमः २९।५३ =
१०	मं	२९	११	ज्ये	३१	९	वै	३२	१०	तै	१	४२	३०	३०	३०	२५	७	१६	ध.३१।०९	भ. ५६।५८ उ. मघा सिंहेऽर्कः ५२।१४
११	बु	२४	४६	मू	२८	३९	वि	२६	५०	वि	२४	४६	२६	३१	२९	२६	८	१७	धनुषि	भ. २४।४६ या. मघा सिंहेऽर्कः : सौरः ×
१२	गु	२०	४१	पू	२६	२५	प्री	२०	५५	बा	२०	४१	२२	३२	२८	२७	९	१८	म. ४१।५	प्रदोषः [= पवित्रा ११ व्र.
१३	शु	१७	२४	उ	२४	५९	आ	१५	३१	तै	१७	२४	१९	३२	२८	२८	१०	१९	मकरे	[C रक्षा-बंधनम्.
१४	श	१५	२	श्र	२४	२८	सौ	१०	४८	व	१५	२	१५	३३	२७	२९	११	२०	कुं ५४।५२	भ. १५।२ उ. ४४।३२ या.
१५	र	१३	५९	ध	२५	१७	शो	७	१	व	१३	५९	१२	३४	२६	३०	१२	२१	कुंभे	पूफा बुध. ४५।४० श्रावणीकर्म. C

१८पं.श्रा.शु.३बु.इ.५४।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	६	६	५	१०	६	३
२४	२	२१	१३	९	१६	२५	२३
१६	१९	५७	१६	४२	४२	३२	४५
३७	४८	४३	१९	४७	७	४८	३४
५७	४१	[illegible]	६	६३	४/४	३	५७
३३	२०	४८	४९	१६	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले १० भौमे सिंहऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम।

गोचर ग्रहाः

१९पं. श्री.शु. ११बु.इ.५४/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	६	५	१०	६	४
०	६	६	१४	१६	१६	२५	०
५९	५६	३	५	५२	१२	१०	२७
५३	४६	५८	१२	४८	५८	३३	४७
५७	४०	[illegible]	७	६०	६/२२	३	५७
४०	४६	३८	५८	५९	व.	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	चं	१४	१२	श	२७	२१	अ	४	१४	कौ	१४	१२	३२/८	५/३४	६/२६	३१	१३	२२	कुंभे	
२	मं	१६	१	पू	३०	५०	सु	२	२३	ग	१६	१	४	३५	२५	१	१४	२३	मी१४।५८	भ. ४७।३४ उ. भा. भाद्रपदारंभः
३	बु	१९	८	उ	३५	४१	धृ	२	१३	वि	१९	८	१	३६	२४	२	१५	२४	मीने	भ. १९।८ या. चित्रा. शुक्रः २६।४९ च. व्र.
४	गु	२३	५२	रे	४२	३	शू	२	५५	बा	२३	५२	३१/५७	३७	२३	३	१६	२५	मे ४२।३	[× बुधः १६।१० तुलायां शुक्रः ३२।१६.
५	शु	२९	१८	अ	४८	५८	गं	४	१२	तै	२९	१८	५३	३७	२३	४	१७	२६	मेषे	बुर्धादयः पश्चिमायां ४३।५४ चंद्रषष्ठी
६	श	३५	२८	भ	५६	३५	वृ	६	२८	ग	२	२३	४९	३८	२२	५	१८	२७	मेषे	भ. ३५।२८ उ.
७	र	४१	३७	कृ	६०	०	ध्रु	८	५३	वि	८	३२	४६	३९	२१	६	१९	२८	वृ.१३।२७	भ. ८।३२ या.
८	चं	४७	२९	कृ	४	३	व्या	११	२२	बा	१४	३३	४२	४०	२०	७	२०	२९	वृषे	उफा. बुधः १७।५४ श्रीकृष्णजयंती व्र.
९	मं	५२	१३	रो	११	२	ह	१३	११	तै	२९	५१	३८	४०	२०	८	२१	३०	मि४३।५३	पूफा. रविः ४१।५० गोगा ९
१०	बु	५५	३२	मृ	१६	४३	व	१४	१६	व	२३	५२	३४	४१	१९	९	२२	३१	मिथुने	भ.२३।५२ उ. ५५।३२ या. पूफा.रविः=
११	गु	५६	५९	आ	२१	३	सि	१४	८	व	२६	१५	३०	४२	१८	१०	२३	१	मिथुने	सितम्बर ९ ता. ३० अजा ११ प्र.
१२	शु	५६	३५	पु	२३	३०	व्य	१२	३६	कौ	२६	४७	२६	४३	१७	११	२४	२	क७।५३	वत्सद्वादशी [= सौरः १६।२८ कन्यायां×
१३	श	५४	९	पु	२४	१०	व	९	३८	ग	२५	२२	२२	४४	१६	१२	२५	३	कर्के	भ. ५४।९ उ. प्रदोषः
१४	र	४९	५३	श्ले	२२	५३	प	५/१०	५४/८	वि	२२	१	१८	४४	१६	१३	२६	४	सिं२२।५३	भ. २२।१ या.
३०	चं	४४	२६	म	२०	११	सि	५२	१९	च	१७	१०	१५	४५	१५	१४	२७	५	सिंहे	स्वाती ४ गुरुः ९।१९ कुशाग्रहणी मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.३बु.इ.५४।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	५	१०	६	४
७	११	१९	१५	२३	१५	२४	७
४४	२९	७	०	४६	४१	४८	११
२०	१७	४४	२२	४४	५६	१७	२७
५७	४०	०/[illegible]	८	५८	४/३९	३	५७
४८	५	३४	४९	१४	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

इस मास में सोमवती अमावास्या, अनाज गल्ला तिलहन धातु में तेजी बंद करके मंदी करे। वर्षा अच्छी हो रसकस धातु तेज हो।

गोचर ग्रहाः

२१पं.भा.कृ.१०बु.इ.५४/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	६	१०	६	४
१४	१५	१	१६	०	१५	२४	१३
३०	५७	४	१	२०	१०	२६	५६
०	२२	२३	२६	५३	५	२	२९
५८	३९	०/[illegible]	९	५४	४/४०	३	५७
१	३६	२८	३८	३४	व.	११	५७

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८८४सन् १९९४
१	मं ३७ ४६ पू १६ ४ सा ४४ १० क्रि १२ ६	३१	५	६	१५	२८	६	कं.२९।४८	हस्ते बुधः ३४।३९
२	बु ३० ३० उ ११ ५ शु ३५ ४६ बा ४ ८	७	४७	१३	१६	२९	७	कन्यायां	पुन. भौमः २४।७ चंद्र दर्शनम्
३	गु २३ १७ ह ५ ४५ शु २७ ६ ग २३ १७	३	४७	१३	१७	१	८	तु.३३।१८	भ. ४९।४० उ. स्वात्यांशुक्रः २६।३३A
४	शु १६ ४ चि ३३ ५५ ब्र १८ ९ वि १६ ४	५९	४८	१२	१८	२	९	तुलायां	भ. १६।४ या. गणेशचतुर्थी
५	श ९ २३ वि ५१ ७ ऐं ९ ४९ बा ९ २३	५५	४९	११	१९	३	१०	वृ३७।१३	ऋषिपंचमी. [A हरितालिका ३ रवि-
६	र ३ ११ अ ४७ २८ वै २ ५४ ५५ तै ३ ११	५१	५०	१०	२०	४	११	वृश्चिके	भ. ५७।५१ उ. [लाखर ४.
७	र ५४ ४० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	[B बुधः ५५।५ जलझूलनी ११व्र.
८	चं ५३ १८ ज्ये ४४ २० मी ४७ ५९ वि २५ ३४	४७	५१	९	२१	५	१२	ध४०।२०	भ. २५।३४ या. [÷मेला नवलदुर्गे.
९	मं ४९ ३५ मू ४२ २० आ ४१ ५७ बा २१ २६	४३	५१	९	२२	६	१३	धनुषि	उफा. रविः २६।१५ [×वासर १।५ उ.
१०	बु ४६ ५० पू ४१ १० सौ ३६ ४० तै १८ १२	३९	५२	८	२३	७	१४	म५६।६	उफा रविः १।७ सौरः रामदेवजी का÷
११	गु ४४ ५९ उ ४० ५५ शो ३२ ११ व १५ ५४	३५	५३	७	२४	८	१५	मकरे	भ. १५।५४ उ. ४४।५९ या. चित्रा.B
१२	शु ४४ २० श्र ४१ २६ अ २८ २२ ब १४ ३४	३१	५४	६	२५	९	१६	मकरे	कन्यायामर्कः ५१।३६ वामन१२ हरि-×
१३	श ४४ २३ ध ४३ १२ सु २५ ३१ कौ १४ २१	२७	५५	५	२६	१०	१७	कुं१२।१९	कन्यायामर्कः सौरः २६।१८ प्रदोषः
१४	र ४५ ३४ श ४६ १ धृ २३ २३ ग १४ ५८	२२	५६	४	२७	११	१८	कुंभे	भ. ४५।३४ उ. अनंत १४
१५	चं ४८ १० पू ४९ ५७ शू २२ २७ वि १६ ५२	१८	५६	४	२८	१२	१९	मी३३।५८	भ. १६।५२ या. महालयश्राद्धारंभः

२२पं.भा.शु.२बु.इ.५४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	६	१०	६	४
२१	२०	१२	१७	६	१४	२४	२०
१७	१९	१	८	२९	३८	३	४३
२	२४	३४	२८	३८	६	४६	९
५८	३९	९१	१०	४९	४०	३	५८
१३	११	५०	२२	५३	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

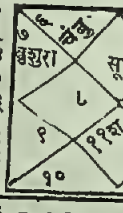

भाद्रपद शुक्ल १२

शुक्रे कन्यायामर्कः

प्रविष्टः वा. ४ न. ५

प्रगल्भावस्था (बैठी)

मु. ३० धान्यादि भावे

समता शुक्रोदयः

पश्चिमायाम ।

गोचर ग्रहाः

२३ पं.भा.शु.१०बु.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	६	१०	६	४
२८	२४	२१	१८	१२	१४	२३	२७
५	३७	५७	१९	४	६	४१	३१
२४	२६	४३	१२	२६	४०	३०	२९
५८	३८	८०	१०	४४	२५	३	५८
२६	३७	४४	५९	१३	व.	११	२९

ति.	आश्विन कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ५१ ४७ उ ५४ ५० गं २१ ५२ बा १९ ५८	३०	५७	६	२९	१३	२०	मीने	[= भा आश्विनारंभः च.व्र.
२	बु ५६ ४७ रे ६० ० वृ २२ १९ तै २४ ४७	९	५८	२	३०	१४	२१	मीने	तुलायां बुधः १४।३९ विशा. १ राहुः÷
३	गु ६० ० रे ० ५७ धु २३ ४८ व २९ २१	५	५९	१	३१	१५	२२	मे.०।५७	भ.२९।२१ उ.[÷भरणी. ३ केतुः ३९।३८
४	शु १ ५६ अ ७ ४१ ज्या २५ ३५ वि १ ५६	३०	०	६	१	१६	२३	मेषे	भ. १।५६ या. कर्के भौम. ४४।३६ =
५	श ८ २५ भ १५ १० ह २७ ५७ बा ८ २५	५९	०	५	२	१७	२४	बृ.३२।४	विशा. १ गुरुः २।५९
६	र १४ ४६ कृ २२ ४६ व ३० २३ तै १४ ४६	५२	२	५८	३	१८	२५	वृषे	[÷शर्ताभिषा. २ शनि. २३।१३
७	चं २० ५५ रो ३० १७ सि ३२ ३७ व २० ५५	४८	२	५८	४	१९	२६	वृषे	भ. २०।५५ उ. ५३।३६. या. वक्री÷
८	मं २६ १६ मृ ३६ ५२ व्य ३४ २६ ब २६ १६	४४	३	५७	५	२०	२७	मि.३।३४	हस्ते रविः ४।४५ सौरः ३३।४८×
९	बु ३० २४ अ ४२ २२ व ३५ १३ कौ ३० २४	४०	४	५६	६	२१	२८	मिथुने	[×स्वात्यां बुधः २३।४३विशा.शुक्रः४।३७
१०	गु ३२ ५३ पु ४६ ११ प ३४ ५० तै १ ३८	३६	५	५५	७	२२	२९	क.३०।१४	पुष्ये भौम. ३४।५ मातृ ९
११	शु ३३ २३ पु ४८ ८ शि ३२ २१ व ३ ८	३२	६	५४	८	२३	३०	कर्के	भ. ३।८ उ. ३३।२३ या.
१२	श ३१ ५५ श्ले ४८ १ सि २९ २९ ब २ ३९	२८	६	५४	९	२४	१	सिं.४८।१	अक्टूबर १० ता. ३१ इंदिरा ११ व्र.
१३	र २८ २१ म ४५ ४७ सा २४ २२ तै २८ २१	२३	७	५३	१०	२५	२	सिंहे	प्रदोष व्र.
१४	चं २२ ५४ पू ४२ २२ शु १७ ४५ व २२ ५४	१९	८	५२	११	२६	३	कं.५५।५६	भ. २२।५४ उ. ४९।१९ या.
१५	मं १५ ४३ उ ३६ ४२ शु ९ ४१ श १५ ४३	१५	९	५१	१२	२७	४	कन्यायां	सर्वपितृ श्राद्धम्
१६	बु ७ ३९ ह ३० २६ व्र ३८ ५० ना ७ ३९	११	१०	५०	१३	२८	५	तु.५६।५७	मातामह श्रा. नवरात्रा.

२४पं. आ.कृ.२बु.इ.५३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	सू
५	२	६	६	६	१०	६	५
४	२८	०	१९	१६	१३	२३	४
५५	४९	४२	३४	५६	३७	१९	२१
१६	४४	४३	५९	१७	५२	५५	३६
५८	३७	६५	११	३६	४	३	५८
३८	५६	२२	३७	२२	व	११	५५

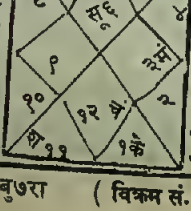

२५पं.आ.कृ.८बु.इ.५३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	६	६	१०	६	५
११	२	७	२०	२०	१३	२२	११
४६	५५	४९	५४	४८	१०	५६	५३
५२	१	५९	२९	११	१९	५९	३७
५८	३७	४६	१२	२६	५३	३	५९
५३	४	४८	५४	३१	व	११	०

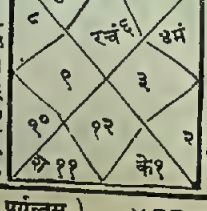

२६पं.आ.कृ.३०बु.इ५३।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	६	६	१०	६	५
१८	६	१२	२२	२३	१२	२२	१८
४०	५४	१६	१६	२३	४५	२४	७
८	५०	४४	५५	२०	४०	४४	२४
५९	३६	१५	१२	१३	१३	३	५९
९	१९	१२	२९	३८	व.	११	१६

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६१३ स. १९९४
१	बु ५१ २७ चि २३ २६ वै ४० ४० बा २४ २६ २९ ६ ५५ १४ २६ ६							तुलायां	[=सौरः) विशा. २ गुरुः ८।२७×
२	गु ५० २ चि २३ २६ वै ४० ४० बा २४ २६ ३ ११ ४६ १५ १ ७								चंद्र दर्शनम् [×श्रीसरस्वतीपूजनम्
३	शु ४१ २३ स्वा १६ २६ वि ३० ३१ तै १५ ४२ ३ ११ ४६ १५ १ ७							वृ.५६।४४	वक्री बुधः ५६।१५ जमादिलावल ५
४	श ३३ ३१ वि १० ५ प्री २० ३७ व ७ २७ ५९ १२ ४८ १६ २ ८							वृश्चिके	भ. ७।२७ उ. ३३।३१ या.
५	र २६ २८ अ २४ ३३ आ ११ २८ बा २६ २८ ५५ १३ ४७ १७ ३ ९							ध.५९।५६	
६	चं २० ४८ मू ५६ ४३ सौ २६ ५३ तै २० ४८ ५१ १४ ४६ १८ ४ १०							धनुषि	चित्रा. रविः ३६४७ सरस्वत्यावाहनम्
७	मं १६ ३० पू ५४ ५७ अ ५० २६ व १६ ३० ४७ १५ ४५ १९ ५ ११							धनुषि	भ. १६ उ.४५।७या. चित्रा रविः९।२२=
८	बु १३ ४३ उ ५४ २८ सु ४५ ३५ ब १३ ४३ ४३ १५ ४५ २० ६ १२							म.९।५०	वक्री शुक्रः १४।३७ बलिदानं.
९	गु १२ १५ श्र ५५ ३२ धृ ४१ ५३ कौ १२ १५ ३९ १६ ४४ २१ ७ १३							मकरे	विजया १० सरस्वतीविसजनम्
१०	शु १२ १३ ध ५७ ५२ शू ३९ १९ ग १२ १३ ३५ १७ ४३ २२ ५ १४							कुं.२६।४२	भ. ५३ उ. बुधास्तः पश्चिमायां ५५
११	श १३ ३७ श ६० ० गं ३७ ३८ वि १३ ३७ ३१ १८ ४२ २३ ९ १५							कुम्भे	भ. १३।३७ या. पाँपांकुशा ११ व्र.
१२	र १५ ५३ श १ १४ वृ ३७ ८ बा १५ ५३ २७ १९ ४१ २४ १० १६							मी४९।४४	प्रदोष व्र.
१३	चं १८ ३९ पू ५ ५४ ध्रु ३७ २७ तै १८ ३९ २३ १९ ४१ २५ ११ १७							मीने	तुलायामर्कः २०।३६ (सौरः ५२।६)
१४	मं २३ ५६ उ ११ २७ ज्या ३८ ८ व २३ ५६ २० २० ४० २६ १२ १८							मीने	भ. २३।५६ उ. ५६।४० या. कोजागरी व्र.
१५	बु २९ २३ रे १७ ५० ह ३९ ३२ ब २९ २३ १६ २१ ३९ २७ १३ १९							मे.१७।५०	वक्री चित्रायां बुधः ०।८ शरदूपूर्णिमा

२७पं.आ.शु.८बु.इ.५३।१८

गोचर ग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	६	६	१०	६	५
२५	१०	११	२३	२४	१२	२२	२५
३५	४६	५७	४२	२०	२४	१२	३
२	५५	५४	३६	४६	५४	२८	६
५९	३५	३९	१२	१३	३६	३	५९
२१	२६	व.	५६	व.	व.	११	२१

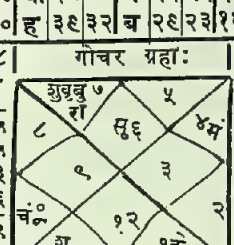

आश्विन शुक्ला १३ चंद्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा ४ न ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५घान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

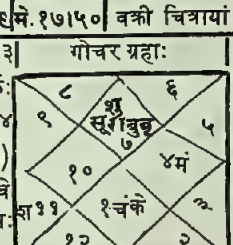

२८पं.आ.शु१५बु.इ५३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	६	६	१०	६	६
२	१४	५	२५	२३	१२	२१	२
३१	२९	२०	१०	२३	८	५०	०
२९	५४	२०	१९	२८	१७	१२	३३
५९	३४	९०	१३	१७	३	३	५९
३४	२८	व.	१४	व.	व.	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा.
१	गु ३५ १२ अ २४ ३८ व ४१ १७ बा २ १७ २९ २२ ५ ६							मेषे	
२	शु ४१ २७ भ ३१ ५९ सि ४३ ३७ तै ८ १९ ८ २२ ३८ २९ १५ २१							बृ.४८।५२	
३	श ४७ ५० कृ ३९ ३३ व्य ४५ ५१ व १४ ३८ ४ २३ ३७ ३० १६ २२							वृषे	भ. १४।३८ उ. ४७।५० या.
४	र ५४ २ रो ४७ १ च ४८ १८ ब २० ५६ ० २४ ३६ १ १७ २३							वृषे	भा. कार्तिकारंभ, चतुर्थी व्र.
५	चं ५९ ३८ मृ ५४ १० प ५० २० कौ २६ ५० २७ २५ ३५ २ १८ २४							मि२०।३५	स्वात्यां रविः २।३८ (सौरः ३३।९) ×
६	मं ६० ० आ ६० ० शि ५१ २९ ग ३२ २ ५३ २५ ३५ ३ १९ २५							मिथुने	[×आश्ले भौमः २३ वक्री कन्या. बुधः ३५
६	बु ४ २६ आ ० १६ सि ५२ १ च ४ २६ ४९ २६ ३४ ४ २० २६							क.४९।२	भ. ४।२६ उ. ३६।५ या. विशा. ३गुरुः =
७	गु ७ ४३ पु ५ १७ सा ५१ २२ ब ७ ४३ ४५ २७ ३३ ५ २१ २७							कर्के	वक्री स्वात्यां शुक्रः ५९।२० बुधोदयः ÷
८	शु ९ ३१ पु ८ ५४ शु ४९ २५ कौ ९ ३१ ४१ २८ ३२ ६ २२ २८							कर्के	[=४८।२९ शुक्रास्तः पश्चिमायां ४९।१२
९	श ९ २६ श्ले १० ३० शु ४५ ४५ ग ९ २६ ३७ २९ ३१ ७ २३ २९							सिं१०।३०	भ. ३८।२१ उ.
१०	र ७ १७ म १० ७ ब्र ४० २३ वि ७ १७ ३४ २९ ३१ ८ २४ ३०							सिंहे	भ. ७।१७ या. मार्गी बुधः २५।३३
११	चं ३ ९ पू ७ ५९ ऐं ३३ ४७ बा ३ ९ ३० ३० ३० ९ २५ ३१							कं.२१।५६	रमा ११ व्र. [÷पूर्वस्यां ५६।३८
१२	चं ५३ ५७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०००	[Aप्रदोषः घन (१३)
१३	मं ४९ २८ उ ४९ ५३ वै २५ २८ ग २३ १७ २७ ३१ २९ १० २६ १							कन्यायां	भ. ४९।२८ उ. नवम्बर ११ ता. ३० A
१४	बु ४० ४३ चि ५१ १ वि १५ ५९ वि १५ ५ २३ ३१ २९ ११ २७ २							तु.२४।१३	भ. १५।५ या. रूप १४
३०	गु ३१ १४ स्वा ४३ ३१ प्री ५७ ४९ च ५ ५८ १९ ३२ २८ १२ २८ ३							तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२९पं.का.कृ.६बु.इ५२।५७

गोचर ग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	६	६	१०	६	६
९	१८	२८	२६	२०	११	२१	८
२९	३	१९	४०	३४	५६	२७	५९
४२	४३	३७	१	१९	१०	५७	५३
५९	३३	४३	३३	३१	२४	३	६०
४७	१७	व.	२५	व.	व.	११	२

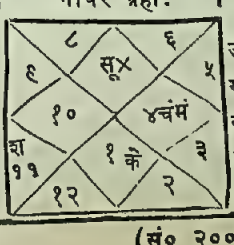

इस मास का फल उत्तम है। सोना चांदी गल्ला तिलहन पाट वारदाना खांड में घटाबढी होकर मंदी होगी ।

गोचर ग्रहाः

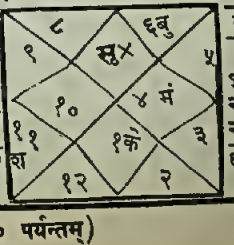

३०पं.का.कृ१४बु.इ.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	६	६	१०	६	६
१६	२१	२८	२८	१६	११	२१	१६
२९	२६	९	१०	३२	४९	५	०
२८	३१	३६	५९	२०	३४	५१	५७
६०	३१	४३	१३	३६	३१	३	६०
४	५६	मा	३२	व.	व.	११	१८

ति.कार्तिक शुक्ल पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः | हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४३ स.१९६४

| | | |

ति.	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रवि देक्षिणेऽहर्गणः ९७२स १९९४
१	श	४६	४२	ज्ये	४८	३५	धृ	४५	५६	किं	२१	३०	२५/५४	६/४९	५/११	१२	२८	३	ध.४८।३५	ज्येष्ठा. रविः सौरः ९।३२
२	र	३८	४	मू	४१	५२	शू	३५	४५	बा	१२	२३	५३	४९	११	१३	२९	४	धनुषि	चंद्र दर्शनम्
३	चं	३०	३५	पू	३६	१४	गं	२६	२०	तै	४	१९	५१	५०	१०	१४	१	५	म.५०।१६	भ. ५७।४५ उ. रज्जव ७
४	मं	२४	५५	उ	३२	१९	वृ	१७	५७	वि	२४	५५	४९	५०	१०	१५	२	६	मकरे	भ. २४।५५ या. ज्येष्ठा बुधः ४९।३६
५	बु	२१	६	श्र	३०	१४	ध्रु	११	२३	बा	२१	६	४८	५०	१०	१६	३	७	मकरे	
६	गु	१९	२५	ध	३०	२०	व्या	६	२७	तै	१९	२५	४६	५१	९	१७	४	८	कु.०।१७	चंपाषष्ठी
७	शु	२०	०	श	३२	३२	ह	३	१४	व	२०	०	४५	५१	९	१८	५	९	कुम्भे	भ. २०।० उ. ५१।१२ या.
८	श	२२	२४	पू	३६	२७	व	१	२९	ब	२२	२४	४४	५१	९	१९	६	१०	मी. २०/२८	
९	र	२६	३१	उ	४१	५५	सि	१	३३	कौ	२६	३१	४३	५१	९	२०	७	११	मीने	अनु. २ गुरुः १३।२८
१०	चं	३१	४७	रे	४८	३६	व्य	२	५	ग	३१	४७	४२	५२	८	२१	८	१२	मे.४८।३६	[B१३।४६ प्रदोषः
११	मं	३८	११	अ	५६	१७	व	३	४७	व	४	५९	४१	५२	८	२२	९	१३	मेषे	भ. ४।५९ उ. ३८।११ या. मोक्षदा ११A
१२	बु	४४	२९	भ	६०	०	प	५	५०	ब	११	२०	४०	५२	८	२३	१०	१४	मेषे	[Aव्र. गीताजयंती
१३	गु	५१	४	भ	३	४४	शि	८	८	कौ	१७	४६	३९	५२	८	२४	११	१५	बृ.२०।८	मूले धनुष्यर्कः ५४।५१ मूले धनुषि बुधB
१४	शु	५७	१४	कृ	११	२२	सि	१०	२६	ग	२४	९	३९	५२	८	२५	१२	१६	वृषे	भ. ५७/१४ उ. मूले धनुष्यर्कः सौ.रः १३/२२
१५	श	६०	०	रो	१८	३५	सा	१२	१६	वि	३०	४	३८	५२	८	२६	१३	१७	मि. ५१/५४	भ. ३०।४ या. श्रीदत्तजयंती
१५	र	२	५५	मृ	२५	१३	शु	१४	०	ब	२	५५	३८	५२	८	२७	१४	१८	मिथुने	

३५पं.मा.शु.५बु.इ.५१।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	७	६	१०	६	७
२१	४	१८	५	१२	१२	१९	२१
४८	४०	२२	५४	२४	२९	१४	२७
४३	५	३७	५०	४३	२४	२३	३९
६०	२०	९९	१३	२६	३	३	६१
५६	२०	६	२६	२१	३	११	११

गोचर ग्रहः

मार्गशीर्ष शुक्ले १३ गुरौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहः

३६ पं.मा.शु.१२बु.इ. ५१/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	७	६	१०	६	७
२८	६	२९	७	१६	१२	१८	२८
५५	१७	२३	२५	२४	५२	५२	३६
३७	१०	२	३७	४	८	८	२२
६१	१६	९९	१३	३६	३	३	६१
०	५२	४७	१९	१३	४१	११	१९

ति.	पौष कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेत्ति महा.
१	चं	७	५०	आ	३०	४९	शु	१४	५५	कौ	७	५०	२५/३७	६/५३	५/७	२८	१५	१९	मिथुने	
२	मं	११	५५	पु	३५	५४	ब्र	१५	८	ग	११	५५	३७	५३	७	२९	१६	२०	क.१९।३८	भ. ४३।२२ उ. विशा. शुक्रः १९।४२
३	बु	१४	५०	पु	३९	५८	ऐं	१४	४३	वि	१४	५०	३६	५३	७	३०	१७	२१	कर्के	भ. १४।५० या. चतुर्थी व्र.
४	गु	१६	४७	श्ले	४२	५३	वै	१३	३१	बा	१६	४७	३६	५३	७	१	१८	२२	सिं. ४२/५३	शतभिषा. ३ शनिः ३।५६ भा. पौषारंभः
५	शु	१७	४०	म	४४	४६	वि	११	१७	तै	१७	४०	३६	५३	७	२	१७	२३	सिंहे	पूषा बुधः ३३।२३
६	श	१७	२०	पू	४५	१९	प्री	८	१४	व	१७	२०	३६	५३	७	३	२०	२४	सिंहे	भ. १७।२० उ. ४६।४४ या.
७	र	१५	४७	उ	४४	३९	आ	६/१४	५२/५३	ब	१५	४७	३७	५३	७	४	२१	२५	कं. ०।९	
८	चं	१२	५२	ह	४२	४९	शो	५२	५५	कौ	१२	५२	३७	५३	७	५	२२	२६	कन्यायां	[A ३१ सन् १९९५
९	मं	८	४५	चि	३९	३५	अ	४५	३५	ग	८	४५	३७	५३	७	६	२३	२७	तु.११।१२	भ. ३६।२ उ. अनु. ३ गुरुः ७।५०
१०	बु	३	२०	स्वा	३५	७	सु	३७	३०	वि	३	२०	३८	५२	८	७	२४	२८	तुलायां	भ. ३।२० या. पूषा. रविः ५९/५१ सफला =
११	बु	५३	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=११ व्र. स्मा.
१२	गु	४९	६	वि	२९	३५	धृ	२८	२०	कौ	२२	५६	३८	५२	८	८	२५	२९	वृ.१५।५८	पूषा. रविः सौरः १५।०.सफला ११ व्र. वै.
१३	शु	४०	४३	अ	२३	२३	शू	१८	४४	ग	१४	५४	३९	५२	८	९	२६	३०	वृश्चिके	भ. ४०।४३ उ. प्रदोषः .
१४	श	३१	५३	ज्ये	१६	२६	गं	८/२६	४९/४७	वि	६	४८	४०	५२	८	१०	२७	३१	ध.१६।२६	भ. ६।४८ या. उषा. बुधः ४८।१८
३०	र	२३	३४	मू	९	४०	ध्रु	४८	२७	ना	२३	३४	४१	५२	८	११	२८	१	धनुषि	वृश्चिके शुक्रः ८।४३ जनवरी १ता.A

३७ पं.पौ.कृ.३ बु.इ. ५१/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	७	६	१०	६	८
६	७	१०	८	२१	१३	१८	५
३	२४	२९	५५	२७	१९	२९	४५
१४	७	४६	१	१४	५	५२	४७
६१	१२	०/०८	१२	४४	४	३	६१
४	७		५७	१	२३	११	२२

गोचर ग्रहः

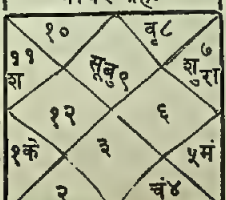

इसमास में ५ सोमवार श्रेष्ठ है अनाज गला रुई घृत तिल तैल बिनोला गुड़खांड मंदा सुदी में चांदी तेज हो।

गोचर ग्रहः

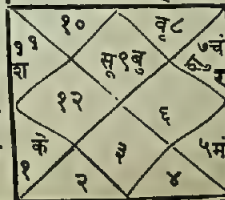

३८ पं. पौ.कृ.१०बु.इ. ५१/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	७	६	१०	६	८
१३	७	२१	१०	२७	१३	१८	१२
११	५७	४५	२१	१६	५०	७	५५
१३	१८	१४	३६	१२	२८	३६	३९
६१	६	९९	१२	४९	४	३	६१
६	१०	५३	३२	४६	५२	११	२६

ति.	पौष शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्ग. १००२ स. १९९५
१	चं १५३८ पू ४० ५५	व्या	३९	३१	ब	१५	३८	४२ ५६	८ १२ २९ २ म. १७ २३ मकरे बुधः ५७।२८ चंद्र दर्शनम्
२	मं ९ ७ श्र ५५ ३	ह	३१	३७	को	९	७	४३ ५१	९ १३ १ ३ मकरे सावान ८ [Aअनु.शुक्रः २९।२०
३	बु ४ ११ ध ५३ १०	ब	२५	४	ग	४	११	४४ ५१	९ १४ २ ४ कुं. २४।६ भ. ३२।४३ उ. वक्री भौमः ४३।२५A
४	गु ११ ६ श ५३ ४७	सि	२०	९	वि	१	१६	४५ ५१	९ १५ ३ ५ कुम्भे भ. १।१६ या. बुधोदयः पश्चिमायां १४।४
५	शु ० ३४ पू ५६ १९	व्य	१७	८	बा	०	३४	४७ ५१	९ १६ ४ ६ मी. ४० ४१
६	श १ ४६ उ ६० ०	व	१५	५४	तै	१	४६	४८ ५०	१० १७ ५ ७ मीने
७	र ५ ८ उ ० ५२	प	१५	३४	व	५	८	५० ५०	१० १८ ६ ८ मीने भ. ५।८ उ. ३७।३१ या.
८	चं ९ ५४ रे ६ ३३	शि	१६	३६	ब	९	५४	५२ ५०	१० १९ ७ ९ मे.६।३३ श्रवणे बुधः ५।५२
९	मं १६ ३ अ १३ ४०	सि	१८	३७	को	१६	३	५३ ४९	११ २० ८ १० मेषे
१०	बु २२ २९ भ २१ १०	सा	२०	३९	ग	२२	२९	५५ ४९	११ २१ ९ ११ वृ.३८।४ भ. ५५ उ. उषा .रविः ४।३६ (सौरः ३६)
११	गु २९ १० कृ २८ ४४	शु	२३	१	वि	२९	१०	५७ ४९	११ २२ १० १२ वृषे भ. २९।१० या. पुत्रदा ११ व्र.
१२	शु ३५ १६ रो ३६ १२	शु	२५	१	ब	२	१३	५९ ४८	१२ २३ ११ १३ वृषे अनु. ४ गुरुः १।५५
१३	श ४० ५६ मृ ४२ ५७	ब्र	२६	४३	को	८	६	२६ ४८	१२ २४ १२ १४ मि.९।३४ मकरेऽर्कः २१।० (सौरः ३१।५४) प्रदोषः
१४	र ४५ १० आ ४८ २३	ऐं	२७	१९	ग	१३	३	४ ४७	१३ २५ १३ १५ मिथुने भ. ४५।१० उ.
१५	चं ४८ २८ पु ५२ ४५	वै	२७	१३	वि	१६	४९	६ ४७	१३ २६ १४ १६ क. ३६ ४० भ. १६।४९ या. माघ. स्ना. प्रा.

३९ पं.पौ.शु.३बु.इ.५१।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	७	७	१०	६	८
२०	७	३	११	३	१४	१७	२०
५२	५७	५	५४	३२	२५	४५	५
२६	४३	२४	२२	२९	५९	२१	३६
६१	९	८७	१२	५४	५	३	६१
६	व.	५१	१४	२२	२२	११	२६

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले शनौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ.शु.१०बु.इ.५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	७	७	१०	६	८
२७	७	१४	१३	१०	१५	१७	२७
२७	१८	७	६	३१	४	५३	१५
२२	३६	१६	१४	१२	२३	५	२८
६१	५९	८९	११	५८	५	३	६१
६	व.	४७	४०	४	५०	११	२४

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं ५० ३२ पु ५५ ५६	वि	२६	१६	बा	१९	३०	२९ ४९	१४ २७ १५ १७ कर्क ज्येष्ठा. शुक्रः ४७।४५
२	बु ५१ २५ श्ले ५८ २६	मी	२४	१४	तै	२०	५८	११ ४६	१४ २८ १६ १८ सिं. ५९ धनि. बुधः ४७।३९
३	गु ५१ १० म ५९ १६	आ	२१	२५	व	११	१७	१३ ४५	१५ २९ १७ १९ सिंहे भ. २१।१७ उ. ५१।१० या.
४	शु ४९ ५५ पू ५९ ३७	सौ	१८	०	ब	२०	३२	१६ ४५	१५ ३० १८ २० सिंहे अभि. प्र. रविः ५३।३० चतुर्थी व्र.
५	श ४८ ० उ ५८ ५९	शो	१३	४३	को	१८	५७	१९ ४४	१६ १ १९ २१ कं. ३४ अभि. प्र. रविः सौरः ३।१५भा. माधारंभः
६	र ४५ ११ ह ५७ ३१	अ	८	५०	ग	१६	३५	२१ ४४	१६ २ २० २२ कन्यायां भ. ४५।११ उ. [÷(सौरः ३१) स्वाती.s
७	चं ४२ ४ चि ५५ २०	सु	३	५३	वि	१३	३७	२४ ४३	१७ ३ २१ २३ तु. ३६ भ. १३।३७ या. [s३ राहुः भर १केतुः २४
८	मं ३७ २५ स्वा ५२ २२	शू	५०	१३	बा	९	४४	२७ ४३	१७ ४ २२ २४ तुलायां श्रवण रविः १०।७ सौरः १९।११)
९	बु ३२ २१ वि ४८ ४४	गं	४२	३८	तै	४	५३	२९ ४२	१८ ५ २३ २५ वृ. ३४ भ. ५९।२७ उ. अभि, नि. रविः २३÷
१०	गु २६ ३४ अ ४४ १९	वृ	३४	३८	वि	२६	३४	३२ ४२	१८ ६ २४ २६ वृश्चिके भ. २६।३४ यां. वक्री बुधः १३।४२
११	शु २० ७ ज्ये ३९ ३७	धु	२६	७	बा	२०	७	३५ ४१	१९ ७ २५ २७ ध. ३९ शतभिषा. ४ शनिः २१।३६बुधास्तः A
१२	श १३ १० मू ३४ २१	व्या	१७	२६	तै	१३	१०	३८ ४०	२० ८ २६ २८ धनुषि प्रदोषः [B तिला ११ प्र.
१३	र ६ २१ पू २९ १४	ह	८	४४	व	६	२१	४१ ४०	२० ९ २७ २९ म. ४३।६ ० भ. ६।२१ उ. ३२।५२ या. मूले धनुषि (शुक्रः ९।७
१४	र ५३ २ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ० ० ०
३०	चं ५३ ३२ उ २४ ४२	व	१४	३३	च	२६	२७	४५ ३९	२१ १० २८ ३० मकरे सोमवती ३० [Aपश्चिमायां २१।९ षट्-B

४१ पं.मा.कृ.२बु.इ ५१।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	७	७	१०	६	९
४	६	२३	१४	१७	२५	१७	४
३५	९	२३	२३	४४	४५	०	२४
१३	२२	४९	४२	१०	४७	५०	५७
६१	१६	६६	११	६०	६	३	६१
३	व.	४७	१	४७	१४	११	१९

गोचर ग्रहाः

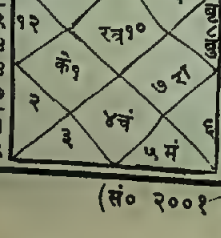

माघ शुक्ले १२ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्ट वा. २ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्धता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहा

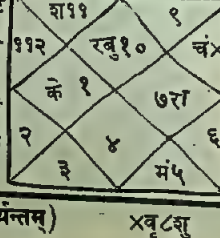

४२पं.मा.कृ ९बु.इ ५१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	७	७	१०	६	९
११	४	२७	१५	२५	१६	१६	११
४२	२७	२४	३४	१३	३०	३८	३३
४०	७	३२	४१	१२	१८	३६	४८
६०	२४	४	१०	६३	६	३	६१
५९	व.	२५	२१	४	२६	११	१३

ति.	माघ शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्ग. १०३१ सनु १९९५
१	मं ४८ ३१ अ २१ ८ व्य ४५ ३५ कि	२१	१	२६	६	२२	११	२९	३१ कुं. ४५
२	बु ४५ १० ध १८ ४१ व ३९ ५९ ना	१६	५०	५१	३८	२२	१२	३०	१ कुम्भे
३	गु ४३ ४९ श १८ ६ प ३५ ५० ते	१४	२९	५४	३७	२३	१३	१	२ कुम्भे
४	शु ४४ १३ पू १९ १४ शि ३३ १० व	१३	१	५८	३६	२४	१४	२	३ मी. ३।५८
५	श ४६ ४२ उ २२ २८ सि ३२ १५ ब	१५	२७	२७	३६	२४	१५	३	४ मीने
६	र ५० ४० रे २७ २५ सा ३२ २५ कौ	१८	४१	५	३५	२५	१६	४	५ मे. ३५
७	चं ५६ १५ अ ३३ ४३ शु ३३ ४० ग	२३	२७	८	३४	२६	१७	५	६ मेषे
८	मं ६० ० म ४० ४१ शु ३५ ३० वि	२९	२१	१२	३४	२६	१८	६	७ बृ. ५७
९	बु २ २८ कृ ४८ २० ब्र ३७ ४५ ब	२	२८	१५	३३	२७	१९	७	८ वृषे
१०	शु ८ ५९ रो ५५ ४८ सें ३९ ५५ कौ	८	५९	१९	३२	२८	२०	८	९ वृषे
११	शु १५ १० मृ ६० ० वै ४१ ४६ ग	१५	१०	२३	३१	२९	२१	९	१० मि. २५
१२	श २० ४५ मृ २ ४३ वि ४२ ४१ वि	२०	४५	२७	३१	२९	२२	१०	११ मिथुने
१३	र २४ २२ आ ८ २५ प्री ४२ ३५ बा	२४	२२	३०	३०	३०	२३	११	१२ क. ५९
१३	चं २७ १३ पु १२ ५३ आ ४२ २८ तै	२७	१३	३४	२९	३१	२४	१२	१३ कर्के
१४	मं २९ २ पु १५ ४ सो ३९ २ व	२९	२	३८	२८	३२	२५	१३	१४ कर्के
१५	बु २८ ५१ श्ले १७ ९ शो ३५ ३९ ब	२८	५१	४१	२८	३२	२६	१४	१५ सिं. १७।९

वक्री श्रवणे बुधः ४८।२५ ज्येष्ठा १ गुरुः + रमजान ९ [+३७/१९ चंद्रदर्शनम् फर्वरी २८
भ. १३।१ उ. ४४।१३ या.
वसंत ५ [×(सौरः २५।०१) भानु ७B
[Bपातस्पर्शः ५४।१३
भ. ५६।१५ उ. धनि. रविः १८।२५×
भ. २९।२१ या. भीष्माष्टमी पातमोक्षः S
[S१७।२६
बुधोदयः पूर्वस्यां ५५ वक्री कर्के आश्ले. A
भ. ४७।५७ उ. [Aभौमः ७।२
भ. २०।४५ या. पूषा. शुक्रः ३/० जया ११ व्र.
कुंभेऽर्कः ५३/१९ (सौरः ५८।५९) प्रदोषः

४३पं.मा.शु.२बु.इ.५१।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	७	८	१०	६	९
१८	२	२३	१६	२	१७	१६	१८
४९	२१	१३	४३	५५	१६	१६	४०
१६	५८	१	४९	५	२३	१८	५२
६०	३३/१९	४७	९	६४	६	३	६१
५५	व.	व.	३६	४७	४३	११	४

४४पं.मा.शु.८बु.इ. २१/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	७	८	१०	६	६
२५	०	१५	१७	१०	१८	१५	२५
५५	९	९	४४	४६	४	५४	४८
१	४	२५	५६	४४	३७	३	३९
६०	३३/१९	४९	८	६६	७	३	६०
४६	व.	व.	४६	१६	०	११	५५

४५पं.मा.शु.१५बु.इ. ५१/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	८	१०	६	१०
२	२७	११	१८	१८	१८	१५	२
५९	५१	४८	४२	४६	५४	३१	५४
४९	७	८	२२	४१	१४	४७	४२
६०	३३/१९	८	७	६७	७	३	६०
३७	व.	व.	४४	२९	८	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	शु २७ २० म १७ १६ अ ३१ ११ कौ	२७	२०	२७	६	३३	२७	१५	१६ सिंहे
२	शु २४ ४० पू १६ २६ सु २५ ४९ ग	२४	४०	४९	२६	३४	२८	१६	१७ कं. ३०
३	श २१ ७ उ १४ ३२ धृ १९ ५९ वि	२१	७	५३	२५	३५	२९	१७	१८ कन्यायां
४	र १६ ५८ ह १२ ७ शू १३ ३५ बा	१६	५८	५६	२५	३५	३०	१८	१९ तु. ४०
५	चं १२ ३५ चि ९ १८ गं ७ १ तै	१२	३५	२०	२४	३६	१	१९	२० तुलायां
६	मं ७ ५३ स्वा ६ १९ वृ ० ५२ व	७	५३	४	२३	३७	२	२०	२१ बृ. ५८
७	बु ३ ८ वि ३ ५६ व्या ४५ ५७ ब	३	८	८	२२	३८	३	२१	२२ वृश्चिके
८	बु ५५ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
९	गु ५२ ५४ ज्ये ५६ २५ ह ३८ ५० ते	२५	३१	१२	२२	३८	४	२२	२३ ध. ३५
१०	शु ४७ ३६ मू ५३ ५ व ३१ २२ ब	२०	१५	१६	२१	३९	५	२३	२४ धनुषि
११	श ४२ २६ पू ४९ २५ सि २४ ४० ब	१५	१	२०	२०	४०	६	२४	२५ मकरे शुक्रः ३५।५५ विजया ११ व्र.
१२	र ३७ २८ उ ४६ १६ व्य १७ २० को	९	५७	२४	१९	४१	७	२५	२६ म. ३।२८
१३	चं ३३ २ श ४३ ५३ व १० ३९ ग	५	१५	२८	१८	४२	८	२६	२७ मकरे
१४	मं २९ ९ ध ४२ २ प ३५/५० वि	१	५	३२	१८	४२	९	२७	२८ कुं. १२
३०	बु २६ ५० श ४१ ३५ सि ५५ १० ना	२६	५०	३६	१७	४३	१०	२८	१ कुम्भे

भ. ५३ उ. मार्गी बुधः २३ अस्तं शनेः ४६/२१
भ. २१।७ या. चतुर्थी व्र.
शते रविः २५।५७ (सौरः ३४।२१)
भा. फाल्गुनारंभः
भ. ७।५३ उ. ३५।३१ या.
उषा. शुक्रः ४०।४६
भ. ३५ उ. ४७/३६ या. पूभा १ शनिः ५६।२०
मकरे शुक्रः ३५।५५ विजया ११ व्र.
[×श्रीमहा शिवरात्री (प्र. स्मा
भ. ३३ उ. ज्येष्ठा २ गुरुः ३२/० प्रदोषः ×
भ. १।५ या. महाशिवरात्री व्र. वै.
मार्च ३ ता. ३१

४६पं.फा.कृ.७बु.इ.५१।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	८	१०	६	१०
१०	२५	१४	१९	२६	१९	१५	९
३	४०	१२	३०	५२	४५	९	५९
२२	९	२२	५४	४१	०	३२	१५
६०	३३/१९	३०	६	६८	७	३	६०
२५	व.	मा.	३८	३२	१४	११	३१

गोचर ग्रहाः

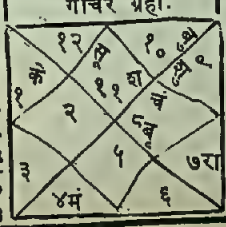

माघ मास से ही धान्य में मंदी के ग्रह योग चालू है तेंची का व्यापार बंद करदें पाट कुष्टा रुई सण सूत वारदामां तेज कहीं २ वर्ष होगी।

गोचर ग्रहाः

४७पं.फा.कृ.३०बु.इ.५३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	९	१०	६	१०
१७	२३	२०	२०	५	२०	१४	१७
५	३९	४	१३	३	३६	४७	२
३५	१४	३४	८	४०	१८	१६	७
६०	३३/१९	५५	५	६९	७	३	६०
१२	व.	३३	३८	१६	२०	११	२०

(सं० २००१ समारम्य २१००. पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्ल पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरेहर्गणः १०६१ सन् १९९५
१	गु	२५	१८	पू	४२	२९	सा	५२	१३	ब	२५	१८	२८/४०	६/१६	५/४४	११	२९	२	मी. २७/१६	चंद्र दर्शनम्
२	शु	२५	३४	उ	४५	८	शु	५०	४९	कौ	२५	३४	४४	१५	४५	१२	१	३	मीने	फुलरिया २ सव्वाल १० पातस्पर्वः ४६।७
३	श	२७	४२	रे	४९	१४	शु	४९	५९	ग	२७	४२	४८	१४	४६	१३	२	४	मे. ४९/१४	भ. ५९।२६ पूभा. रविः ४६।३ ×
४	र	३१	११	अ	५४	५०	ब्र	५०	४७	वि	३१	११	५२	१४	४६	१४	३	५	मेषे	भ. ३१।११ या. धनिः बुधः २३।१९
५	चं	३६	३४	भ	६०	०	ऐं	५२	२७	ब	३	५२	५६	१३	४७	१५	४	६	मेषे	श्रवणे शुक्रः ३।२३
६	मं	४२	४१	भ	१	२८	वै	५४	३४	कौ	९	३७	२९/१	१२	४८	१६	५	७	वृ. १८/१९	[×(सौरः ४९।८) पातमोक्षः १।५
७	बु	४८	२६	कृ	८	५३	वि	५६	५०	ग	१५	३३	५	११	४९	१७	६	८	वृषे	भ. ४८।२६ उ.
८	गु	५४	५२	रो	१६	२२	प्री	५९	३	वि	२१	३९	९	१०	५०	१८	७	९	मि ५०/१	भ. २१।३९ या. होलाष्टकः
९	शु	६०	०	मृ	२३	४१	आ	६०	०	वा	२७	४५	१३	९	५१	१९	८	१०	मिथुने	कुंभे बुधः २७।३२
९	श	०	३९	आ	२९	५६	आ	०	३२	कौ	०	३९	१७	९	५१	२०	९	११	मिथुने	[+प्रदोषः
१०	र	५	११	पु	३४	५८	सौ	१	२	ग	५	११	२१	८	५२	२१	१०	१२	क. १८/४३	भ. ३६।४२ उ. [=(भद्रोत्तरं
११	चं	८	१४	पु	३८	२१	शो	२२	५८/१	वि	८	१४	२६	७	५३	२२	११	१३	कर्के	भ. ८।१४ या. आमलकी ११ व्र.
१२	मं	९	२१	श्ले	३९	४९	सु	५४	५२	बा	९	२१	३०	६	५४	२३	१२	१४	सिं. ३९/४९	मीनेऽर्कः ४६।५६ (सौरः ४९।२९)+
१३	बु	८	४७	म	३९	४४	धृ	४९	५६	तै	८	४७	३४	५	५५	२४	१३	१५	सिंहे	शते बुधः १६।२९
१४	गु	६	३	पू	३७	५५	शू	४३	५९	व	६	३	३८	४	५६	२५	१४	१६	कं. ५२/१०	भ. ६।३ उ.३४।१३ या. होलिकादहनं=
१५	शु	२	२३	उ	३४	५८	गं	३७	१	ब	२	२३	४३	३	५७	२६	१५	१७	कन्यायां	धनि. शुक्रः २१।४३ छारेंडी

४८पं.फा.शु.७बु.इ.५२।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	९	१०	६	१०
२४	२२	२८	२०	१३	२१	१४	२४
६	२	३	४७	१७	४८	२५	३
२२	१०	४७	२४	३५	१६	०	३०
५९	१६/४६	७३	४	७०	७	३	६०
५८	व.	२६	२६	५	२०	११	६

गोचर ग्रहाः

१२ बुशु१० के १ र श११ ९ २चं ८बृ ३ ५ रा७ ४मं ६

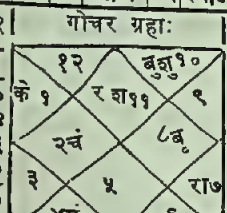

फाल्गुन शुक्ले १२ भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु ३०, धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

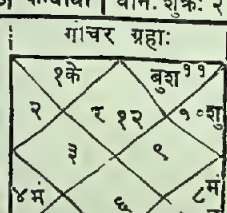

१के बुश११ २ र १२ १०शु ३ ९ ४मं ६ ८मं वृ चं५ ७रा

४९ पं.फा.शु.१३बु.इ. ५२/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	७	९	१०	६	११
१	२१	७	२१	२१	२२	१४	१
५	१३	३३	१३	३५	१९	२	३
३५	१	४	१	१७	४१	४६	१२
५९	३/१६	८७	३	७०	७	३	५९
४१	व.	३१	१६	४३	१६	११	४९

ति.	चैत्र कृष्ण पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तुरविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	शु	५४	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	५१	२५	ह	३१	३	वृ	२९	१९	तै	२४	३८	२९/४७	६/३	५/५७	२७	१६	१८	तु ५८/१९	उभा. रविः ८।० (सौरः १०।५)
३	र	४५	५	चि	२६	३६	ध्रु	२१	१६	व	१८	१५	५१	२	५८	२८	१७	१९	तुलायां	भ. १८।१५ उ. ४५।५ या.
४	चं	३८	४४	स्वा	२२	६	व्या	१२	५७	ब	११	५४	५५	१	५९	२९	१८	२०	तुलायां	चतुर्थी व्र. [=१४।६ भा. चैत्ररंभः
५	मं	३२	३१	वि	१७	४१	ह	२२	५/५२	कौ	५	३७	३०/००	६/००	६/००	३०	१९	२१	वृ ३/४७	[×(५७१२ पूमा. २ शनीः=
६	बु	२६	४६	अ	१४	३७	सि	५०	११	व	२६	४६	४	५/५९	६/१	१	२०	२२	वृश्चिके	भ. २६।४६ उ. ५४।४ या. कुंभे शुक्रः×
७	गु	२१	२२	ज्ये	१०	०	व्य	४३	४	ब	२१	२२	८	५८	२	२	२१	२३	ध. १०/०	मार्गी भौमः ३२।२६ पूभा. बुधः B
८	शु	१६	२३	मू	६	४९	व	३६	३२	कौ	१६	२३	१२	५८	२	३	२२	२४	धनुषि	शीतलापूजनम्
९	श	१२	५	पू	४	१७	प	३०	२९	ग	१२	५	१६	५७	३	४	२३	२५	म १८/४७	भ. ४०।१३ उ. [A(४१।१८
१०	र	८	२२	उ	२	१६	शि	२५	१	वि	८	२२	२१	५६	४	५	२४	२६	मकरे	भ. ८।२२ या. [Cबुधः(५१।५
११	चं	५	१९	श्र	१	५	सि	२०	८	बा	५	१९	२५	५५	५	६	२५	२७	कुं. ३०/५०	पापमोचनी ११ व्र.
१२	मं	२	५५	ध	०	३५	सा	१६	१	तै	२	५५	२९	५४	६	७	२६	२८	कुंभे	शते शुक्रः २१।५४ प्रदोषः
१३	बु	१	३९	श	१	११	शु	१२	३७	व	१	३९	३३	५३	७	८	२७	२९	मी ४७/२६	भ. १।३९ उ. ३१।३२ या. मीनेC
१४	गु	१	२५	पू	२	५०	शु	१०	६	श	१	२५	३७	५३	७	९	२८	३०	मीने	[B५७।१८ उदयं शनेः १।२०
३०	शु	२	२९	उ	५	३६	ब्र	८	५९	ना	२	२९	४१	५२	८	१०	२९	३१	मीने	रेवत्यां रविः ३५।३९ (सौरः ३७।३२A

५० पं. चै. कृ. ६ बु. इ. ५३/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	७	९	१०	६	११
८	२०	१८	२१	२९	२३	१३	८
३	२०	१४	३०	५५	१०	४०	१
१८	३८	४९	११	१६	२३	३९	७
५९	१/३०	९८	१	७१	७	४	५९
२९	व.	२९	४६	१४	८	११	३५

गोचर ग्रहाः

१के शबु११ २ र १२ १० शु ३ ९ ४मं ६ ८वृ चं ५ ७रा

इस मास में प्रजा में पीड़ा बालकों के चेचक रोग हो। पिछला स्टाक बेच कर अनाज का संग्रह फिर कर लेना लाभ होगा।

गोचर ग्रहाः

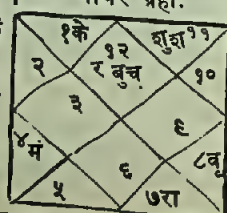

१के १२ शुश११ २ र बुच १० ३ ९ ४मं ६ ८वृ ५ ७रा

५१ पं. चै.कृ. १३ बु. इ. ५३/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	७	१०	१०	६	११
१४	२०	०	२१	८	२४	१३	१४
५९	२२	४	३८	१७	०	१८	५७
१०	२६	३०	२	१०	२२	१४	१५
५९	४/५१	४/०	०	७१	७	३	५९
१६	मा	५३	३६	४०	२	११	१८

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनोदेवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणि–रिवतमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८ ५०९६ तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापर युग प्रमाणम् ८६४००० कलियुग प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९६ भोग्य कलिः ४२६९०४ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीर विक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५२ शाकः १९१७ वर्षेऽस्मिन् राजा शनिः । मंत्री शुक्रः । सस्येशो रविः ।धान्येशः शनिः मेघेशोगुरुः । रसेशोभौमः । नीरसेशो रविः । फलेशो गुरुः । धनेशो रविः। दुर्गेशोगुरुः एते दशाधिकारिणः । तत्रबार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां सर्वधारीनाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्क समये गतमासादिः ९।११।५९।६ भोग्यमासादिः २।१८।०।५४ त्वष्टृ दैवतं युगम् । वर्षनामज्येष्ठः । मेघनामद्रोणः । रोहिणीनिवासः संघौ । समपनिवासो वणिग् गृहे समयविश्वा १० समयवाहनम् महिषः स्तंभौ २ जलतृणयोः । सोमवत्यमाः १ सोमवती पञ्चमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी १ भानुससमी ३ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १३ धान्यम् १७ तृणम् ११ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् ११५ सत्यम् ।। धर्मं १।। पापं १८ शनिदृष्टिरुत्तरे । ग्रहणे २ चंद्रमसः १ सूर्यस्य १ ।

सं. २०५२ चैत्र शुक्ला १५ शनिवासरे पूर्व भारते ग्रस्तोदयं चन्द्रग्रहणम्

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
उज्जयनी घ.	२६	२८	२९	३
मध्यम का. प.	३८	१६	५४	१८
रेलवे घं.	५	५	६	१
टाइम मिं.	६	४५	२५	१९

नोट – यहग्रहण जिन प्रांतों में रेलवे ६।२५ बजे से पूर्व चन्द्रोदय होगा वहीं दीखेगा। राजस्थान में नहीं दीखेगा।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	बृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ०।७

÷बु१२ ×श११

भैरव भवानी सम्वाद

भै. प्र.– मात भवानी अंबिका बन्दौ बारम्बार ।
हाथ जोड़ पूछूं तने बावन का सब सार ।।

भ. उ.– सुणजे भैरव चेतकर मैं समझावुं तोय ।
राजा मंत्री देखतां मध्यम संवत् होय ।।
श्रावण वर्षा वर्षकर भादव करसी तंग ।
राजनीति के कारणें जनता होय विरंग ।।
पापग्रहों नें बर्ष में लिया अधिक अधिकार ।
भाग सुभाग्यो निपजसी ना सारे इकसार ।।
मेघपती अरु फलपती गढपति गुरु को जान ।
मंत्री भृगुसुत बर्ष में राखे जगका मान ।।
संवत्सर के आदि में संग्रह कर लो धान ।
दूणा डेडा दामड़ा भादुं में लो मान ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो हैं जग करतार ।।

संवत् २०५२ कार्तिक कृष्णे ३० भौम वासरे सूर्यग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
उज्ज घ.	२	५	८
मध्य प.	१९	८	२१
रेलवे घ.	७	८	९
टा. प.	२३	३०	४७

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् २।१०

÷ के बु

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीययनांशाः २४।३३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४६।३०

अथाधिकारिणां फलम्-अथास्मिनवर्षे राजा शनिस्तत्फलभ्-शनैश्चरे भूमिपतौसकृज्जलं प्रमूत्तरोगैः परि पीड्यते जनः युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमंति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् मंत्री शुक्रस्तत्फलम्–भृगुसुते ननु मंत्रिपदं गतेशलभमूषकरावथमाहिषैः ।। भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोऽधिकम् ।। सस्येशोरविस्तफलम्-सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्वं धान्यं समर्घं वहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पंच सस्यं बहु भूरुहाश्च।। धान्येशः शनिस्तत्फलम्-निर्धनाः क्षितिभुजो रणादराः । सस्य मल्पमति रोगिणो नराः । नैव वर्षतिजलं सुरेश्वरः स्याद्यदान्त्यकणपः शनैश्वरः । मेघेशो गुरुस्तत्फलम् गुरुरपि प्रिय वृष्टिकरः सदाऽखिल विलासवती धरणी तदा । श्रुतिविचारपरा नरपालका रस समृद्धि युताऽखिल मानवाः । रसेशो भौमस्तत्फलम्—यदि धरातनयो रसपो भवेन्नरसराशियुता जनता शुभाः । नरपतिर्विषमोजनतापदो नजलदोबहुवृष्टि करो भवेत् ।। नीरसेशो रविस्तत्फलम्–नीरसाधिपतौ सूर्ये त्रपुचंदनयोरपि रत्नमाणिश्य मुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते । फलेशो गुरुस्तत्फलम्–सुरगुरुः फल नायकत्तांगतो गतभया वनराशि महाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सव मंदिरा श्रुतिविचारपराद्विजपूर्वकाः ।। धनेशो रविस्तत्फलम् द्रविणपे यदि वासरपे त्तदा वणिजतो वहुद्रव्यसमागमः । गजतुरंगम मेषखरोष्ट्रतो धन-वयं लभतेक्रय विक्रयात् ।। दुर्गेशोगुरुस्तत्फलम्–सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवराः नरपा नरपालिताः । गिरीषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शास्त्रवतां विशाम् ।। सर्वधारी नासंवत्सरस्तत्फलम् सर्वधार्यब्दपे भूपाः प्रजापालन तत्पराः । प्रशान्त वैरा सर्वत्रं बहु सस्यार्घवृष्टयः ।। वर्ष नाम ज्येष्ठस्तत्फलम्–तस्करैः पाप रोगैर्वा पीड्यंते पीडयाजना भ्रमंत्ति स्वेच्छया भूम्यां निर्द्रव्यै ज्यैष्ठ संज्ञके । मेघ नाम द्रोणः फलम्–द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहिणी निवासः संधौ फलम्–खंड वृष्टिश्च संघिषु । समय निवासो वणिग्गृहे फलम्–वणिग्गृहे शुभं नास्ति । एवं संचिन्त्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ।।

संमत् २०५२ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्रमासः ।

शुक्ले १४ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे ६।।।।।।ऽ।।।

वैशाखमासः ।

कृष्णे ५ बुधे मूले ल. ८।१२ रे. ८।।।।।।ऽऽ।। मीने दग्धा-दोषः

" ७ शुक्रे उषा ल. गो ८।१२ रे. ८।।।।।।ऽऽ।।

शुक्ले २ चंद्रे रोहि ल. १२ रे. ८।।।।।ऽरो ऽ।।।

" ३ भौमे मृगे ल.१२ रे. ८ऽ।।ऽ।।।।। शनि १२ पूज्यः

" ८ चंद्रे मघा, ल.गो.सोग्रांगः रे. ८।।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

" १० बुधे उफा. ल. गो. सोग्रांगः ६ रे. ६ऽ।।।ऽ।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

" ११ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो. सोग्रांगः रे. ६ ऽऽ।।।ऽरो ।।।घनलग्नेरेखा६लातपातैकार्गलदोषानामभावः

ज्येष्ठमासः ।

कृष्णे १ चंद्रे अनु. ल.६ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

" ३ बुधे मूले ल. गो. रे. ७।।।।।ऽअ.ऽ।।ऽ

" ४ गुरौ उषा. ल. १२ रे. ७।।।।।।ऽऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

"१० बुधे रेव. ल. ६ रे. ६।।।।।।।ऽ।।

शुक्ले ६ बुधे उफा. ल. गो. रे. ६ ऽ।।।ऽऽनृऽ।।।

आषाढमासः ।

कृष्णे ७ चंद्रे उभा. ल. २ रे. ६।।।।।ऽन्टऽऽ।ऽ गु. ७ पूज्यः

" ८ भौमे उभा. ल. अन्यगो. रे. ८।।।।।।ऽऽ।।

" ८ भौमे रेव. ल. २ रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।। गुरु ७ पूज्यः

" ६ बुधे रेव. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽ।।।ऽ चो ।ऽ।।

शुक्ले ४ रवौ मघा. ल. अन्यगो. २ रे. ८।।।।।।ऽऽ।। वृषे गु. ७ पू.

" ६ भौमे उफा. ल. अन्यगो. रे. ६ ।ऽ।ऽ।ऽऽ।।

मार्गशीर्षमासः ।

(मार्गशीर्षादिमासेषु गोधूल्यां भौम ७।८ म दोषः)

कृष्णे ११ रवौ हस्ते ल. अ. अन्यगो. रे. ८।।।।।ऽअ.।ऽ।।

शुक्ले ४ रवौ उषा. ल. अन्यगो. रे. ६ऽऽ।।।।ऽऽ।। आवश्यके

" १० शुक्रे उभा. ल. गो. रे. ६।।।।।ऽचौ ऽऽ।ऽ दग्धा. आवश्यके

" १० शुक्रे रेव. ल. ६ (घ. ४८।३८ उ.) रे. ६ ।।।।।ऽ चौ ।।।। चं. ७ पू.

माधमासः ।

कृष्णे १० भौमे अनु. ल. ७।६ रे. ६ ।ऽ।।। ऽ अ ऽऽ।।

फाल्गुन मासः ।

कृष्णे ४ गुरौ हस्ते ल. ८।६ रे. ७ ।।।ऽशुऽ।ऽ।। पादवेधात् शुक्रस्यवेधाऽभावः

" ५ शुक्रे हस्ते ल. गो. रे. ६ ।।। ऽ शु ऽऽरो।ऽ।। पादतो वेधाऽभावः

" ६ शनौ स्वा. ल. ८ रे. ८ ऽऽ।।।।।।।

" ८ चंद्रे अनु. ल. ६ रे. ८।।।।। ऽ अ.।ऽ।।

" ६ भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे. ६ ।।।।।।ऽ।।

शुक्ले २ भौमे उभा. ल. ६।१० रे. ७ ऽऽ।।।ऽ।।।

चैत्रमासः।

कृष्णे १ बुधे हस्ते ल. ६।१० (घ. ४६४१ उ.) रे. ८।ऽ।।।ऽनृ ।।।।

" ४ शनौ स्वा. ल. गो. रे. ६ ।।।ऽ बुऽ।।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याभावः पादतो वेधाभावश्च

" ५ रवौ अनु. ल. ६।१० (घ. ५०।१६ उ.) रे ८ऽ।।।। ऽरो ।।।।

ति.	चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽर्हगंशः १०९१ सन् १९९५
१	श	४	५२	रे	६	३७	ऐं	८	१०	ब	४	५२	३०	५१	६	११	३०	१	मे. ९।३७	वक्री गुरुः ५७।५७ पूर्वास्तो बुधः १२ + April
२	र	८	२२	अ	१५	१	वै	८	४४	कौ	८	२२	४९	५०	१०	१२	१	२	मेषे	सिंघारा मस्स्यज. जिल्काद ११
३	चं	१३	३२	भ	२१	२३	वि	१०	६	ग	१३	३२	५३	४६	११	१३	२	३	बृ. ३८।९	भ. ४६।१७ उ. गणगौरी
४	मं	१६	३	कृ	२८	२८	प्री	११	५०	वि	१६	३	५७	४६	११	१४	३	४	वृषे	भ. १६।३ या.
५	बु	२५	२२	रो	३६	१०	आ	१४	२०	बा	२५	२२	३१	४८	१२	१५	४	५	वृषे	[+चंद्र दर्शनम् अप्रेल ४ता. ३०E
६	गु	३१	४६	मृ	४३	४०	सो	१६	५२	तै	३१	४६	५	४७	१३	१६	५	६	मि. ९।५५	[E संवत्सरारंभः नवरात्रा.
७	शु	३७	५३	आ	५०	५२	शो	१६	५	ग	४	४६	१०	४६	१४	१७	६	७	मिथुने	भ. ३७।५३ उ. रेवत्यां बुधः ४५।५४
८	श	४२	५१	पु	५६	३७	अ	२०	३१	वि	१०	२२	१४	४५	१५	१८	७	८	क. ४०	भ. १०।२२ या. पूभा. शुक्रः ४०।२५
९	र	४६	२६	पु	६०	०	सु	२०	५३	वा	१४	४०	१८	४४	१६	१९	८	९	कर्क	रामनवमी [B (सौरः १२।५) अश्वि. P
१०	चं	४८	२०	पु	१	८	धृ	१६	४८	तै	१७	२४	२२	४४	१६	२०	९	१०	कर्के	[P मेषे बुधः २०।३१
११	मं	४८	१६	श्ले	३	४८	शू	१७	१२	व	१८	१८	२६	४३	१७	२१	१०	११	सिं. ३।४८	भ. १६ उ. १६ या. कामदा ११ व्र.
१२	बु	४६	१	म	४	२२	गं	१३	७	ब	१७	८	३०	४२	१८	२२	११	१२	सिंहे	स्वाती २ राहुः आश्वि ४ केतुः २०।१६
१३	गु	४१	५३	पू	५९	५७	वृ	७	२२	कौ	१३	५७	३४	४१	१९	२३	१२	१३	कं. ३७	प्रदोषः [A ग्रस्तोदयं चंद्रग्रहणम्
१४	शु	३६	३	ह	५५	८	धु	१७	५१	ग	८	५८	२८	४०	२०	२४	१३	१४	कन्यायां	भ. ३६।३ उ. अश्वि मेषेऽर्कः ९।४०B
१५	श	२८	५०	चि	४९	४९	ह	४३	२	वि	२	२६	४२	४०	२०	२५	१४	१५	तु. ३२	भ. २।२६ या. हनुमन्जयंती. पूर्व भारते A

५२ पं.चै.शु.५ बु.इ.५३।५४

गोचर ग्रहः

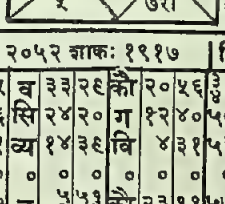

चैत्र शुक्ले १४

शुक्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहः

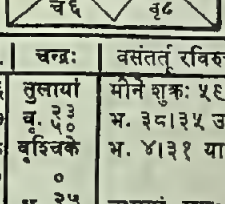

१ पं.चै.शु.१४ बु.इ. ९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	७	१०	१०	६	११
२१	२०	१२	२१	१६	२४	१२	२१
५३	५८	५५	३७	४०	४८	५५	५१
३१	३०	४२	५	५	५४	५८	२६
५९	१०	५८	४८	७२	६	३	५९
४	१६	९	व.	२	४६	११	४

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	र	२०	५६	स्वा	४३	३५	व	३३	२९	कौ	२०	५६	३१	३९	२१	२६	१५	१६	तुलायां	मीने शुक्रः ५६।३४
२	चं	१२	४०	वि	३७	१६	सि	२४	२०	ग	१२	४०	५०	३८	२२	२७	१६	१७	वृ. ५०	भ. ३८।३५ उ.
३	मं	४	३१	अ	३१	११	व्य	१४	३९	वि	४	३१	५३	३७	२३	२८	१७	१८	वृश्चिके	भ. ४।३१ या. चतुर्थी व्र
४	मं	५२	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	४९	४३	ज्ये	२५	५७	व	४३	५९	कौ	२३	११	५७	३७	२३	२९	१८	१९	ध. ५७	उभायां. शुक्रः ४६।५५
६	गु	४३	३१	मू	२१	२९	शि	५०	१३	ग	१६	३७	३३	३६	२४	३०	१९	२०	धनुषि	भ. ४३।३१ उ. भरण्यां बुधः ३७।९
७	शु	३८	४०	पू	१८	१३	सि	४३	४५	वि	११	५	५	३५	२५	१	२०	२१	म. ३२	भ. ११।५ या. भा. वैशाखारंभः
८	श	३४	५०	उ	१६	६	सा	२८	१४	बा	६	४५	९	३४	२६	२	२१	२२	मकरे	पूभा. ३ शनिः ४१।१
९	र	३२	१८	श्र	१५	५	शु	३३	५३	तै	३	३४	१२	३४	२६	३	२२	२३	कुं. ४५।९	
१०	चं	३०	४४	ध	१५	१३	शु	३०	२४	व	१	३१	१६	३३	२७	४	२३	२४	कुम्भे	भ. १।३१ उ. ३०।४४ या.
११	मं	३०	२५	श	१६	३१	ब्र	२७	४६	ब	०	३४	२०	३२	२८	५	२४	२५	कुम्भे	वरूधिनी ११ व्र.
१२	बु	३१	३२	पू	१९	५	ऐं	२६	१	कौ	०	५८	२३	३१	२९	६	२५	२६	मी. ३।२७	बुधोदयः पश्चिमायाम् १५।२१
१३	गु	३३	२९	उ	२२	३४	वै	२५	२८	ग	२	३०	२७	३१	२९	७	२६	२७	मीने	भ. ३३ उ. भरण्यां रविः ४३ (सौरः ५३)×
१४	शु	३६	४१	रे	२७	४	वि	२५	२६	वि	५	५	३१	३०	३०	८	२७	२८	मे. २७।४	भ. ५।५ या. वृषे बुधः ५४।२३
१५	श	४०	४५	अ	३२	३४	प्री	२६	३	च	८	४३	३४	२९	३१	९	२८	२९	मेषे	[× कृत्ति :बुधः ९।२ प्रदोष व्र.

२ पं. वै. कृ' ७ शु.इ. ९।५४

गोचर ग्रहः

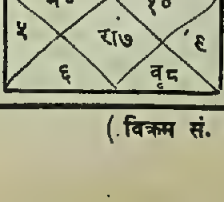

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथिक्षय और शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि दरेक वस्तु में मंदी करे धान्य मंदा होगा घृत चांदी रुई तेज।

गोचर ग्रहः

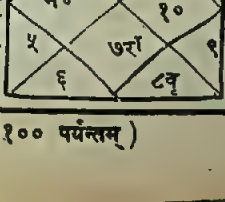

३ पं.वै.कृ.१४ शु.इ.१०।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	७	११	१०	६	०
१३	२५	२८	२०	१३	२७	११	१३
३९	५३	३६	३२	२७	१२	४५	३६
४७	१७	११	३१	३६	४३	२२	१४
५८	२२	५९	५३	७३	५	३	५८
१९	२३	९	व.	१	५०	१४	१२

ति.	वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेहर्गणः ११२० स. १९९५
१	र ४५ ५६ भ ३९ ११ आ २० ३५ किं १३ ३४	३२	२८	३३	१०	२९	३०	बृ. ५५	रेवत्यां शुक्रः ४८।२०
२	चं ५१ ३७ कृ ४६ ७ सौ २९ ३१ बा १८ ५६	४१	२८	३२	११	३०	१	वृषे	चंद्र दर्शनम् मई ५ ता. ३१
३	मं ५७ ४७ रो ५३ ४६ शो ३१ ५३ तै २४ ४२	४५	२७	३३	१२	१	२	वृषे	परशुरामजयंती अक्षया ३ जिल्हेज १२
४	बु ६० ० मृ ६० ० अ ३४ १७ व ३० ४९	४८	२६	३४	१३	२	३	मि. २७	भ. २०।५९ उ. रोहि. बुधः ५८।५१
४	गु ४ ११ मृ १ २० सु ३६ ५३ वि ४ ११	५२	२६	३४	१४	३	४	मिथुने	भ. ४।११ या. वक्री ज्येष्ठा. १ गुरुः ३१।०
५	शु १० ११ आ ८ ५० धृ ३८ ५७ बा १० ११	५५	२५	३५	१५	४	५	क. ५८	पालस्पर्शः ४६।५२
६	श १५ ४१ पु १५ ३५ श्ले ४० ११ तै १५ ४१	५८	२४	३६	१६	५	६	कर्के	पालमोक्षः १५।७
७	र २० ४ पु २१ ११ गं ४० २३ व २० ४	३३	२४	३६	१७	६	७	कर्के	भ. २०।४ उ. ५१।२८ या.
८	चं २२ ५२ श्ले २५ १३ वृ ३९ १५ ब २२ ५२	५	२३	३७	१८	७	८	सिं. २५	[=(सौरः ४१।२२) अश्वि. मेषे शुक्रः×
९	मं २३ ४९ म २७ २६ धु ३६ ३२ कौ २३ ४९	८	२२	३८	१९	८	९	सिंहे	[× ५१।१४ : मोहिनी ११ व्र.
१०	बु २२ ४४ पू २७ ४३ ब्या ३२ २४ ग २२ ४४	११	२२	३८	२०	९	१०	कं. ४२	भ. ५१।१० उ. मघा. सिंहे भौमः २४।४१
११	गु १९ ३७ उ २५ ५५ ह २६ २४ वि १९ ३७	१४	२१	३९	२१	१०	११	कन्यायां	भ. १९।३७ या.कृत्ति. रविः ३५।४९=
१२	शु १४ २६ ह २२ ७ व १८ ५८ बा १४ २६	१७	२१	३९	२२	११	१२	तु. ४९	प्रदोषः
१३	श ७ २३ चि १६ ३७ सि १० ४ तै ७ २३	२०	२०	४०	२३	१२	१३	तुलायां	भ. ५९।३ उ. नृसिंह १४
१४	श ५१ ४० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	र ४९ ४६ स्वा १० १ व्य ५९ ३५ वि २४ २४	३३	१९	४१	२४	१३	१४	वृ. ३३	भ. २४।२४ या. यमाय सान्नजलकुंभदानं

४ पं. वै. शु. ५ शु. इ. १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	७	११	१०	६	०
२०	२८	१०	१९	२१	२७	११	२०
२७	११	१७	५६	५५	५२	२३	२२
२५	५६	३१	२	३४	२३	७	५७
५८	२४	९०	६	७३	५	३	५७
६	४९	२८	व.	१४	२४	११	५७

गोचर ग्रहाः

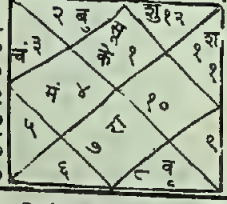

इस मास में घटा बढी अधिक होगी सुदी १५ के आसपास चांदी घृत चावल तेज हो मंदी में अनाज संग्रह करनाश्रेष्ठ है।

गोचर ग्रहाः

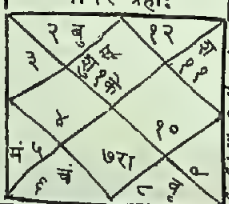

५ पं. वै.शु. १२ शु.इ. १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	७	०	१०	६	०
२७	०	१८	१९	०	२८	११	२७
१३	४७	४५	१३	२३	२८	०	०८
३७	१३	४०	१२	४६	३४	५१	११
५७	२६	५६	४९	७३	४	३	५७
१४	४४	४१	व.	२६	५७	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा.;
१	चं ४० १५ वि ४८ ५३ प ३९ १८ बा १५ ०	३३	१९	४९	२५	१४	१५	वृश्चिके	वृषेऽर्कः ३।४ (सौरः ९।९)
२	मं ३० ४४ ज्ये ४७ ५० शि २८ ४४ तै ५ २९	२८	१८	४२	२६	१५	१६	ध. ५७	भ. ५६।९ उ.
३	बु २१ ३४ मू ४१ २६ सि १८ ४३ वि २१ ३४	३१	१८	४३	२७	१६	१७	धनुषि	भ. २१।३४ या. चतुर्थी व्र.
४	गु १३ २० पू ३६ २ सा ९ ३५ बा १३ २०	३४	१७	४३	२८	१७	१८	म.५०।२	मृगे बुधः ३७।११
५	शु ६ ४४ उ ३२ ३ शु ४० ५३ तै ६ ४४	३७	१७	४३	२९	१८	१९	मकरे	
६	श २७ ७ ३६ श्र २९ ४४ ब्र ४९ २८ व १ २७	३९	१६	४४	३०	१९	२०	कुं. ५९	भ. १।२७ उ. २९।४३ या.
८	र ५६ ११ ध २९ १० ऐ ४५ २५ बा २७ १०	४२	१६	४४	३१	२०	२१	कुंभे	
९	चं ५६ ४ श ३० ५ वै ४२ ४६ तै २६ ७	४४	१५	४५	१	२१	२२	कुंभे	भरण्यां शुक्रः ५३।५३ भा. ज्येष्ठारंभः
१०	मं ५७ २५ पू ३२ ४७ वि ४१ २० व २६ ४४	४७	१५	४५	२	२२	२३	मी. १७	भ. २६।४४ उ. ५७।२५ या. वक्री×
११	बु ६० ० उ ३६ ४१ प्री ४१ १ ब २८ ४५	४९	१४	४६	३	२३	२४	मीने	अपरा ११ व्र. स्मा. [× बुधः–६।४७
११	गु ० ५ र ४१ ४७ आ ४१ ४३ बा ० ५	५२	१४	४६	४	२४	२५	मे. ४७	रोहि. रवि.: २६।३८ (सौरः ३५।१७)+
१२	शु ३ ५६ अ ४७ ४७ सो ४२ ४६ तै ३ ५६	५४	१३	४७	५	२५	२६	मेषे	बुवास्तः पश्चिमायां ३९।१३ प्रदोषः
१३	श ८ ४० भ ५४ ४४ शो ४४ ३९ व ८ ४०	५६	१३	४७	६	२६	२७	मेषे	भ. ८।४० उ. ४१।३१ या.
१४	र १४ २१ कृ ६० ० अ ४६ ४० श १४ २१	५८	१२	४८	७	२७	२८	बृ. ११	[+अपरा ११ व्र. वै.
३०	चं २० १० कृ १ ४८ सु ४८ ५९ ना २० १०	३४	१२	४८	८	२८	२९	वृषे	सोमवती ३० वटपूजनम्

६ पं. ज्ये. कृ. ५ शु. इ. १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	७	०	१०	६	१
३	३	२३	१८	८	२९	१०	३
५८	३६	३०	२५	५२	१	२८	५१
३७	५०	१८	१२	५५	१६	३६	५२
५७	२८	१८	२९	७३	४	३	५७
५४	४४	२३	व.	४३	२६	११	२४

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ कृष्णे १ चं द्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टःवा. ४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० घान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

७ पं.ज्ये.कृ. १२ शु.इ. १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	७	०	१०	६	१
१०	६	२४	१७	१७	२९	१०	१०
४२	३९	१६	३३	२२	३०	१६	३४
२९	५८	२६	२९	२६	२९	२०	०३
५७	३०	१४	५९	७३	३	३	५७
३५	२०	व.	५०	५७	११	२३	

×१शु चं

ति.	ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे हर्गणः ११५० स. १९९५
१	मं	२६	१७	रो	९	१८	धृ	५१	३१	ब	२६	१७	३४/२१	५/१२	६/४८	९	२९	३०	मि.४३।३	वक्री रोहि. बुधः ६।४१
२	बु	३२	३०	मृ	१६	४९	शू	५३	५२	बा	३२	३०	३	११	४९	१०	३०	३१	मिथुने	स्वाती १ राहु आश्वि. ३ केतुः१९।४७+
३	गु	३८	३२	आ	२४	१८	गं	५६	२	तै	५	३१	५	११	४९	११	१	१	मिथुने	जन६ ता. ३० मोहोरम १ सन् १४१६ हि.
४	शु	४३	५०	पु	३१	६	वृ	५७	३१	व	११	११	७	११	४९	१२	२	२	क. १४/२४	भ. ११।११ उ.४३।५० या. कृति. शुक्र×
५	श	४८	२०	पु	३७	१४	ध्रु	५८	३०	ब	१६	५	९	१०	५०	१३	३	३	कर्क	पूभा. ४ मीने शनिः ३७।४५
६	र	५१	३७	श्ले	४२	१६	व्या	५८	२६	कौ	१९	५८	१०	१०	५०	१४	४	४	सिं. ४२/१६	[+चंद्र दर्शनम्
७	चं	५३	२९	म	४५	४१	ह	५७	१३	ग	२२	२३	१२	१०	५०	१५	५	५	सिंहे	भ. ५३।२९ उ. वृषे शुक्रः ३१।३२
८	मं	५३	३७	पू	४७	४०	व	५४	२३	वि	२३	५५	१३	९	५१	१६	६	६	सिंहे	भ. २३।५५ या.
९	बु	५१	५३	उ	४७	५०	सि	५०	१७	बा	२२	१५	१५	९	५१	१७	७	७	कं २।४२	[×४९।९ वक्री अनु. ४ गुरुः ९।२७
१०	गु	४८	१५	ह	४६	५	व्य	४४	३५	तै	२०	४	१६	९	५१	१८	८	८	कन्यायां	मृगे रविः ३१/३१ (सौरः ३४।७) गंगादशमी
११	शु	४२	४६	चि	४२	१९	व	३८	१७	व	१५	३०	१७	९	५१	१९	९	९	तु. १४/११	भ. १५।३० उ. ४२।४६ या. पूफा. A
१२	श	३५	३५	स्वा	२७	२	प	२८	४९	ब	९	१०	१८	८	५२	२०	०	१०	तुलायां	प्रदोष व्र.
१३	र	२७	२	वि	३०	२९	शि	१९	५	कौ	१	१८	१९	८	४२	२१	११	११	वृ. १७।८	[Aभौमः १८।५१ निर्जला ? ११ व्र.
१४	चं	१७	१८	अ	२२	५२	सि	८/३३	४९/१५	व	१७	१८	१९	८	४२	२२	१२	१२	वृश्चिके	भ. १७।१८ उ. ४२।२० या.
१५	मं	७	२२	ज्ये	१४	४८	शु	४६	४७	ब	७	२२	२०	८	५२	२३	१३	१३	ध. १४/४८	रोहि शुक्रः ४९।९ गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

८ पं.ज्ये.शु.४ शु.इ.१०।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१	७	०	१०	६	१
१७	९	२१	१६	२५	२९	९	१७
२५	५३	५२	४०	५२	५५	५४	१५
१९	२	४१	१२	५९	५	४	९
५७	३१	३०/४९	५/५२	७३	३	३	५७
२७	२८	व.	व.	५४	२४	११	१३

गोचर ग्रहाः

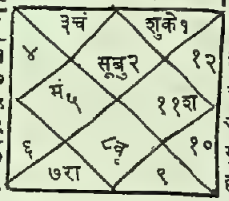

इस मास में गर्मी अधिक रोग पीड़ा हो। जौ गेहूं चना चावल मसूर मूंग उड़द घृत तिल तैल गुड़ खांड में मंदी होकर तेजी होगी.

गोचर ग्रहाः

९ पं.ज्ये.शु.११शु.इ. ११।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	७	१	११	६	१
२४	१३	१८	१५	४	०	९	२३
७	१५	१९	४६	२३	१५	३१	५५
१९	४३	३४	५९	५३	४३	४९	०५
५७	३२	३९/२९	५/५२	७४	२	३	५७
२२	४६	व.	व.	२	३९	११	५

ति.	आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ज्जेष्ठ कृष्णेतिः महाः
१	मं	४९	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	४७	३४	मू	६/५८	५३/५६	शु	३६	१०	तै	२२	२५	३४/२१	५/८	६/५२	२४	१४	१४	धनुषि	बुधोदयः पूर्वस्याम् ४३।५८
३	गु	३९	२	उ	५३	५१	ब्र	२६	३१	व	१३	१८	२१	८	५२	२५	१५	१५	म. १३/२३	भ. १३।१८ उ. ३९।२ या.मियुनेऽर्कः B
४	शु	३१	५२	श्र	४९	२९	ऐं	१७	५४	ब	५	२७	२२	८	५२	२६	१६	१६	मकरे	[B२०।५(सौरः३४।५५)-च. व्र.
५	श	२६	४३	ध	४६	५८	वै	१०	४०	तै	२६	४३	२२	८	५२	२७	१७	१७	कुं. १७/४३	
६	र	२३	२५	श	४६	१८	वि	५	४	व	२३	२५	२३	७	५३	२८	१८	१८	कुंभे	भ. २३।२५ उ. ५२।५२ या. मार्गी बुधः
७	चं	२२	१९	पू	४७	४७	प्री	१/८	५७/३७	ब	२२	१९	२३	७	५३	२९	१९	१९	मी. ३२/२४	
८	मं	२३	९	उ	५१	१	सौ	५७	४६	कौ	२३	९	२३	७	५३	३०	२०	२०	मीने	[C(सौरः ३६।२८) भा. आषाढारंभः
९	बु	२५	४२	रे	५५	५८	शो	५९	२८	ग	२५	४२	२४	७	५३	३१	२१	२१	मे. ५५/५८	भ. ५७।४४ उ.
१०	गु	२९	४६	अ	६०	०	अ	५९	३२	वि	२९	४६	२४	७	५३	१	२२	२२	मेषे	भ.२९।४६ या. आर्द्रा. रवि. १९।० C
११	शु	३४	४४	अ	२	१६	सु	६०	०	ब	२	१५	२४	७	५३	२	२३	२३	मेषे	योनिनी ११ व्र.
१२	श	४०	४६	भ	९	१३	सु	१	३५	कौ	७	४५	२४	७	५३	३	२४	२४	बृ.२६।३	मृगे शुक्रः ४२।१
१३	र	४६	५२	कृ	१६	३४	धृ	३	५७	ग	१३	४९	२४	७	५३	४	२५	२५	वृषे	भ. ४६।५२ उ. प्रदोष व्र.
१४	चं	५२	५८	रो	२४	११	शू	६	२८	वि	१९	५५	२३	७	५३	५	२६	२६	मि. ५७/५४	भ. १९।५५ या.
३०	मं	५९	४	मृ	३१	३७	गं	८	५९	च	२६	१	२३	७	५३	६	२७	२७	मिथुने	

१० पं. आ. कृ. ४ शु.इ.१०/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	७	१	११	६	२
०	१६	१६	१४	१२	०	९	०
४८	४६	७	५५	५५	३१	९	३४
३६	५५	३४	२६	१६	४४	३३	१४
५७	३३	१२/२३	७	७४	२	३	५६
१७	३३	व.	२२	८	१	११	५७

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे ३ गुरौ मिथुने ऽर्क प्रविष्ट वा. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

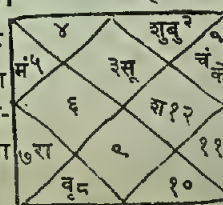

११ पं.आ.कृ. ११ शु.इ. १०/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	७	१	११	६	२
७	२०	१७	१४	२१	०	८	७
२९	२६	११	८	२७	४२	१२	१२
३१	२	२४	१०	१८	४७	१८	४१
५७	३४	१९/४५	६	७४	१	३	५६
१३	३८	मा	४०	१४	२२	११	५४

ति.	आषाढ़ शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११७९ सन् १९९५
१	बु	६०	०	आ	३८	५२	वृ	११	१६	किं	३१	४९	३४/२२	५/८	६/५२	७	२८	२८	मिथुने	
१	गु	४	३४	पु	४५	२९	ध्रु	२३	६	ब	४	३४	२२	८	५२	८	२९	२९	क. २८/५०	चंद्र दर्शनम्
२	शु	९	२५	पु	५१	१६	व्या	१४	३१	कौ	९	२५	२१	८	५२	९	१	३०	कर्के	मिथुने शुक्रः १०।४६ रथयात्रा सफर २
३	श	१३	३०	श्ले	५६	१६	ह	१५	१९	ग	१३	३०	२०	८	५२	१०	२	१	सिं. ५६/१६	भ. ४४।५८ उ. मृगे बुधः २४।५६ वक्री×
४	र	१६	२६	म	६०	०	व	१५	८	वि	१६	२६	१९	८	५२	११	३	२	सिंहे	भ. १६।२६ या.
५	चं	१८	२५	म	०	११	शि	१४	२९	बा	१८	२५	१८	८	५२	१२	४	३	सिंहे	[×:अनु. ३ गुरुः ५।२ जौलाई ३१
६	मं	१९	२	पू	२	४९	व्य	१२	४५	तै	१९	२	१७	९	५१	१३	५	४	कं. १८/११	उका. भौमः ४७।५० [B३९।१३
७	बु	१८	१८	उ	४	१९	व	९	४५	व	१८	१८	१६	९	५१	१४	६	५	कन्यायां	भ. १८।१८ उ. ४७।१० या. आर्द्रा शुक्रः B
८	गु	१६	२	ह	४	१६	प	५	३१	ब	१६	२	१५	९	५१	१५	७	६	तु. ३३/२६	पुन. रवि. १७।५० (सौरः ४०।३०)=
९	शु	१२	५	चि	२/३५	५६/४४	सि	०/४	५३/१९	कौ	१२	५	१४	९	५१	१६	८	७	तुलायां	[= मिथुने बुधः ४१।१० वक्री शनिः ५४/५३
१०	श	६	५०	वि	५४	४३	सा	४५	३२	ग	६	५०	१३	९	५१	१७	९	८	वृ. ४०/५२	भ. ३३।२७ उ. देवशयनी ११ व्र. स्मा.
११	र	०	४	अ	४८	५५	शु	३६	४१	वि	०	४	०	१०	५०	१८	१०	९	वृश्चिके	भ. ०।४ या. देवशयनी ११ व्र. वै.
१२	र	५१	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	११	०	०	०	०	०	०	[Aबुधः १३।५८ वायुपरीक्षा
१३	चं	४३	२	ज्ये	४१	५९	शु	२६	४४	कौ	१७	३१	१०	१०	५०	१९	११	१०	ध. ४१/५९	कन्यायां भौमः २०।४२ प्रदोषः
१४	मं	३३	२९	मू	३४	४२	ब्र	१६	३१	ग	८	१५	८	१०	५०	२०	१२	११	धनुषि.	भ. ३३।२९ उ. ५८।३३ या. आर्द्रा. A
१५	बु	२३	३६	पू	२७	१७	ऐं	५/५९	४९/४४	ब	२३	३६	७	११	४९	२१	१३	१२	म. ४०/३२	व्यासपूजा. गुरु १५

१२ पं. आ. शु. २ शु. इ. १०/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	७	२	११	६	२
१४	२४	२२	१३	०	०	८	१३
९	१३	१०	२४	०	४९	२५	५०
५८	४१	४१	१६	७	३७	२	४६
५७	३५	५६	५/५०	७४	०	३	५६
७	१९	९	व.	२०	४३	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में घट विटी बजार में अधिक रहेगी तेजीमें बेचो मंदी में खरीदो फायदा होगा। सुदी में मंदी होवे और वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

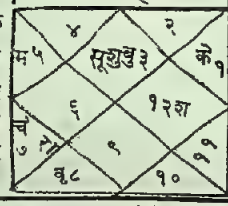

१३ पं. आ. शु. ९ शु. इ. १०/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	७	२	११	६	२
२०	२८	०	१२	८	०	८	२०
५०	५	४४	४९	३३	५१	२	२८
२४	५३	१०	८	३६	२५	४६	४०
५७	३६	८९	४/४३	७४	०/८	३	५६
७	३	३२	व.	२९	व.	११	५०

ति.	श्रावणकृष्ण पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषा. कृष्णेति महा.
१	गु	१४	४२	उ	२०	२१	वि	४६	१	कौ	१४	४२	३४/५	५/११	४/४९	२२	१४	१३	मकरे	[+ पूर्वस्याम् ३६/२३ नाग ५ मरुस्थले
२/३	शु	६/३४	५३/१९	श्र	१४	१८	प्री	३७	२४	ग	६	३४	३	११	४९	२३	१५	१४	कुं ४२/११	भ. ३३।१४ उ. ५४।५३ या.
४	श	५४	२०	ध	१०	४	आ	३०	१०	ब	२७	६	१	१२	४८	२४	१६	१५	कुम्भे	चतुर्थी व्र.
५	र	५२	२९	श	७	३८	सौ	२४	३१	कौ	२३	२४	३३/५९	१२	४८	२५	१७	१६	मी. ५२/२२	कर्केऽर्कः ४७/१६ पुन. शुक्रः २९/२१ बुधास्तः+
६	चं	५२	७	पू	७	१६	शो	२०	४०	ग	२२	१८	५७	१३	४७	२६	१८	१७	मीने	भ. ५२।७ उ. कर्केऽर्कः सौरः १४।१४
७	मं	५३	४१	उ	९	८	अ	१८	२०	वि	२२	५४	५५	१३	४७	२७	१९	१८	मीने	भ. २२।५४ या. पुन. बुधः १२।४२
८	बु	५७	११	रे	१२	५०	सु	१७	५४	बा	२५	२६	५२	४४	४६	२८	२०	१९	मे. १२/५०	[×कामिका ११ व्र.
९	गु	६०	०	अ	१८	१९	धृ	१९	१६	तै	२९	३५	५०	१४	४६	२९	२१	२०	मेषे	पुष्ये रविः १६।३४ (सौरः ४३।५५
९	शु	१	५९	भ	२४	४९	शू	१९	५९	ग	१	५९	४८	१४	४६	३०	२२	२१	वृ. ४१/४०	भ. ३५।१ उ.
१०	श	८	४	कृ	३२	१३	गं	२२	२०	वि	८	४	४५	१५	४५	३१	२३	२२	वृषे	भ. ८।४ या.
११	र	१४	१०	रो	३९	५३	वृ	२४	५०	बा	१४	१०	४३	१५	४५	१	२४	२३	वृषे	कर्के बुधः ५।१८ भा. श्रावणारंभः
१२	चं	२०	२६	मृ	४७	२८	ध्रु	२७	२२	तै	२०	२६	४०	१६	४४	२	२५	२४	मि. १३/४०	पुष्ये बुधः ४०/४० कर्के शुक्रः ३७/१३ प्रदोषः
१३	मं	२६	२४	आ	५४	९	व्या	२९	४४	व	२६	२४	३८	१६	४४	३	२६	२५	मिथुने	भ. २६।२४ उ. ५९।१ या.
१४	बु	३१	३८	पु	६०	०	ह	३१	३४	श	३१	३८	३५	१७	४३	४	२७	२६	क. ४४/१७	
३०	गु	३५	५८	पु	०	५९	व	३२	३९	च	३	४८	३३	१७	४३	५	२८	२७	कर्के	पुष्ये शुक्रः २२/२१ हस्ते भौमः ४२/२९ हरियाली ३०

१४ पं. श्रा. कृ. २ शु. इ. १०/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	७	२	११	६	२
२७	२	१२	१२	१७	०	७	२७
३०	४	१४	२०	७	४८	४०	६
४३	५	२	५६	५५	२५	३१	४७
५७	३६	१२३/२७	३/३७	७४	४९/०	३	५६
११	३५		व.	२६	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

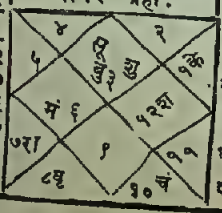

श्रावण कृष्णे ५ रवौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्.

गोचर ग्रहाः

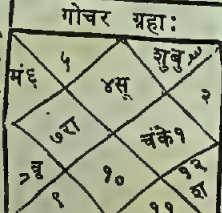

१५ पं. श्रा. कृ. ९ शु. इ. १०/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	७	२	११	६	३
४	६	२६	१२	२५	०	७	३
११	८	६	०	४३	४०	१८	४५
२८	३८	३६	४३	२३	२३	१५	१४
५७	३७	१२३/२७	२/२२	७४	१/३१	३	५६
१५	२५		व.	२९	व.	११	५८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												वि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२०९ सन् १९९५
१	शु	३९	५	पु	६	१९	सि	३३	५०	किं	७	३२	३३/३०	५/१८	६/४२	६	२९	२८	कर्के	
२	श	४१	१३	श्ले	१०	४७	व्य	२३	२३	बा	१०	९	२७	१९	४१	७	३०	२९	सिं१०।४७	चंद्र दर्शनम्.शुक्रास्तः पूर्वस्यां २८/४८ सिंवारा
३	र	४२	२०	म	१४	०	व	३१	१४	तै	११	४६	२४	१९	४१	८	१	३०	सिंहे	आश्ले. बुधः ५३।३८ तीज. रविलावल ३
४	चं	४२	२८	पू	१६	२१	प	२८	५१	व	१२	२४	२२	२०	४०	९	२	३१	कं३१।४१	भ. १२।२४ उ. ४२।२८ या. वरद ४
५	मं	४१	२८	उ	१७	४१	शि	२५	५६	ब	११	५८	१९	२०	४०	१०	३	१	कन्ययां	अगस्त ३१ नागपंचमी [C भद्रोत्तरम्
६	बु	३९	२७	ह	१८	१२	सि	२२	२८	कौ	१०	२७	१६	२१	३९	११	४	२	तु४७।४५	मार्गी गुरुः ३।४४ चित्रा ४ राहु आश्वि.=
७	गु	३६	१८	चि	१७	१९	सा	१६	४०	ग	७	५२	१३	२१	३९	१२	५	३	तुलायां	भ. ३६।१८ उ. आश्ले रवि. १३।३५ ×
८	शु	३२	१९	स्वा	१५	३३	शु	१२	११	वि	४	१८	१०	२२	३८	१३	६	४	वृ५७।२६	भ. ४।१८ या. [×(सौरः ४४।४२)
९	श	२७	२०	वि	१२	४३	शु	५/५७	५२/४६	कौ	२७	२०	७	२३	३७	१४	७	५	वृश्चिके	[= २ केतुः १२।६
१०	र	२१	१२	अ	८	४९	ऐं	५०	४९	ग	२१	१२	४	२३	३७	१५	८	६	वृश्चिके	भ. ४७।४२ उ. मघा. सिंहे बुधः ३२।११
११	चं	१४	१३	ज्ये	४/८	५४/३२	त्रै	४२	८	वि	१४	१३	०	२४	३६	१६	९	७	ध.४।८	भ. १४।१३ या. आश्ले. शुक्रः ९।३९ ÷
१२	मं	६	२८	पू	५२	३२	वि	३३	२	बा	६	२८	३३/५७	२५	३५	१७	१०	८	धनुषि	प्रदोषः [÷वक्री पूभा ३कुंभे शनिः ५९/४० A
१३	मं	५१	५८	०	०	०	०	००	०	०	००	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	[A पवित्रा ११ व्र.
१४	बु	५०	३	उ	४६	४२	प्री	२३	४२	ग	२४	१४	५४	२५	३५	१८	११	९	म. ६।५	भ. ५०।३ उ. बुधोदय. पश्चिमायां ५५/३७
१५	गु	४२	२१	श्र	४०	५६	आ	१४	२६	वि	१६	१२	५०	२६	३४	१९	१२	१०	मकरे	भ. १६।१२ या. श्रावणी कर्म रक्षाबंधनंC

१६पं. श्रा.शु.१शु. इ. १०/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	७	३	११	६	३
१०	१०	१०	११	४	०	६	१०
५२	१७	५९	४९	१९	२७	५६	२४
३०	३५	५३	१	३७	४३	०	३१
५७	३७	४/१८	०/५८	७४	२/१०	३	५७
२०	५२	५८	व.	३२	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ है वर्षा उत्तम होगी अनाज गला में मंदी, सुदी में चांदी सोनां तेंज होगा। सुदी में कही २ वर्षा कम होगी।

गोचर ग्रहाः

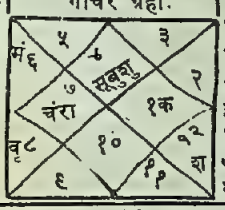

१७पं. श्रा. शु. ८शु. इ. १०/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	७	३	११	६	३
१७	१४	२५	११	१२	०	६	१७
३४	३१	१७	४७	५७	१०	३३	०४
१२	५२	३५	६	७	२३	४४	१९
५७	३८	४/१९	०/२५	७४/३२	२	३	५७
२५	२५	२२	मा	व.	४३	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्राव. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	शु	३५	४३	ध	३६	६	सौ	५/४६	५२/५	बा	९	२	३२/४७	५/२७	६/३३	२०	१३	११	कुं८।३१	
२	श	३०	२२	श	३२	२९	अ	५१	१२	तै	३	२	४४	२७	३३	२१	१४	१२	कुंभे	भ. ५८।३५ उ.
३	र	२६	४७	पू	३०	४२	सु	४६	१	वि	२६	४७	४०	२८	३२	२२	१५	१३	मी१६।९	भ. २६।४७ या. पूफा. बुधः ५२।१ च.व्र.
४	चं	२५	१९	उ	३१	१५	धृ	४२	१९	बा	२५	१९	३७	२९	३१	२३	१६	१४	मीने	[×(सौरः ४१।७)मघा सिंहे शुक्रः ५८/५५=
५	मं	२५	४९	रे	३३	२८	शू	४०	२३	तै	२५	४९	३३	२९	३१	२४	१७	१५	मे३३।२८	चंद्रष्ठमी [= जन्माष्टमी व्र. स्मा.
६	बु	२८	२३	अ	३७	२९	गं	४०	२	व	२८	२३	३०	३०	२०	२५	१८	१६	मेषे	भ. २८।२३ उ.
७	गु	३२	३४	भ	४३	१६	ब	४०	३८	वि	०	२८	२६	३१	२९	२६	१९	१७	मेषे	भ. ०।२८ या. मघा सिंहेऽर्क ७।३७×
८	शु	३८	१९	कृ	५०	१३	धृ	४२	३१	बा	५	२६	२२	३२	२८	२७	२०	१८	वृ०।१	चित्रा भौमः १९।४९ जन्माष्टमी व्र. वै
९	श	४४	१९	रो	५७	४०	व्या	४४	३८	तै	११	१९	१९	३२	२८	२५	२१	३१	वृषे	गोगा ९
१०	र	५०	३४	मृ	६०	०	ह	४७	१८	व	१७	२६	१५	३३	२७	२९	२२	२०	मि३१।२८	भ. १७।२६ उ. ५०।३४ या.
११	चं	५५	३०	मृ	५	१६	व	४९	४३	ब	२३	२	१२	३४	२६	३०	२३	२१	मिथुने	अजा. ११ व्र.
१२	मं	६०	०	आ	१२	२६	सि	५१	३१	कौ	२८	३९	८	३४	२६	३१	२४	२२	मिथुने	उफा बुध. १४।० वत्सद्वादशी
१२	बु	१	४९	पु	१८	५५	व्य	५२	३२	तै	१	४९	४	३५	२५	१	२५	२३	क२।१८	रा. भाद्रपदारंभः प्रदोषः
१३	गु	५	४६	पु	२४	११	व	५२	४०	व	५	४६	१	३६	२४	२	२६	२४	कर्के	भ. ५।४६ उ. ३७।३ या. कन्यायां B
१४	शु	८	१९	श्ले	२८	१०	प	५१	४३	श	८	१९	३१/५७	३७	२३	३	२७	२५	सिं२८।१०	[B बुधः ३१।१३
३०	श	९	३७	म	३०	५२	शि	४९	३९	ना	९	३७	५३	३७	२३	४	२८	२६	सिंहे	कुशग्रहणी मन्वादिः

१८पं.भा.कृ.१शु.इ.१०।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	७	३	१०	६	३
२४	१८	८	११	२१	२९	६	२३
१६	५०	२२	५३	३४	४९	११	४५
३७	२	३०	६	४१	१९	२८	२६
५७	३८	०/१९	१	७४	३/२२	३	५७
३३	५३	१३	३१	३८	व.	११	२२

१९पं.भा.कृ.८शु.इ. ९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	७	४	१०	६	४
०	२३	२०	१२	०	२९	५	०
५९	१३	१४	८	१३	२४	४९	२७
५३	३०	४६	४२	४१	२५	१३	३९
५७	३९	२८	२	७४	३	३	५७
४०	२३	५९	५७	३८	५२	११	३४

२०पं. भा.कृ.१४शु.इ.९/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	७	४	१०	६	४
७	२७	०	१२	८	२८	५	७
४४	४१	५६	३२	५३	५६	२६	११
२०	४९	१०	३१	५६	५६	५७	९
५७	३९	८७	४	७४	४/१९	३	५७
४९	५९	२७	५	३८	व.	११	४५

(सं० २००१ समारम्भ्य २१०० पर्यन्तम्)

| ति. | भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाक: १९१७ | | |

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२६८ स. १९९५
१	चं	३६	५२	ह	५०	१४	शु	२ ४०	५४ २५	किं	८	३६	२९ ५२	६ २	५ ५८	३	२८	५२	कन्यायां	मातामह श्रा. नवरात्रा.
२	मं	३२	१९	चि	४७	४०	ऐं	५०	४६	बा	४	३५	४८	२	५८	४	२९	२६	तु. १८।५७	चंद्र दर्शनम् [A जमादिलावल ५
३	बु	२७	८	स्वा	४४	१७	वै	४३	५०	ग	२७	८	४४	३	५७	५	१	२७	तुलायां	भ. ५४/२५ उ. हस्ते रविः २०।८ (सौरः=
४	गु	२१	४३	वि	४०	३८	वि	३६	२८	वि	२१	४३	४०	४	५६	६	२	२८	वृ २६।३२	भ. २१।४३ या. बुधास्तः पश्चिमाया ३७/४८
५	शु	१६	११	अं	३६	५७	प्री	२९	१६	बा	१६	११	३६	५	५५	७	३	२९	वृश्चिके	वक्री हस्ते बुधः ३४।४३ चित्रा शुक्र ५५/१४
६	श	१०	४६	ज्ये	३३	२९	आ	२२	७	तै	१०	४६	३२	६	५४	८	४	३०	ध, ३३।२९	ज्येष्ठा. १ गुरुः ४२।४
७	र	५	३१	मू	२९	५६	सौ	१४	४३	व	५	३१	२८	६	५४	९	५	१	धनुषि	भ. ५।३१उ.३२।५६ या. अक्टूबर ३१B
८	चं	०	२०	पू	२६	४९	शो	७	४४	ब	०	२०	२३	७	५३	१०	६	२	म, ४१।०	सरस्वतिपू. बलिदा. [×पपांकुशा ११व्र.
९	चं	५५	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	[=५०।१९) विशा. भौम. ४२।३२ A
१०	मं	५०	४९	उ	२३	३५	अ	४६	५३ २८	तै	२३	७	१९	८	५२	११	७	३	मकरे	विजयादशमी. [B सरस्वत्यावाहनम्
११	बु	४६	२९	श्र	२१	०	धृ	४७	५६	व	१८	३९	१५	९	५१	१२	८	४	कुं, ४९।५०	भ. १८।३९ उ. ४६।२९ या. चित्रा. ३÷
१२	गु	४१	४३	ध	१८	४१	शू	४१	५९	ब	१४	६	११	१०	५०	१३	९	५	कुंभे	तुलायां शुक्रः १६/६ शुक्रोदयः पश्चिमायां ४६/१३
१३	शु	३८	४६	श	१७	४	गं	३६	३१	कौ	१०	१४	७	११	४९	१४	१०	६	कुम्भे	प्रदोष व्र. [÷राहुः अश्वि. १ केतुः ४/२८×
१४	श	३७	४३	पू	१६	७	वृ	३१	४७	ग	८	१४	३	११	४९	१५	११	७	मी. १।२१	भ. ३७।४३ उ. कोजागरी व्र.
१५	र	३६	५४	उ	१६	२५	ध्रु	२७	५२	वि	७	१८	२८/५९	१२	४९	१६	१२	८	मीने	भ. ७।१८ या. शरद् पूर्णिमा.

२५ पं.आ.शु.५शु.इ.९।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	७	५	१०	६	५
११	२१	२३	१६	२२	२६	३	११
४६	०	४५	२५	२२	१९	३५	१३
५२	२९	२२	४१	४१	१६	३९	२९
५८	४१	५९/१६	९	७४	४/२२	३	५९
५३	५७	व.	१४	२६	व.	११	०

गोचर ग्रहाः

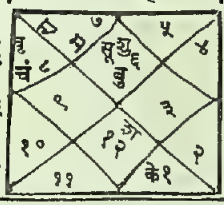

इस मास में ५ रवि वार रोगपीड़ाकारक है "पंचार्कवासरे रोगाः" रसपदार्थ गुड़ खांड धृत तेल अनाज गल्ला धातु आदि तेज हो।

गोचर ग्रहाः

२६ पं.आ.शु.१३ शु.इ. ८/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	७	६	१०	६	५
१८	२५	१६	१७	१	२५	३	१८
४०	५१	१७	३१	५	४९	१३	७
८	५०	४२	३४	२८	३०	२४	१६
५९	४२	८१/५८	९	७४	४/४	३	५९
९	२५	व.	५५	२६	व.	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्ण पक्षः सं. २०५२ शाकाः १९१७												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्वि. कृष्णेति महा.
१	चं	३७	२६	रे	१७	४९	व्या	२५	७	बा	७	१०	२८/५५	६/१३	५/४७	१७	१३	९	मे. १७।४९	[C सूर्यग्रहणम् अन्नकूट=
२	मं	३९	४२	अ	२०	४९	ह	२३	४९	तै	८	३४	५१	१४	४६	१८	१४	१०	मेषे	चित्रा. रविः ५२।१० स्वात्यां शुक्रः ३७।२
३	बु	४३	०	भ	२५	१०	व	२३	३	व	११	२१	४७	१५	४५	१९	१५	११	वृ. ४१।३७	भ. ११/२१ उ. ४३।० या. चित्रा. रविःसौरः २४/५३
४	गु	४८	९	कृ	३०	५९	सि	२३	३३	ब	१५	३५	४३	१५	४५	२०	१६	१२	वृषे	वृश्चि के भौमः ५।३६ बुधोदयः ÷
५	शु	५३	४३	रो	३७	२८	व्य	२४	५६	कौ	२०	५६	३९	१६	४४	२१	१७	१३	वृषे	[÷पूर्वस्याम् १३।५० च.व्र.
६	श	६०	०	मृ	४५	०	व	२६	५६	ग	२६	४३	३५	१७	४३	२२	१८	१४	मि ११।१४	मार्गी बुधः ९।३
६	र	०	४	अ	५२	३६	प	२९	१७	ब	०	४	३१	१८	४२	२३	१९	१५	मिथुने	भ. ०।४ उ. ३३।१५ या.
७	चं	६	२५	पु	५९	५२	शि	३१	३३	ब	६	२५	२७	१९	४१	२४	२०	१६	क. ४३।३	अनु. भौमः ४७।३४
८	मं	१२	१८	पु	६०	०	सि	३३	२६	कौ	१२	१८	२३	१९	४१	२५	२१	१७	कर्के	तुलायामर्कः ३५।५९
९	बु	१७	६	बु	६	२२	सा	३४	२३	ग	१७	६	२०	२०	४०	२६	२२	१८	कर्के	भ. ४८।४० उ.(तुलायामर्क ७।३७सौरः)
१०	गु	२०	१४	श्ले	११	१९	शु	३४	१७	वि	२०	१४	१६	२१	३९	२७	२३	१९	सिं ११।१९	भ. २०।१४ या. [= गोवर्द्धनपूजा
११	शु	२१	३७	म	१४	४७	शु	३२	४६	बा	२१	३७	१२	२२	३८	२८	२४	२०	सिंहे	ज्येष्ठा. २ गु १६।८ रमा ११ व्र.
१२	श	२१	१२	पू	१६	१४	ब्र	२९	३९	तै	२१	१२	८	२२	३८	२९	२५	२१	कं. ३१।१०	विशा. शुः २०।५२ प्रदोषः वन १३
१३	र	१८	४५	उ	१५	५६	ऐं	२५	८	व	१८	४५	४	२३	३७	३०	२६	२२	कन्यायां	भ. १८।४५ उ. ४६।४० यां. रूप १४
१४	चं	१४	३५	ह	१३	४४	वै	१९	३	श	१४	३५	०	२४	३६	१	२७	२३	तु. ४२।०	रा. कार्तिकारंभः महालक्ष्मीपूजनम्
३०	मं	८	५६	चि	१०	१७	वि	११	५५	ना	८	५६	२७/५६	२५	३५	२	२८	२४	तुलायां	स्वात्यां रविः १८।१ (सौरः ४८।४०) C

२७ पं. का. कृ. ५शु.इ. ८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	७	६	१०	६	५
२५	०	११	१८	९	२५	२	२५
३५	४६	३१	४२	४७	२२	५१	२
२	३०	२३	५४	५६	१९	८	५८
५९	४२	१०/१७	१०	७४	३/४६	३	५९
२१	५२	व.	४१	२०	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

कार्तिक कृष्णे ८ भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

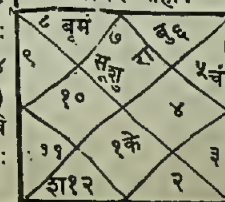

२८ पं.का.कृ ११शु.इ. ८।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	७	६	१०	६	६
२	५	१४	१९	१८	२४	२	२
३१	४४	१४	५८	३०	५९	२८	०
२६	२८	६	३४	२९	२	५२	२५
५९	४३	६१/१६	११	७४	३/१०	३	५९
३४	८	मा	१८	१४	व.	११	४६

ति.	कार्तिक शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२९८स.१९९५
१	बु	२	१३	स्वा	५	२६	प्री	३ ४७	५१ २१	ब	२	१३	२७ ५३	६ २५	५ ३५	३	२९	२५	वृ४६।३४	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २
२	बु	५२	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷नवम्बर ३० अक्षय ९
३	गु	४७	४९	वि	१६ ०	५४ ४०	सौ	४६	१४	तै	२१	९	४९	२६	३४	४	१	२६	वृश्चिके	जमादिलाखर ६
४	शु	४०	४४	ज्ये	४९	३९	शो	३७	१८	व	१४	१६	४५	२७	३३	५	२	२७	ध.४९।३९	भ. १४/१६ उ. ४०/४४ या. चित्रा. बुधः १७।४३
५	श	३४	६	मू	४४	४७	अ	२८	४२	ब	७	२५	४१	२८	३२	६	३	२८	धनुषि	[=ज्येष्ठा. ३ गुरुः ११।११
६	र	२८	६	पू	४०	३९	सु	२०	५२	कौ	१	६	३७	२९	३१	७	४	२९	म.५४।४७	वृश्चिके शुक्रः २३।४०
७	चं	२२	५१	उ	३७	१३	धृ	१३	११	व	२२	५१	३४	२९	३१	८	५	३०	मकरे	भ. २२।५१ उ. ५०।४४ या.
८	मं	१८	३६	श्र	३४	४९	शू	६	२३	व	१८	३९	३०	३०	३०	९	६	३१	मकरे	तुलायां बुध ३३।३० गोप ८
९	बु	१५	१	ध	३३	९	गं	० १७	५४ ४१	कौ	१५	१	२७	३१	२९	१०	७	१	कुं.३।५९	अनु.शुक्रः २।२, बुधास्तः पूर्वस्याम् ५६/५७÷
१०	गु	१२	३३	श	३२	३३	ध्रु	५०	२४	ग	१२	३३	२३	३१	२९	११	८	२	कुंभे	भ. ४१।४८ उ.
११	शु	११	३	पू	३२	४२	व्या	४६	३२	वि	११	३	१९	३२	२८	१२	९	३	मी. १७/४०	भ. ११/३ या.प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसीविवाहः
१२	श	१०	३०	उ	३३	५९	ह	४३	२७	बा	१०	३०	१६	३३	२७	१३	१०	४	मीने	स्वात्यांबुधः ३६/५७ ज्येष्ठा.भौमः १४/३९ प्रदोषः
१३	र	११	५	रे	३६	१९	व	४१	२१	तै	११	५	१२	३४	२६	१४	११	५	मे.३६।१९	वैकुंठ १४
१४	चं	१२	३२	अ	३९	४७	सि	४०	१९	व	१२	३२	९	३४	२६	१५	१२	६	मेषे	भ. १२/३२ उ. ४४।३ या. विशा. रविः ३८/२७=
१५	मं	१५	३३	भ	४४	१९	व्य	३९	४४	ब	१५	३३	५	३५	२५	१६	१३	७	मेषे	विशा. रविः सौरः ६।४ मन्वादिः

२९ पं.का.शु.४शु.इ.८।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	७	६	१०	६	६
९	१०	२३	२१	२७	२४	२	८
२९	४६	६	१८	१२	३९	६	५९
४२	४८	४	४३	४७	०	३७	४५
५९	४३	८९	११	७४	३/२२	३	६०
४७	१९	११	५६	५	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

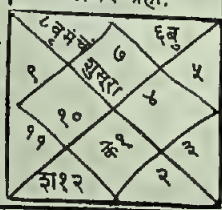

इस मास का फल मध्यम है तेजी मंदी अधिक होगी। सूर्य-ग्रहण से पूर्व मंदी वस्तु हो खरीदना तेजी होगी। चांस है लाभ होगा।

गोचर ग्रहाः

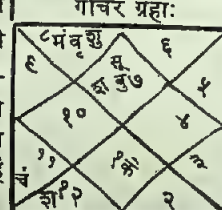

३०पं.का. शु.११ इ.८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	७	७	१०	६	६
१६	१५	४	२२	५	२४	१	१६
२९	५१	१४	४२	५५	२३	४४	००
२८	४३	४२	२२	३७	२०	२१	४९
६०	४३	९८	१२	७४	३/४९	३	६०
४	३४	११	२०	२	व.	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्ति. कृष्णेत्ति महा.
१	बु	१९	२८	कृ	५०	६	व	४०	१७	कौ	१९	२८	२७ २	६ ३६	५ २४	१७	१४	८	वृ.०।४६	[=मार्गी शनिः ४७।३१ प्रदोषः
२	गु	२४	४८	रो	५६	३०	प	४१	२७	ग	२४	४८	२६ ५८	३६	२४	१८	१५	९	वृषे	भ. ५७।३७ उ.
३	शु	३०	२६	मृ	६०	०	शि	४३	१५	वि	३०	३६	५५	३७	२३	१९	१६	१०	मि३०।८	भ. ३०।२६ या.
४	श	३६	४६	मृ	३	४७	सि	४५	३९	ब	३	३६	५२	३८	२२	२०	१७	११	मिथुने	ज्येष्ठा. शुक्रः ४६।३५ चतुर्थी व्र.
५	र	४३	१६	आ	११	१८	सा	४७	४३	कौ	१०	१	४९	३८	२२	२१	१८	१२	मिथुने	विशा. बुधः ४२।२८
६	चं	४९	३५	पु	१९	८	शु	४९	५६	ग	१६	२५	४५	३९	२१	२२	१९	१३	क.२।१०	भ. ४९।३५ उ. [×उपत्ति ११ व्र. स्माः
७	मं	५५	४	पु	२६	२३	शु	५१	४०	वि	२२	१९	४२	४०	२०	२३	२०	१४	कर्के	भ. २२।१९ या.
८	बु	५९	५	श्ले	३२	१०	ब्र	५२	२९	धा	२७	४	३९	४०	२०	२४	२१	१५	सिं३२।१०	[÷ज्येष्ठा. ४ गुरुः ४९।१३
९	गु	६०	०	म	३७	१	ऐं	५२	३	तै	३०	१९	३६	४१	१९	२५	२२	१६	सिंहे	वृश्चिकेऽर्कः ३४।३२
९	शु	१	३३	पू	३९	३७	वै	५०	०	ग	१	३३	३३	४१	१९	२६	२३	१७	कं.५४।५३	भ. ३१।४६ उ. वृश्चिऽर्कः सौरः ०।२१
१०	श	१	५९	उ	४०	४४	वि	४६	३१	वि	१	५९	३०	४२	१८	२७	२४	१८	कन्यायां	भ. १।५९ या. वृश्चिके बुधः ५३।२९×
११	र	०	२६	ह	३९	४३	प्री	४१	७	बा	०	२६	२७	४३	१७	२८	२५	१९	कन्यायां	अनु. रविः ५२।५२ उत्पत्ति ११ व्र. वै.
१२	र	५६	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	[+भौमः३९।८ भा. मार्गशीर्षारंभः
१३	चं	५१	२८	चि	३६	४९	आ	३४	४६	ग	२४	९	२५	४३	१७	२९	२६	२०	तु.८।१६	भ. ५१।२८ उ. अनु. रविः १७।९=
१४	मं	४४	१४	स्वा	३१	५६	सौ	२६	३५	वि	१७	५१	२२	४४	१६	३०	२७	२१	तुलायां	भ. १७।५१या. अनु. बुधः १२।४२ ÷
३०	बु	३६	९	वि	२५	५८	शो	१७	२३	च	१०	११	१९	४४	१६	१	२८	२२	वृ.१२।२८	मूले धनुषि शुक्रः २७।४० मूले धनुषि+

३१ पं. मा. कृ.३ शु.इ.७।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	७	७	१०	६	६
२३	२०	१५	२४	१४	२४	१	२३
३०	५९	४३	९	३८	१२	२२	३
५०	५६	४१	७	२८	७	६	२४
६०	४३	९९	१२	७३	६/१	३	६०
१७	४४	३२	४४	५६	व.	११	३०

गोचर ग्रहाः

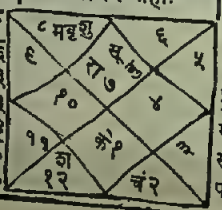

मार्गशीर्ष कृष्णे ९ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा ३ न ३ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

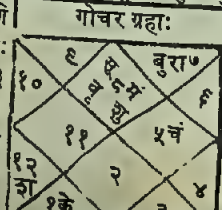

३२पं.मा.कृ.९ शु.इ.७।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	७	७	१०	६	७
०	२६	२७	२५	२३	२८	०	०
३३	१०	३	३८	२०	६	५९	७
२९	५२	२२	५६	४६	२९	५०	२८
६०	४४	०/०	१३	७३	०/२२	३	६०
३०	२१	३३	८	५०	व.	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः १३२७ सः १९९५
१	गु २७ २१ अ १६ १४ अ २७ ४४ कि १ ४५ २७ ४५ १५	२	२६	२३				वृश्चिके	[×पूषा शुक्रः १३।४८
२	शु १८ ३४ ज्ये १२ ११ धृ ४७ ५ कौ १८ ३४ १४ ४५ १५	३	३०	२४				ध. १२।११	चंद्र दर्शनम्
३	श १० ५ मू २७ ५३ शू ३७ ५० ग १० ५ १२ ४६ १४	४	१	२५				धनुषि	भ. ३६।१० उ. रज्जव ७
४	र २ १६ उ ५४ १ गं २७ ४० वि २ १६ ९ ४६ १४	५	२	२६				म. १२।५६	भ. २।१६ या.
५	र ५३ १६ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०				०००	[=११ व्र. गीताजयंती
६	चं ५० ४ श्र ५० १४ वृ १६ २२ कौ २२ ४८ ७ ४७ १३	६	३	२७				मकरे	चंपा ६
७	मं ४५ ५४ ध ४७ ४३ धु ११ ५७ ग १७ ५६ ५ ४७ १३	७	४	२८				कुं. १८।५६	भ. ४५।५४ उ.
८	बु ४३ २३ श ४६ ३७ व्या ५ ५६ वि १४ ३८ २ ४८ १२	८	५	२९				कुम्भे	भ. १४।३८ या. ज्येष्ठा बुधः ३५।३७
९	गु ४२ ११ पू ४६ ५० ह ३ ५६ बा १२ ४७ ० ४८ १२	९	६	३०				मी ३१।४९	[÷ रेव. ४ मीने केतुः ५६।७
१०	शु ४२ २५ उ ४८ ३८ सि ५४ ३७ तै १२ १८ २५ ४८ १२	१०	७	१				मीने	दिसम्बर ३१
११	श ४४ ८ रे ५१ ३८ व्य ५२ ५७ व १३ १६ ५६ ४९ ११	११	८	२				मे. ५१।३८	भ. १३।१६ उ. ४४।८ या. मोक्षदा=
१२	र ४६ ३७ अ ५५ ४९ व ५२ २० ब १५ २२ ५४ ४९ ११	१२	९	३				मेषे	ज्येष्ठा रविः २।५९ (सौरः २५।३)×
१३	चं ५० ३७ भ ६० ० प ५२ ३४ कौ १८ ३७ ५३ ४९ ११	१३	१०	४				मेषे	प्रदोष व्र. [Aव्रतं गुरोः ६३६
१४	मं ५५ १० भ ० ५७ शि ५२ ४८ ग २३ ५३ ५१ ५० १०	१४	११	५				बृ. १७।२६	भ. ५५।१० उ. चित्रा २ कन्यायां राहुः÷
१५	बु ६० ० कृ ६ ५२ सि ५४ ३९ वि २८ ३४ ९ ५० १०	१५	१२	६				वृषे	भ. २८।३ या. दत्तजयंती
१५	गु ० ५६ रो १३ ४१ सा ५६ २० ब ० ५६ ४८ ५० १०	१६	१३	७				मि ४७।१३	मूल १ धनुषि गुरुः ४२।१७A

३३पं.मा.शु.२शु.इ.७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	७	८	१०	६	७
७	१	८	२७	२	२४	०	७
३७	२५	१०	१०	२	५	३७	१३
२६	३७	५९	४४	४२	४२	३४	१
६०	४४	९९	१३	७३	२०	३	६०
४२	३२	५२	२०	४४	मा	११	५३

गोचर ग्रहाः

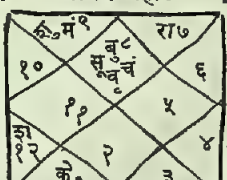

धन राशि का मंगल, रुई पाट बार दाना घृत तिल तैल सोना चांदी शेयर्स-अलसी सिरस्युं में तेजी का रुख करेगा।

गोचर ग्रहाः

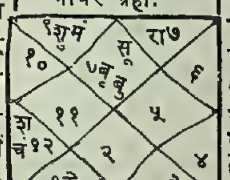

३४पं.मा.शु.१०शु.इ.७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	७	८	१०	६	७
१४	६	१९	२८	१०	२४	०	१४
४२	४२	११	४४	४४	१०	१५	१९
४०	२५	१०	६	५३	२०	१९	४७
६०	४४	९८	१३	७३	१	३	६१
५०	४७	५५	२९	३५	७	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महाराष्ट्रां
१	शु ६ ४६ मृ २० ४६ शु ५८ ५१ कौ ६ ४६ २५ ५१	९	१७	१४	८			मिथुने	मूले धनुषि बुधः १।४३
२	श १३ १७ आ २८ २० ग ० ० ग १३ १७ ४५ ५१	९	१८	१५	९			मिथुने	भ. ४६।३१ उ. पूषा भौमः ५२।३६
३	र १९ ४५ पु ३५ ५५ वि १९ ४५ ४४ ५१	९	१९	१६	१०			क. १९।१	भ. १९।४५ या. चतुर्थी व्र.
४	चं २६ ४ पु ४३ १९ ब्र ३ ४ बा २६ ४ ४३ ५१	९	२०	१७	११			कर्के	[÷पूषा बुधः ३१।४ मकरे शुक्रः ३९।२०=
५	मं ३१ ४२ श्ले ४९ ४६ ऐं ५ २ तै ३१ ४२ ४२ ५२	८	२१	१८	१२			सिं ४९।४६	[=बुधोदयः पश्चिमायां ३३।१
६	बु ३६ २६ म ५५ ३१ वै ६ २२ ग ४ ४ ४१ ५२	८	२२	१९	१३			सिंहे	भ. ३६।२६ उ. उषा शुक्रः ५५।२८
७	गु ३९ ५० पू ५९ ५९ वि ६ ३९ वि ८ ८ ४० ५२	८	२३	२०	१४			सिंहे	भ. ८।८ या.
८	शु ४१ ३२ उ ६० ० भी ५ ५६ बा १० ४१ ३९ ५२	८	२४	२१	१५			कं. १५।३८	
९	श ४१ १९ उ २ ३४ आ ३ ५१ तै ११ २५ ३९ ५२	८	२५	२२	१६			कन्यायां	मूले धनुष्यर्कः १०।१४ (सौरः २८।५३)÷
१०	र ३९ ११ ह ३ १७ सौ ९ ५५ व १० १५ ३८ ५२	८	२६	२३	१७			तु. ३२।३५	भ. १०।१५ उ. ३९।११ या.
११	चं ३४ ५८ चि ५३ ३५ अ ४८ १९ ब ७ ४ ३८ ५२	८	२७	२४	१८			तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	मं २९ ८ वि ५२ ३९ सु ४० ६ कौ २ ४ ३७ ५३	७	२८	२५	१९			बृ. ३९।५४	
१३	बु २१ २० अ ४७ १४ धृ ३० ३१ व २१ २० ३७ ५३	७	२९	२६	२०			वृश्चिके	भ. २१।२० उ. ४६।५६ यां. प्रदोषः
१४	गु १२ ३२ ज्ये ३९ ५४ शू २० १३ श १२ ३२ ३६ ५३	७	३०	२७	२१			ध. ३९।५४	मूल २ गुरुः २०।५५ अस्तो भौमः ४।३८
३०	शु ३ ६ मू ३२ ४ गं ९ ४९ ना ३ ६ ३६ ५३	७	१	२८	२२			धनुषि	रा. पौषारंभः

३५पं.पौ.कृ.१२शु.इ.७।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	८	८	१०	५	७
२१	१२	०	०	१९	२४	२९	२१
४८	१	८	१९	२६	२०	५३	२७
४३	४१	४६	८	१०	६	३३	१
६०	४४	९७	१३	७३	१	३	६१
५६	५७	२२	३२	२२	४६	११	१९

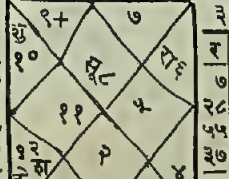

३६पं.पौ.कृ.८शु.इ.६।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	८	८	१०	५	७
२८	१७	११	१	२८	२४	२९	२८
५५	२३	५	५५	७	३४	३०	२६
३७	२०	४६	८	१२	४१	४८	१४
६१	४५	९५	१३	७३	२	३	६१
०	१२	४३	२८	१४	२९	११	१९

३७पं.पौ.कृ.३०शु.इ.६।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	८	९	१०	६	८
६	२२	२१	३	६	२४	२९	५
३	४७	५१	३०	४६	५४	८	४५
१४	१३	२५	२५	३८	१८	३२	२९
६१	४५	९०	१३	७३	३	३	६१
४	३६	४९	३८	०	१७	११	२२

+ शुवृबुमं (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः १३५६ स. १९६५
१	शु	५०	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	४३	५५	पू	२४	३१	ध्रु	४८	२५	बा	१८	४०	३५	५३	५	२	२६	२३	म.३७	चन्द्र दर्शनम्
३	र	३५	२२	उ	१७	१७	व्या	३७	६	तै	६	३८	३६	५३	७	३	१	२४	मकरे	श्रवणे शुक्र : ४५।४५ सावान ८
४	चं	२८	५	अ	११	१३	ह	२७	५१	व	१४	३	३७	५३	७	४	२	२५	कुं.३८।५६	भ.१।४३ उ.२८।५ या.उषा. बुध.१७।६
५	मं	२२	२०	ध	६	४६	व	१६	५८	बा	२२	२०	३७	५३	७	५	३	२६	कुम्भे	
६	बु	१८	२६	श	४	१	सि	१३	४१	तै	१८	२६	३७	५३	७	६	४	२७	मी.४८	मकरे बुधः ३८।४७ उषा. भौमः ४।३१
७	गु	१६	१८	पू	२	५५	व्य	८	३८	व	१६	१८	३८	५२	८	७	५	२८	मीने	भ. १६।१८ उ. ४६।१८ या.
८	शु	१६	१७	उ	३	४४	व	५	११	ब	१६	१७	३८	५२	८	८	६	२९	मीने	पूषा. रविः १५।१४ (सौरः ३०।३१)
९	श	१७	५०	रे	६	२८	प	३	१३	कौ	१७	५०	३९	५२	८	९	७	३०	मे.६।२८	B मूल: ३ गुरुः ०।१९
१०	र	२०	५३	अ	१०	३७	शि	२	२३	ग	२०	५३	४०	५२	८	१०	८	३१	मेषे	भ. ५३।१० उ. मकरे भौमः २६।४३
११	चं	२५	२८	भ	१५	५९	सि	३	१	वि	२५	२८	४१	५२	८	११	९	१	बृ.३३	भ. २५।२८ या. उदयं गुरोः ×
१२	मं	३०	३५	कृ	२२	२७	सा	३	४२	बा	३०	३५	४२	५२	८	१२	१०	२	वृषे	× ४०।१२ जनवरी ३१ सन् +
१३	बु	३६	५३	रो	२९	३०	शु	५	३०	कौ	३	४४	४३	५१	९	१३	११	३	वृषे	प्रदोष व्र. +१९९६ पुत्रदा ११ व्र.
१४	गु	४३	१	मृ	३६	४७	शु	७	२७	ग	९	५७	४४	५१	९	१४	१२	४	मि.३।३८	भ. ४३।१ उ. धनि शुक्र : ३२।२६
१५	शु	४९	२६	आ	४४	१७	ब्र	९	३६	वि	१६	१३	४५	५१	९	१५	१३	५	मिथुने	भ. १६।१३ या. श्रवणे बुध : ४०।४१ B

उ. गु.

३८ पं.पौ.शु.८शु. ६।३७

ग्रोचर ग्रहाः

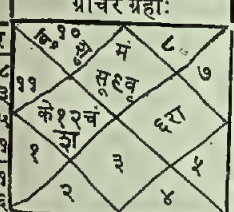

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	८	९	१०	५	८
१३	२८	१	५	१५	२५	२८	१३
११	१३	५६	६	२४	१८	४६	५५
१३	८	१७	२९	३६	५४	१६	३१
६१	४५	७९	१३	७२	३	३	६१
६	४६	२६	३२	४८	५२	११	२६

३८ पौष कृष्णे ९ शनौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवाऽवस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

ग्रोचर ग्रहाः

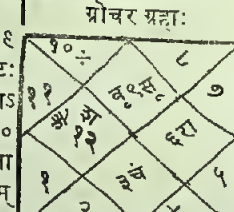

३९ पं.पौ.शु.१५शु.इ. ६।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	८	९	१०	५	२
२०	३	९	६	२४	२५	२८	२०
१९	४१	३२	४१	१	४७	५४	५
२६	१०	१७	२४	१२	२८	१	२८
६१	४५	४८	१३	७२	४	३	६१
६	५८	२८	३१	३०	२४	११	२६

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेपौषकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	५५	५३	पु	५१	३६	ऐं	११	४८	बा	२२	४०	३५	५१	९	१६	१४	६	क.३४	
२	र	६०	०	पु	५८	५०	वै	१४	१	तै	२८	२४	५८	५०	१०	१७	१५	७	कर्के	
२	चं	०	५५	श्ले	६०	०	वि	१५	३८	ग	०	५५	५०	५०	१०	१८	१६	८	कर्के	भ. ३४।२ उ.
३	मं	७	१०	श्ले	५	२८	प्री	१६	४९	वि	७	१०	५२	५०	१०	१९	१७	९	सिं.५।२८	भ. ७।१० या. वक्री बुधः ३३।३ कुंभे ×
४	बु	११	३७	म	१०	११	आ	१७	३२	बा	११	३७	५३	४९	११	२०	१८	१०	सिंहे	[× शुक्रः ५।व२९ च. व्र.
५	गु	१५	८	पू	१५	५३	सौ	१७	२१	तै	१५	८	५५	४९	११	२१	१९	११	कं.३१	४७ उषा रविः १९।५९ (सौरः ३१।५८)
६	शु	१७	३०	उ	१९	३१	शो	१६	४	व	१७	३०	५७	४९	११	२२	२०	१२	कन्यायां	भ. १७।३० उ. ४७।५३ या. बुधास्तः ÷
७	श	१८	१६	ह	२१	३४	अ	१३	४६	व	१८	१६	५९	४८	१२	२३	२१	१३	तु.५०।३२	वक्री उषा.बुधः३६।४ श्रवणे भौम११।३९
८	र	१७	३५	चि	२२	१०	सु	१०	५	कौ	१७	३५	२६	४८	१२	२४	२२	१४	तुलायां	मकरेऽर्कः ३६।२३ (सौरः ४७।२५)
९	चं	१५	६	स्वा	२१	६	धृ	४	५३	ग	१५	६	४	४७	१३	२५	२३	१५	तुलायां	भ. ४२।५० उ. शते शुक्रः ३०।२२
१०	मं	१०	३५	वि	१८	४	गं	५०	५६	वि	१०	३५	६	४७	१३	२६	२४	१६	वृ.३।४९	भ. १०।३५ या. पूभा. ३ शनिः २४७
११	बु	४	४४	अ	१३	२९	वृ	४१	५३	बा	४	४४	८	४६	१४	२७	२५	१७	वृश्चिके	षट् तिला ११ व्र.
१२	बु	५२	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷पश्चिमायां १६।४
१३	गु	४८	४९	ज्ये	७	३२	ध्रु	३२	१	ग	२३	८	११	४६	१४	२८	२६	१८	ध. ७।३२	भ. ४८।४९ उ. प्रदोषः
१४	शु	३९	२३	मू	०	५३	व्या	२१	२०	वि	१४	६	१३	४५	१५	२९	२७	१९	धनुषि	भ. १४।६ या. मूल. ४ गुरुः ५९।३७
३०	श	२९	४५	उ	४५	२०	ह	१९	४६	च	४	३४	१६	४५	१५	३०	२८	२०	म. ६।२	

४० पं.मा.कृ.६शु.इ. ६।३०

ग्रोचर ग्रहाः

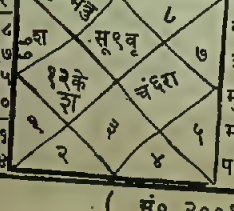

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	८	१०	१०	५	८
२७	९	१०	८	२	२६	२८	२७
२७	१०	४१	१५	३५	२०	१	१५
२२	१	३५	४०	२	१३	४५	२०
६१	४६	२५	१३	७२	४	३	६१
६	२	८	२०	६	५७	११	२४

माघकृष्णेऽरवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २न. ३ युवा वस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भाव महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

ग्रोचर ग्रहाः

४१ पं.मा.कृ.१४शु.इ.६८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	८	१०	१०	५	९
४	१४	३	९	११	२६	२७	४
३५	४०	५६	४८	६	५६	३९	२४
१३	३७	२	२२	१४	३८	३	४९
६१	४६	२३	१३	७१	५	३	६१
३	१२	व.	८	४७	२६	११	१९

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

÷ मं. बु. शु.

ति.	माघ शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्गणः१३८६सन् १९९६
१	र २०।१९ श्र ३७।५७ सि ४८।५६ व	२०।१९	२६ १९	४४ १६	५	१	२९	२१	मकरे	अभि. प्र. रविः८।५३ (सौरः १८।४६) ×
२	चं ११।४२ ध ३१।४६ व्य ३९	३३	कौ ११।४२	२१	४४	१६	२	१	२२	कुं. ४।५०	रमजान ९ [B पातमोक्षः३९।४५
३	मं ४	२९	श २६।४९ व	३१	३	ग ४	२९	२४	४३	१७	३	२	२३	कुंभे	भ.३१।४३ उ. ५८।५७ या.
४	मं ५४	२८	० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A भा. माघारंभ[=वक्री पूषा.बुधः४८।५९
५	बु ५५	१९	पू २३।५५ प	२४	२८	व २७	३	२७	४३	१७	४	३	२४	मी. ९।३८	श्रवणे रविः २५।३०(सौरः ३४।४२) ÷
६	गु ५३	४८	उ २२।५१ शि	१९	२३	कौ २४	३२	२९	४२	१८	५	४	२५	मीने	अभि.नि.रविः १७।४५(सौरः २६।५९)=
७	शु ५४	२९	रे २४।१० सि	१६	८	ग २४	८	३२	४२	१८	६	५	२६	मे. २४।१०	भ.५४।२९ उ.पूभा. शुक्रः २८।३भानु ७
८	श ५६	५६	अ २७ ९ सा	१४	१७	वि २५	४२	३५	४१	१९	७	६	२७	मेषे	भं. २५।४२ या. भीष्माष्टमी
९	र ६०	०	भ ३२ ४ शु	१४	१७	बा २९	६	३८	४०	२०	८	७	२८	बृ. ४८।३५	[×वक्री धनुषि बुधः४०।२२चंद्रदर्शनम् A
९	चं १	१७	कृ ३८ ११ शु	१४	४७	कौ १	१७	४१	४०	२०	९	८	२९	वृषे	पातस्पर्शः २७।५८
१०	मं ६	३५	रो ४५ २९ ब्र	१६	३१	ग ६	३५	४५	३९	२१	१०	९	३०	वृषे	भ.३९।४८ उ. धनि.भौमः १।३० B
११	बु १३	२	मृ ५२ ५२ ऐं	१८	३५	वि १३	२	४८	३८	२२	११	१०	३१	मि. ३९	भ. १३।२ या. मार्गी बुधः २२।४४+
१२	गु १९	२१	आ ६० ० वै	२०	५७	बा १९	२१	५१	३८	२२	१२	११	१	मिथुने	फरवरी ता. २९ प्रदोषव्र० [+जया ११व्र.
१३	शु २५	५५	आ ० २३ वि	२३	१६	तै २५	५५	५४	३७	२३	१३	१२	२	क. ५०।५९	[÷ बुधोदयः पूर्वस्याम् ४८।५४ वसंत५
१४	श ३२	१	पु ७ ५१ प्री	२५	८	व ३२	१	५८	३६	२४	१४	१३	३	कर्के	भ.३२।१ उ. मीने शुक्रः ४८।३५
१५	र ३७	४३	पु १४ ५१ आ	२६	५२	वि ४	५२	२९	३६	२४	१५	१४	४	कर्के	भ. ४।५२ या. पूषा. १ गुरुः ४७।२

४२पं.मा.शु.७बु.शु.इ६।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	८	१०	१०	५	९
११	२०	२६	११	१९	२७	२७	११
४२	११	२७	१९	३४	३६	१७	३३
४०	४२	१४	८	२३	५४	१४	४०
६०	४६	४३	१२	७१	५	३	६१
५९	१२	ब ४६	२२	५०	११	३३	

गोचर ग्रहाः

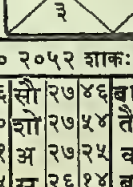

इस मास में मकर का मंगल घृत तैल सोना चांदी तांबा रुई अलसी गुड़ खांड गेहूं एरंडा में तेजी करता है।

गोचर ग्रहाः

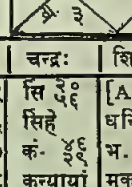

४३ पं. मा.शु.१३शु.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	८	१०	१०	५	९
१८	२५	२५	१२	२७	२८	२६	१८
४९	४३	४३	४७	५९	१९	५४	४१
१६	५	५	२	३१	३४	५८	४४
६०	४६	३३	१२	७०	६	३	६१
५५	२२	मा	२०	५५	१९	११	४

ति	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	चं ४२।२२ श्ले २०।५६ सौ २७।४६ बा	१०	२	२६ ३५	६	२५	१६	१५	५	सिं २९	[A १।३८ श्री महाशिवरात्रि व्र.
२	मं ४६।१४ म २६।१० शो २७।५४ तै	१४	१८	८	३४	२६	१७	१६	६	सिंहे	धनि. रविः ३३।४८ (सौरः ४०।३२) =
३	बु ४९	१	पू ३०।४१ अ	२७	२५	व १७	३७	१२	३४	२६	१८	१७	७	कं. ५९	भ. १७।३७ उ.४९।१या. कुंभेभौमः३०।८
४	गु ५०।४५ उ ३३।५५ सु	२६	१४	ब १९	५३	१५	३३	२७	१९	१८	८	कन्यायां	मकरे बुधः ५०।३१ च. व्र.
५	शु ५१।२६ ह ३६।१९ धृ	२४	१	कौ २१	५	१९	३२	२८	२०	१९	९	कन्यायां	[=उषा.बुधः ४।५ उभा.शुक्रः ३४:२६ ×
६	श ५०।५३ चि ३७।३४ शू	२०	५९	ग २१	९	२३	३१	२९	२१	२०	१०	तु. ५९	भ. ५०।५३उ.
७	र ४९।२२ स्वा ३७।३१ गं	१९	५८	वि २०	७	२७	३१	२९	२२	२१	११	तुलायां	भ. २०।७ या. पातस्पर्शः ३१।४१÷
८	चं ४६।१४ वि ३६।१३ वृ	११	५२	बा १७	४८	३०	३०	३०	२३	२२	१२	वृ. ३९	[×चित्रा. १ राहुः रेवती. ३ केतुः४९।४६
९	मं ४१।५८ अ ३३।४६ धृ	५०	५५	तै १४	६	३४	२९	३१	२४	२३	१३	वृश्चिके	कुंभेऽर्कः ९।४ (सौरः१४।३०)
१०	बु ३६।२४ ज्ये २९।५९ ह	५०	३९	व ९	११	३८	२८	३२	२५	२४	१४	ध. ३९	भ. ९।११उ. ३६।२४ या.
११	गु २९।५० मू २४।५८ व	४१	४०	ब ३	७	४१	२८	३२	२६	२५	१५	धनुषि	शते भौमः ५८।७ विजया ११ व्र.
१२	शु २२ ४ पू १९ ५ सि	३२	८	तै २२	४	४५	२७	३३	२७	२६	१६	म ३९	प्रदोषव्रतम् [÷ मोक्षः ५२।६
१३	श १३।५० उ १२।४१ व्या	२१	५९	व १३	५०	४९	२६	३४	२८	२७	१७	मकरे	भ. १३।५०उ. ३९।२४ या. रेवत्यां B
१४	र ४	५७	श ५०५३ व	११	४९	श ४	५७	५३	२५	३५	२९	२८	१८	कुं. ३९	श्रवणे बुधः २६।४०
३०	र ५१	१७	० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B शुक्रः ५६।५० पूंभा. ४मीने शनिः A

४४ पं. फा. कृ.५ शु. इ.३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	८	११	१०	५	९
२५	१	०	१४	६	२९	२६	२५
५५	१४	१२	१२	१८	४	३२	४८
१	४९	४०	०	२९	५२	४३	२१
६०	४६	४६	११	७०	६	३	६०
४७	२६	३४	५७	१७	३२	११	५५

गोचर ग्रहाः

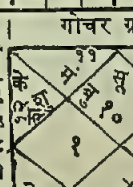

फाल्गुन कृष्णे ९ भौमे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

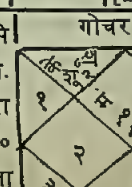

४५ पं.फा.कृ.१२शु.इ. ७।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	११	१०	५	१०
२	६	७	१५	१४	२९	२६	२
५९	४६	२४	३३	३२	५२	१०	५४
४९	५५	४७	२५	४९	८	२७	३४
६०	४६	६६	११	६९	६	३	६०
३७	२७	४४	१८	३३	४७	११	४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्ल पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	चं ४८ ५५ श ५३ ४० प ३ ५३ कि २२ ३४ २७ ६ ५५	३०	२६	१६				कुम्भे
२	मं ४२ २७ पू ४६ २६ सि ४५ २२ बा १५ ४१ २८ २४ ३६	१	३०	२०				मी. ३५
३	बु ३७ ४० उ ४६ ४१ सो ३८ ५२ तै १० ३ ४ २३ ३७	२	१	२१				मीने
४	गु ३४ ५३ रे ४६ ४ शु ३३ ४३ व ६ १६ ८ २२ ३८	३	२	२२				मे. ४६।४
५	शु ३४ १० अ ४७ ३६ शु ३० ४४ ब ४ ३१ १२ २२ ३८	४	३	२३				मेषे
६	श ३५ ३१ भ ५१ ११ ब्र २६ ३१ को ४ ५० १६ २१ ३६	५	४	२४				मेषे
७	र ३८ ५७ कृ ५६ २८ ऐं २६ १६ ग ७ १४ २० २० ४०	६	५	२५				वृ. ७।३०
८	चं ४३ ४३ रो ६० ० वै ३० १४ वि ११ २० २४ १६ ४१	७	६	२६				वृषे
९	मं ४६ ५४ रो ३ ६ चि ३२ १८ बा १६ ४८ २८ १८ ४२	८	७	२७				मि. ३६
१०	बु ५६ १७ मृ १० २६ प्री ३४ २७ ते २३ ५ ३२ १८ ४२	९	८	२८				मिथुने
११	गु ६० ० आ १८ ३ आ ३६ ५५ व २९ ३३ ३६ १७ ४३	१०	९	२९				मिथुने
११	शु २ ४९ पु २५ ३१ सो ३९ १ वि २ ४९ ४० १६ ४४	११	१०	१				क. ८।३९
१२	श ८ ५० पु ३३ २९ शा ४० ३४ बा ८ ५० ४४ १५ ४५	१२	११	२				कर्क
१३	र १४ १६ श्ले ३८ ३५ अ ४१ २२ ते १४ १६ ४८ १४ ४६	१३	१२	३				सिं. ३८
१४	चं १८ १९ म ४३ २० सु ४१ १८ व १८ १९ ५२ १४ ४६	१४	१३	४				सिंहे
१५	मं २१ १६ पू ४७ ७ धृ ४० २४ ब २१ १६ ५६ १३ ४७	१५	१४	५				सिंहे

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्हगणः १४१५सन् १९९६

शते रविः ४५।२० (सौरः ४९।५२)
चंद्रदर्शनम् भा. फाल्गुनारंभः फुलरिया २
सव्वाल १०
भ. ६।१६ उ. ३४।५३ या. पूषा. २ 8
8 गुरुः ६।५
[C १।२६ (सौरः ४।३९) होली का दहनं=
भ. ३८।५७ उ. = भद्रोत्तरम्
भ. ११।२० या. होलाष्टकः
[÷अस्तं शनेः २९।५६ आमल की ११ A
धनि बुधः १३।३५ A व्र.स्मा.
भ. २९।३३ उ.अश्वि. मेषे शुक्रः ३०।१६÷
भ. २।४९ या. आमलकी ११ व्र.वै. मार्च ३१
प्रदोष व्र.
कुंभे बुधः ३४।५५ पूभा. भौमः ५६।३३
भ. १८।१९ उ. ४९।४८ या पूभा. रवि C
छारेंडी

४६ पं.फा.शु.५ श्यु.इ.७।१८

गोचर ग्रहः ÷केशु

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	११	११	५	१०
१०	१२	१६	१६	२२	०	२५	९
३	१८	१५	५०	४१	४१	४८	५९
२२	४३	१४	५३	२४	३१	१२	७
६०	४६	८०	१०	६८	७	३	६०
२५	२७	४१	४०	४८	२	११	३१

इस मास का फल साधारण है। भुसुतः कुंभराशिस्थः सर्वधान्य महर्घता। एवं प्रजायते हयर्घं लोकमध्ये तु निर्भयम्॥ धान्यादि तज हो।

गोचर ग्रहः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	०	११	५	१०
१७	१७	२६	१८	०	१	२५	१७
५	४९	१४	३	४२	३२	२५	१
३५	१२	३१	५०	११	१७	५६	५९
६०	४६	९१	९	६७	७	३	६०
१२	२७	५०	५४	४७	९	११	२०

४७ पं.फा.शु. ११ शु.इ. ७।३६

ति.	चैत्र कृष्ण पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	बु २२ ५९ उ ४९ ४१ शु ३८ २२ को २२ ५९	२९	६	५	१६	१५	६	कं. २।४५
२	गु २३ ४० ह ५१ १० गं ३५ ४० ग २३ ४०	१	१२	४८	१७	१६	७	कन्यायां
३	शु २३ १० चि ५१ ४१ वृ ३२ ८ वि २३ १०	९	१०	५०	१८	१७	८	तु. ३१
४	श २१ ४३ स्वा ५१ २१ धु २७ ४३ बा २१ ४३	१३	९	५१	१९	१८	९	तुलायां
५	र १९ ३३ वि ५० १६ व्या २२ ५३ तै १९ ३३	१७	९	५१	२०	१७	१०	वृ. ३५
६	चं १६ २१ अ ४८ २८ ह १७ १६ व १६ २१	२१	८	५२	२१	२०	११	वृश्चिके
७	मं १२ ४२ ज्ये ४६ ५ व ११ ११ ब १२ ४२	२६	७	५३	२२	२१	१२	ध. ४६।५
८	बु ८ १४ मू ४२ ३९ सि २९ ५२ को ८ १४	३०	६	५४	२३	२२	१३	धनुषि
९	बु ३ ८ पू ३८ ४६ व ४९ १५ ग ३ ८	२४	५	५५	२४	२३	१४	म. ३८
१०	गु ५४ ४ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	
११	शु ५० ४४ उ ३४ १५ प ४० ५६ ब २३ ५८	२८	४	५६	२५	२४	१५	मकरे
१२	श ४३ ४९ श्र २९ १३ शि ३२ १९ को १७ १६	४३	३	५७	२६	२५	१६	कुं. ५६
१३	र ३५ ५७ ध २४ ११ सि २३ ५१ ग ९ ५३	४७	३	५७	२७	२६	१७	कुंभे
१४	चं ३० ६ श १९ १३ सा १५ ३८ वि ३ १	५१	२	५८	२८	२७	१८	कुंभे
१५	मं २४ १६ पू १५ १७ शु ७ ५८ ना २४ १६	५५	१	५९	२९	२८	१९	मी. १।१६

वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमाहाराष्ट्र
वसंत = २।१९ (सौर ५।०)
भ. ५३।२५ उ. शते बुधः ४८।१८ +
भ. २३।१० या. चतुर्थी व्र.
[+ पातस्पर्शः १९।३ मोक्षः ३३।५०
भ. १६।२१ उ. ४४।३१ या.
[× ५१।४१ शीतला पूजा
भरण्यां शुक्रः २६।४१
पूषा. ३ गुरुः ३६।५७ बुधास्तः पूर्वस्याम् ×
भ. ३०।१० उ. ५७।१२ या. मीनेऽर्कः =
[A ४५।४५ पाप मोचनी ११ व्र. स्मा.
पूभा. बुधः ३६।३ उभा. १ शनिः A
मीने भौमः ४१।२१ पापमोचनी ११ व्र.वै.
भ. ३५।५७ उ. उभा. रविः २३।२३ B
भ. ३।१ या. [B (सौरः २५।३६) प्रदोषः
मन्वादिः

४८ पं. चै.कृ. ३ शु.इ. ७

गोचर ग्रहः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	८	०	११	५	१०
२४	२३	७	१९	८	२	२५	२४
६	१९	१२	११	३४	२३	३	३
२२	३४	५८	२०	३७	२५	४०	२२
५९	४६	०	९	६६	७	३	६०
५८	१७	५१	२५	२०	११	६	

चैत्र कृष्णे ९ गुरौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	८	०	११	५	११
१	२८	१९	२०	१६	३	२४	१
५	४८	९	१२	१५	१५	४१	३
३५	११	१४	४७	१८	२५	२५	४
५९	४६	९	८	६५	७	३	५९
४१	१७	३४	२४	५	२०	११	४९

४९ पं.चै. कृ. ११ शु.इ. १५

÷श.के.शु.

(सं. २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९७ तत्र कृत युग प्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९३००० द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४००० कलियुग–प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गत–कलिः ५०९७ भौग्यकलिः ४२६९०३ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीर विक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५३ शाकः १९१८ अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री शनिः । सस्येशो भौमः । धान्येशो रविः । मेघेशः शुक्रः । रसेशोबुधः निरसेशश्चंद्रः । फलेशः शुक्रः । धनेशः चंद्रः । दुर्गेशः शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ३ विरोधी नाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत मासादिः ९।१६।१२।३३ भोग्यमासादिः २।१३।४७।२७ त्वष्टृ दैवतं युगम् । वर्षनाम आषाढः । मेघनाम आवर्तः रौहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो माखाकार गृहे । समय विश्वा ८ समय वाहनम् सिंचाणुः स्तंभाऽभावः सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी ३ बुधाष्टमी २ भानु सप्तमी २ रविदशमी ३ समय मुहूर्ताः ४०।५ समयदिनानि ५८२ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा ५ धान्यम् ९ तृणम् १७ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १०५ सत्यम् ।। धर्म १।। पापं १८ शनिः दृष्टि रुत्तरे ग्रहणाति ३ चन्द्रमसः २ सूर्यस्य १

सं. २०५३ चैत्र शुक्ला १५ बुधे ग्रस्तास्तं खग्रासं चन्द्रग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
उज्ज घं.	५२	५५	५६	५८	१
मध्यमप.	२५	१२	५७	४२	२९
रे. घं.	३	४	५	५	७
टा. मि.	२५	३२	१४	५६	३

भाद्रपद शुक्ला १५ शुक्रवार को प्रातः पश्चिम प्रदेशों में ग्रस्तास्त चंद्रग्रहण होगा । यह ग्रहण जहां दीखे वहां ही स्नान दानादि की आवश्यकता है अन्यत्र नहीं ।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	बृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	५	१४	२	११	१४	२
ख.	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ४।६

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

श्री जगदंबे ईश्वरी के वचन कहो अनमोल ।
संवत्सर त्रेपन्न का हाल कहो सब खोल ।।

भवानी उत्तर

सुण भैरव तू ध्यान से हाल कहूं सब खोल।
नाम विरोधी वर्ष है मचै जगत में रोल ।।
राजा बुध कमजोर है चले न इसका जोर ।
मंत्री शनि महाराज हैं करैं और की और ।।
साखां होसी सरसरी भाद्रव तेजी जान ।
फलपति भृगु के कारणे आखिर रहसी मान ।।
रोहिणी बासो सिंधु में वर्षा विश्वा पांच ।
संवत मध्यम होयसी यह ही समझो सांच ।।

संवत् २०५३ फाल्गुन कृष्णे ३० रविवासरे ग्रस्तोदय सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	मं.	मो.
उज्ज. घ.	५६	५८	०
मध्य प.	४७	३०	३६
रेलवे घ.	५	५	६
टा. प.	१०	५१	४१

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	१४	५	८	११	११	८
ख.	११	५	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ४।२५

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २०।३४।० केतकी मतेन वेधासिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४७।२०

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तुर्ये विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ।। मंत्री शनिः फलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदाः न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम् ।। प्रथमधान्यपतौ धरणी सुते गज-तुरंग-खरौष्ट्र-गवामपि । प्रभवदो बहु-रोग-घनो जलं न सम सौख्यकरं तुषधान्य हृत् ।। धान्येशो रविः फलम् ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम् ।। मेघेशः शुक्रः फलम् ।। भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलमुचोजलदा दिवि शोभनाः । धन-निधान-युता-द्विज-पालका नृपतयो जनता-सुख दायकाः ।। रसेशो बुधस्त-फलम् ।। रसपतौ द्विजराजसुते महीं सुलभधान्यघृतादि युता जनाः । प्रमुदिता वर नायकपालिताः बहु जलाखिल देश सुरक्षिता ।। नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससां । अर्घबृद्धिः पुजायेत शशां के नीरसाधिपे ।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। यदि फलस्य पतौ भृगुजे धरा मृदु-कुमार-मही-रुहं-राशयः । बहुफला नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशश्चंद्र स्तन्फलम् ।। धनपति मृगलांछनको यदा रसचयं क्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालिसुगन्धरसं बहु द्रविणतैलघृतंनृपसौख्यदं ।। दुर्गेशः शुक्रः फलम् । नगरदेशविशेषपतिर्यदा भृगु सुतो बहु सौख्य करोमतः । विनय वाणिज गेहं समः सुखो नगवने निकटेपि चदूरतः ।। विरोधी नाम संवत्सरः फलम् ।। विरोधी वत्सरे भूपाः परस्पर विरोधिनः । भूरि भूति युता भूमी भूरिवारि-समायुता ।। वर्षनाम अषाढः फलम् ।। अर्घं महर्घतां यांति धनं धान्यं समं भवेत् । अषाढे स्वल्पबृष्टिश्च तुषधान्यमहर्घता ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आर्वेत छिन्न बृष्टिः स्यांत् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रे तुमहाबृष्टिः ।। समयनिवासो माली गृहे । मालिनः प्रचुरा बृष्टिः ।। एवं मंचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभा शुभम् ।।

संमत् २०५३ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शु. ३ शनौ रोहि. ल. १०।११रे. ६।।ऽशु।।।।।।शुक्रयुति दोषः

" ५ चंद्रे मृगे ल. अन्यगो. ११ रे. ६।।।।।ऽरो.ऽऽ।ऽ दग्धा आवश्यके कुंभे रोगपंचकाऽभावः रेखा ७

" ६ शनौ मघा.ल.गो.११ रे. ७।।।।।ऽनृ ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः कुंभे चं. ७ पूज्यः नृपपंच काऽभावः

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ३ चंद्रे मूले ल.गौ. ११रे. ७।।।।ऽऽनृ।ऽ।। गोधूल्यां भौ.७दोषः

शु. २ रवौ मृगे ल. अन्यगो.११ रे. ८।।ऽशु।।।ऽ।।।शुक्र युतिः

प्र. आषढ मासः ।

कृ. १ रवौ मूले ल. ११ रे. ८।ऽ।।ऽ।।।।।

कार्तिक मासः ।

शु. ११गुरौ रेवत्यां ल.गो.४रे.६।।।।ऽ।।।।

" १५चंद्रे रोहि.ल.४रे.८।।।।ऽ।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. १ भौमे मृगे ल.७रे.।।।।ऽऽअऽ।।।

" ६ बुधे उफा.ल.अन्यगो. ४रे. ८।।।।।।ऽऽ।।कर्क लग्न घटी३६।२०यावत्

" १२ शनौ स्वा, ल. ४ रे. ६।।।।।।।ऽ।।

शु. २ गुरौ उषा. ल. ७ रे.८ऽ।ऽशु।।।।।।।घ.४६।४७उ.

" ३ शुक्रे उषा. ल. अन्यगो. रे.८ऽ।ऽशु.।।।।।।।

माघ मासः ।

शु. ८ शुक्रे रोहि. ल.१० रे.८।।।।।ऽअऽ।।घ.५७।१८ उप.

अग्रे शुक्राऽस्तः

अत्रक्वचित्स्मृतिद्रष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुविभिः

(विक्रम सं २००१ समारभ्य २१०० पर्यंतम्)

ति.	चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेहर्गण १४४५ स. १९९६
१	बु	१९	१८	उ	१२	११	शु	५९	२४	ब	१९	१८	३०	६	०	३०	२९	२०	मीने	उभा. भौमः ५४।३७ चंद्र दर्शनम् ÷
२	गु	१६	७	रे	१०	४५	ऐ	५१	२६	कौ	१६	७	४	५९	१	१	१	२१	मे. १०।४५	मीने बुधः ५।११ भा. चैत्रारंभ. A
३	शु	१४	४४	अ	११	१८	वै	४८	५०	ग	१४	४४	८	५८	२	२	२	२२	मेषे	भ. ४४।५७ उ. उभा. बुधः ४८।१२ B
४	श	१५	११	भ	१३	२५	वि	४७	४९	वि	१५	११	१२	५८	२	३	३	२३	वृ. २९।२६	भ. १५।११ या. [B गणगौरी
५	र	१७	३०	कृ	१७	२९	प्री	४८	१	बा	१७	३८	१६	५७	३	४	४	२४	वृषे	कृत्ति.शुक्रः ५६।३ [÷ संवत्सरारंभनवरात्रा
६	चं	२१	३९	रो	२३	१३	आ	४९	२९	तै	२१	३९	२१	५६	४	५	५	२५	मि. ५६	[A जिलकाद ११ सिंधारा मत्स्यज.
७	मं	२७	१७	मृ	२९	५८	सौ	५१	२०	च	२७	१७	२५	५५	५	६	६	२६	मिथुने	भ. २७।१७ उ. [D कामदा ११ व्र.
८	बु	३३	२१	आ	३७	२६	शो	५३	४२	वि	०	२०	२९	५४	६	७	७	२७	मिथुने	भ. ०।२० या.
९	गु	३९	३९	पु	४४	५३	अ	५६	०	बा	६	३०	३३	५३	७	८	८	२८	क. २८।२	बृषे शुक्रः १५।१५ रामनवमी
१०	शु	४५	४४	पु	५२	५	सु	५७	४९	तै	१२	४१	३७	५३	७	९	९	२९	कर्के	रेवत्यां बुधः ३१।१२
११	श	५१	१२	श्ले	५८	२९	धृ	५८	५६	व	१८	२८	४१	५२	८	१०	१०	३०	सि. ५९	भ. १८।२८ उ. ५१।१२ या रेवत्यां C
१२	र	५५	३	म	६०	०	शू	५८	५६	ब	२३	७	४५	५१	९	११	११	३१	सिंहे	[C रविः ५१।२ (सौरः ५३।३०) D
१३	चं	५७	३९	म	३	१९	गं	५७	५३	कौ	२६	२१	४९	५०	१०	१२	१२	१	सिंहे	प्रदोषः अप्रेल ४ ता. ३० [× खग्रास चंद्र E
१४	मं	५८	३०	पू	६	५६	बृ	५५	३१	ग	२८	४	५३	४९	११	१३	१३	२	कं. २७	भ. ५८।३० उ. [E ग्रहणम् हनुमज्जयंती
१५	बु	५७	५७	उ	९	१	भृ	५२	१३	वि	२८	१३	५७	४९	११	१४	१४	३	कन्यायां	भ. २८।१३ या. उदयं शनेः ५६।४३ ×

५० पं.चै.शु.३शु.इ. ८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	८	०	११	५	११
८	४	२	२१	२३	४	२४	८
३	१६	३	८	४३	७	१९	०
१८	५२	७	१७	१	२०	९	५९
५९	४६	११	७	६३	७	३	५९
२९	७	१३	२५	२०	११	३५	

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ बुधवार सब पदार्थों में तेजी कारक है रुई चांदी सोना सण तिल गुड बिनोला अलसी सिरस्यु में घटा बढी हो।

गोचर ग्रहाः

५१ पं.चै.शु.१०शु.इ. ८/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	८	१	११	५	११
१४	९	१५	२१	०	४	२३	१४
५९	४३	५४	५७	५४	५९	५६	५७
१०	५२	४३	११	४३	२४	५४	७
५९	४६	११	७	६१	७	३	५९
१६	७		१५	८	१४	११	१८

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	गु	५६	४	ह	९	३३	ज्या	४७	४२	बा	२७	०	३१	५	६३	१५	१५	४	तु. १५	अश्वि. मेषे बुधः ५८।४५
२	शु	५३	१३	चि	८	५७	ह	४२	२०	तै	२४	३८	५	४७	१३	१६	१६	५	तुलायां	
३	श	४९	२६	स्वा	७	२६	व	३६	३७	व	२१	१९	१०	४६	१४	१७	१७	६	वृ. ५०	
४	र	४४	४९	वि	५	१०	सि	३०	१६	ब	१७	७	१४	४५	१५	१८	१८	७	वृश्चिके	भ. २१।१९ उ. ४९।२६ या.
५	चं	४०	८	अ	३	५७	व्या	२३	३५	कौ	१२	२८	१८	४४	१६	१९	१९	८	ध. ५९	चतुर्थी व्र.
६	मं	३५	१७	मू	५६	१७	च	१६	५२	ग	७	४२	२२	४४	१६	२०	२०	९	धनुषि	रेवत्यां भौमः ९।४ रोहि. शुक्रः २६।१३
७	बु	३०	१८	पू	५३	०	प	९	५८	वि	२	४७	२६	४३	१७	२१	२१	१०	धनुषि	भ. ३५।१७ उ. हस्ते. ४ राहुः रेव २ A
८	गु	२५	११	उ	४९	३८	शि	३३	५३	कौ	२५	११	३०	४२	१८	२२	२२	११	म. ७।१०	भ. २।४७ या.
९	शु	१९	४९	श्र	४६	६	सो	४८	३०	ग	१९	४९	३४	४१	१९	२३	२३	१२	मकरे	भरण्यां बुधः ४४।३ उभा.२शनिः५८।४७
१०	श	१४	२५	ध	४२	५५	शु	४१	३८	वि	१४	२५	३८	४०	२०	२४	२४	१३	कुं. १४	भ. ४७।७ उ.
११	र	८	४९	श	३९	४१	शु	३४	३८	बा	८	४९	४२	४०	२०	२५	२५	१४	कुम्भे	भ. १४।२५ या. अश्विः मेषेऽर्कः २५।२ +
१२	चं	४	१६	पू	३७	५९	ब्र	२८	१०	०	४	१६	४६	३९	२१	२६	२६	१५	मी. २३	वरूधिनी ११ व्र. [+ (सौरः २७।३७)
१३	चं	५५	३४	०	०	०	०	०	०	तै	०	०	०	०	०	०	०	०	०	भ. ५९।५०उ.पूषा.४ गुरुः ७।३६ प्रदोषः
१४	मं	५६	१	उ	३५	१	ऐं	२२	१८	वि	२७	५५	५०	३८	२२	२७	२७	१६	मीने	[A केतुः४८।१७ बुधोदयःपश्चिमायां ४।१४
३०	बु	५३	३८	रे	३४	०	वै	१७	२१	च	२४	४९	५३	३७	२३	२८	२८	१७	मे. ३४।०	भ. २७।५५ या.
																				देवपितृ कार्याऽमा.

५२ पं.वै.कृ.२ शु.इ ९।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	८	१	११	५	११
२१	१५	०	२२	७	५	२३	२१
५३	८	२१	३८	४६	५०	३४	५१
३१	४६	१४	६	५९	४२	३८	१८
५९	४५	११	५	५८	७	३	५९
४	४२		७	१७	८	११	४

गोचर ग्रहाः

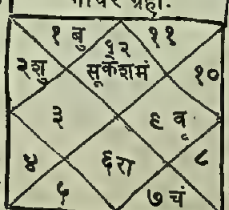

वैशाख कृष्णे १० शनौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समंता शुक्रोदयः पश्चिमायांम्

गोचर ग्रहा

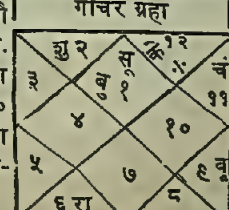

१पं.वै.कृ १०श.इ २५।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	१	११	५	११
०	२१	१६	२३	१५	६	२३	२९
०	३०	१५	१४	१९	४१	८	५७
०	११	२६	१३	३०	५८	३०	२९
५८	४५		३	५६	६	३	५८
४४	४२		२३	३८	५६	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ÷ श मं १२

ति.	वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः १४७४ सन् १९९६
१	गु	५२	१६	अ	३४	२०	वि	१३	१९	किं	२२	५७	३१/५७	५/३७	६/२३	२९	२९	१८	मेषे	
२	शु	५२	४०	भ	३६	७	प्री	१०	२५	बा	२२	२८	३२/१	३६	२४	३०	३०	१९	वृ. ५१।५८	चंद्रदर्शनम्
३	श	५४	५२	कृ	३९	३२	आ	९	४	तै	२३	४६	५	३५	२५	३१	१	२०	वृषे	कृत्ति. बुध: २४।४ जिल्हेज १२ परशु- A
४	र	५८	२५	रो	४४	२४	सौ	८	२०	व	२६	२६	९	३४	२६	१	२	२१	वृषे	भ. २६।२६ उ. ५८।५५ या. भा. B
५	चं	६०	०	मृ	५०	४३	शो	९	४	ब	३०	५६	१२	३४	२६	२	३	२२	मि. १७/३४	बृषे बुध: ३८।४९ [B वैशाखारंभ
५	मं	३	२८	आ	५७	४३	अ	१०	५०	बा	३	२८	१६	३३	२७	३	४	२३	मिथुने	मृगे शुक्र: १३।१७ [D कुंभदा.
६	बु	९	११	पु	६०	०	सु	१३	४	तै	९	११	२०	३२	२८	४	५	२४	क. ४८/१२	अश्वि. मेषे भौम: ३३।२१
७	गु	१५	२२	पु	५	१२	धृ	१५	३४	व	१५	२२	२३	३१	२९	५	६	२५	कर्के	भ. १५।२२ उ. ४८।३१ या पातस्पर्श: C
८	शु	२१	४०	पु	१२	४१	शू	१७	४६	ब	२१	४०	२७	३१	२९	६	७	२६	कर्के	पातमोक्ष: ११।२४ [C ४८।२५
९	श	२७	१०	श्ले	१९	३०	गं	१९	२६	कौ	२७	१०	३१	३०	३०	७	८	२७	सिं. १९/३०	भरण्यां रवि: ५।१६ (सौर: ९।२)
१०	र	३१	२९	म	२५	६	बृ	२०	४	ग	३१	२९	३४	२९	३१	८	९	२८	सिंहे	[A रामजयंती अक्षया ३
११	चं	३४	११	पू	२९	१३	ध्रु	१९	३७	व	२	५०	३८	२८	३१	९	१०	२९	कं. ४४/५०	भ. २।५० उ. ३४।११ या. मोहिनी ११व्र
१२	मं	३४	५८	उ	३१	४०	व्या	१७	४०	ब	४	२२	४१	२८	३२	१०	११	३०	कंन्यायां	
१३	बु	३४	४	ह	३२	८	ह	१४	१७	कौ	४	१९	४५	२७	३३	११	१२	१	कंन्यायां	प्रदोष:मई५ता.३१ [÷५५।२९नृसिंह १४
१४	गु	३१	१७	चि	३०	५८	व	९	२९	ग	२	२८	४८	२६	३४	१२	१३	२	तु. १।३३	भ. ३१।१७ उ. ५९।१० या.वक्री बुध:÷
१५	शु	२७	३	स्वा	२८	२५	सि	३६/३६	५३/०	ब	२७	३	५२	२६	३४	१३	१४	३	तुलायां	मिथने शुक्र:५८।३० यमाय सान्नजल D

२ पं. बै. शु. ३ श. इं. २५/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	१	११	५	०
६	२६	२६	२३	२१	७	२२	६
५०	५०	४१	३७	३	३८	४६	४७
४२	५६	३८	२३	५४	२०	१४	४०
५८	४५	८१	२	४८	६	३	५८
३१	३२	३८	२६	३६	३८	११	२९

गोचर ग्रहा:

चंशु२ के १२ A ३ सू बु १ ११ ४ १० ५ ७ ९ बृ रा ६ ८

इस मास में गेहूं जो चना चावल अरहर आदि धान्य मंदा होगा रुई चांदी सोना तेज होगा प्रजा में सुखशांती रहेगी

गोचर ग्रहा:

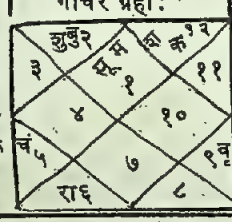

शुबु२ श के १२ ३ सू मं १ ११ ४ १० चं ५ ७ ९ बृ रा ६ ८

३ पं. वै. शु. ९ श. इं. २५/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	८	१	११	५	०
१३	२	३	२३	२६	८	२२	१३
३९	१०	१७	५०	८	२५	२३	३६
४७	१६	१७	५६	३५	१	५९	०५
५८	४५	३२	१	४१	६	३	५८
१९	२२	३२	०५	५०	२६	११	१२

ति.	ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	गृष्मर्तु रविरुत्तरे वैशा. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	२१	३३	वि	२४	४६	व	४८	५१	कौ	२१	३३	३२/५५	५/२५	६/३५	१४	१५	४	वृ. १०/४१	वक्री गुरु: १९।२७
२	र	१५	२	अ	२०	३६	प	४०	५४	ग	१५	२	५८	२४	३६	१५	१६	५	वृश्चिके	भ.४१।५३उ.बुधास्त:पश्चिमायांम्४०।०
३	चं	८	४४	ज्ये	१४	४७	शि	३२	५७	वि	८	४४	३३/२	२४	३६	१६	१७	६	ध. १५/४७	भ. ८।४४ या. चतुर्थी व्र.
४	मं	२	१३	मू	१०	१३	सि	२४	५४	बा	२	१३	५	२३	३७	१७	१८	७	धनुषि.	पातस्पर्श: ३६।७
५	मं	५३	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	बु	४९	४९	पू	७	१	सा	१७	८	ग	२२	४९	९	२२	३८	१८	१९	८	म. २१।२	भ. ४९।४९ उ. पातमोक्ष: १५।३८
७	गु	४४	१६	उ	३/३६	५६/३६	शु	९	५७	वि	१७	२	११	२२	३८	१९	२०	९	मकरे	भ. १७।२ या.
८	शु	३९	११	ध	५६	४३	शु	२/४८	५३/३५	बा	११	४३	१४	२१	३९	२०	२१	१०	कुं २८/१३	कृत्ति. रवि: ५१।१२ (सौरा: ५६।५४)
९	श	३४	५२	श	५४	२	ऐं	५०	२७	तै	७	१	१७	२१	३९	२१	२२	११	कुम्भे	[÷ १७।३९ उमा. ३ शनि: ४७।२७
१०	र	३१	११	पू	५३	८	वै	४५	७	व	३	१	२०	२०	४०	२२	२३	१२	मी. ३८/२२	भ. ३।१ उ. ३१।११ या. भरण्यां भौम: ÷
११	चं	२८	४	उ	५२	१९	वि	४०	२३	बा	२८	४	२३	१९	४१	२३	२४	१३	मीने	अपरा ११ व्रतम्
१२	मं	२५	५६	रे	५२	२८	प्री	३६	२२	तै	२५	५६	२६	१९	४१	२४	२५	१४	मे. ५२/२८	बृषेऽर्क: १८।२७ (सौर: २४।४१)प्रदोष:
१३	बु	२४	४२	अ	५३	४४	आ	३३	६	व	२४	४२	२८	१८	४२	२५	२६	१५	मेषे	भ. २४।४२ उ. ५४।३५ या.
१४	गु	२४	२९	भ	५६	२	सौ	३०	४७	श	२४	२९	३१	१८	४२	२६	२७	१६	मेषे	वक्री मेषे बुध: २७।१२
३०	शु	२५	३८	कृ	५९	३७	शो	२९	४९	ना	२५	३८	३४	१७	४३	२७	२८	१७	बृ. ११/५६	वटपूजनम्

४ पं. ज्ये. कृ. १ श. इ. २५/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	८	२	११	५	०
२०	७	४	२३	०	९	२२	२०
२७	२७	५०	५६	१५	९	१	२२
२५	४	१७	२	३६	५०	४३	४८
५८	४५	५६/५६	१/०	३४	६	३	५७
६	७	व.	व.	१६	१३	११	५७

गोचर ग्रहा:

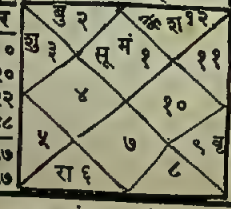

बु २ के श १२ शु ३ सू मं १ ११ ४ १० ५ ७ ९ बृ रा ६ ८

ज्येष्ठ कृष्णे १२ भौमे बृषेऽर्क: प्रविष्ट:वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भोव समता शुक्रोदय: पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहा:

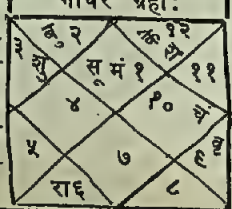

बु २ के १२ शु ३ सू मं १ ११ ४ १० चं ५ ७ ९ बृ रा ६ ८

५ पं. ज्ये. कृ. ९ श. इ. २६/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	८	२	११	५	०
२७	१२	२	२३	३	९	२१	२७
१३	४१	३७	५२	८	५२	३९	८
३७	२८	४१	५	२	५	२७	२
५७	४४	३०/५१	१/२९	२१	५	३	५७
५४	४७	व.	व.	५	५०	११	४५

A श. मं (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	जेष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												वि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १५०४सन् १९९६
१	श	२८	२	रो	६०	०	अ	२९	८	व	२८	२	३३/३७	५/१७	६/४३	२८	२९	१८	वृषे	
२	र	३१	२७	रो	४	१४	सु	२९	४६	कौ	३१	२७	३९	१६	४४	२९	३०	१९	मि३७।१४	चन्द्रदर्शनम् [B वक्री पूषा ३ गुरु :४५।१२
३	चं	३६	४१	मृ	१०	१६	धृ	३१	८	तै	४	४	४२	१६	४४	३०	१	२०	मिथुने	मोहर्रम १ सन् १४१७ हि.
४	मं	४२	१४	आ	१६	५०	शू	३३	६	व	९	२७	४४	१५	४५	३१	२	२१	मिथुने	भ. ९।२७ उ. ४२।१४ या.
५	बु	४८	२६	पु	२४	३४	गं	३५	३७	ब	१५	२०	४७	१५	४५	१	३	२२	क७।३८	वक्री भरण्यां बुधः ४०।३८ उदयो *
६	गु	५४	३७	पु	३२	५	वृ	३८	१५	कौ	२१	२२	४९	१४	४६	२	४	२३	कर्के	बुधोदयः पूर्वस्याम् २९।४१
७	शु	६०	०	श्ले	३९	३९	ध्रु	४०	३२	ग	२७	२१	५२	१४	४६	३	५	२४	सिं३९।३९	रोहि. रविः ४२।१(सौरः ५०।४९)B
७	श	०	३०	म	४६	४	व्या	४२	१	व	०	३०	५४	१३	४७	४	६	२५	सिंहे	भ. ०।३० उ. ३२।५५ या.
८	र	५	२०	पू	५०	४९	ह	४२	३१	व	५	२०	५६	१३	४७	५	७	२६	सिंहे	[* भौमः २५।४५ भा. ज्येष्ठारंभः
९	चं	८	४४	उ	५४	४६	व	४१	४१	कौ	८	४४	५८	१२	४८	६	८	२७	कं ६।४८	वक्री शुक्रः ३७।५७
१०	मं	१०	१६	ह	५६	२०	सि	३९	२१	ग	१०	१६	३४/००	१२	४८	७	९	२८	कन्यायां	भ. ४०।५ उ. गंगादशमी
११	बु	९	५५	चि	५५	४३	व्य	३५	१३	वि	९	५५	२	१२	४८	८	१०	२९	तु.२६।१	भ. ९।५५ या. मार्गी बुधः ५६।२४ C
१२	गु	७	२६	स्वा	५३	३०	व	२९	३८	वा	७	२६	३	११	४९	९	११	३०	तुलायां	कृत्ति. भौमः २६।१ प्रदोषः
१३	शु	२	५९	वि	४९	३२	प	२२	४१	तै	२	५९	५	११	४९	१०	१२	३१	वृ.३५।३१	भ. ५६।५७ उ. [C निर्जला ११ व्र.
१४	शु	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[D गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
१५	श	४९	२९	अ	४४	११	शि	१४	२९	वि	२३	१३	७	११	४९	११	१३	१	वृश्चिके	भ. २३।१३ या. जून ६ ता. ३० D

६ पं.ज्ये.शु.१श.इ.२६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	२	११	५	१
३	१७	२८	२३	४	१०	२१	३
५८	५६	५६	३८	२६	३१	१७	५१
३७	६	१७	४६	१३	१२	१२	४३
५७	४४	३२	६/५०	६	५	३	५७
४४	२६	वं	व	१६	२५	११	३४

७ पं.ज्ये.शु.७श.इ.२६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	२	११	५	१
१०	२३	२५	२३	३	११	२०	१०
४२	२	१८	१७	४५	७	५४	३३
२९	१०	७	१३	४३	२३	५६	५४
५७	४४	१६/४३	४/४	१०/५३	४	३	५७
३५	११	वं	व	वं	५६	११	२३

८ पं. ज्ये: शु.१५ श.इ. २६/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	२	११	५	१
१७	२८	२६	२२	१	११	२०	१७
२५	८	२१	४५	३०	३९	३२	१५
१९	१७	४०	४३	३६	१४	४१	००
५७	४४	९/१७	५/२२	२६/४१	४	३	५७
२७	१	मा	वं	व	३१	११	१३

ति.	प्र. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	र	४१	१९	ज्ये	३८	९	सि	०५/२४	५०/४३	बा	१५	२३	३४/९	५/१०	६/५०	१२	१४	२	ध.३८।९	[A (सौरः ५०।२७)
२	चं	३२	५२	मू	३१	४७	शु	४६	१९	तै	७	५	१०	१०	५०	१३	१५	३	धनुषि	भ. ५८।३८ उ वृषे भौमः ५८।३७ *
३	मं	२४	२५	पू	२५	२२	शु	३६	५९	वि	२४	२५	१२	१०	५०	१४	१६	४	म, ३८/५६	भ. २४।२५ या. वक्री वृषे शुक्रः E
४	बु	१६	३९	उ	१९	३८	ब्र	२८	५	बा	१६	३९	१३	९	५१	१५	१७	५	मकरे	[E ५०।४ चंद्र व्र.
५	गु	९	१३	श्र	१४	४१	ऐं	१९	५४	तै	९	१३	१५	९	५१	१६	१८	६	कुं, ४२/४४	[* कृति. बुधः २४।५१
६	शु	३	५	ध	१०	४८	वै	१२	३३	व	३	५	१६	९	५१	१७	१९	७	कुंभे	भ. ३।५ उ. ३०।३६ या मृगे रविः =
७	शु	५५	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=३६।५४(सौरः ४९।३९)शुक्रास्तः C
८	श	५४	१६	श	७	५४	वि	६	२	वा	२६	१२	१७	९	५१	१८	२०	८	मी. ५१/५३	वृषेबुधः३०।२[C पश्चिमायां B
९	र	५१	४७	पू	६	३३	प्री	०/३७	५५/४३	तै	२३	२	१८	८	५२	१९	२१	९	मीने	[÷ योगिनी ११ व्र. स्मा वै.
१०	चं	५०	२३	उ	६	७	सौ	५२	५०	व	२१	५	१९	८	५२	२०	२२	१०	मीने	भ. २१।५ उ. ५०।२३ या
११	मं	५०	१४	रे	७	६	शो	५०	२८	व	२०	१९	२०	८	५२	२१	२३	११	मे. ७।६	हस्ते. ३ राहुः रेव. १ केतुः ४२।४२ ÷
१२	बु	५१	१६	अ	१०	२४	अ	४८	५३	कौ	२०	४५	२१	८	५२	२२	२४	१२	मेषे	योगिनी ११ व्र. निं. [B ५७।३६
१३	गु	५३	१९	भ	१२	५८	सु	४८	२३	ग	२२	१७	२१	८	५२	२३	२५	१३	वृ० २८/३७	भ. ५३।१९ उ. प्रदोषः
१४	शु	५६	३६	कृ	१५	३२	धृ	४८	२७	वि	२४	५८	२२	८	५२	२४	२६	१४	वृषे	भ. २४।५८ या. मिथुनेऽर्कः ३५।२८ A
१५	श	६०	०	रो	२१	२८	शू	४९	९	च	२८	४२	२२	८	५२	२५	२७	१५	मि. ५४/३१	वक्री रोहि. शुक्रः २६।५१
१७	र	०	४७	मृ	२७	३४	गं	५०	४४	ना	०	४७	२३	८	५२	२६	२८	१६	मिथुने	शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ५३।२४

९पं. प्र.आ.कृ.८.श.इ. २६/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	८	१	११	५	१
२४	३	२९	२२	२७	१२	२०	२३
७	१४	५७	७	३७	९	१०	५४
१९	५९	२९	३४	३७	२९	२५	५६
५७	४३	४१	६/११	३५/४८	३	३	५७
२२	४५	२२	व	व.	५२	११	५

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे १४ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टःवा ४ न. ५ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्धता शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

१०पं.प्र.आ.कृ.३०श.इ.२६/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	८	१	११	५	२
०	८	७	२१	२३	१२	१९	०
४८	१२	२	२३	२०	३३	४८	३४
३६	२५	२०	३१	१७	४०	९	०५
५७	४३	७२	६/५६	३३/५१	३	३	५६
१७	३५	४९	वं.	व.	१९	११	५७

(सं० २००१ समारम्भ्य २१०० पर्यन्तम्) *मंशु

ति.	प्र. आषाढ़ शुक्ल पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १५३४स.१९९९
१	चं	६	१	आ	३४	१८	बृ	५२	४५	व	६	१	३४/२३	५/७	६/५३	२७	२९	१७	मिथुने	रोहिण्यां भौमः ५४।२७ रोहिण्यां ×
२	मं	११	३१	पु	४१	३७	ध्रु	५५	११	कौ	११	३१	२३	७	५३	२८	१	१८	क.२४।४७	सफर २
३	बु	१७	४६	पु	४९	१६	व्या	५७	३६	ग	१७	४६	२३	७	५३	२९	२	१९	कर्के	भ. ५०।५२ उ.
४	गु	२३	५९	श्ले	५६	५१	ह	६०	०	वि	२३	५९	२४	७	५३	३०	३	२०	सिं ५६।५१	भ. २३।५९ या.
५	शु	२९	५६	म	६०	०	ह	०	५	बा	२९	५६	२४	७	५३	३१	४	२१	सिंहे	आर्द्रा. रविः ३४।२३ (सौरः ५२।०)
६	श	३५	१२	म	४	२	व	२	२०	कौ	४	३४	२४	७	५३	१	५	२२	सिंहे	भा. आषाढारंभः
७	र	३९	२२	पू	१०	७	सि	३	३८	ग	७	१७	२४	७	५३	२	६	२३	कं.२६।२२	भ. ३९।२२ उ.
८	चं	४१	५६	उ	१५	७	व्य	४	१	वि	१०	३९	२४	७	५३	३	७	२४	कन्यायां	भ. १०।३९ या.
९	मं	४२	४६	ह	१८	१०	व	२	५८	बा	१२	२१	२३	७	५३	४	८	२५	तु.४८।४३	मृगे बुधः ४०।१३
१०	बु	४१	२९	चि	१९	१७	प	०/२२	५५/५५	तै	१२	७	२३	७	५३	५	९	२६	तुलायां	[× बुधः ५२।४४ चंद्र दर्शन संभवः
११	गु	३८	१०	स्वा	१८	३६	सि	५०	२८	व	९	४९	२२	८	५२	६	१०	२७	तुलायां	भ. ९।४९ उ. ३८।१० या. वक्री पूषा =
१२	शु	३२	४४	वि	१५	४४	सा	४३	५	ब	५	२४	२२	८	५२	७	११	२८	बृ.१।२७	[= २ गुरुः ११।४४ कमला ११ व्र.
१३	श	२५	८	अ	११	३	शु	३४	१७	तै	२५	८	२१	८	५२	८	१२	२९	वृश्चिके	मिथुने बुधः १३।२८[÷ पूर्वस्यां ९।४४
१४	र	१६	७	ज्ये	५/१	५२/५२	शु	२४	३२	व	१६	७	२०	८	५२	९	१३	३०	ध.५।१	भ. १६।७ उ. ४१।५४ या. बुधास्तः ÷
१५	चं	७	४१	पू	५०	११	ब्र	१४	११	ब	७	४१	१९	८	५२	१०	१४	१	धनुषि	मार्गी शुक्रः २७।५६ जौलाई ७ता. ३१

११पं.प्र.आ. शु.६श.इ. २६/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	८	१	११	५	२
७	१३	१७	२०	१९	१२	१९	७
२९	११	५६	३४	५३	५४	२५	१२
३१	३१	२४	३०	१३	२२	५४	३२
५७	४३	०/०७	७/३७	११/२६	२	३	५६
१३	८		व.	व.	३४	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चने मूंग मोठ गुड़ खांड चन्दन केशर और रुई कपड़ा कपास तेज होकर मंदा । कहीं कहीं वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

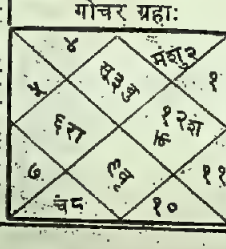

१२पं.प्र.आ.शु१३श.इ. २६/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	८	१	११	५	२
१४	१८	०	१९	१८	१३	१९	१३
९	६	२५	४२	५	९	३	५०
५८	५०	१६	२२	२४	५०	३८	३७
५७	४२	५७/५७	७/५२	४/४६	१	३	५६
७	४८		व.	व.	५६	११	५०

÷मंबुशु

ति.	द्वि.आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे प्र. आषा. कृष्णेत्ति महा.
१	चं	४९	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४८	१६	उ	४२	३५	ऐं	३/४०	४९/२९	तै	२२	३५	३४/१८	५/८	६/५२	११	१५	२	म.३।१७	आर्द्रा. बुधः ३५।४०
३	बु	३९	७	श्र	३५	३४	वि	४३	२५	व	१३	४१	१७	९	५१	१२	१६	३	मकरे	भ. १३।४१ उ. ३९।७ या. चतुर्थी व्र.
४	गु	३०	५२	ध	२९	३४	प्री	३३	५०	ब	४	५३	१६	९	५१	१३	१७	४	कुं.२।३४	
५	शु	२४	७	श	२४	५६	आ	२५	४८	तै	२४	७	१५	९	५१	१४	१८	५	कुंभे	पुन. रविः ३३।१३ (सौरः ५६।२) A
६	श	१८	५९	पू	२१	३५	सौ	१८	५६	व	१८	५९	१४	९	५१	१५	१९	६	मी.७।२५	भ. १८।५९ उ. ४७।२० या. ÷
७	र	१५	४०	उ	२०	९	शो	१३	३४	ब	१५	४०	१३	९	५१	१६	२०	७	मीने	[÷ मृगे भौमः ५४।५२
८	चं	१३	५२	रे	२०	२०	अ	९	३२	कौ	१३	५२	११	१०	५०	१७	२१	८	मे.२०।२०	पुन. बुधः ५७।२३
९	मं	१३	५३	अ	२२	१४	सु	६	४९	ग	१३	५३	१०	१०	५०	१८	२२	९	मेषे	भ. ४४।३६ उ. [+ मास समाप्तिः
१०	बु	१५	२०	भ	२५	४०	धृ	५	२८	वि	१५	२०	८	१०	५०	१९	२३	१०	बृ.४१।४९	भ. १५।२० या.
११	गु	१७	५४	कृ	३०	१६	शू	५	५	बा	१७	५४	७	११	४९	२०	२४	११	वृषे	कमला ११ व्रतम्
१२	शु	२२	१६	रो	३५	५८	गं	५	५२	तै	२२	१६	५	११	४९	२१	२५	१२	वृषे	[A उ.भा. ४ शनिः ४४।५०
१३	श	२७	२	मृ	४२	२७	वृ	७	१	व	२७	२	३	११	४९	२२	२६	१३	मि.९।१२	भ. २७।२ उ. ५९।५० या. ×
१४	र	३२	३८	आ	४९	४	ध्रु	८	४४	श	३२	३८	१	१२	४८	२३	२७	१४	मिथुने	[× कर्के बुधः २५।३
१५	चं	३८	३३	पु	५७	५	व्या	१०	५१	च	५	३५	३३/५९	१२	४८	२४	२८	१५	क.४०।५	पुष्ये बुधः ०।४८ सोमवती. अधिक- +

१३पं.द्वि.आ.कृ.६ श.इ. २६/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	८	१	११	५	२
२०	२२	१४	१८	१८	१३	१८	२०
५०	५९	४२	४८	१५	२०	४१	२८
३४	३८	४	०	३२	५३	२३	३१
५७	४२	[illegible]	५/५२	११/४१	१	३	५६
७	३२		व.	मा	१७	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में रस पदार्थ घृत तेल गुड़ सरसों अन्डी अलसी में तेजी कपास रुई सन में मंदी होकर तेजी होगी वर्षा अच्छी हो

गोचर ग्रहाः

१४पं.द्वि.आ.कृ.१३श.इ. २६/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	८	१	११	५	२
२७	२७	०	१७	२०	१३	१८	२७
३०	४८	०	५४	७	२६	१९	६
४३	४३	५८	४३	८	४९	७	३८
५७	४२	[illegible]	७	२५	०	३	५६
११	११	५८	४७	८	३८	११	५४

तिथि द्वि. आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५६३ स. १९९६

| | | |

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५६३श.१९९६
१	गु	२२	५८	म	३३	४७	प	३७	१९	ब	२२	५८	३२/३०	५/३०	६/३०	२४	२९	१५	सिंहे	
२	शु	२७	४०	पू	३९	५२	शि	३८	४२	कौ	२७	४०	२६	३१	२९	२५	३०	१६	कं.५६।१३	मघायां सिंहेऽर्कः २३।० (सौरः ५६।३९)÷
३	श	३१	४२	उ	४५	१७	सि	३९	३०	ग	३१	४२	२२	३२	२८	२६	१	१७	कन्यायां	रविलाखर ४ तीज [÷पुन. भौमः ३६।१६A
४	र	३४	३७	ह	४९	३७	सा	३९	८	व	३	९	१९	३२	२८	२७	२	१८	कन्यायां	भ. ३।९ उ. ३४।३७ या. वरद ४
५	चं	३६	२६	चि	५२	५९	शु	३९	२०	ब	५	३१	१५	३३	२७	२८	३	१९	तु.२१।१८	कन्यायां बुधः ११।२८ नागपंचमी
६	मं	३६	५८	स्वा	५४	५४	शु	३६	४०	कौ	६	४२	१२	३४	२६	२९	४	२०	तुलायां	[A उफा. बुधः २।४२ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
७	बु	३६	१०	वि	५५	३१	ब्र	३३	३४	ग	६	३४	८	३४	२६	३०	५	२१	वृ.४०।२२	भ. ३६।१० उ.
८	गु	३३	५४	अ	५४	५४	ऐं	२९	२२	वि	५	२	४	३५	२५	३१	६	२२	वृश्चिके	भ. ५।२ या. पुन. शुक्रः २९।१३
९	शु	२९	५८	ज्ये	५२	१२	वै	२३	५२	बा	१	५५	१	३६	२४	१	७	२३	ध.५२।१२	भा. भाद्रपदारंभः
१०	श	२४	४०	मू	४८	२७	वि	१७	२२	ग	२४	४०	३१/५७	३७	२३	२	८	२४	धनुषि	भ. ५१।१६ उ.
११	र	१७	५२	पू	४३	१४	प्री	९	३५	वि	१७	५२	५३	३७	२३	३	९	२५	म५६।३९	भ. १७।५२ या. पवित्रा ११ व्रतम्
१२	चं	९	५०	उ	३६	५४	आ	०/३७	५०/१६	बा	९	५०	४९	३८	२२	४	१०	२६	मकरे	प्रदोषः
१३	मं	०	५३	श्र	२९	४७	शो	४०	३८	तै	०	५३	४६	३९	२१	५	११	२७	कुं ५६।२	भ. ५१।२४ उ.
१४	मं	५०	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B बंधनं भद्रोत्तरं
१५	बु	४१	५३	ध	२२	१७	अ	३०	४	वि	१६	३८	४२	४०	२०	६	१२	२८	कुंभे	भ. १६।३८ या. श्रावणीकर्म. रक्षा B

१९पं.श्रा.शु.३श.इ.२५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	८	२	११	५	४
०	२१	२८	१४	१५	१२	१६	०
५९	१३	७	३३	११	४४	२७	२७
१३	५५	३०	३६	१७	१०	४९	३०
५७	४०	६३	३/२१	५८	२/४	३	५७
४०	४१	३४	व	२२	व	११	३४

गोचर ग्रहाः

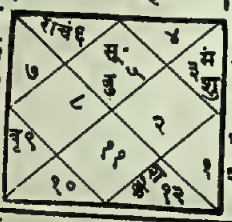

श्रावण शुक्ले २ शुक्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

२०पं.श्रा.शु.१०श.इ.२५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	८	२	११	५	४
७	२५	४	१४	२१	१२	१६	[illegible]
४४	४६	५७	१५	५८	[illegible]	[illegible]	११
२०	१२	५०	[illegible]	८	[illegible]	[illegible]	[illegible]
५७	४०	४१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
४९	२१	३५	व	९	व	११	[illegible]

ति.	भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतुरविर्दक्षिणे श्रा.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	गु	३२	५०	श	१५	५	सु	१९	५०	बा	७	२१	३१/३८	५/४०	६/२०	७	१३	२९	मी. ५५/१३	
२	शु	२५	४	पू	८	३५	धृ	१०	२१	ग	२५	४	३४	४१	१९	८	१४	३०	मीने	भ. ५१।५१ उ. पूफा. रविः १२।३८ ÷
३	श	१८	३९	उ	३	३५	शू	१/२३	५२/४१	वि	१८	३९	३०	४२	१८	९	१५	३१	मीने	भ. १८।३९ या. कर्के भौमः १।५५ च.व.
४	र	१३	५८	रे	०/१०	५८/२७	वृ	४८	१६	बा	१३	५८	२६	४३	१७	१०	१६	१	मे.०।१०	कर्के शुक्रः १८।४ सितम्बर १ता० ३०
५	चं	११	३६	भ	५९	३२	ध्रु	४४	१९	तै	११	३६	२२	४४	१६	११	१७	२	मेषे	वक्री बुधः ३२।१ चंदन षष्ठी
६	मं	११	२२	कृ	६०	०	व्या	४१	५४	व	११	२२	१८	४४	१६	१२	१८	३	वृ१५।१४	भ. ११।२२ उ. ४२।१९ या.
७	बु	१३	१६	कृ	२	२०	ह	४१	२८	ब	१३	१६	१५	४५	१५	१३	१९	४	वृषे	मार्गी गुरुः १५।५० पुष्ये शुक्रः [illegible]C
८	गु	१७	४	रो	७	५	व	४१	४२	कौ	१७	४	११	४६	१४	१४	२०	५	मि४०।४	पुष्ये भौमः २३।१३ जन्माष्टमी व. वै.
९	शु	२२	७	मृ	१३	२	सि	४३	१३	ग	२२	७	७	४७	१३	१५	२१	६	मिथुने	भ. ५५।७ उ. गोगानवमी
१०	श	२८	८	आ	२०	८	व्य	४५	३१	वि	२८	८	३	४७	१३	१६	२२	७	मिथुने	भ. २८।८ या.. [÷(सौरः ४७।३१)
११	र	३४	२०	पु	२७	४५	व	४८	१	ब	१	१४	३०/५९	४८	१२	१७	२३	८	क १०।५१	अजा ११ व्रतम् [C श्रीकृष्णजयंतीव.स्मा.
१२	चं	४०	४४	पु	३५	२५	प	५०	३७	कौ	७	३२	५५	४९	११	१८	२४	९	कर्के	वत्स द्वादशी [B लोहार्गलस्नान
१३	मं	४६	४०	श्ले	४२	४६	शि	५३	११	ग	१३	४२	५१	५०	१०	१९	२५	१०	सिं. ४२/४६	भ. ४६।४० उ. प्रदोषः
१४	बु	५१	५५	म	४९	३३	सि	५४	३०	वि	१९	१८	४७	५१	९	२०	२६	११	सिंहे	भ. १९।१८ या. बुधास्तः पश्चिमायाम् [illegible]
३०	गु	५६	०	पू	५५	१६	सा	५५	२८	च	२३	५८	४३	५१	९	२१	२७	१२	सिंहे	उफा. रविः ५७।१ कुशाग्रहणी मन्वादि B

२१ पं. भा.कृ.३ श.इ. २४/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	२	११	५	४
१४	०	९	१४	२९	११	१५	१३
३०	१५	७	६	३	५७	४३	५६
०	२२	५२	२५	५४	२२	१८	१२
५८	३९	१२	०/४४	६३	३/५३	३	५७
१	५७	३८	व	२५	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं जौ चना शक्कर गुड़ रूई चांदी सोना लोहा तांबा आदि धातुओं में तेजी हो कहीं २ थोड़ी वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

२२पं.भा.कृ.१०श.इ.२४/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	३	११	५	४
२१	४	९	१४	६	११	१५	[illegible]
१७	४०	१८	७	२५	२९	२१	[illegible]
२	१२	४०	५	२३	६	३	[illegible]
५८	३९	२९/८	०/३६	६५	४/१०	३	५८
१३	३४	व.	मा	५	व.	११	१२

*केशचं

ति.	भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१८	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६२२स.१९९६
१	शु ५६।१७ कु ६०। ० शु ५५।२१ किं २७।३८	३१	५३	६	२२	२८	१३	कं ११	उषा. रविः सौरः ३२।१० ÷ नवल दुर्गा
२	श ६०। ० रे १४ शु ५५। ० वा ३०।१६	३५	५३	७	२३	२९	१४	कन्यायां	चंद्रदर्शनम् [8 रामदेवजी का मेला ÷
३	र १।२५ सु ३५।१ श ५३	३५	को	१	२२	३१	५४	६	२४ १ १५ तु. ३० जमादिलावल ५ [D हरीबासराऽभावः E
४	चं २।२५ वि ६।४१ सं ५१।१२	ग	२	२५	२७	५५	५	२५	२ १६ तुलायां भ. ३२।२८ उ. कन्यायामर्कः २२।२२ *
५	मं २।३१ बा २।२६ वै ४८।१३	वि	२	३१	२२	५६	४	२६	३ १७ बृ.५४।१ भ. २।३१ या. ऋषि पंचमी [B चतुर्थी
६	बु ५८। २ वि ६।११ वि ४४।११	वा	१	२५	१८	५६	४	२७	४ १८ वृश्चिके वक्री सिंहे बुध ५७।२२ [E प्रदोषः
७	शु ५६।२० अ ४।५६ मी ३६।४६	ग	२७	५३	१४	५७	३	२८	५ १९ वृश्चिके भ.५६।२० उ. [A ४६।३५श्रीगणेश B
८	शु ५२।४१ ज्ये ७।३४ जा ३४।१३	वि	२४	३१	९	५८	२	२९	६ २० ध. ७।३४ भ.२४।३१ या.[+ मार्गी बुधः ३७।३१ F
९	श ४७।२० मू ५।२१ सिं २७।५७	वा	२०	१	५	५९	१	३०	७ २१ धनुषि [C नारंभः जलझूलनी ११ व्र.
१०	र ४१।१९ पू ३।५५ सिं २०।४६	ते	१४	१९	३०	०	०	३१	८ २२ म. १६।४ वक्री पूषा. बुधः २०।५९ रामदेवजी 8
११	चं ३४।२६ उ ५।२ ध ७।५२	ध	७	५२	२९	५५	१	९	२३ मकरे भ. ७।५२ उ. ३४।२६ या भा. आश्वि- C
१२	मं २६।५५ ध ४७। ६ शु ५।५९	ध	०	४०	५२	२	५८	२	१० २४ कुं. २०।० बुधोदयः पूर्वस्यां १८।१८ वामन १२ D
१३	बु १८।५२ श ११। ७ शे ४५।४३	ते	१८	५२	४८	२	५८	३	११ २५ कुम्भे [× रविः ३५।३१ आग्ले. भौमः ५३।८+
१४	शु १०।५२ पू १५।१७ मी ११।११	ध	१०	५२	४४	३	५७	४	१२ २६ मी. २१ भ. १०।५२ उ. ३७।७ या. हस्ते ×
१५	शु ३।२५ उ १०।५५ मी २७।४६	ध	२	४३	४०	४	५६	५	१३ २७ मीने हस्तेरविः सौरः ६।५१ महालयश्राद्धारंभः

२३पं.भा.शु.२श.इ.२४।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	५	८	३	११	५	५
२८	९	४	१४	१२	१०	१४	२७
५५	२२	२१	१६	५९	५८	५८	३१
२४	३६	७	५२	१७	२६	२७	१२
५८	३८	५६	१	१६	२८	३	५८
२६	५९	व	४५	३७	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद शुक्ले ३ चंद्रे कन्यायाम् ६: प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ घात्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः स्यांपूर्व

गोचर ग्रहाः

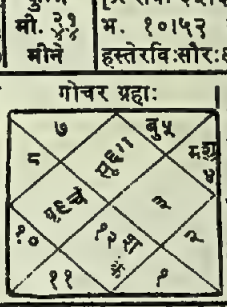

२४पं.भा.शु.९श.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	८	३	११	५	५
४।१३	२७	१४	२१	१०	१४	४	
५५।२२	२५	३६	४७	२५	३६	२१	
१६।३७	२८	१४	५३	५९	३१	१९	
५८।३८	५६	३	६७	४०	४	३	५८
३८।४०	व.	५२	५८	व	११	४५	

ति.	आश्विन कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चन्द्रः	शरदृतुं रविर्दक्षिणे भाद्र कृष्णांति महा.
१	शु ५३।४० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श ५२। २ रे २५।५८ शु १६।५२	ते	२४	३३	५८	५८	६	१४	२८ मे. २५ सिंहे मघायां शुक्रः ४१।५१
३	र ४८।४९ अ २३।१७ च्या ११। ४	ध	२०	२५	३२	६	५४	७	१५ २९ मेषे भ. २०।२५ उ. ४८।४९ या.
४	चं ४७।३१ भ २२।४० ह ७।५०	ध	१८	१०	२८	६	५४	८	१६ ३० वृ. ५७ चतुर्थी व्रतम्
५	मं ४८।२५ कृ २३।४६ व ४। ३	को	१७	५८	२३	७	५३	९	१७ १ वृषे उषा. बुधः ३१।५४अवटूयर १० ता.३१
६	बु ५१।२० रो सि १।५४ ग १९।५२	१९	८	५२	१०	१८	२	मि. ५९	भ. ५१।२० उ.
७	गु ५५।४९ मृ ३२।१९ व्य ११।१३	ति	२३	३४	१५	९	५१	११	१९ ३ मिथुने भ. २३।३४ या
८	शु ६०। ० आ ३८।५० व २। ५	धा	२८	४३	११	१०	५०	१३	२० ४ मिथुने कन्यायां बुधः ४०।४१ मातृ ६
८	श १।३८ पु ४५।५५ प ३।४९	को	१	३८	७	११	४९	१३	२१ ५ क.२९।९ [× (सौरः ४०।२५) पूफा.शुक्रः १४।१÷
९	र ७।५० पु ५३।३४ शि ५।५२	ग	७	५०	३	११	४९	१४	२२ ६ कर्के भ. ४०।५९ उ. ÷ प्रदोष व्रतम्
१०	चं १४। ८ श्ले ६०। ० सि ८।१७	वि	१४	८	२९	१२	४८	१५	२३ ७ कर्के भ. १४।८ या.
११	मं २०। ९ श्ले १। ३ सा १०।३२	वा	२०	९	५५	१३	४७	१६	२४ ८ सिं. १।३ इंदिरा ११ व्रतम्
१२	बु २५।१९ म ७।५५ शु १२।१९	ते	२५	१९	५१	१४	४६	१७	२५ ९ सिंहे
१३	गु २९।१६ पू १३।४० शु १३।२४	व	२९	१६	४७	१५	४५	१८	२६ १० कं. ५९ भ. २९।१६ उ. चित्रा रविः ७।३३ ×
१४	शु ३१।५३ उ १८।२२ ब्र १३।१३	वि	०	३४	४३	१५	४५	१९	२७ ११ कन्यायां भ. ०।३४ या. हस्ते बुधः ३६।२५ A
३०	श ३३। ८ ह २१।२९ ऐं १२।११	च	२	३०	३९	१६	४४	२०	२८ १२ तु. ५३ सर्वपितृ ३० A शस्त्रादिहताना श्राद्धं

२५पं.आ.कृ.२श.इ.२४।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	८	३	११	५	५
११	१७	२५	१५	२९	९	१४	११
४६	३७	३७	३	३९	५३	१४	१३
५२	५५	८	१८	५८	२	१५	२०
५८	३८	२०	४	४८	४०	३	५९
५३	५	मा	२१	५१	व	११	००

२६पं.आ.कृ.८श.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	४	११	५	५
१८	२१	०	१५	७	९	१३	१८
४०	४९	५६	३९	४२	२०	५२	७
८	१२	२४	५४	५०	४२	०	७
५९	३७	७७	५	६९	३४	३	५९
९	२६	४३	२१	३८	व	११	१६

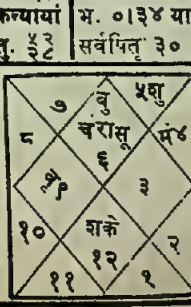

२७प.आ.कृ.३०श.इ.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	४	११	५	५
२५	२५	११	१६	१५	८	१३	२५
३५	५५	१८	२३	५२	४९	२९	२
२	५१	०	२४	३७	५	४४	४९
५९	३७	९८	६	७०	३४	३	३५९
२१	१२	२५	३४	२५	व	११	३१

[* (सौरः ५७।२१) आग्ले.शुक्रः A (विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यंतम्) F वक्री उभा. २ शनिः ५४।५०अनंत १४

ति.	आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८	वि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६५२सन् १९९६
१	र ३३ १ चि २३ २६ वै १० ६ किं ३ ४	३८	६	५	२१	२९	१३	तुलायां	मातामह श्राद्धं नवरात्रारंभः
२	चं ३१ ४७ स्वा २४ १७ वि ७ १ बा २ २४	३१	१८	४२	२२	३०	१४	तुलायां	पूषा. २गुरुः ५५ बुधास्तः पूर्वस्यां २३ चंद्र- A
३	मं २९ ४१ वि २४ २ प्री ६ ५५ तै ० ४४	२७	१९	४१	२३	१	१५	वृ. ९।३	भ. ५८।१३ उ. हस्त. १ राहुः उभा. B
४	बु २६ ४६ अ २२ ५६ सौ ५२ ४९ वि २६ ४६	२३	१९	४१	२४	२	१६	वृश्चिके	भ. २६।४६ या. तुलायामर्कः ५१।२२
५	गु २२ १ ज्ये २१ १४ शो ४७ ६ बा २२ १	२०	२०	४०	२५	३	१७	ध. २१	तुलायामर्कः सौरः २३।९ A दर्शनम्
६	शु १९ २ मू २१ ५६ अ ४० ५९ तै १९ २	१६	१९	४१	२६	४	१८	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम्
७	श १४ २९ पू १६ २२ सु ३४ १९ व १४ २९	१२	२२	३८	२७	५	१९	म. ३०	भ. १४ उ. ४२ या. मघा. सिंहे भौमः २९ सर-C
८	र ९ ३१ उ १३ १४ धृ २७ ३१ व ९ ३१	८	२२	३८	२८	६	२०	मकरे	चित्रा. बुधः १।२८ C स्वती पू. बलिदान
९	चं ४ १६ श्र ९ ४४ शू २० १० कौ ४ १६	४	२३	३७	२९	७	२१	कुं. ३७	उषा. शुक्रः ३१ सरस्वती विसर्जनं विजया १०
१०	चं ५४ २१ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	B ३ केतुः २७।३० जमादिलाखर ६
११	मं ५२ २८ ध ५ ४९ गं १२ ३८ व २५ ३७	०	२४	३६	३०	८	२२	कुंभे	भ. ३५ उ. ३ या. पापांकुशा ११ व्र. स्मा
१२	बु ४६ ३७ श ० ५६ बृ ४ ५३ ब १९ ३७	२७	२५	३५	१	९	२३	मी. ४२	स्वात्यांरविः ३३ तुलायां बुधः ५९ रा. *
१३	गु ४० ४८ उ ५३ ३८ ब्या ४९ २५ कौ १३ ४२	५३	२५	३५	२	१०	२४	मीने	स्वात्यांरविः सौरः ४ कन्यांशुक्रः १७ प्रदोषः
१४	शु ३५ ४० रे ५० १३ ह ४२ ११ बा ८ १४	४९	२६	३४	३	११	२५	मे. ५७	भ. ३५।४० उ. कोजागरी व्र.
१५	श ३१ १६ अ ४७ ४६ च ३५ ४४ वि ३ २८	४५	२७	३३	४	१२	२६	मेषे	भ. ३।२८ या. शरदपूर्णिमा का. स्ना. प्रा.

२८ पं.आ.शु.७. श.इ. २३ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	८	४	११	५	६
२	२९	२२	१७	२४	८	१३	२
३१	५७	१५	१४	८	१९	७	००
२६	५४	११	४२	२८	३७	२९	१६
५५	२६	००	७	७१	५३	३	५१
२४	३९	३५	४	व.	११	४६	

गोचर ग्रहाः

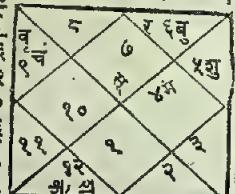

आश्विन शुक्ले ५गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.५ गतालका वस्या (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

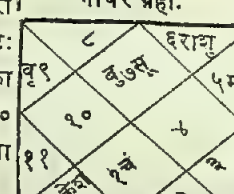

२९ पं.आ.शु.१५ श.इ. २३ ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	५	११	५	६
९	३	४	१८	२	७	१२	८
२९	५६	११	१३	३०	५२	४५	५९
४२	२८	५६	५५	४०	४४	१३	३६
५९	३६	००	८	७१	४३	३	६०
४७	२	००	३८	३१	व.	११	२

ति.	कार्तिक कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८	वि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विन. कृष्णेति महा०
१	र २८ २५ भ ४६ ५१ सि ३० १५ कौ २८ २५	२७	६	३९	५	१३	२७	मेषे	स्वात्यां बुधः ४८।३२
२	चं २७ ८ कृ ४७ २२ व्य २५ ५९ ग २७ ८	३७	२९	३१	६	१४	२८	बृ.१।५९	भ. ५७।१९ उ.
३	मं २७ ३१ रो ४९ ४१ ध २२ ५९ वि २७ ३१	३४	२९	३१	७	१५	२९	वृषे	भ. २७।३१ या. करक चतुर्थी व्रतम्
४	बु २९ ५४ मृ ५३ ५६ प २१ ४४ वा २९ ५४	३०	३०	३०	८	१६	३०	मि. २१	
५	गु ३३ ४० आ ५९ ३२ शि २१ १४ कौ १ ४७	२७	३१	२९	९	१७	३१	मिथुने	
६	शु ३९ ० पु ६० ० सि २२ १७ ग ६ २०	२३	३१	२९	१०	१८	१	क. ४९।३४	भ. ३९।० उ. हस्तेशुक्रः ३६ नवम्बर ता. ३०
७	श ४५ ११ पु ६ १५ सा २३ ५३ वि १२ ६	१९	३२	२८	११	१९	२	कर्के	भ. १२।६ या.
८	र ५१ ३८ पु १३ ४३ शु २६ ९ वा १८ २५	१६	३३	२७	१२	२०	३	कर्के	
९	चं ५७ ५१ श्ले २१ ११ शु २८ २५ ते २४ १४	१२	३४	२६	१३	२१	४	सिं. २१	[+ सोमवती
१०	मं ६० ० म २८ २६ बृ ३० २० व ३० ३१	९	३४	२६	१४	२२	५	सिंहे	विशा. बुधः १२।०
१०	बु ३ ११ पू ३४ ३७ ऐं ३१ ४४ वि ३ ११	५	३५	२५	१५	२३	६	कं. ५०	भ. ३०।३१ उ. विशा. रविः ५३।५०
११	गु ७ २१ उ ३९ २६ वै ३१ ५८ वा ७ २१	२	३६	२४	१६	२४	७	कन्यायां	भ. ३।११ या. विशा. रविः सौरः A
१२	शु १० २ ह ४२ ४९ वि ३१ ४ ते १० २	२८	३६	२४	१७	२५	८	कन्यायां	रमा ११ व्र. [A २१।३६ पूषा. ३ गुरु ३५
१३	श ११ ० चि ४३ ४७ प्री २८ ४३ व ११ ०	५५	३७	२३	१८	२६	९	तुं. १३	प्रदोषः घन १३
१४	र १० १० स्वा ४४ ३४ आ २५ १० श १० १०	५२	३८	२२	१९	२७	१०	तुलायां	भ. ११।० उ. ४०।३५ या. वृश्चिके *
२०	चं ७ ५० वि ४३ २१ सौ २० २१ ना ७ ५०	४९	३८	२२	२०	२८	११	वृ. ३८	महालक्ष्मीपूजनम् [* बुधः ५४।५६ रूप १४
									अनु. बुधः ५५।७ अन्नकूटं गोवर्धनपूजा +

३० पं.का.कृ.७ श.इ.२३।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	५	११	५	६
१६	७	१६	१९	१०	७	१२	१६
२९	४०	५५	१९	५६	२९	२२	००
२८	३१	३०	८	५३	१०	५७	४०
६०	३५	००	९	७१	३	३	६०
४	१२	०	२८	५६	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

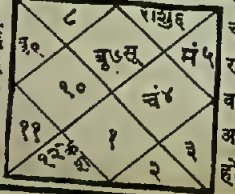

इस मास में रुई चावल घृत में मंदी रहेगी सोना चांदी वारदाना तांबा लोहा आदि धातुओ मेंतेजी होवे।

गोचर ग्रहाः

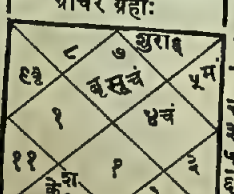

३१ पं.का.कृ.१३.श.इ. २३ १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	५	११	५	६
२३	११	२९	२०	१९	७	१२	२३
३०	२४	७	२९	२७	१०	०	३
५०	५५	१९	३५	०	५	४२	५५
६०	३४	९९	१०	७२	२२	३	६०
१७	४०	५१	१३	१७	व.	११	३०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* कार्तिकारंभः पापा कुशा ११ व्र. वै.

ति.	कार्तिक शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८–	दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६८२स.१९९६
१	मं ४ १५ अ ४१ ७ शो १४ ३४ ब ४ १५	२६	६	५	२१	२९	१२	वृश्चिक	पूफा भौमः २५।१२ चित्रा. शुक्रः A
२	मं ५५ ३३ अ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	F ३४।५१ बुधोदयः पश्चिमायां ४०।५४
३	बु ५४ ३५ ज्ये ३८ २ अ ८ १ तै २७ १२	४२	४	२	२२	१	१३	ध.३८।२	रज्जव ७ A ३६।३ चंद्र दर्शनम्
४	गु ४९ १४ मू ३४ २२ सु ५९ ३० ब २१ ५५	३९	४	२	२३	२	१४	धनुषि	भ. २१।५५ उ. ४९।१४ या. C अक्षय ९
५	शु ४३ ४१ पू ३० ३८ शू ४६ २ ब १६ २८	३६	४१	१९	२४	३	१५	म. ४५	बृश्चिकेऽर्कः ४९।५०
६	श ३८ ८ उ २६ ५३ गं ३८ ४३ को १० ५५	३३	४१	१९	२५	४	१६	मकरे	बृश्चिकेऽर्कः सौरः १५।५३ E प्रदोष.
७	र ३३ ३ श्र २३ २० मृ ३१ १७ ग ५ ३६	३०	४२	१८	२६	५	१७	कुं.५१।३८	भ.३३.३उ. D प्रबोधिनी ११ व्र.तुलसी =
८	चं २८ ३ ध १९ ५७ धु २४ १४ वि ० ३३	२७	४३	१७	२७	६	१८	कुंभे	भ. ०।३३ या तुलायां शुक्रः १।२२ B
९	मं २३ २३ श १६ ५५ ष्या १७ १२ को २३ २३	२५	४३	१७	२८	७	१९	मी. ५२	अनु. रविः ८।१५ (सौरः ३२।४१) C
१०	बु १९ २२ पू १४ ११ ह १० २८ ग १९ २२	२२	४४	१६	२९	८	२०	मीने	भ. ४७।५ उ. B गोपाष्टमी
११	गु १४ ४९ उ ११ ४३ व ४ ५४ वि १४ ४९	१९	४४	१६	३०	९	२१	मीने	भ. १४।४९ या.ज्येष्ठा. बुधः ३२।५० D
१२	शु ११ २५ रे ९ ५५ व्य ५२ ४२ वा ११ २५	१७	४५	१५	१	१०	२२	मे.९।५५	भा. मार्गशीर्षारंभः हरिवासरः ९।५५ या. E
१३	श ८ ४३ अ ८ ३४ व ४८ ३ तै ८ ४३	१४	४५	१५	२	११	२३	मेषे	स्वात्यां शुक्रः २४।३ वैकुण्ठ १४= विवाहः
१४	र ७ ४ भ ८ २८ प ४४ ८ व ७ ४	१२	४६	१४	३	१२	२४	बृ ३३	भ. ७।४ उ. ३६।४८ या. पूषा. ४ गुरुः F
१५	चं ६ ३१ कृ ९ ३२ शि ४१ १९ ब ६ ३१	९	४६	१४	४	१३	२५	वृषे	मन्वादि. का स्ना. पूर्ति. पुष्करस्नानं

३२पं.का.शु.६श. इ.२३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	८	५	११	५	७
०	९५	८	२१	२८	६	११	०
३३	१३	५५	४५	०	५५	३८	७
२९	८	१६	१८	५४	१	२६	१९
६०	३३	९७	१०	७२	४९	३	६०
३०	२५	४१	५६	४३	व.	११	४०

गोचर ग्रहाः

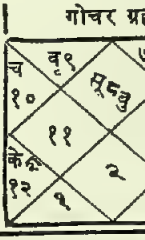

कार्तिक शुक्ले ५ शुक्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा २ न. ३ गतालका वस्था (ऊभी) मृ. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदय : पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३३पं. का.शु. १३श.इ.२२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	८	६	११	५	७
७	१८	१९	२३	६	६	११	७
३७	४४	४५	६	३८	४५	१६	१२
२६	५६	७	४	३५	०	११	५२
६०	३२	०	११	७२	३९	३	६०
४२	४५	८९	३७	५६	व.	११	५३

ति.	मार्गशीर्षं कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेश्रावणकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं ७ २८ रो ११ ५१ सि ३९ ४८ कौ ७ २८	२६	७	४	१७	५	१४	२६ मि ४३।४१	Λ ३३।५६ दिसम्बर १२ ता. ३१
२	बु ९ ५९ मृ १५ ३२ सा ३९ ० ग ९ ५९	५	४	७	१३	६	१५	२७ मिथुने	भ.४२।२उ.
३	गु १४ ६ आ २० ३७ शु ३९ २२ वि १४ ६	२	४	८	१२	७	१६	२८ मिथुने	भ. १४।६ या. चतुर्थी व्र.
४	शु १८ ५५ पु २७ ३ शु ४० ४१ वा १८ ५५	०	४	८	१२	८	१७	२९ क. ३९	
५	श २४ ५४ पु ३३ ५६ ब्र ४२ ३७ तै २४ ५४	२५	४	८	१२	९	१८	३० कर्के	मूले धनुषि बुधः १२।३
६	र २१ १५ श्ले ४१ २४ ए ४४ ४८ व २१ १५	२६	४	९	१०	१९	१	सिं. ४१	भ. ३१।१५ उ. वक्री उभा. १ शनिः A
७	चं २७ ४४ म ४९ ८ वै ४७ २ वि ४ ३०	५४	४	९	११	२०	२	सिंहे	भ. ४।३० या. ज्येष्ठा. रविः १८।२२ B
८	मं ४३ ३४ पू ५६ ५ वि ४८ ५६ वा १० ३३	५३	४	९	११	२१	३	सिंहे	B (सौरः ४०।३५) मार्गशीर्षनिः ४५।४०
९	बु ४८ १८ उ ६० ० भी ४९ ४७ तै १५ ५४	५१	५	०	१०	२२	४	कं १२।२९	विशा.शुक्रः ६।१६
१०	गु ५१ ३४ उ १ ४३ आ ४९ ३५ व १९ ५४	४९	५	०	१०	२३	५	कन्यायां	भ. १९।५४ उ. ५१।३४ या.
११	शु ५२ ५४ ह ५ ५९ सौ ४८ ४ ब २२ १२	४८	५	०	१०	२४	६	तु. ३७	उभा.२शनिः १०।५२ उत्पत्ति ११ व्र.स्मा.वै.
१२	श ५२ २० चि ८ २८ शो ४५ ० कौ २२ ३१	४६	५१	९	१६	२५	७	तुलायां	उत्पत्ति ११ व्र. नि.
१३	र ४९ ५९ स्वा ९ १ अ ४० २१ ग २१ ९	४५	५१	९	१७	२६	८	वृ. ५३।१	भ. ४९।५९ उ. प्रदोषः
१४	चं ४५ ३३ वि ७ ४१ सु ३४ २० वि १७ ४९	४४	५१	९	१८	२७	९	वृश्चिके	भ. १७।४९ या. पूषा. बुधः ३०।३२
१५	मं ४० ५८ अ ४ २४ धृ २६ ५९ च १३ १५	४३	५१	९	१९	२८	१०	वृश्चिके	उषा. भौमः ६।३ उषा. १ गुरुः ४५।२१

३४पं.मा.कृ.५श.इ.२२।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	६	११	५	७
१४	२२	०	२४	१५	६	१०	१४
४२	५	१९	३०	१८	४०	५३	१९
४०	५३	५	३२	१९	१९	५५	३८
६०	३१	९०	१२	७३	९६	३	६१
५०	२९	४१	१०	१४	व.	११	३

गोचर ग्रहाः

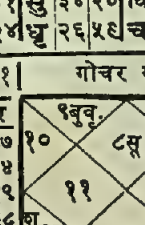

इस मास में सोना चांदी ताम्बा आदि धातुये तेजी हो सभी प्रकार के धान्यो में मंदी हो प्रजा में शान्ति रहे

गोचर ग्रहाः

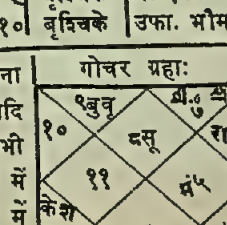

३५पं.मा.कृ.१२श. इ. २२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	६	११	५	७
२१	२५	१०	२५	२३	६	१०	२१
४८	१७	२२	५८	५९	४०	३१	२७
४३	३५	२३	१	४९	३७	३९	२२
६०	३०	८३	१२	७३	३१	३	६१
५६	१४	१३	२५	२०	मा.	११	११

ति.	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७११ स.१९९१
१	बु	३३	१३	ज्ये	०/२५	५४/४७	शू	१८	४६	किं	७	५	२५/४२	६/५२	५/८	२०	२९	११	ध ०।२५	
२	गु	२६	११	पू	४९	४७	गं	१०	०	कौ	२६	११	४१	५२	८	२१	३०	१२	धनुषि	वृश्चिके शुक्रः ४।३६ चद्र दर्शनम्
३	शु	१८	४९	उ	४४	२९	वृ	०/५४	५०/४७	ग	१८	४९	४०	५२	८	२२	१	१३	म. ३।२८	भ. ४५।१९ उ. सावान ८
४	श	११	४९	श्र	३९	१९	व्या	४२	५९	वि	११	४९	३९	५२	८	२३	२	१४	मकरे	भ. ११।४९ या. अनु. शुक्रः ५३।१४
५	र	५	११	ध	३४	५०	ह	३५	१	बा	५	११	३९	५२	८	२४	३	१५	कुं. ७।४	मूले धनुष्यर्कः २५।३७ (सौरः ४४।२५ ×
६	र	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	× चंपा ६
७	चं	५४	१०	श	३०	५५	व	२७	१९	ग	२६	४२	३८	५२	८	२५	४	१६	कुंभे	भ. ५४।१० उ.
८	मं	४९	५८	पू	२७	५७	सि	२०	२२	वि	२२	४	३८	५२	८	२६	५	१७	मी. १३/४१	भ. २२।४ या. उफा. ४ राहुः उभा. २ =
९	बु	४६	४४	उ	२६	२	व्य	१४	८	बा	१८	१८	३७	५३	७	२७	६	१८	मीने	[= केतुः १९।२७
१०	गु	४४	२९	रे	२४	५९	व	८	४६	तै	१५	३१	३७	५३	७	२८	७	१९	मे. २४।५९	कन्यायां भौमः ८।०
११	शु	४३	१३	अ	२४	५५	प	४	२	व	१३	५१	३६	५३	७	२९	८	२०	मेषे	भ. १३।५१ उ. ४३।१३ या. मोक्षदा ÷
१२	श	४२	५६	भ	२५	४३	शि	०/८	५७/५	ब	१३	४	३६	५३	७	३०	९	२१	वृ. ४१.१२	[÷ ११ व्र. गीताजयंती
१३	र	४३	५४	कृ	२७	४१	सा	५५	५	कौ	१३	१६	३६	५३	७	१	१०	२२	वृषे	भा. पौषारम्भः प्रदोषः
१४	चं	४५	७	रो	३०	४१	शु	५४	२	ग	१४	२२	३६	५३	७	२	११	२३	वृ.षे	भ. ४५।७ उ. वक्री बुधः २६।३३
१५	मं	४८	३८	मृ	३४	४२	शु	५३	२५	वि	१६	५२	३७	५३	७	३	१२	२४	मि. २।४१	भ. १६।५२ या. दत्तजयंती

३६पं.मा.शु.४श.इ.२२।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	७	११	५	७
२८	२८	१९	२७	२	६	१०	२८
५५	२०	२५	२९	४२	४६	९	३६
३७	१३	४१	५३	४	२२	२४	५
६१	२८	६५	१२	७३	१	३	६१
०	२९	५०	५२	३२	१६	११	१९

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष शुक्ले ५ रवौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३७मा.शु.१२श.इ.२२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	८	७	११	५	८
६	१	२४	२९	११	६	९	५
३	१०	५८	३	२६	५७	४०	४५
१४	५९	२३	७	३५	७	८	३०
६१	२६	२५	१३	७३	१	३	६१
४	४७	४९	१४	४४	५७	११	२२

ति.	पौष कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	बु	५२	३८	आ	३९	५७	ब्र	५३	४८	बा	२०	३८	२५/३७	६/५३	५/७	४	१३	२५	मिथुने	उषा. २ मकरे गुरुः २८।४७ ज्येष्ठा. =
२	गु	५८	२५	पु	४६	१६	पु	५४	५९	तै	२५	३१	३७	५३	७	५	१४	२६	क. २९।४१	बुधास्तः पश्चिमायां ५२।१०
३	शु	६०	०	पु	५३	३५	वै	५६	३३	व	३१	२०	३८	५२	८	६	१५	२७	कर्के	भ. ३१।२० उ. [= शुक्रः २९।१६
३	श	४	१६	श्ले	६०	०	वि	५९	७	वि	४	१६	३८	५२	८	७	१६	२८	कर्के	भ. ४।१६ यां पूषा. रविः ३०।३७ ×
४	र	१०	४२	श्ले	०	३०	प्री	६०	०	बा	१०	४२	३९	५२	८	८	१७	२९	सिं. ०।३०	[×(सौरः ४६।३) च. व्र.
५	चं	१७	११	म	८	५	प्री	१	१८	तै	१७	११	४०	५२	८	९	१८	३०	सिंघे	
६	मं	२३	२९	पू	१५	४५	आ	३	२९	व	२३	२९	४१	५२	८	१०	१९	३१	कं. ३२/२३	भ. २३।२९ उ. ५६।३९ या.
७	बु	२९	४९	उ	२२	१९	सौ	५	११	व	२९	४९	४२	५२	८	११	२०	१	कन्यायां	जनवरी १ ता. ३१ सन् १९९७ ई.
८	गु	[illegible]	०	ह	२७	४६	शो	५	४७	बा	१	२५	४३	५१	९	१२	२१	२	तुं. ५९।३८	[A पूर्वस्यां १९।४२ प्रदोषः
९	शु	३५	१९	चि	३१	२९	अ	५	२५	तै	४	९	४४	५१	९	१३	२२	३	तुलायां	
१०	श	३५	३७	स्वा	३३	२२	सु	३	३५	व	५	२८	४५	५१	९	१४	२३	४	तुलायां	भ. ५।२८ उ. ३५।३७ या.
११	र	३४	५	वि	३३	१८	धृ	०/४	५४/५६	ब	४	५०	४७	५१	९	१५	२४	५	वृ. १८।१९	वक्री मूले बुधः २०।२१ मूले धनुषि ÷
१२	चं	३०	२४	अ	३१	६	गं	४८	२४	का	२	१४	४८	५०	१०	१६	२५	६	वृश्चिके	[÷ शुक्रः १२।१५ सफला ११ व्र.
१३	मं	२५	४७	ज्ये	२७	७	वृ	४०	११	व	२५	४७	५०	५०	१०	१७	२६	७	ध. २७।७	भ. २५।४७ उ. ५१।४४ या. बुधोदयः A
१४	बु	१७	४०	मू	२१	४७	ध्रु	३०	५३	श	१७	४०	५२	५०	१०	१८	२७	८	धनुषि	उषा. ३ गुरुः ५२।४५
३०	गु	९	३४	पू	१५	११	व्या	२०	५६	ना	९	३४	५३	४९	११	१९	२८	९	म. २८।२७	अस्तं गुरोः ६।०

३८पं. पौ. कृ. ३श.इ २१।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	९	७	११	५	८
१३	३	२३	०	२०	७	९	१२
११	४०	७	३८	१२	१३	२४	५५
१३	२६	२६	३५	३२	३४	५३	२२
६१	२४	६१/२०	१३	७३	२	३	६१
६	२८	व.	२२	५०	४७	११	२६

गोचर ग्रहाः

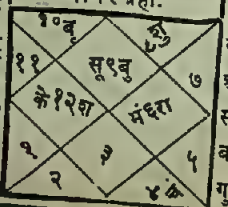

इस मास में धान्य जौ गेहूं चना मूं मोठ अलसी में मन्दी होवे सोना चांदी में घटा बढी हो रेशम रंग गुड में तेजी हो ।

गोचर ग्रहाः

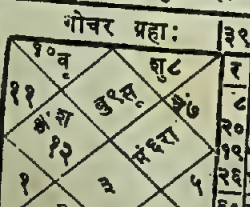

३९ पं.पौ.कृ.१०श.इ. २१/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	९	७	११	५	८
२०	५	१४	२	२८	७	९	२०
१९	५५	४७	१५	५७	३४	२	५
२६	४८	५३	२९	५७	१२	३७	१९
६१	२१	९०/१४	१३	७३	३	३	६१
६	२५	व.	३२	५६	२६	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्ल पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः १७४१ सन् १९९७
१	शु	०	३७	उ	८	१४	ह	९	३४	व	०	३७	२५/५५	६/४९	५/११	२०	२९	१०	मकरे	उषा. रविः ३५।२२ (सौरः ४७।३०)×
२	शु	५१	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[× चंद्र दर्शनम्
३	श	४३	१९	श्र	१/१५	५३/२१	व	१/१९	४९/५५	तै	१७	३५	५७	४९	११	२१	१	११	कुं. २७/५५	मार्गी बुधः ६।४६ रमजान ९
४	र	३५	३१	श	४८	५७	व्य	४०	३५	व	९	२५	५९	४८	१२	२२	२	१२	कुम्भे	भ. ९।२५ उ. ३५।३१ या.
५	चं	२८	५०	पू	४४	२७	व	३२	१२	व	२	५२	२६/१	४८	१२	२३	३	१३	मी. ३०/३५	मकरेऽर्कः ५१।४६
६	मं	२३	२१	उ	४१	११	प	२४	५४	त	२३	२१	४	४७	१३	२४	४	१४	मीने	मकरेऽर्कः सौरः २।५७ [B माघस्ना.प्रा.
७	बु	१९	२७	रे	३९	१८	शि	१८	४३	व	१९	२७	६	४७	१३	२५	५	१५	मे. ३९/१८	भ. १९।२७ उ. ४८।१७ या. पूषा. +
८	गु	१७	६	अ	३९	९	सि	१३	४०	व	१७	६	८	४६	१४	२६	६	१६	मेषे	[+ शुक्रः ४८।३
९	शु	१६	०	भ	४०	६	सा	९	५०	कौ	१६	०	११	४६	१४	२७	७	१७	वृ. ५५/४४	[* (सौरः ५०।१४) उषा ४ गुरुः ०।१५B
१०	श	१६	३२	कृ	४२	४०	शु	७	७	ग	१६	३२	१३	४५	१५	२८	८	१८	वृषे	भ. ४७।१८ उ. [= प्रदोषः
११	र	१८	५	रो	४६	१७	शु	५	३१	वि	१८	५	१६	४५	१५	२९	९	१९	वृषे	भ. १८।५ या. पुत्रदा ११ व्र.
१२	चं	२१	७	मृ	५१	१०	ब्र	४	५७	बा	२१	७	१९	४४	१६	३०	१०	२०	मि. १८/४३	अभि.प्र.रविः २४।१६ (सौरः ३४।१८ =
१३	मं	२५	१०	आ	५६	५०	ऐं	५	११	तै	२५	१०	२१	४४	१६	१	११	२१	मिथुने	हस्ते भौमः ५।२४ पूषा. बुधः ४३।३ ÷
१४	बु	३०	०	पु	६०	०	वै	५	४९	व	३०	०	२४	४३	१७	२	१२	२२	क. ४६/४३	भ. ३०।० उ. [÷ भा. माघारंभः
१५	गु	३५	४३	पु	३	२१	वि	७	२०	वि	२	५२	२७	४३	१७	३	१३	२३	कर्के	भ. २।५२ या. श्रवणे रविः ४०।५३ *

४०पं.पौ. शु. ३ श. इ. २१/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	९	८	११	५	८
२७	७	८	३	७	८	८	२७
२७	५०	९	५३	४३	०	४०	१५
२२	४२	३६	५३	४४	०	२१	११
६१	१८	३/२२	१३	७४	४	३	६१
६	२२	मा.	३८	२	७	११	२४

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले ५ चंद्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा २ न. ४ गतालकावस्था (उभी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४१ पं.पौ.शु. १० श.इ. २१/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	९	८	११	५	९
४	९	१०	५	१६	८	८	४
३५	२१	५७	३२	३०	३०	१८	२४
१३	४	२२	५६	०	३२	६	४०
६१	१४	४२	१३	७४	४	३	६१
३	१८	२	३८	८	३८	११	१९

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४१	५१	पु	१०	१४	प्री	८	५८	वा	८	४७	२६/२९	६/४२	५/१८	४	१४	२४	कर्के	अभिनि. रविः ३३।८ (सौरः ४२।३१)
२	श	४८	१३	श्ले	१७	४०	आ	११	६	तै	१५	२	३२	४२	१८	५	१५	२५	सिं. १७/४०	
३	र	५४	४०	म	२५	१६	सौ	१३	१३	व	२१	२६	३५	४१	१९	६	१६	२६	सिंहे	भ.२१।२६उ.५४।४०या.उषा.शुक्रः३०।३
४	चं	६०	०	पू	३२	४४	शो	१५	४०	व	२७	४४	३८	४०	२०	७	१७	२७	कं. ४९/२८	चतुर्थी व्र.
४	मं	०	४९	उ	३९	४३	अ	१८	३०	बा	०	४९	४१	४०	२०	८	१८	२८	कंन्यायां	
५	बु	६	२२	ह	४५	५२	सु	१७	४६	तै	६	२२	४५	३९	२१	९	१९	२९	कंन्यायां	मकरे शुक्रः ६।४५
६	गु	१०	५६	चि	५०	४५	धृ	१९	१७	व	१०	५६	४८	३८	२२	१०	२०	३०	तु. १८/१८	भ. १०।५६ उ. ४२।३५ या.
७	शु	१४	१३	स्वा	५४	११	शू	१८	३४	व	१४	१३	५१	३८	२२	११	२१	३१	तुलायां	[× उभा.३ शनिः२९।५८षट्तिला ११व्र.
८	श	१५	४६	वि	५५	४६	गं	१६	३७	कौ	१५	४६	५४	३७	२३	१२	२२	१	वृ. ४०/२२	फरवरी २ ता. २८
९	र	१५	३३	अ	५५	३४	वृ	१३	६	ग	१५	३३	५८	३६	२४	१३	२३	२	वृश्चिके	भ. ४४।२२ उ. उषा. बुधः १५।२७
१०	चं	१३	११	ज्ये	५३	१४	ध्रु	८	३	वि	१३	११	२७/१	३६	२४	१४	२४	३	ध. ५३/१४	भ. १३।११ या.
११	मं	८	५६	मू	४९	३	व्या	१/३७	५१/३१	बा	८	५६	५	३५	२५	१५	२५	४	धनुषि.	वक्रीभौमः ५२।३१मकरेबुधः५४।२५ ×
१२	बु	३	३१	पू	४३	१९	व	४२	४७	तै	३	३१	८	३४	२६	१६	२६	५	म. ५६/३५	भ. ५५।४उ. वनि.रविः४९।११(सौरः +
१३	बु	५१	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+ ५६।४) उदयं गुरोः१९।१२ प्रदोषः
१४	गु	४६	३	उ	३६	२४	सि	३३	२७	वि	२०	३३	१२	३४	२६	१७	२७	६	मकरे	भ. २०।३३ या. श्रवणे शुक्रः ७।३
३०	शु	३६	३३	श्र	२८	४७	व्य	२२	३५	च	११	१८	१५	३३	२७	१८	२८	७	कुं. ५४/५०	श्रवण. १ गुरुः १५।११

४२पं. मा. कृ. २ श. इ. २१/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	९	८	११	५	९
११	१०	१७	७	२५	९	७	११
४२	२४	१२	१२	१५	४	५५	३३
४०	२५	५७	११	४०	३७	५०	३१
६०	९	५९	१३	७४	५	३	६१
५९	२०	३७	३८	१४	२	११	१३

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले ६ बुधे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवाऽवस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

४३पं. मा.कृ.८श.इ.२२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	९	९	११	५	९
१८	१०	२५	८	४	९	७	१८
४९	५४	३२	५१	१	४२	३३	४१
१६	३६	४६	२२	५५	४०	३५	३५
६०	३	७५	१३	७४	५	३	६१
५५	२४	२९	३२	२०	३२	११	४

ति.	माघ शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः १७७०अन१९९७
१	श २७ ४६ ध २० ५३ व ११ २१ कि	२	११	५९	३२	२८	१९	२६ ८	कुम्भे
२	र १८ १४ श १३ २५ प ०३७ ४५ कौ	१८	१४	२३	३१	२६	२०	३० ६	मी. ५३
३	चं ८ ५० पू ६ ४७ सि ४१ १५ ग	८	५०	२७	३१	२६	२१	१ १०	मीने
४	मं १ २७ उ १ ५६ सा ३३ १ वि	१	२७	३०	३०	३०	२२	२ ११	मे. ५७
५	बु ५४ १६ ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	०
६	गु ५१ ५६ अ ५५ ४७ शु २६ ४० कौ	२३	५१	३४	२६	३१	२३	३ १२	मेषे
७	शु ४६ ५६ भ ५५ ३४ शु २१ ४१ ग	२०	५८	३८	२८	३२	२४	४ १३	मेषे
८	शु ४६ १ कृ ५७ १८ ब्र १८ ५ वि	१६	३०	४१	२८	३२	२५	५ १४	बृ. १२.१४
९	श ५१ ४१ रो ६० ० ऐं १६ ८ वा	२०	२१	४५	२७	३३	२६	६ १५	वृषे
१०	र ५४ ५१ रो ० ५६ वै १५ १७ ते	२३	१६	४६	२६	३४	२७	७ १६	मि. ३३
११	चं ५६ २५ मृ ५ ५५ वि १५ ५४ व	२७	८	५३	२५	३५	२८	८ १७	मिथुने
१२	मं ६० ० आ ११ ५८ प्री १६ ४० ह	३१	३७	५६	२५	३५	२९	९ १८	मिथुने
१३	बु ४ ४६ पु १८ ५२ आ १८ ३८ बा	४	४६	२९ ०	२४	३६	३०	१० १९	क. २.७
१४	गु १० ५७ पु २५ ५६ सौ २० ३६ तै	१०	५७	४	२३	३७	१	११ ३०	कर्क
१५	शु १७ ६ श्ले २३ २८ शो २२ ४५ व	१७	६	८	२२	३८	२	१२ २१	सिं. ३३
१६	श २३ २८ म ४१ २ अ २४ ५७ ब	२३	२८	१२	२२	३८	३	१३ २२	सिंहे

घनि. शुक्रः ४८।४० [× श्रवणे बुधः ३।८
भ. २७।८ उ. ५६।२५ या. वक्री उफा +
उफा. ३ राहुः उभा.१केतुः १३।० =
शते रविः ०।४३ (सौरः ५।२४)*
घनि. बुधः ३३।९ श्रवण. २ गुरुः B
भ. १७।६ उ. ५०।१६ या.
कुंभे शुक्रः ८।१८ माघस्नान पूर्तिः

[+ भौमः २२।५ जया ११ ब्र. स्मा. दे.
चंद्रदर्शनम् [B५३।२६भा.फाल्गुनारंभः
भ. ३५।८ उ. सव्वाल १०
भ. १।२७ या. वसंत ५
[* शुक्रास्तः पूर्वस्याम् १२।३६ प्रदोषः
कुंभेऽर्कः २४।२७ (सौरः ३०।२) ×
भ. ४६।५६ उ. भानु ७ रथ ७
भ. १६।३० या. भीष्माष्टमी
[= जया ११ ब्र. नि.

४४पं.मा.शु.१श.इ.२२।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	९	९	११	५	९
२५	१०	४	१०	१२	१०	७	२५
५५	५६	५६	२८	४७	२३	११	४८
१	१०	३०	२६	३८	४९	१९	२२
६०	२३	८५	१३	७४	५	३	६०
४७	व.	३१	२६	२६	५८	११	५५

११चं ९ | ८ | ७ | ६ मं रा | ५ | ४ शं के | ३ | २ | १ पूबुसू १०

४५पं.मा.शु.९श.इ.२२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	११	५	१०	
२	१०	१५	१२	२१	११	६	२
५९	२४	१५	५	३३	६	४९	५४
४९	४	३२	१०	०	५४	३	२५
६०	१३	९५	१३	७४	६	३	६०
३७	व.	००	२०	२६	२०	११	४२

कृ.१२ | १० बुसू | ९ | ८ | ७ | ६ | ५ चं५ | ४ | ३ | २ | १ शु सू१

४६पं.मा.शु.१५श.इ. २३ ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	१०	११	५	१०
१०	९	२६	१३	०	११	६	९
३	१९	२६	३९	१७	५३	२६	५८
२२	२३	४६	२२	४९	३५	४८	५८
६०	२९	९	१३	७४	६	३	६०
२५	व.	९८	१	२६	३२	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र २९ ४४ पू ४८ १९ सु २७ द कौ	२९	४४	२९	२१	३९	४	१४ २३	सिंहे
२	चं ३५ ३८ उ ५५ ४ धृ २८ ५७ तै	२	४१	२०	२०	४०	५	१५ २४	कं.५।०
३	मं ४० ३८ ह ६० ० शू ३० ६ व	८	८	२४	१९	४१	६	१६ २५	कन्यायां
४	बु ४५ ६ ह १ ४ गं ३० ५५ ब	१२	५२	२८	१८	४२	७	१७ २६	तु. ३३
५	गु ४८ २१ चि ६ २१ वृ ३० ४१ कौ	१६	४३	३२	१८	४२	८	१८ २७	तुलायां
६	शु ५० २५ स्वा १० २४ ध्रु २९ ३८ ग	१९	२३	३६	१७	४३	९	१९ २८	शते शुक्रः २८।२
७	श ५१ ४ वि १३ २७ व्या २७ २३ वि	२०	४६	४०	१६	४४	१०	२० १	भ. ५०।२५ उ. शते बुधः २४।१६
८	र ५० २ अ १४ ३५ ह २३ ४६ बा	२०	३३	४४	१५	४५	११	२१ २	वृश्चिके
९	चं ४७ २२ ज्ये १४ १४ ब १८ ५९ तै	१८	४२	४८	१४	४६	१२	२२ ३	भ. २०।४६ या. मार्च ३ ता. ३१
१०	मं ४२ ३८ मू १२ २ सि १२ २९ व	१५	०	५२	१४	४६	१३	२३ ४	[÷ बुधः ४६।१४ श्री महाशिवरात्रि ब्र.
११	बु ३६ ४१ पू ८ १९ व्य ५०० ५११ ब	९	४०	५६	१३	४७	१४	२४ ५	[E १६।४९ (सौरः २०।११)
१२	गु २९ ९ उ ३३ ५३ प ४६ २० कौ	२	५५	९९	१२	४८	१५	२५ ६	भ. १५।० उ. ४२।३८ या. पूभा. रवि. E
१३	शु २० ३८ ध ४९ १४ शि ३५ ४९ व	२०	३८	५	११	४९	१६	२६ ७	विजय ११ ब्र.
१४	श ११ १ श ४१ २६ सि २५ ० श	११	१	९	१०	५०	१७	२७ ८	उभा. ४ शनिः ३४।२२ प्रदोषः
१५	र १२३ पू ३३ ५७ सा १४ २ ना	१२३	१३	६	५१	१८	२८	९ मी. २०	भ. २०।३८ उ. ४५।४९ या. पूभा. ÷
									श्रवण. ३ गुरुः १२।३४
									ग्रस्तोदित सूर्य ग्रहणम्

४७ पं.फा.कृ.७श.इ. २२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	९	१०	११	५	१०
१७	७	८	१५	९	१२	६	१७
५	४३	२६	१२	२	४२	४	१
२५	२३	५३	४	४६	२९	३२	५०
६०	२४	८	१२	७४	६	३	६०
१२	व.	१६	३०	३२	५०	११	२०

गोचर ग्रहाः

१२ कृ | ११ सू बृ | १० व | ९ | ८ | ७ रामं | ६ | ५ | ४ | ३ | २ | १

इस मास में अनाज जो चना गेहूं मटर मंदा होगा सोनाचांदी धातु आदि तेज होगी कहीं वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

श्र.शी. १२ | ११ कृ बु | १० वृ | ९ | ८ | ७ | ६ | ५ | ४ मंगं | ३ | २ | १

४८ पं.फा.कृ. १४श.इ. २३ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	९	१०	११	५	१०
२४	५	२१	१६	१७	१३	५	२४
६	४९	११	४२	४७	३२	४२	३
२२	४८	६	११	२	४६	१७	१३
५९	३३	५९	१२	७४	७	३	६०
५८	व.	८	१४	३२	२	११	६

ति.	फाल्गुन शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः १८०० स. १९९७
१	र	५०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०००	
२	चं	४३	११	उ	२७	७	शु	३/४४	५०/२९	बा	१७	२०	२९/१७	६/९	५/५१	१९	२९	१०	मीने	पूभा. शुक्रः १०।१९ चंद्र दर्शनम् +
३	मं	३५	५३	रे	२१	३४	ब्र	४५	५३	तै	९	२०	२१	८	५२	२०	१	११	मे.२१।३४	जिलकाद ११ [+ फुलरिया २
४	बु	३०	२८	अ	१७	४६	ऐं	३९	५	व	३	१०	२६	७	५३	२१	२	१२	मेषे	भ.३।१०उ.३०।२८या.मीनेबुधः ५८।३९
५	गु	२६	५३	भ	१५	३५	वै	३४	७	बा	२६	५३	३०	६	५४	२२	३	१३	बृ.३०।४०	अस्तं शनेः २७।३७
६	शु	२५	२६	कृ	१५	५२	वि	३०	४९	तै	२५	२६	३४	५	५५	२३	४	१४	वृषे	मीनेऽर्कः १७।४२(सौरः २०।३२) =
७	श	२६	४	रो	१८	६	प्री	२८	५९	व	२६	४	३८	४	५६	२४	५	१५	मि५०।५	भ. २६।४ उ. ५७।१७ या.
८	र	२८	३०	मृ	२२	५	आ	२९	०	ब	२८	३०	४३	३	५७	२५	६	१६	मिथुने	होलाष्टकारंभः
९	चं	३२	५५	आ	२७	४०	सौ	२९	३८	बा	०	४३	४७	३	५७	२६	७	१७	मिथुने	उभा. रविः ३८।४६ (सौरः ४१।८)
१०	मं	३८	१८	पु	३४	२९	शो	३१	२४	तै	५	२४	५१	२	५८	२७	८	१८	क.१७।४७	मीने शुक्रः ११।४८ [=उभा.बुधः ३९।४८
११	बु	४४	४६	पु	४१	५०	अ	३३	३२	व	११	२०	५५	१	५९	२८	९	१९	कर्के	भ.११।२०उ.४४।४६या.आमलकी ११व्र.
१२	गु	५०	५८	श्ले	४९	३४	सु	३५	५५	ब	१७	५२	३०/००	६/०	६/००	२९	१०	२०	सिं४९।३४	उभा. शुक्रः ५२।३४ [* ५७।३ छारेंडी
१३	शु	५७	१८	म	५६	५९	धृ	३८	२३	कौ	२४	८	४	५/५९	१	३०	११	२१	सिंहे	रेवत्यां बुधः २३।४७ प्रदोषः
१४	श	६०	०	पू	६०	०	शू	४०	२०	ग	३०	४	८	५८	२	१	१२	२२	सिंहे	भा. चैत्रारंभः [× दहनं भद्रोत्तरम्
१४	र	२	५०	पू	४	३	गं	४२	५	व	२	५०	१२	५८	२	२	१३	२३	कं.२०।४३	भ. २।५० उ. ३५।४४ या. होलिका ×
१५	चं	८	३८	उ	१०	४१	वृ	४२	५९	व	८	३८	१६	५७	३	३	१४	२४	कन्यायां	श्रवण.४गुरुः५२।३८बुधोदयःपश्चिमायां*

४९पं.फा.शु.७श.इ.२३/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	९	१०	११	५	११
१	३	४	१८	२६	१४	५	१
५	४१	४६	९	३१	२४	२०	२
३५	४२	३७	१४	५	११	१	५५
५९	३४/२७	४/१६	११	७४	७	३	५९
४१	व.	३८	४७	३२	१४	११	४९

गोचर ग्रहाः

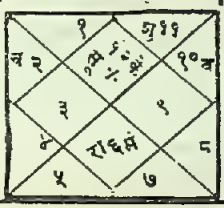

फाल्गुन शुक्ले ६ शुक्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

५०पं.फा.शु १४श.इ. २३/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	९	११	११	५	११
८	१	१८	१९	५	१५	४	८
३	१३	३७	३२	१३	१५	५७	०
१८	२२	१२	२४	४१	५०	४६	५०
५९	३३/४६	४/१६	११	७४	७	३	५९
२९	व.	५०	९	३८	२२	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गु कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	१३	३	ह	१६	९	ध्रु	४३	१७	कौ	१३	३	३०/२१	५/५६	६/४	४	१५	२५	तु.४८।३७	बसंत १
२	बु	१६	४७	चि	२१	५	व्या	४२	५४	ग	१६	४७	२५	५५	५	५	१६	२६	तुलायां	भ. ४८।१ उ. [+७।० चतुर्थी व्र.
३	गु	१९	१५	स्वा	२४	४७	ह	४१	४४	वि	१९	१५	२९	५४	६	६	१७	२७	तुलायां	भ. १९।१५ यां. वक्री सिंहे भौमः +
४	शु	२०	३८	वि	२७	२८	व	३९	१५	बा	२०	३८	३३	५३	७	७	१८	२८	वृ.११।४७	अश्वि. मेषे बुधः २७।१४
५	श	२१	२	अ	२९	१२	सि	३६	३५	तै	२१	२	३७	५३	७	८	१९	२९	वृश्चिके	[÷रेवत्यां शुक्रः ३५।५९ शीतलापूजा
६	र	२०	२०	ज्ये	२९	४७	व्य	३२	३८	व	२०	२०	४१	५२	८	९	२०	३०	व.२९।४७	भ. २०।२० उ. ४९।२० या.
७	चं	१८	२०	मू	२८	५६	व	२७	३९	ब	१८	२०	४५	५१	९	१०	२१	३१	धनुषि	रेवत्यां रविः ६।२५ (सौरः ८।३५) ÷
८	मं	१५	५	पू	२७	२	प	२०	४७	कौ	१५	५	४९	५०	१०	११	२२	१	म.४१।१३	अप्रेल ४ ता. ३०
९	बु	१०	४२	उ	२३	४७	शि	१४	४४	ग	१०	४२	५३	४९	११	१२	२३	२	मकरे	भ. ३७।४९ उ. रेवती १ शनिः ८।३४
१०	गु	४	५६	श्र	१९	२९	सि	६/५०	५१/१२	वि	४	५६	५७	४९	११	१३	२४	३	कुं.४६।४४	भ. ४।५६ या. पापमोचनी ११ व्र. स्मा.
११	गु	५३	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	शु	५०	२०	ध	१३	५९	शु	४८	४३	कौ	२४	१५	३१/१	४८	१२	१४	२५	४	कुम्भे	पापमोचनी ११ व्र. व्रै.
१३	श	४१	५२	श	७	५२	शु	३८	४३	ग	१६	६	५	४७	१३	१५	२६	५	मी४७।५०	भ. ४१।५२उ. बक्रीपूफा.भौमः *
१४	र	३३	७	पू	१/५	५३/२२	ब्र	२८	५२	वि	७	२९	१०	४६	१४	१६	२७	६	मीने	भ. ७।२९ या. [* ५०।९ प्रदोषः
३०	चं	२४	४५	रे	४८	३३	ऐं	१९	१९	बा	२४	४५	१४	४५	१५	१७	२८	७	मे.४८।३३	भरण्यां बुधः २८।२६ मन्वादि

५१पं.चै.कृ.५श.इ.२४।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	०	९	११	११	५	११
१४	२८	१	२०	१३	१६	४	१४
५९	५५	३६	५१	५६	८	३५	५६
१०	१६	२२	४	१३	४६	३०	५८
५९	२८/१७	०/०	११	७४	७	३	५९
१६	व.	१५	३१	३८	२०	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में चांवल गेहूं जौ चना रुई कपास वारदाना गुड़ शक्कर घृत तेल सोना चांदी ताम्बा आदि धातुओ में तेजी हो

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.कृ.१३श.इ.२४/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	०	९	११	११	५	११
२१	२६	११	२२	२२	१७	४	२१
५३	४८	३	३	३७	३	१३	५१
३१	३२	५०	२६	३४	५८	१४	९
५९	२०/४	६६	९	७४	७	३	५९
४	व.	००	४७	३८	२०	११	४

÷बु श (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ×बु सू

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९८ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० श्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४००० कलियुग–प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गत–कलिः ५०९८ भोग्यकलिः ४२६९०२ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीर विक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५४ शाकः १९१९ अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री रविः । सस्येशो बुधः । धान्येशश्चंद्रः । मेघेशः शनिः । रसेशः शुक्रः । नीरसेशो बुधः । फलेशः शनिः । धनेशोभौमः । दुर्गेशः शनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ४ विकृति नाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गत मासादिः ९।२०।२५।५९ भोग्यमासादिः २।९।४।१ त्वष्टृ दैवतं युगम् । वर्षनाम श्रावणः । मेघनाम संवर्तः रोहिणी निवासः संधौ । समयनिवासो वाणिक गृहे । समय विश्वा १२ समय वाहनम् वृषभः । स्तंभा ३ अन्नवायुतृणानां सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानु सप्तमी १ रविदशमी १ समय मुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १५ तिथिवृद्धिः ८ उत्पत्ति विश्वा ९६ क्षपति विश्वा १०८ वर्षाविश्वा ११ धान्यम् ९ तृणम् १७ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १११ सत्यम् ॥ धर्म १॥ पापं १८ शनिः दृष्टिरुत्तरे ग्रहण १ चन्द्रमसः

संवत् २०५४ भाद्रपद शुक्ले १५ भौमवासरे

खग्रास चंद्र ग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
उज्ज्व.	४०	४३	४४	४५	४८
मध्य प.	३६	३४	४४	५४	५२
दे. घं.	१०	११	१२	१२	२
टा. मि.	४१	५३	२१	४९	०

वर्ष लग्नम् ४।२०

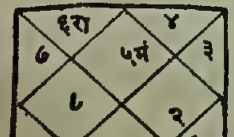

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न
श्री जगदंबे कालिका पूछे भैरवलाल ।
संवत् चोवन आइया शीघ्र कहो सब हाल ॥
भवानी उत्तर
सुन हो भैरव चेतकर हाल कहूं समझाय ।
राजा कुज मंत्री रवि यह सब जग डरपाय ॥
मेघपति अरु फलपति गढ पति शनि महाराज ।
यह सुख से नहीं रहन दें बिगड़े सारे काज ॥
समय निवासो वैश्य घर रोहिणी संधि निवास ।
खंड वृष्टि का योग है कहीं कहीं वर्षा खास ॥
सौम्यदेव सस्येश है स्तम्भ लगे है तीन ।
बिगड़े काज सुधार दें इसमें मेघन मीन ॥
आषाढां हल जोत हो श्रावण जय जय कार ।
परमेश्वर के भजन से होसी बेड़ा पार ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	८	२	५	१४	२	५
ख.	१४	८	५	२	१४	५
रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	२	८	११	१४	१४	११
ख.	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ७।१६

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४८।२०

अथाधिकारिणांफलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः फलम् ॥ भौमे नृपे वन्हिभयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहं च । दुःखं प्रजाव्याधिवियोगपीड़ा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः ॥ मंत्री रविः फलम् ॥ नृपभयंगदतोपिहि तस्करात्प्रचुरधान्यधनादि महीतले । रसचयं हि समर्घतमं सदा रविरमात्यपदं हि समागते ॥ सस्येशोबुधस्तत्फलम् ॥ जलधरा जलराशिमुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगण श्रुतिपाठकरः सदा प्रथमसस्यपतौ सति बोधने ॥ धान्यशश्चंद्रः फलम् ॥ चंद्रे धान्याधिपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजापतेः । गोधूमा-सर्षपाश्चैव गोषुक्षीरंतदा बहु ॥ मेघेशः शनिः फलम् ॥ रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरल वृष्टिवतीवसुधातदा । मनसितापकरो नृपति सदा विविधरोगरता जनता मता ॥ रसेशःशुक्रस्तत्फलम् ॥ यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषितमानसाः । सुखसुभिक्षसुमोदवतीधराधरणि-पाहतपापगणप्रियाः । नीरसेशोबुधस्तत्फलम् ॥ चित्रवस्त्रादिकञ्चैव शंखचंदनपूर्वकम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतनीरसेशोबुधोयदि ॥ फलेशःशनिःफलम् ॥ यदि शनिःफलयःफलहाभवेज्जनित पुण्यगणस्य द्रुमःसदा । हिमभयंवरतस्करजन्तुभी जनपदो गदराशि समाकुलः॥ धनेशोभौमःफलम् ॥ असममौल्यकरोधरणीसुतः शरदि तापकरस्तुषधान्यहन्न् । सहसि मासि भवेद्वि-गुणं सदा नरपतिर्जनशोकविधायकः ॥ दुर्गेशःशनिःफलम् ॥ रविसुते गढ़पालिनिविग्रहैः सकलदेशगताश्चलिताजनाः । विविधवैरिविशेषितनागराः, कृषिधनंशलभैर्मुषितंभुवि ॥ विकृतिनाम संवत्सरःफलम् । प्रकृतिर्विकृतिं याति विकृतिःप्रकृतिंतथा । तत्रापिसुखिनोलोका भृशं विकृतिवत्सरे ॥ वर्षनामश्रावणःफलम् ॥ मनोल्हादं प्रकुर्वन्तिंजनाः सौख्यसमायुताः । श्रावणे वृष्टिरत्युग्रागोमहिष्यादिकं सुखं ॥ मेघनामसंवर्तःफलम् ॥ संवर्तेजलपूरिता ॥ रोहिणी निवासः संधौफलम् ॥ खंड-वृष्टिश्च संधिषु ॥ समयनिवासोवणिक्गृहेफलम् ॥ वणिक्गृहेशुभंनास्ति । एवं संचित्यदैवज्ञैः कथनीयंशुभाशुभम् ॥

संवत् २०५४ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शु. ३ शुक्रे मृगे ल. अन्यगो. रे. १० । । । । । । । । । । ।

„ ८ बुधे मघा. ल. १ रे. ८ । । । ।ऽ। ऽऽ । । व्यये शनिः

„ ११ रवौ हस्ते ल. गो. रे. ९ । । । । । । ऽ । । ।

„ १३ भौमे स्वा. ल. अन्यगो १ रे. ७ । ऽ ।। ऽ । ऽ ।।।

मेषे चं.७ पूज्यश्चौर पंचकश्च

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. २ शनौ मूले ल. गो. रे. ९ ।।।। ।। ऽ ।।।

„ ४ चंद्रे उषा.ल.गो. रे.६ ।।। ऽ शु । ऽ अ । ऽऽ । गणितेन क्रांति साम्याऽभावः शुक्रस्य पादतो वेधाऽभावः आवश्यके

„ ९ शुक्रे उभा. ल. १ रे. ७ ।।।। ऽऽ चो । ऽ।।

शु. ६ बुधे मघा. ल. अन्य गो. रे. ७ । ऽ।।ऽऽ रो ।।।।

„ १३ बुधे अनु. ल. अन्यगो. २ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।। वृषे च ७ पूज्यः

आषाढ मासः ।

कृ. २ रवौ उषा. ल. गो. २ रे. ८ ।।।ऽबुऽ।।।।। बुधस्य पादवेधा द्वेधाऽभावः

„ ६ गुरौ उभा. ल. २ रे. ७ ।।।।ऽऽअ । ऽ।।

„ ७ शुक्रे उभा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽ।।ऽ।ऽदग्ध.

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ७ शुक्रे मघा.ल.७ रे. ८।।।ऽ।। पादवेधाद्गुरोर्वेधाभावः

„ १० चंद्रे हस्ते ल. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।

„ ११ भौमे हस्ते ल. अन्यगो. (मं. शु. ८ दोषः) रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। तुला लग्न घ. ५४।१७ या.

शु. ९ चंद्रे उभा. ल. गो. रे.९।।।।।ऽनृ ।।।। मं. बु.८दोषः

माघ मासः ।

कृ. १० शुक्रे अनु. ल. ७।९ रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।

शु. ४ शनौ उभा. ल. ८।९ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

„ ९ शुक्रे रोहि. ल. ८ रे. ।।।।।।।ऽऽ।चं. ७पू. गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः

अत्रे गुर्वस्तो मीनाऽर्कश्च

ति.	चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरेहर्गण १८२९ स. १९९७
१	मं	१६	४६	अ	४२	४१	वै	१०	२९	ब	१६	४६	३१/१८	५/४४	६/१६	१८	२९	८	मेषे	चंद्र दर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	बु	१०	२९	भ	४०	७	वि	२/३७	५३/३३	कौ	१०	२९	२२	४४	१६	१९	१	९	बृ.५४।४३	जिल्हेज १२ सिंधारा. मत्स्यजयंती
३	गु	५	४६	कृ	३८	३०	आ	५१	१०	ग	५	४६	२६	४३	१७	२०	२	१०	वृषे	भ. ३४।२१ उ. उ. गणगौरी
४	शु	२	५६	रो	३९	१०	सौ	४७	९	वि	२	५६	३०	४२	१८	२१	३	११	वृषे	भ. २।५६ या. अश्वि.मेषे शुक्रः २२।४१
५	श	२	१९	मृ	४१	४०	शो	४६	५९	बा	२	१९	३४	४१	१९	२२	४	१२	मि. १०/३५	
६	र	३	४६	आ	४६	२२	अ	४६	४६	तै	३	४६	३८	४०	२०	२३	५	१३	मिथुने	अश्वि. मेषेऽर्कः ४०।२५ (सौरः ४३।८ B
७	चं	७	१४	पु	५२	७	सु	४७	४३	व	७	१४	४२	४०	२०	२४	६	१४	क. ३५/४३	भ. ७।१४उ.३९।३९या घक्री बुध २५।५५
८	मं	१२	३	पु	५९	२२	धृ	४९	४८	व	१२	३	४६	३९	२१	२५	७	१५	कर्के	[C १५।५९भरण्यांशुक्रः८।२५ उफा.२ D
९	बु	१८	०	श्ले	६०	०	शू	५२	१३	कौ	१८	०	५०	३८	२२	२६	८	१६	कर्के	बुधास्तः पश्चिमायां ४९।२ रामनवमी
१०	गु	२४	१४	श्ले	६	४५	गं	५४	४५	ग	२४	१४	५३	३७	२३	२७	९	१७	सिं.६।४५	भ. ५७।२३ उ. उदयं शनेः १५।९
११	शु	३०	३२	म	१४	२३	वृ	५६	५०	वि	३०	३२	५७	३७	२३	२८	१०	१८	सिंहे	भ. ३०।३२ या कामदा ११ व्र.
१२	श	३६	२७	पू	२१	३४	ध्रु	५८	४१	ब	३	२९	३२/१	३६	२४	२९	११	१९	कं.३८/२८	[D राहुःपूभा.४केतुः११।४५हनुमज्जयंती
१३	र	४१	३४	उ	२८	११	व्या	५९	२८	कौ	९	०	५	३५	२५	३०	१२	२०	कन्यायां	प्रदोष व्रतम् [B धनि. १ गुरुः ०।१७
१४	चं	४५	२०	ह	३३	२८	ह	५९	२६	ग	१३	२७	९	३४	२६	१	१३	२१	कन्यायां	भ. ४५।२० उ. भा. वैशाखारंभः
१५	मं	४८	८	चि	३७	४१	व	५८	३०	वि	१६	४४	१२	३४	२६	२	१४	२२	तु. ५।३५	भ. १६।४४ या.वक्री अश्विन्यां बुधः C

१ पं.चै.शु.६र.इ. ४०।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	९	०	११	५	११
०	२४	१५	२३	२	१८	३	२९
०	४५	५१	२५	५१	३	४७	५७
०	३२	५४	१	४०	२६	६	२१
५८	१३/४६	४	८	७४	७	३	५८
४४	व.	३	५०	३८	१४	११	४५

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले६ रवौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.- ३न. ३ प्रगल्भावस्था(बैठी) मु. १५ वान्यादि भावेमहर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

२पं.चै शु १३र इ.४०।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	९	०	११	५	०
६	२३	१४	२४	११	१८	३	६
५०	४७	१२	२६	३०	५४	२४	४७
४२	१०	५८	१७	५८	४३	५०	३२
५८	५/३७	३३/२०	७	७४	७	३	५८
३१	व.	व.	५९	३२	८	११	२९

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरे चैत्र कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४९	२९	स्वा	४०	४५	सि	५६	४२	बा	१८	४८	३२/१६	५/३३	६/२७	३	१५	२३	तुलायां	[B शुक्रोदयः पश्चिमायां ४५।३६
२	गु	४९	४९	वि	४२	४०	व्य	५३	५४	तै	१९	४७	२०	३२	२८	४	१६	२४	बृ. २७/११	
३	शु	४९	२	अ	४३	३१	व	५०	२८	व	१९	२५	२३	३१	२९	५	१७	२५	वृश्चिके	भ. १९।२५ उ. ४९।२ या.
४	श	४७	१०	ज्ये	४३	३३	प	४६	९	ब	१८	५	२७	३१	२९	६	१८	२६	ध. ४३/३३	मार्गी. भौमः २१।१४ चतुर्थी व्रतम्
५	र	४४	३७	मू	४२	३७	शि	४१	२४	कौ	१५	५१	३१	३०	३०	७	१९	२७	धनुषि	भरण्यां रविः २०।३९ (सौरः २४।३३ B
६	चं	४१	१७	पू	४१	४	सि	३५	५२	ग	१२	५७	३४	२९	३१	८	२०	२८	म.५५।२९	भ. ४१।१७ उ.
७	मं	३७	२३	उ	३८	४४	सा	२९	५०	वि	९	२०	३८	२८	३२	९	२१	२९	मकरे	भ. ९।२० या. रेवती २ शनिः ८।२३
८	बु	३२	४२	श्र	३५	४९	शु	२३	१३	वा	५	३	४१	२८	३२	१०	२२	३०	मकरे	
९	गु	२७	२८	ध	३२	१६	शु	१६	२	तै	०	५	४५	२७	३३	११	२३	१	कुं. ४।२	भ. ५४।२५ उ. मई ५ ता. ३१
१०	शु	२१	२३	श	२८	२	ब्र	८	२१	वि	२१	२३	४८	२६	३४	१२	२४	२	कुम्भे	भ. २१।२३ या कृत्ति शुक्रः ५७।२०
११	श	१४	४३	पू	२३	१६	ऐं	०/१६	५१/३०	बा	१४	४३	५२	२६	३४	१३	२५	३	मी. ९।२८	बुधोदयः पूर्वस्यां ४७।२९ वरूथिनी ११व्र.
१२	र	७	४६	उ	१८	१४	वि	४३	२४	तै	७	४६	५५	२५	३५	१४	२६	४	मीने	प्रदोषः
१३	चं	०	५३	रे	१३	२४	प्री	३५	१७	व	०	५३	५८	२४	३६	१५	२७	५	मे.१३।२४	भ. ०।५३उ. २६।२९ या. वृषे शुक्रः३९।४
१४	चं	५३	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	मं	४८	१६	अ	९	६	आ	२७	५५	च	२१	१०	३३/२	२४	३६	१६	२८	६	मेषे	

३पं.वै.कृ.५ र.इ. ४०।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	९	०	११	५	०
१३	२३	१०	२५	२०	१९	३	१३
३९	२२	०	२२	१०	४५	२	३५
४७	१२	७	४८	८	१४	३५	५७
५८	१/१९	३९/५७	६	७४	६	३	५८
१९	मा.	व.	५१	३२	५६	११	१२

गोचर ग्रहाः

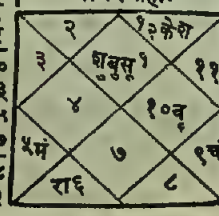

इस मास में सोना चांदी आदि धातुओ में मंदी गल्ला जो चनामटर मूंग चावल मंदा हो कर तेजी हो

गोचर ग्रहाः

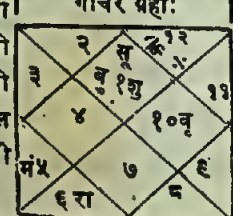

४पं.वै.कृ १२र.इ. ४१।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	९	०	११	५	०
२०	२३	६	२६	२८	२०	२	२०
२७	३४	१५	११	४८	३४	४०	२२
२५	३०	३२	३५	७	१९	१९	४०
५८	७	२३/१२	६	७४	६	३	५७
६	८	व.	१	३२	३८	११	५७

ति.	वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेहर्गणः१८५८सन् १९९७
१	बु	४३	२३	भ	५	३४	सौ	२१	८	किं	१५	४९	३३/५	५/२३	६/३७	१७	२९	७	बृ.१९।५६	[A १४१८ हि. अक्षया ३ परशुराम ज.
२	गु	४०	१२	कृ	३	६	शो	१५	४५	बा	११	४७	८	२२	३८	१८	३०	८	वृषे	चंद्र दर्शनम्
३	शु	३८	५५	रो	२	०५	अ	११	४४	तै	९	३४	११	२२	३८	१९	१	९	मि. ३३/३१	धनि. २ गुरुः ६।१५ मोहोरम १ सन् A
४	श	३९	२९	मृ	४	२०	सु	९	७	व	९	१३	१४	२१	३९	२०	२	१०	मिथुने	भ. ९।१३ उ. ३९।२९ या. मार्गी C
५	र	४१	५९	आ	७	३१	धृ	८	१५	ब	१०	४४	१७	२१	३९	२१	३	११	क.५६।७	कृत्ति. रविः ६।३५ (सौर १२।२५)
६	चं	४६	५	पु	१२	१८	शू	८	३३	कौ	१४	२	२०	२०	४०	२२	४	१२	कर्के	[C बुधः ४१।३८
७	मं	५१	३२	पु	१८	४१	गं	९	५३	ग	१८	४९	२३	१९	४१	२३	५	१३	कर्के	भ. ५१।३२ उ. रोहि. शुक्रः ४६।४४
८	बु	५७	३४	श्ले	२५	४२	वृ	११	४९	वि	२४	३३	२६	१९	४१	२४	६	१४	सि. २५/४२	भ. २४।३३या वृषेऽर्कः३३।५० ÷
९	गु	६०	०	म	३२	१९	ध्रु	१४	२३	बा	३०	३७	२८	१९	४१	२५	७	१५	सिंहे	[÷ (सौरः ४०।१२)
९	शु	३	४६	पू	४०	५५	व्या	१६	३८	कौ	३	४६	३१	१८	४२	२६	८	१६	कं.५७।३८	
१०	श	९	४४	उ	४७	४७	ह	१८	४३	ग	९	४४	३४	१७	४३	२७	९	१७	कन्यायां	भ. ४२।३ उ.
११	र	१४	४२	ह	५३	१९	व	१९	४७	वि	१४	४२	३७	१७	४३	२८	१०	१८	कन्यायां	भ. १४।४२ या. मोहिनी ११ व्रतम्
१२	चं	१८	२५	चि	५७	२९	सि	१९	५८	बा	१८	२५	३९	१६	४४	२९	११	१९	तु २५।२४	प्रदोष :
१३	मं	२०	४३	स्वा	६०	०	व्य	१८	५२	तै	२०	४३	४२	१६	४४	३०	१२	२०	तुलायां	नृसिंह १४
१४	बु	२१	१२	स्वा	०	८	व	१६	३७	व	२१	१२	४४	१५	४५	३१	१३	२१	वृ.४६।२	भ. २१।१२ उ. ५०।४८ या.
१५	गु	२०	२३	वि	१	२०	प	१३	१९	ब	२०	२३	४७	१५	४५	१	१४	२२	वृश्चिके	भा. ज्येष्ठारंभः यमायसान्न जलकुंभदानं

५पं.वै.शु.५र.इ.४१।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	९	१	११	५	०
२७	२४	६	२६	७	२१	२	२७
१३	२०	१३	५२	२४	२१	१८	७
३७	४२	५५	४१	११	०	४	५४
५७	१२	३/४१	४	७४	६	३	५७
५४	१२	मा	५३	२६	२६	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्लें ८ बुधे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा ४ न.५ बालावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादि भावें समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

६पं.वै.शु.११र.इ. ४१।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	९	१	११	५	१
३	२५	९	२७	१६	२२	१	३
५८	३७	३०	२६	०	५	५५	५१
३७	१६	५०	६	३६	४६	४८	३५
५७	१६	३३	४	७४	६	३	५७
४४	५९	३४	४५	२६	८	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	शु	१८	१०	अ	१३/१	५८/४५	शि	८	५९	कौ	१८	१०	३३/४९	५/१४	६/४६	२	१५	२३	ध.५९।५८	भरण्यां बुधः २८।१२उफा.भौमः४०।५७
२	श	१४	५३	मू	५७	५३	सि	३/४१	५४/१५	ग	१४	५३	५२	१४	४६	३	१६	२४	धनुषि	भ. ४२।४७ उ. रोहि. रविः ५७।२४ ×
३	र	१०	४१	पू	५५	१६	शु	५१	३४	वि	१०	४१	५४	१३	४७	४	१७	२५	धनुषि	भ.१०।४१या.रोहि.रविःसौरः६।२० ÷
४	चं	५	५५	उ	५२	२०	शु	४४	५२	बा	५	५५	५६	१३	४७	५	१८	२६	म. ९।३२	[÷ च. व्र. [× मृगे शुक्रः ४०।९
५	मं	१	७	श्र	४९	८	ब्र	३८	७	तै	१	७	५८	१२	४८	६	१९	२७	मकरे	भ. ५५।५७ उ.
६	मं	५४	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५०	५१	ध	४५	४६	ऐं	३१	१८	वि	२३	२४	३४/४८	१२	४८	७	२०	२८	कुं.१७।२७	भ. २३।२४ या. [÷ चंद्र व्र.
८	गु	४५	३९	श	४२	२९	वै	२४	१७	बा	१८	१५	२	१२	४८	८	२१	२९	कुंभे	[B बुधः १३।३१ कन्यायां भौमः ५।१७
९	शु	४०	११	पू	३८	५७	वि	१७	१७	तै	१२	५५	३	११	४९	९	२२	३०	मी. २४/५०	मिथुने शुक्रः ७।४०
१०	श	३४	४४	उ	३५	४०	प्री	१०	८	व	७	२८	५	११	४९	१०	२३	३१	मीने	भ. ७।२८उ. ३४।४४ या. रेवती. ३ A
११	र	२९	२९	रे	३२	२२	आ	३/२२	५३/१४	ब	२	६	७	११	४९	११	२४	१	मे.३२।२२	जून ६ ता. ३० अपरा ११ व्र.
१२	चं	२४	३२	अ	२९	२९	शो	५०	२६	तै	२४	३२	९	१०	५०	१२	२५	२	मेषे	प्रदोषः [A शनिः १०।४८
१३	मं	२०	१४	भ	२७	१९	अ	४४	३६	व	२०	१४	१०	१०	५०	१३	२६	३	वृ.४१।५३	भ. २०।१४ उ. ४८।२० या. कृति. B
१४	बु	१६	२५	कृ	२५	३८	सु	३९	४२	श	१६	२५	१२	१०	५०	१४	२७	४	वृषे	आर्द्रा. शुक्रः ३०।५८
३०	गु	१४	२	रो	२५	२८	धृ	३५	५२	ना	१४	२	१३	९	५१	१५	२८	५	मी. ५५/५९	वृषे बुधः ३३।२ वट सावित्री व्रतम्

७पं. ज्ये.कृ. ३र.इ.४१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	९	१	११	५	१
१०	२७	१५	२७	२४	२२	१	१०
४२	२०	३७	५१	३६	४८	३३	३३
२९	३८	१	२९	११	१४	३२	४६
५७	२०	६१	२	७४	५	३	५७
३५	१२	३६	२६	२०	४७	११	२३

गोचर ग्रहाः

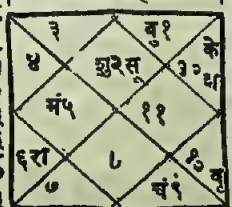

इस मास में सोना चांदी आदि धातुये रूई पाट वारदाना में तेजी होगी अनाज चावल गेहूं बाजरा आदि में मन्दी होकर शुक्ल पक्ष में तेजी

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्ये.कृ.११र.इ.४१।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	९	२	११	५	
१७	२९	२४	२८	३	२३	१	१
२५	२७	२८	६	१०	२८	११	१
२९	५०	२५	४०	३७	५	१७	५
५७	२३	८६	१	७४	५	३	५
२७	६	१	७	१४	२०	११	१

ति.	ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १८८८ सन् १९९७
१	शु	१२	५६	मृ	२६	३१	शू	३३	२	व	१२	५६	३४/१५	५/९	६/५१	१६	२९	६	मिथुने	चंद्र दर्शनम्
२	श	१३	२३	आ	२९	१६	गं	३१	४८	कौ	१३	२३	१६	९	५१	१७	१	७	मिथुने	मृगे रविः ५२।१७ सफर २
३	र	१५	४३	पु	३३	३४	वृ	३१	७	ग	१५	४३	१७	९	५१	१८	२	८	क १७।२९	भ. ४७।३१ उ. मृगे रविः सौरः ५।१० ×
४	चं	१९	२०	पु	३९	२१	ध्रु	३२	२	वि	१९	२०	१८	८	५२	१९	३	९	कर्के	भ. १९।२० या. [× वक्री गुरुः १८।५
५	मं	२४	२७	श्ले	४५	५८	व्या	३३	४६	बा	२४	२७	१९	८	५२	२०	४	१०	सिं. ४५/५८	[D गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
६	बु	३०	३	म	५३	३०	ह	३६	८	तै	३०	३	१९	८	५२	२१	५	११	सिंहे	रोहि. बुधः ७।४७
७	गु	३६	१८	पू	६०	०	व	३८	३४	ग	३	१०	२०	८	५२	२२	६	१२	सिंहे	भ. ३६।१८ उ.
८	शु	४२	३०	पू	०	५१	सि	४१	१	वि	९	२४	२१	८	५२	२३	७	१३	कं. १५/३९	भ. ९।२४ या.
९	श	४७	४३	उ	८	३	व्य	४२	४५	बा	१५	७	२१	८	५२	२४	८	१४	कन्यायां	मिथुनेऽर्कः ५०।५१ बुधास्तः पूर्वस्यां ५४/४०
१०	र	५१	४०	ह	१४	२८	व	४३	४७	तै	१९	४७	२२	८	५२	२५	९	१५	तु. ४६/५०	मिथुनेऽर्कः सौरः ५।५८ पुन. शुक्रः ÷
११	चं	५४	१६	चि	१९	१४	प	४२	५९	व	२२	५८	२२	८	५२	२६	१०	१६	तुलायां	भ. २२।५८ उ. ५४।१६ या. निर्जला +
१२	मं	५४	४९	स्वा	२२	३२	शि	४१	८	ब	२४	३२	२३	७	५३	२७	११	१७	तुलायां	मृगे बुधः ५३।१७ निर्जला ११ व्र. निं.
१३	बु	५३	३२	वि	२३	५२	सि	३७	४७	कौ	२४	१०	२३	७	५३	२८	१२	१८	वृ. ८।३२	प्रदोषः [÷ २७।३२ गंगा १०
१४	गु	५०	३१	अ	२३	२३	सा	३३	६	ग	२२	२	२३	७	५३	२९	१३	१९	वृश्चिके	भ. ५०।३१ उ. [+ ११ व्र. स्मा. वै.
१५	शु	४५	५९	ज्ये	२१	२७	शु	२७	६	वि	१८	१५	२४	७	५३	३०	१४	२०	व. ३१/३७	भ. १८।१५ या. मिथुने बुधः ५९।३१ D

९ पं.ज्ये.शु.३र.इ.४१।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	९	२	११	५	१
२४	१	५	२८	११	२४	०	२३
७	५८	३८	१३	४४	३	४९	५४
१९	१२	३८	३७	४९	५४	१	४८
५७	२५	०/४	०/४	७४	५	३	५७
२२	४४	२३	व.	८	५४	११	५

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले ९ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

१० पं.ज्ये.शु.१०र.इ. ४१/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	९	२	११	५	२
०	४	१८	२८	२०	२४	०	०
४८	४१	४२	१०	१७	३७	२६	३३
३६	४९	५०	४८	३१	५	४६	५७
५७	२७	१२६/२५	१/२५	७४	४	३	५६
१७	५५	२५	व.	२	२७	११	५७

ति.	आषाढ कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	४०	२१	मू	१८	९	शु	२०	१५	बा	१३	९	३४/२४	५/७	६/५३	३१	१५	२१	धनुषि	आर्द्रा. रविः ४९।४६ [E ३८।३८ च. व्र.
२	र	३३	४८	पू	१३	५८	ब्र	१२	३१	तै	७	४	२४	७	५३	१	१६	२२	म. २७/४९	आर्द्रा.रविःसौरः७।३१ भा. आषाढारंभः
३	चं	२७	७	उ	९	२१	ऐं	३९/४	५३/४	व	०	२८	२४	७	५३	२	१७	२३	मकरे	भ. २८ उ. २७।७ या. कर्के शुक्रः E
४	मं	२०	१२	श्र	४	४०	वि	४८	३१	बा	२०	१२	२४	७	५३	३	१८	२४	कुं. ३३/२१	आर्द्रा. बुधः ७।१५ उफा. १ सिंहे राहुः ÷
५	बु	१३	४८	ध	०/२	५५/४४	प्री	४०	३९	तै	१३	४८	२३	७	५३	४	१९	२५	कुम्भे	[÷ पूभा. ३ कुंभे केतुः ६।३०
६	गु	७	४३	पू	५२	१०	आ	३३	२३	व	७	४३	२३	७	५३	५	२०	२६	मी. ३८।४	भ. ७।४३ उ. ३४।५५ या. पुष्ये शुक्रः ६५/३७
७	शु	२	७	उ	४९	४	सौ	२६	१८	ब	२	७	२२	८	५२	६	२१	२७	मीने	हस्ते भौमः ४८।१०
८	शु	५४	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	श	५२	३१	रे	४६	३२	शो	१९	५९	तै	२४	५०	२२	८	५२	७	२२	२८	मे. ४६/३२	
१०	र	४८	५७	अ	४४	४८	अ	१४	२	व	२०	४८	२१	८	५२	८	२३	२९	मेषे	भ. २०।४८ उ. ४८।५७ या.
११	चं	४५	५९	भ	४३	३८	सु	८	४७	व	१७	२८	२०	८	५२	९	२४	३०	वृ. ५८/३२	पुन.बुधः ११।१७ योगिनी ११ व्र.स्मा.वै.
१२	मं	४३	५५	कृ	४३	१३	धृ	४	५	कौ	१४	५७	१९	८	५२	१०	२५	१	वृषे	जौलाई ७ ता.३१ योगिनी ११ व्र. निं.
१३	बु	४२	४८	रो	४४	०	शू	०/१६	५६/५४	ग	१३	२१	१८	८	५२	११	२६	२	वृषे	भ, ४२।४८ उ. प्रदोषः
१४	गु	४२	४६	मृ	४५	५८	वृ	५४	५२	वि	१२	४७	१७	९	५१	१२	२७	३	मि. १४/५९	भ. १२।४७ या.
३०	शु	४३	५८	आ	४८	५४	ध्रु	५३	५८	च	१३	२२	१६	९	५१	१३	२८	४	मिथुने	देवपितृ कार्याऽमा.

११पं.आ.कृ.२र.इ.४१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	९	२	११	५	२
७	७	३	२७	२८	२५	०	७
२९	४२	३७	५८	४९	५	४	१२
३१	१८	४१	३०	५१	४६	३०	२४
५७	२९	१२६/२५	३/४४	७३	३	३	५६
१३	४६	५०	व.	५५	४९	११	५४

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले ११ बुधे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

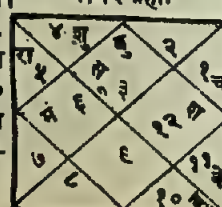

१२पं.आ.कृ.१० र.इ. ४१/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	९	३	११	४	२
१४	१०	१८	२७	७	२५	२९	१३
९	५९	५७	३७	२१	३०	४२	५०
५८	४९	२९	५९	११	४०	१४	२९
५७	३१	१२६/२५	३/५७	७३	३	३	५६
७	३८	२५	व.	५०	१६	११	५०

ति.	आषाढ़ शुक्ल पक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेहर्गणः १९१७ स.१९९७
१	श	४६	३२	पु	५३	१९	व्या	५३	१७	किं	१५	१५	३४/१५	५/९	६/५१	१४	२९	५	क.३७/१३	पुन. रविः ४८।३६ कर्के बुधः ०।२१
२	र	५०	२०	पु	५८	४७	ह	५४	९	बा	१८	२६	१४	९	५१	१५	३०	६	कर्के	पुन. रविः सौरः ११।३३ पुष्ये बुधः A
३	चं	५५	२५	श्ले	६०	०	व	५५	३७	तै	२२	५३	१३	९	५१	१६	१	७	कर्के	आश्ले.शुक्रः२१।२ बुधोदयःपश्चिमायां D
४	मं	६०	०	श्ले	५	८	सि	५७	२४	व	२८	११	११	१०	५०	१७	२	८	सिं.५।८	भ. २८।११उ. [D १०।५९ रविलावल
४	बु	०	५८	म	१२	१७	व्य	६०	०	वि	०	५८	१०	१०	५०	१८	३	९	सिंहे	भ. ०।५५ या
५	गु	७	३	पू	१९	५८	व्य	०	३	बा	७	३	८	१०	५०	१९	४	१०	कं.३६।५२	[A ४१।२६ चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
६	शु	१३	२२	उ	२७	३४	व	२	४३	तै	१३	२२	७	११	४९	२०	५	११	कन्यायां	[× ४४।१७)देवशयनी ११ व्र.
७	श	१९	११	ह	३४	३२	प	५	२	व	१९	११	५	११	४९	२१	६	१२	कन्यायां	भ. १९।११उ. ५१।३१ या. वक्री धनि *
८	र	२३	५१	चि	४०	१९	शि	६	३२	व	२३	५१	३	११	४९	२२	७	१३	तु.७।२५	आश्ले. बुधः ५८।१ [* १ गुरु. ३।५७
९	चं	२७	८	स्वा	४४	४२	सि	६	५८	कौ	२७	८	१	१२	४८	२३	८	१४	तुलायां	[+ ४७।२० वायु परीक्षा
१०	मं	२८	२६	वि	४७	२०	सा	६	१३	ग	२८	२६	३३/५९	१२	४८	२४	९	१५	वृ.३१।४१	भ. ५८।१० उ.
११	बु	२७	५३	अ	४७	४६	शु	३/५४	४६/५	वि	२७	५३	५७	१३	४७	२५	१०	१६	वृश्चिके	भ. २७।५३ या. कर्केऽर्कः १८।२(सौर×
१२	गु	२५	६	ज्ये	४६	२६	ब्र	५४	३१	बा	२५	६	५५	१३	४७	२६	११	१७	ध.४६।२६	हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१३	शु	२०	३६	मू	४३	१७	ऐं	४७	३४	तै	२०	३६	५२	१४	४६	२७	१२	१८	धनुषि	मघा. सिंहे शुक्रः २३।४८
१४	श	१४	१६	पू	३८	२८	वै	३९	१५	व	१४	१६	५०	१४	४६	२८	१३	१९	म.५१।५८	भ. १४।१६ उ. ४०।२६ या. पुष्ये रविः+
१५	र	६	३६	उ	३२	३५	वि	३०	१६	ब	६	३६	४८	१४	४६	२९	१४	२०	मकरे	पुष्ये रविः सौरः १४/५८ व्यासपूजा गुरु १५

१३ पं.आ.शु.२र.इ. ४१/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	९	३	११	४	२
२०	१४	३	२७	१५	२५	२९	२०
५०	२३	२०	७	५१	५१	१९	२८
२४	४२	१०	१४	२९	१४	५९	२४
५७	३३	४/५४	५/४	७३	२	३	५६
७	००	४२	व.	४०	२१	११	५०

१४पं.आ. शु.८र.इ. ४१/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	९	३	११	४	२
२७	१८	१६	२६	२४	२६	२८	२७
३०	१	१०	३०	२०	६	५७	६
४३	८	४०	४	४६	३६	४३	३०
५७	३४	५/०	६/७	७३	१	३	५६
११	७	५२	व.	२४	५३	११	५४

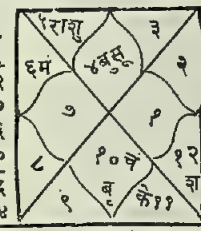

१५ पं.आ.शु.१५र.इ. ४१/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	९	४	११	४	३
४	२१	२७	२५	२	२६	२८	३
११	४८	३१	४६	४७	१७	३५	४४
२८	२२	४८	१	४६	३१	२८	५७
५७	३५	९०	६/४	७३	१	३	५६
१५	१३	३१	व.	१४	१४	११	५८

ति.	श्रावण कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेआषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५१	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५५।३७वक्रीशनिः२६।५५अगस्त८ता.३१
२	चं	४९	४४	श्र	२६	३	प्री	२०	४९	तै	२४	५	३३/४५	५/१५	६/४५	३०	१५	२१	कुं.५२।४६	
३	मं	४१	२०	ध	१९	२९	आ	११	६	व	१५	३२	४३	१५	४५	३१	१६	२२	कुम्भे	भ. १५।३२ उ. ४१।२० या. मघा. ×
४	बु	३३	१७	श	१३	२२	सौ	१/५९	५०/५५	व	७	१९	४०	१६	४४	१	१७	२३	मी.५५।७	चित्रा. भौमः १७/२२ भा.श्रावणारंभः चं. व्र.
५	गु	२६	१०	पू	९	२	अ	४४	२२	तै	२६	१०	३८	१६	४४	२	१८	२४	मीने	नाग ५ मरुस्थले [× सिंहे बुधः १९।२९
६	शु	१९	५७	उ	३	२८	सु	३६	५०	व	१९	५७	३५	१७	४३	३	१९	२५	मीने	भ. १९।५७ उ. ४७।३२ या.
७	श	१५	८	रे	०/८	५७/४६	धृ	३०	२३	ब	१५	८	३३	१७	४३	४	२०	२६	मे.०।८	
८	र	११	२०	भ	५६	५९	शू	२४	५८	कौ	११	२०	३०	१८	४२	५	२१	२७	मेषे	
९	चं	८	५८	कृ	५७	८	गं	२०	३४	ग	८	५८	२७	१९	४१	६	२२	२८	वृ. १२।१	भ. ३८।१९ उ.
१०	मं	७	४०	रो	५८	४७	वृ	१७	११	वि	७	४०	२४	१९	४१	७	२३	२९	वृषे	भ. ७।४० या. पूफा. शुक्रः २५।२५
११	बु	७	३५	मृ	६०	०	ध्रु	१४	४७	बा	७	३५	२२	२०	४०	८	२४	३०	मि. ३०/३९	कामिका ११ व्र.
१२	गु	८	५०	मृ	२	२५	व्या	१३	१४	तै	८	५०	१९	२०	४०	९	२५	३१	मिथुने	प्रदोषः
१३	शु	११	५	आ	५	१६	ह	१७	४६	व	११	५	१६	२१	३९	१०	२६	१	क. ५३/४९	भ. ११।५ उ. ४२।५० या. पूफा. बुधः÷
१४	श	१४	३५	पु	१०	०	व	१२	५८	श	१४	३५	१३	२१	३९	११	२७	२	कर्के	आश्ले. रविः ४४।२१
३०	र	१८	५४	पु	१५	४६	सि	१३	३४	ना	१८	५४	१०	२२	३८	१२	२८	३	कर्के	आश्ले. रविः सौरः १५।४५ हरियाली३०

१६ पं.श्रा.कृ.८र.इ. ४१।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	९	४	११	४	३
१०	२५	७	२४	११	२६	२८	१०
५२	४४	८	५६	१३	२३	१३	२४
३०	३१	१०	३५	१२	२८	१२	१४
५७	३६	७२	७/३२	७२	०	३	५७
२०	९	३६	व.	५६	३२	११	५

गोचर ग्रहाः

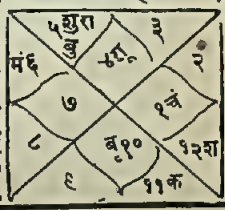

सोमवाराः यदा पंच चांद्र मासे भवन्तिहि धनधान्यं समृद्धिः स्यात् सुख सर्वत्र सुन्दरम् इस मास में धातु तेज वर्षा श्रेष्ठ हो ।

गोचर ग्रहाः

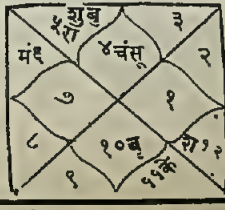

१७ पं.श्रा.कृ.३०र.इ. ४०/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	९	४	११	४	३
१७	२९	१४	२४	१९	२६	२७	१७
३४	४८	५५	३	३७	२४	५०	४
१२	४	८	४३	२६	७	५६	२
५७	३६	५१	७/५२	७२	०/१५	३	५७
२५	५९	४१	व.	३७	व.	११	१२

| ति. | श्रावण शुक्ल पक्षः सं २०५४ शाकः १९१९ | | |

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९७६स. १९९७
१	मं	६०	०	पू	५२	२०	सि	३६	४८	कि	३१	१०	३३	५	६	११	२८	२	सिंहे	[= (सौर: ४७।४१) जलझूलनी ११ ब्र.
२	बु	४	१७	उ	५९	४९	सा	३९	१०	ब्र	४	१७	१८	४४	१६	१२	२९	३	कं. १।१३	चंद्रदर्शनम्
३	गु	१०	२७	ह	६०	०	शु	४१	३१	कौ	१०	२७	१५	४५	१५	१३	१	४	कन्यायां.	जमादिलावल ५
४	शु	१६	२३	ह	७	१८	शु	४३	४१	ग	१६	२३	११	४६	१४	१४	२	५	तुं. ४५	भ. ४८ उ.विशा.भौ:२।३८ हरितालिका ३
५	श	२१	३६	चि	१३	५२	ब्र	४५	२	वि	२१	३६	७	४७	१३	१५	३	६	तुलायां	भ. २१।३६ या तुलायां शुक्र:४४।५५ +
६	र	२५	५९	स्वा	२०	०	ऐं	४५	५६	बा	२५	५९	३	४७	१३	१६	४	७	तुलायां	ऋषी ५ [+ वक्री श्रवण. ३ गुरु: ३७B
६	चं	२८	५६	वि	२४	५०	वै	४५	५५	तै	२८	५६	३०	४८	१२	१७	५	८	वृ ३८	बुधोदय: पूर्वस्याम् ३६ [B गणेशचतुर्थी
७	मं	३०	३६	अ	२८	२६	वि	४४	४०	व	३०	३६	५५	४९	११	१८	६	९	वृश्चिके	भ. ३०।३६ उ.
८	बु	३०	३९	ज्ये	३०	१८	प्री	४२	०	वि	०	३७	५१	५०	१०	१९	७	१०	ध. ३८	भ. ०।३७ या. [A राम देवजी का मेला
९	गु	२८	४४	मू	३०	२४	आ	३८	१	कौ	२८	४४	४७	५१	९	२०	८	११	धनुषि	मार्गी बुध : १३।५९
१०	शु	२५	७	पू	२८	३५	सौ	३१	२६	ग	२५	७	४३	५१	९	२१	९	१२	म. ५२	भ. ५२।१५ उ. स्वात्यां शुक्र:२७।२१ A
११	श	१९	२३	उ	२४	५३	शो	२५	१३	वि	१९	२३	३९	५२	८	२२	१०	१३	मकरे	भ. १९।२३ या. उफा. रवि: १२।२४=
१२	र	१२	१०	अ	१९	४७	अ	१६	५०	बा	१२	१०	३५	५३	७	२३	११	१४	कुं. ४६	[÷ चंद्रग्रहणम् महालयश्राद्धारंभ:
१३	चं	३	३४	ध	१३	९	सु	७	४९	तै	३	३४	३१	५४	६	२४	१२	१५	कुंभे	वामनद्वादशी. प्रदोष:हरिवासर:१।२९या
१४	चं	५०	२६	०	०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०		० ०	भ. ५४।० उ. अनंत १४
१५	मं	४४	०	श	५	५१		शू	४५	४४	वि	१८	५९	२७	५५	५	२५	१३	१६	मी. ४४	भ. १८।५९ या. कन्यायामर्क ३५ खग्रास÷

२२ पं. भा.शु.५ र.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	९	६	११	४	४
२१	२१	९	१९	१	२५	२५	२०
१७	४६	२३	५३	४	१७	५९	४२
२	५९	२४	३८	५२	१०	३८	४४
५८	४०	३७	४६	७०	३५	३	५८
१३	४४	व.	व.	२३	व	११	१२

गोचर ग्रहा:

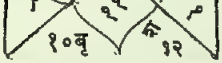

भाद्रपद शुक्ले १५ भौमे कन्यायामर्के: प्रवृष्ट:वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु: ३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदय: पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहा:

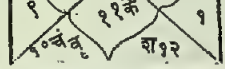

२३पं.भा.शु.१२र.इ.४०।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	९	६	११	४	४
२८	२६	१०	१९	९	२४	२५	२७
५	२७	२६	१८	१३	५१	३७	३१
२४	५४	२९	३२	५९	०	२३	४
५८	४१	४८	३६	६९	५३	३	५८
२६	७	मा	व.	२७	व.	११	२९

ति.	आश्विन कृष्ण पक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.;
१	बु	३३	५३	उ	४९	४९	गं	३४	४८	बा	८	५६	३०	५६	६	२६	१४	१७	मीने	कन्यायामर्कः सौर. १२।५२
२	गु	२४	३४	रे	४२	३३	बृ	२४	२	ग	२४	३४	१८	५६	४	२७	१५	१८	मे. ४३	भ. ५०।२७ उ. पूफा. बुध: ८।१८
३	शु	१६	१९	अ	३६	३४	धु	१४	६	वि	१६	१९	१४	५७	३	२८	१६	१९	मेषे	भ. १९ या. वृश्चिके भौम: ५३ चतुर्थी ब्र.
४	श	९	२५	भ	३२	१५	व्या	१९	५३		९	२५	९	५८	२	२९	१७	२०	बृ.४६।३७	
५	र	४	३८	कृ	२९	४१	व	५२	३	तै	४	३८	५	५९	१	३०	१८	२१	वृषे	[+ २।४३ बुधास्त:पूर्वस्यां ४३ इंदिरा ११ ब्र.
६	चं	१	४५	रो	२९	८	सि	४७	५०	व	१	४५	३०	६	०	३१	१९	२२	मि. ५९	भ. १।४५ उ. ३१।२४ या.
७	मं	१	२	मृ	३०	४३	व्य	४५	१५	व	१	२	२९	६	५९	१	२०	२३	मिथुने	विशा. शुक्र: २९।८ भा. आश्विनारंभ:
८	बु	२	२०	आ	३३	५९	व	४४	१	कौ	२	२०	५२	२	५८	२	२१	२४	मिथुने	अनु. भौम: ३९।२३ मातृ ९
९	गु	५	१३	पु	३९	५	प	४४	३५	ग	५	१३	४८	२	५८	३	२२	२५	क. २२।४९	भ. ३७।२७ उ.
१०	शु	९	४२	पु	४५	१८	शि	४५	३७	वि	९	४२	४४	३	५७	४	२३	२६	कर्के	भ. ९।४२ या. हस्ते रवि:५०।५४
११	श	१५	५	श्ले	५२	२९	सि	४७	२६	बा	१५	५	४०	४	५६	५	२४	२७	सिं. ५२	हस्ते रवि: सौर: २५।२२ उफा बुध: +
१२	र	२१	२२	म	५९	४७	सा	४९	४९	तै	२१	२२	३६	५	५५	६	२५	२८	सिंहे	कन्यायां बुध: ५६।१० प्रदोष:
१३	चं	२७	४१	पू	६०	०	शु	५२	११	व	२७	४१	३२	६	५४	७	२६	२९	सिंहे	भ. २७।४१ उ.
१४	मं	३३	५७	पू	७	३१	शु	५४	३८	वि	०	४९	२८	६	५४	८	२७	३०	कं. २४।२३	भ. ०।४९ यां शस्त्रादिहतानांश्रा.
१५	बु	४०	४	उ	१५	१	ब्र	५६	४८	च	६	५८	२३	७	५३	९	२८	१	कन्यायां	अक्टूबर १० ता० ३१ सर्वपितृश्रा.

२४पं.आ.कृ.५ र.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	९	६	११	४	५
४	११	१८	१८	१७	२४	२५	४
५५	१४	९	११	२०	२१	१५	२१
१६	३१	५८	३२	१०	४७	७	११
५८	४१	१०	२	६८	१०	३	५८
३८	५७	२६	व.	५२	व	११	५५

गोचर ग्रहा:

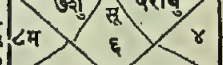

इस मास में धान्य में मंदी होवे सोना चांदी आदि धातुओ में तेजी हो प्रजा में लड़ाई उपद्रव की सम्भावना होवे

गोचर ग्रहा:

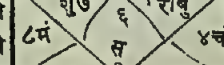

२५ पं.आ.कृ. १२ र.इ. ३९ ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	९	६	११	४	५
११	६	२९	१८	२५	२३	२४	११
४६	६	३०	३३	२१	५०	५२	१३
५२	२५	२५	२९	३२	४६	५२	१२
५८	४२	०	१८	६७	२३	३	५९
५३	२३	४७	व.	५७	व.	११	००

ति.	आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६५२सन् १९९६
१	गु	४५	३७	ह	२२	१	ऐं	५८	२६	किं	१२	५०	२२/१९	६/८	५/५२	१०	२९	२	तु.५५।१९	वृश्चिकेशुक्रः४३।४२मातामहश्रा.नवरात्रा
२	शु	५०	४०	चि	२८	३७	वै	५९	४२	बा	१८	८	१५	९	५१	११	३०	३	तुलायाम्	चन्द्रदर्शनम्
३	श	५४	२०	स्वा	३४	२३	वि	६०	०	तै	२२	२९	११	१०	५०	१२	१	४	तुलायां	हस्ते बुधः १९।३६ जमादिलाखरे
४	र	५७	१७	वि	३९	९	वि	०	२८	व	२५	४८	७	११	४९	१३	२	५	वृ. २२/५८	भ. २५/४८ उ. ५७/१७ या.अनु.शुक्रः १३/३७ वक्री रेवं ×
५	चं	५८	५५	अ	४२	५२	प्री	०/५	५९/२	ब	२८	६	३	११	४९	१४	३	६	वृश्चिके	[× २ शनिः १४।४२
६	मं	५९	२७	ज्ये	४५	२८	सौ	५७	१५	कौ	२९	११	२८/५९	१२	४८	१५	४	७	ध. ४५/२८	
७	बु	५८	४०	मू	४६	४६	शो	५४	१३	ग	२९	३	५५	१३	४७	१६	५	८	धनुषि	भ. ५८।४० उ. सरस्वत्यावाहनम्
८	गु	५६	२०	पू	४६	४६	अ	५०	०	वि	२७	२९	५१	१४	४६	१७	६	९	धनुषि	भ. २७/२९ या.मार्गी गुरुः४३।८ सरस्वनीपू.
९	शु	५२	२६	उ	४४	५८	सु	४४	३२	बा	२४	२३	४७	१५	४५	१८	७	१०	म.१।१९	चित्रा. रविः २२/५६ (सौरः ५५/५६) वलिदानम्
१०	श	४७	१४	श्र	४१	५०	धृ	३७	५१	तै	१९	५०	४३	१५	४५	१९	८	११	मकरे	चित्रा.बुध ५२/२९ विजया१०सरस्वतीविसर्ज.
११	र	४०	३१	ध	३७	२५	शू	३०	८	व	१३	५३	३९	१६	४४	२०	९	१२	कुं.९।३७	भ. १३/५३ उ. ४०/३१ या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	चं	३२	३८	श	३१	४८	गं	२१	२०	व	६	३५	३५	१७	४३	२१	१०	१३	कुंभे	ज्येष्ठा. भौमः ३३।२७
१३	मं	२३	५३	पृ	२५	५	वृ	११	३४	तै	२३	५३	३१	१८	४२	२२	११	१४	मी. ११/४६	प्रदोषः
१४	बु	१४	३८	उ	१७	५३	ध्रु	१/१९	४९/१७	व	१४	३८	२७	१९	४१	२३	१२	१५	मीने	भ. १४।३८ उ. ३९।५८ या. तुलायां +
१५	गु	५	१७	रे	१०	३४	ह	४०	१९	ब	५	१७	२३	१९	४१	२४	१३	१६	मे. १०/३४	[+ बुधः ३५/२८ शरद् १५ कोजागरी व्र.

२६ पं.आ.शु. ४ र.इ. ३९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	९	७	११	४	५
१८	११	१२	१८	३	२३	२४	१८
४०	२	२३	२४	१६	१८	३०	७
८	१३	३५	४७	३५	४	३६	०
५९	४२	७/०	०/४७	६६	४/४०	३	५९
९	४४	०/४५	व.	४७	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

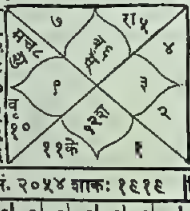

यदा वृश्चिक राशि स्थो जायते च मही सुतः । महर्घं सर्वं द्रव्याणां नृपाणां कोप मादिशेत् ॥

वृश्चिक का मंगल तेजी कारक है

गोचर ग्रहाः

२७पं.आ.शु.११ र.इ. ३९/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	९	७	११	४	५
२५	१६	२४	१८	११	२२	२४	२५
३५	१	४४	२६	६	४४	८	०२
२	८	१३	२०	७	३५	२०	४१
५९	४३	७/०	०/३४	६५	४/४०	३	५९
२१	१०	०/३८	मा	२४	व.	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विन. कृष्णेति महा०
१	गु	५१	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[= गोवर्द्धन पूजा
२	शु	४८	५३	अ	३/४१	५४/११	व	३०	३१	तै	२२	४३	२८/२०	६/२०	५/४०	२५	१४	१७	मेषे	तुलायामर्कः ६।४५ (सौरः ३८।४०) ÷
३	श	४२	४३	कृ	५३	३९	सि	२१	४४	व	१५	४८	१६	२१	३९	२६	१५	१८	वृ.११।४९	भ.१५।४८उ.४३/४३ या. [÷ज्येष्ठाशुक्र ४०/१८
४	र	३८	२३	रो	५१	१०	व्य	१४	७	व	१०	३३	१२	२२	३८	२७	१६	१९	वृषे	स्वात्यां बुधः ४३।५८ करक चतुर्थी व्र.
५	चं	३६	१८	मृ	५०	५५	व	८	१२	कौ	७	२०	८	२२	३८	२८	१७	२०	मि. २१।२	[× ५१ केतुः१।१ रमा११ व्र. नि.
६	मं	३६	२९	आ	५२	४४	प	४	५	ग	६	२३	४	२३	३७	२९	१८	२१	मिथुने	भ. ३६।२९ उ.
७	बु	३८	३३	पु	५६	३२	शि	१	२७	वि	७	३१	०	२४	३६	३०	१९	२२	क. ४०/३५	भ. ७।३१ या.
८	गु	४२	३८	पु	६०	०	सि	०	४९	बा	१०	३५	२७/५६	२५	३५	१	२०	२३	कर्के	स्वात्यां रविः ४८।४७ भा. कार्तिकारंभः
९	शु	४७	५२	पु	२	३	सा	०	५९	तै	१५	१४	५३	२५	३५	२	२१	२४	कर्के	स्वात्यां रविः सौरः १९।४३
१०	श	५४	७	श्ले	८	५०	शु	२	२६	व	२०	५९	४९	२६	३४	३	२२	२५	सिं. ८।५०	भ. २०।५९ उ. ५४।७ या.
११	र	६०	०	म	१६	८	शु	४	३५	व	२७	४	४५	२७	३३	४	२३	२६	सिंहे	रमा ११ व्र. स्मा. वै.
११	चं	०	१	पू	२३	५५	ब्र	७	४	बा	०	१	४१	२८	३२	५	२४	२७	कं.४०।४७	विशा. बुधः ५७।५१पूफा.३राहुः पूभा.×
१२	मं	७	३	उ	३१	२५	ऐं	९	२९	तै	७	३	३७	२९	३१	६	२५	२८	कन्यायां	प्रदोषः धन १३
१३	बु	१३	९	ह	३८	३४	वै	११	३४	व	१३	९	३४	२९	३१	७	२६	२९	कन्यायां	भ. १३।९ उ. ४५।४५ या. रूप १४
१४	गु	१८	२०	चि	४४	४३	वि	१३	१३	श	१८	२०	३०	३०	३०	८	२७	३०	तु.११।३८	मूले धनुषि शुक्रः १५।५ महालक्ष्मी पू.
३०	शु	२२	३१	स्वा	४९	५९	प्री	१४	६	ना	२२	३१	२७	३१	२९	९	२८	३१	तुलायां	मूले धनुषि भौमः ४५।८ अन्नकूट =

२८ पं.का.कृ.४र.इ. ३९।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	९	७	११	४	६
२	२१	६	१८	१८	२२	२३	२
३१	५	३१	३७	४६	११	४६	००
२६	२	५५	१६	३४	४६	५	०८
५९	४३	७/०	१	६३	४/३४	३	५९
३४	५६	०/१७	४४	५०	व.	११	४६

ग्रोचर ग्रहाः

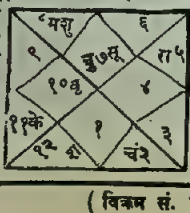

कार्तिक कृष्णे २ शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु.१५ धान्यादि भावें महर्घता. शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

ग्रोचर ग्रहाः

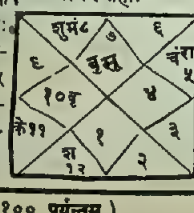

२९पं.का.कृ.११.र.इ. ३९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	९	७	११	४	६
९	२६	७	१८	२६	२१	२३	८
२९	१२	४९	५७	१७	४०	२३	५९
४२	२२	३०	४७	२	५	४९	२८
५९	४३	९९	३	६१	४/१६	३	६०
४७	५६	२५	१२	५६	व.	११	२

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०३६सन्१९९७
१	श	२५	३७	वि	५४	१९	आ	१४	८	ब	२५	३७	२७/२३	६/३१	५/२९	१०	२९	१	वृ.३८।१४	नवम्बर ११ ता. ३०
२	र	२७	४३	अ	५७	२५	सौ	१३	२६	कौ	२७	४३	१९	३२	२८	११	३०	२	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम २
३	चं	२८	४२	ज्ये	५९	३२	शो	११	५६	ग	२८	४२	१६	३३	२७	१२	१	३	घ.५९।३२	भ.५८।४२उ.वृश्चिके बुधः२६।५३वृ×
४	मं	२८	४३	मू	०/०	०	अ	९	२०	वि	२८	४३	१२	३४	२६	१३	२	४	धनुषि	भ.२८।४३या.
५	बु	२८	४१	मू	०	३८	सु	६	४	बा	२८	४१	९	३४	२६	१४	३	५	धनुषि	अनु बुधः३२।४
६	गु	२५	३४	पू	०	५६	धृ	२०/२	५५/५	तै	२५	३४	५	३५	२५	१५	४	६	म.१५।२	विशा. रविः ९।१३ (सौरः ३७।७)
७	शु	२२	३१	उ	३	५८/५	गं	५१	५३	व	२२	३१	२	३६	२४	१६	५	७	मकरे	भ. २२।३१उ.५०।३६ या.
८	श	१८	४१	ध	५५	२७	वृ	४५	२८	ब	१८	४१	२६/५८	३६	२४	१७	६	८	कुं.२६।४७	श्रवणे ४ गुरुः४२।२८ गोपाष्टमी
९	र	१३	४९	श	५१	३७	ध्रु	३८	१४	कौ	१३	४९	५५	३७	२३	१८	७	९	कुंभे	अक्षय ९
१०	चं	८	४	पू	४७	८	व्या	३०	२५	ग	८	४	५२	३८	२२	१९	८	१०	मी.३३।१६	भ.३५।२७उ.
११	मं	२	५०	उ	४१	४४	ह	२१	४०	वि	२	५०	४९	३८	२२	२०	९	११	मीने	भ. २।५०या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसी विवाहः
१२	मं	५१	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×बृधोदयःपश्चिमायां५५।५१रज्जव ७
१३	बु	४६	८	रे	३५	५५	व	१२	४१	कौ	२०	०	४५	३९	२१	२१	१०	१२	मे.३५।५५	पूषा. शुक्रः३३।९प्रदोषः
१४	गु	३८	२८	अ	३०	२२	सि	३/१०	५०/५०	ग	१२	१७	४२	४०	२०	२२	११	१३	मेषे	भ.३८।२८उ.वैकुंठ १४
१५	शु	३१	८	भ	२४	४७	व	४५	१५	वि	४	४८	३९	४०	२०	२३	१२	१४	वृ.३८।३७	भ.४।४८ या. ज्येष्ठा.बुधः४६।३०मन्वादि

३०पं.का.शु.२र.इ.३८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	९	८	११	४	६
१६	१	२८	१९	३	२१	२३	१६
२९	२३	४३	२७	३५	१०	१	००
२८	५३	२३	७	३५	१९	३४	३२
६०	४४	९५	४	५९	३/५८	३	६०
४	१४	५१	२३	३१	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

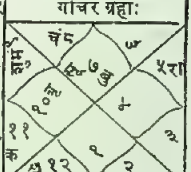

धनराशि गतें भौमे मूल द्रव्य तृणानि च काष्ठं च धृतकार्पासं महर्घं च चतुष्पदाम्।अनाजगल्ले में तेजी होकर मन्दी होवे।

गोचर ग्रहाः

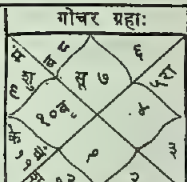

३१पं.का.शु.९र.इ.३८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	९	८	११	४	६
२३	६	९	२०	१०	२०	२२	२३
३०	३७	१३	५	३६	४३	३९	०३
५०	४१	८	१३	७	१२	१८	७
६०	४४	९१	५	५६	३/३७	३	६०
१७	४०	१०	३४	२२	व:	११	३०

ति.	मार्ग शीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तुरविरुत्तरे कार्ति. कृष्णति महाराष्ट्राः
१	श	२५	५	कृ	२०	७	प	३७	१३	कौ	२५	५	२६/३६	६/४१	५/१९	२४	१३	१५	वृषे	[×बुधः४६।२७वक्री रेव.१रविः१५।९
२	र	२०	२१	रो	१६	४४	शि	३०	१५	ग	२०	२१	३३	४१	१९	२५	१४	१६	मि४५।५९	भ.४८ ५३उ. बृश्चिकेऽर्कः५।१८*
३	चं	१७	२५	मृ	१५	१५	सि	२४	५४	वि	१७	२५	३०	४२	१८	२६	१५	१७	मिथुने	भं.१७।२५या. चतुर्थीव्र.[*(सौरः३१।२४)
४	मं	१६	२७	आ	१५	३३	सा	२०	५७	बा	१६	२७	२७	४३	१७	२७	१६	१८	मिथुने	पूषा. भौमः ३०।५८
५	बु	१७	४८	पु	१८	५	शु	१८	४८	तै	१७	४८	२५	४३	१७	२८	१७	१९	कं २।१२	अनु. रविः २३।३८ (सौरः४८।१२)
६	गु	२०	५४	पु	२२	१८	शु	१८	८	व	२०	५४	२२	४४	१६	२९	१८	२०	कर्के	भ. २०।५४ उ. ५३।१५या.
७	शु	२५	३५	श्ले	२८	४	ब्र	१८	३१	ब	२५	३५	१९	४४	१६	३०	१९	२१	सिं.२८।४	
८	श	३१	२९	म	३५	७	ऐं	२०	११	कौ	३१	२९	१७	४५	१५	१	२०	२२	सिंहे	भा. मार्गशीर्षारंभः
९	र	३७	५४	पू	४२	२६	वै	२२	७	तै	४	४१	१४	४५	१५	२	२१	२३	कं.५९।२१	
१०	चं	४४	२६	उ	५०	४	वि	२४	३४	व	११	१०	१२	४६	१४	३	२२	२४	कन्यायां	भ. ११।१०उ४४।२६या. मूले धनुषि×
११	मं	५०	३१	ह	५७	१७	प्री	२६	५०	ब	१७	२८	९	४६	१४	४	२३	२५	कन्याया	उत्पत्ति११ व्र.
१२	बु	५५	५०	चि	६०	०	आ	२८	२७	कौ	२३	१०	७	४७	१३	५	२४	२६	तु.३०।३१	
१३	गु	५९	३९	चि	३	४४	सौ	२९	२६	ग	२७	४४	५	४७	१३	६	२५	२७	तुलायां	भ. ५९।३९ उ.उषा.शुक्रः१७।५७ प्रदोषः
१४	शु	६०	०	स्वा	८	४६	शो	२९	१४	वि	३०	५५	२	४८	१२	७	२६	२८	वृ.५६।४५	भ. ३०।५५या.
१४	श	२	१२	वि	१२	४४	अ	२८	७	श	२	१२	०	४८	१२	८	२७	२९	वृश्चिके	
३०	र	३	१७	अ	१५	३०	सु	२५	५२	ना	३	१७	२५/५८	४८	१२	९	२८	३०	वृश्चिके	

३२पं.मा.कृ.२र.इ.३८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	९	८	११	४	७
०	११	१९	२०	१७	२०	२२	०
३३	५५	१७	५२	१४	२०	१७	७
२९	४८	१७	१२	१७	४६	२	११
६०	४४	८४	६	५२	२/५५	३	६०
३०	५५	१६	३५	२३	व.	११	४०

गोचर ग्रहाः

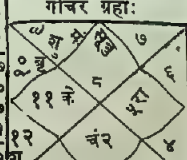

३३पं.मा.कृ.९र.इ.३८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	९	८	११	४	७
७	१७	२८	२१	२३	२०	२१	७
३७	१५	३६	४६	२३	१	५४	१२
२६	१४	७	१६	२८	२३	४७	४४
६०	४५	७३	७	४७	२/५५	३	६०
४२	१४	४९	३८	३२	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

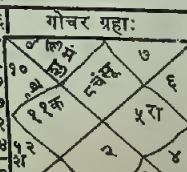

३४पं.मा.कृ.३०र.इ.३८।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	९	८	११	४	७
१४	२२	६	२२	२८	१९	२१	१४
४२	३८	१४	४७	५७	४७	३२	१९
४०	३८	६	४६	२५	२०	३१	३०
६०	४५	५२	८	४१	१/४०	३	६१
५०	२०	१०	४१	१२	व.	११	३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं०२०५४ शाकः १९१९							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०६६स,१९९७
१	चं	३	१३	ज्ये	१६	१६	धृ	२२	२६	ब	३	१३	२५	४६	चंद्रदर्शनम् दिसम्बर१२ता.३१
२	मं	१	५२	मू	१६	२६	शू	१८	२६	कौ	१	५२	५४	४६	ज्येष्ठा. रविः ३३।४५(सौदा।५६।६)=
३	मं	५७	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	=मकरे शुक्रः६।५ सावानन्द
४	बु	५६	३८	पू	१५	३३	गं	१३	३०	व	२८	६	५३	४६	भ.३०।१०भ. २८।६उ. ५६।३८या.
५	गु	५२	५६	उ	१३	५६	बृ	०७	५४	ब	२४	४६	५१	५०	१०१३ ३ ४ मकरे धनिष्ठा.१गुरुः २०।४७
६	शु	४८	५६	श्र	११	५६	धु	३५	४७	कौ	२०	५९	४९	५०	१०१४ ४ ५ कुं.४०।४३उषा. भौमः ४८।३०चंपा६
७	श	४४	३३	घ	६	३१	ह	४६	१०	ग	१६	४६	४८	५०	१०१५ ५ ६ कुंभे भ.४४।३३उ.
८	र	३६	४६	श	६	४०	व	४२	८	वि	१२	१०	४६	५१	६ १६ ६ ७ मी.४६। ६ भ.१२।१०यावक्रीबुधः३०।६
९	चं	३४	३२	पू	२९	२६	सि	३४	५०	वा	७	६	४५	५१	६ १७ ७ ८ मीने ÷११प्र. गीताजयंती
१०	मं	२८	५५	रे	५५	३८	ल्य	२७	१८	तै	१	४४	४४	५१	६ १८ ८ ९ मे.५५।३८भ.५६।४उ.
११	बु	२३	१३	अ	५१	३१	व	१९	२७	वि	२३	१३	४३	५१	६ १९ ९ १० मेषे भ.२३।१३या.।मकरे भौमः९० मोक्षदा÷
१२	गु	१७	२	भ	४७	३८	प	११	४९	बा	१७	२	४२	५२	८ २० १० ११ मेषे बुधास्तः पश्चिमायां४६।२८प्रदोषः
१३	शु	११	५२	कृ	४४	१३	शि	४५	५३	तै	११	५२	४१	५२	८ २१ ११ १२ बृ. १।४७
१४	श	७	४	रो	४१	३२	सा	५०	२६	व	७	४	४०	५२	८ २२ १२ १३ वृषे भ.७।४उ.३५।१या.दत्तजयंती
१५	र	२	५७	मृ	३६	५५	शु	४४	४८	ब	२	५७	३९	५२	८ २३ १३ १४ मि १०।४४

३५पं.मा.शु.८र. इ.३७।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	९	९	११	४	७
२१	२८	९	२३	३	१९	२१	२१
४८	६	३१	५५	४१	२७	१०	२७
४३	४	८	४८	१७	५५	१६	१४
६०	४५	५९	९	३२	५३	३	६१
५६	३४	व:	३२	५८	व:	११	११

गोचर ग्रहाः

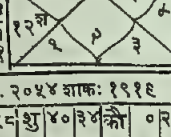

मार्गशीर्ष कृष्णे२रवौ वृश्चिकेऽर्के: प्रविष्टः वा.३न.३ प्रौढाऽवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावें समर्धता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

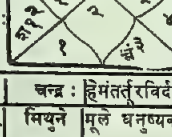

३६पं.मा.शु.१५र.इ.३७।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	९	९	११	४	७
२८	३	४	२५	७	१९	२०	२८
५७	२९	५४	९	२०	३४	४८	३५
३७	३५	१४	२५	२८	१६	०	५७
६१	४५	५६	१०	२२	११	३	६१
०	४९	व:	१७	११	व:	११	१९

ति.	पौष कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे मा.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	चं	०	२२	आ	३६	५८	शु	४०	३४	कौ	०	२२	३५	५६	८ २४ १४ १५ मिथुने मूले धनुष्यर्कः४१।०(सौर:५६।५६)
२	चं	५६	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	मं	६०	०	पु	४१	२६	ब्र	३७	२७	व	३०	१६	३८	५२	८ २५ १५ १६ क. २६। ४ भ.३०।१६उ. मार्गी शनिः १४।५०
४	बु	०	३	पु	४४	३२	ऐं	३६	९	वि	०	३	३८	५२	८ २६ १६ १७ कर्के भ.०।३या. चतुर्थी ब्र.
५	गु	२	४१	श्ले	४९	२४	वै	३५	३२	वा	२	४१	३७	५३	७ २७ १७ १८ सिं४९।२४ वक्री ज्येष्ठा. वृश्चिके बुधः१।२०
६	शु	६	४२	म	५५	५८	वि	३६	३५	तै	६	४२	३७	५३	७ २८ १८ १९ सिंहे [÷केतुः४३।१सोमवती
७	श	१२	२०	पू	६०	०	भी	३७	५७	व	१२	२०	३६	५३	७ २९ १९ २० सिंहे भ.१२।२०उ.४५।२८या.
८	र	१८	३५	पू	२	५२	आ	४०	१०	ब	१८	३५	३६	५३	७ ३० २० २१ कं.१९।४७
९	चं	२५	७	उ	१०	३३	सौ	४२	२२	को	२५	७	३६	५३	७ १ २१ २२ कन्यायां धनिष्ठा.२गुरुः४३।१७.भा.पौषारंभः
१०	मं	३१	२५	ह	१७	४७	शो	४४	२५	ग	३१	२५	३६	५३	७ २ २२ २३ तु.५१।१४ श्रवणे भौमः२।४०बुधोदयः पूर्वस्यां३।५१
११	बु	३६	५२	चि	२४	४१	अ	४५	३६	व	४	६	३७	५३	७ ३ २३ २४ तुलायां भ.४।९उ.३६।५२या.श्रवणे शुक्रः४१।५८
१२	गु	४०	४७	स्वा	३०	१७	सु	४५	५५	ब	८	५०	३७	५३	७ ४ २४ २५ तुलायां वक्री शुक्रः३१।५० सफसा११ब्र.
१३	शु	४३	२६	वि	३४	२२	धृ	४४	५२	को	१२	७	३७	५३	७ ५ २५ २६ वृ.१८।२१ [xशुक्रः४२।३५
१४	श	४४	१६	अ	३६	५७	शू	४२	३५	ग	१३	५१	३८	५२	८ ६ २६ २७ वृश्चिके भ४४।१६उ.मार्गी बुधः५०।१९ प्रदोषः
१५	र	४३	१७	ज्ये	३७	३७	गं	३८	५९	वि	१३	४७	३८	५२	८ ७ २७ २८ ध.३७।३७भ.३३या.पूषा.रविः४६।०वक्री उषा.x÷
१६	चं	४०	५३	मू	३६	५७	बृ	३४	१०	च	१२	५	३९	५२	८ ८ २८ २९ धनुषि पूषा.रवि.सौर:१।३४पूफा.२राहुः शते.४÷

३७पं.पौ.कृ७.र.इ.३७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	९	९	११	४	८
६	८	२६	२६	९	१९	२०	५
३	५६	१३	२८	३३	२५	२५	४५
१४	५३	४४	१	०	४६	४४	२२
६१	४५	५९	१०	८	४२	३	६१
४	५३	व.	५६	४७	मा	११	२२

गोचर ग्रहाः

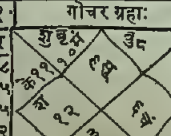

पौष कृष्णे१चंद्रे धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.२ न.४प्रौढावल्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भाव समर्धता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

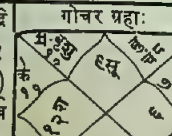

३८पं.पौ.कृ.१४र.इ३७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	९	९	११	४	८
२३	१४	२३	२७	१०	१९	२०	१२
११	२६	१०	५१	०	४२	३	५५
१३	४६	४८	५४	३६	४७	२९	१४
६१	४५	०	११	६	१	३	६१
६	५४	मा	३५	व:	२३	११	१६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्हगणः२०९५स.१९९७
१	मं	३७	१३	पू	३४	५१	ध्रु	२८	७	किं	९	३	२५	५३	५	९	२९	३०	म.४९।७	
२	बु	३२	३२	उ	३१	५६	व्या	२१	३४	बा	४	५२	४१	५२	८	१०	३०	३१	मकरे	चंद्र दर्शनम्
३	गु	२७	१७	श्र	२८	३०	ह	१४	२२	ग	२७	१७	५२	५२	८	११	१	१	कुं. ५६	म.५४उ.जनवरी १ ता.३१ सन् १९९८x
४	शु	२१	५१	ध	२४	४३	व	३८	३३	वि	२१	५१	४३	५१	९	१२	२	२	कुंभे	भ. २१।५१ या. [× ई. रमजान ९
५	श	१६	१७	श	२०	५२	व्य	५१	४८	बा	१६	१७	४४	५१	९	१३	३	३	कुंभे	
६	र	१०	५७	पू	१७	१३	व	४४	१७	तै	१०	५७	४५	५१	९	१४	४	४	मी. ३।८	
७	चं	५	४४	उ	१३	३६	प	३७	२	व	५	४४	४७	५१	९	१५	५	५	मीने	भ. ५।४४ उ. ३३।१७ या.
८	मं	०	५०	रे	१०	२७	शि	२९	५५	ब	०	५०	४८	५०	१०	१६	६	६	मे.१०।२७	[= ५०।३२ पुत्रदा ११ ब्र. स्पा. वै.
९	मं	५५	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ गुरुः५६।१५ रेवती २ शनिः १०।५३
१०	बु	५१	५२	अ	७	२६	सि	२३	१६	तै	२४	१	५०	५०	१०	१७	७	७	मेषे	मूले धनुषि बुधः ४६।८ धनिः ३ कुंभे ÷
११	गु	४८	२	भ	४	५८	सा	१७	१	व	१९	५६	५२	५०	१०	१८	८	८	वृ.१९।२८	भ. १९।५६ उ. ४८।२ या.धनिः भौमः =
१२	शु	४४	४४	क्र	२	५९	शु	११	१३	व	१६	२३	५३	४९	११	१९	९	९	वृषे	पुत्रदा ११ ब्र. नि.
१३	श	४२	२०	रो	१३	८	शु	५	४८	को	१३	३२	५५	४९	११	२०	१०	१०	मि. ३१	उषा. रविः ५०।४५ प्रदोषः
१४	र	४०	५२	मृ	०	५६	ब्र	५८	५६	ग	११	३६	५७	४९	११	२१	११	११	मिथुने	भ. ४०।५२ उ. उषा रवि. सौरः ३।१
१५	चं	४०	४०	आ	१	२९	वै	५४	१७	वि	१०	४६	५९	४८	१२	२२	१२	१२	क.४७।४९	भ. १०।३६ या. माघ स्ना. प्रा.

३९पं.पी.शु.६ र.इ.३७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	९	९	११	४	८
२०	१९	२७	२९	८	१९	१९	२०
१९	५६	२१	१९	२९	५४	४१	०५
२६	५३	५०	२६	३५	४०	१३	११
६१	४५	५०	१२	३३	२	३६	११
६	५९	१५	१४	व.	५	११	२६

गोचर ग्रहाः

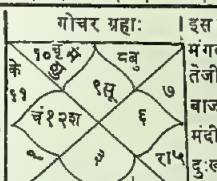

इस मास में मकर का मंगल घृत तेल गुड़ की तेजी तथा चावल बाजरा मूंग मोठ की मंदी करेगा प्रजा में दुःखफैलेगा

गोचर ग्रहाः

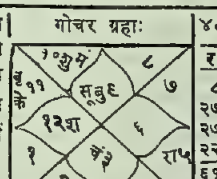

४०पं. पौ.शु. १४ र.इ.३७/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१०	९	११	४	८
२७	२५	४	०	५	२०	१९	२७
२७	२७	५८	५०	८	१२	१८	१५
२२	४७	८	१०	३८	२२	५८	०३
६१	४५	७०	१२	३३	२	३६	११
६	५९	२०	२९	व.	४६	११	२४

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	४१	४६	पु	३	१६	वि	५२	४६	बा	११	१४	२६	४८	५२	२३	१३	१३	कर्के	[÷ वक्री धनुषिशुक्रः१०।५७ शुक्रोदयः÷
२	बु	४४	३७	पु	६	३०	प्री	५१	५७	ते	१३	१३	५	४७	१३	२४	१४	१४	कर्के	मकरेऽर्कः७।६(सौरः१८।२८) शुक्रास्तः ×
३	गु	४८	२६	श्ले	११	१	आ	५२	२६	व	१६	३२	६	४७	१३	२५	१५	१५	सिं११।१	भ.३६उ. ३६ या. [× पश्चिमायां ४८।०
४	शु	५३	४६	म	१६	५८	सौ	५३	३५	व	२१	८	८	४६	१४	२६	१६	१६	सिंहे	चतुर्थी व्र.
५	श	५६	४५	पू	२३	३४	शो	५४	४६	को	२६	४७	११	४६	१४	२७	१७	१७	कं.४०।२६	कुंभे भौमः २३।५१
६	र	६०	०	उ	३१	२	अ	५७	४६	ग	३३	१	१३	४५	१५	२८	१८	१८	कन्यायां	पूषा. बुधः ६।३५ [+ पूर्वस्यां २४।३६
६	चं	६	१७	ह	३८	३८	सु	५९	५४	व	६	१७	१६	४५	१५	२९	१९	१९	कन्यायां	भ. ६।१७ उ. ३९।३३ या.
७	मं	१२	४६	चि	४६	२	धृ	६०	०	व	१२	४६	१९	४४	१६	३०	२०	२०	तु.१२।२०	अभि. प्र. रवि. ३६।३६(सौरः४६।४६÷
८	बु	१८	४०	स्वा	५२	१७	धृ	१	४६	को	१८	४०	२१	४४	१६	१	२१	२१	तुलायां	भा. माघारंभः
९	गु	२३	१३	वि	५७	१८	शू	२	४६	ग	२३	१३	२४	४३	१७	२	२२	२२	वृ.४१।७	भ. ५४।४७ उ. धनि ४ गुरुः ३०।१०
१०	शु	२६	२२	अ	६०	०	गं	२	३८	वि	२६	२२	२७	४३	१७	३	२३	२३	वृश्चिके	भ. २६।२२ या. श्रवणे रविः ५६।१६
११	श	२७	३०	अ	०	३५	वृ	१	५७	बा	२७	३०	२९	४२	१८	४	२४	२४	वृश्चिके	अभि. नि.रवि. ४८।३१(सौरः५८।२)=
१२	र	२६	४७	ज्ये	१	५४	व्या	५३	२४	ते	२६	४७	३२	४२	१८	५	२५	२५	ध.१।५४	शते भौमः ५२।१३
१३	चं	२४	५	मू	२	५७	ह	४७	२१	व	२४	५	३५	४१	१९	६	२६	२६	धनुषि	भ.२४।५ उ. ५१।५१ या. वक्री पूषा. A
१४	मं	१९	३७	उ	५५	३४	व	४०	४	श	१९	३७	३८	४०	२०	७	२७	२७	म.१३।२१	उषा. बुधः३३ [A शुक्रः ४५।३२ प्रदोषः
१५	बु	१३	५१	श्र	५०	३८	सि	३१	५३	ना	१३	५१	४१	४०	२०	८	२८	२८	मकरे	[= श्रवणे रविः सौरः५।४५षट्तिला ११ ब्र.

४१पं.मा.कृ.६र.इ.३७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	१०	९	११	४	९
४	०	१४	२	०	२०	१८	४
३५	५६	२	२४	५५	३४	५६	२४
१३	१६	१६	२२	५५	३४	४२	३२
६१	४६	८२	१२	३३	२	३६	११
३	१४	५६	व.	३२	११	१९	

गोचर ग्रहाः

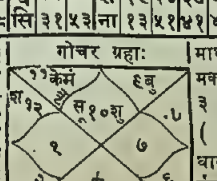

माघकृष्णे २ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

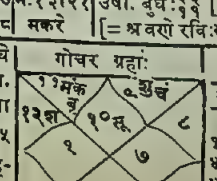

४२पं.मा.कृ.१२र. इ. ३७/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	१०	८	११	४	९
११	६	२४	४	२७	२१	१८	११
४२	२८	१	१	११	१	३४	३३
४०	३४	३०	१६	६	३७	२६	२३
६०	४५	२०	१३	२०	४	३६	११
५९	५४	२९	१४	व.	८	११	१२

ति.	माघ शुक्ल पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः२१२५स.१९९८
१	गु	६	५७	ध	४५	८	व्य	२२	५८	ब	६	५७	२६/४५	६/३९	५/२१	९	२९	२९	कुं.१७।५३	मकरे बुधः ४५।३० चन्द्रदर्शनम्
२	गु	५२	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	५२	१८	श	३९	३५	व	१३	४४	तै	२५	५९	४८	३८	२२	१०	१	३०	कुम्भे	सव्वाल १० [+ मोक्षः ३५।५३
३	श	४५	१२	पू	३४	८	प	४/४०	५१/७	व	१८	४५	५१	३८	२२	११	२	३१	मी. २०/३०	भ. १८।४५ उ. ४५।१२ या.
४	र	३८	३७	उ	२९	८	सि	४७	४०	ब	११	५४	५४	३७	२३	१२	३	१	मीने	फ·रबरी२ ता. २८ वसंत पंचमी
५/६	चं	३२	३७	रे	२५	४	सा	३९	५५	कौ	५	३७	५८	३६	२४	१३	४	२	मे. २५।४	[× पूर्वस्यां ३४।११ भानु ७
७	मं	२७	३२	अ	२१	३५	शु	३२	५३	ग	०	५	२७/१	३६	२४	१४	५	३	मेषे	भ. २७।३२ उ. ५५।२९ या. बुधास्तः ×
८	बु	२३	२५	भ	१९	५	शु	२६	३८	ब	२३	२५	५	३५	२५	१५	६	४	वृ. ३३/४१	श्रवणे बुधः ५५।४४ भीष्माष्टमी
९	गु	२०	१८	कृ	१७	२९	ब्र	२१	१७	कौ	२०	१८	८	३४	२६	१६	७	५	वृषे	शत. १गुरुः४८।१७ पातस्पर्शः७।४१ +
१०	शु	१८	४	रो	१७	०	ऐं	१६	५०	ग	१८	४	१२	३४	२६	१७	८	६	मि. ४७/१२	भ.४७।३० उ.धनि. रविः ४।३४(सौरः A
११	श	१६	५६	मृ	१७	२५	वै	१२	५४	वि	१६	५६	१५	३३	२७	१८	९	७	मिथुने	भ. १६।५६ या. जया ११ व्र.
१२	र	१६	४४	आ	१९	२	वि	१०	०	बा	१६	४४	१९	३२	२८	१९	१०	८	मिथुने	प्रदोषः [A ११।३५) मार्गी शुक्रः५४।३८
१३	चं	१७	४६	पु	२१	३२	प्री	७	५६	तै	१७	४६	२३	३१	२९	२०	११	९	क.५।५५	
१४	मं	१९	५६	पु	२५	११	आ	६	५४	व	१९	५६	२७	३१	२९	२१	१२	१०	कर्के	भ. १९।५६ उ. ५१।३३ या.
१५	बु	२३	१२	श्ले	३०	१	सौ	६	१६	ब	२३	१२	३०	३०	३०	२२	१३	११	सिं. ३०।१	पूभा. भौमः ५३।५० माघ स्नान पूर्तिः

४३पं.मा.शु.५र.इ. ३७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१०	८	११	४	९
१८	११	४	५	२५	२१	१८	१८
४९	५९	३८	३८	९	३३	१२	४०
१६	३५	३५	५३	११	१८	११	२७
६०	४५	९७	१३	१२	४	३	६१
५५	५७	१४	२६	५०	४४	११	४

गोचर ग्रहाः

११ के* शु९ १२श १० बुसू ८ १ ७ २ ४ ६ ३ ५रा

इस मास में धान्य जो गेहूं चना मटर सरसों तेज होवे सोना चांदी आदि धातुओं में मंदी हो प्रजा में सुखशांति रहे

गोचर ग्रहाः

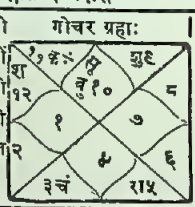

११ के* शु९ श १२ बु१० ८ १ ७ २ ४ ६ ३चं रा५

४४पं. मा.शु.१२.रइ.३७/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१०	८	११	४	९
२५	१७	१५	७	२४	२२	१७	२५
५५	२९	५२	१८	४२	७	४९	४८
१	३८	२०	११	११	४८	५५	१४
६०	४५	९७/१०	१३	४	५	३	६०
४७	५८	१४/३०	३२	१०	७	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा.
१	गु	२७	२८	म	३५	५९	शो	६	४८	कौ	२७	२८	२७/३४	६/२९	५/३१	२३	१४	१२	सिंहे	कुंभेऽर्कः ३९।५० (सौरः ४५।३३)
२	शु	३२	५५	पू	४२	३२	अ	८	७	तै	०	११	३८	२८	३२	२४	१५	१३	कं. ५९/२२	धनि. बुधः ८।५७ अस्तं गुरोः ४६४८
३	श	३८	४६	उ	४९	५१	सु	९	५२	व	५	५०	४१	२८	३२	२५	१६	१४	कंन्यायां	भ. ५।५० उ. ३८।४६ या
४	र	४५	११	ह	५७	२९	धृ	१२	८	ब	११	५९	४५	२७	३३	२६	१७	१५	कंन्यायां	चतुर्थी व्र.
५	चं	५२	१०	चि	६०	०	शू	१४	२१	कौ	१८	४१	४९	२६	३४	२७	१८	१६	तु. ३१/२२	कुंभे बुधः ५२।४८ उषा. शुक्रः ३६।०
६	मं	५७	५६	चि	५	१४	गं	१६	३९	ग	२५	३	५३	२५	३५	२८	१९	१७	तुलायां	भ. ५७।५६ उ. [× २ गुरुः ४१।३९
७	बु	६०	०	स्वा	१२	१४	वृ	१८	१८	वि	३०	३०	५६	२५	३५	२९	२०	१८	तुलायां	भ. ३०।३० या.
७	गु	३	४	वि	१८	११	ध्रु	१९	१	ब	३	४	२८/०	२४	३६	३०	२१	१९	वृ. १।४१	शते रविः१६।६(सौरः२०।५५)शत. ×
८	शु	७	५	अ	२२	४७	व्या	१८	५४	कौ	७	५	४	२३	३७	१	२२	२०	वृश्चिके	शते बुधः ४०।११ भा. फालगुनारंभः
९	श	९	११	ज्ये	२५	४१	ह	१७	३	ग	९	११	८	२२	३८	२	२३	२१	ध. २५/४१	भ. ३९।१८ उ. रेवती ३ शनिः ८।४३
१०	र	९	२६	मू	२६	३१	व	१३	३९	वि	९	२६	१२	२२	३८	३	२४	२२	धनुषि.	भ. ९।२६ या,
११	चं	७	२३	पू	२५	१८	सि	८	३२	बा	७	२३	१६	२१	३९	४	२५	२३	म. ३९/३१	मकरे शुक्रः ३०।२१ विजया ११ व्र.
१२	मं	३	३४	उ	२२	१२	व्य	२/४	५१/५६	तै	३	३४	२०	२०	४०	५	२६	२४	मकरे	भ.५७।४८उ. मीने भौमः४१।१८प्रदोषः
१३	मं	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	बु	५०	२२	श्र	१७	२०	प	४४	४७	वि	२४	५	२४	१९	४१	६	२७	२५	कुं. ४४/१७	भ. २४।५ या. महाशिवरात्रि व्र.
३०	गु	४२	५	ध	११	१४	शि	३४	५४	च	१६	१३	२८	१८	४२	७	२८	२६	कुंभे	

४५ पं.फा.कृ.४ र.इ. ३७/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	१०	८	११	४	१०
२	२२	२७	८	२६	२२	१७	२
५९	५८	४५	५८	२१	४६	२७	५४
४९	४४	५४	४१	४३	४४	४०	१७
६०	४५	७/१३	१३	१८	५	३	६०
३७	३८	१३	३८	५१	३६	११	४२

ग्रोचर ग्रहाः

१२श १०बु केमं ११सू ९शु ९ २ ८ ३ रा५ ७ ४ चं६

फाल्गुन कृष्णे १ गुरौ कुंभऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

ग्रोचर ग्रहाः

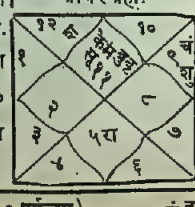

१२ श १० १ चं शु केमं बुसू ११ ९ २ ८ ३ ५रा ७ ४ ६

४६पं.फा.कृ.१०र.इ. ३८/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१०	८	११	४	१०
१०	२८	१०	१०	२९	२३	१७	९
३	२६	२१	४०	३३	२८	५	५८
२२	२८	२५	५	२२	५९	२४	५०
६०	४५	१२/४३	१३	३०	६	३	६०
२५	३२		३८	३३	२	११	३१

* बृ मं (सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्) ÷ बृ मं

ति.	फाल्गुन शुक्ल पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरेहर्गणः २१५४ स.१९९८
१	शु ३३ ७ श ३०४ ५१ सि २४ ३६ वि ७ ४२ ३३ ६ ४२	८	२६	२७	मी	४४	७		पूमा.बुधः ४५।४६[×चंद्र दर्शनम् फुलरिपा २
२	श २४ १० उ ५० २२ सा १४ १४ को २४ १० ३६ १७ ४३	९	३०	२८	मीने				उभा.भौमः ५३।३६ अस्तं भौमः ५२।१६×
३	र १५ २९ रे ४४ ३ शु १० ५१ ग १५ २९ ४० १६ ४४	१०	१	१	मे.	४४	३		भ.४१।३७उ.बुधोदय; पश्चिमायां ५०।७०
४	चं ७ ४६ अ ३८ ४६ म्र ४६ ० वि ७ ४६ ५४ १५ ४५	११	२	२	मेषे				भ.७।४६या.पूफा.१राहुःशते.३केतुः२७।२५
५	मं ० ५३ भ ३४ ५२ ऐ ३८ ४६ वा ० ५३ ४८ १४ ४६	१२	३	३	वृ.	४९	१४		[०मार्च ३ ता.३१ जिल्काद ११.
६	मं ५४ २९ ० ० ० ० ० ० ८ ० ० ० ० ० ० ०								[÷(सौरः ३५।४२) मीने बुधः ५६।३२
७	बु ५१ २२ कृ ३२ २३ वै ३२ २८ ग २३ २२ ५२ १४ ४६	१३	४	४	वृषे				भ.५१।२२उ.पूभा.रविः ३२।१२÷
८	गु ४६ ४ रो ३१ १४ वि २७ ३१ वि २ ० ५६ १३ ४७	१४	५	५	वृषे				भ.२०।१४पा:शत.३गुरुः ५५।५३होलाष्टक
९	शु ४८ ८ मृ ३१ ३५ प्री २३ ४५ वा १८ ४८ २९ १२ ४८	१५	६	६	मि.	१	२५		उभा बुधः ४०।२१.
१०	श ४८ ३२ आ ३३ २८ आ २१ ८ वै १८ २० ५ ११ ४६	१६	७	७	मिथुने				
११	र ५० २८ पु ३६ ४१ सौ १६ ३८ च २० ३० ९ २० ५०	१७	८	८	क.	२०	५३		भ १६ ३०उ.५०।२८पा.॥
१२	चं ५३ २३ पु ४० ५६ शो १६ ६ ब २१ ५५ १३ ६ ५१	१८	९	९	कर्के				श्रवणे शुक्रः४६ २६आमलकी११व्र. नि.
१३	मं ५७ ३१ श्ले ४६ १५ अ १६ १८ कौ २५ २९ १७ ६ ५१	१९	१०	१०	सिं	४६	१५		प्रदोषः [॥आमलकी ११व.स्मा.नि.
१४	बु ६० ० म ५२ ३४ सु २० १ ब २६ ५६ २१ ८ ५२	२०	११	११	सिंहे				
१५	गु २ २४ पू ५८ ४४ धृ २१ ३६ ८ २ २४ २६ ७ ५३	२१	१२	१२	सिंहे				भ.२।२४उ.३५।१३या.होलिका दहनं°
१५	शु ८ २ उ ६० ० श्र २३ १५ ब ८ २ ३० ६ ५४	२२	१३	१३	कं.	१५	४२		छारेडी. [०भद्रोत्तरम्

४७पं.फा.शु.३ र.इ.३८।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	१०	९	११	४	१०
१७	३	२३	१२	३	२४	१६	१७
५	५४	३५	२१	५७	१३	१२	५
३५	०	१७	२९	१४	२३	८	४२
६०	४५	१४	१३	३९	६	३	६०
२१	३५	४४	३८	४७	२२	११	२०

इस मास में धान्य गेहू जो चना मटर मे मन्दी होगी तथा सुदी में चन्द्र दर्शन द्वाराधातु रुई रंग तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

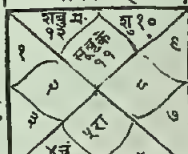

४८पं.फा.शु.११र.इ३८।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	१०	९	११	४	१०
२४	९	६	१४	९	२५	१६	२४
६	१९	५६	२	७	०	२०	३
२२	५९	३५	२	१६	३४	५३	५
५९	४५	४९	१३	४६	६	३	६०
५८	२९	५०	३२	४०	३८	११	६

ति.	चैत्र कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरे फाल्गु.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श १४ १ उ ६ ३६ गं २५ ३७ को १८ ५९ १ ३४ ६ ५५	२	३	१४	१४			कन्यायां	मीनेऽर्कः ३३।५ (सौरः ३६३) रेवत्यां=
२	र २० २२ ह १४ १३ धृ २७ ५५ ग २० २२ ३८ ४ ५६	२	४	१५	१५			तु.	भ.५३।३४उ. उदयं गुरोः २६।२४ [उ.गु
३	चं २६ ४६ चि २१ ५६ ध्रु ३० १३ वि २६ ४६ ४३ ३ ४७	२	५	१६	१६			तुलायां	भ. २६।४६या.चतुर्थी व्र.
४	मं ३२ ५८ खा २६ ११ व्या ३२ १७ ब ३२ ५८ ५७ ३ ५७	२	६	१७	१७			तुलायां	उभा.रविः ५४।६ (सौरः ५६।३६)
५	बु ३८ ५ वि ३५ ३१ ह ३३ ३२ कौ ५ ३१ ५१ ३ ५८	२	७	१८	१८			वृ.	रेवत्यां भौमः १४।४८
६	गु ४२ ३२ अ ४१ ६ व ३४ १५ ग १० १८ ५५ १ ५९	२	८	१९	१९			वृश्चिके	भ.४२।३२उ.शत.४गुरुः ३७।१५
७	शु ४५ २७ ज्ये ४५ १८ सि ३३ ४९ वि १३ ५९ ३० ६ ०	२	९	२०	२०			ब.	भ.४५।१९ या.शीतलापूजनम्
८	श ४६ ५० मू ४७ ४७ व्य ३१ ४८ वा १६ ८ ४ ५५	२	१०	२१	२१			धनुषि	=बुधः ६।१९ वसंत १
९	र ४६ १० पू ४८ २९ व २८ २३ वै १६ ३० ८ ५८	२	१	२२	२२			धनुषि	रेवती.४शनिः ३३।३४रा.चैत्रारंभ
१०	चं ४३ ३८ उ ४७ १० प २३ २९ च १४ ५४ १२ ५८	२	२	३	३			म.	भ.१४।५४ड.४३।३८या.
११	मं ३९ ६ श्र ४३ ४६ शि १९ ३ ब ११ २२ १६ ५७	३	३	२४	२४			मकरे	धनिःशुक्र.२७।३पापभोचनी ११व,
१२	बु ३२ ३६ ध ३८ ४९ सि ५ ५३ कौ ५ ५१ २१ ५६	४	४	२५	२५			कुं.	११।१७
१३	गु २४ ५१ श ३२ २६ शु ४९ ३० ब २४ ५१ २५ ५५	५	५	२६	२६			कुंभे	भ.२४।५१उ.५०।१७या वक्रीबुधः ४४।४२°
१४	शु १५ ४३ पू २५ ५ शु ३८ ४८ वा १५ ४३ २९ ५४	६	६	२७	२७			मी.	अस्तंशनिः १३।३६
१५	श ६ १ उ १७ ७ ब्र २७ ४१ ना ६ १२ ३५ ३	७	७	२८	२८			मीने	मन्वादिः ०प्रदोषाः

४९ पं.फा.कृ.२र.इ, ३६।०

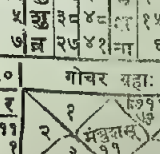

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१०	९	११	४	११
१	१४	१८	१५	१५	२५	१५	१
५	४२	४०	४१	११	४९	८	२
३५	२५	१	४९	१३	५५	३७	४७
५९	४५	८९	१३	५१	६	३	५९
४१	१७	५६	२६	५५	५५	११	४९

चैत्र कृष्णे १शनौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न.३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

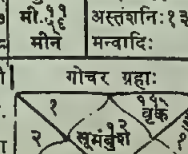

५०पं.चै.कृ.९र.इ.३९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१०	९	११	४	११
८	२०	२६	१७	२१	२६	१५	८
३	३	५	२०	३९	४०	३६	०
१८	५०	२०	२८	१४	४३	२२	४२
५९	४५	४४	१३	५६	७	३	५९
२९	१०	४	२०	८	५	११	३५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९९ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४००० कलियुग–प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गत–कलिः ५०९९ भौग्यकलिः ४२६९०१ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीर विक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५५ शाकः १९२० अथास्मिन् वर्षे राजा रविः । मंत्री चंद्रः । सस्येशो गुरुः । धान्येशोभौमः । मेघेशश्चंद्रः । रसेश : शनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशो रविः । धनेशोबुधः । दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ५ खर नाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत मासादिः ९।२४।३९।२६ भोग्यमासादिः २।५।२०।३४ त्वष्टृ दैवतं युगम् । वर्षनाम भाद्रपदः । मेघनाम पुष्करः रोहिणी निवासः संघौ । समयनिवासो रजक गृहे । समय विश्वा १८ समय वाहनम् अश्वः । स्तंभा ३ अन्नजलतृणानां । सोमवत्यमाः १ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी १ भानु सप्तमी १ रविदशमी १ समय मुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १७ धान्यम् ९ तृणम् १७ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् ११७ सत्यम् ॥ धर्म १॥ पापं १८ शनिदृष्टिरुत्तरे ग्रहण १ सूर्यस्य पूर्वप्रदेशे ।

सूर्यग्रहण ।

भाद्रपद कृष्णा ३० शनिवासरे पूर्वभारते स्वल्पग्रासं सूर्यग्रहणम् । तद्वार्षिकं पंचांगे दृष्टव्यम् ।

वर्ष लग्नम् १।०

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
संवत पचपन देखकर कहो शुभाऽशुभ हाल ।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला मैं समझाऊं तोय ।
ग्रह चारों को देखतां संवत् अच्छा होय ॥
राजा रवि मंत्री शशी संस्थाधिप गुरु राज ।
मैत्रीयोग के कारणे सारें जग का काज ॥
वर्षनाम है भाद्रपद रोहिणी तट निर्धार ।
समयनिवासो रजकघर वर्षे मूसलधार ॥
अट्ठारह विश्वा समय चंद्र भये मेघेश ।
अनजल तृण के स्तंभ है संवत होय विशेष ॥
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
"बंशीधर" भगवान का भजन जगत में सार ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मं.	बृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	१४	५	२	२	११	२
रा.	तु.	बु.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् १०।२५

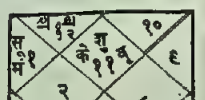

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३६।० केतकी मतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४९।१०

×चं. मं. बु. सू. ।

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा रविः फलम् ।। सूर्ये नृपे स्वल्पफलाश्च मेघाः स्वल्पं पयो गोषुजनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधा निधनं नृपाणाम् ।। मंत्री चंद्रस्तत्फलम् ।। शनि मंत्रिगतेबहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशिसुशोभिताः ।। सस्येशोगुरुः फलम् ।। कणपतौ सुर राजपुरोहिते सकलसौख्यकरः श्रुतिपूर्वकः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै ।। धान्येशो भौम स्तत्फलम्।। भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्यमहर्षकम् । शालीक्षुघृततैलानि महर्धाणि भवंति च ।। मेघेशश्चंद्रः फलम् ।। शशिनितो-यदपे यदि गोमहिष्यजवरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविधभोगवती ननु भामिनी ।। रसेशः शनिः फलम् ।। रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गजवाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषुनराश्च रसै-र्युता ।। नीरसेशोगुरुः फलम् ।। हरिद्रा पीतवस्तूनि पीतवस्त्रादिकलचयत् । नीरसेशो यदाजीवो सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशो रविः फलम् ।। द्रुमवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फलभोगविरोधतः । बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः।। धनेशो बुधस्तत्फलम्।। द्रविणपो हिमरश्मिसुतो यदा विविध संग्रहवस्तुफला तदा । द्विजवरा जप यज्ञसुसंयुताः । कृषिविशेषविशेषित मानवाः ।। दुर्गेशोरविः फलम् ।। नयविशेष कस्तरणिस्तदा गतभया नरराज पुरो-गमा । समधिकेन तदा नृपतोन्यतः पथिषु संव्रजतां न भयं क्वचित् ।। खरनाम संवत्सरफलम् ।। खराब्देनिखिललोकाः अन्योऽन्यं समरोत्सुकाः । मध्यमा वृष्टि रत्यग्रैः रोगैर्यांति लयं नृपाः ।। वर्षनाम भाद्रपदः फलम् ।। अर्घं महर्घतां यांति धनधान्यं समं भवेत् । मघवा वर्षति स्वच्छं संपदो भाद्रवर्षके ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणीनिवासस्तटे फलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे । रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्

संमत् २०५५ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाखज्येष्ठयोर्विवाहेषु गोधूल्यां भौम ७ दोषः ।

वैशाख मासः ।

कृ. ५ शुक्र मूले ल. गो. १० रे. ६ ऽ।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा. आव-श्यके

,, ७ रवौ उषा. ल. अन्यगो. ६।१२ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

शु.२ भौमे रौहि ल. १०।१२ रे. ८ ऽ।।।।ऽ।।

,, ३ बुधे मृगे ल.१२ रे. ९ ।।।।ऽचो ।।।। घ. ५५।३२उ.

,, ६ चंद्रे मघा. ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽअऽ।ऽ गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः आवश्यके

,,११ गुरौ उफा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।ऽधुऽ।ऽ।। पादतो-वेधाऽभावः

,, ,, हस्ते ल. ६।१० रे. ६ऽऽ।ऽशु।।।।। पादतो वेधा भावःआवश्यके

,, १२ शुक्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. रे ६ ऽऽ।ऽशु।।।।। पादतो वेधाऽभावः आव.

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. १ भौमे अनु. ल. ६_रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

,, ५ शनौ उषा. ल. १२ (घ.५३।३८उ.)रे. ६ ।।।।ऽ अऽऽऽ। गणितनक्रांति साम्याऽभावः आवश्यके

,, १० गुरौ उ भा. ल. अन्यगो. ६।१० रे.७।।।।।ऽचोऽऽ।।

,, ११ शुक्रे रेवत्यां ल. अन्यगो. ६।१०रे. ८।।ऽशु।।।।ऽ।। शुक्रयुतिः

शु. ८ भौमे उफा. ल. १२ रे. ८।।।।ऽ।ऽ।।। चं. पूज्यः

,, ९ बुधे उफा. ल. गो.रे. ८ ।।।।ऽ।ऽ।।।

,, १३ चंद्रे अनु. ल. ६।१० रे. ८ ।।।ऽशु।।ऽ।। शुक्रस्य-पादवेधाऽभावः

,, १५ बुधे मुलें ल. १०।१२ रे. ७।।।।ऽ।ऽऽ।।

आषाढ मासः ।

कृ. ६ गुरौ रेवत्यां ल. अन्यगो. १०रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

शु. ६ भौमे उफा. ल. १०।१२।२ रे. ७।ऽ।।।।ऽऽ।। मीने चन्द्र ७ पू.

पौषमासः ।

कृ.१ शुक्रे मृगेल. ४रे. ७।ऽ।ऽ।।ऽ।। गुरु ८दोषः आवश्यके

,, ८ शुक्रे उफा, ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

माघ मासः ।

शु. ५शुक्रेउभा.ल.अन्यगो.सोग्रांगः८।९ रे.८।।।।।ऽरोऽ।।।

,, ६ शनौ रेव. ल.अन्यगो सोग्रांगः८।६ रे. ६।।।।।।।ऽ।।

,, ६ भौमे रोहि. ल. ८(घ.५०।७ उ.) रे. ७।।।ऽधु।।।ऽऽ।

फाल्गुन मासः ।

कृ. ३ बुधे उफा ल. ८।६ रे. ८ ।।।।ऽअ।ऽ।।

,, ४ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ६ ।।।।।।।ऽ।। हस्ते ल.८।६ रे.६।।।ऽगु. ऽ।ऽऽ।। पादवेधाद्गुरोर्वेधाऽभावः

,, ८ भौमे अनु. ल. अन्यगो. ९ रे.७ ऽ।।।।ऽरोऽ।।।

शु. २ गुरौ उभा. ल. ८।६ रे. ७ ।।ऽगु ।।।ऽऽ।।

चैत्र मासः

कृ. १ बुधे उफा ल. गो. ८ (घ. ४५।१८ या.) रे. ६ ।।।ऽगु ।।।।।। शुक्रस्यपांदवेधाद्वेधाऽभावः

,, ६ चंद्रे अनु. ल. अन्यगो. रे. ८ ऽऽ।।।।।।।

,, ७ भौमे अनु. ल. अन्यगो रे. ७ ऽऽ।।।।ऽचो ।।।।

,, ११ शनौउषा.ल.६घ.४८।६उ.रे.८।।।।।ऽअ.।ऽ।।

ति.	चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	ई.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेहर्गणः २१८४ स.१९९८
१	श	५०	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	संवत्सरारंभः शनिवासरे
२	र	४६	२९	रे	९	२५	ऐं	१६	५८	बा	२१	१७	३० ३७	५ ५३	६ ७	८	२९	२९	मे.९।२५	बुधास्तःपश्चिमायां२२।३४ चंद्रदर्शनम्×
३	चं	३७	४३	भ	५ ५	५४ ००	वै	६ ३२	५० ३९	तै	१२	११	४१	५२	८	९	१	३०	मेषे	मत्स्यज.गणगौरी.जिल्हेज १२ [× सिंधारा
४	मं	३०	२९	कृ	५१	२३	प्री	४९	१५	व	४	११	४५	५१	९	१०	२	३१	वृ.९।५५	भ. ४।११उ. ३०।२९ या. रेवत्यां रवि÷
५	बु	२४	४६	रो	४८	३७	आ	४२	५५	बा	२४	४६	४९	५०	१०	११	३	१	वृषे	अप्रेल ४ ता. ३०
६	गु	२०	५९	मृ	४७	३४	सा	३७	५१	तै	२०	५९	५३	४९	११	१२	४	२	मि.१८।५	[÷२१।४८(सौरः२६।६) कुंभेशुक्र१०।५७
७	शु	१८	५५	आ	४८	३७	शो	३४	२०	व	१८	५५	५७	४९	११	१३	५	३	मिथुने	भ. १८।५५ उ. ४८ ५७ या.पूभा.१गुरुः७।२३
८	श	१८	५९	पु	५१	१९	अ	३२	२६	ब	१८	५९	३१ १	४८	१२	१४	६	४	क. ३५ ३२	अश्वि. मेषे भौमः ४५।५६
९	र	२०	४२	पु	५५	३५	सु	३१	४३	कौ	२०	४२	५	४७	१३	१५	७	५	कर्के	रामनवमी
१०	चं	२३	५५	श्ले	६०	०	धृ	३२	३३	ग	२३	५५	८	४६	१४	१६	८	६	कर्के	भ. ५६।१२उ. शते शुक्रः ३९।२६
११	मं	२८	२९	श्ले	१	७	शू	३३	२९	वि	२८	२९	१२	४६	१४	१७	९	७	सिं.१।७	भ. २८।२९या. कामदा ११ व्र.
१२	बु	३३	४०	म	७	२९	गं	३५	२२	बा	१	४	१६	४५	१५	१८	१०	८	सिंहे	
१३	गु	३९	४८	पू	१४	३३	धृ	३७	३१	कौ	६	४४	१९	४४	१६	१९	११	९	कं.३१ ३५	प्रदोषः
१४	शु	४५	५४	उ	२२	२	ध्रु	३९	४१	ग	१२	५१	२३	४३	१७	२०	१२	१०	कन्यायां	भ. ४५।५४ उ.
१५	श	५२	६	ह	२९	२८	व्या	४१	५८	वि	१९	०	२६	४३	१७	२१	१३	११	कन्यायां	भ.१९।०या.हनुमज्जयंतीवैशाखस्नानारंभ

५१ पं.चै.शु.२र.इ.३९।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१०	९	११	४	११
१४	२५	२७	१८	२८	२७	१५	१४
५९	२३	३३	५७	२९	३२	१४	५६
१०	२४	१८	२२	३८	२८	६	५०
५९	४४	३१ २१	१३	५९	७	३	५९
१६	५२	व.	२	२५	१४	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं जो चना मूग मोठ आदि मोटे अनाजो में मंदी होवे। सोना चांदी धातु पाट वारदाना रुई में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

५२ पं.चै.शु ९ र इ.४०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	१०	१०	११	४	११
२१	०	२३	२०	५	२८	१४	२१
५३	४०	३९	३२	३८	२५	५१	५१
३१	८	१४	६	४२	३०	५०	०१
५९	४४	४४ ३३	१२	६१	७	३	५९
४	३१	व.	३७	५५	२०	११	४

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	ई.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५८	१५	चि	३६	५३	ह	४४	१४	बा	२६	१०	३१ ३०	५ ४२	६ १८	२२	१४	१२	तु. ३।११	
२	चं	६०	०	स्वा	४३	५८	व	४६	११	तै	३१	५	३४	४१	१९	२३	१५	१३	तुलायां	अश्वि. मेषेऽर्कः ५५।४८(सौरः५८।४०)
२	मं	३	५५	वि	५०	२८	सि	४७	२८	ग	३	५५	३८	४०	२०	२४	१६	१४	वृ. ३३ ५०	भ. ३६।१९ उ.
३	बु	८	४३	अ	५६	६	व्य	४८	१३	वि	८	४३	४२	४०	२०	२५	१७	१५	वृश्चिके	भ. ८।४३ या. चतुर्थी व्र.
४	गु	१२	४९	ज्ये	६०	०	व	४८	३	बा	१२	४९	४६	३९	२१	२६	१८	१६	वृश्चिके	वक्री उभा. बुधः १४।४४
५	शु	१५	४३	ज्ये	०	४४	प	४७	५	तै	१५	४३	५०	३८	२२	२७	१९	१७	ध. ०।४४	
६	श	१७	३४	मू	४	९	शि	४४	५७	व	१७	३४	५३	३७	२३	२८	२०	१८	धनुषि	भ. १७।३४उ. ४७।४०या. पूभा.२गुरुः×
७	र	१७	४६	पू	६	७	सि	४१	३२	ब	१७	४६	५७	३७	२३	२९	२१	१९	म. २१ १५	पूभा.शुक्रः११।१२
८	चं	१६	४०	उ	६	३८	सा	३६	५६	कौ	१६	४०	३२ १	३६	२४	३०	२२	२०	मकरे	[× ३३।३९अश्वि. १ मेषे शनिः ६।७
९	मं	१३	४०	श्र	५	२०	शु	३०	३५	ग	१३	४०	५	३५	२५	१	२३	२१	कुं. ३३ ५१	भ.४१।१३उ.भा.वैशाखारंभःपातस्पर्शः÷
१०	बु	८	४७	ध	२ २२	५५ ३३	शु	२३	१३	वि	८	४७	९	३४	२६	२	२४	२२	कुम्भे	भ. ८।४७या.मार्गी बुधः१२।६ भरण्यां+
११	गु	२	३५	पू	५१	५९	ब्र	१४	३०	बा	२	३५	१२	३४	२६	३	२५	२३	मी. ३८ २८	वरूथिनी ११ व्र. [+ भौमः ३८।५१
१२	गु	५२	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ २९।४३ पातमोक्षः ४६।३५
१३	शु	४६	२	उ	४५	११	ऐं	४ ५९	४९ ३३	ग	२०	२६	१६	३३	२७	४	२६	२४	मीने	भ. ४६।२ उ.रेवत्यां बुधः५७।३९प्रदोषः
१४	श	३६	२२	रे	३७	३४	वि	४३	५३	वि	११	१२	२०	३२	२८	५	२७	२५	मे.३७।३४	भ. ११।१२ या.
१५	र	२६	३७	अ	२९	५९	प्री	३२	५८	च	१	२९	२३	३१	२९	६	२८	२६	मेषे	

१पं.वै.कृ. २चं.इ. ५५।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१०	१०	११	४	११
०	६	१७	२२	१४	२९	१४	२९
०	५२	५८	१९	२०	२७	२५	५७
०	१९	३०	१२	४६	५०	४२	१२
५८	४४	३३ ५४	१२	६३	७	३	५८
४४	२२	व.	१४	५९	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे २ चन्द्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न.४ प्रौढावस्था (वैठी) मु. ४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

२ पं.वै.कृ ८चं.इ. ५६।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१०	१०	०	४	०
६	१२	१६	२३	२१	०	१४	६
५०	४	१८	४७	५४	२०	३	४७
४२	५	०	५३	५०	४६	२७	२३
५८	४४	५ २८	११	६५	७	३	५८
३१	१७	व.	५५	४४	२०	११	२९

÷ मं बु × के शु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) * के गु + के गु

ति.	वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेहर्गणः२२१३ सन् १९९८
१	चं	१७	५	भ	२२	३३	आ	२२	५२	ब	१७	५	३२/२७	५/३१	६/२९	७	२९	२७	बृ. ३५/५९	भरण्यां रविः३६।२ (सौरः४०।५)चं. द.
२	मं	८	२५	कृ	१६	१७	सौ	१३	३१	कौ	८	२५	३१	३०	३०	८	१	२८	बृषे	मीने शुक्रः १५।५७ बुधोदयःपूर्वस्यां ×
३	बु	१	४	रो	११	३२	शो	५/१०	५३/१८	ग	१	४	३४	२९	३१	९	२	२९	मि.४०।४	भ. २८।१८ उ. ५५।३३ या. अक्षया ३
४	बु	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[× ३३।४२परशुराम ज. मोहरमं १ ÷
५	गु	५१	५८	मृ	८	३७	सु	५३	२८	ब	२३	४५	३८	२८	३२	१०	३	३०	मिथुने	उदयं शने :४५।२७ [÷ सन् १४१९ हि.
६	शु	५०	३५	आ	७	३५	धृ	४९	१३	कौ	२१	१७	४१	२८	३२	११	४	१	क.५३।३४	उभा. शुक्रः १४।४४ मई ५ ता० ३१
७	श	५१	१७	पु	८	५३	शू	४८	२३	ग	२०	५६	४५	२७	३३	१२	५	२	कर्के	भ. ५१।१७ उ. पातस्पर्शः ५२।३२
८	र	५३	५०	पु	१२	१०	गं	४८	२९	वि	२२	३४	४८	२६	३४	१३	६	३	कर्के	भ. २२।३४ या. पातमोक्षः १८।४०
९	चं	५८	४	श्ले	१६	५३	वृ	४९	११	बा	२५	५७	५२	२६	३४	१४	७	४	सिं. १६/५३	मघा ४ राहुः शते. २ केतुः ३६।१०
१०	मं	६०	०	म	२२	५९	ध्रु	५०	५८	तै	३०	४४	५५	२५	३५	१५	८	५	सिंहे	पूभा. ३ गुरुः ३२।४३
१०	बु	३	२५	पू	३०	१८	व्या	५३	१८	ग	३	२५	५८	२४	३६	१६	९	६	कं. ४७।९	भ. ३६।३२ उ. [B भौमः ५३।५६
११	गु	९	४०	उ	३७	३७	ह	५५	४७	वि	९	४०	३३/२	२४	३६	१७	१०	७	कन्यायां	भ. ९।४० या. मोहिनी ११ व्र.
१२	शु	१५	५३	ह	४५	२८	व	५८	१३	बा	१५	५३	५	२३	३७	१८	११	८	कन्यायां	व्रदोषः [A मेषे बुधः ३०।३७ कृति. B
१३	श	२२	४	चि	५२	४१	सि	६०	०	तै	२२	४	८	२२	३८	१९	१२	९	तु. १९।४	नृसिंहजयंती [+ वै. स्ना. पूर्तिः
१४	र	२७	५३	स्वा	५९	३५	सि	०	१७	व	२७	५३	११	२२	३८	२०	१३	१०	तुलायां	भ. २७।५३ उ. ५९।५७ या. अश्वि. A
१५	चं	३२	१	वि	६०	०	व्य	२	२	ब	३२	१	१४	२१	३९	२१	१४	११	वृ.४९।१	कृत्ति. रविः २१।५८(सौरः२७।५७)+

३पं.वै.शु.१चं.इ.५६।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१०	१०	०	४	०
१३	१७	१८	२५	२९	१	१३	१३
३९	१३	२६	१२	३८	१३	४१	३५
४७	३०	२४	५०	६	४४	११	४८
५८	४४	२४/४३	११	६७	७	३	५८
१९	७	मा	८	६	१४	११	१२

४ पं.वै.शु.९ चं.इ.५६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१०	११	०	४	०
२०	२२	२३	२६	७	२	१३	२०
२७	२१	४६	३३	२७	५	१८	२२
२५	४	३०	४०	११	३१	५५	३१
५८	४३	५४	१०	६८	७	३	५७
६	३७	१९	३१	११	७	११	५७

५पं.वै.शु.१५चं.इ.५६।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	१०	११	०	४	०
२७	२७	१	२७	१५	२	१२	२७
१३	२५	४३	४९	२३	५६	५६	७
३७	३०	१६	५५	१७	३१	४०	४५
५७	४३	७५	९	६९	६	३	५७
५४	२६	२३	४८	२	५६	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	मं	३७	७	वि	५	३०	व	३	८	बा	४	३४	३३/१७	५/२१	६/३९	२२	१५	१२	वृश्चिके	[× ४९।१३ (यौरः ५५।४४)
२	बु	४०	२८	अ	१०	३२	प	३	२८	तै	८	४८	२०	२०	४०	२३	१६	१३	वृश्चिके	रेवत्यां शुक्रः ३।२८
३	गु	४२	४१	ज्ये	१४	४३	शि	३	१	व	११	३५	२३	१९	४१	२४	१७	१४	ध. १४/४३	भ. ११।३५ उ. ४२।४१ या.बृषेऽर्क ×
४	शु	४३	५०	मू	१७	५६	सि	१/५६	५७/५६	व	१३	१६	२६	१९	४१	२५	१८	१५	धनुषि	बृषे भौमः३२।१३अश्वि.२शनिः२७/१४च.व्र.
५	श	४३	५४	पू	२०	९	शु	५६	५४	कौ	१३	५२	२८	१८	४२	२६	१९	१६	म. ३५/२४	[+ पूभा.४मीने गुरुः१२।२सोमवती३० *
६	र	४२	५४	उ	२१	८	शु	५३	९	ग	१३	२४	३१	१८	४२	२७	२०	१७	मकरे	भ. ४२।५४ उ.
७	चं	४०	४६	श्र	२१	५	ब्र	४८	१८	वि	११	५०	३४	१७	४३	२८	२१	१८	कुं. ५०/२५	भ. ११।५० या [* वट्पूजनम्
८	मं	३७	१२	ध	१९	४४	ऐं	४२	३४	बा	८	५९	३७	१७	४३	२९	२२	१९	कुंभे	भरण्यां बुधः ५४।१६
९	बु	३२	४१	श	१७	४	वै	३५	३८	तै	४	५६	३९	१६	४४	३०	२३	२०	मी. ५९/१६	भ. ५९।३७ उ.
१०	गु	२६	३४	पू	१३	१९	वि	२७	५३	वि	२६	३४	४२	१६	४४	३१	२४	२१	मीने	भ. २६।३४ या.
११	शु	१९	४१	उ	८	२३	प्री	१९	१९	बा	१९	४१	४४	१५	४५	१	२५	२२	मीने	भा. ज्येष्ठारंभः अपरा ११ व्र.
१२	श	११	८	रे	२/३१	५३/४३	आ	१०	८	तै	११	८	४७	१५	४५	२	२६	२३	मे.२।३१	प्रदोषः
१३	र	३	१४	भ	४९	३४	सौ	०/२२	५०/११	व	३	१४	४९	१४	४६	३	२७	२४	मेषे	भ. ३।१४ उ. २८।४१ या. अश्वि. ÷
१४	र	५१	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ मेषे शुक्रः ४२।२१
३०	चं	४५	५९	कृ	४३	१४	अ	४१	५	च	२०	१३	५२	१४	४६	४	२८	२५	वृ. २।५९	रोहि. रविः१२।४७ (सौरः२१।५२)+

६ पं. ज्ये.कृ.७चं.इ.५६।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	१०	११	०	४	१
३	२	११	२९	२३	३	१२	३
५८	२७	४८	०	२३	४६	३४	५१
३७	२९	५४	५८	३८	१९	२४	२६
५७	४३	९५	९	६९	६	३	५७
४४	१६	२२	५	५३	३८	११	३४

गोचर ग्रहाः

ज्यष्ठकृष्णे ३ गुरौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रुययः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

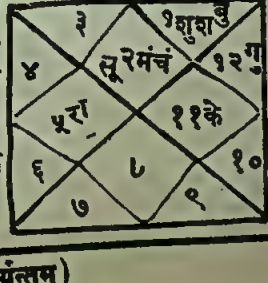

७पं.ज्ये.कृ.३०चं.इ.५७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	११	०	०	४	१
१०	७	२३	०	१	४	१२	१०
४२	२७	४५	६	२७	३३	१२	३३
२९	१४	३२	७	५०	२९	९	३९
५७	४३	[illegible]	८	७०	६	३	५७
३५	६		१९	३४	२६	११	२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* शु गु

ति.	ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २२४२स.१९९८
१	मं	३८	१६	रो	३७	४४	सु	३२	२२	किं	१२	८	३३/५४	५/१३	६/४७	५	२९	२६	वृषे	
२	बु	३१	५३	मृ	३३	४०	धृ	२४	४५	बा	५	५	५६	१३	४७	६	३०	२७	मि.५।४२	कृत्ति. बुधः ३०।८ चन्द्र दर्शनन्
३	गु	२७	७	आ	३१	५	शू	१८	२१	ग	२७	७	५८	१२	४८	७	१	२८	मिथुने	भ. ५५।४९ उ. सफर २
४	शु	२४	३२	पु	३०	२७	गं	१३	१८	वि	२४	३२	३४/००	१२	४८	८	२	२९	क.१५।३७	भ. २४।३२या. वृषे बुधः१६।४७रोहि.×
५	श	२३	५८	पु	३१	५६	वृ	१०	१४	बा	२३	५८	२	१२	४८	९	३	३०	कर्के	बुधस्तःपूर्वस्यां१७।३४ [× भौमः२०।१५
६	र	२५	२७	श्ले	३५	३५	ध्रु	८	१०	त	२५	२७	३	११	४९	१०	४	३१	सिं. ३५/३५	
७	चं	२८	५३	म	४०	५५	व्या	७	५६	व	२८	५३	५	११	४९	११	५	१	सिंहे	भ. २८।५३ उ. जून ६ ता. ३०
८	मं	३३	४१	पू	४७	४०	ह	९	२	वि	१	१७	७	११	४९	१२	६	२	सिंहे	भ. १।१७ या.
९	बु	३९	४१	उ	५४	५३	व	११	७	बा	६	४१	९	१०	५०	१३	७	३	कं ४।२८	रोहि. बुधः ११।५२
१०	गु	४५	४४	ह	६०	०	सि	१३	२५	तै	१२	४३	१०	१०	५०	१४	८	४	कन्यायां	गंगादशमी
११	शु	५२	५५	ह	२	२९	व्य	१६	२	व	१८	५०	१२	१०	५०	१५	९	५	तु. ३६।८	भ. १८।५० उ. ५१।५५ या. भरण्यां ÷
१२	श	५७	३८	चि	९	४७	व	१८	२५	ब	२४	४७	१३	९	५१	१६	१०	६	तुलायां	[÷ शुक्रः ६।१४ निर्जला ११ व्र.
१३	र	६०	०	स्वा	१६	४६	प	२०	९	कौ	३०	५	१५	९	५१	१७	११	७	तुलायां	प्रदोषः
१३	चं	२	३२	वि	२२	३७	शि	२१	०	तै	२	३२	१६	९	५१	१८	१२	८	वृ. ६।८	मृगे रविः ७।४०(सौरः २०।४२)
१४	मं	६	०	अ	२७	१६	सि	२१	०	व	६	०	१७	९	५१	१९	१३	९	वृश्चिके	भ. ६।० उ. ३७।१६ या. मृगे बुधः २१/४६
१५	बु	८	३१	ज्ये	३०	५८	सा	२०	१६	व	८	३१	१८	८	५२	२०	१४	१०	ध.३०।५८	गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

८पं.ज्ये. शु.७चं.इ. ५७।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	११	०	०	४	१
१७	१२	७	१	९	५	११	१७
२५	२४	२४	५	३५	१८	४९	१४
१९	३२	३२	२	३८	४०	५३	४३
५७	४२	[illegible]	७	७१	६	३	५७
२७	४६	[illegible]	१२	११	७	११	१३

गोचर ग्रहाः

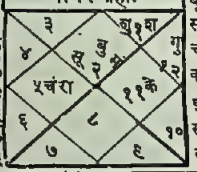

वृष राशौ यदा भौमः सर्व धान्य महर्घता। चन्दनं कुकुमं वस्त्रं कार्पासादि महर्घता॥ इस सास में चांदी सोना तिल पाट मन्दे व घृत तेज हो।

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.शु१३ चं.इ. ५७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	११	०	०	४	१
२४	१७	२२	१	१७	६	११	२३
७	१८	२७	५७	४७	१	२७	५४
१९	५८	१४	२२	२	२३	३७	३९
५७	४२	[illegible]	६	७१	५	३	५७
२२	२०	[illegible]	१७	३८	४६	११	०५

ति.	आषाढ कृष्ण पक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेत्ति महा.
१	गु	९	३६	मू	३३	१०	शु	१८	२५	कौ	९	३६	३४/१९	५/८	६/५२	२१	१५	११	धनुषि	
२	शु	९	४०	पू	३४	२०	शु	१५	३९	ग	९	४०	१९	८	५२	२२	१६	१२	म. ४९/२६	भ. ३९।२ उ. मिथुने बुधः २८।२९
३	श	८	२४	उ	३४	४४	ब्र	१२	१५	वि	८	२४	२०	८	५२	२३	१७	१३	मकरे	भ. ८।२४ या. चतुर्थी व्र.
४	र	६	२७	श्र	३४	१९	ऐं	८	१	बा	६	२७	२१	८	५२	२४	१८	१४	मकरे	(× बुधः ३।३५ अश्वि. ३शनिः४२।३८
५	चं	३	४७	ध	३३	१	वै	४/१२	५४/२६	तै	३	४७	२१	८	५२	२५	१९	१५	कुं.३।१७	मिथुनेऽर्कः६।१४ सौरः२१।३०) आर्द्रा.×
६	मं	०	१६	श	३१	३	प्री	५२	४७	व	०	१६	२२	८	५२	२६	२०	१६	कुंभे	भ.०।१६उ.२८।१०या.कृत्ति.शुक्र२९।२३
७	मं	५५	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	बु	५१	२०	पू	२८	३१	आ	४६	९	बा	२३	४२	२२	८	५२	२७	२१	१७	मी. १४।९	मृगे भौमः ३४।५९
९	गु	४५	५०	उ	२४	९	सौ	३९	७	तै	१८	३५	२३	७	५३	२८	२२	१८	मीने	
१०	शु	३९	४९	रे	२१	८	शो	३१	३१	व	१२	५०	२३	७	५३	२९	२३	१९	मे.२१।८	भ. १२।५०उ. ३९।४९या.वृषे शुक्रः १५/५८
११	श	३३	१०	अ	१६	४८	अ	२३	३३	ब	६	२९	२३	७	५३	३०	२४	२०	मेषे	योगिनी ११ व्र.
१२	र	२६	१७	भ	११	५६	सु	१५	१४	तै	२६	१७	२४	७	५३	३१	२५	२१	वृ. २५/५६	पुनः बुधः५३।५४बुधोदयःपश्चिमायां २२/५४
१३	चं	१९	१६	कृ	७	५६	धृ	७/२	५२/२	व	१९	१६	२४	७	५३	१	२६	२२	वृषे	भ. १९।१६ उ.४५।५४या.आर्द्रा रविः ÷
१४	मं	१२	३२	रो	२/२८	५६/८	गं	५१	४७	श	१२	३२	२४	७	५३	२	२७	२३	मि. ३०/३२	[÷ ५।९ (सौरः२३।५) उभा. १ गुरुः +
१५	बु	६	५०	आ	५४	६	वृ	४५	७	ना	६	५०	२४	७	५३	३	२८	२४	मिथुने	[+ ७।५३ भा. आषाढारंभः प्रदोषः

१०पं.आ.कृ.५ चं.इ. ५७।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	११	०	०	४	२
०	२२	७	२	२६	६	११	०
४८	११	५३	४२	१	४१	५	३३
३६	१३	९	१४	१६	१७	२२	४८
५७	४२	[illegible]	५	७२	५	३	५६
१७	१०	[illegible]	१०	२	१९	११	५७

गोचर ग्रहाः

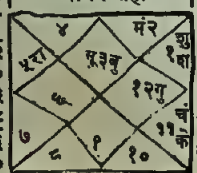

आषाढ कृष्णे ५ चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५म.५प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

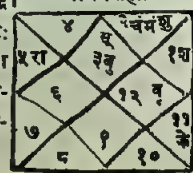

११पं.आ.कृ.१३चं.इ.५७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	११	१	०	४	२
७	२७	२२	३	४	७	१०	७
२९	१	२	१९	१७	१७	४३	१२
३१	१२	४९	१६	४२	५६	६	१५
५७	४२	[illegible]	४	७२	४	३	५६
१३	००	[illegible]	४	२५	५३	११	५४

ति.	आषाढ शुक्ल			पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेहर्गणः २२७२ सन् १९९८
१	गु	२ ५६	पु	५४	२५	ध्रु	३९	४३	ब	२	७	३४	५ ६	४	२९	२५	कं. ३९ ३५	चन्द्र दर्शनम् रथयात्रा
२	शु	५७ ५३	पु	५४	५५	व्या	३५	४४	तै	२८	२८	२३	७ ५३	५	१	२६	कर्क	रविलावल ३
३	श	५८ ५७	श्ले	५७	१६	ह	३३	७	व	२८	२०	२३	७ ५३	६	२	२७	सिं. ५७ १६	भ. २८।२० उ.५८।४७ या. कर्के बुधः ×
४	र	६० ०	म	६०	०	व	३२	१८	ब	२९	५८	२२	८ ५२	७	३	२८	सिंहे	[× १५।४१ रोहि. शुक्रः ४७ ४३ मिथुने ÷
५	चं	१ १०	म	१	३२	सि	३२	३५	बा	१	१०	२२	८ ५२	८	४	२९	सिंहे	पुष्ये बुधः २।० +भौमः २०।३९
६	मं	५ २०	पू	७	१७	व्य	३४	४४	तै	५	२०	२१	८ ५२	९	५	३०	क.२४।१	
७	बु	१० ४३	उ	१४	८	व	३६	४६	व	१०	४३	२०	८ ५२	१०	६	१	कन्यायां	भ. १०।४३ उ. ४४।१६ या. +
८	गु	१७ ४९	ह	२१	१५	प	३८	३२	ब	१७	४९	१९	८ ५२	११	७	२	तु.५५।८	[+ जोलाई ७ ता. ३१
९	शु	२२ ५५	चि	२९	१	शि	४०	५५	कौ	२२	५५	१८	८ ५२	१२	८	३	तुलायां	[A ३ राहुः शत. १ केतुः ३०।१२
१०	श	२८ ५२	स्वा	३६	८	सि	४३	०	ग	२८	५२	१७	९ ५१	१३	९	४	तुलायां	[B वायुपरीक्षा गुरु १५ व्यास पूजा
११	र	३३ ३८	वि	४२	२०	सा	४४	११	व	१	१५	१६	९ ५१	१४	१०	५	वृ. २५ ४७	भ. १।१५ उ.३३ ३८ या. देवशयनी ११ ब्र.
१२	चं	३७ १	अ	४७	७	शु	४४	२३	ब	५	१९	१५	९ ५१	१५	११	६	वृश्चिके	पुन. रविः ३।३९(सौरः २७।५) मघा A
१३	मं	३९ ११	ज्ये	५०	२६	शु	४३	२३	कौ	८	६	१४	९ ५१	१६	१२	७	ध. ५० २६	आश्ले. बुधः ५७ ४२ आर्द्रा.भौमः ५ ११ प्रदोषः
१४	बु	३९ २६	मू	५२	१३	ब्र	४०	३	ग	९	१९	१३	९ ५१	१७	१३	८	धनुषि	भ. ३९।२६ उ.
३०	गु	३८ २३	पू	५२	३१	ऐं	३७	५०	वि	८	५५	११	१० ५०	१८	१४	९	धनुषि	भ. ८।५५ या. मृगे शुक्रः ४४।१३ B

१२ पं.आ.शु.५चं.इ. ५७।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	११	१	०	४	२
१४	१	४	३	१२	७	१०	१३
९	४८	३३	४७	३६	५१	२०	५०
५८	५०	६	३८	४७	२२	५१	२०
५७	४१	०	२	७२	४	३	५६
७	४६	४५	५८	४६	२६	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में गुड सक्कर जो चना गेहूं चावल घृत में मन्दी होकर तेजी होगी कही २ अच्छी वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

१३पं.आ.शु.१२चं.इ. ५६ ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	११	१	०	४	२
२०	६	१५	४	२०	८	९	२०
५०	३४	१५	७	५७	२०	५८	२८
२४	१६	४०	४१	१४	२	३५	१४
५७	४१	८३	१	७३	३	३	५६
७	३४	१४	३३	१	४६	११	५०

ति.	श्रावण कृष्ण			पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३५ ४९	उ	५१	५७	वै	३३	२०	बा	७	७	३४ १०	५ १०	६ ५०	१९	१५	१०	म. ७।२१	[÷ सिंहे बुधः १४।१ आर्द्रा. शुक्रः२।४२
२	श	३२ २३	श्र	५०	३	वि	२८	४	तै	४	६	८	१०	५०	२०	१६	११	मकरे	
३	र	२८ ४	ध	५७	२८	प्री	२२	१३	व	०	१३	७	११	४९	२१	१७	१२	कुं. १८ ४६	भ. ०।१३ उ. २८।४ या. चतुर्थी ब्र.
४	चं	२३ १०	श	४४	२६	आ	१५	४८	बा	२३	१०	५	११	४९	२२	१८	१३	कुम्भे	
५	मं	१८ ८	पू	४१	२०	सौ	९	४	तै	१८	८	३	११	४९	२३	१९	१४	मी.२७।७	मिथुने शुक्रः २८।३१ नाग ५ मरुस्थले
६	बु	१२ ५४	उ	३८	८	शो	२ १६	५३ १३	व	१२	५४	१	१२	४८	२४	२०	१५	मीने	भ. १२।५४ उ. ४०।१७ या.
७	गु	७ ४०	रे	३४	४९	सु	४८	३१	ब	७	४०	३३ ५९	१२	४८	२५	२१	१६	मे.३४।४९	कर्केऽर्कः ३३।५(सौरः ५९।४९)वक्री ×
८	शु	२ २०	अ	३१	३५	धृ	४१	३७	कौ	२	२०	५७	१३	४७	२६	२२	१७	मेषे	[× गुरुः १६।४६ उदयी भौमः ५३।४०
९	शु	५४ ४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	श	५१ ४०	भ	२८	१०	शू	३४	३२	व	२४	२१	५५	१३	४७	२७	२३	१८	वृ. ४२ २२	भ. २३।२१ उ. ५१।४० या.
११	र	४६ २७	कृ	२४	५८	गं	२७	४४	ब	१९	३	५२	१४	४६	२८	२४	१९	वृषे	कामिका ११ ब्र.
१२	चं	४१ ३६	रो	२१	५६	वृ	२१	५	कौ	१४	१	५०	१४	४६	२९	२५	२०	मि. ५० ३७	पुष्ये रविः२।४३(सौरः ३०।३०)मघा.÷
१३	मं	३७ २६	मृ	१९	१७	ध्रु	१५	०	ग	९	३१	४८	१४	४६	३०	२६	२१	मिथुने	भ. ३७।२६ उ. प्रदोषः
१४	बु	३३ ५१	आ	१७	२९	व्या	९	१६	वि	५	३८	४५	१५	४५	३१	२७	२२	मिथुने	भ. ५।३८ या.
३०	गु	३१ ३५	पु	१६	४४	ह	४	२५	च	२	४३	४३	१५	४५	१	२८	२३	क. १।५५	भा. श्रावणारंभः हरियाली ३०

१४ पं. श्रा.कृ.४ चं.इ. ५६ ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	११	१	०	४	२
२७	११	२४	४	२९	८	९	२७
३०	१७	०	१७	२१	४५	३६	०६
४३	२०	७	५३	११	७	१९	२१
५७	४१	६१	०	७३	३	३	५६
११	२३	१३	२६	१९	१५	११	५४

गोचर ग्रहाः

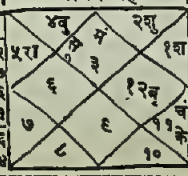

श्रवण कृष्णे ७ गुरौ कर्केऽर्कः प्रविष्ट :वा. ४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी)मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१५ पं.श्रा.कृ. १२चं.इ. ५६ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	११	२	०	४	३
४	१५	०	४	७	९	९	३
११	५८	२५	१९	४६	५	१४	४४
२८	१	१६	१	१	४९	४	४८
५७	४०	३५	५० ४२	७३	२	३	५६
१५	५७	३४	३३	२६	३१	११	५८

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०	वि.	उ.	ग्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३०१सन् १९९८
१	शु ३०।४६ पु १७।२५ व २८।५६	कि	१।१२	३३	५	६	३	२९	२४
२	श ३१।२८ श्ले १९।२० व्य ५६।३०	बा	१ ८	३८	१६	४४	३	३०	२५
३	र ३३।५५ म २२।५७ व ५५।५८	ते	२।४१	३५	१७	४३	४	१	२६
४	चं ३८।२८ पू २७।४९ प ५६।३८	व	६।१६	३३	१७	४३	५	२	२७
५	मं ४२।४८ उ ३४।२० शि ५८।२२	ब	१०।४३	३०	१८	४२	६	३	२८
६	बु ४८।३५ ह ४१।१४ सि ६०। ०	कौ	१५।४२	२७	१९	४१	७	४	२९
७	गु ५४।४३ चि ४८।५४ सि ०।५०	ग	२१।३९	२४	१९	४१	८	५	३०
८	शु ६०। ० स्वा ५६।२० सा ३।२३	वि	२७।४७	२२	२०	४०	९	६	३१
८	श ०।५१ वि ६०। ० शु ५।३९	ब	०।५१	१९	२०	४०	१०	७	१
९	र ६। ४ वि ३।१२ शु ७।२९	कौ	६। ४	१६	२१	३९	११	८	२
१०	चं ९।४९ अ ८।२९ ब ८।१४	ग	९।४९	१३	२१	३९	१२	९	३
११	मं १२।१९ ज्ये १२।३८ ऐं ७।५०	वि	१२।१९	१०	२२	३८	१३	१०	४
१२	बु १२।३७ मू १४।५१ वै ६। १	बा	१२।३७	७	२३	३७	१४	११	५
१३	गु ११।१३ पू १५।१६ वि ३।५४	ते	११।१३	४	२३	३७	१५	१२	६
१४	शु ७।५८ उ १३।५३ आ ५१।५८	व	७।५८	०	२४	३६	१६	१३	७
१५	श ३।१६ श्र ११। ६ सौ ४५। ०	ब	३।१६	३३	२५	३५	१७	१४	८

१६पं.श्रा.शु. ४ चं. इ. ५६	गोचर ग्रहाः	इस मास में मिथुन का शुक्र सोना चांदी आदि धातु रुई पाट बारदाने में तेजी करेगा चावल गेहूं मूंग मोठमें मंदी होकर तेजी हो।	गोचर ग्रहाः	१७ पं.श्रा.शु. १० च.इ. ५६
र मं बु गु शु श रा र	बुरा ३मंशु ६चं ४सू २ ७ १श ८ १०सौ १२बृ के११		राबु शु३मं ६ ४ २ ७ १श ८चं १० १२बृ ९ के११	र मं बु गु शु श रा र
३ २ ४।११ २ ० ४ ३				३ २ ४।११ २ ० ४ ३
१०।२० ३ ४।१६ ९ ८।१०				१७।२५ ३ ३।२४ ९ ८।१७
५२।३६ ५५।१० १२।२१ ५१।२४				३४।१३ ५५।५२ १२।३२ २९।०३
३०।११ ४८।२३ २९।५८ ४८।०५				१२।३४ ३६।५५ ११।२० ३३।५३
५७।४० ५।१६ ०३ १ ३।५७				५७।४० २९।१८ ३४।७३ १ ३।५७
२०।५६ ५०व. ४४।५२ ११।०५				२५।२० व. व. ५०।१३ ११।१२

ति.	भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०	वि.	उ.	ग्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श ५४।२१ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०	[÷ पुष्ये भौमः २५।२९ गोगा ९
२	र ५०।५४ ध ७।१७ शो ३७।१२ ते	२४	१६	३३	२५	३५	१८	१५	६ कुम्भे वक्री पूभा. ४ गुरुः ३०।२०
३	चं ४४। ६ श ३।५५ अ २९। ४ व	१७	३०	५०	२६	३४	१९	१६	१० मी.४४।५
४	मं ३७।१२ उ ५३। ४ सु २०।५० ब	१०	३९	४७	२७	३३	२०	१७	११ मीने पुष्ये शुक्रः १।४७ कर्के भौमः३५ चन्द्र ब.
५	बु ३०।३८ रे ४८।३५ धृ १२।४५ कौ	३४	३	४४	२७	३३	२१	१८	१२ मे.४८।३५ चन्द्रषष्टी[× अश्लि. कर्के बुधः ३४।४१
६	गु २४।३२ अ ४४।३८ श्र ५२।३३ व	२४	३२	४०	२८	३२	२२	१९	१३ मेषे श. २४।३२ उ. ५१।४९ या.
७	शु १९। ६ भ ४१।१८ वृ ५०।२३ व	१९	६	३७	२९	३१	२३	२०	१४ वृ.५५।३५ जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	श १४।१२ कृ ३८।२८ मृ ४३।५८ कौ	१४	१२	३३	२९	३१	२४	२१	१५ वृषे वक्री शनिः३३।४ जन्माष्टमी वै.
९	र ९।५० रो ३६।२८ व्या ३८। ३ ग	९	५०	३०	३०	३०	२५	२२	१६ वृषे श. ३८।५ उ. मघा सिंहेऽर्कः ५३।४६ ÷
१०	चं ६।२० मृ ३५। ६ ह ३२।५२ चि	६	२०	२६	३१	२९	२६	२३	१७ मि. ५।४७ भ.६।२०या. मघा सिंहेऽर्कसौरः २७।४२
११	मं ३।३४ आ ३४।३१ व २८। ८ बा	३	३४	२२	३२	२८	२७	२४	१८ मिथुने अजा ११ व्र.
१२	बु १।४० पु ३४।४४ सि २४।१५ ते	१	४०	१९	३२	२८	२८	२५	१९ कं.१९।४१ वत्स द्वादशी. प्रदोषः
१३	गु ०।५० पु ३६।१३ व्य २१।१३ व	०	५०	१५	३३	२७	२९	२६	२० कर्के भ. ०।५० उ. ३०।५७ या.
१४	शु १। ४ श्ले ३८।४६ व १७।५८ श	१	४	१२	३४	२६	३०	२७	२१ सिं.३ आश्ले. शुक्रः ५७।७
३०	श २।३३ म ४२।३१ प १८। १ ना	२	३३	८	३४	२६	३१	२८	२२ सिंहे दधोनयः पूर्वस्यां २।२९ कुशग्रहणी

१८पं. भा. कृ. ३ चं. इ. ५६	गोचर ग्रहाः	भाद्रपद कृष्णे ९ रवौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा ४न.६ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३।०ह न्यादि भावे समताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्	गोचर ग्रहाः	१९ पं.भा.कृ.१० चं.इ. ५६
र मं बु गु शु श रा र	५रा ३म ६ शु बुसू २ ७ १श ८ १०सौ १२बृ ९ ११के		६ धबुकं ७ राचं५ ८ २ ९ के११ १श १० बृ१२	र मं बु गु शु श रा र
३ २ ३।११ ३ ० ४ ३				४ ३ ३।११ ३ ० ४ ४
२४।२९ २९ ३ ३ ९ ८।२३				० ४।२४ २।११ ९ ७ ०
१६।५७ ४१ २६।१३ ३८ ७।५५				५९।२० ८।५१ ६।२६ ७ १।१३
३७।२४ १७ ३५।१० ३५ १७।००				५३।२८ ६।१८ २६ ७ १।१३
५७।४० ५३ ३४ ७३ ० ३।५७				५७।४० ४५ ४४ ७४ १० ३।५७
३२।१४ व. व.५६।२१ ११।२२				४०। ३ व. व. २ व ११।३४

ति.	भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरहतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३३१ स.१९९८
१	र ५।२३ पू ४७।२५ शि १७।२० ब ५।२३	३२	५	६	१	२९	२३	सिंहे	चंद्रदर्शनं संभवःभा भाद्रपदारंभः
२	चं ९।१६ उ ५३।२४ सि १८। ५ को ९।१६	१	३६	२४	२	१	२४	कं३।५७	मार्गी बुधः७।४१ जमादिलावल५
३	मं १४।२९ ह ६०। ० सा १९।३८ ग १४।२९	३१	३७	२३	३	२	२५	कन्यायां	भ.४७।५१उ. हरितालिका३
४	बु २०।१३ ह ०।२४ शु २१।२३ वि २०।१३	५३	३७	२३	४	३	२६	तु.३४।६	भ.२१।१३या. गणेशचतुर्थी
५	गु २६।२९ चि ७।४९ शु २३।५३ बा २६।२९	४९	३८	२२	५	४	२७	तुलायां	ऋषिपंचमी
६	शु ३२।४७ स्वा १५।३२ ब्र २६।३३ तै ३२।४७	४६	३९	२१	६	५	२८	तुलायां	
७	श ३८।३२ वि २२।४१ ऐं २८।५० ग ५।४०	४२	४०	२०	७	६	२९	वृ५।५४	भ.३८।३२उ.
८	र ४३। ३ अ २९।१७ वै ३०।२१ वि १०।४८	३८	४०	२०	८	७	३०	वृश्चिके	भ.१०।४८या.पूफा.रविः४३।२२
९	चं ४६।२८ ज्ये ३४।२९ वि ३०।५६ बा १४।४६	३४	४१	१९	९	८	३१	व.३४।२९	पूफा.रविःसौर१८।३३
१०	मं ४७।४३ मू ३७।४९ प्री ३०। ५ तै १७। ५	३०	४२	१८	१०	९	१	धनुषि	मघा.सिंहे शुक्रः४६।३० सितम्बर९ता.३०
११	बु ४७। ३ पू ३९।४४ आ २८।५० ब १७।२३	२६	४३	१७	११	१०	२	म.५४।३२	भ.१७।२३उ.४७।३या.जलझूलनी११ब्र
१२	गु ४४।१० उ ३८।५७ सौ २३।५३ ब १५।३७	२२	४४	१६	१२	११	३	मकरे	वामन जयंती. हरिवासराऽभावः
१३	शु ३९।२९ श्र ३६।२५ शो १८।२२ को ११।४९	१८	४४	१६	१३	१२	४	मकरे	मघायां सिंहे बुधः२८।५प्रदोषः
१४	श ३३।१० ध २२।२५ अ ११।२४ ग ६।१९	१५	४५	१५	१४	१३	५	कुं.४।२५	भ.३३।१०उ.५९।२१या.अनंत१४
१५	र २५।३२ श २६।५३ सु ५३।५९ ब २५।३२	११	४६	१४	१५	१४	६	कुंभे	आश्ले.भौमः१५।५६महालयश्राद्धारंभः

२०पं.भा.शु.२चं.इ.५५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	११	३	०	४	४
७	८	२२	२	२०	९	७	७
४४	४९	१५	८	२०	३५	२३	१०
२०	४८	१८	२५	५३	३८	४६	४३
५७	३९	६	३	३४	५९	३	५७
४९	४६	मा	व.	८	ब.	११	४५

गोचर ग्रहाः

इसमास में ५शनिवार ५रविवार अशुभ है धान्य धातुरुई पाट रस तेजहो।वर्षा कहीं कम कहीं अधिक होगी।

गोचर ग्रहाः

२१पं.भा.शु.९चं.इ.५५।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	११	३	०	४	४
१४	१३	२५	१	२८	९	७	१३
३०	१७	२२	१९	५७	२५	०	५५
०	३८	५९	५५	११	२३	३०	५५
५८	३९	६७	५	७४	४३	३	५७
१	४६	२७	ब.	१६	व.	११	५७

ति.	अश्विन कृष्णपक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरहतू रविर्दक्षिणेभाद्र.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	चं १७। ८ पू २०।४३ शु ४५। ६ को १७। ८	३१	५४	७	१६	१५	७	मी.७।१६	मघा.२राहुःधनिष्ठा.४केतुः२२।३७
२	मं ८।३२ उ १३।५६ गं ३५। ७ ग ८।३२	३	४७	१३	१७	१६	८	मीने	भ.३४।१५उ.५९।५८या.
३	मं ५१।२६ । ० । ० । ०

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३६०सन् १९९८
१	चं	४५	३१	उ	१०	४७	शु	३७	२८	किं	१२	४९	३० ५	५ ५८	६ २	३०	२९	२१	कन्यायां	कन्यायां बुधः ११ नवरात्रा.मातामह श्राः
२	मं	५१	३०	ह	१७	३१	ब्र	३९	२८	बा	१८	३१	५	५९	१	३१	३०	२२	तु.५१।१५	चन्द्र दर्शनम्
३	बु	५७	४८	चि	२४	५९	ऐं	४१	४५	तै	२४	३९	३० ००	६ ००	६ ००	१	१	२३	तुलायां	उफा.शुक्रः१८।७भा. आश्विनारभः+
४	गु	६०	०	स्वा	३२	३५	वै	४४	७	व	३०	३	२९ ५६	६ १	५ ५९	२	२	२४	तुलायां	भ.३०।३उ. [+जमादिलाखर ६
४	शु	३	१८	वि	४०	११	वि	४६	२८	वि	३	१८	५२	२	५८	३	३	२५	वृ.२३।१७	भ.३।१८या.कन्यायां शुक्रः५७।१२
५	श	१०	१८	अ	४७	१६	प्री	४८	३८	बा	१०	१८	४८	२	५८	४	४	२६	वृश्चिके	हस्ते बुधः३२।३३ [×भौमः ३६।४६
६	र	१५	१७	ज्ये	५३	२६	आ	४९	५३	तै	१५	१७	४४	३	५७	५	५	२७	ध.५३।२६	हस्ते रविः६।१७(सौरः ४३/५४)मघा.सिंहे×
७	चं	१९	३०	मू	५८	७	सौ	५०	१४	व	१९	३०	४०	४	५६	६	६	२८	धनुषि	भ.१९।३०उ.५०/४५या.सरस्वत्यावाहनम्
८	मं	२१	५९	पू	६०	०	शो	४९	१०	ब	२१	५९	३६	५	५५	७	७	२९	धनुषि	सरस्वतीपूजनम्
९	बु	२२	३७	पू	१	१६	अ	४६	४०	कौ	२२	३७	३२	६	५४	८	८	३०	म.१६।३४	[÷नम् अक्टूबर१०ता.३१
१०	गु	२१	१३	उ	२	२७	सु	४२	३७	ग	२१	१३	२८	६	५४	९	९	१	मकरे	भ.४९/५२ उ.विजया१०सरस्वती विसर्ज -÷
११	शु	१७	४०	श्र	४३ १	५७ १०	धृ	३६	४४	वि	१७	४०	२३	७	५३	१०	१०	२	कुं.३०।१७	भ.१७/४०या.पापांकुशा ११व्र.
१२	श	१२	१०	श	५४	२	शू	२९	२९	बा	१२	१०	१९	८	५२	११	११	३	कुंभे	हस्ते शुक्रः५८।५० प्रदोषः
१३	र	४	५९	पू	४७	५४	गं	२१	४१	तै	४	५९	१५	९	५१	१२	१२	४	मी३४।२६	भ.५६।२८उ.चित्रा.बुधः १२।५८
१४	र	५१	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	चं	४७	७	उ	४०	४५	वृ	१०	५८	वि	२१	४७	११	१०	५०	१३	१३	५	मीने	भ.२१।४७या.शरद् १५ कोजागरी व्र.

२४पं.आ.शु.१चं.इ.५५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१०	४	०	४	५
४	२६	१	२८	२४	८	५	४
५५	३०	२५	३६	५७	२९	५३	२१
१६	५०	२६	४३	१४	२०	४३	०२
५८	३८	१० ५६	५ ५२	७४	३ ३३	३	५८
३८	५४	३६	व.	२६	व.	११	४५

२५पं.आ.शु.७चं.इ.५५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	१०	५	०	४	५
११	०	१४	२७	३	८	५	११
४६	५०	१७	४३	४०	३	३१	१३
५२	५७	५३	१९	८	३२	२८	०३
५८	३८	१० ३२	७ ३२	७४	३ ५५	३	५९
५३	४४	३४	व.	३२	व.	११	००

२६पं.आ.शु.१५चं.इ.५५।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	१०	५	०	४	५
१८	५	२६	२६	१२	७	५	१८
४०	८	१६	५२	२४	३३	९	०६
८	३१	१२	३०	१८	७	१२	५०
५९	३८	१० ९	६ ४९	७४	४ १०	३	५९
९	२१	३७	व.	३२	व.	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३७	२१	रे	३३	१२	ध्रु	० ३१	४९ १०	बा	१२	१४	२९ ७	६ ११	५ ४९	१४	१४	६	मे.३३।१२	[×पूर्वस्याम् ५३।२४करक चतुर्थी व्र.
२	बु	२७	५०	अ	२५	३१	ह	३८	४८	तै	२	३५	३	११	४९	१५	१५	७	मेषे	भ.५३।१९उ.वक्रीपूभा.२गुरुः४५।१
३	गु	१८	४९	भ	१८	२६	व	२८	२६	वि	१८	४९	२८ ५९	१२	४८	१६	१६	८	वृ.३१।५२	भ.१८/४९या.तुलायां बुधः४।३६ शुक्रास्तः×
४	शु	१०	५६	कृ	१२	११	सि	१९	४	बा	१०	५६	५५	१३	४७	१७	१७	९	वृषे	[+अश्वि.२शनिः२६।७ प्रदोषः धन १३
५ ६	श	५५ ४	२७ १४	रो	७	२९	व्य	११	३९	तै	४	२७	५१	१४	४६	१८	१८	१०	मि. ३५/५३	भ.५९।४१उ.चित्रा.रविः३८।१९
७	र	५६	४३	मृ	४	१८	व	३ ३५	५४ १८	वि	२८	१२	४७	१५	४५	१९	१९	११	मिथुने	भ.२८।१२या.चित्रा.रविःसौरः११।२८
८	चं	५५	२८	आ	२	५८	शि	५३	३५	बा	२६	५	४३	१५	४५	२०	२०	१२	क. ४८/१०	स्वात्यां बुधः २१।३७
९	मं	५५	५०	पु	३	१३	सि	५०	३८	तै	२५	९	३९	१६	४४	२१	२१	१३	कर्के	[÷३९।४७बुधोदयः पश्चिमायां १९।४०
१०	बु	५७	५३	पु	५	१९	सा	४९	७	व	२६	५२	३५	१७	४३	२२	२२	१४	कर्के	भ.२६।५२उ.५७।५३या.चित्रायाशुक्रः÷
११	गु	६०	०	श्ले	८	४५	शु	४८	३५	ब	२९	३४	३१	१८	४२	२३	२३	१५	सिं. ८।४५	रमा ११ व्र. स्मा.
११	शु	१	१५	म	१३	३९	शु	४९	१०	बा	१	१५	२७	१९	४१	२४	२४	१६	सिंहे	रमा ११ व्र. वै.
१२	श	५	४६	पू	१९	२९	ब्र	५०	१८	तै	५	४६	२३	१९	४१	२५	२५	१७	कं ३६।८	तुलायामर्कः२२।८(सौरः ५४/१२)वक्री +
१३	र	११	४	उ	२६	८	ऐं	५२	१	व	११	४	२०	२०	४०	२६	२६	१८	कन्यायां	भ.११।४उ.४३।५९ या. रूप १४
१४	चं	१६	५३	ह	३३	१०	वै	५२	५६	श	१६	५३	१६	२१	३९	२७	२७	१९	कंन्यायां	तुलायांशुक्रः५८/५४पूफाभौमः ५८/२६महालक्ष्मीपू.
३०	मं	२३	१४	चि	४०	३९	वि	५६	१९	ना	२३	१४	१२	२२	३८	२८	२८	२०	तु. ६।५४	विशा.बुधः ५४/४१अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा

२७पं.का.कृ.८चं.इ.५४।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	१०	५	०	४	५
२५	९	७	२६	२१	७	४	२५
३५	२४	३५	८	९	१	४६	०२
२	२९	१०	६	३६	२३	५७	३२
५९	३८	९९	६ ५	७४	३ ४	२	५९
२१	८	४३	व.	३२	व	११	३१

गोचर ग्रहाः

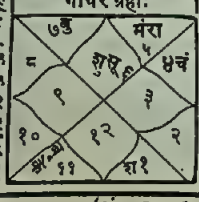

कार्तिक कृष्णे १२ शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मू. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

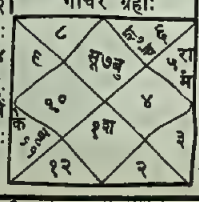

२८ पं.का.कृ. १४चं.इ.५४/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	१०	५	०	४	६
२	३	१८	२५	२९	६	४	१
३१	३७	२६	३०	५४	२८	२४	५९
२६	३७	४६	२२	४३	२६	४१	५९
५९	३७	९३	४ ५६	७४	४ ४०	३	५९
३४	४४	११	व.	३८	व.	११	४६

ति.	कार्तिक शुक्ल पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३६०सन् १९६८
१	बु २६ २६ स्वा ४८ ३१	प्री ५८ ३६	ब २६ २६	२८ ६	२९ २६	२१	तुलायां	[× रवि: ४।१० (सौर: ३५।१५)
२	गु ३५ ४२	वि ५५ ४४	आ ६० ०	बा २ ३४	४ २३	३७ ३०	३० २२	चंद्रदर्शनम् यम २ भातृ २
३	शु ४१ ४७	अ ६० ०	आ ० ५०	तै ८ ४४	८ २४	३६ १	१ २३	वृश्चिके भा. कार्तिकारंभः रज्जव ७
४	श ४६ ५६	अ २ ४४	सौ २ ५२	ब १४ २२	२६ २५	३५ २	२ २४	वृश्चिके भ. १४।२२ उ. ४६।५६ या. स्वात्यां ×
५	र ५१ २४	ज्ये ८ ५६	शो ४ ६	ब १६ १०	५३ २५	३५ ३	३ २५	ध. ८।५९ स्वात्यां शुक्र: १६।४६
६	चं ५४ २५	मू १४ ३४	अ ४ ५६	कौ २२ ५५	४९ २६	३४ ४	४ २६	धनुषि [÷ ११ ब्र.तुलसी विवाहः
७	मं ५६ २	पू १८ ४३	सु ३ ५६	ग २५ १४	४५ २७	३३ ५	५ २७	म. ३४ भ. ५६।२ उ. वृश्चिके बुध: ५५।५०
८	बु ५६ ८	उ २१ २५	धृ ३ ३५	वि २६ ५	४१ २८	३२ ६	६ २८	मकरे भ. २६।५ यां गोपाष्टमी
९	गु ५४ १०	श्र २२ २६	शू ५० ५५	वा २५ ६	३७ २९	३१ ७	७ २९	कुं. ५२।४ अक्षय ६
१०	शु ५० २८	ध २१ ४१	वृ ५१ १२	तै २२ १६	३४ २९	३१ ८	८ ३०	कुम्भे अनु. बुध: १५।०
११	श ४८ ५७	श ३१ ५३	ध्रु ४४ १	च १७ ४३	३० ३०	३० ९	९ ३१	कुंभे भ. १७।४३ उ.४४।५७ या.प्रबोधिनी ÷
१२	र ३७ ४५	पू १४ ३१	व्या ३५ ३६	ब ११ २१	२७ ३१	२९ १०	१० १	मी. ०।३७ हरिवासराऽभाव : नवम्बर ११ ता. ३०
१३	चं २९ ११	उ ८ ३१	ह २६ ३	कौ ३ २८	२३ ३१	२९ ११	११ २	मीने प्रदोष: वैकुंठ चतुर्दशी
१४	मं १९ ४३	रे ३ ५२	व १५ ३२	व १९ ४३	१९ ३२	२८ १२	१२ ३	मे. १।३२ भ. १९।४३ उ. ४४।४८ या.
१५	बु ९ ५२	भ ४५ ४४	सि ३० ४५	ब ९ ५२	१६ ३३	२७ १३	१३ ४	बृ. ५० विशा. शुक्र: ५६।२८ मन्वादिः

२९ पं.का.शु.६ चं.इ. ५४	गोचर ग्रहाः	इस मासमें गुड घृत	गोचर ग्रहाः	३० पं.का.शु.१३ चं.इ. ५४
र मं बु गु शु श रा र		तैल सक्कर चीनी		र मं बु गु शु श रा र
६ ४ ६ १० ६ ० ४ ६	८ ६	अनाज गल्ला सोना	बु८ ६	६ ४ ७ १० ६ ० ४ ६
९ १७ २८ २५ ८ ५ ४ ८	चं९ ७ सू शु रा	चांदी मूंग मोठ	९ ७सू शु ५ मं रा	१६ २१ ८ २४ १७ ५ ३ १६
२९ ४८ ३१ १ ४१ ५४ २ ५९	१० ४	बाजरा तिल तेज	९० ५	२९ ५७ १ ४१ २८ २३ ४० ०
४२ २५ ४८ ३० २८ ५४ २५ १९	के ११ १ श १ ३	होकर मंदा होवेगा ।	के ११ श १ ३	२८ २२ ३० ४२ १ ४७ १० २३
५९ ३७ ८६ ४७ ७४ ४० ३ ६०	वृ १२ २		वृ १२ चं १२ २	६० ३६ ७६ ३० ७४ ३५ ३ ६०
४७ १४ १४ व. २८ व. ११ २				४ ५३ ५५ व. २८ व. ११ १८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	गु ५० ४४	कृ ३८ ६	व ४२ २९	कौ ० ३	२२ ३४	२६ १४	१४ ५	वृषे	
२	शु ४२ ३८	रो ३१ २८	प ३२ २९	व १६ ४३	९ ३४	२६ १५	१५ ६	मि. ५८ ४७	भ. १६।४३ उ. ४२।३८ या. विशा. ×
३	श ३६ १२	मृ २६ ७	शि ३२ २६	ब ९ २५	५ ३५	२५ १६	१६ ७	मिथुने	चतुर्थी ब्र.
४	र ३१ ३६	आ २२ ४०	सि १५ ४८	कौ ३ ५४	२ ३६	२४ १७	१७ ८	मिथुने	[× रविः २४।३६ (सौर: ५२।३९)
५	चं २९ ८	पु २१ ८	सा ९ ४७	ग ० २२	२६ ३६	२४ १८	१८ ९	कर्के	भ. २९।८ उ. ५८।५४ या. मघा १ ÷
६	मं २८ ४०	पु २१ ४५	शु ५ २६	ब २८ ४०	५५ ३७	२३ १९	१९ १०	कर्के	ज्येष्ठा. बुधः ८।१५उ०फा. भौमः ५६।१३
७	बु ३० ११	श्ले २४ १९	शु २ ३९	कौ ३० ११	५२ ३८	२२ २०	२० ११	सिं. ३४ १९	[÷ राहुः धनि. ३ केतुः १४।३०
८	गु ३३ २९	म २८ ३७	ब १ २०	ते १ ५०	४९ ३८	२२ २१	२१ १२	सिंहे	बृश्चिके शुक्रः ५४।५५
९	शु ३८ १८	पू ३४ २५	ए १ ४४	व ५ ५३	४५ ३९	२१ २२	२२ १३	कं. ५१ ४	भ. ५।५३ उ. ३८।१८ या.
१०	श ४३ ४७	उ ४१ १५	वै २ ३७	ब ११ ३	४२ ४०	२० २३	२३ १४	कन्यायां	उत्पत्ति ११ ब्र.
११	र ५० १०	ह ४८ ३२	वि ४ २६	कौ १६ ५८	३९ ४०	२० २४	२४ १५	कन्यायां	अनु. शुक्रः ३२।४ मार्गी गुरुः ३।६
१२	चं ५६ ४६	चि ५६ १४	प्री ६ ३८	ग २३ २८	३६ ४१	१९ २५	२५ १६	तु. ३३	भ. ५६।४६ उ. बृश्चिकेऽर्कः २०।४१ +
१३	मं ६० ०	स्वा ६० ०	आ ९ १	वि २९ ५३	३३ ४१	१९ २६	२६ १७	तुलायां	भ. २९।५३ या. [+ (सौर:४६।५६) =
१४	बु ३ १	स्वा ३ ४४	सौ ११ १७	श ३ १	३० ४२	१८ २७	२७ १८	वृ.५४।१३	[= कन्यायां भौमः ४९।४१ प्रदोषः
१५	गु ९ १२	वि ११ २	शो १३ २९	ना ९ १२	२७ ४३	१७ २८	२८ १९	वृश्चिके	अनु. रविः ३९।१

३१ पं.मा.कृ.६ चं.इ. ५४।५	गोचर ग्रहाः	मार्गशीर्ष कृष्णे १३	गोचर ग्रहाः	३२ पं.मा.कृ. १३ चं.इ. ५३
र मं बु गु शु श रा र		चन्द्रे वृश्चिकेऽर्कः		र मं बु गु शु श रा र
६ ४ ७ १० ६ ० ४ ६	८बु ६	प्रविष्टः वा. ३ न. ३	९ शु ७चं	७ ५ ७ १० ७ ० ४ ७
२३ २६ १६ २४ २६ ४ ३ २३	९ ७सूशु ५ मं रा	प्रौढ़ावस्था (बैठी)	१० ६मं	० ० २२ २४ ५ ४ २ ०
३० २ २५ ३० १५ ४९ १७ २	१० ४चं	सू. ३० धान्यादिभावे	११ सू८बु ५रा	३३ २ २६ ३१ १२ ० ५५ ७
५० १० ११ ४३ ४ ५५ ५४ ५८	के ११ श १ ३	समता शुक्रास्तः	के ४	२९ ३१ २४ ५ ३७ १० ३९ २
६० ३६ ८२ ३० ७४ ५५ ३ ६०	वृ १२ १२ २	पूर्वस्याम्	१२ २ श १ ३	६० ३६ ३३ २० ७४ ५५ ३ ६०
१७ ३२ २ व. ३८ व ११ ३०				३० ४ ११ मा ३२ व. ११ ४०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २४२० स,१९९८
१	शु	१४	४९	अ	१७	५६	अ	१४	५८	ब	१४	४९	२६/२५	६/४३	५/१७	२९	२९	२०	वृश्चिके	अनु. रविः सौरः ३।४४ वक्री बुधः ×
२	श	१९	३०	ज्ये	२३	५६	सु	१६	८	कौ	१९	३०	२२	४४	१६	३०	१	२१	धं. २३/५६	सावान ८ [×३२।२४ चंद्रदर्शनम्
३	र	२३	२६	मू	२९	११	धृ	१६	४३	ग	२३	२६	१९	४४	१६	१	२	२२	धनुषि	भ. ५४।५३ उ. भा. मार्गशीर्षारंभः
४	चं	२६	२१	पू	३३	२२	शू	१६	१०	वि	२६	२१	१७	४५	१५	२	३	२३	म. ४९।८	भ. २६।२१ या.
५	मं	२८	९	उ	३६	३०	गं	१५	४	बो	२८	९	१४	४५	१५	३	४	२४	मकरे	
६	बु	२८	३७	श्र	३८	२७	वृ	१३	२२	तै	२८	३७	१२	४६	१४	४	५	२५	मकरे	बुधास्तः पश्चिमायां ३४।५ चंपा ६
७	गु	२७	४६	ध	३८	५७	ध्रु	१०	५	व	२७	४६	९	४६	१४	५	६	२६	कुं.८।४२	भ. २७/४९ उ. ५६/३९ या ज्येष्ठा. शुक्रः ११।९
८	शु	२५	३१	श	३८	४	व्या	५	५२	ब	२५	३१	७	४७	१३	६	७	२७	कुंभे	
९	श	२१	४४	पू	३५	४९	ह	०/१९	५३/१८	का	२१	४४	५	४३	१३	७	८	२८	मी. २१/२१	[+ ११।३८ दत्तजयन्ती
१०	र	१६	३१	उ	३१	५९	सि	४५	५७	ग	१६	३१	२	४८	१२	८	९	२९	मीने	भ. ४३/१३ उ. शुक्रोदयः पश्चिमायां ४२।३६
११	चं	९	५५	रे	२६	५६	व्य	३७	८	वि	९	५५	०	४८	१२	९	१०	३०	मे. ५६/२६	भ. ९।५५ या. वक्री अनु. बुधः ÷
१२	मं	२	७	अ	२०	४५	व	२७	२२	बा	२	७	२५/५८	४८	१२	१०	११	१	मेषे	प्रदोषः दिसम्बर १२ ता. ३१
१३	मं	५१	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ ३६।२६ मोक्षदा ११ व्र
१४	बु	४४	२०	भ	१३	५३	प	१७	७	ग	१८	५५	५६	४९	११	११	१२	२	वृ.२७।१	भ. ४४।२० उ. ज्येष्ठा. रविः ४९।८
१५	गु	३५	१४	कृ	६/२४	५२/५८	शि	६/२४	४९/३८	वि	९	४७	५४	४९	११	१२	१३	३	वृषे	भ. ९।४७ या. ज्येष्ठा. रविः सौरः +

३३ पं.मा.शु.४ चं.इ. ५३/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१०	७	०	४	७
७	४	२३	२४	१३	३	२	७
३७	०	९	४०	४९	५३	३३	१२
२६	२९	५४	३७	१२	४२	२३	३५
६०	३५	३०/२३	१	७४	३/३२	३	६०
४२	२८	व.	३२	३२	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

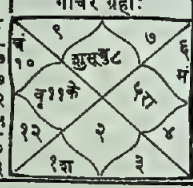

इस मास में गेहूं जो बाजरा मूंग चावल मोठ आदि धान्यो में मंदी रहे सुदी में धान्य धातु तेज होवे प्रजा में सुखशांति रहे।

गोचर ग्रहाः

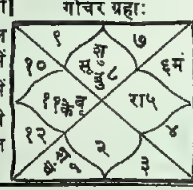

३४ पं. मा. कृ. ११चं.इ. ५३/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१०	७	०	४	७
१४	७	१६	२५	२२	३	२	१४
४२	५३	१६	०	३६	३०	११	१९
४०	५३	३४	३२	२५	५८	७	२१
६०	३४	९८/२६	३	७४	२/५०	३	६१
५०	५९	व.	२	३२	व.	११	३

ति.	पौष कृष्ण पक्षः सं २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महाः
१	शु	२६	४१	मृ	५३	२	सा	४६	५	बा	०	५८	२५/५३	६/४९	५/११	१३	१४	४	मि. २९/११	हस्ते भौमः४८।३वक्री आश्वि.१शनि. ३३/२४
२	श	१९	२४	आ	४८	५	शु	३७	१३	ग	१९	२४	५१	५०	१०	१४	१५	५	मिथुने	भ. ४६।२३ उ.
३	र	१३	२३	पु	४४	४४	शु	२९	४०	वि	१३	२३	४९	५०	१०	१५	१६	६	क. ३०/२४	भ. १३/२३ या. मूले धनुषि शुक्रः ४५/३२ चं. व्र.
४	चं	९	२५	पु	४३	२५	ब्र	२३	३४	बा	९	२५	४८	५०	१०	१६	१७	७	कर्के	बुधोदयः पूर्वस्यां ४३।५८
५	मं	७	४१	श्ले	४४	२१	ऐं	१९	६	तै	७	४१	४६	५१	९	१७	१८	८	सिं. ४४/२१	
६	बु	८	१	म	४७	१२	वै	१६	३१	ध	८	१	४५	५१	९	१८	१९	९	सिंहे	भ. ८।१ उ. ३९।१७ या.
७	गु	१०	३२	पू	५१	४७	वि	१५	४३	ब	१०	३२	४४	५१	९	१९	२०	१०	सिंहे	
८	शु	१४	४४	उ	५७	५५	प्री	१५	४६	कौ	१४	४४	४३	५१	९	२०	२१	११	कं ८।१९	मार्गी बुधः ४४।२
९	श	२०	११	ह	६०	०	आ	१७	५	ग	२०	११	४२	५२	८	२१	२२	१२	कन्यायां	भ. ५३।२३ उ.
१०	र	२६	३६	ह	५	८	सौ	१९	१३	वि	२६	३६	४१	५२	८	२२	२३	१३	तु. ३९।०	भ. २६।३६ या.
११	चं	३३	१२	चि	१२	५३	शो	२१	१२	बा	३३	१२	४०	५२	८	२३	२४	१४	तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	मं	३९	३८	स्वा	२०	३७	अ	२३	४९	कौ	६	२५	३९	५२	८	२४	२५	१५	तुलायां	मूले धनुष्यर्कः ५६।२३
१३	बु	४५	४९	वि	२७	५७	सु	२५	५१	ग	१२	४३	३९	५२	८	२५	२६	१६	वृ. ११।७	भ. ४५।४९ उ. मूलेधनुष्यर्क. सौरः ×
१४	गु	५०	५४	अ	३४	४३	धृ	२७	२६	वि	१८	२१	३८	५२	८	२६	२७	१७	वृश्चिके	भ. १८।२१ या. पूषा. शुक्रः २४।५६
३०	शु	५४	५९	ज्ये	४०	१६	शू	२८	२०	च	२२	५६	३८	५२	८	२७	२८	१८	ध. ४०/१६	[× १५।२८ प्रदोष

३५पं.पौ.कृ.४चं.इ.५३।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१०	८	०	४	७
२१	११	८	२५	१	३	१	२१
४८	४५	३२	२९	२४	१२	४८	२७
४३	४०	५३	३५	०	४७	५२	५
६०	३४	४१/२०	४	७४	२/१०	३	६१
५६	१४	व.	१३	२६	व.	११	११

गोचर ग्रहाः

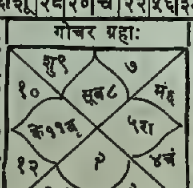

पौष कृष्णे १२ भौमे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा २ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

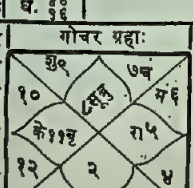

३६पं.पौ.कृ.११चं.इ.५३।

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१०	८	०	४	७
२८	१५	८	२६	१०	२	१	२८
५५	३१	२०	७	११	५८	२६	३५
३७	२३	३५	३७	३५	५२	३६	४८
६१	३३	३२/१४	५/२५	७४	१/३४	३	६१
०	३६	मा	व.	२६	व.	११	१९

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												वि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २४४६स. १९९८
१	श	५८	१७	मू	४४	५५	गं	२८	१६	कि	२६	३८	३५	५३	७	२८	२६	१६	धनुषि	पूभा. ३ गुरुः ४०।३०
२	र	६०	०	पू	४८	३३	बृ	२७	२१	बा	२६	१४	३७	५३	७	२९	३०	२०	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
२	चं	०	११	उ	५१	१०	धु	२५	४१	को	०	११	३६	५३	७	३०	१	२१	म. ४।१२	रमजान ६
३	मं	१	४	श्र	५२	३५	व्या	२३	४	ग	१	४	३६	५३	७	१	२	२२	मकरे	भ.३१।४ उ.भा.पौषारंभः
४	बु	३	४५	ध	५३	६	ह	१६	४६	वि	१	५	३६	५३	७	२	३	२३	कुं. ५३	भ.१।५या.ज्येष्ठा. बुधः ५३।४१
६	गु	५७	४७	श	५२	४७	व	१५	५६	को	२८	४६	३६	५३	७	३	४	२४	कुंभे	[÷४०।२८ पुत्रदा ११ व्र.
७	शु	५४	४५	पू	५१	२५	सि	११	५	ग	२६	१६	३७	५३	७	४	५	२५	मी. ३६	भ.५४।४५ उ.
८	श	५०	५३	उ	४६	११	व्य	२९	३३	वि	२२	४६	३७	५३	७	५	६	२६	मीने	भ.२२।४६ या.
९	र	४५	५६	रे	४५	५५	प	५१	४४	बा	१८	२६	३७	५३	७	६	७	२७	मे. ४५	उषा.शुक्रः ५६।३३
१०	चं	४०	६	अ	४१	४६	शि	४३	५२	तै	१३	४	३८	५२	८	७	८	२८	मेषे	भ.६।५१उ.३३ या.पूषा.रविः २३ (सौरः×
११	मं	३३	३२	भ	३६	५१	सि	३५	१५	व	६	५१	३८	५२	८	८	९	२९	बृ. ५०	[×१७] चित्रा.भौमः ५९ मार्गी शनिः ÷
१२	बु	२६	१९	कृ	३१	२३	सा	२६	१३	बा	२६	१९	३९	५२	८	९	१०	३०	वृषे	मकरे शुक्रः ४१।० प्रदोषः
१३	गु	१८	४२	रो	२५	२८	शु	१६	५५	तै	१८	४२	४०	५२	८	१०	११	३१	मि. ५२	
१४	शु	११	८	मृ	१९	५८	शु	७	५१	व	११	८	४१	५२	८	११	१२	१	मिथुने	भ.१२ उ.३५ या.जनवरी १ ता.३१सन १९९
१५	श	४	१२	आ	१४	५६	ऐं	५०	५५	ब	४	१२	४२	५२	८	१२	१३	२	क.	मूले धनुषि बुधः ४५।४७ मा.स्ना.प्रा.

३७पं.पौ.शु.२चं.इ.५२।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	१०	८	०	४	८
६	१९	१४	२६	१८	२	१	५
११	३	२०	५४	४८	५०	४	४५
१४	४२	१८	२५	५२	३१	२१	१३
६१	३२	६४	६	७४	४७	३	६१
६	४९	२६	३२	२६	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

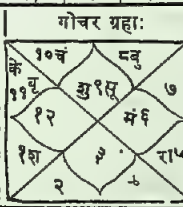

शनेश्च पंचकं दृष्ट्वा
पाताले कम्पते फणी।
ईशानदेश भंगश्च
वह्निदाहो महर्घता।।
इस मास में धान्य
चांदी सोना तेज प्रजा
में अशान्ति होवें।

गोचर ग्रहाः

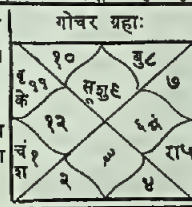

३८पं. पौ.शु. १०चं.इ.५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	१०	८	०	४	८
१३	२२	३	२७	२७	२	०	१२
११	४४	१५	२८	४५	४७	४२	५५
१३	५६	४७	५४	५४	२१	५	०५
६१	३१	७९	७७	४	६	३	६१
६	५०	३	३५	२०	व.	११	२६

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												वि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	५४	६		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×पूषा.बुधः ५१।५पूभा. ४मीने.गुरुः÷
२	र	५३	२९	पु	११	०	वै	४४	०	तै	२५	५३	३५	५६	९	१३	१४	३	कर्के	[÷५९ आश्ले. ४राहुः ध नि: २केतुः ६।४६
३	चं	५१	१३	पु	८	३५	वि	३८	३२	व	२२	४५	४४	५१	९	१४	१५	४	कर्के	भ.२२।४५उ.५१।१३ या.
४	मं	५०	२५	श्ले	७	३८	प्री	३४	३४	ब	२१	१३	४५	५१	९	१५	१६	५	सिं७।३८	चतुर्थी व्र.
५	बु	५१	४४	म	९	२३	आ	३२	१४	को	२१	४	४७	५१	९	१६	१७	६	सिंहे	
६	गु	५५	१६	पू	१२	५२	सौ	३१	२४	ग	२३	१८	४८	५०	१०	१७	१८	७	कं. २९।१०	भ.५५।१६उ.श्रवणे शुक्रः ४०।१०
७	शु	६०	०	उ	१७	५६	शो	३१	४२	वि	२७	४५	५०	५०	१०	१८	१९	८	कन्यायां	भ.२७।४५या.
७	श	०	१४	ह	२४	३८	अ	३३	२८	च	०	१४	५२	५०	१०	१९	२०	९	तु. ५८	
८	र	६	१३	चि	३१	३९	सु	३५	२५	कौ	६	१३	५३	४९	११	२०	२१	१०	तुलायां	[÷५०।३षट्तिला ११ व्र.
९	चं	१२	४७	स्वा	३९	२३	धृ	३७	३८	ग	१२	४७	५५	४९	११	२१	२२	११	तुलायां	भ.४५ उ.उषा.रविः ६।८ (सौरः १६) ×
१०	मं	१९	८	वि	४६	४७	शू	३९	४६	वि	१९	८	५७	४९	११	२२	२३	१२	बृ. २९।५६	भ.१९।८या.
११	बु	२५	१६	अ	५३	४८	गं	४१	२८	बा	२५	१६	५९	४८	१२	२३	२४	१३	वृश्चिके	तुलायां भौमः ४।५५ बुधास्तः पूर्वस्यां÷
१२	गु	३०	२६	ज्ये	५९	३५	बृ	४२	२३	तै	३०	२६	६१	४८	१२	२४	२५	१४	ध. ५९।३५	मकरेऽर्कः २२।३२ (सौरः ३४।०)
१३	शु	३४	६	मू	६०	०	धु	४२	११	ग	२	१७	४	४७	१३	२५	२६	१५	धनुषि	भ.३४।६उ.प्रदोषः
१४	श	३६	४१	मू	३	५८	व्या	४१	०	वि	५	२४	६	४७	१३	२६	२७	१६	धनुषि	भ.५।२४या.
१५	र	३७	४३	पू	६	५६	ह	३८	४०	च	७	१२	८	४६	१४	२७	२८	१७	म. २२।२१	

३९पं.मा.कृ.३चं.इ.५२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	१०	९	०	४	८
२०	२६	३	२८	६	२	०	२०
१९	७	१	५०	३२	४९	१९	५
२६	५२	४८	३५	४६	५५	४९	२
६१	३०	८५	८	७४	४७	३	६१
६	३८	५७	३७	१४	मा	११	२६

गोचर ग्रहाः

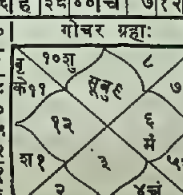

माघ कृष्णे १२ गुरौ
मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा.
३न. ३ युवावस्था
(सूती) मु. १५धान्या-
दि भावे महर्घता
शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

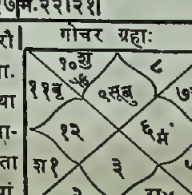

४०पं.मा.कृ.९चं.इ. ५२ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	१०	९	०	३	८
२७	२९	१३	२९	१५	२	२९	२७
२७	२४	२२	५९	१९	५८	५७	१४
२२	१८	२६	१७	८	१	३४	५४
६१	२९	२४	९	७४	१	३	६१
६	३८	१७	२८	८	२९	११	२४

(विक्रम सं. २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्ल पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहयंगः२४७६म.१६६६
१	चं	३७	१७	उ	८	३६	व	३५	२२	किं	७	३०	१६	४६	५४	२८	२६	१८	मकरे	धनि शुक्रः १६।४३
२	मं	३५	४६	श्र	१०	१०	सि	३१	१२	बा	६	३०	१३	४५	१५	२९	३०	१६	कुं.	३६।२८ चंद्र दर्शनम्
३	बु	३३	२२	ध	८	४६	व्य	२६	१५	तै	४	३५	१६	४५	१५	३०	१	२०	कुंभे	अभि.प्र.रविः ५४ उषा.बुधः ३४ सव्वाल १०
४	गु	३०	१६	श	७	२०	व	२०	३४	व	१	४६	१९	४४	१६	१	२	२१	मी.	५० भ.१।४६उ. ३०।१६या.अभि.प्र.रवि.×
५	शु	२६	३०	पू	५	२६	प	१४	३७	बा	२६	३०	२१	४४	१६	२	३	२२	मीने	मकरे.बुधः४१।५४ अश्वि.२शनिः=
६	श	२२	२३	उ	३	६	शि	८	२३	तै	२२	२३	२४	४३	१७	३	४	२३	मीने	कुंभे.शुक्रः३५।३५ [=३३।४६ वसंत५
७	र	१७	५५	रे	२०	४६	सि	३०	५३	व	१७	५५	२७	४३	१७	४	५	२४	मे.	भ.१७।५५ उ.४५।२८या.श्रवणे.रविः+
८	चं	१३	२	म	५३	४६	शु	४७	१६	व	१३	२	२९	४२	१८	५	६	२५	मेषे	अभिनि.रविः ५ (सौरः १३) भीष्माष्टमी
९	मं	७	४६	कृ	५०	७	शु	३६	५६	को	७	४६	३२	४२	१८	६	७	२६	बृ.	[×सौरः५।२१ भा.माघारंभः
१०	बु	३	२२	रो	४६	३	ब्र	३२	०	ग	३	२२	३५	४१	१६	७	८	२७	वृषे	७।५२ भ. ३ उ. ५५ या.जया ११ ब्र.स्मा.पात-*
११	बु	५	३	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+३१ (सौरः २१ भानु७ [*स्पर्शः ३७ २२
१२	गु	५०	५६	मृ	४२	११	ऐं	२४	२८	व	२३	४६	३८	४०	२०	८	६	२८	मि.	१४।७ श्रवणे बुधः ३३।४स्वात्यां भौमः ३४ A
१३	शु	४५	३२	आ	३८	२३	वै	१६	५३	को	१८	१४	४१	४०	२०	९	१०	२६	मिथुने	शते शुक्रः०।१२उभा.१गुरुः ३६ प्रदोषः
१४	श	४०	४८	पु	३५	२३	वि	६	४६	ग	१३	१०	४५	३६	२१	१०	११	३०	क.	२१।८ भ.४८उ. [अजया ११ब्र वैं.पातमोक्षः ३६
१५	र	३७	५	पु	३३	१०	प्री	२४	२८	वि	८	५६	४८	३८	२२	११	१२	३१	कर्के	भ.८।५६या.माघस्नानपूर्तिः

४१पं.मा.शु.१चं.इ.५२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	११	९	०	३	९
४	२	२४	१	२४	३	२९	४
३५	३२	८	१३	४	१०	३५	२४
१८	५३	५३	१९	१६	५५	१८	२३
६१	२८	९८	१०	७४	२	३	६१
३	१	४३	१३	२	१०	११	१९

गोचर ग्रहाः

इस मास में अनाज चावल गेहूं जो चना मटर रस गुड सक्कर घृत तैल धातु सोना चांदी ताम्बा पीतल तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

४२ पं. मा.शु.८चं.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	११	१०	०	३	९
११	५	५	२	२	३	२९	११
४२	२९	२५	३२	४८	२९	१३	३३
४०	५६	५५	३८	५४	२०	३	१४
६०	२५	०	१०	७३	२	३	६१
५९	५९	३३	५६	५६	५२	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा.
१	चं	३४	३८	श्ले	३२	३२	सौ	५३	३६	बा	५	५२	२६	५१	३८	२३	१२	१३	१	सिं ३३ फरवरी २ ता. २८
२	मं	३३	४८	म	३३	१४	शो	५०	२४	तै	४	१३	५४	३७	२३	१३	१४	२	सिंहे	[×गुरुः ३५।४२ महाशिव रात्रिव्र. स्मा.
३	बु	३४	५०	पू	३५	५०	अ	४६	१३	व	४	२०	५८	३६	२४	१४	१५	३	कं.	५३ भ. ४।२० उ. ३४।५० या.
४	गु	३७	३१	उ	४०	१	सु	४८	३६	व	६	१०	२७	३६	२४	१५	१६	४	कन्यायां	चतुर्थी व्र.
५	शु	४१	४८	ह	४५	४०	धृ	४६	३५	कौ	९	३६	५	३५	२५	१६	१७	५	कंन्यायां	धनि. बुधः १६।४५
६	श	४७	२२	चि	५२	२२	शू	५१	३	ग	१४	३५	८	३४	२६	१७	१८	६	तु.	१९।१ भ. ४ उ. धनि.रविः ५ (सौरः२७।७)
७	र	५३	४१	स्वा	५६	४८	गं	५३	१६	वि	२०	२	१२	३४	२६	१८	१६	७	तुलायां	भ. २०।२ या.
८	चं	६०	०	वि	६०	०	धृ	५५	२६	बा	२६	५२	१५	३३	२७	१९	२०	८	वृ.	५ पूभा. शुक्रः ४१।५२
८	मं	०	२	वि	७	२७	ध्रु	५७	२२	को	०	२	१९	३२	२८	२०	२१	९	वृश्चिके	कुंभे. बुधः ८।३
९	बु	६	११	अ	१४	४२	व्या	५८	४३	ग	६	११	२३	३१	२९	२१	२२	१०	वृश्चिके	भ. ३८।५३ उ.
१०	गु	११	३६	ज्ये	२०	४१	ह	५९	२	वि	११	३६	२७	३१	२९	२२	२३	११	धं.	२० भ. ११।३६ या.
११	शु	१५	२४	मू	२५	३३	व	५८	८	बा	१५	२४	३०	३०	३०	२३	२४	१२	धनुषि.	कुंभेऽकं: ५ शते बुधः ४ विजया ११ब्र.
१२	श	१७	५०	पू	२८	५९	सि	५५	५३	तै	१७	५०	३४	२९	३१	२४	२५	१३	म.	४ कुंभेऽकं: सौरः १।५ प्रदोषः
१३	र	१८	२१	उ	३०	२८	व्य	५२	१३	व	१८	२१	३८	२८	३२	२५	२६	१४	मकरे	भ. १८।२१ उ. ४७।४७ या. उभा.२ ×
१४	चं	१७	१३	श्र	३०	१८	व	४७	२२	श	१७	१३	४१	२८	३२	२६	२७	१५	कुं.	महाशिवरात्रि व्र. वै.
२०	मं	१४	३६	ध	२८	४६	प	४१	२५	ना	१४	३६	४५	२७	३३	२७	२८	१६	कुम्भे	मीने शुक्र ४७।६

४४ पं.फा.कृ.१ चं.इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	११	१०	०	३	९
१८	८	१७	३	११	३	२८	१८
४९	१२	१२	५७	३१	५३	५०	४१
१६	११	१८	१८	५९	३०	४७	१८
६०	२३	०	११	७३	३	३	६१
५५	५५	३६	३१	५०	३२	११	०४

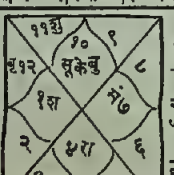

४४पं.फा. कृ.८ चं.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	११	१०	०	३	९
२५	१०	२९	५	२०	४	२८	२५
५५	४१	३१	२५	३३	२०	२८	४८
१	५३	३७	८	३७	३८	३१	५
६०	२१	०	१२	७३	४	३	६०
४७	४६	३६	१०	४४	१४	११	५५

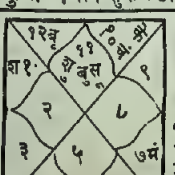

४५ पं.फा.कृ.१४चं.इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	११	१०	०	३	१०
२	१२	१२	६	२८	४	२८	२
५९	५३	३८	५६	५३	५२	६	५४
४९	२५	३६	२	५३	३०	१६	८
६०	१७	०	१२	७३	४	३	६०
३७	५९	३६	२५	३४	४९	११	४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं०२०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्त्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः२५०९स,१९९९
१	बु	१०	२९	श	२६	१६	शि	३४	५०	व	१०	२९	२७/४९	६/२६	५/३४	२८	२९	१७	कुंभे	चन्द्र दर्शनम्
२	गु	५	४४	पू	२२	४८	सि	२७	२८	का	५	४४	५३	२५	३५	२९	१	१८	मी.८।४०	फुलरिया २ जिल्काद ११
३	शु	०	१६	उ	१८	५९	सा	१९	४६	ग	०	१६	५६	२५	३५	३०	०	०	मीने	भ.२७।२९उ.५४।४३या.शतेरविः३१/२९×
४	शु	५४	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२	१९	०	[×(सौरः३६।२७)उभा.शुक्रः२७।३४
५	श	४९	१	रे	१५	८	शु	१२	१६	ब	२१	५२	२८/००	२४	३६	१	३	२०	मे.१५।८	पूभा.बुधः२।११बुधोदयःपश्चिमायाः÷
६	र	४३	३४	अ	११	१९	शु	४/५२	५२/२४	कौ	१६	१८	४	२३	३७	२	४	२१	मेषे	[÷१७।१९ भा.फाल्गुनारंभः
७	चं	३८	१२	भ	७	३५	ऐं	५०	८	ग	१०	५३	८	२२	३८	३	५	२२	बृ.२१।४३	भ.३८।१२उ.
८	मं	३३	१३	कृ	४	७	वै	४३	१४	वि	५	४३	१२	२२	३८	४	६	२३	वृषे	भ.५।४३या. होलाष्टकः
९	बु	२८	३८	रो	१/८	५७/२०	वि	३६	३५	बा	०	२६	१६	२१	३९	५	७	२४	मि२९।४९	[+२०।४७ मार्च३ ता.३१होलिकादहनं÷
१०	गु	२४	१७	आ	५६	१३	प्री	३०	१६	ग	२४	१७	२०	२०	४०	६	८	२५	मिथुने	भ.५२।२७उ.मीन बुधः५२।४७
११	शु	२०	३७	पु	५४	३५	आ	२४	२४	वि	२०	३७	२४	१९	४१	७	९	२६	क.४०।०	भ.२०।३७या.आमलकी११व्र.
१२	श	१७	२४	पु	५३	३७	सौ	१९	१४	बा	१७	२४	२८	१८	४२	८	१०	२७	कर्के	प्रदोषः
१३	र	१५	४	श्ले	५३	४४	शो	१३	३७	तै	१५	४	३२	१८	४२	९	११	२८	सिं५३।४४	उभा.बुधः२२।२० [=भद्रोत्तरम्
१४	चं	१३	४४	म	५४	५९	अ	१०	५४	व	१३	४४	३६	१७	४३	१०	१२	१	सिंहे	भ.१३।४४उ.४३।३९ या.उभा.३गुरुः+
१५	मं	१३	३४	पू	५७	२८	सु	८	८	ब	१३	३४	४०	१६	४४	११	१३	२	सिंहे	रेवत्यायांशुक्रः१९।४९छारेंडी

४६पं.फा.शु.७च.इ.५३।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	११	११	०	३	१०
१०	१४	२४	८	७	५	२७	१९
३	४३	५३	३०	३१	२८	४४	५८
२२	१	१३	१८	५९	३४	०	४१
६०	१४	०/०	१२	७३	५	३	६०
२५	२२	३८	५१	२३	११	११	३१

गोचर ग्रहाः

१२बुशु बु सू ११ १०के ९ १श २च ८ ३ ५ ७मं ४रा ६

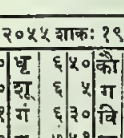

फाल्गुन कृष्णे ११ शुक्रे कुंभेऽर्कःप्रविष्टः वा.२ नः ३ युवावस्था (सूती) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

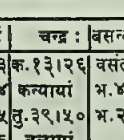

१२बुशु बु १०के ११सू ९ श१ २ ८ ३ चं५ ७म ४रा ६

४७ पं.फा.शु.१४ चं.इ. ५३/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	११	११	११	०	३	१०
१७	१६	५	१०	१६	६	२७	१७
५	११	१२	७	८	८	२१	१
३५	२८	३२	१६	१०	१०	४५	३३
६०	९	७४	१३	७३	५	३	६०
१२	५९	३२	१४	१४	४०	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसन्तर्तुरविरुत्तरे फा.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	बु	१५	०	उ	६०	०	धृ	६	५०	कौ	१५	०	२८/४४	६/१५	५/४५	१२	१४	३	क.१३।२६	वसंत १
२	गु	१७	४६	उ	१	२०	शू	६	५	ग	१७	४६	४८	१४	४६	१३	१५	४	कन्यायां	भ.४९।४४उ.पूभा.रविः४७/३५(सौरः५१/१४)
३	शु	२१	४२	ह	६	४१	गं	६	३०	वि	२१	४२	५२	१४	४६	१४	१६	५	तु.३९।५०	भ.२१।४२या. चतुर्थी व्र.
४	श	२७	०	चि	१३	०	वृ	७	५१	बा	२७	०	५६	१३	४७	१५	१७	६	तुलायां	
५	र	३३	५	स्वा	२०	१	ध्रु	९	४२	कौ	०	२	२९/१	१२	४८	१६	१८	७	तुलायां	अश्वि.३शनिः३।४८
६	चं	३९	२३	वि	२७	४०	व्या	१२	५	ग	६	१४	५	११	४९	१७	१९	८	वृ.१०।४६	भ.३९।२३उ.
७	मं	४५	४५	अ	३५	११	ह	१४	१९	वि	१२	३४	९	१०	५०	१८	२०	९	वृश्चिके	भ.१२।३४या.
८	बु	५१	३२	ज्ये	४२	३	व	१६	१९	बा	१८	३८	१३	९	५१	१९	२१	१०	ध.४२।३	वक्रीबुधः२२।११शीतलापूजनम्
९	गु	५५	४९	मू	४७	४२	सि	१७	२२	तै	२३	४०	१७	९	५१	२०	२२	११	धनुषि	[×भौमः२१।५२पापमोचनी ११ व्र.वै.
१०	शु	५८	४४	पू	५२	३	व्य	१७	१०	व	२७	१७	२१	८	५२	२१	२३	१२	धनुषि	भ.२७/१७उ.५८/४४या.बुधास्तःपश्चिमायां ३८/२१
११	श	५९	३७	उ	५४	२०	व	१५	४५	ब	२९	११	२६	७	५३	२२	२४	१३	म.७।३७	अश्वि.मेषेशुक्रः१६/३पापमोचनी११व्र.स्मा.
१२	र	५८	३५	श्र	५४	४०	प	१२	४७	कौ	२९	६	३०	६	५४	२३	२५	१४	मकरे	मीनेऽर्कः४८।२८(सौरः५१।३५)वक्री×
१३	चं	५५	३४	ध	५३	२४	शि	८	१७	ग	२७	४	३४	५	५५	२४	२६	१५	कुं.२४।२	भ.५५/३४उ.उभा४गुरुः२९/१७आश्ले.३राहुः+
१४	मं	५०	५३	श	५०	२२	सि	३/८	५२/३५	वि	२३	१३	३८	४	५६	२५	२७	१६	कुंभे	भ.२३।१३या.
३०	बु	४४	५५	पू	४५	४६	शु	४६	५९	च	१७	५४	४३	३	५७	२६	२८	१७	मी. ३१/५५	मन्वादिः [+धनि१केतुः१/५५ प्रदोषः

४८ पं.चै.कृ६.चं.इ.५४।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	११	११	११	०	३	३
२४	१७	१०	११	२४	६	२६	२४
६	१२	५	४५	४१	५१	५९	२
२२	४३	१०	४७	४२	७	२९	५६
५९	४	१२	१३	७२	६	३	६०
५८	२९	५९	२०	५६	३	११	६

गोचर ग्रहाः

१२शुबुबृ १०के १श सू११ ९ २ ८चं ३ ५ ७म ४रा ६

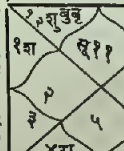

चैत्र कृष्णे १२ रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

१शशु चं११ १२ बुसूबृ २ के१० ३ ९ ४रा ६ ८ ५ ७मं

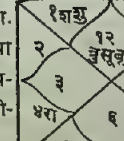

४९पं.चै.कृ,१३चं.इ५४।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	११	०	०	३	११
१	१७	८	१३	३	७	२६	१
५	४४	१०	२५	११	३६	३७	२
३५	१३	५२	४१	५३	१४	१३	३८
५९	१/१६	४६/५३	१३	७२	६	३	५९
४१	व.	व:	३२	४३	२५	११	४९

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०० तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४००० कलियुग-प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गत-कलिः ५१०० भोग्यकलिः ४२६९०० अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५६ शाकः १९२१ अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री बुधः । सस्येशो शुक्रः । धान्येशो गुरुः । मेघेशोभौमः । रसेशो रविः । नीरसेशो शुक्रः । फलेशो भौमः । धनेशो शुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ६ नंदननाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ९।२८।५२।५२ भोग्यमासादिः २।१।७।८ अहिर्बुध्न्य दैवतं युगम् । वर्षनाम भाद्रपदः । मेघनाम द्रोणः रोहिणी निवासः तटे । समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा १८ समयवाहनम् चातकः । स्तंभौ २ वायुतृणयोः । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी १ भानु सप्तमी ३ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ८७ खपति विश्वा ११४ वर्षाविश्वा ९ धान्यम् १५ तृणम् १७ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् ११५ सत्यम् ॥ धर्म १॥ पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहणाभावः ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव खड़ा माता थारे द्वार ।
छप्पन संवत् का कहो श्रीमुख से शुभसार ॥

भवानी उत्तर

भैरव छप्पन साल का भेद सुनाऊं तोय ।
नभचर चार विचार से श्रेष्ट जमाना होय ॥
अधिक लिया इस साल में सौम्य ग्रहां अधिकार ।
घर २ बजे बधावणां घर २ मंगलाचार ॥
गुरु राजा इस वर्ष में यह सब जग हर्षाय ।
मंत्री पद बुध को मिला करैं न्याय की न्याय ॥
फलपति पद को पायकर भौम भये मेघेश ।
राज प्रजा में अशुभफल करता रहे विशेष ॥
रोहिणी वासो सिंधुतट वर्षा विश्वा अंक ।
सब ही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक ॥
समय निवासो रजक घर स्तंभ लगे है दोय ।
अन जल की कमती रहे तेजी सब कुछ होय ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	बु.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	११	५	८	२	५	८
ख.	५	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ७।२२

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	५	११	१४	२	२	१४
ख.	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् २।१३

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५०।०

× चं. बृ. बु. सू. ।

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुःफलम् ।। गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुधाश्च धेनवः । यजन्ति विप्राः बहवोग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते । मंत्री बुधःफलम् ।। शशिसुते शुभमंत्रिसमागते स्वपतिना रमते मदनक्रियां ।। बहुघरिबहुवारिसमन्वितं यवमसूरचणान्न महर्घता ।। सस्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलम् वर्षति शोभनम्प्रियम् ।। गोधूमशालीक्षुधनप्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशोगुरुः फलम्।। गुरौ धान्यपतौ याति यवगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः ।। मेघेशो भौमः फलम् ।। अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुतिविचारविहीनमहीधराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतापदम् ।। रसेशो रविः फलम् ।। रसपतौतरणौ धरणीतदा विरसभोगरतात्पपयोधराः । क्वसनतैलघृतप्रियमानवाः सुखरसं च भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। कर्पूरागुरुगन्धानां हेम मौक्तिकवाससां । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशो भौमस्तत्फम् ।। फलपति यदि भूतनयो भवेत्सुबहुपुष्पफलान्वितमेदिनी । गतभयानृतदेशजनास्तदा नृपतयो बहुविग्रहकारकाः । धनेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला भुवि मानवाः । समसुखाः क्रय-विक्रयजीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः । दुर्गेशोभौमस्तत्फलम् ।। अवनिजो गढनायकतांगतो विविध दुःखवियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। नन्दननाम संवत्सरःफलम् ।। नंदनाब्दे सदा पृथ्वी बहुसस्यार्कवृष्टिभिः।।आनंददाखिलानां तु जन्तूनां समहीभुजाम् ।। वर्षनाम भाद्रपदः फलम् ।। अर्घ महर्घता याति घनधान्यं समं भवेत् । मघवा वर्षति स्वच्छं सर्वदा भाद्रवर्षके ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वत्रा । रोहिणी निवासः तटे फलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे । रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयम् शुभाशुभम् ।।

संवत् २०५६ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शु.११ चंद्रे उफा. ल. गो. सोग्रांगः रे. ७ऽ।।ऽगु।।।।ऽलग्नस्थ भौमदोषः पादवेधाद्गुरोर्वेधाऽभावो गणितेनक्रांतिसाम्याभावश्च आवश्यके

,, १३ बुधे हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ८ऽऽ।।।।।।। भौ.१ दोषः

ज्ये. ज्वेष्ठ मासः ।

कृ. ४ भौमे मूले ल. ११ रे. ७ ।।।।ऽऽअ.।ऽ।

,, १० भौमे उभा. ल. ११ रे. ७।।।।।ऽरो.ऽऽ।।

,, ११ बुधे रेवत्यां ल. ११ रे. ८।।ऽगु।।।।ऽ।।

द्वि. ज्येष्ठ मासः ।

शु. ८ चंद्रे हस्ते ल. अन्यगो. रे.८ ।ऽ।।।।ऽ।।।

,, १० बुधेस्वा.ल.गो.२रे.७।।।।ऽऽरो।ऽ।। वृषे श.१२पूज्यः

आषाढ मासः ।

कृ. ८ भौमे रेव. ल. अन्यगो. २ रे.७ ।।।।।ऽअ।ऽ।ऽद्रग्धा

कार्तिक मासः ।

शु.१२ शनौ रेवत्यां ल. गो. रे. ६ ।।।।ऽ।।।।।

,, १५ भौमे रोहि. ल.५रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ६ बुधे उफा.ल.अन्यगो.५ रे.७।।।।।ऽचो।ऽ।ऽद्रग्धा २६।११ उ.

,, १० गुरौ हस्ते ल.५रे.८।।।।।।ऽऽ।।

शु. ३ शनौ उफा. ल. अन्यगो.रे.१०।।।।।।।।।।

माघ मासः ।

कृ. १ शनौ मघा.ल.८।६रे.७।।ऽबु।ऽरो .ऽ।।बुधस्यपाद-वेधाद्वेधाऽभावः

,, ५ भौमे उफा.ल.गो.(भौ. ८ दोषः) रे.७।।।।ऽऽअ-।ऽ।हस्ते ल.८।९रे.७।।।।।ऽअऽऽ।।

,, ६ बुधे हस्ते ल.गो.(भौ.८ दोषः)रे.८।।।।।ऽऽ।।

,, ११ भौमे मूले ल.८रे.६ ।।।।ऽ।ऽऽ।ऽद्रग्धा.आवश्यके

शु. ४ बुधे रेवत्यां ल.८।६ रे.६ ।ऽ।।।ऽरोऽऽ।।

,, ५ गुरौ रेव.ल.अन्यगो.रे.७।ऽ।।।।ऽऽ।।

,, १० भौमे मृगे ल.अन्यगो.सोग्रांगःरे. ७।ऽ।।।ऽअ.।ऽ।।

,, १५ शनौ मघा.ल.८।६रे.८।।।।।ऽचो।ऽ।।ध.४६।५२उ.

फाल्गुन मासः ।

कृ. २ चन्द्रे उफा.ल.गो.(भौ.८दो.)८।९ रे.८।।।।ऽऽ।।।। ध.५२।६ या.

,, ६ चन्द्रे मूले ल.८रे.७।।।।।ऽचोऽऽ।।

शु. १ भौमे उभा. ल. ८।६ रे. १० ।।।।।।।।।

तिथि: चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | बसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः २५३८स. १९९९

१	गु	३७	४२	उ	४०	३९	शु	३८	८	कि	११	१८	२९	६	५७	२७	२९	१८	मीने
२	शु	३०	११	रे	३४	४४	ब्र	२९	१	बा	३	५६	५१	२	५८	२८	३०	१९	मे. ३४।४४
३	श	२२	३४	अ	२९	४	ऐं	१९	४७	ग	२२	३४	५५	१	५९	२९	१	२०	मेषे
४	र	१५	१३	भ	२३	४२	वै	१०	४७	वि	१५	१३	३०	६	६	३०	२	२१	बृ. ३७।३३
५	चं	८	३३	कृ	१९	५	वि	४	१९	बा	८	३३	४	५	५९	१	१	३	२२ वृषे
६	मं	२	३०	रो	१५	५	आ	४८	२	तै	२	३०	८	५	८	२	२	४	२३ मि. ४३
७	मं	५४	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
८	बु	५३	७	मृ	१२	९	सौ	४१	५१	वि	२५	१२	१२	५८	२	३	५	२४	मिथुने
९	गु	५०	२	आ	१०	१३	शो	३६	३५	बा	२१	३४	१६	५७	३	४	६	२५	क. ५४।२७
१०	शु	४७	४५	पु	९	११	अ	३२	४	तै	१८	५४	२१	५६	४	५	७	२६	कर्के
११	श	४६	४३	पु	९	१९	सु	२८	२२	व	१७	१४	२५	५५	५	६	८	२७	कर्के
१२	र	४६	३२	श्ले	१०	१७	धृ	२५	३८	ब	१६	३७	२९	५४	६	७	९	२८	सिं. १७
१३	चं	४७	३०	म	१२	३६	शू	२३	४६	कौ	१७	१	३३	५३	७	८	१०	२९	सिंहे
१४	मं	४९	४९	पू	१५	४७	गं	२२	४६	ग	१८	४०	३७	५३	७	९	११	३०	कं. ३१।५२
१५	बु	५३	८	उ	२०	६	बृ	२२	१९	वि	२१	२८	४१	५२	८	१०	१२	३१	कन्यायां

उभा. रवि: ९।३२ (सौर: १२।२१÷
चंद्रदर्शनम् सिंधारा
भ ४८।५३उ.मत्स्यज. गणगौरी जिल्हेज १२
भ.१५।१३या.वक्री पूभा.बुध:३२।३८
अस्तं गुरो:४८।०भा.चैत्रारंभ: [अ. गु.]
भ.५७।१८उ.भरण्यांशुक्र:१७।५७
[÷संवत्सरारंभ:नवरात्रा.
भ.२५।१२या.
वक्री कुंभे बुध: ७।४बुधोदय: पूर्वस्यां-×
[×५६।१९रामनवमी
भ.१७।१४उ.४६।३२या.कामदा११व्र.
[*(सौर:३९।३८)हनुमज्जयंती
रेवती. १गुरु:१३।१७ प्रदोष:
भ. ४९।४९उ.
भ.२१।२८ या. रेवत्यां रवि:३ ७।११

५०पं.चं.शु.५चं.इ.५४।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	११	०	०	३	११
८	१७	२	१५	१५	८	२६	८
३	४३	२	४	३९	२४	१४	०
१८	४८	३९	१८	३६	७	५८	३२
५९	१६	५६	१३	७२	६	३	५२
२९	व:	व:	३५	२३	२८	११	३५

गोचर ग्रहा:

इस मास में गुड मक्कर
चीनी धान्य सोना
चांदी रुई तेज होवे
तथा पशु बीमारी
ग्रसित होवे गल्ला
तेज होवे

गोचर ग्रहा:

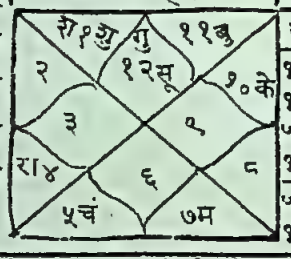

५१पं.चं.शु.१३चं.इ.५५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	११	०	०	३	११
१४	१७	२७	१६	२०	९	२५	१४
५९	८	४६	४९	३	१४	५२	५६
१०	१७	२४	३०	५८	२४	४२	४१
५९	५६	३५	१३	७२	६	३	५९
१६	व	व:	३८	२	५४	११	१८

तिथि: वैशाख कृष्ण पक्षः सं० २०५६शाकः १९२१ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | बसंततूं रवि रुत्तरेचैत्र कृष्णतिमहा.;

१	गु	५७	२९	ह	२५	२०	ध्रु	२२	५५	बा	२५	१८	३०	५	५९	६	११	१३	१ तुं. ५८।३३
२	शु	६०	०	चि	३१	४६	व्या	२४	१८	तै	३०	११	४९	५०	१०	१२	१४	२	तुलायां
३	श	२	५३	स्वा	३८	४१	ह	२६	५	ग	२	५३	५३	४९	११	१३	१५	३	तुलायां
४	र	८	४४	वि	४६	४	व	२८	३०	वि	८	४४	५७	४९	११	१४	१६	४	वृ. २९।१३
५	चं	१४	५७	अ	५३	४४	सि	३०	५४	बा	१४	५७	३१	४८	१२	१५	१७	५	वृश्चिके
६	मं	२१	२१	ज्ये	६०	०	व्य	३३	१५	तै	२१	२१	५	४७	१३	१६	१८	६	वृश्चिके
७	बु	२७	२२	ज्ये	१	१२	व	३४	५६	व	२७	२२	१०	४६	१४	१७	१९	७	ध. १।१२
८	गु	३२	८	मू	७	४७	प	३५	५२	ब	३२	८	१४	४५	१५	१८	२०	८	धनुषि
९	शु	३५	५३	पू	१३	७	शि	३५	४७	बा	३	३३	१८	४४	१६	१९	२१	९	म. २९।२
१०	श	३७	४८	उ	१६	४७	सि	३४	१३	तै	६	५०	२२	४४	१६	२०	२२	१०	मकरे
११	र	३७	४३	श्र	१८	४४	सा	३०	५८	व	७	४६	२६	४३	१७	२१	२३	११	कुं ४८।३४
१२	चं	३५	२९	ध	१८	२४	शु	२६	४	ब	६	३६	३०	४२	१८	२२	२४	१२	कुंभे
१३	मं	३१	१४	श	१६	१६	शु	२०	७	कौ	३	२१	३४	४१	१९	२३	२५	१३	मी. ५९
१४	बु	२५	१२	पू	१२	११	व	११	४६	व	२५	१२	३८	४०	२०	२४	२६	१४	मीने
१५	गु	१७	३३	उ	६	४३	ऐं	३	५०	श	१७	३३	४३	४०	२०	२५	२७	१५	मीने
३०	शु	९	१	रे	१	५३	वि	४२	३१	ना	९	१	४६	३९	२१	२६	२८	१६	मे. ०।१०

अप्रैल ४ ता. ३०
भ. ३५।४८ उ.
भ.८।४४या. मार्गी बुध:६।१२ चतुर्थी व्र.
कृत्ति. शुक्र:१७।५३ अश्वि.४शनि:९।१
भ. २७।२२ उ. ५९।४५ या.
वृषे शुक्र: ५।३१
अस्तं शने:३७।१४
मीने बुध:२८।५०
भ.७।४६।उ.३७।४३या.
रेवती.२गुरु:४।३२ वरूथिनी ११व्र.
प्रदोष:
भ.२५।१२उ. ५१।२३या. अश्वि-मेषेऽर्क:÷
उभा.बुध:७।३५ रोहि शुक्र:४४।१४
[÷११।११(सौर:१४।११)

५२पं.वै.कृ.४चं..इ.५५।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	११	०	०	३	११
२१	१५	२७	१८	२७	१०	२५	२१
५३	५६	५०	२९	२४	५	३०	५०
३१	१२	१८	३०	४७	३९	२७	५२
५९	३०	५८	१३	७१	७	३	५९
४	वः	मा	३८	३५	८	११	४

गोचर ग्रहा:

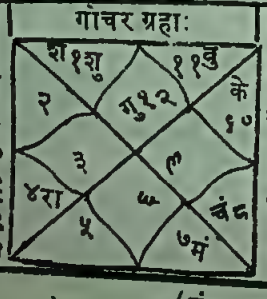

वैशाखकृष्णे १३ बुधे
मेषेऽर्क:प्रविष्ट: वा.४
न.४ प्रगल्भा-वस्था
(बैठी) मु.३०धान्यादि
भावे समता शुक्रोदय:
पश्चिमायां

गोचर ग्रहा:

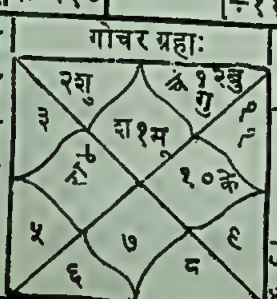

१ पं.वै.कृ.१३बु इ.११।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	११	१	०	३	११
०	१३	२	२०	८	११	२५	२९
०	४८	३९	२८	९	६	४	५७
०	२२	३२	३४	४७	४०	१९	४
५८	३६	४५	४३	१३	७१	७	३	५८
४४	व:	३	३२	४	१४	११	४५

ति. | वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५६८सन् १९९९

१	शु	५०	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	५०	३५	भ	४५	५०	प्री	३२	१५	बा	२५	१०	३१	५	६	२७	२९	१७
३	र	४१	४८	कृ	३९	१२	आ	२१	४९	तै	१६	१२	५३	३७	२३	२८	१	१८
४	चं	३३	५०	रो	३३	१८	सौ	१२	३१	व	८	४९	५७	३७	२३	२९	२	१९
५	मं	२६	५८	मृ	२८	३७	शो	४	५२	ब	०	२४	३३	३६	२४	३०	३	२०
६	बु	२१	२२	आ	२५	२२	सु	५०	३२	तै	२१	२२	५	३५	२५	१	४	२१
७	गु	१७	२६	पु	२३	३२	धृ	४५	३७	व	१७	२६	९	३४	२६	२	५	२२
८	शु	१४	५९	पु	२३	१४	शू	४२	०	ब	१४	५९	१२	३४	२६	३	६	२३
९	श	१४	४	श्ले	२४	१७	गं	३९	१३	कौ	१४	४	१६	३३	२७	४	७	२४
१०	र	१४	३०	म	२७	२	बृ	३७	५०	ग	१४	३०	२०	३२	२८	५	८	२५
११	चं	१६	२२	पू	३०	४७	धु	३७	२८	वि	१६	२२	२३	३१	२९	६	९	२६
१२	मं	१९	२६	उ	३५	४२	व्या	३८	२	बा	१९	२६	२७	३१	२९	७	१०	२७
१३	बु	२३	३४	ह	४१	२६	ह	३८	४४	तै	२३	३४	३१	३०	३०	८	११	२८
१४	गु	२८	२५	चि	४८	१०	व	४०	३५	व	२८	२५	३४	२९	३१	९	१२	२९
१५	शु	३४	०	स्वा	५५	७	सि	४२	२१	चि	१	१३	३८	२८	३२	१०	१३	३०

	वृ.५९।११
	वृषे
	वृषे
	मि. ०।५८
	मिथुने
	कं.९।०
	कर्के
	सिं. २४
	सिंहे
	कं.४७।१
	कन्यायां
	कन्यायां
	तु १४।४७
	तुलायां

चन्द्र दर्शनम्
परशुरामजयंती अक्षया ३मोहर्रम १सन्×
भ.८।४९उ.३३।५०या. [×१४२० हि.
उदयं गुरोः ५१।०
भा.वैशाखारंभः
भ. १७।२६उ.४६।१३या.
[+३गुरुः७।२४मोहिनी११ व्र.
पातस्पर्शः३५।०पातमोक्षः५२।५५
भ.४५।२६उ. [=१७।३५ प्रदोषः
भ.१६।२२या.रेवत्यांबुधः४६।३०रेवती+
भरण्यांरविः५१।३५(सौरः५६)मृगे शुक्रः=
नृसिंहजयंती
भ.२८।५५उ.
भ.१।१३या.यमाय सान्नजलकुंभदानं

२पं. वै. शु. ६ बु. इ. ११।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	११	१	०	३	०
६	११	९	२२	१६	१२	२४	६
५०	३१	४२	८	१९	०	४२	४७
४२	५२	११	४२	१९	७	३	१५
५८	२८	६६	१३	७०	७	३	५८
३१	व.	१४	२६	२३	२०	११	२९

गोचर ग्रहाः

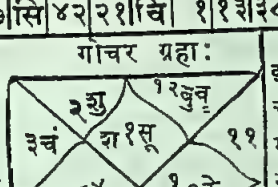

इस मास में गेहूं जो चना बाजरा मूंग मोठ मंदा हो गुड सक्कर में तेजी रहे धातु सोना चांदी में काफी तेजी बने।

गोचर ग्रहाः

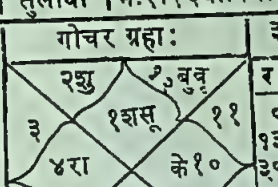

३ पं. वै. शु. १३ बु. इ. ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	११	१	०	३	०
१३	९	१८	२३	२४	१२	२४	१३
३९	०	४०	४७	२३	५४	१९	३५
४७	११	२४	३८	३५	११	४८	४०
५८	३५	८४	१३	६९	७	३	५८
१९	व	४४	२०	३५	२०	११	१२

ति. | प्र.ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	श	४०	१	वि	६०	०	व्य	४४	४७	बा	७	०	३३	५	६	११	१४	१
२	र	४६	७	वि	२	३३	व	४७	७	तै	१३	४	४५	२७	३३	१२	१५	२
३	चं	५२	१९	अ	९	५९	प	४९	३२	व	१९	१३	४८	२६	३४	१३	१६	३
४	मं	५८	८	ज्ये	१७	३२	शि	५१	३८	ब	२५	१३	५२	२६	३४	१४	१७	४
५	बु	६०	०	मू	२४	२२	सि	५२	५५	कौ	३०	३७	५५	२५	३५	१५	१८	५
५	गु	३	७	पू	३०	२४	सा	५३	३९	तै	३	७	५८	२४	३६	१६	१९	६
६	शु	७	१९	उ	३५	१३	शु	५३	१४	व	७	१९	३	२४	३६	१७	२०	७
७	शं	१०	४	श्र	३८	३८	शु	५१	४०	ब	१०	४	५	२३	३७	१८	२१	८
८	र	११	२	ध	४०	१८	ब्र	४८	२५	कौ	११	२	८	२२	३८	१९	२२	९
९	चं	१०	१५	श	३९	४९	ऐं	४३	४१	ग	१०	१५	११	२२	३८	२०	२३	१०
१०	मं	७	१९	पू	३७	३५	वै	३७	२०	वि	७	१९	१४	२१	३९	२१	२४	११
११	बु	२	३२	उ	३३	१३	धि	२९	३०	बा	२	३२	१७	२१	३९	२२	२५	१२
१२	बु	५३	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	गु	४७	४६	रे	२७	३५	प्री	२०	२७	ग	२१	४७	२०	२०	४०	२३	२६	१३
१४	शु	३८	२८	अ	२०	३७	आ	१९	४९	वि	१३	७	२३	१९	४१	२४	२७	१४
३०	श	२८	४१	भ	१२	५६	शो	४८	४०	च	३	३४	२६	१९	४१	२५	२८	१५

	वृ.४५।४१
	वृश्चिके
	वृश्चिके
	धनुषि
	म ४६।३६
	मकरे
	मकरे
	कुं. ९।२८
	कुम्भे
	मी.२३।९
	मीने
	०
	मे.२७।३५
	मेषे
	वृ.२५।५८

भ.१शनिः४२।५९ मई ५ ता. ३१

भ.१९।१३उ.५२।१९या.मिथुने शुक्रः ९।१८
वक्री चित्रायां भौमः४३।२१ व्र.
अश्विनी मेषे बुधः२१।४७

भ.७।१९उ.३८।४२ या.

आर्द्रा.शुक्रः६।२०
भ.३८।४७उ.रेवती.४गुरुः३६।५०
भ.७।१९या.कृत्ति.रवि:३७।२१(सौरः×
भरण्यांबुधः४७।४३अपारा११व्र. [×४३।२८)
[÷६।१५ वटपूजनम्
भ.४७।४६उ.प्रदोषः
भ.१३।७या.बुधास्तःपूर्वस्यां १९।१३
वृषेऽर्कः४।३६(सौरः१९) उदयं शने÷

४पं.प्र.ज्ये. कृ.५ बु.इ. ११।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	११	२	०	३	०
२०	६	२९	२५	२	१३	२३	२०
२७	२८	४३	२४	२०	४७	५७	२२
२५	३७	२३	३२	३८	२०	३२	२३
५८	२३	०	१३	६८	७	३	५७
६	वं.	३०	८	४७	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

प्र. ज्येष्ठ कृष्णे ३० शनौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न. ५ सुतार्थिन्य-वस्था (सूती) मृ. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

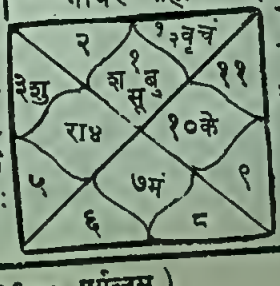

५ पं.प्र.ज्ये.कृ.११बु.इ. १२।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	०	११	२	०	३	०
२७	४	१२	२७	१०	१४	२३	२७
१३	११	११	०	९	४०	२५	०७
३७	२	३१	१४	२९	३७	१६	३७
५७	२९	२८	१२	६७	७	३	५७
५४	व.	३४	४४	३८	१४	११	४५

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	प्र.ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः २५९७ सन् १९९९
१	र	१८	३४	कृ	५/४	५२/२५	अ	३७	५३	ब	१८	३४	३३/२८	५/१८	६/४२	२६	२९	१६	वृषे	चंद्रदर्शनम् अधिकमासारंभः
२	चं	८	५९	मृ	५०	४४	सु	२७	३७	कौ	८	५९	३१	१८	४२	२७	१	१७	मि.२४।७	आश्ले.२राहुःश्रव. ४ केतु. ०।४२सफर२
३	मं	०	१५	आ	४५	१९	धृ	१७	१७	ग	०	१५	३४	१७	४३	२८	२	१८	मिथुने	भ.२६।३२उ.५२।४९ या.
४	मं	५२	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	४७	२	पु	४१	३४	शू	१०	२६	ब	१९	५५	३७	१७	४३	२९	३	१९	क.२७।३०	कृति. बुधः २७।३६
६	गु	४३	४	पु	३९	३४	गं	३/५८	५५/१	कौ	१५	३	३९	१६	४४	३०	४	२०	कर्के	
७	शु	४१	१४	श्ले	३९	३०	ध्रु	५५	२८	ग	१२	९	४२	१६	४४	३१	५	२१	सिं. ३९/३०	भ.४१।१४उ. वृष बुधः २।४३
८	श	४१	१३	म	४१	२३	व्या	५३	३८	वि	११	१३	४४	१५	४५	१	६	२२	सिंहे	भ.११।१३या. पुन.शुक्रः १०/४८भा.ज्येष्ठारंभ
९	र	४२	५९	पू	४४	४९	ह	५२	४८	बा	१२	६	४७	१५	४५	२	७	२३	सिंहे	
१०	चं	४६	१०	उ	५०	१	व	५३	४२	तै	१४	३४	४९	१४	४६	३	८	२४	कं. १।७	[×२८/१० (सौरः ३७/२३) रोहि.बुधः ३६/३८ कमला÷
११	मं	५०	४६	ह	५६	८	सि	५४	४६	व	१८	२२	५२	१४	४६	४	९	२५	कन्यायां	भ.१८।२२उ. ५०।४६या. रोहि.रविः×
१२	बु	५६	२	चि	६०	०	व्य	५६	५२	ब	२३	२५	५४	१३	४७	५	१०	२६	तु.२९।३६	अश्वि.१मेषे गुरुः०।४६ [÷११ व्रतम्
१३	गु	६०	०	चि	३	५	व	५९	५	कौ	२९	१	५६	१३	४७	६	११	२७	तुलायां	प्रदोषः
१३	शु	१	५९	स्वा	१०	१९	प	६०	०	तै	१	५९	५८	१२	४८	७	१२	२८	तुलायां	भरणी २ शनिः २७।४२
१४	श	८	५	वि	१७	४७	प	१	२२	व	८	५	३४/००	१२	४८	८	१३	२९	वृ.०।५५	भ.८।५उ. ४१।६या.
१५	र	१४	६	अ	२५	९	शि	३	४०	ब	१४	६	२	१२	४८	९	१४	३०	वृश्चिके	कर्के शुक्रः ४७।५४

६ पं.प्र.ज्ये.शु.५बु.इ.१२/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	११	२	०	३	१
३	२	२६	२८	१७	१५	२३	३
५८	२२	८	३२	४९	३२	१३	५१
३७	१९	१७	२८	१२	५६	१	१८
५७	११/३३	[illegible]	१२	६६	७	३	५७
४४	व:	५६	२०	२२	६	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मासमें सोना चांदी रुई पाट वारदाना अनाज चावल गेहूं बाजरा गुड सक्कर आदि में तेजी हो, धूप अधिक वायुका जोरहो

गोचर ग्रहाः

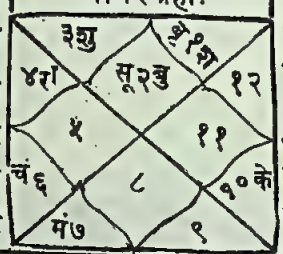

७ पं.प्र.ज्ये.शु.१२बु.इ.१२/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	०	२	०	३	१
१०	१	११	०	२५	१६	२२	१०
४२	१०	१६	२	१७	२४	५०	३३
२९	४१	५२	२०	२	२२	४५	२९
५७	५/३५	[illegible]	१२	६४	६	३	५७
३५	व.	५३	१	४६	५६	११	२३

ति.	द्वि.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे प्र.ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	चं	२०	४	ज्ये	३२	२०	सि	६	१	कौ	२०	४	३४/३	५/११	६/४९	१०	१५	३१	ध. ३२/२०	मृगे बुधः ४०।४५
२	मं	२५	३२	मू	३८	५५	सा	७	५७	ग	२५	३२	५	११	४९	११	१६	१	धनुषि	भ.५७/१८उ. मार्गी भौमः ३३/४८जून ६ ता.३०
३	बु	२९	०५	पू	४४	५६	शु	९	१४	वि	२९	५	७	११	४९	१२	१७	२	धनुषि	भ.२९।५या.पुष्येशुक्रः ५८/५३ च. व्र.
४	गु	३३	५२	उ	५०	४	शु	१०	१०	ब	२	२८	९	१०	५०	१३	१८	३	म.१।१३	मिथुने बुधः५१।३४
५	शु	३६	३८	श्र	५४	७	ब्र	१०	६	कौ	५	१५	१०	१०	५०	१४	१९	४	मकरे	
६	श	३८	८	ध	५६	४१	ऐं	९	११	ग	७	२४	१२	१०	५०	१५	२०	५	कुं. २५/२४	भ.३८।८उ.बुधोदयःपश्चिमायां ३९।९
७	र	३८	१६	श	५७	४५	वै	७	१०	वि	८	१२	१३	९	५१	१६	२१	६	कुंभे	भ.८।१२या.
८	चं	३६	३७	पू	५७	२३	वि	३/५२	५५/२६	बा	७	२६	१५	९	५१	१७	२२	७	मी. ४२/२९	आर्द्रा. बुधः११।३९
९	मं	३३	३०	उ	५५	१६	आ	५३	११	तै	५	४	१६	९	५१	१८	२३	८	मीने	मृगे रविः२३।३ (सौरः३६।१३)
१०	बु	२८	३०	रे	५१	३५	सौ	४६	६	व	१	०	१७	९	५१	१९	२४	९	मे. ५१/३५	भ.१।०उ.२८।३०या.
११	गु	२२	२	अ	४६	३०	शो	३७	२७	बा	२२	२	१८	८	५२	२०	२५	१०	मेषे	कमला ११ व्र.
१२	शु	१४	१२	भ	४०	२	अ	२८	८	तै	१४	१२	१९	८	५२	२१	२६	११	बृ. ५३/११	अश्वि.२गुरुः४७।२९ प्रदोषः
१३	श	५	२१	कृ	३२	३८	सु	१८	४९	व	५	२१	१९	८	५२	२२	२७	१२	वृषे	भ.५।२१उ.३०.३०या.
१४	श	५०	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	र	४५	५२	रो	२५	१	धृ	७/१३	४९/३०	च	२०	४४	२०	८	५२	२३	२८	१३	मि. ५१/१६	अधिकमास समाप्तिः

८ पं.द्वि.ज्ये.कृ.३बु.इ. १२/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	०	३	०	३	१
१७	०	२६	१	२	१७	२२	१७
२५	३९	३२	२८	३१	१४	२८	१४
१९	५४	२०	३०	२६	४६	३०	३५
५७	७/३४	[illegible]	११	६२	६	३	५७
२७	मा	[illegible]	२४	५०	३८	११	१३

गोचर ग्रहाः

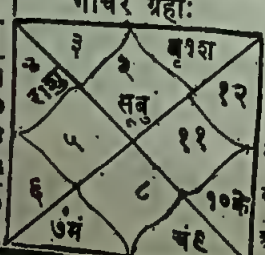

इस मास में गेहूं जो चना मटर अरहर गुड सक्कर में मंदी होकर सुदी में तेजी की संभावना है प्रजा में शाति और वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

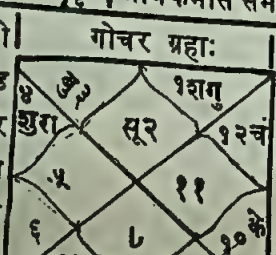

९पं.द्वि.ज्ये.कृ.१०बु.इ.१२/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	२	०	३	०	३	१
२४	०	१०	२	९	१८	२२	२३
७	४८	२८	५१	२८	२	६	५४
१९	२५	१९	४०	५	३८	१४	३१
५७	६	[illegible]	१०	६०	६	३	५७
२२	१०	२०	५४	२२	२६	११	०५

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	द्वि. ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः २६२६स.१९९९
१	चं	३६	१८	मृ	१७	३१	गं	४६	२०	किं	११	५	३४/२१	५/८	६/५२	२४	२९	१४	मिथुने	पुन.बुधः ३१।०
२	मं	२७	३४	आ	१०	५०	बृ	३७	०	बा	१	५६	२१	८	५२	२५	३०	१५	क.५१।४०	मिथुनेऽर्कः २१/३७ (सौरः ३७।१) चंद्रदर्शनम्
३	बु	२०	१७	पु	५	१७	ध्रु	२८	४३	ग	२०	१७	२२	८	५२	२६	१	१६	कर्के	भ.४७/३२उ.आश्ले.शुक्र.४८।३९रविलावले३
४	गु	१४	४८	पु	१/१२	५८/५	व्या	२१	५४	वि	१४	४८	२२	८	५२	२७	२	१७	सिं. ५९/१७	भ:१४।४८या.
५	शु	११	२५	म	५९	२०	ह	१६	५०	बा	११	२५	२३	७	५३	२८	३	१८	सिंहे	
६	श	९	५९	पू	६०	०	व	१३	३६	तै	९	५९	२३	७	५३	२९	४	१९	सिंहे	
७	र	९	३४	पू	१	४३	सि	११	५०	व	९	३४	२३	७	५३	३०	५	२०	कं.१७।४४	भ.९।३४उ.४०।१८या.
८	चं	११	२	उ	५	४७	व्य	११	५३	ब	११	२	२४	७	५३	३१	६	२१	कन्यायां	कर्के बुधः २१।५७ [×आषाढारंभः
९	मं	१७	४३	ह	११	२६	व	१२	३७	कौ	१७	४३	२४	७	५३	१	७	२२	तु.४४।४९	आर्द्रा रविः २०/३२ (सौरः ३८/३४) भा.×
१०	बु	२३	१	चि	१८	१३	प	१४	२५	ग	२३	१	२४	७	५३	२	८	२३	तुलायां	भ.५६।७उ.गंगादशमी
११	गु	२९	१४	स्वा	२५	४०	शि	१६	४९	वि	२९	१४	२४	७	५३	३	९	२४	तुलायां	भ.३९/१४या.पुष्ये बुधः ७।१९निर्जला ११व्र.
१२	शु	३५	२८	वि	३३	१६	सि	२०	२५	ब	२	२१	२४	७	५३	४	१०	२५	वृ.१६।२२	
१३	श	४१	३३	अ	४०	४४	सा	२१	५३	कौ	८	२७	२३	७	५३	५	११	२६	वृश्चिके	प्रदोषः
१४	र	४७	१०	ज्ये	४७	४७	शु	२४	३	ग	१४	२१	२३	७	५३	६	१२	२७	ध.४७।४७	भ.४७।१०उ.भरणी३शनिः५८।४२
१५	चं	५२	७	मृ	५४	१०	शु	२५	५८	वि	१९	३८	२२	८	५२	७	१३	२८	धनुषि	भ.१९।३८या.गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

१०पं.द्वि.ज्ये. शु.३बु.इ.१२/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	०	३	०	३	२
०	१	२२	४	१६	१८	२१	०
४८	३३	२४	१०	५	४८	४३	३३
३६	३२	२५	८	३१	१४	५८	४०
५७	११	९४	१०	५७	६	३	५६
१७	३४	४२	११	१४	७	११	५७

गोचर ग्रहाः

द्वि.ज्येष्ठ शुक्ले२ भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा ४न. ६ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

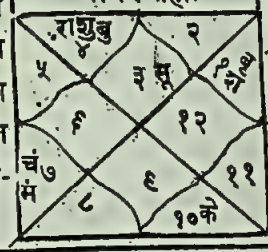

११पं.द्वि.ज्ये.शु१०बु.इ.१२/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	३	०	३	२
७	२	२	५	२२	१९	२१	७
२९	५२	१३	२२	१६	३१	२१	१२
३१	२३	३७	५९	४८	३४	४३	०७
५७	१६	७२	९	५३	५	३	५६
१३	१७	३६	२९	१	४६	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठकृष्णेत्ति महा.
१	मं	५६	१	पू	५९	३०	ब्र	२६	५६	बा	२४	४	३४/२२	५/८	६/५२	८	१४	२९	धनुषि	
२	बु	५९	८	उ	६०	०	ऐं	२७	१२	तै	२७	३४	२१	८	५२	९	१५	३०	म. १५/४०	
३	गु	६०	०	उ	४	८	वै	२६	४९	व	३०	४	२०	८	५२	१०	१६	१	मकरे	भ.३०/४उ. अश्वि.३गुरुः १३/३९जुलाई७ता.३१
३	शु	१	०	श्र	७	४४	वि	२५	४३	वि	१	०	१९	८	५२	११	१७	२	कुं.३८।५८	भ.१।०या.मघा. सिंहेशुक्रः४७।३९च व्र.
४	श	१	५९	ध	१०	११	प्री	२३	४०	बा	१	५९	१८	८	५२	१२	१८	३	कुंभे	
५	र	१	५१	श	११	४१	आ	२०	४६	तै	१	५१	१७	९	५१	१३	१९	४	मी. ५७।५	
६	चं	०	३७	पू	१२	१४	सौ	१७	०	व	०	३७	१६	९	५१	१४	२०	५	मीने	भ.०।३७उ.२९।२६ या.
७	चं	५७	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	मं	५४	३५	उ	११	२०	शो	१२	७	बा	२६	२४	१५	९	५१	१५	२१	६	मीने	पुन.रविः १९/२२ (सौरः ४२/३६) स्वात्यां × [×भौमः२९।६
९	बु	४९	५१	रे	९	१७	अ	३/७	५६/३७	तै	२२	१३	१४	९	५१	१६	२२	७	मे.९।१७	
१०	गु	४४	५०	अ	६	५	धृ	५२	२६	व	१७	२०	१३	९	५१	१७	२३	८	मेषे	भ.१७।२०उ.४४।५०या.
११	शु	३६	५४	भ	१/४३	५४/४३	शू	४२	४३	ब	१०	२२	११	१०	५०	१८	२४	९	वृ. १५/२४	योगिनी११व्र.
१२	श	२८	५७	रो	५०	२८	गं	३४	३१	कौ	२	२५	१०	१०	५०	१९	२५	१०	वृषे	प्रदोषः
१३	र	२०	३२	मृ	४३	५३	बृ	२४	५८	व	२०	३२	८	१०	५०	२०	२६	११	मि. १७/१०	भ.३०/३२उ.४६।६या.वक्री बुध :३।४९÷ [÷आश्ले.१राहुःश्रव.३ केतुः ५१।६
१४	चं	११	४०	आ	३७	३३	ध्रु	१५	१५	श	११	४०	७	११	४९	२१	२७	१२	मिथुने	
३०	मं	३	१९	पु	३१	३२	व्या	५/५०	५१/१२	ना	३	१९	५	११	४९	२२	२८	१३	कं.१८।२	

१२पं.आ.कृ. २बु.इ. १२/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	३	०	३	२
१४	४	९	६	२७	२०	२०	१३
९	४०	३९	३१	५६	११	५९	५०
५८	५२	७	८	१३	५३	२७	१२
५७	१९	४५	८	४७	५	३	५६
७	५८	३२	४१	५०	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

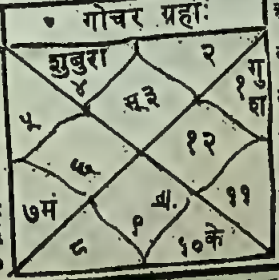

आषाढ शुक्ले ४ शुक्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टःवा. ४ न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

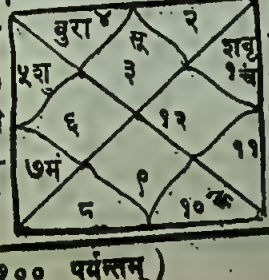

१३पं.आ.कृ.९बु.इ.१२।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	४	०	३	२
२०	६	१४	७	२	२०	२०	२०
५०	५६	१२	३३	५४	४९	३७	२८
२४	४२	३२	७	७	१२	१२	०६
५७	२३	१६	७	४१	४	३	५६
७	७	१३	४३	०	५३	११	५०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेहर्गणः २६५६ स. १९९९
१	मं ५२ २८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	
२	बु ४६ २८ पु २६ ४७ व ४६ २१ बा २२ ३७	३४ ५ ६	२३ २६ १४	कर्क	चंद्र दर्शनम् रथयात्रा
३	गु ४४ ५६ श्ले २३ २८ सि ४२ ५८ ते १७ १२	३ ११ ४९		सिं. ३३	रविलारवर ४
४	शु ४२ ३२ म २२ १ व्य ३७ ५ व १३ ४४	१ १२ ४८	२४ १ १५	सिंहे	भ. १३ उ. ४२।३२या.कर्कोऽर्कः४८।४८
५	श ४२ ० पू २२ ३८ व ३५ १ ब १२ १६	३३ १२ ४८	२५ २ १६	कं. ३८।१९	कर्कोऽर्कःसौरः१५।२०
६	र ४३ ४० उ २५ १६ प ३३ ४६ कौ १२ ५०	५७ १३ ४७	२६ ३ १७	कन्यायां	बुधास्तःपश्चिमायां ३४।१४
७	चं ४७ ११ ह २६ ४७ शि ३३ २५ ग १५ २६	५५ १३ ४७	२७ ४ १८	कन्यायां	भ.४७।११उ.
८	मं ५२ ६ चि ३५ ४५ सि ३४ ३७ वि १६ ३६	५२ १४ ४६	२८ ५ १९	तु.२।४६	भ. १९ या.पुष्ये रविः१८।६(सौरः४६।१
९	बु ५८ ५ स्वा ४२ ४४ सा ३६ ४१ बा २५ ५	५० १४ ४६	२९ ६ २०	तुलायां	
१०	गु ६० ० वि ५० १३ शु ३६ ७ ते ३१ १३	४८ १४ ४६	३० ७ २१	वृ.३३।२०	
१०	शु ४ २२ अ ५७ ५६ शु ४१ ३८ ग ४ २२	४५ १५ ४५	३१ ८ २२	वृश्चिके	
११	श १० ३३ ज्ये ६० ० ब्र ४३ ५७ वि १० ३३	४३ १५ ४५	१ ९ २३	वृश्चिके	भ.३७।२७उ.भा.श्रावणारंभः
१२	र १५ ५८ ज्ये ५ २ ऐं ४५ ४६ बा १५ ५८	४० १६ ४४	२ १० २४	वृश्चिके	भ.१०।३३या. देवशयनी ११ व्र.
१३	चं २० ४३ मू ११ २९ वै ४६ ४२ ते २० ४३	३८ १६ ४४	३ ११ २५	ध.५।२	हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१४	मं २४ ८ पू १६ ४३ वि ४६ ४२ व २४ ८	३५ १७ ४३	४ १२ २६	धनुषि	
१५	बु २६ २० उ २० ४५ प्री ४५ ४३ ब २६ २०	३३ १७ ४३	५ १३ २७	म.३२।४४	भ.२४।८उ. ५५ या.वायुपरीक्षा
		३० १८ ४२	६ १४ २८	मकरे	अश्वि.४गुरुः ४७ गुरु १५ व्यास पूजा

१४ पं.आ.शु.२बु इ.१२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	४	०	३	२
२७	९	१५	८	६	२१	२०	२७
३०	२४	२३	२८	५८	२३	१४	६
४३	४४	२८	१	३४	१३	५६	१३
५७	२५	३३	६	३१	४	३	५६
११	४६	व	४१	५६	२७	११	५४

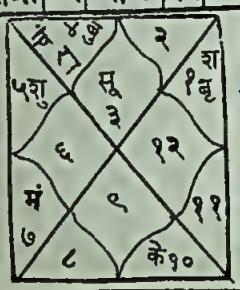

१५ पं.आ.शु.९ बु.इ.१२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	०	४	०	३	३
४	१२	१२	९	९	२१	१९	३
११	३३	५९	१६	५१	५२	५२	४४
२८	४०	५३	२६	२५	२३	४०	४०
५७	२८	३८	५	२०	३	३	५६
१५	१८	व	४९	१०	४८	११	५८

१६ पं.आ.शु.१५बु.इ.११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	०	४	०	३	३
१०	१५	८	०	११	२२	१९	१०
५२	४९	१५	५७	१३	१७	३०	२३
३०	२३	३६	५४	५९	४९	२५	५७
५७	३०	४४	४	५	३	३	५७
२०	१७	व	४२	२७	१६	११	०५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेआषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु २७ १७ अ २३ २८ आ ४३ ४२ कौ २७ १७	३३ ५ ६	७ १५ २९	कुं.५४।१७	
२	शु २७ २ ध २५ ५ सौ ४१ ५ ग २७ २	२४ १९ ४१	८ १६ ३०	कुम्भे	भ.५६।५६उ.वक्री शुक्रः२७।५१
३	श २५ ५० श २५ ४४ शो ३७ २७ वि २५ ५०	२२ २० ४०	९ १७ ३१	कुंभे	भ.२५।५० या. चतुर्थी व्र.
४	र २३ ३४ पू २५ ३५ अ ३३ २२ बा २३ ३४	१९ २० ४०	१० १८ १	मी. ३९	अगस्त ८ ता. ३१
५	चं २० ३९ उ २४ ३१ सु २८ २९ तै २० ३९	१६ २१ ३९	११ १९ २	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	मं १७ २ रे २२ ४६ धृ २२ ५८ व १७ २	१३ २१ ३९	१२ २० ३	मे. ४२	भ. १७ उ. ५४ या.आश्ले.रविः १५ (सौरः ४६
७	बु १२ ५६ अ २० २९ शू १६ ५६ ब १२ ५६	१० २२ ३८	१३ २१ ४	मेषे	बुधोदयःपूर्वस्यां२२।४३
८	गु ७ ५८ म १७ २९ गं १० २२ कौ ७ ५८	७ २३ ३७	१४ २२ ५	बृ. ३१	विशा.भौमः२८।३१
९	शु २ ३३ कृ १३ ५२ बृ २५ ५३ ग २ ३३	४ २३ ३७	१५ २३ ६	वृषे	भ. ३९ उ. ५६ या.मार्गी बधः४३।५५
१०	शु ५३ ५५ ० ० ० ० ० ० ० ०	० ० ०	०	०	
११	श ५० ० रो ९ ४५ व्या ४८ २ ब २३ १४	० २४ ३६	१६ २४ ७	मि. ३८	कामिका ११व्र.स्मा.
१२	र ४३ १० मृ ५ १० ह ३९ ४४ कौ १६ ३५	३३ २५ ३५	१७ २५ ८	मिथुने	कामिका ११व्र.वै.
१३	चं ३६ २० आ २९ ५५ व ३१ ३८ ग ९ ४५	१७ २५ ३५	१८ २६ ९	क. ४१	भ.३६।२०उ. प्रदोषः
१४	मं २९ ५३ पु ५१ ३६ सि २३ ४५ वि ३ ७	५० २६ ३४	१९ २७ १०	कर्के	भ.३।७ या.
३०	बु २४ १६ श्ले ४८ २२ व्य १६ २० ना २४ १६	४७ २७ ३३	२० २८ ११	सिं. ४६	शुक्रास्तः पश्चिमायां ३०।०हरियाली ३०

१७ पं.श्रा.कृ.७बु.इ. ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	३	०	४	०	३	३
१९	१९	४	१०	१०	२२	१९	१७
१८	१८	४८	२९	४९	३८	८	३
४०	४०	२२	२०	३७	४९	९	४५
३२	३२	२२	३	३३	२	३	५७
१८	१८	व	३४	व.	३१	११	१२

ग्रोचर ग्रहाः

इस मास में बाजरा मूंग मोठगेहूं जो आदि धान्य मंदा होवे चांदी सोना ताम्बा आदि धातु व रस तेज हो वर्षा होवे।

ग्रोचर ग्रहाः

१८ पं.श्रा.कृ. ३०बु.इ. १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	०	४	०	३	३
२४	२३	६	१०	८	२२	१८	२३
१६	२	११	५३	२८	५४	४५	४४
३७	४२	२४	२०	१	४०	५४	५२
५७	२४	३५	२	२६	१	३	५७
३३	३	मा	१६	व.	५२	११	२२

(सं. २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेहर्गणः २६८५सन् १९९९
१	गु	१९	५४	म	४६	१४	व	९	४६	ब	१९	५४	३२/४४	५/२७	६/३३	२१	२९	१२	सिंहे	
२	शु	१७	२	पू	४६	०	प	४	२२	कौ	१७	२	४०	२८	३२	२२	३०	१३	सिंहे	चंद्र दर्शनम् सिंघारा
३	श	१६	५	उ	४७	४०	शि	०/२१	५७/२५	ग	१६	५	३७	२९	३१	२३	१	१४	कं. १।२५	भ.४६/३३उ.तीज.जमादिलावल ५
४	र	१७	२	ह	५१	०	सा	५६	५६	वि	१७	२	३३	२९	३१	२४	२	१५	कन्यायां	भ.१७।२या.वरद ४
५	चं	१९	४९	चि	५५	५९	शु	५७	४	बा	१९	४९	३०	३०	३०	२५	३	१६	तु.२३।२९	नागपंचमी
६	मं	२४	९	स्वा	६०	०	शु	५७	५२	तै	२४	९	२६	३१	२९	२६	४	१७	तुलायां	मघा.सिंहेर्कः९।९ (सौरः४३।१३)
७	बु	२९	४१	स्वा	२	२६	ब्र	५८	१८	व	२९	४१	२२	३२	२८	२७	५	१८	वृ.२५।४४	भ.२९।४१उ.
८	गु	३५	५३	वि	९	३०	ऐं	६०	०	वि	२	४७	१९	३२	२८	२८	६	१९	वृश्चिके	भ.२।४७या.
९	शु	४२	२	अ	१७	७	ऐं	२	४४	बा	८	५७	१५	३३	२७	२९	७	२०	वृश्चिके	आश्ले.बुधः५३।५१
१०	श	४७	४७	ज्ये	२४	२२	वै	५	११	तै	१४	५५	१२	३४	२६	३०	८	२१	ध.२४।२२	[×पूर्वस्यां श्रावणी कर्म.रक्षाबंधनंभद्रोत्तरं
११	र	५२	४२	मू	३१	११	वि	७	१९	व	२०	१४	८	३४	२६	३१	९	२२	धनुषि	भ.२०।१४उ.५३/४२या. पवित्रा ११व्र.
१२	चं	५६	१	पू	३६	३१	प्री	८	२२	ब	२४	२२	४	३५	२५	१	१०	२३	म.५२।३३	बृश्चिके भौमः२१।५९भा.भाद्रपदारंभः
१३	मं	५७	५०	उ	४०	४०	आ	८	३४	कौ	२६	५६	१	३६	२४	२	११	२४	मकरे	वक्री गुरुः९।३०प्रदोषः
१४	बु	५८	४	श्र	४३	७	सौ	७	३४	ग	२७	५७	३१/५७	३७	२३	३	१२	२५	मकरें	भ.५८।४उ.वक्री कर्के आश्ले.शुक्रः४०।०
१५	गु	५६	४७	धं	४४	८	शो	५	२२	वि	२७	२६	५३	३७	२३	४	१३	२६	कुं.१३।३८	भ.२७/२६या.बुधास्तःपूर्वस्यां१६/२३ शुक्रोदयः×

१९ पं.श्रा.शु.७बु.इ.११।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	०	४	०	३	४
०	२६	१२	११	४	२३	१८	०
५९	५९	५०	७	३६	५	२३	२७
५३	४२	१३	३७	४	५६	३८	५
५७	३५	८४	०	३५/४७	१	३	५७
४०	२५	५३	५८	व.	१३	११	३४

गोचर ग्रहाः

६ ४बुरा ७ मं चं शुसू५ ३ ८ २ ९ ११ १ गु शा के१० १२

श्रावण शुक्ले ६ भौमे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

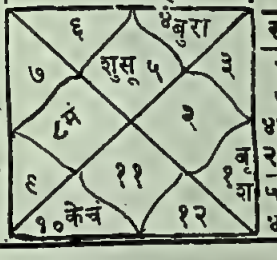

६ ४बुरा ७ शुसू ५ ३ ८मं २ ९ ११ १ बृ शा १०केचं १२

२०पं.श्रा.शु.१४बु..इ. ११/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	०	४	०	३	४
७	१	२३	११	०	२३	१८	७
४४	६	४८	१३	१६	१२	१	१०
२०	३६	३२	१२	१६	७	२२	३५
५७	३६	०/०	०/१०	३३/५८	०	३	५७
४९	३४	५	व.	व.	३१	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेश्रावण कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५४	१२	श	४३	४४	अ	१/४६	५५/३१	बा	२५	२९	३१/४९	५/३८	६/२२	५	१४	२७	कुंभे	
२	श	५०	३१	पू	४२	२०	धृ	५१	५३	तै	२२	२१	४६	३९	२१	६	१५	२८	मी. २७/४१	मघा.सिंहे बुधः३५/३५अनु.भौमः५७।२०
३	र	४६	८	उ	३९	५९	शू	४५	५८	व	१८	१९	४२	४०	२०	७	१६	२९	मीने	भ.१८/१९उ.४६।८या.वक्री शनिः४८।९
४	चं	४१	५	रे	३६	५९	गं	३९	२३	ब	१३	३७	३८	४०	२०	८	१७	३०	मे. ३६/५९	पूफा.रविः५८।४५ चतुर्थी व्र.
५	मं	३६	८	अ	३३	५३	बृ	३२	३४	कौ	८	३७	३४	४१	१९	९	१८	३१	मेषे	पूफा.रविःसौरः३४।५चंद्रषष्ठी
६	बु	३०	५३	भ	३०	३५	ध्रु	२५	४६	ग	३	३१	३०	४२	१८	१०	१९	१	बृ. ४४/४६	भ.३०/५३उ.५८/१८या.सितम्बर ९ ता. ३०
७	गु	२५	४२	कृ	२७	२०	व्या	१८	४२	ब	२५	४२	२६	४३	१७	११	२०	२	वृषे	जन्माष्टमी व्र.स्मार्ता.जयंती
८	शु	२०	२९	रो	२४	२	ह	११	३८	कौ	२०	२९	२२	४४	१६	१२	२१	३	मि.५२/१८	जन्माष्टमी व्र.वै.
९	श	१५	१२	मृ	२०	३५	व	४/४१	५३/२	ग	१५	१२	१८	४४	१६	१३	२२	४	मिथुने	भ.४२/३७उ.पूफा.बुधः१९।१० गोगा ९
१०	र	१०	२	आ	१७	१७	व्य	५०	५६	वि	१०	२	१५	४५	१५	१४	२३	५	मिथुने	भ.१०।२ या.
११	च	४	५९	पु	१४	१९	व	४४	१७	बा	४	५९	११	४६	१४	१५	२४	६	क.०।४	अजा ११ व्र.
१२	मं	०	२६	पु	११	३६	प	३८	१०	तै	०	२६	७	४७	१३	१६	२५	७	कर्के	भ५६/२५उ. वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	मं	५५	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	बु	५३	१०	श्ले	९	३५	शि	३२	२८	वि	२४	४७	३	४७	१३	१७	२६	८	सिं. ९/३५	भ.२४।४७या.
३०	गु	५१	१५	म	८	२०	सि	२७	४२	च	२२	१२	३०/५९	४८	१२	१८	२७	९	सिंहे	मार्गी शुक्रः३६।२१कुशाग्रहणी.मन्वादिः

२१ पं. भा.कृ.६ बु.इ. ११/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	०	३	०	३	४
१४	५	७	११	२६	२३	१७	१३
३०	२१	१३	८	४५	१२	३९	५५
०	५४	४४	१३	४०	५८	७	४७
५८	३७	०/१६	१/३६	२१/५४	०/१६	३	५७
१	३५	५२	व	व.	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

६ शु४रा ७ बुसू५ ३ ८मं २ ९ ११ १चं शबृ १०के १२

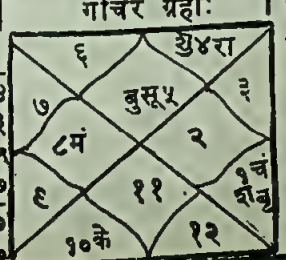

इस मास में धान्य रुई सोना चांदी लोहा रंग सूत तेज होगे प्रजा में अशांति रहे कहीं २ थोडी वर्षा भी होवे।

गोचर ग्रहाः

६ ५ ४राशु ७ बुसूचं ३ मं८ २ ९ ११ १ गु शा १०के १२

२२ पं.भा.कृ. १४बु.इ.१०/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	०	३	०	३	४
२१	९	२०	१०	२४	२३	१७	२०
१७	४६	५४	५३	५७	८	१६	४२
२	५५	२५	२८	४०	४९	५१	२७
५८	३८	०/१६	२/५६	५/३४	०/५६	३	५८
१३	३०	१३	व	व	व.	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७१४ स. १९९८
१	शु ५०३७ पू ८२२ सा २३४७ कि २०५६	३०	५	६	१९	२८	१०	कं. ३३०	
२	श ५१३८ उ ९३७ शु २०५६ बा २१ ८	५१	५०	१०	२०	२९	११	कन्यायां	उफा बुधः १०।५७ चंद्र दर्शनम्
३	र ५४२२ ह १२३२ शु १९५३ तै २३ ०	४७	५१	९	२१	१	१२	तु.४४।४७	हरितालिका ३
४	चं ५८२२ चि १७ २ ब्र १९ २ व २६२२	४३	५१	९	२२	२	१३	तुलायां	भ.२६।२२उ.५८।२२या.उफा.रविः४३×
५	मं ६० ० स्वा २२५८ ऐं १९३५ ब ३१ ३	३९	५२	८	२३	३	१४	तुलायां	उफा. रवि.सौरः १८।४४ ऋषि ५
५	बु ३ ४४ वि ३०३३ वै २१२१ बा ३ ४४	३५	५३	७	२४	४	१५	वृ. १३	[×कन्यायां बुधः ३१६ गणेश ४जमादिलाख ६
६	गु ९ ५८ अ ३७ ३ वि २३३७ तै ९ ५८	३१	५४	६	२५	५	१६	वृश्चिके	[÷सौरः ४३।५५
७	शु १५ ५८ ज्ये ४४ ३७ प्री २६ २ व १५ ५८	२७	५५	५	२६	६	१७	ध. ३४	भ.१५।५८उ.४९।१या.कन्यायामर्कः ६११÷
८	श २२ ४ मू ५१ ४९ आ २८ १८ ब २२ ४	२२	५६	४	२७	७	१८	धनुषि	हस्ते बुधः ३९ ज्येष्ठा.भौमः ४२।२४
९	र २७ २३ पू ५७ ५९ सौ ३० १० कौ २७ २३	१८	५६	४	२८	८	१९	धनुषि	पुष्य.४ राहुः श्रवण २ केतुः ४६।१०
१०	चं ३१ ३२ उ ६० ० शो ३० ५९ ग ३१ ३२	१४	५७	३	२९	९	२०	म. १५	रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
११	मं ३३ २८ उ २ ५१ अ ३० २५ व २ ३०	९	५८	२	३०	१०	२१	मकरे	भ.२।३०उ.३३ या.वक्री अश्वि.३ गुरुः+
१२	बु ३३ ४६ श्र ५ ५२ सु २८ ३२ ब ३ ३७	५	५९	१	३१	११	२२	कुं. ३६	वामन जयंती[+३२।२६जलझूलनी ११ व्र.
१३	गु ३२ १३ ध ७ ८ धृ २५ १२ कौ २ ५९	३०	०	०	१	१२	२३	कुम्भे	भा.आश्विनारंभः प्रदोषः
१४	शु २८ ५५ श ६ ३५ शू २० २५ ग ० ३४	२९	०	५	२	१३	२४	मी.४९	भ.३६उ.५६या.बुधास्तःपश्चिमायां४६=
१५	श २४ १० पू ४ २४ गं १४ २३ ब २४ १०	५२	१	५९	२	१४	२५	मीने	महालयश्राद्धारंभः [=अनंत १४

२३ पं.भा.शु ५ बु.इ. १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	०	३	०	३	४
२८	१४	३	१०	२५	२२	१६	२७
५	२०	५०	३०	८	५९	५४	३०
२४	३१	६	४	१०	१७	३६	४७
५८	३९	१०	३	३१	४१	३	५८
२६	३३	७	व.	मा	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद शुक्ले ७ शुक्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महूर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

२४ पं.भा शु १२बु इ. १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	०	३	०	३	५
४	१९	१५	९	२७	२२	१६	४
५५	१	५५	५६	५	४५	३२	२०
१६	२३	१	३८	२८	०	२०	५४
५८	४०	०	१५	२४	१४	३	५८
३८	२०	१०	व.	११	व	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेतिमहा.
१	र १८१६ उ ५९ ५५ वृ ७ ५३ कौ १८१६	३९	५	४	१५	२६		मे.५६।३०	चित्रा.बुधः ४७।४२
२	चं ११३९ अ ५१ ४२ व्या ५१ ४ ग ११३९	४४	३	५७	५	१६	२७	मेषे	भ.३८।१५उ.हस्ते रविः ३१ (सौरः ५६)
३	मं ४ ५२ भ ४६ ४७ ह ४२ ४१ वि ४ ५२	४०	४	५६	६	१७	२८	मेषे	भ.५२या.मघा. सिंहे शुक्रः २१।८ च.व्र.
४	मं ५३ ८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु ५१ ३४ कृ ४२ ७ व ३४ २३ कौ २४ ४७	३६	५	५५	७	१८	२९	वृ. ०।३७	
६	गु ४५ ३४ रो ३७ ४६ सि २६ १५ ग १८ ३४	३२	६	५४	८	१९	३०	वृषे	भ.४५उ. तुलायाम् बुधः ५३।३३
७	शु ४० १० मृ ३४ २ व्य १८ ४४ वि १२ ५२	२८	६	५४	९	२०	१	मि.५।५५	भ.१२।५२या. अक्टूबर १० ता.३१
८	श ३५ ३२ आ ३० ५५ व ११ २७ बा ७ ५१	२३	७	५३	१०	२१	२	मिथुने	
९	र ३१ २१ पु २८ १८ प ४ ५५ तै ३ २६	१९	८	५२	११	२२	३	क.१३।५७	भ.५९उ.सौभाग्यवतीनां श्राद्धम्
१०	चं २८ ७ पु २६ ४२ सि ५३ ४८ वि २८ ७	१५	९	५१	१२	२३	४	कर्के	भ.२८।७या.
११	मं २५ ३२ श्ले २६ ३ सा ४९ ५ बा २५ ३२	११	१०	५०	१३	२४	५	सिं. २६।३	स्वात्यां बुधः २५।५२ इंदिरा ११ व्र.
१२	बु २३ ५९ म २५ ५० शु ४५ ९ तै २३ ५९	७	११	४९	१४	२५	६	सिंहे	प्रदोषः
१३	गु २३ २९ पू २६ ५७ शु ४२ ४ व २३ २९	३	११	४९	१५	२६	७	क.४२।२६	भ.२३।२९उ.५२।४३ या.
१४	शु २३ ५६ उ २८ ५६ ब्र ३९ ४६ श २३ ५६	२९	१२	४८	१६	२७	८	कन्यायां	मूले धनुषि भौमः ५।६शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	श २५ ५१ ह ३२ १८ ऐं ३८ ५४ ना २५ ५१	५५	१३	४७	१७	२८	९	कन्यायां	सर्वपितृ श्राद्धं

२५ पं.आ.कृ. ५ बु.इ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	०	४	०	३	५
११	२३	२७	९	०	२२	१६	११
४६	४८	१२	१९	२८	२५	१०	१२
५२	०	२५	१	४४	५५	४	५५
५८	४०	९७	१५	३४	५३	३	५९
५३	५९	३७	व	५३	व.	११	००

गोचर ग्रहाः

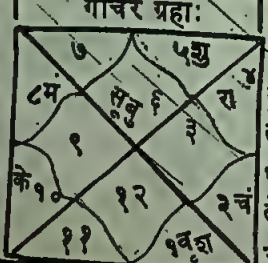

यत्र मासे रवेर्वाराः जायते पंच सन्ततम् । दुर्भिक्षं छत्रभंगश्च तथास्ते च महद्भयम् धान्य स्वर्णं आदि तेज रहेगें प्रजा में रोगपीड़ा हो ।

गोचर ग्रहाः

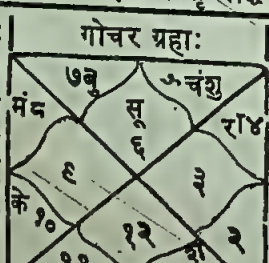

२६ पं.आ.कृ १२ बु.इ.१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	०	४	०	३	५
१८	२८	७	८	५	२२	१५	१८
४०	४०	४६	२८	१	२	४७	०६
८	२३	४४	५२	४१	४२	४९	४२
५९	४१	८९	५	४३	३	३	५९
९	३७	५५	व.	३	व.	११	१६

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१ दि. उ. अ. भा मु. इं. चन्द्रः शरदृतूरविर्दक्षिणेऽर्हगणः२७४४सन्१९९९

१	र	२८	५६	चि	३६	३९	वै	३८	६	ब	२८	५६	२८	१४	५६	१८	२९	१०	तु.४।२८
२	चं	३३	७	स्वा	४२	२५	वि	२८	५०	बा	१	१	४७	१५	४५	१९	३०	११	तुलायां
३	मं	३८	३१	वि	४८	५२	प्री	४०	८	तै	५	४९	४३	१५	४५	२०	१	१२	वृ.३२।१५
४	बु	४४	३८	अ	५६	९	आ	४१	५०	व	११	३५	३९	१६	४४	२१	२	१३	वृश्चिके
५	गु	५०	५८	ज्ये	६०	०	सौ	४४	१५	ब	१७	४८	३५	१७	४३	२२	३	१४	वृश्चिके
६	शु	५७	२२	ज्ये	३	५८	शो	४६	५४	कौ	२४	१०	३१	१८	४२	२३	४	१५	ध.३।५८
७	श	६०	०	मू	११	३२	अ	४८	५८	ग	३०	१७	२७	१९	४१	२४	५	१६	धनुषि
७	र	३	१३	पू	१८	२९	सु	५०	२२	व	३	१३	२३	१९	४१	२५	६	१७	म.३४।५६
८	चं	७	५०	उ	२४	१५	धृ	५०	५७	ब	७	५०	२०	२०	४०	२६	७	१८	मकरे
९	मं	११	५	अ	२८	३८	शू	५०	१०	कौ	११	५	१६	२१	३९	२७	८	१९	कुं.५९।५३
१०	बु	१२	१५	ध	३१	८	गं	४७	४१	ग	१२	१५	१२	२२	३८	२८	९	२०	कुंभे
११	गु	११	३६	श	३१	३७	बृ	४३	४६	वि	११	३६	८	२२	३८	२९	१०	२१	कुंभे
१२	शु	८	४४	पू	३०	२	धु	३८	१९	बा	८	४४	४	२३	३७	३०	११	२२	मी१५।२६
१३	श	४	३	उ	२६	४४	व्या	३१	१०	तै	४	३	०	२४	३६	१	१२	२३	मीने
१४	श	५	३	३१	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१५	र	४९	५८	रे	२१	४३	ह	२२	४७	वि	२३	४६	२५	२५	३५	२	१३	२४	मे.२१।४३

प्रदोषः [÷३७।३१ बलिदानं
भ.५७।३४उ.बृश्चिके बुधः२०।२१भा.*
भ. २३।४६ या. स्वात्यां रविः१९।३३×
[×(सौरः५०।४६)शरद्१५कोजागरीव्र

२७आ.शु.४ बु.इ.१०।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	०	४	०	३	५
२५	३	१७	७	१०	२१	१५	२५
३५	३७	३४	३६	२५	३६	२५	२
२	१२	१२	४०	३०	७	३३	२४
५९	४२	८०	४०	४९	५५	३	५९
२१	११	२६	व.	१४	व	११	२१

गोचर ग्रहा

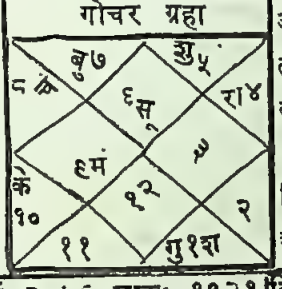

आश्विनशुक्ले ७र वौ
तुलायामर्कः प्रविष्टः
वा.३न. ४बालावस्था-
(बैठी) मु.४५धान्या-
दिभावे समर्धता
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

२८पंआ.शु.१०बु.इ१०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	०	४	०	३	६
२	८	२६	६	१६	२१	१५	१
३१	३०	२३	४०	२९	५	३	५९
२६	३६	६	५५	१७	५३	१८	५१
५९	४२	६८	७	५३	४	३	५९
३४	२०	२६	५२	५६	१२	११	४६

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंततूं रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा

१	चं	४१	४१	अ	१५	४९	व	१३	४०	बा	१५	५०	२७	६	५	३	१४	२५	मेषे
२	मं	३३	९	भ	९	१८	सि	५३	५१	तै	७	२५	४९	२६	३४	४	१५	२६	बृ.२२।३७
३	बु	२४	४६	कृ	३५	५३	व	४४	१३	वि	२४	४६	४५	२७	३३	५	१६	२७	वृषे
४	गु	१६	५२	मृ	५०	४२	प	३४	४९	बा	१६	५२	४१	२८	३२	६	१७	२८	मि.२९
५	शु	९	५८	आ	४६	३	शि	२६	६	तै	९	५८	३७	२९	३१	७	१८	२९	मिथुने
६	श	४	८	पु	४२	४३	सि	१८	१७	व	४	८	३४	२९	३१	८	१९	३०	क.२८।३३
७	श	५५	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
८	र	५६	१९	पु	४०	३५	सा	११	३५	बा	२७	५७	३०	३०	३०	९	२०	३१	कर्के
९	चं	५४	१६	ले	३९	४४	शु	५	५८	तै	२५	१८	२७	३१	२९	१०	२१	१	सिं३९।४४
१०	मं	५३	३८	म	४०	२	शु	१५	२६	व	२३	५७	२३	३१	२९	११	२२	२	सिंहे
११	बु	५४	१७	पू	४१	५२	ऐं	५५	१६	ब	२३	५८	१९	३२	२८	१२	२३	३	कं.५७।३४
१२	गु	५६	१	उ	४४	४१	वै	५३	२८	कौ	२५	९	१६	३३	२७	१३	२४	४	कन्यायां
१३	शु	५८	५६	ह	४८	४५	वि	५२	५६	ग	२७	२८	१२	३४	२६	१४	२५	५	कन्यायां
१४	श	६०	०	चि	५३	४५	प्री	५३	२	वि	३०	५५	९	३४	२६	१५	२६	६	तु.२१।१५
१५	र	२	५३	स्वा	५९	३७	आ	५३	३५	श	२	५३	५	३५	२५	१६	२७	७	तुलायां
१०	चं	७	४४	वि	६०	०	सौ	५५	१३	ना	७	४४	२	३६	२४	१७	२८	८	वृ४९।३७

हेमंततूं रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
भ. ५८।५७उ. अनु. बुधः४७।१६पूषा.=
भ.२४।४६या. करक चतुर्थी व्र.
[=.भौमः३४।५०
[#१०।३० रमा११व्र.
भ.४।८उ.३१।५२या.उफा. शुक्रः४९।३८
नवम्बर११ ता.३० [×घन १३
भ. २३।५७उ.५३।३८या
कन्यायां शुक्रः७।४२ वक्री भ.२ शनिः*
वक्री बुधः १६।३५ [Bरूप१४
भ.५८।५६उ.विशा.रविः३९।५९प्रदोषः×
भ.३०।५५या. विशा.रविःसौरः८।१०B
महालक्ष्मीपूजनम्
सोमवती३०अन्नकूट गोवर्द्धन-पूजा

२९ पं.का.कृ.३बु.इ. ९।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	०	४	०	३	६
९	१३	३	५	२३	२०	१४	८
२९	४५	२८	४५	४	३३	४१	५९
४२	४	१०	२८	२६	४०	२	११
५९	४२	४८	५९	५७	३९	३	६०
४७	५७	१६	व.	४७	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

इस मास में चावल गेहूं जो जना मक्का वाजरा रुई कपास बारदाना गुड़ तेल घृत सोना चांदी लोहा तेज चोपामेंयों भी तेजी होगी।

गोचर ग्रहाः

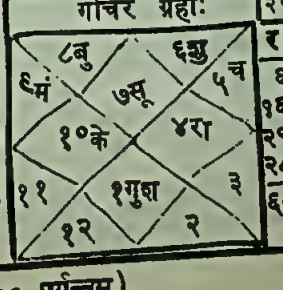

३०पं.का.कृ.११बु.इ.९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	०	५	०	३	६
१६	१८	७	४	०	२०	१४	१६
२९	५५	४७	४८	१	०	१८	००
२८	३७	३१	४३	५९	४	४६	१५
६०	४३	११	४०	६०	४०	३	६०
४	२८	१०	व.	३५	व.	११	१८

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१														दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	अं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेहर्गणः २७७४ स. १९९९
१	मं	१३	१८	नि	६	१७	शो	५६	५६	ब	१३	१८	२६	६	५	१८	२९	९	वृश्चिके	बुधास्तः पश्चिमायां ४७।१५ चंद्र दर्शनम्
२	बु	१९	३३	अ	१३	२८	अ	५९	७	को	१९	३३	५५	३७	२३	१९	१	१०	वृश्चिके	भ्रातृद्वयम २ सावान ८
३	गु	२६	२	ज्ये	२१	५	सु	६०	०	ग	२६	२	५२	३८	२२	२०	२	११	ध. २१।५	भ- ५९।१७ उ. [=हस्ते शुक्रः ४१।३८
४	शु	३२	३३	मू	२८	४४	सु	१	३७	वि	३२	३३	४२	३८	२२	२१	३	१२	धनुषि	भ.३२।३३या. वक्री विशा. बुधः ३८।५१=
५	श	३८	४८	पू	३६	१६	धृ	३	४७	ब	५	४०	४५	३९	२१	२२	४	१३	म.५२	उषा.भौम्रः ३६।२४ [*५५।२५ अक्षय ९
६	र	४३	५३	उ	४२	५०	शू	५५	५१	कौ	११	२०	४२	४०	२०	२३	५	१४	मकरे	[÷वक्री अश्वि. १गुरुः ३४।३०
७	चं	४७	५९	श्र	४८	२३	गं	७	७	ग	१५	५६	३९	४०	२०	२४	६	१५	मकरे	भ.४७।५९उ.वक्री तुलायां बुधः ३९।२३÷
८	मं	५०	२९	ध	५२	२३	बृ	७	१७	वि	१९	१४	३६	४१	१९	२५	७	१६	कुं.२०	भ.१९।१४या. वृश्चिकेऽर्कः ३६ गोपाष्टमी
९	बु	५०	५९	श	५४	२८	ध्रु	६	११	बा	२०	४४	३३	४१	१९	२६	८	१७	कुं.५३ भे	वृश्चिकेऽर्कः सौरः २।२७ मकरे भौमः
१०	गु	४९	३५	पू	५४	३८	च्या	३८	५५	तै	२०	१७	३०	४२	१८	२७	९	१८	मी.३५	[×५४ प्रबोधिनीं ११त्र. तुलसीविवाहः
११	शु	४६	१	उ	५२	४३	व	५३	४९	व	१७	४८	२७	४३	१७	२८	१०	१९	मीने	भ. १७।४८उ. ४६।१या. अनु.रवि.×
१२	श	४०	३५	रे	४९	३	सि	४६	२९	ब	१३	१८	२५	४३	१७	२९	११	२०	मे.४९।३	अनु.रविः सौरः १५ [Cबुधोदयः पूर्वस्यां A
१३	र	३३	२५	अ	४३	३४	व्य	३७	३९	को	७	०	२२	४४	१६	३०	१२	२१	मेषे	पुष्य. ३राहुः श्रवण. १केतुः ३८।१५ C
१४	चं	२४	५६	भ	३६	४९	व	२७	५०	व	२४	५६	१९	४४	१६	१	१३	२२	बृ.४५	भ. २४।५६उ. ५७या. भा. मार्गशीर्षारंभः
१५	मं	१५	३७	कृ	२९	२०	प	१७	११	ब	१५	३७	१७	४५	१५	२	१४	२३	बृषे	पुष्करयात्रा. मन्यादिः [A५१।२७प्रदोषः

३१पं.का.शु.२बु.इ.९।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	०	५	०	३	६
२६	२४	५	३	७	१९	१३	२३
३०	९	४६	५६	२०	२६	५६	०२
५०	०	४१	४२	२४	१७	३१	५०
६०	४३	५९	५	६२	४०	३	६०
१७	४७	व.	व.	५६	व.	११	३०

ग्रोचर ग्रहाः

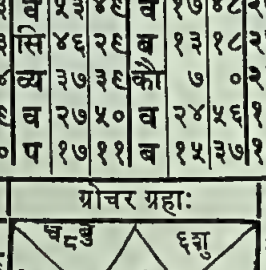

कार्तिक शुक्ले ८ भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न. ३बालावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

ग्रोचर ग्रहाः

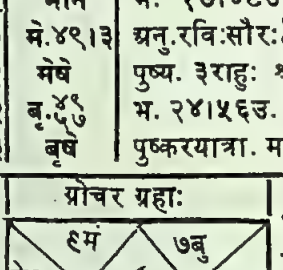

३२पं.का.शु.९.बु.इ.९।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	०	५	०	३	७
०	२९	२७	३	१४	१८	१३	०
३३	२६	३९	१०	५४	५२	३४	०६
२९	१०	११	८	०	४८	१५	५४
६०	४३	५५	६	६४	३५	३	६०
३०	५९	व.	१५	४३	व.	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१														दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे का. कृष्णेति महा०
१	बु	५	५८	रो	२१	३२	शि	२०	४९	को	५	५८	२६	६	५	३	१५	२४	मि.४९	चित्रा. शुक्रः ४३।५६
२	बु	५०	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+ता.३१
३	गु	४७	४३	मृ	१४	७	सा	४४	५९	व	२२	१३	१२	४६	१४	४	१६	२५	मिथुने	भ.२२।१३उ. ४७।४३या. मार्गी बुधः ३३
४	शु	४०	४	आ	७	२०	शु	३५	१७	ब	१३	५३	९	४६	१४	५	१७	२६	क. ४८	चतुर्थीव्र.
५	श	३३	४७	पु	५३	५५	शु	२६	४६	को	६	५८	७	४७	१३	६	१८	२७	कर्के	[=उत्पत्ति ११त्र.
६	र	२९	१३	श्ले	५५	३६	व्र	१९	२३	ग	१	३०	५	४७	१३	७	१९	२८	सिं. ५५	भ. २९।१३ उ. ५७।५० या.
७	चं	२६	२७	म	५५	४	ऐं	१३	३३	ब्र	२६	२७	२	४८	१२	८	२०	२९	सिंहे	[–स्वात्यां शुक्रः १९।७
८	मं	२५	२८	पू	५६	१४	वै	९	४	को	२५	२८	०	४८	१२	९	२१	३०	सिंहे	तुलायां शुक्रः ३४।९
९	बु	२६	११	उ	५९	९	वि	६	३	ग	२६	११	२५	४८	१२	१०	२२	१	कं.११।५८	भ. ५७ उ.श्रवणेभौमः १६ दिसम्बर १२+
१०	गु	२८	२५	ह	६०	०	प्री	४	२५	वि	२८	२५	५६	४९	११	११	२३	२	कन्यायां	भ.२८।२५या.
११	शु	३१	५९	ह	३	२०	आ	३	५०	ब	०	१२	५४	४९	११	१२	२४	३	तु.३६।१	ज्येष्ठा. रविः ४।३४ (सौरः २७।०९)=
१२	श	३६	४९	चि	८	४३	सो	४	२१	को	४	२४	५३	४९	११	१३	२५	४	तुलायां	
१३	र	४२	२०	स्वा	१४	५८	शो	५	२५	ग	९	३४	५१	५०	१०	१४	२६	५	तुलायां	भ.४२।२०उ.प्रदोषः
१४	चं	४८	१९	वि	२२	५	अ	७	५	वि	१५	२०	४९	५०	१०	१५	२७	६	बृ.५।१९	भ. १५।२० या. बृश्चिके बुधः २०।५२–
३०	मं	५४	५३	अ	२९	२७	सु	८	५६	च	२१	३६	४८	५०	१०	१६	२८	७	वृश्चिके	

३३पं.मा.कृ. १बु.इ.९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	०	५	०	३	७
७	४	२१	२	२२	१८	१३	७
३७	४४	५३	३०	४१	२०	१२	१२
२६	३८	६	४	२८	४६	०	२७
६०	४४	५८	१५	६६	१०	३	६०
४२	७	व.	व.	१४	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

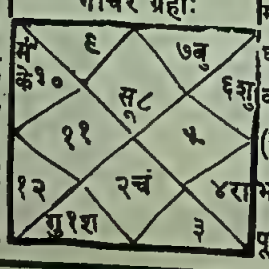

मार्गशीर्षशुक्ले ८गुरौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३न. ३बालावस्था (बैठी)मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदय. पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३४पं.मा.कृ.९ बु.इ.८।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	०	६	०	३	७
१४	१०	२४	१	०	१७	१२	१४
४२	५	२५	५७	३९	५०	४९	१९
४०	३५	१९	७	०	४९	४४	१३
६०	४४	५०	४४	६७	५३	३	६१
५०	१९	मा.	व.	२९	व.	११	०३

तिथि: मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं २०५६ शाकः १९२१ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २८०३ स,१९९९

१	बु	६०	०	ज्ये	३७	२	धृ	११	१४	किं	२८	३	२५	६	५१	९	१७	२९	८	ध. ३७।२	अनु.बुध:५९।५३
१	गु		१	१३	मू	४४	३३	शू	१३	३०	ब	१	१३	४५	५१	९	१८	३०	९	धनुषि	चन्द्र दर्शनम्
२	शु		७	३७	पू	५१	५५	गं	१५	४६	को	७	३७	४४	५१	९	१९	१	१०	धनुषि	रमजान ९
३	श		१३	३७	उ	५८	२७	वृ	१६	५४	ग	१३	३७	४३	५१	९	२०	२	११	म. ८।३३	भ.४६।१५उ.
४	र		१८	५३	अ	६०	०	ध्रु	१८	४५	वि	१८	५३	४२	५२	८	२१	३	१२	मकरे	भ.१८।५३या.
५	चं		२३	११	अ	४	२२	व्या	१९	२६	बा	२३	११	४१	५२	८	२२	४	१३	कुं. ३९	
६	मं		२६	१९	ध	९	१५	ह	१९	२१	तै	२६	१९	४०	५२	८	२३	५	१४	कुम्भे	चंपाषष्ठी
७	बु		२७	५१	श	१२	५०	व	१७	४८	व	२७	५१	३९	५२	८	२४	६	१५	मी. ५९	भ.२७।५१उ.५७।५२या.
८	गु		२७	५३	पू	१४	३५	सि	१५	१२	ब	२७	५३	३९	५२	८	२५	७	१६	मीने	मूले धनुष्यर्कः११।४६ (सौरः३०।५९)
९	शु		२५	५४	उ	१४	४१	व्य	११	३	कौ	२५	५४	३८	५२	८	२६	८	१७	मीने	विशा.शुक्रः४५।३८
१०	श		२२	११	रे	१२	२	व	३४	५२	ग	२२	११	३८	५२	८	२७	९	१८	मे २२।२	भ.३९उ.ज्येष्ठा.बुधः ३५धनि.भौमः३८
११	र		१६	३४	अ	९	२२	शि	५०	३	वि	१६	३४	३७	५३	७	२८	१०	१९	मेषे	भ.३९या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	चं		९	२३	भ	४	५३	सि	४०	२३	बा	९	२३	३७	५३	७	२९	११	२०	बृ.१७।३१	प्रदोषः
१३	मं		१	४	रो	५०	१३	सा	२९	५५	तै	१	४	३६	५३	७	३०	१२	२१	वृषे	भ.५१।३५उ.मार्गी गुरुः७।२
१४	मं		५०	३१		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	बु		४१	५३	मृ	४२	१९	शु	१८	४४	वि	१६	४४	३६	५३	७	१	१३	२२	मि. १६	भ.१६।४४या. भा.पौषारंभः दत्तजयंती

३५ पं.मा.शु.१ बु.इ. ७८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	६	०	३	७
२१	१५	२	९	८	१७	१२	२१
४८	२८	१५	२४	४५	२४	२७	३६
९३	३०	३२	२६	७	११	२८	५७
६०	४४	७५	२ ४६	६८	२ ८	३	६१
५६	३१	२८	व.	३३	व.	११	११

३६ पं.मा.शु.७ बु.इ. ९६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	६	०	३	७
२८	२०	११	१	१६	१७	१२	२८
५५	५१	५६	२१	५८	१	५	३५
३७	४०	४९	७	२६	५२	१३	४०
६१	४४	८६	१२ च	२९	४७ ३	३	६१
०	२७	१८		१८	व: ११		९९

३७ पं. मा. शु.१५ बु.इ. १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	०	६	०	३	८
६ २६	२२	१	२५	१६	११	८	५
३ १५	१६	१८	१८	४३	४२	४५	
१४ ५४	४४	२९	४३	१९	५७	५	
६१ ४४	९२	१ ९	७०	१०	३	६१	
४ ४०	३७	मा	८	व.	११	२२	

तिथि: पौष कृष्णपक्षः सं २०५६ शाकः १९२१ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरतूं रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महाः

१	गु	३२	७	आ	३५	३१	शु	५१	४९	बा	७	०	३६	५३	७	२	१४	२३	मिथुने	बुधास्तःपूर्वस्याम् ३६।४३
२	शु	२३	७	पु	२७	१५	ए	४६	३८	ग	२३	७	२६	५३	७	३	१५	२४	क. १९	भ.४९।६उ.
३	श	१५	५	पु	२१	१७	वै	३७	१४	वि	१५	५	२७	५३	७	४	१६	२५	कर्क	भ.१५।५या.बृश्चिके शुक्रः५९चतुर्थी व्र.
४	र	८	४७	श्ले	१७	०	वि	२९	४६	बा	८	४७	२७	५३	७	५	१७	२६	सिं.१७।०	कुंभे भौमः५१।५५
५	चं	४	२१	म	१४	२५	प्री	२३	३२	तै	४	२१	३७	५३	७	६	१८	२७	सिंहे	मूले धनुषिबुधः १९।१९
६	मं	२	२	पू	१३	५६	आ	१९	४	व	२	२	३८	५२	८	७	१९	२८	कं. ३०	भ.२।२उ.३९या:अनु.शुक्रः४८।२२
७	बु	१	५६	उ	१५	३३	सौ	१६	१४	ब	१	५६	३८	५२	८	८	२०	२९	कन्यायां	पूषा.रविः१६।४६ (सौरः३२।३७)
८	गु	३	३८	ह	१८	५८	शो	१४	५२	कौ	३	३८	३९	५२	८	९	२१	३०	तु.५१।३६	
९	शु	७	३	चि	२४	१४	अ	१५	८	ग	७	३	४०	५२	८	१०	२२	३१	तुलायां	भ.३९।३२उ.
१०	श	१२	२	स्वा	३०	२४	सु	१५	५८	वि	१२	२	४१	५२	८	११	२३	१	तुलायां	भ.१२।२या. जनवरी१ता.३१×
११	र	१७	५१	वि	३७	२५	धृ	१७	४२	बा	१७	५१	४२	५२	८	१२	२४	२	वृ. २०	सफला ११ व्र. [×सन् २०००ई.
१२	चं	२४	१५	अ	४५	९	शू	१९	४७	तै	२४	१५	४३	५१	९	१३	२५	३	वृश्चिके	
१३	मं	३०	५४	ज्ये	५२	५१	गं	२२	१५	व	३०	५४	४४	५१	९	१४	२६	४	ध.५२।५१	भ.३०उ.पूषा.बुधः४९।४७शतेभौमः÷
१४	बु	३७	११	मू	६०	०	बृ	२४	२९	वि	४	२	४५	५१	९	१५	२७	५	धनुषि	भ.४।२या. [÷ ३३।३ प्रदोषः
१५	गु	४३	३१	मू	०	१६	ध्रु	२६	२७	च	१०	२१	४७	५१	९	१६	२८	६	धनुषि	

३८ पं.पौ.कृ.७ बु.इ.८।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	०	७	०	३	८
१३	१	२	१	३	१६	११	१२
११	४१	५५	२५	४३	२९	२०	५४
१३	२०	५	५९	१९	४९	४२	५७
६१	४४	२६	१	१७०	३१	३	६१
६	२८	३२	२०	४६	व.	११	२६

गोचर ग्रहाः

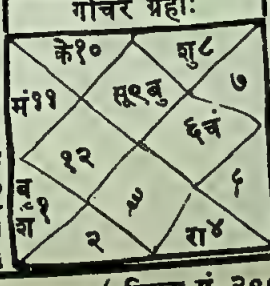

गेहूं मूग जो मोठ बाजरा के भाव बढ़ेंगे चांदी स्वर्ण लीहा आदि धातुएँ तेजी होंगी प्रजा में शान्ति रहेगी, सुदी में शीत अधिक पड़ेगा।

गोचर ग्रहाः

३९ पं.पौ.कृ.१४ बु.इ.८।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	०	७	०	३	८
२०	७	१३	१	१२	१६	१०	२०
१९	६	५०	४३	१२	२१	५८	०४
२६	०	१३	५	४	४०	२६	५४
६१	४४	९९	२	७१	४ ९	३	६१
६	३४	१८	४६	१७	व.	११	२६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२८३३स.२०००
१	शु	४८	५८	पू	७	२०	व्या	२७	५९	किं	१६	१४	२५/४८	६/५०	५/१०	१७	२९	७	म.२३/४१	
२	श	५३	३६	उ	१३	४४	ह	२८	७	बा	२१	१७	५०	५०	१०	१८	३०	८	मकरे	ज्येष्ठा.शुक्रः४४।३३ चंद्र दर्शनम्
३	र	५७	२८	श्र	१९	१८	व	२९	३५	तै	२५	३२	५२	५०	१०	१९	१	९	कुं. ५१/३७	सव्वाल १०
४	चं	६०	०	ध	२३	५५	सि	२९	५	व	२८	५१	५३	४९	११	२०	२	१०	कुंभे	भ.३८।५१उ.
४	मं	०	१४	श	२७	३०	व्य	२७	५९	वि	०	१४	५५	४९	११	२१	३	११	कुंभे	भ.०।१४या.उषा.रविः२१/२१(सौरः३४/४)
५	बु	१	५०	पू	३०	८	व	२६	१	बा	१	५०	५७	४९	११	२२	४	१२	मी. १४/२८	मार्गी शनिः२३।३४
६	गु	२	१६	उ	३२	११	प	२२	५२	तै	२	१६	५९	४८	१२	२३	५	१३	मीने	उषा.बुधः४।२३
७	शु	१	१६	रे	३१	७	शि	१८	३५	व	१	१६	२६/१	४८	१२	२४	६	१४	मे.३१।७	भ.१/१६उ.३०/८या.मकरेऽर्कः३७/५५(सौरः४९/३१)
८	शु	५७	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	श	५५	४	अ	२९	३४	सि	१३	१३	बा	२७	२	४	४७	१३	२५	७	१५	मेषे	मकरेबुधः१।४९
१०	र	४९	५६	भ	२६	२८	सा	६/३५	५२/२३	तै	२२	३०	६	४७	१३	२६	८	१६	वृ.४०।२३	[×श्रवणे बुधः३।१६पूभा.भौमः५५/४३
११	चं	४३	२१	कृ	२२	९	शु	५०	२	व	१६	३९	८	४६	१४	२७	९	१७	वृषे	भ.१६/३९उ.४३/२१या.पुत्रदा ११ व्र.
१२	मं	३५	३४	रो	१६	२४	ब्र	४०	२३	ब	९	२७	११	४६	१४	२८	१०	१८	मि. ४३।८	पातस्पर्शः२३।३८
१३	बु	२७	२	मृ	९	५३	ऐं	३०	१५	कौ	१	१८	१३	४५	१५	२९	११	१९	मिथुने	मूलेधनुषि शुक्रः४४।२२ प्रदोषः
१४	गु	१७	५५	आ	२/४५	५२/५२	वै	१९	३१	व	१७	५५	१६	४५	१५	३०	१२	२०	कं४२।२४	भ.१७/५५उ.४३/२७या.पातमोक्षः३।१०
१५	शु	८	५९	पु	४८	५३	वि	९/१५	५०/११	ब	८	५९	१९	४४	१६	१	१३	२१	कर्के	अभि.प्र.रविः१०।१५(सौरः२०।५२)×

४०पं.पौ.शु.५बु.इ. ८।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	०	७	०	३	८
२७	१२	२५	२	२०	१६	१०	२७
२७	३१	४	९	४३	१९	३६	१४
२२	८	१	४०	८	८	१०	४६
६१	४४	०/०	४	७१	०/२	३	६१
६	३१	११	२	४२	व.	११	२४

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले ७ शुक्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वाः २ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्या दिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

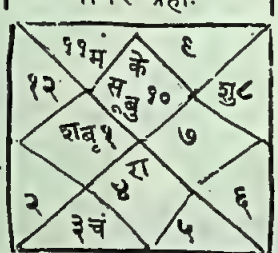

४१पं. पौ.शु. १३बु.इ.७/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	०	७	०	३	९
४	१७	६	२	२९	१६	१०	४
३५	५५	३९	४५	१६	२२	१३	२४
१३	८	४३	२५	१९	१२	५५	१५
६१	४४	०/०	५	७२	०/५२	३	६१
३	४०	१४	१४	२	मा	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेति महाराष्ट्रा
१/२	श	०/५२	३१/४६	श्ले	४३	११	आ	५०	२८	कौ	०	३१	२६/२१	६/४४	५/१६	२	१४	२२	सिं. ४३/११	[÷३२।३१ च. व्र.
३	र	४७	३२	म	३९	८	सौ	४२	५०	तै	२०	२४	२४	४३	१७	३	१५	२३	सिंहे	भ.२०/२४उ.४७/३२या.पुष्य.२राहुःउषा.४×
४	चं	४३	३५	पू	३७	३७	शो	३६	३६	व	१५	३४	२७	४३	१७	४	१६	२४	क. ५२/२०	श्रवणेरविः२७/२(सौरः३६/४८)अश्वि.२ गुरुः÷
५	मं	४२	८	उ	३६	३०	अ	३२	११	ब	१२	५२	२९	४२	१८	५	१७	२५	कन्यायां	अभि.नि.रविः१९।१७(सौरः२९।५)
६	बु	४२	३४	ह	३८	२५	सु	२९	२५	कौ	१२	२१	३२	४२	१८	६	१८	२६	कन्यायां	भ.
७	गु	४५	१३	चि	४२	१४	धृ	२८	३४	ग	१३	५३	३५	४१	१९	७	१९	२७	तु. १०/१९	[×केतुः ३०।३९
८	शु	४९	१५	स्वा	४७	५५	शू	२८	३२	वि	१७	१४	३८	४०	२०	८	२०	२८	तुलायां	ध.बुधः४७।८
९	श	५५	८	वि	५४	३९	गं	२९	५३	बा	२२	११	४१	४०	२०	९	२१	२९	वृ.३७।५८	[+षट्तिला ११ व्र.
१०	र	६०	०	अ	६०	०	बृ	३१	२९	तै	२८	१९	४५	३९	२१	१०	२२	३०	वृश्चिके	पूषा.शुक्रः३२।४६
१०	चं	१	३०	अ	१	५८	ध्रु	३४	१७	वि	१	३०	४८	३८	२२	११	२३	३१	वृश्चिके	भ.१।३० या.भरणी.२ शनिः१।५४
११	मं	८	१०	ज्ये	९	४३	व्या	३६	३५	बा	८	१०	५१	३८	२२	१२	२४	१	ध. ९।४३	कुंभे बुधः३७/९फरवरी ९ ता० २९+
१२	बु	१४	३६	मू	१७	१७	ह	३८	४१	तै	१४	३६	५४	३७	२३	१३	२५	२	धनुषि	मीने भौमः५४।३६ प्रदोषः
१३	गु	२०	३६	पू	२४	२३	व	४०	१३	व	२०	३६	५८	३६	२४	१४	२६	३	म.४०।५४	बुधोदयः पश्चिमायां२५।८
१४	शु	२५	४४	उ	३०	२६	सि	४१	६	श	२५	४४	२७/१	३६	२४	१५	२७	४	मकरे	
३०	श	२९	४०	श्र	३५	३१	व्य	४१	५	ना	२९	४०	५	३५	२५	१६	२८	५	मकरे	शते बुधः२७।५३

४२पं.मा.कृ.६बु.इ.८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	०	८	०	३	९
११	२३	१८	३	७	१६	९	११
४२	१९	३९	३०	५२	३०	५१	३३
४०	१६	३२	१४	५	५०	३९	०६
६०	४४	०/०	६	७२	१	३	६१
५९	३४	४६	२५	२६	३२	११	१३

गोचर ग्रहाः

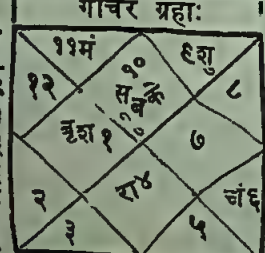

इस मास में ४ शनिवार अशुभ फल के सूचक है धान्य धातु रुई पाट में तेजी होवे प्रजा में रोग शोक फैले।

गोचर ग्रहाः

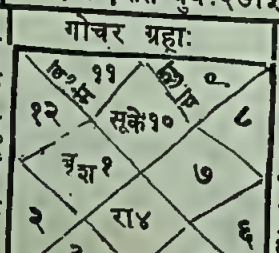

४३पं.मा.कृ.१२बु.इ.८।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	१०	०	८	०	३	९
१८	२८	०	४	१६	१६	९	१८
४९	४१	५३	२२	२८	४४	२९	४१
१६	२	४६	४१	२३	४२	२४	१०
६०	४४	०/०	७	७२	२	३	६१
५५	३१	११	२५	४४	१४	११	०४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः२८६३स.२०००
१	र	३२	३४	ध	३८	३६	व	४०	१३	किं	१	७	२७/८	६/३४	५/२६	१७	२९	६	कुं.७।४०	धनि.रविः३५।२० (सौरः४२।३८)
२	चं	३४	२२	श	४२	३१	प	३८	३४	बा	३	२८	१२	३४	२६	१८	३०	७	कुंभे	चंद्र दर्शनम्
३	मं	३५	०	पू	४४	१९	शि	३५	५२	तै	४	४१	१५	३३	२७	१९	१	८	मी. २७/५२	उभा.भौमः१०।२७ जिल्काद ११
४	बु	३४	४५	उ	४५	२५	सि	३२	२२	व	४	५२	१९	३२	२८	२०	२	९	मीने	भ.४।५२उ.३४।४५या.
५	गु	३३	२६	रे	४५	२६	सा	२८	३१	ब	४	५	२३	३१	२९	२१	३	१०	मे.४५।२६	उषा.शुक्रः२६।४वसंत ५
६	शु	३१	८	अ	४४	२३	शु	२३	४४	कौ	२	१६	२७	३१	२९	२२	४	११	मेषे	
७	श	२७	५८	भ	४२	३३	शु	१७	५६	व	२७	५८	३०	३०	३०	२३	५	१२	वृ.५६।५४	भ.२७/५८उ.५५/३७या.भानु७ पातस्पर्शः४५।१
८	र	२३	१६	कृ	३९	५७	ब्र	११	४२	व	२३	१६	३४	२९	३१	२४	६	१३	वृषे	कुंभेऽर्कः१०/३६ (सौरः१६/३६) मकरे शुक्रः५/२७÷
९	चं	१८	५८	रो	३६	१५	ऐं	४/४०	५१/१२	कौ	१८	५८	३८	२८	३२	२५	७	१४	वृषे	पूभा.बुधः५८।३५
१०	मं	१३	१४	मृ	३१	३५	वि	४८	२०	ग	१३	१४	४१	२८	३२	२६	८	१५	मि. ३।५५	भ.३९।५४उ.
११	बु	६	३५	आ	२६	३४	प्री	३९	२९	वि	६	३५	४५	२७	३३	२७	९	१६	मिथुने	भ.६।३५ या. जया ११ व्र.
१२	बु	५२	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷भीष्माष्टमी पातमोक्षः ०।४२
१३	गु	५१	४४	पु	२१	१	आ	३०	११	कौ	२५	३१	४९	२६	३४	२८	१०	१७	क.७।२५	अश्वि.३गुरुः१९।५३ प्रदोषः
१४	शु	४४	१९	पु	१५	२६	सौ	२१	५	ग	१८	२	५३	२५	३५	२९	११	१८	कर्के	भ.४४।१९उ.
१५	श	३७	३२	श्ले	१०	१	शो	१२	२५	वि	१०	५८	५६	२५	३५	३०	१२	१९	सिं१०।१	भ.१०।५८या. शते रविः४६/५२ (सौरः५१/५८)

४४पं.मा.शु.४बु.इ.८।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	०	८	०	३	९
२५	४	१२	५	२५	१७	९	२५
५५	२	३१	२२	५	३	७	४७
१	४२	३०	३७	३१	४३	८	५७
६०	४४	९२	८	७२	२	३	६०
४७	१६	३०	३२	५६	५५	११	५५

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले ८ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भाव्रे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४५पं. मा.शु.११बु.इ. ८/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	९	०	३	१०
२	९	२१	६	३	१७	८	२
५९	२२	५	२८	४३	२७	४४	५४
४९	८	५३	५२	३०	२२	५२	००
६०	४४	५६	९	७३	३	३	६०
३७	११	२९	२२	१४	३६	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	र	३१	३७	म	५	३८	अ	४/३५	५२/५९	बा	४	३४	२८/००	६/२४	५/३६	१	१३	२०	सिंहे	भा.फाल्गुनारंभः
२	चं	२७	१९	पू	२	२५	धृ	५२	९	ग	२७	१९	४	२३	३७	२	१४	२१	कं.१७।४	भ.५६/२उ.वक्री बुधः३६/१८ श्रवणे शुक्रः१२/४५
३	मं	२४	४६	उ	१	२	शू	४८	११	वि	२४	४६	८	२२	३८	३	१५	२२	कन्यायां	भ.२४।४६या.चतुर्थी व्र.
४	बु	२४	८	ह	१	३४	गं	४५	५९	बा	२४	८	१२	२२	३८	४	१६	२३	तु.३२।४४	बुधास्तःपश्चिमायां९।५
५	गु	२५	४४	चि	३	५५	बृ	४५	१३	तै	२५	४४	१६	२१	३९	५	१७	२४	तुलायां	
६	शु	२९	११	स्वा	८	१४	ध्रु	४५	३०	व	२९	११	२०	२०	४०	६	१८	२५	बृ.५७।४३	भ.२९।११उ.रेवत्यां भौमः५२।२४
७	श	३४	११	वि	१४	१२	व्या	४७	१२	वि	१	४१	२४	१९	४१	७	१९	२६	वृश्चिके	भ.१।४१या.
८	र	४०	६	अ	२१	१९	ह	४९	४	बा	७	८	२८	१८	४२	८	२०	२७	वृश्चिके	
९	चं	४६	३९	ज्ये	२८	४६	व	५१	३१	तै	१३	२२	३२	१८	४२	९	२१	२८	ध.२८।४६	वक्री शते बुधः२३।२२
१०	मं	५२	५४	मू	३६	२०	सि	५३	४३	व	१९	४६	३६	१७	४३	१०	२२	२९	धनुषि	भ.१९।४६उ.५२।५४या.
११	बु	५८	५४	पू	४३	२७	व्य	५५	२८	व	२५	५४	४०	१६	४४	११	२३	१	धनुषि	मार्च ३ ता. ३१ विजया ११ व्र.
१२	गु	६०	०	उ	४९	४३	व	५६	२८	कौ	३१	२३	४४	१५	४५	१२	२४	२	म.०।१	
१२	शु	३	५३	श्र	५४	५०	प	५६	१३	तै	३	५३	४८	१४	४६	१३	२५	३	मकरे	धनि.शुक्रः२।४४ प्रदोषः
१३	श	७	२०	ध	५८	२३	शि	५५	१०	व	७	२०	५२	१४	४६	१४	२६	४	कुं. २६/३६	भ.७/२०उ.३८/२५या.पूभा.रविः२/५८ (सौरः× [×६।४५) महाशिवरात्रि व्र.
१४	र	९	२९	श	६०	०	सि	५२	४७	श	९	२९	५६	१३	४७	१५	२७	५	कुंभे	
१५	चं	१०	१६	श	०	३८	सा	४९	३४	ना	१०	१६	२९/१	१२	४८	१६	२८	६	मी.४६/१९	अश्वि.४ गुरुः२२।५२सोमवती ३०

४६ पं.फा.कृ. ४बु.इ.८/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	९	०	३	१०
१०	१४	२३	७	१२	१७	८	९
३	४०	३	४०	२१	५५	२२	५८
२२	१६	४३	३७	५४	५९	२७	३३
६०	४३	१९/१९	१०	७३	४	३	६०
२५	५५	व.	५	२१	१७	११	३१

गोचर ग्रहाः

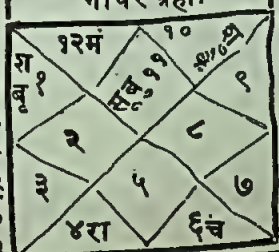

इस मास में गेहूं जोचना आदि धान्य किराना धातुवाना में मंदी होकर तेजी रहेगी। या घटाबढी अधिकहो, रस पदार्थ तेज होंगे।

गोचर ग्रहाः

४७ पं.फा.कृ.११बु.इ.९।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	९	०	३	१०
१७	१९	१७	८	२१	१८	८	१७
५	५५	५७	५८	०	२८	०	१
३५	५९	११	१६	४३	४१	२१	२५
६०	४३	६९/४१	१०	७३	४	३	६०
२०	५०	व.	५१	३३	५०	११	२०

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः २८९३ स,२०००
१	मं	९	३५	पू	१	३८	शु	४५	२३	ब	९	३५	२९/५	६/११	५/४९	१७	२९	७	मीने	चंद्र दर्शनम्
२	बु	७	४७	उ	१	२३	शु	४०	२८	कौ	७	४७	९	१०	५०	१८	१	८	मीने	कुंभे शुक्रः २६/१७ बुधोदयः पूर्वस्याम् १४/५४×
३	गु	५	५	रे	०/२९	५८/१	ब्र	३४	४५	ग	५	५	१३	९	५१	१९	२	९	मे. ०।२९	भ.३३।२५उ. पातमोक्षः६।०
४	शु	१	४६	भ	५६	१८	ऐं	२९	४१	वि	१	४६	१७	९	५१	२०	३	१०	मेषे	भ.१।४६या.
५	शु	५५	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	(×फुलरिया२जिल्हेज१२पातस्पर्शः ५३/४६
६	श	५३	२६	कृ	५३	४३	वै	२२	२९	कौ	२५	३४	२१	८	५२	२१	४	११	वृ.१०।३९	
७	र	४८	४४	रो	५०	४५	वि	१५	५०	ग	२१	५	२६	७	५३	२२	५	१२	वृषे	भ.४८।४४उ.
८	चं	४३	४७	मृ	४६	२१	प्री	९	०	वि	१६	१६	३०	६	५४	२३	६	१३	मि. १८/३३	भ.१६/१६या शते शुक्रः ५०/४होलाष्टकः
९	मं	३८	३५	आ	४४	७	आ	१/४६	५२/३१	बा	११	११	३४	५	५५	२४	७	१४	मिथुने	मीनेऽर्कः ३/५८ (सौरः ७/६) अश्वि.मेषेभौमः ३८/४७
१०	बु	३२	५६	पु	४०	२	शो	४६	४०	तै	५	४६	३८	४	५६	२५	८	१५	क.२६।३	[÷आमलकी ११ व्र.
११	गु	२७	२०	पु	३६	३४	अ	३९	२०	व	०	८	४३	३	५७	२६	९	१६	कर्के	भ.०।८उ २७।२०या.मार्गी बुधः २३/४९÷
१२	शु	२१	३८	श्ले	३२	३२	सु	३१	५५	बा	२१	३८	४७	३	५७	२७	१०	१७	सिं ३२/३२	उभा.रविः २४/५५ (सौरः२७।४२) भ.३+
१३	श	१६	१७	म	२९	११	धृ	२४	५६	तै	१६	१७	५१	२	५८	२८	११	१८	सिंहे	शनिः३७।२९द्रदोषः
१४	र	११	३१	पू	२६	४१	शू	१८	३५	व	११	३१	५५	१	५९	२९	१२	१९	कं. ४१/२०	भ.११/३१उ.३९/४१या. होलिकादहनं भद्रोत्तरम्
१५	चं	७	५१	उ	२५	२०	गं	१३	१०	ब	७	५१	३०/००	६/००	६/००	३०	१३	२०	कन्यायां	छारेंड़ी

४८ पं.फा.शु.२ बु.इ.९।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	९	०	३	१०
२४	२५	११	१०	२९	१९	७	२४
६	१०	१६	२०	३९	५	३८	२
२२	३४	१२	१३	१८	३५	६	४८
५९	४३	४८/४	११	७३	५	३	६०
५८	३९	वः	२३	४४	१४	११	०६

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन शुक्ले ९ भौमे मीनेंऽर्कः प्रविष्टः वा ३न. ४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४९ पं.फा.शु.१० बु.इ. ९/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	१०	०	३	११
१	०	९	११	८	१९	७	१
५	२२	४	४४	१८	४५	१५	२
३५	३०	५९	५	४	५८	५०	३०
५९	४३	६/००	१२	७३	५	३	५९
४१	३४	व.	२	५०	४२	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसन्तर्तुरविरुत्तरे फा.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	५	३१	ह	२५	२६	वृ	९	५	कौ	५	३१	३०/४	५/५९	६/१	१	१४	२१	तु. ५६/१५	भा. चैत्रारंभः वसंत १
२	बु	४	५०	चि	२७	५	ध्रु	६	८	ग	४	५०	८	५८	२	२	१५	२२	तुलायां	भ.३५।१८उ.भरणी १गुरुः३७।३१
३	गु	५	४७	स्वा	३०	३२	व्या	४	५१	वि	५	४७	१२	५८	२	३	१६	२३	तुलायां	भ.५।४७या. चतुर्थी व्र.
४	शु	८	३१	वि	३५	२७	ह	४	१४	बा	८	३१	१६	५७	३	४	१७	२४	वृ. १९/१३	पूभा.शुक्रः४०।०
५	श	१२	५६	अ	४१	५८	व	५	१२	तै	१२	५६	२१	५६	४	५	१८	२५	वृश्चिके	
६	र	१८	२०	ज्ये	४८	५८	सि	६	३४	व	१८	२०	२५	५५	५	६	१९	२६	ध. ४८/५८	भ.१८/२०उ.५१/३०या.पुष्य. १राहुःउषा.३×
७	चं	२४	३९	मू	५६	३२	व्य	९	९	ब	२४	३९	२९	५४	६	७	२०	२७	धनुषि.	शीतलापूजनम्
८	मं	३०	५१	पू	६०	०	व	११	२७	कौ	३०	५१	३३	५३	७	८	२१	२८	धनुषि	[×केतु. २६।४६
९	बु	३६	५१	पू	३	५८	प	१३	३३	तै	३	५१	३७	५३	७	९	२२	२९	म. २०/३८	[+भरण्यां भौमः५३।५५अप्रेल ४ता. ३०
१०	गु	४१	५६	उ	१०	३७	शि	१४	५६	व	९	२४	४१	५२	८	१०	२३	३०	मकरे	भ.९/२४उ.४१/५६या.रेवत्यां रविः ५२/३४ (सौर.÷
११	शु	४५	३३	श्र	१६	८	सि	१५	२०	ब	१३	१४	४५	५१	९	११	२४	३१	कुं. ४८/४	पापमोचनी ११ व्र. [÷५५।९)
१२	श	४७	३९	ध	२०	१	सा	१४	२५	कौ	१६	३६	४९	५०	१०	१२	२५	१	कुम्भे	पूभा.बुधः१७।३९मीने शुक्रः४५।१८+
१३	र	४७	५८	श	२२	१९	शु	१२	१८	ग	१७	४९	५३	४९	११	१३	२६	२	कुंभे	भ.४७।५८उ. प्रदोषः
१४	चं	४६	१९	पू	२२	५७	शु	८	४६	वि	१७	८	५७	४९	११	१४	२७	३	मी.७।४७	भ.१७।८या.
३०	मं	४३	२५	उ	२१	५६	ब्र	३/५७	५४/९	च	१४	५२	३१/१	४८	१२	१५	२८	४	मीने	मन्वादिः

५० पं.चै.कृ२.बु.इ. १०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	१०	०	३	११
८	५	११	१३	१६	२०	६	८
३	३२	३१	१४	५६	२९	५३	०
१८	१७	१९	२२	१६	२४	३४	२५
५९	४३	२८/२	१२	७३	६	३	५९
२९	३	मा	२०	५६	५	११	३५

गोचर ग्रहाः

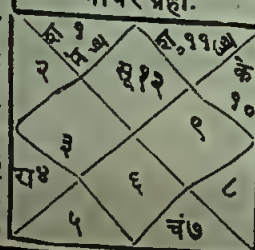

ज्ञस मास में गेहूं जो चना रस तेज रहेगे धातु सोना चांदी में मंदी रहेगी प्रजा में अशान्ति रहे बालकों में रोग हो।

गोचर ग्रहाः

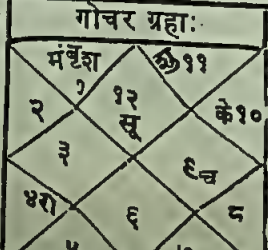

५१ पं.चै.कृ,९बु.इ१०।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	१०	०	३	११
१४	१०	१७	१४	२५	२१	६	१४
५९	३९	११	४७	३४	१५	३१	५६
१०	५८	३१	२४	५२	७	१९	३३
५९	४२	५३	१२	७४	६	३	५९
१६	५८	५४	४६	२	२६	११	१८

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०१ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४००० कलियुग-प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गत-कलिः ५१०१ भोग्यकलिः ४२६८९९ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५७ शाकः १९२२ अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री गुरु : । सस्येशो रविः । धान्येशो शुक्रः । मेघेशो बुधः । रसेशश्चंद्रः । नीरसेशः शनिः । फलेशो बुधः । धनेशः शनिः । दुर्गेशो बुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ७ विजयनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गतमासादिः १०।३।६।१८ भोग्यमासादिः १।२६।५३।४२अहिर्बुध्न्य दैवतं युगम् । वर्षनाम आश्विनः । मेघनाम आवर्तः । रोहिणीनिवासस्तटे । समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा १० समयवाहनम् सिंचायुः । स्तंभौ २ वायुजलयोः । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानु सप्तमी २ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा १५ धान्यम् १५ तृणम् १७ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १२१ सत्यम् ॥ धर्म १॥ पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहण २ चंद्रमसः ।

संवत् २०५७ आषाढ शुक्ले १५ रवौ ग्रस्तोदय खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज घ.	२७	३०	३२	३४	३७
मध्य प.	३४	१८	२८	३८	२२
रेलवे घ.	५	६	७	८	९
टा. मि.	२९	३४	२६	१८	२४

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ७।२६

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

पूछे भैरव भाव से जग जननी पे आय ।
सतावन की साल का कहो हाल समझाय ॥

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे प्रेम भाव दरशाय ।
माता बालक पोषसी बछड़ा पोषे गाय ॥
राजा बुध मंत्री गुरु यह सब जग हर्षाय ।
विजय नाम वत्सर बना होवें न्याय की न्याय ॥
संवत् होसी सांतरो दरखत बेलां लूम ।
कोई दिशा के मांय ने टीडी करसी धूम ॥
वर्षा विश्वा पंचदश रोहिणी तंट निर्धार ।
वर्षा उत्तम होयसी इसका यह ही सार ॥
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
परमेश्वर के भजन से होसी बेड़ा पार ।

संवत् २०५७ पौष शुक्ले १५ भौमवासरे खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
उज्ज घं.	४४	४६	४८	४९	५२
मध्य प.	८	५८	१५	३२	२२
रे. घं.	१२	१	१	२	३
टा. मि.	६	१४	४५	१६	२४

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ५।३

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५०।५०

* मं. बृ. सू.

× चं. शु. सू. ।

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्यविवाह मंगलम् ।। प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वास्थं सुभिक्षं धनधान्यसंकुलम् ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविधधान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुरतोयधना मुदिता भवेत् । नृपतयोजनपालन तत्पराःसुरगुरौ ननु मंत्रि समागते । सस्येशो रविःफलम्।। सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहुभूरुहाश्च ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। भृगौ पश्चिम धान्येशो पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्याः समर्घतां यान्ति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधस्तत्फलम् ।। अमृतरश्मिसुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुकचेतसो विविधसौख्ययुता धरणी तदा ।। रसेशश्चंद्रः फलम् ।। यदि विधौ रसपे भुवि मानवां नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहुवारि विधायका रसवती धनधान्यवती मही ।। नीरसेशः शनिः फलम् ।। त्रपुपिडादि लोहानां कृष्णवस्त्रादि वस्तूनां । अर्घवृद्धिः प्रजायेत मंदे नीरसनायके । फलेशो बुधस्तत्फलम् ।। यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशिमुचस्तदा । बहुतृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जनसौख्यसमन्विताः ।। धनेशः शनिः फलम् ।। द्रविणजे रविजे विरलं धनम् गदरता धरणी पतयः सदा । अवनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीड़ितमानसाः ।। दुर्गेशोबुधस्तत्फलम् ।। विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राशिगते तु विशेषतः । शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्यवतान्न भयं क्वचित् ।। विजयनाम संवत्सरः फलम् ।। विजयाब्दे तु राजानः जयसंघोषतत्पराः । मुनंदंति प्रजाः सर्वा बहुसस्यार्घवृष्टिभिः । वर्षनाम आश्विनः फलम् ।। सुभिक्षं पूर्वसस्यं स्याज्ज्वररोगाकुलं जगत् । आश्विने शोभना वृष्टिः नृपसौख्यकरी तदा ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्नवृष्टि स्यात् ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम् । तटे वृष्टिः सुशोभना । समय निवासो रजकगृहे फलम् ।। रजके वृष्टिरुत्तमा । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०५७ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्र मासः ।

शु.१० गुरौ मघा.ल. ११ रे.७।ऽ।।।।ऽऽगणितेनक्रांतिसाम्याऽभावःचंद्रोऽत्र सप्तपे पूज्यः

,, १२ शनौ उफा.ल ९।११रे. ६ ऽ।।ऽशु।ऽअ।।ऽ।धनुलग्न ४५।९उप.गणितेनक्रांतिसाम्याऽभावःशुक्रस्य पादतो वेधाभावश्च

,, १३ रवौ हस्ते ल. ६।१२ रे.७।।।ऽबुऽ।ऽ।।।पादवेधाद्बुधस्य वेधाभावः मीने चं.७ पूज्यः

,, १४ चंद्रे हस्ते ल. अन्यगो. (भौ.७ दोषः) रे. ६।।।ऽ बुऽऽऽ।।।पादतो बुधस्य वेधाऽभावःआवश्यके

,, १५ भौमे स्वा. ल. ११ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

वैशाख मासः ।

कृ. १ बुधे स्वा. ल. ६ रे. ६ ।।।।ऽऽचोऽऽ।।

,, ५ रवौ मले ल. गो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।भौम ७ दोषः

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ.७ शनौ मघा. ल. अन्यगो. रे. ६ ऽ।।।।ऽअऽऽ।।

,, १० चंद्रे उफा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।।ऽनृ।ऽ।घ.२७।६या. आव.

माघ मासः ।

कृ. ५ रवौ उफा. ल. गो. रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

,, ९ बुधे स्वा. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

,,१० शुक्रे अनु. ल. अन्यगो. रे. ६।ऽ।।ऽ।ऽऽ।।

शु.५ चंद्रे उभा. ल. अन्यगो. रे. ७।।।।।ऽचो ऽऽ।।

,, ६ भौमे रेवत्यां ल. अन्यगो. रे. १०।।।।।।।।।।

,,१० शनौ रोहि. ल. गो. रे. ७ ।।।।।ऽअ।ऽऽ। गणितेनक्रान्तिसाम्याऽभावः

फाल्गुन मासः ।

कृ.१० शनौ मूले ल. १० रे. ७ ऽऽ।।।।।ऽ।।

शु. २ रवौ उभा. ल. १० रे. ७ ।ऽ।।।ऽनृऽ।।।

,, ३ चंद्रे रेवत्यां ल. १० रे. ८ ।।ऽशु।।।।।।ऽदग्धाशुक्रयुतिश्च

चैत्र मासः ।

कृ. १ शनौ हस्ते ल. १० रे. ८ ।ऽ।।।ऽरो।।।।

,, २ रवौ हस्तें ल. गो. रे. ६ ।ऽ।।।।।।।

ति. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्र : वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २९२२सन् २०००

१	बु	३९	१	रे	१९	४४	वै	५१	२८	किं	११	१३	३१	४५	१	१६	२९	५	मे. १९
२	गु	३३	४९	अ	१६	३१	वि	४४	१४	बा	६	२८	१०	४६	१४	१७	३०	६	मेष
३	शु	२८	१३	भ	१२	४६	प्री	३६	३७	तै	१	४	१४	४५	१५	१८	१	७	वृ. २६
४	श	२२	१८	कृ	८	४३	आ	२९	१	वि	२२	१८	१८	४४	१६	१९	२	८	वृषे
५	र	१६	२३	रो	४	४७	सौ	२१	३७	बा	१६	२३	२२	४४	१६	२०	३	९	मि. ३३
६	चं	१०	४४	मृ	५९	२३	शो	१४	८	तै	१०	४४	२६	४३	१७	२१	४	१०	मिथुने
७	मं	५	२०	पु	५४	८	अ	७	४	व	५	२०	३०	४२	१८	२२	५	११	क. ५९
८	बु	०	१०	पु	५१	१८	सु	२	३३	ब	०	१०	३४	४१	१९	२३	६	१२	कर्के
९	बु	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	गु	५१	१२	श्ले	४९	३	शू	४७	३२	तै	२३	२२	३८	४०	२०	२४	७	१३	सिं. ४९।३
११	शु	४७	५	म	४७	१७	ग	४१	४६	व	१९	८	४२	४०	२०	२५	८	१४	सिंहे
१२	श	४४	१४	पू	४५	९	बृ	३६	४७	ब	१५	४०	४६	३९	२१	२६	९	१५	सिंहे
१३	र	४१	५९	उ	४५	३७	धु	३२	१८	कौ	१३	६	५०	३८	२२	२७	१०	१६	कं. ०।१६
१४	चं	४०	४२	ह	४६	३०	व्या	२८	४६	ग	११	२०	५३	३७	२३	२८	११	१७	कन्यायां
१५	मं	४०	३२	चि	४८	२५	ह	२६	८	वि	१०	३७	५७	३७	२३	२९	१२	१८	तु. १७

संवत्सरारंभः नवरात्रा.
भरणी. २गुरुः ३१।१७चंद्रदर्शनम् सिंघारा
भ. ५५।१५उ. गणगौरी. मत्स्यज. +
भ. २२।१८या.
मीने बुधः १२।४
[+मोहोरम १सन् १४२१हि.
भ. ५।२०उ. ३२।४५या. उभा. बुधः १२।५३
रामनवमी.
[÷ ५९ पातस्पर्शः ५५ पातमोक्षः १५।३२
अश्वि. मेषेऽर्कः २६।३४ (सौरः २९।४३)
भ. १९।८उ. ४७।५या. कामदा११व्र.
रेवत्यां शुक्रः १५।१५भरणी. ४शनिः÷
प्रदोषः
भ. ४०।४२उ.
भ. १०।३७या. हनुमज्जयंती

५२ पं. चै. शु. १ बु. इ. ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	११	०	३	११
२१	१५	२५	१६	४	२२	६	२१
५३	४५	५	२२	१३	३	९	५०
३१	५०	४६	२३	३७	२२	३	४४
५९	४२	७३	१३	७४	६	३	५९
४	५०	९	८	८	४०	११	४

गोचर ग्रहाः

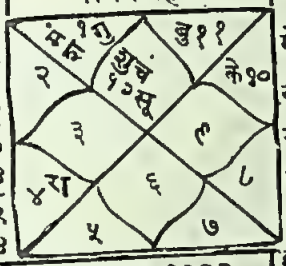

चैत्र शुक्ले १० गुरौ
मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३
न. ४ प्रौढावस्था (बैठी)
मु. १५ धान्यादि भावे
महर्घता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

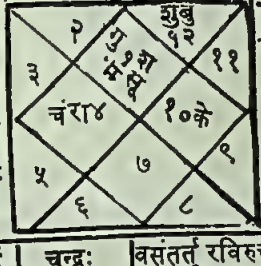

१ पं. चै. शु. १० बु. इ. २६।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	०	११	०	३	११
०	२१	६	१८	१४	२३	५	२९
०	४३	४५	१७	२५	२	४२	५६
०	८	७	२७	२३	२०	५९	५५
५८	४२	९२	१३	७४	६	३	५८
४४	४३	८	२०	१९	५६	११	४५

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा.

१	बु	४१	५६	स्वा	५१	५०	व	२४	४३	बा	११	१६	३२	१	३६	२४	३०	१३	१६	तुलायां
२	गु	४४	५३	वि	५६	१४	सि	२४	५६	तै	१३	२६	५	३५	२५	३१	१४	२०	वृ. ४०।८
३	शु	४८	५६	अ	६०	०	व्य	२४	४७	व	१६	४६	९	३४	२६	१	१५	२१	वृश्चिके
४	श	५४	५	अ	२	१६	व	२६	१७	ब	२१	३१	१२	३४	२६	२	१६	२२	वृश्चिके
५	र	६०	०	ज्ये	६	३	प	२७	५१	कौ	२७	७	१६	३३	२७	३	१७	२३	ध. ९।३
५	चं	०	६	म	१६	३८	शि	३०	७	तै	०	६	२०	३२	२८	४	१८	२४	धनुषि
६	मं	६	१५	पू	२४	७	सि	३२	३७	व	६	१५	२३	३१	२९	५	१९	२५	म. ४०
७	बु	१२	३७	उ	३१	२२	सा	३४	२६	ब	१२	३७	२७	३१	२९	६	२०	२६	मकरे
८	गु	१८	१६	श्र	३७	३२	शु	३५	५६	कौ	१८	१६	३१	३०	३०	७	२१	२७	मकरे
९	शु	२२	५	ध	४२	३७	शु	३५	४७	ग	२२	५	३४	२९	३१	८	२२	२८	कुं. ८।५९
१०	श	२४	४४	श	४५	४७	ब्र	३४	५९	वि	२४	४४	२८	२८	३२	९	२३	२९	कुम्भे
११	र	२४	२९	पू	४७	४	ऐं	३२	१६	बा	२४	२९	४१	२८	३२	१०	२४	३०	मी. ३१
१२	चं	२३	६	उ	४६	२५	वै	२७	५५	तै	२३	६	४५	२७	३३	११	२५	१	मी. ४४
१३	मं	१९	५८	रे	४३	५६	वि	२२	८	व	१९	५८	४८	२६	३४	१२	२६	२	मे. ५३
१४	बु	१४	५२	अ	४०	२	प्री	१५	७	श	१४	५२	५२	२६	३४	१३	२७	३	मेषे
३०	गु	९	४०	भ	३५	०	आ	५८	३१	ना	९	४०	५५	२५	३५	१४	२८	४	वृ. ४८

रेवत्यां बुधः ३८।१६
कृति. भौमः २१।५६भरणी. ३गुरुः ३७।१९
भ. १६।४९उ. ४८।५६या. भा. वैशाखारंभः
अस्तं शनेः ५१।३३ चतुर्थीव्र.
[+अश्वि. मेषे बुधः ५५ बुधास्तः पूर्वस्यां ३५ ११
भ. ६।१५उ. ३९।२६या. बृषे भौमः ३।१०
अश्वि. मेषे शुक्रः ४।४१
भरण्यां रविः ६।४८ (सौरः ११।८) +
भ. ५३।२४उ. अस्तं गुरोः ३१।४८ अ.गु.
भ. २४।४४या.
वरूथिनी ११व्र.
अस्तो भौमः १४।५६मई ५तां. ३१प्रदोषः
भ. १९।५८उ. ४७।२५या.
भ. रण्यांबुधः ४१।१२
भरणी. ४गुरुः ५२।४८

२ पं. वै. कृ. २गु. इ. २६।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	०	११	०	३	०
६	२६	१८	१९	२३	२३	५	६
५०	४३	५	५७	२	५४	२०	४७
४२	२०	२४	४०	१७	४०	४३	०६
५८	४२	०	१३	७४	७	३	५८
३१	२९	५५	३२	२०	८	११	२९

गोचर ग्रहाः

३ पं. वै. कृ. ८ बृ. इ. २७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	०	०	०	३	०
१३	१	०	२१	१	२४	४	१३
३९	४	५१	३४	३९	४७	५८	२५
४७	६	४३	१६	५०	१७	२७	३१
५८	४२	९३	१३	७४	७	३	५८
१९	८	३८	३२	२६	१४	११	१२

४ पं. वै. कृ. ३० गु. इ. २७।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	०	०	०	३	०
२०	६	१४	२३	१०	२५	४	२०
२७	३६	५६	१४	१७	४१	३६	२२
२५	०	४९	१३	१७	१३	१२	१४
५८	४२	९०	१३	७४	७	३	५७
६	४	४७	३८	२६	२०	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २९५२सन् २०००

१	शु	१	१५	कृ	२९	१६	शो	४९	१२	ब	१	१५	३२	५	६	१५	२९	५	वृषे	चंद्रदर्शनम् [Bअक्षया ३ सफर२
२	शु	५२	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श	४६	७	रो	२३	२६	अ	४०	२	तै	२०	१	३३	२४	३६	१६	१	६	मि५२।३७	भरण्याशुक्रः ५४ परशुरामजयंती.B
४	र	३८	४०	मृ	१७	४९	सु	३१	५	व	१२	२३	५	२३	३७	१७	२	७	मिथुने	भ.१२।२३उ.३८।४०या.
५	चं	३१	४३	आ	१२	४९	धृ	२२	४९	ब	५	११	८	२२	३८	१८	३	८	क.५४।३०	शुक्रास्तः पूर्वस्याम् २५।४८
६	मं	२५	३१	पु	८	२४	शू	१५	२०	तै	२५	३१	११	२२	३८	१९	४	९	कर्के	रोहि. भौमः १७।१३कृत्ति.बुधः ४४।५८
७	बु	२०	१०	पु	४	५५	गं	८	१६	व	२०	१०	१४	२१	३९	२०	५	१०	कर्के	भ.२०उ.४८या.कृति.रविः ५२(सौरः ५९)
८	गु	१६	५	श्ले	१	४२	बृ	०	५४	ब	१६	५	१७	२१	३९	२१	६	११	सिं. १।४२	वृषे बुधः २५।५१
९	शु	१२	५५	म	०	५९	व्या	५२	२३	कौ	१२	५५	२०	२०	४०	२२	७	१२	सिंहे	कृति.१शनिः ४।३८
१०	श	१०	४१	पू	०	३५	ह	४८	४८	ग	१०	४१	२३	१९	४१	२३	८	१३	कं.१५।१६	भ.४०।९उ.[×(सौरः २६)मोहिनी ११व्र.
११	र	९	३८	उ	१	२	व	४६	२	वि	९	३८	२६	१९	४१	२४	९	१४	कन्यायां	भ.९।३८या.वृषेऽर्कः १९।५९×
१२	चं	९	४४	ह	३	४	सि	४४	८	बा	९	४४	२८	१८	४२	२५	१०	१५	तु ३४।२३	रोहि. बुधः ५९।११प्रदोषः
१३	मं	१०	४१	चि	५	४३	व्य	४३	१	तै	१०	४१	३१	१८	४२	२६	११	१६	तुलायां	नृसिंह १४
१४	बु	१२	५७	स्वा	९	४१	व	४२	१	व	१२	५७	३४	१७	४३	२७	१२	१७	वृ.५७।५९	भ.१२।५७उ.४४।४०या.कृति.शुक्रः ४७।४
१५	गु	१६	२३	वि	१४	४	प	४१	३४	ब	१६	३३	३७	१७	४३	२८	१३	१८	वृश्चिके	कृति.१गुरुः ५१।१९वै.स्ना.पूर्तिः

५ पं.प्र.वै.शु.८बृ.इ. २७।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	०	०	०	३	०
२७	११	०	२४	१८	२६	४	२७
१३	३०	३	५३	५३	३५	१३	७
३७	५४	३२	४६	४२	२८	५६	२८
५७	४१	२९	१३	७४	७	३	५७
५४	५४	१९	३८	३२	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले ११रवौ
वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४
न.५बालावस्था(बैठी)
मु. ३० धान्यादि भावे
समता शुक्रास्तः पूर्व
स्याम्

गोचर ग्रहाः

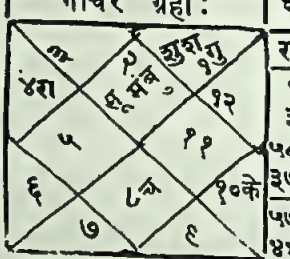

६ पं.वै.शु.१५बृ.इ.२७।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	०	०	०	३	१
३	१६	१५	२६	२७	२७	३	३
५८	२१	६	३३	३०	२९	५१	५१
३७	११	७	४०	२९	१०	४१	०९
५७	४९	२९	१३	७४	७	३	५७
४४	४७	१३	३३	३२	२०	११	३४

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	शु	२०	४३	अ	२०	११	शि	४१	२४	कौ	२०	४३	३३	५	६	२९	१४	१९	वृश्चिके	[×३२।२७रोहि.शुक्रः ३५।३पुन.४राहुः A
२	श	२५	५८	ज्ये	२७	८	सि	४३	११	ग	२५	५८	३९	१६	४४	३०	१५	२०	ध.२७।८	भ. ५९।११उ. बृषशुक्रः २८।४बुधोदयः÷
३	र	३२	२४	मू	३४	३२	सा	४५	१९	वि	३२	२४	४२	१६	४४	३०	१५	२०	धनुषि	भ.३२।२४या. चतुर्थी व्र.
४	चं	३८	१	पू	४१	५	शु	४७	५६	ब	५	१३	४४	१५	४५	३१	१६	२१	म ५८।११	मृगे बुधः ३०।४०भा. ज्येष्ठारंभः
५	मं	४४	१७	उ	४९	३१	शु	५०	३०	कौ	११	९	४४	१५	४५	१	१७	२२	मकरे	[Aउषा.२केतुः २५।१७उदयंशनेः ३७।५२
६	बु	४९	५७	श्र	५६	४८	ब्र	५३	८	ग	१७	७	५२	१४	४६	३	१९	२४	मकरे	भ. ४९।५७उ. रोहि. रविः ४३।३३=
७	गु	५४	४१	ध	६०	०	ऐं	५४	४२	वि	२२	१९	५४	१३	४७	४	२०	२५	कुं.२९।४१	भ. २२।१९ या.[÷पश्चिमायां १०।१५
८	शु	५८	८	ध	२	३५	वै	५५	३०	बा	२६	२५	५६	१३	४७	५	२१	२६	कुम्भे	मिथुने बुधः २८।२२
९	श	५९	४३	श	७	११	वि	५५	३८	तै	२८	५५	५८	१२	४८	६	२२	२७	मी५३।३४	[=(सौरः ५२।५५)उदयंगुरोः ३५।२४
१०	र	५८	१४	पू	९	२	प्री	५३	३५	व	२८	५८	३४	१२	४८	७	२३	२८	मीने	भ. २८।५८उ. ५८।१४या. मृगे भौमः×
११	चं	५६	४९	उ	१०	४३	आ	४६	४४	ब	२७	३१	२	१२	४८	८	२४	२९	मीने	अपरा ११व्र.स्मा.
१२	मं	५२	२०	रे	९	२५	सौ	४३	१६	कौ	२४	३४	३	११	४९	९	२५	३०	मे.९।२५	आर्दा.बुधः २३।३९अपरा ११व्र.वै.
१३	बु	४६	१	अ	६	८	शो	३६	१७	ग	१९	१०	५	११	४९	१०	२६	३१	मेषे	भ.४६।१उ. प्रदोषः
१४	गु	३८	८	भ	१	५३	अ	२६	५१	वि	१२	४	७	११	४९	११	२७	१	वृ.१४।३७	भ.१२।४या. जूनदता.३०
३०	शु	२९	२२	रो	४८	२	सु	१६	४६	च	३	४५	९	१०	५०	१२	२८	२	वृषे	कृत्ति.२वृषेगुरुः १३।४७ वटपूजनम्

७ पं.ज्ये.कृ.७बृ.इ.२७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	०	१	०	३	१
१०	२१	२८	२८	६	२८	३	१०
४२	११	३१	१३	७	२२	२९	३३
२९	४६	५	३८	२३	५९	२५	२०
५७	४१	०	१३	७४	७	३	५७
३५	४०	२३	३२	३२	१४	११	२३

गोचर ग्रहाः

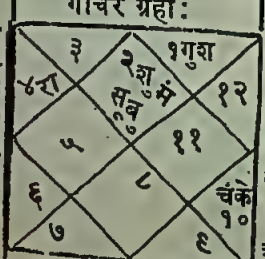

इसमास में गेहूं जो चना बाजरा आदि धान्य में मंदी होवे सोना चांदी तिल कपास में तेजी कही २वर्षा और धूप अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

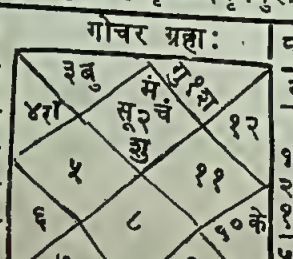

८ पं.ज्ये.कृ.१४बृ.इ.२७।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	०	१	०	३	१
१७	२५	९	२९	१४	२९	३	१७
२५	५८	३७	४९	४२	१५	७	१४
१९	४८	८	४८	५४	३६	९	२६
५७	४१	८५	१३	७४	७	३	५७
२७	२०	३३	२०	३८	३	११	१३

ति.|ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२ | दि.उ. | अ.भा. | मु. | इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२९८१स २०००

१	श	१९	५८	मृ	४१	३	धृ	४२	५८	व	१९	५८	३४	५	१२	२९	३	मि १४।३२	चंद्र दर्शनम्
२	र	१०	४०	आ	३३	१९	गं	४८	१६	कौ	१०	४०	१२	१०	५०	१४	१	४	मिथुने	रविलावल३
३	चं	२	१०	पु	२७	४१	वृ	३९	७	ग	२	१०	१३	९	५१	१५	२	५	कं.१४।६	भ. २८।१३उ. ५४।१६या.
४	चं	५२	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
५	मं	४६	३७	पु	२१	५८	धु	३०	२०	ब	२०	२६	१५	९	५१	१६	३	६	कर्के	[÷भौमः ३३४ कृत्ति.२वृषे शनिः२१।२४
६	बु	४१	८	श्ले	१७	५९	व्या	२२	२०	कौ	१३	५२	१६	९	५१	१७	४	७	सिं १७।५९	मृगे रविः३८।२६(सौरः५१।४५)मिथुने÷
७	गु	३६	२९	म	१५	२	ह	१५	४४	ग	८	५९	१७	९	५१	१८	५	८	सिंहे	भ. ३६।२९ उ. मृगेशुक्रः २८।४७
८	शु	३४	१६	पू	१४	१९	ब	१०	५	वि	५	३३	१८	८	५२	१९	६	९	कं.२९।२३	भ. ५।३३या.
९	श	३३	४६	उ	१४	३८	सि	५	३५	वा	४	०	१९	८	५२	२०	७	१०	कन्यायां	पुन. बुधः २३।३८
१०	र	३४	२९	ह	१६	३७	व्य	२	५७	तै	४	७	१९	८	५२	२१	८	११	तु.४८।१७	गंगादशमी
११	चं	३६	१०	चि	१९	५८	प	५८	४०	व	५	१९	२०	८	५२	२२	९	१२	तुलायां	भ. ५।४३उ. ३७।१०या. निर्जला११व्र.
१२	मं	३९	२६	स्वा	२४	२८	शि	६०	०	ब	८	१८	२१	८	५२	२३	१०	१३	तुलायां	मिथुने शुक्रः५५।२२
१३	बु	४३	३५	वि	३०	७	शि	०	५४	कौ	११	३१	२१	८	५२	२४	११	१४	वृ.१३।४२	मिथुनेऽर्कः ३७।०(सौरः ५२।३३)प्रदोषः
१४	गु	४८	३५	अ	३६	३२	सि	१	५०	ग	१६	३५	२२	८	५२	२५	१२	१५	वृश्चिके	भ. ४८।३५उ.
१५	शु	५४	५	ज्ये	४३	२०	सा	३	३५	वि	२१	१०	२२	८	५२	२६	१३	१६	ध. ४३।२०	भ. २१।२०या कृत्ति. ३गुरुः५८।०=

९पं.ज्ये. शु.७बृ.इ.२७।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	१	१	१	३	१
२४	०	१८	१	२३	०	२	२३
७	४३	८	२६	१८	७	४४	५४
१९	३०	४६	२१	५४	४१	५४	२२
५७	४१	५७	१३	७४	६	३	५७
२२	१०	४०	१९	३८	५६	११	०५

गोचर ग्रहाः

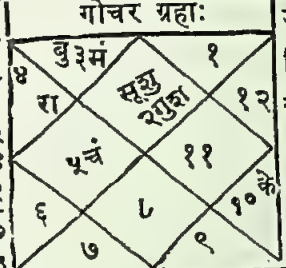

ज्येष्ठशुक्ले १३ बुधे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४न. ५युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

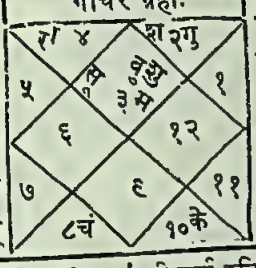

१०पं.ज्ये.शु१४बृ.इ.२७।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	२	१	३	२
०	५	२३	३	१	०	२	०
४८	२६	४१	०	५५	५८	२२	३३
३६	१७	३८	३६	५	१६	३८	३१
५७	४१	२६	१२	७४	६	३	५६
१७	६	१	५५	३८	३८	११	५७

ति| आषाढ़ कृष्णपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२ | दि. उ. | अ.भा. | मु. | इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेत्ति महाः

१	श	६०	०	मू	५०	३६	शु	५	३२	वा	२७	०	४	३४	५	५६	२७	१४	१७	धनुषि	आर्द्रा.भौमः१५।३०
१	र	००	३	पू	५८	०	शु	७	५४	तै	००	०	३	२३	७	५३	२८	१५	१८	धनुषि	[×बुधः२४।५५
२	चं	६	१७	उ	६०	०	ब्र	१०	२०	ग	५	१७	२३	७	५३	२९	१६	१९	म.१४।४२	भ.३८।४१उ.आर्द्रा.शुक्रः२१।५२
३	मं	१२	५	उ	५	२६	ऐं	१२	४६	वि	१२	५	२४	७	५३	३०	१७	२०	मकरे	भ. १२।५या. चतुर्थी व्र.
४	बु	१८	३६	श्र	१२	४२	वै	१४	५९	बा	१८	३६	२४	७	५३	३१	१८	२१	कुं.४५।५२	आर्द्रा. रविः ३५।५५(सौरः५४।६वक्री×
५	गु	२३	५७	ध	१९	२	वि	१६	२३	तै	२३	५७	२४	७	५३	१	१९	२२	कुंभे	राष्ट्रीय आषाढारंभः
६	शु	२८	११	श	२४	१७	प्री	१७	८	व	२८	११	२४	७	५३	२	२०	२३	कुंभे	भ.२८।११उ.५९।३४या.
७	श	३०	५६	पू	२८	३७	आ	१६	५७	ब	३०	५६	२४	७	५३	३	२१	२४	मी १२।३२	
८	र	३१	२८	उ	३१	०	सौ	१५	१५	बा	१	१२	२३	७	५३	४	२२	२५	मीने	
९	चं	२९	५७	रे	३१	३७	शो	११	११	तै	०	४३	२३	७	५३	५	२३	२६	मे ३१।३७	भ५८।१उ.
१०	मं	२६	५	अ	३०	२६	अ	७	२९	वि	२६	५	२२	८	५२	६	२४	२७	मेषे	भ.२६।५या. बुधास्तःपश्चिमायां३७।५०
११	बु	१९	५६	भ	२७	०	सु	२२	५२	बा	१९	५६	२२	८	५२	७	२५	२८	बृ.४०।४४	योगिनी११व्र.
१२	गु	१३	२४	कृ	२१	५६	शु	४४	३२	तै	१३	२४	२१	८	५२	८	२६	२९	वृषे	प्रदोषः
१३	शु	४	१	रो	१५	४४	गं	३४	३७	व	४	१	२०	८	५२	९	२७	३०	मि ४१।५५	भ.४।१उ. २९।१०या. पुन. शुक्रः१०।११
१४	शु	५०	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	५२	१०	२८	१	०	
१५	श	४४	३५	मृ	८	७	बृ	२४	७	च	१९	५७	१९	८	५२	१०	२८	१	मिथुने	जौलाई७ता.३१

११पं.आ.कृ. ५बृ.इ. २७ ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	२	१	३	२
७	१०	२५	४	१०	१	२	७
२९	८	५१	३२	३१	४६	०	११
३१	३८	१४	४९	१६	२६	२३	५८
५७	४०	३५	१२	७४	६	३	५६
१३	५६	व.	३१	३७	२६	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में रसपदार्थ घृत तेल गुड़ सरसो अन्डी अलसी में तेजी कपास रुई सन में मंदी होकर तेजी होगी सुदीमें वर्षा अच्छी हो

गोचर ग्रहाः

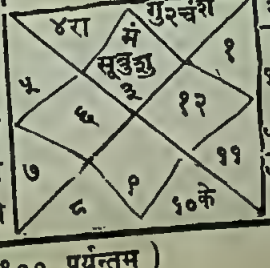

१२पं.आ.कृ.१२बृ.इ.२७ ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	२	१	३	२
१४	१४	२४	६	१९	२	१	१३
९	४८	३४	१	७	३२	३८	५०
५८	०	५	४८	१९	३१	७	०३
५७	४०	५८	१२	७४	६	३	५६
७	४६	व.	१४	३२	९	११	५०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२									दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०१० सन् २०००
१	र	३४	४६	आ	१५	७	४५	धु	१३	१४	किं	६	४१	३४/१८	५	६/५२	११	२६	२	क.३९।२२	कृत्ति.४गुरुः ३५।७
२	चं	२५	५०	पु	४५	६	व्या	३१/३४	४९	बा	०	१८	१७	६	५१	१२	३०	३		कर्के	चंद्र दर्शनम् रथयात्रा
३	मं	१७	४६	श्ले	३६	५	व	४२	४७	ग	१७	४६	१६	६	५१	१३	१	४		सिं२९।५	भ.४४।६उ.रविलाखर ४
४	बु	१०	३२	म	३४	२३	सि	३४	३६	वि	१०	३२	१५	६	५१	१४	२	५		सिंहे	भ.१३/२या.पुन.रविः३४।४५ (सौरः५८।८
५	गु	५	२०	पू	३१	३४	व्य	२८	११	बा	५	२०	१४	६	५१	१५	३	६		कं.४६।८	
६	शु	१	३६	उ	२६	५१	व	२३	८	तै	१	३६	१३	६	५१	१६	४	७		कन्यायां	भ.५९/१उ.पुन.भौमः१७/५३वक्री आर्द्रा.बुधः४९/१३
७	शु	५७	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	
८	श	५६	८	ह	३१	१७	ए	१६	३६	वि	२६	४	११	१०	५०	१७	५	८		कंन्यायां	भ.२६।४या.कर्के शुक्रः१६।५६
९	र	६०	०	चि	३४	५	शि	१७	४८	बा	३०	६	१०	१०	५०	१८	६	९		तु.२।४१	कृत्ति.३ शनिः ४४।०
९	चं	१	५	स्वा	३८	२३	सि	१७	७	कौ	१	५	८	१०	५०	१९	७	१०		तुलायां	[÷३०।५२) गुरु १५
१०	मं	४	२५	वि	४४	१५	सा	१७	५६	ग	४	२५	७	११	४९	२०	८	११		वृ.२७।४७	भ.३६।४०उ.पुष्ये शुक्रः२।३६
११	बु	८	५६	अ	५०	४३	शु	१८	५९	वि	८	५६	५	११	४९	२१	९	१२		वृश्चिके	भ.८।५६या.देवशयनी ११ व्र.
१२	गु	१४	२९	ज्ये	५७	५८	शु	२१	२७	बा	१४	२९	३	११	४९	२२	१०	१३		ध.५७।५८	हरिवासरांऽभावः प्रदोषः
१३	शु	२०	१४	मू	६०	०	ब्र	२३	१६	तै	२०	१४	१	१२	४८	२३	११	१४		धनुषि	[×दयः पश्चिमायां ४९।१२ वायु परिक्षा
१४	श	२६	५०	मू	५	२६	ऐं	२५	३८	व	२६	५०	३३/५९	१२	४८	२४	१२	१५		धनुषि	भ.३६/५०उ.५९/७या.बुधोदयः पूर्वस्यां २१/१८शुक्रो×
१५	र	३२	२४	पू	१२	५३	वै	२७	५९	ब	३२	२४	५७	१३	४७	२५	१३	१६		म.२९।४४	खग्रास चंद्रग्रहणम् कर्के ऽर्कः ४/११ (सौरः÷

१३पं.आ.शु.५बृ.इ.२७।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	२	१	३	२
२०	१९	२०	७	२७	३	१	२०
५०	२६	५०	२६	४४	०	५५	२७
२४	२	२८	५६	१३	५८	५१	५७
५७	४०	३७/८	११	७४	५	३	५६
७	२६	व.	४२	२२	४९	११	५०

गोचर ग्रहाः

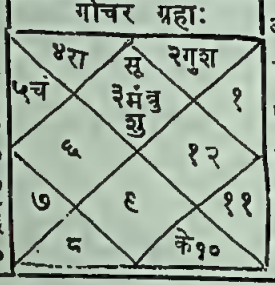

आषाढ शुक्ले १५ रवौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.- ५न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

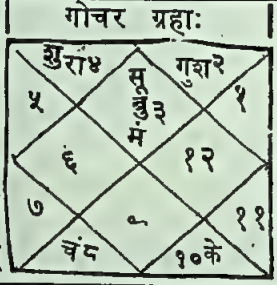

१४ पं.आ.शु.१२बृ.इ. ३/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	३	१	३	२
२७	२४	१७	८	६	३	०	२७
३०	२	९	५०	१९	५७	५३	६
४३	४६	१८	४९	४८	४	३६	४
५७	४०	२६/२७	११	७४	५	३	५६
११	२६	व.	६	२६	२२	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३८	२२	उ	२०	१५	वि	३०	२०	बा	५	२३	३३/५५	१३	५/४७	२६	१४	१७	मकरे	
२	मं	४३	३९	श्र	२६	५५	प्री	३२	२२	ते	११	१	१५२	१४	४६	२७	१५	१८	मकरे	मार्गी.बुधः२३।३१
३	बु	४८	४	ध	३३	२९	आ	३३	४०	व	१५	५१	५०	१४	४६	२८	१६	१९	कुं.०।११	भ.१५।५१उ.४८।४मा.पुष्ये रविः३३/२९
४	गु	५१	४३	श	३९	१	सौ	३४	२९	ब	१९	२३	४८	१४	४६	२९	१७	२०	कुंभे	पुष्ये रविः सौरः १/३रोहिणी.१गुरुः ६/१च.व्र.
५	शु	५४	२१	पू	४३	४८	शो	३४	२६	कौ	२३	२	४५	१५	४५	३०	१८	२१	मी. ३७	आश्ले.शुक्रः ५/२नाग५मरुस्थले
६	श	५५	१९	उ	४६	४०	अ	३३	३५	ग	२४	५०	४३	१५	४५	३१	१९	२२	मीने	भ.५५/९उ.कर्के भौमः३०।५
७	र	५५	३६	रे	४८	३७	सु	२९	२९	वि	२५	२८	४०	१६	४४	१	२०	२३	मे.४८।३७	भ.२५।२८या.भा. श्रावणारंभः
८	चं	५३	५६	अ	४८	५८	धृ	२७	१३	बा	२४	४२	३८	१६	४४	२	२१	२४	मेषे	
९	मं	५०	३५	भ	४७	३५	शू	२३	४४	तै	२२	१६	३५	१७	४३	३	२२	२५	मेषे	
१०	बु	४५	४२	कृ	४४	२७	गं	१७	२६	व	१८	८	२३	१७	४३	४	२३	२६	वृ.१।५३	भ.१८।८उ.४५/४२या.पुनःबुधः १६।४२
११	गु	३९	३	रो	४०	२४	बृ	१०	४१	ब	१२	२२	३०	१८	४२	५	२४	२७	वृषे	पुष्ये भौमः ४०।५७कामिका ११ व्र.
१२	शु	३१	५	मृ	३४	२७	धु	१५/२	४९/४४	कौ	५	४	२७	१९	४१	६	२५	२८	मि. ७।२५	प्रदोषः
१३	श	२२	१५	आ	२७	३२	ह	४२	४६	व	२२	१५	२४	१९	४१	७	२६	२९	मिथुने	भ.२२।१५उ.४७।२२या.
१४	र	१२	२९	पु	२०	६	व	३२	२३	श	१२	२९	२२	२०	४०	८	२७	३०	क. ६।५८	पुनः३वृषे राहुः उषा. १ केतुः १८।२७
३०	चं	२	४७	पु	१२	०	सि	२१	२२	ना	२	४७	१९	२०	४०	९	२८	३१	कर्के	हरियाली. सोमवती ३०

१५पं.श्रा.कृ.४बृ.इ.२७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	१	३	१	३	३
४	२८	१६	१०	१४	४	०	३
११	३७	४४	३	५६	३४	३१	४४
२८	४१	५३	१८	५३	३४	२०	३१
५७	४०	१९/२०	१०	७४	४	३	५६
१५	१६	मं	२९	२६	५६	११	५८

गोचर ग्रहाः

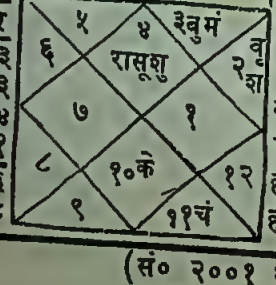

इस मास में ५ सोमवार तथा ५ मंगलवार साधारण हैं बदी में अनाज गल्ला रस पदार्थ धातु मन्दा होगा, सुदी में तेज हो।

गोचर ग्रहाः

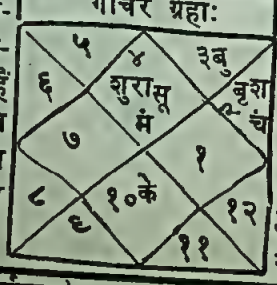

१६पं.श्रा.कृ.११बृ.इ. २७/९५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	१	३	१	३	३
१०	३	२१	११	२३	५	०	१०
५२	१०	९	२३	३३	९	९	२३
३०	५२	१८	१३	२९	११	५	४८
५७	३९	५८	९	७४	४	३	५७
२०	५९	५६	४७	२६	२९	११	५

तिथि	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतू रविर्दक्षिणेहर्गणः ३०४० सन् २०००
१	चं	५०	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४४	४२	श्ले	११	५३	व्य	११	१७	बा	१९	०	३३	२५	३६	१०	२९	१ सिं. ५।११ मघा.सिंहे शुक्रः ४२ चंद्र दर्शनम् अगस्त ८×
३	बु	३७	३७	पू	५४	२०	व	५३	४१	तै	११	१०	१३	२१	३९	११	१	२ सिंहे आश्ले.रविः ३० तीज जमादिलावल ५
४	गु	३२	२२	उ	५१	२५	शि	४७	५	व	४	५९	१०	२२	३८	१२	२	३ कं ८।३७ भ.४।५९उ.३३ या.आश्ले. रविःसौरः ३०÷
५	शु	२८	४९	ह	५०	२७	सि	४१	३३	ब	०	३९	७	२३	३७	१३	३	४ कन्यायां नागपंचमी [×ता.३१ सिंधारा
६	श	२७	४९	चि	५१	५०	सा	३८	१७	तै	२७	४९	४	२३	३७	१४	४	५ तु. २१।८ पुष्ये बुधः ३६।२४ [÷कर्के बुधः ३१।४७
७	र	२८	३५	स्वा	५५	३	शु	३६	२५	व	२८	३५	०	२४	३६	१५	५	६ तुलायां भ.२८।३५उ.
८	चं	३१	३२	वि	५९	५८	शु	३६	२५	वि	०	४	३२	२५	३५	१६	६	७ वृ.४३।४४ भ.०।४या.
९	मं	३५	५२	अ	६०	०	ब्र	३७	९	बा	३	४१	५४	२५	३५	१७	७	८ वृश्चिके रोहिणी २ गुरुः ४१।४१
१०	बु	४१	२३	अ	६	१०	ए	३८	५३	तै	८	३७	५०	२६	३४	१८	८	९ वृश्चिके बुधास्तः पूर्वस्याम् ३८।५८
११	गु	४७	३७	ज्ये	१३	२९	वै	४१	१९	व	१४	२९	४७	२७	३३	१९	९	१० ध. १३।२९ भ.१४।२९उ.३७ या.पवित्रा ११ व्र.
१२	शु	५३	५५	मू	२०	४९	वि	४३	४२	ब	२०	४६	४४	२७	३३	२०	१०	११ धनुषि
१३	श	६०	०	पू	२८	२०	प्री	४६	९	कौ	२६	५८	४०	२८	३२	२१	११	१२ म.४५।१० आश्ले.बुधः ५१ पूफा.शुक्रः ३०।३९प्रदोषः
१३	र	०	१	उ	३५	४०	आ	४८	२०	तै	०	१	३७	२९	३१	२२	१२	१३ मकरे
१४	चं	५	३९	श्र	४२	२९	सो	५०	८	व	५	३९	३३	२९	३१	२३	१३	१४ मकरे भ.५।३९उ.३८।६या.
१५	मं	१०	३३	ध	४८	२९	शो	५१	७	ब	१०	३३	३०	३०	३०	२४	१४	१५ कुं. १५।२९ श्रावणीकर्म. रक्षाबंधनम्

१७ पं.श्रा.शु.४ बृ.इ. २७।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	१	४	१	२	३
१७	७	२९	१२	२	५	२९	१७
३४	४२	५२	३१	१०	२८	४६	०३
१२	२९	३०	५५	१	५६	४९	३६
५७	३९	९६	९	७४	३	३	५७
२५	५९	१८	५	२०	५०	११	१२

गोचर ग्रहाः

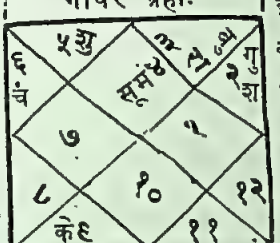

इस मास में मंगलवार का चंद्रदर्शन धान्य धातु रस सभी पदार्थों को तेज करेगा वर्षा कहीं कम कहीं अधिक होगी।

गोचर ग्रहाः

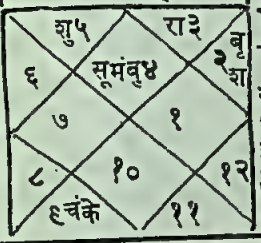

१८ पं.श्रा.शु.११ बृ.इ. ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	४	१	२	३
२४	१२	१२	१३	१०	६	२९	२३
१६	१३	२	३४	४६	४	२४	४४
३७	३७	३८	३४	५९	५५	३३	४३
५७	३९	९६	९	८	७४	३	३	५७
१३	४९	३९	१८	१४	१८	११	२२

तिथि	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतू रविर्दक्षिणेश्रावण कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१४	२६	श	५३	२४	अ	५१	३२	कौ	१४	२६	३३	५१	२९	२५	१५	१६ कुंभे मघा.सिंहेऽर्कः ३४ (सौरः ५८।४५
२	गु	१७	१८	पू	५७	२५	सु	५१	४	ग	१७	१८	२२	३२	२८	२६	१६	१७ मी ४१।२५ भ.४८।१४उ.आश्ले भौमः २२।१५
३	शु	१९	१०	उ	६०	०	धृ	४९	२१	वि	१९	१०	१९	३२	२८	२७	१७	१८ मीने भ.१९।१०या.चतुर्थी व्र.
४	श	१९	३१	उ	०	१७	शू	४७	३५	बा	१९	३१	१५	३३	२७	२८	१८	१९ मीने मघा.सिंहे बुधः १८।२०
५	र	१९	४०	रे	२	१४	गं	४४	४०	तै	१९	४०	१२	३४	२६	२९	१९	२० मे. २।१४ चंद्रषष्ठी
६	चं	१८	२३	अ	३	२	बृ	४०	५५	व	१८	२३	८	३४	२६	३०	२०	२१ मेषे भ.१८।२३उ.४७।१०या
७	मं	१५	५६	भ	३	१०	धु	३५	५५	ब	१५	५६	४	३५	२५	३१	२१	२२ वृ. १७।४८ कृत्ति.४ शनिः ५१ जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	बु	१२	४९	कृ	४	१२	व्या	३०	१८	कौ	१२	४९	१	३६	२४	१	२२	२३ वृषे उफा.शुक्रः २२ भा.भाद्रपदारंभः जन्मा-×
९	गु	७	२९	मृ	५५	५	ह	२३	४३	ग	७	२९	५७	३७	२३	२	२३	२४ मि. २९ भ.३४ उ.गोगा ९ [×ष्टमी वै.
१०	शु	१	२	आ	५०	२६	व	१६	४६	वि	१	२	५३	३७	२३	३	२४	२५ मिथुने भ.१।२या.उदयो.भौमः ५६ अजा.+
११	शु	५३	३३		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० [+११व्र.स्मा.
१२	श	४६	४४	पु	४४	४२	सि	३६	५०	कौ	२०	४०	४९	३८	२२	४	२५	२६ क. ३१।८ कर्के पूफा.बुधः २।४१कन्यायां शुक्रः ३७ अजा=
१३	र	३८	२६	पु	३८	२४	व	४८	५८	ग	१२	३५	४६	३९	२१	५	२६	२७ सिं ३१।५२ भ.३६ उ.प्रदोषः [=११व्र.वै.वत्स द्वादशी
१४	चं	२९	४९	श्ले	३१	५२	प	३९	२३	वि	४	८	४२	४०	२०	६	२७	२८ सिंहे भ.४।८या. कुशाग्रहणी
१५	मं	२१	३४	म	२५	४७	शि	२९	५९	ना	२१	३४	३८	४०	२०	७	२८	२९

१९ पं.भा.कृ.२ बृ.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	१	४	१	२	४
०	१६	२६	१४	१९	६	२९	०
५९	४३	८	३१	२२	२६	२	२६
५३	१	२०	१६	५२	३५	१८	५६
५७	३९	९०	७	७४	२	३	५७
४०	४२	२०	११	४	३३	११	३४

गोचर ग्रहाः

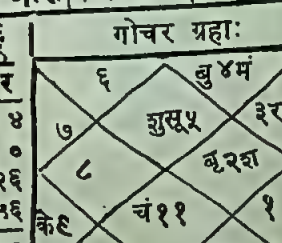

भाद्रपद कृष्णे १ बुधे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्या दिभावें महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

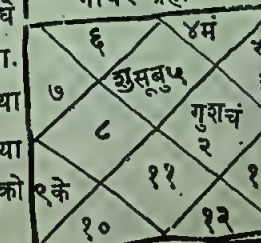

२० पं.भा. कृ. ९ बृ.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	१	४	१	२	४
७	२१	१०	१५	२७	६	२८	७
४४	११	११	२०	५९	४२	४०	१०
२०	२८	४६	४९	१७	५०	२	२६
५७	३९	९०	८	७३	१	३	५७
४९	३२	३०	१६	५६	५४	११	४५

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०६९ स.२०००
१	बु	१४	१८	पु	२०	१९	सि	२१	१०	ब	१४	१८		३१ ३४	४१	१९	८	२९	३०	क.३४।२१	पूफा.रविः १४ (सौरः ४ ३९) चंद्रदर्शनम्
२	गु	८	१४	उ	१६	२७	सा	१३	४१	कौ	८	१४		३०	४२	१८	९	१	३१	कन्यायां	जमादिलाखर ६
३	शु	३	५३	ह	१३	५७	शु	७	२	ग	३	५३		२६	४३	१७	१०	२	१	तु.४३।४९	भ.३ ९ उ सितम्बर९ ता. ३० गणेश ४
४	श	१	४५	चि	१३	४१	शु	५६	१ ५७ ४१	वि	१	४५		२२	४४	१६	११	३	२	तुलायां	भ.१।४५या.उफा.बुधः १ ५ ३ ऋषि ५
५	र	१	३०	स्वा	१५	१७	ऐं	५७	२३	बा	१	३०		१८	४४	१६	१२	४	३	तुलायां	हस्ते शुक्रः १३।५५
६	चं	३	२०	वि	१९	१०	वै	५७	८	तै	३	२०		१५	४५	१५	१३	५	४	वृ. ३।११	कन्यायां बुधः १७।१०
७	मं	७	८	अ	२४	२६	वि	५८	२	व	७	८		११	४६	१४	१४	६	५	वृश्चिके	भ७।८उ.४ ३या.बुधोदयः पश्चिम याम ५ ३ ४ ८
८	बु	१२	१७	ज्ये	३१	१०	प्री	६०	०	व	१२	१७		७	४७	१३	१५	७	६	ध. ३ १०	
९	गु	१८	१५	मू	३८	१९	प्री	०	२	कौ	१८	१५		३	४७	१३	१६	८	७	धनुषि	मघा.सिंहे भौमः १ ९ रोहि.३गुरुः ५९।१४
१०	शु	२४	३०	पू	४५	५८	आ	२	२४	ग	२४	३०		५९	४८	१२	१७	९	८	धनुषि	भ.५ ७ उ.रामदेवजीका मेला नवलदुर्गे
११	श	३०	२९	उ	५३	१३	सौ	४	५८	वि	३०	२९		५५	४९	११	१८	१०	९	म. २।४७	भ.३०।२९या.जलझूलनी ११ व्र.
१२	र	३६	११	श्र	६०	०	शो	६	२४	ब	३	२०		५१	५०	१०	१९	११	१०	मकरे	हस्ते बुधः ५।१३ वामनजयंती
१३	चं	४१	७	श्र	०	६	अ	७	५४	कौ	८	३९		४७	५१	९	२०	१२	११	कुं. ५ ८	प्रदोषः [×अनंत १४
१४	मं	४४	१४	ध	५	५०	सु	९	४५	ग	१२	४०		४३	५१	९	२१	१३	१२	कुंभे	भ.४ ५ उ.उफा.रविः ५ ६ वक्री शनिः ११ ×
१५	बु	४६	२९	श	१०	२३	धृ	९	३८	वि	१५	२२		३९	५२	८	२२	१४	१३	मी ५ ३	भ.५ २ या.उफा.रविः सौरः ३ ९ महालयारंभः

२१ पं.भा.शु. २ बृ.इ. ३ ९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	१	५	१	२	४
१४	२५	२३	१६	६	६	२८	१३
३०	३८	१८	३	३४	५४	१७	५५
०	४२	५४	३६	१	२२	४७	३८
५८	३९	२९	५	७३	१	३	५७
१	१५	२३	८	५०	१५	११	५७

गोचर ग्रहाः

कन्या राशि गते शुक्रे सर्वसस्यं विनश्यति तत्र धान्य महर्घाणि शालिश्चैव विशेषतः तेजी कारक योग है वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

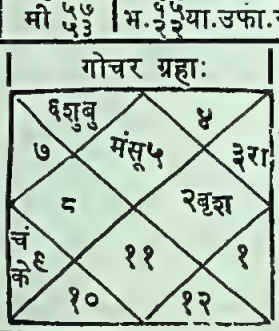

२२ पं.भा.शु ९ बृ इ. २ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	१	५	१	२	४
२१	०	५	१६	१५	७	२७	२०
१७	५	२६	२७	९	०	५२	४२
२	२	१०	४८	११	४३	३१	१८
५८	३९	० ३	४	७३	०	३	५८
१३	८	२६	१	४४	३४	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेतिमहा.
१	गु	४७	८	पू	१३	४४	शू	८	३४	बा	१६	४८		३० ३५	५३	६ ७	२३	१५	१४	मीने	चित्रा. शुक्रः ६।५४
२	शु	४७	८	उ	१५	५३	गं	६	३९	तै	१७	८		३१	५४	६	२४	१६	१५	मीने	
३	श	४५	४५	रे	१६	५३	बृ	३	४०	व	१६	२६		२७	५५	५	२५	१७	१६	मे. १ ६	भ.३ ६ उ.४ ५ या.कन्यायामर्कः २ ३ ५ ४ (सौरः ५ ७
४	र	४४	१९	अ	१६	५९	धु	० ८	३ ५ ४	व	१५	२		२२	५६	४	२६	१८	१७	मेषे	चतुर्थी व्र.
५	चं	४०	३१	भ	१६	८	ह	५०	४२	कौ	१२	२५		१८	५६	४	२७	१९	१८	वृ. ३ ० ४ ८	चित्रा.बुधः ५९।५०
६	मं	३६	५४	कृ	१४	४९	व	४५	३३	ग	९	१२		१४	५७	३	२८	२०	१९	वृषे	भ.५ ६ उ.तुलायांशुक्रः ३३।४५
७	बु	३२	५५	रो	१२	४९	सि	३८	५९	वि	५	२५		९	५८	२	२९	२१	२०	मि.४ १ ०	भ.५।२५या.
८	गु	२७	४९	मृ	९	५२	व्य	३२	२४	बा	०	२२		५	५९	१	३०	२२	२१	मिथुने	
९	शु	२२	३५	आ	६	५८	व	२५	२४	ग	२२	३५		३० ० ०	० ०	६ ०	३१	२३	२२	क.४९।२	मांतृ ९
१०	श	१६	४५	पु	३ ४	५५ ४२	प	१७	४६	वि	१६	४५		२९	० ५	६ ५९	१	२४	२३	कर्के	भ.१ ६ ४५या.४ ९ ४०या.तुलायां बुधः ३ ५ १ ५ ×
११	र	१०	२६	श्ले	५४	८	शि	९	५५	बा	१०	२६		५२	२	५८	२	२५	२४	सिं.५४।८	इंदिरा ११ व्र. [×भा. आश्विनारंभः
१२	चं	३	४३	म	४९	९	सि	३७	५१ ५८	तै	३	४३		४८	२	५८	३	२६	२५	सिंहे	भ.५ ७ उ.स्वात्यां शुक्रः ३ ७ प्रदोषः
१३	चं	५३	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	[÷हतानां श्रा.
१४	मं	५०	५०	पू	४४	५७	शु	४५	४७	वि	२३	५६		४४	३	५७	४	२७	२६	कं. ५९।५	भ.५ ३ ६ या.हस्ते रविः ३ ७ शस्त्रादिः÷
१५	बु	४५	३५	उ	४१	२८	शु	३८	२२	च	१८	१६		४०	४	५६	५	२८	२७	कन्यायां	हस्ते रविः सौरः ११ ७ सर्वपितृ ३०

२३ पं.आ.कृ. १ बृ.इ ३ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	१	५	१	२	४
२८	४	१६	१७	२३	७	२७	२७
५	३०	३९	३	४३	१	३३	३०
२४	४०	७	७	४१	३४	१५	३८
५८	३८	९४	२	७३	१ ०	३	५८
२९	५८	५९	५०	३५	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

आश्विन कृष्णे ३ शनौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वाः ४ न.५वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

२४ पं.आ.कृ ८ बृ.इ. २ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	१	६	१	२	५
४	८	२६	१७	२	६	२७	४
५५	५५	५६	१९	१७	५७	११	२०
१६	५	५३	१२	१७	४७	०	४५
५८	३८	८४	१	७३	५०	३	५८
३८	५०	५६	२६	२१	व.	११	४५

ति.	आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३०६८ स.२०००
१	शु	४१	२७	ह	३८	५०	ब्र	३१	३६	कि	१३	३१	३६	६	५५	६	२६	२८	कन्यायां	पूफा.भौमः३७स्वात्यां बुधः४७माता×
२	शु	३६	८	चि	३६	५०	ऐं	२६	१३	बा	१०	१७	३२	६	५४	७	३०	२६	तु.७।५०	चंद्र दर्शनम् [×महश्रा. नवरात्रा.
३	श	३८	३४	स्वा	३८	२८	वै	२२	१०	तै	८	५०	२८	६	५४	८	१	३०	तुलायां	वक्री गुरुः६।२२ रज्जव ७
४	र	३६	४५	वि	४१	१३	वि	१६	२५	व	६	६	२३	७	५३	९	२	१	वृ.२५।३२	भ.६।६उ.३५या.पुन.२राहु :पूषा.४केतुः÷
५	चं	४२	४३	अ	४५	३२	प्री	१८	२२	ब	११	१४	१९	८	५२	१०	३	२	वृश्चिके	वक्री कृत्ति.३शनिः३८।४५
६	मं	४७	२१	ज्ये	५१	१३	आ	१८	३०	कौ	१५	२	१५	६	५१	११	४	३	ध.५१।१३	[÷१०।३२ अक्टूबर १० ता. ३१
७	बु	५३	१	मू	५७	५६	सौ	१६	५४	ग	२०	११	११	१०	५०	१२	५	४	धनुषि	भ.५३।१उ.सरस्वत्यावाहनस्
८	गु	५६	१४	पू	६०	०	शो	२१	३८	वि	२६	८	७	११	४६	१३	६	५	धनुषि	भ.२६।८या.सरस्वती पू.
९	शु	६०	०	पू	५	२७	अ	२४	१	बा	३२	२६	३	११	४६	१४	७	६	म.२२।१६	विशा.शुक्रः ४।१२बलिदानं
९	श	५	३८	उ	१२	५५	सु	२६	२२	कौ	५	३८	२६	१२	४८	१५	८	७	मकरे	विजयादशमी
१०	र	११	३१	श्र	२०	११	धृ	२८	१५	ग	११	३१	५५	१३	४७	१६	९	८	कुं.५३।१०	भ.४३।५३उ.सरस्वतीविसर्जनम्
११	चं	१६	१६	ध	२६	८	शू	२९	१९	वि	१६	१६	५१	१४	४६	१७	१०	९	कुंभे	भ.१६।१६ या.पापांकुशा ११ व्र.
१२	मं	१९	३०	श	३०	५१	गं	२९	२६	बा	१९	३०	४७	१५	४५	१८	११	१०	कुम्भे	चित्रा.रविः ९।५(सौरः३१) प्रदोषः
१३	बु	२१	२१	पू	३४	६	बृ	२८	१७	तै	२१	२१	४३	१५	४५	१९	१२	११	मी. १८	
१४	गु	२१	३५	उ	३५	४२	धु	२५	५९	व	२१	३५	३९	१६	४४	२०	१३	१२	मीने	भ.२१।३५उ.५०।२२या.विशा.बुधः=
१५	शु	१९	८	रे	३५	५२	व्या	२२	२०	ब	१९	८	३५	१७	४३	२१	१४	१३	मे.३५।५२	[=१५।२०कोजागरी व्र. शरद् १५

२५पं.आ.शु.१बृ.इ.२५।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	१	६	३	२	५
११	१३	६	१७	१०	६	२६	११
४६	१८	१३	२५	५०	४८	४८	१२
५२	५८	५९	३०	४६	३८	४४	४६
५८	३८	७३	०	७३	४०	३	५९
५३	४३	१७	२२	१४	व.	११	००

२६पं.आ.शु.८बृ.इ.२५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	१	६	१	२	५
१८	१७	१४	१७	१९	६	२६	१८
४०	४१	१३	२२	२३	३३	२६	६
८	५३	१९	३७	१७	४७	२९	३३
५९	३८	५७	१०	७२	१४	३	५९
९	४३	२९	व.	५६	व.	११	१६

२७ पं.आ.शु.१४बृ.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	१	६	१	२	५
२५	२२	२०	१७	२७	६	२६	२५
३५	३	५	९	५३	१४	४	०२
२	११	२८	४	३१	३८	१३	१५
५९	३८	३१	३३	७२	५४	३	५९
२१	२६	५९	व.	४१	व.	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१७	३१	अ	३४	५६	ह	१७	४९	कौ	१७	३१	३८	६	१८	४२	२२	१५	१४	मेषे	वृश्चिके शुक्रः १०।१०
२	र	१३	४९	भ	३२	३८	व	१२	१४	ग	१३	४९	२७	१९	४१	२३	१६	१५	वृ.४७।३	भ.४१।३६उ.
३	चं	९	२३	कृ	३०	३१	सि	५६	५३	वि	९	२३	२३	१९	४१	२४	१७	१६	वृषे	भ.९।२३या.तुलायामर्कः५२अनु.शुक्रः×
४	मं	४	२८	रो	२७	२०	व	५२	२२	बा	४	२८	२०	२०	४०	२५	१८	१७	मि५५।३४	तुलायामर्कःसौरः२५वक्री बुधः१९।८
५	मं	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=प्रदोषः घन १३
६	बु	५४	२६	मृ	२३	४७	प	४५	१४	ग	२६	५८	१६	२१	३९	२६	१९	१८	मिथुने	भ.५४।२६उ. [+रमा. ११ व्र.
७	गु	४९	७	आ	२०	१७	शि	३८	१२	वि	२१	४६	१२	२२	३८	२७	२०	१९	मिथुने	भ२१।४६या. उफा.भौमः४८।२९
८	शु	४४	७	पु	१६	४९	सि	३१	५	बा	१९	३७	८	२२	३८	२८	२१	२०	क.२।४५	[÷बुधः३२बुधास्तः पश्चिमायां १६=
९	श	३९	२	पु	१३	३५	सा	२४	७	तै	११	३४	४	२३	३७	२९	२२	२१	कर्के	वक्री रोहिणी.रंगुरुः५।९ [×५१च.व्र.
१०	र	३४	२	श्ले	१०	५१	शु	१६	४९	व	६	३२	०	२४	३६	३०	२३	२२	सिं. ५९	भ.६।३२उ.३४।२या.
११	चं	२९	१९	म	६	३७	शु	१०	२५	ब	१	४१	२७	२५	३५	१	२४	२३	सिंहे	स्वात्यां रविः३४भा.कार्तिकारंभः+
१२	मं	२४	५४	पू	४	३२	ब्र	२७	५३	तै	२४	५४	५३	२५	३५	२	२५	२४	कं.१९।२	स्वात्यां रविः सौर.६८वक्री स्वात्यां÷
१३	बु	२१	२०	उ	२	३५	वै	५१	३८	व	२१	२०	४९	२६	३४	३	२६	२५	कन्यायां	भ.३०उ.५०या.कन्यायां भौमः५४रूप१४
१४	गु	१८	२०	ह	०	३५	वि	४६	४४	श	१८	२०	४५	२७	३३	४	२७	२६	तु.३०।२२	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	शु	१६	५७	चि	०	१०	प्री	४२	४७	ना	१६	५७	४१	२८	३२	५	२८	२७	तुलायां	ज्येष्ठा. शुक्रः५३अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा

२८ पं.का.कृ.७बृ.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	१	७	१	२	६
२	२६	२२	१६	६	५	२५	१
३१	२५	२	४६	२५	५१	४१	५९
२६	१६	३५	१९	३०	०	५७	४२
५९	३८	१३	३५	७२	३४	३	५९
३४	१९	व.	व.	२३	व.	११	४६

गोचर ग्रहाः

कार्तिक कृष्णे ३ चंद्रे
तुलायमर्कःप्रविष्टःवा
३न.४ कुमार्यवस्था
(बैठी)मु. ४५धान्या
दि भावे समर्घता
शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२९ पं.का.कृ.१४बृ.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	१	७	१	२	६
९	०	१७	१६	१४	५	२५	८
२९	४५	२७	१४	५५	२४	१९	५९
५२	२५	५८	५६	१६	२५	४१	०२
५९	३८	१३	५८	७२	५३	३	६०
४७	१२	व.	व.	२	व.	११	२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः ३१२८स.२०००
१	श १६ ३१ स्वा ० ५९ आ ३९ ५६ व १६ ३१ ३७	२९	५	६	२९	२८	वृ.४७।४०	चंद्र दर्शनम्
२	र १७ ५१ वि ३ १४ सौ ३८ ३६ को १७ ५१ ३४	२९	३१	७	१	२९	वृश्चिके	भ्रातृ २ यम २ सावान ८
३	चं २० ५० अ ६ ५८ शो ३७ ५९ ग २० ५० ३०	३०	३०	८	२	३०	वृश्चिके	भ.५३।२ उ.
४	मं २५ १४ ज्ये १२ ८ अ ३८ २० वि २५ १४ २७	३१	२९	९	३	३१	ध.१२।८	भ.२५।१४ या.
५	बु ३० ४१ मू १८ ३१ सु ३९ ५९ बा ३० ४१ २३	३१	२९	१०	४	१	धनुषि	नवम्बर ११ ता. ३०
६	गु ३७ ४ पू २५ ३८ धृ ४२ ११ को ३ ५२ १९	३२	२८	११	५	२	म.४२।३२	[÷विवाहः
७	शु ४३ २६ उ ३३ १४ शू ४४ २६ ग १० १५ १६	३३	२७	१२	६	३	मकरे	भ.४३।२६ उ.
८	श ४९ ११ श्र ४० ३८ गं ४६ ४१ वि १६ १९ १२	३४	२६	१३	७	४	मकरे	भ.१६ या.वक्री चित्रा.बुधः ३३ बुधोदयः×
९	र ५४ ५२ ध ४७ ३० वृ ४८ १४ बा २२ १ ९	३४	२६	१४	८	५	कुं.१४।४	विंशा.रविः ५५।२२ अक्षय ९
१०	चं ५८ ४६ श ५२ ५५ ध्रु ४८ ५५ तै २६ ४९ ५	३५	२५	१५	९	६	कुंभे	विंशा.रविः सौरः २३।४२
११	मं ६० ० पू ५६ ५० व्या ४८ ४९ व २९ ५२ २	३६	२४	१६	१०	७	मी.५२	भ.५३ उ.प्रबोधिनी ११ व्र.स्मा. तुलसी÷
११	बु ० ५८ उ ५९ २ ह ४६ ३५ वि ० ५८ ५६	३६	२४	१७	११	८	मीने	भ.५८ या.मार्गी बुधः ५७ मूले धनुषि शुक्रः=
१२	गु १ १७ रे ५९ १७ व ४३ ६ बा १ १७ ५५	३७	२३	१८	१२	९	मे.५९।१७	प्रदोषः [=५६ प्रबोधिनी ११ व्र. वै.
१३	शु ५८ २६ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	[×पूर्वस्यां ४९।५१ गोपाष्टमी
१४	शु ५६ २५ अ ५८ ९ सि ३८ १३ ग २८ ४ ५२	३८	२२	१९	१३	१०	मेषे	भ.३५ उ.हस्ते भौमः २५ स्वात्यां बुधः*
१५	श ५१ ४१ भ ५४ ५७ व्य ३२ ५ वि २४ ३ ४९	३८	२२	२०	१४	११	मेषे	भ.२ या. मन्वादिः *५५ वैकुंठ १४

३०पं.का.शु.६ बृ.इ.२५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	१	७	१	२	६
१६	५	८	१५	२३	४	२४	१६
२९	४	५५	३३	२३	५३	५७	०
२८	४१	५२	४३	३८	४९	२६	६
६०	३८	५५	६	७१	१४	३	६०
४	१	व:	व.	४०	व:	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में वदि में गेहूं जी चना बाजरा मक्का मूंग मोठ तिलहन आदि मंदा होकर सुदि में तेज होवे ५ शनिवार अशुभहैं ।

गोचर ग्रहाः

३१ पं.का.शु. १२ बृ.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	१	८	१	२	६
२३	९	६	१४	१	४	२४	२३
३०	२२	१३	४७	५०	२१	३५	२
५०	८	३७	२४	४६	११	११	४१
६०	३७	१६	६	७१	१४	३	६०
१७	४७	मा	व:	१६	व:	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.:
१	र ४५ ३८ कृ ५० ५५ व २४ ४९ बा १८ ३९	३९	३९	५	२१	१५	१२	वृ. ८।५६	
२	चं ३९ ४ रो ४६ ११ प १६ ४६ तै १२ २१	४२	४०	२०	२२	१६	१३	वृषे	
३	मं ३२ १३ मृ ४१ ४३ शि १४ ५१ ३० व ५ ३९	३९	४०	२०	२३	१७	१४	मि. १३	भ.५९ उ.३३ या.चतुर्थी व्र.
४	बु २५ २२ आ ३६ १६ सा ५१ १९ बा २५ २२	३६	४१	१९	२४	१८	१५	मिथुने	वृश्चिकेऽर्कः ५१।२७
५	गु १८ ५६ पु ३१ ३४ शु ४२ ५९ तै १८ ५६	३३	४१	१९	२५	१९	१६	क.१७।४५	वृश्चिकेऽर्कः सौरः १७।५९
६	शु १३ १३ पु २८ १३ शु ३५ १७ व १३ १३	३०	४२	१८	२६	२०	१७	कर्के	भ.१३ उ.४४ या.पातस्पर्शः २७×
७	श ७ ५५ श्ले २४ ४ ब्र २८ २ ब ७ ५५	२७	४३	१७	२७	२१	१८	सिं.२४।४	[×पातमोक्षः ४८।२८
८	र ३ २१ म २१ ३२ ऐं २१ २६ को ३ २१	२५	४३	१७	२८	२२	१९	सिंहे	अनु.रविः ९।४७ (सौरः ३४८) पूषा.शुक्रः १
९	र ५५ ७ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	चं ५५ ४४ पू १९ २८ वै १५ ११ व २७ ६	२२	४४	१६	२९	२३	२०	कं.३४।१०	भ.२७ उ.५५ या.वक्री रोहिणी.१गुरुः ४४
११	मं ५४ १२ उ १८ १६ वि ९ ४९ ब २४ ५८	१९	४४	१६	३०	२४	२१	कन्यायां	वक्री कृतिका.२शनिः ५१ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	बु ५२ ५५ ह १७ ५१ प्री ५ ११ को २३ ३४	१७	४५	१५	१	२५	२२	तु.२८।८	भा.मार्गशीर्षारंभः
१३	गु ५२ ५६ चि १८ २६ आ १७ ५२ ग २२ ५६	१४	४५	१५	२	२६	२३	तुलायां	भ.५६ उ.विशा.बुधः ४।५७ प्रदोषः
१४	शु ५३ ३७ स्वा २० १३ शो ५५ ५१ वि २३ १७	१२	४६	१४	३	२७	२४	तुलायां	भ.२३।१७ या.
३०	श ५५ ४६ वि २२ ५८ अ ५४ ३५ च २४ ४१	९	४६	१४	४	२८	२५	वृ. ७।१७	

३२पं.मा.कृ.५बृ.इ.२४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	१	८	१	२	७
०	१३	११	१३	१०	३	२४	०
३३	३८	१४	५४	१५	४७	१२	०६
२९	४६	१७	५०	२९	२४	५५	४५
६०	३७	६७	५९	७०	४०	३	६०
३०	३३	४	व:	४५	व:	११	४०

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष कृष्णे४ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न.४ गतालका वस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

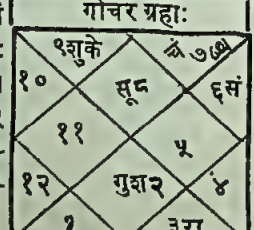

३३ पं.मा.कृ.१३बृ.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	१	८	१	२	७
७	१७	२०	१२	१८	३	२३	७
३७	५४	२७	५८	३७	१३	५०	१२
२६	४०	४०	५९	१२	१६	३९	१८
६०	३७	८५	५७	७०	४०	३	६०
४२	१८	१७	व.	९	व:	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः३१५७सन्२०००
१	र ५९ ११ अ २६ ५१ सु ५४ २२ किं २७ २८ २६ ४७ ६ ५ ५ २९ २६							वृश्चिके	[B पूषा. ३केतुः २।३२
२	चं ६० ० ज्ये ३१ ५९ धृ ५४ ५० बा ३१ ३४ ५ ४७ १३ ६ ३० २७							ध ३१।५९	चंद्रदर्शनम्
३	मं ३ ५६ मू ३८ १८ शू ५५ ५८ कौ ३ ५६ २ ४८ १२ ७ १ २८							धनुषि	रमजान ९
४	बु ९ २२ पू ४५ १० गं ५७ ३३ ग ९ २२ ० ४८ १२ ८ २ २९							धनुषि	भ. ४२।२४ उ. वृश्चिके बुधः ४७।४२
५	गु १५ २७ उ ५२ ४६ बृ ५९ ५४ वि १५ २७ २५ ४८ १२ ९ ३ ३०							म.२।४	भ. १५।२७ याः उषा. शुक्रः १०।४२
६	शु २२ १० श्र ६० ० धु ६० ० बा २२ १० ५६ ४९ ११ १० ४ १							मकरे	अनु.बुधः५७।२बुधास्त :पूर्वस्यां५०।५६A
७	श २८ ४४ श्र ० २६ धु २ २३ ते २८ ४४ ५४ ४९ ११ ११ ५ २							कुं. ३४।८	ज्येष्ठा. रविः १९।५४ (सौरः४२।४१) *
८	र ३४ २५ ध ७ ५० व्या ४ ३५ ग १ ३४ ५३ ४९ ११ १२ ६ ३							कुंभे	भ.३४।२५उ.मकरेशुक्रः३।३६पुन.१राहु B
९	चं ३८ ५७ श १४ १० ह ५ ५५ वि ६ ५२ ५१ ५० १० १३ ७ ४							कुंभे	भ. ६।५२ या.
१०	मं ४२ १६ पू १९ २२ व ६ १९ बा १० ३६ ४९ ५० १० १४ ८ ५							मी. ३।४	[A दिसम्बर १२ ता.३१
११	बु ४३ २७ उ २२ १० सि ५ २८ त १२ ५१ ४८ ५० १० १५ ९ ६							मीने	[* चित्रा. भौमः १७।५५
१२	गु ४२ ४४ रे २४ १५ व्य १०३ ५५ व १३ ४ ४६ ५१ ९ १६ १० ७							मे.२४।१५	भ. १३।४उ.४२।४४ या.मौक्षदा११व्र.C
१३	शु ३९ ५० अ २३ ३९ प ५३ ४४ ब ११ १७ ४५ ५१ ९ १७ ११ ८							मेषे	[C गीता जयंती
१४	श ३५ ८ भ २० २९ शि ४६ ३४ कौ ७ २९ ४४ ५१ ९ १८ १२ ९							वृ.३४।३५	प्रदोषः
१५	र २८ ३४ कृ १६ ५४ सि ३८ ४ ग १ ५१ ४३ ५१ ९ १९ १३ १०							वृषे	भ.२८।३४उ.५४।४७या. ज्येष्ठा.बुधः D
१५	चं २० ५९ रो ११ १५ सा २८ ३४ व २० ५९ ४२ ५२ ८ २० १४ ११							मि.३८।५	श्रवसोशुक्रः२८।३० [D२९।१दत्तजयंती

३४पं.मा.शु.४बृ.इ.२४।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१	८	१	२	७
१४	२२	०	१२	२६	२	२३	१४
४२	९	५६	१	५५	३९	२८	१९
४०	३२	२८	४४	३७	२५	२४	०४
६०	३७	२२	५३	६९	२९	३	६१
५०	१९	४७	व.	२१	व.	११	०३

गोचर ग्रहाः

इस मासमें कृष्णपक्ष की तिथि क्षय और शुक्लपक्ष की तिथि वृद्धि अनाज गल्ले में मंदी कारक है चांन्दी सोना रुई तेज होवे.

गोचर ग्रहाः

३५पं.मा.शु.११बृ.इ.२४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१	९	१	२	७
२१	२६	११	११	५	२	२३	२१
४८	२३	४३	६	९	७	६	२६
४३	४६	१६	४	११	१९	८	४८
६०	३६	२६	४३	६८	१०	३	६१
५६	५१	१४	चं.	३८	व.	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं १२ ४२ मृ ५६ ४५ शु १८ ५८ कौ १२ ४२ ३५ ५३ ८ २१ १५ १२							मिथुने	
२	बु ४ ४ पु ५१ ५४ शु ४४ ५० ग ४ ४ ४० ५२ ८ २२ १६ १३							क.३८।३६	भ. २७।५४ उ. ५५।४७ या. तुलायां÷
३	बु ५१ ४३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							० ०	[÷भौमः२७।५
४	गु ४८ ६ पु ४५ ३५ पै ४९ १७ ब २१ ५६ ३९ ५२ ८ २३ १७ १४							कर्के	चतुर्थी व्र.
५	शु ४१ १३ श्ले ४० ३३ वै ४० २९ कौ १४ ३९ ३९ ५२ ८ २४ १८ १५							सिं४०।३३	मूलेधनुष्यर्कः २७।९ (सौरः४६।३१)
६	श ३५ ३५ म ३६ ३० वि ३२ ३३ ग ८ २४ ३८ ५२ ८ २५ १९ १६							सिंहे	भ.३५।३५उ.वक्री कृत्ति.४गुरुः३।३२
७	र ३१ ५ पू ३३ ४० प्री २५ १० वि ३ २० ३८ ५२ ८ २६ २० १७							कं.४८।२२	भ.३।२०या.
८	चं २८ २५ उ ३२ २८ आ १९ ४९ कौ २८ २५ ३७ ५३ ७ २७ २१ १८							कन्यायां	
९	मं २६ २३ ह ३२ १० सौ १५ ८ गं २६ २३ ३७ ५३ ७ २८ २२ १९							कन्यायां	भ.५६।६उ.मुलेधनुषिबुधः१३।४२
१०	बु २५ ४९ चि ३३ १० शो ११ २४ वि २५ ४९ ३६ ५३ ७ २९ २३ २०							तु.२।४०	भ. २५।४९ या.
११	गु २५ ४९ स्वा ३५ ४१ अ ८ ५२ बा २५ ४९ ३६ ५३ ७ ३० २४ २१							तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	शु २८ ४३ वि ३९ ५ सु ७ १३ ते २८ ४३ ३६ ५३ ७ १ २५ २२							वृ.२३।१४	भा. पौषारंभः
१३	श ३२ ४ अ ४३ ५४ धृ ६ ४० ग ० २३ ३६ ५३ ७ २ २६ २३							वृश्चिके	भ. ३२।४ उ. प्रदोषः
१४	र ३६ ३ ज्ये ४९ १९ शू ६ ४५ वि ४ ३ ३७ ५३ ७ ३ २७ २४							ध४९।१९	भ.४।३या:स्वात्यां भौमः ३७।७ धनि.[×
१५	चं ४१ ९ मू ५५ ५९ गं ७ १३ च ८ ३६ ३७ ५३ ७ ४ २८ २५							धनुषि	सोमवती ३० [× शुक्रः १२।९

३६ पं.पौ.कृ.४बृ.इ.२३।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१	९	१	२	७
२८	०	२२	१०	१३	१	२२	२८
५५	३४	३३	११	१७	३७	४३	३५
३७	२६	१८	५३	४९	२६	५३	३१
६१	३६	९८	९	६७	५३	३	३१
०	२५	५	व.	३८	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

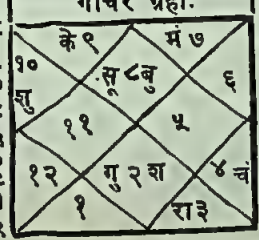

पौष कृष्णे ५ शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

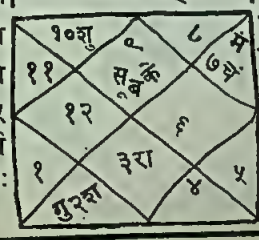

३७पं.पौ. कृ. ११बृ. इ.२३।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	९	१	२	८
६	४	३	९	२१	१	२२	५
३	४३	३५	२३	१९	१०	२१	४४
१४	३०	५३	२४	४४	४४	३७	५६
६१	३६	९९	१८	६६	२९	३	६१
४	८	४०	व.	३१	व.	११	२२

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः३१८७सन्२०००
१	मं	४६	५६	पू	६०	०	बृ	८	४४	किं	१४	२	२५/३७	६/५३	५/७	५	२९	२६	धनुषि	
२	बु	५३	१८	पू	२	४२	ध्रु	१०	२७	बा	२०	७	३८	५२	८	६	३०	२७	म. १९/३५	पूषा.बुधः३३।१२चंद्रदर्शनम्
३	गु	५९	४२	उ	१०	१७	व्या	१२	४३	तै	२६	३०	३८	५२	८	७	१	२८	मकरे	पूषा.रविः३२।९ (सौरः ४८/९) सव्वाल१०
४	शु	६०	०	श्र	१७	५३	ह	१५	५	व	३३	९	३९	५२	८	८	२	२९	कुं५१।४३	भ.३३।९उ.कुंभे शुक्रः६।३३
४	श	६	३६	ध	२५	३२	व	१७	१०	वि	६	३६	४०	५२	८	९	३	३०	कुंभे	भ.६।३६या.
५	र	१२	२९	श	३२	२८	सि	१९	१०	बा	१२	२९	४१	५२	८	१०	४	३१	कुंभे	
६	चं	१७	४३	पू	३८	३४	व्य	२०	२४	तै	१७	४३	४२	५२	८	११	५	१	मी. २२।२	जनवरी१ ता. ३१ सन्२००१ ई.
७	मं	२१	३४	उ	४३	२२	व	२०	४२	व	२१	३४	४३	५१	९	१२	६	२	मीने	भ.२१।३४उ.५२।४८ या.
८	बु	२४	१	रे	४६	२१	प	१९	३८	ब	२४	१	४४	५१	९	१३	७	३	मे.४६।२१	
९	गु	२४	२९	अ	४७	२६	शि	१७	७	कौ	२४	२९	४५	५१	९	१४	८	४	मेषे	उषा.बुधः ४२।२६ शते शुक्रः८।२७
१०	शु	२३	७	भ	४६	३८	सि	१३	७	ग	२३	७	४७	५१	९	१५	९	५	मेषे	भ.५१।१६उ.
११	श	१९	२६	कृ	४३	४४	सा	७/१७	५३/४२	वि	१९	२६	४८	५०	१०	१६	१०	६	वृ.०।५५	भ.१९/२६या.मकरे बुधः ४०/२४पुत्रदा११ व्र.
१२	र	१३	४८	रो	३९	३	शु	५१	७	बा	१३	४८	५०	५०	१०	१७	११	७	वृषे	प्रदोषः
१३	चं	५	४४	मृ	३२	५९	ब्र	४१	१९	तै	५	४४	५२	५०	१०	१८	१२	८	मि. ६।१	भ.५७।१६उ.
१४	चं	५१	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	मं	४८	४९	आ	२५	४७	ऐं	३०	४४	वि	२३	२	५३	४९	११	१९	१३	९	मिथुने	भ.२३।२ या.खग्रास चंद्रग्रहणम्

३८ पं. पौ.शु.३बृ.इ. २३/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	९	१	२	८
१३	८	१४	८	२९	०	२१	१२
११	५०	४४	४२	१३	४८	५९	५४
१३	४६	३१	०	१९	२९	२१	४८
६१	३५	०/००	५/२०	६५	२/४४	३	६१
६	४७	४७	व:	६	व.	११	२६

गोचर ग्रहाः

इम मास में चंद्रदर्शन बुधवार का है अतः चांदी सोना तिलहन सण पाट मन्दे होगें धान्य में तेजी हो, सुदी में शीत अधिक पड़े।

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.शु.९बृ.इ. २३/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	१०	१	२	८
२०	१२	२६	८	६	०	२१	२०
१९	५६	७	८	५५	३०	३७	०४
२६	३५	४८	१०	५२	१४	६	४५
६१	३५	०/००	४/५	६३	२/९	३	६१
६	२५	४३	व	३३	व.	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	बु	३९	१९	पु	१८	४	वै	१९	५२	बा	१४	४	२५/५५	६/४९	५/११	२०	१४	१०	क.४।५९	उषा.रविः३६।५४(सौरः४९।३६)
२	गु	३०	२९	पु	१०	४६	वि	९/१४	४९/१	तै	४	५३	५७	४९	११	२१	१५	११	कर्के	भ.५५।४० उ.
३	शु	२०	५०	श्ले	३/२९	५३/२५	आ	४८	२७	वि	२०	५०	५९	४८	१२	२२	१६	१२	सिं. ३।२९	भ.२०/५०या. श्रवणे बुधः ४४।९ च. व्र.
४	श	१३	३३	पू	५२	९	सौ	३९	४९	बा	१३	३३	२६/१	४८	१२	२३	१७	१३	सिंहे	मकरेऽर्कः५३।१८
५	र	७	१२	उ	४९	२	शो	३२	२६	तै	७	१२	४	४७	१३	२४	१८	१४	कं. ६।२२	मकरेऽर्कःसौरः ५।३
६/७	चं	२/५६	५३/७	ह	४७	४६	अ	२६	२६	व	२	५३	६	४७	१३	२५	१९	१५	कन्यायां	भ.२/५३उ.३०/५७या.बुधोदयःपश्चिमायां२७/३३
८	मं	५९	२६	चि	४७	५९	सु	२१	५०	बा	२९	१३	८	४६	१४	२६	२०	१६	तु.१७।५२	विशा.भौमः३८/५४पूभा.शुक्रः४२।२५
९	बु	६०	०	स्वा	५०	१४	धृ	१८	३९	तै	२९	५३	११	४६	१४	२७	२१	१७	तुलायां	[×५३/५०पातस्पर्शः१०/३४पातमोक्षः३९/५४षट्- =
९	गु	०	२०	वि	५३	१२	शू	१७	२	ग	०	२०	१३	४५	१५	२८	२२	१८	वृ.३७।२८	भ.३२।१उ. [=तिला११व्र.
१०	शु	३	४२	अ	५८	४५	गं	१६	२८	विं	३	४२	१६	४५	१५	२९	२३	१९	वृश्चिके	भ.३।४२या.
११	श	६	१५	ज्ये	६०	०	वृ	१६	५९	बा	६	१५	१९	४४	१६	३०	२४	२०	वृश्चिके	अभि.प्र.रविः२५/४८(सौरः३६/२४)धनि.बुधः×
१२	र	११	२२	ज्ये	४	४४	ध्रु	१८	३	तै	११	२२	२१	४४	१६	१	२५	२१	ध.४।४४	भा.माघारंभः प्रदोषः
१३	चं	१७	४	मू	११	३१	व्या	१९	४८	व	१७	४	२४	४३	१७	२	२६	२२	धनुषि	भ.१७।४उ.५०।१८या. (÷गुरुः३५।१८
१४	मं	२३	३२	पू	१८	३८	ह	२१	३८	श	२३	३२	२७	४३	१७	३	२७	२३	म.३५।३१	श्रवणे रविः४२।२५(सौरः५२।२०)
३०	बु	२९	४४	उ	२६	१०	व	२३	५०	ना	२९	४४	२९	४२	१८	४	२८	२४	मकरे	अभि. मि.रविः३४/४०(सौरः४४/३७)मार्गी÷

४०पं.माघकृ.२ बृ.इ.२३/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	१	१०	१	२	८
२७	१६	७	७	१४	०	२१	२७
२७	५८	४३	४४	२५	१६	१४	१४
२२	५२	२६	२	५	५५	५०	३७
६१	३४	०/००	५/२०	६१	२/२८	३	६१
६	४३	२८	व.	३२	व.	११	२४

गोचर ग्रहाः

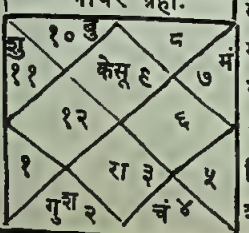

माघ कृष्णे ४ शनौ मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

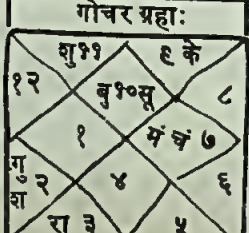

४१ पं.माघ.कृ.९वृ.इ. २३/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	१	१०	१	२	९
४	२०	१९	७	२१	०	२०	४
३५	५९	१९	२८	३८	९	५२	२४
१३	४२	२६	५५	५६	४	३५	०६
६१	३४	९६	१/२५	५८	०/३५	३	६१
३	१७	३७	व:	४८	व.	११	१९

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२१७स.२००१
१	गु ३६ ६ श्र ३३ ४१ सि २६ १ कि २ ५६	३६	४३	१८	५	२६	२५	मकरे	कुंभे बुधः २३।१७ मार्गी शनिः ११।४५
२	शु ४२ २८ ध ४६ १४ व्य २८ १० वा ६ १८	३५	४१	१६	६	३०	२६	मीने कुं.७।२८	मीने शुक्रः ५८।० चंद्र दर्शनम्
३	श ४८ १६ श ४८ १६ व ३० ८ तै १५ २२	३८	४०	२०	७	१	२७	कुम्भे	जिल्काद ११
४	र ५३ २३ पू ५४ २२ प ३१ १६ व २० ४६	४१	४०	२०	८	२	२८	मी. ५०	भ. २०।४९ उ. ५२।२३ या.
५	चं ५७ ३७ उ ५६ ५१ शि ३१ ५८ व २५ ०	४५	३६	२१	९	३	२९	मीने	वसंत पंचमी
६	मं ६० ० रे ६० ० सि ३१ ३५ कौ २६ ५	४८	३८	२२	१०	४	३०	मीने	उभा. शुक्रः २७।२६
६	बु ० ३४ रे ४ ० सा ३० ३५ तै ० ३४	५१	३८	२२	११	५	३१	मे. ४०	[÷केतुः ५५।१७
७	गु १ ५३ अ ६ ३७ शु २७ ५८ व १ ५३	५४	३७	२३	१२	६	१	मेषे	भ.१।५३उ.३२।२३या. फरवरी मा. २ ×
८	शु २ ५२ भ ७ ३४ शु २३ ५६ व २ ५२	५८	३६	२४	१३	७	२	वृ. २२	पातस्पर्शः ४३ पातमोक्षः ५९।३८भीष्म ८
९	शु ५६ ५० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	श ५५ ५१ कृ ६ ४५ व्र १८ २६ तै २७ १६	२७	३६	२४	१४	८	३	वृषे	वृश्चिके भौमः ३३ आर्द्रा.४राहुःपूषा. २ ÷
११	र ५१ २ रो ४ ५५ ऐं १० २४ व २३ २६	५	३५	२५	१५	९	४	मि. ३१	भ.२३।२६उ.५१।२या.वक्री बुधः३।४६*
१२	चं ४३ ५ आ ५३ १ वै १८ २० व १७ ४	८	३४	२६	१६	१०	५	मिथुने	धनि.रविः५०।४३(सौर. ५८।१०)
१३	मं ३४ ९ पु ४६ ३७ प्री ४३ १३ कौ ८ ३७	१२	३४	२६	१७	११	६	कं. ३३	बुधास्तः पश्चिमायां २१।११ प्र दोषः
१४	बु २५ १ पु ३८ ४६ आ ३२ १० व २५ १	१५	३३	२७	१८	१२	७	कर्के	भ. २५।१ उ. ५०।२० या. [*जया ११ व्र.
१५	गु १५ ३८ श्ले ३० ५६ सौ २१ ७ व १५ ३८	१९	३२	२८	१९	१३	८	सिं. ३०	मा. स्ना. पूर्तिः [× ता. २८ भानु ७

४२ पं.मा.शु.१बृ.इ.२३।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	१०	१	१०	१	२	९
११	२४	०	७	२८	०	२०	११
४२	५७	०	२४	३२	७	३०	३२
५०	०	११	११	१०	५	१९	५७
६०	३३	८१	१९	५५	१	३	६१
५९	२९	३३	मा	४३	मा	११	१३

४३ पं.मा.शु.७बृ.इ.२३।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	१०	१	११	१	२	९
१८	२८	६	७	४	०	२०	१८
४९	४८	१३	२९	५९	१०	८	४१
१६	५४	५९	१७	२८	३४	३	१
६०	३२	३३	१	५१	०	३	६१
५५	४९	१४	१७	२४	५३	११	०४

४४ पं.मा.शु.१५बृ.इ.२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	१	११	१	२	९
२५	२	५	७	१०	०	१९	२५
५५	३६	०	४४	५०	१९	४५	४७
१	२५	५०	२	५३	२३	४८	४८
६०	३१	५३	२	४६	१	३	६०
४७	४०	ब	४२	७	३५	११	५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेमाघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ५१ ३३ म २३ २२ शो १० ४९ कौ ५ ३२	२७	३९	२९	२०	१४	९	सिंहे	अनु. भौमः ४६।१८
२	श ४९ ० पू १६ ४८ सु ५० ४३ व २२ ४७	२७	३१	२९	२१	१५	१०	कं.३०।३८	भ.२२।४७ उ. ४९।० या.
३	र ४२ २६ उ ११ २९ धृ ४२ ५६ व १५ ४३	३०	३०	३०	२२	१६	११	कन्यायां	चतुर्थी व्र.
४	चं ३८ २ ह ८ ४७ शू ३६ ४६ कौ १० १४	३४	३१	२९	२३	१७	१२	तुं.३७।४३	कुंभेऽर्कः २५।५९ (सौर. ३२।८)
५	मं ३५ ५६ चि ६ ४० गं ३२ १३ ग ६ ५९	३८	२८	३२	२४	१८	१३	तुलायां	भ.३५।५६ उ. वक्री मकरे बुधः ३९।३
६	बु ३५ ५० स्वा ७ १७ बृ २९ २० वि ५ ५३	४१	२८	३२	२५	१९	१४	वृ.५४।१५	भ.५।५३ या.
७	गु ३७ ३५ वि ९ ४९ ध्रु २७ ५० वा ६ ४३	४५	२७	३३	२६	२०	१५	वृश्चिके	
८	शु ४० ५१ अ १४ १७ ज्या २८ १२ तै ९ ४३	४९	२६	३४	२७	२१	१६	वृश्चिके	रेवत्यां शुक्रः २९।२९
९	श ४६ ५ ज्ये २० ५ ह २८ ५८ व १३ २८	५३	२५	३५	२८	२२	१७	ध.२०।५	भ.१३।२८ उ. ४६।५ या.
११	र ५१ ४४ मू २७ १० व ३० ४७ ब १८ ४९	५६	२५	३५	२९	२३	१८	धनुषि	विजया ११ व्र.
१२	चं ५८ २४ पू ३४ २० सि ३३ ६ कौ २५ ४	२८	२४	३६	३०	२४	१९	म.५१।१४	शते रविः२।१५(सौरः७।३०)बुधोदयः +
१३	मं ६० ० उ ४१ ५८ व्य ३५ २७ ग ३१ ४५	४	२३	३७	१	२५	२०	मकरे	भा. फाल्गुनारंभः प्रदोषः
१३	बु ५ ७ श्र ४९ ३७ व ३८ १९ व ५ ७	८	२२	३८	२	२६	२१	मकरे	भ.५।७ उ.३८।१७या. महाशिवरात्रि व्र.
१४	गु ११ २६ ध ५६ ५३ प ३९ ४२ श ११ २६	१२	२२	३८	३	२७	२२	कुं.२३।१५	ज्येष्ठा. भौमः ८।१ [+ पूर्वस्यां १३।४३
२०	शु १७ ३१ श ६० ० शि ४१ २७ ना १७ ३१	१६	२१	३९	४	२८	२३	कुंभे	

४५ पं.फा.कृ.८बृ.इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	१	११	१	२	१०
२	६	२७	८	१५	०	१९	२
५९	१९	४६	८	५७	३३	२३	५३
४९	५	३७	२०	२५	३२	३२	५१
६०	३०	५६	४	३८	२	३	६०
६७	५८	व	१८	५९	१६	११	४२

फाल्गुन कृष्णे ५ चंद्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

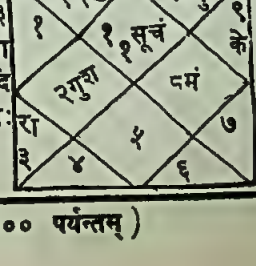

४६ पं.फा.कृ.१४बृ.इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	१	११	१	२	१०
१०	९	२२	८	२०	०	१९	९
३	५५	१५	४१	२	५२	१	५८
२२	१६	२२	४२	१०	५२	१६	२४
६०	२९	३०	५	२९	२	३	६०
२५	५१	व	१०	३२	५६	११	३१

(सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२४७ स,२००१

१	श	२२	३७	श	३	२५	सि	४२	२५	ब	२२	३७	३०	२०	४०	५	२९	२४	मी. ५२
२	र	२७	१	पू	९	१३	सा	४३	४	कौ	२७	१	२४	१९	४१	६	१	२५	मीने
३	चं	३०	५०	उ	१४	३६	शु	४२	३५	ग	३०	५०	२८	१८	४२	७	२	२६	मीने
४	मं	३३	२०	रे	१८	३३	शु	४१	२२	व	२	५	३२	१८	४२	८	३	२७	मे. १९
५	बु	३४	३९	अ	२१	२६	ब्र	३९	३०	ब	३	५९	३६	१७	४३	९	४	२८	मेष
६	गु	३४	५०	भ	२३	२०	ऐं	३६	२४	कौ	४	४४	४०	१६	४४	१०	५	१	वृ. ३९
७	शु	३३	३४	कृ	२३	४९	वै	३२	११	ग	४	११	४४	१५	४५	११	६	२	वृषे
८	श	३१	६	रो	२३	३५	वि	२६	५२	वि	२	२०	४८	१४	४६	१२	७	३	मि. ५३
९	र	२७	२	मृ	२०	३१	प्री	२०	२३	कौ	२७	२	५२	१४	४६	१३	८	४	मिथुने
१०	चं	२१	४१	आ	१६	३७	आ	१४	५८	ग	२१	४१	५६	१३	४७	१४	९	५	क. ५७
११	मं	१४	५९	पु	११	३७	सौ	१३	५९	वि	१४	५९	२९	१२	४८	१५	१०	६	कर्के
१२	बु	७	१६	पु	३५	५३	अ	४४	४१	ना	७	१६	५	११	४९	१६	११	७	सिं. ५९
१३	बु	५१	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	गु	४९	३२	म	५१	२९	सु	३४	१२	ग	२४	५	९	१०	५०	१७	१२	८	सिंहे
१५	शु	४०	३८	पू	४४	३४	धृ	२४	१	वि	१५	५	१३	९	५१	१८	१३	९	कं..५८।२

चंद्रदर्शनम्
जिल्हेज १२ फुलरिया २
मीने
भ.२३उ.३३या.मार्गी बुध :३५पातस्पर्शः×
पातमोक्षः ८।५३ [×५५।५६
मार्च ३ ता. ३१
भ.३३।३४उ.
भ.२।२०या. होलाष्टकः
पूभा. रविः१८।२१ (सौरः२२।१७)
भ.४८।२०उ.
भ.१४।५९या. रोहिणी.१गुरुः३९÷
प्रदोषः [÷आमल की ११ व्र.

४७ पं.फा.शु.६ बृ. इ. ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	१	११	१	२	१०
१७	१३	२२	९	२२	१	१८	१७
५	२६	२३	२३	५२	१६	३९	१
३५	१३	२४	२८	५५	४८	१	१६
६०	२८	३३	६	१७	३	३	६०
१२	५	मा	३२	३०	३७	११	२०

गोचर ग्रहाः

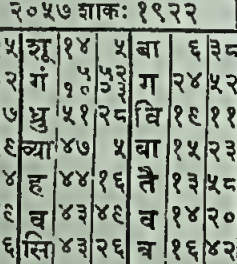

इस मास में मीन का शुक्र चना गेहूं जौ मटर मूग चावल आदि गल्ले मे मंदी करेगा चांदी सोना लोहा में तेजी होगी, फल उत्तम है।

गोचर ग्रहाः

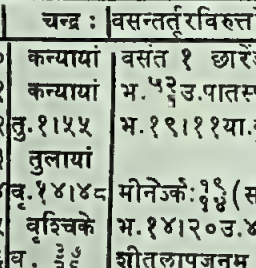

४८ पं.फा.शु.१४ बृ.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	१	११	१	२	१०
२४	१६	२६	१०	२४	१	१८	२४
६	४७	५२	१२	०	४५	१६	२
२२	२४	४४	५४	५८	०	४५	३९
५९	२६	४५	७	२	४	३	६०
५८	२६	००	२०	१९	१७	११	६

ति. चैत्र कृष्णपक्षः २०५७ शाकः १९२२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसन्तर्तूरविरुत्तरे फा.कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	श	२२	३८	उ	३८	२५	शू	१४	५	बा	६	३८	३७	९	५९	१९	१४	१०	कन्यायां
२	र	२४	५२	ह	३३	३२	गं	१०	५३	ग	२४	५२	२१	८	५२	२०	१५	११	कन्यायां
३	चं	१९	११	चि	३०	१७	ध्रु	५१	२८	वि	१९	११	२६	७	५३	२१	१६	१२	तु.१।५५
४	मं	१५	२३	खा	२८	५९	ज्या	४७	५	बा	१५	२३	३०	६	५४	२२	१७	१३	तुलायां
५	बु	१३	५८	त्रि	३०	४	ह	४४	१६	तै	१३	५८	३४	५	५५	२३	१८	१४	वृ.१४।४८
६	गु	१४	२०	अ	३२	४९	व	४३	४९	व	१४	२०	२८	४	५६	२४	१९	१५	वृश्चिके
७	शु	१६	४२	ज्ये	३७	२६	सि	४३	२६	ब्र	१६	४२	४२	३	५७	२५	२०	१६	व. ३९
८	श	२१	३४	मू	४३	२९	व्य	४४	५०	कौ	२१	३४	४७	३	५७	२६	२१	१७	धनुषि
९	र	२७	१	पू	५०	५१	व	४६	५३	ग	२७	१	५१	२	५८	२७	२२	१८	धनुषि
१०	चं	३३	१३	उ	५८	१९	प	४९	२३	व	०	७	५५	१	५९	२८	२३	१९	म. ७।४३
११	मं	३९	४७	श्र	६०	०	शि	५१	४१	ब	६	३०	०	०	०	२९	२४	२०	मकरे
१२	बु	४६	१६	श्र	५	५९	सि	५३	५८	कौ	१३	२	३०	५९	०	३०	२५	२१	कुं. ३९
१३	गु	५२	१	ध	१३	१४	सा	५५	३५	ग	१९	८	८	५८	२	१	२६	२२	कुंभे
१४	शु	५६	४९	श	१९	५२	शु	५६	२८	वि	२४	२५	१२	५८	२	२	२७	२३	कुंभे
२०	श	६०	०	पू	२५	२८	शु	५६	२९	च	२८	४६	१६	५७	३	३	२८	२४	मी.९।४
३०	र	०	४३	उ	२९	५८	ब्र	५५	३४	ना	०	४३	२१	५६	४	४	२९	२५	मीने.

वसंत १ छारेंडी
भ.५२उ.पातस्पर्शः४३पातमोक्षः५३
भ.१९।११या.कुंभे बुधः३४चतुर्थी व्र.
मीनेऽर्कः१९(सौरः२२।३८
भ.१४।२०उ.४५।३१या.
शीतलापूजनम्
उभा.रविः४०(सौरः४३)शत बुधः५५
भ०।७उ. ३३।१३ या.
पापमोचनी ११ व्र.
भ.५२।१उ.भा.चैत्रारंभः प्रदोषः
भ.२४।२५या.
मन्वादिः

४९ पं.चै.कृ.६.बृ.इ. २५।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१	११	१	२	११
१२	२०	३	११	२३	२	१७	१
५	०	५६	९	७	१८	५४	२
३५	२६	५६	५८	४१	३२	३०	२१
५९	२४	६५	८	१३	४	३	५९
४१	२८	८	२८	व.	५०	११	४९

गोचर ग्रहाः

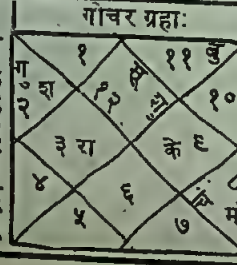

चैत्र कृष्णे ५ बुधे मीनेऽ कं:प्रविष्टः वा. ३ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमाया

गोचर ग्रहाः

५० पं.चै.कृ.१३ बृ.इ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१	११	१	२	११
८	२३	१२	१२	२०	२	१७	८
३	१	४८	१२	१७	५५	३२	०
१८	३४	२२	३६	४६	१६	१४	१६
५९	२२	८१	९	३२	५	३	५९
२९	३३	४१	१६	व.	१४	११	३५

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०२ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०२ भोग्यकलिः ४२६८९८ अथास्मिन् वर्षे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०५८ शाकः १९२३ अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः । मंत्री भृगुः । सस्येशश्चंद्रः । धान्येशः शनिः । मेघेशो गुरुः । रसेशोबुधः । नीरसेशश्चंद्रः । फलेशो गुरुः । धनेशो रविः । दुर्गेशो गुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ८ जयनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १०।७।१९।४५ भोग्यमासादिः १।२२।४०।१५ ग्रहिवुच्च्य-दैवतं युगम् । वर्षनाम कार्तिकः । मेघनाम संवर्तः । रोहिणीनिवासस्तटे । समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा २० समयवाहनम् मृगः । स्तंभौ २ जलतृणयोः । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानु सप्तमी १ रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ४०५ समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ८४ वर्षाविश्वा ७ धान्यम् ७ तृणम् ९ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १०३ सत्यम् ॥ धर्म १॥ पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहणम् १ चंद्रमसः ।

संवत् २०५८ आषाढ शुक्ले

१५ गुरौ

ग्रस्तोदयचंद्रग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
उज्ज. घ.	३१	३४	३८
मध्य प.	४०	५६	१२
रेलवे घ.	७	८	९
टा. मि.	७	२५	४४

वर्ष लग्नम् ११।१६

भैरव भवानी सम्वाद

भरव प्रश्न

सुख कर दुख हर अंबिका सुणो अर्ज चित लाय।
अठ्ठावन की साल को सांचो भेद बताय ॥

भवानी उत्तर

सुण भैरव तू ध्यान से कर चिंता को दूर ।
अठ्ठावन की साल में बधे प्रजा को नूर ॥
शशिराजा मंत्री भृगु यह है सौम्य सुयोग ।
राज प्रजा आनंद से भोगे उत्तम भोग ।
सौम्य ग्रहों के कबज में मिले आठ अधिकार।
घर २ गऊ व्यावसी घर २ मंगलाचार ॥
धान्याधिप शनिदेव है श्रावण में शनि पांच।
सब वस्तु तेजी करे यह ही समझो सांच ॥
समय निवासो रजक घर संवत् विश्वा बीस ।
भैरव चिंता दूर कर रक्षक है जगदीश ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ७।२४

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५१।४०

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणाम् प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ।। मंत्री शुक्रस्तत्फलम् ।। भृगुसुते ननु मंत्रिपदं गते शलभमूषकरावथमाहिषैः । भवति धान्यसमर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। सस्याधिपे-शीतकरे प्रजासुखं मेघाः पयो मुंचति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णा ।। धान्येशः शनिः फलम् ।। दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देशविग्रहं । सौराष्ट्रदेशनष्टश्च यत्र धान्याधिपः शनिः । मेघेशो गुरुःफलम् ।। गुरुरपिप्रियवृष्टिकरः सदाखिलविलासवती धरणी तदा । श्रुतिविचारपरा नरपालका रससमृद्धियुताखिलमानवाः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम् ।। रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्यघृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायकपालिता बहु-जलाखिलदेशसुरक्षिताः । नीरसेशश्चंद्रःफलम् ।। शुक्लवर्णादिवस्तूनां मुक्तारजतवाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे । फलेशोगुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभया वनराशिमहाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सवमंदिराः श्रुतिविचारपरा द्विजपूर्वंकाः ।। धनेशोरविःफलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतोबहुद्रव्यसमागमः । गजतुरंगममेष-खरोष्ट्रतो धनचयं लभते क्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवराः नरपाः करपालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समंसुखं सुखमति द्विजशस्त्रवतांविशाम् । जयनाम संवत्सरः फलम्।। जयमंगलघोषोघैः संकुला धरणी तदा । जयाब्दे धरणिनाथाः संग्रामे जयकांक्षिणः ।। वर्षनाम कार्तिकः फलम् ।। पापबुद्धिः रतालोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यंते राज्यं च तस्करैर्हृतम् ।। मेघनाम संवर्तःफलम् । संवर्ते जलपूरिता । रोहिणी निवासस्तटे फलम् ।। तटे वृष्टिःसुशोभना । समयनिवासो रजकगृहे फलम् । रजके वृष्टिरुत्तमा । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०५८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृ. ७ रवौ उषा. ल. ११।१२ रे. ६ऽ।।।।ऽअ.ऽऽ।।

शु. २ बुधे रोहि. ल. ११।१२ रे. ९।।ऽवृ।।।।।।।।घ.५२। ५१ उ.

,, ३ गुरौ रोहि. ल. १० रे. ६।।ऽवृ।।।।।।।घ. ४८।२३ या मृगे ल.११ रे. ७।।।।ऽनृऽऽ।। घ.५३।१७या.

,, ४ शुक्रे मृगे ल. अन्य गो. रे. ९।।।।।ऽनृ।।।।

,, ८ भौमे मघा. ल. ११ (चं७पू.) रे. ६ऽ।।।।ऽरोऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः आवश्यके

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ६ रवौ उषा. ल. अन्यगो. रे. ६।।।।।ऽअऽऽ।ऽ दग्धा. आवश्यके

,, १० शुक्रे उभा. ल. अन्यगो. १०।११ रे. ८।।।।।।ऽऽ।। मकरकुंभलग्ने नृपपंचकः रेखा ७

,, ११ शनौ रेव. ल. अन्यगो. १०।११ रे. ७।।ऽशु।।ऽनृ।ऽ।। शुक्रयुतिः

शु. १ गुरौ मृगे ल. अन्यगो. ११।१ रे. ८।।ऽ।।।ऽ।।।

शु. ६ चंद्रे मघा. ल. १ रे. ६ऽ।।।।ऽनृऽऽ।।

,, ८ बुधे उफा. ल. १ रे. ८।।।।।ऽचोऽ।।।

,, ९ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ९।।।।।।ऽ।।। हस्ते ल. १०। १२ रे. ९।।।।।।।ऽ।। मीने चं. ७ पूज्यः

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ६ गुरौ मघा. ल. ७ रे. ६ऽऽ।।ऽ।ऽ।।। घ. ५२।१ उप.

,, ८ शनौ उफा. ल. अन्यगो. ७ रे. ६ऽ।।।।ऽनृऽऽ।। तुला लग्ने नृपपंचकाभावः रेखा ७

,, ९ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. रे. ७ऽ।।।।।।ऽ।ऽ दग्धादोषः

माघ मासः ।

शु. ३ शुक्रे उभा. ल. १० रे. ९।।।।।।।।ऽ दग्धा.

फाल्गुन मासः ।

कृ. १ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ८।।।।ऽऽचो।।।।

,, ७ भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे. ९ऽ।।।।।।।।

,, ८ बुधे मूले ल. १० रे. ७।।।।ऽऽनृ।ऽ।।

,, ९ गुरौ मूले ल. अन्यगो. रे. ७।।।।ऽऽनृ।ऽ।।

अग्रे मीनार्क दोषः

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२७७ स. २००१
१	चं ३ १० रे ३३ २२ ऐं ५३ ०० ब	३	१०	३०/५५	५/६	५	३०	२६	मे. ३३।२२
२	मं ४ ३७ अ ३५ ५० वै ५१ २४ कौ	४	३७	२९	५४	६	६	१	२७ मेषे
३	बु ५ ६ भ ३७ १० वि ४८ १ ग	५	६	३३	५३	७	७	२	२८ वृ. ५२।१८
४	गु ४ २२ कृ ३७ ४१ प्री ४४ ११ वि	४	२२	३७	५३	७	८	३	२९ वृषे
५	शु २ ४६ रो ३७ ८ आ ३९ २३ ग	२	४६	४१	५२	८	९	४	३० वृषे
६	श ० १६ मृ ३५ ४७ सौ ३३ ४३ तै	०	१६	४५	५१	९	१०	५	३१ मि. ६/७
७	श ५६ ३५ ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
८	र ५२ ३९ आ ३३ २९ शो २७ ३५ वि	२४	४५	४९	५०	१०	११	६	१ मिथुने
९	चं ४७ २८ पु ३० ३८ अ २० ३७ वा	२०	३	५३	४९	११	१२	७	२ क. १६।८
१०	मं ४१ २९ पु २६ १७ सु १२ ५५ तै	१४	२८	५७	४९	११	१३	८	३ कर्के
११	बु ३५ ११ श्ले २१ ३३ धृ ४४ ५१/३ व	८	२०	३१/६	४८	१२	१४	९	४ सि. ३/३
१२	गु २७ २८ म १६ ११ गं ४७ ० ब	१	१९	५	४७	१३	१५	१०	५ सिंहे
१३	शु १९ ५८ पू १० २९ बृ ३८ २ तै	१९	५८	१०	४६	१४	१६	११	६ कं. २४।७
१४	श १२ २२ उ ५ ० धु २९ ३७ व	१२	२२	१४	४५	१५	१७	१२	७ कन्यायां
१५	र ५ २९ ह ८ ५६/६ व्या २१ ४४ ब	५	२९	१८	४४	१६	१८	१३	८ तु. २८।१०

भ. ५६/६ उ. रेवत्यां रविः ५/७ (सौरः ३०/४१)
[×रंभः नवरात्रा. [÷सिंघारा, मत्स्यज.
भ. २४/५ या. शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ३/६ अप्रेल =
मीने बुधः ५०/१८ रामनवमी [=४ ता. ३०
भ. ६० उ. ३/११ या. उभा. बुधः ४/३ कामदा*
प्रदोषः [*११ व्र.
भ. १/३३ उ. ३/६ या. आर्द्रा. ३ राहुः पूषा. १ A
हनुमज्जयंती [A केतुः ५१।३८

५१ पं.चै.शु.४ बृ.इ.२५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१	११	१	२	११
१४	२५	२३	१३	१६	३	१७	१४
५९	४९	५	२१	७	३६	०९	५६
१०	१२	४६	५०	२४	३६	५९	२४
५९	१९	९४	९	२३/६	५	३	५९
१६	५७	१५	५६	व. ४२	११	१८	

ग्रोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं प्रजामें पीड़ा धान्य गल्ला रस धातु तेज होगें, कहीं २ अग्नि भय हो।

ग्रोचर ग्रहाः

५२ पं.चै.शु.१२ बृ.इ. २६/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	१	११	१	२	११
२१	२८	४	१४	११	४	१६	२१
५३	२३	३६	३६	५२	२०	४७	५०
३१	२	११	४	१	२०	४३	३५
५९	१६	००	१०	३१/४१	६	३	५९
११	५४	१८	४२	व.	४	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा०
१	र ५४ १० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं ५५ ३२ स्वा ५३ ४६ ह १५ १ तै	२७	३५	३१/३३	५/४	१६	१९	१४	९ तुलायां
३	मं ५३ ४ वि ५३ २० व ९ ३३ व	२४	१८	२६	४३	१७	२०	१५	१० वृ. ३८
४	बु ५२ २३ अ ५४ ४३ सि ५ ४१ ब	२२	४४	३०	४२	१८	२१	१६	११ वृश्चिके
५	गु ५४ ३ ज्ये ५८ १३ व्य ३ २३ कौ	२३	१३	३४	४१	१९	२२	१७	१२ ध. ५८।१३
६	शु ५७ ३२ मू ६० ० व २ ४७ ग	२५	४७	३८	४०	२०	२३	१८	१३ धनुषि
७	श ६० ० मू ३ ४३ प ३ २ वि	३०	१	४२	४०	२०	२४	१९	१४ धनुषि
७	र २ २९ पू १० २२ शि ४ ४९ ब	२	२९	४६	३९	२१	२५	२०	१५ म. २७।९
८	चं ८ २० उ १७ ३१ सि ६ ४८ कौ	८	२०	५०	३८	२२	२६	२१	१६ मकरे
९	मं १४ ४७ श्र २५ १४ सौ ९ ३५ ग	१४	४७	५३	३७	२३	२७	२२	१७ कुं. ५/४
१०	बु २० ५८ ध ३२ ३२ शु ११ ३८ वि	२०	५८	५७	३७	२३	२८	२३	१८ कुम्भे
११	गु २५ ५८ श ३९ २२ शु १३ ३१ वा	२५	५८	३३/६	३६	२४	२९	२४	१९ कुंभे
१२	शु ३१ १४ पू ४४ ४७ ब्र १४ ३७ तै	३१	१४	५	३५	२५	३०	२५	२० मी. ३/६
१३	श ३४ ३० उ ४९ ८ ऐं १४ ३८ ग	२	४९	९	३४	२६	१	२६	२१ मीने
१४	र ३६ २० रे ५१ ५५ वै १३ २६ वि	५	२५	१२	३४	२६	२	२७	२२ मे. ५१।५५
१५	चं ३६ ४३ अ ५३ २७ वि ११ १४ च	६	३२	१६	३३	२७	३	२८	२३ मेषे

भ. २४ उ. ५३ या. बुधास्तः पूर्वस्यां ५/६
चतुर्थी व्र.
रेवत्यां बुधः ८।४२
भ. ३/२ उ. अश्वि. मेषेऽर्कः ४१/५८. (सौरः ४५/२४)
भ. ३०।१ या.

रोहिणी. ३ गुरुः १४।२४
भ. ४७।५२ उ.
भ. २०।५८ या. अश्वि. मेषे बुधः ५२।२६
मार्गी शुक्रः ५६।२८ वरूथिनी ११ व्र.

भ. ३४।३० उ. भा. वैशाखारंभः प्रदोषः
भ. ५।२५ या.
सोमवती ३०

१ पं.वै.कृ. ६ शु.इ. ४१।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१	११	१	२	११
०	०	१९	१६	८	५	१६	२९
०	५५	४३	११	२४	१३	२१	५६
०	४४	३७	२	३२	१	३५	४७
५८	११	००	११	१५	६	३	५८
४४	१५	१०	२४	२२	२६	११	४५

गोचर ग्रहाः

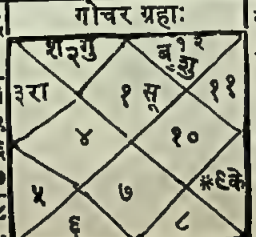

वैशाख कृष्णे ६ शुक्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा ३ न. ४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

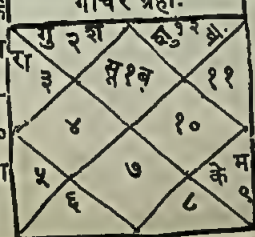

२ पं.वै.कृ.१२ शु.इ. ४२।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१	११	१	२	०
६	२	३	१७	७	६	१५	६
५०	४४	४९	३४	३४	२	५९	४६
४२	२४	१६	३४	३७	२८	१९	५८
५८	८	२९/३०	१२	२/३	६	३	५८
३१	३४	११	२	मा	३८	११	२९

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

* चंमं

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३०६ स. २००१
१	मं	३५	३६	भ	५३	४२	प्री	७	५८	किं	६	११	३२	५	मेषे
२	बु	३३	३५	कृ	५२	५१	आ	४६	५५	बा	४	३७	२३	२८	वृ.८।२८
३	गु	३०	३३	रो	५१	२३	शो	५३	१७	तै	२	४	२७	३१	वृषे
४	शु	२६	५०	मृ	४६	२	अ	४७	२१	वि	२६	५०	३१	३०	मि २०।१३
५	श	२२	३७	आ	४६	३५	सु	४१	८	बा	२२	३७	३४	२६	मिथुने
६	र	१८	७	पु	४३	४०	धृ	३४	२६	तै	१८	७	३८	२८	क २९।२३
७	चं	१३	२३	पु	४०	३८	शू	२७	२०	व	१३	२३	४१	२८	कर्के
८	मं	८	५	श्ले	३७	७	गं	२१	२८	ब	८	५	४५	२७	सिं. ३७।७
९	बु	२	४६	म	३४	२६	बृ	१३	२१	कौ	२	४६	४८	२६	सिंहे
१०	बु	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	गु	५१	१६	पू	२९	३८	ध्रु	५७	५३	व	२४	५	५२	२६	कुं.४३।३७
१२	शु	४५	२९	उ	२५	३४	ह	५१	२९	ब	१८	२२	५५	२५	कन्यायां
१३	श	४०	१५	ह	२२	३०	व	४४	३२	कौ	१२	५२	५८	२४	तु.५१।५
१४	र	३५	३४	चि	१९	४१	सि	३८	२८	ग	७	५५	३३	२४	तुलायां
१५	चं	३१	५८	स्वा	१७	४२	व्य	३३	१६	वि	३	४६	५	२३	तुलायां

[×चंद्र दर्शनम् परशुराम जयंती
भरण्यां बुधः७।२८ कृत्ति.४शनिः ५०।१९×
भ.५८।४१उ. सफर२ अक्षया३
भ. $\frac{२६}{५०}$ या. भरण्यां रविः $\frac{३३}{१९}$ (सौरः $\frac{३६}{३९}$)
[७४५।३१मोहिनी११व्र.वै.

भ. १३।२३ उ. ३९।४४ या.
कृत्ति.बुधः $\frac{३५}{५३}$ मई५ता.३१पातस्पर्शः $\frac{५४}{४५}$
वृषे बुधः $\frac{५१}{५०}$ रोहि.४गुरुः $\frac{४३}{४७}$ पातमोक्षः९।८

भ.२४।५उ.५१।१६या.मोहिनी११ स्मा.
वक्री भौमः ४६।८बुधोदयः पश्चिमायांo
प्रदोषः
भ. ३५।३४उ. नृसिंह १४
भ. $\frac{३}{४६}$ या. अस्तं शनेः $\frac{३५}{३२}$ यमाय कुंभदानं

३पं.वै.शु. ४शु. इ.४२।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१	१११	१	२	०
१३	४	१८	१९	८	६	१५	१३
२९	४	४५	०	२८	५२	३७	३५
४७	२६	११	५४	१७	५९	४	२३
५८	४	५९	१२	१७	६	३	५८
१९	४०	५१	२०	५	५६	११	१२

गोचर ग्रहाः

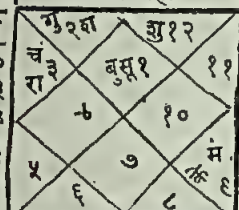

सोमवाराः यदा पञ्च चांद्रमासे भवन्तिहि। धन धान्यं समृद्धिः स्यात् सुखं सर्वत्र सुन्दरम्। इसयोग से यह मास मन्दी कारक है।

गोचर ग्रहाः

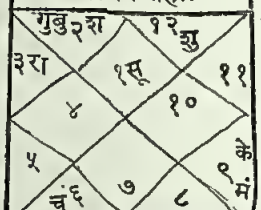

४०पं.वै.शु.१२शु.इ.४२।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	१	१	१११	१	२	०
२०	४	३	२०	११	७	१५	२०
२७	५३	२४	२९	१८	४५	१४	२२
२५	२०	३२	३१	२२	४३	४८	०६
५८	०	५९	१४	२९	७	३	५७
६	२	१५	४६	१८	८	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वै. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	२९	४३	वि	१७	८	व	२९	२३	वा	०	५०	३३	५	
२	बु	२८	५८	अ	१८	१	प	२६	२६	ग	२८	५८	११	२२	वृ.२।१७
३	गु	३०	५	ज्ये	२०	४३	शि	२५	१४	वि	३०	५	१४	२१	वृश्चिके
४	शु	३२	५५	मू	२५	२	सि	२४	४६	व	१	३०	१७	२१	ध २०।४३
५	श	३७	१४	पू	३०	५०	सा	२४	५८	कौ	५	५	२०	२०	धनुषि
६	र	४२	३८	उ	३७	२७	शु	२७	२७	ग	९	५६	२३	१९	मं.४७।२३
७	चं	४८	५६	श्र	४५	०२	शु	२९	४८	वि	१५	४७	२६	१९	मकरे
८	मं	५५	४	ध	५२	३६	ब्र	३२	१२	वा	२१	५९	२८	१८	मकरे
९	बु	६०	०	श	५९	४३	ऐं	३४	१४	तै	२७	५६	३१	१८	कुं.१८।४९
९	गु	०	४८	पू	६०	०	वै	३५	४	ग	०	४८	३४	१७	कुंभे
१०	शु	५	३८	पू	५	५३	वि	३६	२९	वि	५	३८	३७	१७	मी ४९।२०
११	श	८	५८	उ	१०	३२	प्री	३५	४४	बा	८	५८	३९	१६	मीने
१२	र	१०	४१	रे	१३	३१	आ	३३	३२	तै	१०	४१	४२	१६	मीने
१३	चं	१०	३०	अ	१४	५४	सौ	३०	१०	व	१०	३०	४४	१५	मे.१३।३१
१४	मं	८	४१	भ	१४	३१	शो	२५	२८	श	८	४१	४७	१५	मेषे
३०	बु	५	२७	कृ	१२	५१	अ	१९	३७	ना	५	२७	४९	१४	वृ.२९।५

[W२१।३१भा.ज्येष्ठारंभः
मृगे बुध :२९।५४
भ.३३।१३उ. मृग १गुरुः३८।३९
भ. ५।३८ या.
अपरा ११ व्रतम्
प्रदोषः
भ. १०।३०उ. ३९।३६या.
मिथुने बुधः २।२४ रोहिणी. १शनिः W
वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.४शु.इ.४२।५५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	१	१	१११	१	२	०
२७	५	१६	२२	१५	८	१४	२७
१३	१४	०	१	१३	२८	५२	७
३७	१३	१८	४४	१९	५३	३३	२०
५७	४	५०	१३	३८	७	३	५७
५४	व.	५२	८	५२	१४	११	४५

गोचर ग्रहाः

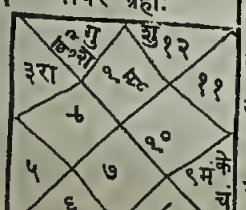

ज्येष्ठ कृष्णे ७ चंद्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

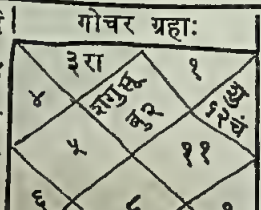

६पं.ज्ये.कृ.१०शु.इ.४३।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	१	१११	१	२	१
३	४	२६	२३	२०	९	१४	३
५८	४६	०	२४	४	३३	२०	५१
३७	१६	१४	१९	१६	१८	१७	१
५७	८	७२	१३	४६	७	३	५७
४४	२८	१०	२०	७	२०	११	२४

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३३६ स. २००१
१	गु ०।४३ रो १०।३ सु १३।४ ब ०।४३	३३	१५	४६	३	२६	२४	मि ३८।१०	रोहि. रविः ५६।५६ चंद्रदर्शनम्
२	गु ५४।३५ ० ०।० ० ०।० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷६ ता. ३० गंगा १०
३	शु ४६।२२ मृ ६।१६ धृ ४।५५	५२	४०	तै	२२	२०	५४	१३	४७	४	१	२५	मिथुने	रोहि. रविः सौरः ८।२६ रविलावल ३
४	श्र ४३।२० आ १३।००	५६	०	ग	५०	२८	व	१६	२१	५६	१३	४७	५	२	२६	क. ४४।१३	भ. १६।२१ उ. ४५।२० या.
५	र ३७।३४ पु ५४।१३ बृ ४३।२५	व	१०	२७	५८	१२	४८	६	३	२७	कर्के	पातस्पर्शः १८।११ पातमोक्षः ४८।१६
६	चं ३१।१६ श्ले ५०।२० भु ३५।४३	कौ	४	२५	३४	१२	४८	७	४	२८	सिं ५०।२०	
७	मं २५।५४ म ४६।५१ व्या २८।४३	व	२५	२४	२	१२	४८	८	५	२९	सिंहे	भ. २५।५४ उ. ५३।१४ या.
८	बु २०।३३ पू ४३।५३ ह २०।४१	ब	२०	३३	३	११	४९	९	६	३०	कं. ५८।१४	अश्वि. मेषे शुक्रः ५०।३५
९	गु १५।५१ उ ४१।१६ व १५।१५	कौ	१५	५१	५	११	४९	१०	७	३१	कन्यायां	
१०	शु ११।२६ ह ३९।१२ सि ९।२३	ग	११	२६	७	११	४९	११	८	१	कन्यायां	भ. ३९।३७ उ. मृग. २ गुरुः २०।३४ जून÷
११	श ७।४७ चि ३७।४१ त्या ४९।५५	वि	७	४७	९	१०	५०	१२	९	२	तु. ८।२६	भ. ७।४७ उ. वक्री बुधः २८।४६ ×
१२	र ४।५० स्वा ३६।५३ प ५४।३६	बा	४	५०	१०	१०	५०	१३	१०	३	तुलायां	प्रदोषः [× निर्जला ११ व्र.
१३	चं २।२५ वि ३७।१३ शि ५१।१३	तै	२	२५	१२	१०	५०	१४	११	४	वृ. २२।८	अस्तं गुरोः १२।०
१४	मं १।२० अ ३८।४३ सि ४८।३९	व	१	२०	१३	९	५१	१५	१२	५	वृश्चिके	भ. १।२० उ. ३१।१७ या.
१५	बु १।१३ ज्ये ४१।२५ सा ४६।३२	ब	१	१३	१५	९	५१	१६	१३	६	ध. ४१।२५	गुर्जराणां वटसावित्री व्रतम्

७ पं.ज्ये. शु. ३ शु.इ. ४७ ९०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१	१	१	२	१
१०	३	२	२५	२५	१०	१४	१०
४२	५४	३८	९	३८	२७	८	३३
२९	५४	४२	११	५६	११	१	१२
५७	१३ ४	३५	१३	५१	७	३	५७
३५	व.	१	२६	३२	२०	११	२३

गोचर ग्रहाः

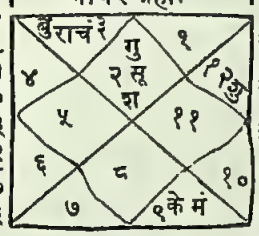

इस मास में चांदी स्वर्ण मंदे धान्य चावल गेहूं जौ घृत रुईमेंमंदी होकर तेजी होगी। यही धन के भौम का फल है वायु का जोर रहे।

गोचर ग्रहाः

८ पं.ज्ये.शु.१० शु. इ. ४३ ९५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१	०	१	२	१
१७	२	५	२६	१	११	१३	१७
२५	१८	४३	४५	४५	२१	४५	१४
१९	३२	३७	७	०	५८	४९	१८
५७	१४ ०	२	१३	५५	७	३	५७
२७	व.	४४	३२	५५	२०	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	गु २।४७ मृ ४५।३४ शु ४६।५७ कौ	३४	९	५१	१७	१४	७	धनुषि	मृगेरविः ५३।४९ बुधास्तः पश्चिमायां *
२	शु ५।४७ पू ५०।५८ शु ४७।३७ ग	५	४७	१७	९	५१	१८	१५	८	धनुषि	भ. ३७।४९ उ. मृगेरविः सौरः ७।१६
३	श ९।५० उ ५७।२२ ब ४९ ७ वि	९	५०	१८	८	५२	१९	१६	९	म. ७।३४	भ. ९।५०या. आर्द्रा. २ राहुः मूल. ४ केतुः ×
४	र १४।३१ श्र ६०ऽ० ऐं ५१ ७ बा	१४	३१	१९	८	५२	२०	१७	१०	मकरे	वक्री ज्येष्ठा. वृश्चिके भौमः ४।१७
५	चं २०।५९ श्र ४।३७ वै ५३।३८ तै	२०	५९	१९	८	५२	२१	१८	११	कु ३८।१६	[* २८।१२
६	मं २७।१९ ध ११।५६ वि ५६ ४ व	२७	१९	२०	८	५२	२२	१९	१२	कुंभें	भ. २७।१९ उ. उदयं शनेः ३२।४८
७	बु ३३।१३ श १९।३५ प्री ५८।१६ वि	०	३७	२१	८	५२	२३	२०	१३	कुंभे	भ. ०।३७ या. भरण्यां शुक्रः ५६।२२
८	गु ३८।३३ पू २६।२९ आ ५९।३७ बा	५	५३	२१	८	५२	२४	२१	१४	मी. ९।४६	मिथुनेऽर्कः ५२।२३
९	शु ४२।२६ उ ३१।५८ सौ ५९।३८ तै	१०	२५	२२	८	५२	२५	२२	१५	मीने	मिथुनेऽर्कः सौरः ८।४ मृग. ३ गुरुः ४९।५१
१०	श ४४।३३ रे ३६ ० शो ५८।२८ व	१३	२५	२२	८	५२	२६	२३	१६	मे. ३६।०	भ. १३।२५ उ. ४४।३३ या.
११	र ४४।५९ अ ३८।३० अ ५५।४५ ब	१४	४६	२३	७	५३	२७	२४	१७	मेषे	रोहिणी. २ शनिः १२।१६ योगिनी ११ व्र.
१२	चं ४३।२६ भ ३८।३५ सु ५०।२९ कौ	१४	१३	२३	७	५३	२८	२५	१८	वृ. ५३।११	[× ४९।१४ च व्र..
१३	मं ३९।५५ कृ ३६।५८ धृ ४४।१७ ग	११	४०	२३	७	५३	२९	२६	१९	वृषे	भ. ३९।५५ उ. वक्री वृषे बुधः २८।३३ प्रदोषः
१४	बु ३४।२९ रो ३३।५० शू ३८।४० वि	७	११	२४	७	५३	३०	२७	२०	वृषे	भ. ७।११ या.
१५	गु २७।५७ मृ २९।२९ गं ३०।२७ च	१	१३	२४	७	५३	३१	२८	२१	मि. १।३९	आर्द्रा. रविः ५१।१८

९ पं.आ.कृ.२ शु.इ.४३।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१	०	१	२	१
२४	०	५	२८	८	१२	१३	२३
७	२०	२७	२१	१७	१६	२३	५४
१९	३१	२५	२९	४२	३४	३०	१४
५७	१४	२२	१३	५८	७	३	५७
२२	व.	व.	३८	५६	१४	११	५

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे ८ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

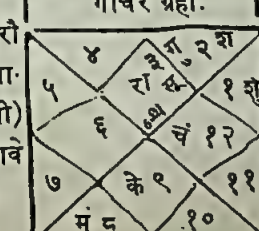

१० पं. आ.कृ.९ शु.इ. ४३ ९५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२	१	०	१	२	२
०	२८	२	२९	१५	१३	१३	०
४८	१७	२	५८	९	९	१	३३
३६	३५	४६	३०	४७	२५	१५	२३
५७	१३ ४	३३	१३	६१	७	३	५६
१७	व.	व.	३८	५५	८	११	५७

× मं चं के

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३६५ स.२००१
१	शु २०।१६ आ २३।३१ बृ २१।४१ ब २०।१६	३४	५	६	१	२९	२२	मिथुने	आर्द्रा.रविः सौरः ९।३७ चंद्रदर्शनम् भा.
२	श १२।२० पु १७।३८ ध्रु १२।३४ कौ १२।२०	२४	७	५३	२	१	२३	क.४।६	रा. रविलाखर४रथयात्रा[*आषाढारंभः
३	र ४।४४ पु ११।४४ व्या ३ ५१ ५३ ग ४।४४	२४	७	५३	३	२	२४	कर्के	भ. ३०।४० उ. ५६।१९ या.
४	र ५१।५३ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aगुरुः२१।१६
५	चं ४९।४१ श्ले ६ ७ व ४६ ६ व २२।०९	२३	७	५३	४	३	२५	सिं.६।७	बुधोदयः पूर्वस्यां ४०।५
६	मं ४३।४९ म १ २४ ५५ ५६ सि ३८।२९ कौ १६।४५	२३	७	५३	५	४	२६	सिंहे	कृति. शुक्रः ५९।१६
७	बु ३८।११ उ ५४।३१ व्य ३१।३१ ग ११ ०	२२	८	५२	६	५	२७	कं. ३ ११ ३८	भ. ३८।११ उ.
८	गु ३३।५० ह ५२।३३ ब २५।२२ वि ६ ०	२२	८	५२	७	६	२८	कन्यायां	भ.६।० या. उदयं गुरोः ०।३६
९	शु २९।४८ चि ५१।४७ प २०।२३ बा १।४९	२१	८	५२	८	७	२९	तु.२२।१०	मार्गीबुधः५५।५८
१०	श २८।५२ स्वा ५१।४७ शि १५।५६ ग २८।५२	२०	८	५२	९	८	३०	तुलायां	भ. ५८।२० उ.वृषे शुक्रः २।१७ मृग ४A
११	र २७।४८ वि ५३ २ सि १२।२७ वि २७।४८	१९	८	५२	१०	९	१	वृ. ३७ ४३	भ. २७।४८ या. जुलाई७ता. ३१ देवB
१२	चं २७।५३ अ ५५।२९ सा १०।३३ वा २७।५३	१८	८	५२	११	१०	२	वृश्चिके	प्रदोषः हरिवासरः १३।५१ या.
१३	मं २८।५८ ज्ये ५८।५३ शु ८।११ वै २८।५८	१७	९	५१	१२	११	३	ध.५८।५३	[B शयनी ११ व्र. [C व्यासपूजा
१४	बु ३१।२२ मू ६०। ० शु ७।३३ ग ०।१०	१६	९	५१	१३	१२	४	धनुषि	भ.३१।२२उ.वायुपरीक्षा
१५	गु ३५।४६ मू ३।२० ब्र ७।१६ वि ३।३४	१५	९	५१	१४	१३	५	धनुषि	भ.३।३४या.चंद्रगृहणम्पुन.रविः५०।८C

११ पं.आ.शु.१ शु.इ. ४३ ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	२	०	१	२	२
७	२६	२८	१	२२	१४	१२	७
२९	१३	३५	३५	१६	२	३८	११
३१	५१	२९	२४	५२	२	५९	५०
५७	११	२९ ८	१३	६३	७	३	५६
१३	५५	व.	३८	५६	८	११	५४

गोचर ग्रहाः

यदा दैत्यगुरुर्मेषे सर्वधान्य महर्घता। महिषी पशुपीडा च मेघवर्षा भविष्यति॥ इस योग से घृत तैल-गल्ला तिलहन तेज हो।

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.शु९ शु.इ.४३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	२	०	१	२	२
१४	२४	२७	३	२९	१४	१२	१३
९	२६	१७	११	३९	५२	१६	४९
५८	२८	५६	२४	७	४१	४३	५५
५७	५८	१९	१३	६५	६	३	५६
७	व.	व.	३२	३५	३८	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं २०५८ शाकः १९२३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तं रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महाः
१	शु २९।३२ पू ८ ५३ ऐ ८ ६ बा ७ ३९	३४	५	६	१५	१४	६	म. ३५	पुन. रविः १३।३९मिथुने बुधः ३१।३
२	श ४४।११ उ १४।४७ वै ९ ३० तै ११ ५२	२३	९	५१	१६	१५	७	मकरे	
३	र ५०।३४ श्र २२ ८ वि ११ २८ व १७ २२	२१	१०	५०	१७	१६	८	कुं. ५५ ५४	भ. १७।२२ उ. ५०।३४ या.
४	चं ५६।४४ ध २९।४१ प्री १३ ५८ व २३ ३९	१०	१०	५०	१८	१७	९	कुम्भे	रोहि. शुक्रः १३।४७ चतुर्थी व्रतम्
५	मं ६० ० श ३७।२० आ १६ ३४ कौ २९ ३५	८	१०	५०	१९	१८	१०	कुंभे	नाग ५ मरुस्थले
५	बु २।२५ पू ४४।५३ सो १८ ५९ तै २।२५	७	११	४९	२०	१९	११	मी.२८।०	
६	गु ८।२९ उ ५१।११ शो २० ५५ व ८।२९	५	११	४९	२१	२०	१२	मीने	भ. ८।२९ उ. ४१।३ या.
७	शु १३।३७ रे ५६।२९ अ २१ ५६ ब १३।३७	३	११	४९	२२	२१	१३	मे ५६।२९	आर्द्रा बुधः २६।३० मार्गी भौमः२२।५९
८	श १६।२९ अ ६०। ० सु २१ ५८ कौ १६।२९	१	१२	४८	२३	२२	१४	मेषे	[÷रोहिणी ३शनिः३६।९
९	र १७।३९ अ ०। ५ धृ २० ३३ ग १७।३९	३३	१२	४८	२४	२३	१५	मेषे	भ. ४७।२४ उ. आर्द्रा. १गुरुः ११।१२÷
१०	चं १७। ९ भ २। १ शू १७ ३३ वि १७। ९	५७	१३	४७	२५	२४	१६	वृ. ५९	भ. १७।९ या. कर्कोऽर्कः १९।३४ ×
११	मं १४।२९ कृ ५१ ३४ गं १३। ४ बा १४।२९	५५	१३	४७	२६	२५	१७	वृषे	कामिका११व्रतम् [×सौरः ४६।२३
१२	बु ९। ४ मृ ५५।१९ बृ ५२ १७ तै ९। ४	५२	१४	४६	२७	२६	१८	मि. २७	प्रदोषः
१३	गु ३।२० आ ४९।३८ व्या ५०।१० व ३।२०	५०	१४	४६	२८	२७	१९	मिथुने	भ. ३।२० उ.२९।२२ पुष्येरविः४८।५२
१४	गु ५२ ३ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ००	
३०	शु ४६।३४ पु ४३ ५ ह ४०।२४ च २०।५८	४८	१४	४६	२९	२८	२०	क. २९ ४४	पुष्ये रविः सौरः १७।४ हरियाली ३०

१३ पं.श्रा.कृ.१.शु.इ. ४३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२	२	१	१	२	२
२०	२३	०	४	७	१५	११	२०
५०	४	७	४६	११	४१	५४	२७
२४	२८	३०	३७	३८	३५	२८	४९
५०	०	३५	१३	६७	६	३	५६
७	व.	मा.	२६	१	२६	११	५०

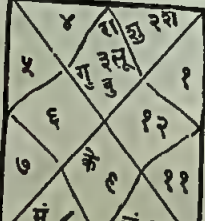

१४पं.श्रा.कृ.७शु.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२	२	१	१	२	२
२७	२२	७	६	१४	१६	११	२७
३०	१६	०	२०	५२	२८	३२	०५
४३	५५	५८	२४	५५	१६	१२	५६
५७	१	७६	१३	६८	६	३	५६
११	मा.	४१	१९	९	१३	११	५४

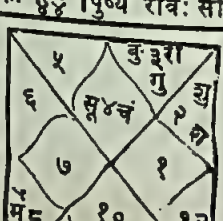

१५पं.श्रा.कृ.३०शु.इ. ४३ ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	२	२	१	१	२	३
४	२२	१७	७	२२	१७	११	३
११	१२	२१	५२	४१	१२	९	४४
२८	२२	७	३४	४२	५०	५७	२३
५७	५	००	१२	६९	५	३	५६
१५	१७	२८	५९	२	५०	११	५८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः ३३९४ सनू २००१
१	श	३६	५९	पु	३५	४०	ध	३०	०	किं	११	४६	३३	१५	४५	३०	२९	२१	कर्के	मृगे शुक्रः १५।५८
२	र	२७	३२	श्ले	२८	२५	सि	१९	४४	बा	२	१६	४३	१५	४५	३१	३०	२२	सिं. ३५	पुन. बुधः १२।१८ चंद्र दर्शनम् सिंघारा
३	चं	१८	४१	म	२१	३५	व्य	३४	५०	ग	१८	४१	४०	१६	४४	१	१	२३	सिंहे	भ. ४५ उ.भा. श्रावणारंभःजमादिलावल+
४	मं	१०	५९	पू	१५	३०	प	५१	१७	वि	१०	५९	३८	१६	४४	२	२	२४	कं. ३९	भ. १०।५९ या. वरद ४ [+ ५ तीज
५	बु	३	३९	उ	१०	४१	शे	४३	४७	बा	३	३९	३५	१७	४३	३	३	२५	कन्यायां	बुधास्तः पूर्वस्यां १३।१७ नाग ५
६	बु	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	शु	५४	१३	ह	७	५०	सि	३७	२८	ग	२६	१०	३३	१७	४३	४	४	२६	तु. ३६।४६	भ. ५४।१३ उ.
८	शु	५१	५२	चि	५	४३	सा	३२	३१	वि	२३	२	३०	१८	४२	५	५	२७	तुलायां	भ. २३ या. कर्के बुधः ३० मिथुने शुक्रः ११
९	श	५१	८	स्वा	५	२८	शु	२८	५३	बा	२१	२९	२७	१९	४१	६	६	२८	वृ. ५१	
१०	र	५१	५६	वि	६	३५	शु	२६	४६	वै	२१	३१	२४	१९	४१	७	७	२९	वृश्चिके	पुष्ये बुधः ७।९
११	चं	५३	५५	अ	९	३१	ब्र	२५	१	व	२२	५५	२२	२०	४०	८	८	३०	वृश्चिके	भ. ५५ उ. ५३ या. आर्द्रा. २ गुरुः ५१ पवित्रा ×
१२	मं	५७	१३	ज्ये	१३	३१	ऐं	२४	३७	व	२५	३४	१९	२०	४०	९	९	३१	ध. १३	[× ११ व्र.
१३	बु	६०	०	मू	१८	२९	वै	२५	१८	को	२९	२०	१६	२१	३९	१०	१०	१	धनुषि	अगस्त ८ ता. ३१ प्रदोषः
१३	गु	१	२८	पू	२४	२२	वि	२५	५१	तै	१	२८	१३	२१	३९	११	११	२	म. ५०	आश्ले. रविः ४५।५३ आर्द्रां. शुक्रः १।२४
१४	शु	६	३८	उ	३०	१३	प्री	२८	३	व	६	३८	१०	२२	३८	१२	१२	३	मकरे	भ. ६ उ. ३९ या. आश्ले. रविः सौरः १७
१५	श	१२	५	श्र	३८	१०	आ	३०	१	ब	१२	५	७	२३	३७	१३	१३	४	मकरे	आश्ले. बुधः ३६ याजुषामुपाकर्म. रक्षा बंध.

१६ पं.श्रा.शु. ८ श.इ. ४२ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	२	२	१	२	३
१०	२२	०	९	०	१७	१०	१०
५२	४३	३०	२२	३७	५४	४७	२३
३०	१	४	२३	५५	२९	४१	४०
५७	९	२९	१२	६९	५	३	५७
२०	४८	३८	३५	५६	२६	११	५

गोचर ग्रहाः

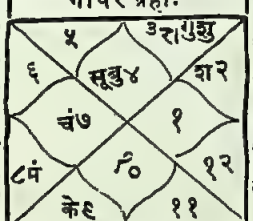

श्रावण कृष्णे १० चन्द्रे कर्केऽर्के: प्रविष्टः वा.५ न.५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

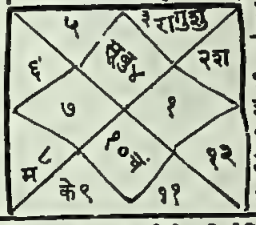

१७पं.श्रा.शु.१४ श.इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	२	२	१	२	३
१७	२३	१५	१०	८	१८	१०	१७
३४	४७	५४	४९	३९	३२	२५	३
१२	२४	३१	३७	०	६	२५	२८
५७	१३	२९	१२	७०	४	३	५७
२५	३२	२५	१७	३८	५६	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र	१८	१४	ध	४५	४०	सौ	३१	४७	को	१८	१४	३३	२३	३७	१४	१४	५	कुं. ११	
२	चं	२४	२०	श	५२	५९	शो	३४	४६	ग	२४	२०	०	२४	३६	१५	१५	६	कुंभे	भ. ५७।७ उ.
३	मं	३०	२०	पू	६०	०	अ	३७	२०	वि	३०	२०	३३	२५	३५	१६	१६	७	मी. ४३	भ. ३०।२० या. चतुर्थी व्रतम्
४	बु	३६	१	पू	०	२५	सु	३९	२९	ब	३	१०	५४	२५	३५	१७	१७	८	मीने	
५	गु	४०	४३	उ	७	१७	धृ	४०	२९	कौ	७	५२	५०	२६	३४	१८	१८	९	मीने	चंद्रषष्ठी
६	शु	४४	३६	रे	१३	१६	शू	४१	२८	ग	१२	०	४७	२७	३३	१९	१९	१०	मे. १३।१६	भ. ४४।३६ उ.
७	श	४६	५९	अ	१८	२	गं	४१	१६	वि	१५	३६	४४	२७	३३	२०	२०	११	मेषे	भ. १५ या. मघा. सिंहे बुधः १।३ आर्द्रां. ÷
८	र	४७	४०	भ	२१	१४	वृ	३९	३८	बा	१७	१७	४०	२८	३२	२१	२१	१२	वृ. १३	जन्माष्टमी व्रतम् [÷ १ राहुः मूल ३ केतु ५२
९	चं	४६	३१	कृ	२२	४३	धु	३६	३९	तै	१७	५	३७	२९	३१	२२	२२	१३	वृषे	पुन. शुक्रः २५।२५ गोगा ९
१०	मं	४३	३२	रो	२२	१८	व्या	३१	५९	व	१५	२	३३	२९	३१	२३	२३	१४	मि. ५०	भ. १५।२ उ. ४३।३२ या.
११	बु	३८	१७	मृ	१९	८	ह	२५	४९	ब	१०	५५	३०	३०	३०	२४	२४	१५	मिथुने	अजा ११ व्रतम्
१२	गु	३१	२८	आ	१५	०	व	१८	१६	कौ	४	५३	२६	३१	२९	२५	२५	१६	क. २९	मघा. सिंहेऽर्कः ३९ आर्द्रा. ३ गुरुः २३ वत्स *
१३	शु	२३	१४	पु	१०	१९	सि	२४	५४	व	२३	१४	२२	३२	२८	२६	२६	१७	कर्के	भ. १४ उ. ४० या. मघा. सिंहेऽर्कः सौरः १६
१४	श	१३	४६	पु	२३	५२	व	४८	४०	श	१३	४६	१९	३२	२८	२७	२७	१८	सिं. ५५	पूफा. बुधः ३।१० [* १२ प्रदोषः
३०	र	३	४७	म	४७	४४	प	३७	४७	ना	३	४७	१५	३३	२७	२८	२८	१९	सिंहे	बुधोदयः पश्चिमायां ५२ कुशाग्रहणी मन्वा.

१८पं.भा.कृ.६ श.इ. ४२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	२	२	१	२	३
२४	२५	२९	१२	१६	१९	१०	२३
१६	२७	२३	१३	४६	७	३	४४
३७	११	२०	५५	२३	१	१०	३५
५७	१७	८९	११	७१	४	३	५७
१३	१२	९५	५२	१४	३२	११	२२

गोचर ग्रहाः

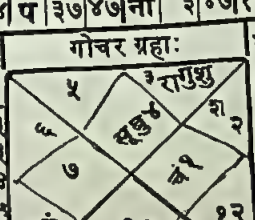

भाद्रपद कृष्णे १२ गुरौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

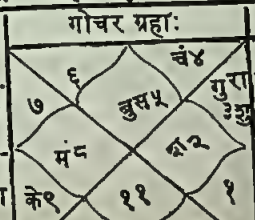

१९पं.भा.कृ.१३ श.इ. ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	
४	७	४	२	२	१	२	४
०	२७	१२	१३	२४	१९	९	०
५९	३५	४०	३४	५८	३७	४०	२६
५३	४६	५५	४१	१	४१	५४	४८
५७	२१	८९	११	७१	३	३	५७
४०	१३	९६	१६	४१	५४	११	२४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतुं रविर्दक्षिणेहर्गणः३४२४ सन्२००१
१	र	४६	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४४	५	पू	३६	५८	शि	२७	१	बा	१८	५५	३३	३४	५६	२९	२६	२०	कं.५३।१७	चंद्रदर्शनम्
३	मं	३५	२६	उ	३३	१३	सि	१६	२४	तै	६	४७	८	३४	२६	३०	१	२१	कन्यायां	जमादिलाखर ६ ह रितालिका ३
४	बु	२८	१३	ह	२७	४०	सा	७	५१	ब	१	५१	४	३५	२५	३१	२	२२	तु ५५।४७	भ.१।५१उ.३६या.कर्के शुक्र:०४७गणेश ४
५	गु	२२	३६	चि	२३	५६	शु	५३	२४	बा	२२	३६	१	३६	२४	१	३	२३	तुलायां	रोहिणी४शनि:३३भा. भाद्रपदारंभ:×
६	शु	१६	०	स्वा	२२	८	ब्र	४७	१६	तै	१६	०	३१	३७	२३	२	४	२४	तुलायां	पुष्ये शुक्र:४७।२३मूले धनुषि भौम:१०
७	श	१७	२१	वि	२१	५६	ऐं	४३	३७	व	१७	२१	५३	३७	२३	३	५	२५	वृ.७।२	भ.१७।२१उ. ४७।३२या. उफा.व्र.व:४५
८	र	१७	४२	अ	२४	१	वै	४१	३७	ब	१७	४२	४९	३८	२२	४	६	२६	वृश्चिके	[×ऋषिपंचमी
९	चं	१६	४३	ज्ये	२७	३२	वि	४०	५६	को	१६	४३	४६	३६	२१	५	७	२७	ध.२७।३२	कन्यायां बुध:४६।२०
१०	मं	२३	२०	मू	३२	४७	प्री	४१	३७	ग	२३	११	४२	४०	२०	६	८	२८	धनुषि	भ.५५।४८उ.रामदेवजीका मेला नवलदुर्गे
११	बु	२८	१७	पू	३८	५२	आ	४२	२८	वि	२८	१७	३८	४०	२०	७	९	२९	म.५५।४०	भ.२८।१७या.जलझूलनी ११ व्र.
१२	गु	३३	४८	उ	४६	३	सौ	४४	४४	ब	०	५८	३४	४१	१९	८	१०	३०	मकरे	पूफा.रवि:२९।५१ वामन जयंती
१३	शु	३९	४६	श्र	५३	१५	शो	४६	४९	कौ	६	४५	३०	४२	१८	९	११	३१	मकरे	पूफा.रवि:सौर:५।८ प्रदोष:
१४	श	४६	७	ध	६०	०	अ	४९	११	ग	१२	५५	२६	४३	१७	१०	१२	१	कु.२६।५९	भ.४६।७उ.सितम्बर ९ ता.३०अनंत१४
१५	र	५२	७	ध	०	४४	सु	५१	२९	वि	१९	७	२२	४४	१६	११	१३	२	कुंभे	भ.१९।७या.महालयारंभ:कु.सं.पूजनारंभ:

२० पं.भा.शु.६शु.इ. २४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	२	३	१	२	४
७	०२४	१४	३	२०	९	७	
४४	१२	४६	५०	१३	३	१८	१०
२०	३२	५५	५१	३४	५०	३९	१८
५७	२३	०	१०	७२	३	३	५७
४९	३१	५५	४०	२	२१	११	४५

गोचर ग्रहाः

इस मास में सोना चांदी आदि धातुओं रुई पाट वारदाना में तेजी हो, धान्य चावल गेहूं बाजरा आदि में तेजी होकर मंदी हो, वर्षा भीहोवे

गोचर ग्रहाः

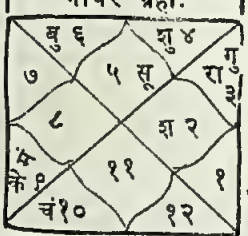

२१ पं.भा.शु.१३शु.इ. ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	२	३	१	२	४
१४	३	५	१६	११	२०	८	१३
३०	११	४८	३	३२	२६	५६	५५
०	१३	१	५८	५६	२	२३	३०
५८	२६	९१	९	७२	२	३	५७
१	१२	५४	५६	२९	३७	११	५७

ति.	प्र. आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५७	५६	श	८	५	धृ	५३	५०	बा	२५	२	३१	५	६	१३	१४	३	मी.५७	हस्ते बुधः २६।२४
२	मं	६०	०	पू	१४	२३	शू	५५	४३	तै	३१	३५	१५	४५	१५	१३	१५	४	मीने	आर्द्रा. ४ गुरुः २२।२४
२	बु	३	१४	उ	२१	४४	गं	५६	५५	ग	३	१४	११	४६	१४	१४	१६	५	मीने	भ.३५।२८उ.आश्ले. शुक्रः १।३४
३	गु	७	४२	रे	२७	३८	वृ	५७	३७	वि	७	४२	७	४७	१३	१५	१७	६	मे.२७।३८	भ.७।४२या.चतुर्थी व्रतम्
४	शु	११	१७	अ	३२	३४	धु	५७	३६	बा	११	१७	३	४७	१३	१६	१८	७	मेषे	[÷मघायां शुक्रः ०।१५
५	श	१३	४५	भ	३६	२३	व्या	५६	३४	तै	१३	४५	३९	४८	१२	१७	१९	८	वृ.५२।१	
६	र	१५	१	कृ	३८	५५	ह	५४	३४	व	१५	१	५५	४९	११	१८	२०	९	वृषे	भ.१५।१उ.४४।५८ या.
७	चं	१४	५४	रो	४०	८	व	५१	३४	ब	१४	५४	५१	५०	१०	१९	२१	१०	वृषे	
८	मं	१३	१४	मृ	३९	३६	सि	४६	४६	कौ	१३	१४	४७	५१	९	२०	२२	११	मि. ९।५२	
९	बु	९	५१	आ	३७	२५	व्य	४०	१६	ग	९	५१	४३	५१	९	२१	२३	१२	मिथुने	मातृ ९ सौभाग्यवतीनां श्राद्धम्
१०	गु	४	५४	पु	३३	४५	व	३३	४१	वि	४	५४	३९	५२	८	२२	२४	१३	क.१९।४०	भ.३७।२२ उ.
११	गु	५३	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	भ.४।५४या.उफा.रवि:१२(सौर:४९)×
१२	शु	५०	३३	पु	२८	५७	प	२५	१९	कौ	२४	३०	३५	५३	७	२३	२५	१४	कर्के	[×चित्राबुधः४२।२८इंदिरा११व्र.स्मार्ता.
१३	श	४१	४५	श्ले	२२	३८	शि	१४	७	ग	१६	९	३१	५४	६	२४	२६	१५	सिं ३२	इंदिरा ११ व्र. वै.
१४	र	३२	१७	म	१५	२५	सि	४५	३९	वि	७	१	२७	५५	५	२५	२७	१६	सिंहे	भ.४१।४५उ. प्रदोष:
१५	चं	२२	३२	पू	७	४९	शु	४४	३२	ना	२२	३२	२२	५६	४	२६	२८	१७	कं. २१	भ.७।१या.कन्यायामर्कः३९।१७सिंहे÷
																				कन्यायामर्कःसौर:१२सर्वपितृ३०सोमवती

२२ पं. प्र.आ.कृ.४शु.इ. ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	२	३	१	२	४
२१	६	१५	१७	१९	२०	८	२०
१७	३०	४३	१०	५८	४२	३४	४२
२	३६	३४	५२	१९	५४	७	१०
५८	२८	७९	९	७२	१	३	५८
१३	३७	३१	१७	५०	५६	११	१२

गोचर ग्रहाः

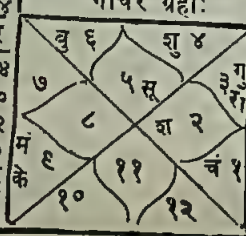

प्र. आश्विन कृष्णे१४ रवौकन्यायामर्कःप्रविष्टःवा. ४ न. ५ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

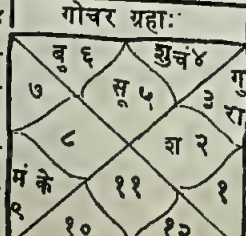

२३पं.प्र.आ.कृ.१२शु.इ. ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	२	३	१	२	४
२८	१०	२४	१८	२८	२०	८	२७
५	८	२२	११	२४	५४	११	३०
२४	६	५६	४९	११	१४	५२	३०
५८	३०	६३	८	७३	१	३	५८
२६	२३	५२	२९	५	१७	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.प्र.आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः ३४५३सन् २००१

| | | |

ति.द्वि.आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३ | वि. उ. अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | शरहतू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः ३४८२स.२००१

| | | |

| ति. | कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३ | | |

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविदक्षिणेऽहर्गणः ३५४१स.२००१
१	श	४८	४३	मू	५४	३८	गं	५४	२५	किं	१८	४३	३५	५३	८	२४	२९	१५	धनुषि	मूलेधनुष्यर्कः ४ ३३ मृगशिरा. ३राहुः मूल.×
२	र	५०	२८	पू	५७	५०	बृ	५३	२	ब	१९	३५	३८	५२	८	२५	३०	१६	धनुषि	मूले धनुष्यर्कः सौरः२।२चंद्र दर्शनम्
३	चं	५३	४१	उ	६०	०	धु	५२	१६	तै	२०	४	३८	५२	८	२६	१	१७	म १३।५९	सव्वाल १०
४	मं	५८	२३	उ	२	२४	श्या	५२	४४	व	२६	२	३७	५३	७	२७	२	१८	मकरे	भ.२६।२ उ.५८।२३या.
५	बु	६०	०	श्र	८	२३	ह	५४	६	ब	३१	१०	३७	५३	७	२८	३	१९	कुं.४१।४५	पूषा.बुधः १७।३९
५	गु	३	५६	ध	१५	७	व	५६	१३	बा	३	५६	३६	५३	७	२९	४	२०	कुम्भे	
६	शु	१०	२२	श	२२	३५	सि	५८	३५	तै	१०	२२	३६	५३	७	३०	५	२१	कुम्भे	मूले धनुषि शुक्रः ३ ३९ शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ३९
७	श	१७	०	पू	३०	११	व्य	६०	०	व	१७	०	३६	५३	७	१	६	२२	मी १३।१७	भ.१७।०उ.५०।२या.भा पौषारंभः
८	र	२३	३	उ	३७	२६	व्य	०	४४	ब	२३	२	३६	५३	७	२	७	२३	मीन	
९	चं	२८	२५	रे	४३	२९	व	२	२३	कौ	२८	२५	३७	५३	७	३	८	२४	मे.४३।२९	[×१केतुः २५।५९
१०	मं	३२	९	अ	४८	१२	प	३	३७	तै	०	१७	३७	५३	७	४	९	२५	मेषे	
११	बु	३३	१९	भ	५१	२०	शि	३	३२	व	२	४४	३७	५३	७	५	१०	२६	मेषे	भ.२ ४४ उ.३ ६३या.मोक्षदा११व्र. गीताजयंती
१२	गु	३४	३४	कृ	५२	२८	सि	२९	५६ ३४	ब	३	५६	३८	५२	८	६	११	२७	वृ ७।१	पूभा.भौमः ३ ६९ बुधोदयः पश्चिमायां४८।०
१३	शु	३२	५१	रो	५१	५२	शु	५१	५	कौ	३	४२	३८	५२	८	७	१२	२८	वृषे	पूषा.रविः४७।३२उषाबुधः ५ ९९ प्रदोषः
१४	श	२९	२३	मृ	४९	२२	शु	४५	५७	ग	१	७	३९	५२	८	८	१३	२९	मि. ३ ९	भ.३ ३ उ.५ ५या.पूषा.रविः सौरः३।४०
१५	र	२५	२६	आ	४५	४२	व्र	३८	३८	ब	२५	२६	४०	५२	८	९	१४	३०	मिथुने	मकरे बुधः ४३।१० दत्तजयंती

३७पं.मा.शु.६शु.इ.३९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	२	८	१	२	८
६	१५	१५	१८	०	१६	३	५
३	३५	३३	११	२२	७	०	४४
१४	४९	३२	२०	५९	१	१३	४८
६१	४०	९८	७ ४८	७४	१ १०	३	६१
४	५१	२६	व.	३२	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

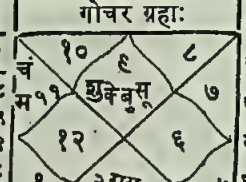

मार्गशीर्ष शुक्ले १ शनौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. २ न.३ बाला वस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

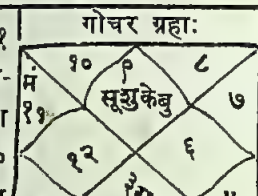

३८पं.मा.शु.१३शु.इ.३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	२	८	१	२	८
१३	२०	२६	१७	९	१५	२	१२
११	४१	४०	१५	११	३७	३७	५४
१३	४२	५५	४३	२०	८	५८	४०
६१	४१	९६	५ ५	७४	३ ५२	३	६१
६	१०	७	व.	३२	व.	११	२६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेत्ति महाः
१	चं	१९	२९	पु	४१	५२	ऐं	३०	२९	कौ	१९	२९	२५ ४१	५३	८	१०	१५	३१	क.२७।४९	पूषा.शुक्रः ५९।४
२	मं	१२	९	पु	३६	५०	वै	२१	२५	ग	१२	९	४२	५२	८	११	१६	१	कर्के	भ. ३ ९ उ.जनवरी१ ता.३१सन्२००२ई.
३	बु	५	२९	श्ले	३०	५९	वि	१३	५	वि	५	२९	४३	५१	९	१२	१७	२	सिं. ५ ९	भ.५।२९या.वक्री आर्द्रा.३गुरुः ४ ० च. व्र.
४	बु	५१	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	गु	५०	३८	म	२६	७	मी	३८ ४	३५ ५१	कौ	२४	१४	४४	५१	९	१३	१८	३	सिंहे	
६	शु	४५	५२	पू	२१	३८	सौ	४८	२५	ग	१८	१४	४५	५१	९	१४	१९	४	कं.३५।४०	भ.४५।५२उ.
७	श	४०	४०	उ	१७	४५	शो	४०	५६	वि	१३	१५	४७	५१	९	१५	२०	५	कन्यायां	भ.१३।१५या.
८	र	३६	१३	ह	१४	५९	अ	३४	१५	बा	८	२६	४८	५०	१०	१६	२१	६	तु.४३।८	श्रवणे बुधः२३।८
९	चं	३२	२८	चि	१२	१६	सु	२८	१०	तै	४	२०	५०	५०	१०	१७	२२	७	तुलायां	
१०	मं	२९	४१	स्वा	१०	५३	धृ	२२	५३	व	१	४	५३	५०	१०	१८	२३	८	वृ.५५।२४	भ.१।४ उ.२९।४१या.
११	बु	२७	४१	वि	१०	१४	शू	१८	१२	बा	२७	४१	५३	४९	११	१९	२४	९	वृश्चिके	सफला ११ व्रतम्
१२	गु	२६	३६	अ	१०	१८	गं	१४	१२	तै	२६	३६	५५	४९	११	२०	२५	१०	वृश्चिके	उषा.रविः५२।१७मीने भौमः २०।११
१३	शु	२६	४३	ज्ये	११	३५	बृ	११	४	व	२६	४३	५७	४९	११	२१	२६	११	ध.११।३५	भ.२६।४३उ.५७।२२या.उषा.रविः×
१४	श	२८	१	मू	१३	५३	धु	८	४४	श	२८	१	५९	४८	१२	२२	२७	१२	धनुषि	[×सौरः५।७उषा.शुक्रः३२।२ प्रदोषः
३०	र	३०	११	पू	१७	३७	व्या	७	४६	ना	३०	११	२६ ४	४८	१२	२३	२८	१३	म.३३।४७	

३९पं.पौ.कृ. ६शु.इ.३८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	२	८	१	२	८
२०	२५	७	१६	१७	१५	२	२०
१९	४६	२७	१९	५८	१०	१५	४
२६	४८	२९	१६	५२	१९	४२	३७
६१	४१	८७	५ ५२	७४	२ ४	३	६१
६	१७	४३	व.	४४	व.	११	२६

गोचर ग्रहाः

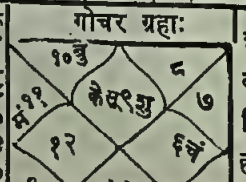

इस मास में जौ चावल बाजरा मूंग मोठ तिलहन मटर मंदे होवें प्रजा में सुख शान्ति रहे सुदि १५के आसपास तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

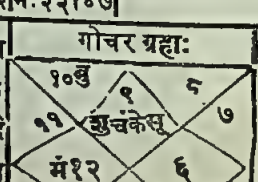

४०पं.पौ.कृ.१३शु.इ.३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	२	८	१	२	८
२७	०	१६	१५	२६	१४	१	२७
२७	५४	३२	२३	४८	४७	५३	१४
२२	४	४६	१०	२२	५६	२७	२९
६१	४१	७	४ ०	७४	४ ३	३	६१
६	१७	४०	व.	३८	व.	११	२४

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३५७१स.२००२
१	चं	३३	४३	उ	२२	२१	ह	७	५	किं	१	५५	२६/४	६/४७	५/१३	२४	२९	१४	मकरे	मकरेऽर्कः८।४१(सौरः३०/३४) मकरेशुक्रः१२/५०
२	मं	३८	३१	श्र	२८	१०	व	७	३५	बा	६	७	६	४७	१३	२५	३०	१५	मकरें	उभा.भौमः९।४०चंद्रदर्शनम्
३	बु	४४	८	ध	३४	४३	सि	८	५५	तै	११	२०	८	४६	१४	२६	१	१६	कुं.१।५६	जिल्काद ११
४	गु	५०	३०	श	४२	७	व्य	१०	३५	व	१७	१९	११	४६	१४	२७	२	१७	कुंभे	भ.१७।१९उ.५०।३०या.
५	शु	५७	१२	पू	४९	४२	व	१२	३९	ब	२३	२१	१३	४५	१५	२८	३	१८	मी.३२/४८	[÷४०।५८भा.माघारंभः
६	श	६०	०	उ	५७	२१	प	१५	१२	कौ	३०	२२	१६	४५	१५	२९	४	१९	मीने	वक्री बुधः२।१३
६	र	३	३२	र	६०	०	शि	१७	१६	तै	३	३२	१९	४४	१६	३०	५	२०	मीने	अभि.प्र.रविः४१।२१(सौरः५१।५५)
७	चं	९	२२	रे	४	१३	सि	१८	५४	व	९	२२	२१	४४	१६	१	६	२१	मे.४।१३	भ ९।२२उ.४१/३७या. बुधास्तःपश्चिमायां÷
८	मं	१३	५२	अ	५	५८	सा	१९	१७	ब	१३	५२	२४	४३	१७	२	७	२२	मेषे	श्रवणे शुक्रः१०।३५
९	बु	१६	५६	भ	१४	२५	शु	१८	२९	कौ	१६	५६	२७	४३	१७	३	८	२३	वृ.२९/४५	श्रवणे रविः५७।४८
१०	गु	१८	८	कृ	१६	४७	शु	१६	१९	ग	१८	८	२९	४२	१८	४	९	१४	वृषे	भ.४७/३६उ.श्रवणेरविःसौरः७।५१अभि.×
११	शु	१७	५	रो	१७	१०	ब्र	१२	१३	वि	१७	५	३२	४२	१८	५	१०	२५	मि.४६/२३	भ. १७।५ या. अभि. नि. रविःसौरःA
१२	श	१४	०	मृ	१५	३८	ऐं	६/४१	५२/५८	बा	१४	०	३५	४१	१९	६	११	२६	मिथुने	प्रदोषः [A०।८पुत्रदा११व्र.
१३	र	९	७	आ	१२	५	वि	५१	१४	तै	९	७	३८	४०	२०	७	१२	२७	क५२।४९	[×नि. रविः५०।३
१४	चं	२	२८	पु	७	२	प्री	४१	५३	व	२	२८	४१	४०	२०	८	१३	२८	कर्के	भ २।२८उ. २८।३७ या.
१५	चं	५२	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

४१ पं. पौ. शु. ५शु. इ ३८/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	२	९	१	२	९
४	५	२०	१४	५	१४	१	४
३५	५९	३६	३०	३६	३०	३१	२३
१३	१७	४	३६	२९	०	११	५८
६१	४१	४	६/५९	७४	२/८	३	६१
३	२६	४८	व.	३८	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

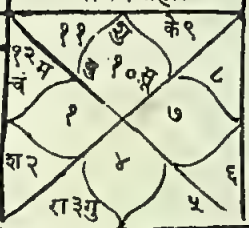

पौषशुक्ले १ चंद्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न. ३ वालावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४२ पं.पौ.शु ११शु.इ ३८/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	२	९	१	२	९
११	११	१६	१३	१४	१४	१	११
४२	३	१४	४३	२४	१६	८	३२
४०	२९	३१	५	५४	३४	५५	४९
६०	४१	८१/४	६/१४	७४	१/२६	३	६१
५९	१४	व.	व.	३८	व.	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेतिमहा.
१	मं	४६	५६	पु	०/५५	५३/२६	आ	३१	५९	बा	२०	५१	२६/४५	६/३९	५/२१	९	१४	२९	सि५४।२१	वक्रीआर्द्रा.२गुरुः११।११
२	बु	३७	३९	म	४७	२८	सौ	२१	४७	तै	१२	१७	४८	३८	२२	१०	१५	३०	सिंहे	वक्री उषा.बुधः४९।९
३	गु	२९	२०	पू	४१	१	शो	११	५१	व	३	२९	५१	३८	२२	११	१६	३१	कं.५४/३४	भ.३।२९उ.२९।२०या.चतुर्थीव्र.
४	शु	२१	२८	उ	३५	१६	अ	१/१८	५१/५४	बा	२१	२८	५४	३७	२३	१२	१७	१	कन्यायां	धनि.शुक्रः४५।४७फरवरी २ ता.२८
५	श	१४	३८	ह	३०	४८	धृ	४५	१८	तै	१४	३८	५८	३६	२४	१३	१८	२	तु.५९।५	रेवत्यांभौमः२४।३९बुधोदयःपूर्वस्यां×
६	र	९	०	चि	२७	२३	शू	३८	१९	व	९	०	२७/१	३६	२४	१४	१९	३	तुलाया	भ.९।०उ.३६।४९या. [×३९।३३
७	चं	४	३८	स्वा	२५	१	गं	३२	२९	ब	४	३८	५	३५	२५	१५	२०	४	तुलायां	[Bशतेशुक्रः२२।५
८	मं	२	८	वि	२४	१४	बृ	२७	४७	कौ	२	८	८	३४	२६	१६	२१	५	वृ. ९।२६	[A५८।१२षट्तिला११व्र.स्मा.
९	बु	०	३	अ	२४	४४	ध्रु	२४	८	ग	०	३	१२	३४	२६	१७	२२	६	वृश्चिके	भ.२९।५२उ.५९।४०या.धनि.रविः ÷
१०	बु	५९	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷६।६(सौरः१३।४१)
११	गु	६०	०	ज्ये	२६	४०	व्या	२१	४१	ब	३०	१३	१५	३३	२७	१८	२३	७	ध.२६/४०	कुंभेशुक्रः३।३६ शुक्रोदयःपश्चिमायांA
११	शु	०	४७	मू	२९	५०	ह	१९	५६	बा	०	४७	१९	३२	२८	१९	२४	८	धनुषि	मार्गशिनिः२७।५षट्तिला११व्र.वै.
१२	श	३	२८	पू	३४	२	व	१९	२३	तै	३	२८	२३	३१	२९	२०	२५	९	म.५०।२०	मार्गीबुधः३९।४९प्रदोषः
१३	र	६	१५	उ	३९	१४	सि	१९	३१	व	६	१५	२७	३१	२९	२१	२६	१०	मकरे	भ.६।१५उ.३८।२१या.
१४	चं	१०	२७	श्र	४५	२७	व्य	२०	९	श	१०	२७	३०	३०	३०	२२	२७	११	मकरे	
३०	मं	१५	५१	ध	५२	१६	व	२१	४६	ना	१५	५१	३४	२९	३१	२३	२८	१२	कुं.१८/५१	कुंभेऽर्कः४१।२२ (सौरः४७।३९) B

४३ पं.मा.कृ ४शु.इ. ३८/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	२	९	१	२	९
१८	१६	७	१३	२३	१४	०	१८
४९	८	५८	२	११	८	४६	४०
१६	३१	८	२४	२८	४२	४०	५३
६०	४१	६६/३७	५/५	७४	०/३४	३	६१
५५	१९	व.	व.	३२	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

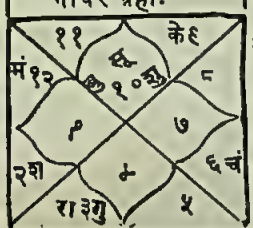

माघ कृष्णे ३० भौमे कुँभेऽर्क प्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४४ पं.मा कृ.११शु.इ. ३९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	२	१०	१	२	९
२५	२१	४	१२	१	२४	०	२५
२५	१२	४१	२९	५८	७	२४	४७
१	२५	२०	३५	३७	३४	२४	४०
६०	४१	५/४०	३/५३	७४	१/०	३	६०
४७	१३	व.	व.	३२	मा	११	५५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६०१स.२००२
१	बु	२१	२२	श	५६	२६	प	२२	४८	ब	२१	२२	३७	२६	३२	५	२४	२६	१३	कुंभे
२	गु	२७	४६	पू	६०	०	शि	२५	४६	कौ	२७	४६	४१	२८	३२	२५	३०	१४		मी.५०
३	शु	३४	२६	पृ	७	३	सि	२८	८	तै	१	८	४५	२७	३३	२६	१	१५		मीने
४	श	४०	४६	उ	१४	४२	सा	३०	१८	व	७	३७	४९	२६	३४	२७	२	१६		मीने
५	र	४६	४६	रे	२२	६	शु	३२	१७	ब	१३	४७	५३	२५	३५	२८	३	१७		मे.२२।६
६	चं	५१	५१	अ	२८	२८	शु	३३	२६	कौ	१६	१८	५६	२५	३५	२९	४	१८		मेषे
७	मं	५५	४५	भ	३४	३	ब्र	३३	४६	ग	२३	४८	२८	२४	३६	३०	५	१९		वृ.५०।२
८	बु	५७	५३	कृ	३७	५६	ऐं	३२	५२	वि	२६	४६	४	२३	३७	१	६	२०		वृषे
९	गु	५८	८	रो	३६	५८	वै	३०	३०	बा	२८	१	८	२२	३८	२	७	२१		वृषे
१०	शु	५६	२२	मृ	४०	५	वि	२६	३४	तै	२७	१५	१२	२२	३८	३	८	२२		मि.१०।२
११	श	५२	४६	आ	३८	२०	प्री	२०	५८	व	२४	३४	१६	२१	३६	४	९	२३		मिथुने
१२	र	४६	४७	पु	३४	३७	आ	१३	५२	ब	१६	४७	२०	२०	४०	५	१०	२४		क.२०।३२
१३	चं	३६	२८	पु	२८	५२	सौ	५१	४९	कौ	१३	८	२४	१९	४१	६	११	२५		कर्के
१४	मं	३१	३२	श्ले	२२	४७	अ	५४	४६	ग	५	३०	२८	१८	४२	७	१२	२६		सिं२२।४७
१५	बु	२१	११	म	१४	३४	सु	३३	५४	ब	२१	११	३२	१८	४२	८	१३	२७		सिंहे

४५पं.मा.शु.३शु.इ.३६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	२	१०	१	२	१०
२	२६	७	१२	१०	१४	०	२
५९	१६	२१	५	४५	११	२	५३
४९	३४	४७	४२	०	१०	९	४३
६०	४१	३३	३५	७४	०	३	६०
२७	१३	मा.	व.	२२	१९	११	४२

गोचर ग्रहाः

इस मासमें चांदी स्वर्ण मंदे हो रस पदार्थो में तेजी हो गल्ले में मन्दी हो शीतका अधिक प्रभाव होगा।

गोचर ग्रहाः

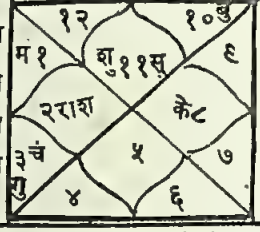

४६पं.मा.शु.१० शु.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	२	१०	१	१	१०
१०	१	१३	११	१९	१४	२९	९
३	१३	२८	५०	२९	२०	३९	५८
२२	१६	५५	३८	४२	३८	५३	१६
६०	४१	५७	१	७४	१	३	६०
२५	२०	४९	व.	२६	३६	११	२१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	गु	११	३१	पू	४६	४०	धृ	२३	१	कौ	११	३१	३६	१७	४३	९	१४	२८	कं.१९।५६	मार्गीगुरुः०।३१
२	शु	२	५	ह	५२	२३	शू	१२	२५	ग	२	५	४०	१६	४४	१०	१५	१	कन्यायां	भ.२७।४०उ.५३।१६या.मार्च ३ता.३१
३	शु	५१	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		० ०
४	श	४५	३४	चि	४६	५३	गं	२९	५१	ब	१९	२५	४४	१५	४५	११	१६	२	तु१९।३८	पातस्पर्शः३३।८पातमोक्षः ४३।२३ B
५	र	३९	२२	स्वा	४२	४८	ध्रु	४६	२३	कौ	१२	२८	४८	१४	४६	१२	१७	३	तुलायां	धनि.बुधः८।२७मीनेशुक्रः४।४२
६	चं	३४	५९	वि	४०	३२	ब्या	४०	२५	ग	७	१०	५२	१४	४६	१३	१८	४	वृ.२६।७	भ.३४।५९उ.पूभा.रविः३३।४४(सौरः C
७	मं	३२	२४	अ	३९	५९	ह	३५	५०	वि	३	४१	५६	१३	४७	१४	१९	५	वृश्चिके	भ.३।४१या.उभा.शुक्रः४४।१८
८	बु	३०	१६	ज्ये	४१	१४	व	३२	४२	बा	१	२०	२९	१२	४८	१५	२०	६	ध.४१।१४	
९	गु	३२	३८	मू	४४	१७	सि	३१	०	तै	१	२६	५	११	४९	१६	२१	७	धनुषि.	कुंभबुधः५२।४१ [Bचतुर्थी व्र.
१०	शु	३५	०	पू	४८	२९	व्य	३०	४०	च	३	४९	९	१०	५०	१७	२२	८	धनुषि	भ.३।४९उ.३५।०या. [C३७।४८
११	श	३८	५६	उ	५४	६	व	३१	११	ब	६	५८	१३	९	५१	१८	२३	९	म. ४।५३	विजया११व्रतम्
१२	र	४३	४२	श्र	६०	०	प	३२	१२	कौ	११	१९	१७	९	५१	१९	२४	१०	मकरे	
१३	चं	४९	३५	श्र	०	२९	शि	३४	८	ग	१६	३८	२१	८	५२	२०	२५	११	कुं.३४।८	भ.४९।३५उ.भरण्यांभौमः५२।६प्रदोषः
१४	मं	५५	२९	ध	७	४६	सि	३६	०	वि	२२	३८	२६	७	५३	२१	२६	१२	कुंभे	भ २२।३८या.शतेबुधः३०।५५
३०	बु	६०	०	श	१४	१४	सा	३८	२३	च	२८	४५	३०	६	५४	२२	२७	१३	कुंभे	श्रीमहाशिवरात्रिव्रतम्
३०	गु	२	१	पू	२१	४६	शु	४०	३७	ना	२	१	३४	५	५५	२३	२८	१४	मी४।५२	मीनेऽर्कः३४।३७(सौरः३८।९)

४७ पं. फा. कृ.२शु.इ.५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	२	१०	१	१	१०
१७	६	२१	११	२८	१४	२९	१७
५	११	३७	४६	१४	३४	१७	१
३५	१७	१२	२३	४६	२६	३७	०८
६०	४१	७४	२२	७४	२	३	६०
१२	२२	४१	मा.	२६	१६	११	२०

गोचर ग्रहाः

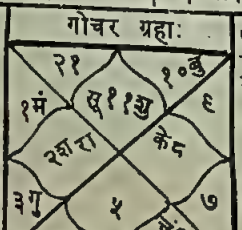

फाल्गुनकृष्णे ३०गुरौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न.४प्रत्राजिकावस्था (ऊभी) मु.४५घाट्यादि भावे समर्धताशुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

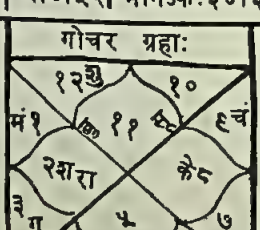

४८पं.फा.कृ.१०शु.इ.११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	२	११	१	१	१०
२४	११	१	११	६	१४	२८	२४
६	८	९	५०	५८	५३	५५	२
२२	१०	१८	४६	१२	३८	२२	३१
५९	४१	८७	१	७४	२	३	६०
५८	१३	३२	२९	२६	३६	११	६

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३						दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः३६३१ स.२००२
१	शु	८	२२	उ	२९	४०	शु	४२	५०	ब	८	२२	३९	६ ५६ २४ २९ १५ मीने चंद्रदर्शनम्
२	श	१४	२९	र	३७	३२	ब्र	४४	५०	कौ	१४	२९	४३	३ ५७ २५ १ १६ मे. ३७ रेवत्यां शुक्रः२८।४७मोहोरम१सन्×
३	र	२०	१६	अ	४४	१६	ऐं	४६	४	ग	२०	१६	४७	३ ५७ २६ २ १७ मेषे भ.५२।४३उ.उभा.रवि५५।४१A
४	चं	२५	१०	भ	४९	४९	वै	४६	४७	वि	२५	१०	५१	२ ५८ २७ ३ १८ मेषे भ.२५।१०या. [A(सौर:५८।४५)
५	मं	२९	४	कृ	५४	४५	वि	४६	५३	बा	२९	४	५५	१ ५९ २८ ४ १९ बृ६।३ [×१४२३हि.फुलरिया २
६	बु	३१	४३	रो	५८	१२	प्री	४५	३१	कौ	०	२३	३० ०	० ६ २९ ५ २० वृषे पूमा.बुधः४१।३३
७	गु	३२	५०	मृ	५९	३२	आ	४२	५६	ग	२	१६	३० ४	५९ ६ ३० ६ २१ मि२८।५२ भ.३२।५०उ.
८	शु	३२	२२	आ	५९	३८	सौ	३९	७	वि	२	३६	८	५८ २ १ ७ २२ मिथुने भ.२।३६या.भा.चैत्रारंभःहोलाष्टकः
९	श	३०	५	पु	५७	५०	शो	३३	५०	बा	१	१४	१२	५८ २ २ ८ २३ कं४३।१७
१०	र	२५	५९	पु	५४	१९	अ	२७	४	ग	२५	५९	१६	५७ ३ ३ ९ २४ कर्के भ.५३।०उ.बुधास्तःपूर्वस्यां३२।३३
११	चं	२०	२	श्ले	४९	१२	सु	१८	५१	वि	२०	२	२१	५६ ४ ४ १० २५ सिं.४९ भ.२०।२या.आमलकी११व्र.
१२	मं	१२	४४	म	४२	३९	धृ	५५	३५	बा	१२	४४	२५	५५ ५ ५ ११ २६ सिंहे मीने बुधः१५।२८प्रदोषः
१३	बु	३	५९	पू	३५	२०	गं	४८	२२	तै	३	५९	२९	५४ ६ ६ १२ २७ कं.४८।२० म.५४।३१उ.अश्वि.मेषेशुक्रः१५।२६
१४	बु	५०	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० [Bदहनम्
१५	गु	४४	३२	उ	२७	२०	बृ	३८	२३	वि	१९	३१	३३	५३ ७ ७ १३ २८ कन्यायां भ.१९।३१या.उभा.बुधः०।२होलिकाB

४९पं.फा.शु. १शु. इ.४०।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	२	११	१	१	११
१	१६	११	१२	१५	१५	२८	१
५	३	४९	५	४०	१७	३३	२
३५	७	३७	२८	१२	२०	६	१३
५९	४०	९७	२	७४	३	३	५९
४१	५९	५९	५०	२०	३७	११	४९

गोचर ग्रहाः

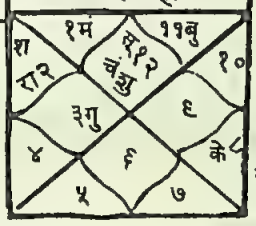

इस मास में गल्ला जौ चना गेहूं मटर सरसों में मंदी होगी सोना चांदी लोहा में तेजी हो प्रजा में चैन फैले ।

गोचर ग्रहाः

५०पं.फा.शु.८शु.इ.४०।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	२	११	१	१	११
८	२०	२३	१२	२४	१५	२८	८
३	५६	३३	२८	२०	४५	१०	०
१८	३८	१४	५५	५६	५४	५१	८
५९	४०	९०	८	४	७४	४	३	५९
२९	५८	८	९	१४	१७	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३						दि.	उ.	अ	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फा. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	शु	३४	४५	ह	१६	३६	धृ	२८	२६	बा	६	३८	३०	७ ५३ ६ ८ १४ २६ तु.४५।५८ वसंत१छारेंडी
२	श	२५	४३	चि	१३	२०	व्या	१६	२३	तै	०	१४	४१	५ २ ८ ९ १५ ३० तुलायां भ.५२।१६उ.कृत्ति.भौमः५७।०
३	र	१८	५०	स्वा	६	१७	ह	७	११	वि	१८	५०	४५	५१ ९ १० १६ २१ वृ.४६।३६ भ.१८।५०या.रेवत्यां रविः२३।२० ×
४	चं	१३	२०	वि	२	२५	व	२५	४३	बा	१३	२०	४९	५० १० ११ १७ १ वृश्चिके अप्रेल४ता.३०
५	मं	७	१७	ज्ये	५८	४९	व्य	४८	३८	तै	७	१७	५३	४९ ११ १२ १८ २ ध.५८।४९ आर्दा. ३गुरुः१६।४६ रोहिणी३शनिः३५
६	बु	४	५८	मू	६०	०	व	४५	४४	व	४	५८	५७	४९ ११ १३ १९ ३ धनुषि भ.४।५८उ.३४।५९या.रेवत्यां बुधः५१
७	गु	४	५९	मू	०	४१	प	४४	२५	ब	४	५९	३९	४८ १२ १४ २० ४ धनुषि वृषेभौमः४५।१४शीतलापूजनम्
८	शु	६	४४	पू	४	८	शि	४४	४३	कौ	६	४४	५	४७ १३ १५ २१ ५ म.२०।२६ [×(सौर:२६।१२) चतुर्थी व्र.
९	श	१०	२३	उ	९	२०	सि	४५	४०	गं	१०	२३	८	४६ १४ १६ २२ ६ मकरे
१०	र	१५	१५	श्र	१५	४१	सा	४८	३८	वि	१५	१५	१२	४६ १४ १७ २३ ७ कुं.४९।१९ भ.१५।१५या. ४२ या.भरण्यांशुक्रः५१
११	चं	२१	३१	ध	२२	५६	शु	४९	५५	बा	२१	३१	१६	४५ १५ १८ २४ ८ कुंभे पापमोचनी११व्रतम्
१२	मं	२७	११	श	३०	२३	शु	५२	३०	तै	२७	११	१९	४४ १६ १९ २५ ९ कुंभे
१३	बु	३३	५४	पू	३८	१०	ब्र	५४	५०	ग	०	३२	२३	४३ १७ २० २६ १० मी२१।१३ भ.३३।५४उ.अश्वि.मेषेबुधः२८।२९÷
१४	गु	४०	७	उ	४५	२८	ऐं	५६	५३	वि	७	००	२६	४३ १७ २१ २७ ११ मीने भ.७।०या. [÷प्रदोषः
१५	शु	४५	५३	रे	५२	३८	वै	५८	३६	च	१३	००	३०	४२ १८ २२ २८ १२ मे.५२।३८ मन्वादिः

५१पं.चै.कृ.१शु.इ.४१।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	२	०	१	१	११
१४	२५	६	१३	३	१६	२७	१४
५९	४८	३५	०	०	१९	४८	५६
१०	१४	२८	५४	७	८	३५	१६
५९	४०	९५	८	५	७४	४	३	५९
१६	५९	५५	१९	८	५०	११	१८

गोचर ग्रहाः

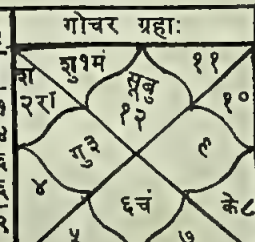

चैत्रस्य प्रथमे पक्षे पंचमी बुधवासरे । भौमे वा कुरुते स्वर्घ गोधूमस्य घृतस्यच ।। यहां घी गेहूंमें तेजी का योग है ।।

गोचर ग्रहाः

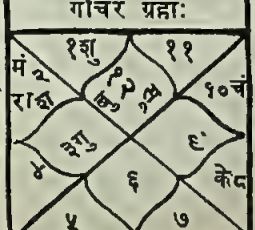

५२पं. चै.कृ.८शु.इ.४१।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	२	०	१	१	११
२१	०	२०	१३	११	१६	२७	२१
५३	३८	२३	४१	३५	५६	२६	५०
३१	२४	१७	२०	२	१७	१९	२७
५९	४०	९५	६	७४	५	३	५९
४	५५	५५	२८	२	१३	११	४

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०३ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०३ भोग्यकलिः ४२६८९७ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०५९ शाकः १९२४ अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः । मंत्री शनिः । सस्येशोभौमः । धान्यशो रविः । मेघेशः शनिः । रसेशोगुरुः । नीरसेशो भौमः । फलेशः शुक्रः । धनेशश्चंद्रः । दुर्गेशः शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ९ मन्मथनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १०।११।३३।११ भोग्यमासादिः १।१८।२६।४९ ग्रहिर्बुध्न्यदैवतं युगम् । वर्षनाम मार्गशीर्षः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणीनिवासःसंधौः । समयनिवासो वणिक्गृहे । समय विश्वा ८ समयवाहनम् महिषः । स्तंभौ २ अन्नवाच्यौ । सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी नैव अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी १ भानु सप्तमी १ रविदशमी नैव समयमुहूर्ताः ३१५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १३ धान्यम् ७ तृणम् ९ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ सत्यम् ॥ धर्मं १॥ पापं १८ ऐक्यम् १०९ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहणाभावः ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

अंबा देवी मात से पूछत भैरव जाय ।
गुणसठ संवत् का कहो हालचाल समझाय ॥

भवानी उत्तर

गुणसट्यो गुण आगलो संचय करो सब कोय ।
तेजी कारक वर्ष है दूणा दमड़ा होय ॥
रवि सुत राजा वर्ष का मंत्री पद को पाय ।
रोग युद्ध दुर्भिक्ष भय मचे जगत के मांय ॥
शनि देव मेघेश है इनकी बाण कुबाण ।
रोहिणी वासो संधि मे हो वर्षा की हाण ॥
श्रावण में आगे चले रविरथ से कुजराय ।
कहींक वर्षा खैंच हो कहीं २ प्रलय दिखाय ॥
समय निवासो वैश्य घर इसका फल शुभनांय ।
ईश कृपा से फल कहा संवत् गुणसठ मांय ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	१४	८	५	५	१४	५

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	८	१४	८	२	२	८

वर्ष लग्नम् ८।१२

वर्षेश लग्नम् ११।८

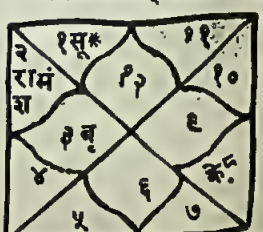

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५२।३०

+ रा मं

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* ब चं शु

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शनिःफलम् ।। शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमंति लोकाः क्षुधिताश्चदेशान् । मंत्री शनिः फलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनयसंरहिता बहु दुःखदाः । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशोभौमस्तत्फलम् ।। प्रथम धान्यपतौ धरणीपतौ गज तुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदा बहुरोग घनो जलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत्।। धान्येशः रविः फलम् ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम् ।। मेघेशः शनिः फलम् । रविसुते जलदस्य पतौ भवेद्विरलवृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि तापकरो नृपति सदा विविधरोगरता जनता यदा ।। रसेशो गुरुःफलम् ।। यदि गुरौ रसपे जनसौख्यदे कमलवंति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विजपूजन तत्पराः गजसवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम् ।। नीरसेशो यदा भौमः प्रवालरक्तवाससां । रक्त चंदनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। यदि फलस्य पतौ भृगुजे धरा मृदुकुमारमहीरुहराशयः । बहुपथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। धनपतिर्मृगलांछनको यदा रसचयात् क्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालियुगं धनजं बहु द्रविणतैलघृतं नृपसौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रः फलम् ।। नरवरेषु विशेष पतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्यकरो मनः । विनयवाणिजगेहसमः सुखो गतवने निकटेपि च दूरतः ।। मन्मथ नाम संवत्सरः फलम् ।। मन्मथाब्देखिला लोकाः तस्करा इव लोलुपाः । शालीक्षुयवगोधूमैर्नयनाभिनवाधरा ।। वर्षनाम मार्गशीर्षः फलम् ।। कार्पादि महर्घं स्याद्गोधूमासतिलादिकम् । मेघो वर्षति देवो वा मार्गशीर्षे विशेषतः ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंदवृष्टिःस्यात् ।। रोहिणीनिवासः संधौ फलम् ।। खंडवृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे । वणिक् गृहे शुभंनास्ति ।। एवं संचित्य दैवैज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०५९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

(चैत्र वैशाख ज्येष्ठाषाढमासेषु गोधूल्यां भौम८।७दोषः)

चैत्र मासः ।

शु. १० चंद्रे मघा. ल. गो.११रे.६।ऽ।।।ऽरो।ऽऽ।गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः कुंभे चं. ७ पूज्यः

,, १३ गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. रे. ७ऽ।।।।ऽअ.ऽ।।।

,, १४ शुक्रे स्वा. ल. १०।११ रे.७।।।।ऽ।ऽऽ।।

वैशाख मासः ।

कृ. ४ भौमे मूले ल. गो.१०।११।१२रे.८।।।।ऽ।।ऽ।।

,, ११ बुधे उभा. ल. १०।११रे.७।ऽ।।।ऽचो।ऽ।।

शु. ७ रवौ मघा. ल.१रे.८।।।।।ऽनृ।ऽ।।

,, ९ भौमे उफा. ल.गो. सोग्रांगः१२रे.६ऽऽ।।।ऽचो।ऽ।। मीने चं. ७पू.

,, १३ शुक्रे स्वा. ल.अन्यगो.सोग्रांगः११रे.८।ऽ।।।।ऽ।।।

,, १५ रवौ अनु. ल.११रे.८।।।।।ऽअ.।ऽ।।

ज्वेष्ठ मासः ।

कृ. १ चंद्रे मूले ल.१रे.७।ऽ।ऽगुऽ।।।।।गुरोःपादवेधाऽभावः

,, ९ भौमे उभा.ल.११।१रे.८।।।।।ऽअ.।ऽ।।

,, १० बुधे रेवत्यां ल. ११।१रे.८।।।।।।ऽऽ।।

शु. ५ शनौ मघा.ल.१रे:९।ऽ।।।।।।।।

,, ८ भौमे हस्ते ल. १२ (चं.७पूज्यः)रे.८।ऽ।।।।ऽ।।।

,, १० गुरौ स्वा.ल.१रे.९।।।।।।ऽ।।।चं.७ पू.

,, १२ शनौ अनु.ल.अन्यगो.१२रे.८ऽऽ।।।।।।।।

आषाढ मासः ।

कृ. ६ चंद्रे उभा.ल.१रे.७ऽ।।।।ऽचो।ऽ।।

,, ७ भौमे उभा.ल.अन्यगो.रे.७ऽ।।।।।।ऽ।ऽदग्धा दोषः

,, ७ भौमे रेव.ल.१रे.७।।।।।।ऽऽ।ऽदग्धा.

,, ८ बुध रेवत्यां ल.अन्गो.रे.७।।।।।ऽरोऽऽ।।

कार्तिक मासः ।

शु. १२ शनौ रेव.ल.४रे.८ऽ।।।।।ऽ।।।घ.३८।१३ उप.

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ८ गुरौ उफा.ल.६रे.८ऽ।।।।।।ऽ।।

,, ११ शनौ हस्ते ल. अन्यगो.सोग्रांगःरे.८।।।।।।ऽऽ।।

शु. ८ गुरौ उभा.ल.गो.४रे.९।।।।।ऽरो।।।।घ ३४/७या.

,, ९ शुक्रे रेव.ल.४।६रे.६।ऽ।।।।ऽऽ।ऽघ. ३५।२९ उप.

माघ मास ।

कृ. २ चन्द्रे मघा. ल.गो.६ रे.९।।।।।ऽचो।।।।

,, ४ बुधे उफा.ल.गो.७रे.७ऽ।।।।ऽरो।ऽ।।

,, ५ गुरौ हस्ते ल. गो.७रे.९।।।।।।ऽ।।।

शु, ४ बुधे उभा. ल. ६ (चं.७ पू.)रे.७।।।।।ऽनृऽऽ।।

,, ५ गुरौ रेव.ल.अन्यगो. ६रे.७।ऽ।।।।ऽऽ।।

,, १४ रवौ मघा. ल. ७(घ.४०।४०उ.) रे.६।।।ऽबुऽ।ऽऽ।।पादतोवेधाभावः

फाल्गुन मासः ।

कृ. २ भौमे उफा. ल.६।७रे.८ऽ।।।।।ऽ।।।

शु. १ भौमे उभा. ल.१०रे.९।।।।।ऽअ.।।।।गु.७पूज्यः

,, ६ रवौ रोहि.ल.१०(घ.५३।४५उ.)रे.७।।।।ऽ।ऽऽ।।गुरु ७ पू.

,, ७ चंद्रे रोहि. ल. अन्यगो.रे.७।।।।ऽ।ऽऽ।।

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६० स.२००२
१	श ५०।४८ अ ५८।४० वि ५९।४६ किं १९।२१	३१ ३४	४१	१६	२३	२९	१३	मेषे	अश्वि.मेषेऽर्कः५७।१९संवत्सरारंभ.नव-५
२	र ५५ ५ भ ६० ० प्री ६० ० बा २२।५६	३८	४०	२०	२४	३०	१४	मेषे	अश्वि.मेषेऽर्कःसौरः०।४६ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं ५८।५० भ ४।३२ प्री १०।५१ तै २६।५८	४२	४०	२०	२५	१	१५	ब.२०।३४	सफर२ मत्स्यजयंती,गणगौरी
४	मं ६० ० कृ ८।४० सौ ५८।४१ व २९।४३	४६	३९	२१	२६	२	१६	वृषे	भ.२३ उ.भरण्यांबुधः४७ १४ [×रात्रा,घटस्था
४	बु ०।३६ रो १२।१० शा ५६।५९ वि ०।३६	५०	३८	२२	२७	३	१७	मि. ३	भ ०।३६या.कृति.शुक:५९।१७
५	गु १।४४ मृ १४।३१ अ ५३।५८ बा १।४४	५३	३७	२३	२८	४	१८	मिथुने	
६	शु १।२८ आ १४।४१ सु ४९।५३ तै १।२८	५७	३७	२३	२९	५	१९	मिथुने	रोहि.भौमः३३ बुधोदयःपश्चिमायाम्१९
७	श ५७।१५ पु १५।१६ भृ ४४।४७ व ०।७	३२	३६	२४	३०	६	२०	क.०।८	भ.०।७उ.३८ या.मृग.१राहुःज्येष्ठा.३÷
८	र ५३ ७ पु १३।३५ शू ३७।२८ बा २५।१४	५	३५	२५	१	७	२१	कर्के	वृषे शुक्रः१३ भा.वैशाखारंभः रामनवमी
९	चं ४७।३३ श्ले १०।३७ गं ३०।१० तै २०।२०	९	३४	२६	२	८	२२	सिं.१७	[÷केतुः१९।३२
१०	मं ४०।३६ म ६।११ बृ २२।३४ व १४।४	१२	३४	२६	३	९	२३	सिंहे	भ.१७ उ.३९ या.कृत्ति.बुधः३३ पातस्पर्शः+
११	बु ३२।४३ पू ४४ ५३ धु १४।२० ब ६।३९	१६	३३	२७	४	१०	२४	कं.१४।७	[+३३ पातमोक्षः३३ कामदा ११व्र.
१२	गु २३।५७ ह ४७।१६ व्या २३ ४९ तै २३।५७	२०	३२	२८	५	११	२५	कन्यायां	वृषे.बुधः५२।११प्रदोषः
१३	शु १४।४३ चि ४० ६ व ४२।५६ व १४।४३	२३	३१	२९	६	१२	२६	तु.१३।४१	भ.१४।४३उ.४०।२५या.
१४	श ६ ७ स्वा ३३।३१ सि ३३।१९ ब ६ ७	२७	३१	२९	७	१३	२७	तुलायां	भरण्यां रविः३५ (सौरः४३) नुमज्जयंती

१ पं. चै.शु.१ग.इ. ५७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	२	०	१	१	११
०	६	७	१४	२१	१७	२७	२९
०	१७	२२	३९	४५	४५	०	५६
०	४२	१६	७	४७	१८	१५	३८
५८	४०	९	७	७३	५	३	५८
४४	४१	४	३६	५२	५०	११	४५

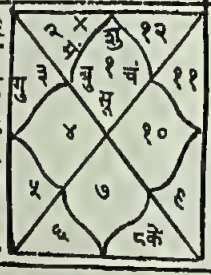

२ पं.चै.शु. ७ श.इ. ५७।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	२	१	१	१	०
६	११	२१	१५	०	१८	२६	६
५०	४	२२	३५	१९	२७	३७	४६
४२	८	४१	२	१९	१३	५९	४९
५८	४०	५	८	७३	६	३	५८
३१	२८	५५	३८	४९	१०	११	२९

३ पं. चै.शु. १५ श.इ. ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	२	१	१	१	०
१३	१५	३	१६	८	१९	२६	१३
२९	४८	८	३७	५२	१३	१५	३५
४७	३२	२४	१२	१६	४८	४४	१४
५८	४०	८९	९	७३	६	३	५८
१९	२१	५६	२७	४०	२६	११	१२

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श ५१ ९ ० ० ० वि ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र ५० ४ वि २७।५८ व्य २४।३४ तै २३।४०	३१	३०	३०	८	१४	२८	वृ.१४।२१	रोहि.शुक्रः५३ आर्द्रा४गुरुः१५।३९
३	चं ४४।२० अ २३।५० व १६।४६ व १७।१२	३४	२९	३१	९	१५	२९	वृश्चिके	भ.१७।१२उ.४४।२०या.
४	मं ४०।४१ ज्ये २१।२६ प १०।४९ ब १२।३१	३८	२८	३२	१०	१६	३०	ध.२१।२६	चतुर्थी व्र.
५	बु ३९।१७ मू २१।२५ शि ६।२४ कौ ९।५९	४१	२८	३२	११	१७	१	धनुषि	मई ५ ता. ३१
६	गु ३९।५२ पू २३।१७ सि ३।४७ ग ९।३४	४५	२७	३३	१२	१८	२	म. ३९	भ।३९।५२ उ.
७	शु ४२।४४ उ २७।२२ सा २।४८ वि ११ ९	४८	२६	३४	१३	१९	३	मकरे	भ.११।९या. रोहिण्याम् बुधः२३।२१
८	शु ४६।४३ श्र ३२।५१ शु २।४९ अ १४।४४	५२	२६	३४	१४	२०	४	मकरे	रोहिणी.४शनिः३४।४४
९	श ५२।२६ ध ३९।४७ शु ४।२८ त १९।३५	५५	२५	३५	१५	२१	५	कुं. ६।१९	
१०	र ५८।३० श ४७ ५ ब्र ६।३५ व २५।२८	५८	२४	३६	१६	२२	६	कुंभे	भ.२५।२८उ.५८।३०या.
११	चं ६०ं ० पू ५४।४९ ऐं ९ ४ ब ३१।४३	३३	२४	३६	१७	२३	७	मी३७।५३	वरूथिनी ११ व्र.स्मार्ता.
११	मं ४ ५६ उ ६०ं ० चै ११ २१ कौ ४।५६	५	२३	३७	१८	२४	८	मीने	वरूथिनी ११ व्र. वैः
१२	बु ११ ८ उ २।१७ वि १३।५२ तै ११ ८	८	२२	३८	१९	२५	९	मीने	मृगे. शुक्रः५४ मृगे भौमः७।५प्रदोषः
१३	गु १६।३७ रे ९।१८ प्री १५।३९ व १६।३७	११	२२	३८	२०	२६	१०	मे.९।१८	भ.१६।३७उ.४८।५१ या.
१४	शु २१ ५ अ १५।१९ आ १६।२१ श २१ ५	१४	२१	३९	२१	२७	११	मेषे	कृत्ति.रविः२३।३०(सौरः३०।३(
३०	र २४।३२ भ १९।५९ सौ १७।३७ ना २४।३२	१७	२१	३९	२२	२८	१२	वृ.३५।५६	

४ पं.वै.कृ. ८ श.इ.५८।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	२	१	१	१	०
२०	२०	११	१७	१७	२०	२५	२०
२७	३०	२४	४४	२२	२	५३	२१
३५	५०	४३	२०	३०	३५	२८	५७
५८	४०	५३	१०	७३	६	३	५७
६	२८	३९	११	२४	३८	११	५७

ग्रोचर ग्रहाः

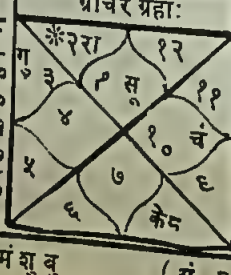

चैत्र शुक्ले १ शनौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. न.बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

ग्रोचर ग्रहाः

५ पं.वै.कृ.१४श.इ.५८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	२	१	१	१	०
२७	२५	१५	१८	२५	२०	२५	२७
१३	१५	३२	५६	५०	५३	३१	७
३७	७	३८	१३	४१	२८	१२	११
५७	४०	१२	१०	७३	६	३	५७
५४	१७	४०	५४	१४	५६	११	४५

×रा श * श मं शु बु (सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ÷श रा मं शु +श मं शु बु

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२४	वि	उ.	अ.	भा	मु.	इ.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३६६०सन्२००२
१	चं २६ ४६ कृ २३ ४८ शो १५ ५७ ब २६ ४६	२३	५	६	२३	२६	१३	वृषे	चंद्र दर्शनम्
२	मं २७ ५४ रो २६ ३१ अ १४ १६ का २७ ५४	२३	१६	४१	२४	१	१४	मि. ५७	वृषेऽर्कः५५(सौरः५७)वक्री.बुधः४४।१×
३	बु २८ १ मृ २८ १४ सु ११ ४४ ग २८ १	२६	१६	४१	२५	२	१५	मिथुने	भ.५७।३१उ.मिथुने शुक्रः३३अक्षया ३
४	गु २७ १ आ २८ ५८ धृ ७ ५० वि २७ १	२८	१८	४२	२६	३	१६	मिथुने	भ.२७।१या.
५	शु २५ १४ पु २८ ५५ शू २६ २६ बा २५ १४	३१	१८	४२	२७	४	१७	क.१३।५६	पुनः१गुरुः५१बुधास्तःपश्चिमायां५१।५३
६	श २२ ३२ पु २७ ४५ वृ ५४ १७ तै २२ ३२	३४	१७	४३	२८	५	१८	कर्के	[×रविलाबल३परशुरामजयंती
७	र १८ ५० श्ले २५ ५० ध्रु ४८ १४ व १८ ५०	३७	१७	४३	२९	६	१९	सिं. ५०	भ.१८।५०उ.४६।३६या.मिथुने भौमः१५
८	चं १४ २२ म २७ ४ व्या ४१ २९ ब १४ २२	३९	१६	४४	३०	७	२०	सिंहे	आर्द्रा.शुक्रः५६।४५
९	मं ९ ० पू १९ २४ ह ३३ ५५ कौ ९ ०	४२	१६	४४	३१	८	२१	कं.३३।१९	[+नृसिंह १४
१०	बु २ ५८ उ १५ २ व २५ ४६ ग २ ५८	४४	१५	४५	१	९	२२	कन्यायां	भ.३९उ.५६या.अस्तं शनेः१७भा.ज्येष्ठा*
११	बु ५३ १० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	[*रंभःमोहिनी ११ व्र.स्मार्ता
१२	गु ४८ ३९ ह ९ ५८ सि १७ २७ ब २२ २३	४७	१५	४५	२	१०	२३	तु.३७।१४	मोहिनी ११व्र. वै.
१३	शु ४१ १० चि ३३ ५४ व्य २९ ५१ कौ १४ ५५	४९	१४	४६	३	११	२४	तुलायां	प्रदोषः
१४	श ३३ २९ वि ५३ ५७ व ५१ १९ ग ७ १९	५२	१४	४६	४	१२	२५	वृ.४०।१३	भ.३३।२९उ.रोहि.रविः९५(सौरः२६+
१५	र २६ ५३ अ ४९ ४३ शि ४३ ३८ वि ० ११	५४	१३	४७	५	१३	२६	वृश्चिके	भ.०।११या.यमाय घटदानम्

६ पं. वै.शु. ६ श. इ. ५८ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	२	२	१	१	१
३	२९	१५	२०	४	२१	२५	३
५८	५१	३३	१२	१६	४६	८	५०
३७	३२	४	४७	१२	१२	५७	५२
५७	४८	२९	११	७२	७	३	५७
४४	१३	व.	२५	५६	८	११	३४

गोचर ग्रहाः

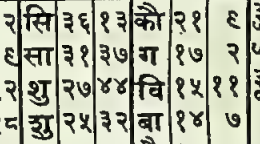

वैशाख शुक्ले २भौमे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु.१०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

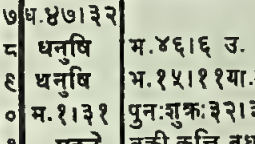

७ पं.वै.शु.१४श.इ. ५६ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	२	२	१	१	१
१०	४	१२	२१	१२	२२	२४	१०
४२	२९	४३	३२	३९	३९	४६	३३
२९	३५	४४	३५	३२	२२	४१	३
५७	३९	३१ ५१	१२	७२	७	३	५७
३५	५९	व.	२	३७	१४	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	चं २१ ६ ज्ये ४७ ३२ सि ३६ १३ कौ २१ ६	३३ ५६	१३	४७	६	१४	२७	ध.४७।३२	
२	मं १७ २ मू ४५ १६ सा ३१ ३७ ग १७ २	५८	१२	४८	७	१५	२८	धनुषि	भ.४६।६ उ.
३	बु १५ ११ पू ४५ ५२ शु २७ ४४ वि १५ ११	३४ ४०	१२	४८	८	१६	२९	धनुषि	भ.१५।११या.आर्द्रा.भौमः१४च. व्र.
४	गु १४ ७ उ ४८ २८ शु २५ ३२ बा १४ ७	२	१२	४८	९	१७	३०	म.१।३१	पुनःशुक्रः३२।३०
५	शु १५ ५० श्र ५२ ५६ ब्र २४ ५३ तै १५ ५०	३	११	४९	१०	१८	३१	मकरे	वक्री.कृत्ति.बुधः१९मृगे.१शनिः२७÷
६	श १९ १६ ध ५८ ५३ ऐं २५ १९ व १९ १६	५	११	४९	११	१९	१	कुं२५।५५	भ.१९।१६उ.५६या जून ६ ता ३०
७	र २४ १६ श ६० ० वै २७ ७ ब २४ १६	७	११	४९	१२	२०	२	कुंभे	[÷पातस्पर्शः३।४७ पातमोक्षः२८।५४
८	चं २९ ५७ श ६ १४ वि २९ ७ कौ २९ ५७	९	१०	५०	१३	२१	३	मी.५६	पुनः२गुरुः५५।२८
९	मं ३६ १९ पू १३ २० मी ३२ ४४ तै ३ ८	१०	१०	५०	१४	२२	४	मीने	
१०	बु ४२ २४ उ २० ४३ आ ३४ १ व ९ २१	१२	१०	५०	१५	२३	५	मीने	भ.९।२१उ.४३या. बुधोदयःपूर्वस्याम्३३
११	गु ४७ ५० रे २७ ५१ सौ ३६ ७ ब १५ ७	१३	९	५१	१६	२४	६	मे.२७।५१	अपरा: ११ व्र.
१२	शु ५१ ४७ अ ३३ ५७ शो ३७ ११ कौ १९ ४९	१५	९	५१	१७	२५	७	मेषे	[*प्रदोषः
१३	श ५५ १९ भ ३८ ४६ अ ३७ १३ ग २३ ३३	१६	९	५१	१८	२६	८	वृ.५४।४०	भ.५५।१९उ.मृगे रविः९२ सौरः३३)*
१४	र ५६ ४४ कृ ४२ २३ सु ३६ ८ वि २६ १	१७	९	५१	१९	२७	९	वृषे	भ.२६।१या.कर्के.शुक्रः३४।३४
१५	चं ५६ ४८ रो ४४ २२ धृ ३४ ३ च २६ ४६	१८	८	५२	२०	२८	१०	वृषे	मार्गी बुधः३५वटसावित्री व्र.सोमवती ३०

८ पं.ज्ये.कृ. ६ श.इ. ५८ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	२	२	१	१	१
१७	१	१९	२२	२१	२३	२४	१७
२५	६	१४	५५	०	३४	२४	१४
१९	१४	२०	५९	२२	१२	२६	९
५७	३९	३३	१२	७२	७	३	५७
२७	५९	व.	२०	१५	२०	११	१३

गोचर ग्रहाः

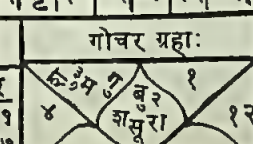

इस मासमें रस पदार्थ घृत तैल गुड़ सरसों अन्डी अलसी सोना चांदी धान्य रुई में मन्दीहोकर तेजीहोगी कही २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

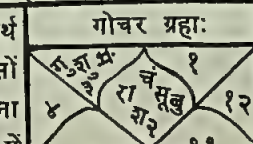

९ पं.ज्ये.कृ.१३श.इ. ५९ ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	२	२	१	१	१
२४	१३	७	२४	२९	२४	२४	२३
७	४१	३५	२१	१६	२८	२	५४
१९	१०	१३	४३	५९	१९	१०	५
५७	१२	६ ४०	३९	७१	७	३	५७
२२	४५	व.	५६	५३	२०	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३७१९स,२००२
१	मं ५५ ३२ मृ ४५ ७ शू ३० ४६ किं २६ १०	३१	५	५६	२१	२९	११	मि १४।४४	
२	बु ५३ २ आ ४४ ३४ गं २६ ३४ बा २४ १७	१९	८	५२	२२	३०	१२	मिथुने	पुष्ये शुक्रः २१।३० चंद्रदर्शनम्
३	गु ४९ ५२ पु ४३ २४ बृ २१ ४६ तै २१ २७	२०	८	५२	२३	१	१३	कं.२८।४१	रविलाख र ४
४	शु ४५ ५६ पु ४१ १८ धु १६ ५ व १७ ५४	२१	८	५२	२४	२	१४	कर्के	भ.१७।५४उ.४५।५६ या.
५	श ४१ २९ श्ले ३९ १ ल्या १० ५ ब १३ ४३	२१	८	५२	२५	३	१५	सिं.३९।१	मिथुनेऽर्कः७।४६(सौरः२३।३६)
६	र ३६ ४१ मं ३६ ९ ह ५९ २३ कौ ९ ५	२२	८	५२	२६	४	१६	सिंहे	
७	चं ३१ ४४ पू ३३ ७ सि ५० ५७ ग ४ १३	२२	८	५२	२७	५	१७	कं.४७।१६	भ.३१उ.५९या.रोहि.बुधः३३अस्तो*
८	मं २६ २८ उ २९ ४३ ल्य ४३ ३७ ब २६ २८	२३	७	५३	२८	६	१८	कन्यायां	पुन.भौमः३५।५९ [*भौमः३१।१४
९	बु २१ ४ ह २६ १६ व ३६ १७ कौ २१ ४	२३	७	५३	२९	७	१९	तु.५४।२३	पुनः३गुरुः५५।४४
१०	गु १५ १९ चि २२ २९ प २८ ३८ ग १५ १९	२३	७	५३	३०	८	२०	तुलायां	भ.४२।२०उ.गंगादशमी·
११	शु ९ २० स्वा १८ ५० शि २१ ५४ वि ९ २०	२४	७	५३	३१	९	२१	तुलायां	भ.९।२० या. निर्जला ११व्र.
१२	श ६३ ५८ वि १५ १६ सि १४ ५३ बा ३ ५८	२४	७	५३	१	१०	२२	वृ. १।१०	आर्द्रा.रविः९१(सौरः२५)रोहि.४राहुः×
१३	श ५४ ४१ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	[×ज्येष्ठा२केतुः१४भा.आषाढारंभःप्रदोष
१४	र ५४ ११ अ १२ १५ सा ९ १३ ग २६ २५	२४	७	५३	२	११	२३	वृश्चिके	भ.५४उ.आश्ले शुक्रः४८पातस्पर्शः३१
१५	चं ५० ३७ ज्ये ९ ५६ शु २५ ५४ वि २२ २४	२४	७	५३	३	१२	२४	ध.९।५७	भ.३३या.पातमोक्षः३३गुर्जराणांवटसा.व्र.

१० पं.ज्ये.शु.५ श.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	२	३	१	१	२
०।१८	९	२५	७	२५	२३	०	
४८	१५	२०	५०	२९	२२	२९	३३
३६	३२	४६	३१	५६	५२	५४	१४
५७	३९	२४	१३	७१	७	३	५६
१७	५०	मा	८	२५	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले ५ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न, ५ बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्या दिभावें महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

११ पं.ज्ये.शु.१२ श.इ. ५९

र	मं	बु	शु	शु	श	रा	र
२	२	१	२	३	१	१	२
७	२२	१४	२७	१५	२६	२३	७
२९	४८	५२	२०	४०	१७	१७	११
३१	२९	५	३८	३०	१७	२९	४१
५७	३९	५९	१३	७०	७	३	५६
१३	५२	१०	२७	५२	१४	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः २०५९ शाकः १९२४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति महाराष्ट्रा
१	मं ४८ ३१ मू ८ ४१ ब्र ५३ ८ बा १९ ३४	३४	५	५६	४	१३	२५	धनुषि	
२	बु ४८ ० पू ९ ३ ऐं ५० १६ त १८ १६	२३	७	५३	५	१४	२६	म.२४।३१	मृग.२शनिः७।१
३	गु ४९ ८ उ १० ५६ वै ४९ ६ व १८ ३४	२३	७	५३	६	१५	२७	मकरे	भ.३९उ.४९या.उदयं शनेः३५।२०
४	शु ५२ १ श्र १४ २७ वि ४८ ४४ ब २० ३४	२२	८	५२	७	१६	२८	कुं.४६।५८	चतुर्थी व्रतम्
५	श ५६ ३५ ध १९ २९ प्री ४९ ४१ को २४ १७	२२	८	५२	८	१७	२९	कुंभे	मृगे बुधः ४९।५६
६	र ६० ० श २६ १ आ ५१ ७ ग २९ १४	२१	८	५२	९	१८	३०	कुंभे	
६	चं १ ५५ पू ३३ ५ सौ ५३ ५५ व १ ५५	२०	८	५२	१०	१९	१	मी. ५६	
७	मं ८ ७ उ ३९ ४९ शो ५६ १९ ब ८ ७	१९	८	५२	११	२०	२	मीने	भ.५५उ.३५या.जुलाई ७ ता. ३१
८	बु १४ १० र ४७ ५२ अ ५८ ३७ कौ १४ १०	१८	८	५२	१२	२१	३	मे. ४५	[÷अस्तं गुरोः १०।४८
९	गु २० १९ अ ५४ ३७ सु ६० ० ग २० १९	१७	९	५१	१३	२२	४	मेषे	[×१०।१०पुन.४कर्के गुरुः ३४।४६
१०	शु २४ ३१ भ ५९ ५७ सु ० ६ वि २४ ३१	१६	९	५१	१४	२३	५	मेषे	भ.५२।२५उ.मिथुने बुधः५१कर्के भौमः×
११	श २७ ४० कृ ६० ० धृ ० ४६ बा २७ ४०	१५	९	५१	१५	२४	६	वृ. ५५	भ.३५या.मधा.सिंहे शुक्रः२८।८
१२	र २९ १७ कृ ३ ४९ श ० ५७ तै २९ १७	१४	९	५१	१६	२५	७	वृषे	पुनःरवि.५१ (सौरः२९)योगिनी११ व्र.
१३	चं २८ ५० रो ५ ५२ बृ ५३ ४५ व २८ ५०	१३	९	५१	१७	२६	८	मि.३६	आर्द्रा.बुधः४३।५६प्रदोषः
१४	मं २६ ४६ मृ ६ २० धु ४९ ५६ श २६ ४६	११	१०	५०	१८	२७	९	मिथुने	भ.२८।५०उ.५७।४८या.
२०	बु २२ ५३ आ ५ ४ व्या ४४ १ ना २२ ५३	१०	१०	५०	१९	२८	१०	कं.४८।१२	पुष्ये भौमः५१बुधास्तःपूर्वस्याम्४५।३५÷

१२ पं.आ.कृ.५.श.इ.५८

र	मं	बु	गु	शु	शु	रा	र
२	२	१	२	३	१	१	२
१४	२७	२३	२८	२३	२७	२२	१३
९	१९	३२	५२	४५	१०	५५	४९
५८	४१	५६	८	०	४१	२३	४६
५७	३९	९०	१३	७०	७	३	५६
७	४३	२३	२६	११	८	११	५०

गोचर ग्रहाः

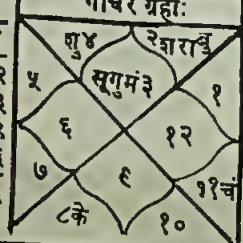

मिथुने च यदा भौमः मेघश्च प्रबलो भवेत्। आरक्तं सर्वं द्रव्याणि महर्घाणि भवन्तिहि।। इस मास में सभी धान्य रस तेज होंगे धातु मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

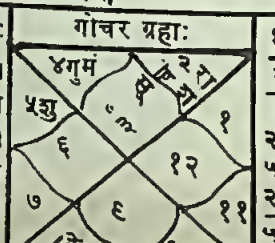

१३ पं.आ.कृ.११ श.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	४	१	१	२
२०	१	५	०	१	२८	२२	२०
५०	५१	१४	५४	४४	३	३३	२७
२४	११	६	५४	२०	१४	८	४०
५७	३९	९१	१३	६९	७	३	५६
७	३९	१३	३२	२०	८	११	५०

×गुमू *राश

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७४९ सं. २००२
१	गु	१८	१५	पु	२/३५	५६/३३	ह	३७	२३	व	१८	१५	३४/८	५/१०	६/५०	२०	२९	११	कर्के	चंद्रदर्शनम्
२	शु	१२	३२	श्ले	५४	५६	व	३०	४	कौ	१२	३२	७	११	४९	२१	१	१२	सिं. ५४/५६	जमादिलावल ५ रथयात्रा
३	श	६	२५	म	५०	५५	सि	२२	२१	ग	६	२५	५	११	४९	२२	२	१३	सिंहे	भ. ३३।२१ उ.
४	र	०	१७	पू	४६	४६	व्य	१४	३५	वि	०	१७	३	११	४९	२३	३	१४	सिंहे	भ. ०।१७ या. पुन. बुधः २४।४७
५	र	५३	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×शुक्रः १२।१९
६	चं	४७	१३	उ	४२	५६	व	७/१०	५२/३७	कौ	२०	३८	१	१२	४८	२४	४	१५	क. ०।४८	[=पुष्ये बुधः ३६/३१ पुष्यः १ गुरुः ३।३५÷
७	मं	४२	४०	ह	३९	३०	शि	५२	४८	ग	१४	५६	३३/५९	१२	४८	२५	५	१६	कन्यायां	भ. ४२।४० उ. कर्केऽर्कः ३४।५७
८	बु	३७	२७	चि	३५	५९	सि	४५	५२	वि	१०	४	५७	१३	४७	२६	६	१७	तु ७।४४	भ. १०।४या. कर्केऽर्कः सौरः १।५५ पूफा.×
९	गु	३२	४३	स्वा	३३	१४	सा	४०	३२	बा	५	५	५५	१३	४७	२७	७	१८	तुलायां	[÷देवशयनी ११व्र
१०	शु	२८	३०	वि	३१	१२	शु	३३	३५	तै	०	३६	५२	१४	४६	२८	८	१९	वृ. १६।४३	भ. ५६।४० उ. कर्के बुधः १।१३
११	श	२४	५०	अ	२९	२४	शु	२८	१२	वि	२४	५०	५०	१४	४६	२९	९	२०	वृश्चिके	भ. २४/५० या. पुष्ये रविः ४।१५ (सौरः ३३/३६)=
१२	र	२१	५७	ज्ये	२८	२५	ब्र	२३	१७	बा	२१	५७	४८	१४	४६	३०	१०	२१	ध. २८।२५	प्रदोषः
१३	चं	१९	५३	मू	२८	१३	ऐं	१८	५९	तै	१९	५३	४५	१५	४५	३१	११	२२	धनुषि	[+३२।३९भा.श्रावणारंभः वायुपरीक्षा
१४	मं	१८	५९	पू	२९	१९	वै	१४	३५	व	१८	५९	४३	१५	४५	१	१२	२३	म. ४४।५०	भ. १८/५९ उ. ४९।३या. मृग. ३मिथुने शनिः+
१५	बु	१९	७	उ	३१	२६	वि	१३	९	ब	१९	७	४०	१६	४४	२	१३	२४	मकरे	व्यास पूजा गुरु १५

१४पं.आ.शु.३श.इ.५८।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	४	१	१	२
२७	६	१९	१	९	२८	२२	२७
३०	२०	५	५८	३८	५४	१०	५
४३	५३	१०	३४	३५	११	५२	४७
५७	३९	१२४	१३	६८	६	३	५६
११	३९	५	३८	३१	४०	११	५४

ग्रोचर ग्रहाः

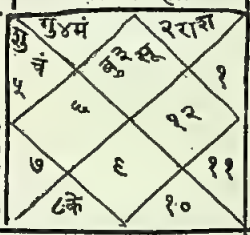

आषाढ शुक्ले७भौमे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

ग्रोचर ग्रहाः

१५पं.आ.शु.११.श.इ. ५८/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	३	४	१	१	३
४	१०	४	३	१७	२९	२१	३
११	४९	५	३२	२५	४३	४८	४४
२८	५५	२४	२४	१२	२६	३६	१४
५७	३९	१२५	१३	६७	६	३	५६
१५	२९	५५	३८	२५	२६	११	५८

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेआषाढ कृष्णेति महा०
१	गु	२०	५०	श्र	३४	५५	प्री	१२	५	कौ	२०	५०	३३/३८	५/१६	६/४४	३	१४	२५	मकरे	
२	शु	२३	५३	ध	३९	३४	आ	११	२९	ग	२३	५३	३५	१७	४३	४	१५	२६	कुं. ७।१४	भ. ५६।० उ. आश्ले. बुधः ३४।३८
३	श	२८	७	श	४५	४३	सौ	१२	७	वि	२८	७	३३	१७	४३	५	१६	२७	कुंभे	भ. २८।७या. चतुर्थी व्रतम्
४	र	३२	३५	पू	५२	३६	शो	१३	३८	व	०	२०	३०	१८	४२	६	१७	२८	मी. ३५/५३	[×नाग ५ मरुस्थले
५	चं	३९	२४	उ	५९	५९	अ	१६	३०	कौ	५	५९	२७	१९	४१	७	१८	२९	मीने	उफा.शुक्रः २५।२४आश्ले.भौमः ५९।४२×
६	मं	४५	४०	रे	६०	०	सु	१८	४	ग	१२	३२	२४	१९	४१	८	१९	३०	मीने	भ. ४५।४० उ.
७	बु	५१	४०	रे	७	३४	धृ	२०	३७	वि	१८	४०	२२	२०	४०	९	२०	३१	मे. ७।३४	भ. १८।४०या. [=अगस्त ८ ता. ३१
८	गु	५६	४२	अ	१४	५४	शू	२२	५४	बा	२४	११	१९	२०	४०	१०	२१	१	मेषे	मघा. सिंहे बुधः ५७।११ कन्यायां÷
९	शु	६०	०	भ	२१	४	गं	२४	१२	तै	२८	३७	१६	२१	३९	११	२२	२	वृ. ३७।१७	बुधोदयः पश्चिमायाम् ३०।३१
९	श	०	३१	कृ	२५	५९	वृ	२४	२३	ग	०	३१	१३	२१	३९	१२	२३	३	वृषे	भ. ३१/३९ उ.आश्ले.रविः १।१६ (सौरः ३३/२३)
१०	र	२	४७	रो	२९	४	ध्रु	२३	१९	वि	२	४७	१०	२२	३८	१३	२४	४	मि. ५९/३७	भ. २।४७या. पुष्य. २गुरुः ०।२७
११	चं	२	५८	मृ	३०	११	व्या	२०	३५	बा	२	५८	७	२३	३८	१४	२५	५	मिथुने	कामिका ११ व्रतम्
१२	मं	१	९	आ	२९	२६	ह	१६	२३	तै	१	९	४	२३	३८	१५	२६	६	मिथुने	भ. ५७।२१ उ. प्रदोषः
१३	मं	५६	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷शुक्रः ३५।७उदयं गुरोः ३७।१२=
१४	बु	५१	५४	पु	२६	४६	व	१०	३५	वि	२४	३७	०	२४	३६	१६	२७	७	क. १२।२६	भ. २४।३७ या.
३०	गु	४५	७	पु	२२	४७	सि	३/२५	५१/५३	च	१८	३१	३२/५७	२५	३५	१७	२८	८	कर्के	हरियाली ३०

१६पं. श्रा. कृ.३श. इ. ५८/०।

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	३	४	२	१	३
१०	१५	१८	५	२५	०	२१	१०
५२	१९	४२	६	३	३०	२६	२३
३०	४१	७	१४	५०	२९	२१	३१
५७	३९	१२०	१३	६६	६	३	५७
२०	३६	४०	३८	१	१४	११	५

गोचर ग्रहाः

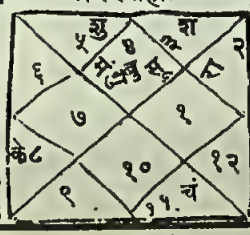

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना बाजरामूंग मोठ व धातु सोना चांदी तेज हो रुई रंग सूत में अच्छी तेजी हो कहीं २वर्षा हो

गोचर ग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ.९श.इ. ५७/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	३	५	२	१	३
१७	१९	१	६	२	१	२१	१७
३४	४८	५२	३९	३३	१५	४	३
१२	१४	२३	२५	१८	४	५	१९
५७	३९	१११	१३	६४	५	३	५७
२५	२६	१६	३२	२६	५०	११	१२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७७८सन् २००२
१	शु ३७ २० श्लो १८ ३६ व ४६ २५ किं ११ १४	३३ ५४	५ ३५	६ १८	२९	९	मि. ३९		
२	श २९ १७ म ११ ४२ प ३७ ७ बा ३ १९	५० २६	३४ १९	३०	१०		सिंहे	पूफा.बुधः४०।१७चंद्रदर्शनम् सिंधारा	
३	र २१ १७ पू ४० ५५ १३ शि २७ ५० ग २१ १७	४७ २७	३३ २०	१	११		क.१९।१३	भ.४७।२९उ.हस्ते शुक्रः५।५२उमादि×	
४	चं १३ ४२ ह ५४ ३४ सि १८ ४३ वि १३ ४२	४४ २७	३३ २१	२	१२		कन्यायां	भ.१३।४२या.वरद चतुर्थी	
५	मं ६ ४१ चि ५० ४ सा १० २५ बा ६ ४१	४० २८	३२ २२	३	१३		तु.२२।१९	नागपंचमी [×लाखर६तीज	
६	बु ० २४ स्वा ४६ ४० शु ४२ ५३ १५ तै ० २४	३७ २९	३१ २३	४	१४		तुलायां	भ.५५।१७उ.	
७	बु ५४ ५३ ० ० ० ० ० ० ०	० ०	० ०	०	०		० ०		[×भद्रोत्तरम्
८	गु ५१ १३ वि ४४ १३ ब्र ४९ २७ वि २३ १५	३३ २९	३१ २४	५	१५		वृ.२९।५०	भ.२३।१५या.	
९	शु ४८ १० अ ४२ ५१ ऐं ४२ २८ बा १९ ४१	३० ३०	३० २५	६	१६		वृश्चिके	मघा.सिंहेऽर्कः५५।१८	
१०	श ४६ १९ ज्ये ४२ ४३ वै ३९ ४९ तै १७ १४	२६ ३१	२९ २६	७	१७		ध४२।४३	मघा.सिंहेऽर्कःसौरः२९।४८	
११	र ४५ ३३ मू ४३ २७ वि ३६ १९ व १५ ५६	२२ ३२	२८ २७	८	१८		धनुषि	भ.१५।५६उ.४५।३३या.पवित्रा११व्र.	
१२	चं ४५ ५८ पू ४५ २५ प्री ३३ ५३ व १५ ४५	१९ ३२	२८ २८	९	१९		धनुषि	उफा.बुधः२३।२२मघा.सिंहे भौमः=	
१३	मं ४७ २१ उ ४८ १८ आ ३२ १३ कौ १६ ३९	१५ ३३	२७ २९	१०	२०		म.१।८	प्रदोषः [=५३।१४पुष्य.३गुरुः१९।२५	
१४	बु ४९ ५६ श्र ५२ २९ सौ ३१ ३० ग १८ ३८	१२ ३४	२६ ३०	११	२१		मकरे	भ४९।५६उ.कन्यायां बुधः ३४।३८	
१५	गु ५३ ३५ ध ५७ ३२ शो ३१ ८ वि २१ ४६	८ ३४	२६ ३१	१२	२२		कुं. २५।१	भ.२१।४६या.श्रावणी कर्म रक्षा बंधनं×	

१८पं.श्रा.शु.२श.इ.५७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	३	५	२	१	३
२४	२४	१३	८	९	१	२०	२३
१६	१६	४९	११	५१	५८	४१	४४
३७	१६	१	२०	२५	१	५०	२६
५७	३९	९९	१३	६२	५	३	५७
३३	२६	५२	२१	३३	२६	११	२२

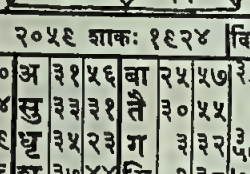

श्रावणशुक्ले९ शुक्रेसिं
हेऽर्कःप्रविष्टःवा ४न.
६युवावस्था. (सूती)
मु. १५धान्यादि भावे
महर्घता शक्रोदयः
पश्चिमायाम्

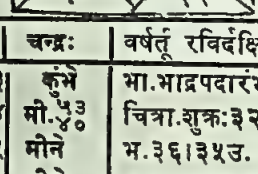

१९ पं.श्रा.शु.१०श.इ.५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	३	५	२	१	४
०	२८	२४	९	१६	२	२०	०
५९	४३	३५	४२	५५	३६	१९	२६
५३	५९	३८	२५	४८	२२	३४	३९
५७	३९	८६	१३	६०	४	३	५७
४०	२६	५८	१९	१०	५६	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४	वि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रा. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ५८ १९ श ६० ० अ ३१ ५६ बा २५ ५७	३३ ४	५ ३५	६ २५	१	१३	२३	कुंभे	भा.भाद्रपदारंभः
२	श ६० ० श ३ ४४ सु ३३ ३१ तै ३० ५५	१	३६	२४	२	१४	२४	मी.५३ ४०	चित्रा.शुक्रः३२।४५रोहिणी.३राहुःज्ये.×
३	र ३ ३२ पू १० १९ धृ ३५ २३ ग ३ ३२	३१ ५७	३७	२३	३	१५	२५	मीने	भ.३६।३५उ. [×ष्ठा.केतुः६।३१
४	चं ९ ३८ उ १७ ४६ शू ३७ ४४ वि ९ ३८	५३	३७	२३	४	१६	२६	मीने	भ.९।३८या.मृग४शनिः४३।४५चतुर्थी व्र.
५	मं १५ ५४ रे २५ २० गं ४० १५ बा १५ ५४	४९	३८	२२	५	१७	२७	मे २५।२०	
६	बु २२ ९ अ ३२ ५३ वृ ४२ ४२ तै २२ ९	४६	३९	२१	६	१८	२८	मेषे	चंद्रषष्ठी
७	गु २७ ४१ भ ३९ ५१ ध्रु ४४ ३६ व २७ ४१	४२	४०	२०	७	१९	२९	वृ.५६।१९	भ.२७।४१उ.५९।५९या.हस्तेबुधः ५४ ३
८	शु ३२ १७ कृ ४५ ४३ व्या ४५ ४३ ब ३२ १७	३८	४०	२०	८	२०	३०	वृषे	पूफा.रविः४४।५४जन्माष्टमी व्र.स्मार्ता.
९	श ३५ ३४ रो ५० ८ ह ४५ ४४ बा ३ ५५	३४	४१	१९	९	२१	३१	वृषे	पूफा.रविःसौरः२०।३९तुलायांशुक्रः A .
१०	र ३६ ५७ मृ ५२ ५० व ४४ १९ तै ६ १५	३०	४२	१८	१०	२२	१	मि.३१ ९	सितम्बर९ता.३०गोगा९
११	चं ३६ ११ आ ५३ २९ सि ४१ २० व ६ ३४	२६	४३	१७	११	२३	२	मिथुने	भ.६।३४उ.३६।११या.
१२	मं ३३ २२ पु ५२ १४ व्य ३६ ४६ व ४ ४६	२२	४४	१६	१२	२४	३	क.३७।३३	अजा११व्रतम् [A४७।३८जन्माष्टमी वै.
१३	बु २८ ४१ पु ४९ ४ व ३० ३१ कौ १ १	१८	४४	१६	१३	२५	४	कर्के	पुष्य.४गुरुः१३।५४वत्सद्वादशी प्रदोषः
१४	गु २२ ७ श्ले ४४ ७ प २१ ५२ व २२ ७	१५	४५	१५	१४	२६	५	सिं४४।७	भ.२२।७उ.४८।९या.
१५	शु १४ ११ म ३७ ४६ शि १३ ४८ श १४ ११	११	४६	१४	१५	२७	६	सिंहे	
३०	श ५ १३ पू ३० ४६ सि ३३ ४९ ३३ ट ना ५ १३	७	४७	१३	१६	२८	७	कं.४३।५५	कुशाग्रहणी मन्वादिः

२०पं. भा. कृ. २श. इ.५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	५	२	१	४
७	३	४	११	२३	३	१९	७
४४	११	१	११	४३	११	५७	१०
२०	१७	४८	४९	२६	४९	१८	१९
५७	३९	७१	१२	५७	४	३	५७
४९	१६	३३	५९	५	३७	११	४५

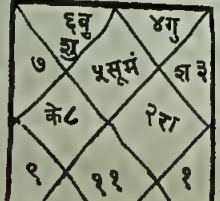

२१पं. भा. कृ. श. इ.५७।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	६	२	१	४
१४	७	११	१२	०	३	१९	१३
३०	२९	४६	३८	८	४३	३५	५५
०	११	१६	४९	३१	१	३	२१
५८	२९	५३	१२	५३	३	३	५७
१	९	४७	३४	२	५८	११	५७

२२पं.भा.कृ.३०श.इ.५७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	६	२	१	४
२१	१२	१७	१४	६	४	१९	२०
१७	५	२३	३	५	९	१२	४२
२	५६	१३	०	४२	४७	४०	१
५८	३९	२८	१२	४८	३	३	५८
१३	९	२६	१५	८	२४	११	१२

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण;३८०८सन्२००२
१	श	५०	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	४६	१७	उ	२३	२५	शु	४३	१३	बा	२१	१	३१ ३	५ ४७	६ १३	१७	२९	८	कन्यायां	स्वात्यां शुक्रः३९।५२चंद्रदर्शनम्
३	चं	३७	२८	ह	१६	१६	शु	३२	५८	तै	११	५२	३० ५९	४८	१२	१८	१	९	तु.४३। ०	पूफा.भौमः५०।३८रज्जव७हरितालिका३
४	मं	२९	२२	चि	९	४४	ब्र	२३	७	व	३	२५	५५	४९	११	१९	२	१०	तुलायां	भ.३।२५उ.२९।२२या. गणेशचतुर्थी
५	बु	२२	४९	स्वा	४ १०	५५ ४६	ऐं	१४	१९	बा	२२	४९	५१	५०	१०	२०	३	११	वृ.४५।५९	ऋषिपंचमी
६	गु	१७	२१	अ	५७	१८	वै	६	४२	तै	१७	२१	४७	५१	९	२१	४	१२	वृश्चिके	[-बुधास्तःपश्चिमायाम्१४।३६A
७	शु	१३	५६	ज्ये	५६	३१	वि	० २०	५४ ५१	व	१३	५६	४३	५१	९	२२	५	१३	ध५६।३१	भ.१३।५६उ.४२।४६या.उफा.रविः×
८	श	११	३५	मू	५७	२	आ	५०	२२	ब	११	३५	३९	५२	८	२३	६	१४	धनुषि	उफा.रविःसौरः५।१९
९	र	११	६	पू	५९	६	सौ	४८	४१	कौ	११	६	३५	५३	७	२४	७	१५	धनुषि	[×२९।१९वक्री बुधः१२।३
१०	चं	१२	१३	उ	६०	०	शो	४७	२०	ग	१२	१३	३१	५४	६	२५	८	१६	म.१३।२९	भ.४३।१९उ.कन्यायामर्कः५४।४०÷
११	मं	१४	२६	उ	२	३८	अ	४७	१	वि	१४	२६	२७	५५	५	२६	९	१७	मकरे	भ. १४।२६या. कन्यायामर्कः सौरः ३० ३०+
१२	बु	१७	५९	श्र	७	१९	सु	४७	४३	बा	१७	५९	२२	५६	४	२७	१०	१८	कुं.४०।५	वामनजयंती प्रदोषः[÷रामदेवजीकामेला
१३	गु	२२	२४	ध	१२	५३	धृ	४८	३०	तै	२२	२४	१८	५६	४	२८	११	१९	कुंभे	[Aमहालय श्राद्धारंभः कु.सं.पूजनारंभः
१४	शु	२७	५३	श	१९	२६	शू	५०	९	व	२७	५३	१४	५७	३	२९	१२	२०	कुम्भे	भ. २७ ५३उ.अनंत१४ [+जलझूलनी११व्र.
१५	श	३३	२५	पू	२६	१९	गं	५२	३	वि	०	३९	९	५८	२	३०	१३	२१	मी, ९।३६	भ.०।३९या.आश्लेषाः१गुरुः५०।३३ –

२३पं.भा.शु.८श.इ. ५६ ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	६	२	१	४
२८	१६	१९	१५	११	४	१८	२७
५	३२	३२	२४	२५	३२	५०	३०
२४	६	१३	११	४४	२४	३२	२१
५८	३९	९ २८	११	४१	२	३	५८
२६	९	व.	५०	४५	३९	११	२९

गोचर ग्रहाः

६बु गु४ मं५सू शु७ श ३ के८ रा२ चं९ ११ १ १० १२

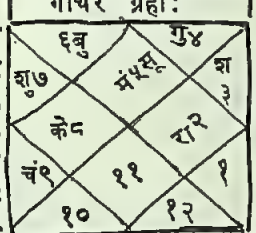

भाद्रपद शुक्ले १० चंद्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ वृद्धा.वस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

शु७ ५मं के ८ सूबु६ गु४ ९ ३श १० चं१२ २रा ११ १

२४पं. भा.शु.१५श.इ.५६ ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	३	६	२	१	५
४	२०	१६	१६	१५	४	१८	४
५५	५८	३३	४१	५८	४९	२८	२०
१६	४१	०	१०	१२	४४	१६	२८
५८	३९	५८ २५	११	३३	१	३	५८
३८	२	व.	१२	१९	५९	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे, भा. कृष्णेतिमहा.
१	र	३९	४३	उ	३३	४३	वृ	५४	२८	बा	६	३४	३० ५	५ ५९	६ १	३१	१४	२२	मीने	[+सर्वपितृ श्रा.
२	चं	४५	५८	रे	४१	१६	ध्रु	५६	४३	तै	१२	५०	३० ०	६ ००	६ ००	१	१५	२३	मे.४१।१६	भा.आश्विनारंभः
३	मं	५१	५५	अ	४८	४६	व्या	५९	४	व	१८	५६	२९ ५६	६ १	५ ५९	२	१६	२४	मेषें	भ.१८।५६उ.५१।५५या.
४	बु	५७	३८	भ	५५	४६	ह	६०	०	ब	२४	४७	५२	२	५८	३	१७	२५	मेषे	चतुर्थी व्रतम्
५	गु	६०	०	कृ	६०	०	ह	१	१६	कौ	३०	१	४८	२	५८	४	१८	२६	वृ.१२।२०	[÷शस्त्रादिहतानांश्रा.
५	शु	२	२५	कृ	२	५	व	३	२८	तै	२	२५	४४	३	५७	५	१९	२७	वृषे	हस्ने रविः७।४९(सौरः४३।०)
६	श	६	२०	रो	७	३२	सि	३	१३	व	६	२०	४०	४	५६	६	२०	२८	मि३९।३१	भ.६।२०उ.३७।३१या.वक्री उफा.बुधः=
७	र	८	४२	मृ	११	२९	व्य	२	५७	ब	८	४२	३६	५	५५	७	२१	२९	मिथुने	[=२२।४३वक्रीशनिः२५।४५
८	चं	९	१८	आ	१३	५४	व	१ १६	५६ ५८	कौ	९	१८	३२	६	५४	८	२२	३०	क.५९।१०	विशा.शुक्रः३४।९उफा.भौमः५१।१२×
९	मं	८	५	पु	१४	२८	शि	५३	२०	ग	८	५	२८	६	५४	९	२३	१	कर्के	भ.३६।३२उ.अक्टूबर१०ता.३१
१०	बु	५	०	पु	१३	११	सि	४७	२७	वि	५	०	२३	७	५३	१०	२४	२	कर्के	भ.५।०या.इंदिरा११व्रतंम् स्मार्ता.
११	बु	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×उदयो भौमः५३।२८मातृ९
१२	गु	५३	४	श्ले	९	४९	सा	३९	४६	कौ	२६	२८	१९	८	५२	११	२५	३	सिं४।४९	इंदिरा११व्र.वै.
१३	शु	४४	५९	म	४ ५३	५३ ४१	शु	३०	२०	ग	१९	१	१५	९	५१	१२	२६	४	सिंहें	भ.४४।५९उ. प्रदोषः
१४	श	३५	३९	उ	५१	१०	शु	२०	५८	वि	१०	१९	११	१०	५०	१३	२७	५	क.११।४३	भ.१०।१९या.बुधोदयःपूर्वस्याम्६।४२÷
३०	र	२५	४७	ह	४३	१२	ब्र	१० २२	४८ ५०	च	०	४३	७	११	४९	१४	२८	६	कंन्यायां	मार्गी बुधः४३।७कन्यायां भौमः७।२२+

२५ पं. आ.कृ.६श.इ.५६ ४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	३	६	२	१	५
११	२५	९	१७	१९	५	१८	११
४६	२५	१७	५५	२३	२	६	१२
५२	३०	२	५२	५३	६	१	२९
५८	३९	५८ १३	१०	२२	१	३	५९
५३	२	व.	३४	१४	२०	११	००

गोचर ग्रहाः

७शु ५मं ८के बुसू६ गु४ ९ ३चंश १० १२ २रा ११ १

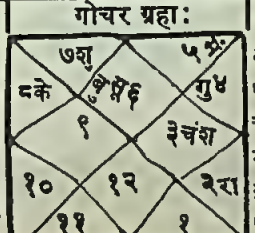

इस मास में चावल गेहू जौ चना कपास पाट वारदाना सोना चांदी ताम्बा लोहा मंदा होकर तेज होगा।प्रजा में रोग पीडा रहे।

गोचर ग्रहाः

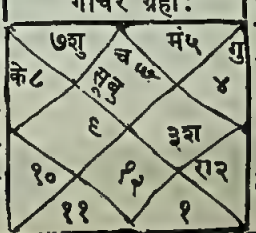

७शु च ५ मं५ गु के८ सूबु ४ ९ ३श १० १२ रा२ ११ १

२६पं. आ.कृ.१४श.इ.५६ २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	३	६	२	१	५
१८	२९	४	१९	२१	५	१७	१८
४०	५२	४४	३	२५	९	४३	६
८	५५	३६	४३	४८	०	४५	१६
५९	३८	७ ५०	९	८	०	३	५९
९	५५	व.	५०	३२	४०	११	१६

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८३७स.२००२
१	चं १५ ४८ चि ३५ २१ वै ४८ १३ ब १५ ४८	२९	६	५	१५	२९	७	तु.९।१६	नवरात्रारंभः मातामहश्राद्धम्
२	मं १६ ५३ स्वा २८ ८ वि ३७ ४३ कौ ६ १५	२९	१२	४८	१६	३०	८	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
३	बु २० ४९ वि २१ ५९ मृ २८ १९ व २४ ३४	५५	१३	४७	१७	१	९	वृ.८।३१	भ.२४उ.५९या. वक्री शुक्रः ३ सावान८
४	गु ४५ २१ अ १७ ११ आ १९ ३८ ब १८ १०	५१	१४	४६	१८	२	१०	वृश्चिके	चित्रा रविः ३९।५१
५	शु ४२ १ ज्ये १४ २४ सौ १२ ५५ कौ १३ ४६	४७	१५	४५	१९	३	११	ध.१४।२४	चित्रा.रविःसौरः १३।३४ [×वाहनम्
६	श ४० ५७ मू १३ १९ शो ७ ४४ ग ११ २६	४३	१५	४५	२०	४	१२	धनुषि	भ.४०उ.आश्लेषा.२गुरुः ३ सरस्वत्या×
७	र ४१ २३ पू १४ २८ अ ३ ५९ वि ११ १०	३९	१६	४४	२१	५	१३	म२०।१३	भ.१० या.सरस्वती पू.बलिदानं च
८	चं ४४ ७ उ १७ ३० सु १ १५ बा १२ ४५	३५	१७	४३	२२	६	१४	मकरे	
९	मं ४७ ३९ श्र २१ ५८ धृ ० ५९ तै १५ ५२	३१	१८	४२	२३	७	१५	कुं.५४।४९	हस्ते बुधः ३० सरस्वतीविसर्जनं विजया १०
१०	बु ५२ ३८ ध २७ ४० शू १ २९ व २० ८	२७	१९	४१	२४	८	१६	कुंभे	भ.२०उ.५२या.पापांकुशा ११ व्र.
११	गु ५८ ३६ श ३४ २० गं २ ३१ ब २५ ३७	२३	१९	४१	२५	९	१७	कुंभे	तुलायामर्कः ३ (सौरः ५६)
१२	शु ६० ० पू ४१ १३ बृ ४ ३४ कौ ३१ ३७	२०	२०	४०	२६	१०	१८	मी. २४	प्रदोषः
१३	श ४ ३८ उ ४९ १० ध्रु ६ ३४ तै ४ ३८	१६	२१	३९	२७	११	१९	मीने	
१४	र ११ ५ रे ५६ ३२ व्या ८ ४६ व ११ ५	१२	२२	३८	२८	१२	२०	मे.५६।३२	भ.११ उ.४ या.वक्री स्वात्यां शुक्रः ३ ÷
१५	चं १७ ११ अ ६० ० ह ११ ३ ब १७ ११	८	२२	३८	२९	१३	२१	मेषे	हस्ते भौमः४६।४० [÷शरद् १५

२७ पं.आ.शु.७ श.इ. ५६ २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	३	६	२	१	५
२५	४	७	२०	२१	५	१७	२५
३५	१९	२९	७	४४	१०	२१	१
२	४८	४६	५९	३१	३७	२९	५८
५९	२८	४०	९	५१	११	३	५९
३१	५०	४१	६	व.	व.	११	३१

गोचर ग्रहः

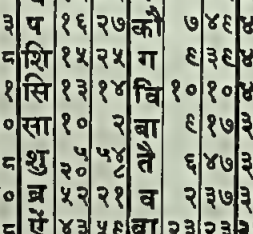

आश्विन शुक्ले १२। गुरौ तुलायामर्कः प्रवि-ष्टः वा. ४:न. ४ बाला-वस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहः

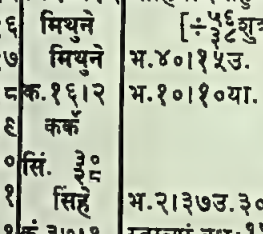

२८ पं. आ.शु.१३ श.इ ५६ १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	३	६	२	१	६
२	८	१६	२१	२०	५	१६	१
३१	४८	२५	५	५	७	५९	५९
२६	१४	८	२	६	१६	१४	२५
५९	२८	८१	८	२३ ७	५०	३	६९
३४	५८	९	११	व.	व.	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	मं २३ ११ अ ३ ५४ व १३ १६ की २३ ११	२८	२	३७	३०	१४	२२	मेषे	[×३ १) चित्रा बुधः १ बुधास्तःपूर्वस्याम्÷
२	बु २८ २८ भ १० ४७ सि १४ ५८ ग २८ २८	०	२४	३६	१	१५	२३	वृ.२७।१७	भा.कार्तिकारंभः
३	गु ३२ ५० कृ १६ ४५ व्य १५ ८ व ०	३६	२७	२५	३५	२	१६	२४	वृषे भ.२९उ.३२या.स्वात्यां रविः ५२ (सौरः×
४	शु ३६ ३४ रो २२ १० व १६ ४३ ब ४	४२	५३	२५	३५		१७	२५	मि५४।१६ रोहिणी २ राहुः अनु. ४ केतुः ५८ करक ४ व्र.
५	श ३९ ४ मृ २६ २३ प १६ २७ कौ ७	४९	४९	२६	३४	४	१८	२६	मिथुने [÷५६ ३८ शुक्रास्तःपश्चिमायां १३।४८
६	र ४० १५ आ २९ ३८ शि १५ २५ ग ९	३९	४५	२७	३३	५	१९	२७	मिथुने भ.४०।१५उ.
७	चं ४० ६ पु ३१ ३१ सि १३ १४ वि १०	१०	४१	२८	३२	६	२०	२८	क.१६।२ भ.१०।१०या. तुलायां बुधः१४।३४
८	मं ३८ २८ पु ३१ ५० सा १० २ बा ९	१७	३७	२९	३१	७	२१	२९	कर्के
९	बु ३५ ६ श्ले ३० २८ शु २० ५५ तै ६	४७	३४	२९	३१	८	२२	३०	सिं. ३०
१०	गु ३० ८ म २७ ४० ब्र ५२ २१ व २	३७	३०	३०	३०	९	२३	३१	सिंहे भ.२।३७उ.३०।८या
११	शु २३ २३ पू २३ २८ ऐं ४३ ५९ बा २३	२३	२७	३१	२९	१०	२४	१	कं.३७।१ स्वात्यां बुधः १५ नवम्बर ११ ता.३०+
१२	श १६ ५ उ १७ ४० वै ३४ ३९ तै १६ ५	२३	३१	२९	११	२५	२		कन्यायां प्रदोषः धन १३ [+रमा ११ व्रत.
१३	र ७ २५ ह १० ५७ वि २४ २० व ७ २५	१९	३२	२८	१२	२६	३	तु.३७।१४	भ.७।२५उ.३२।४७या. रूप १४
१४	र ५० ४४ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	चं ४८ ४४ चि ३३ ५३ २९ स्वा १४ ५ च २३ २६	१६	३३	२७	१३	२७	४	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम् सोमवती ३०

२९ पं.का.कृ.५ श.इ.५५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	३	६	२	१	६
९	१३	२७	२१	१६	४	१६	८
२९	१५	४९	५६	४३	५७	३६	५८
४२	४७	२०	१०	३०	१४	५८	४५
५९	३८	९९	७	३५	३८	३	६०
४७	५०	४६	७	व.	व.	११	२

गोचर ग्रहः

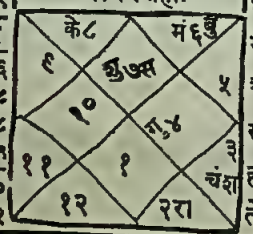

इस मास सें बाजरा मूंग मोठ मक्का चना आदि धान्य चांदी सोना रुई तिलहन मंदे होवे घृत गुड़ सक्कर तेज होगी।

गोचर ग्रहः

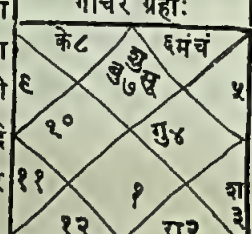

३० पं.का.कृ.१२ श.इ. ५५ ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	३	६	२	१	६
१६	१७	९	२२	१२	४	१६	१५
२९	४४	३०	३९	३३	४३	१४	५९
२८	१३	१४	४०	१८	१८	४२	४९
६०	२८	००	६	३५	१३	३	६०
४	४४	३०	११	व.	व.	११	१८

(विक्रम सं. २००१ समारम्य. २१०० पर्यन्तम्)

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हायणः ३८।६६स. २००२
१	मं	३६	२६	वि	४८	५१	आ	३	४९	कि	१४	५	२७	६	५	१४	२८	५	वृ. ३५।३८	अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा
२	बु	३१	२३	अ	४२	५०	शो	४२	४७	वा	५	२४	१२	३४	२६	१५	२९	६	वृश्चिके	विशा. रविः २६ (सौरः ५४) चंद्रदर्शनम् +
३	गु	२४	५४	ज्ये	३८	१०	अ	३४	३३	ग	२४	५४	५	३५	२५	१६	१	७	ध. ३८।१०	भ. ५३ उ. रात्रौ ९ [+शुक्रोदयः पूर्वस्यां ×
४	शु	१९	५९	मू	३५	१०	सु	२७	१८	वि	१९	५९	२	३६	२४	१७	२	८	धनुषि	भ. १९।५९या. [५३ यम २ भातृ २
५	श	१७	१३	पू	३४	२१	धृ	२१	५०	वा	१७	१३	५८	३६	२४	१८	३	९	म. ४६।४१	विशा. बुधः २०।३०
६	र	१६	४३	उ	३५	४४	शू	१८	१०	तै	१६	४३	५५	३७	२३	१९	४	१०	मकरे	आरलेषा. ३ गुरुः ३८।७
७	चं	१८	२३	श्र	३९	४	गं	१६	१	व	१८	२३	५२	३८	२२	२०	५	११	मकरे	भ. १८।२३ उ. ५०।२ या. चित्रा. भौमः ४०
८	मं	२१	४१	ध	४४	३	बृ	१५	४८	ब	२१	४१	४९	३८	२२	२१	६	१२	कुं. ११।३४	गोपाष्टमी
९	बु	२६	३१	श	५०	२६	धु	१६	४	कौ	२६	३१	४५	३९	२१	२२	७	१३	कुंभे	अक्षय नवमी कूष्मांड ९
१०	शु	३२	२९	पू	५७	४७	व्या	१७	४९	ग	३२	२९	४२	४०	२०	२३	८	१४	मी. ५०	[÷धिनी ११ व तुलसीविवाह :
११	शु	३८	५५	उ	६०	०	ह	१९	५३	व	५	४२	३९	४०	२०	२४	९	१५	मीने	भ. ५३ उ. ५६ या. वृश्चिके बुधः ३९ प्रबो÷
१२	श	४५	२६	उ	५	२२	ब्र	२२	३१	ब	१२	१०	३९	४१	१९	२५	१०	१६	मीने	वृश्चिके रविः ३३ (सौरः ४३) वक्री चित्रा.
१३	र	५१	४१	रे	१२	५८	सि	२४	३४	कौ	१८	३३	३३	४१	१९	२६	११	१७	मे. १२।५८	अनु बुधः ३६।३६ प्रदोषः [×शुक्रः २६।३१
१४	चं	५७	१७	अ	२०	८	व्य	२६	२९	ग	२४	२९	३०	४२	१८	२७	१२	१८	मेषे	भ. ५७।१७ उ. वैकुंठ १४
१५	मं	६०	०	भ	२७	०	व	२८	३२	वि	२९	४४	२७	४३	१७	२८	१३	१९	वृ. ४३।२५	भ. २९।४४ या. अनु रविः ४०।३३
१५	बु	२	११	कृ	३२	४१	प	२८	५३	व	२	११	२५	४३	१७	२९	१४	२०	वृषे	अनु. रविः सौरः ५।५०

३१ पं.का.शु.५ श.इ.५५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	३	६	२	१	६
२३	२२	२०	२३	८	४	१५	२३
३०	१२	५९	१६	४४	२३	५२	०२
५०	१४	१०	२६	१३	३८	२७	२४
६०	३८	०९	५	२७	५	३	६०
१७	५४	८	२	व.	व.	११	४०

गोचर ग्रहाः

कार्तिक शुक्ले १२
शनौ वृश्चिकेऽर्कः
प्रविष्टः वा. ३ न. ४
कुमार्यवस्था (बैठी)
मु. ३० धान्यादिभावे
समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३२ पं.का.शु.१२ श.इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	३	६	२	१	७
०	२६	२	२३	६	४	१५	०
३३	४१	११	४४	३४	०	३०	६
२९	६	२४	३८	५	४	११	२८
६०	३८	९९	३	१२	३	३	६०
३०	४७	५२	५०	व.	व.	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेतिमहाराः
१	गु	६	२	रो	३७	२५	शि	२८	५५	कौ	६	२	२६	६	५	३०	१५	२१	वृषे	
२	शु	८	५९	मृ	४१	६	सि	२८	११	ग	८	५९	१९	४४	१६	१	१६	२२	मि. १५	भ. ३९ उ. मार्गी शुक्रः ४६ तुलायां भौमः ×
३	श	१०	३३	आ	४३	५९	खा	२६	४४	वि	१०	३३	१७	४५	१५	२	१७	२३	मिथुने	भ. १०।३३ या. चतुर्थी व्रतम्
४	र	११	२०	पु	४५	४२	शु	२४	२५	बा	११	२०	१४	४५	१५	३	१८	२४	क. ३०।१६	
५	चं	११	१	पु	४६	२४	शु	२१	१४	तै	११	१	१२	४६	१४	४	१९	२५	कर्के	[×४।४५ भा. मार्गशीर्षारंभः
६	मं	९	३८	श्ले	४६	३	ब्र	१७	१६	व	९	३८	९	४६	१४	५	२०	२६	सिं. ४६	भ. ९।३८ उ. ३६ या. ज्येष्ठा. बुधः ०।४९
७	बु	७	१२	म	४५	३५	ऐं	१२	१७	ब	७	१२	७	४७	१३	६	२१	२७	सिंहे	वक्री मृग. ३ शनिः २२।३७
८	गु	३	४१	पू	४२	७	वै	२६	१९	कौ	३	४१	५	४७	१३	७	२२	२८	कं. ५६।११	स्वात्यां शुक्रः २६।११
९	गु	५५	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷भौमः २६।११ प्रदोषः
१०	शु	५३	२०	उ	३८	२५	प्री	५२	४	व	२६	१०	२	४८	१२	८	२३	२९	कन्यायां	भ. २६।१० उ. ५३।२० या.
११	श	४६	३५	ह	३३	४९	आ	४३	४७	ब	१९	५७	०	४८	१२	९	२४	३०	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्रतम्
१२	र	३९	११	चि	२८	१२	सौ	३४	४४	कौ	१२	५३	२५	४८	१२	१०	२५	१	तु. ३०	दिसम्बर १२ ता. ३१
१३	चं	३१	६	स्वा	२२	१५	शो	२५	४१	ग	५	८	५८	४९	११	११	२६	२	तुलायां	भ. ३१ उ. ५७ या. ज्येष्ठा. रविः ५० स्वात्यां ÷
१४	मं	२३	१	वि	१६	१	अ	१५	२३	श	२३	१	५९	४९	११	१२	२७	३	वृ. २।३४	ज्येष्ठा. रविः सौरः १३।४४
१५	बु	१५	१९	अ	१०	४	सु	५६	५१	ना	१५	१९	५३	४९	११	१३	२८	४	वृश्चिके	मूले धनुषि बुधः ४९।५९

३३ पं.मा.कृ.३ श.इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	३	६	२	१	७
७	१	१३	२४	६	३	१५	७
३७	११	१३	३	२२	३३	७	१२
२६	२८	२३	४	५	३६	५६	१
६०	३८	९८	३	५	३	३	६०
४२	५०	४०	२६	मा.	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

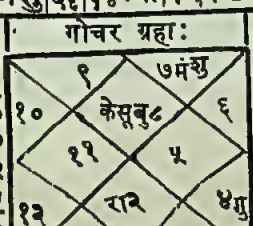

इस मास मे धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का आदि मंदे हो कर तेज होजावे धातु व रस घटबढ लेकर तेज होवें

गोचर ग्रहाः

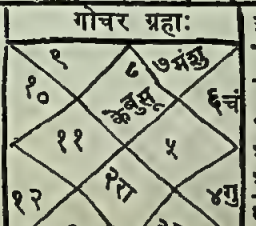

३४ पं.मा.कृ.११ श.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	३	६	२	१	७
१४	५	२४	२४	७	३	१४	१४
४२	४१	७	१२	५९	२	४५	१८
४०	१०	१६	४	१०	३५	४०	४७
६०	३८	९५	१	१८	१	३	६१
५०	४२	५९	२	२६	व.	११	३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८९६ स. २००२
१	गु	८	३४	ज्ये	४	५१	शू	४९	१३	ब	८	३४	२५/५१	६/५०	५/१०	१४	२९	५	ध.४।५१	
२	शु	३	१	मू	१/६	५६/४१	गं	४२	३५	कौ	३	१	४९	५०	१०	१५	३०	६	धनुषि	वक्री गुरुः ५१।२९ चंद्रदर्शनम्
३	श	१	२४	उ	५८	३३	बृ	३७	१८	ग	१	२४	४८	५०	१०	१६	१	७	म.१२।५९	भ. २९/३७ उ. ५७/५० या. बुधोदयः पश्चिमायाम् ×
४	श	५६	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[× ५०/१७ सन्ध्या [illegible]
५	र	५८	१०	श्र	६०	०	ध्रु	३३	४०	ब	२८	०	४६	५१	९	१७	२	८	मकरे	
६	चं	६०	०	श्र	०	१०	व्या	३२	३	कौ	२९	२४	४५	५१	९	१८	३	९	कुं ३२।५	चंपाषष्ठी
६	मं	०	३८	ध	४	०	ह	३१	१७	तै	०	३८	४४	५१	९	१९	४	१०	कुंभे	
७	बु	५	१०	श	९	२०	व	३२	१४	व	५	१०	४३	५१	९	२०	५	११	मी. ५९/२७	भ.५।१०उ.३७।४८ या.
८	गु	१०	२६	पू	१६	९	सि	३४	२७	ब	१०	२६	४२	५२	८	२१	६	१२	मीने	पूषा.बुधः २८।१८
९	शु	१६	४९	उ	२३	२८	व्य	३५	२९	कौ	१६	४९	४१	५२	८	२२	७	१३	मीने	
१०	श	२३	१९	रे	३१	२०	व	३८	२९	ग	२३	१९	४०	५२	८	२३	८	१४	मे.३१।२०	भ.५६।३४उ.
११	र	२९	५०	अ	३८	३७	प	४०	३०	वि	२९	५०	३९	५२	८	२४	९	१५	मेषे	भ. २९/५० या. मूले धनुष्यर्कः ५७/५५ मोक्षदा F
१२	चं	३५	३०	भ	४५	३१	शि	४२	१४	ब	२	४०	३९	५२	८	२५	१०	१६	मेषे	मूले. धनुष्यर्कः सौरः १७।३४
१३	मं	४०	४	कृ	५१	१	सि	४२	५०	कौ	७	४७	३८	५२	८	२६	११	१७	वृ.१।५३	प्रदोषः . [F ११ व्र. गीताजयंती
१४	बु	४३	२३	रो	५५	२६	सा	४२	३७	ग	११	४४	३८	५२	८	२७	१२	१८	वृषे	भ. ४३।२३ उ.
१५	गु	४५	२५	मृ	५८	३४	शु	४०	३८	वि	१४	२४	३७	५३	७	२८	१३	१९	मि. २६/५९	भ. १४।२४ या. दत्तजयंती

३५पं.मा. शु.३ श.इ. ५४/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	३	६	२	१	७
२१	१०	४	२४	११	२	१४	२१
४८	१०	५१	१२	१०	२९	२३	२६
४३	३४	१४	१८	३७	४२	२४	३१
६०	३८	९४	०/११	३०	४	३	६१
५६	४०	३४	व	२	३४	११	११

गोचर ग्रहाः

बु९ ७मंशु चं १० ८सूके ६ ११ ५ १२ रा२ गु४ १ श३

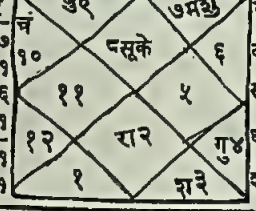

मार्गशीर्ष शुक्ले ११ रवौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

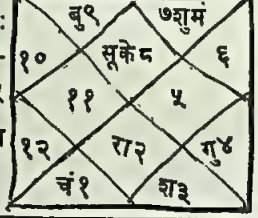

बु९ ७शुमं १० सूके८ ६ ११ ५ १२ रा२ गु४ चं१ श३

३६पं.मा.शु.१० श.इ. ५४/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	३	६	२	१	७
२८	१४	१५	२४	१५	१	१४	२८
५५	४०	२८	२	३३	५५	१	३५
३७	२०	५	३५	०	३४	९	१४
६१	३८	८९	१/४५	३९	४/४०	३	६१
०	२६	५	व.	२२	वं.	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग कृष्णेति महा.
१	शु	४६	६	आ	६०	०	शु	३८	५८	बा	१५	४६	२५/३७	६/५३	५/७	२९	१४	२०	मिथुने	विशा. शुक्रः ४४।२९
२	श	४५	४०	आ	०	३१	ब्र	३५	५५	तै	१५	५३	३६	५३	७	३०	१५	२१	क.४६।७	
३	र	४४	१	पु	१	१९	ऐं	३२	२६	व	१४	५०	३६	५३	७	१	१६	२२	कर्के	भ. १४/५० उ. ४४/१ या. भा. पौषारंभः
४	चं	४१	४३	पु	१	९	वै	२७	२५	ब	१२	५२	३६	५३	७	२	१७	२३	कर्के	उषा.बुधः २/४२ विशा.भौमः १२/६ चतुर्थी व्र.
५	मं	३८	३९	श्ले	०/१०	५८/२०	वि	२२	२	कौ	१०	११	३६	५३	७	३	१८	२४	सिं.०।१०	
६	बु	३५	३	पू	५६	२८	प्री	१६	१३	ग	६	५१	३७	५३	७	४	१९	२५	सिंहे	भ.३५।३ उ. मकरे बुधः २६।६
७	गु	३१	०	उ	५३	४६	आ	१०	५	वि	३	१	३७	५३	७	५	२०	२६	कं.१०।४७	भ.२।३१ या.
८	शु	२६	३१	ह	५०	३१	सौ	४/१३	५१/५३	कौ	२५	३१	३७	५३	७	६	२१	२७	कन्यायां	वक्री आश्लेषा.२गुरुः ३०/२८ रोहि.१राहुः ×
९	श	२१	१०	चि	४६	४१	अ	४८	३४	ग	२१	१०	३८	५२	८	७	२२	२८	तुं.१८।३६	भ.४८।२२उ. [× अनु.३केतुः५०।३९
१०	र	१५	३४	स्वा	४२	३७	सु	४०	४५	वि	१५	३४	३८	५२	८	८	२३	२९	तुलायां	भ. १५/३४ या.पूषा.रविः २/५५ (सौरः १९/१२)
११	चं	९	२६	वि	३७	११	धृ	३२	५०	बा	९	२६	३९	५२	८	९	२४	३०	वृ.२३।३२	सफला ११ व्रतम्
१२	मं	३	१६	अ	३३	४०	शू	२४	४९	तै	३	१६	४०	५२	८	१०	२५	३१	वृश्चिके	भ.५७।१३उ.प्रदोषः
१३	मं	५३	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	बु	५१	३७	ज्ये	२९	३९	गं	१६	३३	वि	२४	२५	४१	५२	८	११	२६	१	ध.२९।३९	भ. २४/२५ या.वृश्चिके शुक्रः २७/४१ जनवरी १ A
३०	गु	४६	४६	मू	२६	२०	वृ	९	८	च	१९	११	४२	५२	८	१२	२७	२	धनुषि	[A ता. ३१ सन् २००३ ई.

३७ पं.पौ.कृ.२श.इ. ५४/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	३	६	२	१	८
६	१९	२५	२३	२०	१	१३	५
३	१०	१९	४२	५३	२०	३८	४४
१४	१२	२३	११	५६	४२	५३	३९
६१	३८	७०	१/३	४६	४/४०	३	६१
४	२३	४१	व.	१३	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

१० ८के ११ बुसू९ ७शुमं १२ ६ १ श३ ५ रा२ ४चंगु

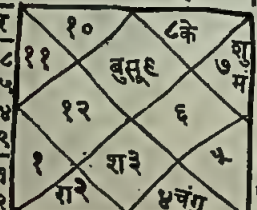

पौष शुक्ले ११ भौमे मकरऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

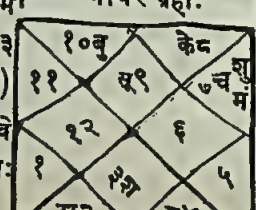

१०बु के८ ११ सू९ ७चशुमं १२ ६ १ ३श ५ रा२ गु४

३८पं.पौ.कृ.९ श.इ. ५४/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	३	६	२	१	८
१३	२३	२	२३	२६	०	१३	१२
११	४२	४४	१३	५६	४६	१६	५४
१३	१४	२४	५९	५३	३४	३८	३१
६१	३८	४७	१/१९	५१	४/२८	३	६१
६	२२	२३	व.	२८	व.	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेहर्गणः३९२५सन्२००३
१	शु	४३	११	पू	२३	५२	ध्रु	२/३४	५३/४१	किं	१४	५८	२५/४३	६/५१	५/९	१३	२८	३	म.३८।४०	वक्री बुधः २३।४३
२	श	४१	२३	उ	२३	४	ह	५२	४७	बा	१२	१७	४४	५१	९	१४	२९	४	मकरे	अनु.शुक्रः४२।२८ चंद्रदर्शनम्
३	र	४१	७	श्र	२३	४७	व	४९	४९	तै	११	१५	४५	५१	९	१५	१	५	कुं.५५।७	बुधास्तःपश्चिमायां २५।१९ जिल्काद ११
४	चं	४३	७	ध	२६	२६	सि	४८	२३	व	१२	७	४७	५१	९	१६	२	६	कुंभे	भ.१२।७उ.४३।७यां.
५	मं	४६	३५	श	३१	४	व्य	४८	२९	ब	१४	५१	४८	५०	१०	१७	३	७	कुम्भे	वृश्चिके भौमः४०।४७
६	बु	५१	२५	पू	३७	०	व	४९	४०	कौ	१९	०	५०	५०	१०	१८	४	८	मी.३०/३१	वक्री मृग.२वृषे शनिः १३।१८
७	गु	५७	५०	उ	४३	५०	प	५१	२१	ग	२४	३८	५२	५०	१०	१९	५	९	मीने	भ.५७।५० उ.
८	शु	६०	०	रे	५१	२४	शि	५३	३५	वि	३०	५४	५३	४९	११	२०	६	१०	मे.५१।२४	भ.३०।५४ या.वक्री धनुषि बुधः३।२१
८	श	३	५८	अ	५८	४७	सि	५६	४८	ब	३	५८	५५	४९	११	२१	७	११	मेषे	उषा.रविः७।४० (सौरः२०।३९)
९	र	१०	४१	भ	६०	०	सा	५७	३५	कौ	१०	४१	५७	४९	११	२२	८	१२	मेषे	वक्री पूषा.बुधः११।९अनु.भौमः४९।७
१०	चं	१६	३४	भ	५	५३	शु	५८	४१	ग	१६	३४	५९	४८	१२	२३	९	१३	वृ.२२।२४	भ.४८।५५उ.
११	मं	२१	१७	कृ	११	५८	शु	५८	४०	वि	२१	१७	२६/१	४८	१२	२४	१०	१४	वृषे	भ.२१/१७या.मकरेऽर्कः२४/४(सौरः३६/६)×
१२	बु	२४	२८	रो	१६	३७	ब्र	५७	२९	बा	२४	२८	४	४७	१३	२५	११	१५	मि. ४८/१४	प्रदोषः [×पुत्रदा ११ व्र.
१३	गु	२६	५	मृ	१९	५०	ऐं	५५	२	तै	२६	५	६	४७	१३	२६	१२	१६	मिथुने	
१४	शु	२६	२	आ	२१	१३	वै	५१	१०	व	२६	२	८	४६	१४	२७	१३	१७	मिथुने	भ.२६।२उ.५५/१३या.ज्येष्ठा.शुक्रः४५/४७÷
१५	श	२४	२३	पु	२१	१०	वि	४७	२२	ब	२४	२३	११	४६	१४	२८	१४	१८	क.६।११	माघस्नान प्रारंभः [÷बुधोदयःपूर्वस्यां४०/२०

३९पं.पौ.शु. २श.इ.५४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	३	७	२	१	८
२०	२८	४	२२	३	०	१२	२०
१९	१३	४	३८	३०	१३	५४	४
२६	४१	५२	१७	५४	४८	२२	२८
६१	३८	२६/२७	५/३२	५५	४/१०	३	६१
६	१९	व.	व.	४८	व.	११	२६

१० बु.शु. ९ सू ८ शु.बु. ११ मं७ १२ ६ १ श३ ५ २रा ४बृ

४०पं. पौ.शु.८ श. इ.५४।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	३	७	१	१	८
२७	२	२७	२१	१०	२९	१२	२७
२७	४५	६	५४	३०	४४	३२	१४
२२	७	३६	४७	४७	३५	६	२०
६१	३८	९३/५४	६/२७	५८	३/५२	३	६१
६	५	व	वे.	५१	व.	११	२४

११ ९बु शु मंके ८ १२ १०सू १ ७ रा श२ ४चंवृ ६ ३ ५

४१ पं.पौ.शु.१५श.इ. ५४/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	३	७	१	१	९
४	७	१९	२१	१७	२९	१२	४
३५	१६	२७	५	५०	१७	९	२३
१३	१	४	२०	१७	५६	५१	४९
६१	३७	४३/१०	७/१९	६१	३/२३	३	६१
३	४६	वं	व.	४३	व.	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	२१	२४	पु	१९	५४	प्री	४०	३७	कौ	२१	२४	२६/१३	६/४५	५/१५	२९	१५	१९	कर्के	
२	चं	१७	३५	श्ले	१७	४३	आ	३४	१३	ग	१७	३५	१६	४५	१५	३०	१६	२०	सिं १७/४३	भ.४५/१२उ.अभि.प्र.रविः५६।३४
३	मं	१२	५०	म	१४	३८	सौ	२७	१४	वि	१२	५०	१९	४४	१६	१	१७	२१	सिंहे	भ.१२/५०या.अभि.प्र.रविःसौरः७।२७×
४	बु	७	५०	पू	११	२३	शो	२०	३	बा	७	५०	२१	४४	१६	२	१८	२२	कं. २५/३१	[×माघारंभः चतुर्थी व्र.
५	गु	२	४७	उ	७	५	अ	१३	४९	तै	२	४७	२४	४३	१७	३	१९	२३	कन्यायां	भ.५७।४८उ.मार्गीबुधः ५२।२१
६	गु	५५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	शु	५२	३१	ह	४	२७	सु	५/३२	५२/३८	वि	२५	३९	२७	४३	१७	४	२०	२४	तु ३२।४१	भ. २५।३९या.श्रवणेरविः१३/११(सौरः२३/२३)
८	श	४७	४०	चि	०/५५	५६/४९	शू	५१	४	बा	२०	५	२९	४२	१८	५	२१	२५	तुलायां	अभि.नि.रविः५/२६ (सौरः१५।४०)
९	र	४२	३६	वि	५४	३६	गं	४४	१	तै	१५	८	३२	४२	१८	६	२२	२६	वृ.४०।२३	
१०	चं	३७	५८	अ	५१	३७	बृ	३६	३८	व	१०	१७	३५	४१	१९	७	२३	२७	वृश्चिके	भ.१०/१७उ.३७/५८या.वक्री आश्लेषा.१गुरुः २५/४०
११	मं	३३	३१	ज्ये	४९	१	ध्रु	३०	३७	ब	५	४७	३८	४०	२०	८	२४	२८	ध.४९।१	षट्तिला ११ व्रतम्
१२	बु	२९	४१	मू	४७	१	व्या	२४	२९	कौ	१	३९	४१	४०	२०	९	२५	२९	धनुषि	मूले धनुषि शुक्रः५९।४९
१३	गु	२६	२९	पू	४५	३८	ह	१८	५९	व	२६	२९	४५	३९	२१	१०	२६	३०	धनुषि	भ.२६।२९उ.५५/१७या. प्रदोषः
१४	शु	२४	५	उ	४५	२८	व	१४	८	श	२४	५	४८	३८	२२	११	२७	३१	म. ०।३५	
३०	श	२३	५	श्र	४६	३४	सि	१०	१६	ना	२३	५	५१	३८	२२	१२	२८	१	मकरे	फरवरी २ ता० २८

४२ पं. मा. कृ. ८श. इ. ५४/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	३	७	१	१	९
११	११	१८	२०	२५	२८	११	११
४२	४६	५२	१२	२४	५५	४७	३२
४०	३०	३०	०	२२	३७	३५	४०
६०	३७	१७/३८	५/५२	६३	२/४७	३	६१
५९	३३	मा	व	४३	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

११ ९बु १२ १०सू ८क शु मं १ चं७ श२ रा ४गु ६ ३ ५

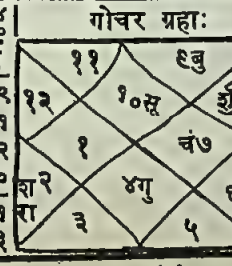

यत्र मासे रवेर्वाराः जायते पंच सन्ततम् । दुर्भिक्षं छत्रभंगश्च तथास्ते च महद्भयम इस मास में धान्य रस धातु तेज हो प्रजा में रोग शोक हो ।

गोचर ग्रहाः

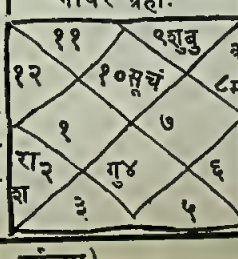

११ ९शुबु क १२ १०सूचं ८मं १ ७ रा२ श गु४ ६ ३ ५

४३पं. मा. कृ. ३०श.इ. ५४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	३	८	१	१	९
१८	१६	२३	१९	३	२८	११	१८
४९	१७	३५	१६	९	३७	२५	४०
१६	१०	४९	१९	५४	४४	२०	४४
६०	३७	४८	७/५०	६५	२/७	३	६१
५५	३९	३८	व.	१८	व.	११	४

ति.	माघ	शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गणः ३९५५स.२००३
१	र	२३ १३ ध ४८ ५९ व्य ७ १४ ब	२३ १३	२६ ५४	३ ६	५ २३	१३	२९	२	कुं. १५ ज्येष्ठा. भौमः ३०।४०
२	चं	२५ २५ श ५२ ५३ व ५ ५८ कौ	२५ २५	५८	३६	२४	१४	३०	३	कुम्भे चंद्रदर्शनम्
३	मं	२८ २५ पू ५८ २१ प ५ १७ ग	२८ २५	२७ १	३६	२४	१५	१	४	मी. ५१ जिल्हेज १२
४	बु	३३ २२ उ ६० ० शि ५ ४० व	० ५३	५	३५	२५	१६	२	५	मीने भ.५३ उ.२३ या. उषा. बुधः ६।३
५	गु	३९ १५ उ ४ ४३ सि ७ ७ ब	६ १८	८	३४	२६	१७	३	६	मीने धनि. रविः ३१ (सौरः ३१) वसंत ५
६	शु	४५ २२ रे १२ ० सा ९ १६ कौ	१२ १८	१२	३४	२६	१८	४	७	मे १२।०
७	श	५२ २ अ १९ ३१ शु ११ ३१ ग	१८ ४२	१५	३३	२७	१९	५	८	मेषे भ.५३ उ. मकरे बुधः १।१६ भानु ७
८	र	५७ ५५ भ २७ ४ शु १३ ४९ वि	२४ ५८	१९	३२	२८	२०	६	९	वृ. ४३ भ.२४।५८ या. भीष्माष्टमी
९	चं	६० ० कृ ३३ ४३ ब १५ १९ बा	३० ३०	२३	३१	२९	२१	७	१०	वृषे पूषा. शुक्रः ५५।११
९	मं	३ ६ रो ३९ ४ ऐं १५ ५८ कौ	३ ६	२७	३१	२९	२२	८	११	वृषे
१०	बु	६ ४४ मृ ४३ ५ वै १५ ३८ ग	६ ४४	३०	३०	३०	२३	९	१२	मि. ११ भ.३७।४२ उ. कुं भेऽर्कः ५६।४५
११	गु	८ ४१ आ ४५ ५ वि १३ ४३ वि	८ ४१	३४	२९	३१	२४	१०	१३	मिथुने भ.४१ या. कुं भेऽर्कः सौरः ११ जया ११ व्र
१२	शु	८ ३८ पु ४५ १२ प्री १० २३ बा	८ ३८	३८	२८	३२	२५	११	१४	क. ३० प्रदोषः
१३	श	६ ४९ पु ४३ ३९ आ ३२ ५३ तै	६ ४९	४१	२८	३२	२६	१२	१५	कर्के श्रवणे बुधः ५६।४१
१४	र	३ ५४ श्ले ४० ४० शो २१ ५५ व	३ २	४५	२७	३३	२७	१३	१६	सिं. ४० भ.३ उ. ३८ या. मा. स्ना. पूर्तिः

४४ पं. मां.शु.७ श.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	३	८	१	१	९
२५	२०	१	१८	११	२८	११	२५
५५	४८	०	२०	५	२४	३	४७
१	२२	४३	२४	४६	२९	४	३१
६०	३७	२८	५९	६६	२९	३	६०
४७	२३	२९	व.	४३	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले १० बुधे कुंभऽर्कः प्रवृष्टःवा. २ न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४५ पं.मा.शु १३ श.इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	३	८	१	१	१०
२	२५	९	१७	१९	२८	१०	२
५९	१८	५७	२६	७	१६	४०	५३
४९	१४	१८	२१	५२	५२	४८	३४
६०	३७	८१	२३	६७	३०	३	६०
३७	१	३४	व.	५२	व.	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं २०५९ शाकः १९२४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः
१	चं ५१ ३७ म ३६ १० अ ४३ ५९ बा	२४ ४५	२७ ४९	२६	३४	२८	१४	१७	सिंहे
२	मं ४४ ४४ पू ३१ १० सु ३४ ४७ तै	१८ १०	५३	२५	३५	२९	१५	१८	कं. ४४ ५१
३	बु ३७ ४४ उ २५ ५५ धृ २६ २६ ब	११ १४	५६	२५	३५	३०	१६	१९	कन्यायां भ.११ उ.३५ या.शते रविः ३३ (सौरः ३९)
४	गु ३० ५० ह २१ ३२ शू १७ ५० ब	४ १७	२८ २०	२४	३६	१	१७	२०	तु.४८।४८ भा.फाल्गुनारंभः चतुर्थीव्र.
५	शु २४ १८ चि १६ ४ गं ९ २० तै	२४ १८	४	२३	३७	२	१८	२१	तुलायां
६	श १८ २६ स्वा ११ ५० वृ ३१ ५३ व	१८ २६	८	२२	३८	३	१९	२२	भ.३९ उ.४५ या.उषा.शुक्रः २३।२४वक्री× वृ. ५४
७	र १३ ४ वि ८ १८ व्या ४७ ३० ब	१३ ४	१२	२२	३८	४	२०	२३	मूले.धनुषि भौमः १५।४ [+श नि:४२।५७
८	चं ८ ४१ अ ५ ३७ ह ४१ १७ कौ	८ ४१	१६	२१	३९	५	२१	२४	[×पुष्य.४गुरुः ३४।२४ मार्गी + वृश्चिके
९	मं ५ १ ज्ये ३ ४५ व ३५ ५८ ग	५ १	२०	२०	४०	६	२२	२५	भ.३ उ.धनि.बुधः १८ मकरें शुक्रः ९।१
१०	बु २ १४ मू २ ४० सि ३१ २६ वि	२ १४	२४	१९	४१	७	२३	२६	ध.३।४५ भ.२।१४या.
११	गु ० २० पू २ ३८ व्य २७ ३४ बा	० २०	२८	१८	४२	८	२४	२७	धनुषि विजया. ११ व्रतस्
१२	शु ० २४ उ ३ २५ व २४ ३५ तै	० २४	३२	१८	४२	९	२५	२८	म. १७ भ.४१ उ.कृत्तिका.४राहुः ग्रपु२केतुः ४५ =
१३	शु ५९ १७ ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०	०	०	मकरे [=प्रदोषः
१४	श ६० ० श्र ५ २९ प २२ २५ वि	३० ९	३६	१७	४३	१०	२६	१	० भ.३१ या.कुंभे बुधः २९ मार्च ३ ता ३१
१४	र ० ३७ ध ८ २६ शि २१ ३० श	० ३७	४०	१६	४४	११	२७	२	कु. ३६ महाशिवरात्रि व्र.
२०	चं ३ १६ श १२ ३७ सि २० ५२ ना	३ १६	४४	१५	४५	१२	२८	३	कुंभे सोमवती ३०

४६ पं.फा.कृ. ६ श. इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	३	८	१	१	१०
१०	२९	१९	१६	२७	२८	१०	९
३	४७	५८	३७	१६	१४	१८	५८
२२	४२	८	४४	१२	२८	३३	७
६०	३६	२१	३७	६८	१	३	६०
२५	४१	२१	व.	५०	मा	११	३१

गोचर ग्रहाः

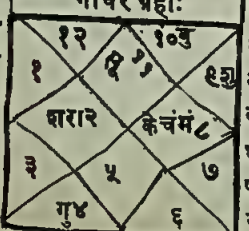

इस मास में चावल गेहूं जौ चना मक्का बाजरा रुई कपास वारदाना गुड़ तेल घृत सोना चांदी लोहा पाट में घटाबढ़ी हो, रुखतेजी का रहे।

गोचर ग्रहाः

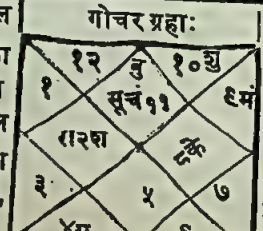

४७ पं.फा.कृ.१४ श.इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	३	९	१	१	१०
१७	४	०	१५	५	२८	९	१७
५	१६	५४	५२	२९	१८	५७	०
३५	५५	२२	२६	१०	४३	१७	५५
६०	३६	०	४३	६९	०	३	६०
१२	१०	३०	व.	३४	५४	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३६८५सन्२००३
१	मं ६ ५१ पू १७ ४८ सा २१ २८ व ६ ५१ ३८	६	५	१३	२६	४	मी.१।३१	पूभा. रवि:४६।७(सौर:५३)चंद्रदर्शनम्
२	बु ११ ४४ उ २४ १३ शु २१ ५३ कौ ११ ४४ ५२	१४	४६	१४	३०	५	मीने	शते बुधः२१।३६श्रवणे शुक्रः४३।४८=
३	गु १७ १४ रे ३१ ५ शु २४ ४२ ग १७ १४ ५६	१३	४७	१५	१	६	मे.३१।५	भ.५०।२६उ.बुधा स्तःपूर्वस्यां५६।१७
४	शु २३ ४५ अ ३८ ४० ब्र २६ ५३ वि २३ ४५ २९	१२	४८	१६	२	७	मेषे	भ.२३या. [Aमीने बुधः२४।८छारेंडी
५	श ३० ७ भ ४६ २७ ऐं २६ २७ कौ ३० ७ ५	११	४९	१७	३	८	मेषे	[×पातमोक्षः३०।४७फुलरिया२
६	र ३६ ३२ कृ ५३ ४५ वै ३१ ४६ बा ३ १६ ९	१०	५०	१८	४	९	वृ. ३।१६	[=मोहोरम१सन्१४२४पातस्पर्शः१९।०×
७	चं ४२ १७ रो ६० ० वि ३३ ८ ग ९ २५ १३	९	५१	१९	५	१०	वृषे	भ.४२।१७उ.
८	मं ४६ २६ रो ० २ प्री ३३ २२ वि १४ २२ १७	९	५१	२०	६	११	मि.३३	भ.१४।२२या.होलाष्टकः
९	बु ४९ १६ मृ ५ ११ आ ३३ ६ बा १७ ५० २१	८	५२	२१	७	१२	मिथुने	[+५०।०(सौर:५३।४१)आमलकी११व्र.
१०	गु ५१ ५ आ ८ ३४ सौ ३० ५० तै २० १० २६	७	५३	२२	८	१३	क.५४।४०	पूभा.बुधः१०।३६
११	शु ४९ ५२ पु १० २ शो २७ १ व २० २९ ३०	६	५४	२३	९	१४	कर्के	भ.२०।२९उ.४४९।५२या.मीनेऽर्कः+
१२	श ४५ ३२ पु ९ १४ अ २१ ५३ ब १७ ४२ ३४	५	५५	२४	१०	१५	कर्के	[B०।३८होलिकादहनंभद्रापुच्छे
१३	र ३९ १९ श्ले ६ ४७ सु १४ ४३ कौ १२ २५ ३८	४	५६	२५	११	१६	सिं.६।४७	पूषा.भौमः९।४प्रदोषः
१४	चं ३३ ३२ म २९ ५४ धृ २६ ५७ ग ६ २५ ४३	३	५७	२६	१२	१७	सिंहे	भ.३३।३२उ.५९।३१या.धनि.शुक्रःB
१५	मं २५ ३० उ ५० ९ गं ४७ १४ ब २५ ३० ४७	३	५७	२७	१३	१८	कं.१०।१६	उभा.रवि:११।४(सौर:१४।१७)A

४८पं.फा.शु.५श.इ.५५।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	३	९	१	१	११०
२४	८	१२	१५	१३	२८	९	२४
६	४५	४२	१५	४४	२७	३४	२
२२	५४	४३	४३	३८	४३	२	२२
५९	३५	०८	३४	७०	१	३	६०
५८	५३	२६	व.	१७	३५	११	६

गोचर ग्रहाः

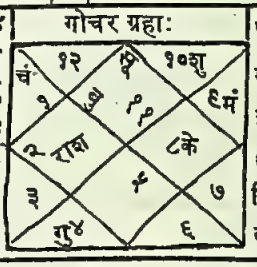

फाल्गुन शुक्ले ११ शुक्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३०धान्या दि भावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४९पं.फा.शु.१२श.इ.५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	३	९	१	१	११
१	१३	२५	१४	२२	२८	९	१
५	१२	१६	४६	३	४२	११	२
३५	११	२०	५२	२९	७	४६	०४
५९	३५	४८	२९	७०	२	३	५९
४१	३७	४९	व.	५५	१५	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फा. कृष्णेति महा.
१	बु १६ ५५ ह ४३ १६ बृ ३७ ४ कौ १६ ५५ ५९	६	५८	२८	१४	१९	कन्यायां	वसंत१
२	गु ८ ३७ चि ३६ ३२ ध्रु २६ ५९ ग ८ ३७ ५५	५	५९	२९	१५	२०	तु.९।५४	भ.३४।०उ.५९।२४या.उभा.बुधः३।५१
३	गु ५० ४७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	
४	शु ५१ ३५ स्वा ३० १६ ज्या १७ ७ ब २५ २९ ३०	६	०	३०	१६	२१	तुलायां	चतुर्थीव्रतम्
५	श ४४ ३४ वि २४ ५८ ह ८ २७ कौ १८ ५ ४	५९	१	१	१७	२२	वृ.२१	कुंभशुक्रः३५।२९भा.चैत्रारंभः
६	र ३८ ५२ अ २० ५१ व २७ ५३ ग ११ ४३ ८	५८	२	२	१८	२३	वृश्चिके	भ.३८।५२उ.
७	चं ३४ २१ ज्ये १८ ५ व्य ४७ ४२ वि ६ ३४ १२	५८	२	३	१९	२४	ध.१८।५	भ:६।३४या.शीतलापूजनम्
८	मं ३१ ३४ मू १६ ४४ व ४३ ७ बा २ ५८ १६	५७	३	४	२०	२५	धनुषि	
९	बु २९ ५२ पू १६ ३९ प ३९ २६ ग २९ ५२ २१	५६	४	५	२१	२६	म.५९	भ.५९।५२उ.रेवत्यां बुधः४४।९
१०	गु २९ ५२ उ १७ ४७ शि ३७ ७ वि २९ ५२ २५	५५	५	६	२२	२७	मकरे	भ.२९।५२या.
११	शु ३० ३५ श्र २० ३१ सि ३५ ३२ व ० ५ २९	५४	६	७	२३	२८	कुं.५२	शते शुक्रः१०।५पापमोचनी११व्र.
१२	श ३२ ४० ध २४ ११ सा ३५ ७ कौ १ ३७ ३३	५३	७	८	२४	२९	कुम्भे	[÷(सौर:४१।४४)
१३	र ३६ ११ श २९ ३ शु ३५ २२ ग ४ २५ ३७	५३	७	९	२५	३०	कुम्भे	भ.३६।११उ.प्रदोषः
१४	चं ४० २५ पू ३४ ३८ शु ३६ १४ वि ८ १८ ४१	५२	८	१०	२६	३१	मी.१८	भ.८।१८या.रेवत्यां रविः३८।४३÷
३०	मं ४५ ३२ उ ४१ १३ ब्र ३७ ४४ च १२ ५८ ४५	५१	९	११	२७	१	मीनं	मार्गीगुरुः४९।५१अप्रेल४ता.३०मन्वादिः

५० पं.चै.कृ.५श.इ.५६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	३	१०	१	१	११
८	१७	९	१४	०	२९	८	७
३	३५	४	२५	२४	०	४९	५९
१८	१६	३०	४१	४३	५०	३०	५९
५९	२४	०८	३४	७१	२	३	५९
२९	५७	५४	व.	१३	५५	११	३५

गोचर ग्रहाः

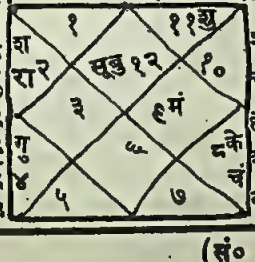

इस मास में कुंभ का शुक्र धान्य सोना चांदी रुई पाट में मंदी हो प्रजा में सुख शान्ति रहे कहीं २ वर्षा भी हो।

गोचर ग्रहाः

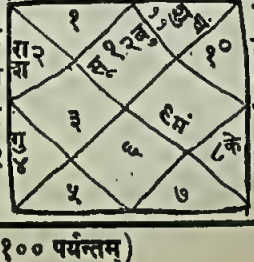

५१पं.चै.कृ.१२श.इ.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	३	१०	१	१	११
१४	२१	२३	१४	८	२९	८	१४
५९	५९	१८	१३	४७	२६	२७	५६
१०	३८	२२	२६	२८	२	१५	७
५९	३४	२९	०९	७१	३	३	५९
१६	३४	०९	व.	४८	३५	११	१८

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०४ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०४ भोग्यकलिः ४२६८९६ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६० शाकः १९२५ अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः। मंत्री चंद्रः। सस्येशोबुधः। धान्येशो भौमः। मेघेशो रविः। रसेशःशुक्रः। नीरसेशो बुधः। फलेशो रविः। धनेशोबुधः। दुर्गेशो रविः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १० दुर्मुखनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १०।१५।४४।३८ भोग्यमासादिः१।१४।१३।२२ ग्रहिबुध्न्यदैवतं युगम्। वर्षनाम पौषः। मेघनाम द्रोणः। रोहिणीनिवासः समुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे। समयविश्वा १२ समयवाहनम् सिंचाणुः। स्तंभाः३ जलतृणवायूनां। सोमवत्यमाः नैव सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी नैव भानुसप्तमी २ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३५२ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः ९ उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा ५ धान्यम् १३ तृणम् ९ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १०७ सत्यम् ॥ धर्म १॥ पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहणे २ चंद्रसूर्ययोः।

संवत् २०६० ज्येष्ठ कृष्णे ३० शनौ खण्डग्रास सूर्यग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
उज्ज. घ.	२	४	५
मध्य प.	४४	५६	१०
रेल्वे घ.	७	८	८
टा. मि.	३३	२५	३१

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ८।५

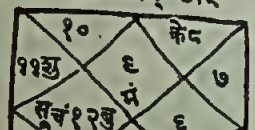

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जननी जगदंबा सुणो भैरव प्रश्न विनीत।
साल साठं अब आइया हाल कहो कर प्रीत॥

भवानी उत्तर

बुध राजा मंत्री शशी पिता पुत्र को योग।
नदियां बहे उतावली जनता भोगे भोग॥
द्रोण नाम है मेघ का रोहिणी सागर बास।
स्तंभ तीन है वर्ष में पूरण हो सब आस॥
धान्याधिप कुज धान्य में घटाबढी की चाल।
कइ एक माल कमायसी कइ एक हो पैमाल॥
सरांसरी संवत् हुवे वर्षा विश्वा पांच।
ईश भजन से सुख मिले भैरव समझो सांच॥

संवत् २०६० कार्तिक शुक्ले १५ शनौ अर्द्धरात्रि पश्चाद् ग्रस्तास्त खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
उज्ज घं.	५६	५९	०	१	५
मध्य प.	२३	५८	५२	४६	२१
रे. घं.	५	६	६	७	८
टा. मि.	०	२६	४८	९	३५

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् २।२१

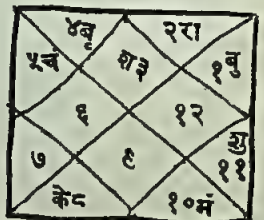

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४१।० केतकीमतेन वेंकसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५३।२०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् । बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्यविवाहमंगलम् । प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धनधान्यसंकुलम् ।। मंत्री चंद्रःफलम् ।। शशिनि मंत्रि गते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाःसुखराशि सुशोभिताः।। सस्येशो बुधस्तत्फलम् ।। जलधरा जलराशिमुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणःस्तुतिपाठकरः सदा प्रथम सस्यपतौ सति बोधने ।। धान्येशो भौमः फलम् ।। भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्यमहर्घकम् ।। शालीक्षुघृततैलादिमहर्घाणि भवंति च। मेघेशो रविः फलम्।। जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनता रसम् । यवचनेक्षुनिवारसुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषितमानसाः। सुखसुभिक्षसमोदवती धरा धरणिपा हत पापगणाः प्रियाः । नीरसेशो बुधः फलम् ।। चित्रवस्त्रादिकञ्चैव शंखचंदनपूर्वकम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ।। फलेशो रविः फलम्।। द्रुमवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फलभोगविरोधतः । बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः।। धनेशो बुधः फलम्।। द्रविणपो हिमरश्मिसुतो यदा विविधसंग्रहवस्तु फला तदा ।। द्विजवरा जपयज्ञसुसंयुताः कृषिविशेषविशेषितमानसाः ॥ दुर्गेशो रविःफलम् ।। नयविशेष करस्तरणिस्तदा गतभया नरराजपुरोगमाः । समधिकेन तदा नृपतोऽन्यतः पथिषु संव्रजतां न भयं क्वचित् ॥ दुर्मुखनाम संवत्सरः फलम् ॥ दुर्मुखाब्दे मध्यवृष्टि रीतिचौराकुला धरा । महावैरा महीनाथा वीरवारणवाजिभिः॥ वर्षनाम पौषः फलम् ॥ ज्वररोगक्षुधार्ताश्च नाना जनपदाः सदा । महर्घं तु त्रयोमासाः पौषे स्वास्थ्यं ततः परं॥ मेघनाम द्रोणः फलम् ॥ द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहि. वासः समुद्रे फलम् । समुद्रे तु महावृष्टिः । समयनिवासो माली गृहे फलम् । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०६० मध्ये विवाहमूहूर्ताः

चैत्र मासः ।

शु. १२ चंद्रे उफा. ल. १२ रे. ८ऽ।।ऽ।।।।।

वैशाख मासः ।

कृ. १ गुरौ स्वा. ल. ११ रे. ७।।।।ऽ।ऽऽ।।

,, ४ रवौ मूले ल. ११।१२ रे. ६।।।।ऽऽचोऽऽ।।

शु.११ चंद्रे हस्ते ल. १२ रे.८ऽ।।।।ऽ।।।चंद्रोऽत्रसप्तमेपूज्यः

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ३ रवौ मूले ल.१२ रे. ७।।।।ऽ।ऽ।ऽदग्धा.

,, ११ चंद्रे रेवत्यां ल.अन्यगो. सोग्रांगः११।१ रे. ७।।।।।
ऽअऽऽ।।मेषे भौम १० पूज्यः

शु. ६ शुक्रे मघा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १ रे.७।।।।ऽ।ऽऽ।।

,, ८ रवौ उफा. ल. गो. सोग्रांगः १२ रे. ९।।।।।।।ऽ।।
मीने चं. ७ पू.

,, ११ बुधे स्वा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १ रे. ८।।।।।ऽरो
ऽ।।मेषे चंद्र ७ पूज्यः

,, १५ शनौ मूले ल. १२।१ रे. ६ ।।।।ऽऽ अ. ऽऽ।।

आषाढ मासः ।

कृ. ७ शनौ उभा. ल. अन्यगो. रे. ६ ऽ।।।।ऽऽ।ऽदग्धादोषः
आवश्यके

,, ८ रवौ रेवत्यां ल. अन्यगो. १ रे. ६ऽ।।।।ऽचो. ऽऽ।।मषे
चौरपंचका ऽ भावः रेखा७

शु. ४ गुरौ मघा. ल. १ रे. ७।।।।ऽरो. ऽऽ।।
अग्र मार्गशीर्षादिमासेषु सिंहस्थ गुरुदोषः।
सिंहस्थगुरौ वर्ज्यकर्माणि-

उद्यानचूडा व्रतबंधदीक्षा विवाहयात्रादि वधूप्रवेशम्।
तडागकूपत्रिदशप्रतिष्ठा बृहस्पतौ सिंहगते न कुर्यात्।।

ति.	श्री	चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५				वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततु रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०१४स.२००३
१	बु	५०	४०	रे	४८	१०	ऐं	४०	२१	किं	१८	५	३९ ५० १० ६ १२ २८ २ मे.४८।१० अश्वि.मेषेबुधः३७।३७संवत्सरारंभः×
२	गु	५७	३८	अ	५५	१४	वै	४२	१	बा	२४	०९	५३ ४९ ११ १३ २९ ३ मेषे चंद्रदर्शनम् सिंधारा [×नवरात्रा.
३	शु	६०	०	भ	६०	०	वि	४४	२६	तै	३०	५१	५७ ४९ ११ १४ १ ४ मेषे बुधोदयः पश्चिमायाम्५।२सफर२=
३	श	४	२	भ	३	१७	प्री	४६	३८	ग	४	२	३१ ४८ १२ १५ २ ५ वृ.२०।१२ भ.३७।१४उ. [=गणगौरी मत्स्यजयंती
४	र	१०	२६	कृ	१०	५५	आ	४८	३६	वि	१०	२६	५ ४७ १३ १६ ३ ६ वृषे भ.१०।२६या.उषा.भौमः३०।२०
५	चं	१६	८	रो	१७	४३	सौ	५०	२०	बा	१६	८	१० ४६ १४ १७ ४ ७ मि. ५० ४१ मृग.३मिथुने शनिः१७।२०
६	मं	२०	५८	मृ	२३	३९	शो	५०	३२	तै	२०	५८	१४ ४५ १५ १८ ५ ८ मिथुने पूभा.शुक्रः१७।१२
७	बु	२४	३७	आ	२८	२०	आ	४९	५०	व	२४	३७	१८ ४४ १६ १९ ६ ९ मिथुने भ.२४।३७उ.५५।२८या.भरण्यां÷
८	गु	२६	१८	पु	३१	२४	सु	४७	३३	ब	२६	१८	२२ ४४ १६ २० ७ १० क.३८ [+पातस्पर्शः७।५२पातमोक्षः१७।४७–
९	शु	२६	२०	पु	३२	३२	धृ	४३	४६	कौ	२६	२०	२६ ४३ १७ २१ ८ ११ कर्के मकरे भौमः३७।५१रामनवमी
१०	श	२४	२०	श्ले	३१	३५	शू	३८	२०	ग	२४	२०	३० ४२ १८ २२ ९ १२ सिं. ३५ [÷बुधः२९।५४
११	र	२०	१९	म	२८	४७	गं	३१	१७	वि	२०	१९	३४ ४१ १९ २३ १० १३ सिंहे भ.२०।१९या.कामदा११व्रतम्
१२	चं	१४	११	पू	२३	५६	धृ	२२	४९	बा	१४	११	३८ ४० २० २४ ११ १४ कं. ३९ अश्वि.मेषेऽर्कः१२।४४(सौरः१६।१७)+
१३	मं	६	३६	उ	१७	५५	ध्रु	१३	११	तै	६	३६	४२ ४० २० २५ १२ १५ कन्यायां भ.५७।४४उ. [–प्रदोषः
१४	मं	५१	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ० [Aहनुमज्जयंती
१५	बु	४७	५८	ह	१०	४१	व्या	४१	४९ १४	वि	२२	५२	४६ ३९ २१ २६ १३ १६ तु.३६।५० भ.२२।५२या.मीने शुक्रः३५।३३A

५२गं.चै.शु.३श.इ.५६।५६								गोचरग्रहाः	चैत्र शुक्ले १२ चंद्रे मेषेऽर्क प्रविष्ट. वा.४ न४कुमार्यवस्थाबैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्	गोचर ग्रहाः	१पं.चै.शु.१२चं.इ:१२।४२							
	मं	बु	गु	शु	श	रा	र				र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	०	३	१०	१	१	११	१बु ११शु चं शरा२ १२सू १० ३ मं९ ४गु ६ ८के ५ ७		२रा ५ १२ ३श केतु ११शु ४गु १०मं ५चं ७ ९ ६ ८के	०	९	०	३	१०	२	१	११
२१	२६	६	१४	१७	२९	८	२१				०	१	१९	१४	२७	०	७	२९
५३	२१	५७	१०	११	५४	४	५०				०	२५	२८	२१	७	३१	३८	५६
३१	११	५८	५	२४	१८	५९	१८				०	५	१६	४	१९	५	५५	३०
५९	३३	०९	४०	७२	४	३	५९				५८	३२	७५	२	७२	४	३	५८
४	४८	५९	मा.	७	१५	११	४				४४	५८	२८	१४	३२	५०	११	४५

ति	वैशाखकृष्णपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५								वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वसंततु रविरुत्तरे चैत्र कृष्णोक्ति महाः
१	गु	३८	५	चि	३०	५३	व	४१	४२	बा	१३	२	३१ ५० ३८ २३ ६		२७	१४	१७	तुलायां [÷बुधास्तःपश्चिमायाम्५९।४३=
२	शु	२८	२३	वि	४७	५०	सि	३०	२९	तै	३	१४	५३	३७	२३	२८	१५	१८	वृ.३४।३९ भ.५३।५३उ.
३	श	१९	२४	अ	४१	३२	व्य	२०	३५	वि	१९	२४	५७	३७	२३	२९	१६	१९	वृश्चिके भ.१९।२४या.उभा.शुक्रः२२।१९×
४	र	११	४२	ज्ये	३६	४०	व	११	५९	बा	११	४२	३२	३६	२४	३०	१७	२०	ध ३६।४०
५	चं	५	२५	मू	३३	२८	प	२९	४३	तै	५	२५	५	३५	२५	१	१८	२१	धनुषि भा.वैशाखारंभः [×चतुर्थी व्र.
६	मं	१	९	पू	३२	०	सि	५३	५८	व	१	९	९	३४	२६	२	१९	२२	म.४७।५ भ.१।९उ.२९।५५या.
७	मं	५७	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
८	बु	५७	४८	उ	३२	२३	सा	५०	५७	बा	२८	८	१३	३४	२६	३	२०	२३	मकरे कृत्ति.बुधः४६।२९
९	गु	५८	४७	श्र	३४	३६	शु	४९	१९	तै	२८	११	१६	३३	२७	४	२१	२४	मकरे
१०	शु	६०	०	ध	३८	१०	शु	४८	५३	व	२९	५८	२०	३२	२८	५	२२	२५	कुं. ६।२३ भ.२९।५८उ.वक्रीबुधः४६।५१
१०	श	१	८	श	४३	२६	ब्र	४९	३८	वि	१	८	२३	३१	२९	६	२३	२६	कुंभे भ.१।८या.
११	र	५	५	पू	४९	२४	ऐं	५०	४९	बा	५	५	२७	३१	२९	७	२४	२७	मी.३५ भरण्यां रविः५२।५७(सौरः५७।४२)÷
१२	चं	९	५४	उ	५६	२८	वै	५२	४७	तै	९	५४	३१	३०	३०	८	२५	२८	वक्री भरण्यां बुधः४०।९श्रवणेभौमः+
१३	मं	१५	५३	रे	६०	०	वि	५४	५९	व	१५	५३	३४	३१	२९	९	२६	२९	मीने भ.१५।५३उ.४८।४१या.
१४	बु	२१	२९	रे	३	२६	प्री	५७	१३	श	२१	२९	२८	२८	३२	१०	२७	३०	मीन रेवत्यां शुक्रः२३।१०[=वरूथिनी११ व्र.
३०	गु	२७	५६	अ	११	७	आ	५९	३८	ना	२७	५६	४१	२८	३२	११	२८	१	मे.३।२६ मेषे मईपता.३१ [+३६।५१प्रदोषः

२पं.वै.कृ.५चं.इ.२।५६								गोचर ग्रहाः	इस मास में जौ गेहूं चना बाजरा कपास मंदा चांदी स्वर्ण घृत तैल रुई रंग तेज प्रजा में कही २ रोग पीडा हो।	गोचर ग्रहाः	३पं.वै.कृ.१२चं.इ.१३।१६							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र				र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	११	२	१	०	रा२ १२शु श३ सू१बु ११ केतु मं१० ५ ७ ९ ६ चं८ ८के		रा२ १२चंशु श३ १बुसू ११ केतु १०मं ५ ७ ९ ६ ८के	०	९	०	३	११	२	१	०
६	५	२५	१४	५	१	७	६				१३	९	२६	१५	१४	१	६	१३
५०	२९	२७	३९	३४	८	१६	४६				३९	४७	३३	५	१	४९	५४	३५
४२	७	१४	७	१६	४९	३९	४१				४७	४६	११	१०	२३	५२	२३	६
५८	३२	२८	३	७२	५	३	५८				५८	३१	३५	४	७३	५	३	५८
३१	१६	२६	३८	५०	१७	११	२९				१९	८	व.	४७	१०	४५	११	१२

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः स० २०६० शाकः १९२५												दि	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४०४४सन्२००३
१	शु	३३	५८	भ	१८	३७	सौ	६०	०	किं	०	५६	३२/४५	५/२७	६/३३	१२	२९	२	वृ.३५।२७	कृतिका. ३राहुः अनु.१केतुः४५।१३
२	श	४०	०	कृ	२५	५९	सौ	२	१	बा	६	५८	४८	२६	३४	१३	३०	३	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	र	४५	२२	रो	३२	४९	शा	३	५८	तै	१२	४१	५२	२६	३४	१४	१	४	वृषे	रविलावल ३ परशुरामजयंती अक्षया३
४	चं	४९	५०	मृ	३८	५५	अ	५	१७	व	१७	३६	५५	२५	३५	१५	२	५	मि. ५/५२	भ १७।३६ उ. ४९।५०या.
५	मं	५३	५६	आ	४४	१०	सु	६	५	ब	२१	५३	५८	२४	३६	१६	३	६	मिथुने	
६	बु	५६	८	पु	४८	८	धृ	६	१८	कौ	२५	२	३३/२	२४	३६	१७	४	७	कं. ३२।९	
७	गु	५६	५८	पु	५०	३८	शू	५	८	ग	२६	३३	५	२३	३७	१८	५	८	कर्के	भ.५६।५८उ.
८	शु	५६	१४	श्ले	५१	२९	गं	२/३८	५६/२६	वि	२६	३६	८	२२	३८	१९	६	९	सिं. ५१/२९	भ.३६/३६या. पातस्पर्शः५८।५३
९	श	५३	४३	म	५०	४७	ध्रु	५३	५०	बा	२४	५८	११	२२	३८	२०	७	१०	सिंहे	पातमोक्षः १२।१०
१०	र	४९	२२	पू	४८	४	व्या	४७	८	तै	२१	३२	१४	२१	३९	२१	८	११	सिंहे	कृत्ति.रविः३८/५३ (सौरः४५/३४) अश्वि.मेषे×
११	चं	४३	१४	उ	४३	३७	ह	३९	११	व	१६	१८	१७	२१	३९	२२	९	१२	कं.१।१३	भ.१६/१८उ.४३/१४या.मृग.४शनिः१३/५०मोहिनी+
१२	मं	३५	४०	ह	३७	४७	व	३०	५	ब	९	२७	२०	२०	४०	२३	१०	१३	कन्यायां	[×शुक्रः २५।५१ [+११ व्रतम्
१३	बु	२७	१६	चि	३०	५०	सि	२०	३	कौ	१	२८	२३	१९	४१	२४	११	१४	तु.४।१८	आश्ले. १ गुरुः५४/५०प्रदोषः नृसिंह १४
१४	गु	१७	१०	स्वा	२३	४	व्य	९/११	४९/१२	व	१७	१०	२६	१९	४१	२५	१२	१५	तुलायां	भ.१७/१०उ.४२।९या.वृषेऽर्कः६/८ (सौरः१३/२१)
१५	शु	७	७	वि	१५	१७	प	४७	३४	ब	७	७	२८	१८	४२	२६	१३	१६	वृ. २।१४	बुधोदयः पूर्वस्यां१७/५७यमाय कुंभदानम्

४ पं. वै.शु. ४ चं. इ. १३/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	११	२	१	०
२०	१३	२३	१५	२२	२	६	२०
२७	५१	३९	३९	२९	३३	३२	२१
२५	१८	१८	४०	३१	४३	८	४९
५८	२९	३५/४०	५	७३	६	३	५७
६	५०	व.	५६	२०	६	११	५७

गोचर ग्रहाः

रा२ | १२शु | श चं३ | सूबु१ | ११ | गु४ | मं१० | ५ | ७ | ९ | ६ | के८

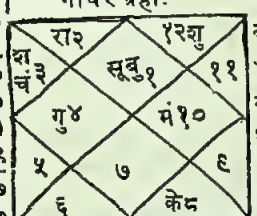

वैशाख शुक्ले १४ गुरौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

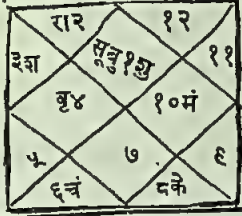

रा२ | १२ | ३श | सूबु१शु | ११ | बृ४ | १०मं | ५ | ७ | ९ | ६चं | ८के

५ पं.वै.शु.११चं.इ. १३/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	०	२	१	०
२७	१७	१९	१६	०	३	६	२७
१३	४६	४२	२१	५८	१९	९	७
३७	४७	५८	३६	३७	५९	५२	३
५७	२८	३१/२६	६	७३	६	३	५७
५४	२९	व.	४६	३१	२६	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	शु	५०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	४८	७	अ	७	४६	शि	३७	२६	तै	२२	४०	३३/३१	५/१८	६/४२	२७	१४	१७	वृश्चिके	
३	र	४०	१०	ज्ये	५९/५९	५४/५२	सि	२८	२१	व	१४	८	३४	१७	४३	२८	१५	१८	ध ०।५९	भ.१४।८उ.४०।१०या.
४	चं	३३	५५	पू	५२	१६	सा	२०	३५	ब	७	२	३७	१७	४३	२९	१६	१९	धनुषि	चतुर्थी व्र.
५	मं	२९	३१	उ	५०	४३	शु	१४	१६	कौ	१	४३	३९	१६	४४	३०	१७	२०	म.६।५३	
६	बु	२७	२६	श्र	५१	२६	शु	९	४४	व	२७	२६	४२	१६	४४	३१	१८	२१	मकरे	भ.२७।२६उ.५७/३०या.
७	गु	२७	३४	ध	५४	१	ब्र	६	५४	ब	२७	३४	४४	१५	४५	१	१९	२२	कु.२२।४३	मार्गी बुधः १३/१भरण्यां शुक्रः३३/२२धनिः÷
८	शु	२९	११	श	५८	२५	ऐं	५	३३	कौ	२९	११	४७	१५	४५	२	२०	२३	कुम्भे	[÷भौमः ५८/४९भा.ज्येष्ठारंभः
९	श	३२	४७	पू	६०	०	वै	६	६	तै	०	५९	४९	१४	४६	३	२१	२४	मी. ४७/५३	
१०	र	३७	४१	पू	४	२२	वि	६	५५	व	५	१४	५२	१४	४६	४	२२	२५	मीने	भ.५/१४उ.३७/३१या.रोहि.रविः३०/४२ (सौरः३९/२९)
११	चं	४३	४३	उ	११	२०	प्री	८	५३	ब	१०	४२	५४	१३	४७	५	२३	२६	मीने	अपरा११ व्रतम्
१२	मं	४९	४१	रे	१८	४४	आ	११	२१	कौ	१६	४२	५६	१३	४७	६	२४	२७	मे.१८।४४	
१३	बु	५६	७	अ	२६	२५	सौ	१३	५९	ग	२२	५३	५८	१२	४८	७	२५	२८	मेषे	भ.५६।७उ. प्रदोषः
१४	गु	६०	०	भ	३३	४६	शो	१६	१७	वि	२९	४	३४/००	१२	४८	८	२६	२९	वृ.५०।३३	भ.२९।४या.
१४	शु	२	१	कृ	४०	५५	अ	१८	३०	श	२	१	२	१२	४८	९	२७	३०	वृषे	
३०	श	७	४६	रो	४७	२९	सु	२०	२४	ना	७	४६	३	११	४९	१०	२८	३१	वृषे	सूर्यग्रहणम् वटसावित्री व्र.

६पं.ज्ये.कृ. ४चं.इ. १३/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	३	०	२	१	१
३	२१	१७	१७	९	४	५	३
५८	३७	३३	९	२८	८	४७	५०
३७	२३	४०	४३	१९	४६	३७	४४
५७	२७	१२/११	७	७३	६	३	५७
४४	२२	व.	५५	४४	३८	११	३४

गोचर ग्रहाः

३श | २शुबु | गु४ | २सूरा | १२ | ५ | ११ | ६ | ८के | १०म | ७ | चं९

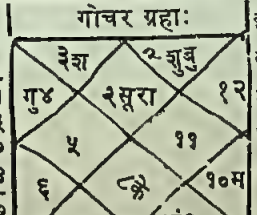

इस मास में मकर का मंगल धान्यों में मंदी करेगा सोना चांदी घृत तेल रुई में तेजी प्रजा में रोग बढे धूप अधिक पड़े।

गोचर ग्रहाः

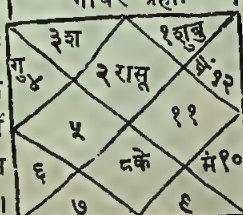

३श | १शुबु | गु४ | २रासू | चं१२ | ५ | ११ | ६ | ८के | मं१० | ७ | ९

७ पं.ज्ये.कृ.११चं.इ. १३/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	३	०	२	१	१
१०	२५	१८	१८	१७	४	५	१०
४२	१६	३५	४	५८	५९	२५	३२
२९	३७	५३	३७	१६	५३	२१	५५
५७	२५	१६/३२	८	७३	६	३	५७
३५	३९	व.	४८	५०	५६	११	२३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४०७४स.२००३
१	र	१२	२७	मृ	५३	१०	धृ	२१	३४	च	१२	२७	३४/५	५/११	६/४९	११	२९	१	मि२०।१९	चंद्रदर्शनम् जून ६ ता. ३०
२	चं	१६	२८	आ	५८	८	शू	२२	७	कौ	१६	२८	७	११	४९	१२	१	२	मिथुने	कृत्ति.शुक्रः२२।५७ रविलाखर ४
३	मं	१९	३२	पु	६०	०	गं	२१	५२	ग	१९	३२	९	१०	५०	१३	२	३	क.४५।५८	भ.५०।३१ उ.
४	बु	२१	३०	पु	१	५५	वृ	२०	४१	वि	२१	३०	१०	१०	५०	१४	३	४	कर्के	भ.२१।३० या.
५	गु	२२	१४	पु	४	४०	ध्रु	१८	५३	बा	२२	१४	१२	१०	५०	१५	४	५	कर्के	वृषे शुक्रः५७।१६कुंभे भौमः १६।५७
६	शु	२१	४५	श्ले	६	१६	व्या	१६	७	तै	२१	४५	१३	९	५१	१६	५	६	सिं.६।१६	कृत्ति.बुधः२।५५अस्तं शनेः २४।२६
७	श	२०	४	म	६	४८	ह	१२	११	व	२०	४	१५	९	५१	१७	६	७	सिंहे	भ.२०।४उ.४९।५या
८	र	१८	५	पू	५	४१	व	७	५	ब	१८	५	१६	९	५१	१८	७	८	कं.२०।६	मृगे रविः२४/३५(सौरः३८/१९)वृषे बुधः४१/२०×
९	चं	१२	४०	उ	३/२१	५६/१८	सि	०/५३	५२/४९	कौ	१२	४०	१७	९	५१	१९	८	९	कन्यायां	[×आश्ले २गुरुः४/४५आर्द्रा.१शनिः२७।३५
१०	मं	७	१	चि	५४	४०	व	४५	२२	ग	७	१	१८	८	५२	२०	९	१०	तु.२७।१०	भ.३३।३१उ.गंगा १० निर्जला११व्र.स्मा.
११	बु	०	१	स्वा	४८	४७	प	३६	२१	वि	०	१	१९	८	५२	२१	१०	११	तुलायां	भ.०१या.निर्जला ११ व्र. वै.
१२	बु	५१	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	गु	४३	१३	वि	४१	५७	शि	२६	३४	कौ	१७	३२	१९	८	५२	२२	११	१२	वृ.२८/४०	प्रदोषः
१४	शु	३३	५३	अ	३४	५०	सि	१६	२६	ग	८	३२	२०	८	५२	२३	१२	१३	वृश्चिके	भ.३३।५३उ.५९।१५या.रोहि. शुक्रः१२/२१
१५	श	२४	५६	ज्ये	२८	६	सा	६/२५	५०/२५	ब	२४	५६	२१	८	५२	२४	१३	१४	घ.२८।६	गुर्जराणां वटसावित्री व्र

८ पं.ज्ये.शु.२ चं.इ.१४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	३	०	२	१	१
१७	२८	२३	१९	२६	५	५	१७
२५	४६	५	५	२८	५२	३	१४
१९	१९	२४	४६	५९	२३	५	०१
५७	२४	४७	९	७३	७	३	५७
२७	१०	१०	३७	५६	५	११	१३

गोचर ग्रहाः

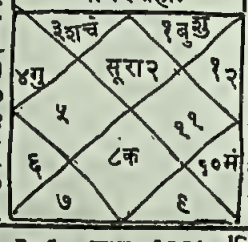

इस मास में गेहूं जौ चना मटर सरसों अलसी आदि और धान्य गल्ले में मंदी होकर तेजी हो जावे। कहीं२ अच्छी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

९ पं. ज्ये.शु. ९ चं.इ. १४/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	३	१	२	१	१
२४	१	०	२०	५	६	४	२३
७	५९	४१	११	०	४५	४०	५३
१९	२	१७	५६	४	३६	५०	५७
५७	२२	७५	१०	७४	७	३	५७
२२	८	४५	२०	२	१४	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहा.
१	र	१६	२८	मू	२२	११	शु	४७	५७	कौ	१६	२८	३४/२१	५/८	६/५२	२५	१४	१५	धनुषि	मिथुनेऽर्कः२३/९(सौरः३९/७)रोहिण्यां बुधः÷
२	चं	९	२६	पू	१७	१४	ब्र	४०	२५	ग	९	२६	२२	८	५२	२६	१५	१६	म.३१।२७	भ.३६।३७उ. [÷३०।४५
३	मं	३	४९	उ	१४	६	ऐं	३४	२४	वि	३	४९	२२	८	५२	२७	१६	१७	मकरे	भ.३।४९या. चतुर्थी व्र.
४	बु	०	८	श्र	१२	५५	वै	३०	२	बा	०	८	२३	७	५३	२८	१७	१८	कु.४३।२३	
५	बु	५८	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	गु	५९	२४	ध	१३	५०	वि	२७	१७	ग	२९	६	२३	७	५३	२९	१८	१९	कुम्भे	भ.५९।२४उ.शते भौमः५९।४१
७	शु	६०	०	श	१६	५२	प्री	२६	२६	वि	३०	३९	२३	७	५३	३०	१९	२०	कुम्भे	भ.३०।१९या.
७	श	१	५४	पू	२१	४०	आ	२६	३०	ब	१	५४	२४	७	५३	३१	२०	२१	मी.५।२८	
८	र	६	२९	उ	२७	५३	सौ	२७	५५	कौ	६	२९	२४	७	५३	१	२१	२२	मीने	आर्द्रा.रविः२३/४(सौरः४०/४०)भा.आषाढारंभः
९	चं	१२	१३	रे	३५	११	शो	३०	४०	ग	१२	१३	२४	७	५३	२	२२	२३	मे. ३५/११	भ.४५।११उ.मृगे बुधः ११।२२
१०	मं	१८	१०	अ	४२	४३	अ	३२	४६	वि	१८	१०	२४	७	५३	३	२३	२४	मेषे	भ.१८।१०या.मृगे शुक्रः१५/८बुधास्तः×
११	बु	२४	३१	भ	५०	१८	सु	३५	१७	बा	२४	३१	२४	७	५३	४	२४	२५	मेषे	योगिनी ११ व्र. [×पूर्वस्यां १७।१४
१२	गु	३०	३२	कृ	५७	३२	धृ	३७	४०	तै	३०	३२	२३	७	५३	५	२५	२६	वृ. ७।७	मिथुने.बुधः३४।१६
१३	शु	३५	५६	रो	६०	०	शू	३९	१९	ग	३	१४	२३	७	५३	६	२६	२७	वृषे	भ.३५/५६उ.आश्ले.३गुरुः१७।१५ प्रदोषः
१४	श	४०	१०	रो	३	५६	गं	४०	२३	वि	८	३	२२	८	५२	७	२७	२८	मि.३६/३५	भ.८।३या.
३०	र	४३	२६	मृ	९	१४	वृ	४०	३१	च	११	४७	२२	८	५२	८	२८	२९	मिथुने	आर्द्रा.बुधः४१/५०मिथुने शुक्रः४३।५९

१० पं.आ. कृ. २चं.इ.१४/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	३	१	२	१	२
०	४	१०	२१	१३	७	४	०
४८	४९	५५	२२	३२	३९	१८	३३
३६	२६	३७	८	६	४०	३४	०६
५७	१९	०/१०	१०	७४	७	३	५६
१७	५३	१९	५६	८	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे १ रवौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ६ युवावस्था (सूती) मु. ३०धान्यादि भावें समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

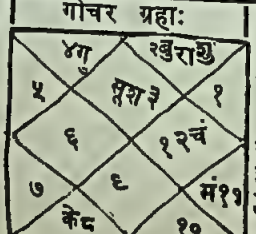

११ पं.आ. कृ.९चं.इ. १३/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	३	१	२	१	२
७	७	२३	२२	२२	८	३	७
२९	३६	२५	३७	४	३३	५६	११
३१	४०	८	१९	१६	५८	१९	३३
५७	१७	०/१०	११	७४	७	३	५६
१३	३०	१७	३३	१८	२०	११	५४

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१०३ स. २००३

१	चं	४५	२५	आ	१३	२९	ध्रु	३९	४२	किं	१४	२५	३४	५	५२	९	२९	३०	मिथुने	
२	मं	४६	२३	पु	१७	४१	व्या	३८	३	बा	१५	५४	२०	८	५२	१०	३०	१	क. १।३८	चंद्रदर्शनम् जुलाई ७ ता. ३१ रथयात्रा
३	बु	४६	८	पु	१८	४६	ह	३५	३४	तै	१६	१६	१९	८	५२	११	१	२	कर्के	जमादिलावल ५
४	गु	४५	१	श्ले	१९	४५	व	३२	१३	व	१५	४	१८	८	५२	१२	२	३	सिं १९।४५	भ. १५।४उ. ४५।१या.
५	शु	४२	५८	म	१९	५४	सि	२८	१९	ब	१३	५९	१७	९	५१	१३	३	४	सिंहे	आर्द्रा. २शनिः ३०/४० कृति २ राहुःविशा. ४ ×
६	श	३९	५४	पू	१९	९	व्य	२३	४४	कौ	११	२६	१६	९	५१	१४	४	५	कं. ३३।४६	पुनःबुध :४७।१आर्द्रा.शुक्रः १२।१४
७	र	३६	७	उ	१७	३५	व	१८	१२	ग	८	०	१५	९	५१	१५	५	६	कन्यायां	भ. ३६/६० उ.पुन.रविः २०।५४ (सौरः ४५/६२)
८	चं	३१	३५	ह	१५	१६	प	१२	१०	वि	४	२०	१४	९	५१	१६	६	७	तु. ४३।३८	भ. ४।२०या.
९	मं	२६	१०	चि	११	५९	शि	२२	५२	कौ	२६	१०	१३	९	५१	१७	७	८	तुलायां	[× केतुः ३५/६०
१०	बु	२०	४	स्वा	७	५८	सा	५०	७	ग	२०	४	११	१०	५०	१८	८	९	वृ. ४९।३२	भ. ४६।४०उ.
११	गु	१३	१६	वि	२४/६०	५४/६०	शु	४१	३८	वि	१३	१६	१०	१०	५०	१९	९	१०	वृ. श्चिके	भ. १३/६०या. कर्के बुधः ३०/६० देवशयनी ११ व्र.
१२	शु	५	५०	ज्ये	५२	४१	शु	३२	५१	बा	५	५०	८	१०	५०	२०	१०	११	ध. ५२।४१	उदयं शनेः ४५।२० प्रदोषः
१३	शु	५२	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	श	५१	५८	मू	४७	३३	ब्र	२४	९	ग	२५	१०	७	११	४९	२१	११	१२	धनुषि	भ. ५१।५८उ. पुष्ये बुधः ४।४९
१५	र	४४	२९	पू	४२	५८	ऐं	१५	५६	वि	१८	१३	५	११	४९	२२	१२	१३	म. ५७।४	भ. १८।१३या. व्यासपूजा वायुपरीक्षा

१२पं.आ. शु. १च. इ. १३/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	३	२	२	१	२
१४	९	७	२३	०	९	३	१३
९	५४	४७	५५	३७	२८	३४	४९
५८	५८	३५	३७	५	३०	३	३८
१७	१५	२९	१२	७४	७	३	५६
७	४	३३	१०	२२	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ रविवार गेहूं जौ चना मटर बांजरा आदि धान्य रस धातु में तेजी करें वर्षा अच्छी हो प्रजा में अशान्ति रहे।

गोचर ग्रहाः

१३पं.आ.शु.८चं.इ.१३।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	३	२	२	१	२
२०	११	२३	२५	९	१०	३	२०
५०	४४	४	१६	१०	२३	११	२७
२४	४६	१	३४	४८	१७	४७	३२
५७	१२	२९/६०	१२	७४	७	३	५६
७	२९	१३	२३	२६	१४	११	५०

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५ | वि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	चं	३८	५०	उ	३९	२०	वै	८	१९	बा	११	३९	३४	५	५९	६	२३	१३	१४	मकरे	आ. श्ले. ४ गुरुः ९।४
२	मं	३४	५०	श्र	३७	१४	वि	४/६०	३८	तै	६	५०	१	१२	४८	२४	१४	१५		मकरे	
३	बु	३२	३८	ध	३७	६	आ	५२	२९	व	३	४४	५९	१२	४८	२५	१५	१६	कुं. ७।१०	भ. ३/६०उ. ३२या. कर्केऽर्कः ५०/६० पुनः शुक्रः ३/६० ×
४	गु	३२	१७	श	३८	४८	सौ	५०	२४	ब	२	२८	५७	१३	४७	२६	१६	१७		कुंभे	कर्केऽर्कःसौरः १७।२६
५	शु	३४	७	पू	४२	११	शो	४९	३६	कौ	३	११	५५	१३	४७	२७	१७	१८		मी. २९/६०	आश्ले बुधः ५६।१६नाग ५मरुस्थले
६	श	३७	४१	उ	४७	२७	अ	४९	५५	ग	५	५४	५२	१४	४६	२८	१८	१९		मीने	भ. ३७।४१उ.
७	र	४२	५०	रे	५३	५८	सु	५१	४४	वि	१०	१६	५०	१४	४६	२९	१९	२०		मे. ५३।५८	भ. ३/६०या. पुष्ये. रविः १९।३८ (सौरः ४८)
८	चं	४८	३०	अ	६०	०	धृ	५३	४७	बा	१५	४०	४८	१४	४६	३०	२०	२१		मेषे	[× बुधोदयः पश्चिमायां १५/६० चतुर्थी व्र.
९	मं	५४	४८	अ	१	११	शू	५६	२३	तै	२१	३९	४५	१५	४५	३१	२१	२२		मेषे	
१०	बु	६०	०	भ	८	५२	गं	५८	४३	व	२७	४६	४३	१५	४५	१	२२	२३	बृ. २५।४०		भ. २७।४६उ. भा. श्रावणारंभः
१०	गु	०	४४	कृ	१६	७	वृ	६०	०	वि	०	४४	४०	१६	४४	२	२३	२४		बृषे	भ. ०।४४या. कर्के शुक्रः १०।४
११	शु	६	११	रो	२२	५३	वृ	०	४४	बा	६	११	३८	१६	४४	३	२४	२५	मि. ३५/६०		कामिका ११ व्रतम्
१२	श	१०	२६	मृ	२८	१७	धु	१	४९	तै	१०	२६	३५	१७	४३	४	२५	२६		मिथुने	मघा सिंहे बुधः ३७/६० पुष्ये शुक्रः ५५/६० प्रदोषः
१३	र	१३	२२	आ	३२	२६	व्या	१	४९	व	१३	२२	३३	१७	४३	५	२६	२७		मिथुने	भ. ३/६०उ. ४४/६०या. शुक्रास्तः पूर्वस्यां १२।०
१४	चं	१४	३८	पु	३४	५९	ह	५०/६०	५७	श	१४	३८	३०	१८	४२	६	२७	२८	क. १९।२१		
३०	मं	१४	३५	पु	३६	१२	सि	५५	२५	ना	१४	३५	२७	१९	४१	७	२८	२९	कर्के		हरियाली ३०

१४पं.आ.कृ.१चं.इ.१३।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	३	३	२	२	१	२
२७	१३	७	२६	१७	११	२	२७
३०	११	३८	४०	४५	१७	४९	५
४३	३५	५६	५९	३२	२	३२	३९
५७	१०	२९/६०	१२	७४	७	३	५६
११	३३	३४	५०	२६	८	११	५४

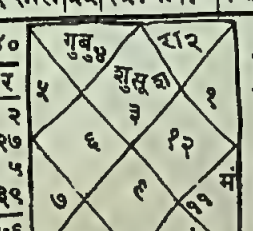

१५पं.आ.कृ.८चं.इ. १३/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	३	३	२	२	१	३
४	१४	२०	२८	२६	१२	२	३
११	७	५०	७	२०	९	२७	४४
२८	३४	१३	३४	४२	४३	१६	६
५७	७	२९/६०	१३	७४	७	३	५६
१५	१९	२३	१३	३२	२०	११	५८

१६पं.आ.कृ.१४चं.इ.१३/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	४	३	३	२	१	३
१०	१४	२	२९	४	१३	२	१०
५२	३१	३४	३५	५७	१	५	२३
३०	१९	२३	४२	१४	५	१	२३
५७	५	५९/६०	१३	७४	८	३	५७
२०	१	२३	२०	३२	४४	११	५

(सं० २००१ समारम्भ २१००पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१३३स.२००३
१	बु	१२	५२	श्ले	३६	१३	व्य	५१	१४	ब	१२	५२	३३	५	६	८	२९	३०	सिं ३६
२	गु	१०	२४	म	३५	१३	व	४६	१९	कौ	१०	२४	२२	२०	४०	९	३०	३१	सिंहे
३	शु	६	५८	पू	३३	२५	प	४०	३१	ग	६	५८	१९	२०	४०	१०	१	१	कं.४७।५०
४	श	२	४९	उ	३१	५	शि	३४	२३	वि	२	४९	१६	२१	३९	११	२	२	कन्यायां
५	श	५५	३१	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	र	५३	२७	ह	२८	१९	सि	२८	११	कौ	२५	५३	१३	२१	३९	१२	३	३	तु.५६।५०
७	चं	४८	२३	चि	२५	२२	सा	२१	३५	ग	२०	५२	१०	२२	३८	१३	४	४	तुलायां
८	मं	४३	११	स्वा	२२	०	शु	१४	५३	वि	१५	४७	७	२३	३७	१४	५	५	तुलायां
९	बु	३७	४३	वि	१८	३८	शु	७	५०	बा	१०	२७	४	२३	३७	१५	६	६	वृ.४।२९
१०	गु	३२	२	अ	१५	४	ब्र	४४	४३	ते	४	५२	०	२४	३६	१६	७	७	वृश्चिक
११	शु	२६	३०	ज्ये	११	२६	वै	४६	१७	वि	२६	३०	३३	२५	३५	१७	८	८	ध. ३९
१२	श	२१	२	मू	७	५५	वि	३९	२८	बा	२१	२	५४	२५	३५	१८	९	९	धनुषि
१३	र	१६	१	पू	४	३५	प्री	३२	४१	तै	१६	१	५०	२६	३४	१९	१०	१०	म.१८।५७
१४	चं	११	३६	उ	२	१	आ	२६	४२	व	११	३६	४७	२७	३३	२०	११	११	मकरे
१५	मं	८	२४	श्र	०	१५	सौ	२१	४०	ब	८	२४	४४	२७	३३	२१	१२	१२	कुं.३०।११

प्रदोषः
अस्तं गुरोः७।१२
भ.११।३६उ.४०।०या.
श्रावणी कर्म. रक्षाबंधनम्

१७ पं श्रा.शु. ७चं. इ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	४	४	३	२	१	३
१७	१४	१२	१	१३	१३	१	१७
३४	२७	५१	५	२४	५०	४२	३
१२	२९	२२	३१	४८	३१	४५	११
५७	२	८०	१३	७४	६	३	५७
२५	२२	१४	३२	३२	३१	११	१२

गोचर ग्रहाः

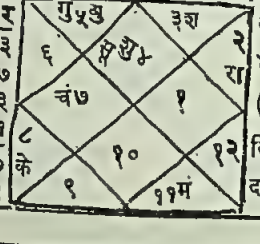

श्रावण कृष्णे ३ बुधे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्या दि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.शु १३चं.इ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	४	४	३	२	१	३
२४	१३	२१	२	२२	१४	१	२३
१६	५४	३०	३६	१२	३७	२०	४४
३७	१८	२५	१४	३६	४८	२०	१८
५७	०	६१	१३	७४	६	३	५७
३३	४६	५५	३२	३८	१४	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु	६	३५	ध	०	७	शो	१७	४३	कौ	६	३५	३२	५	६	१३	कुम्भे
२	गु	६	१४	श	१	१०	अ	१४	४९	ग	६	१४	२७	२९	३१	१४	मी४८।२६
३	शु	७	४३	पू	४	१२	सु	१३	३८	वि	७	४३	३३	२९	३१	१४	मीने
४	श	१०	४६	उ	८	३३	धृ	१३	१६	वा	१०	४६	२०	३०	३०	१५	मीने
५	र	१५	२८	रे	१४	३०	शू	१४	११	ते	१५	२८	२६	३१	२९	१६	मे. ३४
६	चं	२०	५३	अ	२१	१५	गं	१५	५६	व	२०	५३	२२	३२	२८	१७	मेषे
७	मं	२७	१	भ	२८	४२	बृ	१८	१२	ब	२७	१	१९	३२	२८	१८	वृ. ३५
८	बु	३३	१३	कृ	३६	१३	धु	२०	३६	वा	०	७	१५	३३	२७	१९	वृषे
९	गु	३८	५५	रो	४३	१५	ज्या	२२	५४	तै	६	४	१२	३४	२६	२०	वृषे
१०	शु	४३	२८	मृ	५०	११	ह	२४	२८	व	११	११	८	३४	२६	२१	मि१६।४३
११	श	४६	२७	आ	५३	५३	च	२४	५६	ब	१४	५८	४	३५	२५	२२	मिथुने
१२	र	४७	५५	पु	५६	४४	सि	२४	१८	कौ	१७	११	१	३६	२४	२३	क.४१।२
१३	चं	४७	३०	पु	५७	५७	व्य	२२	१८	ग	१७	४२	३१	३७	२३	२४	कर्के
१४	मं	४५	७	श्ले	५७	२६	व	१८	५२	वि	१६	१८	५३	३७	२३	२५	सिं.५७
३०	बु	४१	२८	म	५५	२३	प	१४	१	च	१३	१७	४९	३८	२२	२६	सिंहे

भ. ३६उ.वक्री भौमः३६मघा.२गुरुः२७
भ.७।४३या.चतुर्थीव्रतम्
उफा.बुधः १६।३४
मघासिंहेऽर्कः १९(सौरः ४५)मघासिंहे÷
भ.२०उ.५३या. [÷शुक्रः३३चंद्रषष्ठी
जन्माष्टमी व्र. स्मार्ता.
जन्माष्टमी व्र. वैष्णवानाम्
कन्यायां बुधः३४गोगानवमी
भ.११।११उ.४३।२८या.
भा.भाद्रपदारंभः अजा ११ व्र.
वत्सद्वादशी
भ.४७।३०उ. प्रदोषः
भ.१६।१८या.वक्री बुधः५२।१०
कुशाग्रहणी. पिठोरी ३० मन्वादिः

१९ पं.भा.कृ ६चं.इ. १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	४	४	४	२	१	४
०	१२	२७	४	०	१५	०	०
५९	५५	५५	७	५१	२३	५८	२६
५३	४८	३०	५२	४३	२	१४	३१
५७	५३	३८	१३	७४	६	३	५७
४०	व:	५९	३८	३८	५०	११	३४

गोचर ग्रहाः

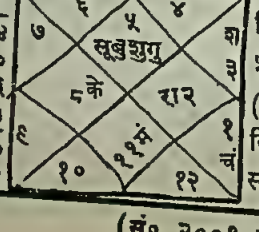

भाद्रपद कृष्णे ५ रवौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ४ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्या दि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

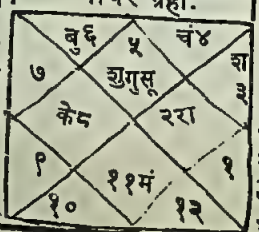

२० पं.भा. कृ.१३चं.इ: १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	४	२	१	४
७	११	२	५	९	१६	०	७
४४	४६	०	३९	३२	५	३५	१०
२०	४१	२२	१४	१३	४२	५८	१
५७	३२	९	१३	७४	५	३	५७
४९	व:	१८	३८	३८	२८	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५ दि.उ.अ.भा.मु.इं. चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१६२स.२००३

१	गु	३६	२९	पू	५२	२०	शि	८	९	किं	८	५८	३१	३९	२१	६	२८	२८	सिंहे
२	शु	३०	४३	उ	४८	२८	स	२०	१५३	वा	३	१८	४२	४०	२०	७	२९	२९	क.६।२२
३	श	२४	३१	ह	४४	८	शु	४६	९	ग	२४	३१	३८	४०	२०	८	१	३०	कन्यायां
४	र	१८	१९	चि	३९	५०	शु	३८	१२	वि	१८	१९	३४	४१	१९	९	२	३१	तु.११।५९
५	चं	१२	४	स्वा	३५	४५	ब्र	३०	३८	वा	१२	४	३०	४२	१८	१०	३	१	तुलायां
६	मं	६	१०	वि	३१	५१	ऐं	२३	१७	तै	६	१०	२६	४३	१७	११	४	२	वृ.१७।५०
७	बु	०	४२	अ	२८	२०	वै	१५	५८	व	०	४२	२२	४४	१६	१२	५	३	वृश्चिके
८	बु	५४	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	गु	५१	१	ज्ये	२५	२९	वि	८	५९	बा	२३	१७	१८	४४	१६	१३	६	४	ध.२५।२९
१०	शु	४७	३	मू	२२	५९	प्री	४९	५३	तै	१९	२	१५	४५	१५	१४	७	५	धनुषि
११	श	४३	४३	पू	२०	५८	सौ	५१	१०	व	१५	२३	११	४६	१४	१५	८	६	म.३५।४०
१२	र	४०	५६	उ	१९	४७	शो	४६	२२	ब	१२	२०	७	४७	१३	१६	९	७	मकरे
१३	चं	३९	५	श्र	१९	११	अ	४२	१०	कौ	१०	१	३	४७	१३	१७	१०	८	कुं.४९।३३
१४	मं	३७	२९	ध	१९	५५	सु	३८	४८	ग	८	१७	३९	४८	१२	१८	११	९	कुम्भे
१५	बु	३८	५८	श	२१	२९	धृ	३६	२३	वि	८	१३	५५	४९	११	१९	१२	१०	कुम्भे

पूफा.शुक्रः१५।५४
मघा.३गुरुः५५।५५चंद्रदर्शनम्
भ.५१।२५उ.रज्जव७हरितालिका३
भ.१८।१९या. पूफा. रविः०।१७(सौरः×
सितंबर९ता.३०ऋषि५ [=गणेशचतुर्थी
[×३६।११) आर्द्रा. ४ शनिः १७।५०=
भ.०।४२उ.२८।५या.उदयं गुरोः५८।४८
[Aमायाम्१२।१३
वक्री सिंहे बुधः५८।५९ बुधास्तः पश्चिचA
कृत्ति.१मेषे राहुःविशा.३तुलायांचकेतुः३१३१
भ.१५।२३उ.४३या.जलझूलनी११व्र.
वामन द्वादशी .[B०।५९प्रदोषः
वक्री पूफा. बुधः२१।४६उफा. शुक्रःB
भ.३७।२९उ.अनंत १४व्र.
भ.१५३ या.कन्यायां शुक्रः४१९महालयारंभः

२१पं.भा.शु.५चं.इ.१२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	४	२	१	४
१४	१०	१	७	१८	१९	०	१३
३०	२८	५३	१०	१३	४४	१३	५५
०	१९	१०	५५	८	३५	४३	१३
५८	१५	३०	१३	७४	५	३	५७
१	व.	व.	३४	३२	१	१९	५७

ग्रोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं चाव
ल जौ चना बाजरा
आदिधान्य गुड चीनी
तांबा सोना रंग कपा
स तेज ,हो वर्षा
अच्छी हो चौपाये
पशुओं में रोग हो ।

ग्रोचर ग्रहाः

२२ पं.भा.शु.१३चं.इ.१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	४	४	४	२	०	४
२१	९	२६	८	२६	१७	२९	२१
१७	१५	५४	४१	५४	१९	११	४१
२	४	५८	१७	१८	५९	२७	५३
५८	५	३३	१३	७४	४	३	५८
१३	व.	व.	३२	३२	३८	११	१२

ति.आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५ दि.उ.अ.भा.मु.इं. चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणे भा.कृष्णेऽतिमहाराष्ट्राः

१	गु	४१	४	पू	२४	३६	शू	३५	१४	बा	१०	१	३०	५०	१०	२०	१३	११	मी.८।४९
२	शु	४४	२१	उ	२८	४५	गं	३४	४६	तै	१२	४२	४७	५१	९	२१	१४	१२	मीने
३	श	४८	५६	रे	३४	१९	बृ	३५	१४	व	१६	३८	४३	५१	९	२२	१५	१३	मे ३४
४	र	५४	११	अ	४०	४९	धु	३६	२८	ब	२१	३४	३९	५२	८	२३	१६	१४	मेषे
५	चं	६०	०	भ	४८	७	व्या	३८	३५	कौ	२७	१६	३५	५३	७	२४	१७	१५	मेषे
५	मं	०	२१	कृ	५५	४६	ह	४०	५८	तै	०	२१	३१	५४	६	२५	१८	१६	वृ ५।१
६	बु	०६	३८	रो	६०	०	व	४३	२१	व	६	३८	२७	५५	५	२६	१९	१७	वृषे
७	गु	१३	८	रो	३	१६	सि	४५	३०	ब	१३	८	२२	५६	४	२७	२०	१८	मि. ३६
८	शु	१८	१७	मृ	१०	८	व्य	४६	४७	कौ	१८	१७	१८	५६	४	२८	२१	१९	मिथुने
९	श	२१	४१	आ	१५	२७	व	४७	१	ग	२१	४१	१४	५७	३	२९	२२	२०	मिथुने
१०	र	२३	५६	पु	१९	३७	प	४५	४९	बि	२३	५६	९	५८	२	३०	२३	२१	क.३।१७
११	चं	२३	५९	पु	२१	४७	शि	४३	८	बा	२३	५९	५	५९	१	३१	२४	२२	कर्के
१२	मं	२२	७	श्ले	२१	४८	सि	३८	५१	तै	२२	७	३०	०	०	१	२५	२३	सि. ३१
१३	बु	१८	१८	म	२०	१६	सा	३३	४	व	१८	१८	५६	१	५९	२	२६	२४	सिंहे
१४	गु	१२	४६	पू	१६	४५	शु	२५	५०	श	१२	४६	५२	२	५८	३	२७	२५	कं.३०।३२
३०	शु	५	५५	उ	११	५३	शु	१७	२५	ना	५	५५	४८	२	५८	४	२८	२६	कन्यायां

[*१०।३ (सौरः४६।१) बुधोदयः पूर्वं×
[=२२।३१मघा.४गुरुः२१।५३चतुर्थी व्र.
भ.१६।३८उ.४८।५६या.उफा.रविः४४
उफा. रविःसौरः२०।५०मार्गी भौमः=
भ.६।३८ उ. ३९।५३या. कन्यायामर्कः#
हस्तेशुक्रः४५।१०
[×श्याम्५९।३८
भ.५२।४८उ. मार्गी बुधः१६। ४मातृ९+
भ.२३ ५६या. [+सौभाग्यवतीनां श्राद्धम्
इंदिरा११व्रतम्
भा.आश्विनारंभः प्रदोषः
भ. १८।१८ उ. ४५।३२या शस्त्रादि-
सर्व पितृ श्राद्धम् [-हतानां श्रा·
मातामहश्रा. नवरात्रा.

२३प.आ.कृ.५च.इ.१२।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	४	४	५	२	०	४
२८	८	२०	१०	५	१७	२९	२७
५	१६	२१	११	३५	५१	२९	३०
२४	८	२५	१३	३८	३६	११	१३
५८	०	५५	१३	७४	४	३	५८
२३	मा.	व.	२०	३२	१	११	२९

गोचर ग्रहाः

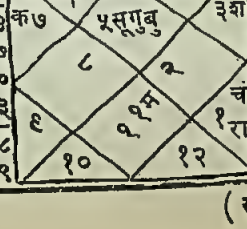

आश्विन कृष्णे ६बुधे
कन्यायामर्कः प्रविष्टः
वा. ४न.५ वृद्धावस्था
(बैठी) मु.४५ धान्या
दि भावे समर्घता
शुक्रास्त.पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

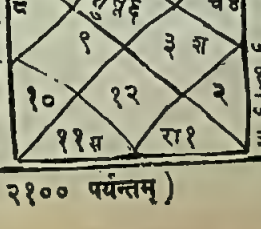

२४पं.आ.कृ.११च.इ.१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	४	४	५	२	०	५
४	७	१८	११	१४	१८	२९	४
५५	४०	४५	३९	१८	१८	६	२०
१६	४४	४०	४७	११	३६	५६	२०
५८	२	२९	१३	७४	३	३	५८
३८	२९	मा.	१४	२६	२८	११	४५

(सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः	सं० २०६०	शाकः १९२५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरद्दतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१९२स. २००३
१	शु ५२ १५	० ० ०	० ० ० ०	०	०	०	०	०	०		[A४६।४८सरस्वती पू. बलिदानम्
२	श ५० ११	ह ६ ११	ब्र ३५ ५०	बा २४ १०	२९ ४४	३ ५७	५	२९	२७	तु.३३।११	हस्ते रविः २३।१२ (सौर:५८।३१) ×
३	र ४२ ५	चि २१ ५३	वै ४९ ५०	तै १६ ८	४०	४	५६	६	१	२८ तुलायां	सावान८ [×चंद्रदर्शनम्
४	चं ३४ ३२	वि ४८ २४	वि ४० २३	व ८	१९	३६	५	५५	७	२	२९ वृ.३४।४९	भ.८।१९उ.३४।३२वा.चित्रा.शुक्रः२८।८
५	मं २७ ३९	अ ४३ ३१	प्री ३१ ५५	ब १	५	३२	६	५४	८	३	३० वृश्चिके	पूफा.१गुरुः१६३० [–वाहनम्
६	बु २१ ३४	ज्ये ३९ २७	आ २३ ५६	तै २१ ३४	२८	६	५४	९	४	१	ध.३९।२७	उफा.बुधः८।४८अक्टूबर१०ता.३१
७	गु १६ ३२	मू ३६ ३१	सौ १६ ४३	व १६ ३२	२३	७	५३	१०	५	२	धनुषि	भ. १६।३२उ.४४।३५ या. सरस्वत्या–
८	शु १२ ३८	पू ३४ ३५	शो १० २७	ब १२ ३८	१९	८	५२	११	६	३	म. ४९ २५	कन्यायां बुधः २६ शुक्रोदयःपश्चिमायांA
९	श १० ५	उ ३३ ५०	अ ५ १३	कौ १० ५	१५	९	५१	१२	७	४	मकरे	तुलायां शुक्रः४९।८
१०	र ८ २२	श्र ३४ ९	सु ४७ ३६	ग ८ २२	११	१०	५०	१३	८	५	मकरे	भ.३८।७उ.सरस्वती विसर्जनं विजया१०
११	चं ७ ५२	ध ३५ ४१	शू ५४ ३२	वि ७ ५२	७	११	४९	१४	९	६	कुं.४।५५	भ.७।५२या.पापांकुशा११व्र.
१२	मं ८ ४५	श ३८ २५	गं ५२ ५५	बा ८ ४५	३	११	४९	१५	१०	७	कुंभे	प्रदोषः [=शरद्१५कोजागर्ति व्र.
१३	बु १० १६	पू ४१ ५९	बृ ५२ १५	तै १० १६	२६	१२	४८	१६	११	८	मी२६।५	बुधास्तः पूर्वस्यां२१।६ [*का. स्ना. प्रा.
१४	गु १३ १४	उ ४६ ४१	ध्रु ५१ ५९	व १३ १४	५५	१३	४७	१७	१२	९	मीने	भ.१३।१४उ.४५।९या.हस्तेबुधः२८।०=
१५	शु १७ ४	रे ५२ २२	व्या ५२ ३७	ब १७ ४	५१	१४	४६	१८	१३	१०	मे. ५२।२२	चित्रा.रविः५५।१४स्वात्यां शुक्रः११।५*

२५ पं.आ.शु.४ चं.इ.१२।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	४	४	५	२	०	५
११	७	२४	१३	२६	१८	२८	११
४६	३५	७	६	०	४१	४४	१२
५२	१७	१९	११	४	१३	४०	२१
५८	४	७८	१२	७४	३	३	५९
५३	५०	२९	५२	२६	४२	११	००

गोचर ग्रहाः

कृष्ण पक्ष में तिथी बढे, शुक्ल पक्ष घट जाय। एक चीज की क्या कहें सभी चीज घट जाय ।। इस मास में धान्य रस धातु संभी तेज हो।

गोचर ग्रहाः

२६ पं.आ.शु. ११चं. इ.१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	६	२	०	५
१८	८	४	१४	१	१८	२८	१८
४०	१	३४	३०	४२	५९	२२	६
८	३४	४८	२५	३२	२०	२५	८
५९	८	९९	१२	७४	२	३	५९
९	८	३०	२६	२६	२	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः	२०६०	शाकः १९२५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	शरद्दतु रविर्दक्षिणे आ.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श २२ ११	अ ५८ ५०	ह ५३ ५९	कौ २२ ११	२८ ४७	६ १५	५ ४५	१९	१४	११	मेषे चित्रा.रविःसौरः२९।५
२	र २७ ३७	भ ६० ०	व ५५ ५०	ग २७ ३७	४३	१५	४५	२०	१५	१२	मेषे
३	चं ३३ ४९	भ ५ ५२	सि ५८ १०	व ० ४३	२९	१६	४४	२१	१६	१३	वृ. २२ ४७
४	मं ४० ८	कृ १३ ३२	व्य ६० ०	ब ६ ५८	३५	१७	४३	२२	१७	१४	वृषे
५	बु ४६ ३५	रो २१ १४	व्य ० ३५	कौ १३ २१	३१	१८	४२	२३	१८	१५	मि.५४ २६
६	गु ५२ ११	मृ २७ ३८	व २ ३६	ग १९ २३	२७	१९	४१	२४	१९	१६	मिथुने
७	शु ५६ ५०	आ ३४ ५९	प ४ ३९	वि २४ ३०	२३	१९	४१	२५	२०	१७	मिथुने
८	श ६० ०	पु ४० १७	शि ५ ४३	बा २८ २६	२०	२०	४०	२६	२१	१८	क.२३।५८
८	र ० ३	पु ४३ ५१	सि ५ ३८	कौ ० ३	१६	२१	३९	२७	२२	१९	कर्के
९	चं १ २०	श्ले ४५ ३२	सा ४ १७	ग १ २०	१२	२२	३८	२८	२३	२०	सिं.४५ ३३
१०	मं ० ३७	म ४५ १७	शु १ ५५ २९	वि ० ३७	८	२२	३८	२९	२४	२१	सिंहे
११	मं ५७ १६	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	०	०	०	
१२	बु ५३ १३	पू ४२ ५७	ब्र ५० २९	कौ २५ ३२	४	२३	३७	३०	२५	२२	कं.५६।५४
१३	गु ४६ ३९	उ ३८ ४५	ऐं ४२ ४०	ग १९ ५६	०	२४	३६	१	२६	२३	कन्यायां
१४	शु ३८ ३८	ह ३३ ७	वै ३३ ३७	वि १२ ३८	२७ २९	२५	३५	२	२७	२४	तु.५८।४४
३०	श २९ ४४	चि २६ २३	वि २३ ५०	च ४ ११	५३	२५	३५	३	२८	२५	तुलायां

[A४६।४८सरस्वती पू. बलिदानम्
हस्ते रविः २३।१२ (सौर:५८।३१) ×
सावान८ [×चंद्रदर्शनम्
भ.८।१९उ.३४।३२वा.चित्रा.शुक्रः२८।८
पूफा.१गुरुः१६३० [–वाहनम्
उफा.बुधः८।४८अक्टूबर१०ता.३१
भ. १६।३२उ.४४।३५ या. सरस्वत्या–
कन्यायां बुधः २६ शुक्रोदयःपश्चिमायांA
तुलायां शुक्रः४९।८
भ.३८।७उ.सरस्वती विसर्जनं विजया१०
भ.७।५२या.पापांकुशा११व्र.
प्रदोषः [=शरद्१५कोजागर्ति व्र.
बुधास्तः पूर्वस्यां२१।६ [*का. स्ना. प्रा.
भ.१३।१४उ.४५।९या.हस्तेबुधः२८।०=
चित्रा.रविः५५।१४स्वात्यां शुक्रः११।५*

भ.०।४३उ.३३।४९या.
चतुर्थी व्र.
[–महालक्ष्मीपू.
भ.५२।११उ.चित्रा.बुधः५८।५५
भ.२४।३०या.तुलायामर्कः३९।३पूफा.२×
तुलायामर्कःसौरः११।४९ [×गुरुः५०।५५
भ.३०।५८उ.तुलायां बुधः४७।१९विशा=
भ.०।३७या.रमा११व्र स्मार्ता.
[+(सौर:५२।५२)रूप१४ [Aधन१३
रमा११व्र.वै. [=शुक्रः५३।४६
भ.४६।३९उ. भा. कार्तिकारंभः प्रदोषःA
भ.१२।३८या.स्वात्यां रविः२१।५+
स्वात्यां बुधः१३।४४वक्री शनिः५०।३६–

२७ पं.का.कृ.३ चं. इ.११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	६	२	०	५
२५	८	१७	१५	१०	१९	२८	२५
३५	५७	३१	५१	२५	११	०	०१
२	४३	३४	१८	१	३१	९	५०
३९	१०	००	१२	७४	२	३	५९
२१	२९	५५	११	२०	२२	११	३१

गोचर ग्रहाः

कार्तिक कृष्णे ७ शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ बालावस्था (बैठी) मु.४५धान्या दि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

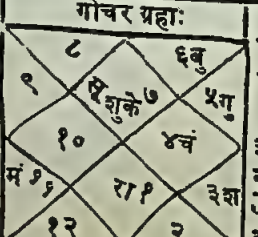

२८ पं. का.कृ.९चं.इ. ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	५	४	६	२	०	६
२	१०	२८	१७	१९	१९	२७	१
३१	२८	५७	९	७	१९	३७	५९
२६	२३	२२	२५	४६	५	५३	१७
५९	१३	००	१२	७४	०	३	५९
३४	५६	५५	३३	१४	४२	११	४६

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२२१स.२००३
१	र	२०	१३	स्वा	१८	५८	प्री	१३	२०	ब	२०	१३	२७/४९	६/२६	५/३४	४	२९	२६	वृ.५८।२३	अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा
२	चं	१०	५८	वि	११	३२	आ	२/४५	४९/२८	कौ	१०	५८	४५	२७	३३	५	३०	२७	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् यम २भ्रातृ२
३	मं	२	२०	अ	४/३४	५३/४६	शो	४२	१९	ग	२	२०	४१	२८	३२	६	१	२८	ध.५८।२३	भ.२८।२२उ.५४।२५या.वृश्चिके शुक्रः A
४	मं	५२	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A५६।४८रमजान९
५	बु	४६	४९	मू	५३	३२	अ	३३	८	ब	२०	३७	३७	२९	३१	७	२	२९	धनुषि	[D४राहुः विशा.२केतुः२३।७वैकुंठ१४
६	गु	४२	४०	पू	५०	१७	सु	२५	२३	कौ	१४	४४	३४	२९	३१	८	३	३०	धनुषि	[Vस्ना.पूर्ति. अर्द्धरात्रिपश्चाद् ग्रस्ताऽस्तH
७	शु	३९	२०	उ	४८	२८	धृ	१८	५३	ग	१०	५९	३०	३०	३०	९	४	३१	म.४।५०	भ.३९।२० उ. अनु. शुक्रः ३५।२४
८	श	३७	२६	श्र	४८	२३	शू	१३	३६	वि	८	२३	२७	३१	२९	१०	५	१	मकरे	भ.८।२३या.विशा बुधः५८।१८ नवम्बर×
९	र	३७	१४	ध	४९	४३	गं	९	३५	बा	७	२०	२३	३१	२९	११	६	२	कुं.१९।३	अक्षय९कूष्मांड९ [×११ता.३०गोपाष्टमी
१०	चं	३८	४०	श	५२	४५	वृ	६	५५	तै	७	५७	१९	३२	२८	१२	७	३	कुंभे	[Hचंद्रग्रहणम्
११	मं	४१	१४	पू	५६	५१	ध्रु	५	२२	व	९	५७	१६	३३	२७	१३	८	४	मी. ४०/५०	भ.९।५७उ. ४१।१४या. प्रबोधिनी ११÷
१२	बु	४५	४	उ	६०	०	व्या	४	५३	ब	१३	९	१२	३४	२६	१४	९	५	मीने	पूफा.३गुरुः३६।५० [÷व्र. तुलसीविवहः
१३	गु	४९	३९	उ	२	११	ह	५	२९	कौ	१७	२२	९	३४	२६	१५	१०	६	मीने	विशा.रविः४१।३१प्रदोषः
१४	शु	५५	३२	रे	८	९	व	६	२०	ग	२२	३५	५	३५	२५	६	११	७	मे. ८।९	भ.५५/३२उ. विशा. रविःसौरः १०/१६ भरणीD
१५	श	६०	०	अ	१५	५	सि	८	२	वि	२८	२४	२	३६	२४	१७	१२	८	मेषे	भ२८।२४या. वृश्चिके बुधः १९/२५ का.V
१५	र	१	१६	भ	२२	९	व्य	९	४७	ब	१	१६	२६/५८	३६	२४	१८	१३	९	वृ.३९/१	

२९पं.का.शु.२चं.इ.११।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	४	६	२	०	६
९	१२	१०	१८	२७	१९	२७	८
२९	२६	४२	२४	४९	२०	१५	५८
४२	४९	११	७	४४	५३	३८	३७
५९	१६	१२/३३	१०	७४	१०/१०	३	६०
४७	४९	२२	५६	८	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

चं८ ६ गु५ ९ १० ४ ३ श ११ १रा मं १२ २

इस मास में ५शनिवार ५रविवार अशुभ हैं धान्यों में मंदी होकर तेजी हो धातु सोना चांदी रुई रुपास तेज हो।

गोचर ग्रहाः

शु८ ६ गु५ ९ १० ४ मं ११ चं १ श ३ १२ २

३०पं. का.शु. १०चं.इ.११/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	४	७	२	०	६
१६	१४	२२	१९	६	१९	२६	१५
२९	५०	१	३३	३२	१७	५३	५९
२८	५३	५९	२२	१३	३१	२२	४१
६०	१९	१०/१०	१०	७४	५०/०	३	६०
४	२९	२५	१६	२	व.	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	७	४१	कृ	२९	३९	व	११	५६	कौ	७	४१	२६/५५	६/३७	५/२३	१९	१४	१०	वृषे	अनु.बुधः२२।२४
२	मं	१४	४	रो	३७	११	प	१४	१४	ग	१४	४	५२	३८	२२	२०	१५	११	वृषे	भ.४७।१०उ.ज्येष्ठा.शुक्रः२।२४
३	बु	२०	१६	मृ	४४	२९	शि	१६	३२	वि	२०	१६	४९	३८	२२	२१	१६	१२	मि.१०/५०	भ.२०।१६या.चतुर्थी व्रतम्
४	गु	२५	५३	आ	५१	१४	सि	१८	२६	बा	२५	५३	४५	३९	२१	२२	१७	१३	मिथुने	[=बुधोदयः पश्चिमायां५५।०
५	शु	३०	५०	पु	५७	१८	सा	१९	३२	तै	३०	५०	४२	४०	२०	२३	१८	१४	क४०।४७	[V१।४८भा.मार्गशीर्षारंभः
६	श	३४	३५	पु	६०	०	शु	२०	१६	ग	२	४३	३९	४०	२०	२४	१९	१५	कर्के	भ.३४।३५उ.पूभा.भौमः२०।३२
७	र	३७	१	पु	१	५७	शु	१९	४८	वि	५	४८	३६	४१	१९	२५	२०	१६	कर्के	भ. ५।४८या. वृश्चिकेऽर्कः३७।४६=
८	चं	३७	३२	श्ले	५	७	ब्र	१८	११	बा	७	१६	३३	४१	१९	२६	२१	१७	सिं.५।७	वृश्चिकेऽर्कःसौरः४।३३
९	मं	३६	२२	म	६	३३	ऐं	१५	१०	तै	६	५७	३०	४२	१८	२७	२२	१८	सिहे	[A५५।५६ज्येष्ठा.बुधः४।३०
१०	बु	३३	१५	पू	६	१४	वै	१०	२८	व	४	४९	२७	४३	१७	२८	२३	१९	कं.२०।४०	भ. ४।४९उ. ३३।१५ या. अनु. रविःA
११	गु	२८	१७	उ	३/५८	५५/५६	चि	५/२८	५१/१४	ब	०	४६	२५	४३	१७	२९	२४	२०	कन्यायां	अनु. रविःसौरः२१।२१उत्पत्ति ११व्र.
१२	शु	२१	३१	चि	५४	११	आ	४७	४८	तै	२१	३१	२२	४४	१६	३०	२५	२१	तु.२७।२	प्रदोषः
१३	श	१३	२६	स्वा	४७	३	सौ	३७	४०	व	१३	२६	१९	४४	१६	१	२६	२२	तुलायां	भ. १३।२६ उ.३९/४४या. मूले धनुषिशुक्रःV
१४	र	४	१	वि	३९	३४	शो	२७	१	श	४	१	१७	४५	१५	२	२७	२३	वृ.२६।२६	
३०	र	५०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३१ पं.मा.कृ.१चं.इ. १०/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	७	४	७	२	०	६
२३	१७	३	२०	१५	१९	२६	२३
३०	३८	१	३८	१४	८	३१	२
५०	४९	२६	२	२८	१३	७	१६
६०	२२	९७	९	७३	१/३७	३	६०
१७	१	३४	३१	५६	व.	११	३०

गोचर ग्रहाः

बु८शु ६ गु ९ सू७के ५ १० ४ ११ मं १रा ३श १२ २चं

मार्गशीर्ष कृष्णे७रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न.३ कुमार्यव स्था (बैठी) मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

९ ७के ६ १० ११मं गु५च १२ २ ४ रा१ श३

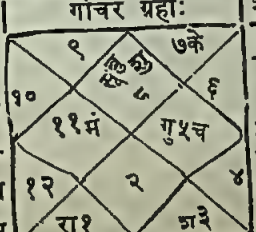

३२पं.मा.कृ.८चं.इ.१०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	४	७	२	०	७
०	२०	१३	२१	२३	१८	२६	०
३३	४४	४२	३७	५६	५३	८	६
२९	४६	१४	२३	४६	४२	५१	२०
६०	२४	९३	८	७३	२/१२	३	६०
३०	२२	४७	४०	५०	व.	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२५०स.२००३
१	चं	४४	३४	अ	३१	३४	अ	१५	५३	किं	१९	२७	२६/१४	६/४५	५/१५	३	२८	२४	वृश्चिके	
२	मं	३५	१४	ज्ये	२४	२	सु	४/५६	४९/१७	बा	९	५४	१२	४६	१४	४	२९	२५	ध. २४/२	चंद्रदर्शनम्
३	बु	२६	५८	मू	१७	१४	शू	४४	३२	तै	१	६	९	४६	१४	५	१	२६	धनुषि	भ.५३।३४उ. सव्वाल १०
४	गु	२०	१०	पू	११	३७	गं	३५	५०	वि	२०	१०	७	४७	१३	६	२	२७	म.२५/४३	भ.२०।१०या.
५	शु	१५	८	उ	८	१	बृ	२८	५४	बा	१५	८	५	४७	१३	७	३	२८	मकरे	मूले धनुषि बुधः१२।२७
६	श	११	५९	श्र	८/६	५	ध्रु	२३	३०	तै	११	५९	२	४८	१२	८	४	२९	कुं.३६।३	चंपा ६
७	र	१०	४८	ध	८/६	१	व्या	१९	३६	व	१०	४८	०	४८	१२	९	५	३०	कुंभे	भ.१०।४८उ ४१।१८या.
८	चं	११	४७	श	८	७	ह	१७	११	ब	११	४७	२५/५८	४८	१२	१०	६	१	मी.५५/५२	पूफा.४गुरुः५१।४३दिसम्बर१२ता३१
९	मं	१४	२१	पू	११	४७	व	१६	१६	कौ	१४	२१	५६	४९	११	११	७	२	मीने	पूषा.शुक्रः४८ ५
१०	बु	१८	२९	उ	१७	७	सि	१६	४८	ग	१८	२९	५४	४९	११	१२	८	३	मीने	भ. ५१।७उ. ज्येष्ठा. रविः ६।३×
११	गु	२३	४६	रे	२३	२०	व्य	१८	४२	वि	२३	४६	५३	४९	११	१३	९	४	मे.२३।२०	भ.२३।४६या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	शु	२९	५८	अ	३०	३२	व	१९	३१	बा	२९	५८	५१	५०	१०	१४	१०	५	मेषे	मीने भौमः१०।२३ [×(सौरः२९।१५)
१३	श	३६	७	भ	३७	५५	प	२१	३५	कौ	३	२	४९	५०	१०	१५	११	६	वृ.५४।५०	प्रदोषः
१४	र	४२	४२	कृ	४५	३५	शि	२३	५३	ग	९	२४	४८	५०	१०	१६	१२	७	वृषे	भः४२।४२उ.
१५	चं	४८	५३	रो	५२	४९	सिं	२६	२	वि	१५	४७	४६	५१	९	१७	१३	८	वृषे	भ.१५।४७या.पूषा.बुधः४३।३२दत्तजयंती

३३पं.मा. शु.१चं.इ. १०/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	४	८	२	०	७
७	२४	२४	२२	२	१८	२५	७
३७	६	६	२९	३८	३४	४६	११
२६	५०	२५	२४	१३	४४	३५	५३
६०	२६	८८	७	७३	५३/३	३	६०
४२	२८	४९	३७	४४	व.	११	५३

३४ पं.मा.शु.८चंइं१०।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	४	८	२	०	७
१४	२७	४	२३	११	१८	२५	१४
४२	४२	०	१५	२०	११	२४	१८
४०	११	२५	२९	१३	६	२०	३९
६०	२७	८१	६	७३	३४/३	३	६१
५०	५९	५	३३	३२	व.	११	३

३५पं. मा.शु.१५च.इ. ९/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	४	८	२	०	७
२१	१	१२	२३	२०	१७	२५	२१
४८	२८	४४	५३	०	४४	२	२६
४३	२६	१०	३५	२५	२	४	२३
६०	२९	६४	५	७३	५६/३	३	६१
५६	३१	२५	२८	२०	व.	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाः
१	मं	५४	५७	मृ	५९	५९	सा	२८	०	बा	२१	५५	२५/४५	६/५१	५/९	१८	१४	९	मि.२६/२४	
२	बु	६०	०	आ	६०	०	शु	२९	४३	तै	२७	३५	४४	५१	९	१९	१५	१०	मिथुने	
२	गु	०	१४	आ	६	२५	शु	३०	४९	ग	०	१४	४३	५१	९	२०	१६	११	क.५४।५५	भ.३२।२७उ.उभा.भौमः५६।५६
३	शु	४	४१	पु	११	४	ब्र	३१	१५	वि	४	४१	४२	५२	८	२१	१७	१२	कर्के	भ.४।४१या.३०।९चतुर्थी व्रतम्
४	श	८	१६	पु	१६	५२	ऐं	३०	५७	बा	८	१६	४१	५२	८	२२	१८	१३	कर्के	उषा.शुक्रः
५	र	१०	४४	श्ले	२०	३६	वै	२९	३९	तै	१०	४४	४०	५२	८	२३	१९	१४	सिं. २०/३६	
६	चं	११	५२	म	२२	१५	वि	२७	३२	व	११	५२	३९	५२	८	२४	२०	१५	सिंहे	भ.११।५२उ.४१।४९या.
७	मं	११	४५	पू	२४	१३	प्री	२४	१४	ब	११	४५	३९	५२	८	२५	२१	१६	कं.३९।५	मूले धनुष्यर्कः१३।१८ (सौरः३३।५)×
८	बु	१०	१	उ	२३	४५	आ	१९	३५	कौ	१०	१	३८	५२	८	२६	२२	१७	कन्यायां	वक्री बुधः१२।३१
९	गु	६	४४	ह	२१	३६	सौ	१३	४१	ग	६	४४	३८	५२	८	२७	२३	१८	तु. ४९/४६	भ.३४।१४उ.
१०	शु	१	४४	चि	१७	५५	शो	६/३७	५१/४३	वि	१	४४	३७	५३	७	२८	२४	१९	तुलायां	भ.१।४४या.सफला११व्र.स्मार्तानां
११	शु	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×मकरे शुक्रः१४।०
१२	श	४७	५२	स्वा	१३	१०	सु	४८	५८	कौ	२१	४७	३७	५३	७	२९	२५	२०	वृ.५३/२९	बुधास्तः पंश्चिमायां५२।२५ सफला÷
१३	र	३९	७	वि	६/५५	५१/५६	धृ	३८	४८	ग	१३	२९	३६	५३	७	३०	२६	२१	वृश्चिके	भ ३९।७उ.प्रदोषः [÷११व्र.वै.
१४	चं	३०	०	ज्ये	५२	२७	शू	२८	११	वि	४	३४	३६	५३	७	१	२७	२२	ध.५२।२७	भ.४।३४या.वक्री आर्द्रा.३शनिः२९/८भा.०
३०	मं	२०	३९	मू	४५	२	गं	१७	२०	ना	२०	३९	३६	५३	७	२	२८	२३	धनुषि	[०पौषारंभः

३६पं.पौ.कृ.६चं.इ.९।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	४	८	२	०	७
२८	५	१८	२४	२८	१७	२४	२८
५५	२२	१३	२३	४१	१२	३९	३५
३७	४८	४८	४६	४९	५८	४९	०६
६१	३०	२४	४	७३	४/१४	३	६१
०	४२	३८	१४	१४	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

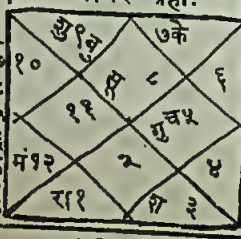

पौष कृष्णे७भौमे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३कुमार्थवस्था (वैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

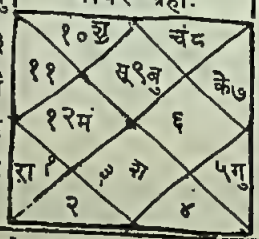

३७पं.पौ.कृ.१४चं.इ. ९।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	४	९	२	०	८
६	९	१६	२४	७	१६	२४	५
३	२६	२७	४५	२१	३९	१७	४४
१४	४६	३२	७	७	५४	३३	३१
६१	३२	५९	३	७२	४	३	६१
४	००	४७	१	५६	३४	११	२२

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेहर्गणः४२८०सन्२००३
१	बु	११	४१	पू	३८	२३	वृ	५४	२५	ब	११	४१	३६	५३	७	३	२९	२४	म.५२।१	श्रवणे शुक्रः २०।३०
२	गु	३	४९	उ	३२	५६	व्या	४८	३४	कौ	३	४९	३७	५३	७	४	३०	२५	मकरे	वक्री मूले बधः१८।१चंद्रदर्शनम्
३	गु	५३	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	शु	५२	५४	श्र	२९	१७	ह	४१	१०	व	२५	११	३७	५३	७	५	१	२६	कुं५८।१७	भ.२५।११उ.५२।५४या.जिल्काद ११
५	श	५०	१७	ध	२७	१७	व	३५	३७	ब	२१	३५	३७	५३	७	६	२	२७	कुंभे	
६	र	५०	६	श	२७	४०	सि	३१	५७	कौ	२०	११	३८	५२	८	७	३	२८	कुंभे	
७	चं	५१	३९	पू	२९	५१	व्य	२९	३५	ग	२०	५२	३८	५२	८	८	४	२९	मी.१४	भ.५१उ.पूषा.रविः१८(सौरः३४)
८	मं	५५	१९	उ	३४	१०	व	२९	१८	वि	२३	२९	३९	५२	८	९	५	३०	मीने	भ.२३।२९या.
९	बु	६०	०	रे	४०	१	प	२९	३७	बा	२७	५२	४०	५२	८	१०	६	३१	मे.४०।१	
१०	गु	०	२५	अ	४७	१	शि	३१	७	कौ	०	२५	४१	५२	८	११	७	१	मेषे	जनवरी १ ता. ३१ सन् २००४ ई.
११	शु	६	३७	भ	५४	२८	सि	३३	१५	ग	६	३७	४२	५२	८	१२	८	२	मेषे	भ.३९उ.बुधोदयःपूर्वस्यां ४।६
१२	श	१३	१	कृ	६०	०	सा	३५	२९	वि	१३	१	४३	५१	९	१३	९	३	वृ.१०।११	भ.१३या.रेवत्यां भौमः२०पुत्रदा११ व्र.
१३	र	१९	३७	कृ	२	११	शु	३८	८	बा	१९	३७	४४	५१	९	१४	१०	४	वृषे	धनिःशुक्रः९।४७ प्रदोषः
१४	चं	२५	५२	रो	९	३०	शु	३९	४८	तै	२५	५२	४५	५१	९	१५	११	५	मि.४३।२	
१५	मं	३१	३४	मृ	१६	३५	ब्र	४१	११	व	३१	३४	४७	५१	९	१६	१२	६	मिथुने	भ.३१।३४उ.वक्री गुरुः४५।४९
१५	बु	३६	१५	आ	२२	३४	ऐं	४१	५५	वि	३	५४	४८	५०	१०	१७	१३	७	मिथुने	भ.३।५४या.मार्गी बुधः१६मा. स्ना.प्रा.

३८पं.पौ.शु. ७चं.इ.९।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	४	९	२	०	८
१३	१३	८	२४	१५	१६	२३	१२
१९	२६	१४	५६	१८	५	५५	५४
१३	५८	१३	५६	२६	४६	१७	२६
६१	३२	९२	९४	१७२	४०	३	६१
६	५१	व.	३१	३९	व.	११	२६

गोचर ग्रहाः

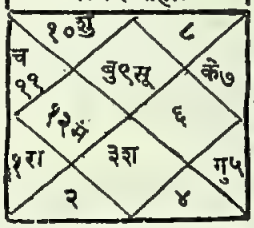

इसमास में बुदी में धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का चावल गेहूं में तेजी हो गुरु का चंद्रदर्शन सुदि में धातु सोना चांदी तांबा रुई मंदी करे ।

गोचर ग्रहाः

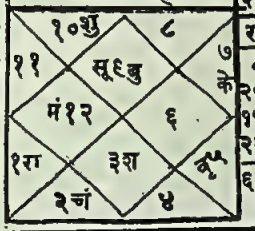

३९पं.पौ.शु.१३चं.इ.९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	४	९	२	०	८
२०	१७	३	२४	२४	१५	२३	२०
१९	४९	५१	५९	३२	३०	३३	०४
२६	४१	४०	३१	६	४७	२	२०
६१	३३	१४	९	०७२	४०	३	६१
६	५५	व	२२	२२	व.	१४	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	शु	४०	४	पु	२७	४६	वै	४२	१	बा	८	१०	३५	५०	६	१०	१८	१४	८	क.११।२८	
२	शु	४२	५१	पु	३२	६	वि	४१	१२	तै	११	२८	५२	५०	१०	१९	१५	९	कर्के	कुंभेशुक्रः३४भ.३राहुःविशा.१केतुःकृ३
३	श	४४	२४	श्ले	३५	१३	प्री	३९	४३	व	१३	३७	५३	४९	११	२०	१६	१०	सिं.३५	भ.१३।३७उ.४४।२४या.
४	र	४४	५६	म	३७	२०	आ	३७	१७	ब	१४	४०	५५	४९	११	२१	१७	११	सिंहे	उषा. रविः२३(सौरः३६०)चतुर्थी व्र.
५	चं	४४	३३	पू	३८	३४	सौ	३३	५५	कौ	१४	४४	५७	४९	११	२२	१८	१२	कं.५३।३५	
६	मं	४३	७	उ	३८	३८	शो	२९	५१	ग	१३	५०	५९	४८	१२	२३	१९	१३	कन्यायां	भ.४३।७ उ.
७	बु	४०	३४	ह	३७	४२	अ	२४	५५	वि	११	५०	२६	४८	१२	२४	२०	१४	कन्यायां	भ.५०या.मकरेऽर्कः३९(सौरः५१।३७)·
८	गु	३६	५९	चि	३५	४९	सु	१९	९	बा	८	४६	४	४७	१३	२५	२१	१५	तु.६।४५	शते शुक्रः६।५६
९	शु	३२	२१	स्वा	३२	४६	धृ	१२	३१	तै	४	४०	६	४७	१३	२६	२२	१६	तुलायां	भ.५९।२८उ.
१०	श	२६	३५	वि	२८	४०	शू	५४	५१	वि	२६	३५	८	४६	१४	२७	२३	१७	वृ.१४।४२	भ.२६।३५या.
११	र	१९	५२	अ	२३	३२	वृ	४७	३८	बा	१९	५२	११	४६	१४	२८	२४	१८	वृश्चिके	षट्तिला ११ व्रतम्
१२	चं	१२	३५	ज्ये	१७	४९	धु	३८	१०	तै	१२	३५	१३	४५	१५	२९	२५	१९	ध.१७।४९	प्रदोषः
१३	मं	४	४०	मू	११	५०	व्या	२८	२९	व	४	४०	१६	४५	१५	३०	२६	२०	धनुषि	भ.४।४०उ.३०।३९या
१४	मं	५१	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×पूषा.बुधः५३भा. माघारंभः
१५	बु	४९	२	पू	५	४९	ह	१९	२	च	२२	५०	१९	४४	१६	१	२७	२१	म.१९।२५	अभिःप्र.रविः११।५७(सौरः२२।२८)×

४०पं.मा.कृ.५चं.इ.९।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	४	१०	२	०	८
२७	२२	४	२४	३	१४	२३	२७
२७	८	२०	५३	७	५६	१०	१४
२२	१०	२०	२८	१	४२	४६	२२
६१	३४	३६	१४	७२	२८	३	६१
६	३२	२९	व.	२	व.	११	२४

गोचर.ग्रहाः

माघ कृष्णे ७ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३०घाट्या दिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

४१पं.मा.कृ.१२चं.इ.९।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	४	१०	२	०	९
४	२६	१०	२४	११	१४	२२	४
३५	२९	४२	३७	३७	२४	४८	२३
१३	१०	२२	१९	१५	२२	३१	४१
६१	३७	६१	३२	७१	१०	३	६१
३	२५	३७	व.	३८	व.	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४३०९स.२००४
१	गु	४२	२७	उ	०/१४	५५/२५	व	१०	३१	किं	१५	४४	२६/२१	६/४४	५/१६	२	२८	२२	मकरे	
२	शु	३७	१५	ध	५२	३०	सि	२/२०	५३/२२	बा	९	२१	२४	४३	१७	३	२९	२३	कुं.२४।४	चंद्रदर्शनम्
३	श	३३	४०	श	५१	१७	व	५०	१९	तै	५	२८	२७	४३	१७	४	१	२४	कुंभे	श्रवणे रविः२८/३४ (सौरः३८/५४) अश्वि.मेषे.×
४	र	३२	२५	पू	५२	१६	प	४६	३७	व	३	२	२९	४२	१८	५	२	२५	मी३७।४२	भ.३/२उ.३२/२५या.अभि.मि.रविः२०/४९ (सौरः+
५	चं	३२	५२	उ	५५	९	शि	४५	२	ब	२	३८	३२	४२	१८	६	३	२६	मीने	पूभा.शुक्रः५/४९ वसंत५ [+३१।११)
६	मं	३५	३१	रे	५९	४६	सि	४४	३३	कौ	४	११	३५	४१	१९	७	४	२७	मे.५९।४६	[×भौमः१९।४१जिल्हेज१२
७	बु	४०	४८	अ	६०	०	सा	४५	१	ग	८	९	३८	४०	२०	८	५	२८	मेषे	भ.४०।४८उ.भानुसप्तमी
८	गु	४५	३९	अ	५	५४	शु	४६	५८	वि	१३	१३	४१	४०	२०	९	६	२९	मेषे	भ.१३।१३या.भीष्माष्टमी
९	शु	५१	५२	भ	१३	३	शु	४९	१	बा	१८	४६	४५	३९	२१	१०	७	३०	वृ.२९।५६	[=१३।३८मा.स्ना पूर्तिः
१०	श	५८	३१	कृ	२०	३४	ब्र	५१	२३	तै	२५	११	४८	३८	२२	११	८	३१	वृषे	उषा.बुधः४३।३६
११	र	६०	०	रो	२७	७	ऐं	५३	२६	व	३१	३८	५१	३८	२२	१२	९	१	वृषे	भ.३१/३८उ.फरवरी २ ता.२९जया११व्र.स्मा
११	चं	४	४६	मृ	३५	१०	वै	५५	६	वि	४	४६	५४	३७	२३	१३	१०	२	मि.१।८	भ.४।४६या.जया ११ व्र. वै.
१२	मं	१०	२३	आ	४१	२०	वि	५५	४४	बा	१०	२३	५८	३६	२४	१४	११	३	मिथुने	मकरे बुधः१/५मीने शुक्रः२७/३८प्रदोषः
१३	बु	१४	४७	पु	४६	१३	प्री	५५	३५	तै	१४	४७	२७/१	३६	२४	१५	१२	४	कं२९।५९	वक्री आर्द्रा.२शनिः२५।३९
१४	गु	१७	५५	पु	५०	१	आ	५४	१७	व	१७	५५	५	३५	२५	१६	१३	५	कर्के	भ.१७/५५उ.४८/५०या.वक्री पूफा.३गुरुः५०।५८
१५	शु	१९	४४	श्ले	५२	२२	सौ	५२	१	ब	१९	४४	८	३४	२६	१७	१४	६	सिं.५२/२२	धनि.रविः३६/५२ (सौरः४४/४४) उभा.शुक्रः=

४२ पं.मा.शु.५ चं.इ. ९/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	४	१०	२	०	९
११	०	१९	२४	२०	१३	२२	११
४२	५३	१२	१२	४	५४	२६	३२
४०	२४	२२	२५	२६	२२	१५	३२
६०	३५	७६	३/५८	७१	३३/५२	३	६१
५९	३९	५३	व.	१४	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

११शु, बु९, चं१२, सू१०, ८, रा१मं, ७के, २, ४, ६, ३श, ५गु

माघ कृष्णे ७ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

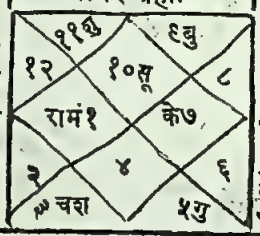

११शु, ९बु, १२, १०सू, ८, रामं१, के७, २, ४, ६, ३चश, ५गु

४३ पं.मा.शु११ चं.इ. ९/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	४	१०	२	०	९
१८	५	२८	२३	२८	१३	२२	१८
४९	१२	४५	३९	२८	२७	३	४०
१६	४७	१४	७	८	४०	५९	३६
६०	३२	८७	५/११	७०	३/२३	३	६१
५५	१२	१७	व.	४३	व.	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं २०६० शाकः १९२५.												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः
१	श	२०	१२	म	५३	२८	शो	४८	४९	कौ	२०	१२	२७/१२	६/३४	५/२६	१८	१५	७	सिंहे	
२	र	१९	२६	पू	५३	४१	अ	४४	४६	ग	१९	२६	१५	३३	२७	१९	१६	८	सिंहे	भ.४८।३६उ.
३	चं	१७	४७	उ	५३	१४	सु	४०	५	वि	१७	४७	१९	३२	२८	२०	१७	९	कं.८।३४	भ.१७/४७या. श्रवणे बुधः४३/१०चतुर्थी व्र.
४	मं	१५	१२	ह	५१	४२	धृ	३४	४९	बा	१५	१२	२३	३१	२९	२१	१८	१०	कन्यायां	
५	बु	११	५६	चि	४९	४४	शू	२८	५३	तै	११	५६	२७	३१	२९	२२	१९	११	तु२०।४३	[÷महाशिवरात्रि वै.
६	गु	८	१९	स्वा	४७	१८	गं	२२	४०	व	८	१९	३०	३०	३०	२३	२०	१२	तुलायां	भ.८।१९उ.३६।१३या.
७	शु	४	६	वि	४४	२६	वृ	१५	५६	ब	४	६	३४	२९	३१	२४	२१	१३	वृ.३०।९	कुंभेऽर्कः१२।८(सौरः१८।४२)
८	शु	५५	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×महाशिवरात्रि व्रःस्पा.
९	श	५५	६	अ	४०	५३	ध्रु	८	५७	तै	२७	१२	३८	२८	३२	२५	२२	१४	वृश्चिके	भरण्यांभौमः४१।१९
१०	र	४८	२९	ज्ये	३७	३	व्या	१/२६	५२/११	व	२१	४७	४१	२८	३२	२६	२३	१५	ध.३७।३	भ.२१/४७उ.४८/२९या.बुधास्तः पूर्वस्यां ५१।५
११	चं	४२	२६	मू	३२	४४	व	४५	३४	ब	१५	२७	४५	२७	३३	२७	२४	१६	धनुषि.	विजया ११ व्र.
१२	मं	३६	१५	पू	२८	२९	सि	३७	४०	कौ	९	२०	४९	२६	३४	२८	२५	१७	म.४२।२६	रेवत्यां शुक्रः३८।२२
१३	बु	३०	१३	उ	२४	१६	व्य	२९	५२	ग	३	१४	५३	२५	३५	२९	२६	१८	मकरे	भ.३०/१३उ.५७/३२या.धनि.बुधः०/२८प्रदोषः×
१४	गु	२४	५०	श्र	२०	३५	व	२२	३६	श	२४	५०	५६	२५	३५	३०	२७	१९	कुं.४९।७	शते रविः४८/२४ (सौरः५४/४) ÷
३०	शु	२०	४	ध	१७	४१	प	१५	५९	ना	२०	४	२८/००	२४	३६	१	२८	२०	कुंभे	भा.फाल्गुनारंभः

४४ पं.फा.कृ. ३ चं.इ. ९/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	४	११	२	०	९
२५	९	९	२२	६	१३	२१	२५
५५	४५	७	५९	४५	५	४१	४७
१	५८	१९	१३	५०	१०	४४	२३
६०	३६	९४	६/१४	७०	२/४२	३	६०
४७	४०	५४	व.	५	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

११, ९, १२शु, सू१०बु, ८, राम१, ७के, २, ४, चं६, ३श, गु५

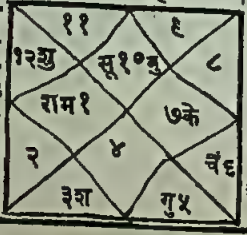

फाल्गुन कृष्णे ७ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

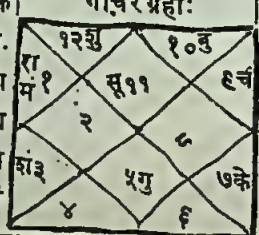

१२शु, १०बु, रामं१, सू११, ९चं, २, ८, शं३, ५गु, ७के, ४, ६

४५ पं.फा.कृ.११ चं.इ. १०/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	४	११	२	०	१०
२	१४	२०	२२	१४	१२	२१	२
५९	१४	१२	१२	५८	४६	१९	५३
४९	४९	५०	५०	८	३४	२८	२६
६०	३७	०/००	७/५	६९	२/७	३	६०
३७	३	४४	व.	१४	व.	११	४२

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३३९ स. २००४
१	श १६।४१ श १६।१४ शि १०।२६ ब १६।४१	२८	६	५७	२	२९	२१	कुंभे	चंद्रदर्शनम्
२	र १५। ४ पू १६।२३ सि ६।१९ कौ १५। ४	८	२२	३८	३	१	२२	मी. १।२१	कुंभे बुधः ३ मोहोरम १सन् १४२५ हि ×
३	चं १५। २ उ १८।१० सा ३।३७ ग १५। २	१३	२२	३८	४	२	२३	मीने	भ. ४६. २ उ. [×फुलरिया २
४	मं १७। २ रे २१।४० शु २।१४ वि १७। २	१६	२१	३९	५	३	२४	मे. २१।४०	भ. १७।२या.
५	बु २०।४१ अ २६।५२ शु २।११ बा २०।४१	२०	२०	४०	६	४	२५	मेषे	शते बुधः ४४।५१
६	गु २५।५३ भ ३३।३२ ब्र ३।१४ तै २५।५३	२४	१९	४१	७	५	२६	वृ. ५०	
७	शु ३१।४० कृ ४०।४१ ऐं ५। ४ व ३१।४०	२८	१८	४२	८	६	२७	वृषे	भ. ३१।४०उ.
८	श ३८।११ रो ४८।१८ वै ७।१९ वि ४।५६	३२	१८	४२	९	७	२८	वृषे	भ. ४।५६या. होलाष्टकः
९	र ४४।३० मृ ५५।३४ वि ९।३१ बा ११।२०	३६	१७	४३	१०	८	२९	मि २१।५६	अश्वि. मेषे. शुक्रः १४।३५
१०	चं ५०।१५ आ ६०। ० मी ११।३२ तै १७।२२	४०	१६	४४	१	९	१	मिथुने	मार्चे ३ ता ३१ [+दहनम्
११	मं ५४।४४ आ २।१६ आ १२।२८ व २२।२९	४४	१५	४५	१२	१०	२	क. ५१।०	भ. ३३ उ. ५४ या. आमलकी ११ व्र.
१२	बु ५७।४० पु ७।२३ सौ १२।४४ ब २६।१२	४८	१४	४६	१३	११	३	कर्के	[÷वक्री पूफा. २ गुरुः ३६। ३४ प्रदोषः
१३	गु ५८।५८ पु ११।१६ शो ११।३९ कौ २८।१९	५२	१४	४६	१४	१२	४	कर्के	पूभा. रविः ४ (सौरः ६१) पूभा. बुधः १ ÷
१४	शु ५८।३७ श्ले १३।२२ अ ९।१३ ग २८।४७	५६	१३	४७	१५	१३	५	सिं १३।२२	भ. ५८।३७ उ.
१५	श ५६।४० म १४। ३ सु ५।२९ वि २७।३८	२९	१२	४८	१६	१४	६	सिंहे	भ. २७।३८या. कृत्ति. भौमः ३ होलिका+

४६पं.फा.शु.३चं.इ.१०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	४	११	२	०	१०
१०	१८	२	२१	२३	१२	२०	९
३	४४	२	२१	४	३३	५७	५७
२२	२	२	४३	५५	५८	१३	५९
६०	३७	५९	४०	६८	२९	३	६०
२५	१०	५६	व.	३०	व.	११	३१

ग्रोचर ग्रहाः

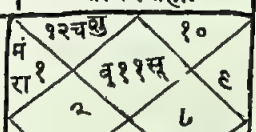

शनिवाराः यदा पंच पाताले कम्पते फणी, ईशानदेशभंगश्च वाह्निदाहो महर्घता इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य धातु में मंदी होकर तेजी हो।

ग्रोचर ग्रहाः

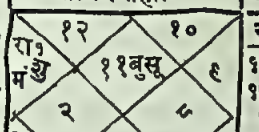

४७पं.फा.शु.१०.चं.इ. १९८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	४	०	२	०	१०
१७	२३	१४	२०	१	१२	२०	१७
५	१३	२७	२७	३	२६	३४	०
३५	४१	२३	०	०	१३	५७	५१
६०	३७	५८	५३	६७	३०	३	६०
१२	२६	१५	व.	२६	व.	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५	वि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा०
१	र ५३।३० पू १३।११ धृ ४१।५४ बा २५। ५	२९	६	५९	१७	१५	७	कं. २७।४१	मार्गी शनिः ५८।५७ वसंत १ छारेंडी
२	चं ४९।२४ उ ११।११ गं ४८।२८ तै २१।२७	९	१०	५०	१८	१६	८	कन्यायां	
३	मं ४४।२६ ह ८।२१ बृ ४१।२६ व १६।५५	१३	९	५१	१९	१७	९	तु. ३६।४२	भ. १६ उ. ४४ या. मीने बुधः १३।९
४	बु ३९ ७ चि ५। ४ ध्रु ३४।१३ ब ११।४६	१७	९	५१	२०	१८	१०	तुलायां	उभा. बुधः ५५ चतुर्थी व्रतम्
५	गु ३३।५१ स्वा ३७ ५६ व्या २७ ० कौ ६।२९	२१	८	५२	२१	१९	११	वृ. ४४।०	वृषे भौमः २३।१४
६	शु २८।३५ अ ५४।३४ ह १९।४२ ग १।१३	२६	७	५३	२२	२०	१२	वृश्चिके	भ. ३६ उ. ५५ या. भरण्यां शुक्रः १ भरणी ×
७	श २३।१२ ज्ये ५१।१५ व १२।३१ ब २३।१२	३०	६	५४	२३	२१	१३	ध. ५१।१५	[×२ राहुः स्वाती ४ केतुः ३ शीतलापूजनम्
८	र १७।१७ मू ४८। ७ सि २८ ५३ कौ १७।१७	३४	५	५५	२४	२२	१४	धनुषि	मीनेऽर्कः ५।२३ (सौरः ९।१२)
९	चं १३।१९ पू ४४।५९ व ५१।४६ ग १३।१९	३८	४	५६	२५	२३	१५	म. ५९।२१	भ. ४०।५६ उ.
१०	मं ८।३४ उ ४२।२८ प ४५।२२ वि ८।३४	४३	३	५७	२६	२४	१६	मकरे	भ. ८।३४या.
११	बु ४।१६ श्र ३९।१३ शि ३९।२१ बा ४।१६	४७	३	५७	२७	२५	१७	मकरे	उभारविः ३६ (सौरः ३९) रेवत्यांबुधः ४४ ÷
१२	गु ०।२५ ध ३८।४१ सि ३३।५६ तै ०।२५	५१	२	५८	२८	२६	१८	कुं. ८।५७	भ. १४ उ. प्रदोषः
१३	गु ५६।४९ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	[÷बुधोदयः पश्चिमायां ५२ पापमोचनी+
१४	शु ५४।५६ श ३७।५६ सा २९।१५ वि २६। ५	५५	१	५९	२९	२७	१९	कुंभे	भ. २६।५या. [+११ व्र.
२०	श ५४। १ पू ३८।३२ शु २५।२२ च २४।२९	०	०	०	६	०	२०	मी. ३३	मन्वादिः

४८पं. चै. कृ. २ चं. इ. ५०७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	४	०	२	०	१०
२४	२७	२७	१९	८	१२	२०	२४
६	४३	५८	३३	५२	२४	१२	२
२२	३४	५२	७	४८	२५	४१	१४
५९	३७	५९	५३	६६	०	३	६०
५८	४८	५१	व.	७	मा	११	६

गोचर ग्रहाः

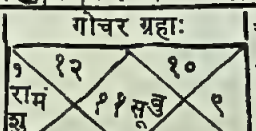

चैत्र कृष्णे ८ रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम

गोचर ग्रहाः

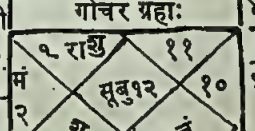

४९पं.चै.कृ.९च.इ. ११।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	४	०	२	०	११
१	२	११	१८	१६	१२	१९	१
५	१३	४३	३९	२९	२७	५०	१
३५	५	५२	११	२८	५०	२६	५६
५९	३७	५९	५३	६४	०	३	५९
४१	५२	५४	व.	३४	५३	११	४९

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दीः १९५५८८५१०५ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०५ भोग्यकलिः ४२६८९५ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६१ शाकः १९२६ अथास्मिन् वर्षे राजा रविः। मंत्री भौमः। सस्येशःशुक्रः। धान्येशः बुधः। मेघेशश्चंद्रः। रसेशःशनिः। नीरसेशो गुरुः। फलेशश्चंद्रः। धनेशोगुरुः। दुर्गेशश्चंद्रः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ११ हेमलम्बनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः १०।१९।५८।५ भोग्यमासादिः १।१०।१।५५ पितृदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम फाल्गुनः। मेघनाम आवर्तः। रोहिणीनिवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे। समयविश्वा १८ समयवाहनमश्वः। स्तंभाः नैव। सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी ३ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा ११ धान्यम् १३ तृणम् ९ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् ११३ सत्यम् ॥ धर्मं १॥ पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहण २ चंद्रस्य ।

संवत् २०६१ वैशाख शुक्ले १५ भौमे खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज. घ.	४४	४७	४८	५०	५२
मध्य प.	३१	१०	५५	२०	५९
रेल्वे घ.	१२	१	१	२	३
टा. मि.	१५	१९	५७	३५	३९

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	१४	५	२	२	११	२

वर्ष लग्नम् ९।२०

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय जय माता अंबिका बन्दौ बारम्बर ।
हाथ जोड़ कर पूछता इकसठ का सब सार ॥

भवानी उत्तर

सुनजे भैरव ध्यान से माता कहे विचार ।
राजा मंत्री देखतां हो उत्पात अपार ॥
पर भृगुजी सस्येश है वर्षापति द्विजराज ।
सुख संपत्ति संचार हो जग में मंगल काज ॥
अधिक मास श्रावण बना रवि आगे कुजराय ।
पवन चक्र जग में चले वर्षा स्वल्प दिखाय ॥
व्यापारां घटबढ घणी रसकस तेजी जाण ।
कहींक पूर्व देश में करसी कुछेक हान ॥
दशाधिकारी योग से फल सब उत्तम होय ।
बंशीधर का कथन है भजन करो सब कोय ॥

नोट-यह ग्रहण जहां रेल्वे ६ बजकर ४७ के पीछे चंद्रास्त होगा वहीं दिखाई देगा ।

आश्वि. शुक्ले १४ बुधे अर्द्धरात्रि पश्चाद् पश्चिमप्रदेशे ग्रस्ताऽस्त चंद्रग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
उज्ज घं.	०	३	५	६	९
मध्य प.	४९	४७	२२	५७	५५
रे. घं.	६	७	८	९	१०
टा. मिं.	४७	५८	३६	१४	२५

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ५।१२

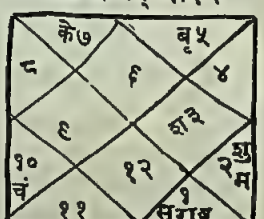

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४२।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५४।१०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा रविःफलम् ।। सूर्ये नृपे स्वल्पफलाश्च मेघा स्वल्पं पयो गोषु जनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधा निधनं नृपाणाम् ।। मंत्री भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजोननु मंत्रिकतांगतोभवतिदस्युगदादिज वेदना । जनपदेषु जयं सुखसंचयं न बहु गोषु पयो द्विजकर्म च । सस्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूमशालीक्षुधनं प्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशोबुधस्तत्फलम् ।। बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुंचंति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवोल्पं च वर्षति।। मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। शशिनि तोयदपे यदिगोमहिष्यजखरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धनधान्यवती मही विविधभोगवती ननुभामिनी ।। रसेशः शनिःफलम् ।। रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गजवाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा न रसैर्युताः।। नीरसेशोगुरुः फलम् ।। हरिद्रा पीतवस्तूनि पीतवस्त्रादिकञ्चयत् । नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। यदि विधु फलपो द्रुमराशयः फलयुतावलीभिः कुसुमैर्युता । द्विजमुखावरभोगसमन्विता नृपतयो नयनाटनतत्पराः । धनेशोगुरुः फलम् ।। सुमनसां च गुरुर्वणिगधिपो वणिजवृत्तिपरा सुखभाजनाः। फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविधद्रव्ययुता भुवि मानवाः । दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। गढ़पति शशलाञ्छनको यदा नृपसुराज्य विलासितपौरजाः । बहुधनेक्षुजगोरसभोगिनो नरवरा वरवर्णित विग्रहाः ।। हेमलम्बनाम संवत्सरः फलम् ।। आकूला हेमलम्बे तु मध्यसस्यार्घवृष्टिभिः ।। भातिभूर्भवतिक्षोभ बहुविद्युल्लतादिभिः । वर्षनाम फाल्गुनःफलम् । सुभिक्षं प्रचुरावृष्टिरुत्तरेयाम्यपश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरम् फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्नवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना । समयनिवासो रजकगृहे फलम् ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०६१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शु. ३ गुरौ रोहि. ल. ११ रे. ८ ।।ऽशु।।ऽरो।।।।शुक्रयुतिः गु. ७ पू.

,, ६ गुरौ मघा. ल. गो. सोग्रांगः रे.६ऽरा।।।।ऽचोऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः आवश्यके

,, ११ शनौ उफा. ल. अन्यगो. सोग्रांगःरे.८।।।।।ऽरोऽ।।।

,, १२ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगःरे.८ऽऽ।।।।।।।।

ज्वेष्ठ मासः ।

कृ. ३ शुक्रे मूले ल. गो. सोग्रांगः ११ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। कुंभे गु. ७ पू.

,, ५ रवौ उषा. ल. ११ रे. ७ ।ऽ।ऽशु ।।।।।ऽ शुक्रस्य पादवेधाऽभावः सप्तमस्थो गुरुपूज्यः

कार्तिक मासः ।

शु. ११ चंद्रे रेवत्यां ल.६ रे.८।।।।ऽऽचो।।।।चं.७ पूज्यः

,, १५ शुक्रे रोहि.ल.६ रे.७।।।।ऽऽअ.ऽ।।घ.४६।५१उ.

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. १ शनौ रोहि. ल. ५ घ. ४५।१६ या.रे. ७।।।।ऽऽ म ।ऽ।।मृगे ल. ६ घ.४८।१६ उ.रे.९ ।।।।।ऽ।।।

,, २ रवौ मृगे ल. गो. ५।६ रे. ६ ।।।।।ऽ।।।घ.४४ उ. नृपपंचक रेखा ८

,, ६ चंद्रे उफा. ल. अन्यगो रे.६ ऽ।।।।ऽअऽऽ।।हस्ते ल. ५ रे. ६ ।।ऽवृ।।ऽअ।ऽ।ऽदग्धा. आवश्यके

,, ११ बुधे स्वा. ल.५।६ रे. ७ ।।।।ऽऽनृ।ऽ।।

शु. ३ भौमे उषा. ल. ६ रे. ८ ।।।।ऽऽअ।।।।

पौष मासः ।

शु. ७ रवौ रेव.ल. अन्यगो.६ रे.८।।।।।ऽअ।ऽ।।कन्यायां चं. ७ पू.

,, १२ शुक्रे मृगे ल. गो.६ रे. ६ ऽसू।।।ऽ।।।ऽऽआवश्यके

माघ मास ।

कृ. ४ शनौ उफा. ल. गो. ८ रे.८।।।।।ऽचो।ऽ।।वृश्चिके चोरपंचकाऽभावः रेखा ६

,, ५ रवौ हस्ते ल. गो. ८ रे ८ ।।।।।।ऽऽ।। वृश्चिके रोगपंचकः

,, ६ गुरौ अनु. ल. अन्यगो. ६रे.६ऽ।।।।ऽअ३४या.ऽऽ।।

शु. ३ शुक्रेउभा.ल.६।८रे.६।।।।।ऽअ।।।।कन्यायांचं.७पू.

,, ४ शनौ रेवत्यां ल. ८ रे. ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।।

अग्रे शुक्राऽस्तः

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	वसंततु रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३६८सन् २००४
१	र ५४।१३ उ ४०।१७ शु २२।३८ किं २४ ७	३० ४	५९	६ १	१	२९	२१	मीने	भा.चैत्रारंभः संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	चं ५६।१० रे ४३।३७ ब्र २१।२३ बा २५ ११	८	५८	२	२	३०	२२	मे.४३।३७	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	मं ५९।३२ अ ४८।१३ ऐं २०।४७ तै २७ ५०	१२	५८	२	३	१	२३	मेषे	सफर २ मत्स्यजयंती गणगौरी
४	बु ६०। ० भ ५४।१६ वै २१।१३ व ३२। २	१६	५७	३	४	२	२४	मेषे	भ.३२।२उ.कृत्ति. शुक्रः ५२।८
४	गु ४।३३ कृ ६०। ० वि २२।४३ वि ४।३३	२१	५६	४	५	३	२५	वृ.१०।५८	भ.४।३३या.अश्वि.मेषे बुधः ४०।५६
५	शु १०। १ कृ १। ४ प्री २५। ३ बा १०। १	२५	५५	५	६	४	२६	वृषे	
६	श १६।२१ रो ८।३७ आ २७।२५ तै १६।२१	२९	५४	६	७	५	२७	मि. ४३	रोहिण्यां भौमः २०।२
७	र २२।३४ मृ १६। ७ सौ २९।४३ व २२।३४	३३	५३	७	८	६	२८	मिथुने	भ.२२।३४उ.५५।३३या. वृषे शुक्रः १४
८	चं २८।३१ आ २३।१६ शो ३१।२८ ब २८।३१	३७	५३	७	९	७	२९	मिथुने	
९	मं ३३।२६ पु २९।२३ अ ३२।१२ बा ०।५९	४१	५२	८	१०	८	३०	क.१२।५१	रेवत्यां रविः ५४।६ (सौरः ५५) रामनवमी
१०	बु ३६।५६ पु ३४। ४ सु ३१।५८ तै ५।११	४५	५१	९	११	९	३१	कर्के	
११	गु ३८।३७ श्ले ३६।५३ धृ ३०।११ व ७।४६	४९	५०	१०	१२	१०	१	सिं.३६	भ.५४ उ.३६या.वक्री पूफा.१गुरुः ५९×
१२	शु ३८।१७ म ३७।५५ शू २६।५७ व ८।२७	५३	४९	११	१३	११	२	सिंहे	[×अप्रेल ४ ता.३० कामदा ११ व्र.
१३	श ३५।५९ पू ३६।५८ गं २२।१४ कौ ७ ८	५७	४९	११	१४	१२	३	कं. ५१	प्रदोषः
१४	र ३१।५८ उ ३४।३० बृ १६। ० ग ३।५९	३१	४८	१२	१५	१३	४	कन्यायां	भ.३१।५८उ.५९।१६या.
१५	चं २६।३४ ह ३०।३४ ध्रु ८।५२ ब २६।३४	५	४७	१३	१६	१४	५	तु ५८।१०	हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.२चं.इ.११।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	४	०	२	०	११
८	६	२४	१७	२३	१२	१९	७
३	४२	२९	४८	५२	३६	२८	५९
१८	२५	४९	३२	१९	५०	१०	५१
५९	३८	०	५६	६२	१	३	५९
२९	३	७	व.	४१	३३	११	३५

५१ पं.चै.शु.८चं.इ.११।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	०	४	१	२	०	११
१४	११	३	१७	०	१२	१९	१४
५९	११	४९	२	५८	५०	५	५५
१०	२०	५२	४९	१२	५६	५५	५९
५९	३८	६५	६	६०	२	३	५९
१६	१४	२१	व.	१६	१३	११	१६

५२पं.चै.शु. १५च.इ.१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	०	४	१	२	०	११
२१	१५	७	१६	७	१३	१८	२१
५३	४०	५९	२२	४३	९	४३	५०
३१	१२	३८	५२	१	५८	३९	१०
५९	३८	८	५५	५७	२	३	५९
४	२०	३९	व.	७	५३	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततु रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	मं १९।५८ चि २५।४७ ब्या ३० ७	३१	५१	६	१७	१५	६	तुलायां	वक्री.बुधः २८।५८
२	बु १२।५२ स्वा २०।२७ व ४३।२२ ग १२।५२	१४	४६	१५	१८	१६	७	तुलायां	भ.३९।१२उ.रोहि.शुक्रः ३६।१५
३	गु ५।३२ वि १५।११ त्रि ३४।५३ वि ५।३२	१८	४५	१५	१९	१७	८	वृ.१।३०	भ.५।३२या. चतुर्थी व्रतम्
४	गु ५२।४८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
५	शु ५१।३४ अ १० ७ व्य २६।२९ कौ २४।५७	२२	४४	१६	२०	१८	९	वृश्चिके	बुधास्तः पश्चिमायां ४।२७
६	श ४५।३५ ज्ये ५।३३ व १८।३२ ग १८।३४	२६	४३	१७	२१	१९	१०	ध.५।३३	भ.४५।३५उ.
७	र ४०।१६ मू ४०।१ ५७ प ११। २८ वि १२।५५	३०	४२	१८	२२	२०	११	धनुषि	भ.१२।५५या.
८	चं ३५।३६ उ ५६। ९ शि २९।४ ५३ बा ७।५५	३४	४१	१९	२३	२१	१२	म.१२।५२	
९	मं ३१।५८ श्र ५४।५६ सा ५३।१९ तै ३।४७	३८	४०	२०	२४	२२	१३	मकरे	अश्वि.मेषेऽर्कः २९ (सौरः ३५) आर्द्रा.३÷
१०	बु २९।१० ध ५४।३३ शु ४८।४३ व ०।३४	४२	४०	२०	२५	२३	१४	कुं.२४।४३	भ.०।३४उ.२९।१०या. [÷शनिः ४९।३०
११	गु २७।१९ श ५४।५७ शु ४५। १ वा २७।१६	२६	४१	१९	२६	२४	१५	कुंभे	वरूथिनी ११ व्र.
१२	शु २६।१९ पू ५६।१८ ब्र ४२।१३ तै २६।१९	५०	३८	२२	२७	२५	१६	मी. ५०	प्रदोषः
१३	श २६।३५ उ ५९।४६ ऐं ४०। ८ व २६।३५	५३	३७	२३	२८	२६	१७	मीने	भ.३६उ.५७।११या.मृगे भौमः १३।५९
१४	र २७।४६ रे ६०। ० वै ३९।२१ श २७।४६	५७	३७	२३	२९	२७	१८	मीने	
१५	चं ३०।२५ रे २।३५ वि ३८।५६ ना ३०।२५	३३	३६	२४	३०	२८	१९	मे.२।३५	

१ पं.वै.कृ.९मं.इ.२८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०,	१	०	४	१	२	०	११
०२०	५	१५	१०	१३	१८	२९	
०५७	५१	४३	३	३७	१७	५६	
०२९	४०	१६	२५	१	३१	२३	
५८	३८	३६	३	५१	३	३	५८
४४	१९	व.	व.	५८	४०	११	४५

गोचर ग्रहाः

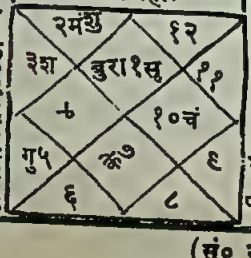

वैशाख कृष्णे ९ भौमे
मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.
३ न ४ प्रौढावस्था
(बैठी) मु.३०घान्यादि
भावे समता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

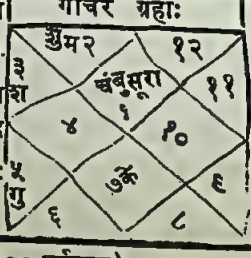

२पं.वै.शु. १मं.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	४	१	२	०	०
६	२५	१	१५	२०	१४	१७	६
५०	२५	६	२०	३६	६	५५	४६
४२	१	१८	२४	३६	७	१५	३४
५८	३८	४०	३	४६	४	३	५८
३१	३६	व.	व.	२८	२०	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६	दि	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४३९८सन्२००४
१	मं ३४ ३ अ ७ २८ प्री ३९ ३५ किं २ १७ ३३ ५ ६ ३१ २९ २०							मेषे	
२	बु ३८ ५९ भ १३ २५ आ ४१ २ बा ६ ३१ ९ ३४ २६ १ ३० २१							वृ.३०।३	चंद्रदर्शनम् भा. वैशाखारंभ
३	गु ४४ २४ कृ १९ ५९ सौ ४२ ५६ तै ११ ४१ १२ ३४ २६ २ १ २२							वृषे	वक्री रेवत्यां मीने बुधः ६/२ रविलावल ३×
४	शु ५० ४८ रो २७ २० शो ४५ ११ व १७ ३६ १६ ३३ २७ ३ २ २३							वृषे	भ.१७।३६उ.५०।४८या.मृगे शुक्रः ५/१९
५	श ५७ ८ मृ ३५ ९ अ ४७ ५३ ब २३ ५८ २० ३२ २८ ४ ३ २४							मि. १/४	[×परशुरामजयंती अक्षया ३
६	र ६० ० आ ४२ ३७ सु ५० १७ कौ ३० १० २३ ३१ २९ ५ ४ २५							मिथुने	
६	चं ३ १३ पु ४९ ३२ धृ ५१ ५९ तै ३ १३ २७ ३१ २९ ६ ५ २६							कं.३२।४९	बुधोदयः पूर्वस्यां १५।२४
७	मं ८ ३४ पु ५४ ५३ शू ५२ ३८ व ८ ३४ ३१ ३० ३० ७ ६ २७							कर्के	भ.६/३४उ.४०या.भरण्यांरविः ६/० (सौरः÷
८	बु १२ ४६ श्ले ५९ २६ गं ५२ ९ ब १२ ४६ ३४ २९ ३१ ८ ७ २८							सिं. ३/९	[÷१३।१४) मिथुने भौमः ३/०
९	गु १५ १३ म ६० ० बृ ५० ११ कौ १५ १३ ३८ २८ ३२ ९ ८ २९							सिंहे	पातस्पर्शः ३८।१४पातमोक्ष ५०।२
१०	शु १५ ४४ म १ ४६ धु ४६ २३ ग १५ ४४ ४१ २८ ३२ १० ९ ३०							सिंहे	भ.४४।५८उ.
११	श १४ १३ पू २ १ व्या ४१ १२ वि १४ १३ ४५ २७ ३३ ११ १० १							कं.१६।३५	भ.१४।१३या.मई.५ ता.३१मोहिनी ११व्र.
१२	र १० ३५ उ १७ ५/३० ह ३४ २३ बा १० ३५ ४८ २६ ३४ १२ ११ २							कन्यायां	मार्गी बुधः २६।१मार्गी गुरुः ३/६ प्रदोषः
१३	चं ५ ३ चि ५१ ३५ व २६ ७ तै ५ ३ ५२ २६ ३४ १३ १२ ३							तु.२४।१४	भ.५७।४७उ.,नृसिंहजयंती
१४	चं ५२ ४४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०	[=यमाय कुंभदानम्
१५	मं ४९ ३६ स्वा ४५ १९ सि १६ ५४ वि २३ ४१ ५५ २५ ३५ १४ १३ ४							तुलायां	भ.२३।४१या. खग्रासचंद्र ग्रहणम्=

३ पं. वै.शु. ७ मं. इ. ३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	४	१	२	०	०
१३	२९	२७	१५	२५	१४	१७	१३
२९	५२	५३	६	२३	२९	३३	३४
४७	२३	२०	५८	३८	४०	०	५९
५८	३८	२१	१	३९	४	३	५८
१९	३५	व.	व	२	५०	११	१२

गोचर ग्रहाः

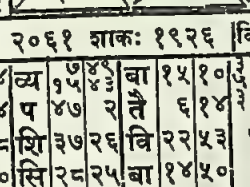

वृषराशौ यदा भौमः सर्वधान्य महर्धता । चन्दनं कुंकुमं वस्त्रं कार्पासादि महर्धता ।। इस मास में धान्य व रस मंदा होकर तेज हो, धातु मंदा रहे ।

गोचर ग्रहाः

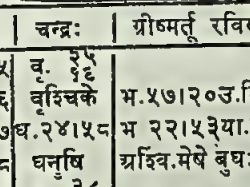

४ पं. वै.शु. १५ मं. इ. ३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	४	१	२	०	०
२०	४	२८	१५	२९	१५	१७	२०
२७	१९	४	१	७	१७	१०	२१
२५	३०	१२	१९	२३	६	४४	४३
५८	२८	४/३	२/९	२९	५	३	५७
६	३७	मा	मा	८	१४	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६	दि.	उ	अ.	भा.	मु	इ	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	बु ४० ४४ वि ३८ ३४ व्य १५/४९ बा १५ १० ३२/५८ २४ ३६ १५ १४ ५							वृ. ३/६	
२	शु ३१ ४६ अ ३१ ३४ प ४७ २ तै ६ १४ ३३ २४ ३६ १६ १५ ६							वृश्चिके	भ.५७।२०उ.मिथुने शुक्रः १७।१४
३	शु २२ ५३ ज्ये २४ ५८ शि ३७ २६ वि २२ ५३ ५ २३ ३७ १७ १६ ७							ध.२४।५८	भ २२।५३या.चतुर्थी व्रतम्
४	श १४ ५० मू १९ १० सि २८ २५ बा १४ ५० ८ २२ ३८ १८ १७ ८							धनुषि	अश्वि.मेषे बुधः ४/५५ आर्द्रा.भौमः १३।५९
५	र ७ ४३ पू १४ १९ सा २० २८ तै ७ ४३ ११ २२ ३८ १९ १८ ९							म. ३/८	
६	चं ५/१ ५५ उ १० ५१ शु १३ २६ ब १ ५७ १४ २१ ३९ २० १९ १०							मकरे	भ.१।५७उ.२९।४२या.कृत्ति.रविः ५/१९
७	मं ५४ २९ श्र ८ ४८ शु ७ ४५ बा २५ २८ १७ २१ ३९ २१ २० ११							कुं. ३/६	(कृत्ति.रविः १।६सौर)
८	बु ५२ ५५ ध ७ ५३ ब्र १/१४ २/५६ तै २३ ४१ २० २० ४० २२ २१ १२							कुंभे	
९	गु ५२ ३७ श ८ २९ वै ५७ २५ व २२ ४६ २३ १९ ४१ २३ २२ १३							मी. ५/०	भ.२२।४६उ.५२।३७या.
१०	शु ५३ ४७ पू १० ३१ वि ५५ ५५ ब २३ ११ २६ १९ ४१ २४ २३ १४							मीने	वृषेऽर्कः ३/१ (सौरः ३/६) भ.१राहुः स्वा.३×
११	श ५५ ५६ उ १३ ५३ प्री ५५ २८ कौ २४ ५२ २८ १८ ४२ २५ २४ १५							मीने	[×केतुः८।३९अपरा ११ व्र.
१२	र ५९ ३१ रे १८ १० आ ५४ ५६ ग २७ ४४ ३१ १८ ४२ २६ २५ १६							मे १८।१०	भ.५९।३१उ. प्रदोषः
१३	चं ६० ० अ २३ ३७ सौ ५६ ४७ वि ३१ ३७ ३४ १७ ४३ २७ २६ १७							मेषे	भ.३१।४७या.
१४	मं ३ ४२ भ २९ ५५ शो ५८ ३५ श ३ ४२ ३७ १७ ४३ २८ २७ १८							वृ. ४/५	वक्री शुक्रः ५/९ आर्द्रा. ४शनिः १२।५८
१५	बु ९ २ कृ ३६ ३७ अ ६० ० ना ९ २ ३९ १६ ४४ २९ २८ १९							वृषे	वटपूजनम्

५ पं.ज्ये.कृ. ८ मं.इ. २९/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	४	२	२	०	०
२७	८	१	१५	१	१५	१६	२७
१३	४५	४२	४	२९	५७	४८	६
२७	१४	४	४४	१०	५०	२८	५७
५७	२८	३७	१	१६	५	३	५७
५४	५१	१	३२	२६	४१	११	४५

गोचर ग्रहाः

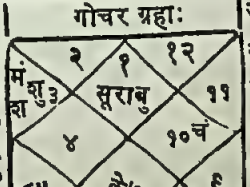

ज्येष्ठ कृष्णे ११ शुक्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु.४५ धान्या दि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

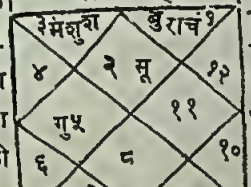

६ पं.ज्ये.कृ.१४मं.इ. २९/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	२	२	०	१
३	१३	८	१५	२	१६	१६	३
५८	१९	१९	१७	१४	४१	२६	५०
३७	४९	३०	४२	३८	३८	१३	३९
५७	३८	६४	२	०	६	३	५७
४४	४७	७	५८	५२	२	११	३४

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४४२८स.२००४
१	गु	१४	२९	रो	४३	५९	अ	०	२५	ब	१४	२९	३३/४२	५/१६	६/४४	३०	२९	२०	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
२	शु	२०	४०	मृ	५१	३१	सु	२	५३	कौ	२०	४०	४४	१५	४५	३१	१	२१	मि. १७/४५	रविलाख र ४
३	श	२७	१	आ	५८	५०	धृ	५	२९	ग	२७	२	४७	१५	४५	१	२	२२	मिथुने	भ.५९/५९उ.भरण्यां बुधः३९/१३भा.ज्येष्ठारंभः
४	र	३२	५८	पु	६०	०	शू	७	५०	वि	३२	५८	४९	१४	४६	२	३	२३	क.४९।२९	भ.३२।५८या.
५	चं	३८	४०	पु	६	२३	गं	९	५७	ब	५	४९	५२	१४	४६	३	४	२४	कर्के	रोहि.रविः४५।५(सौरः५५।१)
६	मं	४३	१७	पु	१२	४४	वृ	१२	३७	कौ	१०	५८	५४	१३	४७	४	५	२५	कर्के	
७	बु	४६	२८	श्ले	१८	१०	ध्रु	१२	६	ग	१४	५२	५६	१३	४७	५	६	२६	सिं.१८/१०	भ.५६।२८उ.
८	गु	४८	८	म	२१	५९	व्या	११	२८	वि	१७	१८	५८	१२	४८	६	७	२७	सिंहे	भ.१७।१८या.
९	शु	४७	४९	पू	२३	५१	ह	९	१९	बा	१७	५९	३४/००	१२	४८	७	८	२८	कं.३८।५३	वक्री वृषे शुक्रः४२।९
१०	श	४५	३७	उ	२४	१	व	५	३६	तै	१६	४३	२	१२	४८	८	९	२९	कन्यायां	पुनःभौमः२०।७गंगादशमी
११	र	४१	२२	ह	२२	१३	सि	०/१९	५३/९	व	१३	२९	३	११	४९	९	१०	३०	तु५०।७	भ.१३।२९उ.४१।२२या.निर्जला११व्र.
१२	चं	३४	५८	चि	१८	२	व	४५	१०	ब	८	१०	५	११	४९	१०	११	३१	तुलायां	कृत्ति.बुध.२१।३
१३	मं	२७	१३	स्वा	१२	४६	प	३५	४१	कौ	१	५	७	११	४९	११	१२	१	वृ.५२।४१	जून ६ ता. ३० प्रदोषः
१४	बु	१८	५	वि	६/०	५२/२१	शि	२५	१६	व	१८	५	९	१०	५०	१२	१३	२	वृश्चिके	भ.१८।५उ.४३।११या.वृषे बुधः१३।२
१५	गु	८	१७	ज्ये	५०	२६	सि	१४	३७	ब	८	१७	१०	१०	५०	१३	१४	३	ध.५०।२६	गुर्जराणाम् वटसावित्रीव्रतम्

७ पं.ज्ये.शु.६मं.इ.२९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	२	२	०	१
१०	१७	१७	१५	१	१७	१६	१०
४२	३७	२७	३८	४	२७	३	३२
२९	१६	७	२८	५	४०	५७	५०
५७	३८	८७	४	१६/३७	६	३	५७
३५	४६	९	७	व.	२३	११	२३

गोचर ग्रहाः

शुशमं३ | १बुरा | ४चं | सू २ | १२ | गु५ | ११ | ६ | ८ | १० | ७के | ९

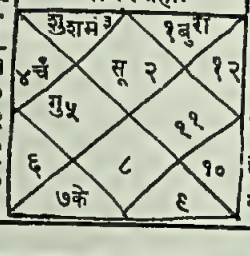

इस मास में मिथुन का मंगल धान्य को तेज करें सुदि में धान्य धातु सोना चांदी मंदा हो कही २ अच्छी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

मंश३ | २ | १राबु | ४ | शुसू | १२ | ५गु | ११ | ६ | ८ | १० | ७केंच | ९

८ पं. ज्ये.शु.१३मं.इ. २९/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	१	२	०	१
१७	२२	२८	१६	२८	१८	१५	१७
२५	२	४२	७	३	१६	४१	१३
१९	४९	४	४८	३२	५	४२	५६
५७	३८	०/०७	५	३०/४५	६	३	५७
२७	५६	९	१५	व.	३८	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहा.
१	गु	४९	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+पूफा.२गुरुः४३/३१बुधास्तः पूर्वस्यां५०।२
२	शु	४८	२८	मू	४२	४४	सा	३/४४	४९/२६	तै	२३	१९	३४/१२	५/१०	६/५०	१४	१५	४	धनुषि	
३	श	३९	२०	पू	३५	४७	शु	४३	११	व	१३	५४	१३	९	५१	१५	१६	५	म.४९।२५	भ१३/५४उ.३९/२०या.शुक्रास्तः पश्चिमायां४९/१२×
४	र	३१	२७	उ	३०	१६	ब्र	३४	३५	ब	५	१७	१५	९	५१	१६	१७	६	मकरे	[×चतुर्थी व्र.
५	चं	२५	१७	श्र	२६	५	ऐं	२७	५	कौ	२५	१७	१६	९	५१	१७	१८	७	कु.५४।५४	मृगे रविः३९/५८(सौरः५३/५१)रोहि.बुधः३५/२३+
६	मं	२०	५०	ध	२३	४३	वै	२१	८	व	२०	५०	१७	९	५१	१८	१९	८	कुम्भे	भ.२०।५०उ.४०।३४या.
७	बु	१८	१८	श	२३	११	वि	१६	३५	ब	१८	१८	१८	८	५२	१९	२०	९	कुम्भे	वक्री रोहि.शुक्रः२४।३६
८	गु	१७	३१	पू	२४	३५	प्री	१३	३१	कौ	१७	३१	१९	८	५२	२०	२१	१०	मी.९।१४	
९	शु	१८	२३	उ	२७	४०	आ	१२	३	ग	१८	२३	१९	८	५२	२१	२२	११	मीने	भ.४९।५८उ.
१०	श	२१	१३	रे	३२	२	सौ	११	३८	वि	२१	१३	२०	८	५२	२२	२३	१२	मे. ३२/२	भ.२१।१३या.
११	र	२५	१३	अ	३७	४४	शो	१२	३५	बा	२५	१३	२१	८	५२	२३	२४	१३	मेषे	मृगे बुधः५८।१३योगिनी ११ व्र.
१२	चं	३०	३	भ	४४	२४	अ	१३	४२	तै	३०	३	२१	८	५२	२४	२५	१४	मेषे	मिथुनेऽर्कः३८/२२(सौरः५४/३९)कर्के भौमः८/४२÷
१३	मं	३५	५२	कृ	५१	४१	सु	१५	४५	ग	२	५८	२२	८	५२	२५	२६	१५	वृ. १।१७	भ.३५/५२उ.पुन.१शनिः४१।२९ प्रदोषः
१४	बु	४१	३४	रो	५८	५६	धृ	१७	५५	वि	८	४३	२२	८	५२	२६	२७	१६	वृषे	भ.८/४३या. [÷शुक्रोदयःपूर्वस्यां४०।४८
३०	गु	४७	५५	मृ	६०	०	शू	२०	२४	च	१४	४४	२३	७	५३	२७	२८	१७	मि.३२/४५	मिथुने बुधः ५।५८

९ पं.आ. कृ. ६मं.इ. २९/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	४	१	२	०	१
२४	२६	११	१६	२३	१९	१५	२३
७	२७	५०	४४	५३	६	१९	५३
१९	२५	२	५३	३५	३२	२६	५२
५७	३८	१२२/११	६	३६/३१	६	३	५७
२२	४७		२३	व.	५२	११	५

गोचर ग्रहाः

३शम | रा१ | ४ | बु२सुशु | १२ | गु५ | ११ | ६ | ८ | १० | ७के | ९

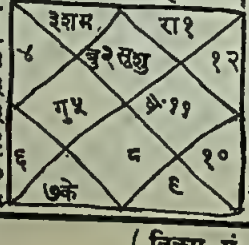

आषाढ कृष्णे १२ चन्द्रे मिथुनेऽर्कः प्रवृष्टः वा. ४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

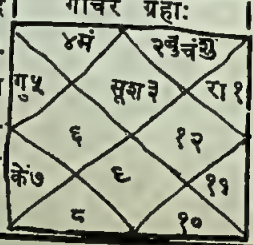

४मं | २बुचंशु | गु५ | सूश३ | रा१ | ६ | १२ | केंच७ | ९ | ११ | ८ | १०

१० पं.आ. कृ.१३मं.इ.२९/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	४	१	२	०	२
०	०	२६	१७	१९	१९	१४	०
४८	५२	३४	२८	४५	५८	५७	३३
३६	१९	१६	३७	१८	३५	१०	१
५७	३८	१२७/५०	७	३०/१९	७	३	५६
१७	५४		१९	व.	२	११	५७

(विक्रम सं. २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

तिथि आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४४५७ स.२००४

१	शु	५३	४६	मृ	६	३५	गं	२२	५२	किं	२०	५२	३४	७	५६	२८	२६	१८	मिथुने	
२	श	५६	४४	आ	१३	५८	बृ	२५	१४	बा	२६	४६	२३	७	५३	२९	३०	१६	मिथुने	आर्द्रा.बुधः ५९ पुष्ये भौमः २६ चन्द्रदर्शनम् ×
३	र	६०	०	पु	२१	८	धु	२७	१६	तै	३२	२४	२४	७	५३	३०	१	२०	क. २०	अस्तं शनेः ३ रेजमादिलावल ५ [×रथयात्रा
३	चं	५	४	पु	२७	२६	व्या	२८	३५	ग	५	४	२४	७	५३	३१	२	२१	कर्के	भ. ३७ उ.आर्द्रा.रविः ३७ (सौरः ५६।१२)
४	मं	६	३१	श्ले	३३	६	ह	२९	२२	वि	६	३१	२४	७	५३	१	३	२२	सिं. ३३	भ.६।३१या. भा.आषाढारम्भः
५	बु	१२	५१	म	३७	४०	व	२९	३५	बा	१२	५१	२४	७	५३	२	४	२३	सिंहे	
६	गु	१५	५	पू	४०	५८	सि	२८	३५	तै	१५	५	२४	७	५३	३	५	२४	कं.५६।२२	
७	शु	१५	४०	उ	४२	३५	व्य	२६	१३	व	१५	४०	२३	७	५३	४	६	२५	कन्यायां	भ.१५।४०उ.४५।१५या.
८	श	१४	५०	ह	४२	२८	व	२२	४३	ब	१४	५०	२३	७	५३	५	७	२६	कन्यायां	पुनः बुधः १३।५७
९	र	१२	४	चि	४०	४०	प	१७	३७	कौ	१२	४	२२	८	५२	६	८	२७	तु.११।३४	
१०	चं	७	५३	स्वा	३७	१८	शि	११	८	ग	७	५३	२२	८	५२	७	९	२८	तुलायां	भ.३४।३६ उ.
११	मं	१	१९	वि	३२	११	सि	१३	५१	वि	१	१९	२१	८	५२	८	१०	२९	वृ.१८।१०	भ. १९ या.मार्गशुक्रः ३५ देवशयनी ११ व्र.
१२	मं	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	बु	४४	४१	अ	२५	४४	शु	४४	११	कौ	१९	८	२०	८	५२	९	११	३०	वृश्चिके	बुधोदयः पश्चिमायां ६।१५ प्रदोषः
१४	गु	३४	५२	ज्ये	१८	१९	शु	३३	३८	ग	९	४६	१९	८	५२	१०	१२	१	ध. १८।१९	भ. ३५ उ. ५९ या.कर्के बुधः ५८ जुलाई ७÷
१५	शु	२४	४०	मू	१०	२५	ब्र	३२	५०	ब	२४	४०	१८	८	५२	११	१३	२	धनुषि	व्यासपूजा गुरु १५ [÷ता. ३१

११पं.आ. शु. ४मं. इ.३९

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	४	१	२	०	२
७	५	११	१८	१६	२०	१४	७
२९	१६	५८	१८	४९	५२	३४	११
३१	३७	२६	५०	३७	१	५५	२८
५७	३८	२९	८	१६	७	३	५६
१३	४८	३९	२६	वः	१४	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मासमें धान्य गेहूं जौ चना मटर मूंग अलसी तेज हो वर्षा अच्छी हो पशु रोग फैले धातु अच्छी तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.शु.११मं.इ. ३९

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	४	१	२	०	२
१४	९	२६	१९	१५	२१	१४	१३
९	४१	३१	१५	४२	४५	१२	४९
५८	३५	८	१४	७	५०	३९	३३
५७	३८	२९	९	१६	७	३	५६
७	५०	०	१०	मा	२०	११	५०

तिथि प्र.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	श	१४	५३	पू	३	५३	ऐं	१२	१	कौ	१४	५३	३४	५	५६	१२	१४	३	म.१५।४५	पुष्ये बुधः ०।१५
२	र	५०	५२	श्र	४९	३४	वै	५८	४९	ग	५	५०	१६	९	५१	१३	१५	४	मकरे	भ. ३१ उ. ५७ या.पूफा. ३ गुरुः ४४।३५
४	चं	५१	४०	ध	४५	१०	प्री	४५	४	च	२४	४४	१५	९	५१	१४	१६	५	कुं.१७।२२	पुनः रविः ३१ चतुर्थी व्रतम्
५	मं	४७	२६	श	४२	३४	आ	३८	४१	कौ	१९	३२	१४	९	५१	१५	१७	६	कुंभे	पुनः रविः सौरः ०।१४ नाग ५ मरुस्थले
६	बु	४५	२४	पू	४२	६	सौ	३४	५	ग	१६	२५	१३	९	५१	१६	१८	७	मी. ३७	भ.४५।२४उ.
७	गु	४५	३२	उ	४३	५६	शो	३१	१७	वि	१५	२८	११	१०	५०	१७	१९	८	मीने	भ.१५।२८ या.
८	शु	४७	२५	रे	४७	२८	अ	२९	५३	बा	१६	२८	१०	१०	५०	१८	२०	९	मे.४७।२८	
९	श	५१	१२	अ	५२	३१	सु	३०	२०	तै	१९	४८	८	१०	५०	१९	२१	१०	मेषे	आश्ले. बुधः ४५।४६ आश्ले. भौमः ३८
१०	र	५६	७	भ	५८	५६	धृ	३१	१३	व	२३	४०	७	११	४९	२०	२२	११	मेषे	भ. ३३ उ ५६।७या.पुन.२ शनिः २८।५५
११	चं	६०	०	कृ	६०	०	शू	३३	१७	ब	२९	९	५	११	४९	२१	२३	१२	वृ.१५।४७	कामिका ११ व्र. स्मा.
११	मं	२	११	कृ	६	२१	गं	३५	३८	बा	२	११	३	११	४९	२२	२४	१३	वृषे	कामिका ११ व्र. वै.
१२	बु	८	१०	रो	१३	५४	बृ	३८	१३	तै	८	१०	१	१२	४८	२३	२५	१४	मि.४५	प्रदोषः
१३	गु	१४	३०	मृ	२१	३७	धु	४०	४४	व	१४	३०	३३	१२	४८	२४	२६	१५	मिथुने	भ.१४।३०उ.४७।२७या.
१४	शु	२०	२३	आ	२८	५८	व्या	४२	५८	श	२०	२३	५७	१३	४७	२५	२७	१६	मिथुने	कर्के कें: ५५ (सौरः ५२) अश्वि ४ राहुः ×
१५	श	२५	५८	पु	३५	५८	ह	४४	४७	ना	२५	५८	५५	१३	४७	२६	२८	१७	क.१९।१३	हरियाली [×स्वाती २ केतुः ३१

१३पं.प्र.श्रा.कृ.५मं.इ. ३९

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	४	१	२	०	२
२०	१४	९	२०	१६	२२	१३	२०
५०	५	२९	१७	२७	४०	५०	२७
२४	४२	३१	१०	३२	५	२४	२७
५७	३८	०	९	१६	७	३	५६
७	५८	०	५२	२६	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

प्र. श्रावण कृष्णे १४ शुक्रे कर्के ऽर्के:प्रविष्टः वा. ५न ५वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

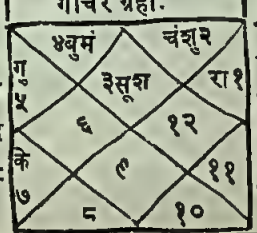

१४पं.प्र.श्रा.कृ.११मं.इ. ३९

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	४	१	२	०	२
२७	१८	२०	२१	१८	२३	१३	२७
३०	३०	४६	२३	४८	३४	२८	५
४३	१४	४१	५६	५४	४१	८	३४
५७	३८	९०	१०	२८	७	३	५६
११	५०	२९	३५	५६	२०	११	५४

ति.	प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६							दि.	उ.	अ.भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः४४८७स.२००४
१	र	३०	२६	पु	४१	५६	व	४५	५५	व	३०	२६	३३ ५२	१४	४६	२७	२६	१८	कर्क	चन्द्रदर्शनम्
२	चं	३४	२५	श्ले	४७	११	सि	४६	३२	बा	२	२७	५०	१४	४६	२८	१	१६	सिं.४७ ११	पुष्ये रविः३५।१जमादिलाखर ६
३	मं	३७	१५	म	५१	२८	व्य	४५	१३	तै	५	५०	४८	१४	४६	२९	२	२०	सिंहे	पुष्ये रविःसौरः३।३९मघा.सिंहे बुधः९३७
४	बु	३६	५	पू	५४	३२	व	४४	५६	व	८	१०	४५	१५	४५	३०	३	२१	सिंहे	भ.८।१०उ.३६।५या.मृगे शुक्रः४६।४१
५	गु	३६	३७	उ	५६	४४	प	४३	११	व	६	१५	४३	१५	४५	३१	४	२२	कं.१०।५	
६	शु	३६	८	ह	५७	३८	शि	४०	२८	कौ	६	२३	४०	१६	४४	१	५	२३	कन्यायां	भा. श्रावणारंभः
७	श	३७	१८	चि	५७	१५	सि	३६	२७	ग	८	१३	३८	१६	४४	२	६	२४	तु.२७।२६	भ.३६।१८उ.पूफा.४गुरुः५७।४८
८	र	३४	३	स्वा	५५	३४	सा	३१	२६	वि	५	१०	३५	१७	४३	३	७	२५	तुलायां	भ.५।१०या.अस्तो भौमः ४४।२२
९	चं	२६	४०	वि	५२	३५	शु	२५	२२	बा	१	५१	३३	१७	४३	४	८	२६	वृ.३८।२०	उदयं शनेः५३।११
१०	मं	२३	५०	अ	४८	१७	शु	१८	१२	ग	२३	५०	३०	१८	४२	५	९	२७	वृश्चिके	भ.५०।२३उ.
११	बु	१६	५७	ज्ये	४२	५०	ब्र	१०	५	वि	१६	५७	२७	१९	४१	६	१०	२८	ध. ५२ ०	भ १६।५७या.कमला ११ व्र.
१२	गु	८	४२	मू	३६	३६	ऐं	१	५० २७	बा	८	४२	२४	१९	४१	७	११	२९	धनुषि	]+सिंहे भौमः४७।३१
१३	शु	०	१	पू	२९	४४	वि	४१	१९	तै	०	१	२२	२०	४०	८	१२	३०	म.४२।५९	भ.५०।५१उ.
१४	शु	५०	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	श	४१	५६	उ	२२	४६	मी	३१	१९	वि	१६	२६	१९	२०	४०	९	१३	३१	मकरे	भ.१६।२६या.मिथुने शुक्रः२५।०मघा.+

१५पं प्र.श्रा.शु. ३मं.इ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	४	१	२	०	३
४	२२	०	२२	२२	२४	१३	३
११	५४	२४	३४	२९	२९	५	४४
२८	४९	४	५२	५३	२	५२	१
५७	३८	७१	११	३८	७	३	५६
१५	५५	५	१२	४०	१४	११	५८

गोचर ग्रहाः

इस मासमें ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य गेहूं जौ चना धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा तेज हो प्रजा में दुःख व्याप्त हो।

गोचर ग्रहाः

१६पं प्र.श्रा.शु १०मं इ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	४	१	२	०	३
१०	२७	८	२३	२७	२५	१२	१०
५२	१८	०	४९	१०	२२	४३	२३
३०	२६	१	४४	५५	४४	३७	१८
५७	३९	४८	११	४६	७	३	५७
२०	२	३५	४९	४	८	११	५

ति.	द्वि.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६							दि.	उ.	अ.भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे प्र.श्रावण कृष्णेतिमहा.
१	र	३३	३८	श्र	१६	२९	आ	२१	४६	बा	७	४७	३६ २१	३९	१०	१४	१	कुं. ४३ ११	अगस्त ८ ता.३१
२	चं	२६	४२	ध	१०	५३	सौ	१३	६	तै	०	१०	१३	२१	३६	११	१५	२	कुम्भे	भ.५३।५६उ.आश्ले.रविः ३२।२
३	मं	२१	१७	श	६	५६	शो	२८	५५ ५०	वि	२१	१७	१०	२२	३८	१२	१६	३	मी५०।११	भ ३१ ७या.आश्ले.रविःसौरः ३ ६ चतुर्थी व्र.
४	बु	१७	४६	पू	४	३४	सु	५४	४५	बा	१७	४६	७	२३	३७	१३	१७	४	मीने.	पूफा.बुधः१४।५६
५	गु	१६	३६	उ	४	३१	धृ	५२	५	तै	१६	३६	४	२३	३७	१४	१८	५	मीने	
६	शु	१७	२६	रे	६	३५	शू	५१	५	व	१७	२६	०	२४	३६	१५	१६	६	मे.६।३५	भ.३५उ.४९या.पुनः३शनिः५६।२१
७	श	२०	३१	अ	१०	२६	गं	५१	६	ब	२०	३१	३३ ५७	२५	३५	१६	२०	७	मेषे	
८	र	२४	५२	भ	१६	६	बृ	५२	३४	कौ	२४	५२	५४	२५	३५	१७	२१	८	वृ. ३२ ०	वक्री बुधः ५।५४आर्द्रा. शुक्रः १९।४७
९	चं	३०	४०	कृ	२३	४	धु	५४	४२	ग	३०	४०	५०	२६	३४	१८	२२	९	वृषे	
१०	मं	३६	४४	रो	३०	२०	व्या	५७	६	व	३	४१	४७	२७	३३	१९	२३	१०	वृषे	भ.३।४१उ.३६।४४ या.
११	बु	४३	११	मृ	३८	७	ह	५६	४८	व	६	५८	४४	२७	३३	२०	२४	११	मि.४।१४	उफा.१गुरुः१५।१कमला ११ व्र.
१२	गु	४६	५	आ	४५	२७	व	६०	०	कौ	१६	८	४०	२८	३२	२१	२५	१२	मिथुने	
१३	शु	५४	३१	पु	५२	३०	व	१	५८	ग	२१	४७	३७	२९	३१	२२	२६	१३	क.३५।४४	भ.५४।३१उ.
१४	श	५८	३७	पु	५८	१८	सि	३	४३	वि	२६	३४	३३	२९	३१	२३	२७	१४	कर्के	भ.२६।३४या.
३०	र	६०	०	श्ले	६०	०	व्य	४	४७	च	३०	११	३०	३०	३०	२४	२८	१५	कर्के	[×बुधास्तः पश्चिमायां ३३।४८
३०	चं	१	४६	श्ले	२	६	व	४	४९	ना	१	४६	२६	३१	२९	२५	२९	१६	सिं २।६	मघा.सिंहेऽर्कः २६ वक्री मघायां बुधः ३४×

१७पं.द्वि.श्रा.कृ ३मं.इ. ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	४	२	२	०	३
१७	१	१३	२५	२	२६	१२	१७
२४	४४	३	८	३०	१५	२१	३
१२	४९	२५	३८	२६	१८	२१	६
५७	३९	२१	१२	५१	७	३	५७
२५	२	२८	१४	३२	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

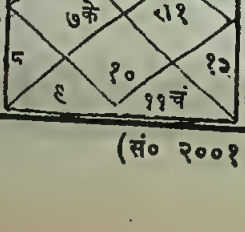

द्वि. श्रावण कृष्णे ३० चन्द्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न ५ प्रव्राजिका -वस्था (ऊभी) मू. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

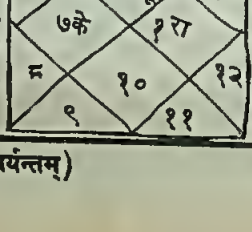

१८पं.द्वि.श्रा कृ १०मं.इ.३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	४	२	२	०	३
२४	६	१४	२६	८	२७	११	२३
१६	१०	५१	३०	४०	६	५९	४४
३७	२६	१४	१४	५	४३	६	१३
५७	३९	११	१२	५५	६	३	५७
३३	९	८	३३	५९	४४	११	२२

ति.द्वि. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६

		दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५१७सन् २००४
१	मं	३ ३२	म ६ ३७	प ३ ५४	व ३ ३२	३३ ३२ २८	२६	३० १७	सिंहे	मघा.सिंहेऽर्कः०।५१ चंद्रदर्शनम्
२	बु	४ १७	पू ९ ७	शि १९ २४	कौ ४ १७	१९ ३२ २८	२७	१ १८	क.२४।२९	रज्जव ७ सिंधारा
३	गु	३ ५७	उ १० ३५	सा ५५ ७	ग ३ ५७	१५ ३३ २७	२८	२ १९	कन्यायां	भ.३३।२०उ.तीज
४	शु	२ ४३	ह ११ १	शु ५२ ४	वि २ ४३	१२ ३४ २६	२९	३ २०	तु.४०।४७	भ.२।४३या. वरद ४
५	श	० ३६	चि १० ३५	शु ४७ २५	बा ० ३६	८ ३४ २६	३०	४ २१	तुलायां	पूफा.भौमः५४।३६ नाग पंचमी
६	श	५६ ५०	स्वा ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	० ०	० ०	
७	र	५३ ४३	० ९ २२	ब्र ४१ ५७	ग २५ ३४	४ ३५ २५	३१	५ २२	वृ.५२।५४	भ.५३।४३उ.पुनःशुक्रः२८।३७
८	चं	४९ ९	वि ७ २५	ऐं ३५ ४८	वि २१ २६	१ ३६ २४	१	६ २३	वृश्चिके	भ.२१।२६ या. भा.भाद्रपदारंभः
९	मं	४३ ४२	अ ४ ४०	वै २९ ५	बा १६ २५	३१ ३७ २३	२	७ २४	वृश्चिके	
१०	बु	३७ ३८	ज्ये २ ५५	वि २१ ४३	तै १० २१	५३ ३७ २३	३	८ २५	ध. १।२	
११	गु	३० ५४	पू ५१ ५९	मी १३ ४९	व ४ १६	४९ ३८ २२	४	९ २६	धनुषि	भ.४।१६उ.३०।५४या.पवित्रा११व्र.
१२	शु	२३ ४०	उ ४७ ५	आ २७ २५	बा २३ ४०	४६ ३९ २१	५	१० २७	म.५।४६	उफा.२कन्यायां गुरुः२७।३४प्रदोषः
१३	श	१६ १७	श्र ४१ २०	शो ४८ १०	तै १६ १७	४२ ४० २०	६	११ २८	मकरे	
१४	र	९ ८	ध ३६ २०	अ ३९ ५९	व ९ ८	३८ ४० २०	७	१२ २९	कुं. ८।५०	भ.९।८उ.३५।५७या. [×रक्षाबन्धनम्
१५	चं	२ ४६	श ३२ २६	सु ३२ २१	ब २ ४६	३४ ४१ १९	८	१३ ३०	कुंभे	पूफा.रविः १५/४० (सौरः ५१/३) श्रावणी कर्म.×

१९पं.द्वि.श्रा.शु.१मं.इ. २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	४	२	२	०	४
०	१०	१२	२७	१५	२७	११	०
५९	३५	२५	५४	१०	५६	३६	२६
५३	३१	१६	११	१९	२८	५०	२६
५७	३९	२९	१२	५९	६	३	५७
४०	९	व.	५८	२५	३२	११	३४

गोचर ग्रहाः

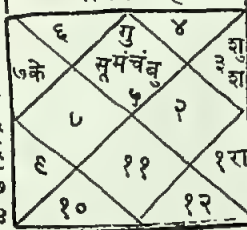

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन गेहूं जौ चना बाजरा मूंगमोठ सोना चांदी लोहातांबा रस गुड़ सक्कर में तेजी करेंगा वर्षा कहीं कम कहीं अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

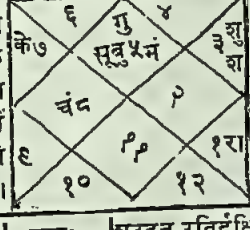

२०पं.द्वि.श्रा.शु.९मं.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	४	२	२	०	४
७	१५	६	२९	२२	२८	११	७
४४	१	३३	२०	३	४४	१४	९
२०	५२	१८	३५	३२	२८	३४	५५
५७	३९	५९	१२	६२	६	३	५७
४९	९	व.	१७	०	१४	११	४५

ति.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६

		दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे द्वि. श्रा. कृष्णेति महा.
१	चं	५४ ५२	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	
२	मं	५३ ४६	पू २९ ३४	धृ २५ ३६	तै २५ ४२	३० ४८ १२	९	१४ ३१	मी.१५	बुधोदयः पूर्वस्यां ५७।४३
३	बु	५२ ५२	उ २८ २३	शू २० १७	व २३ १९	२६ ४३ १७	१०	१५ १	मीने	भ.२३उ.५३या.कर्के शुक्रः १९सितंबर९×
४	गु	५१ ४८	रे २९ ८	गं १६ १९	ब २२ २०	२२ ४४ १६	११	१६ २	मे २९।८	मार्गीबुधः ४७/५५ चतुर्थी व्रतम् [×ता.३०
५	शु	५३ ५६	अ ३१ ५२	बृ १४ ५	कौ २२ ५२	१८ ४४ १६	१२	१७ ३	मेषे	
६	श	५७ ४१	भ ३६ १९	धु १३ १७	ग २५ ४९	१५ ४५ १५	१३	१८ ४	वृ.५२।५०	भ.५७उ.पुष्ये शुक्रः ३४चंद्रषष्ठी
७	र	६० ०	कृ ४२ २६	च्या १३ ३४	वि ३० २१	११ ४६ १४	१४	१९ ५	वृषे	भ.३९या.पुन.४कर्के शनिः२०।१८
७	चं	३ १	रो ४९ २०	ह १५ १६	ब ३ १	७ ४७ १३	१५	२० ६	वृषे	जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	मं	८ ५३	मृ ५६ ५३	व १७ ८	कौ ८ ५३	३ ४७ १३	१६	२१ ७	मि.२३	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	बु	१५ ११	आ ६० ०	सि १९ ३८	ग १५ ११	५९ ४८ १२	१७	२२ ८	मिथुने	भ.४८।१३उ.अस्तं गुरोः ३८गोगा ९
१०	गु	२१ १६	आ ४ २५	व्य २२ १	वि २१ १६	५५ ४९ ११	१८	२३ ९	क.५४।४३	भ.२१।१६या.
११	शु	२६ ३८	पु ११ २९	व २४ ४	बा २६ ३८	५१ ५० १०	१९	२४ १०	कर्के	अजा ११ व्र.
१२	श	३० ४६	पु १७ २८	प २५ ५	तै ३० ४६	४७ ५१ ९	२०	२५ ११	कर्के	उफा.भौमः३०।१७वत्सद्वादशी
१३	र	३३ ४१	श्ले २२ ०	शि २५ ३	ग २ १३	४३ ५१ ९	२१	२६ १२	सिं २२।०	भ.४१/३३उ.उफा.३गुरुः २३/३३ प्रदोषः
१४	चं	३४ ४५	म २५ २३	सि २३ ५१	वि ४ १३	३९ ५२ ८	२२	२७ १३	सिंहे	भ.४।१३या.उफा.रविः ५(सौरः ३३)
१५	मं	३४ ३४	पू २७ २२	सा २१ ३८	च ४ ४०	३५ ५३ ७	२३	२८ १४	कं.४२।२९	कुशाग्रहणी पिठोरी ३०मन्वादिः

२१पं. भा. कृ. २मं. इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	२	२	०	४
१४	१९	२	०	२९	२९	१०	१३
३०	२९	९	४८	१४	२९	५२	५५
०	३८	४०	३२	५३	२८	१९	७
५८	३९	३३	१३	६४	५	३	५७
१	१६	व:	२६	१५३	११	५७	

२२पं. भा. कृ. ८ मं. इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	३	३	०	४
२१	२३	३	२	६	०	१०	२०
१७	५७	४१	१७	४०	११	३०	४१
२	४७	५६	३५	३०	४६	३	४७
५८	३९	४७	१३	६५	५	३	५८
१३	२६	मा	३२	३८	३२	११	१२

२३पं.भा.कृ.३० मं. इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	३	३	०	४
२८	२८	११	३	१४	०	१०	२७
५	२६	१८	४८	१८	५१	७	२०
२४	४६	१४	११	४०	१८	४८	६
५८	३९	९१	१३	६७	५	३	५८
२६	२६	४६	३८	४	२	११	२९

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५४६सन्२००४
१	बु ३२ ५६ उ २७ ४९ शु १८ १९ किं ३ ४५	३० ३१	५४	६	२४	२९	१५	कन्यायां	पूफा.बुधः४७ [Aदेवजीका मेला नवलदुर्ग
२	गु ३० २१ ह २७ १० शु १३ ५६ बा १ ३८	२७	५५	५	२५	३०	१६	तुं.५६।२६	कन्यायामर्कः २५।२६ आश्ले. शुक्रः×
३	शु २६ ४९ चि २५ ४२ ब्र ८ ५० ग २६ ४९	२२	५६	४	२६	१	१७	तुलायां	भ. ५४।४३ उ. सावान ८ हरितालिका
४	श २२ ३८ स्वा २३ २६ ऐं ५९ ३ ५३ चि २२ ३८	१८	५६	४	२७	२	१८	तुलायां	भ.२९।३८या. गणेशचतुर्थी [–अनंत१४
५	र १८ ७ वि २० ४७ वि ५० २१ बा १८ ७	१४	५७	३	२८	३	१९	वृ. ६।२७	ऋषिपंचमी [Dउफा.४गुरुः४६।३१–
६	चं १३ १३ अ १७ ५६ ग्री ४३ ४० तै १३ १३	९	५८	२	२९	४	२०	वृश्चिके	बुधास्तः पूर्वस्यां८।५२ [Lमहालयारंभः
७	मं ८ १८ ज्ये १४ ४३ आ ३६ ५० व ८ १८	५	५९	१	३०	५	२१	ध १४।४३	भ.८।१८उ.३५।४२या. [*चंद्रदर्शनम्
८	बु ३ ५ मू ११ २६ सौ २९ ४६ ब ३ ५	३० ०	०	६ ०	६ ०	३१	६	२२	धनुषि [×३४।१० कन्यायां भौमः ४९।३५÷
९	बु ५४ ३८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	[÷अश्विनी ३ राहु स्वाती १ केतु : ५४*
१०	गु ५२ २० पू ७ ५६ शो २२ ३५ तै २५ २	२९ ३६	१	५९	१	७	२३	म.२२।२	उफा. बुधः ३१२ भा. आश्विनारंभः राम-A
११	शु ४६ ५४ उ ४ २० अ १५ ७ व १९ ३७	५२	२	५८	२	८	२४	मकरे	भ.१९।३७ उ. ४६।५४ या. जलझूलनी=
१२	श ४१ ३७ श्र ४९ ५६ सु ८ ९ ब १४ १५	४८	२	५८	३	९	२५	कु २९।१२	कन्यायां बुधः ४६।५०वामनजयंती
१३	र ३६ ५६ श ५४ ४७ धृ १५ ५३ कौ ९ १६	४४	३	५७	४	१०	२६	कुभें	हस्ते रविः३८।३५प्रदोषः [=११ब्र.
१४	चं ३२ ५१ पू ५२ ३७ गं ४८ ४१ ग ५ ५३	४०	४	५६	५	११	२७	मी. ३७ १०	भ.३२।५१ उ. हस्ते रविः सौरः१४।३D
१५	मं २९ ५७ उ ५१ ४४ वृ ४३ २२ वि १ २४	३६	५	५५	६	१२	२८	मीने	भ.१।२४ या. मघायांसिंहे शुक्रः २४।४L

२४पं.भा.शु.७मं.इ. ३७ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	५	३	३	०	५
४	२	२२	५	२२	१	९	४
५५	५७	५९	१८	६	२६	४५	२०
१६	१४	४९	५४	२५	४६	३२	१३
५८	३९	०	१३	६८	४	३	५८
३८	३६	४४	३८	१२	३८	११	४५

गोचर ग्रहाः

भाद्रपदे शुक्ले २ गुरौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.४ गतालकावस्थो (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

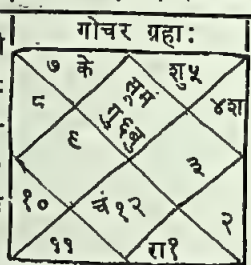

२५पं. भा.शु.१५ म.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	५	४	३	०	५
११	७	४	६	०	१	९	११
४६	२८	५३	४९	३	५८	२३	१२
५२	१	१३	१८	५४	२६	१६	१३
५८	३९	०	१३	६९	४	३	५९
५३	३६	४४	३८	४	४	११	००

ति.	आश्विन कृष्ण पक्षः सं० २०६१ शाकः१९२६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा-
१	बु २८ ३० रे ५२ २० धु ३९ २६ कौ २८ ३०	३२	६	५४	७	१३	२९	मे.५२।२०	
२	गु २८ ३२ अ ५४ २७ व्या ३६ ३४ ग २८ ३२	२८	६	५४	८	१४	३०	मेषे	भ.५९।२७उ.
३	शु ३० २२ भ ५८ ६ ह ३५ १७ वि ३० २२	२३	७	५३	९	१५	१	मेषे	भ. ३०।२२ या. हस्तेबुधः १५।१२×
४	श ३३ ३६ कृ ६० ० व ३४ ४६ ब १ ५९	१९	८	५२	१०	१६	२	वृ.१४।२५	हस्ते भौमः२३।५५
५	र ३८ ४० कृ ३ २० सि ३५ ३८ कौ ६ ८	१५	९	५१	११	१७	३	वृषे	[×अक्टूबर१०ता.३१चतुर्थी व्रतम्
६	चं ४४ २० रो १० १० व्य ३७ १९ ग ११ ३०	११	१०	५०	१२	१८	४	मि४३।३४	भ.४४।२०उ.उदयं गुरोः३६।१२
७	मं ५० ३२ मृ १६ ५८ व ३९ ३४ मि १७ २६	७	११	४९	१३	१९	५	मिथुने	भ.१७।२६या.
८	बु ५६ ५१ आ २४ ३५ प ४१ ४१ बा २३ ११	३	११	४९	१४	२०	६	मिथुने	[+१२। ४शस्त्रादिहतानां श्राद्धम्
९	गु ६० ० पु ३१ ५२ शि ४३ ५६ तै २९ ४३	२८	१२	४८	१५	२१	७	क.१५।२	मातृ ९ (सौभाग्यवतीनां श्रा.)
९	शु २ ३५ पु ३८ ३४ सि ४५ २६ ग २ ३५	५५	१३	४७	१६	२२	८	कर्के	भ.३४।५१उ.चित्रा.बुधः३।४९
१०	श ७ ८ श्ले ४३ ४७ सा ४५ ५७ वि ७ ८	५१	१४	४६	१७	२३	९	सिं४३।४७	भ.७।८या.पूफा.शुक्रः५३।४३
११	र १० ८ म ४७ ३८ शु ४५ ११ बा १० ८	४७	१५	४५	१८	२४	१०	सिंहें	चित्रा. रविः १०।३७ (सौरः४४।३७)÷
१२	चं ११ २५ पू ४९ ३७ शु ४३ ७ तै ११ २५	४३	१५	४५	१९	२५	११	सिंहे	प्रदोषः [÷इंदिरा११ब्र.
१३	मं १० ५५ उ ४९ ४६ ब्र ३९ ३३ व १० ५५	३९	१६	४४	२०	२६	१२	कं.४।३९	भ.१०।५५उ.३९।४५ या.तुलायां बुधः+
१४	बु ८ ३४ ह ४८ २६ ऐं ३४ ४२ श ८ ३४	३५	१७	४३	२१	२७	१३	कन्यायां	हस्त.१गुरुः१३।३१सर्वपितृ३०
३०	गु ४४ ९ चि ४५ ५३ वै २८ ३९ ना ४ ४९	३१	१८	४२	२२	२८	१४	तु.१७।१०	नवरात्रारंभःमातामहश्राद्धम्

२६पं.आ.कृ.७ मं.इ. ३७ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	५	४	३	०	५
१८	१२	१८	८	८	२	९	१८
४०	०	२७	२०	९	२५	१	६
८	४०	५८	१३	१४	३०	१	०
५९	३९	०	१३	६९	३	३	५९
९	२९	४	३२	५६	३०	११	१६

गोचर ग्रहाः

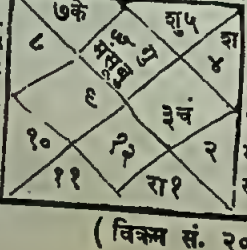

कृष्ण पक्ष में तिथी वढे, शुक्ल पक्ष घट जाय। एक चीज की क्या कहें सभी चीज घट जाय।। इस मास में धान्य धातु सभी तेज होगें।

गोचर ग्रहाः

२७पं.आ.कृ.१३म.इ.२७।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	५	४	३	०	५
२५	१६	०	९	१६	२	८	२५
३५	३३	२६	४९	२०	४८	३८	०१
२	७	६	३७	३१	१४	४५	४२
५९	३९	०	१३	७०	२	३	५९
२१	३९	४	२६	३७	४४	११	३१

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५७६ स.२००४
१	गु	५५	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Fविशा.बुधः४४।२५पापांकुशा ११व्र
२	शु	५३	५८	स्वा	४२	१३	वि	२१	४६	बा	२६	५५	२८/२७	६/१९	५/४१	२३	२९	१५	तुलायां	चंद्रदर्शनम् [×२१/२१रमजान९[Aबलिदानम्
३	श	४७	५३	वि	३८	४	प्री	१४	३	तै	२०	५५	२३	१९	४१	२४	१	१६	वृ.२४।६	तुलायामर्कः ५४।२६ स्वात्यां बुधः×
४	र	४१	३७	अ	३३	२९	आ	६/११	५१/५५	व	१४	४४	२०	२०	४०	२५	२	१७	वृश्चिके	भ.१४/४४उ.४१/३७या. तुलायामर्कः[सौरः२७/२१
५	चं	३५	३१	ज्ये	२९	१७	शो	५०	२०	ब	८	३४	१६	२१	३९	२६	३	१८	ध२९।१७	[+कन्यायां शुक्रः ५४/४८ भा.कार्तिकारंभः
६	मं	२९	२६	मू	२५	८	अ	४२	४०	कौ	२	२८	१२	२२	३८	२७	४	१९	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम् [Bशरदपूर्णिमाL
७	बु	२३	१८	पू	२१	३२	सु	३५	२२	व	२३	१८	८	२२	३८	२८	५	२०	म३५।३०	भ.२३।१८उ.५१।२१या. सरस्वती पू.A
८	गु	१९	२३	उ	१७	२४	धृ	२८	१४	ब	१९	२३	४	२३	३७	२९	६	२१	मकरे	उफा. शुक्रः९।२० [=सरस्वतीविसर्जनम्
९	शु	१५	१	श्र	१५	३४	शु	२१	४६	कौ	१५	१	०	२४	३६	३०	७	२२	कुं.४४।३०	चित्रायां भौमः४८।१५ विजया १०=
१०	श	१२	१९	ध	१३	२६	गं	१५	४९	ग	१२	१९	२७/५६	२५	३५	१	८	२३	कुंभे	भ.४०।१६ उ.स्वात्यां रविः३६।२८+
११	र	८	१३	श	१२	७	बृ	१०	१७	वि	८	१३	५३	२५	३५	२	९	२४	मी.५६/२६	भ.८।१३ या. स्वात्यां रविःसौरः८।२४F
१२	चं	५	४४	पू	११	१३	ध्रु	५	२२	वा	५	४४	४९	२६	३४	३	१०	२५	मीने	प्रदोषः Lकोजागरीव्र. पश्चिमप्रदेD
१३	मं	४	१६	उ	११	२३	व्या	१/७	५६/४१	ते	४	१६	४५	२७	३३	४	११	२६	मीन	बुधोदयः पश्चिमायां३।५७
१४	बु	३	५	रे	१२	४३	व	५५	१४	व	३	५	४१	२८	३२	५	१२	२७	मे.१२।४३	भ.३।५ उ. ३४।१या. पुष्य.१ शनिः३०/१५B
१५	गु	४	५६	अ	१५	७	सि	५४	२	ब	४	५६	३७	२९	३१	६	१३	२८	मेषे	का.स्ना.प्रा. [Dशेग्रस्तास्तचंद्रग्रहणम्

२८ पं. आ.शु.६मं इ.२६/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	५	४	३	०	६
२	२१	११	११	२४	३	८	१
३१	६	४९	१८	३८	६	१६	५९
२६	५८	४४	०	२८	२९	३०	०८
५९	३९	०/०८	१३	७१	२	३	५९
३४	३९		२०	१३	४	११	४६

गोचर ग्रहाः

८ ६मगु ९चं ७सूबुके शु५ १० ४श ११ रा१ ३ १२ २

आश्विन शुक्ल३शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ३न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

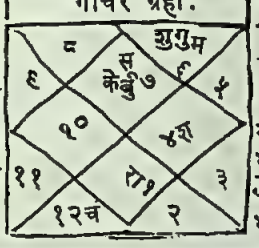

गोचर ग्रहाः

८ शुगुम ९ स केबु७ ६ ५ १० ४श ११ रा१ ३ १२च २

२९पं. आ.शु.१३मं.इ.२६/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	५	५	३	०	६
९	२५	२२	१२	३	३	७	८
२९	४२	४३	४४	१	१८	५४	५८
४२	०	२३	३१	३०	३२	१४	२८
५९	३९	९५	१२	७१	१	३	६०
४७	४३	४८	५९	४०	२३	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे. आ. कृष्णेतिमहा.
१	शु	७	१४	भ	१८	४९	व्य	५३	२२	कौ	७	१४	२७/३४	६/२९	५/३१	७	१४	२९	वृ३५।२	हस्त.२गुरुः९।५८
२	श	१०	४४	कृ	२३	४०	व	५४	०	ग	१०	४४	३०	३०	३०	८	१५	३०	वृषे	भ.४२।४५उ. [×चतुर्थी व्र.
३	र	१४	४६	रो	३०	३	प	५५	१२	वि	१४	४६	२७	३१	२९	९	१६	३१	वृषे	भ.१४।४६या. वृश्चिके बुधः१९।३५×
४	चं	२०	१२	मृ	३६	५५	शि	५७	४	बा	२०	१२	२३	३१	२९	१०	१७	१	मि.३।२९	हस्ते शुक्रः १३।१७ तुलायां भौमःL
५	मं	२७	३२	आ	४४	२१	सि	५९	२५	तै	२७	३२	१९	३२	२८	११	१८	२	मिथुने	अनु.बुधः३२।४९
६	बु	३४	७	पु	५२	१	स्वा	६०	०	ग	०	४९	१६	३३	२७	१२	१९	३	क.३५।२	भ.३४।७उ. [L५७।४०नवम्बर११ता३०
७	गु	४०	१६	पु	५९	१४	सा	१	४१	वि	७	११	१२	३४	२६	१३	२०	४	कर्के	भ.७।११या.उदयो भौमः५४।१७
८	शु	४५	२४	श्ले	६०	०	शु	३	५०	वा	१२	५०	९	३४	२६	१४	२१	५	कर्के	विशा.रविः५६।५४
९	श	४९	१३	श्ले	५	२८	शु	५	१	तै	१७	१८	५	३५	२५	१५	२२	६	सिं.५।२८	विशा.रविःसौरः२५।४८
१०	र	५१	१७	म	१०	१६	ब्र	५	५	व	२०	१४	२	३६	२४	१६	२३	७	सिंहे	भ.२०।१४उ.५१।१७या.
११	चं	५१	२३	पू	१३	१६	ऐं	३	५८	ब	२०	५०	२६/५८	३६	२४	१७	२४	८	कं.२८।३३	वक्री शनिः१३।४०रमा११व्र.
१२	मं	४९	२७	उ	१४	२५	वै	१/११	५५/४२	कौ	२०	२५	५५	३७	२३	१८	२५	९	कन्यायां	[I।स्वात्यां भौमः१।४७ महालक्ष्मीपूजनम्
१३	बु	४५	४४	ह	१३	२९	प्री	५१	४	ग	१७	३५	५२	३८	२२	१९	२६	१०	तु.४२।९	भ.४५।४४उ.प्रदोषःधन.१३
१४	गु	४०	५	चि	१०	५०	आ	४३	३८	वि	१२	५५	४९	३८	२२	२०	२७	११	तुलायां	भ.१२।५५या.रूप१४
१५	शु	३३	१४	स्वा	६	४०	सौ	३५	१५	च	६	४०	४५	३९	२१	२१	२८	१२	वृ. ४७/२९	ज्येष्ठा. बुधः०।२०चित्रा.शुक्रः१२।२२H

३०पं.का.कृ.५मं.इ.२६।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	५	५	२	०	६
१६	०	३	१४	११	३	७	१५
२९	१९	१०	८	२८	२६	३१	५९
२८	१२	३७	४६	२३	२०	५८	३२
६०	३९	९०	१२	७२	०	३	६०
४	५२	४	३३	२	४३	११	१८

गोचर ग्रहाः

बु८ शु६गु ९ स मं कुं ५ १० ४ ११ १रा ३श चं १२ २

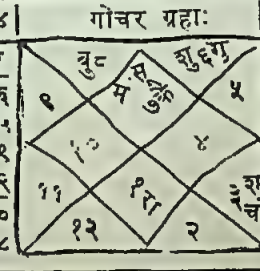

इस मास में कन्या का शुक्र धान्य में तेजी करे चावल विशेष तेज हो धातु सोना चांदी ताम्बा सुदि में तेज हो।

गोचर ग्रहाः

८बु शुगुचं६ ९ ७ केमंसू ५ १० ४श ११ १रा ३ १२ २

३१ पं.का.कृ.१२मं.इ.२६/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	५	५	३	०	६
२३	४	१३	१५	१९	३	७	२३
३०	५७	६	३०	५९	२८	९	२
५०	०	३५	२५	३५	१२	४३	६
६०	३९	८३	१२	७२	९	३	६०
१७	४६	१०	१४	२६	व.	११	३०

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमतंतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६०५स.२००४
१	श	२५	३५	वि	१/५	५४/११	शो	२६	४	ब	२५	३५	२६/४२	६/४०	५/२०	२२	२९	१३	वृश्चिके	अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा
२	र	१७	२७	ज्ये	४९	६	अ	१६	४४	कौ	१७	२७	३९	४०	२०	२३	३०	१४	ध.४९।६	चंद्रदर्शनम् भातृ२ यम२
३	चं	९	४१	मू	४३	७	सु	७/१	५०/२५	ग	९	४१	३६	४१	१९	२४	१	१५	धनुषि	भ.३५।५१ उ. वृश्चिकेऽर्कः ५२।५९÷
४	मं	२	२	पू	३७	४५	शू	४८	४०	वि	२	२	३३	४१	१९	२५	२	१६	म ५१।४०	भ.२।२या.वृश्चिकेऽर्कःसौरः२०।५
५	मं	५३	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷हस्त.३गुरुः४०।८सव्वाल१०
६	बु	४९	१५	उ	३३	२६	गं	४०	२४	कौ	२२	१६	३०	४२	१८	२६	३	१७	मकरे	तुलायां शुक्रः३६।२० [+केतुः४६।३४
७	गु	४४	३४	श्र	२९	४०	वृ	३३	१८	ग	१६	५५	२७	४३	१७	२७	४	१८	कुं.५८।२९	भ.४४।३४ उ.अश्विनी.२राहुः चित्रा.४+
८	शु	४०	५६	ध	२७	१८	ध्रु	२६	५२	वि	१२	४५	२५	४३	१७	२८	५	१९	कुंभे	भ.१२/४५ या. अनु. रविः११/१९ (सौरः३६/५३)×
९	श	३८	२६	श	२६	४	व्या	२१	२७	बा	९	४१	२२	४४	१६	२९	६	२०	कुंभे	वक्री पुन.४शनिः३७।१६अक्षय९
१०	र	३७	०	पू	२५	५५	ह	१६	५४	तै	७	४३	१९	४४	१६	३०	७	२१	मि. १०/५८	[=५८।४३भा.मार्गशीर्षारंभःप्रबोधिनीA
११	चं	३६	४९	उ	२६	५१	व	१३	१९	व	६	५४	१७	४५	१५	१	८	२२	मीने	भ.६।५४उ. ३६।४९या. स्वात्यां शुक्रः=
१२	मं	३७	५२	रे	२९	११	सि	१०	३७	ब	७	२०	१४	४५	१५	२	९	२३	मे.२९।११	मूले धनुषि बुधः५३।३८
१३	बु	३९	५७	अ	३२	१८	व्य	८	५८	कौ	८	५८	१२	४६	१४		१०	२४	मेषे	प्रदोषः [A११व्र.तुलसीविवाह.
१४	गु	४३	९	भ	३६	४३	व	८	१४	ग	११	३०	९	४६	१४	४	११	२५	वृ. ५३।०	भ.४३।९उ.वैकुंठ१४ [×गोपाष्टमी
१५	शु	४७	२०	कृ	४१	५२	प	७	४७	वि	१५	४४	७	४७	१३	५	१२	२६	वृषे	भ.१५।४४या.मन्वादिःका.स्ना.पू.

३२पं.का.शु.४मं.इ. २६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	५	३	०	७
०	९	२२	१६	२८	३	६	०
३३	३६	१३	४९	३४	२४	४७	६
२९	०	२३	१	५२	३६	२७	१०
६०	३९	७१	११	७२	५०/०	३	६०
३०	५२	२६	४५	४७	व.	११	४०

गोचर ग्रहाः

९चं मके७ सू८बु १० ६शु गु ११ ५ १२ २ श४ रा१ ३

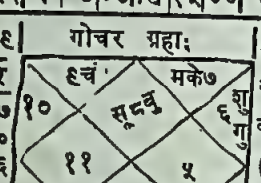

कार्तिक शुक्ले३ चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

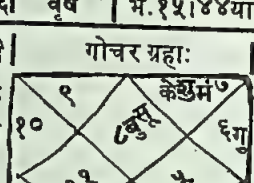

९ केशुमं७ १० ८बुसू ६गु ११ ५ चं१२ २ ४श १रा ३

३३पं.का.शु. १२मं.इ.२५/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	६	३	०	७
७	१४	२९	१८	७	३	६	७
३७	१७	३७	३	१२	१५	२५	११
२६	१७	२९	५८	५०	२९	१२	४३
६०	३९	४८	११	७३	१/३७	३	६०
४२	५९	४७	५	००	व.	११	५३

ति	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेत्ति महाः
१	श	५२	३८	रो	४८	१६	शि	८	२२	बा	१९	५९	२६/५	६/४७	५/१३	६	१३	२७	वृषे	
२	र	५८	३०	मृ	५४	५६	सि	९	५१	तै	२५	३४	२	४८	१२	७	१४	२८	मि२१।३६	
३	चं	६०	०	आ	६०	०	सा	११	३१	व	३१	२४	०	४८	१२	८	१५	२९	मिथुने	भ.३१।२४उ. [÷व्रतम्
३	मं	४	४६	आ	२	२८	शु	१३	४७	वि	४	४६	२५/५८	४८	१२	९	१६	३०	क.५३।६	भ.४।४६या. वक्री बुधः१०।३९चतुर्थी÷
४	बु	११	१२	पु	९	५९	शु	१६	६	बा	११	१२	५६	४९	११	१०	१७	१	कर्के	विशा.भौमः५७।९दिसम्बर१२ता.३१
५	गु	१७	४१	पु	१७	३८	ब्र	१८	२०	तै	१७	४१	५४	४९	११	११	१८	२	कर्के	ज्येष्ठा.रवि.२१।२६ (सौरः४४।४७)×
६	शु	२३	२०	श्ले	२४	२७	ऐं	१९	५८	व	२३	२०	५३	४९	११	१२	१९	३	सिं. २४/२७	भ.२३।२०उ.५५।३७या.विशा. शुक्रः४७/४९
७	श	२७	५३	म	३०	२२	वै	२१	२	ब	२७	५३	५१	५०	१०	१३	२०	४	सिंहे	[×पातस्पर्शः१७।११पातमोक्षः ३४।३८
८	र	३१	३	पू	३४	४५	वि	२१	१	कौ	३१	३	४९	५०	१०	१४	२१	५	कं.५०।२६	हस्त.४गुरुः२२/२६बुधास्तःपश्चिमायां५०/५५
९	चं	३२	२३	उ	३७	३०	प्री	१९	३३	तै	१	४३	४८	५०	१०	१५	२२	६	कन्यायां	
१०	मं	३१	३८	ह	३८	१२	आ	१६	२८	व	२	१	४६	५१	९	१६	२३	७	कन्यायां	भ.२।१उ.३१।३८या. वक्री वृश्चिके+
११	बु	२८	५०	चि	३६	५५	सौ	११	५४	ब	०	१४	४५	५१	९	१७	२४	८	तु.७।३४	उत्पत्ति११व्र. [+ज्येष्ठा. बुधः५०।५०
१२	गु	२४	६	स्वा	३३	३१	शो	५/४०	५२/१४	तै	२४	६	४४	५१	९	१८	२५	९	तुलायां	प्रदोषः
१३	शु	१७	२९	वि	२८	२९	सु	४८	४७	व	१७	२९	४३	५१	९	१९	२६	१०	वृ.१४।४४	भ.१७।२९उ.४३।३२या.
१४	श	९	३४	अ	२२	१४	धृ	३८	५३	श	९	३४	४२	५२	८	२०	२७	११	वृश्चिके	वृश्चिके शुक्रः४३।३३
३०	र	०	३७	ज्ये	१५	५४	शू	२८	२२	ना	०	३७	४१	५२	८	२१	२८	१२	ध.१५।५४	

३४ पं.मा.कृ.३मं.इ.२५/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	५	६	३	०	७
१४	१८	३	१९	१५	३	६	१४
४२	५८	३०	१३	५३	१	२	१८
४०	५९	५०	५९	२०	५	५६	२९
६०	४०	१/४९	१०	७३	२/१२	३	६१
५०	३	व.	२६	१४	व:	११	३

गोचरग्रहाः

९बु मंशुके७ १० सू८ गु६ ११ ५ १२ २ ४ श रा१ ३चं

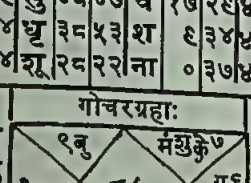

यह मास सोना चांदी रूई सूत गेहूं जौ चना बाजरा मूंग मोठ में तेजी करेगा कहीर विग्रह पैदा होने की सम्भावना है।

गोचर ग्रहाः

बु९ केशुमं७ १० सू८ ६गु चं ११ ५ १२ २ श४ रा१ ३

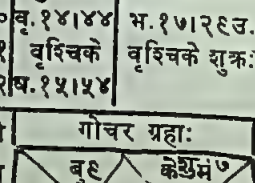

३५ पं. मा. कृ.१०मं. इः२५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	५	६	३	०	७
२१	२३	०	२०	२४	२	५	२१
४८	४३	३६	१९	३५	४२	४०	२६
४३	१२	२५	५२	२	०	४०	१२
६०	३९	८६/२२	९	७३	२/५३	३	६१
५६	५६	व.	४१	२६	व.	११	११

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६३५स२००४
१	र	५०	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×(सौरः४८।३७) पातस्पर्शः११।५०+
२	चं	४२	७	मू	७	४०	गं	१७	३२	बा	१६	४८	२५/४०	६/५२	५/८	२२	२९	१३	धनुषि	चंद्रदर्शनम् [÷जिल्काद११
३	मं	३३	३१	पू	०/२९	५३/२१	बृ	७/१	४९/५०	तै	७	४९	३९	५२	८	२३	१	१४	म.१३।४९	भ ५९।३४ उ. अनु. शुक्रः २४।१२÷
४	बु	२५	३८	श्र	४८	१६	व्या	४७	३५	वि	२५	३८	३९	५२	८	२४	२	१५	मकरे	भ.२५।३८या. मूले,धनुष्यर्कः२८।४१×
५	गु	१९	१९	ध	४४	७	ह	३९	४४	बा	१९	१९	३८	५२	८	२५	३	१६	कुं.१६।११	वृश्चिके भौमः४१/३२बुधोदयः पूर्वस्यां४/४२
६	शु	१४	१८	श	४१	३१	व	३३	०	तै	१४	१८	३८	५२	८	२६	४	१७	कुंभे	चंपा६ [+पातमोक्षः२८।२
७	श	११	५	पू	४०	४१	सि	२७	३६	व	११	५	३७	५३	७	२७	५	१८	मी.२५/५७	भ.११।५उ.४०।१९या.
८	र	९	३३	उ	४१	१६	व्य	२३	२८	ब	९	३३	३७	५३	७	२८	६	१९	मीने	
९	चं	९	३३	रे	४३	३४	व	२०	३८	कौ	९	३३	३६	५३	७	२९	७	२०	मे.४३।३४	मार्गी बुधः३२।३
१०	मं	११	१८	अ	४७	४	प	१९	८	ग	११	१८	३६	५३	७	३०	८	२१	मेषे	भ.४२।४३उ.अनु. भौमः३३।५१
११	बु	१४	८	भ	५२	१	शि	१८	३५	वि	१४	८	३६	५३	७	१	९	२२	मेषे	भ.१४/८या.भा.पौषारंभः मोक्षदा११व्र.A
१२	गु	१८	१४	कृ	५७	४८	सि	१९	११	बा	१८	१४	३६	५३	७	२	१०	२३	वृ.८।२८	प्रदोषः [Aगीताजयंती
१३	शु	२३	१	रो	६०	०	सा	१९	५४	तै	२३	१	३७	५३	७	३	११	२४	वृषे	
१४	श	२८	५६	रो	४	११	शु	२१	३०	व	२८	५६	३७	५३	७	४	१२	२५	मि३७।४७	भ.२८।५६उ.ज्येष्ठा. शुक्रः२।५२
१५	र	३४	५८	मृ	११	२५	शु	२३	१२	वि	१	५७	३७	५३	७	५	१३	२६	मिथुने	भ.१।५७या.दत्तजयंती

३६पं.मा.शु.३मं.इ. २५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	७	३	०	७
२८	२८	१९	२१	३	२	५	२८
५५	२८	३७	१९	१८	१८	१८	३४
३७	१६	४१	५५	३६	२५	२५	५५
६१	४०	७३/५	८	७३	३/३४	३	६१
०	७	व.	४९	४०	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

९ ७केमं चं१० सूबुशु ८ ६गु ११ ५ १२ २ ४श रा१ ३

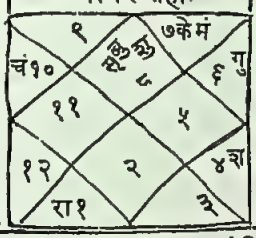

मार्गशीर्ष शुक्ले४बुधे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३बालावस्था (बैठी)मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१० बुशु ७ मं ११ सू९ के७ १२ ६गु चं रा१ ३ ५ २ ४श

३७पं.मा.शु. १०मं.इ.२५/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	५	७	३	०	८
६	३	१६	२२	१२	१	४	५
३	१४	५८	१३	३	५१	५६	४४
१४	१०	५	४८	१८	२५	९	२०
६१	४०	१०/३५	७	७३	३/५६	३	६१
४	२१	मा	५३	४७	व.	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग.कृष्णेति महाः
१	चं	४१	३१	आ	१८	५२	ब्र	२५	२९	बा	७	४०	२५/३८	६/५१	५/८	६	१४	२७	मिथुने	
२	मं	४७	४१	पु	२६	१९	ऐं	२७	४०	तै	१४	३१	३८	५२	८	७	१५	२८	क.९।३३	पूषाःरविः३३।४१(सौरः५०।१५)
३	बु	५४	१	पु	३३	४७	वै	२९	५०	व	२०	५१	३९	५२	८	८	१६	२९	कर्के	भ.२०।५१उ.५४।१या.
४	गु	५९	३७	श्ले	४०	४७	वि	३१	४९	ब	२६	४९	४०	५२	८	९	१७	३०	सिं.४०/४७	चतुर्थी व्रतम्
५	शु	६०	०	म	४७	०	प्री	३३	१	कौ	३२	३	४१	५२	८	१०	१८	३१	सिंहे	चित्रा.१गुरुः२३।२३
५	श	४	२९	पू	५१	२५	आ	३३	३४	तै	४	२९	४२	५२	८	११	१९	१	सिंहे	जनवरी१ता.३१सन्२००५
६	र	८	१३	उ	५६	२३	सौ	३३	५	व	८	१३	४३	५१	९	१२	२०	२	कं.७।३९	भ.८।१३उ.३९।२१या.
७	चं	१०	२९	ह	५८	४३	शो	३१	३०	व	१०	२९	४४	५१	९	१३	२१	३	कन्यायां	
८	मं	११	२	चि	५९	१६	अ	२८	२३	कौ	११	२	४५	५१	९	१४	२२	४	तु.२८।५९	मूले धनुषिशक्रः४५।३९
९	बु	१०	२	स्वा	५७	५६	सु	२३	५०	ग	१०	२	४७	५१	९	१५	२३	५	तुलायां	भ.३८।१६उ.मुले धनुषिबुधः३३।२५
१०	गु	६	३१	वि	५४	३७	धृ	१७	४१	वि	६	३१	४८	५०	१०	१६	२४	६	वृ.४०।१५	भ.६।३१या.
११	शु	१	१८	अ	४९	४३	शू	९	५९	बा	१	१८	५०	५०	१०	१७	२५	७	वृश्चिके	सफला११व्र.
१२	शु	५३	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
१३	श	४६	३०	ज्ये	४३	३०	गं	१/१६	४९/५८	ग	२०	३५	५२	५०	१०	१८	२६	८	ध.४३।३०	भ.४६।३०उ.प्रदोषः
१४	र	३७	१६	मू	३६	६	ध्रु	४०	३४	वि	११	५३	५३	४९	११	१९	२७	९	धनुषि	भ.११।५३या.ज्येष्ठायां भौमः५२।१४
१५	चं	२७	३९	पू	२८	५	व्या	२९	२६	च	२	२७	५५	४९	११	२०	२८	१०	म४१।९	उषा.रविः३८।२६(सौरः५१।४२)

३८पं. पौ. कृ. २मं.इ. २५/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	५	७	३	०	८
१३	८	२१	२३	२०	१	४	१२
११	२	१	०	४८	२०	३३	५४
१३	४६	३७	५	४७	१३	५४	१२
६१	४०	५२	६	७३	४/१४	३	६१
६	२५	२५	४२	५०	व.	११	२६

गोचर ग्रहाः

१० शुबु८ ९सू के७ ११ १२ ६गु १रा ३ ५ २ चंश४

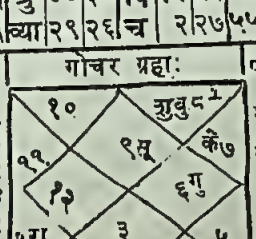

पौष शुक्ले ५ शुक्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ बालावस्था (बैठी)मुं.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

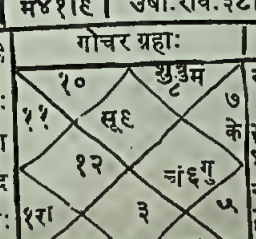

१० शुबुमं ८ ७ के ११ सू९ १२ चं६गु १रा ३ ५ २ ४श

३९ पं. पौ. कृ. ८मं. इ. २४/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	५	७	३	०	८
२०	१२	२८	२३	२९	०	४	२०
१९	५२	३७	४०	३४	४७	११	४
२६	१२	२६	१२	३०	१३	३८	९
६१	४०	७२	५	७३	४	३	६१
६	२९	२१	४४	५६	३४	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पोष शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४६६४ स. २००५
१	मं १७ ५० उ २० २२ ह १६ १३ ब १७ ५०	२५ ५७	४६	१५	२१	२६	११	मकरे	
२	बु ८ २७ श्र १३ ४ व ३६ ५०	११	को	८	२७	५९	४८	१२	२२ ३० १२ कुं. ४०।४ चन्द्रदर्शनम्
३	गु ० २७ ध ७ ५ व्य ४६ १	ग	०	२७	२६	४८	१२	२३ १ १३ कुंभे	भ. २७ उ. ५३ या. मकरेऽर्कः ५० जिल्हेज १२
४	गु ५३ २१ ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ०	
५	शु ४८ ५३ श १६ ५७ व ४१ ५७	१३	ब	२१	२०	४	४७	१३	२४ २ १४ मी. ५६ मकरेऽर्कः सौरः ५ वक्री पुनः ३ मिथुनेशनिः ×
६	श ४५ ५६ उ ५८ २६ प ३६ ३०	को	१७	२५	६	४७	१३	२५ ३ १५ मीने	पूषा. बुधः ३५ पूषाशुक्रः २१ [×११।३८
७	र ४५ ० रे ५६ २६ शि ३२ २३	ग	१५	२८	८	४६	१४	२६ ४ १६ मे. ५६।२६	भ ४५।० उ.
८	चं ४६ ७ अ ६० ० सि ३० ३	वि	१५	३४	११	४६	१४	२७ ५ १७ मेषे	भ. १५।३४ या.
९	मं ४८ ५३ अ २ ३१ सा २८ ५३	बा	१७	३०	१३	४५	१५	२८ ६ १८ मेषे	[÷३८] अश्वि. १ राहुः चित्रा. ३ केतुः ३९ +
१०	बु ५३ १४ भ ७ ११ शु २६ २२	तै	२१	४	१६	४५	१५	२९ ७ १९ वृ. २३।४०	[×४६३] उषा. बुधः १९ [+पुत्रदा ११ व्र.
११	गु ५८ २६ कृ १३ ७ शु ३० २०	व	२५	५१	१९	४४	१६	३० ८ २० वृषे	भ. २५ उ. ३६ या. अभि. प्र. रविः ३७ सौरः ÷
१२	शु ६० ० रो १६ ५५ ब्र ३२ १३	ब	३१	७	२१	४४	१६	१ ९ २१ मि. ५३	भा. मा. धारंभः
१२	श ३ ४६ मृ २७ १६ ऐं ३४ १९	बा	३	४६	२४	४३	१७	२ १० २२ मिथुने	प्रदोषः
१३	र ११ ७ आ ३४ ४४ वै ३६ ३१	तै	११	७	२७	४३	१७	३ ११ २३ मिथुने	श्रवणे रविः ४३ (सौरः ५४)
१४	चं १७ २९ पु ४२ ११ वि ३८ ४०	व	१७	२९	२९	४२	१८	४ १२ २४ क. २५।२०	भ. १७ उ. ५९ या. अभि. नि. रविः ३६ (सौरः *
१५	मं २३ ४९ पु ४९ २८ प्री ४० ४०	ब	२३	४९	३२	४२	१८	५ १३ २५ कर्के	बुधास्तः पूर्वस्याम् ४२।४६ मा. स्ना. प्रा.

४०पं.पो. शु.१ मं.इ. २४ ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	५	८	३	०	८
२७	१७	७	२४	८	०	३	२७
२७	४२	५२	१२	२०	१२	४९	१४
२२	४०	३४	२९	५३	५८	२२	१
६१	४०	८३	४७	४	४	३	६१
६	२४	३१	३१	२	४०	११	२४

४१ पं.पो.शु.९ म.इं २४।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	५	८	२	०	९
४	२२	१७	२४	१७	२९	३	४
३५	३५	५३	३५	७	३८	२७	२३
१३	२४	१०	४२	५	१०	७	३०
६१	४०	९१	३	७४	४०	३	६१
३	४२	२२	१८	८	व.	११	१९

४२पं. पो.शु.१५ म.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	५	८	२	०	९
११	२७	२८	२४	२५	२९	३	११
४२	२९	३१	५०	५२	४	४	३२
४०	२४	५२	२८	३४	८	५१	२१
६०	४०	९७	१	७४	२८	३	६१
५९	४३	१९	४७	१७	व.	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पोष कृष्णेति महाः
१	बु २९ ३८ श्ले ५६ १२ आ ४२ २०	को	२९	३८	३६	५	१९	६ १४ २६	सिं. ५६ मकरे बुधः १५।१६ उषा. शुक्रः ३।१४
२	गु ३४ ५९ म ६० ० सौ ४३ ११	तै	२	१९	३८	४०	२०	७ १५ २७	सिंहें
३	शु ३९ १६ म २ ५ शो ४३ ४७	व	७	७	४१	४०	२०	८ १६ २८	सिंहे
४	श ४२ ३२ पू ७ २४ अ ४३ २७	ब	१०	५४	४५	३९	२१	९ १७ २९	कं. २३।२६ भ. ७ उ. ३९ या. मकरेशुक्रः ४४ मूलेधनुषि ×
५	र ४४ ४७ उ ११ ३२ सु ४१ ५६	को	१३	४०	४८	३८	२२	१० १८ ३०	कन्यायां चतुर्थी व्रतम् [×भौमः ५३।८
६	चं ४५ ५५ ह १४ २८ धृ ३९ २६	ग	१५	२१	५१	३८	२२	११ १९ ३१	तु. ४५ भ. ४५।५५ उ.
७	मं ४५ ३७ त्ति १६ ११ शू ३६ ५५	वि	१५	४६	५४	३७	२३	१२ २० १	तुलायां भ. १९ या. श्रवणेबुधः ३५ फरवरी २ ता. २८
८	बु ४३ ४१ स्वा १६ ४१ गं ३२ १६	बा	१४	३९	५८	३६	२४	१३ २१ २	तुलायां पातस्पर्शः २।५० पात मोक्षः १४।५२
९	गु ४० ९ वि १५ २२ वृ २६ २२	तै	११	५५	२७	३६	२४	१४ २२ ३	वृ. ४२
१०	शु ३५ २० अ १२ २४ धु १९ २३	व	७	४४	५	३५	२५	१५ २३ ४	वृश्चिके भ. ४४ उ. ३० या. वक्री गुरुः १३।४
११	श २८ ५९ ज्ये ८ १४ ष्या ११ १८	ब	२	१०	८	३४	२६	१६ २४ ५	ध. ८।१४ धनि. रविः ५२ (सौरः १९) श्रवणे शुक्रः ÷
१२	र २१ २० मू २९ ५३ ह ३ ५९	तै	२१	२०	१२	३४	२६	१७ २५ ६	धनुषि प्रदोषः [÷४९ षट्तिला ११ व्र.
१३	चं १२ ११ उ ४८ ४१ सि ४१ ३१	व	१२	११	१५	३३	२७	१८ २६ ७	म. ९।६ भ. १२।११ उ. ३७।४९ या.
१४	मं ३ २६ श्र ४२ १० व्य ३० ३८	श	३	२६	१९	३२	२८	१९ २७ ८	मकरे
३०	मं ५० ४६ ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	

४३ पं.मा.कृ.७ मं.इ.२५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	५	९	२	०	९
१८	२	९	२४	४	२८	२	१८
४९	२३	४१	५५	३८	३१	४२	४०
१६	५३	३१	३४	४६	५२	३६	२६
६०	४०	९	०	७४	१	३	६१
५५	४४	२८	३४	२०	व.	११	४

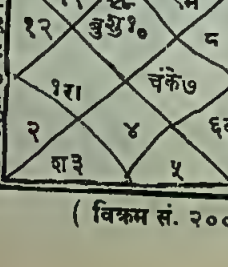

इस मास में धन का मंगल धातु लोहा सोना चांदी रुई तृण काष्ट घृत तेज करें सुदि में धातु मन्दी पशु तेज हो।

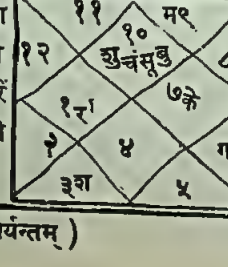

४४पं.मा.कृ.१४ मं.इ. २८ १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	५	९	२	०	९
२५	७	२१	२४	१३	२८	२	२५
५५	२०	२७	५१	२४	१	२०	४७
१	१३	०	५८	२६	४४	२०	१३
६०	४०	९	५१	७४	५३	३	६०
४७	४०	२८	व्र	२६	व.	११	५५

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ	शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ४६९३स.२००५
१	बु	४५	११	ध	३४	१९	व	२०	१५	किं	१९	४२	२७	६	५१	२०	२८	९	कुं.८।१४	धनि. बुधः२८।३७
२	गु	३७	२६	श	२८	१४	प	१०	३१	बा	११	१९	२७	३१	२९	२१	२९	१०	कुंभे	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	३१	१०	पू	२३	३४	शि	५५	५३	तै	४	१८	३०	३०	३०	२२	१	११	मी.९।४४	भ.५६उ.मोहोरम१सन्१४२६ हि.
४	श	२६	३७	उ	२०	५३	सा	४८	५९	वि	२६	३७	३४	२९	३१	२३	२	१२	मीने	भ.३६या.कुभेऽर्कः३७(सौरः३४।१४)
५	र	२४	१८	रे	२०	८	शु	४५	१४	बा	२४	१८	२८	२८	३२	२४	३	१३	मे.२०।८	कुम्भे बुधः२१।९ वसंत ५
६	चं	२४	८	अ	२१	३४	शु	४२	५३	तै	२४	८	४१	२८	३२	२५	४	१४	मेषे	
७	मं	२५	५६	भ	२४	५४	ब्र	४२	२८	व	२९	५६	४५	२७	३३	२६	५	१५	वृ.४१।१०	भ.३५उ.५७या.भानु ७ रथ ७
८	बु	२९	४१	कृ	३०	०	सें	४२	४४	ब	२९	४१	४९	२६	३४	२७	६	१६	वृषे	शते बुधः५६धनि.शुक्रः३१पूषा.भौमः×
९	गु	३४	४१	रो	३६	२१	वै	४४	१७	बा	२	११	५३	२५	३५	२८	७	१७	वृषे	शुक्रास्तः पूर्वस्याम्१८।०
१०	शु	४१	२	मृ	४३	४०	वि	४६	२३	तै	७	५२	५६	२५	३५	२९	८	१८	मि.१०।०	[×५६।२५ भीष्माष्टमी
११	श	४७	२८	आ	५१	२०	प्री	४८	४७	ब	१४	१५	२८	२४	३६	३०	९	१९	मिथुने	भ.१४उ.४७या.शते रविः३४७(सौरः६६÷
१२	र	५३	५२	पु	५८	५९	आ	५१	८	ब	२०	४०	४	२३	३७	१	१०	२०	कं.४१।५	भा.फाल्गुनारंभः [÷जया११व्र.
१३	चं	५९	५८	पु	६०	०	सौ	५३	७	कौ	२६	५५	८	२२	३८	२	११	२१	कर्के	कुम्भे शुक्रः ४०।४७ प्रदोषः
१४	मं	६०	०	पु	५	३	शो	५४	३८	ग	३२	४४	१२	२२	३८	३	१२	२२	कर्के	
१४	बु	५	३१	श्ले	१२	४१	अ	५५	२८	व	५	३१	१६	२१	३९	४	१३	२३	सिं. ४२	भ.५।३१उ.३७।४८ या.
१५	गु	१०	४	म	१८	५	सु	५५	२९	ब	१०	४	२०	२०	४०	५	१४	२४	सिंहे	पूभा. बुधः ७।१ मा. स्ना. पूर्तिः

४५ पं.मा.शु. ७ मं.इ. ३५/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	५	९	२	०	१०
२	१२	३	२४	२२	२७	१	२
५९	१८	५०	३८	१०	३५	५८	५३
४९	०	३५	४९	१६	१७	४	१६
६०	४०	५६	२३	७४	२३	३	६०
३७	५४	१७	व	२६	व.	११	४२

गोचर ग्रहाः

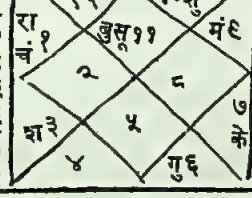

माघ शुक्ले ४ शनौ कुम्भेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावें समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

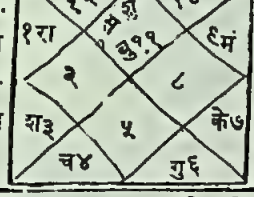

४६ पं.मा.शु १४ मं.इ. ३५/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	५	१०	२	०	१०
१०	१७	१६	२४	०	२७	१	९
३	१६	४९	१६	५५	१२	३५	५७
२२	१६	३४	३४	४१	५०	४९	४९
६०	४०	५८	४०	७४	४३	३	६०
२५	४६	४८	व.	२६	व.	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं २०६१ शाकः १९२६								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तौ रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः
१	शु	१३	३७	पू	२२	४७	धृ	५४	४१	कौ	१३	३७	३८	६	५१	६	१५	२५	कं.३८।३९	
२	श	१६	३	उ	२६	१६	शू	५३	६	ग	१६	३	२८	१८	४२	७	१६	२६	कन्यायां	भ.४६।४३ उ.
३	र	१७	२३	ह	२८	५६	गं	५०	४२	वि	१७	२३	३२	१८	४२	८	१७	२७	तु५९।४२	भ.१७।२३या.शते शुक्रः०।४० चतुर्थी व्र.
४	चं	१७	४६	चि	३०	२८	वृ	४७	३१	बा	१७	४६	२६	१७	४३	९	१८	२८	तुलायां	
५	मं	१७	२	स्वा	३१	५	धु	४३	२८	तै	१७	२	४०	१६	४४	१०	१९	१	तुलायां	मीने बुधः३६बुधोदयःपश्चिमायां३६×
६	बु	१५	२५	वि	३०	३४	ज्या	३८	३१	व	१५	२५	४४	१५	४५	११	२०	२	वृ.१५।४०	भ.१५।२५उ.५६या. [×मार्च ३ ता. ३१
७	गु	१२	३४	अ	२८	५५	ह	३२	४६	ब	१२	३४	४८	१४	४६	१२	२१	३	वृश्चिके	उभा.बुधः१७।४८
८	शु	८	५६	ज्ये	२६	२८	ब	२६	१६	कौ	८	५६	५२	१४	४६	१३	२२	४	ध.२६।२८	पूभा. रविः१९।५३(सौरः२४।२३)
९	श	४	११	मू	२२	५६	सि	१८	५०	ग	४	११	५६	१३	४७	१४	२३	५	धनुषि.	भ३१।१४उ.५८।१८या.
१०	श	५४	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	र	५१	३५	पू	१८	२६	व्य	१०	४०	ब	२४	५८	२९	१२	४८	१५	२४	६	म.३२।५	वक्री हस्तः४गुरुः३३विजया ११ व्र.स्मा.
१२	चं	४४	७	उ	१३	०	व	१५	५०	कौ	१७	५१	५	११	४९	१६	२५	७	मकरे	उषा.भौमः३१।३ विजया११व्र.वै.
१३	मं	३६	४	श्र	६	५८	शि	४३	२	ग	१०	५	९	१०	५०	१७	२६	८	कुं.३३।५७	भ.३६उ.प्रदोषःमहाशिवरात्रि व्र. स्मा.
१३	बु	२८	८	ध	५६	५४	सि	३३	४२	वि	२	६	१३	९	५१	१८	२७	९	कुंभे	भ.३या.पूभा.शुक्रः४३वक्री पुन.२शनिः÷
१४	गु	२१	३७	पू	५०	१६	सा	२४	५६	ना	२१	३७	७	९	५१	१९	२८	१०	मी.३६	[÷४५।२५ महाशिवरात्रि व्र.वै.

४७ पं.फा.कृ. ५ मं. इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	५	१०	२	०	१०
१७	२२	२९	२३	९	२६	१	१७
५	१६	५७	४६	४०	५४	१३	९
३५	१२	०	४८	२३	५८	३३	४२
६०	४०	५६	२३	७४	२३	३	६०
१२	३८	१७	व.	३२	व.	११	२०

गोचर ग्रहाः

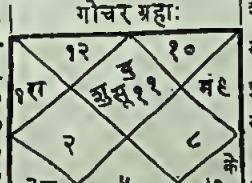

शुक्रस्य पंचवाराः स्युः यत्र मासे निरन्तरम् । प्रजाबृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते ॥

इस मास का फल अच्छा है धातु में तेजी रहे।

गोचर ग्रहाः

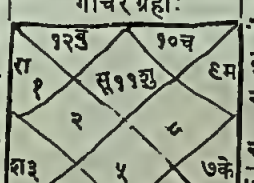

४८ पं.फा.कृ.१ ३मं.इ. ३६/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	११	५	१०	२	०	१०
२४	२७	११	२३	१८	२६	०	२४
६	१७	३४	९	२४	४१	५१	२
२२	१३	१७	४	४३	५३	१८	५
५९	४१	८८	३	७४	२७	३	६०
५८	१	५५	व.	३२	व.	११	६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०६१						शाकः १९२६			दि. उ. अ.			भा.मु. इं.			चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गणः४७२३ स.२००५
१	शु	१४	५	उ	४६	३२	शु	१७	४	ब	१४	५	३९	६	५२	३०	२९	११	मीने	चंद्रदर्शनम्
२	श	८	५३	रे	४४	१९	शु	१०	२४	कौ	८	५३	२३	७	५३	२१	१	१२	मे.४४।१९	रेवत्यां बुधः२९मकरे भौमः२९सफर२४
३	र	५	२९	अ	४४	१३	ब्र	५	१८	ग	५	२९	३०	६	५४	२२	२	१३	मेषे	भ.३४।५४उ. [×फल्गुनि २
४	चं	४	२०	भ	४६	३६	ऐं	३	५७	वि	४	२०	३४	५	५५	२३	३	१४	मेषे	भ.२५या.मीनेऽर्कः२९ (सौरः२५)
५	मं	४	५५	कृ	५०	९	वि	५९	२६	बा	४	५५	३८	४	५६	२४	४	१५	वृ.२९	
६	बु	७	४०	रो	५५	३४	प्री	६०	०	तै	७	४०	४३	३	५७	२५	५	१६	वृषे	[=कन्यायां केतुः ३४।३३
७	गु	११	५८	मृ	६०	०	प्री	०	४	व	११	५८	४७	३	५७	२६	६	१७	मि२८।५७	भ.११उ.४५या.उभा.रविः५१ (सौरः÷
८	शु	१७	४५	मृ	२	२०	आ	१	५७	व	१७	४५	५१	२	५८	२७	७	१८	मिथुने	होलाष्टकम् [÷५०)मीनेशुक्रः४४।४८
९	श	२३	५३	आ	९	३९	सौ	४	११	कौ	२३	५३	५५	१	५९	२८	८	१९	मिथुने	वक्री बुधः५।४७
१०	र	३०	१९	पु	१७	१५	शो	६	३७	ग	३०	१९	०००	०	०००	२९	९	२०	क.०।२१	उभा.शुक्रः२५।५
११	चं	३६	२५	पु	२४	३३	अ	८	४०	व	३	२२	४	५५	१	३०	१०	२१	कर्के	भ.२३उ.३६या.बुधास्तःपश्चिमायां ३३+
१२	मं	४१	४६	श्ले	३१	१८	सु	१०	२६	व	९	५	८	५८	२	१	११	२२	सिं३१।१८	मार्गी शनिः३५भा.चैत्रारंभः
१३	बु	४५	५८	म	३६	४४	धृ	११	९	कौ	१३	२२	१२	५८	२	२	१२	२३	सिंहे	प्रदोषः [+आमलकी ११ व्र.
१४	गु	४८	४८	पू	४०	५५	शू	११	१	ग	१७	२३	१६	५७	३	३	१३	२४	कं.५६।३९	भ.४६उ.रेवती.४मीने राहुःचित्रा.२=
१५	शु	५०	१०	उ	४३	५०	गं	९	४८	वि	१९	२९	२१	५६	४	४	१४	२५	कन्यायां	भ.३९या.श्रवणे भौमः५४होलिकादहनम्

४९पं.फा.शु.५मं.इ.२६।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	५	१०	२	०	११
१	२	१८	२२	२७	२९	०	१
५	१९	५०	२४	८	२४	२९	५
३५	८	२९	५४	२४	५	२	४७
५९	४०	४१	४९	७४	३९	३	५९
४१	५५	५८	व.	३२	व.	११	४९

ग्रोचर ग्रहाः

फाल्गुन शुक्ले ४ चंद्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्या दिभावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

ग्राचर ग्रहाः

५०पं.फा.शु.१२.मं.इ.२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	५	११	२	०	११
८	७	१९	२१	५	२६	०	७
३	२१	५९	३५	५१	३२	६	५५
१८	२९	५०	५६	४०	१०	४६	४२
५९	४०	३४	३३	७४	१	३	५९
२९	५६	व.	व.	३८	व.	११	३५

ति.	चंत्र कृष्णपक्षः सं. २०६१						शाकः १९२६			दि. उ.अ.			भा मु इं			चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा०
१	श	५०	२२	ह	४५	२८	वृ	७	३८	बा	२०	१६	३५	५५	५	५	१५	२६	कन्यायां	वसंत १ ह्यारेडो
२	र	४९	२४	चि	४६	०	ध्रु	४	२५	तै	१९	५३	२९	५४	६	६	१६	२७	तु.१५।४४	वक्री उभा.बुधः ५५।४१
३	चं	४७	१६	स्वा	४५	३४	व्या	२८	१९	व	१८	२०	३३	५३	७	७	१७	२८	तुलायां	भ.१८।२०उ.४७।१६या.
४	मं	४४	३०	वि	४४	३४	च	५०	२६	ब	१५	५३	३७	५३	७	८	१८	२९	वृ.२९।४९	चतुर्थीव्रतम्
५	बु	३९	५२	अ	४२	३८	सि	४४	३२	कौ	१२	११	४१	५२	८	९	१९	३०	वृश्चिके	
६	गु	३७	६	ज्ये	४०	२७	व्य	३८	२३	ग	८	२९	४५	५१	९	१०	२०	३१	ध.४०।२७	भ.३७उ.रेवत्यां रविः२९ (सौरः१३)÷
७	शु	३२	४३	मू	३७	३५	व	३१	५०	वि	४	५४	४९	५०	१०	११	२१	१	धनुषि	भ.५४या.अप्रेल ४ ता.३०शीतलापूजनम्
८	श	२७	५२	पू	३४	२८	प	२४	४९	बा	०	१९	५३	४९	११	१२	२२	२	म.४८।३२	पुन.३शनिः४०।५३ [÷रेवत्यांशुक्रः५८
९	र	२२	३१	उ	३०	४४	शि	१७	२९	ग	२२	३१	५७	४९	११	१३	२३	३	मकरे	भ.४९।३६उ.
१०	चं	१६	४२	श्र	२६	३५	सि	९	५२	वि	१६	४२	३१	४८	१२	१४	२४	४	कुं.५४।२८	भ.१६।४२या.वक्रीहस्तः३गुरुः९।५४
११	मं	१०	२५	ध	२२	२०	सा	५९	५३	बा	१०	३५	५	४७	१३	१५	२५	५	कुंभे	पापमोचिनी११ व्र.
१२	बु	४	२६	श	१८	३५	शु	४६	४१	तै	४	२६	१०	४६	१४	१६	२६	६	कुंभे	भ.५९उ.बुधोदयः पूर्वस्याम्३२प्रदोषः
१३	बु	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	गु	५१	५४	पू	१४	१७	व्र	३९	४१	वि	२५	१०	१४	४५	१५	१७	२७	७	मी. ०।१५	भ.२५।१०या.
३०	शु	४८	१९	उ	११	७	ऐं	३३	६	च	२०	६	१८	४४	१६	१८	२८	८	मीने	मन्वादिः

५१वं. चै. कृ.४ म. इ. २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	५	११	२	११	११
१४	१२	१५	२०	१४	२६	२९	१४
५९	२४	१८	४३	३२	३५	४४	५५
१०	२९	१०	२०	४७	३१	३१	५१
१९	४०	१३	५२	७४	५९	३	५९
१६	४७	व.	व.	३८	मा	११	१८

गोचर ग्रहाः

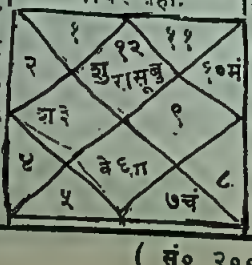

इस मास में ५ रविवार ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य धातु रस गुड़ शक्कर चीनी तेल घृत में तेजी रहे प्रजा में रोग पीड़ा हो

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.कृ.११ मं.इ.३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	५	११	२	११	११
२१	१७	१०	१९	२३	२६	२५	२१
५३	२७	३	४९	१५	४४	२२	५०
३१	५८	४४	४८	२२	१३	१५	२
५९	४०	३८	५३	७४	१	३	५९
४	५०	व.	व.	३८	३१	११	४

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०६ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०६ भोग्यकलिः ४२६८९४ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६२ शाकः १९२७ अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः। मंत्री बुधः। सस्येशःशनिः। धान्येशो गुरुः। मेघेशो। भौमः। रसेशश्चंद्रः। नीरसेशःशनिः। फलेशो-भौमः। धनेशःशुक्रः। दुर्गेशोभौमः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंश-तिकायां १२ बिलंम्बीनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १०।२४।११।३१ भोग्यमासादिः १।५।४८।२९ पितृदैवतं युगम्। वर्षनाम फाल्गुनः। मेघनाम संवर्तः। रोहिणीनिवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे। समयविश्वा ५समयवाहनम् महिषः स्तंभाः ३ अन्नजलवायूनां। सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी ३ बुधाष्टमी २ भानुसप्तमी १ रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १७तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति बिश्वा ९३ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १७ धान्यम् १३ तृणम् ९ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम्११९ सत्यम् ॥ धर्म १॥ पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहण ३ (चंद्रस्य १ सूर्यस्य २)

सं.२०६२आ.कृ.३०चं. सूर्यग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
उज्ज घ.	२४	२६	२७
मध्य प.	५३	२९	३
रेल्वे घ.	४	५	५
टा. मि.	२४	३	१६

आश्विन शु.१५चंद्रे पूर्वप्रदेशे ग्रस्तोदयचंद्रग्रहणम्।

	स्पर्श	मध्य	मो.
उज्ज घं.	२५	२५	२६
मध्य प.	३	५७	५१
रे. घं.	४	४	५
टा. मि.	२८	५०	११

नोट-यह ग्रहण जहां रेलवे ५।११ से पूर्व चंद्रोदय होगा वहीं दृश्य होगा नवलगढ में नहीं दीखेगा।

वर्ष लग्नम् ८।२७

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय अंबे जगदीश्वरी तू है रक्षक माय।
बिक्रम बासठ सालका सच्चा भेद बताय।

भवानी उत्तर

भैरव सुन तू ध्यान से फल कहुं सब समझाय।
राजा मंत्री देखतां मध्यम फल दरशाय॥
पापग्रहोंके कबज में मिले अधिक अधिकार।
शुभ फलकी हो न्यूनता इसका यह ही सार॥
वर्षा विश्वा सप्तदश भौम भये मेघेश।
कहींक वर्षा अल्प हो कहींक होय विशेष॥
आषाढां वर्षा लगे श्रावण मध्यम जान।
भाद्रव खेंचाताण हो यही मेघ परमाण॥
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट निर्धार।
स्तंभ तीन हैं वर्ष के यह है उत्तम सार॥

सवत् २०६२ चैत्र कृ.३० बुधे सूर्यग्रहणम्

उ.	घ.	२५	२७	२८
म.	प.	२	२०	५७
रेलवे	घं.	४	५	६
टा.	मि.	२८	२३	२

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	१४	८	५	५	१४	५
रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ८।२

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४३।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५५।०

अथाधिकारिणांफलम्।। अथास्मिन् वर्षे राजा शनिःफलम्।। शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः। युद्धंनृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमंति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री बुधस्तत्फलम् ।। शशिसुते शुभमंत्रिसमागते स्वपतिना रमते मदनक्रियां । बहुधनंबहुवह्निसमन्वितं यवमसूरचणान्नमहर्घता ।। सस्येशः शनिःफलम् ।। रविसुते यदि धान्य पतौ जना नृपतिभिः परिपीडितविग्रहाः । गदभयंतुषधान्यहरं सदा दुरितवादविवादयुता नराः । धान्येशोगुरुःफलम् ।। गुरौ धान्यपतौ याते यवंगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानोब्राह्मणादयः ।। मेघेशो भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजे जलदस्यपतौ भुवि श्रुतिविचारविहीनधरामराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदम् ।। रसेशश्चंद्रः फलम् ।। यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियां । जलधरा बहुवारिविधायका रसवती धनधान्यवती मही।। नीरसेशः शनिःफलम् ।। अयःपिण्डादिलोहानां कृष्णवस्त्रादिवस्तूनाम् । अर्घवृद्धिःप्रजायेत मन्दे नीरसनायके ।। फलेशो भौमस्तत्फलम् ।। असममौल्यकरो धरणीसुतः शरदितापकरस्तुषधान्यहृत् । सहसि मासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जनशोक विधायकः।। धनेशःशुक्रस्तत्फलम्॥ द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला ननु मानवाः। समसुखाः क्रयविक्रयजीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजोगढ़नायकतां गतो विविधदुःखवियोगसमन्वितः। जनपदेषु जना क्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ।। विलंम्बीनाम संवत्सरःफलम् ।। विलंबीवत्सरे भूपाः परस्परविरोधिनः। प्रजापीडा त्वनर्थत्वं तथापि सुखिनो जनाः ।। वर्षनाम फाल्गुनःफलम् ।। सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्यपश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। मेघनाम संवर्तःफलम् ।। संवर्ते जलपूरिता ।। रोहिणीनिवासस्तटेफलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना । समयनिवासो रजकगृहे फलम् ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०६२ मध्ये विवाहमूहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृ. ७ शनौ उषा. ल. अन्यगो. रे. ७ऽऽ।।ऽ।।।।।

शु. ३ बुधे मृगे ल. अन्यगो. रे. ९ ।।।।।ऽ।।

,, १२ शनौ स्वा. ले. १ (चं.७पू.)रे.८।ऽ।।।ऽ।।।

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ४ शुक्रे उषा. ल.१ (ध.५६।६या.) रे.६ ।।।ऽशु.ऽ।।ऽऽ। गणितेनक्रांतिसाम्याऽभावःशुक्रस्यपाद वेधाभावश्च

,, ६ भौमे उभा. ल.१२रे.८।।।ऽवृ।।।ऽ।।गुरोःपादवधाभावः

शु. ५ रवौ मघा. ल. अन्यगो. रे. ९।ऽ।।।।।।।

,, ११शनौ स्वा. ल. गो. रे. ६ ।।।।।ऽ।।।

,, १२ रवौ अनु. ल. २ रे.८।।।।।ऽनृऽ।।।

,, १३ चंद्रे अनु. ल. अन्यगो. रे.९ ।।।।।ऽ।।।

आषाढ मासः ।

कृ. २ गुरौ उषा. ल. १।२ रे.८ ।।।।ऽऽरो ।।।।

,, ७भौमे उभा. ल. १।२ रे. ६ ।।।ऽवृ ।ऽनृ।ऽ।ऽदग्धा. पादवेदाद्गुरोर्वेधांऽभावः आवश्यके

शु. ३ शनौ मघा. ल. १।२ रे.१० ।।।।।।।।।

,, ६ बुधे हस्ते ल. अन्यगो. रे. ७ ।।ऽवृ।।।ऽऽ।।

,, ८ शुक्रे स्वा. ल. गो. १ रे. ७ऽ।।।।ऽअऽ।।।मेषे चं७ पू. मासांतः

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ३ शुक्रे मृगे ल. गो. रे. ६।।।।।ऽअ.।।।।

,, ७ बुधे मघा. ल. अन्यगो. रे. ६।।।।।।।ऽ।।

माघ मासः ।

कृ. ७ रवौ स्वा. ल. अन्यगो. ९ रे. ६ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।

शु. ५ गुरौ रेवत्यां ल. ६ रे.८।।।।ऽऽअ ।।।।

,, ६ शुक्रे रेवत्यां ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे.८।।।।ऽऽअ।।।।

,, १० भौमे रोहि. ल. गो.सोग्रांगः रे. ७ ।।।।।ऽचोऽ।ऽ।- गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

फाल्गुनमासः ।

कृ. ५ शनौ स्वा. ल. ९ रे. ६ऽऽ।।।ऽचो।।ऽ।गणितेनक्रांति- साम्याऽभावः आवश्यके

,, ८ भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे.६।।।।ऽऽरोऽऽ।।

शु. ३ गुरौ रेवत्यां ल. ६ रे. ८ ।।।।ऽ।।।।ऽ दग्धादोष.

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाक: १९२७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श ४५ ० रे ८५३ वै २७ ४१ कि १८ ६	३१	४४	१६	१९	२६	६	मं. ८।५३
२	र ४३ २५ अ ८ २४ वि २३ ४१ वा १४ १२	२६	४३	१७	२०	३०	१०	मेषे
३	चं ४३ ३४ भ ९ १६ प्री २१ ० तै १३ २९	३०	४२	१८	२१	१	११	वृ.२४।५८
४	मं ४५ २९ कृ १२ १२ आ २० ४० व १४ ३३	३४	४१	१९	२२	२	१२	वृषे
५	बु ४९ ७ रो १६ ३८ सौ १९ ४६ ब १७ १८	३८	४०	२०	२३	३	१३	वृषे
६	गु ५४ १६ मृ २२ ५० शो २१ १ कौ २१ ४१	४२	४०	२०	२४	४	१४	मि. ४९
७	शु ६० ० आ २९ ३५ अ २२ ४३ ग २७ ११	४६	३९	२१	२५	५	१५	मिथुने
७	श ० ८ पु ३७ १० सु २५ ३६ व ० ८	५०	३८	२२	२६	६	१६	मिथुने
८	र ६ २२ पु ४४ ४० भृ २७ ३३ ब ६ २२	५३	३७	२३	२७	७	१७	कं. २७
९	चं १२ ३७ श्ले ५१ ३७ शू २९ २० कौ १२ ३७	५७	३७	२३	२८	८	१८	कर्के
१०	मं १७ ५६ म ५७ ३५ गं ३० ४४ ग १७ ५६	३३	३६	२४	२९	९	१९	सिं. ५१
११	बु २२ १४ पू ६० ० वृ ३० ५७ वि २२ १४	५	३५	२५	३०	१०	२०	सिंहे
१२	गु २४ ५५ पू २ ८ ध्रु २९ ५७ बा २४ ५५	९	३४	२६	१	११	२१	सिंहे
१३	शु २५ ५२ उ ४ ५९ व्या २७ ३२ तै २५ ५२	१२	३४	२६	२	१२	२२	कन्यायां
१४	श २५ ६ ह ६ १६ ह २३ ५७ व २५ ६	१६	३३	२७	३	१३	२३	तु.३६।७
१५	र २२ ५२ चि ५ ५८ व १९ १३ ब २२ ५२	२०	३२	२८	४	१४	२४	तुलायां

संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
अश्वि.मेषे शुक्रः५४।४८ चंद्रदर्शनम्÷
रविलावल ३गणगौरी मत्स्यजयंती
भ.१४।३३उ.४५।२९ या. [÷सिंधारा
अश्वि.मेषेऽर्कः४३।३०(सौरः४७।२०)×
मार्गी बुधः१२।५३
[×धनिः भौमः३५।४४
भ.०।८उ.३३।१५या.
रामनवमी स्मा.
रामनवमी वै.
भ.५०।५उ.
भ.२२।१४या.कामदा११व्र.
भरण्यां शुक्रः४१।१२भा. वैशाखारंभः=
कुंभे भौमः५८।२५ [=प्रदोषः
भ२५।६उ.५३।५९
हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु. ५ बु. इ. ४३।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	५	०	२	११	११
०	२३	८	१८	३	२६	२८	२९
०	२५	१२	४५	२९	५३	५६	५६
०	१६	७	१८	३१	३६	११	१५
५८	४०	३	४०	७४	२	३	५८
४४	५२	व.	व.	३२	१९	११	४५

गोचर ग्रहाः

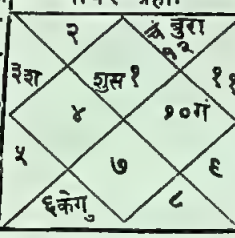

चैत्र शुक्ले ५बुधे
मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा ३
न ४ कुमार्यवस्था
(बैठी) मु.३०
धान्यादि भावे समता
शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

२पं. चै.शु. ११बु.इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	५	०	२	११	०
६	२८	१०	१७	१२	२७	२८	६
५०	२८	५०	५४	८	१७	३३	४६
४२	३७	६	५०	३५	२४	५५	२६
५८	४०	३	४०	७४	३	३	५८
३१	४२	मा	व.	३२	००	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाक: १९२७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
१	चं १९ १६ स्वा ४ २६ सि १३ २० कौ १९ १६	३३	५१	२९	५	१५	२५	वृ.४७।३४
२	मं १४ ४९ वि ५९ ५६ व्य ८ ५७ ग १४ ४९	२७	३१	२९	६	१६	२६	वृश्चिके
३	बु ९ ३२ ज्ये ५५ २ व ९ ५५ वि ९ ३२	३१	३०	३०	७	१७	२७	भ.४२।१०उ.
४	गु ४ ५ मू ५१ २८ शि ४५ ४० वा ४ ५	३४	२९	३१	८	१८	२८	भ.९।३२या. भरण्यां रविः२३।४३÷
५	गु ५४ १६ ० ० ० ० ० ० ८ ०	०	०	०	८	०	०	धनषि ०
६	शु ५३ १ पू ४७ ५२ सि ३८ २६ ग २५ ४०	३८	२८	३२	९	१९	२९	[÷सौरः२८।४५)रेवत्यां बुधः४९।४७×
७	श ४७ ५० उ ४४ १५ सा ३१ १८ त्रि २० २५	४१	२८	३२	१०	२०	३०	धनुषि [×चतुर्थी व्र.
८	र ४२ २९ श्र ४१ १ शु २४ १९ बा १५ १०	४५	२७	३३	११	२१	१	भ.५३।१उ.
९	चं ३७ २४ ध ३७ ५९ शु १७ २६ तै ९ ५६	४८	२६	३४	१२	२२	२	भ.२०।२५या.
१०	मं ३२ ४० श ३५ ६ ब्र १० ४५ व ५ २	५२	२६	३४	१३	२३	३	मकरे
११	बु २८ १० पू ३२ ४२ ऐं ३४ ५४ ब ० २५	५५	२५	३५	१४	२४	४	मई ५ता.३१
१२	गु २४ १९ उ ३० ५५ वै ५३ २८ तै २४ १९	५८	२४	३६	१५	२५	५	कुं.९।२९
१३	शु २१ १६ रे २९ ५३ प्री ४९ २ व २१ १६	३३	२४	३६	१६	२६	६	कृत्ति.शुक्रः३१।१९शते भौमः४०।२३÷
१४	श १९ २ अ २९ ५१ आ ४५ २० श १९ २	५	२३	३७	१७	२७	७	कुम्भे
१५	र १८ १५ भ ३१ ९ सौ ४२ ४६ ना १८ १५	८	२२	३८	१८	२८	८	भ.५।२उ.३२।४०या.

शुक्रोदयः पश्चिमायां २४।०
भ.४२।१०उ.
भ.९।३२या. भरण्यां रविः२३।४३÷
[÷सौरः२८।४५)रेवत्यां बुधः४९।४७×
धनुषि
भ.५३।१उ. [×चतुर्थी व्र.
भ.२०।२५या.
मकरे
मई ५ता.३१
कुं.९।२९
कृत्ति.शुक्रः३१।१९शते भौमः४०।२३÷
कुम्भे
भ.५।२उ.३२।४०या.
वरूथिनी११व्र. [+वक्री हस्त.२गुरुः३९
वृषे शुक्रः१२।३३प्रदोषः
भ.२१।१६उ.५०।९या.
मेषे
वृ.४६।४७ अश्वि. मेषे बुधः३९।०

३ पं.वै.कृ. ३बु.इ.४४।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	५	०	२	११	०
१३	३	१६	१७	२०	२७	२८	१३
३९	३१	३४	८	४८	४१	११	३४
३७	५	४४	३५	०	३१	३९	५१
५८	४०	५५	९	१०	७४	३	३	५८
१९	३४	२	व.	३२	३७	११	१२

गोचर ग्रहाः

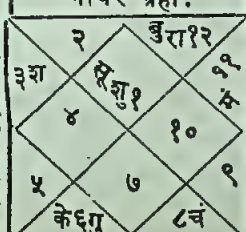

इस मास में बदि में धान्य व धातु में मंदी होगी सुदि में चन्द्र दर्शन सोमवार का सोना चांदी व धान्य में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहाः

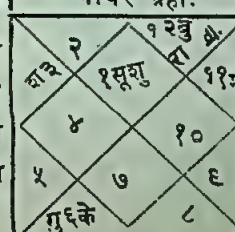

४पं.वै.कृ.११बु.इ.४४।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	५	०	२	११	०
२०	८	२४	१६	२९	२८	२७	२०
२७	३	४४	२८	२४	१०	४९	२१
२५	११	१०	३४	५४	२३	२४	३५
५८	४०	८६	९	७४	४	३	५७
६	२१	१०	व	२६	१७	११	५७

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	श्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४७८२स.२००५
१	चं १८।३५ कृ ३३।४३ शो ४१।४३ ब	१८।३५	३३ ११	२२	३८	१९	२९	९	वृषे चंद्रदर्शनम्
२	मं २०।४६ रो ३७।५२ अ ४१। १ कौ	२०।४६	१४	२१	३९	२०	१	१०	वृषे रविलाख र४परशुरामजयंती
३	बु २३।३२ मृ ४३।१९ सु ४१।४२ ग	२३।३२	१७	२१	३९	२१	२	११	मि.१५ भ.५६उ. कृत्ति.रविः९।३९(सौरः१६)=
४	गु २८।५३ आ ४९।४३ धृ ४३। १८ वि	२८।५३	२०	२०	४०	२२	३	१२	मिथुने भ.२८।५३या. [=अक्षया.३
५	शु ३४।२३ पु ५७। ५ शू ४५।२९ ब	१	३८	२३	१९	४१	२३	४	१३ क४०।१४ रोहि.शुक्रः१९।३३
६	श ४०।३२ पु ६०। ० गं ४८।२२ कौ	७	२८	२६	१९	४१	२४	५	१४ कर्के वृषेऽर्कः३६।५४(सौरः४४।२४)
७	र ४६।४४ पु ४।३९ बृ ५०।२२ ग	१३	३८	२८	१८	४२	२५	६	१५ कर्के भ.४६।४४उ.
८	चं ५२।३२ श्ले १२। ७ धु ५१।२३ वि	१९	३८	३१	१८	४२	२६	७	१६ सिं.१२।७ भ.१९।३८या..भरण्यां बुधः५०।४३
९	मं ५७।१६ म १८।४६ ब्या ५३। ६ बा	२४	५४	३४	१७	४३	२७	८	१७ सिंहे
१०	बु ६०। ० पू २४। ४ ह ५३।२० तै	२८	४९	३७	१७	४३	२८	९	१८ कं.४०।२ [Bमोहिनी ११व्र.
१०	गु ०।२२ उ २७।५८ व ५१।२२ ग	०	२२	३९	१६	४४	२९	१०	१९ कन्यायां भ.३१।३३उ.
११	शु १।४४ ह २९।४४ सि ४८।११ वि	१	४४	४२	१६	४४	३०	११	२० तु.५९।४० भ.१।४४या. पूभा. भौमः ५२।१९B
१२	श ०।५६ चि २९।३६ व्य ४३।३१ बा	०	५६	४४	१५	४५	३१	१२	२१ तुलायां प्रदोषः
१३	श ५७।२७ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० [×कुंभदानम्
१४	र ५४। २ स्वा २८। ३ व ३७।२९ ग	२६	१३	४७	१५	४५	१	१३	२२ तुलायां भ.५४।२उ.भा.ज्येष्ठारंभः नृसिंहजयंती
१५	चं ४८।१६ वि २४।३४ प ३०।२२ वि	२१	९	४९	१४	४६	२	१४	२३ वृ.१०।२६ भ.२१।९या. कृत्ति. बुधः५५।३८ यमाय×

५पं.वै.शु. ३ बु.इ.४४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	५	१	२	११	०
२७	१३	४	१५	८	२८	२७	२७
१३	३४	५५	५५	२	४३	२७	०६
३७	५२	३७	१२	२	८	८	४९
५७	४०	९५	८	७४	४	३	५७
५४	१०	३८	व.२६	५०	११	४५	

गोचर ग्रहाः

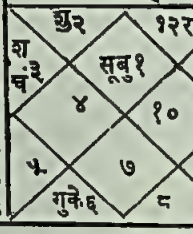

वैशाख शुक्ले ६ शनौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ युवावस्था(सूती) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

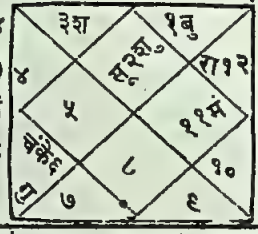

६ पं.वै.शु.१०बु.इ.४४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	०	५	१	२	११	१
३	१८	१६	१५	१६	२९	२७	३
५८	३५	५२	२८	३८	१९	४	५०
३७	६	२६	५९	६	५९	५३	३१
५७	३९	५१	०	७४	५	३	५७
४४	५३	९८	व.२६	११	११	३४	

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः स. २०६२ शाकः १९२७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वै. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं ४१।२१ अ २०। १ शि	२२। १	वा	१४	४९	३३ ५२	५ १४	३	१५ २४ वृश्चिके मृगे शुक्रः १३।३४ बुधास्तः पूर्वस्या १५ ४०
२	बु ३४। ७ ज्ये १५।४८ सि	१३।३७	तै	७	४४	५४	१३	४७	४ १६ २५ ध. १५ रोहि.रविः०।२८ (सौरः१०।३२) वृषे×
३	गु २६।३७ मू ९।२४ सा	५३ ४५	व	०	२२	५६	१३	४७	५ १७ २६ धनुषि भ. ०।२२उ.२६।३७या. रेवती. ३राहुः÷
४	शु १९। ९ पू ५८ ३ ५५ ८ शु	४७	४६	वा	१९	९	५८	१२	४८ ६ १८ २७ म.१७।४४ [×बुधः३२।९पुन.४कर्के शनिः४४।४२
५	श १२।२० श्र ५४।४२ ब्र	४०	५५	तै	१२	२०	३४ ० ०	१२	४८ ७ १९ २८ मकरे पातस्पर्शः३०।५३पातमोक्षः४४।३४
६	र ६। ७ ध ५१। ७ ति	३२	३८	च	६	७	२	१२	४८ ८ २० २९ कुं.२२।४९ भ.६।७उ.३३।२३या.मिथुनेशुक्रः४०।१९
७	चं ०।३९ श ४८।३४ वै	२५	५९	ब	०	३९	३	११	४९ ९ २१ ३० कुंभे रोहिण्यां बुधः१४।१७
८	चं ५५।२९ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० [÷चित्रा.१केतुः३४।१चतुर्थी व्र.
९	मं ५२।२२ पू ४६।३८ वि	१९	४५	तै	२४	१५	५	११	४९ १० २२ ३१ मि.३२।७
१०	बु ४९।३२ उ ४५।४५ मी	१४	५२	व	२०	५७	७	११	४९ ११ २३ १ मीने भ.२०।५७उ.४९।३२या.जून६ता.३०
११	गु ४७।४४ रे ४५।४३ आ	१०	३७	ब	१८	३८	९	१०	५० १२ २४ २ मे.४५।४३ मार्गी गुरुः५३।४४अपरा११व्र.
१२	शु ४६।५२ अ ४६। ४९ सौ	६	५९	कौ	१०	१८	१०	१०	५० १३ २५ ३ मेषे [+भौमः६।३३प्रदोषः
१३	श ४७।१७ भ ४८।५७ शो	४	२२	ग	१७	४	१२	१०	५० १४ २६ ४ मेषे भ. ४७।१७उ. आर्द्रा. शुक्रः३।७ मीने+
१४	र ४८।२९ कृ ५२। ८ अ	२	२८	वि	१७	५३	१३	९	५१ १५ २७ ५ वृ. ४।४४ भ. १७।५३या.मृगे बुधः१३।५२
३०	चं ५१।१४ रो ५६।२५ सु	१	४७	च	१९	५१	१५	९	५१ १६ २८ ६ वृषे वटपूजनम्

७ पं. ज्ये.कृ. २ बु. इ. ४४ ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	५	१	३	११	१
१०	२३	०	१५	२५	०	२६	१०
४२	३३	२६	१०	१२	०	४२	३२
२९	१४	२	५९	५८	०	३७	४२
५७	३९	२८	३८	७४	५	३	५७
३५	५०	२१	व.२०	३७	११	२३	

गोचर ग्रहाः

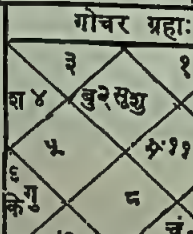

ज्येष्ठ शुक्ले७भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

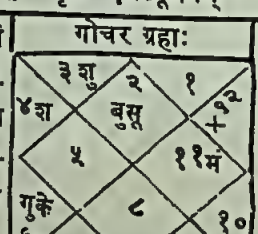

८ पं..ज्ये.कृ.१० बु.इ. ४४ ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	५	२	३	११	१
१७	२८	१५	१५	३	०	२६	१७
२५	२६	२२	२	४८	४३	२०	१३
१८	३१	४४	२०	१४	२६	२१	४८
५७	३९	२९	११	७४	६	३	५७
२७	३४	९०	व	१४	२	११	१३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः४८११स.२००५
१	मं	५४	५३	मृ	६०	०	धृ	१	२४	किं	२३	३	३४/१६	५/९	६/५१	१७	२९	७	मि. २९/७	मृगे रविः५५।२१
२	बु	५९	५०	मृ	१	५०	शू	२	११	बा	२७	२१	१७	९	५१	१८	३०	८	मिथुने	मृगे रविःसौरः९/२२ मिथुने बुधः२२/१५ उभा.×
३	गु	६०	०	आ	८	२२	गं	४	४५	तै	३२	३६	१८	८	५२	१९	१	९	क.५८।३५	जमादिलावल ५ [×भौमः४३/३३ चंद्रदर्शनम्
३	शु	५	२२	पु	१५	२०	बृ	५	४३	ग	५	२२	१९	८	५२	२०	२	१०	कर्के	भ.३८।२५उ.
४	श	११	२८	पु	२२	५५	ध्रु	८	०	वि	११	२८	१९	८	५२	२१	३	११	कर्के	भ.११।२८ या.आर्द्रा.बुध :३०।८
५	र	१७	४६	श्ले	३०	३४	व्या	१०	४३	बा	१७	४६	२०	८	५२	२२	४	१२	सिं.३०/३४	[×भौमः४३।३३चंद्र दर्शनम्
६	चं	२३	४९	म	३७	५५	ह	१३	२०	तै	२३	४९	२१	८	५२	२३	५	१३	सिंहे	[A पश्चिमायां २३।४७
७	मं	२९	२	पू	४४	१०	व	१४	५२	व	२९	२	२१	८	५२	२४	६	१४	सिंहे	भ.२९/२उ.मिथुनेऽर्कः५३/५५बुधास्तः A
८	बु	३२	५५	उ	४९	१६	सि	१५	४५	वि	०	५८	२२	८	५२	२५	७	१५	कं. ०।२६	भ.०/५८या.मिथुनेऽर्कःसौरः१०/१०पुनःशुक्रः०/३
९	गु	३५	११	ह	५२	३३	व्य	१५	२४	बा	४	२	२२	८	५२	२६	८	१६	कन्यायां	[=रंभःगुर्जराणां वटसावित्री व्र.
१०	शु	३५	२३	चि	५४	५	व	१३	३२	तै	५	१७	२३	७	५३	२७	९	१७	तु२३।१९	गंगा दशमी
११	श	३३	४१	स्वा	५३	५	प	९	५८	व	४	३२	२३	७	५३	२८	१०	१८	तुलायां	भ.४/३२उ.३३/४१या.पुन.बुधः१३।२२निर्जला÷
१२	र	२९	४३	वि	५०	२२	शि	४/५०	५३/२०	ब	१	४२	२३	७	५३	२९	११	१९	वृ.३५।३३	प्रदोषः [÷११ व्र.
१३	चं	२३	५९	अ	४५	५३	सा	५०	४	तै	२३	५९	२४	७	५३	३०	१२	२०	वृश्चिके	[+५२।५०
१४	मं	१६	३३	ज्ये	३९	५९	शु	४०	५०	व	१६	३३	२४	७	५३	३१	१३	२१	ध.३९।५९	भ.१६.३३उ.४२।२१या.आर्द्रा.रविः +
१५	बु	८	८	मू	३३	२७	शु	३०	३	ब	८	८	२४	७	५३	१	१४	२२	धनुषि	आर्द्रा.रविःसौरः११।४३भा.आषाढा=

९ पं.ज्ये.शु.२बु.इ.४४।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	५	२	३	११	१
२४	३	०	१५	१२	१	२५	२३
७	२०	४७	२	२१	२९	५८	५३
१९	४९	५३	२०	१८	१०	६	४४
५७	३८	[illegible]	०/५६	७४	६	३	५७
२२	५९	२४	मा	५	२०	११	५

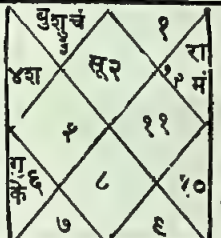

१०पं.ज्ये.शु.८बु.इ.४४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	५	२	३	११	२
०	८	१५	१५	२०	२	२५	०
४८	९	९	१०	५४	२७	३५	३२
३६	२२	२९	५५	१८	२०	५०	५३
५७	३८	[illegible]	२	७३	६	३	५६
१७	३७	२७	१७	५६	३४	११	५७

११पं.ज्ये.शु.१५बु.इ.४४/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	५	२	३	११	२
७	१२	२७	१५	२९	३	२५	७
३९	५२	४३	२८	२५	७	१३	१०
३१	५२	५९	३०	५५	१६	३५	२०
५७	३७	[illegible]	३	७३	६	३	५६
१३	५०	४७	४३	५०	५०	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहा.
१	बु	५०	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	४९	५९	पू	२६	२६	ब्र	२०	५२	तै	२४	३१	३४/२४	५/७	६/५३	२	१५	२३	म.३९।४२	कर्के शुक्रः १२।३६
३	शु	४१	५	उ	१९	२९	ऐं	१०	५७	व	१५	३२	२४	७	५३	३	१६	२४	मकरे	भ.१५/३२उ.४१/५या.कर्के बुधः४/५५पुष्य.१×
४	श	३२	५२	श्र	१३	२	वै	१/१४	५०/५५	ब	६	५८	२३	७	५३	४	१७	२५	कु.४०।१६	पुष्ये शुक्रः५५/६चतुर्थी व्र.
५	र	२५	३८	ध	७	२९	प्री	४४	१२	तै	२५	३८	२३	७	५३	५	१८	२६	कुम्भे	पुष्ये बुधः२/४१
६	चं	१९	५८	श	३	२१	आ	३६	५९	व	१९	५८	२२	८	५२	६	१९	२७	मी. ४६/१७	भ.१९।५८उ.४७।४३या.
७	मं	१५	२८	पू	०/३५	५८/३८	सौ	३१	२३	ब	१५	२८	२२	८	५२	७	२०	२८	मीने	रेवत्यां भौमः २०।१
८	बु	१२	३२	रे	५९	८	शो	२६	४७	कौ	१२	३२	२१	८	५२	८	२१	२९	मे. ५९/८	[×शनिः३६/३२पातस्पर्शः८/४६पातमोक्षः२४/२९
९	गु	१०	५५	अ	६०	०	अ	२३	१८	ग	१०	५५	२०	८	५२	९	२२	३०	मेषे	भ.४०।५०उ.
१०	शु	१०	४६	अ	०	२८	सु	२०	५९	वि	१०	४६	१९	८	५२	१०	२३	१	मेषे	भ.१०।४६या. जुलाई ७ ता. ३१
११	श	१२	२	भ	३	१९	धृ	१९	४३	बा	१२	२	१८	८	५२	११	२४	२	वृ. १९/१६	योगीनी ११ व्र.
१२	र	१४	२२	कृ	७	६	शू	१९	२६	तै	१४	२२	१७	९	५१	१२	२५	३	वृषे	प्रदोषः [÷शुक्रः ५५।२८
१३	चं	१८	१	रो	१२	९	गं	२०	१	व	१८	१	१६	९	५१	१३	२६	४	मि. ४५/१	भ.१८।१उ. ५०।६ या.
१४	मं	२२	११	मृ	१७	५४	वृ	२१	४२	श	२२	११	१५	९	५१	१४	२७	५	मिथुने	पुनःरविः५१।४०अस्तं शनेः३४।५०
३०	बु	२७	४१	आ	२४	३९	ध्रु	२३	४३	ना	२७	४१	१४	९	५१	१५	२८	६	मिथुने	पुन.रविःसौरः१५/४५आश्ले.बुध :२४/५८आश्ले.÷

१२ पं.आ. कृ. ८बु.इ. ४४/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	५	३	३	११	२
१४	१७	८	१५	७	३	२४	१३
९	३२	२३	५३	५६	५९	५१	४९
५८	४२	३८	५३	४६	१३	१९	२५
५७	३७	८२	४	७३	७	३	५६
७	२१	४	४५	४४	२	११	५०

गोचर ग्रहाः

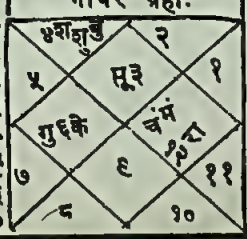

इसमास में धान्य जौ गेहूं चना सरसों मटर बाजरा धातु सोना चांदी लोहा मंदा हो, घृत तैल गुड शक्कर तेज हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

१३ पं.आ. कृ.३०बु.इ. ४४/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	५	३	३	११	२
२०	२२	१६	१६	१६	४	२४	२०
५०	७	५९	२७	२६	५२	२९	२७
२४	८	१३	४	३८	८	३	१९
५७	३६	५८	५	७३	७	३	५६
७	३२	५१	५३	३२	११	११	५०

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४८४१ स.२००५
१	शु ३३ १३ पु ३१ ३२ व्या २३ ५२ किं ० २७	३४	५	६	१६	२९	७	क.१४।४९	चन्द्रदर्शनसंभवः
२	शु ३९ १५ पु ३९ ८ ह २७ ५ बा ६ १४	११	१०	५०	१७	१	८	कर्के	हस्त.३गुरुः ५६ जमादिलाखर ६रययात्रा
३	श ४५ ३६ श्ले ४६ ४१ व २९ ४९ तै १२ २५	१०	१०	५०	१८	२	९	सिं४६।४१	
४	र ५१ ४३ म ५४ १६ सि ३१ ४२ व १८ ३९	८	१०	५०	१९	३	१०	सिंहे	भ.१८।३९ उ.५१।४३
५	चं ५७ ५ पू ६० ० व्य ३३ ३४ व २४ २३	७	११	४९	२०	४	११	सिंहे	
६	मं ६० ० पू १ ३ व ३५ ५० कौ २९ १८	५	११	४९	२१	५	१२	कं.१७।३१	
६	बु १ ३२ उ ६ ५६ प ३६ १९ तै १ ३२	३	११	४९	२२	६	१३	कन्यायां	
७	गु ४ ३९ ह ११ २६ शि ३५ ५८ व ४ ३९	१	१२	४८	२३	७	१४	तु.४२।५६	भ.४।३९ उ.३५।२२ या.
८	शु ६ ४ चि १४ २६ सि ३३ ४२ ब ६ ४	३३ ५९	१२	४८	२४	८	१५	तुलायां	
९	श ५ ४० स्वा १५ ३६ सा २९ ७ कौ ५ ४०	५७	१३	४७	२५	९	१६	वृ.५९।५२	कर्केऽर्कः२१।६(सौरः४८।२९)
१०	र ३ ११ वि १४ ३७ शु २४ ५९ ग ३ ११	५५	१३	४७	२६	१०	१७	वृ.श्चिके	भ.३५ उ.५६ या.मघा.सिंहे शुक्रः५९×
११	र ५५ ३५ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	[×देवशयनी ११ व्र.स्मा.
१२	चं ५२ १४ अ ११ ४९ शु १८ २० ब २५	३०	५२	१४	४६	२७	११	१८	वृश्चिके देवशयनी ११ व्र. वै. [+शनिः४९
१३	मं ४४ २० ज्ये ७ २ व्र १० २ कौ १८	१७	५०	१४	४६	२८	१२	१९	घ. ७।२ पुष्ये रविः३५ अश्वि. मेषेभौमः१७ प्रदोषः
१४	बु ३५ १२ मू ५२ ऐं ४३ ४९ ग ९	४६	४८	१४	४६	२९	१३	२०	धनुषि भ.३५ उ.पुष्ये रविः सौरः१९ पुष्य.२+
१५	गु २५ १९ उ ४५ ३७ वि ३९ ३५ वि ०	१५	४५	१५	४५	३०	१४	२१	म.६।२६ भ.१५ या.वक्री बुध :२३ व्यासपूजागुरु१५

१४पं.आ. शु. ६बु. इ. ४४ ३६

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	५	३	३	११	२
२७	२६	२३	१७	२४	५	२४	२७
३०	३१	६	८	५४	४५	६	५
४३	३०	२९	२	४७	३२	४८	२६
५८	३५	३१	६	७३	७	३	५६
११	३४	४७	२३	२०	१९	११	५४

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले ९ शनौ। कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ४५घान्या दि भाये समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

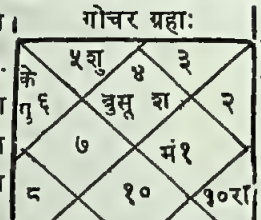

१५पं.आ.शु.१४बु.इ. ४४ ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	५	४	३	११	३
४	०	२६	१७	३	६	२३	४
११	५०	९	५४	२१	३९	४४	४३
२८	२	४	५४	३६	२५	३२	५३
५७	३४	२	७	७३	७	३	५६
१५	३०	१५	५०	११	२०	११	५८

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	शु १५ १५ श्र ३७ ४५ प्री २८ ३८ क	३३	५५	४५	३१	१५	२२	मकरे	भ.३१।५३ उ.५६।४६ या. भा.श्रावणारंभः
२	श २५ २१ ध ३० २५ आ १८ ५ ग	५	२५	४०	१६	४४	१	१६	२३ कुं.४।५
४	र ४८ ४० श २४ ० सौ ६ ५९ व	२२	४३	३८	१६	४४	२	१७	२४ कुंभे
५	चं ४२ २४ पू १९ ९ अ ५१ ४३ कौ	१५	३२	३५	१७	४३	३	१८	२५ मी. ५।२२ चतुर्थी व्रतम्
६	मं ३८ १० उ १५ ५२ सु ४५ ४३ ग	१०	१७	३३	१७	४३	४	१९	२६ मीने नाग ५ मरुस्थले
७	बु ३५ ४१ रे १४ ३५ धृ ४१ १ चि	६	५५	३०	१८	४२	५	२०	२७ मे.१४।३५ भ.६।५५ या.
८	गु ३५ १३ अ १४ ४८ शू ३८ १ वा	५	२६	२७	१९	४१	६	२१	२८ मेषे रेवती.२ राहुः हस्त४ केतुः२७।११
९	शु ३६ २३ भ १७ ८ गं ३७ १ तै	५	४८	२४	१९	४१	७	२२	२९ वृ.३३।४ पूफा.शुक्रः१ बुधास्तः पश्चिमायां०।२०
१०	श ३९ ४ कृ २० ४९ बृ ३५ ५२ व	७	४३	२३	२०	४०	८	२३	३० वृषे भ.७।४३ उ.३९।४या.
११	र ४३ ११ रो २६ १२ धु ३५ ५४ व	११	७	१९	२०	४०	९	२४	३१ मि.५९ कामिका ११ व्र.
१२	चं ४८ २ मृ ३३ ४१ व्या ३८ ७ कौ	१५	३१	१६	२१	३९	१०	२५	१ मिथुने अगस्त ८ ता. ३१
१३	मं ५४ ३ आ ४१ ७ ह ४० १२ ग	२१	२	१३	२१	३९	११	२६	२ मिथुने भ.५४।३ उ.आश्ले.रविः५५ प्रदोषः
१४	बु ५९ ५४ पु ४८ २८ व ४२ २१ वि	२६	५८	१०	२२	३८	१२	२७	३ क.३१।३८ भ २६।५८ या.आश्ले. रविः५९ सौरः
३०	गु ६० ० पु ५६ ० सि ४४ ४८ च	३२	५९	७	२३	३७	१३	२८	४ कर्के हस्त.४ गुरुः५६।२८
३०	शु ६ ४ श्ले ६० ० व्य ४७ २२ ना	६	४	४	२३	३७	१४	२९	५ कर्के हरियाली

१६पं.आ.कृ.७बु.इ. ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	५	४	३	११	३
१०	४	२५	१८	११	७	२३	१०
१२	५८	३५	४८	४६	३४	२२	२३
३०	८	१३	४७	४१	३०	१७	१०
५७	३३	४३	८	७२	७	३	५७
२०	२३	व:	४५	५०	२०	११	५

गोचर ग्रहाः

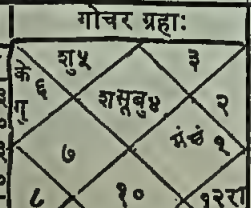

इस मास में बदि में धान्य गेहूं चावल जौ चना मटर बाजरा आदि धान्य सोना चांदी ताम्बा में मंदी सुदि में तेजी और वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

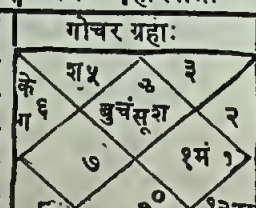

१७पं.आ.कृ.१४बु.इ.४४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	५	४	३	११	३
१७	८	२१	१९	२०	८	२३	१७
३४	५४	२४	४८	१०	२८	०	२
१२	३६	४३	२२	१६	३४	१	५८
५७	३१	५५	९	७२	७	३	५७
२५	४८	व.	३४	३२	१४	११	१२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४८७१सन्२००५
१	श	१२	६	श्ले	३	२१	व	४६	३८	ब	१२	६	३३	२४	३६	१५	३०	६	सिं ३।२१	चंद्रदर्शनम्
२	र	१७	५४	म	१०	३१	प	५१	३४	को	१७	५४	३३	२५	३५	१६	१	७	सिंहे	रज्जव ७ सिंघारा
३	चं	२३	८	पू	१७	१	शि	५३	०	ग	२३	८	५४	२५	३५	१७	२	८	कं. ३३ २६	भ.५५।१६उ.तीज
४	मं	२७	२५	उ	२२	४१	सि	५३	४४	वि	२७	२५	५०	२६	३४	१८	३	९	कन्यायां	भ.३६या.उषा.शुक्रः११।१५वरद४
५	बु	३०	४४	ह	२८	१७	सा	५३	५५	बा	३०	४४	४७	२७	३३	१९	४	१०	वृ.५९।४०	वक्री पुष्ये बुधः१३उदयं शनेः३३नाग ५
६	गु	३२	४७	चि	३१	३	शु	५२	५४	को	१	४५	४४	२७	३३	२०	५	११	तुलायां	कन्यायां शुक्रः५७।३९
७	शु	३३	२०	स्वा	३२	५९	शु	५०	२६	ग	३	४	४०	२८	३२	२१	६	१२	तुलायां	भ.३३।२०उ.भरण्यां भौमः ८।११
८	श	३२	२१	वि	३३	१०	ब्र	४६	५७	वि	२	५०	३७	२९	३१	२२	७	१३	वृ. १८	भ.२।५०या.बुधोदयःपूर्वस्याम्४८।०
९	र	२९	३१	अ	३१	५५	ऐं	४१	५८	वा	०	५६	२३	२९	३१	२३	८	१४	वृश्चिके	[+२९।३पवित्रा११ब्र.
१०	चं	२४	५४	ज्ये	३०	२३	वै	३५	३२	ग	२४	५४	३०	३०	३०	२४	९	१५	ध. ३०।२३	भ.५१।४८उ.पुष्य.३शनिः३५।११
११	मं	१८	४३	मू	२६	७	वि	२७	४७	वि	१८	४३	२६	२९	३१	२५	१०	१६	धनुषि	भ.३५या.मघा.सिंहेऽर्कः३५मार्गी बुध :+
१२	बु	१०	५३	पू	२०	२५	प्री	१८	५३	बा	१०	५३	२२	३२	२८	२६	११	१७	म. ४१ ४१	मघा.सिंहेऽर्कःसौरः१६।२२ प्रदोषः
१३	गु	२	१	उ	१३	२९	आ	५९	४९ १४	तै	२	१	१९	३२	२८	२७	१२	१८	मकरे	भ.५२।२०उ.
१४	गु	५०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×भद्रोत्तरम्
१५	शु	४२	१५	श्र	४५	५३	शो	४७	२५	वि	१७	१७	१५	३३	२७	२८	१३	१९	कुं ३१ ४२	भ.१७या.श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्×

१८पं.श्रा.शु.५ बु.इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	५	५	३	११	३
२४	१२	१६	२०	२८	९	२२	२३
१६	३७	१९	५३	३१	२१	३७	४४
३७	३४	८	१०	१९	५४	४५	५
५७	३०	४१ ५१	१०	७२	७	३	५७
३३	१९	व.	१७	७	८	११	२२

गोचर ग्रहाः

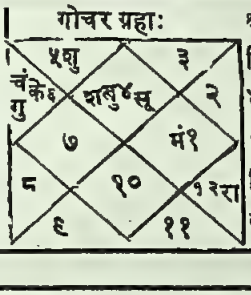

श्रावण शुक्ले ११भौमे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्या दि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

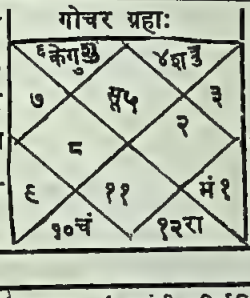

१९पं.श्रा.शु.१२बु.इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	३	५	५	३	११	४
०	१६	१४	२२	६	१०	२२	०
५९	१२	५९	२	५०	१५	१५	२६
५३	०	४२	६	२	४	३०	१८
५७	२८	५३	१०	७१	७	३	५७
४०	११	मा	५६	४६	२	११	२४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	श	३२	२९	श	५०	१८	अ	३६	४१	बा	७	२२	३३	३४	२९	२९	१४	२०	कुं भे	हस्ते शुक्रः २२।३२
२	र	२३	३७	पू	४४	४०	सु	२६	२९	ग	२३	३७	८	३४	२६	३०	१५	२१	मी. ३१	भ.४९।४४उ.
३	चं	१५	५१	उ	३८	२०	धृ	१७	८	वि	१५	५१	४	३५	२५	३१	१६	२२	मीने	भ.१५।५१या.आश्ले. बुधः३७चतुर्थी ब्र.
४	मं	९	४७	रे	३५	३	शू	९	२३	बा	९	४७	१	३६	२४	१	१७	२३	मे५३।३	भा.भाद्रपदारंभः
५	बु	५	४३	अ	३३	२८	गं	५३	५५	तै	५	४३	३१	३७	२३	२	१८	२४	मेषे	चंद्रषष्ठी
६	गु	३	५१	भ	३४	११	धु	५५	५	व	३	५१	५३	३७	२३	३	१९	२५	वृ. ४९ ५१	भ.३५उ.३४या.चित्रा.१गुरुः३।१९
७	शु	४	१४	कृ	३६	५०	ष्या	५३	४२	ब	४	१४	४९	३८	२२	४	२०	२६	वृषे	जन्माष्टमी ब्र.स्मा.
८	श	६	२६	रो	४१	२१	ह	५३	५९	को	६	२६	४६	३९	२१	५	२१	२७	वृषे	जन्माष्टमी ब्र. वै.
९	र	१०	१९	मृ	४६	५८	व	५४	५४	ग	१०	१९	४२	४०	२०	६	२२	२८	मि१४।९	भ.४२।५२ उ. गोगा ९
१०	चं	१५	२५	आ	५४	१७	सि	५६	५०	वि	१५	२५	३८	४०	२०	७	२३	२९	मिथुने	भ.१५।२५या. [÷द्वादशी
११	मं	२१	३४	पु	६०	०	व्य	५९	१६	बा	२१	३४	३४	४१	१९	८	२४	३०	क. ४४ ४८	पूफा.रविःसौरः३१।३अजा ११ ब्र.
१२	बु	२७	५०	पु	१	३८	व	६०	०	तै	२७	५०	३०	४२	१८	९	२५	३१	कर्के	पूफा.रविःसौरः५३चित्रा.शुक्रः४२वत्स÷
१३	गु	३४	८	पु	९	४०	व	१५१	ग	०	५९	२६	४३	१७	१०	२६	१		कर्के	भ.३४उ.मघा.सिंहे बुधः३९सितम्बर९×
१४	शु	४०	२	श्ले	१६	५४	प	४	१५	वि	७	५	२२	४४	१६	११	२७	२	सिं. ५६ ५४	भ.७।५या. [×ता.३० प्रदोषः
१५	श	४५	३८	म	२४	१	शि	६	१९	च	१२	५०	१८	४४	१६	१२	२८	३	सिंहे	बुधास्तःपूर्वस्याम्४८कुंभाग्रहणी मन्वादिः

२०पं.भा.कृ. ५ बु.इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	३	५	५	३	११	४
७	१९	१९	२३	१५	११	२१	७
४४	१५	२६	१६	६	५	५३	५
२०	५८	१०	१२	३२	४९	१४	४७
५७	२६	६८	११	७१	६	३	५७
४९	१३	१९	३२	२०	४७	११	४५

गोचर ग्रहाः

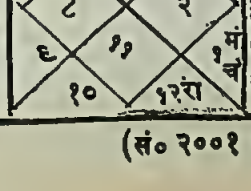

इस मास का फल अशुभ है धान्य चावल गेहूं चना बाजरा सोना चांदी रुई गुड शक्कर तेज हो रोग शोक फैले वर्षा कहीं कम कहीं अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

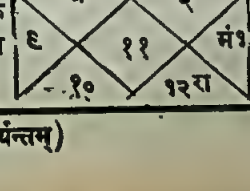

२१ पं.भा.कृ.१२बु.इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	३	५	५	३	११	४
१४	२२	२८	२४	२३	११	२१	१३
३०	४	५४	३३	२०	५५	३०	५४
०	८	०	२६	५३	२३	५९	५९
५८	२३	० ०	१२	७०	६	३	५७
१	५	३०	९	४७	३२	११	५७

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९००स.२००५
१	र	५०	८	पू	३०	५२	सि	७	५६	किं	१७	५३	३१/१५	५/४५	६/१५	१३	२९	४	कं.४७।२२	
२	चं	५३	५३	उ	३६	५३	सा	९	१४	बा	२२	०	११	४६	१४	१४	३०	५	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	मं	५६	४४	ह	४०	४४	शु	९	४३	तै	२५	१८	७	४७	१३	१५	१	६	कन्यायां	तुलायां शुक्रः२४/४३सावान८ हरितालिका ३
४	बु	५८	१३	चि	४४	१५	शु	९	२४	व	२७	२८	३	४७	१३	१६	२	७	तु.१२।२९	भ.२७/२८उ.५८/१३या.गणेशचतुर्थी
५	गु	५८	५३	स्वा	४६	५४	ब्र	८	४	ब	२८	३३	३०/५९	४८	१२	१७	३	८	तुलायां	पूफा. बुधः३७।२९ऋषिपंचमी
६	शु	५८	१०	त्रि	४८	२५	ऐं	६	९	कौ	२८	३२	५५	४९	११	१८	४	९	वृ.३३।२	
७	श	५६	२२	अ	४८	४३	वै	३/२०	५५/५५	ग	२७	१६	५१	५०	१०	१९	५	१०	वृश्चिके	भ.५६।२२उ.
८	र	५३	८	ज्ये	४७	३८	प्री	५४	१३	वि	२४	४५	४७	५१	९	२०	६	११	ध.४७।३८	भ.२४।४५ या.चित्रा२गुरुः४८।१६
९	चं	४८	४७	मू	४४	७	आ	४८	११	बा	२०	५७	४३	५१	९	२१	७	१२	धनुषि	स्वात्यां शुक्रः८।३
१०	मं	४३	२	पू	४१	३८	सौ	४१	१	तै	१५	५४	३९	५२	८	२२	८	१३	म.५५।२७	उफा.रविः१५/२८(सौरः५१/५३ पुष्य.४शनिः०/२४
११	बु	३६	११	उ	३६	५४	शो	३२	५९	व	९	३७	३५	५३	७	२३	९	१४	मकरे	भ.९/३७उ.३६/११या.जलझूलनी ११ व्र.
१२	गु	२८	१४	श्र	३१	५	अ	२३	५८	ब	२	१३	३१	५४	६	२४	१०	१५	कुं.५७।४७	उफा.बुधः३३/८कृत्ति.भौमः३८/१०वामन×
१३	शु	१९	३६	ध	२४	३२	सु	१४	१९	तै	१९	३६	२७	५५	५	२५	११	१६	कुम्भे	कन्यायामर्कः ४०।४९ [×जयंती प्रदोषः
१४	श	१०	३४	श	१७	३९	धृ	४/१३	४९/५९	व	१०	३४	२२	५६	४	२६	१२	१७	मी.५७/४०	भ.१०/३४उ ३६/१४या.कन्यायामर्कःसौरः१७/४÷
१५	र	१	५४	पू	१०	५९	गं	४४	३७	ब	१	५४	१८	५६	४	२७	१३	१८	मीने	[÷कन्यायां बुधः१८/३५अनंत१४महालयारंभः

२२पं.भा.शु.४बु.इ.४३।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	५	६	३	११	४
२१	२४	११	२५	१	१२	२१	२०
१७	२९	३७	५३	३१	४३	८	४१
०२	२	२६	४६	५२	१	४३	३९
१८	२०	११/३१	१२	७०	६	३	५८
१३	३२	३१	२३	१०	२०	११	१२

ग्रोचर ग्रहाः

भाद्रपद शुक्ले १३ शुक्ले कन्यायामर्कः प्रविष्टःवा. ४ न ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

ग्रोचर ग्रहाः

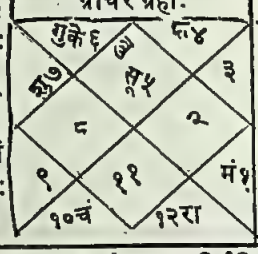

२३ पं.भा.शु.११बु.इ.४३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	५	६	३	११	४
२८	२६	२५	२७	९	१३	२०	२७
५	२४	५	१७	३९	२८	४६	२९
२४	०	१०	२४	११	१२	२७	५८
५८	१७	११/४७	१२	६९	५	३	५८
२६	८	४७	५०	२०	५६	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे भा. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा.
१	र	५१	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४७	११	उ	५	४	वृ	३५	४९	तै	२०	३१	३०/१४	५/५७	६/३	२८	१४	१९	मीने	
३	मं	४२	१	रे	०/२१	५६/५०	ध्रु	२८	६	व	१४	३६	९	५८	२	२९	१५	२०	मे.०/२१	भ.१४।३६उ.४२।१या.
४	बु	३८	४९	भ	५६	८	व्या	२१	४६	ब	१०	२५	५	५९	१	३०	१६	२१	मेषे	चतुर्थी व्र.
५	गु	३७	५२	कृ	५७	८	ह	१७	१५	कौ	८	२०	३०/००	६/००	६/००	३१	१७	२२	वृ.११।३३	हस्ते बुधः४८।५४
६	शु	३९	१	रो	६०	०	व	१४	१९	ग	८	२६	२९/५६	६/१	५/५९	१	१८	२३	वृषे	भ.३९/१उ.वि.शुक्रः४२/२८भा. आश्विनारंभः
७	श	४२	१४	रो	०	१८	सि	१२	२	वि	१०	३८	५२	२	५८	२	१९	२४	मि. ३२/४०	भ.१०।३८या.
८	र	४६	५१	मृ	५	१	व्य	१२	९	बा	१४	३२	४८	२	५८	३	२०	२५	मिथुने	
९	चं	५२	५५	आ	११	२८	व	१३	२६	तै	१९	५३	४४	३	५७	४	२१	२६	मिथुने	हस्तेरविः५३/५८मातृ९ (सौभाग्यवतीनांश्रा.
१०	मं	५९	५	पु	१८	४३	प	१५	३५	व	२६	०	४०	४	५६	५	२२	२७	क.१।५५	भ.२६/०उ.५९/५या.हस्तेरविःसौरः२९/३४चित्रा.*
११	बु	६०	०	पु	२६	२२	शि	१७	५२	ब	३२	१९	३६	५	५५	६	२३	२८	कर्के	इंदिरा११व्र.स्मा. [*३तुलायांगुरुः५५/४१
११	गु	५	३२	श्ले	३३	५३	सि	२०	२७	बा	५	३२	३२	६	५४	७	२४	२९	सिं. ३३/५३	रेवती.१ राहुःहस्त.३केतुः१९/१६इंदिरा+
१२	शु	१२	४	म	४१	४	सा	२२	३५	तै	१२	४	२८	६	५४	८	२५	३०	सिंहे	चित्रा बुधः३४/१३प्रदोषः [+११व्र.वै.
१३	श	१७	१	पू	४७	३२	शु	२५	१७	व	१७	१	२३	७	५३	९	२६	१	सिंहे	भ.१७/१उ.४९/५या.अक्टूबर१० ता.३१
१४	र	२१	८	उ	५२	३२	शु	२६	१०	श	२१	८	१९	८	५२	१०	२७	२	क.३।४७	वृश्चिके शुक्रः२७/४०शस्त्रादिहतानां श्राद्धम्
३०	चं	२४	१२	ह	५६	४३	ब्र	२५	५९	ना	२४	१२	१५	९	५१	११	२८	३	कन्यायां	सूर्यग्रहणम् सर्व पितृ ३०

२४पं.आ.कृ.४बु.इ.४२।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	५	५	६	३	११	५
४	२७	७	२८	१७	१४	२०	४
५५	४६	५९	४३	४३	१०	२४	२०
१६	८	१०	२३	२३	१६	१२	५
५८	१३	०/१०	१३	६८	५	३	५८
३८	१८	५६	१४	३५	३२	११	४५

गोचर ग्रहाः

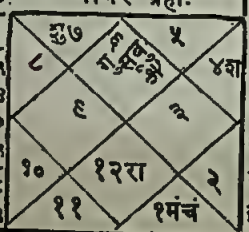

इस मास में ५ सोमवार श्रेष्ट हैं गेहूं जौ चना बाजरा मटर सरसो सोना चांदी लोहा कपासवस्त्र-तेज होकर मंदे हों कहीं २ वर्षा होवे।

गोचर ग्रहाः

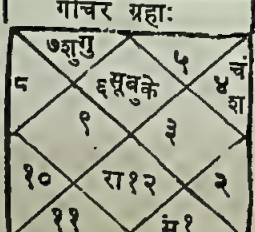

२५पं. आ.कृ.११बु.इ.४२/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	५	६	६	३	११	५
११	२८	२०	०	२५	१४	२०	११
४६	३१	६	११	४२	४९	१	१२
५२	५२	३६	२	३२	३०	५६	०५
५८	९	०/१०	१३	६७	५	३	५९
५३	७	५९	२०	३२	२	११	००

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९३०सन् २००५

१	मं	२५	५६	चि	५६	४१	ऐं	२५	८	व	२५	५६	३९	६	५०	१२	२६	४	तु	२८।१२	तुलायां बुधः ४६ नवरात्रारंभः मातामह×
२	बु	२६	३६	स्वा	६०	०	वै	२३	२२	कौ	२६	३६	७	११	४६	१३	३०	५	तुलायां		अनु.शुक्रः ३६ बुधोदयः पश्चिमायां ५४ ÷
३	गु	२६	१८	स्वा	१	२५	वि	२०	३५	ग	२६	१८	३	११	४६	१४	१	६	वृ.	४७।५	भ.५५।३७उ.रमजान ६ [×श्राद्ध म
४	शु	२४	५६	वि	२	१८	प्री	१६	५५	वि	२४	५६	३६	१२	४८	१५	२	७	वृश्चिके		भ.२४।५६या. [÷चंद्रदर्शनम्
५	श	२२	४७	अ	२	१३	आ	१२	४८	बा	२२	४७	५५	१३	४७	१६	३	८	वृश्चिके		स्वात्यां बुधः ४० अस्तं गुरोः ५४।३६
६	र	१९	३६	ज्ये	१	२२	सौ	८	२	तै	१९	३६	५१	१४	४६	१७	४	९	ध.	१।२२	[Bपूर्णिमा वै.का.स्ना.प्रा.
७	चं	१५	५३	मू	३०	५६	शो	२३	५३	च	१५	५३	४७	१५	४५	१८	५	१०	धनुषि		भ.५५उ.३३या.चित्रा. रविः २६।०
८	मं	११	२५	उ	५४	५	सु	४९	३३	ब	११	२५	४३	१५	४५	१९	६	११	म.	११।२६	चित्रा. रविः सौरः ०।८
९	बु	६	१०	श्र	५०	११	धृ	४२	७	कौ	६	१०	३९	१६	४४	२०	७	१२	मकरे		वक्री भौमः ३१।५७ [+११व्र.स्मा.
१०	गु	०	१६	ध	४५	४४	शू	३४	११	ग	०	१६	३५	१७	४३	२१	८	१३	कुं.	१७।५८	भ.३६उ.५३या चित्रा ४ गुरुः ३३ पापांकुशा+
११	गु	५३	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	[Aविशा बुधः ३९ ज्येष्ठा. शुक्रः ३९ शरद् B
१२	शु	४६	३६	श	४०	५३	गं	२५	४५	ब	२०	८	३१	१८	४२	२२	९	१४	कुंभे		पापांकुशा ११ व्र. वै.
१३	श	३९	३९	पू	३५	३५	वृ	१७	९	कौ	१३	७	२७	१९	४१	२३	१०	१५	मी.	२१	प्रदोषः [=पूर्णिमा स्मा.
१४	र	३२	३८	उ	३०	३९	ध्रु	८	३२	ग	६	८	२३	१९	४१	२४	११	१६	मीने		भ.३२उ.५९या.कोजागरीव्र.शरद्=
१५	चं	२६	३८	रे	२६	९	ब्या	०	५३	ब	२६	३८	२०	२०	४०	२५	१२	१७	मे.	२६।९	तुलायामर्कः ३९ (सौरः ५३) चंद्रग्रहणम् A

२६पं.आ.शु.२बु.इ.४२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	६	७	३	११	५
१८	२८	१	१	३	१५	१९	१८
४०	३७	३२	४०	३५	२५	३९	५
८	३७	६	२६	३५	१२	४१	५२
५९	४	९९	१३	६६	४	३	५९
९	३२	१४	३२	२०	३९	११	१६

गोचर ग्रहाः

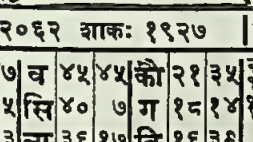

आश्विन शुक्ले १५ चंद्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ४न.४ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

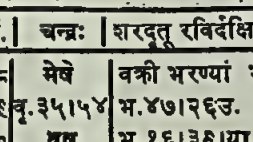

२७पं.आ.शु. ९ बु. इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	६	७	३	११	५
२५	२८	१२	३	११	१५	१९	२५
३५	१	१८	१०	२२	५७	१७	१
२	१५	३२	४४	२३	०	२५	३४
५९	९	९३	१३	६९	४	३	५९
२१	व.	७	३२	५३	५	११	३१

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | शरदृतु रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.

१	मं	२१	३५	अ	२२	४७	व	४५	४५	कौ	२१	३५	२९	६	५१	२६	१३	१८	मेषे		वक्री भरण्यां भौमः ५४।४२
२	बु	१८	१४	भ	२०	५५	सि	४०	७	ग	१८	१४	१२	२२	३८	२७	१४	१९	वृ.	३५।५४	भ.४७।२६उ.
३	गु	१६	३९	कृ	२०	५३	व्य	३६	१७	वि	१६	३९	८	२२	३८	२८	१५	२०	वृष		भ.१६।३९या. करक चतुर्थी व्र.
४	शु	१६	५८	रो	२२	३७	व	३४	२	बा	१६	५८	४	२३	३७	२९	१६	२१	मि.	५४	
५	श	१९	१८	मृ	२६	१७	प	३२	५६	तै	१९	१८	०	२४	३६	३०	१७	२२	मिथुने		
६	र	२३	२०	आ	३१	२८	शि	३३	३	व	२३	२०	३७	२५	३५	१	१८	२३	मिथुने		भ.३३उ.५६या.स्वात्यां रविः ५१×
७	चं	२८	५८	पु	३८	१८	सि	३४	३६	ब	२८	५८	५३	२५	३५	२	१९	२४	क.	२१।३५	स्वात्यां रविः सौरः ३५ आश्लेषा.१शनिः÷
८	मं	३५	२	पु	४५	२३	सा	३६	२५	बा	२	०	४९	२६	३४	३	२०	२५	कर्के		वृश्चिके बुधः १४।३३ [÷१६।१९
९	बु	४१	२४	श्ले	५३	१	शु	३८	५९	तै	८	१३	४५	२७	३३	४	२१	२६	सिं.	५३	[×भा.कार्तिकारंभ
१०	गु	४७	३७	म	६०	०	शु	४१	५	व	१४	३०	४१	२८	३२	५	२२	२७	सिंहे		भ.१४।३०उ.४७।३७या.अनु.बुधः ५५
११	शु	५३	५	म	०	२०	ब्र	४३	५८	ब	२०	२१	३७	२९	३१	६	२३	२८	सिंहे		स्वाती.१गुरुः ४१।६ रमा.११ व्र.
१२	श	५७	१०	पू	६	५८	ऐं	४४	०	कौ	२५	८	३४	२९	३१	७	२४	२९	कं.	२३	
१३	र	५९	५५	उ	१२	१६	वै	४३	५२	ग	२८	३२	३०	३०	३०	८	२५	३०	कन्यायां		भ.५५उ.मूले धनुषि शुक्रः १५ प्रदोषः+
१४	चं	६०	०	ह	१६	१६	वि	४२	४०	वि	३०	३०	२७	३१	२९	२	२६	३१	तु.	४७।३०	भ.३०।३०या.रूप १४ [+धन १३
१४	मं	१	५	चि	१८	४४	प्री	४०	१३	श	१	५	२३	३१	२९	१०	२७	१	तुलायां		नवम्बर ११ ता.३० महालक्ष्मीपूजनम्
३०	बु	०	४५	स्वा	१९	३८	आ	३६	४४	ना	०	४५	१९	३२	२८	११	२८	२	तुलायां		अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा

२८ पं.का.कृ.२बु.इ. ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	६	६	७	३	११	६
२	२६	२२	४	१८	१६	१८	१
३१	४४	२६	४२	५८	२४	५५	५९
२६	१०	४२	११	३०	११	९	००
५९	५५	८५	१३	६३	३	३	५९
३४	व.	३१	३८	१४	३१	११	३६

गोचर ग्रहाः

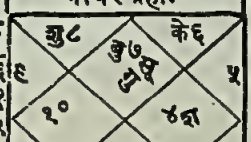

भूमिपुत्रो यदा मेषे सुभिक्षं सर्वधान्यकम् । प्रवलानि महर्घाणि क्रोधावांस्तु भवेन्नृपः ॥ इस मास में धान्य धातु मन्दे होंगे ।

गोचर ग्रहाः

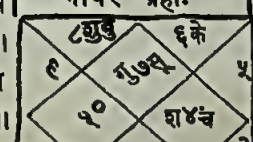

३९पं.का. कृ. ९बु.इ. ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	७	६	७	३	११	६
९	२४	१	६	२६	१६	१८	८
२९	५३	४८	१२	२३	४६	३२	५८
४२	१३	५८	५८	१७	४१	५४	२०
५९	१	७४	१३	६१	२	३	६०
४७	व	३९	३८	४	४५	११	२

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽर्हगणः४९६०सन्२००५
१	बु	५८	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५६	२६	वि	१९	३७	सौ	३२	१७	बा	२७	४५	२७	३३	५	१२	२९	३	वृ. ४।३७	चंद्रदर्शनम् भातृ २ यम २
३	शु	५२	५६	अ	१८	१९	शो	२७	०	तै	२४	४१	१२	३४	२६	१३	१	४	वृश्चिके	उदयं गुरोः३२।२४ सव्वाल १०
४	श	४८	३९	ज्ये	१६	१९	अ	२०	५६	व	२०	४७	९	३४	२६	१४	२	५	ध १६।१९	भ.२०।४७ उ.४८।३९ या.
५	र	४४	९	मू	१३	४८	सु	१४	२९	ब	१६	२४	५	३५	२५	१५	३	६	धनुषि	विशा. रविः१२।१७ (सौरः४१।१९)
६	चं	३९	२१	पू	१०	५२	धृ	८	२	कौ	११	४५	२	३६	२४	१६	४	७	म.२५।५	
७	मं	३४	३४	उ	७	४४	शू	५	५२	ग	६	५८	२६	३६	२४	१७	५	८	मकरे	भ ३४।३४उ.
८	बु	२९	३८	श्र	४	३७	बृ	४७	२	वि	२	६	५५	३७	२३	१८	६	९	कुं ३२।५१	भ.२।६ या. गोपाष्टमी·
९	गु	२४	१९	ध	५	५६	ध्रु	४०	२	कौ	२४	१९	५२	३८	२२	१९	७	१०	कुं भें	कुष्मांड ९ अक्षय ९
१०	शु	१९	५	पू	५४	१४	व्या	३२	३१	ग	१९	५	४९	३८	२२	२०	८	११	मी. ४९	भ.४६।३३उ.ज्येष्ठा.बुध :४१।३१
११	श	१४	१	उ	५०	५६	ह	२५	२२	वि	१४	१	४५	३९	२१	२१	९	१२	मीने	भ. १४ या.पूषा.शुक्रः ४९ स्वाती. २गुरुः ५३×
१२	र	८	५९	रे	४८	८	व	१८	२८	बा	८	५९	४२	४०	२०	२२	१०	१३	मे.४८।८	वक्री बुधः१५।२५ प्रदोषः
१३	चं	४	३७	अ	४५	५०	सि	११	५५	तै	४	३७	३९	४०	२०	२३	११	१४	मेषे	वैकुंठ १४
१४	मं	०	५०	भ	४४	१९	व्य	५	४४	व	०	५०	३६	४१	१९	२४	१२	१५	वृ.५९।१९	भ.०।५०उ.३९ या.मन्वादिः का.स्ना.पू.
१५	मं	५७	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×प्रबोधिनी ११व्र. तुलसीविवाहः

३०पं.का.शु.१बु.इ. ४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	७	६	८	३	११	६
१६	२२	९	७	३	१७	१८	१५
२९	३०	५९	४४	३६	४	१०	५९
२८	१६	४६	४९	४७	५९	३८	२४
६०	३३	५९	१३	५८	२	३	६०
४	व	३९	३२	५८	४	११	१८

गोचर ग्रहाः

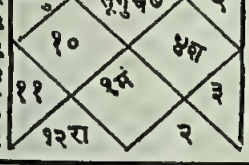

मार्गशीर्ष कृष्णे १बुधे वृश्चिकेऽर्के:प्रविष्टःवा ३ न. ४ कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ३० धान्या दि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

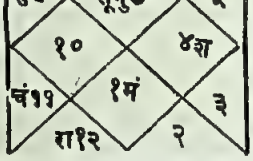

३१ पं.का.शु. ८ बु.इ. ४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	७	६	८	३	११	६
२३	२०	१५	९	१०	१७	१७	२३
३०	१०	४८	१५	२८	१७	४८	१
५०	५२	४३	४३	१	१०	२३	५८
६०	३३	३०	१३	५५	१	३	६०
१७	व	४२	२८	४	२४	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६२ शाकः१९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमतर्तु रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	बु	५७	१	कृ	४४	१९	व	२९	५३	बा	२७	३८	३३	४१	५९	२५	१३	१६	वृषे	वृश्चिकेऽर्कः ३२ (सौरः ३५) वक्री अनु.×
२	गु	५७	२८	रो	४५	३७	शि	५३	३१	तै	२७	१४	३०	४२	१८	२६	१४	१७	वृषे	[×बुधः ३५।१५
३	शु	५९	३७	मृ	४८	४५	सि	५२	१०	व	२८	३२	२७	४३	१७	२७	१५	१८	मि. १७	भ.३२उ.५९ या.बुधास्तःपश्चिमायां ४३०
४	श	६०	०	आ	५३	१२	सा	५१	३०	ब	३१	३६	२५	४३	१७	२८	१६	१९	मिथुन	अनु.रविः ५२ (सौरः ५२) चतुर्थी व्र.
४	र	३	३५	पु	५९	१९	शु	५२	१७	बा	३	३५	२२	४४	१६	२९	१७	२०	कं.४२।४७	
५	चं	८	२५	पु	६०	०	शु	५३	१७	तै	८	२५	१९	४४	१६	३०	१८	२१	कर्के	
६	मं	१४	१२	पु	६	१	म	५५	५९	व	१४	१२	१७	४५	१५	१	१९	२२	कर्के	भ.५३उ.३५ या.वक्री शनिः २२÷
७	बु	२०	३७	श्ले	१३	४०	ऐं	५८	९	ब	२०	३७	१४	४५	१५	२	२०	२३	सिं. १३	भा.मार्गशीर्षारंभः
८	गु	२७	७	म	२१	५	वै	६०	०	कौ	२७	७	१२	४६	१४	३	२१	२४	सिंहे	
९	शु	३२	५४	पू	२८	१०	वै	०	२०	तै	०	१	९	४६	१४	४	२२	२५	कं.४४।४०	[+पूर्वस्यां ०।३६ दिसबर १२ सा. ३१
१०	श	३७	२७	उ	३४	१०	वि	१	४७	व	५	१०	७	४७	१३	५	२३	२६	कन्यायां	भ.५।१०उ.३६।२७या.
११	र	४०	२७	ह	३८	४१	प्री	२	१०	ब	८	५४	५	४७	१३	६	२४	२७	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	चं	४१	४४	चि	४१	२८	आ	२	५७	कौ	११	५	२	४८	१२	७	२५	२८	तु.१०।४	उषा.शुक्रः१८।३१
१३	मं	४१	६	स्वा	४२	३७	शो	५५	३८	ग	११	२५	०	४८	१२	८	२६	२९	तुलायां	भ. ४१ उ.वक्री विशा.बुधः १३ स्वाती. ३÷
१४	बु	३८	४३	वि	४१	५५	अ	५०	३९	वि	९	५५	२५	४८	१२	९	२७	३०	वृ.२७।५	भ.९।५५या. [÷गुरुः १।४० प्रदोषः
३०	गु	३४	५६	अ	३९	३८	सु	४४	२५	च	६	५०	२६	४९	११	१०	२८	१	वृश्चिके	उभा.४राहुःहस्तः२केतुः १ बुधोदयः+

३२पं.मा.कृ. १ बु. इ. ४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	८	३	११	७
०	१८	१६	१०	१६	१७	१७	०
२३	०	२६	४४	५७	२४	२६	६
२९	३६	५४	५६	१४	३२	७	२
६०	३३	३९	१३	५०	०	३	६०
३०	व.	ब.	२०	४१	४३	११	४०

गोचर ग्रहाः

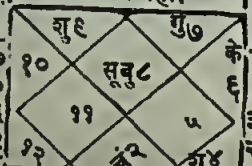

३३पं.मा.कृ.१बु.इ. ४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	८	३	११	७
७	१६	९	१२	२२	१७	१७	७
३७	१०	४०	१२	५४	२६	३	११
२६	१	४४	५०	३६	१७	५१	३५
६०	३३	२८	१३	४५	१०	३	६०
४२	न.	च.	८	२९	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

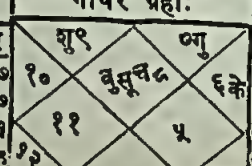

३४ पं.मा.कृ.१४बु.इ. ४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	८	३	११	७
१४	१४	२	१३	२८	१७	१६	१४
४२	५५	१६	३८	११	२२	४१	१८
४०	२६	३७	५६	१०	४४	३६	२१
६०	५३	४३	१२	३८	५०	३	६१
५०	व.	ब	४२	२१	व:	११	३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९८९स.२००५
१	शु	२९	४९	ज्ये	३६	२६	धृ	३७	१८	किं	२	२२	५५	४९	५	११	२९	२	ध.३६।२६	ज्येष्ठा.रविः३६।४९
२	श	२३	५६	मू	३२	२६	शू	२९	३५	कौ	२३	५६	५३	४९	११	१२	३०	३	धनुषि	ज्येष्ठा. रविः सौरः०।१८ मकरे शुक्रः A
३	र	१७	४३	पू	२७	५०	गं	२१	३४	ग	१७	४३	५१	५०	१०	१३	१	४	म. ४१	भ.४४।३८उ. मार्गी बुधः ३६ जिल्काद ११
४	चं	११	३३	उ	२३	२०	वृ	१३	१४	वि	११	३३	४९	५०	१०	१४	२	५	मकरे	भ. ११।३३ या. पातस्पर्शः ३८।४०=
५	मं	५	२५	श्र	१९	४	ध्रु	१९	५३	बा	५	२५	४८	५०	१०	१५	३	६	कुं.४७।५	चंपा६ [=पातमोक्षः५३।२
६	मं	५४	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A३१।२३ चंद्रदर्शनम्
७	बु	५४	२७	ध	१५	७	ह	५०	५	ग	२७	७	४६	५१	९	१६	४	७	कुंभे	भ.५४।२७उ.
८	गु	४९	४३	श	११	३५	व	४३	५५	वि	२२	५	४५	५१	९	१७	५	८	मी	५४।२३ भ.२२।५या.
९	शु	४५	३५	पू	८	४०	सि	३७	२५	बा	१७	३९	४४	५१	९	१८	६	९	मीने	
१०	श	४२	५	उ	६	१३	व्य	३१	१७	तै	१३	५०	४३	५१	९	१९	७	१०	मीने	अनु.बुधः३८।१८
११	र	३९	१५	रे	४	३५	व	२५	३४	व	१०	४०	४२	५१	९	२०	८	११	मे.	४।३५ भ.१०।४०उ.३९।१५या.मोक्षदा ११व्र.×
१२	चं	३७	५	अ	३	३९	प	१९	५२	व	८	१०	४१	५२	८	२१	९	१२	मेषे	मार्गी भौमः४७।४८ [×गीताजयंती
१३	मं	३५	५९	भ	३	२७	शि	१५	३१	कौ	६	३२	४०	५२	८	२२	१०	१३	वृ. १२ ४१	प्रदोषः
१४	बु	३५	५७	कृ	४	२५	सि	१२	९	ग	५	५८	३९	५२	८	२३	११	१४	वृषे	भ.३५।५७उ.
१५	गु	३७	६	रो	६	१४	सा	९	३५	वि	६	३१	३९	५२	८	२४	१२	१५	मि. ३७	भ.६।३१या.मूले धनुष्यर्कः ४४ दत्तजयंती

३५पं.मा.शु.७बु.इ.४०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	९	३	११	७
२१	१४	१	१५	२	१७	१६	२१
४८	२०	४०	२	३३	१३	१९	२६
४३	५६	५२	२४	११	१६	२०	०४
६०	४३	३३	१२	२९	३३	३	६१
५६	व.	मा	२०	११	व.	११	११

गोचर ग्रहाः

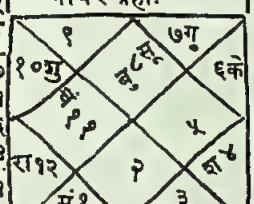

मार्गशीर्ष शुक्ले १५गुरौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

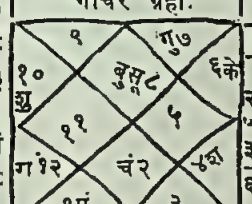

३६पं.मा.शु.१४बु.इ.४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	९	३	११	७
२८	१४	७	१६	५	१६	१५	२८
५५	२४	५९	२२	४४	५८	५७	३४
३७	४०	४६	३७	५३	४१	५	४७
६१	२३	६५	११	१७	२	३	६१
०मा.		२०	४७	४२	१३	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे मार्गे. कृष्णेति महा.
१	शु	३९	४१	मृ	९	३२	शु	८	२८	बा	८	२३	३८	५२	८	२५	१३	१६	मिथुने	मूले धनुष्यर्कः सौरः४।८स्वाती४गुरुः १४
२	श	४३	२८	आ	१३	५९	शु	७	४६	तै	११	३४	२८	५२	८	२६	१४	१७	मिथुने	[÷सौरः५।४६
३	र	४८	४४	पु	१९	३५	ब्र	८	८	व	१६	६	३७	५३	७	२७	१५	१८	क.	३।११ भ.१६।६३उ.४८।४४या.
४	चं	५४	२६	पु	२६	१०	ऐं	९	२०	ब्र	२१	३५	३७	५३	७	२८	१६	१९	कर्के	चतुर्थी व्र.
५	मं	६०	०	श्ले	३३	४०	वै	११	१०	कौ	२७	३७	३६	५३	७	२९	१७	२०	सिं. ३३ ४०	
५	बु	०	४७	म	४१	८	वि	१३	२८	तै	०	४७	३६	५३	७	३०	१८	२१	सिंहे	ज्येष्ठा. बुधः २७।३६ वक्री पुष्य.४+
६	गु	७	२५	पू	४८	३५	प्री	१५	३७	व	७	२५	३६	५३	७	१	१९	२२	सिंहे	भ.७।२५उ.४०।३४या. भा. पौषारंभः
७	शु	१३	४२	उ	५५	२५	आ	१७	४५	ब्र	१३	४२	३६	५३	७	२	२०	२३	कं.	५।१७ वक्री शुक्रः८।१२ [+शनिः२७।२८
८	श	१८	५०	ह	६०	०	सौ	१८	५६	को	१८	५०	३७	५३	७	३	२१	२४	कन्यायां	
९	र	२२	३२	ह	१	५६	शो	१९	४	ग	२२	३२	३७	५३	७	४	२२	२५	तु.	३२।५६ भ.५३।३३उ.
१०	चं	२४	३५	चि	४	५७	अ	१७	५०	वि	२४	३५	३७	५३	७	५	२३	२६	तुलायां	भ.२४।३५या.
११	मं	२४	३७	स्वा	७	८	सु	१५	२	बा	२४	३७	३८	५२	८	६	२४	२७	वृ.	५२।३ सफला ११व्र.
१२	बु	२२	३०	वि	७	१	धृ	१०	४४	तै	२२	३०	३८	५२	८	७	२५	२८	वृश्चिके	पूषा.रविः४९।४प्रदोषः
१३	गु	१८	३८	अ	५	१६	शू	५०	५३	व	१८	३८	३९	५२	८	८	२६	२९	वृश्चिके	भ.१८।३८उ.४५।४९ या. पूषा. रविः÷
१४	शु	१२	५९	ज्ये	४०	५६	वृ	४९	७	श	१२	५९	४०	५२	८	९	२७	३०	धनुषि	घ.१।४० मूले धनुषि बुधः४५।३४
३०	श	५	५८	पू	५०	४९	ध्रु	३९	५७	ना	५	५८	४१	५२	८	१०	२८	३१	धनुषि	

३७पं.पौ.कृ.५बु.इ.४०।३४

ब्रु	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	६	९	३	११	८
६	१५	१६	१७	७	१६	१५	५
३	६	५७	३९	२१	२९	३४	४४
१४	४७	३२	७	११	२२	४९	१२
६१	६	८१	६	३	५४	३	६१
४	२५	५	२५	२३	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

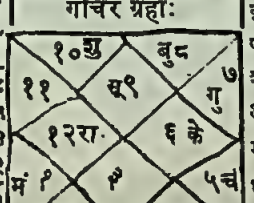

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथी वृद्धि शुक्ल पक्षकी तिथी क्षय गेहूं बाजरा मूग मोठ मक्का आदि धान्य सोना चांदी लोहा में तेजी करेगी

गोचर ग्रहाः

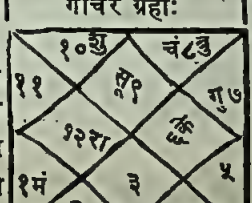

३८पं.पौ.कृ.१२बु.इ.४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	६	९	३	११	८
१३	१६	२६	१८	७	१६	१५	१२
११	२४	५३	५०	७	१५	१२	५४
१३	४०	४९	५६	४४	३३	३३	४
६१	१०	८९	१०	२३	३५	३	६१
६	५५	१६	३४	व.	व.	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०१९स.२००५
१	श	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Dपुत्रदा११व्र.
२	र	५०	११	उ	४४	४२	व्या	३०	१३	बा	२४	१३	२५/४२	६/५३	५/८	११	२९	१	म.४।१७	चंद्रदर्शनम् जनवरी१ता.३१सन् २००६
३	चं	४२	१९	श्र	३८	२६	ह	२०	३२	तै	१६	१५	४३	५१	९	१२	१	२	मकरे	जिल्हेज१२
४	मं	३४	४६	ध	३२	४०	व	१०	४९	व	८	३२	४४	५१	९	१३	२	३	कुं. ५।३२	भ.८।३२उ.३४।४६या.
५	बु	२७	५८	श	२७	३२	सि	३/०	५१/४७	ब	१	२२	४५	५१	९	१४	३	४	कुंभे	विशा.१गुरुः५०।५७बुधास्तःपूर्वस्यां ४०/३२
६	गु	२२	५	पू	२३	२६	व	४७	२२	तै	२२	५	४७	५१	९	१५	४	५	मि. ९।२८	
७	शु	१७	२५	उ	२०	२७	प	३९	४९	व	१७	२५	४८	५०	१०	१६	५	६	मीने	भ.१७।२५उ.४५।४१या.
८	श	१३	५६	रे	१८	४१	शि	३४	१७	ब	१३	५६	५०	५०	१०	१७	६	७	मे.१८।४१	[+शुक्रः२९।२७
९	र	११	४३	अ	१८	३	सि	२९	४६	कौ	११	४३	५२	५०	१०	१८	७	८	मेषे	पूषा.बुधः४६।२
१०	चं	१०	२६	भ	१८	३५	सा	२५	५९	ग	१०	२६	५३	४९	११	१९	८	९	वृ.३४।०	भ.४०।३०उ.
११	मं	१०	३४	कृ	२०	१६	शु	२३	२६	वि	१०	३४	५५	४९	११	२०	९	१०	वृषे	भ. १०।३४ या. उषा. रविः ५३।४९D
१२	बु	११	४९	रो	२३	८	शु	२१	४०	बा	११	४९	५७	४९	११	२१	१०	११	मि.५५।०	उषा.रविःसौरः७।१३ प्रदोषः
१३	गु	१४	१	मृ	२६	५२	ब्र	१९	५८	तै	१४	१	५९	४८	१२	२२	११	१२	मिथुने	शुक्रास्तःपश्चिमायां२५।१२
१४	शु	१७	२२	आ	३२	७	ऐं	२०	३४	व	१७	२२	२६/१	४८	१२	२३	१२	१३	मिथुने	भ.१७।२२उ.४९।३६या. वक्री धनुषि+
१५	श	२१	५०	पु	३७	५९	वै	२१	१३	ब	२१	५०	४	४७	१३	२४	१३	१४	क.२१।३१	मकरेऽर्कः१०।१३(सौरः २२/४०)मा.स्ना.प्रा.

३९पं.पौ.शु.५बु.इ.४०/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	६	९	३	११	८
२०	१८	७	१९	४	१५	१४	२०
१९	८	१९	५८	५१	४८	५०	४
२६	५६	१९	१६	११	१८	१८	१
६१	१४	९४	९	२७/२९	३/५८	३	६१
६	३२	२९	४८	व.	वं.	११	२६

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले१५ शनौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ बालावस्था (बैठी) मुं.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

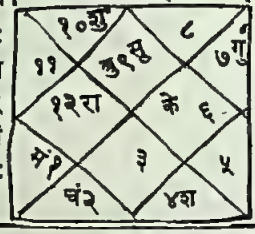

४०पं.पौ.शु १२ बु.इ.४०/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	६	९	३	११	८
२७	२०	१८	२१	१	१५	१४	२७
२७	१४	६	०	५	१७	२८	१३
२२	३८	२९	२९	१३	२८	२	५३
६१	१८	९८	९	३५/५१	४/१६	३	६१
६	८	३८	२	व.	व.	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	र	२७	१८	पु	४४	३६	वि	२२	४१	कौ	२७	१८	२६/९	६/४७	५/१३	२५	१४	१५	कर्के	
२	चं	३३	१५	श्ले	५१	४२	प्री	२४	१७	तै	०	१६	८	४६	१४	२६	१५	१६	सिं. ५१/४२	
३	मं	३९	३५	म	५९	१६	आ	२६	२९	व	६	२५	११	४६	१४	२७	१६	१७	सिंहे	भ.६।२५उ.३९।३५या.उषा.बुधः७।३६
४	बु	४६	५	पू	६०	०	सौ	२८	५१	ब	१२	४९	१३	४५	१५	२८	१७	१८	सिंहे	शुक्रोदयःपूर्वस्याम्१३।४८चतुर्थी व्र.
५	गु	५२	३०	पू	७	५१	शो	३१	३	कौ	१९	१७	१६	४५	१५	२९	१८	१९	कं.२३।४१	मकरे बुधः५।१४वक्री पूषा.शुक्रः२।१५
६	शु	५८	१	उ	१४	१४	अ	३२	४९	ग	२५	१६	१९	४४	१६	३०	१९	२०	कन्यायां	भ.५८।१ उ. अभि प्र. रविः ४२।४३-
७	श	६०	०	ह	२०	३२	सु	३३	५३	वि	३०	१६	२१	४४	१६	१	२०	२१	तु.५३।९	भ.३०।१६या.भा.माघारंभः
७	र	२	३३	चि	२५	४६	धृ	३३	४७	ब	२	३३	२४	४३	१७	२	२१	२२	तुलायां	[=अभि.नि.रविः५१।३५
८	चं	५	३४	स्वा	२९	२२	शू	३२	२३	कौ	५	३४	२७	४३	१७	३	२२	२३	तुलायां	श्रवणे रविः ५९।२० [-(सौरः५४।१
९	मं	६	४८	वि	३०	५९	गं	३०	२८	ग	६	४८	२९	४२	१८	४	२३	२४	वृ.१५।३५	भ.३६।१९ उ. श्रवणे रविःसौरः९।५७=
१०	बु	५	५१	अ	३०	४०	बृ	२४	५७	वि	५	५१	३२	४२	१८	५	२४	२५	वृश्चिके	भ.५।५१या. अभि.नि.रविःसौरः२।१४×
११	गु	४	३	ज्ये	२८	२७	ध्रु	१८	४२	बा	४	३	३५	४१	१९	६	२५	२६	ध.२८।२७	षट् तिला११व्र.
१२	गु	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×श्रवणे बुधः७।३४
१३	शु	५१	२३	मू	२४	६	व्या	११	४	ग	२४	४४	३८	४०	२०	७	२६	२७	धनुषि	भ.५१।२३उ.प्रदोषः
१४	श	४३	१४	पू	१८	२२	ह	२/१	४९/५	वि	१७	१९	४१	४०	२०	८	२७	२८	मः३१।३९	भ.१७।१९या.कृत्ति.भौमः३१।२५
३०	र	३४	२३	उ	११	३१	सि	४१	३०	च	८	४८	४५	३९	२१	९	२८	२९	मकरे	

४१पं. मा.कृ.४बु. इ. ४०/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	६	८	३	११	९
४	२२	२९	२१	२६	१४	१४	४
३५	४६	१७	५६	५२	४४	५	२३
१३	८	३५	३५	३४	३१	४७	२२
६१	२१	०/०	८	३४/२	४/३४	३	६१
३	१३	५९	८	व.	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

इस मास में मेष का मंगल गेहूं जौ चना मूगं मोठ गवार मंदा चांदी सोना कपडा तेज करेगा युद्ध की सम्भावना रहेगी

गोचर ग्रहाः

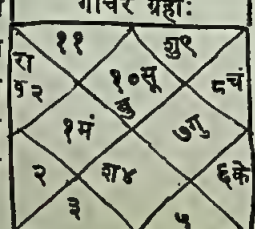

४२पं.मा कृ.१० बु.इः४०/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	६	८	३	११	९
११	२५	१०	२२	२३	१४	१३	११
४२	३२	५७	४६	३७	१०	४३	३२
४०	४२	२९	१	५	३७	३१	१३
६०	२३	०/०	६	२२/२७	४/४०	३	६१
५९	३६	५९	५५	व.	व.	११	१३

| ति. | माघ शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७ | | |

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५०७८ स.२००६
१	मं	५०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	चंद्रदर्शनम् मार्च ३.ता.३१ फुलरिया २
२	बु	४०	५४	पू	९	१७	सा	२१	४३	बा	१५	३१	२८ ४०	६ १६	५ ४४	१०	२९	१	मीने	भ. ५९।२६ उ.सफर२पातस्पर्शः१९।९×
३	गु	३२	४६	उ	२ ३७	५४ ४१	शु	११	५९	तै	६	५०	४४	१५	४५	११	१	२	मे.५७।८	भ.२६।७या.वक्री बुधः१।२२
४	शु	२६	७	अ	५३	१०	शु	३ ९	५२ ५२	वि	२६	७	४८	१४	४६	१२	२	३	मेषे	पूभा.रविः३५।१६(सौरः३९।५४)
५	श	२१	११	भ	५१	१७	ऐं	५०	३३	बा	२१	११	५२	१४	४६	१३	३	४	मेषे	बुधास्तः पाश्चिमायां१५।०
६	र	१८	१५	कृ	५१	१४	वै	४६	३१	तै	१८	१५	५६	१३	४७	१४	४	५	वृ.६ १७	भ.१७।२९उ.४८।१या वक्रीगुरुः१२।५१
७	चं	१७	२९	रो	५३	२५	वि	४४	८	व	१७	२९	२९ १	१२	४८	१५	५	६	वृषे	होलाष्टकम् [×पातमोक्षः२८।३
८	मं	१८	३३	मृ	५७	१४	प्री	४३	३	ब	१८	३३	५	११	४९	१६	६	७	मि२५।१९	
९	बु	२१	२२	आ	६०	०	आ	४३	३९	कौ	२१	२२	९	१०	५०	१७	७	८	मिथुने	भ.५८।२४उ.वक्रीकुंभे बुधः१५।४६
१०	गु	२५	४६	आ	२	२७	सौ	४४	३४	ग	२५	४६	१३	९	५१	१८	८	९	क.५२।१९	भ. ३१।२ या. श्रवणे शुक्रः१२।३२÷
११	शु	३१	२	पु	८	५३	शो	४६	२०	वि	३१	२	१७	९	५१	१९	९	१०	कर्के	(=सौरः४०।१५) होलिकादहनम्
१२	श	३७	१५	पु	१६	१३	अ	४८	३८	ब	४	८	२१	८	५२	२०	१०	११	कर्के	
१३	र	४३	३७	श्ले	२३	३४	सु	५१	५०	कौ	१०	२६	२६	७	५३	२१	११	१२	सिं२३।३४	प्रदोषः [÷आमलकी११व्र.
१४	चं	५०	४८	म	३१	१३	धृ	५३	३	ग	१७	१२	३०	६	५४	२२	१२	१३	सिंहे	भ.५०।४८उ.
१५	मं	५६	१	पू	३८	२८	शू	५५	८	वि	२३	२४	३४	५	५५	२३	१३	१४	कं.५४।४७	भ. २३।२४ या. मीनेऽर्कः ३६।९=

४७पं.फा.शु.२बु.इ.४१।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	६	९	३	११	१०
१७	१२	२	२४	३	११	११	१७
५	१३	५४	५५	११	३३	५२	०
३५	२३	१८	४१	४२	४७	१३	३४
६०	३१	१२	०	४२	३	३	६०
१२	२१	५२	५१	२८	२२	११	२०

ग्रोचर ग्रहाः

रा बु१२ १०शु १ ११ सू ९ २मं ८ ३ ५ गु७ ४श के६

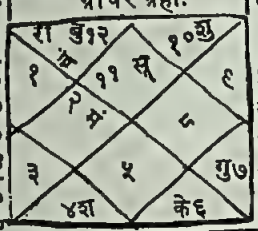

फाल्गुन शुक्ले १५भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

ग्रोचर ग्रहाः

रा१२बु शु१० १ ११सू ९ २मं ८ ३चं ५ ७गु ४श ६के

४८ पं.फा.शु.९ .बु.इ. ४१ ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	६	९	३	११	१०
२४	१५	०	२४	८	११	११	२४
६	५५	३१	५५	४५	११	२९	१
२२	२३	२३	८	७	२०	५७	५७
५९	३२	५४ ४३	० २८	४९	२ ४१	३	६०
५८	३०	व.	व:	१२	व.	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा०
१	बु	६०	०	उ	४५	४६	गं	५६	५०	बा	२८	५०	२९ ३८	६ ४	५ ५६	२४	१४	१५	कन्यायां	वसंत १ छारेंडी
१	गु	१	४१	ह	५१	५१	बृ	५७	५७	कौ	१	४१	४३	३	५७	२५	१५	१६	कन्यायां	
२	शु	६	४४	चि	५७	३५	ध्रु	५८	२८	ग	६	४४	४७	३	५७	२६	१६	१७	तु.२४।४३	भ.३८।४६उ.उभा.रविः५७।१३
३	श	१०	४९	स्वा	६०	०	व्या	५८	११	वि	१०	४९	५१	२	५८	२७	१७	१८	तुलायां	भ.१०।४९या.उभा. रविः सौरः०।५१×
४	र	१३	४९	स्वा	२	२	ह	५७	७	बा	१३	४९	५५	१	५९	२८	१८	१९	वृ.४९।२६	[×बुधोदयःपूर्वस्यां४०।२९चतुर्थी व्र.
५	चं	१५	५०	वि	५	१४	व	५५	२	तै	१५	५०	३० ००	६ ००	६ ००	२९	१९	२०	वृश्चिके	
६	मं	१७	३९	अ	७	५२	सि	५१	४८	व	१७	३९	४	५ ५९	१	३०	२०	२१	वृश्चिके	भ.१७।३९उ.४६।५२या.
७	बु	१६	५	ज्ये	८	४७	व्य	४७	२१	ब	१६	५	८	५८	२	१	२१	२२	ध.८।४७	वक्री शते बुधः९।२९मृगे भौमः१९।२२=
८	गु	१४	२	मू	८	२०	व	४१	४४	कौ	१४	२	१२	५८	२	२	२२	२३	धनुषि	शीतलापूजनम् [=भा.चैत्रारंभः
९	शु	१०	१६	पू	६	१३	प	३४	५७	ग	१०	१६	१६	५७	३	३	२३	२४	म.२०।१९	भ.३७।४२उ.धनि.शुक्रः३३।४१
१०	श	५	८	उ	२ ३९	५५ ३	शि	२६	४९	वि	५	८	२१	५६	४	४	२४	२५	मकरे	भ.५।८या.पोपमोचनी११व्र.स्मा.
११	श	५३	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	र	५०	४४	ध	५१	४४	सि	१७	७	कौ	२४	३९	२५	५५	५	५	२५	२६	कुं.२४।४३	पापमोचनी११व्र.वै.
१३	चं	४१	५५	श	४४	४४	सा	७ ५२	४९ ३९	ग	१६	१९	२९	५४	६	६	२६	२७	कुंभे	भ.४१।५५उ.मार्गी बुधः १८।५९ प्रदोषः
१४	मं	३२	४४	पू	३७	१८	शु	४६	५५	वि	७	१९	३३	५३	७	७	२७	२८	मी. २४ १०	भ.७।१९या.पूभा.बुधः३०।२८
३०	बु	२३	१९	उ	३०	९	ब्र	३६	४३	बा	२३	१९	३७	५३	७	८	२८	२९	मीने	सूर्य ग्रहणम् मन्वादिः

४९पं. चै. कृ. १ बु.इ. ४२ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	६	९	३	११	११
१	१९	२३	२४	१४	१०	११	१
५	४१	५७	४५	५५	५३	७	१
३५	४६	२६	४६	४८	१३	४२	३९
५९	३३	५८ ३६	२ १	५३	२ ७	३	५९
४१	१४	व.	व.	३२	व.	११	४९

१ बु११ सू १२रा शु १० मं२ ३ ९ ४श चंके६ ८ ५ गु७

५० पं.चै.कृ. ७ बु.इ. ४२ २४

र	मं	बु	व	शु	श	रा	र
११	१	१०	६	९	३	११	११
८	२३	१९	२४	२१	१०	१०	७
३	३३	४७	२६	३३	४०	४५	५९
१८	०	२	४२	२२	५	२६	३४
५९	३३	२३ ३८	३ २५	५७	१ २७	३	५९
२९	५२	व.	व.	२६	व.	११	३५

१ ११ बु १२ सूचंरा शु १० मं२ ३ ९ श४ ६के ८ ५ गु७

५१पं.चै.कृ.३०बु.इ. ४२ ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	६	९	३	११	११
१४	२७	२०	२३	२८	१०	२०	१४
५९	२८	१४	५९	२८	३२	२३	५५
१०	२६	४९	५३	५९	१०	११	४३
५९	३५	१२ १८	४ ३५	६०	० ३७	३	५९
१६	२	मा.	व.	२१	व.	११	१८

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसा राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०७ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०७ भोग्यकलिः ४२६८९३ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६३ शाकः १९२८ अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री गुरुः । सस्येशोरविः । धान्येशः शुक्रः । मेघेशो गुरुः । रसेशोभौमः । नीरसेशोरविः । फलेशो-बुधः । धनेशःशनिः । दुर्गेशोबुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंश-तिकायां १३ विकारिनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १०।२७।२४।५८ भोग्यमासादिः १।२।३५। २ पितृदैवतं युगम् । वर्षनाम वैशाखः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणीनिवासः पर्वते। समयनिवासः कुंभकारगृहे । समयविश्वा १०समयवाहनम् चातकः, स्तंभोः २ जलतृणयोः । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी २ रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३५१ तिथिक्षयः १४तिथिवृद्धिः ५ उत्पत्ति विश्वा ८७ खपति विश्वा ११४ वर्षाविश्वा ६ धान्यम् ५ तृणम् १५ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम्१०६ सत्यम् ॥ धर्मं १॥ पापं १८ शनिदृष्टिः दक्षिणे ग्रहणानि ३ (चंद्रस्य २ सूर्यस्य १)

सं.२०६३भा.शु.१५ गुरौ खण्डग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	४३	४५	४८
प.	५३	५७	१
घ.	१२	१२.	१
मि.	०	५०	३९

फाल्गुन शु. १५ शुक्रे खग्रास चंद्रग्रहणम् ।

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घं.	५१	५४	५५	५७	०
प.	१९	२४	५७	३०	३५
घं.	२	४	४	५	६
मि.	५९	१३	५०	२७	४१

वर्ष लग्नम् ४।७

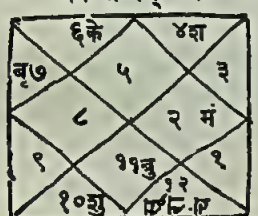

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

माता से कर जोडके पूछे भैरव लाल।
तिरसठ संवत् का मुझे शीघ्र कहो सब हाल॥

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे हाल सुनो धर ध्यान।
राजा-मंत्री गुरु हुये वढे मान संमान॥
धान्याधिप भृगुजी भये मेघपति गुरुराज।
प्रचुर धान्य अरु मेघ से सारें जग का काज॥
रोहिणी पर्वत में वसी समय बसे घट कार।
खंडवृष्टि का योग है ना सारे इक सार॥
जौ गेहूँ संचय करो लाभ सवाया होय।
रस कसमें तेजी रहे संशय करो न कोय॥
नो विश्वा वर्षाबनी स्तंभ लगे है दोय।
होणी हो सो होयसी फल यह मालुम होय॥

संवत् २०६३ चैत्र कृ.३० चंद्रे सूर्यग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	५९	१	३
प.	१६	१७	२२
घं.	६	६	७
मि.	९	५८	४८

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	११	५	८	२	५	८
ख.	०५	१४	११	११	५	११
रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	५	११	१४	२	२	१४
ख.	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् ११।२०

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४४।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५५।५०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः फलम् ।। गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुघाश्चधेनवः । यजन्ति विप्राः बहवोग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविधधान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुर तोय धनामुदिताभवेत् । नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रिसमागते । सस्येशोरविःफलम् ।। सस्याधिनाथेत्तरणौहिपूर्व धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पंचसस्यं बहुभूतहाश्च ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। भृगौ पश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यंन पच्यते । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशोगुरुः फलम् ।। गुरुरपि प्रियवृष्टिकरः सदाखिलविलासवती धरणी तदा । श्रुतिविचारपराः नरपालकाः रससमृद्धियुताखिलमानवाः ।। रसेशो भौमः फलम् ।। यदि धरातनयो रसपो भवेन्नरसराशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमो जनतानदो जलदो बहुवृष्टिकरो भुवि ।। नीरसेशोरविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्ये नाम्न चंदनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो बुधस्तत्फलम् ।। यदि बुधे फलपेफलमुत्तमं जलधरा जलराशिमुचस्तदा । बहुतृणं कुसुमैः कमलैर्युतं जनपदोजनसौख्यमुदान्वितः ।। धनेशः शनिःफलम् । द्रविणपे रविजेविरलं धनम् गदरता धरणीपतयः सदा । अधनता वणिजां कृषिजीविनो द्विजवरा परिपीडितमानसाः ।। दुर्गेशोबुधस्तत्फलम् ।। विषमसाम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्रजनेषु विशेषताम् । शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुतां न भयं क्वचित् ।। विकारिनाम संवत्सर.फलम् ।। विकार्यब्देखिला लोकाःसरोगा वृष्टिपीडिताः । पूर्वंसस्यफलं स्वल्पं बहुलं चापरंफलम् ।। वर्षनाम वैशाखःफलम् ।। अर्घं विविध भावेन जायते द्रविणप्रदम् । नीरुजाःनिर्भया लोका वैशाखे जनपूजिताः ।। मेघनामपुष्करः फलम् । पुष्करे मंद वृष्टिश्च रोहिणीनिवासः पर्वते फलम् ॥ पर्वते विन्दुमात्रश्च ।। समयनिवासः कुंभकारगृहे फलम् । अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०६३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृ. ७ गुरौ उषा. ल. गो. रे ६ ऽ।।।ऽचोऽऽ।।

शु. ४ चंद्रे मृगे. ल. अन्यगो. रे. ६।।।।।ऽरो।।।।

,, ९ शनौ मघा. ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

ज्वेष्ठ मासः ।

शु. १ रवौ मृगे ल. १ रे. ८।।ऽबु।।ऽनृ।।।।गुरु७पूज्यः

,, ६ शुक्रे मघा.ल. अन्यगो. १ रे.६ ।।।।ऽरोऽऽ।।मेषे गु. ७ पू. रोगपंचकाऽभावश्च

,, ११ बुधे स्वा. ल १ (चंद्रगुरु७पूज्यौ)रे.८ऽ।ऽवृ।।।।।।

,, १२ गुरौ स्वा.ल. अन्यगो. रे.७ऽ।ऽवृ।।।ऽ।।।

आषाढ मासः।

कृ.१चंद्रे मूले ल. गो. रे. ६ ।।।ऽबुऽ।ऽऽ।।पादवेधाद्वुस्य देघाऽभावः आवश्यके

शु. ४ गुरौ मघा ल. १।२ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।मेषे गु. ७ पू.

,, ५ शुक्रे मघा. ल. अन्यगो. रे.८।।।।।।ऽऽ।। भौम८दोषः

पौष मासः ।

कृ. ८ बुधे हस्ते ल. ७ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

माघ मासः ।

शु. ५ भौमे उभा. ल. अन्यगो.सोग्रांगः८ रे.६ ।।।।।।ऽ।।।

,, १० रवौ रोहि. ल. गो. सौगांगः रे. ८ ।।।।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, ११ चंद्रे मृगे ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ६ ।।।ऽऽचो ऽ।।ऽदग्धा·

फाल्गुन मासः।

कृ. ३ चंद्रे उफा. ल. गो. सोग्रांगः ७।८ रे. ७ ।।।।ऽऽनृ।ऽ।।

,, ४ भौमे हस्ते ल. गो. सोग्रांगः ७।८ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

,, ७ शुक्रे स्वा. ल.अन्यगो. सोग्रांगः रे. ६ ऽऽ।ऽबु ।ऽरो।।।। पादतो बुधवेधाऽभावः आवश्यके

,, ११ भौम मूले ल. ७।८ रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।।

शु. २ चंद्रे उभा. ल. ८।६ रे. ६।ऽऽशु।।ऽऽ।।। शुक्रयुतिदोषः

चैत्र मासः

कृ. २ भौमे हस्ते ल. गो. सोग्रांगः रे ६।ऽ।।।।।।।।

,, ४ गुरौ स्वा. ल. गो. सोग्रांगः ८ (घ. ४५।१३या.) रे. ८ ।।।।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, ६ शनौ अनु. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।।

,, ८ चंद्रे मूले ल. अन्यगो. ८ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८							वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततु रविरुत्तरेऽहर्यणाः५ १०७स२००६
१	गु	१४	२५	रे	२३	३१	ऐं	२७	१	ब	१४	२५	३०	मे.२३।३१	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	शु	६	४२	अ	१८	१३	वै	१८	२४	कौ	६	४२	४५	मेषे	रेवत्यां रविः२४।५२ सौरः२८।१८)×
३	श	०	२६	भ	१४	२७	वि	११	४	ग	०	२६	४९		भ.२९उ.५५या.अप्रेल ४ता.३० गणगौरी
४	श	५५	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×कुंभे शुक्रः १३।१५ रविलावल-
५	र	५३	३७	कृ	१२	३२	प्री	५	२२	ब	२४	४५	५३	वृषे	[-३सिंधारा मत्स्यजयंती
६	चं	५३	२५	रो	१२	५६	आ	३५	५७	कौ	२३	३१	५७	मि.४४	मिथुने भौमः१३।८
७	मं	५५	१३	मृ	१५	१६	शो	५९	३	ग	२४	१९	३१		भ.५५।१३उ.शते शुक्रः४२।५५
८	बु	५८	५७	आ	२०	३६	अ	५९	१९	वि	२७	५	५	४७	मिथुने भ. २७।५या. मार्गी शनिः ५०।१२
९	गु	६०	०	पु	२५	२६	सु	६०	०	बा	३१	२९	८	४६	क.९।१४ वक्री. विशा. १गुरुः ३६।५४ उभा.=
९	शु	४	०	पु	३२	३२	सु	१	३	कौ	४	०	१२	४६	[=२राहुः उफा. ४केतुः०।२२रामनवमी
१०	श	१०	१०	श्ले	३९	४९	धृ	३	२२	ग	१०	१०	१६	४५	भ. ४३।१७ उ.
११	र	१६	२५	म	४७	३५	शू	५	३८	चि	१६	२५	१९	४४	भ. १६।२५या. कामदा ११ ब्र.
१२	चं	२२	४७	पू	५४	५६	गं	८	६	बा	२२	४७	२३	४३	
१३	मं	२८	४४	उ	६०	०	वृ	१०	१२	तै	२८	४४	२६	४३	सिंहे
१४	बु	३४	२	उ	१	४६	ध्रु	११	४४	ग	१	२३	३०	४२	कं.११।३८ मीने बुधः३१।२९ प्रदोषः
१५	गु	३८	१३	ह	७	४३	च्या	१२	३७	वि	६	७	३४	४१	कन्यायां भ.३४।२उ.
															तु.४०।१३ भ.६।७या.अश्वि.मेषेऽर्कः५९०हनुमज्जयंती

५२पं.चै.शु.८ वृ.इ. ४३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	६	१०	३	११	११
२१	१	२४	२३	५	१०	१०	२१
५३	२७	२६	२५	३६	३०	०	४९
३१	१८	४६	५	५०	०	५५	५४
५९	३४	४२	४०	६२	१	३	५९
४	५६	२१	व.	४०	व:	११	४

गोचर ग्रहाः

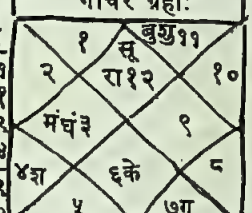

चैत्र शुक्ले १५ गुरौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ कुमार्य वस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१पं.चै.शु. १५वृ.इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	६	१०	३	११	११
०	८	२	२२	१४	१०	९	२९
०	१०	४७	३४	३३	१२	३५	५६
०	५५	४९	१९	७	१०	५१	७
५८	३५	६८	४६	६४	५८	३	५८
४४	२९	२०	व.	४७	मा	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८							वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततु रविरुत्तरे चैत्र. कृष्णेति महा.:
१	शु	४१	२२	चि	१२	४८	ह	१२	४४	बा	९	४८	३१	तुलायां	अश्वि. मेषेऽर्कः सौरः २।५२उभा. बुधः÷
२	श	४३	४०	स्वा	१६	५८	व	१२	१८	तै	१२	३१	४२	तुलायां	[÷२७।५आर्द्रा. भौमः४८।१
३	र	४४	४०	वि	१९	५२	सि	१०	२८	व	१४	१०	५६	वृ.४।१०	भ.१४।१०उ.४४।४०या.
४	चं	४४	४१	अ	२१	४८	व्य	८	४	व	१४	४०	५०	वृश्चिके	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	४३	४२	ज्ये	२२	४४	व	४	५५	कौ	१४	१२	५३	ध.२२।४४	
६	बु	४१	५०	मू	२२	४९	प	२	५५	ग	१२	४६	५७	धनुषि	भ.४१।५०उ.पूभा. शुक्रः०।१२
७	गु	३८	४७	पू	२१	४९	सि	५०	३४	वि	१०	१९	३३	म.३३	भ.१०।१९या.
८	शु	३४	४५	उ	२०	४०	सा	४४	१२	बा	७	४६	५	मकरे	भा. वैशाखारंभः
९	श	२९	५२	श्र	१६	३५	शु	३६	४८	तै	२	३१	९	३४	कुं. ३५ भ.५६।५०उ.
१०	र	२३	४९	ध	१२	३४	शु	२८	५४	वि	२३	४९	१२	३४	कुम्भे भ. २३।४९या.
११	चं	१७	३	श	७	३८	ब्र	२०	११	बा	१७	३	१६	३३	मी.४८ रेवत्यां बुधः१३।३४ वरूथिनी ११ब्र.
१२	मं	९	२४	पू	३	५३	ऐं	११	५	तै	९	२४	२०	३२	मीने प्रदोषः
१३	बु	१	२०	रे	५०	१३	वै	५१	५०	व	१	२०	२३	३१	भ. १।२०उ.२७।२२या.
१४	बु	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	गु	४५	५४	अ	४४	४२	प्री	४४	७	च	१९	३८	२७	३१	मेषे भरण्यां रविः३९।६ (सौरः४४।१७)

२पं. वै. कृ. ७वृ.इ. ५९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	६	१०	३	११	०
६	१०	१२	२१	२२	१०	९	६
५०	१४	३	४६	११	४१	१३	४६
४२	५६	३२	४१	१७	१७	३५	१७
५८	३६	८५	२६	६६	१	३	५८
३१	१	१७	व.	१६	३२	११	२९

गोचर ग्रहाः

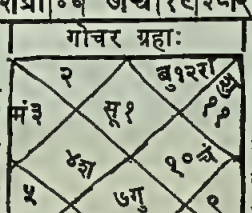

इस मास में मिथुन का मंगल धान्य बाजरा जौ गेहूं मूगं मोठ में कुछ मंदी करे धातु सोना चांदी लोहा कपास वार दाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

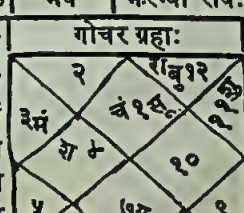

३ पं. वै. कृ. ३०वृ. इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	६	१०	३	११	०
१३	१४	२२	२०	२९	१०	८	१३
३९	२०	५७	५४	५७	५५	५१	३४
४७	२८	४३	१८	२२	३७	२०	४२
५८	३६	००	५२	६७	२	३	५८
१९	८	२६	व.	३१	१७	११	१२

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

| ति. | वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८ | | |

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५१६६ स.२००६

१	र	६	३२	रो	०	२२	धृ	४५	४१	ब	६	३२	३३	१२	४८	६	७	२६	२८	मि. ३०	चंद्रदर्शनम्
२	चं	५	२	मृ	०	३६	शू	४३	६	कौ	५	२	३४	१२	४८	८	१	२६		मिथुने	बुधोदयः पश्चिमायां ४ ३ जमादिलावल५
३	मं	५	१४	आ	२	३७	गं	४१	४६	ग	५	१४	२	१२	४८	९	२	३०		क.५०।२२	भ.३६।१७उ.पुष्ये भौमः८।५३
४	बु	७	२०	पु	६	१७	वृ	४१	४६	सि	७	२०	३	११	४६	१०	३	३१		कर्के	भ.७।२०या.मिथुने बुधः६।१८
५	गु	११	०	पु	११	२६	धु	४३	१६	बा	११	०	५	११	४६	११	४	१		कर्के	जून ६ ता.३०
६	शु	१६	०	श्ले	१८	७	व्या	४४	५६	तै	१६	०	७	११	४६	१२	५	२		सिं.१८।७	पुष्य. ४शनिः५३।४३
७	श	२१	५३	म	२५	२१	ह	४७	२६	व	२१	५३	९	१०	५०	१३	६	३		सिंहे	भ.२१।५३ उ. ५४।५८ आर्द्रा. बुधः ३ ६ ÷
८	र	२८	२	पू	३२	५४	व	४६	५२	ब	२८	२	१०	१०	५०	१४	७	४		कं.४९।४३	भरण्यां शुक्रः४४।१४
९	चं	३४	३	उ	४०	७	सि	५२	१	बा	१	२	१२	१०	५०	१५	८	५		कन्यायां	
१०	मं	३६	१७	ह	४६	३३	व्य	५३	२६	तै	६	४०	१३	६	५१	१६	९	६		कन्यायां	गंगादशमी [÷वक्री. स्वाती. ३ गुरुः५।७
११	बु	४३	१४	चि	५१	५३	व	५३	४०	व	११	१५	१५	६	५१	१७	१०	७		तु.१६।१३	भ.११।१५उ.४३।१४या. उभा. १ राहुः×
१२	गु	४५	३६	स्वा	५५	३२	प	५२	४३	व	१४	२६	१६	६	५१	१८	११	८		तुलायां	मृगे रविः१०।४४(सौरः२४।५४)
१३	शु	४६	१७	वि	५७	२६	शि	५०	२५	को	१५	५८	१७	६	५१	१९	१२	९		वृ. ४२ ०	प्रदोषः [×उफा.३केतुः ५५ ३ निर्जला ११व्र.
१४	श	४५	१६	अ	५७	४६	रि	४६	५६	ग	१५	४६	१८	८	५२	२०	१३	१०		वृश्चिके	भ.४५।१६उ. [=सावित्री व्र.
१५	र	४२	४१	ज्ये	५६	४६	सा	४२	८	वि	१३	५८	१९	८	५२	२१	१४	११		ध. ५६ ४६	भ१३।५८या.पुन. बुधः ५ ३ गुर्जराणां वट=

८ पं.ज्ये.शु.६शु.इ. ०।६

र	लं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	६	०	३	११	१
१९	५	३	१६	१०	१३	६	१७
२५	६	२०	४६	४	१५	५९	१३
१९	५४	४०	१९	५५	२५	२	३९
५७	३७	५	७१	५	३	५७	
२७	२७	२	व. २०	८	११	१३	

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५रविवार अशुभ हैं धान्य गेहुं जो चना बाजरा मूग मोठ चांदी स्वर्ण वस्त्र तेज हो कहीं २ वर्षा हो

गोचर ग्रहाः

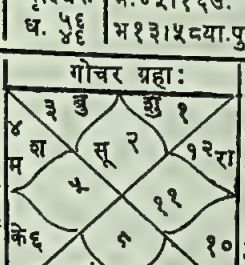

९ पं.ज्ये.शु.१३शु.इ. ०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	६	०	३	११	१
२४	९	१५	१६	१८	१३	६	२३
७	१९	२७	१०	१७	५४	३६	५३
१९	४४	४३	८	२८	५४	४६	३५
५७	३७	९४	४ ३	७१	५	३	५७
२२	३८	२०	व. ४७	३४	११	१	५

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, ज्येष्ठ कृष्णेतिमहा.

१	चं	३८	५६	मृ	५४	३०	शु	३६	२४	बा	१०	४९	३४	८	५३	६	२२	१५	१२	धनुषि	
२	मं	३४	१९	पू	५१	२५	शु	३०	५	तै	६	३७	२०	८	५२	२३	१६	१३		धनुषि	[+५१।३५चतुर्थी व्र.
३	बु	२८	४२	उ	४७	५६	ध्र	२३	८	व	१	३०	२१	८	५२	२४	१७	१४		म.५।३३	भ. १।३० उ. २८।४२ या. पातस्पर्शः+
४	गु	२२	५७	श्र	४४	२३	ऐं	१५	५८	बा	२२	५७	२१	८	५२	२५	१८	१५		मकरे	मिथुनेऽर्कः९।१८(सौरः ३ ५)पातमोक्षः २ ७
५	शु	१८	१५	ध	४०	३९	वै	८	३४	तै	१८	१५	२२	८	५२	२६	१९	१६		कुं.१२।३१	कृत्ति शुक्रः६।३२
६	श	११	३७	श	३७	२	वि	२३	५२	व	११	३७	२२	८	५२	२७	२०	१७		कुंभे	भ.११।३७उ.३८।५४या.
७	र	६	१०	पू	३३	३०	आ	४७	१८	ब	६	१०	२३	७	५३	२८	२१	१८		मी.१९	वृषे शुक्रः५२।५२
८	चं	१	५०	उ	३०	१७	सौ	४०	२४	को	१	५०	२३	७	५३	२९	२२	१९		मीने	कर्के बुधः४६।१९
९	चं	५४	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		० ०	
१०	मं	५१	३	रे	२७	१९	शो	३४	१	व	२३	३८	२३	७	५३	३०	२३	२०		मे.२७।१९	भ.२३।३८उ.५१।३या.
११	बु	४६	३६	अ	२४	५५	अ	२७	४८	ब	१८	४९	२०	७	५३	३१	२४	२१		मेषे	आश्ले. भौमः११।३३योगिनी११व्र.
१२	गु	४२	५२	भ	२२	५६	सु	२२	७	को	१४	४४	२४	७	५३	१	२५	२२		वृ३७।३७	आर्द्रा. रविः ८।१२ (सौरः २७।१५)×
१३	शु	३९	५३	कृ	२१	३७	धृ	१६	५९	ग	११	२२	२४	७	५३	२	२६	२३		वृषे	भ.३९।५३उ.प्रदोषः
१४	श	३७	४७	रो	२१	८	शू	१२	३८	वि	८	५०	२४	७	५३	३	२७	२४		मि५१।३१	भ.८।५०या. पुष्ये बुधः३१।२२
१५	र	३७	५	मृ	२१	५६	गं	९	५	च	७	२६	२४	७	५३	४	२८	२५		मिथुने	[×भा.आषाढारंभः

१० पं.भा.कृ.५श.इ. ०।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	६	०	३	११	२
०	१३	२५	१५	२६	१४	६	०
४८	२४	४	४१	३२	३७	१४	३२
३६	५	५	३१	२०	४८	३०	४४
५७	३७	७१	३ ८	७२	६	३	५६
१७	५१	५	व. ७	१	११	१	५७

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे ४ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.५न.५कुमार्यवस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

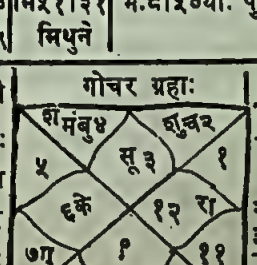

११पं.भा.कृ.१३शु.इ. ०।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	१	३	११	२
७	१७	२	१५	४	१५	५	७
२९	४८	१५	२०	४९	२३	५२	११
३१	५४	५८	१७	४४	६	१५	११
५७	३८	४२	२ ०	७२	६	३	५६
१३	५	६	व.	३२	२०	११	५४

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५१६५स.२००६
१	चं ३७ २८ आ २३ ५४ बृ ६ ३१ किं ७ १६	३४ ५७	५ ५६	५	२६	२६		मिथुने	
२	मं ३६ ४५ पु २७ १५ ध्रु ५ ३१ बा ८ ३७	२३	७	५३	६	३०	२७	क.११।२५	रोहि. शुक्रः४१।२७चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	बु ४३ ४ पु ३२ ४ व्या ४ ५६ तै ११ २५	२२	८	५२	७	१	२८	कर्के	जमादिलाखर ६
४	गु ४८ ४ श्ले ३८ १३ ह ५ ३६ व १५ ३४	२२	८	५२	८	२	२६	सिं. ३६	भ.१५।३४उ.४८।४या.
५	शु ५३ ४३ म ४५ १० व ७ ८ ब २० ५३	२१	८	५२	९	३	३०	सिंहे	
६	श ५६ ४८ पू ५२ ३६ सि ६ ३१ कौ २६ ४६	२०	८	५२	१०	४	१	सिंहे	जुलाई ७ ता. ३१
७	र ६० ० उ ६० ० व्य १२ ८ ग ३२ ५२	१९	८	५२	११	५	२	कं.९।३१	वक्री बुधः५६।४२
७	चं ५ ५६ उ ० ६ व १४ ३७ ब ५ ३६	१८	८	५२	१२	६	३	कन्यायां	भ.५।३६उ.३८।४६या.
८	मं ११ ३५ ह ७ १६ प १६ ३१ ब ११ ३५	१७	९	५१	१३	७	४	तु. ४६	मार्गी गुरुः ४६।४६आश्ले. १शनिः५।२१
९	बु १६ १ चि १३ १३ शि १७ ३२ कौ १६ १	१६	९	५१	१४	८	५	तुलायां	
१०	गु १८ ५६ स्वा १७ ४७ सि १७ २६ ग १८ ५६	१५	९	५१	१५	९	६	तुलायां	भ.४९।२८उ.पुन.रविः७।३ (सौरः ३१ ७)
११	शु २० १ वि २० ३५ सा १५ ५२ बि २० १	१४	९	५१	१६	१०	७	वृ. ५४	भ.२०।१या. देवशयनी ११ व्र.
१२	श १९ ८ अ २१ २८ शु १२ ४१ बा १९ ८	१३	९	५१	१७	११	८	वृश्चिके	मृगे शुक्रः२८।५१प्रदोषः
१३	र १६ २६ ज्ये २० २६ शु ८ ४ तै १६ २६	११	१०	५०	१८	१२	९	ध. २६	बुधास्तः पश्चिमायां ३४।३०
१४	चं ११ ४६ मू १७ ३४ ब्र १३ ५३ व ११ ४६	१०	१०	५०	१९	१३	१०	धनुषि	भ.११।४६उ.३८।४८या. वायुपरीक्षा
१५	मं ५ ५० पू १३ ३४ वै ४६ ४९ ब ५ ५०	८	१०	५०	२०	१४	११	म. २७ १८	व्यासपूजा गुरु १५

१२पं.आ. शु.५ शु.इ. ०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	१	३	११	२
१४	२२	६	१५	१३	१६	५	१३
९	४	२१	७	९	१०	२९	४९
५८	५५	४३	३७	५४	३७	५९	१६
५७	३८	१२	५६	३२	६	३	५६
७	१२	२२	व.	५०	३२	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं जौ चना बाजरा गुड शक्कर चीनी सोना चांदी सभी वस्तुएँ तेज हो चौपाये पशु पीडित हो कहीं २ अच्छी वर्षा हो

गोचर ग्रहाः

१३ पं.आ.शु.१०शु.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	१	३	११	२
२०	२६	७	१५	२१	१६	५	२०
५०	२२	१	४	३१	५९	७	२७
२४	५२	२६	१२	२४	५३	४४	१०
५७	३८	१५	५६	२६	७३	६	३	५६
७	१९	व.	मा	१०	५०	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महाः
१	मं ५२ ४९ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु ५१ २२ उ ८ ३१	वि ३८	१०	तै २५	३	३४ ५१	४९	६ २१	१५ १२	मकरे	मघा.सिंहे. भौमः ५४।३६
३	गु ४३ ३८ श्र ३ ५४	प्री २९	१९	व १७	२९	५	११	४९ २२	१६ १३	कुं.३०।१४	भ.१७।२९उ.४३।३८या.
४	शु ३६ १३ श ५२ १६	आ २०	३८	ब ९	५५	३	११	४९ २३	१७ १४	कुंभे	मिथुने शुक्रः३।४९चतुर्थी व्र.
५	श २९ १४ पू ४७ ३९	सौ १२	४	कौ २	४४	१	१२	४८ २४	१८ १५	मी. ३६	वक्री. पुन.बुधः३६।१९नाग५मरुस्थले
६	र २३ २ उ ४३ ३९	शो १४	५२	च २३	२	३३ ५९	१२	४८ २५	१९ १६	मीने	भ.२३।२उ.५०।२०या.कर्कोऽर्कः ३६।२९
७	चं १७ ३७ रे ४० ३१	सु ५०	१७	ब १७	३७	५७	१३	४७ २६	२० १७	मे.४०।३१	कर्कोऽर्कः सौरः४।१
८	मं १३ २ अ ३८ २०	धृ ४४	२२	कौ १३	२	५५	१३	४७ २७	२१ १८	मेषे	
९	बु ९ २४ भ ३७ १४	शू ३९	१०	ग ९	२४	५२	१४	४६ २८	२२ १९	वृ.५२।५	भ.३८।९उ.आर्द्रा.शुक्रः३७।४
१०	गु ६ ५४ कृ ३६ ३८	गं ३४	५४	वि ६	५४	५०	१४	४६ २९	२३ २०	वृषे	भ. ६।५४ या. पुष्ये रविः ५।४७=
११	शु ५ ३ रो ३७ ११	बृ ३१	२१	बा ५	३	४८	१४	४६ ३०	२४ २१	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	श ४ २२ मृ ३८ ५६	धु २८	४४	तै ४	२२	४५	१५	४५ ३१	२५ २२	मि. ८।३	प्रदोषः [÷४४।१९अस्तं शनेः२६।२८
१३	र ४ ५५ आ ४१ ३७	व्या २६	५१	च ४	५५	४३	१५	४५ १	२६ २३	मिथुने	भ.४।५५उ.३५।३८या. भा. श्रावणारंभः
१४	चं ६ २० पु ४५ ४०	ह २६	१०	श ६	२०	४०	१६	४४ २	२७ २४	क २९।३९	हरियाली ३०
३०	मं ९ १२ पु ५० ३३	व २५	५१	ना ९	१२	३८	१६	४४ ३	२८ २५	कर्के	[=(सौरः३४।४२) वक्री मिथुने बुधः÷

१४ पं.श्रा.कृ. ३वृ.इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	६	१	३	११	२
२७	०	४	१५	२९	१७	४	२७
३०	४१	१९	९	५५	५१	४५	५
४३	४६	१२	११	५	१४	२८	१७
५७	३८	३६	१	१७	३	७	३	५६
११	२६	व.	३३	२०	२	११	५४

गोचर ग्रहाः

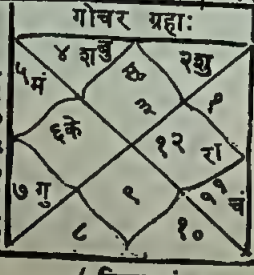

श्रावण कृष्णे ६ रवौ कर्कोऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ वृद्धावस्था बैठी, मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१५पं.श्रा.कृ.१० वृ.इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	६	२	३	११	३
४	५	२९	१५	८	१८	४	३
११	१	४९	२३	२१	४३	२३	४३
२८	८	१	२४	१४	४४	१२	४४
५७	३८	५५	२	७३	७	३	५६
१५	३३	व.	५९	३२	८	११	५८

(विक्रम सं. २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२२५सन २००६
१	बु	१३	१	श्ले	५६	५२	सि	२६	४२	ब	१३	१	३३	५	६	४	२६	२६	सिं. ५६
२	गु	१८	२	म	६०	०	व्य	२८	१७	कौ	१८	२	३३	१७	४	३	५	१	२७ सिंहे
३	शु	२३	४३	म	३	३०	व	३०	१६	ग	२३	४३	३०	१८	४	२	६	२	२८ सिंहे
४	श	२६	५०	पू	१०	४६	प	३२	३६	वि	२६	५०	२७	१६	४	१	७	३	२६ कं. ४३
५	र	३६	७	उ	१८	३५	शि	३५	१६	ब	२	५८	२४	१६	४	१	८	४	३० कन्यायां
६	चं	४२	३	ह	२६	२	सि	३७	५५	कौ	६	५	२२	२०	४	०	९	५	३१ तु. ५६। २६
७	मं	४७	८	चि	३२	५०	सा	३६	३४	ग	१४	३५	१९	२०	४	०	१०	६	१ तुलायां
८	बु	५०	५५	स्वा	३८	२८	शु	४०	२५	वि	१६	१	१६	२१	३६	११	७	२	तुलायां
९	गु	५२	५८	वि	४२	३७	शु	४०	२	वा	२१	५६	१३	२१	३६	१२	८	३	वृ. २६। ३५
१०	शु	५३	१२	अ	४४	५५	ब्र	३८	१४	वै	२३	५	१०	२२	३८	१३	९	४	वृश्चिके
११	श	५१	१८	ज्ये	४५	१३	ऐं	३४	४६	ब	२२	१५	७	२३	३८	१४	१०	५	ध. ४५। १३
१२	र	४७	१२	मू	४३	२३	वै	२९	३७	ब	१९	१५	४	२३	३८	१५	११	६	धनुषि
१३	चं	४१	२३	पू	३९	३४	वि	२३	१	कौ	१४	१६	०	२४	३६	६	१२	७	म. ५३। १९
१४	मं	३३	४९	उ	३४	२३	प्री	१४	५४	ग	७	३४	३३	२५	३५	७	१३	८	मकरे
१५	बु	२५	२३	श्र	२८	१	आ	४३	५१	व	२५	२३	५४	२५	३५	१८	१४	९	कुं ५४। ३२

पुष्ये बुधः ११।२३ पूभा. ४राहुः उफा. २=

१६ पं.श्रा.शु. २ बृ. इ. ५९ ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	६	२	३	११	३
१०	९	२७	१५	१६	१९	४	१०
५२	२२	०	४५	४८	३६	०	२३
३०	३०	४	३२	२९	३२	५७	०१
५७	३८	३१	४	७३	७	३	५७
२०	४४	व.	६	४४	१४	११	५

गोचर ग्रहाः

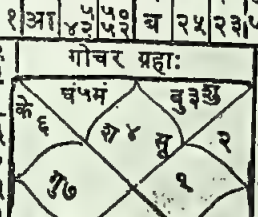

इस मास का फल साधारण है. चांदी रुई स्वर्ण तिल वस्त्र मन्दे होवें हवा तेज रहे जल वृष्टि अच्छी हो रस में तेजी रहे।

गोचर ग्रहाः

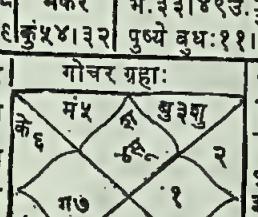

१७पं.श्रा.शु. ९ बृ.इ. ५९ ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	६	२	३	११	३
१७	१३	२८	१६	२५	२०	३	१७
३४	४५	५५	१५	१८	३०	३८	२
१२	७	५५	४७	७	४	४१	४९
५७	३८	३३	५	७३	७	३	५७
२५	५०	मा.	१४	५०	२०	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु	१६	१२	ध	२१	५	शो	४५	४३	कौ	१६	१२	५०	२६	३४	१९	१५	१०	कुंभे
२	शु	७	५	श	१३	५७	अ	३५	३१	ग	७	५	४७	२७	३३	२०	१६	११	मी. ५३
३	शु	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००
४	श	४९	५८	पू	७	१४	शु	२५	४३	ब	२४	१	४४	२७	३३	२१	१७	१२	मीने
५	र	४२	५१	उ	११	५५	धृ	१६	४०	कौ	१६	२५	४०	२८	३२	२२	१८	१३	मे. ५६। १४
६	चं	३७	१०	अ	५२	४६	शू	८	२६	ग	१०	०	३७	२९	३१	२३	१९	१४	मेषे
७	मं	३२	५८	भ	५०	३७	गं	२९	१०	वि	५	४	३३	२९	३१	२४	२०	१५	मेषे
८	बु	३०	५	कृ	५०	१	धु	५०	५५	वा	१	३१	३०	३०	३०	२५	२१	१६	वृ. ५। २८
९	गु	२८	४३	रो	५०	४७	व्या	४७	१७	ग	२८	४३	२६	३१	२९	२६	२२	१७	वृषे
१०	शु	२८	५०	मृ	५२	५१	ह	४४	५८	वि	२८	५०	२२	३२	२८	२७	२३	१८	मि. ३१
११	श	३०	१३	आ	५६	१४	ब	४३	३८	वा	३०	१३	१९	३२	२८	२८	२४	१९	मिथुने
१२	र	३२	४२	पु	६०	०	सि	४३	२२	कौ	१	२८	१५	३३	२७	२९	२५	२०	क ४४। ४०
१३	चं	३६	३६	पु	०	४९	व्य	४३	५२	ग	४	३९	१२	३४	२६	३०	२६	२१	कर्के
१४	मं	४१	४	पु	६	२५	ब	४४	४३	वि	८	५०	८	३४	२६	३१	२७	२२	कर्के
१५	बु	४६	२९	श्ले	१२	४९	प	४६	३६	च	१३	४६	४	३५	२५	१	२८	२३	सिं. १३

भाद्रपद कृष्णे ८रवौ सिंहे ऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.६ युवावस्था. (सूती) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

भा. भाद्रपदारंभः कुशाग्रहणी पिठोरी×

१८ पं.भा कृ. १ बृ.इ. ५९ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	६	३	३	११	३
२४	१८	५	१६	३	२१	३	२३
१६	८	५१	५४	४९	२४	१६	४३
३०	२१	२५	११	१६	५०	२६	५६
५७	३९	८४	६	७३	७	३	५७
३३	८	१४	२२	५६	२०	११	२२

गोचर ग्रहाः

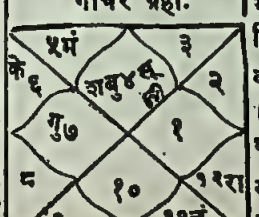

गोचर ग्रहाः

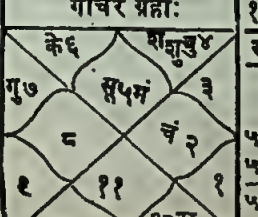

१९ पं.भा.कृ.९ बृ. इ. ५९ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	६	३	३	११	४
०	२२	१६	१७	१२	२२	२	०
५९	३३	५०	३९	२२	१८	५४	२६
५३	५०	५३	२९	२६	२५	१०	०९
५७	३९	००	७	७४	७	३	५७
४०	८	२९	१९	२७	११	३४	

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२५४स.२००६
१	गु	५२	१६	म	१९	३६	शि	४८	३२	किं	१९	२२	३२/१	५/३४	६/२६	२	२९	२४	सिंहे	सिंहे मघा. बुधः४६।३८उफा. भौमः२६/५८
२	शु	५८	२३	पू	२७	२	सि	५०	५९	बा	२५	१९	३१/५७	३७	२३	३	३०	२५	कं.४३।५५	उदयं शनेः ३०।५५चंद्रदर्शनम्
३	श	६०	०	उ	३४	३५	सा	५२	२७	तै	३१	१९	५३	३७	२३	४	१	२६	कन्यायां	आश्ले.३शनिः१२/१०सावान ८हरितालिका३
३	र	४	१६	ह	४२	१९	शु	५५	५०	ग	४	१६	४९	३८	२२	५	२	२७	कन्यायां	भ.३७।३२उ. गणेशचतुर्थी
४	चं	१०	४९	चि	४९	२२	शु	५७	५८	वि	१०	४९	४६	३९	२१	६	३	२८	तु.१५।५०	भ.१०।४९ या.
५	मं	१६	८	स्वा	५५	४०	ब्र	५९	२९	बा	१६	८	४२	४०	२०	७	४	२९	तुलायां	कन्यायां भौमः४४।१७ऋषिपंचमी
६	बु	२०	३५	वि	६०	०	ऐं	६०	०	तै	२०	३५	३८	४०	२०	८	५	३०	वृ.४४।३५	पूफा. रविः४६।२६
७	गु	२३	३४	वि	०	५४	ऐं	०/५	५९/१८	व	२३	३४	३४	४१	१९	९	६	३१	वृश्चिके	भ.२३।३४उ.५४।१८ या पूफा. रविः+
८	शु	२५	१	अ	३	३७	वि	५७	२८	ब	२५	१	३०	४२	१८	१०	७	१	वृश्चिके	[+सौरः२२/४५पूफा. बुधः२८/३७अस्तो भौमः५४/१७
९	श	२४	३२	ज्ये	६	४३	प्री	५२	५०	कौ	२४	३२	२६	४३	१७	११	८	२	ध. ६/४३	सिंहे मघायां शुक्रः१९।४सितम्बर९ता३०
१०	र	२१	५७	मू	६	५०	आ	४८	४०	ग	२१	५७	२२	४४	१६	१२	९	३	धनुषि	[÷३२।२१महालयारंभः
११	चं	१७	३४	पू	४	५३	सौ	४२	२	वि	१७	३४	१८	४४	१६	१३	१०	४	म.१८।५४	भ.४९/४५उ. रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
१२	मं	११	१	उ	०/५७	५४/२५	शो	३३	५३	बा	११	१	१५	४५	१५	१४	११	५	मकरे	भ.१७।३४या.विशा. १गुरुः१७।११जल=
१३	बु	३	६	ध	४८	३८	अ	२४	२६	तै	३	६	११	४६	१४	१५	१२	६	कुं. २२/०	प्रदोषः [=झूलनी११ व्र. वामनजंयती
१४	बु	५०	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	भ.५३।५८उ.अनंत १४
१५	गु	४४	५	श	४०	५३	सु	१४	२	वि	१९	१	७	४७	१३	१६	१३	७	कुम्भे	भ. १९।१ या. चंद्रग्रहणम् उफा. बुधः÷

२०पं.भा.शु.१बृ.इ.५८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	६	३	३	११	४
७	२७	०	१८	२०	२३	२	७
४४	०	२४	३१	५७	११	३१	९
२०	५४	११	३७	४७	१७	५४	३८
५७	३९	११/१८	८	७४	७	३	५७
४९	१५	४	२६	१०	८	११	४५

२१पं. भा.शु.७ बृ.इ. ५८/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	६	३	३	११	४
१४	१	१४	१९	२९	२४	२	१३
३०	२८	१९	२९	३४	३	९	५४
०	३७	८	३८	५२	४३	३९	५०
५८	३९	११/१८	९	७४	७	३	५७
१	३२	५८	११	२०	२	११	५७

२२ पं.भा.शु.१५बृ.इ.५८/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	६	४	३	११	४
२१	५	२७	२०	८	२४	१	२०
१७	५८	२८	३३	१३	५५	४७	४१
२	३४	४८	१४	२३	१	२३	३०
५८	३९	११/१८	९	७४	६	३	५८
१३	४३	२३	५३	२६	४९	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भा. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	शु	३४	८	पू	३२	५८	धृ	३/१७	४९/५	बा	९	६	३१/३	५/४७	६/१३	१७	१४	८	मी.१९/५७	
२	श	२४	१९	उ	२५	२३	गं	४१	३४	ग	२४	१९	३०/५९	४८	१२	१८	१५	९	मीने	भ.४९।५२उ. कन्यायां बुधः२०।५
३	र	१५	२६	रे	१८	२५	वृ	३१	२९	वि	१५	२६	५५	४९	११	१९	१६	१०	मे १८।२५	भ.१५।२६या.चतुर्थी व्र.
४	चं	७	४५	अ	१२	४०	ध्रु	२२	३६	बा	७	४५	५१	५०	१०	२०	१७	११	मेषे	
५	मं	१	५३	भ	८	२८	व्या	१४	५२	तै	१	५३	४७	५१	९	२१	१८	१२	वृ.२२।५२	भ.५७।४८उ.पूफा.शुक्रः ६।२८
६	मं	५५	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	[×५६।१२बुधोदयःपश्चिमायां४४।३५
७	बु	५५	३१	कृ	६	५	ह	८	३५	वि	२६	३९	४३	५१	९	२२	१९	१३	वृषे	भ.२६।३९या.उफा.रविः३०।५१
८	गु	५५	१८	रो	५	३७	व	३	५३	बा	२५	२४	३९	५२	८	२३	२०	१४	मि३६।२२	उफा.रविःसौरः७।२५हस्ते भौमः१३।४४
९	शु	५६	४६	मृ	७	८	सि	०/३८	५८/२०	तै	२६	२	३५	५३	७	२४	२१	१५	मिथुने	हस्ते बुधः ८/० मातृ९(सौभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	श	५९	४०	आ	१०	२१	व	५८	२८	व	२८	१३	३१	५४	६	२५	२२	१६	क.५८।४६	भ.२८।१३ उ.५९।४०या. कन्यायामर्कः×
११	र	६०	०	पु	१४	५५	प	५९	१६	ब	३१	५०	२७	५५	५	२६	२३	१७	कर्के	कन्यायामर्कःसौरः३२/३६इंदिरा११व्र.स्मा.
११	चं	४	०	पु	२०	४३	शि	६०	०	बा	४	०	२२	५६	४	२७	२४	१८	कर्के	इंदिरा११व्र.वै.
१२	मं	९	८	श्ले	२७	२८	शि	०	२५	तै	९	८	१८	५६	४	२८	२५	१९	सिं. २७/२८	प्रदोषः
१३	बु	१५	१३	म	३४	४४	सि	२	२५	व	१५	१३	४	५७	३	२९	२६	२०	सिंहे	भ.१५।१३उ.४८।१४या.
१४	गु	२१	१४	पू	४२	६	सा	४	२८	श	२१	१४	९	५८	२	३०	२७	२१	क.५९।०	शस्त्रादिहतानां श्रा.
३०	शु	२७	३२	उ	४९	४३	शु	६	५४	ना	२७	३२	५	५९	१	३१	२८	२२	कन्यायां	उफा. शुक्रः ५०।४२सर्वपितृ३०

२३पं.आ.कृ.८बृ.इ.५८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	६	४	३	११	४
२८	१०	९	२१	१६	२५	१	२७
५	२९	४३	४१	५३	४४	२५	२९
२४	४२	२३	५६	२४	१३	८	४९
५८	३९	११/१८	१०	७४	६	३	५८
२६	४९	४९	३७	२६	३२	११	२९

गोचर ग्रहाः

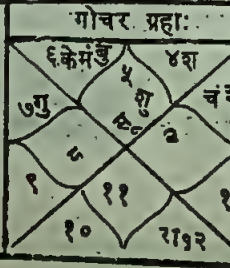

आश्विन कृष्णे १० शनौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा४ न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

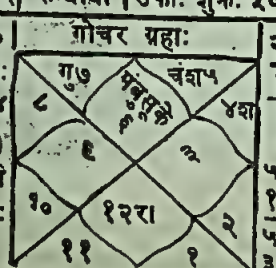

२४पं. आं.कृ.१४बृ.इ. ५८/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	६	४	३	११	५
४	१५	२१	२२	२५	२६	१	४
५५	४	६	५५	३४	३१	२	१९
१६	८	२२	१२	५९	३७	५२	५६
५८	३९	९७	११	७४	६	३	८
३८	५९	५९	१४	२६	२०	११	४५

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२८४सन्२००६
१	श	३३	४१	ह	५७	६	शु	९	२३	किं	०	३५	३० ००	६ ००	६ ००	१	२९	२३	कन्यायां	चित्रा. बुधः२०।९ आश्ले.४शनिः १७/३९भा.+
२	र	३९	३१	चि	६०	०	ब्र	११	२८	बा	६	३६	२९ ५६	६ १	५ ५९	२	३०	२४	तु.३०।४०	विशा.२गुरुः१०।४६चंद्रदर्शनम्
३	चं	४४	३६	चि	४	१५	ऐं	१३	२८	तै	१२	४	५२	२	५८	३	१	२५	तुलायां	कन्यायां शुक्रः३०।१०रमजान ९
४	मं	४८	५७	स्वा	१०	२३	वै	१४	४३	व	१६	४६	४८	२	५८	४	२	२६	वृ.५९।३६	म.१६।४६उ.४८।५७या. [=मातामह श्रा.
५	बु	५२	१६	वि	१६	०	वि	१५	२१	व	२०	३७	४४	३	५७	५	३	२७	वृश्चिके	हस्ते रविः ९।२१ (सौरः ४५।६)÷
६	गु	५४	१६	अ	२०	२९	प्री	१५	२९	कौ	२३	१६	४०	४	५६	६	४	२८	वृश्चिके	[L३५।२४शरद् पूर्णिमा स्मा.कोजागरीव्र.
७	शु	५४	५०	ज्ये	२३	२८	आ	१४	३१	ग	२४	३३	३६	५	५५	७	५	२९	धृ २३।२८	भ.५४।५०उ. [÷तुलायांबुधः५०।१३
८	श	५३	४६	मू	२५	१२	सौ	११	५८	वि	२४	१८	३२	६	५४	८	६	३०	धनुषि	भ.२४।१८या.
९	र	५१	७	पू	२५	७	शो	८	२४	बा	२२	२६	२८	६	५४	९	७	१	म.३९।५३	अक्टूबर१०ता.३१
१०	चं	४६	२४	उ	२४	१४	अ	२३ ३	५३ ३९	तै	१८	४५	२३	७	५३	१०	८	२	मकरे	स्वात्यां बुधः१६।४७
११	मं	४०	२२	श्र	१९	५६	ध्रु	४९	१५	व	१३	२३	१९	८	५२	११	९	३	कुं. ४७/२२	भ.१३।२३ उ.४०/२२या. हस्तेशुक्रः३१।६×
१२	बु	३२	९	ध	१४	४८	शू	४०	२८	ब	६	१६	१५	९	५१	१२	१०	४	कुंभे	चित्रायां भौमः३६।५ [×पापांकुशा११व्र.
१३	गु	२३	५३	श	८	१९	गं	३०	३१	तै	२३	५३	११	१०	५०	१३	११	५	मी. ४७/५९	प्रदोषः [+ आश्विनारंभःनवरात्रारंभः=
१४	शु	१४	१७	पू	१२ १	५२ १६	बृ	१९	४६	व	१४	१७	७	११	४९	१४	१२	६	मीने	भ.१४।१७उ.३९/१९ या. शुक्रास्तःपूर्वस्यांL
१५	श	४	२०	रे	४५	३८	ध्रु	४९ ८	४९ ८	ब	४	२०	३	११	४९	१५	१३	७	मे ४५।३८	का. स्ना. प्रा. शरद्पूर्णिमा व.

२५पं.आ.शु.६बृ.इ.५८।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	६	५	३	११	५
११	१९	१	२४	४	२७	०	११
४६	३८	४१	१२	१८	१६	४०	११
५२	२४	३५	५४	२५	३७	३६	५६
५८	३९	८९	११	७४	५	३	५९
५३	५९	३९	५३	३२	५७	११	००

गोचर ग्रहाः

७गु बु ५ चं८ ६केसू श४ ९ ३ १२रा १० २ ११ १

इस मास में अलसी सरसों तिल सोना रुई रंग गुड में तेजी चांदी चावल घृत में मन्दी हो फसल को नुकसान पहुंचे वर्षा कम होवे।

गोचर ग्रहाः

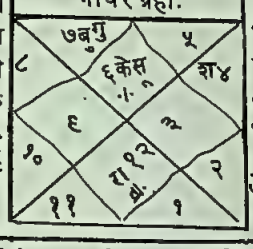

७बुगु ५ ८ ६केसू श४ ९ ३ १० रा१२ २ ११ १

२६पं.आ.शु.१३बृ. इ. ५८/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	६	५	३	११	५
१८	२४	११	२५	१३	२७	०	१८
४०	१५	२५	३४	२	५८	१८	५
८	०	३७	१	३१	४८	२१	४३
५९	४०	७९	१२	७४	५	३	५९
९	१६	२	१९	३२	३२	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	श	५०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[B४४।२
२	र	४५	५८	अ	३८	२८	ह	४७	४०	तै	२०	१८	२८ ५९	६ १२	५ ४८	१६	१४	८	मेषे	[A३१/५१पूभा.३कुंभेराहुःउफा.१सिहे केतुःB
३	चं	३८	२३	भ	३२	३६	व	३८	२०	व	१२	१०	५५	१३	४७	१७	१५	९	वृ. ४६/३०	भ.१२।१०उ.३८।२३या.
४	मं	३२	४५	कृ	२८	१३	सि	३०	१६	ब	५	३४	५१	१४	४६	१८	१६	१०	वृषे	चित्रा.रविः४१।२३चतुर्थी व्र.
५	बु	२८	५५	रो	२५	४६	व्य	२३	४४	कौ	०	५०	४७	१५	४५	१९	१७	११	मि ५५/३४	चित्रा. रविः सौरः १५।४०विशा.३गुरुःA
६	गु	२७	३०	मृ	२५	२५	व	१८	५२	व	२७	३०	४३	१५	४५	२०	१८	१२	मिथुने	भ.२७।३०उ.५७।४६या विशा.बुधः५२/३
७	शु	२८	१	आ	२७	१८	प	१५	४०	ब	२८	१	३९	१६	४४	२१	१९	१३	मिथुने	
८	श	३०	३१	पु	३१	४	शि	१४	५	कौ	३०	३१	३५	१७	४३	२२	२०	१४	क. १५/८	चित्रा. शुक्रः १२।२९तुलायां भौमः३५।०
९	र	३४	४७	पु	३७	१५	सि	१४	१६	तै	३	३९	३१	१८	४२	२३	२१	१५	कर्के	
१०	चं	४०	२	श्ले	४२	४४	सा	१४	५६	व	७	२५	२७	१९	४१	२४	२२	१६	सिं. ४२/४४	भ.७।२५उ.४०।२या.
११	मं	४६	२३	म	५०	१३	शु	१६	५०	ब	१३	१२	२३	१९	४१	२५	२३	१७	सिहे	तुलायामर्कः२५।१२ सौरः५८/२४)रमा११व्र.
१२	बु	५२	४१	पू	५७	४०	शु	१९	४	कौ	१९	३२	२०	२०	४०	२६	२४	१८	सिहे	
१३	गु	५९	८	उ	६०	०	ब्र	२१	३४	ग	२५	४९	१६	२१	३९	२७	२५	१९	क. १४/३४	भ.५९/८उ. तुलायां शुक्रः३१/३प्रदोषःधन१३
१४	शु	६०	०	उ	५	१८	ऐं	२३	५३	वि	३२	११	१२	२२	३८	२८	२६	२०	कन्यायां	भ.३२।११या. रूप१४
१४	श	५	१४	ह	१२	३८	वै	२५	५९	श	५	१४	८	२२	३८	२९	२७	२१	तु.४६।२	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	र	१०	४५	चि	१९	२८	वि	२७	३८	ना	१०	४५	४	२३	३७	३०	२८	२२	तुलायां	अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा

२७ पं.का.कृ.६बृ.इ. ५७/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	६	५	३	१०	५
२५	२८	२०	२६	२१	२८	२९	२५
३५	५४	६	५८	४७	३७	५६	०१
२	३२	२५	८	१७	५२	५	२५
५९	४०	६६	१२	७४	५	३	५९
२१	२६	२७	३९	३२	२	११	३१

गोचर ग्रहाः

७बुगु ५के ८ सूमंशु६ ४श ९ ३चं १० १२ २ ११रा १

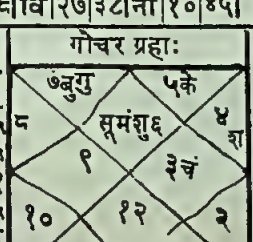

कार्तिक कृष्णे ११ भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

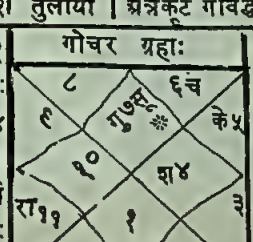

८ ६च ९ गु७सू८ के५ १० श४ रा११ १ ३ १२ २

२८पं.का. कृ.१३बृ.इ. ५७/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	६	६	३	१०	६
२	३	२७	२८	०	२९	२९	१
३१	३५	८	२४	३३	१३	३३	५८
२६	१३	४९	५४	७	२३	५०	५१
५९	४०	४५	१३	७४	४	३	५९
३४	३६	४५	५	३८	३९	११	४६

*संशु (विक्रम सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ÷मंशु *मंबुशु

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३१४सन्२००६
१	चं	१५	१४	स्वा	२५	२२	प्री	२८	३२	ब	१५	१४	२८	६	५	१	२९	२३	तुलायां
२	मं	१९	१	वि	३०	२९	आ	२८	५३	कौ	१९	१	२७	२५	३५	२	३०	२४	वृ.१४।१२
३	बु	२१	४६	अ	३४	३२	सौ	२८	२६	ग	२१	४६	५३	२५	३५	३	१	२५	वृश्चिके
४	गु	२३	२५	ज्ये	३७	२९	शो	२७	२	वि	२३	२५	४९	२६	३४	४	२	२६	ध. ३७
५	शु	२३	५९	मू	३९	२९	अ	२४	५८	बा	२३	५९	४५	२७	३३	५	३	२७	धनुषि
६	श	२३	१७	पू	४०	२२	सु	२२	५	तै	२३	१७	४१	२८	३२	६	४	२८	म ५५।१५
७	र	२१	३२	उ	३९	५६	धृ	१७	५९	व	२१	३२	३७	२९	३१	७	५	२९	मकरे
८	चं	१८	०	श्र	३८	१३	शू	१२	५५	ब	१८	०	३४	२९	३१	८	६	३०	मकरें
९	मं	१४	२	ध	३५	१६	गं	८	५३	कौ	१४	२	३०	३०	३०	९	७	३१	कुं. ६।४४
१०	बु	८	२१	श	३१	८	धु	५१	२५	ग	८	२१	२७	३१	२९	१०	८	१	कुंभे
११	गु	१	३५	पू	२५	५०	न्या	४२	२५	वि	१	३५	२३	३१	२९	११	९	२	मी. १९
१२	गु	५२	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	शु	४५	१९	उ	१९	४७	ह	३२	५४	कौ	१९	३१	१९	३२	२८	१२	१०	३	मीने
१४	श	३६	३५	रे	१३	३	व	२२	४७	ग	१०	५७	१६	३३	२७	१३	११	४	मे. १३
१५	र	२८	६	अ	१४	५३	सि	१२	४०	वि	२	२०	१२	३४	२६	१४	१२	५	मेषे

२९पं.का.शु.४ बृ.इ. ५७								३०
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	
६	६	७	६	६	३	१०	६	
९	८	१	२९	९	२९	२९	८	
२९	१८	५५	३	१९	४४	११	५८	
४२	५८	२	३८	१९	५३	३४	११	
५९	४०	९	१३	७४	४	३	६०	
४७	४६	००	२०	३८	५	११	२	

गोचर ग्रहाः

इस मास में प्रजा में दारुण दुःख फैले धातु सोना चांदी ताम्बा रस धान्य में तेजी रहे रुई में मन्दी होवे।

गोचर ग्रहाः

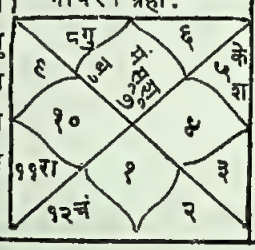

३० पं. का.शु.११ बृ.इ. ५७								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	
६	६	६	७	६	४	१०	६	
१६	१३	२९	१	१८	०	२८	१५	
२९	३	३	२४	६	११	४९	५९	
२८	५८	४३	३२	०	४२	१८	१५	
६०	४०	५६	१३	७४	३	३	६०	
४	५६	व.	२६	३८	३१	११	१८	

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६३ शाकः१९२८											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	चं	२०	१९	कृ	५४	३६	व्य	३०	५१	कौ	२०	१९	२७	६	५	१५	१३	६	वृ.१३।३७
२	मं	१३	५६	रो	५०	४१	प	४६	२६	ग	१३	५६	५	३५	२५	१६	१४	७	वृषे
३	बु	९	७	मृ	४८	३७	शि	३९	५२	वि	९	७	२	३६	२४	१७	१५	८	मि. ३९
४	गु	६	१९	आ	४८	४७	सि	३५	५	बा	६	१९	२६	३६	२४	१८	१६	९	मियुने
५	शु	५	३७	पु	५०	४७	सा	३२	४	तै	५	३७	५५	३७	२३	१९	१७	१०	क. ३५
६	श	७	८	पु	५५	१०	शु	३०	५	व	७	८	५२	३८	२२	२०	१८	११	कर्के
७	र	१०	४३	श्ले	६०	०	शु	३०	३७	ब	१०	४३	४९	३८	२२	२१	१९	१२	कर्के
८	चं	१६	३६	श्ले	०	३४	ब्र	३१	४०	कौ	१६	३६	४५	३९	२१	२२	२०	१३	सिं. ३४
९	मं	२१	४३	म	७	४६	ऐं	३२	४६	ग	२१	४३	४२	४०	२०	२३	२१	१४	सिहे
१०	बु	२८	५	पू	१५	१	वै	३५	५८	वि	२८	५	३९	४०	२०	२४	२२	१५	कं.३१।५८
११	गु	३४	३५	उ	२२	४७	वि	३८	२४	ब	१	२०	३६	४१	१९	२५	२३	१६	कन्यायां
१२	शु	४०	४३	ह	३०	५९	प्री	४०	२६	कौ	७	३९	३३	४१	१९	२६	२४	१७	कन्यायां
१३	श	४६	८	चि	३६	५३	आ	४२	१	ग	१३	२५	३०	४२	१८	२७	२५	१८	तु. ३।५६
१४	र	५०	८	स्वा	४२	४३	सौ	४२	५६	वि	१८	८	२७	४३	१७	२८	२६	१९	तुलायां
१५	च	५३	१९	वि	४७	१८	शो	४२	४०	च	२१	४४	२५	४३	१७	२९	२७	२०	वृ.३१०

३१पं.मा.कृ.४ बृ.इ. ५७								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	
६	६	६	७	६	४	१०	६	
२३	१७	२१	२	२६	०	२८	२३	
३०	५१	१	५६	५३	३४	२७	०१	
५०	५४	५९	४६	२	५	३	५०	
६०	४१	३	१३	७४	२	३	६०	
१७	६	व	३२	३२	४४	११	३०	

गोचर ग्रहाः

मार्ग शीर्ष कृष्णे ११ गुरौ वृश्चिकेऽर्के: प्रविष्टः बा.३ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

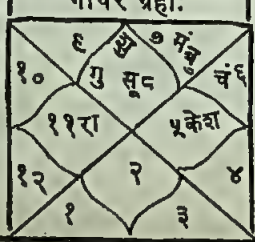

३२ पं.मा.कृ.११ बृ.इ.५६								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	
७	६	६	७	७	४	१०	७	
०	२२	१५	४	५	०	२८	०	
३३	४०	१७	२९	३९	११	४	५	
२९	५२	५६	४६	४७	५८	४८	५३	
६०	४१	१३	१३	७४	२	३	६०	
२०	१०	व.	३८	३२	३	११	४०	

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३४३ स. २००६
१	मं ५५ २ अ ५० ३७ अ ४१ ३७ किं २४ १०	२६	६	५					
२	बु ५५ ३७ ज्ये ५२ ५३ सु ३९ ३६ बा २५ १९	२२	४४	१६	३०	२८	२१	वृश्चिके	[५६।४६उदयं गुरोः ४३।१२ दत्तजयंती
३	गु ५५ १६ मू ५४ ८ धृ ३६ ४५ तै २४ ३२	१९	४४	१६	१	२९	२२	ध.५२।५३	चंद्रदर्शनम् भा. मार्गशीर्षारंभः
४	शु ५३ ५० पू ५४ २२ शू ३२ ५८ व २२ ४५	१७	४५	१५	२	१	२३	धनुषि	जिल्काद ११
५	श ५१ ४१ उ ५३ ५० गं २८ ४४ ब २० ६	१४	४५	१५	३	२	२४	धनुषि	भ.२२।४५उ.५३।५०या.
६	र ४८ ३२ श्र ५२ २९ बृ २३ ५० कौ १६ १४	१२	४६	१४	४	३	२५	म.९।१४	ज्येष्ठा. शुक्रः ४३।३४
७	चं ४४ ५६ ध ५० २६ धु १८ ८ ग १२ ३५	९	४६	१४	५	४	२६	मकरे	विशा.बुधः२४।२अनु.२गुरु३९।१४चंपा६
८	मं ४० २५ श ४७ ४३ ब्या ११ ५३ वि ७ ५२	५	४७	१३	६	५	२७	कुं २१।२७	भ.४४।५६उ.वृश्चिके भौमः२६।४२
९	बु ३५ २० पू ४४ १३ ह २५ ५३ बा २ २६	२	४८	१२	८	७	२९	कुम्भे	भ.७।५२या.शुक्रोदयः पश्चिमायाम् १९ १२
१०	गु २९ ३४ उ ४० १ सि ४९ ४३ ग २९ ३४	०	४८	१२	९	८	३०	मी.३०।६	
११	शु २३ ७ रे ३५ १९ व्य ४१ १३ वि २३ ७	२५	४८	१२	१०	९	१	मीने	भ.५६।२०उ. [+११व्र. गीता जयंती
१२	श १६ १८ अ ३० १६ व ३२ ४० बा १६ १८	२६	४९	११	११	१०	२	मे.३५।१९	भ.२३।७या.दिसम्बर १२ता. ३१मोक्षदा+
१३	र ९ २८ भ २५ ६ प २४ ४ तै ९ २८	२४	४९	११	१२	११	३	मेषे	ज्येष्ठा.रविः५२।१२अनु. भौमः ३ ४ प्रदोषः
१४	चं २ ४७ क्र २० ३२ शि १५ ४३ व २ ४७	२३	४९	११	१३	१२	४	वृ.३८।५७	ज्येष्ठा.रविः सौरः १५।५०
१५	चं ५४ २४ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	वृषे ०	भ.२।४७उ. ३०।२९या. वृश्चिके बुधः×

३३पं.मा.शु.३बृ.इ.५६।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	७	७	४	१०	७
७	२७	१७	६	१४	१	२७	७
३७	३१	४९	३	२७	३	४२	११
२६	३४	४१	४	१३	५४	३२	२६
६०	४१	५३	१३	७४	१	३	६०
४२	२०	मा.	३८	३२	२२	११	५३

गोचर ग्रहाः

इस मास में बुध का चन्द्र दर्शन चांदी रुई स्वर्ण सण तिल आदि पदार्थों में मंदी करे धान्य व रस में मंदी होकर तेजी रहे

गोचर ग्रहाः

३४पं.मा.शु. १० बृ.इ.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	७	७	४	१०	७
१४	२	२५	७	२३	१	२७	१४
४२	२५	५४	३६	१४	१०	२०	१८
४०	४१	०	५४	२०	५९	१६	१२
६०	४१	७	१३	७४	०	३	६१
५०	४०	२४	३६	३२	४१	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	मं ५२ १६ रो १६ ४७ सि ७ ५९ बा २४ ४३	२५	५०	५	१४	१३	५	मि४५।३४	
२	बु ४९ १९ मृ १४ १४ सा १४ २८ तै २० ५३	४९	५०	१०	१५	१४	६	मिथुने	अनु. बुधः२०।६मूले धनुषिशुक्रः१८।२१+
३	गु ४७ ५९ आ १३ ११ शु ५१ २८ व १८ ३९	४८	५०	१०	१६	१५	७	क.५८।४९	भ.१८।३९उ.४७।५९या.
४	शु ४८ ४० पु १४ १ ब्र ४९ ८ ब १८ २०	४६	५१	९	१७	१६	८	कर्के	चतुर्थी व्र. [+वक्री शनिः२१।११
५	श ५१ १६ पु १६ ५४ ऐं ४८ १ कौ १९ ५६	४५	५१	९	१८	१७	९	कर्के	
६	र ५५ ४० श्ले २१ ३७ वै ४८ ४ ग २३ २८	४४	५१	९	१९	१८	१०	सिं २१।३७	भ.५५।४०उ.
७	चं ६० ० म २७ ४० वि ४९ ३२ वि २८ २९	४३	५१	९	२०	१९	११	सिंहे	भ.२८।२९या.अनु.३गुरुः४८।५८
७	मं १ १९ पू ३४ ३२ प्री ५१ १४ ब १ १९	४२	५२	८	२१	२०	१२	क.५१।२९	[×ज्येष्ठा. बुधः१४।५४
८	बु ७ ३८ उ ४२ १५ आ ५३ ३० कौ ७ ३८	४१	५२	८	२२	२१	१३	कन्यायां	पूभा. २ राहुः पूफा.४केतुः३५।५९
९	शु १४ ६ ह ४९ ४९ सौ ५५ ३७ ग १४ ६	४०	५२	८	२३	२२	१४	कन्यायां	भ.४७।१३उ.बुधास्तः पूर्वस्यां २८।१४
१०	शु २० २१ चि ५६ ५१ शो ५७ २८ वि २० २१	३९	५२	८	२४	२३	१५	तु.२३।२०	भ. २०।२१ या. मूले धनुष्यर्कः ५९।२७×
११	श २५ ४४ स्वा ६० ० अ ५८ २७ बा २५ ४४	३९	५२	८	२५	२४	१६	तुलायां	मूले धनुष्यर्कः सौरः १९।४०पूषा. शुक्रः ÷
१२	र २९ ४९ स्वा २ ४९ सु ५८ १५ तै २९ ४९	३८	५२	८	२६	२५	१७	वृ.५१।११	[÷५७।४४ उदयो भौमः ४८ सफला ११व्र.
१३	चं ३२ ३४ वि ७ १८ धृ ५७ २ ग १ ११	३८	५२	८	२७	२६	१८	वृश्चिके	भ.३२।३४उ. प्रदोषः
१४	मं ३३ ३२ अ १० ३२ शू ५४ ४१ वि ३ २	३७	५३	७	२८	२७	१९	वृश्चिके	भ.३।२ या.
३०	बु ३३ २० ज्ये १२ १३ गं ५० ५४ च ३ २६	३७	५३	७	२९	२८	२०	ध.१२।१३	

३५पं.पौ.कृ.३बृ.इ.५६।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	८	४	१०	७
२१	७	५	९	२	१	२६	२१
४८	२१	४१	९	१	१२	५८	२५
४३	२५	१७	३२	३०	२५	०	५५
६०	४१	८८	१३	७४	३२	३	६१
५६	४४	८	३२	२६	४०	११	११

गोचर ग्रहाः

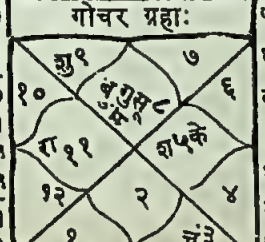

पौष कृष्णे १०शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.२न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

३६पं. पौ.कृ. ९ बृ.इ.५६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	८	४	१०	७
२८	१२	१६	१०	१०	१	२६	२८
५५	१९	१०	४१	४९	८	३५	३४
३७	५	४१	३५	१	३८	४५	३७
६१	४१	९३	१३	७४	५३	३	६१
०	५४	२८	२०	२८	व.	११	१९

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८	दि.	उ.	अ.भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५३७३स.२००६
१	गु ३१ २५ मू १२ ३१ बृ ४६ १३ किं २ २२ ३६ ५३ ७ ३० २९ २१						धनुषि	ज्येष्ठा भौमः०।१३
२	शु २८ ३३ पू ११ ३२ ध्रु ४० ५३ कौ २८ ३३ ३६ ५३ ७ १ ३० २२						म.२६।७	चंद्रदर्शनम् भा. पौषारंभः
३	श २५ २ उ ९ ५० व्या ३४ ४७ ग २५ २ २६ ५३ ७ २ १ २३						मकरे	भ.५२।५२ उ.मूले धनुषि बुधः५१।३३=
४	र २० ४३ श्र ७ १४ ह २८ ९ वि २० ४३ ३६ ५३ ७ ३ २ २४						कुं.३५।५५	भ.२०।४३या. [=जिल्हेज १२
५	चं १६ १६ ध ४ ३६ व २१ ३२ बा १६ १६ ३७ ५३ ७ ४ ३ २५						कुंभे	
६	मं ११ २६ श ३० ५६ सि १४ ३९ तै ११ २६ ३७ ५३ ७ ५ ४ २६						मी. ४४ ९३	
७	बु ६ ३८ उ ५५ ५ व्य ७ ३६ व ६ ३८ ३७ ५३ ७ ६ ५ २७						मीने	भ. ६।३८ उ.३४।९ या. उषा. शुक्रः×
८	गु १ ४० र ५१ ३६ व २५ ५२ ब १ ४० ३८ ५२ ८ ७ ६ २८						मे.५१।३६	[×३२।३४अनु.४गुरुः१९।५६
९	गु ५४ ५७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०						० ०	
१०	शु ५१ ३० अ ४८ १० शि ४७ ४४ तै २४ ४ ३८ ५२ ८ ८ ७ २९						मेषे	पूषा. रविः४।२७ (सौरः२१।१८)
११	श ४६ २४ भ ४४ ५० सि ३८ ४४ व १८ ५७ ३९ ५२ ८ ९ ८ ३०						वृ.५९।४	भ. १८।५७ उ.४६।२४या. मकरे शुक्रः÷
१२	र ४१ ६० कृ ४१ ४४ सा ३१ ५१ ब १४ २ ४० ५२ ८ १० ९ ३१						वृषे	[÷१४।०पुत्रदा११व्र.
१३	चं ३७ २४ रो ३९ १७ शु २५ १० कौ ९ ३२ ४१ ५२ ८ ११ १० १						वृषे	पूषा. बुधः १५।१७ जनवरी १ ता.३१+
१४	मं ३४ ४ मृ ३७ २३ शु १९ १० ग ५ ४४ ४२ ५२ ८ १२ ११ २						मि.८।२०	भ ३२।५४उ. [+सन्२००७प्रदोषः
१५	बु ३१ ४५ आ ३६ ४६ ब्र १४ १ वि २ ५५ ४३ ५१ ९ १३ १२ ३						मिथुने	भ.२।५५या.मा. स्ना. प्रा.

३७पं.पौ.शु १ वृ इ. ५५ ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	७	८	४	१०	८
६	१७	२६	१२	१९	०	२६	५
३	१८	५३	१२	३५	५८	१३	४४
१४	५८	४६	०	५३	४८	२९	०३
६१	४१	९६	१३	७४	३०	३	६१
४	५८	३९	१४	२६	व.	११	२२

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का जुवार चावल गेहूं सोना चांदी रुई घृत तेज होवे शीत का प्रकोप रहे।

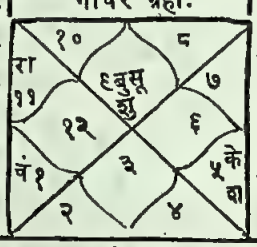

३८पं.पौ.शु.८ वृ.इ ५५ ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	७	८	४	१०	८
१३	२२	७	१३	२८	०	२५	१२
११	२०	४९	४०	२३	४४	५१	५३
१३	५३	१६	३०	६	१०	१४	५५
६१	४२	९९	१२	७४	१६	३	६१
६	२	२५	५०	२०	व.	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८	दि.	उ.	अ.भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	गु ३० ४६ पु ३७ ३५ ऐं १० ४ बा १ १६ २५ ४४ ५१ ९ १४ १३ ४						कं.२२।२३	
२	शु ३१ २८ पु ३९ ४० वै ७ १ तै १ ६ ४५ ५१ ९ १५ १४ ५						कर्के	[÷कर्के आश्ले.४शनिः५६।१३
३	श ३३ ५३ श्ले ४३ ४१ वि ५ ३१ व २ ४१ ४७ ५१ ९ १६ १५ ६						मि. ४३ ४१	भ.२।४१उ.३३।५३या.
४	र ३७ ३७ म ४८ ३२ प्री ४ ४९ ब ५ ४८ ४८ ५० १० १७ १६ ७						सिंहे	श्रवणे शुक्रः १३।२चतुर्थी व्र.
५	चं ४२ ५८ पू ५५ ४२ आ ५ ३४ कौ १० १८ ५० ५० १० १८ १७ ८						सिंहे	मूले धनुषि भौमः २३।४९
६	मं ४८ ५५ उ ६० ० सो ७ ३ ग १५ २७ ५२ ५० १० १९ १८ ९						क.१२।३२	भः४८।५५उ.उषा.बुधः४२।३१
७	बु ५५ २४ उ ३ २ शो ९ ६ वि २२ ११ ५३ ४९ ११ २० १९ १०						कन्यायां	भ.२२।११या.
८	गु ६० ० ह १० ३१ अ ११ २५ बा २८ ४० ५५ ४९ ११ २१ २० ११						तु.४४।१३	उषा. रविः९।१२ (सौरः२२।४५) वक्री÷
८	शु १ ५६ चि १७ ३१ सु १३ १८ कौ १ ५६ ५७ ४९ ११ २२ २१ १२						तुलायां	मकरे बुधः४०।३ज्येष्ठा.१गुरुः४७।४८
९	श ७ ३७ स्वा २४ २३ धृ १४ ४७ ग ७ ३७ ५९ ४८ १२ २३ २२ १३						तुलायां	भ.३९।४९उ.
१०	र १२ १ वि ३० ३८ शू १५ १४ वि १२ १ २६ ४८ १२ २४ २३ १४						वृ. १३ ४७	भ.१२।१या.मकरेऽर्कः (सौरः३८।१२)
११	चं १५ ४ अ ३३ २९ गं १४ ३१ बा १५ ४ ४ ४७ १३ २५ २४ १५						वृश्चिके	षट् तिला११व्र.
१२	मं १६ २ ज्ये ३५ १४ बृ १२ १७ तै १६ २ ६ ४७ १३ २६ २५ १६						ध.३५।१४	प्रदोषः
१३	बु १५ २३ मू ३५ २० धु ८ ४४ व १५ २३ ८ ४६ १४ २७ २६ १७						धनुषि	भ.१५।२३ उ.४४।८ या. श्रवण बुधः+
१४	शु १२ ५२ पू ३३ ४७ व्या ४९ ५३ श १२ ५२ ११ ४६ १४ २८ २७ १८						म.४८।५	[+३८।३धनि. शुक्रः५०।०
२०	शु ८ ४९ उ ३० ५९ व ५० १९ ना ८ ४९ १३ ४५ १५ २९ २८ १९						मकरे	

३९पं मा कृ.१ वृ.इ: ५५ ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	७	९	४	१०	८
२०	२७	१८	१५	७	०	२५	२०
१९	२४	५८	६	१०	२४	२८	३
२६	४७	५९	५०	५	१४	५८	५२
६१	४२	०	१२	७४	५	३	६१
६	२३	३४	२०	१४	व.	११	२६

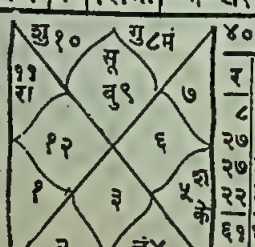

४०पं.मा.कृ.८ वृ.इ.५५।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	७	९	४	१०	८
२७	२	०	१६	१५	०	२५	२७
२७	३०	२६	२९	५५	०	६	१३
२२	३२	३४	२८	४८	२	४२	४४
६१	४२	०	१२	७४	३८	३	६१
६	२८	९	३	८	व.	११	२४

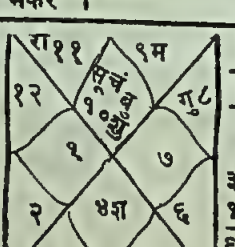

४१पं. मा.कृ. १४ बृ. इ. ५५ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	७	९	३	१०	९
४	७	१२	१७	२४	२९	२४	४
३५	३९	१४	४९	४०	३२	४४	२३
१३	४	३८	१६	५९	५३	२७	१३
६१	४२	०	११	७४	५८	३	६१
३	४६	९	२४	२	व.	११	१९

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४०३स.२००७
१	श ३ ३८ श्र २७ ७ सि ४२ २४ ब ३ ८	१६	४५	१५	३०	२९	२०	कुं.५४।५२	अभि प्र.रविः ५८।६चंद्रदर्शनम्
२	श ५३ ५९ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	[Bमोहोरम १सन् १४२८हि.
३	र ५१ २१ ध २२ ३८ व्य ३४ ३० ते २४ २९	१९	४४	१६	१	१	२१	कुंभे	अभि. प्र.रविः सौरः९।३३भा.माधारंभः B
४	चं ४४ ५४ श १७ ५८ च २५ ५६ व १८ ८	२१	४४	१६	२	२	२२	मी.५९।३२	भ.१८।८उ.४४।५४या.
५	मं ३८ ५६ पू १३ २३ प १७ ५५ ब ११ ५५	२४	४३	१७	३	३	२३	मीने	कुंभे शुक्रः९।४वसंत५ [÷३½भीष्माष्टमी
६	बु ३३ ६ उ ९ १६ शि १० ६ कौ ६ १	२७	४३	१७	४	४	२४	मीने	श्रवणे रविः १४।४३ (सौरः २५।२९)
७	गु २७ ५६ रे ५ ३१ सि २४ ५२ ग ० ३१	२९	४२	१८	५	५	२५	मे. ५।३१	भ.२७।५६उ.५५।३२या.अभि.नि.रविः×
८	शु २३ ८ अ १५ २४ शु ४८ ४६ ब २३ ८	३२	४२	१८	६	६	२६	मेषे	पूषा.भौमः ३९।२७वुधोदयः पश्चिमायां+
९	श १९ ३ कृ ५७ ४६ शु ४१ ४१ कौ १९ ३	३५	४१	१९	७	७	२७	वृ.१४।१०	[+३९।२७ पातस्पर्शः ९।७ पातमोक्षः÷
१०	र १५ ३६ रो ५६ २६ ब्र ३७ १४ ग १५ ३६	३८	४०	२०	८	८	२८	वृषे	भ.४४।१७उ.शते शुक्रः ३३।४१
११	चं १२ ५९ मृ ५५ ५२ ऐं ३२ २६ वि १२ ५९	४१	४०	२०	९	९	२९	मि.२६।९	भ.१२।५९या. कुंभे बुधः ३९जया ११व्र.
१२	मं १० ५९ आ ५६ १६ वै २८ १७ चा १० ५९	४५	३९	२१	१०	१०	३०	मिथुने	प्रदोषः [×५६ (सौरः १७ धनि.बुधः A
१३	बु १० २ पु ५७ ५८ वि २४ ५६ तै १० २	४८	३८	२२	११	११	३१	कं.४२।३२	ज्येष्ठा.२गुरुः २०।३५ [A२४भानु७रथ७
१४	गु १० ११ पु ६० ० भी २२ २५ ब १० ११	५१	३८	२२	१२	१२	१	कर्के	भ.१०।११उ.४०।५४या.फर्वरी २ता.२८
१५	शु ११ ३७ पु ० ३५ आ २१ २१ ब ११ ३७	५४	३७	२३	१३	१३	२	कर्के	शते बुधः ३७।४६मा. स्ना. पूर्तिः

४२ पं.मा. शु ७ बृ. इ. ५५।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	७	१०	३	१०	९
११	१२	२४	१९	३	२९	२४	११
४२	४८	१२	४	२५	२	२२	३२
४०	३६	४०	४८	१९	१०	११	४
६०	४३	९०	१०	७३	१६	३	६१
५९	३	८	५०	५६	व.	११	१३

माघ कृष्णे १० रवौ
मकरेऽर्कः प्रविष्टः
वा.३न.२ बालावस्था
(बैठी) मु. ४५
धान्यादि भावे
समर्घता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम्

४३ पं.मा.शु. १४ बृ.इ. ५५।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	७	१०	३	१०	९
१८	१८	५	२०	१२	२८	२३	१८
४९	०	३६	१५	८	२९	५९	४०
१६	१	५४	५४	१३	२०	५६	९
६०	४३	९०	१०	७३	३१	३	६१
५५	८	५८	१	५०	व.	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं २०६३ शाकः १९२८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः
१	श १४ २५ श्ले ४ ३१ सौ २० ३६ कौ १४ २५	२६	३६	२४	१४	१४	३	सिं. ४।३१	
२	र १८ २२ म ९ ३५ शो २१ ४ ग १८ २२	२७	३६	२४	१५	१५	४	सिंहे	भ.५०।५८उ.
३	चं २३ ३५ पू १५ ५२ अ २२ १८ वि २३ ३५	५	३५	२५	१६	१६	५	कं.३२।३६	भ.२३।३५या.चतुर्थी व्र.
४	मं २९ १९ उ २२ ५० सु २४ १० बा २९ १९	८	३४	२६	१७	१७	६	कन्यायां	धनि.रविः २३।१ (सौरः ३१।१९)
५	बु ३५ ४१ ह ३० २३ धृ २६ २५ कौ २ ३०	१२	३४	२६	१८	१८	७	कन्यायां	[+पातस्पर्शः ३१।५६पातमोक्षः ४४।१९
६	गु ४२ २१ चि ३७ ५६ शू २८ ३७ ग ९ १	१५	३३	२७	१९	१९	८	तु ४।९	भ. ४२।२१ उ. पूभा. शुक्रः १५।४५+
७	शु ४८ २५ स्वा ४५ १८ गं ३० ४६ वि १५ २३	१९	३२	२८	२०	२०	९	तुलायां	भ.१५।२३या.
८	श ५३ २५ वि ५१ २६ वृ ३१ ५५ बा २० ५५	२३	३१	२९	२१	२१	१०	वृ.३४।२४	[=२९।३१विजया ११व्र. वै
९	र ५७ ८ अ ५६ १३ धु ३२ ८ तै २५ १७	२७	३१	२९	२२	२२	११	वृश्चिके	[×विजया ११व्र.स्मा.
१०	चं ५८ ५५ ज्ये ५९ ७ ज्या ३० ५९ व २८ २	३०	३०	३०	२३	२३	१२	ध.५९।७	भ.२८।२उ.५८।५५या.कुंभेऽर्कः ५८।१७
११	मं ५८ ४१ मू ६० ० ह २८ १७ ब २८ ४८	३४	२९	३१	२४	२४	१३	धनुषि.	कुंभेऽर्कः सौरः ५।१७उषा.भौमः २७।४१×
१२	बु ५६ २६ मू १७ ५८ च २४ १२ कौ २७ ३४	३८	२८	३२	२५	२५	१४	धनुषि	वक्री बुधः ३।१७पूभा.१राहुःपूफा.३केतुः=
१३	गु ५२ २२ उ ५६ ३२ सि १८ १७ ग २४ २४	४१	२८	३२	२६	२६	१५	म.१३।३४	भ.५२।२२उ. प्रदोषः
१४	शु ४६ २७ श्र ५२ ८ व्य ११ ४ वि १९ २४	४५	२७	३३	२७	२७	१६	मकरे	भ.१९।२४या. मीने शुक्रः १७बुधास्तः A
१५	श ३९ १४ ध ४६ ४४ व ३९ ५७ च १२ ५१	४९	२६	३४	२८	२८	१७	कुं.१९।२६	[Aपश्चिमायां ३५ महाशिवरात्रि व्र.

४४ पं.फा.कृ. ९ बृ.इ. ५५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	७	१०	३	१०	९
२५	२३	१४	२१	२०	२७	२३	२५
५५	१३	६	२१	४९	५५	३७	४६
१	५२	१८	११	२६	४४	४०	५६
६०	४३	५५	९	७३	४०	३	६०
४७	१९	४७	१९	४४	व.	११	५५

फाल्गुन कृष्णे १०चंद्रे
कुंभेऽर्कः वा. २ न. ३
वृद्धावस्था (बैठी)
मु.१५ धान्यादि भावे
समर्घता शुक्रोदयः
पश्चिमायां

४५ पं.फा. कृ.१३ बृ. इ. ५६।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	७	१०	३	१०	१०
२	२८	१५	२२	२९	२७	२३	२
५९	२८	५५	२१	२९	२०	१५	५२
४९	५	५९	२२	१०	४९	२४	५९
६०	४३	३१	८	७३	४०	३	६०
३७	४४	व.	२८	३२	व	११	४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

तिथि	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४ स.२००७
१	र ३१ २१ श ४० २३ शि ४३ ४५ किं ५ १८	२७	६	५	२९	२९	१८	कुंभे	उभा.शुक्रः४८।४२मकरे भौमः५।४
२	चं २३ ९ पू ३४ ४ सि ३३ ५३ कौ २३ ९	५६	२५	३५	३०	३०	१९	मी.३९	शते रविः ३४ (सौरः ३९) चंद्रदर्शनम्+
३	मं १५ ९ उ २७ ५५ सा २४ १९ ग १५ ९	२८	२४	३६	१	१	२०	मीने	भ.४१।२२उ. भा. फाल्गुनारंभः सफर २
४	बु ७ ३५ रे २२ २८ शु १९ १७ वि ७ ३५	४	२३	३७	२	२	२१	मे.२२।२८	भ.३७ या.पातस्पर्शः६।५५पातमोक्षः १९०
५	गु ० ४० अ १७ ४९ शु ५९ ५२ वा ० ४०	८	२२	३८	३	३	२२	मेषे	[=श्रवणे भौमः१६।४१ होलिकादहनं
६	शु ५४ ८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	श ५० ४ भ १४ ८ ऐं ५३ ५ ग २२ २८	१२	२२	३८	४	४	२३	वृ.३६	भ.५०।४उ.ज्येष्ठा. ३ गुरुः ३७।३४
८	श ४६ ३२ कृ ११ ३९ वै ४७ ३० वि १८ १८	१६	२१	३९	५	५	२४	वृषे	भ. १८।१८ या. वक्री आश्ले. ३ शनिः×
९	र ४४ २० रो १० ३७ वि ४२ ५९ बा १५ २६	२०	२०	४०	६	६	२५	मि.४०	[×४२।२२होलाष्टकम्
१०	चं ४३ १८ मृ १० ३७ मी ३९ ३१ ते १३ ४९	२४	१९	४१	७	७	२६	मिथुने	वक्री धनि.बुधः०।३८ [+फुलरिया२
११	मं ४१ २५ आ ११ ४४ आ ३६ ५२ व १३ २२	२८	१८	४२	८	८	२७	कृ५८।३५	भ.१३।२२उ.४३।२५या. आमलकी११व्र.
१२	बु ४४ ४३ पु १४ १२ सौ ३५ १९ ब १४ ५	३२	१८	४२	९	९	२८	कर्के	[÷३९।२३ मार्च ३ ता.३१प्रदोषः
१३	गु ४७ ८ पु १७ ४७ शो ३४ ४४ कौ १५ ५५	३६	१७	४३	१०	१०	१	कर्के	रेवत्यां शुक्रः ५४।४७ बुधोदयः पूर्वस्यां÷
१४	शु ५० ४० श्ले २१ ८ अ ३४ २३ ग १८ ५४	४०	१६	४४	११	११	२	सिं. २१।८	भ.५०।४०उ.
१५	श ५५ ५ म २७ २८ सु ३५ ४ चि २२ ५३	४४	१५	४५	१२	१२	३	सिंहे	भ. २२।५३ या. खग्रास चंद्रग्रहणम्=

४९पं.फा.शु.५बृ.इ.५६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	७	११	३	१०	१०
१०	३	१०	२३	८	२६	२२	९
३	४४	२७	१५	७	४७	५३	५७
२२	२८	१४	०	८	५३	९	३२
६०	४३	७	७	७३	२८	३	६०
२५	५०	व.:	१८	२०	व.	११	३१

ग्रोचर ग्रहाः

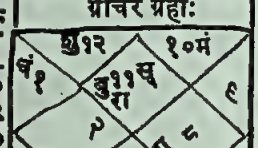

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धातु लोहा सोना चांदी रुई रंग धान्य तेज होवे खेती में नुकसान हो प्रजा में क्लेश रहे।

ग्रोचर ग्रहाः

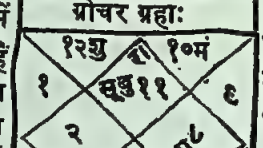

४७पं.फा.शु.१३.बृ.इ. ५६ ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	७	११	३	१०	१०
१७	९	३	२४	१६	२६	२२	१७
५	१	३४	१	४२	१५	३०	०
३५	३०	८	४८	२५	५४	५६	२५
६०	४३	४८	६	७३	१०	४	३	६०
१२	५५	व.	२०	१३	व.	११	२०

तिथि	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८	वि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा०
१	र ६० ० पू ३४ ५१ धृ ३६ ३० बा २७ ४६	३८	१४	४५	१३	१३	४	कं.५१।२६	पूभा.रविः ५९ (सौरः ५६) वसंत१ छारंडी
१	चं ० २७ उ ४१ ११ शू ३८ २२ कौ ० २७	५२	१४	४६	१४	१४	५	कन्यायां	[+५१।३२ (सौरः५५।४७)
२	मं ६ २५ ह ४८ १४ गं ४० ३९ ग ६ २५	५६	१३	४७	१५	१५	६	कन्यायां	भ.३९।३३उ.पातस्पर्शः ५ ६ पातमोक्षः १९
३	बु १२ ४१ चि ५५ ३७ वृ ४३ ० वि १२ ४१	२९	१२	४८	१६	१६	७	तु.२१।५५	भ.१२।४१या.चतुर्थी व्र.
४	गु १९ २५ स्वा ६० ० ध्रु ४५ १३ बा १९ २५	५	११	४९	१७	१७	८	तुलायां	[÷नवरात्रारंभः
५	शु २५ १७ स्वा ३ २२ ब्या ४७ ६ तै २५ १७	९	१०	५०	१८	१८	९	वृ.५३।२८	मार्गी बुधः३०।२६
६	श ३० ४४ वि १० १० ह ४८ ११ व ३० ४४	१३	९	५१	१९	१९	१०	वृश्चिके	भ.३०।४४उ.
७	र ३५ ८ अ १५ २ ब ४८ ११ वि २ ५६	१७	९	५१	२०	२०	११	वृश्चिके	भ.२।५६या.
८	चं ३७ ४७ ज्ये २० २४ सि ४६ ५९ बा ६ २८	२१	८	५२	२१	२१	१२	ध.२०।२४	अश्वि.मेषे शुक्रः५१।४५ शीतलापूजनम्
९	मं ३८ ४९ मू २३ ४ व्य ४४ ४ तै ८ १८	२६	७	५३	२२	२२	१३	धनुषि	
१०	बु ३७ ३८ पू २३ ४० व ३९ ४९ व ८ १५	३०	६	५४	२३	२३	१४	म.३८।२०	भ. ८।१५ उ. ३७।३८या. मीनेऽर्कः+
११	गु ३४ ३४ उ २२ २० प ३३ ४० ब ६ ६	३४	५	५५	२४	२४	१५	मकरे	पापमोचनी११ व्र..
१२	शु २९ १७ श्र १९ ५० शि २६ ४ कौ १ ५५	३८	४	५६	२५	२५	१६	कुं.४६।५५	प्रदोषः
१३	श २२ २६ ध १४ १ सि १७ १० व २२ २६	४३	३	५७	२६	२६	१७	कुंभे	भ.२२।२६उ.४८।२०या.
१४	र १४ १३ श ७ ४२ सा २८ ४९ श १४ १३	४७	३	५७	२७	२७	१८	मी. ४७	उभा. रविः१२।३६ (सौरः१६।२३)
१५	चं ५ १ पू ० ५३ शु ४६ ७ ना ५ १	५१	२	५८	२८	२८	१९	मीने	सूर्यग्रहणम् मन्वादिः संवत्सरारंभः

४९पं.चै.कृ.४बृ. इ.५७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	७	११	३	१०	१०
२४	१४	१	२४	२५	२५	२२	२४
६	२०	२५	४०	१५	४६	८	१
२२	४२	४३	४४	१८	४१	३८	४८
५९	४४	३	५७	५३	३	३	६०
५८	१	व.	८	५३	व.	११	६

गोचर ग्रहाः

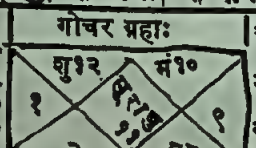

चैत्र कृष्णे १० बुधे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

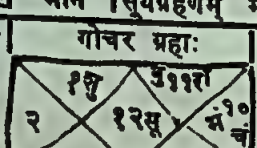

४९पं.चै.कृ.११बृ.इ. ५७ २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	७	०	३	१०	११
१	१९	४	२५	३	२५	२१	१
५	४०	२३	११	४४	२०	४६	१
३५	१२	३१	५६	४२	३१	२२	३०
५९	४४	२१	३	७२	२३	३	५९
४१	१	४१	५९	३४	व.	११	४९

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम्।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०८ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०८ भोग्यकलिः ४२६८९२ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६४ शाकः १९२९ अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रः। मंत्री शनिः। सस्येशश्चन्द्रः। धान्येशो रविः। मेघेशः शुक्रः। रसेशोबुधः। नीरसेशश्चन्द्रः। फलेशः शुक्रः। धनेशश्चंद्रः। दुर्गेशःशुक्रः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णु-विंशतिकायां १४ शार्वरीनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमय गतमासादिः ११।२।३८।२४ भोग्यमासादिः ०।२७।२१।३६ पितृदैवतं युगम्। वर्षनाम ज्येष्ठः। मेघनाम द्रोणः। रोहिणीनिवासः समुद्रे। समयनिवासो मालाकार गृहे। समय विश्वा २०समयवाहनम् वृषभः स्तंभः १ जलस्य। सोमवत्यमाः नैव सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी १ भानुसप्तमी २ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १९ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपति विश्वा १०८ वर्षाविश्वा १५ धान्यम् ५ तृणम् १५ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम्१०५ सत्यम् ।। धर्मं १।। पापं १८ शनिदृष्टिः दक्षिणे ग्रहणं१ चंद्रमसः

सं. २०६४ माघशुक्ला १४ बुधवारको अर्द्धरात्रि पश्चात् पश्चिम प्रदेशोंमें ग्रस्ताऽस्त एवं खग्रास चंद्रग्रहण होगा। जहां चंद्रास्त रेल्वे ७।१४ पीछे होगा वहां यह ग्रहण दृश्य होगा। जयपुर राजस्थान में नही होगा। जहां नही दीखे वहां स्नान दानादि की आवश्यकता नही है। स्पर्श रेल्वे ७।१४ मोक्ष १०।४२

वर्षलग्नम् ०।१४

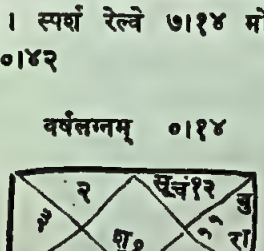

भैरव भवानी सम्वाद

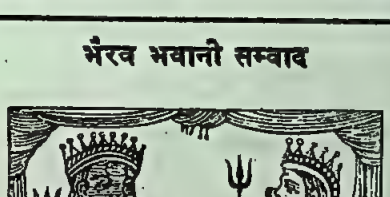

भैरव प्रश्न

सुणो मात जगदीश्वरी कह भैरव शिर नाय।
चोसठ संवत् का मुझे सांचा भेद बताय ।।

भवानी उत्तर

सुनले भैरव ध्यानसे फल कहुं तोय समझाय।
जल तृण की हो अधिकता संवत् चोंसठ मांय ।।
राजा शशि मंत्री शनि इनकी खोटी बान।
आपसमें कर द्वेषता करें जगत् में हान ।।
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये सात अधिकार।
रोहिणीवास समुद्रमें उत्तर इनका सार ।।
स्तंभ एक जलका हुआ समय जो विश्वा बीस ।
धर्म कर्म करते रहो रक्षक है जगदीश ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	२१	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् २।२९

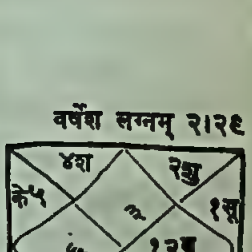

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४५।० केतकी मतेन बेघसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५६।४०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणांफसम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिज़रानृपाणाम् ॥ मंत्रीशनिःफलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहु दुःखदाः। न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित्।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम्।। सस्याधिपेशीतकरे प्रजासुखं मेघःपयोमुञ्चति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णा ।। धान्येशोरविःफलम् ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि। विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घंज्वरपीडनम् । मेघेशःशुक्रस्तत्फलम् ।। भृगुसुतो जलदस्यपतिर्यदा जलमुचो जलदा दिविशोभनाः । धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनतासुखदायकाः ।। रसेशोबुधस्तत्फलम् ।। रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्यघृतादियुताजनाः । प्रमुदिता वरंनायकपालिता बहुजलाखिल देशसुरक्षिताः।। नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम्।। शुक्लवर्णादिवस्तूनां मुक्तारजतवाससाम् । अर्घवृद्धिःप्रजायेत शशांकेनीरसाधिपे । फलेशःशुक्रस्तत्फलम् ।। यदिफलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदुकुमारमहीरुहराशयः । बहुफला नरनाथसुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। धनपतिर्मृगलांछनको यदा रसचयात्क्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालिसुगंध रसंबहुद्रविणतैलघृतं नृपसौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। नगरदेशविशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्यकरो मतः । विनयवाणिजगेहसमःसुखो नगवने निकटेऽपिचदूरतः ।। शार्वरी नाम संवत्सरःफलम् ।। शार्वरीवत्सरे पूर्णा धरा सस्यार्घ वृष्टिभिः । जनाश्चसुखिनःसर्वे राजानःस्युर्विवैरिणः । वर्षनामज्येष्ठः फलम् ।। ज्येष्ठाः धर्ममार्गस्थाःपीडयन्तेसत्क्रियापराः । नचवर्षति वै देवो भवेत्सस्यविनाशनम् ॥ मेघनामद्रोणःफलम् ॥ द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम् । समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समयनिवासो मालीगृहेफलम् ।। मालिनःप्रचुरा वृष्टिः ॥ एवं संचित्य दैवज्ञैःकथनीयंशुभाशुभम् ।।

संवत् २०६४ मध्ये विवाहमूहूर्ताः

वैशाखमासः ।

शु. २ गुरो रोहि. ल. १२ रे. ६।।ऽशु।।।।।।।शुक्रयुतिः
,, ५ शनौ मृगे ल. अन्यगो. रे. ६ऽ।।।ऽऽऽ।।
,, १० गुरौ मघा. ल. गो. रे. ७।ऽ।।।।ऽऽ।गणितेनक्रांति साम्याऽभावः

प्र. ज्यष्ठमासः ।

कृ. ४ रवौ मूले ल. गो.१२ रे.८।।।।ऽ।।ऽ।।मीने नृपपंचकः
,, ६ भौमे उषा. ल. अन्यगो. रे. ८।ऽ।।।।।।ऽदग्घा.

द्वि. ज्येष्ठमासः ।

शु. ८ शुक्रे हस्ते ल. १२ रे. ८ ।।।।।।।ऽ।ऽदग्घा.चं.७पू.
,, ८ शनौ हस्ते ल. अन्यगो. १२ रे. ६।।।।।।।ऽ।। मीनलग्न घ. ४७।३१या. चं.७पू.
,, १२ बुधे अनु. ल. अन्यगो. १२ रे. ७ऽऽ।।ऽअ।।।।

आषाढमासः ।

कृ. १ रवौ उषा. ल. १२ रे. ६ ।।।।।ऽचो।।।।
,, ६ शुक्रे उभा. ल. २ रे. ७ऽ।।।ऽअऽ।।।गु.७पूज्यः
,, ७ शनौ रेव. ल. अन्यगो. २ रे. ८।।।।।।।ऽ।ऽदग्घा.

कार्तिकमासः ।

शु. ११ बुधे रेव. ल. गो. ४ रे. ८ ।।।।ऽऽनु३७या.।।।।
,, १५ शनौ रोहि. ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽऽरो।ऽ।।

मार्गशीर्षमासः ।

कृ. १ रवौ मृगे ल. ४।६ रे. ७ऽ।।।।।ऽऽ।।
,, ८ रवौ उफा. ल. अन्यगो. ४।७ रे. ८।।।।।ऽचो २८या.।ऽ।।
,, ६ चंद्रे उफा. ल. अन्यगो. रे. ७।।।।।ऽऽ।ऽदग्घा.
,, ६ चंद्रे हस्ते ल. ४रे.७।।।।।रोऽ।ऽ।ऽघ.३८।२७या.
,, १० भौमे हस्ते ल. अन्यगो. ४रे. ८।।।।।ऽरो २७ या. ।ऽ।। कर्कलग्न घटी ३६ यावत्

माघमासः ।

कृ.२गुरौ मघा. ल. गो. रे.९।।।।ऽ।।।।।
,, ४ शनौ उफा. ल. गो.७रे.८।।।।।ऽअ.२८या.।ऽ।।
,, ५ रवौ हस्ते ल. गो. ७रे.८।।।।।ऽऽ।।तुलायां नृपपंचकः
,, ६ गुरौ अनु. ल. ७रे.६ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।

फाल्गुनमासः ।

कृ. १ शुक्रे उफा. ल.७रे.१०।।।।।।।।।।
,, ७ गुरौ अनु. ल. ७ रे. ६ऽ।।।।ऽचो.ऽऽ।।
,, ६ शनौ मूले ल. अन्यगो. सोग्रांगः७ रे.७।।।।।ऽरोऽऽ।। तुला लग्न घटी ३६।२१या.
शु. २रवौ रेव. ल. ६रे.६ ।।।।।ऽ।।।चं. ७पू. शुक्र षष्ठस्थदोषः
,, ६ गुरौ रोहि. ल. अन्यगो. सोग्रांगः र.६ऽ।।।।ऽअऽऽ।।

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः५४६२स.२००७
१	चं ५०।२५ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	[×चंद्र दर्शनम् सिंघारा
२	मं ४६ २ रे ४५।२५	ब्र	३५	३३	बा	२०	४३	मे.४५।२५	शते बुधः १५।५३धनि. भौमः ४१।४६×
३	बु ३७ १३ अ ३८।३८	ऐं	२५	२१	तै	११	३४	मेषे	रविलावल ३ मत्स्यजयंती गणगौरी
४	गु २९ २१ भ ३२।५९	वै	१५	५३	व	३	१७	वृ.४६।५५	भ.३।१७उ.२९।२१या.भा.चैत्रारंभः
५	शु २२ ५७ कृ २८।४३	वि	७	५५	ब	२२	५७	वृषे	भरण्यां शुक्रः५४।१५
६	श १७ ५५ रो २६ १०	ध्रु	१	५४	तै	१७	५५	मि. ५५	
७	र १४ ५३ मृ २५ १७	सौ	५१	३१	व	१४	५३	मिथुने	भ.१४।५३उ.४४।८या.
८	चं १३ २२ आ २५।५९	शो	४८	४७	ब	१३	३२	मिथुने	रामनवमी स्मा.
९	मं १३ ३८ पु २८ १९	अ	४७	२३	कौ	१३	३८	कं.१२	रामनवमी वै.
१०	बु १५ १९ पु ३२ ८	सु	४७	३	ग	१५	१९	कर्क	भ.४६।५०उ.
११	गु १८ २१ श्ले ३७ ७	धृ	४७	३७	वि	१८	२१	सिं. ३७।७	भ. १८।२१ या. कुंभे भौमः २९।१७÷
१२	शु २२ ३४ म ४३ ५	शू	४८	३४	बा	२२	३४	सिंहे	प्रदोषः [÷कामदा११व्र.
१३	श २७ ४३ पू ४९।५१	गं	५०	२१	तै	२७	४३	सिंहे	रवत्यां रविः४०।१५ (सौरः४३।५०)+
१४	र ३३ २६ उ ५६।४४	वृ	५२	१०	ग	०	३४	क. ६।३४	भ.३३।२६उ.अप्रेल४ता.३०
१५	चं ३९ २१ ह ६० ०	ध्रु	५४	३१	वि	६	२३	कन्यायां	भ.२६या.हनुमज्जयंती [+पूभा.बुधः१५

५०पं.चै.शु.४वृ.इ. ५७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	७	०	३	१०	११
८	२५	१०	२५	१२	२४	२१	७
३	०	२०	३४	१२	५८	२४	५९
१८	२	१३	४८	०	१९	६	२५
५९	४४	५५	२	७२	४१	३	५९
२९	७	४१	३९	१४	व.	११	३५

गोचर ग्रहः

इस मास में मकर का मंगल धान्य जौ बाजरा गेहूं चना मटर को मंदा करे रस कस गुड शक्कर घृत चांदी सोना में तेजी हो

गोचर ग्रहः

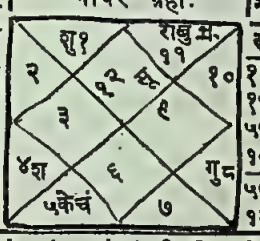

५१पं.चै..शु११बृ.इ.५८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	०	३	१०	११
१४	०	१८	२५	२०	२४	२१	१४
५९	२१	२५	४८	३५	४०	१	५५
१०	१४	३७	२५	२४	२३	५१	३४
५९	४४	७४	१	७१	३	३	५९
१६	१९	३१	१६	५३	व.	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तौ रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महाराट्राः
१	मं ४५।३९ ह ४ १४	व्या	५६	४९	बा	१२	३०	तु.३७।५८	
२	बु ५१ ५६ चि ११ ४२	ह	५९	१०	तै	१८	४७	तुलायां	कृत्ति.शुक्रः५५।४२
३	गु ५७ ४६ स्वा १९ ४	व	६०	०	व	२४	५१	तुलायां	भ २४।५१उ.५७।४६या.
४	शु ६० ० वि २५ ५५	व	१	३	ब	३०	२२	वृ. ९।१३	वृषे शुक्रः५३।१७ वक्री गुरुः चतुर्थी व्र.
४	श २ ५९ अ ३२ ८	सि	२	२२	बा	२	५९	मीने	बुधः१२।२६शते भौमः१६।३८
५	र ७ ३१ ज्ये ३७ १७	व्य	३	१२	तै	७	३१	वृश्चिके	ष ३७।१७
६	चं १० ३८ मू ४१ ८	व	२	५६	व	१०	३८	धनुषि	भ.१०।३८उ.४१।३४या.उभा.बुधः
७	मं १२ ३० पू ४२ २२	प	२९	५७	ब	१२	३०	म.५७।४३	
८	बु १२ ३३ उ ४३ ४९	सि	५४	२३	कौ	१२	३३	मकरे	
९	गु १० ५५ श्र ४२ ३६	सा	४८	३८	ग	१०	५५	मकरे	भ.३९।५उ.
१०	शु ७ १५ ध ३९ ३८	शु	४१	१४	वि	७	१५	कुं. ७।७	भ.७।१५या.
११	श १ ३२ श ३४ २२	शु	३२	४५	बा	१	३२	कुंभे	अश्वि. मेषेऽर्कः१४।१३(सौरः१८।२३ =
१२	श ५३ ०० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	[=वरूथिनी११व्र.
१३	र ४६ २ पू २८ १४	ब्र	२३	४	ग	२०	१७	मी१४।४६	भ.४६।२उ.रोहि.शुक्रः२३।२६प्रदोषः
१४	चं ३६ ३४ उ २१ २	ऐं	१२	३४	वि	११	१८	मीने	भ.११।१८या.
३०	मं २६ ४० रे १३ ८	वै	३७	४८	च	१	३७	मे.१३।८	रेवत्यां बुधः१२।४६

५२पं.वै.कृ.३बृ.इ.५८।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	०	३	१०	११
२१	५	२८	२५	२८	२४	२०	२१
५३	४२	९	५२	५४	२७	३९	४९
३१	२२	३२	५९	४३	४०	३५	४५
५९	४४	८९	०	७१	२९	३	५९
४	१४	३५	१२	२९	व.	११	४

गोचर ग्रहः

वैशाख कृष्णे११शनौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा४ न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहः

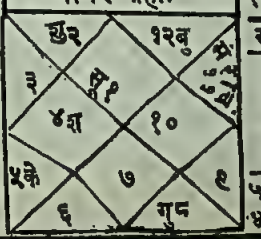

१पं.वै.कृ.११श.इ. १४।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	७	१	३	१०	११
०	१२	११	२५	८	२४	२०	२९
०	०	२६	४४	३८	१८	१३	५५
०	५४	३५	३१	१७	३२	२७	५८
५८	४४	०	१	७०	२०	३	५८
४४	२७	५९	३०	व.	४९	व.	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९							दि.		उ.		अ.		भा.		मु.		इं.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४९१स.२००७
१	बु	१६	३८	अ	१५	५३	प्री	३९	५७	ब	१६	३८	३३	५	३	२८	२९	१८	मेषे	शत.४राहुः पूफा.२केतुः ३६ चंद्रदर्शनम्
२	गु	७	१९	कृ	५१	४५	आ	३०	१७	की	७	१९	५७	३७	२३	२९	१	१९	वृ.११	मार्गी शनिः २३।५५ रविलाखर ४=
३	गु	५१	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	=परशुराम जयंती अक्षया३
४	शु	५२	१७	रो	४६	५९	सौ	२१	२७	व	२५	४३	३३	३६	२४	३०	२	२०	वृषे	भ.२५।४३उ.५२।१७या.
५	श	४७	३०	मृ	४४	९	शो	१४	१४	ब	१९	५४	५	३५	२५	१	३	२१	मि.३५	बुधास्तःपूर्वस्यां५७।३५भा.वैशाखारंभः
६	र	४४	३१	आ	४३	९	अ	८	४७	की	१६	१	९	३४	२६	२	४	२२	मिथुने	[+पूभा. भौमः४७।५८
७	चं	४३	४८	पु	४४	१४	सु	४	४६	ग	१४	१०	१२	३४	२६	३	५	२३	क.२८।५८	भ.४३।४८उ.
८	मं	४४	५०	पु	४७	१२	धृ	२	२३	वि	१४	२०	१६	३३	२७	४	६	२४	कर्के	भ.१४।२०या.अश्वि. मेषे बुधः३०।२४+
९	बु	४७	४४	श्ले	५१	५७	शू	१	२६	बा	१६	१७	२०	३२	२८	५	७	२५	सिं.५१	[×पात मोक्षः२०।३८
१०	गु	५२	५	म	५७	५६	गं	२	१	तै	१९	३०	२३	३१	२९	६	८	२६	सिंहे	मृगे शुक्रः ५७।३४ पातस्पर्शः ८।५०×
११	शु	५७	२३	पू	६०	०	वृ	३	१०	व	२४	४४	२७	३१	२९	७	९	२७	सिंहे	भ.२४।४४उ.५७।२३या. भरण्यां रविः÷
१२	श	६०	०	पू	४	५१	धु	५	५	ब	३०	२६	३१	३०	३०	८	१०	२८	कं. ३१	[÷५४।२९(सौरः५९।४८)मोहिनी११व्र.
१२	र	३	२९	उ	१२	२	व्या	७	२३	बा	३	२९	३४	२९	३१	९	११	२९	कन्यायां	प्रदोषः
१३	चं	९	३७	ह	१९	५९	ह	९	४५	तै	९	३७	४८	२८	३२	१०	१२	३०	तु.५३।२३	भरण्यां बुधः४८।२८नृसिंह जयंती
१४	मं	१५	५१	चि	२७	४	ब	१२	४	व	१५	५१	४१	२८	३२	११	१३	१	तुलायां	भ.१५।५१उ.४८।५०या.मईअता.३१
१५	बु	२१	४९	स्वा	३४	१७	सि	१४	१६	ब	२१	४९	४५	२७	३३	१२	१४	२	तुलायां	मिथुने शुक्रः५१।२६यमाय कुंभदानम्

२पं.वै.शु.५श.इ.१४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	७	१	३	१०	०
६	१७	२४	२५	१६	२४	१९	६
५०	२१	४	२८	४६	१५	५१	४६
४२	२९	४८	५५	२९	०	१२	९
५८	४४	००	३	७०	१०	३	५८
२१	२९	४०	व.	१०	मा	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं बाजरा मूगं मोठ में तेजी हो रुई घृत तिलहन चांदी लोहा आदि धातुओं में मंदी होवे।

गोचर ग्रहाः

३ पं.वै.शु.१२श.इ.१४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	७	१	३	१०	०
१३	२२	८	२५	२४	२४	१९	१३
२९	४१	१	५४	४९	१९	२८	२४
४७	१३	१	३५	८	१६	५६	३४
५८	४४	२९	४	६९	०	३	५८
१९	१९	३२	व.	१६	५८	११	१२

ति.	प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः स. २०६४ शाकः १९२९							दि.		उ.		अ.		भा.		मु.		इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वै. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	गु	२७	१२	वि	४०	५२	व्य	१६	८	को	२७	१२	४८	२६	३४	१३	१५	३	वृ.२४।१३	
२	शु	३१	५५	अ	४६	३८	ब	१७	१३	ग	३१	५५	५२	२६	३४	१४	१६	४	वृश्चिके	
३	श	३५	४३	ज्ये	५१	४४	प	१७	५०	व	३	४९	५५	२५	३५	१५	१७	५	ध.५१।४४	भ.३।४९उ.३५।४३या.चतुर्थी व्र.
४	र	३८	२८	मू	५५	४४	शि	१७	३५	ब	७	५५	५८	२४	३६	१६	१८	६	धनुषि	कृत्ति. बुधः५८।५१
५	चं	४०	१३	पू	५८	३३	सि	१६	३१	का	९	२०	३३	२४	३६	१७	१९	७	धनुषि	मीने भौमः५३।२३
६	मं	४०	४३	उ	६०	०	सा	१४	२९	ग	१०	२८	५	२३	३७	१८	२०	८	म.१३।५८	भ.४०।४३उ. वृषे बुधः३२।५१ आर्द्रा.A
७	बु	३९	५३	उ	०	१३	शु	११	२३	वि	१०	१८	८	२२	३८	१९	२१	९	मकरे	भ.१०।१८या. [Aशुक्रः२४।७
८	गु	३७	२९	श्र	२३	४५	शु	९	११	बा	८	४१	११	२२	३८	२०	२२	१०	कुं.२९।४४	पात स्पर्शः०।७पात मोक्षः११।५३
९	शु	३३	३१	श	५६	९	ब्र	३७	१९	तै	५	३०	१४	२१	३९	२१	२३	११	कुंभे	कृति.रविः४०।२५ (सौरः४७।४०)
१०	श	२८	१५	पू	५१	५१	ध	४७	८	ध	०	५३	१७	२१	३९	२२	२४	१२	मी. ३५	भ.०।५३उ.२८।१५या. उभा. भौमः१३
११	र	२०	५९	उ	४६	२३	वि	३८	२०	बा	२०	५९	२०	२०	४०	२३	२५	१३	मीने	रोहि. बुधः१३।१९अपरा११व्र.
१२	चं	१३	३६	रे	३९	५३	मी	२८	३१	तै	१३	३६	२३	१९	४१	२४	२६	१४	मे.३९।५३	बुधोदयः पश्चिमायां१६।४६अदोषः
१३	मं	४	४८	अ	३२	४३	आ	१८	२०	ब	४	४८	२६	१९	४१	२५	२७	१५	मेषे	भ. ४।४८ उ. ३०।३२ या. वृषेऽर्कः D
१४	मं	५१	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[D७।४० (सौरः१५।२७
३०	बु	४५	५६	म	२५	३१	सौ	७	४९	च	२०	३६	२८	१८	४२	२६	२८	१६	वृ.३८।४९	वट पूजनम्

४पं. प्र.ज्ये.कृ. ३श.इ. १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	७	२	३	१०	०
२०	२८	२२	२४	२	२४	१९	२०
२७	१५९	३२	४३	२८	६	२१	
२५	५२	२	४६	५२	१२	४०	१८
५८	४४	२९	२	६८	१	३	५७
६	२५	४०	व.	३२	३२	११	५७

गोचर ग्रहाः

प्र. ज्येष्ठ कृष्णे १३
भौमे वृषेऽर्कः
प्रविष्टः वा.४ न.५
बृहावस्था (बैठी)
गु.३० धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

५पं.प्र.ज्ये.कृ.१०श.इ.१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	७	२	३	१०	०
२७	३	८	२३	१०	२४	१८	२७
१३	२१	०	५३	२९	४३	४४	६
३७	४७	४	४२	३५	१	२५	३२
५८	४४	२९	१०	६७	२	३	५७
५४	२५	४१	व.	१७	१६	११	४७

(विक्रम सं. २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	प्र.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९	वि.	उ.	न.	भा	मु.	ई.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ५५२०स.२००७
१	गु	३६ ५९ कृ १८ ४३ अ ४८ ६ कि ११ २७	३३	५	६	२७	२९	१७	वृषे	वक्री ज्येष्ठा. २ गुरुः ३८ अधिकमासारंभः
२	शु	२९ ६ रो १२ ३९ सु ३९ ३६ बा ३ ४	३४	१७	४३	२८	३०	१८	मि ४०।२३	चंद्रदर्शनम्
३	श	२२ ५७ मृ ८ ८ धृ ३२ २२ ग २२ ५७	३७	१७	४३	२९	१	१९	मिथुने	भ.५०।३९उ.जमादिलावल५
४	र	१८ २२ आ ५ ४ शू २६ ३८ वि १८ २२	३९	१६	४४	३०	२	२०	क.४९।३७	भ. १८।२२ या. मृगे बुधः १८।२० पुन.÷
५	चं	१६ ८ पु ४ २८ गं २२ ५५ बा १६ ८	४२	१६	४४	३१	३	२१	कर्के	[÷शुक्रः ५८।३९
६	मं	१५ ५६ पु ५ ५५ वृ २० ४४ तै १५ ५६	४४	१५	४५	१	४	२२	कर्के	भा. ज्येष्ठारंभः
७	बु	१७ ५० श्ले ९ १९ ध्रु २० १९ व १७ ५०	४७	१५	४५	२	५	२३	सिं.९।१९	भ.१७।५०उ.४९।४२या.
८	गु	२१ ३४ म १४ २८ च्या २० ५१ ब २१ ३४	४९	१४	४६	३	६	२४	सिंहे	मिथुने बुधः २९।५१
९	शु	२६ ३८ पू २० ५० ह २२ ३० कौ २६ ३८	५२	१४	४६	४	७	२५	कं.३७।४१	रोहि.रविः ३१।१४ (सौरः ४१।३५)
१०	श	३२ ४३ उ २८ १४ व २४ ४६ ग ३२ ४३	५४	१३	४७	५	८	२६	कन्यायां	
११	र	३८ ५३ ह ३५ ४६ सि २७ १४ ग ५ ४८	५६	१३	४७	६	९	२७	कन्यायां	भ.५।४८उ.३८।५३या.कमला ११ व्र.
१२	चं	४५ ३ चि ४३ २२ च्य २९ ४९ ब ११ ५६	५८	१२	४८	७	१०	२८	तु.८।३४	
१३	मं	५० ५६ स्वा ५० २५ व ३१ ५७ कौ १७ ५९	३४ ०	१२	४८	८	११	२९	तुलायां	आर्द्रा.बुधः ११।५४ रेवत्यां भौमः ५०।२९
१४	बु	५५ ५९ वि ५६ ५१ प ३३ ३१ ग २३ २८	२	१२	४८	९	१२	३०	वृ.४०।१४	भ.५५।५९उ. कर्के शुक्रः ४२।२०
१५	गु	५९ ५० अ ६० ० शि ३४ २८ वि २७ ५५	३	११	४९	१०	१३	३१	वृश्चिके	भ.२७।५५या.

६पं.प्र.ज्ये.शु. ३ श.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	७	२	३	१०	१
१३	८	२१	२३	१८	२५	१८	३
५८	३९	२९	८	५	१	२२	५०
३७	२९	१७	३१	५३	५	९	१४
५७	४४	०	६	६५	२	३	५७
३४	१४	३८	व.	४८	५५	११	३४

गोचर ग्रहाः

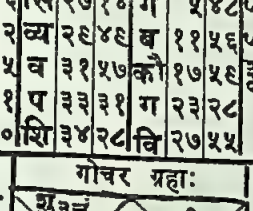

इस मास में धान्य जौ गेहूं बाजरा मूंग मोठ चना गक्का मंदा होकर तेज होवे चांदी सोना लोहा आदि धातुएं तेज हों कहीं वर्षा होवे।

गोचर ग्रहाः

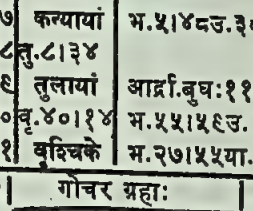

७पं.प्र.ज्ये.शु. १० श.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	७	२	३	१०	१
१०	१३	२	२२	२५	२५	१७	१०
४२	५६	३०	१९	२९	२४	५९	३२
२९	४२	४३	५५	२४	७	५४	२५
५७	४४	८४	४०	६४	३	३	५७
३५	४	४६	व.	९	३४	११	२३

ति	द्वि.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९	वि.	उ.	न.	भा.	मु.	ई.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे प्र. ज्ये. कृष्णेत्ति महाः
१	शु	६० ० अ २ १० सि ३४ ३७ बा ३१ १३	३४	५	९	११	१४	१	वृश्चिके	जून ६ ता.३०
१	श	२ ३४ ज्ये ६ ३६ सा ३३ ५५ कौ २ ३४	७	११	४९	१२	१५	२	ध.६।३६	पुष्ये शुक्रः ५५।३७
२	र	४ ४३ मू ९ ५७ शु ३२ २५ ग ४ ४३	९	१०	५०	१३	१६	३	धनुषि	भ.३५।३उ.
३	चं	५ २४ पू १२ १९ शु ३० ८ वि ५ २४	१०	१०	५०	१४	१७	४	म. ३७	भ.५।२४या. चतुर्थी क्ष.
४	मं	५ १२ उ १३ ४१ ब्र २७ २ बा ५ १२	१२	१०	५०	१५	१८	५	मकरे	
५	बु	३ ५६ श्र १३ ५५ ऐं २३ ३ तै ३ ५६	१३	९	५१	१६	१९	६	कु. ४३	
६	गु	१ ४३ ध १३ २० वै १८ १४ व १ ४३	१५	९	५१	१७	२०	७	कुंभे	भ.१।४३उ.३०।४या.
७	गु	५६ ४१ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	शु	५४ २५ श ११ ४६ वि १२ ४९ बा २६ २४	१६	९	५१	१८	२१	८	मी. ५४	मृगे रविः २६।७ (सौरः ४०।२५
९	श	४९ १० पू ९ ८ प्री ३१ ५२ तै २१ ४७	१७	९	५१	१९	२२	९	मीने	[=१गुरुः ४३।२७
१०	र	४३ ११ उ ५ ३८ सौ ५१ ३१ व १६ ११	१८	८	५२	२०	२३	१०	मीने	भ.१६।१।२उ.४३।११या.
११	चं	३६ १० रे २० ५४ शो ४३ ४ ब ९ ४०	१९	८	५२	२१	२४	११	मे. ५०	कमला ११ व्र.
१२	मं	२८ ३५ भ ५० ५ अ ३४ १० कौ २ २३	१९	८	५२	२२	२५	१२	मेषे	आश्ले. ४शनिः ३८।३०
१३	बु	२० ३७ कृ ४४ ११ सु २४ ५९ व २० ३७	२०	८	५२	२३	२६	१३	वृ.३।३६	भ.२०।३७उ.४६।३७या. वक्री ज्येष्ठा.=
१४	गु	१२ २७ रो ३८ ४१ धृ १५ ५७ श १२ ३७	२१	८	५२	२४	२७	१४	वृषे	[×वक्री. बुधः १२।२६
१५	शु	५ ८ मृ ३४ ६ शू २६ २३ ना ५ ८	२१	८	५२	२५	२८	१५	मि. ६ २३	मिथुनेऽर्कः २४।४१ (सौरः ४१।१३)×

८पं.द्वि.ज्ये.कृ.१श.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	७	३	३	१०	१
१७	१९	११	२१	२	२५	१७	१७
२५	१०	२८	२६	३८	५२	३७	१३
१९	२३	८	२८	३१	८	२८	३१
५७	३३	५४	५१	६२	४	३	५७
२७	५८	४७	व.	५	१३	११	१३

गोचर ग्रहाः

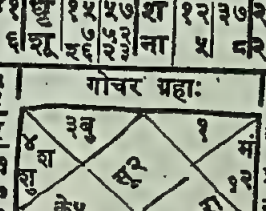

द्वि. ज्येष्ठ. कृष्णे ३० शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

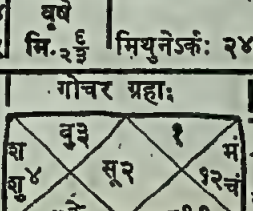

९पं.द्वि.ज्ये.कृ.९श.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	७	३	३	१०	१
२४	२४	१६	२०	९	२६	१७	२३
७	२२	३	३३	३०	२३	१५	५३
१९	१९	२९	३२	२९	५१	२२	२७
५७	३३	२१	५३	५९	४	३	५७
२२	४८	२३	व.	२६	४५	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

ति.द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५५५०स.२००७

१	शु	५३	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷५९।९चंद्र दर्शनम्
२	श	५३	३८	आ	३०	२६	बृ	५३	२०	बा	२६	१२	३४	५	६	२६	२९	१६	मिथुने	आश्ले. शुक्रः५९।२९आश्वि. मेषे भौमः÷
३	र	५०	३२	पु	२८	२६	धु	४८	१९	तै	२२	८	२३	८	५२	२७	१	१७	क. ३३	जमादिलाखर६
४	चं	४९	१२	पु	२८	२०	व्या	४४	३४	व	१९	५२	२३	७	५३	२८	२	१८	कर्के	भः१९।५२उ.४९।१२या.
५	मं	५०	७	श्ले	३०	१६	ह	४२	५६	ब	१९	४०	२३	७	५३	२९	३	१९	सिं. ३०	बुधास्तःपश्चिमायां३१।१६
६	बु	५२	५५	म	३४	९	व	४२	३७	कौ	२१	३१	२३	७	५३	३०	४	२०	सिंहे	शत.३राहुःपूफा.१केतुः२३।१
७	गु	५७	१८	पू	३९	३२	सि	४३	१४	ग	२५	७	२४	७	५३	३१	५	२१	कं.५६।१६	भ.५७।१८उ.
८	शु	६०	०	उ	४६	२६	व्य	४५	१४	वि	३०	४	२४	७	५३	१	६	२२	कन्यायां	भ. ३०।४० या. आर्दा. रविः २३।३६÷
८	श	२	५१	ह	५३	४७	व	४७	३१	ब	२	५१	२४	७	५३	२	७	२३	कन्यायां	[÷(सौरः४२।४६)भा.आषाढारंभः
९	र	८	५९	चि	६०	०	प	५०	६	कौ	८	५९	२४	७	५३	३	८	२४	तु.२७।३७	
१०	चं	१४	५५	चि	१	२७	शि	५२	२९	ग	१४	५५	२४	७	५३	४	९	२५	तुलायां	भ.४७।२७उ. गंगादशमी
११	मं	२१	०	स्वा	८	३२	सि	५४	१९	वि	२१	०	२३	७	५३	५	१०	२६	वृ.५८।३१	भ.२१।० या. पातस्पर्शः३४।०पातमोंक्षः×
१२	बु	२५	५२	वि	१५	१०	सा	५५	१७	बा	२५	५२	२३	७	५३	६	११	२७	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	गु	२९	३१	अ	२०	२८	शु	५५	६	तै	२९	३१	२२	८	५२	७	१२	२८	वृश्चिके	[×५३।२९निर्जला११व्र.
१४	शु	३१	४६	ज्ये	२४	३१	शु	५३	५८	ग	०	३८	२२	८	५२	८	१३	२९	ध. ३४	भ.३१।४६उ.
१५	श	३२	४०	मू	२७	१३	ब्र	५१	५२	वि	२	१३	२१	८	५२	९	१४	३०	धनुषि	भ.२।१३या. गुर्जराणां वटसावित्रीव्रतम्

१०पं.द्वि.ज्ये.शु.२श.इ.१५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	७	३	३	१०	२
०	२९	१७	१९	१५	२६	१६	०
४८	३१	२४	४०	५९	५९	५३	३२
३६	५९	२५	३४	२	२८	७	३६
५७	४३	५६	४०	५५	५	३	५७
१७	३२	व.	व.	५६	६	११	५७

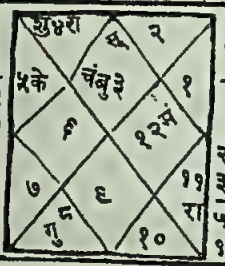

११पं.द्वि.ज्ये.शु.८ श.इ.१५/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	७	३	३	१०	२
७	४	१५	१८	२२	२७	१६	७
२९	३८	३७	५०	०	३८	३०	११
३१	३५	५	२४	४	२०	५१	३
५७	४३	२९	४८	५९	५१	५	३	५७
१३	४	व.	व.	२३	३२	११	५४

१२पं.द्वि.ज्ये.शु.१५श.इ.१५/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	७	३	३	१०	२
१४	९	११	१८	२७	२८	१६	१३
९	४०	५३	४	२५	२०	८	४९
५८	२४	१०	४४	१९	२८	३६	०८
५७	४२	३४	२०	४५	५	३	५६
७	५०	व.	व.	५१	५९	११	५०

ति.आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठ कृष्णेतिमहा.

१	र	३२	१२	पू	२८	४१	ऐं	४८	३९	बा	२	२६	३०	५	५३	१०	१५	१म	४३।४५	जुलाई७ता.३१
२	चं	३०	३७	उ	२८	५८	वै	४४	४७	तै	१	२५	१९	८	५२	११	१६	२	मकरे	भ.५९।२०उ.
३	मं	२८	३	श्र	२८	१६	वि	४०	५	वि	२८	३	१८	८	५२	१२	१७	३	कुं.५७।३५	भ.२८।३या. मघा. सिंहे शुक्रः ५५।२४=
४	बु	२४	४१	ध	२६	५५	प्री	३४	५०	बा	२४	४१	१७	९	५१	१३	१८	४	कुंभे	=चतुर्थी व्र.
५	गु	२०	३८	श	२४	४६	आ	२७	५६	तै	२०	३८	१६	९	५१	१४	१९	५	कुंभे	भरण्यां भौमः२२।५३
६	शु	१६	२४	पू	२२	२६	सौ	२२	४६	व	१६	२४	१५	९	५१	१५	२०	६	मी.८।१	भ. १६।२४ उ. ४४।२ या. पुन. रविः×
७	श	११	४०	उ	१९	३१	शो	१६	२१	ब	११	४०	१४	९	५१	१६	२१	७	मीने	[×२२।२६(सौरः४६।४८)
८	र	६	३१	रे	१६	१७	अ	९	३२	कौ	६	३१	१३	९	५१	१७	२२	८	मे.१६।१७	बुधोदयःपूर्वस्यां१६।१४
९	चं	१	७	अ	१२	४०	सु	३	५२	ग	१	७	११	१०	५०	१८	२३	९	मेषे	भ.२८।६उ.५५।५या.पातस्पर्शः५६।३२
१०	चं	५३	५८		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	मं	४८	५८	भ	८	४४	शू	४७	२६	ब	२२	१	१०	१०	५०	१९	२४	१०	वृ.२२।४२	
१२	बु	४२	५४	कृ	४	३७	गं	३९	५८	कौ	१५	५६	८	१०	५०	२०	२५	११	वृषे	पातमोक्षः११।७योगिनी ११व्र.स्मा.
१३	गु	३६	५९	रो	४०	५६	वृ	३२	३९	ग	९	५६	७	११	४९	२१	२६	१२	मि२८।५०	मार्गी बुधः९।२१योगिनी ११ व्र. वै.
१४	शु	३१	४८	आ	५३	५९	धु	२५	४५	वि	४	२३	५	११	४९	२२	२७	१३	मिथुने	भ.३९।५९उ.प्रदोषः
३०	श	२७	१९	पु	५२	२	व्या	१९	२६	ना	२७	१९	३	११	४९	२३	२८	१४	कं.३७।३२	भ.४।२३ या.

१३पं.आ.कृ.७श. इ. १५/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	७	४	३	१०	२
२०	१४	९	१७	२	२९	१५	२०
५०	३९	९	२४	७	५	४६	२७
२४	२५	२५	२२	१	१३	२०	२
५७	४२	३३	३५	२८	६	३	५६
७	२३	व.	व.	८	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य जौ गेहूं चना मटर सरसो अलसी बाजरा बुदि में मंदा होकर सुदि में तेज हो कहीं२वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

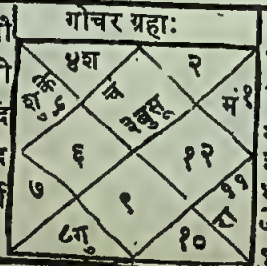

१४पं.आ.कृ. ३० श.इ. १५/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	७	४	३	१०	२
२७	१९	९	१६	५	२९	१५	२७
३०	३४	४	५१	४९	५२	२४	५
४३	१९	८	१८	१९	१९	४	९
५७	४१	१३	१५	२८	६	३	५६
११	५३	मा	व.	१८	३२	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः५५७९ स.२००७
१	र	२४	२३	पु	५१	४९	ह	१४	१६	व	२४	२३	३४	५	६	२४	२९	१५	कर्क	मघा.१ सिंहेशनिः२५।४५ चंद्रदर्शनम्
२	चं	२२	५७	श्ले	५२	५४	व	१०	१९	कौ	२२	२७	३३	१२	४८	२५	१	१६	सिं. ५२	कर्केऽर्कः५१।५२वक्री अनु.४गुरुः५४।५+
३	मं	२३	२३	म	५५	५६	सि	७	४९	ग	२३	२३	५७	१३	४७	२६	२	१७	सिंहे	भ.५४।३० उ. कर्केऽर्कः सौरः१९।३२
४	बु	२५	३८	पू	६०	०	व्य	६	३४	वि	२५	३८	५५	१३	४७	२७	३	१८	सिंहे	भ.२५।३८ या.
५	गु	२९	२५	पू	०	२९	च	६	३५	बा	२९	२५	५२	१४	४६	२८	४	१९	कं. २।१	[+रज्जव ७ रथयात्रा
६	श	४०	२८	ह	१३	२६	शि	९	४५	ग	७	३१	४८	१४	४६	२९	५	२०	कन्यायां	पुष्ये रविः२१।१०(सौरः५०।१३)
७	र	४६	३५	चि	२०	५४	सि	१२	१०	वि	१३	३१	४५	१५	४५	३१	७	२२	तुलायां	भ.४०।२८ उ.
८	चं	५२	४०	स्वा	२८	२२	सा	१४	३८	बा	१९	३७	४३	१५	४५	१	८	२३	तुलायां	भ.१३।३१ या.
९	मं	५७	१७	वि	३५	२३	शु	१६	४१	तै	२४	५८	४०	१६	४४	२	९	२४	वृ.१८।३८	रा.श्राणारंभः
१०	बु	६०	०	अ	४१	१३	शु	१८	८	व	२९	२४	३८	१६	४४	३	१०	२५	वृश्चिके	कृत्ति. भौमः ३२।२८
११	गु	१	३२	ज्ये	४५	३५	ब्र	१८	२५	वि	१	३२	३५	१७	४३	४	११	२६	ध.४५।३५	भ.२९।२४ उ. देवशयनी११व्र. स्मा.
१२	शु	३	४१	मू	४८	१८	ऐं	१७	३१	बा	३	४१	३३	१७	४३	५	१२	२७	धनुषि	भ.३२ या. पुन.बुधः३६देवशयनी११व्र.वै
१३	श	४	२३	पू	४९	२२	वै	१५	२०	तै	४	२३	३०	१८	४२	६	१३	२८	धनुषि	प्रदोषः
१४	र	३	०	उ	४८	४४	वि	११	३७	व	३	०	२७	१९	४१	७	१४	२९	म.४।१२	वक्री शुक्रः१८।१७
१५	चं	०	१०	श्र	४७	१	प्री	६	५३	ब	०	१०	२४	१९	४१	८	१५	३०	मकरे	भ.३।० उ.३५या.वृषे भौमः३८वायुपरीक्षा
																				व्यासपूजा गुरु १५

१५पं.आ. शु.७श.इ. १५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	७	४	४	१०	३
४	२४	१३	१६	८	०	१५	३
११	२४	५५	२५	१३	४१	१	४३
२८	७	५९	५५	८	१७	४९	३६
५७	४१	६१	१३	१५	६	३	५६
१५	१८	२१	व.	२८	४९	११	५८

गोचर ग्रहाः

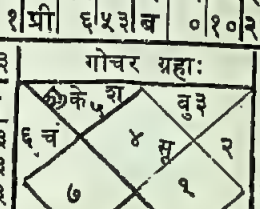

आषाढ शुक्ले २ चंद्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा४ न.५युवावस्था (सूती) मुः१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

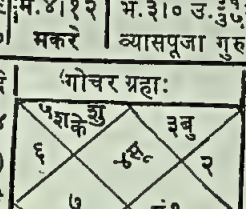

१६पं.आ.शु.१३श.इ. १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	७	४	४	१०	३
१०	२९	२२	१६	९	१	१४	१०
५२	९	५२	८	०	३२	३९	२२
३०	४३	१२	२४	२५	१३	३३	५३
५७	४०	५७	५९	०	७	३	५७
२०	५५	७	व.	९	२	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	चं	५६	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
२	मं	५१	१५	ध	४४	१७	आ	१४	५३	तै	२३	४६	३३	५	६	९	१६	३१	कुं१५।३९	[÷२५।१० अगस्त ८ ता.३१
३	बु	४५	३७	श	४०	४९	शो	४७	३९	व	१८	२६	१९	२०	४०	१०	१७	१	कुंभे	भ. १८।२६ उ.४५।३७ या. कर्के बुधः÷
४	गु	३९	४८	पू	३६	५८	अ	४०	२२	ब	१२	४२	१६	२१	३९	११	१८	२	मी.२२	चतुर्थी व्र.
५	शु	३३	५५	उ	३३	१२	सु	३२	५८	कौ	६	५५	१३	२१	३९	१२	१९	३	मीने	आश्ले. रविः १८।११(सौरः ५१।०) =
६	श	२८	२३	रे	२९	३१	धृ	२५	४२	ग	१	९	१०	२२	३८	१३	२०	४	मे.२९।३१	भ. २८।२३ उ.५५।३८या. अस्तंशनेः ३६
७	र	२२	५२	अ	२५	४५	शू	१८	२९	ब	२२	५२	७	२३	३७	१४	२१	५	मेषे	[=पुष्येबुधः३९बुवास्तःपूर्वस्यां४१नाग५
८	चं	१७	३३	भ	२२	३५	ग	११	३४	कौ	१७	३३	४	२३	३७	१५	२२	६	वृ.३६।४७	मार्गी गुरुः३०।५९
९	मं	१२	३४	कृ	१९	२६	ब्र	४४	५३	ग	१२	३४	०	२४	३६	१६	२३	७	वृषे	भ.४०।१५ उ.
१०	बु	७	५६	रो	१६	४७	व्या	५१	८	वि	७	५६	३२	२५	३५	१७	२४	८	मि. ४५	भ. ७।५६ या.
११	गु	३	४०	मृ	१४	३४	ह	४६	३०	बा	३	४०	५४	२५	३५	१८	२५	९	मिथुने	शुक्रास्त।पश्चिमायां ३९ कामिका ११व्र.
१२	शु	०	५	आ	१३	४	व	४१	२२	तै	०	५	५०	२६	३४	१९	२६	१०	क५७।२८	भ.५७।१६ उ. आश्ले.बुधः५।३८ प्रदोषः
१३	शु	५७	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	श	५५	३०	पु	१२	१६	सि	३७	१	वि	२६	२३	४७	२७	३३	२०	२७	११	कर्के	भ.२६।२३ या. मघा. २ शनिः३९।३८
१५	र	५४	५६	पु	१२	२६	व्य	३३	३१	च	२५	१३	४४	२७	३३	२१	२८	१२	कर्के	हरियाली

१७पं.श्रा.कृ. १ श. इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	७	४	४	१०	३
१७	३	५	१६	७	२	१४	१७
३४	१०	६	०	५३	२४	१७	२
१२	४९	२२	११	२	०	१८	४१
५७	४०	२९	२४	१४	७	३	५७
२५	१७	२७	व.	व.	८	११	१२

गोचर ग्रहाः

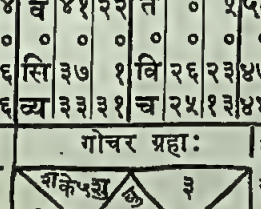

वृष राशौ यदा भौमः सर्वधान्य महर्घता । चन्दनं कुंकुमं वस्त्र कार्पासादि महर्घता ।। इसमास में धान्य व रस तेज हो वर्षा श्रेष्ट होवे ।

गोचर ग्रहाः

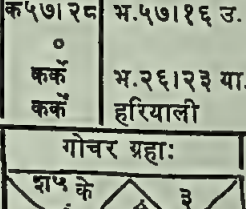

१८ पं. श्रा.कृ.१४ श.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	७	४	४	१०	३
२४	८	१९	१६	४	३	१३	२३
१६	२४	०	०	५७	१६	५५	४३
३७	४३	१	२५	४	५९	२	४८
५७	३९	२९	५०	५३	७	३	५७
३३	३२	४७	मा	व.	१४	११	२२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५६०८ स.२००७
१	चं	५५	४३	श्ले	१३	५३	व	३१	१	किं	२५	१९	३२/४०	५/२८	६/३२	२२	२९	१३	सिं१३।५३	रोहि. भौमः३९।१४
२	मं	५८	९	म	१६	४३	प	२९	५२	बा	२६	५६	३७	२९	३१	२३	३०	१४	सिंहे	चंद्र दर्शनम् सिंधारा
३	बु	६०	०	पू	२१	११	शि	२९	२३	तै	३०	१	३३	२९	३१	२४	१	१५	कं.३७।३५	सावान८तीज
३	गु	१	५२	उ	२६	४७	सि	३०	११	ग	१	५२	३०	३०	३०	२५	२	१६	कन्यायां	भ.३४।२१उ.मघा.सिंहे बुधः१५।२३
४	शु	६	५०	ह	३३	१८	सा	३१	३२	वि	६	५०	२६	३१	२९	२६	३	१७	कन्यायां	भ. ६।५० या. मघा. सिंहेऽर्कः १२।१३×
५	श	१२	३३	चि	४०	१३	शु	३३	५२	बा	१२	३३	२२	३२	२८	२७	४	१८	तु.६।४५	नाग पंचमी
६	र	१८	४३	स्वा	४८	१४	शु	३६	२१	तै	१८	४३	१९	३२	२८	२८	५	१९	तुलायां	वक्री कर्के आश्ले. शुक्रः२६।३
७	चं	२५	०	वि	५५	४३	ब्र	३८	५२	व	२५	०	१५	३३	२७	२९	६	२०	वृ.३८।५१	भ.२५।०उ.५७।४८या.
८	मं	३०	३६	अ	६०	०	ऐं	४०	४९	ब	३०	३६	१२	३४	२६	३०	७	२१	वृ.श्चिके	[×(सौरः४७।२५)वरद४
९	बु	३५	०	अ	२	८	वै	४१	४५	बा	२	४८	८	३४	२६	३१	८	२२	वृश्चिके	शत राहुःमघा.४केतुः१५।३३
१०	गु	३७	५२	ज्ये	७	२७	वि	४१	४१	तै	६	२६	४	३५	२५	१	९	२३	ध. ७।२७	पूफा.बुधः२०।१७रा.भाद्रपदारंभः
११	शु	३८	४३	मू	११	११	प्री	४०	७	व	८	१७	१	३६	२४	२	१०	२४	धनुषि	भ. ८।१७ उ. ३८।४३ या. शुक्रोदयः=
१२	श	३७	३९	पू	१२	५३	आ	३७	५	ब	८	१०	३१/५७	३७	२३	३	११	२५	म.२७।५१	[=पूर्वस्यां२८।१२पवित्रा११व्र.
१३	र	३४	४५	उ	१२	४४	सौ	३२	२५	कौ	६	१२	५३	३७	२३	४	१२	२६	मकरे	प्रदोष. [=बन्धनम्
१४	चं	३०	८	श्र	१०	५०	शो	२६	२१	ग	२	२६	४९	३८	२२	५	१३	२७	कुं. ३९।३	भ.३०।८उ.५७।४या.
१५	मं	२३	५९	ध	७	१६	ध्रु	१९	६	ब	२३	५९	४६	३९	२१	६	१४	२८	कुम्भे	ज्येष्ठा.१गुरुः१६।२१श्रावणी कर्म रक्षा=

१९पं. श्रा.शु. ५श.इ. १४/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	७	४	४	१०	४
०	१२	३	१६	०	४	१३	०
५९	५१	५७	१०	४३	९	३२	२६
५३	१८	७	४१	३४	४७	४६	१
५७	३८/४६	[illegible]	२	३६/३१	७	३	५७
४०	मा	२८	००	व.	२०	११	३४

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले सिंहेऽर्कः प्रविष्टाः वा.५न.५ बालावस्था (बैठी)मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

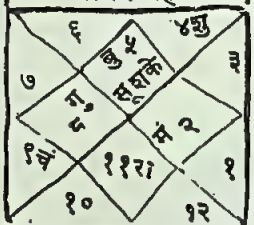

२०पं.श्रा.शु.१२श.इ. १४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	७	३	४	१०	४
७	१७	१६	१६	२६	५	१३	७
४४	९	५४	२९	३४	३	१०	९
२०	५४	०	३८	४१	५८	३८	३०
५७	३७	[illegible]	३	३०/२९	७	३	५७
४९	३७	३७	२५	व.	२०	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.:
१	बु	१६	४६	श	२/३४	५४/३१	सु	१०	५८	कौ	१६	४६	३१/४२	५/४०	६/२०	७	१५	२९	मी.४३/२७	
२	गु	९	२४	उ	५१	२४	धृ	२/११	५१/२	ग	९	२४	३८	४०	२०	८	१६	३०	मीने	भ.३५।२८उ.उफा.बुधः४७।२१
३	शु	१	३३	रे	४५	५३	गं	४४	२७	वि	१	३३	२४	४१	१९	९	१७	३१	मे.४५।५३	भ.१।३३या.पूफा.रविः१।४९(सौरः३८/१६)=
४	शु	५२	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=बुधोदयःपश्चिमायां३।२६चतुर्थीव्र.
५	श	४७	२३	अ	४०	४३	बृ	३५	४०	कौ	२०	१	३०	४२	१८	१०	१८	१	मेषे	कन्यायां बुधः४२।५सितम्बर९ता.३०
६	र	४१	१०	भ	३६	२३	ध्रु	२७	४४	ग	१४	१६	२६	४३	१७	११	१९	२	वृ.५०।३०	भ.४१।१०उ.चंद्रषष्ठी
७	चं	३६	८	कृ	३२	४९	व्या	२०	८	वि	८	३८	२२	४४	१६	१२	२०	३	वृषे	भ.८।३८या.जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	मं	३१	२५	रो	३०	१०	ह	१३	२८	बा	३	४६	१८	४४	१६	१३	२१	४	मि.४९/१४	मृगे भौमः५१।३९जन्माष्मी व्र.वै.
९	बु	२७	५७	मृ	२८	१८	व	७	३१	ग	२७	५७	१५	४५	१५	१४	२२	५	मिथुने	भ.५६।४४गोगा९
१०	गु	२५	३२	आ	२७	२६	सि	२/१९	५५/४१	वि	२५	३२	११	४६	१४	१५	२३	६	मिथुने	भ.२५।३२या.मघा.३शनिः५३।३३
११	शु	२४	३	पु	२७	४९	व	५४	२१	बा	२४	३	७	४७	१३	१६	२४	७	क.१२।४६	हस्ते बुधः५६।१२अजा११व्र.
१२	श	२३	३८	पु	२९	४	प	५१	४९	तै	२३	३८	३	४७	१३	१७	२५	८	कर्के	मार्गी शुक्रः १।२० उदयं शनेः ५२।२१+
१३	र	२४	२३	श्ले	३१	३५	शि	४९	५०	व	२४	२३	३०/५९	४८	१२	१८	२६	९	सिं३१।३५	भ.२४।२३उ.५५।१७या.
१४	चं	२६	११	म	३४	५८	सि	४९	१९	श	२६	११	५५	४९	११	१९	२७	१०	सिंहे	[+वत्सद्वादशी प्रदोषः
३०	मं	२९	१९	म	३९	३०	सा	४८	५४	ना	२९	१९	५१	५०	१०	२०	२८	११	कं.५५।५३	कुशा ग्रहणी पिठोरी३०मन्वादिः

२१पं.भा. कृ.५ श.इ. १४/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	७	३	४	१०	४
१४	२१	२९	१६	२३	५	१२	१३
३०	१८	११	५६	३६	५७	४८	५४
०	४०	२०	१७	५८	७	१५	४२
५८	३६	[illegible]	४	१६/३६	७	३	५७
१	२१	[illegible]	३४	व.	१७	११	५७

गोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं चना चावल जौ वाजरा आदि धान्य तथा चांदी स्वर्ण आदि धातु मंदी होवे चोपाये पशु ओ में रोग हो।

गोचर ग्रहाः

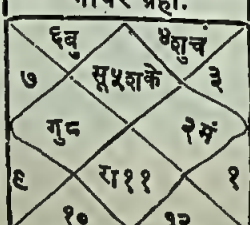

२२पं.भा.कृ.१२श.इ. १४/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	७	३	४	१०	४
२१	२५	१०	१७	२२	१६	१२	२०
१७	१८	२८	३२	२८	४९	२५	४१
२	४३	१६	२	३०	३४	००	२२
५८	३५	९५	५	३०/३१	७	३	५८
१३	१२	११	४२	मा	८	११	१२

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरद्दतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६३८स.२००७
१	बु	३३	२६	उ	४५	१	शु	४६	४१	कि	१	१२	३०	५१	६	२१	२६	१२	कन्यायां	[×हरितालिका ३
२	गु	३८	३८	ह	५१	३१	शु	५१	६	बा	६	२	४३	५१	६	२२	३०	१३	कन्यायां	उषा.रवि:४६।१४ चंद्रदर्शनम्
३	शु	४४	२३	चि	५८	४६	ब्र	५३	३	तै	११	३१	३९	५२	८	२३	१	१४	तु.२५।१०	उषा. रविः सौरः २२।५६ रमजान ९ ×
४	श	५०	४५	स्वा	६०	०	ऐं	५५	२४	व	१७	४०	३५	५३	७	२४	२	१५	तुलायां	भ.१७।४० उ.५०।४५ या. गणेश चतुर्थी
५	र	५७	८	स्वा	६	२३	वै	५७	५३	ब	२३	५६	३१	५४	६	२५	३	१६	वृ.५७।१०	मिथुने भौमः ४६।२१ ऋषि पंचमी
६	चं	६०	०	वि	१४	५	वि	६०	०	कौ	३०	८	२७	५५	५	२६	४	१७	वृश्चिके	कन्यायामर्कः ३१५(सौरः४८)चित्रा.बुधः२४७
६	मं	३	६	अ	२१	२७	वि	०	३०	तै	३	६	२२	५६	४	२७	५	१८	वृश्चिके	[÷जलझूलनी ११व्र. वामन जयंती
७	बु	८	१०	ज्ये	२७	३५	प्री	२	१०	व	८	१०	१८	५६	४	२८	६	१९	ध. ३५	भ.८।१० उ.४०।५ या.
८	गु	११	५९	मू	३२	३७	आ	२	५९	ब	११	५९	१४	५७	३	२९	७	२०	धनुषि	
९	शु	१४	१	पू	३५	४८	सौ	२	३५	कौ	१४	१	९	५८	२	३०	८	२१	म.५१। ७	
१०	श	१४	५	उ	३७	२	शो	०	५६	ग	१४	५	५	५९	१	३१	९	२२	मकरे	भ.४३।५ उ. तुलायां बुधः१३।३३
११	र	१२	५	श्र	३६	१३	सु	५२	१०	वि	१२	५	०	०	०	१	१०	२३	मकरे	भ. १२।५ या. रा. आश्विनारंभः ÷
१२	चं	८	२	ध	३३	३१	गु	४५	३३	बा	८	२	५९	५९	५५	२	११	२४	कुं. ५२	प्रदोषः
१३	मं	२	६	श	२८	४९	धृ	३७	२२	तै	२	६	५३	२	५८	३	१२	२५	कुम्भे	भ.५४।३९ उ. अनंत १४
१४	मं	५२	३३	०	०	०	शु	०	०	०	०	०	०	२	०	०	०	०	०	
१५	बु	४६	६	पू	२२	५९	गं	२८	१	वि	२०	२०	४८	२	५८	४	१३	२६	मी. ९।२६	भ.३०या.महालयारंभः कु.संध्या.पूजनारंभ.

२३पं.भा.शु.४श.ह.१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	७	३	४	१०	४
२८	२९	२०	१८	२३	७	१२	२७
५	६	४६	१५	१८	४१	३	२९
२४	१४	५	१४	२५	३५	४४	४१
५८	३३	८४	६	१५	७	३	५८
२६	४७	४०	३८	३७	२	११	२९

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद शुक्ले ६ चंद्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ गतालका वस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

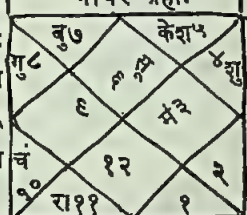

२४ पं.भा.शु.१०श.इ.१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	७	३	४	१०	५
४	२	०	१९	२५	८	११	४
५५	४२	०	५	४७	३२	४१	१९
१६	४०	११	६	६	३०	२८	४८
५८	३२	७२	७	२८	६	३	५८
२८	१६	१३	४८	१२	४९	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९							वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरद्दतु रविर्दक्षिणे भा. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	गु	३७	०	उ	१६	२०	वृ	१८	२१	बा	११	३३	३९	५७	५	१४	२७	मीने	हस्ते रविः२४(सौरः१०)स्वात्यां बुधः५९
२	शु	२७	५६	रे	६	१	धु	५१	४९	तै	२	२८	४०	४	५६	६	१५	२८	मे.६।१	भ.५३।३२ उ. ज्येष्टा. २गुरुः ५६।३४
३	श	१६	८	अ	५३	५३	ह	४७	३४	वि	१६	८	३६	५	५५	७	१६	२९	मेषे	भ.१६।८या. मघा.सिंहे शुक्रः५३चतुर्थी व्र.
४	र	१०	५९	कृ	४९	५७	व्र	३८	१९	बा	१०	५९	३२	६	५४	८	१७	३०	वृ.९।८	आर्द्रा. भौमः २६।१७
५	चं	४	५	रो	४५	४३	सि	२९	५१	तै	४	५	२८	६	५४	९	१८	१	बृषे	भ.५८।२२ उ. अक्टूबर १० ता. ३१
६	चं	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
७	मं	५४	२४	मृ	४२	४९	व्य	२२	३८	वि	२६	२३	२३	७	५३	१०	१९	२	मि.१५	
८	बु	५१	५७	आ	४१	२८	व	१६	४०	बा	२३	१०	१९	८	५२	११	२०	३	मिथुने	भ.२६।२३ या.
९	गु	५०	४७	पु	४१	३७	प	११	५७	तै	२१	२२	१५	९	५१	१२	२१	४	क.२६।३४	
१०	शु	५१	११	पु	४३	६	शि	८	२२	व	२०	५९	११	१०	५०	१३	२२	५	कर्के	मघा. ४ शनिः ५४।२८ मातृ ९+
११	श	५२	५४	श्ले	४६	११	सि	५	५४	ब	२२	३	७	११	४९	१४	२३	६	सिं. ४६	भ.२०।५९ उ.५१।११ या.
१२	र	५५	४०	म	५०	४	सा	४	२७	कौ	२४	१७	३	११	४९	१५	२४	७	सिंहे	इंदिरा ११ व्र.
१३	चं	५९	४८	पु	५५	१३	शु	४	४	ग	२७	४४	२९	१२	४८	१६	२५	८	सिंहे	भ.५९।४८ उ. प्रदोषः
१४	मं	६०	०	उ	६०	०	शु	४	३३	वि	३२	११	५५	१३	४७	१७	२६	९	कं.११।४३	भ.३२।११ या. शस्त्रादि हतानांश्रा.
१४	बु	४	३४	उ	१	१३	ब्र	५	२४	श	४	३४	५१	१४	४६	१८	२७	१०	कन्यायां	चित्रा.रविः५६ वक्री-बुधः५१ सर्वे पितृ३०
१५	गु	१०	१०	ह	८	५	ऐं	७	१०	ना	१०	१०	४७	१५	४५	१९	२८	११	तु.४१।३६	चित्रा. रविः सौरः३१।११

२५पं.आ.कृ.३श.इ.१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	७	३	४	१०	५
११	६	७	२०	२९	९	११	११
४६	३	४८	२	२५	२१	१९	११
५२	४	५०	२	२	१४	१३	४८
८	३०	५५	८	३७	६	३	५९
५३	२९	३४	४२	५३	३४	११	००

गोचर ग्रहाः

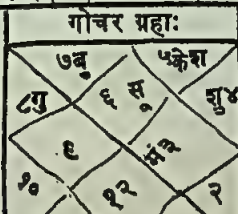

इस मास में शनिवार का चंद्रदर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत तथा धान्य तेज होवे कहीं २ वर्षा की होवे

गोचर ग्रहाः

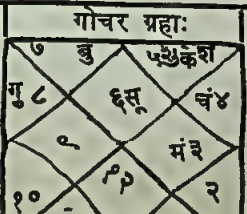

२६पं.आ.कृ.११श. इ. १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	७	४	४	१०	५
१८	९	१३	२१	४	१०	१०	१८
४०	७	२८	५	२८	८	५६	५
८	१२	८	६	१२	२०	५७	३५
५९	२७	२८	९	४५	६	३	५९
९	४४	६	३२	२९	२०	११	१६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५६ सन् २००७
१	शु	१६	११	चि	१५	७	वै	६	५	ब	१६	११	२६	१५	४५	२०	२६	१२	तुलायां	नवरात्रारंभः मातामहश्राद्धम्
२	श	२२	३०	स्वा	२२	३६	वि	११	२३	कौ	२२	३०	२९	१६	४४	२१	३०	१३	तुलायां	चंद्रदर्शनम् [÷स्मा. कोजागरी व्र.
३	र	२९	१	वि	३०	२०	प्री	१३	४९	ग	२९	१	३५	१७	४३	२२	१	१४	वृ.	सव्वाल १०
४	चं	३५	१३	अ	३७	५९	आ	१६	२	व	२	७	३१	१८	४२	२३	२	१५	वृश्चिके	भ.२।७ उ.३५।१३ या.
५	मं	४०	३३	ज्ये	४४	३४	सौ	१८	०	ब	७	५३	२७	१९	४१	२४	३	१६	व	४४।३४ पूफा. शुक्रः ५९।३
६	बु	४४	५६	मू	५०	२८	शो	१९	२२	कौ	१२	४४	२३	१९	४१	२५	४	१७	धनुषि	तुलायामर्कः ४०।३२
७	गु	४७	५५	पू	५४	५८	अ	१९	५९	ग	१६	२५	२०	२०	४०	२६	५	१८	धनुषि	भ. ४७।५५ उ. तुलायामर्कः =
८	शु	४९	१८	उ	५७	५२	सु	१९	१८	वि	१८	३६	१६	२१	३९	२७	६	१९	म.	भ.१८।३६ या. ज्येष्ठा. ३ गुरुः ३८।४०
९	श	४८	४९	श्र	५८	५३	धृ	१७	१७	बा	१९	६	१२	२२	३८	२८	७	२०	मकरे	[=सौर:१३।५५ बुधास्तःपश्चिमायां ५७
१०	र	४६	२२	ध	५८	३	शू	१३	४१	तै	१७	३५	८	२२	३८	२९	८	२१	कुं.	[अशत. १राहुःमघा. ३केतुः ७।३३प्रदोषः
११	चं	४१	४९	श	५५	३	गं	८	३४	व	१४	५	४	२३	३७	३०	९	२२	कुंभे	भ.१४।५ उ.४१।४९या. पापां कुशा ११ व्र.
१२	मं	३५	१७	पू	५०	१९	वृ	५१	५३	ब	८	३२	०	२४	३६	१	१०	२३	मी.	वक्री चित्रा.बुधः १४।५१ रा. कार्तिकारंभः
१३	बु	२७	३०	उ	४४	२	ब्या	४४	८	कौ	१	२३	२७	२५	३५	२	११	२४	मीने	स्वात्यां रविः २२।३७ (सौरः५४।५८) A
१४	गु	१८	२४	रे	३६	५०	ह	३३	४२	व	१८	२४	५३	२५	३५	३	१२	२५	मे.	३६।५० भ.१८।२४ उ.४३।३४या. शरद्पूर्णिमा÷
१५	शु	८	४३	अ	२८	५९	व	२२	५७	ब	८	४३	४९	२६	३४	४	१३	२६	मेषे	शरद् पूर्णिमा वैं. का. स्ना. प्रा.

२७ पं.आ.शु. २ श.इ. १३ १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	७	४	४	१०	५
२५	११	१५	२२	१०	१०	१०	२५
३५	५१	१८	१३	४	५२	३४	०१
२	२९	३२	३४	४९	४४	४२	१७
५९	२५	४१	१०	५०	५	३	५९
२१	२०	व.	१६	५५	५६	१६	३१

गोचर ग्रहाः

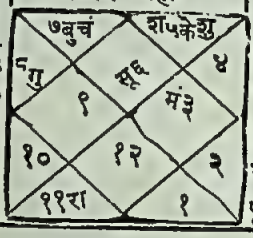

आश्विनशुक्ले ६ बुधे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ युवावस्था (सूती)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

२८ पं.आ.शु.९ श.इ.१३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	र	र
६	२	६	७	४	४	१०	६
२	१४	१०	२३	१६	११	१०	१
३१	९	३८	२६	१९	३४	१२	५८
२६	४७	५३	१७	२३	१२	२६	४३
५९	२२	५९	१०	५५	५	३	५९
३४	२२	व.	५६	२७	३२	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतृतु रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	शु	५०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	४९	१७	म	२१	३	सि	११	४९	तै	२४	४	२७	२७	३३	५	१४	२७	वृ.	३४।१२
३	र	४०	३५	कृ	१३	३९	व्य	१	४९	व	१४	५६	४१	२८	३२	६	१५	२८	वृषे	
४	चं	३३	३	रो	७	१०	प	४१	४०	ब	६	५०	२७	२९	३१	७	१६	२९	मि.	भ.१४।५६ उ.४०।३५या.
५	मं	२७	१८	मृ	२	५६	शि	३३	४०	कौ	०	१०	२४	२९	३१	८	१७	३०	मिथुने	वक्री कन्यायां बुधः १२ बुधोदयःपूर्वस्यां=
६	बु	२३	३५	पु	५७	४०	सि	२७	१४	व	२३	३५	३०	३०	३०	९	१८	३१	क.	उफा.शुक्रः ५०।५
७	गु	२१	२६	पु	५८	०	सा	२२	२५	व	२१	२६	२७	३१	२९	१०	१९	१	कर्के	भ.२३।३५ उ.५२।३१या.
८	शु	२१	३४	श्ले	६०	०	शु	१८	५५	कौ	२१	३४	२३	३१	२९	११	२०	२	कर्के	मार्गी बुधः ५१।३७ नवम्बर ११ ता.३०
९	श	२३	१९	श्ले	०	३४	शु	१७	१३	ग	२३	१९	१९	३२	२८	१२	२१	३	सिं.	[=५२।५७ करक चतुर्थी व्र.
१०	र	२६	३२	म	४	२८	ब्र	१६	२९	वि	२६	३२	१६	३३	२७	१३	२२	४	सिंहे	भ.५४।५५ उ कन्यायां शुक्रः ५।१२
११	चं	३१	८	पू	९	५४	ऐं	१७	११	बा	३१	८	१२	३४	२६	१४	२३	५	कं.	भ.२६।३२या. तुलायां बुधः ३६।४३
१२	मं	३६	३१	उ	१६	५	वै	१८	१५	कौ	३	४९	९	३४	२६	१५	२४	६	कन्यायां	ज्येष्ठा.४गुरुः ५४।० रमा ११ व्र.
१३	बु	४२	३४	ह	२३	१८	वि	२०	८	ग	९	३७	५	३५	२५	१६	२५	७	तु.	विशा. रविः ४३।३
१४	गु	४९	०	चि	३०	३१	प्री	२२	१६	वि	१५	५२	२	३६	२४	१७	२६	८	तुलायां	भ. ४४ उ. विशा.रविः सौरः १२ २३ प्रदोषः ÷
३०	शु	५५	२६	स्वा	३८	१०	आ	२४	३३	च	१२	१३	५८	३६	२४	१८	२७	९	तुलायां	भ.१५।५२या. रूप १४ [÷धन १३
																				महालक्ष्मी पूजनम्

२९ पं.का. कृ.२ श. इ. १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	७	४	४	१०	६
९	१५	२२	२३	१२	९	८	
२९	५९	२८	४५	२	१२	५०	५८
४२	२०	२६	३६	५३	४३	१०	३
५९	१८	४१	११	५८	५	३	६०
४७	२५	व.	३८	४४	२	११	२

गोचर ग्रहाः

कार्तिक शुक्ले ६ शुक्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ प्रौढावस्था बैठी) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

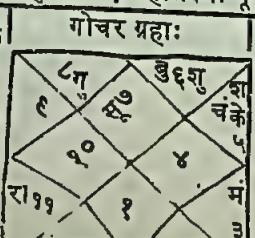

३० पं.का.कृ.९ श.इ. १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	५	७	५	४	१०	६
१६	१७	२९	२६	०	१२	९	१५
२९	२९	३४	७	७	४७	२७	५९
२८	१३	५९	२३	४१	२४	५५	७
६०	१४	५३	१२	६१	४	३	६०
४	७	मा	८	३०	३८	११	१८

(सं. २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६९७ स.२००७
१	श	६०	०	वि	४५	३६	सौ	२६	५१	किं	२८	३७	२६/५५	६/३७	४/२३	१९	२८	१०	वृ.२८।४५	पूफा.१शनिः३५।४ अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	र	१	४७	अ	५२	४९	शो	२९	५१	व	१	४७	५२	३८	२२	२०	२९	११	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्
३	चं	७	४१	ज्ये	५९	२९	अ	३०	५०	कौ	७	४१	४९	३८	२२	२१	१	१२	ध. ५९/२९	स्वात्यां बुधः १।५६ हस्तेशुक्रः ३३।१३×
३	मं	१२	४८	मू	६०	०	सु	३१	५४	ग	१२	४८	४५	३९	२१	२२	२	१३	धनुषि	भ.४४।५९उ.
४	बु	१७	११	मू	५	२०	धृ	३२	२२	वि	१७	११	४२	४०	२०	२३	३	१४	धनषि	भ.१७।११या. [+तुलसीविवाह
५	गु	२०	२२	पू	१०	३०	शू	३२	२३	बा	२०	२२	३९	४०	२०	२४	४	१५	म. ३६/२५	[÷१धनुषिगुरुः ५४/८ प्रबोधिनी११ व्र.+
६	शु	२२	२४	उ	१४	१२	गं	३१	१६	तै	२२	२४	३६	४१	१९	२५	५	१६	मकरे	वृश्चिकेऽर्कः३९।८
७	श	२२	५३	श्र	१६	४०	वृ	२८	४९	व	२२	५३	३३	३१	१९	२६	६	१७	कुं.४७।१	भ.२२।५३उ ५३/२३या.वृश्चिकेऽर्कःसौरः ६/३०
८	र	२१	५२	ध	१७	२३	ध्रु	५५	८	व	२१	५२	३०	४२	१८	२७	७	१८	कुंभे	गोपाष्टमी [×जिल्काद११ भातृ २ यम२
९	चं	१९	८	श	१६	२८	व्या	२०	१५	कौ	१९	८	२७	४३	१७	२८	८	१९	मि. ५९/३१	अनु.रविः५७।२८कुष्मांड ९ अक्षय९
१०	मं	१४	३२	पू	१३	५२	ह	१३	४४	ग	१४	३२	२५	४३	१७	२९	९	२०	मीने	भ.४१/३३उ.अनु.रविःसौरः २३/२७वक्रीभौमः ३७/४९
११	बु	८	३२	उ	९	४४	व	६/३	५१/४	वि	८	३२	२२	४४	१६	३०	१०	२१	मीने	भ.८।३२या. विशा. बुधः १४।५८ मूल.÷
१२	गु	०	५२	रे	४/४	५३/१०	व्य	४७	८	बा	०	५२	१९	४४	१६	१	११	२२	मे.४।४	रा. मार्गशिर्षारंभः प्रद्रोषः
१३	गु	५१	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Nपूर्वस्यां १०।५३ मन्वादिः का. स्नाःपू
१४	शु	४२	४९	भ	४९	४०	व	३६	२८	ग	१७	३३	१७	४५	१५	२	१२	२३	मेषे	भ.४२।४९उ. वैकुंठ १४
१५	श	३३	८	कृ	४१	५२	प	२५	३६	वि	७	५४	१४	४५	१५	३	१३	२४	वृ. २।४३	भ.७।५४या. चित्रा. शुक्रः २९/२१ बुधास्तःN

३१ पं.का.शु.१ श. इ. १२/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	७	५	४	१०	६
२३	१८	४	२७	७	१३	९	२३
३०	१७	३४	३२	३०	१८	५	०१
५०	१३	१२	१७	५०	२९	३९	४१
६०	९	६८	१२	६३	४	३	६०
१७	१०	५८	२६	३६	२	११	३०

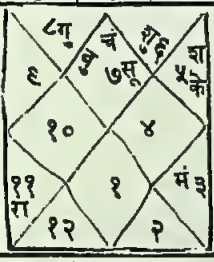

३२ पं.का.शु.७ श. इ. १२/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	७	५	४	१०	७
०	१८	१३	२९	२५	१३	८	०
३३	२६	५९	०	९	४४	४३	७
२९	६	२८	०	२२	३१	२४	४५
६०	३	८७	१२	६५	३	३	६०
३०	२७	१०	५३	१३	२८	११	४०

३३ पं.का.शु.१५श. इ. १२/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	८	५	४	१०	७
७	१७	२४	०	२३	१४	८	७
३७	५१	३८	३१	०	६	२१	११
३७	४	१७	४८	४७	१८	८	१८
६०	३६/३६	९४	१३	६६	२	३	६०
४२	व.	१७	५०	४१	४१	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	र	२३	४२	रो	३४	५१	शि	१४	३९	कौ	२३	४२	२६/१२	६/४६	५/१४	४	१४	२५	वृषे	
२	चं	१५	१५	मृ	२७	४३	सि	४/१९	५०/२०	गं	१५	१५	९	४६	१४	५	१५	२६	मी.१।२	भ.४१।३२उ.
३	मं	७	४९	आ	२२	३८	शु	४६	३१	वि	७	४९	७	४७	१३	६	१६	२७	मिथुने	भ.७।४९या.वृश्चिके बुधः ३९/४८चतुर्थी व्र.
४	बु	२	२०	पु	१९	२३	शु	३९	४३	बा	२	२०	५	४७	१३	७	१७	२८	क.५।१२	
५	बु	५६	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	गु	५७	४०	पु	१७	५२	ब्र	३४	४४	ग	२८	१६	२	४८	१२	८	१८	२९	कर्के	भ.५७।४०उ. अनु. बुधः४६।३०
७	शु	५८	२९	श्ले	१८	३६	ऐं	३१	२०	वि	२८	५१	०	४८	१२	९	१९	३०	सिं. १८/३६	भ.२८।५१या.तुलायां शुक्रः१९।११
८	श	६०	०	म	२१	१३	वै	२९	३०	बा	२९	५१	२५/५८	४८	१२	१०	२०	१	सिंहे	दिसम्बर१२ता.३१
८	र	१	१३	पू	२५	१३	वि	२९	३३	कौ	१	१३	५६	४९	११	११	२१	२	क. ४२/२२	[÷(सौरः३१।२१)
९	चं	५	४५	उ	३१	४९	प्री	३०	१७	ग	५	४५	५४	४९	११	१२	२२	३	कन्यायां	भ. ३८।२७ उ. ज्येष्ठा. रविः ७।३५÷
१०	मं	११	९	ह	३९	०	आ	३१	५९	वि	११	९	५३	४९	११	१३	२३	४	कन्यायां	भ.११।९या.
११	बु	१७	३९	चि	४६	२९	सौ	३४	१२	बा	१७	३९	५१	५०	१०	१४	२४	५	तु.१२।४४	उत्पत्ति११व्र.
१२	गु	२४	८	स्वा	५४	१६	शो	३६	३८	तै	२४	८	४९	५०	१०	१५	२५	६	तुलायां	स्वात्यां शुक्रः१।२४मूल.२गुरुः४८।५७
१३	शु	३०	४५	वि	६०	०	अ	३९	०	व	३०	४५	४८	५०	१०	१६	२६	७	वृ. ४४/५०	भ.३०।४५उ. प्रदोषः
१४	श	३६	५३	वि	१	४२	सु	४१	१	वि	३	४९	४६	५१	९	१७	२७	८	वृश्चिके	भ.३।४९या.ज्येष्ठा. बुधः१३।५७
३०	र	४२	२९	ध	८	४६	ध्रु	४२	३१	च	९	४१	४५	५१	९	१८	२८	९	वृश्चिके	

३४ पं.मा.कृ.८ श. इ. ११/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	८	६	४	१०	७
१४	१६	५	२	०	१४	७	१४
४२	३४	३८	४	५९	२३	५८	१८
४०	४८	६	४४	३५	१०	५	४
६०	१०/४७	९७	१३	६७	१	३	६१
५०	व.	४	२३	५२	११	११	३

गोचर ग्रहाः

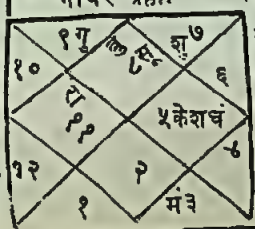

इस मास में मंगल वार का चद्र दर्शन मदीमें बाजरा मूंग मोठ मक्का आदि धान्य सोना चांदी लोहा गुड सक्कर में तेजी करेगा

गोचर ग्रहाः

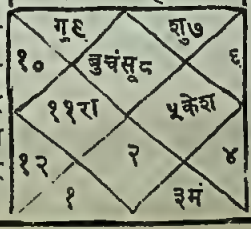

३५पं.मा.कृ.१४श. इ. ११/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	८	६	४	१०	७
२१	१४	१६	३	९	१४	७	२१
४८	४१	३६	३८	९	३४	३६	२५
४३	२	१४	५३	२९	२३	३७	४७
६०	१७/१८	९८	१३	६८	१	३	६१
५६	व.	४३	३२	५१	१९	११	११

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५७२७स.२००७
१	चं	४६	५३	ज्ये	१५	०	शु	४३	२०	कि	१४	४१	३५	५१	९	१९	२६	१०	ध.१५।०	
२	मं	५०	४०	मू	२०	२७	गं	४३	३२	वा	१८	४६	४३	५१	९	२०	३०	११	धनषि	चंद्रदर्शनम् अस्तंगुरोः५६।२४
३	बु	५३	२२	पू	२४	५६	वृ	४३	२	त	२२	१	४२	५२	८	२१	१	१२	म. ४९	जिल्हेज १२
४	गु	५४	५७	उ	२८	२९	धु	४१	२५	व	२४	९	४१	५२	८	२२	२	१३	मकरे	भ.२४।९उ.५४।५७या.
५	शु	५४	२६	श्र	३०	५३	व्या	३९	१३	ब	२५	१२	४०	५२	८	२३	३	१४	मकरे	
६	श	५४	४८	ध	३२	२८	ह	३६	९	कौ	२५	८	३९	५२	८	२४	४	१५	कुं १।४१	चंपा ६
७	र	५२	५२	श	३२	३३	व	३२	७	ग	२४	५०	३९	५२	८	२५	५	१६	कुम्भे	भ. ५२।५२ उ. मूलेधनुष्यर्कः १४।५०+
८	चं	४९	४३	पु	३१	२५	सि	२७	०	वि	२१	१७	२८	५२	८	२६	६	१७	मी. ४६	भ.२१।१७या. विशा.शुक्रः२४।५१
९	मं	४५	२५	उ	२९	६	व्य	२०	४९	वा	१६	३४	२८	५२	८	२७	७	१८	मीने	[+(सौरः३५।११ मूलेधनुषिबुधः३७।४७
१०	बु	३९	४९	रे	२५	४०	व	१३	४१	तै	१२	३७	२७	५३	७	२८	८	१९	मे.२५।२४	[Dमोक्षदा ११व्र. गीताजयंती
११	गु	३३	१७	अ	२०	५८	प	३५	५५	व	६	३२	२७	५३	७	२९	९	२०	मेषे	भ.६।३२उ.३३।१७या. वक्री शनिः ३५ D
१२	शु	२५	२८	भ	१५	१७	सि	४७	७	वा	२५	२८	२६	५३	७	३०	१०	२१	वृ.२८।४१	मूल. ३ गुरुः२२।३६ प्रदोषः
१३	श	१७	१५	कृ	८	५३	सा	३६	५७	तै	१७	१५	२६	५३	७	३१	११	२२	वृषे	रा. मौषारंभः
१४	र	८	३८	रो	१५	५३	शु	३६	५८	व	८	३६	२६	५३	७	३२	१२	२३	मि२८।५६	भ.८।३८उ. ३४।२९ या. दत्तजयंती
१५	चं	०	२०	अ	४९	५२	शु	१७	१४	व	०	२५	२६	५३	७	३३	१३	२४	मिथुने	पूषा. बुधः ५८।५५

३६ पं.मा.शु. ६ श.इ. ११/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	८	६	४	१०	७
२८	१२	२७	५	१७	१४	७	२८
५५	१६	३६	१४	२५	४०	१४	२४
३७	३७	२९	४२	१६	३४	२१	३०
६१	३३	९९	१३	६९	०	३	६१
०	व	४५	२८	३६	३७	११	१९

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष शुक्ले ७रवौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादि भावेमहर्धता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्.

गोचर ग्रहाः

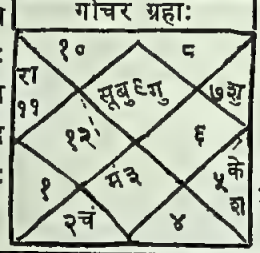

३७ पं.मा.शु. १३श.इ. ११/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	८	६	४	१०	८
६	९	८	६	२५	१४	६	५
३	३७	४१	५१	४६	४१	५२	५३
१४	१	३९	४	३४	२	६	५५
६१	२९	९९	१३	७०	१९	३	६१
४	व.	२०	३८	२२	व.	११	२९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	चं	५२	२५		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४६	४०	पु	४५	१३	व	८	१७	तै	१९	४२	२५	५३	५	४	१४	२५	क.३१।४१	वृश्चिके शुक्रः ४७।१५ धनिष्ठाः४राहुः×
३	बु	४२	१	पु	४२	१६	ऐं	२५	२५	व	१४	२०	३७	५३	७	५	१५	२६	कर्के	भ.१४।२० उ. ४२।९ या.
४	गु	३९	२८	श्ले	४१	२२	वि	४९	१	ब	१०	४४	३७	५३	७	६	१६	२७	सिं४१।२२	चतुर्थी व्र.
५	शु	३९	७	म	४२	२९	प्री	४५	५२	कौ	९	१७	३८	५२	८	७	१७	२८	सिंहे	अनु.शुक्रः२६।३५
६	श	४०	५२	पू	४५	३५	आ	४४	३४	ग	९	५९	३८	५२	८	८	१८	२९	सिंहे	भ.४९ उ. पूषा.रविः १९/५० (सौरः३६)+
७	र	४४	३२	उ	५०	३३	सौ	४४	१३	वि	१२	४२	३९	५२	८	९	१९	३०	क. १।४९	भ.१२।४२ या.
८	चं	४९	३७	ह	५६	५७	शो	४५	१७	वा	१७	४०	४०	५२	८	१०	२०	३१	कन्यायां	[×मघा २केतुः५९।२३
९	मं	५५	४८	चि	६०	०	अ	४७	९	तै	२२	४२	४१	५२	८	११	२१	१	तु.३०।३७	जनवरी १०।३१
१०	बु	६०	०	चि	४	१९	सु	४९	२२	व	२९	३	४२	५२	८	१२	२२	२	तुलायां	भ.२९।३उ. उषा. बुध.२२।४०
१०	गु	२	१९	स्वा	११	५६	धृ	५१	५०	वि	२	१९	४३	५१	९	१३	२३	३	तुलायां	भ.२।१९ या.
११	शु	८	५१	वि	१९	२९	शू	५३	४८	बा	८	५१	४४	५१	९	१४	२४	४	वृ. २।३६	मूल. ४ गुरुः ५५।३ सफल्म ११ व्र.
१२	श	१५	०	अ	२६	३५	गं	५५	३१	तै	१५	०	४५	५१	९	१५	२५	५	वृश्चिके	मकरे बुधः ५९।१० प्रदोषः
१३	र	२०	२२	ज्ये	३२	४६	वृ	५६	४	व	२०	२२	४७	५१	९	१६	२६	६	ध.३२।४६	भ.२०।२२ उ.५२।२१ या.उदयं गुरो।३७/४८
१४	चं	२४	१९	मू	३७	४५	धु	५५	५४	श	२४	१९	४८	५०	१०	१७	२७	७	धनुषि	+वक्री मृगेभौमः
३०	मं	२७	१५	पू	४१	४९	व्या	५४	४९	ना	२७	१५	५०	५०	१०	१८	२८	८	म. ५७/२९	ज्येष्ठा.शुक्रः ३०/४५ बुधोदयःपश्चिमायां १५/६

३८ पं.पौ.कृ.३ श.इ. ११/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	८	७	४	१०	८
१३	७	१९	८	४	१४	६	१२
११	१	५६	२७	१२	३६	२९	५३
१३	१६	१३	४०	३६	३२	५०	४७
६१	३५	००	१३	७१	५७	३	६१
६	व.	२०	३८	०	व:	११	२६

गोचर ग्रहाः

मिथुने च यदा भौमः मेघश्च प्रबलो भवेत्। आरक्तं सर्वं द्रव्याणि महर्घाणि भवन्तिहि।। धान्य रस तेज धातु मंदी होवे वर्षाभीहो।

गोचर ग्रहाः

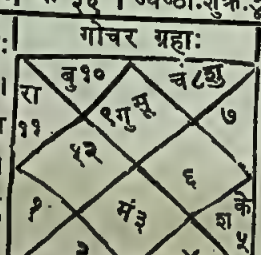

३९ पं.पौ.कृ. १२श.इ.११।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	९	८	७	४	१०	८
२०	४	१	१०	१२	१४	६	२०
१९	४२	२०	३	४२	२६	७	३
२६	७	२८	३६	१८	१	३४	४४
६१	२४	९९	१३	७१	४४	३	६१
६	च:	४३	१२	२६	व.	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽर्हर्गणः ५७५७ स.२००८
१	बु २८ ५० उ ४४ ३३ ह ५२ ४४ ब २८ ५० २५ २२ ५६ १० १९ २९ ९							मकरे	[=(सौरः २५।४) रा.माघारंभः
२	गु २९ २० श्र ४६ ३ व ४९ ४३ कौ २९ २० ५३ ४९ ११ २० ३० १०							मकरे	श्रवणे बुधः ३५।१४ चंद्रदर्शनम्
३	शु २८ ४६ ध ४६ ४५ सि ४५ ५८ ग २८ ४६ ५५ ४९ ११ २१ १ ११							कुं.१६।२४	भ.५८।१ उ. उषा.रविः ३५ (सौरः ३६)×
४	श २७ १६ श ४६ ३७ व्य ४१ ५७ वि २७ १६ ५७ ४९ ११ २२ २ १२							कुंभे	भ.२७।१६या.
५	र २४ ५८ पू ४५ ३२ व ३६ ३१ बा २४ ५८ ५९ ४८ १२ २३ ३ १३							मी ३०।४८	[×मोहोरम १ सन् १४२९ हि
६	चं २१ ४८ उ ४३ ४७ प ३० ४८ तै २१ ४८ २६ ४८ १२ २४ ४ १४							मीने	मकरेऽर्कः ४०।५९ (सौरः ५३।४३)
७	मं १८ ८ रे ४१ २२ शि २४ ३० व १८ ८ ४ ४७ १३ २५ ५ १५							मे.४१।२२	भ.१८।८ उ.४५।५४ या.
८	बु १३ ३९ अ ३८ १२ सि १७ ४० ब १३ ३९ ६ ४७ १३ २६ ६ १६							मेषे	[*पूषा.१गुरुः ४२।९ पुत्रदा ११ व्र.
९	गु ८ ३९ भ ३४ २५ सा १० २२ कौ ८ ३९ ८ ४६ १४ २७ ७ १७							वृ.४८।२०	पातस्पर्शः ०।४३ पातकमोक्षः १४।१४
१०	शु २ ५६ कृ ३० ७ शु २९ ५१ ३८ ग २ ५६ ११ ४६ १४ २८ ८ १८							बृश्चिके	भ.२८।४५ उ.५४।३४ या. पुत्रदा ११ व्र.
११	शु ५३ ३८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							० ०	
१२	श ४९ ४८ रो २५ १० ब्र ४५ ३३ ब २३ ११ १३ ४५ १५ २९ ९ १९							मि. ५३	धनि.बुधः २८।४१ मुले धनुषिशुक्रः ३० *
१३	र ४३ ५ मृ २० २२ ऐं ३६ ५६ कौ १६ २६ १६ ४५ १५ ३० १० २०							मिथुने	प्रदोषः
१४	चं ३६ ३१ आ १५ ३० वै २८ ४४ ग ९ ४८ १९ ४४ १६ १ ११ २१							क.५७।२०	भ. ३६।३१ उ. अभि. प्र. रविः १३।२९=
१५	मं ३० ५६ पु ११ १६ वि २१ ३ वि ० ३ ४४ २१ ४४ १६ २ १२ २२							कर्के	भ.३।४४ या. मा. स्ना. प्रा.

४० पं.पौ.शु. ४श. इ. ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	९	८	७	४	१०	८
२७	२	१२	११	२१	१४	५	२७
२७	४८	३८	३८	१४	१०	४५	१३
२२	२२	५३	५३	३५	२०	१९	३६
६१	३५	९९	१३	७१	२०	३	६१
६	व.	२९	२६	५१	व.	११	२४

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले ६ चंद्रे मकरेऽर्के:प्रविष्टःवा२ न.३ प्रौढावस्था(बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४१पं. पौ.शु १ श.इ. १ ९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	७	४	१०	९
४	१	२२	१३	२९	१३	५	४
३५	३०	५७	१३	४८	५०	२३	२३
१३	०	७	०५	३६	४६	३	५
६१	१३	७८	१३	७२	३	३	६१
३	व.	३१	१९	१०	व.	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	बु २६ ३१ पु ८ ९ ग्री १४ १७ कौ २६ ३१ २९ ४३ ६७ ३ १३ २३							कर्के	[÷२०।५९ फर्वरी २ ता. २९
२	गु २३ ३९ श्ले ६ २६ आ ८ ५१ ग २३ ३९ २७ ४३ १७ ४ १४ २४							सिंहे	भ.५३।९उ. श्रवणेरविः ३० (सौरः ४१)
३	शु २२ ४० म ६ ३६ सौ ४ ३४ वि २२ ४० २९ ४२ १८ ५ १५ २५							क.२४।२६	भ.३२या. अभि.नि.रविः ३३ (सौरः ३७)×
४	श २३ २० पू ८ ३० शो १ ५९ बा २३ २० ३२ ४२ १८ ६ १६ २६							कन्यायां	[×चतुर्थी व्र.
५	र २६ ११ उ १२ १६ अ १ ० तै २६ ११ ३५ ४१ १९ ७ १७ २७							कन्यायां	भ.३५उ.वक्रीबुधः ४९वक्रीमघा.४शनिः ४
६	चं ३० ३५ ह १७ ३४ सु ० ५८ व ३० ३५ ३८ ५० २० ८ १८ २८							तु.५०।५७	भ.३।२९ या. पातस्पर्श ४३ पातमोक्षः ५७
७	मं ३६ २२ चि २४ २१ धू २ १९ वि ३ २९ ४१ ४० २० ९ १९ २९							तुलायां	पूषा. शुक्रः ८।२०
८	बु ४२ ४५ स्वा ३१ ३८ शु ४ ३ बा ९ ३२ ४५ ३९ २१ १० २० ३०							तुलायां	बुधास्तः पश्चिमायां १६।५०
९	गु ४९ ४२ वि ३९ १७ गं ६ ३५ तै १६ १३ ४८ ३८ २२ ११ २१ ३१							वृ.२२।२२	भ.२३।३४ उ.५५।२५ या. मार्गी भौमः÷
१०	शु ५५ २५ अ ४६ २८ बृ ८ ३५ व २३ ३४ ५१ ३८ २२ १२ २२ १							वृश्चिके	षट्तिला ११ व्र.
११	श ६० ० ज्ये ५३ ६ धु १० २९ ब २८ ५ ५४ ३७ २३ १३ २३ २							ध.५३।६	
११	र ० ४४ मू ५८ १९ व्या ११ २५ बा ० ४४ ५८ ३६ २४ १४ २४ ३							धनुषि	
१२	चं ४ ३५ पू ६० ० ह ११ १३ तै ४ ३५ २७ ३६ २४ १५ २५ ४							धनुषि	पूषा.२गुरुः १०।० प्रदोषः
१३	मं ७ ८ पू २ २ व ९ ५८ व ७ ८ ५ ३५ २५ १६ २६ ५							म.१७।३७	भ.७।८ उ. ३७।३१ या.
१४	बु ७ ५३ उ ४ १९ सि ७ ३१ श ७ ५३ ८ ३४ २६ १७ २७ ६							मकरे	धनि. रविः ३८।२४ (सौरः ४६।५०) +
२०	गु ७ २० श्र ५ ८ व्य ५ ३३ ५५ ना ७ २० १२ ३४ २६ १८ २८ ७							कुं.३४।५४	[+वक्री श्रवणे बुधः ४४।१२

४२पं.मा.कृ.४श.इ.११।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	८	४	१०	९
११	०	२९	१४	८	१३	५	११
४२	४८	१९	४५	२४	२७	०	३१
४०	१४	१९	२२	४३	०	४८	५६
६०	३५	३३	१२	७२	४३	३	६१
५९	व.	३५	५७	३२	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जौ बाजरा मूगं मोठ मंदा होकर तेज हो. सोना चांदी रुई पाट में घटवढचले शीत-अधिक ।

गोचर ग्रहाः

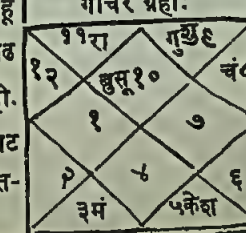

४३पं.मा. कृ. ११श.इ. १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	८	४	१०	९
१८	०	२८	१६	१७	१२	४	१८
४९	४४	५	१५	१	५९	३८	४०
१६	२८	४२	११	५९	२४	३२	०१
६०	४०	५५	१२	७२	५३	३	४१
५५	मा	व.	३२	५०	व.	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. माघ शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः ५७ स.२००८

१	शु	५	१७	ध	४	४०	प	५३	४९	ब	५	१७	२७	६	५	१९	२९	८	कुम्भे
२	श	२	१८	श	३	१२	शि	४७	४१	कौ	२	१८	१९	३२	२८	२०	१	९	मी. ४६ ३६
३	श	५६	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	र	५४	१	पू	४	५८	सि	४९	५७	व	३६	१३	२३	३१	२९	२१	२	१०	मीने
५	चं	४९	२५	रे	५५	१४	सा	३४	१३	ब	२१	४३	२७	३१	२९	२२	३	११	मे.५५।१४
६	मं	४४	३१	अ	५१	५६	शु	२७	१४	कौ	१६	५८	३०	३०	३०	२३	४	१२	मेषे
७	बु	३९	३५	भ	४८	५०	शु	२०	१४	ग	१२	४	३४	२९	३१	२४	५	१३	मेषे
८	गु	३४	४०	कृ	४५	३५	ब्र	१३	८	वि	७	८	३८	२८	३२	२५	६	१४	वृ.३।१
९	शु	२९	३८	रो	४२	६	ऐं	५९	५३	बा	२	९	४१	२८	३२	२६	७	१५	वृषे
१०	श	२४	२५	मृ	३८	५१	वि	५१	४४	ग	२४	२५	४५	२७	३३	२७	८	१६	मि.३८
११	र	१९	३०	आ	३५	४३	प्री	४४	५९	वि	१९	३०	४९	२६	३४	२८	९	१७	मिथुने
१२	चं	१४	४१	पु	३३	८	आ	३८	१९	बा	१४	४१	५३	२५	३५	२९	१०	१८	क.१८।४६
१३	मं	१०	४५	पु	३०	५८	सौ	३२	२९	तै	१०	४५	५६	२५	३५	३०	११	१९	कर्के
१४	बु	७	२३	श्ले	२९	४४	शी	२७	२२	व	७	२३	२८	२४	३६	१	१२	२०	सिं. २९ ५४
१५	गु	५	१०	म	२९	५९	अ	२३	२९	ब	५	१०	४	२३	३७	२	१३	२१	सिंहे

शशिनः ४४पं.मा.शु.२श.इ. ११ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	८	८	४	१०	९
२५	१	२०	१७	२५	१२	४	२५
५५	१३	१५	४२	४०	२८	१६	४६
१	४१	३६	२९	५	५५	१६	४८
६०	६	५६	१२	७३	४ ४	३	६०
४७	२१	व.	१४	५	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले ७बुधे कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न.४ प्रगल्भावस्था. (बैठी)मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

शशिनः ४५ पं.मा.शु.१०श.इ. ११ ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	९	८	९	४	१०	१०
२	२	१४	१९	४	११	३	२
५९	१२	४५	६	१८	५६	५४	५२
४९	५४	१४	४३	३६	१०	१	५१
६०	११	२७	११	७३	४ ४	३	६०
३७	१८	व.	४२	१७	व.	११	४२

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वसंतर्तू रविर्दक्षिणे माघ कृष्णेति महा.

१	शु	४	४०	पू	३१	३१	सु	२०	२०	कौ	४	३०	२८	६ ३	५ ३८	३	१४	२२	कं.४७।२०
२	श	५	१३	उ	३४	४६	धृ	१९	१०	ग	५	१३	१२	२२	३८	४	१५	२३	कन्यायां
३	र	७	३९	ह	३९	१५	शू	१८	२९	वि	७	३९	१६	२१	३९	५	१६	२४	कन्यायां
४	चं	११	३५	चि	४५	२३	गं	१९	१६	बा	११	३५	२०	२०	४०	६	१७	२५	तु.१२।१९
५	मं	१६	५६	स्वा	५२	१७	वृ	२०	४१	तै	१६	५६	२४	१९	४१	७	१८	२६	तुलायां
६	बु	२२	५६	वि	५९	५१	ध्रु	२२	५७	व	२२	५६	२८	१८	४२	८	१९	२७	धनिष्ठा.३राहुःमघा.१केतुः५३।१९
७	गु	२९	२२	अ	६०	०	व्या	२५	८	ब	२९	२२	३२	१८	४२	९	२०	२८	तृ.४२।५८
८	शु	३५	५१	अ	७	२५	ह	२७	२०	बा	२	३५	३६	१७	४३	१०	२१	२९	वृश्चिके
९	श	४१	२१	ज्ये	१४	२७	व	२८	५१	तै	८	३५	४०	१६	४४	११	२२	१	वृश्चिके
१०	र	४५	२६	मू	२०	११	सि	२९	२१	व	१३	२३	४४	१५	४५	१२	२३	२	ध.१४।२७
११	चं	४८	१२	पू	२४	३३	व्य	२८	३९	ब	१६	४९	४८	१४	४३	१३	२४	३	धनुषि
१२	मं	४८	५६	उ	२७	१८	व	२९	३१	कौ	१८	३४	५२	१४	४६	१४	२५	४	म. १० १४ मकरे
१३	बु	४७	५८	श्र	२८	१९	प	२३	४	ग	१८	२६	५६	१३	४७	१५	२६	५	कुं.५७।५०
१४	गु	४५	३	ध	२७	२३	शि	१८	५	वि	१६	३०	२९	१२	४८	१६	२७	६	कुंभे
३०	शु	४०	५०	श	२५	३	सि	११	५८	च	१२	५६	५	११	४९	१७	२८	७	कुम्भे

[Aधनि. बुधः३५।४०
मार्चेऽता.३१
भ.१३।२३उ.४५।२६या.धनि.शुक्रः ३६ ५४
विजया११व्र.
पूभा. रविः ६।२ (सौरः १०।५७)A
भ.४७।५७उ.आर्दा.भौमः१७।११प्रदोषः
भ.१६।३०या.महाशिव रात्री व्र.

शशिनः ४६ पं.फा.कृ.२ श.इ. ११ ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	२९	८	९	४	१०	१०
१०	३	१५	२०	१२	११	३	९
३	४०	१९	२७	५६	२२	३१	५७
२२	२३	३०	२५	३८	५२	४५	२४
६०	१५	१५	११	७३	४०	३	६०
२५	५०	मा.	३	२६	व.	११	३२

गोचर ग्रहाः

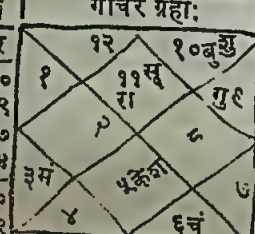

शुक्रस्य पंचवाराः स्युः यत्र मासे निरन्तरम्। प्रजा वृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते।। इस मास में धान्य रस मंदे सोना चांदी तेज रहे।

गोचर ग्रहाः

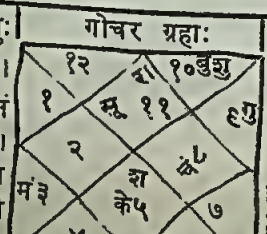

शशिनः ४७पं.फा.कृ.९ श.इ. १२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	९	८	९	४	१०	१०
१७	५	२०	२१	२१	१०	३	१७
५	२५	५	४३	३६	४८	९	०
३५	१०	४२	५	०	४२	३०	१७
६०	१९	४७	१०	७३	४०	३	६०
१७	४	१०	२४	३८	व.	११	२०

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
१	श ३५ २२ पू २१ २६ सा ४५ ५२	किं	८	६	२९	६	५१	मी. ७।२०
२	र २९ २ उ १७ १० शु ४८ ४३	बा	२	११	१३	९	५१	१९ ३० ९ मीने
३	चं २२ ४६ रे १२ २८ ब्र ४० १३	ग	२२	४६	१७	९	५१	२० १ १० मे. १२।२८
४	मं १६ ४ अ ७ ४३ ऐं ३२ ११	वि	१६	४	२१	८	५२	२१ २ ११ मेषे
५	बु ९ ५३ भ २९ ५५ वै २४ २०	वा	९	५३	२६	७	५३	२२ ३ १२ वृ. १७।२४
६	गु ३ ५७ रो ५५ ४४ वि १६ ५५	तै	३	५७	३०	६	५४	२३ ४ १३ वृषे
७	शु ५४ ४४ ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ०
८	शु ५३ ५१ मृ ५२ ५६ प्री ९ ४४	वि	२६	१६	३४	५	५५	२४ ५ १४ मि. ३४
९	श ४९ ४५ आ ५० ४६ आ १९ ५४	बा	२१	४८	३८	४	५६	२५ ६ १५ मिथुने
१०	र ४६ ३८ पु ४९ ९ शो ५१ ५९	तै	१८	११	४३	३	५७	२६ ७ १६ क. ३४।३३
११	चं ४३ ४१ पु ४८ २८ अ ४७ ८	ब	१५	१०	४७	३	५७	२७ ८ १७ कर्के
१२	मं ४१ ४२ श्ले ४८ २१ सु ४३ ५	ब	१२	४२	५१	२	५८	२८ ९ १८ सिं. ३९
१३	बु ४० ५६ म ४९ २६ धृ ३९ ५८	कौ	११	१९	५५	१	५९	२९ १० १९ सिंहे
१४	गु ४१ ६ पू ५१ ३५ शू ३७ ३०	ग	११	१	०	०	०	० ११ २० सिंहे
१५	शु ४२ ३५ उ ५५ १ गं ३६ ३४	वि	११	५०	४	५९	१	१ १२ २१ कं. ७।२५

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८१६ स. २००८
कुंभे शुक्रः ०।४२ पातस्पर्शः ४५।५२×
चंद्र दर्शनम् फुलरिया २ [×पातमोक्षः ५५
भ. ४९।२५उ. कुंभे बुधः ३३।४८ पूषा ४=
भ. १६।४या. वक्री मघा. ३शनिः ४५।५९
[=गुरुः ४९।२४रविलावल ३
भ. ५८।४३उ. शते शुक्रः २४।१
भ. २६।१६या. मीनऽर्कः ६।५५(सौरः ११/३)+
शते बुधः १४।४४ [+होलाष्टकम्
भ. १५।१०उ. ४३।४१ या. उभा. रविः B
[B २७।५९(सौरः ३१/४) आमलकी ११ व्र.
प्रदोषः
भ. ४१।६उ.
भ. ११।५०या. रा. चैत्रारंभः होलिकादहनम्

४८ पं. फा. शु. १ श इ. १२/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	९	८	१०	४	१०	१०
२४	७	२७	२२	०	१०	२	२४
६	४४	२१	५४	१४	१५	४७	१
२२	३१	५८	४३	२८	४३	१४	४०
५९	२२	३६	९	७३	२५	३	६०
५८	५	५८	४०	४८	व.	११	६

गोचर ग्रहाः

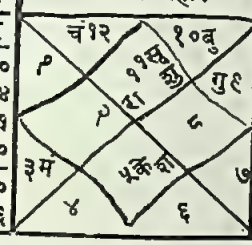

फाल्गुन शुक्ले ८ शुक्रे
मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३
न. ४ वृद्धावस्था (बैठी)
मु. ३० घान्यादि भावे
समता शुकोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

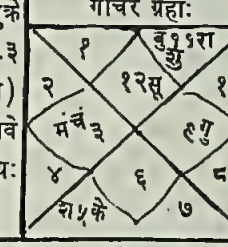

४९ पं. फा. शु. ९ श. इ. १२/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	८	१०	४	१०	११
१	१०	६	२४	८	९	२	१
५	१४	१९	०	५३	४३	२४	१
३५	६	५२	२२	५३	१६	५८	२२
५८	२४	८१	८	७३	९	३	५९
४१	२३	२९	४९	५०	व.	११	७

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९	दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श ४५ २४ ह ५९ ४३ वृ ३५ ५६	बा	१४	५४	३०	५८	६	२ १३ २२ कन्यायां
२	र ४६ १५ चि ६० ० धृ ३६ ३१	तै	१७	५६	१२	५८	२	२ १४ २३ तु. ३/३
३	चं ५४ ३५ चि ५ ३० व्या ३७ ५१	व	२१	५६	१६	५७	३	४ १५ २४ तुलायां
४	मं ६० ० स्वा १२ १ ह ३६ ४३	ब	२७	२०	२१	५६	४	५ १६ २५ तुलायां
४	बु ० २० वि १६ २१ व ४२ ५	वा	०	२०	२५	५५	५	६ १७ २६ वृ. २।३१
५	गु ६ ४० अ २७ २ सि ४४ २६	तै	६	४०	२९	५४	६	७ १८ २७ वृश्चिके
६	शु १३ ८ ज्ये ३४ ३१ व्य ४६ ४१	व	१३	८	३३	५३	७	८ १९ २८ ध. ३४/१
७	श १९ २ मू ४१ ७ व ४७ ५९	ब	१९	२	३७	५३	७	९ २० २९ धनुषि
८	र २३ ४३ पू ४६ ३८ प ४८ १६	कौ	२३	४३	४१	५२	८	१० २१ ३० धनुषि
९	चं २७ १६ उ ५० २६ शि ४७ १६	ग	२७	१६	४५	५१	९	११ २२ ३१ म. २।३५
१०	मं २८ ४४ श्र ५२ २९ सि ४४ ४४	वि	२८	४४	४९	५०	१०	१२ २३ १ मकरे
११	बु २८ १४ ध ५२ २९ सा ४० ३८	वा	२८	१४	५३	४९	११	१३ २४ २ कुं. २२।२९
१२	गु २५ ३७ श ५० २८ शु ३४ ५६	तै	२५	३७	५७	४९	११	१४ २५ ३ कुंभे
१३	शु २१ १६ पू ४६ ४८ शु २७ ४८	व	२१	१६	३१/३	४८	१२	१५ २६ ४ मी. ४३
१४	श १५ ५ उ ४१ ४० ब्र १९ २४	श	१५	५	५	४७	१३	१६ २७ ५ मीने
३०	र ७ ३८ रे ३५ ४३ ऐं १० १८	ना	७	३८	१०	४६	१४	१७ २८ ६ मे. ३५।४३

वसंत १ छारेंडी
[÷२२।८पूभा. शुक्रः १२।५६
भ. २१।५९ उ. ५४।३५या. पूभा. बुधः÷
चतुर्थी व्र.
[×शुक्रः १८।२६ अप्रेल ४ ता. ३०
भ. १३।८ उ. ४६।५ या. शीतला पूजनम्
रेवत्यां रविः ५५ (सौरः ५९/३१) मीनेबुधः ३०/३३
भ. ५८।० उ.
भ. २८।४४या. उभा. बुधः १३।५३मीने×
पापमोचनी ११ व्र.
बुधास्तः पूर्वस्यां ७।१८ प्रदोषः
भ. २१।१६ उ. ४८।११या. उभा. शुक्रः ५२
उषा. १ गुरुः १२।५९
मन्वदिः नवरात्रारंभः

५० पं. चै. कृ. १ श. इ. १३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	८	१०	४	१०	११
८	१२	१६	२५	१७	९	२	७
३	५७	३७	०	३२	१५	२	५९
१८	५०	८	२८	२४	५०	४३	१७
५९	२६	९४	७	७३	५३	३	५९
२९	१०	२२	५५	५६	व	११	३५

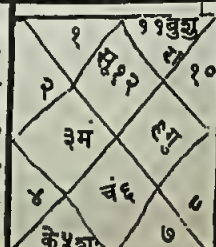

५१ पं. चै. कृ. ७ श. इ. १३/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	८	१०	४	१०	११
१४	१५	२८	२५	२६	८	१	१४
५८	५३	२	५३	११	५०	४९	५५
१०	५३	३५	३८	४९	६	२७	२६
५९	२८	०	६	७४	३	३	५९
१६	७	३५	४५	२	१९	११	१८

५२ पं. चै. कृ. १४ श. इ. १३/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	८	११	४	१०	११
२१	१९	१०	२६	४	८	१	२१
५३	१	५१	४०	५०	२८	१८	४९
३१	२३	२५	५	१७	१६	११	३७
५९	२९	०	५	७४	३	३	५९
४	३४	५	५३	१४	व.	११	४

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

मजयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०९, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रैतायुगप्रमाणम् ८६४०००, द्वपरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१०९, भोग्यकलिः ४२६८९१, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०६५, शाकः १९३०, अथास्मिन् वर्षे राजा रविः । मंत्री रविः । सस्येशो बुधः । धान्येशश्चंद्रः । मेघेशः शनिः । रसेशो गुरुः नीरसेशो भौमः । फलेशः शनिः । धनेशो-भौमः । दुर्गेशः शनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिष्टषष्टिसंवत्सराणां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १५ ल्पवनाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ११।६।५१।५० भोग्यमासादिः ०।२३।८।१० पितृदैवतं युगम् । वर्षनाम आषाढः । मेघनाम आवर्तः । रोहिणी निवासः संधौ । समयनिवासो वणिक्गृहे । समय विश्वा १२ समयवाहनम् मृगः स्तंभः१ अन्नस्य । सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी २ भानुसप्तमी २, रविदशमी नैव समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानी ३५२ तिथिक्षयः १७, तिथिवृद्धिः ९ उत्पत्ति विश्वा ९३, खपति विश्वा ८४, वर्षाविश्वा ७, धान्यम् ११ तृणम् १५, शीतम् १५ तेजः ११, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११३, शनिदृष्टिः दक्षिणे सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण सूर्यस्य १ चंद्रमसः १।

संवत् २०६५ श्राव.कृ.३० शुक्रे सूर्यग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घं.	२२	२४	२७
प.	५७	५८	३९

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	१४	५	२	२	११	२

वर्ष लग्नम् ४।७

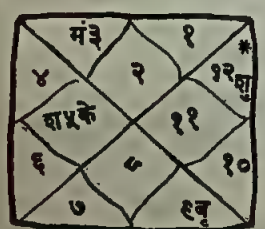

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न।

अंबः देवी मातसे पूछत भैरव जाय।
विक्रम पैंसठ सालका मुझको गुण बतलाय।।

भवानी उत्तर

माता कहे पुकारके सुन भैरव सब हाल।
दूध दही बिन देशका भूखां मरसी बाल।।
दिवानाघ राजा भये मंत्री पदको पाय।
समय निवासो वैश्यघर तेजी अधिक दिखाय।।
बिन पाणी बादल झुके इंद्र धनुष ले संग।
कहीं वर्षे कहीं यूं रहे प्रजा होयसी तंग।।
पापग्रहां इस वर्ष में लिया अधिक अधिकार।
रोग उपद्रव चौरभय जग में बढें अपार।।
रोहिणी वासो संधि में स्तंभ लगा है एक।
धर्म कर्म जप तप किये ईश्वर राखे टेक।।

सं.२०६५श्रा.शु. १५ शनिवासरे चंद्रग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	४७	५१	५४
प.	१४	४	५४
घ.	१	२	४
मि.	२१	५३	२५

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ५।२०

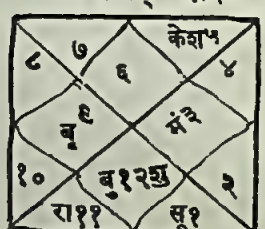

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४६।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५७।३०

अथाधिकारिणांफलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजारविस्तत्फलम् ॥ सूर्येनृपेस्वल्पफलाश्च मेघाःस्वल्पं पयो गोषुजनेषुपीड़ा । स्वल्पंसुधान्यंफलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधानिधनंनृपाणाम् ॥ मंत्रीरविः फलम् ॥ नृपभयंगदतोपिहिनस्करा त्प्रचुरधान्यधनादि- महितले । रसचयंहिसमर्घतमंतदारवि रमात्यपदंहिसमागतः ॥ सस्येशोबुधस्तत्फलम् ॥ जलधराजलराशिमुचो भृशंसुखसमृ- द्धियुतंनिरुपद्रवम् । द्विजगणःश्रुतिपाठकरःसदाप्रथमसस्यपतौसतिबोधने । धान्येशश्चंद्रःफलम् ॥ चंद्रेधान्याधिपेजातेप्रजाबृद्धि- प्रजायते । गोधुमाःसर्षपाश्चैवगोषुक्षीरंतदाबहु ॥ मेघेशःशनिःफलप् ॥ रविसुतेजलवस्यपतौभवेद्विरतबृष्टिवतीवसुघातदा । मनसितापकरो नृपतिःसदाविविधरोगरताजनतामता । रसेशोगुरुःफलम् ॥ यदिगुरोरसपेजनसौख्यदेकमलवन्ति सरांसितृणानिच । जनपदा द्विजपूजनतत्परा गजसवाजिरथोष्ट्रयुतानृपाः ॥ नीरसेशोभौमस्तत्फलम् ॥ नीरसेशोयदाभौमः प्रवालारक्तवांससां । रक्तचंदनताम्राणामर्घबृद्धिर्दिनेदिने ॥ फलेशःशनिःफलं ॥ यदिशनिःफलपः फलहाभवेज्जनितपुन्य - गणस्यद्रुमःसदा । हिमत्रयंवरतस्करजन्तुभीर्जनपदागदराशि महाकुलः ॥ धनेशःभौमस्तफलम् ॥ असममौल्यकरोधणीसुतः शरदितापकरस्तुबघान्यहत् । सहसिमासिभवेद्वीगुणंतदा नरपतिर्जनशोकविधायकः ॥ दुर्गेशःशनिःफलम् ॥ रविसुतेगढ़ पालिनिविग्रहैःसकलदेशगताश्चालिताजनाः । विविधवैरिविशेषितनागराःकृषि धनंनलभेभ्दुविकश्चन ॥ प्लवनामसंवत्सरः फलम् ॥ प्लवाब्देनीखिलाधात्रीबृष्टिभिःप्लवसन्निभा । रोगकालेत्वीतिभीतिःसम्पूर्णेवत्सरेफलम् ॥ वर्षनाम आषाढः फलम् ॥ प्लवाब्देतुराजानःसर्वदाकलहोत्सुकाः । क्वचिदीतिःकृचिद्भीतिःक्वचिवृद्धिर्जलंक्वचित् ॥ मेघनामआवर्तःफलम् ॥ आवर्तेछिन्नबृष्टिःस्यात् । रोहिणीनिवासःसंधौफलम् ॥ खंडबृष्टिश्चसंधिषु ॥ समयनिवासोवणिकगृहेफलम्वणिक् गृहेशुभंनास्ति ॥ एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०६५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुल्का १२ गुरौ उफा ल. ऽन्यगो रे ८ ऽस्।।ऽशु।।।।।।
मीनेव्याघातःपादतो शुक्रस्य वेधाभावः

,, १३ शुक्रेहस्ते ल. ऽन्यगो. १२ रे. ८।।।।।ऽ नृप ऽ।।।
मीने चन्द्रो ऽर्च्यः

वैशाख मासः ।

कृष्णा ७ रवौ उषा ल. ऽन्यगो १२ रे ६ ।ऽऽबृ ।ऽऽ
(नृप.घ.५१या)।।।।आवश्यके

मार्गशीर्ष मासः

कृ. १० शनौ उफा. ल. अन्योगो. रे ८।।।।।ऽचौरः
५१ या ।ऽ।।भौम ७ स्यदोषः

,, १० शनौ हस्ते ल. ७ रे ।।।।।। (चौ.५१ या)ऽऽ।।
,, ११ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो. रे ८।।।।।।।ऽऽ।। भौम
७ स्यदोषः

शु. २ शनौ मूले ल. ६-७ रे८ऽ।।।।। (नृ.४५या)ऽ।।।
कन्या लग्ने शनिः पूज्यः तुला. ल. घ ५३।१५उ.

,, ४ भौमे उषा. लः ऽन्यगो. रे ९।।ऽवृ शु. ।।।।।।।ल.
ऽन्यगो. सप्तमस्थ भौमदोषः

शु. ९ रवौ उभा. ल. ऽन्यगो.रे.ऽ।।।ऽ। (नृप३८उ.)।।।ऽ
दग्धा सप्तमस्थ भौमदोषः

,, १४ गुरौ रोहि.ल.६(घ.४६।१०उ.पादवधाद्वेधाभावः)
रे.६ ।।।ऽ शु. ।ऽरो.ऽऽ।।

,, १५ शुक्रे मृगे. ल. ६ रे. ।ऽ।ऽ बृ. ।। रोग ३३या.।ऽ।।
पाद तोवेधाभावः

फाल्गुन मासः

कृ. ५ शनौ. स्वा. ल. ८।९ रे. ऽऽ।।।ऽअ।।।ऽ। गणितेन
क्रांति साभ्याऽभावः

,, ७ चन्द्रे अनु ल. ९ रे.ऽ।।।।।ऽवृ।ऽ।

,, ८ भौमे ऽनु ल. गो. सोग्रांगःरे. ९।।।।।।।ऽ।।

,, १० गुरौ मूले ल. ८ रे ।।।।।ऽऽ।।

शु. १ गुरौ उभा ल. ८।९ रे ८।ऽ।।।।ऽ।।।

,, २ शुक्रे रेव. ल. ८।९ रे७ऽ।ऽशु ।।ऽ चौ।।।।
शुक्र युतिदोषः

अत्रक्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चैत्सांतव्यं सुधीभिः ।।

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५८४६स. २००८
१	र	५१	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	चं	५०	५६	अ	२९	१८	वै	०/४६	५०/१७	बा	२५	१३	३१/१४	५/४५	६/१५	१८	२९	७	मेषे	पुन. भौमः १२।४७ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	मं	४२	४३	भ	२२	५६	प्री	४१	२३	तै	१६	४९	१८	४४	१६	१९	१	८	वृ.३६।२३	रेवत्यां बुधः१५।२९ २विलाखर४मत्स्य×
४	बु	३४	५६	कृ	१६	४६	आ	३२	१४	व	८	४९	२२	४४	१६	२०	२	९	वृषे	भ.८।४९ उ. ३४।५६या.
५	गु	२७	५७	रो	११	४२	सौ	२४	४	ब	१	२६	२६	४३	१७	२१	३	१०	मि३९।३७	[÷शुक्रः ४९।२६ राम नवमी वै.
६	शु	२२	३	मृ	७	३३	शो	१६	३५	तै	२२	३	३०	४२	१८	२२	४	११	मिथुने	[×जयंती गनगौरी
७	श	२७	९	आ	४	२८	अ	१०	२	व	१७	९	३४	४१	१९	२३	५	१२	कं.४८।६	भ.१७।९ उ. ४५।२३या.
८	र	१३	३७	पु	२	३८	सु	४	४३	ब	१३	३७	३८	४०	२०	२४	६	१३	कर्के	अश्वि. मेषेऽर्कः २९।३९ (सौरः ३३/५५)=
९	चं	११	२८	पु	२	१९	धृ	०/१३	५३/३४	कौ	११	२८	४२	४०	२०	२५	७	१४	कर्के	अश्वि मेषेबुधः ५९।१९ रेवत्यां ÷
१०	मं	१०	२३	श्ले	२	५५	गं	५४	१४	ग	१०	२३	४६	३९	२१	२६	८	१५	सिं. २।५५	भ.४०।२५ उ.
११	बु	१०	२८	म	४	४६	बृ	५२	४९	वि	१०	२८	५०	३८	२२	२७	९	१६	सिहे	भ.१०।२८ या. कामदा ११ व्र.
१२	गु	११	५२	पू	७	५१	धृ	५२	१७	बा	११	५२	५३	३७	२३	२८	१०	१७	कं.२३।५१	प्रदोषः
१३	शु	१४	१५	उ	१२	१	व्या	५२	१४	तै	१४	१५	५७	३७	५३	२९	११	१८	कन्यायां	[=रामनवमी स्मा.
१४	श	१७	५२	ह	१७	२	ह	५३	१	व	१७	५२	३२/१	३३	२४	३०	१२	१९	तु. ५०।३	भ.१७।५२ उ.५०।५ या.
१५	र	२२	१८	चि	२३	४	व	५४	३४	व	२२	१८	५	३५	२५	३१	१३	२०	तुलायां	हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु.८ र.इ. २९।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	८	११	४	१०	११
०	२२	२६	२७	१५	८	०	२९
०	५३	५५	२३	१	११	५२	५५
०	१०	२६	२८	५	२४	३	४९
५८	३१	११/३३	४	७४	१/५२	३	५८
४४	३	२६	४२	२०	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले ८ रवौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा३ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

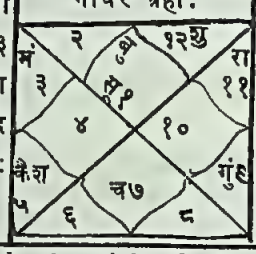

२पं.चै.शु.१५र.इ. २९।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	८	११	४	१०	०
६	२६	११	२७	२३	७	०	६
५०	१६	४२	५१	३९	५९	२९	४६
४२	४१	२२	४७	३६	३१	४८	०
५८	३१	१२/५३	३	७४	१/१९	३	५८
३१	५३		२०	२६	व.	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	चं	२७	४०	स्वा	२९	३९	सि	५६	२५	कौ	२७	४०	३२/९	५/३४	६/२६	१	१४	२१	तुलायां	भरण्यां बुधः१६।४१ रा. वैशाखारंभः
२	मं	३३	३१	वि	३६	५०	व्य	५८	५०	तै	०	५	१२	३४	२६	२	१५	२२	वृ.२०।२	[+(सौरः१५।२०) कृत्ति. बुबः४०।४२×
३	बु	३९	४३	अ	४४	२६	व	६०	०	व	६	३७	१६	३३	२७	३	१६	२३	वृश्चिके	भ.६।३७उ.३९।४३या.
४	गु	४६	१	ज्ये	५२	६	व	१	२१	ब	१२	५२	२०	३२	२८	४	१७	२४	ध. ५२।६	चतुर्थी व्र.
५	शु	५१	५९	मू	५९	१४	प	३	४२	कौ	१९	०	२३	३१	२९	५	१८	२५	धनुषि	अश्वि. मेषे शुक्रः४०।१२
६	श	५७	६	पू	६०	०	शि	५	३९	ग	२४	३२	२७	३१	२९	६	१९	२६	धनुषि	भ.५७।६उ.
७	र	६०	०	उ	५	२६	सि	६	५०	वि	२९	१२	३१	३०	३०	७	२०	२७	म.२१।४५	भ २९।१२ या. भरण्यां रविः ९।५२+
७	चं	१	१७	पू	१०	४१	सा	७	५	ब	१	१७	३४	२९	३१	८	२१	२८	मकरे	[×कर्के भौमः५०/१७ बुधोदयः पश्चिमायां५०/४०
८	मं	३	४२	श्र	१४	६	शु	५	५३	कौ	३	४२	३८	२८	३२	९	२२	२९	कुं.४४।५३	वृषे बुधः२१।५३धनि.२मकरेराः आश्ले=
९	बु	४	२०	ध	१५	४०	शु	३/१३	५५/५५	ग	४	२०	४१	२८	३२	१०	२३	३०	कुंभे	भ.३३।३७उ.
१०	गु	२	५५	श	१५	१८	ऐं	५२	११	वि	२	५५	४५	२७	३३	११	२४	१	मी. ५८/३३	भ.२/५५या.वरुथिनी११व्र.स्मा.मई५ता.३१
११	गु	५६	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=४कर्के केतुः५२।९
१२	शु	५३	५७	पू	१२	५६	वै	४५	५२	कौ	२६	४१	४८	२६	३४	१२	२५	२	मीने	मार्गी शनिः१४।३या.वरुथिनी११व्र. वै
१३	श	४६	४७	उ	८	३९	वि	३६	५८	ग	२०	२२	५२	२६	३४	१३	२६	३	मीने	भ.४६।४७उ. प्रदोषः
१४	र	३८	१५	रे	२/४९	५३/८	प्री	२७	१९	वि	१२	३१	५५	२५	३५	१४	२७	४	मे २।४९	भ.१२।३१या.पुष्ये भोमः १८।३६
३०	चं	२८	५८	भ	४८	२३	आ	१६	५०	च	३	३६	५८	२४	३६	१५	२८	५	मेषे	रोहि. बुधः५।६शुक्रास्तः पूर्वस्यां४३।४८

३पं.वै.कृ.७र.इ. ३०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	८	०	४	१०	०
१३	२९	२६	२८	२	७	०	१३
३९	४९	१९	१२	१६	५३	७	३४
४७	१	१२	४०	५९	१७	३२	२५
५८	३२	११/३५	१	७४	०/२७	३	५८
१९	४६		५४	२६	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

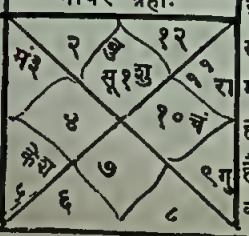

इस मास में धान्य सोना चांदी रस में मंदी होकर तेजी होजावे धूप अधिक हैजा आदि रोग होवे। कहीं २वर्षा भी हो।

गोचर ग्रहाः

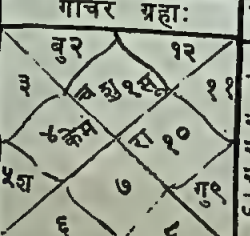

४पं.वै.कृ.१४ र.इ. ३०।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	८	०	४	९	०
२०	३	९	२८	१०	७	२९	२०
२७	२६	१	२४	५४	५१	४५	२१
२५	३५	५२	०	२२	३२	१७	९
५८	३३	११/२८	०	७४	१०/१३	३	५७
६	३२		४५	२६	मा	११	५७

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३० दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः५८७५स.२००८

१	मं	१६	१५	कृ	४०	५२	सौ	६	४९	ब	२६	१५	३३	५	६	१६	२६	६	वृ.१।३१	भरण्यां शुक्रः२७।४७चंद्र दर्शनम्
२	बु	६	४६	रो	३३	४०	अ	४५	३७	कौ	६	४६	२	२३	३७	१७	१	७	वृषे	जमादिलावल५परशुराम जयंती
३	गु	०	४१	मृ	२७	१७	सु	३५	५६	ग	०	४१	८	२२	३८	१८	२	८	मि. ०।२६	भ. २६।४२ उ. ५२।४३ या. वक्री गुरुः५
४	गु	५२	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×३२।५३अक्षया३
५	शु	४६	१०	आ	२२	२२	पु	२७	५८	ब	१६	२६	११	२२	३८	१९	३	९	मिथुने	[÷मृगे बुधः३४।५६
६	र	४१	६	पु	१८	५३	शु	२१	१७	कौ	१३	३६	१४	२१	३६	२०	४	१०	क ४।४६	कृत्ति. रविः५५।४८
७	श	३८	४	पु	१७	१	गं	१५	५०	ग	६	३६	१७	२१	३६	५१	५	११	कर्के	भ.३८।४उ.कृत्ति. रविः सौरः३।१२
८	चं	३६	३६	श्ले	१६	५४	वृ	११	४७	वि	७	२३	२०	२०	४०	२२	६	१२	सिं १६।५४	भ.७।२३या.
९	मं	३६	५४	म	१८	३०	धु	८	५८	वा	६	४६	२३	१६	४१	२३	७	१३	सिंहे	
१०	बु	३८	३७	पू	२१	५७	व्या	७	३७	तै	७	४६	२६	१६	४१	२४	८	१४	कं. ३८।३	बृषेऽर्कः २३।३ (सौरः ३०।५६)÷
११	गु	४१	४३	उ	२६	५२	ह	७	२१	व	१०	११	२८	१८	४२	२५	९	१५	कन्यायां	भ.१०।११उ.४१।४३या.मोहिनी११व्र.
१२	शु	४५	५८	ह	३१	५८	व	८	१	ब	१३	५१	३१	१८	४२	२६	१०	१६	कन्यायां	
१३	श	५१	१	चि	३८	१४	सि	९	१३	कौ	१८	२९	३४	१७	४३	२७	११	१७	तु.५।६	कृत्ति. शुक्रः२८।५८प्रदोषः
१४	र	५६	४१	स्वा	४५	२२	व्य	११	५	ग	२३	५१	३७	१७	४३	२८	१२	१८	तुलायां	भ.५६।४१उ. नृसिंह जयंती
१५	चं	६०	०	वि	५२	२८	व	१३	२	वि	२९	३८	३९	१६	४४	२९	१३	१९	वृ. ३५	भ.२९।३८या. बृषे शुक्रः५२।२७
१५	मं	२	३५	अ	५९	५६	प	१५	२४	ब	२	३५	४२	१६	४४	३०	१४	२०	वृश्चिके	यमाय कुंभ दानम्

५पं.वै.शु.६श.इ.३०।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	८	०	४	९	०
२७	७	१९	२८	१९	७	२९	२७
१३	१०	४४	२६	३१	५५	२३	०६
२७	१	६	२४	२३	१६	१	२३
५३	३४	७०	३३	७४	०	३	५७
५४	६	१५	व	३२	५८	११	४५

गोचर ग्रहाः

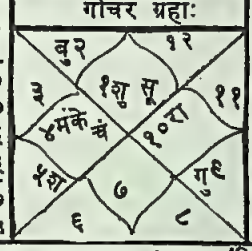

वैशाख शुक्ले १०रवौ

बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

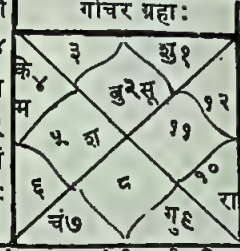

६पं.वै.शु.१४र.इ.३०।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	८	०	४	९	१
३	१०	२५	२८	२८	८	२९	३
५८	५६	१	१८	७	३	०	५०
३७	३८	१	२९	५५	४०	४५	५
५७	३४	३०	३	७४	१	३	५७
४४	४७	२८	व.	३२	२६	११	२४

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३० दि. उ. अ. हि. मु. इ. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महाः

१	बु	८	४१	ज्ये	६०	७	शि	१७	४९	कौ	८	४१	३३	५	६	३१	१५	२१	वृश्चिके	[+वक्री बुधः५२।४८
२	गु	१४	५२	ज्ये	७	२१	सि	२०	१०	ग	१४	५२	४७	१५	४५	१	१६	२२	ध. ७।२१	भ.४७।४२ उ. रा. ज्येष्ठारंभः
३	शु	२०	३२	मू	१४	२७	सा	२२	१३	वि	२०	३२	४९	१४	४६	२	१७	२३	धनुषि	भ.२०।३२या. चतुर्थी व्र.
४	श	२५	२३	पू	२१	०	शु	२३	४१	बा	२५	२३	५२	१४	४६	३	१८	२४	म.३७।२५	रोहि. रविः ४६।३७ (सौरः ५७।७)+
५	र	२९	३८	उ	२६	३९	शु	२४	२९	तै	२९	३८	५४	१३	४७	४	१९	२५	मकरे	
६	चं	३२	३८	श्र	३१	८	ब्र	२४	१४	ग	१	८	५६	१३	४७	५	२०	२६	मकरे	भ.३२।३८उ.
७	मं	३४	१०	ध	३४	११	ऐं	२२	५९	वि	३	२४	५८	१२	४८	६	२१	२७	कुं. २।४०	भ.३।३४या.
८	बु	३४	०	श	३५	३६	वै	२०	१७	बा	४	४	३४	१२	४८	७	२२	२८	कुंभे	रोहि. शुक्रः८।४८आश्ले. भौमः४२।९
९	शु	३१	५९	पू	३५	८	वि	१६	८	तै	२	२९	२	१२	४८	८	२३	२९	मी.१४	बुधास्तः पश्चिमायां९।२३
१०	शु	२८	११	उ	३२	४६	प्री	१०	२६	ब	०	५	३	११	४९	९	२४	३०	मीने	भ.०।५उ.२८।११या.
११	श	२२	२०	रे	२८	३५	आ	२५	१५	बा	२२	२०	५	११	४९	१०	२५	३१	मे. २८।३५	अपरा११व्र.
१२	र	१५	८	अ	२३	५	शो	४५	३१	तै	१५	८	७	११	४९	११	२६	१	मेषे	प्रदोषः जून६ता.३०
१३	चं	६	२५	भ	१६	१८	अ	३५	६	व	६	२५	९	१०	५०	१२	२७	२	वृ. ३९	भ.६।२५उ.३१।३७या.
१४	चं	५०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	मं	४६	४९	कृ	८	३०	सु	२४	१०	च	२१	५४	१०	१०	५०	१३	२८	३	वृषे	वटपूनम्

७ ज्ये. कृ.५ र.इ.३०।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	८	१	४	९	१
१०	१४	२७	२८	६	८	२८	१०
४२	४७	२३	२	४४	१७	३८	३२
२९	२०	१७	१०	४६	३५	३०	१६
५७	३५	३	२२	७४	२	३	५७
३५	२०	व.	व.	३२	१६	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में गहूं जौ चना मटर आदि धान्यो में तेजी रहे सोना चांदी लोहा ताम्बा गुड शक्कर चीनी में मंदी रहे।

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्ये.कृ.१२र.इ.३०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	८	१	४	९	१
१७	१८	२६	२७	१५	८	२८	१७
२५	४१	९	३७	२०	३५	१६	३३
१९	३१	४७	१९	३८	४९	१४	२२
५७	३५	३५	२३	७४	२	३	५७
२७	३९	व.	व.	३८	५५	११	२३

(विक्रम सं. २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०													दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५९०४ स.२००८
१	बु	३६	२३	रो	४०	५२	धृ	१३	२२	कि	११	४५	३४	५	५०	६	१४	२९	४	मि. ३६	
२	गु	२७	१४	आ	४६	१४	शु	४३	५९	बा	१	५६	१३	९	५१		१५	३०	५	मिथुने	चंद्र दर्शनम्
३	शु	१९	१	पु	४०	५३	बृ	४४	१०	ग	१९	१	१५	९	५१		१६	१	६	क.२७।०	भ.४५।३९उ.जमादि लाखर६
४	श	१२	१८	पू	३५	४३	धृ	३७	४	वि	१२	१८	१६	९	५१		१७	२	७	कर्के	भ.१२।१८ या. मृगे रविः ४१।३०÷
५	र	७	२८	श्ले	३४	५२	ष्या	३१	३६	बा	७	२८	१७	९	५१		१८	३	८	सिं. ३५	मृगे शुक्रः१।१७
६	चं	४	३१	म	३४	५४	ह	२७	३५	तै	४	३१	१८	८	५२		१९	४	९	सिंहे	[=(सौरः५६।४५) निर्जला११व्र.
७	मं	३	४५	पू	३७	४	व	२५	१३	व	३	४५	१९	८	५२		२०	५	१०	कं.५३।१	भ.३।४५उ.३४।२४या.
८	बु	५	२	उ	४०	५२	सि	२४	१४	ब	५	२	१९	८	५२		२१	६	११	कन्यायां	[(+सौरः५५।५७) वक्रीरोहि. बुधः३२।३
९	गु	७	४५	ह	४६	१४	व्य	२४	५६	कौ	७	५४	२०	८	५२		२२	७	१२	कन्यायां	वक्री पूषा.४गुरुः५६।०
१०	शु	२१	२४	चि	५२	४८	व	२६	१	ग	१२	२४	२१	८	५२		२६	८	१३	तु.१४।३१	भ.४५।०उ.मिथुने शुक्रः३७गंगा दशमी
११	श	१७	३७	स्वा	६०	०	प	२८	१	वि	१७	३७	२१	८	५५		२४	९	१४	तुलायां	भ. १७।३७ या. मिथुनेऽर्कः ४०।४=
१२	र	२३	३८	स्वा	०	७	शि	३०	२९	बा	२३	३८	२२	८	५५		२५	१०	१५	वृ. ५०	प्रदोषः
१३	चं	२९	४७	वि	०७	३४	सि	३२	५५	तै	२९	४७	२२	८	५२		२६	११	१६	वृश्चिके	बुधोदयः पूर्वस्यां५७।३०
१४	मं	३५	५२	अ	१५	८	सा	३५	१४	ग	२	४९	२३	७	५३		२७	१२	१७	वृश्चिके	भ.३५।५२उ. [÷वट सावित्री व्र.
१५	बु	४१	४०	ज्ये	२२	१४	शु	३७	१३	वि	८	४३	२३	७	५३		२८	१३	१८	धं.२२।१४	भ.८।४३या.आर्दा. शुक्रः४९।२गुर्जराणां÷

९पं.ज्ये.शु.५२.इ.३०।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	८	१	४	९	१
२४	२२	२२	२७	२३	८	२७	२३
७	३८	४८	३	५६	५८	५३	५३
१९	४२	१८	५८	५३	३७	५९	१८
५७	२६	३३	५	७४	३	३	५७
२२	१७	व.	व.	३८	३३	११	५

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठा शुक्ले ११शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ बालावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु. १२ र.इ. ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	८	२	४	९	२
०	२६	१९	२६	२	९	२७	०
४८	३८	४३	२३	३३	२६	३१	३२
३६	५३	१९	३१	०	६	४३	२७
५७	३६	२३	६	७४	४	३	५६
१३	३६	व.	व.	३८	११	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०													बि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	गीष्मर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	गु	४६	५५	मृ	२९	१३	शु	३९	८	बा	१४	१८	३४	५	५३	६	२९	१४	१९	धनुषि	
२	शु	५१	२२	पू	३५	२५	ब्र	४०	२७	तै	१९	८	२४	७	५३		३०	१५	२०	म.५१।४५	
३	श	५५	०	उ	४०	४४	ऐं	४१	३	व	२३	११	२४	७	५३		३१	१६	२१	मकरे	भ.२३।११ उ. ५५।० या. आर्दा. रविः×
४	र	५७	३१	श्र	४५	४	वै	४०	५५	ब	२६	१६	२४	७	५३		१	१७	२२	मकरे	मघा.४शनिः३८चतुर्थी व्र.रा.आषाढारंभः
५	चं	५९	३	ध	४८	३०	वि	३९	५६	कौ	२८	१७	२४	७	५३		२	१८	२३	कु १६।४७	
६	मं	५९	१३	श	५०	४६	प्री	३७	५५	ग	२९	८	२४	७	५३		३	१९	२४	कुम्भे	भ.५९।१३उ.
७	बु	५८	१३	पू	५१	२६	आ	३५	१	वि	२८	४३	२३	७	५३		४	२०	२५	मी. ३६	भ.२८।४३या.
८	गु	५५	४०	उ	५०	५०	सौ	३०	४७	बा	२६	५६	२३	७	५३		५	२१	२६	मीने	[×३९।५९ (सौरः५८।१८) मार्गीबुधः÷
९	शु	५१	३८	रे	४८	४४	शो	२५	१९	तै	२३	३९	२२	८	५२		६	२२	२७	मे. ४४	[÷९।१८मघा.सिंहे भौमः१९।४६
१०	श	४६	८	अ	४५	१३	अ	१८	४२	व	१८	५३	२२	८	५२		७	२३	२८	मेषे	भ.१८।५३उ.४६।८या.
११	र	३९	१३	भ	४०	२७	सु	११	२	ब	१२	४१	२१	८	५२		८	२४	२९	वृ.५३।५८	पुत.शुक्रः४२।३६योगिनी११व्र.
१२	चं	३१	२६	कृ	३४	२९	धृ	२३	५० २४	कौ	५	१९	२०	८	५२		९	२५	३०	वृषे	मृगे बुधः३२।२४प्रदोषः
१३	मं	२२	२३	रो	२७	३८	गं	४२	४४	व	२२	२३	१९	८	५२		१०	२६	१	मि. ५४।०	भ.२२।२३ उ. ४७ या. घनि. १ राहुः=
१४	बु	१३	०	मृ	२०	२२	बृ	३२	१६	श	१३	०	१८	८	५२		११	२७	२	मिथुने	[=आश्ले.३केतुः४६।३२जौलाई७ता.३१;
३०	गु	३	३४	आ	१३	१४	ध्रु	२२	१३	ना	३	३४	१७	९	५१		१२	२८	३	क.५३।१८	

११पं.आ.कृ.४र.इ.३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	८	२	४	९	२
७	०	१९	२५	११	९	२७	७
२९	४३	२०	३७	९	५७	९	१०
३१	५२	१०	३४	७	५०	२७	५४
५७	३७	२५	१४	७४	४	३	५६
१३	१	मा.	व.	३२	४४	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं चना जौ मक्का वाजरा सोना चांदी लोहा गुड सक्कर तेज होवे फिर सुदी में मन्दे हो वर्षा होवे।

गोचर ग्रहाः

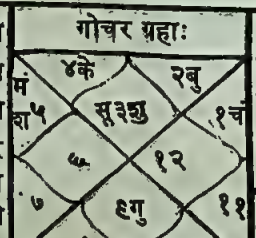

१२ पं.आ.कृ. ११र.इ. ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	८	२	४	९	२
१४	४	२२	२४	१९	१०	२६	१३
९	५१	३७	४६	४५	३२	४७	४९
५८	२५	४१	४८	२१	३८	१२	०
५७	३७	४१	३ ४३	७४	५	३	५६
७	३०	१३	व.	३२	५	११	५०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण;५९३४स.२००८
१	गु	५१	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	४६	५३	पु	६	४६	व्या	१२	४०	बा	२०	४७	३४/१६	५/९	६/५१	१३	२९	४	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	श	४०	४६	पु	१/२८	५६/१८	ह	४/८	५२/४५	तै	१३	५०	१५	९	५१	१४	१	५	सिं. ५७/४६	पुन. रविः ३७।४९ रज्जव७
४	र	३६	२२	म	५५	४९	सि	५१	२	व	८	३४	१४	९	५१	१५	२	६	सिंहे	भ.८।३४ उ.३६।२२ या. पुन. रविः+
५	चं	३४	१९	पू	५६	२४	व्य	४७	१९	ब	५	२०	१३	९	५१	१६	३	७	सिंहे	कर्के शुक्रः५०।२
६	मं	३४	१४	उ	५८	४३	व	४५	१०	कौ	४	१६	११	१०	५०	१७	४	८	कं.११।५९	[+सौरः२।२० मिथुनेबुधः३६।२६
७	बु	३६	११	ह	६०	०	प	४४	५०	ग	५	१३	१०	१०	५०	१८	५	९	कन्यायां	भ.३६।११ उ.
८	गु	४०	७	ह	४	१३	शि	४५	११	वि	८	८	८	१०	५०	१९	६	१०	तु.३६।३५	भ.८/८या. पुष्ये शुक्रः३५/४ वक्रीपूषा३ गुरुः५४/२०
९	शु	४५	७	चि	८	५६	सि	४६	५५	वा	१२	३७	७	११	४९	२०	७	११	तुलायां	आर्द्रा. बुधः२९।१४
१०	श	१५	१४	स्वा	१६	६	सा	४९	८	तै	१८	११	५	११	४९	२१	८	१२	तुलायां	
११	र	५७	२९	वि	२३	१२	शु	५१	३४	व	२४	२२	३	११	४९	२२	९	१३	वृ. ६।३३	भ. २४/१२ उ.५७/२९ या. पूफा. भौमः ४०।५४÷
१२	चं	६०	०	अ	३१	१३	शु	५४	८	ब	३०	३१	१	१२	४८	२३	१०	१४	वृश्चिके	[÷शुक्रोदयःदश्चिमायां १२/३६ देवशयनी११व्र.
१२	मं	३	३२	ज्ये	३८	२५	ब्र	५६	१७	बा	३	३२	३३/५९	१२	४८	२४	११	१५	ध. ३८/३५	प्रदोषः
१३	बु	९	२०	मू	४५	२७	ऐं	५८	३	तै	९	२०	५७	१३	४७	२५	१२	१६	धनुषि	कर्केऽर्कः ७।१५(सौरः३५।४)
१४	गु	१४	११	पू	५१	१२	वै	५८	५९	व	१४	११	५५	१३	४७	२६	१३	१७	धनुषि	भ.१४।११ उ.४६।२या. वायुपरीक्षा
१५	शु	१७	५३	उ	५६	११	वि	५९	६	ब	१७	५३	५२	१४	४६	२७	१४	१८	म. ७।२६	पुन.बुधः ४७/२४ बुधास्तःपूर्वस्यां २१/५६ व्यासपूजा

१३ पं.आ.शु.४ र. इ. ३०/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	८	२	४	९	२
२०	९	२९	२३	२८	११	२६	२०
५०	१	५२	५३	२१	११	२४	२६
२४	३४	३४	३१	२९	६	५६	५४
५७	३७	७८	५५/५२	७४	५	३	५६
७	४४	१९	व.	३२	३२	११	५०

गोचर ग्रहाः

४के, २बु, शु ५चंमं, शु३सू, १, ६, १२, ७, ९गु, ११, ८, रा १०

आषाढ ७ शुक्ले.१३ बुधे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

के४शु, २, ५मंश, बु३सु, १, ६, १२, ७, ९गु, ११, चं८, १०रा

१४पं.आ.शु.११ र.इ. ३०/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	८	३	४	८	२
२७	१३	१०	२२	६	११	२६	२७
३०	१३	१५	५९	५७	५२	२	५
४३	२६	५०	३१	४३	४१	२१	०
५७	३८	७०/४४	५५/५२	७४	५	३	५६
११	८		व.	२६	२८	१९	५४

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेत्ति महाः
१	श	२०	४९	श्र	५९	४७	प्री	५८	२१	कौ	२०	४९	३३/५०	५/१४	६/४६	२८	१५	१९	मकरे	पुष्ये रविः ३६।३३
२	र	२२	२८	ध	६०	०	आ	५६	४९	ग	२२	२८	४८	१४	४६	२९	१६	२०	कुं. ३१।७	भ.५२।४३ उ. पुष्ये रविः सौरः ५।४५
३	चं	२२	५९	ध	२	२७	सौ	५४	२५	वि	२२	५९	४५	१५	४५	३०	१७	२१	कुम्भे	भ.२२।५९ या. आश्ले.शुक्रः २३/५ चतुर्थी व्र.
४	मं	२२	२८	श	४	१	शो	५१	१५	बा	२२	२८	४३	१५	४५	३१	१८	२२	मी. ४९/३८	
५	बु	२१	४	पू	४	५१	अ	४७	२२	तै	२१	४	४०	१६	४४	१	१९	२३	मीने	कर्के बुधः ४३/७ रा.श्रावणारंभःनाग५मरुस्थल
६	गु	१८	४४	उ	४	३८	सु	४२	३२	व	१८	४४	३८	१६	४४	२	२०	२४	मीने	भ.१८।४४ उ.४७।५ या.
७	शु	१५	२५	रे	३	३१	धृ	३७	६	ब	१५	२५	३५	१७	४३	३	२१	२५	मे. ३।३१	पुष्ये बुधः १०।२९
८	श	११	१०	अ	१/२३	५६/५९	शू	३०	४७	कौ	११	१०	३३	१७	४३	४	२२	२६	मेषे	पूफा. १ शनिः ५८२७
९	र	६	३	कृ	५४	२५	गं	२३	४४	ग	६	३	३०	१८	४२	५	२३	२७	वृ.१२।२३	भ.३२।५८ उ. ५९।५३ या.
१०	र	५३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×अगस्त८ता.३१ हरियाली सूर्यग्रहणम्
११	चं	५२	५८	रो	४९	३२	वृ	१६	१	ब	२६	२८	२७	१९	४१	६	२४	२८	वृषे	कामिका ११ व्र. स्मा.
१२	मं	४५	२५	मृ	४४	७	ध्रु	७/३८	५१/१५	कौ	१९	११	२४	१९	४१	७	२५	२९	मि१६।५०	कामिका ११ व्र. वै.
१३	बु	३७	३१	आ	३८	२६	ह	४९	४७	ग	११	२८	२२	२०	४०	८	२६	३०	मिथुने	भ.३७।३१ उ. प्रदोषः
१४	गु	२९	३५	पु	३२	३७	व	४०	४९	वि	३	३३	१९	२०	४०	९	२७	३१	क. १९।४	भ.३।३३ या.
३०	शु	२२	१६	पु	२७	२६	सि	३२	२२	ना	२२	१६	१६	२१	३९	१०	२८	१	कर्के	आश्ले. बुधः२९।१६ मघा.सिंहेशुक्रः १४/४४×

१५पं. श्रा.कृ. २ र.इ. ३०/२९

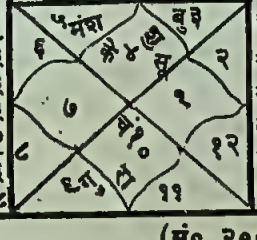

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	८	३	४	९	३
४	१७	२३	२२	१५	१२	२५	३
११	२८	२८	६	३४	३६	४०	४३
२८	१२	३४	२२	४१	५४	२५	२७
५७	३८	१२/१३	७/४०	७४	६	३	५६
१५	२०		व	२६	२०	११	५८

गोचर ग्रहाः

५मंश, बु३, ६, के४शु सू, २, ७, १, ८, चं१०, १२, ९गु, रा, ११

इस मास में ५ शनिवार अशुभ है गेहूं जौ चना वाजरा सोना चांदी गुड में तेजी हो प्रजामें कष्ट वर्षा कहीं कम कहीं अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

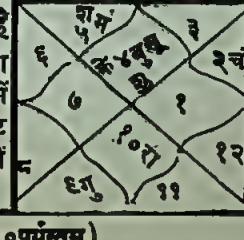

शु५मं, ३, ६, के४बु शु, २चं, ७, १, १०रा, १२, ८, ९गु, ११

१६पं.श्रा. कृ.९ र. इ. ३०/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	८	३	४	९	३
१०	२१	८	२१	२४	१३	२५	१०
५२	४५	११	१६	१०	२३	१८	२२
३०	११	१७	४१	४८	२८	९	४४
४७	३८	१२/१५	७/५	७४	६	३	५७
२०	४३		व	२५	३२	११	५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९६३ स.२००८
१	श	१६	१	श्ले	२३	१९	व्य	२४	४१	व	१६	१	३३/१३	५/२१	६/३९	११	२९	२	सिं. २३/१९	आश्ले. रविः३३।३४
२	र	११	१४	म	२०	२९	व	१८	७	कौ	११	१४	१०	२२	३८	१२	३०	३	सिंहे	आश्ले. रविःसौरः ३६/३२ चंद्र दर्शनम् सिंधारा
३	चं	८	१६	पू	१९	३३	प	१३	८	ग	८	१६	७	२३	३७	१३	१	४	कं.३४।४७	भ.३७।४३उ.उफा.भौमः २४/० सावान८तीज
४	मं	७	१०	उ	२०	२८	शि	९	२२	वि	७	१०	४	२३	३७	१४	२	५	कन्यायां	भ.७।१०या. वरद४
५	बु	८	१४	ह	२३	२९	सि	७	४१	बा	८	१४	०	२४	३६	१५	३	६	तु.५५।५५	नाग पंचमी. याजुषा मुपाकर्म.
६	गु	११	१५	चि	२८	२२	सा	७	२१	तै	११	१५	३२/५७	२५	३५	१६	४	७	तुलायां	मघा. सिंहे बुधः१२।७
७	शु	१५	४५	स्वा	३४	३२	शु	८	१	व	१५	४५	५४	२५	३५	१७	५	८	तुलायां	भ.१५।४५ उ.४८।३५ या.
८	श	२१	२४	वि	४१	३७	शु	९	५१	ब	२१	२४	५०	२६	३४	१८	६	९	वृ.२४।५०	कन्यायां भौमः ४८/२९ वक्री पूषा.२ गुरुः५।५३
९	र	२७	३६	अ	४९	१३	ब्र	१२	४	कौ	२७	३६	४७	२७	३३	१९	७	१०	वृश्चिके	[+पवित्रा ११ व्र.
१०	चं	३३	४७	ज्ये	५६	१५	ऐं	१४	३३	तै	०	४१	४४	२७	३३	२०	८	११	ध. ५६/३५	बुधोदयः पश्चिमायां४०।०
११	मं	३९	४०	मू	६०	०	वै	१६	५७	व	६	४३	४०	२८	३२	२१	९	१२	धनुषि	भ.६।४३उ.३९।४०या. पूफा. शुक्रः४।९+
१२	बु	४४	२३	मू	३	३८	वि	१८	४१	ब	१२	१	३७	२९	३१	२२	१०	१३	धनुषि	[÷रक्षा बन्धन भद्रोत्तरं चंद्रग्रहणम्
१३	गु	४७	५०	पू	९	३८	प्री	१९	४०	कौ	१६	७	३३	२९	३१	२३	११	१४	म.२५।४७	पूफा. बुधः३१।१९प्रदोषः
१४	शु	५०	७	उ	१४	१५	आ	१९	३५	ग	१८	५९	३०	३०	३०	२४	१२	१५	मकरे	भ.५०।७उ.
१५	श	५०	४३	ऋ	१७	३८	सौ	१८	२७	वि	२०	२५	२६	३१	२९	२५	१३	१६	कुं.४८।३८	भ. २०।२५ या. मघा. सिंहेऽर्कः२७।३६÷

१७पं.श्रा.शु.२ र. इ. ३०।९

रा	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	८	४	४	९	३
१७	२६	२२	२०	२	१४	२४	१७
३४	५	४४	३१	४७	११	५५	२
१२	६	४९	२६	४६	४२	५४	३२
५७	३८	१२/१	६/१६	७४	६	३	५७
५	५३	१	व.	२०	४८	११	१२

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले१५शनौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

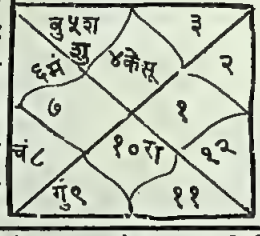

१८पं. श्रा.शु.९ र.इ. ३०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	८	४	४	९	३
२४	०	६	१९	११	१५	२४	२३
१६	२७	१२	५२	२३	१	३३	४३
३७	७	७	३०	३५	४८	३८	३९
५७	३९	१२/५०	५/२१	७४	७	३	५७
३३	११	१	व	११	२	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.:
१	र	५०	१०	ध	१९	३८	शो	१६	१७	बा	२०	२६	३२/२२	५/३२	६/२८	२६	१४	१७	कुंभे	मघा. सिंहेऽर्कः सौरः २/५७ अस्तं शनेः २१/५३
२	चं	४८	२५	श	२०	११	अ	१२	५८	तै	१९	२७	१९	३२	२८	२७	१५	१८	कुंभे	[+भाद्रपदारंभः जन्माष्टमी . स्मा.
३	मं	४५	४०	पू	१९	५२	सु	८	५२	व	१७	२	१५	३३	२७	२८	१६	१९	मी. ४।५६	भ.१७।२उ.४५।४० या.
४	बु	४२	१७	उ	१८	४७	धृ	४/५	५३/३९	ब	१३	५८	१२	३४	२६	२९	१७	२०	मीने	चतुर्थी व्र.
५	गु	३८	२	रे	१६	५३	गं	५२	४७	कौ	१०	१०	८	३४	२६	३०	१८	२१	मे.१६।५३	चंद्र षष्ठी
६	शु	३३	५३	अ	१४	३३	वृ	४६	३५	ग	५	५८	४	३५	२५	३१	१९	२२	मेषे	भ.३३/५३ उ. उफा. बुधः ३८/५९ उफा. शुक्रः ५६/५
७	श	२९	११	भ	११	५६	ध्रु	४०	६	वि	१	३२	१	३६	२४	१	२०	२३	वृ.२६।८	भ.१।३२या. पूफा. २ शनिः४६।१६रा.+
८	र	२४	४	कृ	८	४६	व्या	३३	११	कौ	२४	४	३१/५७	३७	२३	२	२१	२४	वृषे	कन्यायां बुधः४९।४४ जन्माष्टमी व्र. वै.
९	चं	१८	३०	रो	५	२०	ह	२६	२५	ग	१८	३०	५३	३७	२३	३	२२	२५	मि. ३३/२९	भ.४५।३५उ. कन्ययां शुक्रः३८।२४हस्ते×
१०	मं	१२	४०	मृ	३७/३	५६/७	व	१८	४१	वि	१२	४०	४९	३८	२२	४	२३	२६	मिथुने	भ.१२।४०या. [×भौमः३०।३४गोगा९
११	बु	६	४६	पु	५३	४३	सि	११	१०	बा	६	४६	४६	३९	२१	५	२४	२७	क.३९।२६	अजा११व्र.
१२	गु	०	४६	पु	४९	५०	व्य	३/४६	५२/३८	तै	०	४६	४२	४०	२०	६	२५	२८	कर्के	भ.५५।९उ.वत्स द्वादशी प्रदोषः
१३	गु	५४	२३	०	०	०	०	०	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷कुशा ग्रहणी पिठोरी३०
१४	शु	५०	४	श्ले	४६	४३	प	४९	३७	वि	२२	३६	३८	४०	२०	७	२६	२९	सिं४६।४३	भ.२२।३६या.
३०	श	४६	८	म	४४	१५	शि	४३	८	च	१८	६	३४	४१	१९	८	२७	३०	सिंहे	पूफा. रविः १७।१२ (सौरः ५३।४८)÷

१९ पं.भा.कृ.१ र.इ. २९/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	८	४	४	९	४
०	४	१८	१९	१९	१५	२४	०
५९	५२	२६	१९	५९	५३	११	२५
५३	५२	३८	५५	४९	१०	२३	५२
५७	३९	१०/३३	४/८	७४	७	३	५७
४०	१८		व.	२	८	११	३४

गोचर ग्रहाः

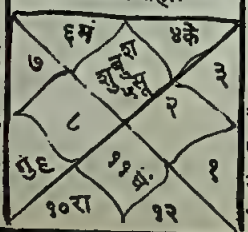

इस मास में ५ रविवार अशुभ है धान्य गल्ला किराणा चांदी सोना रुई पाट सण वारदाना में घटाबढी चले रोग भय बढे।

गोचर ग्रहाः

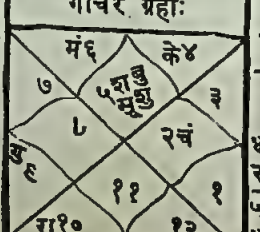

२०पं.भा. कृ.८ र. इ. २९/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	८	४	४	९	४
७	९	२९	१८	२८	१६	२३	७
४४	१९	२९	५६	३५	४५	४९	८
२०	४४	२०	२८	२०	१४	७	२१
५७	३९	९१	३/९	७३	७	३	५७
४९	४१	४७	५	५७	१४	११	४५

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९/९२ स.२००८
१	र	४३	२०	पू	४३	८	सि	३८	७	किं	१४	४४	३१/३०	५/४२	६/१८	९	२८	३१	कं.५८।१७	हस्ते बुधः५५।३४
२	चं	४२	१४	उ	४३	४५	सा	३४	१४	बा	१२	४७	२६	४३	१७	१०	२९	१	कंन्यायां	चंद्रदर्शनं सितम्बर९ ता. ३०
३	मं	४२	५५	ह	४५	५३	शु	३१	३२	तै	१२	३५	२२	४४	१६	११	१	२	कन्यायां	हस्ते शुक्रः४७।२९ श्रवण.४राहुः आश्ले×
४	बु	४५	२५	चि	४९	४५	शु	३०	२१	व	१४	१०	१८	४४	१६	१२	२	३	तु.१७।४९	भ.१४।१०उ.४५।२५या. गणेश चतुर्थी
५	गु	४९	२५	स्वा	५५	९	ब्र	३०	८	ब	१७	२५	१५	४५	१५	१३	३	४	तुलायां	ऋषिपंचमी
६	शु	४५	४४	वि	६०	०	ऐं	३१	२८	कौ	२२	०५	११	४६	१४	१४	४	५	वृ. ४५।५	[×२केतुः३८।४०रमजान९हरितालिका३
७	श	६०	०	वि	१	४४	वै	३३	१७	ग	२७	४६	७	४७	१३	१५	५	६	वृश्चिके	[=नवल दुर्गे
७	र	०	४४	अ	८	४५	वि	३५	३१	व	००	४४	३	४७	१३	१६	६	७	वृश्चिके	भ.०।४४उ.३३।५०या.
८	चं	६	५६	ज्ये	१६	२८	प्री	३७	५८	ब	६	५६	३०/५९	४८	१२	१७	७	८	ध. १६/२८	मार्गी गुरुः ४८।४८या.
९	मं	१२	५६	मू	२३	५०	आ	३९	४९	कौ	१२	५६	५५	४९	११	१८	८	९	धनुषि	[Aशुक्रः२२।०
१०	बु	१८	१०	पू	३०	२०	सा	४१	३१	ग	१८	१०	५१	५०	१०	१९	९	१०	म.४६।३३	भ.४९।५८उ. रामदेवजी का मेला=
११	गु	२१	४६	उ	३५	१४	शो	४१	३९	वि	२१	४६	४७	५१	९	२०	१०	११	मकरे	भ· २१।४६या.जलझूनी ११व्र.
१२	शु	२४	५	श्र	३७	२२	अ	४०	४३	बा	२४	५	४३	५१	९	२१	११	१२	मकरे	चित्रा.बुधः३१।८वामन जयंती प्रदोषः
१३	श	२४	२६	ध	४०	४७	सु	३८	२८	तै	२४	२६	३९	५२	८	२२	१२	१३	कुं. ९।५	उफा.रविः१।३७(सौरः३८/२८)चित्रा.A
१४	र	२२	५८	श	४०	४९	धृ	३४	४४	व	२२	५८	३५	५३	७	२३	१३	१४	कुम्भे	भ.२२।५८उ.५१।३७या. अनंत १४
१५	चं	२०	१५	पू	३९	३३	शू	२९	५५	व	२०	१५	३१	५४	६	२४	१४	१५	मी. २४/५२	चित्रा. भौमः३।४४महालयारंभः

२१ पं.भा.शु.१ र.इ. २९/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	८	५	४	९	४
१४	१३	९	१८	७	१७	२३	१३
३०	४९	२५	४१	१०	३८	२६	५४
०	३४	५२	६	१६	२	५१	३४
५८	३९	७८	१/४३	७३	७	३	५७
१	५६	४४	व.	५०	२०	११	५७

मं६बु शु ४के सू शचं५ ७ ३ ८ २ ग९ ११ १ १०रा १२

२२ पं.भा.शु. ७ र. इ. २९/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	८	५	४	९	४
२१	१८	१७	१८	१४	१८	२३	२०
१७	२१	५९	३५	४४	३१	४	४१
२	४०	२८	२४	५३	२६	३६	१३
५८	४०	६२	१/१३	७३	७	६	५८
१३	३	३०	व.	४४	२०	११	१२

६मं शुबु के४ ७ शसु५ ३ ८ २ गु९ चं११ १ १०रा १२

२३ पं.भा.शु.१४र.इ. २९/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	८	५	४	९	४
२८	२२	२४	१८	२४	१९	२२	२७
५	५६	४२	३९	१८	२४	४२	२९
२४	५३	२५	२९	४३	२२	२०	३२
५८	४०	४१	५६/०	७३	७	३	५८
२६	१३	५२	मा.	३२	१७	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भा. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	मं	१६	६	उ	३७	१७	गं	२३	५०	कौ	१६	६	३०/२७	५/५५	६/५	२५	१५	१६	मीने	कन्यायामर्कः२६।५८
२	बु	११	११	र	३३	५३	बृ	१७	२०	ग	११	११	२२	५६	४	२६	१६	१७	मे.३३।५३	भ.३८।३०उ. कन्यायामर्कः सौरः३।३९
३	गु	५	४९	अ	३०	१३	ध्रु	१०	६	वि	५	४९	१८	५६	४	२७	१७	१८	मेषे	भ.५।४९या. चतुर्थी व्र.
४	गु	५३	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[× शुक्रः ३५।३७
५	शु	५३	५०	भ	२६	१०	व्या	२/४४	५२/२३	कौ	२६	४४	१४	५७	३	२८	१८	१९	वृ.४०।१९	तुलायां शुक्रः८।२१पूफा.३शनिः१०।५२
६	श	४८	१०	कृ	२२	४७	व	४७	४६	ग	२१	०	९	५८	२	२९	१९	२०	वृषे	भ.४८।१०उ. [+ सौभाग्यवतीनां श्रा.)
७	र	४२	४४	रो	१८	३५	सि	४०	२६	वि	१५	२७	५	५९	१	३०	२०	२१	मी.४६/५२	भ.१५।२७या.उदयं शनेः५३।४८
८	चं	३७	३१	मृ	१५	९	व्य	३३	२२	बा	१०	८	३०/००	६/००	६/००	३१	२१	२२	मिथुने	वक्री बुधः ५३।१७
९	मं	३२	४९	आ	११	५५	ब	२६	२९	तै	५	१०	२९/५६	१	५/५९	१	२२	२३	क. ५४/५२	रा. आश्विनारंभः मातृ९+
१०	बु	२८	१५	पु	९	११	प	१९	५९	व	०	३३	५२	२	५८	२	२३	२४	कर्के	भ.०।३३उ.२८।१५या. स्वात्यां×
११	गु	२४	२०	पु	६	५६	शि	१३	५३	बा	२४	२०	४८	२	५८	३	२४	२५	कर्के	तुलायां भौमः १०।२५ इंदिरा ११ व्र.
१२	शु	२०	५९	श्ले	५	१०	सि	८	११	तै	२०	५९	४४	३	५७	४	२५	२६	सिं. ५।१०	हस्ते रविः४०।७ प्रदोषः
१३	श	१८	३४	म	४	४	सा	३/७	५५/३७	व	१८	३४	४०	४	५६	५	२६	२७	सिंहे	भ.१८/३४उ.४७/५०या.हस्तेरविःसौरः१६।९
१४	र	१७	६	पु	३	५२	शु	५५	१४	श	१७	६	३६	५	५५	६	२७	२८	कं. १९।८	शस्त्रादि हतानां श्रा.
३०	चं	१६	५३	उ	४	५५	ब्र	५२	३८	ना	१६	५३	३२	६	५४	७	२८	२९	कन्यायां	सर्व पितृ३० सोमवती

२४पं.आ.कृ. ७ र. इ. २९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	८	८	६	४	९	५
४	२७	२८	१८	२	२०	२२	४
५५	३४	३९	५२	५२	१६	२०	१९
१६	१९	१४	२३	१	२६	५	३९
५८	४०	९	२	७३	७	३	५८
३८	३०	५४	१६	२०	८	११	४५

गोचर ग्रहाः

शु ७ ५श कु मं६सू के४ ८ ९गु ३ १२ २चं रा१० ११ १

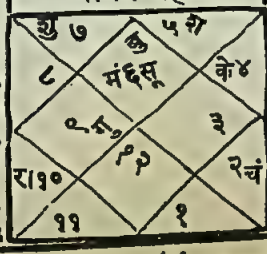

आश्विन कृष्णे १भौमे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ युवावस्था (सूती)मु.४५धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

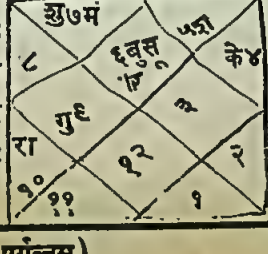

शु७मं ५श ६बुसू के४ ८ गु९ ३ रा १२ २ १० ११ १

२५पं. आ.कृ.१४ र.इ. २८/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	८	६	४	९	५
११	२	२७	१९	११	२१	२१	११
४६	१४	५७	१४	२५	७	५७	१०
५२	४९	४०	५३	१२	५९	४९	३९
५८	४०	३९/२९	३	७३	७	३	५९
५३	३५	व.	३७	११	२	११	०

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०/२२ सन् २००८
१	मं	१८	०	ह	७	११	ऐं	५१	३०	ब	१८	०	२९/२८	६/६	५/५४	८	२९	३०	तु.३८।५५	बुधास्तः पाश्चिमायां २५।२१ +
२	बु	२०	४१	चि	१०	३९	वै	५०	५६	कौ	२०	४१	२३	७	५३	९	३०	१	तुलायां	चंद्रदर्शनम् अक्टूबर१० ता. ३१
३	गु	२४	४०	स्वा	१५	३५	वि	५१	३१	ग	२४	४०	१९	८	५२	१०	१	२	तुलायां	भ.५७।१६उ. सव्वाल १०
४	शु	२९	५२	वि	२१	५९	प्री	५२	५५	वि	२९	५२	१५	९	५१	११	२	३	वृ. ५।२३	भ.२९/५२या. [+नवरात्रारंभःमातामह श्रा.
५	श	३५	४९	अ	२८	५६	आ	५४	८	ब	२	४४	११	१०	५०	१२	३	४	वृश्चिके	वक्री हस्ते बुधः २०५८
६	र	४२	१०	ज्ये	३६	३५	सौ	५७	४१	कौ	८	५९	७	११	४९	१३	४	५	ध ३६।३५	विशा.शुक्रः३१।४२स्वात्यां भौमः४।५
७	चं	४८	३१	मू	४४	४	शो	५९	५५	ग	१५	२०	३	११	४९	१४	५	६	धनुषि	भ. ४८।३१ उ.
८	मं	५४	८	पू	५१	१०	अ	६०	०	वि	२१	२०	२८/५९	१२	४८	१५	६	७	धनुषि	भ.२१।२० या.
९	बु	५८	२६	उ	५७	६	अ	१	४६	बा	२६	१७	५५	१३	४७	१६	७	८	म.७।३८	पूषा.३ गुरुः२६।३०
१०	गु	६०	०	श्र	६०	०	सु	२	४६	तै	२९	५१	५१	१४	४६	१७	८	९	मकरे	अस्तो भौमः ३२।२१
१०	शु	१	२०	श्र	१	३५	धृ	२	४०	ग	१	२०	४७	१५	४५	१८	९	१०	कुं. ३२/५५	भ.३१/४७उ.चित्रा रविः १२।९(सौरः४६/४३)
११	श	२	१४	ध	४	१६	शू	१/६	५६/५१	वि	२	१४	४३	१५	४५	१९	१०	११	कुंभे	भ. २।१४या. पापां कुशा ११ व्र.
१२	र	१	८	श	५	४	बृ	५३	२०	बा	१	८	३९	१६	४४	२०	११	१२	मी. ४९।७	प्रदोषः [Bबुधोदयः पूर्वस्यां४८।१४
१३	र	५७	०४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷व्र. का.स्ना. प्रा.
१४	चं	५३	२२	पू	३	४८	ध्रु	४७	११	ग	२५	४७	३५	१७	४३	२१	१२	१३	मीने	भ५३।२२उ. वृश्चिके शुक्रः४५।०B
१५	मं	४७	२०	उ	०/१५	५६/३७	व्या	३९	४७	वि	२०	२१	३१	१८	४२	२२	१३	१४	मे.५६।५२	भ.२०।२१ या.शरद पूर्णिम कोजागरी÷

२६पं.आ.शु.६ र.इ.२८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	८	६	४	९	५
१८	६	२१	१९	१९	२१	२१	१८
४०	५६	४५	४५	५६	५८	३५	५
८	५६	१४	५०	२९	५	३३	२६
५९	४१	८३/४९	४	७२	६	३	५९
९	७	व.	४७	५२	५७	११	१६

गोचर ग्रहाः

शुमं७ ५श ८चं बु६सू के४ गु ९ ३ रा१० १२ २ ११ १

इसमास में गेहूं जौ चना चांदी रुई सोना तिल घृत गुड सक्कर तेल चीनी आदि पदार्थ मंदेहोकर अन्त में तेज होवे ।

गोचर ग्रहाः

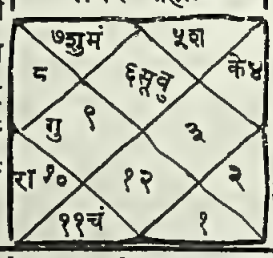

७शुमं ५श ८ ६सूबु के४ गु ९ ३ रा१० १२ २ ११चं १

२७ पं.आ.शु. १२ र.इ.३८/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	८	६	४	९	५
२५	११	१४	२०	२८	२२	२१	२५
३५	४२	५२	२४	२७	४६	१३	१
२	१८	३७	५८	४०	१६	१८	८
५९	४१	४४/२०	५	७२	६	३	५९
२१	२४	व.	५६	३२	३२	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	बु	४०	२२	अ	५१	३९	ह	३१	२७	बा	१३	५१	२८/२७	६/१९	५/४१	२३	१४	१५	मेषे	[=मार्गी बुधः१।३५अनु.शुक्रः२७।३३
२	गु	३२	४१	भ	४५	५८	व	२२	३१	तै	६	३१	२३	१९	४१	२४	१५	१६	वृ.५९।३५	भ.५८।५१उ.तुलायामर्कः ५५।५८ =
३	शु	२५	२	कृ	४०	१९	सि	१३	२१	वि	२५	२	२०	२०	४०	२५	१६	१७	वृषे	भ.२५।२या. तुलायामर्कःसौरः२९।२७÷
४	श	१७	४०	रो	३४	५३	प	४/२५	५१/७	बा	१७	४०	१६	२१	३९	२६	१७	१८	वृषे	[÷पूफा. ४ शनिः२९।१४करकचतुर्थी व्र.
५	र	१०	४८	मृ	३०	१	प	४७	२१	तै	१०	४८	१२	२२	३८	२७	१८	१९	मि. २।२७	[+३८।०रा. कार्तिकारंभः
६	चं	४	४६	आ	२६	४	शि	३९	३६	व	४	४६	८	२२	३८	२८	१९	२०	मिथुने	भ.४।४६ उः३२।१३ या.
७	चं	५४	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	मं	५५	२५	पु	२२	४९	सि	३२	४४	बा	२७	३२	४	२३	३७	२९	२०	२१	क.८।३८	[=ज्येष्ठा. शुक्रः२९।२९रुप१४
९	बु	५२	१९	पु	२०	३८	सा	२६	३२	तै	२३	५२	०	२४	३६	३०	२१	२२	कर्के	
१०	गु	५०	२	श्ले	१९	२८	शु	२१	२३	ब	२१	१०	२७/५६	२५	३५	१	२२	२३	सिं. १९/२९	भ२१।१०उ.५०।२या.स्वात्यां रविः+
११	शु	४८	५६	म	१९	१९	शु	१६	५८	ब	१९	२९	५३	२५	३५	२	२३	२४	सिहे	स्वात्यां रविःसौरः१०/३०विशा.भौमः३१।८×
१२	श	४८	५१	पू	२०	४	बृ	१३	२१	कौ	१८	५३	४९	२६	३४	३	२४	२५	क. ३५/३५	
१३	र	४९	५४	उ	२२	३	ऐं	१०	४४	ग	१९	२२	४५	२७	३३	४	२५	२६	कन्यायां	भ.४९।५४उ. प्रदोषः ध न१३
१४	चं	५२	४	ह	२५	४	वै	८	५८	वि	२०	५९	४१	२८	३२	५	२६	२७	तु. ५७।७	भ. २०।५९ या. चित्रा. बुधः ३७।१९
३०	मं	५५	२७	चि	२९	११	वि	७	५२	च	२३	४६	३७	२९	३१	६	२७	२८	तुलायां	महा लक्ष्मी पूजनम् [×रमा११व्र.

२८ पं.का. कृ.५ र.इ. २८/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	८	७	४	९	६
२	१६	१४	२१	६	२३	२०	२
३१	३०	४४	१२	५७	३२	२१	५८
२६	४७	३५	११	४७	३५	२	३४
५९	४१	४३/२	६	७२	६	३	५९
३४	३४	मा	४९	१४	२०	११	४६

गोचर ग्रहाः

शु८ बु६ ९गु ७सूमं श५ रा१० के४ ११ १ चं ३ १२ २

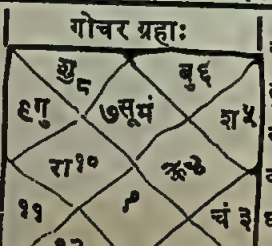

कार्तिक कृष्णे २ गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ५ प्रगल्यावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

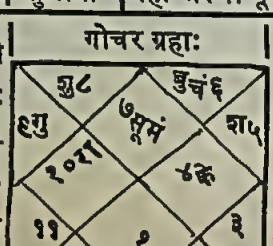

शु८ बुचं६ ९गु ७सूमं श५ १०रा ४के ११ १ ३ १२ २

२९ पं.का. कृ.२ र.इ. २८/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	८	७	४	९	६
९	२१	२१	२२	१५	२४	२०	८
२९	२१	३४	६	२६	१६	२८	५७
४२	४०	३७	४०	३८	१२	५७	५४
५९	४१	५१	७	७१	३	३	६०
४७	५०	३४	५९	५५	५३	११	२

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०५१ स. २००८
१	बु ५६ ५५ स्वा ३५ १३ प्री ७ ४० किं २७ १४	२७ ३४	६ २९	५ ३१	७	२८	२९	तुलायां	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	गु ६० ० वि ४० ३८ आ ८ २० बा ३२ ३६	३०	३०	३०	८	२९	३०	वृ. २४ ३७	चंद्र दर्शनं भातृद्वयम २
३	शु ५ १७ अ ४७ २४ सौ ९ ४८ कौ ५ १७	२७	३१	२९	९	१	३१	वृश्चिके	तुलयां बुधः ५५।२३ जिल्काद ११
४	श ११ ४९ ज्ये ५५ १ शो ११ ४३ ग ११ ४९	२३	३१	२९	१०	२	१	ध. ५५।१	भ. ४४।४८ उ. नवम्बर ११ ता ३०
५	र १७ ४७ मू ६० ० अ १३ ४५ वि १७ ४७	१९	३२	२८	११	३	२	धनुषि	भ. १७।४७ या.
६	चं २४ २३ मू २ ३० सु १६ १३ बा २४ २३	१८	३३	२७	१२	४	३	धनुषि	पूषा. ४ गुरुः ५०।२
७	मं ३० २९ पू १० ११ धृ १८ ४४ तै ३० २७	१२	३४	२६	१३	५	४	म. २६।५१	श्रवण. ३ राहुः आश्ले. १ केतुः ३०।५५÷
८	बु ३५ २२ उ १६ ५१ शू २० १८ ग २ ५५	९	३४	२६	१४	६	५	मकरे	भ. ३५ उ. विशा. रविः ३९ स्वात्यां बुधः ५९
९	गु ३९ १७ श्र २२ ३३ गं २१ ३ वि ७ २०	५	३५	२५	१५	७	६	कुं. ३४	भ. २० या. विशा. रविः सौरः ५४ गोपाष्टमी
१०	शु ४१ २१ ध २६ ३५ वृ २० ३३ बा १० १९	३	३६	२४	१६	८	७	कुम्भे	मूले धनुषि शुक्रः २९।७ वृश्चिके भौमः A
११	श ४१ २८ श २८ ५२ ध्रु १८ ४७ तै ११ २६	३६ ५८	३६	२४	१७	९	८	कुम्भे	[÷बुधास्तः पूर्वस्यां १७।३४
१२	र ३९ २४ पू २९ ५ व्या १५ १४ व १० २१	५५	३७	२३	१८	१०	९	मी. १४।२	भ. १०।२१ उ. ३९।२४ या. प्रबोधिनी ११×
१३	चं ३५ १९ उ २७ ११ ह १० ० ब ७ २३	५२	३८	२२	१९	११	१०	मीने	[A ४६।२७ अक्षयन.
१४	मं २९ २६ रे २३ २९ व ३८ ५१ ४४ का २ २३	४९	३८	२२	२०	१२	११	मे. २३।२९	प्रदोषः वैकुंठ १४ [×व्र. तुलसी विवाहः
१५	बु २१ ५८ अ १८ १३ व्य ४५ ४७ व २१ ५८	४५	३९	२१	२१	१३	१२	मेषे	भ. २१।५८ उ. ४७।४३ या. अनु. भौमः ३१
१५	गु १३ २८ भ ११ ५६ व ३५ ४९ ब १३ २८	४२	४०	२०	२२	१४	१३	बृ. २५।११	विशा. बुधः १८।१७ मन्वादिः का. स्ना. पू.

३० पं. का. शु. ४ र. इ. २८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	८	७	४	९	६
१६	२६	२	२३	२३	२४	२०	१५
२९	१६	२६	७	५४	५७	६	५८
२८	१	१७	५२	४७	१४	३१	५८
६०	४२	९४	८	७१	५	३	६०
४	०	४१	५३	३२	३१	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथी क्षय शुक्ल पक्ष की तिथी वृद्धि धान्य वाजरा मूगं मोठ चांदी सोना मंदी करे रुई तेज होवे ।

गोचर ग्रहाः

३१ पं. का. शु. ११ र. इ. २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	८	८	४	९	६
२३	१	१४	२४	२	२५	१९	२३
३०	११	४	१४	२०	३५	४४	१
५०	१७	३७	५३	४६	१०	१५	३२
६०	४२	९९	९	७१	५	३	६०
१७	१०	४	४२	७	२	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	शु ४ २८ कृ ५४ ५३ प २५ २१ कौ ४ २८	३६	४०	२०	२३	१५	१४	वृषे	
२	शु ५० ५९ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	श ४६ ४० मृ ५० ४१ शि १४ ५८ ब २१ ३	३६	४१	१९	२४	१६	१५	मि २४।१०	भ. २१।३ उ. ४६।४० या. बृश्चिकेऽर्कः ५४
४	र ३८ ४१ आ ४४ ३५ सि ४८ ५० व १२ ४०	३३	४१	१९	२५	१७	१६	मिथुने	बृश्चिकेऽर्कः सौरः २२।११ चतुर्थी व्र.
५	चं ३१ ५४ पु ३९ ३३ शु ४६ ३७ कौ ५ २०	३०	४२	१८	२६	१८	१७	क २५।४९	
६	मं २६ ३२ पु ३५ ५६ शु ३९ २१ व २६ ३२	२७	४३	१७	२७	१९	१८	कर्के	भ. २६।३२ उ. ५४।४२ या. पूष। शुक्रः ४०
७	बु २२ ५२ श्ले ३३ ५६ ब्र ३३ ७ ब २२ ५२	२५	४३	१७	२८	२०	१९	सिं. ३९	अनु. रविः १२।५१ (सौरः ३८।५९) +
८	गु २० २५ म ३३ २२ ऐं २८ ९ कौ २० २५	२२	४४	१६	२९	२१	२०	सिंहे	[+बृश्चिके बुधः २०।३१
९	शु १९ ३६ पू ३४ १२ वै २४ २३ ग १९ ३६	१९	४४	१६	३०	२२	२१	कं. ४९।४७	भ. ४९।५४ अनु. बुधः ३७।५३
१०	श २० १३ उ ३६ ३५ वि २१ ५५ वि २० १३	१७	४५	१५	१	२३	२२	कन्यायां	भ. २०।१३ या. उषा. १ गुरुः ५८।५४=
११	र २२ १४ ह ४० ३ प्री २० ३१ बा २२ १४	१४	४५	१५	२	२४	२३	कन्यायां	उफा. १ शनिः ५०।३८ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	चं २५ २८ चि ४४ ४६ आ २० ७ तै २५ २८	१२	४६	१४	३	२५	२४	तु. १२।२५	[=रा. मार्गशीर्षारंभः
१३	मं २९ ४४ स्वा ५० ३४ सौ २० २६ व २९ ४४	९	४६	१४	४	२६	२५	तुलायां	भ. २९।४४ उ. प्रदोषः
१४	बु ३५ ५ वि ५७ ११ शो २१ १२ वि २ २४	७	४७	१३	५	२७	२६	वृ. ४०।३२	भ २।२४ या.
१५	गु ४० ४३ अ ६० ० अ २२ ५९ च ७ ५४	५	४७	१३	६	२८	२७	वृश्चिके	

३२ पं. मा. कृ. ४ र. इ. ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	८	८	४	९	७
०	६	२५	२५	१०	२६	१९	०
३३	१०	१३	२८	४४	८	२२	५
२९	१६	४१	१२	२	४६	०	३६
६०	४२	९५	१०	७०	४	३	६०
३०	२६	२३	२६	३०	३८	११	४०

गोचर ग्रहाः

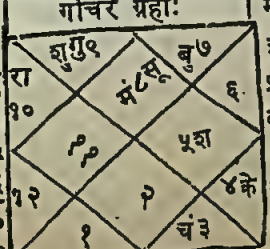

मार्गशीर्ष कृष्णे ३शनौ बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्ठा.: वा. ३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

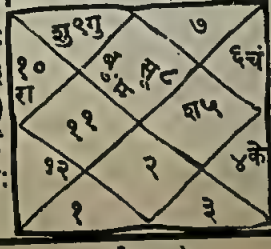

३३ पं. मा. कृ. ११ र. इ. ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	८	८	४	९	७
७	११	६	२६	१९	२६	१८	७
३७	११	२३	४५	३	३८	५९	११
२६	३१	३८	२२	५०	२८	४४	९
६०	४२	०	११	६९	३	३	६०
४२	४६	३४	५५	२	५८	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०८१ स. २००८
१	शु	४६	५१	अ	४	११	सु	२४	३९	किं	१३	४७	२६/२	६/४८	५/१२	७	२९	२८	वृश्चिके	
२	श	५३	१५	ज्ये	११	४०	धृ	२६	५९	बा	२०	३	०	४८	१२	८	३०	२९	ध. ११/४०	उषा. शुक्राः ५१।१२ चंद्रदर्शनम्
३	र	५९	५२	मू	१९	८	शू	२९	१६	तै	२६	३४	२५/५८	४८	१२	९	१	३०	धनुषि	ज्येष्ठा. बुधः ०।४ जिल्हेज १२
४	चं	६०	०	पू	२६	४४	गं	३१	३१	व	३२	५९	५६	४९	११	१०	२	१	म. ४३/३२	भ. ३२।५९ उ. ज्येष्ठा. भौमः ०।३७+
४	मं	६	६	उ	३३	५४	बृ	३३	१९	वि	६	६	५४	४९	११	११	३	२	मकरे	भ. ६।६ या. ज्येष्ठा. रविः २२।५८=
५	बु	११	२२	श्र	४०	१०	ध्रु	३४	४४	बा	११	२२	५३	४९	११	१२	४	३	मकरे	[= सौरः ४६/५३) मकरे शुक्रः ४५/० पातमोक्षः ८/४०
६	गु	१५	५३	ध	४५	१९	व्या	३५	१६	तै	१५	५३	५१	५०	१०	१३	५	४	कुं. १२/४३	चंपा ६
७	शु	१८	५२	श	४९	१	ह	३४	२८	व	१८	५२	४९	५०	१०	१४	६	५	कुंभे	भ. १८।५२ उ. ४९।३२ या.
८	श	२०	१२	पू	५१	४	व	३२	२६	ब	२०	१२	४८	५०	१०	१५	७	६	मी. ३५/३४	[+दिसम्बर १२ ता. ३१ पातस्पर्शः ४९।२३
९	र	१९	४६	उ	५१	७	सि	२८	५५	कौ	१९	४६	४६	५१	९	१६	८	७	मीने	
१०	चं	१७	४	रे	४९	१२	व्य	२३	४१	ग	१७	४	४५	५१	९	१७	९	८	मे. ४९/१२	भ. ४४।५२ उ. मूले धनुषि बुधः २५।१४
११	मं	१२	४१	अ	४५	१५	व	१७	३	वि	१२	४१	४४	५१	९	१८	१०	९	मेषे	भ. १२।४१ या. उषा. २ मकरे गुरुः ३१।३३÷
१२	बु	६	१०	भ	३९	४४	प	८/४५	५०/३७	बा	६	१०	४३	५१	९	१९	११	१०	वृ. ५३।५	प्रदोष.
१३	बु	५२	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷मोक्षदा ११ व्र. गीताजयंती
१४	गु	४९	२२	कृ	३३	७	सि	४८	५७	ग	२२	५९	४२	५२	८	२०	१२	११	वृषे	भ. ४९।२२ उ. श्रवणे शक्रः ९।५७
१५	शु	३९	४५	रो	२५	१९	सा	३७	५९	वि	१४	४०	४१	५२	८	२१	१३	१२	मि. ५१/२६	भ. १४।४० या. दत्त जयंती

३४ पं.मा.शु. ३ र.इ. २७/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	८	८	४	९	७
१४	१६	१७	२८	२७	२७	१८	१४
४२	१६	२५	८	२१	४	३७	१७
४०	१	१	२०	२९	५२	२९	५५
६०	४३	९९	११	६९	३	३	६१
५०	७	२३	४६	३	२३	११	३

गोचर ग्रहाः

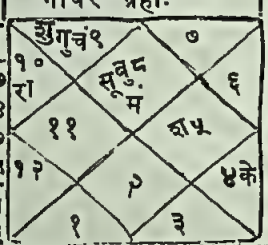

इस मास में शनिवार का चन्द दर्शन सोना चांदी लोहा रुई कपास वस्त्र आदि पदार्थों में तेजी करेगा रस धान्य में मन्दी होकर तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

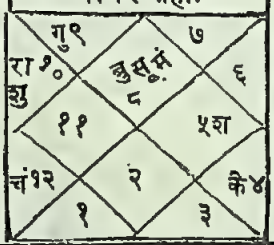

३५ पं.मा.शु. ९ र.इ. २७।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	८	९	४	९	७
२१	२१	२८	२९	५	२७	१८	२१
४८	२२	२४	३४	३२	२५	१५	२५
४३	२५	५०	३७	४९	५९	१३	३८
६०	४३	९८	१२	६८	२	३	६१
५६	१७	९	१४	१८	३६	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	श	२९	५५	मृ	१७	३४	शु	२६	४२	बा	४	५०	२५/४०	६/५२	५/८	२२	१४	१३	मिथुने	
२	र	२०	३२	आ	९	५२	शु	१५	५०	ग	२०	३२	३९	५२	८	२३	१५	१४	क. ४९।३८	भ. ४६।१३ उ. पातस्पर्शः ४२।५०
३	चं	११	५४	पु	२/५४	५४/१०	ब्र	५/२३	५०/२९	वि	११	५४	३९	५२	८	२४	१६	१५	कर्के	भ. ११।५४ या. मूले धनुष्यर्कः ३०।१३ BA
४	मं	४	३५	श्ले	५३	४४	वै	४८	४	बा	४	३५	३८	५२	८	२५	१७	१६	सिं ५३।४४	पूषा. बुधः ५३।७
५	मं	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A (सौरः ५०/४३) पातमोक्षः १।४ चतुर्थी व्र.
६	बु	५५	२६	म	५०	३१	वि	४१	३३	ग	२७	१३	३८	५२	७	२६	१८	१७	सिंहें	भ. ५५।२६ उ.
७	गु	५३	५०	पु	५०	८	प्री	३६	२४	वि	२४	४०	३७	५३	७	२७	१९	१८	सिंहे	भ. २४।४० या.
८	शु	५४	२	उ	५१	४४	आ	३२	४९	बा	२३	५६	३७	५३	७	२८	२०	१९	क. ५।३२	मूले धनुषि भौमः ५।३२ बुधोदयः*
९	श	५५	५८	ह	५४	५९	सौ	३१	२	तै	२५	०	३६	५३	७	२९	२१	२०	कन्यायां	[*पश्चिमायां ७।३१
१०	र	५९	२३	चि	५९	३९	शो	३०	१६	व	२७	४१	३६	५३	७	३०	२२	२१	तु. २७।१९	भ. २७।४१ उ. ५९।२३
११	चं	६०	०	स्वा	६०	०	अ	३०	५५	ब	३१	४९	३६	५३	७	१	२३	२२	तुलायां	धनि. शुक्रः ५९।३१ रा. पौषारंभः=
११	मं	४	१४	स्वा	५	३७	सु	३१	५५	बा	४	१४	३६	५३	७	२	२४	२३	वृ. ५५/४२	सफला ११ व्र. वै.
१२	बु	९	५४	वि	१२	२४	धृ	३३	४६	तै	९	५४	३७	५३	७	३	२५	२४	वृश्चिके	उषा. ३ गुरुः ४८।५८ प्रदोषः
१३	गु	१५	५१	अ	१९	४४	शू	३५	५०	व	१५	५१	३७	५३	७	४	२६	२५	वृश्चिके	भ. १५।५१ उ. ४९।१६ या. उषा. बुधः ३०/५७
१४	शु	२२	४०	ज्ये	२७	२०	गं	३८	२	श	२२	४०	३७	५३	७	५	२७	२६	ध. २७।२०	[=सफला ११ व्र. स्मा
३०	श	२९	४	मू	३४	५३	बृ	४०	१५	ना	२९	४	३८	५२	८	६	२८	२७	धनुषि	मकरे बुधः ५०।५०

३६ पं.पौ.कृ. २ र.इ. २३/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	९	९	४	९	७
२८	२६	९	१	१३	२७	१७	२८
५५	३१	२३	३	४०	४१	५२	३४
३७	४१	४९	५०	४८	५३	५७	२१
६१	४३	९६	१२	६७	१	३	६१
०	३७	५४	३२	१७	५३	११	१९

गोचर ग्रहाः

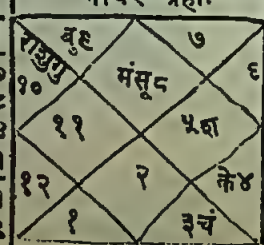

पौष कृष्णे ३ चंद्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

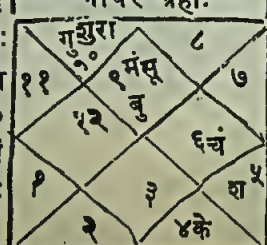

३७ पं.पौ.कृ. १० र.इ. २६/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	९	९	४	९	८
६	१	२०	२	२१	२७	१७	५
३	४३	१९	३६	३७	५२	३०	४३
१४	१	२६	१४	५२	४१	४२	४६
६१	४३	९३	१२	६६	१	३	६१
४	४७	५५	५९	१	१३	११	२२

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५१ स.२००९
१	र ३५ २६ पू ४२ १० धु ४२ १८ किं २ १५ ३५	५३	६	७	२९	२८	म.५८।५५	पूषा. रविः ३५।१३ (सौरः ५२।२१) A
२	चं ४१ १९ उ ४९ ८ व्या ४४ १२ वा ८ २३	३९	५२	८	८	३०	२९	मकरे	चंद्र दर्शनम् [Aकुंभे शुक्रः ५६।२२
३	मं ४६ २० श्र ५५ १४ ह ४५ २१ तै १३ ५०	४०	५२	८	९	१	३०	मकरे	मोहरम १सन् १४३० दि.
४	बु ५० ४१ ध ६० ० व ४५ ४४ व १८ ३१	४१	५२	८	१०	२	३१	कुं.२७।५६	भ.१८:३१उ.५०।४१या.
५	गु ५३ ५६ ध ० ३९ सि ४५ २८ व २२ १९	४२	५२	८	११	३	१	कुंभे	वक्री शनिः १६ जनवरी १ता. ३१सन् २००९
६	शु ५५ ४६ श ५ ४ व्य ४४ २२ वौ २४ ५१	४३	५१	९	१२	४	२	मी.५२	[+३९।५८ (सौरः ५३।४८)
७	श ५६ १५ पू ८ २ व ४१ ५६ ग २६ ०	४४	५१	९	१३	५	३	मीने	भ.५६।१५उ.
८	र ५५ २ उ ९ ३९ प ३८ २२ वि २५ ३८	४५	५१	९	१४	६	४	मीने	भ. ३५ या. श्रवणे बुधः ४१ शते शुक्रः १।५
९	चं ५२ १९ रे ९ ४१ शि ३३ २६ वा २३ ४०	४७	५१	९	१५	७	५	मे.९।४१	पूषा. भौमः ५७।३
१०	मं ४७ ४० अ ७ ४८ सि २६ ५८ तै १९ ५९	४८	५०	१०	१६	८	६	मेषे	श्रवण.२राहु·पुष्य.४केतुः २३।१
११	बु ४१ ३६ भ २५ ५५ सा १९ १९ व १४ ३८	५०	५०	१०	१७	९	७	वृ.१८।८	भ.१४।३८उ.४१।३६या.पुत्रदा ११व्र.
१२	शु ३४ १० रो ५३ १० शु १० २३ ब ७ ५३	५२	५०	१०	१८	१०	८	वृषे	उषा.४गुरुः७।५३
१३	शु २५ २१ मृ ४५ ५७ शु ३३ ४९ तै २५ २१	५३	४९	११	१९	११	९	मि१९।३४	प्रदोषः
१४	श १५ ५९ आ ३८ २३ ऐं ३९ १ व १५ ५९	५५	४९	११	२०	१२	१०	मिथुने	भ. १५।५९उ.४१।११ या. उषा रविः+
१५	र ६ २२ पु २० ३५ वै २७ ५६ व ६ ३२	५७	४९	११	२१	१३	११	कं.१७।३२	वक्री बुधः ५१।५१मा. स्ना. प्रा.

३८ पं.पौ. शु. १ र. इ. २६ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	९	४	९	८
१३	६	०	४	२९	२७	१७	१२
११	५६	५१	१०	२७	५७	८	५३
१३	५६	४	३७	५४	२९	२९	३८
६१	४४	८५	१३	६४	०	३	६१
६	४	४७	२०	३५	२६	११	६२

३९ पं.पौ. शु ८ र. इ. २६ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	१०	४	९	८
२०	१२	९	५	७	२७	१६	२०
१९	१३	४४	४६	६	५७	४६	३
२६	१	२४	५५	३६	५०	११	३५
६१	४४	६२	१३	६२	२०	३	६१
६	२२	४	२६	५३	व.	११	२६

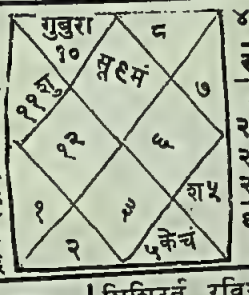

४० पं.पौ. शु. १५ र.इ. २६ २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	१०	४	९	८
२७	१७	१५	७	१४	२७	१६	२७
२७	३०	७	२४	३१	५२	२३	१३
२२	५४	४१	४७	१६	२६	५५	२७
६१	४४	५	१३	६०	१	३	६१
६	३१	२०	३२	३८	व.	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः
१	र ५० ४४ ० ० ० ० ० ० तै २२ ५२	२५	४९	१२	२२	१४	१२	कर्के	[+३७।४४ (सौरः ४८।४९)
२	चं ४८ ३८ पु २३ ४७ वि १७ ३४ व १५ ७	२६	४८	१२	२३	१५	१३	सिं. ५१	[÷पूर्वस्यां २८।२४
३	मं ४१ ३४ श्ले १७ ५१ प्री ९ ५१ ब ८ ५२	४	४७	१३	२४	१६	१४	सिंहे	भ.१५।७उ.४१।३४या. मकरेऽर्कः ५६।२२
४	बु ३६ १० म १३ ४३ सौ ५२ ५६ ब ८ ५२	४	४७	१३	२४	१६	१४	कं.२६।०	मकरेऽर्कः सौरः १५ अस्तं गुरोः १२ चतुर्थी व्र.
५	गु ३२ ५८ पू ११ ४ शो ४७ ४५ कौ ४ ३४	६	४७	१३	२५	१७	१५	कन्यायां	बुधास्तः पश्चिमायां ०।४७
६	शु ३१ ५५ उ १० ४७ अ ४४ १६ ग २ २७	८	४६	१४	२६	१८	१६	कन्यायां	भ.३१।५५उ.पूभा.शुक्रः ४५।१
७	श ३२ ५२ ह १२ ४० सु ४२ ३२ वि २ २४	११	४६	१४	२७	१९	१७	तु४४।३१	भ.२।२४या.वक्री उषा.बुधः ५९।९
८	र ३५ ४७ चि १६ २२ धृ ४२ २५ बा ४ १७	१३	४५	१५	२८	२०	१८	तुलायां	[=उषा.भौमः २३।२५प्रदोषः
८	चं ४० २५ स्वा २१ ५० शू ४३ ५ तै ८ ६	१६	४५	१५	२९	२१	१९	तुलायां	[×२८।५२ (सौरः ४०।३६)
९	मं ४५ ४ वि २८ १३ गं ४४ ४६ व १३ १५	१९	४४	१६	३०	२२	२०	वृ.११।३७	भ.१३।१५उ.४६।४या. अभि. प्र. रविः×
१०	बु ५२ ३४ अ २५ ५२ वृ ४६ ५९ ब १९ १९	२१	४४	१६	१	२३	२१	वृश्चिके	रा. माघारंभः षट् तिला ११व्र.
११	गु ५९ १७ ज्ये ४३ १६ धु ४९ २६ कौ २५ ५५	२४	४३	१७	२	२४	२२	ध४३।१६	श्रवण.१गुरुः १७।२१
१२	शु ६० ० मू ५१ १ व्या ५१ ३९ ग ३२ ५८	२७	४३	१७	६	२५	२३	धनुषि	श्रवणे रविः ४५।२९ (सौरः ५६।३२)=
१३	श ६ ४० पू ५८ १३ ह ५३ ३६ व ६ ४०	२९	४२	१८	४	२६	२४	धनुषि	भ.६।४०उ.३९।११या.अभि. नि. रविः+
१४	र ११ ४२ उ ६० ० ब ५५ २ श ११ ४२	३२	४२	१८	५	२७	२५	म.१४।५५	
१५	चं १७ ९ उ ५ २ सि ५५ ५३ ना १७ ९	३५	४१	१९	६	२८	२६	मकरे	वक्री धनुषि बुधः १५।२५ बुधोदयः÷

४१ पं.मा.कृ. ८ र. इ. २४ २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	१०	४	९	९
४	२२	९	९	२१	२७	१६	४
३५	५१	२२	३	३७	४१	१	२२
१३	५४	१२	४३	५५	४९	३९	५६
६१	४४	६३	१३	१७	४९	३	६१
३	३८	व.	२८	५७	व.	११	१९

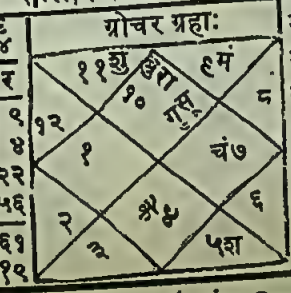

माघ कृष्णे ४ बुधे मकरेऽर्कं. प्रविष्टः वा.इन.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदय. पश्चिमायाम्।

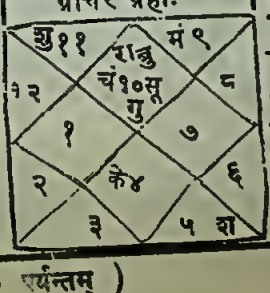

४२ पं.मा.कृ.१४ र.इ. २६ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	८	१०	४	९	९
११	२८	०	१०	२८	२७	१५	११
४२	१२	५४	४२	२५	२६	३९	३१
४०	३२	१४	५८	२६	२	२४	४७
६०	४४	६६	१३	५४	३	३	६१
५९	४७	व.	२८	व.	२५	व.	१३

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६१ स.२००९
१	मं २१ ३४ अ १० ४० व्य ५६ ८ ब २१ ३४	२६	६	५	७	२९	२७	कुं. ४३।९	मीने शुक्रः१०।४८ मकरे भौमः ५०।२६×
२	बु २५ ४ ध १५ ३८ व ५५ ३१ कौ २५ ४	४१	४०	२०	८	१	२८	कुंभे	सफर२ [×चंद्र दर्शनम्
३	गु २७ ३९ श १९ ३२ प ५३ ५९ ग २७ ३९	४५	३९	२१	९	२	२९	कुम्भे	भ.५८।१६उ.
४	शु २८ ५४ पू २२ २६ शि ५१ ४४ वि २८ ५४	४८	३८	२२	१०	३	३०	मी. ६।४३	भ.२८।५४या. उभा. शुक्रः५०।७
५	श २९ २३ उ २४ १४ सि ४८ ४३ बा २९ २३	५१	३८	२२	११	४	३१	मीने	वसंत५
६	र २८ २८ रे २४ ५३ सा ४४ ४० तै २८ २८	५४	३७	२३	१२	५	१	मे.२४।५३	फर्वरी २ ता.२८
७	चं २६ ३१ अ २४ २८ शु ३९ ३१ व २६ ३१	५८	३६	२४	१३	६	२	मेषे	भ.२६।३१ उ ५४।५४ या. मार्गी बुधः=
८	मं २३ १७ भ २२ ४० शु ३३ ३२ ब २३ १७	२७	३६	२४	१४	७	३	वृ.३६।५८	भीष्माष्टमी [=७।७भानु७रथ७
९	बु १८ ५३ कृ १९ ५१ ब्र २६ २५ कौ १८ ५३	५	३५	२५	१५	८	४	वृषे	[÷श्रवण.२गुरुः२१।८
१०	गु १३ ११ रो १५ ४१ ऐं १८ २६ ग १३ ११	८	३४	२६	१६	९	५	मि. ४३।७	भ. ३९।५१ उ. धनि. रविः ५३।४७
११	शु ९ ३२ मृ १० ३३ वै ९ ३५ वि ९ ३२	१२	३४	२६	१७	१०	६	मिथुने	भ.६।३२ या. धनि. रविः सौरः २।२२+
१२	शु ५२ १७ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Bउदयो भौमः४७।३५
१३	श ५० ३७ आ ३४ ३३ वि ७ ५२ कौ २४ ४३	१५	३३	२७	१८	११	७	क. ३४	मकरे बुधः२७।५५प्रदोषः [+जया११व्र.
१४	र ४२ २ पु ५१ २८ आ ४० ५ ग १६ २०	१९	३२	२८	१९	१२	८	ककें	भ.४२।२उ. वक्री पूफा. ४शनिः५१।५८B
१५	चं ३३ ४६ श्ले ४५ १७ सौ ३० २७ वि ७ ५४	२३	३१	२९	२०	१३	९	सिं. ४५	भ.५४ या.श्रवणेभौमः ४५ मा. स्ना. पूर्तिः

४३ पं. मा.शु.६ र. इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	९	११	४	९	९
१८	३	२७	१२	४	२७	१५	१८
४९	३५	४०	२३	३९	५	१७	३९
१६	४९	५२	१०	५८	३१	८	५२
६०	४४	५३	१३	४९	३	३	६१
५५	५६	व.	२८	४४	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ सोमवार सभी धान्य बाजरा मूंग मोठ को मंदा करें सुदि में धान्य धातु तेज हो प्रजा में सुख शांति रहे। शीत अधिक पडे।

गोचर ग्रहाः

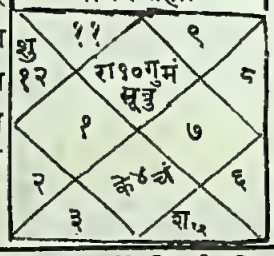

४४ पं. मा.शु.१४ र.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	९	११	४	९	९
२५	९	०	१४	१०	२६	१४	२५
५५	०	२५	१	१७	४१	५४	४६
१	२५	२८	५२	१०	२५	५३	३९
६०	४५	३६	१३	४३	४	३	६०
४७	१४	मा	३२	५३	व.	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा०
१	मं २६ २८ म ४० १४ शो २१ ३७ बा ० ७	२७	२९	३१	२१	१४	१०	सिंहे	उदयं गुरोः ४३।१२
२	बु २० २६ पू ३६ ३६ अ १३ ४६ ग २० २६	३०	३०	३०	२२	१५	११	कं.५१।५	भ.४८।९उ.
३	गु १५ ५३ उ ३४ ३१ सु ७ १३ वि १५ ५३	२४	२९	३१	२३	१६	१२	कन्यायां	भ.५३या.कुंभेऽर्कः २९ (सौरः ३०)चतुर्थी व्र.
४	शु १३ ३४ ह ३४ ४१ धृ २५ ५९ बा १३ ३४	३८	२८	३२	२४	१७	१३	कन्यायां	पातस्पर्शः ४९।४८
५	श १३ १४ चि ३६ ५३ गं ५७ ४७ तै १३ १४	४१	२८	३२	२५	१८	१४	तु.५।४७	पातमोक्षः १।२६
६	र १४ ५८ स्वा ४१ ५ बृ ५७ २४ व १४ ५८	४५	२७	३३	२६	१९	१५	तुलायां	भ.१४।५८ उ.४६।५४ या.
७	चं १८ ५० वि ४६ ४० ध्रु ५८ ३१ व १८ ५०	४९	२६	३४	२७	२०	१६	वृ.३०।१७	
८	मं २४ १ अ ५३ ४१ व्या ६० ० कौ २४ १	५३	२५	३५	२८	२१	१७	वृश्चिके	[×(सौरः११।४२)श्रवण.३ गुरुः४५।०
९	बु ३० २० ज्ये ६० ० व्या ० २६ ग ३० २०	५६	२५	३५	२९	२२	१८	वृश्चिके	श्रवणे बुधः३१।४० रेवत्यां शुक्रः४।५७
१०	गु ३६ ५० ज्ये १ १२ ह २ ३७ व ५ ३५	२८	२४	३६	३०	२३	१९	ध.१।१२	भ.५।३५ उ. ३६।५०या.शतेरविः५।१९×
११	शु ४३ १३ मू ८ ५० व ५ ६ ब १० १	४	२३	३७	१	२४	२०	धनुषि	विजया११ व्र. रा. फाल्गुनारंभः
१२	श ४९ १३ पू १६ १७ सि ७ १२ कौ १६ १३	८	२२	३८	२	२५	२१	म. ३३	
१३	र ५४ २२ उ २२ ५९ व्य ८ ४० ग २१ ४७	१२	२२	३८	३	२६	२२	मकरे	भ.५४।२२ उ. प्रदोषः
१४	चं ५८ २ श्र २८ २३ व ९ २८ वि २६ ११	१६	२१	३९	४	२७	२३	मकरे	भ.२६।११ या. महाशिवरात्री व्र.
३०	मं ६० ० ध ३२ ४९ प ९ २० च २९ २५	२०	२०	४०	५	२८	२४	कुं. ०।३६	
३०	बु ० ५० श ३६ १ शि ८ ११ ना ० ५०	२४	१९	४१	६	२९	२५	कुंभे	

४५ पं.फा. कृ.६ र. इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	९	११	४	९	१०
२	१४	६	१५	१५	२६	१४	२
५९	२६	५६	३९	५	१३	३२	५२
४९	३१	४२	२५	२४	३४	३७	४२
६०	४५	५९	१३	३५	४	३	६०
३७	२२	३३	२२	५६	व.	११	४२

गोचर ग्रहाः

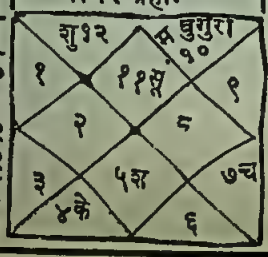

फाल्गुन कृष्णे ३गुरौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ बालावस्था(बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

४६ पं.फा.कृ.१३ र.इ. ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	९	११	४	९	१०
१०	१९	१५	१७	१८	२५	१४	९
३	५३	१४	१५	४७	४२	१०	५७
२२	६	२४	४९	२०	५०	२१	१५
६०	४५	७८	१३	२५	२५	३	६०
२५	२८	२	१४	४५	व.	११	३१

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ७१ स.२००९
१	गु २ ८ पू ३८ २ सि ६ १३ व २ ८	२८	१८	४५	७	३०	२६	मी २२।३२	धनि.भौम:४६।४५चंद्र दर्शनम्
२	शु २ १६ उ ३६ ६ सा १६ ५६ कौ २ १६	३२	१८	४२	८	१	२७	मीने	रविलावल ३ पातस्पर्शः ३१ पातमोक्षः+
३	श १ ३४ रे ३६ २ शु ५४ ५५ ग १ ३४	३६	१७	४३	९	२	२८	मे.३६।२	भ.३०।४०उ.५६।४७या.धनि.बुधः२२।३
४	श ५८ १३ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	[×(सौर:२६।२६)होलाष्टकम्
५	र ५७ १५ अ ३८ २५ ब्र ४६ ५६ ब २८	३१	४०	१६	४४	१०	३	१	वृ. ५१ मार्च ३ता.३१ [+४२।२३ फुलरिया २
६	चं ५३ ५८ भ ३६ ५८ ऐं ४४ १६ कौ २५	३७	४४	१५	४५	११	४	२	वृषे [=पुष्य.३केतुः१७।४८ होलिका दहनम्A
७	मं ५० २ कृ ३४ ४३ वै ३८ ८ ग २२	०	४८	१४	४६	१२	५	३	वृषे भ.५०।२उ.
८	बु ४५ २१ रो ३१ ५३ वि ३१ २३ वि १७	४२	५२	१४	४६	१३	६	४	मि. ०।१० भ. १७।४२ या. पूमा. रविः २१।२५×
९	गु ४० ७ मृ २८ २८ प्री २४ १० बा १२	४४	५६	१३	४७	१४	७	५	मिथुने कुंभे बुधः१६।२८वक्री शुक्रः५१।४८
१०	शु ३४ २० आ २४ २५ आ १८ २० तै ७	१३	२९	१२	४८	१५	८	६	क.५।५५ श्रवणे.४गुरुः४७।३०
११	श २८ २ पु १६ ४५ सौ १२ २९ व १	११	५	११	४९	१६	९	७	कर्के भ.१।११उ.२८।२या. कुंभे. भौमः२५।५÷
१२	र २१ १३ पु १४ ५३ अ ५१ २४ बा २१	१३	९	१०	५०	१७	१०	८	सिं.१०।५ प्रदोषः [÷आमलकी ११व्र.
१३	चं १४ ३४ श्ले १० १५ सु ४३ १० तै १४	३४	१३	९	५१	१८	११	९	सिंहे शते बुधः१२।१३
१४	मं ८ ९ म ५ ३७ धृ ३५ ४० व ८	९	१७	९	५१	१९	१२	१०	क.१६।३२ भ.८।९उ.३५।२२ या. श्रवण. १ राहुः=
१५	बु २ ३५ पू २ ३८ शू २९ ० ब २	३५	२१	८	५२	२०	१३	११	कन्यायां वसंत १छारेंडी [Aभद्रोत्तरम्

४७ पं.फा.शु. ५ र.इ. २७ ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	९	११	४	९	१०
१७	२५	२४	१८	२१	२५	१३	१७
५	२०	४८	५०	३	१०	४८	०
३५	१७	५८	३१	३६	२३	६	८
६०	४५	८१	१२	१२	३८	३	६०
१२	३८	३१	५३	१९	व.	११	२०

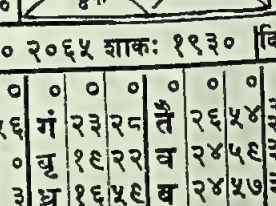

मकरे च स्थिते भौमे घृत तेल महर्घता। सुभिक्षं तत्र धान्यानां लोकाना दुःख पीडनम्।। इस मास में धान्य धातु मंदे रस तेज रहे

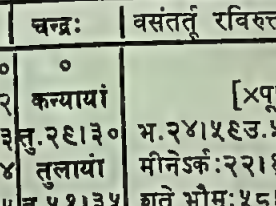

४८ पं.फा. शु.१२ र. इ. ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	९	११	४	९	१०
२४	०	५	२७	२१	२४	१३	२४
६	२७	२७	२२	३२	३६	२५	१
२२	५३	४३	५२	५३	५८	५०	३१
५२	४५	५७	१२	३७	४०	३	६०
५८	४६	४५	२६	व.	व.	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	बु ५५ ४३ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु ५५ ३० ह ५८ ५६ गं २३ २८ तै २६ ५४	२९	६	५३	२१	१४	१२	कन्यायां	[×पूफा.३शनिः४५।५६ प्रदोषः
३	शु ५४ २८ चि ६० ० वृ १९ २२ व २४ ५९	३०	६	५४	२२	१५	१३	तु.२९।३०	भ.२४।५९उ.५४।२८या.
४	श ५५ २६ चि ० ३ धु १६ ५९ ब २४ ५७	३४	५	५५	२३	१६	१४	तुलायां	मीनेऽर्कः२२।१८(सौरः२६।५० चतुर्थी व्र.
५	र ५८ १७ स्वा ३ ६ ज्या १५ ५८ कौ २६ ५२	३८	४	५६	२४	१७	१५	वृ.५१।३५	शते भौमः५८।१४
६	चं ६० ० वि ७ ४४ ह १६ १ ग ३० ३५	४३	३	५७	२५	१८	१६	वृश्चिके	बुधास्तः पूर्वस्यां४३।१७
६	मं २ ५२ अ १४ १ व १७ २७ व २ ५२	४७	३	५७	२६	१९	१७	वृश्चिके	भ. २।५२ उ. ३५ या उभा. रविः४३ =
७	बु ८ ३२ ज्ये २० ५४ सि १९ १४ ब ८ ३२	५१	२	५८	२७	२०	१८	ध. २९	[=(सौरः४७।२६)पूमा. बुधः५।३०
८	गु १४ ५० मू २८ २६ व्य २१ ४२ कौ १४ ५०	५५	१	५९	२८	२१	१९	धनुषि	शीतला पूजनम्
९	शु २१ ८ पू ३५ ५८ व २३ ५२ ग २१ ८	३०	०	०	२९	२२	२०	म.५२।४०	भ.५४।६उ.
१०	श २७ ४ उ ४२ ४६ प २५ ४७ वि २७ ४	४	५	९	१	३०	२३	२१	भ.२७।४या.
११	र ३२ ८ श्र ४८ ४० शि २६ ५० बा ३२ ८	८	५	८	२	१	२४	२२	मीने मकरे बुधः ३७ वक्री उभा. शुक्रः १६ धनि.÷
१२	चं ३५ ४५ ध ५३ ८ सि २६ ५० कौ ३ ५४	१२	५	८	२	२	२५	२३	मकरे कुं.२०।५४ [÷१गुरुः४८रा.चैत्रारंभःपापमोचनी ११व्र.
१३	मं ३८ ३ श ५५ ५६ सा २५ ३३ ग ६ ५४	१६	५	७	३	३	२६	२४	कुंभे भ. ३८।३ उ. उभा. बुधः२२।२१ वक्री×
१४	बु ३८ २८ पू ५७ २५ शू २३ ७ वि ८ १६	२१	५	६	४	४	२७	२५	मी. ४२।२ भ.८।१६या.
३०	गु ३७ ३८ उ ५७ २८ शु १९ ३७ च ८ ३	२५	५५	५	५	२८	२६	मीने	शुक्रास्तः पश्चिमायां६।० मन्वादिः

४९ पं. चै. कृ.५ र.इ. २८ ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	९	११	४	९	११
१	६	१७	२१	१९	२४	१३	१
५	१७	६	५२	५८	३	३	२
३५	६	०	३६	५	२९	३५	१३
५९	४५	०८	१२	२१	४०	३	५९
४१	४२	८९	८	व.	व.	११	४९

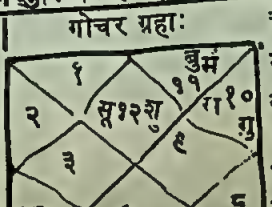

चैत्र कृष्णे ४ शनौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

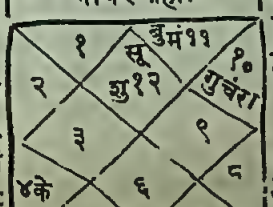

५०पं.चै. कृ. ११ र.इ. २९ ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	९	११	४	९	११
८	११	२९	२२	१६	२३	१२	७
३	४५	४३	१७	३३	३०	४१	५९
१८	१४	५	३८	२२	०	१९	८
५९	४५	१८	११	८	२४	३	५९
२९	५०	२१	३४	व.	व.	११	३५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम्।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११०, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००,द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१०१, भोग्यकलिः ४२६८९०, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६६, शाकः १९३१, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः। मंत्री चन्द्रः। सस्येशोगुरुः। धान्येशो भौमः। मेघेशः रविः। रसेशशनि। नीरसेशोगुरुः। फलेशः रविः। धनेशोबुधः। दुर्गेशःरविः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णु-विंशतिकायां १६ शुभकृन्नाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमय गतमासादिः ११।११।५।१७ भोग्यमासादिः ०।१८।५४।४३ विश्वेदेवदैवतं युगम्। वर्षनाम श्रावणः। मेघनाम संवर्तः। रोहिणीनिवासः समुद्रे। समयनिवासो मालाकार गृहे। समय विश्वा १८ समयवाहनम् दुर्दुरः स्तंभः २ जलतृणयो। सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी ३ बुधाष्टमी २ भानुसप्तमी ३ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३१५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा १२६, वर्षाविश्वा १३, धान्यम् ११, तृणम् १५, शीतम् १५, तेजः ११, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्११९' सत्यम्।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःदक्षिणे ग्रहणं३ सूर्यस्य २ चंद्रमसः १

संवत्२०६६श्रा.कृ.३०बुधे सूर्य ग्रहणम् "ग्रस्तोदितम्"

	स्पर्श	मध्य	मो.
घ.	५७	५९	२
प.	४४	५८	२५
घं.	५	६	७
मि.	३३	२६	२५

पौष शु. १५ गुरौ चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो
घ.	४४	४५	४७
प.	१७	५१	२५
घं.	१२	१२	१
मि.	१०	४७	२५

वर्षलग्नम् ६।१९

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल।
छयासठ संयतकाकहो श्रीमुख ते सब हाल।।

भवानी उत्तर

सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय।
राजामंत्रीदेखतां श्रेष्ट जमानुं होय।।
छायाकरसी छयासठो प्रजा करे उछाह।
राजा की रोजी बढे सोरा होसी साह।।
सस्ता अन्नविकायसी वहता होसी राह।
महा माई का वाक्य हैं वाह जमाना वाह।।
रोहिणी वासो जलधि में संवतमालाकार।
जलवर्षे हर्षे प्रजा मंगल गावें नार।।
फलसंवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार।
"ईश्वरदत्त" रमेश का भजन जगत में सार।।

सं.२०६६ श्रा.१८३१माघ कृ.३० शुक्रे सूर्य ग्रहणम्।

	स्प.	म.	मो.
घं.	१३	१७	२१
प.	५	०	४४
घं.	११	१	३
मि.	४१	१५	९

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ८।१०

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५८।२०

+बु चं शु सू

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन्वर्षेराजाशुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रस्यराज्येबहु सस्य संकुला सुतीव्रवेगासरितोंबुराशिभिः । फलंतिवृक्षा बहुगोप्रसूति वंसुन्धरा पार्थिवसौख्यसंयुता ।। मंत्रीचंद्रस्तत्फलम् ।। शशिनिमंत्रीगतेबहु सस्यवत्यपिधरारमरते सुखमंडिता । वियतिवारिधराबहुवर्षिणोजनपदाःसुखराशिसुशोभिताः ।। सस्येशोगुरुःफलम् ।। कणपतौसुरराज पुरोहिते-सकलसौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसिबहूनि वसूनिवै ।। धान्यशोभौमस्तत्फलम् ।। भूमिजे-ग्रीष्मधान्यशेग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालीक्षुघृत तैलादिमहर्घाणिभवंतिच ।। मेघेशोरविःफलम् ।। जलदपेयदिवासरपेतदा-सरसिवैरमतेजनता रसम् । पनचणेक्षुनीवार सुशालिभिसुखचयंसुलंभंभुविवर्तते ।। रसेशःशनिःफलम् । रविसुते रसपेरस-संक्षयोनाजलदा गददात्च पयोधराः । अजगवांगजवाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषुनरान्नरसैर्युता ।। नीरसेशोगुरुःफलय् ।। हरिद्रा-पीतवस्तूनिपीतवस्त्रादिकंचयत् । नीरसेशोयदाजीवःसर्वेषाप्रीतिरुत्तमा ।। फलेशःरविःफलम् ।। द्रुमवती फल पुष्यवतीधरा प्रभूदिताफलभोगविरोधतः । बहुजलंजलदा भुविमुंचतिकृचिदयिप्रमितंफलयोरविः । धनेशोबुधस्तत्फलम् ।। द्रविणयोहिम-रश्मिसुतोयदिविविधसंग्रहवस्तुफलातदा । द्विजवरा जययज्ञसुसंयुताः कृषिविशेषविशेषितमानसाः ।। दुर्गेशरविःफलम् ।। नयविशेषकरस्तरणिस्तदागतभयानरराजपुरोगमाः । समधिकेनतदानृपतोन्यतः पाथिषुसंव्रजतांनभयंक्वचित् ।। शुभकृन्नाम-संवन्सरःफलम् ।। शुभकृद्वन्सरेपृथ्वीसम्पूर्णाःविविधोत्सवः आतंक चौरा भयदा राजानः समरोत्सुकाः ।। वर्षनाम श्रावणःफलम् ।। मनोल्हादंप्रकुर्वन्तिजनाःसौख्यसमायुताः । श्रांवणे बृष्टिः । रत्युग्रज्ञो महिष्या दिकं सुखम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्तेजल पूरीता । रोहिणी निवासः समुद्रेफलम् ।। समुद्रेतुमहाबृष्टिः । समप निवासो मालिगृहेफलम् ।। मालिनः प्रचुरा बृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०६६ मध्ये विवाहमूहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृष्णा ८ शुक्रे उषा ल. ऽन्यगो. ८।९ रे. ८।।।।।।
(नृ.५०घ.उ.)ऽऽ।।

शुल्का४भौमे मृगे ल. ९(चं. पू.)रे.१०।।।।।।।।।

,, ११ भौमे उफर ल. ऽन्यगो रे. ९।।।।।ऽ।।।

,, १३गुरौ स्वात्यां ल. ९(घ.४२।१४उ.)र.९।।।।।।ऽ।।

ज्वेष्ठ मासः ।

कृष्णा ३ भौमे मूले ल. गो. रे.९।।।।।ऽ।।।

,, १० भौमे उभा ल. १ रे.।।।।।।(नृपघ.५ब्य)।ऽऽ।।

,, ११ बुधे उभा. ल.ऽन्य.गो.९रे.८।।।।।ऽऽ।।

शुल्का ७ शनौ मघा. ल. ऽ न्यगो. रे.६।।।।ऽऽचौऽऽ।।

,, ९चंन्द्रे उफा. ल. गो. ९ रे८।।।।।ऽरोऽ।।।

आषाढ मासः।

कृष्ण १ चंन्द्रे मूले ल. गो१२रे.७।।।।ऽ।(चो. घ. ३९उ)
ऽऽ।।मीने. चौ. पं चकः रे.६

,, ९बुधे रेव ला. ऽन्यगो. रे.८।।।।।ऽ अग्निाऽ।।

शुल्का४शुक्रे मघा. ल. ऽन्यगो २ रे६।।।।ऽऽअऽऽ।।

,, ७रवौ उफा.ल.१२।२ रे६।ऽ।।ऽनृऽऽ।।मीने चन्द्रेऽ
र्च्यः बृष घटी५६।११या.

,, ८चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो रे७।।।।।ऽ नृ ।ऽ।ऽ दग्धा

,, १०बुधे स्वात्यां ल. गो. रे८।।।।।ऽचौ४२घ.या.।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः ।

शुल्का१५बुधे. रोहि. ल.५ (घ.४३।३७या)रे.७।।।।ऽ।ऽऽऽ।।

पौष मासः ।

कृष्णा९ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो. ५ सिंहे लातदोषा ऽ मावः
रे. ६ऽ।।।।ऽ(चो.घ.५१या)।ऽ।ऽ

,, ११शनौ स्वात्यां ल. ५ रे ।।।।।ऽ(रो.४९या)।ऽ।।

अत्र क्वचित्स मृतिदृष्टि दोषश्चे त्क्षंतव्यं सुधीभिः

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः स० २०६६ शाकः १९३१												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६२०० स.२००९
१	शु	३५	१५	र	५६	२१	ब्र	१४	५९	किं	६	२६	३०/२९	५/५४	६/६	६	२९	२७	मे५६।२१	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	श	३१	५०	अ	५४	२५	ऐं	९	३७	बा	३	३२	३३	५३	७	७	३०	२८	मेषे	चंद्रदर्शनं सिंघारा
३	र	२७	४६	भ	५१	३९	वै	३/२९	५३/१३	ग	२७	४६	३७	५३	७	८	१	२९	मेषे	भ.५५।२३उ. शुक्रोदयः पूर्वस्यां५८।४८×
४	चं	२३	१	कृ	४८	४०	प्री	४९	५८	वि	२३	१	४१	५२	८	९	२	३०	वृ.५।५४	भ.२३।१या.
५	मं	१८	१८	रो	४५	३१	आ	४३	८	बा	१८	१८	४५	५१	९	१०	३	३१	वृषे	रेवत्यां रविः ११।१ (सौरः १४।५३)=
६	बु	१३	६	मृ	४२	११	सौ	३६	१५	तै	१३	६	४९	५०	१०	११	४	१	मि. १३/५१	पूभा. भौमः५९।५३अप्रेल४ता.३०
७	गु	७	५९	आ	३८	५२	शो	२९	७	व	७	५९	५३	४९	११	१२	५	२	मिथुने	भ.७।५९उ.३५।२८या.
८	शु	२	५७	पु	३५	३२	अ	२२	२	ब	२	५७	५७	४९	११	१३	६	३	कं.२१।२२	राम नवमी [=रेवत्यां बुधः८।४८
९	शु	५४	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×रविलाखर४मत्स्य जयंती गणगौरी
१०	श	५२	३८	पु	३२	७	सु	१४	४६	तै	२५	११	३१/१	४८	१२	१४	७	४	कर्के	
११	र	४७	३२	श्ले	२८	५५	धृ	७	५९	व	२०	५	५	४७	१३	१५	८	५	सिं२८।५५	भ.२०।५उ.४७।३२या. कामदा११व्र.
१२	चं	४२	५३	म	२६	५	शु	२१/१	५३/४९	ब	१५	१३	१०	४६	१४	१६	९	६	सिंहे	अश्वि.मेषे बुधः३५।५६
१३	मं	३८	४७	पू	२३	४७	बृ	४९	२६	कौ	१०	५०	१४	४५	१५	१७	१०	७	कं.३८।२३	प्रदोषः
१४	बु	३५	२९	उ	२२	१४	ध्रु	४४	२७	ग	७	८	१८	४४	१६	१८	११	८	कन्यायां	भ.३५।२९उ. धनि.२गुरुः५४।४२
१५	गु	३३	२५	ह	२१	५०	व्या	४०	३७	वि	४	२७	२२	४४	१६	१९	१२	९	तु.५२।२६	भ.४।२७या. हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.३र.इ.२८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	९	११	४	९	११
१४	१७	१३	२४	१२	२२	१२	१४
५९	१२	१८	४०	१०	५९	१९	५५
१०	४३	४३	५९	४४	५६	३	१७
५९	४५	१२/०	१०	३६/५	४/५	३	५९
१६	५९	५२	५६	व.	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

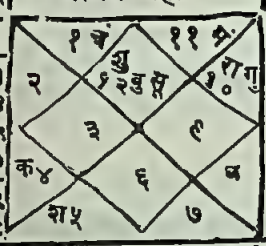

इस मास में धान्य वाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं चना धातु सोना चांदी ताम्बा शक्कर चीनी तेल घृत तेज होवेंगे।

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.शु.११र.इ. २९/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	९	११	४	९	११
२१	२२	२७	२५	८	२२	११	२१
५३	४०	४३	५८	११	३१	५६	४९
३१	२६	५	१६	४९	४१	४८	२८
५९	४५	१२/३	१०	२७/४१	३/४९	३	५९
४	५९	७	१९	व.	व	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्रः
१	शु	३२	४३	चि	२२	४४	ह	३७	४७	बा	३	४	३१/२६	५/४३	६/१७	२०	१३	१०	तुलायां	
२	श	३३	४४	स्वा	२५	१६	व	३६	३२	तै	३	१४	३०	४२	१८	२१	१४	११	तुलायां	[+वरुथिनी११व्र.
३	र	३६	८	वि	२९	१७	सि	३५	५३	व	४	५५	३४	४१	१९	२२	१५	१२	वृ.१३।१७	भ.४।५५उ.३६।८या.
४	चं	४०	५	अ	३४	५८	व्य	३६	५०	ब	८	५	३८	४०	२०	२३	१६	१३	वृश्चिके	अश्वि. मेषेऽर्कः४४।५९(सौरः४९।२६)÷
५	मं	४५	२३	ज्ये	४१	२४	व	३८	३०	कौ	१२	४४	४२	४०	२०	२४	१७	१४	ध.४१।२४	मीने भौमः५३/१२बुधोदयः पश्चिमायां ८/३१
६	बु	५१	२९	मू	४८	४९	प	४०	३०	ग	१८	२६	४६	३९	२१	२५	१८	१५	धनुषि	भ.४१।२९उ.
७	गु	५७	३३	पू	५६	२०	शि	४२	५६	वि	२४	३१	५०	३८	२२	२६	१९	१६	धनुषि	भ.२४।३१या.
८	शु	६०	१०	उ	६०	०	सि	४५	१०	बा	३०	३९	५३	३७	२३	२७	२०	१७	म.१३।१०	मार्गी शुक्रः४७।२१
८	श	३	५	उ	३	३८	सा	४६	४७	कौ	३	५	५७	३७	२३	२८	२१	१८	मकरे	[÷भरण्यां बुधः०।४१चतुर्थी व्र.
१९	र	९	४४	श्र	१०	८	शु	४७	२६	ग	९	४४	३२/१	३६	२४	२९	२२	१९	कु.४२।४०	भ.४०।५९उ.उभा. भौमः२२।३०
१०	चं	१२	४	ध	१५	१२	शु	४६	५७	वि	१२	४	५	३५	२५	३०	२३	२०	कुम्भे	भ.१२।५४या.
११	मं	१५	५२	श	१८	५०	ब्र	४४	५५	बा	१५	५२	९	३४	२६	१	२४	२१	कुम्भे	कृत्ति. बुधः २४।४६ रा. वैशाखारंभः+
१२	बु	१५	५५	पु	२०	३२	ऐं	४१	३३	तै	१५	५५	१२	३४	२६	२	२५	२२	मी.५।७	प्रदोषः
१३	गु	१४	३०	उ	२०	२३	वै	३६	४१	व	१४	३०	१६	३३	२७	३	२६	२३	मीने	भ.१४।३०उ.४२।५६या.
१४	शु	११	२१	रे	१८	३७	वि	३०	३३	श	११	२१	२०	३२	२८	४	२७	२४	मे.१८।३७	बृषे बुधः३७।३९
३०	श	६	२८	अ	१५	३८	प्री	२३	३१	ना	६	२८	२३	२९	३१	५	२८	२५	मेषे	

१पं. वै.कृ.४ चं.इ.४४।५९

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	९	११	४	९	११
०	२९	१४	२७	५	२२	११	२९
०	७	४३	२५	३०	०	३०	५५
०	४८	२३	४८	२२	२२	४०	४१
५८	४५	११/२	९	५/२३	३/८	३	५८
४४	५५	५८	२८	व.	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

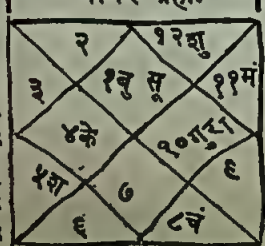

वैशाख कृष्णे ४ चंद्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ गतालकावस्था मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

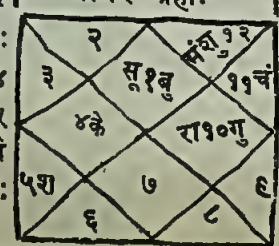

२पं.वै.कृ.१०चं.इ.४५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	९	११	४	९	०
६	४	२५	२८	५	२१	११	६
५०	२३	५८	३१	२१	३९	८	४५
४२	१८	५९	२४	१४	४०	२४	५२
५८	४५	६२	८	७/२२	२३/३	३	५८
३१	५५	१३	३९	मा	व.	११	२९

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६२३० स.२००९
१	र	०	५१	भ	११	२२	आ	१५	३५	ब	०	५१	३२/२७	५/३१	६/२९	६	२९	२६	वृ.२५।१२	चंद्र दर्शनम्
२	र	५३	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	चं	४७	४०	कृ	६	४३	सौ	७/३३	५१/२९	तै	२१	१	३१	३०	३०	७	१	२७	वृषे	भरण्यां रविः२५।१५(सौरः३०/५१)जमादि×
४	मं	४०	५३	रो	१/५६	५५/११	अ	५१	५	व	१४	१६	३४	२९	३१	८	२	२८	मि. २९/३१	भ.१४।१६उ.४०।५३या.
५	बु	३४	२५	आ	५२	४९	सु	४३	१४	ब	७	४१	३८	३८	३२	९	३	२९	मिथुने	[×लावल ५ परशुराम जयंती अक्षया३
६	गु	२८	२०	पु	४८	५७	ध्रु	३५	५०	कौ	१	२२	४१	३८	३२	१०	४	३०	क. ३४/५४	
७	शु	२२	५३	पु	४५	३६	श	२८	४१	व	२२	५३	४५	२७	३३	११	५	१	कर्के	भ.२२।५३ उ. ५०।२९ या. धनि.३कुंभे÷
८	श	१८	४	श्ले	४३	१०	गं	२२	१९	ब	१८	४	४८	२६	१४	१२	६	२	सिं. ४३/१०	पातस्पर्शः०।४६पातमोक्षः१२।२६
९	र	१३	४७	म	४१	८	वृ	१६	२०	कौ	१३	४७	५२	२६	३४	१३	७	३	सिंहे	[÷गुरुः१७।१५मई५ता.३१
१०	चं	१०	२१	पू	४०	१०	ध्रु	११	७	ग	१०	२१	५५	२५	३५	१४	८	४	कं. ५५।५	भ.३८।५९उ.
११	मं	७	३८	उ	३९	४५	व्या	६	३१	वि	७	३८	५८	२४	३६	१५	९	५	कन्यायां	भ.७।३८या. मोहिनी११व्र.
१२	बु	५	५५	ह	४०	२९	ह	२/३८	५७/४	बा	५	५५	३३/३	२४	३६	१६	१०	६	कन्यायां	वक्री बुधः१०।४८रेवत्यां भौमः३०/४४प्रदोषः
१३	गु	५	८	चि	४२	१४	सि	५७	२२	तै	५	८	५	२३	३७	१७	११	७	तु. ११/२२	नृसिंह जयंती
१४	शु	५	२०	स्वा	४५	४	व्य	५६	३२	ब	५	२०	८	२२	३८	१८	१२	८	तुलायां	भ.५।२०उ.३६।८या.
१५	श	६	५६	वि	४९	११	व	५६	७	ब	६	५६	११	२२	३८	१९	१३	९	वृ. ३३।९	बुधास्तः पश्चिमायां३।६यमायकुंभ दानम्

३पं.वै.शु.३ चं.इ. ४५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	९	९१	४	९	०
१३	९	३	२९	७	२१	१०	१३
३९	५६	५५	३३	१३	२३	४६	३४
४७	३८	४१	४	४८	३५	८	१७
५८	४५	२८	७	२५	१/४९	३	५८
१९	५०	४३	३८	३५	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास की कृष्ण पक्ष की तिथी वृद्धि व शुक्ल पक्ष की तिथी क्षय धातु धान्य व रस के भावो में तेजी कारक है तेजी ठहरेगी नही।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.शु. १० चं.इ. ४५/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	१०	११	४	९	०
२०	१५	७	०	१०	२१	१०	२०
२७	१९	३३	२६	१०	१२	२३	२१
२५	५६	१४	४६	३०	१८	५३	०१
५८	४५	३	६	३३	१/१६	३	५७
६	४६	२९	३७	३	व.	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः स. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैं. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	र	९	४८	अ	५४	३१	प	५६	४२	कौ	९	४८	३३/१४	५/२१	६/३२	२०	१४	१०	वृश्चिके	
२	चं	१३	४८	ज्ये	६०	०	शि	५८	१०	ग	१३	४८	१७	२१	३९	२१	१५	११	वृश्चिके	भ.४६।२३उ.कृत्ति. रविः११/११(सौरः१८/४३)
३	मं	१८	४८	ज्ये	०	४३	सि	६०	०	वि	१८	५८	२०	२०	४०	२२	१६	१२	ध. ०।४३	भ.१८।५८या. उषा.४राहुः पुष्य.२केतुः+
४	बु	२४	४७	मू	७	३०	सि	०	१४	बा	२४	४७	२३	१९	४१	२३	१७	१३	धनुषि	[+२६।२६चतुर्थी व्र.
५	गु	३०	५२	पू	१५	१९	सा	२	३६	तै	३०	५२	२६	१९	४१	२४	१८	१४	म. ३२/१६	वृषेऽर्कः ३८।२६ (सौरः ४६।३०)÷
६	शु	३७	११	उ	२३	६	शु	४	५७	ग	४	१	२८	१८	४२	२५	१९	१५	मकरे	भ.३७।११उ.
७	श	४२	५६	श्र	३०	१४	शु	७	१८	वि	१०	४	३१	१८	४२	२६	२०	१६	मकरे	भ.१०।४या.मार्गी शनिः१५।२१
८	र	४७	२४	ध	३६	१६	ब्र	८	४१	बा	१५	१०	३४	१७	४३	२७	२१	१७	कुं.३।१५	[÷रेवत्यांशुक्रः५७।५०
९	चं	५०	३८	श	४०	५८	ऐं	९	१३	तै	१९	१	३७	१७	४३	२८	२२	१८	कुंभे	
१०	मं	५१	४३	पू	४३	५३	वै	८	२३	व	२१	१०	३९	१६	४४	२९	२३	१९	मि. २७/१०	भ.२१।१०उ.५१।४३या.
११	बु	५०	५६	उ	४४	४६	वि	६	१	ब	२१	१९	४२	१६	४४	३०	२४	२०	मीने	अपरा११व्र.
१२	गु	४८	८	रे	४३	४३	प्री	१/५८	५४/३०	कौ	१९	३२	४४	१५	४५	३१	२५	२१	मे. ४३/४३	
१३	शु	४३	२२	अ	४०	४८	सौ	४९	२५	ग	१५	४५	४७	१५	४५	१	२६	२२	मेषे	भ.४३।२२उ. रा. ज्येष्ठारंभः प्रदोषः
१४	श	३६	५२	भ	३६	१२	शो	४१	७	वि	१०	७	४९	१४	४६	२	२७	२३	वृ. ४९/४६	भ.१०।७या.
३०	र	२८	१२	कृ	३०	२९	अ	३२	४	च	२	३२	५२	१४	४६	३	२८	२४	वृषे	अश्वि. मेषे भौमः१।५३वट पूजनम्

५पं ज्ये.कृ.२ चं.इ. ४५।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	१०	११	४	९	०
२७	२०	६	१	१४	२१	१०	२७
१३	४०	३५	१३	२६	६	१	६
३७	५५	४२	४८	४९	१४	३७	१५
५७	४५	२५/२४	५	४१	०/२५	६	५७
५४	३१	व.	३९	३९	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

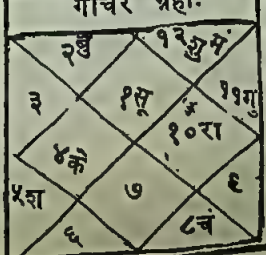

ज्येष्ठ कृष्णे ५ गुरौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शक्रोदयः पूर्वस्याम

गोचर ग्रहाः

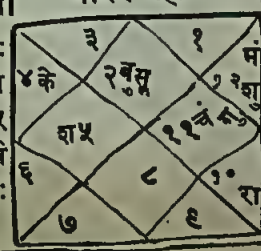

६ पं.ज्ये.कृ.९ चं.इ. ४६।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	१०	११	४	९	१
३	२६	३	१	१९	२१	९	३
५८	१	२६	५४	३६	५	३९	४९
३७	५२	२४	१८	२९	४६	२२	५७
५७	४५	३३/४८	४	४७	०/१४	३	५७
४४	१८	व.	३१	४५	मा	११	३४

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६२ स. २००९
१	चं २०।४९ रो २४ ५ सु २२।२५ ब २०।४९	३३ ५४	५ १३	६ ४७	४	२९	२५	मि.५०	रोहि. रवि:२।०(सौर:१३)चंद्र दर्शनम्
२	मं १२ ५ मृ १७।३७ धृ १२।४७ को १२ ५	५६	१३	४७	५	१	२६	मिथुने	जमादि लाखर६
३	बु ३ २९ आ ११।१६ शू १०३५ ४८ ग ३ २९	५८	१२	४८	६	२	२७	क.५२।४	भ.२९।४१उ.५३या. वक्री मेषे बुधः४५
४	बु ५२ ४ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
५	गु ४८।३२ पु ५।४० बृ ४५।३७ ब २२।१०	३४ ०	१२	४८	७	३	२८	कर्के	बुधोदयः पूर्वस्यां २।३
६	शु ४२।३४ पु ० ४३ ५५ ३३ धु ३८।१४ को १५।३६	२	१२	४८	८	४	२९	सिं. ५७।७	
७	श ३७।४१ म ५४।४४ व्या ३१।५१ ग १०। ८	३	११	४९	९	५	३०	सिंहे	भ.३७।४१उ.
८	र ३४।१० पू ५३।३५ ह २६।२६ वि ५।५६	५	११	४९	१०	६	३१	सिंहे	भ.५।५६या. अश्वि. मेषे शुक्रः३।५२
९	चं ३१।५३ उ ५३।४० व २२। ५ बा ३। २	७	११	४९	११	७	१	कं.८।३७	जून ६ता.३०
१०	मं ३०।५८ ह ५५। २ सि १८।४५ तै १।२६	९	१०	५०	१२	८	२	कन्यायां	मार्गी बुधः७।२६गंगादशमी
११	बु ३१।१२ चि ५७।३६ व्य १६।२० व १। ५	१०	१०	५०	१३	९	३	तु.२६।१९	भ.१।५३उ.३१।१२या. निर्जला११व्र.
१२	गु ३२।२८ स्वा ६०। ० व १४।५९ ब १।५०	१२	१०	५०	१४	१०	४	तुलायां	[=वटसावित्री व्र.
१३	शु ३५।१२ स्वा १।१६ प १४।३४ को ३।५०	१३	९	५१	१५	११	५	वृ.४९।४३	वृषे बुधः३८।३४प्रदोषः
१४	श ३८।३७ वि ५।५२ शि १५।१८ ग ६।५४	१५	९	५१	१६	१२	६	वृश्चिके	भ.३८।३७उ.
१५	र ४३।११ अ ११।१९ कृ १६।१८ वि १०।५३	१६	९	५१	१७	१३	७	वृश्चिके	भ.१०।५३ या. मृगे रवि :५५ गुर्जराणां=

७पं.ज्ये.शु. १चं.इ.४६।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१०	११	४	९	१
१०	१	०	२	२५	२१	९	१०
४२	१८	४९	२५	२५	८	१७	३२
२९	४३	१६	१६	३४	५३	६	८
५७	४५	२४ ५५	३	५२	०	३	५७
३५	१६	व.	२५	४३	५९	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में
५ रविवार अशुभ हैं
धान्य गेहूं जौ चना
मटर सरसों अलसी
बाजरा मूंग मोठ
स्वर्ण ताम्बा में
घटाबढी धूप अधिक।

गोचर ग्रहाः

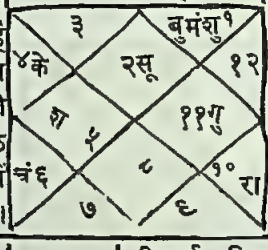

८पं.ज्ये.शु. ९च.इ. ४६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	१०	०	४	९	१
१७	६	२९	२	१	२१	८	१७
२५	३३	६	४५	३७	१७	५४	१३
१९	५८	२२	५८	४१	२८	५०	१४
५७	४४	३४	२	५७	१	३	५७
२७	५५	व.	०	१३	३२	११	१

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्ये. कृष्णेति महाराष्ट्रा ३
१	चं ४८।३० ज्ये १७।५५ सा १७। १० बा १५।५०	३४ ५७	९	५१	१८	१४	८	ध.१७।५५	मृगे रविः सौर:११।२८
२	मं ५४।२५ मू २४।४७ शु १९। ७ तै २१।२८	१८	८	५२	१९	१५	९	धनुषि	[+पातस्पर्शः१३।१५पातमोक्षः३७।८
३	बु ६०। ० पू ३२।१९ शु २१।३४ व २७।२४	१९	८	५२	२०	१६	१०	म.४९।७	भ. २७।२४ उ. भरण्यां भौमः ५०।५२+
४	गु ०।२३ उ ३९।४९ ब्र २४। ३ वि ०।२३	१९	८	५२	२१	१७	११	मकरे	भ.०।२३या. चतुर्थी व्र.
५	शु ६।३७ श्र ४७।१९ ऐं २६।२६ बा ६।३७	२०	८	५२	२२	१८	१२	मकरे	
६	श १२।२९ ध ५४। ३ वै २८।३६ तै १२।२९	२१	८	५२	२३	१९	१३	कुं२०।४१	भरण्यां शुक्रः५४।३५वक्री गुरुः३९।४३
७	र १७।२३ श ५९।५५ वि २९।४७ ब १७।२३	२१	८	५२	२४	२०	१४	कुंभे	भ.१७।२३उ.४९।१६या. मिनेऽर्कः५५
८	चं २१। ८ पू ६०। ० ग्री ३०। ८ ब २१। ८	२२	८	५२	२५	२१	१५	मी.४८	मिथुनेऽर्कः सौर:१२।१६
९	मं २३।३४ पू ४।१४ आ २९। ४ को २३।३४	२२	८	५२	२६	२२	१६	मीने	
१०	बु २३।५६ उ ९।४७ सौ २६।३३ ग २३।५६	२३	७	५३	२७	२३	१७	मीने	भ.५३।६उ.
११	गु २२।१७ रे ७।२६ शो २२।३४ वि २२।१७	२३	७	५३	२८	२४	१८	मे.७।२६	भ.२२।१७या.रोहि. बुधः८।४१
१२	शु १८।३० अ ५।५४ अ १६।४६ बा १८।३०	२३	७	५३	२९	२५	१९	मेषे	योगिनी११व्र.
१३	श १२।५६ भ ३० ५४ सु ९।२८ तै १२।५६	२४	७	५३	३०	२६	२०	वृ.१६।१४	प्रदोक्षः
१४	र ५।३६ रो ५०।५२ धृ ४८ ३६ व ५।३६	२४	७	५३	३१	२७	२१	वृषे	भ.५।३६उ.३१।१६या. आर्दा. रविः५४
१५	र ५१।१९ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	चं ४७।२१ मृ ४३।४० गं ४०।४७ च २२। ८	२४	७	५३	१	२८	२२	मि.७।१६	आर्दा.रविः सौर:१३।४९रा.आषाढारंभः

९पं.आ.कृ.१ चं.इ. ४६।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१०	०	४	९	१
२४	११	१	२	८	२१	८	२३
७	४७	३२	५९	१८	३१	३२	५३
१९	१७	३१	२	२९	१२	३५	१०
५७	४४	३९ मी	०	६०	२	३	५७
२२	४०		५१	१६	१७	११	५

१० पं.आ.कृ. ७च. इ. ४६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	०	४	९	२
०	१६	७	३	१५	२१	८	०
४८	५८	३१	३	१६	४९	१०	३२
३६	५५	३०	२२	४१	३२	१९	१९
५७	४४	६२	२३	६२	२	३	५६
१७	३२	३६	व.	४०	२६	११	१७

११पं. आ कृ.३०चं इ. ४६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	०	४	९	२
७	२२	१६	२	२२	२२	७	७
२९	४	३५	५८	२९	११	४८	१०
३१	१९	१०	५	५३	२४	४	४६
५७	४४	९०	५३	६४	३	३	५६
१३	१८	४५	व.	३२	३४	११	५४

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६२८८स.२००९
१	मं	३७	३२	आ	३५	५९	बृ	३०	३	किं	१२	२६	३४/२४	५/७	६/२३	२	२९	२३	मिथुने	[÷पूर्वस्यां२२।१७देवशयनी११व्र.वै.
२	बु	२७	५०	पु	२८	२७	ध्रु	१९	३२	वा	२	४१	२४	७	५३	३	३०	२४	क१५।२०	चंद्रदर्शनं रथयात्रा
३	गु	१८	४८	पु	२१	३९	व्या	९/२५	२०/२६	ग	१८	४८	२३	७	५३	४	१	२५	कर्के	भ.४४।४८उ. रज्जन७
४	शु	१०	४८	श्ले	१५	५१	व	५०	४९	वि	१०	४८	२३	७	५३	५	२	२६	सिं. १५/५१	भ.१०।४८या. कृत्ति. शुक्रः४८।५६
५	श	४	१०	म	११	३१	सि	४५	५	बा	४	१९	२२	८	५२	६	३	२७	सिंहे	मृगे बुधः२३।२९
६	श	५४	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[D१७।५१वायुपरीक्षा
७	र	५६	११	पू	८	५२	व्य	३९	३४	ग	२७	४६	२२	८	५२	७	४	२८	कं२३।४०	भ.५६।११उ.
८	चं	५४	५१	उ	८	१	व	३५	३	वि	२५	३१	२१	८	५२	८	५	२९	कन्यायां	भ.२५।३१या. बृषे शुक्रः ५०।२९ कृत्ति+
९	मं	५५	१२	ह	८	४७	प	३२	४६	बा	२५	१	२०	८	५२	९	६	३०	तुं.४०।१	मिथुने बुधः५५।१७ [+भौमः८।११
१०	बु	५६	५९	चि	११	१५	शि	३१	२५	तै	२६	५	१९	८	५२	१०	७	१	तुलायां	जौलाई७ता.३१
११	गु	६०	०	स्वा	१५	१	सि	३१	१४	व	२८	२०	१८	८	५२	११	८	२	तुलायां	भ. २८।२०उ. देवशयनी११व्र. स्मा.
११	शु	०	१७	वि	२०	१९	सा	३१	५७	वि	०	१७	१७	९	५१	१२	९	३	वृ.४।०	भ.०।१७या. बृषे बौमः४९।५ बुधास्तः÷
१२	श	४	३४	अ	२६	२०	शु	३३	१३	बा	४	३४	१६	९	५१	१३	१०	४	वृश्चिके	आर्द्रा. बुधः११।१३प्रदोषः
१३	र	९	६६	ज्ये	३३	७	शु	३५	७	तै	९	३६	१५	९	५१	१४	११	५	ध.३३।७	पुन. रविः५३।१२
१४	चं	१५	१९	मू	४०	११	ब्र	३७	४	व	१५	१९	१४	९	५१	१५	१२	६	धनुषि	भ.१५।१९उ.४८।२१या.पुन.रविःसौरःD
१५	मं	२१	२२	पू	४७	४२	ऐं	३९	३७	ब	२१	२२	१३	९	५१	१६	१३	७	ध.नुषि	व्यास पूजा गुरु१५

१३ पं.आ.शु.८ चं. इ. ४६/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	०	४	९	२
१४	२७	२७	२	२९	२२	७	१३
९	७	४९	४३	५५	३९	२५	४८
५८	४४	३०	८	१६	४	४८	५१
५७	४३	१२/३९	३/११	६६	४	३	५६
७	४७		व.	६	१३	११	५०

गोचर ग्रहाः

४के, २बु, मं १शु, श ५, चं ६, १२, ७, ९, ११गु, ८, रा १०

आषाढ कृष्णे ६ रवौ
मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः
वा.४न.४ बालावस्था
(बैठी) मु. १५
धान्यादि भावे
महर्घता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४के, शु२मं, ३, १, श ५, ६, १२, ९, ११गु, ७, ८, १०रा

१३पं.आ.शु.१४चं.इ. ४६/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	१०	१	४	९	२
२०	२	१२	२	७	२३	७	२०
५०	८	३	१४	३०	१०	३	२६
२४	२४	११	५५	५८	१९	३२	४५
५७	४३	१२/२३	४/११	६७	४	३	५६
६	३१		व.	१०	४६	११	५०

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेत्ति महाः
१	बु	२७	२२	उ	५५	४	वै	४१	२८	कौ	२७	२२	३४/११	५/१०	६/५०	१७	१४	८	म.४।३२	रोहि.शुक्रः५९।१५पूफा. ४शनिः४८।०
२	गु	३३	२३	श्र	६०	०	वि	४४	२३	तै	०	२२	१०	१०	५०	१८	१५	९	मकरे	[÷सौरः२१।१६मृगे शुक्रः५८।५
३	शु	३८	५४	श्र	२	२३	प्री	४६	२८	व	६	८	८	१०	५०	१९	१६	१०	कुं३५।४९	भ.६।८उ.३८।५४या. पुन. बुधः २४।२५
४	श	४३	४०	ध	९	१४	आ	४७	५२	ब	११	१७	७	११	४९	२०	१७	११	कुंभे	चतुर्थी व्र.
५	र	४७	२९	श	१५	२२	सौ	४८	४२	कौ	१५	४३	५	११	४९	२१	१८	१२	कुंभे	नाग५मरुस्थले
६	चं	५०	३६	पू	२०	१९	शो	४८	३४	ग	१९	११	३	११	४९	२२	१९	१३	मी.४।४	भ.५०।३६उ.
७	मं	५१	५६	उ	२३	५८	अ.	४७	१३	वि	२१	१६	१	१२	४८	२३	२०	१४	मीने	भ.२१।१६या.उषा.३राहुःपुष्य.१ केतुः२८/८
८	बु	५१	४५	रे	२६	११	सु	४४	३७	बा	२१	५०	३३/५९	१२	४८	२४	२१	१५	मे.२६।११	कर्के बुधः७।१५
९	गु	४९	२९	अ	२६	४२	धृ	४०	३४	तै	२०	३७	५७	१३	४७	२५	३२	१६	मेषे	कर्केऽर्कः २२।३८ (सौरः ५०।३५)A
१०	शु	४५	२८	भ	२५	२३	शु	३५	८	व	१७	२८	५५	१३	४७	२६	२३	१७	वृ.३९।१४	भ.१७।२८उ.४५।२८या.रोहि. भौमः५८/२२
११	श	३९	३४	कृ	२१	४९	गं	२८	७	ब	१२	३१	५२	१४	४६	२७	२४	१८	वृषे	कामिका११व्र.
१२	र	३२	१४	रो	१७	११	बृ	१९	४४	कौ	५	५४	५०	१४	४६	२८	२५	१९	मि. ४४/७	पुष्ये रविः५१।५६प्रदोषः
१३	चं	२३	३२	मृ	११	४	ध्रु	१०	२०	व	२३	३२	४८	१४	४६	२९	२६	२०	मिथुने	भ.२३।३२ उ. ४८।४१ या. पुष्ये रविः÷
१४	मं	१३	५०	आ	३/४२	५२/१०	व्या	०/५	४९/८	श	१३	५०	४५	१५	४५	३०	२७	२१	कं.४२।४९	[Aपुष्ये१बुधः४१।४७
३०	बु	३	४९	पु	४७	५९	ब	३८	२६	ना	३	४९	४३	१५	४५	३१	२८	२२	कर्के	सूर्यग्रहणम् हरियाली

१४पं. श्रा.कृ. ६ चं.इ. ४५/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	१०	१	४	९	२
२७	७	२७	१	१५	२३	६	२७
३०	५	७	४७	१४	४४	४१	४
४३	६	३२	४२	३५	५६	१६	५२
५७	४२	१२/७	५/२३	६८	५	३	५६
११	७		व.	१५	५	११	५४

गोचर ग्रहाः

के४, शु२मं, ५श, बु३सु, १, ६, चं१२, ११गु, ७, ९, ८, १०रा

श्रावण कृष्णे ९ गुरौ
कर्केऽर्कः प्रविष्टः
वा.५न.५ प्रौढावस्था
(बैठी) मु. ३०
धान्यादि भावे समता
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

श ५, ३च, ६, के४बुसू, शु२मं, ७, १, १०रा, १२, ८, ९, ११गु

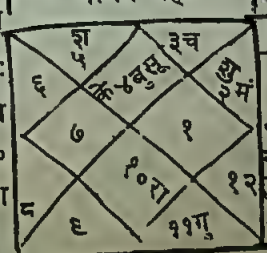

१५पं.श्रा. कृ.३१ चं. इः ४५/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	१०	१	४	९	३
४	११	११	१	२३	२४	६	३
११	५८	५१	८	५	२२	१९	४३
२८	४१	११	३८	५०	१६	१	१९
५७	४२	१२/१७	५/१७	६९	५	३	५६
१५	३१		व.	२०	३४	११	५८

(सं० २००१ समारम्य २१००पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३१८ स.२००९
१	बु	४९	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×मकरे गुरः५९।४७
२	गु	४४	२०	श्ले	४०	३७	सि	२७	४१	बा	१९	४	३३/४०	५/१६	६/४४	१	२९	२३	सिं. ४०/३७	आश्ले. बुधः ७।५५ चंद्रदर्शनम् रा.÷
३	शु	३६	१०	म	३४	२६	व्य	१७	५८	तै	१०	१५	३८	१६	४४	२	१	२४	सिंहे	सावान८तीज [÷श्रावणारंभः सिंधारा
४	श	२९	२९	पू	२९	४०	व	९	७	व	२	४९	३५	१७	४३	३	२	२५	कं.४४।००	भ.२।४९उ.२९/२९या. बुधोदयः पश्चिमायां=
५	र	२४	४६	उ	२६	५१	प	१/४	५५/७	बा	२४	४६	३३	१७	४३	४	३	२६	कन्यायां	मिथुने शुक्रः५०।५९नाग पंचमी
६	चं	२२	३	धृ	२५	५२	सा	५२	८	तै	२२	३	३०	१८	४२	५	४	२७	तु.५६।२५	[+अगस्त८ता.३१पवित्रा११व्र.
७	मं	२१	२४	चि	२६	५८	शु	४९	४४	व	२१	२४	२७	१९	४१	६	५	२८	तुलायां	भ.२१।२४उ.५२।५या.
८	बु	२२	४५	स्वा	२९	५६	शु	४८	४९	ब	२२	४५	२४	१९	४१	७	६	२९	तुलायां	[=५२/५४वरद४
९	गु	२५	५०	वि	३४	४७	सि	४९	२०	कौ	२५	५०	२२	२०	४०	८	७	३०	वृ. १८/२९	मघा. सिंहे बुधः१०।३२ वक्री धनि.२×
१०	शु	३०	२६	अ	४०	१५	ब्र	५०	२९	ग	३०	२६	१९	२०	४०	९	८	३१	वृश्चिके	[Aभद्रोत्तरम
११	श	३५	४६	ज्ये	४७	५०	ऐं	५२	३१	व	३	२	१६	२१	३९	१०	९	१	ध.४७।५०	भ.३।२ उ. ३५।४६या. आर्द्रा. शुक्रः४१/१०+
१२	र	४१	४८	मू	५५	१४	वै	५४	५५	ब	८	४४	१३	२१	३९	११	१०	२	धनुषि	आश्ले.रविः४८।४७
१३	चं	४८	८	पू	६०	०	वि	५७	४१	कौ	१४	५८	१०	२२	३८	१२	११	३	धनुषि	आश्ले. रविः सौरः२२।३प्रदोषः
१४	मं	५४	१	पू	२	४६	प्री	५९	४७	ग	२१	५	७	२३	३७	१३	१२	४	म.१९।३७	भ.५४।१उ.
१५	बु	६०	०	उ	१०	५	आ	६०	०	वि	२७	६	४	२३	३७	१४	१३	५	मकरे	भ.२७।६या.श्रावणी कर्म रक्षा बन्धनम्A
१५	गु	०	११	श्र	१७	१४	आ	२	२	ब	०	११	०	२४	३६	१५	१४	६	कुं.५०।२९	मृगे भौमः१७।२५

१६पं.श्रा.शु. ६चं. इ. ४५/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	१०	२	४	९	३
१०	१६	२५	०	१	२५	५	१०
५२	५०	३२	२२	३	४	५६	२२
३०	३१	४६	५५	५८	२३	४६	३६
५७	४२	०/१०	७/५	७०	५	३	५७
२०	५	१४	व.	११	५९	११	५

गोचर ग्रहाः

५श ३शु चं६ बुसूके४ मं २ ७ १ ८ रा१० १२ ९ गु११

वृष राशौ यदा गौमः सर्व धान्य महर्घता। चन्दनं कुंकुमं वस्त्रं कार्पासादि महर्घता।। इस मास में धान्य व रस तेज धातु मंदी हो

गोचर ग्रहाः

५शबु शु३ ६ ४केसू मं २ ७ १ ८ १०गुरा १२ चं९ ११

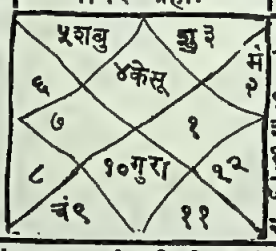

१७पं. श्रा.शु. १३चं.इ. ४५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	९	२	४	९	३
१७	२१	७	२९	९	२५	५	१७
३४	३४	२४	३२	६	४८	३४	२
१२	१९	४०	४९	५४	७	३०	२४
५७	४१	०/०	७/४०	७०	६	३	५७
२५	४५	३	व.	५०	२०	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षदृर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु	४	५७	ध	२३	४४	सौ	३	४५	कौ	४	५७	३२/५७	५/२५	६/२५	१६	१५	७	कुंभे	पूफा. बुधः१८।३७
२	श	९	२२	श	२९	२०	शा	४	५२	ग	९	२२	५४	२५	३५	१७	१६	८	कुंभे	भ.४१।७उ.
३	र	१२	५२	पू	३४	१८	अ	५	२८	वि	१२	५२	५०	२६	३४	१८	१७	९	मी१७।४	भ.१२।५२या.चतुर्थी व्र.
४	चं	१५	१४	उ	३८	७	सु	५	१८	बा	१५	१४	४७	२७	३३	१९	१८	१०	मीने.	[÷मिथुने भौमः२३।३५अजा११व्र. स्मा.
५	मं	१६	४४	रे	४०	४६	धृ	३	५८	तै	१६	४४	४४	२७	३३	२०	१९	११	मे.४०।४६	उफा.१शनिः४०।२०चंद्र षष्ठी
६	बु	१६	५१	अ	४२	१७	शू	२/६	५७/६	व	१६	५१	४०	२८	३२	२१	२०	१२	मेषे	भ.१६।५१उ.४६।१४या.
७	गु	१५	३७	भ	४२	१५	वृ	५४	५२	ब	१५	३७	३७	२९	३१	२२	२१	१३	वृ.५६।५७	पुन. शुक्रः३।२१जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	शु	१३	०	कृ	४१	४	धृ	४९	३१	कौ	१३	०	३३	२९	३१	२३	२२	१४	वृषे	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	श	८	५३	रो	३८	१४	व्या	४३	०	गं	८	५३	३०	३०	३०	२४	२३	१५	वृषे	भ.३६।११उ. गोगा९
१०	र	३	३०	मृ	३४	१२	ह	३५	२७	वि	३	३०	२६	३१	२९	२५	२४	१६	मि. ६।१३	भ.३।३० या. मघा. सिंहेऽर्कः ४२।५९÷
११	र	५२	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×बुधः१।२४अजा११व्र. वै. वत्स द्वादशी
१२	चं	४८	३४	आ	२८	४५	व	२६	५४	कौ	२२	३१	२२	३२	२८	२६	२५	१७	मिथुने	मघा. सिंहेऽर्कः सौरः १८।२८ उफा.×
१३	मं	३९	४७	पु	२२	२२	सि	१७	१७	ग	१४	१०	१९	३२	२८	२७	२६	१८	कं. ८।५८	भ.३९।४७उ. प्रदोषः
१४	बु	३०	२६	पु	१५	२०	व्य	७/१४	४९/३८	वि	५	७	१५	३३	२७	२८	२७	१९	कर्के	भ.५।७या.कन्यायां बुधः५२।२३
३०	गु	२१	१३	श्ले	८	१	प	४६	४७	ना	२१	१३	१२	३४	२६	२९	२८	२०	सिं.८।१	कुशा ग्रहणी पिठोरी३०मन्वादिः

१८ पं.भा.कृ.४ चं.इ. ४५/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	९	२	४	९	३
२४	२६	१८	२८	१७	२६	५	२३
१६	१५	१०	३९	१५	३४	१२	४३
३७	३२	४४	४७	९४	९	१४	३१
५७	४१	८६	५७/५२	७१	६	३	५७
३३	१९	२५	व.	२३	३२	११	२२

गोचर ग्रहाः

बुश५ ३शु. ६ ४सूके २मं ७ १ ८ गु१० रा १२चं ९ ११

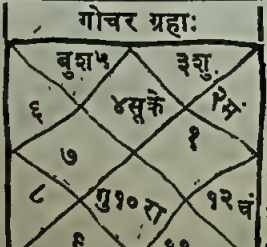

भाद्रपद कृष्णे १२चंद्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.६ गतालकावस्था ऊभी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

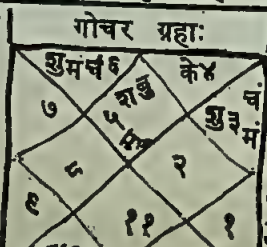

शुमंचं६ के४ ७ ५शबु शु३ चं मं ८ २ ९ ११ १ गुरा१० १२

१९पं.भा.कृ.१२चं.इ. ४५/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	९	५	४	९	४
०	०	२७	२७	२५	२७	४	०
५९	५५	३१	४४	२८	२१	४९	२५
५३	१२	१६	१०	४१	४४	५९	४४
५७	४०	७०	५७/५२	७१	६	३	५७
४०	३४	११	व.	५०	५०	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१										वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः६३४७स.२००९
१	शु	१२	२९	म	१३	५४	शि	३७	१०	ब	१२	२९	३२	५	६	३०	२९	२१	सिंहे	कर्के शुक्रः३७।५१
२	श	४	४०	उ	५०	५१	सि	२८	३२	कौ	४	४०	४	३५	२५	३१	३०	२२	कं.९।८	चंद्रदर्शनं हरितालिका३
३	श	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×गणेशचतुर्थी रा. भाद्रपदारंभः;
४	र	५४	४८	ह	४८	१	सा	२१	१७	व	२६	५२	१	३६	२४	१	१	२३	कन्यायां	भ.२६।५२ उ. ५४।४८ या. रमजान९×
५	चं	५२	५३	चि	४७	२५	शु	१५	२८	ब	२३	५७	३१	३७	२३	२	२	२४	तु.१७।४३	ऋषि पंचमी
६	मं	५३	१	स्वा	४८	५५	शु	११	२८	कौ	२२	५६	५३	३७	२३	३	३	२५	तुलायां	पुष्ये शुक्रः६।२
७	बु	५५	१९	वि	५२	२८	ब्र	९	१०	ग	२४	१०	४९	३८	२२	४	४	२६	वृ.३६।३५	भ.५५।१९उ.आर्दा. भौमः४०।२५वक्री÷
८	गु	५९	१८	अ	५७	४०	ऐं	८	४४	वि	२७	१९	४६	३९	२१	५	५	२७	वृश्चिके	भ.२७।१९या.
९	शु	६०	०	ज्ये	६०	०	वै	८	५९	बा	३१	५७	४२	४०	२०	६	६	२८	वृश्चिके	[÷धनि.१गुरुः६।१७
९	श	४	३७	ज्ये	४	११	वि	१०	३८	कौ	४	३७	३८	४०	२०	७	७	२९	ध.४।११	[=अस्त शनेः१२।२८जल झूलनी११व्र.
१०	र	१०	३८	मू	११	२५	प्री	१२	५३	ग	१०	३८	३४	४१	१९	८	८	३०	धनुषि	भ.४३।५४उ.पूफा.रविः३३हस्ते बुधः३३
११	चं	१७	११	पू	१८	५८	आ	१५	२२	वि	१७	११	३०	४२	१८	९	९	३१	म.३५।५२	भ.१७।११या. पूफा. रविः सौरः९।१९=
१२	मं	२३	११	उ	२६	३२	सौ	१७	५१	बा	२३	११	२६	४३	१७	१०	१०	१	मकरे	सितम्बर ९ता.३०वामन जयंती प्रदोषः
१३	बु	२८	५६	श्र	३३	३८	शो	२०	३४	तै	२८	५६	२२	४४	१६	११	११	२	मकरे	
१४	गु	३३	४३	ध	३९	५५	अ	२१	३७	ग	१	१९	१८	४४	१६	१२	१२	३	कुं.६।४६	भ.३३।४३उ. अनंत१४
१५	शु	३७	२३	श	४५	२	सु	२२	३१	वि	५	३५	१५	४५	१५	१३	१३	४	कुंभे	भ.५।३५या.आश्ले. शुक्रः३५महालयारंभः

२०पं.भा.शु.५चं.इ.४५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	९	३	४	९	४
७	५	५	२६	३	२८	४	७
४४	२३	९	५०	४५	११	२७	९
२०	६	१८	२४	१४	२८	४३	१३
५७	४०	५१	४५	७२	७	३	५७
४९	०	०	व.	११	२	११	४५

गोचर ग्रहाः

शुक्रस्य पंचवाराः स्यु
यत्र मासे निरन्तरम्।
प्रजावृद्धिः सुभिक्षं
च सुखं तत्र प्रवर्तते।।
इस मास में धातु
धान्य कुछवतेज
होके मंदीपकड़ले।

गोचर ग्रहाः

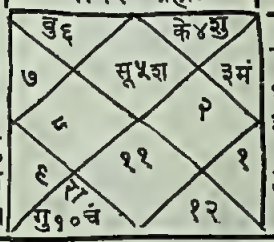

२१पं. भा.शु. ११ चं.इ. ४५।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	९	३	४	९	४
१४	९	१०	२६	१२	२९	४	१३
३०	४९	२९	०	६	२	५	५४
०	५	१३	०	३२	२८	२८	२५
५८	३९	२४	१७	७२	७	३	५७
१२	५५	५४	व.	३२	८	११	५७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१										वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	४०	१२	पू	४९	२३	धृ	२२	२९	बा	८	४७	३१	५	६	१४	१४	५	मी.३३	वक्री बुधः३०।४७
२	र	४१	४९	उ	५२	३१	शू	२१	४०	तै	११	१	७	४७	१३	१५	१५	६	मीने	[÷पुन.४केतुः२।१३इंदिरा११व्र.
३	चं	४२	६	रे	५४	३२	ग	२०	४	व	११	५७	३	४७	१३	१६	१६	७	मे.५४।३२	भ.११।५७उ.४२।६या.
४	मं	४१	३७	अ	५५	४७	वृ	१७	३०	ब	११	५२	५९	४८	१२	१७	१७	८	मेषे	उफा.२कन्यायां शनिः२९।४९चतुर्थी व्र.
५	बु	४०	७	भ	५६	५	धु	१४	१७	कौ	१०	५२	५५	४९	११	१८	१८	९	मेषे	[Lपुन. भौमः ३९ शस्त्रादि हतानां श्रा
६	गु	३७	४३	कृ	५५	१४	व्या	१०	१७	ग	८	५५	५१	५०	१०	१९	१९	१०	वृ.१०।५२	भ.३७।४३उ.
७	शु	३४	२२	रो	५३	३१	ह	२५	५४	वि	६	२	४७	५१	९	२०	२०	११	वृषे	भ.६।२या.
८	श	३०	२०	मृ	५०	५१	सि	५३	३५	बा	२	२१	४३	५१	९	२१	२१	१२	मि२२।११	[×वक्री उफा. बुधः ५७।५५ बुधास्तः=
९	र	२५	१०	आ	४७	२९	व्य	४६	३४	ग	२०	१०	३९	५२	८	२२	२२	१३	मिथुने	भ.५२।९उ.उफा.रविः१७।०(सौरः५३ ×
१०	चं	१९	८	पु	४३	९	व	३८	५०	वि	१९	८	३५	५३	७	२३	२३	१४	क. २९।४	भ.१९।८या. [=पश्चिमायां४७।३५मातृ
११	मं	१२	२१	पु	३८	५	प	३०	३१	बा	१२	२१	३१	५४	६	२४	२४	१५	कर्के	मघा. सिंहे शुक्रः३५।२५ उषा. २ राहुः÷
१२	बु	४	५३	श्ले	३२	२६	शि	२१	२४	तै	४	५३	२७	५५	५	२५	२५	१६	सिं२२।२६	भ.५७।११उ.कन्यायामर्कः४२।२१प्रदोषः
१३	बु	५२	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	गु	४९	३०	म	२६	४८	सि	१२	३५	बि	२३	२०	२२	५६	४	२६	२६	१७	सिंहे	भ.२३।२०या.कन्यायामर्कः सौरः१९।१०L
३०	शु	४२	१५	पू	२१	३२	सा	३८	५१	च	१५	५८	१८	५६	४	२७	२७	१८	कं.३५।२१	सर्व पितृ३०

२२ पं.आ.कृ. ३ चं.इ. ४४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	९	३	४	९	४
२१	१४	१२	२५	२०	२९	३	२०
१७	८	२१	१२	३०	५४	४३	११
२	५६	५०	३२	४३	३२	१२	५
५८	३८	११	३२	७२	७	३	५८
१३	५०	व.	व.	५३	१७	११	१२

गोचर ग्रहाः

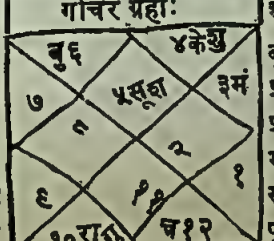

आश्विन कृष्णे १२
बुधे कन्यायामर्कः
प्रविष्टः वा. ३ न. ५
प्रगल्भावस्था (बैठी)
मु.३० धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

२३ पं.आ.कृ. १०चं.इ.४५।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	९	३	५	९	४
२८	२८	९	२४	२८	०	३	२७
५	२२	१५	३१	५८	४५	२०	२९
२४	२६	३२	५९	१	५४	५६	२४
५८	३७	५५	२६	७३	७	३	५८
२६	५८	व.	व.	१४	२०	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६३७६स. २००९
१	श	३६	२८	उ	१६	४९	शु	४७	२७	किं	९	२६	३०	५	६	२८	२८	१९	कन्यायां	नवरात्रारंभः मातामह श्राद्धम्
२	र	३१	५६	ह	१३	२५	ब्र	४०	४७	बा	४	१२	९	५८	२	२९	२९	२०	तु ४२।२९	चंद्रदर्शनम्
३	चं	२९	१३	चि	११	३४	ऐं	३५	४३	वै	०	३४	५	५९	१	३०	१	२१	तुलायां	भ.५८।४८उ.सव्वाल१०
४	मं	२८	२४	स्वा	११	४७	बौ	३१	५२	वि	२८	२४	३०	६	६	३१	२	२२	वृ.५८।१६	भ.२८।२४या.
५	बु	२९	५२	वि	१३	४६	वि	२९	५३	बा	२९	५२	२९	१	५	१	३	२३	वृश्चिके	वक्री सिंहे बुधः ३०।१६रा.आश्विनारंभः
६	गु	३३	८	अ	१७	४४	प्री	२९	३१	कौ	१	३०	५३	२	५	२	४	२४	वृश्चिके	[÷स्मा. कोजागरी व्र.
७	शु	३७	४९	सु	२३	१०	आ	२९	५५	ग	५	२८	४८	२	५८	३	५	२५	ध.२३।१०	भ.३७।४९उ.
८	श	४३	४१	मू	३०	९	सौ	३१	५२	वि	१०	४४	४४	३	५७	४	६	२६	धनुषि	भ.१०।४४या. हस्ते रविः५५।३०पूफा.×
९	र	५०	८	पू	३७	२९	शो	३३	५९	बा	१६	५४	४०	४	५९	५	७	२७	म.५४।२३	हस्ते रविः सौरः३१।४० [×शुक्रः३१।१२
१०	चं	५६	१६	उ	४५	४	अ	३६	२५	तै	२३	१२	३६	६	५५	६	८	२८	मकरे	बुधोदयः पूर्वस्यां२४।४८
११	मं	६०	०	श्र	५२	२२	सु	३८	४४	व	२९	१३	३२	६	५४	७	९	२९	मकरे	भ.२९।१३उ. मार्गी बुधः ३९।५६ पापा=
११	बु	२	११	ध	५८	५१	धृ	४०	२२	त्रि	२	११	२८	६	५४	८	१०	३०	कुं.२५।३६	भ.२।११या पापा कुशा११व्र. वै.
१२	गु	६	५७	श	६०	०	शू	४१	१४	वा	६	५७	२३	७	५३	९	११	१	कुंभे	प्रदोषः अक्टूबर १०ता.३१
१३	शु	१०	२२	श	३	५९	गं	४१	४	तै	१०	२२	१९	८	५२	१०	१२	२	मी. ५१	[=कुशा११व्र.स्मा.
१४	श	१२	३८	पू	८	०	बु	३९	४६	व	१२	३८	१५	९	५१	११	१३	३	मीने	भ.१२।३८उ.४२।५५ या शरद पूर्णिमा÷
१५	र	१३	११	उ	१०	२७	धु	३७	३३	ब	१३	११	११	१०	५०	१२	१४	४	मीने	शरद् पूर्णिमा वै. का. स्ना. प्रा.

२४पं.आ. शु.३चं.इ.४४।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	९	४	५	९	५
४	२२	२	२३	७	१	२	४
५५	२९	१०	५८	२९	३८	५८	१९
१६	१७	४४	४१	२४	४६	४१	२१
५८	३७	५३	४	७३	७	३	५८
३८	१	व.	व.	२०	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

स मास में धान्य गल्ला गुड सक्कर नमक घृत में तेजी रहे प्रजा में रोग शोक फैले मनुष्य चिन्ताग्रसित हो

गोचर ग्रहाः

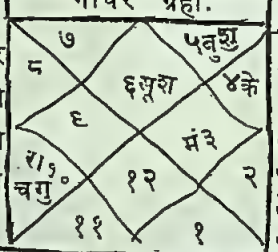

२५पं.आ.शु.१० चं.इ. ४४ २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	४	९	४	५	९	५
११	२६	२८	२३	१६	२	२	११
४६	२८	६	२४	३	३१	३६	१९
५२	३४	४	४१	११	४८	२५	३१
५८	३६	९ ३४	१३	७३	७	३	५९
५३	८	व.	व.	३२	१४	११	०

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतू रविरुत्तरे आश्वि.कृष्णेति महारा.
१	चं	१२	२८	रे	११	३८	व्या	३४	११	कौ	१२	२८	२९ ७	६ ११	४९	१३	१५	५	मे.११।३८	कन्यायांबुधः ३।२१ कर्के भौमः १०।४A
२	मं	१०	४४	अ	११	४०	ह	३०	२	ग	१०	४४	३	११	४९	१४	१६	६	मेषे	भ.३४।१८उ. [=शनिः २१ उदयं शनेः २४
३	बु	०७	५३	भ	१०	४७	व	२४	५८	वि	७	५३	२९	१२	४८	१५	१७	७	वृ.२५।२४	भ.०७।५३या. उफा. शुक्रः२२।४ करक×
४	बु	४	२१	कृ	९	११	सि	१९	१५	बा	४	२१	५५	१३	४७	१६	१८	८	वृषे	[Aवक्री श्रवण. ४गुरुः२०।३७ उफा. ३=
५	गु	०	२०	रो	६	५६	व्य	१३	१४	तै	०	२०	५१	१४	४६	१७	१९	९	मि. ३५ ४०	भ.५६।४उ. [×चतुर्थी व्र.
६	शु	५५	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	० ०	[÷रूप१४महालक्ष्मी पूजनम्
७	श	५१	२४	मृ	४	२३	व	६	५८	बि	२३	४४	४७	१५	४५	१८	२०	१०	मिथुने	भ. २३।४४ या. चित्रा. रविः २७।३२+
८	र	४६	२३	आ	२५	४३	प	१९	५३	बा	१८	५३	४३	१५	४५	१९	२१	११	क.४४।२	चित्रा. रविः सौरः२।१४पुष्ये भौमः३१।९
९	चं	४१	३	पु	५४	४३	सि	४६	१३	तै	१३	४३	२९	१६	४४	२०	२२	१२	कर्के	हस्ते बुधः५५।४९ [+कन्यायां शुक्रः ४० २
१०	मं	३५	२३	श्ले	५१	८	सा	३८	५५	व	८	१३	३५	१७	४३	२१	२३	१३	सिं. ५१ ८	भ.८।१३उ.३५।२३या.
११	बु	२९	४०	म	४७	८	शु	३१	१९	ब	२	३१	३१	१८	४२	२२	२४	१४	सिंहे ९	मार्गी गुरुः३३।१९रमा११व्र.
१२	गु	२३	५९	पू	४३	२३	शु	२३	५१	तै	२३	५९	२७	१९	४१	२३	२५	१५	कं.५७।२	प्रदोषः घन१३ [–अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
१३	शु	१८	३५	उ	३९	४८	व्र	१६	३१	व	१८	३५	२३	१९	४१	२४	२६	१६	कन्यायां	भ.१८।३५उ.४६।१२या. रुप१४
१४	श	१३	४८	ह	३७	१७	ऐं	९	४१	श	१३	४८	२०	२०	४०	२५	२७	१७	कन्यायां	तुलाया मर्कः११।२१ (सौरः ४४।५८)÷
३०	र	१०	११	चि	३५	३५	वै	३ ३२	५४ ३२	ना	१०	११	१६	२१	३९	२६	२८	१८	तु.६।२६	हस्ते शुक्रः ७।५ बुधास्तः पूर्वस्यां५।२८–

२६पं..का.कृ१चं.इ. ४४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	९	४	५	९	५
१८	०	०	२३	२४	३	२	१८
४०	१९	४२	१९	२९	२२	१४	५
८	५९	४०	१६	४३	४४	१०	१८
५९	३५	६३ ४१	५३	७३	७	३	५९
९	९	८	व.	४४	५	११	१६

गोचर ग्रहाः

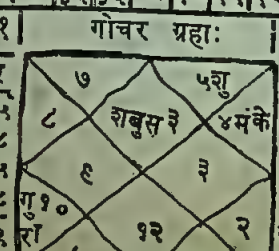

कार्तिक कृष्णे १४ शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मुं.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

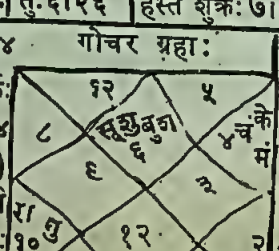

२७पं.का.कृ.१५चं.इ.४४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	९	५	५	९	५
२५	४	९	२३	३	४	१	२५
३५	१	४१	१३	१८	१३	५१	१
२	१९	४२	३४	३२	१६	५४	०
५९	३४	९२	१९ ३	७३	७	३	५९
२१	२	५२	व.	५०	२	११	३१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

तिथि कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | शरदर्तौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४०६स.२००९

१	चं	७	४१	स्वा	३५	२	प्री	५४	१०	ब	७	४१	३९	२३	३८	२७	२९	१९	तुलायां	[×तुलसीविवाहः
२	मं	६	५५	वि	३६	५१	आ	५१	२५	कौ	६	५५	८	२२	३८	२८	३०	२०	वृ.२१।२४	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२ यम२
३	बु	७	०	अ	३९	५५	सौ	५०	५	ग	७	०	४	२३	३७	२९	१	२१	वृश्चिकें	भ.३८।५७उ.चित्रा.बुधः ३३/४ धनि.१÷
४	गु	१०	५४	ज्ये	४४	३२	शो	४९	४६	वि	१०	५४	०	२४	३६	३०	२	२२	ध.४४।३२	भ.१०।५४या.
५	शु	१५	८	मू	५०	५४	अ	५१	३	बा	१५	८	५६	२५	३५	१	३	२३	धनुषि	स्वात्यां रविः५३।२३रा.कार्तिकारंभः
६	श	२०	३७	पू	५७	३६	सु	५२	४०	तै	२०	३७	५३	२५	३५	२	४	२४	धनुषि	स्वात्यां रविःसौरः२६।१तुलायां बुधः ४७/३५
७	र	२६	५५	उ	६०	०	धृ	५४	५०	व	२६	५५	४९	२६	३४	३	५	२५	म.१४।३१	भ.२६।५५उ.
८	चं	३३	११	उ	५	१८	शू	५७	१४	वि	०	३	४५	२७	३३	४	६	२६	मकरे	भ.०।३या गोपाष्टमी
९	मं	३९	१५	श्र	१२	३७	गं	५९	१०	बा	६	१५	४१	२८	३२	५	७	२७	कुं.४६।७	कृष्णांडदग्रक्षयद
१०	बु	४४	२५	ध	१९	३६	वृ	६०	०	तै	११	४७	३७	२९	३१	६	८	२८	कुंभे	स्वात्यां बुधः४३।३०चित्रा.शुक्रः५१।१८
११	गु	४८	८	श	२५	२२	वृ	०	२८	व	१६	१४	३४	२९	३१	७	९	२९	कुंभे	भ.१६।१४उ.४८।८या.प्रबोधिनी११व्र.×
१२	शु	५०	१४	पू	२९	३४	धु	३८	५९	व	१९	१२	३०	३०	३०	८	१०	३०	मी. ३३/११	[÷गुरुः१२।४३जिल्काद११
१३	श	५०	४०	उ	३२	१६	ह	५७	१५	कौ	२०	२८	२७	३१	२९	९	११	३१	मीने	प्रदोषः
१४	र	४९	७	रे	३३	१२	व	५३	३५	ग	१९	५४	२३	३१	२९	१०	१२	१	मे.३३।१२	भ.४९।७उ.नवम्बर११ता.३०वैकुंठ१४
१५	चं	४६	२२	अ	३२	३०	सि	४८	२६	वि	१७	४५	१९	३२	२८	११	१३	२	मेषे	भ.१७।४५या. मन्वादिः का. स्ना. पू.

२८पं.का.शु.१चं.इ.४३।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	९	५	५	९	६
२	७	२०	२३	११	५	१	१
३१	३२	३४	१८	५९	२	३९	५८
२६	१०	४४	४०	१३	३५	३८	२६
५९	३२	०/०	५/४	७३	६	३	५९
३४	४६	३७	मा.	५६	४४	११	४६

२९पं.का.शु.८चं.इ.४३।३९

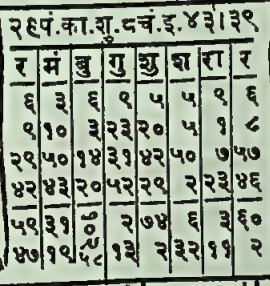

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	९	५	५	९	६
९	१०	३	२३	२०	५	१	८
२९	५०	१४	३१	४२	५०	७	५७
४२	४३	२०	५२	२९	२	२३	४६
५९	३१	०/०	२	७४	६	३	६०
४७	१९	५८	१३	२	३२	११	२

३० पं.का.शु.१५चं.इ.४३/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	९	५	५	९	६
१६	१३	१५	२३	२९	६	०	१५
२९	५५	१२	५५	२७	३५	४५	५८
२८	४८	१४	४४	२५	२०	७	५०
६०	२९	०/०	३	७४	६	३	६०
४	१०	१९	३५	१४	१६	११	१८

तिथि मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.

१	मं	४२	८	भ	३०	२५	व्य	४२	२७	बा	१४	१४	२७	६	३३	२७	१२	१४	३	वृ.४४।४०	तुलायां शुक्रः९।४८उफा.४शनिः२८।९
२	बु	३७	१४	कृ	२७	२५	व	३५	४१	तै	९	४३	१२	३४	२६	१३	१५		४	वृषे	[+३२।१५चतुर्थी व्र.
३	गु	३१	२०	रो	२३	४४	प	२८	१०	व	४	१७	९	३४	२६	१४	१६		५	मि५१।४५	भ.४।१७ उ. ३१।२० या. विशा. बुधः÷
४	शु	२५	३८	मृ	१९	४५	शि	२०	४०	बा	२५	३८	५	३५	२५	१५	१७		६	मिथुने	विशा. रविः१३।४९(सौरः४३।२५)
५	श	२०	१	आ	१५	४७	सि	१२	४५	तै	२०	१	२	३६	२४	१६	१८		७	कं.५७।५४	
६	र	१४	२६	पु	११	५६	सा	२४	५३	व	१४	२६	५८	३६	२४	१७	१९		८	कर्के	भ.१४।२६उ.४१।४७या.स्वात्यां शुक्रः२८
७	चं	९	८	पु	८	१८	शु	५०	४१	ब	९	८	५५	३७	२३	१८	२०		९	कर्के	आश्ले. भौमः३६।४१
८	मं	०४	७	श्ले	५	१	व्र	४२	२०	कौ	४	७	५२	३८	२२	१९	२१		१०	सिं. ५।१	
९	मं	५५	२८		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०		०	०	
१०	बु	५५	१९	म	२	५७	ऐं	३६	१३	व	२७	२६	४९	३८	२२	२०	२२		११	सिंहे	भ.२७।२६उ.५५।१९या.बृश्चिके बुधः ४९/११
११	गु	५१	४०	उ	५७	४९	वै	३०	५५	ब	२३	२६	४५	३९	२१	२१	२३		१२	कं. १४।९	उत्पत्ति११व्र.
१२	शु	४८	३७	ह	५६	२७	वि	२५	१५	कौ	२०	८	४२	४०	२०	२२	२४		१३	कन्यायां	[=धनुषि राहुः पुन.३ मिथुने कतुः५४।२१
१३	श	४६	२८	चि	५५	५३	प्री	२०	१०	ग	१७	३२	३९	४०	५०	२३	२५		१४	तु.२६।१०	भ.४६।२८ उ. अनु. बुधः३२।७प्रदोषः
१४	र	४५	१९	स्वा	५६	२६	आ	१५	४६	वि	१५	५३	३६	४१	१९	२४	२६		१५	तुलायां	भ.१५।५३या.
३०	चं	४५	२०	वि	५८	०	सौ	१२	९	च	१५	१९	३३	४१	१९	२५	२७		१६	वृ.४२।३७	वृश्चिकेऽर्कः ९।५४ (सौरः ३७/४२) उषा.१=

३१ पं.मा.कृ.७ चं. इ. ४३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	९	६	५	९	६
२३	१६	२६	२४	८	७	०	२३
३०	४२	१२	२८	१३	१८	२२	१
५०	५८	२५	५	५	२९	५२	२४
६०	२७	०/०	४	७४	५	३	६०
१७	३	२८	४६	२०	१०	११	३०

गोचर ग्रहाः

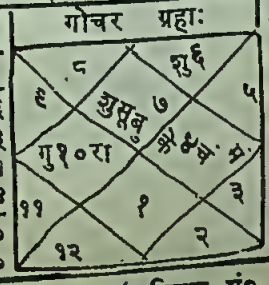

मार्गशीर्ष कृष्णे ३० चंद्रे बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न.४ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३२पं.मा.कृ.३० चं. इ. ४३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	९	६	५	९	७
०	१९	७	२५	१६	७	०	०
३३	१४	१५	९	१९	५८	०	५
२९	११	४	३६	५६	५८	३६	२९
६०	२४	२८	५	७४	५	३	६०
३०	२९	३३	५८	२५	२६	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४३५स.२००९
१	मं	४६	५०	अ	६०	०	शो	९	२८	किं	१६	५	२६/३०	६/४२	५/१८	२६	२८	१७	वृश्चिके	[÷शुक्रः८।१४जिल्हेज१२
२	बु	४९	५२	अ	१	१०	अ	८	२२	बा	१८	२१	२७	४३	१७	२७	२९	१८	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्
३	गु	५४	८	ज्ये	५	३८	सु	७	५०	तै	२२	०	२५	४३	१७	२८	१	१९	ध. ५।३८	अनु रविः२८।१४(सौरः५४।३०)विशा.÷
४	शु	५९	३५	मू	११	३२	धृ	८	१४	व	२६	५१	२२	४४	१६	२९	२	२०	धनुषि	भ.२६।५१उ.५८।३५या.
५	श	६०	०	पू	१७	५९	शू	९	२८	ब	३२	४०	१९	४४	१६	३०	३	२१	म.३४।५०	[×११व्र.गीताजयंती
५	र	५	४६	उ	२५	२९	गं	११	३३	बा	५	४६	१७	४५	१५	१	४	२२	मकरे	ज्येष्ठा. बुधः४९।१५रा. मार्गशीर्षारंभः
६	चं	१२	७	श्र	३३	४	धृ	१४	०	तै	१२	७	१४	४५	१५	२	५	२३	मकरे	चंपा ६
७	मं	१८	३५	ध	४०	३१	ध्रु	१६	१४	व	१८	३५	१२	४६	१४	३	६	२४	कुं.६।४७	भ.१८।३५उ.५१।२७या.
८	बु	२४	१८	श	४७	६	व्या	१८	४	ब	२४	१८	९	४६	१४	४	७	२५	कुम्भे	[Aबुधः३१/४९दत्तजयंती दिसम्बर१२ता.३१
९	गु	२८	४०	पू	५२	१३	ह	१९	०	कौ	२८	४०	७	४७	१३	५	८	२६	मी३५।३४	r=बुधोदयः पश्चिमायां४७।१९ मोक्षदा×
१०	शु	३१	३४	उ	५५	५३	ब	१८	४८	तै	०	७	५	४७	१३	६	९	२७	मीने	वृश्चिके शुक्रः६।३३
११	श	३२	२७	रे	५७	३४	सि	१७	१३	व	२	१	२	४८	१२	७	१०	२८	मे.५७।३४	भ.२।१उ.३२।२७या. धनि. २ गुरुः४१/३१=
१२	र	३१	१६	अ	५७	२३	व्य	१४	०	ब	१	५२	०	४८	१२	८	११	२९	मेषे	अनु. शुक्रः२५।३५
१३	चं	३८	२०	भ	५५	१३	व	९	२२	तै	२८	२०	२५/५८	४८	१२	९	१२	३०	मेषे	प्रदोषः
१४	मं	२३	२६	कृ	५१	३४	प	३/१	५२/३१	व	२३	३६	५६	४९	११	१०	१३	१	वृ.९।१८	भ. २३।२६उ.५०।२० या. मूले धनुषिA
१५	बु	१७	१४	रो	४६	३७	सि	४७	११	ब	१७	१४	५४	४९	११	११	१४	२	वृषे	ज्येष्ठा. रविः३८।२१

३३पं.मा.शु.६चं.इ.४२।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	९	६	५	८	७
७	२१	१८	२५	२५	८	२९	७
३७	२२	५	५९	४७	३५	३८	११
२६	४४	५३	१७	१७	२०	२०	०१
६०	२१	९६	६	७४	४	३	६०
४२	२६	११	५१	२६	५६	११	५३

गोचर ग्रहाः

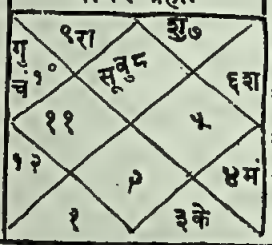

इस मास में धान्य बाजरा मूगं मोठ चावल मक्का गुहार सोना चांदी ताम्बा लोहा मंदा रहे रस तेज हो सुभिक्ष होवे

गोचर ग्रहाः

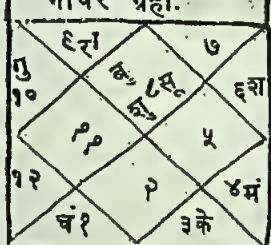

३४पं.मा.शु.१३ चं.इ.४२/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	९	७	५	८	७
१४	२३	२८	२६	४	९	२९	१४
४२	४	४५	५६	३५	८	१६	१७
४०	३७	४	१३	३५	२८	५	४७
६०	१७	९३	८	७४	४	३	६१
५०	५१	१८	२	२६	३२	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	गु	१०	५	मृ	४१	१	सा	३८	७	कौ	१०	५	२५/५३	६/४९	५/११	१२	१५	३	मि१३।४९	ज्येष्ठा. रविः सौरः२।२४
२	शु	२	३५	आ	३५	१६	शु	२८	५१	ग	२	३५	५१	५०	१०	१३	१६	४	मिथुने	भ.२८।५५उ.५५।१५या.
३	शु	५२	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×ज्येष्ठा. शुक्रः२०।३९
४	श	४७	३७	पु	२९	२४	शु	१९	३४	ब	२१	१७	४९	५०	१०	१४	१७	५	क.१५।५९	चतुर्थी व्र.
५	र	४१	०	पु	२४	२४	ब्र	१०	३७	कौ	१४	१९	४८	५०	१०	१५	१८	६	कर्के	
६	चं	३४	५९	श्ले	१९	५०	ऐं	२/१३	५२/७	ग	७	२९	४६	५१	९	१६	१९	७	सिं. १९/५०	भ.३४।५९उ.
७	मं	३०	४	म	१६	११	वि	४७	२८	वि	२	३२	४५	५१	९	१७	२०	८	सिंहे	भ.२।३२या.
८	बु	२६	१	पू	१३	३५	प्री	४१	११	कौ	२६	१	४४	५१	९	१८	२१	९	कं.२८।१०	
९	गु	२३	८	उ	११	५४	आ	३५	५१	ग	२३	८	४३	५१	९	१९	२२	१०	कन्यायां	भ. ५२।९ उ. पूषा. बुधः ३६।१५×
१०	शु	२१	१०	ह	११	९	सौ	३१	२०	वि	२१	१०	४२	५२	८	२०	२३	११	तु.४१।२१	भ.२१।१०या.
११	श	२०	१७	चि	११	३४	शो	२७	४३	बा	२०	१७	४१	५२	८	२१	२४	१२	तुलायां	सफला११व्र.
१२	र	२०	३२	स्वा	१३	१८	अ	२५	१	तै	२०	३२	४०	५२	८	२२	२५	१३	तुलायां	प्रदोषः
१३	चं	२२	४७	वि	१५	५७	सु	२३	७	व	२२	४७	३९	५२	८	२३	२६	१४	वृ.०।१७	भ.२२।४७उ.५३।३२या.हस्त.१शनिः१०/२४
१४	मं	२४	१७	अ	१९	३७	धृ	२२	१९	श	२४	१७	३९	५२	८	२४	२७	१५	वृश्चिके	मूले धनुष्यर्कः ४५।३६
३०	बु	२७	५९	ज्ये	२४	२६	शू	२१	५०	ना	२७	५९	३८	५२	८	२५	२८	१६	ध.२४।२६	मूले धनुष्यार्कः सौरः६।१४

३५पं.पौ.कृ. ६चं.इ. ४२/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	८	९	७	५	८	७
२१	२४	९	२७	१३	९	२८	२१
४८	१९	७	५९	२३	३७	५३	२५
४३	३४	३७	४९	२८	५	४९	३०
६०	१३	८७	७	७४	३	३	६१
५६	१६	७	५६	३२	५१	११	११

गोचर ग्रहाः

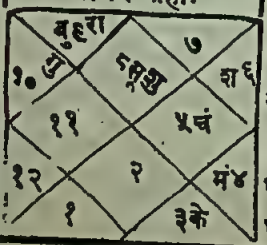

पौष कृष्णे १४भौमे धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा२ न.३ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

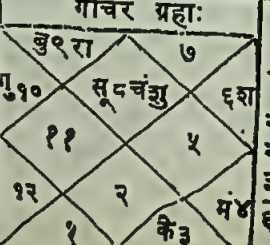

३६ पं.पौ.कृ.१३. चंइ. ४२/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	८	९	७	५	८	७
२८	२४	१९	२९	२२	१०	२८	२८
२५	५९	२४	९	११	१	३१	२४
३७	३०	५०	५४	५६	४४	३४	१३
६१	५	७५	९	७४	३	३	६१
०	१४	२१	४४	३२	१६	११	१९

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविदक्षिणेऽहर्गं ६४६५ स.२००९
१	गु	३२	३७	मू	३०	११	गं	२२	३२	कि	०	१८	३५	६	५	२६	२९	१७	धनुषि	[×५४।२९बुधास्तः पश्चिमायां ३३° प्रदोषः
२	शु	३८	११	पू	३६	४७	वृ	२३	५५	बा	५	२४	३७	५३	७	२७	३०	१८	म.५३।३७	चंद्रदर्शनम्
३	श	४४	३२	उ	४४	४	धु	२५	४५	तै	११	२१	३७	५३	७	२८	१	१९	मकरे	घटि.३कुंभेगुरुः१६।३१शुक्रास्तः पूर्वस्यां÷
४	र	५०	५८	श्र	५१	४३	व्या	२७	४५	व	१७	४५	३६	५३	७	२९	२	२०	मकरे	भ.१७।४५उ.५८या. मूले धनुषि शुक्रः ३८
५	चं	५७	३८	ध	५९	२३	ह	३०	१३	ब	२४	१८	३६	५३	७	३०	३	२१	कुं	२५।३३ [÷२२।१२मोहोरम १सन् १४३१दि.
६	मं	६०	०	श	६०	०	व	३२	३३	कौ	३०	३९	३६	५३	७	१	४	२२	कुम्भे	उषा. बुधः ३५।३८ वक्री भौमः ५४।७=
६	बु	३	४०	श	६	३३	सि	३४	१५	तै	३	४०	३६	५३	७	२	५	२३	मी.	५६।१९ [=रा. पौषारंभः
७	गु	८	४६	पू	१२	४१	व्य	३४	५०	व	८	४६	३७	५३	७	३	६	२४	मीने	भ.८।४६उ.४०।३९या.
८	शु	१२	३१	उ	१७	४१	व	३४	२९	ब	१२	३१	३७	५३	७	४	७	२५	मीने	[+३१।३९ भा. स्ना. प्रा.
९	श	१४	३४	रे	२०	५४	प	३२	३८	कौ	१४	३४	३७	५३	७	५	८	२६	मे. ५४°	वक्री बुधः७।५०
१०	र	१४	३१	अ	२२	९	शि	२९	५	ग	१४	३१	३८	५२	८	६	९	२७	मेषे	भ.४३।२८उ.
११	चं	१२	२५	भ	२१	२३	सि	२३	५८	वि	१२	२५	३८	५२	८	७	१०	२८	वृ.	३५।४१ भ.१२।२५या.पूषा.रविः ५३° पुत्रदा ११व्र.
१२	मं	८	१३	कृ	१८	३५	सा	१७	२२	बा	८	१३	३९	५२	८	८	११	२९	वृषे	पूषा. रविः सौरः७।५२वक्री. पूषा. बुधः×
१३	बु	२	१६	रो	१३	५१	शु	१२	५० ३३	तै	२	१६	४०	५२	८	९	१२	३०	मि. ४९	भ.५४।४१उ.
१४	बु	५२	२५	०	०	०	०	०	००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	गु	४५	१४	मृ	७	४६	ब्र	४९	४३	वि	१९	५८	४१	५२	८	१०	१३	३१	मिथुने	भ.१९।५८या.चंद्र ग्रहणम् पूषा. शुक्रः+

३७पं.पौ.शु. ५ .चंइ.४२।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१०	८	५	८	८
६	२५	२५	०	१	१०	२८	५
३	५	५९	२५	१	२१	९	४३
१४	२०	३८	२६	२६	२५	१८	३८
६१	१	४५	१०	७४	२	३	६१
४	११	१४	२९	३२	२८	११	२२

गोचर ग्रहः

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चावल रुई गुड सक्कर गन्ना में तेजी रहे चांदी सोना में घट वढ चले पशु रोग ग्रसित हों।

गोचर ग्रहः

३८पं.पौ.शु.११चं.इ.४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१०	८	५	८	८
१३	२४	२७	१	९	१०	२७	१२
११	३०	११	४५	४९	३५	४७	५३
१३	२९	४२	५८	८	५६	२	३०
६१	४	३६	११	७४	१	३	६१
६	व.	व.	८	३३	४१	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा
१	शु	३७	२२	आ	५०	५२	ऐं	३९	६	बा	११	१७	३५	५३	५	११	१४	१	क.३९।४३	जनवरी १ता.३१सन् २०१०
२	श	२८	११	पु	४६	२६	वै	२८	३१	तै	२	४२	४३	५१	९	१२	१५	२	कर्के	भ.५३।४८उ.
३	र	१९	२६	श्ले	४०	०	वि	१८	१८	वि	१९	२६	४४	५१	९	१३	१६	३	सिं. ४०।०	भ.१९।२६या. चतुर्थी व्र.
४	चं	११	२७	म	३४	८	प्री	४३	५१	बा	११	२७	४५	५१	९	१४	१७	४	सिंहे	[×बुधोदयः पूर्वस्यां ३९।११षट्तिला ११व्र
५	मं	४	५१	पू	२९	५८	सौ	५२	२२	तै	४	५१	४७	५१	९	१५	१८	५	क.४४।१३	भ.५८।३८उ. धनि.४ गुरुः२९।२
६	मं	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	बु	५५	५७	उ	२७	१	शो	४६	८	वि	२७	४८	४८	५०	१०	१६	१९	६	कन्यायां	भ.२७।४८या.
८	गु	५३	४४	ह	२५	४०	अ	४१	७	बा	२४	५०	५०	५०	१०	१७	२०	७	तु. ५५ ४६	
९	शु	५३	७	चि	२५	५२	सु	३७	२३	तै	२३	२५	५२	५०	१०	१८	२१	८	तुलायां	
१०	श	५४	१	स्वा	२७	३८	धृ	३४	४७	ब	२३	३४	५३	४९	११	१९	२२	९	तुलायां	भ.२३।३४उ.५४।१या.
११	र	५६	८	वि	३०	४९	शू	३३	१५	ब	२५	४	५५	४९	११	२०	२३	१०	वृ. १५ ९	उषा. रविः५५।२१ वक्री मूले बुधः ५५×
१२	चं	५९	३४	अ	३५	१	गं	३२	४७	कौ	२७	५१	५७	४९	११	२१	२४	११	वृश्चिके	उषा.रविः सौरः९।१९उषा.शुक्रः४।४०
१३	मं	६०	०	ज्ये	४०	२४	बृ	३३	१०	ग	३१	५०	४९	४८	१२	२२	२५	१२	ध.४०।२४	प्रदोषः
१३	बु	४	७	मू	४६	३७	धु	३४	०	व	४	७	२६	४८	१२	२३	२६	१३	धनुषि	भ.४।७उ.३६।४६या. मकरे शुक्रः४५।३४
१४	गु	९	२५	पू	५३	३४	व्या	३५	४४	श	९	२५	४	४७	१३	२४	२७	१४	धनुषि	मकरेऽर्कः ११।४५ (सौरः २४।४६) वक्री÷
१५	शु	१५	१४	उ	६०	०	ह	३७	२९	ना	१५	१४	६	४७	१३	२५	२८	१५	म. १०	सूर्य ग्रहणम् [÷शनिः ५१।४९

३९पं.मा.कृ.४ चं.इ. ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१०	८	५	८	८
२०	२३	२०	३	१८	१०	२७	२०
१९	१४	२१	१०	३७	४५	२४	३
२९	५३	३९	४४	४८	१८	४७	२७
६१	१	९५	११	७४	१	३	६१
९	व.	व.	४७	३८	६	११	२६

गोचर ग्रहः

माघ कृष्णे १४ गुरौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३अतिवन्ध्या-वस्था (सूती) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहः

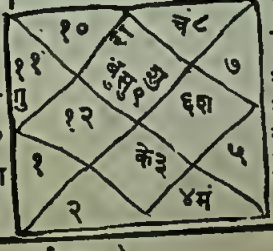

४०पं.मा.कृ.१२.चं इ. ४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१०	८	५	८	८
२७	२१	१२	४	२७	१०	२७	२७
२७	२७	३८	३९	२६	४९	२	१३
२२	२१	४९	४०	१३	५२	३१	१९
६१	२३	५३	१२	७४	०	३	६१
६	व.	व.	१४	३८	१९	११	२४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गं ६४९५ स. २०१०
१	श	२१	३५	उ	०	४६	व	३६	४३	ब	२१	५८	२६	४६	१४	२६	२९	१६	मकरे	मार्गी बुधः ३१।४४चंद्र दर्शन संभवः
२	र	२८	५	श्र	८	१८	सि	४२	१	को	२८	५	११	४६	१४	२७	१	१७	कुं. ४३	सफर २
३	चं	३४	३७	ध	१५	५४	व्य	४४	१७	ते	१	२१	१३	४५	१५	२८	२	१८	कुंभे	पूषा.४राहुः पुन.२कतुः४६।४९
४	मं	४०	४५	श	२३	१४	व	४५	५७	व	७	४१	१६	४५	१५	२९	३	१९	कुम्भे	भ.७।४१उ.४०।४५या.
५	बु	४६	१	पू	३०	२	प	४७	१९	ब	१३	२३	१९	४४	१६	३०	४	२०	मी १३।२०	अभि. प्र. रविः४४।१५ (सौर:५६।७)×
६	गु	५०	१८	उ	३५	४९	शि	४७	५१	को	१८	१०	२१	४४	१६	१	५	२१	मीने	पूषा.बुधः २३ श्रवणे शुक्रः ४३ रा.माघारभः
७	शु	५३	१८	रे	४०	१२	सि	४७	१२	ग	२१	४८	२४	४३	१७	२	६	२२	मे.४०।१२	भ.५३।१८उ. भानु७ रथ७
८	श	५४	२६	अ	४३	४	सा	४५	१८	वि	२३	५२	२७	४३	१७	३	७	२३	मेषे	भ.२३।५२या. भीष्माष्टमी
९	र	५३	५०	भ	४४	७	शु	४१	४६	बा	२४	८	२९	४२	१८	४	८	२४	वृ.५८।५१	श्रवणे रविः०।५२(सौर:१३)अभि. [
१०	चं	५१	१०	कृ	४३	५	शु	३६	४०	ते	२२	२९	३२	४२	१८	५	९	२५	वृषे	अभि.नि.रविःसौर:४।२० [÷रविः५३
११	मं	४६	३४	रो	४०	१६	ब्र	३०	१	व	१९	५२	३५	४१	१९	६	१०	२६	वृषे	भ.१९।५२ उ.४६।३४ या. वक्री पुष्ये+
१२	बु	४०	१	मृ	३५	३३	ऐं	२१	५४	ब	१३	१७	३८	४०	२०	७	११	२७	मि.७।५५	[×शत.१गुरुः५७।५०वसंत५
१३	गु	३२	५	आ	२९	२६	वै	१२	२५	को	६	२	४१	४९	२०	८	१२	२८	मिथुने	प्रदोषः [+भौमः३३।१४जया११ व्र.
१४	शु	२३	४	पु	२२	१	वि	२	४९	व	२३	४	४५	३९	२१	९	१३	२९	कं.८।५२	भ.२३।४उ.४८।१२या.
१५	श	१३	२०	पु	१४	७	आ	४०	१	ब	१३	२०	४८	३८	२२	१०	१४	३०	कर्के	मा. स्ना. पूर्तिः

४१पं.मा.शु.३चं.इ.४१।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	१०	९	५	८	९
४	१९	१२	६	६	१०	२६	४
३५	३८	०	११	१४	४८	४०	२२
१३	३६	४३	३८	२८	३२	१६	४८
६१	३९	१९	१२	७४	२३	३	६१
३	व.	मा	३५	३८	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

इस मास में चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत वस्त्र में तेजी हो प्रजा में अशान्ति फैले धान्यो में मंदी रहे शीतभय हो ।

गोचर ग्रहाः

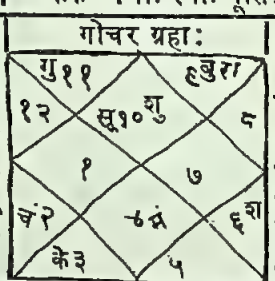

४२पं..माशु.१०चं.इ.४१।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	१०	९	५	८	९
११	१७	१७	७	१५	१०	२६	११
४२	९	१	४६	२	४२	१८	३१
४१	११	२३	३७	३८	१४	०	३९
६०	३३	५१	१३	७४	१९	३	६१
५९	व.	१६	२	३४	व.	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तौ रविरुत्तरे माघ कृष्णेतिमहा.
१	र	३	२९	श्ले	१७	२३	सौ	२९	१	को	३	२९	५१	३८	२३	११	१५	३१	सि.६।१७	[×बुधः२।५६ कुंभे शुक्रः३५।५४
२	र	५०	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷(सौरः५१।५१) शिवरात्री व्र.
३	चं	४५	३५	पू	५२	१७	शो	१८	२९	व	१९	४९	५४	३७	२३	१२	१६	१	सिंहे	भ.१९।४९उ.४५।३५या. धनि. शुक्रः १८=
४	मं	३८	१८	उ	४७	२८	अ	९	१४	व	११	५६	५८	३६	२४	१३	१७	२	कं.६।४	चतुर्थी व्र.
५	बु	३२	५२	ह	४४	१०	सु	२२	५३	को	५	३५	२७	३६	२४	१४	१८	३	कन्यायां	उषा. बुधः२७।५०
६	गु	२९	१६	चि	४२	४४	शु	४९	२१	ग	१	४	५	३५	२५	१५	१९	४	तु.१३।२६	भ.२९।१६उ.५८।३१या. शत.२ गुरुः ३५
७	शु	२७	४६	स्वा	४३	११	गं	४५	४३	व	२७	४६	८	३४	२६	१६	२०	५	तुलायां	शुक्रोदयः पश्चिमायां२८।१२
८	श	२८	४	वि	४५	४७	बृ	४३	५०	को	२८	४	१२	३४	२६	१७	२१	६	वृ.३०।८	धनि. रविः९।१०(सौर:१७।५३) मकरे×
९	र	३०	१६	अ	४९	५२	धु	४३	४	ग	३०	१६	१५	३३	२७	१८	२२	७	वृश्चिके	[=फर्वरी२ ता.२८
१०	चं	३३	४९	ज्ये	५५	१९	व्या	४३	४३	व	२	२	१९	३२	२८	१९	२३	८	ध. ५५	भ.२।२उ.३३।४९या.
११	मं	३८	३९	मू	६०	०	ह	४४	४१	ब	६	१४	२३	३१	२९	२०	२४	९	धनुषि	विजया११व्र.
१२	बु	४४	२९	धृ	१	३६	व	४६	४६	को	११	३४	२७	३१	२९	२१	२५	१०	धनुषि	
१३	गु	५०	४४	पू	८	५३	सि	४८	३५	ग	१६	३७	३०	३०	३०	२२	२६	११	म.२५।४६	भ.५०।४४उ.शते शुक्रः५८।४प्रदोषः
१४	शु	५७	१०	उ	१६	२५	व्य	५०	५९	वि	२३	५७	३४	२९	३१	२३	२७	१२	मकरे	भ. २३।५७ या. कुंभेऽर्कः ४४।२६÷
३०	श	६०	०	श्र	२४	४	व	५३	१३	च	३०	२१	३८	२८	३२	२४	२८	१३	कुं.५७।१८	श्रवणे बुधः९।११वक्री उफा.४शनिः ३५
३०	र	३	३१	ध	३१	३२	प	५५	१४	ना	३	३१	४१	२८	३२	२५	२९	१४	कुंभे	

४३पं.फा.कृ.३चं.इ.४१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	१०	९	५	८	९
१८	१४	२४	९	२३	१०	२५	१८
४९	४७	३६	२३	४९	३०	५५	३९
१६	५६	५२	३८	३७	२५	४४	४४
६०	३४	७७	१३	७४	५३	३	६१
५५	१३	०	२०	३२	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

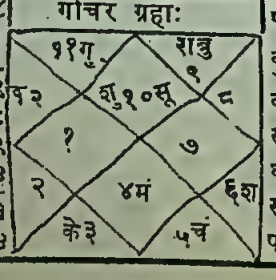

फाल्गुन कृष्णे १४शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

४४पं०फा. कृ.१०चं.इ.४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	१०	१०	५	८	९
२५	१२	३	११	२	१०	२५	२५
५५	३४	३५	२	२६	१३	३३	४६
१	५९	५३	३१	४८	४४	२९	३१
६०	३१	५२	१३	७४	३३	३	६०
४७	व.	३७	२६	३२	व.	११	५५

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६५२५स.२०१०
१	चं	९	५०	श	३८	४१	शि	५७	६	ब	९	५०	२७/४५	६/२७	५/३३	२६	३०	१५	कुंभे	चंद्रदर्शनम्
२	मं	१५	२८	पू	४५	१३	सि	५८	१४	कौ	१२	२८	४९	२६	३४	२७	१	१६	मी.२८/३५	रविलावल३फुलरिया२
३	बु	२०	३१	उ	५१	१	सा	५८	३९	ग	२०	३१	५३	२५	३५	२८	२	१७	मीने	भ.५२।३२उ.
४	गु	२४	३३	रे	५५	४४	शु	५८	२४	बि	२४	३३	५६	२५	३५	२९	३	१८	मे.५५।४४	भ.२४।३३या. शत.३गुरुः२५।१३
५	शु	२७	३५	अ	५९	२३	शु	५७	२५	बा	२७	३५	२८/०	२४	३६	३०	४	१९	मेषे	शते रविः २०।४२ (सौरः २७।१३)+
६	श	२९	१६	भ	६०	०	ब्र	५५	१०	तै	२९	१६	४	२३	३७	१	५	२०	मेषे	रा. फाल्गुनारंभः [+अस्तं गुरोः०।०
७	र	२९	२७	भ	१	३३	ऐं	५१	३४	व	२९	२७	८	२२	३८	२	६	२१	वृ. १६/४४	भ.२९।२७उ.५८।४९या धनि.बुधः५६।३
८	चं	२८	१०	कृ	२	२०	वै	४६	४०	ब	२८	१०	१२	२२	३८	३	७	२२	वृषे	पूभा. शुक्रः३६।९ होलाष्टकम्
९	मं	२५	११	रो	१/१८	५७/२२	वि	४०	२१	कौ	२५	११	१६	२१	३९	४	८	२३	मि.२९/२९	
१०	बु	२०	२३	आ	५४	३७	प्री	३२	५४	ग	२०	२३	२०	२०	४०	५	९	२४	मिथुने	भ.४७।१८उ.
११	गु	१४	१४	पु	४९	१	आ	२४	१०	वि	१४	१४	२४	१९	४१	६	१०	२५	क३५।२५	भ. १४।१४ या. कुंभे बुधः ५६।१०÷
१२	शु	६	३४	पु	४२	१७	सौ	१४	३१	बा	६	३४	२८	१८	४२	७	११	२६	कर्के	बुधास्तः पूर्वस्यां५२।२५प्रदोषः
१३	शु	५१	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷आमलकी११व्र.
१४	श	४८	२२	श्ले	३४	५९	शो	३/५६	४९/६	ग	२३	७	३२	१८	४२	८	१२	२७	सि.३५।०	भ.४८।२२उ.
१५	र	३८	४३	म	२७	११	सु	४२	१४	वि	१३	३२	३६	१७	४३	९	१३	२८	सिंहे	भ.१३:३२या. होलिका दहनम्

४५ पं.फा. शु. १चं.इ. ४२/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	१०	१०	५	८	१०
२	१०	१३	१२	११	९	२५	२
५९	३४	४३	४३	२२	५३	११	५२
४९	१	५९	१६	५२	१०	१३	३४
६०	२५/१	८७	१३	७४	३/१४	३	६०
३७	व.	४४	३२	३२	व.	११	४२

गोचर ग्रहाः

१२ १०बु १ रा९ २ ८ ३के ७ ५ मं४ ६श

चैत्र कृष्णे १४ रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ वंध्यावस्था (ऊभी)मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

१२ १० १ ११सू ९रा चं२ ८ के३ ५ ७ ४म श६

४६पं. फा.शु. ८चं इ. ४२/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	१०	१०	५	८	१०
१०	८	२४	१४	२०	९	२४	९
३	५७	३७	२३	८	२८	४८	५७
२२	७	३४	२४	२	१२	५८	७
६०	१५/९	९९	१३	७४	३/४९	३	६०
२५	व	५६	३८	२६	व	११	३१

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे, फाल्गुन कृष्णेतिमहा.
१	चं	२९	३०	पू	१९	४६	धृ	३१	५४	बा	४	७	२८/४०	६/१६	५/४४	१०	१४	१	कं.३३।८	शते बुधः५४/१२मार्च३ ता.३१वसंत१छारेंडी
२	मं	२१	४	उ	१२	१३	शू	२२	७	ग	२१	४	४३	१५	४५	११	१५	२	कन्यायां	भ.४७।३२उ.मीने शुक्रः ३७।२०
३	बु	१४	१	ह	८	३	गं	१३	५२	वि	१४	१	४८	१४	४६	१२	१६	३	तु३६।२५	भ.१४।१या. चतुर्थी व्र.
४	गु	८	३६	चि	४	४८	बृ	७	१०	बा	८	३६	५२	१४	४६	१३	१७	४	तुलायां	पूभा. रविः ३६।४८ (सौरः ४२।०)=
५	शु	५	२६	स्वा	३	१८	ध्रु	१/५८	५६/१८	तै	५	२६	५६	१३	४७	१४	१८	५	वृ.४७।५३	उभा. शुक्रः१७।१३
६	श	४	१९	वि	४	४	ह	५६	४४	व	४	१९	२९/१	१२	४८	१५	१९	६	वृश्चिके	भ.४।१९उ.३४।५६या.
७	र	५	३३	अ	६	४७	व	५६	३७	ब	५	३३	५	११	४९	१६	२०	७	वृश्चिके	[=शत.४ गुरुः१७।१
८	चं	८	२६	ज्ये	११	३२	सि	५७	२३	कौ	८	२६	९	१०	५०	१७	२१	८	ध. ११/३२	शीतला पूजनम्
९	मं	१३	८	मू	१७	३८	व्य	५९	४	ग	१३	८	१३	९	५१	१८	२२	९	वनुषि	भ.४५।५८उ. पूभा. बुधः१८।५०
१०	बु	१८	४९	पू	२४	४७	व	६०	०	वि	१८	४९	१७	९	५१	१९	२३	१०	म.४१।३४	भ.१८।४९या.
११	गु	२५	५	उ	३१	५२	व	१	१६	बा	२५	५	२१	८	५२	२०	२४	११	मकरे	मार्गी भौमः५।२४पापमोचनी११व्र.
१२	शु	३१	४७	श्र	३९	५८	प	३	४४	तै	३१	४७	२६	७	५३	२१	२५	१२	मकरे	[×(सौरः४२।२१)मीनेः बुध३४।१७
१३	श	३८	७	ध	४७	२८	शि	६	२	ग	४	५७	३०	६	५४	२२	२६	१३	कुं.१३।४३	भ.३८।७उ. प्रदोषः
१४	र	४४	१	श	५४	३३	सि	८	४	वि	११	४	३४	५	५५	२३	२७	१४	कुंभे	भ. ११।४ या. मीनेऽर्कः ३७।४१×
३०	चं	४९	१३	पू	६०	०	सा	९	४०	च	१६	३७	३८	४	५६	२४	२८	१५	मी४४।१०	मन्वादिः

४७ पं.चै. कृ. १ चं. इ. ४२/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	१०	१०	१०	५	८	१०
१७	७	६	१६	२८	९	२४	१७
५	५१	१९	४	५२	०	२६	००
३५	४७	४८	५९	३०	१८	४२	००
६०	९/२	१०/७	१३	७४	४/५	३	६०
२१	व	२६	३८	२६	ब	११	२०

१२ १० ११ बुगुसूशु १ रा९ २ ८ के३ ५ ७ मं४ चं श६

४८पं.चै. कृ.८ चं.इ. ४३/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	१०	१०	११	५	८	१०
२४	७	१८	१७	७	८	२४	२४
६	१९	५२	४६	३५	२९	४	१
२२	१६	३४	३०	३५	५६	२६	२३
५९	२/११	११/३८	१३	७४	४/२२	३	६०
५८	व	३८	३८	२६	व	११	६

१ चं११ १२ गु १० २ बुगुसू ९रा के३ ८ मं४ श६ ५ ७

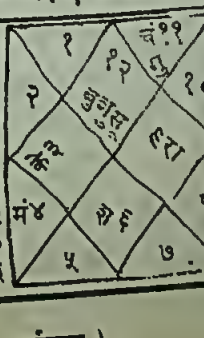

४९पं.चै. कृ. ३० चं.इ. ४३/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	१०	११	५	८	११
१	७	२	१९	१६	७	२३	१
५	२३	१७	२७	१७	५७	४२	१
३५	३१	२	३२	१३	३२	११	५
५९	४/१६	१०/१८	१३	७४	४/४०	३	५९
४१	म.	४०	३२	२०	व	११	४९

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१११, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००,द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१११, भोग्यकलिः ४२६८८९, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६७, शाकः १९३२, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री बुधः । सस्येशः शुक्रः। धान्येशो गुरुः । मेघेशो भौमः। रसेशा रविः । नीरसेशःशुक्रः । फलेश श्चंद्रः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चद्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णु-विंशतिकायां १७ शोभकृन्नाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ११।१५।१८।४३ भोग्यमासादिः ०।१४।४१।१७ विश्वेदेवदैवतं युगम् । वर्षनाम भाद्रपदः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासःपर्वते । समयनिवासः कुंभकार गृहे। समय विश्वा१८ समयवाहनम् वृषभः स्तंभाः नैव सोमवत्यमानैव। सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी २ भानुसप्तमी १ रविदशमी ३ समय मुहूर्ताः ४०५ समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः २० तिथिवृद्धिः १४ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपतिविश्वा १०८, वर्षाविश्वा ५, धान्यम् १७, तृणम् १५, शीतम् १५, तेजः ११, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११७, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःदक्षिणे । ग्रहणाभावः ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ बिनती करुं सदा लगावु धान ।
सतसठिये की साल में कैसा नियमें धान ।।

भवानी उत्तर

सत सठियो सतछोडसी जनता पलटे वेष ।
राजा मंत्री योग से हो उत्पात विशेष ।।
रोहिणी पर्वत में वसी भूमितनय मेघेश ।
रसकसकी कमतीरहे रसपति भये दिनेश ।।
पण सुरगुरु धान्येश है करै धान्य की सार ।
निशानाथ फलपति भये करसी श्रेष्ठ विचार ।।
सौम्यग्रहां इसवर्षमें लिया सात अधिकार ।
ज्येतिषके आधार से शर्मा कहे विचार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	८	२	५	१४	२	५
ख.	१४	८	५	२	१४	५

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	२	८	११	१४	१४	११
ख.	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ८।१०

वर्षलग्नम् ६।१९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५९।११

अथाधिकारिणांफलम् ।। अथास्मिन्वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ।। भौमेनृपेवन्हित्रयंजनक्षयंचौराकुलंपार्थिवविग्रहञ्च । दुःखप्रजा व्याधिवियोगपीड़ास्वत्पंपयोमुंचतिवारिवाहः ।। मंत्रीबुधस्तत्फलम् ।। शशिसुतेशुभमंत्रिसमागतेस्वपतिनारमतेमदनक्रियाम्। बहुधनंबहुवारिसमन्वितं यवमसूरचणान्नमहर्घता ।। सस्येशःशुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रोयदाधान्यपतिर्घरायांमेघोजलंवर्षति शोभनप्रियम् । गोधूमशालीक्षुधनप्रियंगु वृक्षेषुपुष्पाणिसुखप्रदानि ।। धान्येशोगुरुःफलम् ।। गुरौधान्यपतौयान्तियवगोधूम-शालयः । पच्यन्तेसर्वदेशेषु यज्वानोब्रह्मवादिनः ।। मेघेशोभौमफलम्।। अवनिजेजलदस्यपतौ भुविश्रुतिविचारविहीन-धरामराः । क्वचिदपि प्रचुरंजलमल्पकंक्वचिदपिप्रचुरंबहुतापदम् ।। रसेशोरविफलम् ।। रसपतौ तरणौधरणीतदाविरस भोगरताल्पपयोधराः । वसन तैल घृतप्रियमानवाःसुखरसंनभुनक्तिमहीपतिः ।। निरसेशःशुक्रस्तत्फलम् ।। कर्पूरागरुगन्धाना हेममौक्तिमकवाससां । अर्घवृद्धिःप्रजायेतनीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशचंद्रस्तत्फलम् ।। यदिविधुःफलयोद्रुमराशयःफलयुता-वलिभिःकुसुमैर्यूताद्विजमुखावरभोग समन्वितानृपतयो नयनाटनतत्पराः ।। धनेशोगुरुःतत्फलम् ।। सुमनसांचगुरुर्द्रविणाधिपः वणिज्वृत्तिपराःसुखभाजनाः । फलितपुष्पित भूमिरुहाःसदाविविधद्रव्ययुताभुविमानवाः ।। दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। गढपतिर्मृगलांधनकोयदा नृपसुराज्यविलासितपौरजाः । बहुधनेक्षुजगोरसभोगिनोनरवरा वरवर्णितविग्रहाः ।। शोभ-कृन्नामसंवत्सरःफलम् ।। शोभकृद्वत्सरेधात्री प्रजानांरोगशोकदा । तथापिसुखिनो लोकाबहु सस्यार्घवृष्टिभिः ।। वर्षनाम-भाद्रपदःफलम् ।। अर्घमहर्घतां यतिधनधान्यसमंभवेत् । मघवावर्षतिस्वच्छं संपर्दो भाद्रवर्षके ।। मेघनामपुष्करःफलम् । पुष्करेमंदवृष्टिःस्यात् ।। रोहिणीनिवासःपर्वतेफलम् ।। पर्वतेविंदुमात्रश्च । समय निवासःकुंभकारगृहे फलम् । अनावृष्टिःप्रजापतौ । एवं संचित्य दैवज्ञैःकथनीयंशुभाशुभम् ।।

संवत् २०६५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

द्वि. वैशाख मासः ।

शु. २ शनौ रोहि. ल. ऽन्यगो रे १०।।।।।।।।।।

,, ७ गुरौ मघा ल. १ (घ५६।५६उ)रे.६।।।।।।।ऽ।।

,, १० रवौ हस्ते ल .गो. रे ६।।।ऽगुऽगुऽरोऽ।।।आवश्यके

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. २ शनौ मूले ल. गो. १ रे८ऽऽ।।।।।।।।

,, ४ चन्द्रे उषा ल. गो रे.७।।।।ऽ।।ऽ।ऽ घ. ४० उ. क्रांतिसाम्यम्

,, ६ रवौ उषा ल. ऽन्यगो रे।।ऽ बृ ।ऽ।(नृप.४६\ऽऽ।।

शु. १० चन्द्रे स्वात्यां ल. गो. १ रे ।।।।।ऽचौऽ।।। मेषे चन्द्रो ७र्च्यः

१२ बुधे अनु ल. ऽन्यगो २ रे।ऽ।।।ऽरो.।।।।वृषे चंद्रोऽर्च्यः

आषाढमासः

कृ. १ रवौ उषा ल. १ रे.।।।।।।।।ऽ। क्रातिसा

,, ७ शनौ उमा ल. ऽ न्यगो१-२रे६।।बृ।ऽऽरो।ऽ।।आव

,, ११ गुरौ रोहि. ल. १ रे६ऽऽ।।।ऽनृपा।ऽ।।आवस्यके

कार्तिक मासः

शु. १२ गुरौ रवे ल. गो. रे ६ऽ।।।ऽऽअऽ।।।

मार्गशीर्षमासः

कृ. १ चन्द्रे रोहि. ल. ५ गु. पू. रे७।।।।ऽऽचौ।ऽ।।

मार्गशिर्ष मासः

कृ. २ भौमे मृगे ल. ५-७ रे८।।।।ऽ।ऽ।।।सिंहे गु. पू.

,, ८ चन्द्रे उफा ल.-७ रे।।।।ऽऽनृ।ऽ।।

,, ६ भौमे उफा. ल.५गु. पू. रे७।।।।ऽ।।ऽ।ऽघ४१।४६या.

,, १२ गुरौ स्वात्यां ल. ५ गु. पू. रे।।ऽशु।।।ऽघ.५४यम।।

शु. ३ बुधे उषा. ल. ७ रे ऽ।।।।ऽनृ।।।।

माघमासः ।

कृ. ४ रवौ उफा. ल. गो ७-८ रे६।।।।।।।।ऽ।।गो धूल्यां सप्तमस्थभौमदोषः

शु. ६ शनौ रोहि ल. गो. रे६ऽ।।।।ऽअ भौम ७ मस्यदोषः गणितेनक्रांति साम्याऽ भाव

,, १५ शुक्रे मघा. ७-८ रे७।।।।ऽ।ऽऽऽ।।तुलयां १२ शनि ल. ८ घ. ४७ या.

फाल्गुन मासः

कृ. १ शनौ उफा ल. ८ रे।।।।।ऽ चौ ।।।।

,, ७ गुरौ अनु ल. ऽन्यगो ७-८रे. ६ऽ।।।ऽअऽऽ।।

अन्यगो. सप्तमस्थभौम दोषः

शु. २ चन्द्रे रेव ल. ८-१०रे.-६ऽ।।ऽऽनृ ५२या.ऽ।।।

शु. ६ शुक्रे रोहि. ल. ८-१०रे.६ऽ।।।।ऽरो.५२ या ऽऽ।। वृश्चिके चन्द्रो ऽर्च्यः

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः स० २०६७ शाकः १९३२												दि	उ.	अ.	भा	मु.	इं	चन्द्रः	वसतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६५५४ स.२०१०
१	मं	५३	२०	पू	०	४३	शु	१०	३५	किं	२१	१६	२९/४३	६/३	५/५७	२५	२९	१६	मीने	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	बु	५६	३६	उ	५	५९	शु	१०	४७	बा	२४	५८	४७	३	५७	२६	३०	१७	मीने	उभा. रविः५८।४५पूभा.१गुरुः४३।४३A
३	गु	५८	५५	रे	१०	१४	ब्र	१०	१७	तै	२७	४६	५१	२	५८	२७	१	१८	मे१०।१४	उभा. रविः सौरः २।५७ रविलाखर४D
४	शु	५९	५५	अ	१३	३२	ऐं	८	४१	व	२९	२५	५५	१	५९	२८	२	१९	मेषे	भ.२९।२५उ.५९।५५या
५	श	६०	०	भ	१५	४३	वै	६	३३	ब	२९	५७	३०/०	६/०	९/०	२९	३	२०	वृ.३१।१	उदयंगुरोः४१।२४
६	र	५८	५५	कृ	१६	५६	वि	३/३६	५५/४७	कौ	२९	२७	४	५/५९	१	३०	४	२१	वृषे	[Aचंद्रदर्शनंम सिंधारा
७	चं	५६	३८	रो	१७	२	आ	५४	३४	ग	२७	४६	८	५८	२	१	५	२२	मि. ४६/२२	भ.५६।३८ उ. पूषा.३ राहुः पुन.१ केतुः÷
८	मं	५३	१३	मृ	१५	२७	सौ	४८	४३	वि	२४	५८	१२	५८	२	२	६	२३	मिथुने	भ.२४।५८या. रेवत्यां बुधः२२।२२
९	बु	४८	३८	आ	१३	२६	शो	४१	४२	बा	२०	५५	१६	५७	३	३	७	२४	कं.५५।४९	रामनवमी [÷४२।२१रा. चैत्रारंभः
१०	गु	४२	५१	पु	९	५७	अ	३३	५०	तै	१५	४६	२१	५६	४	४	८	२५	कर्के	[Dमत्स्य जयंती गणगौरी
११	शु	३६	७	पु	५/३२	५४/१७	सु	२५	१३	व	९	२९	२५	५५	५	५	९	२६	सिं५९।४९	भ.९।२९उ. ३६।७ या. अश्वि. मेषे=
१२	श	२८	१४	म	५३	३३	धृ	१६	४	ब	२	११	२९	५४	६	६	१०	२७	सिंहे	बुधोदयः पश्चिमायां२७।३६प्रदोषः
१३	र	१९	५०	पू	४७	१	शू	६/११	५०/१०	तै	१९	५०	३३	५३	७	७	११	२८	सिहे	[=शुक्रः४८।४३कामदा११व्र.
१४	चं	११	२०	उ	४०	३८	वृ	४६	८२	व	११	२०	३७	५३	७	८	१२	२९	कं.०।२५	भ.११।२० उ.३७।१२ या. अश्वि. मेषे+
१५	मं	३	३	ह	३४	५४	ध्रु	३७	५८	ब	३	३	४१	५२	८	९	१३	३०	कन्यायां	हनुमज्जयंती [+बुधः४९।१२

५०पं. चै.शु.७ चं.इ. ४३/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	१०	११	५	८	११
८	७	१५	२१	२४	७	२३	७
३	५७	२३	७	५७	२४	१९	५९
१८	७	२८	८	५०	२९	५५	००
५९	९	८/१९	१३	७४	४/४०	३	५९
२९	५२	२४	२५	१४	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

१ ११ गु २चं शु १२बु सू १० के ३ रा९ मं४ ६श ८ ५ ७

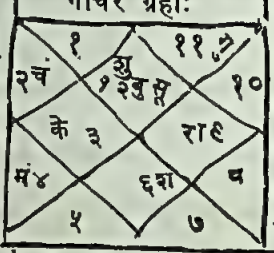

इस मास में बुधवार का चन्द्रदर्शन धातु सोना चांदीरुई तिल सूत में मंदी लावेगा वान्यव रस में तेजी रहेगी।

गोचर ग्रहाः

शु१ गु११ सू २ बु१२ १० के३ ९रा मं४ चं६ ८ ५ शु ७

५१पं.चै. शु.१४चं.इ. ४४/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	१०	०	५	८	११
१४	९	२९	२२	३	६	२२	१४
५९	१	५१	४५	३६	५१	५७	५५
१०	४३	७	११	४३	२२	४०	९
५९	१५	१०/१४	१३	७४	४/३८	३	५९
१६	३२		१४	४	व.	११	१८

ति.	प्र. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	५२	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+२२।८वक्री उफा. ३ शनिः ११।२८=
२	बु	४८	४५	चि	३०	३४	व्या	३०	१३	तै	२२	१६	३१/४५	५/५१	६/९	१०	१४	३१	तु.२।४४	रेवत्यां रविः२६।३४(सौरः३०।५४)
३	गु	४५	१४	स्वा	२७	३९	ह	२३	४०	व	१७	५९	४९	५०	१०	११	१५	१	तुलायां	भ.१७।५९उ.४५।१४ या. पूभा.२ गुरुः+
४	शु	४२	५९	वि	२६	५८	व	१८	५५	ब	१४	६	५३	४९	११	१२	१६	२	वृ.११।५६	चतुर्थी व्रतम्
५	श	४२	४२	अ	२७	५५	सि	१५	४६	कौ	१२	३५	५६	४९	११	१३	१७	३	वृश्चिके	[=अप्रेल४ता.३०
६	र	४४	३३	ज्ये	३१	१४	व्य	१४	२७	ग	१३	३८	३१/१	४८	१२	१४	१८	४	ध.३१।१४	भ.४४।३३उ.
७	चं	४८	२३	मू	३६	११	व	१४	४	वि	१६	२८	५	४७	१३	१५	१९	५	धनुषि	भ.१६।२८या.
८	मं	५२	३७	पू	४२	४४	प	१५	१३	बा	२१	०	८	४६	१४	१६	२०	६	म.५९।३०	भरण्यां शुक्रः३७।५०
९	बु	५९	३४	उ	४९	५०	शि	१७	१७	तै	२६	३५	१२	४६	१४	१७	२१	७	मकरे	भरण्यां बुधः२९।२०
१०	गु	६०	०	श्र	५७	३१	सि	१९	३५	ब	३२	४७	१६	४५	१५	१८	२२	८	मकरे	भ.३२।४७उ.
१०	शु	६	१	ध	६०	०	सा	२२	७	वि	६	१	१९	४४	१६	१९	२३	९	कुं.३१।१६	भ.६।१या.
११	श	११	३७	ध	५	२	शु	२४	१७	बा	११	३०	२३	४३	१७	२०	२४	१०	कुम्भे	वरूथिनी११व्र.
१२	र	१८	२३	श	१२	५	शु	२५	५१	तै	१८	२३	२६	४३	१७	२१	२५	११	कुम्भे	प्रदोषः
१३	चं	२२	५८	पू	१८	११	ब्र	२६	४७	व	२२	५८	३०	४२	१८	२२	२६	१२	मी.१।४०	भ.२२।५८उ.५४।३९या.
१४	मं	२६	२०	उ	२२	५९	ऐं	२६	३८	श	२६	२०	३४	४१	१९	२३	२७	१३	मीने	
३०	बु	२८	४५	रे	२६	५३	वै	२५	३८	ना	२८	४५	३८	४०	२०	२४	२८	१४	मे.२६।५३	अश्वि. मेषेऽर्कः०।२५(सौरः४।५८)

५२पं.वै.कृ.७चं.इ.४४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	०	१०	०	५	८	११
२१	१०	१०	२४	१२	६	२२	२१
५३	३३	४५	२१	१४	१९	३५	४९
३१	५०	७	४०	२४	१२	२४	२०
५९	१८	८१	१२	७३	४/२२	३	५९
४	१०	०	५६	५६	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

शु१बु ११गु २ १२सू १० के३ रा९ ४मं ६ ८ ५ ७

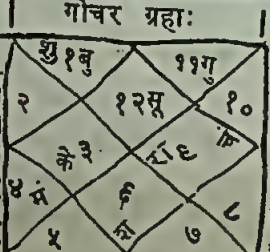

प्रथम वैशाख कृष्णे ३०बुधे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ सुतार्थिन्यवस्था (सूती) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

२ १२चं के३ सू१बु शु ११गु ४मं १० ५ ७ रा९ ६श ८

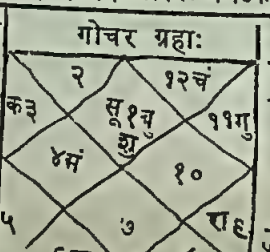

१पं. वै.कृ.३०बु.इ.०।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	१०	०	५	८	११
०	१२	१७	२६	२२	५	२२	२९
०	५०	५४	१५	२०	४०	९	५५
०	३५	४७	१८	१७	५२	१७	३२
५८	२१	२४	१२	७३	३/५९	३	५८
४४	४३	२३	२५	५०	व.	११	४५

ति.	प्र.वैशाखशुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६५८४सन् २०१०
१	गु	२९	४७	अ	२९	२३	वि	२३	३२	ब	२९	४७	३१/४२	५/४०	६/२०	२५	२९	१५	मेषे	पूभा. ३ गुरुः ५९।३३
२	शु	२९	३६	भ	३०	४७	प्री	२०	३८	कौ	२९	३६	४६	३९	२१	२६	३०	१६	वृ.४५।५३	चंद्र दर्शनम्
३	श	२८	२७	कृ	३१	११	आ	१६	५४	ग	२८	२७	५०	३८	२२	२७	१	१७	वृषे	भ.५७/२५उ.वक्री बुधः३८/५७ कृति.शुक्रः३१/१५ +
४	र	२६	२३	रो	३०	३७	सौ	१२	२८	वि	२६	२३	५३	३७	२३	२८	२	१८	वृषे	भ.२६।२३या. [+ जमादि लावल ५
५	चं	२३	३१	मृ	२९	२६	शो	७	३२	बा	२३	३१	५७	३७	२३	२९	३	१९	मि. ०।१	बुधास्तः पश्चिमायां ५१।४
६	मं	२०	२	आ	२७	३४	अ	२/०	५३/५१	तै	२०	२	३२/१	३६	२४	३०	४	२०	मिथुने	वृषे शुक्रः१५।१७
७	बु	१५	४३	पु	२५	१३	धृ	४९	१०	व	१५	४३	५	३५	२५	१	५	०	क.१०/४९	भ.१५/४३उ.४३/२३ या. रा. वैशाखारंभः
८	गु	११	२	पु	२१	५२	शू	४२	८	ब	११	२	९	३४	२६	२	६	२१	कर्के	
९	शु	५	४३	श्ले	१८	८	गं	३४	२७	कौ	५	४३	१२	३४	२६	३	७	२२	सिं. १८/८	
१०	शु	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२३	०	
११	श	५३	१६	म	१३	५२	बृ	२६	२९	व	२६	३१	१६	३३	२७	४	८	२४	सिंहे	भ.३६/३१उ.५३/१६या. कमला ११ ब्र. स्मा.
१२	र	४६	२९	पू	९	११	ध्रु	१८	१७	व	२०	५३	२०	३२	२८	५	९	२५	क. २३/०	आश्ले.भौमः४१।१ कमला ११ ब्र. वै.
१३	चं	३९	४७	उ	४/२९	५४/२५	व्या	१०	४	कौ	१३	८	२३	३१	२९	६	१०	२६	कन्यायां	
१४	मं	३४	३२	चि	५५	४७	ह	२/११	५२/३१	ग	८	१०	२७	३१	२९	७	११	२७	तु.२७।४७	भ.३४/३२उ.भरण्यां रविः४०/३८(सौरः४६।२३)
१५	बु	२७	५५	स्वा	५२	५०	सि	४८	१३	वि	१	१३	३१	३०	३०	८	१२	२८	तुलायां	भ.१।१३या.रोहि.शुक्रः२७।२२

२पं.प्र.वै.शु.७व.इ.०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	१०	१	५	८	०
६	१५	१८	२७	०	५	२१	६
५०	८	१६	४५	५५	१४	४७	४५
४२	३४	४८	४	४१	३५	१	४३
५८	२४	२२/३१	१२	७३	३/४३	३	५८
३१	१६	व.	८	४४	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

शु२ १२ के३ च बु१सू ११गु ४ मं १० ९ रा ५ ७ श६ ८

इस मासमें सोना चांदी ताम्बा लोहा वस्त्र रुई घृत तेल धान्य गुड सक्कर चीनी गन्ना में तेजी रहे या घटा-बढी हो ।

गोचर ग्रहाः

२शु १२ के३ सू१बु गु ११ मं४ १० ५ ७ चं रा९ ६श ८

३पं.प्र.वै.शु. १५बु.इ.०।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	१०	१	५	८	०
१३	१७	१४	२९	९	४	२१	१३
३९	४१	१८	१२	२७	५१	२४	३४
४७	५३	५६	५०	२२	२०	४६	८
५८	२६	३८/१३	११	७३	३/४	३	५८
१९	३२	व.	३०	३७	व.	११	१२

ति.	द्वि.वैशाखकृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र.वैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	२३	३६	वि	५१	२३	व्य	४२	५०	कौ	२३	३६	३२/३४	५/२९	६/३१	९	१३	२९	वृ.३६।४३	वक्री आश्विन्यां बुधः ३३।२८
२	शु	२१	१	अ	५१	३१	व	३८	५०	ग	२१	१	३८	२८	३२	१०	१४	३०	वृश्चिके	भ.५०।३२उ.
३	श	२०	३	ज्ये	५३	३४	प	३६	२५	वि	२०	३	४१	२८	३२	११	१५	१	ध. ५३/३४	भ.२०।३या.पूभा.४गुरुः३२।३१ मई ×
४	र	२०	५८	मू	५७	२२	शि	३५	२८	वा	२०	५८	४५	२७	३३	१२	१६	२	धनुषि	[× ५ ता० ३१ चतुर्थी ब्र.
५	चं	२३	५०	पू	६०	०	सि	३५	३७	तै	२३	५०	४८	२६	३४	१३	१७	३	म.१९।३५	
६	मं	२८	२९	पू	२	५४	सा	३७	१	व	२८	२९	५२	२६	३४	१४	१८	४	मकरे	भ.२८।२९उ.
७	बु	३३	५०	उ	९	३७	शु	३८	५३	वि	१	९	५५	२५	३५	१५	१९	५	मकरे	भ.१।९या.
८	गु	४०	१०	श्र	१६	५६	शु	४१	२६	बा	७	०	५८	२४	३६	१६	२०	६	कुं.५०।४३	
९	शु	४६	३०	ध	२४	२९	ब्र	४३	४८	तै	१३	१५	३३/२	२४	३६	१७	२१	७	कुंभे	बुधोदयः पूर्वस्यां १६।९
१०	श	५२	७	श	३१	४७	ऐं	४५	४६	व	१९	१३	५	२३	३७	१८	२२	८	कुंभे	भ.१९।१३उ.५२।७या.
११	र	५६	५९	पू	३८	१७	वै	४६	५९	ब	२४	३१	८	२२	३८	१९	२३	९	मी. २१/४०	मृगे शुक्रः २९।२८ कमला ११ ब्र.
१२	चं	६०	०	उ	४३	१०	वि	४७	२	कौ	२८	३५	११	२२	३८	२०	२४	१०	मीने	
१२	मं	०	१३	रे	४७	१	प्री	४५	५७	तै	०	१३	१४	२१	३९	२१	२५	११	मे.४७।१	कृति. रविः२६।३४(सौरः३४।१५)
१३	बु	२	७	अ	४८	५०	अ	४३	३९	व	२	७	१७	२१	३९	२२	२६	१२	मेषे	भ.२।७उ.३२।१४या.
१४	गु	२	२०	भ	४९	३०	सौ	४०	४	श	२	२०	२०	२०	४०	२३	२७	१३	मेषे	[÷मिथुने शुक्रः५८।११
३०	शु	०	५६	कृ	४८	४७	शो	३५	२२	ना	०	५६	२३	१९	४१	२४	२८	१४	वृ.४।१९	वृषेऽर्कः ५३।४९ मार्गी बुधः १०।६ ÷

४पं.द्वि.वै.कृ. ७बु.इ. १।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	११	१	५	८	०
२०	२०	१०	०	१७	४	२१	२०
२७	३०	४३	३७	५६	३१	२	२०
२५	१८	५९	८	५६	१९	३०	५२
५८	२८	२९/१६	१०	७३	२/२४	३	५७
६	१७	व.	५८	२०	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

२शु बु १२गु के ३ सू१ ११ मं४ १०चं रा९ ५ ७ ६श ८

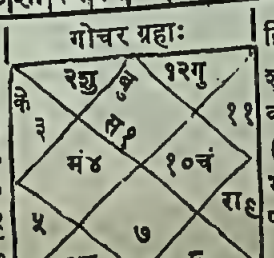

द्वि. वैशाख कृष्णे ३० शुक्रे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ कुभार्यवस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

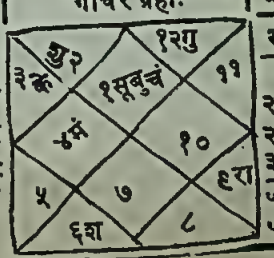

शु२ १२गु ३के १सूबुचं ११ ४मं १० ५ ७ ९रा ६श ८

५पं.द्वि.वै.कृ.१३बु.इ. १/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	११	१	५	८	०
२७	२३	८	१	२६	४	२०	२७
२३	३१	५७	५६	२४	१५	४०	६
३७	२२	३२	५६	५०	५८	१५	६
५७	३०	८/३४	१०	७३	१/४६	३	५७
५४	४२	व.	२१	११	व.	११	४५

ति.	द्वि.वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३०	दि.	उ.	अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽर्ह ६६१३ स.२०१०
१	शु ५७ ३५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०					०	
२	श ५४ ४० रो ४७ ११ अ ३० १ बा २६ ३५ ३३ ५ ६				२५ २९ १५	वृषे	वृषेऽर्कः सौरः २।२ चंद्रदर्शनम्
३	र ५० १६ मृ ४४ ४० मु २३ ५८ तै २२ २९ २८ १८ ४२				२६ १ १६	मि १५।२५	जमादि लाखर ६ परशुराम जयंति अ.३
४	चं ४५ २५ आ ४१ ३८ पु १७ १३ च १७ ५२ ३१ १८ ४२				२७ २ १७	मिथुने	भ. १७।५२ उ. ४५।२५ या.
५	मं ४० १८ पु ३८ २८ शू १० ३४ ब १२ ५१ ३४ १७ ४३				२८ ३ १८	क. २४।१६	
६	बु ३४ ५६ पु ३५ ८ गं ४ ५३ कौ ७ ३७ ३७ १७ ४३				२९ ४ १९	कर्के	उभा. १ गुरू. ५९।१३
७	गु २९ २९ श्ले ३१ ४३ धु ४९ ४४ ग २ १३ २९ १६ ४४				३० ५ २०	सिं ३१।२६	भ.२९।२९उ.५६।५६ या. आर्द्रा शु. ३३
८	शु २४ २३ म २८ २२ व्या ४२ ४८ व २४ २३ ४२ १६ ४४				३१ ६ २१	सिंहे	[= मघा. सिंहे भौमः ५९।१६ प्रदोषः
९	श १८ ५९ पू २४ ५८ ह ३५ ४६ कौ १८ ५९ ४४ १५ ४५				१ ७ २२	कं. ३९।११	रा. ज्येष्ठारंभ
१०	र १३ ५८ उ २१ ५९ व २९ ९ ग १३ ५८ ४७ १५ ४५				२ ८ २३	कन्यायां	भ. ४१।२५ उ. भरण्यां बुधः २०।५४
११	चं ८ ५२ ह १८ ५७ सि २२ ३६ वि ८ ५२ ४९ १४ ४६				३ ९ २४	तु. ४७।४३	भः ८।५२ या. पूषा २ राहुः आर्द्रा÷
१२	मं ४ १६ चि १६ ३० व्य १६ ३२ बा ४ १६ ५२ १४ ४६				४ १० २५	तुलायां	रोहि. रविः १७।२३ सौरः २८।१०)=
१३	बु ० १४ स्वा १४ ३४ वं १० ५८ तै ० १४ ५४ १३ ४७				५ ११ २६	वृ. ५८।५५	भ. ५७।० उ० नृसिंह जयंती
१४	गु ५६ ४६ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०				०	०	[÷ ४ कतुः ४०।५२ मोहिनी ११ व्र.
१५	गु ५५ ३ वि १३ ४२ प ६ १० वि २६ १ ५६ १३ ४७				६ १२ २७	वृश्चिके	ग. २६।१ या. यमाय कुंभदानम्

६ पं.द्वि.वै.शु.६ बु.इ. ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	११	२	५	८	१
३	२६	१०	३	४	४	२०	३
५८	४१	३९	१०	४९	५	१७	४९
३७	४०	१८	४४	४१	२	५९	४८
५७	३१	१९	९	७२	१२	३	५७
४४	१९	मा	३८	५०	व.	११	२४

गोचर ग्रहः

इस मास में गेहूं, जौ, चना, मटर, सरसों, बाजरा, मूंग चांवल तेज होवे। तेरह दिन का पक्ष अशुभ है धूप अधिक है हैजा आदि रोग की वृद्धि।

गोचर ग्रहः

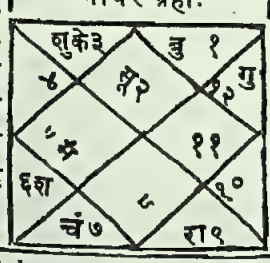

७ पं.द्वि.वै.शु. १३ बु.इ. १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	११	२	५	८	१
१०	०	१५	४	१३	३	१९	१०
४२	१	३७	२१	१२	५९	५५	३२
२९	१६	५१	३६	४७	४६	४३	००
५७	३२	५१	८	७२	२२	३	५७
३५	११	२८	५०	३२	व.	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०६७ शाकः १९३०	दि.	उ.	अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे द्वि. वै.कृष्णेति महा.
१	शु ५४ २५ अ १४ ११ शि ३० १० बा २४ ४४ ३३ ५८		१२	४८	७ १३ २८	वृश्चिके	
२	श ५५ ३२ ज्ये १५ ४९ सा ५८ ३१ तै २४ ५८ ३४ ०		१२	४८	८ १४ २९	ध. १५।४९	मार्गी शनिः ५२।४१
३	र ५७ ५४ मू १९ ५ शु ५८ १ व २६ ४३ २		१२	४८	९ १५ ३०	धनुषि	भः २६।४३ उ. ५७।५४ या. पातस्पर्शः ५५ ३३
४	चं ६० ० पू २३ ४८ शु ५८ ५५ ब २९ ३८ ३		११	४१	१० १६ १	म. ४०।२२	पृत. शुक्रः ४५ ५७ पातमोक्षः ३० चतुर्थीव्र.
४	मं १ २३ उ ३० २ ब्र ६० ० बा १ २३ ५		११	४९	११ १७ २	मकरे	जून ६ ता. ३०
५	बु ७ ८ श्र ३६ ५६ ब्र ० ३१ तै ७ ८ ७		११	४९	१२ १८ ०	मकरे	
६	गु १३ ८ ध ४४ ३३ ऐं २ ५१ व १३ ८ ९		१०	५०	१३ १९ ३	कुं. १०।४४	भ. १३।८ उ. ४६।१२ या.
७	शु १९ १६ श ५१ ५१ वै ५ १६ व १९ १६ १०		१०	५०	१४ २० ४	कुम्भे	कृत्तिबुधः २७।३१
८	श २५ २२ पू ५८ ५८ वि ७ ३५ कौ २५ २२ १२		१०	५०	१५ २१ ५	मी. ४३ ११	
९	र ३० २३ उ ६० ० मी ९ २४ ग ३० २३ १३	९	५१	१६ २२ ६	मीने	वृषे बुधः ४३।२९	
१०	चं ३३ ५३ उ ४ ४१ मा १० ८ व २ १० १५	९	५२	१७ २३ ७	मे. ९।०	भ. २।१० उ. ३३।५३ या.	
११	मं ३६ ८ रे ९ ० सौ ९ ४५ ब ५ २ १६	९	५१	१८ २४ ८	मेषे	मृगे रविः १२ १६ (सौरः २७ ००) अपरा ११व्र.	
१२	बु ३६ २७ अ ११ २८ शि ७ ५८ कौ ६ १७ १७	९	५१	१९ २५ ९	वृ. २९।०	कर्के शुक्रः ११।५६	
१३	गु ३४ ४२ भ १२ १६ अ ४ ५५ ग ५ ३५ १८	८	५२	२० २६ १०	वृषे	भ. ३४।४२ उ. प्रदोषः	
१४	शु ३१ १३ कृ ११ १२ धृ ५ ३ ४३ वि २ ५८ १९	८	५५	२१ २७ ११	मि. ३९ ४९	भ. २।५८ या. उभा. २ गुरुः ३४।७	
२०	श २६ २० रो ८ ४० शू ४६ ३७ ना २६ २० १९	८	५२	२२ २८ १२	मिथुने	रोहि. बुधः ३१ ४९ पुण्ये शुक्रः ०।९ वट पू.	

८ पं.ज्ये.कृ. ५ बु.इ. १।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	११	२	५	८	१
१७	३	२३	५	२१	३	१९	१७
२५	२९	३२	२५	३२	५८	३३	१३
१९	२०	५६	१२	१३	८	२८	५
५७	३३	७६	८	७२	१८	३	५७
२७	१५	५८	०	६	मा	११	१३

गोचर ग्रहः

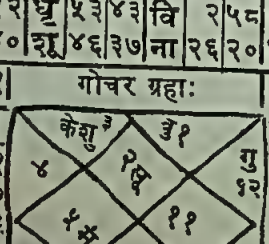

इस मास की कृष्ण पक्ष की तिथी क्षय धान्य गल्ला सोना, चांदी, गुड, सक्कर गन्ना में तेजी करेंगी वायु के साथ वर्षा होगी।

गोचर ग्रहः

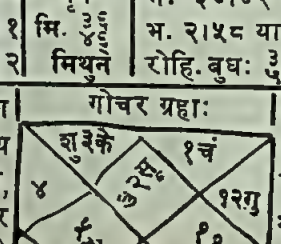

९ पं.ज्ये.कृ.१२ बु.इ. १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	११	२	५	८	१
२४	७	३	६	२९	४	१९	२३
७	४	५८	२२	४७	२	११	५३
१९	५९	४१	४१	४६	२९	१२	५
५७	३३	०	६	७१	१	३	५७
२२	५८	३०	४९	४४	२	११	५

ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२ दि. उ. अ. हि. मु. इ. चन्द्रः ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ६६४३सन् २०१०

ति.																	
१	र	२०	१६	मृ	४	५२	गं	३८	४७	ब	२०	१६	३५	५	६	२३	२९	१३	मिथुने
२	चं	१३	२८	आ	१३	२३	बृ	३०	५३	कौ	१३	२८	२१	८	५२	२४	१	१४	क.
३	मं	६	३९	पु	५०	३६	धु	२२	१७	ग	६	३९	२१	८	५२	२५	२	१५	कर्क
४	मं	५२	५९		०	०		०	०		०	०		०	०	०	०	०	
५	बु	५३	२	श्ले	४५	५६	व्या	१४	४	ब	२६	२०	२२	८	५२	२६	३	१६	सिं.
६	गु	४७	१	म	४१	४७	ह	१२	५२	कौ	२०	१	२२	८	५२	२७	४	१७	सिंहे
७	शु	४१	१८	पू	३८	५	सि	५१	३८	ग	१४	१०	२३	७	५३	२८	५	१८	कं.
८	श	३६	२०	उ	३५	३२	व्य	४५	१६	वि	८	५४	२३	७	५३	२९	६	१९	कन्यायां
९	र	३२	१४	ह	३३	०	व	३९	३२	वा	४	२२	२३	७	५३	३०	७	२०	कन्यायां
१०	चं	२८	५६	चि	३१	३८	प	३५	२२	तै	०	३५	२४	७	५३	३१	८	२१	तु.
११	मं	२६	१३	स्वा	३१	०	शि	२९	५२	वि	२६	१३	२४	७	५३	१	९	२२	तुलायां
१२	बु	२४	३२	वि	३१	१९	सि	२६	४	बा	२४	३२	२४	७	५३	२	१०	२३	वृ.
१३	गु	२३	५३	अ	३२	२१	सा	२३	१६	तै	२३	५३	२४	७	५३	३	११	२४	वृश्चिके
१४	शु	२४	१३	ज्ये	३४	३८	शु	२१	४	व	२४	१३	२४	७	५३	४	१२	२५	धनुषि
१५	श	२५	५५	मू	३८	१४	शु	२०	१६	ब	२५	५५	२३	७	५३	५	१३	२६	

चंद्र दर्शनम्
रज्जव ७
भ.३३उ.५९या.मिथुनऽर्कः५० (सौरः३७)
बुधास्तः पूर्वस्यां २५।१
भ.४१।१८उ.
भ.८।५४या.मृगे बुधः ३४।५
पूफा.भौमः५२।५५
भ.५७।३४ उ. गंगादशमी
भ.२६या.आर्द्रा.रविः५५(सौरः२९) +
आश्ले. शुक्रः२८।२४प्रदोषः
[+मिथुने बुधः२९रा. आषाढारंभेः ÷
भ.२३उ.५५।४या. [÷ निर्जला ११व्र.
आर्द्रा.बुधः४।५५गुर्जराणा वट सावित्रीव्र.

१० पं.ज्ये.शु.५ बु. इ.१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	११	३	५	८	२
०	१०	१६	७	७	४	१८	१०
४८	४७	२५	१३	५९	११	४८	२२
३६	५३	१	४८	५६	३१	५७	१०
५७	२४	७	६	७१	१	३	५६
१७	४९	१४	५	१०	२५	११	५७

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले ३ भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ६ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

११पं ज्ये.शु.१२बु.इ १३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	११	३	५	८	२
७	१४	०	७	१६	४	१८	७
२९	३५	४२	५७	८	२७	२६	१०
३१	४६	५०	०	२८	८	४१	३७
५७	३५	५९	५८	४	७०	२	३५	६
१३	२०	५५	५८	४०	२०	११	५४

वर्षर्तु रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेति मह्ना०

ति.																	
१	र	२८	५२	पू	४२	५७	ब्र	१९	४९	कौ	२८	५२	३३	५	५३	६	१४	२७	म.
२	चं	३३	४	उ	४८	५२	ऐं	२०	३५	तै	०	५८	२२	८	५२	७	१५	२८	मकरे
३	मं	३८	७	श्र	५५	२२	वै	२१	५९	व	५	३५	२२	८	५२	८	१६	२९	मकरे
४	बु	४४	०	ध	६०	०	वि	२४	२	ब	११	३	२१	८	५२	९	१७	३०	कुं.
५	गु	५०	२	ध	२	५५	प्री	२६	३२	कौ	१७	१	२०	८	५२	१०	१८	१	कुंभे
६	शु	५६	१६	श	१०	२६	आ	२९	६	ग	२३	९	१९	८	५२	११	१९	२	कुम्भे
७	श	६०	०	पू	१७	५६	सौ	३१	२७	वि	२९	३	१८	८	५२	१२	२०	३	मी.
७	र	१	४९	उ	२४	३४	शो	३२	५५	च	१	४९	१७	९	५१	१३	२१	४	मीने
८	चं	६	१४	रे	३०	५	अ	३३	३४	कौ	६	१४	१६	९	५१	१४	२२	५	मे.
९	मं	९	९	अ	३४	१०	सु	३२	४४	ग	९	९	१५	९	५१	१५	२३	६	मेषे
१०	बु	१०	७	भ	३६	०	धृ	३०	२५	वि	१०	७	१४	९	५१	१६	२४	७	वृ.
११	गु	९	६	कृ	३५	५०	शू	२६	२७	बा	९	६	१३	९	५१	१७	२५	८	वृषे
१२	शु	६	४	रो	३३	५३	गं	२०	५८	तै	६	४	११	१०	५०	१८	२६	९	वृषे
१३	श	१	५	मृ	३०	११	बृ	१४	०	व	१	५	१०	१०	५०	१९	२७	१०	मि.
१४	श	५३	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	र	४६	२९	आ	२४	५८	धु	५०	५५	च	२०	२९	८	१०	५०	२०	२८	११	मिथुने

चतुर्थी व्र.पातस्पर्शः १३।१५पातमोक्षः ३७/१०
पुन.बुधः५१।४५ जौलाई ७ ता. ३१
भ.५।३५उ.३८।७या.
भ.५६।१६उ.
भ.२९।३या.
मघा.सिंहे शुक्रः९।१७
भ.३९उ.पुन.रविः५५ (सौरः३३।२३) ×
भ.१०।७या.पातस्पर्शः३५।१०
पुष्ये बुधः२५पातमोक्षः३१ योगिनी११व्र.
प्रदोषः [×कर्के बुधः३५।२०
भ.५उ.३७या.बुधोदयः पश्चिमायां ३।१५

१२ पं.आ.कृ.४बु.इ.१।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	११	३	५	८	२
१४	१८	१६	८	२४	४	१८	१३
९	३०	४	३१	१०	४३	४	४८
५२	१४	८	५२	५२	४८	२५	४२
५७	३६	५८	३	६९	३	३	५६
७	१०	२९	५२	५६	१	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर कुछ मंदे होवे तथा धातु सोना चांदी तांवा लोहा गुड़ सक्कर चीनी तेज होवे । खंड वर्षा होगी ।

गोचर ग्रहाः

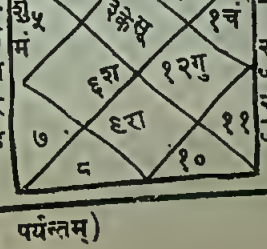

१३पं.आ.कृ.१०बु.इ. १३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	११	४	५	८	२
२०	२२	०	८	२	५	१७	२०
५०	२८	५०	५८	९	५	४२	२६
२४	२६	४६	१९	७	३१	१०	३६
५७	३६	५८	२	६९	३	३	५६
७	२७	२५	३४	२	३२	११	५०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	अषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षतू रविर्दक्षिणेऽहर्ग ६६७२ स. २०१०
१	चं ३८ ४ पु १८ ५३ ह ४७ ८ किं १२ २१ ३४	११	४९	२१	२९	१२	क. ५।२५		
२	मं २९ १९ पु १२ २५ व ३७ १९ बा ३ ४१ ५	११	४९	२२	३०	१३	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा	
३	बु २० ४९ श्ले ४७ २२ सि २७ ४१ ग २० ४९ ३	११	४९	२३	१	१४	सिं. ५।४७	भ. ४५ उ. उफा. भौमः ३१ सावन ८	
४	गु १२ ४२ पू ५४ १ व्य १८ १७ वि १२ ४२ १	१२	४८	२४	२	१५	सिंहे	भ. १२।४२ या. आश्ले. बुधः २१।४८	
५	शु ५ ३९ उ ४९ ४३ ब १० ५ बा ५ ३९ ३३	१२	४८	२५	३	१६	कं. ७।५६	कर्केऽर्कः ३८।१ पूफा. शुक्रः ५७।५	
६	शु ५३ ५५ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	० ०		
७	श ५४ ५३ ह ४६ ४० प २९ २६ ग २७ १३ ५७	१३	४७	२६	४	१७	कन्यायां	भ. ५४।५३ कर्केऽर्कः सौरः ६।७	
८	र ५१ २२ चि ४४ ५६ सि ५० ४१ वि २३ ८ ५५	१३	४७	२७	५	१८	तु. १५।४७	भ. २३।८ या.	
९	चं ४९ ९ स्वा ४४ ३२ सौ ४६ १९ बा २० १५ ५२	१४	४६	२८	६	१९	तुलायां	कन्यायां भौमः ५८।१९	
१०	मं ४८ १६ वि ४५ १२ शु ४३ ४ तै १८ ४३ ५०	१४	४६	२९	७	२०	वृ. ३०।२	पुष्ये रविः ७।१९ (सौरः ३६।४८)	
११	बु ४८ ४८ अ ४७ १२ शु ४० ४१ व १८ २९ ४८	१४	४६	३०	८	२१	वृश्चिके	भ. ३९ उ. ४८ या. देवशयनी ११ व्र.	
१२	गु ५० २२ ज्ये ५० १९ ब्र ३९ १३ ब १९ ५९ ४५	१५	४५	३१	९	२२	ध. ५०।१९	वक्री गुरूः ६।३२	
१३	शु ५२ ५९ मू ५४ ४१ ऐं ३८ ५३ कौ २१ ४० ४३	१५	४५	१	१०	२३	धनुषि	मघा. सिंहे बुधः ३९ रा.श्रावणारंभःप्र.	
१४	श ५६ ४३ पू ६० ० वै ३९ ३ ग २४ ५१ ४०	१६	४४	२	११	२४	धनुषि	भ. ५६।४३ उ.	
१५	र ६० ० पू ० ३ वि ३९ ४९ वि २९ ३ ३८	१६	४४	३	१२	२५	म. १६।३५	भ २९ या. व्यास पूजा वायु प. ग. १५	
१५	चं १ १७ उ ६ १० प्री ४१ ३१ ब १ १७ ३५	१७	४३	४	१३	२६	मकरे	पूषा. १ राहुः आर्द्रा ३ केतुः ३४।२	

१४ पं.आ.शु.३ बु.इ.१।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	११	४	५	८	२
२७	२६	१४	९	१०	५	१७	२७
२०	३१	११	१४	०	३३	१९	४
४३	५५	५०	५३	२९	४०	५४	४३
५७	३७	०	१	१८	४	३	५६
११	१	२९	१५	७	१६	११	५४

गोचर ग्रहाः

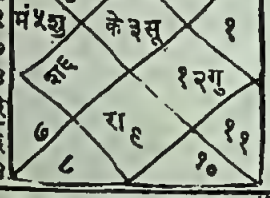

अषाढ शुक्ले ५ शुक्रे कर्केऽर्कः प्रविष्ठः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयऽ पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

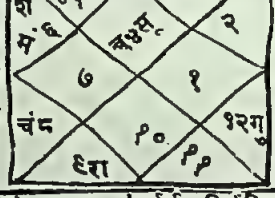

१५ पं.आ.शु.११ बु.इ.१।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	११	४	५	८	३
४	०	२६	९	१७	६	१६	३
११	२९	०	२३	४४	४	५७	४३
२८	१८	११	२४	३८	३४	३९	१०
५७	३७	०	०	६६	४	३	५६
१५	४७	५६	१४	५८	४३	११	५८

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षतू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णैतिमहाराष्ट्राः
१	मं ६ ३७ श्र १२ ५० आ ४३ ३२ कौ ६ ३७ ३३	१७	४३	५	१४	२७	कुं. ४९		
२	बु १२ ४० ध २० ९ सौ ४६ १० ग १२ ४० ३०	१८	४२	६	१५	२८	कुंभे	भ. ४५।४० उ. उफा. ४ शनिः ९।५७	
३	गु १८ ४० श २७ ३७ शो ४८ ३२ वि १८ ४० २७	१९	४१	७	१६	२९	कुम्भे	भ. १८।४०या. उफा. शुक्रः १४।४० च.व्र.	
४	शु २४ ४९ पू ३५ १४ अ ५१ २ वा २४ ४९ २४	१९	४१	८	१७	३०	मी. २८		
५	श ३० ३५ उ ४२ १८ सु ५३ ४ तै ३० ३५ २२	२०	४०	९	१८	३१	मीने	नाग ५ मरुस्थले	
६	र ३५ २९ रे ४८ ३५ धृ ५४ २१ ग ३ २	१९	२०	४०	१०	१९	१	मे. ४८।३५	भ. ३५ उ. कन्यायां शुक्रः २५ अ.दता. ३१
७	चं ३९ ९ अ ५३ ४१ शू ५४ ३५ वि ७ १९ १६	२१	३९	११	२०	२	मेषे	भ. ७।१९ या. पूफा. बुधः ३२।२२	
८	मं ४१ २४ भ ५७ ८ गं ५३ ४१ बा १० १६ १३	२१	३९	१२	२१	३	मेषे	आश्ले. रविः ४।२० (सौरः ३७।३५	
९	बु ४१ ३७ कृ ५८ ४१ बृ ५१ १४ तै ११ ३० १०	२२	३८	१३	२२	४	वृ. १२।३१		
१०	गु ३९ ५४ रो ५८ ७ ध्रु ४७ १७ व १० ४५ ७	२३	३७	१४	२३	५	वृश्चिके	भ. १० उ. ३९ या. हस्ते भौमः २२	
११	शु ३५ ५७ मृ ५५ ४६ ष्या ४१ ३२ ब ९ ५५ ४	२३	३७	१५	२४	६	मी. ५६	कामिका ११ व्र.	
१२	श ३० ६ आ ५२ २० ह ३४ २३ कौ ३ १ ०	२४	३६	१६	२५	७	मिथुने	प्रदोषः	
१३	र २२ ४७ पु ४५ ३५ व २५ ४७ ब २२ ४७ २२	२५	३५	१७	२६	८	कं. ३२।१७	भ. २२।४७ उ. ४८।२५ या.	
१४	चं १४ ३ पु ३८ ४४ सि १६ ८ श १४ ३ ५४	२५	३५	१८	२७	९	कर्के		
३०	मं ४ २३ श्ले ३१ १ व्य ४४ ५१ ना ४ २३ ५०	२६	३४	१९	२८	१०	सिं ३१।१	हरियाली	

१६ पं.श्रा.कृ. २ बु. इ. १।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	११	४	५	८	३
१०	४	६	९	२५	६	१६	१०
५२	५१	१५	२२	१९	३९	३५	२२
३०	१८	५८	२६	३७	१४	२३	२७
५७	३८	७६	१६	६५	५	३	५७
३०	४	६	७	३१	१०	११	५

गोचर ग्रहाः

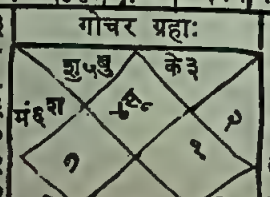

इस मास में धान्य जौ चना मटर धातु लोहा चांदी सक्कर तेज होकर मंदे होवेंगे, वर्षा विषम होगी ।

गोचर ग्रहाः

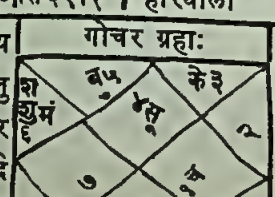

१७ पं. श्रा.कृ. ९ बु.इ.०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	११	५	५	८	३
१७	९	१४	९	२	७	१६	१७
३४	७	४८	११	४५	१७	१३	२
१२	३७	१८	१७	४०	६	७	१५
५७	३८	५९	३४	६३	५	३	५७
२५	३८	५०	व	५०	३६	११	१२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७०१ स.२०१०
१	मं	५०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	४४	५७	म	२३	२७	प	४४	१६	बा	१९	४७	३२/४७	५/२७	६/३३	२०	२९	११	सिंहे	हस्ते शुक्रः१।४३ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	गु	६६	१	पू	१५	४९	शि	३४	२	तै	१०	२९	४४	२७	३३	२१	१	१२	कं ३१।४६	रमजान ९ तीज
४	शु	२८	९	उ	९	४०	सि	२४	२५	व	२	५	४०	२८	३२	२२	२	१३	कन्यायां	भ.२।५ उ.२८।९ या. वरद ४
५	श	२१	४०	ह	४	४०	सा	१६	१३	बा	२१	४०	३७	२९	३१	२३	३	१४	तु.३२।५२	नाग पंचमी
६	र	१६	५६	चि	१/५	५८/१०	शु	९	२५	तै	१६	४०	३३	२९	३१	२४	४	१५	तुलायां	[श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनं भद्रोतरम्
७	चं	१३	५४	वि	५९	१६	शु	३/५	५५/३८	व	१३	५४	३०	३०	३०	२५	५	१६	वृ. ४४/१६	भ. १३/५४ उ. ४३/१७ या. मघा सिंहेऽर्क. ५८/२२
८	मं	१२	४०	अ	६०	०	ऐं	५६	५२	व	१२	४०	२६	३१	२९	२६	६	१७	वृश्चिके	मघा. सिंहेऽर्क. सौरः ३४।०
९	बु	१३	१७	अ	१	१	वै	५५	२३	कौ	१३	१७	२२	३२	२८	२७	७	२८	वृश्चिके	
१०	गु	१५	१९	ज्ये	४	२३	वि	५५	१३	ग	१५	१९	१९	३२	२८	२८	८	१९	ध.४।२३	भ. ४७।१ उ.
११	शु	१८	४३	म	८	५६	प्री	५५	५३	वि	१८	४३	१५	३३	२७	२९	९	२०	धनुषि	भ.१८।४३ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	श	२३	१०	पू	१४	३७	आ	५७	७	बा	२३	१०	१२	३४	२६	३०	१०	२१	म.३१।०	वक्री बुधः १७।१४ प्रदोषः
१३	र	२८	२९	उ	२०	१०	सौ	५९	०	तै	२८	२९	८	३४	२६	३१	११	२२	मकरे	
१४	चं	३४	१०	श्र	२८	१३	शो	६०	०	ग	१	१९	४	३५	२५	१	१२	२३	मकरे	भ.३४।१० उ. रा. भाद्रपदारंभः
१५	मं	४०	१९	ध	३५	३३	शो	०	५८	वि	७	१४	१	३६	२४	२	१३	२४	कुं.१।५३	भ. ७।१४ या. चित्रा. शुक्रः ४२।१ ×

१८पं.श्रा.शु.२बु.इ. ०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	११	५	५	८	३
२४	१३	२१	८	९	७	१५	२३
१६	२६	१६	५१	५९	४८	५०	४३
३७	५३	५८	२२	२	५	५२	२२
५७	३९	४४	३/४७	६१	६	६	५७
३३	१०	४७	व.	४८	०	११	२२

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले ७ चंद्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ बालावस्था(बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

१७पं. श्रा.शु. १३चं.इ. ४५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	११	५	५	८	४
०	१७	२४	८	१६	८	१५	०
५९	५२	५५	२२	५७	४२	२८	२५
५३	२६	५	१९	२	२९	३६	३५
५७	३९	२८	०४/५६	५९	६	३	५७
४०	३५	१७	व.	२५	२०	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः						सं. २०६७ शाकः १९३२						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रावण. कृष्णेति महा.
१	बु	५६	१७	श	४२	५९	अ	३	२७	बा	१३	१८	३१/४७	५/३७	६/२३	३	१४	२५	कुंभे	[+जन्माष्टमी व्र. स्मा.
२	गु	५२	२६	पू	५०	५०	सु	५	५०	तै	१९	२२	५३	३७	२३	४	१५	२६	मी३३।५२	चित्रा. भौमः ३०।३२
३	शु	५७	५३	उ	५७	२६	धृ	८	११	व	२५	९	४९	३८	२२	५	१६	२७	मीने.	भ. २५/९ उ. ५७/५३ या. बुधास्त. पश्चिमायां ३५/१९
४	श	६०	०	रे	६०	०	शू	१०	८	ब	३०	१७	४६	३९	२१	६	१७	२८	मीने	चतुर्थी व्रतम्
४	र	२	४१	रे	३	४६	गं	११	३१	बा	२	४१	४२	४०	२०	७	१८	२९	मं.३।४६	हस्त. १ शनिः ४२।२५
५	चं	६	४०	अ	९	१९	वृ	१२	९	तै	६	४०	३८	४०	२०	८	१९	३०	मेषे	पूफा. रविः ४७।५८ चन्द्रषष्ठी
३	मं	८	१९	भ	१३	३९	ध्रु	१२	४	व	८	१९	३४	४१	१९	९	२०	३१	वृ.२९।२२	भ.८।१९ उ. ३९/३२ या.पूफा.रविःसौरः २४/५१
७	बु	१०	४४	कृ	१६	३२	व्या	१०	४४	ब	१०	४४	३०	४२	१८	१०	२१	१	वृषे	तुलायां शुक्रः९।४ सितम्ब ९ ता.३० +
८	गु	१०	२४	रो	१७	५१	ह	८	१५	कौ	१०	२४	२६	४३	१७	११	२२	२	मि४७।४२	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	शु	८	५	मृ	१७	३३	व	४/९	५४/३१	ग	८	५	२२	४४	१६	१२	२३	३	मिथुने	भ.३६।२ उ. गोगा ९ [* ११व्र.स्मा.
१०	श	३	५९	आ	१५	८	व्य	५१	३७	वि	३	५९	१८	४४	१६	१३	२४	४	क.५७।९	भ.३/५९ या.वक्रीउभा.१गुरुः २/५० अजा।*
११	श	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×वत्सद्वादशी
१२	र	५१	५२	पु	११	९	ध	४३	२६	कौ	२५	१	१५	४५	१५	१४	२५	५	कर्के	तुलायां भौमः५३।१२ अज ११ व्र. वै. ×
१३	चं	४२	१३	पु	५/२३	५३/२१	प	३४	१	वि	१७	३	११	४६	१४	२५	२६	६	सिं५८।४७	भ.४२।१३ उ. प्रदोषः
१४	मं	३२	३३	म	५१	७	शि	२३	४६	ग	७	२३	७	४७	१३	१६	२७	७	सिंहे	भ.७।२३ या. वक्री मघायांबुधः ४२।४०
३०	बु	२२	३७	पू	४३	१२	सि	१२	५०	ना	२२	३७	३	४७	१३	१७	२८	८	कं.५६।१८	कुशा ग्रहणी पिठोरी ३० मन्वादिः

२० पं.भा.कृ.१ बु.इ. ०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	११	२	५	८	४
३७	२२	२४	७	२३	९	१५	७
४४	१९	३६	४४	३७	२७	६	९
२०	४१	७	३५	८	७	२१	४
५७	४०	३२/८	६/२	५५	६	३	५७
४९	१	व.	वं.	४७	३३	११	४५

२१पं.भा.कृ.७बु.इ. ०।१९

रा	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	११	५	५	८	४
१४	६	१९	७	२९	१०	१४	१४
०	५१	१९	०	५२	१५	४४	५४
३०	५०	८	३२	२३	२२	५	१६
५८	४०	६३/३४	६/४५	५१	६	३	५७
१	१९	वा	व.	२३	५०	११	५७

२२पं.भा.कृ३०बु.इ.०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	११	६	५	८	४
२१	१	१३	६	५	११	१४	२०
१७	२५	५	१०	३७	४	२१	४०
२	५९	१७	४८	२३	१२	४९	५६
५८	४०	५०/२८	७/२८	४६	५	३	५८
१३	३८	व.	वः	२४	२	११	१३

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरद्दतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७३१ स. २०१०
१	गु	१२	३७	उ	३५	६५	सा	५८ १	१६	ब	१२	३७	५९ ५०	४८ ५	१२ ६	१८	२९	९	कन्यायां	स्वात्यां शुक्रः २१।८ चंद्रदर्शनम्
२	शु	२	२६	ह	२८	४७	शु	४१	२४	कौ	२	२६	५५	४९	११	१९	१	०	तु. ५६।१	बुधोदयः पूर्वस्यां ३९।१७ सव्वाल १०÷
३	शु	५२	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१०	० ०	[÷हरितालिका ३
४	श	४९	८	चि	२३	१६	ब्र	३२	२८	व	२२	१६	५१	५०	१०	२०	२	११	तुलायां	भ. २२।१६ उ. ४९।८ या. गणेशं चतुर्थी
५	र	४४	३१	स्वा	२०	२३	ऐं	२५	२	ब	१६	५०	४७	५१	९	२१	३	१२	तुलायां	मार्गी बुधः ५७।२६ ऋषि पंचमी
६	चं	४१	५६	वि	१९	३५	वै	१९	१४	कौ	१३	१३	४३	५१	९	२२	४	१३	वृ. १७।३	उफा. रविः ३२।२३
७	मं	४१	४३	अ	१७	४४	वि	१५	७	ग	११	४९	३९	५२	८	२३	५	१४	वृश्चिके	भ. ४१।४३ उ. उफा. रविः सौरः ९।३१
८	बु	४३	१४	ज्ये	२०	०	प्री	१२	२६	वि	१२	२८	३५	५३	७	२४	६	१५	ध. २०। ०	भ. १२।२८ या. स्वात्यां भौमः ५१।१०
९	गु	४६	३३	मृ	२३	५१	आ	११	२५	बा	१४	५१	३१	५४	६	२५	७	१६	धनुषि	कन्या यामर्कः ५७।४४ अस्तं शनिः ३३/३७
	शु	५१	१६	पू	२९	२२	सौ	११	५३	तै	१८	५५	२७	५५	५	२६	८	१७	म. ४६।१	कन्यार्कःसौरः ३४।४२ रामदवजीकामेला×
१०	श	५६	५८	उ	३५	५६	शो	१२	५५	व	२४	८	२२	५६	४	२७	९	१८	मकरे	भ. २४.८ उ. ५६।५८ या. जल झूलनी ११ व्र.
११	र	६०	०	श्र	४२	४५	अ	१४	५३	ब	३०	०	१८	५६	४	२८	१०	१९	मकरे	पूफा. बुधः १७।१४ वामन जयंती
१२	चं	३	२	ध	५०	४७	सु	१७	५	बा	३	२	१४	५७	३	२९	११	२०	कु १७।१६	प्रदोषः [×नवल दुर्गे
१३	मं	९	२८	श	५८	२५	धृ	१९	३१	तै	९	२८	९	५८	२	३०	१२	२१	कुम्भे	[Aसंध्या. पूजनारंभः
१४	बु	१५	३४	पू	६०	०	शू	२१	४९	व	१५	३४	५	५९	१	३१	१३	२२	मी. ४८/४४	भ. १५।३४ उ. ४८।२९ या. अनंत १४
१५	गु	२१	२४	पू	५	३१	गं	२४	२२	ब	२१	२४	३० ००	६ ००	६ ०	१	१४	२३	मीने	रा. आश्विनारंभः महालयारंभः कु .A

२३ भा. शु. ८ बु. इ. ०।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	११	६	५	८	४
२२	६	११	५	१०	११	१३	२७
५	५	५४	१६	३९	५४	५९	२९
२४	६	४३	१९	१६	४	३४	१५
५८	४०	३० ४८	५२ ५	३९	७	३	५८
२६	५६	मा	व.	५५	१०	११	२९

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद शुक्ले ९ गुरौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

३ पं. वै शु. ३ चं. इ. ४५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	११	६	५	८	५
४	१०	१६	४	१४	१२	१३	४
५५	४५	४४	२२	५७	४५	३७	१९
१६	३२	५६	१६	५४	४३	१८	२२
५८	४१	७५	५२ ५	२९	७	३	५८
३८	२२	३७	व.	४१	२०	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः स. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भा. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	शु	२६	२६	उ	१२	२५	बृ	२५	४	कौ	२६	२६	२९ ५६	६ ९	५५	२	१५	२४	मीने	[×४ राहुःआर्द्रा. २ केतुः २६।२६
२	श	३०	५२	रे	१८	१९	ध्रु	२६	४३	ग	३०	५२	५२	२	५८	३	१६	२५	मे १८।१९	[Aप्रदोषः [÷चतुर्थीव्र. [Bहतानां श्राद्धम्
३	र	३४	५	अ	२३	३५	व्या	२७	८	ब	२	२८	४८	२	५८	४	१७	२६	मेषे	भ. २।२८ उ ३४।५ या. हस्त २ शनिः ३९/३९÷
४	चं	३६	४०	भ	२७	४७	ह	२६	५२	ब	५	२२	४४	३	५७	५	१८	२७	वृ. ४३/३५	हस्ते रविः १०।५३ (सौरः ४६।१२) मुल×
५	मं	३७	५६	कृ	३०	५९	व	२५	३८	कौ	७	१८	४०	४	५६	६	१९	२८	वृषे	उफा. बुधः १८।५०
६	बु	३८	६	रो	३३	०	सि	२३	३६	ग	८	१	३६	५	५५	७	२०	२९	वृषे	भ. ३८।६ उ. वक्री पूभा. ४ गुरुः ४८।३३
७	गु	३६	५५	मृ	३३	५२	व्य	२०	३०	वि	७	३१	३२	६	५४	८	२१	३०	मि. ३/२६	भ. ७।३१ या. कन्यायां बुधः १६।५७+
८	शु	३४	१४	आ	३३	१४	व	१६	१८	बा	५	३५	२८	६	५४	९	२२	१	मिथुने	अक्टूबर १० ता. ३१
९	श	३०	१५	पु	३१	८	प	१०	५०	तै	२	१६	२३	७	५३	१०	२३	२	क. १६/४०	भ. ५७।३५ उ. मातृ ९ (सौभाग्यवतीनां श्रा)
१०	र	२४	५५	पु	२७	३९	शि	४/१७	५२/२८	वि	२४	५५	१९	८	५२	११	२४	३	कर्के	भ. २४।५५ या.
११	चं	१८	४	श्ले	२२	५६	सा	४८	११	बा	१८	४	१५	९	५१	१२	२५	४	सिं. २२/५६	वक्री शुक्रः ५५।४९ इंदिरा ११ व्र.
१२	मं	१०	१७	म	१७	४	शु	३८	४२	तै	१०	१७	११	१०	५०	१३	२६	५	सिंहे	हस्ते बुधः ५१।१२ विशा. भौमः २९।२३
१३	बु	१	३१	पू	१०	२५	शु	२८	३७	व	१	३१	७	११	४९	१४	२७	६	क. २३।३८	भ. १।३१ उ. २६।५८ या. शस्त्रादि
१४	बु	५०	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+बुधास्तः पूर्वस्यां २०।४०
३०	गु	४३	२५	उ	३/१७	५३/३	ब्र	१८	५	च	१७	५५	३	११	४९	१५	२८	७	कन्यायां	सर्व पितृ ३०

२५ पं. आ. कृ. ५ मं. इ. ५९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	११	६	५	८	५
११	१५	२७	३	१७	१३	१३	११
४९	३१	४९	२६	५०	३८	१५	११
५२	५५	१६	२४	११	२८	३	२२
५८	४१	७ ००	५ ४	१७	७	३	५९
५३	३४	३५	व.	२५	२०	११	००

गोचर ग्रहाः

इस मास में शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई आदि में अच्छी तेजी करेगा धान्य मंदे होकर तेज हो प्रजा में पीड़ा हो।

गोचर ग्रहाः

२६ पं. आ. कृ. १२ मं. इ. ५९/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	११	६	५	८	५
१८	२०	१०	२	१९	१४	१२	१८
४०	२१	१४	३३	१६	३०	५२	५
८	११	५६	००	३४	७	४७	९
५२	४२	७ ००	५ ७	३ ७	७	३	५९
९	५	११	व.	व.	२०	११	१६

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७६०स.२०१०
१	शु	३४	५५	चि	४९	५५	ऐ	७/५६	५०/४०	किं	९	१०	२८/५९	६/१२	५/४८	१६	२९	८	तुं.२३।७	नवरात्रारम्भः मातामह श्राद्धम्
२	श	२७	४०	स्वा	४४	४७	वि	४९	४३	बा	१	१७	५५	१३	४७	१७	३०	९	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
३	र	२१	५५	वि	४१	१२	प्री	४३	१९	ग	२१	५५	५१	१४	४६	१८	१	१०	वृ.२७।६	भ.४९।५८उ.चित्रा.रविः ४३/४५ जिल्काद ११
४	चं	१८	२	अ	३९	२०	आ	३६	११	वि	१८	२	४७	१५	४५	१९	२	११	वृश्चिके	भ.१८।२या.चित्रा.रविःसौरः१७।४८
५	मं	१६	३४	ज्ये	४०	०	सौ	३२	८	बा	१६	३४	४३	१५	४५	२०	३	१२	ध.४०।०	
६	बु	१६	५४	मू	४३	२०	शो	२९	४७	तै	१६	५४	३९	१६	४४	२१	४	१३	धनुषि	चित्रा. बुधः२१।३१
७	गु	१९	२८	पू	४७	५१	अ	२९	१०	व	१९	२८	३५	१७	४३	२२	५	१४	ध.नुषि	भ.१९।२८उ.५१।३८या.
८	शु	२३	४७	उ	५२	४७	सु	२९	१५	ब	२३	४७	३१	१८	४२	२३	६	१५	म.४।५	[A का. स्ना. प्रा. [÷ पश्चिमायाम् ३६।०
९	श	२९	१७	श्र	५९	५७	धृ	३०	३८	कौ	२९	१७	२७	१९	४१	२४	७	१६	मकरे	
१०	र	३५	४	ध	६०	०	शू	३२	४९	तै	२	१०	२३	१९	४१	२५	८	१७	कुं३३।४०	तुलायामर्कः२६।४४तुलायां बुधः१९।४
११	चं	४२	६	ध	७	२२	गं	३५	१	व	८	३५	२०	२०	४०	२६	९	१८	कुंभे	भ.८/३५उ.४२/६या.तुलार्कःसौरः०।३०पापां+
१२	मं	४८	१३	श	१५	८	बृ	३७	३२	ब	१५	१०	१६	२१	३९	२७	१०	१९	कुंभे	बृश्चिके भौमः४७।२उदयं शनेः३६।४३
१३	बु	५४	४	पू	२२	२०	ध्रु	३९	३८	कौ	२१	८	१२	२२	३८	२८	११	२०	मी.५।३२	प्रदोषः [+ कुशा ११ व्र.
१४	गु	५८	५०	उ	२९	७	व्या	४१	१३	ग	२६	२७	८	२२	३८	२९	१२	२१	मीने	भ.५८/५०उ. स्वात्यां बुधः १०/५५ शुक्रास्तः ÷
१५	शु	६०	०	रे	३४	४५	ह	४१	५२	वि	३०	२५	४	२३	३७	३०	१३	२२	मे.३४।४५	भ.३०/२५या.शरद् पूर्णिमा कोजागरी व्र. A
१५	श	२	३५	अ	३९	२८	व	४१	४९	ब	२	३५	०	२४	३६	१	१४	२३	मेषे	हस्त.३शनिः५०।५७श.कार्तिकारंभः

२७ पं.आ.शु.५ मं. इ. ५९/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	११	६	५	८	५
२५	२५	२२	१	१८	१५	१२	२५
३५	१३	४०	४४	५२	२१	३०	००
२	८	१६	३५	४४	४	३१	५१
५९	४२	०/०	६/२३	१०/२८	७	३	५९
२१	२२	६/४१	व.	वं.	१४	११	३१

गोचर ग्रहाः

मं.शु ७ | ५ | ४ | ८ | शबुसू३ | १ रोचं | ३के | १० | गु१२ | २ | ११ | १

आश्विन शुक्ले १० रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

८मं | श६ | ५ | रा९ | शुबुसू७ | ४ | १० | के | १ | चं११ | ३ | १२गु | २

२८पं.आ.शु.१२ म.इ. ५९/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	११	६	५	८	६
२	०	४	१	१६	१६	१२	१
३१	८	३७	०	३३	११	८	५८
२६	३८	३०	३२	४०	४६	१६	१७
५९	४२	०/०	५/३४	२७/३९	७	३	५९
३४	३२	६/५८	व.	व.	८	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे आश्वि.कृष्णेति महारा
१	र	५	११	भ	४२	५५	सि	४०	५६	कौ	५	११	२७/५६	६/२५	५/३५	२	१५	२४	वृ.५८।३४	स्वात्यां रविः ८/४८ (सौरः ४१/३३ अनु.भौमः २८/५
२	चं	६	५०	कृ	४५	३१	व्य	३९	८	ग	६	५०	५३	२५	३५	३	१६	२५	वृषे	भ.३७।०उ. [=प्रदोषः रूप १४
३	मं	७	११	रो	४७	२	व	३६	२५	वि	७	११	४९	२६	३४	४	१७	२६	वृषे	भ.७।११या.करक चतुर्थी व्र.
४	बु	६	३४	मृ	४७	३५	प	३३	५	बा	६	३४	४५	२७	३३	५	१८	२७	मि. १७/१९	
५	गु	५	५	आ	४७	१४	शि	२८	५८	तै	५	५	४१	२८	३२	६	१९	२८	मिथुने	
६	शु	२	४४	पु	४५	५६	सि	२४	४	व	२	४४	३७	२९	३१	७	२०	२९	कं.३१।१६	भ.२/४४उ.३१।५या.विशा.बुधः२२।१०
७	शु	५६	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×४९।१०शुक्रोदयःपूर्वस्याम् ३४।१२ =
८	श	५५	१७	पु	४३	५१	सा	१८	२०	बा	२७	२१	३४	२९	३१	८	२१	३०	कर्के	[Bवक्री चित्रा.शुक्रः १८/५० अन्नकूटं गोव. पूजा
९	र	५०	३१	श्ले	४०	४८	शु	१२	५	तै	२२	५४	३०	३०	३०	९	२२	३१	सिं. ४०/४८	
१०	चं	४४	२०	म	३६	५६	शु	४/५२	५२/१९	व	१७	२६	२७	३१	२९	१०	२३	१	सिंहे	भ.१७।२६उ.४४/२०या. नवम्बर ११ ता.३०
११	मं	३७	४३	पू	३२	२५	ऐ	४८	४७	ब	११	१	२३	३१	२९	११	२४	२	कं४६।४	वक्री पूभा.३कुंभे गुरुः३९।३१रमा११व्र.
१२	बु	३१	३४	उ	२७	०	वै	३९	५९	कौ	४	३८	१९	३२	२८	१२	२५	३	कन्यायां	धन १३
१३	गु	२३	८	ह	२१	२८	वि	३०	५६	व	२३	८	१६	३३	२७	१३	२६	४	तु.४८।४३	भ.२३।८उ.४९।२४या.बृश्चिक बुधः ×
१४	शु	१५	४०	चि	१५	५८	प्री	२१	५५	श	१५	४०	१२	३४	२६	१४	२७	५	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	श	८	५८	स्वा	११	८	आ	१३	२२	ना	८	५८	९	३४	२६	१५	२८	६	वृ.५३।५	विशा.रविः२९।१२(सौरः५८।५७) B

२९ पं.का.कृ. ३ मं.इ. ५९/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	११	६	५	८	६
९	५	१६	०	१२	१७	११	८
२९	७	१	२४	४७	१	४६	५७
४२	४१	३०	५०	२४	४४	०	३७
५९	४२	५९	४/३५	३५	६	३	६०
४७	४८	५८	व.	५८	५६	११	०२

गोचर ग्रहाः

मं८ | ७ | श६ | ५ | ९रा | शसूबु. | ४ | १० | ३के | ११ | १ | १२गु. | २चं

यत्र मासे रवेर्वाराः जायत पञ्च सन्तनम्। दुर्भिक्षं छत्र भङ्गश्च तथास्ते च महद्भयम्।

इस मास में ५ रविवार तेजी कारक हैं कहीं पीड़ा होवे ।

गोचर ग्रहाः

मं८ | ६चंश | ५ | रा९ | शुबु७सू | ४ | १० | ३के | गु११ | १ | १२ | २

३०पं.का. कृ.११ मं. इ. ५८/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	१०	६	५	८	६
१६	१०	२७	२९	८	१७	११	१५
२९	१०	०	५८	३२	५०	२३	५८
२८	२६	४३	५२	५३	२४	४५	४१
६०	४३	९७	३/३१	३३/५२	६	३	६०
४	८	३१	व.	व.	३८	११	१८

(मं० २००१ समारम्य २१००पर्यन्तम्)

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७९०स.२०१०
१	र ३।१३ वि ७ ४ सौ ३८।५३	ब ३	१३	२७	३५	२५	१६	२९	७ वृश्चिके	अनु.बूधः ९।४९ बुधोदयः पश्चिमायां =
२	र ५५।४७ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= ४६।३४ चन्द्रदर्शनम् भातृ २ यम २
३	चं ५६।४५ अ ४।२८ अ ५३।४१	ते	२७	५२	२	३६	२४	१७	१ ८	वृश्चिके जिल्हेज १२
४	मं ५६।१३ ज्ये ३।३७ सु ४९।४१	व	२६	२९	२६।५८	३६	२४	१८	२ ९	ध.३।३७ भ. २६।२९ उ. ५६।१३ या.
५	बु ५८।१ मू ४।४१ धृ ४७।४७	ब	२७	७	५५	३७	२३	१९	३ १०	धनुषि
६	गु ६०।० पू ६।४७ शू ४७।१३	कौ	२९	४७	५२	३८	२२	२०	४ ११	म.२३।२० ज्येष्ठा भौमः ५६।३९
६	शु १।३१ उ ११।४६ गं ४७।३२	ते	१	३१	४९	३८	२२	२१	५ १२	मकरे [Lमार्गी गुरुः २०।५१ वैकुंठ १४
७	श ६।३५ श्र १९।१९ वृ ४९ ९	व	६	३५	४५	३९	२१	२२	६ १३	कुंभ५२।४९ भ. ६।३५ उ. ३९।३५ या.
८	र १२।३५ ध २६।२० ध्रु ५१।१८	ब	१२	३७	४२	४०	२०	२३	७ १४	कुंभे गोपाष्टमी
९	चं १९ ७।श ३४ २ व्या ५३।३४	कौ	१९	७	३९	४०	२०	२४	८ १५	कुंभे कुष्माड ९ अक्षय ९
१०	मं २५।२४ पू ४१।१६ ह ५५।४३	ग	२५	१९	३६	४१	१९	२५	९ १६	मी.३४ भ. ५८।२२ उ. वृश्चिकेऽर्कः २५।१७ ÷
११	बु ३१।१९ उ ४८।२५ व ५७।२२	वि	३१	१९	३३	४१	१९	२६	१० १७	मीने भ. ३१ या प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.
१२	गु ३६ ४ रे ५४ ८ सि ५८।२७	ब	३	४२	३०	४२	१८	२७	११ १८	मे.५४।८ [÷ (सौरः ५३।१४) ज्येष्ठा बुधः ६।२७
१३	शु ३९।३२ अ ५८।३७ व्य ५७।५६	कौ	७	४८	२७	४३	१७	२८	१२ १९	मेषे अनु. रविः ४३ मार्गी शुक्रः ३५ प्रदोषः
१४	श ४१।३७ भ ६०।० व ५६।३०	ग	१०	३४	२५	४३	१७	२९	१३ २०	मेषे भ. ४१।३७ उ. अनु. रविः सौरः १०।२L
१५	र ४२।१२ भ १।५२ प ५४।४	वि	११	५४	२२	४४	१६	३०	१४ २१	वृ.१७।१७ भ. ११।५४ या मन्वादिः का. स्ना. पू.

३१पं.का.शु.४मं.इ.५८।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	१०	६	५	८	६
२३	१५	७	२९	५	१८	११	२३
३०	१४	४७	४१	१५	३७	१	१
५०	१७	२	३१	४	१	२९	१५
६०	४३	९४	३	३	६	३	६०
१७	३५	५४	व.	व.	२६	११	३०

गोचर ग्रहाः

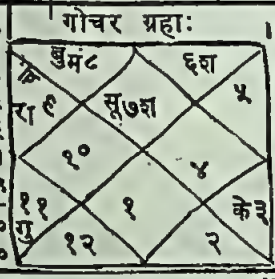

कार्तिक शुक्ले १० भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न३प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

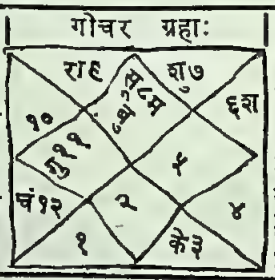

३२पं.का.शु. १०मं.इ. ५९।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१०	६	५	८	७
०	२०	१७	२९	३	१९	१०	०
३३	२२	५५	३३	२८	२१	३९	५
२९	५	५९	५०	५०	३६	१३	१९
६०	४३	८७	४०	१७	६	३	६०
३०	५०	४२	व.	व.	१४	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा.
१	चं ४१।२१ कृ ३।३५ शि ५०।२३ आ	११	४६	२६।१५	४४	१६	१	१५	२२ वृषे	रा.मार्गशीर्षारंभः
२	मं ३९।३३ रो ४ ६ सि ४६।१२ तै	१०	२०	१७	४५	१५	२	१६	२३ मि३३।४६	हस्त. ४ शनिः २०।०
३	बु ३६।३५ मृ ३।२६ सा ४१ ५ ब	८	८	१४	४५	१५	३	१७	२४ मिथुने	भ. ८।८ उ. ३६।३५ या.
४	गु ३३।१२ आ ३।११ शु ३५।२८ ब	४	२९	१२	४६	१४	४	१८	२५ क.४५।४९	मूल धनुषि बुधः ४८।३२ चतुर्थी व्र.
५	शु २९ ९ पु २।५७ शु २९ १० कौ	१	१०	९	४६	१४	५	१९	२६ कर्के
६	श २४।५९ श्ले ५५।५३ ब्र २२।४६ व	२४	५९	७	४७	१३	६	२०	२७ सिं५५।५३	भ. २४ उ. ५२ या. अस्तो भौमः ३०
७	र २०।१७ म ५१।५० ऐं १६ १ ब	२०	१०	५	४७	१३	७	२१	२८ सिंहे
८	चं १५।२२ पू ४८।२४ वै ९ २ कौ	१५	२२	२	४८	१२	८	२२	२९ सिंहे मूले धनुषि भौमः ५३ मूल ३ राहुः ×
९	मं १०।३८ उ ४४।४६ वि ४४।३३ ग	१०	३८	०	४८	१२	९	२३	३० कं.२।२९ भ. ३७।४१ उ.
१०	बु ४।४४ ह ४१ २ आ ४६।४० वि	४	४४	२५।५८	४८	१२	१०	२४	१ कन्यायां भ. ४।४४ या. स्वात्यां शुक्र! २७।१३ A
११	बु ५४।३१ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० [Aदिसम्बर१२ता.३१उत्पत्ति ११व्र.स्मा.
१२	गु ५३।४६ चि ३८।१४ सौ ३९।१० कौ	२६	३१	५६	४९	११	११	२५	२ तु.९।३८ ज्येष्ठा रविः ५३।४४ उत्पत्ति ११ व्र. वै.
१३	शु ४८।४१ स्वा ३३।३८ शो ३१।५८ ग	२१	१३	५४	४९	११	१२	२६	३ तुलायां भ. ४९ उ. ज्येष्ठा रविः सौरः ५७ प्र.
१४	श ४४।११ वि ३०।४० अ २५ ५ वि	१६	२६	५३	४९	११	१३	२७	४ वृ.१६।२५ भ. १६।२६ या. पूभा. ४ मीने गुरुः २७
३०	र ४०।४८ अ २८।२८ सु १८।४५ च	१२	२९	५१	५०	१०	१४	२८	५ वृश्चिके [× आर्द्रा १ केतुः १८।७

३३ पं.मा.कृ. २ मं. इ. ५९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१०	६	५	८	७
७	२५	२७	२९	४	२०	१०	७
३७	३३	४१	३६	१३	३	१६	१०
२६	७	१३	४	१	४३	५८	५२
६०	४४	७५	३०	११	५	३	६०
४२	११	२९	मा.	मा.	५०	१९	५३

गोचर ग्रहाः

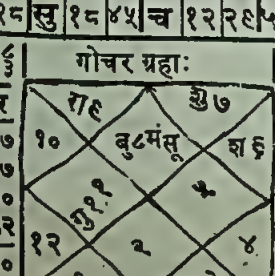

मार्गशीर्षे शुक्ले १० गुरौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वां. ३ न. ३ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

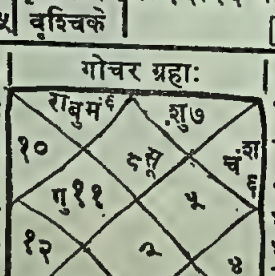

३४ पं.मा.कृ. ९मं.इ.५९।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	१०	६	५	८	७
१४	०	६	२९	६	२०	९	१४
४२	४७	५५	४९	२९	४२	५४	१७
४०	२९	४३	१६	१७	२९	४२	३८
६०	४४	६२	१	२२	५	३	६१
५०	२६	५	५५	१	१९	११	३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६६ स. २०१०
१	चं ३८ ४६ ज्ये २७ ४८ धृ १३ २८ किं ६ ४६	२५ ४९	५०	१०	१५	२६	६	ध. ३७ ४८	
२	मं ३८ २३ मू २८ ३१ शू ६ २७ बा ८ ३६	४८	५०	१०	१६	३०	७	धनुषि	चंद्रदर्शनम् पातस्पर्शः १६।२ पातमोक्षः ५१ ४१
३	बु ३९ ४२ पू ३० ४७ गं ६ ३६ तै ६ २	४६	५१	६	१७	१	८	म.४६।४७	मोहोरम् १ सन् १४३२ हिं.
४	गु ४२ ४२ उ ३४ ४६ वृ ५ १६ व ११ १२	४५	५१	६	१८	२	६	मकरे	भ.११।१२उ.४२।४२या.वक्रीबुधः ६।४६
५	शु ४७ २२ श्र ४० २७ ध्रु ४ ४५ ब १५ २	४४	५१	६	१९	३	१०	मकरे	
६	श ५३ ० ध ४६ ५८ व्या ५ ५५ कौ २० ११	४३	५१	६	२०	४	११	कुं. १३	चंपा ६
७	र ५६ ३० श ५४ २६ ह ६ ३१ ग २६ १५	४२	५२	८	२१	५	१२	कुंभे	भ.५६।३० उ.
८	चं ६० ० पू ६० ० व ६ ३१ वि ३२ ४२	४१	५२	८	२२	६	१३	मी. ४५ १२	भ ३२।४२ या.
८	मं ५ ५५ पू २ ७ सि ११ ४७ ब ६ ५५	४०	५२	८	२३	७	१४	मीने	बु अस्तः पश्चिमायां ५।१८
९	बु १२ ० उ ६ १६ व्य १३ ४५ कौ १२ ०	३९	५२	८	२४	८	१५	मीने	
१०	गु १७ ७ रे १५ ४२ व १५ ३ ग १७ ७	३९	५२	८	२५	६	१६	मे.१५।४२	भ ४६ उ.मूले धनुष्यर्कः०।५६ (सौरः २५ ४६)
११	शु २० ४६ अ २० ३३ प १५ ६ वि २० ४६	३८	५२	८	२६	१०	१७	मेषे	.२०।४६ या. पूषा. भौमः २८।१५ ÷
१२	श २२ ४६ अ २४ ६ शि १४ ११ बा २२ ४६	३८	५२	८	२७	११	१८	वृ.३६।३४	प्रदोषः [÷मोक्षदा ११ म्र.गीता जयंती
१३	र २३ ७ कृ २५ ५० सि ११ ४१ तै २३ ७	३७	५३	७	२८	१२	१९	वृषे	
१४	चं २१ ३७ रो २५ ४७ सा ७ ४८ व २१ ३७	३७	५३	७	२९	१३	२०	मि५५।३	भ.२१।३७उ.५०।६ या. दत्त जयंती
१५	मं १८ ३५ मृ २४ १६ शु ४० ५४ ब १८ ३५	३६	५३	७	३०	१४	२१	मिथुने	विशा. शुक्रः २३।२९

३५पं.मा.शु.२ मं.इ. ५७ ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	शा	र
७	८	८	११	६	५	८	७
२१	६	११	०	१०	२१	९	२१
४८	३	३०	११	५	१८	३२	२५
४३	४०	४	५६	१३	४	२७	२१
६०	४४	२३	३	३४	४	३	६१
५६	३७	३५	२४	मा	५०	११	११

३६पं.मा.शु.८ मं. इ. ५७ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	११	६	५	८	७
२८	११	१०	०	१४	२१	९	२८
५५	२४	१६	४३	४९	४९	१०	३४
३७	१४	१	८	५५	४८	११	४
६१	४४	५३ ५४	४	४१	४	३	६१
०	४७	व.	३५	५७	२३	११	१९

३७पं. मा शु. १५मं.इ. ५७ २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	११	६	५	८	८
६	१६	१	१	२०	२२	८	५
३	४५	२७	२४	२७	१७	४७	४३
१४	१८	४७	२०	२५	१०	५५	२०
६१	४५	५३ ५४	५	४८	३	३	६१
४	२	व.	४७	२४	४४	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	बु १४ १७ आ २१ ४८ म्र ४६ ४० कौ १४ १७	३५ ५६	५७		१	१५	२२	मिथुने	वक्री ज्येष्ठा. बृश्चिके बुधः ५२।२९ रा.+
२	गु ९ १४ पु १८ ८ ग ६ १४	३६ ५३	७		२	१६	२३	क ४।४	भ.३६।२३उ. [+ पौषारंभः
३	शु ३ ३२ पु १४ ५ वै ३४ २६ वि ३ ३२	३६ ५३	७		३	१७	२४	कर्के	भ.३।३२या.चतुर्थी व्र.
४	शु ५४ ११ ० ० ० ० ० ० ०	० ०	०		०	०	०	०	
५	श ५१ ४९ श्ले ६ ३ वि २६ ३६ कौ २४ ४६	३७ ५३	७		४	१८	२५	सिं. ६।३	बुधोदयः पूर्वस्यां ११।३६
६	र ४६ २२ म ६ १ प्री १८ ५२ ग १६ ५	३७ ५३	७		५	१९	२६	सिंहे	भ.४६।२२उ.
७	चं ४१ १६ पू ३ ५६ ३५ आ ११ १४ वि १३ ५०	३७ ५३	७		६	२०	२७	कं.१६।२५	भ.१३।५०या.
८	मं ३६ २३ ह ५५ ३५ सौ ५५ ५४ बा ८ ५०	३८ ५२	८		७	२१	२८	कन्यायां	
९	बु ३२ १५ चि ५३ १ अ ५० २५ तै ४ १६	३८ ५२	८		८	२२	२९	तु.२४।१७	भ.५९ उ.पूषा.बुधः ५० (सौरः २३।२४)
१०	गु २७ ४४ स्वा ५० ४६ सु ४४ १६ वि २७ ४४	३९ ५२	८		१०	२४	३१	तुलायां	भ.२७।४४या,मार्गी बुधः ३३।४१
११	शु २४ १९ वि ४६ २ धृ ३८ ३१ बा २४ १६	४० ५२	८		११	२५	१	वृ.३४।२६	सफला ११ व्र.
१२	श २१ ३४ अ ४८ १५ शू ३३ २२ तै २१ ३४	४१ ५२	८		१२	२६	२	वृश्चिके	बृश्चिके शुक्रः ३० जनवरी १ ता. ३१ B
१३	र १६ ३८ ज्ये ४८ ३१ गं २८ ५६ व १६ ३८	४२ ५२	८		१३	२७	३	ध.४८।३१	भ.१६।३८उ.४६।१४या.
१४	चं १८ ५० मू ४९ ५८ बृ २५ २८ श १८ ५०	४३ ५१	९		१३	२७	३	धनुषि	उषा.भौमः ४८।१६
१५	मं १६ ४ पू ५२ ३२ ध्रु २२ ५३ ना १६ ४	४४ ५१	९		१४	२८	४	धनुषि	अनु.शुक्रः ५२।१ [Bसन् २०११ प्रदोषः

३८पं.पौ.कृ.८मं.इ.५७।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	११	६	५	८	८
१३	२२	२५	२	२६	२२	८	१२
११	६	१५	१३	४०	४०	२५	५३
१३	३२	३२	१७	५९	१२	४०	२१
६१	४५	१३ ५४	६	५३	३	३	६१
६	२२	व.	४३	१६	१६	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य सोना चांदी ताम्बा पीतल रसगुड़ सक्कर चीनी घृत तेल तृण घास पशु तेज रहे सुदि में धातु हो।

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.कृ.३०मं.इ.५७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	११	७	५	८	८
२०	२७	२७	३	३	२२	८	२०
१५	३२	३६	९	२४	५८	३	०३
२६	२०	२५	५०	५८	२३	२४	१८
६१	४५	१३ ५४	७	५७	२	३	६१
६	३२	मा	५३	३	१९	११	२६

६१ ÷ चंरामं

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२	दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६८४९स.२०११
१	बु २०४६ उ ५६ २८ ज्या २१ ४२ ब २० ४६	३५	६	५	१५	२९	५	म.८।३१	चंद्र दर्शनम्
२	गु २४ २ श्र ६० ० ह २० ५८ कौ २४ २	४७	५१	९	१६	१	६	मकरे	उभा.१गुरुः१४।३७ सफर
३	शु २८ ३१ श्र १ ३६ व २१ २० ग २८ ३१	४८	५०	१०	१७	२	७	कुं.३४।२०	
४	श ३४ ४ ध ७ ४ सि २२ ४४ व १ १७	५०	५०	१०	१८	३	८	कुंभे	भ.१।१७उ.३४।४या.मूले धनुषि बुधः A
५	र ४० २५ श १५ ७ व्य २४ ४४ ब ७ १५	५२	५०	१०	१९	४	९	कुम्भे	[A २९।३१ मकरे भौमः११।४७
६	चं ४६ ५७ पू २२ ४५ व २७ ७ कौ १३ ४१	५३	४९	११	२०	५	१०	मी. ५०	
७	मं ५३ २२ उ ३० १४ प २९ १९ ग २० १०	५५	४९	११	२१	६	११	मीने	भ.५३।२२उ.उषा.बुधः १०/४ (सौरः २४/५१)
८	बु ५८ ५८ रे ३६ ५४ शि ३१ ८ वि २६ १०	५७	४९	११	२२	७	१२	मे.३६।५४	भ.२६।१० या.
९	गु ६० ० अ ४२ ४७ सि ३२ ५ बा ३१ ४	५९	४८	१२	२३	८	१३	मेषे	
९	शु ३ ११ भ ४७ २२ सा ३१ ५४ कौ ३ ११	२६/९	४८	१२	२४	९	१४	मेषे	मकरेऽर्कः २७/८ (सौरः ४०/९८) पातस्पर्शः ४०।४
१०	श ६ १ कृ ५० ३ शु ३० २२ ग ६ १	४	४७	१३	२५	१०	१५	वृ.३।२	भ.३६।२४उ.पातमोक्षः ५।८
११	र ६ ४७ रो ५१ ३४ शु २७ १४ वि ६ ४७	६	४७	१३	२६	११	१६	वृषे	भ.६।४७या.पुत्रदा ११व्र.
१२	चं ५ ३० मृ ४९ २३ ब्र २२ ३१ बा ५ ३०	८	४६	१४	२७	१२	१७	मि. ३०	ज्येष्ठा.शुक्रः ४३।१० प्रदोषः
१३	मं २ २० आ ४६ २५ ऐं १६ १३ तै २ २०	११	४६	१४	२८	१३	१८	मिथुने	भ.५७।१६उ.चित्रा.१शनिः ५०।४६
१४	मं ५४ ५६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	बु ५१ २ पु ४१ ५७ वै ८ ४२ बि २४ ९	१३	४५	१५	२९	१४	१९	क.२८।४	भ.२४।९पूषा.बुधः १७।४४मा.स्ना.प्रा.

४०पं.पौ.शु.७मं.इ.५७।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	११	७	५	८	८
२७	२	४	४	१०	२३	७	२७
२७	५८	१२	१३	२२	११	४१	१३
२२	१२	४३	१६	५६	३१	९	१०
६१	४५	६३	८	६०	१	३	६१
६	४७	२९	४९	९	३२	११	२४

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले ९ शुक्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

४१पं.पौ.शु.१३मं.इ.५७/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	११	७	५	८	९
४	८	१२	५	१७	२३	७	४
३५	२६	५४	२३	५७	२०	१८	२२
१३	३५	७	२४	४	६	५३	३९
६१	४५	७५	९	६२	०	३	६१
३	५७	३१	४०	२९	५६	११	१८

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णांते महा.
१	गु ४३ ५३ पु ३६ ४१ वि १८ ५० बा १७ २८	२६	४९	१५	३०	१५	२०	कर्क	अभि.प्र.रविः ५९।३८श्रवणे भौमः ५९।९
२	शु ३६ १४ श्ले ३० ४९ आ ४१ ५० तै १० ३	१९	४४	१६	१	१६	२१	सिं. ३९	अभि.प्र.रविः सौरः ११।३९रा.माघारंभः
३	श २८ २१ म २५ ५१ सौ ३२ २९ व २ १७	२१	४४	१६	२	१७	२२	सिंहे	भ.२।१७उ.२८।२१या.चतुर्थी व्र.
४	र २१ ३ पू १९ १९ शो २३ २३ बा २१ ३	२४	४३	१७	३	१८	२३	कं.३३।५	[÷८।३०(सौरः १९।५२)
५	चं १४ २२ उ १४ २४ अ १४ ५४ तै १४ २२	२७	४३	१७	४	१९	२४	कन्यायां	श्रवणे रविः १६।१५।सौरः २७।३५)
६	मं ८ २९ ह १० ६ सु ५७ ५२ व ८ २९	२९	४२	१८	५	२०	२५	तु.३८।३१	भ.८।२९उ.३६।०या.अभि. नि. रविः ÷
७	बु ३ ५६ ३१ चि ६ ५७ शू ५३ ३७ ब ३ ३१	३३	४२	१८	६	२१	२६	तुलायां	उभा.२गुरुः १।३८पातस्पर्शः ३८।६पात-×
८	गु ५७ १ स्वा ४ ५५ गं ४८ २१ तै २८ १७	३५	४१	१९	७	२२	२७	वृ.४९।४१	वक्री शनिः ३७।१३ [×मोक्षः ५४।४४
९	शु ५४ ५६ वि ३ ५६ वृ ४३ ५२ व २५ ५८	३८	४०	२०	८	२३	२८	वृश्चिके	भ.२५।५८उ.५४।५६या.उषा.बुधः ४६/१८
१०	श ५४ ८ अ ३ ५१ धु ४० १८ ब २४ ३२	४१	४०	२०	९	२४	२९	वृश्चिके	मूले धनुषि शुक्रः ४९।३४षट्तिला ११व्र.
११	र ५४ ४४ ज्ये ४ ५० ज्या ३७ ४० कौ २४ २६	४५	३९	२१	१०	२५	३०	ध.४।५०	मकरे बुधः ५९।५१
१२	चं ५६ ८ मू ७ ९ ह ३५ ४७ ग २५ २८	४८	३८	२२	११	२६	३१	धनुषि	भ.५६।८ उ. मूलु. २राहुः मृग. ४केतुः =
१३	मं ५८ ४५ पू १० २५ व २५ ५ वि २६ ५६	५१	३८	२२	१२	२७	१	म.२६।२८	भ.२६।५६या.फर्वरी २ ता. २८
१४	बु ६० ० उ १४ ३८ सि ३४ ३८ च ३० ३२	५४	३७	२३	१३	२८	२	मकरे	वक्री हस्ते.४शनिः ४२।२१
३०	गु २ ३२ श्र १९ ५७ व्य ३५ २६ ना २ ३२	५८	३६	२४	१४	२९	३	कुं.५३।८	[= ११।१० प्रदोषः

४२पं.मा.कृ.६मं.इ.५७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	११	७	५	८	९
११	१३	२२	६	२५	२३	६	११
४२	५५	३५	३९	३७	२२	५६	३१
४०	३७	३५	१४	३०	२६	३७	३०
६०	४६	८६	१०	६४	०	३	६१
५९	७	४४	२५	१९	१०	११	१३

गोचर ग्रहाः

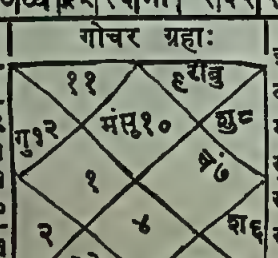

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का जो मंदे हो सुदि में धातु चांदी सोना ताम्बा रस गुड़ सक्कर तेज रहे, शीत अधिक पड़े ।

गोचर ग्रहाः

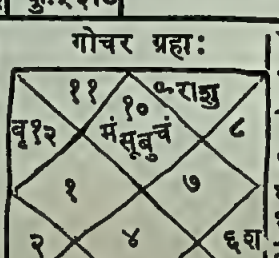

४३पं.मा.कृ.१४मं.इ.५७/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	११	८	५	८	९
१८	१९	३	७	३	२३	६	१८
४९	२५	३	५९	२५	२०	३४	२९
१०	२३	४३	४६	५९	२४	२२	३५
६०	४६	९५	११	६५	३	३	६१
५५	७	२१	४	४९	३	११	४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६८७९स.२०११
१	शु	७	२८	ध	२६	१७	व	३६	४५	ब	७	२८	२७	६	५	१५	३०	४	कुंभे चंद्रदर्शनम्
२	श	१२	५७	श	३३	१९	प	३८	३४	कौ	१२	५७	१	३५	२५	१६	१	५	कुंभे रविलाव ल
३	र	१९	२०	पू	४०	४७	शि	४०	४३	ग	१९	२०	५	३४	२६	१७	२	६	मी. ३३ भ.५२ उ. घनि.रवि: ३४ (सौर: ३३) ÷
४	चं	२५	५५	उ	४८	२५	सि	४३	२	वि	२५	५५	१२	३४	२६	१८	३	७	मीने भ. २५।५५ या. बुधास्तः पूर्वस्यां२०।११
५	मं	३२	२३	रे	५६	१	सा	४५	२४	बा	३२	२३	१५	३३	२७	१९	४	८	मे.५६।१ वसंत ५ [÷श्रवणेबुध: ३४ धनि.भौम: ५०
६	बु	३८	२२	अ	६०	००	शु	४७	१०	कौ	५	२२	१९	३२	२८	२०	५	९	मेषे पातस्पर्श: ५।७ पातमोक्षः २०।३१
७	गु	४३	१३	अ	२	५२	शु	४७	५२	ग	१०	४७	२३	३१	२९	२१	६	१०	मेषे भ.४३।१३ उ. पूषा.शुक्र: ४० भानु७रथ७
८	शु	४६	५३	भ	८	१९	ब्र	४७	२८	वि	१५	२	२७	३१	२९	२२	७	११	वृ.३४ भ.१५।२या.उभा.३ गुरु: ५५ भीष्माष्टमी
९	श	४८	४७	कृ	१२	२१	ऐं	४५	४६	बा	१७	४७	३०	३०	३०	२३	८	१२	वृषे कुंभेऽर्कः ५९।४९
१०	र	४८	२८	रो	१४	४१	वै	४२	२०	तै	१८	३८	३४	२९	३१	२४	९	१३	मि४४।४७ कंभेऽर्कः सौर: ७।२३
११	चं	४६	१३	मृ	१४	५३	वि	३७	१९	व	१७	२०	३८	२८	३२	२५	१०	१४	मिथुने भ.१७ उ. ४६ या.घनि.बुधः ३४ जया११व्र.
१२	मं	४१	५३	आ	१२	५८	प्री	३०	४८	ब	१४	३४	१	२८	३२	२६	११	१५	कं.५५।५ कुंभेभौमः २२।६
१३	बु	३५	४१	पु	९	७	आ	२२	३८	कौ	८	४७	४५	२७	३३	२७	१२	१६	कर्के प्रदोषः
१४	गु	२७	१	पु	४३	५९	सौ	१३	१७	ग	१	२१	४९	२६	३४	२८	१३	१७	सिं. ५७ भ. २७।१ उ. ५३।४६ या.
१५	शु	२०	३०	म	४९	५९	शो	१८	४९	ब	२०	३०	५३	२५	३५	२९	१४	१८	सिंहे कुंभेबुधः२५।४९ मा. स्ना. पूर्तिः

४४पं.मा.शु.५मं.इ.५७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	११	८	६	८	९
२५	२४	१४	९	११	२३	६	२५
५५	५६	०	२५	२४	१२	१२	४६
१	१७	४०	८	२५	५४	६	२२
६०	४६	०	११	६७	२६	३	६०
४७	१७	५५	४२	१०	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

माघशुक्ले ९ शनौ
कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा२
न.३ युवावस्था(सूती)
मु.४५ धान्यादि भावे
समर्घता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४५पं.मा. शु.१२मं. इ. ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	११	८	५	८	१०
२	०	२५	१०	१९	२३	५	२
५९	२७	४३	५३	३०	०	४९	५२
४९	३६	३४	४६	२९	११	५१	२५
६०	४६	०	१२	६८	३	३	६०
३७	२७	५५	९	१३	व.	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	श	१०	८	पू	४२	४४	सु	४२	५	कौ	१०	८	२७	६	२५	३५	३०	१५	१९ कं. ५६।० शतेरविः ३६।५ (सौर:४२।४५)
२	र	१	२	उ	३५	४६	धृ	३१	५०	ग	१	२	०	२८	२४	३६	१	१६	२० कन्यायां भ.२६।४०उ.५२।१९या.रा.फालगुनारंभः
३	र	५१	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
४	चं	४४	२०	ह	२९	२५	शू	२२	११	ब	१८	१९	४	२३	३७	२	१७	२१	तु५६।५२ चतुर्थी व्रतम्
५	मं	३७	३५	चि	२४	२०	गं	१३	१९	कौ	१०	५८	८	२२	३८	३	१८	२२	तुलायां शतेबुधः११।५ उषा.शुक्रः५।४४
६	बु	३२	४०	स्वा	२०	४५	बृ	४६	५३	ग	४	५८	१२	२२	३८	४	१९	२३	तुलायां भ.३२।२० उ. शतेभौमः ५१।३६
७	गु	२८	४०	वि	१८	३६	व्या	५४	२४	वि	०	३०	१६	२१	३९	५	२०	२४	वृ.४।८ भ.०।३०या. मकरे शुक्रः ५९।३४
८	शु	२६	३५	अ	१८	८	ह	५०	४०	कौ	२६	३५	२०	२०	४०	६	२१	२५	वृश्चिके
९	श	२६	२०	ज्ये	१९	१	व	४८	८	ग	२६	२०	२४	१९	४१	७	२२	२६	ध. १९।१ भ.५६।४१ उ. उभा. ४ गुरु:४८।१५
१०	र	२७	२	मू	२१	३५	सि	४६	४३	वि	२७	२	२८	१८	४२	८	२३	२७	धनुषि भ.२७।२ या.
११	चं	२९	१७	पू	२५	१९	व्य	४६	२२	बा	२९	१७	३२	१८	४२	९	२४	२८	म.४१।३३ विजया ११ व्र.
१२	मं	३२	४५	उ	३०	१६	व	४६	४८	कौ	१	१	३६	१७	४३	१०	२५	१	मकरे पूभा.बुधः२१।२१ मार्च ३ ता.३१
१३	बु	३७	१८	श्र	३६	९	प	४७	४१	ग	५	१४	४०	१६	४४	११	२६	२	मकरे भ.३७उ. प्रदोषः महाशिवरात्री व्र. स्मा.
१४	गु	४२	३७	ध	४२	४९	शि	४९	३४	वि	९	५७	४४	१५	४५	१२	२७	३	कुं.९।२९ भ.९।५७ या. महाशिवरात्री व्र. वै.
१५	शु	४८	२४	श	४९	४०	सि	५१	२०	च	१५	३०	४८	१४	४६	१६	२८	४	कुंभे पूभा. रविः ५२।११ (सौर:५७।३२)

४७पं.फा.कृ.१२मं. इ. ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	११	९	५	८	१०
१७	११	२१	१४	१	५२	५	१६
५	३०	१३	१	५५	२१	५	५९
३५	५४	५९	८	३०	२९	१९	५१
६०	४६	२५	१२	६९	३	३	६०
१३	२५	०	५६	५२	व.	११	२०

४६ पं.फा.कृ.५ मं.इ. ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	११	८	५	८	१०
१०	५	८	१२	२७	२२	५	९
३५	५८	७	२६	४०	४२	२७	५६
२२	३०	३४	१७	८	५४	३५	५८
६०	४६	२५	१२	६९	३	३	६०
२५	२७	०	३२	२	व.	११	३१

ग्रोचर ग्रहाः

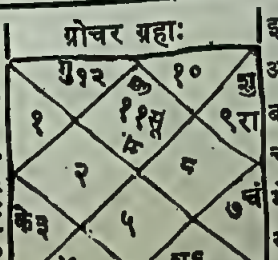

इस मास में ५शनिवार अहितकर हैं धान्य बाजरा मंग मोठ चावल में तेजी प्रजा में रोग शोक फैलनेकी सम्भावना हो।

ग्रोचर ग्रहाः

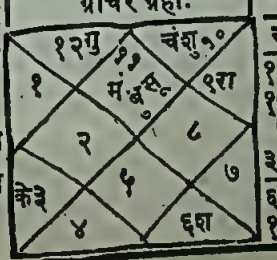

तिथि	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः ६८०८स. २०१०
१	श ५५ ३५ पू ५७ १३ सा ५३ ४० कि २२ ५६	३६	६	४६	१४	२६	५	मी ४०।१६	श्रवणे शुक्रः २८।१६
२	र ६० ० उ ६० ० शु ५६ ४ वा २८ २३	५६	१३	४७	१५	३०	६	मीने	मीने बुधः ३०।२६ चंद्रदर्शनम् पात ×
२	चं १ ११ उ ४ ४६ शु ५८ २० कौ १ ११	२९	१२	४८	१६	१	७	मीने	रविलाखर ४
३	मं ७ ३५ रे १२ २० ब्र ६० ० ग ७ ३५	५	११	४६	१७	२	८	मे. १२।२०	भ. ४०।३१ पु. उभा. बुधः १५।४
४	बु १३ २६ अ १९ २० ब्र ० ६ वि १३ २६	६	१०	५०	१८	३	९	मेषे	भ. १३।२६ या.
५	गु १८ ३२ भ २५ ३५ ऐं १ ३६ बा १८ ३२	१३	९	५१	१९	४	१०	वृ. ४१/५०	×स्पर्शः १९।२३ पातमोक्षः ३३।१३ फु.२
६	शु २२ ४० कृ ३० ३६ वै २ ९ तै २२ ४०	१७	९	५१	२०	५	११	वृषे	बधोदयः पश्चिमायां ३५।१४
७	श २५ २३ रो ३४ २० वि ३३/५९ व २५ २३	२१	८	५२	२१	६	१२	वृषे	भ. ३५/३३ उ. ५५/२२ या. पूभा. भौमः ४३/१७
८	र २५ २० मृ ३६ १६ आ ५६ १६ ब्र २५ २०	२६	७	५३	२२	७	१३	मि ५।१७	स्वाती १ गुरुः १७।३४ होलाष्टकम्
९	चं २४ २९ आ ३६ १८ सौ ५१ २० कौ २४ २९	३०	६	५४	२३	८	१४	मिथुने	मीनेऽर्कः ५३।४ (सौरः ५७।५३)
१०	मं २२ ४० पु ३४ ३० शो ४४ ५२ ग २२ ४०	३४	५	५५	२४	९	१५	क. १९।५७	भ. ५०।१० उ. रेवत्या बुधः ३२।४४
११	बु १७ ४१ पु ३० ३६ अ ३६ ५५ वि १७ ४१	३८	४	५६	२५	१०	१६	कर्के	भ. १७/४१ या. धनि शुक्रः ३९/१६ आ. ११ ब्र.
१२	गु ११ १ श्ले २५ ११ सु २७ ४२ बा ११ १	४३	३	५७	२६	११	१७	सिं २५।११	प्रदोषः
१३	शु ३ १ म १८ २३ धृ १७ २७ तै ३ १	४७	३	५७	२७	१२	१८	सिंहे	भ. ५३/४२ उ. उभा. रविः १४/८ [सौरः ३९]
१४	शु ५० ४१ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	श ४३ ४७ पू १० ४६ शू ३८/४९ वि १८ ४६	५१	२	५८	२८	१३	१९	क. २३।४३	भ. १९/६ या. गोधूलिसमये होलिका द.

४८पं.फा.शु. ३मं.इ. ५८/३७

गोचर ग्रहाः

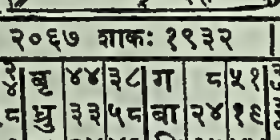

फाल्गुन शुक्ले ९ चंद्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु.४५ धान्या दि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

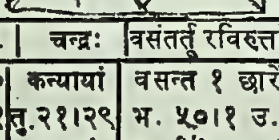

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	११	११	९	५	८	१०
२४	१७	४	१५	१४	२१	४	२४
६	०	४९	३८	१२	५६	४३	१
२९	२५	१९	४२	५२	२	४	१४
५९	४६	३३	१३	७०	३/५२	३	६०
५८	२२	४६	१४	३२	व.	११	६

४९पं.फा.शु.१० मं.इ. ५८/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	११	९	५	८	११
१	२२	१७	१७	२२	२१	४	१
५	३१	२२	१६	३२	२८	२०	०
३५	१२	१७	८	१३	१२	४८	५९
५९	४६	९९	१३	७१	१/४०	३	५९
४१	२२	३	२६	७	व.	११	४९

तिथि	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततुं रविरुत्तरे फा. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	र ३३ ५५ उ ४९/१४ बृ ४४ ३८ ग ८ ५१	२९	६	५	२९	१४	२०	कन्यायां	वसन्त १ छारेंडी
२	चं २४ १९ चि ४७ ५८ ध्रु ३३ ५८ बा २४ १९	३०	६	५२	३०	१५	२१	तु. २१।२९	भ. ५०।१ उ.
३	मं १५ ४४ स्वा ४२ १ व्या २४ ४६ वि १५ ४४	४	५९	१	१	१६	२२	तुलायां	भ. १५/४४ या. कुंभे शुक्रः १३/७ रा. चै.ष ब्र.
४	बु ८ २६ वि ३७ ५० ह १६ ३५ बा ८ २६	८	५८	२	२	१७	२३	वृ. २३।५३	
५	गु २ ५९ अ ३५ ३४ व ७ ५५ तै २ ५९	१२	५८	२	३	१८	२४	वृश्चिके	भ. ५९।५५ उ.
६	गु ५६ ५६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
७	शु ५७ ५६ ज्ये ३५ ४ सि ४ ४३ वि २८ ५५	१६	५७	३	४	१९	२५	ध. ३५।४	भ. ३६ या. अश्वि. मेषे बुधः ४/० मीने ×
८	श ५८ २० मू ३६ ३५ व्य १९/५० बा २८ ८	२१	५६	४	५	२०	२६	धनुषि	[× भौमः ३३।१८ शीतला पूजनम
९	र ६० ० पू ३९ ५४ प ५८ ४० तै २९ ३०	२५	५५	५	६	२१	२७	म. ५६।७	शते शुक्रः ४७।२९ स्वाती २ गुरुः ५४।५३
९	चं ० ४० उ ४४ ४६ शि ५९ २५ ग ० ४०	२९	५४	६	७	२२	२८	मकरे	भ. ३२।२० उ. अस्तं गुरोः १७।२४
१०	मं ४ ० श्र ५० ५० सि ६० ० वि ४ ०	३३	५३	७	८	२३	२९	मकरे	भ. ४।० या. उभा. भौमः ५६।२८
११	बु ८ ५१ ध ५७ ४५ सि ० २६ बा ८ ५१	३७	५३	७	९	२४	३०	कुं. ३४	वक्री बुधः ४१।४२ पापपोचनी ११ ब्र.
१२	गु १४ ३७ श ६० ० सा २ २६ तै १४ ३७	४१	५२	८	१०	२५	३१	कुम्भे	रेवत्यां रविः ४१।१७ (सौरः ४५) प्रदोषः
१३	शु २० ४७ श ५ ५ शु ४ ४१ व २० ४७	४५	५१	९	११	२६	१	मि. ५५/४३	भ. २०।४७ उ. ५४।० या. बुधास्तः ÷
१४	श २७ १३ पू १२ ३५ शु ७ ५ श २७ १३	४९	५०	१०	१२	२७	२	मीने	[÷पश्चिमायां ४५।१५ अप्रेल ४ ता. ३०
३०	र ३३ २८ उ २० ८ बु ९ ३६ च ० २०	५३	४९	११	१३	२८	३	मीने	वक्री मीने रेवत्यां बुधः ४६।४९ मन्वादि

५०पं.चै.कृ. ३मं.इ. ५९।१६

गोचर ग्रहाः

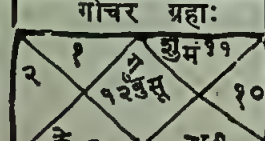

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं शक्कर गुड धातु वदि में कुछ मंदी होकर सुदि में तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

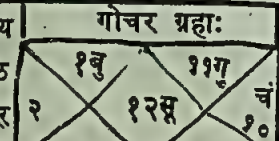

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	११	१०	५	८	११
८	२८	२६	१८	०	२०	३	७
३	०	३७	५७	५४	५६	५८	५८
१८	५८	३०	२५	२५	५३	३३	५१
५९	४६	७१	१३	७१	३/५२	३	५९
२९	२२	२४	३२	३२	व.	११	३५

५१ पं. चै.कृ. १०मं.इ. ५९/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	११	१०	५	८	११
१४	३	०	२०	९	२०	३	१४
५९	२९	२९	३८	१८	२५	३६	५५
१०	४२	३१	६	२९	५५	१७	०
५९	४६	४	१३	७१	४/०	३	५९
१९	११	५९	३८	५७	व.	११	१८

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११२, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५११२, भोग्यकलिः४२६८८८, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०६८, शाकः १९३३, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः । मंत्री गुरुः । सस्येशः शनिः । धान्येशशुक्रः । मेघेशो बुधः । रसेशश्चंद्रः नीरसेशः शनिः । फलेशो बुधः । धनेशः शनिः । दुर्गेशो बुधः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १८ क्रोधीनाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः११।१९।३२।१० भोग्यमासादिः०।१०।२७।५० विश्वेदेवदैवतं युगम् । वर्षनाम आश्विनः । मेघनाम द्रोणः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा ५ समयवाहनम् मृगः स्तंभः२ अन्नजलयोः । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी १,रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १५, तिथिवृद्धिः ८ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ८४ वर्षाविश्वा ११ धान्यम् १७ तृणम् १५, शीतम् १५ तेजः ११, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १२३, सत्यं ।। धर्मं १।। पापं १८ शनिदृष्टिःदशिणयो । ग्रहण २ चंद्रमसः

संवत् २०६८ ज्ये. शु. बुधे १५
खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
मं घ.	४३	४६	४८	५०	५२
मं प.	४३	१४	१७	२०	५१
मं घ.	११	१२	१	२	३
मं मि.	५६	५७	४६	३५	३५

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	क
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्ष लग्नम् ६।३

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न।

जय जय माता अंबिका बन्दौं बारम्बार ।
मैं पूछूं कर जोड़ कर अठसठिये का सार ।

भवानी उत्तर

अठसठियो आठों दिशां निपजे सुन्दर धान ।
मंत्री गुरु राजा शशि बाढे जग सन्मान ।।
दैत्यगुरु धान्येश है मेघपति युवराज ।
सागर में रोहिणी बसी सुन्दर हों सब काज ।।
वर्षा वर्ष चहु दिशा नभमंडल में जोर ।
श्रावण में शनि पांच हैं कहींक मांचै शोर ।।
संवत् विश्वा पांच हैं स्तंभ लगे हैं दोय ।
ईश भजन बिन जगत में सुख नहीं पाया कोय ।।

सं.२०६८मार्ग शु. १५ शनिवासरे
खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
मं घ.	३१	३४	३५	३६	४०
मं प.	७	३१	३७	४३	७
मं घ.	६	८	८	९	१०
मं मि.	५४	१५	४२	८	३०

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ३।७

÷चंमंबुगुसू वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४९।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।०।१

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगल शोभनानिप्रभूतवृष्टिःप्रचुरंचधान्यं सौख्यंजनानामुदयोनृपाणांप्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ।। मंत्रीगुरुःफलम् ।। विविध धान्ययुता रवलुमेदिनीप्रचुरतोय घनामुदिता भेवत् । नृपतयोजनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननुमंत्रि समागते ।। सस्येशः शनिफलम् ।। रविसुत यदिधान्यपतौ जनोनृपतिभिः परिपीडितविग्रहः । गदभयं तुषधान्यहरंसदादुरितवादविवाद युतानराः ।। धान्येशः शुक्रफलम् ।। भृगौ पश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्याः समर्घतांयांति स्वल्पंक्षीरंगवामपि ।। मेघेशोबुधस्तत्फलम् ।। अमृतरश्मिसुते यदिवारिपेबहुजलं तुष धान्यरसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसाः विविधसौख्ययुता धरणीतदा।। रसेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। यदिविधौरसपे भुवि मानवो । नवनवां युवतीं बुभुज प्रियाम् । जलधरा बहुवारिविधायका रसवती धनधान्यवतीमही ।। नीरसेशः शनिः फलं ।। त्रपुपिंडादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तूनां । अर्घवृद्धिः प्रजायेत मंदेनीरसनायके ।। फलेशोबुधस्त त्फलम्।। यदिबुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा । बहुतृणं कुसुमं कमलैर्दुतं जनपदा जनसौख्य मुदान्विताः।। धनेशः शनिः फलम् ।। द्रविणपे रविजेविरलंघनं गदरता धरणी पतयः सदा । अधनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीडित मानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्।। विषयसाम्यसुखं शशिजेप्रभौभवति राशिगते तुविशेषतः। शशियुते यदिकोटक पालके पथिषु द्रव्ययुतांनभयंक्वचित् ।। क्रोधीनामसंवत्सरः फलम् ।। क्रोध्यब्दे निखिला लोकाः क्रोधलोभपरायणाः । इति दोषेण सततं मध्यसस्यार्घवृष्टयः ।। वर्षनाम आश्विनः फलम् ।। सुभिक्षं पूर्वसस्यंस्याज्ज्वरशोगाकुलं जगत् । अश्विनेशोभना वृष्टिः नृप सौख्यकरोसदा ।। मेघनामद्रोणः फलम् ।। द्रोणेवर्षति सर्वदा ।। रोहिणीनिवासुः समुद्रे फलम् ।। समुद्रतुमहावृष्टिः । समयनिवासोमालिगृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्यदैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्

संवत् २०६८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शु. २ गुरौ रोहि ल. १० रे८।।।।।ऽ अ. ५० याऽ।।।

„ ८ बुधे मघा ल. गो (भौम ७ स्थः) रे.७।।।।।ऽ रोऽ ४२या.(उप४२उ)ऽगणितेन क्रांतिसाम्याऽभाव

„ १५ भौमे अनु ल. गो. १०रे६।।।।ऽऽअऽऽ।।गो धूल्यां ७ स्थो भौमः

ज्यष्ठ मासः ।

शु. ६ भौमे मघा ल. ऽन्यगो सौग्रांगः रे७।।।।।ऽ नृऽऽ।।

„ ८ गुरौ उफा ल. (सोग्रांग)ल.१० रे८।।।।।ऽचौ।ऽ।।

„११ रवौ स्वात्यां ल. गो. (सोग्रांगः) १० रे.८।।।।ऽगु।ऽ।।।

आषाढ मासः।

कृ. ६ शुक्रे रेव ल.ऽन्यगो १०।१रे।।।।ऽऽरो५१ याऽऽ।।

शु. ६ बुधे उफा ल. ऽन्यगो. रे६।।।।।।ऽअ।।।।

„ ६ शनौ स्वात्यां ल. गो. १ रे. ६।।।।।ऽ।।।

मेषे ७ चां. पू.

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ११ चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. (सोग्रांगः) रे ८।।।।।ऽ नृ ३६ या ऽ।।।

शु. ५ भौमे उषा ल. ऽ न्यगो. (सोग्रांगः)रे६ऽऽ।।।ऽऽ।।

„ ६ रवौ उभा ल. गो. (सोग्रांगः) रे ऽ।।।।ऽरो२८ या ।।।ऽदग्धा.

माघ मासः

कृ. ७ रवौ हस्ते ल. गो. रे८ऽ।।।।।ऽ।।।

„ ११ गुरौ अनु. ल. ऽ न्यगो. रे. ६।ऽ।।।ऽऽऽ।।

फाल्गुनमासः ।

कृ. १ बुधे मघा ल. गो.६ र. ७।।।।ऽ सू।ऽऽ।।

„ ३ शुक्रे उफा. ल. ६र६।।।।।।ऽ।।।

„ १० शुक्रे मूले ल. न्यगो. (सौग्रांगः) रे.७।ऽ।।ऽ नृपाऽ।। लग्ने भौमः

शु. ३ शुक्रे उमा. ल. ६ रे.७।ऽ।।।ऽअऽ।।।

चैत्र मासः

कृ. १ शुक्रे हस्त ल. ६ र.६ऽऽ।ऽबुऽ।।।।।

„ ४ रवौ स्वात्यां ल. ६ रे.६।।।।ऽ।।ऽऽऽगणितेनक्रांति साम्याऽभावः।

„ अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

ति.	चैत्र	शुक्लपक्षः सं० २०६८					शाकः १९३३						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ६९३८ स.२०११
१	चं	३९	२८	रे	२७	२९	ऐं	११	२५	किं	६	२८	३०/५७	५९/४८	६/१९	१४	२९	४	मे.२७।२९	मूल. १ राहुः मृग. ३ केतुः७।१३ वक्री÷
२	मं	४४	५३	अ	३४	१६	वै	१३	२२	बा	१२	११	३१/१	४८	१२	१५	३०	५	मेषे	चंद्र दर्शनम् सिंघारा [×नवरात्रारंभः
३	बु	४९	३४	भ	४०	१६	वि	१४	४०	तै	१७	१४	५	४७	१३	१६	१	६	वृ.५६।३४	जमादि लावल ५ मत्स्य जयंती गणगौरी
४	गु	५३	२७	कृ	४५	३१	प्री	१५	१	व	२१	३१	१०	४६	१४	१७	२	७	वृषे	भ.२१।३१उ.५३।२७या.पूभा.शुक्रः ५३/३०
५	शु	५६	१०	रो	५९	४०	आ	१५	५	ब	२४	४९	१४	४५	१५	१८	३	८	वृषे	[÷हस्त. ३ शनिः२४।२५ संवत्सरारंभः×
६	श	५७	२८	मृ	५२	३२	सौ	१४	८	कौ	२६	४९	१८	४४	१६	१९	४	९	मि. २१।६	रेवती. ३ गुरुः४७।०
७	र	५७	२९	आ	५४	०	शो	११	५०	ग	२७	२८	२२	४४	१६	२०	५	१०	मिथुने	भ. ५७।२९उ.
८	चं	५५	५०	पु	५३	५४	अ	८	२२	वि	२६	४०	२६	४३	१७	२१	६	११	क३८।५६	भ.२६।४०या.
९	मं	५२	४१	पु	५२	५	सु	३/४०	५६/२०	बा	२४	१६	३०	४२	१८	२२	७	१२	कर्के	रामनवमी
१०	बु	४७	३८	श्ले	४८	४५	शु	५०	१९	तै	२०	५	३४	४१	१९	२३	८	१३	सिं४८।४५	[=१५।४८(सौरः२०।२९)कामदा११व्र.
११	गु	४१	१८	म	४४	७	गं	४१	४६	व	१४	२९	३८	४०	२०	२४	९	१४	सिंहे	भ.१४।२९ उ.४१/१८ या. अश्वि. मेषेऽर्कः=
१२	शु	३३	२४	पू	३७	५६	बृ	३२	१५	व	७	२१	४२	४०	२०	२५	१०	१५	कं.५१।८	प्रदोषः
१३	श	२४	३६	उ	३०	४७	ध्रु	२१	४८	तै	२४	२६	४६	४९	३१	२६	११	१६	कन्यायां	मीने शुक्रः११।३३रेवत्यां भौमः४।५९
१४	र	१५	१	ह	२३	१६	व्या	११	८	व	१५	१	५०	४८	२२	२७	१२	१७	तु.४९।२७	भ.१५।१उ.४०।८या. बुधोदयः पूर्वस्यां २८/३५
१५	चं	५	१४	चि	१५	३८	ह	०/२३	४९/३४	ब	५	१४	५३	३७	२३	२८	१३	१८	तुलायां	उभा. शुक्रः५८।२०हनुमज्जयंती

५२ पं.चै. शु. २मं. इ. ५९/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	११	१०	५	८	११
२१	८	२८	२२	१७	१९	३	२१
५३	५६	२०	१९	४३	५२	१४	४९
३१	५३	४६	३७	१६	३४	१	११
५९	४५	४४/४७	१३	७२	४/४०	३	५९
४	४८	व.	३८	१६	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

चं१ ११शु १२ सूबुमंगु २ १० ३के ९रा ४ ६श ८ ५ ७

चैत्र शुक्ले ११ गुरौ मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४ न.४वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

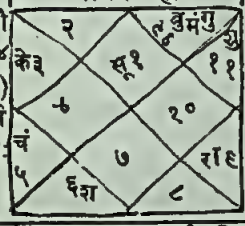

२ ९बुमंगु शु के३ सू१ ११ ४ १० चं ७ रा९ ५ ६श ८

१ पं. चै.शु. ११वृ.इ. ९५/४५

र	मं	बु	शु	शु	श	रा	र
०	११	११	११	१०	५	८	११
०	१५	२२	२४	२७	१९	२	२९
०	२१	२०	२१	३९	१३	४८	५५
०	३५	५६	४	४७	५	१४	२४
५८	४५	४१/२६	१३	७२	४/३४	३	५८
४४	५८	व.	३८	३९	व.	११	४५

ति.	वैशाख	कृष्णपक्षः सं० २०६८					शाकः १९३३						दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	चं	५०	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं	४७	२८	स्वा	८	३८	सि	४०	३१	तै	२१	३८	३१/५७	५/३०	६/२३	२९	१४	१९	वृ.४९।१०	
३	बु	४०	२३	वि	२/४०	५५/४५	व्य	३२	२२	व	१३	५५	३२/१	३६	२४	३०	१५	२०	वृश्चिके	भ.१३।५५उ.४०।२३या.
४	गु	३५	५	ज्ये	५६	१	व	२५	३३	ब	७	४६	५	३५	२५	१	१६	२१	ध.५६।१	भा. वैशाखारंभः चतुर्थी व्र.
५	शु	३१	५३	मू	५५	४६	प	२०	१७	कौ	३	२९	९	३४	२६	२	१७	२२	धनुषि	[×भौमः५०।१६
६	श	३१	३	पू	५७	३९	शि	१६	५५	ग	१	२८	१२	३४	२६	३	१८	२३	धनुषि	भ.३१।३उ. मार्गी बुधः३।३३
७	र	३२	१	उ	६०	०	सि	१५	५	वि	१	३२	१६	३३	२७	४	१९	२४	म१३।३७	भ.१।३२या. रेवती४ गुरुः४।४९ उदयो×
८	चं	३५	१	उ	१	२२	सा	१५	७	बा	३	३९	२०	३२	२८	५	२०	२५	मकरे	उदयं गुरौः५५।१२
९	मं	३९	३७	श्र	६	४९	शु	१५	५३	तै	७	१९	२३	३१	२९	६	२१	२६	कुं.४०।२	
१०	बु	४५	१४	ध	१३	१०	शु	१७	४१	व	१२	२५	२७	३१	२९	७	२२	२७	कुंभे	भ.१२।२५उ.४५।१४या.भरण्यां रविः ५६/१
११	गु	५१	२५	श	२०	४६	ब्र	२०	५	ब	१८	२०	३१	३०	३०	८	२३	२८	कुंभे	भरण्यां रविः सौरः१।५४वरूथिनी११व्र.
१२	शु	५७	५५	पू	२८	२३	ऐं	२२	३२	कौ	२४	४०	३४	२९	३१	९	२४	२९	मी११।२९	रेवत्यां शुक्रः५८।३६
१३	श	६०	०	उ	३५	५९	वै	२५	१६	ग	३१	३	३८	२८	३२	१०	२५	३०	मीने	प्रदोषः
१३	र	४	११	रे	४३	१४	वि	२७	११	व	४	११	४१	२८	३२	११	२६	१	मे.४३।१४	भ.४।११उ.३६।५९या. मई५ ता. ३१
१४	चं	९	४७	अ	४९	५४	प्री	२८	५५	श	९	४७	४५	२७	३३	१२	२७	२	मेषे	
३०	मं	१४	४४	भ	५५	१९	आ	२९	५५	ना	१४	४४	४८	२६	३४	१३	२८	३	मेषे	आश्वि. मेषे भौमः२३।४६

२ पं.वै. कृ. ४ वृ. इ. १५/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	११	११	५	८	०
६	२०	१९	२६	६	१८	२	६
५०	४४	२१	१	७	४२	२५	४५
४२	३५	४७	५५	१९	०	५८	३५
५८	४५	४/३२	१३	७२	४/१४	३	५८
३१	४७	व.	३२	५६	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

२ १२+ ३ के सू१ ११ ४ १० ५ ७ रा९ श६ ८चं

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना बाजरा मूंग मोठ मंदा हो घृत व गुड सक्कर में तेजी चले धूप अच्छी पड़े । प्रजा में पीड़ा होवे ।

गोचर ग्रहाः

२ १२ के सू१ ३ ११चं ४ १० ५ ७ ९रा श६ ८

३ पं.वै. कृ. ११ वृ.इ. १६/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	११	११	५	८	०
१३	२६	२०	२७	१४	१८	२	१३
४९	५	४	४१	३५	१२	३	३४
४७	५३	३७	२४	१०	४७	४२	००
५८	४५	१३/१०	१३	७३	३	३	५८
१९	३२	मा	२६	१४	५८	११	१२

×मंबुगुशु (विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) =मंशुगुबु

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३ | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२८ स. २०११

१	बु	१८	३२	कृ	६०	०	सौ	३०	६	ब	१८	३२	३३/५३	२६	३६	१४	२९	४
२	गु	२१	२७	कृ	०	७	शो	२९	३५	कौ	२१	२७	५५	२५	३५	१५	१	५
३	शु	२३	२७	रो	३	४५	अ	२८	९	ग	२३	२७	५८	२४	३६	१६	२	६
४	श	२४	१८	मृ	६	२५	सु	२५	५९	वि	२४	१८	३३/३३	२४	३६	१७	३	७
५	र	२३	५८	आ	८	२	धृ	२३	६	बा	२३	५८	५	२३	३७	१८	४	८
६	चं	२२	३५	पु	८	३८	शू	१९	१०	तै	२२	३५	८	२२	३८	१९	५	९
७	मं	२०	३	पु	७	५३	गं	१४	१८	व	२०	३	११	२२	३८	२०	६	१०
८	बु	१६	२३	श्ले	६	११	धृ	८	३३	ब	१६	२३	१४	२१	३९	२१	७	११
९	गु	११	४०	म	२७/१७	५५/५३	ध्रु	४५/१९	५३	कौ	११	४०	१७	२१	३९	२२	८	१२
१०	शु	५	३८	उ	५४	४	ह	४५	३१	ग	५	३८	२०	२०	४०	२३	९	१३
११	शु	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	श	५०	४९	ह	४८	१७	ब	३६	२९	ब	२४	४६	२३	१९	४१	२४	१०	१४
१३	र	४२	२५	चि	४१	५८	सि	२६	५४	कौ	१६	३७	२६	१९	४१	२५	११	१५
१४	चं	३३	५५	स्वा	३५	३४	व्य	१७	१३	ग	८	१०	२८	१८	४२	२६	१२	१६
१५	मं	२५	३७	वि	२९	३७	व	४९/७	५०/१८	ब	२५	३७	३१	१८	४२	२७	१३	१७

चन्द्रदर्शनम्
जमादि लाखर ६ परशुराम जयंती
भ. ५३।५२ उ. अक्षय ३
भ. २४।१८ या.
अश्वि. १ मेषे गुरुः १७।२१
पातस्पर्शः ९।५६ पातमोक्षः २६।२३
भ. २०।३ उ. ४८।१३ या.
कृति रविः ४१।५७ (सौरः ४९।४६) ÷
[÷अश्वि. मेषे बुधः १३।५७ अश्वि=
भ.३२।१० उ.५६/३ या.मोहिनी ११व्र.स्मा
[=मेषे शुक्रः ०।३३
मोहिनी ११ व्र. वै.
वृषेऽर्कः ९।१२ (सौरः १७।३३) प्रदोषः
भ. ३३।५५ उ. ५९।४६ या. नृ. ज.
यमाय कुंभदानम्

४पं.वै.शु.२वृ.इ. १६।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	११	११	५	८	०
२०	१	२४	२९	२३	१७	१	२०
२७	२५	११	१९	४	४६	४१	२०
२५	१६	२९	५२	२३	५२	२७	४४
५८	४५	४१	१३	७३	३/५	३	५७
६	२२	२६	१९	२०	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले १३
रवौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः
वा.४ न.५ गतालका
वस्था [ऊभी] मु.३०
धान्यादि भावे समता
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

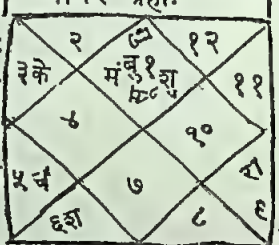

५पं.वै.शु.९वृ. इ. १६।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	०	०	५	८	०
२७	६	१	०	१	१७	१	२७
१३	४२	९	५६	३३	२४	१९	५
३७	४	२२	३८	२५	११	११	५८
५७	४५	६६	१२	७३	५८	३	५७
५४	७	१७	५९	२४	व.	११	४५

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३ | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	बु	१८	१८	अ	२४	३५	शि	५१	२८	कौ	१८	१८	३३/३४	५/१७	४३/४६	२८	१४	१८
२	गु	१२	१६	ज्ये	२०	५७	सि	४५	२	ग	१२	१६	३७	१७	४३	२९	१५	१९
३	शु	७	५२	मू	१९	२	सा	४०	११	वि	७	५२	३९	१६	४४	३०	१६	२०
४	श	५	४०	पू	१९	१८	शु	३६	५४	बा	५	४०	४२	१६	४४	३१	१७	२१
५	र	५	२४	उ	२१	३४	शु	३५	४९	तै	५	२४	४४	१५	४५	१	१८	२२
६	चं	७	२९	श्र	२५	३७	ब्र	३५	३१	व	७	२९	४७	१५	४५	२	१९	२३
७	मं	१०	९	ध	३१	२०	ऐं	३६	३९	ब	१०	९	४९	१४	४६	३	२०	२४
८	बु	१६	२१	श	३८	२३	वै	३८	५०	कौ	१६	२१	५२	१४	४६	४	२१	२५
९	गु	२२	१०	पू	४५	४४	वि	४१	७	ग	२२	१०	५४	१३	४७	५	२२	२६
१०	शु	२८	३७	उ	५३	३०	प्री	४३	४४	वि	२८	३७	५६	१३	४७	६	२३	२७
११	श	३४	४५	रे	६०	०	आ	४५	५९	ब	१	४१	५८	१३	४७	७	२४	२८
१२	र	४०	९	रे	०	४२	सौ	४७	४१	कौ	७	२८	३४/००	१२	४८	८	२५	२९
१३	चं	४४	५५	अ	७	१९	शो	४८	३७	ग	१२	३३	२	१२	४८	९	२६	३०
१४	मं	४८	१	भ	१२	४०	अ	४८	३५	वि	१६	२८	३	११	४९	१०	२७	३१
३०	बु	५०	९	कृ	१६	५६	सु	४७	३७	चं	१९	५/५	५	११	४९	११	२८	१

भ. ४०।४ उ.
भ.७।५२ या.भरण्यां बुधः१३।२४ च.ग्र.
भरण्यां शुक्रः ५६।३६भरण्यां भो. ७।५०
अश्वि. २ गुरुः ४६।३९ रा. ज्येष्ठारंभ
भ. ७।२९ उ. ३८।४९ या.
[×५२।११ जून ६ ता. ३० वटपूजनम्
रोहि. रविः ३२।४६ (सौरः ४३।४१)
भ. ५५।२३ उ.
भ. २८।३७ या.
अपरा ११ व्र.
कृत्ति बुधः १।५९
भ. ४४।५५ उ. बृषे बुधः ५२।५७ प्र.
भ. १६।२८ या.
कृत्ति शुक्रः ५६।५३ बुधास्तः पूर्वस्याम्×

६पं.ज्ये.कृ. २वृ.इ. १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	०	०	५	८	१
३	११	१०	२	१०	१७	०	३
५८	५६	२८	३१	३	५	५६	४९
३७	५३	२३	१६	४३	१७	५६	४०
५७	४४	८८	१२	७३	१९	३	५७
४४	५७	१४	३५	४४	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

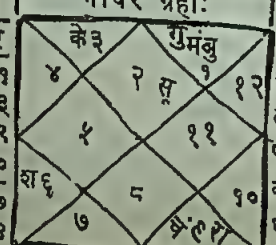

इस मास में धान्य मंदा रहे शुक्रवार का चंद्रदर्शन सोना चांदी ताम्बा रुई वस्त्र आदि पदार्थों में घट-बढ करके तेजी करें। धूप अधिक कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

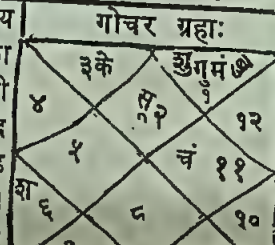

७ पं.ज्ये.कृ.९वृ. इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	०	०	५	८	१
१०	१७	२१	४	१८	१६	०	१०
४२	९	४६	३	३४	५०	३४	३१
२९	११	३७	०	८	२८	४०	५१
५७	४४	८/९	१२	७३	४६/१	३	५७
३५	४१	३९	१६	५०	व.	११	२३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५७ स.२०११
१	गु	५०	४९	रो	१९	४७	धृ	४५	४०	कि	२०	२९	३४/७	५/११	६/४९	१२	२९	२	मि५०।४४	वक्री हस्त.२शनिः४८।५६
२	शु	५०	१९	मृ	२१	४०	शू	४२	४३	बा	२०	३५	९	१०	५०	१३	३०	३	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
३	श	४८	५८	आ	२२	२९	गं	३९	१	तै	१९	३८	१०	१०	५०	१४	१	४	मिथुने	रोहि.बुधः४९/२२बृषे शुक्रः३९/१२रज्जव ७
४	र	४६	३२	पु	२२	४	वृ	३४	३०	व	१७	४५	१२	१०	५०	१५	२	५	कं.७।१०	भ.१७।४५उ.४६।३२या.
५	चं	४३	२७	पु	२१	१०	ध्रु	२९	३३	व	१४	५९	१३	९	५१	१६	३	६	कर्के	ज्येष्ठा.४बृश्चिके राहुःमृग.२वृषेकेतुः१३/५६
६	मं	३९	३९	श्ले	१९	३३	व्या	२४	५	कौ	११	३३	१५	९	५१	१७	४	७	सिं. १९/३३	अश्वि.३गुरुः४५।३५
७	बु	३५	२५	म	१७	१३	ह	१८	१	ग	७	३२	१६	९	५१	१८	५	८	सिंहे	भ.३५/२५उ.मृगे रविः२७/३९(सौरः४२/३१) कृत्ति. +
८	गु	३०	२६	पू	१४	२३	व	११	२६	वि	२	५५	१७	९	५१	१९	६	९	कं.२८।३२	भ.२।५५या. [+ भौमः१४।४५
९	शु	२४	५५	उ	१०	५८	सि	४/३०	५२/२९	कौ	२४	५५	१८	८	५२	२०	७	१०	कन्यायां	[×५२।५२मार्गी शनिः४२/२५निर्जला११व्र.
१०	श	१८	१५	ह	६	५८	व	४९	१४	ग	१८	१५	१९	८	५२	२१	८	११	तु.३४।३३	भ.४५।१९उ.मृगे बुधः४।३७गंगादशमी
११	र	१२	२३	चि	२/८	५५/४१	प	४१	५	वि	१२	२३	१९	८	५२	२२	९	१२	तुलायां	भ.१२।२३या.रोहि. शुक्रः५०/२४ बृषे भौमः ×
१२	चं	५	४०	वि	५३	१५	शि	३३	४	बा	५	४०	२०	८	५२	२३	१०	१३	वृ.३९।२३	मिथुने बुधः५८।१६ प्रदोषः
१३	चं	५३	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷खग्रास चंद्रग्रहणम् गुर्जराणां वट =
१४	मं	५२	४६	अ	४९	१०	सि	२५	२४	ग	२५	५३	२१	८	५२	२४	११	१४	वृश्चिके	भ.५२।४६उ. [= सावित्री व्र.
१५	बु	४७	१७	ज्ये	४५	४६	सा	१८	४	वि	२०	२	२१	८	५२	२५	१२	१५	ध.४५।४६	भ.२०/२या.मिथुनेऽर्कः२६/१३(सौरः४३।१९)÷

८ पं. ज्ये.शु.१ वृ. इ. १७/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	०	०	५	८	१
१७	२२	४	५	२७	१६	०	१७
२५	१९	५१	३१	४	४०	१२	१२
१९	२३	५०	५२	५२	३४	३४	५७
५७	४४	१२/२४	११	७३	१/४	३	५७
२७	३१		५२	५६	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

३के, शुबृमं १, बुचंसू२, ४, १२, ५, ११, ६, ८, १०, श, ७, रा९

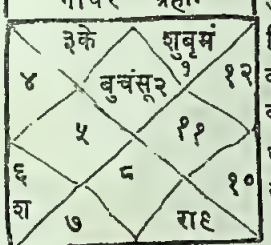

ज्येष्ठ शुक्ले १५ बुधे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३, २, गुमं१, ४, शुकेसू बु, १२, चं५, ११, ६श, रा८, १०, ७, ९

९पं.ज्ये.शु.८ वृ. इ. १७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	०	१	५	७	१
२४	२७	१९	६	५	१६	२९	२३
७	२५	३०	५७	३६	३५	५०	५२
१९	४८	३२	११	४७	२०	९	५३
५७	४४	१२/२	११	७४	२०/२२	३	५७
२२	५		१६	२	व.	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	गु	४३	४	मू	४३	३७	शु	११	३५	बा	१५	१०	३४/२२	५/८	६/५२	२६	१३	१६	धनुषि	
२	शु	४०	३७	पू	४३	५	शु	६	१८	तै	११	५०	२२	८	५२	२७	१४	१७	म.५८।१९	आर्द्रा.बुधः५।१७
३	श	३९	३७	उ	४४	१	ब्र	२/२१	५७/३६	व	१०	७	२३	७	५३	२८	१५	१८	मकरे	भ.१०।७उ.३९।३७या.चतुर्थी व्र.
४	र	४०	५०	श्र	४७	१५	वै	५९	५	ब	१०	१४	२३	७	५३	२९	१६	१९	मकरे	
५	चं	४३	४६	ध	५१	५१	वि	५९	८	कौ	१२	१८	२३	७	५३	३०	१७	२०	कुं.१९।३३	
६	मं	४८	२३	श	५८	१०	प्री	६०	०	ग	१६	४	२४	७	५३	३१	१८	२१	कुंभे	भ.४८।२३ उ.
७	बु	५३	४४	पू	६०	०	प्री	०	४१	वि	२१	४	२४	७	५३	१	१९	२२	मी. ४८/२०	भ.२१/४या.आर्द्रा.रविः२५/८(सौरः४४।५२)×
८	गु	५९	५७	पू	५	३	आ	२	३६	बा	२६	५०	२४	७	५३	२	२०	२३	मीने	पुन.बुधः२७/२६मृगे शुक्र.४८/१०हस्त.३ शनिः २८/४०
९	शु	६०	०	उ	१२	४७	सौ	५	११	तै	३३	१	२४	७	५३	३	२१	२४	मीने	बुधोदयः पश्चिमायां ४।३२
९	श	६	५	रे	२०	१०	शो	७	२६	ग	६	५	२४	७	५३	४	२२	२५	मे.२०।१०	भ.३८।५१उ.अश्वि.४गुरुः४४।१२
१०	र	११	३८	अ	२६	५९	अ	९	३८	वि	११	३८	२३	७	५३	५	२३	२६	मेषे	भ.११।३८या.रोहिण्यां भौमः४२।१३
११	चं	१६	१९	भ	३२	४१	सु	१०	५४	बा	१६	१९	२३	७	५३	६	२४	२७	वृ.४७।४४	योगिनी ११ व्र. [×रा.आषाढारंभः
१२	मं	१९	२५	कृ	३७	१	धृ	१०	५६	तै	१९	२५	२२	८	५२	७	२५	२८	वृषे	कर्के बुधः४४।३८प्रदोषः
१३	बु	२१	३	रो	३९	४३	शु	९	५३	व	२१	३	२२	८	५२	८	२६	२९	वृषे	भ.२१।३उ.५१।०या.मिथुने शुक्रः१६।५५
१४	गु	२०	५७	मृ	४०	५५	गं	७	३६	श	२०	५७	२१	८	५२	९	२७	३०	मि.१०/१९	पुष्ये बुधः३७।१
३०	शु	१९	२२	आ	४०	४३	वृ	४/४	५५/१६	ना	१९	२२	२०	८	५२	१०	२८	१	मिथुने	जौलाई ७ ता० ३१

१०पं.आ.कृ. १वृ.इ.१७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	०	१	५	७	२
०	२	४	८	१४	१६	२९	०
४८	२९	५६	१८	८	३४	२७	३२
३६	२८	५३	३६	२०	४८	५३	२
५७	४३	१२/२०	१०	७४	०/२३	३	५६
१७	५५		४०	१४	मा.	११	५७

४, २मंके शु, गु, ५, बुसू३, १, श६, १२, ७, चं९, ११, रा८, १०

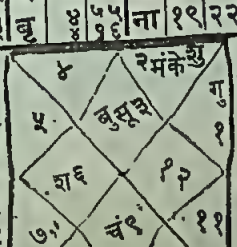

११पं.आ.कृ.८वृ.इ.१७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	०	१	५	७	२
७	७	१९	९	२२	१६	२९	७
२९	३०	३९	३५	४१	३९	५	१०
३१	५०	०	३८	२४	४७	३८	२९
५७	४३	१२/१०	९	७४	१	३	५६
१३	३७		५६	२०	७	११	५४

बु४, ३, २केमं, ५, चंसूशु, १गु, श६, १२, ७, ९, ११, रा८, १०

१२ पं.आ.कृ.१४वृ. इ. १६/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	०	२	५	७	२
१४	१२	२	१०	१	१६	२८	१३
९	२९	४४	४७	१४	४९	४३	४८
१८	२४	१७	६	२८	८	२२	३४
५७	४३	१०/४७	९	७४	१	३	५६
७	१९		२०	२६	४०	११	५०

ति.	अषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३							दि.		उ.		अ.		भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण ८७ स.२०११
१	श	१६	२८	पु	३६	२	व्या	५४	८	व	१६	२८	३४/३९	८	५३/६	११	२६	२	क.२५।०	
२	र	१२	३२	पु	३६	५८	ह	४८	०	कौ	१२	३२	१८	८	५२	१२	३०	३	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	चं	७	५३	श्ले	३४	१	व	४१	१३	ग	७	५३	१७	९	५१	१३	१	४	सिं. ३४।१	भ.३५।२१उ.आर्द्रा.शुक्रः४५।१ सावान ८
४	मं	२	५०	म	३०	४९	सि	३४	२८	वि	२	५०	१६	९	५१	१४	२	५	सिंहे	भ.२।५०या.
५	मं	५४	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	बु	५२	५	पू	२७	३७	व्य	२७	३७	कौ	२४	४९	१५	९	५१	१५	३	६	क.४१।४४	पुन.रविः२३।५८ (सौरः४८।५४)
७	गु	४६	४१	उ	२४	५	व	२०	४१	ग	१९	२३	१४	९	५१	१६	४	७	कन्यायां	भ.४६।४१उ.
८	शु	४१	३१	ह	२०	३४	प	१३	३९	वि	१४	६	१३	९	५१	१७	५	८	तु. ५८	भ.१४।६या.आश्ले.बुधः५९।४०
९	श	३६	७	चि	१७	२१	शि	४९/५३	३	बा	८	४९	११	१०	५०	१८	६	९	तुलायां	
१०	र	३०	५८	स्वा	१४	८	सा	५३	१४	तै	३	३२	१०	१०	५०	१९	७	१०	वृ. ५६	भ.५८।३१उ.
११	चं	२६	५	वि	११	८	शु	४६	४७	वि	२६	५	८	१०	५०	२०	८	११	वृश्चिके	भ.२६।५या.देवशयनी ११ व्र.
१२	मं	२१	३३	अ	८	२९	शु	४०	४२	बा	२१	३३	७	११	४९	२१	९	१२	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	बु	१७	४५	ज्ये	६	२९	ब्र	३५	२०	तै	१७	४५	५	११	४९	२२	१०	१३	ध.६।२९	[× व्यास पूजा गुरु १५
१४	गु	१४	३८	मू	५	१	ऐं	३०	२९	व	१४	३८	३	११	४९	२३	११	१४	धनुषि	भ.१४।३८उ.४३।४४या.वायु परीक्षा
१५	शु	१२	५०	पू	५	२	वै	२६	५४	व	१२	५०	१	१२	४८	२४	१२	१५	म. २९	पुन. शुक्रः३४।४९ मृगे भौमः४६।५ ×

१३पं.आ.शु.७वृ.इ.१६।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	०	२	५	७	२
२०	१७	१४	११	९	१७	२८	२०
५०	२४	४	५४	४८	३	२१	२६
२४	२२	२६	१८	२२	२५	६	२८
५७	४२	९०	८	७४	२	३	५६
७	५३	४७	३२	२६	२५	११	५०

गोचर ग्रहाः

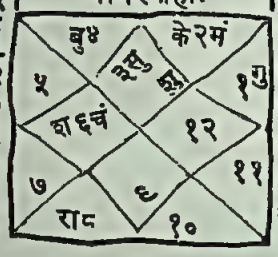

इस मास में वृष का मंगल सम्पूर्ण धान्य गेहूं जो मूंग मोठ चना आदि रुई कपास वस्त्र चन्दन केसर में तेजी करेगा हवा के साथ वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

१४ पं.आ.शु.१४वृ.इ.१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	०	२	५	७	२
२७	२२	२३	१२	१८	१७	२७	२७
३०	१६	३५	५५	२३	२२	५८	४
४३	३०	२	१	६	१	५१	३५
५७	४२	६९	७	७४	३	३	५६
११	३८	४३	३२	२६	१०	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३							दि.		उ.		अ.		भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१२	२३	उ	६	१	वि	२४	१७	कौ	१२	२३	३३/५९	१२	४६/८	२५	१३	१६	मकरे	कर्केऽर्कः५३।२४
२	र	१३	३३	श्र	८	४५	प्री	२३	८	ग	१३	३३	५७	१३	४७	२६	१४	१७	कुं४०।५५	भ.५६उ.कर्केऽर्कःसौरः३१भरणी१गुरुः३८
३	चं	१६	१९	ध	१३	५	आ	२२	४१	वि	१६	१९	५५	१३	४७	२७	१५	१८	कुम्भे	भ.१६।१९या.चतुर्थी व्र.
४	मं	२०	२५	श	१८	३५	सौ	२३	४०	बा	२०	२५	५२	१४	४६	२८	१६	१९	कुंभे	
५	बु	२५	३३	पू	२५	९	शो	२५	१०	तै	२५	३३	५०	१४	४६	२९	१७	२०	मी.८।३१	पुष्ये रविः२३ (सौपः५२) मघा.सिंहे.बुधः×
६	गु	३१	४१	उ	३२	३१	अ	२७	२५	व	३१	४१	४८	१४	४६	३०	१८	२१	मीने	भ.३१।४१उ. [× ०।११ नाग ५
७	शु	३७	५४	रे	३९	५६	सु	२९	५१	वि	४	४७	४५	१५	४५	३१	१९	२२	मे. ३९	भ.४।४७या.
८	श	४३	४४	अ	४७	२०	धृ	३२	१९	बा	१०	४९	४३	१५	४५	१	२०	२३	मेषे	कर्के शुक्रः४२।५० भा. श्रावणारंभः
९	र	४८	४६	भ	५३	४१	शू	३४	२	त	१६	१४	४०	१६	४४	२	२१	२४	मेषे	शुक्रास्तः पूर्वस्यां ५८।१२
१०	चं	५२	१७	कृ	५८	४१	गं	३४	४६	व	२०	३१	३८	१६	४४	३	२२	२५	वृ.९।५६	भ.३०उ.५२या. मिथुने भौमः ३७।१९
११	मं	५४	१४	रो	६०	०	बृ	३४	२३	ब	२३	१६	३५	१७	४३	४	२३	२६	वृषे	पुष्ये शुक्रः२७।४० कामिका ११ व्र.
१२	बु	५४	१९	रो	२	१५	धु	३२	३५	कौ	२४	१६	३३	१७	४३	५	२४	२७	मि. ३३	
१३	गु	५२	२५	मृ	३	४४	ब्या	२९	१५	ग	२२	२२	३०	१८	४२	६	२५	२८	मिथुने	भ.५२।२५उ.प्रदोषः
१४	शु	४८	४१	आ	३	२९	ह	२४	२७	वि	२०	३९	२७	१९	४१	७	२६	२९	क४७।०	भ.२०।३९या.
२०	श	४३	३५	पु	१	५६/४५	व	१८	२७	च	१६	८	२४	१९	४१	८	२७	३०	कर्के	हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.६वृ.इ.१६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	०	२	५	७	३
४	२७	०	१३	२६	१७	२७	३
११	५	५८	४८	५८	४५	३६	४३
२८	३८	३७	३२	१९	१८	३५	२
५७	४२	४६	६	७४	३	३	५६
१५	२३	२	२६	३२	४२	११	५८

गोचर ग्रहाः

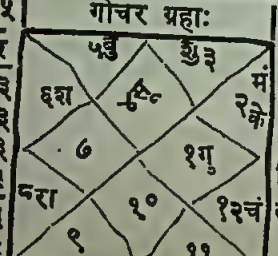

श्रावण कृष्णे १ शनौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

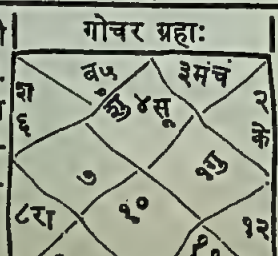

१६पं.श्रा.कृ.१३वृ.इ.१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	०	३	५	७	३
१०	१	५	१४	५	१८	२७	१०
५२	५१	४३	३५	३५	१२	१४	२२
३०	३६	३४	६	१७	११	२०	१९
५७	४१	१७	५	७४	४	३	५७
२०	४६	५२	३२	३२	२१	११	५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११६सन् २०११
१	र ३७ १९ श्ले ५३ ५० सि ११ २६ ब १० २७ ३३ २२	२०	४०	६	९	२८	३१	सि. ५३ ५०	[+८ ता० ३१ सिंघारा
२	चं ३० २८ म ४८ ५६ व्य ३३ ५५ कौ ३ ५३ १९	२०	४०	१०	२९	१		सिंहे	वक्री.बुधः १३।२४चंद्रदर्शनम् अगस्त +
३	मं २३ २७ पू ४३ ५५ प ४६ ४७ ग २३ २७ १६	२१	३९	११	१	२		कं.५७।४२	भ.४९।५५उ. रमजान ९ तीज
४	बु १६ २३ उ ३९ ४ शि ३८ २६ वि १६ २३ १३	२१	३९	१२	२	३		कन्यायां	भ.१६।२३या.आश्ले. रविः १९।४३ ×
५	गु ९ ४४ ह ३४ ३५ सि ३० ३४ बा ९ ४४ १०	२२	३८	१३	३	४		कन्यायां	आर्द्रा.भौमः २४।२६ नाग पंचमी
६	शु ३ ३५ चि ३० ३५ सा २३ ५ तै ३ ३५ ७	२३	३७	१४	४	५		तु.२।३५	भ.५८।१उ. [×(सौरः ५३।६) वरद ४
७	शु ५४ २६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०		० ०	
८	श ५२ १४ खा २७ २१ शु १५ ५२ वि २५ ३८ ४	२३	३७	१५	५	६		तुलायां	भ.२५।३८या.आश्ले.शुक्रः १४।५८
९	र ४९ ६ वि २४ ४७ शु ९ ३५ बा २१ १० ०	२४	३६	१६	६	७		वृ.१०।२६	
१०	चं ४६ ० अ २२ ५८ ब्र ४९ ५४ तै १७ ३३ ३३	५७	२५	३५	१७	७	८	वृश्चिके	ज्येष्ठा.३राहुः मृग.१केतुः ३।४४
११	मं ४३ ३२ ज्ये २२ १ वै ५४ ८ व १४ ४६ ५४	२५	३५	१८	८	९		ध. २२	भ.१४।४६उ.४३।३२या.बुधास्तः ÷
१२	बु ४१ ५५ मू २१ ५४ वि ५० १९ ब १२ ५७ ५०	२६	३४	१९	९	१०		धनुषि	[÷ पश्चिमायां ३५।२१पवित्रा११व्र.
१३	गु ४१ ३९ पू २२ ५२ प्री ४७ ३० कौ ११ ४७ ४७	२७	३३	२०	१०	११		म.३८।२१	प्रदोषः
१४	शु ४२ १० उ २४ ४९ आ ४५ २० ग ११ ५४ ४४	२७	३३	२१	११	१२		मकरे	भ.४२।१०उ.
१५	श ४४ १० श्र २७ ४७ सौ ४४ ३१ वि १३ १० ४०	२८	३२	२२	१२	१३		मकरे	भ.१३/१०या.श्रावणी कर्म रक्षाबन्धनम् भद्रो

१७पं.श्रा.शु.५वृ.इ.१६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	०	३	५	७	३
१७	६	७	१५	१४	१८	२६	१७
३४	३४	४	१३	१२	४३	५२	२
१२	२३	४१	२६	३६	१६	४	७
५७	४१	१३/४७	४	७४	४	३	५७
२५	२५	व.	२६	३२	५०	११	१२

गोचर ग्रहाः

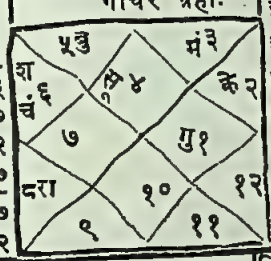

इस मास में ५ शनि अशुभ हैं चांदी में घटा बढी चले रस धातु धान्य में तेजी रहें प्रजा मे रोग शोक व्यापे शुक्र का अस्त वर्षा कारक है।

गोचर ग्रहाः

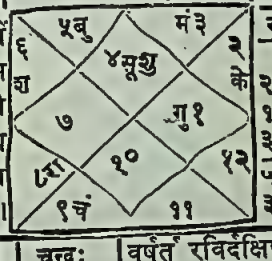

१८पं.श्रा.शु.१३वृ.इ.१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	०	३	५	७	३
२४	११	४	१५	२२	१९	२६	२३
१६	१५	२३	४३	५०	१७	२९	४३
३७	११	१३	३४	५६	५६	४८	१४
५७	४१	४५/४०	३	७४	५	३	५७
३३	७	व.	१९	३८	१४	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र ४७ २२ ध ३२ १८ शो ४४ १२ बा १५ ४६	३३	२९	३१	२३	१३	१४	कुं. २०	[÷ आश्ले.बुधः ५३।२
२	चं ५१ ४५ श ३७ ४७ अ ४४ ५६ तै १९ ३३	३३	२९	३१	२४	१४	१५	कुंभे	[+ मघा.सिंहे शुक्रः ३।३०चतुर्थी व्र.
३	मं ५६ ४३ पू ४४ १० सु ४६ १९ व २४ १४	३०	३०	३०	२५	१५	१६	मी २७।३४	भ.२४।१४उ.५६।४३या. वक्री कर्के ÷
४	बु ६० ० उ ५१ १३ धृ ४८ २६ ब २९ ४३	२६	२९	३१	२६	१६	१७	मीने	मघा.सिंहेऽर्कः १३।४५(सौरः ४९।३१) +
४	गु २ ४२ रे ५८ ४९ शू ५० ४९ बा २ ४२	२२	३२	२८	२७	१७	१८	मे.५८।४९	
५	शु ९ १ अ ६० ० गं ५३ १८ तै ९ १	१९	३२	२८	२८	१८	१९	मेषे	हस्त.४शनिः १।३४चंद्रषष्ठी
६	श १४ ४९ अ ६ २८ वृ ५५ ३३ व १४ ४९	१५	३३	२७	२९	१९	२०	मेषे	भ.१४।४९उ.४७।४८या.
७	र २० ४७ भ १३ ३४ धु ५७ १० ब २० ४७	१२	३४	२६	३०	२०	२१	वृ.३०।२	जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	चं २५ ७ कृ १९ २८ व्या ५७ ४४ कौ २५ ७	८	३४	२६	३१	२१	२२	वृषे	जन्माष्टमी व्र.वै.
९	मं २७ ५५ रो २४ १० ह ५६ ५८ ग २७ ५५	४	३५	२५	१	२२	२३	मि. ५५	भ.५८।२०उ.भा.भाद्रपदारंभः गोगा ९
१०	बु २८ ४६ मृ २७ २ व ५४ ४३ वि २८ ४६	१	३६	२४	२	२३	२४	मिथुनें	भ.२८।४६या.पुन.भौमः ४१।५०
११	गु २७ ३५ आ २७ ४८ सि ५० ४९ बा २७ ३५	५७/५३	३७	२३	३	२४	२५	मिथुनें	बुधोदयः पूर्वस्यां २०।४४ अजा ११व्र.
१२	शु २४ २६ पु २६ ४२ व्य ४५ २२ तै २४ २६	५३	३७	२३	४	२५	२६	क.११।५९	वत्स द्वादशी प्रदोषः
१३	श १९ २२ पु २३ ४८ व ३८ २२ व १९ २२	४९	३८	२२	५	२६	२७	कर्के	भ.१९।२२उ.४५।५८या मार्गी बुधः =
१४	र १२ ३४ श्ले १९ १ प ३० ३ श १२ ३४	४६	३९	२१	६	२७	२८	सिं.१९।१	[= २९।५०पूफा.शुक्रः ४८।१६
३०	चं ४ ४६ म १३ १२ शि २० ५७ ना ४ ४६	४२	४०	२०	७	२८	२९	सिंहे	कुशा ग्रहणी पिठोरी ३०मन्वादिः

१९पं.भा.कृ.४वृ.इ.१६।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	०	४	५	७	४
०	१५	२८	१६	१	१९	२६	०
५९	४९	४३	४	३०	५५	७	२५
२३	५५	५५	३७	११	४१	३३	२७
५७	४०	५५/५६	१	७४	५	३	५७
४०	४६	व.	५५	३८	४१	११	३४

गोचर ग्रहाः

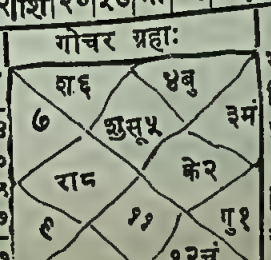

भाद्रपद कृष्णे ४ बुधे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घताशुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

२०पं०भा. कृ.११वृ.इ.१५/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	०	४	५	७	४
७	२०	२४	१६	१०	२०	२५	७
४४	२२	५०	१७	१०	२६	४५	८
२०	५५	५६	६	२३	४३	१७	५६
५७	४०	३३/३६	०	७४	६	३	५७
४९	२६	व.	४६	३८	२	११	४५

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १४६ स.२०११
१	चं	५१	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४७	१६	पू	३	५३	सि	११	१०	बा	२१	४४	३१	५	२०	८	२६	३०	कं.१६।५३ वक्री गुरुः २६।५५ चंद्रदर्शनम्
३	बु	३०	५०	ह	५३	२०	सा	२०	५५	तै	१३	४	३४	४१	१६	९	१	३१	कन्यायां पूफा. रविः २५ (सौरः ४२) सव्बाल १०+
४	गु	३०	५३	चि	४७	३१	शु	४२	६	व	४	५२	३०	४२	१८	१०	२	१	तु.२०।२८ भ.५२ उ.५३ या. सितम्बर ९ ता. ३० ×
५	शु	२३	४८	स्वा	४२	३८	ब्र	३३	३२	बा	२३	४८	२६	४३	१७	११	३	२	तुलायां ऋषि पंचमी [× गणेश ४
६	श	१७	५४	वि	३८	५९	ऐं	२६	१	तै	१७	५४	२२	४४	१६	१२	४	३	वृ.२४।५४ [+ हरितालिका ३
७	र	१३	९	अ	३६	३३	वै	१९	२५	व	१३	९	१८	४४	१६	१३	५	४	वृश्चिके भ. १३।९ उ. ४१।३५ या
८	चं	१०	१	ज्ये	३५	२९	वि	१४	१	व	१०	१	१५	४५	१५	१४	६	५	ध.३५।२९ सिंहे मघा. बुधः ३४।१०
९	मं	८	५	मू	३५	४४	प्री	९	२२	कौ	८	५	११	४४	१४	१५	७	६	धनुषि
१०	बु	७	२२	पू	३७	१७	आ	६	१	ग	७	२२	७	४७	१३	१६	८	७	म.५२।५८ भ.३७।४४ उ. उफा. शुक्रः ३३।२५
११	गु	८	७	उ	३९	५९	सौ	३	३९	वि	८	७	३	४७	१३	१७	९	८	मकरे भ. ८।७ या. जंलझूलनी ११ व्र. ÷
१२	शु	९	४३	श्र	४३	५३	शो	२	१७	बा	९	४३	३०	४८	१२	१८	१०	९	मकरे कर्के भौमः १९।४३ प्रदोषः
१३	श	१२	५३	ध	४८	४७	अ	१	५८	तै	१२	५३	५५	४९	११	१९	११	१०	कुं.१६।१९ कंन्यायां शक्रः १४।२६ [÷वामन जयंती
१४	र	१६	४७	श	५४	२३	सु	२	३	व	१६	४७	५१	५०	१०	२०	१२	११	कुम्भे भ. १६।४७ उ. ४९।१४ या. अनंत १४
१५	चं	२१	४१	पू	६०	०	धृ	२	४७	व	२१	४१	४७	५१	९	२१	१३	१२	मि. ४३ महालयारंभः कुमारिणां संध्या. पूजनारंभः

२१पं.भा.शु.४वृ.इ.१५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	०	४	५	७	४
१४	२४	२६	१६	१८	२१	२५	१३
३०	५१	४४	१९	५०	१९	२३	५४
०	४७	२	५२	४९	४८	२	८
५८	४०	४९	३०	७४	६	३	५७
१	२	मा	वि	३२	२४	११	५७

गोचर ग्रहाः

इस मास की कृष्णा पक्ष की तिथि वृद्धि शुक्ल पक्ष की तिथि क्षय गेहूं बाजरा चांवल सोना चांदी शक्कर गुड में तेजी करेंगी।

गोचर ग्रहाः

२२पं. भा.शु. ११वृ.इ. १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	०	४	५	७	४
२१	२९	४	१६	२७	२२	२५	२०
१७	१७	९	१२	३२	५	०	४०
२	३८	२५	४	२०	२०	४६	४८
५८	३९	९२	५३	७४	६	३	५८
१३	३७	४४	व	३२	२८	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्रः कृष्णेति महा.
१	मं	२७	४	पू	१	१	शू	४	२७	कौ	२७	४	३०	५	९	२२	१४	१३	मीने उफा. रविः ४७ पूफा. बुधः ४० बुधास्तः A
२	बु	३३	१४	उ	८	४	गं	६	२३	तै	०	९	३९	५२	८	२३	१५	१४	मीने उफा. रविः सौरः २५ पुष्पे भौमः ४६
३	गु	३९	३५	रे	१५	३५	वृ	७	४४	व	६	२४	३५	५३	७	२४	१६	१५	मे१५।३५ भ. ६।२४ उ. ३९।३५ या.
४	शु	४५	३८	अ	२३	१५	धु	११	१०	व	१२	३५	२१	५४	६	२५	१७	१६	मेषे चतुर्थी व्रतम् [A पूर्वस्यां ५६।३०
५	श	५१	२९	भ	३०	४१	व्या	१३	३४	कौ	१८	३३	२७	५५	५	२६	१८	१७	वृ.४७।२० कन्यायामर्कः १३।७ (सौरः ५०।१३)
६	र	५६	२६	कृ	३७	१६	ह	१५	३०	ग	२४	५७	२२	५६	४	२७	१९	१८	वृषे भ. ५६।२६ उ. हस्ते शुक्रः १७।१५
७	चं	६०	०	रो	४२	५८	व	१६	४६	वि	२८	१७	१८	५६	४	२८	२०	१९	वृषे भ. २८।१७ या. चित्रा. १ शनि १०।५९
७	मं	०	८	मृ	४७	१६	सि	१७	१	व	०	८	१४	५७	३	२९	२१	२०	मि.१५।७ उफा. बुधः ४९।४१
८	बु	२	१०	आ	४९	५०	व्य	१६	८	कौ	२	१०	९	५८	२	३०	२२	२१	मिथुने मातृ ९ (सौभाग्यवतीनां श्राद्धं)
९	गु	२	२२	पु	५०	१४	व	१३	३७	ग	२	२२	५	५९	१	३१	२३	२२	क. ३५।८ भ. ३१।२९ उ. कन्यायां बुधः ३७।५
१०	शु	०	३६	पु	४८	५७	प	९	४०	वि	०	३६	३०	०	६	१	२४	२३	कर्के भ. ३६ या.भा.आश्विनारंभः इं.११व्र.स्मा.
११	शु	५६	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	२४	२३	० [+शस्त्रादिहतानांश्राद्धं
१२	श	५०	५०	श्ले	४५	२१	शि	४५	५३	कौ	२३	५६	२९	१	५५	२	२५	२४	सिं४५।२१ इंदिरा ११ व्र. वै.
१३	र	४३	३२	म	४०	१७	सा	४८	७	ग	१७	११	५२	२	५८	३	२६	२५	सिंहे भ. ४३।३२ उ. प्रदोषः
१४	चं	३४	४६	पू	३३	५२	शु	२८	२६	वि	९	८	४८	२	५८	४	२७	२६	क.४७।२ भ. ९।८ या. अस्तं शनेः ३८।१ +
३०	मं	२५	११	उ	२६	३१	शु	२७	५९	ना	२५	११	४४	३	५७	५	२८	२७	कन्यायां हस्तेरविः २६।१६ (सौरः ४३) सर्वपितृ ३०

२३पं.आ.कृ.३वृ.इ.१५।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	०	५	५	७	४
२८	३	१६	१५	६	२२	२४	२७
५	३८	११	५४	१४	५२	३८	२९
२४	४९	५६	४०	९	५५	३०	९
५८	३९	८०	३३	७४	६	३	५८
२६	५	२	वि	३२	५५	११	२९

गोचर ग्रहाः

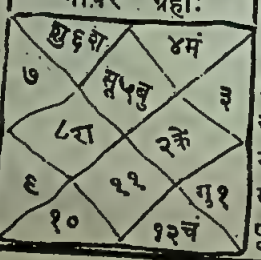

आश्विन कृष्णे ४ शनौ कन्यायांमर्कः प्रविष्टः वा. ४ नं. ४ गतालकावस्था ऊभी मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

२४पं.आ.कृ.९बृ.इ.१५।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	०	५	५	७	५
४	७	२९	१५	१४	२३	२४	४
५५	५५	१९	२८	५५	४१	१६	१९
१६	१९	१९	३७	३०	४२	१५	१४
५८	३८	८०	३३	७४	७	३	५८
३८	२७	४४	व	२६	४	११	४५

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरद्दतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७५स.२०११
१	बु	१५	२१	ह	१८	४७	ब्र	१७	१३	ब	१५	२१	२९/४०	६/४	५/५६	६	२९	२८	तु४५।०	हस्ते बुधः६।८नवरात्रारंभः मातामह श्रा.
२	गु	५	५४	चि	११	१३	ऐं	६/२२	४९/३९	कौ	५	५४	३६	५	५५	७	३०	२९	तुलायां	चित्रा.शुक्रः०।३७ चंद्र दर्शनम्
३	गु	५१	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	शु	४९	१९	स्वा	४/१५	५४/१४	वि	४६	७	व	२३	१०	३२	६	५४	८	१	३०	वृ.४४।५५	भ.२३।१०उ.४९।१९या.जिल्काद ११
५	श	४३	३	अ	५३	५२	प्री	३७	४९	ब	१६	११	२८	६	५४	९	२	१	वृश्चिके	शुक्रोदयःपश्चिमायां ३१/४८ अक्टूबर१०ता.३१
६	र	३८	३९	ज्ये	५१	२९	आ	३०	५१	कौ	१०	५१	२३	७	५३	१०	३	२	ध. ५१/२९	[+ज्येष्ठा२राहुःरोहि.४केतुः ५६/६ प्रदोष
७	चं	३५	४८	मू	५०	३८	सौ	२५	३	गं	७	१३	१९	८	५२	११	४	३	धनुषि	भ.३५।४८उ.
८	मं	३४	५६	पू	५१	२५	शो	२०	४९	वि	५	२२	१५	९	५१	१२	५	४	धनुषि	भ.५।२२या.तुलायां शुक्रः२१।४९
९	बु	३५	४४	उ	५४	८	अ	१७	५४	वा	५	२०	११	१०	५०	१३	६	५	म.७।५	चित्रा.बुधः४१।५६
१०	गु	३७	५८	श्र	५८	११	सु	१६	१८	तै	६	५१	७	११	४९	१४	७	६	मकरे	
११	शु	४१	४७	ध	६०	०	धृ	१५	५६	व	९	५२	३	११	४९	१५	८	७	कुं.३०।४९	भ.९।५२उ.४१।४७या.पापां कुशा११व्र.
१२	श	४६	२८	ध	३	२८	शू	१६	३७	ब	१४	८	२८/५९	१२	४८	१६	९	८	कुंभे	आश्ले.भौमः५४।५१
१३	र	५१	५९	श	९	३१	गं	१७	४९	कौ	१९	१३	५५	१३	४७	१७	१०	९	मी५९।४४	तुलायां बुधः३१।४स्वात्यांशुक्रः४४।३३+
१४	चं	५७	४६	पू	१६	२९	वृ	१९	४०	ग	२४	५२	५१	१४	४६	१८	११	१०	मीने	भ.५७।४६उ.चित्रा.रविः५८।१८
१५	मं	६०	०	उ	२३	४१	ध्रु	२१	२८	वि	३०	५८	४७	१५	४५	१९	१२	११	मीने	भ.३०।५८या.चित्रा.रविःसौरः३३।१७=
१५	बु	४	५	रे	३१	५	व्या	२३	५१	व	४	५	४३	१५	४५	२०	१३	१२	मे.३१।५	[=शरद् पूर्णिमा कोजागरी व्र.का.स्ना.प्रा.

२५ पं.आ.शु.२वृ.इ. १५/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	०	५	५	७	५
११	१२	१२	१४	२३	२४	२३	११
४६	७	५	५४	३७	३१	५३	११
५२	४१	४९	७	५९	३७	५९	१४
५८	३७	०/०	५/३०	७४	७	३	५९
५३	५२	२६	व.	२६	१४	११	०

गोचर ग्रहाः

७चं ५ शु सू बु ६ श मं४ रा८ ९ ३ २के १० १२ ११ १गु

कन्याराशि गते शुक्रे सर्वं सस्यं विनिश्यति, तत्र धान्य महर्घाणि शालिश्चैव विशेषतः इस मास धातु धान्य रस सभी तेज हो सुदि में धातु मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

शु ७ ५ ८ रा ६बुसूश ४ मं ९ ३ २ चं१० १२ के ११ १गु

२६पं.आ.शु.१०वृ.इ. १४/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	०	६	५	७	५
१८	१६	२४	१४	२	२५	२३	१८
४०	१५	१७	११	२०	२२	३१	५
८	७	३८	३८	१३	२६	४४	१
५९	३७	०/०	६/२४	७४	७	३	५९
९	२५	४५	व	२२	२०	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः स. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आ.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	गु	१०	२३	अ	३८	३५	ह	२६	११	कौ	१०	२३	२८/३९	६/१६	५/४४	२१	१४	१३	मेषे	स्वात्यां बुधः४६।२वक्री आश्वि.४गुरुः ३३/३४
२	शु	१६	२८	भ	४५	५६	व	२८	२०	ग	१६	२८	३५	१७	४३	२२	१५	१४	मेषे	भ.४९।१७उ.
३	श	२२	६	कृ	५२	३८	सि	३०	१३	वि	२२	६	३१	१८	४२	२३	१६	१५	वृ. २/३७	भ.२२।६या.चतुर्थी व्रतम्
४	र	२६	५३	रो	५८	३५	व्य	३१	२९	बा	२६	५३	२७	१९	४१	२४	१७	१६	वृषे	चित्रा.२शनिः५०।११
५	चं	३०	५३	मृ	६०	०	व	३२	८	तै	३०	५३	२३	१९	४१	२५	१८	१७	मि. ३१/३३	तुलायामर्कः४२।७
६	मं	३३	३६	मृ	३	३२	प	३१	५६	ग	२	१४	२०	२०	४०	२६	१९	१८	मिथुने	भ.३३/३६उ.तुलार्कः सौरः१६।१ बुधोदवः ×
७	बु	३४	५३	आ	७	११	शि	३०	३६	वि	४	१४	१६	२१	३९	२७	२०	१९	क.५३।४४	भ.४।१४या. [×पश्चिमायां१५।१८
८	गु	३४	४०	पु	९	१४	सि	२७	५५	बा	४	४६	१२	२२	३८	२८	२१	२०	कर्के	विशा.शुक्रः२७।३९
९	शु	३२	१३	पु	९	४०	सा	२३	४९	तै	३	२६	८	२२	३८	२९	२२	२१	कर्के	
१०	श	२८	१०	श्ले	८	२४	शु	१८	२६	व	०	११	४	२३	३७	३०	२३	२२	सिं.८।२४	भ.०।११उ.२८।१०या.
११	र	२२	२७	म	५	१४	शु	११	२३	बा	२२	२७	०	२४	३६	१	२४	२३	सिंहे	भा.कार्तिकारंभ;रमा११व्र.
१२	चं	१५	८	पू	०/२२	५३/४३	ब्र	३/४	५०/४०	तै	१५	८	२७/५६	२५	३५	२	२५	२४	कं.१३।४८	स्वात्यां रविः२४।९(सौरः५७।४)विशा.=
१३	मं	६	३४	ह	४७	०	वै	४३	२२	व	६	३४	५३	२५	३५	३	२६	२५	कन्यायां	भ.६।३४उ.३२।०या.रुप१४
१४	मं	५०	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=बुधः१७।५३प्रदोषःधन १३
३०	बु	४७	२०	चि	३९	५	वि	३२	३१	च	२२	२३	४९	२६	३४	४	२७	२६	तु.१३।२	महालक्ष्मी पूजनम्

२७का. कृ. १ वृ. इ. १४/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	०	६	५	७	५
२५	२०	५	१३	११	२६	२३	२५
३५	१८	४७	२२	२	१३	९	०
२	०	३८	१६	२८	२६	२८	४३
५९	३६	०/०	७/१४	७४	७	३	५९
२१	३१	५०	व.	२०	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

शुबु ७ ५ ४ ८रा ६सूश मं ९ ३ १० १२ २के ११ गुचं ९

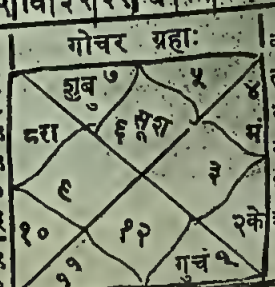

कार्तिक कृष्णे ५ चद्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

रा८ ६श ९ सुसू७बु ५ १० ४चं मं ११ गु१ ३ १२ २के

२८पं.का.कृ.८वृ.इ.१४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	०	६	५	७	६
२	२४	१६	१२	१९	२७	२२	१
३१	१४	४३	१८	४३	४	४७	५८
२६	१७	१९	४१	५२	५९	१२	९
५९	३५	९५	७/४६	७४	७/२०	३	५९
३४	५६	४३	व.	१३	व.	११	४६

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०४ स.२०११
१	गु ३७ २९ स्वा ३१ २२ प्री २१ ३४ किं १२ २५ ३५ २७ ३३	५	२८	२७	तुलायां	अन्नकुटं गोवर्द्धन पूजा [A च.गुरुः ४५ ४२
२	शु २८ ३२ वि २३ ५८ आ १० ३३ बा २ ५७ ४१ २८ ३२	६	२९	२८	वृ.१०।४९	बृश्चिके शुक्रः ३०।१४ चंद्रदर्शनम् V
३	श २० ४४ अ १७ ४४ सौ ३७ ५१ ग २० ४४ ३७ २९ ३१	७	१	२९	वृश्चिके	भ. ४७।४२ उ. बृश्चिके बुधः १०।३६+
४	र १४ ४० ज्ये १३ ३ अ ४३ ५१ वि १४ ४० ३४ २९ ३१	८	२	३०	ध.१५।३	भ. १४।४० या. [+जिल्हेज १२
५	चं १० २३ मू १० २१ सु ३७ ५२ बा १० २३ ३० ३० ३०	९	३	३१	धनुषि	अनु. बुधः ४३।३१ अनु शुक्रः ८।२०=
६	मं ८ १ पू ९ २२ धृ ३३ ४० तै ८ १ २७ ३१ २९	१०	४	१	म.२४।४१	नवम्बर ११ ता. ३० [Vभ्रातृ २ यम २
७	बु ८ ० उ १० ३८ शू ३० ५४ व ८ ० २३ ३१ २९	११	५	२	मकरे	भ. ८।० उ. ३८।५५ या. उदयं शनेः ९ १४
८	गु ९ ५० श्र १३ ४४ गं २९ ३८ ब ९ ५० १९ ३२ २८	१२	६	३	कु.४५।४३	गोपाष्टमी [=मघा. सिंहे भौमेः ५।३२
९	शु १३ ३३ ध १७ ४१ बृ ३० १ कौ १३ ३३ १६ ३३ २७	१३	७	४	कुम्भे	कुष्मांड ९ अक्षय ९ [÷का. स्ना. पू.
१०	श १८ २९ श २४ ४७ धु ३० ५३ ग १८ २९ १२ ३४ २६	१४	८	५	कुम्भे	भ. ५१।२७ उ. [Dशुक्रः ५४ १५ मन्वादिः÷
११	र २४ २५ पू ३१ ५४ च्या ३१ ४९ वि २४ २५ ९ ३४ २६	१५	९	६	मी.१५।७	भ. २४।२५ या. विशा. रविः ४४।३५×
१२	चं ३० ३६ उ ३९ १३ ह ३४ ५६ बा ३० ३६ ५ ३५ २५	१६	१०	७	मीने	विशा. रविः सौर: १५ ५ वक्री अश्विनी३A
१३	मं ३७ १५ रे ४६ ५५ व ३७ १८ कौ ३ ५५ २ ३६ २४	१७	११	८	मे.४६।५५	प्रदोषः [×प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.
१४	बु ४३ २९ अ ५४ १० सि ३९ २९ ग १० २१ २६ ३६ २४	१८	१२	९	मेषे	भ. ४३।२९ उ. वैकुंठ १४
१५	गु ४९ १९ भ ६० ० व्य ४१ ३३ वि १६ २४ ५५ ३७ २३	१९	१३	१०	मेषे	भ. १६ २४ या. ज्येष्ठा. बुधः ५५ १४ ज्येष्ठा D

२९ पं.का.शु.१ वृ.इ. १४ २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	०	६	५	७	६
९	२८	२७	११	२८	२७	२२	८
२९	४	७	३२	२६	५५	२४	५७
४२	३७	५५	५६	२८	५५	५७	२९
५९	३५	८८	५ ६	७४	७	३	६०
४७	८	५२	व.	२	१४	११	२

३०पं.का.शु. ८ वृ. इ. १४ १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	०	७	५	७	६
१९	१	६	१०	७	२८	२२	१५
२९	४७	४४	३६	९	४६	२	५८
२८	४९	३८	४	४	५	४१	३३
६०	३४	८१	५ ५	७३	७	३	६०
४	१७	२८	व	५६	८	११	१८

३१पं.का. शु.१५ वृ.इ. १४ २

र	म	शु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	०	७	५	७	६
२३	५	१५	९	१५	२९	२१	२३
३०	२३	५२	४१	५०	३५	४०	१
५०	२८	३४	२०	३१	२०	२६	७
६०	३३	६९	३ ३	७३	६	३	६०
१७	१३	५	व	५०	५६	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महारा
१	शु ५४ २९ भ १ १० ब ४३ ११ बा २१ ५३ २६ ३८ २२	५	२०	१४	११	वृ.१७।४६	
२	श ५८ ५६ कृ ७ ३३ प ४४ १ तै २६ ४४ ४९ ३८ २२	२१	१५	१२	वृषे	
३	र ६० ० रो १३ १० शि ४४ १० व ३० ४० ४५ ३९ २१	२२	१६	१३	मि४५।३४	भ्र. ३०।४० उ. चित्रा. ३ शनिः ४४।५८
४	चं २ २२ मृ १७ ५८ सि ४३ ५२ बि २ २२ ४२ ४० २०	२३	१७	१४	मिथुने	भ. २।२२ या. चतुर्थी व्र.
४	मं ४ ४० आ २१ ४३ सा ४२ ३४ बा ४ ४० ३९ ४० २०	२४	१८	१५	मिथुने	पातस्पर्शः ४६।२८
५	बु ५ ५९ पु २४ १४ शु ४० २८ तै ५ ५९ २६ ३९ २१	२५	१९	१६	कं.८।३६	बृश्चिकेऽर्कः ४०।४० पातमोक्षः ८।१२
६	गु ६ ६ पु २५ ३६ शु ३७ १० व ६ ६ ३३ ३९ २१	२६	२०	१७	कर्के	भ.६।६उ. ३५ २९ या. बृश्चिकेऽर्कः सौर: ४५ ९
७	शु ४ ५२ श्ले २५ ३८ ब्र ३१ ५९ ब ४ ५२ ३० ४२ १८	२७	२१	१८	सिं२५।३८	
८	श २ १५ म २४ १४ ऐं २७ २५ कौ २ १५ २७ ४३ १७	२८	२२	१९	सिंहे	अनु. रविः ५९।०
९	श ५६ २ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	
१०	र ५३ १ पू २१ ३० वै २० ५४ व २५ ३९ २५ ४३ १७	२९	२३	२०	क.३५।३०	भ. ३५ ३९ उ. ५३ ९ या. अनु. रविः सौर; ३५ ३३
११	चं ४६ १३ उ १७ ३२ वि १३ २८ व १९ ३७ २२ ४४ १६	३०	२४	२१	कन्यायां	मूले धनषि शुक्रः ३५।१५ उत्पत्ति ११व्र.
१२	मं ३८ २७ ह १२ १५ मृ ४६ ५० कौ १२ २० १९ ४४ १६	१	२५	२२	तु.३९।६	भा. मार्गशीर्षारंभः
१३	बु ३० ४ चि ५७ ५३ सौ ४५ १० ग ४ १६ १७ ४५ १५	२	२६	२३	तुलायां	भ. ३०।४ उ. ५५।३३ या. वक्री बुध-+
१४	गु २१ २ वि ५२ २ शो ३४ ४६ श २१ २ १४ ४५ १५	३	२७	२४	वृ.३८।४८	[+ ५२।२४ प्रदोषः
१५	शु १२ २१ अ ४५ १८ अ २४ ३४ ना १२ २१ १२ ४६ १४	४	२८	२५	वृश्चिके	

३२ पं.मा.कृ. ६ वृ. इ. १३ ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	७	६	७	७
०	८	२३	८	२४	०	२१	०
३३	४८	७	४९	३२	२२	१८	५
२९	४३	२३	५५	३८	४८	१०	११
६०	३२	४६	४ ९	७३	६	३	६०
३०	१३	२३	व.	४७	३८	११	४०

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष कृष्णे ५ बुधे बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः, वा. ३ न. ४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

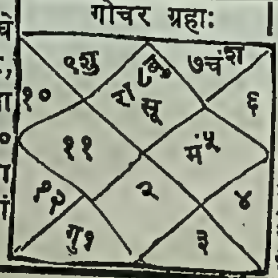

३३पं.का. कृ.१४ वृ. इ. १३ ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	८	६	७	७
७	१२	२६	८	३	१	२०	७
३७	३	८	४	१४	८	५५	१०
२६	४३	५६	५	२०	१०	५४	४४
६०	३०	२२	४ ९	७३	६	३	६०
४२	५४	व.	व.	३८	२६	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३४स.२०११
१	शु ४ १ ज्ये ३९ ३६ सु १४ ४२ ब ४ १ २६ ४६ ५४	५	२९	२६	व.३९।३६	पूफा.भौमः४१।४३ चंद्र दर्शनम्
२	श ५३ २ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	० ०	
३	र ५१ ३९ मू ३५ ११ धृ ५९ ५२ ते २४ २० ७ ४७ १३	६	१	२७	धनुषि	मोहोरम १ सन् १४३३ हि.पातस्पर्शः ÷
४	चं ४८ ४ पू ३२ ३१ गं ५२ १९ व १९ ५२ ५ ४७ १३	७	२	२८	म.४७।२२	भ.१९३उ.४८।४या.बुधास्तःपश्चिमायां४७ ३४
५	मं ४६ ५३ उ ३१ ५८ वृ ४८ २ व १७ २८ २ ४८ १२	८	३	२९	मकरे	[÷ १२।४२ पातमोक्षः५५।३४
६	बु ४७ २८ श्र ३३ ३२ ध्रु ४५ २६ कौ १७ १० ० ४८ १२	९	४	३०	मकरे	चंपा ६
७	गु ५० २३ ध ३७ १ ज्या ४४ ४७ ग १८ ५५ २५ ४८ १२	१०	५	१	कु.५।१६	भ.५०।२३उ. दिसम्बर १२ ता. ३१
८	शु ५४ ५५ श ४२ २३ ह ४४ ४१ वि २२ ३८ ५६ ४९ ११	११	६	२	कुम्भे	भ.२२।३८या.पूषा.शुक्रः२२।६
९	श ६० ० पू ४८ ५९ व ४६ ११ बा २७ ४६ ५४ ४९ ११	१२	७	३	मी.३२	ज्येष्ठा.रविः९।७ (सौरः३३।२७)
९	र ० ३८ उ ५६ १६ सि ४८ ५ कौ ० ३८ ५३ ४९ ११	१३	८	४	मीने	
१०	चं ६ ५३ रे ६० ० व्य ५० २८ ग ६ ५३ ५१ ५० १०	१४	९	५	मीने	भ.४०।१५उ.वक्री अनु.बुधः१८।२७
११	मं १३ ३८ रे ४ ४ व ५२ ४१ वि १३ ३८ ४९ ५० १०	१५	१०	६	मे.४।४	भ.१३।३८या.मोक्षदा११व्र.गीता जयंती
१२	बु १९ ५९ अ ११ ३८ प ५४ ४८ ग्रा १९ ५९ ४८ ५० १०	१६	११	७	मेषे	प्रदोषः
१३	गु २५ ४४ भ १८ ३४ शि ५६ ४७ ते २५ ४४ ४६ ५१ ९	१७	१२	८	वृ. ३५	[+ खग्रास चंद्रग्रहणम् दत्तजयंती
१४	शु ३० ३४ कृ २४ ४६ सि ५६ ४९ व ३० ३४ ४५ ५१ ९	१८	१३	९	वृषे	भ.३०।३४उ.
१५	श ३४ १० रो २९ ४५ सा ५६ ४० वि २ ३२ ४४ ५१ ९	१९	१४	१०	वृषे	भ.२।२२या. बुधोदयः पूर्वस्यां६।४१ +

३४पं.मा.शु.७वृ.इ.१३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	८	६	७	७
१४	१५	२१	७	११	१	२०	१४
५२	८	४६	२५	५५	५१	३३	१७
४०	३१	२६	२६	५५	२२	३९	३०
६०	२९	५५	५३	७३	६	३	६१
५०	११	व.	व.	२६	४	११	३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल गन्ना सक्कर गुड़ चांदी सोना मंदा होकर तेज होंगे प्रजा में अशान्ति फैले।

गोचर ग्रहाः

३५पं.मा.शु. १३वृ.इ. १३ १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	८	६	७	७
२१	१८	१३	६	२०	२	२०	२१
४८	८	३	५५	३६	३२	११	२५
४०	१४	५४	४८	४	६	२३	१३
६०	२७	५५ १३	४१	७३	५	३	६१
५६	२६	व.	व.	१७	४०	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमतर्तू रविर्दक्षिणेमार्गशीर्षकृष्णेति महा.
१	र ३६ ५२ मृ ३३ ५४ शु ५५ ३६ बा ५ ३१ ३५ ५१ ९	५	२०	१५	११	सिं. ४९	ज्येष्ठा.१राहुःरोहि.३केतुः४७।४५
२	चं ३८ २० आ ३६ ४७ शु ५३ ४० तै ७ ३६ ४३ ५२ ८	२१	१६	१२	मिथुने	
३	मं ३८ ३७ पु ३८ ३५ ब्र ५० ५० व ८ २९ ४१ ५२ ८	२२	१७	१३	क. २३	भ.८।२९उ.३८।३७या.उषा.शुक्रः४।५९*
४	बु ३७ ५८ पु ३९ ४९ ऐं ४७ २२ ब ८ १८ ४० ५२ ८	२३	१८	१४	कर्के	मार्गी.बुधः१४।२३ चतुर्थी व्र.
५	गु ३६ २८ श्ले ३९ ५३ वै ४३ ८ कौ ७ १२ ३९ ५२ ८	२४	१९	१५	सिं.५३	मकरे शुक्रः४९।९
६	शु ३४ १ म ३८ ५० वि ३८ ३ ग ५ १३ ३९ ५२ ८	२५	२०	१६	सिंहे	भ.३४।१उ.मूले धनुष्यर्कः१६ (सौरः३७ १५)
७	श ३० ४३ पू ३७ ५ प्री ३२ २० वि २ २२ ३८ ५२ ८	२६	२१	१७	क.५१।३२	भ.२।२२या.चित्रा.४शनिः१२।२
८	र २६ ३९ उ ३४ ५५ आ २६ ० कौ २६ ३९ ३८ ५२ ८	२७	२२	१८	कन्यायां	[* वक्री अश्वि.२गुरुः२१।४९
९	चं २१ ५६ ह ३१ ७ सौ १८ ५५ ग २१ ५६ ३७ ५३ ७	२८	२३	१९	तु.५९।१	भ.४८।५२उ.
१०	मं १५ ४८ चि २६ ५६ शो ११ ८ वि १५ ४८ ३७ ५३ ७	२९	२४	२०	तुलायां	भ.१५।४८या.
११	बु ९ २१ स्वा २२ ४ अ २ ५१ ४६ १३ बा ९ २१ ३६ ५३ ७	३०	२५	२१	तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	गु २ १३ वि १६ ३७ धृ ४५ ० ते २ १३ ३६ ५३ ७	१	२६	२२	वृ.२।५९	भ.५५।७उ.भा.पौषारंभःप्रदोषः
१३	गु ५२ ५४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	
१४	शु ४७ २८ अ ११ १५ शू ३५ ५९ वि २१ १८ ३६ ५३ ७	२	२७	२३	वृश्चिके	भ.२१।१८या.श्रवणे शुक्रः५६।२१
३०	श ४१ २६ ज्ये ५ ५८ गं २७ २८ च १४ ३६ ३६ ५३ ७	३	२८	२४	ध ५।५८	ज्येष्ठा.बुधः४९।२९

३६ पं.पौ.कृ. ५ वृ. इ. १३ ०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	८	६	७	७
२८	२०	९	६	२९	३	१९	२८
५५	३४	४७	३५	१५	९	४९	३३
३७	५२	४२	३५	५८	४३	८	५६
६१	२५	१३	२३	७३	५	३	६१
०	४	मा	व.	६	११	११	१९

गोचर ग्रहाः

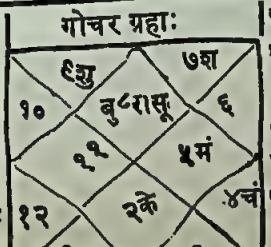

पौष कृष्णे ६ शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

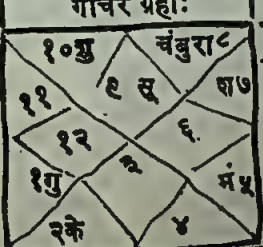

३७ पं.पौ.कृ. १३वृ.इ. ११ ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	०	९	६	७	८
६	२२	१४	६	७	३	१९	५
३	५२	१७	२४	५४	४३	२६	४३
१४	५	४९	३७	२२	४१	५२	२१
६१	२२	५४	५९	७२	४८	४	६१
४	२८	२९	व.	५०	व	११	२२

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२६३सन् २०११
१	र	३५	५७	पू	४३	१५६	बृ	१६	४५	किं	८	४१	३५ ३७	६ ५३	५ ७	४	२९	२५ धनुषि
२	चं	३२	०	उ	५५	५३	ध्रु	१३	३	बा	२	५७	३७	५३	७	५	३०	२६ म.१२।४४ मार्गी गुरुः४४।२८ चंद्र दर्शनम्
३	मं	२९	५७	श्र	५७	७	व्या	७	३८	तै	०	५९	३७	५३	७	६	१	२७ मकरे भ.५९।५०उ. सफर २
४	बु	२९	४३	ध	५९	१३	ह	३	३८	वि	२९	४३	३८	५२	८	७	२	२८ कुं.२८।१० भ.२९।४३या.
५	गु	३१	४८	श	६०	०	व	१	२८	ब	०	४६	३८	५२	८	८	३	२९ कुंभे पूषा.रविः२१।२२(सौरः३८।५५)
६	शु	३५	२८	श	३	१८	सि	०	५०	कौ	३	३८	३९	५२	८	९	४	३० मी. ५२
७	श	४०	४०	पू	९	१३	व्य	२	८	ग	८	४	४०	५२	८	१०	५	३१ मीने भ.४०।४०उ.
८	र	४६	४४	उ	१५	४२	व	२	४७	वि	१३	४२	४१	५२	८	११	६	१ मीने भ.१३।४२या. जनवरी १ ता. ३१
९	चं	५३	२५	रे	२३	१३	प	४	४३	बा	२०	५	४२	५२	८	१२	७	२ मे.२३।१३
१०	मं	५९	४७	अ	३०	४८	शि	७	१	तै	२६	३६	४३	५१	९	१३	८	३ मेषे धनि.शुक्रः४३।३६
११	बु	६०	०	भ	३८	६	सि	९	१०	व	३२	३९	४४	५१	९	१४	९	४ वृ.५४।४१ भ.३२।३९उ.मूले धनुषि बुधः०।५८ ÷
११	गु	५	३१	कृ	४४	२८	सा	१०	४९	वि	५	३१	४५	५१	९	१५	१०	५ वृषे भ.५।३१या. पुत्रदा ११ व्र. वै.
१२	शु	१०	१६	रो	४९	२२	शु	११	३७	बा	१०	१६	४७	५१	९	१६	११	६ वृषे उफा.भौमः३०।३६ प्रदोषः
१३	श	१३	४४	मृ	५३	७	शु	११	१३	तै	१३	४४	४८	५०	१०	१७	१२	७ मि. २१ [÷ पुत्रदा ११ व्र. स्मा.
१४	र	१५	३१	आ	५५	३१	ब्र	९	४४	व	१५	३१	५०	५०	१०	१८	१३	८ मिथुने भ.१५।३१उ.४५।४७या.
१५	चं	१६	२	पु	५६	३२	ऐं	७	१७	ब	१६	२	५२	५०	१०	१९	१४	९ क. ४१ कुंभे शुक्रः१०।१४ मा. स्ना. प्रा.

३८पं.पौ.शु.५वृ.इ.१२।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	०	९	६	७	८
१३	२४	२२	६	१९	४	१९	१२
१९	४७	१५	२४	३१	१३	४	५३
१३	४९	४	४७	३०	३७	३६	१३
६१	१९	७४	३०°	७२	४	३	६१
६	२	२	मा	३२	१२	११	२६

गोचर ग्रहाः

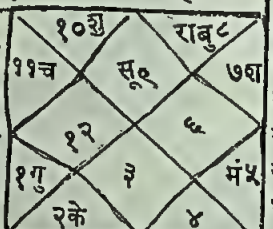

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चावल मक्का आदि धान्यो में मंदी होगी रुई रंग सोना तेज चांदी में घटाबढ़ी हो।

गोचर ग्रहाः

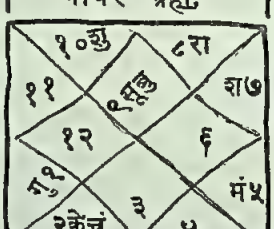

३९पं.पौ.शु. ११वृ.इ. १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	०	९	६	७	८
२०	२६	१	६	२५	४	१८	२०
१९	२०	४१	३४	७	३९	४२	३
२६	२	१३	३०	५	५८	२१	१०
६१	१५	८४	१	७२	३	३	६१
६	२३	४६	४२	१२	३२	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	१५	३	पु	५६	२५	वै	२२	५५	कौ	१५	३	२५ ५३	६ ४९	५ १	२०	१५	१० कर्क
२	बु	१३	५	श्ले	५५	१७	प्री	५४	१	ग	१३	५	५५	४९	११	२१	१६	११ सिं. ५५
३	गु	१०	७	म	५३	२३	आ	४८	१३	वि	१०	७	५७	४९	११	२२	१७	१२ सिंहे अश्वि.३गुरुः२६।४४
४	शु	६	२९	पू	५१	७	सौ	४१	५२	बा	६	२९	५९	४८	१२	२३	१८	१३ सिंहे भ.४१उ.उषा.रविः२६ (सौरः४०।२२)
५	श	२	४४	उ	४८	२९	शो	३५	१९	तै	२	२४	२ ६	४८	१२	२४	१९	१४ क. २५ भ.१०।७ या.चतुर्थी व्र.
६	श	५५	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१०	०	०	० ० पूषा.बुधः१२।०
७	र	५३	२५	ह	४५	३७	अ	२८	३१	वि	२५	४६	४	४७	१३	२५	२०	१५ कन्यायां भ.५८।६उ.मकरेऽर्कः४२।३१(सौरः +
८	चं	४८	३०	चि	४२	२०	सु	२१	३२	बा	२०	५८	६	४७	१३	२६	२१	१६ तु.१३।५८ [+५५।४९)शते शुक्रः४४।२
९	मं	४३	३०	स्वा	३८	५२	धृ	१४	१९	तै	१६	०	८	४६	१४	२७	२२	१७ तुलायां भ.२५।४६या.
१०	बु	३८	१	वि	३५	४	शू	६ ५३	३ ४	व	१०	४५	११	४६	१४	२८	२३	१८ वृ. २१।१ बुधास्तःपूर्वस्यां ४८।५६
११	गु	३२	३६	अ	३१	२३	वृ	५२	२	ब	५	१८	१३	४५	१५	२९	२४	१९ वृश्चिके भ.१०।४५उ. ३८।१या. पातस्पर्शः =
१२	शु	२७	१६	ज्ये	२७	५७	ध्रु	४४	४६	तै	२७	१६	१६	४५	१५	३०	२५	२० ध.२७।५७ षटतिला ११ व्र.
१३	श	२२	२६	मू	२४	५२	व्या	३७	५८	व	२२	२६	१९	४४	१६	१	२६	२१ धनुषि [= १०।३४पातमोक्षः४२।२३
१४	र	१८	८	पू	२२	२५	ह	३१	४२	श	१८	८	२१	४४	१६	२	२७	२२ म.३७।१ भ.२२।२६उ.५०।१७या.अभि.प्र.रविः ×
३०	चं	१४	५६	उ	२०	४९	व	२६	२८	ना	१४	५६	२४	४३	१७	३	२८	२३ मकरे [×१५।१(सौरः २७)उषा.बुधः ३९ प्रदोषः

४०पं.मा.कृ.३वृ.इ.१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	०	१०	६	७	८
२७	२७	११	६	३	५	१८	२७
२७	२२	४९	५४	३८	१	२०	१३
२२	२४	१	२२	३१	२३	५	२
६१	१०	९१	३	७१	२	३	६१
६	२८	५३	१३	५४	४९	११	२४

गोचर ग्रहाः

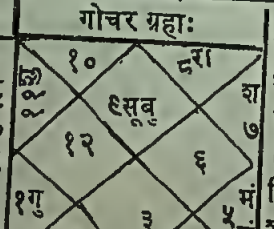

माघ कृष्णे ५ शनौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

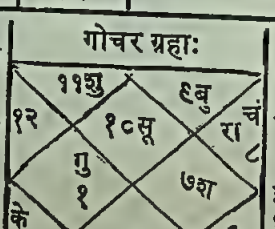

४१पं.मा.कृ.११वृ.इ.१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	८	०	१०	६	७	९
४	२७	२२	७	१२	५	१७	४
२५	५४	२५	२३	८	१८	५७	२२
१३	५८	४१	२५	१०	११	५०	२१
६१	४	९७	४	७१	२	३	६१
३	५५	१६	२४	२९	८	११	१९

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण २९३स. २०१२
१	मं	१३	५	श्र	२१	१	सि	२२	२८	ब	१३	५	२६/२७	६/४३	५/१७	४	२९	२४	कुं.५१।४७	श्रवणे रविः ३१/३८ (सौरः ४३/६) मकरे ×
२	बु	१२	४७	ध	२२	३४	व्य	१९	३५	कौ	१२	४७	२९	४२	१८	५	१	२५	कुंभे	अभि. वि. रविः २३/५३ (सौरः ३५/२३) पूभा*
३	गु	१४	२८	श	२५	४८	व	१८	२६	ग	१४	२८	३२	४२	१८	६	२	२६	कुम्भे	भ. ४६।५ उ. [*शुक्रः ४३/४० रविलावल
४	शु	१७	४३	पू	३०	३१	प	१७	४३	वि	१७	४३	३५	४१	१९	७	३	२७	मी. १४/२०	भ. १७।४३ या.
५	श	२२	२४	उ	३६	५३	शि	१८	४०	बा	२२	२४	३८	४०	२०	८	४	२८	मीने	वसंत ५
६	र	२८	४	रे	४३	५३	सि	२०	१७	तै	२८	४	४१	४०	२०	९	५	२९	मे.४३।५३	[× बुधः ६।३५ वक्री भौमः २।५ A
७	चं	३४	३८	अ	५१	२६	सा	२२	३२	ग	१	२२	४५	३९	२१	१०	६	३०	मेषे	भ. ३४/३८ उ.श्रवणे बुध. १६/४७ रथ ७ भानु७
८	मं	४१	३	भ	५८	४९	शु	२४	४७	वि	७	५०	४८	३८	२२	११	७	३१	मेषे	भ. ७।५० या भीष्माष्टमी
९	बु	४६	५९	कृ	६०	०	शु	२६	४८	बा	१४	१	५१	३८	२२	१२	८	१	वृ.१५।३४	फर्बरी २९ [A चंद्रदर्शनम्
१०	गु	५२	३	कृ	५	४९	ब्र	२८	५	तै	१९	३१	५४	३७	२३	१३	९	२	वृषे	[= मा. स्ना. पूर्तिः
११	शु	५५	३७	रो	११	३१	ऐं	२८	१७	व	२३	५०	५८	३६	२४	१४	१०	३	मि४३।३५	भ.२३/५० उ.५५/३७ या. मीने शुक्रः ८/५६ जया ११ व्र.
१२	श	५७	२८	मृ	१५	४०	वै	२७	१४	ब	२६	२२	२७/१	३६	२४	१५	११	४	मिथुने	[+ (सौरः ४८।५६) धनि. बुधः ५०।२८
१३	र	५७	३१	आ	१८	७	वि	२४	५०	कौ	२७	२९	५	३५	२५	१६	१२	५	मिथुने	उभा. शुक्रः ५३।४ प्रदोषः
१४	चं	५५	४१	पु	१८	५४	प्री	२१	१	ग	२६	३६	८	३४	२६	१७	१३	६	क. ३।४२	भ. ५५।४१ उ. धनी. रविः ३९।५६ +
१५	मं	५२	२६	पु	१७	५५	आ	१५	५०	वि	२४	३	१२	३४	२६	१८	१४	७	कर्के	भ. २४।३ या. वक्री पूफा. भौमः ४६/५५ =

४२ पं. मा. शु. ३ वृ. इ. १२/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	०	१०	६	७	९
११	२७	३	८	२०	५	१७	११
४२	५४	३४	१	३४	२९	३५	३२
४०	४३	१	५५	१६	२०	३४	२२
६०	१३/२	१०/१०	५	७१	१	३	६१
५९	व.	४६	३६	५	२६	११	१३

गोचर ग्रहाः

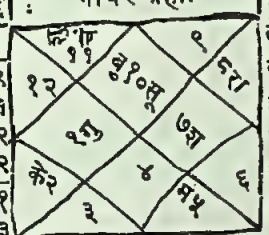

इस मास में धातु रस तेज हो धान्य मंदा हो कुम्भ राशौ स्थिते शुक्रे सुभीक्षं प्रचुरं जलम् । भवत्यत्र न संदेहो लोका- सर्वे निरामयाः ॥

गोचर ग्रहाः

४३ पं. मा. शु. १० वृ. इ. १२/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	०	१०	६	७	९
१८	२७	१५	८	२८	५	१७	१८
४९	२०	११	४८	५४	३६	१३	३९
१६	३१	६	५८	०	०	१८	२७
६०	५०/९	०/१०	६	७०	०	३	६१
५५	व.	५	३७	२८	४४	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्ण पक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा.
१	बु	४७	५९	श्ले	१५	४०	सौ	९	३८	बा	२०	१२	२७/१५	६/३३	५/२७	१९	१५	८	सिं१५।४०	वक्री शनिः ८।१७
२	गु	४२	४१	म	१२	३०	शो	२/४७	५२/१९	तै	१५	२०	१९	३२	२८	२०	१६	९	सिंहे	
३	शु	३६	५०	पू	८	४१	सु	४७	१९	व	९	४६	२३	३१	२९	२१	१७	१०	कं.२२।३७	भ. ९/४६ उ. ३६/५० या. कुंभे बुधः ३०।१५
४	श	३०	५६	उ	४	२३	धृ	३९	२२	व	३	५३	२७	३१	२९	२२	१८	११	कन्यायां	अश्वि.४ गुरुः २६।५७ चतुर्थी व्र.
५	र	२४	५९	ह	०/११	५६/११	शू	३१	५६	तै	२४	५९	३०	३०	३०	२३	१९	१२	तु.२८।१६	अनु. ४ राहुः रोहि. २ केतुः ४१।१० +
६	चं	१९	२४	स्वा	५२	४०	गं	२४	३३	ब	१९	२४	३४	२९	३१	२४	२०	१३	तुलायां	भ. १९।२४ उ. ४६।४८ या कुंभेऽर्क ×
७	मं	१४	११	वि	४९	२५	वृ	१६	४९	ब	१४	११	३८	२८	३२	२५	२१	१४	वृ.३५।१३	शते बुधः २१।८
८	बु	९	१३	अ	४६	२३	ध्रु	९	४६	कौ	९	१३	४१	२८	३२	२६	२२	१५	वृश्चिके	[+ पातस्पर्शः ३४ २६ पातमोक्षः ४८/२२
९	गु	४	५१	ज्ये	४४	११	व्या	४/२०	५२/४२	ग	४	४१	४४	२७	३३	२७	२३	१६	ध.४४।११	भ. ३२।४८ उ. [×१५।१२ (सौरः २२/५४)
१०	शु	०	४६	मू	४२	२५	व	५१	२७	वि	०	४६	४९	२६	३४	२८	२४	१७	धनुषि	भ. ०/४६ या. रेवत्यां शुक्रः १९/५५ वि.११स्मा.
११	शु	५६	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=(सौरः ५८।१६) प्रदोष
१२	श	५४	५०	पू	४१	२०	सि	४६	२५	कौ	२६	११	५३	२५	३५	२९	२५	१८	म.५६।१५	विजया ११ व्र. वै.
१३	र	५३	०	उ	४१	०	व्य	४२	१५	ग	२२	५५	५६	२५	३५	३०	२६	१९	मकरे	भ. ५३।० उ. शने रविः ५१।२८ =
१४	चं	५२	१७	श्र	४१	४५	व	३८	४९	वि	२२	३८	२८/००	२४	३६	१	२७	२०	मकरे	भ. २२/३८ या.भा.फाल्गुनारंभः महाशिवरा
३०	मं	५२	४३	ध	४३	४१	प	३६	१४	च	२२	३०	४	२३	३७	२	२८	२१	कुं.१२।४३	पूभा. बुधः ३५।५२

४४ पं. फा. कृ. २ वृ. इ. १२/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	०	११	६	७	९
२५	२६	२७	९	७	५	१६	२५
५५	१३	३९	४२	१२	३७	५१	४६
१	५५	१४	५०	२५	१९	३	१४
६०	१८/१२	०/१०	७	६९	०/८	३	६०
४७	व.	१२	४१	४७	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

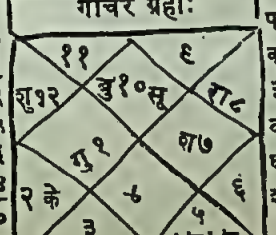

फाल्गुन कृष्णे ६ चंद्रे कुम्भेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४५ पं फा कृ. ९ वृ. इ: १३/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	०	११	६	७	१०
२	२४	१०	१०	१५	५	१६	२
५९	३७	७	४४	२३	३३	२८	५२
४९	२६	५	२४	२८	३२	४७	१७
६०	२६/९	०/१०	८	६८	४९/०	३	६०
३७	व	५६	४३	५६	व	११	४२

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३								दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२२सन् २०१२
१	बु	५४	३८	श	४७	१	शि	३५	३	कि	२३	४१	२८	६	५	३८	३	२६	२२	कुम्भे	
२	गु	५७	५६	पू	५१	३४	सि	३४	२६	बा	२६	१७	१२	२२	३८	४	३०	२३	मी. ३५	बुधोदयः पश्चिमायां १७ चंद्रदर्शनम् फुल.२
३	शु	६०	०	उ	५७	२७	सा	३५	५	तै	३०	१५	१६	२१	३६	५	१	२४	मीने	रविलाखर ४
३	श	२	३४	रे	६०	०	शु	३६	२०	ग	२	३४	२०	२०	४०	६	२	२५	मीने	भ. ३६ उ. पातस्पर्शः ५६ पातमोक्षः २१।१८
४	र	७	५६	रे	४	४	शु	३८	२३	वि	७	५६	२४	१९	४१	७	३	२६	मे.४।४	भ.७।५६या.
५	चं	१४	२४	अ	११	३२	ब्र	४०	५२	बा	१४	२४	२८	१८	४२	८	४	२७	मेषे	मीने बुधः ११।४६
६	मं	२०	५०	भ	१६	१०	ऐं	४३	७	तै	२०	५०	३२	१८	४२	९	५	२८	वृ.३६।२	अश्वि.मेषे शुक्रः ५६।२७
७	बु	२७	८	कृ	२६	४०	वै	४५	४	व	२७	८	३६	१७	४३	१०	६	२९	वृषे	भ. २७ उ. ५६ याउभा.बुधः २६।१०
८	गु	३२	३८	रो	३३	८	वि	४६	१	ब	३२	३८	४०	१६	४४	११	७	१	वृषे	मार्च ३ ता.३१ होलाष्टकम्
९	शु	३६	४१	मृ	३८	२१	प्री	४५	५२	बा	४	४०	४४	१५	४५	१२	८	२	मि. ५।४४	भरणी.१ गुरुः ३६।४४
१०	श	३९	१७	आ	४१	४९	आ	४४	३१	तै	७	५९	४८	१४	४६	१३	९	३	मिथुने	
११	र	३९	४२	पु	४३	२७	सौ	४१	२४	व	९	२९	५२	१४	४६	१४	१०	४	क. २८।२	भ.९।२९उ.३९।४२या.पूभा.रविः७।३४+
१२	चं	३८	६	पु	४३	२	शो	३६	५४	ब	८	५४	५६	१३	४७	१५	११	५	कर्के	[+(सौरः १३।३) आमलकी ११ व्र.
१३	मं	३४	३८	श्ले	४०	४५	अ	३०	३९	कौ	६	२२	२९	१२	४८	१६	१२	६	सिं. ४०	प्रदोषः
१४	बु	२९	२६	म	३६	५७	सु	२३	१९	ग	२	२	५	११	४९	१७	१३	७	सिंहे	भ.२९।२६उ.५६।६या.होलिकादहनम्
१५	गु	२२	४६	पू	३१	४९	धृ	१४	५२	ब	२२	४६	९	१०	५०	१८	१४	८	कं.४५।२२	छारेंडी

४६पं.फा.शु.२वृ.इ.१३।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	०	११	६	७	१०
१०	२२	२३	११	२३	५	१६	९
३	२९	०	५२	२७	२४	६	५६
२२	४	७	२३	२५	२६	३२	५०
६०	३३ ४४	२ ०	९	६८	३ ५	३	६०
२५	व.	३०	३३	५	व.	११	३१

४७पं.फा.शु.८वृ इ.१३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	११	०	०	६	७	१०
१७	२०	४	१३	१	५	१५	१६
५	२८	३०	५	२२	१०	४४	५९
३५	१	४७	४६	५२	३७	१६	४३
६०	३५ ५४	८९	१०	६६	१३ ३	३	६०
१२	व.	२०	१७	५९	व	११	२०

४८पं.फा.शु.१५वृ.इ १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	११	०	०	६	७	१०
२४	१८	११	१४	९	४	१५	२४
६	१०	३४	२३	९	५२	२२	१
२२	५५	५९	३१	२२	३४	०	६
५९	३५ ३८	४१	१०	६५	५३ ३	३	६०
५८	व.	८	५६	३५	व.	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३								दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	शु	१५	२५	उ	२६	४	शू	५ ४४	५० ४०	कौ	१५	२५	२९ ९३	६	५५	१९	१५	६	कन्यायां	पातस्पर्शः ४।३१ पातमोक्षः १ ३४ वसंत १
२	श	७	३७	ह	२०	१	बृ	४६	४७	ग	७	३७	१७	६	५१	२०	१६	१०	तु.४७।१०	भ.३३।३१उ.५६।२६या.
३	श	५१	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	र	५२	५	चि	१४	१६	धु	३७	५२	ब	२५	४९	२१	८	५२	२१	१७	११	तुलायां	चतुर्थी व्रतम्
५	चं	४५	१८	स्वा	८	५३	ब्या	२६	१४	कौ	१८	४१	२६	७	५३	२२	१८	१२	वृ.५०।२६	वक्री बुधः १०।२७ भरण्यांशुक्रः ५।२
६	मं	३६	१६	वि	४	१७	ह	२१	२३	ग	१२	१८	३०	६	५४	२३	१६	१३	वृश्चिके	भ.३६।१६उ.
७	बु	३४	१७	अ	४०	५७ १९	व	१४	१७	वि	६	४८	३४	५	५५	२४	२०	१४	ध ५८।०	भ.६।४८या.मीनेऽर्कः ८।२७ (सौरः १३) ×
८	गु	३०	१९	मू	५६	२०	सि	८	५	बा	२	१८	३८	४	५६	२५	२१	१५	धनुषि	शीतला पूजनम्
९	शु	२७	३४	पू	५५	५५	व्य	५३	५५ ४०	ग	२७	३४	४३	३	५७	२६	२२	१६	धनुषि	भ.५६।४१उ.
१०	श	२५	४९	उ	५६	२७	प	५४	५८	वि	२५	४९	४७	३	५७	२७	२३	१७	म.१०।१३	भ.२५।४९या.उभा.रविः ३९ (सौरः ३४)
११	र	२४	५९	श्र	५८	११	शि	५२	२६	बा	२४	५९	५१	२	५८	२८	२४	१८	मकरे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	चं	२५	३८	ध	६०	०	सि	५०	४१	तै	२५	३८	५५	१	५९	२९	२५	१९	कुं. २९ ३४	भरणी.२ गुरुः २७।३२
१३	मं	२७	१	ध	०	५७	सा	५०	२	व	२७	१	३० ०	० ०	० ०	३०	२६	२०	कुंभे	भ.२७।१उ.५८।२४ या. प्रदोषः
१४	बु	२९	४६	श	४	५७	शु	४९	५१	श	२९	४६	४	५५	१	१	२७	२१	मी. ५३	भा.चैत्रारंभः
३०	गु	३३	४०	पू	९	५२	शु	५०	३८	च	१	४३	८	५८	२	२	२८	२२	मीने	मन्वादिः [×बुधास्तः पश्चिमायां १।५९

४९पं.चै.कृ.८वृ.इ.१४।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	०	६	७	११
१	१५	१२	१५	१६	४	१४	१
५	५५	१५	४७	४१	३०	५९	०
३५	२२	०	२	४६	२२	४५	४८
५९	३९ ४३	३३	११	६३	३३	३	५९
४१	व.	व	३४	५७	व.	११	४९

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे ७ बुधे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

५०पं.चै.कृ.३०वृ.इ. १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	०	६	७	११
८	१३	७	१७	२३	४	१४	७
३	४९	८	१३	५९	४	३७	५८
१८	४८	३१	४८	५३	३४	२९	४३
५९	२३ ५०	५५	१२	६१	५५ ३	३	५९
२९	व.	५	८	५५	व.	११	३५

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम्।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११३, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००,द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११३, भोग्यकलिः ४२६८८७, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६९, शाकः १९३४, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः। मंत्री शुक्रः। सस्येशः चंद्रः। धान्येशः शनिः। मेघेशो गुरुः। रसेशो भौमः। नीरसेशः रविः। फलेशो गुरुः। धनेशो रविः। दुर्गेशो गुरुः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णु-विंशतिकायां १९ विश्वावसुनाम संवत्सरःप्रवर्तते। तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ११।२३।४५।३६ भोग्यमासादिः ०।६।१४।२४ विश्वेदेवदैवतं युगम्। वर्षनाम आश्विनः। मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासःपर्वते। समयनिवासः कुंभकार गृहे। समय विश्वा२० समयवाहनम् दुर्दुरःस्तंभः१ तृणस्य। सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी१ अंगारकी चतुर्थी२ बुधाष्टमी३ भानुसप्तमी २ रविदशमी १ समय मुहूर्ताः ३९० समयदिनानि ३८३ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा १७, धान्यम् १७, तृणम् १५, शीतम्१५, तेजः ११, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१२९, सत्यम् ।। धर्मे १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःपश्चिमे। ग्रहणाभावः।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव खड़ा माता थारे द्वार।
उणहत्तर की साल का मख से कहदो सार।।

भवानी उत्तर

गुणहत्तर गुण आगलो होसी अन्न अपार।
साहुकार सोदा करे रस आयो व्यापार।।
चौमासे मघवा चढे जग में हो सुख चैन।
मोर पपीहा मस्त हो बोले मीठे बैन।।
रोहिणी पर्वत में बसी धान्याधिप शनि जाण।
पकी पकाई शाख में करसी कुछेक हाण।।
पण भैरव भय मतकरे राजा मंत्री देख।
धर्म कर्म जप तप किये ईश्वर राखे रेख।।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	८	१४	११	११	५	११

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	१४	८	१४	८	८	१४

वर्ष लग्नम् ५।२७

वर्षेश लग्नम् ५।२८

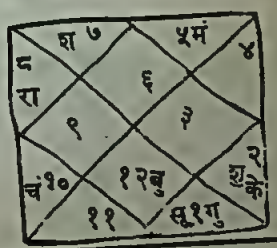

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।०।५१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणांफलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजाशुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रस्यराज्ये बहुसस्य संकुलासुतीव्रवेगाः सरितोम्बुराशिभिः । फलंतिवृक्षाः बहुगोप्रसूतिः वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता । मंत्री शुक्रस्तत्फलम् ।। भृगुसुतेननु मंत्रिपदंगतेशलभमूषक रावथ-माहिवैः । भवति धान्य-समर्घ-तया भयं जनपदेषुजलं सरितोधिकम् ।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। सस्याधिपेशीतकरे प्रजा-सुखंमेघाः पयोमुंचतिगोपगोधुक् देवद्विजाराधन तत्परानृपा धराभवेद्धान्यधनौघपूर्णा ।। धान्येशः शनिःफलम् । दुर्भिक्षंजायते तत्रकलहं देशविग्रहं । सौराष्ट्र-देश नष्टश्च यत्रधान्याधिपः शनिः ।। मेघेशोगुरुःफलम् ।। गुरुरपि प्रियवृष्टिकरः सदाखिल विलासवती धरणीतदा । श्रुतिविचारपरानरपालका रससमृद्धियुताखिलमानवाः ।। रसेशो भौमस्तत्फलम् ।। यदिधरातनयोरसपो भवेन्नरसराशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमोजनतापदोन जलदो बहुवृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्ये त्रपुचंदनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभयावनराशिमहाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सव मन्दिरा श्रुतिविचार पराद्विज पूर्वकाः ।। धनेशो रविःफलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपेतदा वणिजतो बहुद्रव्य समागमः । गजतुरंगममेषखरोष्ट्र तो धनचयंलभतेक्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढपे नयशोभितानरवरा नरपाः कर पालिताः । गिरिषुवै नगरेषु समं सुखं शुभमतिद्विज शस्त्रवतांविशाम् ।। विश्वावसुनाम संवत्सरः फलम् ।। अब्दे विश्वावसौ शश्वद्धौर रोग धरा नराः । सस्यार्धं बृष्टयोमध्या भूपाला नाति भूतयः ।। वर्षनामआश्विनः फलम् ।। सुभिक्षं पूर्व सस्यँस्याज्ज्वर रोगाकुलंजगत् । आश्विने शोभनाबृष्टिः नृप सौख्य करीमता ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्तः छिन्नबृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः पर्वतेफलम् । पर्वते विंदुमा त्रश्च । समय निवासः कुभकारगृहे । अनाबृष्टिः प्रजापतौ । एवं संचित्य-दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।

संवत् २०६९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृष्णा ८ शुक्रे उषा. ल. १२ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

आषाढमासः

शुक्ला ५ रवौ मघा ल. ऽ न्यगो. रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

कार्तिक मासः

शुक्ला ११ शनौ रेव. ल. गो (सोग्रांग.) रे. ६ ।।।।।ऽरो।।।। भौमाष्टम महादोषः नेष्टं

,, १५ बुधे रोहि. ल. ४-५-६ रे. ८ ।।।।ऽ। (नृपः ४८ उ.) ।ऽ।।

मार्गशिर्षं मासः

कृष्णा १ गुरौ मृगे ल. ४-५-६ रे. ८ ।।।।।ऽ नृ. ४७ या ऽ।।।

,, २ शुक्रे मृगे ल. गो. (सोग्रांगः) रे. ९ ।।।।।।ऽ।।। भौमाष्टम महादोषः नेष्टं

,, ६ बुधे मघा. ल. ६ ऽऽ।।।ऽअऽ।।। आवश्यक ।

,, ८ शुक्रे उफा. लं. ४।५ रे. ७ ऽ।।।।। नृ. ३६ उ. ऽऽ।।

,, ९ शनौ हस्ते ल. ऽ न्यगो (मोयोगः) रे. ७ ।।।।।ऽनृ ।ऽ।ऽ दग्धा भौमाष्टम महादोषः नेष्टं

पौष मास ।

शुक्ला ५ बुधे उभा ल. ऽ न्थ गो. रे. ८ ।।।।।ऽअऽ।।। सप्तमस्थोभौमः कन्यऽयां चं. पू. वृश्चिके गु. श. पूज्पोपरिधश्च नेष्टम्.

,, ६ गुरौ रेव. ल. ऽ न्थ गो. (भौम ७ मस्थः) ल. ६ चं. पू. सत् रेखां ९ ।।।।।। नृ. ५४ उ. ।ऽ।।

साधमासः ।

कृष्णा ३ बुधे उफा.ल. ६ रे.९।।।।।।(रो. ४१ उ.)।ऽ।।

,, ४ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽरो।ऽ।। भौमाष्टम महादोषः

,, ५ गुरौ हस्ते ल. ८ (गु. श. पूज्यौ) रे. ७ ।।।।।ऽरो. ४० या. ऽऽ।।

,, ५ शुक्रे हस्ते ल. गो. (भौमाष्टममहादोषः) रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

,, ९ चन्द्रे अनु. ल. ऽन्यगौ. भौमाष्टममह दोषः) रे. ६ ऽ।।।ऽनृप ३६ उ. ऽऽ।।

,, ११ मूले ल. ८ (गु. श. सत्) रे. ८ ।ऽ।।।। चौ. ३५ उ. ।ऽ।। दग्धा ४२।३४ उ.

ति. श्री चैत्र शुक्लपक्ष सं० २०६९ शाकः १९३४ | वि | उ. | अ | भा | मु | इ | चन्द्रः | वसंततौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५२स. २०१२

१	शु	३८	३२	उ	१५	४६	ब्र	५२	५	किं	६	५	३१	५८	३	३	२९	२३	मीने	वक्री मघा.भौमः २९ ४१ संवत्सारंभः नवरा.
२	श	४३	५७	रे	२२	२३	ऐं	५४	०	बा	११	१४	१६	५७	३	४	३०	२४	मे.२२।२३	कृति. शुक्रः ४९।५१ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	र	५०	२२	अ	२९	४४	वै	५६	१७	तै	१७	९	२१	५६	४	५	१	२५	मेषे	जमादिलावल ५ मत्स्य जयंति गणगौरी
४	चं	५६	४४	भ	३७	२०	वि	५८	४३	व	२३	३२	२५	५५	५	६	२	२६	वृ.५४।१६	भ. २३।३२ उ. ५६।४४ या.
५	मं	६०	०	कृ	४५	१	प्री	६०	०	व	२९	५६	२९	५४	६	७	३	२७	वृषे	
५	बु	३	८	रो	५२	१३	प्री	१	११	बा	३	८	३३	५३	७	८	४	२८	वृषे	बृषे शुक्रः १४।१८
६	गु	८	५०	मृ	५८	१७	आ	३	५	तै	८	५०	३७	५३	७	९	५	२९	मि२५।१५	बुधोदयः पूर्वस्यां ४।३०
७	शु	१३	३५	आ	६०	०	सौ	३	४७	व	१३	३५	४१	५२	८	१०	६	३०	मिथुने	भ. ३५ उ. ४५ या. रेवत्यां रविः ५७ १०
८	श	१७	२	आ	३	१३	शो	३	३२	ब	१७	२	४५	५१	९	११	७	३१	क.५०।३१	रेवत्यां रविः सौरः १।२७
९	र	१८	३४	पु	६	१६	अ	३	५०	को	१८	३४	४९	५०	१०	१२	८	१	कर्के	अप्रेल ४ ता. ३० रामनवमी
१०	चं	१७	५९	पु	७	२३	धृ	५३	५३	ग	१७	५९	५३	४९	११	१३	९	२	कर्के	भ. ४६ उ. वक्री चित्रा. ३ शनिः २।१
११	मं	१५	२४	श्ले	६	२९	शू	४७	२७	वि	१५	२४	५७	४९	११	१४	१०	३	सिं ६।२९	भ. १५।२४ या. कामदा ११ ब्र.
१२	बु	१०	४६	म	३	३५	गं	३९	२९	बा	१०	४६	३१	४८	१२	२५	११	४	सिंहे	भरणी ३ गुरुः ०।५५ प्रदोषः
१३	गु	४	१८	उ	५२	४७	वृ	३०	१५	तै	४	१८	५	४७	१३	१६	१२	५	कं १२।२१	भ. ५६।२२ उ.
१४	शु	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	शु	४७	३३	ह	४५	५२	ध्रु	२०	१३	वि	२१	५७	१०	४६	१४	१७	१३	६	कन्यायां	भ. २१ या. मार्गी बुधः २१ ४ हनुमज्जयंती

५१प. चं.शु. ६व.इ. ५५ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	१	६	७	११
२१	१२	१	२८	०	३	२४	२४
५९	८	४२	४३	५९	३६	१५	५४
१०	१३	७	१६	३८	०	२४	५२
५९	१६	३७	१२	५८	११	३	५८
१६	व.	व: २६	५५	व	११	१९	

गोचर ग्रहाः

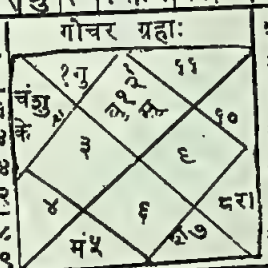

शुक्रस्य पंचवाराः स्युः यत्र मासे निरन्तरम् । प्रजावृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते ॥ इस मास में प्रजा सुखी रहे धान्य में तेजी होकर मंदी

गोचर ग्रहाः

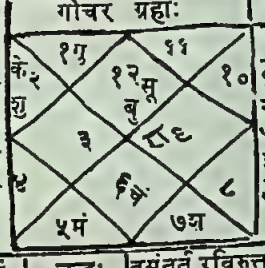

५२प. चं. शु. १३ बृ.इ. १२ २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	१	६	७	११
२१	१०	०	२०	७	३	१३	२१
५३	५८	७	१५	३६	५	५२	४५
३१	५२	१२	५८	११	१७	५८	३
५९	८	४२	३३	१२	५५	३४	३	५९
४	व.	वं	५८	४२	व.	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३२							वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.		चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	३८	४	चि	३८	२२	व्या	९	४०	बा	१२	४८	३१	५	६	१८	१४	७	तु.१२।७	रोहि. शुक्रः ५०।१
२	र	२८	४४	स्वा	३१	४	व	४८	५८	तै	३	२३	१८	४४	१६	१९	१५	८	तुलायां	भ. ५४।१६ उ.
३	चं	१९	४९	वि	२४	२२	सि	३९	२८	वि	१९	४९	२२	४४	१६	२०	१६	९	वृ. ५३	भ. १९।४९ या. चतुर्थी ब्र.
४	मं	११	४३	अ	१८	३२	व्य	३०	२९	बा	११	४३	२६	४३	१७	२१	१७	१०	वृश्चिके	
५	बु	५	१	ज्ये	१४	१०	च	२२	५६	तै	५	१	३०	४२	१८	२२	१८	११	ध.१४।१०	भ. ५९।३६ उ.
६	बु	५४	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	गु	५५	५५	मू	११	१२	प	१६	३७	वि	२७	४६	२४	४१	१९	२३	१९	१२	धनुषि	भ. २७।४६ या.
८	शु	५३	५०	पू	१०	७	शि	११	३८	बा	२४	५३	३८	४०	२०	२४	२०	१३	म.२५।१०	अश्वि. मेषेऽर्कः ३१।८ (सौरः ३६।१)×
९	श	५३	१९	उ	१०	१८	सि	७	५९	तै	२३	३४	४२	४०	२०	२५	२१	१४	मकरे	[×उभा. बुधः २७।१३ मार्गी भौमः ३ ३२
१०	र	५४	१७	श्र	१२	१०	सा	५	२९	व	२३	४७	४६	३९	२१	२६	२२	१५	कुं४३।४९	भ. २३ ४७ उ. ५४ १७ या. अनु. ३ रोहि. १ =
११	चं	५६	३१	ध	१५	२९	शु	४	४	ब	२५	२३	५०	३८	२२	२७	२३	१६	कुंभे	वरुथिनी ११ ब्र.
१२	मं	५९	५९	श	१९	५३	शु	३	५५	कौ	२८	१५	५३	३७	२३	२८	२४	१७	कुंभे	[=केतुः ३९ ४६ पातस्पर्शः १९ ४८ पातमोक्षः ३३ ५८
१३	बु	६०	०	पू	२५	१६	ब्र	४	२८	ग	३२	१६	५७	३७	२३	२९	२५	२८	मी ८।५५	भरणी ४ गुरुः ३१।० प्रदोषः
१३	गु	४	३३	उ	३१	३५	ऐं	५	३२	व	४	३३	३२	१५	२६	२४	३०	२६	१९	मीने.
१४	शु	९	५४	रे	३८	३४	वै	७	२८	श	९	५४	५	३५	२५	३१	२७	२०	मे.३८।३४	भ. ४।३३ उ. ३७।१४ या.
२०	श	१५	३३	अ	४५	४९	वि	९	१८	ना	१५	३३	९	३४	२६	१	२८	२१	मेषे	भा. वैशाखारंभ.

१ पं.बै.कृ.८ शु.इ. ३१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	०	१	६	७	११
०	१०	३	२२	१४	२	१३	२९
०	२१	२२	१०	४५	२६	२६	१५
१	५८	१०	१२	३६	३१	५०	१५
५८	१९	३३	१३	५०	४	३	५८
४४	मा	मा	२५	१८	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे ८ शुक्ले मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ गतालका-वस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

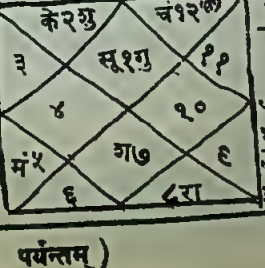

२पं.वै.कृ १४श.इ.३१।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	०	१	६	७	०
६	१०	९	२३	२०	१	१३	६
५०	२८	२६	४६	२	५४	४	४५
४२	४४	३१	५५	४६	५३	३४	२६
५८	६	५७	१३	४४	४०	३	५८
३१	४१	३६	२५	२०	व.	११	२१

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३८२ स.२०१२
१	र	२२	५१	भ	५३	२३	प्री	११	४३	ब	२१	५१	३२/१२	५/३४	६/२६	२	२९	२२	मेषे	चंद्रदर्शनम्
२	चं	२८	७	कृ	६०	०	आ	१४	१३	कौ	२८	७	१६	३३	२७	३	१	२३	वृ.१०।१७	जमादि लाखर ६
३	मं	३४	१९	कृ	०	५९	सौ	१६	३७	तै	१	१३	२०	३२	२८	४	२	२४	वृषे	परशुराम जयंती अक्षया ३
४	बु	४०	२	रो	८	१९	शो	१८	२६	व	७	१०	२३	३१	२९	५	३	२५	मि. ४१/३२	भ. ७।१० उ. ४०।२ या मृगे शुक्रः ३३/५४
५	गु	४४	५८	मृ	१४	४६	अ	१९	५६	ब	१२	३०	२७	३१	२९	६	४	२६	मिथुने	रेवत्यां बुधः ३७।५०
६	शु	४८	४६	आ	२०	३२	सु	२०	४२	कौ	१६	५२	३१	३०	३०	७	५	२७	मिथुने	भरण्यां रविः ११।२४ (सौरः १७।२६)
७	श	५१	११	पु	२४	३९	धृ	२०	१६	ग	१९	५८	३४	२९	३१	८	६	२८	कं.८।३८	भ. ५।११ उ.
८	र	५१	४४	पु	२७	२९	शू	१८	२९	वि	२१	२८	३८	२८	३२	९	७	२९	कर्के	भ. २१।२८ या.
९	चं	५०	२४	श्ले	२८	३४	गं	१५	१८	बा	२१	४	४१	२८	३२	१०	८	३०	सि२८।३४	[×३६/२ कृति.१गुरुः ४७/२ मोहिनी ११ व्र.
१०	मं	४७	२५	म	२७	३४	वृ	१०	३४	तै	१८	५५	४५	२७	३३	११	९	१	सिंहे	मई ५ ता. ३१
११	बु	४२	२०	पू	२४	२९	ध्रु	४/१८	५२/१२	व	१४	५३	४८	२६	३४	१२	१०	२	कं ३८।२१	भ. १४।५३ उ.४२।२०या वक्री शुक्रः×
१२	गु	३५	२२	उ	१९	५७	ह	४७	२२	ब	८	५१	५२	२६	३४	१३	११	३	कन्यायां	अस्तं गुरौः ५४।० प्रदोषः
१३	शु	२७	१	ह	१३	४३	व	३७	१७	कौ	१	११	५५	२५	३५	१४	१२	४	तु.४०।७	नृसिंह जयंती
१४	श	१७	३२	चि	६/३१	५२/४	सि	२६	३१	व	१७	३२	५८	२४	३६	१५	१३	५	तुलायां	भ. १७/३२ उ. ४२/३३ या. अश्वि. मेषे बुधः ४३/१७
१५	र	७	३४	वि	५०	३६	व्य	१५	३४	व	७	३४	३३/२	२४	३६	१६	१४	६	वृ.३७।३६	यमाय कुंभदानम्

३पं.वै. शु.६शु. इ.३१।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	०	१	६	७	०
१३	११	१७	२५	२४	१	१२	१३
३९	१०	४९	२४	३०	२२	४२	३३
४७	३७	३७	५४	४३	१२	१९	५१
५८	११	७७	१३	३६	४/२८	३	५८
१९	४२	३३	२६	१	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

शु२के, १२बु, ३चं, गु१सू, ११, ४, १०, मं५, ७श, ९, ६, ८रा

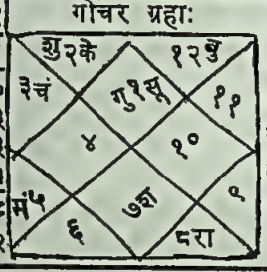

इस मास में धान्य गेहूं जौ जुवार बाजरा मंदा धातु सोना चांदी गुड सक्कर चीनी में तेजी रहे प्रजा में क्लेश फैले ।

गोचर ग्रहाः

केशु२, १२बु, ३, सू१गु, ११, ४, १०, ५म, ७श, ९, चं६, ८रा

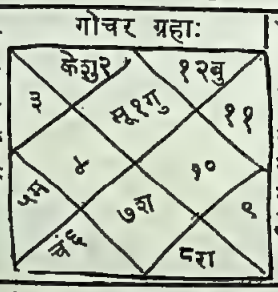

४पं.वै.शु.१३शु.इ.३१।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	०	१	६	७	०
२०	१२	२८	२७	२७	०	१२	२०
२७	१२	५	३	४३	५२	२०	२०
२५	१२	३८	५०	२३	१६	३	३५
५८	१६	९६	१३	२५	४/१०	३	५७
६	१६	९	३८	२	व.	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	र	४९	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	चं	४७	५२	अ	४३	२९	व	४४/४४	४९/३१	तै	२२	४०	३३/५	५/२३	६/३७	१७	१५	७	वृश्चिके	
३	मं	३९	१०	ज्ये	३६	३५	शि	४४	५८	व	१३	३०	८	२२	३८	१८	१६	८	ध ३६।३५	भ. १३।३० उ. ३९।१० या.
४	बु	३१	५२	मू	३१	३७	सि	३६	५०	ब	५	३१	११	२२	३८	१९	१७	९	धनुषि	पूफा. भौमः २४।२५ चतुर्थी व्र.
५	गु	२६	२१	पू	२८	१६	सा	३०	१०	तै	२६	२१	१४	२१	३९	२०	१८	१०	म.४२।५५	कृत्ति रविः ५७।२०
६	शु	२२	४९	उ	२६	४९	शु	२५	४	व	२२	४९	१७	२१	३९	२१	१९	११	मकरे	भ. २२/४९ उ. ५२/३ या. कृत्ति.रविःसौरः ५/१८
७	श	२१	१७	श्र	२७	२०	शु	२१	३५	ब	२१	१७	२०	२०	४०	२२	२०	१२	कुं५८।३९	
८	र	२१	४६	ध	२९	५८	व	१९	३८	कौ	२१	४६	२३	१९	४१	२३	२१	१३	कुंभे	भरण्यां बुधः २४।९
९	चं	२३	५२	श	३४	१६	ऐं	१९	३	ग	२३	५२	२६	१९	४१	२४	२२	१४	कुंभे	म. ५५/४३ उ. वृश्चिकः २४/३५ (सौरः ३३/५)
१०	मं	२७	३४	पू	३९	४१	वै	१९	४९	वि	२७	३४	२८	१८	४२	२५	२३	१५	मी२३।२०	भ. २७।३४ या.
११	बु	३२	२२	उ	४६	९	वि	२०	५३	बा	३२	२२	३१	१८	४२	२६	२४	१६	मीने	कृति. बृषे गुरुः ५२।४४ बुधास्तः A
१२	गु	३८	१०	रे	५३	२८	प्री	२३	७	कौ	५	१६	३४	१७	४३	२७	२५	१७	मे.५३।२८	[A पूर्वस्यां १३।४८ अपरा. ११ व्र.
१३	शु	४४	८	अ	६०	०	आ	२५	१९	ग	११	९	३७	१७	४३	२८	२६	१८	मेषे	भ. ४४/८ उ. वक्री चित्रा. २ कन्यायां ÷
१४	श	५०	२५	अ	०	५६	सा	२७	५१	वि	१७	१७	३९	१६	४४	२९	२७	१९	मेषें	भ. १७।१७ या. [÷ शनिः २४/५ प्रदोषः
३०	र	५६	२९	भ	८	२८	शो	३०	११	च	२३	२७	४२	१६	४४	३०	२८	२०	वृ.२५।१८	कृत्ति. बुधः ५।८ वटपूजनम्

५ पं. ज्ये. कृ. ६शु. इ. ३२/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	०	१	६	७	०
२७	१४	९	२८	२९	०	११	२७
१३	१	५३	४३	४१	२४	५७	५
३७	३०	२	२३	२४	४	४८	४९
५७	१९	०/११	१३	११	३/५२	३	५७
५४	३०	५१	३८	११	व.	११	४५

ग्रोचर ग्रहाः

शुके९, १२, ३, गुसू१बु, ११, ४, १०चं, ५म, ७श, ९, ६, ८रा

ज्येष्ठ कृष्णे ९ चंद्रे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

ग्रोचर ग्रहाः

३, च१बु, ४, केसू२शु, १२, ५म, ११, ६श, ८रा, १०, ७, ९

६ पं.ज्ये.कृ.१३ श.इ. ३२/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	१	१	५	७	१
३	१५	२३	०	२९	२९	११	३
५८	५७	२९	२२	४८	५८	३५	४९
३७	३२	२८	३७	१८	२३	३२	३१
५७	२२	१२३/६	१३	५/१३	३/२९	३	५७
४४	३४		३८	व	व	११	३४

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण.४११ स. २०१२

१	चं	६०	०	कृ	१५	४७	अ	३२	२५	कि	२९	२५	३३	५	६	३१	२९	२१	वृषे
१	मं	२	२०	रो	२२	५२	सु	३४	२७	ब	२	२०	४७	१५	४५	१	३०	२२	मि. ५६
२	बु	७	३४	मृ	२९	१४	धृ	३५	४३	कौ	७	३४	४९	१४	४६	२	१	२३	मिथुने
३	गु	११	५८	आ	३४	५३	शू	३६	१४	ग	११	५८	५२	१४	४६	३	२	२४	मिथुने
४	शु	१५	३५	पु	३९	२२	गं	३६	१६	वि	१५	३५	५४	१३	४७	४	३	२५	क. २३
५	श	१७	५८	पु	४२	५९	वृ	३५	२२	बा	१७	५८	५६	१३	४७	५	४	२६	कर्के
६	र	१९	६	श्ले	४५	४	ध्रु	३३	१७	तै	१९	६	५८	१२	४८	६	५	२७	सिं. ४५
७	चं	१८	४३	म	४५	४४	व्या	२९	५६	व	१८	४३	३४	१२	४८	७	६	२८	सिंहे
८	मं	१६	५६	पू	४४	४३	ह	२५	२४	ब	१६	५६	२	१२	४८	८	७	२९	कं.५९.४
९	बु	१३	३१	उ	४२	८	व	१९	२६	कौ	१३	३१	३	११	४९	९	८	३०	कन्यायां
१०	गु	८	२१	ह	३८	१	सि	१२	१४	ग	८	२१	५	११	४९	१०	९	३१	कन्यायां
११	शु	१	४४	चि	३२	३२	व्य	५२	३९	वि	१	४४	७	११	४९	११	१०	१	तु.५.१६
१२	शु	५१	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	श	४४	४३	स्वा	२५	५४	प	४५	१९	कौ	१९	१७	९	१०	५०	१२	११	२	तुलायां
१४	र	३५	८	वि	१८	२७	शि	३३	४१	ग	९	५५	१०	१०	५०	१३	१२	३	वृ.५.१९
१५	चं	२५	१६	अ	१०	४६	सि	२३	७	वि	०	१२	१२	१०	५०	१४	१३	४	वृश्चिके

वृषे बुधः४२।३७
चंद्र दर्शनम् भा. ज्येष्ठारंभः
रज्जव ७
भ.४३उ.रोहि.रविः४८।९ (सौरः५९।१३
भ.१५।३५या.
रोहि.बुधः२०।१०
[+वट सावित्री व्रतम्
भ.१८।४३उ.४७।४९या.
उदयं गुरोः२४।०

भ.३५।२उ.कृति.३गुरुः२।१४ गंगा १०
भ.१।४४या.मृगे बुधः२१।९ जून ६ ता.÷
[×शुक्रास्तः पश्चिमायां ५१।०
प्रदोषः [÷३० निर्जला ११ व्र.
भ.३५।८उ.वक्री रोहि. शुक्रास्तः ×
भ.०।१२या.मिथुने बुधः२९।५गुर्जराणां+

७प.ज्ये.शु. ४शु. इ.३२।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	१	१	५	७	३
१०	१८	८	२	२७	२९	११	१०
४२	२६	१८	१	५८	३६	१३	३१
२९	६	४७	४१	३०	४०	१६	४२
४७	२५	५९	१३	२१	५८	३	५७
३५	११	७	३२	व	व.	११	२३

गोचर ग्रहाः

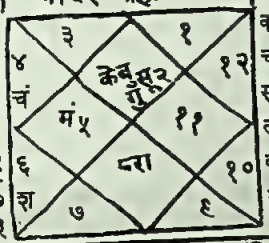

इस मास में मंगलवार का चन्द्र दर्शन गेहूं जो चना चावल गन्ना सक्कर सोना चांदी लोहा सभी पदार्थों को तेज करेगा और वर्षा होगी ।

गोचर ग्रहाः

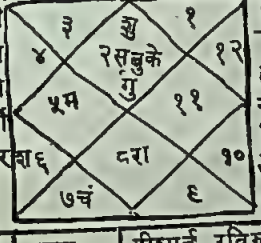

८प.ज्ये.शु.११शु.इ.३२।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	१	१	५	७	१
१७	२१	२३	३	२४	२९	१०	१७
२५	५	४४	४०	१४	१८	५१	१२
१९	३५	२	१२	२४	४७	१	४८
५७	२७	५९	१३	३३	११	३	५७
२७	२५	४३	२६	व.	व.	११	१३

ति. प्राषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेऽसि महा.

१	मं	१५	५६	ज्ये	२३	५३	सा	१२	५६	कौ	१५	५६	३४	५	६	१५	१४	५	ध.३।२२
२	बु	७	२९	पू	५१	५३	शु	२९	३०	ग	७	२९	१५	९	५१	१६	१५	६	धनुषि
३	गु	०	२५	उ	४८	२७	ज्ये	४८	२६	वि	०	२५	१६	९	५१	१७	१६	७	म. ६।१
४	शु	५४	४९	उ	४७	७	श्र	४३	१०	कौ	२३	३७	१७	९	५१	१८	१७	८	मकरे
५	श	५१	५९	श्र	४७	७	ध	३९	४६	ग	२१	३५	१८	८	५२	१९	१८	९	कुं १७।३४
६	र	५१	१०	ध	४८	२	श	३८	१	वि	२१	४३	१९	८	५२	२०	१९	१०	कुंभे
७	चं	५२	१७	श	५०	४४	पू	३८	२	बा	२३	५२	१९	८	५२	२१	२०	११	मी. ३९
८	मं	५५	२८	पू	५५	३०	उ	३८	५५	त	२७	४४	२०	८	५२	२२	२१	१२	मीने
९	बु	६०	०	उ	६०	०	आ	३८	५५	ग	०	१	२१	८	५२	२३	२२	१३	मीने
९	बु	०	१	उ	१	२९	सौ	४०	४४	वि	५	३९	२०	८	५२	२४	२३	१४	मे.८।४९
१०	गु	५	३९	रे	८	४९	शो	४३	०	बा	११	२५	२२	८	५२	२५	२४	१५	मेषे
११	शु	११	२५	अ	१६	१८	अ	४५	३८	त	१८	८	२२	८	५२	२६	२५	१६	वृ.४०।५८
१२	श	१८	८	भ	२४	८	सु	४८	१४	ग	१८	१७	२३	७	५३	२७	२६	१७	वृषे
१३	र	२४	१७	कृ	३१	२९	धृ	५०	१६	व	२४	४१	२३	७	५३	२८	२७	१८	वृषे
१४	चं	२९	४१	रो	३८	१४	शू	५२	६	श	२९	४१	२३	७	५३	२९	२८	१९	मि. ११
१५	मं	३४	२५	मृ	४४	१६	गं	५३	६	च	२	३	२३	७	५३	२९	२८	१९	१५

(×५८।३) आर्द्रा.बुधः४५।६बुधोदयः ÷
भ.३३।५७उ.
भ ०।२५या.मृगे रविः४३।२ (सौरः ×
[÷पश्चिमायां २७।२३चतुर्थी व्र.
भ.५१।१०उ.
भ.२१।४३या.

शुक्रोदयः पूर्वस्यां २४।०
भ.३२।५०उ.
भ.५।३९या.मिथुनेऽर्कः४१।३६(सौरः ∧
पुन.बुधः२।२योगिनी ११ व्र.
प्रदोषः
भ.२४।१७उ.५६।५९या.अनु.२राहुः =
[A५८।५१)उफा.भौमः३६।५४कृत्तिः B
[B४गुरुः३८।४९ [=कृत्ति.४केतुः३४।५८

९ पं.आ.कृ.५शु. इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	१	१	५	७	१
२४	२३	८	५	२०	२९	१०	२३
७	५९	१३	१६	७	४	२८	५२
१९	५३	२६	४१	५२	५९	४५	४४
५७	२९	९	१३	३५	१९	३	५७
२२	२३	१६	२०	व	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

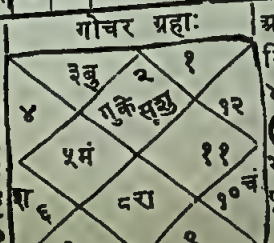

आषाढ कृष्णे १० गुरौ. मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

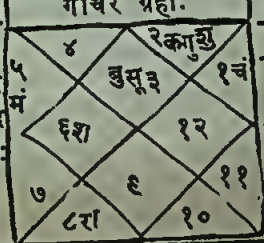

१०पं.आ.कृ.११शु.इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	१	१	५	७	२
०	२७	२०	६	१६	२८	१०	०
४८	८	५१	५१	१७	५५	६	३२
३६	२८	५०	४७	४६	३४	३०	५३
५७	३०	०	१३	२८	५४	३	५६
१७	४५	१७	१९	व.	व.	११	५७

(विक्रम सं. २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४४१ स.२०१२
१	बु ३८ ४ अ ४६ २१	बृ ५२ २४	कि ६ १४	३४	५	६	३० २९	२०	मिथुने
२	गु ४० ५० पु ५३ २५	ध्रु ५२ ५२	बा ६ २७	२४	७	५३	३१ ३०	२१	कं. ३५ आर्द्रा.रविः ३१ कर्के बुधः२७।०कन्यायां ÷
३	शु ४२ २३ पु ५६ ३१	व्या ५१ २७	तै ११ ३७	२४	७	५३	१ १	२२	कर्क आर्द्रा.रविःसौरः ३४ भा.आषाढारंभः =
४	श ४३ ५६ श्ले ५८ ३७	ह ४९ १६	व १३ ११	२४	७	५३	२ २	२३	सिं ५८ ३७ भ. १३ उ. ५३ या.पुष्ये बुधः५४।४१
५	र ४२ २७ म ५६ ४०	व ४६ २६	ब १३ १३	२४	७	५३	३ ३	२४	सिंहे मार्गी शनिः४६।२७ [= सावान ८
६	चं ४० ५० पू ५९ २२	सि ४२ ३५	कौ ११ ३८	२३	७	५३	४ ४	२५	सिंहे [÷भौमः४३।१६चंद्र दर्शनम् रथयात्रा
७	मं ३८ ४ उ ५८ ८	व्य ३७ ५६	ग ६ २७	२३	७	५३	५ ५	२६	कं.१४।४ भ.३८।४उ मार्गी शुक्रः५०।४४
८	बु ३४ २० ह ५६ ६	व ३२ ८	वि ६ १२	२२	८	५२	६ ६	२७	कन्यायां भ.६।१२या.
९	गु २९ २५ चि ५२ २६	प २५ १७	चा १ ५२	२२	८	५२	७ ७	२८	तु.२४।१६
१०	शु २३ १५ स्वा ४७ ५२	शि १७ ५०	ग २३ १५	२१	८	५२	८ ८	२९	तुलायां भ.४९।४७उ.रोहि.१गुरुः४६।०
११	श १६ २० वि ४२ २२	सि ९ २९	वि १६ २०	२०	८	५२	९ ९	३०	वृ.२८।४४ भ.१६।२०या.देवशयनी ११व्र.
१२	र ८ २४ अ ३६ १६	सा ३४ ५९	बा ८ २४	१९	८	५२	१० १०	१	वृश्चिके जौलाई ७ ता.३१ प्रदोषः
१३	र ५१ ३३ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	० ०	०	० ०
१४	चं ५१ ३१ ज्ये २९ ५५	शु ४१ ३०	ग २४ ४५	१८	८	५२	११ ११	२	ध. ३५ भ.५१।३१उ.
१५	मं ४३ २३ मू २३ ३६	ब्र ३२ १५	वि १७ २६	१७	९	५१	१२ १२	३	धनुषि भ. ३५ या.व्यासपूजा गुरु१५वायु परीक्षा

११पं.आ.शु. ३शु.इ. ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	१	५	७	२
७	०	१	८	१३	२८	९	७
२९	२६	२८	२६	५७	५१	४४	१०
३१	१७	३४	४९	४३	२२	१४	२०
५७	३२	८१	१२	३२	१५	०	३	५६
१३	६	१५	५०	व.	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

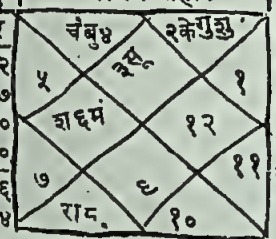

इस मास में धान्य गेहूं जो चना आदि रुई कपास तेज हो सोना चांदी लोहा मंदा हो वर्षा अच्छी होवेगी।

गोचर ग्रहाः

१२ पं.आ.शु. १०शु. इ.३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	१	५	७	२
१४	३	९	९	१३	२८	९	१३
९	५८	५१	५७	३०	५१	२१	४८
५८	१४	४७	११	२९	५४	५८	२५
५७	३३	५६	१२	९ २९	३०	३	५६
७	१९	३६	२२	म	मा.	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४	दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	बु ३६ ४ पू १८ ८	ऐं २३ ४०	बा ९ ४३	३४	५	६	१३	१३	४ म.३२।५
२	गु ३० ११ उ १३ ५५	बै १५ ५६	ग ३० ११	१५	९	५१	१४	१४	५ मकरे भ.५८।३उ.पुन.रवि:३९।२१
३	शु २५ ५५ श्र ११ ४	वि ९ २४	वि २५ ५५	१४	९	५१	१५	१५	६ कुं.४०।४० भ.२५।५५या.पुन.रवि:सौर:४।२६च.व्र.
४	श २३ ५४ घ १० १६	प्री ४ ४३	बा २३ ५४	१३	९	५१	१६	१६	७ कुंभे
५	र २३ ३९ श ११ २४	आ १ ३७	तै २३ ३९	११	१०	५०	१७	१७	८ मी.५८ आश्ले.बुधः४१।५२ नाग ५ मरुस्थले
६	चं २५ ५२ पू १४ ४५	सौ ० १७	व २५ ५२	१०	१०	५०	१८	१८	९ मीने भ.२५।५२उ.५७।४८या.
७	मं २९ ४३ उ १९ ५८	शो ० २	ब २९ ४३	८	१०	५०	१९	१९	१० मीने हस्ते भौमः५२।१७
८	बु ३५ ० रे २६ २८	अ १ १२	बा २ २२	७	११	४९	२०	२०	११ मे.३९
९	गु ४० ५५ अ ३३ ३५	सु ३ १६	तै ७ ५८	५	११	४९	२१	२१	१२ मेषे
१०	शु ४७ १६ भ ४१ १७	ध्रु ५ ३५	व १४ ५	३	११	४९	२२	२२	१३ वृ.५८।१ ० वक्री बुधः५६।२२ भ.१४।५उ.४७।१६या.
११	श ५३ १७ कृ ४८ ४९	शू ८ १३	ब २० १६	१	१२	४८	२३	२३	१४ वृषे कामिका ११ व्र.
१२	र ५८ ४६ रो ५५ ४८	गं १० २५	कौ २६ १	३५	१२	४८	२४	२४	१५ वृषे [÷पश्चिमायां५३।१८हरियाली
१३	चं ६० ० मृ ६० ०	वृ १२ १२	ग ३० ५८	५७	१३	४७	२५	२५	१६ मि. ३८ कर्केऽर्कः८।४७(सौर:३७।१० रोहि. २ A
१३	मं ३ ११ मृ १ ४९	धु १३ १३	व ३ ११	५५	१३	४७	२६	२६	१७ मिथुने भ.३।११उ.३४।४३या.
१४	बु ६ १५ आ ६ २८	व्या १३ १०	श ६ १५	५२	१४	४६	२७	२७	१८ कं.५४।७ [A गुरुः६।४९ प्रदोषः
३०	गु ८ १ पु १० १	ह १२ १२	ना ८ १	५०	१४	४६	२८	२८	१९ कर्क पुष्ये रविः३८।५वक्री पुष्ये बुधास्तः ÷

१३ पं.श्रा. कृ.३ शु. इ. ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	१	५	७	२
२०	७	१५	११	१४	२८	८	२०
५०	३६	३८	२५	५०	५७	५९	२६
२४	४७	४९	१	२४	११	४३	१९
५७	३४	२८	१२	२१	१	३	५६
७	३४	१९	८	१	१४	११	५०

गोचर ग्रहाः

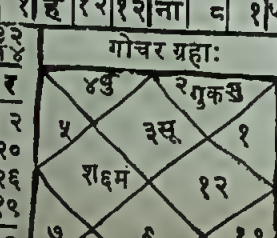

श्रावण कृष्ण १३ चंद्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.५प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

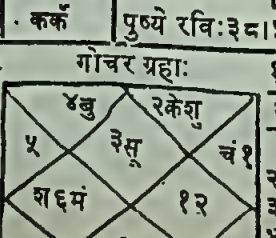

१४पं.श्रा. कृ. १० शु.इ. ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	१	५	७	२
२७	११	१८	१२	१७	२९	८	२७
३०	३४	४	५०	४१	७	३७	४
४३	३६	१९	१३	१०	२३	२७	२६
५७	३५	३८	११	३३	१	३	५६
११	३१	व.	३३	४२	४९	११	५४

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४										दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४७१ स. २०१२
१	शु	८	३२	पु	१२	२०	व	१०	६	ब	८	३२	३३/४८	५/१४	६/४६	२९	२९	२०	कर्के	पुष्ये रविःसौरः७।५१
२	श	७	५०	श्ले	१३	२०	सि	७	१०	कौ	७	५०	४५	१५	४५	३०	३०	२१	सिं. १३/२०	चंद्र दर्शनम् सिंघारा
३	र	६	१०	म	१३	३२	व्य	२७	५५/२५	ग	६	१०	४३	१५	४५	३१	१	२२	सिंहे	भ.३४।५५उ.मृगे शुक्रः५/६ रमजान९ तीज
४	चं	३	४०	पू	१२	४३	प	५३	५३	वि	३	४०	४०	१६	४४	१	२	२३	कं.२७।२२	भ.३।४०या.भा.श्रावणारंभःवरद ४
५	मं	०	१९	उ	११	२०	शि	४७	२४	बा	०	१९	३८	१६	४४	२	३	२४	कन्यायां	नाग पंचमी
६	मं	५६	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५२	३	ह	९	१७	सि	४२	५४	ग	२४	१८	३५	१७	४३	३	४	२५	तु.३८।०	भ.५२।३उ.
८	गु	४७	८	चि	६	४३	सा	३५	४७	वि	१९	३५	३३	१७	४३	४	५	२६	तुलायां	भ.१९।३५या.
९	शु	४१	३२	स्वा	३४/५६	४/६	शु	२८	४९	बा	१४	२०	३०	१८	४२	५	६	२७	वृ.४५।४६	
१०	श	३५	३५	अ	५५	३७	शु	२१	२०	तै	८	३४	२७	१९	४१	६	७	२८	वृश्चिके	[×शनिः२२।० श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्
११	र	२९	१०	ज्ये	५१	१२	ब्र	१३	४३	व	२	२२	२४	१९	४१	७	८	२९	ध.५१।१२	भ.रं।२२उ.२९।१०या.पवित्रा११व.
१२	चं	२२	३०	मू	४६	४३	ऐं	५/४४	५३/५३	बा	२२	३०	२२	२०	४०	८	९	३०	धनुषि	प्रदोष
१३	मं	१५	५९	पू	४२	१२	वि	५०	५	तै	१५	५९	१९	२०	४०	९	१०	३१	म.५६।१६	मिथुने शुक्रः५३।१७
१४	बु	९	५१	उ	३८	३०	प्री	४२	४६	व	९	५१	१६	२१	३९	१०	११	१	मकरे	भ.९।५१उ.३७।१८या.अगस्तत्ता.३१
१५	गु	४	४४	श्र	३५	४७	आ	३६	२६	ब	४	४४	१३	२१	३९	११	१२	२	मकरे	आश्ले.रविःसौरः३५।६ चित्रा. ३ तुलायां ×

१५पं.श्रा.शु.१शु.इ.३१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१	१	५	७	३
४	१५	१६	१४	२१	२९	८	३
११	२०	१४	१२	४३	२१	१५	४२
२८	१३	५२	१४	२३	४३	१२	५३
५७	३६	३/५०	१०	४१	२	३	५६
१५	१९	व.	५७	२८	३२	११	५८

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला गुड़ सक्कर गन्ना कपास रुई धातु वदि में मंदे होकर सुदि में तेज होवे । कहीं २ अच्छी वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

१६पं.श्रा.शु.९शु.इ.३१।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१	१	५	७	३
१०	१९	१२	१५	२६	२९	७	१०
५२	२२	५९	२८	४२	४१	५२	२२
३०	५९	४६	५२	०	६	५६	१०
५७	३७	४/६	१०	४८	३	३	५७
२०	४	व.	२०	१३	१६	११	५

ति.	प्र.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४										वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	शु	०	३६	ध	३४	२६	सौ	३१	९	कौ	०	३६	३३/१०	५/२२	६/३८	१२	१३	३	कुं.५।७	आश्ले.रविःसौरः८।३८चित्रा.भौमः३२/२० B
२	शु	५७	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B रोहि.३गुरुः२१।४९
३	श	५७	३८	श	३४	४४	शो	२७	१३	व	२७	५८	७	२३	३७	१३	१४	४	कुंभे	भ.२७।५८उ.५७।३८या.
४	र	५८	५९	पू	३६	५९	अ	२४	४४	ब	२८	१९	४	२३	३७	१४	१५	५	मी.२१/२९	चतुर्थी व्र.
५	चं	६०	०	उ	४०	५९	सु	२३	५३	कौ	३१	०	०	२४	३६	१५	१६	६	मीने	बुधोदयःपूर्वस्यां ०।५५
५	मं	३	२	रे	४६	३०	धृ	२३	५८	तै	३	२	३२/५७	२५	३५	१६	१७	७	मे.४६।३०	चंद्रषष्ठी
६	बु	६	५६	अ	५३	१५	शू	२५	१९	व	६	५६	५४	२५	३५	१७	१८	८	मेषे	भ.५६/६उ.३९/३८या.मार्गी बुधः३६/३१आर्द्रा. ÷
७	गु	१२	२०	भ	६०	०	गं	२७	१६	व	१२	२०	५०	२६	३४	१८	१९	९	मेषे	जन्माष्टमी व्र.स्मा. [÷शुक्रः३१।५८
८	शु	१८	३६	भ	०	३७	बृ	२९	४३	कौ	१८	३६	४७	२७	३३	१९	२०	१०	वृ.१७।२५	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	श	२४	५८	कृ	७	५२	धु	३२	४	ग	२४	५८	४४	२७	३३	२०	२१	११	वृषे	भ.५७।४०उ.गोगा ९
१०	र	३०	२२	रो	१५	१६	व्या	३४	९	वि	३०	२२	४०	२८	३२	२१	२२	१२	मि४८।२६	भ.३०।२२या.
११	चं	३४	४८	मृ	२१	३७	ह	३५	२७	ब	२	३५	३७	२९	३१	२२	२३	१३	मिथुने	अजा ११ व्र. [=पिठोरी ३० मन्वादिः
१२	मं	३७	५०	आ	२६	१७	व	३५	२७	कौ	६	१९	३३	२९	३१	२३	२४	१४	मिथुने	तुलायां भौमः१५।२६वत्सद्वादशी
१३	बु	३९	२५	पु	३०	१७	सि	३४	२६	ग	८	३७	३०	३०	३०	२४	२५	१५	क.१४।१३	भ.३९।२५उ.प्रदोषः
१४	गु	३९	४	पु	३२	५	व्य	३२	९	वि	९	१५	२६	३१	२९	२५	२६	१६	कर्के	भ.९।१५या.मघा.सिंहेऽर्कः२९।८
१५	शु	३७	१७	श्ले	३२	२३	व	२८	३२	चं	८	११	२२	३२	२८	२६	२७	१७	सि३२।२३	मघा.सिंहेऽर्कःसौरः५।३ कुशा ग्रहणी =

१७पं.प्र.भा.कृ.१ शु.इ.३१/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१	२	६	७	३
१७	२३	८	१६	२	०	७	१७
२४	३२	२४	४१	२०	४	३०	१
१२	१०	२९	३५	२४	१९	४०	५८
५७	३७	३/५०	९	५३	३	३	५७
२५	४३	व.	४८	११	४३	११	१२

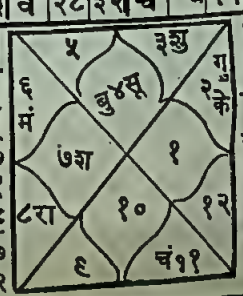

१८पं.प्र.भा.कृ.८ शु.इ.३१/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१	२	६	७	३
२४	२७	७	१७	८	०	७	२३
१६	४६	३९	४८	३४	३२	८	४३
३७	५५	५०	१८	५	१०	२५	५
५७	३८	१२/५४	८	५७	४	३	५७
३३	३४	मा	५०	१५	२८	११	२२

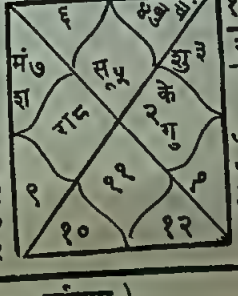

१९पं.प्र.भा.कृ.३०शु.इ.३१/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	१	२	६	७	४
०	२	१२	१८	१५	१७	६	०
५९	७	२६	४९	१२	३	४६	२५
५३	५५	२	१६	७	४३	९	१८
५७	३९	६/९	८	६०	४	३	५७
४०	१०	०	०	२०	५५	११	३४

ति.	प्र.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५००सन्२०१२
१	श	३४	१४	म	३१	३०	प	२३	५२	किं	६	४६	३२/१९	५/३२	६/२८	२७	२८	१८	सिंहे	
२	र	३०	१४	पू	२९	३५	शि	१८	१७	बा	२	१४	१५	३३	२७	२८	२९	१९	कं.४३।५०	अनु.१राहु.कृत्ति.३केतुः२५/११चंद्रदर्शनम्
३	चं	२५	२८	उ	२६	३६	सि	१२	१२	ग	२५	२८	१२	३४	२६	२९	१	२०	कन्यायां	भ.५२।५३उ.सव्वाल १०
४	मं	२०	१८	ह	२३	५	सा	५/१८	५३/५	वि	२०	१८	८	३४	२६	३०	२	२१	तु.५१।३३	भ.२०।१८या.आश्ले.बुधः२६।३३
५	बु	१४	५६	चि	२०	१	शु	५१	२८	बा	१४	५६	४	३५	२५	३१	३	२२	तुलायां	पुन.शुक्रः२५।२५
६	गु	९	३४	स्वा	१६	३१	ब्र	४४	३०	तै	९	३४	१	३६	२४	१	४	२३	वृ.५८।५६	भा.भाद्रपदारंभः
७	शु	४	६	वि	१३	४	ऐं	३६	३६	व	४	६	३१/५७	३७	२३	२	५	२४	वृश्चिके	भ.४।६उ.३१।३०या.स्वात्यां भौमः२२।१
८	शु	५४	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	श	५३	३९	अ	९	५०	वै	३०	२४	बा	२६	१६	५३	३७	२३	३	६	२५	वृश्चिके	
१०	र	४८	४१	ज्ये	६	३३	वि	२३	२६	तै	२१	१०	४९	३८	२२	४	७	२६	ध.६।३३	रोहि.४गुरुः५४।४८
११	चं	४३	५९	मू	३	३४	प्री	१६	५०	व	१६	२०	४६	३९	२१	५	८	२७	धनुषि	भ.१६।२०उ.४३।५९या.कमला११व्र.
१२	मं	३९	३८	पू	०/४८	५७/३८	आ	१०	२८	ब	११	४९	४२	४०	२०	६	९	२८	म.१५।१३	बुधास्तःपूर्वस्यां८।३३
१३	बु	३६	३	श्र	५६	४७	सौ	३/३०	५५/३४	कौ	७	५०	३८	४०	२०	७	१०	२९	मकरे	मघा.सिंहे बुधः१।३१
१४	गु	३३	१७	ध	५६	१३	अ	५४	२०	ग	४	४०	३४	४१	१९	८	११	३०	कुं.२६।३०	भ.३३।१७उ.पूफा.रविः१८।४४ ×
१५	शु	३१	४८	श	५७	४५	सु	५०	४०	वि	२	३२	३०	४२	१८	९	१२	३१	कुंभे	भ.२।३२या. [×सौरः५५।५४)

२०पं.प्र.भा.शु.७शु.इ३१।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	१	२	६	७	४
७	६	२१	१९	२२	१	६	७
४४	३३	५८	४३	११	३८	२३	८
२०	५४	२६	३४	३५	४९	५४	४७
५७	३९	०/३	६	६२	५	३	५७
४८	४६	२८	५२	४५	२२	११	४०

गोचर ग्रहाः

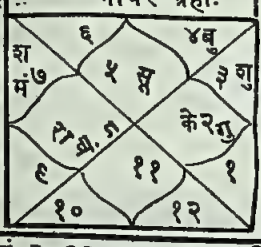

प्र.भाद्रपद कृष्णे १४ गुरौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वार.४ न. ४ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

२१पं.प्र.भा.शु.१५शु.इ.३१/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	१	२	६	७	४
१४	११	४	२०	२९	२	६	१३
३०	५	४७	३१	२७	१६	१	५३
०	१७	१०	१९	३२	४४	३८	५९
५८	४०	११/५४	६	६४	५	३	५७
१	३३		२	३७	४९	११	५७

ति.	द्वि.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेप्र.भाद्रपद कृष्णेतिमहा.
१	श	३१	३६	पू	५८	५५	धृ	४८	७	बा	१	४२	३१/२६	५/४३	६/१७	१०	१३	१	मी४३।३८	कर्के शुक्रः१।१४ सितम्बर ९ ता. ३०
२	र	३३	७	उ	६०	०	शू	४६	४९	तै	२	२१	२२	४४	१६	११	१४	२	मीने	
३	चं	३५	५८	उ	२	२०	गं	४६	१७	व	४	३२	१८	४४	१६	१२	१५	३	मीने	भ.४।३२उ.३५।५८या.
४	मं	४०	२५	रे	७	१४	बृ	४७	१४	ब	८	१७	१५	४५	१५	१३	१६	४	मे.७।१४	पूफा.बुधः५९/५१पुष्ये शुक्रः१४।६ चतुर्थी व्र.
५	बु	४५	४४	अ	१३	३१	ध्रु	४८	३९	कौ	१३	४	११	४६	१४	१४	१७	५	मेषे	
६	गु	५१	५५	भ	२०	३२	व्या	५०	५३	ग	१८	४९	७	४७	१३	१५	१८	६	वृ ३७।२५	भ.५१।५५उ.
७	शु	५८	११	कृ	२८	७	ह	५३	१८	वि	२५	२	३	४७	१३	१६	१९	७	वृषे	भ.५२।२या.
८	श	६०	०	रो	३५	३१	व	५६	२८	बा	३२	६	३०/५९	४८	१२	१७	२०	८	वृषे	
८	र	४	१	मृ	४२	३१	सि	५७	२५	कौ	४	१	५५	४९	११	१८	२१	९	मि९।१	
९	चं	९	७	आ	४८	११	व्य	५८	१७	ग	९	७	५१	५०	१०	१९	२२	१०	मिथुने	भ.४०।४७उ.
१०	मं	१२	२८	पु	५२	३८	व	५७	४७	वि	१२	२८	४७	५१	९	२०	२३	११	क.३६।१८	भ.१२/२८या.उफा.बुधः५०/९चित्रा.४शनिः१४/०
११	बु	१४	३४	पु	५४	५२	प	५५	५०	बा	१४	३४	४३	५१	९	२१	२४	१२	कर्के	कमला ११ व्र.
१२	गु	१४	२३	श्ले	५५	३५	शि	५२	३०	तै	१४	२३	३९	५२	८	२२	२५	१३	सिं५५।३५	उफा.रविः३।९(सौरः४०/३४)कन्या.बुधः ÷
१३	शु	१२	२३	म	५४	१८	सि	४७	३९	व	१२	२३	३५	५३	७	२३	२६	१४	सिंहे	भ.१२।२३उ.४०।३२या.
१४	श	८	४०	पू	५१	३४	सा	४१	३४	श	८	४०	३१	५४	६	२४	२७	१५	सिंहे	[÷ ३७।५७विशा.भौमः५४।४३
३०	र	३	२८	उ	४७	३८	शु	३४	२१	ना	३	२८	२७	५५	५	२५	२८	१६	कं.५।३५	कन्यायामर्कः२८।३०आश्ले.शुक्रः १८।५२

२२पं.द्वि.भा.कृ.७शु.इ.३०/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	१	३	६	७	४
२१	१५	१८	२१	६	२	५	२०
१७	४२	१०	१०	५७	५७	३९	४०
२	११	५५	५२	७	४३	२२	३९
५८	४०	११/५४	४	६६	६	३	५८
१३	४८	३२	५५	११	११	११	१२

गोचर ग्रहाः

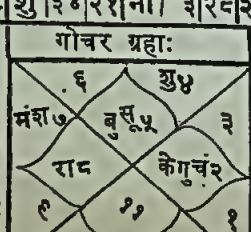

द्वि.भाद्रपद कृष्णे ३० रवौ कन्यायामर्कःवा. ४न.५प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु.४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

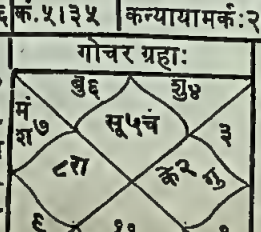

२३पं.द्वि.भा.कृ.१३शु.इ.३०/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१	३	६	७	४
२८	२०	१	२१	१४	३	५	२७
५	२४	३८	४२	३८	४१	१७	२८
२४	४३	२	२२	२४	६	७	५८
५८	४१	११/५४	३	६७	६	३	५८
२६	७	१९	४६	३०	२६	११	२९

ति.	द्वि. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४	वि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः ५३०स.२०१२
१	र ५३ ४४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	चं ५० १४ ह ४२ ४४ शु २६ १४ बा २३ ४३ ३० ५६	६	२६	२९	१७	कंन्यायां			कन्यायामर्कः सौरः ५।४५ चंद्रदर्शनम्
३	मं ४३ ११ चि ३७ ४४ ब्र १७ ५६ तै १६ ४३ १८ ५६	४	२७	१	१८	तु. १०।१४			जिल्काद ११ हरितालिका ३
४	बु ३६ १० स्वा ३२ ३८ ऐं ९ १९ व ९ ४१ १४ ५७	३	२८	२	१९	तुलायां			भ. ४९ उ. ३६ या. हस्ते बुधः १६ गणेश ४
५	गु २९ ३५ वि २७ ५६ वै ४४ ५७ ब २ ५३ ९ ५८	२	२९	३	२०	वृ. १४।७			ऋषिपंचमी
६	शु २३ ३१ अ २३ ३८ प्री ४५ ९ तै २३ ३१ ५ ५९	१	३०	४	२१	वृश्चिके			[+जलझूलनी ११ व्र. वामन जयंती
७	श १८ ० ज्ये २० ११ आ ३७ ५१ ब १८ ० ३० ० ०	०	३१	५	२२	ध. २०।११			भ. १८।० उ. ४५।१३ या.
८	र १२ २६ मू १७ २ सौ ३१ २३ ब १२ २६ ३० १	१	१	६	२३	धनुषि			भा. आश्विनारंभः
९	चं ९ ४१ पू १५ ० शो २५ ३२ की ९ ४१ ५२ २	५८	२	७	२४	म. २९।४०			[×१३ बुधोदयः पश्चिमायां ३० प्रदोषः
१०	मं ६ ३४ उ १३ ४१ अ २० १४ ग ६ ३४ ४८ २	५८	३	८	२५	मकरे			भ. ३१ उ. रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
११	बु ४ २९ श्र १३ १७ सु १५ ५० वि ४ २९ ४४ ३	५७	४	९	२६	कुं. ४३।२९			म. ४।२९ या. हस्ते रविः ४१।३९ +
१२	गु ३ १४ ध १३ ४१ धृ १२ २ बा ३ १४ ४० ४	५६	५	१०	२७	कुम्भे			हस्ते रविः सौरः १८।१५ चित्रा. बुधः×
१३	शु ३ १० श १५ २५ शू ९ ६ तै ३ १० ३६ ५	५५	६	११	२८	मी. ३९			मघा सिंहे शुक्रः ६५ वृश्चिके भौमः ३१
१४	श ३ ५९ पू १७ ५८ गं ६ ५६ व ३ ५९ ३२ ६	५४	७	१२	२९	मीने			भ. ५३ या. ३५ या. अनंत १४ महालयारंभ
१५	र ६ १८ उ २१ ४९ वृ ६ ९ ब ६ १८ २८ ६	५४	८	१३	३०	मीने			कु. संध्या. पूजनारंभः

२४पं.द्वि.भा.शु.६शु.इ.३०।

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	१	३	६	७	५
४	२५	१३	२२	२२	४	४	४
५५	९	५६	४	२९	२६	५४	१९
१६	४	३१	५२	२०	२०	५१	५
५८	४१	०	२	६८	६	३	५८
३८	५८	५२	२६	३५	३८	११	४५

गोचर ग्रहः

इस मास में धान्य गल्ला सोना चांदी लोहा आदि धातु वस्त्र रूई वारदाना रस तेज हो प्रजा में महा मारीफैले सुदीमेंधान्य मंदा और वर्षा हो।

गोचर ग्रहः

२५पं.द्वि.भा.शु.१३शु.इ.३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	१	४	६	७	५
११	२९	२५	२२	०	५	४	११
४६	५९	२७	१७	२९	१३	३२	११
२२	३१	३२	१७	१०	१९	३६	५
५८	४२	९९	१६९	६	३	५९	
५३	१८	४७	५	२२	५६	११	००

ति	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे द्वि.भाद्र. कृष्णेति महा.
१	चं ९ ४४ रे २६ ४१ ध्रु ५ ४६ कौ ९ ४४ २९ ६	५५	९	१४	१	मे. २६।४१			तुलायां बुधः १४।२० अक्टूबर १० ता. ३१
२	मं १४ २९ अ ३२ ४६ व्या ६ २१ ग १४ २९ १९ ८	५२	१०	१५	२	मेषे			भ. ४७।८ उ.
३	बु १९ ४७ भ ३९ २८ ह ७ ३७ बा १९ ४७ १५ ९	५१	११	१६	३	वृ. ५५।५२			भ. १९ या. अनु. भौमः १४ चतुर्थी व्र.
४	गु २५ ५३ कृ ४७ १ व ९ ४६ तै २५ ५३ ११ १०	५०	१२	१७	४	वृषे			
५	शु ३२ १७ रो ५४ ३२ सि ११ ५८ कौ ३२ १७ ७ ११	४९	१३	१८	५	वृषे			स्वात्यां बुधः ५५।४६ वक्री गुरुः ४७
६	श ३८ ३७ मृ ६० ० व्य १४ २८ ग ५ २७ ३ ११	४९	१४	१९	६	मि. ३९			भ. ३८।३७ उ.
७	र ४४ ८ मृ २ ६ व १६ ३४ वि ११ २३ २९ १२	४८	१५	२०	७	मिथुने			भ. ११।२३ या.
८	चं ४८ ३६ आ ८ ३८ प १७ ४ बा १६ २२ ५५ १३	४७	१६	२१	८	कं. ५७।४२			अस्तं शनेः ३०।१७
९	मं ५१ १८ पु १४ ३ शि १८ ३६ तै १९ ५७ ५१ १४	४६	१७	२२	९	कर्के			पूफा.शुक्रः ३३ मातृ९(सौभाग्यवतीनां श्रा)
१०	बु ५२ ६ पु १७ ४५ सि १७ ४४ ब २१ ४२ ४७ १५	४५	१८	२३	१०	कर्के			भ. २१।४२ उ. ५२।६ या चित्रा. रविः÷
११	गु ५० ५६ श्ले १९ ३८ सा १५ ३३ ब २१ ३१ ४३ १५	४५	२९	२४	११	सिं. १९			इंदिरा ११ व्र.
१२	शु ४७ ४१ म १९ २५ शु ११ ३५ कौ १९ १९ २९ १६	४४	२०	२५	१२	सिंहे			[÷१३४ (सौरः ४९) स्वाती. १ शनिः ५० ३८
१३	श ४२ ४१ पू १७ ११ शु ६ ५३ ग १५ ११ ३५ १७	४३	२१	२६	१३	कं ३१।१५			भ. ४२।४१ उ. प्रदोषः
१४	र ३५ ५२ उ १३ २६ ऐं ५० ४९ वि ९ १६ ३१ १८	४२	२२	२७	१४	कन्यायां			भ. ९।१६ या. शस्त्रादि हतोनां श्रा.
१५	चं २८ ० ह ८ ५ वै ४१ २९ च १ ५६ २७ १९	४१	२३	२८	१५	तुं. ३ ४।५६			विशा. बुधः ५।२१ सर्वं पितृ ३०

६पं.आ.कृ.५शु.इ.३०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	१	४	६	७	५
१८	४	६	२२	८	६	४	१८
४०	५३	१६	२१	३५	२	१०	४
८	३५	८	७	४९	१०	२०	५२
५५	४२	९२	०	२	७०	७	३	५९
९	४०	४७	व.	११	८	११	१६

गोचर ग्रहः

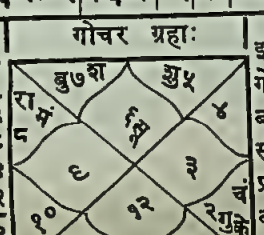

इस मास में धान्य गेहूं जो मक्का चावल बाजरा मूंग मोठ सोना चांदी मंदे हो प्रजा में सुख शान्ति व्यापे, रस पदार्थ तेज रहे।

गोचर ग्रहः

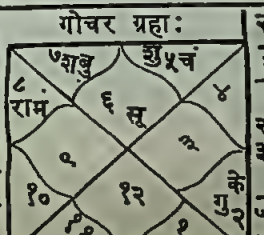

२७पं.आ.कृ.१२शु.इ.३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	१	४	६	७	५
२५	९	१६	२२	१६	६	३	२५
३५	५१	२१	१५	४८	५२	४८	००
२	२९	१८	४	५०	१	४	३४
५९	४३	८४	३३	७०	७	३	५९
२१	८	३३	व.	५०	१४	११	३१

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः स. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरद्दतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५५९स.२०१२
१	मं	१९	२४	चि	४८	५३ १३	वि	३१	३५	ब	१९	२४	२८ २३	६ १९	५ ४१	२४	२९	१६	तुलायां	तुलायामर्कः ५७ ३० नवरात्रारंभः मातामह श्रा.
२	बु	१०	४२	वि	४८	२३	प्री	२१	३१	कौ	१०	४२	२०	२०	४०	२५	३०	१७	वृ.३४।५७	तुलार्कःसौरः३१।३३ चंद्र दर्शनम्
३	गु	२	१७	अ	४२	२	आ	११	४०	ग	२	१७	१६	२१	३९	२६	१	१८	वृश्चिके	भ.२८।२०उ.५४।२४या.जिल्हेज १२
४	गु	५२	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷विशा.४राहुःकृत्ति.२केतुः१९।३७
५	शु	४७	२९	ज्ये	३६	३५	सौ	२ ७	५१ १०	ब	२०	५६	१२	२२	३८	२७	२	१९	ध.३६।३५	[×कन्यायां शुक्रः२७।४२भा.कार्तिकारंभः
६	श	४१	४३	मू	३२	१६	अ	४५	३५	कौ	१४	३६	८	२२	३८	२८	३	२०	धनुषि	उफा.शुक्रः४५।१०
७	र	३७	२२	पू	२९	९	सु	३८	४४	ग	९	३२	४	२३	३७	२९	४	२१	म.४३।४३	भ.३७।२२उ. ज्येष्ठा. भौमः५६।४० ÷
८	चं	३४	१८	उ	२७	२५	धृ	३३	५	वि	५	५०	०	२४	३६	३०	५	२२	मकरे	भ.५।५०या.
९	मं	३२	३८	श्र	२७	५	शू	२८	३१	बा	३	२८	२७ ५६	२५	३५	१	६	२३	कु.५७।३२	स्वात्यां रविः३९।३२वृश्चिकेबुधः२।५३
१०	बु	३२	२०	ध	२७	५९	गं	२४	५९	तै	२	२९	५३	२५	३५	२	७	२४	कुम्भे	स्वात्यां रविःसौरः१२।३६
११	गु	३३	२०	श	३०	१४	वृ	२२	३४	व	२	५०	४९	२६	३४	३	८	२५	कुम्भे	भ.२।५०उ.३३।२०या.पापां कुशा११व्र.
१२	शु	३५	३५	पू	३३	३४	ध्रु	२०	४	ब	४	२८	४५	२७	३३	४	९	२६	मी. १७ ४४	अनु.बुधः८।३४
१३	श	३८	४५	उ	३८	८	व्या	२०	४४	कौ	७	१०	४१	२८	३२	५	१०	२७	मीने	प्रदोषः
१४	र	४२	५२	रे	४३	३४	ह	२०	४७	ग	१०	४८	३७	२९	३१	६	११	२८	मे.४३।३४	भ.४२।५२उ. [= व्र.का.स्ना.प्रा.
१५	चं	४८	१०	अ	४९	५८	व	२१	२९	वि	१५	३१	३४	२९	३१	७	१२	२९	मेषे	भ १५।३१या. शरद पूर्णिमा कोजागरी=

२८ पं.आ.शु.५शु.इ. २९ ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	१	४	६	७	६
२	१४	२५	२१	२५	७	३	१
३१	५३	३६	५८	१०	४२	२५	५८
२६	४२	३२	४८	३४	२५	४९	०
५९	४३	७४	५३ २	७१	७	३	५९
३४	२९	१५	व.	२२	२०	११	४६

गोचर ग्रहाः

रामंचं८ ६ शु५ श७सूबु ९ १० ४ ११ १ ३ १२ २केगु

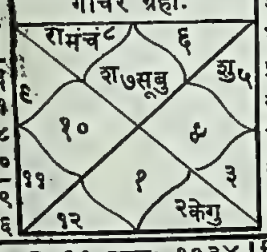

आश्विन शुक्ले १ भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ गतालकावस्था(ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

८रामंबु ६शु ९ सूश७ ५ १० ४ ११ १ ३ चं१२ २केगु

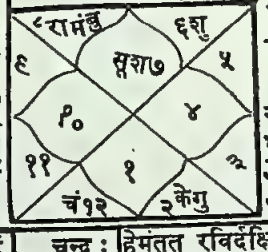

२९पं.आ.शु.१२शु.इ. ३९ ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	१	५	६	७	६
९	१९	३	२१	३	८	३	८
२९	५९	४०	३३	३२	३३	३	५७
४२	३८	५	२५	५६	२५	३३	२०
५९	४३	५६	४ ७	७१	७	३	६०
४७	४५	४६	व	४९	२०	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः स. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	हेमंततू रविर्दक्षिणे आ.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	५३	४२	भ	५६	४३	सि	२३	८	बा	२०	५६	२७ ३०	६ ३०	५ ३०	८	१३	३०	मेषे	
२	बु	६०	०	कृ	६०	०	व्य	२५	५४	तै	२६	५२	२७	३१	२९	९	१४	३१	वृ.१३।३४	हस्ते.शुक्रः४५।२
२	गु	०	१	कृ	४	७	व	२७	११	ग	०	१	२३	३१	२९	१०	१५	१	वृषे	भ.३३।११उ.नवम्बर ११ ताः ३०
३	शु	६	२२	रो	११	४२	प	२९	३१	वि	६	२२	१९	३२	२८	११	१६	२	मि४५।२८	भ.६।२२या.करक चतुर्थी व्र.
४	श	१२	४४	मृ	१९	१५	शि	३१	५७	बा	१२	४४	१६	३३	२७	१२	१७	३	मिथुने	[+ रविः५९।५८वक्री.बुधः५१।६
५	र	१८	३७	आ	२६	१९	सि	३३	३७	तै	१८	३७	१२	३४	२६	१३	१८	४	मिथुने	÷३९।५५उदयंशनेः२६।५२प्रदोषःधन१३
६	चं	२३	३५	पु	३२	२४	सौ	३४	५३	व	२३	३५	९	३४	२६	१४	१९	५	कं.१५।५३	भ.२३।३५ उ.५५।२५ या. विशा. +
७	मं	२७	१४	पु	३७	२२	शु	३५	४	ब	२७	१४	५	३५	२५	१५	२०	६	कर्के	विशा.रविःसौरः३०।०
८	बु	२९	१९	श्ले	४०	५२	शु	३४	०	कौ	२९	१९	२	३६	२४	१६	२१	७	सिं४०।५२	स्वाती.२शनिः३१।२८
९	गु	२९	३२	म	४२	२५	ब्र	३१	३३	ग	२९	३२	२६ ५८	३६	२४	१७	२२	८	सिंहे	भ.५८।३५उ.
१०	शु	२७	३८	पू	४१	५४	ऐं	२७	२६	वि	२७	३८	५५	३७	२३	१८	२३	९	क.५६।१८	भ.२७।३८या.मूले धनुषि भौमः०।१८
११	श	२३	५१	उ	३९	३०	वै	२१	५३	बा	२३	५१	५२	३८	२२	१९	२४	१०	कन्यायां	रमा ११ व्र.
१२	र	१८	२	ह	३५	५	वि	१४	४३	तै	१८	२	४९	३८	२२	२०	२५	११	कन्यायां	चित्रा.शुक्रः५६।५बुधास्तःपश्चिमायां ÷
१३	चं	१०	४६	चि	२९	१९	प्री	५५ ५५	५० १८	व	१०	४६	४५	३९	२१	२१	२६	१२	तु.२।११	भ.१०।४६उ.३६।२४या.वक्री.रोहि. ३ ×
१४	मं	२	२	स्वा	२२	३१	सौ	४५	४१	श	२	२	४२	४०	२०	२२	२७	१३	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	मं	५०	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[× गुरुः७।३७ रूप १४

३०पं.का.कृ.३शु. इ. २९ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	१	५	६	७	६
१६	२५	९	२०	१२	९	२	१५
२९	९	११	५८	०	२३	४१	५८
२८	१४	६	२३	४७	५६	१८	२४
६०	४४	२८	५ २०	७२	७	३	६०
४	२५	११	व.	९	२०	११	१८

गोचर ग्रहाः

८बुमंरा ६शु ९ ७सूश ५ १० ४ ११ १ ३ १२ २चंकेबृ

इस मास में धन का मंगल धान्य मंदा धातु तृण घृत तेज करे ।

गोचर ग्रहाः

रा८बु ६शु मं९ सू७श ५चं १० ४ ११ १ ३ १२ २केगु

३१पं.का.कृ.१०शु.इ. २९ २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	१	५	६	७	६
२३	०	९	२०	२०	१०	२	२३
३०	२१	४८	१६	३३	१४	१९	०
५०	३६	५४	३४	१८	१३	२	५८
६०	४४	३० ३४	६ ११	७२	७	३	६०
१७	२९	व.	व.	३२	१४	११	३०

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गण ५८८ स.२०१२
१	बु ४२ ५४ वि १५ ० शो ३४ ५२ कि १७ ४५	३६	६	५	२३	२८	१४	वृ.१.५३	अन्नकूट गोवर्धन पूजा
२	गु ३३ २८ अ १९ ३८ अ २३ ५० बा ८ ११	३६	४१	१९	२४	२९	१५	ध.५९.४९	वृश्चिकेऽर्कः भ्रातृद्वितीया यमद्वि
३	शु २४ ४१ मू ५३ २२ सु १३ १९ ग २४ ४१	३३	४१	१९	२५	१	१६	धनुषि	भ. ५९ उ. वृश्चिकेऽर्कः सौरः ३७ वक्री÷
४	श १७ १२ पू ४८ १२ धृ २० ५१ वि १७ १२	३०	४२	१८	२६	२	१७	धनुषि	भ. १७.१२ या. तुलायां शुक्रः ११.२८
५	र ११ १३ उ ४४ ४० गं ४७ २९ बा ११ १३	२७	४३	१७	२७	३	१८	म.२.१९	वक्री तुलायां बुधः २२.२७
६	चं ६ ५८ श्र ४२ ५५ वृ ४१ ४० तै ६ ५८	२५	४३	१७	२८	४	१९	मकरे	अनु. रविः १४.२३ (सौरः ४१.५)
७	मं ४ २४ ध ४२ ५० धु ३७ ४ व ४ २४	२२	४४	१६	२९	५	२०	कुं.१२.५२	भ. ४.२४ उ. ३४.६ या गोपाष्टमी
८	बु ३ ४७ श ४४ ४७ व्या ३४ ० व ३ ४७	१९	४४	१६	३०	६	२१	कुंभे	[÷विशा.बुधः ३१ मोहोरम१सन्१४३४हि
९	गु ४ ५५ पू ४८ ११ ह ३२ २१ कौ ४ ५५	१७	४५	१५	१	७	२२	मी३२.२०	स्वात्यां शुक्रः ३३ भा. मार्गशीर्षारंभः अ.९
१०	शु ७ २७ उ ५२ ५३ व ३२ ४ ग ७ २७	१४	४५	१५	२	८	२३	मीने	भ. ३९ उ. बुधोदयः पूर्वस्यां ५५.५७
११	श ११ २८ रे ५८ ४७ सि ३२ ३७ वि ११ २८	१२	४६	१४	३	९	२४	मि.५८.४७	भ. ३१ या. प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.
१२	र १६ १९ अ ६० ० व्य ३३ ४३ बा १६ १९	९	४६	१४	४	१०	२५	मेषे	प्रदोषः
१३	चं २२ २४ अ ५ २८ व ३५ ३१ तै २२ २४	७	४७	१३	५	११	२६	मेषे	पूषा. भौमः ४१.५१
१४	मं २८ १३ भ १२ ३० प ३७ १७ व २८ १३	५	४७	१३	६	१२	२७	वृ. ३९	भ. १४ उ. मार्गी बुधः २४ वैकुंठ १४
१५	बु ३४ ४० कृ २० २ शि ३९ ३४ वि १ २६	२	४८	१२	७	१३	२८	वृषे	भ. १.३६ या. मन्वादिः का. स्ना. पू.

३२ पं. का.शु.३शु.इ. ३९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	१	५	६	७	७
०	५	३	१९	२९	११	१	०
३३	३६	४	२८	८	३	५६	५
२९	५८	१९	४१	४९	४३	४६	२
६०	४४	३५	८	७२	७	३	६०
३०	४४	व.	व.	५०	२	११	४०

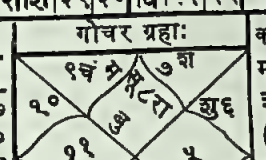

कार्तिक शुक्ले ६ गुरौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

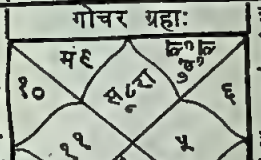

३३ पं. का.शु.१०शु.इ. ५८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	१	६	६	७	७
७	१०	२५	१८	७	११	१	७
३७	५५	२४	३४	४७	५२	३४	१०
२९	८	५०	४८	४९	१२	३१	२५
१०	४४	४५	४५	७३	६	३	६०
४२	४	व.	व.	९	५०	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तुरविर्दक्षिणे का. कृष्णतिमहाराष्ट्राः
१	गु ४१ ३ रो २७ ३२ सि ४१ ४२ बा ७ ५२	२६	४८	१२	८	१४	२९	वृषे	
२	शु ४६ ४७ मृ ३४ ५४ सा ४३ ५१ तै १३ ५५	२५	४८	१२	९	१५	३०	मि१.१३	
३	श ५२ ५१ आ ४१ ५६ पु ४५ ३४ व १९ ४९	५६	४९	११	१०	१६	१	मिथुने	भ. १९ उ. ५२ या. दिसम्बर १२ता.३१
४	र ५७ ४३ पु ४७ ५९ शु ४६ ५० व २५ १७	५४	४९	११	११	१७	२	क.३१.२९	ज्येष्ठा. रविः ३४ (सौरः ४९) चतुर्थीव्र.
५	चं ६० ० श्ले ५७ ४७ ब्र ४७ २१ कौ २९ ४०	५३	४९	११	१२	१८	३	कर्के	विशा. शुक्रः ३१.५९
५	मं १ ३८ म ६० ० ऐं ४७ ३ तै १ ३८	५१	५०	१०	१३	१९	४	सिं५७.४७	
६	बु ४ २० म ० ४२ वै ४५ ३४ व ४ २०	४९	५०	१०	१४	२०	५	सिंहे	भ. ४.२ उ. ३४.५५
७	गु ५ २९ म ० ४२ वि ४२ ५३ व ५ २९	४८	५०	१०	१५	२१	६	सिंहे	बृश्चिके बुधः १०.४९
८	शु ५ ७ पू २ ० प्री ३८ ४९ कौ ५ ७	४६	५१	९	१६	२२	७	क.१६.५३	वक्री रोहि.२गुरुः ३१ स्वाती. ३ शनिः १९
९	श २ ५४ उ ३४ ५७ आ ३३ २८ ग २ ५४	४५	५१	९	१७	२३	८	कन्यायां	भ. ३०.५३ उ. ५८.५२ या.
१०	श ५५ ५८ उ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
११	र ५३ ५ चि ५५ ११ सौ २६ २९ ब २५ ५८	४४	५१	९	१८	२४	९	तु.२७.१३	अनु. बुधः ६.१२ उत्पत्ति ११ व्र. स्मा.
१२	चं ४५ ५४ स्वा ४९ ४० शो १८ १० कौ १९ २९	४३	५१	९	१९	२५	१०	तुलायां	उत्पत्ति ११ व्र. वै.
१३	मं ३७ २९ वि ४२ ५७ अ ४६ ४३ ग ११ ४१	४२	५२	८	२०	२६	११	वृ.२९.३८	भ. ३७ उ. बृश्चिके शुक्रः १७ २९ प्रदोषः
१४	बु २८ ५ अ ३५ २९ धृ ४७ ३४ बि २ ४७	४१	५२	८	२१	२७	१२	वृश्चिके	भ. २.४७ या.
१५	गु १८ २२ ज्ये २८ ५२ शू ३६ २६ ना १८ २२	४०	५२	८	२२	२८	१३	ध २८.५२	उषा. भौमः ५६.६

३४ पं.मा.कृ.२शु.इ.२८.४७							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	१	६	६	७	७
१४	१६	२५	१७	१६	१२	१	१४
४२	१५	१	३८	२८	३८	१२	१७
४०	२५	२६	२०	१९	४९	१५	२१
६०	४५	३५	५२	७३	६	३	६१
५०	१३	मा.	व.	२०	३२	११	३

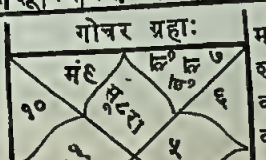

मार्गशीर्ष शुक्ले ३ शनौ धनुष्यर्कः प्रविष्ट वा. ३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

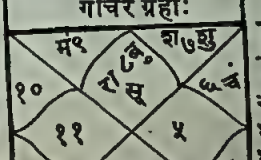

३५ पं.मा.कृ.८शु.इ. ३८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	१	६	६	७	७
२१	२१	१	१६	२५	१३	०	२१
४८	३८	२८	४०	१०	२२	५०	२५
४३	४६	४१	४१	५५	५९	०	४
६०	४५	६८	५२	७३	६	३	६१
५६	२७	२५	व.	३०	२०	११	११

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः ६१८ स. २०१२
१	शु	८	४३	मू	२०	१०	गं	२५	२७	ब	८	४३	३५ ३९	५६ ५३	५ ८	२३	२९	१४	धनुषि	अनु.शुक्रः०।१६चंद्र दर्शनम्
२	शु	५१	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श	५२	२३	पू	१३	२५	बृ	१५	२५	तै	२६	६	३९	५२	८	२४	१	१५	म २९।३२	मूले धनुष्यर्कः ३१।४५(सौरः ५३) सफर २
४	र	४६	२३	उ	७	५३	धु	१३ ६	५२ ८	व	१६	२३	३८	५२	८	२५	२	१६	मकरे	भ.१६।२३उ.४६।२३या.
५	चं	४२	१६	श्र	३	५८	ह	५२	१७	ब	१४	१६	३८	५२	८	२६	३	१७	कुं. ३३।१	
६	मं	४०	२७	ध	२	५	व	४७	५०	कौ	११	२१	३७	५३	७	२७	४	१८	कुंभे	ज्येष्ठा.बुधः५३।०मकरे भौमः ३६ ९ चंपा ६
७	बु	४०	३७	श	२	२६	सि	४४	५३	ग	१०	३२	३७	५३	७	२८	५	१९	मी ४९।१४	म.४०।३७उ.
८	गु	४२	४०	पू	४	४९	व्य	४३	३१	वि	११	४४	३६	५३	७	२९	६	२०	मीने	भ.११।४४या.
९	शु	४६	३६	उ	८	४९	व	४३	४९	बा	१४	४१	३६	५३	७	३०	७	२१	मीने	[×१केतुः११।१६मोक्षदा ११व्र.गीताजयंत
१०	श	५१	३८	रे	१४	२३	प	४४	४३	तै	१९	७	३६	५३	७	१	८	२२	मे. १४।२३	भा.पौषारंभः
११	र	५७	५३	अ	२०	५६	शि	४६	३१	व	२४	४६	३६	५३	७	२	९	२३	मेषे	भ.२४।४६उ.५३या.विशा.३राहुःकृत्तिः×
१२	चं	६०	०	भ	२८	१९	सि	४८	३८	ब	३२	०	३७	५३	७	३	१०	२४	वृ.४५।१४	ज्येष्ठा.शुक्रः४३।३३
१२	मं	४	७	कृ	३५	५७	सा	५०	५६	बा	४	७	३७	५३	७	४	११	२५	वृषे	प्रदोषः [÷ बुधः४०।०दत्तजयंती
१३	बु	१०	४८	रो	४३	३६	शु	५३	७	तै	१०	४८	३७	५३	७	५	१२	२६	वृषे	बुधास्तःपूर्वस्यां ३३।४९
१४	गु	१७	३	मृ	५०	४३	शु	५५	३	व	१७	३	३८	५२	८	६	१३	२७	मि. १७ १०	भ.१७।३उ.५०।१या.मूले धनुषि÷
१५	शु	२२	५९	आ	५७	३१	व्र	५६	३२	व	२२	५९	३८	५२	८	७	१४	२८	मिथुने	पूषा.रविः३६।४५(सौरः५४।२७)

३६ पं.मा.शु.१ शु. इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	१	७	६	७	७
२८	२७	१०	१५	३	१४	०	२८
५५	४	३९	४५	५४	४	२७	३३
३७	३४	४	२९	३२	५९	४४	४७
६१	४५	८२	३६	७३	५	३	६१
०	३९	४७	व.	४३	५७	११	१९

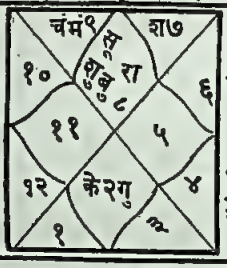

३७ पं.मा.शु. ९ शु. इ. २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	१	७	६	७	८
६	२	२०	१४	१२	१४	०	५
३	३०	४३	५३	३९	४४	५	४३
१४	५४	४१	६	४०	२८	२८	१२
६१	४५	९४	५० व	७३	५	३	६१
४	४१	११		५०	३२	११	२२

३८ पं.मा. शु.१५ शु.इ. २९

र	म	शु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१	७	६	६	८
१३	७	१	१४	२१	१५	२९	१२
११	५९	१६	६	२५	२०	४३	५३
२३	३८	१६	१८	८	५६	१३	४
६१	४५	९५	५० व	७३	५	३	६१
६	५४	१०		५६	२	११	२६

ति.	पोष कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महारा
१	श	२८	७	पु	६०	०	ऐ	५७	२५	कौ	२८	७	३५ ३९	५२ ५६	८	८	१५	२९	क ४६।५०	
२	र	३२	२६	पु	३	१६	वै	५७	४२	तै	०	१६	४०	५२	८	९	१६	३०	कर्के	
३	चं	३५	४९	पु	८	२२	वि	५७	१३	व	४	७	४१	५२	८	१०	१७	३१	कर्के	भ.४।७उ.३५।४९या.श्रवणे भौमः५।२६
४	मं	३८	१	श्ले	१२	१९	मी	५५	४०	ब	६	५५	४२	५२	८	११	१८	१	सिं १२।१९	जनवरी १ ता. ३१ सन् २०१३ चतुर्थी व्र.
५	बु	३९	१०	म	१५	३१	आ	५३	३०	कौ	८	३६	४३	५१	९	१२	१९	२	सिंहे	
६	गु	३९	६	पू	१७	२८	सौ	५०	१७	ग	९	८	४४	५१	९	१३	२०	३	कं. ३२।३५	भ.३९।६उ.
७	शु	३७	५०	उ	१७	५९	शो	४६	१	वि	८	२८	४५	५१	९	१४	२१	४	कन्यायां	भ.८।२८या.मूले धनुषि शुक्रः१८।५२
८	श	३५	१४	ह	१७	२२	अ	४०	३३	बा	६	३२	४७	५१	९	१५	२२	५	तु.४६।४७	पूषा.बुधः१३।२४वक्री रोहि.१गुरुः ४४ ४१
९	र	३१	१४	चि	१५	१३	सु	३४	२	तै	३	१४	४८	५०	१०	१६	२३	६	तुलायां	भ.५८।३२उ.
१०	चं	२५	५१	स्वा	११	५२	धृ	२६	२६	वि	२५	५१	५०	५०	१०	१७	२४	७	वृ.५३।३१	भ.२५।५१या.
११	मं	१९	११	वि	७	२३	शू	१७	५६	बा	१९	११	५२	५०	१०	१८	२५	८	वृश्चिके	सफला ११व्र.
१२	बु	११	३५	अ	२८ १	३३ ३८	गं	२८	५० ८	तै	११	३५	५३	४९	११	१९	२६	९	ध. ५५ ६	प्रदोषः
१३	गु	३	८	मू	४८	२	धु	४८	१०	व	३	८	५५	४९	११	२०	२७	१०	धनुषि ०	भ.३।८उ.२८।४०या.उषा.रविः४१।३०× [× सौरः५५।५४
१४	गु	५१	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	म.५४।३७	
१०	शु	४५	३८	पू	४१	९	व्या	३७	५५	च	१९	५५	५७	४९	११	२१	२८	११		

३९ पं.पौ..कृ. ७शु. इ. २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१	८	६	६	८
२०	१३	१२	१३	०	१५	२९	२०
१९	२९	५	२६	११	५२	२०	३
२६	४९	२४	१७	१६	५९	५७	१
६१	४६	२८	५५ ४	७४	४	३	६१
६	७	३५	व.	२	३८	११	२६

गोचर ग्रहाः

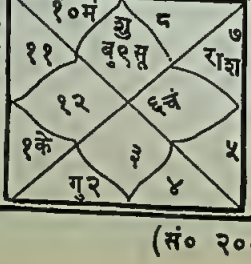

इस मास में ५ शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं धातु सोना चांदी तेज हो शीत का प्रकोप रहे प्रजा में रोग शोक फैले।

गोचर ग्रहाः

४० पं.पौ. कृ.३० शु. इ.२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१	८	६	६	८
२७	१९	२३	१२	८	१६	२८	२७
२७	०	१२	५५	५७	२१	५८	१२
२२	२	३६	१६	२५	४३	४२	५३
६१	४६	८० ५०	४ ३	७४	३	३	६१
६	८		व.	८	५९	११	२४

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६४७सन् २०१३
१	श	३७	३०	उ	३५	२	ह	२८	५	किं	११	३४	२५/५९	६/४८	५/१२	२२	२९	१२	मकरे	
२	र	३०	४६	श्र	३०	७	व	१९	२३	बा	४	८	२६/१	४८	१२	२३	३०	१३	कुं. ५८/२२	मकरेऽर्कः५७।५४उषा.बुधः४९/४८चंद्रदर्शनम्
३	चं	२५	३२	ध	२६	३६	सि	११	४९	ग	२५	३२	४	४७	१३	२४	१	१४	कुंभे	भ.५३/५३उ.मकरेऽर्कः सौरः११/२१रविलावल ३
४	मं	२२	१५	श	२४	५८	व्य	५	२९	वि	२२	१५	६	४७	१३	२५	२	१५	कुम्भे	भ.२२/१५या.मकरेबुधः४५।३४पूषा.शुक्रः०।५
५	बु	२१	१६	पू	२५	३६	व	१/३	५७/२८	बा	२१	१६	८	४६	१४	२६	३	१६	मी१०।२६	धनि.भौमः५४।३५स्वातीः४शनिः३९।१०
६	गु	२२	२	उ	२८	५	शि	५७	४०	तै	२२	२	११	४६	१४	२७	४	१७	मीने	
७	शु	२५	७	रे	३२	३८	सि	५७	३२	व	२५	७	१३	४५	१५	२८	५	१८	मे.३२।३८	भ.२५।७उ.५७।२२या.
८	श	२९	३६	अ	३८	३५	सा	५८	५६	ब	२९	३६	१६	४५	१५	२९	६	१९	मेषे	
९	र	३५	४०	भ	४५	४६	शु	६०	०	बा	२	३८	१९	४४	१६	३०	७	२०	मेषे	अभि.प्र.रविः३०।२४(सौरः४२।४२)
१०	चं	४१	५६	कृ	५३	१६	शु	०	५४	तै	८	४८	२१	४४	१६	१	८	२१	वृ.२।३८	श्रवणे बुधः३०/३भा.माघारंभः पातस्पर्शः११/५५
११	मं	४८	३८	रो	६०	०	शु	३	१४	व	१५	१७	२४	४३	१७	२	९	२२	वृषे	भ.१५/१७उ.४८/३८या.पातमोक्षः१६/२३पुत्रदा ११व्र.
१२	बु	५४	५६	रो	०	५६	ब्र	५	२९	ब	२१	४७	२७	४३	१७	३	१०	२३	मि. ३४/३२	श्रयणे रविः४७।१(सौरः५८।३८)
१३	गु	६०	०	मृ	८	८	ऐं	७	३४	कौ	२७	४७	२९	४२	१८	४	११	२४	मिथुने	प्रदोषःअभि.नि.रविः३९/१६(सौरः५०/५५)
१३	शु	०	३९	आ	१४	४९	वै	८	५६	तै	०	३९	३२	४२	१८	५	१२	२५	मिथुने	उषा.शुक्रः३५।४९कुंभे भौमः२३।४७
१४	श	५	१८	पु	२०	३०	वि	९	२८	व	५	१८	३५	४१	१९	६	१३	२६	क.४।५	भ.५।१८उ.३७।४या.
१५	र	८	५०	पु	२४	५३	प्री	९	१७	ब	८	५०	३८	४०	२०	७	१४	२७	कर्के	मा.स्ना.प्रा.

४१पं.पौ.शु.७शु.इ.२७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	१	८	६	६	९
४	२४	४	१२	१७	१६	२८	४
३५	३१	४२	३३	४३	४६	३६	२२
१३	४८	४७	१८	३७	८	२६	२२
६१	४६	१०/३०	२५/२	७४	२	३	६१
३	९		व.	१४	२३	११	१९

गोचर ग्रहाः

११ मबु सू१० शु९ ८ १२च १के रा७श २गु ४ ६ ३ ५

पौष शुक्ले २ रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

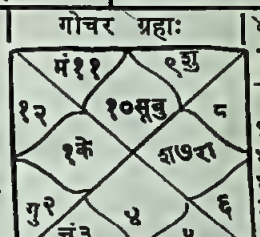

मं११ ९शु १२ १०सूबु ८ १के श७रा गु२ ४ ६ चं३ ५

४२पं.पौ.शु. १३शु.इ. २७/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१	८	६	६	९
११	०	१६	१२	२६	१७	२८	११
४२	३	५१	२०	३०	५	१४	३१
४०	१४	४	४९	१८	४६	१०	१३
६०	४६	१०/७	५६/१	७४	२	३	६१
५९	१३		व.	२०	३६	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	चं	११	१४	श्ले	२८	१६	आ	८	८	को	११	१४	२६/४१	६/४०	५/२०	८	१५	२८	सिं. २८/१६	मकरे शुक्रः१७।१५
२	मं	१२	३५	म	३०	३५	सौ	६	१५	ग	१२	३५	४५	३९	२१	९	१६	२९	सिंहे	भ.४२।३५उ.धनि.बुधः१९।५०
३	बु	१२	३५	पू	३१	४६	शो	३/२३	५६/३२	वि	१२	३५	४८	३८	२२	१०	१७	३०	कं.४६।५२	भ.१२।३५या.मार्गी गुरुः४।४९चतुर्थी व्र.
४	गु	११	४३	उ	३२	८	सु	५५	४३	बा	११	४३	५१	३८	२२	११	१८	१	कन्यायां	अस्त. भौमः२८।२२
५	शु	१०	४	ह	३१	४०	धृ	५०	४१	तै	१०	४	५४	३७	२३	१२	१९	२	कन्यायां	फर्वरी २ ता. २८
६	श	७	३१	चि	३०	२२	शू	४४	५६	व	७	३१	५८	३६	२४	१३	२०	३	तु.१।१	भ.७।३१उ.३५।५०या.कुंभेबुधः४।४९ +
७	र	४	८	स्वा	२८	६	गं	३८	३७	ब	४	८	२७/१	३६	२४	१४	२१	४	तुलायां	पातस्पर्श।१२।१२पातमोक्षः३२।४
८	र	५५	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+ शते भौमः५२।०
९	चं	५४	५३	वि	२५	४	बृ	३१	३१	तै	२७	२५	५	३५	२५	१५	२२	५	वृ.१०।५०	
१०	मं	४९	५	अ	२१	१६	ध्रु	२३	५५	व	२१	५९	८	३४	२६	१६	२३	६	वृश्चिके	भ.२१।५९उ४९।५याधनि.रविः५५।१९×
११	बु	४२	३४	ज्ये	१६	४७	व्या	१५	३८	ब	१५	५०	१२	३४	२६	१७	२४	७	ध. १६/४७	धनि.रविःसौरः४।२८षट्तिला११व्र.
१२	गु	३५	२९	मू	११	३९	ह	७/५३	५०/५	कौ	९	२	१५	३३	२७	१८	२५	८	धनुषि	[×शते बुधः५१।२७श्रवणेशुक्रः१३।१७ ÷
१३	शु	२८	२६	पू	६	१४	सि	४९	५	ग	१	५८	१९	३२	२८	१९	२६	९	म.१९।५६	भ.२८।२६उ.५४।५१या. प्रदोषः
१४	श	२१	१५	उ	१/४	५५/२१	व्य	४०	४४	श	२१	१५	२३	३१	२९	२०	२७	१०	मकरे	[÷ बुधोदयःपश्चिमायां १२।९
३०	र	१५	२	ध	५२	४०	व	३२	५९	ना	१५	२	२७	३१	२९	२१	२८	११	कुं.२४।३२	

४३पं.मा. कृ. ५शु.इ. २८/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१	९	६	६	९
१८	५	२८	१२	५	१७	२७	१८
४९	३५	५५	१९	१६	२०	५१	३९
१६	१३	१	८	१९	२४	५५	१८
६०	४६	१०/१४	२९/२	७४	१	३	६१
५५	१५		मा	२०	५३	११	४

गोचर ग्रहाः

मं११ सूशुबु ९ १२ ८ के१ राश७ गु२ ४ चं ६ ३ ५

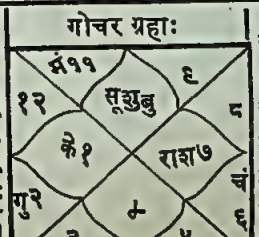

इस मास में बाजरा मूंग मोठ मक्का चना गेहूं चावल आदि धान्य रस चांदी ळोहा ताम्बा वदि में मंदा होकर सुदि में तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

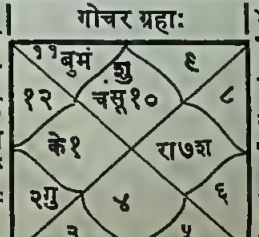

११बुमं शु ९ १२ चसू१० ८ के१ रा७श २गु ४ ६ ३ ५

४४पं.मा. कृ.१३शु.इ. २८/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	१०	१	९	६	६	९
२५	११	११	१२	१४	१७	२७	२५
५५	६	०	२६	१	३०	२९	४६
१	५०	४३	५३	५४	२९	३९	५
६०	४६	९९	१	७४	१	३	६०
४७	१८	४	४१	२६	१३	११	५५

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७७स.२०१३
१	चं	६	४२	श	५०	१५	प	२६	१४	ब	६	४२	३७	६	५५	२२	२६	११	कुं भे	चंद्रदर्शनम्
२	मं	५	५४	पू	४६	४३	शि	२०	५६	कौ	५	५४	३४	२६	३१	२३	१	१२	मी. ३४	कुंभेऽर्कः ३५ (सौरः ३६) रविलाखर ४
३	बु	४	५	उ	५०	४६	सि	१७	२	ग	४	५	३८	२८	३२	२४	२	१३	मीने	भ. ३४।३ उ.
४	गु	४	२	रे	५४	११	सा	१४	४८	वि	४	२	४१	२८	३२	२५	३	१४	मे५४।११	भ. ४।२ या. पूभा. बुधः ३३।१६
५	शु	६	१०	अ	५९	११	शु	१४	१२	बा	६	१०	४५	२७	३३	२६	४	१५	मेषे	धनि. शुक्रः ५४ शुक्रास्तः पूर्वस्यां २५ ÷
६	श	१०	१५	भ	६०	०	शु	१४	२८	तै	१०	१५	४९	२६	३४	२७	५	१६	मेषे	[÷ वसंत ५
७	र	१५	१४	भ	५	३५	ब्र	१६	४	व	१५	१४	५३	२५	३५	२८	६	१७	वृ. ३२	भ. १५ उ. ४९ या. भानु ७ रथ ७
८	चं	२१	१२	कृ	१२	३८	ऐं	१८	२	ब	२१	१२	५६	२५	३५	२९	७	१८	वृषे	भीष्माष्टमी[=२राहुः भरणी ४ केतुः ३५
९	मं	२७	४९	रो	२०	१३	वै	२०	२५	कौ	२७	४९	२८	२४	३६	३०	८	१९	मि ५३	शने रविः ६।५१ (सौरः १३।४८) ×
१०	बु	३४	५	मृ	२७	३७	वि	२२	३३	तै	०	५७	४	२३	३७	१	९	२०	मिथुने	भा. फाल्गुनारंभः
११	गु	३९	५२	आ	३४	२९	प्री	२४	१५	व	६	५८	८	२२	३८	२	१०	२१	मिथुने	भ. ५८ उ. ५३ या. कुंभे शुक्रः ३६ जया ११ व्र
१२	शु	४३	१७	पु	४०	१४	आ	२४	५६	ब	११	३४	१२	२२	३८	३	११	२२	क.२३।४८	[×पूभा. भौमः ५३ वक्री शनिः २६
१३	श	४७	२९	पु	४४	३४	सौ	२४	४६	कौ	१६	२३	१६	२१	३९	४	१२	२३	कर्के	वक्री बुधः प्रदोषः [+ मा. स्ना. पूर्ति
१४	र	४९	५	श्ले	४७	२६	शो	२३	२३	ग	१८	१७	२०	२०	४०	५	१३	२४	सिं. ४७	भ. ४९ उ. रोहिणी २ गुरुः ३७ विशा.=
१५	चं	४९	३३	म	४८	५७	अ	२०	५०	वि	१९	१९	२४	१९	४१	६	१४	२५	सिंहे	भ. १९ या. बुधास्तः पश्चिमायां ५५ +

४५पं. मा.शु.५शु.इ. ३८ ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१	९	६	६	१०
२	१६	२१	१२	२२	१७	२७	२
५९	३७	७	४४	४८	३५	७	५२
४९	५९	४८	४६	४	२४	२४	८
६०	४६	७३	३	७४	०	३	६०
३७	८	३७	११	२६	२६	११	४२

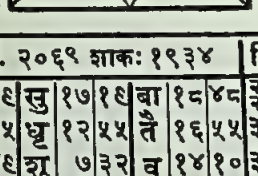

माघ शुक्ले २ भौमे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा ३ न.३ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

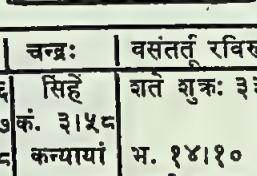

४६ पं.मा.शु.१२शु.ह. ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१	१०	६	६	१०
१०	२२	२५	१३	१	१७	२६	९
३	७	४६	११	३३	३४	४५	५६
२२	५५	१९	४९	२२	५५	८	४१
६०	४५	१३	४	७४	०	३	६०
२५	५९	२२	२३	३२	२०	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	मं	४८	४	पू	४९	६	सु	१७	१९	बा	१८	४८	३८	१६	४२	७	१५	२६	सिंहे	शते शुक्रः ३३।४०
२	बु	४५	४६	उ	४८	२५	धृ	१२	५५	तै	१६	५५	३२	१८	४२	८	१६	२७	कं. ३।५८	
३	गु	४२	३४	ह	४६	४९	शू	७	३२	व	१४	१०	३६	१७	४३	९	१७	२८	कन्यायां	भ. १४।१० उ. ४२।३४ या.
४	शु	३८	४१	चि	४४	३५	गं	१	५३	व	१०	३७	४०	१६	४४	१०	१८	१	तु१५।४२	मार्च ३ ता. ३१ चतुर्थी व्र.
५	श	३४	२६	स्वा	४१	५६	धु	४७	५४	कौ	६	३४	४४	१५	४५	११	१९	२	तुलायां	
६	र	२९	५५	वि	३९	७	व्या	४२	८	ग	२	१०	४८	१४	४६	१२	२०	३	वृ.२४।४९	भ. २९।५५ उ. ५७।३२ या.
७	चं	२५	८	अ	३५	५६	ह	३५	१४	ब	२५	८	५२	१४	४६	१३	२१	४	वृश्चिके	पूभा. रविः ३३ (सौरः ३६) वक्री ×
८	मं	२१	६	ज्ये	३२	३२	व	२८	३	कौ	२१	६	५६	१३	४७	१४	२२	५	ध.३२।३२	मीने भौमः ३४।४३
९	बु	१४	५९	मू	२८	५८	सि	२०	३८	ग	१४	५९	२९	१२	४८	१५	२३	६	धनुषि	भ. ४२।१३ उ. [× शते बुधः ३०।०
१०	गु	९	२८	पू	२५	१७	व्य	१३	१४	वि	९	२८	५	११	४९	१६	२४	७	म.३९।२४	भ. ९।२८ या.
११	शु	४	२	उ	२१	४४	व	९	५२	बा	४	२	९	१०	५०	१७	२५	८	मकरे	उभा. भौमः ४८।३८ विजया ११ व्र.
१२	शु	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	श	५४	२	श्र	१८	२२	शि	५२	१९	ग	२६	२३	१३	९	५१	१८	२६	९	कुं.४७।३	भ. ५४।२ उ. पूभा.शुक्रः १५।३४ प्रदोषः
१४	र	४९	४१	ध	१५	४४	सि	४६	१३	वि	२१	५२	१७	९	५१	१९	२७	१०	कुंभे	भ. २१।५२ या. बुधोदयः पूर्वस्यां ÷
३०	चं	४६	४४	श	१३	४७	सा	४१	३	च	१८	१३	२१	८	५२	२०	२८	११	मि. ५८ २४	[÷ ५७।२८ महाशिवरात्री व्र.

४७पं.फा.कृ.४शु.इ. २९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१	१०	६	६	१०
१७	२७	२२	१३	१०	१७	२६	१६
५	३७	५९	४७	१७	३०	२२	५९
३५	३४	३८	३८	५३	७	५२	३४
६०	४६	५९	५	७४	१७	३	६०
१२	२	व.	२४	३२	व.	११	२०

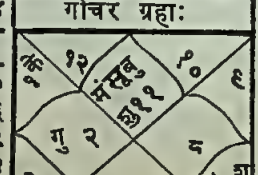

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथी वृद्धि धान्य गल्ला वस्त्र धातु रूई सन में मंदी करे सुदी में रस पदार्थ तेज होवे।

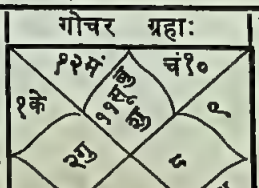

४८पं. फा.कृ.११ शु.इ. ३९ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	१	१०	६	६	१०
२४	३	१६	१४	१९	१७	२६	२४
६	५	२	३१	२	१९	०	०
२२	१७	३५	४१	३८	५९	३७	५७
५९	४५	६	६	७४	४	३	६०
५८	५२	व.	३५	३२	व.	११	६

ति	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः७०६ स.२०१३
१	मं	४४	५९	पू	१३	१६	शु	३७	२	किं	१५	५१	२९/२६	६/७	५/५३	२१	२९	१२	मीने	
२	बु	४४	४७	उ	१४	१६	शु	३४	२४	बा	१४	५३	३०	६	५४	२२	३०	१३	मीने	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
३	गु	४६	३२	रे	१६	५८	ब्र	३३	२	तै	१५	४०	३४	५	५५	२३	१	१४	मे.१६।५८	मीनेऽर्कः२३/५० (सौरः२८/५६) जमादिलावल ५
४	शु	४९	४७	अ	२०	५३	ऐं	३२	३७	व	१८	१०	३८	४	५६	२४	२	१५	मेषे	भ.१८।१०उ.४९।४७या.
५	श	५४	३८	भ	२६	३७	वै	३३	४३	ब	२२	१३	४३	३	५७	२५	३	१६	वृ. ४३/१७	
६	र	६०	०	कृ	३३	१७	वि	३५	२५	कौ	२७	२६	४७	३	५७	२६	४	१७	वृषे	उभा.रविः४४/५४ (सौरः४९/३२) मीने शुक्रः १७/३०
६	चं	०	१५	रो	४०	३७	प्री	३७	३७	तै	०	१५	५१	२	५८	२७	५	१८	वृषे	
७	मं	६	३१	मृ	४८	१४	आ	३९	५६	व	६	३१	५५	१	५९	२८	६	१९	मि.१४/२५	भ.६/३१उ.३९/४३या. मार्गी बुधः२८/२० उभा. =
८	बु	१२	५४	आ	५५	२७	सौ	४१	५५	ब	१२	५४	३८/००	६/००	६/००	२९	७	२०	मिथुने	होलाष्टकम् [= शुक्रः५७।५
९	गु	१८	४७	पु	६०	०	शो	४३	२३	कौ	१८	४७	४	५/५९	१	३०	८	२१	क.४५।९	[÷ शनिः२०।१४ प्रदोषः
१०	शु	२३	२९	पु	१	४३	अ	४३	४६	ग	२३	२९	८	५८	२	१	९	२२	कर्के	भ.५५।१०उ.भा.चैत्रारंभः
११	श	२६	५१	पु	६	३२	सु	४२	४३	वि	२६	५१	१२	५८	२	२	१०	२३	कर्के	भ.२६।५१या. आमलकी ११ व्र.
१२	र	२८	२४	श्ले	९	५५	धृ	४०	२७	बा	२८	२४	१६	५७	३	३	११	२४	सिं.९।५५	रोहिणी.३गुरुः४१।५६वक्री स्वाती. ३ ÷
१३	चं	२८	४	म	११	२५	शू	३६	४१	तै	२८	४	२१	५६	४	४	१२	२५	सिंहे	[+ ३।१७ होलिका दहनम् भद्रोत्तरम्
१४	मं	२६	२	पू	११	९	गं	३१	३७	व	२६	२	२५	५५	५	५	१३	२६	क.२५।४४	भ.२६।२उ.५४।११या. रेवत्यां भौमः +
१५	बु	२२	२०	उ	९	३१	वृ	२५	३६	ब	२२	२०	२९	५४	६	६	१४	२७	कन्यायां	छारेंडी

४९पं.फा.शु.४शु.इ.२९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	१	१०	६	६	११
१	८	११	१५	२७	१७	२५	१
५	३१	५८	२२	४६	४	३८	०
३५	४४	३०	३७	५	५५	२१	३९
५९	४५	२१/०	७	७४	२३/२३	३	५९
४१	४२	व.	३८	३३	व.	११	४९

गोचर ग्रहाः

१चके, ११शुबु, गु२, स १२, १०, ३, ९, ४, ६, ८, ५, ७शरा

फाल्गुन शुक्ले ३ गुरौ मीनेऽर्क.प्रविष्टःवा. ३ न.४प्रौढावस्था(बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

१के, शु मंसू१२, वु११, २गु, १०, ३, ९, चं४, ६, ८, ५, ७राश

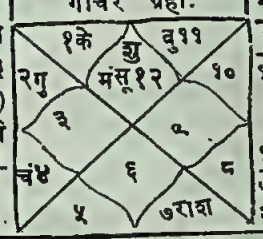

५०पं.फा.शु. १०शु.इ. ३०/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	१	११	६	६	११
८	१३	१२	१६	६	१६	२५	७
३	५७	४६	२०	३०	४५	१६	५८
१८	१८	४४	४६	१८	३६	६	३४
५९	४५	१६/१	८	७४	३/३	३	५९
२९	४७	मा	४६	३८	व.	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	गु	१७	३८	ह	६	३३	ध्रु	१८	३५	कौ	१७	३८	३०/३३	५/५३	६/७	७	१५	२८	तु.३४।४२	वसंत १
२	शु	१२	१	चि	२/५१	५५/४६	व्या	११	१	ग	१२	१	३७	५३	७	८	१६	२९	तुलायां	भ.३८।५५उ.
३	श	५	४९	वि	५४	२१	ह	३/८	५२/५	वि	५	४९	४१	५२	८	९	१७	३०	वृ.४०।२५	भ.५।४९या. रेवत्यां शुक्रः४१/२४चतुर्थी व्र.
४	श	५३	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	र	५३	३७	अ	५०	१	सि	४७	२९	कौ	२६	३४	४५	५१	९	१०	१८	३१	वृश्चिके	रेवत्यां रविः१२।३३(सौरः१६।५९)
६	चं	४७	५३	ज्ये	४६	७	व्य	३९	५६	ग	२०	४४	४९	५०	१०	११	१९	१	ध.४६।७	भ.४७।५३उ.अप्रेल ४ ता.३०
७	मं	४२	३३	मू	४२	३४	व	३२	४९	वि	१५	१३	५३	४९	११	१२	२०	२	धनुषि	भ.१५।१३या.पूभा.बुधः३।२
८	बु	३७	२३	पू	३९	२६	प	२५	४७	बा	९	५८	५७	४९	११	१३	२१	३	म.५३।५३	शीतला पूजनम्
९	गु	३२	५९	उ	३७	०	शि	१८	५६	तै	५	११	३१/१	४८	१२	१४	२२	४	मकरे	
१०	शु	२८	५८	श्र	३४	५१	सि	१३	२०	व	०	२९	५	४७	१३	१५	२३	५	मकरे	भ.०।२९उ.२८।५८या.
११	श	२५	३५	ध	३३	३०	सा	७	५६	ब	२५	३५	१०	४६	१४	१६	२४	६	कु.४।१०	पापमोचनी ११ व्र.
१२	र	२२	५७	श	३२	५१	शु	३/११	५५/५१	तै	२२	५७	१४	४५	१५	१७	२५	७	कुम्भे	प्रदोषः
१३	चं	२१	११	पू	३३	१६	ब्र	५५	४१	व	२१	११	१८	४४	१६	१८	२६	८	मी.१८/१०	भ.२१।११उ.५०।५३या.
१४	मं	२०	३४	उ	३४	४५	ऐं	५३	१६	श	२०	३४	२२	४४	१६	१९	२७	९	मीने	[+ २७।३० मन्वादिः
३०	बु	२१	५	रे	३७	२६	वै	५२	१६	ना	२१	५	२६	४३	१७	२०	२८	१०	मे.३७।२६	मीने बुधः३।४४अश्वि. मेषे शुक्रः +

५१ पं.चै.कृ. २शु.इ. ३०/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	१	११	६	६	११
१४	१९	१७	१७	१५	१६	२४	१४
५९	१९	२२	२५	११	२२	५३	५४
१०	३७	१	२६	४२	५५	५०	४३
५९	४५	४४	९	७४	३/४४	३	५९
१६	२७	३५	३०	३८	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

१के, शु मंसू१२, ११बु, २गु, १०, ३, ९, ४, ६, ८, ५, ७शचंरा

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल सक्कर गुड़ चीनी बुदि में मंदी होकर सुदि में कुछ तेज होवे, कहीं वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

के१, सू शुमं१२, ११बु, २गु., चं५०, ३, ९, ४, ६, ८, ५, ७राश

५२ पं.चै.कृ. १०शु.इ. ३०/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	१	११	६	६	११
२१	२४	२४	१८	२३	१५	२४	२१
५३	४०	२८	३५	५२	५६	३१	४८
३१	४८	४८	२८	५१	३८	३४	५४
५९	४५	६६	१०	७४	३/५९	३	५९
४	१७	१८	१४	३८	व	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

गजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११४, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्य गत-कलिः ५११४, भोग्यकलिः४२६८८६, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०७०, शाकः १९३५, अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री शनिः । सस्येशो भौमः । धान्येशः रविः । मेघेशो शुक्रः । रसेशो गुरुः नीरसेशो भौमः । फलेशः शुक्रः । धनेशश्चंद्रः । दुर्गेशः शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां २० पराभवनाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः११।२७।५९।२ भोग्यमासादिः ०।२।०।५८ विश्वेदेवदैवतं युगम् । वर्षनाम कार्तिकः । मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासःसमुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा ८ समयवाहनम् चातकःस्तंभः३ अन्नतृणवायूनां: । सोमवत्यमाः१ सोमवती पंचमी१ अंगारकी चतुर्थी ३ भानुसप्तमी १बुधाष्टमी२, रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १९, तिथिवृद्धिः १२ उत्पत्ति विश्वा ८७ खपति विश्वा ११४ वर्षाविश्वा ९ धान्यम् ९ तृणम् ७, शीतम् ७ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १०३, शनिदृष्टिः पश्चिमेसत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण १ चंद्रमसः

संवत् २०७० शा.१९३५ चैत्र शु. १५ गुरौ चंद्रग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	४६	४७	४८
प.	५९	५०	४१
घं.	१	१	१
मिं.	१५	३५	५५

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न।
माता स कर जोड़ के पूछै भैरव लाल ।
विक्रम सत्तर साल का शीघ्र कहो सब हाल ।।

भवानी उत्तर
सुनजे भैरव चेतकर मैं समझावूं तोय ।
राजा मंत्री देखतां मध्य जमानुं होय ।।
ज्येष्ठ साढ वर्षा लगे श्रावण करसी तंग ।
बुध भार्गव के योग से आसोजां तक रंग ।।
रोहिणी बसी समुद्र में संवत् मालाकार ।
स्तंभ तीन है वर्ष में होसी बेड़ा पार ।।
संवत् विश्वा आठ है वर्षा विश्वा अंक ।
सब ही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक ।।
शनि मंत्री इस वर्ष में खोटी देवें राय ।
धर्म कर्म करते रहो भगवत् करे सहाय ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्ष लग्नम् ४।२

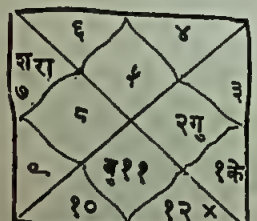

वर्षेश लग्नम् ८।१९

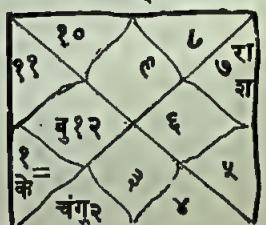

+चंमंशुसू वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५१।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१।४१

= शुमंसू

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षेराजागुरुः फलम् ।। गुरौनृपे वर्षति कामदं जलं महीतले काम दुघाश्चधेनवः। व्रजन्तिविप्रा बहवोग्निहोत्रिणोमहोत्सवं सर्नजनेषुवर्धते । मंत्रिशनिफलम् ।। रवि सुते यदिमंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदाः । नजलदाः जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखंन धनंक्वचित् ।। सस्येशोभौमस्तत्फलम् प्रथम धान्यपतौ- धरणी सुतेगजतुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदा बहुरोगघनो जलं न सम सौख्य करस्तुषधान्यहत् ।। धान्येशोरविःफलम्।। पश्चाद्धान्याधिपेसूर्ये पश्चाद्धान्यं तदानहि । विग्रहंभूमृताधान्यं महर्घंज्वरपीडनम् ।। मेघेशःशुक्रःफलम्।। भृगुसुतोजलदस्यपति- र्यंदाज लयुता जलदा दिवि शोभनाः । धननिधान युताद्विजपालका नृपतयोजनता सुखदायकाः ।। रसेशोगुरुः फलम् ।। यदि गुरौ रसपेजन सौख्यदे कमलवंति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विज पूजनतत्परा गजसवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम् ।। नीरसेशोयदा भौम प्रवाल रक्तवासस्त्रां । रक्त चंदनताम्राणामर्हबृद्धिर्दिने दिने।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम्।। यदिफलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार महीरुहराशयः । बहुपथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठ परायणाः ।। धनेशश्चंद्रः फलम् ।। धनपतिर्मृग लांछनकोयदा रसचयात्क्रयविक्रयतोधनम् । वसन शालि युगं धनजं बहु द्रविण तैल घृतं नृप सौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। नरवरेषु विशेषपतिर्यदा भृगुसुतौ बहुसौख्य करो मतः । विनय वाणिज गेह समः सुखोगतवनं निकटे पिच दूरतः ।। पराभवनाम संवत्सरः फलम् ।। पराभवाब्देराज्ञां स्यात् समरं सह शत्रुभिः आमयः क्षुद्र सस्यानि प्रभूतान्यल्यबृष्टयः ।। नर्पनामः कार्तिकफलम् ।। पाप बुद्धिरता लोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यन्ते राज्यं च तस्करैर्हृतम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्तेजलपूरिता ।। रोहिणीनिवासः समुद्र फलम् ।। समुद्रेतुमहावृष्टिः । समयनिवासोमालाकारगृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः।। एवं संचित्यदैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्

संवत् २०७० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

ज्येष्ठ मासः ।

कृष्णा २ रवौ मूले ल. १०।११।१२ रे. ७ ।ऽ।।ऽऽअ।।।।
,, ६ रवौ उभा. ल. ऽन्यगो ५ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।
सप्तम भौमदोषः

आषाढ मासः।

शुक्ला ३ गुरौ मघा ल. ऽ न्यगो २ रे. १० ।।।।।।।।।
५ शनौ उफा ल. ऽ न्यगो २ रे. १० ।।।।।।।।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृष्णा १ चन्द्र रोहि. ल. ६ रे. ८ ।।।।ऽअऽ।।।
,, २ भौमे मृगे ल. ६ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।
,, ७ चन्द्रे मघा ल. ऽन्यगो. रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।
,, १० गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो. ५ रे. ८ ।।।।।।ऽ।।
शुक्ला ४ शुक्र उषा ल. ऽ न्यगो. रे. ६ ।।ऽशु।ऽऽअ।।।।
,, ८ भौमे उभा. ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽऽचौ।।।।

माघ मासः

कृष्णा ४ चन्द्रे उफा ल.६(गु.पू.सन्)रे.८।।।।।ऽचौ।ऽ।।
५ भौमे उफा ल. गो. रे. ६ ।।।।।।ऽ।।
५ भौमे हस्ते ल. ६ (गु.७पू.) रे.८ ऽ।।।।ऽ।।।
६ बुधे हस्ते ल. गो. रे. ७ ऽ।।।।ऽरोऽ।।।
कृष्णा ६ शनौ अनु. ल. ६ (गु.पू.) रे.६ ऽ।।।।ऽअऽऽ।।
शुक्ला ४ चन्द्रे उभा ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽअ.ऽऽ।।
,, ५ भौमे रेव. ल. ऽन्यगो. रे. १० ।।।।।।।।।।
,, ६ शनौ रोहि. ल. गो. रे. ६ ।।।।।।।।ऽ। गणिते-
नक्रांतिसाम्या ऽ भावः
,, १५ शुक्रे मघा. ल. ९ गु. पू. सन्न रे. ६
।।।।ऽऽअऽऽ।।

फाल्गुनमासः ।

कृष्णा २ चन्द्र उफा. ल. गो. रे.८ ।।।।ऽनृ४२या.ऽ।।।
,, ३ भौमे हस्ते ल. गो. ६।१० रे. ८ ।।।।।।
(चौ. ४२ उ.) ।ऽ।ऽ दग्धा
,, ७ शना अनु. ल. ऽन्यगो ६ रे. ७ ऽ।।।।।
(मृ. ४१ उ.) ऽऽ।।
,, ६ चन्द्रे मूले ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽअऽऽ।।
,, १२ बुधे उषा. ल. ६ रे. ६ ।ऽऽशु।।।ऽऽ।।
शुक्ला १ रवौ उभा ल. ६।१० रे. ८ ।ऽ।।ऽरो. ३९
या ऽ।।।वनुषि. गु. पू.
,, ७ शुक्रे रोहि ल. ऽन्यगो ६ रे. ६ ।।।ऽशु।ऽ
(नृ. ३८ या) ऽऽ।।

,, अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः७३६ स.२०१३
१	गु	२३	५	अ	४१	२२	वि	५२	१९	व	२३	५	३१/३०	५/४२	६/१८	२१	२९	११	मेषे	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभ
२	शु	२६	१६	भ	४६	४१	प्री	५२	५०	कौ	२६	१६	३४	४१	१९	२२	१	१२	मेषे	उभा. बुधः २२।४६ अश्वि. मेषे भौमः×
३	श	३०	५८	कृ	५२	१५	आ	५४	६	ग	३०	५८	३८	४०	२०	२३	२	१३	वृ.३।४	अश्वि. मेषेऽर्कः ४६।३० (सौरः ५१/३२) ÷
४	र	३६	२३	रो	६०	०	सौ	५५	५७	व	३	४०	४२	४०	२०	२४	३	१४	वृषे	भ. ३।४० उ. ३६।२३ या.
५	चं	४२	४२	रो	०	२६	शो	५८	२३	ब	९	२३	४६	३९	२१	२५	४	१५	मि३४।१४	[× ३१।५४ जमादि लाखर ६ सिंधारा
६	मं	४८	५५	मृ	८	२	अ	६०	०	कौ	१५	४८	५०	३८	२२	२६	५	१६	मिथुने	[÷रोहि.४गुरुः १९/१४मत्स्य जयंती गणगोरी
७	बु	५५	७	आ	१५	३२	अ	०	५३	ग	२२	१	५३	२७	२३	२७	६	१७	मिथुने	भ. ५५।७ उ.
८	गु	६०	०	पु	२२	३८	सु	२	५२	वि	२७	४०	५७	३७	२३	२८	७	१८	क.५।५२	भ. २७।४० या.
८	शु	०	१२	पु	२८	२६	धृ	३	४	ब	०	१२	३२/१	३६	२४	२९	८	१९	कर्के	रामनवमी स्मा.
९	श	४	१०	श्ले	३२	५२	शू	४	८	कौ	४	१०	५	३५	२५	३०	९	२०	सिं. ३२/५२	रामनवमी वै.
१०	र	६	२५	म	३५	२२	गं	२/४८	५७/५	ग	६	२५	९	३४	२६	१	१०	२१	सिंहे	भ. ३६।२९ उ. रवत्यां बुधः १८।५३=
११	चं	६	३४	पू	३५	५१	ध्रु	५५	२५	वि	६	३४	१२	३४	२६	२	११	२२	कं.५०।२९	भ. ६।३४ या. शुक्रोदयः पश्चिमायां +
१२	मं	४	४३	उ	३४	२३	व्या	४९	२६	वा	४	४३	१६	३३	२७	३	१२	२३	कन्यायां	प्रदोषः [+ ५९।२४ कामदा ११ व्र.
१३	बु	०	५२	ह	३१	२०	ह	४१	५९	तै	०	५२	२०	३२	२८	४	१३	२४	तु.५८।५९	भ. ५५।३० उ.
१४	बु	५४	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=भरण्यां शुक्रः १४।० भा. बैशाखारंभः
१५	गु	४८	२५	चि	२६	३८	व	३३	४०	वि	२१	५८	२३	३१	२९	५	१४	२५	तुलायां	भ. २१।५८ या. चंद्रग्रहणम् हनुमज्जयंती

१ पं. चै.शु.३ श. इ. ४९/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१	०	६	६	११
०	०	५	२०	४	१५	२४	२९
०	५६	२०	४	६	२१	५	५५
०	६	२८	५९	५४	२२	३०	७
५८	४५	८६	१०	७४	४/२२	३	५८
४४	७	१९	५८	३२	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले ३ शनौ मेषऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

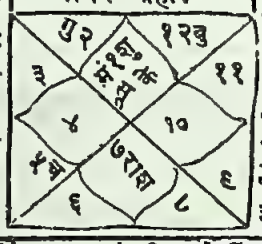

२पं.चै.शु.९ श.इ. ४६।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१	०	६	६	०
६	६	१५	२१	१२	१४	२३	६
५०	११	४५	२५	४६	५०	४३	४५
४२	५६	४३	४४	८	३८	१५	१८
५८	४४	०/०	११	७४	४/३८	३	५८
३१	५६	०/१७	३५	३२	व.	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु	४०	४३	स्वा	२१	१०	सि	२४	४०	वा	१४	३४	३२/२७	५/३१	६/२९	६	१५	२६	तुलायां	
२	श	३२	४२	वि	१५	४	व्य	१५	१६	तै	६	४३	३१	३०	३०	७	१६	२७	वृ.१।३५	भ.५८/३५ उ. भरण्या रविः २६/४७ (सौरः ३२/५७)
३	र	२४	२९	अ	८	५९	व	५/५३	५०/५०	वि	२४	२९	३५	२९	३१	८	१७	२८	वृश्चिके	भ. २४/२९ या. अश्वि. मेषे बुधः ३२।८ +
४	चं	१६	४७	ज्ये	३/७	५४/५६	शि	४८	१३	बा	१६	४७	३८	२८	३२	९	१८	२९	ध.३।७	[+ विशाखा. १ राहुः भ. ३ केतुः ५/३६×
५	मं	९	४७	पू	५३	४७	सि	४०	२३	तै	९	४७	४१	२८	३२	१०	१९	३०	धनुषि	भरण्यां भौमः २१।५१ मृग १ गुरुः=
६	बु	३	४०	उ	५०	३२	सा	३३	२५	व	३	४०	४५	२७	३३	११	२०	१	म.७।५९	भ. ३।४० उ. ३१।१० या. मई ५ A
७	बु	५४	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Aता. ३१ पातस्पर्शः २६/४९ पातमोक्षः ४४/५८
८	गु	५४	३२	श्र	४८	३०	शु	२७	१२	बा	२६	३५	४८	२६	३४	१२	२१	२	मकरे	कृत्ति. शुक्रः ६।१७ [× चतुर्थी व्र.
९	शु	५१	३६	ध	४७	३१	शु	२१	५७	तै	२३	५	५२	२६	३४	१३	२२	३	कुं.१८।१	[= १८।१३ बुधास्तः पूर्वस्यां १४।२९
१०	श	४९	५२	श	४७	३४	ब्र	१७	४४	व	२०	४४	५५	२५	३५	१४	२३	४	कुंभे	भ. २०/४४ उ. ४९/५२ या. वृषे शुक्रः ४५।१५
११	र	४९	१६	पू	४८	५०	ऐं	१४	१७	ब	१८	३४	५८	२४	३६	१५	२४	५	मी. ३३/३१	भरण्या बुधः १९।४ वरुधिनी ११ व्र.
१२	चं	४९	५५	उ	५१	१७	वै	११	५८	कौ	१८	३५	३३/२	२४	३६	१६	२५	६	मीने	
१३	मं	५१	२७	रे	५४	४३	वि	१०	२५	ग	२०	४१	५	२३	३७	१७	२६	७	मे.५४।४३	भ. ५१।२७ उ. प्रदोषः
१४	बु	५४	१०	अ	५९	११	प्री	९	५०	वि	२२	४८	८	२२	३८	१८	२७	८	मेषे	भ. २२।४८ या.
३०	गु	५७	५८	भ	६०	०	आ	९	४५	च	२६	४	११	२२	३८	१९	२८	९	वृ.२१।१६	

३पं.वै.कृ.२ श.इ.४७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१	०	६	६	०
१३	११	२८	२२	२१	१४	२३	१३
३९	२४	३४	४९	२५	१८	२०	४३
४७	५४	५९	२६	१	५०	५९	४३
५८	४४	०/१९	१२	७४	४/४०	३	५८
१९	३७	१२	८	३२	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

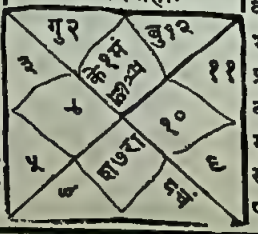

वैशाख शुक्ले ४ भौमे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.कृ.१०श.इ.४७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	१	१	६	६	०
२०	१६	१२	२४	०	१३	२२	२०
२७	३६	१५	१५	२	४६	५८	२०
२५	२९	०	५४	३१	५९	४३	२७
५८	४४	०/१९	१२	७४	०४/४०	३	५७
६	१७	५३	२६	२६	व	११	५७

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५ | वि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ७६५ स.२०१३

१	शु	६०	०	भ	४	३८	सो	१०	४१	कि	३०	२५	३३	५	२१	३९	२०	२९	१०	वृषे
१	श	२	५१	कृ	११	१०	शो	१२	१६	ब	२	५१	१७	२१	३९	२१	३०	११		वृषे
२	र	८	१४	रो	१८	१	अ	१४	२०	कौ	८	१४	२०	२०	४०	२२	१	१२		मि५१.४६
३	चं	१४	२८	मृ	२५	३०	सु	१६	४१	ग	१४	२८	२३	१९	४१	२३	२	१३		मिथुने
४	मं	२०	४६	आ	३३	१३	धृ	१८	५७	वि	२०	४६	२६	१९	४१	२४	३	१४		मिथुने
५	बु	२७	८	पु	४०	५४	शू	२१	३३	बा	२७	८	२८	१८	४२	२५	४	१५		क.२३.५९
६	गु	३२	३७	पु	४७	२९	गं	२३	३२	तै	३२	३७	३१	१८	४२	२६	५	१६		कर्के
७	शु	३७	७	श्ले	५३	६	बृ	२४	३४	ग	४	५२	३४	१७	४३	२७	६	१७		सिं५३.६
८	श	४०	१३	म	५६	५९	धु	२४	२९	वि	८	४०	३७	१७	४३	२८	७	१८		सिंहे
९	र	४१	३२	पू	५९	१	व्या	२३	३	बा	१०	५२	३९	१६	४४	२९	८	१९		सिंहे
१०	चं	४०	४२	उ	५९	१०	ह	१९	५७	तै	११	७	४२	१६	४४	३०	९	२०		क.१४.३
११	मं	३८	४६	ह	५७	१०	व	१५	१२	व	९	४४	४४	१५	४५	३१	१०	२१		कन्यायां
१२	बु	३२	५४	चि	५३	२२	सि	८	५५	व	५	५०	४७	१५	४५	१	११	२२		तु.२५.१६
१३	गु	२६	११	स्वा	४७	५४	व्य	१	५३	तै	२६	११	४९	१४	४६	२	१२	२३		तुलायां
१४	शु	१६	५२	वि	४१	६	प	४१	५८	व	१६	५२	५२	१४	४६	३	१३	२४		वृ.२७.४८
१५	श	८	४६	अ	३३	५५	शि	३१	४०	ब	८	४६	५४	१३	४७	४	१४	२५		वृश्चिके

भ. ३७।७ उ. रोहि. बुधः ३८।५८
भ. ८।४० या. कृत्ति. भौमः ३२।११

[÷ कृत्ति. बुधः ३५ चंद्रदर्शनम्
भ. ४४ उ. ४६ या. मोहिनी ११ व्र.
बुधोदयःपश्चिमायां५० भा.ज्येष्ठारंभ.प्र.
मृगे शुक्रः ४६ वृषे भौमः ५४ नृसिंह ज.
भ. ५३ उ. ५१ या. मृगे बुधः ३९।५
रोहि. रविः ३३ (सौरः ३४) यमाय +

वक्री स्वाती. २ शनीः ४८।३७
कृत्ति. रविः १४।२३ (सौरः ३९) ÷
रोहि.शुक्रः५३ रज्जव ७ परशुराम जयंती
भ. ४७ उ. वृषि बुधः ५९ अक्षया ३
भ. ४९ या. वृषेऽर्कः ५८ (सौरः ३९)
मृग. २ गुरुः ५७।०
[+ कुंभदानम्

५पं.वै.शु.१श.इ.४७।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	१	१	६	६	०
२७	२१	२७	२५	८	१३	२२	२७
१३	४५	६	४५	३९	१५	३६	५
३७	०	५८	३२	१८	४०	२८	४१
५७	४४	३५	१२	७४	२५	३	५७
५४	७	३५	५०	२६	व	११	४५

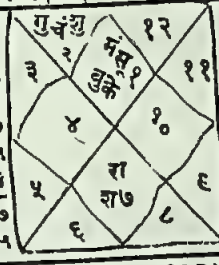

६ पं.वै.शु.८श. इ. ४७।३८

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१	१	६	६	१
३	२६	१२	२७	५७	१२	२२	३
५८	५१	२४	१७	५५	४६	१४	४९
३७	१८	७	३८	७	१९	१२	२३
५७	४३	५९	१३	७४	५	३	५७
४४	११	५५	१४	२६	व	११	३४

७पं.वै.शु.१५श.इ.४७।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	१	१	६	६	१
१०	१	२६	२८	२५	१२	२१	१०
४२	५५	३१	५०	५०	१९	५१	३१
२९	१२	५	४९	२४	३५	५७	३४
५७	४३	५९	१३	७४	५	३	५७
३५	३१	३५	२०	२०	व	११	२३

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५ | वि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	श	५०	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१३	५	०	०	०	०		
२	र	४९	४७	ज्ये	२६	२५	सि	२१	११	तै	२४	२९	३३	१२	४७	५	१५	२६	ध.२६.२५		
३	चं	४०	४०	मू	१९	१८	सा	१०	५४	व	१५	१३	५८	१२	४८	६	१६	२७	धनुषि		
४	मं	३२	२६	पू	१२	५८	शु	१९	५१	ब	६	३३	३४	१२	४८	७	१७	२८	म.२६.३८		
५	बु	२५	४४	उ	७	३७	ब्र	४४	४६	तै	२५	४४	२	१२	४८	८	१८	२९	मकरे		
६	गु	२०	१४	श्र	३	५४	ऐं	३८	३२	व	२०	१४	३	११	४९	९	१९	३०	कुं.३२.५४		
७	शु	१६	३९	ध	१	५४	वै	३३	२८	ब	१६	३९	५	११	४९	१०	२०	३१	कुम्भे		
८	श	१४	२६	श	१	२३	वि	२९	४७	कौ	१४	२६	७	११	४९	११	२१	१	मि. ४७		
९	र	१३	५८	पू	२	२२	प्री	२७	२९	ग	१३	५८	९	१०	५०	१२	२२	२	मीने		
१०	चं	१५	४	उ	५	८	आ	२६	११	वि	१५	४	१०	१०	५०	१३	२३	३	मीने		
११	मं	१७	१५	रे	८	५२	सो	२६	२	बा	१७	१५	१२	१०	५०	१४	२४	४	मे. ८।५२		
१२	बु	२०	५३	अ	१३	५६	शो	२६	५८	तै	२०	५३	१३	९	५१	१५	२५	५	मेषे		
१३	गु	२५	२०	भ	१९	५०	अ	२७	४६	व	२५	२०	१५	९	५१	१६	२६	६	वृ.३६.३४		
१४	शु	३०	४९	कृ	२६	४४	सु	२९	५१	श	३०	४९	१६	९	५१	१७	२७	७	वृषे		
२०	श	३६	२३	रो	३३	४०	धृ	३१	५०	च	३	३६	१७	९	५१	१८	२८	८	वृषे		

भ. १५ उ. ४० या. मिथुने बुधः ३७।९
चतुर्थी व्र.
मिथुने शुक्रः १२ मृग. ३ गुरुः ५२।५५
भ. २०।१४ उ. ४८।२७ या.
आर्द्रा बुधः ३९।४७
जून ६ ता. ३०
भ. ४४।३१ उ.
भ. १५।४ या. आर्द्रा शुक्रः ३६।४८
अपरा ११ व्र.
प्रदोषः
भ. ३० उ. ५९ या रोहि. भौमः ७।४८
मृगे रविः ५८।२५
मृगे रविः सौरः १३।३४ वटपूजनम्

पं.ज्ये.कृ.८श.इ.४७।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	२	२	६	६	१
१७	६	८	०	४	११	२१	१७
२५	५५	२६	२५	२५	५५	२९	१२
१९	४४	४६	५५	१२	५	४१	४०
५७	४३	२४	१३	७४	२५	३	५७
२७	२१	९	३२	१३	७	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ रवि-वार अशुभ हैं धूप अधिक हैजे का प्रकोप हो धान्य गल्ला धातु स्वर्ण चांदी रूई रंग सुदी में तेज होगा। और वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

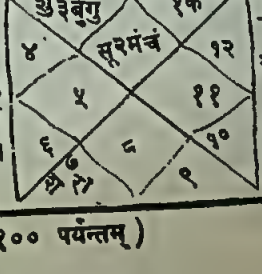

९पं.ज्ये.कृ ३० श.इ.४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	२	२	६	६	४
२४	११	१७	२	१२	११	२१	२३
७	५४	५९	१	५८	३४	७	५२
१९	३६	१७	५	५	२६	२५	३६
५७	४२	६८	१३	७४	५	३	५७
२२	५८	९१	३२	२	व	११	५

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः७९५ स. २०१३
१	र ४२ ३२ मृ ४१ १९ शू ३४ १९ किं ९ २८	३४	५	५६	१९	२९	९	मि.२९	अस्तं गुरोः १९।४८
२	चं ४८ ४१ आ ४९ ४९ गं ३६ ५१ बा १५ ३७	१९	८	५२	२०	३०	१०	मिथुने	पुन. बुधः ३३।१८ चंद्रदर्शनम्
३	मं ५४ ४९ पु ५६ १९ बृ ३९ १५ तै २१ ४५	१९	८	५२	२१	१	११	कं. ३ ४५	सावान ८
४	बु ६० ० पु ६० ० धु ४१ १४ व २७ ३६	२०	८	५२	२२	२	१२	कर्के	भ. २७।३६ उ.
४	गु ० २३ पु ३ ४ व्या ४२ ४९ वि ० २३	२१	८	५२	२३	३	१३	कर्के	भ. ०।२३ या.
५	शु ५ ६ श्ले ९ १८ ह ४३ ४४ बा ५ ६	२१	८	५२	२४	४	१४	सिंह.१८	मिथुनेऽर्कः ५६ पुन. शुक्रः ३४ मृग. ४×
६	श ८ ४२ म १४ २५ व ४३ १८ तै ८ ४२	२२	८	५२	२५	५	१५	सिंहे	मिथुनेऽर्कः सौरः १४।२२ [× गुरुः ३० १७
७	र १० ५२ पू १७ ५३ सि ४१ ३८ व १० ५२	२२	८	५२	२६	६	१६	कं.३३।२२	भ. १०।५२ उ. ४१।३ या.
८	चं ११ १३ उ १९ ४७ व्य ३८ ३५ ब ११ १३	२३	७	५३	२७	७	१७	कन्यायां	[=सौरः १५५) कर्के शुक्रः ४६ भा.आषाढारंभ
९	मं ९ ५२ ह १९ ४४ व ३३ ५५ कौ ९ ५२	२३	७	५३	२८	८	१८	तु.४८।४३	गंगादशमी
१०	बु ६ २६ चि १७ ४२ प २७ ४७ ग ६ २६	२३	७	५३	२९	९	१९	तुलायां	भ. ३३।४९ उ.
११	गु १ १३ स्वा १३ ४८ शि २० ७ वि १ १३	२४	७	५३	३०	१०	२०	वृ.५४।४६	भ. १।१३ या. उर्जला ११ व्र.
१२	गु ५२ ४९ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	शु ४५ ४१ वि ८ २५ सि १० ११ कौ १९ ५२	२४	७	५३	३१	११	२१	वृश्चिके	आर्द्रा रविः ५५।५४ प्रदोषः
१४	श ३४ ० अ ४१ ५२ १७ सा १३ ५० २२ ग ९ ५१	२४	७	५३	१	१२	२२	ध. ५३ ५८	भ. ३४।०उ.५९।५८ या. (आर्द्रा रविः=
१५	र २५ ५५ मू ४६ १ शु ३९ ३७ ब २५ ५५	२४	७	५३	२	१३	२३	धनुषि	गुर्जराणां वट सावित्री व्र.

१०पं.ज्ये.शु. ६श इ. ४७ ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	२	२	६	६	२
०	१६	२४	३	२१	११	२०	०
४८	४९	४६	३७	३०	१७	४५	३१
३६	५५	५	३७	२५	१३	१०	४५
५७	४२	३८	१३	७३	३३	३	५६
१७	३५	१४	३८	५६	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

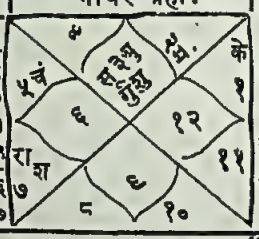

ज्येष्ठ शुक्ले ५ शुक्रे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४न.५युवावस्था(सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्व-स्याम् ।

गोचर ग्रहाः

११ पं.ज्ये.शु. १४श. इ. ४७ ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	२	३	६	६	२
७	२१	२८	५	०	११	२०	७
२९	४३	२१	१३	२	४	२२	१०
२१	३४	४७	३७	२	२६	५४	१२
५७	४२	८	१३	७३	३३	३	५६
१३	२५	२५	३८	५०	व.	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	चं १५ ४८ पू ३८ १२ ध्र २८ ४९ क १५ ४८	३४	५	५६	३	१४	२४	म.५१।२४	वक्री बुधः ५०।५६
२	मं ६ ८ उ ३१ ० ऐं १८ २३ ग ६ ८	२३	७	५३	४	१५	२५	मकरे	भ. ३१।४८ उ. ५७.२८ या पुष्ये शुक्रः=
३	मं ५१ २० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= २८।३९ मृगे भौमः ४।११
४	बु ५० ७ श्र २५ ११ वै ९ ११ व २३ ४७	२३	७	५३	५	१६	२६	कुं.५३।४	चतुर्थी व्र.
५	गु ४४ ४० ध २० ५६ वि ४९ ५५ कौ १७ २३	२२	८	५२	६	१७	२७	कुम्भे	उदयी भौमः १९।५७
६	शु ४१ ८ श १८ ४० आ ४८ ५५ ग १२ ५४	२२	८	५२	७	१८	२८	कुंभे	भ. ४१।८ उ.
७	श ३९ ४१ पू १८ ६ सो ४५ २२ वि १० २५	२१	८	५२	८	१९	२९	मी. ५४	भ. १०।२५ या. आर्द्रा. १ गुरुः ५१ ×
८	र ४० १२ उ १९ ४४ शो ४३ २६ बा ९ ५३	२०	८	५२	९	२०	३०	मीने	बुधास्तः पश्चिमायां ४६।४९
९	चं ४२ २२ रे २३ २ अ ४२ ५८ तै ११ १७	१९	८	५२	१०	२१	१	मे.२३	जोलाई ७ ता. ३१ [×स्वाती ४ राहुः÷
१०	मं ४६ १० अ २८ २ सु ४३ ४७ ब १४ १६	१८	८	५२	११	२२	२	मेषे	भ. १४।१६ उ. ४६।१० या.
११	बु ५१ ५ भ ३४ १५ भृ ४५ २१ व १८ ३७	१७	९	५१	१२	२३	३	वृ. ५०।५८	उदयं गुरोः ०।० योगिनी ११ व्र.
१२	गु ५६ ५१ कृ ४१ ७ शू ४७ ८ कौ २३ ५८	१६	९	५१	१३	२४	४	वृषे	मिथुने भौमः ५० [+भरणी२ केतुः ५९ २७
१३	शु ६० ० रो ४८ २८ गं ४९ २३ ग २८ ४९	१५	९	५१	१४	२५	५	वृषे	पुनः रविः ५५।४४ प्रदोषः
१३	श २ ४७ मृ ५६ १० वृ ५२ ० व २ ४७	१४	९	५१	१५	२६	६	मि. २२ १९	भ. २।४७ उ. ३५।५५ या. रविः ५९ A
१४	र ९ २ आ ६० ० धु ५४ ५९ श ९ २	१३	९	५१	१६	२७	७	मिथुने	मार्गी शनिः ४६।२४
३०	चं १४ ५९ आ ३ ३३ व्या ५६ ४२ ना १४ ५९	११	१०	५०	१७	२८	८	कं.५३।५६	सोमवती ३० [A आश्ले. शुक्रः २९।५३

१२ पं.आ. कृ.७ श. इ. ४७ ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	२	४	६	६	२
१४	२६	२८	६	८	१०	२०	१३
९	३३	२६	४९	३३	५६	०	४८
५८	४	१३	५५	५८	३८	३९	१७
५७	४२	२० १७	१३	७३	० ४६	३	५६
७	८	व	३४	४४	व.	११	५०

गोचर ग्रहाः

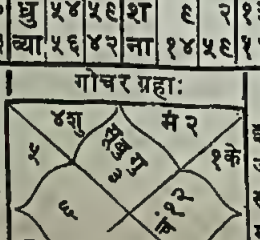

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो सोना चांदी कपासरुई मंदे होवर्षा अच्छी हो प्रजा में सुख फैले ।

गोचर ग्रहाः

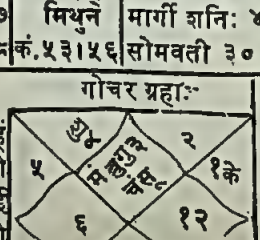

१३ पं.आ.कृ.१३श. इ. ४७ ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	२	३	६	६	२
२०	१	२५	८	१७	१०	१९	२०
५०	२२	२८	२५	१	५३	३८	२६
२४	१	२३	८	४१	२	२३	११
५७	४१	३५ १५	१३	७३	०	३	५६
७	५८	व.	३२	२६	व	११	५०

ति. आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५ | दि. उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण ८२५स.२०१३

१	मं	२०	४६	पु	१०	४४	ह	५८	३७	ब	२०	४९	३४	१०	५	६	१८	२९	६	कर्के	
२	बु	२५	४६	पु	१७	२७	ह	६०	०	कौ	२५	४६	८	१०	५०	१९	३०	१०		कर्के	चंद्र दर्शनम् रथयात्रा
३	गु	३०	१२	श्ले	२३	१९	व	०	२	ग	३०	१२	७	११	४६	२०	१	११		सिं. ३३	रमजान ६
४	शु	३३	३७	म	२८	३२	सि	०	२८	ब	१	५४	५	११	४६	२१	२	१२		सिंहे	भ.१।५४उ.३३।३७ या.
५	श	३५	५४	पू	३२	२६	व्य	०	५९	ब	४	४५	३	११	४९	२२	३	१३		क. ४६	आर्द्रा. २ गुरुः४६।३८
६	र	३६	२५	उ	३५	३	प	५७	२५	कौ	६	९	१	१२	४८	२३	४	१४		कन्यायां	आर्द्रा.भौमः३३।४६
७	चं	३६	१७	ह	३६	३८	शि	५४	६	ग	६	२३	३३	१२	४८	२४	५	१५		कन्यायां	भ.३६।१७उ.
८	मं	३४	२२	चि	३६	३	सि	४६	४१	वि	५	१६	५७	१३	४७	२५	६	१६		तु.६।३७	भ.५।१६या. कर्केऽर्कः २४।१० (सौरः =
९	बु	३०	४३	स्वा	३४	३८	सा	४३	५७	बा	२	३२	५५	१३	४७	२६	७	१७		तुलायां	मघा.सिंहे शुक्रः३३।४३
१०	गु	२५	२८	चि	३१	२०	शु	३६	५३	ग	२५	२८	५२	१४	४६	२७	८	१८		वृ.१७।१०	भ.५२।८उ.बुधोदयःपूर्वस्यां५१।२७
११	शु	१८	४६	अ	२६	३७	शु	२८	३४	वि	१८	४६	५०	१४	४६	२८	९	१९		वृश्चिके	भ.१९या.पुष्ये रविः२८देवशयनी११ व्र.
१२	श	१०	४७	ज्ये	२०	३०	ब्र	१६	२३	बा	१०	४७	४८	१४	४६	२९	१०	२०		ध.२०।३०	पुष्ये रविःसौरः२३।२२ प्रदोषः
१३	र	१	४६	मू	१३	१८	ऐं	१२	३९	तै	१	४९	४५	१५	४५	३०	११	२१		धनुषि	भ.५२।१८उ.मार्गी.बुधः५३।४
१४	र	५०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	[=५२।४१) वक्री आर्द्रा.बुधः६।१०
१५	चं	४२	२२	पू	५३	५२	वि	४८	४	वि	१७	२०	४३	१५	४५	३१	१२	२२		म.१९।०	भ.३०या.व्यासपूजा गुरु१५वायु परीक्षा

१४ पं.आ. शु.५श. इ. ४७ | २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	२	३	६	६	२
२७	६	२१	९	२५	१०	१९	२७
३०	७	२०	५९	२९	५४	१६	४
४३	४८	४२	३१	२	२२	७	१८
५७	४१	३	१२	७३	४३	३	५६
११	४२	व.	२१	१७	मा	११	५४

गोचर ग्रहाः

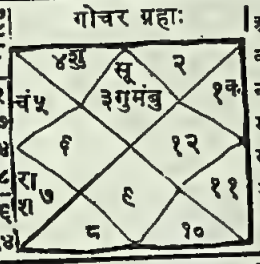

आषाढ़ शुक्ले ८ भौमे कर्के ऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.५बालावस्था(बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

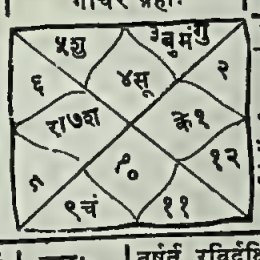

१५पं.आ.शु. १२ श.इ.४७ | ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	२	४	६	६	३
४	१०	१९	११	३	११	१८	३
११	५०	६	३३	५५	०	५३	४२
२८	४९	३६	४	४१	३२	५२	४५
५७	४१	२५	१३	७३	१	३	५६
१५	२८	व.	१४	२	२२	११	५८

ति. श्रावण कृष्ण पक्षः सं० २०७० शाकः १९३५ | वि. उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृष्णेति महा.

१	मं	३३	१	श्र	५१	४१	प्री	३७	५१	बा	७	४१	४०	६	६	४	१	१३	२३	मकरे	भा श्रावणारंभः
२	बु	२४	४४	ध	४५	३५	आ	२८	२३	ग	२४	४४	३८	१६	४४		२	१४	२४	कुं.१८।३८	भ.५१।१७उ.
३	गु	१७	५०	श	४१	२१	सौ	२०	१	वि	१७	५०	३५	१७	४३		३	१५	२५	कुंभे	भ.५०या.पुन.बुधः२०।११चतुर्थी व्र.
४	शु	१२	४५	पू	३८	५७	शो	१३	१८	बा	१२	४५	३३	१७	४३		४	१६	२६	मी. ३४	
५	श	९	४१	उ	३८	४३	अ	७	५५	तै	९	४१	३०	१८	४२		५	१७	२७	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	र	९	४	रे	४०	३७	सु	४	२९	व	६	४	२७	१९	४१		६	१८	२८	मे.४०।३७	भ.९।४उ.३९या.पूफा.शुक्रः३७।१
७	चं	१०	८	अ	४४	२०	धृ	२	४१	ब	१०	८	२४	१९	४१		७	१९	२९	मेषे	आर्द्रा.३गुरुः३।४८
८	मं	१३	४६	भ	४६	५५	शू	२	४३	कौ	१३	४६	२२	२०	४०		८	२०	३०	मेषे	
९	बु	१८	७	कृ	५६	४१	गं	३	२२	ग	१८	७	१९	२०	४०		९	२१	३१	वृ.६।३७	भ.५१।१उ.
१०	गु	२३	५५	रो	६०	०	बृ	४	३१	वि	२३	५५	१६	२१	३९		१०	२२	१	वृषे	भ.२३।५५या.अगस्त ८ ता. ३१
११	शु	२९	५८	रो	४	१०	धु	७	३५	बा	२९	५८	१३	२१	३९		११	२३	२	मि. ३५	आश्ले.रविः५०।२९कामिका ११ व्र.
१२	श	३६	२८	मृ	११	४४	व्या	१०	१३	कौ	३	१३	१०	२२	३८		१२	२४	३	मिथुने	आश्ले.रविःसौरः२४।१पुन. भौमः३१।५३
१३	र	४२	२५	आ	१९	१७	हृ	१२	४७	ग	९	२६	७	२३	३७		१३	२५	४	मिथुने	भ.४२।२५उ.कर्के बुधः३६।२६प्रदोषः
१४	चं	४७	५१	पु	२६	२०	व	१४	५०	वि	१५	८	४	२३	३७		१४	२६	५	क. ३५	भ.१५।८या.
१५	मं	५२	२४	पु	३२	४४	सि	१६	३९	चि	२०	७	०	२४	३६		१५	२७	६	कर्के	पुष्ये बुधः५७।३० हरियाली

१६पं.श्रा.कृ. ५ श. इ. ४७ | ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	२	४	६	६	३
१०	१५	२१	१३	१२	११	१८	१०
५२	३१	३८	३	१९	११	३१	२२
३०	४८	४९	२९	३४	१०	३६	२
५७	४१	१०	१२	७२	२	३	५७
२०	५	मं	५६	२६	१	११	५

गोचर ग्रहाः

इस मास में धातु सोना चाँदी ताम्बा मंदे हो गुड सक्कर गन्ना रुई गेहूं जो चना चावल तेज हो, वर्षा कहीं अच्छी कहीं कम हो ।

गोचर ग्रहाः

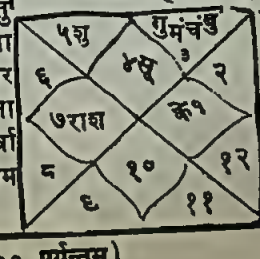

१७पं. श्रा. कृ.१२श.इ. ४७ | ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	२	४	६	६	३
१७	२०	२८	१४	२०	११	१८	१७
३४	१०	४९	३२	४३	२६	९	१
१२	१९	५९	४२	१	३८	२१	५०
५७	४०	८४	१२	७२	२	३	६०
२५	४९	४	३१	२५	४०	११	४२

ति.	श्रावण शुक्लपक्ष ० २०७० शाकः १९३५												दि	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८५४स. २०१३
१	बु	५५	५७	श्ले	३८	९	व्य	१७	३६	किं	२४	१०	३२/५७	५/२५	६/३५	१६	२८	७	सिं३८।९	
२	गु	५८	३६	म	४२	४६	व	१७	५५	बा	२७	१६	५४	२५	३५	१७	२९	८	सिंहे	उफा.शुक्रः४८।१चंद्र दर्शनम् सिंधारा
३	शु	६०	०	पू	४६	१४	प	१७	१९	तै	२९	१९	५०	२६	३४	१८	१	९	सिंहे	सव्वाल १० तीज
३	श	०	२	उ	४८	३७	शि	१५	५३	ग	०	२	४७	२७	३३	१९	२	१०	कं १।५०	भ.३०।१६उ.
४	र	०	३१	ह	५०	८	सि	१३	२७	वि	०	३१	४४	२७	३३	२०	३	११	कन्यायां	भ.०।३१या.कन्यायां शुक्रः३४/२९वरद ४
५	र	५९	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[× रक्षा बधनम्
६	चं	५८	११	चि	५०	३७	सा	१०	२८	कौ	२९	२	४०	२८	३२	२१	४	१२	तु.२०।२३	बुधास्तःपूर्वस्यां२१।०
७	मं	५५	२२	स्वा	४९	४५	शु	६	३८	ग	२६	४६	३७	२९	३१	२२	५	१३	तुलायां	भ.५५।२२उ.
८	बु	५१	३०	वि	४८	१	शु	१/५३	५४/०७	वि	२३	२६	३३	२९	३१	२३	६	१४	वृ.३३।२७	भ.२३।२६या.आश्ले.बुधः२७।४९ +
९	गु	४६	३९	अ	४५	६	ऐं	४९	३७	बा	१९	४	३०	३०	३०	२४	७	१५	वृश्चिके	[+आर्द्रा.४गुरुः१०: ४३
१०	शु	४०	३१	ज्ये	४२	७	वै	४२	५	तै	१४	५	२६	३१	२९	२५	८	१६	ध.४२।७	मघा.सिंहेऽर्कः४४।३१
११	श	३३	३०	मू	३६	१३	वि	३३	५४	व	७	०	२२	३२	२८	२६	९	१७	धनुषि	भ.७।०उ.३३।३०या.मघा. सिंहेऽर्कः÷
१२	र	२५	४८	पू	३०	३२	प्री	२५	४	बा	२५	४८	१९	३२	२८	२७	१०	१८	म.४३।५८	कर्के भौमः४६।५२प्रदोषः
१३	चं	१७	२६	उ	२४	१६	आ	१५	२८	तै	१७	२६	१५	३३	२७	२८	११	१९	मकरे	[÷सौरः२०।३४ पवित्रा ११ व्र.
१४	मं	९	५	श्र	१८	८	सौ	५/५९	५८/४३	व	९	५	१२	३४	२६	२९	१२	२०	कुं४५।६	भ.९।५उ.३५।७या.हस्ते शुक्रः०।२१
१५	बु	१	८	ध	१२	१३	अ	४८	८	ब	१	८	८	३४	२६	३०	१३	२१	कुंभे	मघा.सिंहे बुधः१।३४ श्रावणी कर्म ×

१८पं. श्रा.शु.३श.इ. ४६/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	२	४	६	६	३
२४	२४	९	१५	२९	११	१७	२३
१६	४६	५३	५८	२	४६	४७	४२
३७	१	५३	३०	५३	३४	५	५७
५७	४०	११/१८	१२	७२	३	३	५७
३३	३८		१३	२	२५	११	२२

गोचर ग्रहाः

शु५ ३मंगु चं६ ४बुसू २ रा७श १के ८ १० १२ ९ ११

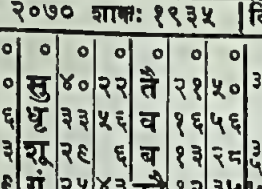

श्रावण शुक्ले १० शुक्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.६प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

शु६ ४बु श रा७ सू५ ३गु मं ८ २ ९चं १ के ११ १० १२

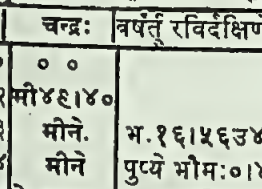

१९पं.श्रा.शु.११श.इ. ४६/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	२	५	६	६	४
०	२९	२३	१७	७	१२	१७	०
५९	१९	३०	२१	२०	१०	२४	२५
५३	३४	५८	२५	३८	५९	४९	१९
५७	४०	११/४६	११	७१	३	३	५७
४०	२१		४२	३७	५८	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेश्रावण कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	बु	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	गु	४९	२८	श	७	२०	सु	४०	२२	तै	२१	५०	३२/४	५/३५	६/२५	३१	१४	२२	मी४९।४०	
३	शु	४४	२३	पू	३	४६	धृ	३३	५६	व	१६	५६	१	३६	२४	१	१५	२३	मीने.	भ.१६।५६उ४४।२३या भा.भाद्रपदारंभ
४	श	४२	३३	उ	२	३	शू	२९	६	ब	१३	२८	३३/५७	३७	२३	२	१६	२४	मीने	पुष्ये भौमः०।४३चतुर्थी व्र.
५	र	४२	३८	रे	२	२९	गं	२५	४३	कौ	१२	३५	५३	३७	२३	३	१७	२५	मे.२।२९	[Aशुक्रः२१/५८स्वाती.३राहुःभरणी१केतुः५२/७
६	चं	४४	५८	अ	४	४६	वृ	२४	२२	ग	१३	४८	४९	३८	२२	४	१८	२६	मेषे	भ.४४।५८उ.चंद्रषष्ठी
७	मं	४८	५८	भ	९	५	ध्रु	२३	५७	वि	१६	५८	४६	३९	२१	५	१९	२७	वृ.२५।३१	भ.१६।५८या.पूफा.बुधः३८।२३
८	बु	५४	२९	कृ	१४	४८	व्या	२५	११	बा	२१	४३	४२	४०	२०	६	२०	२८	वृषे	जन्माष्टमी व्र.
९	गु	६०	०	रो	२१	४८	ह	२६	५९	तै	२७	२३	३८	४०	२०	७	२१	२९	मि५५।२९	गोगा ९
९	शु	०	१९	मृ	२९	११	व	२९	२२	ग	०	१९	३४	४१	१९	८	२२	३०	मिथुने	भ ३३।३४उ.पूफा.रविः३४।७
१०	श	६	४९	आ	३६	५२	सि	३२	२	वि	६	४९	३०	४२	१८	९	२३	३१	मिथुने	भ.६।४९या.पूफा.रविःसौरः११/२५चित्रा. A
११	र	१२	५०	पु	४३	५९	व्य	३४	१२	बा	१२	५०	२६	४३	१७	१०	२४	१	क.२७।१२	पुन.१गुरुः१०/९सितम्बर९ता.३०अजा११व्र.
१२	चं	१८	२२	पु	५०	२८	व	३५	५७	तै	१८	२२	२२	४४	१६	११	२५	२	कर्के	स्वाती.३शनिः३३।५८वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	मं	२२	३६	श्ले	५५	४४	प	३६	३९	व	२२	३६	१८	४४	१६	१२	२६	३	सिं. ५५/४४	भ.२२।३६उ.५४।९या.उफा.बुधः४५।६
१४	बु	२५	४१	म	५९	५४	शि	३६	४३	श	२५	४१	१५	४५	१५	१३	२७	४	सिंहे	
३०	गु	२७	२९	पू	६०	०	सि	३५	४०	ना	२७	२९	११	४६	१४	१४	२८	५	सिंहे	कन्यायांबुधः५२/४२कुशाग्रहणी पिठोरी ३०

२०पं.भा.कृ.४ श.इ. ४६/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	२	५	६	६	४
७	३	७	१८	१५	१२	१७	७
४४	५०	३८	४०	३६	३९	२	८
२०	४२	५३	५५	०	२५	३४	३९
५७	४०	११/१८	११	७१	४	३	५७
४९	१०		५	११	३७	११	४५

गोचर ग्रहाः

शु६ मं४ श रा७ सू५बु ३गु ८ २ ९ ११ के१ १० १२चं

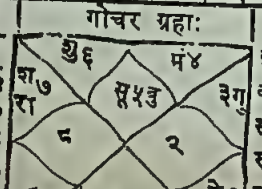

इस मास में शनिवार का चन्द्र दर्शन चांदी स्वर्ण लोहा ताम्बा रुई रंग सूत में तेजी करे धान्य में मंदी कहीं २ वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

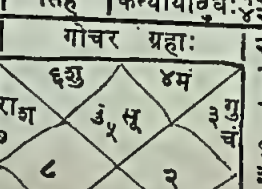

६शु ४मं रा७श उं५सू ३गु चं ८ २ ९ ११ १के १० १२

२१ पं.भा.कृ १०श.इ. ४६/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	२	५	६	६	४
१४	८	२१	१९	२३	१३	१६	१३
३०	१९	४	५५	४८	११	४०	५३
०	२३	३०	५२	४७	६	१८	५१
५८	३९	११/४४	१०	७०	४	३	५७
१	४२		२८	३२	५८	११	५७

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५	दि.	उ.	अ.भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः८८४ सं. २०१३
१	शु २७ ४८ पू २ ३७ सौ ३३ २१ च २७ ४८ ३१ ५ ४७ ६ १३	१५	२९	६	कं.१८।२	तुलायांशुक्रः४।३४
२	श २७ ० उ ४ १६ शु ३० २३ कौ २७ ० ३ ४७ १३ १६	३०	७		कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	र २५ १४ ह ४ ४० शु २६ ३७ ग २५ १४ ३९ ४८ १२ १७	१	८		तु.३४।२९	भ.५३।५५उ.बुधोदयःपश्चिमायां ४ ३ ÷
४	चं २२ ३७ चि ४ १९ ब्र २१ ५६ वि २२ ३७ ५५ ४९ ११ १८	२	९		तुलायां	भ.२२।३७या.गणेशचतुर्थी
५	मं १९ १८ स्वा २ ५७ ऐं १६ ४३ बा १९ १८ ५१ ५० १० १९	३	१०		वृ.४७।२४	ऋषिपंचमी [÷जिल्काद११हरितालिका३
६	बु १५ ३२ वि २ १३ ५९ ४२ वै ११ ८ तै १५ ३२ ४७ १	९	२०	४	११	वृश्चिके	हस्तेबुधः३४।७स्वात्यांशुक्रः४८।४७
७	गु १० ६ ज्ये ५५ ५८ वि ३ २७ व १० ६ ४३ ५१	९	२१	५	१२	ध.५५।५८	भ.१०।६उ.३८।७या.
८	शु ६ ८ मू ५२ ४० आ ५१ २८ ब ६ ८ ३९ ५२	८	२२	६	१३	धनुषि	उफा.रवि.१८।३२(सौरः५६।५)
९	श ० ४३ पू ४८ ४९ सौ ४४ १ कौ ० ४३ ३५ ५३	७	२३	७	१४	धनुषि	आश्ले.भौमः१।९
१०	श ५४ ८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०		[×११व्र.वै.वामनजयंती
११	र ४८ ३५ उ ४४ ३५ शो ३६ १९ ब २१ ४३ ३१ ५४	६	२४	८	१५	म.२।४५	भ.३३उ.४६याजलझूलनी११व्र.स्मा.
१२	चं ४२ ७ श्र ४० ५ अ २८ २३ ब १५ २१ २७ ५५	५	२५	९	१६	मकरे	कन्यायामर्कः४३।५३जलझूलनी×
१३	मं ३५ ४९ ध ३५ ४३ सु २० २५ कौ ८ ५८ २२ ५६	४	२६	१०	१७	कुं ७।५३	कन्यार्कःसौरः२१।१६प्रदोषः
१४	बु ३० ४ श ३१ ३७ धृ १३ ४४ ग २ ५६ १८ ५६	२	२७	११	१८	कुम्भे	भ.३०।४उ.५७।३१या.अनंत१४
१५	गु २४ ५८ पू २८ ३८ शू ५ २८ ५३ ३८ ब २४ ५८ १४ ५७	३	२८	१२	१९	मी. ३ ५	महालयारंभःकु.संध्या.पूजानारंभः

२२पं.भा.शु.२श.इ.४६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	२	६	६	६	४
२१	१२	३	२१	१	१३	१६	२०
१७	४५	३१	६	५८	४६	१८	४०
२	३२	१९	२२	३०	१२	३	३१
५८	३९	२०	९	६९	५	३	५८
१३	२२	२०	४५	५३	२६	११	१२

गोचर ग्रहाः

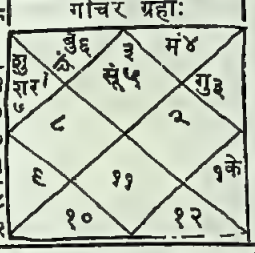

भाद्रपदशुक्ले १२चंद्रे कन्यायामर्कःप्रविष्टः वा.४न.५गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२३पं.भा.शु.९श.इ.४६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	२	६	६	६	४
२८	१७	१४	२२	१०	१४	१५	२७
५	९	५८	११	४	२४	५५	२८
२४	२२	५	४९	५	५४	४७	५०
५८	३९	९३	९	६९	५	३	५८
२६	१२	८	१	२	५०	११	२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५	दि.	उ.	अ.भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	शु २१ १० उ २६ ४१ वृ ५३ ३७ कौ २१ १० ३९ ५८	६	२९	१३	२०	मीनें	चित्राबुधः१५।२२
२	श १९ २० रे २६ १७ बु ४९ ३८ ग १९ २० ५ ५९	१	३०	१४	२१	मि.२६।१७	भ.४९।५उ.
३	र १८ ५१ अ २७ ३८ ब्या ४७ ११ वि १८ ५१ ३० ०	०	०	१५	२२	मेषे	भ.१८।५१या.चतुर्थीव्र.
४	चं २० ३१ भ ३० ५५ ह ४६ ९ बा २० ३१ २९ ५९	५९	१	१६	२३	वृ.४७।४	विशा.शुक्रः२६।९पुन.२गुरुः५५।१७+
५	मं २३ ५६ कृ ३५ ३२ व ४६ २८ तै २३ ५६ ५२	२	२	१७	२४	वृषे	तुलायांबुधः४४।२९[+भा.आश्विनारंभः
६	बु २८ ५६ रो ४१ ५४ सि ४७ २६ व २८ ५६ ४८	२	३	१८	२५	वृषे	भ.२८।५६उ.
७	गु ३४ ३३ मृ ४८ ५३ व्य ४९ १६ वि १ ४४ ४४	३	४	१९	२६	मि १५।२३	भ.१।४४या.हस्तेरविः५७।२
८	शु ४० ५७ आ ५६ २८ व ५१ ४२ बा ७ ४५ ४०	४	५	२०	२७	मिथुने	हस्तेरविःसौरः३३।४६
९	श ४७ ९ पु ६० ० प ५३ ५९ तै १४ ३ ३६	५	५	२१	२८	क.४७।४	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	र ५२ ५० पु ३ ५५ शि ५५ ५८ व १९ ५९ ३२	६	५	२२	२९	कर्के	भ ५९उ.५२या.स्वात्यांबुधः ५० १६
११	चं ५७ १७ पु १० ४३ सि ५७ १३ ब २५ ४ २८	६	५	२३	३०	कर्के	इंदिरा११व्र.
१२	मं ६० ० श्ले १६ १९ सा ५७ ८ कौ २८ ४८ २३	७	५	२४	१	सि १६।१९	अक्टूबर१०ता३१
१२	बु ० २० म २० ४२ गु ५६ ० तै ० २० १९	८	५	२	२	सिंहे	बृश्चिकेशुक्रः१८।३२प्रदोषः
१३	गु १ ४७ पू २३ ९ शु ५३ ३३ व १ ४७ १५	९	५	११	३	कं.३८।२३	भ.१।४७उ ३१ ३७ या.शस्त्रादिहतानांश्रा.
१४	शु १ २६ उ २४ ६ ब्र ४९ ५९ श १ २६ ११	१०	५	२	४	कन्यायां	सर्वपितृ ३०
३०	शु ५८ ११ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	० ०	

२४पं.आ.कृ.२श.इ.४५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	२	६	६	६	५
४	२१	२५	२३	१८	१५	१५	४
५५	३०	३४	१०	६	५	३३	१८
५६	४	४१	३४	७	५६	३१	५७
५८	३८	८९	८	६८	६	३	५८
३८	५१	११	१०	१३	१५	११	४५

ग्रोचर ग्रहाः

इस मासमें गेहूं, जो, चना, मटर, बाजरा मंदे हों, धातु, सोना, चांदी, लोहा, तांबा, गुड़, शक्कर, गन्ना, रुई तेज हो फल श्रेष्टहोवे।

ग्रोचर ग्रहाः

२५पं.आ.कृ.९श.इ.४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	२	६	६	६	५
११	२५	५	२४	२६	१५	१५	११
४६	४८	१५	२	२	४९	११	१०
५२	४०	५४	५६	५३	१९	१६	५७
५८	३८	७८	७	६७	६	३	५९
५३	२८	२१	१	८	३१	११	०

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः९१३सन्२०१३
१	श ५६ २७ ह २३ ४७ ऐं ४५ १६ किं २८ १४	२९ ६	५ ४९	१३	२८	५	तु.५२।५७	अनु.शुक्रः१५।२८मघा.सिंहेभौमः४५ १२×
२	र ५२ २६ चि २२ ७ वै ३९ ३५ बा २४ २६	३ ११	४९	१४	२९	६	तुलायां	स्वाति४शनि ३४।४३ चंद्रदर्शनम्
३	चं ४७ ३८ स्वा १९ ३६ वि ३३ ७ तै २० २	२८ १२	४८	१५	१	७	तुलायां	जिल्हेज१२ [×नवरात्रारंभःमातामहःश्रा.
४	मं ४२ २७ वि १६ २७ प्री २६ ५ व १५ २	५५ १३	४७	१६	२	८	वृ.२।१४	भ.१५।२उ ४२।२७या.
५	बु ३७ ११ अ १३ १ आ १९ ५६ ब ९ ४९	५१ १४	४६	१७	३	९	वृश्चिके	
६	गु ३१ ४६ ज्ये ९ ३२ सौ ११ ५२ कौ ४ ३१	४७ १५	४५	१८	४	१०	ध.९।३२	चित्रा.रवि२९।४
७	शु २६ २५ मू ६ २ शो ४ ५२ व २६ २५	४३ १५	४५	१९	५	११	धनुषि	भ.२६।२५उ.५३।५६या.चित्रा.रविः+
८	श २१ २६ पू ३ ३९ सु ५० ३६ ब २१ २६	३९ १६	४४	२०	६	१२	म.१६।४९	[+सौरः४।२०विशा.बुधः५१।१६
९	र १६ २२ श्र ५६ २४ धृ ४३ ३६ कौ १६ २२	३५ १७	४३	२१	७	१३	मकरे	
१०	चं १२ ३४ ध ५३ ३७ शू ३७ ५८ ग १२ ३४	३१ १८	४२	२२	८	१४	कुं.२५।०	भ.३९।५२उ.
११	मं ७ १० श ५१ ७ गं ३० २८ वि ७ १०	२७ १९	४१	२३	९	१५	कुम्भे	भ.७।१०या.पापांकुशा११व्र.
१२	बु ३ ९ पू ४९ २२ बृ २४ २८ बा ३ ९	२३ १९	४१	२४	१०	१६	मी३४।४८	प्रदोषः [–व्र.का.स्ना.प्रा.
१३	बु ५६ ४० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०	० ०	[...(सौरः४७।४)ज्येष्ठाशुक्रः२३।३८
१४	गु ५७ २० उ ४८ १४ धु १९ ५ ग २८ ३४	२० २०	४०	२५	११	१७	मीने	भ.५७।२०उ.तुलायांमर्कः१२।५३...
१५	शु ५६ १० रे ४८ २१ व्या १४ १९ वि २६ ४५	१६ २१	३९	२६	१२	१८	मे.४८।२१	भ.२६।४५या.शरद्पूर्णिमा कोजागरी–

२६पं.आ.शु.१श.इ.४५।४२

गोचर ग्रहाः

आश्विनशुक्ले१४गुरौ तुलायामर्कःप्रविष्टः वा.४न.४प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयःपश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

२७पं.आ.शु.८श.इ.४५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	२	७	६	६	५
२५	४	२०	२५	११	१७	१४	२५
३५	१७	३९	२५	३५	२१	२६	००
२	४२	०	५२	२८	४०	४५	२६
५९	३७	४३	४	६४	७	३	५९
२१	४७	८	५९	१९	२	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३५	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	शरदृतुरविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेतिमहा.
१	श ५६ १८ अ ४९ ३९ ह १० ३५ बा २६ १४	२९ ६	२२	३८	२७	१३	१९	मेषे	
२	र ५८ ६ भ ५२ ३७ व ७ ५७ तै २७ १२	८ २२	३८	२८	१४	२०	मेषे	वक्रीबुधः३१।०अस्तंशनैः२९।३४	
३	चं ६० ० कृ ५६ ५८ सि ६ ३६ व २९ ४२	४ २३	३७	२९	१५	२१	वृ.८।४२	भ.२९।४२उ.	
३	मं १ १९ रो ६० ० व्य ६ ० वि १ १९	० २४	३६	३०	१६	२२	वृषे	भ.१।१९या.चतुर्थीव्र.	
४	बु ६ ४ रो २ ४५ व ६ ४४ बा ६ ४	२७ २५	३५	१	१७	२३	मि३६।०	स्वात्यांरविः ५४।५५भा.कार्तिकारंभः	
५	गु ११ २९ मृ ९ १६ प ७ ८ तै ११ २९	५३ २५	३५	२	१८	२४	मिथुनें	स्वात्यांरविःसौरः२८।७	
६	शु १७ ५५ आ १६ ४१ शि १० १६ व १७ ५५	४९ २६	३४	३	१९	२५	मिथुनें	भ.१७।५५उ.५१।६या.	
७	श २४ १७ पु २४ १७ सि १२ ३२ व २४ १७	४५ २७	३३	४	२०	२६	क.७।२३	वृश्चास्त.[illegible]श्चिमायांम्४१।३०	
८	र ३० १५ पु ३१ ३३ सा १४ ५१ कौ ३० १५	४१ २८	३२	५	२१	२७	कर्के		
९	चं ३५ १३ श्ले ३७ ५७ शु १६ ४९ तै २ ४४	३७ २९	३१	६	२२	२८	सिं३७।५७	पूफा.भौमः३५।४४ [=१७।४५	
१०	मं ३८ ५२ म ४२ ५४ शु १७ ११ व ७ २	३४ २९	३१	७	२३	२९	सिंहे	भ.७।२उ.३८।५२या.वक्रीस्वात्यांबुधः=	
११	बु ४० ४५ पू ४६ ११ ब्र १६ ४४ ब ९ १९	३० ३०	३०	८	२४	३०	सिंहे	मूलेधनुषिशुक्रः१६।१४रमा११व्र.	
१२	गु ४० ३८ उ ४७ ४३ ए १४ ४६ कौ १० ४१	२७ ३१	२९	९	२५	३१	कं.१।३४		
१३	शु ३८ ३५ ह ४७ २२ वै ११ २० ग ९ ३७	२३ ३१	२९	१०	२६	१	कन्यायां	भ.३८।३५उ.नवं.११ता.३०प्रदोषः धन१३	
१४	श ३४ ४४ चि ४५ १६ वि ६ ३० वि ६ ४०	१९ ३२	२८	११	२७	२	तु.१६।१९	भ.६।४०या.स्वाती२राहुःअश्वि.४केतुः÷	
२०	र २९ ३६ स्वा ४१ ४८ प्री १७ ५१ च २ १०	१६ ३३	२७	१२	२८	३	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम् [÷४४।१रूप१४	

२८पं.का.कृ.१श.इ.४५।३१

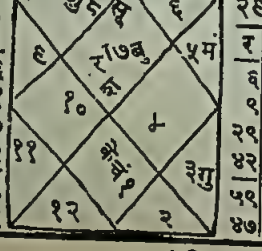

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	२	७	६	६	६
२	८	२४	२५	१९	१८	१४	१
३१	२७	२१	५५	७	१०	४	५७
२६	११	४३	१	३७	५	२९	५२
५९	३७	६	३	६२	७	३	५९
३४	१७	५३	४९	२०	८	११	४६

२९पं.का.कृ.७श.इ.४५।१०

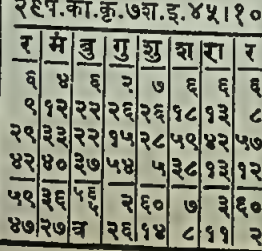

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	२	७	६	६	६
९	१२	२२	२६	२६	१८	१३	८
२९	३३	२२	१५	२८	५९	४२	५७
४२	४०	३७	५४	५	३८	१३	१२
५९	३६	५६	२	६०	७	३	६०
४७	२७	व	२६	१४	८	११	२

३०पं.का.कृ.१४श.इ.५९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	२	८	६	६	६
१६	१६	१४	२६	३	१९	१३	१५
२९	३५	२२	२६	३३	३९	१९	५८
२८	१३	४१	२४	३२	५५	५८	१६
६०	३६	९४	१	५७	७	३	६०
४	१९	व	३	२१	२२	११	१८

तिथि कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५ वि. उ. अ. भा. मु. इ. चन्द्रः | हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९४३ सन् २०१३

१	चं	२३	१६	वि	३७	१०	सौ	४४	४४	ब	२३	१६	२७	६	२५	१३	२९	४	वृ. २३।२०
२	मं	१६	२२	अ	३१	५४	शो	३६	४	कौ	१६	२२	९	३४	२६	१४	३०	५	वृश्चिके
३	बु	९	२०	ज्ये	२६	५३	अ	२७	२२	ग	९	२०	५	३५	२५	१५	१	६	ध. २६।५३
४	गु	२	२२	मू	२१	५०	सु	१८	२६	वि	२	२२	२	३६	२४	१६	२	७	धनुषि
५	गु	५३	२९	पू	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	शु	४९	५५	पू	१७	१०	धृ	१०	२२	कौ	२२	५३	५८	३६	२४	१७	३	८	म. ३१।१०
७	श	४४	३९	उ	१३	१०	शू	३८	५३	ग	१७	१७	५५	३७	२३	१८	४	९	मकरे
८	र	४०	१३	श्र	९	५५	वृ	४८	३८	वि	१२	२६	५२	३८	२२	१९	५	१०	कु. ३८।४०
९	चं	३६	४०	ध	७	२५	ध्रु	४२	४१	बा	८	२६	४९	३८	२२	२०	६	११	कुंभे
१०	मं	३३	५९	श	५	५०	व्या	३७	१६	तै	५	१९	४५	३९	२१	२१	७	१२	मी. ५०
११	बु	३२	७	पू	५	१७	ह	३२	४७	व	३	३	४२	४०	२०	२२	८	१३	मीने
१२	गु	३१	७	उ	५	१९	ब	२८	५६	ब	१	३७	३९	४०	२०	२३	९	१४	मीने
१३	शु	३१	२१	रे	६	३५	सि	२६	३	कौ	०	१४	३६	४१	१९	२४	१०	१५	से. ६।३५
१४	श	३२	३२	अ	८	४४	व्य	२३	७	ग	१	५६	३३	४१	१९	२५	११	१६	मेषे
१५	र	३५	७	भ	१२	०	व	२२	५५	वि	२	५०	३०	४२	१८	२६	१२	१७	वृ. २८।८

प्रविष्टे ३ घटी ५ पलानि

विशाखा १ शनिः २९ अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम २
भ. ३५ उ. विशा. रविः ११ (सौर: ४५) ÷
भ. २।२२ या.
[÷ मोहोरम १ सन् १४३५ हि.
बुधोदयः पूर्वस्यां १३।५६
भ. ४४।३९ उ. वक्री गुरुः २।४७.
भ. १२।२६ या गोपाष्टमी
मार्गे बुधः १।२९ कुष्मांड ९ अक्षय ९
मी. ५०
भ. ३।३ उ. ३२।७ या. पूषा. शुक्रः ५४ ÷
[= प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी विवाहः
प्रदोषः [+ वैकुंठ १४
भ. ३३ उ. वृश्चिकेऽर्कः ११ (सौर: ४८) +
भ. २।५० या. मन्वादिः का. स्ना. पू.

३१पं.का.शु.७श.इ. ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	२	८	६	६	६
२३	२०	८	२६	१०	२०	१२	२३
३०	३४	४१	२८	१८	४०	५७	०
५०	१२	१३	५२	३६	३०	४२	५०
६०	३५	१३	५	५३	७	३	६०
१७	५२	व.	व.	३५	२०	११	३०

गोचर ग्रहाः

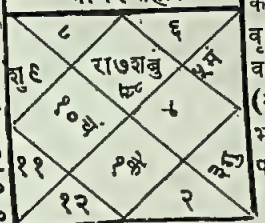

कार्तिकशुक्ले १४ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४प्रगल्भावस्था (बैठो) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

३२पं.का.शु.१४श.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	६	८	६	६	७
०	२४	११	२६	१६	२१	१२	०
३३	२९	१२	१९	३६	३०	३५	४
२९	२	०	३०	०	३६	२७	५४
६०	३५	१४	१	४९	७	३	६०
३०	१८	म.	व.	२	१४	११	४०

तिथि मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५ दि. उ. अ. भा. मु. इ. चन्द्रः | हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.

१	चं	३८	४६	कृ	१६	३१	प	२२	३१	बा	६	५६	२७	४३	१७	२७	१३	१९	वृषे
२	मं	४३	५५	रो	२२	१६	शि	२३	३	तै	११	२०	२५	४३	१७	२८	१४	१९	मि. २८
३	बु	४९	१४	मृ	२८	४१	सि	२४	१६	व	१६	३५	२२	४४	१६	२९	१५	२०	मिथुने
४	गु	५५	४०	आ	३५	२९	सा	२६	९	व	२२	२७	१९	४४	१६	३०	१६	२१	मिथुने
५	शु	६०	०	पु	४३	२८	शु	२८	२०	कौ	२८	५१	१७	४५	१५	१	१७	२२	क. २६
५	श	२	२	पु	५१	९	शु	३०	४६	तै	२	२	१४	४५	१५	२	१८	२३	कर्क
६	र	९	३२	श्ले	५८	१०	ऐं	३२	५५	ब	९	३२	१२	४६	१४	३	१९	२४	सि. ५८
७	चं	१४	११	म	६०	०	ऐं	३४	१७	ब	१४	११	९	४६	१४	४	२०	२५	सिंहे
८	मं	१८	३६	म	४	३	वै	३४	४८	कौ	१८	३६	७	४७	१३	५	२१	२६	सिंहे
९	बु	२१	२६	पू	८	४६	वि	३३	५९	ग	२१	२६	५	४७	१३	६	२२	२७	क. २४।२६
१०	गु	२२	१३	उ	११	२९	प्री	३१	४३	वि	२२	१३	२	४८	१२	७	२३	२८	कन्यायां
११	शु	२०	५७	ह	१२	२५	आ	२७	४३	बा	२०	५७	०	४८	१२	८	२४	२९	तु. ४१।४६
१२	श	१७	४६	चि	११	८	सो	२२	१०	तै	१७	४६	३५	४८	१२	९	२५	३०	०
१३	र	१२	३८	स्वा	८	९	शो	१५	७	व	१२	३८	५६	४९	११	१०	२६	१	तुलायां
१४	चं	५	५०	वि	२३	५३	अ	३७	४७	श	५	५०	५४	४९	११	११	२७	२	वृ. ४९।३४
३०	चं	५२	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	वृश्चिके

प्रविष्टे ३ घटी ५ पलानि

वृषे मि. २८
मिथुने
मिथुने
क. २६
कर्क
सि. ५८
सिंहे
सिंहे
कन्यायां
क. २४।२६
कन्यायां
तु. ४१।४६
०
तुलायां
वृ. ४९।३४
वृश्चिके

अनु. रविः २९।४६ (सौर: ५६।३६)
भ. १६ उ. ४९ या. उफा. भौमः ३७
१० चतुर्थी व्र.
उदयं शनेः ३३ भा. मार्गशीर्षे भ
भ. ३९ उ. ५२ या. विशा. बुधः १६।५७
कन्यायां भौमः ४२।१८
भ. ५१।४९ उ.
भ. २२।१३ या.
उषा. शुक्रः ३८।४० उत्पत्ति ११ व्र.
प्रदोषः
भ. १२ उ. ३५ या. वृश्चिके बुधः ५९ ÷
ज्येष्ठा. रविः ५३ विशाखा. २ शनिः ४७
दिसम्बर १२ ता. ३१

३३पं.मा.कृ.५श.इ ४२।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	२	८	६	६	७
७	२८	१९	२६	२२	२२	१२	७
३७	१७	१६	१	१९	२०	१३	१०
२६	२०	४८	५	२६	२	११	२७
६०	३४	७९	३	४३	७	३	६०
४२	३७	२८	व	६	८	११	५३

गोचर ग्रहाः

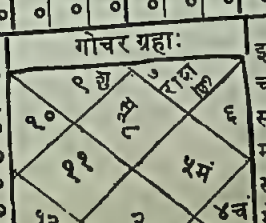

इस मास में बुध का चन्द्रदर्शन चांदी रूई सोना सण तिल घृत मंदे करें रस गुड सक्कर तेज हो प्रजा में शान्ति रहे ।

गोचर ग्रहाः

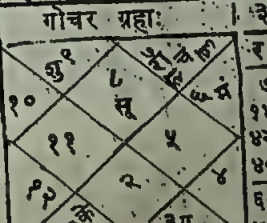

३४पं.मा.कृ.१२श.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	२	८	६	६	७
१४	५	२९	२५	२७	२३	११	१४
४२	१३	३४	३६	१८	८	५०	१७
४०	३४	३२	३६	२६	२८	५५	१३
६०	३३	८९	१३	३५	७	३	६०
५०	५३	१५	व.	२२	२	११	३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ९७२ स.२०१३
१	मं	४९	२५	ज्ये	४९	३५	धृ	४७	१६	किं	२३	४४	२५/५३	६/४९	५/११	१२	२८	३	ध.४९।३५	ज्येष्ठा.रविःसौरः४।३०अनु.बुधः२२/२७
२	बु	४०	३९	मू	४३	४७	शू	३७	५	बा	१५	२	५१	५०	१०	१३	२९	४	धनुषि	मकरेशुक्रः४४।४९चंद्रदर्शनम्
३	गु	३२	१६	पू	३७	१३	गं	२७	४	तै	६	२७	४९	५०	१०	१४	१	५	म.५०।४४	भ.५८/२७उ.बुधास्तःपूर्वस्यां२९/१४सफर२
४	शु	२४	३८	उ	३१	२०	वृ	१७	१७	वि	२४	३८	४८	५०	१०	१५	२	६	मकरे	भ.२४।३८या.
५	श	१७	४४	श्र	२६	२०	ध्रु	८	१७	बा	१७	४४	४६	५१	९	१६	३	७	कुं.५४।३०	
६	र	१२	१४	ध	२२	४०	व्या	०/२६	५३/३	तै	१२	१४	४५	५१	९	१७	४	८	कुंभे	चंपा६
७	चं	७	५६	श	२०	८	व	४७	४४	व	७	५६	४४	५१	९	१८	५	९	कुंभे	भ.७।५६उ.३६।७या.
८	मं	५	१६	पू	१९	११	सि	४३	४	ब	५	१६	४३	५१	९	१९	६	१०	मी४।२६	
९	बु	३	५२	उ	१९	२७	व्य	३९	२६	कौ	३	५२	४२	५२	८	२०	७	११	मीने	
१०	गु	३	४२	रे	२१	१४	व	३६	५८	ग	३	४२	४१	५२	८	२१	८	१२	मे.२१।१४	भ.३४।२३उ.ज्येष्ठा.बुधः७।४६
११	शु	५	४	अ	२४	२८	प	३५	१९	वि	५	४	४०	५२	८	२२	९	१३	मेषे	भ.५।४या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	श	७	१४	भ	२८	३०	शि	३४	५८	बा	७	१४	३९	५२	८	२३	१०	१४	वृ.४४।४४	प्रदोषः [+हस्तेभौमः१४।२४दत्तजयंती
१३	र	१०	५६	कृ	३३	२८	सि	३५	२	तै	१०	५६	३९	५२	८	२४	११	१५	वृषे	मूलेधनुष्यऽर्कः४७।८
१४	चं	१५	१६	रो	३९	१८	सा	३५	३९	व	१५	१६	३८	५२	८	२५	१२	१६	वृषे	भ.१५/१६उ.४८/२या.मूलेधनुष्यर्कःसौरः८/२०+
१५	मं	२०	४८	मृ	४६	२	शु	३७	१२	व	२०	४८	३८	५२	८	२६	१३	१७	मि. १२/४०	

३५पं.मा.शु.५श.इ.४३/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	२	९	६	६	७
२१	५	१०	२४	१	२३	११	२१
४८	४०	३	५७	१५	५५	२८	२४
४३	८	३६	०	४७	४८	४०	५६
६०	३२	९४	५/२६	२५	६	३	६१
५६	५८	१७	व.	२३	४४	११	११

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष क्लें१३रवौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.२ न.३प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.४५धान्यादि भावें समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

३६पं.मा.शु.१२श.इ.४३/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	२	९	६	६	७
२८	९	२०	२४	३	२४	११	२८
५५	११	५२	१३	५६	४०	६	३३
३७	३८	५९	४८	२	४८	२४	३९
६१	३२	९७	६/२४	१२	६	३	६१
०	१	१९	व	३५	२९	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	बु	२६	२७	आ	५३	८	शु	३९	०	कौ	२६	२७	२५/३७	६/५३	५/७	२७	१४	१८	मिथुने	
२	गु	३२	५८	पु	६०	०	ब्र	४१	१०	ग	३२	५८	३७	५३	७	२८	१५	१९	क.४३।५०	[+३७।३६वक्रीशुक्रः३३।१३
३	शु	३९	२२	पु	०	४४	ऐं	४३	२५	व	६	१०	३६	५३	७	२९	१६	२०	कर्के	भ.६।१०उ.३९।२२या.मूलेधनुषिबुधः+
४	श	४५	४७	पु	८	२५	वै	४५	४६	ब	१२	३४	३६	५३	७	३०	१७	२१	कर्के	चतुर्थी व्र.
५	र	५१	४१	श्ले	१५	४२	वि	४७	२०	कौ	१८	४४	३६	५३	७	१	१८	२२	सिं१५।४२	वक्री पुन १गुरुः१७।४०भा.पौषारंभः
६	चं	५६	३३	म	२२	१५	प्री	४८	३९	ग	२४	७	३६	५३	७	२	१९	२३	सिंहे	भ.५६।३३उ.
७	मं	६०	०	पू	२७	५०	आ	४८	४८	वि	२८	२६	३७	५३	७	३	२०	२४	कं४३।५२	भ.२८।२६या.
७	बु	०	२०	उ	३१	५८	सौ	४७	५३	ब	०	२०	३७	५३	७	४	२१	२५	कन्यायां	
८	गु	२	१६	ह	३४	३४	शो	४६	१३	कौ	२	१६	३७	५३	७	५	२२	२६	कंन्यायां	
९	शु	२	२६	चि	३५	८	अ	४१	१४	ग	२	२६	३८	५२	८	६	२३	२७	तु.४।५१	भ.३१।३१उ.
१०	श	०	३६	स्वा	३३	४३	सु	३५	४१	वि	०	३६	३९	५२	८	७	२४	२८	तुलायां	भ.०।३६या.पूषा.रविः५२।८पूषाबुधः×
११	श	५६	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×५७।१६सफला११व्र.स्मा.
१२	र	५०	५३	वि	३०	२२	धृ	२७	३०	कौ	२३	४६	४०	५२	८	८	२५	२९	वृ.१६।१२	पूषा.रविःसौरः९।५८सफला११व्र.वै.
१३	चं	४३	३४	अ	२५	५	शू	१९	४७	ग	१७	१३	४१	५२	८	९	२६	३०	वृश्चिके	भ.४३।३४उ.प्रदोषः
१४	मं	३४	४८	ज्ये	१८	४५	गं	१०/२९	४९/५	वि	९	११	४१	५२	८	१०	२७	३१	ध.१८।४५	भ.९।११या,
३०	बु	२५	२३	मू	११	२२	ध्रु	४८	३०	च	०	६	४२	५२	८	११	२८	१	धनुषि	जनवरी१ता०३१सन्२०१४

३७पं.पौ.कृ.४श.इः४३/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	२	९	६	६	८
६	१२	१	२३	४	२५	१०	५
३	३३	४९	२४	५३	२४	४४	४३
१४	४३	१९	७	४०	२५	९	४
६१	३०	९९	७/१५	२/३२	६	३	६१
४	५५	२३	व.	व.	१४	११	२२

गोचर ग्रहाः

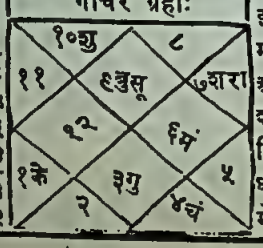

इसमासमें चांदी स्वर्ण मंदे रहें,सरसों तिल अलसी गुड़ तेजी करें शकुन :–पौषसुदी १४ दिना बिजली का घनघोर। शुभवर्षाआषाढ में बोलें दादुरमोर ।।

गोचर ग्रहाः

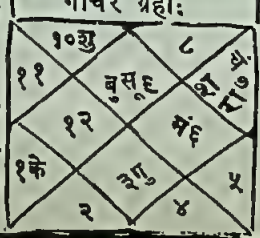

३८पं.पौ..कृ. १०श.इ. ४३/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	२	९	६	६	८
१३	१५	१२	२२	३	२६	१०	१२
११	४५	५६	२९	५७	४	२१	५२
१३	११	३८	५६	१८	५९	५३	५६
६१	२९	५/१०	७/४८	१८/३२	५	३	६१
६	३४	२८	व.	व.	५०	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५							दि.		उ.		अ.		भा.		मु.		इं.	चन्द्र :	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १००२स, २०१४
१	गु	१५	३४	पु	३	५२	व्या	३७	३३	ब	१५	३४	२५	६	३	१२	२९	२	म. १६।४३	चंद्रदर्शनम्
२	शु	६	२२	श्र	४८	५२	ह	२६	५६	कौ	६	२२	४४	५१	९	१३	१	३	मकरे	रविलावल ३ [×अश्वि. ३केतुः ३६।८
३	शु	५१	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷८।४०स्वाति १राहुः×
४	श	५०	१५	ध	४२	५८	व	१६	५३	च	२३	५७	४५	५१	९	१४	२	४	कु. ५५	भ. ३३ उ. ५० या. विशाखा ३वृश्चिकेशनिः ÷
५	र	४४	२०	श	३८	४०	सि	८	३२	ब	१७	१७	४७	५१	९	१५	३	५	कुंभे	
६	चं	४०	१३	पू	३६	४	व्य	०	५४	कौ	१२	१३	४८	५०	१०	१६	४	६	मी २१।४३	उषा. बुधः ८।१८ वक्री धनूषिशुक्रः ५०।१८
७	मं	३७	५३	उ	३५	१३	प	५०	४	ग	९	३	५०	५०	१०	१७	५	७	मीने	भ. ३७।५३ उ.
८	बु	३७	२५	रे	३६	१२	शि	४७	७	वि	७	३८	५२	५०	१०	१८	६	८	मे. ३६।१२	भ. ७।३८ या. मकरे बुधः ५।५९
९	गु	३८	४६	अ	३८	५३	सि	४५	२२	बा	८	५	५३	४९	११	१९	७	९	मेषे	
१०	शु	४१	३१	भ	४३	२	सो	४४	४९	तै	१०	८	५५	४९	११	२०	८	१०	वृ. ५९।२२	उषा रविः ५५ शुक्रास्तः पश्चिमायां ०।३६
११	श	४५	४५	कृ	४८	२३	शु	४५	२०	ब	१३	३८	५७	४९	११	२१	९	११	वृषे	भ. ५३ उ. ४५ या. उषा. रविः सौरः ११।२५
१२	र	५०	४७	रो	५४	४९	शु	४६	१९	ब	१८	१६	५९	४८	१२	२२	१०	१२	वृषे	वक्री पूषा. शुक्रः १५।२ [=पुत्रदा ११व्र.
१३	चं	५६	५३	मृ	६०	०	ब्र	४८	१०	कौ	२३	५०	२६	४८	१२	२३	११	१३	मि. ३८	प्रदोषः [=शुक्रोदयः पूर्वस्यां ३६ मा. स्ना. प्रा.
१४	मं	६०	०	मृ	२	८	ऐं	५०	१	ग	२९	४९	४	४७	१३	२४	१२	१४	मिथुनं	मकरेऽर्कः १३७ (सौरः २६) श्रवणे बुधः ९६
१४	बु	२	४४	आ	९	९	वै	५२	१६	व	२	४४	६	४७	१३	२५	१३	१५	क. ५९।५२	भ. २।४४ उ. ३६।२या.
१५	गु	९	१९	पु	१६	४६	वि	५४	२८	ब	९	१९	८	४६	१४	२६	१४	१६	कर्के	चित्राभौमः ४५ वक्री आर्द्रा ४गुरुः ५६=

३९पं.पौ.शु.४श.इ. ४३ २३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	२	९	६	६	८
२०	१८	२४	२१	१२	२६	९	२०
१९	४९	१५	३३	६	४३	५९	२
२६	२६	४०	३६	४७	८	३७	५३
६१	२८	०	५३	३३	५	३	६१
६	०	५८	व.	व.	२५	११	२६

गोचर ग्रहाः

पौषशुक्ले १४भौमे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न. ३प्रौढावस्था (बैठी मु. १५धान्यादि भावेंमहर्घता शुक्रास्तः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ.शु.११श.इ. ४३ ३०							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	२	८	६	६	८
२७	२१	५	२०	२६	२७	९	२७
२७	४०	५१	३६	५८	१७	३७	१२
२२	३४	५८	५०	४१	४६	२२	४५
६१	२६	०	५५	३३	४	३	६१
६	१	५३	व.	व.	५६	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५							दि.		उ.		अ.		भा.		मु.		इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	१५	३९	पु	२४	४	प्री	५६	३१	कौ	१५	३९	६	५	२७	१५	१७	कर्क		
२	श	२१	५२	श्ले	३१	३५	आ	५८	१०	ग	२१	५२	१३	४५	१५	२८	१६	१८	सिं. ३५	भ. ५४।३९उ, बुधोदयः पश्चिमायां ४१।२२
३	र	२७	२६	म	३७	५२	सो	५९	२८	वि	२७	२६	१६	४५	१५	२९	१७	१९	सिंहं	भ. २७।२६या. चतुर्थीव्र.
४	चं	३२	८	पू	४३	४७	शो	५९	५८	बा	२२	८	१९	४४	१६	३०	१८	२०	कं. ५९।५९	अभि. प्र. रविः ४५।४७ (सौरः ५८।१३)
५	मं	३६	०	उ	४८	३३	अ	५९	४१	कौ	४	३४	२१	४४	१६	१	१९	२१	कन्यायां	भा. माघारंभः
६	बु	३८	३३	ह	५२	७	सु	५८	१५	ग	७	१६	२४	४३	१७	२	२०	२२	कन्यायां	भ. ३८।३३उ. धनि. बुधः ३।५३
७	गु	३९	३८	चि	५४	१०	धृ	५५	४०	वि	९	५	२७	४३	१७	३	२१	२३	तु. २३।८	भ. ९।५या.
८	शु	३९	११	स्वा	५४	२९	श	५१	४१	बा	९	२२	२९	४२	१८	४	२२	२४	तुलायां	श्रवणेरविः ३५४ (सौरः १४) अभि. नि.=
९	श	३६	५३	वि	५३	११	गं	४६	७	तै	८	२	३३	४२	१८	५	२३	२५	वृ. ३८।३१	अभि. नि. रविः सौरः ३६ [=रविः ५५
१०	र	३२	४१	अ	५०	४	मृ	३९	१६	व	४	४७	३५	४१	१९	६	२४	२६	वृश्चिके	भ. ४७ उ. ३१ या. कुंभे बुधः ३ पातस्पर्शः ९
११	चं	२६	५३	ज्ये	४५	२०	धु	३१	२	बा	२६	५३	३८	४०	२०	७	२५	२७	ध. ४५	पातमोक्षः १५।३४ षट्तिला ११व्र.
१२	मं	१९	३४	मू	३९	१२	व्या	२१	४७	तै	१९	३४	४१	४०	२०	८	२६	२८	धनुषि	प्रदोषः
१३	बु	११	७	पू	३२	४	ह	११	३५	व	११	७	४५	३९	२१	९	२७	२९	म. ४५।८	भ. ११।७उ. ३६।२३या.
१४	गु	१	३८	उ	२४	२२	व	४३	५७	श	१	३८	४८	३८	२२	१०	२८	३०	मकरे	
३०	गु	५०	२०	०	०	०	०	०	०	९	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

४१पं.मा.कृ.२श.इ. ४३ ४८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	२	८	६	६	९
४	२४	१७	१९	२२	२७	९	४
२५	१७	३६	४१	५७	४८	१५	२२
१३	२	२९	४९	४०	२२	६	१४
६१	२३	०	२७	३३	४	३	६१
३	४६	२२	व.	व.	२६	११	१९

गोचर ग्रहाः

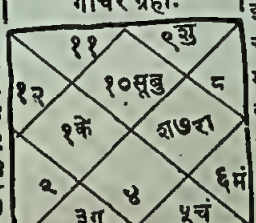

इस मासयें धातु सोना चांदी रुई वस्त्र बाजरा मूंग मोठ रस गुड़ शक्कर चीनी वदी में मंदी होकर सुदी में तेज हो।

गोचर ग्रहाः

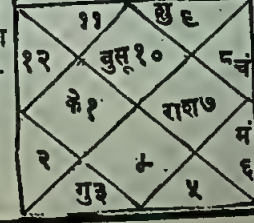

४२पं.मा.कृ. ९श.इ. ४३ ५३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	२	८	६	६	९
११	२६	२८	१८	२०	२८	८	११
४२	२	४५	५१	१४	१५	५२	३५
४०	३८	४	७	३५	७	५१	५
६०	२०	८८	४३	१५	३	३	६१
५९	५६	५२	व.	व.	४५	११	१३

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५											वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १०३१स.२०१४
१	शु	४२	२३	श्र	१६	३१	व्य	३८	४५	कि	१७	११	२६ ५१	३८	२२	११	२९	३१	कुं.४३।५१ [+चंद्र दर्शनम् फरवरी २ ता. २८
२	श	३३	३८	ध	११	१२	व	२८	३५	बा	८	१	५४	३७	२३	१२	३०	१	कुंभे शते बुधः १२।४१मार्गा शुक्रः १२।४९ +
३	र	२६	१०	श	३	४५	प	१९	२६	ग	२६	१०	५८	३६	२४	१३	१	२	मी. ४४ भ.५३।१६उ.रविलाखर ४
४	चं	२०	२३	उ	५५	४२	शि	११	२६	वि	२०	२३	२७	३६	२४	१४	२	३	मीने भ.२०।२३या.
५	मं	१६	२४	रे	५४	४७	सि	५	१७	बा	१६	२४	५	३५	२५	१५	३	४	मे.५४।४७ वसंत ५
६	बु	१४	३२	अ	५६	२	सा	५३	५६	तै	१४	३२	८	३४	२६	१६	४	५	मेषे [A१०।४२(सौरः१९।५५)पातस्पर्शः D
७	गु	१४	५५	म	५९	१३	शु	५६	२४	व	१४	५५	१२	३४	२६	१७	५	६	मेषे भ.१४।५५उ.४५।५९या. धनि.रविः A
८	शु	१७	३	कृ	६०	०	ब्र	५६	४३	ब	१७	३	१५	३३	२७	१८	६	७	वृ १५।२८ वक्री बुधः ३ तुलायांभौमः १७ भीष्माष्टमी
९	श	२१	२	कृ	४	१२	ऐं	५७	२८	कौ	२१	२	१९	३२	२८	१९	७	८	वृषे बुधास्तःपश्चिमायां ४१।४१
१०	र	२६	११	रो	१०	३०	वै	५९	१७	ग	२६	११	२३	३१	२९	२०	८	९	मि४४।७ भ.५९।२२उ.
११	चं	३२	३३	मृ	१७	४४	वि	६०	०	वि	३२	३३	२७	३१	२९	२१	९	१०	मिथुने भ.३२।३३या.जया११ व्र.
१२	मं	३८	४२	आ	२५	८	वि	१	२७	ब	५	३७	३०	३०	३०	२२	१०	११	मिथुने [D ३९ पातमोक्षः५१।५७भानु७रथ७
१३	बु	४५	१७	पु	३२	५२	प्री	३	४७	कौ	११	५९	३४	२९	३१	२३	११	१२	क.१५।५६ कुभेऽर्कः ४५ ५८ (सौरः ५३ ७) वक्री.धनि.बुधः ×
१४	गु	५१	२२	पु	४०	१०	आ	६	२५	ग	१८	२०	३८	२८	३२	२४	१२	१३	कर्के भ.५१।२२उ. [×५९।२४ प्रदोषः
१५	शु	५७	१९	श्ले	४७	९	सौ	८	१	वि	२४	२०	४१	२८	३२	२५	१३	१४	सिं४७।९ भ.२४।२०या.मा.स्ना.पूर्ति.

४३पं.मा.शु.५श.इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	१०	२	८	६	६	९
१८	२८	७	१८	१९	२८	८	१८
४९	३९	८	५	२२	३७	३०	३९
१६	४७	३८	४६	१९	५५	३५	१०
६०	१८	५५	५	२०	३	३	६१
५५	२	४६	५०	व.	१०	११	४

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले १३ बुधे कुभेऽर्कःप्रविष्टःवा.२ न.३प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदय पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

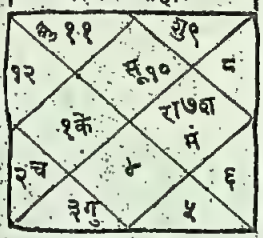

४४ पं.मा.शु.९श.इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	१०	२	८	६	६	९
२५	०	८	१७	२०	२८	८	२५
५५	२०	५२	२७	४२	५५	८	४५
१	१७	१९	३६	४	४४	१२	५७
६०	१४	२१ ३३	४ ३७	१४ ४९	२	३	६
४७	४	व.	व.	मा	२२	११	५० ५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५											वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तौ रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	श	६०	०	म	५३	२१	शो	९	३४	बा	२९	४७	३५ ५७	३	३	२६	१४	१५	सिंहे
१	र	२	१६	पू	५८	४७	अ	१०	२२	कौ	२	१६	४९	२६	३४	२७	१५	१६	सिंहे
२	चं	६	२५	उ	६०	०	सु	१०	३४	ग	६	२५	५३	२५	३५	२८	१६	१७	क.१४।५४ भ.३७ ५९उ.
३	मं	९	३३	उ	३	१७	धृ	१०	३	वि	९	३३	५६	२५	३५	२९	१७	१८	कन्यायां भ.९।३३या.वक्री मकरेबुधः ५७ चतुर्थी व्र
४	बु	११	३७	ह	६	४४	शू	८	४१	बा	११	३७	२८ ००	२४	३६	३०	१८	१९	तु.३७।५३ शते रविः २२ ३९ (सौरः २९) पातस्पर्शः ५०
५	गु	१२	३०	चि	९	२	गं	६	२९	तै	१२	३०	४	२३	३७	१	१९	२०	तुलायां भा.फाल्गुनारंभःपातमोक्षः७।४
६	शु	१२	२१	स्वा	१०	१७	वृ	२ ३३	५५ ४६	ब	१२	२१	८	२२	३८	२	२०	२१	वृ.५५।० भ.१२ उ.४० या.उषा.शुक्रः ३ वक्रीआर्द्रा >
७	श	१०	५८	वि	९	५५	व्या	५३	४२	ब	१०	५८	१२	२२	३८	३	२१	२२	वृश्चिके बुधोदयःपूर्वस्यां९।३६
८	र	८	३	अ	८	५६	ह	४७	१६	कौ	८	३	१६	२१	३९	४	२२	२३	वृश्चिके [×३ गुरुः११।४७
९	चं	३	५८	ज्ये	६	१३	च	३९	५५	ग	३	५८	२०	२०	४०	५	२३	२४	ध.६।१३ भ.३१।१२उ.५८।२७या.
१०	चं	५४	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	मं	५१	४६	मू	१०	५४	सि	३१	३२	ब	२५	६	२४	१९	४१	६	२४	२५	धनुषि विजया ११ व्र.स्मा.
१२	बु	४३	५६	उ	५०	५३	व्य	२२	२९	कौ	१७	५१	२८	१८	४२	७	२५	२६	म.१०।२८ मकरेशुक्रः ३७ वक्री मौमः ४६ विजया ११ व्र.
१३	गु	३५	३७	श्र	४४	१४	च	१२	२९	ग	१०	१६	३२	१८	४२	८	२६	२७	मकरे भ.३५ उ.प्रदोषःमहाशिवरात्री व्र.स्मा.
१४	शु	२६	४१	ध	३७	१४	प	३ ६	४९ ५८	वि	१	९	३६	१७	४३	९	२७	२८	कुं.१०।४४ भ.१।९या.महाशिवरात्री व्र.वै.
३०	श	१८	४	श	३०	४१	सि	४२	१९	ना	१८	४	४०	१६	४४	१०	२८	१	कुम्भे मार्गी बुधः४४।१७मार्च ३ता.३१

४५ पं.फा.कृ. १श. इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	२	८	६	६	१०
२	१	३	१६	२३	२९	७	२
५९	३४	६	५६	२५	८	४६	५२
४९	४८	०	२०	१	३८	४	०
६०	९	५८	३	२७	३२	३	६०
३७	८	व.	व.	२४	व.	११	४२

४६पं.फा.कृ.७ श. इ. ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	२	८	६	६	१०
१०	२	२६	१६	२७	२९	७	९
३	२०	१	३६	३०	१६	२३	५६
२२	५३	१९	४३	४	४१	४८	३३
६०	३	४८ २२	२	३७	१	३	६०
२५	४६	व	व	१८	००	११	३१

४७पं.फा. कृ. ३०श.इ. ४४

र	मं	शु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	२	९	६	६	१०
१७	२	२४	१६	२	२९	७	१६
५	३८	१५	२५	३५	२०	१	५९
३५	४९	३२	१९	१०	१७	३३	२६
६०	४३	१	३०	४५	०	३	६०
१२	व	मा	व	२	१२	११	२०

(विक्रम सं. २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

| ति. | फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५ | | |

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११५, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् ८६४०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११५, भोग्यकलिः ४२६८८५, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०७१, शाकः १९३६, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः । मंत्री चंद्रः । सस्येशो बुधः। धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः। रसेशः शुक्रः। नीरसेशो बुधः। फलेश शनिः । धनेशो भौमः । दुर्गेशःशनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां २ किलकनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ०।२।१२।२९ भोग्यमासादिः ११।२७।४७।३१ चंद्रदैवतं युगम् । वर्षनाम मार्गशीर्षः । मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासःसंधौ । समयनिवासोः वाणक् गृहे। समय विश्वा१२ समयवाहनम् मृगः। स्तंभाः३ अन्नजलतृणानां : सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी१ भानुसप्तमी३ रविदशमी २ समय मुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १४ तिथिवृद्धिः ७ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपतिविश्वा ८४, वर्षाविश्वा १५, धान्यम् ९, तृणम् ७, शीतम् ७, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१०९, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःपश्चिमे । ग्रहणाभावः ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से जिमि पूछे हर साल ।
इकहत्तर की साल का मात सुनावो हाल ।

भवानी उत्तर

इकहत्तर इकलोतियो ना सारे इकसार ।
आपस में जनता लड़े घटे मही का भार ।।
राजा मंत्री योग से घर घर मंगलाचार ।
नारि खिलावें डीकरा गायां दूध अपार ।।
वर्षा लगे सुहावणी श्रावण भादों मास ।
अन्न जल की कमती नहीं उत्तम नीपजे घास ।।
समय निवासो वैश्यघर तेजडियों का जोर ।
ईश भजन सम जगत में ना ऊंचा कुछ ओर ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	२	११	८	८	२	८

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ७।२८

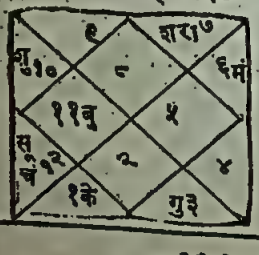

वर्षेश लग्नम् ०।१५

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२।३१

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणांफलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजाचन्द्रस्तत्फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरंचधान्यं । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ।। मंत्री चंद्रस्तत्फलम् ।। शशिनि मंत्रि गते बहुसस्यवत्यपिधरा रमते सुख मंडिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशि सुशोभिताः ।। सस्येशो बुधस्तत्फलम् ।। जलधरा जलराशिमुचोभृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणः स्तुति पाठकरः सदा प्रथमसस्यपतौ सति बोधने । धान्येशोभौमः फलम् ।। भूमिजे ग्रीष्म-धान्येश ग्रीष्म-धान्य महर्घकम् ।। शालीक्षुघृत तैलादि महर्घाणि भवंति च । मेघेशो रविः फलम् ।। जलदपे यदि वासरपेतदा सरसि वै रमते जनता रसम् । यवचनेषु नीवार सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः । सुखसुभिक्ष-सुमोदवती धरा धरणीपाहत पापगण प्रिया ।। नीरसेशो बुधस्तत्फलम् ।। चित्रवस्त्रादिकञ्चै व शंखचंदन पूर्वकम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधोयदि ।। फलेशः शनिः फलम् ।। यदि शनिः फलपः फलहाभबेज्जनित पुष्प गणास्तरवः सदा । हिमभयं नरतस्करजंतदा जनपदा जनरासिसमाकुलाः ।। धनेशो भौमः फलम् ।। असम मौल्य करो वरणी सुतः शरदि तापकरस्तुष धान्यहृत् । सहसिमासि भवद्विगुणं तदानरपतिर्जन शोक विधायकः ।। दुर्गेशः शनिः फलम् ।। रवि सुते गढ़पालिनि विग्रहैः सकल देश गत्ताश्चलिता जनाः विविधवैरि विशेषित नागराः कृषि धनं लभते भुवि कश्चनः ।। कीलक नामसंवत्सरः फलम् ।। कीलकाब्देत्वीति भीतिः प्रजा क्षोभ नृपावही । तथापिवर्धते लोकाः सम धान्यार्घ वृष्टिभिः ।। वर्षनाम मार्गशीर्षः फलम् ।। कार्पासादिमहर्घंस्यात् गोधूमाषतिलादिकम् । मेघोवर्षति देवो वा मार्गशीर्षे विशेषतः ।। रोहिणी निवासः संधौफलम् ।। खंड वृष्टि श्च संधिषु ।। मेघनामपुष्करस्तत्फलम् । पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात् ।। समयनिवासोवणिक् गृहे फलम् ।। वाणिक् गृहे शुभंनास्ति ।। एवं संचित्यदैवज्ञैः कथनीयम् शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृष्णा ८ शुक्रे अनु. ल. गो.(सौम्रांगः) रे.७।ऽ।।।ऽनृऽ।।।
,, ४ शनौ मूले ल. १० रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
,, ७ चन्द्रे उषा. ल. गो. (सोम्रांगः) व ६ (घ ४३।११ उ) गु. पू. सत्
शुक्ला २ गुरौ. रोहि. ल. १० रे. ८ ।।।।ऽरो.ऽ।।।
,, ८ बुधे मघा. ल. ६ (घ. ४४।७ उ) गु. पू. सत् रे.८।।।।।।ऽ।ऽगणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः
,, ६ गुरौ मघा. ल. गो. (सोम्रांगः) ल. ६ (गु. पू. सत्) रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ। ग. क्रांति-साम्याऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १ गुरौ. अनु. ल. ६।१० (धनुषि गु. पू.)
,, ४ रवौ उषा ल. १० रे. ६ ।।।ऽबुऽ।ऽऽ।। पादतोवेधाभावः
,, ११ शनौ रेव. ल. ऽन्यगो १० रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
शुक्ला ८ शुक्रे उषा ल.गो.१०रे.८ऽ।।।।।(नृ४२उ)ऽ।।।

आषाढमासः

कृष्णा ८ शुक्रे रेव ल. १०।२ (मकरे गु. पू.) रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
,, ६ शनौ रेव. ल. ऽन्यगो रे. ७।।।।ऽऽचौ.ऽ।।
शुक्ला ४ भौमे मघा ल. २ रे. ७ ।।।।।ऽचौ.ऽऽ।।
,, ७ शुक्रे उषा ल. ऽन्यगो १० रे. ७।ऽ।।।।ऽऽ।। मकरे गु. पू. घ. ३८।५३ या.
,, ७ शुक्रे हस्ते ल. २ (घ. ५५।४६ या) रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।
,, १० चन्द्रे स्वात्यां ल. गो. १० रे. ८ ।।।।ऽ।ऽ।।। मकरे गु. पूज्यः

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला १५ शनौ मृगे ल. ५ घ. ४१।३१ उ. रे. ६ ।ऽ।।ऽ।।ऽसूऽआ।ऽ।।

पौष मासः

कृष्णा १ रवौ मृगे ल. गो. ५ घ. ४०।३८ या. रे. ७ ।ऽ।।ऽसू।।ऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ६ भौमे. ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।

चैत्र मासः

कृष्णा ३ चन्द्रे स्वात्यां ल. गो. (भौ. ८ महादोषः ल. १० गु. पू. सत् रे. ६ ।।।।।ऽचौ।ऽऽऽ दग्धा गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः
,, ४ भौमे स्वात्यां ल. गो. रे. ८ ।।।।।।।ऽऽ। गो. भौमाष्टम महादोषः

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६													दि.	उ.	घ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः १०९०स.२०१४
१	चं	३९	२	रे	४३	३५	ऐं	४२	४२	किं	११	४१	३०	५५	६	१०	२९	३१	मे.	४३।३५	रेवत्यां रविः २७ (सौरः ३३) कुंभे शुक्रः
२	मं	३५	२०	अ	४२	८	वै	३७	२६	बा	७	११	४९	५०	१०	११	३०	१		मेषे	चंद्र दर्शनम् अप्रेल ४ ता.३० सिंघारा
३	बु	३३	३६	भ	४२	३७	वि	३३	३७	तै	४	१९	५३	४९	११	१३	१	२	वृ.	५८।११	जमादिलाखर ६ मत्स्यजयंती गणगौरी
४	गु	३३	३३	कृ	४४	५४	प्री	३१	२२	व	३	३४	५७	४९	११	१३	२	३		वृषे	भ.३।३४उ.३३।३३या.
५	शु	३५	४४	रो	४९	३	आ	३०	४४	ब	४	३७	३१	४८	१२	१४	३	४		वृषे	मीने बुधः १२।८
६	श	३९	२८	मृ	५४	४६	सौ	३१	५	कौ	७	३५	५	४७	१३	१५	४	५	मि.	३१ ५४	[÷८।३६संवत्सरारंभः नवरात्रा.
७	र	४४	५०	आ	६०	०	शो	३२	५४	ग	१२	९	८	४६	१४	१६	५	६		मिथुने	भ.६४उ.उभा.बुधः७।४५शतेशुक्रः२७।१
८	चं	५०	३९	आ	१	४०	अ	३५	२	बि	१७	४४	१२	४६	१५	१७	६	७	कं.	५२।१४	भ.१७।४४या.
९	मं	५७	२	पु	९	५	सु	३७	२४	बा	२३	५०	१६	४५	१५	१८	७	८		कर्के	रामनवमी
१०	बु	६७	०	पु	१६	३८	धृ	३९	४५	तै	३०	५	१९	४४	१६	२९	८	९		कर्के	[×बुधास्तः पूर्वस्यां ३६।४
१०	गु	३	७	श्ले	२३	५३	शू	४१	२६	ग	३	७	२३	४३	१७	२०	९	१०	सिं.	५३	भ.३५।५४उ.
११	शु	८	४१	म	३०	५	गं	४२	१७	वि	८	४१	२६	४३	१७	२१	१०	११		सिंहे	भ.८।४१या.कामदा ११व्रतम्
१२	श	१२	५२	पू	३४	४९	वृ	४२	५	बा	१२	५२	३०	४२	१८	२२	११	१२	कं	५०।४३	प्रदोषः
१३	र	१५	४४	उ	३८	२६	धु	४०	४५	तै	१५	४४	३४	४१	१९	२३	१२	१३		कन्यायां	रेवत्यां बुधः ३९।१९वक्रीहस्ते भौमः ३१ ५४
१४	चं	१९	५८	ह	४०	४४	व्या	३८	२४	व	१६	५८	३८	४०	२०	२४	१३	१४		कन्यायां	भ.१९ ५८उ.५९या.अश्वि.मेषेऽर्कः १।५३ A
१५	मं	१९	५५	चि	४१	३३	ह	३४	५२	ब	१६	५५	४२	४०	२०	२५	१४	१५	तुं.	११।८	हनुमज्जयंती [A (सौरः ७।४)

५२पं.चै.शु.६श.इ.४६।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	२	१०	६	६	११
२१	२६	२	१७	५	२८	५	२१
५३	१	४२	५०	५५	२३	१०	४८
३१	१६	४०	५६	४८	५३	१५	४६
५९	३१	५८	५	६३	१९	३	५९
४४	व.	४५	४४	२३	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

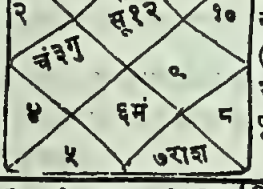

चैत्र शुक्ले १४ चंद्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

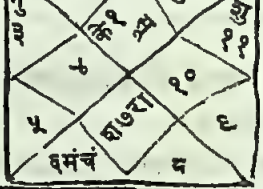

१पं.चै.शु.१४चं.इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	११	२	१०	६	६	११
०	२३	१७	१८	१४	२७	४	२९
०	४	२३	४१	४७	५५	४४	५५
०	३४	३१	२४	४२	१	१०	०
५८	३० ३६	५	७	६५	५३	३	५८
४४	व.	४५	५०	१७	व.	११	४

ति	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६													दि.	उ.	घ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वसंततू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु	१५	१८	स्वा	४१	१०	व	३०	२६	कौ	१५	१८	३१ ४६	३९	२१ ३६	२६	१५	१६		तुलायां	
२	गु	१२	४३	वि	३९	४३	सि	२५	१४	ग	१२	४३	५०	३८	२२	२७	१६	१७		वृ.२५।५	भ.४०।५९उ.
३	शु	९	१५	अ	३७	३४	व्य	१९	२९	वि	९	१५	५३	३७	२३	२८	१७	१८		वृश्चिके	भ.९।१५या.पूभ ।.शुक्रः४७।५१चतुर्थी व.
४	श	४	५६	ज्ये	३५	२	व	१३	४	बा	४	५६	५७	३७	२३	२९	१८	१९		ध.३५।२	
५	र	०	३२	मू	३२	१३	प	६ ४०	५३ ९३	तै	०	३२	३२ ५१	३६	२४	३०	१९	२०		धनुषि	भ.५५।४३उ.अश्वि.मेषे बुधः २८।४६
६	र	५५	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		० ०	
७	चं	५०	४५	पू	२९	१०	सि	५३	१	वि	२३	१४	५	३५	२५	१	२०	२१		म.४३।२१	भ.२३।१४या.भा.वैशाखारंभः
८	मं	४५	३५	उ	२५	५४	सा	४५	५४	बा	१८	६	९	३४	२६	२	२१	२२		मकरे	
९	बु	४०	१६	श्र	२२	२५	शु	३८	४६	तै	१२	५२	१२	३४	२६	३	२२	२३		कुं.५०।३९	
१०	गु	३४	४७	ध	१८	५३	शु	३१	३२	ब	७	३१	१६	३३	२७	४	२३	२४		कुम्भे	भ.७।३१उ.३४।४७पुन.१गुरुः ३०।१६
११	शु	२९	१९	श	१५	२८	ब्र	२४	२८	ब	१	५९	२०	३२	२८	५	२४	२५	मी.	५७	वरुथिनी ११व्र.
१२	श	२४	०	पू	११	५४	ऐं	१७	३२	तै	२४	०	२३	३१	२९	६	२५	२६		मीने	भरण्यां बुधः ३९।४२ प्रदोषः
१३	र	१९	११	उ	८	५९	वै	१०	५९	व	१९	११	२७	३१	२९	७	२६	२७		मीने	भ.१९ ५९उ.४७या.भरण्यारविः ३२ १० (सौरः =
१४	चं	१५	१	रे	६	४४	वि	५	१०	श	१५	१	३१	३०	३०	८	२७	२८	मं.	६।४४	[= ४८।२९) मीने शुक्रः ४६।४०
३०	मं	१३	२	अ	५	३०	प्री	१४ ०	५६ ७	ना	१३	२	२४	२९	३१	९	२८	२९		मेषे	

२पं.वै.कृ.७चं.इ.२।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	२	१०	६	६	०
६	२०	१	१९	२२	२७	४	६
५०	३८	८	३२	२९	२८	२१	४५
४२	२४	१३	१७	१७	१	५४	११
५८	२६ ३१	२१ ३५	४	७	६६	१०	३	५८
३१	व.	४४	५९	४३	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

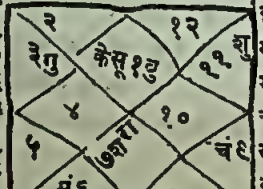

इस मास में धान्य गेहूं जो चना बाजरा मूंग मोठआदि सोना चांदी लोहा गुड सक्कर वस्त्र रुई वारदाना मदे हो ।

गोचर ग्रहाः

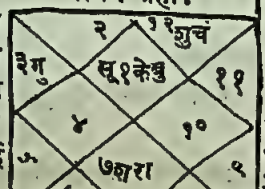

३पं.वै.कृ.१४चं.इ.२।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	२	११	६	६	०
१३	१८	१६	२०	०	२६	३	१३
३९	२५	५	२९	१७	५८	५९	३३
४७	१२	२८	३८	५३	३७	३९	३६
५८	१९ ४६	२९ ३४	८	६७	२८	३	५८
१९	व.	४	५०	५४	व.	११	१२

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												वि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ११२०स.२०१४
१	बु	१०	२७	भ	५	४८	सौ	५२	४५	ब	१०	२७	३२/३८	५/२८	६/३२	१०	२९	३०	वृ.२१।१६	उभा. षुक्रः ४३।२१ चंद्रदर्शनम्
२	गु	१०	२२	कृ	७	३८	शो	५२	३१	कौ	१०	२२	४१	२८	३२	११	१	१	वृषे	मई ५ ता.३१ रज्जव ७ परशुरामजयंती
३	शु	१२	२	रो	१०	५६	अ	५२	९	ग	१२	२	४५	२७	३३	१२	२	२	मि४३।२०	भ. ४३।४० उ. कृत्ति. बुधः ५८।१६ ×
४	श	१५	१८	मृ	१५	४४	सु	५३	७	वि	१५	१८	४८	२६	३४	१३	३	३	मिथुने	भ. १५।१८या. [×वक्री विशा.२ शनिः÷
५	र	२०	१३	आ	२२	१४	धृ	५५	५	बा	२०	१३	५२	२६	३४	१४	४	४	मिथुने	वृषे बुधः ३५।४८ पातस्पर्शः ५६।११
६	चं	२५	३८	पु	२९	११	शू	५७	२६	तै	२५	३८	५५	२५	३५	१५	५	५	क.१२।२३	पातमोक्षः २६।२३ [÷२७।६ अक्षया ३
७	मं	३१	५३	पु	३६	४५	गं	५९	५२	व	३१	५३	५८	२४	३६	१६	६	६	कर्के	भ. ३१।५३ उ.
८	बु	३८	८	श्ले	४४	७	वृ	६०	०	वि	५	०	३३/२	२४	३६	१७	७	७	सिं. ४४/७	भ. ५।० या. बुधोदयः पश्चिमायां २३/५३
९	गु	४३	४९	म	५१	१	वृ	२	४	बा	१०	५८	५	२३	३७	१८	८	८	सिंहे	[+अश्वि. १ केतुः ३१।८ मोहिनी ११व्र
१०	शु	४८	१७	पू	५६	३५	ध्रु	३	२९	तै	१६	३	८	२२	३८	१९	९	९	सिंहे	रोहि. बुधः ३६।०
११	श	५१	१६	उ	६०	०	व्या	३	५४	व	१९	४६	११	२२	३८	२०	१०	१०	कं.१२।३५	भ. १९/४६ उ. ५१/१६ या. चित्रा. ३ राहुः +
१२	र	५२	२५	उ	०	३६	ह	३	३	व	२१	५०	१४	२१	३९	२१	११	११	कन्यायां	कृति. रविः २८।६ (सौरः ३६।२१)
१३	चं	५१	५५	ह	३	५	व	०/५३	५६/२५	कौ	२२	१०	१७	२१	३९	२२	१२	१२	तु.३३।१५	रेवत्यां शुक्रः २६।३५ प्रदोषः
१४	मं	४९	२६	चि	३	२५	व्य	५२	१२	ग	२०	१०	२०	२०	४०	२३	१३	१३	तुलायां	भ. ४९।२६ उ. नृसिंह जयंती
१५	बु	४५	३६	स्वा	२/२१	५७/३५	प	४६	१३	वि	१७	३१	२३	१९	४१	२४	१४	१४	वृ.४५।३२	भ. १७/३१ या. वृषेऽर्कः ५५/४१ यमायकुंभदा

४पं.बै.शु.६चं.इ. २।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	२	११	६	६	०
२०	१६	०	२१	८	२६	३	२०
२७	४२	५५	३२	१२	२७	३७	२०
२५	४	५	४६	३२	५४	२३	२१
५८	१३	[illegible]	९	६८	४/४०	३	५७
६	१९	२/२	४०	५१	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले १५बुधे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

५पं.बै.शु.१३चं.इ.२।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	२	११	६	६	०
२७	१५	१४	२२	१६	२५	३	२७
१३	३८	२५	४१	१२	५६	१५	५
३७	१३	३४	२०	२९	२	८	३५
५७	५/२९	७/०	१०	६९	४/४०	३	५७
५४	व.	३/२९	२३	३८	व.	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेवैशाखकृष्णेति महा.
१	गु	४०	३०	अ	५६	३५	प	३९	१६	बा	१३	३	३३/२६	५/१९	६/४१	२५	१५	१५	वृश्चिके	वृषेऽर्कः सौरः ४।८ पुन. २ गुरुः ५७।१२
२	शु	३४	३५	ज्ये	५२	७	शि	३१	३८	तै	७	३२	२८	१८	४२	२६	१६	१६	ध.५२।७	
३	श	२८	१३	मू	४७	५६	सि	२३	४६	व	१	२४	३१	१८	४२	२७	१७	१७	धनुषि	भ. १।२४ उ. २८/१३ या. मृगे बुधः ३५/२६ ÷
४	र	२१	४७	पू	४३	३७	सा	१६	१	बा	२१	४७	३४	१७	४३	२८	१८	१८	म.५७।३६	[÷ मार्गी भौमः ५३।४४ चतुर्थी व्रत
५	चं	१५	२८	उ	३९	३२	शु	८	१६	तै	१५	२८	३७	१७	४३	२९	१९	१९	मकरे	
६	मं	९	२८	श्र	३५	३४	शु	०/३७	५२/५५	व	९	२८	३९	१६	४४	३०	२०	२०	मकरे	भ. ९।२८ उ. ३६।४३ या.
७	बु	३	५८	ध	३२	१९	ऐं	४६	३७	ब	३	५८	४२	१६	४४	३१	२१	२१	कुं. ३।५६	
८	बु	५४	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	गु	५४	२०	श	२९	३५	वै	४०	१७	तै	२६	४५	४४	१५	४५	१	२२	२२	कुंभे	मिथुने बुधः २१।१६ भा. ज्येष्ठारंभः
१०	शु	५०	१६	पू	२७	१४	वि	३४	४०	व	२२	१७	४७	१५	४५	२	२३	२३	मी. ११/३८	भ. २२/१७ उ. ५०/१६या. आश्वि. मेषे शुक्रः ०/४९
११	श	४६	५७	उ	२५	३८	प्री	२८	५८	ब	१८	३६	४९	१४	४६	३	२४	२४	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	र	४४	११	रे	२५	२	आ	२४	२०	कौ	१५	४०	५२	१४	४६	४	२५	२५	मे.२५।२	रोहि. रविः १८।५५ (सौरः ३०।१६)
१३	चं	४२	३८	अ	२४	३१	सौ	२०	२७	ग	१३	२४	५४	१३	४७	५	२६	२६	मेषे	भ. ४२।३८ उ. प्रदोषः
१४	मं	४२	६	भ	२५	४१	शो	१७	२८	वि	१२	२२	५६	१३	४७	६	२७	२७	वृ ४१।१३	भ. १२।२२ या.
३०	बु	४२	४६	कृ	२७	५०	अ	१५	१७	च	१२	२६	५८	१२	४८	७	२८	२८	वृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ. ५चं.इ. ३।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	२	११	६	६	१
३	१५	२५	२३	२४	२५	२	३
५८	६	२२	५४	१५	२४	५२	४९
३७	०	३४	४	५८	४३	५२	२८
५७	१/५	८३	११	७०	४/३५	३	५७
४४	मा	५८	०	२३	व	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटरं सरसों मंदे होगे धातु सोना चांदी ताम्बा वस्त्र गुड़ सक्कर तेज हो।

गोचर ग्रहाः

७पं.ज्ये.कृ.१३चं.इ.३।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	२	२	०	६	६	१
१०	१५	३	२५	२	२४	२	१०
४२	१८	२१	१२	२३	५४	३०	३१
२९	१४	०	२२	३८	१४	३७	२९
५७	६	५१	११	७१	४	३	५७
३५	५३	१६	३७	३	२०	११	२३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ११४९स.२०१४
१	गु	४४	४६	रो	३१	१४	सु	१४	२३	किं	१३	४६	३४/००	५/१२	६/४८	८	२८	२९	वृषे	आर्द्रा. बुधः ५५।५७
२	शु	४८	८	मृ	३५	५०	धृ	१३	५९	बा	१६	३०	२	१२	४८	९	२९	३०	मि ३।३२	चंद्रदर्शनम्
३	श	५२	५४	आ	४१	५५	शू	१४	५६	तै	२०	३१	३	११	४९	१०	१	३१	मिथुने	सावान ८
४	र	५८	९	पु	४८	३४	गं	१६	१६	व	२५	३१	५	११	४९	११	२	१	क.३१।५५	भ. २५/३१ उ. ५८।९ या. पुन. ३ गुरुः ÷
५	चं	६०	०	पु	५६	८	धृ	१८	२७	ब	३१	१६	७	११	४९	१२	३	२	कर्के	[÷ ३९।१८ जून ६ ता. ३०
५	मं	४	२४	श्ले	६०	०	ध्रु	२१	१०	बा	४	२४	९	१०	५०	१३	४	३	कर्के	
६	बु	१०	३४	श्ले	३	३९	व्या	२३	३९	तै	१०	३४	१०	१०	५०	१४	५	४	सिं३।३९	भरण्यां शुक्रः २२।७
७	गु	१६	३५	म	११	२	ह	२५	४४	व	१६	३५	१२	१०	५०	१५	६	५	सिंहे	भ. १६/३५ उ. ४९/४ या. वक्री बुधः ५४।२१
८	शु	२१	३२	पू	१७	२६	व	२६	५१	ब	२१	३२	१३	९	५१	१६	७	६	कं.३३।४३	
९	श	२५	१४	उ	२२	३६	सि	२७	०	कौ	२५	१४	१५	९	५१	१७	८	७	कन्यायां	
१०	र	२७	४	ह	२६	१	व्य	२५	३९	ग	२७	४	१६	९	५१	१८	९	८	तु.५६।४७	भ. ५७।४ उ. मृगे रविः १३।४८ ×
११	चं	२७	५	चि	२७	३३	व	२२	४५	वि	२७	५	१७	९	५१	१९	१०	९	तुलायां	भ. २७।५ या. निर्जला ११ व्र.
१२	मं	२४	४७	स्वा	२७	७	प	१८	२२	बा	२४	२७	१८	८	५२	२०	११	१०	तुलायां	बुधास्तः पश्चिमायां २७।१२ प्रदोषः
१३	बु	२०	४९	वि	२४	३८	शि	१२	२५	तै	२०	४९	१९	८	५२	२१	१२	११	वृ.१०।१६	[×(सौरः २९।६) गंगादशमी
१४	गु	१४	५८	अ	२०	३८	सि	४/५९	५१/५४	व	१४	५८	१९	८	५२	२२	१३	१२	वृश्चिके	भ. १४।५८ उ. ४१।२४ या.
१५	शु	७	५०	ज्ये	१५	१७	शु	४०	५४	ब	७	५०	२०	८	५२	२३	१४	१३	ध.१५।१७	गुर्जराणां वट सावित्री व्रतम्

८पं.ज्ये.शु. ४चं.इ.३।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	२	२	०	६	६	१
१७	१६	७	२६	१०	२४	२	१७
२५	५	५४	३२	३४	२५	८	१२
१९	१०	२५	४२	३०	२३	२१	३९
५७	११	१६	१२	७१	४/४	३	५७
२२	५८	५२	८	२९	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

कृष्ण पक्ष में तिथी घटे शुक्ल पक्ष बढ जाय। एक चीज की क्या कहे सभी चीज बढ जाय।। इस मास में धातु तेज रहे।

गोचर ग्रहाः

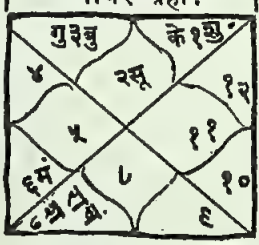

९ पं.ज्ये.शु.११चं.इ. ३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	२	२	०	६	६	१
२४	१७	८	२७	१८	२३	१	२३
७	२३	४१	५६	४८	५८	४६	५२
१९	५३	५५	२	१४	५५	५	३१
५७	१६	१३/४७	१२	७१	३/४६	३	५७
२२	१७	व	२६	५०	व	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७१. शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	शु	५२	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	५२	३९	मू	९	२४	शु	३८	३२	तै	२६	१७	३४/२१	५/८	६/५२	२४	१५	१४	धनुषि	
३	र	४३	१०	पू	३/१७	५३/५३	ब्र	२९	११	व	१७	५९	२१	८	५२	२५	१६	१५	म.१६।४६	भ. १७।५९ उ. ४३।१० या मिथुनेऽर्कः A
४	चं	३५	२७	श्र	५१	३६	ऐं	२०	०	ब	९	२६	२२	८	५२	२६	१७	१६	मकरे	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	२८	२०	ध	४६	५६	वै	११	२७	कौ	१	४४	२२	८	५२	२७	१८	१७	कुं.१९।१६	[A१२।२२ (सौरः २९।५४) वक्री =
६	बु	२२	५	श	४३	२	वि	३/२८	५३/२	व	२२	५	२३	७	५३	२८	१९	१८	कुंभे	भ. २२।५ उ. ४९।३४ या. वृषे शुक्रः ×
७	गु	१७	२	पू	४०	१७	आ	५०	१५	ब	१७	२	२३	७	५३	२९	२०	१९	मी२५।५८	[× २९।१० पुन ४ कर्के गुरुः ५८।१८
८	शु	१२	५८	उ	३८	५४	सौ	४५	५	कौ	१२	५८	२३	७	५३	३०	२१	२०	मीने	[=मृगे बुधः १८।० कृति. शुक्रः ४३।६
९	श	१०	१६	रे	३८	३५	शो	४०	५४	ग	१०	१६	२४	७	५३	३१	२२	२१	मे.३८।३५	भ. ३९।२० उ. वक्री विशा. १ शनिः २/३८
१०	र	८	२४	अ	३९	१२	अ	३७	३४	वि	८	२४	२४	७	५३	१	२३	२२	मेषे	भ. ८।२४ या. आर्द्रा रविः ११।२७ +
११	चं	७	५०	भ	४१	११	सु	३५	१७	बा	७	५०	२४	७	५३	२	२४	२३	वृ ५६।५५	योगिनी ११ व्र.
१२	मं	८	४०	कृ	४४	५	धृ	३३	५१	तै	८	४०	२४	७	५३	३	२५	२४	वृषे	प्रदोषः [+(सौरः ३१/२७) भा. आषाढारंभ
१३	बु	१०	१८	रो	४८	११	शू	३३	३१	व	१०	१८	२४	७	५३	४	२६	२५	वृषे	भ. १०।१८ उ. ४१:४६ या.
१४	गु	१३	१३	मृ	५३	१९	गं	३३	२६	श	१३	१३	२३	७	५३	५	२७	२६	मि. २१/१५	रोहि. शुक्रः ५९।४३
३०	शु	१७	२	आ	५९	२२	वृ	३४	२३	ना	१७	२	२३	७	५३	६	२८	२७	मिथुने	

१० पं.आ.कृ.४चं.इ.३।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	२	०	६	६	२
०	१९	६	२९	२७	२३	१	०
४८	१२	१६	२२	४	३६	२३	३१
३६	४	२६	३०	१२	०	५०	४०
५७	२०	३१/१७	१२	७२	३/११	३	५६
१७	२२	व	५१	१६	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

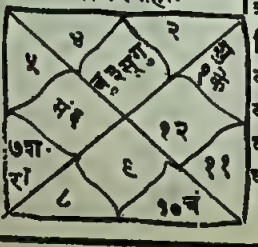

आषाढ कृष्णे ३ रवौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ६ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहा.

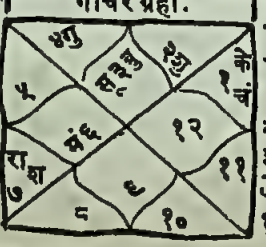

११पं.आ.कृ.११चं.इ. ३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	१	६	६	२
७	२१	२	०	५	२३	१	७
२९	२४	५०	५१	२२	१६	१	१०
३१	३६	१७	२२	१९	५	३४	७
५७	२३	३२/४३	१३	७२	१/५७	३	५६
१३	२२	व	१४	३७	१	११	५४

ति.	अषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११७९स.२०१४
१	श	२२	५	पु	६०	०	ध्रु	३६	०	ब	२२	५	३४/२२	५/८	६/५२	७	२९	२८	क ४९।३७	चित्रा.भौमः३३।३१
२	र	२७	२६	पु	६	२	व्या	३८	१०	कौ	२७	२६	२२	८	५२	८	३०	२९	कर्के	बुधोदयःपूर्वस्यां ३३/३९ चंद्रदर्शनं रथयात्रा
३	चं	३२	३९	पु	१३	३१	ह	४०	३०	तै	०	२	२१	८	५२	९	१	३०	कर्के	रमजान९
४	मं	३९	५२	श्ले	२०	४८	व	४२	५३	व	६	१६	२०	८	५२	१०	२	१	सिं२०।४८	भ ६।१६उ.३९।५२या.जौलाई७ता. ३१
५	बु	४६	९	म	२८	४१	सि	४५	४०	ब	१३	१	१९	८	५२	११	३	२	सिंहे	मार्गीबुधः५६।३८
६	गु	५१	२३	पू	३५	४३	व्य	४७	४१	कौ	१८	४६	१८	८	५२	१२	४	३	कं.५२।१५	
७	शु	५५	४९	उ	४१	५३	व	४८	४३	ग	२३	३६	१७	९	५१	१३	५	४	कन्यायां	भ ५५।४९उ.पुण्य.१गुरुः३३।५२
८	श	५८	१७	ह	४६	४४	शि	४८	३७	वि	२७	३	१६	९	५१	१४	६	५	कन्यायां	भ २७।३या.
९	र	५९	४४	चि	४९	४४	सि	४७	१७	बा	२९	१	१५	९	५१	१५	७	६	तु.१८।१४	पुन.रविः१०।७(सौरः३५।२९
१०	चं	५८	४३	स्वा	५०	४५	सा	४४	१७	तै	२९	१३	१४	९	५१	१६	८	७	तुलायां	
११	मं	५५	४१	वि	४९	४४	शु	३९	४४	व	२७	११	१३	९	५१	१७	९	८	वृ.३४।५९	भ.२७/११उ.५५/४१या.मृगेशुक्रः४/१२देवशयनी=
१२	बु	५०	३६	अ	४६	५१	शु	३३	३२	ब	२३	८	११	१०	५०	१८	१०	९	वृश्चिके	देवशयनी११व्र.वैं [=११व्र.स्मा.
१३	गु	४३	३४	ज्ये	४२	२	शु	२५	५०	कौ	१७	५	१०	१०	५०	१९	११	१०	ध. ४३/२	प्रदोषः
१४	शु	३६	१०	मू	३५	५२	ब्र	१६	४४	ग	९	५२	८	१०	५०	२०	१२	११	धनुषि	भ.३६।१०उ. [×मीनेकेतुः२४/३३व्यासपूजा
१५	श	२६	२	पू	२८	५१	ऐं	६/५५	४९/२८	वि	१	६	७	११	४९	२१	१३	१२	म.४१।५७	भ.१/६या.चित्रा२कन्यायांकेतुःरेवती४×

१२पं.आ.शु.३चं.इ.३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	१	६	६	२
१४	२३	०	२	१३	२३	०	१३
९	५८	२१	२१	४२	०	३९	४८
५८	३७	२५	३६	५४	७	१२	१२
५७	२५	१४/५५	१३	७२	१/५४	३	५६
७	५२	वं	२०	५६	वं.	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मासमें ५शनिवार अशुभ हैं धान्य गल्ला गुड़ शक्कर धातु सोना चांदी वस्त्र रुई तेज हो प्रजा में रोग व्यापें।

गोचर ग्रहाः

१३पं.आ.शु.१०चं.इ.३/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	१	६	६	२
२०	२६	१	३	२२	२२	०	२०
५०	५१	१६	५३	५	४८	१७	२६
२४	५४	५९	३८	१७	११	३	६
५७	२८	२१/११	१३	७३	१/२१	३	५६
७	७	मा	३२	१४	व	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः स. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेनि महाराष्ट्राः
१	र	१६	२४	उ	२१	१४	वि	४५	५६	कौ	१६	२४	३४/५	५/११	६/४९	२२	१४	१३	मकरे	वृषेशुक्रः३८/३४तुलायांभौमः५३/१९बुधस्तः+
२	चं	६	४९	श्र	१३	४४	प्री	३५	३०	ग	६	४९	३	११	४९	२३	१५	१४	कुं.४०।२३	भ.३२।१३उ.५७।३८या.आर्द्रा.बुध.०/१२
३	चं	५०	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+पूर्वस्यां५०/५६अस्तंगुरौः४०/४८
४	मं	४९	३७	ध	७	३	आ	२५	४७	व	२४	८	१	१२	४८	२४	१६	१५	कुम्भे	चतुर्थीव्रतम्
५	बु	४२	३८	श	१/१७	५५/३७	सौ	१६	५१	कौ	१६	७	३२/५९	१२	४८	२५	१७	१६	मी. ४२/५५	कर्केऽर्कः३९।३३नाग५मरुस्थले
६	गु	३७	२२	उ	५३	५१	शो	९	२२	ग	१०	०	५७	१३	४७	२६	१८	१७	मीने	भ.३७।२२उ.कर्केऽर्कःसौरः८।१३
७	शु	३३	४६	रे	५२	२९	अ	२/५३	५४/५६	वि	५	३४	५५	१३	४७	२७	१९	१८	मे.५२।४५	भ.५।३४या.
८	श	३१	४७	अ	५२	४५	धृ	५४	७	बा	२	४६	५२	१४	४६	२८	२०	१९	मेषे	आर्द्रा शुक्रः९।१५पुष्ये.२गुरुः३६।३२
९	र	३१	२३	भ	५४	३४	शू	५१	५०	तै	१	३५	५०	१४	४६	२९	२१	२०	मेषे	पुण्येरविः८/५१(सौरः३८/५४)मार्गीशनिः३७/१६
१०	चं	३२	४०	कृ	५७	५०	गं	५०	२८	व	२	१	४८	१४	४६	३०	२२	२१	वृ.१०।२५	भ २।१उ.३२।४०या
११	मं	३५	१	रो	६०	०	वृ	५०	२१	ब	३	५०	४५	१५	४५	३१	२३	२२	वृषे	कामिका११व्र
१२	बु	३८	४६	रो	२	३३	ध्रु	५१	५	कौ	६	५३	४३	१५	४५	१	२४	२३	मि.३५/२१	पुन बुधः३६।२४भा श्रावणारंभः
१३	गु	४२	१७	मृ	८	९	व्या	५२	१६	ग	१०	३१	४०	१६	४४	२	२५	२४	मिथुने	भ.४२।१७उ.प्रदोषः
१४	शु	४८	४७	आ	१४	४४	ह	५४	१३	वि	१५	३२	३८	१६	४४	३	२६	२५	मिथुने	भ १५।३२या.
३०	श	५४	३१	पु	२१	४३	व	५६	१६	च	२१	३८	३५	१७	४३	४	२७	२६	क. ४।५८	हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.२चं. इ. २/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	३	२	६	५	२
२७	०	६	५	०	२२	२९	२७
३०	४	४२	२६	२९	४१	५४	४
४३	४४	१८	१०	४२	३१	४७	१३
५७	२९	५२	१३	७३	६/३१	३	५६
११	४६	२	३२	२२	वं.	११	५४

गोचर ग्रहाः

श्रावणकृष्णे५बुधेऽर्कं प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था सूती) मु. ३०धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

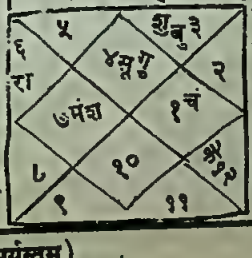

३१पं.का कृ.१०श.इ. २९/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	२	३	२	६	५	३
४	३	१५	६	८	२२	२९	३
११	२७	५०	५९	५५	३९	३२	४२
२८	०	१७	३५	५३	२५	३२	४०
५७	३१	९७	१३	७३	०/२	३	५६
१५	५८	२३	३८	३७	मा	११	५८

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण १२०८स.२०१४
१	र	६०	०	पु	२९	२	सि	५८	४१	किं	२७	३४	३३/३३	५/१७	६/४३	५	२८	२७	कर्के	स्वात्यांभौमः२०।५९
१	चं	०	३७	श्ले	३०	३४	व्य	६०	०	ब	०	३७	३०	१८	४२	६	२९	२८	सिं३७।३४	चंद्रदर्शनम्
२	मं	६	५०	म	४४	१	व्य	१	११	कौ	६	५०	२७	१९	४१	७	१	२९	सिंहे	कर्केबुधः२।३३सव्वाल१०सिंधारा
३	बु	१२	५३	पू	५१	१४	व	३	५०	ग	१२	५३	२४	१९	४१	८	२	३०	सिंहे	भ.४५/३७उ.पुष्येबुधः४३/१५पुन.शुक्रः९/२२तीज
४	गु	१८	२१	उ	५७	३५	प	५	४५	वि	१८	२१	२२	२०	४०	९	३	३१	क.७।४९	भ.१८।२१या.वरद४
५	शु	२२	५७	ह	६०	०	शि	७	१२	बा	२२	५७	१९	२०	४०	१०	४	१	कन्यायां	अगस्त८ता.३१नागपंचमी
६	श	२६	२१	ह	३	२०	सि	८	१	तै	२६	२१	१६	२१	३९	११	५	२	तु.३५।२५	
७	र	२८	२६	चि	७	३१	सौ	७	४१	व	२८	२६	१३	२१	३९	१२	६	३	तुलायां	भ.२८।२६उ.५८।३५या.आश्लेरविः५/५२÷
८	चं	२८	४४	स्वा	१०	११	शु	६	४	ब	२८	४४	१०	२२	३८	१३	७	४	वृ.५५।५२	[÷(सौरः३९/४१)पुष्ये३गुरुः ३९/२०
९	मं	२७	१५	वि	११	६	शु	३/८	५५/२५	कौ	२७	१५	७	२३	३७	१४	८	५	वृश्चिके	
१०	बु	२३	४६	अ	१०	१०	ऐं	५२	३४	ग	२३	४६	४	२३	३७	१५	९	६	वृश्चिके	भ.५१/०उ.आश्ले.बुधः८/५०उदयंगुरोः३८/४८
११	गु	१८	१५	ज्ये	७	११	वै	४४	५४	वि	१८	१५	०	२४	३६	१६	१०	७	ध.७।११	भ.१८/१५या.कर्केशुक्रः२१/१५पवित्रा११व्र
१२	शु	११	८	मू	२/२१	५४/५२	वि	३६	८	बा	११	८	३२/५७	२५	३५	१७	११	८	धनुषि	प्रदोषः
१३/१४	श	२/५०	४४/१३	उ	४९	४	प्री	२६	६	तै	२	४४	५४	२५	३५	१८	१२	९	म.९।३३	भ.५२।५७उ. [+रक्षाबंधनम्भद्रोत्तरम्
१५	र	४२	५५	श्र	४१	१४	आ	१५	३१	वि	१७	५६	५०	२६	३४	१९	१३	१०	मकरे	भ.१७।५६या.पुष्येशुक्रः९/३९श्रावणीकर्म+

१६पं.श्रा.शु. १चं. इ.२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	२	३	२	६	५	३
१०	७	२८	८	१७	२२	२९	१०
५२	३	३	३१	२४	४१	१०	२१
३०	२९	५४	५९	४	५६	१६	५७
५७	३३	[illegible]	१३	७३	०	३	५७
२०	४३	[illegible]	३८	४७	५३	११	५

गोचर ग्रहाः

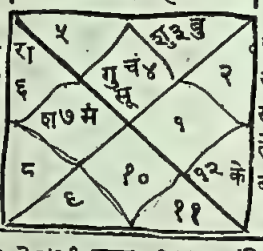

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना मटर धातु सोना चांदी तांबा तेज हो कहीं २ वर्षा बहुत अच्छी होगी ।

गोचर ग्रहाः

१७पं. श्रा. शु.८चं.इः २/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	३	२	६	५	३
१७	१०	१२	१०	२५	२२	२८	१७
३४	५३	२०	५	५४	४९	४८	१
१२	४३	३५	१३	७	१६	०	४५
५७	३५	[illegible]	१३	७३	१	३	५७
२५	१४	[illegible]	३३	५०	३२	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ	अ.	भा.	मु	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे श्रावण कृष्णेति महा.
१	चं	३२	४६	ध	३३	१८	सौ	४/३०	४९/६	बा	७	३८	३२/४७	५/२७	६/३३	२०	१४	११	कु.७।१६	
२	मं	२३	२०	श	२५	३१	अ	४३	२	ग	२३	२०	४४	२७	३३	२१	१५	१२	कुम्भे	भ.४८।५८उ.मघा.सिंहेबुधः३७।२४
३	बु	१४	३६	पू	१९	४	सु	३३	४१	वि	१४	३६	४०	२८	३२	२२	१६	१३	मी. ५/४१	भ.१४।३६या.चतुर्थीव्रतम्
४	गु	७	२८	उ	१४	९	धृ	२५	२५	बा	७	२८	३७	२९	३१	२३	१७	१४	मीने	
५	शु	२	१६	रे	१०	५०	शू	१८	३२	तै	२	१६	३३	२९	३१	२४	१८	१५	मे.१०।५०	भ.५८।५०उ.चंद्रषष्ठी
६	शु	५६	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	श	५६	३४	अ	९	२०	गं	१३	२०	वि	२७	४२	३०	३०	३०	२५	१९	१६	मेषे	भ.२७।४२या.मघा.सिंहेऽर्कः५९।५४
८	र	५८	२२	भ	१०	३	वृ	९	४१	बा	२७	२८	२६	३१	२९	२६	२०	१७	वृ.२५।४०	मघा.सिंहेऽर्कःसौरः३६/३जन्माष्टमीव्रतम्
९	चं	६०	०	कृ	१२	३२	ध्रु	७	३७	तै	२९	३३	२२	३२	२८	२७	२१	१८	वृषे	पुष्ये.४गुरुः५०/१५विशा.२शनिः५८/३६गोगा९
९	मं	०	४४	रो	१६	५९	व्या	७	५	ग	०	४४	१९	३२	२८	२८	२२	१९	मि४९।४२	भ.३२/४३उ.पूफा.बुधः३३/३१विशा.भौमः३८/५५
१०	बु	४	४२	मृ	१२	२६	ह	७	४६	वि	४	४२	१५	३३	२७	२९	२३	२०	मिथुने	भ.४।४२या.बुधोदयःपश्चिमायां१८।०
११	गु	९	४३	आ	२८	५८	व	८	५८	बा	९	४३	१२	३४	२६	३०	२४	२१	मिथुने	आश्ले शुक्रः०।४४अजा११व्र.
१२	शु	१५	४५	पु	३६	२३	सि	११	५	तै	१५	४५	८	३४	२६	३१	२५	२२	क.१९।३२	वत्सद्वादशीप्रदोषः
१३	श	२१	४७	पु	४३	४४	व्य	१३	१४	व	२१	४७	४	३५	२५	१	२६	२३	कर्के	भ.२१।४७उ.५४।५३या.भा.भाद्रपदारंभः
१४	र	२७	५८	श्ले	५१	२२	व	१५	५३	श	२७	५८	१	३६	२४	२	२७	२४	सिं. ५१/२२	
३०	चं	३४	४	म	५८	४६	प	१८	२१	च	१	१	३१/५७	३७	२३	३	२८	२५	सिंहे	कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादिःसोमवती

१८पं.भा.कृ.१चं.इ.२।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	३	३	६	५	३
२४	१४	२६	११	४	२३	२८	२३
१६	५०	४८	३७	२५	०	२५	४२
३७	३१	३६	३४	५	४७	४५	५२
५७	३६	[illegible]	१३	७४	२	३	५७
३३	१६	[illegible]	३२	०	११	११	२२

१९पं.भा.कृ.९चं.इ. २।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	३	३	६	५	४
०	१८	१०	१३	१२	२३	२८	०
५९	५९	२६	९	५९	१७	३	२५
५३	३५	१०	१७	२०	२०	२९	५
५७	३७	[illegible]	१३	७४	२	३	५७
४०	१७	[illegible]	२०	८	५०	११	३४

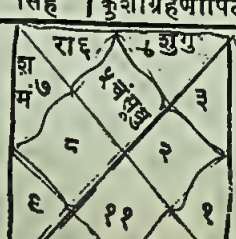

२०पं.भा कृ.३०चं.इ.५/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	३	१	६	५	४
७	२३	२२	१४	२१	२३	२७	७
४४	१६	५२	३९	३४	३९	४१	८
२०	३०	१२	२२	२६	३६	१४	३३
५७	३८	[illegible]	१३	७४	३	३	५७
४९	६	[illegible]	१४	१४	३२	११	४५

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः स० २०७१ शाकः १९३६												वि. उ. अ.			भा. मु. इं			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२३८स.२०१४
१	मं	३९	४६	पू	६०	०	शि	२०	३१	किं	६	५५	३१/५३	५/३७	६/२३	४	२९	२६	सिंहे	
२	बु	४४	४९	पू	५	५१	सि	२२	२०	बा	१२	१७	४९	३८	२२	५	३०	२७	कं.२२।२२	उफा.बुधः१२।११ चंद्र दर्शनम्
३	गु	४९	१७	उ	११	५६	सा	२३	३८	तै	१७	३	४६	३९	२१	६	१	२८	कन्यायां	जिल्काद ११ हरितालिका ३
४	शु	५२	१६	ह	१७	३४	शु	२४	११	व	२०	४६	४२	४०	२०	७	२	२९	तु४९।४२	भ.२०/४६उ.५२/१३या.कन्यायांबुधः३१/३७गणेश ४
५	श	५४	२५	चि	२१	५०	शु	२३	५४	व	२३	२०	३८	४०	२०	८	३	३०	तुलायां	पूफा.रवि.४९।३०ऋषि पंचमी
६	र	५५	१७	स्वा	२५	१७	ब्र	२२	५८	कौ	२४	५०	३४	४१	१९	९	४	३१	तुलायां	पूफा.रविःसौरः२६/५७मघा. सिंहे शुक्रः५२।०
७	चं	५४	५६	वि	२७	१०	ऐं	२१	१	ग	२५	७	३०	४२	१८	१०	५	१	वृ.११।४१	भ.५४।५६उ.सितम्बर ९ ता.३०
८	मं	५२	४५	अ	२७	४४	वै	१७	३८	वि	२३	२१	२६	४३	१७	११	६	२	वृश्चिके	भ.२३।२१या.
९	बु	४९	५	ज्ये	२६	४२	वि	१३	११	ना	२०	५५	२२	४४	१६	१२	७	३	ध.२६।४२	आश्ले.१गुरुः३२।२३
१०	गु	४३	५०	मू	२४	१०	प्री	७	१४	तै	१६	२८	१८	४४	१६	१३	८	४	धनुषि	हस्ते बुधः४९।२६वृश्चिकेभौमः४१।१
११	शु	३७	१४	पू	२०	७	आ	१९/०	५१/५२	व	१०	३३	१५	४५	१५	१४	९	५	म.३३।४४	भ.१०।३३उ.३७।१४या.जलझूलनी११ब.
१२	श	२९	२०	उ	१४	४९	शो	४२	५५	ब	३	१८	११	४६	१४	१५	१०	६	मकरे	वामनजयंती प्रदोषः
१३	र	२०	२०	श्रं	८	२०	अ	३२	५२	तै	२०	२०	७	४७	१३	१६	११	७	कुं.३४।४०	
१४	चं	१०	४५	ध	१/१	५२/२३	सु	२२	१८	व	१०	४५	३	४७	१३	१७	१२	८	कुंभे	भ.१०/४५उ.३५/५७या.अनंत१४महालयारंभः
१५	मं	१	८	पू	४६	६	धृ	११	३७	व	१	८	३०/५९	४८	१२	१८	१३	९	मि. ३२/५६	अनु.भौमः४१।१२

२१पं.भा.शु.७ चं.इ. १/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	३	४	६	६	४
१४	२७	४	१६	०	२४	२७	१३
३०	४२	१४	७	१२	३	१८	५३
०	०	३१	४१	११	२५	५८	४५
५८	३८	९५	१२	७४	४/८	३	५७
१	५	२०	५३	२०	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

बु६रा, गु४, चं७ मंश, सू५शु, ३, ८, २, ९, ११, १, १०, १२के

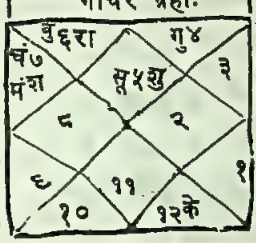

भाद्रपद कृष्णे ७ शनौ सिंहेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न.५कुमार्यवस्था (बैठी मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

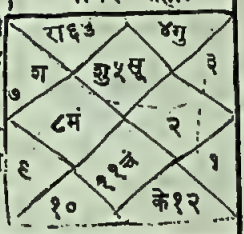

रा६उ, ४गु, श, शु५सू, ३, ७, ८मं, २, ९, ११चं, १, १०, के१२

२२ पं.भा.शु १४श.इ. १/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	३	४	६	५	४
२१	२	१४	१७	८	२४	२६	२०
१७	१३	३६	३३	५०	३२	५६	४०
२	४४	१८	४०	३१	२८	४२	२५
५८	४०	८६	१२	७४	४	३	५८
१३	१	१४	२८	२६	४२	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												वि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेभाद्र. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	५०	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	४३	५५	उ	३९	४८	शू	१/३३	५०/२२	तै	१७	५९	३०/५५	५/४९	६/११	१९	१४	१०	मीने	
३	गु	३७	१५	रे	३४	४६	बृ	४३	४९	व	१०	३६	५१	५०	१०	२०	१५	११	मे३४।४६	भ.१०।३६उ.३७।१५या.पूफा.शुक्रः३८/५५
४	शु	३२	२८	अ	३१	२०	ध्रु	३६	३३	व	४	५२	४७	५१	९	२१	१६	१२	मेषे	चतुर्थी व्रतम्
५	श	२९	४०	भ	३०	१०	व्या	३१	५	कौ	१	३	४३	५१	९	२२	१७	१३	वृ.४५/२४	उफा.रविः३३/५५चित्रा.१राहुःरेवती.३ +
६	र	२९	१९	कृ	३१	८	ह	२७	३१	ब	२९	१९	३९	५२	८	२३	१८	१४	वृषे	भ.२९/१९उ.उफा.रविःसौरः११/३७चित्रा. ÷
७	चं	३०	४६	रो	३४	७	व	२५	२७	वि	०	२	३५	५३	७	२४	१९	१५	वृषे	भ.०।२या. [+केतुः१६।५६
८	मं	३४	२०	मृ	३८	५४	सि	२५	१९	बा	२	३३	३१	५४	६	२५	२०	१६	मि ६/३०	कन्यायामर्कः५९।१६ [÷बुधः४४।२१
९	बु	३९	८	आ	५४	५५	व्य	२६	१	तै	६	४३	२७	५५	५	२६	२१	१७	मिथुने	कन्यार्कःसौरः३६/४८मातृ९(सौभाग्यवतीनां=
१०	गु	४५	१०	पु	५२	१३	व	२७	४३	व	१२	९	२२	५६	४	२७	२२	१८	क.३५।२३	भ.१२।९उ.४५।१०या. [= श्राद्ध)
११	शु	५२	२३	पु	५९	४३	प	३०	१	व	१८	४७	१८	५६	४	२८	२३	१९	कर्के	इंदिरा ११ब.
१२	श	५८	४९	श्ले	६०	०	शि	३२	२४	कौ	२५	३६	१४	५७	३	२९	२४	२०	कर्के	तुलायां बुधः२७/२३आश्ले.२गुरु.३६।४५
१३	र	६०	०	श्ले	७	३०	सि	३४	५७	ग	३१	५२	९	५८	२	३०	२५	२१	सिं. ७/३०	प्रदोषः
१३	चं	४	५४	म	१४	४७	सा	३७	१	व	४	५४	५	५९	१	३१	२६	२२	सिंहे	भ.४।५४उ.३७/३७या.उफा.शुक्रः२२।५५ *
१४	मं	१०	१९	पू	२१	३७	शु	३८	४५	श	१०	१९	३०/००/२९	६/००/५६	६/००/५९	१	२७	२३	कं.३८।३	भा.आश्विनारंभःसर्वपितृ३०
१५	बु	१४	५१	उ	२७	२०	शु	३९	३३	ना	१४	५१		१		२	२८	२४	कन्यायां	[*शस्त्रादि हतानां श्राद्धं

२३पं.आ.कृ.७चं.इ. १/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	३	४	६	५	४
२८	६	२३	१८	१७	२५	२६	२७
५	५१	४०	५६	३१	४	३४	२८
२४	५४	१२	२४	८	५९	२७	४२
५८	४०	७०	१२	७४	५	३	५८
२६	४०	३४	८	२६	४	११	२९

गोचर ग्रहाः

६बुरा, ४गु, श, ७, शुसू५, ३, ८मं, चं२, १, ९, ११, १०, १२के

आश्वितकृष्णे ८ भौमे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु.१५धान्यादि भावेमहर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

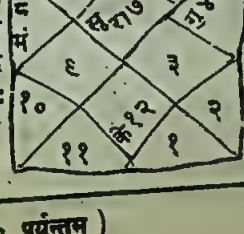

बु७श, ५चंशु, ८मं, सू७, गु४, ९, ३, १०, के१२, २, ११, १

२४पं.आ.कृ.१३चं.इ. १/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	३	४	६	५	५
४	११	१	२०	२६	२५	२६	४
५५	३६	२३	१६	१३	४०	१२	१८
१६	४	२०	२३	१६	५५	११	५०
५८	४१	५३	११	७४	५	३	४८
३८	१२	१२	३७	२७	३२	११	४५

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविरुत्तरेऽहर्गणः १२६८ स.२०१४
१	गु	१८	२६	ह	३२	२२	ब्र	३९	४०	व	१८	२६	२९/५२	६/२	५/५८	३	२८	२५	कन्यायां	कन्यायांशुक्रः ४/५ नवरावारंभः मातामह श्रा.
२	शु	२०	४७	चि	३६	१०	ऐं	३८	५७	कौ	२०	४७	४८	२	५८	४	२९	२६	तु.४।१६	चंद्र दर्शनम्
३	श	२२	१४	स्वा	३९	४	वै	३७	३१	ग	२२	१४	४४	३	५७	५	१	२७	तुलायां	भ.५२/२६ उ.हस्तेरविः १२/२५ (सौरः४९।१८) ×
४	र	२२	३९	वि	४०	१५	वि	३५	२	वि	२२	३९	४०	४	५६	६	२	२८	वृ.२५।२४	भ.२२।३९या.स्वात्यांबुधः४३।२९
५	चं	२२	२	अ	४१	४०	प्री	३१	५७	बा	२२	२	३६	५	५५	७	३	२९	वृश्चिके	ज्येष्ठा.भौमः२२।४८ [×जिल्हेज १२
६	मं	२०	२०	ज्ये	४१	३४	आ	२८	२	तै	२०	३०	३२	६	५४	८	४	३०	ध.४१।३४	
७	बु	१७	२३	मू	४०	१३	सौ	२३	८	व	१७	२३	२८	६	५४	९	५	१	धनुषि	भ.१७।२३उ.४५।३३या.
८	गु	१३	४३	पू	३७	५६	शो	१७	१९	ब	१३	४३	२३	७	५३	१०	६	२	म.५२।३	विशा.३शनिः२०।४८अक्टूबर२१ता.२१
९	शु	८	५२	उ	३४	२६	अ	१०	४४	कौ	८	५२	१९	८	५२	११	७	३	मकरे	वक्रीबुधः१४।५१हस्तेशुक्रः३।२६
१०	श	२	५३	श्र	३०	८	सु	३/१३	५१/४६	ग	२	५३	१५	९	५१	१२	८	४	कु.५७।२७	भ २९/२७ उ.५६/१ या.शुक्रास्तःपूर्वस्यां१४।२४÷
११	श	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ पापांकुशा११व्र.स्मार्ताः
१२	र	४७	२३	ध	२४	४६	शू	४६	१७	व	२१	४२	११	१०	५०	१३	९	५	कुम्भे	पापां कुशा११व्र वै.
१३	चं	३९	१९	श	१८	५४	गं	३६	४९	कौ	१३	२०	७	११	४९	१४	१०	६	मी.५९/१३	प्रदोषः
१४	मं	३१	८	पू	१२	४०	वृ	२७	१२	ग	५	१३	३	११	४९	१५	११	७	मीने	भ.३१/८ उ.५७/१८ या.शरद्१५स्मा.कोजागरीव्र.
१५	बु	२३	२८	उ	६	४०	ध्रु	१७	५३	ब	२३	२८	२८/५९	१२	४८	१६	१२	८	मीने	शरद्१५वै.

२५पं.आ.शु.५चं.इ.१।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	३	५	६	५	५
११	१६	६	२१	४	२६	२५	११
४६	२५	४७	३२	५६	२०	४९	१०
५२	१	४६	३५	६	६	५६	४९
५८	४१	२६	१०	७४	५	३	५९
५३	४२	१४	५९	३२	५९	११	००

गोचर ग्रहाः

७शबु ५ चं ८मं ६सूराशु गु४ ९ ३ १० १२के २ ११ १

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठचना रस गन्ना गुड़ सक्कर चीनी धातु सोना चाँदी घृत में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

शु७ बु ५ ८मं सू६शुरा ४गु ९ ३ १० १२के २ ११चं १

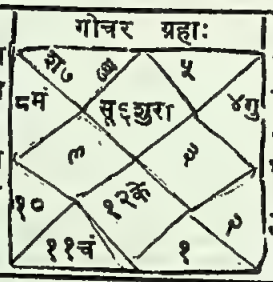

२६पं.आ.शु. १३चं.इ. १।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	३	५	६	५	५
१८	२१	८	२२	१३	२७	२५	१८
४०	२०	१९	४३	४०	१	२७	४
८	२४	२६	३४	४१	२३	४०	३६
५९	४२	१७/११	१०	७४	६	३	५९
९	१६	व.	१४	३२	२०	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	गु	१६	४०	रे	१/२०	५५/५४	व्या	९	१३	कौ	१६	४०	२८/५५	६/१३	५/४७	१७	१३	९	मे.१।२०	आश्ले.३गुरुः४७।५४
२	शु	११	१९	भ	५४	३६	ह	१/२४	५३/२३	ग	११	१९	५१	१४	४६	१८	१४	१०	मेषे	भ.३९/२७ उ.वक्रीचित्रा.बुधः४३/२१ बुधास्तः +
३	श	७	३५	कृ	५३	५३	सि	४९	५२	वि	७	३५	४७	१५	४५	१९	१५	११	वृ. ९/२५	भ.७/३५ या.चित्रा.रविः४४/२७ करक चतुर्थी व्र.
४	र	६	११	रो	५५	१६	व्य	४६	३०	बा	६	११	४३	१५	४५	२०	१६	१२	वृषे	चित्रा.रविःसौरः१९।५२
५	चं	६	३६	मृ	५८	५१	व	४४	५९	तै	६	३६	३९	१६	४४	२१	१७	१३	मि. २७/४	चित्रा.शुक्रः४४।४१[+पश्चिमायां५२।४१
६	मं	९	१३	आ	६०	०	प	४४	३०	व	९	१३	३५	१७	४३	२२	१८	१४	मिथुने	भ.९।१३उ.४१।१९या.
७	बु	१३	२५	आ	३	५५	शि	४५	१९	व	१३	२५	३१	१८	४२	२३	१९	१५	क.५४।८	वक्री कन्यायां बुधः५९।४१
८	गु	१९	१०	पु	१०	३६	सि	४७	१६	कौ	१९	१०	२७	१९	४१	२४	२०	१६	कर्के	[÷मूले धनुषि भौमः३।३७
९	शु	२५	१९	पु	१७	३९	सा	४९	२५	ग	२५	१९	२३	१९	४१	२५	२१	१७	कर्के	भ.५८।३४उ.तुलायामर्कः२८।१६
१०	श	३१	४९	श्ले	२५	२३	शु	५१	५९	वि	३१	३९	२०	२०	४०	२६	२२	१८	सिं. २५/२३	भ.३१।३९या.तुलार्कःसौरः२।३६ ÷
११	र	३७	५५	म	३२	५४	शु	५४	१	ब	४	५३	१६	२१	३९	२७	२३	१९	सिंहे	तुलायां शुक्रः३।३१रमा११व्र.
१२	चं	४३	२८	पू	३९	३७	ब्र	५५	४२	कौ	१०	४२	१२	२२	३८	२८	२४	२०	क.५६।६	[×पूर्वस्यां५१।५३ रूप१४
१३	मं	४७	४६	उ	४५	३३	ऐं	५६	२९	ग	१५	३६	८	२२	३८	२९	२५	२१	कन्यायां	भ.४७।४६उ.प्रदोषःधन१३
१४	बु	५०	४६	ह	५०	१०	वै	५६	१४	वि	१९	१५	४	२३	३७	३०	२६	२२	कन्यायां	भ.१९।१५या.वक्रीहस्तेबुधः२४/३ बुधोदय.×
३०	गु	५२	२२	चि	५३	२६	वि	५५	४	च	२१	३४	०	२४	३६	१	२७	२३	तु.२१।४८	भा.कार्तिकारंभःमहालक्ष्मी पूजनम्

२७ पं.का.कृ. ५ चं. इ. ०/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	३	५	६	५	५
२५	२६	३	२३	२२	२७	२५	२५
३५	२०	४५	५०	२५	४४	५	००
२	१०	५४	५६	३७	५३	२४	१८
५९	४२	७५/५७	९	७४	६	३	५९
२१	४८	व.	३७	३५	३२	११	३१

गोचर ग्रहाः

८मं ७ ६सूशुरा ५ ४गु ९ ३ १० १२के २ चं ११ १

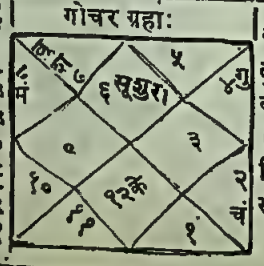

कार्तिक कृष्णे ९ शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तःपूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

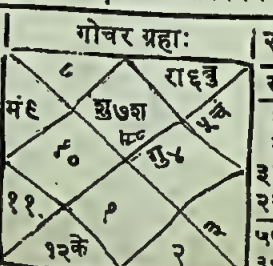

८ रा६बु मं९ शु७श ५चं ८ १० गु४ ११ १ ३ १२के २

२८ पं.का.कृ. १२चं.इ. ०/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	३	६	६	५	६
२	१	२५	२४	१	२८	२४	१
३१	२४	५२	५१	११	३०	४३	५७
२६	४३	४१	४०	१०	२५	९	४३
५९	४३	७४/५	८	७४	६	३	५९
३४	२४	व.	४६	३८	५०	११	४६

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२९७स.२०१४
१	शु	५२	४४	खा	५५	२८	प्री	५२	४६	किं	२२	३२	२७/५६	६/२५	५/३५	२	२८	२४	तुलायां	स्वात्यां रविः १०/१८ (सौरः ४३/३६) स्वात्यां ÷
२	श	५१	४७	वि	५६	२७	आ	४९	३५	बा	२२	१५	५३	२५	३५	३	२९	२५	वृ.४१।१२	मार्गी बुधः ३९।१९ चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २
३	र	५०	५	अ	५६	१०	सौ	४५	३८	तै	२०	५६	४९	२६	३४	४	१	२६	वृश्चिके	मोहोरम १ सन् १४३६ हि.
४	चं	४७	२९	ज्ये	५५	२५	शो	४०	४६	व	१८	४७	४५	२७	३३	५	२	२७	ध ५५।२५	भ. १८।४७ उ. ४७।२९ या.
५	मं	४४	२	मू	५३	४३	अ	३५	२६	ब	१५	४६	४१	२८	३२	६	३	२८	धनुषि	चित्रा. बुधः २६।३३
६	बु	४०	१७	पू	५१	३५	सु	२९	४७	कौ	१२	१०	३७	२९	३१	७	४	२९	धनुषि	[÷ शुक्रः ४५/५३ अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
७	गु	३५	५५	उ	४८	५७	धृ	२३	३२	ग	८	६	३४	२९	३१	८	५	३०	म.५।५६	भ. ३५।५५ उ.[=११ व्र.-तुलसी विवाह
८	शु	३०	१०	श्र	४५	५३	शू	१६	४६	वि	३	३२	३०	३०	३०	९	६	३१	मकरे	भ. ३।३२ या गोपाष्टमी
९	श	२५	४८	ध	४२	१७	गं	९	४३	कौ	२५	४८	२७	३१	२९	१०	७	१	कुं.१४।५	अस्तं शनेः २९।१९ अक्षय ९ ×
१०	र	२०	४	श	३८	१९	वृ	२०/२	५२/१३	ग	२०	४	२३	३१	२९	११	८	२	कुंभे	भ. ४७/४ उ. विशा. ४ वृश्चिके गुरुः ६/३५
११	चं	१४	४	पू	३४	२	व्या	४६	३४	वि	१४	४	१९	३२	२८	१२	९	३	मी. २०/६	भ. १४/४ या.आश्ले. ४गुरुः ४६/२३ प्रबोधिनी=
१२	मं	७	५२	उ	२९	३९	ह	३८	३४	बा	७	५२	१६	३३	२७	१३	१०	४	मीने	तुलायां बुधः ५७/२७ विशा. शुक्रः ०/२५ प्रदोषः
१३	बु	१	४९	रे	२५	३१	व	३०	५२	तै	१	४९	१२	३४	२६	१४	११	५	मे.२५।३१	भ. ५६/१४ उ. पूषा. भौमः ९/३६ वैकुंठ १४
१४	बु	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×नवम्बर ११ ता. ३०
१५	गु	५१	३५	अ	२२	१	सि	२३	३७	वि	२३	५६	९	३४	२६	१५	१२	६	मेषे	भ.२३/५६ या.वि.रविः ३०/४४ मन्वादिः का.स्ना.पू.

२९पं.का.शु.४ चं.इ. ०।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	३	६	६	५	६
९	६	२२	२५	९	२९	२४	८
२९	३२	५४	४७	२७	१८	२०	५७
४२	१७	३२	१७	२९	०	५३	३
५९	४३	१७/४६	७	७४	७	३	६०
४७	४४	मा	४९	३८	२	११	२

गोचर ग्रहाः

चं ८ | बुरा ९ | मं ९ | शुश७सू | ५ | १० | ४गु | ११ | १ | ३ | १२के | २

इस मास में धांतु सोना चांदी लोहा ताम्बा काष्ठ घृत कपास तृण घास चोपाये पशु तेज हो धान्य में तेजी अच्छी रहे।

गोचर ग्रहाः

८श | रा६बु | ९ मं | शु७सू | ५ | १० | ४गु | ११ | ९ | ३ | चं | के१२ | २

३०पं.मा.शु.११चं.इ.०।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	३	६	७	५	६
१६	११	२७	२६	१८	०	२३	१५
२९	४५	४२	३४	४५	६	५८	५८
२८	२२	४	५२	१८	२९	३८	७
६०	४३	७०	६	७४	७	३	६०
४	५६	४३	४१	३८	१४	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तुं रविदक्षिणेकार्तिककृष्णेति महा.
१	शु	४८	१६	भ	१९	२६	व्य	१७	५	बा	१९	५५	२७/५	६/३५	५/२५	१६	१३	७	वृ.३४।११	विशा. रविः सौरः १।३
२	श	४६	४४	कृ	१८	२६	व	११	४७	तै	१७	३०	२	३६	२४	१७	१४	८	वृषे	बुधास्तः पूर्वस्याम् २७।२४
३	र	४६	४३	रो	१८	५६	प	७	३५	व	१६	४७	२६/५८	३६	२४	१८	१५	९	मि५०।७	भ. १६/४४ उ. ४६/४३ या. स्वात्यां बुधः ४३/१७
४	चं	४८	४६	मृ	२१	२६	शि	५	२	ब	१७	४४	५५	३७	२३	१९	१६	१०	मिथुने	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	५२	२१	आ	२५	२६	सि	३	३५	कौ	२०	३२	५२	३८	२२	२०	१७	११	मिथुने	
६	बु	५७	३५	पु	३१	१२	सा	३	३८	ग	२४	५८	४९	३८	२२	२१	१८	१२	क.१६।४६	भ. ५७/३५ उ. वृश्चिके शुक्रः ०।१७
७	गु	६०	०	पु	३७	५९	शु	४	५४	वि	३०	३४	४५	३९	२१	२२	१९	१३	कर्के	भ. ३०।३४ या.
७	शु	३	३४	श्ले	४५	२३	शु	६	३१	ब	३	३४	४२	४०	२०	२३	२०	१४	सिं. ४५/२३	अनु. शुक्रः ३६।५७
८	श	१०	०	म	५२	२८	ब्र	८	५८	कौ	१०	०	३९	४०	२०	२४	२१	१५	सिंहे	हस्तः ४ राहु। रेवती. २ केतुः ८।४५
९	र	१६	१९	पू	६०	०	ऐं	१२	६	ग	१६	१९	३६	४१	१९	२५	२२	१६	सिंहे	भ. ४९/७ उ. वृश्चिकेर्कः २६/४९ (सौरः ५५/२०)
१०	चं	२१	५६	पू	०	९	वै	१३	७	वि	२१	५६	३३	४१	१९	२६	२३	१७	कं.१६।४३	भ. २१।५६ या.
११	मं	२६	२८	उ	६	२५	वि	१४	२	बा	२६	२८	३०	४२	१८	२७	२४	१८	कन्यायां	विशा. बुधः ३।२४ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	बु	२९	२६	ह	११	९	प्री	१४	१	तै	२९	२६	२७	४३	१७	२८	२५	१९	तु.४२।५५	अनु. रविः ४५।९
१३	गु	३०	४७	चि	१४	४१	आ	१२	५५	ग	०	४	२५	४३	१७	२९	२६	२०	तुलायां	भ. ३०/४७ उ. अनु. रविः सौरः १२।८ प्र.
१४	शु	३०	२१	स्वा	१६	२३	सौ	१०	२२	वि	०	३४	२२	४४	१६	३०	२७	२१	तुलायां	भ. ०।३४ या.
३०	श	२८	२२	वि	१६	२५	शो	६	३५	ना	२८	२२	१९	४४	१६	१	२८	२२	वृ. १।२५	उषा. भौमः ३९।५१ रा. मार्गशीर्षारंभः

३१पं.मा.कृ.४ चं.इ. ०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	३	६	७	५	६
२३	१७	७	२७	२७	०	२३	२३
३०	१	४	१५	३०	५५	३६	०
५०	८	३७	४३	४७	५५	२२	४०
६०	४४	८७	५	७४	७	३	६०
१७	२२	२८	४४	३२	२०	११	३०

गोचर ग्रहाः

८श | ६रा | ९मं | सू७शुबु | ५ | १० | गु४ | ११ | १ | ३ | के१२ | २

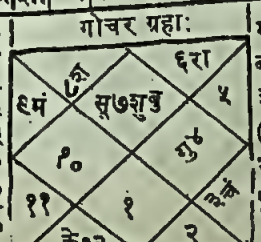

मार्गशीर्ष कृष्णे ९रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

म९ | शुशुसू८ | बु७ | १० | ६ | ११ | चं५ | २ | गु४ | १२के | १ | ३

३२पं.मा.कृ.९र.इ. ५९।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	३	७	७	५	७
०	२२	१८	२७	६	१	२३	०
२३	२०	२२	४८	१७	४५	१४	४
२९	१३	२६	४७	३८	४७	६	४४
६०	४४	९२	४	७४	७	३	६०
३०	२८	१६	३२	३२	२०	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाक: १९३६	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १३२७ स. २०१४
१	र २५ १५ अ १५ २३ अ १३ ५४ व २५ १५	२६	६	५	२	२९	२३	वृश्चिके	चंद्रदर्शन संभवः
२	चं २१ ५ ज्ये १३ १५ धृ ४९ २० कौ २१ ५	१७	४५	५५	३	१	२४	ध.१३।१५	वृश्चिकेबुधः १६।२२सफर २
३	मं १६ १७ मू १० १२ शू ४२ १० ग १६ १७	१२	४६	१४	४	२	२५	धनुषि	भ.४३।४२उ.ज्येष्ठा.शुक्रः १५।५८
४	बु ११ ८ पू ६ ३९ गं ३४ ५२ वि ११ ८	९	४६	१४	५	३	२६	म.२०।४६	भ.११ या.अनु.बुधः १९ शुक्रोदयः÷
५	गु ५ ५२ उ ३ ५६ वृ २७ ४० बा ५ ५२	२७	४७	१३	६	४	२७	मकरे	मकरेभौमः७।३१ [÷पश्चिमे ३२
६	शु ० ३९ ध ५६ १३ धु २० २६ तै ० ३९	५	४७	१३	७	५	२८	कुं.२७।५४	भ.५५।२१उ.चंपा६
७	शु ५४ ४२ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
८	श ५० २९ श ५२ ५१ च्या १३ १ वि २२ ५६	२	४८	१२	८	६	२९	कुम्भे	भ.२२।५५या.
९	र ४५ ४१ पू ४९ ३७ ह ६ ५२ बा १८ ५	८	४८	१२	९	७	३०	मी. ३५	अनु.१शनिः १३।५५ [–व्र.गीताजयंती
१०	चं ४० ५८ उ ४६ ४४ सि ५२ १३ तै १३ १९	२५	४८	१२	१०	८	१	मीने	दिसम्बर १२ता.३१ [+मोक्षदा११–
११	मं ३६ ५० रे ४४ १२ व्य ४५ ४६ व ८ ५४	१६	४९	११	११	९	२	मे.४४।१२	भ.८।५४उ.३६।५०या.ज्येष्ठारविः ५५ १६ +
१२	बु ३३ १ अ ४२ १२ व ३९ ४३ व ४ ५६	५४	४९	११	१२	१०	३	मेषे	ज्येष्ठा.रविः सौरः २०।०२
१३	गु २९ ५९ भ ४० ४६ प ३४ १६ कौ १ ३०	५३	४९	११	१३	११	४	वृ.५५।४१	प्रदोषः
१४	शु २७ ५१ कृ ४० ३० शि २९ ३१ व २७ ५१	५१	५०	१०	१४	१२	५	वृषे	भ.५१ उ.५९ या.ज्येष्ठा.बुधः ९ ३२ मूले×
१५	श २७ ७ रो ४१ ३१ सि २५ ४७ व २७ ७	४९	५०	१०	१५	१३	६	वृषे	दत्तजयंती [×धनुषिशुक्रः ५९ उदयंशने ३५

३३पं.मा.शु.५ र.इ. ५९ ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	३	७	७	५	७
७	२७	२९	२८	१५	२	२२	७
३७	३९	३२	१२	५	३६	५१	१०
२६	४३	५३	४७	१८	४	५१	१७
६०	४४	९७	१३	७४	७	३	६०
४२	५१	५१	२०	३२	२०	११	५३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना गेहूं चांवल धातु सोना चांदी तांबा लोहा तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

३४पं.मा.शु. ९ र.इ. ५९ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	३	७	७	५	७
१४	३	१०	२८	२३	३	२२	१४
४२	२	३६	२७	५१	२५	२९	१७
४०	२१	२५	५८	५८	३०	३५	३
६०	४४	९९	१	७४	७	३	६१
५०	००	२	५०	२६	१४	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाक: १९३६	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	र २७ ३७ मृ ४३ ३८ सा २३ ३ कौ २७ ३७	२५	४८	५०	१०	१६	१४	७	मि १२।३४
२	चं २९ ४६ आ ४७ १४ शु २१ ४९ ग २९ ४६	४६	५१	९	१७	१५	८	मिथुने	
३	मं ३३ ११ पु ५२ २२ शु २० ५९ व १ २९	४५	५१	९	१८	१६	९	क. ३६।५	भ.१।२९उ.३३।११या.
४	बु ३८ १० पु ५८ ४५ ब्र २१ ३८ व ५ ४०	४४	५१	९	१९	१७	१०	कर्के	श्रवणेभौमः ३।१८चतुर्थीत्र.
५	गु ४३ ३६ श्ले ६० ० ऐं २३ २ कौ ११ ५३	६३	५१	९	२०	१८	११	कर्के	वक्रीगुरुः ७।६
६	शु ५० २२ श्ले ५ ३८ वै २५ ३ ग १६ ५९	४२	५२	८	२१	१९	१२	सिं ५।३८	भ.५०।२१उ.
७	श ५६ ५३ म १३ २० वि २७ १५ वि २३ ३७	४१	५२	८	२२	२०	१३	सिंहे	भ.२३।३७या.मूलेधनुषिबुधः २२।५७
८	र ६० ० पू २१ ४ प्री २९ २९ बा २९ ३७	४०	५२	८	२३	२१	१४	क. ३७।४८	
८	चं २ ५६ उ २८ १ आ ३१ ८ कौ २ ५६	३९	५२	८	२४	२२	१५	कन्यायाँ	
९	मं ८ १ ह ३३ ३५ सौ ३१ ४३ ग ८ १	३९	५२	८	२५	२३	१६	कन्यायां	भ.४४ उ.मूले धनुष्यर्कः ३१ (सौरः ३३)=
१०	बु ११ २८ चि ३७ ४४ शो ३१ १७ वि ११ २८	३८	५२	८	२६	२४	१७	तु.५।३९	भ.११।२८या. [=पूषा.शुक्रः ३७
११	गु १३ ११ स्वा ४० ५ अ २९ १९ बु १३ ११	३८	५२	८	२७	२५	१८	तुलायां	सफला ११व्र.
१२	शु १२ ५७ वि ४१ ३२ सु २५ ५७ तै १२ ५७	३७	५३	७	२८	२६	१९	वृ.२६।११	प्रदोषः
१३	श १० ५४ अ ३९ १५ धृ २० ५७ व १० ५४	३७	५३	७	२९	२७	२०	वृश्चिके	भ.१०।५४उ.३८।५५या.
१४	र ६ ५५ ज्ये ३९ १८ शू १४ ३४ श ६ ५५	३६	५३	७	३०	२८	२१	ध.३६।१८	पूषायांबुधः ४२।३२
३०	चं १ ३९ मू ३२ ५४ गं ७ ५१ ना १ ३९	३६	५३	७	१	२९	२२	धनुषि	भा.पौषारंभः

३५पं. पौ.कृ. १ र.इ. ५९ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	३	८	७	५	७
२१	८	२१	२८	२	४	२२	२१
४८	२६	३७	३३	३९	१४	७	२४
४३	४९	३७	५०	१८	३८	२०	४५
६०	४५	९९	०	७४	७	३	६१
५६	६	५२	३८	२६	८	११	११

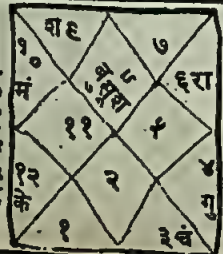

३६पं.पौ.कृ. ८ र.इ. ५९ ८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	३	८	७	५	७
२८	१३	२	२८	११	५	२१	२८
५५	५२	३९	३०	२६	२	४५	३३
३७	२४	४७	११	३१	३१	४	२८
६१	४५	९९	४७	७४	६	३	६१
०	१४	४०	व.	२६	५६	११	१९

३७पं.पौ.कृ. १४ र.इ. ५९ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	३	८	७	५	८
६	१९	१३	२८	२०	५	२१	५
३	१९	४७	१६	१३	४८	२२	४२
१४	३४	१७	५२	४८	५८	४८	५३
६१	४५	९९	२	७४	६	३	६१
४	२२	२५	व	२०	४४	११	२२

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १३५७स, २०१४
१	चं	५३	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं	४८	१६	पू	२७	१०	धु	५०	९	वा	२१	४६	३५	५३	७	२	३०	२३	म.४०।५२	चंद्र दर्शनम्
३	बु	४१	२२	उ	२१	५९	ब्या	४१	१७	तै	१४	४९	३६	५३	७	३	१	२४	मकरे	रविलाव़ल ३
४	शु	३४	२०	श्र	१६	३४	ह	३२	२६	व	७	५१	३७	५३	७	४	२	२५	कुं. ४४	भ.७।५१उ.३४।२०या.
५	शु	२७	५३	ध	११	४२	व	२३	५५	व	१	७	३७	५३	७	५	३	२६	कुंभे	
६	श	२१	५२	श	७	४९	सि	१६	८	तै	२१	५२	३७	५३	७	६	४	२७	मी४९।४०	उषा.शुक्रः५।५६धनि.भौमः२।३
७	र	१६	४६	पू	३	३६	व्य	८	३०	व	१६	४६	३८	५२	८	७	५	२८	मीने	भ.१६।४६उ.४४।४०या.
८	चं	१२	३३	उ	४४	०	व	५३	५३	ब	१२	३३	३८	५२	८	८	६	२९	मे.५८।४६	पूया.रविः७।३१(सौरः३५०) मकरेशुक्रः४५
९	मं	९	६	अ	५७	४४	शि	५०	२९	कौ	९	६	३९	५२	८	९	७	३०	मेषे	उषा.बुधः०।२७अनु.२शनिः१३वुधोदयः÷
१०	बु	६	३२	भ	५७	३१	लि	४६	२	ग	६	३२	४०	५२	८	१०	८	३१	मेषे	भ.३५।४५उ. [÷पश्चिमे५६।१९
११	गु	४	५८	कृ	५८	१५	सा	४२	७	वि	४	५८	४१	५२	८	११	९	१	वृ.१२।४१	भ.४।५८या.मकरेबुधः३।२६जनवरी १=
१२	शु	४	१३	रो	६०	०	शु	३९	१३	बा	४	१३	४२	५२	८	१२	१०	२	वृषे	प्रदोषः
१३	श	४	४९	रो	०	८	शु	३७	२	तै	४	४९	४३	५१	९	१३	११	३	मि. ३२	[= ता.३१सन्२०१५पुत्रदा११व्र.
१४	र	६	१२	मृ	२	५९	ब्र	३७	११	व	६	१२	४४	५१	९	१४	१२	४	मिथुने	भ.६।१२उ.३७।३८या.कुंभेभौमः३८।२२
१५	चं	९	४	आ	६	५२	ऐं	३५	४५	व	९	४	४५	५१	९	१५	१३	५	क.५५।३९	मा.स्ना.प्रा.

३८ पं.पौ.शु.७र.इ. ५८ ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	३	८	७	५	८
१३	२४	२४	२७	२८	६	२१	१३
११	४८	५९	५३	५९	३२	०	५२
१३	१८	४९	५६	४९	५३	३३	४५
६१	४५	९७	३८	७४	६	३	६१
६	२३	३४	व.१८	२६	११	२६	

गोचर ग्रहाः

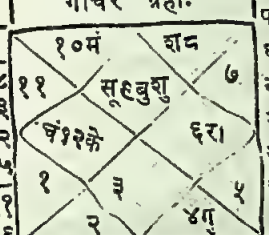

पौष कृष्णे ९ भौमे धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.३ न.३प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.शु.१४र.इ.५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	३	९	७	५	८
२०	०	६	२७	७	७	२०	२०
१९	१५	३	२२	४६	१४	३८	२
२६	२५	४	५२	७	४६	१७	४२
६१	४५	९२	५०	७४	६	३	६१
६	२२	११	व.१२	३	११	२६	

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	१२	५७	पु	११	५५	वै	३६	१४	को	१२	५७	३५	५७	५	१६	१४	६	कर्के	श्रवणे शुक्रः४७।१
२	बु	१८	४	पु	१८	१२	वि	३७	२६	ग	१८	४	४८	५०	१०	१७	१५	७	कर्के	भ.५०।५०उ.श्रवणेबुधः३२।४७
३	गु	२३	३७	श्ले	२५	११	प्री	३९	१३	वि	२३	३७	५०	५०	१०	१८	१६	८	सिं. २५	भ.२३।३७या.चतुर्थी व्रतम्
४	शु	३०	१३	म	३२	४१	आ	४१	३१	वा	३०	१३	५२	५०	१०	१९	१७	९	सिंहे	
५	श	३६	४३	पू	४०	८	सौ	४३	५६	कौ	३	२८	५३	४९	११	२०	१८	१०	कं.५७।२	
६	र	४३	१०	उ	४७	४६	शो	४५	५७	ग	९	५८	५५	४९	११	२१	१९	११	कन्यायां	भ.४३उ.उषा.रविः१३(सौरः२६।५७)
७	चं	४८	४६	ह	५४	१८	अ	४७	२१	वि	१५	५८	५७	४९	११	२२	२०	१२	कन्यायां	भ.५८या.वक्रीग्रहले.३गुरुः३६।११
८	मं	५३	२	चि	५९	४०	सु	४७	५०	ता	२०	५५	५९	४८	१२	२३	२१	१३	तु.२६।५७	शते भौमः१२।९
९	बु	५५	४४	स्वा	६०	०	धृ	४६	४	तै	२४	२३	२९	४८	१२	२४	२२	१४	तुलायां	मकरेऽर्कः२८।४०(सौरः४२।२४)
१०	गु	५६	२२	स्वा	३	२६	शू	४४	४६	व	२६	३४	४	४७	१३	२५	२३	१५	वृ.४९।४६	भ.२६।३४उ.५६।२२या.
११	शु	५५	५	वि	५	१३	गं	४०	५२	ब	२५	४४	६	४७	१३	२६	२४	१६	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.स्मा.
१२	श	५१	४४	अ	४	५६	कौ	३५	२२	कौ	२३	२५	८	४६	१४	२७	२५	१७	वृश्चिके	धनि.शुक्रः५६हस्त.३राहुःरेवती१केतुः =
१३	र	४६	२४	ज्ये	३९	६	ज्ये	२८	२०	ग	१९	४	११	४६	१४	२८	२६	१८	धनुषि	भ.४६।२४उ.प्रदोषः
१४	चं	३९	२४	पू	५३	१२	व्या	१९	१४	वि	१२	५४	१३	४५	१५	२९	२७	१९	म.६।३७	भ.१२।५४या.[=१।१२षट्तिला११व्र.वै.
१५	मं	३१	२९	उ	४६	५२	ह	१०	२३	च	५	२६	१६	४५	१५	३०	२८	२०		धनि.बुधः३०।१०

४० पं.मा.कृ.६र.इ. ५४ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	३	९	७	५	८
२७	५	१६	२६	१६	७	२०	२७
२७	४४	५	४३	३२	५४	१६	१२
२२	३१	१७	४६	२४	२२	२	३५
६१	४५	७६	६	७४	५	३	६१
६	२०	५१	व.	२	३९	११	२४

गोचर ग्रहाः

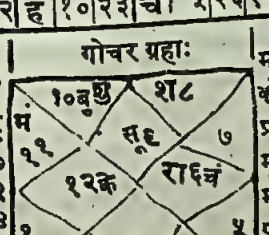

माघकृष्णे९बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा.२ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

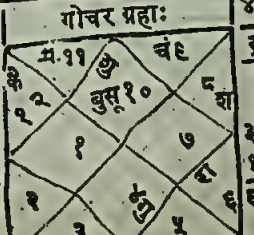

४१पं.मा.कृ. १३र.इ. ५८ ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	३	९	७	५	९
४	११	२२	२५	२५	८	१९	४
२५	१२	२९	५७	१७	३०	५३	२२
१३	३२	५३	३६	५६	४७	४६	३
६१	४५	३२	६	७३	५	३	६१
३	२३	५२	व.	५६	१०	११	१९

(स. २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः१३८६स.२०१५
१	बु	२२	५९	श्र	३९	५७	व	०/३५	४९/३८	ब	२२	५९	२६/१९	६/४४	५/१६	१	२९	२१	मकरे	अभि. प्र. रविः ३।१० (सौरः१३।४५)÷
२	गु	१४	१०	ध	३३	८	व्य	४०	६	कौ	१४	१०	२१	४४	१६	२	१	२२	कुं ५।२	कुंभे शुक्रः ४२।५९ रविलाखर ४
३	शु	५	४३	श	२६	४०	व	३०	१६	ग	५	४३	२४	४३	१७	३	२	२३	कुम्भे	भ. ३१/५५ उ. ५८/७ या. वक्री श्रवणे बुध ३६/३७
४	शु	५२	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷वक्रीबुधः ३०/४४ चंद्रदर्शनम् भा.माघारंभः
५	श	५१	१०	पू	२१	४	प	२१	१०	ब	२४	३५	२७	४३	१७	४	३	२४	मी. ७/२८	श्रवणे रविः १७।४७ (सौरः २९।४१)×
६	र	४५	४०	उ	१६	३९	शि	१३	११	कौ	१८	२५	२९	४२	१८	५	४	२५	मीने	अभि. नि. रविः १०।२ (सौरः२१।५८)
७	चं	४१	३२	रे	१३	४३	सि	६	७	ग	१३	३६	३२	४२	१८	६	५	२६	मे.१३।४३	भ. ४१।३२ उ. भानु ७ रथ ७
८	मं	३८	५१	अ	११	५६	सा	०/१३	५५/२२	वि	१०	११	३५	४१	१९	७	६	२७	मेषे	भ. १०।११ या. भीष्माष्टमी
९	बु	३७	३४	भ	११	४६	शु	५१	५७	बा	८	१८	३८	४०	२०	८	७	२८	वृ. २७।१	शते शुक्रः ७।३२
१०	गु	३७	३७	कृ	१२	४५	ब्र	४९	२९	तै	७	८	४१	४०	२०	९	८	२९	वृषे	पातस्पर्शः १५।५८
११	शु	३९	११	रो	१५	१६	ऐं	४७	५९	व	८	२४	४५	३९	२१	१०	९	३०	मि४६।५८	भ. ८।२४ उ. ३९/११ या. पूभा. भौमः १०/४३+
१२	श	४१	३६	मृ	१८	४०	वै	४७	३७	ब	१०	२४	४८	३८	२२	११	१०	३१	मिथुने	[×बुधास्तः पश्चिमायां ७/४७ वसंत ५
१३	र	४५	३०	आ	२३	२७	वि	४७	४२	कौ	१३	३३	५१	३८	२२	१२	११	१	मिथुने	फरवरी [+ पातमोक्षः ४८/५९ जया. ११ व्र.
१४	चं	४९	५१	पु	२९	७	प्री	४८	२३	ग	१७	३६	५४	३७	२३	१३	१२	२	कं.१२।४१	भ. ४९।५१ उ.
१५	मं	५५	२९	पु	३५	३३	आ	४९	५७	वि	२२	४०	५८	३६	२४	१४	१३	३	कर्के	भ. २२।५० या. मा. स्ना. पूर्तिः

४२पं.मा.शु.६र.इ.५८।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	३	१०	७	५	९
११	१६	२१	२५	४	९	१९	११
४२	३९	२	६	१	३	३१	३०
४०	४७	४९	२५	३०	२५	३०	५४
६०	४५	५७/५५	७/३४	७३	४	३	६१
५९	१६	व	व	५०	४६	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला धातु लोहा ताम्बा चांदी रस गुड सक्कर वदी में तेज होकर सुदी में मंदे हो जावेंगे।

गोचर ग्रहाः

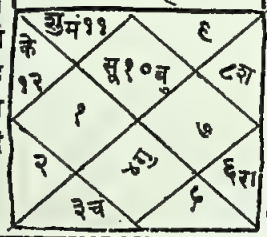

४३पं.मा.शु.१३र.इ. ५८/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	३	१०	७	५	९
१८	२२	१३	२४	१२	९	१९	१८
४९	६	१४	११	४३	३२	९	३९
१६	३२	२	४६	१६	१७	१५	००
६०	४५	८१/४९	७/५२	७३	४	३	६१
५५	९	व	व	४९	११	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	बु	६०	०	श्ले	४२	२३	सौ	५१	५०	बा	२८	२५	२७/१	६/३६	५/२४	१५	१४	४	सिं४२।२३	वक्री उषा बुधः २१।१०
१	गु	१	२०	म	४९	५३	शो	५३	५९	कौ	१	२०	५	३५	२५	१६	१५	५	सिंहे	बुधोदयः पूर्वस्यां ५।५०
२	शु	७	४८	पू	५७	२८	अ	५६	१६	ग	७	४८	८	३४	२६	१७	१६	६	सिंहे	भ. ४०।५८ उ.धनि.रविः २६/५ (सौरः ३५/३१)
३	श	१४	९	उ	६०	०	सु	५८	३६	वि	१४	९	१२	३४	२६	१८	१७	७	कं.१४।१९	भ. १४/९ या. पूभा. शुक्रः ५०/२२ चतुर्थी व्र.
४	र	२०	२९	उ	४	५५	धृ	६०	०	बा	२०	२९	१५	३३	२७	१९	१८	८	कन्यायां	वक्री आश्ले. २ गुरुः २८।१६
५	चं	२६	१३	ह	११	५६	धृ	०	१८	तै	२६	१३	१९	३२	२८	२०	१९	९	तु.४५।१	अनु. ३ शनिः ३८।३९
६	मं	३१	४	चि	१८	७	शू	१	३२	व	३१	४	२३	३१	२९	२१	२०	१०	तुलायां	भ. ३१।४ उ.
७	बु	३४	२८	स्वा	२२	५५	गं	१	४४	वि	२	४६	२७	३१	२९	२२	२१	११	तुलायां	भ. २/४६ या. पातस्पर्शः २६/१७ पातमोक्षः ४८/५०
८	गु	३६	२१	वि	२६	२३	वृ	०/४६	५७/३६	बा	५	२५	३०	३०	३०	२३	२२	१२	वृ.१०।३१	मार्गी बुधः ५९।२३ मीने भौमः१६।१७
९	शु	३६	१८	अ	२७	५२	व्या	५४	२९	तै	६	२२	३४	२९	३१	२४	२३	१३	वृश्चिके	कुम्भेऽर्कः १।३१ (सौरः ९।२९)
१०	श	३४	१२	ज्ये	२७	२५	ह	४९	१	व	५	१५	३८	२८	३२	२५	२४	१४	ध.२७।२५	भ. ५।१५ उ. ३४।१२ या.
११	र	३०	३५	मू	२४	०	व	४१	५३	ब	२	२३	४१	२८	३२	२६	२५	१५	धनुषि	मीने शुक्रः ५४।१७ विजया ११ व्र.
१२	चं	२४	३२	पू	२०	३७	सि	३३	२२	तै	२४	३२	४५	२७	३३	२७	२६	१६	म.३४।११	उभा. भौमः ३१।४० प्रदोषः
१३	मं	१७	३७	उ	१४	५५	व्य	२३	४०	व	१७	३७	४९	२६	३४	२८	२७	१७	मकरे	भ. १७/३७ उ. ४२/४५ या. महाशिवरात्री व्र.
१४	बु	७	५२	श्र	९	५७	व	१३	७	श	७	५२	५३	२५	३५	२९	२८	१८	कुं. ३४/५	श्रवणे बुधः ५४/२५ उभा. शुक्रः ३८।४
३०	बु	५०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

४४पं.फा.कृ.४र.इ.५९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	३	१०	७	५	९
२५	२७	७	२३	२१	९	१८	२५
५५	३१	३४	१५	२५	५७	४६	४५
१	३७	१	५८	३०	४०	५९	४७
६०	४५	२५/४७	७/५२	७३	३	३	६०
४७	३	व	व	३८	३२	११	५५

ग्रोचर ग्रहाः

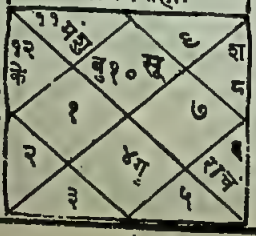

फाल्गुन कृष्णे ९ शुक्रे कुंभेऽर्कःप्रविष्टः बा.३ न.३युवावस्था (सूती) धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

ग्रोचर ग्रहाः

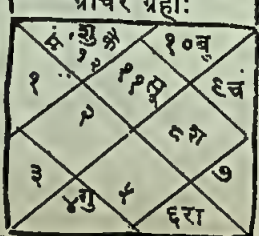

४५पं.फा.कृ.११र.इ. ५९/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	३	११	७	५	१०
२	२	८	२२	०	१०	१८	२
५९	५५	२६	२०	५	११	२४	५१
४९	४४	५६	५६	१७	१४	४४	५०
६०	४४	१९	७/४१	७३	२	३	६०
३७	५६	१९	व	२६	४९	११	४२

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तुरविरुत्तरेऽहर्गण १४१५ स.२०१५
१	गु	४८	३९	ध	०/१३	५२/११	प	२/९	४९/२	कि	२३	३०	२७/५६	६/२५	५/३५	३०	२९	१९	कुंभे	शते रविः ३७।३७ (सौरः ४४।५१)
२	शु	३९	१०	पू	४०	३	सि	४०	५८	बा	१३	५४	२८/००	२४	३६	१	३०	२०	मी३१।५३	चंद्रदर्शनम् भा. फाल्गुनारंभः फुलरिया२
३	श	३०	३१	उ	३८	२७	सा	३०	३१	तै	४	५०	४	२३	३७	२	१	२१	मीने	भ. ५६।४६ उ. जमादिलावल ५
४	र	२३	२	रे	३३	१३	शु	२१	३१	वि	२३	२	८	२२	३८	३	२	२२	मे.३३।१३	भ. २३।२ या.
५	चं	१७	९	अ	२९	३८	शु	१४	१४	बा	१७	९	१२	२२	३८	४	३	२३	मेषे	
६	मं	१३	१	भ	२७	५३	ब्र	८	१२	तै	१३	१	१६	२१	३९	५	४	२४	वृ. ४२/५४	[× (सौरः ५९।३८) धनि. बुधः ९।४६
७	बु	१०	४५	कृ	२७	५८	ऐं	३	३५	व	१०	४५	२०	२०	४०	६	५	२५	वृषे	भ. १०।४५ उ. ४०।३४ या.
८	गु	१०	२२	रो	२९	५०	वै	०/२९	५८/२१	ब	१०	२२	२४	१९	४१	७	६	२६	वृषे	होलाष्टक
९	शु	११	५२	मृ	३३	२०	प्री	५८	२१	कौ	११	५२	२८	१८	४२	८	७	२७	मि१।३५	
१०	श	१४	४४	आ	३८	१९	आ	५८	५६	ग	१४	४४	३२	१८	४२	९	८	२८	मिथुने	भ. ४६।५२ उ.
११	र	१९	०	पु	४४	२५	सौ	६०	०	वि	१९	०	३६	१७	४३	१०	९	१	क.२७।४४	भ. १९।० या. रेवत्यां शुक्रः २९।४७ =
१२	चं	२४	४	पु	५१	५	सौ	०	५	बा	२४	४	४०	१६	४४	११	१०	२	कर्के	[= मार्च ३ ता.३१ अमल ११
१३	मं	३०	८	श्ले	५८	१४	शो	१	५४	तै	३०	८	४४	१५	४५	१२	११	३	सिं५८।१४	प्रदोषः
१४	बु	३६	४	म	६०	०	अ	३	५३	ग	३	६	४८	१४	४६	१३	१२	४	सिंहे	भ. ३६।४ उ. पूभा. रविः ५३।४३ ×
१५	गु	४२	२६	म	५	४१	सु	६	७	वि	९	१५	५२	१४	४६	१४	१३	५	सिंहे	भ. ९/१३ या. रेवत्यां भौमः ५३/१५ होलिका द.

४६ पं. फा.शु.४र.इ. ५९/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	३	११	७	५	१०
१०	८	१३	२१	८	१०	१८	९
३	१९	२३	२८	४१	३५	२	५६
२२	१२	३१	३०	१७	६	२८	२३
६०	४४	४९	७/८	७३	२	३	६०
२५	४७	४९	व.	१७	७	११	३२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला मंदे हो चांदी सोने वस्त्र में घटा बढी चले रस तेज हो प्रजा में सुख चैन रहे।

गोचर ग्रहाः

४७पं.फा.शु.११र.इ. ५९/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	३	११	७	५	१०
१७	१३	२०	२०	१७	१०	१७	१६
५	३९	५१	४०	१६	४५	४०	५९
३५	४३	२१	४४	३४	५८	१२	१७
६०	४४	६८	६/१७	७३	१	३	६०
१२	३८	३८	व.	४	२६	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तुरविरुत्तरे फा. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४८	४६	पू	१३	१०	धृ	८	२९	बा	१५	३६	२८/५६	६/१३	५/४७	१५	१४	६	क.३०।२	वसंत १ छारेंडी
२	श	५४	४५	उ	२०	३८	शू	१०	३५	तै	२१	४५	२९/१	१२	४८	१६	१५	७	कन्याया	
३	र	६०	०	ह	२७	२२	गं	१२	२०	व	२७	२५	५	११	४९	१७	१६	८	कन्यायां	भ. २७/२५ उ. वक्री आश्ले. १ गुरुः ५१/५९ ×
३	चं	०	६	चि	३३	२०	वृ	१३	३३	वि	०	६	९	१०	५०	१८	१७	९	तु ०।२१	भ. ०।६ या. कुंभे बुधः ४।५ चतुर्थी व्र.
४	मं	४	३९	स्वा	३८	४३	ध्रु	१४	५	बा	४	३९	१३	९	५१	१९	१८	१०	तुलायां	[× पातस्पर्शः ०।५५ पातमोक्षः १७।५
५	बु	८	१३	वि	४२	५२	व्या	१३	४९	तै	८	१३	१७	९	५१	२०	१९	११	वृ.२६।५०	
६	गु	१०	२९	अ	४५	४४	ह	१२	२७	व	१०	२९	२१	८	५२	२१	२०	१२	वृश्चिके	भ. १०/२९ उ. ४०/५६ या. अश्वि. मेषे शुक्र-२७/५
७	शु	११	२३	ज्ये	४६	५८	व	९	५४	ब	११	२३	२६	७	५३	२२	२१	१३	ध ४६।५८	शते बुध ४६।२९ शीतला पूजनम्
८	श	१०	३८	मू	४६	२५	सि	६	२	कौ	१०	३८	३०	६	५४	२३	२२	१४	धनुषि	मीनेऽर्कः ५४।३६ (सौरः ५९।५९)
९	र	८	२	पू	४४	१६	व्य	०/५२	५३/१७	ग	८	२	३४	५	५५	२४	२३	१५	म.५८।१७	भ. ३५।५० उ. वक्री शनिः ४।४०
१०	चं	३	३८	उ	४०	१९	प	४६	१	वि	३	३८	३८	४	५६	२५	२४	१६	मकरे	भ. ३।३८ या. पापमोचनी ११व्र.स्मा.
११	चं	५४	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	मं	५१	२३	श्र	३४	५४	शि	३६	५६	कौ	२४	३३	४३	३	५७	२६	२५	१७	मकरे	पापमोचनी ११ व्र. वै.
१३	बु	४१	४३	ध	२८	१३	सि	२६	५१	ग	१६	३३	४७	३	५७	२७	२६	१८	कुं.१।३४	भ. ४१/४३ उ.उषा.रवि. १५/४० (सौर.३०/३५) प्र.
१४	गु	३२	४	श	२०	४१	सा	१६	७	वि	६	५३	५१	२	५८	२८	२७	१९	मी५९।२१	भ. ६।५३ या.
३०	शु	२२	१८	पू	१२	५५	शु	५/१०	४९/१	ना	२२	१८	५५	१	५९	२९	२८	२०	मीने	हस्त२राहु. उभा. ४ केतु. ५७।२ मन्वादि

४८पं.चै.कृ.३चं.इ.०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	३	११	७	५	१०
२४	१८	२९	१९	२५	१०	१७	२४
६	५८	५४	५९	४८	५२	१७	०
२२	४१	३२	१३	४७	१९	५७	४०
५९	४४	८३	५/२०	७२	४६/०	३	६०
५८	३१	२६	व.	५०	व.	११	६

गोचर ग्रहाः

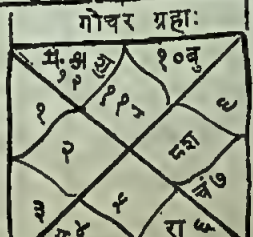

चैत्र कृष्णे ८ शनौ मीनेऽर्कःप्रविष्टः वां.२ न.४प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमे

गोचर ग्रहाः

४९पं.चै.कृ.१०चं.इ.०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	३	०	७	५	११
१	२४	१०	१९	४	१०	१६	१
५	१६	११	२४	१८	५३	५५	०
३५	५	४६	२९	११	५३	४१	२२
५९	४४	९४	०	७२	०/७	३	५९
४१	१६	५०	४६	३१	व.	११	४९

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११६, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५११६, भोग्यकलिः४२६८८४, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०७२, शाकः १९३७, अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः। मंत्री भौमः। सस्येशो गुरुः। धान्येशो बुधः। मेघेशश्चंद्रः। रसेशः शनिः नीरसेशो गुरुः। फलेशश्चंद्रः। धनेशो गुरुः। दुर्गेशश्चंद्रः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ३ सौम्यनाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ०।६।२५।५५ भोग्यमासादिः ११।२३।३४।५ चंद्र दैवतं युगम्। वर्षनाम माधः। मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे। समय विश्वा १८ समयवाहनम् महिषःस्तंभो.२ जलतृणयोः। सोमवत्यमाः३ सोमवती पंचमी१ अंगारकी चतुर्थी २ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी३, रविदशमी ३ समयमूहूर्ताः ३९० समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः १८, तिथिवृद्धिः १२ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा ७ धान्यम् १५ तृणम् ७, शीतम् ७ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १०७, शनिदृष्टिः पश्चिमे सत्यं॥ धर्मं १॥ पापं १८ ग्रहण १ चंद्रमसः

संवत् २०७२ चैत्र शु. १५ शनौ खग्रास ग्रस्तोदय चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घं.	२३	२६	२७	२८	३२
प.	१४	५५	३९	२३	४
घं.	३	५	५	५	७
मि.	४५	१३	३१	४८	१७

लाभ खर्च कोष्टक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ३।२६

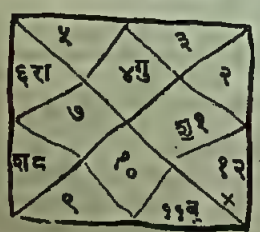

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न।

श्री जगदंबे ईश्वरी बहत्तर में हरषाय।
संवत् का फल प्रेम से कहो मोय समझाय॥

भवानी उत्तर

बहत्तर बाजावाजसी चहुं दिशि लड़े नरेश।
राजा मंत्री योग से जनता देश विदेश॥
निशानाथ मेघेश हैं रोहिणी सिंधु निवास।
फूले फले बंसुधरा पूरण हो सब आस॥
आषाढा वर्षा लगे श्रावण सुंदर योग।
भादवा सुदी आसोज में कुजगुरु योग कुयोग॥
फल सवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार।
आखिर सब जाने वही जो है जग करतार॥

नोट-भाद्रपद शुक्ला १५ चंद्रवार को प्रातःपश्चिमप्रदेशों मेंग्रस्तास्त चंद्रग्रहण होगा। जिसका स्पर्श रेल्वे ६।४० मोक्ष १०।१पर है।

फाल्गुन कृष्णा ३० बुधवार को स्वल्पग्रास ग्रस्तोदय सूर्यग्रहण कुछ प्रदेशों में होगा। जिसका स्पर्श रेल्वे५।४० मोक्ष६।३८ पर है जहां यह ग्रहण दृश्य होवे वहां ही इसकी मानने की आवश्यकता है।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ३।१५

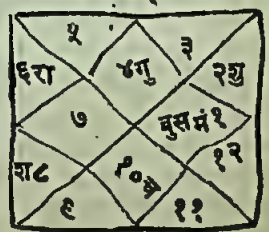

+चमंकेसू वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५३।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।३।२१

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शनि फलम् ।। शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यतेजनः । युद्धं नृपाणां गद तस्कराद्यैः भ्रमंति लोका क्षुधिताश्चदेशान् ।। मंत्री भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजो ननु मंत्रिपदं गतोभवति दस्यु गदादिज वेदना । जनपदेषुजयं सुखसंचयं न बहु गोषु पयो द्विज कर्म च ।। सस्येशो गुरुः फलम् ।। कणपतौ सुरराज पुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकः । जल धरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै।। धान्येशो बुधस्तत्फलम्।। बुधेधान्याधिपे मेघा जलं मुंचंतिवैभृशम् । सेंधवेलाट देशे च माधवोल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। शशिनितो-यदपेयदि गोमहिष्यजजवरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननुभामिनी ।। रक्षेशः शनिः फलम् ।। रविसुते रसपे रस संक्षयो न जलदा गदशश्चपयोधराः । अजगवां गजवाजि खरोष्ट्र हा जनपदेषु नरान्नरसैर्युताः ।। नीरसेशोगुरुः फलम् ।। हरिद्रा पीतवस्तूनि पीतवस्त्रादिकं चयत् । नीरसेशो यदाजीवः सर्वेषां प्रीति-रुत्तमा ।। फलेशश्चंद्रस्तत्फलम् यदिविधुः फलपोद्भुमराशयः फलयुतव्रतिभिः कुसुमैर्युता । द्विजमुखावर भोग समन्विता नृपत्तयो नयनाटनतत्परा: ।। धनेशोगुरुः फलम् ।। सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्ति परा सुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुविमानवाः । समसुखाः क्रय विक्रय जीविनो नृपतयो जन पालन तत्पराः ।। दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। गढपतिर्मृगलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नर वरावर वर्णित विग्रहाः ।। सौम्यनाम संवत्सरः फलम् ।। सौम्याब्देनिखिला लोका बहु सस्यार्घ वृष्टिभिः । विबैरिणो धराधीशा विप्राश्चाध्वर तत्पराः । वर्षनाम माघः फलम् ।। सुभिक्षं पूर्व याम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे रौरवं माघ वर्षे धान्यमहर्घता ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतु महावृष्टिः ।। समयनिवासो मालाकार गृहे फलम् ।। मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्।।

संवत् २०७२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाखमासः

शुक्ला ३ भौमे रोहि.ल. १०।११ रे.७ऽमं।ऽशु।ऽ।।।।।
मकरे गुरुः पू.

„ ४ बुधे मृगे ल.११रे.७।।।।।ऽरोऽऽ।।

„ ९ चंद्रे मघा.रे.७ल.गो (भौम७मेऽर्च्यः) ११चं.
पूज्यः गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

„ १०भौमेमघा ल.गो.(भौमः७पू.)रे.७।।।।ऽनृऽऽ।

„ ११ बुधे उफा,ल.११ (चं.७पू.) रे.७.।।।।ऽऽ।ऽ।
गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

„ १२ गुरौ उफा.ल.ऽन्यगो. (भौ.७मेर्च्यः) ल.१०
गु.पू.सत्

ज्येष्ठ मासः ।

कृष्णा ३ गुरौ मूले ल.११ रे.७।।।।ऽऽनृ।ऽ।। गोधूल्यां
भौमाष्टम महादोषः ।

„ ५ शनौ उषा. ल.११ रे.६ऽऽ।।।ऽचौ.।।।ऽदग्धा

शुक्ला १ भौमे मृगे ल. ११।१ रे.८।।।।।ऽनृऽ।।।

„ ६ रवौ मघा.ल.१(घ.५०।२२उ.)रे.।।।।।।।ऽ।ऽ

„ १२ शनौ स्वात्यां ल.१ (चं.७पू.) रे.८ऽ।ऽचं.।।।
(चौ.४५उ.)।।।।

प्रथम आषाढ मासः ।

कृष्णा १ बुधे मूले ल. १ रे. ९ ।ऽ।।।।।।।

„ ३ शुक्रे उषा.ल.१रे.६ऽ।।।ऽअ।ऽ।ऽ दग्धा आव.
गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

„ १० गुरौ रेवत्यां ल. १ (घ. ५३।५४ उ.)
रे.७।।।।ऽऽरो।ऽ।।

कार्तिकादि मासेषु सिंहस्थ गुरुदोषः ।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७ दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः १४४५ सन् २०१५
१	श १२ ४० उ ३३ ५५ ३३	ब्र ४४ ८	ब १२ ४०	३० ० ६	६ ३० २९	२१	मे.५८।३८	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः ÷
२	र ३ ५१ अ ५३ ३	ऐं ३५ २	कौ ३ ५१	४ ५९	१ १ १	२२	मेषे	पूभा.बुधः ४ रा.चैत्रारंभःजमादिलाखर+
३	र ५२ ३५ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	[÷सिंधारा [+६मत्स्यजयंती गणगौरी
४	चं ५० ३४ भ ४९ १३	वै २७ ५	ब २३ २९	८ ५८	२ २ २	२३	मेषे	भ.२३।२९उ.५०।३४या.भरण्यांशुक्रः =
५	मं ४६ ३९ कृ ४७ २२	वि २० ५२	ब १८ ३६	१२ ५८	२ ३ ३	२४	वृ.३।४६	[=३०।३९अश्वि.मेषे भौमः३९।४५
६	बु ४४ ५० रो ४७ ४१	मृ १६ २२	कौ १५ ४३	१६ ५७	३ ४ ४	२५	वृषे	
७	गु ४५ १७ मृ ५० ३	आ १३ ३३	ग १५ ३	२१ ५६	४ ५ ५	२६	मि.५२	भ.४९।१७उ.
८	शु ४७ ३२ आ ५४ ७	सौ १२ ४	वि १६ २५	२५ ५५	५ ६ ६	२७	मिथुने	भ.३६या.मीनेबुधः५४ बुधास्तःपूर्वस्यां ४७
९	श ५१ २६ पु ५९ १८	शे १२ २८	बा १९ २९	२९ ५४	६ ७ ७	२८	क. ४३	रामनवमी
१०	र ५६ ३३ पु ६० ०	अ १३ १७	तै २४ ०	३३ ५३	७ ८ ८	२९	कर्के	उभा.बुधः३९।५६
११	चं ६० ० पु ५ ५४	सु १५ ५	व २९ ३७	३७ ५३	७ ९ ९	३०	कर्के	भ.२९।३७उ.कामदा११व्र.स्मा.
११	मं २ ४७ श्ले १३ ५३	ध्र १७ २५	वि २ ४७	४१ ५२	८ १० १०	३१	सिं. १३	भ.२।४७या.रेवत्यांरविः४३।१९(सौरः×
१२	बु ८ ५९ म २१ २६	शू १९ ५०	बा ८ ५९	४५ ५१	९ ११ ११	१	सिंहे	अप्रेल ४ता.३०प्रदोषः
१३	गु १५ २४ पू २८ ५५	गं २२ १२	तै १५ २४	४९ ५०	१० १२ १२	२	कं.४५।४२	[×४८।२)कामदा११व्र.वै.
१४	शु २१ २३ उ ३६ ४	वृ २४ ११	व २१ २३	५३ ४९	११ १३ १३	३	कन्यायां	भ.२१।२३उ.५४।९या.कृति.शुक्रः४३।१
१५	श २६ ५५ ह ४२ ३९	ध्रु २५ ४९	ब २६ ५५	५७ ४९	११ १५ १४	४	कन्यायां	ग्रस्तोदितखग्रासचंद्रग्रहणमुहुर्मज्जयंती

५० पं.चै.शु.४चं.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	३	०	७	५	११
८	२९	२१	१८	१२	१०	१६	७
३	३१	३४	५८	४४	५०	३३	५८
१८	३०	२३	३४	१०	२०	२६	१७
५९	४३	०	५३	७२	४७	३	५९
२९	५५	४१	व.	४	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में बाजरा मूंग मोठ आदि धान्य सोना चांदी लोहा वस्त्र रुई कपास बदि में मंदे होकर सुदि में तेज हो जावेंगे ।

गोचर ग्रहाः

५१ पं.चै.शु.११चं. इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	३	०	७	५	११
१४	४	४	१८	२१	१०	१६	१४
५९	४३	१	४०	५	५२	११	५४
१०	५५	२३	५९	५६	११	१०	२७
५९	४३	८	२३	७१	३	३	५९
१६	५०	व.	४	४४	व.	११	१८

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७ दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	र ३१ ४१ चि ४८ १५	व्या २६ ४३	कौ ३१ ४१	१ १ ४८	१ १५ १५	५	तु.१५।२७	रेवत्यांबुधः४१।३८मार्गेगुरुः ४३।२६
२	चं ३५ ३४ स्वा ५३ १४	ह २७ २	तै ३ ३७	५ ४७	१३ १६ १६	६	तुलायां	बृषेशुक्रः३०।५२
३	मं ३८ २१ वि ५७ १४	व २६ ३४	व ६ ५७	१० ४६	१४ १७ १७	७	वृ.४१।१४	भ.६।५७उ.३८।२१या.
४	बु ४० २८ अ ६० ०	सि २५ १६	ब ९ २४	१४ ४५	१५ १८ १८	८	वृश्चिके	चतुर्थी व्रतम्
५	गु ४० ३९ अ ० १	व्य २३ ५	कौ १० ३२	१८ ४४	१६ १९ १९	९	वृश्चिके	अस्त, भौमः५९।३
६	शु ४० ११ ज्ये १ ४५	व २० ५	ग १० २५	२२ ४४	१६ २० २०	१०	ध.१।२७	भ.४०।११उ.भरण्यांभौमः३७।५८
७	श ३८ २७ मू १ १६	प १५ ५३	वि ९ १९	२६ ४३	१७ २१ २१	११	धनुषि	भ.९।१९या.
८	र ३५ २३ पू २३ ५९	शि १० ३८	बा ६ ५५	३० ४२	१८ २२ २२	१२	म.१५।५४	अश्वि.मेषेबुधः३।६
९	चं ३१ १ श्र ५६ ६	सि २५ ५२	तै ३ ६	३४ ४१	१९ २३ २३	१३	मकरे	भ.५८।१३उ.
१०	मं २५ २५ ध ५१ ३८	शु ४९ १०	वि २५ २५	३८ ४०	२० २४ २४	१४	कुं २३।५२	भ.३५या.अश्वि.मेषेऽर्कः १७ सौरः ३२ ३५)
११	बु १८ ३८ श ४५ ५७	शु ३९ ५१	बा १८ ३८	४२ ४०	२० २५ २५	१५	कुंभे	रोहि.शुक्रः१३।१३वरुथिनी११व्र.
१२	गु १० ४६ पू ३९ ३८	व्र ३० १२	तै १० ४६	४६ ३९	२१ २६ २६	१६	मी. २६ १३	प्रदोषः
१३	शु २ १० उ ३२ ४८	ऐं २० ४	व २ १०	५० ३८	२२ २७ २७	१७	मीने	भ.१०२उ.३९या वक्रीअनु.२शनि१२।२८
१४	शु ५० ५८ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	
२०	श ४४ २८ रे २६ १०	वै ९ १३	च १८ ४७	५३ ३७	२३ २८ २८	१८	मे.२६।१	भरण्याँ बुधः१८।८

५२ पं.वै.कृ.२चं.इ १।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	३	०	७	५	११
२१	९	१७	१८	२९	१०	१५	२१
५३	५४	२०	३३	२४	२८	४८	४८
३१	२९	१०	४	३२	५९	५४	३८
५९	४३	२९	०	७१	१४	३	५९
४	४०	१७	मा	१७	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

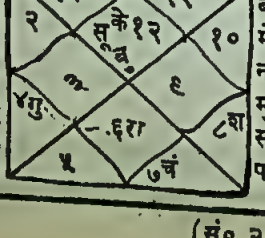

बैशाख कृष्णे १० भौमे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.४वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

१प.वै.कृ.१०मं.इ. १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	३	१	७	५	११
०	१५	४	१८	८	१०	१५	२९
०	५८	२९	३४	५४	८	२२	५४
०	१२	२२	८	११	३१	४६	५२
५८	४३	२९	१	७०	५९	३	५८
४४	१५	१९	२३	२५	व.	११	४५

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः १४७४सन् २०१५
१	र	३६	२७	अ	१९	४८	वि	३५	२५	किं	१०	२८	३१/५७	५/३७	६/२३	२९	२९	१९	मेषे	
२	चं	२९	३६	भ	१४	५८	आ	४४	३२	बा	३	५	३२/१	३६	२४	३०	३०	२०	वृ.२९।८	चंद्रदर्शनम् परशु रामजयंती
३	मं	२४	३६	कृ	११	३८	सौ	३८	१७	ग	२४	२६	५	३५	२५	१	१	२१	वृषे	भ.५३/१उ.बुधोदयःपश्चिमायां५६/२५भा. =
४	बु	२१	२७	रो	१०	५	शो	३५	४६	वि	२१	२७	९	३४	२६	२	२	२२	मि४०।२४	भ.२१।२७या.
५	गु	२०	२२	मृ	१०	४४	अ	३१	१५	बा	२०	२२	१२	३४	२६	३	३	२३	मिथुने	[=वैशाखारंभःरज्जव७अक्षय३
६	शु	२१	२९	आ	१३	१९	सु	३०	३१	तै	२१	२९	१६	३३	२७	४	४	२४	मिथुने	
७	श	२४	३४	पु	१७	५१	धृ	३०	३५	व	२४	३४	२०	३२	२८	५	५	२५	क.१।४३	भ.२४/३४उ.५६/५१या.कृति.बुधः९।३१
८	र	२९	८	पु	२३	४६	शू	३१	५८	ब	२९	८	२३	३१	२९	६	६	२६	कर्के	मृगेशुक्रः३८/५१पातस्पर्शः७।३३पातमोक्षः३०/१४
९	चं	३५	२	श्ले	३१	७	गं	३४	९	बा	२	५	२७	३१	२९	७	७	२७	सिं. ३१/७	भरण्यांरविः५७/३३बृषेबुधः९।९
१०	मं	४१	१३	म	३८	२५	वृ	३६	३३	तै	८	३८	३१	३०	३०	८	८	२८	सिंहे	भरण्यां रविःसौरः४। ०
११	बु	४७	३८	पू	४६	३	ध्रु	३९	२	व	१४	२६	३४	२९	३१	९	९	२९	सिंहे	भ.१४/२६उ ४७/३८या.कृत्तिःभौमः५।१मोहिनी ÷
१२	गु	५३	२६	उ	५३	२४	व्या	४१	७	व	२०	३३	३८	२८	३२	१०	१०	३०	कं २।५३	[÷ ११ व्र.
१३	शु	५८	५३	ह	५९	५०	ह	४२	४९	कौ	२६	१०	४१	२८	३२	११	११	१	कन्यायां	मई ५ ता.३१ प्रदोषः
१४	श	६०	०	चि	६०	०	व	४२	३०	ग	३०	५२	४५	२७	३३	१२	१२	२	तु.३२।३०	मिथुनेशुक्रः३६।१२नृसिंहजयंती
१४	र	२	५०	चि	५	१०	सि	४२	२७	व	२	५०	४८	२६	३४	१३	१३	३	तुलायां	भ.२।५०उ.३४।२१या.बृषेभौमः ४४।४४
१५	चं	५	५२	स्वा	९	३५	व्य	४२	२७	व	५	५२	५२	२६	३४	१४	१४	४	वृ ५६।५८	रोहिण्यांबुधः१।५८यमाय कुंभ दानम्

२पं वै.शु.३मं.इ १७/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	३	१	७	५	०
६	२१	१९	१८	१७	९	१५	६
५०	२	१२	४५	१२	४६	०	४५
४२	५६	१४	५८	२२	४४	३१	३
५८	४३	११/१७	२	६९	३/३५	३	५८
३१	५	५०	४७	५३	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

२चंशु १२के ३ बुमंर१ ११ ४गु १० ५ ७ ९ ६रा ८श

भूमि पुत्रो यदा मेषे सुभिक्षं सर्वधान्यकम्। प्रवालानि महर्घाणि क्रोधावांस्तुभवेन्नृप ॥ इस मास में धान्य मंदे हो धातु तेज हो।

गोचर ग्रहाः

शु२बु १२के ३ १ मंसू ११ ४गु १० ५चं ७ ९ ६रा श ८

३पं.वै.शु.१०मं.इ.१७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	३	१	७	५	०
१३	२६	१	१९	२५	९	१४	१३
३९	६	५४	६	१३	२१	३८	३३
४७	०	४०	३२	२३	४०	१५	२८
५८	४२	०/१०	४	६८	५६/३	३	५८
१९	५६	१०	१	५४	व.	११	१२

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	मं	७	३६	वि	१२	४१	व	४०	३२	कौ	७	३६	३२/५५	५/२५	६/३५	१५	१५	५	वृश्चिके	
२	बु	८	१५	अ	१४	३५	प	३७	४३	ग	८	१५	५८	२४	३६	१६	१६	६	वृश्चिके	भ.३७।५९उ.
३	गु	७	४४	ज्ये	१५	४३	शि	३४	१६	वि	७	४४	३३/२	२४	३६	१७	१७	७	ध.१५।४३	भ.७।४४या.चतुर्थी व्रतम्
४	शु	६	१७	मू	१५	५५	सि	३०	२	बा	६	१७	५	२३	३७	१८	१८	८	धनुषि	आर्द्रा.शुक्रः२७।१५पातस्पर्शः३४।१२
५	श	४	४	पू	१५	१२	सा	२४	५९	तै	४	४	८	२२	३८	१९	१९	९	म.२९।४८	गातमोक्षः२४।७
६	र	०	५२	उ	१३	३८	शु	१९	३६	व	०	५२	११	२२	३८	२०	२०	१०	मकरे	भ.०।५२उ.२९।०या.आश्ले.२गुरुः १९/५०
७	र	५६	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	चं	५२	३६	श्र	११	१९	शु	१२	३७	बा	२४	५२	१४	२१	३९	२१	२१	११	कुं३९।५०	कृत्ति.रविः४३।२९(सौरः५१।२२)
९	मं	४७	१३	ध	८	२२	ब्र	६/३७	५२/४२	तै	१९	५४	१७	२१	३९	२२	२२	१२	कुंभे	
१०	बु	४१	१७	श	४	३५	वै	५१	२५	व	१४	१४	२०	२०	४०	२३	२३	१३	मी४६।१९	भ.१४।१४उ.४१।१७या.
११	गु	३४	३१	पू	०/१७	५५/२	वि	४३	०	ब	७	५४	२३	१९	४१	२४	२४	१४	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	शु	२७	१९	रे	५०	१३	प्री	३४	३०	कौ	०	५५	२६	१९	४१	२५	२५	१५	मे.५०।१३	बृषेऽर्कः१०।४४(सौरः१९।३९)प्रदोषः
१३	श	२०	८	अ	४५	१०	आ	२५	५६	व	२०	८	२८	१८	४२	२६	२६	१६	मेषे	भ.२०।८उ.४६।४२या.
१४	र	१३	१५	भ	४०	४०	सौ	१७	४९	श	१३	१५	३१	१८	४२	२७	२७	१७	वृ.५४।४६	रोहिण्याभौमः५३।१२
३०	चं	७	११	कृ	३७	४	शो	१०	२४	ना	७	११	३४	१७	४३	२८	२८	१८	वृषे	वक्री बुधः४५।८वटपूजनम्

४पं. ज्ये.कृ.१मं.इः १८/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	३	२	७	५	०
२०	१	११	१९	३	८	१४	२०
२७	६	२७	३५	५	५४	१५	२०
२५	२५	११	१३	२८	०	५९	१३
५८	४२	६८	४	६८	१४/१२	३	५७
६	४१	४५	५६	२	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

बुमं२ १२के १ ३शु १ ११ ४गु १० ५ ७ ९ रा६ शचं८

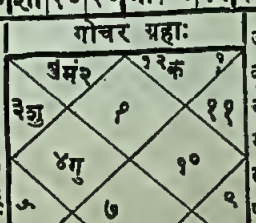

ज्येष्ठ कृष्णे१२ शुक्रे वृषेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४ न.५युवावस्था (सूती) मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

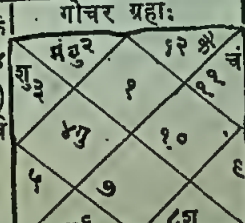

मंबु२ १२ श्रे चं शु३ १ ११ ४गु १० ५ ७ ९ रा६ ८श

५पं.ज्ये.कृ. ९ मं.इ. १८/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	३	२	७	५	०
२७	६	१७	२०	१०	८	१३	२७
१३	४	१६	१२	४८	२४	५३	०५
३७	१९	५९	२२	४	१८	४४	२७
५७	४२	२७	६	६६	३४/४	३	५७
५४	३१	४२	१७	४०	व	११	४०

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १५०४स.२०१५
१	मं	२	८	रो	३४	३९	अ	३/५१	५४/५३	ब	२	८	३३/३७	५/१७	६/४३	२९	२९	१९	वृषे	चद्रदर्शनम्
२	मं	५२	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	बु	५६	१७	मृ	३४	१४	धृ	५४	५२	तै	२७	७	३९	१६	४४	३०	१	२०	मि. ४/२९	पुन.शुक्रः४९।४०सावान८
४	गु	५६	२८	आ	३५	३२	शू	५२	४२	व	२६	२२	४२	१६	४४	३१	२	२१	मिथुने	भ.२६/२२उ.५६/२८या.बुधास्तःपश्चिमायां१८/१०
५	शु	५८	४०	पु	३८	५५	गं	५२	१३	ब	२७	३५	४४	१५	४५	१	३	२२	क.२३।४	हस्त.१राहूःउभा३केतुः५४/३१ भा.=
६	श	६०	०	पु	४३	५०	वृ	५२	४०	कौ	३०	२९	४७	१५	४५	२	४	२३	कर्के	[=ज्येष्ठारंभः
६	र	२	१९	श्ले	५०	२२	ध्रु	५४	२८	तै	२	१९	४९	१४	४६	३	५	२४	सिं५०।२२	
७	चं	७	४०	म	५७	२२	व्या	५६	३४	व	७	४०	५२	१४	४६	४	६	२५	सिंहे	भ ७।४०उ.४०।३७या.रोहि.रविः+
८	मं	१३	३४	पू	६०	०	ह	५९	७	ब	१३	३४	५४	१३	४७	५	७	२६	सिंहे	[+३४ १८(सौरः४५।४७
९	बु	१९	५२	पू	५	७	व	६०	०	कौ	१९	५२	५६	१३	४७	६	८	२७	कं.२१।५५	
१०	गु	२५	४६	उ	१२	२०	व	१	२९	ग	२५	४६	५८	१२	४८	७	९	२८	कन्यायां	म.५८।२३उ.गंगादशमी
११	शु	३१	०	ह	१९	१४	सि	३	२२	वि	३१	०	३४/००	१२	४८	८	१०	२९	तु.५१।५६	भ.३१।०या.निर्जला११व्र.
१२	श	३५	०	चि	२४	३८	व्य	४	१७	व	३	०	२	१२	४८	९	११	३०	तुलायां	कर्केशुक्रः३८।७
१३	र	३७	३२	स्वा	२८	५२	व	४	१०	कौ	६	१६	३	११	४९	१०	१२	३१	तुलायां	प्रदोषः [÷सावित्रीव्रतम्
१४	चं	३७	३८	वि	३१	३३	प	२	५३	ग	७	३५	५	११	४९	११	१३	१	वृ.१५।५३	भ.३७।३८उ.जून६ता.३०
१५	मं	३७	५५	अ	३२	५८	शि	०/३५	५६/४१	वि	७	४७	७	११	४९	१२	१४	२	वृश्चिके	भ.७/४७या.पुष्येशुक्रः५४/३गुर्जराणां वट÷

६पं.ज्ये.शु.१मं.इ. १८।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	३	२	७	५	१
३	११	१८	२०	१८	७	१३	३
५८	०	५८	५६	२०	५३	३१	४९
३७	७	३७	३१	४२	४२	२८	१०
५७	४२	२/२३	७	६५	४/४०	३	५७
४४	२०	व.	१४	१७	व.	११	३४

७पं.ज्ये.शु. ८मं.इ. १८।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	३	२	७	५	१
१०	१५	१७	२१	२५	७	१३	१०
४२	५३	५	४७	४१	२२	९	२१
२९	३१	४६	१३	२०	२६	१३	३१
५७	४२	२८/५६	८	६३	४/४०	३	५७
३५	७	व	२२	३२	व	११	२३

८पं.ज्य.शु.१५मं.इ. १८/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	३	३	७	५	१
१७	२०	१३	२२	२	६	१२	१७
२५	४४	३३	४४	४३	५१	४६	१२
१९	५३	११	१०	४८	३२	५७	२७
५७	४१	३१/१०	९	६१	४/३४	३	५७
२७	५६	व	७	१५	१	११	१३

ति.	प्र.आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	बु	३६	८	ज्ये	३२	५७	सा	५२	४४	बा	७	२	३७/९	५/१०	६/५०	१३	१५	३	ध.३२।५७	
२	गु	३३	१४	मू	३१	४८	शु	४७	२३	तै	४	४०	१०	१०	५०	१४	१६	४	धनुषि	वक्रीअनु.१शनिः५०।७
३	शु	२९	२०	पू	२९	५३	शु	४१	३७	व	३	१८	१२	१०	५०	१५	१७	५	म.४४।४६	भ ३।१८उ.२९।२०या.चतुर्थीव्रतम्
४	श	२४	५५	उ	२७	२५	ब्र	३५	१७	बा	२४	५५	१३	९	५१	१६	१८	६	मकरे	मृगेभौमः६।३४
५	र	२०	११	श्र	२४	३५	ऐं	२८	४०	तै	२०	११	१५	९	५१	१७	१९	७	कुं.५३।५	
६	चं	१५	१४	ध	२१	३६	वै	२२	७	व	१५	१४	१६	९	५१	१८	२०	८	कुंभे	भ.१५/१४उ.४३/४३या.मृगेरविः२९/११(सौरः४४/३७)×
७	मं	१०	१२	श	१८	१७	वि	१५	२१	ब	१०	१२	१७	९	५१	१९	२१	९	कुंभे	बुधोदयःपूर्वस्यां७।४४
८	बु	४	५२	पू	१४	५८	प्री	८	२०	कौ	४	५२	१८	८	५२	२०	२२	१०	मी०।४७	[×आश्लें.३गुरुः३७/४९
९	बु	५४	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	गु	५३	५४	उ	११	२७	आ	२/१७	५१/४४	व	२६	४१	१९	८	५२	२१	२३	११	मीन	भ.२६।४१उ.५३।५४या.
११	शु	४८	३३	रे	७	४४	शो	४७	१५	ब	२१	१३	१९	८	५२	२२	२४	१२	मे.७।४४	योगिनी११व्र.
१२	श	४२	१७	अ	४	२६	अ	४०	३१	कौ	१५	४९	२०	८	५२	२३	२५	१३	मेषे	मार्गीबुधः४२५७
१३	र	३८	३५	भ	१/२३	५७/४६	सु	३४	१५	ग	१०	५५	२१	८	५२	२४	२६	१४	वृ.१५।५०	भ.३८।३५उ.
१४	चं	३४	२८	रो	५७	२८	धृ	२८	३४	वि	६	३१	२१	८	५२	२५	२७	१५	वृषे	भ.६।३१या.मिथुनेऽर्कः२७।४५(सौरः-
३०	मं	३१	३४	मृ	५७	६	शू	२२	२८	च	३	१	२२	८	५२	२६	२८	१६	मि२७।१७	[-४५।२५)मिथुनेभौमः४८।५०

९पं. प्र.आ.कृ.७मं.इ. १८/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	३	३	७	५	१
२४	२५	१०	२३	९	६	१२	२३
७	३३	५३	२६	२८	२१	२४	५२
१९	४७	४६	४१	५	५८	४१	२३
५७	४१	१७/२८	९	५८	४/१६	३	५७
२२	४६	व	५०	२३	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

प्र.आषाढकृष्णे १४चंद्रे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न. ५ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१०पं. प्र.आ.कृ.३०मं.इ. १८/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	३	३	७	५	२
०	०	११	२४	१५	५	१२	०
४८	२०	७	५४	४८	५३	२	३१
३६	३८	५२	२९	४०	५३	२६	३२
५७	४१	१०/१७	१०	५४	३/५८	३	५६
१७	३७	मा	३३	३३	व.	११	५७

ति.	प्र.आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १५३३स.२०१५
१	बु	३०	६	आ	५८	३	गं	१९	४१	किं	०	५०	३४/२२	५/८	६/५२	२७	२९	१७	मिथुने	आश्ले.शुक्रः१५।३
२	गु	३०	५	पु	६०	०	वृ	१७	११	बा	०	५	२२	८	५२	२८	३०	१८	क.४५।४	चंद्रदर्शनम्
३	शु	३२	४	पु	०	४५	ध्रु	१६	८	तै	१	५	२३	७	५३	२९	१	१९	कर्के	रमजान९
४	श	३५	१७	पु	५	४	व्या	१५	४१	व	३	४०	२३	७	५३	३०	२	२०	कर्के	भ.३।४०उ.३५।१७या.
५	र	४०	२०	श्ले	१०	४४	ह	१६	४८	ब	७	४८	२३	७	५३	३१	३	२१	सिं१०।४४	
६	चं	४५	४४	म	१७	३१	व	१८	४३	कौ	१३	२	२४	७	५३	१	४	२२	सिंहे	आर्द्रा.रविः२६/४० (सौरः४६/५८)भा.आषाढारंभः
७	मं	५१	४८	पू	२४	५३	सि	२१	३	ग	१८	४६	२४	७	५३	२	५	२३	कं ४१।४५	भ.५५।४८उ.
८	बु	५७	५८	उ	३२	२१	व्य	२३	३२	वि	२४	५३	२४	७	५३	३	६	२४	कन्यायां	भ २४।५३या.
९	गु	६०	०	ह	३९	३३	व	२५	४७	बा	३०	४३	२४	७	५३	४	७	२५	कंन्यायां	आर्द्रा.भौमः३५।१६
९	शु	३	२९	चि	४५	४१	प	२७	२०	कौ	३	२९	२३	७	५३	५	८	२६	तु.१२।३७	आश्ले.४गुरुः१८।३७
१०	श	७	५०	स्वा	५०	३४	शि	२७	५२	ग	७	५०	२३	७	५३	६	९	२७	तुलायां	भ.३९।१२उ.
११	र	१०	३५	वि	५२	४७	सि	२७	१	वि	१०	३५	२२	८	५२	७	१०	२८	वृ.३७।५९	भ.१०।३५या.कमला११व्र
१२	चं	११	३०	अ	५५	६	सा	२५	२	बा	११	३०	२२	८	५२	८	११	२९	वृश्चिके	
१३	मं	१०	३५	ज्ये	५४	४२	शु	२१	२०	तै	१०	३५	२१	८	५२	९	१२	३०	ध.५४।४२	मृगेबुधः४५।५८
१४	बु	६	५८	मू	५२	५०	शु	१६	२३	व	६	५८	२०	८	५२	१०	१३	१	धनुषि	भ.६।५८उ.३४।५१या.जुलाई७ता.३१
१५	गु	२	४४	पू	४९	३५	ब्र	१०	२३	ब	२	४४	१९	८	५२	११	१४	२	धनुषि	

११पं.प्र.आ.शु.७मं.इ. १८/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	३	३	७	५	२
७	५	१५	२६	२१	५	११	७
२९	५	६	६	३८	२८	४०	०९
३१	३५	४०	२९	३५	३७	१०	५९
५७	४१	४५	११	४९	३/४०	३	५६
१३	२६	२८	१०	४३	व	११	५४

गोचर ग्रहाः

कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय व शुक्ल पक्ष की वृद्धि इसमासमें धान्य धातु कुछ मंदा करेगी रस तेजी होंगे।

गोचर ग्रहाः

१२पं.प्र.आ.शु.१३मं.इ. १८/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	३	३	७	५	२
१४	९	२२	२७	२६	५	११	१३
९	४८	४३	२२	५०	६	१७	४८
५८	०	२६	१२	४२	१४	५५	१४
५७	४१	७९	११	४३	३/१	३	५६
७	१६	११	४७	३४	व	११	५०

त.	द्वि आषाढकृष्णपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे प्र.आषाढकृष्णेति महा.
१	गु	५४	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	शु	५२	१७	उ	४५	३२	ऐं	३/३२	५२/२१	तै	२४	५२	३४/१८	५/८	६/५२	१२	१५	३	म.३।३४	
३	श	४५	५०	श्र	४१	१०	वि	४७	५९	व	१९	३	१७	९	५१	१३	१६	४	मकरे	भ.१९।३उ.४५।५०या.
४	र	३९	८	ध	३६	४१	प्री	४०	४	ब	१२	२८	१६	९	५१	१४	१७	५	कुं.८।५५	मिथुनेबुधः२५।४७मघा.सिंहेशुक्रः=
५	चं	३२	३९	श	३२	१६	आ	३२	११	कौ	५	५४	१५	९	५१	१५	१८	६	कुंभे	पुन.रविः२५।३०(सौरः५१।०)
६	मं	२६	१४	पू	२८	९	सौ	२४	३६	व	२६	१४	१४	९	५१	१६	१९	७	मी१४।११	भ २६।१४उ.५३।४०या.
७	बु	२१	६	उ	२४	२९	शो	१७	२८	ब	२१	६	१३	९	५१	१७	२०	८	मीने	[=१४।२३चतुर्थीव्रतम्
८	गु	१६	२	रे	२१	२६	अ	१०	३६	कौ	१६	२	११	१०	५०	१८	२१	९	मे.२१।२६	आर्द्रा.बुधः१०।४५
९	शु	११	२९	अ	१८	५५	सु	४/१९	५४/१०	ग	११	२९	१०	१०	५०	१९	२२	१०	मेषे	भ.३९।३१उ.
१०	श	७	३४	भ	१७	३	शू	५२	१७	वि	७	३४	८	१०	५०	२०	२३	११	वृ.३१।४४	भ.७।३४या.
११	र	४	२०	कृ	१५	४८	गं	४८	३३	बा	४	२०	७	११	४९	२१	२४	१२	वृषे	बुधास्तःपूर्वस्यां२९।४२कमला११व्र.
१२	चं	२	२	रो	१५	२३	वृ	४४	४२	तै	२	२	५	११	४९	२२	२५	१३	मि. ४५/३	
१३	मं	०	२४	मृ	१५	५३	ध्रु	४१	३७	व	०	२४	३	११	४९	२३	२६	१४	मिथुने	भ.०/२४उ.३०/१३या.मघा.१सिंहेगुरुः०।७
१४	बु	०	२	आ	१७	४८	व्या	३९	२३	श	०	२	१	१२	४८	२४	२७	१५	मिथुने	पुन.भौमः३४।४८
३०	गु	०	३५	पु	२०	४९	ह	३८	३८	ना	०	३५	३३/५९	१२	४८	२५	२८	१६	क.५।४	कर्केऽर्कः५४।५६पुन.बुधः३।१६

१३पं.द्वि.आ.कृ.६मं इ. १८/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	३	४	७	५	२
२०	१४	३	२८	१	४	१०	२०
५०	२९	२०	४१	१२	४७	५५	२५
२४	१७	१०	४६	४०	२४	३९	५८
५७	४०	[illegible]	१२	३५	२/२०	३	५६
७	४७	[illegible]	१४	१०	व.	११	५०

गोचर ग्रहाः

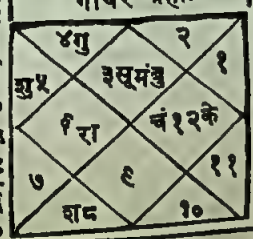

द्वि. आषाढ कृष्णे ३० गुरौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ वालावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि-भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

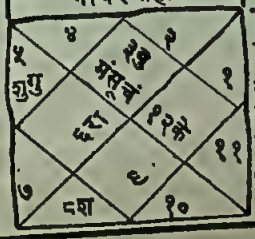

१४पं.द्विआ.कृ.१३मं.इ. १८/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	४	७	५	२
२७	१९	१६	०	४	४	१०	२७
३०	८	२७	३	३०	३२	३३	४
४३	६	१४	४७	३२	३५	२३	५
५७	४०	[illegible]	१२	२४	१/४६	३	५६
७	४०	[illegible]	३२	१७	व.	११	५४

ति.	द्वि.आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०७२ शाकः१९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण १५६३स.२०१५
१	शु	३	१	पु	२५	४	व	३८	१६	ब	३	१	३३/५७	५/३३	६/४७	२६	२९	१७	कर्के	कर्केऽर्कः सौरः २३।४४
२	श	६	३०	श्ले	३०	२६	सि	३९	४	कौ	६	३०	५५	१३	४७	२७	३०	१८	सि३०।२६	चंद्रदर्शनम् रथयात्राः
३	र	११	२५	म	३६	५५	व्य	४०	३२	ग	११	२४	५२	१४	४६	२८	१	१९	सिंहे	भ. ४४।३ उ. सव्वाल १०
४	चं	१६	४२	पू	४४	७	व	४२	४०	वि	१६	४२	५०	१४	४६	२९	२	२०	सिंहे	भ. १६।४२ या. पुष्ये रविः २४।१४ ×
५	मं	२२	५४	उ	५१	४२	प	४५	१६	बा	२२	५४	४८	१४	४६	३०	३	२१	कं.१।१	[× सौरः ५४।२५) कर्के बुधः ४२।५५
६	बु	२९	९	ह	५९	८	शि	४७	५०	तै	२९	९	४५	१५	४५	३१	४	२२	कन्यायां	पुष्ये बुधः १८।२
७	गु	३५	८	चि	६०	०	सि	४९	५३	ग	२	८	४३	१५	४५	१	५	२३	तु.३२।३६	भ. ३५।८ उ. भा. श्रवणारंभः
८	शु	३९	५७	चि	६	४	सा	५१	१४	वि	७	३२	४०	१६	४४	२	६	२४	तुलायां	भ. ७/३२ या. उफा. ४ राहुः उभा २केतुः ४७/५७
९	श	४३	२६	स्वा	११	५०	शु	५१	३१	बा	११	४२	३८	१६	४४	३	७	२५	तुलायां	वक्री शुक्रः ४५।२३
१०	र	४५	८	वि	१६	१७	शु	५०	१८	तै	१४	१७	३५	१७	४३	४	८	२६	वृ.०।१०	
११	चं	४४	५५	अ	१९	७	ब्र	४७	३६	व	१५	२	३३	१७	४३	५	९	२७	वृश्चिके	भ. १५।२ उ. ४४/५५ या. देवशयनी ११ व्र.
१२	मं	४२	२८	ज्ये	१९	५	ऐं	४३	१८	ब	१३	४२	३०	१८	४२	६	१०	२८	घ. १९/५	आश्ले. बुधः ३७।३५
१३	बु	३८	१७	मू	१७	३२	वै	३७	२४	कौ	१०	२३	२७	१९	४१	७	११	२९	धनुषि	प्रदोषः
१४	गु	३२	१७	पू	१४	१९	वि	३०	१३	ग	५	१७	२४	१९	४१	८	१२	३०	म.२८।५	भ. ३२/१७ उ. ५८/३७ या. कर्के भौमः ४५/५७ वायुपरीक्षा
१५	शु	२४	५६	उ	९	२५	प्री	२१	४६	ब	२४	५६	२२	२०	४०	९	१३	३१	मकरे	मघा. २ गुरुः १३।२ व्यास पूजा गुरु १५

१५पं द्वि आ.शु.५मं.इः १८/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	४	४	७	५	३
४	२३	१	१	६	४	१०	३
११	४५	१३	२८	२३	२२	११	४२
२८	०	५९	२२	२४	३०	८	३२
५७	४०	१२६/२	१२	१०	११/१	३	५६
१५	२९	९	५६	२४	व	११	५८

गोचर ग्रहाः

५शुगु, म३, चं रा ६, ४बुसू, २, ७, १, ८श, १०, के१२, ९, ११

इस मासमें ५शनिवार अशुभ हैं धान्य गल्ला धातु रस रूई कपास वारदाना गन्ने में तेजी हो प्रजा में रोग फैले।

गोचर ग्रहाः

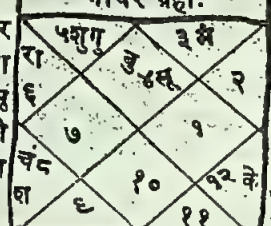

५शुगु, ३मं, रा ६, बु४सू, २, ७, १, चं८ श, १०, १२के, ९, ११

१६पं.द्वि.आ.शु.१२मं.इ.१७/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	४	४	७	५	३
१०	२८	१५	२	६	४	९	१०
५२	२०	५९	५४	३३	१६	४८	२१
३०	३८	५६	३७	११	४८	५२	४९
५७	४०	१२२/२५	१३	५६/५६	१२/१	३	५७
२०	१७		१४	व.	व	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे द्वि.आषाढकृष्णेति महा
१	श	१६	५२	श्र	३८	५३/५०	आ	१२	४५	कौ	५	५२	३३/१९	५/२०	६/४०	१०	१४	१	कुं.३०।३२	मार्गी शनिः ३।१ अगस्त ८ ता. ३१
२	र	८	३२	श	५१	६	सौ	३/२५	५१/२७	ग	८	३२	१६	२१	३९	११	१५	२	कुंभे	भ. ३४।२१ उ.
३	चं	०	११	पू	४५	१२	अ	४४	३५	वि	०	११	१३	२१	३९	१२	१६	३	मी. ३१/४१	भ. ०।११ या. आश्ले. रविः २१।१५ =
४	चं	५२	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=(सौरः ५५।१२) चतुर्थी व्रतम्
५	मं	४५	१७	उ	४०	१	सु	३५	५४	कौ	१८	४९	१०	२२	३८	१३	१७	४	मीने	सिंहे मघायां बुधः २८।२४ पुष्ये भौमः +
६	बु	३८	५५	रे	३५	३५	धृ	२७	५३	ग	१२	६	७	२३	३७	१४	१८	५	मे. ३५/३५	भ. ३८।५५ उ. बुधोदयः पश्चिमायां २५/११
७	गु	३३	५६	अ	३२	२५	शू	२०	४९	वि	६	२५	४	२३	३७	१५	१९	६	मेषे	भ. ६।२५ या. [+४६/२९ नाग ५ मरुस्थले
८	शु	३०	४	भ	३०	१९	गं	१४	३५	बा	२	४२	०	२४	३६	१६	२०	७	मेषे	शुक्रास्तः पश्चिमायां ३१।१२
९	श	२७	२६	कृ	२९	२४	वृ	९	२६	ग	२७	२६	३२/५७	२५	३५	१७	२१	८	वृ. ४५।५	भ. ५६।३५ उ.
१०	र	२५	४५	रो	२९	३५	ध्रु	५	१६	वि	२५	४५	५४	२५	३५	१८	२२	९	वृषे	भ. २५।४५ या.
११	चं	२५	२६	मृ	३१	३	व्या	१/४९	५७/४०	बा	२५	२६	५०	२६	३४	१९	२३	१०	मि. ०/१९	कामिका ११ व्र.
१२	मं	२६	२७	आ	३३	४६	व	५८	४	तै	२६	२७	४७	२७	३३	२०	२४	११	मिथुने	उदयं भौमः ५०।५५ प्रदोषः
१३	बु	२८	२५	पु	३७	१३	सि	५७	४६	व	२८	२५	४४	२७	३३	२१	२५	१२	कं. २१/२१	भ. २८/२५ उ. ५९/५६ या. पूफा. बुधः २।४६
१४	गु	३१	२६	पु	४१	५०	व्य	५७	३८	श	३१	२६	४०	२८	३२	२२	२६	१३	कर्के	वकी कर्के आश्ले. शुक्रः ३५।३५
३०	शु	३५	३०	श्ले	४७	३९	व	५८	३४	च	३	२८	३७	२९	३१	२३	२७	१४	सिं४७।३८	अस्तं गुरोः ३६।० हरियाली

१७ पं.श्रा कृ.५मं.इ.१७/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	४	४	७	५	३
१७	२	२९	४	४	४	९	१७
३४	५४	३९	२४	४८	१५	२६	१
१२	७	५०	७	४०	५४	३७	३७
५७	४०	१४/१७	१३	२२/१४	०/१९	३	५७
२५	१३		२६	व	मा	११	१२

गोचर ग्रहाः

गुशु५, ३, ६ रा, ४सूबु मं, २, ७, १, ८श, १०, चं के १२, ९, ११

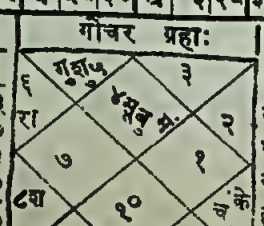

इस मास में ५ शनिवार है धान्य गल्ला धातु रस रुई कपास वारदाना गन्ने में तेजी हो प्रजा में रोग फैले

गोचर ग्रहाः

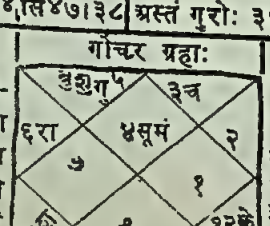

बुशुगु५, ३च, ६रा, ४सूमं, २, ७, १, ८श, १०, १२के, ९, ११

१८पं.श्रा.कृ.१२म.इ.१७/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	४	४	७	५	३
२४	७	१२	५	१	४	९	२३
१६	२६	२	५३	१८	२०	४	४८
३७	१७	४२	४९	३२	२	२१	४६
५७	४०	१०३/७	१३	३४/१०	१	३	५७
३३	२		३२	व.	४	११	२२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५९२स.२०१५
१	श	४०	३४	म	५४	१८	प	६०	०	किं	८	२	३२/३३	५/२९	६/३१	२४	२८	१५	सिंहे	मघा. ३ गुरुः ०।५६
२	र	४६	१४	पू	६०	०	प	०	१७	बा	१३	२४	३०	३०	३०	२५	२९	१६	सिंहे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	५२	२१	पू	१	१९	शि	२	२२	तै	१९	१७	२६	३१	२९	२६	१	१७	कं १८।२९	मघा. सिंहेऽर्कः १५।१७ (सौरः ५१/३७)=
४	मं	५८	४५	उ	८	५९	सि	४	५०	व	२५	३३	२२	३२	२८	२७	२	१८	कन्यायां	भ. २५।३३ उ. ५८।४५ या. वरद ४
५	बु	६०	०	ह	१६	३३	सा	७	४	ब	३१	५१	१९	३२	२८	२८	३	१९	तुं.५०।१७	नाग पंचमी
५	गु	४	५८	चि	२४	२	शु	९	४१	बा	४	५८	१५	३३	२७	२९	४	२०	तुलायां	उफा. बुधः ३४।३०
६	शु	१०	१६	स्वा	३०	२६	शु	११	४९	तै	१०	१६	१२	३४	२६	३०	५	२१	तुलायां	[=जिल्काद ११ तीज
७	श	१४	३२	वि	३५	५९	ब्र	१२	४९	व	१४	३२	८	३४	२६	३१	६	२२	वृ.१९।३४	भ. १४।३२ उ. ४५।४७ या. कन्यायां ×
८	र	१७	१	अ	३९	५९	ऐं	१२	४१	व	१७	१	४	३५	२५	१	७	२३	वृश्चिके	भा. भाद्रपदारंभः
९	चं	१८	१६	ज्ये	४२	४	वै	११	२३	कौ	१८	१६	१	३६	२४	२	८	२४	ध.४२।४	[×बुधः ५३/४३ शुक्रोदयः पूर्वस्यां १८।०
१०	मं	१७	७	मू	४२	४	वि	८	३२	ग	१७	७	३१/५७	३७	२३	३	९	२५	धनुषि	भ. ४५।३३ उ. आश्ले. भौमः ३८।५६
११	बु	१३	५९	पू	४०	२	प्री	४/१	५३/४६	मि	१३	५९	५३	३७	२३	४	१०	२६	म.५४।३	भ. १३।५९ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	गु	८	४९	उ	३६	८	सौ	५०	२	बा	८	४९	४९	३८	२२	५	११	२७	मकरे	प्रदोषः
१३	शु	१	४५	श्र	३०	३०	शो	४१	१	तै	१	४५	४६	३९	२१	६	१२	२८	कुं.५७।१३	भ. ५३।२३ उ.
१४	शु	५१	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+भद्रोत्तरे
१५	र	४४	१८	ध	२३	२५	अ	३१	६	वि	१८	५०	४२	४०	२०	७	१३	२९	कुम्भे	भ. १८/५० या. श्रावणी कर्म रक्षाबंधनम् +

१९पं.श्रा.शु.४मं.इ.१७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	४	३	७	५	४
०	११	२३	७	२६	४	८	०
५९	५६	११	२४	५८	२८	४२	२४
५३	४२	३१	४०	२६	३३	५	५७
५७	३९	९१	१३	३५/३८	१	३	५७
४०	४६	१९	३८	व	३७	११	३४

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले ३ रवौः सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.५ युवावस्था [सूती] मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रास्तः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२०पं.श्रा.शु.१० मं.इ.१७/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	३	७	५	४
७	१६	३	८	२३	४	८	७
४४	२५	५	५६	३	४१	१९	८
२०	४८	३५	१०	५४	२८	५०	२५
५७	३९	७७	१३	२६/२३	२	३	५७
४९	२९	३३	३८	व	२२	११	४५

ति	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा
१	र	३४	३१	श	१६	२५	सु	२०	३६	बा	९	२५	३१/३८	५/४०	६/२०	८	१४	३०	मी. ५५/४४	हस्ते बुधः ३६/३६ मघा. ४ गुरुः १४।४३
२	चं	२५	८	पू	८	५१	धृ	१०/३	४९/१७	ग	२५	८	३४	४१	१९	९	१५	३१	मीने	भ. ५०/३३ उ. पूफा. रविः ५३/४ (सौरः ४२/२८)
३	मं	१५	५९	उ	१/३८	५३/२९	गं	४९	३७	वि	१५	५९	३०	४२	१८	१०	१६	१	मे ५५।७	भ.१५/५९ या. सितम्बर ९ ता.३० चतुर्थी व्र.
४	बु	७	४५	अ	५०	५	वृ	४०	३७	बा	७	४५	२६	४३	१७	११	१७	२	मेषे	
५	गु	१	९	भ	४६	२	ध्रु	३२	४७	तै	१	९	२२	४४	१६	१२	१८	३	मेषे	भ ५५।५६ उ. चन्द्र षष्ठी
६	गु	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	शु	५२	३१	कृ	४४	०	व्या	२६	१९	वि	२४	१३	१८	४४	१६	१३	१९	४	वृ.१।२	भ. २४।१३ या.
८	श	५०	४९	रो	४३	३५	ह	२१	१४	बा	२१	५२	१५	४५	१५	१४	२०	५	वृषे	मार्गी शुक्रः ४९।५६ जन्माष्टमी व्र.
९	र	५०	३५	मृ	४४	३९	व	१७	२०	तै	२०	४२	११	४६	१४	१५	२१	६	मि. १४/८	गोगा ९
१०	चं	५२	७	आ	४६	२३	सि	१४	५३	व	२१	२१	७	४७	१३	१६	२२	७	मिथुने	भ. २१।२१ उ. ५२।५७ या.
११	मं	५४	४९	पु	५१	३६	व्य	१३	३०	ब	२३	२८	३	४७	१३	१७	२३	८	क.३५।१८	उदयं गुरोः ४०।४८ अजा. ११ व्र.
१२	बु	५८	४८	पु	५६	४२	व	१३	२०	कौ	२६	४९	३०/५९	४८	१२	१८	२४	९	कर्के	वत्स द्वादशी
१३	गु	६०	०	श्ले	६०	०	प	१४	५	ग	३१	१०	५५	४९	११	२९	२५	१०	कर्के	प्रदोषः
१३	शु	३	३२	श्ले	२	४७	शि	१५	११	व	३	३२	५१	५०	१०	२०	२६	११	सिं. २/४७	भ. ३।३२ उ. ३६।२७ या.
१४	श	९	२२	म	९	३७	सि	१७	६	श	९	१२	४७	५१	९	२१	२७	१२	सिंहे	[A मन्वादि
३०	र	१५	१३	पू	१६	४८	सा	१९	४	ना	१५	१३	४३	५१	९	२२	२८	१३	कं.३३।५१	उफा.रविः ४९/१८ कुशाग्रहणी पिठोरी ३०A

२१पं.भा.कृ.३म.इ.१७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	र	र
४	३	५	४	३	७	५	४
१४	२०	११	१०	२०	४	७	१३
३०	५३	३१	२७	४२	५९	५७	५३
०	३५	५९	५०	११	६	३४	३७
५८	३९	६०	१३	१०/५१	३	३	५७
१	२९	५४	३८	व.	६	११	५७

गोचर ग्रहाः

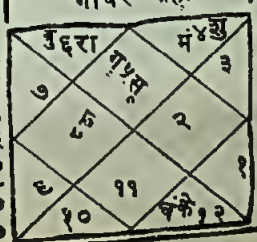

इस माग में धान्य गेहूं जो चना चावल मूंग मोठ सोना चांदी लोहा वस्त्र रूई गुड शक्कर तेज। गुरु मंगल के योग मे सुदी में वर्षा कम हो।

गोचर ग्रहाः

२२पं.भा.कृ.११मं.इ १७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	३	७	५	४
२१	२५	१८	११	२०	५	७	२०
१७	१९	३	५९	१५	२१	३५	४०
२	३७	१८	१०	३२	२२	१९	१७
५८	३९	३९	१३	५/५१	३	३	५८
१३	११	२	३२	मा	४१	११	१२

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्ष ० २०७२ शाकः १९३७												दि	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६२२स.२०१५
१	चं	२१	२०	उ	२५	१	शु	२१	२८	ब	२१	२०	३०/३९	५/५२	६/८	२३	२९	१४	कन्यायां	उफा.रविःसौर २७।८पूफा.१गुरुः २४।३८
२	मं	२७	४३	ह	३२	४	शु	२२	५५	कौ	२७	४३	३५	५३	७	२४	३०	१५	कन्यायां	मघा.सिंहेभौमः३९।५१चंद्रदर्शनम्
३	बु	३३	४९	चि	३९	२८	ब्र	२६	४६	तै	०	४६	३१	५४	६	२५	१	१६	तु.५।४६	वक्रीबुधः४२।४१जिल्हेज१२हरितालिका३
४	गु	३९	१७	स्वा	४६	१४	ऐं	२८	११	व	६	३३	२७	५५	५	२६	२	१७	तुलायां	भ.६।३३उ.३९/१७या.कन्यायामर्कः१४।३९+
५	शु	४३	४७	वि	५२	१७	वै	२९	३७	व	११	२८	२२	५६	४	२७	३	१८	वृ.३५।४६	ऋषि पंचमी
६	श	४७	११	अ	५६	५७	वि	३०	२६	कौ	१५	२८	१८	५६	४	२८	४	१९	वृश्चिके	[+(सौरः५२।१९)गणेश चतुर्थी
७	र	४९	१०	ज्ये	६०	०	प्री	३०	४	ग	१८	७	१४	५७	३	२९	५	२०	वृश्चिके	भ.४९।१०उ.
८	चं	४९	२५	ज्ये	०	३१	आ	२८	२५	वि	१९	१७	९	५८	२	३०	६	२१	ध.०।३१	भ.१९।१७या
९	मं	४७	४८	मू	२	२५	सौ	२५	२३	बा	१८	३६	५	५९	१	३१	७	२२	धनुषि	[×अनु.२शनिः१२/३२अनंत१४महालयारंभः
१०	बु	४४	१९	पू	२	२५	शो	२०	५३	तै	१६	३	३०/००	६/०	६/०	१	८	२३	म.१६।५५	भा.आश्विनारंभः रामदेवजी का मेला
११	गु	३८	५०	उ	२६	५६/११	अ	१४	५०	व	११	३४	२९/५६	६/१	५/५९	२	९	२४	मकरे	भ.११।३४उ.३८।५०या.बुधास्तःपश्चि-=
१२	शु	३१	५०	ध	५१	१४	सु	७/१०	५१/१२	ब	५	५०	५२	२	५८	३	१०	२५	कु.२३।५६	उफा.३राहुःउभा.१केतुः४०।०वामनजयंती
१३	श	२३	२१	श	४४	२४	शू	४८	२८	तै	२३	२१	४८	२	५८	४	११	२६	कुम्भे	प्रदोषः [= मायां२३।११जलझूलनी११व्र.
१४	र	१३	४६	पू	३६	५९	गं	३७	४७	व	१३	४६	४४	३	५७	५	१२	२७	मी.२३/५०	भ.१३।४६उ.३८।५२या.हस्तेरविः २७/४८×
१५	चं	३	५७	उ	२८	४९	वृ	२६	४८	ब	३	५७	४०	४	५६	६	१३	२८	मीने	हस्तेरविःसौरः४।४९

२३पं.भा.शु.२म.इ. १६/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	३	७	५	४
२८	२९	२१	१३	२१	५	७	२७
५	४५	४३	२९	३९	४७	१३	२८
२४	४	५२	२८	७	१३	३	३५
५८	३९	५	१३	२०	४	३	५८
२६	४	५८	२६	२०	२०	११	२९

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद शुक्ले ४ गुरौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न. ४ वृद्धावस्था (बैठी मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्या ।

गाचर ग्रहाः

२४पं.भा.शु.९म.इ. १६/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	४	३	७	५	५
४	४	२०	१४	२४	६	६	४
५५	८	५०	५८	३६	१७	५०	१८
१६	२८	२	३०	५८	१०	४७	४२
५८	३८	२३/१५	१३	३१	४	३	५८
३८	५४	व.	२०	५८	५०	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेभाद्र. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४९	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४४	३४	रे	२१	१	ध्रु	१५	४५	तै	१९	१४	२९/३६	६/५	५/५५	७	१४	२९	मे.२१।१	
३	बु	३६	१०	अ	१३	४९	व्या	५/५	५०/२६	व	१०	१९	३२	६	५४	८	१५	३०	मेषे	भ.१०/१९उ.३६/१०या.पूफा.२गुरुः२०।५८
४	गु	२९	७	भ	८	०	व	४७	७	ब	२	४१	२८	६	५४	९	१६	१	वृ. २१/५६	मघा.सिंहेशुक्रः१।४१अक्टूबर१०ता.३१+
५	शु	२४	१०	कृ	३	४७	सि	४०	२	तै	२४	१०	२३	७	५३	१०	१७	२	वृषे	[+ चतुर्थी व्रतम्
६	श	२१	४	रो	१	५०	व्य	३४	३५	व	२१	४	१९	८	५२	११	१८	३	मि.३१/१६	भ.२१।४उ.३०/३५या.वक्रीउफा..बुधः३४/४५
७	र	२०	५	मृ	१	४	व	३०	५१	ब	२०	५	१५	९	५२	१२	१९	४	मिथुने	
८	चं	२१	१३	आ	२	४०	प	२८	१६	कौ	२१	१३	११	१०	५०	१३	२०	५	क.५०।१६	
९	मं	२३	५०	पु	६	८	शि	२७	५८	ग	२३	५०	७	११	४९	१४	२१	६	कर्के	भ.५५/५६उ.मातृ९(सौभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	बु	२८	३	पु	११	१२	सि	२८	२९	वि	२८	३	३	११	४९	१५	२२	७	कर्के	भ.२८।३या.पूफा.भौमः०।५६
११	गु	३३	१४	श्ले	१७	२९	सा	२९	३८	ब	०	३४	२८/५९	१२	४८	१६	२३	८	सिं. १७/२९	बुधोदयःपूर्वस्या१।३८इंदिरा११व्र.
१२	शु	३९	२५	म	२४	४०	शु	३१	५४	कौ	६	२५	५५	१३	४७	१७	२४	९	सिंहे	मार्गी बुधः४६।२४
१३	श	४५	४६	पू	३१	५५	शु	३३	५६	ग	१२	३५	५१	१४	४६	१८	२५	१०	क.४८।५०	भ.४५/४६उ.चित्रा.रविः५९।५०प्रदोषः
१४	र	५१	५८	उ	३९	३५	ब्र	३६	२५	वि	१८	५२	४७	१५	४५	१९	२६	११	कन्यायां	भ.१८/५२या.चित्रा.रविःसौरः३५/२३शस्त्रादि ×
३०	चं	५८	६	ह	४७	४	ऐं	३८	४३	च	२५	२	४३	१५	४५	२०	२७	१२	कन्यायां	सर्व पितृ ३० [× हतानां श्रा.

२५पं.आ.कृ.२मं.इ.१६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	५	३	७	५	५
११	८	१४	१६	२८	६	६	११
४६	३०	२९	२५	४८	५०	२८	१०
५२	५६	३५	५५	३६	५३	३२	४१
५८	३८	४०/२३	१३	४०	५	३	५९
५३	४७	वं.	८	४७	१६	११	००

गोचर ग्रहाः

आश्विन शुक्ले ४शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदय पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

२६पं.आ.कृ.९मं.इ.१६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	४	४	७	५	५
१८	१२	८	१७	३	७	६	१८
४०	५१	३	५१	५७	२७	६	४
८	७	७	३६	५४	२९	१६	२८
५९	३८	४३/२२	१२	४७	५	३	५९
९	५९	व.	४३	३५	४४	११	१६

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतुं रविरुत्तरेऽहर्गणः१६५१ स.२०१५
१	मं	६०	०	चि	५४	१४	वै	४०	४५	किं	३०	५८	२८/३९	६/१६	५/४४	२१	२८	१३	तु.२०।३९	नवरात्रारंभः मातामहश्राद्धम्
१	बु	३	५१	स्वा	६०	०	वि	४२	३८	ब	३	५१	३५	१७	४३	२२	२९	१४	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
२	गु	८	५५	स्वा	०	५७	प्री	४३	४४	कौ	८	५५	३१	१८	४२	२३	१	१५	वृ.५०।१८	हस्ते बुध.५८।८मोहोरम१सन्१४३७ हि.
३	शु	१३	१०	वि	६	४५	आ	४४	१०	ग	१३	१०	२७	१९	४१	२४	२	१६	वृश्चिके	भ.४४।४५उ.
४	श	१६	२०	अ	११	३२	सौ	४३	३८	वि	१६	२०	२३	१९	४१	२५	३	१७	वृश्चिके	भ.१६/२०या.तुलायामर्कः४३/३९पूफा.शुक्र १३/१७ +
५	र	१८	३०	ज्ये	१५	२८	शो	४२	४५	बा	१८	३०	२०	२०	४०	२६	४	१८	ध.१५।२८	तुलार्कःसौरः१८।७
६	चं	१९	२१	मू	१८	४	अ	४०	४०	तै	१९	२१	१६	२१	३९	२७	५	१९	धनुषि	[+पूफा.३गुरुः२३।१४
७	मं	१८	४५	पू	१९	२१	सु	३७	१३	व	१८	४५	१२	२२	३८	२८	६	२०	म.३४।१९	भ.१८।४५उ.४७।४६या.
८	बु	१६	४७	उ	१९	१५	धृ	३२	४५	ब	१६	४७	८	२२	३८	२९	७	२१	मकरे	
९	गु	१३	२	श्र	१७	२२	शू	२६	५२	कौ	१३	२	४	२३	३७	३०	८	२२	कुं४५।४३	
१०	शु	८	२	ध	१४	३	गं	१९	५०	ग	८	२	०	२४	३६	१	९	२३	कुम्भे	भ.३४।४५उ.भा.कार्तिकारंभ.
११	श	१	२८	श	९	२२	वृ	११	४३	वि	१	२८	२७/५६	२५	३५	२	१०	२४	मी४९।५८	भ.१।२८या.स्वात्यांरविः२५।४१(सौरः÷
१२	श	५२	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷५९।१०)पापां कुशा११व्र.
१३	र	४४	५८	पू	३/३०	५३/७	ध्रु	२/३१	४९/५२	कौ	१९	१९	५३	२५	३५	३	११	२५	मीने	चित्रा.बुधः३८।१९प्रदोषः
१४	चं	३५	३४	रे	४९	६	ह	४१	४९	ग	१०	१६	४९	२६	३४	४	१२	२६	मे.४९।६	भ.३५/३४उ.कोजागरी व्रतम्शरद्पूर्णिमास्मा.
१५	मं	२६	१	अ	४१	४१	व	३१	६	वि	०	४७	४५	२७	३३	५	१३	२७	मेषे	भ.०/४७या.का.स्ना.प्रा.शरद्पूर्णिमा वै.

२७पं.आ.शु.१मं.इ.१६।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	४	४	७	५	५
२५	१७	८	१९	९	८	५	२५
३५	१२	२	१४	४८	७	४४	००
२	४	३५	३८	११	५	१	१०
५९	३८	४३/२९	१२	५२	६	३	५९
२१	२२	मा	२०	३४	६	११	३१

२८पं.आ.शु.७मं.इ. १६।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	४	४	७	५	६
२	२१	१५	२०	१६	८	५	१
३१	३०	११	३४	१२	४९	२१	५७
५६	२२	४६	२३	५०	८	४५	३५
५९	३८	८३	११	५६	६	३	५९
३४	१४	५३	५६	४३	२६	११	४४

२९पं.आ शु.१५मं.इ.१५/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	४	४	७	५	६
९	२५	२५	२१	२३	९	४	८
२९	४०	५८	५०	४	३३	५९	५६
४२	३४	२६	५३	३४	०	२९	५५
५९	३७	९७	११	५९	६	३	६०
४७	५०	२२	१७	५५	३८	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	बु	१७	१२	भ	३४	५०	सि	२०	५०	कौ	१७	१२	२७/४१	६/२८	५/३२	६	१४	२८	वृ.४८।२३	उफा.भौमः५०।११बुधास्त.पूर्वस्यां५।११
२	गु	९	२१	कृ	२९	०	व्य	११	९	ग	९	२१	३७	२९	३१	७	१५	२९	वृषे	भ.३६।८उ.तुलायांबुधः४४।४८
३	शु	२	५५	रो	२४	५६	व	२/३२	५३/४	वि	२	५५	३४	२९	३१	८	१६	३०	मि५३।४७	भ.२।५५या.उफा.शुक्रः४८/५१करकचतुर्थी व्र.
४	शु	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	श	५५	५८	मृ	२२	३९	शि	४९	५५	कौ	२७	७	३०	३०	३०	९	१७	३१	मिथुनें	अनु.३शनिः३०।१०
६	र	५५	४९	आ	२२	३२	सि	४६	१३	ग	२५	५३	२७	३१	२९	१०	१८	१	मिथुनें	भ.५५।४९उ नवम्बर११ता.३०
७	चं	५७	४१	पु	२४	३१	सा	४४	१	वि	२६	४५	२३	३१	२९	११	१९	२	क.९।१	भ.२६।४५या.स्वात्यांबुधः४१।५३
८	मं	६०	०	पु	२८	२७	शु	४२	४६	बा	२९	३४	१९	३२	२८	१२	२०	३	कर्के	कन्यायां शुक्रः १।२५कन्यायांभौमः १२/४६
८	बु	१	२७	श्ले	३४	१	शु	४४	११	कौ	१	२७	१६	३३	२७	१३	२१	४	सिं३४।१	पूफा.४गुरुः५०।३०
९	गु	६	५	म	४१	४९	ब्र	४५	१३	ग	६	५	१२	३४	२६	१४	२२	५	सिंहे	भ.३९।२५उ.
१०	शु	१२	४६	पू	४८	७	ऐं	४७	५८	धि	१२	४६	९	३४	२६	१५	२३	६	सिंहे	भ.१२।४६या.विशा.रविः४६।७
११	श	१९	६	उ	५५	५२	वै	५०	२५	वा	१९	६	५	३५	२५	१६	२४	७	कं.५।३	विशा.रविःसौरः१६।३४रमा११व्र.
१२	र	२५	४२	ह	६०	०	वि	५२	५२	तै	२५	४२	२	३६	२४	१७	२५	८	कन्यायां	
१३	चं	३१	५३	ह	३	२२	प्री	५४	४४	व	३१	५२	२६/५८	३६	२४	१८	२६	९	तु.३६।५३	भ.३१।५२उ.प्रदोषःवन१३
१४	मं	३७	२५	चि	१०	२५	आ	५६	२१	वि	४	३९	५५	३७	२३	१९	२७	१०	तुलायां	भ.४।३९या.विशा.बुधः४६।३२रुप१४
३०	बु	४२	९	स्वा	१६	४६	सौ	५७	५	च	९	४७	५२	३८	२२	२०	२८	११	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

३० पं.का.कृ. ८ मं. इ. १५/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	४	५	७	५	६
१६	०	७	२३	०	१०	४	१५
२९	१	३६	३	१४	१९	३७	५७
२८	५२	४७	११	५३	८	१४	५९
६०	३७	०/००	१०	६२	६	३	६०
४	३६	३५	३९	१९	५६	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा रस तेज होवे धान्य बाजरा मूंग मोठ बदि में तेज होकर सुदि में मन्दे हो।

गोचर ग्रहाः

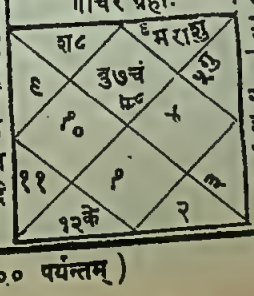

३१ पं.का.कृ. १४मं.इ. १५/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	४	५	७	५	६
२३	४	१९	२४	७	११	४	२३
३०	१५	७	१०	४३	७	१४	००
५०	२९	४८	३०	४४	८	५८	३२
६०	३७	०/००	९	६४	७	३	६०
१७	२२	५	५४	१३	८	११	३०

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततौ रविर्दक्षिणेऽर्हगणः १६८१स.२०१५
१	गु ४५ २५ वि २१ ५९ शो ५६ ५८ किं १३ ४७	२६	६	५	२१	२९	१२	वृ.५.४१	हस्तेशुक्रः २२।५२अन्नकूट गोवर्धन पूजा
२	शु ४७ ४३ अ २६ ३४ अ ५६ ११ बा १६ ३४	४५	३९	२१	२२	३०	१३	वृश्चिके	अस्तंशनैः १२।०चंद्रदर्शनम् भातृ२यम२
३	श ४९ १३ ज्ये २९ ५४ सु ५४ ३४ तै १८ २८	४२	४०	२०	२३	१	१४	ध.२९।५४	सकर२
४	र ४९ ३५ मू ३२ ७ धृ ५१ ५९ व १९ २४	३९	४०	२०	२४	२	१५	धनुषि	भ.१९।२४उ.४९।३५या.
५	चं ४८ ५२ पू ३३ २७ शू ४८ ४६ ब १९ १४	३६	४१	१९	२५	३	१६	म.४८।३२	वृश्चिकेऽर्कः ४२।१२
६	मं ४७ ८ उ ३३ २८ गं ४४ ४३ कौ १८ ०	३३	४१	१९	२६	४	१७	मकरे	वृश्चिकेऽर्कः सौरः १०।५१वृश्चि.बुधः१।७
७	बु ४४ १५ श्र ३२ ४८ वृ ३९ ४५ ग १५ ४१	३०	४२	१८	२७	५	१८	मकरे	भ.४४।१५उ. [=गोपाष्टमी
८	गु ४० २८ ध ३० ५७ ध्रु ३३ ५८ वि १२ २२	२७	४३	१७	२८	६	१९	कुं.१।५२	भ.१३या.अनु.बुधः१५हस्ते.भौमः४३=
९	शु ३५ ४८ श २८ ४ व्या २७ १६ बा ८ ८	२५	४३	१७	२९	७	२०	कुंभे	अनु.रविः०।३२ (सौरः२९।३९) अक्षय९
१०	श २९ ५९ पू २४ १९ ह १९ ४५ तै २ ५३	२२	४४	१६	३०	८	२१	मी१०।१६	भ.५६।४१उ.
११	र २३ २३ उ १९ ३० व ११ २६ वि २३ २३	१९	४४	१६	१	९	२२	मीने	भ.३३या.भा.मार्गशीर्षारंभः प्रबोधिनी×
१२	चं १५ ४९ रे १३ ५२ सि ३४ ५० बा १५ ४९	१७	४५	१५	२	१०	२३	मे.१३।५२	प्रदोषः [×११व्र.तुलसीविवाहः
१३	मं ७ ५२ अ ७ ५२ व ४३ ४३ तै ७ ५२	१४	४५	१५	३	११	२४	मेषे	चित्रा.शुक्रः १४।४२बैकुंठ१४
१४	बु ० १ भ २ ५३ प ३४ २० व ० १	१२	४६	१४	४	१२	२५	वृ.१५।४६	भ.३उ.१६या.मन्वादिः का.स्ना.पू.
१५	बु ५२ ३२ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	

३२गं.का.शु.६मं.इ.१५।२०

गोचर ग्रहाः

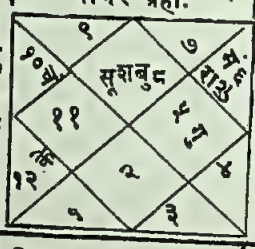

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	४	५	७	५	७
०	८	०	२५	१५	११	३	०
३३	२७	२३	१२	२५	५५	५२	५
२९	१४	२८	२९	४४	४१	४३	३६
६०	३७	०९	९	६५	७	३	६०
३०	१	८	१०	४६	१४	११	४०

कार्तिक शुक्ले ५ चद्रे वृश्चिकेऽर्कः वा.३न.४ कुमारावस्था (बैठी) मृ. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

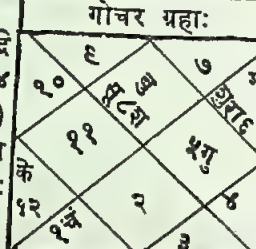

३३पं.का.शु.१३मं.इ.१५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	४	५	७	५	७
७	१२	११	२६	२३	१२	३	७
३७	३७	२७	८	२०	४४	३०	१०
२६	२६	२२	३१	२८	४२	२७	९
६०	२६	९९	८	६७	७	३	६०
४२	४०	२३	२१	८	२०	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततौ रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	गु ४६ १० रो ५१ ३३ शि २५ ४३ बा १९ २२	२९	४६	५	१४	१३	२६	वृषे	[=३३ ५
२	शु ४१ ४ मृ ४८ १२ सि १७ ४७ तै १३ ३७	७	४७	१३	६	१४	२७	मि१९।५२	ज्येष्ठा बुधः २३उफा.२राहुः पूभा.४केतुः=
३	श ३७ ५२ आ ४६ ४० सा ११ ९ व ९ २८	५	४७	१३	७	१५	२८	मिथुने	भ.३८उ.५२या.उफा.१गुरुः४७
४	र ३६ ३७ पु ४७ १५ शु ५ ५९ ब ७ १४	२	४८	१२	८	१६	२९	क ३२।७	अनु.४शनिः १५।४४चतुर्थीव्रतम्
५	चं ३७ २१ पु ४९ ३४ शु २ २६ कौ ६ ५६	०	४८	१२	९	१७	३०	कर्के	तुलायांशुक्रः १।२३
६	मं ४० १० श्ले ५३ ५२ म ० ४६ ग ८ ४६	२५	४८	१२	१०	१८	१	सिं. ५३	भ.४०।१०उ.दिसम्बर१२ता.३१
७	बु ४४ ३९ म ५९ ४४ ऐं ० ५ वि १२ २६	५८	४९	११	११	१९	२	सिंहे	भ.१२।२६या.
८	गु ५० ५८ पू ६० ० वै ० ५४ बा १७ ५०	५४	४९	११	१२	२०	३	सिंहे	ज्येष्ठा.रविः १०।३९ (सौरः३५।३३)
९	शु ५६ ४९ पू ६ ४९ वि २ ४० ते २३ ४४	५३	४९	११	१३	२१	४	क. २३	
१०	श ६० ० उ १४ १८ प्री ४ ४९ व ३० ६	५१	५०	१०	१४	२२	५	कन्यायां	भ.३०।६उ.स्वात्यांशुक्रः ४३।६
१०	र ३ २८ ह २१ ५५ आ ७ १३ वि ३ २८	४९	५०	१०	१५	२३	६	तु.५५।३२	भ.३।२८या मूले धनुषि बुधः ११।३६
११	चं ९ ३८ चि २९ ५ सौ ९ १५ बा ९ ३८	४८	५०	१०	१६	२४	७	तुलाया	उत्पत्ति ११व्र.
१२	मं १५ १३ स्वा ३५ ३५ शो १० ५१ तै १५ १३	४६	५१	९	१७	२५	८	तुलायां	प्रदोषः
१३	बु १९ २९ वि ४० ४० अ ११ ३५ व १९ २९	४५	५१	९	१८	२६	९	वृ.२४।२४	भ.१९।२९उ.५०।५२या.
१४	गु २२ १४ अ ४४ ३२ सु ११ १७ श २२ १४	४४	५१	९	१९	२७	१०	वृश्चिके	बुधोदयः पश्चिमायां २९।१७
१५	शु २३ ५८ ज्ये ४७ ४ धृ ९ ५८ ना २३ ५८	४३	५१	९	२०	२८	११	ध.४७।४	

३४पं.मा.कृ.६मं.इ.१४।५५

गोचर ग्रहाः

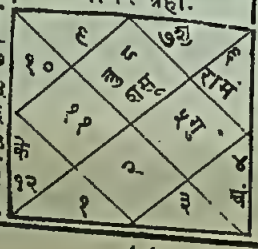

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	४	६	७	५	७
१४	१६	२२	२६	१	१३	३	१४
४२	४४	२३	०७	२३	३४	८	१६
४०	२८	४९	५८	३८	२४	११	५५
६०	३२	९७	७	६८	७	३	६१
५०	१८	३८	८	१४	२०	११	३

इस मास में धान्य धातु तेज हो रस मंदे होकर तेज हों ।

गोचर ग्रहाः

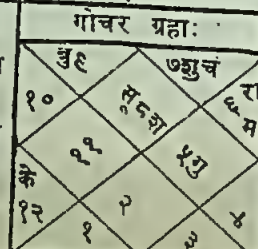

३५पं.मा.कृ.१२मं.इ.१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	४	६	७	५	७
२१	२०	३	२७	९	१४	२	२१
४८	४८	१५	४०	३४	२४	४५	२४
४३	३२	३६	३७	३४	७	५६	३७
६०	३५	९५	६	६९	७	३	६१
१५६	२०	१५	११	५	२०	११	११

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७११ सं. २०१५
१	श	२४	१३	मू	४८	२५	शू	७	३८	ब	२४	१३	३५	६	५	२१	२९	१२	धनुषि	चित्रा. भौमः ४१।५६ चंद्रदर्शनम्
२	र	२३	१९	पू	४८	४३	गं	४	१५	कौ	२३	१९	४१	५२	८	२२	१	१३	धनुषि	रविलावल ३
३	चं	२१	३१	उ	४८	१६	वृ	११	५४	ग	२१	३१	४०	५२	८	२३	२	१४	म. ३।३६	भ. ५०।१० उ. पूषा. बुधः ४८।२१
४	मं	१८	४९	श्र	४६	४९	व्या	४९	३८	वि	१८	४९	३९	५२	८	२४	३	१५	मकरे	भ. १८।४९ या.
५	बु	१५	१९	ध	४४	५६	ह	४३	५१	बा	१५	१९	३९	५२	८	२५	४	१६	कुं. १५।५२	मूलेधनुष्यर्कः १७(सौरः ३९/३३) उदयं शनेः ४०/३३
६	गु	११	२९	श	४२	२२	व	३७	३२	तै	११	२९	३८	५२	८	२६	५	१७	कुंभे	विशा. शुक्रः ४।१५ चंपा ६
७	शु	७	११	पू	३९	२०	सि	३०	४८	व	७	११	३८	५२	८	२७	६	१८	मी. ३५/३३	भ. ७।११ उ. ३४।४८ या.
८	श	२	२५	उ	३६	३१	व्य	२३	४०	ब	२	२५	३७	५३	७	२८	७	१९	मीने	
९	श	५४	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०. ०	
१०	र	५१	३९	रे	३२	३४	व	१६	११	तै	२४	३२	३७	५३	७	२९	८	२०	मे. ३२।३४	
११	चं	४५	४८	अ	२८	२०	प	८	२१	व	१८	४४	३६	५३	७	३०	९	२१	मेषे	भ. १८उ.४५/३३ या. मोक्षदा ११ व्र. गीताजयंती
१२	मं	३९	५१	भ	२४	३	शि	३३/१९	५९/५१	ब	१२	५०	३६	५३	७	१	१०	२२	वृ. ३८।१	भा. षोषारंभः
१३	बु	३३	५९	कृ	१९	५५	सा	४४	५०	कौ	६	५५	३६	५३	७	२	११	२३	वृषे	उषा बुधः ५६।५६ प्रदोषः
१४	गु	२८	४२	रो	१६	१४	शु	३७	३८	ग	१	२३	३६	५३	७	३	१२	२४	मि. ४४/४३	भ. ३८ उ. ५६/३३ या. तुलायां भौमः १३/४१
१५	शु	२४	२४	मृ	१३	१४	शु	३१	११	ब	२४	२४	३७	५३	७	४	१३	२५	मिथुनें	वृश्चिके शुक्रः २५।४० दत्तजयंती

३६ प.मा.शु.४मं.इ. १४/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	४	६	७	५	७
२८	२४	१४	२८	१७	१५	२	२८
५५	५०	०	१५	५२	१३	२३	३३
३७	४२	४	१८	८	१	४०	२०
६१	३५	९१	५	६९	७	३	६१
०	४०	५३	१	५५	१४	११	१९

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष शुक्ले ५ बुधे धनुष्यर्कःप्रविष्टः वा.३न३गताल कास्था (ऊभी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

३७ पं.मा.शु.१२मं.इ. १४/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	४	६	७	५	८
६	२८	२४	२८	२६	१६	२	५
३	५०	१७	४२	१५	१	१	४२
१४	३१	१७	७	०	१६	२५	४५
६१	३५	८३	३	७०	७	३	६१
३	४	२९	४७	३४	२	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७										वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग कृष्णेति महा.
१	श	२१	२०	आ	११	२५	ब्र	२७	४०	कौ	२१	२०	३५	५३	७	५	१४	२६	क. ५६।३८	मकरे बुधः १९।२६
२	र	२०	१	पु	११	४०	ऐं	२१	२९	ग	२०	१	३७	५३	७	६	१५	२७	कर्के	भ. ५०।६ उ.
३	चं	२०	१२	पु	१३	२	वै	१८	४७	वि	२०	१२	३८	५२	८	७	१६	२८	कर्के	भ. २०।१२ या अनु. शुक्रः ५।१७ +
४	मं	२२	३२	श्ले	१५	५७	वि	१७	४१	बा	२२	३२	३८	५२	८	८	१७	२९	सि. १५/५७	पूषा. रविः २२।५४ (सौरः ४१।१)
५	बु	२६	२१	म	२१	८	प्री	१७	२९	तै	२६	२१	३९	५२	८	९	१८	३०	सिंहे	[+ज्येष्ठा. १ शनिः ०।४५ चतुर्थी व्र.
६	गु	३१	४६	पू	२७	३१	आ	१८	३८	ब	३१	४६	४०	५२	८	१०	१९	३१	कं. ४४।१९	भ. ३१।४६ उ.
७	शु	३७	५४	उ	३४	४१	सौ	२०	१४	वि	४	५०	४१	५२	८	११	२०	१	कन्यायां	भ. ५०/३३ या. जनवरी १ ता. ३१ सन् २०१६
८	श	४४	२२	ह	४२	२२	शो	२२	२९	बा	११	८	४२	५२	८	१२	२१	२	कन्यायां	
९	र	५०	४४	चि	४९	३५	अ	२४	३५	तै	१७	३२	४३	५१	९	१३	२२	३	तु. १५।५९	
१०	चं	५६	२०	स्वा	५६	२८	सु	२६	२९	व	२३	३२	४४	५१	९	१४	२३	४	तुलायां	भ. २३।३२ उ. ५६।२० या.
११	मं	६०	०	वि	६०	०	धृ	२७	३६	ब	२८	३२	४५	५१	९	१५	२४	५	वृ. ४५।३५	वक्री बुधः ३६ स्वात्यां भौमः १४।५०÷
११	बु	०	४३	वि	१	५८	शू	२७	३०	बा	०	४३	४७	५१	९	१६	२५	६	वृश्चिके	सफला ११ व्र. वै.
१२	गु	३	३६	अ	६	२	गं	२६	१८	तै	३	३६	४८	५०	१०	१७	२६	७	वृश्चिके	प्रदोषः [÷ सफला ११ व्र. स्मा.
१३	शु	४	४७	ज्ये	८	२६	वृ	२३	४४	व	४	४७	५०	५०	१०	१८	२७	८	ध. २६	भ. ४।४७ उ. ३४/३० या. ज्येष्ठा. शुक्रः =
१४	श	४	१३	मू	९	२५	धु	१९	५४	श	४	१३	५२	५०	१०	१९	२८	९	धनुषि	[=४।३७ बुधास्तः पश्चिमायां ५३।५२
३०	र	२	११	पू	८	४१	व्या	१४	५३	ना	२	११	५३	४९	११	२०	२९	१०	म. २३।१३	वक्री गुरुः ५१।१७

३८ पं.पौ. कृ. ४मं.इ. १४/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	४	७	७	५	८
१३	२	२	२८	४	१६	१	१२
११	४५	५८	५९	४१	४८	३९	५२
१३	४७	८	५६	४६	२२	९	३७
६१	३४	६१	२	७१	६	३	६१
६	२१	९	२३	१०	५०	११	२६

गोचर ग्रहाः

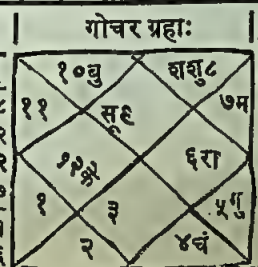

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य गल्ला गुड शक्कर धातु तेज हो प्रजा में रोग शोक फैले शीत अधिक पड़े।

गोचर ग्रहाः

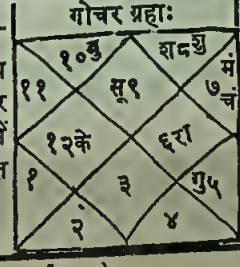

३९ पं.पौ.कृ. ११मं.इ. १४/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	४	७	७	५	८
२०	६	६	२९	१३	१७	१	२०
१९	३९	५३	७	१३	३३	१६	२
२६	३६	१०	४८	०	२२	५३	३४
६१	३३	५	०	७१	६	३	६१
६	५७	१२	५७	३५	३२	११	२६

ति.| पौष शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७ | दि.| उ.| अ.| भा.| मु.| इं.| चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १७४१ स. २०१६

१	र	५६	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
२	चं	५४	१७	उ	६	५१	ह	८	५९	बा	२६	३४	२५	६	५	२१	३०	११	मकरे	उषा. रविः २७ (सौर:४२) चंद्रदर्शनम्
३	मं	४९	४१	अ	४	७	व	२	५२	तै	२१	५९	५७	४९	११	२२	१	१२	कुं.३२।२४	रविलाखर ४
४	बु	४४	२२	ध	०	५६	व्य	४७	३६	व	१७	१	५९	४८	१२	२३	२	१३	कुम्भे	भ. १७ उ. ४४ या. वक्री धनुषि बुधः ५५
५	गु	३९	२	पू	५३	३९	व	४०	१९	ब	११	४२	२९	४८	१२	२४	३	१४	मी ३९।३१	यकरेऽर्कः ४४।३ (सौर: ५७।५५)
६	शु	३३	५०	उ	५०	३	प	३३	५	कौ	६	२७	४	४७	१३	२५	४	१५	मीने	वक्री पूषा. बुधः ४४।४३
७	श	२८	४५	रे	४६	३८	शि	२५	४४	ग	१	१७	६	४७	१३	२६	५	१६	मे.४६।३८	भ. २८।४५ उ. ५६।१५ या.
८	र	२३	४४	अ	४३	२५	सि	१८	३५	ब	२३	४४	८	४६	१४	२७	६	१७	मेषे	
९	चं	१८	५९	भ	४०	२१	सा	१२	३०	कौ	१८	५९	११	४६	१४	२८	७	१८	वृ.५४।४३	मूले धनुषि शुक्रः ५६।३
१०	मं	१४	३३	कृ	३७	४७	शु	४८	५३	ग	१४	३३	१३	४५	१५	२९	८	१९	वृषे	भ. ४२।२६ उ.
११	बु	१०	२०	रो	३५	३७	ब्र	५२	२८	वि	१०	२०	१६	४५	१५	३०	९	२०	वृषे	भ. १०या.बुधोदयः पूर्वस्यां १९ पुत्रदा ११ व्र
१२	गु	६	४७	मृ	३४	७	ऐं	४७	४	बा	६	४७	१९	४४	१६	१	१०	२१	मि४।५२	अभि. प्र. रविः १८।३३ (सौर:३९) ÷
१३	शु	३	५६	आ	३३	१७	वै	४२	२३	तै	३	५६	२१	४४	१६	२	११	२२	मिथुने	[÷ भा. माघारंभः प्रदोषः
१४	श	२	८	पु	३३	३७	वि	३८	३८	व	२	८	२४	४३	१७	३	१२	२३	क.१८।३२	भ. २।८ उ. ३१।५० या.
१५	र	१	३१	पु	३५	९	प्री	३५	५५	ब	१	३१	२७	४३	१७	४	१३	२४	कर्के	श्रवणे रविः ३३ [सौर: ४५] मा.स्ना.प्रा.

४०पं.पौ.शु.३मं.इ.१४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	४	७	७	५	८
२७	१०	२	२९	२१	१८	०	२७
२७	२७	२३	६	४५	१६	५४	१२
२२	४७	६	११	०	२६	३८	२६
६१	३३	८४	१९	७२	६	३	६१
६	७	व	व	०	२०	११	२४

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले ५ गुरौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा२ न. ३ गतालकावस्था (ऊर्ध्वी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४१पं.पौ.शु.१०मं.इ.१४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	४	८	७	५	९
४	१४	२३	२८	०	१८	०	४
३५	१०	५८	५६	२१	५६	३२	२१
१३	३७	३७	५३	४०	१३	२२	५५
६१	३२	६९	५३	७२	५	३	६१
३	११	व	व	१९	५२	११	१९

ति.| माघ कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७ | दि.| उ.| अ.| भा.| मु.| इं.| चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेति महा.

१	चं	२	१०	श्ले	३८	२०	आ	३४	४०	कौ	२	१०	२६	६	५	१४	२५	सिं ३८।२०	अभि.नि.रविः २५।२५ [सौर:३७]
२	मं	४	३५	म	४२	५३	सौ	३३	४७	ग	४	३५	३२	४२	१८	६	१५	२६	सिंहे	भ. ३६।२० उ. मार्गी बुधः ३२।४४
३	बु	८	५	पू	४८	४४	शो	३४	३४	वि	८	५	३५	४१	१९	७	१६	२७	सिंहे	भ. ८।५ या चतुर्थी व्रतम्
४	गु	१३	१९	उ	५५	२१	अ	३५	५२	बा	१३	१९	३८	४०	२०	८	१७	२८	कं.५।२३	
५	शु	१९	४	ह	६०	०	सु	३७	५२	तै	१९	४	४१	४०	२०	९	१८	२९	कन्यायां	पूषा. शुक्रः ४४।५ उफा. १ सिंहे राहुः×
६	श	२५	३१	ह	२	४९	धृ	४०	८	व	२५	३१	४५	३९	२१	१०	१९	३०	तु.३६।३६	भ. ३५ उ. ५९ या. विशा. भौमः ४५
७	र	३२	१	चि	१०	२३	शू	४२	२३	ब	३२	१	४८	३८	२२	११	२०	३१	तुलायां	ज्येष्ठा. २ शनिः ७।२
८	चं	३८	२	स्वा	१७	४७	गं	४४	४	बा	५	१	५१	३८	२२	१२	२१	१	तुलायां	फरवरी २ ता. २९
९	मं	४२	५७	वि	२३	५८	बृ	४४	३५	तै	१०	२९	५४	३७	२३	१३	२२	२	बृ.७।२५	[×पूभा. ३ कुंभे केतुः २४।४८
१०	बु	४६	११	अ	२८	५४	ध्रु	४४	२०	व	१४	३४	५८	३६	२४	१४	२३	३	बृश्चिके	भ. १४।३४ उ. ४६।११ या.
११	गु	४७	४८	ज्ये	३२	१०	व्या	४२	२३	ब	१६	५९	२७	३६	२४	१५	२४	४	ध.३२।१०	षट्तिला ११ व्र.
१२	शु	४७	२३	मू	३३	२८	ह	३९	२	कौ	१७	३५	५	३५	२५	१६	२५	५	धनुषि	उषा. बुधः २५।३१
१३	श	४५	६	पू	३२	५९	व	३४	४	ग	१६	१४	८	३४	२६	१७	२६	६	म.४७।२४	भ. ४५।६ उ. घनि. रविः ४१।२८ =
१४	र	४०	५८	उ	३०	४०	सि	२७	५१	वि	१३	२	१२	३४	२६	१८	२७	७	मकरे	भ. १३।२ या. [=(सौर: ५१।२) प्रदोषः
३०	चं	३५	३०	श्र	२७	१	व्य	२०	२३	च	८	१४	१५	३३	२७	१९	२८	८	कुं.५४।३८	मकरे बुधः २७।४९

४२पं.मा.कृ.२मं.इ.१४।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	४	८	७	५	९
११	१७	२०	२८	८	१९	०	११
४२	४६	४३	३६	५८	३५	१०	३०
४०	८	५५	४७	५	२८	७	४१
६०	३१	१३	३	७२	५	३	६१
५९	१४	व	व	२८	२९	११	१३

ग्रोचर ग्रहाः

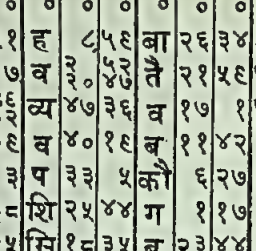

इस मास में बाजरा मूंग मोठ जुवार मक्का रस तेज हो चांदी रुई सोना वारदाना तिलहन घृत मंदे हों।

ग्रोचर ग्रहाः

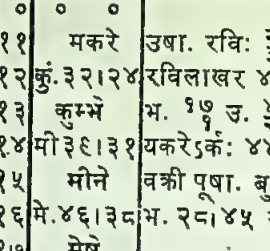

४३पं. मा.कृ.९मं.इ. १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	४	८	७	४	९
१८	२१	२३	२८	१७	२०	२९	१८
४९	१६	५३	८	३५	१०	४७	३८
१६	१६	१०	३१	२८	३४	५१	५२
६०	२९	३८	२५	७२	४	३	६१
५५	५९	३३	व	५६	५९	११	४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७										दि.	उ.	ग्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूदविरुत्तरेऽहर्गणः १७७०स.२०१६
१	मं	२८	४६	ध	२२	१६	व	११	५६	किं	२	६	२७	६	५	२८	२०	२६	६	कुंभे	उभा.शुक्रः ३५।४७
२	बु	२१	४६	श	१७	४	प	३	५१	कौ	२१	४६	२३	३१	२६	२१	३०	१०	मी. ५८।२	चन्द्रदर्शनम्
३	गु	१४	३६	पू	११	४२	सि	४५	२२	ग	१४	३६	२७	३१	२९	२२	१	११	मीने	भ.४१।७उ.जमादिलावल५
४	शु	७	३८	उ	६	२२	सा	३६	४६	वि	७	३८	३०	३०	३०	२३	२	१२	मीने	भ.७।३८या.मकरेशुक्रः १६।३६
५	श	१	३	रे	१	५५	शु	२८	५५	बा	१	३	३४	२६	३१	२४	३	१३	मे.१।४६	कुंभेऽर्कः १६।४४ (सौरः ५०।०) वसंत५
६	श	५४	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	र	४६	५६	भ	५४	२४	शु	२१	२४	ग	२२	२६	३८	२८	३२	२५	४	१४	मेषे	भ.४६।५६उ.भानु७रथ७
८	चं	४५	३६	कृ	५१	५६	ब्र	१४	४१	वि	१७	४८	४१	२८	३२	२६	५	१५	वृ.८।४७	भ.१७।४८या.भीष्माष्टमी
९	मं	४२	११	रो	५०	२२	ऐं	८	४२	बा	१३	५६	४५	२७	३३	२७	६	१६	वृषे	
१०	बु	४०	२	मृ	४६	५२	वै	३	५५	तै	११	७	४९	२६	३४	२८	७	१७	मि २०।७	श्रवणेबुधः ४।३५वक्रीपूफा.४गुरुः ४५।१६
११	गु	३८	१६	आ	५०	१०	प्री	५५	३	व	६	६	५३	२५	३५	२९	८	१८	मिथुने	भ.६।६उ.३८।१६या.जया ११व्र.
१२	शु	३७	४७	पु	५१	३५	आ	५२	२४	व	८	१	५६	२५	३५	३०	९	१९	क.३६।१४	शतेरवि.५३।०
१३	श	३८	२४	पु	५३	५८	सौ	५०	१८	कौ	८	५	२८	२४	३६	१	१०	२०	कर्के	शतेरविः सौरः ३२ श्रवणेशुक्रः ३२ वृश्चिके-
१४	र	३६	५६	श्ले	५७	४०	शो	४६	२८	ग	६	१०	४	२३	३७	२	११	२१	सिं ५७।४०	भ.३६उ.[-भौमः ५५ भा.फाल्गुन प्रदोषः
१५	चं	४२	४६	म	६०	०	अ	४६	१	वि	११	२२	८	२२	३८	३	१२	२२	सिंहे	भ.११।२२मा.स्ना.पूर्तिः

४४पं.मा.शु.१मं.इ.२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	४	८	७	४	९
२५	२४	०	२७	२६	२०	२९	२५
५५	४०	२७	३२	१३	४१	२५	४५
१	१९	४०	५३	५५	२८	३५	३९
६०	२८	५९	३ ५	७३	४	३	६०
४७	४४	४१	व.	१४	३१	११	५५

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले ५ शनौ कुंभेऽर्कः प्रविष्ट वा.३ न. ४ गतालिकावस्था (ऊभौ मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्या ।

गोचर ग्रहाः

४५पं.मा.शु. ९मं.इ.१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	४	९	७	४	१०
२	२७	८	२६	४	२१	२९	२
५९	५४	५५	४९	५२	९	३	५१
४९	५४	३७	५२	५५	७	२०	४२
६०	२७	७७	६ ३	७३	३	३	६०
३७	७	२२	व.	२०	५५	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७										दि.	उ.	ग्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	मं	४६	५१	म	२	१७	सु	४६	४०	बा	१४	५०	२८	६	५	४	१३	२३	सिंहे	
२	बु	५२	११	पू	८	१	धृ	५१	५८	तै	१६	३२	१६	२१	३६	५	१४	२४	कं.२४।३७	
३	गु	५७	५०	उ	१४	३८	शू	५२	४४	व	२५	१	२०	२०	४०	६	१५	२५	कन्यायां	भ.२५।१उ ५७।५०या.
४	शु	६०	०	ह	२१	५०	गं	५५	१	ब	३०	५६	२४	१९	४१	७	१६	२६	तु.५५।४०	धनि बुधः ३३।४३चतुर्थीव्रतम्
५	श	४	६	चि	२६	३१	बृ	५७	२५	बा	४	६	२८	१८	४२	८	१७	२७	तुलायां	
६	र	१०	३८	स्वा	३७	१०	ध्रु	५६	५१	तै	१०	३८	३२	१८	४२	९	१८	२८	तुलायां	अनु.भौमः ५३।४६
७	चं	१६	५३	वि	४४	१०	व्या	६०	०	व	१६	५३	३६	१७	४३	१०	१९	२९	वृ २७।२५	भ.१६।५३उ.४६।३५या.
८	मं	२२	१७	अ	५०	२	व्या	१	१०	ब	२२	१७	४०	१६	४४	११	२०	१	वृश्चिके	कुंभेबुधः ४६।१८मार्च ३ता.३१
९	बु	२६	२७	ज्ये	५४	४०	ह	१	४१	कौ	२६	२७	४४	१५	४५	१२	२१	२	धनुषि	धनि.शुक्रः १२।६
१०	गु	२८	५५	मू	५७	२२	व	२	५२	ग	२८	५५	४८	१४	४६	१३	२२	३	धनुषि	भ.२६।१७उ.
११	शु	२९	१६	पू	५८	२	व्य	५५	६	वि	२९	१९	५२	१४	४६	१४	२३	४	धनुषि	भ,२६।१६या.पूभा.रविः ६।६ (सौरः १५)
१२	श	२७	४२	उ	५६	४३	व	४६	४७	बा	२७	४२	५६	१३	४७	१५	२४	५	म.१२।४३	शते.बुधः ५८।५४विजया ११व्र.
१३	र	२४	५	श्र	५३	३३	व	४२	४६	तै	२४	५	२९	१२	४८	१६	२५	६	मकरे	प्रदोषः [=महाशिवरात्री व्र.स्मा.
१३	चं	१८	३८	ध	४८	४०	शि	३४	४६	ब	१८	३८	५	११	४९	१७	२६	७	कुं.२१।५	भ.१८।३८उ.४४।५६या.कुंभेशुक्रः ३४=
१४	मं	११	२०	श	४२	३६	सि	२५	१०	श	११	२०	९	१०	५०	१८	२७	८	कुंभे	बुधास्तःपूर्वस्यां ४७।४१महाशिवरात्रीव्र.वै
१५	बु	३	२०	पू	३५	४६	सा	१५	७	ना	३	२०	१३	६	५१	१९	२८	९	मी २२।२६	ग्रस्तोदितसूर्यग्रहणम्

४६पं. फा.कृ. १मं.इ.५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	४	९	७	४	१०
१०	०	१८	२६	१३	२१	२८	९
३	५८	३२	१	३१	३२	४१	५६
२२	८	२०	३०	१९	३८	४	१५
६०	२४	८६	५१	७३	३	३	६०
२५	५६	४९	व.	३२	२०	११	३१

४७पं.फा.कृ.७मं.इ.१५।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	४	९	७	४	१०
१७	३	२९	२५	२२	२१	२८	१६
५	५०	९	८	१०	५१	१८	५९
३५	४९	२२	५६	५	३६	४९	९
६०	२२	९७	५ ५	७३	२	३	६०
१२	४२	४०	व.	४४	३३	११	२०

४८पं.फा.कृ.१४मं.इ.१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	४	१०	७	४	१०
२४	६	१०	२४	०	२२	२७	२४
६	३०	४१	१४	५०	६	५६	०
२२	०	३८	५६	२८	०	३३	३२
५९	२०	७ ३	५ २	७३	१	३	६०
५८	११	८	व.	५०	४८	११	९

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः १८००स.२०१६
१	बु	५०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	४५	२८	उ	२८	४६	शु	४ ५२	४९ ५१	बा	१९	२६	२९ १७	६ ९	५ ५१	२०	२९	१०	मीने	चंद्र दर्शनम् फुलरिया २
३	शु	३६	५७	रे	२२	४	ब्र	४४	५१	तै	११	१३	२१	८	५२	२१	१	११	मे२२।४	जमादिलाखर ६
४	श	२९	५	अ	१५	५८	ऐं	३५	४०	व	३	१	२६	७	५३	२२	२	१२	मेषे	भ.३।१उ.२९।५या.शते शुक्रः५७।५९
५	र	२२	१३	भ	१०	५०	वै	२७	५१	बा	२२	१३	३०	६	५४	२३	३	१३	वृ.२४ ५८	पूमा.बुधः३५।३६
६	चं	१६	४४	कृ	७	१९	वि	२०	३८	तै	१६	४४	३४	५	५५	२४	४	१४	वृषे	मीनेऽर्कः९।५९(सौरः१५।३०)
७	मं	१२	३०	रो	४	४६	प्री	१४	४९	व	१२	३०	३८	४	५६	२५	५	१५	मि ३४ २०	भ.१२ ३०उ.४१ १२या.वक्रीपूफा.३गुरुः२२।५८
८	बु	९	५३	मृ	३	५२	आ	१०	१३	ब	९	५३	४३	३	५७	२६	६	१६	मिथुने	होलाष्टकम्
९	गु	८	३८	आ	४	१७	सौ	६	३८	कौ	८	३८	४७	३	५७	२७	७	१७	क.५०।२९	उभा.रविः३१।३(सौरः३६।६)
१०	शु	८	४५	पु	६	९	शो	४	१६	ग	८	४५	५१	२	५८	२८	८	१८	कर्के	भ.३९।३२उ.मीने बुधः५७।६
११	श	१०	१९	पु	९	१७	अ	२	५१	वि	१०	१९	५५	१	५९	२९	९	१९	कर्के	भ.१०।१९या.आमलकी ११व्र.
१२	र	१२	४४	श्ले	१३	३४	सु	२	३१	बा	१२	४४	३० ००	६ ००	६ ००	३०	१०	२०	सिं.१३ ३४	उभा.बुधः३८।२७प्रदोषः
१३	चं	१६	३२	म	१८	४६	धृ	२	४७	तै	१६	३२	४	५ ५९	१	१	११	२१	सिंहे	भा.चैत्रारंभः
१४	मं	२१	२	पू	२४	४९	शू	२	३५	व	२१	२	८	५८	२	२	१२	२२	कं.४१।२९	भ.२१ ३उ.५३ ५१या.होलिकादहनं भद्रोत्तरम्
१५	बु	२६	३९	उ	३१	३१	गं	५	१७	ब	२६	३९	१२	५८	२	३	१३	२३	कन्यायां	पूभा.शुक्रः४६।१ छारेंडी

४९पं.फा.शु.७मं.इ. १५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	४	१०	७	४	११
१	८	२३	२३	९	२२	२७	१
५	५२	८	२०	२९	१४	३४	०
३५	८	५६	५६	५३	५६	१७	१४
५९	१७	१२ ३	५ ५२	७३	१	३	५९
४१	११	५	व.	५६	११	११	४९

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन शुक्ले ६ चंद्रे मीनेऽर्क.प्रविष्टः वा.३ न.४युवावस्था(सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे संमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

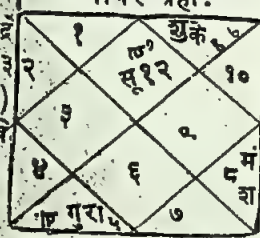

५०पं.फा.शु.१४मं.इ. १६ १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	४	१०	७	४	११
८	१०	६	२२	१८	२२	२७	७
३	५५	३२	२८	९	१९	१२	५८
१८	१	५६	४४	११	३०	२	८
५९	१३	७ ५	७ २३	७४	०	३	५९
२९	२	२५	व.	२	२५	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेफाल्गुन कृष्णेति महा-
१	गु	३२	२३	ह	३८	४४	वृ	७	१	कौ	३२	२३	३० १६	५ ५७	६ ३	४	१४	२४	कन्यायां	वसंत १
२	शु	३८	४६	चि	४६	१४	ध्रु	९	२५	तै	५	३५	२१	५६	४	५	१५	२५	तु१२।२९	वक्री शनिः३९।३६
३	श	४५	७	स्वा	५३	४७	व्या	११	५१	व	११	५६	२५	५५	५	६	१६	२६	तुलायां	भ.११।५६उ.४५।७या.
४	र	५१	१३	वि	६०	०	ह	१४	११	ब	१८	१०	२९	५४	६	७	१७	२७	वृ.४४।२१	रेवत्यांबुधः२१।२०चतुर्थी व्रतम्
५	चं	५६	४०	वि	१	१२	व	१५	५५	कौ	२३	५४	३३	५३	७	८	१८	२८	वृश्चिके	
६	मं	६०	०	अ	७	३७	सि	१७	१७	ग	२८	५७	३७	५३	७	९	१९	२९	वृश्चिके	
६	बु	१	१४	ज्ये	१३	१८	व्य	१७	३१	व	१	१४	४१	५२	८	१०	२०	३०	ध.१३।१८	भ.१ १४उ.३२ ५२या.रेवत्यांरविः५८।४२
७	गु	४	२९	मू	१७	२३	व	१६	४९	व	४	२९	४५	५१	९	११	२१	३१	धनुषि	रेवत्यांरविःसौरः३ ३मीने शुक्रः५१।५१
८	शु	६	६	पू	१९	४०	प	१४	३१	कौ	६	६	४९	५०	१०	१२	२२	१	मं.३४।४७	पूफा.४राहुःपूभा.२केतुः२० ३८अप्रेल४ता. ÷
९	श	४	४२	उ	२०	११	शि	१०	४९	ग	४	४२	५३	४९	११	१३	२३	२	मकरे	भ.३३ ३३उ.अश्वि.मेषेबुधः४५।८
१०	र	२	२५	श्र	१८	४८	सि	५ ३०	५२ ३६	वि	२	२५	५७	४९	११	१४	२४	३	कुं.४७।२	भ.२ २५या.उभा.शुक्रः३४ ३४पापमोचनी११ ×
११	र	५५	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ ३०शीतला पूजनम् [× व्र. स्मा.
१२	चं	५३	१	ध	१५	१६	शु	५०	३६	कौ	२८	५	३१ १	४८	१२	१५	२५	४	कुंभे	पापमोचनी ११व्र.वै.
१३	मं	४५	१	श	१०	३	शु	४०	३५	ग	१९	१	५	४७	१३	१६	२६	५	मी.५० १३	भ.४५ १उ.बुधोदयःपश्चिमायां१३ ५१प्रदोषः
१४	बु	३६	५	पू	३ ३५	५२ ३५	ब्र	३०	१०	वि	१०	३३	१०	४६	१४	१७	२७	६	मीने	भ.१०।३३या.
३०	गु	२६	२६	रे	४८	२०	ऐं	१९	२९	च	१	१६	१४	४५	१५	१८	२८	७	मे.४८।२०	मन्वादिः

५१पं.चै.कृ. ६मं. इ. १६ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	४	१०	७	४	११
१४	१२	२०	२१	२६	२२	२६	१४
५९	३६	४३	४०	४८	१८	४९	५४
१०	२५	१६	११	७	५०	४६	१९
५९	९	१२ ६	६ ३७	७४	० २२	३	५९
१६	११	५२	व.	८	व	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में बदि में धान्य जो गेहूं बाजरा चावल मूंग मोठ मंदे हो सुदि में धान्य धातु वस्त्र तेज होजावेंगे ।

गोचर ग्रहाः

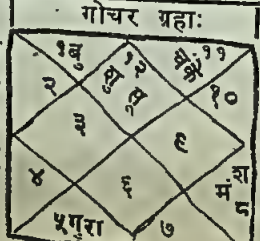

५२पं.चै.कृ.१३मं.इ.१६ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	०	४	११	७	४	११
२१	१३	४	२०	५	२२	२६	२१
५३	५०	५०	५६	२६	१३	२७	४८
३१	३८	४२	३१	३५	४८	३१	३०
५९	४	१२ ५	५ ४६	७४	१ ५	३	५९
४	२३	५६	व.	१४	व.	११	४

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम्।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११७, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११७, भोग्यकलिः ४२६८८३, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०७३, शाकः १९३८, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः। मंत्री बुधः। सस्येशो शनिः। धान्येशो गुरुः। मेघेशो भौमः। रसेशो रविः। नीरसेशो भृगुः। फलेशो भौमः। धनेशः शुक्रः। दुर्गेशो भौमः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां ४ साधारणनाम संवत्सरःप्रवर्तते। तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ०।१०।३९।२२ भोग्यमासादिः ११।१९।२०।३८ चंद्रदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम फाल्गुनः। मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासःपर्वत। समयनिवासः कुंभकार गृहे। समय विश्वा ५ समयवाहनम् दुर्दुरः। स्तंभा:३ अन्नतृणवायूनां। सोमवत्यमाः१ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी१ भानुसप्तमी१ रविदशमी १समय मुहूर्ताः ४१५ समयदिनानि ३५५ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ६६ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा १३, धान्यम् १५, तृणम् ७, शीतम् ७, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्११३, सत्यम् ।। धर्म १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःपश्चिमे। ग्रहणाभावः।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	८	१४	११	११	५	११

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	१४	८	१४	८	८	१४

वर्ष लग्नम् ४।२९

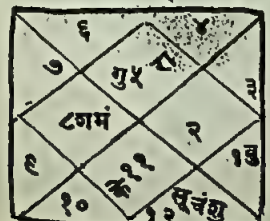

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ अरजी करूं पद पूजूं मैं तोय।
तेहत्तर की साल को भेद बताद मोय।।

भवानी उत्तर

तीना मांस तिहोतरो संचय करो सब कोय।
दूणा तिगुणा चोगुणा इसड़ा दमडा होय।।
राजा मंत्री मित्र है भार्गव बुध संयोग।
राज प्रजा मैत्री रहे दुनिया भोगे भोग।।
श्रावण भादव मास में बुध गुरु भृगु संचार।
आकाशां मघवा चढे बरखे मूसलधार।।
पण रोहिणी पर्वतबसी भौम भये मेघेश।
पकी पकाई साख में करसी विघ्न फलेश।।
फल संवत्सर का कहा निज गुरु का धर ध्यान।
"बंशीधर" भगवान का भजन करे कल्याण।।

सं. २०७३ माघ शुक्ला १४ शुक्रवार को अर्द्धरात्रि पश्चात् रेल्वे घं. ६ मिं.१७ के समय चंद्र बिंब पर मालिन्यता आयेगी। यह ग्रहण स्वल्पग्रास होने से अनादेय है।

वर्षेश लग्नम् ६।६

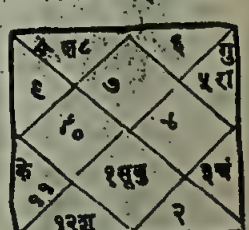

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५४।० केतकी मतेन बेघसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।४।२१

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रस्य राज्ये बहुसस्यसंकुलाःस्वतीव्रवेगाः सरितोवु राशिभिः । फलंतिवृक्षा बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ।। मंत्री बुधस्तत्फलम् ।। शशिसुते शुभमंत्रिसमागते स्वपतिना कुरुते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुवारि समन्वितं यव मसूर चणान्न महर्घता ।। सस्येशः शनिः फलम् ।। रविसुते यदि धान्यपतौ जनो नृपतिभिः परिपीड़ित विग्रहः । गद भयं तुषधान्य हरं सदादुरित वादविवादयुता नराः ।। धान्येशो गुरुः फलम् ।। गुरौ धान्यपतौ यान्ति यवगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः ।। मेघेशोभौमस्तत्फलम् ।। अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुतिविचार विहीन धरामराः । क्वचिदपि प्रचुरंजलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतापदम् ।। रसेशो रविः फलम् ।। रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भोगरताल्प पयोधरा । वसन तैल घृत प्रिय मानवाः सुखरसंचभुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। कर्पूरागरुगन्धानां हेम मौक्तिक वाससां । अर्धवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशो भौमः फलम् ।। फलपतिर्यदि भूतनयो भवेत् सुबहु पुण्य फलान्वित मेदिनी । गतभयानृतदेशजनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकलाभुवि मानवाः । समसुखाः क्रयविक्रय जीविनो नृपतयो जबपालन तत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजो गढ़नायकतांगतो विविध दुःख वियोग समन्वितः जनपदेषुजनाः क्रयविक्रये भय विशैषतया न फलं क्वचित् ।। साधारणनाम संवत्सरः फलम् साधारणाब्दे बृष्टयर्क भयं साधारणं मतम् । मध्यसंपद्धराधीशाः प्रजाःस्युः स्वस्थचेतसः ।। वर्षनाम फाल्गुनः फलम् ।। सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्य पश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्नबृष्टिः स्यात् ।। रोहिणीनिवासः पर्वते फलम् ।। पर्वतेबिन्दु मात्रश्च ।। समयनिवासो कुंभकार गृहे फलम् ।। अनावृष्टिः प्रजापतौ । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १० शनौ मघा. ल. गो. ९ रे. ६ ।ऽ।।।ऽ (अ.घ. (३६या)।ऽऽ। धनुषिव्यये शनिः

,, १२ चन्द्रे उफा. ल. ६ (व्ययेशनिः) रे. ६ ऽसू।।शुऽके।।ऽ। पादतो वेधाऽभावः

,, १३ भौमे उफा. ल. ऽन्यगो ६ (व्ययेशनिः) रे६ ऽसू।।ऽशुऽकेऽचौ।।।। पादतो वेधाऽभावः

,, १४ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो ६ (श.पू.सत्) रे. ८ ।।।।।ऽचो४२याऽ।।।

,, १५ शुक्ले स्वात्यां ल. ६ (श.पू.सत्)रे. ७ ।।।।ऽसू।(रो.घ.४४उ.)ऽऽ।।

वैशाख मासः ।

कृष्णा ७ शुक्रे उषा. ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽचंऽ।।।ऽचौ।।।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृष्णा ११ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो ७ रे. ६ ।।ऽबु।।ऽ (रो.घ.५२या)ऽऽ।।

शुक्ला २ गुरौ मूले.ल.६।७रे.६ऽ।ऽबु।।ऽ चौ४७या)ऽ।।।

,, ६ गुरौ उभा.ल.गो.रे.९।।।।।ऽ नृप.४१या)।।।।

,, १० शुक्रे रेव. ल. ६ (चंद्रपू.सत्) रे ६।ऽ।।।। (चौरः३६उ ऽऽ।ऽ

,, १३ चन्द्रे रोहि. ल. ६ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

माघ मासः

कृष्णा ४ चन्द्रे उफा. ल. ७-६ रे. ७ ।।।।ऽऽअ.।ऽ।। (धनुषि व्यये शनिः)

,, ५ भौमे उफा. ल. गो. रे.८ ।।।।ऽ।।ऽ।।भौमाष्टम महादोषः

,, ५ भौमे हस्ते ल. ७ (घ.४४।४१उ) श.पू.सत् रे८ऽ।।।।।नृ५५उ.ऽ।।।

,, १० रवौ अनु.ल.७-६(धन.श.पू.सत्) रे. ६ ।ऽ।।।ऽरो.४६याऽऽ।।

शुक्ला ६ रवौ रोहि. ल. ८ रे.७ ।।।।।ऽनृ३७या.।ऽऽ।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ७ शनौ अनु. ल.१०(व्ययेशनिः)रे.७ऽ।।।।ऽचौ।ऽ।।

,, १२ गुरौ उषा. ल. ८ रे ६ ।ऽ।।।ऽअऽऽ।।

शुक्ला २ भौमे उषा. ल.८ रे.७ ऽऽ।।।।।ऽ।।

,, ६ शनौ रोहि.ल.१०(व्ययेशनिः)रे७।।।।।ऽअऽऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णा १ चन्द्रे हस्ते ल. १० (व्यये शनिः) रे ६ ।ऽ।ऽबु.ऽऽअ।।।। बुधस्य पादतो वेधाऽभावः

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८	वि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः १८२९सन् २०१६
१	शु १६ २७ अ ४० ३८ वै ८ ४९ व १६ २७	३१	५	१६	१९	२९	८	मेषे	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः =
२	श ६ ४७ भ ३३ ३२ प्री ४७ ४९ कौ ६ ४७	२२	४४	१६	२०	१	९	वृ.४७।१	रज्जव ७मत्स्य जयंती गणगौरी
३	श ५० १८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= सिंधारा
४	र ५० ४१ कृ २७ २९ आ ३८ ५३ व २३ ५३	२६	४३	१७	२१	२	१०	वृषे	भ.३३उ.५९या.भरण्यांबुधः४६वक्रीपूफा.÷
५	चं ४४ ३९ रो २३ १० सौ ३१ ३१ ब १७ ४१	३०	४२	१८	२२	३	११	मि५१।४९	वक्री भौमः२७।३
६	मं ४० ३३ मृ २० २८ शो २५ ३५ कौ १२ ३६	२४	४१	१९	२३	४	१२	मिथुने	[÷ २ गुरुः५२।१२
७	बु ३८ १५ आ १९ ४६ अ २१ ५६ ग ९ २४	३८	४०	२०	२४	५	१३	मिथुने	भ.३६उ.अश्वि.मेषेऽर्कः३९ (सौरः३८।७)
८	गु ३८ १ पु २० ५३ सु १७ ४९ वि ८ ८	४२	४०	२०	२५	६	१४	क.५।३६	भ.८।८या.रेवत्यां शुक्रः२२।२६
९	शु ३९ २२ पु २३ ४७ धृ १६ १७ बा ८	४१	४६	३९	२१	२६	७	१५	कर्के रामनवमी
१०	श ४२ १२ श्ले २८ ० शू १५ ५२ तै १०	४७	५०	३८	२२	२७	८	१६	सिं. २८
११	र ४६ २७ म ३३ २८ गं १६ ३९ व १४	१९	५३	३७	२३	२८	९	१७	सिंहे भ.१४।१९उ.४६।२७या.कामदा११व्र.
१२	चं ५१ २८ पू ३९ ४९ बृ १७ ४९ व १८	५८	५७	३७	२३	२९	१०	१८	क५६।३७
१३	मं ५७ ३४ उ ४७ २ ध्रु १९ ५० कौ २४	३१	३	३६	२४	३०	११	१९	कन्यायां प्रदोषः
१४	बु ६० ० ह ५४ १७ व्या २१ ५२ ग ३०	३२	५	३५	२५	३१	१२	२०	कन्यायां कृत्ति.बुधः४५।३९
१४	गु ३ ३१ चि ६० ० ह २४ ११ व ३	३१	९	३४	२६	१	१३	२१	तु२८।१ भ.३।३१उ.३६।३७या.भा.वैशाखारंभः
१५	शु ९ ४२ चि १ ४५ व २६ २७ व ९	४२	१२	३४	२६	२	१४	२२	तुलायां हनुमज्जयंती

१पं चै.शु.७बु.इ ३२/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	४	११	७	४	११
०	१४	१८	२०	१५	२२	२६	२९
०	४०	४९	११	३८	२	१	५४
०	३७	३०	३८	२०	१७	२२	४३
५८	५३	८८	२९	७४	४१	३	५८
४४	व.	१०	व.	२०	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ला ७ बुधे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा ३ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५ घात्यादिभावे समर्धता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

२पं.चै.शु.१४बु.इ. ३२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	४	११	७	४	०
६	१४	२६	१९	२४	२१	२५	६
५०	३३	२९	४३	१६	४८	३९	४४
४२	३८	५३	५५	१९	४७	७	५४
५८	५९	४७	१०	७४	१३	३	५८
३१	व.	३२	व.	२६	व.	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाः
१	श १५ ४७ स्वा ९ १३ सि २८ ४७ कौ १५ ४७	३२	५	३३	२७	३	१५	२३	वृ.५९।३२
२	र २१ ४० वि १६ १९ व्य ३० ३३ ग २१ ४०	२०	३२	२८		४	१६	२४	वृश्चिके भ.५४।७उ.
३	चं २६ ३५ अ २२ ४६ व ३१ ५३ वि २६ ३५	२३	३१	२९		५	१७	२५	वृश्चिके भ.३६या.अश्वि.मेषेशुक्रः१३चतुर्थी व्र.
४	मं ३० ४९ ज्ये २८ २९ प ३२ २६ बा ३० ४९	२७	३१	२९		६	१८	२६	ध।२८।२९
५	बु ३४ ७ मू ३३ ० शि ३२ २६ कौ २ २८	३१	३०	३०		७	१९	२७	धनुषि भरण्यांरविः१३(सौरः१९)वक्रीबुधः३३
६	गु ३६ १३ पू ३६ २९ सि ३१ ११ ग ५ १०	३४	२९	३१		८	२०	२८	म.५१।५८ भ.३६।१३उ.
७	शु ३६ ४४ उ ३८ २३ सौ २८ ४६ वि ६ २९	३८	२८	३२		९	२१	२९	मकरे भ.६।२९या.
८	श ३५ ४४ श्र ३८ ४३ शु २५ ५३ बा ६ १४	४१	२८	३२		१०	२२	३०	मकरे बुधास्तः पूर्वस्यां२०।२६
९	र ३३ १ ध ३६ ४८ शु २० ० तै ४ २३	४५	२७	३३		११	२३	१	कुं७।४६ मई ५ ता.३१
१०	चं २८ १६ श ३४ १४ ब्र १३ २३ व ० ४१	४८	२६	३४		१२	२४	२	कुंभे भ.०।४१उ.२८।१६या.
११	मं २२ ६ पू २६ २८ ऐं ४० ५० बा २२ ६	५२	२६	३४		१३	२५	३	मी१५।४० शुक्रास्तः पूर्वस्यां९।०वरूथिनी११व्र.
१२	बु १३ ३२ उ २३ २० वि ४६ ४४ तै १३ ३२	५५	२५	३५		१४	२६	४	मीने प्रदोषः
१३	गु ५४ १ रे १६ २३ प्री ३६ २ व ५ ४१	५८	२४	३६		१५	२७	५	मे.१६।२३ भ.५।४१उ.३०।५०या.
१४	गु ५० १७ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०		०	०	०	० ०
१५	शु ४६ ७ अ ८ ४३ आ २५ २१ च २१ २	३३	२४	३६		१६	२८	६	मेषे भरण्यांशुक्रः०।१९मार्गीगुरुः४३।५८

३पं. वै.कृ.५बु.इ. ३३/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	४	०	७	४	०
१३	१४	२९	१९	२	२१	२५	१३
२९	१३	३२	२३	५४	२८	१६	३३
४७	३०	३५	३५	१४	१	५१	१९
५८	१३	७	५३	७४	१	३	५८
१९	व.	व.	व.	२६	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य धातु रस तेज हो प्रजा में रोग शोक फैले।

गोचर ग्रहाः

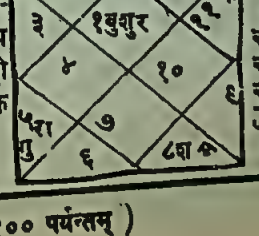

४पं.वै.कृ. १२ बु.इ. ३३/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	४	०	७	४	०
२०	१३	२८	१९	११	२१	२४	२०
२७	४	३	१२	३२	६	५४	२०
२५	८	१८	५०	१३	१८	३६	४
५८	१३	२३	२३	७४	४	३	५७
१	व.	व.	व.	२६	व.	११	५७

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः१८५८स.२०१६
१	श	३६	२४	भ	१/१	५२/४४	सौ	१४	३१	किं	११	१५	३३/५	५/२३	६/३७	१७	२९	७	वृ.१४।११	वक्रीभरण्यांबुधः२५।३९
२	र	२७	३२	रो	४७	३१	शो	४/२६	५०/५६	बा	१	५८	८	२२	३८	१८	३०	८	वृषे	चंद्रदर्शनम् परशुराम जयंती
३	चं	१९	५९	मृ	४२	५७	सु	४७	२७	ग	१९	५९	११	२२	३८	१९	१	९	मि१५।१४	भ.४७।६उ.सावान८अक्षया३
४	मं	१४	१२	आं	३९	५८	धृ	४१	१०	वि	१४	१२	१४	२१	३९	२०	२	१०	मिथुने	भ.१४।१२या.कृत्तिःरविः५८।५२
५	बु	१०	१४	पु	३९	४	शू	३६	५०	बा	१०	१४	१७	२१	३९	२१	३	११	क.२४।१७	कृत्तिःरविःसौरः७।२४
६	गु	८	३६	पु	४०	२६	गं	३३	५३	तै	८	३६	२०	२०	४०	२२	४	१२	कर्के	
७	शु	८	५९	श्ले	४३	४१	वृ	३२	२८	व	८	५९	२३	१९	४१	२३	५	१३	सिं४३।४१	भ.८।५९उ.४०।६या.
८	श	११	१२	म	४८	५१	ध्रु	३२	५०	ब	११	१२	२६	१९	४१	२४	६	१४	सिंहे	वृषेऽर्कः२६।७(सौरः३५।११)
९	र	१५	१४	पू	५५	४	व्या	३३	४४	कौ	१५	१४	२८	१८	४२	२५	७	१५	सिंहे	
१०	चं	२०	२०	उ	६०	०	ह	३५	४७	ग	२०	२०	३१	१८	४२	२६	८	१६	कं.११।५३	भ.५३।२४उ.कृत्ति.शुक्रः५२।२०
११	मं	२६	२९	उ	२	२१	व	३८	१३	वि	२६	२९	३४	१७	४३	२७	९	१७	कन्यायां	भ.२६।२९या.मोहिनी११व्र.
१२	बु	३२	३४	ह	९	४६	सि	४०	४१	बा	३२	३४	३७	१७	४३	२८	१०	१८	तु.४३।५	बुधोदयःपश्चिमायां४०।४३
१३	गु	३८	४९	चि	१७	२४	व्य	४३	१	कौ	५	४१	३९	१६	४४	२९	११	१९	तुलायां	वृषेशुक्रः३३।२१प्रदोषः
१४	शु	४४	३२	स्वा	२४	३७	व	४५	५	ग	११	४०	४२	१६	४४	३०	१२	२०	तुलायां	भ.४४।३२उ.नृसिंहजयंती [-कुंभदानम्
१५	श	४९	५८	वि	३१	२९	प	४६	४८	वि	१७	१५	४४	१५	४५	३१	१३	२१	वृ.१४।४६	भ.१७/१५या.वक्रीज्येष्ठा.१शनिः२२/९ यमाय-

५पं.वै.शु.५बु.इ.३३।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	४	०	७	४	०
२७	११	२४	१९	२०	२०	२४	२७
१३	१९	१३	१०	८	४०	३२	५
३७	५	४८	५९	४६	१९	२०	१८
५७	२०/१४	३४/३७	०/५१	७४	४/३	३	५७
४४	व.	वं	मा	३२	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले ८ शनौ वृषेऽर्कः प्रविटः वा.४ न. ४ कुमारावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

६पं.वै.शु.१२बु.इ. ३३।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	०	४	०	७	४	१
३	९	२१	१९	२८	२०	२४	३
५८	६	७	१८	४६	१२	१०	४९
३७	४३	४८	१४	१	४	४	१
५७	२१/२६	२३/६	२	७४	४/१८	३	५७
४४	व.	वं	३	३२	६/५	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	र	५४	२१	अ	३७	५७	शि	४७	४६	बा	२२	९	३३/४७	५/१५	६/४५	१	१४	२२	वृश्चिके	भा.ज्येष्ठारंभः
२	चं	५७	५३	ज्ये	४२	४५	सि	४८	५	तै	२६	७	४९	१५	४६	२	१५	२३	ध.४२।४५	
३	मं	६०	०	मू	४७	४	सा	४७	४६	व	२९	८	५२	१४	४६	३	१६	२४	धनुषि	भ.२९।८उ.रोहि.रविः४९/४१मार्गीबुधः३२/२
३	बु	०	२५	पू	५०	२१	शु	४६	३१	वि	०	२५	५४	१३	४७	४	१७	२५	धनुषि	भ.०।२५या.रोहिं.रविःसौरः१।१९चतुःव्र.
४	गु	१	५०	उ	५२	३४	शु	४४	२१	बा	१	५०	५६	१३	४७	५	१८	२६	म.५।५४	
५	शु	२	१७	श्र	५३	३४	ब्र	४१	२०	तै	२	१७	५८	१२	४८	६	१९	२७	मकरे	रोहि.शुक्रः४०।५९
६	श	१	२५	ध	५३	२२	ऐं	३७	२०	व	१	२५	३४/००	१२	४८	७	२०	२८	कुं.२३।२८	भ.१।२५उ.३०।३०या.
७	श	५८	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	र	५६	१९	श	५१	५०	वै	३२	१५	बा	२७	५३	२	१२	४८	८	२१	२९	कुम्भे	
९	चं	५१	४१	पू	४९	१३	वि	२६	२८	तै	२३	५६	३	११	४९	९	२२	३०	मी३४।५२	
१०	मं	४५	५०	उ	४५	२०	प्री	१९	२	व	१८	४६	५	११	४९	१०	२३	३१	मीने	भ.१८।४६उ.४५।५०या.
११	बु	३८	५६	रे	४०	१२	आ	११	७	ब	१२	२३	७	११	४९	११	२४	१	मे.४०।१२	पूफा.३गुरुः५९/३जून६ता.३०अपरा११व्र.
१२	गु	३०	५३	अ	३४	८	सौ	२/७	५०/३१	कौ	४	५५	९	१०	५०	१२	२५	२	मेषे	प्रदोषः [=राहुःपूभा.१केतु-१८।३४
१३	शु	२२	१८	भ	२७	३७	अ	४२	३८	व	२२	१८	१०	१०	५०	१३	२६	३	वृ.४०।५३	भ.२२।१८उ.४७।४६या.पूफा.३=
१४	श	१३	१४	कृ	२०	४४	सु	३२	५२	श	१३	१४	१२	१०	५०	१४	२७	४	वृषे	वक्री.विशा.भौमः४५।४४
३०	र	४	३६	रो	१४	२२	धृ	२३	१९	ना	४	३६	१३	९	५१	१५	२८	५	मि४१।३६	कृत्तिःबुधः१५।५८वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.३बु.इ.३३।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	०	४	१	७	४	१
१०	६	२०	१९	७	१९	२३	१०
४२	४३	४५	३३	२२	४१	४७	३१
२९	५	७	४३	८	५६	४९	१२
५७	२०/४६	३/४९	३	७४	४/३४	३	५७
३५	व	मा	२७	३२	व.	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला रस वस्त्र रुई रंग में वदि-में मन्दी होकर सुदि में तेजी हो कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्ये.कृ.११बु.इ.३३।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	०	४	१	७	४	१
१७	४	२३	१९	१५	१९	२३	१७
२५	१३	४८	५७	५८	११	२५	१२
१९	४८	५०	२५	४१	३१	३३	१८
५७	१६/५०	३४	४	७४	४/४०	३	५७
२७	व.	५	३५	३८	व.	११	१३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण १८८८स. २०१६
१	र ५१ ५७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०		०	०	०	०	०	० ०	
२	चं ४९ ५२ मृ ८ ५१ शू १४ ४६ बा २३ १३ ३४		५	६	१६	२९	६	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
३	मं ४४ ५३ आ ४ ४१ गं ७ १८ तै १७ २२ १६		६	५१	१७	१	७	क.४७।४६	मृगेरविः४४।३४मृगेशुक्रः ३४ रमजान९
४	बु ४१ ४७ पु २ ७ बृ १३ ४२ व १३ २० १७		६	५१	१८	२	८	कर्के	भ.१३।२०उ.४१।४७या.मृगेरविः×
५	गु ४० ५० पु १ ४६ ब्या ५४ १६ च ११ १९ १८		८	५२	१९	३	९	कर्के	[×सौर:०।९बृषेबुधः२१।६
६	शु ४१ ५३ श्ले ३ २५ ह ५३ २९ कौ ११ २१ १९		८	५२	२०	४	१०	सि ३।२५	
७	श ४५ ८ म ७ ४ व ५३ २९ ग १३ ३० १९		८	५२	२१	५	११	सिंहे	भ.४५।८उ.
८	र ४९ ४१ पू १२ २५ सि ५५ ५ वि १७ २४ २०		८	५२	२२	६	१२	कं.२९।५	भ.१७।२४या.
९	चं ५५ ३५ उ १९ ७ व्य ५७ १५ बा २२ २८ २१		८	५२	२३	७	१३	कन्यायां	मिथुनेशुक्रः०।३५
१०	मं ६० ० ह २६ ३६ व ५९ ३५ तै २८ ३८ २१		८	५२	२४	८	१४	कन्यायां	मिथुनेऽर्कः४३।८गंगादशमी
१०	बु १ ४२ चि ३४ १७ प ६० ० ग १ ४२ २२		८	५२	२५	९	१५	तु.०।२६	भ.३४।४९उ.मिथुनेऽर्कःसौरः०।५७+
११	गु ७ ५६ स्वा ४१ ३६ प २ ० वि ७ ५६ २२		८	५२	२६	१०	१६	तुलायां	भ ७।५६या.निर्जला ११व्र.
१२	शु १२ ३९ वि ४८ २९ शि ४ २० बा १३ ३९ २३		७	५३	२७	११	१७	वृ.३१।४६	प्रदोषः [+रोहि.बुधः५२।३८
१३	श १८ ४७ अ ५४ २२ सि ६ २ तै १८ ४७ २३		७	५३	२८	१२	१८	वृश्चिके	आर्द्रशुक्रः२२।९वक्रीतुलायां भौमः७।२५
१४	र २२ ४१ ज्ये ५९ २ सा ६ ५२ च २२ ४१ २३		७	५३	२९	१३	१९	ध.५९।२	भ.२२।४१उ.५४।१या.
१५	चं २५ २१ मू ६० ० शु ६ ४० ब २५ २१ २४		७	५३	३०	१४	२०	धनुषि	गुर्जराणां वट सावित्री व्रतम्

९पं.ज्ये.शु.४बु.इ.३३।५९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	१	४	१	७	४	१
२४	२	०	२०	२४	१८	२३	२३
७	१४	१३	२९	३४	३९	३	५२
१९	५३	५५	५६	३४	५४	१८	१४
५७	१३	६४	५	७४	४८	३	५७
२२	व.	४९	४३	३८	व	११	५

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले १०भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ प्रौढ़ावस्था (जैठी) मु. ३० घान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु.१०बु.इ.५५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	४	२	७	४	२
०	०	९	२१	३	१८	२२	०
४८	३९	३१	९	१०	९	४१	२१
३६	५८	३०	२५	४८	४३	२	२३
५७	५	७	९१	६	७४	२८	३	५६
१७	व.	३५	३९	३८	व	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	मं २६ ५१ मू २ ४६ शु ५ ४४ कौ २६ ५१ ३४		५	६	३१	१५	२१	धनुषि	आर्द्रारविः४२।३
२	बु २७ ११ पू ५ १६ ब्र ३ ५६ ग २७ ११ २४		७	५३	१	१६	२२	म.२०।३६	भ.५६ उ.आर्द्रारविःसौरः २ भा.=
३	गु २६ २९ उ ६ ३८ ऐं २ ५६ वि २६ २९ २४		७	५३	२	१७	२३	मकरे	भ.२६।२९या.मृगेबुधः४१।२४चतुर्थीव्र.
४	शु २४ ४४ श्र ७ ० वि ५३ ३२ बा २४ ४४ २४		७	५३	३	१८	२४	कुं.३६।५१	[=आषाढारंभः
५	श २२ २१ ध ६ ४३ प्री ४८ ३५ तै २२ २१ २३		७	५३	४	१९	२५	कुंभे	मार्गीभौमः१५।४६
६	र १८ ५७ श ५ २३ आ ४२ ५५ व १८ ५७ २३		७	५३	५	२०	२६	मी ४८।५९	भ.१८।५७उ.४७।०या.बुधास्तः÷
७	चं १५ ३ पू ३ १ २५ सौ ३६ ५६ ब १५ ३ २२		८	५२	६	२१	२७	मीने	मिथुनेबुधः९।९ [÷पूर्वस्यां४।४०
८	मं १० २२ रे ५६ ३२ शो ३० ३९ को १० २२ २२		८	५२	७	२२	२८	मे.५६।३२	
९	बु ४ ५८ अ ५२ ३० अ २२ ५७ ग ४ ५८ २१		८	५२	८	२३	२९	मेषे	भ.३१।५४उ.५८।५०या.पुन.शुक्रः १५ १५
१०	बु ५३ ५२ ० ० ० ० ० ० ० ० ०		०	०	०	०	०	० ० मेषे	
११	गु ५२ ५ भ ४८ ५० सु १५ ९ स २५ २८ २०		८	५२	९	२४	३०		आर्द्राबुधः२१।१६योगिनी ११व.स्मा.
१२	शु ४४ ५६ कृ ४३ ४७ धृ ५४ ५१ को १८ ३१ १९		८	५२	१०	२५	१	वृ. २।३४	जुलाई७ता.३१योगिनी ११व्र.वै.
१३	श ३७ ५० रो ३८ ३८ गं ५० १५ ग ११ २३ १८		८	५२	११	२६	२	बृषे	भ.३७।५०उ. प्रदोषः
१४	र ३० ५३ मृ ३३ ५४ बृ ४२ ५ वि ४ २२ १७		९	५१	१२	२७	३	मि ६।१६	भ.४।२२या.पूफा.४गुरुः४४।२२
१५	चं २४ ४५ आ २९ ५४ धु ३४ ४४ ना २४ ४५ १६		९	५१	१३	२८	४	मिथुने	

११पं.आ.कृ.२बु.इ.३३।५५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	१	४	२	७	४	२
७	२९	२१	२१	११	१७	२२	७
२९	४१	१२	५५	४६	४०	१८	९
३१	१०	२५	२३	३४	४८	४६	५०
५७	०	२५	७	७४	१०	३	५६
१३	व.	२०	४१	३२	व	११	५४

गोचर ग्रहाः

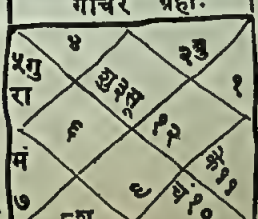

इस मास में गेहूं रुई अलसी सूत कपास में तेजी हो चांदी सोना तिलहन सण वारदाना मंदे हों वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.कृ.९बु.इ.३३।५१							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	४	२	७	४	२
१४	२९	५	२२	२०	१७	२१	१३
९	२३	१	१४	२३	१३	५६	४७
५८	३८	१६	०	६	४८	३१	५५
५७	१३	२८	८	७४	३२	३	५६
७	मा	५५	४१	३२	व.	११	५०

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८									वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९१७स.२०१६
१	मं	१९	३५	पु	२६	५६	व्या	२८	१६	बृ	१९	३५	३४ ५५	६ ५१	१४	२९	५	क.१२।४१	पुन.रविः४०।५३ [–चंद्रदर्शनम्रथयात्रा
२	बु	१६	१५	पु	२५	३९	ह	२३	१६	कौ	१६	१५	१४	९	५१	१५	३०	६	कर्के	पुन.रविःसौर:६।३२पुन.बुधः२९।५१–
३	गु	१४	३७	श्ले	२६	१३	व	१९	२७	ग	१४	३७	१३	९	५१	१६	१	७	सिं	२६।१३	भ४४।४६उ.ककशुक:२२।२६सव्वाल१०
४	शु	१४	५५	म	२८	२८	सि	१७	१४	वि	१४	५५	११	१०	५०	१७	२	८	सिंहे		भ.१४।५५या.वृश्चिकेशुक्रः३२।५
५	श	१७	७	पू	३२	५२	च्य	१६	४२	बा	१७	७	१०	१०	५०	१८	३	९	कं.	४९।१९	वक्रीअनु.४शनिः८।१२
६	र	२१	२	उ	३८	४१	व	१७	४	तै	२१	२	८	१०	५०	१९	४	१०	कन्यायां		पुष्येशुक्रः३३७शुक्रोदयःपश्चिमायां३१८
७	चं	२६	२३	ह	४५	२९	प	१९	१९	व	२६	२३	७	११	४९	२०	५	११	कंन्यायां		भ.२६।२३उ.५९।२४या.कर्केबुधः५।५८
८	मं	३२	२४	चि	५३	०	शि	२१	२	ब	३२	२४	५	११	४९	२१	६	१२	तु.	१९।१४	पुष्येबुधः४३।२४
९	बु	३८	३१	खा	६०	०	सि	२३	३०	बा	५	२७	३	११	४९	२२	७	१३	तुलायां		
१०	गु	४४	२०	खा	०	२४	सा	२५	५१	तै	११	२५	१	१२	४८	२३	८	१४	वृ.	५०।५२	
११	शु	४९	३५	वि	७	४१	शु	२७	४८	व	१६	५७	३३ ५९	१२	४८	२४	९	१५	वृश्चिके		भ.१६।५७उ.४९।३५या. देवशयनी११व्र.
१२	श	५३	११	अ	१३	४८	शु	२८	५३	ब	२१	२३	५७	१३	४७	२५	१०	१६	वृश्चिके		कर्केऽर्कः१०।१९(सौर:३९।१६)
१३	र	५५	४१	ज्ये	१८	३४	ब्र	२८	५१	कौ	२४	२६	५५	१३	४७	२६	११	१७	ध.	१८।३४	प्रदोषः[=बुधः२९।१व्यासपूजावायुपरीक्षा
१४	चं	५६	२०	मू	२२	१	ऐं	२७	३६	ग	२६	१	५२	१४	४६	२७	१२	१८	धनुषि		भ.५६।२०उ.बुधोदयःपश्चिमायां५६।२८
१५	मं	५५	४०	पू	२३	५८	वै	२५	५	वि	२५	५९	५०	१४	४६	२८	१३	१९	म.	३९।५	भ.२५।५९या.पुष्येरविः३९।३७ आश्ले =

१३पं.आ.शु.२बु.इ. ३३ ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	३	४	२	७	४	२
२०	२९	२०	२३	२८	१६	२१	२०
५०	४४	८	४६	५९	४८	३४	२५
२४	४६	२०	४८	३१	५८	१५	४९
५७	८	२९	९	७४	३३	३	५६
०	१		२९	३२	वं	११	५०

गोचर ग्रहाः

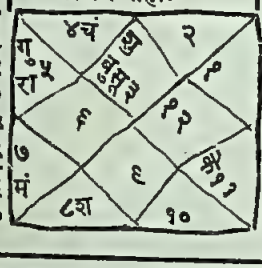

आषाढशुक्ले १२शनौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.४बालावस्था(बैठी मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१४पं.आ.शु.९ बु.इ. ३३ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	३	४	३	७	४	२
२७	०	५	२४	७	१६	२१	२७
३०	४३	३	५०	३५	२८	१२	३
४३	५५	४	३३	१०	५	०	५६
५७	१२		१०	७४	२	३	५६
११	२३		१२	२६	वं	११	५४

त.	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८									दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	बु	५३	३५	उ	२४	२७	वि	२१	३८	बा	२४	३७	३३ ४८	५ ६९	२९	१४	२०	मकरे	पुष्येरविःसौर:९।५७आश्ले.शुक्रः५६।९
२	गु	५०	३४	श्र	२३	३८	प्री	१७	१०	तै	२२	४	४५	१५	४५	३०	१५	२१	कुं.	५२।५३	
३	शु	४६	३७	ध	२२	१०	आ	११	५०	व	१८	३५	४३	१५	४५	३१	१६	२२	कुंभे		भ.१८।३५उ.४६।३७या.
४	श	४१	५२	श	१९	४०	सौ	६ ५३	५०	ब	१४	१४	४०	१६	४४		१७	२३	कुम्भे		भा.श्रावणारंभः चतुर्थी व्रतम्
५	र	३७	७	पू	१६	५५	अ	५३	८	कौ	९	२९	३८	१६	४४	२	१८	२४	मी	२।३६	अनु.भौमः३६।२३उफा.१गुरुः४३नाग५
६	चं	३२	५	उ	१३	५२	सु	४६	१९	ग	४	३६	३५	१७	४३	३	१९	२५	मीने		भ.३२।५उ.५९।३२या.
७	मं	२६	५८	रे	१०	४१	धृ	३९	४२	व	२६	५८	३३	१७	४३	४	२०	२६	मे.	१०।४१	
८	बु	२१	४४	अ	७	२५	शू	३२	३४	कौ	२१	४४	३०	१८	४२	५	२१	२७	मेषे		मघा.सिंहेबुधः१३।५५
९	गु	१६	१४	भ	४	६	गं	२५	३२	ग	१६	१४	२७	१९	४१	६	२२	२८	वृ.	१८।११	भ.४३।२७उ.
१०	शु	१०	४०	कृ	०	२६	वृ	१८	३३	वि	१०	४०	२४	१९	४१	७	२३	२९	वृषे		भ.१०।४०या.
११	श	५	१९	मृ	५३	५६	धु	११	४१	बा	५	१९	२२	२०	४०	८	२४	३०	मि	२५।३२	कामिका११व्र.
१२	र	०	१०	आ	५१	१७	ज्या	४९	५३	तै	०	१०	१९	२०	४०	९	२५	३१	मिथुने		भ.५५।४२उ.मघा.सिंहेशुक्रः४७ ३६प्रदोषः
१३	र	५५	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	चं	५१	४४	पु	४९	१७	व	५३	२	वि	२३	४३	१६	२१	३९	१०	२६	१	क.	३४।४७	भ.२३।४३या.अगस्त८ता.३१
३०	मं	४९	१६	पु	४८	२५	सि	४८	७	च	२०	२९	१३	२१	३९	११	२७	२	कर्के		आश्ले.रविः३६।३८हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.१बु.इ. ३३ २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	४	३	७	४	३
४	२	१८	२५	१६	१६	२०	३
११	१७	४२	५८	११	१०	४९	४२
२८	६	०	४४	५३	४१	४४	२३
५७	१६		१०	७४	१३	३	५६
१५	४७		१५	२६	व.	११	५८

गोचर ग्रहाः

श्रावणशुक्ले १३ भौमे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५प्रौढावस्था(बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

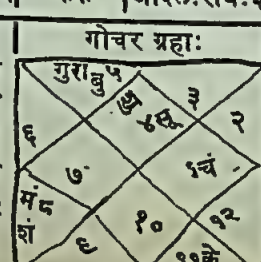

१६पं. श्रा.कृ.८बु.इ. ३३ ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	४	४	३	७	४	३
१०	४	०	२७	२४	१५	२०	१०
५२	२१	२९	१२	४८	५७	२७	२१
३०	०	१७	४	२५	२२	२८	४०
५७	२०	९०	११	७४	१८	३	५७
२०	४१	३३	२६	२०	व.	११	५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९४६ स.२०१६
१	बु ४७ ४९ श्ले ४८ ५२ व्य ४४ २८ कि १८ ३२ ३३/१० २३ ६/३८ १२ २८ ३							सिं ४८।५२	आश्ले.रविः सौरः १०।४४
२	गु ४८ ५ म ५० ४८ व ४१ ५५ बा १७ ५७ ७ २३ ३७ १३ २९ ४							सिंहे	पूफा.बुधः ४१।०चंद्र दर्शनम् सिंघारा
३	शु ५० ११ पू ५४ १८ प ४० ४९ तै १९ ८ ४ २३ ३७ १४ १ ५							सिंहे	पूफा.२राहुः शत.४केतुः ३१/३ जिल्काद ÷
४	श ५३ ३९ उ ५९ १७ शि ४० २२ व २१ ५५ ० २४ ३६ १५ २ ६							कं १०।३२	भ.२१।५५उ.५३।३९या.वरद ४
५	र ५८ ४३ ह ६० ० सि ४१ ३१ व २६ ११ ३३/५७ २५ ३५ १६ ३ ७							कन्यायां	नाग पंचमी [÷११तीज
६	चं ६० ० ह ५ ४१ सा ४३ २४ कौ ३१ ३० ५४ २५ ३५ १७ ४ ८							तु. ३९।१३	
६	मं ४ १७ चि १२ ४३ शु ४५ ४५ तै ४ १७ ५० २६ ३४ १८ ५ ९							तुलायां	
७	बु १० २८ खा २० १९ शु ४८ २ व १० २८ ४७ २७ ३३ १९ ६ १०							तुलायां	भ.१०।२८उ.४३।३४या.
८	गु १६ ४० वि २७ ४४ ब्र ५० २४ ब १६ ४० ४४ २७ ३३ २० ७ ११							वृ.१०।५३	पूफा.शुक्रः ३७/३३ उफा.२कन्यायांगुरुः ३१।२६
९	शु २२ १० अ ३४ ३३ ऐं ५१ ५७ कौ २२ १० ४० २८ ३२ २१ ८ १२							वृश्चिके	मार्गी शनिः ३३।३
१०	श २६ १६ ज्ये ३९ ५६ वै ५२ २९ ग २६ १६ ३७ २९ ३१ २२ ९ १३							ध.३९।५६	भ.५७।३७उ.
११	र २८ ५८ मू ४४ ५ वि ५१ ३८ वि २८ ५८ ३३ २९ ३१ २३ १० १४							धनुषि	भ.२८।५८या.पवित्रा ११व्र.
१२	चं २९ ४३ पू ४६ १४ प्री ४९ ३५ बा २९ ४३ ३० ३० ३० २४ ११ १५							धनुषि	उफा.बुधः २८।३ प्रदोषः
१३	मं २८ ४३ उ ४६ ४१ आ ४६ ० तै २८ ४३ २६ ३१ २९ २५ १२ १६							म.१।२१	मघा.सिंहेऽर्कः ३०।४०
१४	बु २५ ५३ श्र ४५ २५ सौ ४० ५७ व २५ ५३ २२ ३२ २८ २६ १३ १७							मकरे	भ.२५/५३ उ.५५/५३ या.मघा.सिंहेऽर्कः सौरः ७।९
१५	गु २१ ३७ ध ४२ ४० शो ३४ ४९ व २१ ३७ १९ ३२ २८ २७ १४ १८							कुं.१४।२	श्रावणी कर्म रक्षा बन्धनम्

१७पं.श्रा.शु.१बु.इ.३३।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	४	४	४	७	४	३
१७	६	११	२८	३	१५	२०	१७
३४	५०	४२	२८	२४	४८	५	१
१२	६	३६	३७	५४	११	१३	२८
५७	२३	८६	१२	७४	५/३	३	५७
२५	४२	१३	३	१४	व.	११	१२

१८पं.श्रा.शु.७बु.इ. ३३।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	४	४	४	७	४	३
१४	९	२०	२९	१२	१५	१९	२३
१६	४१	१९	४८	०	४३	४२	४२
३७	५६	१४	०	३२	४८	५७	३५
५७	२६	६८	१२	७४	१४/०	३	५७
३३	२०	३९	२०	८	व.	११	२२

१९पं.श्रा.शु.१४बु.इ.३३/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	५	४	७	४	४
०	१२	२८	१	२०	१५	१९	०
५९	५६	२७	१०	३६	४४	२०	२४
५३	२०	१८	२३	३१	२०	४२	४८
५७	२८	५१	१२	७४	३/०	३	५७
४०	४३	३४	४७	२	मी	११	३

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतुं रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु १६ १२ श ३८ ५३ अ २७ ५० कौ १६ १२ ३३/१५ ३३ २७ २८ १५ १९							कुम्भे	कन्यायांबुधः २०।४६
२	श ९ ५८ पू ३४ २३ सु २० ६ ग ९ ५८ १२ ३४ २६ २९ १६ २०							मी १९।५६	भ.३६।४०उ.
३	र ३ २१ उ २९ ५६ धृ १२ ९ वि ३ २१ ८ ३४ २६ ३० १७ २१							मीने	भः३।२१या.चतुर्थी व्र.
४	र ५३ २० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							० ०	
५	चं ५० १८ रे २५ १४ शू ५/५३ कौ २३ २९ ४ ३५ २५ ३१ १८ २२							मे. २५।१४	उफा.शुक्रः २९।५६
६	मं ४४ १० अ २१ २६ बृ ४८ २३ ग १७ १४ १ ३६ २४ १ १९ २३							मेषे	भ.४४।१०उ.भा.भाद्रपदारंभः चन्द्रषष्ठी
७	बु ३८ ४४ भ १७ १० धु ४१ ११ वि ११ २७ ३१/५७ ३७ २३ २ २० २४							वृ.३१।१८	भ.११/२७ या.ज्येष्ठा.भौमः ५/६ जन्माष्टमी =
८	गु ३३ ३८ कृ १३ ४३ च्या ३४ १३ बा ६ ११ ५३ ३७ २३ ३ २१ २५							वृषे	कन्यायांशुक्रः १९/६ जन्माष्टमी व्र वै.
९	शु २९ १४ रो १० ५७ ह २७ ५९ तै १ २६ ४९ ३८ २२ ४ २२ २६							मि ३८।५६	भ.५७।२२उ. गोगा ९ [=व्र.स्मा.
१०	श २५ २९ मृ ८ ५५ व २२ ५ वि २५ २९ ४६ ३९ २१ ५ २३ २७							मिथुनें	भ.२५।२९या.उफा.३गुरुः ५५।३८
११	र २२ २९ आ ७ ३४ सि १६ ५३ बा २२ २९ ४२ ४० २० ६ २४ २८							क. ५१।५८	अजा ११व्र.
१२	चं २० १६ पु ६ ४६ व्य १२ ७ तै २० १६ ३८ ४० २० ७ २५ २९							कर्के	वक्रीबुधः ५२।५२ वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	मं १९ ५ पु ६ ४९ व ८ १९ व १९ ५ ३४ ४१ १९ ८ २६ ३०							कर्के	भ.१९/५३ उ.४९/५३ या.पूफा.रविः २०/१६ (सौरः ५८)
१४	बु १८ ५५ श्ले ८ १२ प ५ ११ श १८ ५५ ३० ४२ १८ ९ २७ ३१							सिं ८।१२	[÷ ३० मन्वादिः
२०	गु १९ ५९ म १० ३२ शि ४ २ ना १९ ५९ २६ ४३ १७ १० २८ १							सिंहे	सितम्बर ९ ता.३० कुशाग्रहणी पिठोरी ÷

२० पं.भा.कृ.७बु.इ. ३३/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	४	७	४	४
७	१६	३	२	२९	१५	१८	७
४४	२६	३०	३५	११	४९	५८	८
२०	३८	३२	३५	१७	८	२६	१६
५७	२०	२२	१३	७३	१	३	५७
४९	४०	२३	८	५५	१६	११	४५

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला रस गुड़ शक्कर चीनी सोना चांदी वस्त्र बदि में मंदे होकर सुदि में तेज होंगे। वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

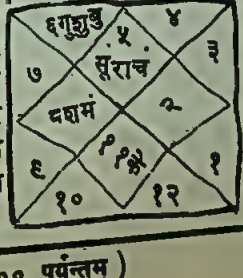

२१ पं.भा.कृ. १४बु.इ. ३३/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	५	७	४	४
१४	२०	३	४	७	१५	१८	१३
३०	११	४९	२	४६	५८	३६	५३
०	४२	५९	३१	१९	५५	१०	२९
५८	३२	५६	१३	७३	१	३	५७
१	५५	व.	२०	५०	५३	११	५७

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९७६स.२०१६
१	शु २२ २८ पू १४ १९ सि २ १४ ब २२ २८	३३	५	६	११	२९	२	कं.३०।३०	हस्तेशुक्रः २१।४
२	श २६ ९ उ १९ २ सा १ ४७ कौ २६ ९	२२	४४	१६	१२	३०	३	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	र ३१ १३ ह २५ १२ शु २ ३३ ग ३१ १३	१५	४५	१५	१३	१	४	तु.५८।३४	जिल्हेज १२हरितालिका ३
४	चं ३६ ५५ चि ३१ ५६ शु ४ २ व ४ ४	११	४६	१४	१४	२	५	तुलायां	भ.४।४उ.३६।५५या.गणेशचतुर्थी
५	मं ४३ ७ स्वा ३९ ३५ ब्र ६ ३ ब १० १	७	४७	१३	१५	३	६	तुलायां	बुधास्तः पश्चिमायां १५।५३ऋषिपंचमी
६	बु ४९ २३ वि ४७ १० ऐं ८ ४१ कौ १६ १५	३	४७	१३	१६	४	७	वृ.३०।१६	
७	गु ५५ १६ अ ५४ ३४ वै ११ १० ग २२ २०	३९	४८	१२	१७	५	८	वृश्चिके	भ.५५।१६उ.
८	शु ६० ० ज्ये ६० ० वि १३ ५१ वि २७ ४१	५५	४९	११	१८	६	९	वृश्चिके	भ.२७।४१या.वक्रीसिंहेबुधः २८।५३
८	श ० ७ ज्ये ० ५६ प्री १४ ३५ ब्र ० ७	५१	५०	१०	१९	७	१०	घ.०।५६	[+वक्रीपूफा.बुधः ४।२३चित्रा.शुक्र.१५ ÷
९	र ३ ३६ मू ६ ३ आ १५ ४६ कौ ३ ३६	४७	५१	९	२०	८	११	धनुषि	[÷उफा.४गुरुः १९ जलझूलनी ११ब्र. *
१०	चं ५ १९ पू ९ २१ सौ १३ ३३ ग ५ १९	४३	५१	९	२१	९	१२	म.२४।४०	भ.३५।१०उ.अस्तंगुरोः ४९।१२
११	मं ५ ० उ १० ३९ शो १० ५० वि ५ ०	३९	५२	८	२२	१०	१३	मकरे	भ.५।०या.उफा.रविः ४।४१ (सौरः ४२) +
१२	बु २ २९ श्र १० ११ अ ६ ३३ वा २ २९	३५	५३	७	२३	११	१४	कु.३८।५८	प्रदोषः [* वामन जयंती
१३	बु ५५ ४३ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	[=१शनि.५५।२४महालयरंभः
१४	गु ५२ १२ ध ७ ४६ सु ३४ ५३ ग २५ ११	३१	५४	६	२४	१२	१५	कुम्भे	भ.५२।१२उ.अनंत १४
१५	शु ४४ ४९ श ३६ ५४ शु ४४ ४९ वि १८ ३१	२७	५५	५	२५	१३	१६	मी. ४४ ३९	भ.१९या.कन्यायामर्कः ३०।२ज्येष्ठा =

२२पं.भा.शु.६बु.इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	५	५	७	४	४
२१	२४	१	५	१६	१६	१८	२०
१७	१०	५०	३०	२०	१३	१३	४०
२	५	६	५८	३८	१२	५५	८
५८	३४	५९	१३	७३	२	३	५८
१३	२०	व.	२८	३८	३४	११	१२

गोचर ग्रहाः

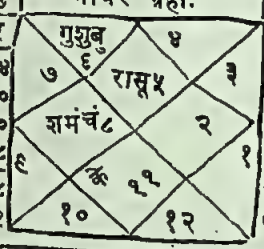

भाद्रपद शुक्ल १५
शुक्रे कन्यायामर्कः
प्रविष्टः वा. ४ न. ५
बालावस्था (बैठी)
मु. ३० धान्यादिभावे
समता शुक्रोदयः
पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

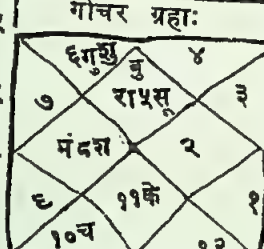

२३पं.भा.शु.१२बु.इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	५	५	७	४	४
२८	२८	२४	७	२४	१६	१७	२७
५	२१	५८	०	५३	३२	५१	२८
२४	२९	५	३२	५६	१३	३९	२६
५८	३५	५९	१३	७३	३	३	५८
२६	४३	व.	३२	२६	२०	११	२०

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेभाद्र. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श ३६ ४७ उ ५२ ६ गं ३५ ४५ आ १० ४८	३०	५	६	२६	१४	१७	मीने	कन्यार्कः सौरः ७।५१मूलेधनुषिभौमः १९८
२	र २८ २७ रे ४६ १ बृ २६ १० ति २ ३७	२२	५६	४	२७	१५	१८	मे.४६।१	भ.५४।१६उ.तुलायांशुक्रः ४३।११
३	चं २० ६ अ ३९ २८ ध्रु १६ ३१ वि २० ६	१४	५७	३	२८	१६	१९	मेषे	भ.२०।६या.चतुर्थीव्र.
४	मं १२ १९ भ ३३ ४८ व्या ७ ५० आ १२ ११	९	५८	२	२९	१७	२०	वृ. ४७ ३४	बुधोदयः पूर्वस्यां ४२।३७
५	बु ५ १० कृ २८ ५० व ५० ३ तै ५ १०	५	५९	१	३०	१८	२१	वृषे	भ.५९।६उ.
६	बु ५३ ५६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	गु ५४ १३ रो २४ ५८ सि ४२ ४७ वि २६ ४०	३०	०	६	३१	१९	२२	मि.५३ ३३	भ.२६।४०या.मार्गीबुधः २३।३
८	शु ५० ३२ मृ २२ २६ व्य ३६ २६ आ २२ २२	२९	५	६	१	२०	२३	मिथुने	भा.आश्विनारंभः
९	श ४८ ७ आ २० ५८ व ३१ ७ तै १९ १९	२७	५९	५	२	२१	२४	मिथुने	स्वात्यांशुक्रः ५९ मातृहे (सौभाग्यवतीनांश्रा.
१०	र ४६ ४० पु २० ४६ प २६ ५२ व १७ २८	२५	५८	३	२२	२५	क.५।४९		भ.१७।२८उ.४६।५०या.
११	चं ४६ ४८ पु २१ २९ शि २३ ३० ब १६ ४९	२४	५८	३	२२	२६	कर्के		हस्तेरविः ४३।११इंदिरा११ब्र.
१२	मं ४८ ० श्ले २३ ४३ सि २१ ४ कौ १७ २४	२३	५७	४	२३	२६	सिं. २३ ४९		हस्तेरविः सौरः २०।२१
१३	बु ५० १४ म २६ ४९ सा १९ ३५ ग १९ ७	४	५६	५	२४	२७	सिंहे		भ.५०उ.हस्त.१गुरुः २१।५८प्रदोषः
१४	गु ५३ ३८ पू ३१ १० शु १९ ९ वि २१ ५६	३	५५	६	२५	२८	क.४७।३१		भ.२१।५६या.शस्त्रादि हतानां श्रा.
३०	शु ५८ ० उ ३६ ३३ शु १९ ३ च २५ ४९	२८	५४	८	२७	३०	कन्यायां		सर्वपितृ ३०

२४पं.आ.कृ.५बु.इ.३२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	४	५	६	७	४	५
११	७	२३	१०	११	१७	१७	११
४६	१३	५४	२	५८	२२	७	१०
५२	१२	११	१७	५५	१	८	३२
५८	३७	६३ ५५	१३	७३	४	३	५९
५३	५०	मा	३८	२	२४	११	०

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनि वार ५ रविवार अशुभ हैं धातु सोना चांदी लोहा रस धान्य गल्ला तेज हो प्रजा में दुःख फैले।

गोचर ग्रहाः

२५पं.आ.कृ.१३बु.इ.३२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	४	५	६	७	४	५
११	७	२३	१०	११	१७	१७	११
४६	१३	५४	२	५८	२२	७	१०
५२	१२	११	१७	५५	१	८	३२
५८	३७	६३ ५५	१३	७३	४	३	५९
५३	५०	मा	३८	२	२४	११	०

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूं रविदक्षिणेऽर्हगणः२००५स.२०१६
१	श ६० ० ह ४२ ५० ब्र २० ० कि ३० ४०	३३	६	५३	९	२८	१	कन्यायां	उफा.बुधः७।४०अक्टूबर१०ता.३१ +
१	र ३ २० चि ४९ ३२ ऐं २१ ३३ ब ३ २०	१९	८	५२	१०	२९	२	तु.१६।११	चंद्रदर्शनम्[+नवरात्रारंभ मातामह श्रा.
२	चं ९ ८ स्वा ५७ २ वै २३ ३४ कौ ९ ८	१५	९	५१	११	१	३	तुलायां	कन्यायांबुधः३९मोहोरम१सन्१४३८ हि.
३	मं १५ ३० वि ६० ० वि २६ १ ग १५ ३०	११	१०	५०	१२	२	४	वृ.४७।४३	भ.४८।४२उ.
४	बु २१ ५५ वि ४ ३६ प्री २८ १७ वि २१ ५५	७	११	४९	१३	३	५	वृश्चिके	भ.३९या.विशा.शुक्रः७।०
५	गु २८ ११ अ १२ १३ आ ३० ४३ बा २८ ११	३	११	४९	१४	४	६	वृश्चिके	[÷पूर्वस्यां२८।४४उदयं गुरौः३।०
६	शु ३३ २६ ज्ये १९ १७ सौ ३२ ३९ कौ ० ४९	२९	१२	४८	१५	५	७	ध.१९।१७	पूषा.भौमः४९पूफा.१राहुःशत.३केतुः३५
७	श ३७ ४६ मू २५ २२ शो ३३ ४३ ग ५ ३६	५५	१३	४७	१६	६	८	धनुषि	भ.३७।४६उ.
८	र ४० ३१ पू ३० ५ अ ३३ ३७ वि ९ ८	५१	१४	४६	१७	७	९	म.४५।४९	म.९।८या.हस्ते.बुधः४३।४१बुधास्तः ÷
९	चं ४१ २९ उ ३२ ५९ सु ३२ १५ बा ११ ०	४७	१५	४५	१८	८	१०	मकरे	चित्रा.रविः१५।१३ (सौर:५०।५५)
१०	मं ४० २६ श्र ३४ ६ धृ २९ १३ तै १० ५८	४३	१५	४५	१९	९	११	मकरे	[×१६।४३शरद्पूर्णिमास्मा. कोजागरी व्र.
११	बु ३७ १४ ध ३३ ७ शू २४ ४० व ८ ५०	३९	१६	४४	२०	१०	१२	कुं ३।३७	भ.८।५०उ.३७।१४या.पापांकुशा११व्र.
१२	गु ३१ ५८ श ३० ११ गं १८ ३४ ब ४ ३६	३५	१७	४३	२१	११	१३	कुंभे	वृश्चिके शुक्रः२०।३६हस्त.२गुरुः४८।५३
१३	शु २५ १ पू २५ २८ बृ १० ५१ तै २५ १	३१	१८	४२	२२	१२	१४	मी११।३९	प्रदोषः
१४	श १६ ४९ उ १९ १७ भ्रु ४४ १९ ५३ व १६ ४९	२७	१९	४१	२३	१३	१५	मीने	म.१६।४९उ.४२।१२या.अनु.शुक्रः ×
१५	र ७ ३५ रे १२ ८ ह ४१ ८ च ७ ३५	२३	१९	४१	२४	१४	१६	मे.१२।८	तुलायामर्कः५९शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.

२६पं आ.शु.४बु.इ.३१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	६	७	४	५
१८	११	२	१	२०	१७	१६	१८
४०	५०	५५	३२	३०	५३	४४	४
८	४२	५९	४२	११	१७	५२	१९
५९	३८	९४	१३	७२	४	३	५९
९	५८	४७	३६	४९	५६	११	१६

गोचर ग्रहाः

आश्विनशुक्ले १५रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४ युवावस्था (सूती) मु.३०धान्या-दिभावेसमताशुक्रोदय पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

२७पं.आ.शु.११बु.इ.३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	६	७	४	५
२५	१६	१४	१३	२९	१८	१६	२५
३५	३४	५१	२	०	२७	२२	००
२	३७	४	३५	३६	३२	३७	१
५९	३९	०९	१३	७२	५	३	५९
२१	३७	५८	३२	२९	२६	११	३१

ति.	कार्तिककृष्णपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	धन्वः	शरदृतूं रविदक्षिणेआश्विनकृष्णेति महा.
१	र ५० २३ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं ४८ ३५ अ ३८ ४ ब ३० २३ तै २३ १६	२८	९	५	२५	१५	१७	मेषे	तुलार्कःसौर:३३।३९चित्रा.बुधः३२।१२
३	मं ३९ ३५ कृ ५० ६ सि १९ ४४ व १४ ५	१६	२१	३९	२६	१६	१८	वृ १०।१४	भ.१४।५३उ.३९।३५या.
४	बु ३१ ३५ रो ४४ ८ व्य ९ ३५ ब ५ ३५	१२	२२	३८	२७	१७	१९	वृषे	करक चतुर्थी व्र.
५	गु २५ ४ मृ ३९ २२ व २८ ५१ तै २५ ४	८	२२	३८	२८	१८	२०	मि११।४५	
६	शु २० १० आ ३६ २६ शि ४६ ४२ व २० १०	४	२३	३७	२९	१९	२१	मिथुने	भ.२०।१०उ.४८।३६या.तुलायांबुधः १७ २८
७	श १७ १ पु ३५ १७ सि ४० २५ ब १७ १	०	२४	३६	३०	२०	२२	क.२०।३५	
८	र १५ २९ पु ३५ ३३ सा ३६ २९ कौ १५ २९	२९	२५	३५	१	२१	२३	कर्के	स्वात्यांरविः४१।४भा.कार्तिकारंभः
९	चं १५ ४४ श्ले ३७ ४० शु ३४ १९ ग १५ ४४	२३	२५	३५	२	२२	२४	सिं. ३५०	भ.४६।३४उ.स्वात्यांरविःसौर:१४।४२
१०	मं १७ २५ म ४१ ६ शु ३२ २६ वि १७ २५	४९	२६	३४	३	२३	२५	सिंहे	भ.१७।२५या.स्वात्यांबुधः१८।४
११	बु २० १६ पू ४५ ५२ ब्र ३२ १६ बा २० १६	४५	२७	३३	४	२४	२६	सिंहे	उषा.भौमः५७।२रमा११व्र.
१२	गु २४ ४४ उ ५१ ४० ऐं ३२ ५० तै २४ ४४	४१	२८	३२	५	२५	२७	क.२।१६	ज्येष्ठा.शुक्रः६।३४
१३	शु ३० ४९ ह ५८ २० वै ३३ ५५ व ३० ४९	३७	२९	३१	६	२६	२८	कन्यायां	भ.३९उ ज्येष्ठा २शनि.५३प्रदोषःधन१३
१४	श ३५ ३८ चि ६० ० वि ३५ ४७ वि ३ १३	३४	२९	३१	७	२७	२९	तु.३१।५०	भ.३।१३या.हस्त.३गुरुः३५।५६रुप१४
१५	र ४१ ५२ चि ५ २० प्री ३७ ४१ च ८ ४५	३०	३०	३०	८	२८	३०	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.४बु.इ.३१।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	५	७	७	४	६
२	२१	२६	१४	७	१९	१६	१
३१	२६	५५	३१	३०	५	०	५७
२६	१०	३७	३७	४	२०	२१	२६
५९	४०	०९	१३	७२	५	३	५९
३४	११	२६	२०	५	५०	११	४६

गोचर ग्रहाः

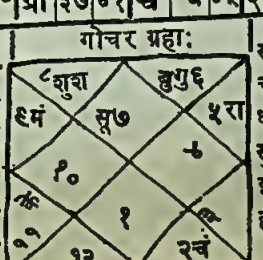

सोमवाराः यदा पञ्च चान्द्रमासे भवन्तिहि। धनधान्यंसमृद्धिःस्यात् सुखं सर्वत्र सुन्दरम् ।।' इस मास में धान्य मंदे हो धातु तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

२९पं.का.कृ.११बु.इ.३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	५	७	७	४	६
९	२६	८	१५	१५	१९	१५	८
२९	२२	४६	५९	५७	४५	३८	५६
४२	३४	३४	१७	५०	३२	६	४६
५९	४०	०९	१३	७१	६	३	६०
४७	४१	३३	१४	४६	१५	११	२

ति.	कार्तिकशुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २०३५स.२०१६
१	चं	४८	४	स्वा	१२	५४	आ	४०	३	किं	१४	५८	२७	३१	२९	९	२९	३१	तुलायां	मकरेभौमः ३६ अन्नकूटगोवर्द्धनपूजा
२	मं	५४	३१	वि	२०	२५	सौ	४२	१९	बा	२१	१७	२३	३१	२९	१०	३०	१	वृ.३।३२	चंद्रदर्शनम्नवम्बर११ता.३०भातृ२ यम२
३	बु	६०	०	अ	२८	८	शो	४४	४०	तै	२७	३६	१९	३२	२८	११	१	२	वृश्चिके	विशा.बुधः२४।५सफर२
३	गु	०	४१	ज्ये	३५	३	अ	४६	२२	ग	०	४१	१६	३३	२७	१२	२	३	ध.३५।३	भ.३३।२४उ.
४	शु	६	७	मू	४१	२०	सु	४७	३४	वि	६	७	१२	३४	२६	१३	३	४	धनुषि	भ.६।७या.
५	श	१०	४९	पू	४६	५४	धृ	४८	१९	बा	१०	४९	९	३४	२६	१४	४	५	धनुषि	
६	र	१४	५	उ	५१	३	शृ	४७	२२	तै	१४	५	५	३५	२५	१५	५	६	म.२।५६	विशा.रविः१।३० (सौरः३२।६)
७	चं	१६	७	श्र	५३	३५	गं	४६	१७	व	१६	७	२	३६	२४	१६	६	७	मकरे	भ. १६ उ. ४६ या.मूलेधनुषिशुक्रः६।५४
८	मं	१६	२२	ध	५४	३५	वृ	४३	१३	ब	१६	२२	२६	३६	२४	१७	७	८	कुं.२४।५	वृश्चिकेबुधः४४।१६गोपाष्टमी
९	बु	१४	५२	श	५३	३४	धु	३८	३७	को	१४	५२	५५	३७	२३	१८	८	९	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
१०	गु	११	२५	पू	५०	४१	व्या	३२	३१	ग	११	२५	५२	३८	२२	२९	९	१०	मी. ३९	भ.३८।४२उ.अनु.बुधः४५।५४
११	शु	५	५९	उ	४६	१	ह	२४	५८	वि	५	५९	४९	३८	२२	२०	१०	११	मीने	भ.५।५९या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह
१२	शु	५३	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	मीने	
१३	श	५०	३८	रे	४०	५	व	१६	९	कौ	२४	५०	४५	३९	२१	२१	११	१२	मेंं.४०।५	प्रदोषः
१४	र	४१	१५	अ	३२	५६	सि	६	४९ ५३	ग	१५	५६	४२	४०	२०	२२	१२	१३	मेषे	भ.४१।१५उ.वैकुंठ १४
१५	चं	३१	२४	भ	२५	१	ब	४४	२१	वि	६	१९	३९	४०	२०	२३	१३	१४	वृ.३८।१	भ. ९ या.श्रवणेभौमः १३ मन्वादिःका.स्ना

३०पं.का.शु.३बु.इ.३१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	५	७	७	४	६
१६	१	२०	१७	२४	२०	१५	१५
२९	२२	११	२५	२४	२८	१५	१७
२८	५५	५३	१२	५८	२६	५०	५०
६०	४०	०	१२	७१	६	३	६०
४	३१	१६	५०	२२	३२	११	१८

गोचर ग्रहाः

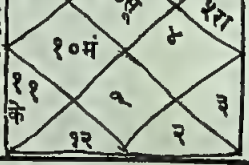

इस मास में ५ सोमवार श्रेष्ट हैं प्रजा में सुख शान्ति रहे धातु रस सुदी में तेज हो जावेंगे।

गोचर ग्रहाः

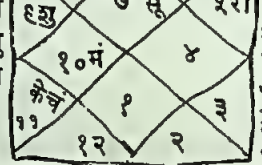

३१पं.का.शु.९ बु.इ.३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	५	८	७	४	६
२३	६	१	१८	२	२१	१५	२३
३०	२७	१६	४८	५०	१२	५३	०
५०	५८	४४	५८	१०	५८	३४	२३
६०	४१	९८	१२	७०	६	३	६०
१७	४१	३९	२३	५३	४४	११	३०

ति	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	हेमंततू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	मं	२१	३३	कृ	१७	२	प	३३	१४	कौ	२१	३३	३६	४१ ९	५९	२४	१४	१५	वृषे	वृश्चिकेऽर्क ५७।३५हस्त.४गुरुः४६।४४
२	बु	१२	१८	रो	९	३७	शि	२२	२२	ग	१२	१८	३३	४१	१९	२५	१५	१६	मि. ३६	भ.३८।९उ.वृश्चिकेऽर्कः सौरः२६।२३
३	गु	४	०	मृ	३ ८	५५ ४३	सि	१२	३८	वि	४	०	२०	४२	१८	२६	१६	१७	मिथुने	भ.४।०या.चतुर्थी व्र.
४	गु	५३	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+ज्येष्ठा.बुधः २३ बुधोदयःपश्चिमायां ४३
५	शु	५२	३३	पु	५४	३८	सा	४ ४५	५३	कौ	२४	५५	२७	४३	१७	२७	१७	१८	क.४०।२६	पूषा.शुक्रः२०।१
६	श	४९	४५	पु	५३	१५	शु	५१	२१	ग	२१	९	२५	४३	१७	२८	१८	१९	कर्के	भ.४५ उ अनु.रविः ५५ (सौरः४३।११)+
७	र	४९	७	श्ले	५४	१	ब्र	४७	१६	वि	१९	२६	२२	४४	१६	२९	१९	२०	सिं. ५४	भ.१९।२६या.
८	चं	५०	१३	म	५६	४३	ऐं	४५	२	बा	१९	४०	१९	४४	१६	३०	२०	२१	सिंहे	
९	मं	५३	१६	पू	६०	०	वै	४४	२	तै	२१	४४	१७	४५	१५	१	२१	२२	सिंहे	भा.मार्गशीर्षारंभः
१०	बु	५७	४६	पू	०	५८	वि	४४	४२	व	२५	३१	१४	४५	१५	२	२२	२३	कं १७।२४	भ.२५।३१उ.५७।४६या.अस्तंशने: ४५ २७
११	गु	६०	०	उ	६	४३	प्री	४५	४३	ब	३०	३१	१२	४६	१४	३	२३	२४	कन्यायां	उत्पत्ति११व्र.स्मा.
११	शु	३	१६	ह	१३	२३	आ	४७	३५	बा	३	१६	९	४६	१४	४	२४	२५	तुं.४७।६	उत्पत्ति११व्र.वै.
१२	श	९	३७	चि	२०	४९	सौ	४९	४८	तै	९	३७	७	४७	१३	५	२५	२६	तुलायां	प्रदोषः
१३	र	१६	४	स्वा	२८	२६	शो	५२	८	व	१६	४	५	४७	१३	६	२६	२७	तुलायां	भ.१६।४उ.४९।१६या.
१४	चं	२२	२७	वि	३६	१	अ	५४	२२	श	२२	२७	२	४८	१२	७	२७	२८	वृ.१९।८	मूलेधनुषिबुधः ३ ८ ज्येष्ठा.३शनिः१७।३८
२०	मं	२८	४८	अ	४३	१९	सु	५६	२३	ना	२८	४८	०	४८	१२	८	२८	२९	वृश्चिके	उषा.शुक्रः३३।१७

३२पं.मा.कृ.२बु.इ.३०।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	५	८	७	४	७
०	११	१२	२०	११	२१	१४	०
३३	३५	४	८	१२	५९	३१	४
२९	५६	५२	५३	०	२८	१९	२७
६०	४१	९५	१२	७०	८	३	६०
३०	५२	२५	७	१६	२	११	४०

गोचर ग्रहाः

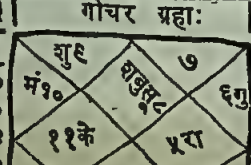

मार्गशीर्षकृष्णे१ भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

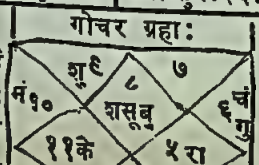

३३पं.मा.कृ.१०बु.इ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	५	८	७	४	७
७	१६	२२	२१	१९	२२	१४	७
३७	४५	३७	२६	३१	४७	९	१०
२६	३२	४४	६	४८	१३	३	०
६०	४२	९१	११	६९	७	३	६०
४२	१६	३८	२८	३४	८	११	५३

तिथि मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०७३ शाकः १९३८ दि.उ. अ.भा.मु. इं. चन्द्रः हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०६५सन्२०१६

१	बु	३४	३१	ज्ये	५०	११	धृ	५७	५६	किं	१	४०	२५ ५८	६ ४८	५ १२	९	२९	३०	ध.५०।११	
२	गु	३९	२९	मू	५६	१३	शू	५९	०	वा	७	०	५६	४९	११	१०	३०	१	धनुषि	चन्द्रदर्शनम् दिसम्बर१२ता.३१
३	शु	४३	५०	पू	६०	०	गं	५९	२३	तै	११	३९	५४	४९	११	११	१	२	धनुषि	ज्येष्ठा.रवि-२६(सौर:५१)मकरेशुक्रःx
४	श	४६	५८	पू	१	३१	वृ	५८	४६	व	१५	२४	५३	४९	११	१२	२	३	म.१७।३५	भ.१५।२४उ.४६।५८या
५	र	४९	१	उ	५	४८	धु	५७	४४	ब	१७	५९	५१	५०	१०	१३	३	४	मकरे	चित्रा.१गुरुः४५।३३
६	चं	४९	५१	श्र	९	१	व्या	५५	३४	कौ	१९	२६	४९	५०	१०	१४	४	५	कुं.४०।०	चंपा६ [x३३धनि.भौ२:३६रविलावल३
७	मं	४९	१९	ध	१०	५९	ह	५२	११	ग	१९	३५	४८	५०	१०	१५	५	६	कुंभे	भ.४९।१९उ.
८	बु	४७	१७	श	११	३६	च	४७	३५	वि	१८	१८	४६	५१	९	१६	६	७	मी५५।४८	भ.१८।१८या.
९	गु	४३	३९	पू	१०	३२	सि	४२	४८	वा	१५	२८	४५	५१	९	१७	७	८	मीने	पूषा.बुध.३७मघा.४राहुःशत २केतुः५५ ३३
१०	शु	३८	४६	उ	८	०	व्य	३४	४९	तै	११	१३	४४	५१	९	१८	८	९	मीने	[+५५।५मोक्षदा११व्र गीताजयंती
११	श	३२	९	रे	४	५४ ३८	च	२६	३५	व	५	२८	४३	५१	९	१९	९	१०	मे.४।४	भ.५।२८उ.३२।९या.श्रवणेशुक्रः+
१२	र	२४	२९	भ	५२	१९	प	१७	२६	बा	२४	२९	४२	५२	८	२०	१०	११	मेषे	कुंभेभौमः५।१५प्रदोषः
१३	चं	१५	५०	कृ	४५	१६	शि	७	४९ ३१	तै	१५	५०	४१	५२	८	२१	११	१२	वृ.५।३३	
१४	मं	६	३९	रो	३७	५४	सा	४६	५६	व	६	३९	४०	५२	८	२२	१२	१३	वृषे	भ.६।३९उ.३२।०या.दत्तजयंती
१५	मं	५०	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

३४पं.मा.शु.१बु.इ.३०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	५	८	७	४	७
१४	२१	२	२२	२७	२३	१३	१४
४२	५७	४९	३९	४५	३६	४६	१६
४०	५८	१९	३२	२९	४	४८	४६
६०	४२	८४	१०	६८	७	३	६१
५०	१७	५४	५५	५१	१६	११	३

गोचर ग्रहाः

इस मास में चांदी सोना मंदे हो रुई धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का चांवल मंदे होकर सुदि में तेज हो जावेंगे।

गोचर ग्रहाः

३५पं.मा.शु.८बु.इ.३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	५	९	७	४	७
२१	२७	१२	२३	५	२४	१३	२१
४८	१०	१०	४७	५५	२५	२४	२४
४३	१९	३०	५३	५२	२६	३२	२८
६०	४२	७२	१०	६७	७	३	६१
५६	२८	४६	१०	५८	२०	११	३

तिथि पौष कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८ दि. उ. अ.भा.मु. इं. चन्द्रः हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

१	बु	४८	३७	मृ	३०	५२	शु	३५	४३	वा	२२	५९	२५ ३९	६ ५२	८	२३	१३	१४	मि३।५३	
२	गु	४०	५९	आ	२४	३७	शु	२६	०	तै	१४	४८	३९	५२	८	२४	१४	१५	मिथुने	मूलेधनुष्यर्कः३३।१७(सौरः५४।५५)
३	शु	३४	५१	पु	१९	४१	ब्र	१७	१४	व	७	५५	३८	५२	८	२५	१५	१६	क.५।५५	भ.७।५५उ.३४।५१या.
४	श	३०	२५	पु	१६	१७	ऐं	१०	३	ब	२	३८	३८	५२	८	२६	१६	१७	कर्के	चतुर्थी व्रतम्
५	र	२८	२३	श्ले	१५	१	वै	४	१६	तै	२८	२३	३७	५३	७	२७	१७	१८	सि१५।१	वक्रीबुधः
६	चं	२८	२६	म	१६	१४	वि	२	३ ५७	व	२८	२६	३७	५३	७	२८	१८	१९	सिंहे	भ.२८।२६उ.५९।३१या.
७	मं	३०	३५	पू	१९	११	आ	५७	४१	व	३०	३५	३६	५३	७	२९	१९	२०	क.३५।२२	शतेभौमः४।३१
८	बु	३४	३७	उ	२३	५५	सौ	५८	२	बा	२	३६	३६	५३	७	३०	२०	२१	कन्यायां	
९	गु	३९	५०	ह	२९	४३	शो	५९	४०	तै	७	१४	३६	५३	७	१	२१	२२	कन्यायां	धनि.शुक्रः४७।२१बुधास्तःपश्चिमायां=
१०	शु	४६	१४	चि	३७	२०	अ	६०	०	व	१३	२	३६	५३	७	२	२२	२३	तु ३।३१	भ.१३।२उ.४६।१४या.
११	श	५२	४१	स्वा	४४	५९	अ	१	४९	ब	१९	२७	३७	५३	७	३	२३	२४	तुलायां	सफला११व्र.
१२	र	५९	१७	वि	५२	४१	सु	४	१	कौ	२५	५९	३७	५३	७	४	२४	२५	वृ.३५।४६	[=२९।२४भा.पौषारंभः
१३	चं	६०	०	अ	६०	०	धृ	६	२२	ग	३२	२६	३७	५३	८	५	२५	२६	वृश्चिके	ज्येष्ठा.४शनिः३८।५१प्रदोषः
१३	मं	५	३५	अ	०	५	शू	८	१२	व	५	३५	३८	५२	८	६	२६	२७	वृश्चिके	भ.५।३५उ.३८।१६या.उदयंशनेः२।३९
१४	बु	१०	५६	ज्ये	६	४३	गं	९	५२	श	१०	५६	३८	५२	८	७	२७	२८	ध.६।४३	पूषा.रविः३८।१७(सौरः५६।३३) वक्री=
३०	गु	१५	२२	मू	१२	२९	वृ	१०	३९	ना	१५	२२	३९	५२	८	८	२८	२९	धनुषि	[=मूलेबुधः कुंभेशुक्रः४७चित्रा२गुरुः३९

३६पं.पौ.कृ.१बु.इ.२९।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	५	९	२	४	७
२८	२	१९	२४	१३	२५	१३	२८
५५	२५	१५	५१	५९	१४	२	३३
३७	८	४७	४	१७	५६	१६	११
६१	४२	४३	९	६६	७	३	६१
०	३३	४१	२४	५०	२०	११	१९

३७पं.पौ.कृ. ८बु.इ. २९।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	५	९	७	४	८
६	७	२०	२५	२१	२६	१२	५
३	४०	२९	४८	५५	४	४०	४२
५४	५५	४९	५४	१६	१९	२	३६
६१	४२	२६	८	६५	७	३	६१
४	५३	५	३२	२१	१४	११	२२

३८पं.पौ.कृ.१४बु.इ.३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	५	९	७	४	८
१३	१२	१३	२६	२९	२६	१२	१२
११	५७	४०	४०	४१	५३	१७	५२
१३	४०	५	८	२८	१०	४५	२८
६१	४२	५९	७	६३	७	३	६१
६	५८	वृ	१३	५९	८	११	२६

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

| ति. | पौष शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८ | | |

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२१२४ स.२०/१७
१	श	५८	२३	श्र	४०	४७	सि	२०	२४	किं	२७	२२	२६/४१	६/४०	५/२०	८	२९	२८	मकरे	
२	र	५७	१६	ध	४१	१९	व्य	१६	५८	बा	२७	४९	४५	३९	२१	९	३०	२९	कुं.११।३	चंद्र दर्शनम्
३	चं	५५	१६	श	४१	५	व	१२	४९	तै	२६	१६	४८	३८	२२	१०	१	३०	कुंभे	जमादि लावल ५
४	मं	५२	२६	पू	३९	५५	प	७	४६	व	२३	५१	५१	३८	२२	११	२	३१	मी२५।१३	भ.२३।५१उ.५२।२६या.उषा बुधः ५४/१८=
५	बु	४८	५१	उ	३८	४	शि	२/१०	५४/११	ब	२०	३८	५४	३७	२३	१२	३	१	मीने	फरवरी२ ता.२८ वसंत ५ [=उ.भा.शु २०/७
६	गु	४४	५६	रे	३५	५३	सा	५०	४	कौ	१६	५३	५८	३६	२४	१३	४	२	मे.३५।५३	
७	शु	४०	३५	अ	३३	१२	शु	४३	१९	ग	१२	४६	२७/१	३६	२४	१४	५	३	मेषें	भ.४०।३५उ.मकरे.बुधः १८/२४ रथभानु७
८	श	३५	४५	भ	३०	१	शु	३६	१३	वि	८	१०	५	३५	२५	१५	६	४	वृ.४४।८	भ. ८।१० या. भीष्माष्टमी
९	र	३०	३८	कृ	२६	२९	ब्र	२८	४७	बा	३	१२	८	३४	२६	१६	७	५	वृषे	धनि. रवि. ५६/५१ पातस्पर्शः १४/४३ पा.मो.३८/२०
१०	चं	२४	५९	रो	२२	३५	ऐं	२१	८	ग	२४	५९	१२	३४	२६	१७	८	६	मि. ५०/३०	भ. ५२।४ उ धनि. रवि. सौरः ६।३४
११	मं	१९	९	मृ	१८	२५	वै	१३	१६	वि	१९	९	१५	३३	२७	१८	९	७	मिथुने	भ. १९।९ या जया ११ व्र.
१२	बु	१३	११	आ	१४	१९	वि	५/२६	५२/२७	बा	१३	११	१९	३२	२८	१९	१०	८	क. ५६/२७	वक्री. गुरुः ५१।५४ प्रदोषः
१३	गु	७	२८	पु	१०	२९	आ	५०	४०	तै	७	२८	२३	३१	२९	२०	११	९	कर्के	मघा. ३ राहुः शत. १ केतु. ४८।५८
१४	शु	२	२५	पु	७	११	सौ	४४	१४	व	२	२५	२७	३१	२९	२१	१२	१०	कर्के	भ. २।२५ उ.३०।१७ या. श्रवणे बुध.=
१५	शु	५५	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=७।२४ मा. स्ना. पूर्ति.

४३पं.मा.शु.५बु.इ.२९।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	५	११	८	४	९
१८	९	२७	२८	४	०	१०	१८
४९	११	२९	५९	१५	३३	२६	३८
१६	२०	२	२८	२९	२५	२७	४३
६०	४२	८३	१	४७	५	३	६१
५५	४१	१४	१३	५३	४७	११	४

गोचर ग्रहाः

के११ बु९श शु१२ म १०सू ८ १ ७ २ ४ ६गु ३ रा५

इस मास में धान्य बाजरा मूग मोठ चना मक्का घृत तेल सोना चांदी आदि धातुयें मन्दी हो शीत प्रकोप अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

११के श ९ शु१२ म १० सूबु ८ १ ७ २ ४ ६गु चं३ रा५

४४पं.मा.शु.१२बु.इ. २९/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	५	११	८	४	९
२५	१४	७	२९	९	१	१०	२५
५५	२२	३३	०	३७	९	४	४५
१	४१	३२	५४	३०	३२	१२	३०
६०	४२	९०	०	४१	५	३	६०
४७	४०	२	५	१७	१८	११	५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	शिशिरर्तूरवि रुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	श	५५	२०	श्ले	४	५२	शो	३८	५२	बा	२६	४४	२७/३०	६/३०	५/३०	२२	१३	११	सिं. ४/५२	रेवत्यां भौमः ४२।५४
२	र	५४	७	म	४	१७	अ	३४	४९	तै	२४	४३	३४	२९	३१	२३	१४	१२	सिहे	कुंभेऽर्कः ३२।७ (सौरः ४०।३२)
३	चं	५४	३७	पू	४	५३	सु	३२	११	व	२४	२२	३८	२८	३२	२४	१५	१३	क. २०/३१	भ. २४।२२ उ. ५४।३७ या.
४	मं	५७	०	उ	७	२६	धृ	३०	०	ब	२५	४९	४१	२८	३२	२५	१६	१४	कन्यायां	चतुर्थी व्रतम्
५	बु	६०	०	ह	११	४६	शू	३०	४३	कौ	२८	५५	४५	२७	३३	२६	१७	१५	तु.४४।४०	
५	गु	०	५१	चि	१७	३४	गं	३१	५७	तै	०	५१	४९	२६	३४	२७	१८	१६	तुलायां	
६	शु	६	१८	स्वा	२४	१४	बृ	३३	२४	व	६	१८	५३	२५	३५	२८	१९	१७	तुलायां	भ. ६/१८ उ.३९/२२ या बुधा.पू. ५४/१८पातस्पर्शः×
७	श	१२	२६	वि	३१	४३	धृ	३५	४४	ब	१२	२६	५६	२५	३५	२९	२०	१८	वृ.१४।५०	धनि. बु. २६।५२ [× २५/६ पातमोक्षः ४४/३४
८	र	१८	५६	अ	३९	१३	व्या	३८	३	कौ	१८	५६	२८/००	२४	३६	३०	२१	१९	वृश्चिके	शते. रवि. ८।२३ (सौरः१५।५४)
९	चं	२५	१४	ज्ये	४६	२३	ह	३९	५६	ग	२५	१४	४	२३	३७	१	२२	२०	ध.४६।२३	भ. ५७/५६ उ. रे. शुक्रः ३८।५६ भा.फा.
१०	मं	३०	३८	मू	५२	३१	व	४१	५	वि	३०	३८	८	२२	३८	२	२३	२१	धनुषि	भ. ३०।३८ या.
११	बु	३४	४६	पू	५७	१४	सि	४१	२	ब	२	४२	१२	२२	३८	३	२४	२२	धनुषि	कुंभे. बुधः ३०।६विजया ११ व्र.
१२	गु	३७	२७	उ	६०	०	व्य	३९	५५	कौ	६	६	१६	२१	३९	४	२५	२३	म.१३।४	
१३	शु	३८	२५	उ	०	३३	व	३७	२४	ग	७	५६	२०	२०	४०	५	२६	२४	मकरे	भ. ३८/२५ उ. प्रदोषःमहाशिवरात्री व्र.स्मा.
१४	श	३७	३४	श्र	२	२	प	३३	३८	वि	७	५९	२४	१९	४१	६	२७	२५	कु.३१।५९	भ. ७।५९ या महाशिवरात्री व्र. वै.
३०	र	३५	१४	ध	१	५६	शि	२८	३८	च	६	२४	२८	१८	४२	७	२८	२६	कुम्भे	शते. बुध २७।२२

४५पं.फा.कृं.५बु.इ.३०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	५	११	८	४	१०
२	१९	१८	२८	१४	१	९	२
५९	३२	२४	५३	४	४३	४१	५१
४९	१३	३६	४२	१	१६	५६	३३
६०	४२	०/००	१/३०	३२	४	३	६०
३७	४०	१४	व.	४२	४९	११	४२

गोचर ग्रहाः

शु१२ म १०बु ९श १ ११सूक २ ८ ३ ५रा ७ ४ ६गु

फाल्गुन कृष्णे २ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्या दिभावे समता शुक्रोदय पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

१० १ शु चं ११सूबु कौ १ २ ८ ३ ५रा ७ ४ ६गु

४६पं.फा.कृ.११बु.इ. ३०/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	५	११	८	४	१०
१०	२४	०	२८	१७	२	९	९
३	४०	०	३६	१९	१२	१९	५६
२२	४१	११	११	३०	५४	४०	६
६०	४२	०/००	२	२१	४	३	६०
२५	३५	१४	५६	१७	२०	११	३१

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम)

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः २१५४स.२०१७

१	चं	३१	४०	श	४८	५७	सि	२३	४४	र्कि	३	२७	३२	६	८	५	८	२९	२७	मी. ४
२	मं	२७	८	उ	५४	५५	सा	१६	१	कौ	२७	८	३६	१७	४९	९	३०	२८		मीने
३	बु	२१	५५	रे	५१	१४	शु	९	११	ग	२१	५५	४०	१६	४४	१०	१	१	मे. ५१।१४	
४	गु	१६	३४	अ	४७	३७	शु	५	५३	वि	१६	३४	४४	१५	४५	११	२	२		मेषे
५	शु	११	१	भ	४३	५०	ऐं	४६	४४	बा	११	१	४८	१४	४६	१२	३	३	वृ. ५७।५६	
६	श	५	३५	कृ	४०	१७	वै	३९	२३	तै	५	३५	५२	१४	४६	१३	४	४		वृषे
७	र	०	१९	रो	३६	५७	वि	३२	१४	व	०	१९	५६	१३	४७	१४	५	५		वृषे
८	र	५५	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०
९	चं	५०	३४	मृ	३३	५३	प्री	२५	१३	बा	२३	२	२९	१२	४८	१५	६	६	मि ५।२५	
१०	मं	४६	०	आ	३१	४	आ	१८	२७	तै	१८	१७	५	११	४९	१६	७	७		मिथुने
११	बु	४१	५३	पु	२८	३८	सौ	१२	२४	व	१३	५६	९	१०	५०	१७	८	८	क. १३।४५	
१२	गु	३८	३२	पु	२६	५३	शो	६	३६	व	१०	१२	१३	९	५१	१८	९	९		कर्के
१३	शु	३५	३७	श्ले	२५	४१	अ	१९	३७	कौ	७	४	१७	९	५१	१९	१०	१०	सि. ३५	
१४	श	३३	५६	म	२५	४३	धृ	५३	८	ग	४	४७	२१	८	५२	२०	११	११		सिंहे
१५	र	३३	२३	पू	२६	५५	शू	५०	२६	वि	३	४०	२६	७	५३	२१	१२	१२	कं. ४२।३१	

मीनेबुधः ४९।१५प्रदोषः
भ.३३।५६उ.
भ.४०या.उभा.बुधः ३५होलिकादहनम्

४७पं.फा.शु.३बु.इ. ३८।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	५	११	८	४	१०
१७	२९	१२	२८	१९	२	८	१९
५	४७	२२	११	१	३८	५७	५९
३५	३५	५	३८	४१	२२	२५	००
५०	४२	३९	४	७	३	३	६०
१२	२४	२	व.	२	३९	११	२०

गोचर ग्रहाः

इस मास में धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा गुड़ शक्कर गन्ना वस्त्र बाजरा मूंग मोठ तेज हो प्रजा में महामारी फैले।

गोचर ग्रहाः

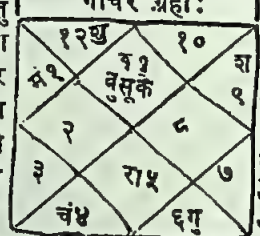

४८पं.फा.शु.११बु.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	५	११	८	४	१०
२४	४	२५	२७	१८	३	८	२४
६	५१	३२	३८	४९	०	३५	०
२२	४३	४६	२	२६	१८	९	२३
५९	४२	५	५	३	३	३	६०
५८	१०	५८	व.	व.	०	११	६

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वसंतर्तु रविरुत्तरेफाल्गुन कृष्णेति महा.

१	चं	३४	११	उ	२९	२०	गं	४९	२३	बा	३	४७	३९	६	५४	२२	१३	१३		कन्यायां
२	मं	३६	४६	ह	३३	१७	वृ	४८	४१	तै	५	२८	३४	५	५५	२३	१४	१४		कन्यायां
३	बु	४०	१९	चि	३८	३५	धु	४९	२५	व	८	३२	३८	४	५६	२४	१५	१५	तु. ५।५६	
४	गु	४५	२६	स्वा	४४	२८	ध्या	५०	४८	व	१२	५३	४३	३	५७	२५	१६	१६		तुलायां
५	शु	५१	१६	वि	५२	४	ह	५२	५०	कौ	१८	२१	४७	३	५७	२६	१७	१७	वृ. ३५।१०	
६	श	५७	३७	अ	५९	३५	व	५५	१४	ग	२४	२६	५१	२	५८	२७	१८	१८		वृश्चिके
७	र	६०	०	ज्ये	६०	०	सि	५७	३४	वि	३०	४९	५५	१	५९	२८	१९	१९		वृश्चिके
७	चं	४	१	ज्ये	७	३	व्य	५९	१९	ब	४	१	०	०	०	२९	२०	२०	ध ७।३	
८	मं	९	४६	मू	१३	५८	व	५९	४९	कौ	९	४६	४	५५	१	३०	२१	२१		धनुषि
९	बु	१४	१८	पू	१९	२६	प	५९	५१	ग	१४	१८	८	५८	२	१	२२	२२	म. ३५।२९	
१०	गु	१७	२९	उ	२३	४१	शि	५८	४	वि	१७	२९	१२	५८	२	२	२३	२३		मकरे
११	शु	१८	३९	श्र	२५	५२	सि	५४	४३	बा	१८	३९	१६	५७	३	३	२४	२४	कुं. ५५।५९	
१२	श	१७	५७	ध	२६	७	सा	४९	५३	तै	१७	५७	२१	५६	४	४	२५	२५		कुंभे
१३	र	१५	२६	श	२४	४२	शु	४३	४३	व	१५	२६	२५	५५	५	५	२६	२६		कुंभे
१४	चं	१०	५८	पू	२१	४०	शु	३६	२३	श	१०	५८	२९	५४	६	६	२७	२७	मी. ७	
३०	मं	५	९	उ	१७	८	ब्र	२८	१	ना	५	९	३३	५३	७	७	२८	२८		मीने

वसंत १ छारेंडी
मीनेऽर्कः ३५(सौरः ३१)पातस्पर्शः ११ ×
भ.३९उ.४९या.वक्रीउभा.शुक्रः १७।५
गूल.२शनिः ३७।४८चतुर्थी व्र.
उना.रविः ४६।२६(सौरः ५१।३८)
भ.५७।३७उ.वक्रीचित्रा.१गुरुः २८।१४
भ.३९या.रेवत्यांबुधः १६बुधोदयः =
भरण्यांभौमः १५।३८शीतलापूजनम्
[×पातमोक्षः २६।२५ [=पश्चिमायां ३९ २६
भ.४५।५३उ.भा.चैत्रारंभः
भ.३७या.शुक्रास्तःपश्चिमायां४९।४८
पापमोचनी११व्र.
प्रदोषः
भ.२५उ.४३या.अश्वि.मेषेबुधः १३।४९
शुक्रोदयःपूर्वस्यां३९।३६
मन्वादिःनवरात्रारंभः

४९पं.चै.कृ. ३बु. इ. ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	५	११	८	४	११
१	९	९	२६	१६	३	८	१
५५	५४	१९	५८	३३	१७	१२	०
३५	५०	१६	४१	५८	२८	५४	५५
५९	४१	३	६	३५	२	३	५९
४१	९	२१	व.	व	१७	११	४९

गोचर ग्रहाः

चैत्रकृष्णे२भौमेमीनेऽर्के:प्रविष्टः वा.३ न.३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

५०पं.चै.कृ.९बु.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	५	११	८	४	११
८	१४	२३	२६	१२	३	७	७
३	५४	२१	११	४२	२९	५०	५८
१८	५४	३२	५६	७	२९	३८	००
५९	४१	७	६	३५	१	३	५९
२९	९३	३५	व.	व.	३२	११	३५

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११८, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५११८,भोग्यकलिः४२६८८२, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०७४, शाकः १९३९, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री गुरुः । सस्येशो रविः । धान्येशः शुक्रः । मेघेशोबुधः। रसेशो भौमः नीरसेशो रविः । फलेशोबुधः । धनेशः शनिः । दुर्गेशोबुधः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ५ विरोधकृन्नाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ०।१४।५२।४८ भोग्यमासादिः ११।१५।७।१२ चंद्रदैवतं युगम् । तत्र वर्षनाम चैत्रः । मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासःतटे । समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा १० समयवाहनम् सिंचायुः।स्तंभा ३ अन्न-जलतृणानां । सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी२ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी २ बृधाष्टमी१, रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३९५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १६, तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा ५ धान्यम् ७ तृणम् १३, शीतम् ७ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १०३, शनिदृष्टिः पश्चिमे सत्यं ॥ धर्म १॥ पापं १८ ग्रहण २ चंद्रमसः

सं.२०७४ शा. १९३९ श्रा. शु.१५ चंद्रे चंद्र ग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.	
घ.	४०	४३	४५	उन्मी.
प.	५०	२१	५२	
घं.	१०	११	१२	रेल्वेटा.
मि.	४७	४७	४८	

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सि	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ०।२४

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ भैरव भणे सुणो अंबिका माय ।
चोहत्तर की साल का सांचा भेद बताय ॥

भवानी उत्तर

चोहत्तरिये चकवाससी होय अन्न को काल ।
मही न मांट विलोयसी दहीन मांगे बाल ॥
श्रावण अरु आषाढ में रवि आगे कुजराय ।
पवन चक्र जग में चले बिन वर्षा तरसाय ॥
छोटा मोटा मानवी घबरायें इस साल ।
व्यापारां घटबढ धणी होसी माला माल ।
वर्षा विश्वा पांच है रोहिणी ऋट निरधार ।
संवत् मध्यम होयसी ना सारे इकसार ॥

संवत् २०७४ शा. १९३९ माघ शु. १५ बुधे खग्रास चंद्र ग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उं.मा.	घ.	२७	२९	३१	३३	३५
	प.	१२	४९	२६	३	४०
रे.टा.	घं.	५	६	७	७	८
	मि.	२०	२१	१	४०	४३

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ८।२८

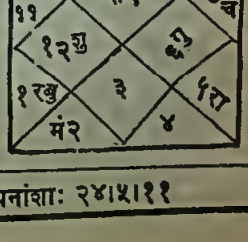

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५५।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।५।११

ग्रथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिंन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ।। भौमे नृपे वन्हिभयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहं च ।। दुग्धं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयौमुंचति वारिवाहाः ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविध धान्य युता खलु मेदिनी प्रचुर तोय घृता मुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालन तत्पराः सुर गुरौ ननु मंत्रि समागते ।। सस्येशो रविः फलम्।। सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्व धान्यं समर्घं बहवौ च चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहुभूरुहाश्च ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्या समर्घतां यांति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधस्तत्फलम् ।। अमृत रश्मि सुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसोविविध सौख्ययुता धरणीतदा ।। रसेशो भौमस्तत्फलम् ।। यदि धरातनयो रसपो भवेन्न रसराशियुता जनताशुभा । नरपतिर्विषमो जनता पदो न बहुवृष्टिकरो जलदोभुवि ।। नीरसेशो रविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्येंत्रपु चंदनयोरपि । रत्नमाणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो बुधस्तत्फलम् ।। यदि बुधे फलपे फल मुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा । बहु तृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जन सौख्य मुदान्विताः । धनेशः शनिः फलम् ।। द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणी पतयः सदा । ग्रधनिका वणिजः कृषि जीविनो द्विजवरा परिपीड़ित मानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम् ।। विषय साम्यसुखं शशिजे प्रभो भवति राशिगतेनु विशेशतः । शशिसुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित् ।। विरोधकृन्नरुम संवत्सरः फलम् ।। विरोध कृद्वत्सरेनु परस्पर विरोधिनः । सर्वेजना नृपाश्चैव मध्य सस्यार्घ वृष्टयः ।। वर्षनाम चैत्रस्तत्फलम् ।। सस्यानि घृत कार्पासि तैलादि सुख संचयः । चैत्र वर्षे भवेद्वृद्धिः नृप सौख्य फलप्रदा । मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्ते जलपूरिता । रोहिणी निवासस्तटे फलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना । समयनिवासो रजकगृहे फलम्।। रजके वृष्टि रुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाखमासः

कृष्णा ७ भौमे उषा ल. १० श.पू.ल. १२ गु.पू. रे ६
ऽ।।।ऽनृऽऽ।।

„ ८ बुधे उषा ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः)
रे७ऽ।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ३ शनौ मृगे ल.१२(गु.७पूज्यः)रे.६।।।।।ऽचौ।।।।

„ ११ शनौ उफा ल.१०श.पू.सत् रे.८ ।।।।।ऽनृऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

शुक्ला ९ शुक्रे शनौ हस्ते ल. गो (भौमाऽष्टमः) ल.१०
व्यये शनिः रे.६ ।।।।।।ऽ।।

„ ११ चन्द्रे स्वात्यां ल. ऽन्यगो (भौमाष्टमः)

„ १३ बुधे अनु ल. १०।१२ रे.७।।।ऽऽनृ३९या ।ऽ।।
मकरलग्नंध.४२।८उपरांत शनिपूजनात्सत्

आषाढ मासः

कृष्णा ९ रवौ रेव ल. १-२-१० रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
मकरे श. पूज्यः

शुक्ला ६ रवौ स्वात्यां ल. १ (चन्द्रोऽर्च्यः) रे८।।।।।।
(रौ.४८उ.)।ऽ।।

„ १० चन्द्रे स्वात्यां ल.गो.१०रे८।।।।।ऽ।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ५ गुरौ उषा ल. ऽन्यगो ७ रे ७ ।ऽ।।।ऽऽ।।

„ १५ रवौ रोहि. ल. ५-६ ।।।।ऽऽरोऽऽ।।

पौष मासः

कृष्णा १ चन्द्रे मृगे ल. ५-६ रे ७ ।ऽ।।ऽ।।ऽ।।

„ ८ रवौ उफा ल. ६ रे.७ ।।।।।ऽचौऽऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णा १ शुक्र उफा ल. ७ (घ.३७।उ) रे.८
।।।।ऽऽरो-४०या ।।।।

„ २ शनौ उफा ल. गो. रे. ९ ।।।।ऽ।।।।।

„ ७ गुरौ अनु ल. ऽन्यगो रे ८ ऽऽ।।।।।।।

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९	दि.	उ.	अ.	भा	मू	इं.	चन्द्रः	वसंततुंरविरुत्तरेऽहर्गणः२१८४सन्२०१७
१	मं ५३ २ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							० ०	
२	बु ५० ५८ रे १२ १ ऐं १९ २० बा २४ ३५ ३० ५३ ६ ८	२९	२९	मे.१२।१	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	गु ४३ २६ अ ६ २३ वै १० १९ तै १७ १२ ४१ ५२ ८ ९	१	३०	मेषे	रज्जव ७ मत्स्य जयंती गणगेरी
४	शु ३६ २५ भ ३० ५४ ४७ वि १९ २५ व ६ ५५ ४५ ५१ ६ १०	२	३१	वृ.१४।४१	भ.६।५५उ.३६।२५या.रेवत्यां रविः×
५	श २९ ३५ रो ५१ २२ आ ४४ ५९ ब ३ ० ४९ ५० १० ११	३	१	वृषे.	अप्रेल४ता.३०
६	र २३ ३१ मृ ४७ ३० सौ ३७ २५ तै २३ ३१ ५३ ४६ ११ २	४	२	मि१६।२६	[×१४।५(सौरः१६।५)·
७	चं १८ ४० आ ४४ ४२ शो ३० ४१ व १८ ४० ५७ ४६ ११ १३	५	३	मिथुने	भ.१८।४०उ.४६।१८या.
८	मं १३ ५५ पु ४२ ४६ अ २४ ५० ब १३ ५५ ३१ ४८ १२ १४	६	४	क.२८।१७	रामनवमी स्मा.
९	बु १० २७ पु ४१ ४४ सु १६ ३५ कौ १० २७ ५ ४७ १३ १५	७	५	कर्के	रामनवमी वै.
१०	गु ८ २ श्ले ४१ ४६ धृ १५ २२ ग ८ २ १० ४६ १४ १६	८	६	सिं४१।४६	भ.३७।१८उ.वक्रीशनिः३४।४६
११	शु ६ ३५ म ४२ ४५ शू ११ ४४ वि ६ ३५ १४ ४५ १५ १७	९	७	सिंहे	भ.६।३५या.वक्रीबुधः५३कामदा११व्र.
१२	श ५ ५६ पू ४४ ५० गं ९ ८ बा ५ ५६ १८ ४४ १६ १८	१०	८	सिंहे	कृत्ति.भौमः१०।५८ प्रदोषः
१३	र ६ ४० उ ४७ ५५ बृ ७ २ तै ६ ४० २२ ४४ १६ १९	११	९	कं.०।३६	वक्रीपूभा.शुक्रः१४।३०
१४	चं ८ २४ ह ५२ १ धृ ६ २६ व ८ २४ २६ ४३ १७ २०	१२	१०	कन्यायां	भ.८।२४उ.३९।५३या.
१५	मं ११ २२ चि ५७ १४ ध्या ६ ३ ब ११ २२ ३० ४२ १८ २१	१३	११	तु.२४।३७	बुधास्तःपश्चिमायां४६।२५ हनुमज्जयंती

५१पं चै.शु.२बु.इ.३१५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	५	११	८	४	११
१४	१९	३	२५	८	३	७	१४
५९	५३	३४	२१	१७	३६	२८	५४
१०	२४	५५	११	२	५४	२२	१०
५९	४१	८०	४३	३४ २५	०	३	५९
१६	४९	४७	व.	व.	५७	११	१८

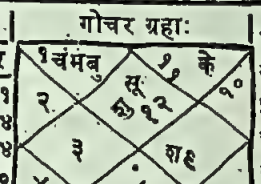

भूमिपुत्रो यदा मेषे-
सुभिक्षं सर्वधान्यकम्।
प्रवलानि महर्घाणि
क्रोधवांस्तु भवेन्नृप ।।
इस मास में धान्य
मंदा होकर सुदि में
कुछ तेज हो

५२पं.चै.शु.९बु.इ.३२।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	५	११	८	४	११
२१	२४	९	२४	४	३	७	२१
५३	४९	४४	२८	४४	३९	६	४८
३१	३७	३१	२६	५३	४७	७	२१
५९	४१	१४	५३ ५५	२१ ५५	०	३	५९
४	४४	३२	व.	व.	७	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततुंरविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु १५ २६ स्वा ६० ० ह ६ ४८ कौ १५ २६ ३१ ३४ ५ ४१ ६ १९	२२	१४	१२	तुलायां	वृषे भौमः ५४।५
२	गु २० ३५ स्वा ३ ४१ व ८ १५ ग २० ३५ ३८ ४० २०	२३	१५	१३	वृ.५३।५५	भ.५३।२४उ.अश्वि.मेषेऽर्कः४८।१=
३	शु २६ १३ वि १० ४० सि १० १३ वि २६ १३ ४२ ४० २०	२४	१६	१४	वृश्चिके	भ.२६।१३या.वक्रीहस्त.४गुरुः९।१२-
४	श ३२ २७ अ १८ ८ ध्या १२ ३८ बा ३२ २७ ४६ ३९ २१	२५	१७	१५	वृश्चिके	मार्गीशुक्रः२०।२० [-चतुर्थीव्रतम्-
५	र ३८ ४५ ज्ये २५ ५० व १४ ५३ कौ ५ ३६ ५० ३८ २२	२६	१८	१६	ध.२५।५०	[=(सौरः५३ ३८)मघा.२राहुःधनि४केतुः४७ २
६	चं ४४ ५२ मू ३३ १५ प १७ २० ग ११ ४९ ५३ ३७ २३	२७	१९	१७	धनुषि	भ.४४।५२उ.
७	मं ४९ ५४ पू ३९ ४० शि १८ ५४ वि १७ १८ ५७ ३७ २३	२८	२०	१८	म.५५।५९	भ.१७।१८या.
८	बु ५३ ५२ उ ४४ ५८ सि १९ ३९ बा २१ ५३ ३ ३६ २४	२९	२१	१९	मकरे	
९	गु ५६ १ श्र ४८ ३७ सा १८ ५८ तै २४ ५६ ५ ३५ २५	३०	२२	२०	मकरे	उभा.शुक्रः५६।३०
१०	शु ५६ १० ध ५० १९ शु १७ ११ व २६ ५ ९ ३४ २६	१	२३	२१	कुं.१९।२८	भ.२६।५उ.५६।१०या.भा.वैशाखारंभः
११	श ५४ १८ श ४९ ५९ शु १३ २७ च २५ १४ १२ ३४ २६	२	२४	२२	कुम्भे	वरुथिनी११व्र.स्मा.
१२	र ५० २३ पू ४७ ३७ ब्र ८ १२ कौ २२ २१ १६ ३३ २७	३	२५	२३	मी३३।१३	वरुथिनी११व्र.वै.
१३	चं ४४ ३४ उ ४३ ३२ ऐं १० ४३ ग १७ २८ २० ३२ २८	४	२६	२४	मीने	भ.४४।३४उ. प्रदोषः
१४	मं ३७ २ रे ३७ ५८ वि ४४ ८ वि १० ४८ २३ ३१ २९	५	२७	२५	मे.३७।५८	भ.१०।४८या.
२०	बु २८ ४४ अ ३१ २७ श्री ३४ ७ च २ ५३ २७ ३१ २९	६	२८	२६	मेषे	वक्री मूल.१शनिः५२।२०

१पं.वै.कृ.२बृ.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	८	४	११
०	०	१०	२३	२	३	६	२९
०	३७	३	२२	४९	३७	३९	५४
०	१९	७	४८	५५	४१	५९	३५
५८	४१	३१	५२	३१	४०	३	५८
४४	२९	व.	व.	व.	व.	११	४५

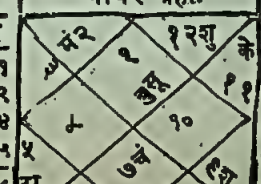

वैशाख कृष्णे २ गुरौ
मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.३
न. ४ प्रगल्भावस्था
(वैठी)मु.४५ धान्यादि
भावे समर्घता शुक्रो-
दयः पूर्वस्यां

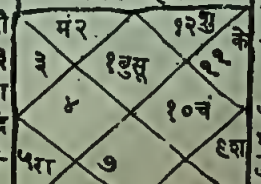

२पं. वै.कृ. ९ बृ. इ. ४८ ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	८	४	०
६	५	५	२२	३	३	६	६
५०	२९	५२	३०	२१	३०	१७	४४
४२	६	२३	२५	४३	११	४३	४६
५८	४१	३१	२९	२२	२८	३	५८
३१	१९	व.	व.	मा	व.	११	२९

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः२२१३स.२०१७
१	गु	१९	३५	भ	२४	२१	आ	२३	५८	ब	१९	३५	३२/३१	५/३०	६/३०	७	२९	२७	वृ.३७।३५	भरण्यांरविः२८/१९ (सौरः ३५/३) रोहि.भौमः +
२	शु	१०	२९	कृ	१७	२०	सौ	१३	५०	कौ	१०	२९	३४	२९	३१	८	१	२८	वृषे	बुधोदयःपूर्वस्यां२६/३० सावान८परशुरामजयं.
३	श	१	४६	रो	१०	४५	शो	५९/३	५०/४९	ग	१	४६	३८	२८	३२	९	२	२९	मि ३७/५९	भ.२६।५०उ.५३।४०या.अक्षया ३
४	श	५१	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+ २०।८चंद्रदर्शनम्
५	र	४६	४६	मृ	५	१४	सु	४६	४७	ब	२०	१३	४१	२८	३२	१०	३	३०	मिथुने	
६	चं	४१	३	आ	०/३८	५६/४९	धृ	३९	५०	कौ	१३	५४	४५	२७	३३	११	४	१	क.४३।१५	मई ५ ता. ३१
७	मं	३६	५१	पु	५५	४७	शू	३३	५७	ग	८	५७	४८	२६	३४	१२	५	२	कर्के	भ.३६।५१उ.
८	बु	३४	१२	श्ले	५५	३१	गं	२९	२२	वि	५	३१	५२	२६	३४	१३	६	३	सिं.५५/३१	भ.५।३१या.
९	गु	३२	५३	म	५७	२	वृ	२५	५६	बा	३	३२	५५	२५	३५	१४	७	४	सिंहे	
१०	शु	३३	८	पू	५९	२२	ध्रु	२३	३१	तै	३	०	५८	२४	३६	१५	८	५	सिंहे	मार्गीबुधः४१।५५
११	श	३४	४०	उ	६०	०	व्या	२२	१८	व	३	५४	३३/३	२४	३६	१६	९	६	कं.१५।१७	भ.३।५४उ.३४।४०या.मोहिनी११व्र.
१२	र	३७	१३	उ	३	१	ह	२२	५	ब	५	५६	५	२३	३७	१७	१०	७	कन्यायां	
१३	चं	४१	५	ह	७	३६	व	२२	२७	कौ	९	९	८	२२	३८	१८	११	८	तु.४०।३४	प्रदोषः
१४	मं	४५	३७	चि	१३	३३	सि	२३	२८	ग	१३	२१	११	२२	३८	१९	१२	९	तुलायां	भ.४५।३७उ.नृसिंह जयंती
१५	बु	५१	४	स्वा	२०	१२	व्य	२५	१४	वि	१८	२०	१४	२१	३९	२०	१३	१०	तुलायां	भ.१८।२०या.यमायकुंभदानम्

३पं.वै.शु.१वृ.इ. ४८/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	८	४	०
१३	१०	१	२१	५	३	५	१३
३९	१९	४५	४१	३४	१८	५५	३३
४७	३४	५४	३५	४१	०	२७	११
५८	४१	३०/२८	६/४६	२५	२/८	३	५८
१९	१५	व.	व.	५८	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

२चम, १२शु, ३, ११के, ४, १०, ७, ९श, रा ५, ६गु, ८

इस मास में धान्य जो गेहूं चना मटर सरसों बाजरा में मंदी होकर तेजी हो धातुओं में मंदी रस में तेजी चले।

गोचर ग्रहाः

२मं, १२शु, के, ३, बु र१, ११, ४, ९०, चं, रा ५, ७, ९श, ६गु, ८

४पं.वै.शु. ९वृ.इ.४८/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	८	४	०
२०	१५	०	२०	९	३	५	२०
२७	७	३१	५७	१४	१	३३	१९
२५	४४	५५	४०	६	१९	१२	५६
५८	४१	३/४९	६/०	३६	२/४१	३	५७
६	५	व.	व.	९	व	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	५६	५२	वि	२७	२	व	२७	१२	बा	२३	५८	३३/१७	५/२१	६/३९	२१	१४	११	वृ.१०।१९	कृत्ति.रविः१४।१५ (सौरः२२।५५)
२	शु	६०	०	अ	३४	३१	प	२९	४१	तै	२९	५६	२०	२०	४०	२२	१५	१२	वृश्चिके	
२	श	३	१	ज्ये	४१	५९	शि	३२	४	ग	३	१	२३	१९	४१	२३	१६	१३	ध.४१।५९	भ.३६।७उ.
३	र	९	१४	मू	४९	२८	सि	३४	३३	वि	९	१४	२६	१९	४१	२४	१७	१४	धनुषि	भ.९/१४या.वृषेऽर्कः४१/३० सौरः५०/४२)चतुर्थी व्र.
४	चं	१५	९	पू	५६	३१	सा	३६	२३	बा	१५	९	२८	१८	४२	२५	१८	१५	धनुषि	रेवत्यांशुक्रः४९/४६वक्रीहस्त.३गुरुः५९।२९
५	मं	२०	२२	उ	६०	०	शु	३७	४५	तै	२०	२२	३१	१८	४२	२६	१९	१६	म.१३।१	
६	बु	२४	४९	उ	२	३२	शु	३८	१४	व	२४	४९	३४	१७	४३	२७	२०	१७	मकरे	भ.२४।४९उ.५६।१५या.मृगेभौमः५४/२०
७	गु	२७	४१	श्र	७	२४	ब्र	३७	३१	ब	२७	४१	३७	१७	४३	२८	२१	१८	कुं.३९।३	
८	शु	२८	५८	ध	१०	४४	ऐं	३५	२९	कौ	२८	५८	३९	१६	४४	२९	२२	१९	कुंभे	
९	श	२८	२६	श	१२	११	वै	३२	१	ग	२८	२६	४२	१६	४४	३०	२३	२०	मी.५६/४८	भ.५७।५उ.
१०	र	२५	४४	पू	११	५३	वि	२७	४१	वि	२५	४४	४४	१५	४५	३१	२४	२१	मीने	भ.२५।४४या.
११	चं	२२	१३	उ	९	२	प्री	१९	५५	बा	२२	१३	४७	१५	४५	१	२५	२२	मीने	भा.ज्येष्ठारंभःअपरा११व्र.
१२	मं	१४	३९	रे	४/४१	५४/११	आ	१२	४५	तै	१४	३९	४९	१४	४६	२	२६	२३	मे.४।४१	भरण्यांबुधः२७।२०प्रदोषः
१३	बु	६	४४	भ	५१	५५	सौ	२३/२३	४९/४४	व	६	४४	५२	१४	४६	३	२७	२४	मेषे	भ.६।४४उ.३२।५या.
१४	बु	५०	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	गु	४७	४१	कृ	४४	८	अ	४१	१६	च	२२	३३	५४	१३	४७	४	२८	२५	वृ.४।५८	रोहि.रविः५।४ (सौरः१६/५०)वटपूजनम्

५पं. ज्ये.कृ. १वृ.इ.४९/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	८	४	०
२७	१९	२	२०	१३	२	५	२७
१३	५३	४६	२०	४७	४१	१०	५
५५	३१	१९	२	४६	२०	५६	१०
५७	४१	२६/२२	४/५२	४४	३/२१	३	५७
५५	१	मा	व.	१०	व	११	४५

२मं, शु१२, के, ३, १सूबु, ११, ४, १०, रा५, ७, श९, गु६, चं८

६पं.ज्ये.कृ.७वृ.इ.४९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	५	११	८	४	१
३	२४	८	१९	१९	२	४	३
५८	३७	१४	४९	९	१७	४८	४८
३७	४८	५६	३०	३२	२०	४१	५३
५७	४०	५३	३/४३	५०	३/५२	३	५७
४४	४३	३७	व.	१	व	११	३४

३, १, सू चंमं२, बु, शु १२, ४, के११, ५रा, ६गु, ८, १०, ७, ९श

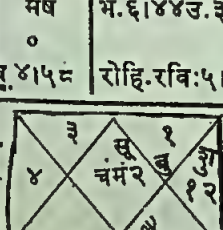

७पं.ज्ये.कृ.३०वृ.इ.४९/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	५	११	८	४	१
१०	२९	१६	१९	२५	१	४	१०
४२	२०	२७	२६	८	५१	२६	३१
२९	२४	२९	३१	२८	२५	२५	४
५७	४०	७९	२/२८	५४	४/९	३	५७
३५	३७	१६	व	४०	व.	११	२३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२२४२स.२०१७
१	शु	३७	४०	रो	३६	१३	सु	३०	२५	किं	१२	४०	३३/५६	५/१३	६/४७	५	२९	२६	वृषे	मिथुनेभौमः४७।४५
२	श	२७	४९	मृ	२८	४७	धृ	१९	५५	बा	२	४४	५८	१२	४८	६	३०	२७	मि२।३०	चंद्र दर्शनम्
३	र	१९	३	आ	२२	१०	शू	९	५६	ग	१९	३	३४/००	१२	४८	७	१	२८	मिथुने	भ.४५।१७उ.रमजान ९
४	चं	११	३१	पु	१६	४३	गं	०/५२	५२/३६	वि	११	३१	२	१२	४८	८	२	२९	क.३।४	भ.११।३१या.
५	मं	५	३१	पु	१३	११	ध्रु	४७	३६	बा	५	३१	३	११	४९	९	३	३०	कर्के	
६	बु	१	२३	श्ले	११	३३	व्या	४२	५५	तै	१	२३	५	११	४९	१०	४	३१	सिं११।३३	भ.५९/६उ.अश्विमेषेशुक्रः१३/१९अस्तोभौमः२२/५५
७	बु	५७	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	सिंहे	
८	गु	५८	५०	म	११	२८	ह	३९	४६	वि	२८	५८	७	११	४९	११	५	१	सिंहे	भ.२८/५८या.कृत्ति.बुधः३९/२जून६ता.३१
९	शु	६०	०	पू	१३	३३	व	३८	१०	बा	२९	३४	९	१०	५०	१२	६	२	कं.२९।२४	
९	श	०	१९	उ	१६	५८	सि	३७	५६	कौ	०	१९	१०	१०	५०	१३	७	३	कन्यायां	बृषेबुधः३८।३२
१०	र	३	१३	ह	२१	५९	व्य	३८	४०	ग	३	१३	१२	१०	५०	१४	८	४	तु.५५।१	भ.३५।२१उ.गंगादशमी
११	चं	७	२९	चि	२८	२	व	३९	३६	वि	७	२९	१३	९	५१	१५	९	५	तुलायां	भ.२७/२९या.आर्द्रा.भौमः५०/४०निर्जला११व्र.
१२	मं	१२	३२	स्वा	३४	५९	प	४१	१३	बा	१२	३२	१५	९	५१	१६	१०	६	तुलायां	प्रदोषः
१३	बु	१८	२७	वि	४२	८	शि	४४	१७	तै	१८	२७	१६	९	५१	१७	११	७	वृ.२५।२१	मृगेरविः५९।५७मार्गीगुरुः६।३२
१४	गु	२४	२६	अ	४९	४१	सि	४६	३८	व	२४	२६	१७	९	५१	१८	१२	८	वृश्चिके	भ.२४/२६उ.५७/२६या.मृगेरविः(सौरः१५।४०)
१५	शु	३०	२७	ज्ये	५७	९	सा	४९	७	व	३०	२७	१८	८	५२	१९	१३	९	ध.५७।९	रोहि.बुधः६।३०गुजराणांवटसावित्री व्र.

८पं.ज्ये.शु.८बृ.इ.४९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	५	०	८	४	१
१७	४	२६	१९	१	१	४	१७
२५	१	५७	१२	३३	२२	४	१२
१९	२३	१४	१८	२९	५५	९	१८
५७	४०	०/००	१/७	५८	४/२७	३	५७
१७	३३	०/२५	व	२५	व	११	१३

गोचर ग्रहाः

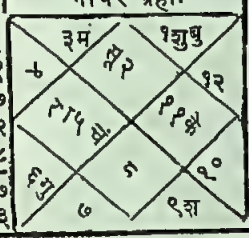

ज्येष्ठ कृष्णे ३ रवौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ नः४बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.शु.१४वृ.इ.४९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	५	०	८	४	१
२४	८	९	१९	८	०	३	२३
७	४०	२६	७	२१	५२	४१	५२
१९	१६	२८	२६	२९	३७	५४	६
५७	४०	७/००	०/२२	६१	४/४०	३	५७
२२	२३	०/२२	मा	७	व	११	

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	३६	३०	मू	६०	०	शु	५१	२१	बा	३	२८	३४/१९	५/८	६/५२	२०	१४	१०	धनुषि	बुधास्तःपूर्वस्यां३०।१२
२	र	४२	४	मू	४	२०	शु	५३	१५	तै	९	१७	१९	८	५२	२१	१५	११	धनुषि	
३	चं	४६	५३	पू	१०	३	ब्र	५४	३२	व	१४	२८	२०	८	५२	२२	१६	१२	म.२६।४७	भ.१४।२८उ.४६।५३या.
४	मं	५१	१	उ	१६	५९	ऐं	५५	२६	व	१८	५७	२१	८	५२	२३	१७	१३	मकरे	भरण्यांशुक्रः५१।१४चतुर्थीव्र.
५	बु	५४	५	श्र	२३	१३	वै	५५	१७	कौ	२२	३३	२१	८	५२	२४	१८	१४	कुं.५४।४६	मिथुनेऽर्कः५८।३१
६	गु	५५	४९	ध	२६	२०	वि	५३	४१	ग	२४	५७	२२	८	५२	२५	१९	१५	कुंभे	भ.५५/४९मिथुनेऽर्कःसौरः१६/२८मृगेबुधः३८/४४ =
७	शु	५६	१०	श	२८	५६	प्री	५१	४८	वि	२५	५९	२२	८	५२	२६	२०	१६	कुंभे	भ.२५।५९या.
८	श	५४	५२	पू	३०	४	आ	४८	११	बा	२५	३१	२३	७	५३	२७	२१	१७	मी१४।४७	[= मघा.१राहुःधनि.३केतुः४२।२५
९	र	५१	५६	उ	२९	३५	सौ	४३	१०	तै	२३	२४	२३	७	५३	२८	२२	१८	मीने	मिथुनेबुधः४६।१०
१०	चं	४७	१	रे	२७	८	शो	३६	४७	व	१९	२८	२३	७	५३	२९	२३	१९	मे.२७।८	भ.१९।२८उ.४७।१या.
११	मं	४०	४६	अ	२३	२२	अ	२९	५	ब	१३	५३	२४	७	५३	३०	२४	२०	मेषे	वक्रीज्ये.४वृश्चिके.शनिः४८/१३योगिनी११व्र.
१२	बु	३२	५९	भ	१७	५८	सु	२०	२०	कौ	६	५२	२४	७	५३	३१	२५	२१	वृ.३१।१९	आर्द्रा.रविः५७/२६आर्द्रा.बुधः४३।१२प्रदोषः
१३	गु	२४	९	कृ	११	२४	धृ	१०/३२	४९/१४	व	२४	९	२४	७	५३	१	२६	२२	वृषे	भ.२४/९उ.४९/१४या.आर्द्रा.रविःसौरः१८।१ A
१४	शु	१४	१९	रो	३/५९	५२/२२	गं	४९	२५	श	१४	१९	२४	७	५३	२	२७	२३	मि३०।१०	[A भा. आषाढारंभः
३०	श	४	२२	आ	४८	४१	बृ	३८	३७	ना	४	२२	२४	७	५३	३	२८	२४	मिथुने	

१०पं.आ.कृ.६वृ.इ.४९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	५	०	८	४	२
०	१३	२३	१९	१५	०	३	०
४८	१७	४२	१०	२४	२१	१९	३१
३६	१७	२९	४४	४०	३६	३८	१५
५७	४०	०/००	१	६३	४/४०	३	५६
१७	१७	१७/१५	२६	२०	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे ५ बुधे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

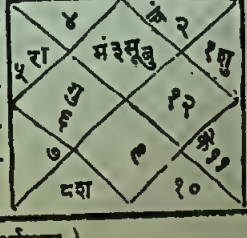

११पं.आ.कृ.१३वृ.इ.४९/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	५	०	७	४	२
७	१७	९	१९	२२	२९	२	७
२९	५४	२	२२	४३	५०	५७	९
३१	७	६	४८	१	३५	२३	४२
५७	४०	०/००	२	६५	४/४०	३	५६
१३	१०	१/१	४९	४	व.	११	५४

(विक्रम सं. २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२२७२सं.२०१७
१	श	५०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र	४५	५०	पु	४१	५१	ध्रु	२८	५८	बा	२०	१५	३४/२३	५/७	६/५३	४	२९	२५	क.२८।३४	पुन.भौमः५७।१९ चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	चं	३८	१४	पु	३६	१९	व्या	१९	२८	तै	१२	२	२३	७	५३	५	१	२६	कर्के	कृत्तिशुक्रः२७।४९सव्वाल१०
४	मं	३२	३८	श्ले	३२	३२	ह	११	३१	व	५	२६	२२	८	५२	६	२	२७	सिं३२।३२	भ.५।२६उ.३२।३८या.पुन.बुधः५२।४४
५	बु	२८	४४	म	३०	३८	व	६	१६	ब	०	४१	२२	८	५२	७	३	२८	सिंहे	
६	गु	२७	५	पू	३०	५९	सि	०/५०	५७/२	तै	२७	५	२१	८	५२	८	४	२९	कं.४६।३५	वृषेशुक्रः३७।५८
७	शु	२७	३०	उ	३३	२५	व	५६	२६	व	२७	३०	२०	८	५२	९	५	३०	कन्यायां	भ.२७।३०उ.५८।४२या.
८	श	२९	५५	ह	३७	२६	प	५६	५८	ब	२९	५५	१९	८	५२	१०	६	१	कन्यायां	जुलाई७ता.३१
९	र	३४	१	चि	४३	१६	शि	५७	४८	बा	२	५८	१८	८	५२	११	७	२	तु.१०।२१	कर्केबुधः४५।६बुधोदयःपश्चिमायां४२/४५
१०	चं	३९	९	स्वा	५०	७	सि	५९	५०	तै	६	३५	१७	९	५१	१२	८	३	तुलायां	[÷हस्त.४गुरुः२८/५३देवशयनी११व्र.
११	मं	४५	२०	वि	५७	३२	सा	६०	०	व	१२	१४	१६	९	५१	१३	९	४	बृ.४०।४१	भ.१२।१४उ.४५।२०या. पुष्येबुधः३८/४३÷
१२	बु	५१	१९	अ	६०	०	सा	२	१३	ब	१८	१९	१५	९	५१	१४	१०	५	वृश्चिके	पुन.रविः५६।१६
१३	गु	५७	३२	अ	५	७	शु	४	५०	कौ	२४	२५	१४	९	५१	१५	११	६	वृश्चिके	पुन.रविःसौरः२२।३प्रदोषः
१४	शु	६०	०	ज्ये	१२	३३	शु	७	१६	ग	३०	२४	१३	९	५१	१६	१२	७	ध.१२।३३	
१४	श	३	१६	मू	१९	२८	ब्र	९	२०	व	३	१६	११	१०	५०	१७	१३	८	धनुषि	भ.३/१६उ.३५/५१या.रोहि.शुक्रः४४/४० वायुपरीक्षा
१५	र	८	२६	पू	२५	५९	ऐं	११	९	व	८	२६	१०	१०	५०	१८	१४	९	म.४२।२२	व्यासपूजागुरु१५

१२पं.आ.शु.६वृ.इ. ४९/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	५	१	७	४	२
१४	२२	२३	१९	०	२९	२	१३
९	२८	५९	४३	१२	१९	३५	४७
५८	५९	२	२३	२९	४६	७	४७
५७	३९	[illegible]	४	६६	४/२२	३	५६
७	५९		१	३४	व	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार,५रविवार अशुभ हैं प्रजा में रोग शोक फैले जो गेहूं बाजरा मूंग मोठ चांवल तेज हो धातु मंदे होकर तेज हों।

गोचर ग्रहाः

१३पं.आ.शु.१३वृ.इ. ४९/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	५	१	७	४	२
२०	२७	७	२०	७	२८	२	२०
५०	४	२८	१२	४९	५२	१२	२५
२४	२६	४४	०	३०	८	५१	४१
५७	४०	[illegible]	५	६७	४/५	३	५६
७	४		८	४७	व.	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	चं	१२	३६	उ	३१	२८	वै	१२	७	कौ	१२	३६	३४/८	५/१०	६/५०	१९	१५	१०	मकरे	
२	मं	१६	५	श्र	३६	११	वि	१२	२६	ग	१६	५	७	११	४९	२०	१६	११	मकरे	भ.४७/१३उ.आश्ले.बुधः५२/३५कर्केभौमः२६/०
३	बु	१८	२२	ध	३९	५४	प्री	११	५८	वि	१८	२२	५	११	४९	२१	१७	१२	कुं. ८।२	भ.१८।२२या.चतुर्थी व्रतम्
४	गु	१९	३८	श	४२	२६	आ	१०	४३	बा	१९	३८	३	११	४९	२२	१८	१३	कुम्भे	
५	शु	१९	४९	पू	४३	५७	सौ	८	३४	तै	१९	४९	१	१२	४८	२३	१९	१४	मी२८।३४	नाग५मरुस्थले
६	श	१८	५४	उ	४४	४३	शो	५	३३	व	१८	५४	३३/५९	१२	४८	२४	२०	१५	मीनें	भ.१८।५४उ.४७।४९या.
७	र	१६	४४	रे	४३	४४	अ	३३	५५/२	व	१६	४४	५७	१३	४७	२५	२१	१६	मे.४३।४४	कर्केऽर्कः२५।४२(सौरः५४।४७)×
८	चं	१३	१५	अ	४१	३७	धृ	५०	३६	कौ	१३	१५	५५	१३	४७	२६	२२	१७	मेषे	[×पुष्येभौमः२६।३०
९	मं	८	४३	भ	३८	१८	शू	४३	३४	ग	८	४३	५२	१४	४६	२७	२३	१८	वृ.५२।११	भ.३५।४४उ.
१०	बु	२	४४	कृ	३३	५०	गं	३५	३५	वि	२	४४	५०	१४	४६	२८	२४	१९	वृषे	भ.२/४४या.पुष्येरविः५५/०कामिका११व्र.स्मा.
११	बु	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+११व्र.वै.
१२	गु	४७	४८	रो	२८	२४	बृ	२६	४४	कौ	२१	४९	४८	१४	४६	२९	२५	२०	मि५५।१३	पुष्येरविःसौरः२५/२८मृगेशुक्रः३९/०कामिका+
१३	शु	३९	१३	मृ	२२	२	ध्रु	१७	२४	ग	१३	३०	४५	१५	४५	३०	२६	२१	मिथुने	भ.३९।१३उ.मघा.सिंहेबुधः७।११प्रदोषः
१४	श	३०	१९	आ	१५	१९	व्या	७/२	५०/५३	वि	४	४६	४३	१५	४५	३१	२७	२२	क.५५।२६	भ.४।४६या.
३०	र	२१	४४	पु	८	४८	व	४८	३३	ना	२१	४४	४०	१६	४४	१	२८	२३	कर्के	भा.श्रावणारंभःहरियाली

१४पं.श्रा.कृ.४वृ.इ. ४८/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	५	१	७	४	२
२७	१	१९	२०	१५	२८	१	२७
३०	३५	२१	४८	३७	२६	५०	३
४३	१०	३२	१४	३७	१७	३६	४८
५७	३९	८३	६	६८	३/५०	३	५६
११	५६	१६	१५	५०	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

श्रावण कृष्णे ७ रवौ कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा.५ न. ५ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

१५पं.श्रा.कृ.१२वृ.इ. ४८/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	५	१	७	४	३
४	६	२९	२१	२३	२८	१	३
११	६	३६	३३	३१	२	२८	४२
२८	३२	०	०	२६	५३	२०	१५
५७	३९	७८	७	६९	३/१७	३	५६
१५	५६	३२	११	३८	व.	११	५८

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९													दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३०१स.२०१७
१	चं	१३	४६	पु	२५१	५५७	सि	३९	४१	ब	१३	४६	३३५	६४४	२	२९	२४	सिं५७।५८	
२	मं	७	१८	म	५४	३७	व्य	३२	१६	कौ	७	१८	३५	१६	४३	३	३०	२५	सिंहे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	बु	२	२६	पू	५३	१३	व	२६	७	ग	२	२६	३३	१७	४३	४	१	२६	सिंहे	म.३०।५८उ.५९।३१या.मिथुने शुक्रः=
४	बु	५७	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=३१।२४जिल्काद११तीजवरद४
५	गु	५८	४४	उ	५४	२	प	२१	३१	ब	२९	७	३०	१८	४२	५	२	२७	कं.८।२५	नागपंचमी
६	शु	६०	०	ह	५६	३७	शि	१८	३८	कौ	२९	२२	२७	१९	४१	६	३	२८	कन्यायां	
६	श	०	१	चि	६०	०	सि	१८	१४	तै	०	१	२४	१९	४१	७	४	२९	तु.२८।५६	
७	र	३	२२	चि	१	१६	सा	१८	१०	व	३	२२	२२	२०	४०	८	५	३०	तुलायां	भ.३।२२उ.३५।४१या.
८	चं	८	१	स्वा	७	१३	शु	१९	३५	व	८	१	१९	२०	४०	९	६	३१	वृ.५७।४०	
९	मं	१३	५६	वि	१४	२९	शु	२१	१५	कौ	१३	५६	१६	२१	३९	१०	७	१	वृश्चिके	आर्द्राशुक्रः२०।२४अगस्तदता.३१
१०	बु	२०	०	अ	२१	५६	ब्र	२४	२९	ग	२०	०	१३	२१	३९	११	८	२	वृश्चिके	भ.५३।९उ.आश्ले:रविः५३ पूफा.बुचः३४
११	गु	२६	१८	ज्ये	२९	३०	ऐं	२६	४५	वि	२६	१८	१०	२२	३८	१२	९	३	ध.२९।३०	भ.३६या.आश्ले.रविःसौरः३६पवित्रा-
१२	शु	३२	१	मू	३६	३७	वै	२९	३१	वा	३२	१	७	२३	३७	१३	१०	४	धनुषि	चित्रा.१गुरुः४।१२ [-११ व्र.
१३	श	३७	२३	पू	४३	७	वि	३०	६	कौ	४	४२	४	२३	३७	१४	११	५	म.५९।२३	प्रदोषः [*रक्षाबंधनम् भद्रोत्तरम्
१४	र	४०	४०	उ	४८	१३	प्री	३०	४४	ग	९	१	०	२४	३६	१५	१२	६	मकरे	भ.४०।४०उ.आश्ले.भौमः८।२४
१५	चं	४३	२२	श्र	५२	२३	आ	३०	५५	सि	१२	१	३३ ५७	२५	३५	१६	१३	७	मकरे	भ.१२।१या.चंद्रग्रहणम् श्रावणीकर्म*

१६पं.श्रा.शु.५वृ.इ.४८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	५	२	७	४	३
१०	१०	८	२२	१	२७	१	१०
५२	३७	०	२१	३०	४२	६	२१
३०	३७	०	५०	४०	५४	५	३२
५७	३९	५७	८	७०	३ ३	३	५७
२०	४६	५४	१९	३२	व	११	५

गोचर ग्रहाः

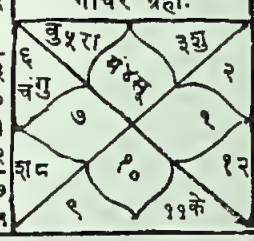

इस मासमें मंगल का चंद्र दर्शन धातु सोना चांदी लोहा गेहूं जौ चना मटर अलसी वस्त्र रुई गुड़ शक्कर में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

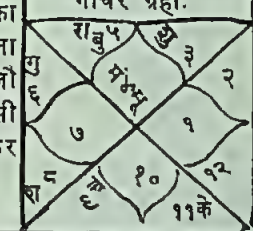

१७पं.श्रा.शु.११वृ.इ.४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	५	२	७	४	३
१७	१५	१४	२३	९	२७	०	१७
३४	७	५	१७	३५	२५	४३	१
१२	१९	६	३८	३८	४४	४९	२०
५७	३९	३२	९	७१	५	३	५७
२५	४६	८	५	५	व	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९													दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	मं	४४	४०	ध	५५	२०	सौ	२९	४०	वा	१४	१	३२ ५४	२५	३५	१७	१४	८	कुं.२३।५२	
२	बु	४४	५१	श	५६	३८	शो	२७	४२	तै	१४	४५	५०	२६	३४	१८	१५	९	कुंभे	
३	गु	४३	५७	पू	५६	५३	अ	२४	४५	व	१४	२४	४७	२७	३३	१९	१६	१०	मी४४।५	भ.१४।२४उ.४३।५७या.
४	शु	४२	७	उ	५७	५०	सु	२१	५०	च	१३	२	४४	२७	३३	२०	१७	११	मीने	वक्रीबुधः११।५१चतुर्थी व्र.
५	श	३९	३५	रे	५६	४९	धृ	१७	३५	कौ	१०	५१	४०	२८	३२	२१	१८	१२	मे.५६।४९	पुन.शुक्रः४१।१८चंद्रषष्ठी
६	र	३६	४	अ	५५	११	शू	१२	३७	ग	७	४९	३७	२९	३१	२२	१९	१३	मेषे	भ.३६।४उ.
७	चं	३३	१०	भ	५३	७	गं	७	४	वि	४	३७	३३	२९	३१	२३	२०	१४	मेषे	भ.४।३७या.जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	मं	२७	२८	कृ	५०	५	वृ	१	५३ १८	बा	०	१९	३०	३०	३०	२४	२१	१५	वृ.७।२०	जन्माष्टमी व्र.वै. [+मकरेकेतुः३५।४
९	बु	२२	५	रो	४६	२३	व्या	४७	७	ग	२२	५	२६	३१	२९	२५	२२	१६	वृषे	भ.४९।५उ.मघा.सिंहेऽर्कः४६।३गोगा९
१०	गु	१६	४	मृ	४२	६	ह	३९	२७	वि	१६	४	२२	३२	२८	२६	२३	१७	मि१४।१४	भ.१६।४या.मघा.सिंहेऽर्कःसौरः२२।४०×
११	शु	९	१८	आ	३७	१७	व	३१	३५	बा	९	१८	१९	३२	२८	२७	२४	१८	मिथुने	अजा.११व्र. [×आश्ले४कर्केराहुःधनि.२+
१२	श	२	२०	पु	३२	२०	सि	२२	४३	तै	२	२०	१५	३३	२७	२८	२५	१९	क.१८।३५	भ.५५।२५उ.बुधास्तःपश्चिमायां÷
१३	श	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷३७।२४वत्सद्वादशी प्रदोषः
१४	र	४८	३४	पु	२७	२२	व्य	१४	३०	वि	२१	५९	१२	३४	२६	२९	२६	२०	कर्के	भ.५९या.
१०	चं	४२	४४	श्ले	२३	११	व	६ ३३	५२ ३७	च	१५	३९	८	३४	२६	३०	२७	२१	सिं२३।११	कर्केशुक्रः८।४५कुशाग्रहणीपिठोरी३०

१८पं.भा.कृ.३वृ.इ.४८।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	५	२	७	४	३
२४	१९	१७	२४	१७	२७	०	२३
१६	२६	१८	१९	४५	१४	२१	४२
३७	४०	४३	१२	२५	३५	३३	२७
५७	३९	२	९	७१	२ ६	३	५७
३३	३६	२	४९	३२	व	११	२२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्णे ९ बुधे सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

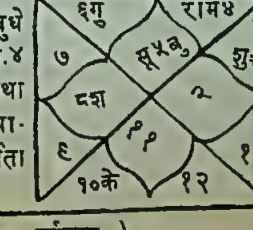

१९पं.भा.कृ.१०वृ.इ.४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	५	२	७	३	४
०	२४	१६	२५	२५	२७	२९	०
५९	५	३०	२६	५९	७	५९	२४
५३	२८	४३	६	२८	१६	१८	४०
५७	३९	३४	१०	७१	५	३	५७
४०	२९	व	३२	५९	व	११	३४

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽर्हगणः२३३० स.२०१७
१	मं	३७	५३	म	१९	३४	शि	५२	३६	कि	१०	१८	३३	५	६	३१	२८	२२	सिंहे	वक्रीमघायांबुधः५८।१५
२	बु	३४	३५	पू	१७	४१	सि	४७	३०	बा	६	१४	१	३४	२४	१	२०	२३	कं.२२।३७	चंद्रदर्शनम् भा. भाद्रपदारंभः
३	गु	३३	१८	उ	१७	२८	सा	४३	४३	तै	३	५६	३१	३७	२३	२	१	२४	कन्यायां	पुष्येशुक्रः०।२०जिल्हेज १२हरितालिका३
४	शु	३३	५२	ह	१९	१	शु	४१	२६	व	३	३५	५३	३७	२३	३	२	२५	तु.५०।४१	भ.३५उ.३३या.चित्रा.२गुरुः३१०मार्गी+
५	श	३६	२०	चि	२२	२२	शु	४०	४०	ब	५	६	४९	३८	२२	४	३	२६	तुलायां	मघा.सिंहेभौमः५९।३४ऋषिपंचमी
६	र	४०	२८	स्वा	२७	१९	ब्र	४१	१२	कौ	८	२४	४६	३९	२१	५	४	२७	तुलायां	[+शनिः३४गणेशचतुर्थी
७	चं	४५	५३	वि	३४	८	ऐं	४२	५९	ग	१३	१०	४२	४०	२०	६	५	२८	वृ.१७।२६	भ.४५।५३उ. [÷अनंत१४महालयारंभः
८	मं	५१	५६	अ	४०	५६	वै	४४	५८	वि	१८	५४	३८	४०	२०	७	६	२९	वृश्चिके	भ.१८।५४या.
९	बु	५८	११	ज्ये	४८	३०	वि	४७	१४	बा	२५	३	३४	४१	१९	८	७	३०	ध.४८।३०	पूफा.रविः३५।३९
१०	गु	६०	०	मू	५५	५२	प्री	४९	४०	तै	३१	१०	३०	४२	१८	९	८	३१	धनुषि	पूफा.रविःसौरः१३।३१
१०	शु	४	१०	पू	६०	०	आ	५१	३५	ग	४	१०	२६	४३	१७	१०	९	१	धनुषि	भ.३६।४२उ.सितम्बर९ता.३०
११	श	९	१४	पू	२	३४	सौ	५२	३४	वि	९	१४	२२	४४	१६	११	१०	२	म.१८।५६	भ.९।१४या.जलझूलनी११व्र.वामनजयंती
१२	र	१२	५०	उ	८	४	शो	५२	२६	बा	१२	५०	१८	४४	१६	१२	११	३	मकरे	बुधोदयःपूर्वस्यां१३।०प्रदोषः
१३	चं	१५	११	श्र	१२	५	अ	५०	३७	तै	१५	११	१५	४५	१५	१३	१२	४	कुं.४३।१९	आश्ले.शुक्रः६।३७
१४	मं	१५	४१	ध	१४	३३	सु	४८	४०	व	१५	४१	११	४६	१४	१४	१३	५	कुंभे	भ.१५।४१उ.४५।२०या.मार्गीबुधः३१÷
१५	बु	१४	५९	श	१५	४४	भ्रू	४५	६	ब	१४	५९	७	४७	१३	१५	१४	६	कुंभे	कु.संध्या.पूजनारंभः

२०पं.भा.शु.३वृ.इ.४८।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	५	३	७	३	४
७	२८	११	२६	४	२७	२९	७
४४	३३	२९	३७	१७	४	३७	८
२०	२९	३१	१२	३५	४४	२	८
५७	२९	६९	११	७२	०	३	५७
४५	२९	व.	९	२०	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

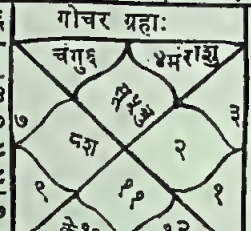

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष तिथि वृद्धि धातु सोना चांदी धान्य गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ में मंदी करे।

गोचर ग्रहाः

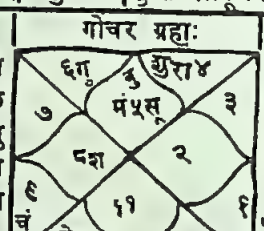

२१पं.भा.शु.१०बृ.इ.४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	३	७	३	४
१४	२	५	२७	१२	२७	२९	१३
३०	५९	४३	५२	३९	६	१४	५३
०	३८	२६	१६	२२	२९	४७	२०
५८	२९	५६	११	७२	४१	३	५७
१	२९	वं	४६	५१	मा	११	५७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	गु	१२	४८	पू	१५	३१	शू	४०	३४	कौ	१२	४८	३१	५	६	१६	१५	७	मी०।३४	[×भौमः१३प्रदोष.
२	शु	९	३७	उ	१४	१०	गं	३५	७	ग	९	३७	३०	४८	१२	१७	१६	८	मीने	भ.३७।३०उ
३	श	५	२३	रे	१२	५	बृ	२९	६	वि	५	२३	५५	४९	११	१८	१७	९	मे.१२।५	भ.५।२३या. चतुर्थी व्रतम्
४	र	०	३९	अ	९	२३	धु	२२	३९	बा	०	३९	५१	५०	१०	१९	१८	१०	मेषे	[=११व्र.
५	र	५५	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	चं	५०	५८	भ	६	२०	ज्या	१५	५६	ग	२३	२८	४७	५१	९	२०	१९	११	वृ.२०।३२	भ.५०।५८उ.
७	मं	४५	५५	कृ	३	५६	ह	९	७	वि	१८	२६	४३	५१	९	२१	२०	१२	वृषे	भ.१८।२६या.चित्रा.३तुलायांगुरुः८।४९
८	बु	४०	४३	मृ	५६	४०	व	२	५३	बा	१३	१९	३९	५२	८	२२	२१	१३	मि२८।१४	उफा.रविः२०।४(सौरः५८।११)
९	गु	३५	२४	आ	५३	१४	व्य	४८	१०	तै	८	३	३५	५३	७	२३	२२	१४	मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	शु	३०	०	पु	४९	४९	व	४१	०	व	२	४२	३१	५४	६	२४	२३	१५	क.३४।५५	भ.२।४२उ.३०।०या.मघा.सिंहेशुक्रः५९
११	श	२४	५४	पु	४६	३८	प	३४	४१	बा	२४	५४	२७	५५	५	२५	२४	१६	कर्के	कन्यायामर्कः३५पूफा.बुधः५९इंदिरा=
१२	र	१९	५८	श्ले	४३	५०	शि	२७	३१	तै	१९	५८	२२	५६	४	२६	२५	१७	सिं४३।५०	कन्यार्कःसौरः३३पूफा.भौमः३६उदयो×
१३	चं	१५	४८	म	४१	४७	सि	२१	१९	व	१५	४८	१८	५६	४	२७	२६	१८	सिंहे	भ.१५।४८उ.४३।५७या.
१४	मं	१२	७	पू	४०	११	मा	१५	३४	श	१२	७	१४	५७	३	२८	२७	१९	कं.५५।१०	सर्वेपितृ३०
३०	बु	९	४८	उ	४०	५	शु	१०	३८	ना	९	४८	९	५८	२	२९	२८	२०	कन्यायां	मातामह श्रा.

२२पं.आ.कृ.१वृ.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	३	७	३	४
२१	७	४	२९	२१	२७	२८	२०
१७	२५	५४	११	४	१३	५२	४०
२	५५	३२	१७	१६	८	३१	४०
५८	३९	३९	१२	७२	१	३	५८
१३	१२	मा	१४	५६	२९	११	१३

गोचर ग्रहाः

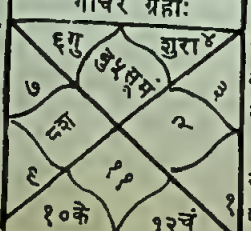

आश्विन कृष्णा ११ कन्यार्कःप्रविष्टः वा.४ न. ५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

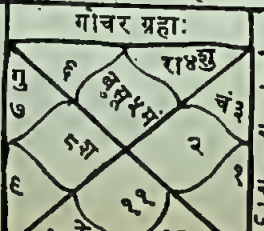

२३पं. आ.कृ.९वृ.इ.४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	६	३	७	३	४
२८	११	१०	०	२९	२७	२८	२७
५	५२	२५	३३	३२	२३	३०	२८
२४	२६	३५	११	४६	५६	१५	१८
५८	३९	७९	१२	७३	२	३	५८
२६	२	२८	३२	१४	७	११	२९

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३६०स.२०१७
१	गु	८	५०	ह	४१	१६	शु	६	५७	च	८	५०	३०	५५	६	३०	२९	२१	कन्यायां	चंद्रदर्शनम् नवरात्रारंभः
२	शु	९	२२	चि	४४	१९	अ	४	१६	कौ	९	२२	३०	६	०	३१	१	२२	तु.१२।४७	मोहोरम१सन्१४३९हि.
३	श	११	४६	स्वा	४८	४२	ऐं	३	११	ग	११	४६	२९	१	५९	१	२	२३	तुलायां	भ.४३उ.बुधास्तःपूर्वस्यां४भा.×
४	र	१५	३५	वि	५४	३१	वै	२	३४	बि	१५	३५	५२	२	५८	२	३	२४	वृ.३८।४	भ.१५।३५या. [×आश्विनारंभः
५	चं	२०	४६	अ	६०	०	वि	३	३५	ना	२०	४६	४८	२	५२	३	४	२५	वृश्चिके	उफा.बुधः४।२८ [÷पूफा.शुक्रः५।३४
६	मं	२६	३३	अ	१	७	प्री	५	२०	तै	२६	३३	४४	३	५७	४	५	२६	वृश्चिके	हस्तेरविः५८।३४कन्यायांबुधः४६।५८÷
७	बु	३२	५१	ज्ये	८	४३	आ	७	४२	व	३२	५१	४०	४	५६	५	६	२७	ध.८।४३	भ.३२।५१उ.हस्तेरविःसौरः३५।५२
८	गु	३९	६	मू	१६	१०	सौ	१०	४	वि	५	५८	३६	५	५५	६	७	२८	धनुषि	भ.५।५८या.चित्रा.४गुरुः२५।१५
९	शु	४४	३६	पू	२३	२३	शो	१२	८	बा	११	५१	३२	६	५४	७	८	२९	म.३९।५४	
१०	श	४८	४१	उ	२९	२९	अ	१३	४४	तै	१६	३८	२८	६	५४	८	९	३०	मकरे	
११	र	५१	३०	अ	३४	२६	सु	१४	८	व	२०	५	२३	७	५३	९	१०	१	मकरे	भ.२९उ.५१या.अक्टूबर१०ता.३१A
१२	चं	५२	८	ध	३७	१४	धृ	१३	२०	व	२१	४९	१९	८	५२	१०	११	२	कुं.५।५०	हस्तेबुधः१५।४ [Aपापांकुश११व्र.
१३	मं	५१	५	श	३८	२६	शू	११	११	कौ	२१	३६	१५	९	५१	११	१२	३	कुंभे	प्रदोषः
१४	बु	४८	११	पू	३७	५२	गं	७	३१	ग	१९	३८	११	१०	५०	१२	१३	४	मी२३।०	भ.४८।११उ. [Dका.स्ना.प्रा.
१५	गु	४३	५०	उ	३५	४४	वृ	२३	५६	वि	१६	०	७	११	४९	१३	१४	५	मीने	भ.१६।०या.शरदपूर्णिमाकोजागरीव्र.D

२४पं.आ.शु.१वृ.इ.४७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	६	४	७	३	५
४	१६	२१	१	८	२७	२८	४
५५	१८	१	५७	४	३९	८	१८
१६	४३	१	५०	५	२२	०	२५
५८	३८	८०	१२	७३	२	३	५८
३८	५५	१६	५८	२६	४८	११	४५

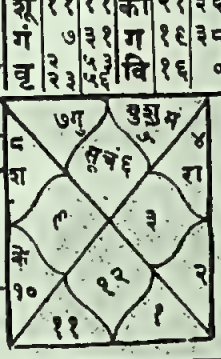

२५पं.आ.शु.८वृ.इ.४७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	६	४	७	३	५
११	२०	३	३	१६	२८	२७	११
४६	४४	४०	२४	३८	०	४५	१०
५२	२	१२	५४	३५	३२	४४	२४
५८	३८	८०	१३	७३	३	३	५९
५३	५१	४३	१७	३८	३२	११	०

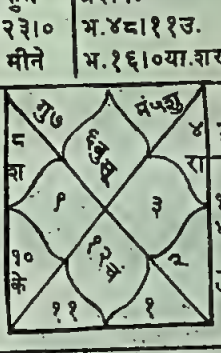

२६पं.आ.शु.१५वृ.इ.४७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	६	४	७	३	५
१८	२५	१६	४	२५	२८	२७	१८
४०	९	२०	५३	१५	२५	२३	४
८	४३	२४	४६	३६	१२	२९	११
५९	३८	८०	१३	७३	४	३	५९
९	३४	५०	२६	५०	८	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेति महा.
१	शु	३८	२०	रे	३२	२९	व्या	४९	१०	बा	११	५	२९	६	५९	१४	१५	६	मे.३२।२९	उफा.शुक्रः५५।४८
२	श	३१	५८	अ	२८	१७	ह	४१	४	तै	५	६	२९	१२	४८	१५	१६	७	मेषे	भ.५८।४५उ.
३	र	२५	३१	भ	२३	३७	व	३२	५८	वि	२५	३१	५५	१३	४७	१६	१७	८	वृ.३७।२६	भ.३५या.उफा.भौमः७०करकचतुर्थीव्र.
४	चं	१८	४५	कृ	१८	५४	सि	२४	२५	बा	१८	४५	५१	१४	४६	१७	१८	९	वृषे	चित्राबुधः५१।०कन्यायांशुक्रः३६।५
५	मं	१२	३१	रो	१४	२३	व्य	१६	३२	तै	१२	३१	४७	१५	४५	१८	१९	१०	मि४२।३७	चित्रा.रविः३०।३६
६	बु	६	३७	मृ	१०	५१	व	८	५०	व	६	३७	४३	१५	४५	१९	२०	११	मिथुने	भ.६।३७उ.३३या.चित्रारविःसौरः६
७	गु	१	१०	आ	६	३६	प	३	५३	व	१	१०	३९	१६	४४	२०	२१	१२	क.४६।२१	
८	गु	५५	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=स्वाती१गुरुः५६।१८अस्तंगुरौः२१।३६
९	शु	५२	५	पु	३	३६	सि	४८	५	तै	२४	११	३५	१७	४३	२१	२२	१३	कर्के	तुलायांबुधः४०।३कन्यायांभौमः२६।५३=
१०	श	४८	३६	पु	१	५८	सा	४२	७	व	२०	२०	३१	१८	४२	२२	२३	१४	सिं५९।२९	भ.२०।२०उ.४८।३६या.
११	र	४५	५३	म	५८	३४	शु	३६	५२	व	१७	१४	२७	१९	४१	२३	२४	१५	सिंहे	रमा११व्र. [+धन.१३
१२	चं	४३	५६	पू	५८	२०	शु	३२	१३	को	१४	५४	२३	१९	४१	२४	२५	१६	सिंहे	[-स्वात्यांबुधः५५हस्तेशुक्रः३९प्रदोषः+
१३	मं	४३	६	उ	५९	१३	अ	२८	१७	ग	१३	२९	२०	२०	४०	२५	२६	१७	क १३।३४	भ.४३उ.तुलायामर्कः१४(सौरः४९०)-
१४	बु	४३	१२	ह	६०	०	ऐं	२५	११	वि	१३	९	१६	२१	३९	२६	२७	१८	कन्यायां	भ.१३।९या.रूप१४
१५	गु	४४	४१	ह	१	५	वै	२२	५८	च	१३	५६	१२	२२	३८	२७	२८	१९	तु.३२।३८	आश्ले३राहुःधनि१केतुः२५महालक्ष्मीपूज.

२७पं.का.कृ.७वृ.इ.४७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	६	५	७	३	५
२५	२९	२८	६	३	२८	२७	२४
३५	३४	२७	२३	५५	५३	१	५९
२	२३	२५	४२	८	४६	१३	५३
५९	३८	८०	१३	७३	४	३	५९
२१	३४	४०	३२	५३	४२	११	३१

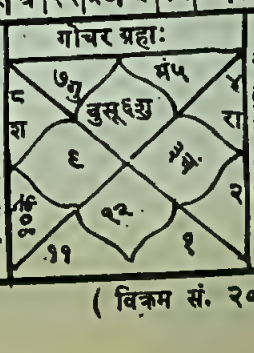

कार्तिककृष्णे १३भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा४न.५प्रगत्भावस्था (बैठी)मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

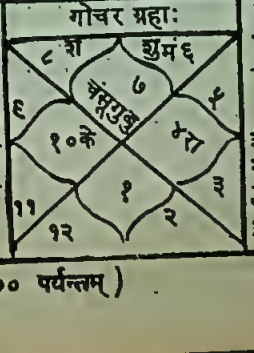

२८पं.का.कृ.३०वृ.इ.४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	६	५	७	३	६
२	३	९	७	१२	२९	२६	१
३१	५१	४७	५४	३६	२५	३८	५७
२६	४९	२४	५८	४०	५५	५७	१८
५९	३८	८०	१३	७४	५	३	५९
३४	३३	५५	३८	२	५	११	४६

ति.	कार्तिकशुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	ग्र.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३६९स.२०१७
१	शु	४७	२८	चि	४	१३	वि	२१	५८	कि	१६	४	२८	२३	३८	२८	२९	२०	तुलायां	अन्नकूट गोवर्द्धनपूजा
२	श	५१	३०	स्वा	८	४०	प्री	२१	२९	बा	१९	२९	४	२३	३७	२९	३०	२१	वृ.५७।५६	चंद्रदर्शनम् भातृ २यम२
३	र	५६	४६	वि	१४	२१	आ	२२	८	तै	२४	८	०	२४	३६	३०	१	२२	वृश्चिके	सफर२
४	चं	६०	०	अ	२०	४४	सौ	२३	२६	व	२९	४१	२७	२५	३५	१	२	२३	वृश्चिके	भ.२९उ.स्वात्यारविः५६भा.कार्तिकारंभः
४	मं	२	३७	ज्ये	२८	२	शो	२५	२४	वि	२	३७	५३	२५	३५	२	३	२४	ध.२८।२	भ.२।३७या.स्वात्यांरविः सौरः ३०।१३
५	बु	८	५७	मू	३५	४४	अ	२७	४९	बा	८	५७	४९	२६	३४	३	४	२५	धनुषि	[+बुधोदयःपश्चिमायां४।३०अक्षय९
६	गु	१५	२८	पू	४३	१९	सु	३०	१२	तै	१५	२८	४५	२७	३३	४	५	२६	धनुषि	विशा.बुधः७।४७मूल.१धनुषिशनिः३७
७	शु	२१	२८	उ	५०	१४	धृ	३२	१९	व	२१	२८	४१	२८	३२	५	६	२७	म.०।२	भ.२१।२८उ.५३।५३या.
८	श	२६	१९	श्र	५५	५२	शू	३३	२८	ब	२६	१९	३७	२९	३१	६	७	२८	मकरे	चित्रा.शुक्रः२३।५५गोपाष्टमी
९	र	२९	५२	ध	६०	०	गं	३३	४३	कौ	२९	५२	३४	२९	३१	७	८	२९	कुं.२८।२	हस्तेभौमः१४।४८स्वाती२गुरुः१२।१३+
१०	चं	३१	२६	ध	०	१३	वृ	३२	२५	ते	०	२९	३०	३०	३०	८	९	३०	कुंभे	[×तुलसी विवाह
११	मं	३१	७	श	२	३२	धु	२९	४५	व	१	१६	२७	३१	२९	९	१०	३१	मी.४७	भ.१।१६उ.३१।७या.प्रबोधिनी ११व. ×
१२	बु	२८	३५	पू	२	५३	श्वा	२५	२३	बा	२८	३५	२३	३१	२९	१०	११	१	मीने	वृश्चिकेबुधः५५नवम्बर११सा.३०प्रदोषः
१३	गु	२४	१६	उ	२५	३५	ह	१९	२५	ते	२४	१६	१९	३२	२८	११	१२	२	में.५८।४	तुलायांशुक्रः४३।१वैकुंठ १४
१४	शु	१८	११	अ	५३	४	ब	१२	१	व	१८	११	१६	३३	२७	१२	१३	३	मेषे	भ.१९।११उ.५४।३०या.अनु. बुधः५५।४
१५	श	१०	४८	भ	४७	११	सि	३१	५० ४१	ब	१०	४८	१२	३४	२६	१३	१४	४	मेषे	मस्वादिःक..स्ता.पू.

२९पं.का.शु.६वृ.इ.४६।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	६	५	८	३	६
९	८	२१	९	२१	०	२६	८
२९	२४	३	२६	१९	१	१६	५६
४२	१०	११	५६	५२	४८	४२	३८
५९	३८	९७	१३	७४	५	३	६०
४७	३३	२७	३८	८	३३	११	२

गोचर ग्रहाः

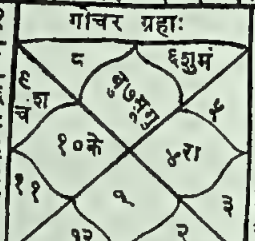

इसमास में धान्य गेहूं जो मक्का वाजरा मूंग मोठ सोना चांदी गुड सक्कर में मंदी होकर तेजी हो जावेंगे।

गोचर ग्रहाः

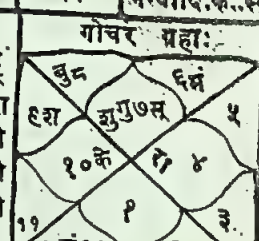

३०पं.का.शु.१३वृ.इ.३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	६	६	८	३	६
१६	१२	१	१०	०	०	२५	१५
२९	४९	३४	५८	४	४०	५४	५७
२८	८	५	३७	१९	३४	२६	४२
६०	३८	९२	१३	७४	६	३	६०
४	३७	४१	३८	१४	२	११	१८

ति	मार्गशीर्षं कृष्णपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	ग्र.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	र	२	५५	कृ	४०	५०	व	४४	२९	कौ	२	५५	२९	३४	२६	१४	१५	५	वृ.०।३५	
२	र	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	चं	४६	१६	रो	३४	१८	प	३४	३६	व	२०	२१	५	३५	२५	१५	१६	६	वृषे	
४	मं	३८	२९	मृ	२८	७	शि	२४	५९	ब	१२	२२	२	३६	२४	१६	१७	७	मि. १३	भ.३१उ.५६या.विशा.रवि ३६ (सौरः४७
५	बु	३१	३७	आ	२२	४७	सि	१६	४	कौ	५	३	२६ ५८	३६	२४	१७	१८	८	मिथुने	चतुर्थी व्र.
६	गु	२५	४४	पु	१८	२३	सा	७	४०	व	२५	४४	५५	३७	२३	१८	१९	९	क.४।२९	स्वात्यांशुक्रः०।३९उदयंगुरोः२१।०
७	शु	२१	५	पु	१५	१२	शु	१५	५३ ३३	ब	२१	५	५२	३८	२२	२९	२०	१०	कर्के	भ.२५।४४उ ५३।२५या.
८	श	१७	३८	श्ले	१३	२८	ब्र	४८	१६	कौ	१७	३८	४९	३८	२२	२०	२१	११	सिं१३।२८	
९	र	१५	३३	म	१२	२२	ऐं	४३	५४	ग	१५	३३	४५	३९	२१	२१	२२	१२	सिंहे	
१०	चं	१४	३१	पू	१२	५७	वै	४०	२४	वि	१४	३१	४२	४०	२०	२२	२३	१३	कं २८।२०	भ.४५।२उ.
११	मं	१४	४३	उ	१४	२९	वि	३७	५९	बा	१४	४३	३९	४०	२०	२३	२४	१४	कन्यायां	भ.१४।३१या.ज्येष्ठा.बुधः५।१३
१२	बु	१६	१३	ह	१७	२	प्री	३६	२५	ते	१६	१३	३६	३९	२१	२४	२५	१५	तुं.४९।१०	स्वाती.३गुरुः३३।८उत्पत्ति११व्र.
१३	गु	१८	४५	चि	२१	१९	आ	३६	०	व	१८	४५	३३	३९	२१	२५	२६	१६	तुलायां	प्रदोषः
१४	शु	२२	२५	स्वा	२६	०	सौ	३५	४९	श	२२	२५	३०	४०	२०	२६	२७	१७	तुलायां	भ.४५उ ५०या.वृश्चिकेऽकं:१२ (सौरः४१
३०	श	२७	३	वि	३२	५२	शो	३६	१६	ना	२७	३	२७	४१	१९	२७	२८	१८	वृ.१६।१०	विशा.शुक्रः४५।५७

३१पं.मा.कृ.६वृ.इ.४६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	६	६	८	३	६
२३	१७	११	१२	८	१	२५	२३
३०	१४	५०	३०	५०	२१	३२	०
५०	२१	३१	०	५३	११	११	१५
६०	३८	८६	१३	७४	६	३	६०
१७	३१	५	३२	२०	२०	११	३०

गोचर ग्रहाः

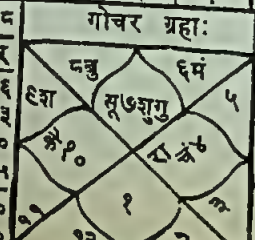

मार्गशीर्षकृष्णे १३गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

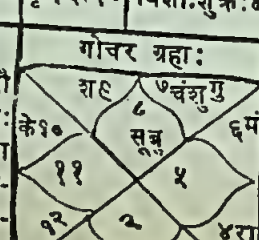

३२पं.मा.कृ.१३वृ.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	६	६	८	३	७
०	२१	२१	१३	१७	२	२५	०
३३	२९	२१	५९	३७	४	९	४
२९	१८	४०	४६	२६	५५	५५	१९
६०	३८	७६	१३	७४	६	३	६०
३०	२२	३१	२६	२२	३५	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमतर्तुरावर्दक्षिणेऽहर्गणः२४१९सन्२०१७
१	र	३२	३७	अ	३८	३५	अ	३७	४५	ब	३२	३७	२६/२५	६/४३	५/१७	२८	२९	१९	वृश्चिके	अनु.रविः३१/१८(सौरः५८/४२)चित्रा.भौमः२३/३४
२	चं	३८	४१	ज्ये	४५	४९	सु	३९	३५	बा	५	३९	२२	४४	१६	२९	३०	२०	ध.४५।४९	चंद्रदर्शनम्
३	मं	४५	८	मू	५३	२३	धृ	४१	५९	तै	११	५४	१९	४४	१६	३०	१	२१	धनुषि	रविलावल३
४	बु	५१	४२	पू	६०	०	शू	४४	४	व	१८	२५	१७	४५	१५	१	२	२२	धनुषि	भ.१८।२५उ.५१/४२या.भा.मार्गशीर्षारंभः
५	गु	५८	३	पू	१	४	गं	४६	२४	ब	२४	५२	१४	४५	१५	२	३	२३	म.१७।४३	
६	शु	६०	०	उ	८	२७	वृ	४८	२९	कौ	३०	४४	१२	४६	१४	३	४	२४	मकरे	मूलेधनुषिबुधः८।३८चंपा६
६	श	३	२५	श्र	१४	५५	ध्रु	४९	३४	तै	३	२५	९	४६	१४	४	५	२५	कुं.४७।११	
७	र	७	४६	ध	१९	२८	व्या	४९	४०	व	७	४६	७	४७	१३	५	६	२६	कुंभे	भ.४७/४६उ.३९/६या.वृश्चिकेशुक्रः३९।४
८	चं	१०	२६	श	२४	१४	ह	४८	१३	ब	१०	२६	५	४७	१३	६	७	२७	कुंभे	
९	मं	११	२३	पू	२६	२०	व	४४	१६	कौ	११	२३	२	४८	१२	७	८	२८	मी१०।५०	मूल.२शनिः१९।३८
१०	बु	१०	१७	उ	२६	२७	सि	४०	५२	ग	१०	१७	०	४८	१२	८	९	२९	मीने	भ.३८/४४उ.अनु.शुक्रः१४/२७स्वाती.४गुरुः३१/१७
११	गु	७	११	रे	२४	२४	व्य	३४	३७	वि	७	११	२५/५८	४८	१२	९	१०	३०	मे.२४।२४	भ.११/७या.तुलायांभौमः२३/२मोक्षदा११व्र.=
१२	शु	१	४९	अ	२०	२९	व	२६	५९	बा	१	४९	५६	४९	११	१०	११	१	मेषे	दिसम्बर१२ता.३१प्रदोषः[=गीताजयंती
१३	शु	५३	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
१४	श	४६	४३	भ	१४	५७	प	१७	५२	ग	२०	४७	५४	४९	११	११	१२	२	वृ.२८।२६	भ.४६/४३उ.ज्येष्ठारविः४१/२५वक्रीबुधः३७/३३
१५	र	३७	३०	कृ	८	५२	शि	७/५५	४९/३२	वि	१२	६	५३	४९	११	१२	१३	३	वृषे	भ.१३/६या.ज्येष्ठा.रविःसौरः३६/६दत्तजयंती

३३पं.मा.शु.५वृ.इ.४५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	६	६	८	३	७
७	२६	२९	१५	२६	२	२४	७
३७	३	३७	२८	२५	५०	४७	९
२६	४७	२६	४८	८	३५	३९	५२
६०	३८	५९	१३	७४	६	३	६०
४२	२०	२९	१४	२६	५३	११	५३

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं धान्य गेहूं जो चना मटर धातु सोना चांदी तेज हो प्रजा में अशान्ति रहे।

गोचर ग्रहाः

३४पं.मा.शु.११वृ.इ.४५/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	७	८	३	७
१४	०	४	१६	५	३	२४	१४
४२	२७	४८	५६	१३	३७	२५	१६
४०	२९	२२	२	१२	१२	२४	३८
६०	३८	२१	१२	७४	७	३	६१
५०	६	४९	५६	२६	४	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तुरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	चं	२७	५९	रो	०/७	५२/४७	सा	४६	२२	बा	२	४४	२५/५१	६/५०	५/१०	१३	१४	४	मि२६।३१	
२	मं	१८	४१	आ	४५	४२	शु	३५	३६	ग	१८	४१	४९	५०	१०	१४	१५	५	मिथुने	भ.४४।१४उ.अस्तंशनेः५।१९
३	बु	९	४७	पु	३९	१०	शु	२५	२६	वि	९	४७	४८	५०	१०	१५	१६	६	क.२५।४८	भ ९।४७या.बुधास्तःपश्चिमायां +
४	गु	२	१	पु	३३	५१	ब्र	१६	१	बा	२	१	४६	५१	९	१६	१७	७	कर्के	[+ ५६।२५ चतुर्थी व्र.
५	गु	५३	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
६	शु	५०	५१	श्ले	३०	२	ऐं	७	४६	ग	२३	१६	४५	५१	९	१७	१८	८	सिं३०।२	भ.५०।५१उ.
७	श	४८	०	म	२७	५८	वै	०/५०	५४/३१	वि	१९	२५	४४	५१	९	१८	१९	९	सिंहे	भ १९।२५या.ज्येष्ठा.शुक्रः५५।५८
८	र	४६	४६	पू	२७	२६	प्री	५१	१३	बा	१७	२३	४३	५१	९	१९	२०	१०	क.४२।४५	वक्रीज्येष्ठा वृश्चिकेबुधः५५/०स्वात्यां ÷
९	चं	४७	१४	उ	२८	४०	आ	४८	२२	तै	१७	०	४२	५२	८	२०	२१	११	कन्याया	[÷ भौमः ३७।३८
१०	मं	४९	१३	ह	३१	४०	सौ	४६	४८	व	१८	१३	४१	५२	८	२१	२२	१२	कन्यायां	भ.१८।१३उ.४९।१३या.
११	बु	५२	२४	चि	३६	१	शो	४६	२	व	२०	४८	४०	५२	८	२२	२३	१३	तु ३।५०	सफला११व्र.
१२	गु	५७	०	स्वा	४१	१९	अ	४७	३	कौ	२४	४२	३९	५२	८	२३	२४	१४	तुलायां	[=सौरः १०।२६विशा.१गुरुः८।२७
१३	शु	६०	०	वि	४७	३१	सु	४८	२३	ग	२९	३८	३९	५२	८	२४	२५	१५	वृ.३०।५८	मूलेधनुष्यर्कः४८।४०प्रदोषः
१३	श	२	१७	अ	५४	३९	धृ	४९	५३	व	२	१७	३८	५२	८	२५	२६	१६	वृश्चिके	भ.२।१७उ.३५।१७या.मूळे धनुष्यर्कः =
१४	र	८	१७	ज्ये	६०	०	शू	५१	४६	श	८	१७	३८	५२	८	२६	२७	१७	वृश्चिके	शुक्रास्तःपूर्वस्यां१२।३६
३०	चं	१४	३७	ज्ये	१	५०	गं	५४	१०	ना	१४	३७	३७	५३	७	२७	२८	१८	ध.१।५०	बुधोदयःपूर्वस्यां२९।५५

३५पं.पौ.कृ.५वृ.इ.४५।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	७	८	३	७
२१	४	३	१८	१४	४	२४	२१
४८	५१	९	२१	१	२५	३	२४
४३	१८	४७	१८	३७	२३	८	२०
६०	३७	६०/५	१२	७४	७	३	६१
५६	५३	व.	३१	३२	१४	११	११

गोचर ग्रहाः

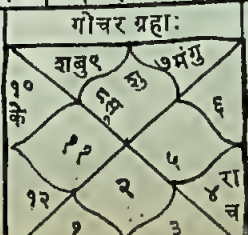

पौषकृष्णे १३शुक्रेधनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.२न.४प्रगल्भावस्था बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

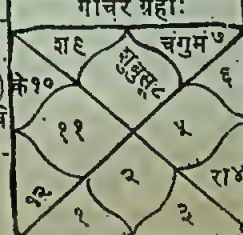

३६पं.पौ.कृ.१२वृ.इ.४५/१६

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	६	७	८	३	७
२८	९	२४	१९	२२	५	२३	२८
५५	१४	५२	४३	५०	१४	४०	३३
३७	३१	१२	८	५६	३५	५३	३
६१	३९	७४/५०	१२	७४	७	३	६१
०	५०	व	१०	३२	२०	११	१९

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२४४९स.२०१७
१	मं	२१	२	मू	९	२५	वृ	५६	१४	व	२१	२	२५/३७	६/५३	५/७	२८	२९	१९	धनुषि	चंद्रदर्शन संभवः
२	बु	२७	२९	पू	१६	५९	ध्रु	५८	२७	कौ	२७	२९	३६	५३	७	२९	१	२०	म.३३।५०	मूलेधनुषिशुक्रः२५।१५रविलाखर४
३	गु	३३	४०	उ	२४	२५	व्या	६०	०	तै	०	३४	३६	५३	७	३०	२	२१	मकरे	
४	शु	३८	४५	श्र	३१	५	व्या	०	१०	व	६	१२	३६	५३	७	१	३	२२	मकरे	भ.६।१२उ.३८।४५या.भा.पौषारंभः
५	श	४३	४६	ध	३६	५८	ह	१	२०	व	११	१५	३६	५३	७	२	४	२३	कुं.४।१	मार्गी बुधः३८।२२
६	र	४७	१	श	४१	४८	व	२	२	कौ	१५	२३	३७	५३	७	३	५	२४	कुंभे	
७	चं	४८	५५	पू	४५	७	सि	१/३६	५८/१६	ग	१७	५८	३७	५३	७	४	६	२५	मी२९।१७	भ.४८।५५उ.
८	मं	४९	११	उ	४६	५९	व	५६	४४	वि	१९	३	३७	५३	७	५	७	२६	मीने	भ.१९।३या.मूल.३शनिः५४।४७
९	बु	४७	३६	रे	४६	५३	प	५२	१७	वा	१८	२३	३८	५२	८	६	८	२७	मे.४६।५३	
१०	गु	४४	२	अ	४५	२	शि	४६	१७	तै	१५	४९	३८	५२	८	७	९	२८	मेषे	पूषा.रविः५३।४०
११	शु	३८	३७	भ	४१	११	सि	३७	४५	व	११	२०	३९	५२	८	८	१०	२९	वृ.५५।२२	भ.११।२०उ.३८।३७या.पूषा.रविः ×
१२	श	३१	४४	कृ	३३	५२	सा	२९	५४	ब	५	१०	४०	५२	८	९	११	३०	वृषे	[× सौरः१२।४पुत्र दा११व्र.
१३	र	२३	१५	रो	२९	५	शु	१९	०	तै	२३	१५	४१	५२	८	१०	१२	३१	मि५५।१७	पूषा.शुक्रः३।५७विशा.भौमः५६/११प्रदोषः
१४	चं	१४	०	मृ	२१	२९	शु	८/२६	४९/४१	व	१४	०	४२	५२	८	११	१३	१	मिथुने	भ.१४।०उ.३९।६या.जनवरी१ता.३१
१५	मं	४	१३	आ	१३	३७	ऐं	४६	४५	ब	४	१३	४३	५१	९	१२	१४	२	क.५२।४७	मा.स्ना.प्रा.

३७पं. पौ.शु.३वृ.इ. ४५/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	६	८	८	३	८
६	१३	१८	२१	१	६	२३	५
३	३८	५४	२	३९	३	१८	४२
१४	१३	४३	६	१४	५८	३७	२८
६१	३७	१४/५६	११	७४	७	३	६१
४	४५	व.	३६	३२	२०	११	२२

गोचर ग्रहाः

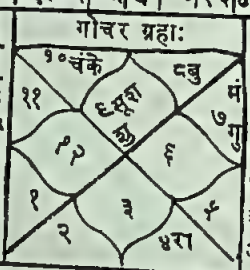

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन बाजरा मूंग मोठ सोना चांदी लोहा आदि धातुओ में तेजी करे शीत का प्रकोप अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

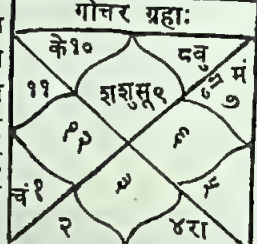

३८पं. पौ.शु.१०वृ.इ.४४/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	६	८	८	३	८
१३	१८	२१	२२	१०	६	२२	१२
११	१	२	१७	२७	५३	५६	५२
१३	१	३८	३१	७	२८	२१	२०
६१	३७	४०/२७	१०	७४	७	३	६१
६	२०	मा	५६	३८	२०	११	२

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	५०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
२	बु	४५	१३	पु	५/५१	५२/५०	वै	३६	७	तै	१९	५३	२५/४४	६/५१	५/९	१३	१५	३	कर्के	विशा.२गुरुः५९।३०
३	गु	३७	८	श्ले	५२	४९	वि	२६	४	व	११	१०	४५	५१	९	१४	१६	४	सिं५२।४९	भ.११।१०उ.३७।८या.आश्ल.२राहुः =
४	शु	३०	३३	म	४८	३७	प्री	१७	३७	ब	३	५०	४७	५१	९	१५	१७	५	सिंहे	चतुर्थी व्र. [=श्रवण.४केतु१९।३
५	श	२५	५६	पू	४६	२०	आ	१०	७	तै	२५	५६	४८	५०	१०	१६	१८	६	सिंहे	मूलेधनुषिबुधः३९।३८
६	र	२३	२१	उ	४६	१	सौ	४	२९	व	२३	२१	५०	५०	१०	१७	१९	७	कं.१।१५	भ.२३।२१उ.५३।७या.उदयंशनेः२४/१७
७	चं	२२	५३	ह	४७	४६	शो	०/२२	५७/४०	ब	२२	५३	५२	५०	१०	१८	२०	८	कन्यायां	
८	मं	२४	१९	चि	५२	७	सु	५७	७	कौ	२४	१९	५३	४९	११	१९	२१	९	तु.१९।५६	
९	बु	२७	२९	स्वा	५६	२४	धृ	५७	३२	ग	२७	२९	५५	४९	११	२०	२२	१०	तुलायां	भ.५९/५०उ.उषा.रविः५८/२५उषा.शुक्रः३७/२१
१०	गु	३२	१२	वि	६०	०	शू	५८	२९	वि	३२	१२	५७	४९	११	२१	२३	११	वृ.४६।१०	भ.३२।१२या.उषा.रविःसौरः१३।३१
११	शु	३७	४३	वि	२	४५	गं	६०	०	व	४	५७	५९	४८	१२	२२	२४	१२	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.
१२	श	४४	१३	अ	१०	२८	गं	०	२३	कौ	१०	५८	२६/१	४८	१२	२३	२५	१३	वृश्चिके	मकरेंशुक्रः१८।८
१३	र	५०	४६	ज्ये	१७	३१	वृ	२	३१	ग	१७	२९	४	४७	१३	२४	२६	१४	ध.१७।३१	भ.५०/४६उ.मकरेऽर्कः१५/४९(सौरः२८/५८) प्रदोषः
१४	चं	५७	११	मू	२५	११	ध्रु	४	५३	वि	२३	५८	६	४७	१३	२५	२७	१५	धनुषि	भ.२३।५८या.
३०	मं	६०	०	पू	३२	३६	व्या	७	१९	च	३०	१९	८	४६	१४	२६	२८	१६	म.४९।२३	पूषा.बुधः३८।४६बृश्चिकेभौमः ५७।३५
३०	बु	३	२७	उ	३९	४३	ह	९	२	ना	३	२७	११	४६	१४	२७	२९	१७	मकरे	

३९पं.मा.कृ.३वृ.इ.४४।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	६	८	८	३	८
२०	२२	२७	२३	१९	७	२२	२०
१९	२२	५३	२७	१५	४२	३४	२
२६	४१	४६	४७	४३	२२	६	१७
६१	३७	६६	१०	७४	७	३	६१
६	११	०	१७	३८	१४	११	२६

गोचर ग्रहाः

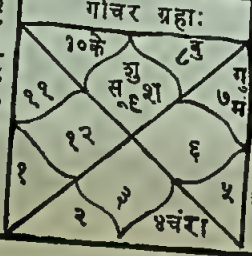

माघ कृष्णे १३ रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः; वा.३ न.२प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

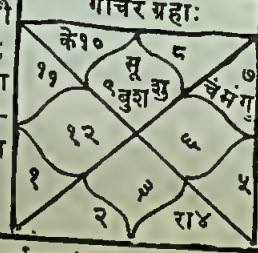

४०पं.मा.कृ.१०वृ.इ.४४/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	६	८	८	३	८
२७	२६	६	२४	२८	८	२२	२७
२७	४२	४२	३३	३	३०	११	१२
२२	५४	३६	३२	५८	४०	५०	९
६१	३६	७९	९	७४	७	३	६१
६	४४	३४	३१	३८	४	११	२४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण२४७९स.२०१८
१	गु	९	९	श्र	४६	११	व	१०	३४	ब	९	९	२६/१३	६/४५	५/१५	२८	३०	१८	मकरे	चंद्रदर्शनम्[÷श्रवणेशुक्रः १५/३९भा.माघारंभः
२	शु	१४	३	ध	५१	५६	सि	११	३५	कौ	१४	३	१६	४५	१५	२९	१	१९	कुं.१९।३	जमादिलावल५
३	श	१८	११	श	५६	३६	व्य	११	५८	ग	१८	११	१९	४४	१६	३०	२	२०	कुम्भे	भ.४९।४३उ.अभि.प्र.रविः४९।१९
४	र	२१	१५	पू	६०	०	व	११	१८	वि	२१	१५	२१	४४	१६	१	३	२१	मी४४।२३	भ.२१/१५या.अभि.प्र.रविःसौरः०/१९÷
५	चं	२३	५	पू	०	१८	प	१०	११	बा	२३	५	२४	४३	१७	२	४	२२	मीने	अनु.भौमः२१/२वसंत५ [Aरथ७
६	मं	२३	५०	उ	२	४६	शि	८	२	तै	२३	५०	२७	४३	१७	३	५	२३	मीने	=(सौरः१७/१५)अभि.नि.रविः५६/११भानु७A
७	बु	२३	१६	रे	३	५६	सि	४/४०	५५/१७	व	२३	१६	२९	४२	१८	४	६	२४	मे.३।५६	भ.२३/१६उ.५२/९या.श्रवणे रविः३/५६=
८	गु	२१	२	अ	३	४३	शु	५४	१३	ब	२१	२	३२	४२	१८	५	७	२५	मेषे	अभि.नि.रविःसौरः७/३२उषा.बुधः३६/५२•
९	शु	१७	२०	भ	१/५२	५६/५२	शु	४७	२८	कौ	१७	२०	३५	४१	१९	६	८	२६	वृ.१६।५	[•मूल.४शनिः१६/२८भीमाष्टमी
१०	श	१२	११	रो	५४	१०	ब्र	३९	२२	ग	१२	११	३८	४०	२०	७	९	२७	वृषे	भ.३८/५७उ मकरेबुधः४२/२७विशाखा.३ –
११	र	५	४३	मृ	४८	२४	ऐं	३०	१३	वि	५	४३	४१	४०	२०	८	१०	२८	मि२१।१७	भ.५/४३या.बुधास्तःपूर्वस्यां५५/३६जया११व्र.
१२	र	५२	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–गुरुः२३/१७
१३	चं	४९	२२	आ	४१	२४	वै	२०	२०	कौ	२३	४१	४५	३९	२१	९	११	२९	मिथुने	प्रदोषः
१४	मं	४०	१३	पु	३४	११	वि	९/५२	४९/५१	ग	१४	४७	४८	३८	२२	१०	१२	३०	क.२०।५९	भ.४०।१३उ.[∽ चंद्रग्रहणम्मा.स्ना.पूर्ति
१५	बु	३१	१	पु	२६	५५	आ	४८	४७	वि	५	३७	५१	३८	२२	११	१३	३१	कर्के	भ.५/३७या.धनि.शुक्रः५०/३२खग्रास ∽

४१पं मा.शु.१वृ.इ.४४।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	६	९	८	३	९
४	१	१६	२५	६	९	२१	४
३५	३	२६	३३	५२	१७	४९	२१
१३	४७	१०	४७	२३	१७	३५	३८
६१	३६	८८	८	७४	६	३	६१
३	३७	३७	४०	३८	५२	११	१९

गोचर ग्रहाः

११ १० ९शबु १२ केचंशुसू ८मं १ गु७ २ रा४ ६ ३ ५

इस मास में धान्य जौ बाजरा मूंग मीठ चना आदि तेज हो रस गुड़ शक्कर चीनी सोना चांदी लोहा आदि धातु मंदी हो

गोचर ग्रहाः

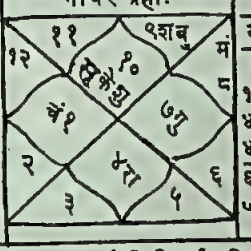

११ ९शबु १२ १० सूकेशु मं ८ चं१ ७गु २ ४रा ६ ३ ५

४२पं.मा.शु.८वृ.इ. ४४/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	६	९	८	३	९
११	५	२६	२६	१५	१०	२१	११
४२	२३	५२	२७	४०	३	२७	३०
४०	५३	४४	३२	२६	७	१९	२९
६०	३६	९५	७	७४	६	३	६१
५९	२८	३४	३६	३२	३५	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	गु	२२	२२	श्ले	२१	३	सौ	३९	३१	कौ	२२	२२	२६/५४	६/३७	५/२३	१२	१४	१	सिं२१।३	फरवरी२ता.२८
२	शु	१४	४८	म	१४	३७	शो	३०	२८	ग	१४	४८	५८	३६	२४	१३	१५	२	सिंहे	भ.४१।५०उ.
३	श	८	५१	पू	१०	३३	अ	२३	२	वि	८	५१	२७/१	३६	२४	१४	१६	३	कं.२४।५८	भ.८।५१या.श्रवणेबुध.१।४१ शुक्रोदयः×
४	र	४	३४	उ	८	१४	सु	१७	२८	बा	४	३४	५	३५	२५	१५	१७	४	कन्यायां	[×पश्चिमायां१।४८चतुर्थी व्र.
५	चं	२	४०	ह	८	९	धृ	१३	२६	तै	२	४०	८	३४	२६	१६	१८	५	तु.३८।३८	
६	मं	२	५३	चि	९	८	शू	११	११	व	२	५३	१२	३४	२६	१७	१९	६	तुलायां	भ.२।५३उ.३३।५८या.धनि.रविः१२/१४+
७	बु	५	३	स्वा	१४	७	गं	१०	०	ब	५	३	१५	३३	२७	१८	२०	७	तुलायां	[+(सौरः२२/५)कुंभेशुक्रः८।२८
८	गु	९	१३	वि	१९	५२	बृ	११	४	कौ	९	१३	१९	३२	२८	१९	२१	८	वृ.३।२६	पातस्पर्शः१७।३२पातमोक्षः३९।२
९	शु	१४	३२	अ	२६	४४	ध्रु	१२	३४	ग	१४	३२	२३	३१	२९	२०	२२	९	वृश्चिके	भ.४७।४२उ.
१०	श	२०	५२	ज्ये	३४	८	व्या	१४	४६	वि	२०	५२	२७	३१	२९	२१	२३	१०	ध.३४।८	भ.२०।५२या.धनि.बुधः५७।५१
११	र	२७	२९	मू	४१	५३	ह	१६	५९	बा	२७	२९	३१	३०	३०	२२	२४	११	धनुषि	शतेशुक्रः३०।२४विजया११व्र.
१२	चं	३३	५९	पू	४९	२८	व	१९	२४	कौ	०	४४	३४	२९	३१	२३	२५	१२	धनुषि	कुंभेऽर्कः४७।३०(सौरः५६।३)
१३	मं	४०	६	उ	५६	३१	सि	२१	२३	ग	७	२	३८	२८	३२	२४	२६	१३	म.६।१४	भ.४०।६उ.ज्येष्ठा.भौमः२०।५१प्रदोषः
१४	बु	४५	२४	श्र	६०	०	व्य	२३	०	वि	१२	४५	४१	२८	३२	२५	२७	१४	मकरे	भ.१२/४५या.कुंभेबुधः५१/७ महाशिवरात्री व्र.
३०	गु	४९	३८	श्र	२	४३	व	२४	३७	च	१७	३१	४५	२७	३३	२६	२८	१५	कु.३५।१४	

४३पं.फा.कृ.१वृ.इ.४५।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	६	९	८	३	९
१८	९	७	२७	२४	१०	२१	१८
४९	४१	५०	१४	२७	४७	५	३८
१६	३५	३८	१७	४०	६	३	३५
६०	३५	०/१०	६	७४	६	३	६१
५५	४९	१४	३३	३२	२०	११	४

११ १० ९श १२ शुबुसूके ८मं १ ७गु २ ४रा ६ ३ ५चं

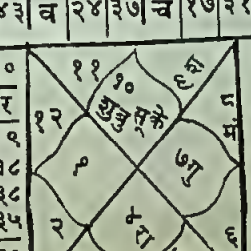

४४पं.फा.कृ.८वृ.इ.४५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	६	१०	८	३	९
२५	१३	१९	२७	३	११	२०	२५
५५	५९	२६	५३	१४	२७	४२	४५
१	२	६	३८	४२	०	४८	२२
६०	३५	०/१०	५	७४	६	३	६०
४७	३०	४६	२६	३३	०	११	५५

१२ १०के ११शु बुसूचं ९ १ श २ मं८ ७ ३ ५ गु ४रा ६

४५पं.फा.कृ.३०वृ.इ.४५/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	६	१०	८	३	१०
२	१८	१	२८	११	१२	२०	२
५९	१४	४०	२५	५९	५	२०	५१
४९	२४	१६	१९	३५	२४	३२	२५
६०	३५	०/१०	४	७४	५	३	६०
३७	२	२३	१४	२६	३२	११	४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.| फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५०९स.२०१८

| | | |

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११९, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११९, भोग्यकलिः ४२६८८१, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०७५, शाकः १९४०, अथास्मिन् वर्षे राजा रविः । मंत्री शनिः । सस्येशश्चंद्रः। धान्येशो रविः । मेघेशः शुक्रः। रसेशो बुधः। नीरसेशश्चंद्रः। फलेशो गुरुः । धनेशश्चंद्रः । दुर्गेशशुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां ६ परिधाविनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ०।१९।६।१४ भोग्यमासादिः ११।१०।५३।४६अग्निदैवतं युगम् । तत्र वर्षनाम वैशाखः। मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासःसंधौ । समयनिवासोः वणिक् गृहे। समय विश्वा २० समयवाहनम् अश्वः। स्तंभो२ वायुतृणयोः। सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी३ भानुसप्तमी ३रविदशमी २समय मुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः २० तिथिवृद्धिः १४ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा ९३, वर्षाविश्वा ११, धान्यम् ७, तृणम् १३, शीतम् ७, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१०९, सत्यम् ।। धर्मः १।। पापं १८ शनिदृष्टिःपश्चिमे । ग्रहण १ चंद्रमसः।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ विनती करूं जगदंबा के द्वार ।
पछेतर की साल में करदे बेडापार ।।

भवानी उत्तर

राजा रवि मंत्री शनि पिता पुत्र संयोग ।
युद्ध उपद्रव अग्निभय जग में बाढे रोग ।।
समयनिवासो वणिक्घर बढे घणा व्यापार ।
खंड वृष्टि हो भूमि पर ना सारे इकसार ।।
पण भैरव भय मतकरे फलपति है सुरराज ।
दैत्यगुरु मेघेश से सुधरे जग का काज ।।
सौम्यग्रहों के कबज में हुये सात अधिकार ।
जगदीश्वर के भजन से होसी बेड़ा पार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	१४	५	२	२	११	२

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	५	१४	५	१४	१४	५

वर्ष लग्नम् ५।४

सं.२०७५ शा. १९४०आषाढ शु. १५ शुक्रे खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो:
मं घ.	४३	४६	४८	५०	५३
मं प.	३९	२४	३२	४०	२५
चं. घ.	११	१	१	२	३
चं. मि.	५५	१	५२	४३	४९

वर्षेश लग्नम् ०।२६

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५६।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।६।१

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा रविः फलम् ।। सूर्ये नृपे स्वल्प फलाश्चमेघाः स्वल्पं पयो गोषुजनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्प वृक्षाश्चौरान्नि बाधा निर्धनं नृपाणां ।। मंत्री शनिः फलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदा । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित्।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम्।। सस्याधिपे शीत करे प्रजा सुखं मेघाः पयो मुंचति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधन तत्परा नृपा धरा भवेद्धान्य धनौघपूर्णा । धान्येशो रविः फलं ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदानहि । विग्रहे भू भृतां धान्यं महर्घं ज्वर पीड़नम् । मेघेशः शुक्रः फलम् ।। भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलयुता जलदा दिवि शोभनाः । धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम् ।। रसपतौ द्विजराज सुते मही सुलभ धान्य घृतादि युता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहुजलाखिलदेश सुरक्षिताः ।। नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। शुक्ल वर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससां । अर्घं वृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे । फलेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गर्तभया वनराशि महाद्रुमाः। यजन याजनकोत्सव मन्दिराः श्रुति विचार परा द्विज पूर्वकाः ।। धनेशश्चंद्रः फलम् ।। धनपति मृग लांछन को यदा रस-चयात्क्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालि युगं धनजं बहु द्रविण तेल घृतं नृप सौख्यकम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। नर वेरपुविशेष पतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्यकरो मतः । विनय वाणिज गेह समःसुखो गत वनं निकटेपि च दूरतः।। परिधावि नाम संवत्सरः फलम् ।। भूपाहवो महारोगो मध्य सस्यार्घ वृष्टयः । दुःखिनो जन्तवः सर्वे वत्सरे परिधाविनि ।। वर्षनाम वैशाखः फलम् ।। अर्घं विविध भावेन जायते द्रविण प्रदम् । नीरुजा निर्भया लोका वैशाखे जन पूजिताः ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंद वृष्टिश्च । रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खंड वृष्टिश्चसंधिषु ।। समय निवासो वणिक् गृहे । वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।

संवत् २०७५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शुक्ला ३ बुधे रोहि ल. ११ रे. ६ ।।।।ऽनृ।।।।
,, ४ गुरौ मृगे ल. ११ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ५ शुक्रे मृगे ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।ऽचौऽऽ।।
,, १५ रवौ स्वात्यां ल. ११ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।

प्रथम ज्येष्ठ मासः ।

कृष्णा ११ शुक्रे उभा ल.११ रे.७ ।।।।ऽरो.४८याऽऽ।।

द्वि. ज्येष्ठ मासः ।

शुक्ला ७ भौमे उषा ल. १ (गु.७मे.पूज्यः) रे. ८
।।।।ऽबृ।ऽ।।
,, ८ बुधे हस्ते लं. १ (ध.५२।३७ उपरांत) रे.८
।ऽ।।।।ऽ।।।
,, ६ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो (सोग्रांग:श.) रे. ७
।ऽ।।।ऽचौऽ।।।
,, १० शुक्रे स्वात्यां ल. १ (गु.चन्द्रौ७मे.पूज्यौ) रे८
।।ऽबृ।।।।ऽ।।
,, १३ चन्द्रे अनु ल. ऽन्यगो (सोग्रांगःश.) रे. ७
ऽऽऽचं।।।।।।।

आषाढ मासः ।

कृष्णा १ शुक्रे उषा ल. १ (गु.पू.सत्) रे. ८
।।।।।ऽनृ।।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याभावः
,, ८ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो (सोग्रांगःश) १-२ रे७
।।।।ऽअ.।ऽ।ऽ

पौष मासः ।

शुक्ला ११ गुरौ रोहि. ल. (चं.पू.सत्) रे. ८
।।।।।।।।ऽऽ दग्धा गणितेन क्रां. साम्याऽभावः

माघ मासः ।

कृष्णा १ भौमे मघा ल. ७-८ रे. ९ ।।।।ऽरो।।।।
,, ५ शुक्रे हस्ते ल. गौ (सोग्रांगः ७-८ रे. ७
।।।।।ऽअऽऽ।।
,, ७ रवौ स्वात्यां ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ८ रे. ६
ऽ।।।।ऽनृऽऽ।।
,, ६ भौमे अनु ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ७ रे. ७
।।।।।ऽचौऽऽ।।
शुक्ला ३शुक्रे उभा ल.ऽन्यगो(सोग्रांगः)रे.१०।।।।।।।।।।
,, ५ रवौ रेव ल. ऽन्यगो रे. ६ऽऽ।।।।ऽऽ।।

फाल्गुन मासः ।

कृष्णा २ गुरौ उफा ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽऽ।।।।
शुक्ला २ शुक्रे रेव. ल.१० (श.पू.सत्) रे.८ ऽ।।।।ऽ।।।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०	दि.	उ.अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततुंरविरुत्तरेऽहर्गणः२५३९सन्२०१८
१	र २९ ४० उ ३३ ४१ शु ३१ ५२ ब २९ ४०	५९	६ ५८	२७	२९	१८	मीने	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
१	चं २८ १२ रे ३३ ४५ ब्र २७ ४६ कौ २८ १२	५५	१ ५६	२८	३०	१९	मे.३३।४५	चंद्रदर्शनम् सिंघारा
२	मं २५ ५३ अ ३२ ५५ ऐं २२ ४७ ग २५ ५३	३०	६ ०	२९	१	२०	मेषे	भ.२५उ.रज्जव७मत्स्यजयंतीगणगौरी
३	बु २२ ५३ भ ३१ २९ वै १७ १४ वि २२ ५३	३०	६ ५९	३०	२	२१	बृ.४५।५३	भ.२२।५३या.
४	गु १८ ५६ कृ २९ ७ वि ११ २० बा १८ ५६	८	५८ २	१	३	२२	वृषे	वक्रीबुधः४२।९भा.चैत्रारंभः
५	शु १४ ५३ रो २५ ३२ प्री ९ ५५ तै १४ ५३	१२	५८ २	२	४	२३	मि५४।३३	
६	श १० १९ मृ २३ ३५ सौ ५१ ३२ व १० १९	१६	५७ ३	३	५	२४	मिथुने	भ.३९उ.३५या.बुधास्तःपश्चिमायां३६
७	र ५ २३ आ २० ५ शो ४४ ८ ब ५ २३	२१	५६ ४	४	६	२५	मिथुने	रामनवमी स्मा.
८	चं ० ५ पु १६ २७ अ ३६ ३८ कौ ० ५	२५	५५ ५	५	७	२६	क.२।२२	अश्वि.मेषे शुक्रः२१।५१रामनवमी वै.
९	चं ५४ १४ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	० ०	०	०	०	० ०	
१०	मं ४८ २३ पु १२ २६ सु २८ ५६ व २१ २१	२९	५४ ६	६	८	२७	कर्के	भ.३१उ.४६या.कामदा११व्र.स्मा.
११	बु ४२ २६ श्ले ८ १० धृ २१ १८ ब १५ २५	३३	५३ ७	७	९	२८	सिं.८।१०	कामदा११व्र.वै.
१२	गु ३६ ४० म ४ २९ शू १३ ५० कौ ९ ३३	३७	५३ ७	८	१०	२९	सिंहे	प्रदोषः
१३	शु ३१ ४३ पू ५८ ५७ गं ६ ४४ ग ४ ११	४१	५२ ८	९	११	३०	कं.१५।१७	भ.४३उ.५९या.पूषा.भौमः५३।३७
१५	श २७ ३४ ह ५६ ५० बृ २५ ५० ब २७ ३४	४५	५१ ९	१०	१२	३१	कन्यायां	हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.५बृ.इ ४६ ५७	गोचर ग्रहाः	इस मास में रुई रंग स्वर्ण तेज रहेंगे चांदी में घटाबढी चले धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं मंदेहोकर तेज हो ।	गोचर ग्रहाः	५१पं.चै.शु.१३बृ.इ. ४७ ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	६	११	८	३	११
८	८	२२	२८	२५	१४	१८	७
३	५०	५३	४९	३४	२५	२९	५७
१८	४९	१३	२३	१९	१	१४	५२
५९	३६	४०	३३	७४	२	३	५९
२२	२३	व.	व.	८	४३	११	३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	६	०	८	३	११
१४	१२	२०	२८	४	१४	१८	१४
५९	४६	१०	२७	१३	४०	६	५४
१०	३४	१२	२९	३०	२६	५९	२
५९	३०	४०	३३	४१	७४	२	३
१६	६	व.	व.	२	२	११	८

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वसंततूंरविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	र २४ ४७ चि ५६ ५५ व्या ५१ ११ कौ २४ ४७	३०	५	६	११	१३	१	वृ.२६।५२	अप्रेल४ता.३१
२	चं २३ ४४ स्वा ५८ ३४ ह ४८ ५८ ग २३ ४४	५३	४९	११	१२	१४	२	तुलायां	भ.५३।५६उ.
३	मं २४ ९ वि ६० ० ध ४७ ३५ वि २४ ९	५७	४९	११	१३	१५	३	वृ.४६।४	भ.२४या.वक्रीउभा.बुधः३४चतुर्थी व्र.
४	बु २६ ३८ वि १ ५५ सि ४७ २५ बा २६ ३८	३१	४८	१२	१४	१६	४	वृश्चिके	
५	गु ३० ३२ अ ६ ५८ व्य ४८ ३७ तै ३० ३२	४	४७	१३	१५	१७	५	वृश्चिके	
६	शु ३५ ५६ ज्ये १३ २७ व ५० २० ग ३ १४	८	४६	१४	१६	१८	६	धनुषि	भ.१३।२७ भ.३५।५६उ.भरण्यांशुक्रः१३।२१
७	श ४२ २ म २० ३२ प ५२ ५२ वि ८ ५९	१२	४६	१४	१७	१९	७	धनुषि	भ.८।५९या.
८	र ४८ १४ पू २८ ५ शि ५४ ४३ बा १५ ८	१६	४५	१५	१८	२०	८	म.४४।५६	बुधोदयःपूर्वस्यां४३।३८
९	चं ५४ २६ उ ३५ २६ सि ५७ ८ तै २१ २०	१९	४४	१६	१९	२१	९	मकरे	
१०	मं ५९ ४१ श्र ४२ १७ सा ५८ ३९ व २७ ४	२३	४३	१७	२०	२२	१०	मकरे	भ.२७।४उ.५९।४१या.
११	बु ६० ० ध ४७ ३७ शु ५८ २३ ब ३१ ३३	२७	४३	१७	२१	२३	११	कु.१४।५७	वरुथिनी११व्र.स्मा.
११	गु ३ २५ श ५१ ३२ शु ५७ २२ बा ३ २५	३०	४२	१८	२२	२४	१२	कुम्भे	वरुथिनी११व्र.वै.
१२	शु ५ ४८ पू ५३ ४८ व्र ५४ ५९ तै ५ ४८	३४	४१	१९	२३	२५	१३	मी. ३८	प्रदोषः
१३	श ६ २४ उ ५४ ३८ ऐं ५१ १४ व ६ २४	३८	४०	२०	२४	२६	१४	मीने	भ.६।२४उ.३५।५०या.अश्वि.मेषेऽर्कः×
१४	र ५ १६ रे ५३ ४१ वै ४६ १५ श ५ १६	४२	४०	२०	२५	२७	१५	मे.५३।४१	मार्गीबुधः४८।३३
३०	चं २ ३८ अ ५१ ४२ वि ४० २३ ना २ ३८	४६	३९	२१	२६	२८	१६	मेषे	[× ३।२४(सौरः९।१०)

५२पं.वै.कृ.५बृ.इ ४७ ३८	गोचर ग्रहाः	वैशाखकृष्णे १३ शनौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी)मु ४५ धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायां ।	गोचर ग्रहाः	१पं. वै.कृ.१३श. इ. २४ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	६	०	८	३	११
२१	१६	१४	२७	१२	१४	१७	२१
५३	३५	५०	५७	४९	५०	४४	४८
३१	४२	१३	१८	२३	४९	४३	१३
५९	२८	४६	५	७३	१	३	५९
४	४३	व.	व.	१६	२२	११	४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	६	०	८	३	११
०	२०	११	२७	२२	१४	१७	२९
०	५९	२	१०	५७	५८	१८	५४
०	२	४६	४१	५८	१६	३५	२६
५८	२६	४	८	७३	०	३	५८
४४	४६	व.	व.	५०	३२	११	४५

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५६९स.२०१८
१	चं ५६ ४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं ५३ ४९ भ ४७ ४३ प्री ३३ ५३ ना २६ १६	३१	३८	५	६	२७	२९	१७ मेषे	कृत्ति.शुक्रः ३।५०चंद्रदर्शनम्
३	बु ४८ १५ कृ ४५ ४ आ २६ ४१ तै २१ २	५३	३७	२३	२८	१	१८	बृ २।३	सावान ८परशुरामजयंतीअक्षया३
४	गु ४२ ४० रा ४१ १० खौ १९ ६ व १५ २८	५७	३७	२३	२९	२	१९	वृषे	भ.१३उ.४०या.वृषेशुक्रः ४९ वक्रीविशा. ÷
५	शु ३६ ५५ मृ ३७ २८ शो ११ ४६ ब ९ ४७	३२	३६	२४	३०	३	२०	मि ९।१९	[÷२गुरुः १०।२७वक्रीशनिः १६।११
६	श ३१ १७ आ ३३ ४६ अ ३३ ५३ कौ ४ १०	५	३५	२५	१	४	२१	मिथुने	भा.वैशाखारंभः
७	र २५ ६ पु ३० २० धृ ५० १४ ध २५ ६	९	३४	२६	२	५	२२	क.१६।११	भ.२५।६उ.५२।५४या.
८	चं २० ४१ पु २७ १ शू ४३ १९ व २० ४१	१२	३४	२६	३	६	२३	कर्के	
९	मं १५ ५४ श्ले २४ ५ गं ३६ ५० कौ १५ ५४	१६	३३	२७	४	७	२४	सिं. २४	उषा.भौमः ५१।२२
१०	बु ११ १६ म २१ ३५ बृ ३० ४४ ग ११ १६	२०	३२	२८	५	८	२५	सिंहे	भ.३९।१४उ.
११	गु ७ १३ पू १९ ४१ धु २५ ३ वि ७ १३	२३	३१	२९	६	९	२६	क.३४।१७	भ.१३या.पुष्ये.४राहुःश्रवण२केतुः१२।८=
१२	शु ३ ४३ उ १८ ७ ब्या २० ३ ना ३ ४३	२७	३१	२९	७	१०	२७	कन्यायां	भरण्यांरविः ४३ (सौरः ५०) रेवत्यांबुधः +
१३	श १ ३ ह १७ २९ ह १५ ३७ तै १ ३	२१	३०	३०	८	११	२८	तु.४७।५४	भ.५९।२०उ.रोहि शुक्रः ४९ नृसिंहजयंती
१४	श ५८ १७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= मोहिनी ११व्र.[+५३।२१प्रदोषः
१५	र ५८ ५३ चि १८ १९ व १२ १० वि २९ ७	२४	२९	३१	९	१२	२९	तुलायां	भ.२९।७या.यमायकुंभदानम्

२पं.वै.शु.६श.इ.३।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	६	१	८	३	०
३	२४	१२	२६	१	१४	१६	६
५०	३२	११	२६	३१	५८	५९	५४
४२	२०	५६	४२	१६	३४	१९	३७
५८	२५	३५	४	७३	१९	३	५८
३१	४३	मा	व.	४३	वे.	११	२९

गोचर ग्रहाः

यत्र मासे खेवराः
जायते पंच सन्ततम् ।
दुर्भिक्षं छत्र भङ्गश्च
तशास्तेच महद्भयम्।।
इस मास में धातु
धान्य में तेजी हो
प्रजा में दुःख फैले ।

गोचर ग्रहाः

३पं.वै.शु.१३श.इ.५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	६	१	८	३	०
१३	२७	१६	२५	१०	१४	१६	१३
३९	५६	४८	३७	२	५४	३४	३३
४७	२०	४	३४	३८	२५	४	२
५८	२३	४५	४०	७३	५०	३	५८
१९	४७	३५	व.	२८	व	११	१२

ति.	प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	चं ५९ ४९ स्वा २० ७ सि ९ ४१ बा २९ २१	३३	२८	३३	१०	१३	३०	तुलायां	
२	मं ६० ० वि २३ १९ व्य ८ ३७ तै ३१ ५	४१	२८	३२	११	१४	१	वृ.७।३१	मकरेभौमः ४२।१२म६५ता.३१
२	बुं २ २३ अ २७ ५० ब ८ २ ग २ २३	४५	२७	३३	१२	१५	२	वृश्चिके	भ.३४।१०उ.
३	गु ५ ५८ ज्ये ३४ ३० प ८ ५६ वि ५ ५८	४८	२६	३४	१३	१६	३	ध.३४।३०	भ.५।५८या.चतुर्थी अ.
४	शु १० ५८ मू ४० ३४ शि १० २६ बा १० ५८	५२	२६	३४	१४	१७	४	धनुषि	
५	श १६ ४४ पू ४८ ७ सि १२ ३३ तै १६ ४४	५५	२५	३५	१५	१८	५	धनुषि	
६	र २२ ५५ उ ५५ ३४ सा १४ ५६ व २२ ५५	५८	२४	३६	१६	१९	६	म.४।५८	भ.२२।५५उ.५६।६या.
७	चं २९ १७ अ ६० ० शु १७ २० ब २९ १७	३३	२४	३६	१७	२०	७	मकरे	
८	मं ३४ ५० अ २ ५२ शु १९ २० बा २ ४	५	२३	३७	१८	२१	८	कुं ३६।२	
९	बु ३९ ७ ध ९ १३ ब्र २० ८ तै ६ ५९	८	२२	३८	१९	२२	९	कुंभे	अश्वि.मेषेबुधः ४०।२१मृगेशुक्रः ४।५६
१०	गु ४१ ५१ श १३ ५९ ऐं २० १ व १० २९	११	२२	३८	२०	२३	१०	कुंभे	भ.१०।२९उ.४१।५१या.
११	शु ४२ ४९ पू १७ ११ वै १८ २५ व १२ २०	१४	२१	३९	२१	२४	११	मी १।२३	कृत्ति.रविः ३९ (सौरः ३८ अपरा ११व्र.
१२	श ४१ ४९ उ १८ १५ वि १५ १४ कौ १२ १९	१७	२१	३९	२२	२५	१२	मीने	
१३	र ३८ ५० रे १७ ३६ मी १० ३४ ग १० १९	२०	२०	४०	२३	२६	१३	मे.१७।३६	भ.२८।५०उ.प्रदोषः
१४	चं ३४ ७ अ १६ ८ आ २९ ५२ वि ६ २८	२३	१९	४१	२४	२७	१४	मेषे	भ.२६या.वृषेऽर्कः ५६ मिथुनेशुक्रः ३३
२०	मं २८ ५ भ ११ १७ शो ४८ ५२ च १ ६	२६	१९	४१	२५	२८	१५	वृ.२५।२	वृषेऽर्कःसौरः ६।१४वटपूजनम्

४पं.प्र.ज्ये.कृ.५श.इ.४।११

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	६	१	८	३	०
२०	१	२४	२४	१८	१४	१६	२०
२७	९	४	४४	३१	४४	११	२९
२५	१४	३४	५३	२३	५३	४८	४७
५८	२०	६८	५	७३	४	३	५७
६	२४	२६	व.	१८	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

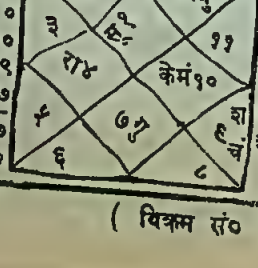

प्रथम ज्येष्ठ कृष्णे ३०
भौमे वृषेऽर्कः प्रविष्टः
वा.४न.४सुताथिन्यव-
स्था (सूती) मु. १५
धान्यादिभावे महर्घता
शुक्रोदयःपश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

५पं.प्र.ज्ये.कृ.१२श.इ.२।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	६	१	८	३	०
२७	४	३	२२	२६	१४	१५	२७
१३	७	३२	५१	५८	३१	४५	५
३७	५	४९	४३	२६	१६	३३	१
५७	१९	८४	५	७३	१६	३	५७
५४	१४	१२	व.	२	व.	१९	४५

ति.	प्र.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः स. २०७५ शाकः १९४०											दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः२५९७स.२०१८
१	बु	२०	५३	कृ	६	२०	अ	४०	७	ब	२०	५३	३३/३८	५/१८	६/४२	२६	२९	१६	वृषे	वक्रीविशा.१गुरुः१५।५०चंद्रदर्शनम्
२	गु	१३	२३	रो	०/५६	५४/१९	सु	३१	७	कौ	१३	२३	३१	१८	४२	२७	१	१७	मि२८।६	रमजान ९
३	शु	५	४१	आ	४९	५५	धृ	२२	१४	ग	५	४१	३४	१७	४३	२८	२	१८	मिथुने	भ.३२।१उ.५८।२१या.भरण्यांबुधः१५/४२
४	शु	५२	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	श	५१	२५	पु	४५	१	शू	१३	३८	व	२४	५२	३७	१७	४३	२९	३	१९	क.३१।१४	
६	र	४५	७	पु	४०	३९	गं	५/४७	५२/३३	कौ	१८	१६	३९	१६	४४	३०	४	२०	कर्के	आर्द्रा.शुक्र.७।४६
७	चं	३९	४५	श्ले	३७	२१	ध्रु	५१	३७	ग	१२	२६	४२	१६	४४	३१	५	२१	सिं३७।२१	भ.३९।४५उ.
८	मं	३५	२१	म	३४	५६	व्या	४५	५०	वि	७	३३	४४	१५	४५	१	६	२२	सिंहे	भ.७।३३या.भा.ज्येष्ठारंभः
९	बु	३१	५८	पू	३३	३५	ह	४०	४१	बा	३	३९	४७	१५	४५	२	७	२३	कं.४८।२९	
१०	गु	२९	२६	उ	३३	११	व	३६	२६	तै	०	४२	४९	१४	४६	३	८	२४	कन्यायां	भ.५८।४४उ.
११	शु	२८	२	ह	३३	४२	सि	३२	५६	वि	२८	२	५२	१४	४६	४	९	२५	कन्यायां	भ.२६या.रोहि.रविः२०/२७(सौरः३२/२२)कृत्ति=
१२	श	२७	३७	चि	३५	१२	व्य	३०	३१	बा	२७	३७	५४	१३	४७	५	१०	२६	तु.४।२७	[=बुधः२७/१६बुधास्तःपूर्वस्यां५२/३८कमला११व्र.
१३	र	२८	२६	स्वा	३७	४६	व	२८	४१	तै	२८	२६	५६	१३	४७	६	११	२७	तुलायां	वृषेबुधः६।४७
१४	चं	३०	१७	वि	४१	४१	प	२८	९	व	३०	१७	५८	१२	४८	७	१२	२८	वृ.२५।४२	भ.३०।१७उ.
१५	मं	३३	१४	अ	४६	२२	शि	२७	५०	वि	१	४६	३४/००	१२	४८	८	१३	२९	वृश्चिके	भ.१।४६या.श्रवणेभौमः४७।३६

६पं.प्र.ज्ये.शु.५श.इ.४।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	६	२	८	३	१
३	६	१४	२२	५	१४	१५	३
५८	४१	५३	५८	२३	१३	२७	४८
३७	२	१३	२६	२	२३	१७	४४
५७	१६	५८/१०	७/४०	७२	५५/२	३	५७
४४	२६	१६	व	४७	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धातु सोना चांदी रुई वारदाना मंदा हो धान्य गेहूं जो चना मटर बाजरा गुड शक्कर तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

७पं.प्र.ज्ये.श१२श.इ.४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	६	२	८	३	१
१०	९	२७	२२	१३	१३	१५	१०
४२	८	५५	८	४४	५२	५	३०
२९	१७	५	१०	४९	१	१	५५
५७	१३	०/१२	७/८	७२	३/३४	३	५७
३५	५५	३५	व.	२५	व	११	२३

ति.	द्वि.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र. ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	बु	३७	१६	ज्ये	५२	२३	सि	२८	४५	बा	५	१२	३४/२	५/१२	६/४८	९	१४	३०	ध.५२।२३	
२	गु	४२	२५	मू	५८	५२	सा	३०	१४	तै	९	५०	३	११	४९	१०	१५	३१	धनुषि	रोहि.बुधः५५।२७पुन.शुक्रः२१।४९
३	शु	४७	५९	पू	६०	०	शु	३२	१२	व	१५	१२	५	११	४९	११	१६	१	धनुषि	भ.१५।१२उ.४७।५९या.जून६ता.३०
४	श	५४	४	पू	६	२०	शु	३४	४१	ब	२१	२	७	११	४९	१२	१७	२	म.२३।१२	चतुर्थीव्र.
५	र	६०	०	उ	१३	४८	ब्र	३७	१३	कौ	२७	१५	९	१०	५०	१३	१८	३	मकरे	वक्रीमूल.४शनिः५६।३३
५	चं	०	२६	श्र	२१	२६	ऐं	३९	४०	तै	०	२६	१०	१०	५०	१४	१९	४	कुं.५४।५९	
६	मं	६	१८	ध	२८	३१	वै	४१	२२	व	६	१८	१२	१०	५०	१५	२०	५	कुम्भे	भ.६।१८उ.३८।४३या.
७	बु	११	७	श	३४	११	वि	४२	८	ब	११	७	१३	९	५१	१६	२१	६	कुम्भे	मृगेबुधः५७।४
८	गु	१४	४९	पू	३८	४४	प्री	४१	४७	कौ	१४	४९	१५	९	५१	१७	२२	७	मी२२।३५	
९	शु	१६	४०	उ	४१	२५	आ	३९	५४	ग	१६	४०	१६	९	५१	१८	२३	८	मीने	भ.४६।४०उ मृगेरविः१५।२०(सौरः +
१०	श	१६	४०	रे	४२	३	सौ	३६	२५	वि	१६	४०	१७	९	५१	१९	२४	९	मे.४२।३	भ.१६।४०या.
११	र	१४	१८	अ	४०	३८	शो	३१	११	बा	१४	१८	१८	८	५२	२०	२५	१०	मेषे	मिथुनेबुधः३।३१कमला११व्र.
१२	च	१०	१५	भ	३७	२०	अ	२४	३८	तै	१०	१५	१९	८	५२	२१	२६	११	वृ.५१।४	पुष्येशुक्रः३६।५६
१३	मं	४	४	कृ	३२	१७	सु	१६	२६	व	४	४	१९	८	५२	२२	२७	१२	वृषे	भ.४।४उ.३०।१७या.
१४	मं	५२	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+३१।१२)कर्केशुक्रः४९।२६
३०	बु	४७	५६	रो	२६	१०	धृ	७/२५	५०/९	च	२२	१३	२०	८	५२	२३	२८	१३	मि५२।४३	आर्द्रा.बुधः५।२४

८पं. द्वि.ज्येकृ.४श.इ.४।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	६	२	८	३	१
१७	११	१२	२१	२२	१३	१४	१७
२५	६	२७	२२	३	२७	४२	१२
१९	५८	४७	२३	३२	१८	४६	१
५७	११	१२/१	६/२०	७२	३/५५	३	५७
२७	१९	१	व.	२	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला गेहूं जो चना आदि मंदा रहे धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा गुड़ सक्कर चीनी तेज रहे।

गोचर ग्रहाः

९पं.द्वि.ज्ये.कृ.१०श.इ.४४/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	६	३	८	३	१
२४	१२	२७	२०	०	१३	१४	२३
७	३७	५३	४२	१८	०	२०	५१
१९	३७	५३	०	२५	११	३०	५७
५७	८	१२/१	५/२५	७१	४/१०	३	५७
२२	३	४३	व.	३५	व.	११	५

ति.	द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२६२६ स.२०१८
१	गु	३८	४३	मृ	१९	१६	गं	४७	१७	किं	१३	१९	३४/२१	५/८	६/५२	२४	२९	१४	मिथुने	
२	शु	२९	२९	आ	१२	१२	बृ	३७	१३	बा	४	५	२१	८	५२	२५	३०	१५	क.५२।२	मिथुनेऽर्कः१३।५४(सौरः३२/०) चंद्रदर्शनम्
३	श	२०	३३	पु	५/१९	५३/३८	ध्रु	२७	२५	ग	२०	३३	२२	८	५२	२६	१	१६	कर्के	भ. ४६।३० उ. सव्वाल १०
४	र	१२	२८	श्ले	५३	५३	व्या	१८	२	वि	१२	२८	२२	८	५२	२७	२	१७	सिं५३।५३	भ.१३/२८या.वक्रीस्वाती.४गुरुः५९/३१=
५	चं	५	२५	म	४९	५५	ह	९	५८	बा	५	२५	२३	७	५३	२८	३	१८	सिंहे	[=बुधोदयःपश्चिमायां५।३
६	चं	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	मं	५५	२८	पू	४७	३३	व	२/५९	५४/१४	ग	२७	३५	२३	७	५३	२९	४	१९	सिंहे	भ.५५।२८ उ. पुन. बुधः ४६।२८
८	बु	५२	५६	उ	४६	३७	व्य	५२	३७	वि	२४	१२	२३	७	५३	३०	५	२०	कं.१।५०	भ. २४।१२ या.
९	गु	५१	४१	ह	४७	१	व	४९	१३	बा	२२	१९	२४	७	५३	३१	६	२१	कन्यायां	[×भ.आषाढारंभःगंगादशमी
१०	शु	५१	५३	चि	४९	४	प	४६	५४	तै	२१	४७	२४	७	५३	१	७	२२	तु.१८।२	आर्द्रारविः१२।४९ (सौरः३३।०)×
११	श	५३	३५	स्वा	५२	२१	शि	४५	४४	व	२२	४४	२४	७	५३	२	८	२३	तुलायां	भ.२२।४४उ.५३।३५या.आश्लेशुक्रः+
१२	र	५६	१६	वि	५६	४४	सि	४५	३९	ब	२४	५५	२४	७	५३	३	९	२४	वृ.४०।३८	[+८।१निर्जला११व्र.
१३	चं	६०	०	अ	६०	०	सा	४६	४	कौ	२८	१४	२४	७	५३	४	१०	२५	वृश्चिके	कर्के बुधः २१।९ प्रदोषः
१३	मं	०	१२	अ	२	८	शु	४७	४	तै	०	१२	२३	७	५३	५	११	२६	बृश्चिके	[÷केतुः६।१०गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.
१४	बु	४	४९	ज्ये	८	२४	शु	४८	५७	व	४	४९	२३	७	५३	६	१२	२७	ध.८।२४	भ.४।४९उ.३७।३२या. पुष्येबुधः२५।५६
१५	गु	१०	१४	मू	१५	९	ब्र	५०	५९	ब	१०	१४	२२	८	५२	७	१३	२८	धनुषि	वक्रीभौमः३९।५४पुष्य३राहुःश्रव.१÷

१०पं.द्वि.ज्ये.शु.५श.इ.४/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	२	६	३	८	३	२
०	१३	१२	२०	८	१२	१३	०
४८	३९	४३	८	२९	३१	५८	३१
३६	५८	४८	६	२०	१२	१५	६
५७	४	१२/१४	४/१४	७१	४/३१	३	५६
१७	४०	४४	व.	७	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

द्वि.ज्येष्ठशुक्ले २शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.६ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

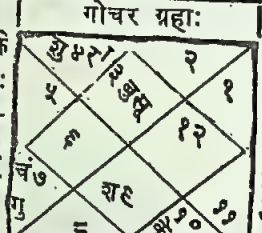

११पं.द्वि.ज्ये.शु.११श.इ.४/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	२	६	३	८	३	२
७	१४	२५	१९	१६	१२	१३	७
२९	१०	५५	४२	३६	१	३५	९
३१	२६	१९	१८	४	८	५९	३३
५७	१	७/१०	३/१२	७०	४/४०	३	५६
१३	३५	३४	व.	२७	व.	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	शु	१५	५८	पू	२२	२८	ऐं	५३	२४	कौ	१५	५८	३४/२२	५/८	६/५२	८	१४	२९	म.३९।२०	
२	श	२२	२	उ	२९	५५	वै	५५	५१	ग	२२	२	२१	८	५२	९	१५	३०	मकरे	भ. ५५।७ उ.
३	र	२८	१३	श्र	३७	२६	वि	५८	१७	वि	२८	१३	२०	८	५२	१०	१६	१	मकरे	भ.२८।१३या.जुलाई७ता.३१ चतुर्थी व्र
४	चं	३४	४	ध	४४	३५	प्री	६०	०	ब	१	८	१९	८	५२	११	१७	२	कुं.११।१	
५	मं	३९	३	श	५०	५७	प्री	०	२०	कौ	६	३३	१८	८	५२	१२	१८	३	कुंभे	
६	बु	४३	२१	पू	५६	२९	आ	१	४४	ग	११	१२	१७	९	५१	१३	१९	४	मी४०।६	भ.४३।२१उ.मघा.सिंहेशुक्रः५२।२०
७	गु	४५	५८	उ	६०	०	सौ	२	१९	वि	१४	४०	१६	९	५१	१४	२०	५	मीने	भ. १४।४० या.
८	शु	४७	८	उ	०	४१	शो	१/४०	५७/५७	बा	१६	३३	१५	९	५१	१५	२१	६	मीने	पुन.रविः११।३९(सौरः३७।३५)
९	श	४६	२०	रे	३	६	सु	५६	७	तै	१६	४४	१४	९	५१	१६	२२	७	मे.३।६	आश्ले.बुधः ४।२३
१०	र	४३	२९	अ	२	१४	धृ	५१	६	व	१४	५५	१३	९	५१	१७	२३	८	मेषे	भ.१४।५५उ.४३।२९ या.
११	चं	३८	४७	भ	१/४९	५६/३१	शू	४४	२८	ब	११	८	११	१०	५०	१८	२४	९	वृ.१५।५७	मार्गी गुरुः ५।१९ योगिनी ११ व्र.
१२	मं	३२	४	रो	५३	४	गं	३६	२२	कौ	५	२५	१०	१०	५०	१९	२५	१०	वृषे	प्रदोषः
१३	बु	२४	४	मृ	४६	३५	बृ	२७	४	व	२४	४	८	१०	५०	२०	२६	११	मि१९।४९	भ. २४।४ उ. ४९।२५ या.
१४	गु	१४	४६	आ	३९	१०	ध्रु	१६	५३	श	१४	४६	७	११	४९	२१	२७	१२	मिथुने	
३०	शु	४	५३	पु	३१	१४	व्या	६/८	४९/२	ना	४	५३	५	११	४९	२२	२८	१३	क.१८।१३	

१२पं.आ.कृ.२श.इ.४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	३	६	३	८	३	२
१४	१४	७	१९	२४	११	१३	१३
९	७	१६	२४	३६	३०	१३	४७
५८	१	१९	११	२९	४०	४३	३८
५७	०/२४	८९	१/५३	६९	४/४०	३	५६
७	व.	२२	व.	३८	व.	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में चांदी सोना रुई रंग सूत तेज होकर सुदी में मंदी हो वर्षा अच्छी हो प्रजा में विग्रह पैदा हो।

गोचर ग्रहाः

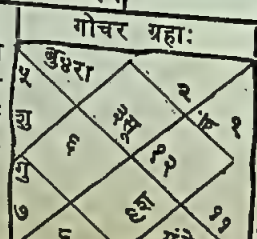

१३पं.आ.कृ.९श.इ.४/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	३	६	४	८	३	२
२०	१३	१६	१९	२	१०	१२	२०
५०	३३	४०	१५	३१	५९	५१	२५
२४	३२	८	३२	३७	२८	२८	३२
५७	२/३७	६८	०/२१	६८	४/३४	३	५६
७	व.	१८	व.	५०	व.	११	५०

—मंकेचं

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २६५६स.२०१८
१	शु	४९	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४५	२	पु	२३	१४	व	४४	५३	बा	१९	५६	३४/३	५/११	६/४९	२३	२९	१४	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	र	३६	१४	श्ले	१६	२३	सि	३४	३४	तै	१०	३८	१	१२	४८	२४	१	१५	सिं१६।२३	जिल्काद ११
४	चं	२८	३७	म	१०	३१	व्य	२५	३४	व	२	२५	३३/५९	१२	४८	२५	२	१६	सिंहे	भ.२/२५ उ.३८/३७ या.कर्केऽर्कः ४१/५ पूफा.शुक्रः ४२/३०
५	मं	२२	४७	पू	५	५६	व	१८	१०	बा	२२	४७	५७	१३	४७	२६	३	१७	कं.२०।१५	कर्केऽर्कः सौरः १०।१९
६	बु	१८	४७	उ	३	१८	प	१२	३	तै	१८	४७	५५	१३	४७	२७	४	१८	कन्यायां	
७	गु	१६	३७	ह	२	२२	शि	७	२५	व	१६	३७	५२	१४	४६	२८	५	१९	तु.३२।५८	भ. १६।३७ उ ४६।३३ या.
८	शु	१६	२९	चि	३	३४	सि	४	१४	ब	१६	२९	५०	१४	४६	२९	६	२०	तुलाया	पुष्ये रविः १०।२३ (सौरः४१।०)
९	श	१८	५	स्वा	६	१९	सौ	२	४२	कौ	१८	५	४८	१४	४६	३०	७	२१	वृ.५३।३६	वक्री मूल. ३ शनिः ३४।६
१०	र	२१	८	वि	१०	४१	शु	२	१९	ग	२१	८	४५	१५	४५	३१	८	२२	वृश्चिके	भ. ५३।२१ उ.
११	चं	२५	३५	अ	१६	२३	शु	३	४	वि	२५	३५	४३	१५	४५	१	९	२३	वृश्चिके	भ.२५/३५ या.भा.श्रावणारंभः देवशयनी ११व्र.
१२	मं	३०	४१	ज्ये	२२	५५	व्र	४	२६	बा	३०	४१	४०	१६	४४	२	१०	२४	ध.२२।५५	वक्री बुधः ९।४२
१३	बु	३६	४०	मू	३०	६	ऐं	६	३१	कौ	३	४०	३८	१६	४४	३	११	२५	धनुषि	प्रदोषः [+व्यासपूजा वायुपरीक्षा
१४	गु	४२	३६	पू	३७	२९	वै	८	४०	ग	९	३८	३५	१७	४३	४	१२	२६	म.५४।२२	भ.४२।३६उ.वक्रीउषा.भौमः२७।२२
१५	शु	४८	३५	उ	४५	०	वि	११	४	वि	१५	३५	३३	१७	४३	५	१३	२७	मकरे	भ.१५।३५या. खग्रास चन्द्रग्रहणम्+

१४पं.आ.शु.२श.इ. ४/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	३	६	४	८	३	२
२७	१२	२३	१९	१०	१०	१२	२७
३०	३५	४८	१५	२१	२९	२९	३
४७	५३	५८	४	२२	५३	१२	३९
५७	४/१०	४३	५०/५२	६७	४/१६	३	५६
११	व.	३८	मा	४६	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

रा चं बु ४ | २ | ५ शु | ३ सू | १ | १२ | ६ | ७ गु | श ९ | ११ | ८ | क्रं मं १० | १०

आषाढ शुक्ले ४चन्द्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

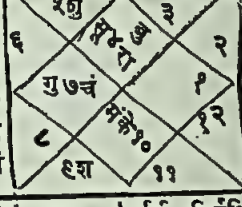

५ शु | ३ | ६ | सू ४ बु रा | २ | गु ७ चं | १ | ८ | मं के १० | १२ | ९ श | ११

१५पं.आ.शु. ९श.इ. ४/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	३	६	४	८	३	३
४	११	२८	१९	१८	१०	१२	३
११	१८	१०	२४	२	१	६	४२
२८	१८	५५	२५	४६	५९	५७	६
५७	४/३६	१४	२	६६	३/५९	३	५६
१५	व.	७	२	३१	व	११	५८

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	श	५४	४०	श्र	५२	१७	प्री	१३	३४	बा	२१	३७	३३/३०	५/१८	६/४२	६	१४	२८	मकरे	
२	र	६०	०	ध	५९	१३	आ	१५	४९	तै	२७	२५	२७	१९	४१	७	१५	२९	कुं.२५।४४	उफा. शुक्रः ५।४
२	चं	०	१०	श	६०	०	सौ	१७	४१	ग	०	१०	२४	१९	४१	८	१६	३०	कुम्भे	भ. ३२।३० उ.
३	मं	४	५१	श	५	२९	शो	१८	५६	वि	४	५१	२२	२०	४०	९	१७	३१	मी५४।४३	भ. ४।५१ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	८	४४	पू	११	७	अ	१९	४५	बा	८	४४	१९	२०	४०	१०	१८	१	मीने	कन्यायां शुक्रः १७।१३ बुधास्तः=
५	गु	११	३७	उ	१५	३२	सु	१९	३५	तै	११	३७	१६	२१	३९	११	१९	२	मीने	विशा. १ गुरुः ३०।४ नाग ५ मरुस्थले
६	शु	१३	१७	रे	१८	५३	धृ	१८	२९	व	१३	१७	१३	२१	३९	१२	२०	३	मे.१८।५३	भ.१३।१७उ.४३।२३या.आश्ले.रविः×
७	श	१३	२८	अ	२०	४४	शू	१६	१०	ब	१३	२८	१०	२२	३८	१३	२१	४	मेषे	[×७।२४(सौरः४१।४७)
८	र	१२	५	भ	२०	५८	गं	१२	३३	कौ	१२	५	७	२३	३७	१४	२२	५	वृ.३५।३७	[=पश्चिमायां२८।३५अगस्त८ता.३१
९	चं	९	३	कृ	१९	३४	वृ	७	४९	ग	९	३	४	२३	३७	१५	२३	६	वृषे	भ. ३६।३४ उ.
१०	मं	४	६	रो	१६	२३	ध्रु	१/१९	५२/२८	वि	४	६	०	२४	३६	१६	२४	७	मि४४।७	भ. ४।६ या. कामिका ११ व्र. स्मा.
११	मं	५३	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	बु	५०	०	मृ	११	५२	ह	४५	३	कौ	२३	५३	३२/५७	२५	३५	१७	२५	८	मिथुने	कामिका ११ व्र. वै.
१३	गु	४१	५	आ	५/५३	५३/८	व	३५	२०	ग	१५	३२	५४	२५	३५	१८	२६	९	क.४५।४४	भ. ४१।५ उ. प्रदोषः
१४	शु	३१	२३	पु	५१	१५	सि	२४	५०	वि	६	१४	५०	२६	३४	१९	२७	१०	कर्के	भ. ६।१४ या.
३०	श	२१	३०	श्ले	४३	३०	व्य	१४	११	ना	२१	३०	४७	२७	३३	२०	२८	११	सिं४३।३०	हस्ते शुक्रः ०।११ हरियाली

१६पं.श्रा.कृ.१श.इ.४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	३	६	४	८	३	३
१०	९	२९	१९	२५	९	११	१०
५२	५३	६	४१	३३	३६	४४	२१
३०	१७	१४	४६	५८	२९	४१	२२
५७	४/१०	१७/५१	३	६४	३/४४	३	५७
२०	व.	व.	२६	५८	व	११	५

शु ७ | ३ | ६ | ४ बु सू रा | २ | गु ७ | १ | ८ | १० चं मं के | १२ | ९ श | ११

१७पं.श्रा.कृ.७श.इ.३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	३	६	५	८	३	३
१७	८	२६	२०	२	९	११	१७
३४	३३	१०	७	५५	१४	२२	१
१२	४७	१	८	४६	३५	२५	११
५७	२/५०	४४/३६	४	६३	३/५	३	५७
२५	व	व.	३४	१५	व.	११	१२

५ | ४ सू रा चं बु | ३ | शु ६ | २ | गु ७ | १ | ८ | १० क्रं मं | १२ | ९ श | ११

१८पं.श्रा.कृ.३०श.इ.३/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	३	६	५	८	३	४१
२४	७	२०	२०	१०	८	११	२३
१६	२०	४७	४१	३	५५	०	४२
३७	१०	२	२४	४०	४८	१०	१८
५७	१/२९	५०/३७	५	६०	२/२६	३	५७
३३	व	व.	४१	५५	व	११	२२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२६८५सं.२०१८
१	र	११	५८	म	३६	१३	व	३/२९	४९/५५	ब	११	५८	३२/४४	५/२७	६/३३	२१	२९	१२	सिंहे	चंद्रदर्शनम् सिधारा
२	चं	३	९	पू	३०	११	शि	४४	११	कौ	३	९	४०	२८	३२	२२	१	१३	क.४४।४	जिल्हेज १२ तीज
३	चं	५२	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	मं	५०	१७	उ	२५	४३	सि	३६	१४	व	२३	३	३७	२९	३१	२३	२	१४	कन्यायां	भ.२३/३उ.५०।१७या.मार्गीभौमः ४/४वरद४
५	बु	४६	३६	ह	२२	५४	सा	२९	४५	ब	१८	२६	३३	२९	३१	२४	३	१५	तु.५२।३०	नाग पंचमी
६	गु	४५	८	चि	२२	७	शु	२५	१०	कौ	१५	५२	३०	३०	३०	२५	४	१६	तुलायां	[+(सौरः३८/१२)बुधोदयःपूर्वस्यां३५।४७
७	शु	४५	५१	स्वा	२४	११	शु	२२	१६	ग	१५	२९	२६	३१	२९	२६	५	१७	तुलायां	भ.४५।५१उ.मघासिंहेऽर्कः१।२६+
८	श	४८	२५	वि	२६	४९	ब्र	२०	५६	वि	१७	८	२२	३२	२८	२७	६	१८	वृ.११।१०	भ. १७।८ या.
९	र	५२	४४	अ	३१	५०	ऐं	२१	२	बा	२०	३३	१९	३२	२८	२८	७	१९	वृश्चिके	मार्गी बुधः ३९।४
१०	चं	५७	५८	ज्ये	३७	५६	वै	२१	५६	तै	२५	२१	१५	३३	२७	२९	८	२०	ध.३७।५६	
११	मं	६०	०	मू	४५	२२	वि	२३	५२	व	३१	४	१२	३४	२६	३०	९	२१	धनुषि	भ. ३१।४ उ. पवित्रा ११ व्र. स्मा.
११	बु	४	१०	पू	५२	५०	प्री	२६	१०	वि	४	१०	८	३४	२६	३१	१०	२२	धनुषि	भ. ४।१० या. पवित्रा ११ व्र. वै.
१२	गु	१०	२३	उ	६०	०	आ	२८	४८	बा	१०	२३	४	३५	२५	१	११	२३	म.९।४४	भा. भाद्रपदारंभः प्रदोषः
१३	शु	१६	२६	उ	०	२५	सौ	३१	९	तै	१६	२६	१	३६	२४	२	१२	२४	मकरे	चित्रा. शुक्रः ४९।१३
१४	श	२२	१४	श्र	७	४१	शो	३३	२०	व	२२	१४	३१/५७	३७	२३	३	१३	२५	कुं.४१।५	भ. २२।१४ उ. ५४।४८ या.
१५	र	२७	२२	ध	१४	२८	अ	३४	५५	ब	२७	२२	५३	३७	२३	४	१४	२६	कुंभे	श्रावणी कर्म रक्षाबन्धनम्

१९पं.श्रा.शु.८श.इ. ३/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	३	६	५	८	३	४
०	६	१७	२१	१६	८	१०	०
५९	३३	२६	२२	५५	४१	३७	२४
५३	५४	२४	४१	५५	५२	५४	३१
५७	१/३४	१४/२६	६	५८	१/४७	३	५७
५०	मा	व.	३८	८	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

६शु ४बुरा चं ७ गु ५सू ३ ८ २ ९ श ११ १ केमं १० १२

श्रावण शुक्ले ७ शुक्रे सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा.५ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी)मु.१५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां ×केंमंचं

गोचर ग्रहाः

६शु राबु४ गु ७ सू५ ३ ८ २ ९ श ११ १ १०× १२

२०पं.श्रा.शु.१४श.इ. ३/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	३	६	५	८	३	४
७	६	१९	२२	२३	८	१०	७
४४	१२	४३	१०	३२	३०	१५	७
२०	४७	२३	१६	५६	१४	३९	५९
५७	५/४९	४९/९	७	५४	१/१४	३	५७
४९	१	मा	४०	२५	व.	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	चं	३१	२८	श	२०	२३	सु	३५	४९	कौ	३१	२८	३१/४९	५/३८	६/२२	५	१५	२७	कुम्भे	[=२गुरुः४८।२३जन्माष्टमीव्र.स्मा.
२	मं	३४	४९	पू	२५	२५	धृ	३६	४	तै	३	८	४६	३९	२१	६	१६	२८	मी९।१०	[×उषा.४केतुः५८।३८चतुर्थीव्र.
३	बु	३७	१	उ	२९	३२	शू	३५	३५	व	५	५५	४२	४०	२०	७	१७	२९	मीने	भ.५।५५उ.३७।१या.पुष्य२राहुः×
४	गु	३८	९	रे	३२	३१	गं	३४	१२	ब	७	३५	३८	४०	२०	८	१८	३०	मे.३२।३१	पूफा.रविः५१।५
५	शु	३८	१५	अ	३४	३३	वृ	३२	२	कौ	८	१२	३४	४१	१९	९	१९	३१	मेषे	पूफा.रविःसौरः२९।३चन्द्रषष्ठी
६	श	३७	१७	भ	३५	२९	ध्रु	२८	५९	ग	७	४६	३०	४२	१८	१०	२०	१	वृ.५०।२५	भ.३७/१७उ.तुलायांशुक्रः३६/५१सितम्बर९ता३०
७	र	३५	८	कृ	३५	१४	व्या	२४	५५	वि	६	१२	२६	४३	१७	११	२१	२	वृषे	भ.६।१२या.मघासिंहेबुधः४०/१६विशा.=
८	चं	३१	३७	रो	३३	४६	ह	१९	५२	बा	३	२२	२२	४४	१६	१२	२२	३	वृषे	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	मं	२७	२	मृ	३१	४	व	१३	४६	ग	२७	२	१८	४४	१६	१३	२३	४	मि२।२५	भ.५४/३उ.मार्गीशनिः४८/३४गोगा९
१०	बु	२१	५	आ	२७	१३	सि	६/५२	५२/११	वि	२१	५	१५	४५	१५	१४	२४	५	मिथुने	भ.२१।५या.
११	गु	१४	१८	पु	२२	१६	व	५०	८	बा	१४	१८	११	४६	१४	१५	२५	६	क.८।१२	बुधास्तःपूर्वस्यां४९।३३अजा११व्र.
१२	शु	६	२१	पु	१६	२५	प	४०	५५	तै	६	२१	७	४७	१३	१६	२६	७	कर्के	भ.५७।५३उ.वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	शु	५१	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	श	४९	७	श्ले	९	५९	शि	३०	५८	वि	२३	३०	३	४७	१३	१७	२७	८	सिं९।५९	भ.२३।३०या.
३०	र	४०	४१	म	३/३०	५३/४१	सि	२१	२०	च	१४	५४	३०/५९	४८	१२	१८	२८	९	सिंहे	कुशाग्रहणी पिठोरी ३० मन्वादिः

२१पं.भा.कृ.६श.इ. ३/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	३	६	५	८	३	४
१४	६	२७	२३	२९	८	९	१३
३०	२१	३०	४	३२	२४	५३	५३
०	३६	४०	४८	१३	३२	२३	११
५८	७	९२	८	४९	२३/२	३	५७
१	४७	२७	४१	४६	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

६शु कुरा ७गु ५सू ३ ८ २ ९ श ११ १वं. मंके १० १२

इस मास में मकर का मंगल धान्य मंदे हों घृत तेल रस धातु तेज हो प्रजा में सुख शान्ति व्यापे ।

गोचर ग्रहाः

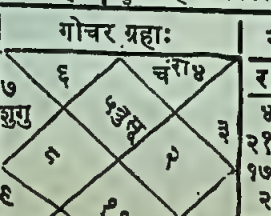

६ चंरा४ ७ शुगु ५बुसू ३ ८ २ ९ श ११ १ मं १० १२

२२पं.भा.कृ.१४श.इ. ३/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	६	६	८	३	४
२१	७	९	२४	५	८	९	२०
१७	९	२१	५	३	२३	३१	३९
२	०	३६	३१	३२	१३	७	५१
५८	१०	०/१०	९	४३	१०/१९	३	५८
१३	५५	४९	३०	५२	मा	११	१२

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७१४ स. २०१८
१	चं	३३	४	उ	५१	४१	सा	११	४९	कि	६	५३	३५	४९	६	१९	२९	१०	कं. १०।४१	पूफा.बुधः १२।१७ स्वात्यांशुक्रः १५।९
२	मं	२६	४९	ह	४७	३६	शु	३	३३	कौ	२६	४९	५१	५०	१०	२०	३०	११	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	बु	२२	११	चि	४५	१०	ब्र	४९	२६	ग	२२	११	४७	५१	९	२१	१	१२	तु. १६।२३	भ. ५०उ. मोहोरम १सन् १४४०हि. =
४	गु	१९	३८	स्वा	४५	०	ऐं	४४	४४	वि	१९	३८	४३	५१	९	२२	२	१३	तुलायां	भ. ३८या. उफा.रविः ३५गणेशचतुर्थी
५	शु	१९	८	वि	४६	४०	वै	४२	१	बा	१९	८	३९	५२	८	२३	३	१४	वृ. ३१।१५	उफा.रविःसौरः १३।४३ ऋषिपंचमी
६	श	२०	४३	अ	५०	३३	वि	४१	८	तै	२०	४३	३५	५३	७	२४	४	१५	वृश्चिके	[= हरितालिका ३
७	र	२४	१६	ज्ये	५६	३	प्री	४०	५९	व	२४	१६	३१	५४	६	२५	५	१६	ध	भ. २४।१६ उ. ५७।१३या.
८	चं	२९	११	मू	६०	०	आ	४२	१९	ब	२९	११	२७	५५	५	२६	६	१७	धनुषि	कन्यायामर्कः ४८(सौरः ३५)उफा.बुधः ३३
९	मं	३५	१३	मू	२	५०	सौ	४४	२५	बा	२	११	२२	५६	४	२७	७	१८	धनुषि	कन्यायांबुधः ५५।३९
१०	बु	४१	२७	पू	१०	४	शो	४६	५०	तै	८	२०	१८	५६	४	२८	८	१९	म.	२६।५९ रामदेवजी का मेला नवलदुर्ग
११	गु	४६	४१	उ	१७	४४	अ	४९	१३	व	१४	४	१४	५७	३	२९	९	२०	मकरे	भ. १४उ. ४६या. जलझूलनी ११व्र.
१२	शु	५३	३१	श्र	२५	५	सु	५१	१७	ब	२०	६	९	५८	२	३०	१०	२१	कुं. ५८।३१	श्रवणेभौमः २६।३३ वामनजयंती
१३	श	५८	२९	ध	३१	५९	धृ	५३	०	कौ	२५	५९	५	५९	१	३१	११	२२	कुंभे	प्रदोषः
१४	र	६०	०	श	३७	४६	शू	५३	४२	ग	३०	१४	०	०	०	१	१२	२३	कुंभे	विशा. ३ गुरुः ४९भा. आश्विनारंभः अनं. १४
१४	चं	२	०	पू	४२	१७	गं	५३	२८	व	३	०	६	१	५९	२	१३	२४	मी. २६	भ. ३उ. ३३या. हस्तेबुधः १९महालयारंभः
१५	मं	४	४३	उ	४५	४१	बृ	५२	१३	ब	४	४३	५२	२	५८	३	१४	२५	मीने	कु. संध्यापूजनारंभः

२३ पं. भा. शु. ६ श. इ. ३।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	६	६	८	३	४
२८	८	२२	२५	९	८	९	२७
५	२५	४२	११	३८	२७	८	२८
२४	१६	२२	३१	५३	२५	५२	९
५८	१४	४२	१०	३५	१	३	५८
२६	१	३७	१४	५६	२	११	२९

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद शुक्ले ८ चंद्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वाः ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावेसमता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

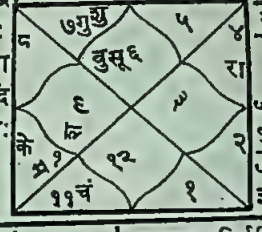

२४ पं. भा. शु. १३ श. इ. २।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	६	६	८	३	५
४	१०	५	२६	१३	८	८	४
५५	१०	४७	२२	३५	३५	४६	१८
१६	१९	६	८	४६	३५	३६	१६
५८	१७	५९	१०	२५	१	३	५८
३८	२	५४	५६	५२	३६	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	बु	५	५३	रे	४७	५६	धु	५०	१३	कौ	५	५३	४८	६	५८	४	१५	२६	मे. ४७।५६	
२	गु	६	४	अ	४९	८	व्या	४७	१३	ग	६	४	४४	३	५७	५	१६	२७	मेषे	भ. ३५उ. हस्तेरविः १३(सौरः ५१।२४)
३	शु	५	४	भ	४९	१४	ह	४३	३१	वि	५	४	४०	४	५६	६	१७	२८	मेषे	भ. ५।४या. चतुर्थी व्र.
४	श	३	७	कृ	४८	४९	व	३९	७	बा	३	७	३६	५	५५	७	१८	२९	वृ. ४।८	
५	र	०	३५	रो	४७	२३	सि	३४	४	तै	०	३५	३२	६	५४	८	१९	३०	वृषे	भ. ५७।१५उ.
६	र	५६	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	९	०	०	०	
७	चं	५३	१४	मृ	४५	२३	व्य	२८	२०	वि	२५	१६	२८	६	५४	०	२०	१	मि १६।२३	भ. २५।१५या. चित्रा. बुधः ५९।४३ ×
८	मं	४८	३९	आ	४२	४४	व	२२	१०	बा	२०	५६	२३	७	५३	१०	२१	२	मिथुने	[× अक्टूबर १०ता. ३१
९	बु	४३	२०	पु	३९	२४	प	१५	१९	तै	१५	५९	११	८	५२	११	२२	३	क. २५।१४	मातृ ९ (सोभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	गु	३७	२४	पु	३५	२८	शि	८	१३	व	१०	२२	१५	९	५१	१२	२३	४	कर्के	भ. २२उ. ३५या. वक्रीशुक्रः ५१।१५
११	शु	३०	५७	श्ले	३१	३	सि	३२	५१	ब	४	१०	११	१०	५०	१३	२४	५	सि. ३१	इंदिरा ११व्र.
१२	श	२३	३१	म	२६	९	शु	४३	५५	तै	२३	३१	७	११	४९	१४	२५	६	सिंहे	तुलायांबुधः १२।९ प्रदोषः
१३	र	१७	२६	पू	२१	२१	शु	३५	३४	व	१७	२६	३	११	४९	१५	२६	७	कं. ३५।११	भ. १२उ. ४५या. शास्त्रादिहतानां श्रा.
१४	चं	१०	५२	उ	१६	४२	ब्र	२७	३२	श	१०	५२	२८	१२	४८	१६	२७	८	कन्यायां	बुधोदयः पश्चिमायां ५७सर्वपितृ ३०
३०	मं	५	१९	ह	१३	२	ऐं	२०	१२	ना	५	१९	५५	१३	४७	१७	२८	९	तु. ४१।४०	मातामहश्रा.

२५ पं. आ. कृ. ४ श. इ. ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	६	६	८	३	५
११	१२	१८	२७	१६	८	८	११
४६	२५	६	३७	३	४८	२४	१०
५२	४८	५०	४८	३२	३२	२१	१५
५८	२९	०६	११	१२	२	३	५९
५३	५४	११	२९	४७	२२	११	०

गोचर ग्रहाः

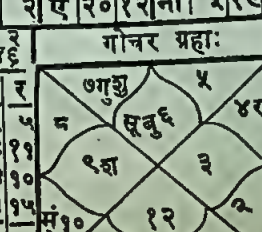

इस मास में चांदी रुईंसोना सन तिलहन धान्य मंदे होवे घृत में तेजी होवे कहीं २ कुछ वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

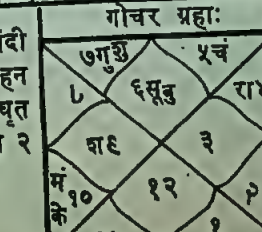

२६ पं. आ. कृ. १२ श. इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	६	६	८	३	५
१८	१५	२९	२८	१६	९	८	१८
४०	३	४३	५७	५२	५	२	४
८	७	५२	०	३७	४२	५	२
५९	२२	०१	१२	३७	३	३	५९
९	७	२२	७	व.	८	११	१६

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२७४४सन्२०१८
१	बु	०	४७	चि	१०	१७	वै	१३	३३	ब	०	४७	२८/५१	६/१४	५/४६	१८	२९	१०	तुलायां	चित्रा.रविः४५।५९स्वात्यांबुधः३१/४७ =
२	बु	५७	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= चंद्रदर्शनम् नवरात्रारंभः
३	गु	५६	५३	स्वा	९	१०	वि	८	२८	तै	२७	२५	४७	१५	४५	१९	१	११	वृ.५४।४०	चित्रा.रविःसौरः२१।५८विशा.४ ×
४	शु	५७	४७	वि	९	५०	प्री	४	३४	व	२७	२०	४३	१५	४५	२०	२	१२	वृश्चिके	भ.२७।२०उ.५७।४७या.
५	श	६०	०	अ	१२	२९	आ	२	८	ब	२९	११	३९	१६	४४	२१	३	१३	वृश्चिके	[×वृश्चिकेगुरुः२९।१६सफर२
५	र	०	३६	ज्ये	१६	५०	सौ	१	२०	बा	०	३६	३५	१७	४३	२२	४	१४	ध.१६।५०	[+ कार्तिकारंभःकोजागरीव्र.
६	चं	५	३	मू	२२	४४	शो	१	३८	तै	५	३	३१	१८	४२	२३	५	१५	धनुषि	[÷४५।४५)शरद्पूर्णिमा का.स्ना.प्रा.
७	मं	१०	३९	पू	२९	३८	अ	३	११	व	१०	३९	२७	१९	४१	२४	६	१६	म.४६।३०	भ.१०।३९उ.४३।४७या.
८	बु	१६	५५	उ	३७	७	सु	५	५	ब	१६	५५	२३	१९	४१	२५	७	१७	मकरे	तुलायांमर्कः२९।४८
९	गु	२३	१३	श्र	४४	४०	धृ	७	२७	कौ	२३	१३	२०	२०	४०	२६	८	१८	मकरे	तुलार्कःसौरः४।४२शुक्रास्तपश्चिमायां:५९/२४
१०	शु	२९	१६	ध	५१	४६	शू	९	४२	ग	२९	१६	१६	२१	३९	२७	९	१९	कुं.१८।१३	विशा.बुधः१७।५७
११	श	३४	१९	श	५७	५५	गं	११	३५	व	१	४७	१२	२२	३८	२८	१०	२०	कुम्भे	भ.१।४७उ.३४।१९या.पापांकुशा११व्र.
१२	र	३७	५५	पू	६०	०	बृ	१२	२३	ब	६	७	८	२२	३८	२९	११	२१	मी४६।२०	मूल.४शनिः२८।२९
१३	चं	४०	१९	पू	२	२८	ध्रु	१२	१७	कौ	९	७	४	२३	३७	३०	१२	२२	मीने	प्रदोषः
१४	मं	४०	४५	उ	५	२	व्या	१०	५०	ग	१०	३२	०	२४	३६	१	१३	२३	मीने	भ.४०।४५उ.धनि.भौमः३५।२४भा. +
१५	बु	३९	५८	रे	७	२४	ह	८	१४	वि	१०	२१	२७/५६	२५	३५	२	१४	२४	मे.७।२५	भ.१०।२१या.स्वात्यांरविः११/५० (सौरः ÷

२७पं.आ.शु.५श.इ.२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	६	७	६	८	३	५
२५	१८	१०	०	१५	९	७	२४
३५	४	४०	१९	४७	२७	३९	५९
२	२३	१६	१२	१०	५४	४९	४४
५९	२४	९५	१२	१८/५१	३	३	५९
२१	३८	४२	२२	व.	४३	११	३१

गोचर ग्रहाः

आश्विन शुक्ले८ बुध तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न.३कुमार्यवस्था (बैठी)मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

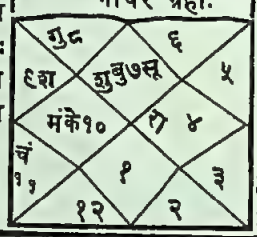

२८पं.आ.शु.११शइ.२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	७	६	८	३	६
२	२१	२१	१	१२	९	७	१
३१	२४	५	४५	५२	५३	१७	५७
२६	१४	६	४	१२	४२	३४	९
५९	२६	८८	१२	३१/४५	४	३	५९
३४	३१	११	५०	व.	२३	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा.
१	गु	३७	३७	अ	७	४६	व	४/३५	५५/१०	बा	८	४७	२७/५३	६/२५	५/३५	३	१५	२५	मेषे	
२	शु	३४	२४	भ	६	४९	व्य	५४	५	तै	६	०	४९	२६	३४	४	१६	२६	वृ.२१।२१	वृश्चिकेबुधः२६।३७
३	श	३०	१६	कृ	४	५६	व	४८	१२	व	२	२०	४५	२७	३३	५	१७	२७	वृषे	भ.२।२०उ.३०।१६या.अनु.१गुरुः =
४	र	२५	३७	रो	२/२२	५७/१	प	४१	२८	बा	२५	३७	४१	२८	३२	६	१८	२८	मि३०।५२	अनु.बुध.५६।४८
५	चं	२०	५१	आ	५६	१६	शि	३४	३७	तै	२०	५१	३७	२९	३१	७	१९	२९	मिथुने	[= ३२।४करकचतुर्थी व्र.
६	मं	१५	५१	पु	५२	५६	सि	२७	३७	व	१५	५१	३४	२९	३१	८	२०	३०	क.३८।४६	भ.१५/५१उ.४३/२१या.वक्रीचित्रा.शुक्रः२४।५
७	बु	१०	५०	पु	४९	३४	सा	२०	३४	ब	१०	५०	३०	३०	३०	९	२१	३१	कर्के	पुष्य.१राहुःउषा.३केतुः५०।५३
८	गु	५	४७	श्ले	४६	१८	शु	१३	२३	कौ	५	४७	२७	३१	२९	१०	२२	१	सिं४६।१८	नवम्बर११ता.३०
९	शु	०	३७	म	४२	५६	शु	६/२०	५२/४६	ग	०	३७	२३	३१	२९	११	२३	२	सिंहे	भ.२७/४६उ.५६/३३या.शुक्रोदयःपूर्वस्यां७।१२
१०	शु	५४	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	श	५०	३५	पू	३९	५१	ऐं	५२	१९	ब	२३	३२	१९	३२	२८	१२	२४	३	कं.५४।५	रमा११व्र.स्मा.
१२	र	४६	२	उ	३६	४९	वै	४५	३०	कौ	१८	१९	१६	३३	२७	१३	२५	४	कन्यायां	रमा११व्र.वै.
१३	चं	४२	४	ह	३४	२३	वि	३९	१५	ग	१४	३	१२	३४	२६	१४	२६	५	कन्यायां	भ.४३/४उ.कुंभेभौमः३४/३९प्रदोषःधन१३
१४	मं	३८	४४	चि	३२	४६	प्री	३३	३४	वि	१०	२४	९	३४	२६	१५	२७	६	तु.३।३४	भ.१०/२४या.विशा.रविः३२/१६(सौरः५९/९)रुप१४
३०	बु	३६	५०	स्वा	३२	१	आ	२८	३८	च	७	४७	५	३५	२५	१६	२८	७	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२९पं.का.कृ.३श.इ.२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	७	६	८	३	६
९	२४	०	३	८	१०	६	८
२९	५७	४७	१३	४२	२३	५५	५६
४२	०	१३	२३	४०	४२	१८	२९
५९	२८	७९	१३	३६/२६	४	३	६०
४७	७	५४	१४	व.	५२	११	२

गोचर ग्रहाः

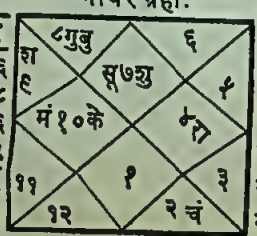

इस मासमें कृष्णपक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि धान्य गेहें जो चना रस गुड सक्कर में मंदी करें और सुदि गें तेज हो।

गोचर ग्रहाः

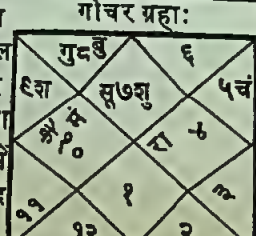

३०पं.का.कृ.११श.इ.१।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	७	६	८	३	६
१६	२८	९	४	४	१०	६	१५
२९	४९	३२	४३	४३	५७	३३	५७
२८	१	२	२३	५	०	३	३३
६०	२९	६६	१३	३०/२०	५	३	६०
४	५०	४६	२०	व	२०	११	१८

ति.	कार्तिकशुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७७३स.२०१८
१	गु	३६	१४	वि	३२	४५	सौ	२४	५८	किं	६	३२	२७/२	६/३६	५/२४	१७	२९	८	वृ १७।३४	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	शु	३७	११	अ	३४	५५	शो	२२	२९	बा	६	४२	२६/५८	३६	२४	१८	३०	९	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	श	३९	५२	ज्ये	३८	४०	अ	२०	५६	ते	८	३१	५५	३७	२३	१९	१	१०	ध.३८।४०	ज्येष्ठा.बुध:१६।४४रविलावल३
४	र	४३	५७	मू	४३	४७	सु	२०	२२	व	११	५५	५२	३८	२२	२०	२	११	धनुषि	भ:११।५५उ.४३।५७या.
५	चं	४९	२३	पू	५०	१६	धृ	२१	६	ब	१६	४०	४९	३८	२२	२१	३	१२	धनुषि	अनु.२गुरु:३६।३
६	मं	५५	२९	उ	५७	३६	शू	२२	४६	कौ	२२	२६	४५	३९	२१	२२	४	१३	म.७।५	[×२०।४५शतेभौम:२८।४७
७	बु	६०	०	श्र	६०	०	गं	२५	४	ग	२८	३९	४२	४०	२०	२३	५	१४	मकरे	अस्तंगुरो:०।३६
७	गु	१	४९	श्र	५	९	बृ	२७	१७	व	१	४९	३९	४०	२०	२४	६	१५	कुं.३८।५२	भ.१।४९उ.३५।२या.गोपाष्टमी
८	शु	८	१४	ध	१२	३४	ध्रु	२९	२३	ब	८	१४	३६	४१	१९	२५	७	१६	कुंभे	बृश्चिकेऽर्कः२८।२१ (सौरः५७/२६)वक्रीबुधः×
९	श	१३	४३	श	१९	१७	व्या	३०	५२	कौ	१३	४३	३३	४१	१९	२६	८	१७	कुंभे	मार्गीशुक्र:१६।१८कुष्माँड९अक्षय९
१०	र	१७	४३	पू	२४	३७	ह	३१	११	ग	१७	४३	३०	४२	१८	२७	९	१८	मी८।१७	भ.४९।४उ. [A११व्र:तुलसी विवाह
११	चं	२०	२६	उ	२८	३४	व	३०	२१	वि	२०	२६	२७	४३	१७	२८	१०	१९	मीने	भ.२०।२६या.अनु.रवि:४६/२१प्रबोधिनी A
१२	मं	२१	८	रे	३०	४४	सि	२८	७	बा	२१	८	२५	४३	१७	२९	११	२०	मे.३०।४४	अनु.रवि:सौर:१४।१४प्रदोष:
१३	बु	२०	४	अ	३०	५९	व्य	२४	२१	तै	२०	४	२२	४४	१६	३०	१२	२१	मेषे	बुधास्त:पश्चिमायां४२।५६वैकुंठ१४
१४	गु	१७	२	भ	२९	३२	व	१९	१०	व	१७	२	१९	४४	१६	१	१३	२२	वृ.४३।४८	भ.१७/२उ.४४/४७या.वक्री.अनु.बुध:५२/२४भा. ÷
१५	शु	१२	३२	कृ	२६	३८	प	१२	४७	ब	१२	३२	१७	४५	१५	२	१४	२३	वृषे	मन्वादि:का.स्ना.पू. [÷मार्गशीर्षारंभ:

३१पं.का.शु.३श.इ.१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	७	७	६	८	३	६
२३	२	१६	६	१	११	६	२३
३०	४८	२८	५	५८	३३	१०	००
५०	३६	५५	११	२६	३२	४७	६
६०	३१	४४	१३	१६/४९	५	३	६०
१७	२९	१२	३२	व.	४९	११	३०

गोचर ग्रहाः

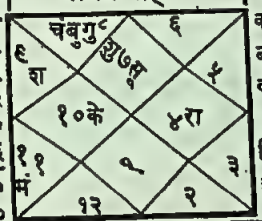

कार्तिक शुक्ले ८ शुक्रे बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

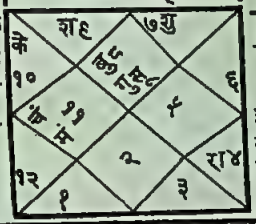

३२पं.का.शु.९श.इ.१।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	६	८	३	७
०	६	१९	७	१	१२	५	०
३३	५७	२६	४७	१०	१२	४८	४
२९	४७	३५	४९	१	५०	३१	१०
६०	३२	४३/४४	१३	३१/३२	६	३	६०
३०	३९	व.	३५	व.	१२	११	४०

ति	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	श	७	५	रो	२२	४१	शि	५/२९	५२/५	कौ	७	५	२६/१४	६/४५	५/१५	३	१५	२४	मि५०।२३	
२	र	०	४९	मृ	१८	५	सा	४९	११	ग	०	४९	१२	४६	१४	४	१६	२५	मिथुने	भ.२७।३१उ.५४।१४या.
३	र	५३	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	चं	४७	३५	आ	१३	१५	शु	४०	४९	ब	२०	५४	९	४६	१४	५	१७	२६	क.५४।४४	अनु.३गुरु:४९।५७चतुर्थीव्र.
५	मं	४१	१९	पु	८	३३	शु	३२	३४	कौ	१४	२७	७	४७	१३	६	१८	२७	कर्के	
६	बु	३५	३०	पु	४	३	ब्र	२४	३१	ग	८	२५	५	४७	१३	७	१९	२८	कर्के	भ.३५।३०उ.पूषा.१शनि:७।११
७	गु	३०	१६	श्ले	०/१९	५६/३२	ऐं	१६	५४	वि	२	५३	२	४८	१२	८	२०	२९	सिं०।१९	भ.२।५३या.
८	शु	२५	३७	पू	५४	४	वै	९	४६	कौ	२५	३७	०	४८	१२	९	२१	३०	सिंहे	[×४८/३४बुधोदयःपूर्वस्यां१४/५३उत्पत्ति११व्र.
९	श	२१	३१	उ	५२	७	वि	३/२१	५३/५६	ग	२१	३१	२५/५८	४८	१२	१०	२२	१	कं.८।३४	भ.४९।५७उ.दिसम्बर१२ता.३१
१०	र	१८	२३	ह	५०	५०	आ	५१	५६	वि	१८	२३	५६	४९	११	११	२३	२	कन्यायां	भ.१८।२३या.ज्येष्ठा.रवि:५६।४८
११	चं	१५	५१	चि	५०	१९	सौ	४७	१६	बा	१५	५१	५४	४९	११	१२	२४	३	तु.२०।३४	ज्येष्ठा.रवि:सौर:२२।८वक्री.विशा.बुध:×
१२	मं	१४	१३	स्वा	५०	४७	शो	४३	२०	तै	१४	१३	५३	४९	११	१३	२५	४	तुलायां	स्वात्यांशुक्र:३३।३४प्रदोष:
१३	बु	१३	४५	वि	५२	२६	अ	४०	१०	व	१३	४५	५१	५०	१०	१४	२६	५	वृ.३७।२	भ.१३।४५उ.४३।५७या.
१४	गु	१४	८	अ	५५	८	सु	३७	५६	श	१४	८	४९	५०	१०	१५	२७	६	वृश्चिके	मार्गीबुध:५६।१६
३०	शु	१६	०	ज्ये	५८	५४	धृ	३६	५८	ना	१६	०	४८	५०	१०	१६	२८	७	ध.५८।५४	पूभा.भौम:४९।३९

३३पं.मा.कृ.१श.इ.१।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	६	८	३	७
७	११	१५	९	२	१२	५	७
३७	१४	३	२१	१८	५५	२६	९
२६	२०	२२	४०	५०	१९	१६	४३
६०	३३	८४/१३	१३/३८	१४/३४	६	३	६०
४२	४७	व	व.	मा	२६	११	५३

गोचर ग्रहाः

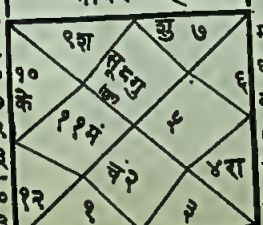

मार्गशीर्षकृष्णे ९ रवौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्या ।

गोचर ग्रहाः

३४पं.मा.कृ.९श.इ १।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	६	८	३	७
१४	१५	६	१०	५	१३	५	१४
४२	३८	३०	५५	३	३९	४	१६
४०	६	४७	१९	४३	२२	०	२९
६०	३४	६८/२०	१३	२७	६	३	६१
५०	३०	व.	३८	११	४१	११	३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २८०३स.२०१८
१	श १९ २ मू ६० ० शू ३६ ३१ ब १९ २	२५ ६	५	१७	२९	८	धनुषि	अनु.बुधः५८।४१ चंद्र दर्शन संभवः
२	र २३ १९ मू ३ ५३ गं ३७ ५ कौ २३ १९	४५ ५१	९	१८	१	९	धनुषि	उदयं गुरौ २२।४८ रविलाखर ४
३	चं २८ ४९ पू १० १४ बृ ३८ ३१ ग २८ ४९	४४ ५१	९	१९	२	१०	म.२६।५६	
४	मं ३४ ५२ उ १७ २ धु ४० १२ व १ ५०	४३ ५१	९	२०	३	११	मकरे	भ.१।५०उ.३४।५२या.अनु.४गुरुः५३ २९
५	बु ४१ २३ श्र २४ ३७ व्या ४२ ३६ ब ८ ७	४२ ५२	८	२१	४	१२	कुं.५८।२८	
६	गु ४७ ५८ ध ३२ १८ ह ४४ ५४ कौ १४ ५०	४१ ५२	८	२२	५	१३	कुंभे,	चंपा६
७	शु ५३ ५८ श ३९ ५३ व ४६ ४९ ग २० ५८	४० ५२	८	२३	६	१४	कुंभे	भ.५३।५८उ.
८	श ५८ ४७ पू ४६ १३ सि ४८ ७ वि २६ २२	३९ ५२	८	२४	७	१५	मी २९।३८	भ.२६।२२या.
९	र ६० ० उ ५१ १४ व्य ४८ १५ बा ३० ३४	३९ ५२	८	२५	८	१६	मीने	मूलेघनुष्यर्कः४।३ (सौरः२५।५८) +
९	चं २ २२ रे ५४ २९ व ४६ ५९ को २ २२	३८ ५२	८	२६	९	१७	मे.५४।२९	[+अस्तंशनेः२७।७
१०	मं ३ ५३ अ ५५ ५२ प ४४ १९ ग ३ ५३	३८ ५२	८	२७	१०	१८	मेषे	भ.३३।४०उ.
११	बु ३ २७ भ ५५ १२ शि ३९ ५६ वि ३ २७	३७ ५३	७	२८	११	१९	मेषे	भ.३।२७या.मोक्षदा ११व्र.गीताजयंती
१२	गु ० ५४ कृ ५२ ३६ सि ३३ ५२ बा ० ५४	३७ ५३	७	२९	१२	२०	वृ.९।३३	प्रदोषः
१३	गु ५५ ३५ ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०	० ०	[÷भा.पौषारंभः दत्तजयंती
१४	शु ५० १८ रो ४८ २६ सा २६ २९ ग २३ २३	३६ ५३	७	३०	१३	२१	वृषे	भ.५०।१८उ.विशा.शुक्रः५५।१२
१५	श ४३ ३ मृ ४२ ५० शु १७ ४७ वि १६ ४०	३६ ५३	७	१	१४	२२	मि १५।३८	म.१६।४०या.ज्येष्ठा.बुधः३७।२२÷

३५पं.मा.शु.१श.इ.०।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	६	८	३	७
२१	२०	३	१२	९	१४	४	२१
४८	६	८	२९	८	२५	४१	२४
४३	३६	२	२	२४	३४	४५	११
६०	२५	३५	१३	३६	६	३	६१
५६	२०	मा	३२	५२	५८	११	११

३६पं.मा.शु.८श.इ.०।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	६	८	३	७
२८	२४	७	१४	१४	१५	४	२८
५५	३९	३८	१	१२	१३	१९	३२
३७	३६	२८	५५	११	१२	२९	५४
६१	३५	५६	१३	४४	७	३	६१
०	५४	३५	२६	३६	८	११	१९

३७पं.मा.शु.१५श.इ.३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	७	६	८	३	८
६	२९	१५	१५	२०	१६	३	५
३	१६	५३	३३	४	१	५७	४२
१४	१६	१८	३२	२६	५५	१३	१९
६१	३६	७६	१३	५०	७	३	६१
४	४१	३	२०	१३	१४	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	र ३४ ५४ आ ३६ ३४ शु ६९ ५० बा ८ ५८	२५ ६	५	२	१५	२३	मिथुने	मीनेभौमः१२।२
२	चं २६ ३५ पु ३० १ ऐ ४८ ४० तै ० ४४	२६ ५३	७	३	१६	२४	क.१६।३९	भ.५२।२५उ.
३	मं १८ १५ पु २३ ३४ वै ३८ ५५ वि १८ १५	३७ ५३	७	४	१७	२५	कर्के	भ.१८।१५या. चतुर्थी व्रतम्
४	बु ९ ३३ श्ले १७ ४६ वि २९ ४० बा ९ ३३	३७ ५३	७	५	१८	२६	सिं १७।४६	[=पूभा.२शनिः२७।२१
५	गु ५४ ३९ म १२ ५१ प्री २१ १० तै ३ ३९	३७ ५३	७	६	१९	२७	सिंहे	भ.५७।५९उ.ज्येष्ठा.१गुरुः१२।१७=
७	शु ५३ २५ पू ८ ५७ आ १३ ३९ वि २५ ४२	३८ ५२	८	७	२०	२८	कं.२३।१७	भ.२५।४२या.उभा.भौमः३।२०
८	श ५० १४ उ ६ १७ सौ ७ ५ बा २१ ४९	३८ ५२	८	८	२१	२९	कन्यायां	पूषा.रविः९।३(सौरः२७।३६)
९	र ४८ १४ ह ४ ५६ शे १ ५५ तै १९ १४	३९ ५२	८	९	२२	३०	तु.३४।५३	[×जनवरी १ता.३१सन् २०१९सफला ११
१०	चं ४७ ३१ चि ४ ५१ शू ५३ ३५ व १७ ५२	४० ५२	८	१०	२३	३१	तुलायां	म.१७।५२उ.४७।३१या.
११	मं ४७ ५८ स्वा ५ ५३ धृ ५१ ० ब १७ ४४	४१ ५२	८	११	२४	१	बृ.५२।३९	मूलेंधनुषिबुधः९० वृश्चिकेशुक्रः ३१×
१२	बु ४९ ३४ वि ८ १४ शू ४९ ३६ को १८ ४६	४२ ५२	८	१२	२५	२	वृश्चिके	पुन.४राहुःउषा.२केतुः४२।४१
१३	गु ५२ ३५ अ ११ ३८ गं ४९ १० ग २१ ४	४३ ५१	९	१३	२६	३	वृश्चिके	भ.५२।३५उ. प्रदोषः
१४	शु ५६ १९ ज्ये १६ १३ बृ ४९ १ वि २४ २७	४४ ५१	९	१४	२७	४	ध.१६।१३	भ.२४।२७या.अनु.शुक्रः५७।२७
३०	श ६० ० मू २१ ३७ धु ४९ ५० च २८ ४९	४५ ५१	९	१५	२८	५	धनुषि	
३०	र १ १९ पू २८ २ व्या ५१ १७ ना १ १९	४७ ५१	९	१६	२९	६	म.४४।५०	

३८पं.पौ.कृ.८श.इ.२१°

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	७	७	६	८	३	८
१३	३	२५	१७	२६	१६	३	१२
११	५५	३०	३	३०	५१	३४	५२
१३	१९	२९	३२	२२	२२	५८	११
६१	३७	८५	१३	५४	७	३	६१
६	१०	४८	४	४३	२०	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में सूत चांदी सोना रुई तेज रहे रस में घटा बढ़ी चले प्रजा में विग्रह पैदा हों शुभ कार्य अधिक हो

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.कृ.३०श.इ.१६°

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	७	७	८	३	८
२०	८	५	१८	३	१७	३	२०
१९	३६	४५	३१	२२	४०	१२	२
२६	२२	४	३७	४४	४४	४२	८
६१	३७	९२	१२	५८	७	३	६१
६	४०	३९	३६	१८	२०	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२८३३स.२०१९
१	चं	६	५२	उ	३५	१६	ह	५३	१०	ब	६	५२	२५/४८	६/५०	५/१०	१७	३०	७	मकरे	बुधास्तःपूर्वस्यां५९।४४चन्द्रदर्शनम्
२	मं	१३	७	श्र	४२	२६	व	५५	२९	कौ	१३	७	५०	५०	१०	१८	१	८	मकरे	जमादिलावल५
३	बु	१९	४०	ध	५०	१०	सि	५७	३८	ग	१९	४०	५२	५०	१०	१९	२	९	कुं.१६।१८	भ.५२।५८उ.
४	गु	२६	१६	श	५७	४१	व्य	५९	५२	वि	२६	१६	५३	४९	११	२०	३	१०	कुम्भे	भ.२६।१६या.पूषा.बुधः७।०
५	शु	३२	३२	पू	६०	०	व	६०	०	बा	३२	३२	५५	४९	११	२१	४	११	मी४७।५६	उषा.रविः१३।४८(सौरः२९।३)
६	श	३७	४४	पू	४	४१	व	१	४९	कौ	५	८	५७	४९	११	२२	५	१२	मीने	ज्येष्ठा.२गुरुः१६।४४
७	र	४२	७	उ	१०	४१	प	२	४६	ग	९	५५	५९	४८	१२	२३	६	१३	मीने	भ.४२।७उ.
८	चं	४४	४८	रे	१५	२६	शि	२	३५	वि	१३	२८	२६/१	४८	१२	२४	७	१४	मे.१५।२६	भ.१३/२८या.मकरेऽर्कः३०/१२ सौरः४४/३०
९	मं	४५	३८	अ	१८	३१	सि	२/१९	५५/५९	बा	१५	१३	४	४७	१३	२५	८	१५	मेषे	[=पातस्पर्शः२५।१०
१०	बु	४४	२२	भ	१९	२९	शु	५३	५३	तै	१५	०	६	४७	१३	२६	९	१६	वृ.३४।१४	रेवत्यांभौमः४९।४५ [×पुत्रदा११व्र.
११	गु	४१	१	कृ	१८	३२	शु	४७	४३	व	१२	४१	८	४६	१४	२७	१०	१७	वृषे	भ.१२।४१उ.४१।१या.ज्येष्ठा.शुक्रः३७/७×
१२	शु	३५	४१	रो	१५	२८	ब्र	३९	५७	ब	८	२१	११	४६	१४	२८	११	१८	मि४३।०	उषा.बुधः३२।२२उदयंशनेः४१।५०=
१३	श	२८	४१	मृ	१०	३३	ऐं	३०	५३	कौ	२	११	१३	४५	१५	२९	१२	१९	मिथुने	पातमोक्षः१६।१४प्रदोषः [+मास्ना.प्रा.
१४	र	२०	१९	आ	४/२३	५२/५५	वै	२०	४२	व	२०	१९	१६	४५	१५	३०	१३	२०	क.४४।४	भ.२०।१९उ.४५।४४या.मकरेबुधः३०/३८
१५	चं	११	९	पु	४९	३४	वि	१०/१०	४९/९	ब	११	९	१९	४४	१६	१	१४	२१	कर्के	अभि.प्र.रविः४/४२ सौरः१५/५१भा.माघारंभः+

४०पं.पौ.शु. ६श.इ. ०/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	७	७	८	३	८
२७	१३	१६	१९	१०	१८	२	२७
२७	१९	२३	५६	३७	३०	५०	१२
२२	१६	४९	३८	३४	४	२७	०
६१	३७	९७	१२	६१	७	३	६१
६	४१	२३	१५	००	१६	११	२४

गोचर ग्रहाः

१०के ८गुशु ११ सू९ शु ७ १२मंचं ६ १ ५ २ ३ ४ रा

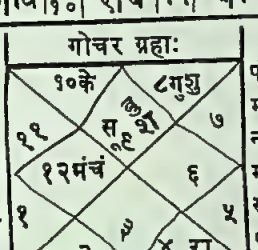

पौष शुक्ले ८ चन्द्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा२ न.३बालावस्था वैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

११ १० ९शबु गु १२ मं के सू शु८ १ ७ २ रा४ ६ ३चं ५

४१पं.पौ.शु.१३श.इ.०/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	७	७	८	३	९
४	१८	२७	२१	१८	१९	२	४
३५	२	२६	१८	७	१८	२८	२१
१३	४६	५३	५०	३४	४३	११	२९
६१	३८	०/१०	११	६३	७	३	६१
३	४	२	४७	१४	८	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	१	३१	श्ले	४१	५८	आ	४८	२३	कौ	१	३१	२६/२१	६/४४	५/१६	२	१५	२२	सिं४१।५८	[Aशनिः५/३१
२	मं	५०	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	बु	४३	२३	म	३४	५४	सौ	३८	७	व	१७	४८	२४	४३	१७	३	१६	२३	सिहे	भ.१७।४८उ.४३।२३या.
४	गु	३५	३८	पू	२८	५०	शो	२८	४०	ब	९	३१	२७	४३	१७	४	१७	२४	क.४२।४०	श्रवणेरविः१९/१९(सौरः३२/४७)चतुर्थी व्रतम्
५	शु	२९	१८	उ	२४	११	अ	२०	११	कौ	२	२८	२९	४२	१८	५	१८	२५	कन्यायां	अभि.नि.रविः११/३४(सौरः२३/४)पूषा.३A
६	श	२४	४०	ह	२१	१२	सु	१३	२२	व	२४	४०	३२	४२	१८	६	१९	२६	तु.५०।३४	भ.२४/४०उ.५३/१७या.श्रवणेबुधः३६।१८
७	र	२१	५३	चि	२०	१	धृ	७	४३	ब	२१	५३	३५	४१	१९	७	२०	२७	तुलायां	
८	चं	२०	४७	स्वा	२०	२६	शू	३	३७	कौ	२०	४७	३८	४०	२०	८	२१	२८	तुलायां	[Hपातस्पर्शः१।५०पातमोक्षः२४।४०
९	मं	२१	२२	वि	२२	३८	गं	०/५९	५८/११	ग	२१	२२	४१	४०	२०	९	२२	२९	वृ.७।५	भ.५२।२४उ.मूलेधनुषिशुक्रः३७।४७
१०	बु	२३	२६	अ	२६	८	ध्रु	५८	६	वि	२३	२६	४५	३९	२१	१०	२३	३०	वृश्चिके	भ.२३।२६या.ज्येष्ठा.३गुरुः१।२०H
११	गु	२६	५७	ज्ये	३१	४	व्या	५९	४४	बा	२६	५७	४८	३८	२२	११	२४	३१	ध.३१।४	षट्तिला११व्र.
१२	शु	३१	३२	मू	३७	३	ह	६०	०	तै	३१	३२	५१	३८	२२	१२	२५	१	धनुषि	फरवरी२ता.२८
१३	श	३७	२	पू	४३	५६	ह	०	४६	ग	४	१७	५४	३७	२३	१३	२६	२	धनुषि	भ.३७।२उ. प्रदोषः
१४	र	४३	२	उ	५०	५६	व	२	३५	वि	१०	२	५८	३७	२३	१४	२७	३	म.०।४१	भ.१०।२या.धनि.बुधः१९।३०
३०	चं	४९	२६	श्र	५८	३५	सि	४	२८	च	१६	१४	२७/१	३६	२४	१५	२८	४	मकरे	

४२पं.मा.कृ.६श.इ.०।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	७	७	८	३	९
११	२२	८	२२	२५	२०	२	११
४२	४६	५७	३७	५१	६	५	३०
४०	४८	४७	१२	४०	२५	५५	२०
६०	३८	०/३०	११	६४	७	३	६१
५९	२६	३३	८	५४	२	११	१३

गोचर ग्रहाः

११ ९श ८गु शु १२ मं १० सूकेबु ७ १ २ ४रा ६ ३ ५

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का चांवल गेहूं तेज हो धातु चांदी सोना रुई तिलहन सन मंदे हो ।

गोचर ग्रहाः

११ शुश९ च ८गु १२ मं बु सूके१० १ ७ २ रा४ ६ ३ ५

४३पं.मा.कृ.१३श.इ.०/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	७	८	८	३	९
१८	२७	२०	२३	३	२०	१	१८
४९	३१	५८	५१	४४	५२	४३	३८
१६	१६	५	१४	६	५५	४०	२६
६०	३८	०/१०	१०	६६	६	३	६१
५५	४०	३७	२८	२२	४४	११	४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण२८६३स.२०१९
१	मं	५५	५०	ध	६०	०	व्य	६	४८	किं	२२	३८	२७/५	६/३५	५/२५	१६	२९	५	कुं.३२।२०	अश्वि.मेषेभौमः३१।२६
२	बु	६०	०	ध	६	४	व	९	५	बा	२९	१	८	३४	२६	१७	३०	६	कुंभे	धनि.रविः२७/३७(सौरः३७/३७)कुंभेबुधः५५/८=
२	गु	२	१२	श	१३	३७	प	११	१४	कौ	२	१२	१२	३४	२६	१८	१	७	कुंभे	जमादिलाखर६ [=चंद्रदर्शनम्
३	शु	८	१६	पू	२०	३१	शि	१३	४	ग	८	१६	१५	३३	२७	१९	२	८	मी३।४७	भ.४०।५२उ.
४	श	१३	२९	उ	२७	४९	सि	१४	७	वि	१३	२९	१९	३२	२८	२०	३	९	मीने	भ.१३।२९या.
५	र	१८	३	रे	३२	२१	सा	१४	४६	बा	१८	३	२३	३१	२९	२१	४	१०	मे.३२।२१	शतेबुधः३५/१७पूषा.शुक्रः२४/३वसंत५
६	चं	२१	५	अ	३६	२३	शु	१४	२०	तै	२१	५	२७	३१	२९	२२	५	११	मेषें	[×पातमोक्षः५१/१७भानु७रथ७
७	मं	२२	५४	भ	३८	५२	शु	१२	४१	व	२२	५४	३०	३०	३०	२३	६	१२	वृ.५४।५	भ.२२/५४उ.५२/५८या.पातस्पर्शः३५/३५×
८	बु	२३	२	कृ	३९	४५	ब्र	९	४४	ब	२३	२	३४	२९	३१	२४	७	१३	वृषे	कुँभेऽर्कः२/५३(सौरः११/३५)भीमाष्टमी
९	गु	२१	७	रो	३८	५२	ऐं	५/२६	५४/४	कौ	२१	७	३८	२८	३२	२५	८	१४	वृषे	
१०	शु	१७	२९	मृ	३५	५६	वि	५२	५	ग	१७	२९	४१	२८	३२	२६	९	१५	मि७।२३	भ.४४/४५उ.बुधोदयःपश्चिमायां५२/६
११	श	१२	२	आ	३१	१७	प्री	४३	२५	वि	१२	२	४५	२७	३३	२७	१०	१६	मिथुने	भ.१२।२या.जया११व्र.
१२	र	४	५५	पु	२५	२६	आ	३३	३१	बा	४	५५	४९	२६	३४	२८	११	१७	क.११।५३	प्रदोषः
१३	र	५१	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+सौरः४६।५७)मा.स्ना.पूर्तिः
१४	चं	४६	५५	पु	१८	१६	सौ	२२	४७	ग	२१	३९	५३	२५	३५	२९	१२	१८	कर्के	भ.४६।५५उ.पूभा.बुधः१३।४५
१५	मं	३७	१०	श्ले	१०	२१	शो	११	४३	वि	१२	२	५६	२५	३५	३०	१३	१९	सिं१०।२१	भ.१२।२या.शतेरविः३९।९+

४४पं.मा.शु.४श.इ.०।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	१०	७	८	८	३	९
२५	२	३	२५	११	२१	१	२५
५५	१४	४७	०	४५	३७	२१	४५
१	५३	५३	५०	५४	२३	२४	१३
६०	३८	४०/०	९	६७	६	३	६०
४७	४२	०/१	४३	३४	२९	११	५५

गोचर ग्रहाः

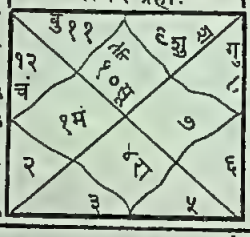

माघ शुक्ले ८ बुधे कुँभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

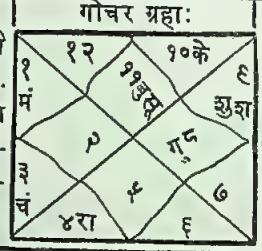

४५पं.मा.शु.११श.इ.०/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	७	८	८	३	१०
२	६	१६	२६	१९	२२	०	२
५९	५८	६	४	५२	२०	५९	५१
४९	४६	१८	५५	१९	१०	९	१६
६०	३८	५०/०	८	६८	६	३	६०
३७	५७	०/२७	५३	३६	१४	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	बु	२७	२०	म	२/२०	५२/३४	अ	०/४६	४९/८	बा	२	१४	२८/००	६/२४	५/३६	१	१४	२०	सिहे	ज्येष्ठा.४गुरुः१०।२६भा.फाल्गुनारंभः
२	गु	१८	१०	उ	४८	२२	धृ	३९	५८	ग	१८	१०	४	२३	३७	२	१५	२१	कं.८।१६	भ.४४।४उ.उषा.शुक्रः४७।८
३	शु	९	५९	ह	४३	६	शू	३१	१५	वि	९	५९	८	२२	३८	३	१६	२२	कन्यायां	भ.९।५९या.चतुर्थी व्र.
४/५	श	३/५५	३४/३४	चि	३९	५०	गं	२३	५५	बा	३	३४	१२	२२	३८	४	१७	२३	तु.११।२८	[÷शुक्रः४०/१२पातस्पर्शः७/२३पातमोक्षः३०/२९
६	र	५६	२६	स्वा	३८	२३	वृ	१८	१०	ग	२७	४२	१६	२१	३९	५	१८	२४	तुलायां	भ.५६/२६उ.मीनेबुधः४४।४५मकरे÷
७	चं	५६	२	वि	३९	५६	ध्रु	१४	१	वि	२६	१४	२०	२०	४०	६	१९	२५	वृ.२४।३३	भ.२६।१४या.भरण्यांभौमः३१।१३
८	मं	५७	३५	अ	४२	४	व्या	११	४४	बा	२६	४९	२४	१९	४१	७	२०	२६	वृश्चिके	पूषा.४शनिः२६।४५
९	बु	६०	०	ज्ये	४६	३१	ह	१०	३६	तै	२९	१२	२८	१८	४२	८	२१	२७	ध.४६।३१	[–श्रवणेशुक्रः८।११महाशिवरात्रीव्र.वै.
९	गु	०	५०	मू	५२	१८	व	११	१२	ग	०	५०	३२	१८	४२	९	२२	२८	धनुषि	भ.३३।१२उ.उभा.बुधः११।२३
१०	शु	५	३४	पू	५९	१२	सि	१२	१३	वि	५	३४	३६	१७	४३	१०	२३	१	धनुषि	भ.५।३४या.मार्च३ता.३१
११	श	१०	११	उ	६०	०	व्य	१४	८	बा	१०	११	४०	१६	४४	११	२४	२	म.१६।३	विजया११व्र.
१२	र	१७	३४	उ	६	३२	व	१६	२३	तै	१७	३४	४४	१५	४५	१२	२५	३	मकरे	प्रदोषः [Eमहाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१३	चं	२४	२	श्र	१४	१०	प	१८	४९	व	२४	२	४८	१४	४६	१३	२६	४	कु.४७।५५	भ.२४।२उ.५७।११या.पूभा.रविः५५/१५E
१४	मं	३०	१९	ध	२१	४१	शि	२१	४	श	३०	१९	५२	१४	४६	१४	२७	५	कुम्भे	पूभा.रविःसौरः१।४४वक्रीबुधः४४।५६–
३०	बु	३६	२९	श	२८	५९	सि	२३	७	च	३	२४	५६	१३	४७	१५	२८	६	कुम्भे	पुन.३राहुःउषा.१केतुः३७।४७

४६पं.फा.कृ.४श.इ.१।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	७	८	८	३	१०
१०	११	२७	२७	२८	२३	०	९
३	४२	२८	२	५	०	३६	५५
२२	२५	३४	४२	२४	०	५३	४९
६०	३८	८७	७	६९	५	३	६०
२५	५९	२५	५९	२०	५०	११	३१

गोचर ग्रहाः

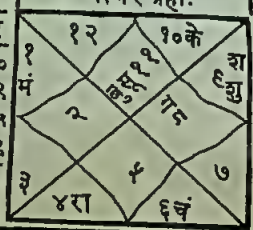

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चांवल गेहूं जौ मंदेहों धातु सोना चांदी रस गुड़ शक्कर तेज होवे

गोचर ग्रहाः

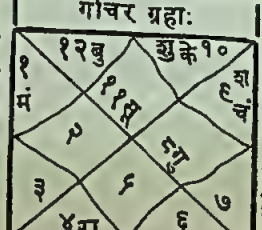

४७पं.फा.कृ.११श.इ.१/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	११	७	९	८	३	१०
१७	१६	४	२७	६	२३	०	१६
५	२५	३२	५३	२१	३७	१४	५८
३५	५	५३	४२	३२	४४	३७	४३
६०	३९	३९	६	७०	५	३	६०
१२	२	४६	४८	९	२६	११	२०

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०	दि	उ.	अ.	मा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२८९२स.२०१९
१	गु ४१ ५८ पू ३५ ४४ सा २४ ४३ किं ९ १३	२९	६ १२	५ ४८	१६	२९	७	मी १९।३	बुधास्तःपश्चिमायां ३६।२१
२	शु ४६ ३६ उ ४१ ३८ शु २५ ५० वा १४ १७	५	११	४९	१७	३०	८	मीने	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
३	श ५० ३५ रे ४६ ५१ शु २६ ११ तै १८ ३६	९	१०	५०	१८	१	९	मे.४६।५१	रज्जव७पातस्पर्शः ३ ६ पातमोक्षः ५ ११
४	र ५३ २५ अ ५० ५४ ब्र २५ ३५ व २२ ०	१३	९	५१	१९	२	१०	मेषे	भ.२०।०उ.५३।२५या.
५	चं ५५ ५ भ ५३ ५६ ऐं २४ २४ ब २४ १४	१७	९	५१	२०	३	११	मेषे	वक्रीपूभा.बुधः३८।१
६	मं ५५ २८ कृ ५५ ४७ वै २२ २० कौ २५ १६	२१	८	५२	२१	४	१२	वृ.९।२३	
७	बु ५४ ३५ रो ५६ १७ वि १९ ६ ग २५ १	२६	७	५३	२२	५	१३	वृषे	भ.५४।३५उ.
८	गु ५२ १० मृ ५५ १० प्री १४ ४१ वि २३ २२	३०	६	५४	२३	६	१४	मि २५।४४	भ.२३।२२या.मीनेऽर्कः ५६ होलाष्टकम्
९	शु ४८ २६ आ ५२ ५० आ ८ ५८ बा २० १२	३४	५	५५	२४	७	१५	मिथुने	मीनेऽर्कःसौरः ३ वक्रीकुंभेबुधः१०।२
१०	श ४३ ६ पु ४८ ५० सौ २ ५३ तै १५ ४६	३८	४	५६	२५	८	१६	क.३४।५०	धनि.शुक्रः१७।६ [+आमलकी११व्र.
११	र ३६ २४ पु ४३ ३५ अ ४५ २३ व ९ ४५	४३	३	५७	२६	९	१७	कर्के	भ.९५उ.३६या.कृत्तिकाभौमः२१।१४+
१२	चं २८ ३५ श्ले ३७ १३ सु ३५ ३४ ब २ २९	४७	३	५७	२७	१०	१८	सिं ३७।१३	उभा.रविः१७।१२(सौरः ३३) प्रदोषः
१३	मं १९ ४९ म ३० २३ धृ २५ १९ तै १९ ४९	५१	२	५८	२८	११	१९	सिंहे	[×होलिकादहनम् भद्रोत्तरम्
१४	बु १० ३२ पू २३ २ शू १४ ३५ व १० ३२	५५	१	५९	२९	१२	२०	कं.३६।१७	भ.१०।३२उ.३५।५८या. ×
१५	गु १ २३ उ १६ २ गं २५ ५० ब १ २३	३०	६	०	३०	१३	२१	कन्यायां	कुंभेशुक्रः५१।१९ छारेंडी वसंत १

४८पं.फा.शु.३श.इ.१३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	११	७	९	८	२	१०
२४	२१	४	२८	१४	२४	२९	२४
६	६	५१	३८	४०	१२	५२	०
२२	५०	१८	६	१९	०	२२	६
५९	३९	३५	५	७०	४	३	६०
५८	११	व.	५४	४६	५६	११	६

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन शुक्ले ८गुरौ
मीनेऽर्कःप्रविष्टः वा. २
न४कुमारावस्था(बैठी)
मु. १५ धान्यादिभावे
महर्घता शुक्रोदयः
पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

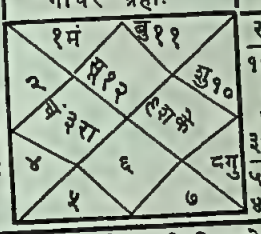

४९पं.फा.शु.१०श.इ.१५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	७	९	८	२	११
१	२५	२९	२९	२३	२४	२९	०
५	४८	७	१४	२	२४	३०	५९
३५	७	५	२९	२	३२	६	४८
५९	३९	६३	५	४	७१	४	३	५९
४१	१७	व.	४३	१६	२९	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	गु ५१ १६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=भा. चैत्रारंभः
२	शु ४५ १६ ह ९ ४७ धु ४६ ८ तै १८ ५७	३०	५	५९	१	१	१४	२२ तु.३७।१९	वृषेभौमः१६।३०बुधोदयःपूर्वस्यां७।३ ३=
३	श ३९ ११ चि ४ ५० व्या ३८ ५३ व १२ १३	८	५	८	२	२	१५	२३ तुलायां	भ.१२।१३उ.३९।११या.
४	र ३५ २ स्वा १ ४३ ह ३३ ५ ब ७ ७	१२	५	८	२	३	१६	२४ वृ.४५।५३	चतुर्थी व्रतम्
५	चं ३३ १३ वि ० ३७ व २९ १३ कौ ४ ७	१६	५	७	३	४	१७	२५ वृश्चिके	
६	मं ३३ १९ अ १ ४३ सि २६ ५२ ग ३ १६	२१	५	६	४	५	१८	२६ वृश्चिके	भ.३३।१९उ.
७	बु ३५ ४४ ज्ये ४ ४० व्य २६ २९ वि ४ ३१	२५	५	५	५	६	१९	२७ ध.४।४०	भ.४।३१या.शतेशुक्रः२४।५४
८	गु ३९ ४३ मू ९ ३१ व २६ ५३ बा ७ ४३	२९	५	४	६	७	२०	२८ धनुषि	शीतलापूजनम्
९	शु ४५ ३ पू १५ ४६ प २८ २९ तै १२ २३	३३	५	३	७	८	२१	२९ म.३२।३५	मूल.१धनुषिगुरुः५।३
१०	श ५१ १८ उ २३ २ शि ३० ३९ व १८ १०	३७	५	३	७	९	२२	३० मकरे	भ.१८।१०उ.५१।१८या मार्गीबुधः५।९
११	र ५७ ५२ श्र ३० ३८ सि ३३ १ ब २४ ३५	४१	५	२	८	१०	२३	३१ मकरे	रेवत्यांरविः ४४ (सौरः ५९ पापमोचनी×
१२	चं ६० ० ध ३८ ११ सा ३५ ३३ कौ ३० ५९	४५	५	१	९	११	२४	१ कुं.४।२५	[×११व्र..
१२	मं ४ ६ श ४५ ३१ शु ३७ ३५ तै ४ ६	४९	५	०	१०	१२	२५	२ कुम्भे	अप्रेल४ता.३०
१३	बु १० ८ पू ५२ ११ शु ३९ १३ व १० ८	५३	४	९	११	१३	२६	३ मीने	प्रदोषः
१४	गु १५ ५ उ ५७ ४२ ब्र ३९ ५६ श १५ ५	५७	४	९	११	१४	२७	४ मीने	भः१०।८उ.४२।३७या.
२०	शु १८ ५८ रे ६० ० ऐं ४० ५ ना १८ ५८	३३	४	८	१२	१५	२८	५ मन्वादिः -	

५०पं.चै.कृ.३श.इ.२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	१०	८	२	११
८	०	२३	२९	१	२५	२९	७
६	३०	३३	४२	२४	९	७	५७
१८	७	२९	१८	५८	१४	५१	४३
५९	३९	३५	३	७१	३	३	५९
२९	२५	व.	३२	४७	४९	११	३५

गोचर ग्रहाः

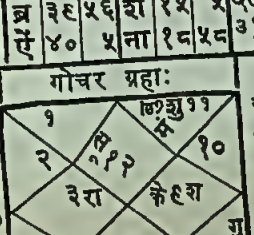

इस मास में ५ शुक्रवार शुभ हैं वदि में धान्य जौ गेहूं बाजरा मूंग मोठ धातु रस मंदे होकर सुदि में अच्छे तेज हों।

गोचर ग्रहाः

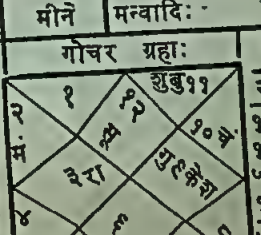

५१पं.चै.कृ.१०श.इ.४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	८	१०	८	२	११
१४	५	२१	०	९	२५	२८	१४
५९	७	५५	२	४९	३२	४५	५३
१०	४१	१	२	२६	२	३५	५३
५९	३९	११	२	७२	३	३	५९
५६	१८	व.	७	२	१४	११	१६

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२०, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२०, भोग्यकलिः४२६८८०, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०७६, शाकः १९४१, अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः । मंत्री रविः । सस्येशो भौमः । धान्येशश्चंद्रः । मेघेशःशनिः। रसेशो गुरुः नीरसेशो भौमः । फलेशःशनिः । धनेशो भौमः । दुर्गेशःशनिः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ७ प्रमादीनाम संवत्सरःप्रवर्ततेतस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः०।२३।१९।४०।४८भोग्यमासादिः११।६।४०।१९।१२अग्निदैवतं युगं। तत्रवर्षनाम ज्येष्ठः । मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासःतटे । समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा ८ समयवाहनम् महिषः। स्तंभाः ३ जलतृणावायुनाम्। सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी१ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी१,रविदशमी२ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १७, तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १७ धान्यम् ७ तृणम् १३, शीतम् ७ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११५, शनिदृष्टिः पश्चिमे सत्यं ।। धर्मे १।। पापं १८ ग्रहण २ चंद्रसूर्ययोः ।

संं.२०७६ शा. १९४१ पौष कृ.३० गुरौ सूर्य ग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
घ.	८	९	१०
प.	१९	५१	५४
घं.	४	८	११
मिं.	४१	३१	८

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्षे लग्नम् ३।१८

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

छिंतर में जगदंबिके सदा लगावुं ध्यान ।
कैसा फल संवत् लहे कैसा निपजे धान ।।

भवानी उत्तर

छयंतर वर्षा विषम हो वर्षे झीणा नीर ।
कहींक वर्षा प्रलय सम कहींक छूटे धीर ।
शनि राजा इण वर्ष में मंत्रि वासरनाथ ।
देश विदेशां जग भ्रमे जनता खप्पर हाथ ।।
संवत् वासो रजकघर मेघाधिप शनि जाण ।
फलपति अरु दुर्गेश से करसा होसी हाण ।।
टीडी मूषा कातरा करें उपद्रव जोर ।
चौपायां में रोग हो जग में मांचे शोर ।।
शर्मा ज्योतिष से कहे देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो है जगदाधार ।।

संवत् २०७६ शा.१९४१आषा. शु. १५ भौमे चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो
घ.	१	२	४
मि.	३१	५९	२७
घं.	४७	५१	५४
प.	४१	२०	५९

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ३।२३

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५७।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।६।५१

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फलम् । शनैश्चरे भूमिपतौ सकुज्जले प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः युद्धं नृपाणां गद तस्कराद्यैः भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् । मंत्री रविस्तत्फलम् । नृप भयं गदतोऽपिहि तस्करा प्रचुर धान्य धनादि महीतले । रसचयंहि समर्धतमं सदा रविं रमात्यपदंहि समागतः । सस्येशो भौमस्तत्फलम् । प्रथम धान्यपतौ धरणी सुते गज तुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग धनोजलं न सम सौख्य करं तुष धान्य हृत् । धान्येशश्चंद्रस्तत्फलम् । धान्याधिक्यं गोषु दुग्धं प्रभूतं,पुत्रैः पौत्रैर्लोक वृन्तं समेतम् । मेघव्राता भूरि वर्षंति पाथश्चंद्रश्चेत् स्यादग्र धान्याधिनाथः । मेघेशः शनिः फलम् । रविसुते जलदस्य पतौ भवेद्विरल वृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि ताप करो नृपति सदा विविध रोगरता जनता मता । रसेशो गुरुः फलम् । यदि गुरुर्रसपो जन सौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विज पूजन तत्परा, गज सुवाजि रथोष्ट्र युता नृपाः । नीरसेशो भौमस्तत्फलम् । नीरसेशो यदा भौमः प्रवाल रक्त वाससां । रक्त चंदन ताम्राणांमर्घ वृद्धिदिने दिने । फलेशः शनिः फलम् । यदि शनिः फलपः फलहा भवेज्जनित पुष्प जनस्य द्रुमः सदा । हिम भयंकर तस्कर जन्तुभिः जनपदो गद राशि महाकुलः । धनेशो भौमस्तत्फलम् । असम मौल्य करो धरणी सुतः शरदि ताप करस्तुष धान्य हृत् । सहसि मासि भवेद्द्विगुणं तदा नरपति र्जन शोक विधायकः । दुर्गेशः शनिः फलम् । रविसुते गढ पालिनि विग्रहैः सकल देश गताश्चलिता जनाः विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनं शलभैर्मुषितं भुवि । प्रमादीनाम संवत्सरः फलम् । प्रमादी वत्सरे तत्र मध्यं सस्यार्घ वृष्टयः प्रजाः कथं चिज्जीवंति समात्सर्याः क्षितीश्वराः । वर्षनाम ज्येष्ठः फलम् । ज्येष्ठाब्दे घर्म मार्गस्थाः पीड्यन्ते सत्क्रिया पराः । न चवर्षति वै दैवो भवेत्सस्य विनाशनम् । मेघनाम द्रोणः फलम् । द्रोणे वर्षंति सर्वदा । रोहिणी निवासस्तटेफलम् । तटेवृष्टिः सुशोभना । समय निवासो रजक गृहे फलम् । रजकस्य शुभं नास्ति । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।

संवत् २०७६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ बुधे हस्ते ल. १०-१२ (मीनेचं७मेऽर्क्यः) रे७ ।।।ऽबुऽऽऽ।।। बुधस्य पादतो वेधाऽभावः

„१५शुक्रे स्वात्यांल.१०-११(मकरे.श.पू.)रे६ऽ।।।ऽऽऽ।।

वैशाख मासः

शुक्ला २ चन्द्रे रोहि ल. १०-११-१२ रे.९ ।।।।।ऽ।।।

„ ८ रवौ मघा. ल. गो.११ (चं७पू) रे.८ ।।।।।।।ऽ।।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

„ १० भौमे उफा. ल. ऽन्यगो रे. ७ ।ऽ।।।ऽऋ।ऽ।।

„११बुधे हस्ते ल.ऽन्यगो१०(मकरे.श.पू.)रे.६।।।।।।ऽ।।।

„ १४ शुक्रे स्वात्यां ल.१० (श.पू.) रे.६ ऽऽ।।।ऽऋऽ।।।

„१५शनौ अनु ल.११-१२(घ.४६-२०उ)रे.७।।।।ऽ।ऽऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १ रवौ अनु. ल. ११-१२ रे. ६ ।।।।ऽऽनृऽऽ।।

„ ९ भौमे उभा ल. १०-११ (मकरे.श.पू.) रे. ९ ।।।।।।नृ४३उ.ऽ।।

„ १० बुधे रेव ल. १०-११ (मकरे.श.पू.) रे. ६ ऽ।।।।ऽ(नृ.४४या)ऽऽ।।

„ ११ गुरौ रेव ल. ऽन्यगो (भौमाऽमहादोषः) रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ६ शनौ मघा ल. ११-१ रे. ६ ।ऽ।।।।।।।

कुंभे चन्द्रोऽर्क्यः

„ ८ चन्द्रे उफा ल. १०-१२ रे.६।।।।।।।ऽ।। मीनचं.पू.

„ १३ शनौ अनु ल. ११-१२ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।

आषाढ मासः

कृष्णा ७ चन्द्रे उभा ल. २ (गु.पू.) रे ७ ।।।।।ऽरो।ऽ।ऽ

„ ८ भौमे उभा ल. ११ रे ८ ।।।।।।।ऽ।ऽ दग्धा

शुक्ला ५ रवौ उफा ल. ११-२ रे १० ।।।।।।।।।

कुंभे चन्द्रोऽर्क्यः । वृषे गु.पू.

„ ६ चन्द्रे हस्ते ल. १२-२ रे ७ ।।।।ऽनृऽऽ।।

मीने चं७पू. । वृषे गु७पू.

„ ९ बुधे स्वात्यां ल. ११ रे ८ ऽ।।।।चौ३६उऽ।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ७ भौमे मघा ल. ४-६ रे ७ ।।।।ऽऋ४३याऽऽ।।

„ ८ बुधे मघा ल. ऽन्यगो रे ८ ।।।।।।ऽऽ।।

„ १० शुक्रे हस्ते ल. ऽन्यगो ५ रे८ ।।।।।चौ४१उऽऽ।।

शुक्ला २ गुरौ मूले ल. ५-६ रे ८ ।।ऽबृशु।।।ऽ।।।

„ १४ बुधे रोहि ल. ५-६(घ.४१-५२उ)रे७।।।।ऽ।ऽऽ।।

„ १५ गुरौ मृगे ल. ५ रे ६ ।ऽ।।ऽऽरो।ऽ।।

माघ मासः

कृष्णा ५ बुधे उफा ल. गो. रे ६ ।।।।।।।ऽ।।

„ ६ गुरौ हस्ते ल. ७ रे ७ ऽ।।।।ऽ (मृ.पं.४५या) ऽ।।।

„ ९ शनौ स्वात्यां ल. ऽन्यगो रे६ ऽ।।ऽशु।।नृ४१उऽऽ।।

पादतो वेधाऽभावः

„ ११ चन्द्रे अनु ल. ऽन्यगो रे ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ४ बुधे उभा ल. ऽन्यगो रे ८ ।।।।।।ऽऽ।।

„ ५ गुरौ रेव ल. ऽन्यगो रे ६ ।।।।ऽ।।।।

शुक्ला १० भौमे रोहि. ल. गो. रे ८ ।।।।।।ऽऽ।।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ८ रवौ अनु ल. ऽन्यगो रे ९ ।।।।।।।ऽ।।

शुक्ला २ भौमे उभा ल. ८ रे ८ ।ऽ।।।।ऽ।।।

„ ३ बुधे रेव ल. ८ रे ७ ।।ऽशु।।ऽनृ।।।ऽ दग्धा

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२९२३स.२०१९
१	श	२२	१	रे	२	१६	वै	३९	१	व	२२	१	३१/५	५/४७	६/१३	१६	२९	६	मे.२।१६	रोहि.भौमः २५/१४ चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः=
२	र	२३	४६	अ	४	४४	वि	३७	२०	कौ	२३	४६	१०	४६	१४	१७	१	७	मेषे	पूभा.शुक्रः३०।७सावान८सिंधारा
३	चं	२४	२२	भ	८	६	प्री	३४	४१	ग	२४	२२	१४	४५	१५	१८	२	८	वृ.२३।२८	भ.५४।१५उ. मत्स्यजयंती गणगौरी
४	मं	२४	८	कृ	९	३२	आ	३१	२५	वि	२४	८	१८	४४	१६	१९	३	९	वृषे	भ.२४।८या. [=नवरात्रारंभः
५	बु	२२	४६	रो	१०	४	सो	२७	३१	बा	२२	४६	२२	४४	१६	२०	४	१०	मि३९।४७	
६	गु	२०	३१	मृ	९	२९	शो	२२	३२	तै	२०	३१	२६	४३	१७	२१	५	११	मिथुने	मीनेबुधः५२।१४वक्रीगुरुः११।७
७	शु	१७	२०	आ	७	५९	अ	१६	५४	व	१७	२०	३०	४२	१८	२२	६	१२	क.५१।१३	भ.१७।२०उ.४५।१७या.
८	श	१३	१३	पु	५	३७	सु	१०	२६	ब	१३	१३	३४	४१	१९	२३	७	१३	कर्के	रामनवमी स्मा. [×रामनवमी वै.
९	र	८	४	पु	२/२३	५५/५६	धृ	३/१६	५२/५	कौ	८	४	३८	४०	२०	२४	८	१४	सिं५८।१९	अश्वि.मेषेऽर्कः१८।४७(सौरः २४/४१)×
१०	चं	२	४	म	५३	२५	गं	४६	५१	ग	२	४	४२	४०	२०	२५	९	१५	सिंहे	भ.२८/४१उ.५५/१८या.उभा.बुधः १२/४१ मीनेशुक्रः+
११	चं	५३	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+३६/५२कामदा११व्र.स्मा.
१२	मं	४७	४८	पू	४७	५१	वृ	३८	०	ब	२१	३३	४६	३९	२१	२६	१०	१६	सिंहे	पातस्पर्शः १२/२९पातमोक्षः २४/३८कामदा÷
१३	बु	३९	५०	उ	४१	५५	ध्रु	२८	४२	कौ	१३	४९	५०	३८	२२	२७	११	१७	कं.१।२२	प्रदोषः [÷११व्र.वै.
१४	गु	३२	९	ह	३६	२९	व्या	१९	४२	ग	५	५९	५३	३७	२३	२८	१२	१८	कन्यायां	भ.३२/९उ.५८/३७या.उभा.शुक्रः ३४/२
१५	शु	२५	५	चि	३१	२७	ह	११	१४	वि	२५	५	५७	३७	२३	२९	१३	१९	तु.३।५८	हनुमज्जयंती

५२पं. चै.शु.१शा.इ. ३।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	८	१०	८	२	११
२१	९	२५	०	१८	२५	२८	२१
५३	४५	११	१२	१४	४९	२३	४८
३१	२५	२४	४७	५३	५९	१९	४
५९	३९	३१/२	०	७२	२	३	५९
४	२३	मा	५२	२५	२८	११	४

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले ९ रवौ मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

१पं.चै.शु. ९र.इ.१८/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	८	१०	८	२	११
०	१५	२	०	२८	२६	२७	२९
०	११	२६	१३	१३	७	५७	५४
०	५६	१३	४४	१	८	१५	१८
५८	३९	५९	०/४२	७२	१	३	५८
४४	२५	५२	व	४९	३५	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	श	१८	५८	स्वा	२७	४१	व	३/३७	५३/२४	कौ	१८	५८	३२/१	५/३६	६/२४	३०	१४	२०	तुलायां	
२	र	१४	२२	वि	२५	७	व्य	५१	५५	ग	१४	२२	५	३५	२५	१	१५	२१	वृ.१०।४६	भ.४२।५४उ.भा.वैशाखारंभः
३	चं	११	२७	अ	२४	५८	व	४८	२७	वि	११	२७	९	३४	२६	२	१६	२२	वृश्चिके	भ.११।२७या.चतुर्थी व्र.
४	मं	१०	२२	ज्ये	२६	३४	प	४६	४६	बा	१०	२२	१२	३४	२६	३	१७	२३	ध.२६।३४	वक्रीज्येष्ठा.४वृश्चिकेगुरुः१७।१०
५	बु	११	४४	मू	३०	१३	शि	४६	७	तै	११	४४	१६	३३	२७	४	१८	२४	धनुषि	
६	गु	१४	४७	पू	३५	१३	सि	४६	५७	व	१४	४७	२०	३२	२८	५	१९	२५	म.५१।५३	भ.१४/४७उ.४७/९या.रेवत्यांबुधः २५/३९
७	शु	१९	३०	उ	४१	५४	सा	४८	४३	ब	१९	३०	२३	३१	२९	६	२०	२६	मकरे	मृगे भौमः ४५।२२
८	श	२५	१६	श्र	४९	१	शु	५१	०	कौ	२५	१६	२७	३१	२९	७	२१	२७	मकरे	भरण्यांरविः५९।५
९	र	३१	३६	ध	५६	४७	शु	५३	३३	ग	३१	३६	३१	३०	३०	८	२२	२८	कुं.२२।५३	भरण्यांरविःसौरः६।६
१०	चं	३७	४३	श	६०	०	ब्र	५५	४९	व	४	४०	३४	२९	३१	९	२३	२९	कुंभे	भ.४/४०उ.३७/४३या.रेवत्यांशुक्रः ३३/२९
११	मं	४३	३१	श	४	७	ऐं	५७	२८	ब	१०	३७	३८	२८	३२	१०	२४	३०	मी५४।१२	वरुथिनी११व्र.
१२	बु	४८	२८	पू	१०	५४	वै	५८	२८	कौ	१५	५९	४१	२८	३२	११	२५	१	मीने	वक्रीशनिः७।२१मई५ता.३१
१३	गु	५१	५५	उ	१६	२१	वि	५८	१०	ग	२०	११	४५	२७	३३	१२	२६	२	मीने	भ.५१।५५उ. प्रदोषः
१४	शु	५४	१६	रे	२०	४२	प्री	५७	२	वि	२३	५	४८	२६	३४	१३	२७	३	मे.२०।४२	भ.२३।५या.अश्वि.मेषेबुधः३४।३२
३०	श	५४	५२	अ	२३	३४	आ	५४	४०	च	२४	३५	५२	२६	३४	१४	२८	४	मेषे	

२पं.वै.कृ.२र.इ.१९।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	८	११	८	२	०
६	१९	१०	०	६	२६	२७	६
५०	४७	५९	४	४०	१५	३४	४४
४२	५६	६	१६	५९	०	५९	२९
५८	३९	७८	२/२०	७३	१	३	५८
३१	२५	४७	व.	२	१	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं प्रजा में महामारी फैले धान्य धातु रस तेज होवे धूप तेज होवे अग्नि का प्रकोप होवे

गोचर ग्रहाः

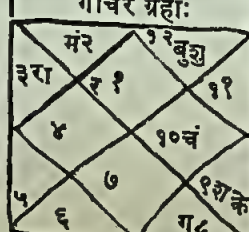

३पं.वै.कृ.९र.इ.१९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	७	११	८	२	०
१३	२४	२१	२९	१५	२६	२७	१३
३९	२१	१९	४५	९	१८	१२	३२
४७	४३	१६	५८	२९	१०	४४	५४
५८	३९	९६	३/३१	७३	०	३	५८
१९	२४	२८	व.	१६	१६	११	१२

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरेऽर्हर्गणः २९५१स.२०१९

१	र	५४	११	भ	२५	१२	सौ	५१	१९	किं	२४	३१	५५	२५	६	१५	२९	५
२	चं	५२	२३	कृ	२५	३५	शो	४७	१२	बा	२२	१७	५८	२४	३६	१६	३०	६
३	मं	४९	४९	रो	२४	५५	अ	४२	२०	तै	२१	६	३३	२४	३६	१७	१	७
४	बु	४६	२३	मृ	२३	३४	सु	३६	४०	व	१८	६	५	२३	३७	१८	२	८
५	गु	४२	२२	आ	२१	३८	भृ	३०	५१	ब	१४	२३	८	२२	३८	१९	३	९
६	शु	३७	५६	पु	१९	१३	शू	२४	४७	कौ	१०	९	११	२२	३८	२०	४	१०
७	श	३३	९	पु	१६	२२	गं	१८	१०	ग	५	३२	१४	२१	३९	२१	५	११
८	र	२८	२	श्ले	१३	१४	बृ	११	१५	वि	०	६	१७	२१	३९	२२	६	१२
९	चं	२२	२२	म	९	३७	धु	४	५३	कौ	२२	३२	२०	२०	४०	२३	७	१३
१०	मं	१६	५२	पू	५	४३	ह	४९	११	ग	१६	५२	२३	१९	४१	२४	८	१४
११	बु	१०	५८	उ	१	५६	व	४१	४६	वि	१०	५८	२६	१९	४१	२५	९	१५
१२	गु	४	५३	चि	५४	२९	सि	३४	२४	बा	४	५३	२८	१८	४२	२६	१०	१६
१३	गु	५४	२८	०	०	०	०	२७	३७	ग	२७	४७	३१	१८	४२	२७	११	१७
१४	शु	५४	१४	स्वा	५१	२६	व्य	२७	३७	ग	२७	४७	३१	१८	४२	२७	११	१७
१५	श	५०	१७	वि	४९	२०	व	२१	३३	वि	२२	१६	३४	१७	४३	२८	१२	१८

[+पूषा.४केतुः४५।४५
मिथुनेभौमः५७।२२ चंद्रदर्शनम्
रमजानɛ परशुरामजयंती अक्षय३
भ.१८।६उ.४६।२३या.पुन.२राहुः+
[÷३५।३२बुधास्तः पूर्वस्यां९।५३
भरण्यांबुधः४४।४२अश्वि.मेषेशुक्रः÷
भ.३३।६उ.कृत्ति.रविः४५(सौरः५३)−
भ.१या. [−पातस्पर्शः३५पातमोक्षः५३
[D(सौरः२१।४५) मोहिनी ११ व्र.
भ.४३।५५उ.
भ.१०।५८या.वृषेऽर्कः१२।१६D
प्रदोषः [*यमायकुम्भदानम्
[Aआर्द्राभौमः१८।३१नृसिंहजयंती
भ.५४।१४उ.कृत्ति.बुधः१३।५A
भ.२२।१६या.वृषेबुधः४४।२१*

४पं.वै.शु.१र.इ.१६।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	७	११	८	२	०
२०	२८	३	२९	२३	२६	२६	२०
२७	५५	१३	१९	३८	१७	५०	१९
२५	४८	८	१९	५३	६	२८	३९
५८	३९	०	२४	७३	२०	३	५७
६	२३		व.	२६	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले ११बुधे
वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४
न.४बालावस्था(बैठी)
मु.३० धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

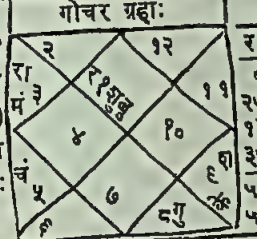

५पं.वै.शु.८र.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	७	०	८	२	०
२७	३	१९	२८	२	२९	२६	२७
१३	२७	३४	४५	८	११	२८	४
३७	४३	५२	०	२४	२०	१२	५३
५७	३९	५९	४३	७३	१६	३	५७
५४	२२		व.	२८	व.	११	४५

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	र	४७	३०	अ	४८	४०	प	१६	२३	बा	१८	५४	३३	५	१७	४३	२९	१३
२	चं	४६	२२	ज्ये	४९	२४	शि	१२	२८	तै	१६	५६	३९	१६	४४	३०	१४	२०
३	मं	४७	९	मू	५२	८	सि	९	५५	व	१६	४६	४२	१६	४४	३१	१५	२१
४	बु	४९	३५	पू	५६	२९	सा	८	५८	ब	१८	२२	४४	१५	४५	१	१६	२२
५	गु	५३	३२	उ	६०	०	शु	८	४७	कौ	२१	३४	४७	१५	४५	२	१७	२३
६	शु	५८	४७	उ	२	२३	शु	१०	७	ग	२६	१०	४९	१४	४६	३	१८	२४
७	श	६०	०	श्र	९	५	ब्र	११	५३	वि	३१	५०	५२	१४	४६	४	१९	२५
७	र	४	५३	ध	१६	३९	सें	१४	२२	ब	४	५३	५४	१३	४७	५	२०	२६
८	चं	१०	५९	श	२४	८	वै	१५	५८	कौ	१०	५९	५६	१३	४७	६	२१	२७
९	मं	१६	५०	पू	३१	१०	वि	१८	५३	ग	१६	५०	५८	१२	४८	७	२२	२८
१०	बु	२१	५५	उ	३७	१३	प्री	२०	२१	वि	२१	५५	३४	१२	४८	८	२३	२९
११	गु	२५	२९	रे	४१	४८	आ	२०	२१	बा	२५	२९	२	१२	४९	९	२४	३०
१२	शु	२७	३८	अ	४४	५२	सी	१९	२६	तै	२७	३८	३	११	४९	१०	२५	३१
१३	श	२७	४६	भ	४६	१४	शो	१७	११	व	२७	४६	५	११	४९	११	२६	१
१४	र	२६	२१	कृ	४५	५९	अ	१३	३२	श	२६	२१	७	११	४९	१२	२७	२
१५	चं	२३	२६	रो	४४	१४	सु	८	४०	ना	२३	२६	९	१०	५०	१३	२८	३

भ.१६।४६उ.४७।१९या.भरण्यांशुक्रः३०
भा.ज्येष्ठारंभः चतुर्थी व्र.
रोहि.बुधः११।३१पातस्पर्शः३३।४२
म.१२।५८ भ.५८।४७उ.पातमोक्षः२०।२
भ.३१या.रोहि.रविः५०(सौरः४७)
भ.४९।२२उ.
भ.२१।५५या.मृगेबुधः२८।५०
अपरा ११ व्र.
वक्रीज्येष्ठा.३गुरुः३०।४२ प्रदोषः
भ.२७उ.५७या.मिथुनेबुधः४२कृत्ति.=
[=शुक्रः३०बुधोदयःपश्चिमायां३३×
वटपूजनम् [×जून६ता.३१

६पं.ज्ये.कृ.१र.इ.१९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	७	०	८	२	१
३	७	१	२८	१०	२६	२६	३
५८	५९	१९	३	३९	०	५	४८
३७	३१	१९	२५	४२	४	५७	३६
५७	३९	५८	६	७३	१९	३	५७
४४	१८		व.	५०	व	११	३४

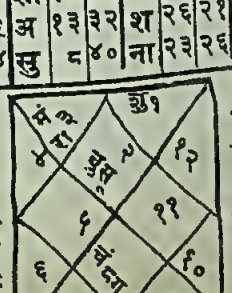

७पं.ज्ये.कृ.७र.इ.२०।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	७	०	८	२	१
१०	१२	१९	२७	१९	२५	२५	१०
४२	३०	३९	१६	९	४४	४३	३०
२९	४३	४०	१९	५८	५६	४१	४७
५७	३९	५८	६	७३	२८	३	५७
३५	१८		व.	५४	व.	११	२३

८पं.ज्ये.कृ.१४र.इ.२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	७	०	८	२	१
१७	१७	१	२६	२७	२५	२५	१७
२५	०	१४	२५	४१	२६	२१	११
१९	१	४६	४३	२०	६	२६	५३
५७	३९	५८	५०	७४	३	३	५७
२२	१५		व.	२	व	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ	शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२९८१स.२०१९
१	मं	१९ ५ मृ ४१ ४० धृ ३८ ५३ च	१९	५	३४ ५०	६ ५०	१४	२९	४	मि१२।५७ चंद्रदर्शनम्
२	बु	१४ ४ आ ३८ ४ गं ४८ ५५ कौ	१४	४	१२ १०	५०	१५	१	५	मिथुने आर्द्रा.बुधः ३२ वृषे शुक्रः १३ सव्वाल१०
३	गु	८ १७ पु ३४ ११ वृ ४१ २३ ग	८	१७	१३	९	५१	१६	२	६	क.२०।१० भ.३५।२०उ.
४	शु	२ २४ पु ३० १४ धु ३३ ५९ वि	२	२४	१५	९	५१	१७	३	७	कर्के भ.२।२४या.पुन.भौमः४।१९
५	शु	५४ २ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
६	श	५० ४२ श्ले २९ २४ व्या २९ ४६ कौ	२३	३४	१६	९	५१	१८	४	८	सिं२६।२४ मृगेरविः३०।४३ (सौर:४६।४३)
७	र	४५ ५ म २२ ४१ ह १९ ३५ ग	१७	५४	१७	९	५१	१९	५	९	सिंहे भ.४५।५उ.
८	चं	३९ ५३ पू १९ २२ व १२ ३३ वि	१२	२९	१८	८	५२	२०	६	१०	क.३३।३६ भ.१२।२९या.
९	मं	३५ ० उ १६ २० सि ५४ ५३ बा	७	२६	१९	८	५२	२१	७	११	कन्यायां [×रोहि.शुक्रः२९।४७गंगादशमी
१०	बु	३० २५ ह १३ ३७ च ५३ २६ तै	२	४२	१९	८	५२	२२	८	१२	तु.४२।३२ भ.५८।२७उ.पुन.बुधः५९।१२×
११	गु	२६ २९ चि ११ २६ प ४७ ५६ वि	२६	२९	२०	८	५२	२३	९	१३	तुलायां भ.२६।२९या.निर्जला११व्र.
१२	शु	२३ ३ स्वा ९ ५० शि ४३ ० बा	२३	३	२१	८	५२	२४	१०	१४	वृ.५४।१३ प्रदोषः
१३	श	२० २५ वि ९ १ सि ३८ ४७ तै	२०	२५	२१	८	५२	२५	११	१५	वृश्चिके मिथुनेऽर्कः२९।१७ (सौर:४७।३१)
१४	र	१८ ५१ अ ९ १४ सा ३५ २३ व	१८	५१	२२	८	५२	२६	१२	१६	वृश्चिके भ.१८।५१उ.४८।३८या.
१५	चं	१८ २४ ज्ये १० ३८ शु ३३ २ च	१८	२४	२२	८	५२	२७	१३	१७	ध.१०।३८ गुर्जराणां वट सावित्री व्र.

१पं.ज्ये.शु.७र.इ.२०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	७	१	८	२	१
२४	२१	१३	२५	६	२५	२४	३०
७	२९	५८	३२	१३	४	५९	५१
१९	६	३५	४२	८	५	१०	४९
५७	३९	०	५३	७४	३	३	५७
२३	२२	३	व.	२व.	११	५	

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठशुक्ले १३ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

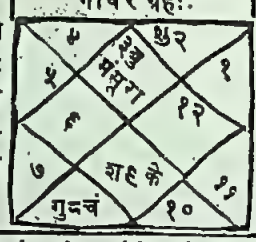

१०पं.ज्ये.श१४र.इ.२०।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	७	१	८	२	२
०	२५	२४	२४	१४	२४	२४	०
४८	५७	२५	३८	४५	२८	३६	३०
३६	२५	५९	२४	०	२८	५४	५८
५७	३९	८०	५व.	७४	४१	३	५६
१७	११	२०	चं.	१४	व.	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	मं १९ ३६ मृ १३ ११ शु ३१ ५८ कौ	१९	३६	३४ ५३	२८	१४	१८	धनुषि	
२	बु २२ १० पू १७ १० ब्र ३१ ३१ ग	२२	१०	२३	७ ५३	२९	१५	१९	म.३३।३१ भ.५४।१उ.
३	गु २५ ५२ उ २२ ३५ ऐ ३२ १९ वि	२५	५२	२३	७ ५३	३०	१६	२०	मकरे भ.२५।५२या.कर्केबुधः१२।२०चतुर्थीव्र.
४	शु ३० ५३ श्र २९ ४ वै ३३ ५८ बा	३०	५३	२४	७ ५३	३१	१७	२१	मकरे [=कर्केभौमः४०।२८भा.आषाढारंभः
५	श ३६ ४३ ध ३६ १३ वि ३४ ४४ कौ	३	४८	२४	७ ५३	१	१८	२२	कुं.२।३८ आर्द्रा.रविः२८।१२ (सौर:४९।४)=
६	र ४२ ४७ श ४३ ४१ प्री ३८ ३४ ग	९	४५	२४	७ ५३	२	१९	२३	कुम्भे भ.४२।४७उ.मृगेशुक्रः२१।२२
७	चं ४८ ५६ पू ५१ १० आ ४१ १० वि	१५	५१	२४	७ ५३	३	२०	२४	मी३४।१८ भ.१५।५१या.पुष्येबुधः८।३८
८	मं ५४ २४ उ ५७ ५९ सौ ४३ ७ बा	२१	४०	२४	७ ५३	४	२१	२५	मीने
९	बु ५८ ३२ रे ६० ० शो ४४ ७ तै	२६	२८	२३	७ ५३	५	२२	२६	मीने वक्रीज्येष्ठा.२गुरुः४४।५७
१०	गु ६० ० रे ३ २५ अ ४३ ५८ व	२९	५१	२३	७ ५३	६	२३	२७	मे.३।२५ भ.२९।५१उ.पुष्येभौमः५७।२७
१०	शु १ १० अ ७ २९ सु ४२ २४ वि	१	१०	२२	८ ५२	७	२४	२८	मेषे भ.१।१०या.मिथुनेशुक्रः५०।२५
११	श १ ४९ भ ९ ३५ धृ ३९ ११ बा	१	४९	२२	८ ५२	८	२५	२९	वृ.२४।३८ योगिनी११व्र.
१२	र ० ३१ कृ ९ ४६ शू ३४ ४१ तै	०	३१	२१	८ ५२	९	२६	३०	वृषे भ.५७।२३उ. प्रदोषः
१३	र ५६ ५२ ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१४	चं ५२ १२ रो ८ ११ गं २८ ४० वि	२४	४७	२०	८ ५२	१०	२७	१	मि३६।३६ भ.२४।४७या.जुलाई७ता.३१
२०	मं ४६ ४ मृ ५ २ ब्र २१ २३ च	१९	८	१९	८ ५२	११	२८	२	मिथुने

११पं.आ.कृ.६र.इ.२०।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	७	१	८	२	२
७	०	२	२३	२३	२४	२४	७
२९	२५	२८	४५	१८	१०	१४	९
३१	५६	५३	४७	२२	४१	३९	२५
५७	३९	५०	७	७४	१४	३	५६
१३	१८	४७	व.	२०	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में गुड़ शक्कर तेज हो धान्य गेहूं जो चना मटर धातु सोना चांदी मंदा हो कहीं-कहीं वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

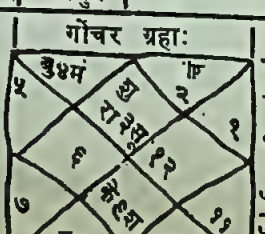

१२पं.आ.कृ.१२र.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	७	२	८	२	२
१४	४	८	२२	१	२३	२३	१३
९	५३	१	५७	५१	४०	५२	४७
५८	१०	१९	७	७	५९	२३	२०
५७	३९	२४	५व.	७४	३४	३	५६
७	१३	११	व.	२६	व.	११	५०

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविदक्षिणेऽहर्गणः ३०१०स.२०१९
१	बु	३८	३७	आ	०/१६	५४/३४	ध्रु	१३	१३	किं	१२	२०	३४/१८	५/८	६/५२	१२	२९	३	क.४१।११	
२	गु	३०	५७	पु	४९	७	व्या	४/२५	५१/२	बा	४	४७	१७	९	५१	१३	३०	४	कर्के	आद्रां.शुक्रः १७/४६ चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	शु	२३	८	श्ले	४३	२७	व	४६	२८	ग	२३	८	१६	९	५१	१४	१	५	सिं४३।२७	भ.४९/१९ उ.वक्रीबुधः ५४/५५ वक्रीपूषा.३शनिः ×
४	श	१५	३१	म	३८	११	सि	३७	४०	वि	१५	३१	१५	९	५१	१५	२	६	सिहे	भ.१५/३१ या.पुन.रविः२७।२ (सौरः५३।६)
५	र	८	३५	पू	३३	३४	व्य	२९	४७	बा	८	३५	१४	९	५१	१६	३	७	कं ४७।३५	[×२०।४४जिल्काद११
६	चं	२	२०	उ	२९	३९	व	२२	१८	तै	२	२०	१३	९	५१	१७	४	८	कन्यायां	भ.५७।१उ.
७	चं	५४	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A ग्रहणम् व्यासपूजा वायु परीक्षा
८	मं	५२	३४	ह	२६	४५	प	१५	३८	वि	२४	४८	११	१०	५०	१८	५	९	तुं.५५।५०	भ.२४।४८या.
९	बु	४९	१६	चि	२४	५५	शि	९	४९	बा	२०	५५	१०	१०	५०	१९	६	१०	तुलायां	पुन.१राहुःपूषा.३केतुः३०।५३
१०	गु	४७	७	स्वा	२३	५८	सि	४	४६	तै	१८	११	८	१०	५०	२०	७	११	तुलायां	[= ५२।३७देवशयनी११व्र.
११	शु	४५	३८	वि	२४	९	सा	०/३७	५६/३०	व	१६	२३	७	११	४९	२१	८	१२	वृ.९।७	भ.१६।२३उ.४५।३८या.अस्तो भौमः =
१२	श	४५	२०	अ	२५	१५	शु	५४	४३	ब	१५	२९	५	११	४९	२२	९	१३	वृश्चिके	बुधास्तःपश्चिमायां४।५२
१३	र	४६	७	ज्ये	२७	२८	ब्र	५२	५४	कौ	१५	४३	३	११	४९	२३	१०	१४	ध.२७।२८	प्रदोश।
१४	चं	४८	१४	मू	३०	५७	ऐं	५२	२४	ग	१७	१०	१	१२	४८	२४	११	१५	धनुषि	भ.४८।१४उ.पुन.शुक्रः८।२
१५	मं	५१	२०	पू	३५	१९	वै	५२	२०	वि	१९	४७	३३/५९	१२	४८	२५	१२	१६	म.५१।४०	भ १९।४७या कर्केऽर्कः५६।२८चंद्र A

१३पं.आ.शु.५र.इ.१९।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	७	२	८	२	२
२०	९	१०	२२	१०	२३	२३	२०
५०	१९	६	१४	२५	१०	३०	२५
२४	५२	२५	१३	५५	४४	८	२४
५७	३९	६/७	६/८	७४	४/४०	३	५६
७	५	व	व.	२६	व	११	५०

गोचर ग्रहाः

आषाढशुक्ले१५ भौमे कर्केर्ष्कः प्रविष्टःवा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी)मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

१४पं.आ.शु.१३र.इ.१९/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	७	२	८	२	२
२७	१३	८	२१	१९	२२	२३	२७
३०	४६	३८	३४	०	४०	७	३
४३	३७	२८	५९	४	३७	५२	३१
५७	३९	३२/४६	५/४	७४	४/४०	३	५६
११	१२	व	व.	२९	व.	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा
१	बु	५५	३३	उ	४०	४३	वि	५३	१४	बा	२३	२६	३३/५७	५/१३	६/४७	२६	१३	१७	मकरे	कर्केऽर्कःसौरः२५।५०
२	गु	६०	०	श्र	४७	१३	प्री	५४	४३	तै	२८	३८	५५	१३	४७	२७	१४	१८	मकरे	आश्लेषा.भौमः५७।९
२	शु	०	४३	ध	५४	८	आ	५६	४४	ग	०	४३	५२	१४	४६	२८	१५	१९	कुं.२०।४०	भ.३३।३७उ.
३	श	६	३१	श	६०	०	सौ	५९	१०	वि	६	३१	५०	१४	४६	२९	१६	२०	कुंभे	भ.६।३१या.पुष्येरविः२५।४६ (सौरः +
४	र	१२	३१	श	१	४१	शो	६०	०	बा	१२	३१	४८	१४	४६	३०	१७	२१	मी.५२/२२	[+५६।३१) चतुर्थीव्र.
५	चं	१८	४६	पू	९	१५	शो	१	३८	तै	१८	४६	४५	१५	४५	३१	१८	२२	मीने	शुक्रास्तःपूर्वस्यां३३।३६नाग५मरुस्थले
६	मं	२४	३६	उ	१६	४०	अ	४	१३	व	२४	३६	४३	१५	४५	१	१९	२३	मीने	भ.२४।३६उ.५६।५८वक्रीपुन.बुधः७।३×
७	बु	२९	२०	रे	२३	७	सु	५	५४	ब	२९	२०	४०	१६	४४	२	२०	२४	मे.२३।७	[×कर्केशुक्रः १५/२४ भा श्रावणारंभः
८	गु	३२	५४	अ	२८	१६	धृ	६	५०	बा	१	७	३८	१६	४४	३	२१	२५	मेषे	
९	शु	३४	३९	भ	३१	४८	शू	६	२६	तै	३	४६	३५	१७	४३	४	२२	२६	वृ.४७।१४	पुष्येशुक्रः०।२
१०	श	३४	२४	कृ	३३	३१	गं	४	४०	व	४	३१	३३	१७	४३	५	२३	२७	वृषे	भ.४।३१उ.३४।२४या.
११	र	३१	५८	रो	३३	९	बृ	१/११	५४/५३	ब	३	४१	३०	१८	४२	६	२४	२८	वृषे	कामिका११व्र.
१२	चं	२७	३९	मृ	३०	४४	व्या	४९	३१	तै	२७	३९	२७	१९	४१	७	२५	२९	मि.५१/५६	वक्रीमिथुनेबुधः९।४७प्रदोषः
१३	मं	२१	२९	आ	२६	२०	ह	४१	३२	व	२१	२९	२४	१९	४१	८	२६	३०	मिथुने	भ.३१/२९ उ.४७/३६ या.बुधोदयःपूर्वस्यां४।४२
१४	बु	१३	४२	पु	२०	४४	व	३२	१९	श	१३	४२	२२	२०	४०	९	२७	३१	क.७।८	
३०	गु	४	५८	पु	१४	८	सि	२२	३२	ना	४	५८	१९	२०	४०	१०	२८	१	कर्के	मार्गीबुधः ५३/१७ अगस्त८ता.३१हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.४र.इ.१९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	७	२	८	२	३
४	१८	४	२१	२७	२२	२२	३
११	१३	२८	४	३६	१०	४५	४१
२८	५	८	५	११	३४	३६	५८
५७	३९	३८/३	३/५७	७४	४/२९	३	५६
१५	१२	व	व.	३२	व.	११	५९

गोचर ग्रहाः

श्रावण पहली पंचमी वर्षे करे निहाल। पवन चले तो अति बुरी पड़े हलाहल काल ॥ लेखक- बंशीधर शर्मा सिमारला

गोचर ग्रहाः

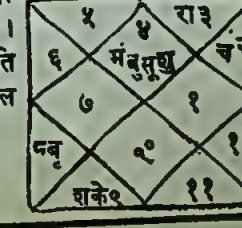

१६पं. श्रा.कृ.११र.इ.१९/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	७	३	८	२	३
१०	२२	०	२०	६	२१	२२	१०
५२	३९	२४	४१	१३	४०	२३	२१
३०	०	४०	५३	१२	१२	२१	१५
५७	३९	२९/२५	३/४३	७४	४	३	५७
२०	१९	व.	व	३२	१०	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१											दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०४०सन् २०१९
१	गु	५०	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
२	शु	४६	१६	श्ले	५३	५३ व्य	१२	१३	बा	२०	५७	१३	२५	३९	११	२९	२	सिं ६।५२	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	श	३७	२८	पू	५३	१३ व	३	५४	तै	११	५२	१३	२१	३९	१२	१	३	सिंहे	आश्ले.रविः २३ (सौरः ५७) कर्केऽधः +
४	र	२९	२२	उ	४७	१३ शि	४२	४३	व	३	२५	१०	२२	३८	१३	२	४	क. ६।४३	भ.३।२५उ.२९।२२या.वरद४
५	चं	२२	२०	ह	४२	३३ सि	३४	३२	बा	२२	२०	७	२३	३७	१४	३	५	कन्यायां	आश्ले.शुक्रः ४७।२७नागपंचमी
६	मं	१६	४०	चि	३९	३२ सा	२७	३१	तै	१६	४०	४	२३	३७	१५	४	६	तु ११।२	[+१७।३७जिल्हेज १२तीज
७	बु	१२	३८	स्वा	३७	५५ शु	२१	३३	व	१२	३८	०	२४	३६	१६	५	७	तुलायां	भ.१२।३८उ.४१।२१या.
८	गु	१०	९	वि	३७	४६ शु	१६	५०	ब	१०	९	३२ ५७	२५	३५	१७	६	८	वृ.२२।४८	मघा.सिंहेभौमः ५८।३९
९	शु	९	६	अ	३९	२ ब्र	१३	३१	कौ	९	६	५४	२५	३५	१८	७	९	वृश्चिके	पुष्येबुधः ३४।२
१०	श	९	३१	ज्ये	४१	५० ऐं	११	१	ग	९	३१	५०	२६	३४	२९	८	१०	ध.४१।५०	भ.४०।२४उ.मार्गीगुरुः ४२।४०
११	र	११	१८	मू	४५	३६ वै	९	५६	वि	११	१८	४७	२७	३३	२०	९	११	धनुषि	भ.११।१८या.पवित्रा११व्र.
१२	चं	१४	२१	पू	५०	३७ नि	९	५०	बा	१४	२१	४४	२७	३३	२१	१०	१२	धनुषि	प्रदोषः
१३	मं	१८	२२	उ	५६	२९ प्री	१०	१७	तै	१८	२२	४०	२८	३२	२२	११	१३	म.७।५	
१४	बु	२३	६	थ्र	६०	० आ	११	१७	व	२३	६	३७	२९	३१	२३	१२	१४	मकरे	भ.२३।६उ.५५।५५या.
१५	गु	२८	४४	श्र	३	१२ सौ	१३	९	ब	२८	४४	३३	२९	३१	२४	१३	१५	कुं. ३६।४४	श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्

१७पं.श्रा.शु.४र.इ. १९ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	७	३	८	२	३
१७	२७	०	२०	१४	२१	२२	१७
३४	५	१६	२७	५०	१३	१	१
१२	६	८	५८	२४	८	५	३
५७	२९	३५ ५१	२४	७४	५४	३	५७
२५	९	मा	व.	३८	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि वृद्धि व शुक्ल पक्ष की तिथि क्षय धान्य गेहूं जो चना धातु रस में तेजी करेगी।

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.शु.११र.इ. १९ ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	७	३	८	२	३
२४	१	५	२०	२३	२०	२१	२३
१६	२१	२३	२३	२८	४८	३८	४२
३७	४८	१३	६	४८	२५	५०	१०
५७	२९	७०	८	७४	३३	३	५७
३३	९	१९	मा	३८	व.	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१											दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु	३४	३८	ध	१०	१६	शौ	१५	८	सौ	१	४१	३२ ३०	५ ३०	६	२५	१४	१६	कुंभे	मघा.सिंहेशुक्रः ३६।०
२	श	४०	४०	श	१७	४३	अ	१७	३८	ते	७	३९	२६	३१	२९	२६	१५	१७	कुंभे	मघा.सिंहेऽर्कः १६।३९ (सौरः ५३।४३)
३	र	४६	५२	पू	२५	१४	सु	२०	२	ब	१३	४६	२२	३२	२८	२७	१६	१८	मी८।२२	भ.१३।४६उ.४६।५२या.
४	चं	५१	४०	उ	३२	३८	धृ	२२	२६	ब	१९	१६	१९	३२	२८	२८	१७	१९	मीने	आश्ले.बुधः २८।१चतुर्थीव्र.
५	मं	५७	४१	रे	३९	२६	शू	२४	२२	कौ	२४	४०	१५	३३	२७	२९	१८	२०	मे.३९।२६	
६	बु	६०	०	अ	४५	१८	गं	२५	५०	ग	२९	४५	१२	३४	२६	३०	१९	२१	मेषे	चन्द्रषष्ठी
६	गु	१	४९	भ	५०	१	वृ	२६	१९	व	१	४९	८	३४	२६	३१	२०	२२	मेषे	भ.४९ उ.३३ या.बुधास्तः पूर्वस्यां १७।१९
७	शु	४	३३	कृ	५३	१७	धु	२५	३७	ब	४	३३	४	३५	२५	१	२१	२३	वृ.५।५०	भा.भाद्रपदारंभः जन्माष्टमीस्मा.
८	श	५	२९	रो	५४	३७	श्ले	२३	४४	कौ	५	२९	१	३६	२४	२	२२	२४	वृषे	जन्माष्टमीवै.
९	र	३	३६	मृ	५४	५	ह	२०	१६	ग	३	३६	३१ ५७	३७	२३	३	२३	२५	मि २४।२१	भ.३२।३८उ.गोगा९
१०	चं	१	४१	आ	५१	४०	व	१५	१८	वि	१	४१	५३	३७	२३	४	२४	२६	मिथुने	भ.१।४१या.मघा.सिंहेबुधः २३।२९ ÷
११	चं	५५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	[÷ अजा.११व्र.स्मा.
१२	मं	५०	१०	पु	४७	१८	सिं	८	३७	को	२३	२६	४९	३८	२२	५	२५	२७	क. ३३।२३	पूफा.शुक्रः २०अजा ११व्र.वै.वत्सद्वादशी
१३	बु	४२	७	पु	४१	३१	व्य	२८	५०	ग	१६	८	४६	३९	२१	६	२६	२८	कर्के	भ.४२।७उ.प्रदोषः
१४	गु	३२	४७	श्ले	३४	२०	प	४१	११	वि	७	२७	४२	४०	२०	७	२७	२९	सिं ३४।२०	भ.७।२७या.पूफा.भौमः ५७।३४
१५	शु	२२	५८	म	२६	३४	शि	३०	१८	ना	२२	५८	२८	४०	२०	८	२८	३०	सिंहे	वक्रीपूषा.२शनिः ट्टकुशाग्रहणीपिठोरी ३०

१९पं.भा.कृ.३र.इ. १९ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	७	४	८	२	४
०	५	१५	२०	२	२०	२१	०
५९	५८	०	२७	८	२७	१६	२४
५३	८	५८	३९	१०	१२	३४	२३
५७	२९	०	१७	४	३	३	५७
३०	१६	३३	१०	३८	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

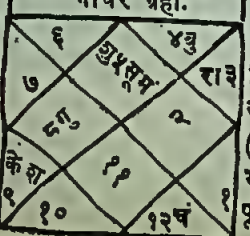

भाद्रपदकृष्णे २ शनौ सिंहेऽर्कः प्रविष्ट. वा.५ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु १५ धान्यादि भावे महर्घताशुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

२०पं.भा.कृ.९र. इ. १९ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	७	४	८	२	४
७	१०	२७	२०	१०	२०	२०	७
४४	२५	५४	४०	४८	९	१४	७
२०	१९	२५	२६	४४	४७	१८	५१
५७	२९	१८	२	७४	३३	३	५७
४९	१६	३६	३०	३७	व.	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१																			दि.	उ.	अ.भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽर्हुगणः३०६९सं.२०१९
१	श	१२	५३	पू	१८	४०	सि	१९	१८	व	१२	५३	३३	४५	६	९	२९	३१	कं.	३१.४८	पूफा.रवि:६।२५(सौर:४४) चंद्रदर्शनम्
२	र	३	२२	उ	११	१४	सा	४४	४९	कौ	३	२२	३०	४२	१८	१०	१	१		कन्यायां	सितम्बर९ता.३०मोहोरम१सन्१४४१ +
३	र	५१	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		० ०	[+हि. हरितालिका ३
४	चं	४७	११	ह	३५	५४	शु	४९	२४	व	२०	५४	२६	४३	१७	११	२	२	तु.	३१।५२	भ.६५उ.४७या.पूफा.बुध:२८गणेश चतुर्थी
५	मं	४१	२९	स्वा	५५	३४	ब्र	४१	३९	व	१४	२०	२२	४४	१६	१२	३	३		तुलायां	ऋषि पंचमी
६	बु	३७	३४	वि	५३	५५	ऐं	३५	३५	को	९	३२	१८	४४	१६	१३	४	४	वृ.	३९।१९	[÷कन्यायांशुक्र:४६।४४जलझूलनी११व्र.
७	गु	३५	४९	अ	५३	५४	वे	३०	४३	ग	६	४२	१५	४५	१५	१४	५	५		वृश्चिके	भ.३५।४९उ.
८	शु	३५	४६	ज्ये	५६	२	वि	२७	२८	वि	५	४७	११	४६	१४	१५	६	६	ध.	५६।२	भ.५।४७या.
९	श	३७	३४	मू	५९	४३	प्री	२५	४७	बा	६	४०	७	४७	१३	१६	७	७		धनुषि	उफा.शुक्र:५।४४
१०	र	४०	५४	पू	६०	०	आ	२५	२४	तै	९	१४	३	४७	१३	१७	८	८		धनुषि	रामदेवजी का मेला नवलदुर्ग
११	चं	४५	१०	पू	४	५४	सौ	२६	११	व	१३	२	५९	४८	१२	१८	९	९	म.	२१।२८	भ.१३।२उ.४५।१०या.उफा.बुध:४।४७÷
१२	मं	५१	१	उ	११	८	शो	२७	२५	व	१८	५	५५	४९	११	१९	१०	१०		मकरे	कन्यायांबुध:५०।४७वामनजयंती
१३	बु	५६	५९	श्र	१८	११	अ	२९	३१	कौ	२४	०	५१	५०	१०	२०	११	११	कु.	५१।४१	आर्द्रा.४राहु:पूषा.२केतु२२।५९प्रदोष:
१४	गु	६०	०	ध	२५	१३	सु	३१	३५	ग	३०	३	४७	५१	९	२१	१२	१२		कुंभे	अनंत१४
१४	शु	३	८	श	३२	४४	धृ	३३	५३	व	३	८	४३	५१	९	२२	१३	१३		कुंभे	भ.३उ.३९या.उफा.रवि:५०महालयारंभ:
१५	श	९	८	पू	४०	१४	शू	३६	१५	व	९	८	३९	५२	८	२३	१४	१४	मी	२३।२२	उफा.रवि:२९।१४कु.संध्या.पूजनारंभ:

२१पं.भा.शु.२र.इ. १८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	७	४	८	२	४
१४	१४	११	२१	१९	१९	२०	१३
३०	५२	४९	२	२८	५६	३२	५३
०	२३	१	५३	५९	२४	३	३
५८	३९	३७	३	७४	४०	३	५७
१	१६	१४	५०	३२	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

६चं
७
३रा
सू.शु.बु.
८
९
९
९

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०९८स.२०१९
१	र ३३ ७ ह ३१ ३८	ब्र	२५ ३४	किं	७ ४८	३९	६ ५५	७	२९ २९ तु.५८।१६ तुलायां बुधः १०।२९ शुक्रोदयः पश्चिमायां
२	चं २४ ३२ चि २४ ५४	ऐं	१५ २४	कौ	२४ ३२	३२	६ ५४	८	३० ३० तुलायां चंद्रदर्शनम्
३	मं १७ २७ स्वा १९ २६	वै	६ ५५	ग	१७ २७	२८	६ ५४	९	१ १ तुलायां भ.४४।४७उ.अक्टूबर १०ता.३१सफर२
४	बु १२ ७ वि १५ ३९	प्री	५१ २०	वि	१२ ७	२३	७ ५३	१०	२ २ वृ.१।३६ भ.१२।७या.
५	गु ८ ५० अ १३ ४६	आ	४६ ४३	बा	८ ५०	१९	८ ५२	११	३ ३ वृश्चिके स्वात्यां बुधः ४२।५९ तुलायां शुक्रः ५४।४३
६	शु ७ ३७ ज्ये १४ १५	सौ	४३ ३५	तै	७ ३७	१५	९ ५१	१२	४ ४ ध.१४।१५ [+१८।३६ नवरात्रारंभः मातामह श्रा.
७	श ८ ३० मू १६ ३४	शो	४१ ५८	व	८ ३०	११	१० ५०	१३	५ ५ धनुषि भ.८।३०उ.३९।५८या.
८	र ११ २५ पू २० ५८	अ	४२ ११	ब	११ २५	७	११ ४९	१४	६ ६ म.३७।८ [÷शरद्पूर्णिमाकोजागरीव्र.का.स्ना.प्रा.
९	चं १५ ५५ उ २५ ३७	सु	४२ ५१	कौ	१५ ५५	३	११ ४९	१५	७ ७ मकरे पूषा.३शनिः १९।३२
१०	मं २१ २५ श्र ३३ ३८	धृ	४४ ३७	ग	२१ २५	३९	१२ ४८	१६	८ ८ मकरे भ.५४।३६उ.
११	बु २७ ४७ ध ४० ५५	शू	४६ ५६	वि	२७ ४७	५५	१३ ४७	१७	९ ९ कुं.७।१७ भ.३७या.स्वात्यां शुक्रः १७ पापांकुशा ११व्र.
१२	गु ३३ ११ श ४८ ४३	गं	४९ २४	ब	० २६	५१	१४ ४६	१८	१० १० कुंभे हस्ते भौमः ३५।३५
१३	शु ३९ ५७ पू ५६ ४	वृ	५१ ४१	कौ	६ ३४	४७	१५ ४५	१९	११ ११ मी ३९।१३ चित्रा.रविः १।२२ (सौरः ३७।२९) प्रदोष
१४	श ४६ ९ उ ६० ०	ध्रु	५३ ४९	ग	१३ ३	४३	१५ ४५	२०	१२ १२ मीने भ.४६।९उ.
१५	र ५१ १९ उ ३ ८	व्या	५५ १३	वि	१८ ४४	३९	१६ ४४	२१	१३ १३ मीने भ.१८।४४या.विशा.बुधः ४८।१७ ÷

२५पं.आ.शु १र.इ.१८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	७	५	८	२	५
११	२	०	२३	२४	१९	१९	११
४६	४६	११	५०	१५	४८	३	१०
५२	३०	४९	२४	३६	३२	०	७
५८	३९	९२	८	७४	१	३	५९
५३	१९	२५	८	२६	१६	११	०

२६पं.आ.शु.८र.इ.१७।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	७	६	८	२	५
१८	७	१०	२४	२	१९	१८	१८
४०	१६	१५	४९	५७	५८	४०	३
८	१२	७	३४	२९	१	४५	५४
५९	३९	८३	९	७४	१	३	५९
९	१९	१६	०	२०	५६	११	१६

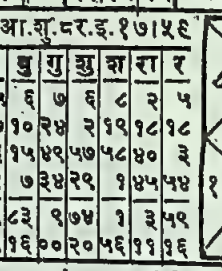

२७पं.आ.शु.१५र.इ.१७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	७	६	८	२	५
२५	११	१९	२५	११	२०	१८	२४
३५	४६	२३	५५	३९	१२	१८	५९
२	२६	१७	१२	५०	४३	२९	३६
५९	३९	७२	९	७४	२	३	५९
२१	२२	१६	४६	१४	३७	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	चं ५५ २६ रे ९ २८	ह	५६ १	बा	२३ २२	३८	६ १७	५	४३ २२ १४ १४ मे.९।२८
२	मं ५८ ४६ अ १४ ५३	व	५६ २३	तै	२७ ६	३१	१८	४	२ २३ १५ १५ मेषे
३	बु ६० ० भ १८ ४४	सि	५५ ३३	व	२९ ५१	२७	१९	४१	२४ १६ १६ वृ.३४।४८
३	गु ० ५६ कृ २२ ५८	व्य	५४ २९	वि	० ५६	२३	१९	४१	२५ १७ १७ वृषे
४	शु १ ५८ रो २५ २२	व	५१ ४४	बा	१ ५८	२०	२०	४०	२६ १८ १८ मि ५६।५
५	श २ ६ मृ २६ ४७	प	४८ ३३	तै	२ ६	१६	२१	३९	२७ १९ १९ मिथुने
६	र १ २ आ २७ १०	शि	४४ २३	व	१ २	१२	२२	३८	२८ २० २० मिथुने
७	र ५७ ४९ ० ०		० ०		० ०	०	० ०		० ० ० ० ० ०
८	चं ५५ २९ पु २६ ११	सि	३९ १८	बा	२७ १०	८	२२ ३८	२९	२१ २१ क.११।२६
९	मं ५० ५७ पु २४ ४	सा	३३ १९	तै	२३ १३	४	२३ ३७	३०	२२ २२ कर्के
१०	बु ४५ ९ श्ले २० ५३	शु	२६ १३	व	१८ ३	०	२४ ३६	१	२३ २३ सिं २०।५३
११	गु ३८ २७ म १६ २६	शु	१८ २६	ब	११ ४८	२७	२५ ३५	२	२४ २४ सिंहे
१२	शु ३० ४४ पू ११ ४	ब्र	९ ३९	कौ	४ ३५	५३	२५ ३५	३	२५ २५ कं.२४।३१
१३	श २२ २९ उ ५३ ५३	ऐं	१३ ५०	व	२२ २९	४९	२६ ३४	४	२६ २६ कन्यायां
१४	र १३ ५२ चि ५२ ५	वि	४० ३९	श	१२ ५२	४५	२७ ३३	५	२७ २७ तु.२५।१८ तुलायां
३०	चं ५ ४४ स्वा ४६ १४	प्री	३१ ४	ना	५ ४४	४१	२८ ३२	६	२८ २८ तुलायां

भ.२९।५१उ.
भ.०।५६या.तुलायामर्कः ४५।११ज्येष्ठा÷
तुलार्कः सौरः २०।१३
[÷४गुरुः ४६।१करकचतुर्थी व्र.
भ.१।२उ.२९।५७या.विशा.शुक्रः १।५६

[= २५।५१भा.कार्तिकारंभः
उदयो भौमः ३७।५५
भ.१८।३उ.४५।९या. वृश्चिके बुधः =
स्वात्यांरविः २७।१३रमा ११व्र.
स्वात्यांरविः सौरः १।१६प्रदोषः धन १३
भ.२२।२९उ.४७।११या.रुप १४
महालक्ष्मी पूजनम्
वृश्चिकेशुक्रः ३।३१अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा

२८पं.का.कृ.६र.इ.१७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	७	६	८	२	६
२	१६	२७	२७	२०	२०	१७	१
२१	१८	६	६	२१	३१	५६	५७
२६	४०	२९	११	४	४८	१४	१
५९	३९	५५	१०	७४	३	३	५९
३४	२२	१९	२९	८	२३	११	४६

गोचर ग्रहाः

कार्तिक कृष्णे ३ गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न.४कुमार्यवस्था (बैठी) नु.४५धान्या-दिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

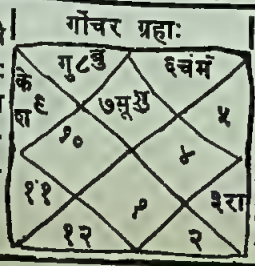

२९पं.का.कृ.१४र.इ.१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	७	६	८	२	६
९	२०	२	२८	२९	२०	१७	८
२९	५१	३२	२१	३	५५	३३	५६
४२	०	५६	४०	२२	४८	५८	२१
५९	३९	१५	११	७४	३	३	६०
४७	२५	४१	८	२	५८	११	२

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१	वि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३१२८स.२०१६
१	चं ५२ ४६ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०								[=चंद्रदर्शनम् भातृ २ यम २
२	मं ५२ २५ वि ४१ ३४ आ २२ २२ बा २५ २७	२७	६	५	०	०	०	० ०	
३	बु ४८ ७ अ ३८ १६ सौ १४ ४७ तै २० १६	३४	२९	३१	७	२९	२९	वृ.२७।४४	वक्रीबुधः ३९ मूल.१धनुषिगुरुः ३१=
४	गु ४५ ५३ ज्ये ३७ ४ शो ८ ३२ व १६ ५९	३०	३०	३०	९	२	३१	धनु.शुक्रः ४५।२५रविलावल ३	
५	शु ४५ ३६ मू ३७ ५८ अ ३ ३४ ब १५ ४४	२७	३१	२९	१०	३	१	ध.३७।४	भ.१९ उ.४५ या.चित्रा.भौमः ६८
६	श ४७ ३५ पू ४० ५० सु ३९ ५९ कौ १६ ३५	२३	३१	२९	११	४	२	धनुषि	नवम्बर ११ता.३०
७	र ५१ २२ उ ४५ २७ शू ५९ २२ ग १९ २८	१९	३२	२८	१२	५	३	म.५७।०	[×वक्रीतुलायांबुधः ३५।१६
८	चं ५६ ३४ श्र ५१ ३४ गं ६० ० वि २३ २५	१६	३३	२७	१३	६	४	मकरे	भ.५१।२२उ.
९	मं ६० ० ध ५८ ४५ गं ० ३२ बा २९ ३८	१२	३४	२६	१४	७	५	मकरे	भ.२३।२५या.गोपाष्टमी
९	बु २ ४३ श ६० ० बृ २ २६ कौ २ ४३	९	३४	२६	१५	८	६	कुं.२५।१०	बुधास्तःपश्चिमायां ३७ कुष्मांड ९ अक्षय ९
१०	गु ९ १६ श ६ २० धु ४ ५० ग ९ १६	५	३५	२५	१६	९	७	कुंभे	विशा.रविः ४७।३९
११	शु १५ ३२ पू १३ ४५ ब्या ७ १४ वि १५ ३२	२	३६	२४	१७	१०	८	मीने	भ.५६।५४
१२	श २१ २१ उ २० ५३ ह ९ १४ बा २१ २१	२९	३६	२४	१८	११	९	मीने	भ.३५ उ.विशा.रविः सौरः १८।४०×
१३	र २६ २५ रे २७ १८ व १० ३९ तै २६ २५	५५	३७	२३	१९	१२	१०	मे.२७।१८	भ.१३ या.प्रबोधिनी ११ब्र.तुलसीविवाहः
१४	चं ३० २ अ ३२ १९ सि ११ १८ व ३० २	५२	३८	२२	२०	१३	११	मेषे	प्रदोषः
१५	मं ३२ ३३ भ ३६ २२ व्य १७ ५३ चि १ १७	४९	३८	२२	२१	१४	१२	वृ.५२।२	ज्येष्ठा.शुक्रः ४७ तुलायांभौमः १९

३०पं.का.शु.७र.इ.१७।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	७	७	८	२	६
१६	२५	२	२९	७	२१	१७	१५
२९	२३	१	४१	४५	२३	११	५७
२८	५६	५५	२८	१८	४९	४२	२५
६०	३९	३०	११	७३	४	३	६०
४	२१	व.	४७	५६	३८	११	१८

गोचर ग्रहाः

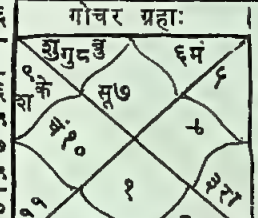

इस मास में धान्य गेहूं बाजरा मूंग मोठ आदि और रस कस वदि में मंदे होकर सुदि में तेज हो जावे

गोचर ग्रहाः

३१पं.का.शु.१३र.इ.१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	८	७	८	२	६
२३	२९	२५	१	१६	२१	१६	२२
३०	५८	२९	५	२६	५४	४९	५९
५०	४१	२५	१०	५३	३२	२७	५८
६०	३९	९६	१२	७३	५	३	६०
१७	२९	वं.	१४	५०	१	११	३०

ति	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	बु ३३ ४९ कृ ३९ ४ व ९ ३४ बा	३	११	२६	६	५	२१	२२ १५ १३	वृषे आर्द्रा.३राहुःपूभा.१केतुः १५।११
२	गु ३३ ५१ रो ४० ५० प ७ २४ तै	३	५०	४२	४०	२०	२३	१६ १४	वृषे [+पूर्वस्यां १।१३पांतस्पर्शः ४६।५
३	शु ३२ ५१ मृ ४१ २५ शि ४ १७ व	३	२१	३९	४०	२०	२४	१७ १५	मि ११।१३ भ.३ उ.५१ या.वक्रीस्वात्यांबुधः ४५
४	श ३० ५५ आ ४१ ७ सि २८ २४ ब	१	५३	२६	४१	१९	२५	१८ १६	मिथुने वृश्चिकेऽर्कः ४३।४४ चतुर्थी ब्र.
५	र २८ १५ पु ३९ ५६ शु ५० ३८ तै	२८	१५	३३	४१	१९	२६	१९ १७	क.२४।१३ वृश्चिकेऽर्कः सौरः १२।५०
६	चं २४ ५५ पु ३८ १६ शु ४४ ५० व	२४	५५	३०	४२	१८	२७	२० १८	कर्के भ.२४।५५उ.५२।५९या.बुधोदयः+
७	मं २१ २ श्ले ३५ ५२ ब्र ३८ ४५ ब	२१	२	२७	४३	१७	२८	२१ १९	सिं ३५।५२ पातमोक्षः ६।२० [÷भौमः ३९
८	बु १६ २० म ३३ १ ए ३१ ५० कौ	१६	२०	२५	४३	१७	२९	२२ २०	सिंहे अनु.रविः २।४ (सौरः २९) स्वात्यां÷
९	गु १० ५८ पू २९ २५ वै २४ ३० ग	१०	५८	२२	४४	१६	३०	२३ २१	कं.४३।२१ भ.३७ उ मार्गीबुधः ९ मूले.धनुषिशुक्रः–
१०	शु ४ ३० उ २५ ८ वि १६ ४३ वि	४	३०	१९	४४	१६	१	२४ २२	कन्यायां भ.३ या.भा.मार्गशीर्षारंभः उत्पत्ति ११A
११	शु ५४ ४२ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–९।१६मूल.२गुरुः ३।०
१२	श ५२ ३७ ह २० २९ प्री ८ ३३ कौ	२५	५५	१७	४५	१५	२	२५ २३	तु.४८।८ उत्पत्ति ११ब्र.वै. [A ब्र.स्मा.
१३	र ४६ ११ चि १५ ४८ आ १२ ४५ ग	१८	२४	१४	४५	१५	३	२६ २४	तुलायां भ.४६।११उ. प्रदोषः
१४	चं ४० १ स्वा ११ ८ शो ४३ ५३ वि	१२	६	१२	४६	१४	४	२७ २५	वृ.५३।३ भ.१२।६या.
२०	मं ३४ ३८ वि ७ १ अ ३६ २६ च	७	१९	९	४६	१४	५	२८ २६	वृश्चिके विशा.बुधः ५।४३पूषा.४शनिः १६।७

३२पं.मा.कृ.५र.इ.१६।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	८	७	८	२	७
०	४	१८	२	२५	२२	१६	०
३३	३३	५१	३२	८	२९	२७	४
२९	४७	२९	२	३५	५६	११	२
६०	३९	४५	१२	७३	५	३	६०
३०	२२	व.	३४	४४	३०	११	४०

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षकृष्णे ४शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न४गतालकास्था (ऊर्ध्वा) मु.४५ धान्यादि भावें समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम

गोचर ग्रहाः

३३पं.मा.कृ.१३र.इ.१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	८	८	८	२	७
७	९	१८	४	३	२३	१६	७
३७	१०	१७	२	४९	८	४	९
२६	३०	३१	२	३७	१७	५६	३५
६०	३९	३३	१३	७३	५	३	६०
४२	२५	मा	१	३२	१३	११	१३

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१ | वि. उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणेऽर्हगणः ३१५७स.२०१६

१	बु	३०	३४	अ	३	५७	सु	२६	५०	किं	२	३६	२६	६ ४७	५ १३	६	२६	२७	वृश्चिके	
२	गु	२७	५७	ज्ये	२	५	धृ	२७	३३	कौ	२७	५७	५	४७	१३	७	३०	२८	ष.२।५	चंद्रदर्शनम्
३	शु	२७	१६	मू	२	५	शू	२०	३४	ग	२७	१६	२	४८	१२	८	१	२६	धनुषि	भ.५७।५३उ.रविलाख्यर४
४	श	२८	३०	पू	३	४६	गं	१८	२७	वि	२८	३०	०	४८	१२	९	२	३०	म.१६।४४	भ.२८।३०या.पातस्पर्शः३४।५८
५	र	३१	३६	उ	७	२६	वृ	१७	८	ब	०	३ २५ ५८		४८	१२	१०	३	१	मकरे	पूषा.शुक्रः ५३ दिसम्बर१२ता.३१=
६	चं	३६	१५	श्र	१२	२२	ध्रु	१७	२१	कौ	३	५५	५६	४६	११	११	४	२	कुं.४५।३६	चंपा६ [=पातमोक्षः२१।१६
७	मं	४२	१	ध	१८	५६	च्या	१८	५२	ग	६	८	५४	४६	११	१२	५	३	कुम्भे	भ.४२।१उ.ज्येष्ठा.रविः१२।११×
८	बु	४८	२६	श	२६	३	ह	२०	३५	वि	१५	१३	५३	४६	११	१३	६	४	कुम्भे	भ.१५।१३या. [×(सौरः ३५)
९	गु	५४	५१	पू	३३	४४	व	२२	५८	बा	२१	३८	५१	५०	१०	१४	७	५	मी१६।५०	वृश्चिकेबुधः१२।४१
१०	शु	६०	०	उ	४१	२	सि	२५	८	तै	२७	५२	४९	५०	१०	१५	८	६	मीने	मूल.३गुरुः१२।१.
१०	श	०	५२	रे	४७	४७	व्य	२६	५०	ग	०	५२	४८	५०	१०	१६	९	७	मे.४७।४७	भ.३३।२७उ.अनु.बुधः३४।१
११	र	६	३	अ	५३	६	ब	२७	३८	वि	६	३	४६	५१	९	१७	१०	८	मेषे	भ.६।३या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	चं	९	३८	भ	५७	१	प	२७	२८	बा	९	३८	४५	५१	९	१८	११	९	मेषे	प्रदोषः
१३	मं	११	५०	कृ	५९	२०	शि	२६	०	तै	११	५०	४४	५१	९	१९	१२	१०	वृ.१२।३६	विशा.भौमः३८।२८
१४	बु	१२	२१	रो	६०	०	सि	२३	१२	व	१३	२१	४३	५१	९	२०	१३	११	वृषे	भ.१२।२१उ.४१।५२या.दत्तजयंती
१५	गु	११	२२	रो	१३ ५९	२८	सा	१९	२८	व	११	२२	४२	५२	८	२१	१४	१२	मि२९।५७	उषा.शुक्रः४१।२५

३४पं.मा.शु.५र.इ.१६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	८	८	८	२	७
१४	१३	२४	५	१२	२३	१५	१४
४२	४८	५५	३४	३०	४८	४२	१६
४०	१४	३४	५	४७	५०	४०	२१
६०	३९	७०	१३	७३	६	३	६१
५०	२५	३२	२०	२०	२०	११	३

गोचर ग्रहाः

=केशुगुश ×शशुगुके।
इस मास में धातु सोना चांदी लोहा धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मक्कामंदा रहे प्रजा में सुख शांति रहेगी।

गोचर ग्रहाः

३५पं.मा.शु.११र.इ.१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	८	८	२	७
२१	१८	४	७	२१	२४	१५	२१
४८	२६	१९	७	११	३१	२०	२४
४३	२४	४४	५२	२०	५५	२४	३
६०	३९	८४	१३	७३	६	३	६१
५६	२९	५४	२६	१४	३२	११	११

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१ | वि. उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

१	शु	६	१	आ	५८	१३	शु	१४	३८	कौ	६	१	२५ ४५	६ ५२	५	२२	१५	१३	मिथुने	
२	श	५	४०	पु	५६	८	शु	८	५०	ग	५	४०	४०	५२	८	२३	१६	१४	क.४१।४०	भ.३३।३६उ.
३	र	१	३२	पु	५३	७	ब्र	३१	५३	वि	१	३२	३९	५२	८	२४	१७	१५	कर्के	भ.१।३२या.मकरेशुक्रः२३।३७चतुर्थी व्र.
४	र	५५	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+ज्येष्ठा.बुधः ३३ अस्तंगुरोः ४५
५	चं	५२	१	श्ले	४९	५९	वै	४९	४१	कौ	२४	२४	३९	५२	८	२५	१८	१६	सिं५०।०	मूलेधनुष्यर्कः१९।२६ (सौरः४१।२९)+
६	मं	४७	२	म	४६	४४	वि	४१	३५	ग	१९	५३	३८	५२	८	२६	१९	१७	सिंहे	भ.४७।२उ.बुधास्तः पूर्वस्यां५०।१५
७	बु	४२	४	पू	४३	२०	प्री	३४	३४	वि	१४	५४	३८	५२	८	२७	२०	१८	कं.५७।३०	भ.१४।५४या.
८	गु	३७	१०	उ	४०	२	आ	२७	२२	बा	९	३७	३७	५३	७	२८	२१	१९	कन्यायां	
९	शु	३२	८	ह	३६	४७	सो	२०	११	तै	४	३९	३७	५३	७	२९	२२	२०	कन्यायां	भ.५९।४०उ.मूल.४गुरुः४८।४५
१०	श	२७	१३	चि	३३	३२	शो	१२	५१	वि	२७	१३	३६	५३	७	३०	२३	२१	तु.५।९	भ.२७।१३या.
११	र	२२	२५	स्वा	३०	३३	अ	६ १	५३ १७	बा	२२	२५	३६	५३	७	१	२४	२२	तुलायां	भा.पौषारंभः सफला११व्र.
१२	चं	१८	१०	वि	२७	५४	धृ	५३	८	तै	१८	१०	३६	५३	७	२	२५	२३	वृ.१३।३४	श्रवणेशुक्रः३१।४६ प्रदोषः
१३	मं	१४	२५	अ	२५	५८	शू	४७	२२	व	१४	२५	३६	५३	७	३	२६	२४	वृश्चिके	भ.१४।२५उ ४२।५६या.
१४	बु	११	२६	ज्ये	२४	४७	गं	४२	२२	श	११	२६	३७	५३	७	४	२७	२५	ध.२४।४७	मूलेधनुषिबुधः ३५ वृश्चिकेभौमः ३७
३०	शु	९	४६	मू	२५	७	बृ	३८	३६	ना	९	४६	३७	५३	७	५	२८	२६	धनुषि	सूर्यग्रहणम्

३६पं.पौ.कृ.३र.इ.१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	८	८	२	७
२८	२३	१४	८	२९	२५	१४	२८
५५	६	३६	४३	५०	१६	५८	३२
३७	२५	५८	२३	४६	५२	९	४६
६१	३९	९१	१३	७२	६	३	६१
०	२२	३६	३२	५७	५०	११	१९

गोचर ग्रहाः

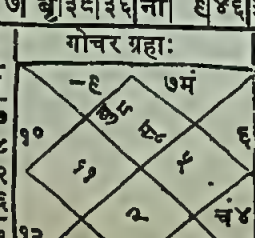

-केगुशशु
पौष कृष्णे ५ चंद्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.३न.३गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

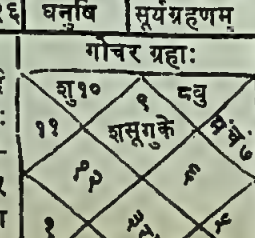

३७पं.पौ.कृ. ११र.इ.१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	८	९	८	२	८
६	२७	२५	१०	८	२६	१४	५
३	४६	१३	१९	२७	३	३५	४२
१४	४८	४१	४८	५८	५४	५३	११
६१	३९	९५	१३	७२	७	३	६१
४	३६	३१	३८	४५	२	११	२२

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७६						शाकः १९४१						वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३१८७स.२०१९
१	शु	९	२५	पू	२६	२९	ध्रु	३५	५४	ब	९	२५	२५/३७	६/५३	५/७	६	२९	२७	म.४२।१७	उषा.१शनिः ३३/३४ अस्तंशनेः ४७/५१ चंद्रदर्शनम्
२	श	१०	३६	उ	२९	४०	व्या	३४	४३	कौ	१०	३६	३८	५२	८	७	१	२८	मकरे	जमादिलावल५
३	र	१३	३५	श्र	३४	६	ह	३४	९	ग	१३	३५	३८	५२	८	८	२	२९	मकरे	भ.४५/४५उ.पूषा.रविः २४/२६ (सौरः ४३/७)
४	चं	१७	५६	ध	४०	१०	व	३४	४७	वि	१७	५६	३९	५२	८	९	३	३०	कुं.७।८	भ.१७।५६या.अनु.भौमः३३।६
५	मं	२३	२५	श	४६	५१	सि	३६	२५	बा	२३	२५	४०	५२	८	१०	४	३१	कुम्भे	
६	बु	२९	४७	पू	५४	२५	व्य	३८	३८	तै	२९	४७	४१	५२	८	११	५	१	मी३७।३२	जनवरी१ता.३१सन्२०२०
७	गु	३६	७	उ	६०	०	व	४०	४९	ग	२	५७	४२	५२	८	१२	६	२	मीने	भ.३६।७उ.पूषा.बुधः५९।४६
८	शु	४२	२८	उ	२	२	प	४२	४६	वि	९	१७	४३	५१	९	१३	७	३	मीने	भ.९।१७या.धनि.शुक्रः१९।५५
९	श	४८	५८	र	९	७	शि	४४	२०	बा	१५	४३	४४	५१	९	१४	८	४	मे.९।७	पूषा.१गुरुः१५।१७
१०	र	५१	५८	अ	१५	१४	सि	४४	४४	तै	२०	२८	४५	५१	९	१५	९	५	मेषे	
११	चं	५४	३४	भ	१९	५२	सा	४३	४८	व	२३	१६	४७	५१	९	१६	१०	६	वृ.३४।३५	भ.२३।१६उ.५४।३४या.पुत्रदा११व्र.
१२	मं	५५	५	कृ	२२	४५	शु	४१	३४	ब	२४	४९	४८	५०	१०	१७	११	७	वृषे	
१३	बु	५३	४४	रो	२३	५३	शु	३७	४९	कौ	२४	२५	५०	५०	१०	१८	१२	८	मि५३।३४	कुंभेशुक्रः४६।३३ प्रदोषः
१४	गु	५०	४२	मृ	२३	१४	ध्र	३२	३५	ग	२२	१३	५२	५०	१०	१९	१३	९	मिथुने	भ.५०।४२उ.
१५	शु	४६	४	आ	२०	५४	ऐं	२६	१३	वि	१८	२३	५३	४९	११	२०	१४	१०	मिथुने	भ.१८।२३या. मा.स्ना.प्रा.

३	८पं.	पौ.	शु.	३र	इ. १५/४४		
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	८	९	८	२	८
१३	२	६	११	१७	२६	१४	१२
११	२८	४	५६	४	५२	१३	५२
१३	५५	१९	४६	४१	१९	३८	३
६१	३९	९८	१३	७२	७	३	६१
६	३८	३५	३८	२७	१४	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य धातु तेज रहे रस गुड़ शक्कर चीनी वस्त्र वारदाना मंदा हो शीत अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

३	९पं.	पौ.	शु.	१०	र.	इ. १५/३९	
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	८	९	८	२	८
२०	७	१७	१३	२५	२७	१३	२०
१९	११	८	३३	३८	४१	५१	२
२६	२४	५३	४३	५९	१३	२२	०
६१	३९	१०/१०	१३	७२	७	३	६१
६	३७	४	३८	३	२०	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७६						शाकः १९४१						वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	श	४०	२७	पु	१७	१९	वै	१८	५६	बा	१३	१५	२५/५५	६/४९	५/११	२१	१५	११	क.३।१३	उषा.रविः २९/११ (सौरः ४४/३८) उषा.बुधः ३/३=
२	र	३४	५	पु	१२	४८	व	१०	३८	तै	७	१६	५७	४९	११	२२	१६	१२	कर्के	मकरेबुधः५८।० [=उदयंगुरोः ४३/३६
३	चं	२७	२८	श्ले	७	५६	प्री	२/१२	५१/३१	व	०	४७	५९	४८	१२	२३	१७	१३	सिं७।५६	भ.०।४७उ.२७।२८या. चतुर्थीव्र.
४	मं	२०	४८	म	३/१	५५/३३	सौ	४५	२२	बा	२०	४८	२६/१	४८	१२	२४	१८	१४	सिंहें	मकरेऽर्कः४५।३५शतेशुक्रः१६।५१
५	बु	१४	३२	उ	५४	१८	शो	३७	४	तै	१४	३२	४	४७	१३	२५	१९	१५	कं.१२।२९	मकरेऽर्कःसौरः ०/१आर्द्रा.२राहुःमूलं.४×
६	गु	८	४२	ह	५०	४३	अ	२९	४४	व	८	४२	६	४७	१३	२६	२०	१६	कन्यायां	भ.८।४२उ.३६।५या. [×केतुः ७/८
७	शु	३	२८	चि	४७	३८	सु	२२	२८	ब	३	२८	८	४६	१४	२७	२१	१७	तु.१९।१०	[+बुधः ५/४५ज्येष्ठा.भौमः १५/५३
८	शु	५५	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷भा.माघारंभःपातमोक्षः३।४९
९	श	५५	०	स्वा	४५	१०	धृ	१५	५२	तै	२७	१	११	४६	१४	२८	२२	१८	तुलायां	पूषा.२गुरुः५५।०
१०	र	५१	५६	वि	४३	४३	शू	९	४८	व	२३	२८	१३	४५	१५	२९	२३	१९	वृ.२९।५	भं.२३।२८उ.५१।५६या.श्रवणे+
११	चं	४९	३२	अ	४३	५	गं	४/२९	५५/२०	व	२०	४४	१६	४५	१५	३०	२४	२०	वृश्चिके	पातस्पर्शः४०।२६षट्तिला११व्र.
१२	मं	४८	८	ज्ये	४३	१	ध्रु	५५	५७	कौ	१८	५०	१९	४४	१६	१	२५	२१	ध.४३।१	अभि.प्र.रविः२०।५(सौरः३१।२२)÷
१३	बु	४७	४९	मू	४४	११	व्या	५२	५२	ग	१७	५८	२१	४४	१६	२	२६	२२	धनुषि	भ.४७।४९उ. प्रदोषः
१४	गु	४८	३०	पू	४६	१३	ह	५१	४१	वि	१८	१०	२४	४३	१७	३	२७	२३	धनुषि	भ.१८।१०या. [-उषा.२मकरेशनिः ५४/२९
३०	शु	५०	३१	उ	४९	३९	व	४९	४७	च	१९	३१	२७	४३	१७	४	२८	२४	म.२।५	श्रवणेरविः३४।४२(सौरः४८।१८)-

४०पं.	मा.	कृ.	२र.	इ.	१५।३७		
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	८	१०	८	२	८
२७	११	२८	१५	४	२८	१३	२७
२७	५६	४६	१०	१०	३०	२९	११
२२	१३	४५	५	१	४३	६	५२
६१	३९	[illegible]	१३	७१	७	३	६१
६	३६	[illegible]	३२	४५	२०	११	२४

गोचर ग्रहाः

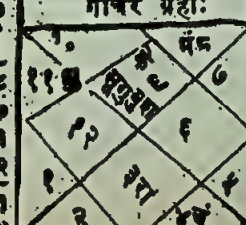

माघ कृष्णे ४ भौमे मकरेऽर्कःप्रविष्टःवा२ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

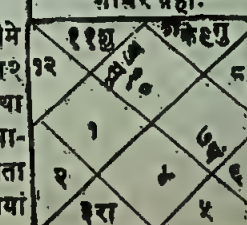

४१पं.	मा.	कृ.	११.	इ. १५/३५		
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	८	१०	८	२	९
४	१६	१०	१६	१२	२९	१३	४
३५	४०	१७	४४	३८	२०	६	२१
१३	१२	६	५६	१७	४२	५१	२१
६१	३९	१०/१०	१३	७१	७	३	६१
३	४४	१७	२०	२०	२०	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. माघ शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाक: १९४१ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गण ३२१६स.२०२०

ति.																			
१	श	५३	४८	अ	५४	२२	सि	४६	१३	कि	२२	१०	२६	४३	१८	५	२६	२५	मकरे
२	र	५८	११	ध	६०	०	व्य	४६	४८	बा	२५	५६	३२	४२	१८	६	३०	२६	कुं. २७।१६
३	चं	६०	०	ध	०	१०	व	५१	१४	तै	३०	५८	३५	४१	१६	७	१	२७	कुंभे
३	मं	३	४६	श	६	४०	प	५३	०	ग	३	४६	३८	४०	२०	८	२	२८	मी ५७।५
४	बु	१०	०	पू	१३	५३	शि	५५	२३	वि	१०	०	४१	४०	२०	९	३	२९	मीने
५	गु	१६	२५	उ	२१	३८	सि	५७	४६	बा	१६	२५	४५	३९	२१	१०	४	३०	मीने
६	शु	२२	५३	रे	२८	५१	सा	६०	०	तै	२२	५३	४८	३८	२२	११	५	३१	मे. २८।५१
७	श	२८	५३	अ	३६	७	सा	०	४८	व	२८	५३	५१	३८	२२	१२	६	१	मेषे
८	र	३३	४६	भ	४१	५०	शु	१	४	वि	१	१९	५४	३७	२३	१३	७	२	वृ. ५७।५४
९	चं	३६	५९	कृ	४६	७	शु	१	१३	बा	५	२२	५८	३६	२४	१४	८	३	वृषे
१०	मं	३८	२२	रो	४८	२६	ब्र	०	५७ २२	तै	७	४०	२७	३६	२४	१५	९	४	वृषे
११	बु	३७	४६	मृ	४८	३८	वै	५३	४	व	८	४	५	३५	२५	१६	१०	५	मि १८।३२
१२	गु	३५	३	आ	४६	५८	वि	४७	८	ब	६	२४	८	३४	२६	१७	११	६	मिथुनें
१३	शु	३०	२३	पु	४३	२८	प्री	३९	४६	कौ	२	४३	१२	३४	२६	१८	१२	७	क. २९।२०
१४	श	२४	१	पु	३८	२४	आ	३१	५	व	२४	१	१५	३३	२७	१९	१३	८	कर्के
१५	र	१६	३१	श्ले	३२	२५	सो	२१	४४	व	१६	३१	१९	३२	२८	२०	१४	९	सिं ३२।२५

मा स्ना. पूर्तिः

अभि.नि.रवि: २६ (सौर: ३८) पूभा.शु. २२							
धनि.बुध: ५१।५ चंद्रदर्शनम्							
जमादिलाखर ६							
भ.३६।५३उ.							
भ.१०।०या.बुधोदयःपश्चिमायां ३६।२७							
कुंभेबुधः ३५।४० वसंत ५							
[×फर्वरी २ता.२९भानु७रथ७							
भ.२८।५३उ.उदयंशनेः १९।१२ ×							
भ.१।१९या.मीनेशुक्रः ४६।२०पूषा.३ +							
शतेबुधः ५२।४० पातस्पर्शः ११।३१ =							
[=पातमोक्षः २८।४७[+गुरुः ५७ भीष्मा.							
भ.८उ.३७ या.उभा.शुक्रः ३७ जया ११ व्र.							
धनि.रविः ४३।० (सौरः ५३।८)							
मूलेधनुषिभौमः ४३।३३प्रदोषः							
भ.२४।१उ.५०।१६या.							

४२पं.मा.शु.२र.इ.१५।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	८	१०	९	२	९
११	२१	२२	१८	२१	०	१२	११
४२	२५	१८	१८	३	९	४४	३०
४०	३४	२९	५४	१४	४७	३५	१२
६०	३९	०	१३	७०	७	३	६१
५९	४१	७	१४	५०	१४	११	१३

४३पं.मा.शु.८र.इ.१५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	८	१०	९	२	९
१८	२६	४	१९	२९	०	१२	१८
४९	१२	९	५१	२३	५८	२२	३८
१६	३६	११	११	५६	३४	२०	१८
६०	३९	९३	१२	७०	७	३	६१
५५	३५	२३	५०	१३	८	११	४

४४पं.मा.शु.१५र.इ.२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	८	११	९	२	९
२५	१	१४	२१	७	१	१२	२५
५५	०	७	२१	३८	४५	०	४५
१	४६	५५	४	४९	५०	४	५
६०	३९	७२	१२	६९	६	३	६०
४७	२८	२४	२२	२९	५६	११	५५

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०७६ शाक: १९४१ दि. उ. अ. भा. मु इं चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.

ति.																			
१	चं	८	२३	म	२५	५३	शो	११	५२	कौ	८	२३	२७	३१	२९	२१	१५	१०	सिंहे
२	चं	५१	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
३	मं	५१	३७	पू	१९	१३	अ	५० ५७		व	२५	४४	२७	३१	२९	२२	१६	११	कं. ३२।३९
४	बु	४३	४६	उ	१२	५९	ध्रु	४२	४५	ब	१७	४१	३०	३०	३०	२३	१७	१२	कन्यायां
५	गु	३६	५०	ह	७	४१	शु	३४	८	कौ	१०	१८	२४	२९	३१	२४	१८	१३	तु. ३५।२७
६	शु	३१	१०	चि	३	१३	गं	२६	३४	ग	४	०	२८	२८	३२	२५	१९	१४	तुलायां
७	श	२६	३८	स्वा	३०	५७ १५	बृ	२०	१	ब	२६	३८	४१	२८	३२	२६	२०	१५	वृ. ४२।५७
८	र	२२	२८	अ	५७	८	धु	१४	२८	कौ	२२	२८	४५	२७	३३	२७	२१	१६	वृश्चिके
९	चं	२१	२६	ज्ये	५७	३६	व्या	९	५९	ग	२१	२६	४९	२६	३४	२८	२२	१७	ध. ५७।३६
१०	मं	२०	४९	मू	५९	२७	ह	६	३०	वि	२०	४९	५३	२५	३५	२९	२३	१८	धनुषि
११	बु	२१	३४	पू	६०	०	व	४	५	बा	२१	३४	५६	२५	३५	३०	२४	१९	धनुषि
१२	गु	२३	१६	पू	२	२७	सि	२	४३	तै	२३	१६	३८ ०	२४	३६	१	२५	२०	म. १८।२८
१३	शु	२६	१८	उ	६	२९	व्य	२	२०	व	२६	१८	४	२३	३७	२	२६	२१	मकरे
१४	श	३०	१६	श्र	११	४०	व	२	१७	श	३०	१६	८	२२	३८	३	२७	२२	कु. ४४।३९
३०	र	३५	१०	ध	१७	३९	प	३	६	च	२	४३	१२	२२	३८	४	२८	२३	कुम्भे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.							
भ.२५।४४उ.५१।३७या.							
चतुर्थी व्र.							
कुंभेऽर्कः १८।१६ (सौरः २७।६)							
भ.३१।१०उ.५८।५४या.							
वृ. ४२।५७							
ध. ५७।३६							
भ. ५१ उ.वक्रीबुधः १४ रेवत्यांशुक्रः २।२७							
भ.२०।४९या.पूषा.४गुरुः ५७।५६							
शतेरविः ५३ बुधा.पश्चि. ३० विजया ११ व्र.							
शतेरविः सौर २।२८भा.फाल्गुनारंभः प्रदोष							
भ.२६।१८उ.५८या.महाशिवरात्रीव्र.स्मा.							
महाशिवरात्रीव्र.वै.							
उषा.३शनिः ५५।५१							

४५पं फा कृ.८र.इ.१६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	८	११	९	२	१०
२	५	१८	२२	१५	२	११	२
५९	४८	४२	४७	४६	३१	३७	५१
४९	५०	१४	२०	५९	५५	४८	८
६०	३९	१०	१२	६८	६	३	६०
३७	२१	२३	७	४४	३८	११	४२

गोचर ग्रहाः

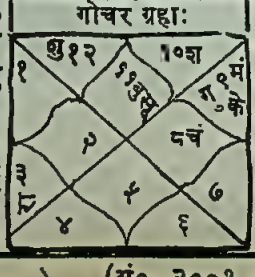

फाल्गुनकृष्णे ५ गुरौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४६पं.फा.कृ.३०र.इ.२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	८	११	९	२	१०
१०	१०	१५	२४	२३	३	११	९
३	३४	३५	१०	४९	१५	१५	५५
२२	५५	४६	३०	१९	४७	३३	४१
६०	३९	५३	११	४७	६	३	६०
२५	१२	व.	२८	४३	२५	११	३१

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१	दि	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसतर्तू रविरुत्तरेऽह्नगंणः ३२४६स.२०२०
१	चं ४०४३ श २४२० शि ४४४ कं ७५६	२८	६	५५	५	२९	२४	कुंभे	
२	मं ४६२९ पू ३१३२ सि ६३३ बा १३३६	२०	२०	४०	६	३०	२५	मी. १४	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
३	बु ५३२५ उ ३९ ९ सौ ८५३ तै १९५७	२४	१९	४१	७	१	२६	मीने	रज्जव ७
४	गु ५९५६ रे ४६५५ शु ११११० व	२६	१०	२८	१८	४२	८	२	२७ मे.४६।५५ भ.२६।१०उ.५९।५६या.पूषा.भौमः १३
५	शु ६० ० अ ५४१४ शु १३२० ब	३३	२	३२	१८	४२	९	३	२८ मेषे अश्वि.मेषेशुक्रः४४।५४पातस्पर्शः२३।९+
५	श ६ ९ भ ६० ० ब्र १५२८ बा	६	९	३६	१७	४३	१०	४	२९ मेषे [+ पातमोक्षः३६।३४
६	र ११ १९ भ ० ३७ ऐं १६३० तै	११	१९	४०	१६	४४	११	५	१ वृ.१६।५० मार्च ३ता.३१
७	चं १५ १९ कृ ६ ७ वै १६२९ व	१५	१९	४४	१५	४५	१२	६	२ वृषे भ.५९उ.४५या.वक्रीवनि.बुधः५०।५८
८	मं १७५१ रो ९५२ वि १५ ९ ब	१७	५१	४८	१४	४६	१३	७	३ मि४०।३२ बुधोदयःपूर्वस्यां२०।१६होलाष्टकम्
९	बु १८१९ मृ १११३ प्री १२२३ कौ	१८	१९	५२	१४	४६	१४	८	४ मिथुने पूभा.रविः१०।३८(सौरः१७।१५)
१०	गु १६४९ आ ११५१ आ ८ १ ग	१६	४९	५६	१३	४७	१५	९	५ क.५५।२६ भ.४५।१उ.
११	शु १३१४ पु ९५७ सौ ४२३ वि	१३	१४	२५	१२	४८	१६	१०	६ कर्के भ.१३।१४या.आमलकी ११व्र.
१२	श ७४२ पु ५४९ अ ४५२६ बा	७	४२	५	११	४९	१७	११	७ कर्के उषा.१गुरुः४७।५८प्रदोषः
१३	र ० ३२ श्ले १०३ ५३ सु ३५३० तै	०	३२	९	१०	५०	१८	१२	८ सिं.०।१३ भ.५२।०उ.
१४	र ५१२८ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१५	चं ४२४० पू ४५४४ धृ २४५४ वि	१७	१९	१३	९	५१	१९	१३	९ क.५८।४९ भ.१७।१९या.होलिकादहनम्

४७प.फा.शु.६र.इ.१९३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	८	०	९	२	१०
१७	१५	८	२५	१	३	१०	१९
५	२७	१८	३०	४१	५७	५३	५८
३५	३२	०	७	४९	४०	१७	३५
६०	२९	३३	१०	६६	६	३	६०
१२	३४	वं.	५५	३२	२	११	२०

गोचर ग्रहाः

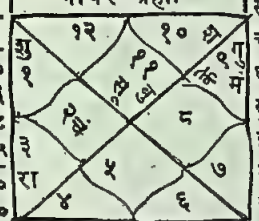

सोमवाराः यदा पञ्च चान्द्रमासे भवन्तिहि धनधान्यंसमृद्धिःस्यात् सुखं सर्वत्र सुन्दरम् । इस मास में बदि में मंदी व सुदि में तेजी चले ।

गोचर ग्रहाः

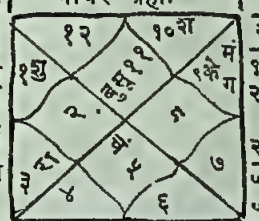

४८प.फा.शु.१३र.इ.१९३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	८	०	९	२	१०
२४	२०	५	२६	९	४	१०	२३
६	१७	१९	४४	२४	३७	३१	५९
२२	४२	५	५६	५४	१२	२	५८
५९	३९	१८	१०	६५	५	३	६०
५८	२०	व.	११	१	४०	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	मं ३२५७ उ ३८ २ शू १३५८ बा	७	४८	२९	६	५५	२०	१४	१० कन्यायां वसंत १छारेंडी
२	बु २३२६ ह ३० ४० गं ६ ग	२३	२६	२१	८	५२	२१	१५	११ तु.५७।३२ भ.४८।५८उ.मार्गीबुधः४०।३५भरण्यां =
३	गु १४३१ चि २४२५ ध्रु ४३२३ वि	१४	३१	२६	७	५३	२२	१६	१२ तुलायां भ.१४।३१याचतुर्थी व्र.
४	शु ६४३ स्वा १८३५ व्या ३४५९ बा	६	४३	३०	६	५४	२३	१७	१३ तुलायां [=शुक्र५५।२९पातस्पर्शः३५पातमोक्षः४५
५	श ०२६ वि १५ १ ह २८ ३ तै	०	२६	३४	५	५५	२४	१८	१४ वृ.०।५५ भ.५५उ.मीनेऽर्कः११।३१(सौरः१७)
६	श ५५२५ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	र ५२५९ अ १२४५ व २२२८ वि	२४	२५	३८	४	५६	२५	१९	१५ वृश्चिके भ.२४।२५या.
८	चं ५१५६ ज्ये १२२३ सि १८२२ बा	२२	२८	४३	३	५७	२६	२०	१६ ध.१२।२३ शीतलापूजनम्
९	मं ५२३२ मू १३४४ व्य १५४० तै	२२	१३	४७	३	५७	२७	२१	१७ धनुषि उभा.रविः३५(सौरः१९३)उषा.भौमः३५
१०	बु ५४३६ पू १६४७ व १४ ४ व	२३	३४	५१	२	५८	२८	२२	१८ म.३२।५३ भ.२३।३४उ.५४।३६या.शतबुधः४५ ×
११	गु ५८ ७ उ २११० प १४ १ ब	२६	२२	५५	१	५९	२९	२३	१९ मकरे पापमोचनी ११व्र.
१२	शु ६० ० श्र २६३६ शि १४३२ कौ	३०	२८	३०	०	०	३०	२४	२० कुं.५९।३५ [×आर्द्रां.१राहुःमूल.३केतुः२।३६
१२	श २४९ ध ३२३५ सि १५४६ तै	२	४९	३०	५९	५९	१	२५	२१ कुंभे भा.चैत्रारंभःप्रदोषः
१३	र ८१६ श ४० ५ सा १७४५ व	८	१६	८	५८	२	२	२६	२२ कुंभे भ.८।१६उ.४१।१२या.मकरेभौमः३९
१४	चं १४ ७ पू ४७२० शु १९४६ श	१४	७	१२	५८	२	३	२७	२३ मी३०।३०
३०	मं २०३२ उ ५४५५ शु २२ ७ ना	२०	३२	१६	५७	३	४	२८	२४ मीने कृत्ति शुक्रः४८।५६मन्वादिः

४९प.चै.कृ.७र.इ.१७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	८	०	९	२	११
१	२५	५	२७	१६	५१	०	०
५	८	३१	५४	५३	१३	८	५९
३५	३५	४८	२५	६	३७	४६	४०
५९	३९	१९	९	६३	५	३	५९
४१	७	मा	२६	२०	११	११	४९

गोचर ग्रहाः

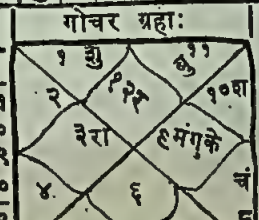

चैत्र कृष्णे ५ शनौ मीनेऽर्कःप्रविष्टःवा.३ न.३प्रौढावस्था बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायां.।

गोचर ग्रहाः

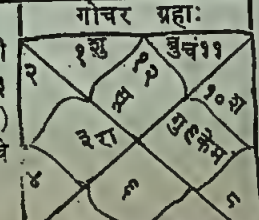

५०प.चै.कृ.१३र.इ.१७३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	८	०	९	२	११
८	२९	१०	२८	२४	५	९	७
३	५९	२३	५८	५	४६	४६	५७
१८	३८	४२	५५	२०	३४	३०	३५
५९	३८	४६	८	११	४	३	५९
२९	५४	५९	३६	२	४९	११	३५

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

म जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२१, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२१, भोग्यकलिः ४२६८७९, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०७७, शाकः १९४२, अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री चंद्रः । सस्येशोगुरुः । धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः । रसेशः शनिः । नीरसेशोगुरुः । फलेशो रविः । धनेशोबुधः । दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दाना मध्ये रुद्र-विंशतिकायां ८ आनंदनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ०।२७।३३।७।१२ भोग्यमासादिः ११।२।२६।५२।४८अग्निदैवतं युगम् । तत्र वर्षनाम आषाढः। मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासःसंधौ। समयनिवासोःवणिक् गृहे। समय विश्वा १८ समयवाहनम् सिंचाणः। स्तंभौ२ जलतृणयोः। सोमवत्यमाः३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी२ भानुसप्तमी १रविदशमी १समयं मुहूर्ताः ३९५ समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा १०५ क्षयतिविश्वा ९६, वर्षाविश्वा ९, धान्यम् १३, तृणम् १३, शीतम् ७, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्११३, सत्यम् ।। धर्म १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःरुत्तरे । ग्रहण १ सूर्यस्यः।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	५	१४	२	११	१४	२
ख.	५	११	११	८	२	११

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	१४	५	८	११	११	८
ख.	११	५	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ३।२०

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

सतंतर की साल में अंबा के दरबार ।
फल पूछों जगदंबिका. जिसि पूछां हरवार ।।

भवानी उत्तर

सतंतर सत राखसी मध्यम वर्ष नीर ।
निबला सबला मानवी सबको बंधसी धीर ।।
सस्याधिप सुर पूज्य है नीरसेश पद पाय ।
उगती खेती देख कर कृषक घणां हर्षाय ।।
समय निवासो वणिक घर रोहिणी संधिनिवास ।
अन्न की कुछ कमती रहे होय घणेरा घास ।।
राजा बुध मंत्री शशी जग की करसी सार ।
घर २ बजे बधावणां घर २ मंगल चार ।।

सं.२०७७ शा. १९४२आषाढ कृ. ३० रवौ सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो
घ.	१०	११	१
मि.	१६	५७	४३
घ.	९	१३	१८
प.	३२	४५	१०

वर्षेश लग्नम् ६।१३

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।७।४१

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे २ तूर्य विवाह मंगलं । प्रकुर्वते दान दयांजनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलं ॥ मंत्री चंद्रस्तत्फलम् ॥ शशिनि मंत्रि गते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । वियति वारिधरा बहु वर्षिणो जनपदा सुखराशि सुशोभिताः ।। सस्येशो गुरुः फलम् ।। कणपतौ सुरराज पुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुति पूर्वकाः । जलधरा जलदा बहुसम्पदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै ।। धान्येशो भौमः फलम् ।। भूमिजे ग्रीष्म धान्यशे ग्रीष्म धान्य महर्घकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंतिहि ।। मेघेशो रविः फलम् ।। जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि हैं रमते जनता रसम् । यव चणेक्षुनीवार मुशालिभिः सुख चयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शनिः फलम् ।। रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अज गवां गज वाजि खरोष्ट्रहाः जनपदेषु नरा न रसैर्युताः ।। नीरसेशो गुरुः फलम् ।। हरिद्रा पीत वस्त्राणि पीत वस्त्रादिकं च यत् । नीरमेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशः रविः फलम् ।। द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहुजलं जलदो भुवि मुञ्चति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधस्तत्फलम् ।। द्रविणपो हिम रश्मि सुतो यदा विविध संग्रह वस्तु फलार्थदा द्विजवरा जप यज्ञमुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः ।। दुर्गेशोरविःफलं ।। नय विशेष करस्तरणिस्तदा गत भया नरराज पुरोगमाः । समधिको न तदा नृपजोन्यजः स्वपथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ।। आनंद नाम संवत्सरः फलम् ।। आनंदाब्दे खिला लोकाः सर्वानन्द चेतसः । राजानः सुखिनः सर्वे बहु सस्यार्घ वृष्टिभिः ।। वर्षनामआषाढःफलम् ।। आषाढाब्दे तु राजानः सर्वदा कलहोत्सुकाः । क्वचिदीतिः क्वचिद्भीतिः क्वचिद्वृद्धिः जलं क्वचित् । मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खण्ड वृष्टिश्च संविषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे फलम् ।। वणिक् गृहे शुभं नास्ति । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ८ शुक्रे मघा ल. ११ (चं.पू.) रे.६ ।।।।ऽऽरोऽऽऽ।

गणितेन क्रांति साम्याभावः

,, ६ शनौ मघा ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽऽऽऽ।

गणितेन क्रांति साम्याभावः

,, ११ चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो १२ (मी.चं.पू.) रे. ७

ऽऽ।।।ऽअ।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १० रवौ उषा ल. ऽन्यगो १ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

,, ११ चन्द्रे रेव. ल. ऽन्यगो १ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

शुक्ला ७ शुक्रे मघा ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णा ८ शनौ उभा ल. १ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ६ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे. ७

।।।।-ऽऽ।ऽ दग्धा

तिथि: श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२ | दि.उ.अ.भा.मु.इं. | चन्द्रः | वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३२७६ स.२०२०

१	बु	२६	४३	रे	६०	०	अ	२४	२०	ब	२६	४३	३१	५६	६	५	२९	२५	मीने
२	गु	३३	१	रे	२	२२	ऐं	२६	४१	कौ	३३	१	२५	५५	५	६	१	२६	मे.२।२२
३	शु	३८	४९	अ	९	४३	वै	२८	३७	तै	५	५५	२९	५४	६	७	२	२७	मेषे
४	श	४३	५२	भ	१६	१३	वि	२९	४०	व	११	२०	३३	५३	७	८	३	२८	वृ.३२।४१
५	र	४८	३	कृ	२२	७	प्री	३०	२९	ब	१५	५८	३७	५३	७	९	४	२९	वृषे
६	चं	५०	५९	रो	२६	४४	आ	३०	८	कौ	१९	३१	४१	५२	८	१०	५	३०	मि५८।२५
७	मं	५२	२७	मृ	३०	५	सौ	२८	४१	ग	२१	४३	४५	५१	९	११	६	३१	मिथुने
८	बु	५२	१७	आ	३१	४२	शो	२५	५०	वि	२२	२२	४९	५०	१०	१२	७	१	मिथुने
९	गु	५०	१०	पु	३१	४०	अ	२१	३७	बा	२१	१३	५३	४९	११	१३	८	२	क.१६।४१
१०	शु	४६	१५	पु	२९	४२	सु	१५	५०	तै	१८	१२	५७	४९	११	१४	९	३	कर्के
११	श	४०	३३	श्ले	२५	५५	धृ	८	३५	व	१३	२४	३१	४८	१२	१५	१०	४	सिं२५।५५
१२	र	३३	१४	म	२०	३६	शू	०	५०	ब	६	४७	५	४७	१३	१६	११	५	सिंहे
१३	चं	२४	३८	पू	१३	५९	बृ	४०	४	तै	२४	३८	१०	४६	१४	१७	१२	६	क.२७।७
१४	मं	१५	२	उ	२९	५१	ध्रु	२९	५	व	१५	२	१४	४५	१५	१८	१३	७	कन्यायां
१५	बु	४	५९	चि	५०	३८	व्या	१८	५	ब	४	५९	१८	४४	१६	१९	१४	८	तु.२४।३३

भ.५२।१७उ.रेवत्यांरविः०।१४(सौरः ÷
भ.२२।२२या.अप्रेल ४ता.३०
रामनवमी
[÷ ५।३९)पूभा.बुधः१६।६
भ.१३।२४उ ४०।३३या.कामदा११व्र.
श्रवणेभौमः४७उषा.४शनिः४०।५०प्रदोष
भ.१५।२उ.४०।१या.मीनेबुधः३१।४६
रोहि.शुक्रः८।३८हनुमज्जयंती

५१ पं.चै.शु.५र.इ.१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	८	१	९	२	११
१४	४	१७	२९	०	६	९	१४
४९	५०	४३	५७	५८	१५	२४	५३
१०	४९	४८	७	३०	२२	१५	४५
५९	३८	६९	७	५८	४	३	५९
१६	५५	१४	३४	१३	१४	११	१८

गोचर ग्रहाः

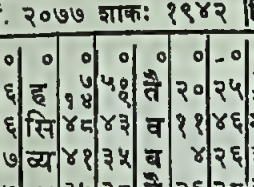

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल धातु चांदी सोना रुई तिल सन वारदाना मंदा हो रसकस तेज हो।

गोचर ग्रहाः

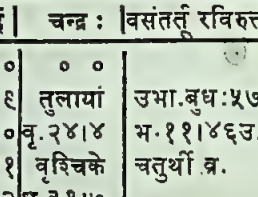

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	९	१	९	२	११
२१	९	२६	०	७	६	९	२१
५३	४०	५२	४८	२५	४१	१	४७
३१	५९	४८	१४	४८	२०	५९	५६
५९	३८	८४	६	५४	३	३	५९
४	५०	१३	३२	२१	३४	११	४

५२प.चै.शु१२र.इ.१८।२४

तिथि: वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२ | दि.उ.अ.भा.मु.इं. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.

१	बु	५०	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	गु	४५	५०	स्वा	४३	२६	ह	१४	५९	तै	२०	२५	३१	४५	१६	२०	१५	९	तुलायां
३	शु	३७	४१	वि	३७	३६	सि	४८	४३	व	११	४६	२६	४३	१७	२१	१६	१०	वृ.२४।४
४	श	३१	११	अ	३३	२७	व्य	४१	३५	ब	४	२६	३०	४२	१८	२२	१७	११	वृश्चिके
५	र	२६	२८	ज्ये	३१	७	व	३५	३८	तै	२६	२८	३४	४१	१९	२३	१८	१२	ध.३१।७
६	चं	२४	१	मू	३०	५५	प	३१	२८	व	२४	१	३८	४०	२०	२४	१९	१३	धनुषि
७	मं	२३	४३	पू	३२	४९	शि	२९	७	ब	२३	४३	४२	४०	२०	२५	२०	१४	म.४८।४४
८	बु	२५	११	उ	३६	२८	सि	२८	८	को	२५	११	४६	३९	२१	२६	२१	१५	मकरे
९	गु	२८	२६	श्र	४१	४०	सा	२८	४५	ग	२८	२६	५०	३८	२२	२७	२२	१६	मकरे
१०	शु	३३	५	ध	४७	५५	शु	२९	४९	व	०	४३	५३	३७	२३	२८	२३	१७	कु.१४।४७
११	श	३८	४६	श	५५	१६	शु	३१	५५	ब	५	५५	५७	३७	२३	२९	२४	१८	कुम्भे
१२	र	४४	५२	पू	६०	०	व्र	३४	१३	को	११	४९	३३	३६	२४	३०	२५	१९	मी. ४५
१३	चं	५१	२३	पू	२	३७	ऐं	३६	४८	ग	१८	७	५	३५	२५	३१	२६	२०	मीने
१४	मं	५७	२९	उ	१०	२३	वै	३९	९	वि	२४	२६	९	३४	२६	१	२७	२१	मीने
३०	बु	६०	०	रे	१७	४६	वि	४१	१४	च	३०	२९	१२	३४	२६	२	२८	२२	मे.१७।४६
३०	गु	३	३०	अ	२४	४६	प्री	४२	५०	ना	३	३०	१६	३३	२७	३	२९	२३	मेषे

भ.०।४३उ.३३।५या.रेवत्यांबुधः४८।४९
वरुथिनी ११व्र.
भ.५१।२३उ.प्रदोषः
भ.२४।२६या.भा.वैशाखारंभः
बुधास्तःपूर्वस्यां४६।३४

१पं.वै.कृ.६चं.इ.३४।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	९	१	९	२	११
०	१५	९	१	१४	७	८	२९
०	२४	३६	४०	१९	७	३५	५४
०	०	३६	१२	४८	४४	५१	९
५८	३८	०	५	४८	२	३	५८
४४	२९	३	१३	३२	४७	११	४५

गोचर ग्रहाः

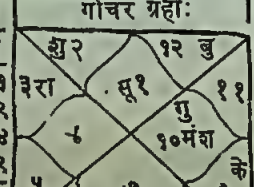

वैशाखकृष्णे ६चन्द्रेमेषे ऽर्कःप्रविष्टःवा.३न.५ वृद्धाऽवस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समताशुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

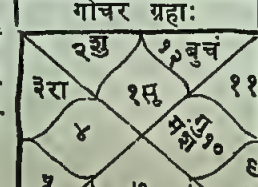

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	९	१	९	२	०
६	२०	२१	२	१९	७	८	६
५०	१४	५१	१४	२२	२४	१३	४४
४२	३५	७	४२	५९	४	३६	२०
५८	३८	५२	४	४१	२	३	५८
३१	१९	४४	५	४३	४	११	२९

२पं.वै.कृ.१३चं.इ.३४।२४

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः स० २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३३०६स.२०२०
१	शु	८	४३	भ	३१	३	आ	४३	५६	ब	८	४३	३२/२०	५/३२	६/२८	४	३०	२४	वृ. ४७/२५	अश्वि.मेषेबुधः५६।२७धनि.भौमः ×
२	श	१३	६	कृ	३६	३१	सौ	४४	३१	कौ	१३	६	२३	३१	२९	५	१	२५	वृषे	रमजान ९ परशुरामजयंती
३	र	१६	४१	रो	४१	१	शो	४४	०	ग	१६	४१	२७	३१	२९	६	२	२६	वृषे	भ.४७।५८उ.अक्षया३
४	चं	१९	१६	मृ	४४	२६	अ	४२	५६	वि	१९	१६	३१	३०	३०	७	३	२७	मि१२।४३	भ.१९।१६या.भरण्यांरविः१४।२८ ÷
५	मं	२०	२९	आ	४६	४९	सु	४०	५७	बा	२०	२९	३४	२९	३१	८	४	२८	मिथुने	[÷(सौरः२१।३८)मृगेशुक्रः१४।४८
६	बु	२०	४६	पु	४७	५०	धृ	३७	४९	तै	२०	४६	३८	२८	३२	९	५	२९	क.३२।३५	[× ५१।२१चंद्रदर्शनम्
७	गु	१९	२९	पु	४७	३५	शू	३३	२७	व	१९	२९	४१	२८	३२	१०	६	३०	कर्के	भ.१९।२९उ.४८।१३या.
८	शु	१६	५७	श्ले	४५	४२	गं	२७	५७	ब	१६	५७	४५	२७	३३	११	७	१	सिं. ४५/४२	भरण्यांबुधः३३।६मई५ता.३१
९	श	१२	४६	म	४२	३५	बृ	२१	२०	कौ	१२	४६	४८	२६	३४	१२	८	२	सिंहे	पातस्पर्शः५।२९पातमोक्षः१९।१४
१०	र	७	२२	पू	३८	३	ध्रु	१३	३८	ग	७	२२	५२	२६	३४	१३	९	३	कं.५१।३८	भ.३३।५४उ.
११	चं	०	२७	उ	३२	१६	व्या	४/५५	५०/२५	वि	०	२७	५५	२५	३५	१४	१०	४	कन्यायां	भ.०।२७या.कुंभेभौमः४९/५१मोहिनी११ब्र.
१२	चं	५१	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	मं	४३	३५	ह	२५	३८	व	४५	११	कौ	१८	०	५८	२४	३६	१५	११	५	तु.५२।३२	प्रदोषः
१४	बु	३४	१७	चि	१८	२६	सि	३४	४१	ग	८	५६	३३/२	२४	३६	१६	१२	६	तुलायां	भ ३४।१७उ.५९।५१या.नृसिहजयंती
१५	गु	२५	६	स्वा	११	१९	व्य	२४	४०	व	२५	६	५	२३	३७	१७	१३	७	वृ.५१।२२	कृत्ति.बुधः३८।२४यमायकुंभदानम्

३पं.वै.शु.४च इ. ३४।४४

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	९	१	९	२	०
१३	२५	५	२	२३	७	७	१३
३९	३	२३	४१	३०	३४	५१	३२
४७	११	३१	१३	५४	५२	२०	४५
५८	३७	१२८/७	२	३२	१	३	५८
१९	५४	३८	५७	४९	२८	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला आदि मंदे होवे धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा रुई वस्त्र घृत तेल तेज होवेंगे ।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.शु.११चं.इ.३४।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	९	१	९	२	०
२०	२९	१९	२	२६	७	७	२०
२७	५०	४८	५८	२८	४१	२९	१९
२५	४२	१८	५२	५९	३५	५	३०
५८	३७	१२८/७	१	२१	०	३	५७
६	२९	७	३१	५६	४८	११	५७

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेवैशाख कृष्णेति महा.
१	शु	१६	३१	वि	४/४३	५३/२५	व	१५	४	कौ	१६	३१	३३/८	५/२२	६/३८	१८	१४	८	वृश्चिके	
२	श	८	५७	ज्ये	५५	१०	प	६/३१	५२/५०	ग	८	५७	११	२२	३८	१९	१५	९	ध.५५।१०	भ.३५।५३उ.वृषेबुधः६।५
३	र	२	४९	मू	५२	५६	सि	५३	३८	वि	२	४९	१४	२१	३९	२०	१६	१०	धनुषि	भ.२।४९या.चतुर्थीव्र.
४	र	५५	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	चं	५६	५५	पू	५२	५०	सा	४९	४५	कौ	२७	४९	१७	२१	३९	२१	१७	११	धनुषि	कृत्ति.रविः०/२४(सौरः९/३०)वक्रीशनिः२/५१
६	मं	५७	१०	उ	५४	५१	शु	४७	२७	ग	२७	२	२०	२०	४०	२२	१८	१२	म.८।२०	भ.५७।१०उ.
७	बु	५९	३२	श्र	५८	५६	शु	४७	०	वि	२८	२१	२३	१९	४१	२३	१९	१३	मकरे	भ.२८/२१या.रोहि.बुधः४६/३९वक्रीगुरुः३३।४४
८	गु	६०	०	ध	६०	०	ब्र	४७	२५	बा	३१	३४	२६	१९	४१	२४	२०	१४	कुं.३१।५१	वृषेऽर्कः२७/३९(सौरः३७/१७)वक्रीशुक्रः३।५९×
८	शु	३	३७	ध	४	४६	ऐं	४९	७	कौ	३	३७	२८	१८	४२	२५	२१	१५	कुम्भे	बुधोदयःपश्चिमायां५४।१४
९	श	८	५६	श	११	४७	वै	५१	१७	ग	८	५६	३१	१८	४२	२६	२२	१६	कुंभे	भ.४१।५८उ. [×शतेभौमः५९।२८
१०	र	१५	०	पू	१९	२	वि	५३	५०	वि	१५	०	३४	१७	४३	२७	२३	१७	मी. २/१४	भ.१५।०या.
११	चं	२१	८	उ	२६	४७	प्री	५६	२८	बा	२१	८	३७	१७	४३	२८	२४	१८	मीने	अपरा११व्र.
१२	मं	२७	३२	रे	३४	७	आ	५८	२९	तै	२७	३२	३९	१६	४४	२९	२५	१९	मे.३४।७	प्रदोषः
१३	बु	३३	१३	अ	४१	१	सौ	६०	०	ग	०	२३	४२	१६	४४	३०	२६	२०	मेषे	भ.३३/१३उ.मृगेबुधः३४/४१मृग.४राहुःमूल.२ =
१४	गु	३८	३	भ	४७	२	सौ	०	१३	वि	५	३८	४४	१५	४५	३१	२७	२१	मेषे	भ.५।३८या. [=केतुः१।३
३०	शु	४१	४३	कृ	५२	४	शो	१	४	च	९	५३	४७	१५	४५	१	२८	२२	वृ.३।५३	भा.ज्येष्ठारंभः वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ. ५चं. इं. ३५/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	९	१	९	२	०
२७	४	५	३	२७	७	७	२७
१३	३४	१८	६	४०	४३	६	४
३७	४८	४७	५४	२६	४४	४९	४४
५७	३९	१२८/७	०	६	०/४	३	५७
५४	४६	१९	२४	५	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ कृष्ण ८ गुरौ वृषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

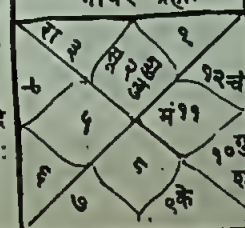

६पं.ज्ये.कृ.११चं.इ. ३५/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	९	१	९	२	१
३	९	१९	३	२७	७	६	३
५८	१७	३१	६	८	४०	४४	४८
३७	३१	३५	३२	२०	५९	३३	२७
५७	३६	१२८/७	१/१	११/५	०/४०	३	५७
४४	४४	४३	व.	व.	व.	११	३४

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३३५स.२०२०
१	श	४४	१६	रो	५५	५३	अ	१	८	किं	१२	५६	३३	१४	४६	६	३	२६	२३	वृषे	
२	र	४५	४७	मृ	५८	४७	सु	२१	१६	बा	१४	५६	५२	१४	४६	३	३०	२४	मि	२७।२०	रोहि.रवि:५१ मिथुनेबुध:३१ चंद्रदर्शनम्
३	चं	४६	१०	आ	६०	०	शू	५६	२९	ते	१५	५८	५४	१३	४७	४	१	२५		मिथुने	रोहि.रवि:३।२५सव्वाल१०
४	मं	४५	३७	आ	०	३४	गं	५२	४४	व	१५	५३	५६	१३	४७	५	२	२६	क.	४६।१३	भ.१५।५३उ.४५।३७या.
५	बु	४३	५९	पु	१	२५	बृ	४८	५३	ब्र	१४	४८	५८	१२	४८	६	३	२७		कर्के	
६	गु	४१	२३	पु	१	२२	धु	४४	०	कौ	१२	४१	३४	१२	४८	७	४	२८		कर्के	आर्द्रा.बुध:३६वक्रीरोहि.शुक्र:१३।५३
७	शु	३७	५९	श्ले	१	५७	ल्या	३८	२३	ग	९	४१	२	१२	४८	८	५	२९	सि	०।१३	भ.३७।५९उ.
८	श	३३	४३	पू	५५	२५	ह	३२	४	बि	५	५१	३	११	४९	९	६	३०		सिंहे	भ.५।५१या.
९	र	२८	२४	उ	५१	३९	व	२५	२	बा	१	४	५	११	४९	१०	७	३१	कं.	९।२८	
१०	चं	२२	१९	ह	४७	९	सि	१७	१९	ग	२२	१९	७	११	४९	११	८	१		कन्यायां	भ.५८उ.शुक्रास्त:पश्चिमायां३५जून६ =
११	मं	१५	२२	चि	४१	५२	व्य	९	१	वि	१५	२२	९	१०	५०	१२	९	२	तु.	१४।३१	भ.१५।२२या.निर्जला ११व्र.
१२	बु	७	५२	स्वा	३६	१०	व	१०	५१	बा	७	५२	१०	१०	५०	१३	१०	३		तुलायां	प्रदोष: [= ता.३० गंगावशमी
१३	गु	०	५	वि	३०	२४	शि	४२	१९	ते	०	५	१२	१०	५०	१४	११	४	वृ.	१६।५०	भ.५२।२२उ.पूभा.भौम:३।१४
१४	शु	५२	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		० ०	
१५	शु	४५	१४	अ	२५	२	सि	३३	५८	वि	१८	४७	१३	९	५१	१५	१२	५		वृश्चिके	भ.१८।४७या.गुर्जराणाव्रटसावित्री व्र.

७पं.ज्ये.शु.३चं.इ.३५।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	९	१	९	२	१
१०	१३	१	२	२४	७	६	१०
४२	५६	२४	५६	३०	३३	२२	३०
२९	५६	४३	२८	५८	४०	१८	३८
५७	३६	९४	३	२६	१	३	५७
३४	५	१	व.	व.	व	११	२३

गोचर ग्रहाः

५ शुक्रवार इस मास में श्रेष्ठ है धान्य गल्ला आदि में मंदी होवे प्रजा में सुख शान्ति रहे वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

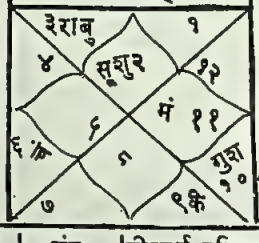

८पं.ज्ये.शु१०चं.इ.३५।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	९	१	९	२	१
१७	१८	१०	२	२०	७	६	१७
२५	३२	४६	३७	५२	२१	०	११
१९	४२	१	१९	४८	४०	२	४४
५७	३५	६६	३	५५	३	३	५७
२७	२७	१५	व.	व.	व.	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	३८	५९	ज्ये	२०	४९	सा	२६	२३	बा	१२	६	३४	५	५९	१६	१३	६	ध.	२०।४९	
२	र	३४	२७	मू	१७	४३	शु	१९	५३	ते	६	४३	१६	९	५१	१७	१४	७		धनुषि	मृगेरवि:४६।६
३	चं	३१	४४	पू	१६	३२	शु	१४	५४	व	३	५	१७	९	५१	१८	१५	८	म.	३१।४१	भ.३उ.३३या.मृगेरवि:सौर१चतुर्थीव्र.
४	मं	३०	५२	उ	१७	९	ब्र	११	३२	ब	१	१८	१८	८	५२	१९	१६	९		मकरे	
५	बु	३२	१०	श्र	१९	४५	ऐं	९	४१	कौ	१	३१	१९	८	५२	२०	१७	१०	कु.	५१।५८	शुक्रोदय:पूर्वस्यां८।२४
६	गु	३५	२४	ध	२४	१२	वै	९	९	ग	३	४७	१९	८	५२	२१	१८	११		कुम्भे	भ.३५।२४उ.
७	शु	४०	१०	श	३०	२०	वि	९	५६	वि	७	४७	२०	८	५२	२२	१९	१२		कुम्भे	भ.७।४७या.पुन.बुध:०।४१
८	श	४५	५०	पू	३७	२०	प्री	११	५३	बा	१२	५६	२१	८	५२	२३	२०	१३	मी	२०।३५	
९	र	५२	६	उ	४५	०	आ	१४	८	ते	१८	५८	२१	८	५२	२४	२१	१४		मीने	मिथुनेऽर्क:४४।४०
१०	चं	५८	६	रे	५२	२८	सौ	१६	४७	व	२५	६	२२	८	५२	२५	२२	१५	मे.	५२।२८	भ.२५उ.५९या.मिथुनेऽर्क:सौर:३।३
११	मं	६०	०	अ	५९	३१	शो	१९	३	ब	३०	५७	२२	८	५२	२६	२३	१६		मेषे	वक्रीबुध:१४योगिनी११व्र.स्मा.
११	बु	३	४८	भ	६०	०	अ	२०	४९	बा	३	४८	२३	७	५३	२७	२४	१७		मेषे	वक्रीउषा.३शनि:१३योगिनी११व्र.वै.
१२	गु	८	३०	भ	५	३५	सु	२१	४६	ते	८	३०	२३	७	५३	२८	२५	१८	वृ.	२१।४६	प्रदोष:
१३	शु	११	४३	कृ	१०	१६	धृ	२१	३५	व	११	४३	२३	७	५३	२९	२६	१९		वृषे	भ.१३उ.४३या.मीनेभौम:२०।५०
१४	श	१३	४०	रो	१४	०	शू	२०	३१	श	१३	४०	२४	७	५३	३०	२७	२०	मि	४५।३	×बुधास्त:पश्चिमायां५९।४९सूर्यग्रहणम्
३०	र	१४	९	मृ	१६	६	गं	१८	८	ना	१४	९	२४	७	५३	३१	२८	२१		मिथुने	आर्द्रा.रवि:४३।३५वक्रीआर्द्रा.बुध:३६×

६पं.आ.कृ.३चं.इ.३५।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	९	१	९	२	१
२४	२३	१७	२	१६	७	५	२३
७	३	१०	९	२८	५	३७	५१
१९	२५	१२	५८	४८	२४	४७	४०
५७	३४	३४	४४	११	२	३	५७
२२	४१	२८	व.	व.	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

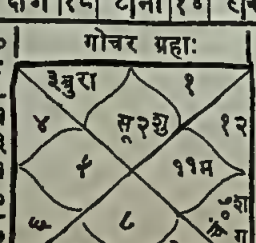

आषाढ कृष्णे ९ रवौ मिथुनेऽर्के:प्रविष्ट:वा. ४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्या दिभावेसमर्घता शुक्रोदय: पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

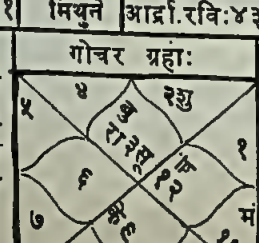

१०पं.आ.कृ.१०चं.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	९	१	९	२	२
०	२७	२०	१	१३	६	५	०
४८	२८	१०	३४	३	४५	१५	३०
३६	३४	५	५५	७	२२	३१	४९
५७	३३	२	५३	११	१३	३	५६
१७	५२	४९	व.	व.	व.	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविदक्षिणेऽहर्गणः३३६५स.२०२०
१	चं	१३	११	आ	१६	५५	बृ	१४	५२	व	१३	११	३४/२४	५/७	६/५३	१	२९	२२	मिथुने	आर्द्रा.रविःसौरः४।३६चंद्रदर्शनम् =
२	मं	११	७	पु	१६	४१	ध्रु	१०	४३	कौ	११	७	२४	७	५३	२	१	२३	क.१।४४	जिल्काद११रथयात्रा
३	बु	८	१२	पु	१५	४०	व्या	५	५१	ग	८	१२	२४	७	५३	३	२	२४	कर्के	भ.३६।२३उ.मार्गीशुक्रः३४।१६
४	गु	४	३४	[illegible]	१३	४०	ह	०/१४	५४/७	वि	४	३४	२३	७	५३	४	३	२५	सिं१३।४०	भ.४।३४या.उभा.भौमः२४।२७
५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	११	१६	सि	४८	११	बा	०	२२	२३	७	५३	५	४	२६	सिंहे	[= भा. आषाढारंभः
		[illegible]	[illegible]	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३५	व्य	४१	३४	ग	२३	२०	२२	८	५२	६	५	२७	कं.२२।५०	भ.५०।५४उ.
८	[illegible]	४५	४०	उ	५	३७	व	३४	४७	वि	१८	१७	२२	८	५२	७	६	२८	कन्यायां	भ.१८।१७या.
९	[illegible]	४०	[illegible]	ह	२/४७	५६/२९	प	२७	४०	बा	१२	५५	२१	८	५२	८	७	२९	तु.३०।३१	
१०	[illegible]	२४	१८	स्वा	५४	४७	शि	२०	२६	तै	७	१४	२०	८	५२	९	८	३०	तुलायां	वक्रीउषा.१धनुषि गुरुः१३।२६
११	बु	२८	२९	वि	५०	५०	सि	१३	०	व	१	२३	१९	८	५२	१०	९	१	वृ.३६।४९	भ.१।२३उ.२८।२९या.जौलाई७ता.३१+
१२	गु	२२	३७	अ	४७	९	सा	४/४०	५३/५३	बा	२२	३७	१८	८	५२	११	१०	२	वृश्चिके	प्रदोषः [+देवशयनी११व्र.
१३	शु	१७	३	ज्ये	४३	५६	शु	५१	५४	तै	१७	३	१७	९	५१	१२	११	३	ध.४३।५६	
१४	श	१२	४	मू	४१	१९	ब्र	४५	४१	व	१२	४	१६	९	५१	१३	१२	४	धनुषि	भ.१२।४उ.४०।६या.वायुपरीक्षा
१५	र	८	८	पू	४०	९	ऐं	४०	४४	व	८	८	१५	९	५१	१४	१३	५	म.५५।४३	पुन.रविः४२।२५व्यासपूजागुरु१५

११पं.आ.शु.१चं.इ.३५।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	९	१	९	२	२
७	१	१९	०	११	६	४	७
२९	४७	४१	५२	२१	२१	५३	९
३१	२	२८	२६	५८	२९	१५	१६
५७	३३	२३/४४	६/४०	४/३५	३/५१	३	५६
१३	०	व	व.	व.	व	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्णपक्ष में तिथि वृद्धि व शुक्ल पक्ष में तिथि क्षय धान्य गल्ला धातु वस्त्र रुई सूत में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.शु.९चं.इ.३५/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	९	१	९	२	२
१४	५	१६	०	११	५	४	१३
९	५७	२९	४	३०	५५	३१	४७
५८	३२	१७	४१	३६	२६	०	२१
५७	३१	३५/४४	५/२३	११/३७	४/६	३	५६
७	४४	व	व.	मा	व.	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा
१	चं	५	४३	उ	४०	२६	वै	३६	५५	कौ	५	४३	३४/१४	५/९	६/५१	१५	१४	६	मकरे	पुन.रविःसौरः८।३८
२	मं	४	४४	श्र	४२	१३	वि	३४	२५	ग	४	४४	१३	९	५१	१६	१५	७	मकरे	भ.३५।८उ.
३	बु	५	३३	ध	४५	३७	प्री	३३	२४	वि	५	३३	११	१०	५०	१७	१६	८	कुं.१३।५५	भ.५।३३या.चतुर्थी व्र.
४	गु	८	४	श	५०	४९	आ	३३	२२	बा	८	४	१०	१०	५०	१८	१७	९	कुम्भे	बुधोदयःपूर्वस्यां५३।०
५	शु	१२	१६	पू	५७	२०	सौ	३४	४०	तै	१२	१६	८	१०	५०	१९	१८	१०	मी४०।४३	नाग५मरुस्थले
६	श	१७	३०	उ	६०	०	शो	३६	२८	व	१७	३०	७	११	४९	२०	१९	११	मीने	भ.१७।३०उ.५०।३४या.
७	र	२३	३८	उ	४	२७	अ	३८	५५	व	२३	३८	५	११	४९	२१	२०	१२	मीने	
८	चं	२९	४४	रे	१२	५	सु	४१	१८	कौ	२९	४४	३	११	४९	२२	२१	१३	मे.१२।५	
९	मं	३५	३१	अ	१९	१८	धृ	४३	२९	तै	२	३७	१	१२	४८	२३	२२	१४	मेषे	मार्गीबुधः२।५४
१०	बु	४०	२३	भ	२६	७	शू	४४	५०	व	७	५७	३३/५९	१२	४८	२४	२३	१५	वृ.४२।२५	भ.७।५७उ.४०।२३या.
११	गु	४३	४६	कृ	३१	२१	गं	४५	४	व	१२	४	५७	१३	४७	२५	२४	१६	वृषे	कर्केऽर्कः११/५१ (सौरः४१/२२) कामिका११व्र.
१२	शु	४५	४२	रो	३५	८	भृ	४४	११	कौ	१४	४४	५५	१३	४७	२६	२५	१७	वृषे	
१३	श	४५	४९	मृ	३७	१९	ध्रु	४१	५६	ग	१५	४६	५२	१४	४६	२७	२६	१८	मि६।१३	भ.४५/४९उ.रेवत्यांभौमः५६।४३प्रदोषः
१४	र	४४	२	आ	३७	४६	व्या	३८	१६	वि	१४	५६	५०	१४	४६	२८	२७	१९	मिथुने	भ.१४।५६या.पुष्येरविः४१।९
३०	चं	४०	५५	पु	३६	४२	ह	३३	२३	च	१२	२८	४८	१४	४६	२९	२८	२०	कं.२१।५८	पुष्येरविःसौरः१२।३हरियाली

१३पं.श्रा.कृ.१चं.इ.३५।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	८	१	९	२	२
२०	९	१२	२९	१३	५	४	२०
५०	५७	३९	१३	२४	२७	८	२५
२४	४०	३६	५	३६	४	४४	१५
५७	३०	३०/३८	५/५२	२५	३/१२	३	५६
७	४१	व.	व.	१९	व	११	५०

१४पं.श्रा.कृ.८चं.इ ३५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	८	१	९	२	२
२७	१३	११	२८	१६	४	३	२७
३०	४५	१५	१९	४०	५६	४६	३
४३	१४	०	१२	४१	४९	२९	२२
५७	२९	३/५	५/५२	३५	४/४०	३	५६
११	२५	व.	व.	५०	व	११	५४

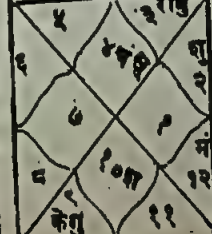

१५पं.श्रा.कृ.३०चं.इ.३५/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	२	८	१	९	२	३
४	१७	१४	२७	२१	४	३	३
११	२५	१७	२५	३	२५	२४	४१
२८	१६	३५	१९	२५	४१	१३	४९
५७	२७	४४/२९	७/५२	४४	४/४०	३	५६
१५	३८	मा	व.	०	व	११	५९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं०२०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३३९४सन्२०२०
१	मं	३६	२४	पु	३४	१४	व	२७	२१	किं	८	३९	३३/४५	५/१५	६/४५	३०	२९	२१	कर्के	मृग.३राहुःमूल.१केतुः५४।२९
२	बु	३१	८	श्ले	३०	५६	सि	२०	४६	बा	३	४६	४३	१५	४५	३१	३०	२२	सिं३०।५६	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	गु	२५	१६	म	२७	९	व्य	१३	२९	ग	२५	१६	४०	१६	४४	१	१	२३	सिंहे	भ.५२/१५उ.मृगेशुक्रःभाःश्रावणारंभः +
४	शु	१९	१४	पू	२३	१०	व	५/५४	५२/२८	वि	१९	१४	३८	१६	४४	२	२	२४	क.३७।१०	भ.१९।१४या. वरद ४
५	श	१३	२२	उ	१९	१०	शि	५१	३१	बा	१३	२२	३५	१७	४३	३	३	२५	कन्यायां	नागपंचमी [+जिल्हेज१२तीज
६	र	७	२१	ह	१५	२०	सि	४३	५०	तै	७	२१	३३	१७	४३	४	४	२६	तु.४३।३७	पुन.बुधः१९/१६वक्रीपूषा.४गुरुः४०।२६
७	चं	१	५०	चि	११	५३	सा	३६	४९	व	१	५०	३०	१८	४२	५	५	२७	तुलायां	भ.१।५०उ.२९।१२या.
८	चं	५४	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
९	मं	५१	४९	स्वा	८	२९	शु	३०	१	बा	२४	११	२७	१९	४१	६	६	२८	वृ.५१।२४	
१०	बु	४७	२२	वि	५	४३	शु	२३	४७	तै	१९	४१	२४	१९	४१	७	७	२९	वृश्चिके	
११	गु	४३	२८	अ	३	२३	ब्र	१७	५२	व	१५	२६	२२	२०	४०	८	८	३०	वृश्चिके	भ १५/२६उ.४३/२८या.पवित्रा११व्र.
१२	शु	४०	१०	ज्ये	१	४२	ऐं	१२	१९	ब	११	४९	१९	२०	४०	९	९	३१	ध.१।४२	[=बुधः४८/५०श्रावणीकर्मरक्षाबन्धनम्भद्रो.
१३	श	३७	४३	मू	०	३२	वै	७	२५	कौ	८	५६	१६	२१	३९	१०	१०	१	धनुषि	मिथुनेशुक्रः१३/५३अगस्त८ता.३१ प्रदोषः
१४	र	३६	२६	पू	०	८	वि	३/१८	५६/३७	ग	७	५	१३	२१	३९	११	११	२	म.१५।२३	भ.३६/२६उ.आश्ले.रविः३८/१०कर्केबुधः०।५७
१५	चं	३६	१६	उ	१	११	आ	५७	३५	वि	६	२१	१०	२२	३८	१२	१२	३	मकरे	भ ६।२१या.आश्ले.रविःसौरः१२/५०पुष्ये =

१६पं श्रा.शु.७चं.इ ३४/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	२	८	१	९	२	३
१०	२०	२१	२६	२६	३	३	१०
५२	४४	४७	३३	१६	५४	१	२१
३०	४९	४९	११	५९	२९	५७	६
५७	२५	८५	३७/३१	४९	४०/४०	३	५७
२०	४२	३५	व.	५९	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

५ ३बुरा ६ सू ४ २शु ७ चं १ ८ १०श १२ ९केगु ११

श्रावणकृष्णे ११ गुरौ कर्केऽर्कःप्रविष्ट. वा.५ न. ५ बालावस्थां (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

५ ३राशु ६ ४बुसू २ ७ १ ८ १०श मं१२ ९केतु ११

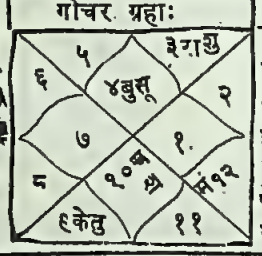

१७पं.श्रा.शु.१५चं.इ. ३४/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	८	२	९	२	३
१७	२३	२	२५	२	३	२	१७
३४	४५	५३	४४	८	२३	३९	०
१२	२२	४२	१३	२४	५६	४२	५४
५७	२३	११/१९	६/४८	५४	४/२३	३	५७
२५	२८	९	व.	४२	व.	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा
१	मं	३७	२८	श्र	३	७	सौ	५६	३५	बा	६	५२	३३/७	५/२३	६/३७	१३	१३	४	कुं.३४।४८	वक्रीउषा.२शनिः२८।३३
२	बु	४०	१७	ध	६	२९	शो	५६	१३	तै	९	२२	४	२३	३७	१४	१४	५	कुंभे	बुधास्तःपूर्वस्या२६।५६
३	गु	४४	१३	श	११	७	अ	५६	५९	व	१२	१४	०	२४	३६	१५	१५	६	कुंभे	भ.१२।१४उ.४४।१३या.
४	शु	४९	१६	पू	१७	१५	सु	५८	३७	ब	१६	४४	३२/५७	२५	३५	१६	१६	७	मी०।४३	चतुर्थी व्र
५	श	५५	१२	उ	२४	७	धृ	६०	०	कौ	२२	१४	५४	२५	३५	१७	१७	८	मीने	आर्द्रा.शुक्रः४१।१३
६	र	६०	०	रे	३१	३६	धृ	०	४१	ग	२८	१८	५०	२६	३४	१८	१८	९	मे.३१।३६	चंद्रषष्ठी
६	चं	१	२४	अ	३९	१२	शू	३	१२	व	१	२४	४७	२७	३३	१९	१९	१०	मेषे	भ.१/२४उ.३४/३०या.आश्ले.बुधः३२।५१
७	मं	७	३५	भ	४६	२१	गं	५	३७	ब	७	३५	४४	२७	३३	२०	२०	११	मेषे	जन्मांष्टमी व्र.स्मा.
८	बु	१३	०	कृ	५२	२९	वृ	७	३९	कौ	१३	०	४०	२८	३२	२१	२१	१२	वृ.२।५३	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	गु	१६	५५	रो	५७	१२	ध्रु	८	३५	ग	१६	५५	३७	२९	३१	२२	२२	१३	वृषे	भ.४८।१२उ. गोगानवमी
१०	शु	१९	२९	मृ	६०	०	व्या	८	२९	वि	१९	२९	३३	२९	३१	२३	२३	१४	मि२८।४७	भ.१९।२९या.
११	श	२०	६	मृ	०	२३	ह	७	१	बा	२०	६	३०	३०	३०	२४	२४	१५	मिथुने	अजा ११ व्र.
१२	र	१८	३८	आ	१	३४	व	३/५८	५५/२८	तै	१८	३८	२६	३१	२९	२५	२५	१६	क.४५।५८	मघा.सिंहेऽर्कः३२/१२वत्स द्वादशी प्रदोषः
१३	चं	१५	१७	पु	०/४६	५७/२६	व्य	५३	२०	व	१५	१७	२२	३२	२८	२६	२६	१७	कर्के	भ.१५।१७उ.४२।४३या.मघा.सिंहेऽर्कः×
१४	मं	१०	८	श्ले	५४	६	व	४५	५८	श	१०	८	१९	३२	२८	२७	२७	१८	सिं५४।६	[×सौरः९:१५मघा.सिंहेबुधः५।४५
३०	बु	३	४१	म	४९	०	प	३७	३५	ना	३	४१	१५	३३	२७	२८	२८	१९	सिंहे	कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादिः

१८पं. भा.कृ.६चं.इः ३४/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	८	२	९	२	३
२४	२६	१६	२५	८	२	२	२३
१६	२६	३६	०	३०	५५	१७	४२
३७	१३	३२	४०	२२	२३	२६	१
५७	२१	१२/१८	६/५	५८	४	३	५७
३३	५	८	व.	२५	८	११	२२

गोचर ग्रहाः

५ ३राशु ६ सू४बु २ ७ चं १ ८ १०श मं१२ ९गुके ११

भाद्रपदकृष्णे१२ रवौ सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न. ५ प्रौढाऽवस्था (बैठी)मु४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

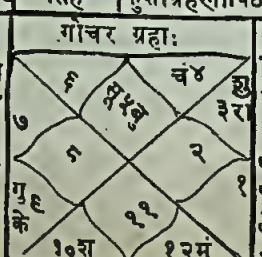

गोचर ग्रहाः

६ सू५बु चं४ शु ३रा ७ ८ २ १ गु९के ११ १०श १२मं

१९पं.भा.कृ.१३चं.इ. ३४/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	४	८	२	९	२	४
०	२८	०	२४	१५	२	१	०
५९	४२	५७	२३	१५	२९	५५	२४
५३	११	४०	१३	५४	२०	११	१४
५७	१७	१२/०४३	५४/५९	६१	३/५२	३	५७
४०	५९		व.	१२	व.	११	३४

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः ३४२४स.२०२०
१	बु ५२ ३५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							० ०	[=अश्वि.मेषेभौमः ४०।१२गणेश चं.
२	गु ४८ २६ पू ४३ १० शि २८ ४७ बा २२ २१ ३३ ५ ६ १२ २९ २९							२० क.५६।४१	चंद्र दर्शनम
३	शु ४० ३५ उ ३७ १७ सि १९ ४६ तै १४ ३१ ८ ३४ २६ ३०							१ २१	कन्यायां मोहोरम १सन् १४४२हि.हरितालिका ३
४	श ३३ ५ ह ३१ ४१ सा १० ३२ व ६ ५० ४ ३५ २५ ३१							२ २२	तु.५९।१२ भ.६।५०उ.३३।५या.पुन.शुक्रः २१।५=
५	र २६ २ चि २६ ४३ शु १४ ५३ बा २६ २ १ ३६ २४ १							३ २३	तुलायां पूफा.बुधः ५२।२३भा.भाद्रपदारंभः×
६	चं १९ ५० स्वा २२ २९ ब्र ४६ ९ तै १९ ५० ३१ ३७ २३ २							४ २४	तुलायां [×ऋषि पंचमी
७	मं १४ ३८ वि १९ २ ऐं ३९ १५ व १४ ३८ ५३ ३७ २३ ३							५ २५	वृ.४।५४ भ.१४।३८उ.४२।३२या.
८	बु १० २६ अ १६ ४६ वै ३३ २५ ब १० २६ ४९ ३८ २२ ४							६ २६	वृश्चिके [+कर्केशुक्रः ५५ बुधोदयः पश्चिमायां ५६
९	गु ७ १६ ज्ये १५ २० वि २८ २१ कौ ७ १६ ४६ ३९ २१ ५							७ २७	ध.१५।२० [÷अनंत १४ महालयारंभः
१०	शु ४ ५९ मू १५ २ प्री २४ ५ ग ४ ५९ ४२ ४० २० ६							८ २८	धनुषि भ.३४।२७उ.
११	श ३ ५६ पू १५ ३६ आ २० ३७ वि ३ ५६ ३८ ४० २० ७							९ २९	म.३१।६ भ.३६या.जलझूलनी ११ व्र.वामनजयंती
१२	र ४ ५ उ १७ ३६ सौ १८ १० बा ४ ५ ३४ ४१ १९ ८							१० ३०	मकरे पूफा.रविः २१।४८ प्रदोषः
१३	चं ५ ७ श्र २० २२ शो १६ ३१ तै ५ ७ ३० ४२ १८ ९							११ ३१	कुं.५२।२२ पूफा.रविःसौरः ०।६उफा बुधः १६।७+
१४	मं ७ २३ ध २४ २३ अ १६ ७ व ७ २३ २६ ४३ १७ १०							१२ १	कुंभे भ.२३उ.३९या.सितम्बर९ता.३०÷
१५	बु १० ४५ श २९ २६ सु १५ ४५ ब १० ४५ २२ ४४ १६ ११							१३ २	कुंभे कन्यायांबुधः ८।२कु.संध्या.पूजनारंभः

२०पं.भा.शु.६चं.इ. ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	८	२	९	२	४
७	०	१४	२३	२२	२	१	७
४४	२८	३६	५३	२०	४	३२	७
२०	४४	५५	४२	४९	५९	५५	४२
५७	१५	०	३	६३	३	३	५७
४९	७	१५	व.२७	व.	११	४५	

गोचर ग्रहाः

इस मास में वदि में धान्य गल्ला तेज होंकर सुदि में गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ धातु मंदे होवे रस-कस गुड़ तेज हो।

गोचर ग्रहाः

२१प.भा.शु.१३चं.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	८	२	९	२	४
१४	१	२७	२३	२९	१	१	१३
३०	४३	११	३२	४१	४५	१०	५२
०	२६	५६	५३	२४	११	३९	५४
५८	११	०	३	६५	२	३	५७
१	२६	२३	व	७	व.	११	५७

ति.	प्र.आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०७७ शाकः १९४२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	गु १५ १३ पू ३५ ३२ धृ १६ ४१ कौ १५ १३ ३१ ५ ६ १२							१४ ३ मी १९।१	पुष्येशुक्रः ५५।३३
२	शु २० २८ उ ४२ ३ शू १८ १५ ग २० २८ १५ ४५ १५ १३							१५ ४ मीने	भ.५३।२८उ.
३	श २६ २९ रे ४९ ३० गं २० ११ वि २६ २९ ११ ४६ १४ १४							१६ ५ मे.४९।३०	भ.२६।२९या. चतुर्थी व्र.
४	र ३२ ३८ म ५७ ४ धृ २२ ३४ बा ३२ ३८ ७ ४७ १३ १५							१७ ६ मेषे	
५	चं ३८ ५२ भ ६० ० ध्रु २५ १७ कौ ५ ४५ ३ ४७ १३ १६							१८ ७ [Dवक्रीपूषा.३गुरुः १२।२९
६	मं ४४ ४३ भ ४ ३७ व्या २७ २५ ग ११ ४७ ३९ ४८ १२ १७							१९ ८ वृ.२१।२३	भ.४४।४३उ.हस्तेबुधः १८।४०D
७	बु ४९ २६ कृ ११ ४१ ह २९ ६ वि १७ ४ ५५ ४९ ११ १८							२० ९ वृषे	भ.१७।४या.
८	गु ५२ ५८ रो १७ ३२ व २९ ५० बा २१ १२ ५१ ५० १० १९							२१ १० मि४९।११	[Hपूषा.४गुरुः ३६।४४सर्वपितृ ३०
९	शु ५४ ४० मृ २० ५१ सि २९ ३४ तै २३ ४९ ४७ ५१ ९ २०							२२ ११ मिथुने	मातृ९ (सौभाग्यवतीना.श्रा.)
१०	श ५४ १८ आ २४ २५ व्य २७ ५१ व २४ २९ ४३ ५१ ९ २१							२३ १२ मिथुने	भ.२४।२९उ.५४।१८या.
११	र ५१ ५३ पु २४ ४८ व २४ २५ ब २३ ३५ ३९ ५२ ८ २२							२४ १३ क.८।४३ कर्के	उफा.रविः ६/३ (सौरः ४/४) इंदिरा ११ व्र
१२	चं ४७ २९ पु २३ ४१ प १९ १७ कौ १९ ४१ ३५ ५३ ७ २३							२५ १४ [Aशुक्रः २।३८शस्त्रादि हतानांश्रा.
१३	मं ४१ १६ श्ले २० २२ शि १२ ४८ ग १४ २२ ३१ ५४ ६ २४							२६ १५ सिं २०।२२ सिंहे	भ.४/१उ.मार्गीगुरुः ४/१८ प्रदोषः
१४	बु ३३ ३१ म १५ १२ सि ४ ५० वि ७ २३ २७ ५५ ५ २५							२७ १६	भ.७।२३या.कन्याकः ३१।३४आरले.A
१५	गु २४ ४९ पू ९ ३ शु ४५ २६ ना २४ ४९ २२ ५६ ४ २६							२८ १७ कं.२२।१४	कन्याकः सौरः ९।५७चित्रा.बुधः ३/३H

२२पं.प्र.आ.कृ.५चं.इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	५	८	३	९	२	४
२१	२	८	२३	७	१	०	२०
१७	२४	४६	२०	१५	२८	४८	३९
२	४०	५९	४९	४	८	२४	३४
५८	८	९८	१/७	६६	३	३	५८
१३	८	२	व	३९	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

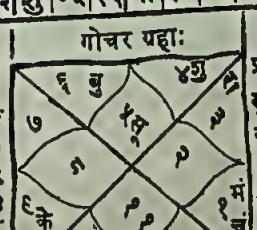

प्र. आश्विन कृष्णे १४ बुधे कन्यार्कः प्रविष्टः वा.४न.५वंध्याऽवस्था (ऊभी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

२३पं.प्र.आ.कृ.१२चं.इ. ३/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	५	८	३	९	२	४
२८	२	१९	२३	१४	१	०	२७
५	२६	११	१८	५९	१६	२६	२७
२४	२८	१०	२५	३१	४४	८	५२
५८	४	८९	१६	६७	३८	३	५८
२६	९	९	व.	५३	व.	११	२९

ति.	प्र.आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४५३सन् २०२०
१	शु	१५	३१	उ	२/१	५२/४८	शु	३५	७	ब	१५	३१	३०/१८	५/५६	६/४	२७	२९	१८	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
२	श	६	१०	चि	४७	४९	ब्र	२४	५१	कौ	६	१०	१४	५७	३	२८	१	१९	तु.२१।१९	सफर२
३	श	५१	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	र	४९	२९	स्वा	४१	२३	ऐं	१४	४४	व	२३	२८	९	५८	२	२९	२	२०	तुलायां	भ.२३।२८उ.४९।२९या.वक्रीभौमः ४९/१०
५	चं	४१	३५	वि	३६	५	वै	५/२	५१/५०	ब	१५	३२	५	५९	१	३०	३	२१	वृ.२२।२५	
६	मं	३७	१२	अ	३२	१४	प्री	४९	३५	कौ	९	२३	३०/००	६/००	६/००	३१	४	२२	वृश्चिके	तुलायांबुधः १६/४२ मृग.२राहुःज्येष्ठा.४=
७	बु	३३	१५	ज्ये	२९	४३	आ	४३	२६	ग	५	१३	२९/५६	६/०	५/५५	१	५	२३	[illegible].२९।४३	भ.३३।१५उ.भा.आश्विनारम्भः
८	गु	३०	५६	मू	२८	५३	सौ	३८	४२	वि	२	५	५२	२	५८	२	६	२४	धनुषि	भ.२।५या. [=केतुः ४६/५१
९	शु	३०	८	पू	२९	२८	शो	३५	५	बा	०	३२	४८	२	५८	३	७	२५	म.४४।५९	
१०	श	३०	५८	उ	३१	३२	अ	३२	४९	ते	०	३३	४४	३	५७	४	८	२६	मकरे	हस्तेरविः४४।४३
११	र	३२	५९	श्र	३४	५८	सु	३१	३१	व	१	५८	४०	४	५६	५	९	२७	मकरे	भ.१/५८उ.३२/५९या.हस्तेरविःसौरः २२/१७×
१२	चं	३६	१३	ध	३९	३९	धृ	३१	२२	ब	४	३६	३६	५	५५	६	१०	२८	कुं.७।१९	मार्गीशनिः४९।४१
१३	मं	४०	३१	श	४५	१४	शू	३१	४७	कौ	८	२२	३२	६	५४	७	११	२९	कुम्भे	[×स्वात्यांबुध.४६/६ सिंहेमघा.शुक्र.४९/३१+
१४	बु	४५	४०	पू	५१	३७	गं	३२	४०	ग	१३	५	२८	६	५४	८	१२	३०	मी३५।१	भ.४५।४०उ. [+कमला११य
१५	गु	५१	१७	उ	५८	२९	वृ	३४	२५	वि	१८	२९	२३	७	५३	९	१३	१	मीने	भ.१८।२९या. अक्टूबर.१०ता.३१

२४पं.प्र.आ.शु.५चं.इ.३३/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	५	८	३	९	२	५
४	१	२९	२३	२२	१	०	४
५५	५३	४	२५	५३	९	३	१७
१६	२	३०	८	२	२२	५३	५९
५८	०	७७	१/१८	६८	९/३८	३	५८
३८	२९	१९	मा	२२	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

७ ५ चं ८ ६सूबु शु४ ९गुके ३रा १० १२ श ११ १मं २

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना मटर सरसों अलसी मटर आदि मंदे हो धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा तेज हो।

गोचर ग्रहाः

७बु शु५ ८ के ६सू ४ ९गु ३ १० श १२ २रा ११च मं१

२५पं.प्र.आ.शु.१२चं.इ.३३/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	८	४	९	१	५
११	०	७	२३	०	१	२९	११
४६	४६	२७	४१	५१	६	४१	९
५२	५	२५	१७	७	४६	३७	५८
५८	३/३	६२	२	६९	३/३	३	५९
५३	वं	३८	४०	४०	व.	११	०

ति.	द्वि.आश्विनकृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतुरविर्दक्षिणेप्र.आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	शु	५७	२६	रे	६०	०	ध्रु	३६	२८	बा	२४	२२	२९/१९	६/८	५/५२	१०	१४	२	मीने	
२	श	६०	०	रे	५	४९	व्या	३८	४४	ते	३०	३१	१५	९	५१	११	१५	३	मे.५।४९	
३	र	३	३७	अ	१३	१७	ह	४१	१३	ग	३	३७	११	१०	५०	१२	१६	४	मेषे	भ.३६।४६उ.
३	चं	९	५५	भ	२०	५३	व	४३	३३	वि	९	५५	७	११	४९	१३	१७	५	वृ.३७।४०	भ.९।५५या.चतुर्थी व.
४	मं	१५	४७	कृ	२८	०	सि	४५	२२	बा	१५	४७	३	११	४९	१४	१८	६	वृषे	
५	बु	२०	४४	रो	३४	१४	व्य	४६	३५	ते	२०	४४	२९/५९	१२	४८	१५	१९	७	वृषे	
६	गु	२४	५२	मृ	३९	४१	व	४७	१	व	२४	५२	५५	१३	४७	१६	२०	८	मि६।५८	भ.२४।५२उ.५६।१२या.
७	शु	२७	३८	आ	४३	३७	प	४६	२३	ब	२७	३८	५१	१४	४६	१७	२१	९	मिथुने	पूजा.शुक्र:१२।२
८	श	२८	३१	पु	४५	५४	शि	४४	२६	कौ	२८	३१	४७	१५	४५	१८	२२	१०	क.३०।२०	चित्रा.रविः१६।४५(सौरः५३।१)
९	र	२७	३८	पु	४६	२६	सि	४०	५५	ग	२७	३८	४३	१५	४५	१९	२३	११	कर्के	भ.५६।९उ.
१०	चं	२४	४१	श्ले	४४	४८	सा	३५	५४	वि	२४	४१	३९	१६	४४	२०	२४	१२	सिं४४।४८	भ.२४।४१या.
११	मं	१९	५६	म	४१	२१	शु	२९	२१	बा	१९	५६	३५	१७	४३	२१	२५	१३	सिंहे	वक्रीबुधः१।४५कमला११व.
१२	बु	१३	१९	पू	३६	२४	शु	२१	१६	ते	१३	१९	३१	१८	४२	२२	२६	१४	कं.४९।४७	
१३	गु	५	२३	उ	२९	५८	ब्र	१२	१	व	५	२२	२७	१९	४१	२३	२७	१५	कन्यायां	भ.५।२२उ.३०।४३या.
१४	गु	५०	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	शु	४६	१९	ह	२२	२८	ऐं	१/४०	४९/१९	च	२१	११	२३	१९	४१	२४	२८	१६	तु.४८।३१	

२६पं.द्वि.आ.कृ.३चं.इ.३३/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	६	८	४	९	१	५
१८	२९	१४	२४	९	१	२९	१८
४०	८	७	६	३	९	१९	३
८	६	१२	४०	११	०	२१	४५
५९/९	४/५९	४०	३	७०	५०/६०	३	५९
९	व.	२५	५९	२९	मा	११	१६

गोचर ग्रहाः

बु७ ५शु ८के ६सू ४ गु९ ३ १० श १२मं २रा ११ चं१

इस मास में धान्य गल्ला गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ धातु सोना चांदी गुड सक्कर आदि तेज हो।

गोचर ग्रहाः

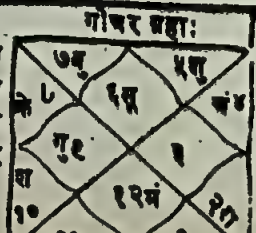

७बु ५शु के ८ ६सू चं४ गु९ ३ श १० १२मं २रा ११ १

२७पं.द्वि.आ.कृ.१०चं.इ.३३/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	६	८	४	९	१	५
२५	२७	१७	२४	१७	१	२८	२४
३५	१५	३५	४०	१८	१६	५७	५९
२	५४	४६	४१	१८	१	६	३०
५९/२१	४/३०	४	५/७	७१	१	३	५९
२१	मं	१४	७	५	३०	११	३१

ति.	द्वि. आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४८२स.२०२०
१	श	३६	२६	चि	१४	३५	वि	३९	४७	किं	११	२२	२८/२०	६/२०	५/४०	२५	२९	१७	तुलायां	तुलायामर्कः०।३४(सौरः३५।४५)=
२	र	२६	५२	स्वा	६/४४	५२/४६	प्री	२८	५८	बा	१	३८	१६	२१	३९	२६	३०	१८	वृ ४६।१९	चन्द्रदर्शनम् [=नवरात्रारंभः मातामहश्रा.
३	चं	१८	२३	अ	५३	३७	आ	१८	३७	ग	१८	२३	१२	२२	३८	२७	१	१९	वृश्चिके	भ.४४।३९उ.बुधास्तःपश्चिमायां३१।७×
४	मं	११	१६	ज्ये	४९	०	सौ	९	२१	वि	११	१६	८	२२	३८	२८	२	२०	ध.४९।०	भ.११।१६या.उफा.शुक्रः२४।२०
५	बु	५	४६	मू	४६	२५	शो	१/२८	५३/४०	बा	५	४६	४	२३	३७	२९	३	२१	धनुषि	[×रविलावल३
६	गु	२	७	पू	४५	२९	सु	५०	११	तै	२	७	०	२४	३६	३०	४	२२	धनुषि	[+कन्यायांशुक्रः८।४९भा.कार्तिकारंभः
७	शु	०	३३	उ	४६	३४	धृ	४६	४३	व	०	३३	२७/५६	२५	३५	१	५	२३	म.०।४६	भ.०।३३उ.३०।४४या.स्वात्यांरविः४२/३६+
८	श	०	५५	श्र	४९	४०	शू	४४	५६	व	०	५५	५३	२५	३५	२	६	२४	मकरे	स्वात्यांरविःसौरः१६।४८
९	र	३	१	ध	५४	१०	गं	४४	२२	कौ	३	१	४९	२६	३४	३	७	२५	कुं.२१।५५	
१०	चं	६	३२	श	५९	५३	वृ	४५	३	ग	६	३२	४५	२७	३३	४	८	२६	कुंभे	भ.३८।५९उ. [÷पापांकुशा११व्र.
११	मं	११	२६	पू	६०	०	ध्रु	४६	१४	वि	११	२६	४१	२८	३२	५	९	२७	मी४९।५०	भ.११।२६या.वक्री चित्रा.बुधः११।५१÷
१२	बु	१७	९	पू	६	२९	व्या	४८	१९	बा	१७	९	३७	२९	३१	६	१०	२८	मीने	प्रदोषः
१३	गु	२३	१३	उ	१३	४५	ह	५०	१५	तै	२३	१३	३४	२९	३१	७	११	२९	मीने	[Dशरद् पूर्णिमा का.स्ना.प्रा.
१४	शु	२९	३७	रे	२१	१०	व	५२	३१	व	२९	३७	३०	३०	३०	८	१२	३०	मे.२१।१०	भ.२९/३७उ.उषा.१गुरुः२/३ कोजागरी व्र.
१५	श	३५	५१	अ	२८	४१	सि	५४	४७	वि	२	४४	२७	३१	२९	९	१३	३१	मेषे	भ.२।४४या.हस्तेशुक्रः२५।६D

२८पं.द्वि.आ.शु.३चं.इ.३३/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	६	८	४	९	१	६
२	२५	१५	२५	२५	१	२८	१
३१	२०	२७	२२	३८	२७	३४	५६
२६	१०	४३	३४	४९	२२	५०	५२
५९	७/४४	५८/१	५	७१	२	३	५९
३४	व.	व.	१५	३२	११	११	४६

गोचर ग्रहाः

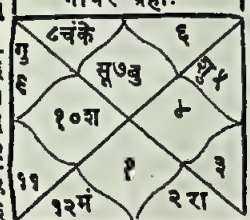

८चंके, ६, गु ९, सू७बु, शु५, १०श, ४, ११, १, ३, १२मं, २रा

द्वि.आश्विन शुक्ले १ शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः बा.४ न.४ प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

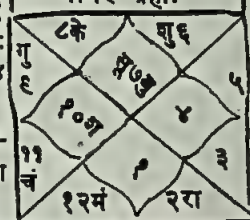

८के, शु६, गु ९, सू७बु, ५, १०श, ४, ११ चं, १, ३, १२मं, २रा

२९पं.द्वि.आ.शु.१०चइ.३२/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	६	८	५	९	१	६
९	२३	७	२६	४	१	२८	८
२९	३५	३९	१२	४	४४	१२	५६
४२	४९	५०	३२	३४	१३	३५	१२
५९	६/५४	९१/५९	७	७१	२	३	६०
४७	व.	व.	१३	५८	५१	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.आश्विनकृष्णेतिमहा
१	र	४१	५२	भ	३६	१	व्य	५६	५५	बा	८	५२	२७/२३	६/३१	५/२९	१०	१४	१	वृ.५२।४९	बुधोदयःपूर्वस्यां२२।९ नवम्बर११ता.३०
२	चं	४७	३२	कृ	४३	१३	व	५८	३४	तै	१४	४२	१९	३२	२८	११	१५	२	वृषे	
३	मं	५२	१४	रो	४९	११	प	५९	३७	व	१९	५३	१६	३३	२७	१२	१६	३	वृषे	भ.१९।५३उ.५२।१४या.मार्गीबुधः५०/१
४	बु	५६	१०	मृ	५४	३५	शि	५९	१४	व	२४	१२	१२	३४	२६	१३	१७	४	मि२१।५३	करक चतुर्थी व्रतम्
५	गु	५८	५९	आ	५८	५८	सि	५९	५१	कौ	२७	३५	९	३४	२६	१४	१८	५	मिथुने	
६	शु	६०	०	पु	६०	०	सा	५८	३२	ग	२९	४७	५	३५	२५	१५	१९	६	क.४६।१९	विशा.रविः३।२(सौरः३४।१२)
६	श	०	३४	पु	२	५	शु	५६	९	व	०	३४	२	३६	२४	१६	२०	७	कर्के	भ.०।३४उ.३०।३९या.
७	र	०	४३	पु	३	५४	शु	५२	२७	व	०	४३	२६/५८	३६	२४	१७	२१	८	कर्के	
८	र	५८	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	चं	५६	१७	श्ले	४	८	ब्र	४७	३१	तै	२७	४७	५५	३७	२३	१८	२२	९	सिं४।८	
१०	मं	५१	२६	म	२/३८	५६/५८	ऐं	४१	८	व	२३	५१	५२	३८	२२	१९	२३	१०	सिंहे	भ.२३।५१उ.५१।२६या.
११	बु	४५	१७	उ	५५	११	वै	३३	३७	व	१८	२१	४९	३८	२२	२०	२४	११	कं.१३।३०	स्वात्यांबुधः५८/१२चित्राशुक्रः३२/४८रमा११व्र.
१२	गु	३७	३४	ह	४९	२०	वि	२४	५१	कौ	११	२५	४५	३९	२१	२१	२५	१२	कन्यायां	धन१३
१३	शु	२९	१	चि	४२	३२	प्री	१५	११	ग	३	१७	४२	४०	२०	२२	२६	१३	तु.१५।५६	भ.२९/१उ.५४/१९या.मार्गीभौमः५५/३१प्रदोषः+
१४	श	१९	३७	स्वा	३५	३	आ	४/३६	४९/२०	श	१९	३७	३९	४०	२०	२३	२७	१४	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम् [+रूप१४
३०	र	१०	५	वि	२७	२५	शो	४३	५	ना	१०	५	३६	४१	१९	२४	२८	१५	वृ.१४।२०	वृश्चिकेऽर्कः५९।७ अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा

३०पं.का.कृ.२चं.इ.३२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	६	८	५	९	१	६
१६	२२	२	२७	१२	२	२७	१५
२९	१५	४	९	३३	४	५०	५७
२८	२५	८	२९	४३	५५	१९	१६
६०	५/१३	१३/३३	८	७२	३	३	६०
४	व.	व.	२४	१८	३२	११	१८

गोचर ग्रहाः

गु८के, शु६, ९, ७रबु, ५, १०श, ४, ११, १, ३, १२मं, चंरा२

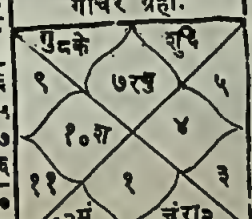

कार्तिककृष्णे ३०रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.२न.४ बालावस्था (वैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

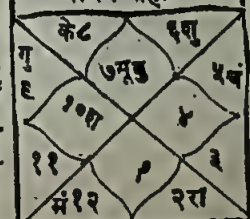

के८, ६शु, गु ९, ७सूबु, ५चं, १०श, ४, ११, १, ३, मं१२, २रा

३१पं.का.कृ.९चं.इ.३२/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	६	८	५	९	१	६
२३	२१	४	२८	२१	२	२७	२२
३०	२३	२४	१२	६	३०	२८	५९
५०	४९	५९	२२	२२	४०	३	४९
६०	३/६	५५/३५	९	७२	४	३	६०
१७	व.	मा	११	३८	१३	११	३०

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३५१२स२०१२
१	चं	०	५३	अ	२०	२०	अ	३२	४३	ब	०	५३	२६/३३	६/४१	५/१९	२५	२९	१६	वृश्चिके	वृश्चिकेऽर्कःसौरः२८।२९तुला.शुक्रः×
२	चं	५१	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×४६।३०चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	मं	४५	४३	ज्ये	१४	१६	सु	२३	१६	तै	१९	९	३०	४२	१८	२६	१	१७	ध.१४।१६	रविलाखर४ [+उषा.३शनिः११।५७
४	बु	४०	३६	मू	९	३६	धृ	१५	७	व	१३	१०	२७	४३	१७	२७	२	१८	धनुषि	भ.१३।१०उ.४०।३६या.
५	गु	३७	३९	पू	६	५५	शू	८	१६	ब	९	७	२५	४३	१७	२८	३	१९	म.२१।४६	अनु.रविः१७।२७(सौरः४५।१७)
६	शु	३६	५०	उ	६	१६	गं	३	२२	कौ	७	१४	२२	४४	१६	२९	४	२०	मकरे	उषा.२मकरे.गुरुः६।४८
७	श	३७	५४	श्र	७	८	वृ	०/३	५८/१५	ग	७	२५	१९	४४	१६	३०	५	२१	कुं.३९।२८	भ.३७।५४उ.विशा.बुधः३१।१४+
८	र	४१	३	ध	११	१२	व्या	५८	२५	वि	९	२८	१७	४५	१५	१	६	२२	कुंभे	भ.९।२८या.स्वात्यांशुक्रः८।४९भा.मा-÷
९	चं	४५	४७	श	१६	७	ह	५९	२	बा	१३	२५	१४	४५	१५	२	७	२३	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९ [÷शीर्षारंभःगोपाष्टमी
१०	मं	५१	४१	पू	२२	२९	व	६०	०	तै	१८	४४	१२	४६	१४	३	८	२४	मी५।५४	मृग.१राहुःज्येष्ठा.३केतुः३८।२७
११	बु	५७	५७	उ	२९	५५	व	०	४७	व	२४	४९	९	४६	१४	४	९	२५	मीने	भ.२४/४९उ.५७/५७या.प्रबोधिनी११व्र.A
१२	गु	६०	०	रे	३७	२३	सि	२	५७	ब	३१	१७	७	४७	१३	५	१०	२६	मे.३७।२३	बुधास्तःपूर्वस्यां३२।११
१२	शु	४	३८	अ	४५	४	व्य	५	२१	बा	४	३८	५	४७	१३	६	११	२७	मेषे	प्रदोषः [Aतुलसी विवाहः
१३	श	१०	५५	भ	५२	२५	व	७	३३	तै	१०	५५	२	४८	१२	७	१२	२८	मेषे	वृश्चिकेबुधः३।५१वैकुंठ१४
१४	र	१६	४९	कृ	५९	३	प	९	२९	व	१६	४९	०	४८	१२	८	१३	२९	वृ.९।४	भ.१६।४९उ.४९।२४या.
१५	चं	२१	५९	रो	६०	०	शि	१०	५३	व	२१	५९	२५/५८	४८	१२	९	१४	३०	वृषे	अनु.बुधः८।१२मन्वादिःका.स्ना.पूर्तिः

३२पं.का.शु १चं.इ.३२।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	६	८	५	९	१	७
०	२१	१२	२९	२९	२	२७	०
३३	१८	४४	२१	४२	५९	५	३
२९	५४	६	४३	२९	५३	४८	५३
६०	१/१५	८१	९	७२	४	३	६०
३०	मा	४१	५५	५६	४७	११	४०

३३पं.का.शु.९चं.इ.३२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	६	९	६	९	१	७
७	२१	२३	०	८	३	२६	७
३७	४७	४	३६	२२	३२	४३	९
२६	३१	३०	२९	१२	६	३२	२६
६०	५	९१	१०	७३	५	३	६०
४२	२२	३९	४०	१४	११	११	५३

३४पं.का.शु.१५चं.इ.३१/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	९	६	९	१	७
१४	२२	३	१	१७	४	२६	१४
४२	५४	५६	५६	३	९	२१	१६
४०	६	६	३५	४७	१४	१७	१२
६०	९	९५	११	७३	५	३	६१
५०	२	४४	१८	२०	४०	११	३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	मं	२६	२	रो	४	४९	सि	११	३५	कौ	२६	२	२५/५६	६/४९	५/११	१०	१५	१	मि३७।१४	दिसम्बर१२ता.३१
२	बु	२९	१६	मृ	९	३८	सा	११	३४	ग	२९	१६	५४	४९	११	११	१६	२	मिथुने	ज्येष्ठा.रविः२७।३४(सौरः५३।११)=
३	गु	३१	२७	आ	१३	३३	शु	१०	४७	व	०	२२	५३	४९	११	१२	१७	३	मिथुने	भ.०।२२उ.३१।२७या. चतुर्थी व्रतम्
४	शु	३२	२५	पु	१६	२१	शु	९	११	व	१	५६	५१	५०	१०	१३	१८	४	कं.०।३९	[=विशा.शुक्रः५६।०
५	श	३२	२८	पु	१८	१०	ब्र	६	४९	कौ	२	२६	४९	५०	१०	१४	१९	५	कर्के	
६	र	३१	२५	श्ले	१९	४	ऐं	३/२९	५५/५०	ग	१	५६	४८	५०	१०	१५	२०	६	सिं१९।४	भ.३१।२५उ.
७	चं	२९	१७	म	१८	५०	वि	५४	५	वि	०	२१	४६	५१	९	१६	२१	७	सिंहे	भ.०।२१या.उषा.३गुरुः२७।३१
८	मं	२५	५५	पू	१७	१७	प्री	४८	१	कौ	२५	५५	४५	५१	९	१७	२२	८	कं.३१।३६	ज्येष्ठा.बुधः३७।४४
९	बु	२१	२८	उ	१४	३५	अ	४१	१	ग	२१	२८	४४	५१	९	१८	२३	९	कन्यायां	भ.४८।३४उ.
१०	गु	१५	४०	ह	१०	४७	सौ	३३	१३	वि	१५	४०	४३	५१	९	१९	२४	१०	तु.३८।२३	भ.१५।४०या.वृश्चिकेशुक्रः५८।१६
११	शु	९	५	चि	५	५९	शो	२४	२५	बा	९	५	४२	५२	८	२०	२५	११	तुलायां	उत्पत्ति११व्र.
१२	श	१	३१	स्वा	०/१	५४/७	अ	१५	९	तै	१	३१	४१	५२	८	२१	२६	१२	वृ.४०।३६	भ.५३।२७उ. प्रदोषः
१३	श	५१	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	र	४५	१३	अ	४७	४८	सु	५/१५	५०/१२	वि	१९	२०	४०	५२	८	२२	२७	१३	वृश्चिके	भ.१९।२०या.अनु.शुक्रः३३।५८
३०	चं	३७	१६	ज्ये	४१	४२	शू	४५	५२	च	११	१४	३९	५२	८	२३	२८	१४	ध.४१।४२	

३५पं.मा.कृ.७चं.इ.३१।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	९	६	९	१	७
२१	२४	१४	३	२५	४	२५	२१
४८	२९	५१	२०	४६	४८	५९	२३
४३	६	५८	४९	४१	५०	१	५४
६०	१२	९८	११	७३	६	३	६१
५६	५९	२	५७	३३	४	११	११

गोचर ग्रहाः

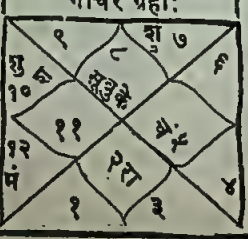

इस मास मे कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय व शुक्लपक्ष की तिथि वृद्धि धान्य बाजरा मूंग मोठ गल्ला धातु रसकस तेज हो।

गोचर ग्रहाः

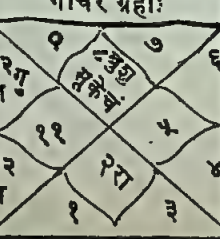

३६पं.मा.कृ.३०चं.इ.३१/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	९	७	९	१	७
२८	२६	२५	४	४	५	२५	२८
५५	३२	५४	४८	३०	३०	३६	३२
३७	३५	३६	३२	३६	४३	४५	३७
६१	१६	९९	१२	७३	६	३	६१
०	३६	२२	२०	४४	२६	११	१९

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३५४१स.२०२०
१	मं ३० ९ मू ३६ ३० गं ३७ २ किं ३ ४३ ३५ ६	५	८	२४	२९	१५		धनुषि	मूलेधनुष्यर्कः ३४।४९ (सौरः ५७।१)
२	बु २४ २२ पू ३२ ३६ वृ २९ २५ कौ २४ २२ ३८ ५२	८	२५	३०	१६			म. ४७।१	मूलेधनुषिबुधः ५९।४६ चंद्रदर्शनम्
३	गु २० १४ उ ३० १५ ध्रु २३ ० ग २० १४ ३८ ५२	८	२६	१	१७			मकरे	भ. ४९।२० उ. जमादिलावल ५
४	शु १८ २६ श्र ३० ११ व्या १८ ६ वि १८ २६ ३७ ५३	७	२७	२	१८			मकरे	भ. १८।२६ या.
५	श १८ २९ ध ३२ ८ ह १४ ५६ बा १८ २९ ३७ ५३	७	२८	३	१९			कुं. १।१०	
६	र २० ३६ श ३५ ५६ व १३ ४४ तै २० ३६ ३६ ५३	७	२९	४	२०			कुम्भे	चंपा ६
७	चं २४ ३७ पू ४१ २२ सि १३ २६ व २४ ३७ ३६ ५३	७	३०	५	२१			मी २५।१	भ. २४।३७ उ. ५७।२१ या.
८	मं ३० ४ उ ४८ १० व्य १३ ४९ ब ३० ४ ३६ ५३	७	१	६	२२			मीने	भा. पौषारंभः
९	बु ३६ १५ रे ५५ २८ व १६ २६ बा ३ १० ३६ ५३	७	२	७	२३			मे. ५५।२८	उषा. ४ गुरुः ८।२८
१०	गु ४२ ५४ अ ६० ० प १८ ३८ तै ९ ३४ ३७ ५३	७	३	८	२४			मेषे	ज्येष्ठाशुक्रः १३ अश्वि. मेषेभोमः ३६।२२
११	शु ४९ १७ अ ३ १० शि २० ५५ व १६ ५ ३७ ५३	७	४	९	२५			मेषे	भ. १६।५३ उ. ४९।१७ या. पूषा. बुधः ४० ×
१२	श ५५ ८ भ १० ३४ सि २२ ५० ब २२ १३ ३७ ५३	७	५	१०	२६			वृ. २७।१६	[×उषा. ४ शनिः ३५/१ मोक्षदा ११ व्र. गीताजयं.
१३	र ६० ० कृ १७ २० सा २४ १९ कौ २७ ४८ ३८ ५२	८	६	११	२७			वृषे	प्रदोषः
१३	चं ० २८ रो २३ १ शु २४ ५७ तै ० २८ ३८ ५२	८	७	१२	२८			मि ५५।१३	पूषा. रविः ३९।४९ (सौरः ५८।३९)
१४	मं ३ ३७ मृ २७ २६ शु २४ २७ व ३ ३७ ३९ ५२	८	८	१३	२९			मिथुने	भ. ३।३७ उ. ३४।४९ या. दत्तजयंती
१५	बु ६ १ आ ३० ३७ ब्र २३ ११ ब ६ १ ४० ५२	८	९	१४	३०			मिथुने	

३७ पं. मा. शु. ५ चं. इ. ३१।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	९	७	९	१	८
६	२८	६	६	१३	६	२५	५
३	५८	५३	१९	१६	१४	१४	४२
१४	४४	१३	१९	१	२४	३०	२
६१	१९	०	१२	७३	६	३	६१
४	५१	५१	४६	५०	३८	११	२२

गोचर ग्रहाः

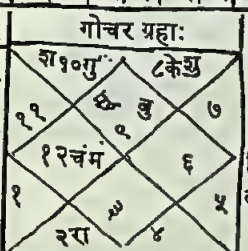

मार्गशीर्षशुक्ले १ भौमे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

३८ पं. मा. शु. १३ चं. इ. ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	९	७	९	१	८
१३	१	१८	७	२२	७	२४	१२
११	४५	७	५३	१	०	५२	५१
१३	११	१	१७	४१	२९	१४	५४
६१	२२	०	१३	७२	६	३	६१
६	२०	०	२	८	५६	५६	११	२६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	गु ७ ४ पु ३२ ३७ ऐं २१ १ कौ ७ ४ ३५ ६	५	८	१०	१५	३१		क. १७।७	
२	शु ७ ४ पु ३३ ३३ वै १७ ४० ग ७ ४ ४२ ५२	८	११	१६	१			कर्के	भ. ३६ उ. जनवरी १ ता. ३१ सन् २०२१
३	श ५ ५३ श्ले ३३ ४१ वि १३ ३४ वि ५ ५३ ४३ ५१	९	१२	१७	२			सिं ३३।४१	भ. ५।५३ या. उषा. बुधः ४८।२१ चतुर्थीव्र.
४	र ३ ४९ म ३२ ५० प्री ९ २ बा ३ ४९ ४४ ५१	९	१३	१८	३			सिंहे	मूलेधनुषिशुक्रः ५२।१३
५	चं १ ४ पू ३१ २१ आ ४३ ३ ५४ १९ तै १ ४ ४५ ५१	९	१४	१९	४			कं. ४५।४७	भ. ५७।४२ उ. मकरे बुधः ४७।५१
६	चं ५६ ३८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०								
७	मं ५३ ५० उ २९ ७ शो ५१ ३५ वि २५ ४६ ४७ ५१	९	१५	२०	५			कन्यायां	भ. २५।४६ या.
८	बु ४९ ६ ह २६ २९ अ ४४ ३४ बा २१ २८ ४८ ५०	१०	१६	२१	६			तु. ५४।५०	श्रवण. १ गुरुः ५०।५
९	गु ४४ ४ चि २३ ११ सु ३७ २७ तै १६ ३५ ५० ५०	१०	१७	२२	७			तुलायां	अस्तंशने: १६।२१
१०	शु ३८ २४ स्वा १९ १९ धृ २९ ४० व ११ १४ ५२ ५०	१०	१८	२३	८			तुलायां	भ. ११।१४ उ. ३८।२४ या.
११	श ३२ १० वि १५ ८ शू २१ ३७ ब ५ १७ ५३ ४९	११	१९	२४	९			वृ. १।११	सफला ११ व्र.
१२	र २५ ४७ अ १० २२ गं १३ १८ तै २५ ४७ ५५ ४९	११	२०	२५	१०			वृश्चिके	उषा. रविः ४४।३४ श्रवणेबुधः ५३।४८ A
१३	चं १९ २६ ज्ये ५ ४० वृ ५१ ५२ ३ व १९ २६ ५७ ४९	११	२१	२६	११			ध. ५।४०	भ. १९ उ. ४६ या. उषा. रविः सौरः ०।६
१४	मं १३ ४२ मू २९ ५६ ४३ व्या ४९ ३२ श १३ ४२ ५९ ४८	१२	२२	२७	१२			धनुषि	[A बुधादयः पश्चिमायां ३६।३६ प्रदोषः
३०	बु ८ २३ उ ५५ ४० ह ४३ ४ ना ८ २३ २६ ४८	१२	२३	२८	१३			म. १२।३३	

३९ पं. पौ. कृ. ५ चं. इ. ३१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	९	८	९	१	८
२०	४	२९	९	०	७	२४	२०
१९	४६	३१	२९	४७	४८	२९	१
२६	१४	४८	६	५३	७	५९	५१
६१	२४	०	१३	७४	७	३	६१
६	२०	५५	२०	२	८	११	२६

गोचर ग्रहाः

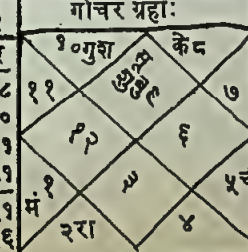

भूमि पुत्रो यदा मेषे सुभिक्षंसर्वधान्यकम् । प्रवालानि महर्घाणि क्रोधवन्तो भवेन्नृपाः । इस मास में धान्य में मंदी रहे ।

गोचर ग्रहाः

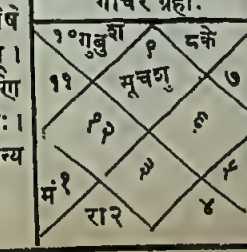

४० पं. पौ. कृ. १३ चं. इ. ३१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	९	९	८	९	१	८
२७	८	११	११	९	८	२४	२७
२७	१	०	६	३४	३६	७	११
२२	३०	३६	३२	३४	१४	४३	४३
६१	२६	९७	१३	७४	७	३	६१
६	२०	४५	३१	८	१४	११	२४

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३५७१सं.२०२१
१	गु	४	२६	श्र	५४	४९	व	३७	४६	ब	४	२६	२६/४	६/४७	५/१३	२४	२९	१४	मकरे	मकरेऽर्कः०।५८(सौरः१५।३३)पूषा D
२	शु	२	१५	ध	५५	३२	सि	३३	४८	कौ	२	१५	६	४७	१३	२५	१	१५	कुं.२५।१०	जमादिलाखर६ [Dशुक्रः३३/२७चंद्रदर्शनम्
३	श	१	४८	श	५८	२२	व्य	३१	७	ग	१	४८	८	४६	१४	२६	२	१६	कुम्भे	भ.३२।३०उ.
४	र	३	१२	पू	६०	०	व	३०	५	वि	३	१२	११	४६	१४	२७	३	१७	मी४६।४१	भ.३।१२या.
५	चं	६	२६	पू	२	४७	प	३०	२०	बा	६	२६	१३	४५	१५	२८	४	१८	मीने	+(सौरः५४/७)श्रव.रविःसौरः५३/५०पुत्र.११व्र
६	मं	११	१४	उ	८	४२	शि	३१	४४	तै	११	१४	१६	४५	१५	२९	५	१९	मीने	धनिबुधः२७/२४अस्तंगुरोः७।४८
७	बु	१७	२	रे	१५	३४	सि	३३	३२	व	१७	२	१९	४४	१६	३०	६	२०	मे.१५।३४	भ.१७/२उ.५०/१६या.अभि.प्र.रविः३५।२८ ÷
८	गु	२३	२९	अ	२३	११	सा	३५	५०	ब	२३	२९	२१	४४	१६	१	७	२१	मेषे	श्रवण२गुरुः५।५१भा.माघारंभः
९	शु	२९	५५	भ	३०	४४	शु	३८	५	कौ	२९	५५	२४	४३	१७	२	८	२२	वृ.४७।३०	भरण्यांभौमः५।१४[÷(सौरः४६।५४)
१०	श	३६	२	कृ	३७	४८	शु	३९	४४	तै	२	५८	२७	४३	१७	३	९	२३	वृषे	श्रवणेरविः५०।५श्रवण.१शनिः१७।३१
११	र	४०	५६	रो	४३	४३	ब्र	४०	३५	व	८	२९	२९	४२	१८	४	१०	२४	वृषे	भ.२८/२९उ.४०/५६या.अभि.नि.रविः४२।२० +
१२	चं	४४	२३	मृ	४८	२१	ऐं	४०	२१	व	१२	४०	३२	४२	१८	५	११	२५	मि१६।२	कुंभेबुधः१६।४९उषा.शुक्रः९।३
१३	मं	४६	२६	आ	५१	३२	वै	३८	५२	कौ	१५	२५	३५	४१	१९	६	१२	२६	मिथुने	रोहिणी.४राहुःज्येष्ठा.२केतुः३१/२०प्रदोषः
१४	बु	४६	४७	पु	५२	५९	वि	३६	११	ग	१६	३७	३८	४०	२०	७	१३	२७	क३७।३७	भ.४६।४७उ.मकरेशुक्रः५०।२१
१५	गु	४५	२६	पु	५३	१	प्री	३२	१६	वि	१६	४	४१	४०	२०	८	१४	२८	कर्के	भ.१६।४या.मा.स्ना.प्रा.

४१पं.पौ.शु.५चं.इ.३०/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	९	८	९	१	९
४	११	२१	१२	१८	९	२३	४
३५	२८	५८	४५	२०	२६	४५	२१
१३	१	२३	४	४६	२०	२७	१२
६१	२८	८६	१३	७४	७	३	६१
३	११	४६	३२	१४	२०	११	१९

गोचर ग्रहाः

११ ९शु १० बुगुश सू ८के चं १२ १मं ७ रा२ ४ ६ ३ ५

पौष शुक्ले १ गुरौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा३ न. ४ बालाऽवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावें समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

११बु ९शु १० सूगुश १२ ८के १मं ७ रा२ ४ ६ च३ ५

४२पं.पौ.शु.१२चं.इ.३१/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	१०	९	८	९	१	९
११	१५	०	१४	२७	१०	२३	११
४२	१	१३	२४	७	१६	२३	३०
४०	५५	१	४३	२३	१९	१२	३
६०	२९	५५	१३	७४	७	३	६१
५९	४३	१	३८	२०	२०	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	४३	३	श्ले	५१	५९	आ	२७	२४	बा	१४	१४	२६/४५	६/३९	५/२१	९	१५	२९	सिं५१।५९	
२	श	३९	२५	म	४९	४५	सौ	२१	३४	तै	११	१४	४८	३८	२२	१०	१६	३०	सिंहे	वक्रीबुधः२६।३८
३	र	३५	४	पू	४६	५६	शो	१५	१३	व	७	१४	५१	३८	२२	११	१७	३१	सिंहे	भ.७।१४उ.३५।४या.
४	चं	३०	१७	उ	४३	४७	अ	८	२३	ब	२	४०	५४	३७	२३	१२	१८	१	कं.१।९	बुधास्तःपश्चिमायां३३।४५फर्वरी २ *
५	मं	२५	२२	ह	४०	३८	सु	१/१८	५२/५१	तै	२५	२२	५८	३६	२४	१३	१९	२	कन्यायां	[* ता.२८चतुर्थी व्र.
६	बु	२०	१७	चि	३७	११	शू	४७	०	व	२०	१७	२७/१	३६	२४	१४	२०	३	तु.८।५५	भ.२०।१७उ.४७।४७या.
७	गु	१५	१६	स्वा	३३	४०	गं	३९	४९	ब	१५	१६	५	३५	२५	१५	२१	४	तुलायां	श्रवणेशुक्रः४८।२९श्रवण.३गुरुः१०।२
८	शु	१०	२५	वि	३०	२६	वृ	३२	४१	कौ	१०	२५	८	३४	२६	१६	२२	५	वृ.१६।१५	धनि.रविः५८/२३वक्रीमकरेबुधः२९।२२
९	श	५	२०	अ	२७	१३	ध्रु	२५	३१	ग	५	२०	१२	३४	२६	१७	२३	६	वृश्चिके	भ.३२।५३उ.धनि रविःसौरः८।४०
१०	र	०	२७	ज्ये	२४	१६	व्या	१८	४७	वि	०	२७	१५	३३	२७	१८	२४	७	ध.२४।१६	भ.०।२७या.षट्तिला११व्र.स्मा.
११	र	५५	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	चं	५१	३३	मू	२१	२७	ह	१३	४	कौ	२३	४१	१९	३२	२८	१९	२५	८	धनुषि	षट्तिला११व्र.वै.
१३	मं	४८	२	पू	१९	१६	व	५/५९	५३/२३	ग	१९	४७	२३	३१	२९	२०	२६	९	म.३३।५४	भ.४८।२उ.उदयंशनेः३८।५०प्रदोषः
१४	बु	४५	३५	उ	१७	४९	व्य	५५	३१	वि	१६	४८	२७	३१	२९	२१	२७	१०	मकरे	भ.१६।४८या.वक्रीश्रवणेबुधः२२।३८
३०	गु	४३	४९	श्र	१७	२४	व	५१	४७	च	१४	४२	३०	३०	३०	२२	२८	११	कुं.४७।५८	

४३पं.मा.कृ.४चं.इ.३१।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	१०	९	९	९	१	९
१८	१८	१	१६	५	११	२३	१८
४९	४५	५२	३	५५	६	०	३८
१६	२९	५५	५४	१२	४	५६	९
६०	३१	२३/११	१३	७४	७	३	६१
५५	५	व.	३८	२६	२०	११	४

गोचर ग्रहाः

११बु १० सूशुगुश ९ १२ ८के १मं ७ २रा ४ ६ चं ३ ५

इस मास में शनिवार का चन्द्र दर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत तेज हो धान्य व गल्ला मंदा होवे ।

गोचर ग्रहाः

११ १० शसूशुगुबु चं९ १२ ८के मं १ ७ २रा ४ ६ ३ ५

४४पं.मा.कृ.१२चं.इ.३१/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	९	९	९	१	९
२५	२२	२५	१७	१४	११	२२	२५
५५	३४	५१	४३	३९	५५	३८	४४
१	१६	५०	५२	२९	१९	४१	५६
६०	३१	८१/५०	१३	७४	७	३	६०
४७	५८	व.	३२	२६	१२	११	५५

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽर्हणः ३६००स.२०२१
१	शु ४३ ३१ ध १८ ३२ प ४६ ८ किं १३ ४०	२७	६	५	२३	२९	१२	कुंभे	कुं.भेऽर्कः ३३।४६ (सौरः ४२।३८)
२	श ४४ ५४ श २० ५२ शि ४७ ५७ बा १४ १३	३८	२८	३२	२४	३०	१३	कुंभे	चंद्रदर्शनम् शुक्रास्तः पूर्वस्यां ३३।०
३	र ४८ ० पू २४ ४७ सि ४७ २३ तै १६ २७	४१	२८	३२	२५	१	१४	मी.८।४८	बुधोदयः पूर्वस्यां ४५।१६ रज्जव ७
४	चं ५२ २५ उ ३० ७ सा ४७ ५८ व २० १३	४५	२७	३३	२६	२	१५	मीने	भ.२३ उ.२५ या.धनि.शुक्रः २६ कृत्ति. =
५	मं ५७ ५२ रे ३६ ३६ शु ४६ १ ब २५ ८	४९	२६	३४	२७	३	१६	मे.३६।३६	उदयंगुरोः १५।० वसंत ५
६	बु ६० ० अ ४३ ४६ शु ५१ ५४ कौ ३१ १	५३	२५	३५	२८	४	१७	मेषे	[=भौमः ५४।२६
६	गु ४ १० भ ५१ २६ ब्र ५४ १० तै ४ १०	५६	२५	३५	२९	५	१८	मेषे	श्रवण ४ गुरुः १७।०
७	शु १० ४५ कृ ५८ ५६ ऐं ५६ १६ ब १० ४५	२०	२४	३६	३०	६	१९	वृ.८।२०	भ.१० उ.५३ या.शतेरविः ५५ (सौरः १८ ×
८	श १६ ५८ रो ६० ० वै ५७ ५० ब १६ ५८	४	२३	३७	१	७	२०	वृषे	कुंभेशुक्रः ३२ श्रवण. २ शनिः ३२ भा. ÷
९	र २२ १६ रो ५ ३३ वि ५८ १० कौ २२ १६	८	२२	३८	२	८	२१	मि. ३८	बृषेभौमः ५४ [×भानु ७ रथ ७
१०	चं २६ २ मृ १० ४६ प्री ५७ २८ ग २६ २	१२	२२	३८	३	९	२२	मिथुने	भ ५७।१२ उ.मार्गी बुधः ८।४६
११	मं २८ २२ आ १४ ३८ आ ५५ २२ वि २८ २२	१६	२१	३९	४	१०	२३	मिथुने	भ.२८।२२ या.जया ११ व्र.
१२	बु २८ ४६ पु १६ ३६ सौ ५१ ३७ बा २८ ४६	२०	२०	४०	५	११	२४	क.१।७	प्रदोषः
१३	गु २७ ७ पु १६ ३८ शो ४७ २४ तै २७ ७	२४	१९	४१	६	१२	२५	कर्के	[÷फाल्गुनारंभः भीष्माष्टमी
१४	शु २३ ४५ श्ले १४ ५९ अ ४० ८ व २३ ४५	२८	१८	४२	७	१३	२६	सिं १४।५९	भ.२३ उ.५१ या.शतेशुक्रः ६।२
१५	श १८ ५२ म १२ ९ सु ३२ ४३ ब १८ ५२	३२	१८	४२	८	१४	२७	सिंहे	मा.स्ना.पूर्तिः

४५पं.मा.शु.४चं.इ.३१।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	९	९	९	१	१०
२	२९	१८	१९	२३	१२	२२	२
५९	२७	३६	२२	२४	४४	१६	५०
४९	३६	१८	४४	२२	३५	२५	५९
६०	३२	४५	१३	७४	७	३	६०
२७	५२	व.	३१	२६	२	११	४२

गोचर ग्रहाः

=बुशुगुश

माघ शुक्ले १ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु.१५ वान्यादि भावेमहर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४६पं.मा.शु.१०चं.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	९	१०	९	१	१०
१०	०	१७	२१	२	१३	२१	९
३	२५	२	०	११	३१	५४	५५
२२	४८	४९	३६	२	१९	९	३२
६०	३३	४६	१३	७४	६	३	६०
२५	३८	मा.	२०	३२	५०	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाराष्ट्रा.
१	र १२ ५९ पू ७ ५० धृ २४ ३५ कौ १२ ५९	३९	६	५	९	१५	२८	कं २१।३८	
२	चं ६ २५ उ ३ ५४ शू १६ २ ग ६ २५	४०	१६	४४	१०	१६	१	कन्यायां	भ.२३ उ.५९ या.मार्च ३ ता. ३१
३	चं ५३ ९ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
४	मं ५२ ४३ चि ५३ ६ गं ७ ५१ ब २६ ८	४४	१५	४५	११	१७	२	तुं.२५।३१	चतुर्थीव्र.
५	बु ४६ २० स्वा ४८ २३ धु ५१ २ कौ १९ ३१	४८	१४	४६	१२	१८	३	तुलायां	
६	गु ४० २५ वि ४४ ३१ व्या ४३ १९ ग १३ २२	५२	१४	४६	१३	१९	४	वृ.३०।२८	भ.५० उ.पूभा.रविः २६ (सौरः ३२) ×
७	शु ३५ ७ अ ४१ १ ह ३६ १० वि ७ ४६	५६	१३	४७	१४	२०	५	वृश्चिके	भ.७।४६ या.
८	श ३० ३४ ज्ये ३८ २१ व २९ ३९ बा २ ५०	२९	१२	४८	१५	२१	६	ध.३८।२१	[×धनि.बुधः ५७ धनि.१ गुरुः ४९।३६
९	र २६ ३२ मू ३६ २४ सि २३ ४७ ग २६ ३२	५	११	४९	१६	२२	७	धनुषि	भ.५५।१ उ.
१०	चं २३ ३० पू ३५ २० व्य १८ ३२ वि २३ ३०	९	१०	५०	१७	२३	८	म.५०।१६	भ.२३।३० या.पूभा.शुक्रः ४७।५६
११	मं २१ १५ उ ३५ १ व १४ ० बा २१ १५	१३	९	५१	१८	२४	९	मकरे	विजया ११ व्र.
१२	बु १९ ५२ श्र ३५ ४० प १० ७ तै १९ ५२	१७	९	५१	१९	२५	१०	मकरे	प्रदोषः
१३	गु १९ ५३ ध ३७ ३८ शि ७ १३ व १९ ५३	२१	८	५२	२०	२६	११	कुं.६।३९	भ.१९ उ.५० या.कुंभेबुधः ३७ रोहि. =
१४	शु २० २९ श ४० ३२ सि ५ ७ श २० २९	२६	७	५३	२१	२७	१२	कुंभे	महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	श २२ ३३ पू ४४ ३२ सा ४ १३ ना २२ ३३	३०	६	५४	२२	२८	१३	मी.३६	[=भौमः ४।४३ महाशिवरात्रीव्र.स्मा.

४७पं.फा.कृ.२चं. इ. ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	९	१०	९	१	१०
१७	४	२०	२२	१०	१४	२१	१६
५	२६	२८	३६	५५	१६	३१	५८
३५	४६	४४	५०	५९	३४	५४	२६
६०	३४	३७	१३	७४	६	३	६०
१२	१९	३२	८	३२	३२	११	२०

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य जो गेहूं बाजरा मूंग मोठ चन्दन केसर वस्त्र कपास आदि सब पदार्थ तेज होंगे ।

गोचर ग्रहाः

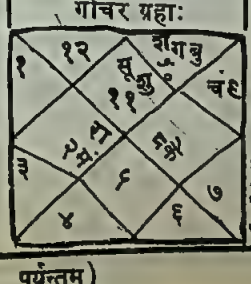

४८पं. फा.कृ.१०चं.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	९	१०	९	१	१०
२४	८	२६	२४	१९	१४	२१	२३
६	३१	५४	११	४०	५९	९	५९
२२	३०	५८	२४	४४	५६	३८	४९
५९	३४	५९	१२	७४	६	३	६०
५८	५२	५६	४७	३२	२०	११	६

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण ३६३०स.२०२१
१	र	२५	५५	उ	४९	५५	शु	३	५१	व	२५	५५	२९/३४	६/५	५/५५	२३	२९	१४	मीने	मीनेऽर्कः २६/५४(सौरः ३३/८)चंद्रदर्शन संभवः
२	चं	३०	२१	रे	५६	१९	शु	४	२९	कौ	३०	२१	३८	४	५६	२४	१	१५	मे.५६।१९	सावान८फुलरिया२
३	मं	३५	५०	अ	६०	०	ब्र	६	०	तै	३	५	४३	३	५७	२५	२	१६	मेषे	शतेबुधः३७।२७मीनेशुक्रः५०।०
४	बु	४२	५	अ	३	१२	ऐं	७	५३	व	८	५८	४७	३	५७	२६	३	१७	मेषे	भ.८/५८उ.४२/५या.उभा रविः४७/५८=
५	गु	४८	२९	भ	१०	३८	वै	१०	१७	ब	१५	१७	५१	२	५८	२७	४	१८	वृ.२७।२०	[=(सौरः५३/४४)
६	शु	५४	५०	कृ	१७	२६	वि	१२	४९	कौ	२१	४०	५५	१	५९	२८	५	१९	वृषे	उभा.शुक्रः३०।२७धनि.२गुरुः५४।४९
७	श	६०	०	रो	२५	४४	प्री	१४	५६	ग	२७	४३	३०/००	६/००	६/००	२९	६	२०	मि५८।५२	
७	र	०	३५	मृ	३२	१	आ	१६	१४	व	०	३५	४	५/५९	१	३०	७	२१	मिथुने	भ.०।३५उ.३२।५०या.
८	चं	५	४	आ	३६	५८	सौ	१६	३५	ब	५	४	८	५८	२	१	८	२२	मिथुने	भा.चैत्रारंभः होलाष्टकम्
९	मं	८	९	पु	४०	१३	शो	१५	२९	कौ	८	९	१२	५८	२	२	९	२३	क.२४।२४	
१०	बु	९	१६	पु	४१	३१	अ	१३	१	ग	९	१६	१६	५७	३	३	१०	२४	कर्के	भ.३८।४८उ. [×आमलकी११व्र.
११	गु	८	२०	श्ले	४०	४०	सु	८	४५	वि	८	२०	२१	५६	४	४	११	२५	सिं४०।४०	भ.८।२०या.पूभा.बुधः४९।५७×
१२	शु	५	२०	म	३८	१	धृ	३/४	५२/४०	बा	५	२०	२५	५५	५	५	१२	२६	सिहे	श्रवण.३शनिः३०।१६ प्रदोषः
१३	श	०	२६	पू	३३	३७	गं	४७	१६	तै	०	२६	२९	५४	६	६	१३	२७	कं.४७।२७	भ.५३।४७उ.
१४/१५	र	५३/४६	२१/१	उ	२७	५६	वृ	३७	५९	वि	१९	५४	३३	५३	७	७	१४	२८	कन्यायां	भ.१९।५४या. होलिकादहनम्

४९पं.फा.शु.२चं.इ. ३२/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	९	१०	९	१	११
१	१२	५	२५	२८	१५	२०	०
५	३८	१७	४२	२३	४०	४७	५९
३५	१७	२	५४	५६	५२	२३	३१
५९	३५	७६	१२	७४	५	३	५९
४१	१९	५६	२०	३८	५३	११	४९

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन शुक्ले१ रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रास्तः

गोचर ग्रहाः

५०प.फा.शु८चं.इ.३३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	९	११	९	१	११
८	१६	१५	२७	७	१६	२०	७
३	४७	७	११	७	१९	२५	५७
१८	४६	२३	४२	१२	२६	७	२६
५९	३५	९०	१२	७४	५	३	५९
१६	४४	३४	१	३८	३१	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	चं	३७	३५	ह	२१	३३	ध्रु	२८	४	बा	११	४८	३०/३७	५/५३	६/७	८	१५	२९	तु.४८।१०	वसंत१छारेंडी [+राहुःज्येष्ठा१केतुः२७/१०
२	मं	२८	४९	चि	१४	४६	व्या	१७	५९	तै	३	१२	४१	५२	८	९	१६	३०	तुलायां	भ.५४/३५उ.रेवत्यांशुक्रः१४।०रोहि.३+
३	बु	२०	२२	स्वा	८	१०	ह	८/१३	५०/४३	वि	२०	२२	५५	५१	९	१०	१७	३१	वृ.४८।४१	भ.३०/२२या.रेवत्यांरविः१५/३७(सौरः२१/११)÷
४	गु	१२	२९	वि	२/११	५४/५४	सि	५०	१९	बा	१२	२९	४९	५०	१०	११	१८	१	वृश्चिके	अप्रेल४ता.३० [÷मीनेबुधः४८/३चतुर्थी व्र.
५	शु	५	२७	ज्ये	५३	५	व्य	४१	४४	तै	५	२७	५३	४९	११	१२	१९	२	ध.५३।५	भ.५९/४०उ.उभा.बुधः४५/४३मृगेभौमः३२/३९–
६	शु	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–शीतलापूजनम्
७	श	५५	१	मू	५०	२८	व	३५	५	वि	२७	२०	५७	४९	११	१३	२०	३	धनुषि	भ.२७।२०या.
८	र	५१	४६	पू	४९	४	प	३०	४०	बा	२३	२३	३१/१	४८	१२	१४	२१	४	धनुषि	
९	चं	५०	४	उ	४९	०	शि	२६	२०	तै	२०	५५	५	४७	१३	१५	२२	५	म.४।३	धनि.३कुंभेगुरुः४४/६बुधास्तःपूर्वस्यां५५/६
१०	मं	४९	१४	श्र	५०	१४	सि	२२	५७	व	१९	३८	१०	४६	१४	१६	२३	६	मकरे	भ.१९।३८उ.४९।१४या.
११	बु	४९	५६	ध	५२	५०	सौ	२०	४८	ब	१९	३५	१४	४५	१५	१७	२४	७	कुं.२१।३२	पापमोचनी११व्र.
१२	गु	५१	४०	श	५६	२५	शु	१९	२१	कौ	२०	४८	१८	४४	१६	१८	२५	८	कुंभे	
१३	शु	५४	४७	पू	६०	०	शु	१९	७	ग	२३	१३	२२	४४	१६	१९	२६	९	मी४५।१	भ.५४/४७उ.रेवत्यांबुधः५३/५ प्रदोषः
१४	श	५८	४४	पू	१	१३	ब्र	१९	१२	वि	२६	४५	२६	४३	१७	२०	२७	१०	मीने	भ.२६।४५या.अश्वि मेषेशुक्रः०।२७
३०	र	६०	३	उ	६	४०	ऐं	२०	१०	च	३१	३७	३०	४२	१८	२१	२८	११	मीने	मन्वादिः
३०	चं	३	३०	रे	१३	२०	वै	२१	४९	ना	-३	३०	३४	४१	१९	२२	२९	१२	मे.१३।२०	

५१पं.चै.कृ.१चं.इ. ३३।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	९	११	९	१	११
१४	२०	२६	२८	१५	१६	२०	१४
५९	५७	१०	३६	४९	५५	२	५३
१०	३२	५९	५०	३४	१९	५१	३६
५९	३६	१०/५	११	७४	५	३	५९
१६	४		२३	३८	२	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला रुई कपड़ा अलसी चांदी सोना मंदा होकर तेज हो बालकों को पीड़ा रहे

गोचर ग्रहाः

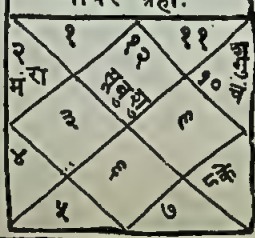

५२पं.चै कृ.९चं.इ. ३३।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	९	११	९	१	११
२१	२५	८	२९	२४	१७	१९	२१
५३	९	३४	५८	३०	२६	४०	४७
३१	५०	३६	८	१२	३५	३६	४७
५९	३६	११/१९	१०	७४	४	३	५९
४	२३		५१	३८	३८	११	४

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२२, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२२, भोग्यकलिः४२६८७८, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०७८, शाकः १९४३, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री भौमः । सस्येशः शुक्रः । धान्येशोबुधः । मेघेशश्चंद्रः। रसेशो रविः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशश्चंद्रः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चद्रः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ९ राक्षसनाम संवत्सरःप्रवर्तते।तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः१।१।४६।३३।३६भोग्यमासादिः१०।२८।१३।२६।२४अग्निदैवतं युगांतत्रवर्षनाम श्रावणः । मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा १८ समयवाहनम् महिषः। स्तंभाः २ अत्रवाच्योः। सोमवत्यमानास्तिः सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी२, रविदशमी२ समयमुहूर्ताः ३१५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १८, तिथिवृद्धिः११ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपति विश्वा १०८ वर्षाविश्वा १५ धान्यम् १३ तृणम् १३, शीतम् ७ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११९, शनिदृष्टिरुत्तरे । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहणाऽभावः ।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	८	२	५	१४	२	५
खर्च	१४	८	५	२	१४	५

वर्ष लग्नम् ०।२३

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से जिमि पूछा हर साल ।
अठंतर की साल का कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला मैं समझावुं तोय ।
राजा मंत्री देखतां घणां उपद्रव होय ।।
ताप तिजारा नहरुवा जग में होय अपार ।
अग्नि चौर भय रोग से पीड़ित हो संसार ।।
आषाढां वर्षा लगे श्रावण मध्यम जाण ।
भादों रविकुज योग से होसी खैंचा ताण ।।
पण भैरव भय मतकरे फलपति है द्विजराज ।
धान्याधिप के योग से होय सिद्ध सब काज ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	२	८	११	१४	१४	११
खर्च	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ९।७

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५९।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।८।३१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् । भौमे नृपे वन्हि भयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहश्च । दुःखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुंचति वारिवाहः ।। मंत्री भौमः फलम् ।। अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्यु गदादिज वेदना । जनपदेषु जयं सुख संचयं न बहु गोषु पयो द्विजकर्म च ।। सस्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघोजलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षु घन प्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ।। धान्येशो बुधस्तत्फलम् ।। बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुंचंति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवोत्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रस्तत्फलं ।। शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्ध रसं तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेशो रविः फलम् ।। रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भाग रतात्प पयोधराः । वसन तैल घृत प्रिय मानवाः सुख रसं न भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रः फलम् ।। कर्पूरागर गन्धानां हेम मौक्तिक वाससां अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशश्चंद्रस्तत्फलं ।। यदि विधु फलपो द्रुमराशयः फलयुतावलिभिः कुसुमैर्युताः । द्विज मुखावर भोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः ।। धनेशो गुरुः फलं ।। सुमनसां च गुरु र्द्रविणाधिपो वणिज वृत्ति परा सुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवाः ।। दुर्गेशश्चंद्रः फलं ।। गढ़पतिः शशलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनः नर वरा वर वर्णित विग्रहाः ।। राक्षसनाम संवत्सरः फलं ।। स्व स्व कार्ये रताः सर्वे मध्य सस्यार्घ वृष्टयः । राक्षसाब्दे खिला लोका राक्षसा इव निष्क्रियाः ।। वर्षनाम श्रावणः फलं ।। श्रावणाब्दे धरा भाति त्रिदश स्पर्द्धि मानवैः । धरा पुष्प फलैर्युक्ता परिपूर्णा ध्वरादिभिः ।। मेघनाम संवर्तः फलं ।। संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणी निवास स्तटे फलं ।। तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समय निवासो रजक गृहे ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ८।।।।।ऽअऽऽ।।।

,, १४ चन्द्रे स्वात्यां ल. ११ (श.पू.सत्) रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा ४ शुक्रे मूले. ल. गो. ११-१२ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। (ल.११श.पू.सत्)

,, ६ रवौ उषा ल. ११-१२ रे.८ ऽऽ।।।।।।।। (कुंभ व्ययेऽर्की)

,, ११ शुक्रे उभा ल. ११ (व्ययेऽर्की) रे. ७ ऽऽ।।।।।ऽ।।

शुक्ला ६ शुक्रे उषा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः भौमाष्टमश्च) ल. १२ चं.पू.सत्

,, १० शनौ हस्ते ल. गो. (सोग्रांगः भौमाष्टम-म.दो.) रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।

,, १३ चन्द्रे स्वात्यां ल. ११ (घ.४८-५३या.व्ययेऽर्की) रे. ७ ।ऽ।ऽ।।ऽ।। पादतो वेधाऽभावः

,, १५ बुधे अनु ल. ११-१२ रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ।। (कुंभे व्ययेऽर्की)

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १० शुक्रे ल. १ (घ.५४-१४उ.) रे.७ ।।।।।ऽअऽऽ।।

,, ११ शनौ रेव ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे.७।।।।।ऽऽऽ।।

शुक्ला १० रवौ स्वात्यां ल.गो. (भौमाष्टमः) ल.११ रे८ ।।।ऽबृ।।ऽ।।। पादतो वेधाऽभावः

,, १५ गुरौ मूले ल. १२-१ रे. ७ ।।।ऽशु।।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

आषाढ मासः

कृष्णा ६ बुधे उभा ल. १ रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।

,, ७ गुरौ उभा ल. ऽन्यगो (भौमाष्टमः) ल. १ (घ.५०-८या) रे. ७ ।।।।।ऽचौ।ऽ।ऽ दग्धा

,, ८ शुक्रे रेवल.ऽन्यगो(भौमाष्टमः)ल.१रे.८।।।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ५ गुरौ उफा ल. १२ चं.पू.सत् रे.८ ऽ।।।।ऽअ।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ शनौ रोहि ल. ५-६ रे. ७ ।।।।ऽऽनृ।ऽ।। सिंहे ७ मे गुरु पूज्यः

,, २ रवौ मृगे ल. ५-६ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।। सिंहे ७ स्थो गुरु पूज्यः

,, ९ रवौ उफा ल. ६ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।

,, ११ भौमे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

,, १२ बुधे स्वात्यां ल.५(गु.७पूज्यः)रे८ ।।।।।ऽचौऽ।।।

शुक्ला ८ शनौ उभा ल.६ (चं.७पू) रे. १० ।।।।।।।।।

,, १० चन्द्रे रेव ल. गो. (सोग्रांगः७मेभौमश्च) ल. ६ (घ.४६-४०या चं.पू.सत्)

माघ मासः

कृष्णा ४ शनौ उफा ल. गो. ७ रे. ८ ।।।।।ऽरोऽ।।

,, ५ रवौ हस्ते ल. गो. रे. ६ ।।।।।ऽ।।।

शुक्ला ५ शनौ रेव ल.ऽन्यगो६ (चं.७पू) रे.६।।।।।ऽनृ।।।।

,, ६ गुरौ रोहि. ल. गो. रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ शुक्रे उफा ल. ६-७ रे. ९ ।।।।।।चौ४४उ.ऽ।।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६० स.२०२१
१	मं ९ ६ अ २०।१४ वि २३।४४ ब ९ ६	३१/३८	५।०	६/२०	२३	३०।१३	मेषे	अश्वि.मेषेऽर्कः ४९/३८ (सौरः ५५) मिथुने=
२	बु १५।२० भ २७।५४ प्री २६।१६ कौ १५।२०	४२।४०	२०।२४	१	१४	वृ.४४।४७		रमजानेऽसिंधारा
३	गु २१।४६ कृ ३५।२८ आ २८।३६ ग २१।४६	४६।३९	२१।२५	२	१५	वृषे		भ.५४।५६उ.मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	शु २८ ६ रो ४३ ८ सौ ३०।५० वि २८ ६	५०।३८	२२।२६	३	१६	वृषे		भ.२८।६या.अश्वि.मेषेबुधः३८।४४
५	श ३३।५५ मृ ४९।५८ शो ३३ १ ब १ १	५३।३७	२३।२७	४	१७	मि १६।३३		[=भौमः ३५/४९ चंद्रदर्शनम्संवत्सरारंभः×
६	र ३८।५० आ ५५।५२ अ ३४ ६ कौ ६ २३	५७।३७	२३।२८	५	१८	मिथुने		[×नवरात्रारंभः
७	चं ४२।३३ पु ६०ा० सु ३४।२० ग १० ४१	३२/३६	२४।२९	६	१९	क.४४।२१		भ.४२।३३उ. [+शुक्रोदयःपश्चिमायां ३४/४८
८	मं ४४।५० पु ०।३० धृ ३३।१६ वि १३ ४१	५।३५	२५।३०	७	२०	कर्के		भ.१३।४१या.भरण्यांशुक्रः४६।१४+
९	बु ४५ ५ पु ३।२१ शू ३०।३५ वा १४ ५७	९।३४	२६ १	८	२१	कर्के		भा.वैशाखारंभः रामनवमी
१०	गु ४३।२२ श्ले ४।२३ गं २६।२२ तै १४ १३	१२।३४	२६ २	९	२२	सिं४।२३		भरण्यांबुधः५५।५२
११	शु ३९।२६ म ३।२२ वृ २०।२९ ब ११।२४	१६।३३	२७ ३	१०	२३	सिंहे		भः११।२४उ.३९।२६या.कामदा११व्र.
१२	श ३३।३७ पू ०।१६ ५५/१० धु १३।१० ब ६ ३२	२०।३२	२८ ४	११	२४	कं.१४।४		आर्द्रा.भौमः ४३/५६ धनि.४गुरुः ४५/१६ प्रदोषः
१३	र २६ २ ह ४९।१० व्या ४७/१० तै २६ २	२३।३१	२९ ५	१२	२५	कन्यायां		
१४	चं १७।२९ चि ४१।५३ व ४३।५१ ब १७।२९	२७।३१	२९ ६	१३	२६	तु.१५।३१		भ.१७।२९उ.४२।३७या.
१५	मं ७।४४ स्वा ३४ ३ सि ३३।१० ब ७।४४	३१।३०	३० ७	१४	२७	तुलायां		भरण्यांरविः ५९/५१ (सौरः ३९) हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु.१मं.इ.४९।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	१०	०	९	१	११
०	०।२४	१	४	१८	१९	२९	
०	१०।१७	३०	४४	१	१४	५४	
०	५२।३८	१४	३८	२३	३१	१	
५८	३६	२९	९	७४	३	३	५८
४४	४६	२५	५५	३२	५३	११	४५

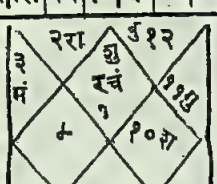

२पं.चै.शु.८मं.इ.४९।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१०	०	९	१	०
६	४	८	२	१३	१८	१८	६
५०	२१	५४	४०	२४	२५	५२	४४
४२	३६	१४	५५	२५	१	१६	१२
५८	३६	२९	९	७४	३	३	५८
३१	५९	२८	१५	३२	२०	११	२९

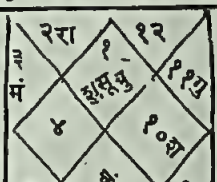

३पं.चै.शु.१५मं.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१०	०	९	१	०
१३	८	२३	३	२२	१८	१८	१३
३९	२५	४८	४६	२	४४	३०	३२
४७	३५	१८	५	४६	२४	०	३७
५८	३७	२९	९	७४	२	३	५८
१९	६	१३	२८	३२	३४	११	११

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	मं ५०।११ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०		
२	बु ४८।२७ वि २६।१४ व्य २२।२० तै २३।११	३३/३४	५९/६१	८	१५	२८	वृ.१३।११	
३	गु ३९।१६ अ १९ ८ व १२ ४ व १३।५२	३८	२८	३२	९	१६	२९	वृश्चिके	भ.१३उ.३९या.कृत्ति.बुधः ३५
४	शु ३१।२४ ज्ये १२।५८ प २/३६ २७/५१ ब ५ २०	४१	२८	३२	१०	१७	३०	धनुषि	वृषेबुधः ५२/३६ बुधोदयःपश्चिमायां ३१/१९ ÷
५	श २४।५६ मू ८।२० सि ४७।१८ तै २४।५६	४५	२७	३३	११	१८	१		कृत्ति.शुक्रः ३७।० मई५ता.३१
६	र २०।२१ पू ५।१९ सा ४१।४२ व २०।२१	४८	२६	३४	१२	१९	२	मकरे	भ.२०।२१उ.४८।५३या.
७	चं १७।२४ उ ४।१० शु ३७।३४ ब १७।२४	५२	२६	३४	१३	२०	३		[÷चतुर्थी व्र.
८	मं १६।२३ श्र ४।३३ शु ३५ ५ कौ १६।२३	५५	२५	३५	१४	२१	४	कुं.३५।३९	वृषेशुक्रः १८।१३पातस्पर्शः ५६।५०
९	बु १७।१८ ध ६।४६ ब्र ३३ ३४ ग १७।१०	५८	२४	३६	१५	२२	५	कुंभे	भ.४८।११उ.पातमोक्षः १०।४६
१०	गु १९।१३ श १०।२८ ऐं ३३ ३१ वि १९।१३	३३/३	२४	३६	१६	२३	६	मी५९।२०	भ.१९।१३या.रोहि.बुधः १८।२९
११	शु २२।४७ पू १५।३६ वै ३४ १४ वा २२।४७	५	२३	३७	१७	२४	७	मीने	वरुथिनी ११व्र.
१२	श २७।२१ उ २१।३७ वि ३५ ३१ तै २७।२१	८	२२	३८	१८	२५	८	मीने	प्रदोषः
१३	र ३२।४६ रे २८।३५ प्री ३७ २ ग ० ३	११	२२	३८	१९	२६	९	मे.२८।३५	भ.३२।४६उ.
१४	चं ३८।३० अ ३५।४१ आ ३८।५३ वि ५।३८	१४	२१	३९	२०	२७	१०	मेषे	भ.५।३८या.
१५	मं ४४।५२ भ ४३।१३ सौ ४२।११ च ११।४१	१७	२१	३९	२१	२८	११	मेषे	कृत्ति.रविः १५।४७ (सौरः २५।१)

४पं.वै.कृ.८मं.इ.५०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१०	१	९	१	०
२०	१२	७	४	०	१८	१८	२०
२७	५१	२०	४५	३९	५८	७	१९
२५	१८	४६	२५	५०	४८	४४	२२
५८	३७	०/२३	७	७४	१	३	५७
६	३१		२२	२६	५३	११	५७

गोचर ग्रहाः

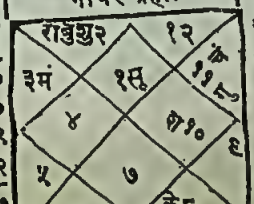

चैत्र शुक्ले १ भौमे मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रास्तः

गोचर ग्रहाः

५पं.वै.कृ.३०मं.इ. ५०/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१०	१	९	१	०
२७	१७	१८	५	९	१९	१७	२७
१३	७	१२	३७	१६	९	४५	४
३७	२४	३६	४१	२६	०	२९	३६
५७	३७	८३	६	७४	१	३	५७
५४	३२	१	२६	२६	१६	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३	दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६८९स.२०२१
१	बु ५० ५९ कृ ५० ४४ शो ४४ ३९ किं १७ ५६	३३ ५	२० ६	५०	२२	२९	१२	वृ.०।३	रोहि.शुक्रः ३५।३९
२	गु ५७ ३ रो ५८ ४ अ ४७ ४ बा २४ १	२३	१९	४१	२३	३०	१३	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	शु ६० ० मृ ६० ० सु ४८ ५६ तै २९ ५३	२६	१९	४१	२४	१	१४	मि ३१।३१	वृषेऽर्कः ४३।२ (सौरः ५२।४८)=
३	श २ ४३ मृ ४ ५८ धृ ५० १ ग २ ४३	२८	१८	४२	२५	२	१५	मिथुने	भ.३५।५उ.मृगेबुधः ३७।७
४	र ७ २७ आ ११ ११ शु ५० ४९ वि ७ २७	३१	१८	४२	२६	३	१६	मिथुने	भ.७।२७या.पुन.भौमः ३६।२१
५	चं ११ २३ पु १६ २७ गं ५० ४२ बा ११ २३	३४	१७	४३	२७	४	१७	क.०।८	[=सव्वाल १०परशुरामजयंतीअक्षय ३
६	मं १४ ३ पु २० २८ बृ ४९ १७ तै १४ ३	३७	१७	४३	२८	५	१८	कर्के	पातस्पर्शः ५१।५
७	बु १५ १४ श्ले २२ ५६ श्लु ४६ ४१ व १५ १४	३९	१६	४४	२९	६	१९	सिं २२।५६	भ.१५।१४उ.४४।५५या.पातमोक्षः ६५
८	गु १४ ३५ म २३ ३८ व्या ४२ ३३ व १४ ३५	४२	१६	४४	३०	७	२०	सिंहे	
९	शु १२ १९ पू २२ ३८ ह ३६ ५९ कौ १२ १९	४४	१५	४५	३१	८	२१	कं.३६।५४	शत.१गुरुः ५८।१
१०	श ८ ८ उ १९ ४४ व २९ ५७ ग ८ ८	४७	१५	४५	१	९	२२	कन्यायां	भ.३५।११उ.भा.ज्येष्ठारंभः
११	र २ १५ ह १५ ८ सि २१ ४३ वि २ १५	४९	१४	४६	२	१०	२३	तु.४२।११	भ.२।१५या.मृगेशुक्रः १९।४वक्रीशनिः×
१२	र ५२ ३१ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×४२।१३मोहिनी ११व्र.
१३	चं ४५ ५० चि ९ १४ व्य १२ ३ कौ २०	१७	५२	१४	४६	३	११	२४ तुलायां	प्रदोषः [+नृसिंहजयंती
१४	मं ३६ १० स्वा ३ ५२ व १५ ४९ ग ११ ०	५४	१३	४७	४	१२	२५	वृ.४१।१३	भ.३६।१०उ.रोहि.रविः ६ (सौरः ५९)+
१५	बु २६ १५ अ ४६ २० शि ४० २ वि १	१३	५६	१३	४७	५	१३	२६ वृश्चिके	भ.१३या.मिथुनेबुधः ४०यमाय कुंभदानम्

६पं.वै.शु.६मं.इ.५०।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१०	१	९	१	१
३	२१	२५	६	१७	१९	१७	३
५८	२४	५२	२३	५२	१४	२३	४८
३७	३६	१६	२४	३७	१३	१३	१९
५७	३७	४७	५	७४	०	३	५७
४४	५०	१२	१९	२०	३४	११	३४

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले ३ शुक्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० घा- न्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

७पं.वै.शु.१४मं.इ. ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१०	१	९	१	१
१०	२५	२९	७	२४	१९	१७	१०
४२	४१	५१	१	२७	१४	०	३०
२९	२९	१८	१	४३	५३	५८	३०
५७	३७	११	४	७४	१५	३	५७
३५	५०	२३	११	१४	व.	११	२३

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	गु १६ ० ज्ये ३८ ५० स्ति २९ २० कौ १६ ०	३३ ५८	५ १२	६ ४८	६	१४	२७	ध.३८।५०	[÷३५।४९मिथुनेशुक्रः ४२।२२
२	शु ६ ५१ मू ३२ ११ सा १९ ३५ ग ६ ५१	३४ ००	१२	४८	७	१५	२८	धनुषि	भ.३२।४५उ.५८।३९या.वक्रीबुधः ÷
३	श ५१ ५२ ४८ १३ पू २६ ५८ शु १० ४३ ब २५ २६	२	१२	४८	८	१६	२९	म.४१।९	चतुर्थी व्र.
४	र ४७ ३२ उ २३ ४३ शु ३४ ५४ १३ कौ १९ ५२	३	११	४९	९	१७	३०	मकरे	पातस्पर्शः ४३।४८
५	चं ४५ ६ अ २२ १८ ऐ ५३ ३७ ग १६ १९	५	११	४९	१०	१८	३१	कुं.५२।४३	भ.४५।६उ.पातमोक्षः ३।५०
६	मं ४४ ४३ ध २३ ९ वै ५१ १२ वि १४ ५४	७	११	४९	११	१९	१	कुंभे	भ.५४या.कर्केभौमः ५३ रोहि.२राहुः–
७	बु ४६ १५ श २५ ५३ वि ५० १७ बा १५ २९	९	१०	५०	१२	२०	२	कुंभे	वक्रीवृषेबुधः ०।१९
८	गु ४९ ३७ पू ३० १७ मी ५० ५६ तै १७ ५६	१०	१०	५०	१३	२१	३	मी १४।११	आर्द्राशुक्रः १०।२९
९	शु ५४ १४ उ ३६ ८ आ ५२ ७ व २१ ५६	१२	१०	५०	१४	२२	४	मीने	भ २१।५६उ.५४।१४या.
१०	श ५९ ५० रे ४३ ११ सौ ५४ १४ ब २७ २	१३	९	५१	१५	२३	५	मे.४३।११	अपरा ११व्र. [–अनु.४केतुः २६ D
११	र ६० ० अ ५० २८ शो ५६ ३६ कौ ३२ ५३	१५	९	५१	१६	२४	६	मेषे	[Dबुघास्तः पश्चिमायां ३२ जून६ता.३०
१२	चं ५ ५६ भ ५८ १४ अ ५९ १४ तै ५ ५६	१६	९	५१	१७	२५	७	मेषे	पुष्येभौमः २३।२९ प्रदोषः
१३	मं १२ २६ कृ ६० ० सु ६० ० व १२ २६	१७	९	५१	१८	२६	८	वृ.१५।७	भ.१२।२६उ.४५।२७या.मृगेरविः ३९ H
१४	बु १८ २८ कृ ५ ४४ सु १ ३५ श १८ २८	१८	८	५२	१९	२७	९	वृषे	[Hसौरः १७।४६
३०	गु २४ १२ रो १२ ५८ धृ ३ ४९ ना २४ १२	१९	८	५२	२०	२८	१०	मि ४६।१३	वटपूजनम्

८पं.ज्ये.कृ.७मं.इ.५०।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	१०	२	९	१	१
१७	२९	०	७	५	१९	१६	१७
२५	५८	२	२९	१	११	३८	११
१९	३७	४६	२४	३७	६	४२	३६
५७	३८	५५	३	७४	५४	३	५७
२७	२व.	५	८	वे.	११	१३	

गोचर ग्रहाः

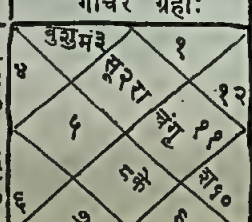

इस मास में धातु सोना चांदी ताम्बा रुई वस्त्र कपास धान्य गल्ला गेहूं जौ मटर अलसी सरसों आदि तेज रहें।

गोचर ग्रहाः

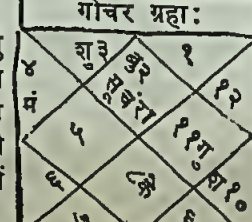

९पं.ज्ये.कृ.१३मं.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	१०	२	९	१	१
२४	४	२७	७	१३	१९	१६	२३
७	१६	२०	५०	३४	२	१६	५१
१९	३७	४९	२४	३७	२	२६	३२
५७	३८	३५	१	७४	१९	३	५७
२२	५२	व.	४०	२	व.	११	५

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	श्रीम्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३७१९स.२०२१
१	शु २९ १३ मृ १९ २७ शू ५ ३४ व २९ १३ ३४	९	५ ५३	२१	२९	११	मिथुने	चंद्रदर्शनम् [×सावित्री व्र.
२	श ३३ २० आ २५ ११ गं ६ ४१ बा १ १६	२०	८	५२	२२	१	१२	मिथुने	जिल्काद११
३	र ३६ ४० पु ३० १४ वृ ७ १८ तै ५ ०	२१	८	५२	२३	२	१३	क.१३।५९	
४	चं ३९ ० पु ३४ १० धु ६ ४७ व ७ ५०	२१	८	५२	२४	३	१४	कर्के	भ.७।५०उ.३९।०या.पुन.शुक्रः८।९
५	मं ४० ६ श्ले ३७ ७ व्या ५ ३९ व ९ ३३	२२	८	५२	२५	४	१५	सिं३७।७	मिथुनेऽर्कः०।३(सौरः१८।३४)
६	बु ४० १ म ३८ ४६ ह ३ ५० कौ १० ३	२२	८	५२	२६	५	१६	सिंहे	वक्रीरोहि.बुधः४८।४४
७	गु ३८ ३१ पू ३९ १३ व ४० ५५ ग ९ १६	२३	७	५३	२७	६	१७	कं.५३।५५	भ.३८।३१उ.
८	शु ३५ ४३ उ ३८ २ व्य ५१ ४ वि ७ ७	२३	७	५३	२८	७	१८	कन्यायां	भ.७।७या.वक्रीगुरुः४३।१०
९	श ३१ २७ ह ३५ २८ व ४४ ४० बा ३ ३५	२३	७	५३	२९	८	१९	कन्यायां	
१०	र २५ ५४ चि ३१ ३५ प ३७ १० ग २५ ५४	२४	७	५३	३०	९	२०	तु.३।३१	भ.५२उ.बुधोदयःपूर्वस्यां३५गंगादशमी
११	चं १९ ६ स्वा २६ २९ शि २८ २५ वि १९ ६	२४	७	५३	३१	१०	२१	तुलायां	भ.१९या.आर्द्रारविः५८निर्जला११व्र.
१२	मं १० ४५ वि २० २२ सि १८ ५९ बा १० ४५	२४	७	५३	१	११	२२	वृ.५।५४	आर्द्रारविःसौरः२०कर्कशुक्रः२०।३ +
१३	बु १ ५८ अ १३ ३१ सा ५९ ४९ तै १ ५८	२४	७	५३	२	१२	२३	वृश्चिके	भ.५३उ.पातस्पर्शः२०पातमोक्षः५४
१४	बु ५० ३५ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	[+भा.आषाढोरं भःप्रदोषः
१५	गु ४३ २२ ज्ये १९ ५८ शु ४८ ४३ वि १७ ५७	२४	७	५३	३	१३	२४	ध.६।१३	भ.५७या.मार्गीबुधः३८गुर्जराणां वट ×

१०पं.ज्ये.शु.५मं.इ.५०।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१०	२	९	१	२
०	८	२३	८	२२	१८	१५	०
४८	३४	४८	१	६	४९	५४	३०
३६	५२	२९	८	३२	१६	१२	४१
५७	३८	१७	०	७३	२९	३	५६
१७	१२	व.	३२	५५	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

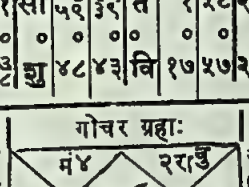

ज्येष्ठा शुक्ले ५ भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः बा. ५ नः ५ बालाऽवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

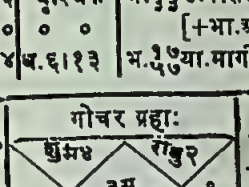

११पं.ज्ये.शु.१२मं.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१०	३	९	१	२
७	१२	२१	८	०	१८	१५	७
२९	५४	५१	३	३७	३१	३१	९
३१	७	११	७	५२	१२	५५	८
५७	३	३	९	३	५०	३	५६
१३	१९	व.	व.	५०	व.	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	शु ३४ ४४ पू ५३ ७ ब्र ३९ १६ वा ९ ३	३४	५	५३	४	१४	२५	धनुषि	पुष्येशुक्रः२।३४
२	श २७ १५ उ ४८ २० ऐ ३० ४० तै ० ५९	२३	७	५३	५	१५	२६	म.६।५५	भ.५४।१९उ.
३	र २१ २३ श्र ४५ १२ वै २३ २५ वि २१ २३	२२	८	५२	६	१६	२७	मकरे	भ.२१।२३या.चतुर्थीव्र.
४	चं १७ २० ध ४४ ६ वि १७ ४३ बा १७ २०	२२	८	५२	७	१७	२८	कुं.१४।३९	आश्ले.भौमः५६।४६
५	मं १५ ३८ श ४५ २० प्री १३ ४३ तै १५ ३८	२१	८	५२	८	१८	२९	कुम्भे	मृगेबुधः४।२९
६	बु १५ ५५ पू ४८ २८ आ ११ २३ व १५ ५५	२०	८	५२	९	१९	३०	मी३२।४१	भ.१५।५५उ.४७।११या.
७	गु १८ २७ उ ५३ ८ सौ ११ ० ब १८ २७	१९	८	५२	१०	२०	१	मीने	जौलाई७ता.३१
८	शु २२ ३१ रे ५९ २७ शो ११ ३४ क्यो २२ ३१	१८	८	५२	११	२१	२	मे.५९।२७	
९	श २७ ५६ अ ६० ० अ १३ १९ ग २७ ५६	१७	९	५१	१२	२२	३	मेषे	
१०	र ३३ ५३ अ ६ ४६ सु १५ २६ व ० ५४	१६	९	५१	१३	२३	४	मेषे	भ.०।५४उ.३३।५३या.
११	चं ४० १६ भ १४ २० धृ १८ १ ब ७ ३	१५	९	५१	१४	२४	५	वृ.३१।१६	पुन.रविः५७।४८योगिनी११व्र.
१२	मं ४६ २८ कृ २२ ५ शू २० ३३ क्यो १३ २२	१४	९	५१	१५	२५	६	वृषे	पुन.रविःसौरः२४।९आश्ले.शुक्रः४।१८
१३	बु ५१ ५८ रो २९ १३ गं २२ ८ ग १९ १३	१३	९	५१	१६	२६	७	वृषे	भ.५१।५८उ मिथुनेबुधः१९।५५प्रदोषः
१४	गु ५६ ३५ मृ ३५ ४० बृ २४ ३० वि २४ १६	११	१०	५०	१७	२७	८	मि२।२७	भ.२४।१६या.
३०	शु ५९ ५९ आ ४० ५७ शु २५ १५ च २८ १७	१०	१०	५०	१८	२८	९	मिथुने	

१२पं.आ.कृ.५मं.इ.५०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१०	३	९	१	२
१४	१७	२३	७	९	१८	१५	१३
९	१४	४०	५५	८	१०	९	४७
५८	३५	५	८	६	१९	४०	१३
५७	३८	२९	१	७३	३	३	५६
७	२६	मा	व.	३८	व.	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला मंदा होवेसोना चांदी लोहा ताम्बा आदि धातु तेज हो कहीं २ अच्छी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

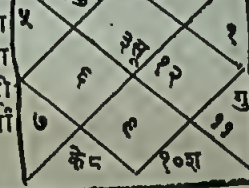

१३पं.आ.कृ.१२मं.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१०	३	९	१	२
२०	२१	२९	७	१७	१७	१४	२०
५०	२४	२८	३८	३६	४४	४७	२५
२४	८	५	२०	४३	५६	२४	७
५७	३८	६५	२	७३	५१	३	५६
७	३३	२५	व.	२५	व.	११	५७

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुः रविदक्षिणेऽहर्गणः ३७४८ स. २०२१
१	श	६०	०	पु	४५	२१	व्या	२५	२२	किं	३१	१०	३४	५	६	१९	२९	१०	क.२९।१५	
१	र	२	२२	पु	४८	३७	ह	२४	३५	ब	२	२२	७	१०	५०	११	४९	२०	३०	११	कर्के	चंद्रदर्शनम्
२	चं	३	४०	श्ले	५०	५०	व	२२	५२	कौ	३	४०	५	११	४९	२१	१	१२	सिं५०।५०	आर्द्राबुधः ३५ जिल्हेज १२ रथयात्रा
३	मं	३	४५	म	५१	११	सि	२०	१०	ग	३	४५	३	११	४९	२२	२	१३	सिंहे	भ.३३।२५उ.
४	बु	३	६	पू	५२	११	व्य	१६	४७	वि	३	६	१	१२	४८	२३	३	१४	सिंहे	भ.३।६या.
५	गु	१	१७	उ	५१	४०	व	१२	५४	बा	१	१७	३३	१२	४८	२४	४	१५	कं.७।३	[=पुन.बुधः १५ मघा सिंहेभौमः २४।१ ×
६	गु	५७	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×वक्रीधनि.४ गुरुः २६ देवशयनी ११व्र.
७	शु	५४	५५	ह	५०	७	प	८	७	ग	२६	४४	५७	१३	४७	२५	५	१६	कन्यायां	भ.५५ उ.कर्केऽर्कः २७ (सौरः५६।५३)
८	श	५०	३५	चि	४७	४७	शि	३६	५३	वि	२२	४५	५५	१३	४७	२६	६	१७	तु.१८।५७	भ.२२।४५या.मघा.सिंहेशुक्रः३।५१
९	र	४५	१७	स्वा	४४	२७	सा	४६	२३	बा	१७	५६	५२	१४	४६	२७	७	१८	तुलायां	
१०	चं	३९	७	वि	३६	१६	शु	४१	४२	तै	१२	१२	५०	१४	४६	२८	८	१९	वृ.२५।३६	पुष्येरविः५६।३२
११	मं	३२	१६	अ	३५	३१	शु	३३	३३	व	५	४३	४८	१४	४६	२९	९	२०	वृश्चिके	भ.४३ उ.३६ या.पुष्येरविःसौरः२७।३४=
१२	बु	२४	४४	ज्ये	२९	५६	ब्र	२४	४७	बा	२४	४४	४५	१५	४५	३०	१०	२१	ध.२६।५६	बुधास्तःपूर्वस्यां १।५५ प्रदोषः
१३	गु	१७	८	मू	२४	२३	ऐं	१५	५१	तै	१७	८	४३	१५	४५	३१	११	२२	धनुषि	वक्रीश्रवण.२शनिः४५।१
१४	शु	९	२५	पू	१९	१	वै	७	५५	व	९	२५	४०	१६	४४	१	१२	२३	म.३२।५०	भ.२५ उ.३५ या.भा.श्रावणारंभःवायुपरी.
१५	श	२	३१	उ	१४	१७	प्री	५१	१३	ब	२	३१	३८	१६	४४	२	१३	२४	मकरे	व्यासपूजागुरु१५.

१४पं.आ.शु.३मं.इ.५०।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१०	३	९	१	२
२७	२५	८	७	२६	१७	१४	२७
३०	५५	४७	१२	४	१७	२५	३
४३	५	५३	१८	१	४६	८	१४
५७	३८	९७	३०	७३	१५	३	५६
१३	३३	३७	व.	१४	व	११	५४

गोचर ग्रहाः

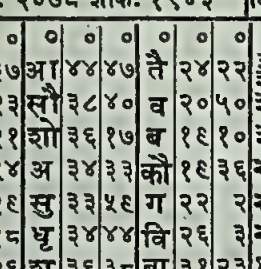

आषाढ शुक्ले ७ शुक्रे कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

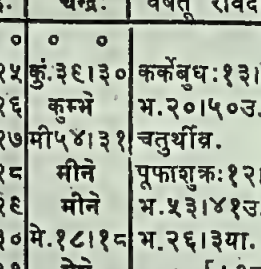

१५पं.आ.शु.११मं.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	१०	४	९	१	३
४	०	२१	६	४	१६	१४	३
११	१७	३	३७	२९	४८	२	४१
२८	२	४०	५९	२८	३६	५३	४१
५७	३८	९०	३५	७२	२८	३	५६
१५	४६	५०	व.	५६	व.	११	५९

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुः रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	श	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र	५२	११	श्र	१०	३७	आ	४४	४७	तै	२४	२२	३३	१७	४३	३	१४	२५	कुं.३९।३०	कर्केबुधः १३।५६
३	चं	४९	२९	ध	८	२३	सौ	३८	४०	व	२०	५०	३३	१७	४३	४	१५	२६	कुम्भे	भ.२०।५०उ.४९।२९या.पुष्येबुधः ५०
४	मं	४८	५०	श	८	२१	शो	३६	१७	ब	१९	१०	३०	१८	४२	५	१६	२७	मी५४।३१	चतुर्थीव्र.
५	बु	५०	२३	पू	९	५४	अ	३४	३३	कौ	१९	३६	२७	१९	४१	६	१७	२८	मीने	पूफाशुक्रः १२।३९नाग५
६	गु	५३	४१	उ	१३	२९	सु	३३	५९	ग	२२	२	२४	१९	४१	७	१८	२९	मीने	भ.५३।४१उ.
७	शु	५८	२६	रे	१८	१८	धृ	३४	४४	वि	२६	३	२२	२०	४०	८	१९	३०	मे.१८।१८	भ.२६।३या.
८	श	६०	०	अ	२५	२६	श्रा	३६	३८	बा	३१	२३	१९	२०	४०	९	२०	३१	मेषे	[÷१राहुःअनु.३केतुः १९।१९
८	र	४	२०	भ	३२	४५	गं	३८	५१	कौ	४	२०	१६	२१	३९	१०	२१	१	वृ.४९।३९	अगस्त८ता.३१
९	चं	१०	३१	कृ	४०	२२	बृ	४१	२८	ग	१०	३१	१३	२१	३९	११	२२	२	वृषे	भ.५३ उ.आश्ले.रविः ५३ आश्ले.बुधः २७
१०	मं	१६	४१	रो	४७	३८	ध्रु	४३	४४	वि	१६	४१	१०	२२	३८	१२	२३	३	वृषे	भ.१६।४१या.आश्ले.रविःसौरः २९ रो.÷
११	बु	२२	१२	मृ	५४	१६	व्या	४५	३४	बा	२२	१२	७	२३	३७	१३	२४	४	मि२०।५७	कामिका११व्र.
१२	गु	२६	४२	आ	५९	४३	ह	४६	२७	तै	२६	४२	४	२३	३७	१४	२५	५	मिथुने	प्रदोषः
१३	शु	२९	५५	पु	६०	०	व	४६	१६	व	२९	५५	०	२४	३६	१५	२६	६	क.४७।४२	भ.२९।५५उ.
१४	श	३१	३५	पु	३	४२	सि	४५	११	वि	०	४५	५७	२५	३५	१६	२७	७	कर्के	भ.०।४५या.
३०	र	३१	५५	पु	६	३४	व्य	४२	४८	च	१	४५	५४	२५	३५	१७	२८	८	कर्के	मघा.सिंहेबुधः ४९ उफा.शुक्रः २५ हरिया.

१६पं.श्रा.कृ.४मं.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१०	४	९	१	३
१०	४	५	५	१२	१६	१३	१०
१२	३९	२३	५६	१२	१८	४०	२०
३०	४	१३	२०	१२	७	३७	१८
५७	३८	९९	२७	७२	४	३	५७
२०	४७	२९	व.	३७	४०	११	५

गोचर ग्रहाः

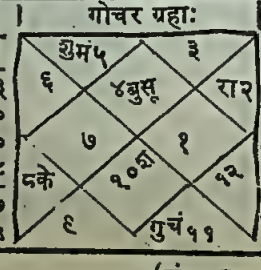

इस मास में ५ रविवार श्रेष्ठ नहीं है धान्य धातु रस तेज हो प्रजा में रोग शोक फैले कहीं २ वर्षा होवे ।

गोचर ग्रहाः

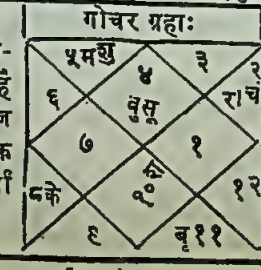

१७पं.श्रा.कृ.१०मं.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१०	४	९	१	३
१७	९	२०	५	२१	१५	१३	१७
३४	३	७	८	१४	४६	१८	०
१२	०	१	५३	२४	२६	२२	४६
५७	३८	९९	१५	७२	४	३	५७
२५	४७	११	व.	१६	४०	११	१२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७७८सन् २०२१
१	चं	३०	४२	श्ले	७	५२	व	३९	२४	कं	१	२०	३२/५०	५/२६	६/३४	१८	२९	९	सिं.७।५२	चंद्रदर्शनम्
२	मं	२८	३५	म	८	१	प	३५	१०	कौ	२८	३५	४७	२७	३३	१९	१	१०	सिंहे	पूफा.भौमः ३८/४५ मोहोरम १सन् १४४३ ×
३	बु	२५	३१	पू	७	१३	शि	३०	७	ग	२५	३१	४४	२७	३३	२०	२	११	क.२१।४७	भ.५३/३८ उ.कन्यायांशुक्रः१२।१०तीज
४	गु	२१	४५	उ	५	२८	सि	२४	२२	वि	२१	४५	४०	२८	३२	२१	३	१२	कन्यायां	भ.२१/४५ या.वरद४ [×हि. सिंधारा
५	शु	१७	२५	ह	३	१४	सौ	१८	२३	बा	१७	२५	३७	२९	३१	२२	४	१३	तु.३१।५८	नागपंचमी
६	श	१२	४९	चि	०/४१	५७/१३	शु	१२	२१	तै	१२	४९	३३	२९	३१	२३	५	१४	तुलायां	बुधोदयः पश्चिमायां४८।१७
७	र	७	५५	वि	५४	४३	शु	५/४४	५३/१२	व	७	५५	३०	३०	३०	२४	६	१५	वृ.४०।३१	भ.७।५५उ.३५।१८या.
८	चं	२	४०	अ	५१	१४	ऐं	५१	४३	ब	२	४०	२६	३१	२९	२५	७	१६	वृश्चिके	मघा.सिंहेऽर्कः४७।३५पूफा.बुधः४।१४
९	चं	५४	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=गुरुः९।५३पवित्रा११व्र.
१०	मं	५१	३४	ज्ये	४७	३५	वै	४४	२९	तै	२४	२६	२२	३२	२८	२६	८	१७	ध.४७।३५	मघा.सिंहेऽर्कः सौरः २४/४६ अस्तोभौमः२६।२
११	बु	४५	४९	मू	४३	४४	वि	३६	५६	व	१८	४१	१९	३२	२८	२७	९	१८	धनुषि	भ.१८।४१उ.४५।४९या.वक्रीधनि.३ =
१२	गु	४०	१	पू	४०	११	प्री	२९	४६	ब	१२	५५	१५	३३	२७	२८	१०	१९	म.५४।१७	हस्तेशुक्रः३८।२१
१३	शु	३४	४७	उ	३६	३४	आ	२२	४४	कौ	७	२४	१२	३४	२६	२९	११	२०	मकरे	प्रदोषः
१४	श	३०	१	श्र	३३	५१	सौ	१६	६	ग	२	२४	८	३४	२६	३०	१२	२१	मकरे	भ.३०।१उ.५८।१३या.
१५	र	२६	२५	ध	३१	५८	शो	९	५६	ब	२६	२५	४	३५	२५	३१	१३	२२	कुं.२।५५	श्रावणीकर्मरक्षाबन्धनम्

१८प.श्रा.शु.२मं.इ. ४९/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	१०	४	९	१	३
२४	१३	३	४	२९	१५	१२	२३
१६	२७	५४	१७	३३	१५	५६	४१
३७	१८	४३	२४	२२	५४	६	५३
५७	३९	५/१९	४६/७	७१	३४/३४	३	५७
३३	५	४९	व.	५५	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले ८ चन्द्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ गतालकावस्था ऊभी मु. ३० धान्यादिभावेसमताशुक्रोदयः पश्चिमायां ।

÷चमंशु

गोचर ग्रहाः

१९पं.श्रा.शु.१०मं.इ. ४९/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१०	५	९	१	४
०	१७	१६	३	७	१४	१२	०
५९	५२	२७	२२	५०	४५	३३	२४
५३	३४	४	३८	४२	३६	५०	६
५७	३९	७/०९	५२/७	७१	१८/४	३	५७
४०	१२	१९	व.	२८	व.	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	चं	२३	५९	श	३१	३८	अ	४	५७	कौ	२३	५९	३२/५	५/३६	६/२४	१	१४	२३	कुंभे	भा.भाद्रपदारंभः
२	मं	२३	२०	पू	३२	४०	सु	१/११	५७/३१	ग	२३	२०	३१/५७	३७	२३	२	१५	२४	मी१७।२४	भ.५३।५४उ.उफा.बुधः०।४४
३	बु	२४	२८	उ	३५	३६	शू	५७	२९	वि	२४	२८	५३	३७	२३	३	१६	२५	मीने	भ.२४।२८या.चतुर्थीव्र.
४	गु	२७	१७	रे	४०	२	गं	५८	२४	बा	२७	१७	४९	३८	२२	४	१७	२६	मे.४०।२	कन्यायांबुध६।८
५	शु	३१	३७	अ	४५	५७	वृ	५८	४१	तै	३१	३७	४६	३९	२१	५	१८	२७	मेषे	चंद्रषष्ठी [×उफा.भौमः ४०/२ गोगा९
६	श	३६	५६	भ	५२	४३	ध्रु	६०	०	ग	४	१६	४२	४०	२०	६	१९	२८	मेषे	भ.३६।५६उ.
७	र	४३	८	कृ	६०	०	ध्रु	०	२३	वि	१०	२	३८	४०	२०	७	२०	२९	वृ.९।३२	भ.१०।२या.
८	चं	४९	२८	कृ	०	३	व्या	२	४०	बा	१६	१८	३४	४१	१९	८	२१	३०	वृषे	पूफा.रविः३७।११जन्माष्टमी व्र.
९	मं	५५	१४	रो	७	३१	ह	४	८	तै	२२	४१	३०	४२	१८	९	२२	३१	मि४१।५	पूफा.रविः सौरः १५/३७ चित्रा.शुक्रः१।३९ ×
१०	बु	६०	०	मृ	१४	४०	व	७	१७	व	२७	४०	२६	४३	१७	१०	२३	१	मिथुने	भ.२७।४०उ.सितम्बर९ता.३०
१०	गु	०	५	आ	२०	३४	सि	८	३७	वि	०	५	२२	४४	१६	११	२४	२	मिथुने	भ.०।५या.हस्तेबुधः२।४०
११	शु	३	२५	पु	२५	९	व्य	८	४९	बा	३	२५	१८	४४	१६	१२	२५	३	क.९।०	अजा११व्र.
१२	श	५	११	पु	२८	५	व	७	५६	तै	५	११	१५	४५	१५	१३	२६	४	कर्के	वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	र	५	१४	श्ले	२९	१८	प	५	४१	व	५	१४	११	४६	१४	१४	२७	५	सिं२९।१८	भ.५/१४ उ.३४/१६ या.तुलायाशुक्रः४५।२+
१४	चं	३	१७	म	२८	४४	शि	१/५६	५५/१	श	३	१७	७	४७	१३	१५	२८	६	सिंहे	[+कन्यायांभौमः ५३/५६
३०	मं	०	४	पू	२६	५८	सा	५०	५०	ना	०	४	३	४७	१३	१६	२९	७	कं.४१।१४	कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.२मं.इ.४९।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१०	५	९	१	४
७	२२	२७	२	१६	१४	१२	७
४४	१८	५८	२८	४	१७	११	७
२०	५४	१	३०	४१	१७	३५	३४
५७	३९	९५	५२/७	७१	४/३	३	५७
४९	१२	४१	व.	२	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

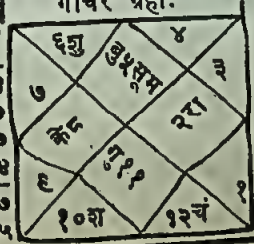

गोचर ग्रहाः

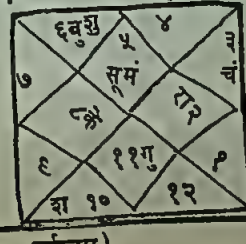

२१पं.भा.कृ.९म.इ.४९/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	१०	५	९	१	४
१४	२६	८	१	२४	१३	११	१३
३०	४६	१८	३४	१६	५१	४९	५२
०	१९	४	५२	५	२९	१९	४६
५८	३९	८३	३७/७	७०	३/४६	३	५७
१	२९	३५	व.	२१	व.	११	५७

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः ३८०८सं. २०२१
१	मं ५५ १६ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु ५० ० उ २४ १	शु ४४ ६	बा २२	४१	३०	४८	६	१७ ३० ८	कन्यायां चंद्रदर्शनम्
३	गु ४४ ५ ह २० १७	शु ३६	४१	ते १७	२	५५	४६	११ १८ १ ६	तृ.४८।१७ सफर२हरितालिका३
४	शु ३८ ६ चि १६ १८	ब्र २८	५५	व ११	५	५१	५०	१० १९ २ १०	तुलायां भ.१५उ.३६या.वक्रीश्रवण१शनिः +
५	श ३२ ३ स्वा १२ ६	ऐं २१	१८	ब ५	४	४७	५१	६ २० ३ ११	स्वात्यांशुक्रः ३०।२६ऋषिपंचमी
६	र २६ १६ वि ८ १०	वै १३	५६	ते २६	१६	४३	५१	६ २१ ४ १२	वृश्चिके चित्रा.बुध५७।९
७	चं २० ५८ अ ४ २५	वि ३७	५३	व २०	५८	३९	५२	८ २२ ५ १३	वृश्चिके भ.५८उ.१६या.उफा.रविः २१।३६
८	मं १५ ४० ज्ये १	आ ५२	३२	ब १५	४०	३५	५३	७ २३ ६ १४	ध.१।३ उफा.रविःसौरः १७वक्रीधनि.२मकरेA
९	बु ११ ७ पू ५५ २९	सौ ४६	७	कौ ११	७	३१	५४	६ २४ ७ १५	धनुषि [Aगुरुः ४५।३६[+४३।३६गणेशचतुर्थी
१०	गु ६ ४८ उ ५३ २८	शो ४०	१०	ग ६	४८	२७	५५	५ २५ ८ १६	म.६।५६ भ ३५।०उ.कन्यायामर्कः ४६।५७
११	शु ३ १३ श्र ५२ १२	अ ३४	३७	वि ३	१३	२३	५६	४ २६ ९ १७	मकरे भ.३।१३या.कन्याऽर्कःसौरः २५।२८ ×
१२	श ० ९ ध ५१ ३०	सु २९	५३	बा ०	९	१८	५६	४ २७ १० १८	कुं.२१।५१ प्रदोषः [×जलझूलनी ११व्र.वामनजयंती
१३	श ५६ ५३ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	र ५७ ५ श ५१ ५५	धृ २५	४३	ग २७	३	१४	५७	३ २८ ११ १९	कुंभे भ.५७।५उ.अनंत१४
१५	चं ५७ ३ पू ५३ २४	शू २२	१५	वि २७	४	९	५८	२ २९ १२ २०	मी३८।२ भ.२७।४या.मरालयारंभः

२२पं.भा.शु.१मं.इ.४९ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	१०	६	९	१	४
२१	१	१७	०	२	१३	११	२०
१७	१६	२३	४४	२४	२९	२७	३९
२	८	३५	४२	११	६	४	२६
५८	३९	६९	५८	६९	३	३	५८
१३	२९	४	व.	३५	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

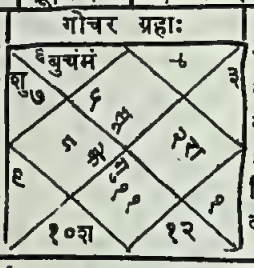

भाद्रपदशुक्ले१० गुरौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ वृद्धाऽवस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

२३पं.भा.शु.८मं.इ.४९ १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	९	६	९	१	४
२८	५	२४	२९	१०	१३	११	२७
५	४५	५४	५९	२७	९	४	२७
२४	५८	२२	३८	५८	५८	४८	४४
५८	३९	५०	६	६८	३	३	५८
२६	३९	३२	व.	५०	व.	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	मं ५८ ४५ उ ५६ २०	गं १९	५३	बा २७	५४	३०	५५	६ ३० १३ २१	मीने तुलायांबुधः ३७।४१हस्तेभौमः २२।४१
२	बु ६० ० रे ६० ०	वृ १८	५६	ते ३०	१५	३३ ००	५९ ००	६ ३१ १४ २२	मीने
२	गु १ ४६ रे ० ३६	धु १८	२७	ग १	४६	२९ ५६	५५	१ १५ २३	मे.०।३६ भ.५३उ.विशाशुक्र१२भा.आश्विनारंभः
३	शु ६ १ अ ६ १२	व्या १९	६	वि ६	१	५२	२	५८ २ १६ २४	मेषे भ.६।१या.चतुर्थीव्र.
४	श ११ १२ भ १२ ३१	ह २०	३८	बा ११	१२	४८	२	५८ ३ १७ २५	वृ.२९।२१ वक्रीबुधः ३७।४८
५	र १७ १९ कृ १९ ५२	व २२	३९	ते १७	१९	४४	३	५७ ४ १८ २६	वृषे
६	चं २३ ४४ रो २७ ३१	सि २५	७	व २३	४४	४०	४	५६ ५ १९ २७	वृषे भ.२३।४४उ.५६।५०या हस्तेरविः +
७	मं २९ ५५ मृ ३४ ५५	व्य २७	३२	ब २९	५५	३६	५	५५ ६ २० २८	[+ ०।६ (सौरः ३७।५८) मि१।१३
८	बु ३५ २३ आ ४१ ४४	व २९	२५	बा २	३९	३२	६	५४ ७ २१ २९	मिथुने [=अनु.२केतुः ३३शस्त्रादिहतानाँश्रा.
९	गु ३९ २२ पु ४७ ३	प ३०	२५	ते ७	२३	२८	६	५४ ८ २२ ३०	मातृ९ (सौभाग्यवतीनांश्रा.) क.३०।४३
१०	शु ४१ ५० पु ५१ ६	शि ३०	१७	व १०	३६	२३	७	५३ ९ २३ १	कर्के भ.१९उ.५१या.अक्टूबर१०ता.३१
११	श ४२ २४ श्ले ५३ १०	सि २८	४२	ब १२	७	१९	८	५२ १० २४ २	सिं५३।१० वृश्चिकेशुक्रः ५।६इंदिरा११व्र.
१२	र ४० ५५ म ५३ १०	सा २५	३४	कौ ११	३९	१५	९	५१ ११ २५ ३	सिंहे वक्रीकन्यायांबुधः १५बुधास्तःपश्चि. ३९
१३	चं ३७ ८ पू ५१ २९	शु २०	५९	ग ९	१	११	१०	५० १२ २६ ४	सिंहे भ.३७।८उ.प्रदोषः
१४	मं ३२ १७ उ ४७ ५८	शु १४	५४	वि ४	४३	७	११	४९ १३ २७ ५	कं.५।३६ भ.४।४३या.अनु.शुक्रः १९कृत्ति४राहुः =
३०	बु २५ ५२ ह ४३ १४	ब्र २५	५१ ३३	ना २५	५२	३	११	४९ १४ २८ ६	कन्यायां सर्वपितृ३०

२४पं.आ.कृ.१मं.इ.४९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	९	६	९	१	५
४	१०	०	२९	१८	१२	१०	४
५५	१७	४	२१	२८	५४	४२	१७
१९	२८	१९	४	१२	३२	३२	५१
५८	३९	२२	१५	४७	३	३	५८
३८	२६	३२	व.	५२	व.	११	४५

२५पं.आ.कृ.७मं.इ.४८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	९	६	९	१	५
११	१४	१	२८	२६	१२	१०	११
४६	५१	२४	५०	२१	४३	२०	९
५२	२५	१४	२४	५४	३७	१७	५०
५८	३९	१८	३	६६	१५	३	५९
५३	४७	व.	व.	४२	व.	११	०

२६पं.आ.कृ.१४मं.इ.४८ ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	९	७	९	१	५
१८	१९	२६	२८	४	१२	९	१८
४०	२६	४८	२९	९	३७	५८	३
९	२४	२२	२	२२	४८	१	३७
५९	३९	७४ ५०	३५	६७	२३	३	५९
९	५६	व.	व.	१६	१	११	१६

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०७८ शाकः १९४३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८३७स.२०२१
१	गु १८ २५ चि ३७ ३९ वै ४९ ५५ ब १८ २५	२८	६ १२	५ ४८	१५	२९	७	तु.१०।२६	नवरात्रारंभः मातामह श्रा.
२	शु १० ४४ स्वा ३१ ४९ वि ४० ४० कौ १० ४४	५५	१३	४७	१६	३०	८	तुलायां	वक्रीहस्तेबुधः३५।४९ चंद्रदर्शनम्
३	श २ ४३ वि २५ ५१ प्री ३१ २८ ग २ ४३	५१	१४	४६	१७	१	९	वृ.१२।२०	भ.२८।५८उ.५५।१४या.मार्गशिनिः=
४	श ५२ ३१ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=५०।४ रविलावल३
५	र ४८ २६ अ २० २७ आ २२ १६ ब २१ ५०	४७	१५	४५	१८	२	१०	वृश्चिके	चित्रा.रविः३२।८
६	चं ४२ १६ ज्ये १५ ४४ सौ १४ ८ कौ १५ २१	४३	१५	४५	१९	३	११	ध.१५।४४	चित्रा.रविःसौरः६/२ चित्रा.भौमः४/३
७	मं ३७ २० मू ११ ४९ शो ६/२५ ५३/१९ ग ९ ४८	३९	१६	४४	२०	४	१२	धनुषि	भ.३७।२०उ.
८	बु ३३ १३ पू ९ ५ सु ५३ २९ वि ५ १६	३५	१७	४३	२१	५	१३	म.२३।३८	भ.५।१६या.
९	गु ३० २५ उ ७ १४ धृ ४८ २२ बा १ ४९	३१	१८	४२	२२	६	१४	मकरे	[×ज्येष्ठा.शुक्रः१६।४८
१०	शु २८ ३० श्र ६ ३१ शू ४४ १ ग २८	३०	१९	४१	२३	७	१५	कु.३६।४१	भ.५८।५उ.बुधोदयःपूर्वस्यां४७।१२
११	श २७ ४० ध ६ ५१ गं ४० २९ वि २७	४०	२०	४१	२४	८	१६	कुम्भे	भ.२७।४०या.पापांकुशा११व्र.
१२	र २८ ७ श ८ १३ बृ ३८ २ बा २८ ७	२०	२०	४०	२५	९	१७	मी५५।५	तुलायामर्कः१५।५७(सौरः५१।१६)×
१३	चं २९ २६ पू १० ४३ ध्रु ३६ १६ तै २९ २६	१६	२१	३९	२६	१०	१८	मीने	मार्गीबुधः२५।३८ प्रदोषः
१४	मं ३१ ५९ उ १४ ३४ व्या ३५ ४० ग ० ४३	१२	२२	३८	२७	११	१९	मीने	भ.३१/२उ.मार्गीगुरुः३/५ कोजागरी व्र.
१५	बु ३५ ४० रे १८ ४६ ह ३५ २२ वि ३ ४९	८	२२	३८	२८	१२	२०	मे.१८।४६	भ.३।४९या.शरदपूर्णिमा का.स्ना.प्रा.

२७पं.प्रा.शु.७मं.इ.३/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	९	७	९	१	५
२५	२४	१९	२८	११	१२	९	२४
३५	३	७	१७	४८	३६	३५	५९
२	४७	१९	४२	१८	३६	४६	१९
५९	४०	५३/२२	३५	६३	१०	३	५९
२१	६	व.	व.	४३	मा	११	३१

गोचर ग्रहाः

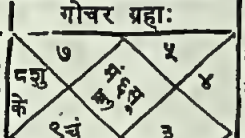

आश्विनशुक्ले १२रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.५कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

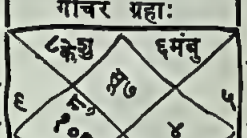

२८पं.प्रा.शु.१४मं.इ.३/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	९	७	९	१	६
२	२८	१६	२८	१९	१२	९	१
३१	४२	१३	१४	१६	४०	१३	५६
२६	०	४८	२	१	४८	३०	४४
५९	४०	१४/४८	०	६१	१	३	५९
३४	१६	मा	मा	४५	४	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	गु ४० २४ अ २४ २६ व ३६ १७ बा ८ २	२८	६/२३	५/३७	२९	१३	२१	मेषे	तुलायां भौमः ४४।३७
२	शु ४५ ५४ भ ३० ५५ सि ३७ ३४ तै १३ ९	०	२४	३६	३०	१४	२२	वृ.४७।४१	[+५७।५९ भा.कार्तिकारंभः
३	श ५२ ४ कृ ३८ ३ व्य ३९ ३० व १८ ५९	२७/२९	२५	३५	१	१५	२३	वृषे	भ.१८।५९उ.५२।४या.स्वात्यांरविः+
४	र ५८ ३० रो ४५ ३२ व ४१ ४७ च २५ १७	५३	२५	३५	२	१६	२४	वृषे	स्वात्यांरविःसौरः३२।१९करक चतुर्थीव्र.
५	चं ६० ० मृ ५३ ७ प ४४ १२ कौ ३१ ४०	४९	२६	३४	३	१७	२५	मि१९।१९	
५	मं ४ ५० आ ६० ० शि ४६ ३० तै ४ ५०	४५	२७	३३	४	१८	२६	मिथुने	
६	बु १० ४१ आ ० ३४ सि ४८ १० व १० ४१	४१	२८	३२	५	१९	२७	क.५०।१६	भ.१०।४१उ.४३।६या.
७	गु १५ ३० पु ६ ५० सा ४८ ३२ ब १५ ३०	३७	२९	३१	६	२०	२८	कर्के	चित्रा बुधः३६।४७
८	शु १९ ४ पू १२ ८ शु ४८ २९ कौ १९ ४	३४	२९	३१	७	२१	२९	कर्के	
९	श २० ४१ श्ले १५ ३४ शु ४६ ४२ ग २० ४१	३०	३०	३०	८	२२	३०	सिं१५।३४	भ.५०।२९उ.मूलेंधनुषिशुक्रः२०।२
१०	र २० १७ म १७ ११ ब्र ४३ १८ वि २० १७	२७	३१	२९	९	२३	३१	सिंहे	भ.२०।१७या.स्वात्यांभौमः४३।९
११	चं १७ ५५ पू १६ ५२ ऐं ३८ ७ बा १७ ५५	२३	३१	२९	१०	२४	१	कं.३१।१४	नवम्बर११ता.३०रमा११व्र.
१२	मं १३ २६ उ १४ २० वै ३१ ३३ तै १३ २६	१९	३२	२८	११	२५	२	कन्यायां	तुलायांबुधः११।२६प्रदोषःघन१३
१३	बु ७ १३ ह १० ४ वि २३ २३ व ७ १३	१६	३३	२७	१२	२६	३	तु.३७।१२	भ.७।१३उ.३३।२१या.रूप१४
१४	बु ५२ १६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	गु ५० ५६ चि २० १५/५३ प्री १४ ९ च २५ १३	१२	३४	२६	१३	२७	४	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२९पं.का.कृ.५मं.इ.४८।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	९	७	९	१	६
९	३	२१	२८	२६	१२	८	८
२९	२२	९	२१	३०	४९	५१	५६
४२	१२	४०	१८	३६	१२	१४	४
५९	४०	७२	१	१५९	१	३	६०
४७	२६	२	१३	१९	३८	११	२

गोचर ग्रहाः

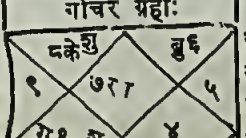

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना बाजरा मूंग मोठ तेज हो धातु सोना चांदी रसकस कपास रुई मंदी हो ।

गोचर ग्रहाः

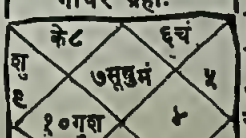

३०पं.का.कृ.१२मं.इ.४/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	९	८	९	१	६
१६	८	०	२८	३	१३	८	१५
२९	४	५५	३७	२८	२	२८	५७
२८	१६	३७	४१	५२	५३	५९	८
६०	४०	९१	२	५६	२	३	६०
४	२९	७	३५	४	२५	११	१८

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८६६स.२०२१
१	शु ४१ ३३ वि ५० ३२ आ ४ ४९ किं १६ १४	२७ ६	५	२६	१४	२८	५	वृ.३७।१८	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	श ३२ २० अ ४३ २ शो ४२ ५८ बा ६ ५६	५ ३५	२५	१५	२९	६		वृश्चिके	विशा.रविः १५ (सौरः ४३) स्वात्यांबुधः=
३	र २३ ४६ ज्ये ३६ १७ अ ३२ ४९ ग २३ ४६	२ ३६	२४	१६	१	७		ध.३६।१७	भ.४९ उ.बुधास्तः पूर्वस्यां १६ रविलाखर४
४	चं १५ ४९ मू ३० १५ सु २३ ३ वि १५ ४९	२६ ५८ ३६	२४	१७	२	८		धनुषि	भ.१५।४९या.
५	मं ९ १९ पू २५ ३५ धृ १४ २७ बा ९ १९	५५ ३७	२३	१८	३	९		म.३९।४९	श्रवण.२शनिः ३२।२६
६	बु ४ २ उ २२ २९ शू ७ २ तै ४ २	५२ ३८	२२	१९	४	१०		मकरे	[=२७ चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
७	गु ० २६ श्र २० ५३ गं ० ५५ व ० २६	४९ ३८	२२	२०	५	११		कुं.५०।५२	भ.०।२६उ.२९।२३या. गोपाष्टमी
८	गु ५७ ५४ ० ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०			
९	शु ५७ ५५ ध २० ५२ ध्रु ५२ ९ बा २८ ८	४५ ३९	२१	२१	६	१२		कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
१०	श ५८ ५६ श २२ २२ व्या ४९ ४३ तै २८ २६	४२ ४०	२०	२२	७	१३		कुंभे	पूषा.शुक्रः १०।४९
११	र ६० ० पू २५ २० ह ४८ १५ व ३० ६	३९ ४०	२०	२३	८	१४		मी९।३५	भ.३९ उ.विशा.बुधः ४३ प्रबोधिनी ११ व्र.×
११	चं १ १६ उ २९ २८ व ४८ २ वि १ १६	३६ ४१	१९	२४	९	१५		मीने	भ.१।१६या. [×तुलसीविवाहः
१२	मं ४ ४७ रे ३४ ३७ सि ४८ २७ बा ४ ४७	३३ ४१	१९	२५	१०	१६		मे.३४।३७	वृश्चिकेऽर्कः १४।३० (सौरः ४४) प्रदोषः
१३	बु ९ १९ अ ४० ३१ व्य ४९ २४ तै ९ १९	३० ४२	१८	२६	११	१७		मेषे	वैकुंठ१४
१४	गु १४ ४१ भ ४७ २१ व ५१ ६ व १४ ४१	२७ ४३	१७	२७	१२	१८		मेषे	भ.१४।४१उ.४७।३५या.
१५	शु २० २८ कृ ५४ ३७ प ५३ १ ब २० २८	२५ ४३	१७	२८	१३	१९		वृ.४।१०	अनु.रविः ३२।५०मन्वादिः का.स्नापू.

३१पं.का.शु.५म.इ. ४७ ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	९	८	९	१	६
२३	१२	१२	२९	१०	१३	८	२३
३०	४७	६	३	४	२०	६	५९
५०	१३	१८	५०	१	४९	४३	४१
६०	४०	९७	३	५१	३	३	६०
१७	२९	५२	५७	५८	११	११	३०

गोचर ग्रहाः

कार्तिकशुक्ले १२भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३गतालकाव-स्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

३२पं.का.शु.१२म.इ. ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	९	८	९	१	७
०	१७	२३	२९	१६	१३	७	०
३३	३२	२५	३९	१०	४३	४४	३
२९	३१	१६	१८	८	५५	२८	४५
६०	४०	९९	५	४७	३	३	६०
३०	३३	१५	५	५	४७	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	श २६ ५५ रो ६० ० शि ५५ १० कौ २६ ५५	२६ ६ ३२ ४४	५ १६	२९	१४	२०		वृषे	अनु.रविः सौरः ८ वृश्चिकेबुधः ५९+
२	र ३३ १९ रो २ ५ खि ५७ २७ तै ० ७	१९ ४४	१६	३०	१५	२१		मि३५।३५	[+विशा.भौमः २ धनि.३कुं भेगुरुः ७
३	चं ३९ ९ मृ ९ ५ सा ५९ ३६ व ६ १४	१७ ४५	१५	१	१६	२२		मिथुने	भ.६ उ.३९या.अनु.बुधः ४६÷
४	मं ४५ २८ आ १७ २ शु ६० ० ब १२ १८	१४ ४५	१५	२	१७	२३		मिथुने	चतुर्थी व्र. [÷भा.मार्गशीर्षारंभः
५	बु ५० ३६ पु २३ ४४ शु १ २६ कौ १८ २	१२ ४६	१४	३	१८	२४		क.७।४	
६	गु ५४ ४२ पु २९ ४० शु २ ४९ ग २२ ३९	९ ४६	१४	४	१९	२५		कर्के	भ.५४।४२उ.
७	शु ५७ २१ श्ले ३४ ७ बु ३ ५ वि २६ १	७ ४७	१३	५	२०	२६		सिं३४।७	भ.२६।१या.
८	श ५८ १७ म ३७ १४ दे २ २५ बा २७ ४९	५ ४७	१३	६	२१	२७		सिंहे	
९	र ५७ २४ पू ३८ १३ वै १४ ५५ तै २७ ५१	२ ४८ ३७	१२	७	२२	२८		कं.५३।१३	
१०	चं ५४ २८ उ ३८ १४ प्री ५१ ४४ व २५ ५६	० ४८	१२	८	२३	२९		कन्यायां	भ.२५ उ.५४या.उदयोभौमः ४८
११	मं ४९ ४२ ह ३५ ४५ आ ४५ १३ ब २२ ५	२५ ४८ ५८	१२	९	२४	३०		कन्यायां	ज्येष्ठा.बुधः १०।२८उत्पत्ति ११ व्र.
१२	बु ४३ ९ चि ३१ २२ सो ३७ ४ कौ १६ २५	५६ ४९	११	१०	२५	१		तु.३।३४	उषा.शुक्रः २९।५०दिसम्बर १२ता.३१
१३	गु ३५ १३ स्वा २५ २९ शो २७ ४४ ग ९ ११	५४ ४९	११	११	२६	२		तुलायां	भ.३५।१३उ.ज्येष्ठारविः ४२।५७ प्रदोषः
१४	शु २५ ५९ वि १८ ३५ अ १७ ३१ वि ० ३५	५३ ४९	११	१२	२७	३		वृ.५।१	भ.०।३५या.ज्येष्ठा.रविः सौरः ८।४२
३०	श १६ १४ अ १० ५२ सु ६ ४० ४८ ना १६ १४	५१ ५०	१०	१३	२८	४		वृश्चिके	वृश्चिकेभौमः ५१।३७

३३पं.मा.कृ.४म.इ.४७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१०	८	९	१	७
७	२२	४	०	२१	१४	७	७
३७	१९	३५	२२	३८	१०	२२	९
२६	५२	४९	५९	१३	४१	१२	१८
६०	४०	५८	६	४०	४	३	६०
४२	५३	१७	१४	१५	२८	११	५३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना जौ गेहूं मक्का धातु सोना चांदी लोहा रसकस गुड़ शक्कर तेज हो प्रजा में दुख फैले।

गोचर ग्रहाः

३४पं.मा.कृ.११म.इ. ४७ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१०	८	९	१	७
१४	२७	१५	१	२६	१४	६	१४
४२	८	३९	१५	१७	४१	५९	१६
४०	४९	१४	४	१३	२८	५६	४
६०	४१	९९	७	३२	४	३	६१
५०	०	४९	१३	४	५६	११	३

तिं.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८९६स.२०२१
१	र ६ २९ ज्ये २ ५३ शू ४४ ३२ ब ६ २९ ३५ ६ ५ १४ २९ ५	घ.२।५२	चन्द्रदर्शनम्						
२	र ५० ३६ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०								
३	चं ४८ ४९ पू ४८ ४० गं ३४ ६ तै २२ ५७ ४८ ५० १० १५ १ ६	धनुषि	जमादिलावल५						
४	मं ४१ ४६ उ ४३ २६ बृ २४ ४३ व १५ १७ ४६ ५१ ९ १६ २ ७	म.२।२१	भ.१५उ.४१या.कृत्ति.३राहुःअनु.१=						
५	बु ३६ ३७ श्र ३९ ४४ धु १६ ३२ ब ९ ११ ४५ ५१ ९ १७ ३ ८	मकरे	मकरेशुक्रः२१।२७ [=केतुः३।२०						
६	गु ३३ १२ ध ३८ ० व्या १० ४ कौ ४ ५४ ४४ ५१ ९ १८ ४ ९	कुं.८।५२	मूलेधनुषिबुधः३९अनु.भौमः४३						
७	शु ३१ ५३ श ३८ ५ ह ४ ५५ ग २ ३२ ४३ ५१ ९ १९ ५ १०	कुंभे	३८						
८	श ३२ ३१ पू ४० २२ व २९ ५९ वि २ ११ ४२ ५२ ८ २० ६ ११	मी२४।४८	भ.२।११या.						
९	र ३४ ५२ उ ४४ ६ व्य ५८ ४४ बा ३ ४१ ४१ ५२ ८ २१ ७ १२	मीने							
१०	चं ३८ ४४ रे ४९ ४० च ५९ २२ तै ६ ४८ ४० ५२ ८ २२ ८ १३	मे.४९।४०							
११	मं ४३ ४९ अ ५५ ४८ प ६० ० व ११ १७ ३९ ५२ ८ २३ ९ १४	मेषे	भ.११।१७उ.४३।४९या.मोक्षदा११व्र.						
१२	बु ४९ ३७ भ ६० ० प ० २५ ब १६ ४३ ३९ ५२ ८ २४ १० १५	मेषे	मूले.धनुष्यर्कः५०।१२ [×३९ प्रदोषः						
१३	गु ५५ ४९ भ ३ ५ शि २ २६ कौ २२ ४३ ३८ ५२ ८ २५ ११ १६	वृ.१९।५२	मूलेधनुष्यर्कःसौरः१२।३२घनि.४गुरुः×						
१४	शु ६० ० कृ १० १२ सि ४ २२ ग २९ ८ ३८ ५२ ८ २६ १२ १७	वृषे	[+वक्रीशुक्रः१५।२दत्तजयंती						
१४	श २ २६ रो १७ ५२ सा ६ ३९ व २ २६ ३७ ५३ ७ २७ १३ १८	मि५१।३१	भ २।२६उ.३५।३६या.पूषा.बुधः१३+						
१५	र ८ ४६ मृ २५ ११ शु ८ ४९ ब ८ ४६ ३७ ५३ ७ २८ १४ १९	मिथुनें							

३५पं.मा.शु.४मं.इ.४७।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१०	८	९	१	७
२१	२	२६	२	२९	१५	६	२१
४८	०	३९	१३	४७	१६	३७	२३
४३	११	४०	५९	५६	१६	४१	४६
६०	४१	९८	८	२१	५	३	६१
५६	७	५६	२५	१	२६	११	११

गोचर ग्रहाः

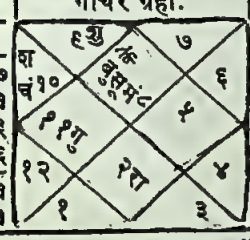

मार्गशीर्षशुक्ले १२बुधे धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा२ न. ३ गतालकावस्था (ऊर्ध्वा)मु.१५क्षाद्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

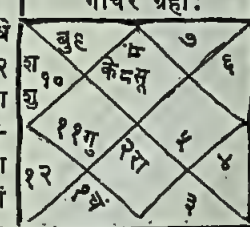

३६पं.मा.शु.११मं.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	१०	९	९	१	७
२८	६	७	३	१	१५	६	२८
५५	५२	४०	१९	५७	५४	१५	३२
३७	४४	१९	४१	१८	१८	२५	२९
६१	४१	९८	९	७	५	३	६१
०	११	२	१३	३२	५०	११	१०

तिं.	पौष कृष्णपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	चं १४ ५३ आ ३२ ३२ शु १० ४० कौ १४ ५३ ३५ ६ ५ २९ १५ २०	मिथुने							
२	मं २० २६ पु ३८ ५४ ब्र १२ ११ ग २० २६ ३६ ५३ ७ ३० १६ २१	क.२२।१९	भ.५२।४७उ.						
३	बु २५ ९ पु ४४ ४२ ऐं १३ २२ वि २५ ९ ३६ ५३ ७ १ १७ २२	कर्के	भ.२५या.श्रवण.३शनि.३५बुधोदयः÷						
४	गु २९ १ श्ले ४९ ३१ वै १३ ४५ बा २९ १ ३६ ५३ ७ २ १८ २३	सिं४९।३१	[÷पश्चिमायां३४भा.पौषारंभः–						
५	शु ३१ ४४ म ५३ १३ वि १३ २२ कौ ० २२ ३७ ५३ ७ ३ १९ २४	सिंहे	[–चतुर्थी व्र.						
६	श ३३ १६ पू ५५ ३७ प्री १२ ५ ग २ २९ ३७ ५३ ७ ४ २० २५	सिंहे	भ.३३।१६उ. [Eमकरेबुधः५।४१						
७	र ३३ २३ उ ५६ ४२ आ ९ ३५ वि ३ १९ ३७ ५३ ७ ५ २१ २६	कं.१०।५३	भ.३।१९या.उषा.बुधः५२।१०						
८	चं ३१ ५२ ह ५६ ८ सौ ५ ५२ बा २ ३७ ३८ ५२ ८ ६ २२ २७	कन्यायां	[+ज्येष्ठा.भौमः३९।२०						
९	मं २८ ४७ चि ५३ ५० शो ५९ ५३ ३९ तै ० १९ ३८ ५२ ८ ७ २३ २८	तु.२४।५९	भ.५६।२५उ.पूषा.रविः५५।१२+						
१०	बु २४ ३ स्वा ५० ६ सु ४७ १८ वि २४ ३ ३९ ५२ ८ ८ २४ २९	तुलायां	भ.२४।३या.पूषा.रविःसौरः१४।१०E						
११	गु १७ ५३ वि ४४ ५८ धृ ३८ ३१ बा १७ ५३ ४० ५२ ८ ९ २५ ३०	बृ.३१।१५	वक्रीधनुषिशुक्रः४।३सफला११व्र.						
१२	शु १० १४ अ ३८ ३० शू २८ ५५ तै १० १४ ४१ ५२ ८ १० २६ ३१	वृश्चिके	प्रदोषः						
१३	श १ ३७ ज्ये ३१ १९ गं १८ २६ व १ ३७ ४२ ५२ ८ ११ २७ १	ध.३१।१९	भ.१७उ.२७या.जनवरी१ता.३१सन्२२						
१४	श ५० ४५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०								
२०	र ४२ ४७ मू २३ ४६ बृ ३९ ७ ४९ च १७ ३५ ४३ ५१ ९ १२ २८ २	धनुषि	शत.१गुरुः३।१४						

२७पं.पौ.कृ.२मं.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१०	९	९	१	८
६	११	१८	४	२	१६	५	५
३	४७	४१	३१	११	३४	५३	४१
१४	५३	४६	२६	२०	५६	१०	५४
६१	४१	९५	९	८	६	३	६१
४	१९	९	५६	२६	१४	११	२२

गोचर ग्रहाः

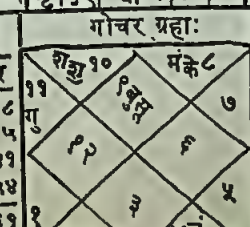

इस मास में धातु धान्य गल्ला गुड़ शक्कर कृष्णपक्ष में मंदा होकर शुक्लपक्ष में तेज हो जावेंगे।

गोचर ग्रहाः

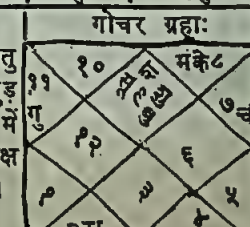

३८पं.पौ.कृ.९मं.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१०	९	९	१	८
१३	१६	२९	५	०	१७	५	१२
११	४५	३१	४८	३०	१८	३०	५१
१३	०	१६	४७	४३	२२	५४	४६
६१	४१	८९	१०	३	६	३	६१
६	२५	५३	४३	८	३१	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं.२०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३९२५स.२०२२
१	चं	३३	४९	पू	१६	२४	व्या	४६	२६	किं	८	१८	२५/४४	६/५१	५/९	१३	२९	३	म.२९।४३	
२	मं	२५	४१	उ	९	४१	ह	३७	१	कौ	२५	४१	४५	५१	९	१४	३०	४	मकरे	चंद्रदर्शनम्
३	बु	१९	५	श्र	४	२०	व	२८	४०	ग	१९	५	४७	५१	९	१५	१	५	कुं.३२।३१	भ४६/३८उ.वक्रीपूषाशुक्रः३१/२८जमादिलाखर६
४	गु	१४	११	ध	०/४१	५८/१६	सि	२१	३७	वि	१४	११	४८	५०	१०	१६	२	६	कुंभे	भ.१४।११या.
५	शु	११	१५	पू	५९	५८	व्य	१६	४१	बा	११	१५	५०	५०	१०	१७	३	७	मी४४।२०	शुक्रास्त.पश्चिमायां३७।१२
६	श	१०	४१	उ	६०	०	व	१३	२३	तै	१०	४१	५२	५०	१०	१८	४	८	मीने	
७	र	१२	२	उ	१	४९	प	११	२७	व	१२	२	५३	४९	११	१९	५	९	मीने	भ.१२।२उ.४३।४३या.
८	चं	१५	२४	रे	६	२	शि	११	२८	ब	१५	२४	५५	४९	११	२०	६	१०	मे.६।२	
९	मं	२०	२२	अ	१२	१८	सि	११	५८	कौ	२०	२२	५७	४९	११	२१	७	११	मेषे	उषा.रविः०।५७ सौरः१५।३७
१०	बु	२६	११	भ	१८	५९	सा	१३	४०	ग	२६	११	५९	४८	१२	२२	८	१२	वृ.३५।५२	भ.५९।२४उ.श्रवणेबुधः १९।२३
११	गु	३२	३७	कृ	२६	३१	शु	१५	५१	वि	३२	३७	२६/१	४८	१२	२३	९	१३	वृषे	भ.३२/३७या.शुक्रोदयःपूर्वस्यां५३/२४पुत्रदा११व्र.
१२	शु	३९	२०	रो	३४	२३	शु	१८	११	ब	५	५८	४	४७	१३	२४	१०	१४	वृषे	मकरेऽर्कः१६/२१ सौरः३१/४)वक्रीबुधः१७/९
१३	श	४५	४३	मृ	४१	४६	ब्र	२०	२६	कौ	१२	३१	६	४७	१३	२५	११	१५	मि८।४	प्रदोषः [=मा.स्ना.प्रा.
१४	र	५१	३२	आ	४८	४६	ऐं	२२	२२	ग	१८	३७	८	४६	१४	२६	१२	१६	मिथुने	भ ५१।३२उ.मूलेधनुषिभौमः१४।५०
१५	चं	५६	३३	पु	५४	५८	वै	२३	३८	वि	२४	२	११	४६	१४	२७	१३	१७	क.३८।२५	भ.२४।२या.बुधास्तःपश्चिमायां४।१९=

३९प.पौ.शु.२मं.इ. ४६/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	१०	८	९	१	८
२०	२१	९	७	२७	१८	५	२०
१९	४३	१९	१०	५	३	८	१
२६	२३	८	५५	५६	३२	३८	४३
६१	४१	७४	११	३४/३२	६	३	६१
६	४०	२३	२०	व:	४४	११	२६

गोचर ग्रहाः

शबुचं१० ८मके गु ११ ९सूशु ७ १२ ६ १ ३ ५ २रा ४

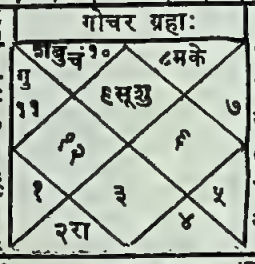

पौष शुक्ले १२ शुक्रे मकरेऽर्कःप्रविष्टःवा३ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी.मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

बुश१० मंके८ ११ गु ९सूशु ७ १२ ६ १ चं ३ ५ २रा ४

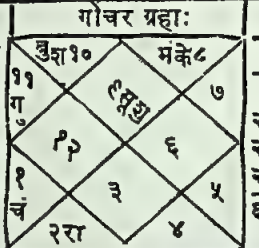

४०पं.पौ.शु.९मं.इ. ४६/२३

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	१०	८	९	१	८
२७	२६	१५	८	२२	१८	४	२७
२७	४३	३५	३७	५२	५०	४६	११
२२	३४	२	२६	२३	३८	२३	३५
६१	४१	३२	११	३५/३२	७	३	६१
६	५०	२६	५९	व	२	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	६०	०	पु	६०	०	वि	२४	१५	बा	२८	३४	२६/१३	६/४५	५/१५	२८	१४	१८	कर्के	शत.२गुरुः८।४४अस्तंशनेः५०।४२
१	बु	०	३४	पु	०	९	प्री	२४	१९	कौ	०	३४	१६	४५	१५	२९	१५	१९	कर्के	[×भा.माघारंभः चतुर्थी व्र.
२	गु	३	४४	श्ले	४	२८	आ	२३	२७	ग	३	४४	१९	४४	१६	३०	१६	२०	सिं४।२८	भ.३४।४०उ.अभि.प्र.रविः५०।५१
३	शु	५	३६	म	७	५०	सौ	२१	४९	वि	५	३६	२१	४४	१६	१	१७	२१	सिंहे	भ.५।३६या.अभि.प्र.रविःसौरः२।२५×
४	श	६	२९	पू	१०	९	शो	१९	२२	बा	६	२९	२४	४३	१७	२	१८	२२	कं.२५।२७	श्रवण.४शनिः०।२९
५	र	६	२३	उ	११	२२	अ	१६	४	तै	६	२३	२७	४३	१७	३	१९	२३	कन्यायां	वक्रीउषा.बुधः७।१
६	चं	५	४१	ह	११	३२	सु	११	५०	व	५	४१	२९	४२	१८	४	२०	२४	तु.४१।०	भ.५/४१उ.३४/१५या.श्रवणेरविः५/२८+
७	मं	२	४९	चि	१०	२८	धृ	६	४१	ब	२	४९	३२	४२	१८	५	२१	२५	तुलायां	अभि.नि रविःसौरः९।३८
८	मं	५६	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+(सौरः१९/२१)अभि.नि.रविः५७/४३
९	बु	५४	५४	स्वा	८	२६	शू	०/३२	५३/१३	तै	२७	११	३५	४१	१९	६	२२	२६	वृ.५१।५	
१०	गु	४९	७	वि	५	१८	बृ	४५	५३	व	२२	१	३८	४०	२०	७	२३	२७	वृश्चिके	भ.२२।१उ.४९।७या.
११	शु	४२	२७	अ	०/५८	५४/४१	ध्रु	३७	६	ब	१५	४७	४१	४०	२०	८	२४	२८	ध.५५।३९	षट्तिला११व्र.
१२	श	३४	५९	मू	४९	४१	व्या	२७	५३	कौ	८	४३	४५	३९	२१	९	२५	२९	धनुषि	बुधोदयःपूर्वस्यां१।२७ .
१३	र	२६	५६	पू	४३	३२	ह	१७	१६	ग	०	५८	४८	३८	२२	१०	२६	३०	म.५६।५९	भ.२६/५६उ.५२/५२या.मार्गीशुक्रः२५/३४ प्रदोषः
१४	चं	१८	४७	उ	३७	१७	व	८/३४	५०/३१	श	१८	४७	५१	३८	२२	११	२७	३१	मकरे	
३०	मं	१०	५५	श्र	३१	३२	व्य	५०	११	ना	१०	५५	५४	३७	२३	१२	२८	१	कुं.५८।२१	फर्वरी२ता.२८

४१पं.मा.कृ १मं.इ.४६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	८	९	१	९
४	१	१४	१०	१९	१९	४	४
३५	४६	१२	७	११	३९	२४	२१
१३	१६	५४	४४	२८	११	७	४
६१	४२	५७/५५	१२	२६/२१	६	३	६१
३	५	व.	२०	व	२६	११	१९

११गु १० सूशबु ९मंशु १२ ८ के १ ७ २ रा चं४ ६ ३ ५

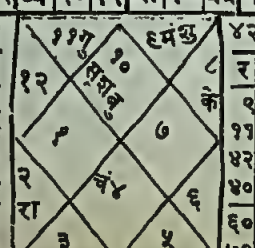

४२पं.मा.कृ.७मं.इ.४६।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	८	९	१	९
११	६	६	११	१७	२०	४	११
४२	४९	१२	४०	१०	२८	१	२९
४०	५५	४७	५२	२३	४४	५२	५५
६०	४२/१०	८५	१२	११/१०	७	३	६१
५९	व	३२	४७	व.	१७	११	१३

गु११ श १० सूबुचं शु मं९ के १२ ८ १ ७ रा ४ ६ २ ३ ५

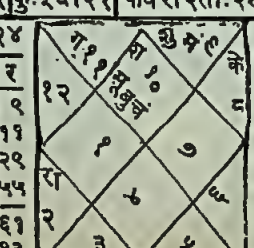

४३पं.मा.कृ ३०मं.इ.४६/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	८	९	१	९
१८	११	०	१३	१७	२१	३	१८
४९	५५	२८	१६	४	१८	३९	३८
१६	३७	१२	५५	५९	४७	३६	१
६०	४२	२४/४०	१३	५/१७	७	३	६१
५५	१४	व.	८	मा	२०	११	४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३९५५स.२०२२
१	बु	४	०	ध	२५	१०	व	४२	३४	व	४	०	२६	६	५	१३	२९	२	कुंभे	शत.३गुरुः०।३७ चंद्रदर्शनम्
२	बु	५४	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	गु	५४	२८	श	२३	५७	प	३६	१६	वै	२६	२६	२७	३६	२४	१४	१	३	कुम्भे	पूषा.भौमः४६।२५रज्जव७
४	शु	५२	४७	पू	२२	५३	शि	३१	१०	व	२३	३७	५	३५	२५	१५	२	४	मी८।९	भ.२३।३७उ.५२।४७या.
५	श	५२	५४	उ	२३	४५	सि	२७	५९	व	२२	५०	८	३४	२६	१६	३	५	मीने	मार्गीबुधः२२।४०वसंत५
६	र	५५	१७	रे	२६	४०	सा	२६	५७	कौ	२४	५	१२	३४	२६	१७	४	६	मे.२६।४०	धनि.रविः१३।४६(सौरः२४।११)
७	चं	५९	२६	अ	३१	२५	शु	२६	२९	ग	२७	२१	१५	३३	२७	१८	५	७	मेषे	भ.३९उ.कृत्ति.२राहुःविशा.४केतुः३९=
८	मं	६०	०	भ	३७	४३	शु	२७	३१	वि	३२	८	१९	३२	२८	१९	६	८	वृ.५४।३१	भ.३१या.पातमोक्षः१३भीष्माष्टमी
९	बु	४	५२	कृ	४४	५५	ब्र	२९	२६	व	४	५२	२३	३१	२९	२०	७	९	वृषे	[=पातस्पर्शः५३भानु७रथ७
१०	गु	१०	५८	रो	५२	३०	ऐं	३१	३४	कौ	१०	३५	२७	३१	२९	२१	८	१०	वृषे	
११	शु	१७	४२	मृ	६०	०	वै	३३	५३	ग	१७	४२	३०	३०	३०	२२	९	११	मि२६।१७	भ.५०।५५उ.
१२	श	२४	८	मृ	०	४	वि	३५	५२	वि	२४	८	३४	२९	३१	२३	१०	१२	मिथुने	भ.२४।८या.कुंभेऽर्कः४९।२ (सौरः५९)×
१३	र	२९	४३	आ	७	६	प्री	३७	२८	वा	२९	४३	३८	२८	३२	२४	११	१३	क.५६।५२	[×जया११व्र.
१४	चं	३४	३२	पु	१३	२८	आ	३८	४	कौ	२	७	४१	२८	३२	२५	१२	१४	कर्के	प्रदोषः
१५	मं	३७	५५	पु	१८	१८	सौ	३७	३६	ग	६	१३	४५	२७	३३	२६	१३	१५	कर्के	भ.३७।५५उ.
१५	बु	४०	४	श्लु	२२	८	शो	३६	१९	वि	८	५९	४९	२६	३४	२७	१४	१६	सिं२२।८	भ.६९या.शत.४गुरुः१३ मा.स्ना.पू.

४५पं.मा.शु.८मं.इ.४६।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	८	९	१	९
२५	१७	२	१४	१८	२२	३	२५
५५	३	८	५४	५२	९	१७	४४
१	४	५३	२९	४८	४	२०	४८
६०	४२	३९	१३	१९	७	३	६०
४७	३२	मा	२०	४४	२०	११	५५

गोचर ग्रहाः

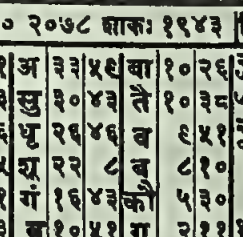

माघ शुक्ले ११ शनौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा.२ न. ३ बालावस्था (बैठी)मु.१५धान्यादि भावेमहर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

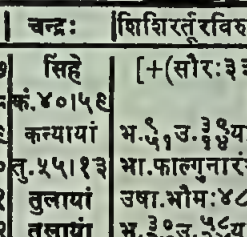

४५पं.मा.शु.१४मं.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	१०	८	९	१	१०
२	२२	६	१६	२२	२२	२	२
५९	१२	४५	३४	१२	५९	५५	५०
४९	७	३२	५	२२	१०	५	५१
६०	४२	५१	१३	३१	७	३	६०
४७	४२	५८	३१	२३	१४	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	गु	४०	४९	म	२४	४१	अ	३३	५९	वा	१०	२६	२७	६	५	२८	१५	१७	सिंहे	[+(सौरः३३।३१)श्रवणेबुधः३१।२८÷
२	शु	४०	२८	पू	२५	५३	सु	३०	४३	वै	१०	३८	५६	२५	३५	२९	१६	१८	कं.४०।५९	[÷धनि.१शनिः३९।४४
३	श	३९	१४	उ	२६	१६	धृ	२९	४६	व	९	५१	२८	२४	३६	३०	१७	१९	कन्यायां	भ.९उ.३९या.शते.रविः२५+
४	र	३७	५	ह	२५	५५	शू	२२	८	ब	८	१०	४	२३	३७	१	१८	२०	तु.५५।१३	भा.फाल्गुनारंभः चतुर्थी व्रतम्
५	चं	३३	५५	चि	२४	३१	गं	१६	४३	कौ	५	३०	८	२२	३८	२	१९	२१	तुलायां	उषा.भौमः४८।३०उदयंशनेः२३।४
६	मं	३०	२७	स्वा	२२	३३	बृ	१०	५१	ग	२	११	१२	२२	३८	३	२०	२२	तुलायां	भ.३०उ.५९या.उषा.शुक्रः५९
७	बु	२६	२०	वि	२०	७	ध्रु	५	५२	ब	२६	२०	१६	२१	३९	४	२१	२३	वृ.५।१४	
८	शु	२१	३७	अ	१७	५	ह	५०	४०	कौ	२१	३७	२०	२०	४०	५	२२	२४	वृश्चिके	अस्तंगुरोः १९।४८
९	शु	१६	१९	ज्ये	१३	२८	ध	४३	०	ग	१६	१९	२४	१९	४१	६	२३	२५	ध.१३।२८	भ.४३।२८उ.
१०	श	१०	३८	मू	९	३२	सि	३५	६	वि	१०	३८	२८	१८	४२	७	२४	२६	धनुषि	भ.१०।३८या.मकरेभौमः११।५१
११	र	४	२५	पू	५	३	व्य	२९	५२	वा	४	२५	३२	१८	४२	८	२५	२७	म.१८।५६	मकरेशुक्रः१०।६विजया११व्र.
१२	र	५३	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–मार्च३ता.३१ महाशिवरात्रीव्र.
१३	चं	५१	५०	उ	३४	३९	व	१८	४३	ग	२४	५८	३६	१७	४३	९	२६	२८	मकरे	भ.५१।५०उ. प्रदोषः
१४	मं	४५	५९	ध	५२	१९	प	११	०	वि	१८	५५	४०	१६	४४	१०	२७	१	कुं.२४।१३	भ.१८।५५या.धनि.बुधः२९।४–
१५	बु	४०	५८	श	४९	२२	शि	३०	५३	च	१३	२८	४४	१५	४५	११	२८	२	कुम्भे	पूभा.१गुरुः३।५३

४६पं.फा.कृ.६मं.इ.४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	१०	८	९	१	१०
१०	२७	१४	१८	२६	२३	२	९
३	२१	२३	१४	४१	४८	३२	५५
२२	५०	४९	३५	३५	४०	४९	२४
६०	४२	७१	१३	४०	७	३	६०
२५	४६	५	३२	१७	८	११	३१

गोचर ग्रहाः

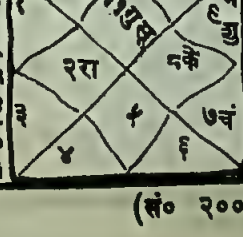

इस मास में शुक्ल-पक्ष की तिथि वृद्धि धान्यों में मंदी करे गुड़ शक्कर सोना चांदी में कुछ तेजीहो

गोचर ग्रहाः

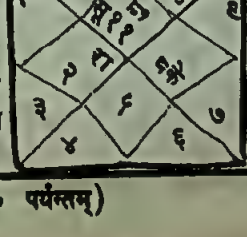

४७पं. फा.कृ.१४मं.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	१०	९	९	१	१०
१७	२	२३	१९	२	२४	२	१६
५	३३	४६	५६	३	३७	१०	५८
३५	४२	१	१७	४३	१	३४	१८
६०	४२	८४	१३	४७	६	३	६०
१२	४६	४५	३८	१०	५८	११	२०

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गण३९८४स.२०२२
१	शु ३७ ६ पू ४७ ४९ सा ५१ ५८ किं ९ २	३८	६	५	१२	२९	३	मी३३।१२	[=फुलरिया २
२	शु ३४ ५६ उ ४७ ५२ शु ४७ ५४ बा ६ १	५२	१४	४६	१३	३०	४	मीने	पूभा.रविः ४१ (सौरः ४८) चंद्रदर्शनम्=
३	श ३४ ३१ रे ४९ ३८ शु ४५ ३१ तै ४ ४	३	५६	१३	४७	१४	१	५	ने.४९।३८ सावान८
४	र ३९ ११ अ ५३ १६ ब्र ४४ ३२ व ५ २१	२९	१२	४८	१५	२	६	मेषे	भ.५।२१उ.३६।११या. कुंभेबुधः२२।३३
५	चं ३९ २९ भ ५८ २९ ऐं ४४ ४४ ब ७ ५०	५	११	४९	१६	३	७	मेषे	
६	मं ४४ २० कृ ६० ० वै ४६ १५ कौ ११ ५५	९	१०	५०	१७	४	८	वृ.१५।१०	
७	बु ४९ ५९ कृ ५ १० वि ४८ २ ग १७ १०	१३	९	५१	१८	५	९	वृष	भ.४९।५९उ.
८	गु ५६ २७ रो १२ १९ आ ५० २२ वि २३ १३	१७	९	५१	१९	६	१०	मि४६।६	भ.२३।१३या.शतेबुधः ३५ होलाष्टकम्
९	शु ६० ० मृ १९ ५३ मी ५२ ३४ बा २९ ३८	२१	८	५२	२०	७	११	मिथुने	श्रवणेशुक्रः ३० श्रवणेभौमः ५३।४१
९	श २ ४९ आ २७ १६ सौ ५४ १६ कौ २ ४९	२६	७	५३	२१	८	१२	मिथुने	
१०	र ८ ३६ पु ३३ ५७ शो ५५ १४ ग ८ ३६	३०	६	५४	२२	९	१३	क.१७।१७	भ.४०।५९उ. [×आमलकी११व्र.
११	चं १३ २२ पु ३९ ३ अ ५५ ८ वि १३ २२	३४	५	५५	२३	१०	१४	ककँ	भ.१३या.मीनेऽर्कः ४२ (सौरः ४९)×
१२	मं १६ ३८ श्ले ४३ २० सु ५३ ४५ बा १६ ३८	३८	४	५६	२४	११	१५	सिं४३।२०	पूभा.२गुरुः ५३।६ प्रदोषः
१३	बु १८ २१ म ४५ ११ धृ ५१ ८ तै १८ २१	४३	३	५७	२५	१२	१६	सिंहे	[+पूभा.बुधः ३६।१९ छारेंडी
१४	गु १८ २० पू ४५ ४७ शू ४७ १४ ब १८ २०	४७	३	५७	२६	१३	१७	सिंहे	भ.१९उ.४७या. होलिका दहनम्
१५	शु १९ ४७ उ ४५ ४ गं ४२ २२ च १९ ४७	५१	२	५८	२७	१४	१८	कं.०।३६	उभा.रविः ३।२१ (सौरः ९।१५)+

८८पं.फा.शु.६मं.इ. ४७ ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	१०	९	९	१	१०
२४	७	३	२१	८	२५	१	२३
८	४६	४९	३७	४	२३	४८	५९
२२	४१	३७	१९	१६	५३	१८	४१
५९	४३	९४	१३	५२	६	३	६०
५८	२	५१	३८	११	३५	११	६

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन शुक्ले ११ चंद्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

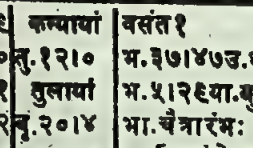

४९पं.फा.शु.१२मं.इ. ४६ ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	१०	९	९	१	११
१	१२	१५	२३	१४	२६	१	०
५	५९	८	१८	३५	८	२६	५९
३५	३५	२४	५४	३८	५६	२	२३
५९	४३	९	१३	५६	६	३	५९
४१	३	५	३२	२१	२६	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तौ रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	श १३ ५७ ह ४३ २० वृ ३६ ३९ कौ १३ ५७	३०	६	५९	२८	१५	१९	कन्यायां	वसंत१
२	र १० ६ चि ४० ३८ धु ३० १९ ग १० ६	३०	६	०	२९	१६	२०	तु.१२।०	भ.३७।४७उ.धनि.२शनिः४८।१०
३	त्तं ५ २९ स्वा ३७ २५ व्या २३ २७ वि ५ २९	४	५९	१	३०	१७	२१	तुलायां	भ.५।२९या.बुधास्तःपूर्वस्यां ३ चतुर्थी व्र.
४	मं ० २३ वि ३४ १७ ह १६ २० बा ० २३	८	५८	२	१	१८	२२	तु.२०।४	भा.चैत्रारंभः
५	मं ५४ ३८ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷कु मेशुक्रः २।१५ ~ अप्रेल४ता.३०
६	बु ५० २ अ ३० ४४ ब ९ १५ ग २२ ३१	१२	५८	२	२	१९	२३	वृश्चिके	भ.५०।२उ.
७	गु ४४ ४४ ज्ये २७ २३ सि ३ ५३ वि १७ २३	१६	५७	३	३	२०	२४	ध.२७।२३	भ.३५या.मीनेबुधः १० धनिःशुक्रः ३१
८	शु ३९ ४७ मू २४ ४ व ४८ ० बा १२ १६	२१	५६	४	४	२१	२५	धनुषि	उभा.बुधः५६।३७शीतलापूजनम्
९	श ३४ ४० पू २० ४७ प ४० ५९ तै ७ १३	२५	५५	५	५	२२	२६	उदयंगुरोः०।०	
१०	र २९ ४७ उ १७ ४० शि ३४ १७ ब २ १३	२९	५४	६	६	२३	२७	म.३५।१ मकरे	भ.२।१३उ.२९।४७या.
११	चं २५ ५ श्र १४ ५० सि २७ ४४ बा २५ ५	३३	५३	७	७	२४	२८	कुं.४३।३९	पापमोचनी११व्र.
१२	मं २० ५४ ध १२ २८ सा २१ ५० तै २० ३२	३७	५३	७	८	२५	२९	कुंभे	धनि.भौमः ३४ पूभा.३गुरुः ५३ प्रदोषः
१३	बु १७ २२ श १० ४० शु १६ १६ ब १७ २२	४१	५२	८	९	२६	३०	मी५५।२	भ.१७।२२उ.४६।१या.
१४	गु १४ ४० पू ९ ४९ शु ११ ३५ श १४ ४०	४५	५१	९	१०	२७	३१	मीने	रेवत्यांरविः ३१।० (सौरः ३६।४२)÷
३०	शु १३ १४ उ १० १ व्र ७ ५९ ना १३ १४	४९	५०	१०	११	२८	१	मीने	रेवत्यांबुधः ३६।५९ मन्वादिः ~

५०पं.चै.कृ.४मं.इ. ४८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	१०	९	९	१	११
८	१८	२७	२४	२१	२६	१	७
३	१५	२७	१९	२९	५२	३	५७
१८	१८	०	१७	४२	३०	४७	१८
५९	४३	९	१३	५९	६	३	५९
२९	५	५	३२	३६	१४	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य रसकस सोना चांदी घृत कई कपास वारदाना तेज हो प्रजामें महामारी फैले ।

गोचर ग्रहाः

५१पं.चै.कृ.१२मं.इ. ४८ ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	१०	९	९	१	११
१४	२३	१०	२१	२८	२७	०	१४
५९	३०	४९	३९	४१	३२	४१	५३
१०	४	८	०	१८	३५	३१	२८
५९	४३	८	१३	६२	५	३	५९
१६	१३	५८	२०	३	५०	११	१८

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२३, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२३, भोग्यकलिः ४२६८७७, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०७९, शाकः १९४४, अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः । मंत्री गुरुः । सस्येशःशनिः। धान्येशः शुक्रः । मेघेशो बुधः। रसेशश्चंद्रः। नीरसेशः शनिः। फलेशो भौमः। धनेशःशनिः। दुर्गेशो बुधः। एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १० नलनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १।६।०।०।० भोग्यमासादिः १०।२४।०।०।०अग्निदैवतं युगम् । तत्र वर्षनाम भाद्रपदः।मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासोःमालाकार गृहे। समय विश्वा ५ समयवाहनम् महिषः। स्तंभौ३ अन्नजलतृणानाम्।सोमवत्यमा २ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी१ भानुसप्तमी ३रविदशमी २समय मुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९३ खपतिविश्वा ९३, वर्षाविश्वा ७, धान्यम् ५, तृणम् ५, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१०१, सत्यम् ।। धर्मे १।।, पापं १८ शनिदृष्टिरुत्तरे । ग्रहण २ चंद्रसूर्ययोः।

सं.२०७९ कार्तिक कृष्णा ३० भौमे ग्रस्तास्त सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो
घं.	४	५	६
मि.	२४	२७	२५
घं.	२४	२७	२९
प.	५३	३१	५५

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् २।१७

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

माता से कर जोड कर पूछे भैरव लाल ।
कैसे बीते जगत में उनियासी की साल ।।

भवानी उत्तर

गुण हीनो गुणियासियो निबला वर्ष नीर ।
परदेशां के अन्न से बंधे जगत में धीर ।।
शनि राजा मंत्री गुरु भलो न यांको संग ।
इनकी खैंचाताण में दुनिया होसी तंग ।।
फलप भौम सस्येश शनि संवत् विश्वा बाण ।
पकी पकाई साख में कर्षा होसी हाण ।।
स्तंभ तीन है वर्ष के रोहिणी सिंधु निवास ।
संवत् मालाकार घर यह संवत् की ग्रास ।।
संवत्सर का फल कहा शर्मा ज्योतिष देख ।
ईश भजन सबसे बडा इसमे मीन न मेष ।।

सं.२०७९ कार्तिक शुभ १५भौमे ग्रस्तोदित खग्रास चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.सं.		म.उ.		मो.
घ.	२	३	४	५	६
प.	३७	४६	२७	८	१७
घं.	२०	२३	२५	२६	२९
प.	२५	१८	०४२		३४

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् १।७

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।९।११

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः फलम् ।। शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूत रोगैः परिपीडयते जनः । युद्धं नृपाणां गद तस्कराद्यैः भ्रमंति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविध धान्ययुता खलु-मेदिनी प्रचुर तोय घना मुदिता भवेत् । नृपतयो जन पालन तत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ।। सस्येशः शनिः फल ।। रविसुते यदि धान्यपतौ जना नृपतिभिः परिपीड़ित विग्रहाः । गदभयं तुष धान्य हरं सदा दुरित वादविवादयुता नरा ।। धान्येशः शुक्रः फलम् ।। भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्यं समर्घतां यांति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधः फलम् ।। अमृत रश्मि सुते यदि वारिपे बहु जलं तुष धान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुता धरणी तदा ।। रसेशश्चंद्रः फलं ।। यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियां । जल धरा बहुवारि विधायका रसवती धन धान्यवती मही।। नीरसेशः शनिः फलम् ।। अपः पिण्डाडादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तुनां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरस नायके ।। फलेशो भौमः फलम् ।। फलपतिर्यदि भूतनयो भवेन्न बहु पुण्य फलान्वित पादापाः । गद भयान्वित देशजनास्तदा नृपतयो बहु विग्रह कारकाः ।। धनेशः शनिः फलम् । द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणी पतयः सदा । अधनतां वणिजां कृषि जीविनो द्विजवराः परपीड़न मानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्त-त्फलम् ।। विषम साम्य सुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्र जनेषु विशेषतां । शशि सुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्यवतां न भयं क्वचित् ।। नलनाम संवत्सरं फलं ।। नलाब्दे मध्य सस्यार्घ वृष्टिभिः प्रवरा धरा । नृप संक्षोभ संजाता भूरि तस्कर भीतयः ।। वर्षनाम भाद्रपदः फलम् ।। अब्दे भाद्रपदे वृष्टिः क्षेमारोग्यं क्वचित् क्वचित् । सर्व सस्य समृद्धिः स्यान्नाशमेति यरं फलम् ।। मेघनाम पुष्करस्तत्फलं ।। पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलं ।। समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समयनिवासो माली गृहे फलं ।। मालिनः प्रचुरा वृष्टिः। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ गुरौ उफा ल. ८-६ रे ८ ऽ।।।ऽ।।।।

वैशाख मासः

कृष्णा ३ भौमे अनु ल.गो.(सोग्रांगः)ल.९रे६।ऽ।ऽबुऽऽ।।।
" ४ बुधे मूले ल. १२ रे. ७ ।।।।।ऽचौऽऽ।।
" ५ गुरौ मूले ल. गो. (सोग्रांगः) ल. ८
" ६ शुक्रे उभा ल. ८-१२ रे. ८ ऽ।।।।ऽरो।।।।
शुक्ला २ चन्द्रे रोहि ल. १०-१२ रे. ८ ऽ।।।।ऽ।।।
(मीने व्ययेकीं)
" ११ गुरौ हस्ते ल. ९-१० (घ.५२या) रे. ७
।।।ऽनृऽऽ।।। पादाद्वेधाभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ बुधे मूले ल. १० रे ८ ।।।।।ऽ।।ऽ दग्धादोषः
" ५ शुक्रे उषा ल. गो ६ रे ७ ।।।।।ऽऽऽ।
" ११ गुरौ रेव ल. ऽन्यगो ६ रे ७ ।।।।।ऽऽऽ।।
शुक्ला १ भौमे मृगे ल. ऽन्यगो रे ६ ।।।।।ऽचौ।।।।
" ६ चन्द्रे मघा ल. ऽन्यगो ६ रे ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।
" ८ बुधे उफा ल. गो ६-१० रे ६ ।।।।।।ऽ।।
" १२ शनौ स्वात्यां ल.ऽन्यगो ६-१० रे८।।।।।ऽरोऽ।।।
" १५ भौमे मूले ल. १० रे ६ ।।।।ऽऽअऽऽ।।

आषाढ मासः

शुक्ला ४ रवौ मघा ल. ऽन्यगो २ रे ६ ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।
" ६ शुक्रे स्वात्यां ल. गो. रे ८ ।।।।।ऽनृऽ।।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ६ शुक्रे उभा ल. गो. (सौग्रांगः) ल. ६
(गु.चं.पू.) रे ६ ।।ऽवृ।।।ऽऽ।ऽ दग्धा
" १५ गुरौ मृगे ल. ६ (गु.पू.सत्) रे ६ ।ऽ।।ऽऽनृ।ऽ।।

पौष मासः

शुक्ले ४ बुधे उभा ल. ६ रे ६ ।।ऽवृ।।ऽअऽऽ।।
" ५ गुरौ उभा ल. ऽन्यगो रे ७ ।।ऽवृ।।।ऽऽ।।
" ५ गुरौ रेव ल. ६ रे १० ।।।।।।।।।।
" ६ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो रे ६ ।।।।।ऽनृ।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ चन्द्रे मघा ल. ६ रे ६ ऽ।।।ऽ।ऽऽ।।
" ४ गुरौ उफा ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽऽरोऽ।।।
" ११ गुरौ मूले ल. ऽन्यगो रे ७ ।ऽ।।।ऽनृ।ऽ।।
शुक्ला ३ बुधे रेव ल. १० (घ.५५-४१उ) रे ६
।।।।।।।।।ऽ दग्धा

चैत्र मासः

कृष्णा १ बुधे हस्ते ल.१०(घ.५४-५६उ)रे६ ।ऽ।।।।।।।।
" २ गुरौ हस्ते ल. गो. ६ रे ८ ।ऽ।।।ऽचौ।।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४०१४स.२०२२
१	श	१३	५	रे	११	५६	ऐं	५	३१	ब	१३	५	३०/५३	५/४९	६/११	१२	२९	२	मे.११।५६	चन्द्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	र	१४	३७	अ	१४	१३	वै	४	१७	कौ	१४	३७	५७	४९	११	१३	१	३	मेषे	रमजान ९ सिंधारा
३	चं	१७	४१	भ	१९	४९	वि	३	५८	ग	१७	४१	३१/१	४८	१२	१४	२	४	वृ.३६।१९	भ.४९।५७उ.मत्स्यजयंती गणगौरी
४	मं	२२	१३	कृ	२५	५०	प्री	४	३९	वि	२२	१३	५	४७	१३	१५	३	५	वृषे	भ.२२।१३या.
५	बु	२७	३२	रो	३२	३७	आ	६	१७	बा	२७	३२	८	४६	१४	१६	४	६	वृषे	शतेशुक्रः२०।४३
६	गु	३३	४८	मृ	४०	१४	सौ	८	४५	कौ	०	४०	१२	४६	१४	१७	५	७	मि६।२६	कुंभेभौमः३१।३१
७	शु	४०	८	आ	४७	१८	शो	१०	५५	ग	६	५८	१६	४५	१५	१८	६	८	मिथुने	भ.४०।८उ.अश्वि.मेषेबुधः१४।२
८	श	४६	१	पु	५४	५६	अ	१३	१७	वि	१३	४	१९	४४	१६	१९	७	९	क.३८।२	भ.१३।४या. [=पातमोक्षः५९।२३
९	र	५१	१३	पु	६०	०	सु	१५	५	बा	१८	३७	२३	४३	१७	२०	८	१०	कर्के	रामनवमी [×भरण्यांबुधः४३/६ प्रदोषः
१०	चं	५४	५०	पु	०	५२	धृ	१५	३१	तै	२३	१	२६	४३	१७	२१	९	११	कर्के	कृत्ति.१राहुःविशा.३केतुः५६।२७
११	मं	५६	५२	श्ले	५	२८	शू	१४	५२	व	२५	५०	३०	४२	१८	२२	१०	१२	सिं५।२८	भ.२५।५०उ.५६।५२या. कामदा११व्र.
१२	बु	५६	४१	म	८	१०	गं	१२	४७	ब	२६	४०	३४	४१	१९	२३	११	१३	सिंहे	पूभा.४मीनेगुरुः१४/३३पातस्पर्शः४८/३८=
१३	गु	५४	५१	पू	९	११	वृ	९	११	कौ	२५	४७	३८	४०	२०	२४	१२	१४	कं.२४।०	अश्वि.मेषेऽर्कः४।५७(सौरः११।१६)×
१४	शु	५१	१०	उ	८	२४	ध्रु	४/१३	५३/३८	ग	२३	०	४२	४०	२०	२५	१३	१५	कन्यायां	भ.५१/१०उ.बुधोदयःपश्चिमायां०।५५
१५	श	४५	५९	ह	५	५९	ह	५०	३२	चि	१८	३४	४६	३९	२१	२६	१४	१६	तु.३४।८	भ.१८/३४या.शते.भौमः२४/१४हनुमज्जयंती

५२पं.चै.शु.४मं.इ.४९।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	१०	१०	९	१	११
२१	२८	२५	२८	६	२८	०	२१
५३	४६	१	१६	६	१०	१९	४७
३१	१२	४४	४४	११	२३	१६	३९
५९	४३	१२/३२	१३	६३	५	३	५९
४	१६		१३	५९	२४	११	४

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले १३ गुरौ मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

१पं.चै.शु.१३वृ.इ. ५४/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	११	१०	९	०	११
०	४	१२	०	१५	२८	२९	२९
०	५९	५	१०	२	५२	५३	५३
०	४२	२६	४४	४६	४८	११	५२
५८	४३	१७/१३	१२	६५	४	३	५८
४४	१२		४७	४७	५०	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	र	३९	४३	चि	२/१६	५५/१६	व	४२	२९	बा	१२	५०	३१/५०	५/३८	६/२२	२७	१५	१७	तुलायां	
२	चं	३२	५३	वि	५२	३३	सि	३३	५८	तै	६	१७	५३	३७	२३	२८	१६	१८	वृ.३८।४८	भ.५९।१७उ.पूभा.शुक्रः३५।२८
३	मं	२५	४२	अ	४७	१९	व्य	२५	२५	वि	२५	४२	५७	३७	२३	२९	१७	१९	वृश्चिके	भ.२५।४२या. चतुर्थी व्रतम्
४	बु	१८	४०	ज्ये	४२	२६	व	१७	११	बा	१८	४०	३२/१	३६	२४	३०	१८	२०	ध.४२।२६	
५	गु	१२	३	मू	३८	९	प	८	५३	तै	१२	३	५	३५	२५	१	१९	२१	धनुषि	भा.वैशाखारंभः
६	शु	६	५	पू	३४	२०	शि	१/१४	५२/४	व	६	५	९	३४	२६	२	२०	२२	म.४८।३४	भ.६/५उ.३३/१७या.कृत्ति.बुधः१४/३६
७	श	०	२९	उ	३१	१८	सा	४७	४६	व	०	२९	१२	३४	२६	३	२१	२३	मकरे	
८	श	५५	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	र	५१	५९	श्र	२८	५९	शु	४१	४९	तै	२३	५९	१६	३३	२७	४	२२	२४	कुं.५८।१६	वृषेबुधः१४।४०
१०	चं	४८	५२	ध	२७	३३	शु	३६	४६	व	२०	२५	२०	३२	२८	५	२३	२५	कुंभे	भ.२०।२५उ.४८।५२या.
११	मं	४६	४५	श	२७	०	ब्र	३२	२१	ब	१७	४८	२३	३१	२९	६	२४	२६	कुंभे	वरुथिनी११व्र.
१२	बु	४५	१८	पू	२६	५९	ऐं	२८	५६	कौ	१६	१	२७	३१	२९	७	२५	२७	मी१२।०	भरण्यांरविः४५/१४(सौरः५२/४१)मीनेशुक्रः३०/५३
१३	गु	४५	१५	उ	२८	२६	वै	२५	५७	ग	१५	१८	३१	३०	३०	८	२६	२८	मीने	भ.४५/१५उ.उभा.१गुरुः३७/५५ प्रदोषः
१४	शु	४५	४९	रे	३०	४७	वि	२४	२६	वि	१५	३२	३४	२९	३१	९	२७	२९	मे.३०।४७	भ.१५।३२या.
३०	श	४८	१२	अ	३४	२९	प्री	२३	२०	च	१७	०	३८	२८	३२	१०	२८	३०	मेषे	उभा.शुक्रः२६/५४धनि.३कुंभेशनिः५०/५४

२पं वै कृ.५वृ.इ. ५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	११	१०	९	०	०
६	१०	२४	१	२२	२९	२९	६
५०	१५	४३	४३	४७	२३	३०	४४
४२	३२	५५	५५	३५	२०	५५	३
५८	४३	०/०५	१२	६७	४	३	५८
३१	११		२०	१०	२२	११	२९

गोचर ग्रहाः

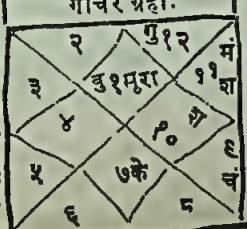

इस मास में धातु सोना चाँदी रुई रंग धान्य गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ तेज हो रस-कस कुछ मंदे हो ।

गोचर ग्रहाः

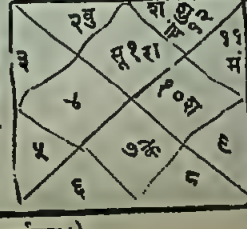

३पं.वै.कृ.१३वृ.इ. ५/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	११	११	९	०	०
१३	१५	४	३	०	२९	२९	१३
३९	३१	१५	१३	३९	४९	८	३२
४७	३०	३२	३०	२२	४८	४०	२८
५८	४३	६६	१२	६८	३	३	५८
१९	१३	४०	२	१४	४२	११	१२

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४०४३स.२०२२
१	र	५१	३१	भ	३६	१३	आ	२२	४६	किं	१६	५२	३३	२८	३६	११	२६	१	वृ.५५।४३	मई५ता.३१
२	चं	५५	५६	कृ	४५	१३	रो	२३	५५	बा	२३	४४	४५	२७	३३	१२	३०	२	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	मं	६०	०	रो	५१	४२	शं	२५	२५	ते	२८	३६	४८	२६	३४	१३	१	३	वृषे	सव्वाल१०परशुरामजयंतीअक्षया३
४	बु	१	२२	मृ	५९	१३	अ	२७	२५	ग	१	२२	५२	२६	३४	१४	२	४	मि२५।२८	भ.३४।२५उ.पूभा.भौमः०।३७
५	गु	७	२८	आ	६०	०	सु	२९	४६	धि	७	२८	५५	२५	३५	१५	३	५	मिथुने	भ.७।२८या.
६	शु	१३	५३	आ	६	५४	धृ	३२	२७	बा	१३	५३	५८	२४	३६	१६	४	६	क.५७।३०	रोहि.बुधः१८।४७
७	श	२०	५	पु	१४	२२	शू	३४	४०	ते	२०	५	३३	२४	३६	१७	५	७	कर्के	[=बुधास्तःपश्चिमायां३६मोहिनी११व्र.
८	र	२५	३५	पु	२१	११	गं	३६	५	व	२५	३५	५	२३	३७	१८	६	८	कर्के	भ.२५।३५उ.५७।४३या.
९	चं	२६	५१	श्ले	२६	५०	वृ	३६	४०	ब	२६	५१	८	२२	३८	२९	७	९	सिं२६।५०	वक्रीबुधः२६पातस्पर्शः३५पातमोक्षः४७
१०	मं	३२	२६	म	३१	१	धु	३५	४७	बा	१	११	११	२२	३८	२०	८	१०	सिंहे	[+८।२०उभा.२गुरुः२०।२३
११	बु	३३	२२	पू	३३	११	त्या	३३	२२	ते	२	५५	१४	२१	३९	२१	९	११	कं.४८।१६	कृत्ति.रविः३१।१०(सौरः४०।५३)
१२	गु	३२	११	उ	३३	२८	ह	२९	१९	व	२	४६	१७	२१	३९	२२	१०	१२	कन्यायां	भ.२।४६उ.३२।११या.रेवत्यांशुक्रः२७=
१३	शु	२८	४७	ह	३१	३१	व	२३	४०	च	०	२९	२०	२०	४०	२३	११	१३	तु.५९।१२	प्रदोषः
१४	श	२३	४०	चि	२६	५४	सि	१६	३२	ते	२३	४०	२३	१९	४१	२४	१२	१४	तुलायां	वृषेऽर्कः३६वक्रीकृत्तिबुधः४७नृसिंह जयंती
१५	र	१६	४५	स्वा	२२	४४	व्य	८	५०	च	१६	४५	२६	१९	४१	२५	१३	१५	तुलायां	भ.१६।४५उ.४२।४५या.वृषेऽर्कःसौरः +
१५	चं	८	४४	वि	१६	३३	प	४८	५९	च	८	४४	२८	१८	४२	२६	१४	१६	वृ.३।६	यमायकं भदानम्

४पं.वै.शु.४व.इ.५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	११	११	१०	०	०
२०	२०	९	४	८	०	२८	२०
२७	४७	३२	५१	३६	१२	४६	१९
२५	१०	२	१३	०	३६	२४	१३
५८	४३	२२	११	६९	३	३	५७
६	२८	५८	२६	४	८	११	५७

गोचर ग्रहाः

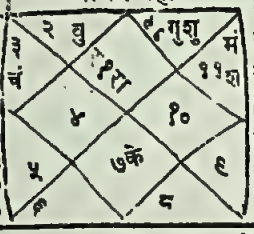

वैशाखशुक्ला १३ शनौ वृषेऽर्कः प्रविष्ट. वा.३ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्या दिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

५पं.वै.शु.११व.इ.५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	११	११	१०	०	०
२७	२६	१०	६	१६	०	२८	२७
१३	२	३०	४	३८	३०	२४	४
३७	२४	२२	३७	१३	३६	९	२७
५७	४३	१३	१०	६९	२	३	५७
५४	२१	व.	५५	५५	२३	११	४

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	चं	५१	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	५१	९	अ	१०	२	शि	३८	५५	ते	२५	३४	३३	१८	४२	२७	१५	१७	वृश्चिके	मीनेभौमः२०।१४
३	बु	४२	२९	ज्ये	३१	५३	सि	२९	८	व	१६	४९	३४	१७	४३	२८	१६	१८	ध.३।११	भ.१६।४९उ.४२।२९या.
४	गु	३४	२१	पू	५१	०	सा	२०	२	ब	८	२५	३७	१७	४३	२९	१७	१९	धनुषि	चतुर्थी व्र.
५	शु	२७	१२	उ	४६	२८	शु	११	१०	को	०	४६	३९	१६	४४	३०	१८	२०	म.४।५२	[×पातस्पर्शः४०।१५पातमोक्षः५४।५५
६	श	२१	१६	श्र	४३	२	शु	३७	२२	व	२१	१६	४२	१६	४४	३१	१९	२१	मकरे	भ.२१।१६उ.४८।५९या.उभा.भौम.३६×
७	र	१६	४१	ध	४०	५७	ए	५१	४६	ध	१६	४१	४४	१५	४५	१	२०	२२	कु.१२।०	भा.ज्येष्ठारंभः
८	चं	१३	२५	श	४०	२२	वै	४७	२७	को	१३	२५	४७	१५	४५	२	२१	२३	कुम्भे	अश्वि.मेषेशुक्रः४०।४२
९	मं	११	२९	पू	४०	५५	वि	४४	५	ग	११	२९	४९	१४	४६	३	२२	२४	मी२५।४७	भ.४१।१०उ.
१०	बु	१०	५२	उ	४२	५८	प्री	४१	५८	वि	१०	५२	५२	१४	४६	४	२३	२५	मीने	भ.५२या.रोहि.रविः२१ (सौरः३४।२८)
११	गु	११	३९	रे	४६	७	अ	४०	४३	बा	११	३९	५४	१३	४७	५	२४	२६	मे.४६।७	अपरा११व्र.
१२	शु	१३	२५	अ	५०	२३	सौ	४०	३७	ते	१३	२५	५६	१३	४७	६	२५	२७	मेषें	प्रदोषः
१३	श	१६	३६	भ	५५	२८	शं	४०	४५	व	१६	३६	५८	१२	४८	७	२६	२८	मेषे	भ.१६।३६उ.४८।३४या.
१४	र	२०	२२	[illegible]	६०	०	अ	४१	५१	श	२०	३२	३४	१२	४८	८	२७	२९	वृ.१२।१०	
१५	चं	२५	२८	कृ	१	४३	सु	४३	३२	ना	२५	३८	२	१२	४८	९	२८	३०	वृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.४व.इ.६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	११	१०	०	१
३	१	८	७	२४	०	२८	३
५८	१६	८	२३	४३	४४	१	४८
३७	५	२२	६	१९	२०	५३	१०
५७	४३	३३	१०	७०	१	३	५७
४४	८	व.	१२	३५	२८	११	३४

गोचर ग्रहाः

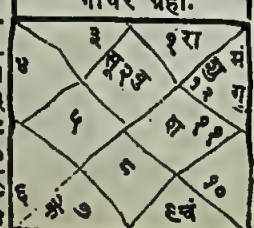

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर अलसी धातु सोना चांदी रसकस तेज रहे कहीं २ अच्छी वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

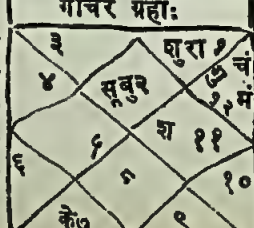

७पं.ज्ये.कृ.११व.इ.६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	०	१०	०	१
१०	६	४	८	२	०	२७	१०
४२	२८	२०	३६	५२	५३	३९	३०
२९	४१	१३	४७	२३	६	३७	२१
५७	४२	४०	९	७१	१	३	५७
३५	५३	व.	२९	६	५	११	२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४०७३स.२०२२
१	मं	३०	५३	रो	८	३१	धृ	४५	४४	व	३०	५३	३४/३	५/११	६/४९	१०	२९	३१	मि४२।११	बुधोदयःपूर्वस्यां१०।५४चंद्रदर्शनम्
२	बु	३७	४	मृ	१५	५१	शू	४८	१७	बा	३	५८	५	११	४९	११	१	१	मिथुने	जून६ता.३०जिल्काद११
३	गु	४३	२२	आ	२३	२७	गं	५०	४०	तै	१०	१३	७	११	४९	१२	२	२	मिथुने	
४	शु	४९	३२	पु	३१	०	वृ	५२	५६	व	१६	२७	९	१०	५०	१३	३	३	क.१४।७	भ.१६/२७उ.४९/३२या.भरण्यांशुक्रः५९/४८उभा.३ +
५	श	५५	१६	पु	३८	१९	ध्रु	५५	११	ब	२२	२४	१२	१०	५०	१४	४	४	कर्के	[+ गुरुः४७।२२
६	र	६०	०	श्ले	४४	३५	व्या	५६	२८	कौ	२७	३८	१३	९	५१	१५	५	५	सिं४४।३५	मार्गीबुधः२५।५४वक्रीशनिः२६।१५
६	चं	०	५	म	५०	२	ह	५६	४७	तै	०	५	१५	९	५१	१६	६	६	सिंहे	
७	मं	३	३१	पू	५३	४४	व	५५	४७	व	३	३१	१६	९	५१	१७	७	७	सिंहे	भ.३।३१उ.३४।२७या.
८	बु	५	२२	उ	५५	३५	सि	५३	१५	ब	५	२२	१७	९	५१	१८	८	८	कं.९।११	मृगेरविः१६/५२(सौरः३३/१८)रेवत्यांभौमः५९/५८
९	गु	५	२४	ह	५५	३५	व्य	४९	३३	कौ	५	२४	१८	८	५२	१९	९	९	कन्यायां	गंगादशमी
१०	शु	३	१९	चि	५३	३८	व	४३	३२	ग	३	१९	१९	८	५२	२०	१०	१०	तु.२४।३६	भ.३१/२०उ.५९/२०या.निर्जला११व्र.स्मा.
११	शु	५६	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	श	५३	११	स्वा	४९	३४	प	३६	१३	ब	२६	१६	१९	८	५२	२१	११	११	तुलायां	निर्जला११व्र.वै.
१३	र	४५	३७	वि	४३	४५	शि	२७	२२	कौ	१९	२४	२०	८	५२	२२	१२	१२	वृ.३०।१२	प्रदोषः
१४	चं	३६	३९	अ	३६	४९	सि	१७	४८	ग	११	८	२१	८	५२	२३	१३	१३	वृश्चिके	भ.३६/३९उ.भरणी४राहुःविशा.२केतुः५१/१९
१५	मं	२६	५६	ज्ये	२९	१२	सा	७/२३	४९/१७	बि	१	४७	२१	८	५२	२४	१४	१४	व.२९।१२	भ.१/४७या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

८पं.ज्ये.शु.३वृ.इ.६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	०	१०	०	१
१७	११	२	९	११	०	२७	१७
२५	३७	९	४५	४	५७	१७	११
१९	५	४३	२२	२६	४०	२२	२७
५७	४२	१३/५	८	७१	०	३	५७
२७	५१	व.	४१	३८	२०	११	१३

गोचर ग्रहाः

यदा दैत्य गुरुर्मेषे सर्वधान्य महर्घता । महिषी पशु पिडाच मेघ वर्षा भविष्यति।। इस मास में मेष का शुक्र तेजी करेगा ।

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.शु९वृ.इ.१६/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	०	१०	०	१
२४	१६	३	१०	१९	०	२६	२३
७	४४	२७	४८	१८	५६	५५	५१
१९	२८	५४	०	४७	५३	६	२३
५७	४२	१४/२५	७	७२	०/२२	३	५७
२२	३६	मा	४२	२	व.	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	बु	१६	५३	मू	२१	३७	शु	४५	५२	कौ	१६	५३	३४/२१	५/८	६/५२	२५	१५	१५	धनुषि	मिथुनेऽर्कः१५/२६(सौरः३४/६)कृत्तिशुक्रः२०/१५
२/३	गु	७/५०	१३/५३	पू	१४	५	ब्र	३५	३०	ग	७	१३	२२	८	५२	२६	१६	१६	म.२७।२३	भ.३२।३९उ.५८।६या.
४	शु	५०	११	उ	७	१७	ऐं	२६	२	व	२४	८	२२	८	५२	२७	१७	१७	मकरे	पातस्पर्शः३१/२०पातमोक्षः४०/७चतुर्थी व्र.
५	श	४३	४३	श्र	१/५२	५५/५८	वै	१७	३९	कौ	१६	५७	२३	७	५३	२८	१८	१८	कुं.२९।५१	रोहि.बुधः५५।५३वृषेशुक्रः५।५८
६	र	३९	८	श	५५	४०	वि	१०	४३	ग	११	२६	२३	७	५३	२९	१९	१९	कुम्भे	भ.३९।८उ.
७	चं	३६	१८	पू	५५	२०	प्री	५	४	वि	७	४३	२३	७	५३	३०	२०	२०	मी४०।२५	भ.७।४३या
८	मं	३५	१५	उ	५६	५१	आ	१/०	५७/१९	बा	५	४६	२४	७	५३	३१	२१	२१	मीने	
९	बु	३६	२	रे	५९	५८	शो	५६	५६	तै	५	३८	२४	७	५३	१	२२	२२	मे.५९।५८	आर्द्रा.रविः१४/२३(सौरः३५/३९)भा.आषाढारंभ
१०	गु	३८	१०	अ	६०	०	अ	५७	१	व	७	६	२४	७	५३	२	२३	२३	मेषे	भ.७।६उ.३८।१०या.
११	शु	४१	४९	अ	४	२३	सु	५७	४८	ब	९	५९	२४	७	५३	३	२४	२४	मेषे	योगिनी११व्र.
१२	श	४६	३०	भ	१०	०	धृ	५९	९	कौ	१४	१०	२४	७	५३	४	२५	२५	वृ.२६।३५	
१३	र	५१	५९	कृ	१६	२०	शू	६०	०	ग	१९	१४	२३	७	५३	५	२६	२६	वृषे	भ.५१।५९उ.रोहि.शुक्रः२८।११प्रदोषः
१४	चं	५७	४३	रो	२३	३१	शू	१	१४	वि	२४	५२	२३	७	५३	६	२७	२७	मि५७।११	भ.२४।५२या.अश्वि.मेषेभौमः२६।४८
३०	मं	६०	०	मृ	३०	५१	गं	३	२२	च	३०	४९	२२	८	५२	७	२८	२८	मिथुने	मृगेबुधः२५।२८
३०	बु	३	५५	आ	३८	२९	वृ	५	५५	ना	३	५५	२२	८	५२	८	२९	२९	मिथुने	

१०पं.आ.कृ.गु.२इ.६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	११	०	१०	०	२
०	२१	७	११	२७	०	२६	०
४८	४९	३९	४३	३५	५१	३२	३०
३६	४१	३२	३०	३१	२२	५१	३२
५७	४२	४९	६	७२	१/१०	३	५६
१७	१७	४१	५३	२५	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे १ बुधे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ५न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

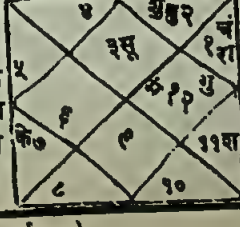

११पं.आ.कृ.१०वृ.इ.६।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	११	१	१०	०	२
७	२६	१५	१२	५	०	२६	७
२९	५०	३५	३२	५५	४१	१०	८
३१	३५	२	३१	२३	३५	३५	५९
५७	४१	८१	५	७२	१/४६	३	५६
१३	५९	१४	४८	४०	व.	११	५४

(सं० २००१ समारम्भं २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४									दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुं रविदक्षिणेऽहर्गणः ४१०३स.२०२२
१	गु	१०	४	पु	४५	५८	धु	८	१९	ब	१०	४	३४	५	५२	९	३०	३०	क. २९।५	चंद्रदर्शनम्
२	शु	१६	१	पु	५३	१४	व्या	१०	४४	कौ	१६	१	२०	८	५२	१०	१	१	कर्के	उभा.४गुरुः २७जौलाई७ता.३१जिल्हेज =
३	श	२१	३१	श्ले	५९	२८	ह	१२	४४	ग	२१	३१	१९	८	५२	११	२	२	सिं ५९।२८	भ.५३।५१उ.मिथुनेबुधः १०।१५
४	र	२६	१२	म	६०	०	व	१३	५६	वि	२६	१२	१८	८	५२	१२	३	३	सिंहे	भ.२६।१२या. [=१२रथयात्रा
५	चं	२९	५३	म	५	१०	सि	१४	४९	बा	२९	५३	१७	९	५१	१३	४	४	सिंहे	
६	मं	३२	१७	पू	९	४७	व्य	१४	४७	कौ	१	५	१६	९	५१	१४	५	५	क.२५।३५	आर्द्राबुधः ४३बुधास्तःपूर्वस्यां ३५।४१
७	बु	३३	९	उ	१२	५८	व	१३	२५	ग	२	४३	१५	९	५१	१५	६	६	कन्यायां	भ.३३उ पुन.रविः १३ (सौरः ३९)
८	गु	३२	३२	ह	१४	३७	प	१०	४३	वि	२	५०	१४	९	५१	१६	७	७	तु ४४।२९	भ.२।५०या.मृगेशुक्रः ३८।५२
९	शु	२९	५९	चि	१४	२३	शि	६	४४	बा	१	१६	१३	९	५१	१७	८	८	तुलायां	
१०	श	२५	४४	स्वा	१२	२३	सि	१३	५३	ग	२५	४४	११	१०	५०	१८	९	९	वृ.५४।३७	भ.५२उ.वक्रीधनि.२मकरेशनि ५०।२२
११	र	१९	३८	वि	८	४१	शु	४६	१३	वि	१९	३८	१०	१०	५०	१९	१०	१०	वृश्चिके	भ.१९।३८या.देवशयनी ११व्र.
१२	चं	१२	०	अ	३०	५३	शु	३६	४७	बा	१२	०	८	१०	५०	२०	११	११	ध.५६।५२	प्रदोषः
१३	मं	३	६	मू	४९	२२	ब्र	२६	३५	तै	३	६	७	११	४९	२१	१२	१२	धनुषि	भ.५३।२२उ.पुन.बुधः २१।४७
१४	मं	५०	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	[×पूजा वायु परीक्षा
१५	बु	४३	१९	पू	४१	३२	ऐं	१५	४४	वि	१८	२०	५	११	४९	२२	१३	१३	म.५४।३२	भ.१८।१०या.मिथुनेशुक्रः १३।३२व्यास×

१२पं.आ.शु.१वृ.इ.६।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१११	१	१०	०	२
१४	१	२६	१३	१४	०	२५	१३
९	५०	१९	१३	१६	२७	४८	४७
५८	३१	८	४१	३७	४	१९	४
५७	४१	०९	४	७३	२३	३	५७
७	२७	४६	४१	१	व	११	७

गोचर ग्रहाः

इस मासमें गुड़शक्कर गन्ना चीनी वस्त्र तेज हो धान्य-गल्ले में कुछ मंदी चले प्रजा में विरोध फैलें कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

१३पं.आ.शु.८वृ.इ. ६।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	११	१	१०	०	२
२०	६	९	१३	२२	०	२५	२०
५०	४५	२५	४६	३९	८	२६	२४
२४	४७	५५	३४	५४	१३	४	५८
५७	४०	०९	३	७३	००	३	५६
७	५७	२५	३५	१६	व.	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुं रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	गु	३३	२०	उ	३३	३३	वै	५३	४९	बा	८	१९	३४	५	४९	२३	१४	१४	मकरे	
२	शु	२४	७	श्र	२६	३५	प्री	४४	१७	ग	२४	७	१	१२	४८	२४	१५	१५	कुं. ५३।४०	भ.५०।४उ.
३	श	१६	१	ध	२०	४६	आ	३५	३५	वि	१६	१	३३	१२	४८	२५	१६	१६	कुंभे	भ.१६या.कर्केऽर्कः ४३भरण्यांभौमः =
४	र	९	३४	श	१६	३६	सौ	२८	११	बा	९	३४	५७	१३	४७	२६	१७	१७	मी ५९।४७	कर्केऽर्कःसौरः १२कर्कबुधः ४।३७
५	चं	५	७	पू	१४	११	शो	२२	२१	तै	५	७	५५	१३	४७	२७	१८	१८	मीने	पुष्येबुधः १५आर्द्राशुक्रः ४६।१३नाग ५
६	मं	२	४४	उ	१३	५०	अ	१८	८	व	२	४४	५२	१४	४६	२८	१९	१९	मीने	भ.२।४४उ.३२।३९या.
७	बु	२	३३	रे	१५	४९	सु	१५	४५	व	२	३३	५०	१४	४६	२९	२०	२०	मे. १५।४९	पुष्येरविः ११।५५ (सौरः ४३।६)
८	गु	४	९	अ	१९	२०	धृ	१४	४४	कौ	४	९	४८	१४	४६	३०	२१	२१	मेषे	[=४१।५चतुर्थी व्र.
९	शु	७	३८	भ	२४	३९	शू	१५	२३	ग	७	३८	४५	१५	४५	३१	२२	२२	वृ.४१।१३	भ.३९।५४उ.
१०	श	१२	१०	कृ	३०	५६	गं	१६	०९	वि	१२	१०	४३	१५	४५	१	२३	२३	वृषे	भ.१२।१०या.भा.श्रावणारंभः
११	र	१८	१०	रो	३८	२५	वृ	१८	४०	बा	१८	१०	४०	१६	४४	२	२४	२४	वृषे	आश्ले.बुधः ४७।४९कामिका ११व्र.
१२	चं	२४	१३	मृ	४५	५२	मृ	२१	४	तै	२४	१३	३८	१६	४४	३	२५	२५	मि १२।८	प्रदोषः
१३	मं	३०	३७	आ	५३	३९	थ्रा	२३	४२	व	३०	३७	३५	१७	४३	४	२६	२६	मिथुने	भ.३०।३७उ.
१४	बु	३६	४०	पु	६०	०	ह	२६	४	वि	३	३८	३३	१७	४३	५	२७	२७	क. ४४।२	भ.३।३८या.वक्रीगुरुः २०।२३
३०	गु	४२	१९	पु	०	५०	व	२८	१६	च	९	२९	३०	१८	४२	६	२८	२८	कर्के	बुधोदयःपश्चिमायां ५५।५१हरियाली

१४पं.श्रा.कृ १वृ.इ.५।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	११	२	९	०	२
२७	११	२३	१४	१	२९	२५	२७
३०	३५	४०	११	४	४६	३	३
४३	२०	५२	२	१२	५	४८	५
५७	४०	०९	२	७३	३३	३	५६
११	२८	१७	०	२६	व.	११	५४

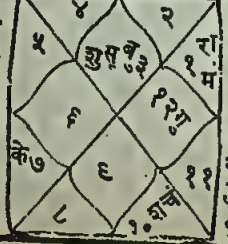

१५पं.श्रा.कृ.८वृ.इ.५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	११	२	९	०	३
४	१६	९	१४	९	२९	२४	३
१५	२०	११	२६	३१	२०	४१	४१
२८	१७	१३	६	१९	४६	३३	३२
५७	३९	०९	०	७३	५८	३	५६
१५	५६	४०	५८	४०	व.	११	५९

१६पं.श्रा.कृ.३०वृ.इ.५।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	११	२	९	०	३
१०	२०	२३	१४	१७	२८	२४	१०
५२	५८	३	३२	५९	५२	१९	२०
३०	३७	२५	३१	३१	३७	१७	४९
५७	३९	०९	७	७३	४	३	५७
२०	१४	४८	व.	५०	व.	११	५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												वि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१३२सन्२०२२
१	शु	४७	९	पु	८	५	सि	२९	५९	किं	१४	४४	३३/२७	५/१९	६/४१	७	२९	२९	कर्के	पुन.शुक्रः४३।३२
२	श	५१	२६	श्ले	१३	५२	व्य	३१	८	बा	१९	१७	२४	१९	४१	८	३०	३०	सिं१३।५२	चंद्रदर्शनम्सिंधारा
३	र	५४	३१	म	१९	१३	व	३१	४०	तै	२२	५८	२२	२०	४०	९	१	३१	सिंहे	मघा.सिंहेबुधः५३/१०मोहोरम१सन्१४४४=
४	चं	५६	३१	पू	२३	३२	प	३१	८	व	२५	३१	१९	२०	४०	१०	२	१	कं.३९।२३	भ.३५/३१उ.५६/३१या.अगस्त८ता.३१वरद४
५	मं	५७	२८	उ	२६	५३	शि	३०	१	ब	२६	५९	१६	२१	३९	११	३	२	कन्यायां	नागपंचमी [=हि.तीज
६	बु	५७	११	ह	२९	६	सि	२८	१०	कौ	२७	१९	१३	२१	३९	१२	४	३	तु.५९।३४	आश्ले.रविः८।५६(सौरः४३।५३)
७	गु	५५	४३	चि	३०	२	सौ	२४	५९	ग	२६	२७	१०	२२	३८	१३	५	४	तुलायां	भ.५५।४३उ.
८	शु	५२	४५	स्वा	२९	३१	शु	२०	५३	वि	२४	१४	७	२३	३७	१४	६	५	तुलायां	भ.२४।१४या.कृत्ति.भौमः५७।१४
९	श	४८	२६	वि	२७	४६	शु	१५	२७	बा	२०	३५	४	२३	३७	१५	७	६	वृ.१३।१२	कर्केशुक्रः५५।४९
१०	र	४२	४३	अ	२४	३५	ब्र	९	४	तै	१५	३४	०	२४	३६	१६	८	७	वृश्चिके	
११	चं	३५	४५	ज्ये	२०	७	ऐं	१/३८	५३/३१	व	९	१४	३२/५७	२५	३५	१७	९	८	ध.२०।७	भ.९/१४उ.३५/४५या.पूफा.बुधः४८/४९पवित्रा११व्र
१२	मं	२७	४२	मू	१४	२८	वि	४३	४६	ब	१	४३	५४	२५	३५	१८	१०	९	धनुषि	पुष्येशुक्रः४२।३९प्रदोषः
१३	बु	१८	५८	पू	८	१	प्री	३३	४९	तै	१८	५८	५०	२६	३४	१९	११	१०	म.२१।१५	
१४	गु	९	४०	उ	०/५७	५२/५१	आ	२३	२४	व	९	४०	४७	२७	३३	२०	१२	११	मकरे	भ.९।४०उ.३५।९या.वृषेभौमः१७।७
१५	शु	०	३७	ध	४७	१७	सौ	१३	२८	ब	०	३७	४४	२७	३३	२१	१३	१२	कु.२०।३२	श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम्

१७पं.श्रा.शु.७वृ.इ. ५/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	११	२	९	०	३
१७	२५	५	१४	२६	२८	२३	१७
३४	२८	३५	२८	३०	२२	५७	०
१२	३४	१०	३४	७	४१	१	३७
५७	३८	०/०/३४	३३/१	७३	३४/३४	३	५७
२५	२१		व.	५६	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

श्रावण कृष्णे ३ शनौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ६ बालावस्था (बैठी)मु. १५धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदय पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.शु.१४वृ.इ. ५/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	११	३	९	०	३
२४	२९	१६	१४	५	२७	२३	२३
१६	५२	४८	१५	२	५१	३४	४१
३७	३४	१४	२९	२	४०	४६	४४
५७	३७	९१	५२/२	७४	४/४०	३	५७
३३	२०	३८	व.	२	व.	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												वि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु	५१	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४४	४९	श	४१	५३	शो	४/४	५१/१९	तै	१८	२७	३२/४०	५/२८	६/३२	२२	१४	१३	कुम्भे	
३	र	३९	११	पू	३८	८	सु	४८	७	व	१२	०	३७	२९	३१	२३	१५	१४	सी२४।४	भ.१२।०उ.३९।११या.चतुर्थीव्र.
४	चं	३५	२२	उ	३५	५१	धृ	४२	२३	ब	७	१६	३३	२९	३१	२४	१६	१५	मीने	भरणी३राहुःविशा.१केतुः४३।४९
५	मं	३३	५१	रे	३६	२	शू	३८	२३	कौ	४	३७	३०	३०	३०	२५	१७	१६	मे.३६।२	चंद्रषष्ठी
६	बु	३४	२०	अ	३८	७	गं	३५	५५	ग	४	५	२६	३१	२९	२६	१८	१७	मेषे	भ.३४/२०उ.मघा.सिंहेऽर्कः५२/१८(सौरः४०/१८)
७	गु	३७	५	भ	४२	१७	वृ	३५	२२	वि	५	४३	२२	३२	२८	२७	१९	१८	वृ.५८।४३	भ.५/४३या.उफा.बुधः४/४८जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	शु	४१	१७	कृ	४८	०	ध्रु	३५	४४	बा	९	११	१९	३२	२८	२८	२०	१९	वृषे	जन्माष्टमी व्र.वै.
९	श	४६	४७	रो	५४	५२	व्या	३७	२५	तै	१४	२	१५	३३	२७	२९	२१	२०	वृषे	कन्यायांबुधः४१/७आश्लेःशुक्रः३३/५७गोगा ९
१०	र	५२	५८	मृ	६०	०	ह	३९	३२	व	१९	५२	१२	३४	२६	३०	२२	२१	मि२८।२९	भ.१९।५२उ.५२।५८या.
११	चं	५९	२३	मृ	२	८	व	४२	२	ब	२६	१०	८	३४	२६	३१	२३	२२	मिथुने	अजा११व्र. [Hपिठोरी३०
१२	मं	६०	०	आ	९	५३	सि	४४	३४	कौ	३२	२७	४	३५	२५	१	२४	२३	मिथुने	भा.भाद्रपदारंभःवत्सद्वादशी
१२	बु	५	३१	पु	१७	१७	व्य	४६	४७	तै	५	३१	१	३६	२४	२	२५	२४	क.०।२६	प्रदोषः
१३	गु	११	०	पु	२४	१६	व	४८	२८	व	११	०	३१/५७	३७	२३	३	२६	२५	कर्के	भ.११।०उ.४३।१४या.वक्रीउभा.३गुरुः+
१४	शु	१५	२८	श्ले	३०	७	प	४९	१०	श	१५	२८	५३	३७	२३	४	२७	२६	सिं.३०।७	[+२१।२२
३०	श	१८	५५	म	३४	५१	शि	४९	१०	ना	१८	५५	४९	३८	२२	५	२८	२७	सिंहे	वक्रीधनि.१शनिः६।४६ कुशाग्रहणी H

१९पं.भा.कृ.७वृ इ.५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	११	३	९	०	४
०	४	२६	१३	१३	२७	२३	०
५९	६	४०	५३	३६	२०	१२	२३
५३	१८	३०	२०	११	४२	३०	५७
५७	३६	७६	४/४	७४	४/४०	३	५७
४०	११	४६	व.	८	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्णे ६बुध सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. १ प्रौढावस्था (बैठी)मु.३० धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

२०पं.भा.कृ.१३वृ.इ.५।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	११	३	९	०	४
७	८	५	१३	२२	२६	२२	७
४४	१०	०	२१	११	४९	५०	७
२०	४४	०	२५	२८	१६	१५	२५
५७	३४	५८	५/१२	७४	४/१४	३	५७
४९	५८	५२	व.	१६	व.	११	४५

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१६२सं.२०२२
१	र	२१	१०	पू	३८	३४	सि	४८	१७	ब	२१	१०	३१/४६	५/३९	६/२१	६	२९	२८	कं.५४।१३	रोहि.भौमः१२।३१चंद्रदर्शनम्
२	चं	२२	१३	उ	४१	११	सा	४६	३०	कौ	२२	१३	४२	४०	२०	७	१	२९	कन्यायां	हस्तेबुधः५०।३५सफर२
३	मं	२२	२०	ह	४२	३७	शु	४३	५०	ग	२२	२०	३८	४०	२०	८	२	३०	कन्यायां	भ.५१/५०उ.पूफा.रविः५२/३४हरितालिका३
४	बु	२१	२०	चि	४३	१४	शु	४०	१८	वि	२१	२०	३४	४१	१९	९	३	३१	तु.१२।५५	भ.२१।२०या.पूफा.रविःसौरः३१।९ +
५	गु	१९	३८	स्वा	४२	५८	ब्र	३६	१९	बा	१९	३८	३०	४२	१८	१०	४	१	तुलायां	सितम्बर९ता.३०ऋषिपंचमी
६	शु	१६	४९	वि	४१	४९	ऐं	३१	२२	तै	१६	४९	२६	४३	१७	११	५	२	वृ.२७।६	[+मघा.सिंहेशुक्रः२५।७गणेशचतुर्थी
७	श	१३	१०	अ	३९	५८	वै	२५	५१	व	१३	१०	२२	४४	१६	१२	६	३	वृश्चिके	भ.१३।१०उ.४०।५८या.
८	र	८	४६	ज्ये	३७	४	वि	१९	३२	ब	८	४६	१८	४४	१६	१३	७	४	व.३७।४	
९	चं	३	२८	मू	३३	२६	प्री	१२	४०	कौ	३	२८	१५	४५	१५	१४	८	५	धनुषि	
१०	चं	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	मं	५०	४४	पू	२८	५६	आ	५/०	५१/५०	व	२४	७	११	४६	१४	१५	९	६	म.४२।४७	भ.२४/७उ.५०/४४या.जलझूलनी११व्र.स्मा.
१२	बु	४३	१९	उ	२३	५२	शो	४८	१२	ब	१७	२	७	४७	१३	१६	१०	७	मकरे	जलझूलनी११व्र.वै.वामनजयंती
१३	गु	३५	५२	श्र	१८	२०	अ	३९	१७	कौ	९	३४	३	४७	१३	१७	११	८	कुं.४५।३६	वक्रीबुधः३४।१प्रदोषः
१४	शु	२७	४७	ध	१२	५३	सु	३०	२८	ग	१	४९	३०/५९	४८	१२	१८	१२	९	कुंभे	भ.२७।४७उ.५४।४५या.अनंत१४
१५	श	२१	४२	श	७	५०	धृ	२२	१३	ब	२१	४२	५५	४९	११	१९	१३	१०	मी४९।४६	महालयारंभःकु.संध्यापूजनारंभः

२१पं.भा.शु.५वृ.इ. ५४/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	११	४	९	०	४
१४	१२	११	१२	०	२६	२२	१३
३०	३	१९	४२	४९	१९	२७	५२
०	३२	५९	७	१६	५५	५९	३७
५८	३३	३५	६/११	७४	१४/१३	३	५८
१	४८	४४	व.	२०	व	११	१

गोचर ग्रहाः

६बु ४ ३ ७ चंके ५शुसू ८ २मं ९ ११ १रा १०श १२गु

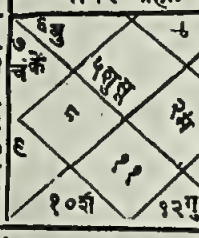

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धातु सोना चांदी गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ अलसी तेज हो प्रजा में महामारी फैले।

गोचर ग्रहाः

बु६ ४ के७ सू५शु ३ ८ २मं ९ ११ १रा १०चंश १२गु

२२पं.भा.शु.१३वृ.इ.४४/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	११	४	९	०	४
२१	१५	१४	११	९	२५	२२	२०
१७	४२	४२	५६	२८	५१	५	३९
२	४०	०	२०	१६	४	४३	१७
५८	३१	३	६/५७	७४	३/५८	३	५८
१३	४९	७	व	२६	व.	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	र	१६	४	पू	३	४४	शू	१४	४०	कौ	१६	४	३०/५१	५/५०	६/१०	२०	१४	११	मीने	पूफा.शुक्रः११।३२
२	चं	१२	४	उ	०/४६	५८/५५	गं	८	१३	ग	१२	४	४७	५१	९	२१	१५	१२	मे.५९।४१	भ.४०।५४उ.
३	मं	९	४४	अ	६०	०	वृ	३/२२	५६/१	वि	९	४४	४३	५१	९	२२	१६	१३	मेषे	भ.९/४४या.उफा.रविः३६।५९चतुर्थीव्र.
४	बु	९	१४	अ	०	२६	व्या	५७	३४	बा	९	१४	३९	५२	८	२३	१७	१४	मेषे	उफारविःसौरः१५।४९
५	गु	११	६	भ	३	१७	ह	५६	४५	तै	११	६	३५	५३	७	२४	१८	१५	वृ.१९।२५	[×पश्चिमायां४१।३९
६	शु	१४	३६	कृ	७	५२	व	५७	२८	व	१४	३६	३१	५४	६	२५	१९	१६	वृषे	भ.१४।३६उ.४७।१०या. बुधास्तः ×
७	श	१९	४३	रो	१३	५९	सि	५९	१४	ब	१९	४३	२७	५५	५	२६	२०	१७	मि४७।३१	कन्यायामर्कः२।२०(सौरः४१।०)
८	र	२५	२९	मृ	२१	४	व्य	६०	०	कौ	२५	२९	२२	५६	४	२७	२१	१८	मिथुने	[Aभा.आश्विनारंभःप्रदोषः
९	चं	३१	५६	आ	२८	२८	व्य	१	२६	ग	३१	५६	१८	५६	४	२८	२२	१९	मिथुने	वक्रीउफा.बुधः५९।२४मातृ९
१०	मं	३८	९	पु	३६	५	व	३	५५	व	५	२	१४	५७	३	२९	२३	२०	क.१९।११	भ.५।२उ.३८।९या.
११	बु	४३	३३	पु	४३	१०	प	६	१०	ब	१०	५१	९	५८	२	३०	२४	२१	कर्के	उफा.शुक्रः५५।३०इंदिरा११व्र.
१२	गु	४८	११	श्ले	४९	७	शि	७	५५	कौ	१५	५२	५	५९	१	३१	२५	२२	सि४९।७	[+भौमः३३।४३शस्त्रादिहतानां श्रा.
१३	शु	५१	१९	म	५३	४८	सि	८	४७	ग	१९	४५	३०/००	६/००	६/००	१	२६	२३	सिंहे	भ.५१।१९उवक्रीउभा.२गुरुः२८।३४A
१४	श	५२	५३	पू	५७	१२	सा	८	३७	वि	२२	६	२९/५६	१	५/५९	२	२७	२४	सिंहे	भ.२२।६या.कन्यायांशुक्रः३६/३१मृगे +
३०	र	५३	१०	उ	५९	४	शु	७	१६	च	२३	१	५२	२	५८	३	२८	२५	क.१२।४०	सर्वपितृ३०

२३पं.आ.कृ.५वृ.इ.४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	११	४	९	०	४
२८	१९	१३	११	१८	२५	२१	२७
५५	५	४७	५	९	२५	४३	२७
२४	३१	१३	२८	११	५२	२८	३५
५८	२९	४१/३६	७/३७	७४	३/३७	३	५८
२६	५९	व.	व	२६	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

६ बु ४ ७के शु५सू ३ ८ २मं ९ ११ १रा चं १० श १२गु

आश्विनकृष्णे ७ शनौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ बालावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

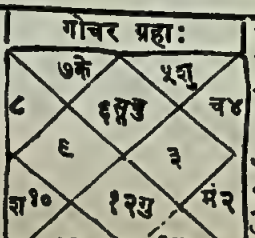

७के ५शु ८ ६सूबु च४ ९ ३ श१० १२गु मं२ ११ १रा

२४पं.आ.कृ.१२वृ.इ. ४/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	११	४	९	०	५
४	२२	७	१०	२६	२५	२१	४
५५	११	२०	११	५१	४	२१	१७
१६	२०	१३	२	४	२४	१२	४२
५८	२७	७६/४१	७/५२	७४	२/५१	३	५८
३८	३२	व.	व	३२	व.	११	४५

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१९१स.२०२२
१	चं	५१	५०	ह	५९	३७	शु	४	४८	किं	२२	२९	२९/४८	६/३	५/५८	४	२९	२६	कन्यायां	नवरात्रारंभः मातामहश्रा.
२	मं	४९	३२	चि	५९	१३	ब्र	१०/१	५५/४४	बा	२०	४१	४४	३	५७	५	३०	२७	तु.२९।५०	हस्तेरविः १५/२९ (सौरः ५३/३०) चंद्रदर्शनम्
३	बु	४६	३२	स्वा	५७	५३	वै	५१	४८	तै	१८	२	४०	४	५६	६	१	२८	तुलायां	रविलावल३
४	गु	४२	४२	वि	५५	४५	वि	४५	५६	व	१४	३७	३६	५	५५	७	२	२९	वृ.४१।१७	भ.१४।३७उ.४२।४२या.
५	शु	३८	२५	अ	५३	१७	प्री	३९	४८	ब	१०	३३	३२	६	५४	८	३	३०	वृश्चिके	बुधोदयःपूर्वस्यां२९।४५
६	श	३३	४७	ज्ये	५०	३३	आ	३३	२७	कौ	६	५	२८	६	५४	९	४	१	ष.५०।३३	शुक्रास्तःपूर्वस्यां ५६/१२ अक्टूबर१०ता.३१
७	र	२८	५९	मू	४७	२७	सौ	२६	४६	ग	१	२३	२३	७	५३	१०	५	२	धनुषि	भ.२८।५९उ.५६।२७या.मार्गीबुधः ×
८	चं	२३	५४	पू	४४	४	शो	१९	५०	व	२३	५४	१९	८	५२	११	६	३	म.५८।१०	[×३१।३५हस्तेशुक्रः३५।३४
९	मं	१८	३९	उ	४०	३१	अ	१२	४४	कौ	१८	३९	१५	९	५१	१२	७	४	मकरे	
१०	बु	१३	६	श्र	३६	४७	सु	५/३१	५२/३२	ग	१३	६	११	१०	५०	१३	८	५	मकरे	भ.४०।१९उ.
११	शु	७	३३	ध	३३	९	शू	५०	४०	वि	७	३३	७	११	४९	१४	९	६	कुं.४।५८	भ.७।३३या.पापांकुशा११व्र.
१२	शु	२	६	श	२९	३८	गं	४३	४१	बा	२	६	३	११	४९	१५	१०	७	कुंभे	प्रदोषः
१३	शु	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=व्र. का. स्ना प्रा.
१४	श	५२	३६	पू	२६	३८	वृ	३७	२	ग	२४	४७	२८/५९	१२	४८	१६	११	८	मी१२।२५	भ.५२।३६उ.
१५	र	४९	१६	उ	२४	२३	ध्रु	३०	५५	वि	२०	५६	५५	१३	४७	१७	१२	९	मीने	भ.२०।५६या.शरद्पूर्णिमाकोजागरी=

२५पं.आ.शु.४वृ.इ.५४/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	११	५	९	०	५
११	२४	१	९	५	२४	२०	११
४६	५८	१०	१४	३४	४५	५८	९
५२	३०	३८	३८	२६	२९	५७	४१
५८	३४	४२/४	७/५२	७४	२/१७	३	५९
५३	३२	व.	व.	३२	व.	११	००

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला धातु सोना चांदी चंदन रुई कपास वारदाना केसर वस्त्र सभी पदार्थ तेज होगें ।

गोचर ग्रहाः

२६पं.आ.शु.११वृ.इ.४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	११	५	९	०	५
१८	२७	१	८	१४	२४	२०	१८
४०	१६	१५	१९	१९	३१	३६	३
८	५८	३२	४१	५	२३	४१	२८
५९	२२	४३/१०	७/४४	७४	३/४३	३	५९
९	२२	मा	व.	३२	व.	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेतिमहा.
१	चं	४७	१९	रे	२३	२५	व्या	२५	४८	बा	१८	१७	२८/५१	६/१४	५/४६	१८	१३	१०	मे.२३।२५	चित्रा.रविः४७।३१ [÷प्रदोषःघन१३
२	मं	४६	५९	अ	२३	५३	ह	२१	१९	तै	१७	९	४७	१५	४५	१९	१४	११	मेषे	चित्रा.रविःसौरः२४।४
३	बु	४८	२४	भ	२५	५३	व	१९	२३	व	१७	४१	४३	१५	४५	२०	१५	१२	वृ.४१।१४	भ.१७।४१उ.४८।२४या.
४	गु	५१	२३	कृ	२९	४०	सि	१८	५	ब	१९	५३	३९	१६	४४	२१	१६	१३	वृषे	चित्रा.शुक्रः१६।५७करकचतुर्थीव्र.
५	शु	५६	१२	रो	३५	०	व्य	१७	५५	कौ	२३	४७	३५	१७	४३	२२	१७	१४	वृषे	हस्तेबुधः९।५० [×महालक्ष्मीपूजनम्
६	श	६०	०	मृ	४१	२८	व	१९	४	ग	२८	५८	३१	१८	४२	२३	१८	१५	मि८।१४	मिथुनेभौमः४६।४१
६	र	१	४४	आ	४८	४१	प	२०	४०	व	१	४४	२७	१९	४१	२४	१९	१६	मिथुने	भ.१।४४उ.३४।५६या.
७	चं	८	७	पु	५६	४१	शि	२२	५८	ब	८	७	२३	१९	४१	२५	२०	१७	क.३९।४१	तुलायामर्कः ३१/२० भरणी२राहुःस्वाती +
८	मं	१४	३१	पु	६०	०	सि	२५	१४	कौ	१४	३१	२०	२०	४०	२६	२१	१८	कर्के	तुलार्कःसौरः ६/४८ तुलायांशुक्रः३५।५२
९	बु	२०	२१	पु	३	३७	सा	२७	२३	ग	२०	२१	१६	२१	३९	२७	२२	१९	कर्के	भ.५२।४५उ. [+४केतुः३६।८
१०	गु	२५	१०	श्ले	१०	१४	शु	२८	३४	वि	२५	१०	१२	२२	३८	२८	२३	२०	सि१०।१४	भ.२५/१०या.वक्रीउभा.१गुरुः ७/२४ बुधास्तः =
११	शु	२८	३५	म	१५	२२	शु	२८	४६	बा	२८	३५	८	२२	३८	२९	२४	२१	सिंहे	रमा११व्र. [=पूर्वस्यां१५।०
१२	श	३०	१६	पू	१९	८	ब्र	२७	४७	तै	३०	१६	४	२३	३७	३०	२५	२२	कं.३४।३७	चित्रा.बुधः २५/५२ मार्गीशनिः२३।४७
१३	र	३०	७	उ	२१	६	ऐं	२५	१७	ग	०	११	०	२४	३६	१	२६	२३	कन्यायां	भ.३०/७उ.५९/१०या.स्वात्यांशुक्रः५४।१६ ÷
१४	चं	२८	१२	ह	२१	२३	वै	२१	३२	श	२८	१२	२७/५६	२५	३५	२	२७	२४	तु५०।४४	स्वात्यांरविः १३/२२ (सौरः ४७/५१ रुप१४ ×
३०	मं	२४	४८	चि	२०	६	वि	१६	२८	ना	२४	४८	५३	२५	३५	३	२८	२५	तुलायां	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजासूर्यग्रहणम्

२७पं.का.कृ.४वृ.इ.३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	११	५	९	०	५
२५	२९	८	७	२३	२४	२०	२४
३५	११	२५	२७	३	२१	१४	५९
२	३८	५५	४३	५०	४३	२५	१०
५९	१७	८५	१४/१३	७४	०/५७	३	५९
२१	५२	४१	व.	३८	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

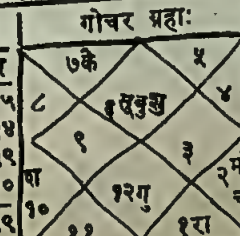

कार्तिक कृष्णे ७ चद्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेसमर्घताशुक्रास्तःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

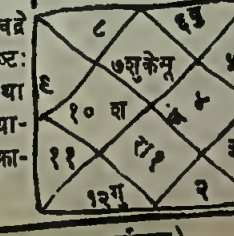

२८पं.का.कृ.१०वृ.इ.३/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	५	११	६	९	०	६
२	०	१९	६	१	२४	१९	१
३१	३४	२३	४०	४९	१७	५२	५६
२६	४८	५६	२३	१९	३५	१०	३५
५९	१३	९९	६/२३	७४	०/१६	३	५९
३४	१५	४१	व.	३८	व.	११	४६

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४ वि. उ. अ.भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२२१स.२०२२

१	बु	२०	१४	स्वा	१७	२८	मी	१०	१४	ब	२०	१४	३७	६	५	४	२९	२६	वृ.५९।४९	तुलायांबुधः१८।२१
२	गु	१४	४४	वि	१३	५५	आ	३	५२	कौ	१४	४४	४५	२७	३३	५	३०	२७	वृश्चिके	चद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	शु	८	५५	अ	९	५८	शो	४७	५३	ग	८	५५	४१	२८	३२	६	१	२८	वृश्चिके	भ.३५।५५उ.रविलाख२४
४	श	२	५५	ज्ये	५	४१	अ	४०	१	वि	२	५५	३७	२९	३१	७	२	२९	ध.५।४१	भ.२।५५या.
५	श	५३	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×५।१५विशा.बुधः२६।४३
६	र	५१	१७	मू	३१	५६	सु	३२	२५	कौ	२४	५	३४	२९	३१	८	३	३०	धनुषि	स्वात्यांबुधः१३।१९
७	चं	४६	१	उ	५४	८	धृ	२४	५२	ग	१८	३८	३०	३०	३०	९	४	३१	म.११।४४	भ.४६।१उ. [+का.स्ना.पू.
८	मं	४०	५४	श्र	५०	४९	शू	१७	४५	वि	१३	२७	२७	३१	२९	१०	५	१	मकरे	भ.१३या.नवम्बर११ता.३०गोपाष्टमी
९	बु	३६	२२	ध	४८	११	गं	१०	४३	बा	८	३८	२३	३१	२९	११	६	२	कुं.१९।३०	कुष्मांडेऽक्षयेऽ
१०	गु	३२	३७	श	४६	४	वृ	१६	५४	तै	४	२९	१९	३२	२८	१२	७	३	कुंभे	विशा.शुक्रः३३।४५
११	शु	२९	१४	पू	४४	२५	च्या	५२	३६	व	०	५५	१६	३३	२७	१३	८	४	मी२९।५०	भ.५५उ.३९या.प्रबोधिनी११व्र.तुल.वि.
१२	श	२६	३२	उ	४३	३५	ह	४७	४४	बा	२६	३२	१२	३४	२६	१४	९	५	मीने	वक्रीभौमः५४।३०प्रदोषः
१३	र	२४	४३	रे	४३	२८	व	४३	३५	तै	२४	४३	९	३४	२६	१५	१०	६	मे.४३।२८	विशा.रविः३३।४८वैकुं ठ१४
१४	चं	२४	५	अ	४४	४०	सि	४०	१०	व	२४	५	५	३५	२५	१६	११	७	मेषे	भ.२४उ.५४या.विशा.रविःसौरः ×
१५	मं	२४	३१	भ	४७	१	व्य	३७	४७	ब	२४	३१	२	३६	२४	१७	१२	८	मेषे	ग्रस्तोदितखग्रासचंद्रग्रहणम्मन्वादिः +

२९पं.का.शु.२व.इ.३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	११	६	९	०	६
९	१	१	५	१०	२४	१९	८
२९	१४	१७	५९	३५	१८	२९	५५
४२	१३	२	६	३१	४	५४	५५
५९	८	८	३६	७४	३२	३	६०
४७	२४	८	व.	३८	मा	११	२

गोचर ग्रहाः

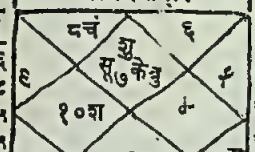

इस मास में मिथुन का मंगल धान्य वाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं धातु सोना चांदी वस्त्र रुई तेज हो कही २ कुछ वर्षा हो।.

गोचर ग्रहाः

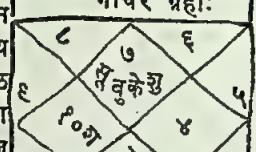

३०पं.का.शु.१०व.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	११	६	९	०	६
१६	१	१३	५	१९	२४	१९	१५
२९	१५	०	२५	२२	२३	७	५६
२८	५८	४	२३	१६	२०	३९	५९
६०	२	८	१५	४७	१	३	६०
४	५८	५८	व.	३८	१७	११	१८

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४ वि. उ. अ.भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.

१	बु	२६	३०	कृ	५०	३५	व	३६	३५	कौ	२६	३०	२६	६	५	१८	१३	९	बृ.२।५४	
२	गु	२९	४६	रो	५५	२०	प	३६	३	ग	२९	४६	५५	३७	२३	१९	१४	१०	वृषे	
३	शु	३४	२३	मृ	६०	०	शि	३६	४३	व	२	४	५२	३८	२२	२०	१५	११	मि२८।२९	[×३२।४०वक्रीवृषेभौमः५३।३२
४	श	३९	४५	मृ	१	३९	सि	३८	८	ब	७	४	४९	३८	२२	२१	१६	१२	मिथुने	भ.२।४उ ३४।२३या.बृश्चिकेशुक्रः ×
५	र	४६	११	आ	८	३७	सा	४०	०	कौ	१२	५८	४५	३९	२१	२२	१७	१३	क.५९।२०	चतुर्थीव्र.
६	चं	५२	४१	पु	१६	१५	शु	४२	२४	ग	१९	२६	४२	४०	२०	२३	१८	१४	कर्के	वृश्चिकेबुधः२३।४
७	मं	५९	२	पु	२३	४९	शु	४४	४१	वि	२४	५१	३९	४०	२०	२४	१९	१५	कर्के	भ.५२।४१उ.अनु.शुक्रः९।४६
८	बु	६०	०	श्ले	३१	४	ब्र	४६	३२	बा	३१	४३	३६	४१	१९	२५	२०	१६	सिं३१।४	भ.२४।५१या.अनु.बुधः४१।४८
८	गु	४	२३	म	३७	७	ऐं	४७	२६	कौ	४	२३	३३	४१	१९	२६	२१	१७	सिंहे	बृश्चिकेऽर्कः२९।५३ (सौरः५९।३२)
९	शु	८	२५	पू	४१	५५	वै	४७	११	ग	८	२५	३०	४२	१८	२७	२२	१८	क.५७।४०	भ.३९।३८उ.
१०	श	१०	५२	उ	४४	५४	वि	४५	४४	वि	१०	५२	२७	४३	१७	२८	२३	१९	कन्यायां	भ.१०।५२या.अनु.रविः४८।१३
११	र	११	१७	ह	४५	५८	प्री	४२	३१	बा	११	१७	२५	४३	१७	२९	२४	२०	कन्यायां	अनु.रविःसौरः१६।२०उत्पत्ति११व्र.
१२	चं	९	५२	चि	४५	५	आ	३७	४७	तै	९	५२	२२	४४	१६	३०	२५	२१	तु.१५।३१	प्रदोषः
१३	मं	६	१९	स्वा	४२	२३	सौ	३१	३७	व	६	१९	१९	४४	१६	१	२६	२२	तुलायां	भ.१९उ.३३या.भा.मार्गशीर्षारंभः
१४	बु	१	७	वि	३८	८	शो	२४	१	श	१	७	१७	४५	१५	२	२७	२३	वृ. २४	
३०	बु	५३	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	

३१पं.मा.कृ.२व.इ.३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	११	६	९	०	६
२३	०	२४	५	२८	२४	१८	२२
३०	३३	२३	०	८	३३	४५	५९
५०	२५	२१	५४	५३	४३	२३	३२
६०	५९	८	१३	७४	१	३	६०
१०	व.	२	व.	३२	५८	११	३०

गोचर ग्रहाः

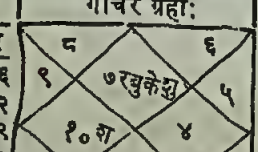

मार्गशीर्ष कृष्णे८ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादि भावेमहर्घंताशुक्रास्तःपूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

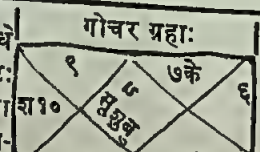

३२पं.मा.कृ.८व.इ.३।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	११	७	९	०	७
०	२९	५	४	६	२४	१८	०
३३	९	२९	५५	५५	४९	२३	३
२९	२२	३५	४३	१२	१	७	३६
६०	४९	९९	४६	७४	२	३	६०
३०	व.	२६	व.	३२	३८	२१	४०

ति.| मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४४ |दि.|उ.|अ.|भा.|मु.|इं.| चन्द्रः |हेमंततौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२५०स.२०२२

१	शु	४७	११	अ	३२	५०	अ	१३	३३	किं	२०	४६	१४	४५	१५	३	२८	२४	वृश्चिके
२	शु	३६	२०	ज्ये	२६	५३	शु	२९	३६	ब्रा	१३	१६	१२	४६	१४	४	२९	२५	ध. २६।५३
३	श	३१	३३	मू	२०	५४	शु	४७	३५	तै	५	२६	९	४६	१४	५	१	२६	धनुषि
४	र	२४	४०	पू	१५	७	गं	३८	२०	चि	२४	४०	७	४७	१३	६	२	२७	म. २८।५१
५	चं	१७	३४	उ	१०	४	बृ	२९	५५	वा	१७	३४	५	४७	१३	७	३	२८	मकरे
६	मं	११	३२	अ	५	४०	धु	२१	५९	तै	११	३२	२	४८	१२	८	४	२९	कुं. ३४।०
७	बु	६	४१	ध	२	५७	श्वा	१५	५८	व	६	४१	०	४८	१२	९	५	३०	कुंभे
८	गु	२	५२	पू	५८	४४	ह	८	४७	ब	२	५२	२५	४८	१२	१०	६	१	मी ४४।३
९	शु	०	९	उ	५८	२९	व	३२	५५	कौ	०	९	५६	४९	११	११	७	२	मीने
१०	शु	५८	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	श	५८	१	रे	५९	२४	व्य	५५	३५	व	२८	१७	५४	४९	११	१२	८	३	मे. ५९।२४
१२	र	५८	४६	अ	६०	०	व	५३	२	ब	२८	२३	५३	४९	११	१३	९	४	मेषे
१३	चं	६०	०	अ	१	३१	प	५१	१७	कौ	२९	३४	५१	५०	१०	१४	१०	५	मेषे
१३	मं	०	२२	भ	४	४०	शि	५०	४४	तै	०	२२	४९	५०	१०	१५	११	६	वृ. २०।४४
१४	बु	३	१६	कृ	८	५६	सि	५०	२५	व	३	१६	४८	५०	१०	१६	१२	७	वृषे
१५	गु	७	८	रो	१४	४	सा	५१	७	ब	७	८	४६	५१	९	१७	१३	८	मि ४७।१२

भ. ३।१६उ. ३५।१२या. दत्तजयंती

३३पं.मा.शु.१वृ.इ.२।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	११	७	२	०	७
७	२७	१६	४	१५	२५	१८	७
३७	४	२३	४०	४२	८	०	९
२६	५२	५३	३०	३२	५३	५२	९
६०	१६	९७	०	७४	३	३	६०
४२	व.	७	व.	३२	२६	११	५३

३४प.मा.शु.८वृ.इ.२।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	११	७	९	०	७
१४	२४	२७	४	२४	२५	१७	१४
४२	३४	९	४६	२९	३३	३८	१५
४०	४८	४०	१२	५३	३६	३६	५५
६०	३५	९४	९	७४	४	३	६१
५०	व.	२७	मा	२६	१	११	३

३५पं.मा.शु.१५वृ.इ.३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	८	११	८	९	०	७
२१	२१	७	५	३	२६	१७	२१
४८	५५	४३	०	१६	२	१६	२३
४३	२३	३०	२५	४४	३१	२१	३७
६०	३३	८९	२	७४	४	३	६१
५६	व.	५३	२२	२६	३८	११	११

ति.| पौष कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४४ |दि.|उ.|अ.|भा.|मु.|इं.| चन्द्रः |हेमंततौ रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

१	शु	१२	१६	मृ	२०	२०	शु	५२	३३	कौ	१२	१६	३५	६	५१	९	१८	१४	६	मिथुने
२	श	१७	५०	आ	२६	५७	शु	५४	२०	ग	१७	५०	४४	५१		६	१९	१५	१०	मिथुने
३	र	२४	१५	पु	३४	३०	ब्र	५६	३३	वि	२४	१५	५३	५१		६	२०	१६	११	क. १७।३७
४	चं	३०	४१	पु	४२	५	ऐं	५८	४८	बा	३०	४१	४२	५२		८	२१	१७	१२	कर्के
५	मं	३६	१२	श्ले	४९	४३	वै	६०	०	कौ	३	२६	५१	५२		८	२२	१८	१३	सिं ४९।४३
६	बु	४३	६	म	५६	४७	वै	०	५९	ग	९	३९	४०	५२		८	२३	१९	१४	सिंहे
७	गु	४७	५७	पू	६०	०	वि	२	३४	वि	१५	३१	३९	५२		८	२४	२०	१५	सिंहे
८	शु	५१	२४	पू	२	३२	प्री	३	२०	बा	१९	४०	३९	५२		८	२५	२१	१६	कं. १८।३७
९	श	५३	४	उ	६	५२	आ	३	५७	तै	२२	१४	३८	५२		८	२६	२२	१७	कन्यायां
१०	र	५२	३२	ह	९	२६	सौ	२	५६	व	२२	४७	३८	५२		८	२७	२३	१८	तु. ३९।४२
११	चं	५०	०	वि	९	५८	अ	५३	४५	ब	२१	१६	३७	५३		७	२८	२४	१९	तुलायां
१२	मं	४५	४०	स्वा	८	२९	सु	४७	८	कौ	१७	५०	३७	५३		७	२९	२५	२०	वृ. ५१।१
१३	बु	३९	१८	वि	५	११	धृ	३८	५७	ग	१२	२९	३६	५३		७	३०	२६	२१	वृश्चिके
१४	गु	३१	२९	अ	०	४०	शू	२९	३८	वि	५	२६	३६	५३		७	१	२७	२२	ध. ५३।४४
३०	शु	२२	५३	मू	४६	४०	गं	१९	३४	ना	२२	५३	३६	५३		७	२	२८	२३	धनुषि

भ. ५१।२उ.
भ. २४।१५या. पूषा. बुधः ५५ चतुर्थी व्र.
भ. ४३।६उ.
भ. १५।३१या.
मूलेधनुष्यर्कः ५५ (सौरः २९) पूषा. शुक्रः ÷ [÷ ३६ धनि. २शनिः ५४
भ. २२।४७उ. ५२।३२या.
भरणी. १राहुः स्वाति. ३केतुः २७।४८- [-सफला ११व्र.
भ. ३९।१८उ. प्रदोषः
भ ५६ या. उषा. बुधः ३७ भा. पौषारंभः

३६पं.पौ.कृ.७वृ.इ.२।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	८	११	८	९	०	७
२८	१९	१७	५	१२	२६	१६	२८
५५	२१	४१	२६	४	३४	५४	३२
३७	७	२६	१३	१	४१	५	२०
६१	३३	८०	३	७४	५	३	६१
०	व.	५४	४६	२६	२	११	१९

गोचर ग्रहाः

पौष कृष्णा ८ शुक्रे धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा३ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

३७पं.पौ.कृ.१४वृ.इ.३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	११	८	९	०	८
६	१७	२६	६	२०	२७	१६	५
३	१७	४	०	५०	११	२१	४१
१४	१७	३५	४७	४२	६	४२	४५
६१	३२	५९	४	७४	५	३	६१
४	व.	१०	५८	२२	३२	११	२२

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४२८०स.२०२२
१	श	१३	३३	पू	३९	१४	वृ	८/४९	४९/२७	ब	१३	३३	२५/३६	६/५३	५/७	३	२९	२४	म.५२।२५	[=वक्रीबुधः२३।२मकरेशुक्रः१९।३५
२	र	४	२९	उ	३२	१	व्या	४७	५१	कौ	४	२९	३७	५३	७	४	३०	२५	मकरे	चंद्रदर्शनम्
३	र	५१	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×जमादिलाख र६
४	चं	४८	६	श्र	२५	३९	ह	३६	५०	व	२२	०	३७	५३	७	५	१	२६	कुं.५२।५८	भ.२२।०उ.४८।६या.उषा.शुक्रः३७/२६×
५	मं	४१	४०	ध	२०	१६	व	२८	२	ब	१४	५३	३७	५३	७	६	२	२७	कुंभे	मकरेबुधः९।४०
६	बु	३६	२८	श	१६	१४	सि	२०	३६	कौ	९	४	३८	५२	८	७	३	२८	मी५९।२९	उभा.२गुरुः२३।१
७	गु	३३	१०	पू	१३	५३	व्य	१४	१४	ग	४	४९	३८	५२	८	८	४	२९	मीने	भ.३३/१०उ पूषा.रविः१०/३५(सौरः२९/४२)=
८	शु	३१	१७	उ	१३	६	व	९	१४	वि	२	१३	३९	५२	८	९	५	३०	मीने	भ.२।१३या.
९	श	३१	०	रे	१३	४१	प	५	२८	बा	१	८	४०	५२	८	१०	६	३१	मे.१३।४१	[+जनवरी१ता.३१सन्२०२३
१०	र	३२	२२	अ	१६	५	शि	२	५५	तै	१	४१	४१	५२	८	११	७	१	मेषे	बुधास्तःपश्चिमायाः५२।१४+
११	चं	३४	४७	भ	१९	३५	सि	१	२५	व	३	३५	४२	५२	८	१२	८	२	वृ.३५।४८	भ.३।३५उ.३४।४७या.वक्री धनुषिबुधः÷
१२	मं	५८	३४	कृ	२४	२६	सा	१	१३	ब	६	४०	४३	५१	९	१३	९	३	वृषे	[÷३।४६पुत्रदा११व्र.
१३	बु	४३	११	रो	३०	११	शु	१	३९	कौ	१०	५३	४४	५१	९	१४	१०	४	वृषे	वक्री पूषा.बुधः२४।२४ प्रदोषः
१४	गु	४८	५५	मृ	३६	४८	शु	२	२९	ग	१६	२	४५	५१	९	१५	११	५	मि३।२९	भ.४८।५५उ.
१५	शु	५४	४२	आ	४३	३९	ब्र	४	११	वि	२१	४८	४७	५१	९	१६	१२	६	मिथुने	भ.२१/४८या.श्रवणेशुक्रः१९/३० मा.स्नो.प्रा.

३८पं.पौ.शु.७वृ.इ.१/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	९	११	८	९	०	८
१३	१५	०	६	२९	२७	१६	१२
११	३३	८	४३	३८	५०	९	५१
१३	७	५३	५९	६	३५	३४	३७
६१	१४/४७	४	६	७४	५	३	६१
६	व.	४५	९	१४	५८	११	२६

गोचर ग्रहाः

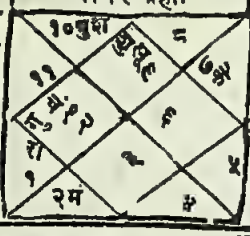

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना बाजरा मूंग मोठ धातु सोना चांदी वस्त्र रुई तेज हो शीत का प्रकोप अधिक रहे।

गोचर ग्रहाः

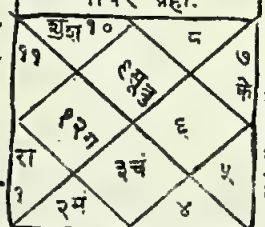

३९पं.पौ.शु.१४वृ.इ.१/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	११	९	९	०	८
२०	१४	२५	७	८	२८	१५	२०
१९	३३	४६	३५	२४	३२	४७	१
२६	७	४८	१७	०	२४	१८	३४
६१	८/३५	८५/२०	६	७४	६	३	६१
६	व.	व.	४	८	२०	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	श	६०	०	पु	५१	८	ऐं	६	४	बा	२७	५६	२५/४८	६/५०	५/१०	१७	१३	७	क.३४।१६	
१	र	१	१०	पु	५८	३६	वै	८	११	कौ	१	१०	५०	५०	१०	१८	१४	८	कर्के	
२	चं	७	४३	श्ले	६०	०	वि	१०	३१	ग	७	४३	५२	५०	१०	१९	१५	९	कर्के	भ.४०।५०उ.
३	मं	१३	५८	श्ले	६	७	प्री	१२	४०	वि	१३	५८	५३	४९	११	२०	१६	१०	सिं६।७	भ.१३।५८या. चतुर्थी ब्र.
४	बु	१७	४९	म	१३	९	आ	१४	२५	बा	१७	४९	५५	४९	११	२१	१७	११	सिंहे	उषा.रविः१५।२०(सौरः३१।९)
५	गु	२४	५१	पू	१९	२४	सौ	१५	२६	तै	२४	५१	५७	४९	११	२२	१८	१२	कं.३५।४३	
६	शु	२८	५०	उ	२४	४०	शो	१५	४८	व	२८	५०	५९	४८	१२	२३	१९	१३	कन्यायां	भ.२८।५०उ.बुधोदयःपूर्वस्यां१६।६
७	श	३१	२८	ह	२८	४०	अ	१५	११	वि	०	९	२६/१	४८	१२	२४	२०	१४	तु.५९।५०	भ.९या.मकरेऽर्कः३१/४४ सौरः४६/३३)–
८	र	३२	१६	चि	३१	१	सु	१३	१३	बा	१	५२	४	४७	१३	२५	२१	१५	तुलायां	[–मार्गीभौमः५४।५१
९	चं	३१	१२	स्वा	३१	२८	धृ	१०	४६	तै	१	४४	६	४७	१३	२६	२२	१६	तुलायां	भ.५९।४५उ.धनि.शुक्रः११।३१
१०	मं	२८	१९	वि	२९	५७	शू	४/४८	५३/२३	वि	२८	१९	८	४६	१४	२७	२३	१७	वृ.१५।२०	भ.२८।१९या.
११	बु	२३	२३	अ	२६	२८	वृ	५०	८	बा	२३	२३	११	४६	१४	२८	२४	१८	वृश्चिके	धनि.३कुंभेशनिः३१।४८षट्तिला११व्र.
१२	गु	१६	४३	ज्ये	२१	२२	ध्रु	४१	०	तै	१६	४३	१३	४५	१५	२९	२५	१९	ध.२१।२२	मार्गीबुधः६।४६प्रदोषः
१३	शु	८	४५	मू	१५	३	व्या	३०	४२	व	८	४५	१६	४५	१५	३०	२६	२०	धनुषि	भ.८।४५उ.३४।१०या.
१४	शु	५०	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+उभा.३गुरुः२०।३८भा.माघारंभः
३०	श	४९	५३	पू	७/३५	५२/५	ह	१९	५३	च	२४	४४	१९	४४	१६	१	२७	२१	म.२०।३६	अभि.प्र.रविः६।१४(सौरः१७।५७+

४०पं.मा.कृ.५वृ.इ.१।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	११	९	९	०	८
२७	१४	१७	८	१७	२९	१५	२७
२७	१२	१०	३३	९	१६	२५	११
२२	५४	३७	५०	५४	४१	३	२६
६१	२/२३	७०/४०	८	७४	६	३	६१
६	व.	व.	१६	२	३४	११	२४

गोचर ग्रहाः

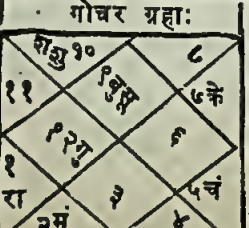

माघ कृष्णे ७ शनौ मकरेऽर्कःप्रविष्टःवा२ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

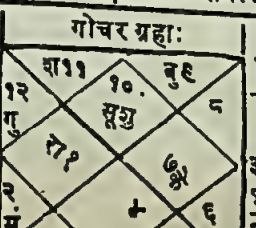

४१पं.मा.कृ.१२वृ.इ.१/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	११	९	१०	०	९
४	१४	१३	९	२५	०	१५	४
३५	२९	४८	३८	५४	३	२	२०
१३	२८	११	५६	११	२५	४७	५५
६१	३९/२४	०/१८	९	७३	६	३	६१
३	मा	व.	६	५६	५१	११	१९

(सं० २००१ समारंभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं.२०७९ शाकः १९४४	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गणः४३०९स.२०२३
१	र ४० ७ अ ५१ ५१ व ४३ ४९ किं १५ ०	२६	६	५	२	२८	२२	मकरे	कुंभेशुक्रः२१।१३
२	चं ३० ४८ ध ४४ ४० व्य ४७ १४ बा ५ २८	२४	४३	१७	३	२९	२३	कुं.१८।१५	चन्द्रदर्शनम् [=(सौर:४४)रज्जव७
३	मं २२ २८ श ३८ ३५ व ३७ ४९ ग २२ २८	२७	४३	१७	४	१	२४	कुम्भे	भ.४९।१उ.श्रवणेरविः२०।५१=
४	बु १५ ३४ पू ३४ ४ प २९ २५ वि १५ ३४	२९	४२	१८	५	२	२५	मी२०।११	भ.१५।३४या.अभि.नि.रविः१३।१०×
५	गु १० २९ उ ३१ २८ शि २२ ५८ बा १० २९	३२	४२	१८	६	३	२६	मीने	वसंत५ ×(सौर:२५।१०)
६	शु ७ १२ रे ३० ३४ सि १७ ४२ तै ७ १२	३५	४१	१९	७	४	२७	मे.३०।३४	शते.शुक्रः४१।११
७	श ६ १ अ ३१ ४९ सा १४ ५ व ६ १	३८	४०	२०	८	५	२८	मेषे	भ.६।१उ.३६।२६या.भानु७रथ७
८	र ६ ५१ भ ३४ ५२ शु १२ ६ ब ६ ५१	४१	४०	२०	९	६	२९	वृ.५१।१	पातस्पर्शः३५पातमोक्षः४५भीष्माष्टमी
९	चं ९ १३ कृ ३९ २७ शु ११ ३१ कौ ९ १३	४५	३९	२१	१०	७	३०	वृषे	अस्तंशनेः३८।२५
१०	मं १३ २० रो ४५ २५ ब्र १२ २ ग १३ २०	४८	३८	२२	११	८	३१	वृषे	भ.४५।५३उ.
११	बु १८ २६ मृ ५२ ९ ऐं १३ ७ वि १८ २६	५१	३८	२२	१२	९	१	मि१८।४७	भ ३६या.फर्वरी२ता.२८जया११व्र.
१२	शु २४ ३० आ ५९ ३५ यै १५ ४ बा २४ ३०	५४	३७	२३	१३	१०	२	मिथुने	
१३	शु ३० ४१ पु ६० ० वि १७ ४ तै ३० ४१	५८	३६	२४	१४	११	३	क.५०।११	प्रदोषः
१४	श ३७ १० पु ७ ४ प्री १९ २२ ग ३ ५५	२७	३६	२४	१५	१२	४	कर्के	भ.३७।१०उ.उषा.बुधः३१।५३
१५	र ४३ २८ पु १४ २६ आ २१ २९ वि १० १९	५	३५	२५	१६	१३	५	कर्के	भ.१०।१९या. मा.स्ना.पूर्तिः

४२पं.मा.शु.५वृ.इ. १४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	११	१०	१०	०	९
११	१५	१७	१०	४	०	१४	११
४२	२०	१२	५०	३७	५१	४०	२९
४०	२०	४७	३८	४१	२५	३१	४६
६०	८	११	९	७३	७	३	६१
५२	३८	मा	५१	५०	२	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ रविवार ५ शनिवार अशुभ है धान्य गल्ला रसकस धातु वस्त्र घृत में तेजी हो प्रजा में दुःख फैले।

गोचर ग्रहाः

४३पं.मा.शु.१२वृ.इ.१५७

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	११	१०	१०	०	९
१८	१६	२४	१२	१३	१	१४	१८
४९	४०	१	७	२०	४०	१८	३७
१६	३०	५	३४	१७	५२	१६	५२
६०	१२	६३	१०	७३	७	३	६१
५५	४८	३५	३५	४४	१४	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	चं ४९ ३५ श्ले २१ ४३ सौ २३ ३४ बा १६ ३१	२७	६	५	१७	१४	६	सिं२१।४३	घनि.रविः२९।९(सौर:३९।४३)
२	मं ५४ ५६ म २८ २६ शो २५ १३ तै २२ १५	१२	३४	२६	१८	१५	७	सिंहे	मकरेबुधः१।५०पूभा.शुक्रः२३।३१
३	बु ५९ ३१ पू ३४ २३ अ २६ ५ व २७ १३	१५	३३	२७	१९	१६	८	कं.५०।४५	भ.१३उ.३९या.उभा.४गुरुः१२।१४
४	गु ६० ० उ ३९ ५० सु २६ २८ ब २८ १३	१९	३२	२८	२०	१७	९	कन्यायां	चतुर्थी व्र.
५	शु ३ १४ ह ४४ ७ धृ २६ ८ बा ३१ १४	२३	३१	२९	२१	१८	१०	कन्यायां	[+२९।५८घनि.४शनिः५३।११
६	श ५ ४४ चि ४७ ६ शू २४ ४५ तै ५ ४४	२७	३१	२९	२२	१९	११	तु.१५।३७	[÷९।५८पातमोक्षः२१।२७
७	र ७ ७ स्वा ४८ ५० गं २२ १८ व ७ ७	३०	३०	३०	२३	२०	१२	तुलायां	भ.७।७उ.३७।३या.पातस्पर्शः÷
८	चं ६ ५९ वि ४९ १६ बृ १८ ४३ ब ६ ५९	३४	२९	३१	२४	२१	१३	वृ.३४।१०	कुंभेऽर्कः४।२५(सौर:१३।४१)
९	मं ५ ३४ अ ४७ ४३ धु १४ ४ कौ ५ ३४	३८	२८	३२	२५	२२	१४	वृश्चिके	श्रवणेबुधः२८।४७
१०	बु २ ९ ज्ये ४४ ४३ व्या ७ ५० ग २ ९	४१	२८	३२	२६	२३	१५	ध.४४।४३	भ.२९।४१उ.५७।१३या.मीनेशुक्रः÷
११	बु ५५ ४ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–प्रदोषः महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१२	शु ५० ५२ मू ४० १५ ह २३ ५१ ब २४ २	४५	२७	३३	२७	२४	१६	धनुषि	विजया११व्र.स्मा. [Dभा.फाल्गुनारंभः
१३	शु ४३ १४ पू ३४ २९ सि ४२ १६ कौ १७ ३	४९	२६	३४	२८	२५	१७	म.४७।४७	विजया११व्र.वै. [Aमहाशिवरात्रीव्र.दै.
१४	श ३४ ३५ उ २७ ४० व्य ३१ ५६ ग ८ ५४	५३	२५	३५	२९	२६	१८	मकरे	भ.३४।३५उभा.शुक्रः१३।३६–
१५	र २५ २७ श्र २० २२ व २१ ११ वि ० १	५६	२५	३५	३०	२७	१९	कुं.४६।३३	भ.९या.शते.रविः४९(सौर:४९)A
१६	चं १५ ५५ ध १२ ४५ प १० २९ ना १५ ५५	२८	२४	३६	१	२८	२०	कुंभे	अश्वि.४राहुःस्वाती.२केतुः२२।३D

४४ पं.फा.कृ.४वृ.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	११	१०	१०	०	९
२५	१८	२	१३	२२	२	१३	२५
५५	२५	३६	२९	०	३१	५६	४४
१	८	३६	२०	५०	१६	०	३९
६०	१७	७८	११	७३	७	३	६०
४७	५	८	१४	३३	२०	११	५५

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन कृष्ण७ चन्द्रे कुं.भेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ ने. ३ बालावस्था (बेटी)मु.४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

४५पं.फा.कृ.११वृ.इ.३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	११	११	१०	०	१०
२	२०	१२	१४	०	३	१३	२
५९	३४	१८	५५	३९	२१	३३	५०
४९	४४	७३	३०	३२	४७	४५	४२
६०	१९	८८	११	७३	७	३	६०
३७	३६	५९	५३	२०	२०	११	४२

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः४३३९स.२०२३
१	मं ६ ४९ श ५ ५४ शि ० १६ ५७ ब ६ ४९ २८ ६ ५ ३७ २ २९ २१	मी ४६।१५							चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
२	मं ५१ ५७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०							
३	बु ५२ १२ उ ५५ ४३ सौ ४२ २३ तै २५ २९ ८ २२ ३८ ३ १ २२	मीने							सावान ८ .
४	गु ४७ २३ रे ५२ १९ शु ३५ २३ व १९ ४७ १२ २२ ३८ ४ २ २३	मे.५२।१९							भ.१९उ.४७या.धनि.बुधः१६मृगे भौमः=
५	शु ४४ ३७ अ ५१ ४७ शु ३० २० च १५ ५९ १६ २१ ३९ ५ ३ २४	मेषे							रेवती.१गुरुः१३।१२पातमोक्षः९।४६
६	श ४४ ७ भ ५३ २० ब्र २७ ० कौ १४ २२ २० २० ४० ६ ४ २५	मेषे							[=५७ ५४ पातस्पर्शः५९ ३९
७	र ४५ २९ कृ ५६ ५१ ऐं २४ ५ ग १४ ४८ २४ १९ ४१ ७ ५ २६	वृ.९।१३							भ ४५।२९उ.
८	चं ४८ ५८ रो ६० ० वै २५ ४ वि १७ १३ २८ १८ ४२ ८ ६ २७	वृषे							भ.१७ ३४ या.कुंभेबुधः ४९ होलाष्टकम्
९	मं ५३ ४६ रो २ २ वि २५ ३५ बा २१ २२ ३२ १८ ४२ ९ ७ २८	मि३५।११							[×४३।२० मार्च ३ता.३१
१०	बु ५९ ५० मृ ८ २० प्री २७ २८ तै २६ ४८ ३६ १७ ४३ १० ८ १	मिथुने							रेवत्यांशुक्रः४।४२बुधास्तःपूर्वस्यां×
११	गु ६० ० आ १५ ४७ आ २९ ३४ व ३३ ० ४० १६ ४४ ११ ९ २	मिथुने							भ.३३।०उ.आमलकी ११व्रःस्मा.
११	शु ६ १० पु २३ १७ सौ ३१ ५९ वि ६ १० ४४ १५ ४५ १२ १० ३	क.६।२५							भ.६ १० या.शतेबुधः ३२ आमलकी ११व्र.वै.
१२	श १२ ४७ पु ३० ५६ शो ३४ १९ बा १२ ४७ ४८ १४ ४६ १३ ११ ४	कर्के							पूभा.रविः५६।४७ प्रदोषः
१३	र १८ ५५ श्ले ३८ ४ अ ३६ १५ तै १८ ५५ ५२ १४ ४६ १४ १२ ५	सिं३८।४							पूभा.रविःसौरः३।५०उदयंशनेः२३।५५
१४	चं २४ ३५ म ४४ ५१ सु ३७ ३८ व २४ ३५ ५६ १३ ४७ १५ १३ ६	सिंहे							भ.२४।३५उ.५६।५९या.
१५	मं २९ २२ पू ५० १९ धृ ३८ २४ ब २९ २२ २९ १२ ४८ १६ १४ ७	सिंहे							होलिकादहनम्

४६पं.फा.शु.४वृ इ.२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	११	११	१०	०	१०
१०	२२	२२	१६	९	४	१३	९
३	५९	५३	२५	१६	१२	११	५५
२२	२	४६	३०	२१	२६	२९	१५
१०	२२	९७	१२	७३	७	३	६०
२५	४४	५३	१९	१४	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

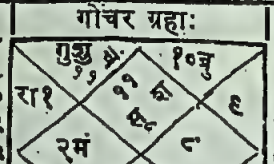

इस मास में मंगलका चन्द्रदर्शन धातु गल्ला धान रसकस रुईसभी पदार्थों में तेजी करे।

गोचर ग्रहाः

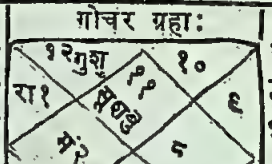

४७पं.फा.शु.११वृ.इ.५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	११	११	१०	०	१०
१७	२५	४	१७	१७	५	१२	१६
५	४२	२०	५८	५०	३	४९	५८
३५	१८	२०	२६	४२	४	१३	९
६०	२५	५०	१२	७२	७	३	६०
१२	१६	३०	४०	५६	१४	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेफाल्गुन कृष्णेति महा.
१	बु ३३ ११ उ ५४ ५६ शू ३८ २६ बा १ १७ २९ ५ ६ ११ ५९	१७ १५	क	कं.६।२८	वसंत१छारेंडी
२	गु ३६ ३ ह ५८ ० गं ३७ ३२ तै ४ ३७ ९ १० ५०	१८ १६	९	कन्यायां	
३	शु ३७ ४१ चि ६० ० वृ ३५ ५३ व ६ ५२ १३ ९ ५१	१९ १७	१०	तु.२९।४०	भ.६।५२उ.३७।४१या.पूभा.बुधः५१।१६
४	श ३८ २२ चि १ २१ ध्रु ३३ २६ ब ८ १ १७ ९ ५१	२० १८	११	तुलायां	रेवती.२गुरुः१।५३ चतुर्थी व्र.
५	र ३७ ५२ स्वा २ ५४ व्या ३० १३ कौ ८ ७ २१ ८ ५२	२१ १९	१२	वृ.४८।२८	अश्वि मेषेशुक्रः३।१०मिथुनभौमः ३१ ३८
६	चं ३६ २९ वि ३ ३९ ह २६ १ ग ७ ११ २६ ७ ५३	२२ २०	१३	वृश्चिके	भ.३६।२९उ. [+शीतलापूजनम्
७	मं ३३ ५६ अ ३ ८ व २० ५९ वि ५ १३ ३० ६ ५४	२३ २१	१४	वृश्चिके	भ.५।१३या.मीनेऽर्कः५७।४०
८	बु ३० २१ ज्ये १३६ ५७ ३२ सि १५ ३ बा २ ८ ३४ ५ ५५	२४ २२	१५	ध.१।३६	मीनेऽर्कःसौरः४।११शत.१शनिः५६।१+
९	गु २५ ३५ पू ५५ २१ व्य ८ १३ ग २५ ३५ ३८ ४ ५६	२५ २३	१६	धनुषि	भ.५२।४१उ.मीनेबुधः८।४७
१०	शु १९ ४८ उ ५० ४७ च ० ३५ ५१ वि १९ ४८ ४३ ३ ५७	२६ २४	१७	म.९।१३	भ.१९।४८या.उभा.बुधः५१।१
११	श १३ १ श्र ४५ ३ शि ४३ २ बा १३ १ ४७ ३ ५७	२७ २५	१८	मकरे	उभा.रविः१८।४०(सौरः२४।२७)÷
१२	र ५ ३४ ध ३९ ० सि ३३ २९ तै ५ ३४ ५१ २ ५८	२८ २६	१९	कुं.१२।१	भ.५७।१७उ. प्रदोषः
१३	र ५१ ४३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०			[÷पापमोचनी ११व्र.
१४	चं ४९ १० श ३२ ४४ सा २३ ५५ वि २३ १३ ५५ १ ५९	२९ २७	२०	कुंभे	भ.२३।१३या.
२०	मं ४१ २१ पू २६ ५३ शु १४ २५ च १५ १३ ३० ६ ० ६ ०	३० २८	२१	मी १३।२१	मन्वादिः

४८पं.चै.कृ.२वृ.इ. ३ ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	११	११	१०	०	१०
२४	२८	१६	१९	२६	५	१२	२३
६	३५	३८	३४	२१	५२	२६	५९
२२	१०	२९	५५	८४	११	५८	३२
५९	२७	३०	१३	७२	७	३	६०
५८	२	५३	६	४१	८	११	६

गोचर ग्रहाः

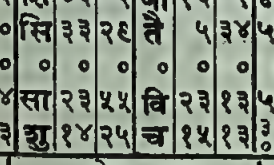

चैत्र कृष्णे ७ भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.२न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

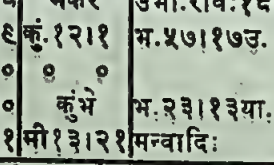

४९पं.चै.कृ.९वृ.इ. ३ ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	११	०	१०	०	११
१	१	२९	२१	४	६	१२	०
५	४१	४९	११	४९	४०	४	५९
३५	२८	४१	२०	५९	५२	४२	४६
५९	२८	३०	१३	७२	६	३	५९
४१	३७	२९	२०	२२	५६	११	४९

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२४, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२४, भोग्यकलिः४२६८७६, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८०, शाकः १९४५, अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री भृगुः । सस्येशो रविः । धान्येशःशनिः । मेघेशो गुरुः। रसेशो भौमः । नीरसेशो रविः । फलेशो गुरुः । धनेशो रविः। दुर्गेशो गुरुः। एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां११पिंगलनाम संवत्सरः प्रवर्तते।तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः १।१०।१३।२६।२४ भोग्यमासादिः १०।१९।४६।३३।३६ नासत्यदैवतं युगं। तत्रवर्षनाम आश्विनः । मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा १० समयवाहनम् सिंचाणुः । स्तंभः १ तृणस्यः। सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी ३ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी ३, रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३६५ समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १८, तिथिवृद्धिः१० उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा १३ धान्यम् ५ तृणम् ५, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १०७, शनिदृष्टिरुत्तरे । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण १चंद्रमसः ।

संवत् २०८० आश्विन शु. १५
शनिवासरे चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	४७	४८	४९
प.	२	२९	५६
घं.	१	१	२
मि.	१६	५१	२५

नोट– वैशाख शुक्ला १५ शुक्रवार को रात्रि में रेल्वे घं. ११ मि. ४ के समय चंद्रबिंब पर मालिन्यता दृष्टिगोचर होगी।

वर्ष लग्नम् ७।९

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जय जय जगदंबिके करिये कोटि सहाय ।
अस्सी संवत्सर तणों पूरो भद बताय ।।

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे मुख से वचन उचार ।
इस अस्सी की साल में सुख पावे संसार ।।
बुध राजा मंत्री भृगु इनका उत्तम योग ।
आपस में मैत्री रहे दुनियां भोगे भोग ।।
सागरतट रोहिणी बसी संवत रजक निवास ।
देवगुरु मेघेश हैं वर्षा करे प्रकाश ।।
दोनों श्रावण वर्ष कर भादों करसी तंग ।
कहींक उत्तर देश में मचै भूमि पर जंग ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो है जग करतार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ४।२

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयानयनांशाः २५।१।० केतकीमतेन वेंघसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।९।५१

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलं ।। मंत्री शुक्रः फलम् ।। भृगु सुते ननु मंत्रि पदं गते शलभ मूषकरावथ माहिषैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ।। सस्येशो रविः फलम् ।। सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्ये बहु भूरुहाश्च ।। धान्येशः शनिः फलम् ।। निर्धना क्षितिभुजो रणादराः सस्यमल्पमति रोगिणो जनाः । नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्याद्यदा कणपतिः शनैश्चरः ।। मेघेशो गुरुः फलम् ।। गुरुरपि प्रिय वृष्टि करः सदाखिल विलासवती धरणीतदा श्रुति विचार परा नरपालका रस समृद्धि युताखिलमानवाः ।। रसेशो भौमः फलम् ।। यदि धरातनयो रसपो भवेन्न रस राशि युता जनता शुभा । नरपति विषमो जनतापदो न जलदो बहु वृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्र चंदनयोरपि । रत्न माणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभया वनराशि महाद्रुमाः यजन याजनकोत्सव मन्दिराः श्रुति विचार पराः द्विज पूर्वकाः ।। धनेशो रविः फलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहु द्रव्य समागतः । गज तुरंगम मेष खरोष्ट्रतो धन चयं लभते क्रय विक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढ़पे नयशोभिता नर वरा नरपाः करपालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शास्त्रवतो निशम् ।। पिंगलनाम संवत्सरः फलम् ।। पिंगलाब्दे त्वीति भीतिर्मध्य सस्यार्ध वृष्टयः । राजानो विक्रमा क्रांताः भुंजंते शत्रु मेदिनीम् ।। वर्षनाम आश्विनः फलम् ।। अब्देत्वाश्वयुजे त्यथं सुखिनः सर्व जन्तवः । मध्यमं पूर्व सस्यं स्यात् । परिपूर्णं विपच्यते ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलम् ।। रजके वृष्टि रुत्तमा ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ५ बुधे उषा. ल. गो. (सोग्रांगः) ल. १२ रे. ७ ।ऽ।।ऽ।।।।ऽ दग्धा

,, ११ चन्द्रे उभा ल. ऽन्यगो (सोग्रांग.) रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

शुक्ला २ रवौ मृगे ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) १२ रे. ८ ।।।।।ऽचौऽ।।।

,, ६ चन्द्रे उफा ल. गो. १२ (मीनेशनिचन्द्रौपूज्यौ) रे. ८ ।।।।ऽनृऽ।।।

,, १० भौमे हस्ते ल. गो. रे. ६ ।।।।।।ऽऽ।।

,, १४ शनौ अनु ल. १२ रे. ८ ।।।ऽबु।।।ऽ।।

बुधस्य पादवेधाऽभावः

आषाढ मासः

कृष्णा १ चन्द्रे मूले ल. गो. रे. ८ ।ऽ।।।ऽअ।।।।

,, ३ भौमे उषा ल. १२ श पू. रे.८ ।।।।।।।ऽ।ऽदग्धा

,, ८ रवौ उभा ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।

,, ६ चन्द्रे रेव ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

शुक्ला ४ गुरौ मघा ल. २ (घ.५४-४उ) रे.८।।।।।।ऽऽ।।

,, ५ शुक्रे मघा ल. २ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

कार्तिक मासः

शुक्ला १५ चन्द्रे रोहि.ल.४(घ.३८।२३उ)रे.७।।।।ऽ।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ भौमे मृगे ल.४-७(तुला.गु.पू.)रे.८।।।।।ऽअऽ।।।

शुक्ला ३ शुक्रे उषा ल. ४ (चं.पू.) ७ (गु.पू.) रे. ६ ।।।।।ऽअ।।।।

पौष मासः

शुक्ला ६ भौमे उभा ल. ८ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।

,, १० शनौ रोहि. ल. ८ (घ.५१-२०उ.) रे. ७ ऽ।।।।ऽचौ।।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ४ भौमे हस्ते ल. ७ (गु.पू.) रे. ८

,, ५ बुधे हस्ते ल. गो. ७ (घ.४३-१३या) रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। तुलायां गुरुः पूज्यः

,, ६ रवौ अनु ल. ऽन्यगो७(तु.गु.पू.)रे.७।।ऽवृ।।ऽऽ।।

,, ११ भौमे मूले ल. ७-८ रे. ७ ।।।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा

शुक्ला ३ चन्द्रे उभा ल.७-८रे.६ ।।।।ऽअ।।।। (तु.गु.पू.) वि.वे. ,, ६ रवौ मृगे ल. ६ (चं.पू.) रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा६शनौ अनु.ल.७रे.७ ।।।ऽवृ।।ऽऽ।। पादाद्वधाऽभावः

,, ८चन्द्रे मूले ल. ऽन्यगो ७-८ रे. ८ ।।।।ऽअ।ऽ।। (तुला.गु.पू.)

,, १०बुध उषा ल. ऽन्यगो ८-६ रे. ८ ।।।।।ऽनृ।ऽ।।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः ४३६८स.२०२३
१	बु ३४ २८ उ २१ ४७ शु ५ ५२ किं ७ ५४ ३० ५९ ६ १ २९ २२							मीने	भा.चैत्रारंभःसंवत्सरारंभःनवरात्रारंभः
२	गु २८ ४७ रे १८ ४ ऐं ५१ ५५ बा १ ३७ ८ ५८ २ २ ३० २३							मे.१८।४	भरण्यांशुक्रः७।२३ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	शु २५ २ अ १५ ५० वै ४६ ५५ ग २५ २ १२ ५८ २ ३ १ २४							मेषे	भ.५१उ.रेवत्यांबुधः३९रमजानɛ=
४	श २३ २५ भ १५ ५१ वि ४३ ४६ वि २३ २५ १६ ५७ ३ ४ २ २५							वृ.३१।२०	भ.२३।२५या.रेवती.३गुरुः१५।३३
५	र २३ ३७ कृ १७ ४७ प्री ४२ ४७ बा २३ ३७ २१ ५६ ४ ५ ३ २६							वृषे	आर्द्रा.भौमः५०।५५
६	चं २५ ५६ रो २१ ४३ आ ४२ २२ तै २५ ५६ २५ ५५ ५ ६ ४ २७							मि५४।२४	[=मत्स्यजयंतीगणगौरी
७	मं २९ ५९ मृ २७ ६ सौ ४३ २८ व २९ ५९ २९ ५४ ६ ७ ५ २८							मिथुनें	भ.२९।५९उ.
८	बु ३४ ३४ आ ३३ ५९ शो ४५ ३१ वि २ १७ ३३ ५३ ७ ८ ६ २९							मिथुने	भ.२।१७या. [×बुधः१५उ
९	गु ४१ ३२ पु ४१ १९ अ ४७ ४१ बा ८ ३ ३७ ५३ ७ ९ ७ ३०							क.२४।२९	बुधोदयःपश्चिमायां२०।७रामनवमी
१०	शु ४८ १० पु ४९ १ सु ५० ५ तै १४ ५१ ४१ ५२ ८ १० ८ ३१							कर्के	रेवत्यांरविः१६(सौरः५३)अश्वि.मेषे×
११	श ५४ १७ श्ले ५६ २३ धृ ५२ ८ व २१ १३ ४५ ५१ ९ ११ ९ १							सिं५६।२३	भ.३१उ.५४या.अप्रेल४ता.३०+
१२	र ५९ ५३ म ६० ० शू ५३ ४३ ब २७ ५ ४९ ५० १० १२ १० २							सिंहे	अस्तगुरोः३७।४८ [+कामदा११व्र.
१३	चं ६० ० म २ ५५ गं ५४ ३० कौ ३३ ४ ५३ ४९ ११ १३ ११ ३							सिंहे	कृत्ति.शुक्रः२०।४९ प्रदोषः
१३	मं ४ १४ पू ८ २४ बृ ५४ ४ तै ४ १४ ५७ ४९ ११ १४ १२ ४							कं.२४।३०	
१४	बु ७ २३ उ १२ ४७ ध्रु ५२ ५० व ७ २३ ३१ ४८ १२ १५ १३ ५							कन्यायां	भ.७।२३उ.३८।१८या.
१५	गु ९ १३ ह १५ ४० व्या ५० ३५ ब ९ १३ ५ ४७ १३ १६ १४ ६							तु.४४।३४	वृषेशुक्रः९।३१ हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.२वृ.इ.३।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	११	०	१०	०	११
८	४	१३	२२	१३	७	११	७
३	५७	४६	५०	१५	२८	४२	५७
१८	२५	८	३१	४७	१	२७	९
५९	३०	०	१३	७२	६	३	५९
२९	३	३	२६	१	३८	११	३५

५१पं.चै.श.९वृ.इ.४।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	११	०	१०	०	११
१४	८	२७	२४	२१	८	११	१४
५९	१९	४४	३०	३७	१२	२०	५३
१०	५९	४६	१४	२६	५४	११	१९
५९	३१	४८	१२	११	६	३	५९
१६	२	३८	३२	२५	२५	११	१८

५२पं.चै.शु.१५वृ.इ.३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	०	११	०	१०	०	११
२१	११	९	२६	२९	८	१०	२१
५३	५०	५१	११	५४	५५	५७	४७
३१	३५	५४	३१	७	२३	५५	३०
५९	३२	९३	१३	७१	६	३	५९
४	९	३६	३८	८	२	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु ९ ४३ चि १७ २९ ह ४७ २० कौ ९ ४३ ३१ ५५ ६ १४ १७ १५ ७							तुलायां	[÷रेवती.४गुरुः९।५४
२	श ९ ७ स्वा १८ ७ व ४३ २३ ग ९ ७ १४ ४५ १५ १८ १६ ८							तुलायां	भ.३८।११उ.भरण्यांबुधः७।१६÷
३	र ७ १६ वि १७ ५५ सि ३८ ४८ वि ७ १६ १८ ४४ १६ १९ १७ ९							वृ.२।५८	भ.७।१६या. चतुर्थी व्र.
४	चं ४ ३५ अ १६ ५६ व्य ३३ ३१ बा ४ ३५ २२ ४४ १६ २० १८ १०							वृश्चिके	
५	मं २ २६ ज्ये १५ १२ व २७ ४० तै २ २६ २६ ४३ १७ २१ १९ ११							ध.१५।१२	भ.५७।४३उ.
६	मं ५५ १७ ० ० ० ष ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							धनुषि	
७	बु ५३ २६ मू १३ ५ ष २१ ३२ वि २५ ३४ ३० ४२ १८ २२ २० १२								भ.२५।३४या.
८	गु ४८ ३१ पू ९ ९ शि १४ ४८ बा २० ५८ ३४ ४१ १९ २३ २१ १३							म.२३।३७	[–रोहि.शुक्रः४२।२
९	शु ४३ ९ उ ७ १ सि ७ ५० तै १६ ५१ ३८ ४० २० २४ २२ १४							मकरे	अश्वि.मेषेऽर्कः२०।१८(सौरः२६।४७)–
१०	श ३७ २० श्र ५७ ५५ सा १७ १२ व १० १४ ४२ ४० २० २५ २३ १५							कुं.३१।१३	भ.१०।१४उ.३७।२०या.
११	र ३० ५८ श ५४ ४४ शु ४४ २४ ब ४ ९ ४६ ३९ २१ २६ २४ १६							कुंभे	वरुथिनी११व्र.
१२	चं २४ ३५ पू ५० १९ ब्र ३६ ३५ तै २४ ३५ ५० ३८ २२ २७ २५ १७							मी३६।२६	शत.२शनिः०।५८ प्रदोषः
१३	मं १८ १८ उ ४६ १३ ए २८ ४८ व १८ १८ ५३ ३७ २३ २८ २६ १८							मीने	भ.१८।१८उ ४५।२३या.
१४	बु १२ २८ रे ४२ ५२ वे २१ ३८ श १२ २८ ५७ ३७ २३ २९ २७ १९							मे.४२।५२	
१५	गु ७ २८ अ ४० ४१ वि १५ २८ ना ७ २८ ३३ ३६ २४ ३० २८ २०							मेषे	वक्रीबुधः३०।२

१पं.वै.कृ.९शु.इ.२०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	११	१	१०	०	११
०	१६	१९	२८	९	९	१०	२९
०	५	५	११	३४	४५	३१	५३
०	४६	२	६	१	११	४७	४४
२८	३२	४४	१३	७०	५	३	५८
४४	५८	९	३८	२२	३२	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे ९ शुक्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न.५प्रौढावस्था बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२पं.वै.कृ.१शु.इ. ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	११	१	१०	०	०
६	१९	२१	२९	१७	१०	१०	६
५०	४८	३१	५२	३८	२१	९	४३
४२	३६	५५	१	४२	२२	३२	५५
५८	३३	३	१३	६९	५	३	५८
३१	४४	व.	३६	३४	६	११	२९

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५	दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः४३९८स.२०२३
१	शु ३ ४२ भ ३९ ५५ ग्री १० २२ च ३ ४२	३२	५	६	१	२९	२१	वृ.५५।९	पुन.भौमः४९अश्वि.१मेषेगुरुः५५ चन्द्र=
२	श १ ४३ कृ ४० ५० आ ६ २३ कौ १ ४३	९	३४	२६	२	१	२२	वृषे	बुधास्त.पश्चि.५४सव्वाल१० परशुराम×
३	र १ २१ रो ४३ ४३ सौ ४ १ ग १ २१	१२	३४	२६	३	२	२३	वृषे	भ.३२।१०उ अक्षया३ [×जयंती
४	चं ३ ० मृ ४८ २० शो ३ २ वि ३ ०	१६	३३	२७	४	३	२४	मि१६।१	भ.३या.अश्वि.३राहुःस्वाती.१केतुः
५	मं ६ १६ आ ५४ २७ अ ३ २३ बा ६ १६	२०	३२	२८	५	४	२५	मिथुने	[=दर्शनम् भा.वैशाखारंभः
६	बु ११ १४ पु ६० ० सु ४ ५२ तै ११ १४	२३	३१	२९	६	५	२६	क.४४।३२	मृगेशुक्रः२०।५७
७	गु १६ ४९ पु १ १४ धृ ६ ४६ व १६ ४९	२७	३१	२९	७	६	२७	कर्के	भ.१६।४९उ.५०।११या.
८	शु २३ ३२ पु ८ ४४ श ९ १७ व २३ ३२	३१	३०	३०	८	७	२८	कर्के	भरण्यांरविः०।३७(सौरः८।१२)
९	श २९ १८ श्ले १६ १२ गं ११ ३५ कौ २९ १८	३४	२९	३१	९	८	२९	सिं१६।१२	[+मोहिनी११व्र.
१०	र ३४ ५६ म २३ ७ वृ १३ ३१ तै २ ७	३८	२८	३२	१०	९	३०	सिंहे	उदयंगुरोः५२।४८
११	चं ३९ २० पू २८ ५९ धु १४ ३४ व ७ ८	४१	२८	३२	११	१०	१	कं.४५।६	भ.७।८उ.३९।२०या.मई५ता.३१+
१२	मं ४२ १९ उ ३३ २७ ब्या १४ ३५ ब १० ४९	४५	२७	३३	१२	११	२	कन्यायां	मिथुनेशुक्रः१७।४९
१३	बु ४३ ३९ ह ३६ २४ ह १३ १६ कौ १२ ५९	४८	२६	३४	१३	१२	३	कन्यायां	प्रदोषः [÷यमायकुंभदानम्
१४	गु ४३ १६ चि २७ ३९ च १० ४२ ग १३ २७	५२	२६	३४	१४	१३	४	तु.७।१	भ.४३।१६उ.नृसिंहजयंती
१५	शु ४१ २० स्वा २७ ३४ सि ६ ५१ वि १२ १८	५५	२५	३५	१५	१४	५	तुलायां	भ.१२।१८या.अश्वि.२गुरुः५७।१८÷

३पं.वै.शु.८शु.इ.२०/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	०	१	१०	०	०
१३	२३	१९	१	२५	१०	९	१३
३९	३६	१८	३२	३६	५४	४७	३२
४७	४	४०	२४	२९	३२	१६	२०
५८	३४	३५/४९	१३	६८	४	३	५८
१९	१९	व.	३२	४६	४४	११	१२

गोचर ग्रहाः

शुक्रस्य पंचवारां:स्युः यत्रमासे निरन्तम् । प्रजावृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते ॥ इसमासमेंधातुमें तेजी धान्य में मन्दी हो ।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.शु.१५शु.इ.२१/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	०	२	१०	१	०
२०	२७	१५	३	३	११	९	२०
२७	२६	७	११	२६	२४	२५	१९
२५	३१	८	५६	३५	२९	०	५
५८	३४	३५/४७	१३	६७	४	३	५७
६	४४	व.	२२	२८	११	११	१७

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	ग्रीष्मतूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	श ३८ ८ वि ३६ ३ व्य २७ ५४ वा ९ ८	३२/५८	२४	३६	१६	१५	६	वृ.२१।२६	
२	र ३४ ५ अ ३३ ४५ प ४९ ५८ तै ६ ६	३३	२४	३६	१७	१६	७	वृश्चिके	वक्रीअश्वि.बुधः२१।०
३	चं २८ १ ज्ये ३० ३९ शि ४३ ९ व १ ३	५	२३	३७	१८	१७	८	व.३०।३९	भ.३उ.२९या.आर्द्राशुक्रः३३ चतुर्थीव्र.
४	मं २३ ४६ मू २७ १९ सि ३६ ७ बा २३ ४६	८	२२	३८	१९	१८	९	धनुषि	
५	बु १८ २२ पू २३ ४९ सा २९ ४ तै १८ २२	११	२२	३८	२०	१९	१०	म.३७।५८	कर्केभौमः४९बुधोदयःपूर्वस्यां५९
६	गु १२ ५९ उ २० २६ शु २१ ३५ व १२ ५९	१४	२१	३९	२१	२०	११	मकरे	भ.५९उ.४७या.कृत्ति.रविः४६–
७	शु ७ ३४ श्र १६ ५५ शु १४ ५१ ब ७ ३४	१७	२१	३९	२२	२१	१२	कुं.४५।१६	पातस्पर्शः३७।५९पातमोक्षः४९।५८
८	श २ २७ ध १३ ३८ ब्र ७ ५५ कौ २ २७	२०	२०	४०	२३	२२	१३	कुंभे	[–(सौरः५६)
९	श ५४ ४५ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	र ५२ १६ श १० २८ ऐ ५९ ५३ व २४ ४४	२३	१९	४१	२४	२३	१४	मी५३।१४	भ.२४।४४उ.५२।१६या
११	चं ४७ ३५ पू ७ २९ वि ४८ ८ ब १९ ५६	२६	१९	४१	२५	२४	१५	मीने	वृषेऽर्कः१३८(सौरः२३१)पुष्येभौमः४४A
१२	मं ४३ २८ उ ५ ७ प्री ४२ १९ कौ १५ ३१	२८	१८	४२	२६	२५	१६	मीने	[Aअपरा११व्र.
१३	बु ३९ ५९ रे ३ ५ आ ३६ ५८ ग ११ ४३	३१	१८	४२	२७	२६	१७	मे.३।५	भ.३९।५९उ.मार्गीबुधः३५।३४प्रदोषः
१४	गु ३७ २१ अ १ ४५ सौ ३२ २९ वि ८ ४०	३४	१७	४३	२८	२७	१८	मेषे	भ.८।४०या.
३०	शु ३६ ४ भ १ ४७ शो २९ ४ च ६ १२	३७	१७	४३	२९	२८	१९	वृ.१७।२	वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.७शु.इ.२१/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	०	२	१०	०	०
२७	१	१२	४	११	११	९	२७
१३	२०	१६	५०	६	५०	२	४
३७	२८	२४	२	२६	५३	४५	२०
५७	३५	३५/४३	१३	६६	३	३	५७
५४	२०	व.	१४	२२	३२	११	४५

गोचर ग्रहाः

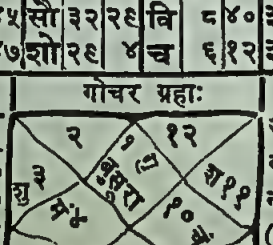

ज्येष्ठकृष्णे ११ चन्द्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ५ बालावस्था (बैठी)मु.४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

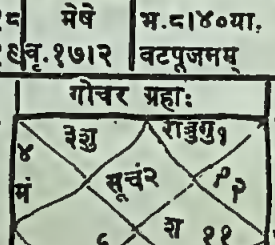

६पं.ज्ये.कृ.३०शु.इ.२१/५९

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	०	२	१०	०	१
३	५	१२	६	१८	१२	८	३
५८	१६	३०	२५	३५	१२	४०	४८
३७	४८	५८	२९	२	२९	२९	३
५७	३५	३०/१२	६४	२	३	५७
४४	३४	मा.	५६	४६	५३	११	३४

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४४२७स.२०२३
१	श	३५	५४	कृ	२	५०	अ	२६	३४	किं	५	५९	३३/३९	५/१६	६/४४	३०	२९	२०	वृषे	पुन.शुक्रः४०।९अश्वि.३गुरु २८।४७
२	र	३७	२९	रो	५	२१	सु	२५	३०	बा	६	४१	४२	१६	४४	३१	३०	२१	मि३७।२४	चंद्रदर्शनम्
३	चं	४०	३४	मृ	९	२७	धृ	२५	१४	तै	९	१	४४	१५	४५	१	१	२२	मिथुने	भरण्यांबुधः११/१ भा.ज्येष्ठारंभ =
४	मं	४४	४२	आ	१४	५५	शू	२६	२	व	१२	३८	४७	१५	४५	२	२	२३	मिथुने	भ.१२।३८उ.४४।४२या. [=जिल्काद११
५	बु	५०	२३	पु	२१	२३	गं	२७	४४	ब	१७	३२	४९	१४	४६	३	३	२४	क.४।४६	[×पातस्पर्शः४५।२५
६	गु	५६	३९	पु	२८	४४	वृ	३०	१६	कौ	२३	३१	५२	१४	४६	४	४	२५	कर्के	रोहि.रविः३७।२२(सौरः४९।५९)×
७	शु	६०	०	श्ले	३६	१३	ध्रु	३२	४४	ग	२९	४४	५४	१३	४७	५	५	२६	सिं३६।१३	पातमोक्षः१।५८
७	श	२	५०	म	४३	३९	व्या	३५	५	व	२	५०	५६	१३	४७	६	६	२७	सिंहे	भ.२।५०उ.३५।४४या.
८	र	८	३८	पू	५०	१२	ह	३६	४८	व	८	३८	५८	१२	४८	७	७	२८	सिंहें	
९	चं	१३	२८	उ	५५	२२	व	३७	२५	कौ	१३	२८	३४/००	१२	४८	८	८	२९	कं.६।२९	[+गंगादशमी
१०	मं	१६	५२	ह	५९	१०	सि	३६	५२	ग	१६	५२	२	१२	४८	९	९	३०	कन्यायां	भ.४७।४६उ.कर्केशुक्रः३५।३६+
११	बु	१८	४०	चि	६०	०	व्य	३४	५६	वि	१८	४०	३	११	४९	१०	१०	३१	तु.३०।५	भ.१८।४०या.निर्जला११व्र.
१२	गु	१८	१२	चि	१	१	व	३१	२६	बा	१८	१२	५	११	४९	११	११	१	तुलायां	जून६ता.३० प्रदोषः
१३	शु	१६	२	स्वा	०/५१	५८/१५	प	२६	२९	तै	१६	२	७	११	४९	१२	१२	२	वृ.४४।३२	पुष्येशुक्रः५४।१९
१४	श	११	५५	अ	५५	५८	शि	२०	१३	व	११	५५	९	१०	५०	१३	१३	३	वृश्चिके	भ.११।५५उ.३९।१५या.
१५	र	६	३४	ज्ये	५१	२६	सि	१३	४४	व	६	३४	१०	१०	५०	१४	१४	४	ध.५१।२६	अश्वि.४गुरुः४५/४९गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

७पं.ज्ये.शु.७शु.इ.२१।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	०	२	१०	०	१
१०	९	१५	८	२५	१२	८	१०
४२	१६	५६	०	४९	२९	१८	२०
२९	१२	२४	१४	४४	४२	१४	१४
५७	३६	३७	१२	६२	२	३	५७
३५	६	२९	३२	५२	१४	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्णपक्ष में वातु धान्य रस में मंदी चले सुदि में तेजी होवे प्रजा में रोग शोक फैले।

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्ये. १३शु.इ.२१/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	०	३	१०	०	१
१७	१३	२२	९	२	१२	७	१७
२५	१७	५९	३०	४७	४२	५५	११
१९	१०	५३	३६	६	१४	५८	१९
५७	३६	६८	१२	६०	१	३	५७
२७	२५	२४	१४	२३	३२	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	चं	०	२	मू	४६	१३	सा	४/५६	५१/३१	कौ	०	२	३४/१२	५/१०	६/५०	१५	१५	५	धनुषि	कृत्ति.बुधः३४।४२
२	चं	५२	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	मं	४५	३२	पू	४१	१	शु	४७	५०	व	१९	११	१३	९	५१	१६	१६	६	म.५४।४४	भ.१९।११उ.४५।३२या.
४	बु	३८	१८	उ	३५	५५	ब्र	३९	२७	ब	११	५५	१५	९	५१	१७	१७	७	मकरे	वृषेबुधः४४/१०पातस्पर्शः५१।५५चतुर्थी व्र.
५	गु	३२	३४	श्र	३१	८	ऐं	३१	१७	कौ	५	२६	१६	९	५१	१८	१८	८	कुं.५९।५	मृगेरविः३२/१५(सौरः४९/४९ अश्वि.भौमः९/५२÷
६	शु	२५	१९	ध	२७	२	वै	२३	४२	व	२५	१९	१७	९	५१	१९	१९	९	कुंभे	भ.२५।१९उ.५२।३३या.
७	श	१९	४७	श	२३	३४	वि	१६	३४	व	१९	४७	१८	८	५२	२०	२०	१०	कुंभे	[÷पातमोक्षः७/२५
८	र	१५	७	पू	२१	१	प्री	१०	१२	कौ	१५	७	१९	८	५२	२१	२१	११	मी६।३९	
९	चं	११	१३	उ	१८	५९	आ	४/२६	५४/२	ग	११	१३	१९	८	५२	२२	२२	१२	मीने	भ.३९।४३उ.
१०	मं	८	१३	रे	१८	१	शो	५५	१४	वि	८	१३	२०	८	५२	२३	२३	१३	मे.१८।१	भ.८।१३या.
११	बु	६	५	अ	१७	५७	अ	५१	४३	बा	६	५	२१	८	५२	२४	२४	१४	मेषे	रोहि.बुधः६।०योगिनी११व्र.
१२	गु	४	४९	भ	१९	४	सु	४९	०	तै	४	४९	२१	८	५२	२५	२५	१५	वृ.३४।३५	मिथुनेऽर्कः३०/४९(सौरः४९/३०) प्रदोषः
१३	शु	४	४७	कृ	२१	९	धृ	४७	११	व	४	४७	२२	८	५२	२६	२६	१६	वृषे	भ.४।४७उ.३५।१०या.
१४	श	५	३२	रो	२४	९	शू	४६	३२	श	५	३२	२२	८	५२	२७	२७	१७	मि५६।१७	आश्ले.शुक्रः३४/५१वक्रीशनिः४५/३७
३०	र	७	५६	मृ	२८	२६	गं	४६	१५	ना	७	५६	२३	७	५३	२८	२८	१८	मिथुने	

९पं.आ.कृ.६शु.इ.२१।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	०	३	१०	०	१
२४	१७	२	१०	९	१२	७	२३
७	२२	२९	५८	२४	५०	३३	५१
१९	५	२	५९	१४	१३	४२	१६
५७	३६	९२	११	५७	०	३	५७
२२	५१	१३	४३	१४	५६	११	५

गोचर ग्रहाः

आशाढकृष्णे १२गुरौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१०पं.आ.कृ.१३शु.इ.२१/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	०	३	१०	०	२
९	२१	१४	१२	१५	१२	७	०
४८	२९	१४	२३	३५	५३	११	३०
३६	२	३५	२	१७	२८	२७	९५
५७	३७	११	११	५३	०	३	५६
१७	८	३८	७	१	७	११	५७

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०८० शाक: १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४४५७स.२०२३
१	चं	११	१७	आ	३३	४१	वृ	४७	१४	ब	११	१७	३३	७	५६	२९	२९	१९	मिथुने	[×दर्शनम् रथयात्रा
२	मं	१६	१	पु	४०	११	धु	४८	४७	कौ	१६	१	२३	७	५३	३०	३०	२०	क.२३।३४	बुधास्तः पूर्वस्यां १६।२७ चंद्र×
३	बु	२१	१६	पु	४७	५	च्या	५०	५२	ग	२१	१६	२४	७	५३	३१	१	२१	कर्के	भ.५४।२२उ.मृबुधः७।४४भरणी१गुरुः÷
४	गु	२७	२८	श्ले	५४	४३	ह	५३	१७	वि	२७	२८	२४	७	५३	१	२	२२	सिं५४।४३	भ.२७।२८या.आर्द्रा.रविः२९।४४ A
५	शु	३३	३३	म	६०	०	व	५६	१	ब	०	३०	२४	७	५३	२	३	२३	सिंहे	[A(सौरः५१।१०)भा आषाढारंभः
६	श	३९	४७	म	२	३१	सि	५८	२०	कौ	६	४०	२४	७	५३	३	४	२४	सिंहे	मिथुनेबुधः१९।२७
७	र	४५	०	पू	९	४७	व्य	५९	५३	ग	१२	२३	२४	७	५३	४	५	२५	कं.२६।१७	भ.४५।०उ. [÷७।५२जिल्हज१२
८	चं	४९	१३	उ	१५	४९	व	६०	०	वि	१७	६	२३	७	५३	५	६	२६	कन्यायां	भ.१७।६या.अश्वि.२राहुः चित्रा.४केतुः+
९	मं	५१	४३	ह	२०	४६	व	२८	५९	बा	२०	२८	२३	७	५३	६	७	२७	तु.५२।१८	आर्द्रा.बुधः२०।५२
१०	बु	५२	१९	चि	२३	५०	शि	५७	१७	वै	२२	१	२२	८	५२	७	८	२८	तुलायां	[+१४।४०
११	गु	५०	५३	स्वा	२५	१२	सि	५३	२४	च	२१	३६	२२	८	५२	८	९	२९	तुलायां	भ.३३उ.५३या.देवशयनी११व्र.
१२	शु	४७	१२	वि	२४	१९	सा	४८	१	च	१९	२	२१	८	५२	९	१०	३०	वृ.९।३२	मघा.सिंहेभौमः३९।१४
१३	श	४१	४९	अ	२१	२३	शु	४०	४९	कौ	१४	३०	२०	८	५२	१०	११	१	वृश्चिके	जुलाई७ता.३१प्रदोषः
१४	र	३४	४४	ज्ये	१६	५६	शु	३२	२९	ग	८	१६	१९	८	५२	११	१२	२	ध.१६।५६	भ.३४।४४उ वायुपरीक्षा
१५	चं	२६	२८	मू	११	४	ब्र	२३	२३	वि	०	३६	१८	८	५२	१२	१३	३	धनुषि	भ.३६या.पुन.बुधः३४।१६व्यासपूजा

११पं.आ.शु.५शु.इ. ३१/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	०	३	१०	०	२
७	२५	२७	१३	२१	१२	६	७
२९	३८	५९	४३	१२	५१	४९	८
३१	१७	१३	२६	५४	३६	११	५२
५७	३७	२५	१०	४७	२०	३	५६
१३	१६	११	३१	५८	व	११	५४

गोचर ग्रहाः

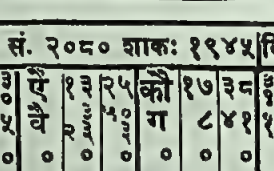

इस मास में वदी में धान्य गेहूं जो चना मटर अलसी धातु रसकस में मंदी सुदि में तेज हों कहीं २ कुछ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

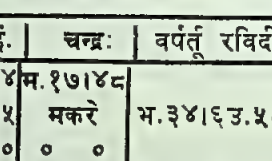

१२पं.आ.शु.१२शु.इ. ३१/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	०	३	१०	०	२
१४	२९	१३	१४	२६	१२	६	१३
९	४८	६	५९	९	४५	२६	४६
५८	१०	५८	१०	११	३२	१६	१७
१७	२७	२८	९	४०	१९	३	१६
७	४७	३२	४९	१६	व.	११	१०

ति.	प्र. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८० शाक: १९४५												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	मं	१७	२८	पू	३१	४३	ऐं	१३	२५	कौ	१७	३८	३४	९	५१	१३	१४	४	म.१७।४८	
२	बु	८	४१	श्र	५०	५५	वै	२३	३०	ग	८	४१	१६	९	५१	१४	१५	५	मकरे	भ.३४।६उ.५९।४६या.
३	बु	५१	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	गु	५१	४५	ध	४४	४४	प्री	४४	१४	ब	२५	४६	१५	९	५१	१५	१६	६	कुं.१७।४९	पुन.रविः३४(सौरः५५)चतुर्थीव्र.
५	शु	४४	२८	श	३९	२४	आ	३५	२४	कौ	१८	३६	१४	९	५१	१६	१७	७	कुंभे	मघा.सिंहेशुक्रः१।४नाग५
६	श	३८	३८	पू	३५	२३	सौ	२७	५०	ग	११	३२	१३	९	५१	१७	१८	८	मी२१।२३	भ.३८।३८उ.कर्केबुधः१३।१६
७	र	३३	५४	उ	३२	४२	शो	२१	१४	वि	६	१६	११	१०	५०	१८	१९	९	मीने	भ.६।१६या.पुष्येबुधः४९।६
८	चं	३०	५०	रे	३१	३१	अ	१५	५१	बा	२	२२	१०	१०	५०	१९	२०	१०	मे.३१।३१	भरणी.२गुरुः३९।३०
९	मं	२९	१	अ	३१	२५	सु	११	३०	ग	२९	१	८	१०	५०	२०	२१	११	मेषे	भ.५८।४६उ.
१०	बु	२८	३२	भ	३२	४६	धृ	८	८	वि	२८	३२	७	११	४९	२१	२२	१२	वृ.४८।२८	भ.३६या.बुधोदयः पश्चिमायां४६।४
११	गु	२९	२८	कृ	३५	३३	शू	६	४	बा	२९	२८	५	११	४९	२२	२३	१३	वृषे	कामिका११व्र.
१२	शु	३१	२१	रो	३९	२०	गं	४	४९	कौ	०	२४	३	११	४९	२३	२४	१४	वृषे	[×बुधः४८।२०
१३	श	३४	४०	मृ	४४	१४	बृ	४	४८	ग	३	०	१	१२	४८	२४	२५	१५	मि११।४७	भ.३४।४०उ.प्रदोषः
१४	र	३८	४०	आ	४९	५९	शु	४	५५	वि	६	४०	३३	१२	४८	२५	२६	१६	मिथुने	भ.६।४०या.कर्केऽर्कः५८।०आश्ले. ×
३०	चं	४३	५६	पु	५६	३८	व्या	६	१६	च	११	१८	५७	१३	४७	२६	२७	१७	क.३९।५८	कर्केऽर्कःसौरः२७।५६हरियाळी

१३पं.प्र.श्रा.कृ.५शु.इ. २१/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	०	४	१०	०	२
२०	४	२८	१६	०	१२	६	२०
५०	१	११	९	११	३४	४	२४
२४	५२	४६	५४	०	१६	४०	५०
५७	३८	२५	९	३२	५३	३	५६
७	१	१३	७	२८	व	११	५०

गोचर ग्रहाः

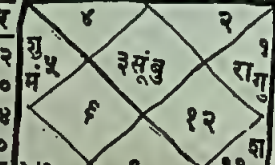

प्र. श्रावण कृष्णे १४ रवौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ अतिवन्ध्या-वस्था (सूती) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्धता शुक्रोदय पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

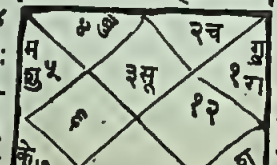

१४पं.प्र.श्रा.क.१२शु.इ. २१/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	०	४	१०	०	२
२७	८	१२	१७	३	२२	५	२७
३०	१६	१	१४	३	१८	४२	२
४३	८	५	१७	७	४३	२४	५८
५७	३८	२५	८	१९	३०	३	५६
११	२३	८	२३	५९	व	११	५४

ति.प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वर्षर्तू रविदक्षिणेऽहर्गण४४८६स.२०२३

१	मं	४६	१२	पु	६०	०	ह	८	१	कि	१६	३४	३३	५५	५३	४७	२७	२८	१८	कर्के
२	बु	५५	२६	पु	३	४०	च	१०	७	बा	२२	१६	५२	१४	४६	२८	२९	१९		कर्के
३	गु	६०	०	श्ले	११	१८	सि	१२	४०	तै	२८	३३	५०	१४	४६	२९	१	२०	सिं	११।१८
३	शु	१	४०	म	१८	४५	व्य	१४	८	ग	१	४०	४८	१४	४६	३०	२	२१		सिंह
४	श	७	५५	पू	२६	१५	व	१७	२३	वि	७	५५	४५	१५	४५	३१	३	२२	कं.	४२।५८
५	र	१३	२२	उ	३३	६	प	१९	३६	बा	१३	२२	४३	१५	४५	१	४	२३		कन्यायां
६	चं	१८	६	ह	३८	५६	शि	२१	१	तै	१८	६	४०	१६	४४	२	५	२४		कन्यायां
७	मं	२१	२६	चि	४३	३०	सि	२१	१६	व	२१	२६	३८	१६	४४	३	६	२५	तु.	११।१४
८	बु	२३	१२	स्वा	४६	२१	सा	२०	१७	ब	२३	१२	३५	१७	४३	४	७	२६		तुलायां
९	गु	२३	२	वि	४७	१७	शु	१७	५३	कौ	२३	२	३३	१७	४३	५	८	२७	वृ.	३२।४
१०	शु	२०	५३	अ	४६	८	शु	१३	५२	ग	२०	५३	३०	१८	४२	६	९	२८		वृश्चिके
११	श	१६	४३	ज्ये	४३	१०	ग्र	८	१९	वि	१६	४३	२७	१९	४१	७	१०	२९	ध.	४३।१०
१२	र	१०	२८	मू	३८	५	ऐं	१०	५१	बा	१०	२८	२४	१९	४१	८	११	३०		धनुषि
१३	चं	३	२६	पू	३१	५३	वि	४२	५३	तै	३	२६	२२	२०	४०	९	१२	३१	म.	४५।२
१४	चं	४९	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
१५	मं	४३	५३	उ	२४	३०	मी	३२	२०	वि	१८	३८	१९	२०	४०	१०	१३	१		मकरे

१५पं.प्र.श्रा.शु.३शु.इ. २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	०	४	१०	०	३
४	१२	२४	१८	४	११	५	३
११	३३	२०	१२	२१	५९	२०	४१
२८	१४	२	५८	४७	२	९	२५
५७	३८	०	७	५	३	३	५६
१५	३३	४३	१४	५९	व	११	५९

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला चावल आदि सोना चांदी तिल वारदाना रुई मंदी हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

१६पं.प्र.श्रा.शु१०शु.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	०	४	१०	०	३
१०	१६	५	१९	३	११	४	१०
५२	५२	९	४	५२	३६	५७	२०
३०	२३	२२	४१	४८	२२	५३	४२
५७	३८	८२	६	२१	४	३	५७
२०	५८	१३	२१	व	व	११	५

ति.द्वि.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणेप्र.श्रावण कृष्णेति महा.

१	बु	३३	४६	श्र	१६	४२	आ	२१	३६	बा	८	५१	३३	२१	५	३६	११	१४	२	कुं. ४२।४८
२	गु	२४	१३	ध	८	५५	सौ	१०	४८	ग	२४	१३	१३	२१	३६	१२	१५		३	कुम्भे
३	शु	१५	२	श	२२	५४	शो	२३	२६	वि	१५	२	१०	२२	३८	१३	१६		४	मी ४१।५२
४	श	७	७	उ	५०	४०	सु	४२	१६	बा	७	७	७	२३	३७	१४	१७		५	मीने
५	र	०	४७	रे	४७	३७	धृ	३५	१४	तै	०	४७	४	२३	३७	१५	१८		६	मे. ४७।३७
६	र	५५	३४	०	०	०	०	०	०	वि	२५	०	०	२४	३६	१६	१९		७	मेषे
७	चं	५३	४०	अ	४६	२२	शू	२९	३५	वि	२५	०	०	२४	३६	१६	१९		८	मेषे
८	मं	५२	५३	भ	४६	५४	गं	२५	२०	बा	२३	१६	५७	२५	३५	१७	२०		९	वृ. २।३०
९	बु	५३	५०	कृ	४९	१८	वृ	२२	३९	तै	२३	२१	५४	२५	३५	१८	२१		१०	वृषे
१०	गु	५६	२	रो	५३	२	धु	२१	१६	व	२४	५६	५०	२६	३४	१९	२२		११	मि २५।३९
११	शु	५९	५९	मृ	५८	१६	व्या	२१	८	ब	२८	१४	४७	२७	३३	२०	२३		१२	मिथुने
१२	श	६०	०	आ	६०	०	ह	२१	५९	कौ	३२	२२	४४	२७	३३	२१	२४		१३	क. ५३।५४
१२	र	४	४४	आ	४	१९	व	२३	२०	तै	४	४४	४०	२८	३२	२२	२५		१४	कर्के
१३	चं	१०	३६	पु	११	२५	सि	२५	३०	व	१०	३६	३७	२९	३१	२३	२६		१५	कर्के
१४	मं	१६	१३	पु	१८	३९	व्य	२७	३२	श	१६	१३	३३	२९	३१	२४	२७		१६	सिं २६।१९
३०	बु	२२	३७	श्ले	२६	१९	व	३०	७	ना	२२	३७	३०	३०	३०	२५	२८			

१७पं.द्वि.श्रा.कृ.३शु.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	०	४	१०	०	३
१७	२१	१४	१९	१	११	४	१७
३४	१३	२१	४९	२३	९	३५	००
१२	१२	५८	५९	२	५०	३८	३०
५७	३८	६८	५	२६	४	३	५७
२५	५८	३	१४	व	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में शुक्र का चन्द्रदर्शन धातु चांदी सोना रुई में घटबढ करें रसकस तेज हो धान्य मंदा हो वर्षा होवे।

गोचर ग्रहाः

१८पं.द्वि.श्राकृ.११शु.इ.२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	०	३	१०	०	३
२५	२५	२१	२०	२७	१०	४	२३
१६	३१	३९	२६	३४	४०	१३	४१
३७	७	७	४२	३०	४४	२२	३७
५७	३९	४५	४	३५	५	३	५७
३३	५	५५	८	व	व	११	२२

ति.द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५ | दि. | उ | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | वर्षतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५१६स.२०२३

| | | |

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५ | वि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५४६सं. २०२३

१	श	७	४१	उ	२	३५	शु	५३	४५	ब	७	४१	३०	५४	६	२५	२९	१६	कन्यायां	मार्गीबुधः ३।४९
२	र	११	४६	हु	८	१३	ब्र	५४	८	कौ	११	४६	२७	५५	५	२६	३०	१७	तु. ४०।३८	कन्यायामर्कः १७ (सौरः ५६) चंद्रदर्शनम्
३	चं	१४	५८	चि	१३	३	ऐं	५३	३६	ग	१४	५८	२२	५६	४	२७	१	१८	तुलायां	भ. ५९ उ. रविलावल ३ हरितालिका ३
४	मं	१७	१	स्वा	१६	४४	वै	५२	१९	वि	१७	१	१८	५६	४	२८	२	१९	तुलायां	भ. १७।१या. गणेशचतुर्थी
५	बु	१८	१४	वि	१९	२४	वि	५०	१७	बा	१८	१४	१४	५७	३	२९	३	२०	वृ. ३।४४	ऋषिपंचमी
६	गु	१७	२८	अ	२१	१	प्री	४७	८	तै	१७	२८	९	५८	२	३०	४	२१	वृश्चिके	
७	शु	१५	५५	ज्ये	२१	११	आ	४२	५५	ब	१५	५५	५	५९	१	३१	५	२२	ध. २१।११	भ. १५।५५उ. ४४।२८या.
८	श	१३	१	मू	२०	६	सौ	३७	३४	ब	१३	१	३०	६	६	१	६	२३	धनुषि	चित्रा. भौमः २२।५७भा. आश्विनारंभः
९	र	८	३७	पू	१७	२८	शो	३१	९	कौ	८	३७	२९	१	५९	२	७	२४	म. २१।३४	अस्तोभौमः ३९।६
१०	चं	३	८	उ	१३	५२	अ	२३	३७	ग	३	८	५२	२	५८	३	८	२५	मकरे	भ. ३९ उ. ५६ या. जलझूलनी ११ व्र. स्मा.
११	चं	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	मं	४८	१४	श्र	८	४७	सु	१५	९	ब	२२	१५	४८	२	५८	४	९	२६	कुं. ३५।४७	जलझूलनी ११ व्र. वै. वामनजयंती
१३	बु	३९	५०	ध	४९	५३	धृ	४७	५०	कौ	१४	२	४४	३	५७	५	१०	२७	कुंभे	हस्तेरविः ३०।५२प्रदोषः
१४	गु	३०	३१	पू	४८	५६	गं	४५	३८	ग	५	१०	४०	४	५६	६	११	२८	मी ३५।४३	भ. ३१ उ. ५६ या. हस्तेरविः सौरः २ अनंत १४
१५	शु	२१	४१	उ	४२	१५	बृ	३५	३२	ब	२१	४१	३६	५	५५	७	१२	२९	मीने	उफा. बुधः ३७।४७महालयारंभः

२४पं.भा.शु.७शु.इ. १९।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	०	३	१०	०	५
४	२२	१७	२०	२३	७	१	४
५५	३७	२	५२	३२	३७	५९	१७
१६	३४	५३	४१	४२	१९	४८	३४
५८	४०	९	३३	३५	५३	३	५८
३८	१८	भा	व.	२१	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

भाद्रपदशुक्ले २ रवौ कन्यायामर्कःप्रविष्टः वा.४न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

२५पं.भा.शु.१५शु.इ. १९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	०	३	१०	०	५
११	२७	२६	२०	२८	७	१	११
४६	१५	७	२३	८	१२	३७	९
५२	५०	४४	३८	२४	४७	३३	३३
५८	४०	९	४१	४४	३६	३	५९
५३	२३	५३	व	१०	व.	११	००

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५	वि. उ. अ.भा. मु. इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	श १३ २४ रे ३६ १४ धु २६ ० कौ १३ २४	३३ ६ ५४ ८ १३ ३०	मे. ३६।१४	[×सिंहेशुक्रः ५१।१७अक्टूबर १०ता. ३१
२	र ६ ३१ अ ३१ २९ व्या १७ २० ग ६ ३१	२८ ६ ५४ ९ १४ १	मेषे	भ. ३३।४८उ. कन्यायांबुधः ३०।४मघा. ×
३	चं १ ५ भ २८ २९ ह ९ ५३ वि १ ५	२३ ७ ५३ १० १५ २	मेषे	भ. १।५या. चतुर्थी व्र.
४	चं ५६ २९ ० ० ० ० ० ० ० ०	० ० ० ० ० ०	० ०	[=५५।४०बुघास्तः पूर्वस्यां८।०
५	मं ५६ २६ कृ २७ ३२ व ५६ ५० कौ २७ ०	१९ ८ ५२ ११ १६ ३	वृ. ४३।१५	तुलायांभौमः २६।२७वक्रीभरणी २गुरुः =
६	बु ५७ १२ रो २८ ४४ व्य ५७ २० ग २५ ४९	१५ ९ ५१ १२ १७ ४	वृष	भ. ५७।१२उ.
७	गु ६० ० मृ ३१ ५५ व ५६ ३८ वि २८ ४०	११ १० ५० १३ १८ ५	मि०।२०	भ. २८।४०या.
७	शु ० ७ आ ३६ ४७ प ५६ ५२ ब ० ७	७ ११ ४९ १४ १९ ६	मिथुने	
८	श ४ ३७ पु ४३ १३ शि ५८ १९ कौ ४ ३७	३ ११ ४९ १५ २० ७	कं. २६।३६	हस्तेबुधः ३५ मातृ९ (सौभाग्यवतीनांश्रा.)
९	र १० ३४ पु ५० २६ सि ६० ० ग १० ३४	२९ १२ ४८ १६ २१ ८	कर्के	भ. ४३।३५उ.
१०	चं १६ ३७ श्ले ५८ ८ सि ० २३ वि १६ ३७	५५ १३ ४७ १७ २२ ९	सिं ५८।८	भ. १६।३७या.
११	मं २३ १३ म ६० ० सा २ ५२ बा २३ १३	५१ १४ ४६ १८ २३ १०	सिंहे	वक्रीधनिः ४शनिः ४७।३०इंदिरा ११व्र.
१२	बु २९ २० म ५ ४० शु ५ ६ तै २९ २०	४७ १५ ४५ १९ २४ ११	सिंहे	चित्रारविः ३।५४ (सौरः ३९।३५)
१३	गु ३४ ५५ पू १२ ५४ शु ७ २२ ग २ ७	४३ १५ ४५ २० २५ १२	कं. २९।२९	भ. ३४।५५उ. प्रदोषः
१४	शु ३९ १७ उ १९ १७ ब्र ८ ५८ वि ७ ६	३९ १६ ४४ २१ २६ १३	कन्यायां	भ. ६या. स्वात्यांभौमः ३१ शस्त्रादिहता. श्रा
१५	श ४२ ४६ ह २४ २३ ऐं ९ ४१ च ११ १०	३५ १७ ४३ २२ २७ १४	तु. ५६।३७	चित्राबुधः ५२।०सर्वपितृ ३०

२६पं.आ.कृ.७शु.इ. १९।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	०	४	१०	०	५
१८	१	८	१९	३	६	१	१८
४०	५६	९	४६	३२	५१	१५	३
८	१७	१४	१	१३	५८	१७	२०
५९	४०	५	५०	५०	४३	३	५९
९	१९	५२	व.	२४	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धातु धान्य में तेजी होवे प्रजा में शोक और व्याधि फैले रसकस में कुछ मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

२७पं.आ.कृ.१४शु.इ. १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	०	४	१०	०	५
२५	६	२०	१९	९	६	०	२४
३५	२८	३५	०	३५	३४	५३	५९
२	२८	२	५०	३१	२६	२	२
५९	४१	०	४०	५४	३२	३	५९
२१	०	२३	व	१०	व.	११	३१

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५७५स.२०२३
१	र	४५	१	चि	२८	५२	वै	९	३१	किं	१३	५३	२८/३१	६/१८	५/४२	२३	२८	१५	तुलायां	नवरात्रारंभःमातामहश्रा.
२	चं	४६	८	स्वा	३१	५३	वि	८	३१	बा	१५	३४	२७	१९	४१	२४	२९	१६	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
३	मं	४६	४	वि	३३	४९	प्री	६	२९	तै	१६	६	२३	१९	४१	२५	१	१७	वृ.१८।२०	तुलायामर्कः४६/४३पूफा.शुक्रः२३/५५रविलाखर४
४	बु	४५	७	अ	३४	४३	आ	३/४०	५६/१९	व	१५	३५	२०	२०	४०	२६	२	१८	वृश्चिके	भ.१५/३५उ.४५/७या.तुलार्कःसौरः२२/१९तुलायां ×
५	गु	४३	१९	ज्ये	३४	५६	शो	५५	५२	ब	१४	१३	१६	२१	३९	२७	३	१९	ध.३४।५६	[×बुधः५४।८
६	शु	४०	२६	मू	३४	०	अ	५०	५३	कौ	११	५२	१२	२२	३८	२८	४	२०	धनुषि	
७	श	३६	५८	पू	३२	२५	सु	४५	१३	ग	८	४२	८	२२	३८	२९	५	२१	म.४६।४८	भ.३६।५८उ.
८	र	३२	३४	उ	२९	५८	धृ	३८	५४	वि	४	४६	४	२३	३७	३०	६	२२	मकरे	भ.४।४६या.स्वात्यांबुधः४९।३७
९	चं	२७	२९	श्र	२६	४४	शू	३१	४९	बा	०	१	०	२४	३६	१	७	२३	कुं.५४।४१	भा.कार्तिकारंभः
१०	मं	२१	३२	ध	२२	३८	गं	२४	१६	ग	२१	३२	२७/५६	२५	३५	२	८	२४	कुम्भे	भ.४८।१६उ.स्वात्यांरविः२८।४५
११	बु	१५	१	श	१७	५६	बृ	१६	८	वि	१५	१	५३	२५	३५	३	९	२५	मी५९।१	भ.१५।१या.स्वात्यांरविःसौरः३।२२ ÷
१२	गु	७	४७	पू	१२	३८	ध्रु	७/२१	५१/१३	बा	७	४७	४९	२६	३४	४	१०	२६	मीने	प्रदोषः [÷पापांकुशा११व्र.
१३	शु	०	३३	उ	७	२०	ह	४९	५०	तै	०	३३	४५	२७	३३	५	११	२७	मीने	भ.५३।२१उ.
१४	शु	५२	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= का.स्ना.प्रा.
१५	श	४७	५	रे	२/१३	५५/२६	व	४१	२६	वि	२०	१३	४१	२८	३२	६	१२	२८	मे.२।१३	भ.२०।१३या.शरद्पूर्णिमाकोजागरीव्र.=

२८पं.आ.शु.६शु.इ.१९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	०	४	१०	०	६
२	११	२	१८	१६	६	०	१
३१	२३	२४	१०	९	२०	३०	५६
२६	१७	२५	५२	१८	४६	४६	२७
५९	४१	१०/५५	७/२४	५७	३/३२	३	५९
३४	१०		व	५८	व	११	४६

गोचर ग्रहाः

८ ७ ६ ९चं बुमंकेसू शु५ १० ४ श ११ गुरा१ ३ १२ २

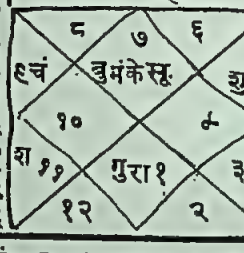

आश्विनशुक्ले ३ भौमे तुलायामऽर्कः प्रविष्टः वा.३न४प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

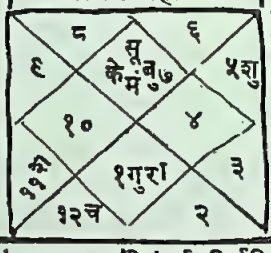

८ ६ ९ सू केमं बु७ ५शु १० ४ ११श १गुरा ३ १२च २

२९पं.आ.शु.१३शु.इ.१८/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	०	४	१०	०	६
९	१६	१४	१७	२३	६	०	८
२९	११	१०	१६	७	१३	८	५५
४२	२४	४८	२६	५५	३०	३०	४७
५९	४१	१०/५९	७/५२	६०	०/४५	३	६०
४७	२०		व.	४४	व.	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंतर्तूरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	र	४१	४०	भ	५४	१२	सि	३३	४४	बा	१४	२२	२७/३८	६/२९	५/३१	७	१३	२९	मेषे	रेवती४मीनेचराहुःचित्रा२कन्यायांकेतुः५९/११
२	चं	३७	५६	कृ	५२	१४	व्य	२७	१०	तै	९	४८	३४	२९	३१	८	१४	३०	वृ.८।४३	उफा.शुक्रः४८।२९
३	मं	३६	४	रो	५२	२३	व	२१	५८	व	६	५९	३०	३०	३०	९	१५	३१	वृषे	भ.६/५९उ.३६/४या.विशा.बुधः५/२५वक्री ×
४	बु	३५	४९	मृ	५४	१२	प	१८	१८	ब	५	५६	२७	३१	२९	१०	१६	१	मि२३।१७	विशा.भौमः४९/३१नवम्बर११ता.३०करक+
५	गु	३७	५९	आ	५७	४७	शि	१६	१४	कौ	६	५३	२३	३१	२९	११	१७	२	मिथुने	कन्यायांशुक्रः५५।५० [+चतुर्थीव्र.
६	शु	४१	४७	पु	६०	०	सि	१५	२५	ग	९	५३	१९	३२	२८	१२	१८	३	क.४६।४७	भ.४१।४७उ.मार्गीशनिः५८।२४
७	श	४७	१४	पु	३	७	सा	१५	५९	वि	१४	३१	१६	३३	२७	१३	१९	४	कर्के	भ.१४।३१या. [×भरणी१गरुः४४।१२
८	र	५३	७	पु	९	५५	शु	१७	२८	बा	२०	१०	१२	३४	२६	१४	२०	५	कर्के	
९	चं	५९	४१	श्ले	१७	११	शु	१९	३४	तै	२६	२३	९	३४	२६	१५	२१	६	सिं१७।११	विशा.रविः४९।११वृश्चिकेबुधः१०।२४
१०	मं	६०	०	म	२४	४६	ब्र	२२	२	व	३२	४६	५	३५	२५	१६	२२	७	सिंहे	भ.३२।४६उ.विशा.रविःसौरः२०।४६
१०	बु	५	५२	पू	३२	१	ऐं	२४	१३	वि	५	५२	२	३६	२४	१७	२३	८	कं.४८।४०	भ.५।५२या.अनु.बुधः३३।४८
११	गु	११	३५	उ	३८	३८	वै	२५	५१	बा	११	३५	२६/५८	३६	२४	१८	२४	९	कन्यायाँ	बुधोदयःपश्चिमायां३३।५८रमा११व्र.
१२	शु	१६	४	ह	४३	५६	वि	२६	३२	तै	१६	४	५५	३७	२३	१९	२५	१०	कन्यायां	प्रदोषःधन१३
१३	श	१९	१६	चि	४७	५६	प्री	२६	२०	व	१९	१६	५२	३८	२२	२०	२६	११	तु.१५।५६	भ.१९।१६उ.५०।२या.रुप१४
१४	र	२०	४७	स्वा	५०	३१	आ	२४	५३	श	२०	४७	४९	३८	२२	२१	२७	१२	तुलायां	हस्तेशुक्रः११।३७महालक्षमीपूजनम्
३०	चं	२१	०	वि	५१	४४	सौ	२२	२२	ना	२१	०	४५	३९	२१	२२	२८	१३	वृ.३६।२६	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा

३०पं.का.कृ.६शु.इ.१८/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	०	५	१०	११	६
१६	२१	२५	१६	०	६	२९	१५
२९	१	१७	१९	२४	१०	४६	५६
२८	५५	५३	४४	७	३४	१५	५१
६०	४१	९८	७/५२	६३	०/५	३	६०
४	३७	३८	व	४	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

८ केशु ९ ९ बुमं७सू ५ १० ४ ११ गु१ चं३ श १२रा २

कन्याराशि गते शुक्रे सर्वसस्यं विनश्यति, तत्र धान्य महर्घाणि शालिश्चैव विशेषतः इस मास में धान्य में तेजी रहेगी ।

गोचर ग्रहाः

८बु ६चंकेशु ९ ७सू ५ १० ४ ११श १गु ३ १२रा २

३१पं. का.कृ.१२शु.इ.१८/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	०	५	१०	११	६
२३	२५	६	१५	७	६	२९	२२
३०	५५	५	२३	५७	१२	२३	५९
५०	१९	१७	१०	५४	४७	५९	२४
६०	४१	९४	७/५२	६४	०/४८	३	६०
१७	४६	३८	व.	४९	मा	११	३०

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६०५स.२०२३
१	मं	१९	४३	अ	५१	४४	शो	१८	३०	व	१९	४३	२६/४२	६/४०	५/२०	२३	२९	१४	वृश्चिके	
२	बु	१७	२१	ज्ये	५०	३८	अ	१४	१०	कौ	१७	१३	३९	४०	२०	२४	३०	१५	व.५०।३८	चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	गु	१४	११	मू	४८	५२	सु	८	५२	ग	१४	११	३६	४१	१९	२५	१	१६	धनुषि	भ.४३/१४उ.वृश्चिकेऽर्क४५/१६वृश्चिकेभौमः =
४	शु	१०	१८	पू	४६	२२	धृ	२/४७	५३/३९	वि	१०	१८	३३	४१	१९	२६	२	१७	धनुषि	भ.१०/१८या.वृश्चिकेऽर्कःसौरः १५/३ज्येष्ठा ×
५	श	६	७	उ	४३	४०	गं	५०	५	बा	६	७	३०	४२	१८	२७	३	१८	म.१।११	[×बुधः२३।४५[=७।४०जमादिलावल ५
६	र	१	२६	श्र	४०	३४	वृ	४३	१५	तै	१	२६	२७	४३	१७	२८	४	१९	मकरे	भ.५६।४५उ.
७	र	५५	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	[÷अनु.भौमः४७।१२गोपाष्टमी
८	चं	५१	४७	ध	३७	३२	ध्रु	३६	१३	वि	२४	१६	२५	४३	१७	२९	५	२०	कुं.९।३	भ.२४।१६या.अनु.रविः३।३६(सौर३१/५१÷
९	मं	४७	४०	श	३४	४	व्या	२८	५८	बा	१९	४०	२२	४४	१६	३०	६	२१	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
१०	बु	४१	१४	पू	३०	३४	ह	२१	३७	तै	१४	२६	१९	४४	१६	१	७	२२	मी१६।२७	भा.मार्गशीर्षारंभः
११	गु	३५	५५	उ	२६	५२	व	१४	१०	व	८	३४	१७	४५	१५	२	८	२३	मीने	भ.८।३४उ.३५।५५या.चित्राशुक्रः५९/१५ +
१२	शु	३०	४३	रे	२३	२२	सि	६/५०	५३/१	ब	३	१९	१४	४५	१५	३	९	२४	मे.२३।२२	[+प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह
१३	श	२६	४	अ	२०	१८	व	५३	११	तै	२६	४	१२	४६	१४	४	१०	२५	मेषे	प्रदोषःवैकुंठ१४
१४	र	२१	५१	भ	१७	४७	प	४७	२	व	२१	५१	९	४६	१४	५	११	२६	वृ.३२।२१	भ.२१/५१उ.५०/२५या.मूलेधनुषिबुधः४८।२
१५	चं	१८	५८	कृ	१६	४	शि	४१	५९	ब	१८	५८	७	४७	१३	६	१२	२७	वृषे	वक्रीअश्वि.४गुरुः१०/१५मन्वादिःका.स्ना.पू.

३२पं.का.शु.४शु.इ. १८/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	०	५	१०	११	७
०	०	१६	१४	१५	६	२९	०
३३	५०	३१	२८	४०	२०	१	३
२९	२०	४८	४१	४१	१३	४४	२८
६०	४२	९१	७/२२	६६	१	३	६०
३०	७	१६	व.	१९	२९	११	४०

गोचर ग्रहाः

९चं ७ ६ शुके ५ ४ ३ गु१ २ रा१२ श११ १० ८ सूमंबु

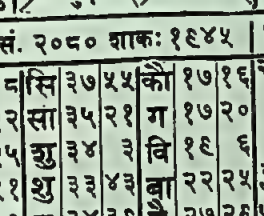

कार्तिक शुक्ले ३ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

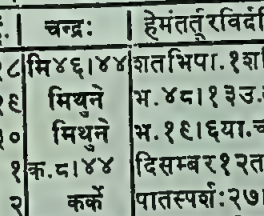

९ ७ ६शुके ५ ४ ३ १गु २ १२ चरा ११ श११ १० बुसूमं८

३३पं.का.शु.१२शु.इ.१८/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	०	५	१०	११	७
७	५	२६	१३	२३	६	२८	७
३७	४८	३२	३८	४१	३१	३९	९
२६	४	३८	५३	१७	४८	२८	१
६०	४२	८३	६/३५	६७	२	३	६०
४२	१६	०	व.	३३	१०	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	मं	१७	१६	रो	१६	८	सि	३७	५५	कौ	१७	१६	२६/५	६/४७	५/१३	७	१३	२८	मि४६।४४	शतभिषा.१शनिः१९।२१
२	बु	१७	२०	मृ	१७	२२	सा	३५	२१	ग	१७	२०	२	४८	१२	८	१४	२९	मिथुने	भ.४८।१३उ.तुलायांशुक्रः४४।४३
३	गु	१९	६	आ	२०	२५	शु	३४	३	वि	१९	६	०	४८	१२	९	१५	३०	मिथुने	भ.१९।६या.चतुर्थीव्र.
४	शु	२२	२५	पु	२४	५१	शु	३३	४३	बा	२२	२५	२५/५८	४८	१२	१०	१६	१	क.८।४४	दिसम्बर१२ता.३१
५	श	२७	२९	पु	३०	५९	ब्र	३४	३९	तै	२७	२९	५६	४९	११	११	१७	२	कर्के	पातस्पर्शः२७।०पातगोक्षः४४।१
६	र	३३	१	श्ले	३७	४३	ऐं	३६	११	ग	०	१५	५४	४९	११	१२	१८	३	सिं३७।४३	भ.३३/१उ.ज्येष्ठारविः१३/४३(सौरः३९।४५)
७	चं	३९	३२	म	४५	२२	वै	३८	४	वि	६	१६	५३	४९	११	१३	१९	४	सिंहे	भ.६।१६या.
८	मं	४६	२	पू	५२	४४	वि	४०	४०	बा	१२	४७	५१	५०	१०	१४	२०	५	सिंहे	स्वात्यांशुक्रः२४।५७
९	बु	५१	५३	उ	५९	५५	प्री	४२	३९	तै	१८	५७	४९	५०	१०	१५	२१	६	कं.९।३१	
१०	गु	५६	४८	ह	६०	०	आ	४३	५६	व	२४	२०	४८	५०	१०	१६	२२	७	कन्यायां	भ.२४।२०उ.५६।४८या.
११	शु	६०	०	ह	५	४६	सौ	४३	५९	ब	२८	२६	४६	५१	९	१७	२३	८	तु ३८।१	उत्पत्ति११व्र.स्मा.
११	श	०	५	चि	१०	१६	शो	४२	५५	बा	०	५	४५	५१	९	१८	२४	९	तुलायां	ज्येष्ठाभौमः२७।२०उत्पत्ति११व्र.वै.
१२	र	१	४८	स्वा	१३	०	अ	४०	३१	तै	१	४८	४४	५१	९	१९	२५	१०	वृ.५८।४६	पूषा.बुधः३१।३७प्रदोषः
१३	चं	१	३९	वि	१४	२	सु	३६	३५	व	१	३९	४३	५१	९	२०	२६	११	वृश्चिके	भ.१।३९उ.३०।३८या.
१४	चं	५७	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	मं	५६	१३	अ	१३	२५	धृ	३१	२५	च	२७	५५	४२	५२	८	२१	२७	१२	वृश्चिके	

३४पं.मा.कृ.४शु.इ.१७।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	०	६	१०	११	७
१४	१०	५	१२	१	६	२८	१४
४२	४७	४०	५४	४६	४८	१७	१५
४०	४९	३७	४०	३७	२९	१२	४७
६०	४२	७०	५/४२	६८	२	३	६१
५०	२६	१९	व.	३७	५१	११	३

गोचर ग्रहाः

बु९ शु७ ६के ५ ४वं ३ १गु २ १२रा ११ श११ १० रमं८

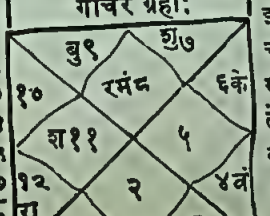

इस मास में धान्य चावल बाजरा मूंग मोठ चना मक्का तेज हो चांदी स्वर्ण लोहा आदि धातुयें मंदी होवे ।

गोचर ग्रहाः

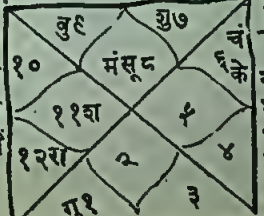

बु९ शु७ चं ६के ५ ४ ३ गु१ २ १२रा ११श १० मंसू८

३५पं.मा.कृ.११शु.इ.१७/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	०	६	१०	११	७
२१	१५	१२	१२	९	७	२७	२१
४८	५०	३३	१८	५९	१०	५४	२३
४३	२४	७	४३	४६	१९	५७	२९
६०	४२	३८	४/३०	६९	३	३	६१
५६	४६	५	व.	२२	३२	११	११

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८० शाक: १९४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽर्गणः४६३४स.२०२३
१	बु ५१ ३३ ज्ये ११ १६ शू २५ ७ किं २३ ५३ ३५ ५२ ८ २२ २८ १३							ध. ११।१६	वक्रीबुधः१३।५१
२	गु ४६ १ मू ८ १६ गं १७ ५६ बा १८ ४७ ४० ५२ ८ २३ २६ १४							धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
३	शु ४० ६ पू ४ २६ बृ १० १७ तै १३ ४ ३९ ५२ ८ २४ १ १५							म. १८।३८	जमादिलाखर६
४	श ३४ ६ उ ० ११ ५५ ४२ ध्रु १३ ५१ ५८ व ७ ६ ३९ ५२ ८ २५ २ १६							मकरे	भ.६उ.३६या.मूलेधनुष्यर्कः२०=
५	र २८ ११ ध ५१ ४७ ह ४६ ३१ ब १ ८ ३८ ५२ ८ २६ ३ १७							कृ.२३।५०	वक्रीमूलेबुधः२।५८
६	चं २२ २८ श ४७ ५३ व ३८ ५३ तै २२ २८ ३८ ५२ ८ २७ ४ १८							कुम्भे	चंपा६
७	मं १७ २० पू ४४ ३२ सि ३१ ३२ व १७ २० ३७ ५३ ७ २८ ५ १९							मी ३०।२२	भ.१७।२०उ.४४।५६या.
८	बु १२ ३१ उ ४१ ३५ व्य २४ २७ ब १२ ३१ ३७ ५३ ७ २९ ६ २०							मीने	[=सौरः४३)विशा.शुक्रः४३वुधास्तः×
९	गु ८ १० रे ३९ १३ व १७ ५७ कौ ८ १० ३६ ५३ ७ ३० ७ २१							मे. ३९।१३	[×पश्चिमायां४१पातस्पर्शः३६+
१०	शु ४ २० अ ३७ २२ प ११ ५० ग ४ २० ३६ ५३ ७ १ ८ २२							मेषे	भ.३२।५२उ.भा.पौषारंभः
११	श १ २५ भ ३६ १६ शि ६ २३ वि १ २५ ३६ ५३ ७ २ ९ २३							वृ.५०।५५	भ.१।२५या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	श ५७ २५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०								[पातमोक्षः३२।३२
१३	र ५७ १७ कृ ३४ ५० सि १६ ५२ कौ २८ ४ ३६ ५३ ७ ३ १० २४							वृषे	प्रदोषः
१४	चं ५६ ५६ रो ३६ ३२ शु ५३ ५५ ग २७ ८ ३७ ५३ ७ ४ ११ २५							वृषे	भ.५६।५६उ.वृश्चिकेशुक्रः३।५२
१५	मं ५७ ४० मृ ३८ १६ शु ५१ २३ वि २७ १८ ३७ ५३ ७ ५ १२ २६							मि ७।२४	भ.२७।१८या. दत्तजयंती

३६पं.मा.शु.३शु.इ१७।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	०	६	१०	११	७
२८	२०	१३	११	१८	७	२७	२८
५५	५५	४७	५१	१९	३५	३२	३२
३७	१	५६	३६	१२	२	४१	१२
६१	४२	५५	३	७०	४	३	६१
०	५०	व.	व	११	१४	११	१९

गोचर ग्रहाः

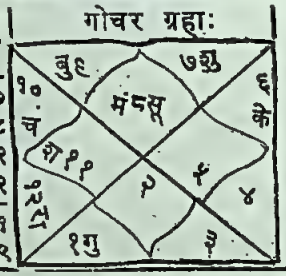

मार्गशीर्षशुक्ले ४शनौ धनुष्यऽर्के प्रविष्टः वा. ३ न. ४ वृद्धाऽवस्था. (बैठी) मु.३०धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

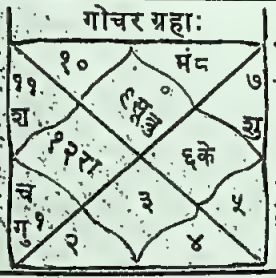

३७पं.मा.शु.१०शु.इ.वृ७/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	०	६	१०	११	८
६	२६	७	११	२६	८	२७	५
३	२	१	३३	४३	६	१०	४१
१४	२	८	४३	३४	५४	२६	३७
६१	४३	५५	३	७०	४	३	६१
४	१	व.	व.	४८	व.	११	३२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०८० शाक: १९४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	बु ५९ ५२ आ ४१ ३० ब्र ५० २० बा २८ ४६ ३५ ५३ ७ ६ १३ २७							मिथुने	अनु.शुक्रः४२मूलेधनुषिभौमः३८
२	गु ६० ० पु ४५ ५७ ऐं ४९ ४४ तै ३१ ४० ३८ ५२ ८ ७ १४ २८							क.२९।५०	वक्रीज्येष्ठा.वृश्चिकेबुधः५१बुधोदयः÷
२	शु ३ २८ पु ५१ ३१ वै ५० २० ग ३ २८ ३८ ५२ ८ ८ १५ २९							कर्के	भ.३५उ.पूभा.रविः३८(सौरः४५१३)
३	श ८ २१ श्ले ५७ ५९ वि ५१ ४२ वि ८ २१ ३९ ५२ ८ ९ १६ ३०							सिं ५८।०	भ.८।२१या. चतुर्थी व्र.
४	र १३ ४८ म ६० ० प्री ५३ ४० बा १३ ४८ ४० ५२ ८ १० १७ ३१							सिंहे	मार्गीगुरुः३७रेवती.३राहुःचित्रा.१–
५	चं २० १८ म ५ ३१ आ ५५ ५० तै २० १८ ४१ ५२ ८ ११ १८ १							सिंहे	जनवरी१ता.३१सन्२०२४ [–केतुः५११
६	मं २६ ५० पू १३ ४ सौ ५८ ४ व २६ ५० ४२ ५२ ८ १२ १९ २							कं.३०।२	भ.२६उ.५९या.मार्गीबुधः५३
७	बु ३३ ८ उ २० ५८ शौ ६० ० ब ३३ ८ ४३ ५१ ९ १३ २० ३							कन्यायां	
८	गु ३८ २९ ह २७ १९ शो ० १ बा ५ ४९ ४४ ५१ ९ १४ २१ ४							कन्यायां	[÷पूर्वस्यां४३
९	शु ४२ ३१ चि ३२ ४१ अ १ १ तै १० ३० ४५ ५१ ९ १५ २२ ५							तु.०।१	
१०	श ४४ ५६ स्वा ३६ ३७ सु ०४५ ५८ व १३ ४३ ४७ ५१ ९ १६ २३ ६							तुलायां	भ.१३।४३उ.४४।५६या.
११	र ४५ १६ वि ३८ ३२ शू ५५ ५६ ब १५ ६ ४८ ५० १० १७ २४ ७							वृ.२३।१८	ज्येष्ठा.शुक्रः४४।२१सफला११ .
१२	चं ४३ ३३ अ ३८ ३४ मं ५१ २१ कौ १४ २४ ५० ५० १० १८ २५ ८							वृश्चिके	मूलेधनुषिबुधः५६।४८
१३	मं ४० १ ज्ये ३६ ४४ बृ ४५ ६ ग ११ ४७ ५२ ५० १० १९ २६ ९							ध.३६।४४	भ.४०।१उ. प्रदोषः
१४	बु ३४ ३९ मू ३३ १० धु ३७ ३२ वि ७ २० ५३ ४९ ११ २० २७ १०							धनुषि	भ.७।२०या.
३०	गु २७ ५२ पू २८ १० व्या २८ ५६ च १ १६ ५५ ४९ ११ २१ २८ ११							म.४१।२६	उषा.रविः३०।४३(सौरः४६।४०)

३८पं.पौ.कृ.२शु.इ. १७/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	०	७	१०	११	८
१३	१	२९	११	५	८	२६	१२
११	१०	८	२५	१२	४१	४८	५१
१३	५२	२	५२	१८	१७	१०	२९
२१	४३	३३	३	७१	५	३	६१
६	११	व.	व.	१९	१३	११	२६

गोचर ग्रहाः

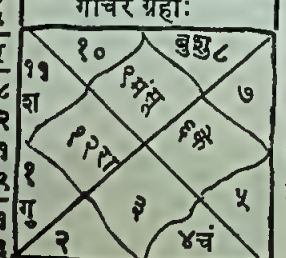

इस मास में धान्य गल्ला चांदी सोना रुई वारदाना सूत तेज हो शीत का प्रभाव कष्टदायक हो

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.कृ.९शु.इ. १७/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	०	७	१०	११	८
२०	६	२८	११	१३	९	२६	२०
१९	२३	३५	२८	४४	१८	२५	१
२६	६	४९	३७	२	५८	५४	२६
६१	४३	२३	५२	७१	५	३	६१
६	३५	मा	मा	४४	४२	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४६६४स.२०२४
१	शु	२०	१७	उ	२२	४८	ह	१६	४४	ब	२०	१७	२५	६	५१	२२	२६	१२	मकरे	शतभिषा.२शनिः२०।६
२	श	१२	४०	श्र	१६	२२	व	१०	१०	कौ	१२	४०	५९	४८	१२	२३	३०	१३	कुं.४३।२५	चंद्रदर्शनम्
३	र	४	५१	ध	१०	२६	सि	४६	५०	ग	४	५१	२६	४८	१२	२४	३	१४	कुम्भे	भ.३१उ.३५या.मकरेऽर्कः४७=
४	र	५२	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=पूषा.भौमः३६रज्जव७
५	चं	५०	४३	श	४	५५	ब	४१	४४	व	२४	७	४	४७	१३	२५	२	१५	मी४६।५६	मकरेऽर्कःसौरः२।७
६	मं	४४	४४	पू	९	५६	प	३४	५६	कौ	१७	४४	६	४७	१३	२६	३	१६	मीने	उदयोभौमः४८।३८
७	बु	४०	३	रे	५३	१७	शि	२७	४०	ग	१२	२३	८	४६	१४	२७	४	१७	मे.५३।१७	भ.४०।३उ.
८	गु	३६	१७	अ	५१	३२	सि	२१	२२	वि	८	१०	११	४६	१४	२८	५	१८	मेषे	भ.८।१०या.मूलेघनुषिशुक्रः३७।२६
९	शु	३३	५४	भ	५०	५४	सा	१६	१	बा	५	५	१३	४५	१५	२९	६	१९	मेषे	पातस्पर्शः४२।२३पातमोक्षः५६।१
१०	श	३२	१७	कृ	५१	२०	शु	११	४३	तै	३	५	१६	४५	१५	३०	७	२०	वृ.६।१	पूषा.बुधः२५।२६
११	र	३१	५८	रो	५२	५३	शु	८	१३	व	२	८	१९	४४	१६	१	८	२१	वृषे	भ.२उ.३१या.अभि.प्र.रविः३१×
१२	चं	३२	५५	मृ	५५	४३	ब्रे	५	३८	व	२	२६	२१	४४	१६	२	९	२२	मि२४।१८	[×(सौरः३३)भा.माघारंभःपुत्रदा११त्र.
१३	मं	३४	४६	आ	५९	२५	ऐं	३	५८	कौ	३	५१	२४	४३	१७	३	१०	२३	मिथुने	प्रदोषः [+मा.स्ना.प्रा.
१४	बु	३७	५२	पु	६०	०	वै	३	२५	ग	६	१९	२७	४३	१७	४	११	२४	क.४८।५	भ.३७उ.श्रवणेरविः३६(सौरः५०)
१५	गु	४१	५०	पु	४	१९	वि	२	५८	वि	९	५१	२९	४२	१८	५	१२	२५	कर्के	भ.५१या.अभि.नि.रविः३६(सौरः४०)+

४०पं.पौ.शु.१शु.इ. १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	०	७	१०	११	८
२७	११	३	११	२२	९	२६	२७
२७	३७	५८	४१	१८	५९	३	११
२२	५	५२	६	११	४२	३९	१८
६१	४३	५५	२	७२	६	३	६१
६	४९	४२	१०	४	५	११	२४

गोचर ग्रहाः

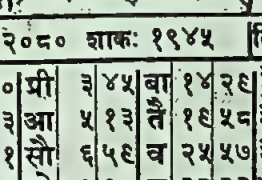

पौष शुक्ले ३ रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

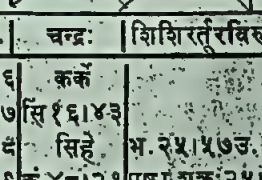

४१पं.पौ.शु.९शु.इ. १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	०	८	१०	११	९
४	१६	११	१२	०	१०	२५	४
३५	५२	५६	३	५३	४३	४१	२०
१३	३७	२४	४०	५७	८	२३	४७
६१	४३	७३	३	७२	६	३	६१
३	५०	२४	३५	२८	२६	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	४७	८	पु	१०	१०	भी	३	४५	बा	१४	२९	३६	६	५८	६	१३	२६	कर्के	
२	श	५२	४७	श्लै	१६	४३	आ	५	१३	तै	१९	५८	३५	४१	१९	७	१४	२७	सिं१६।४३	
३	र	५९	७	म	२३	५१	सौ	६	५९	व	२५	५७	३८	४०	२०	८	१५	२८	सिंहे	भ.२५।५७उ.५९।७या.
४	चं	६०	०	पू	३१	२८	शो	९	१०	ब	३२	२२	४१	४०	२०	९	१६	२९	कं.४८।२१	पूषा.शुक्रः२५।२८ चतुर्थी व.
४	मं	५	३८	उ	३९	२	अ	११	३६	बा	०	५	३८	४५	३९	२१	१७	३०	कन्यायां	उषा.बुधः१३।०
५	बु	१२	७	ह	४६	१३	सु	१३	४५	तै	१२	७	४८	३८	२२	११	१८	३१	कन्यायां	[÷उषा.भौमः१३फर्वरी२ता.२९
६	गु	१७	५३	चि	५२	३५	धृ	१५	२६	व	१७	५३	५१	३८	२२	१२	१९	१	तु.१९।२४	भ.१७उ.५०या.मकरेबुधः३३÷
७	शु	२२	४०	स्वा	५७	४४	शू	१६	१२	व	२२	४०	५४	३७	२३	१३	२०	२	तुलायां	भरणी.१गुरुः५४पातस्पर्शः३५—
८	श	२५	५७	वि	६०	०	गं	१५	५१	कौ	२५	५७	५८	३६	२४	१४	२१	३	वृ.४५।२६	[–पातमोक्षः४७
९	र	२७	२५	वि	१	१९	बृ	१४	४	ग	२७	२५	२७	३६	२४	१५	२२	४	वृश्चिके	भ.५७उ.
१०	चं	२६	५०	अ	२	४७	धु	१०	४१	वि	२६	५०	५	३५	२५	१६	२३	५	वृश्चिके	भ.२६।५०या.मकरेभौमः४२।२३
११	मं	२४	२	ज्ये	२२	५७	व्या	५४	२८	बा	२४	२	८	३४	२६	१७	२४	६	ध.२।२२	धनि.रविः४५(सौरः५५) षट्तिला११त्र.
१२	बु	१९	३२	पू	५५	३१	व	५१	६	तै	१९	३२	१२	३४	२६	१८	२५	७	धनुषि	श्रवणेबुधः५६।५३ प्रदोषः
१३	गु	१३	१	उ	४९	३८	सि	४१	४९	व	१३	१	१५	३३	२७	१९	२६	८	म.९।३	भ.१३।१उ.४९।५या.
१४	शु	५	८	श्र	४२	४९	व्य	३१	४२	श	५	८	१९	३२	२८	२०	२७	९	मकरे	उषा.शुक्रः१०।३०
३०	शु	५१	५	०	५	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

४२पं.मा.कृ.१शु.इ.१७।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	०	८	१०	११	९
११	२२	२१	१२	९	२१	२५	११
४२	१०	२६	३५	३१	२८	१९	२९
४०	८	२४	२८	२४	२४	८	३८
६०	४४	८४	४	७२	६	३	६१
५९	११	३१	४७	४७	३७	११	१३

४३पं.मा.कृ.७शु.इ.१७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	०	८	१०	११	९
१८	२७	१	१३	१८	२२	२४	१८
४९	२८	२४	१६	९	१६	५६	३७
१६	४१	३२	१६	२२	५	५२	४४
६०	४४	९२	५	७२	६	३	६१
५५	१६	३८	५९	५९	५६	११	४

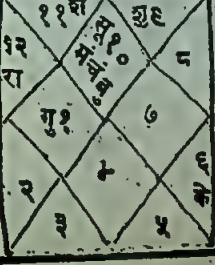

४४पं.मा.कृ.१४शु.इ.१७।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	०	८	१०	११	९
२५	२	१२	१४	२६	१३	२४	२५
५५	४९	१३	४	४८	५	३४	४४
१	५२	४१	५	२९	२४	६६	३१
६०	४४	९९	६	७३	७	३	६०
४७	३६	३४	५३	१४	८	११	५५

(सं० २००१ समारम्भं २१०० पर्यन्तम्)

तिं.	माघ शुक्लपक्षः सं.२०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहंर्गणः४६९३स.२०२३
१	श	४६	५६	ध	३५	२४	व	२१	२	किं	२१	३४	२७/२३	६/३१	५/२९	२१	२८	१०	कुं.९।७	बुधास्तःपूर्वस्यां२१।२४
२	र	३७	४५	श	२८	७	प	१०	२६	बा	१२	२०	२७	३१	२९	२२	२९	११	कुम्भे	मकरेशुक्रः५४/२२शत.३शनिः२०/२५अस्तं शनेः
३	चं	२९	१३	पू	२१	१७	शि	०/१	५०/१	तै	३	२९	३०	३०	३०	२३	१	१२	मी८।०	भ.५५।१६उ.सावान८ [=४३/१६ [illegible]
४	मं	२१	२०	उ	१५	२१	सा	४१	१९	वि	२१	२०	३४	२९	३१	२४	२	१३	मीने	भ.२१/२०या.कुंभेऽर्कः१९/४८(सौरः२५/१२)
५	बु	१४	५१	रे	१०	३७	शु	३३	४३	बा	१४	५१	३८	२८	३२	२५	३	१४	मे.१०।३७	पातस्पर्शः३५।२०पातमोक्षः४५/२३ वसंत५
६	गु	१०	४५	अ	७	२३	शु	२७	२०	तै	१०	४५	४१	२८	३२	२६	४	१५	मेषे	
७	शु	६	२७	भ	५	४४	ब्र	२२	११	व	६	२७	४५	२७	३३	२७	५	१६	वृ.२०।२९	भ.६/२७उ.३५/३२या.धनि.बुधः४/५७भानु७×
८	श	४	३७	कृ	४	४७	ऐं	१८	२६	व	४	३७	४९	२६	३४	२८	६	१७	वृषे	[×रथ७भीष्माष्टमी
९	र	४	२६	रो	७	२५	वै	१५	५३	कौ	४	२६	५३	२५	३५	२९	७	१८	मि३८।५८	श्रवणेभौम.४२।१६
१०	चं	५	५६	मृ	१०	३२	वि	१४	२६	ग	५	५६	५६	२५	३५	३०	८	१९	मिथुने	भ.३७/१४उ.शतेरविः५६/४श्रवणेशुक्रः५६/९
११	मं	८	३१	आ	१४	४८	प्री	१४	२०	वि	८	३१	२८/००	२४	३६	१	९	२०	मिथुने	भ.८/३१या.शतेरविःसौरः४/३४कुंभेबुधः५/१+
१२	बु	१२	२५	पु	२०	५	आ	१४	४७	बा	१२	२५	४	२३	३७	२	१०	२१	क.३।४६	प्रदोषः
१३	गु	१७	७	पु	२६	१०	सौ	१५	४१	तै	१७	७	८	२२	३८	३	११	२२	कर्के	[+भा.फाल्गुनारंभःजया११व्र.
१४	शु	२२	५३	श्ले	३३	१२	शो	१७	२५	व	२२	५३	१२	२२	३८	४	१२	२३	सिं३३।१२	भ.२२।५३उ.५५।४६या.शते बुधः४२।३
१५	श	२८	३८	म	४०	१३	अ	१९	२३	ब	२८	३८	१६	२१	३९	५	१३	२४	सिंहे	मा.स्ना.प्रा.

४५पं.मा.शु.७शु.इ. १७/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	०	९	१०	११	१०
२	८	२३	१५	५	१३	२४	२
५९	१२	४२	१	२७	५५	१२	५०
४९	१८	२२	२३	५०	५५	२१	३४
६०	४४	०/००	८	७३	७	३	६०
३७	४१	२३	४	२३	१४	११	४२

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले ४ भौमे कुंभेऽर्कःप्रविष्ट. वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४६पं.मा.शु.१४शु.इ.१७/५६

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	०	९	१०	११	१०
१०	१३	५	१६	१४	१४	२३	९
३	३६	५५	४	७	४६	५०	५५
२२	११	३४	८	८	४८	५	७
६०	४४	०/००	८	७३	७	३	६०
२५	५२	३५	५७	२९	२०	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	र	३५	४	पू	४७	५०	सु	२१	३७	बा	१	५१	२८/२०	६/२०	५/४०	६	१४	२५	सिहे	
२	चं	४१	२६	उ	५५	११	धृ	२३	४९	तै	८	१४	२४	१९	४१	७	१५	२६	कं.४।४०	भरणी.२गुरुः५३।३५
३	मं	४७	५३	ह	६०	०	शू	२६	७	व	१४	४०	२८	१८	४२	८	१६	२७	कन्यायां	भ.१४।४०उ.४७।५३या.
४	बु	५३	१७	ह	२	३८	गं	२७	५६	ब	२०	३५	३२	१८	४२	९	१७	२८	तु.३५।५०	पातस्पर्शः१०।५६पातमोक्षः२२/४चतुर्थी व्र.
५	गु	५८	१४	चि	९	१२	वृ	२९	१०	कौ	२५	४५	३६	१७	४३	१०	१८	२९	तुलायां	[÷मार्च ३ता.३१
६	शु	६०	०	स्वा	१५	५	ध्रु	२९	३५	ग	३०	५	४०	१६	४४	११	१९	१	तुलायां	पूभा.बुधः५५।२४धनि.शुक्रः४५।६÷
६	श	१	५६	वि	१९	३७	व्या	२८	५३	व	१	५६	४४	१५	४५	१२	२०	२	वृ.३।२९	भ.१।५६उ.३३।९या.
७	र	४	२२	अ	२२	३७	ह	२६	५९	ब	४	२२	४८	१४	४६	१३	२१	३	वृश्चिके	रेवती.२राहुःहस्त.४केतुः४५।५३
८	चं	४	४८	ज्ये	२३	५३	व	२३	४७	कौ	४	४८	५२	१४	४६	१४	२२	४	ध.२३।५३	पूभा.रविः१२।१०(सौरः१९।२१)
९	मं	३	३९	मू	२३	२३	सि	१८	५३	ग	३	३९	५६	१३	४७	१५	२३	५	धनुषि	भ.३२।४उ. [–विजया११व्र.स्मा.
१०	बु	०	३०	पू	२०	५४	व्य	१२	३४	वि	०	३०	२९/१	१२	४८	१६	२४	६	म.३४।४९	भ.०।३०या.धनि.भौमः५३।२६–
११	बु	५४	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aविजया११व्र.वै.
१२	गु	४८	३८	उ	१६	३२	व	४/३४	५१/५८	कौ	२२	१	५	११	४९	१७	२५	७	मकरे	मीनेबुधः४।११कुंभेशुक्रः८।२४A
१३	शु	४०	२५	श्र	१०	४६	शि	४५	२६	ग	१४	३१	९	१०	५०	१८	२६	८	कुं.३७।१४	भ.४०।२५उ.उभा.बुधः४७।२८प्रदोषःD
१४	श	३१	०	ध	३/४४	५२/१४	सि	३४	३८	वि	५	४३	१३	९	५१	१९	२७	९	कुंभे	भ.५/४३या.शत४शनिः४७/४४महाशिवरात्रीव्रवै
३०	र	२१	१४	पू	४८	१०	सा	२३	२५	ना	२१	१४	१७	९	५१	२०	२८	१०	मी३५।७	[Dमहाशिवरात्रीव्र.स्मा

४७पं.फा.कृ.६शु.इ. १८/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	०	९	१०	११	१०
१७	१८	१८	१७	२२	१५	२३	१६
५	५८	४८	१३	४६	३७	२७	५८
३५	५९	४३	१२	५९	५९	५०	१
६०	४४	०/००	९	७३	७	३	६०
१२	५१	१४	४४	४४	२०	११	२०

गोचर ग्रहाः

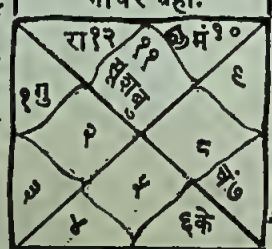

इस मास में गेहूं बाजरा मूंग मोठ चना मक्का तिलहन अलसी मटर सोना चांदी तेज हो रसकस में घटा-बढी रहे।

गोचर ग्रहाः

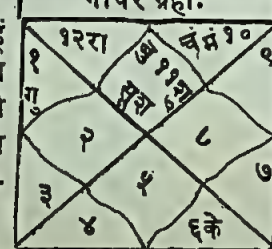

४८पं.फा.कृ.१३शु.इ.१८/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	०	१०	१०	११	१०
२४	२४	२	१८	१	१६	२३	२३
६	२४	२४	२७	२६	२९	५	५९
२२	०	०	५०	२०	६	३४	२४
५९	४५	०/००	१०	७३	७	३	६०
५८	७	१०/१०	२९	५०	२०	११	६

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५	वि. उ. प्र.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४७२३स.२०२४
१	चं ११ २५ उ ४० ३२ शु १२ ३१ व ११ २५ ३९	६ ५२	२१ २९	११ मीने	चंद्रदर्शनम्
२	मं २ ४ रे ३३ ५४ शु ५ ५० कौ २ ४ २६	७ ५३	२२ १	१२ मे.३३।५४	शतेशुक्रः३१।५७रमजानेफुलरिया२
३	मं ५१ ५६ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०	० ०	० ०	
४	बु ४६ ५१ अ २८ ३२ ऐं ४४ १५ व २० २६ ३०	६ ५४	२३ २	१३ मेषे	भ.३१ उ.४६ या.बुधोदयःपश्चिमायां१९
५	शु ४१ ४६ भ २५ ६ वै ३७ ४१ ब १४ १८ ३४	५ ५५	२४ ३	१४ वृ.३६।२४	मीनेऽर्कः१३।३ (सौरः१९।४२)
६	शु ३८ २८ कृ २३ २१ वि ३२ २६ कौ १० ७ ३८	४ ५६	२५ ४	१५ वृषे	रेवत्यांबुधः५२।५३कुंभेभौमः३२।१०
७	श ३७ २० रो २३ २८ मृ २८ ५७ ग ७ ५४ ४३	३ ५७	२६ ५	१६ मि५४।३६	भ.३० उ.भरणी.३गुरुः२७ उदयंशनेः३३
८	र ३८ १३ मृ २५ ४४ आ २६ ५६ वि ७ ४६ ४७	३ ५७	२७ ६	१७ मिथुने	भ.७ ४६ या.उभा.रविः३४ (सौरः४० ६८)=
९	चं ४० ३४ आ २९ ३८ सौ २६ २० बा ९ २३ ५१	२ ५८	२८ ७	१८ मिथुने	[=होलाष्टकम्
१०	मं ४४ ४० पु ३४ ५९ शो २७ ३ तै १२ ३७ ५५	१ ५९	२९ ८	१९ क. १८।३९	
११	बु ४९ ४९ पु ४१ १३ अ २८ ८ व १७ १४ ३०	६ ६०	३० ९	२० कर्के	भ.१७ उ.४९ या.आमलकी११व्र.
१२	गु ५५ ५० श्ले ४८ २८ सु ३० १२ ब २२ ४९ ४	५९ १	१ १०	२१ सि४८।२८	भा.चैत्रारंभः
१३	शु ६० ० म ५५ ५२ धृ ३२ १६ कौ २८ ५३ ८	५८ २	२ ११	२२ सिंहे	प्रदोषः
१३	श १ ५६ पू ६० ० शू ३४ ३८ तै १ ५६ १२	५८ २	३ १२	२३ सिंहे	पूभा.शुक्रः १९।३४
१४	र ८ १९ पू ३ २३ गं ३६ ४६ व ८ १९ १६	५७ ३	४ १३	२४ कं.२०।१२	भ.६९ उ.३१ या.शतेभौमः९ ३४ होलिकादहनं
१५	चं १४ २५ उ १० ३९ वृ ३८ ५८ ब १४ २५ २१	५६ ४	५ १४	२५ कन्यायां	अश्वि.मेषेबुधः४।५४छारेंडी

४९पं.फा.शु.६शु.इ.१८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	०	१०	१०	११	११
१	२९	१५	१९	१०	१७	२२	०
५	४९	३९	४७	५	१९	४३	५९
३५	५९	२५	१३	४२	३४	१८	६
५९	४५	०८	११	७३	७	३	५९
४१	१३	५५	७	५६	१३	११	४९

गोचर ग्रहाः

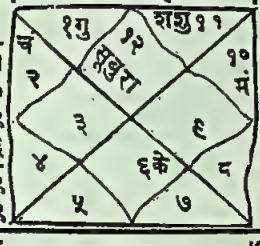

फाल्गुन शुक्ले ५ गुरौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्या-दिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

५०पं.फा.शु.१३शु.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	०	१०	१०	११	११
८	५	२६	२१	१८	१८	२२	७
३	१६	२६	१०	४५	९	२१	५७
१८	१६	५३	५२	४०	३२	३	१
५९	४५	७७	११	७४	७	३	५९
२९	३२	११	४५	२	२	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५	वि. उ. प्र.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	मं २० २१ ह १७ ४५ धु ४० ३५ कौ २० २१	३५ ५५	६ ६	१५ २६	तु.५०।५५ वसंत१
२	बु २५ ३२ चि २४ ४ व्या ४१ ४० ग २५ ३२	२९ ५४	६ ७	१६ २७	तुलायां भ.५७।३९उ.
३	गु २९ ४६ स्वा २९ ४४ ह ४२ ७ वि २९ ४६	३३ ५३	७ ८	१७ २८	तुलायां भ.२९।४६या. चतुर्थी व्रतम्
४	शु ३३ ९ वि ३४ २३ व ४१ ५० ब १ २७	३७ ५३	७ ९	१८ २९	वृ.१८।१४
५	श ३५ २६ अ ३७ ५४ सि ४० २९ कौ ४ १८	४१ ५२	८ १०	१९ ३०	[×मीनेशुक्रः२५।१
६	र ३६ ३१ ज्ये ४० १६ व्य ३८ १४ ग ५ ५८	४५ ५१	९ ११	२० ३१	वृश्चिके घ.४०।१६ भ.३६ उ.रेवत्यांरविः१ ९ (सौरः५ ४५)×
७	चं ३६ १३ मू ४१ १४ व ३४ ४३ वि ६ २२	४९ ५०	१० १२	२१ १	धनुषि भ.१२ या.वक्रीबुधः४५ भरणी.४गुरुः४५+
८	मं ३४ २२ पू ४० ३८ प ३० २ बा ५ १७	५३ ४९	११ १३	२२ २	म.५५।२ [+अप्रेल४ता.३० शीतलापूजनम्
९	बु ३० ५१ उ ३८ १३ शि २४ ७ तै २ ३७	५७ ४९	११ १४	२३ ३	मकरे भ.५८ उ.उभा.शुक्रः७ ४१ बुधास्तःपश्चि-÷
१०	गु २५ ४३ श्र ३४ ३५ सि १६ ५४ वि २५ ४३	३१ ४८	१२ १५	२४ ४	मकरे भ.२५।४३या. [÷मायां३९
११	शु १९ १५ ध २९ २६ सा २५ ५० बा १९ १५	५ ४७	१३ १६	२५ ५	कुं.२।१ पापमोचनी११व्र.
१२	श ११ २३ श २३ १२ शु ४८ ५६ तै ११ २३	१० ४६	१४ १७	२६ ६	कुम्भे प्रदोषः
१३	र २ ३६ पू १६ १ ब्र ३८ २९ व २ ३६	१४ ४५	१५ १८	२७ ७	मी२।४९ भ.३६ उ.५३ या.पूभा.१शनिः३८
१४	र ५० ३४ ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०	० ०	० ०	
३०	चं ४३ ३६ उ ८ ३५ ऐं २७ ४९ च १८ २३	१८ ४४	१६ १९	२८ ८	मीने मन्वादिः

५१पं.चै.कृ.४शु.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	०	०	१०	१०	११	११
१४	१०	२	२२	२७	१८	२१	१४
५९	४२	२२	३८	२५	५८	५८	५३
१०	२५	२६	६	१	१२	४७	११
५९	४५	२७	१२	७४	६	३	५९
१६	२९	१३	१४	८	५०	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला चांवल आदि रसकस मंदे हो प्रजा में आनंद फैले सर्वत्र शान्ति रहे ।

गोचर ग्रहाः

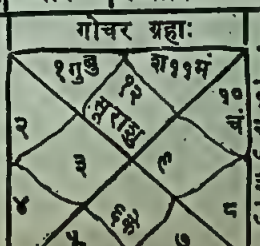

५२पं.चै.कृ.११शु.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	०	०	११	१०	११	११
२१	१६	२	२४	६	१९	२१	२१
५३	८	२८	८	३	४४	३६	५७
३१	२०	८	१०	४०	५६	३२	२२
५९	४५	३६	१२	७४	६	३	५९
४	३५	११	३२	१९	३२	११	४

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

म जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८५१२५, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२५, भोग्यकलिः ४२६८७५, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०८१, शाकः १९४६, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री शनिः । सस्येशोभौमः। धान्येशो रविः । मेघेशः शुक्रः। रसेशोगुरुः। नीरसेशो भौमः। फलेशः शुक्रः। धनेशश्चंद्रः । दुर्गेशः शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १२ कालनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १।१४।२६।५३।४८ भोग्यमासादिः १०।१५।३३।६।१२नासत्यदैवतं युगम् । तत्र वर्षनाम आग्निवनः।मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासोःरजक गृहे। समय विश्वा८। समयवाहनम् वृषभः। स्तंभाः३अन्नजलवायूनाम्।सोमवत्यमा १ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी३ भानुसप्तमी२ रविदशमी३ समय मुहूर्ताः ३९० समयदिनानि ३५५ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपतिविश्वा १०८, वर्षाविश्वा ५. धान्यम् ११, तृणम् ५, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१०५, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिरुत्तरे । ग्रहणाःभात्रोभारते ।

भाद्रपद शुक्ला १४ भौमवार को अर्द्ध रात्रि पश्चात् पश्चिम प्रदेशों में ग्रस्तास्त चंद्र ग्रहण होगा जिसका स्पर्श रेल्वे घं. ७ मिं.३७ और मोक्ष रेल्वे घं. ८ मि. ५७ पर होगा। भारत में यह ग्रहण नहीं होगा। जहां दृश्य नहीं होवे वहां इसके स्नान दानादिकी आवश्यकता नहीं है।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

भैरव माता से कहे मेरा यही सवाल ।
इक्यासी संवत् तणों कहदे मैया हाल ।।

भवानी उत्तर

इक्यासी की साल में मैं समझावु तोय ।
अन होणी होवे नहीं होणी हो सो होय ।।
राजा कुज मंत्री शनि इनकी खोटी चाल ।
युद्ध उपद्रव जगत में मांचे घणां बवाल ।
दिवानाथ धान्येश हैं संवत् विश्वा आठ ।
कहीं धान्य का नाश हो कहींक होसी ठाठ ।।
सागर तट रोहिणी बसी स्तंभ लगे है तीन ।
अन्न जल की कमती नही इसमें मेष न मीन ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	८	२	५	१४	२	५
ख.	२	८	५	२	१४	५

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	२	८	११	१४	१४	११
ख.	८	१४	५	१४	१४	५

वर्ष लग्नम् ७।२९

वर्षेश लग्नम् ६।२१

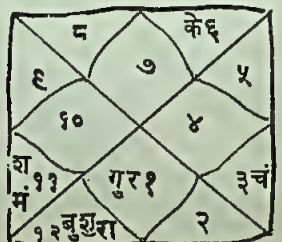

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१०।४१

=सुवरांशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ।। भौमे नृपेवन्हिभयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहं च । दुःखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः ।। मंत्री शनिः फलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणी पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदा । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम् ।। प्रथम धान्यपतौ धरणी सुते गज तुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग धनो जलं न सम सौख्यकरं तुष धान्य हृत् ।। धान्येशो रविः फलम् ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वर पीड़नम् ।। मेघेशो शुक्रः फलम् ।। भृगुसुतौ जलदस्य पतिर्यदा जलमुचो जलदा दिवि शोभनाः । धन निधान युताः द्विज पालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो गुरुः फलम् ।। रसपतौ द्विजराज सुते मही सुलभ धान्य घृताद्वि युता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिताः बहु जलाखिल देश सुरक्षिता ।। नीरसेशो भौमः फलम् ।। नीरसेशो यदा भौमः प्रवाल रक्त वाससां । रक्त चंदन ताम्राणांमर्घ वृद्धि दिनेदिने ।। फलेशः शुक्रः फलम् ।। यदि फलस्य पतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार मही रुह राशयः । बहु फला नरनाथ सुभोगदा द्विजवरा श्रुति पाठ परायणाः ।। धनेशश्चंद्रः फलम् ।। धनपति मृग लांछनको यदा रसचया क्रय विक्रयतो धनम् । वसन शालि सुगंध रसं बहु द्रविण तैल घृतं नृप सौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रः फलम् ।। नगरदेश विशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्य करो मतः । विनय वाणिज गेह समः सुखो नग वने निकटे पिच दूरतः ।। कालनाम संवत्सरः फलम् ।। वत्सरे कालयुक्ताख्य सुखिनः सर्व जन्तवः । सन्त्यथापि च सस्यानि प्रचुराणि तथा गदाः ।। वर्षनाम आश्विनः फलम् ।। अब्दे त्वाश्विनेत्यर्थं सुखिनः सर्व जन्तवः । मध्यमं पूर्वं सस्यं स्यात् परिपूर्णा विपच्यते ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्नवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासस्तटे फलं ।। तटे वृष्टि सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलं ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १० गुरौ मघा ल. गो. ८-९ रे. ६
ISIIISनृ४३याISS। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
१५ भौमे स्वात्यां ल. ९ रे. ७ IIIISISSII

आषाढ मासः

शुक्ला ५ गुरौ उफा ल. ऽन्यगो रे. ९ IIIISIIIII
९ चन्द्रे स्वात्यां ल. गो. रे. ८ IIIIऽऋऽIIII

माघ मासः

कृष्णा ७ भौमे स्वात्यां ल. ८ (गु.पू.सत्) रे. ८
IIIIIISSII
८ बुधे स्वात्यां ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे. ७
IIIIISरोSSII

फाल्गुन मासः

कृष्णा ७ गुरौ अनु. ल. ऽन्यगो १० रे. ८ IIIIIISSI।
शुक्ला ६ बुधे रोहि. ल. १० रे. ८ IIIIIISSII

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४७५२स.२०२४
१	मं	३४	३१	रे	१/१०	५३/३४	वै	१७	३६	किं	९	३	३१/२२	५/४४	६/१६	२०	२९	९	मे.१।१०	वक्रीमीनेरेवत्यांबुधः४८।३७=
२	बु	२६	२८	भ	४९	२८	वि	८/८	५१/५१	बा	०	२९	२६	४३	१७	२१	३०	१०	मेषे	पूषा.भौमः१३।५५ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	गु	१९	५७	कृ	४५	४७	आ	५२	५६	ग	१९	५७	३०	४२	१८	२२	१	११	बृ.३।३३	भ ४७/३० उ.सव्वाल१०मत्स्यजयंती गणगौरी
४	शु	१५	४	रो	४४	२	सौ	४७	५१	वि	१५	४	३४	४१	१९	२३	२	१२	वृषे	भ१५।४या.[=संवत्सरारंभःनवरात्रारंभः
५	श	१२	१९	मृ	४४	४०	शो	४४	३४	बा	१२	१९	३८	४०	२०	२४	३	१३	मि१४।२१	अश्वि.मेषेऽर्कः ३५/४१ (सौरः ४२/१९)×
६	र	११	५६	आ	४७	७	अ	४२	४१	तै	११	५६	४२	४०	२०	२५	४	१४	मिथुने	[×रेवत्यांशुक्रः५५।२४
७	चं	१३	१८	पु	५१	३८	सु	४२	४३	व	१३	१८	४६	३९	२१	२६	५	१५	क.३५।३०	भ.१३।१८उ.४५।२या.
८	मं	१६	४६	पु	५७	२८	धृ	४३	२२	व	१६	४६	५०	३८	२२	२७	६	१६	कर्के	कृत्ति.१गुरुः५६।६
९	बु	२१	३८	श्ले	६०	०	शू	४५	८	कौ	२१	३८	५३	३७	२३	२८	७	१७	कर्के	रामनवमी
१०	गु	२७	३३	श्ले	४	३५	गं	४७	२४	ग	२७	३३	५७	३७	२३	२९	८	१८	सिं४।३५	[+पातमोक्षः २३/४ कामदा११व्र.
११	शु	३३	४९	म	११	५७	वृ	४९	५९	व	०	४१	३२/१	३६	२४	३०	९	१९	सिंहे	भ.०/४१ उ.३३/४९ या.पातस्पर्शः ११/२६+
१२	श	४०	१०	पू	१९	४४	ध्रु	५२	२१	व	६	५९	५	३५	२५	३१	१०	२०	कं.३६।३४	बुधोदयःपूर्वस्यां३।५१
१३	र	४६	११	उ	२७	२	व्या	५४	२५	कौ	१३	१०	९	३४	२६	१	११	२१	कन्यायां	भा.वैशाखारंभः प्रदोषः
१४	चं	५१	३७	ह	३३	५०	ह	५५	४७	ग	१८	५४	१२	३४	२६	२	१२	२२	कन्यायां	भ.५१।३७उ.
१५	मं	५६	७	चि	३९	५८	व	५६	४४	वि	२३	५२	१६	३३	२७	३	१३	२३	तु.६।५४	भ.२३/५२ या.मीनेभौमः १५/५१ हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु.५श.इ. ३५/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	०	११	१०	११	११
०	२२	२७	२५	१६	२०	२१	२९
०	३३	७	५६	१५	३९	१०	५३
०	४	५२	२८	३२	२९	२७	३७
५८	४५	४५/२९	१३	७४	६	३	५८
४४	३१	व	२	२१	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले ५ शनौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

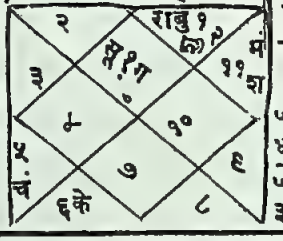

२पं.चै.शु१२श.इ. ३५/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	०	११	१०	११	०
६	२७	२३	२७	२४	२१	२०	६
५०	५८	४	३१	५३	२१	४८	४३
४६	३४	१	३०	५३	२९	१२	४८
५८	४५	२८/५८	१३	७४	५	३	५८
३१	३७	व	२०	२६	५२	११	२०

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु	५९	३९	स्वा	४५	५	सि	५६	४४	बा	२७	५३	३२/२०	५/३२	६/२८	४	१४	२४	तुलायां	अश्वि.मेषेशुक्रः४५।१७
२	गु	६०	०	वि	४९	१	व्य	५५	५५	तै	३०	५३	२३	३१	२९	५	१५	२५	वृ.३३।२	
२	शु	२	७	अ	५२	११	घ	५४	२१	ग	२	७	२७	३१	२९	६	१६	२६	वृश्चिके	भ.३२।४९उ.
३	श	३	३२	ज्ये	५४	१०	प	५२	६	वि	३	३२	३१	३०	३०	७	१७	२७	ध.५४।१०	भ.३/३२ या.भरण्यांरविः १५/५१ (सौरः २३/४४)÷
४	र	३	४५	मृ	५५	७	शि	४८	४४	बा	३	४५	३४	२९	३१	८	१८	२८	धनुषि	[÷मार्गीबुधः ३०/५० उभा.भौमः ३३/३६–
५	चं	३	९	पू	५५	१३	सि	४४	४०	तै	३	९	३८	२८	३२	९	१९	२९	धनुषि	[–चतुर्थी व्र.
६	मं	१	२६	उ	५४	५	सा	३९	४६	व	१	२६	४१	२८	३२	१०	२०	३०	म.९।५६	भ.१/२६ उ.३०/० या.शुक्रास्तःपूर्वस्यां१२।०
७	मं	५७	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	बु	५४	४६	श्र	५१	५८	शु	३४	५	बा	२६	४०	४५	२७	३३	११	२१	१	मकरे	कृत्ति.२वृषेगुरुः११।७मई५ता.३१
९	गु	४९	५२	ध	४८	५४	शु	२७	२३	तै	२२	१९	४८	२६	३४	१२	२२	२	कुं.२०।२६	
१०	शु	४३	४६	श	४४	४०	ब्र	१९	५०	व	१६	४९	५२	२६	३४	१३	२३	३	कुंभे	भ.१६।४९उ.४३।४६या.
११	श	३६	४८	पू	३९	३०	ऐं	११	३२	ब	१०	१७	५५	२५	३५	१४	२४	४	मी२५।४८	वरुथिनी११व्र.
१२	र	२९	१२	उ	३३	४४	वै	२/४१	५०/३०	कौ	३	०	५८	२४	३६	१५	२५	५	मीने	भरण्यांशुक्रः ३३/२४ रेवती.१राहुःहस्त.३+
१३	चं	२१	८	रे	२७	४०	प्री	४३	५५	व	२१	८	३३/२	२४	३६	१६	२६	६	मे.२७।४०	भ.२१।८उ.४६।५७या.
१४	मं	१२	४७	अ	२१	३५	आ	३४	३७	श	१२	४७	५	२३	३७	१७	२७	७	मेषे	[+केतुः ४५/३५ प्रदोषः
३०	बु	४	५९	भ	१६	२	सौ	२६	८	ना	४	५९	८	२२	३८	१८	२८	८	वृ.२९।५४	

३पं.वै.कृ.३श.इ. ३६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	०	०	१०	११	०
१३	३	२३	२९	३	२२	२०	१३
३९	२२	३५	८	३२	१	२५	३२
५०	१	३१	२०	६	१२	५६	१३
५८	४५	०/३६	१३	७४	५	३	५८
१९	३१	मा	२६	२६	३१	११	१२

गोचर ग्रहाः

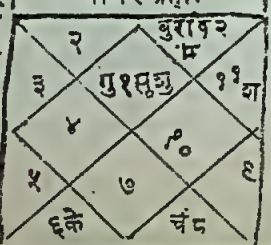

इस मास में धान्य तेज हो गुड़ शक्कर धातु रंग वस्त्र रुई कपास मंदे हो कहीं२ वर्षा हो।

*मंराचंबु

गोचर ग्रहाः

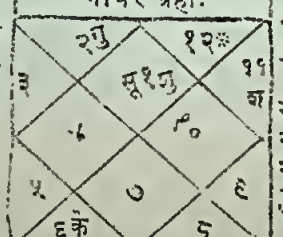

४पं.वै.कृ.११श.इ. ३६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	१	०	१०	११	०
२०	८	२५	०	१२	२२	२०	२०
२७	४५	३	४६	९	३७	३	१८
२९	४	४०	१९	१८	४८	४०	५९
५८	४५	३०	१३	७४	५	३	५७
६	२५	१	३२	३२	२	११	५७

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६	दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽर्हर्गणः४७८२स.२०२४
१	बु ५३ ८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							० ०	[=परशुरामजयंती अक्षया३
२	शु ५२ ३३ कृ ११ ३० शो १८ ३८ बा २५ २० ३३ ५ २२ ६ ३८					१९	२९	९	वृषे चंद्रदर्शनम् अस्तं गुरौः १८।०
३	शु ४८ ४९ रा ८ ४४ अ १२ २० ते २० ४१ १४ २१ ३९ २०					१	१०	मि	३८।१० अश्वि.मेषेबुधः३५।४०जिल्हाद११=
४	श ४७ १६ मृ ७ ३६ सु ७ ३३ व १८ २ १७ २१ ३९ २१					२	११	मिथुने	भ.१८।२उ.४७।१६या.कृत्ति.रविः×
५	र ४७ ३२ आ ८ ३४ धृ ४ १७ व १७ २४ २० २० ४० २२					३	१२	क.	५५।४९ [×१।५०(सौरः११।३६)
६	चं ४९ ५४ पु ११ ३४ शू ३ १७ कौ १८ ४३ २३ १९ ४१ २३					४	१३	कर्के	पूभा.२शनिः३९।४१
७	मं ५३ ५८ पु १६ २३ गं २ ५७ ग २१ ५६ २६ १९ ४१ २४					५	१४	कर्के	भ.५३उ.वृषेऽर्कः२९(सौरः३९)+
८	बु ५९ ३२ श्ले २२ ४७ वृ ४ १० वि २६ ४५ २८ १८ ४२ २५					६	१५	सिं	२२।४७ भ.२६।४५या कृत्ति.३गुरुः२०।४१
९	शु ६० ० म २९ ५१ धु ६ २ बा ३२ ३१ ३१ १८ ४२ २६					७	१६	सिंहे	कृत्ति.शुक्रः२५।३
९	शु ५ ३० पू ३७ २९ ब्या ८ २९ कौ ५ ३० ३४ १७ ४३ २७					८	१७	कं.	५४।२२ [+रेवत्यांभौमः५९।५७
१०	श ११ ५२ उ ४४ ५९ ह ११ ० ग ११ ५२ ३७ १७ ४३ २८					९	१८	कन्यायां	भ.४४।४९उ.
११	र १७ ४६ ह ५१ ५८ व १३ ११ वि १७ ४६ ३९ १६ ४४ २९					१०	१९	कन्यायां	भ.वृ५९या.वृषेशुक्रः६।२मोहिनी११व्र.
१२	चं २३ ५ चि ५७ ५२ सि १४ ५१ बा २३ ५ ४२ १६ ४४ ३०					११	२०	तु.	२४।५५ प्रदोषः
१३	मं २७ १० स्वा ६० ० व्य १५ ३२ तै २७ १० ४४ १५ ४५ ३१					१२	२१	तुलायां	भरण्यांबुधः३२।१०नृसिंहजयंती
१४	बु ३० ४ स्वा २ ४२ व १५ १८ व ३० ४ ४७ १५ ४५ १					१३	२२	वृ.	५०।२३ भ.३०।४उ.भा.ज्येष्ठारंभः
१५	शु ३१ ३१ वि ६ १७ प १४ ३ वि ० ४७ ४९ १४ ४६ २					१४	२३	वृश्चिके	भ.०।४७या.यमायकुंभदानम्

५पं वै.शु.४श.इ ३६/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१	०	१०	११	०
२७	१४	०	२	२०	२३	१९	२७
१३	६	५७	२५	४६	१०	४१	४
२७	४३	३६	५	२६	३०	२५	१३
५७	४५	५६	१३	७४	४	३	५७
४४	१९	३९	३८	३२	३८	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ला ७भौमे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

६पं.वै.शु.१०श.इ. ३६/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	१	०	१०	११	१
३	१९	९	४	२९	२३	१९	३
५८	२६	२५	४	२३	४०	१९	४७
४४	५३	५	३४	४२	८	९	५७
५७	४५	८०	१३	७४	४	३	५७
४४	१४	२४	३८	३२	२	११	३४

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	शु ३१ ४१ अ ८ ३२ शि ११ ५२ बा १ ३६ ५५ ५ १४ ४६					३	१५	२४	वृश्चिके रोहि.रविः५२।२७
२	श ३० ४२ ज्ये ९ ३६ सि ८ ३८ तै १ ११ ५४ १३ ४७					४	१६	२५	ध ९।३९ भ.५९।४३उ.रोहि.रविःसौरः५।३१
३	र २८ ४४ मू ९ ४६ सा ४ ४५ वि २८ ४४ ५६ १३ ४७					५	१७	२६	धनुषि भ.२८।४४या. चतुर्थी व्र.
४	चं २५ ५२ पू ९ १ शु ० १४ ५४ बा २५ ५२ ५८ १२ ४८					६	१८	२७	म.२३।५३ रोहि.शुक्रः१३।३९
५	मं २२ १७ उ ८ ३० ब्र ४९ ५ तै २२ १७ ३४ ० १२ ४८					७	१९	२८	मकरे [÷३७।५कृत्ति.४गुरुः२९/४४
६	बु १८ २५ श्र ५ २८ ऐं ४२ ५७ व १८ २५ २ १२ ४८					८	२०	२९	कुं.३४।१० भ.१८।२५उ.४६।१०या.कृत्ति.बुधः÷
७	गु १३ ५६ ध २ ५१ ५९ वै ३६ २१ ब १३ ५६ ३ ११ ४९					९	२१	३०	कुंभे [−भौमः३६।२ जून६ता.३०
८	शु ८ ५१ पू ५६ १६ वि २९ २८ कौ ८ ५१ ५ ११ ४९					१०	२२	३१	मी४२।९ वृषेबुधः१९।५९
९	श ३ २० उ ५२ २१ प्री २२ २ ग ३ २० ७ ११ ४९					११	२३	१	मीने भ.३०।२०उ.५७।२०या.अश्वि.मेषे−
१०	श ५४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०					०	०	२	[+१७।२४अपरा११व्र.वै.
११	र ५१ ५ रे ४८ १ आ १४ २६ ब २४ १२ ९ १० ५०					१२	२४	२	मे.४८।१ अपरा११व्र.स्मा.
१२	चं ४४ ४१ अ ४३ ४४ सौ ३५ ५२ १७ कौ १७ ५३ १० १० ५०					१३	२५	३	मेषे बुधास्तःपूर्वस्यां३४।२२उदयंगुरौः+
१३	मं ३८ २० भ ३९ २१ अ ५१ २० ग ११ ३० १२ १० ५०					१४	२६	४	वृ.५३।२८ ग.३८।२०उ. प्रदोषः
१४	बु ३२ ३६ कृ ३५ ४७ सु ४४ २१ वि ५ २८ १३ ९ ५१					१५	२७	५	वृषे भ.५।२८या.रोहि.बुध:२५।४०
३०	गु २७ ३४ रो ३२ ५८ भृ ३८ ९ च ० ५ १५ ९ ५१					१६	२८	६	वृषे वटपूजनम्

७पं. ज्ये.कृ. २श.इ. ३६/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	१	१	१०	११	१
१०	२४	२०	५	८	२४	१८	१०
४२	४५	१	४३	०	५	५६	३०
४०	३२	१६	५२	०	२०	५४	८
५७	४४	०	१३	७४	३	३	५७
३५	५६	३२	३८	३८	२९	११	२३

गोचर ग्रहाः

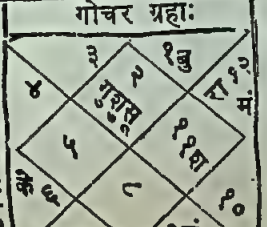

इस मास में धान्य गेहूं चना चांवल मक्का मंदा हो रस-कस गुड़ शक्कर में तेजी हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

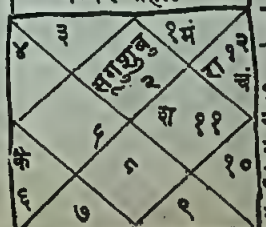

८पं.ज्ये.कृ.९श.इ. ३७/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१	१	१०	११	१
१७	०	२	७	१६	२४	१८	१७
२५	०	२९	२२	३५	२७	३४	११
२६	४३	४२	५५	५६	२५	३८	१४
५७	४४	८०	१३	७४	३	३	५७
२७	५०	३८	३२	३८	४४	११	१३

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४८११स.२०२४
१	शु	२४	०	मृ	३१	४०	शू	३२	८	ब	२४	०	३४	५६	६५१	१७	२९	७	मि२।१६	मृगेरविः४७।२०मृगेशुक्रः$\frac{६}{२८}$चन्द्रदर्शनम्
२	श	२२	७	आ	३१	५६	गं	२६	१७	कौ	२२	७	१७	६	५१	१८	१	८	मिथुने	मृगेरविःसौरः४।२१जिल्हेज१२
३	र	२१	५७	पु	३३	५४	बृ	२७	१	ग	२१	५१	१८	८	५२	१९	२	९	क.१७।२५	भ.५२।४२उ.
४	चं	२३	३४	पु	३७	३६	धु	२६	२	वि	२३	३४	१९	८	५२	२०	३	१०	कर्के	भ.२३।३४या.
५	मं	२६	५८	श्ले	४२	५३	च्या	२६	२०	बा	२६	५८	१९	८	५२	२१	४	११	सिं४२।५३	मृगेबुधः४१।५६
६	बु	३१	५५	म	४९	२८	ह	२८	६	तै	३१	५५	२०	८	५२	२२	५	१२	सिंहे	मिथुनेशुक्रः३३।५रोहिणी१गुरुः५४।२४
७	गु	३७	३१	पू	५६	४४	व	३०	१	ग	४	४३	२१	८	५२	२३	६	१३	सिंहे	भ.३७।३१उ.
८	शु	४३	४३	उ	६०	०	सि	३२	३०	वि	१०	३७	२१	८	५२	२४	७	१४	कं.१३।३९	भ.$\frac{३७}{१०}$या.मिथुनेऽर्कः$\frac{५५}{५४}$मिथुनेबुधः$\frac{४०}{२३}$
९	श	४६	४१	उ	४	२३	व्य	३४	५६	बा	१६	४२	२२	८	५२	२५	८	१५	कन्यायां	मिथुनेऽर्कःसौरः५।६
१०	र	५५	१४	ह	११	४३	व	३६	५२	तै	२२	२७	२३	८	५२	२६	९	१६	तु.४४।५८	गंगादशमी
११	चं	५९	२८	चि	१८	१३	प	३८	१	व	२७	२१	२३	७	५३	२७	१०	१७	तुलायां	भ.$\frac{३७}{२१}$उ.$\frac{५९}{२८}$या आर्द्रबुधः$\frac{४७}{३४}$आर्द्रशुक्रः=$\frac{५४}{५४}$ निर्जला११व्र.
१२	मं	६०	०	स्वा	२३	११	शि	३८	१	व	३०	४६	२३	७	५३	२८	११	१८	तुलायां	
१३	बु	२	५	वि	२६	५४	सि	३६	४९	बा	२	५	२३	७	५३	२९	१२	१९	वृ.१०।५८	भरण्यांभौमः३६।२ प्रदोषः
१४	शु	३	१२	अ	२८	५४	सा	३४	१६	तै	३	१२	२४	७	५३	३०	१३	२०	वृश्चिके	[×गुर्जराणांवटसावित्री व्र.
१५	श	०	२०	मू	२८	२८	शु	२५	४४	व	०	२०	२४	७	५३	१	१५	२२	धनुषि	भ.२।३४उ.३१।२७या.आर्द्रा.रविः$\frac{४९}{४९}$
																				आर्द्रा.रविःसौरः६।४२भा.आषाढारंभः×

६पं.ज्ये.शु.२श.इ.३७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१	१	१०	११	१
२४	५	१६	८	२५	२४	१८	२३
७	१४	४७	५९	१२	४३	१२	५१
३०	१०	१	४९	१८	१	२२	१०
५७	४४	३५	१३	७४	२	३	५७
२२	३३	३२	२६	३८	६	११	५

गोचर ग्रहाः

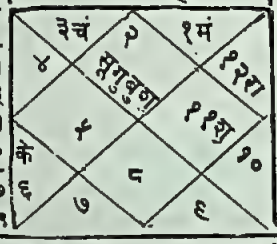

ज्येष्ठ शुक्ले ८ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

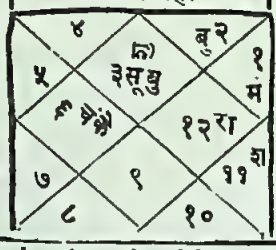

१०पं.ज्ये.शु.९श.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	१	२	१०	११	२
०	१०	१	१०	३	२४	१७	९
४८	२४	५९	३६	४८	५९	५०	३०
४७	५४	५६	८	४३	२९	७	१९
५७	४४	३५	१३	७४	१	३	५५
१७	२२	३२	२०	३७	२७	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	५६	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र	५२	३३	पू	२६	२२	ब्र	१९	५८	तै	२४	४३	३४	५६	५३	२	१६	२३	म ४०।४०	पुन.बुधः५८।६
३	चं	४७	१६	उ	२३	३३	ऐं	१३	४३	च	१९	५४	२४	७	५३	३	१७	२४	मकरे	भ.१९।५४उ.४७।१६या.
४	मं	४१	५१	अ	२०	२	वै	६	५२	ब	१४	३३	२३	७	५३	४	१८	२५	कुं.४८।१७	बुधोदयःपश्चिमायां$\frac{३}{४}$चतुर्थी व्र.
५	बु	३६	१७	ध	१६	३२	प्री	५२	२९	कौ	९	४	२३	७	५३	५	१९	२६	कुम्भे	
६	गु	३०	४७	श	१३	१	आ	४५	२५	ग	३	३२	२२	८	५२	६	२०	२७	मी५५।१८	भ.$\frac{३०}{४७}$उ.५८या.रोहिणी.२गुरुः$\frac{४६}{५९}$
७	शु	२५	१२	पू	९	२४	सौ	३८	२४	ब	२५	१२	२२	८	५२	७	२१	२८	मीने	पुन.शुक्रः४७।४०
८	श	१९	५६	उ	६	६	शो	३१	२९	कौ	१९	५६	२१	८	५२	८	२२	२९	मीने	कर्केबुधः१४।३वक्रीशनिः२०।२५
९	र	१४	५२	रे	२	५७	अ	२४	४०	ग	१४	५२	२०	८	५२	९	२३	३०	मे.२।४५	भ.४२।१९उ.
१०	चं	९	४६	भ	५७	१०	सु	१८	१३	वि	९	४६	१९	८	५२	१०	२४	१	मेषे	भ.$\frac{९}{९}$या.पुष्येबुधः$\frac{०}{४४}$जुलाई७ता.३१
११	मं	५	१५	कृ	५४	५८	धृ	१२	२	बा	५	१५	१८	८	५२	११	२५	२	वृ.११।३७	योगिनी११व्र.
१२	बु	१	१२	रो	५३	३२	शू	६	१९	तै	१	१२	१७	९	५१	१२	२६	३	वृषे	भ.५७।५०उ. प्रदोषः
१३	बु	५६	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	गु	५५	१७	मृ	५२	४८	गं	१३	५५	वि	२६	३३	१६	९	५१	१३	२७	४	मि२३।१०	भ.२६।३३या.
३०	शु	५४	१४	आ	५३	३२	धु	५३	२१	च	२४	४५	१५	९	५१	१४	२८	५	मिथुने	पुन रविः४३।३९

११पं.आ.कृ.१श.इ. ३६ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	१	२	१०	११	२
७	१५	१७	१२	१२	२५	१७	७
२९	३२	१२	१०	२४	१	२७	८
४२	४९	४३	३४	३२	५९	५१	४६
५७	४४	३५	१३	७४	०	३	५६
१३	३	४१	७	३२	४९	११	५४

गोचर ग्रहाः

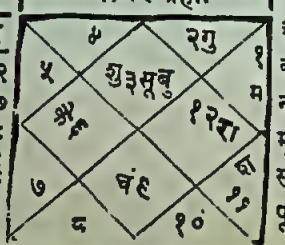

आषाढशुक्ले १०भौमे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

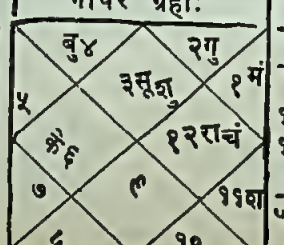

१२पं.आ.कृ.८श.इ. ३६ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	१	२	१०	११	२
१४	२०	०	१३	२१	२५	१७	१३
१०	३७	४२	४३	१	४	५	४६
८	४४	४७	२६	१२	२४	३६	५१
५७	४३	३५	१२	७४	३	३	५६
७	४२	२९	४३	३२	४९	११	५०

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४८४०स.२०२४
१	श	५४	१३	पु	५५	२०	व्या	५०	४९	किं	२४	१३	३४/१४	५/९	६/५१	१५	२९	६	क.३९।५३	पुन.रविःसौरः१०/४४ कर्केशुक्रः५५।२६
२	र	५५	५९	पु	५८	४३	ह	४९	५२	बा	२५	६	१३	९	५१	१६	३०	७	कर्के	उभा.४राहुःहस्त.२केतुः३९/३९ चद्रदर्शनम्H
३	चं	५९	९	श्ले	६०	०	व	४९	४७	तै	२७	३४	११	१०	५०	१७	१	८	कर्के	कृत्ति.भौमः१/१३ मोहोरम१सन्१९४६हि.
४	मं	६०	०	श्ले	३	२६	सि	५०	३६	व	३१	३१	१०	१०	५०	१८	२	९	सिं.३।२६	भ.३१/३१ उ.६०/० या.आश्ले बुधः६।३पुष्ये ×
४	बु	३	५३	म	९	३९	व्य	५२	१४	वि	३	५३	८	१०	५०	१९	३	१०	सिंहे	[Hशुक्रोदयःपश्चिमायां५१/३६ रथयात्रा
५	गु	९	१४	पू	१६	३४	व	५४	१९	बा	९	१४	७	११	४९	२०	४	११	क.३३।२८	[×शुक्रः३६।४१
६	शु	१५	२२	उ	२४	९	प	५७	१६	तै	१५	२२	५	११	४९	२१	५	१२	कन्यायां	वृषेभौमः४३।१५
७	श	२१	२९	ह	३१	३६	शि	५९	२६	व	२१	२९	३	११	४९	२२	६	१३	कन्यायां	भ.३१/२९ उ.५४/२२ या.रोहिणी३गुरुः३५।३९
८	र	२७	१६	चि	३८	४०	सि	६०	०	ब	२७	१६	१	१२	४८	२३	७	१४	तु५।८	[Aपातमोक्षः२६।२५
९	चं	३१	५९	स्वा	४४	४३	सि	१	१२	कौ	३१	५९	३३/५९	१२	४८	२४	८	१५	तुलायां	[+आश्ले.शुक्रः२८।५७वायुपरीक्षा
१०	मं	३५	१३	वि	४९	११	सा	१	५८	तै	३	३६	५७	१३	४७	२५	९	१६	वृ.३३।४	कर्केऽर्कः१३।५(सौरः४३/२८)पातस्पर्शः१०/५७A
११	बु	३६	४३	अ	५१	५४	शु	१/३९	५८/२	व	५	५८	५५	१३	४७	२६	१०	१७	वृश्चिके	भ.५।५८उ.३६।४३या.देवशयनी११व्र.
१२	गु	३६	११	ज्ये	५२	४८	ब्र	५६	२०	व	६	२७	५२	१४	४६	२७	११	१८	ध.५२।४८	प्रदोषः
१३	शु	३३	४५	मू	५१	४२	ऐं	५१	२१	कौ	४	५८	५८	१४	४६	२८	१२	१९	धनुषि	पुष्येरविः४२।२४मघा.सिंहेबुधः२६।८
१४	श	२९	३१	पू	४९	१	वै	४५	९	ग	१	३८	४८	१४	४६	२९	१३	२०	धनुषि	भ.२९/३१ उ.५६/४० या.पुष्येरविः(सौर१४।९)+
१५	र	२३	५९	उ	४५	१	वि	३७	५३	ब	२३	५९	४५	१५	४५	३०	१४	२१	म.३।१	व्यासपूजागुरु१५

१३पं.आ.शु १श.इ.३६/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	१	२	१०	११	२
२०	२५	१२	१५	२९	२५	१६	२०
५०	३९	३९	१३	३६	२	४३	२४
३५	४	३२	८	५४	१०	२०	४५
७	४३	९६	१२	७४	०/३७	३	५६
७	१९	४१	२०	२६	व.	११	५०

४बु गु२ शु३चं सू ५ १मं ६के १२रा ७ ९ श ११ ८ १०

१४पं.आ.शु.७श.इ.३६।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	१	३	१०	११	२
२७	०	२२	२६	८	२४	१६	२७
३०	३८	५१	४०	१३	५४	२१	२
५४	२०	७	१२	५२	४७	४	५२
५७	४२	७७	१२	७४	१/२६	३	५६
११	५५	२५	०	२६	व.	११	५४

बु५ ३ गु २मं के६ सू४शु ७ १ ८ १० १२रा चं९ ११श

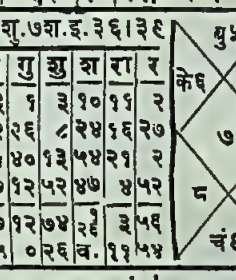

१५पं.आ.शु.१४श.इ.३६/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	१	३	१०	११	३
४	५	१	१८	१६	२४	१५	३
११	३१	५	३	४९	४२	५८	४१
३८	५५	४६	३६	२३	४०	४९	१९
५७	४२	५६	११	७४	२/४	३	५९
१५	३६	४	२३	२६	व.	११	५६

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	चं	१७	१०	श्र	४०	१	प्री	२९	४१	कौ	१७	१०	३३/४३	५/१५	६/४५	३१	१५	२२	मकरे	
२	मं	९	५९	ध	३४	४०	आ	२१	७	ग	९	५९	४०	१६	४४	१	१६	२३	कुं.७।२१	भ.३६।१५उ.भा.श्रावणारंभः
३	बु	२	३२	श	२९	२९	सौ	१२	३२	वि	२	३२	३८	१६	४४	२	१७	२४	कुंभे	भ.२।३२या.चतुर्थीव्र.
४	बु	५२	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	गु	४८	१४	पू	२४	२६	शो	३/५८	५१/४१	कौ	२१	४२	३५	१७	४३	३	१८	२५	मी१०।४२	नाग५मरुस्थले
६	शु	४२	७	उ	१९	५५	सु	४८	४	ग	१५	१०	३३	१७	४३	४	१९	२६	मीने	भ.४२।७उ.
७	श	३६	३९	रे	१६	१०	धृ	४०	५१	वि	९	२३	३०	१८	४२	५	२०	२७	मे.१६।१०	भ.९।२३या.रोहि.भौमः५।५५
८	र	३१	५४	अ	१२	५२	शू	३४	२९	बा	४	१६	२७	१९	४१	६	२१	२८	मेषे	
९	चं	२८	६	भ	१०	४२	गं	२८	४७	ग	२८	६	२४	१९	४१	७	२२	२९	वृ.२५।२१	भ.५६।३७उ.
१०	मं	२५	८	कृ	९	१८	वृ	२३	४१	वि	२५	८	२२	२०	४०	८	२३	३०	वृषे	भ.२५/८ या.रोहिणी४गुरुः५७।६
११	बु	२३	१०	रो	९	१	ध्रु	१९	३२	बा	२३	१०	१९	२०	४०	९	२४	३१	मि३९।११	मघा.सिंहेशुक्रः२०।२७कामिका११व्र.
१२	गु	२२	६	मृ	९	२१	व्या	१६	२	तै	२२	६	१६	२१	३९	१०	२५	१	मिथुने	अगस्त८ता.३१प्रदोषः
१३	शु	२२	१९	आ	११	१	ह	१३	२१	व	२२	१९	१३	२१	३९	११	२६	२	क.५७।५८	भ.२२/१९ उ.५२/५१ या.आश्ले.रविः३९।२४
१४	श	२३	२३	पु	१३	३७	व	११	३८	श	२३	२३	१०	२२	३८	१२	२७	३	कर्के	आश्ले.रविःसौरः१४।५६वक्रीबुधः७।२६
३०	र	२५	५२	पु	१७	२८	सि	११	५	ना	२५	५२	७	२३	३७	१३	२८	४	कर्के	हरियाली

१६पं.श्रा.कृ.७श.इ.३६/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	१	३	१०	११	३
१०	१०	६	१९	२५	२४	१५	१०
५२	२१	५७	२३	२५	२६	३६	२०
४१	२५	३६	३५	३४	१७	३३	३६
५७	४२	२९	१०	७४	२/३७	३	५७
२०	१२	२६	५३	२०	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

५बु ३ गु २म के६ सू४शु ७ चं१ ८ १० ९ ११श १२

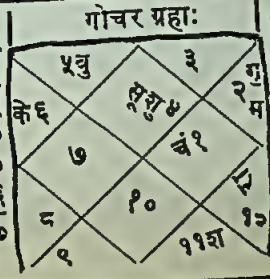

इस मास में बदि में धान्य चावल गेहूं जो बाजरा आदि सोना चांदी लोहा रुई वस्त्र में मंदी होकर सुदि में तेज होंगे।

गोचर ग्रहाः

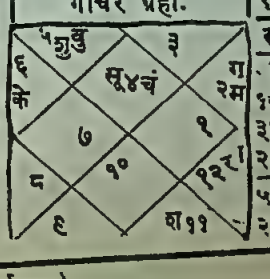

५शुबु ३ ६के सू४चं गु २म ७ १ ८ १० १२रा ९ श११

१७पं.श्रा.कृ.१४श.इ.३६/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	१	४	१०	११	३
१७	१५	९	२०	४	२४	१५	१७
३४	५	४५	३८	२	५	१४	०
२३	३१	३२	३६	१३	३८	१८	२४
५७	४१	२/१०	१०	७४	३/१६	३	५७
२५	१५	व.	११	१४	व	११	१२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६	दि.	उ.	अ.	मा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८७०सन् २०२४
१	चं २९ २७ श्ले २२ १७ व्य १० ५६ ब २९ २७	३३	३५	३७	१४	२९	५	सिं २२।१७	
२	मं ३४ १३ म २८ २५ व ११ ५१ बा १ ५०	०	२४	३६	१५	३०	६	सिंहे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	बु ३९ ३८ पू ३५ १० प १३ २२ तै ६ ५५	३२	२५	३५	१६	१	७	कं. ५२।०	सफर २तीज
४	शु ४५ ५३ उ ४२ २८ शि १५ ३० व १२ ४५	५४	२५	३५	१७	२	८	कन्यायां	भ. १२।४५उ. ४५।५३या. वरद ४
५	शु ५२ ४ ह ५० ८ सि १७ ५२ ब १८ ५८	५०	२६	३४	१८	३	९	कन्यायां	नागपंचमी
६	श ५८ १३ चि ५७ ४९ सा २० ३० कौ २५ ८	४७	२७	३३	१९	४	१०	तु. २३।५८	
७	र ६० ० स्वा ६० ० शु २२ ४९ ग ३० ५१	४४	२७	३३	२०	५	११	तुलायां	पूफाशुक्रः १०।२७बुधास्तः पश्चिमायां २९
७	चं ३ २९ स्वा ४ २७ शु २४ १९ व ३ २९	४०	२८	३२	२१	६	१२	वृ. ५३।३८	भ. ३।२९उ. ३५।३३या.
८	मं ७ ३७ वि १० २ ब २४ ५५ ब ७ ३७	३७	२९	३१	२२	७	१३	वृश्चिके	
९	बुं ९ ५८ अ १४ २ ए २४ ८ कौ ९ ५८	३३	२९	३१	२३	८	१४	वृश्चिके	
१०	गु १० २९ ज्ये १६ २० वै २१ ५८ ग १० २९	३०	३०	३०	२४	९	१५	ध. १६।२०	भ. ३९।४१उ.
११	शु ८ ५४ मू १६ २३ वि १८ ४ वि ८ ५४	२६	३१	२९	२५	१०	१६	धनुषि	भ. ८।५४या. मघासिंहेऽर्कः ३३।२६मृगे +
१२	श ५ ८ पू १४ ३५ प्री १२ ३१ बा ५ ८	२२	३२	२८	२६	११	१७	म. ३०।५६	मघासिंहेऽर्कः सौरः ११।२१प्रदोषः
१३	श ५४ २८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	००	[+भौमः १४।१वक्रीपूभा १शनि १७।५९=
१४	र ५२ २० उ १० ५४ आ २९ ५१ ग २५ ५८	१९	३२	२८	२७	१२	१८	मकरे	भ. ५२।२०उ. [=पवित्रा ११व्र.
१५	चं ४४ ९ श्र ३५ ५३ शो ४७ ४६ वि १८ १४	१५	३३	२७	२८	१३	१९	कु. ३२।२४	भ. १८।१४या. श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्

९८पं.श्रा.शु.६श.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	१	४	१०	११	३
२४	१९	८	२१	१२	२३	१४	२२
१६	४६	३८	४९	३७	४१	५२	४१
४४	५२	२०	५	३४	३८	२	२१
५७	४०	३४ ५०	९	७४	४९	३	५७
३३	४१	व	२८	४	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले १२शनौ सिंहेऽर्के:प्रविष्टः वा.५ न.५ गतालकावस्था ,ऊभौ,मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

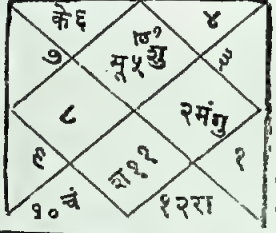

१९पं.श्रा.शु.१२श.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	१	४	१०	११	४
१	२४	३	२२	२१	२३	१४	०
०	१९	४०	५४	१३	१४	२५	२
४	५२	३०	३२	१९	४३	४६	
५७	४०	५८ ३८	८	७३	४	३	
४०	११	व.	४०	५६	व.	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६	दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	मं ३५ १७ श ५२ १९ अ ३७ ५२ बा ९ ४८	३३	३४	३६	२९	१४	२०	कुंभे	मृगे १गुरुः ३२।१५
२	बु २६ १३ पू ४५ २२ सु २७ ४९ तै ० ४५	८	३४	२६	३०	१५	२१	मी ३२।६	भ. ५१।४७उ. [+४६।३७जन्माष्टमीव्र.
३	गु १७ २१ उ ३८ ४९ धृ १७ ४४ वि १७ २१	४	३५	२५	३१	१६	२२	मीने	भ. १७।२१या. वक्रीआश्ले. कर्के बुधः ४१ ×
४	शु ९ १५ रे ३३ २ शू २६ ५९ चा ९ १५	१	३६	२४	१	१७	२३	मे. ३३।२	भा.भाद्रपदारंभः [×उफाशुक्रः २५ चतु.व्र.
५	श ५४ १४ अ २८ २२ वृ ५१ ४५ तै २ ४	५७	३७	२३	२	१८	२४	मेषे	भ. ५६।१८उ. कन्यायांशुक्रः ५७ चन्द्रषष्ठी
७	र ५१ ४६ भ २४ ५८ ध्रु ४४ ५६ वि २४ २	५३	३७	२३	३	१९	२५	वृ. ४२।३१	भ. २४।२या.
८	चं ४८ ४९ कृ २२ ५१ व्या ३९ २७ बा २० १७	४९	३८	२२	४	२०	२६	वृषे	मिथुनेभौमः २४।१६बुधोदयःपूर्वस्यां +
९	मं ४७ १२ रो २२ २० ह ३५ १० तै १८ ०	४६	३९	२१	५	२१	२७	मि ५२।४०	गोगा ९
१०	बु ४६ ५५ मृ २३ १ व ३१ ४३ व १७ ३	४३	४०	२०	६	२२	२८	मिथुने	भ. १७।३उ. ४६।५५या. मार्गीबुधः ५६
११	गु ४८ ६ आ २५ १० सि २९ २४ व १७ ३०	३८	४०	२०	७	२३	२९	मिथुने	अजा ११व्र.
१२	शु ५० २० पु २८ २७ व्य २८ २२ कौ १९ १३	३४	४१	१९	८	२४	३०	क. १२।३८	पूफा.रविः २३।१०वत्सद्वादशी
१३	श ५३ ५६ पु ३२ ५८ व २८ १९ ग २२ ८	३०	४२	१८	९	२५	३१	कर्के	भ. ५३ उ. पूफा.रविः सौरः २।१२प्रदोषः
१४	र ५८ ७ श्ले ३८ २४ प २८ ३१ वि २६ १	२६	४३	१७	१०	२६	१	सिं ३८।२४	भ. २६।१या. हस्तेशुक्रः ५६ सितम्बरता. ३०
२०	चं ६० ० म ४४ ३६ शि २९ ४३ च ३० ४८	२२	४४	१६	११	२७	२	सिंहे	
३०	मं ३ २९ पू ५१ ३२ सि ३१ २३ ना ३ २९	१८	४४	१६	१२	२८	३	सिंहे	कुशाग्रहणीपिठोरी ३० मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.५श.इ.३५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	३	१	४	१०	११	४
७	२८	२८	२३	२९	२२	१४	७
४९	४८	१९	५३	४७	४५	७	७
२८	२५	२३	२८	२८	३६	२१	११
५७	३९	४९ ४६	७	७३	२३	३	५७
४९	३५	व.	३९	५०	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य चावल गेहं जोबाजरा मूंग मोठ तेज होवे धातु सोना चांदी लोहा गुड़ सक्कर वस्त्र मंदे होगें ।

गोचर ग्रहाः

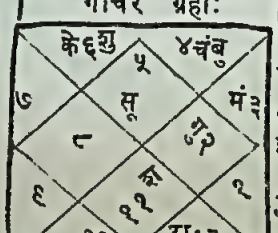

२१पं.भा.कृ.१३श.इ. ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	१	५	१०	११	४
१४	३	२७	२४	८	२२	१३	१३
३०	१०	५१	४१	२१	१४	४५	५२
४	३७	७	१४	४७	३८	१५	२३
५८	३८	३४ ३६	६	७३	४०	३	५७
१	५६	मा	३८	४४	व.	११	५७

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९००स.२०२४
१	बु	९	२	उ	५८	५६	सा	३३	३४	ब	९	२	३१/१५	५/४५	६/१५	१३	२९	४	कं.८।२३	[×३ हरितालिका ३
२	गु	१५	१६	ह	६०	०	शु	३५	५८	कौ	१५	१६	११	४६	१४	१४	३०	५	कन्यायां	मघा सिंहेबुधः४०।५चंद्रदर्शनम्
३	शु	२१	४१	ह	६	३६	शु	३८	२४	ग	२१	४१	७	४७	१३	१५	१	६	तु.४०।२३	भ.५४/४६उ.आर्द्रा.भौमः२२।९रविलावल×
४	श	२७	५२	चि	१४	१०	ब्र	४०	३७	वि	२७	५२	३	४७	१३	१६	२	७	तुलायां	भ.२७।५२या.गणेशचतुर्थी
५	र	३३	२३	स्वा	२१	२५	ऐं	४२	४१	व	०	३७	३०/५९	४८	१२	१८	३	८	तुलायां	उभा३राहुःहस्त१केतुः३२।२ऋषिपंचमी
६	चं	३७	५९	वि	२७	३८	वै	४४	७	कौ	५	६१	५५	४९	११	१८	४	९	वृ.११।५	[+अनंत१४महालयारंभः
७	मं	४१	१६	अ	३२	५६	वि	४४	२३	ग	९	३७	५१	५०	१०	१९	५	१०	वृश्चिके	भ.४१।१६उ. [=जलझूलनी११व्र.
८	बु	४३	२	ज्ये	३६	४१	प्री	४३	२१	वि	१२	९	४७	५१	९	२०	६	११	ध.३६।४१	भ.१२।९या.
९	गु	४२	५३	मृ	३८	२५	आ	४०	५६	बा	१२	५७	४३	५१	९	२१	७	१२	धनुषि	चित्राशुक्रः५०।१५
१०	शु	४०	४१	पू	३८	१७	सौ	३७	१	तै	११	४७	३९	५२	८	२२	८	१३	म.५२।४९	उफा.रविः७।३५(सौरः४६।५२)
११	श	३६	२६	उ	३६	२३	शो	३१	२५	व	८	३३	३५	५३	७	२३	९	१४	मकरे	भ.८।३३उ.३६/२६या.पूफा.बुधः६।२५ =
१२	र	३०	११	श्र	३२	१९	अ	२४	१५	ब	३	१८	३१	५४	६	२४	१०	१५	कुं.५९।३०	बुधास्तःपूर्वस्यां४६/२९वामनजयंतीप्रदोषः
१३	चं	२२	३७	ध	२६	४१	सु	१५	३२	तै	२२	३७	२७	५५	५	२५	११	१६	कुंभे	कन्यायामर्कः३२।५६
१४	मं	१३	३३	श	१९	५३	धृ	५५/५६	४९/२९	व	१३	३३	२२	५६	४	२६	१२	१७	मी५९।६	भ.१३।३३उ.३८/३९या.कन्यार्कःसौरः१२/३+
१५	बु	३	४६	पू	१२	१०	गं	४४	३५	ब	३	४६	१८	५६	४	२७	१३	१८	मीने	तुलायांशुक्रः१७।३३

२२पं.भा.शु.४श.इ.३५।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१	५	१०	११	४
२१	७	२	२५	१६	२१	१३	२०
१७	२६	३३	३०	५४	४२	२३	३९
६	२४	०	११	३१	२९	००	३
५८	३७	७९	५	७३	४/४०	३	५८
१३	५८	३३	४१	३४	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

६शुके ४ चं७ बु५र ३मं ८ २गु ९ ११श १ १० रा१२

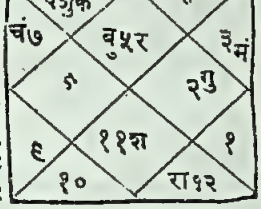

भाद्रपदशुक्ले१३ चंद्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.३न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घताशुक्रोदयः पश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

शुके६ ४ ७ मृबु५ ३म ८ २गु ९ ११श १ १०चं १२रा

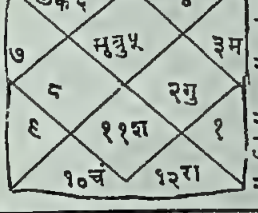

२३पं.भा.शु.११श.इ.३५/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१	५	१०	११	४
२८	११	१४	२६	२५	२१	१३	२७
५	३५	१०	७	२८	१०	०	२७
२८	२८	३०	३०	५६	१९	४४	२०
५८	३७	४०/४०	४	७३	४/४०	३	५८
२६	७	४७	३३	२०	व.	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेभाद्रपद कृष्णेति महा.
१	बु	५०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	गु	४४	११	उ	४/१४	५२/२३	बृ	३३	३७	तै	१८	५९	३०/१४	५/५७	६/३	२८	१४	१९	मे ५६।३७	
३	शु	३५	१०	अ	४९	५३	ध्रु	२३	६	व	९	४०	९	५८	२	२९	१५	२०	मेषे	भ.९।४०उ.३५।१०या.चतुर्थीव्र.
४	श	२७	२३	भ	४४	२२	व्या	१३	१४	व	१	१६	५	५९	१	३०	१६	२१	वृ.५८।२१	उभा.बुधः१२।२७
५	र	२१	१४	कृ	४०	१९	ह	४/४६	५२/३८	तै	२१	१४	३०/००	६/०	६/०	३१	१७	२२	वृषे	मृग२गुरुः४७।२८
६	चं	१६	५९	रो	३८	१४	सि	५१	३७	व	१६	५९	२९/५६	१	५/५९	१	१८	२३	वृषे	भ.१६।५९उ.४५।४६या.कन्यायांबुधः +
७	मं	१४	३४	मृ	३७	५३	व्य	४७	११	व	१४	३४	५२	२	५८	२	१९	२४	मि८।३	[+११।२२स्वात्यांशुक्रः४५/१६भा.आश्वि.रं
८	बु	१३	५३	आ	३९	२२	व	४४	२६	कौ	१३	५३	४८	२	५८	३	२०	२५	मिथुने	
९	गु	१५	१६	पु	४२	४०	प	४२	५९	ग	१५	१६	४४	३	५७	४	२१	२६	क.२६।५०	भ.४६।३४उ.हस्तेरविः४६।९मातृ९
१०	शु	१७	५१	पु	४७	१४	शि	४२	४२	वि	१७	५१	४०	४	५६	५	२२	२७	कर्के	भ.१७।५१या.हस्तेरविःसौरः२४।३३
११	श	२१	५९	श्ले	५२	५८	सि	४३	३१	बा	२१	५९	३६	५	५५	६	२३	२८	सिं५२।५८	हस्तेबुधः४५।२८इंदिरा११व्र.
१२	र	२७	१	म	५९	३७	सा	४४	४५	तै	२७	१	३२	६	५४	७	२४	२९	सिंहे	पुन.भौमः४०।५०
१३	चं	३३	१	पू	६०	०	शु	४६	४९	ग	०	१	२८	६	५४	८	२५	३०	सिंहे	भ.३३/१उ.वक्रीशत४शनिः४८।५४प्रदोषः
१४	मं	३८	५२	पू	६	५०	शु	४८	४९	वि	५	५६	२३	७	५३	९	२६	१	कं.२३।४२	भ.५/५६या.अक्टूबर१०ता.३१शस्त्रादि- ÷
३०	बु	४५	२०	उ	१४	१७	ब्र	५१	२२	च	१२	६	१९	८	५२	१०	२७	२	कंन्यायां	सर्वपितृ३० [÷हतानांश्रा.

२४पं.आ.कृ.४श.इ.३५/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	४	१	६	१०	११	५
४	१५	२७	२६	४	२०	१२	४
५५	३३	२	३५	१	३८	३८	१७
१९	२२	२	५३	१२	३८	२८	२७
५८	३५	[illegible]	३	७३	४/२३	३	५८
३८	५२	[illegible]	२५	१४	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

७शु ५बु ८ ६सूके ४ ९ मं३ १० १२रा गु२ ११श चं१

इस मास में धान्य गेहूं जो मक्काबाजरा मूंग मोठ चावल गुड़ शक्कर वस्त्र रुई तेज होंगें ।

गोचर ग्रहाः

७शु ५ ८ ६ बुसू चं४ ९ ३मं १० रा१२ २गु श११ १

२५पं.आ.कृ.११श.इ.३५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	१	६	१०	११	५
११	१५	९	२६	१२	२०	१२	११
४६	२२	४०	५५	३२	९	१६	९
५२	५	५९	३७	२८	११	१३	२५
५८	३४	[illegible]	[illegible]	७२	[illegible]	३	५९
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	व	[illegible]	

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०८१ शाकः १९४६												वि.	उ.	अ.भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९२९स.२०२४
१	गु	५१	३१	ह	२१	५१	ऐं	५३	४०	किं	१८	२५	२५	६	५१	११	२८	३	तु.५५।३३	नवरात्रारंभः मातामहश्रा.
२	शु	५७	३२	चि	२९	१५	वै	५५	५६	बा	२४	३१	११	१०	५०	१२	२९	४	तुलायां	विशा.शुक्रः४२।३७चंद्रदर्शनम्
३	श	६०	०	स्वा	३६	२३	वि	५७	४७	तै	३०	१५	७	११	४९	१३	१	५	तुलायां	रविलाखर४
४	र	२	५९	वि	४२	४०	प्री	५८	४९	ग	२	५९	३	११	४९	१४	२	६	वृ.२६।६	भ.३५।१८उ.चित्रा.बुधः१०।४५
५	चं	७	३७	अ	४८	१३	आ	५९	२३	वि	७	३७	२५	१२	४८	१५	३	७	वृश्चिके	भ.७।३७या.
६	मं	११	१०	ज्ये	५२	४४	सौ	५९	१७	बा	११	१०	५५	१३	४७	१६	४	८	ध.५२।४४	
७	बु	१३	३१	मू	५५	४४	शो	५७	४९	तै	१३	३१	५१	१४	४६	१७	५	९	धनुषि	वक्रीगुरुः५४।४२
८	गु	१४	१८	पू	५७	२२	अ	५५	१३	व	१४	१८	४७	१५	४५	१८	६	१०	धनुषि	भ.१४।१८उ.४३।५६या.चित्रा.रविः÷
९	शु	१३	३५	उ	५७	१५	सु	५१	२२	ब	१३	३५	४३	१५	४५	१९	७	११	म.१२।१८	[÷१५।१७(सौरः५५)तुला.बुधः५५।११
९	श	११	०	श्र	५५	१४	धृ	४५	४९	कौ	११	०	३९	१६	४४	२०	८	१२	मकरे	वृश्चिकेशुक्रः५६।५४
१०	र	६	३३	ध	५१	४१	शू	३९	१	ग	६	३३	३५	१७	४३	२१	९	१३	कुं.२३।२७	भ.३३।३७उ.
११	चं	०	४१	श	४६	३३	गं	३०	४६	वि	०	४१	३१	१८	४२	२२	१०	१४	कुंभे	भ.०।४१या.स्वात्याबुधः१०।३८ पापां ×
१२	चं	५२	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×कुशा११व्र.[=प्रा.शरद्पूर्णिमा
१३	मं	४४	२९	पू	४०	४	वृ	२१	३१	कौ	१८	४९	२७	१९	४१	२३	११	१५	मी२६।४१	अनु.शुक्रः४२।४८प्रदोषः
१४	बु	३४	४७	उ	३२	३४	ध्रु	११	१४	ग	९	३८	२३	१९	४१	२४	१२	१६	मीने	भ.३४।४७उ.५९।५०या.कोजागरोव्र.
१५	गु	२४	५३	रे	२४	४१	व्या	२१	४९	ब	२४	५३	२०	२०	४०	२५	१३	१७	मे २४।४१	तुलायामर्कः२।३ (सौरः३५)का.स्ना.=

२६पं.आ.शु.३श.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	१	६	१०	११	५
१८	२३	२२	२७	२१	१९	११	१८
४०	१	१६	६	३	४२	५३	३
५	५	२६	११	१८	४	१७	१२
५९	३३	०	०	७२	३	५८	३	५९
९	१८	१५	४९	४०	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

आश्विनशुक्ले १५गुरौ तुलायामर्कःप्रविष्टः वा.४ न४ बालावस्था (बैठी) नु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

२७पं.आ.शु.९श.इ.३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	१	६	१०	११	५
२५	२६	३	२७	२९	१९	११	२४
३४	२७	५६	६	३२	१७	३१	५८
५९	७	१०	४३	३८	३५	४२	५४
५९	३१	०	०	७२	३	३	५९
२१	५०	५६	व.	२०	व.	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेतिमहा.
१	शु	१५	१४	अ	१६	५०	च	३८	३४	कौ	१५	१४	२९	६	५२	२६	१४	१८	मेषे	
२	श	५२	१३	भ	९	४९	सि	२८	२५	ग	६	१८	१२	२२	३८	२७	१५	१९	बृ.२३।२३	भ.३२।३०उ.५८।४१या.
३	र	५२	४०	कृ	४	५३	व्य	१९	२५	ब	२५	४०	८	२२	३८	२८	१६	२०	वृषे	ककेंभौमः१५।८बुधोदयःपश्चिमायां
४	चं	४८	४३	मृ	५७	३२	च	११	४६	कौ	२०	४१	४	२३	३७	२९	१७	२१	मि२८।४०	करकचतुर्थीव्र.
५	मं	४६	५२	आ	५७	१४	प	५	३२	ग	१७	४७	०	२४	३६	३०	१८	२२	मिथुने	भ.४६।५२उ.विशा.बुधः३८।२
६	बु	४७	१७	पु	५९	१३	शि	५	२९	वि	१७	५	२९	२५	३५	१	१९	२३	क.४३।४३	भ.१७।५या.स्वात्यांरविः४भा.का.रंभः
७	गु	४९	२२	पु	६०	०	सा	५७	१३	बा	१८	१९	५३	२५	३५	२	२०	२४	कर्के	स्वात्यांरविःसौरः१८।५४
८	शु	५३	२२	पु	२	५५	शु	५७	४१	तै	२१	२२	४९	२६	३४	३	२१	२५	कर्के	वक्रीमृग.१गुरुः४९।०
९	श	५८	३१	श्ले	८	११	शु	५८	२७	च	२५	५६	४५	२७	३३	४	२२	२६	सिं८।११	भ.३५उ.५८।३१या.ज्येष्ठाशुक्रः४३।५८
११	र	६०	०	म	१४	४१	ब्र	६०	०	ब	३१	४०	४१	२८	३२	५	२३	२७	सिंहे	रमा११व्र.स्मा.
११	चं	४	५०	पू	२२	१३	ब्र	०	२९	बा	४	५०	३७	२९	३१	६	२४	२८	कं.३९।५	पुष्येभौमः१०।१६रमा११व्र.वै.
१२	मं	११	४	उ	२९	४१	ऐं	२	४७	तै	११	४	३४	२९	३१	७	२५	२९	कन्यायां	वृश्चिकेबुधः२५।२६प्रदोषः
१३	बु	१७	३८	ह	३७	१९	वै	५	१०	च	१७	३८	३०	३०	३०	८	२६	३०	कन्यायां	भ.१७।३८उ.५०।४४या.धन१३
१४	गु	२३	४९	चि	४४	४६	वि	७	२८	श	२३	४९	२७	३१	२९	९	२७	३१	तु.११।२	अनु.बुधः५१।४६रुप१४
३०	शु	२९	३२	स्वा	५१	१६	प्री	९	३२	ना	२९	३२	२३	३१	२९	१०	२८	१	तुलायां	नवम्बर११ता.३०महालक्ष्मीपूजनम्

२८पं.का.कृ.२श.इ.३४।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	१	७	१०	११	६
२	२९	१५	२६	८	१८	११	१
२१	३९	२	५७	१	५६	९	५६
२३	४०	२८	०	४१	५६	२६	१८
५९	३०	५७	३	७२	३	३५	३	५९
३४	३	१७	व.	२	व.	११	४६

गोचर ग्रहाः

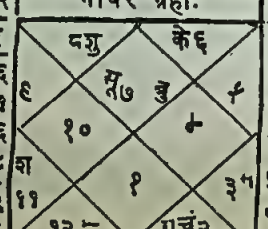

इस मास में धान्य गल्ला में मंदी होवे चांदी स्वर्ण तेज होई में घटा वढी चले प्रजा में मुख शान्ति फैले ।

गोचर ग्रहाः

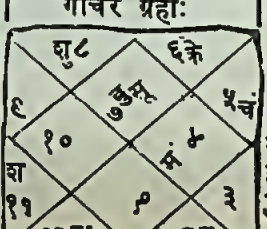

२९पं.का.कृ.१०श.इ.३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	१	७	१०	११	६
९	२	२५	२६	१६	१८	१०	८
२९	३५	३८	३७	२८	४०	४७	५५
३८	४९	३५	२६	४१	४१	१०	३८
५९	२७	९१	२	७१	२	३	६०
४७	४१	४६	व	३७	व.	११	२

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततुरविर्दक्षिणेऽङ्गणः४९५९स.२०२४
१	श ३४ २५ वि ५७ ३१ आ ११ ७ कि १ ५७	३७	६	५	११	२९	२	वृ.४०।५७	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा
२	र ३८ २९ अ ६० ० सौ ११ ५६ बा ६ २७	१६	३३	२८	१२	३०	३	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	चं ४१ ३७ अ २ ४६ शो १२ १२ तै १० ३	१२	३४	२६	१३	१	४	वृश्चिके	जमादिलावल५
४	मं ४३ ३९ ज्ये ६ ५६ अ ११ २९ व १२ ३८	९	३४	२६	१४	२	५	ष.६।५६	म.१२।३८उ.४३।३९या.
५	बु ४४ २४ मू १० ६ सु १० ७ ब १४ १	५	३५	२५	१५	३	६	धनुषि	विशा.रविः४।३६(सौरः३६।१५)+
६	गु ४४ ११ पू १२ ७ धृ ७ ५९ कौ १४ १७	२	३६	२४	१६	४	७	म.२७।१९	[+मूलेधनुषिशुक्रः४५।२६
७	शु ४२ ३७ उ १२ ५५ शू ४ ४७ ग १३ २४	२६	३६	२४	१७	५	८	मकरे	भ.४२।३७उ.
८	श ३९ ३७ श्र १२ ३२ गं २८ ५४ वि ११ ७	५५	३७	२३	१८	६	९	कुं.४१।३५	भ.११।७या.गोपाष्टमी
९	र ३५ ३१ ध १० ३८ ध्रु ४८ ३७ बा ७ ३४	५२	३८	२२	१९	७	१०	कुम्भे	ज्येष्ठाबुधः५०।४३उभा.२राहुःउफा.४÷
१०	चं २९ ५८ श ७ ३२ व्या ४१ ५ तै २ ५९	४९	३८	२२	२०	८	११	मी४९।१६	भ.५६।४०उ. [÷केतुः२३।५५अक्षय९
११	मं २३ २३ पू ३ ५४ ह ३२ ३७ वि २३ २३	४५	३९	२१	२१	९	१२	मीने	भ.३३या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१२	बु १५ २६ रे ५१ ३६ व २३ १५ बा १५ २६	४२	४०	२०	२२	१०	१३	मे.५१।३६	प्रदोषः
१३	गु ६ ५८ अ ४४ ४३ सि १३ २३ तै ६ ५८	३९	४०	२०	२३	११	१४	मेषे	भ.५९उ.मार्गशीर्षनिः४६।४वैकुं ठ१४
१४	गु ५१ ९ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	शु ५० ८ भ ३७ ४४ व्य ५२ ५५ वि २४ ७	३६	४१	१९	२४	१२	१५	वृ.५१।१०	भ.२४।७या.मन्वादिःका.स्ना.पू.

३०पं.का.शु.१श.इ.३४।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	१	७	१०	११	६
१६	५	५	२६	२४	१८	१०	१५
२९	१३	४४	८	५४	२८	२४	५६
२०	१२	४६	३८	५८	५५	५५	४२
६०	२५	८४	२८	७१	२३	३	६०
४	१०	४९	व.	१३	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शुक्रवार श्रेष्ठ हैं धनधान्य में बृद्धि होवे चांदी स्वर्ण ळोहां तेज हो प्रजा सुखी हो।

गोचर ग्रहाः

३१पं.का.शु.८श.इ.३१।

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	१	८	१०	११	६
२३	७	१५	२५	३	१८	१०	२२
३०	२५	४	३१	१८	२२	२	५९
४०	३५	४१	३७	३२	२३	३९	१४
६०	२२	७४	३५	७०	२९	३	६०
१७	२२	३१	व.	४१	व.	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततुरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	श ४१ २६ कृ ३१ २५ प ४३ १९ बा १५ ४७	३६	६	५	२५	१३	१६	वृषे	वृश्चिकेऽर्कः०।४० (सौरः३०।३५)
२	र ३४ ४४ रो २६ २ शि ३४ २८ तै ८ ५	३०	४२	१८	२६	१४	१७	मि५४।८	
३	च २९ ३७ मृ २२ १४ सि २७ ० व २ १०	२७	४३	१७	२७	१५	१८	मिथुने	भ.१०उ.३७या.पूषा.शुक्रः९चतुर्थीव्र.
४	मं २६ २६ आ २० ११ सा २० ५७ बा २६ २६	२५	४३	१७	२८	१६	१९	मिथुने	अनु.रविः१९।० (सौरः४७।२३)
५	बु २५ ३२ पु २० २७ शु १६ ३९ तै २५ ३२	२२	४४	१६	२९	१७	२०	क.५।२३	
६	गु २६ ४० पु २२ ३७ शु १३ ५२ व २६ ४०	१९	४४	१६	३०	१८	२१	कर्के	भ.२६।४०उ.५८।१८या.पातस्पर्शः ×
७	शु २९ ५६ श्ले २६ ५३ ब्र १३ ६ ब २९ ५६	१७	४५	१५	१	१९	२२	सिं२६।५३	भा.मार्गशीर्षारंभः
८	श ३४ ३९ म ३२ ३२ ऐं १३ १४ बा २ १७	१४	४५	१५	२	२०	२३	सिंहे	[×३४।३२पातमोक्षः४९।७
९	र ४० ४२ पू ३९ ३७ वै १४ ३९ तै ७ ४०	१२	४६	१४	३	२१	२४	क.५६।२७	
१०	चं ४६ ५९ उ ४६ ५९ वि १६ ३८ व १३ ५०	९	४६	१४	४	२२	२५	कन्यायां	भ.१३उ.४९या.वक्रीबुधः२२।५२
११	मं ५२ ४५ ह ५४ ४५ प्री १८ ४९ ब १९ ५२	७	४७	१३	५	२३	२६	कन्यायां	उत्पत्ति ११व्र.
१२	बु ५९ ५३ चि ६० ० आ २१ १४ कौ २६ १९	५	४७	१३	६	२४	२७	तु.२८।२७	
१३	गु ६० ० चि २ ९ सौ २३ १८ ग ३२ ४६	२	४८	१२	७	२५	२८	तुलायां	वक्रीरोहि.४गुरुः९।२६प्रदोषः
१३	शु ५ ३९ स्वा ८ ५८ शो २४ ४६ व ५ ३९	०	४८	१२	८	२६	२९	वृ. ५८	भ.५।३९उ.३७।४९या.उषा.शुक्रः +
१४	श ९ ५९ वि १४ ४० अ २५ २० श ९ ५९	३५	४८	१२	९	२७	३०	वृश्चिके	[÷१४।४८बुधास्तःपश्चिमायां५६।३२
३०	र १३ २३ अं १९ १८ सु २५ १ ना १३ २३	५६	४९	११	१०	२८	१	वृश्चिके	दिसम्बर१२ता.३१

३२पं.मा.कृ.१श.इ.३३।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१	८	१०	११	७
०	९	२३	२४	११	१८	९	०
३३	२०	६	४७	३९	२०	४०	३
२२	६	३२	६	१४	३८	२४	१८
६०	१८	५७	३९	७०	१०	३	६०
३०	५१	१०	व.	४	मा	११	४०

३३पं.मा.कृ.दश.इ.३३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१	८	१०	११	७
७	१०	२८	२३	१९	१८	९	७
३७	४०	६	५६	५६	२४	१८	८
१६	३०	३२	१०	३१	११	८	५१
६०	१४	२०	५०	६९	०	३	६०
४२	३०	१६	व.	१६	५९	११	५३

३४पं.मा.कृ.१४श.इ.३३।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१	८	१०	११	७
१४	११	२६	२३	२८	१८	८	१४
४२	२७	३०	१	९	३२	५२	१५
२९	१०	५०	८	४३	३५	५२	२७
६०	९	५५	५५	६८	१	३	६१
५०	१७	व.	व.	३३	३४	११	३

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९८९स.२०२४
१	चं	१५	२९	ज्ये	२२	४५	धृ	२३	५१	ब	१५	२९	२५/५४	६/४९	५/११	११	२९	२	ध.२२।४५	ज्येष्ठारविः२९/११ (सौरः५५/१७ मकरेशुक्रः९/५२
२	मं	१६	३५	मू	२५	१४	शू	२१	४९	कौ	१६	३१	५३	४९	११	१२	३०	३	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	बु	१६	२३	पू	२६	३४	गं	१८	५३	ग	१६	२३	५१	५०	१०	१३	१	४	म.४१।४०	भ.४५।५४उ.जमादिलाखर६
४	गु	१५	२५	उ	२६	५५	वृ	१५	४	वि	१५	२५	४९	५०	१०	१४	२	५	मकरे	भ.१५।२५या.
५	शु	१३	३३	श्र	२६	३४	ध्रु	१०	४७	बा	१३	३३	४८	५०	१०	१५	३	६	कुं.५५।५६	
६	श	१०	४०	ध	२५	१८	व्या	५	४७	तै	१०	४०	४६	५१	९	१६	४	७	कुंभे	चंपा६
७	र	७	१२	श	२३	१३	ह	०/२	५३/३५	व	७	१२	४४	५१	९	१७	५	८	कुम्भे	भ.७/१२उ.३५/६या.वक्रीअनु.बुधः४३।५०
८	चं	३	१	पू	२०	२५	सि	४६	२९	ब	३	१	४३	५१	९	१८	६	९	मी६।७	
९	चं	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	मं	५२	७	उ	१६	४७	व्य	३८	५३	तै	२५	०	४२	५२	८	१९	७	१०	मीने	श्रवणेशुक्रः५१।१३
११	बु	४५	३९	रे	१२	२५	व	३०	४५	व	१८	५३	४१	५२	८	२०	८	११	मे.१२।२५	भ.१८।५३उ.४५।३९या.बुधोदयः +
१२	गु	३८	४२	अ	७	२८	प	२२	७	ब	१२	१०	४०	५२	८	२१	९	१२	मेषे	[+पूर्वस्यां३८।२५मोक्षदा११व्र.गीताजयं
१३	शु	३१	४०	भ	२/१६	५४/५३	शि	१३	९	कौ	५	११	३९	५२	८	२२	१०	१३	वृ.१५।५७	प्रदोषः
१४	श	२४	४३	रो	५२	२५	सि	४/२२	५१/४०	व	२४	४३	३९	५२	८	२३	११	१४	वृषे	भ.२४।४३उ ५१।३९या.दत्तजयंती
१५	र	१८	३५	मृ	४८	३७	शु	४८	२६	ब	१८	३५	३९	५२	८	२४	१२	१५	मि२०।३१	मूलेधनुष्यर्कः३६/२६ (सौरः५९/७वक्रीभौमः२९/३३

३५पं.मा.शु.६श.इ३३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१	९	१०	११	७
२१	११	१८	२२	६	१८	८	२१
४८	३९	१७	४	१७	४६	३३	२३
३२	१४	३८	१२	३	१	४७	१८
६०	२	९४/५६	७/५२	६७	२	३	६१
५६	४१	व.	व	३२	२२	११	११

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षकृष्णे १ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

३६पं.मा.शु.१४श.इ.३२/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१	९	१०	११	७
२८	११	१२	२१	१४	१९	८	२८
५५	९	१४	७	१८	४	११	३२
२६	४३	३५	२३	११	१९	२१	१
६१	१	१४/४२	७/५२	६६	३	३	६१
०	५५	व.	व.	२३	९	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	चं	१३	३३	आ	४५	४६	शु	४१	४८	कौ	१३	३३	२५/३८	६/५२	५/८	२५	१३	१६	मिथुने	मार्गीबुधः२०।४४
२	मं	१०	४	पु	४४	४७	ब्र	३६	२८	ग	१०	४	३८	५२	८	२६	१४	१७	क.३०।२	भ.३९।१६उ.
३	बु	८	२८	पु	४५	४०	ऐं	३२	४३	वि	८	२८	३७	५३	७	२७	१५	१८	कर्के	भ.८।२८या.चतुर्थीव्र.
४	गु	८	४४	श्ले	४८	४०	वै	३०	३३	बा	८	४४	३७	५३	७	२८	१६	१९	सिं४८।४०	
५	शु	११	६	म	५३	२४	वि	२९	३४	तै	११	६	३६	५३	७	२९	१७	२०	सिंहे	
६	श	१५	४	पू	५९	३१	प्री	२९	५८	व	१५	४	३६	५३	७	३०	१८	२१	सिंहे	भ.१५।४उ.४७।५३या.
७	र	२०	४३	उ	६०	०	आ	३१	३७	ब	२०	४३	३६	५३	७	१	१९	२२	कं.१६।१३	धनि.शुक्रः३७।३२भा.पौषारंभः
८	चं	२६	४९	उ	६	२९	सौ	३३	३२	कौ	२६	४९	३६	५३	७	२	२०	२३	कन्यायां	वक्रीरोहि.३गुरुः१३।१७
९	मं	३३	२६	ह	१४	८	शो	३५	५३	तै	०	७	३७	५३	७	३	२१	२४	तु.४७।५१	ज्येष्ठायांबुधः३१।३९
१०	बु	३९	४०	चि	२१	३३	अ	३८	२	व	६	३३	३७	५३	७	४	२२	२५	तुलायां	भ.६।३३उ.३९।४०या.
११	गु	४५	२१	स्वा	२८	४५	सु	३९	३७	ब	१२	३०	३७	५३	७	५	२३	२६	तुलायां	सफला११व्र.
१२	शु	४९	४०	वि	३४	३४	धृ	४०	१९	कौ	१७	३०	३८	५२	८	६	२४	२७	वृ.१८।७	
१३	श	५२	४७	अ	३९	७	शू	४०	५	ग	२१	१३	३८	५२	८	७	२५	२८	वृश्चिके	भ.५२/४७उ.पूषा.रविः४१/२९कुंभेशुक्रः३८/३६प्रदोष
१४	र	५४	१०	ज्ये	४२	१८	गं	३८	३३	वि	२३	२८	३९	५२	८	८	२६	२९	ध ४२।१८	भ.२३/२८या.पूषा.रविःसौरः०/४५पूभा१ ×
३०	चं	५४	११	मू	४४	३	बृ	३५	५४	च	२४	१०	४०	५२	८	९	२७	३०	धनुषि	[×शनि.३१।५७

३७पं.पौ.कृ.६श.इ.३२।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	१	९	१०	११	८
६	१०	१४	२०	२२	१९	७	५
३	१	३३	१२	९	२७	४९	४१
०	८	३८	२२	५४	५८	६	२६
६१	१२/१८	४२/३४	७/२३	६४	३	३	६१
४	व.	मा	व.	५८	४४	११	२२

गोचर ग्रहाः

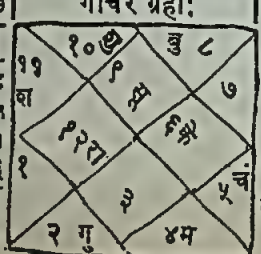

मार्गशीर्ष शुक्ळे १५ रवौधनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.२न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादि भावें समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.१३श.इ.३२/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	१	९	१०	११	८
१३	८	२१	१९	२९	१९	७	१२
१०	१४	२७	२२	५३	५५	२६	५१
५९	४६	३६	१६	४२	३७	५०	१८
६१	१९/४३	६८	६/३५	६३	४	३	६१
६	व.	२८	व.	२३	२६	११	२६

ति.	पौष	शुक्लपक्षः स० २०८१ शाकः १९४६											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०१८स.२०२४
१	मं	५२	४७	पू	४४	२४	ध्रु	३२	८	किं	२३	२९	२५/४१	६/५२	५/८	१०	२८	३१	म.५९।१४	
२	बु	५०	२७	उ	४३	४४	व्या	२७	३२	बा	२१	३७	४२	५२	८	११	२९	१	मकरे	चंद्रदर्शनम्जनवरी१ता.३१सन्२०२५
३	गु	४७	७	श्र	४२	७	ह	२२	७	तै	१८	४७	४३	५१	९	१२	१	२	मकरे	रज्जव७
४	शु	४३	८	ध	३९	४९	व	१५	५७	व	१५	७	४४	५१	९	१३	२	३	कुं.१०।५८	भ.१५।७उ.४३।८या शतेशुक्रः५१।५
५	श	३८	५१	श	३७	८	सि	९	३६	ब	१०	५९	४५	५१	९	१४	३	४	कुम्भे	मूलेधनुषिबुधः११।५६
६	र	३४	१४	पू	३४	१२	व्य	३/१२	५२/५४	कौ	६	३२	४७	५१	९	१५	४	५	मी१९।५६	
७	चं	२९	३४	उ	३१	५	प	४८	५९	ग	१	५४	४८	५०	१०	१६	५	६	मीने	भ.२९।३४उ.५७।२या.
८	मं	२४	३१	रे	२७	४९	शि	४१	५०	व	२४	३१	५०	५०	१०	१७	६	७	मे २७।४९	
९	बु	१९	२८	अ	२४	२८	सि	३४	२५	कौ	१९	२८	५२	५०	१०	१८	७	८	मेषे	
१०	गु	१४	१४	भ	२०	५५	सा	२७	२	ग	१४	१४	५३	४९	११	१९	८	९	वृ.३५।३	भ.४२।६उ.
११	शु	९	५९	कृ	१७	२५	शु	१९	४८	वि	९	५९	५५	४९	११	२०	९	१०	वृषे	भ.५९/५९या.उषा.रविः४६/१५पुत्रदा११व्र.
१२	श	३	५८	रो	१४	१	शु	१२	४९	बा	३	५८	५७	४९	११	२१	१०	११	मि४२।३९	उषा.रविःसौरः२।१२प्रदोषः
१३	श	५५	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×राहुःउभा.३केतुः१६।११
१४	र	५५	३४	मृ	११	१७	ब्र	६	१३	ग	२७	३०	५९	४८	१२	२२	११	१२	मिथुने	भ.५५।३४उ.वक्रीपुन.भौमः२।४६ ×
१५	चं	५२	५३	आ	९	२५	ऐं	०/५	५५/०	वि	२४	१३	२६/१	४८	१२	२३	१२	१३	क.५३।५३	भ.२४/१३या.पूषा.बुधः३३/३८मा.स्ना.प्रा.

३९पं.पौ.शु.५श.इ. ३२/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१	१०	१०	११	८
२०	६	०	१८	७	२०	७	२०
१९	२	२७	३७	२२	२७	४	१
५	५०	५०	३०	२६	३६	३४	१५
६१	२६/३	८१	५/४१	६१	४	३	६१
६	वं	३	वं	१७	५५	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में वदि में धान्य गल्ला धातु रस तेज होवे सुदि में चाँदी सोना रुई सण तिल मंदे होवेगें।

गोचर ग्रहाः

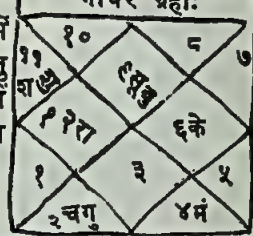

४०पं.पौ.शु.१२श.इ. ३२/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१	१०	१०	११	८
२७	३	१०	१८	१४	२१	६	२७
२७	३५	२०	०	३५	३	४२	११
७	५३	२०	५८	४२	११	१९	७
६१	३१/२९	८९	४/२९	५८	५	३	६१
६	व	०	वं	४१	२५	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	५१	३४	पु	८	४२	वि	५१	७	बा	२२	१३	२६/४	६/४७	५/१३	२४	१३	१४	कर्के	मकरेऽर्कः२।२९(सौरः१७।३९)
२	बु	५१	५०	पु	९	३१	प्री	४८	२९	तै	२१	४२	६	४७	१३	२५	१४	१५	कर्के	
३	गु	५३	५२	श्ले	११	३८	आ	४६	५९	व	२२	५१	८	४६	१४	२६	१५	१६	सिं११।३८	भ.२२/५१उ.५३/५२या.पूभा.शुक्रः५७।३८
४	शु	५७	१४	म	१५	३५	सौ	४६	४०	ब्र	२५	३३	११	४६	१४	२७	१६	१७	सिंह	चतुर्थीव्र.
५	श	६०	०	पू	२०	५३	शो	४७	४०	कौ	२९	५१	१३	४५	१५	२८	१७	१८	कं.३७।३३	
५	र	२	२८	उ	२७	३४	अ	४९	११	तै	२	२८	१६	४५	१५	२९	१८	१९	कन्यायां	×वक्रीमिथुनेभौमः३८/२बुधास्तःपूर्वस्यां५७/१२
६	चं	८	१८	ह	३४	५२	सु	५१	२३	व	८	१८	१९	४४	१६	३०	१९	२०	कन्यायां	भ.१८/१८उ.४१/३१या.अभि.प्र.रविः३७।५ A
७	मं	१४	४३	चि	४२	२२	धृ	५३	३७	व	१४	४३	२१	४४	१६	१	२०	२१	तु.८।३७	भा.माघारंभः [A(सौरः४९।०)×
८	बु	२१	१०	स्वा	४९	४०	शू	५५	४१	कौ	२१	१०	२४	४३	१७	२	२१	२२	तुलायां	उषा.बुधः३१/२७पातस्पर्शः४३/५०पातमोक्षः५५/५९
९	गु	२७	७	वि	५६	१०	गं	५६	५२	ग	२७	७	२७	४३	१७	३	२२	२३	वृ.३९।३२	भ.५९।२६उ.श्रवणे रविः५१।४२
१०	शु	३१	४६	अ	६०	०	बृ	५६	५९	वि	३१	४६	२९	४२	१८	४	२३	२४	वृश्चिके	भ.३१/४६या.श्रवणेरविःसौरः५५/५६अभि.नि. =
११	श	३४	५९	अ	१	१७	ध्रु	५५	५१	ब	३	२२	३२	४२	१८	५	२४	२५	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.
१२	र	३६	२३	ज्ये	५	१	व्या	५३	२८	कौ	५	४१	३५	४१	१९	६	२५	२६	ध.५।१	[=रविः४३/५७(सौरः५६/१३मकरेबुधः ३०।३७
१३	चं	३६	४	मू	६	४९	ह	४९	३३	ग	६	१३	३८	४०	२०	७	२६	२७	धनुषि	भ.३६।४उ.प्रदोषः
१४	मं	३३	४७	पू	६	५५	व	४५	२४	वि	४	५५	४१	४०	२०	८	२७	२८	म.२१।३२	भ.४।५५या.मीनेशुक्रः१।०
३०	बु	३०	१५	उ	५	२३	सि	३८	३	च	२	१	४५	३९	२१	९	२८	२९	मकरे	

४१ .मा.कृ. ५श. इ. ३२/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	१	१०	१०	११	९
४	१	२०	१७	२१	२१	६	४
३४	६	४६	३२	२७	४२	२०	२०
४९	४७	१२	४२	३६	२२	३	३६
६१	३१/५५	९५	३/२३	५५	५	३	६१
३	वं	२९	व.	२५	५०	११	१९

गोचर ग्रहाः

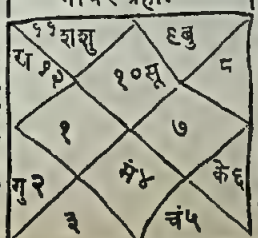

माघ कृष्णे १ भौमे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्या दिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

४२पं.मा.कृ.११श.इ. ३२/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	१	१०	१०	११	९
११	२८	१	१७	२७	२२	५	११
४२	४७	४३	१२	५३	२४	५७	२९
२९	४२	५५	५४	४६	२२	४८	२७
६०	२९/४३	०/०	१/५८	५१	६	३	६१
५९	वं.	४२	वं	१	१४	११	१३

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं.२०८१ शाकः १९४६	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०४८स.२०२५
१	गु २५ १८ अ ३४९ ५५ व्य ३१ ७ ब	२५ १८	२६ ३८	५ २२	१०	२९	३०	कुं.३१।२२	श्रवणेबुधः४२।२९
२	शु १९ ३६ श ५४ ३९ व २३ ७ कौ	१९ ३६	५१ ३८	२२	११	३०	३१	कुंभे	उभा.शुक्रः५९।२० चंद्रदर्शनम्
३	श १३ ३८ पू ५० ७ प १५ ५ ग	१३ ३८	५४ ३७	२३	१२	१	१	मी३६।१५	भ.४०।३५उ.फर्वरी२ता.२८सावान८
४	र ७ ३३ उ ४६ ० शि ६ ५४ ५३ वि	७ ३३	५८ ३६	२४	१३	२	२	मीने	भ.७।३३या.
५	चं १ ३२ रे ४१ ५३ सा ५१ २४ बा	१ ३२	२७ ३६	२४	१४	३	३	मे.४१।५३	मार्गीगुरुः३९ पूभा.२शनिः१३ वसंत५
६	चं ५४ १४ ० ० ० ० ० ०	० ०	० ०	०	०	०	०	० ०	[=भानु७रथ७
७	मं ५० ३४ अ ३८ २१ शु ४४ ९ ग	२३ १०	५ ३५	२५	१५	४	४	मेषे	भ.५९उ.पातस्पर्शः२३पातमोक्षः३३=
८	बु ४५ ४४ भ ३५ ४ शु ३७ ४ वि	१८ ९	८ ३४	२६	१६	५	५	वृ.४९।२६	भ.१८।९या. भीष्माष्टमी
९	गु ४१ २६ कृ ३२ ३१ ब्र ३० ३८ बा	१३ ३५	१२ ३४	२६	१७	६	६	वृषे	धनि.रविः० (सौरः१९)
१०	शु ३७ ५० रो ३० २२ ऐं २४ ३५ तै	९ ३८	१५ ३३	२७	१८	७	७	मि५९।४०	धनि.बुधः२९।२३
११	श ३४ ५० मृ २८ ५९ वै १९ ९ व	६ २०	१९ ३२	२८	१९	८	८	मिथुने	भ.६।२०उ.३४।५०या.जया११व्र.
१२	र ३२ २२ आ २८ २० वि १४ १९ ब	३ ३६	२३ ३१	२९	२०	९	९	मिथुने	[×(सौरः४४) मा.स्ना.पूर्तिः
१३	चं ३१ ६ पु २८ ४२ मी १० ७ कौ	१ ४४	२७ ३१	२९	२१	१०	१०	क.१३।३६	प्रदोषः
१४	मं ३० ५८ पु ३० ४ आ ६ ४९ ग	१ २	३० ३०	३०	२२	११	११	कर्के	भ.३०।५८उ.कुंभेबुधः९।३८
१५	बु ३१ ४८ श्ले ३२ ४७ सौ ४ २३ वि	१ २३	३४ २९	३१	२३	१२	१२	सिं३२।४७	भ.१।२३या.कुंभेऽर्कः३५।१६×

४३पं.मा.शु.३श.इ. ३२/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	१	११	१०	११	९
१८	२६	१३	१७	३	२३	५	१८
४९	४८	११	३	४५	९	३५	३७
१	११	४९	४३	२५	४	३२	३४
६०	३४	०	३३	४५	६	३	६१
५५	व.	२७	व.	४५	२९	११	४

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले १५ बुधे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

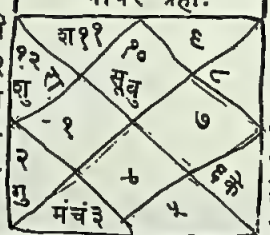

४४पं.मा.शु.११श.इ.३२/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	१	११	१०	११	९
२५	२५	२५	१७	८	२३	५	२५
५४	१३	१५	४	५०	५५	१३	४४
५०	४८	१४	५५	२८	३४	१६	२१
६०	१९	०	५३	३८	६	३	६०
४७	व.	५८	मा	२४	४४	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	गु ३४ १४ म ३६ ३२ शो ३ ३० बा ३ १	२७ ६	२८ ३२	२४	१३	१३		सिंहे	
२	शु ३७ ५० पू ४१ २९ अ २ ४९ तै ६ २	४१ २८	३२ २५	१४	१४			कं.५८।५	शते.बुधः५०।१०
३	श ४२ ५३ उ ४७ ५३ सु ३ ३२ व १० २१	४५ २७	३३ २६	१५	१५			कन्यायां	भ.१०।२१उ.४२।५३या.
४	र ४८ २३ ह ५४ ५४ धृ ४ ५७ ब १५ ३८	४९ २६	३४ २७	१६	१६			कन्यायां	चतुर्थी व्र.
५	चं ५४ ४६ चि ६० ० शू ६ ४९ कौ २१ ३४	५३ २५	३५ २८	१७	१७			तु.२८।४१	पातस्पर्शः२७।५पातमोक्ष.३८।३५
६	मं ६० ० चि २ २८ गं ९ २ ग २८ ३	५६ २५	३५ २९	१८	१८			तुलायां	
६	बु १ २० स्वा १० ० वृ ११ २२ व १ २०	२८ २४	३६ ३०	१९	१९			तुलायां	भ.१२०उ.३४या.शते.रविः११ (सौरः२९)
७	गु ७ ३७ वि १७ १६ धु १३ २५ ब ७ ३७	४ २३	३७ १	२०	२०			वृ.०।२७	भा.फाल्गुनारंभः
८	शु १२ ४६ अ २३ १८ ध्या १४ २० कौ १२ ४६	८ २२	३८ २	२१	२१			वृश्चिके	
९	श १६ ३७ ज्ये २७ ५४ ह १४ १३ ग १६ ३७	१२ २२	३८ ३	२२	२२			ध.२७।५४	भ.४७।३८उ.पूभा बुधः३।२०
१०	र १८ ४० मू ३० ५० व १२ ४७ वि १८ ४०	१६ २१	३९ ४	२३	२३			धनुषि	भ.१८।४०या.अस्तंशने:७।५९
११	चं १८ ४७ पू ३१ ४७ सि ९ ४४ बा १८ ४७	२० २०	४० ५	२४	२४			म.४६।२९	मार्गीभौमः४२।२२विजया११व्र.
१२	मं १६ ४९ उ ३० ३७ व्य ७ ५३ ते १६ ४९	२४ १९	४१ ६	२५	२५			मकरे	बुधोदयःपश्चिमायां८।३ प्रदोषः
१३	बु १३ ८ श्र २७ ५१ प ५१ ३३ व १३ ८	२८ १८	४२ ७	२६	२६			कुं.५५।४३	भ.१३।८उ.४९या.महाशिवरात्री व्र.स्मा.
१४	गु ७ २९ ध २३ ३४ शि ४२ ५६ श ७ २९	३२ १८	४२ ८	२७	२७			कुंभे	मीनेबुधः३१ महाशिवरात्री व्र.वै.
२०	शु ० ३४ श १८ ४ सि ३३ ४० ना ० ३४	३६ १७	४३ ९	२८	२८			मी५८।३५	

४५पं.फा.कृ.३श.इ. ३३/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	१	११	१०	११	१०
२	२४	७	१७	१२	२४	४	२
५९	११	५९	१५	५५	४४	५१	५०
४२	१३	४२	३६	३५	१७	१	२४
६०	१६	१	२	२८	७	३	६०
३७	चं	२८	१३	५७	२०	११	४२

गोचर ग्रहाः

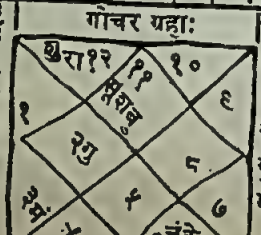

इस मास में वदि में धान्य धातु तेज हो सुदि में धान्य गल्ला गुड़ शक्कर तेल घृत मंदा हो।

गोचर ग्रहाः

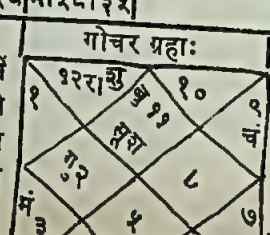

४६पं.फा.कृ.९श.इ. ३३/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	१	११	१०	११	१०
१०	२३	२०	१७	१५	२५	४	९
३	४५	५५	३६	४१	३४	२८	५४
१४	०	८	२९	४९	१	४५	५७
६०	१०	०	३	१६	७	३	६०
२५	व.	२१	२७	३८	८	११	२१

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः५०७८स.२०२५

१	शु	५२	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=फुलरिया२
२	श	४४	५३	पू	१२	६	सा	२४	८	बा	१८	५३	२८	६	५	०	०	१	मीने	उभा.बुधः३६चंद्रदर्शनम्माचं३ता.३१=
३	र	३७	२	उ	५०	५४	शु	१४	३९	तै	१०	५७	४४	१५	४५	११	१	२	मे.५९।५२	वक्रीशुक्रः६।३३रमजान९
४	चं	२९	२६	अ	५४	३६	शु	८	३८	व	३	१४	४८	१४	४६	१२	२	३	मेषे	भ.३१४उ.३९या.पूभा ३शनिः३५
५	मं	२२	३३	भ	५०	१	ऐं	४८	३५	बा	२२	३३	५२	१४	४६	१३	३	४	मेषे	पूभा.रविः२७।३४(सौरः३४।५३)
६	बु	१७	१९	कृ	४६	३२	चै	४१	३१	तै	१७	१९	५६	१३	४७	१४	४	५	वृ.४।९	
७	गु	११	४४	रो	४४	२२	वि	३५	१६	व	११	४४	२९	१२	४८	१५	५	६	वृषे	भ.११।४४उ.३९।५४या.
८	शु	८	४	मृ	४३	११	प्री	२९	५७	ब	८	४	५	११	४९	१६	६	७	मि१३।४६	होलाष्टकम्
९	श	५	३०	आ	४३	८	आ	२५	४०	कौ	५	३०	९	१०	५०	१७	७	८	मिथुने	
१०	र	४	२	पु	४४	१०	सौ	२२	१३	ग	४	२	१३	९	५१	१८	८	९	क.२८।५३	भ.३३।५५उ.
११	चं	३	४९	पु	४६	३८	शा	१९	४४	वि	३	४९	१७	९	५१	१९	९	१०	कर्के	भ.३।४९या.आमलकी११व्र.
१२	मं	४	४९	श्ले	४९	५७	अ	१८	१३	बा	४	४९	२१	८	५२	२०	१०	११	सिं४९।५७	प्रदोषः
१३	बु	६	४८	म	५४	२२	सु	१७	४३	तै	६	४८	२६	७	५३	२१	११	१२	सिंहे	[×वक्रीबुधः३७।११छारेंडी
१४	गु	९	५९	पू	५९	३७	धृ	१७	२६	व	९	५९	३०	६	५४	२२	१२	१३	सिंहे	भ.५९उ.४२या.होलिकादहनम् भद्रोत्तरम्
१५	शु	१४	१	उ	६०	०	शू	१८	२९	ब	१४	१	३४	५	५५	२३	१३	१४	कं.१६।१५	मीनेऽर्कः२८।२४(सौरः३५।१४)×

४७पं.फा.शु.२श इ.३३।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	१	११	१०	११	१०
१७	२३	३	१८	१६	२६	४	१६
५	५१	१५	५	३५	२५	६	५७
२८	५०	११	५६	३६	१	३०	५२
६०	४	९७	४	१	७	३	६०
१२	मा	५३	४८	२०	१४	११	२०

गोचर ग्रहाः

फाल्गुनशुक्ले १५शुक्र मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ – कुमारावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायां.

गोचर ग्रहाः

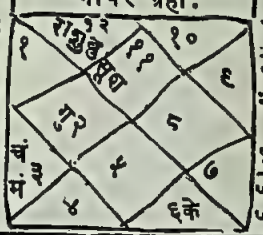

४८पं.फा.शु.९श.इ.३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	१	११	१०	११	१०
२४	२४	१२	१८	१५	२७	३	२३
६	३०	२०	४४	५०	१६	४४	५९
१४	७	५३	१०	३८	४४	१४	१५
५९	९	६२	५	५५	७	३	६०
५८	४८	३१	५९	व.	२०	११	६

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.

१	श	१९	१६	उ	६	११	गं	१९	४९	कौ	१९	१६	२९	६	५६	२४	१४	१५	कन्यायां	वसंत१ [+बुधास्तःपश्चिमायां३६
२	र	२५	१	ह	१२	५३	बृ	२१	४६	ग	२५	१	४३	३	५७	२५	१५	१६	तु.४६।३०	भ.५८उ.पूभा.४राहुःउफा. २केतुः३१+
३	चं	३१	१६	चि	२०	२३	ध्रु	२४	१	वि	३१	१६	४७	३	५७	२६	१६	१७	तुलायां	भ.३१या.उभा.रविः३९(सौरः५५०)÷
४	मं	३७	३८	स्वा	२८	१	ब्या	२६	२६	ब	४	२७	५१	२	५८	२७	१७	१८	तुलायां	[÷चतुर्थी व्र.
५	बु	४३	५५	वि	३५	३२	ह	२८	४५	कौ	१०	४७	५५	१	५९	२८	१८	१९	वृ.१८।३९	रोहिणी४गुरुः३४।५२
६	गु	४९	२९	अ	४२	१९	व	३०	२८	ग	१६	४२	३०	६	०	२९	१९	२०	वृश्चिके	भ.४९।२९उ.
७	शु	५३	५८	ज्ये	४८	५	सि	३१	१६	वि	२१	४३	४	५	९	१	३०	२०	२१	ध.४८।५	भ.३१या.शुक्रास्तःपश्चिमायां३६–
८	श	५६	५६	मू	५२	२०	व्य	३१	२	बा	२५	२७	८	५८	२	१	२१	२२	धनुषि	भा.चैत्रारंभः [–शीतलापूजनम्
९	र	५८	१३	पू	५४	५२	व	२९	३०	तै	२७	३४	१२	५८	२	२	२२	२३	धनुषि	[A११व्र.स्मा.
१०	चं	५७	१७	उ	५५	२३	प	२६	१६	व	२७	४५	१६	५७	३	३	२३	२४	म.१०।०	भ.२७।४५उ.५७।१७या.
११	मं	५४	२५	श्र	५३	५२	शि	२१	३१	ब	२५	५१	२१	५६	४	४	२४	२५	मकरे	शुक्रोदयःपूर्वस्यां२१।३६ पापमोचनीA
१२	बु	४९	३२	ध	५०	२४	सि	१५	५	कौ	२१	५८	२५	५५	५	५	२५	२६	कुं.२२।८	पापमोचनी११व्र.वै.
१३	गु	४२	४५	श	४५	१३	सा	७	५०	ग	१६	८	२९	५४	६	६	२६	२७	कुंभे	भ.४२।४५उ. प्रदोषः
१४	शु	३४	३५	पू	३८	४६	शु	४८	३	वि	८	४०	३३	५३	७	७	२७	२८	मी२४।५३	भ.८।४०या.
२०	श	२५	४०	उ	३१	३८	ब्र	३७	२३	च	०	७	३७	५३	७	८	२८	२९	मीने	उदयंशनेः४३।५७

४९पं.चै.कृ १श.इ.३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	१	११	१०	११	११
१	२५	१५	१९	१२	२८	३	०
५	४१	२७	३०	५५	८	२१	५८
२१	१०	०	४०	४८	५३	५८	५७
५९	१४	९०	६	२९	७	३	५९
४१	३२	व.	५२	व.	२०	११	४९

५०पं. चै.कृ.८श.इ.३४।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	१	११	१०	११	११
८	२७	१२	२०	८	२९	२	७
३	१३	८	२४	४५	०	५९	५६
१८	२६	६	४	५	२९	४३	५२
५९	१७	५३	८	३६	७	३	५९
२९	५५	व.	२	व.	१४	११	३५

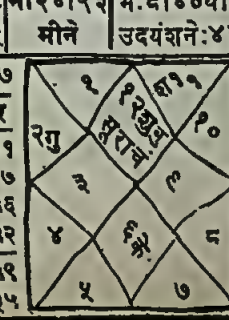

५१पं.चै.कृ.३०श.इ.३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	१	११	१०	११	११
१४	२९	६	२१	४	२९	२	१४
५९	१०	१३	२४	२८	५१	३७	५३
१०	५२	३६	४	३०	२२	२७	३
५९	२१	५५	८	१३	७	३	५९
१६	१	व.	५३	व.	८	११	१८

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२६, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२६, भोग्यकलिः४२६८७४, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८२, शाकः १९४७, अथास्मिन् वर्षे राजा रविः । मंत्री रविः । सस्येशः बुधः । धान्येशःचंद्रः । मेघेशः रविः। रसेशः शुक्रः । नीरसेशः बुधः । फलेशः शनिः । धनेशः भौमः।दुर्गेशःशनिः।एते दशाविकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टिसंवत्सराणां मध्येरुद्रविंशतिकायां १३सिद्धार्थनाम संवत्सरः प्रवर्तते।तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः ११८।४०।२०।१२ भोग्यमासादिः १०।११।१९।३९।४८ नासत्यदैवतं युगं। तत्रवर्षनाम कार्त्तिकः । मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासःसंधौ । समयनिवासो वणिकगृहे । समय विश्वा १२ समयवाहनमश्वः । स्तंभाः ३ जलतृणवायूनां।सोमवत्यनानास्ति सोमवती पंचमी१ अंगारकी चतुर्थी१भानुसप्तमी२बुधाष्टमीनास्ति रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३६० सूर्यदिनानि ३५५ तिथिक्षयः १५, तिथिवृद्धिः१० उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा ११ धान्यम् ११ तृणम् ५, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १११, शनिदृष्टिरुत्तरे । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहणे २चंद्रमसः ।

सं.२०८२ भाद्रपद शु. १५ रवौ खग्रास चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	९	१०	११	१२	१
मि.	५५	५७	४०	२३	२५
घ.	३८	४१	४३	४४	४७
प.	४०	१९	३	५०	२६

फाल्गुन शु. १५ भौमे खग्रास अस्तोदयं च चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	३	५	६
मि.	१५	१	४७

वर्ष लग्नम् ४।१९

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे नमू हो अंबा के दरबार ।
बैंयासी की साल में करके कहो विचार ।।

भवानी उत्तर

माता कहे पुकार के सुन हो भैरव लाल ।
बैंयासी की साल में मध्यम निपजे माल ।।
रविराजा इण वर्ष में आप भये परधान ।
अन्न विदेशां आयसी वर्षा की हो हाण ।।
समय निवासो वैश्यघर दिनमणी है मेघेश ।
जो गेहूं संचय करो होसी लाभ विशेष ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
शर्मा कहे विचार के भजन करो करतार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ९।१८

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।३।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।११।३१

÷चंसूशुबुरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) =राबुशु

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा रविः फलम् ।। सूर्ये नृपे स्वल्प फलाश्चमेघाः स्वल्पं पयो गोषु जनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्प वृक्षाश्चौराग्नि बाधा निधनं नृपाणाम् ।। मंत्रि रविः फलम् ।। नृप भयं गदतोपिहितस्करात्प्रचुर धान्य धनादि महीतले रसचयं हि समर्घतमं तदा रविरमात्य पदं हि समागतः ।। सस्येशः बुधः फलम् ।। जलधरा जलराशि मुचो भृशं सुखसमृद्धि युतं निरुपद्रवं । द्विजगणाः स्तुति पाठकराः सदा प्रथम सस्यपतौ सतिबोधने ।। धान्येशश्चंद्रस्तत्फलं- चंद्रे धान्याधिपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजायते । गोधूमा सर्षपाश्चैव गोषुक्षीरं तदा बहुः ।। मेघेशः रविः फलम् ।। जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनता रसम् । यव चणेक्षु नीवार सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशःशुक्रःफलं ।। यजन याजनकोत्सवउत्सुका जनपदा जल तोषित मानसाः । सुख सुभिक्ष सुमोदवती धरा धरणीपाहृत पापगण प्रियाः नीरसेशः बुधस्तत्फलम् ।। चित्र वस्त्रादिकञ्चैव शंख चंदन पूर्वकम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधोयदि ।। फलेशः शनिः फलम् ।। यदि शनिः फलपः फलहा भवेज्जनित पुष्प गणस्य द्रुमः सदा । हिमभयं वर तस्कर जन्तुभिः जनपदो गद राशि महाकुलः ।। धनेशो भौमः फलम् ।। असम मौल्य करो धरणी सुतः शरदि तापकरस्तुष धान्य हृत् । सहसि मासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोक विधायकः ।। दुर्गेशः शनिः फलम् ।। रविसुते गढ़ पालिनि विग्रहैः सकल देश गताश्चलिता जनाः । विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनं शलभैर्मुषितं भुवि ।। सिद्धार्थ नाम संवत्सरः फलम् ।। सिद्धार्थ वत्सरे भूयो ज्ञान वैराग्य युक् प्रजाः । सकला वसुधा भाति बहु हुसस्यार्घ वृष्टिभिः ।। वर्षनाम कार्तिकः फलं ।। स्यात्पीड़ा कार्तिके वर्षे वन्हि गावोपजीविनां । शस्त्राग्नेश्च भयं वृद्धिः पुष्पको शुंभजीविनां ।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्ते जल पूरिता । रोहिणी निवासः संघो फलम् ।। खण्ड वृष्टिश्च संविषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे फलम् ।। वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा १ चन्द्रे स्वात्यां ल.८ (गु.पू.सत्) रे.८।।।।।।ऽऽ।।
,, ३ बुधे अनु ल. ११ रे. ७ ।ऽ।।ऽअऽ।।।
शुक्ला २ भौमे रोहि ल. ८ (गु.चं.पूज्यौ) ल. ११ रे.८
।।।।।ऽचौऽ।।।
,, ३ बुधे मृगे ल.८ (गु.चं.पूज्यौ) रे.१० ।।।।।।।।।
,, ८ चन्द्रे मघा ल. गो. ८-११ रे. ७ ऽ।।।।ऽ।ऽ।
(वृश्चिकेगु.पू.)कुंभेचं.पू. गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १ भौमे अनु ल. ११ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।
,, ५ शनौ उषा ल. गो. रे. ६ ।।।ऽबृ।ऽऽऽ।।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः पादाद्वेधाऽभावः
शुक्ला ६ रवौ मघा ल. १ (श.पू.) रे. ६ ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।
,, ७ चन्द्रे मघा ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।
,, १२ शनौ स्वात्यां ल. १ (चं.श.पूज्यौ) रे. ६
ऽ।।।ऽऽनृ।।।ऽ घ. ४३ या परिघार्धम्

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १२ रवौ हस्ते ल. ४ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।
शुक्ला २ शनौ मूले ल. ७ रे. ७ ।।।ऽबृ।ऽचौऽ।।।
पादतो वेधाऽभावः
,, ५ भौमे उषा ल. ऽन्यगो ४ रे. ६ ।ऽ।।ऽ।ऽऽ।।
गोधूल्यां सप्तमे भौमः । कर्के चन्द्रः ७ पूज्यः ।
,, १० रवौ उभा ल. गो. ४ रे. ७ ।।।।।ऽऽ।ऽ
गोधूल्यां सप्तमे भौमः
,, १४ गुरौ रोहि ल. ४ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ बुधे उफा ल. ७-६ (घ.४२-५उ) रे. ८
ऽ।।।।।।ऽ।। (धनुषि गु.७मे.पूज्यः)
,, ४ गुरौ उफा ल. गो. (सप्तमस्थो भौमः) रे. ७
ऽ।।।।ऽ।ऽ।।
,, ८ भौमे अनु ल. ऽन्यगो ७ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णा ६ चन्द्रे अनु ल. ऽन्यगो (सप्तमे भौमः) रे. ७
ऽऽ।।।ऽचौ।।।।
,, ८ बुधे मूले ल. १० रे. ७ ।।।ऽबृ।ऽरो।ऽ।।
पादतो वेधाऽभावः

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१०७स.२०२५
१	र १६ ११ रे २४ ११ ए २६ ४६ ब १६ ११	३०	५	६	९	२९	३०	मे.२४।११	कर्के भौमः ५५ पूभा ४ मीने शनिः ४७ चन्द्र=
२	चं ६ ४६ अ १६ ५२ वै १६ २४ कौ ६ ४६	४५	५१	६	१०	१	३१	मेषे	रेवत्यां रविः १३ (सौरः २३) बुधोदयः×
३	चं ५१ ११ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=वर्षनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः A
४	मं ४६ ५६ भ १० १४ वि ६५ ५१ व २३ ५६	४९	५०	१०	११	२	१	वृ.२३।५२	भ.२३ उ.५९ या.अप्रेल ४ता.३०
५	बु ४३ २६ कृ ४ ४६ आ ५० १ ब १६ ४२	५३	४९	११	१२	३	२	वृषे	[×पूर्वस्यां ५१ वक्री पूभा.शुक्रः ३६+
६	गु ३८ १८ रो ० ४३ ५७ सौ ४३ ३० कौ १०	५२	५७	४६	११	१३	४	३	मि २६।३१	[+सव्वाल १० मत्स्यज.गणगौरी
७	शु ३४ ५८ आ ५७ ३३ शो ३८ ३१ ग ६	३८	३१	४८	१२	१४	५	४	मिथुने	भ.३४ उ.वक्री पूभा.बुधः ३५
८	श ३३ ८ पु ५८ १६ अ ३४ ४७ वि ४	३	५	४७	१३	१५	६	५	क.४३।५	भ.४।३या. [Aसिंधारा
९	र ३३ २ पु ६० ० सु ३२ २५ बा ३	५	१०	४६	१४	१६	७	६	कर्के	रामनवमी
१०	चं ३४ ३० पु ० ४० धृ ३१ १० तै ३	४६	१४	४५	१५	१७	८	७	कर्के	
११	मं ३७ ७ श्ले ४ २५ शू ३१ ४ ब ५	४८	१८	४४	१६	१८	९	८	सिं४।२५	भ.५८ उ.३५ या.मार्गी बुधः ४६÷
१२	बु ४१ ३ म ९ २१ गं ३१ ४१ ब ९	५	२२	४४	१६	१९	१०	९	सिंहे	[÷कामदा ११ व्र.
१३	गु ४५ ४१ पू १५ १३ बृ ३२ ३८ कौ १३	२२	२६	४३	१७	२०	११	१०	कं.३१।५४	उभा.बुधः २७ मृग.१ गुरुः ४४ प्रदोषः
१४	शु ५१ २५ उ २१ ५५ ध्रु ३४ २८ ग १८	३३	३०	४२	१८	२१	१२	११	कन्यायां	भ.५१।२५उ.पुष्येभौमः २३।२
१५	श ५७ ८ ह २८ ४८ व्या ३६ ३१ वि २४	१६	३४	४१	१९	२२	१३	१२	कन्यायां	भ.३६ या.मार्गीशुक्रः ३० हनुमज्जयंती

५२गं.चै.शु.८श.इ. ३५ १८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	१	११	११	११	११
२१	१	३	२२	१	०	२	२१
५३	२८	२	३०	३०	४१	१५	४७
३१	२३	२०	०	४	२४	१२	१४
५९	२३	३५	९	३५	७	३	५९
४	४१	व	४२	व.	२	११	४

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य गल्ला धातु गुड़ शक्कर रुई वस्त्र तेज हो प्रजा में बिमारी फैले ।

गोचर ग्रहाः

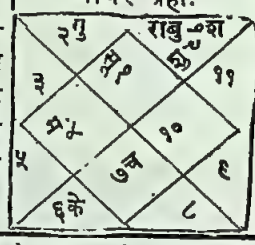

१ पं.वै.कृ १र.इ. ५१ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	१	११	११	११	११
०	४	४	२३	०	१	१	२९
०	२९	३४	५२	२४	३९	४९	५३
०	२	८	४८	२२	५४	७	२९
५८	२६	२१	१०	१२	६	३	५८
४४	११	मा	३२	मा	४३	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	र ६० ० चि ३६ १७ ह ३८ ५० बा ३०	१४	३१	५	६	२०	२३	१४	१३ तु.२।३२	अश्वि.मेषेऽर्कः ५१।४ (सौरः ५७।५०)
१	चं ३ २० स्वा ४३ ५७ व ४१ १० कौ ३	२०	४३	४०	२०	२४	१५	१४	तुलायां	
२	मं ९ ३९ वि ५१ २२ सि ४३ ३० ग ९	३९	४६	३९	२१	२५	१६	१५	वृ.३४।२६	भ.४२।४१उ.
३	बु १५ ४२ अ ५८ १६ व्य ४५ २३ वि १५	४२	५०	३८	२२	२६	१७	१६	वृश्चिके	भ.१५।४२या. चतुर्थी व्र.
४	गु २१ ५ ज्ये ६० ० व ४६ ३९ बा २१	५	५३	३७	२३	२७	१८	१७	वृश्चिके	
५	शु २५ ४१ ज्ये ४ ३३ ग ४७ ११ तै २५	४१	५७	३७	२३	२८	१९	१८	ध ४।३३	
६	श २९ ७ मू ९ ४० शि ४६ ४० व २९	७	३३	३६	२४	२९	२०	१९	धनुषि	भ.२९।७उ.
७	र ३१ १५ पू १३ २८ सि ४४ ५६ वि ०	११	५	३५	२५	३०	२१	२०	म.२९।२	भ.०।११या.
८	चं ३१ २८ उ १५ ४३ सा ४१ ५२ बा १	२१	९	३४	२६	१	२२	२१	मकरे	भा.वैशाखारंभः
९	मं ३० ४ श्र १५ ५८ शु ३७ ५ तै ०	४६	१२	३४	२६	२	२३	२२	कुं.४५।१५	भ.५८।१८उ.
१०	बु २६ ३३ ध १४ ३२ शु ३० ५८ वि २६	३३	१६	३३	२७	३	२४	२३	कुंभे	भ.२६।३३या.
११	गु २१ ९ श ११ ३ ब्र २३ ११ बा २१	९	२०	३२	२८	४	२५	२४	मी५२।२०	वरुथिनी ११व्र.
१२	शु १४ १४ पू ६ ५३ ते १४ १७ तै १४	१४	२३	३१	२९	५	२६	२५	मीने	उभा.शुक्रः ५२।४९ प्रदोषः
१३	श ५ ५४ रे ५२ १६ चे ४३ ३९ व ५	५४	२७	३१	२९	६	२७	२६	मे.५२।१२	भ ५।५४उ.३१।७या.
१४	श ५० २६ ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–रेवत्यां बुधः ३०।०
३०	र ४६ २६ अ ४४ १० प्री ४२ ४६ च २१	२३	३१	३०	३०	७	२८	२७	मेषे	भरण्यां रविः ३१।१७ (सौरः ३९।१५)–

२पं.वै कृ.७र.इ.५१।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	१	११	११	११	०
६	७	९	२५	१	२	१	६
५०	१७	३२	९	३४	२६	२६	४३
४६	४६	२०	४०	४१	२८	५१	४०
५८	२८	४८	११	१७	६	३	५८
३१	१	१२	१०	३४	२८	११	२९

गोचर ग्रहाः

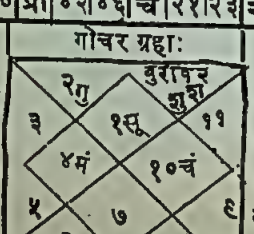

वैशाख कृष्णे १ रवौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

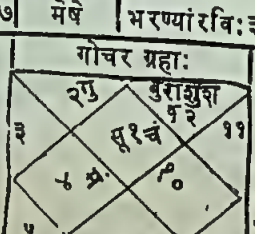

३पं.वै.कृ.३०र.इ. ५१ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	१	११	११	११	०
१३	१०	१७	२६	४	३	१	१३
३९	१९	५	३०	१८	११	४	३२
५०	५५	१०	१८	३६	१३	३६	५
५८	२९	६९	११	२९	६	३	५८
१९	२८	४८	४७	४५	१४	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७												वि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः५१३६स.२०२५
१	चं	३६	२५	भ	३६	२१	आ	३१	५०	किं	११	२५	३२/३४	५/२९	६/३१	८	२९	२८	वृ.४९।३२	मृग.२गुरुः४१।२उभा.१शनिः१६।१२
२	मं	२६	५१	कृ	२९	५	सौ	२१	२८	बा	१	३८	३८	२८	३२	९	३०	२९	वृषे	चंद्रदर्शनम् परशुरामजयंती
३	बु	१८	२८	रो	२३	१९	शो	१२	२	ग	१८	२८	४१	२८	३२	१०	१	३०	मि५०।५०	भ.४५।१उ.जिल्काद११अक्षया३
४	गु	११	३४	मृ	१८	२२	अ	३/४०	५३/२५	वि	११	३४	४५	२७	३३	११	२	१	मिथुने	भ.११।३४या.मई५ता.३१
५	शु	६	२७	आ	१५	४२	धृ	५१	५९	बा	६	२७	४८	२६	३४	१२	३	२	मिथुने	
६	श	३	१०	पु	१४	५३	शू	४८	२१	तै	३	१०	५२	२६	३४	१३	४	३	क.०।५	
७	र	१	५८	पु	१६	११	गं	४६	२३	व	१	५८	५५	२५	३५	१४	५	४	कर्के	भ.१।५८उ.३२।२४या.
८	चं	२	५०	श्ले	१९	१७	धृ	४५	५३	ब	२	५०	५८	२४	३६	१५	६	५	सिं१९।१७	पातस्पर्शः१०।१०पातमोक्षः२२।१३
९	मं	५	२६	म	२३	५९	ध्रु	४६	३८	कौ	५	२६	३३/२	२४	३६	१६	७	६	सिंहें	[=(सौरः२७/७)आश्ले.भौमः३६/४
१०	बु	९	३१	पू	३०	१	व्या	४७	५६	ग	९	३१	५	२३	३७	१७	८	७	कं.४६।४३	भ.४२।१उ.अश्वि.मेषेबुधः४।५५
११	गु	१४	३१	उ	३६	४९	ह	५०	२	वि	१४	३१	८	२२	३८	१८	९	८	कन्यायां	भ.१४।३१या मोहिनी११व्र.
१२	शु	२०	३१	ह	४४	११	व	५२	१७	बा	२०	३१	११	२२	३८	१९	१०	९	कन्यायां	प्रदोषः
१३	श	२६	३३	चि	५१	४८	सि	५४	४३	तै	२६	३३	१४	२१	३९	२०	११	१०	तु.१८।०	नृसिंहजयंती
१४	र	३२	४४	स्वा	५९	३	व्य	५७	१	व	३२	३४	१७	२१	३९	२१	१२	११	तुलायां	भ.३२/४४उ.५५/४३या.कृत्ति.रविः१७/१३=
१५	चं	३८	४१	वि	६०	०	व	५९	१२	वि	५	४२	२०	२०	४०	२२	१३	१२	वृ.४९।२६	यमाय कुंभदानम्

४पं वै.शु.७र.इ ५१/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	१	११	११	११	०
२०	१३	२६	२७	८	३	०	२०
२७	३०	४१	५४	१७	५३	४२	१८
२९	५०	६	५४	१७	३१	२०	५१
५८	३०	८९	१२	३९	५	३	५७
६	४१	७१	१४	९	५०	११	५७

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन धातु गल्ला धान रस में तेजी करेगा कहीं २ अच्छी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

५पं.वै.शु.१४र.इ. ५३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	१	११	११	११	०
२७	१६	८	२९	१३	४	०	२७
१३	४८	२	२२	१२	३३	२०	४
३७	२८	३५	८	५०	२९	५	५
५७	३१	५७/५	१२	४६	७	३	५७
५४	४६		३२	२३	२६	११	४५

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	मं	४४	१९	वि	६	१४	प	६०	०	बा	११	३०	३३/२३	५/१९	६/४१	२३	१४	१३	वृश्चिके	[मृग.३मिथुनेगुरु ५३/२०
२	बु	४९	२१	अ	१२	५८	प	०	५८	तै	१६	५०	२६	१९	४१	२४	१५	१४	वृश्चिके	वृषेऽर्कः४४/२८(सौरः५०/०) भरण्यांबुधः५१/३५×
३	गु	५३	२३	ज्ये	१८	४४	शि	२	२	व	२१	२२	२८	१८	४२	२५	१६	१५	ध.१८।४४	भ.२१।२२उ.५३।२३या.
४	शु	५५	२३	मू	२३	४९	सि	२	२८	ब	२४	२३	३१	१८	४२	२६	१७	१६	धनुषि	रेवत्यांशुक्रः२२।७ चतुर्थी व्र.
५	श	५८	२१	पू	२८	६	सा	२	१०	कौ	२६	५२	३४	१७	४३	२७	१८	१७	म.४३।५०	[+सिंहेकेतुः११/३बुधास्तःपूर्वस्यां५०/३१
६	र	५९	१३	उ	३०	५८	शु	१/६	५७/४७	ग	२८	४७	३७	१७	४३	२८	१९	१८	मकरे	भ.५९/१३उ.पूभा.३कुंभेराहुःउफा.१+
७	चं	५८	३५	श्र	३२	३४	ब्र	५५	३३	वि	२८	५४	३९	१६	४४	२९	२०	१९	मकरे	भ.२८/५४या.पातस्पर्शः९/१६पातमोक्षः२३/५
८	मं	५६	२२	ध	३२	४३	ऐं	५०	५४	बा	२७	२८	४२	१६	४४	३०	२१	२०	कुं.२।३८	
९	बु	५२	३७	श	३१	१०	वै	४५	४	तै	२४	२९	४४	१५	४५	३१	२२	२१	कुंभे	कृत्ति.बुधः४२।१३
१०	गु	४७	२६	पू	२८	१०	वि	३८	२	व	२०	१	४७	१५	४५	१	२३	२२	मी१३।५५	भ.२०।१उ.४७।२६या.भा.ज्येष्ठारंभः
११	शु	४०	४६	उ	२३	४७	प्री	२९	५१	ब	१४	६	४९	१४	४६	२	२४	२३	मीने	वृषेबुधः१९।१३अपरा११व्र.
१२	श	३२	४६	रे	१८	४	आ	२०	४०	कौ	६	४६	५२	१४	४६	३	२५	२४	मे.१८।४	प्रदोषः
१३	र	२३	५३	अ	११	२६	सौ	१०	४९	व	२३	५३	५४	१३	४७	४	२६	२५	मेषे	भ.२३।५३उ.४९।२०या.रोहि रविः÷
१४	चं	१४	२२	भ	४/५	५२/३३	शो	०/२२	४९/२९	श	१४	२२	५६	१३	४७	५	२७	२६	वृ.१७।१३	[÷७।५०(सौरः२१/२)
३०	मं	४	४१	रो	४९	४३	सु	३९	४४	ना	४	४१	५८	१२	४८	६	२८	२७	वृषे	वटपूजनम्

६पं. ज्ये.कृ. ६र.इ. ५२/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	२	११	११	१०	१
३	२०	२१	०	१८	५	२९	३
५८	१५	०	५१	४९	९	५७	४७
४४	२९	२९	४३	१२	४०	४९	४९
५७	३२	[illegible]	१२	५१	४	३	५७
४४	५२	[illegible]	५६	३९	५६	११	३४

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ कृष्णे २ बुधे वृषेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी)मु.१५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

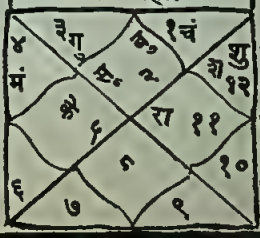

७पं.ज्ये.कृ.१३र.इ.५२/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	२	११	११	१०	१
१०	२३	५	२	२४	५	२९	१०
४२	५०	२५	२३	५८	४२	३५	३०
४०	२०	५२	५३	२६	२९	३३	०
५७	३३	[illegible]	१३	५६	४	३	५७
३५	३६	५०	१५	१	३५	११	२३

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५१६६स.२०२५

१	मं	५०	५२	०	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=१६।३४मृग.४गुरुः५।५४
२	बु	४७	३१	मृ	४३	३८	धृ	३०	१७	बा	२१	३२	३४ ००	५ १२	६ ४८	७	२९	२८	मि१६।४० रोहि.बुधः०।५१ चंद्रदर्शनम्
३	गु	४०	४४	आ	३६	७	शू	२२	४	तै	१४	७	२	१२	४८	८	१	२६	मिथुने जिल्हेज १२
४	शु	३६	११	पु	३६	२६	गं	१५	४	व	८	२७	३	११	४६	९	२	३०	क.२२।६ भ.८।२७उ.३६।११या.अश्वि.मेषे शुक्रः=
५	श	३३	३५	पु	३५	५२	कृ	१०	१	ब	४	५३	५	११	४९	१०	३	३१	कर्के पातस्पर्शः१३।१पातमोक्षः२७।६
६	र	३३	५	श्ले	३७	३०	धु	६	४५	कौ	३	२०	७	११	४६	११	४	१	सिं३७।३० जून६ता.३०.
७	चं	३४	४०	म	४०	५६	व्या	४	५४	ग	३	५२	९	१०	५०	१२	५	२	सिंहे भ.३४।४०उ.
८	मं	३८	१२	पू	४६	५	ह	४	५५	वि	६	२६	१०	१०	५०	१३	६	३	सिंहे भ.६।२६या.मृगेबुधः२।४३
९	बु	४२	५२	उ	५२	२८	व	५	३६	बा	१०	३२	१२	१०	५०	१४	७	४	कं.२।४१ [×मघा.सिंहेभौमः४०निर्जला११व्र.
१०	गु	४८	५६	ह	५६	५२	सि	७	२६	तै	१५	५४	१३	९	५१	१५	८	५	कन्यायां गंगादशमी
११	शु	५५	३	चि	६०	०	व्य	९	५१	व	२१	५९	१५	९	५१	१६	९	६	तु.३३।४२ भ.२१उ.५५या.मिथुनेबुधः२।५१×
१२	श	६०	०	चि	७	३२	व	१२	२५	ब	२८	९	१६	९	५१	१७	१०	७	तुलायां [+बुधोदयःपश्चिमायां५८।०
१३	र	१	१६	स्वा	१५	८	प	१४	५६	बा	१	१६	१७	९	५१	१८	११	८	तुलायां मृगेरविः२।४३ (सौरः१६) प्रदोषः
१३	चं	७	३	वि	२२	१७	शि	१७	४	तै	७	३	१८	८	५२	१९	१२	९	वृ.५।३० आर्द्रा.बुधः२५उभा.२शनिः४८।३३+
१४	मं	१२	२१	अ	२८	४३	सि	१८	३६	व	१२	२१	१९	८	५२	२०	१३	१०	वृश्चिके भ.१२।२१उ.४४।२९या.
१५	बु	१६	३७	ज्ये	३४	५	सा	१९	२५	ब	१६	३७	१९	८	५२	२१	१४	११	ध.३४।५ गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

८पं.ज्ये.शु.६र.इ. ५२ २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	२	०	११	१०	१
१७	२७	२०	३	१	६	२९	१७
२५	३१	४९	५७	३१	११	१३	११
२६	३०	२६	१८	५२	३८	१८	६
५७	३४	२८	१३	५९	६	३	५७
२७	२६	२८	२६	२३	५६	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धातु सोना चांदी लोहा गुड़ शक्कर रसकस मंदे हो धान्य व गल्ला कुछ तेज हो कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.शु.१२र.इ. ५२ २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	२	०	११	१०	१
२४	१	५	५	८	६	२८	२३
७	१७	४६	३१	२६	३६	५१	५१
३०	१७	१६	४४	४६	५०	२	२
५७	३५	२८	१३	६१	३	३	५७
२२	३१	३३	३२	५७	२३	११	५

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चंद्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.

१	गु	१९	५५	मू	३८	३१	शु	१९	३०	कौ	१९	५५	३४ ०	५ ८	६ ५२	२२	१५	१२	धनुषि [-आर्द्रा.१गुरुः५२।४१
२	शु	२२	५	पू	५१	५५	शु	१८	४९	ग	२२	५	२१	८	५२	२३	१६	१३	म.५७।३३ भ.५२।३७उ.भरण्यांशुक्रः४५।२-
३	श	२३	१०	उ	४४	२८	ब्र	१७	१४	वि	२३	१०	२१	८	५२	२४	१७	१४	मकरे अ.३३या.अस्तगुरोः२१ चतुर्थी व्र.
४	र	२३	१३	श्र	४६	७	ऐं	१४	५३	बा	२३	१३	२२	८	५२	२५	१८	१५	मकरे मिथुनेऽर्कः१।१७(सौरः२०।४०)
५	चं	२२	१६	ध	४६	३०	वै	११	३८	तै	२२	१६	२२	८	५२	२६	१९	१६	कुं.१६।१८ पुन.बुधः२३।१६
६	मं	२०	२१	श	४५	५९	वि	७	३५	व	२०	२१	२३	७	५३	२७	२०	१७	कुम्भे भ.२०।२१उ.४८।४८या.
७	बु	१७	१५	पू	४४	११	प्री	२ ४३	५४ ११४	ब	१७	१५	२३	७	५३	२८	२१	१८	मी२९।३८
८	गु	१३	१९	उ	४१	३५	सौ	५०	२९	कौ	१३	१९	२३	७	५३	२९	२२	१९	मीने
९	शु	८	२३	रे	३७	५२	शो	४३	८	ग	८	२३	२४	७	५३	३०	२३	२०	मे.३७।५२
१०	श	२	१३	अ	३३	१६	अ	३४	५६	वि	२	१३	२४	७	५३	३१	२४	२१	मेषे भ.३५।१८उ.
११	श	५३	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	भ.२।१३या.योगिनी११व्र.स्मा.
१२	र	४७	२९	भ	२७	४९	सु	२६	१७	कौ	२१	२२	२४	७	५३	१	२५	२२	[Aकर्केबुधः३५भा.आषाढारंभः आर्द्रा.रविः०।१२(सौरः२२।१३)A
१३	चं	३९	१४	कृ	२१	४८	धृ	१६	५९	ग	१३	२१	२४	७	५३	२	२६	२३	वृषे भ.३९।१४उ. प्रदोषः
१४	मं	३१	१	रो	१५	५२	शू	७ ५०	५०	वि	५	७	२४	७	५३	३	२७	२४	मि४२।५८ भ.५।७या.पुष्येबुधः५०।२८
२०	बु	२३	१९	मृ	१०	४	बृ	५०	११	ना	२३	१९	२३	७	५३	४	२८	२५	मिथुने [Dयोगिनी११व्र.वै.

१०पं.आ.कृ.४र.इ. ५२ २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	२	०	१०	१०	२
०	५	१९	७	१५	६	२८	०
४८	७	४	७	३५	५७	२८	३०
४७	५५	१६	१२	४६	४७	४७	११
५७	३५	०८	१३	६३	२	३	५६
१७	१४	०७	२८	५०	२८	११	५७

गोचर ग्रहाः

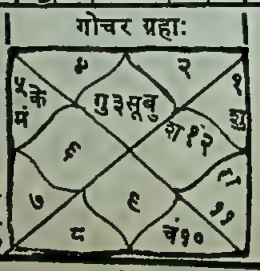

आषाढ कृष्णे ४ रवौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

११पं.आ.कृ.१२र.इ. ५२ २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	०	११	१०	२
७	९	०	८	२२	७	२८	७
२९	२	२४	४३	५७	१४	६	८
४२	६	३२	३६	५४	२	३१	२८
५७	३६	८९	१३	६५	२	३	५६
१३	८	७	३८	३६	०	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहोरात्राणि:५१९५स.२०२५

१	गु	१६	३५	आ	५	११	ध्रु	४२	४३	ब	१६	३५	३४	५	६	५	२९	२६	क.४७।२७' कृत्ति.शुक्रः१५।३० चन्द्रदर्शनम्
२	शु	११	११	पु	३२	५८	व्या	३६	२८	को	११	११	२२	८	५२	६	१	२७	कर्के मोहोरम१सन्१४४७हि.रथयात्रा
३	श	७	३१	श्ले	५९	३७	ह	३१	४०	ग	७	३१	२२	८	५२	७	२	२८	सिं५९।३७ भ.३६।४६उ.आर्द्रा.२गुरुः२६।४४
४	र	६	१	म	६०	०	व	२८	२८	वि	६	१	२१	८	५२	८	३	२९	सिंहे भ.६।१या.वृषेशुक्रः३४।३०
५	चं	६	२८	म	१	३८	सि	२७	२५	बा	६	२८	२०	८	५२	९	४	३०	सिंहे पूफा.भौमः२२।६
६	मं	८	५६	पू	५	३३	व्य	२७	८	तै	८	५६	१९	८	५२	१०	५	१	क.२१।५३ जुलाई७ता.३१
७	बु	१३	२	उ	१०	५५	व	२८	१७	ब	१३	२	१८	८	५२	११	६	२	कन्यायां भ.१३।२उ.४५।५०या.
८	गु	१८	३८	ह	१७	५०	प	३०	१७	ब	१८	३८	१७	९	५१	१२	७	३	तु.५१।३१
९	शु	२४	३५	चि	२५	१३	शि	३२	४६	को	२४	३५	१६	९	५१	१३	८	४	तुलायां [=सौरः२६।१५देवशयनी११व्र.
१०	श	३०	४४	स्वा	३२	५३	सि	३५	१२	ग	३०	४४	१५	९	५१	१४	९	५	तुलायां पुन.रविः५९।२
११	र	३६	४३	वि	४०	५	सा	३७	२५	ब	३	४३	१४	९	५१	१५	१०	६	वृ.२३।३८ भ.३।४३उ.३६।४३या.पुन.रविः=
१२	चं	४१	४८	अ	४६	४०	शु	३९	८	ब	९	१५	१३	९	५१	१६	११	७	वृश्चिके आश्ले.बुधः४।२७उदयंगुरोः५६।२४
१३	मं	४५	४८	ज्ये	५२	२	शु	३९	५४	को	१३	४८	११	१०	५०	१७	१२	८	ध.५२।२ रोहि.शुक्रः२६।५० प्रदोषः
१४	बु	४८	२६	मू	५६	०	ब्र	३९	४५	ग	१७	७	१०	१०	५०	१८	१३	९	धनुषि भ.४८।२६उ.
१५	गु	४९	३६	पू	५८	४७	ऐं	३८	२५	वि	१९	१	८	१०	५०	१९	१४	१०	धनुषि भ१९।१या.व्यासपूजावायुपरीक्षागुरुः१५

१२पं.आ.शु.४र.इ. ५२ १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	१	११	१०	२
१४	१३	९	१०	०	७	२७	१३
१०	१	४०	१९	३१	२६	४४	४६
८	५५	५	२६	१	२४	१५	४३
५७	३६	६६	१३	६७	१	३	५६
७	३२	२२	३८	२	२२	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं जो चना मटरबाजरा सरसों आदि में मंदी हो वर्षा अच्छी हो रुई तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

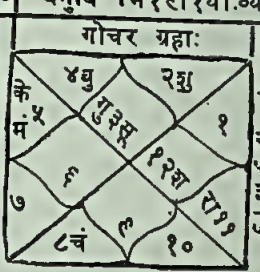

१३पं.आ.शु.११र.इ. ५२ १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	१	११	१०	२
२०	१७	१६	११	८	७	२७	२०
५०	५	३१	५४	१२	३२	२२	२४
३५	४९	४१	५८	२९	२	०	३७
५७	३७	४०	१३	६८	०	३	५६
७	८	४५	३२	१०	४३	११	५०

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.

१	शु	४९	३४	उ	६०	०	वै	३६	१७	बा	१९	३५	३४	५	६	२०	१५	११	[×वक्रीबुधः१३।४२
२	श	४८	२२	उ	०	२५	वि	३३	२	तै	१८	५८	५	११	४९	२१	१६	१२	म.१४।११ मकरे वक्रीशनिः४६।९
३	र	४६	१०	श्र	०	५३	प्री	२९	०	व	१७	१६	३	११	४९	२२	१७	१३	कुं.३०।३५ भ.१७उ.१९या.आर्द्रा.३गुरुः१०।९
४	चं	४३	१०	ध	१७	४८	आ	२४	२३	ब	१४	४०	१	१२	४८	२३	१८	१४	कुंभे चतुर्थी व्र.
५	मं	३९	१९	पू	५७	२१	सौ	१९	३	को	११	१४	५९	१२	४८	२४	१९	१५	मी४२।४७ नाग५मरुस्थले
६	बु	३५	१९	उ	५४	५९	शो	१३	१६	ग	७	१९	५७	१३	४७	२५	२०	१६	मीने भ.३५उ.कर्के ऽर्कः२८ (सौरः५९)×
७	गु	३०	४४	रे	५२	१०	अ	७	११	वि	३	१	५५	१३	४७	२६	२१	१७	मे.५२।१० भ.३।१या. [+केतुः४।२८
८	शु	२५	४०	अ	४८	५२	सु	०	५३	को	२५	४०	५२	१४	४६	२७	२२	१८	मेषे [−मृगेशुक्रः२३पूभा.२राहुःपूफा.४+
९	श	२०	११	भ	४५	११	शू	४६	२३	ग	२०	११	५२	१४	४६	२८	२३	१९	वृ.५९।१६ भ.४७।११उ.पुष्येरविः५७।४६
१०	र	१४	१०	कृ	४१	३२	गं	३८	५१	वि	१४	१०	४८	१४	४६	२९	२४	२०	वृषे भ.१४।१०या.पुष्येरविःसौरः२९।४०−
११	चं	७	५५	रो	३६	४४	वृ	३१	४	बा	७	५५	४५	१५	४५	३०	२५	२१	वृषे कामिका११व्र.
१२	मं	१	३४	मृ	३२	३६	धु	२४	१	तै	१	३४	४३	१५	४५	३१	२६	२२	मि४।४० भ.५५उ.उफा.भौमः५३ प्रदोषः
१३	मं	५३	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० [H भा.श्रावणारंभः
१४	बु	४९	५०	आ	२८	४३	च्या	१५	५७	वि	२२	३९	४०	१६	४४	१	२७	२३	मिथुने भ.२२।३९या.बुधास्तःपश्चिमायां४५H
३०	गु	४५	८	पु	२५	४०	ह	९	४	च	१७	२९	३८	१६	४४	२	२८	२४	कं.११।२६ हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.३र.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	१	११	१०	२
२७	२१	२०	१३	१६	७	२६	२७
३०	१२	२८	२९	०	२३	५९	२
५४	४	३७	३१	५४	५४	४४	४४
५७	३८	१०	१३	६९	०	३	५६
११	१	२५	२८	२	२.	११	५४

गोचर ग्रहाः

श्रावण कृष्णे ६ बुधे कर्के ऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

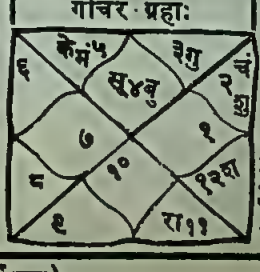

१५पं.श्रा.कृ.१०र.इ. ५१ १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	२	१	११	१०	३
४	२५	२०	१५	२३	७	२६	३
११	२३	५६	३	५७	३०	३७	४१
३८	२	२	४	७	४७	२९	११
५७	३७	३८	१३	६९	५९	३	५६
१५	५६	व.२०	५६	व.	११	५९	

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽर्हगणः ५२२४सन् २०२५
१	शु ४१ ३१ पु २३ ३४ व २ ४७ ५५ किं १३ २३ ३३ ५ १७ ६ ३३	३	२९	२५				कर्के	
२	श ३९ ५४ श्ले २३ १० व्य ५४ ५ बा १० ४६ ३३ १७ ४३	४	३०	२६				सिं २३।१०	मिथुनेशुक्रः १५ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	र ३९ ५६ म २४ १९ व ५१ ५१ तै ९ ५५ ३० १८ ४२	५	१	२७				सिंहे	सफर २ तीज
४	चं ४१ ५२ पू २७ ७ प ५० ४८ व १० ५४ २७ १९ ४१	६	२	२८				कं.४३।१६	भ.१५ उ.४३ या.कन्यायांभौमः ५५=
५	मं ४५ १९ उ ३१ ४४ शि ५१ ६ ब १३ ३५ २४ १९ ४१	७	३	२९				कन्यायां	वक्रीपुष्येबुधः २२।३६नागपंचमी
६	बु ५० १९ ह ३७ ५६ सि ५२ ४७ कौ १७ ४९ २२ २० ४०	८	४	३०				कन्यायां	[=आर्द्रा.४गुरुः ३ ४ वरद ४
७	गु ५६ ४ चि ४४ ४६ सौ ५४ ३६ ग २३ ११ १९ २० ४०	९	५	३१				तु.११।२१	भ.५६।४उ.आर्द्राशुक्रः ५९।७
८	शु ६० ० स्वा ५२ २५ शु ५७ ८ वि २९ ८ १६ २१ ३९	१०	६	१				तुलायां	भ.२९।८या.अगस्त८ता.३१
८	श २ १२ वि ५९ ४७ शु ५९ ३१ ब २ १२ १३ २१ ३९	११	७	२				वृ.४२।५७	आश्ले रविः५४।४७
९	र ८ १३ अ ६० ० व्र ६० ० कौ ८ १३ १० २२ ३८	१२	८	३				वृश्चिके	आश्लें रविःसौरः ३०।२७
१०	चं १३ ३५ अ ६ ४८ ब्र १ ३७ ग १३ ३५ ७ २३ ३७	१३	९	४				वृश्चिके	भ.४५.।३८.
११	मं १७ ४१ ज्ये १२ ३२ ऐ २ ४५ वि १७ ४१ ४ २३ ३७	१४	१०	५				ध.१२।३२	भ.१७।४१या.पवित्रा ११ व्र.
१२	बु २० १९ मू १६ ५२ वै २ ४४ बा २० १९ ० २४ ३६	१५	११	६				धनुषि	प्रदोषः
१३	गु २१ ५ पू १९ ३५ वि १ ३४ २९ ५७ तै २१ ५ ३३ ५७ २५ ३५	१६	१२	७				म.३४।५१	
१४	शु २० १९ उ २० ४० आ ५५ १५ व २० १९ ५४ २५ ३५	१७	१३	८				मकरे	भ.२०।१९उ.४९।८या.
१५	श १७ ५७ श्र २० १३ सौ ५० २० ब १७ ५७ ५० २६ ३४	१८	१४	९				कु.४९।२५	बुधोदयःपूर्वस्यां ३ ५ श्रावणीकर्म रक्षाबंधन

१६पं.श्रा.शु.३र.इ. ५१ ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	२	२	११	१०	३
१०	२९	१७	१६	१	७	२६	१०
५२	३८	४६	३५	५८	२२	१५	२०
४१	१०	५	२	२६	४४	१३	२८
५७	३८	४ ३ ३	१३	७०	३ १ १	३	५७
२०	२२	व.	८	३८	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

इस मास में सोना चांदी लोहा ताम्बा गुड़ सक्कर चीनी रुई वस्त्र तेज होवे धान्य में कुछ मंदी होगी ।

गोचर ग्रहाः

१७पं.श्रा.शु.९र.इ. ५१ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	२	२	११	१०	३
१७	३	१३	१८	१०	७	२५	१७
३४	५६	२४	५	४	९	५२	०
२३	२०	१८	१०	४८	५०	५७	१६
५७	३८	३ ५	१२	७१	२ ०	३	५७
२५	४६	व.	४९	१४	व.	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र १४ १६ ध १८ ३७ शो ४४ २९ कौ १४ १६ ३३ ५ २७ ६ ३३	१९	१५	१०				कुंभे	
२	चं ९ ४६ श १६ ० अ २७ ५८ ग ९ ४६ ४४ २७ ३३	२०	१६	११				मी ५८।१६	भ.३७।५उ.
३	मं ४ २५ पू १२ २१ सु ३१ ० वि ४ २५ ४० २८ ३२	२१	१७	१२				मीने	भ.३५ या.मार्गीबुधः ५६ पुन.शुक्रः ३९ ×
४	मं ५४ ३० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०						[+जन्मा.व्र.स्मा. [×चतुर्थी.व्र
५	बु ५३ १७ उ ९ ४ धृ २३ ४७ कौ २६ ६ ३७ २९ ३१	२२	१८	१३				मीने	हस्तेभौमः २९।३३पुन.१गुरुः १।५६
६	गु ४८ १४ रे ५ २६ शू १६ ३६ ग २० ४५ ३३ २९ ३१	२३	१९	१४				मे.५।२६	भ.४८।१४उ.चंद्रषष्ठी
७	शु ४२ २५ अ १ ५९ २ ५६ गं ९ ३२ वि १५ १९ ३० ३० ३०	२४	२०	१५				मेषे	भ.१५।१९या.वक्रीउभा.१शनिः ५९ +
८	श ३७ १ कृ ५५ १३ वृ ३ २६ ५ ३ बा ९ ४३ २६ ३१	२९	२५	२१	१६			वृ.१२।३६	मघा.सिंहेऽर्कः ४९ जन्माष्टमी व्र.वै.
९	र ३१ ५६ रो ५२ १४ व्या ४८ ३८ तै ४ २८ २२ ३२	२८	२६	२२	१७			वृषे	भ.५९ उ.मघा.सिंहेऽर्कःसौरः ३ ३ गोगा ९
१०	चं २७ ११ मृ ४९ २५ ह ४२ १३ वि २७ ११ १९ ३२	२८	२७	२३	१८			मि २०।५०	भ.२७।११या.
११	मं २२ ४१ आ ४६ ५६ व ३६ १ बा २२ ४१ १५ ३३	२७	२८	२४	१९			मिथुने	अजा ११ व्र. [÷कुशाग्रहणीपिठोरी ३०
१२	बु १८ ५० पु ४५ ११ सि ३० २४ तै १८ ५० १२ ३४	२६	२९	२५	२०			क.३०।३७	कर्केशुक्रः ४३।३२वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	गु १५ ४२ पु ४४ १२ व्य २५ १४ व १५ ४२ ८ ३४	२६	३०	२६	२१			कर्के	भ.१५।४२उ.४४।३५या.
१४	शु १३ २९ श्ले ४४ २४ व २० ४६ श १३ २९ ४ ३५	२५	३१	२७	२२			सिं ४४।२४	आश्ले.बुधः १९।५४
१५	श १२ ३५ म ४५ ३८ प १७ २८ ना १२ ३५ १ ३६	२४	१	२८	२३			सिंहे	पुष्येशुक्रः ३ ५ भा.भाद्रपदारंभः ÷

१८पं.भा.कृ.१र.इ. ५१ २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	२	२	११	१०	३
२४	८	९	१९	१८	६	२५	२३
१६	१६	५७	३३	१५	५२	३०	४१
४४	५५	५४	११	५८	५८	४२	२३
५७	३९	३ ५	१२	७१	४ ३	३	५७
३३	१०	व.	२०	३८	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्णे ८शनौ सिंहेऽर्कःप्रविष्ट.वा.४ न. ४ युवावस्था सूती) मु.३०धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

१९पं.भा.कृ.९र.इ. ५१ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	२	२	११	१०	४
१	१२	१२	२०	२६	६	२५	०
०	४१	३९	५७	३०	३१	८	२३
४	४९	५४	११	५०	३०	२६	३६
५७	३९	३ ५	१२	७२	२ ३	३	५७
४०	२९	मा	७	२	व.	११	३४

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२५४स.२०२५
१	र	१२	५७	पू	४८	२५	शि	१५	२	ब	१२	५७	३१/५७	५/३७	६/२३	२	२९	२४	सिंहे	
२	चं	१४	५६	उ	५२	४१	सि	१४	७	कौ	१४	५६	५३	३७	२३	३	३०	२५	कं.४।२९	चंद्रदर्शनम्
३	मं	१८	१७	ह	५८	२२	सा	१३	४०	ग	१८	१७	४९	३८	२२	४	१	२६	कन्यायां	भ.५०/४६उ रविलावल३हरितालिका३
४	बु	२३	१६	चि	६०	०	शु	१४	३२	वि	२३	१६	४६	३९	२१	५	२	२७	तु.३१।३३	भ.२३।१६या.गणेशचतुर्थी
५	गु	२८	४४	चि	४	४४	शु	१६	७	बा	२८	४४	४२	४०	२०	६	३	२८	तुलायां	ऋषिपंचमी
६	शु	३४	५४	स्वा	१२	९	ब्र	१८	३६	कौ	१	४९	३८	४०	२०	७	४	२९	तुलायां	[×३१/१४पुन२गुरुः२०/१७बुधास्तःपूर्वस्यां४५/३५
७	श	४१	३	वि	१९	४१	ऐं	२१	२	ग	७	५८	३४	४१	१९	८	५	३०	वृ.२।४८	भ.४१/३उ.पूफा.रविः३८/३३मघा.सिंहेबुधः×
८	र	४६	५६	अ	२७	२	वै	२३	१८	वि	१३	५९	३०	४२	१८	९	६	३१	वृश्चिके	भ १३।५९या.पूफा.रविःसौरः१७।४३
९	चं	५१	३९	ज्ये	३३	४०	वि	२५	११	बा	१९	१७	२६	४३	१७	१०	७	१	ध.३३।४०	सितम्बर९ता.३०
१०	मं	५४	४७	मू	३८	४७	प्री	२५	५३	तै	२३	१३	२२	४४	१६	११	८	२	धनुषि	रामदेवजीकामेलानवलदुर्गे
११	बु	५६	९	पू	४२	२८	आ	२५	२४	व	२५	२८	१८	४४	१६	१२	९	३	म.५७।५४	भ.२५/२८उ.५६/९या.आश्ले.शुक्रः४१/४७चित्रा.+
१२	गु	५५	२८	उ	४४	११	सौ	२३	२८	ब	२५	४८	१५	४५	१५	१३	१०	४	मकरे	वामनजयंती[+भौमः२१/५जलझूलनी११व्र
१३	शु	५२	५७	श्र	४३	५८	शो	२०	२	कौ	२४	१२	११	४६	१४	१४	११	५	मकरे	प्रदोषः
१४	श	४८	३७	ध	४२	१	अ	१५	०	ग	२०	४७	७	४७	१३	१५	१२	६	कुं.१३।०	भ.४८/३७उ.पूफा.बुधः२६।३५अनंत१४
१५	र	४२	५५	श	३८	३१	सु	८	४४	वि	१५	४६	३	४७	१३	१६	१३	७	कुंभे	भ.१५/४६या.खग्रासचंद्रग्रहणम्महालयारंभ

२०पं.भा.शु.१र.इ.५१।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	२	३	११	१०	४
७	१७	२०	२२	४	६	२४	७
४४	९	३५	१८	४९	६	४६	७
२८	७	१७	२९	१६	३२	११	३
५७	३९	९३	११	७२	५३/३२	३	५७
४९	५१	२०	३०	२९	व	११	४५

२१पं.भा.श.८र.इ.५१।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	२	३	११	१०	४
१४	२१	२	२३	१३	५	२४	१३
३०	३९	२९	३६	१२	३८	२३	५२
४	४७	२	३२	४३	५६	५५	१५
५८	४०	१२/५	१०	७२	४/१०	३	५७
१	८		५६	५०	व	११	५७

२२पं.भा.शु.१५र इ.५०/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	२	३	११	१०	४
२१	२६	१६	२४	२१	५	२४	२०
१७	१३	२	४९	३८	८	१	३८
६	५५	२	३४	४२	४६	३९	५५
५८	४०	५/१९	१०	७३	४/२५	३	५८
१३	२५		१६	५	व	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेभाद्रपद कृष्णेति महा.
१	चं	३६	२	पू	३३	५३	धृ	१/२३	५१/४५	बा	९	२८	३०/५९	५/४८	६/१२	१७	१४	८	मी२०।३	
२	मं	२८	४९	उ	२९	१	गं	४४	२९	तै	२	२५	५५	४९	११	१८	१५	९	मीने	भ.५४।७उ.
३	बु	२१	२५	रे	२३	१९	बृ	३५	४०	वि	२१	२५	५१	५०	१०	१९	१६	१०	मे.२३।१९	भ.२१।२५या.चतुर्थीव्र.
४	गु	१४	२	अ	१७	५५	ध्रु	२६	५९	बा	१४	२	४७	५१	९	२०	१७	११	मेषे	
५	शु	७	२२	भ	१२	५६	व्या	१८	३४	तै	७	२२	४३	५१	९	२१	१८	१२	वृ.२६।५२	[=बुधः२४।२०तुला.भौमः३५।४७
६	श	१	११	कृ	८	४०	ह	१०	५०	व	१	११	३९	५२	८	२२	१९	१३	वृष	भ.१।११उ.२८/२६या.उफा.रविः२२/५८उफा. =
७	श	५४	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	र	५१	२२	रो	५	१७	व	३/२६	५३/३७	बा	२३	३१	३५	५३	७	२३	२०	१४	मि३४।०	उफा.रविःसौरः२३/२मघा.सिंहेशुक्रः४४/२४
९	चं	४७	३८	मृ	२	४४	व्य	५१	१२	तै	१९	३०	३१	५४	६	२४	२१	१५	मिथुने	कन्यायांबुधः११।५मातृ९
१०	मं	४४	५९	आ	०	५५	व	४६	५	व	१६	१८	२७	५५	५	२५	२२	१६	क.४५।२३	भ.१६/१८उ.४४/५९या.कन्यायामर्कः४८।१९
११	बु	४३	१४	पु	०	१२	प	४१	४९	ब	१४	६	२२	५६	४	२६	२३	१७	कर्के	कन्यार्कःसौरः२७।३४इंदिरा११व्र.
१२	गु	४२	२६	पु	०	१४	शि	३९	२२	कौ	१२	५०	१८	५६	४	२७	२४	१८	कर्के	[×पूफा.३केतुः५६/३१शस्त्रादिहतानांश्रा.
१३	शु	४२	५९	श्ले	१	२४	सि	३५	४१	ग	१२	४२	१४	५७	३	२८	२५	१९	सिं१।२४	भ.४२/५९उ.पुन.३गुरुः२५।३प्रदोषः
१४	श	४४	१७	म	४	७	सा	३३	४६	वि	१३	३८	९	५८	२	२९	२६	२०	सिंहे	भ.१३।३८या.हस्तेबुधः४७/९पूभा.१राहुः×
३०	र	४७	१०	पू	७	२	शु	३३	१५	च	१५	४३	५	५९	१	३०	२७	२१	कं.२३।९	सर्वपितृ३०

२३पं.आ.कृ.८र.इ. ५०/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	२	४	११	१०	४
२८	०	२९	२५	०	४	२३	२७
५	५०	२१	५८	७	३६	३९	२७
२८	४९	५०	५	४४	५८	२४	१२
५८	४०	११/२	९	७३	४/४०	३	५८
२६	४२			२०	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

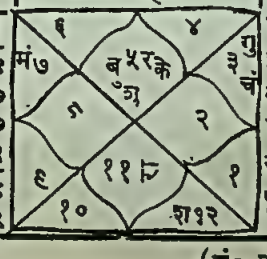

आश्विन कृष्णे १० भौमे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.५ बालावस्था(बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

२४पं.आ.कृ.३०र.इ. ५०/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	२	४	११	१०	५
४	५	११	२७	८	४	२३	४
५५	३१	५३	१	३९	४	१७	१७
१९	१	३५	५	३६	१६	८	१९
५८	४१	७/४९	८	७३	४	३	५८
३८	९		४३	३०	४०	११	४५

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०८२ शाकः १९४७											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२८३स.२०२५
१	चं	५०	५०	उ	११	३१	शु	३३	८	कि	१६	०	३०	६	६	३१	२८	२२	कन्यायां	नवरात्रारंभः मातामहश्रा.
२	मं	५५	५६	ह	१७	७	ब्र	३३	५८	बा	२३	२४	३००	१	५९	१	२९	२३	तु.५०।२१	स्वात्यांभौमः ३१ चंद्रदर्शनम् भा.आश्विना
३	बु	६०	०	चि	२३	३६	ऐं	३५	२३	तै	२८	४६	५३	२	५८	२	१	२४	तुलायां	रविलाख र४
३	गु	१	४०	स्वा	३०	४१	वै	३७	१६	ग	१	५०	४८	२	५८	३	२	२५	तुलायां	भ.३४।४६उ.पूफा.शुक्रः४६।३०
४	शु	७	५२	वि	३८	१६	वि	३६	३६	वि	७	५२	४४	३	५७	४	३	२६	वृ २१।२२	भ.७।५२या.
५	श	१४	१४	अ	४६	०	प्री	४२	२२	बा	१४	१४	४०	४	५६	५	४	२७	वृश्चिके	हस्तेरविः१।३२(सौरः४०।४)
६	र	२०	२६	ज्ये	५३	२०	आ	४४	३८	तै	२०	२६	३६	५	५५	६	५	२८	ध.५३।२०	चित्राबुधः३६।२६
७	चं	२४	४७	मू	५६	२०	सौ	४६	७	व	२४	४७	३२	६	५४	७	६	२९	धनुषि	भ.२४।४७उ.५७।१९या.
८	मं	२९	५१	पू	६०	०	शो	४६	३६	ब	२९	५१	२८	६	५४	८	७	३०	धनुषि	बुधोदयःपश्चिमायां२७।२२
९	बु	३२	१६	पू	४	१५	अ	४५	५२	बा	१	३	२३	७	५३	९	८	१	म.२०।३	वक्रीपूभा४शनिः ३३ अक्टूबर१०ता.३१
१०	गु	३२	४०	उ	७	२६	सु	४३	३३	तै	२	२८	१९	८	५२	१०	९	२	मकरे	तुलायांबुधः५४।०
११	शु	३१	७	श्र	८	२५	धृ	३९	३७	व	१	५३	१५	९	५१	११	१०	३	कुं.३८।०	म.५३ उ.३७ या.पापांकुशा११ब्र.
१२	श	२७	१९	ध	७	३६	शू	३४	९	बा	२७	१९	११	१०	५०	१२	११	४	कुंभे	प्रदोषः [=का.स्ना.प्रा.
१३	र	२१	४३	श	४	४६	गं	२७	८	तै	२१	४३	७	११	४९	१३	१२	५	मी४६।१३	[÷शरदृपूर्णिमास्मा.कोजागरीब्र.
१४	चं	१४	२५	पू	२	५४	वृ	१८	३७	व	१४	२५	३	११	४९	१४	१३	६	मीने	भ.१४।२५उ.४०।२०या.उफाशुक्रः ३७÷
१५	मं	६	१४	रे	४७	२६	धु	११	४९	ब	६	१४	२९	१२	४८	१५	१४	७	मे.४७।२६	स्वात्यांबुधः५।४८शरदृपूर्णिमा वें. =

२५पं.आ.शु.६र.इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	२	४	११	१०	५
११	१०	२३	२७	१७	३	२२	११
४६	१४	३८	५७	१४	३१	५४	९
५२	३८	३१	४०	३८	४४	५३	१७
५८	४१	५९	७	७३	५७	३	५९
५३	१९	३०	४४	४४	व.	११	०

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल का चंद्र गेहूं जो चना मटर सरसो धातु सोना चांदी लोहा रसकस को तेज करेगा।

गोचर ग्रहाः

२६पं.आ.शु.१३र.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	२	४	११	१०	५
१८	१५	४	२८	२५	३	२२	१८
४०	१	४०	४७	५१	०	३२	३
५	११	१	२	५०	४	३७	४
५९	४१	९५	६	७३	२४	३	५९
९	३६	१९	४०	५०	व.	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेतिमहा.
१	मं	५१	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	४८	२४	अ	४०	२७	ह	४८	५२	तै	२२	५४	३८	६	४५	१६	१५	८	मेषे
३	गु	३९	४३	भ	३३	५५	व	३८	४०	व	१४	३	५१	१४	४६	१७	१६	९	वृ.४७।०
४	शु	३१	३७	कृ	२७	१४	सि	२९	१०	व	५	४०	४७	१५	४५	१८	१७	१०	वृषे
५	श	२४	३४	रो	२१	४८	व्य	२०	६	तै	२४	३४	४३	१५	४५	१९	१८	११	मि४९।४८
६	र	१९	५	मृ	१७	४८	च	१२	१३	व	१९	५	३९	१६	४४	२०	१९	१२	मिथुने
७	चं	१४	४७	आ	१५	९	प	१८	५४ २१	व	१४	४७	३५	१७	४३	२१	२०	१३	क.५९।१६
८	मं	१२	५	पु	१३	५८	सि	५५	११	कौ	१२	५	३१	१८	४२	२२	२१	१४	कर्के
९	बु	१०	४१	पु	१४	८	सा	५१	४०	ग	१०	४१	२७	१९	४१	२३	२२	१५	कर्के
१०	गु	१०	४०	श्ले	१५	४१	शु	४९	२३	वि	१०	४०	२३	१९	४१	२४	२३	१६	सिं१५।४१
११	शु	१२	१७	म	१८	३६	शु	४८	७	बा	१२	१७	२०	२०	४०	२५	२४	१७	सिंहे
१२	श	१४	४३	पू	२२	३२	ब्र	४८	२	तै	१४	४३	१६	२१	३९	२६	२५	१८	कं.३८।४८
१३	र	१८	३२	उ	२७	३७	ऐं	४८	५	व	१८	३२	१२	२२	३८	२७	२६	१९	कन्यायाँ
१४	चं	२३	१	ह	३३	२७	वै	४९	१३	श	२३	१	८	२२	३८	२८	२७	२०	कन्यायां
२०	मं	२८	४१	चि	४०	१८	वि	५१	४३	ना	२८	४१	४	२३	३७	२९	२८	२१	तु.६।५२

पुन.४कर्केगुरुः५७।२५प्रदोषः
भ.१८।३२उ.५०।४६या.घन१३
रुप१४
महालक्ष्मीपूजनम्

२७पं.का.कृ.६र.इ.५०।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	२	५	११	१०	५
२५	१९	१५	२९	४	२	२२	२४
३४	१०	१	२९	३१	२०	१०	५८
५९	२८	३७	२४	२६	१८	२१	४६
५२	४१	८७	५	७३	४	३	५९
४	४७	२४	५३	४६	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

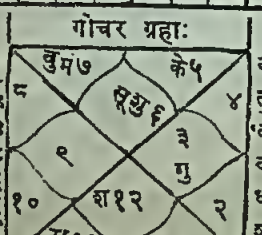

कार्तिककृष्णे११ शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ गतालकावस्था (ऊभौ) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

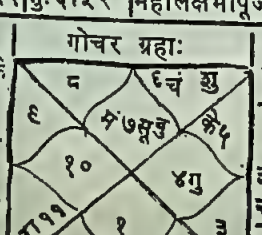

२८पं.का.कृ.१३र.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	३	५	११	१०	६
२	२४	२४	०	१३	२	२१	१
३१	४३	३७	३	१३	३	४८	५६
२३	१०	२६	५८	१९	१४	६	१०
५९	४२	७८	४	७४	४	३	५९
३४	२	२३	३२	२	व.	११	४६

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः ५३१३ सं. २०२५
१	बु	३४	१९	स्वा	४७	२३	प्री	५२	४९	किं	१	३०	२९	२८	२२	तुलायां	अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा
२	गु	४०	५०	वि	५४	५८	आ	५५	१४	बा	७	३४	२७	२५	३५	१	३०	२३	वृ. ३८।४	स्यात्यांरविः ५९ बृश्चिकेबुधः ५० चंद्र×
३	शु	४७	१८	अ	६०	०	सौ	५७	३८	तै	१४	४	५३	२५	३५	२	१	२४	वृश्चिके	स्वात्यांरविः सौरः ३५ जमादिलावल ५
४	श	५३	३८	अ	२	३५	शो	५९	४४	व	२०	२८	४९	२६	३४	३	२	२५	वृश्चिके	भ. २०।४८उ. ५३।३८या.
५	र	५९	१३	ज्ये	९	५८	अ	६०	०	व	२६	२५	४५	२७	३३	४	३	२६	ध. ९।५८	अनु. बुधः ५६।४४
६	चं	६०	०	मृ	१६	४२	अ	१	४५	कौ	३१	३३	४१	२८	३२	५	४	२७	धनुषि	चित्रा. शुक्रः ५६।३४ बृश्चिकेभौमः १९।२६
६	मं	३	५४	पू	२२	३५	सु	२	५९	तै	३	५४	३७	२९	३१	६	५	२८	म. ३८।४१	[×दर्शनम् भा. कार्तिकारंभः भातृ २यम २
७	बु	७	१५	उ	२७	०	धृ	३	१६	व	७	१५	३४	२९	३१	७	६	२९	मकरे	भ. ७।१५उ. ३८।५या.
८	गु	८	५५	श्र	२९	५०	शू	२	५७	ब	८	५५	३०	३०	३०	८	७	३०	मकरे	गोपाष्टमी
९	शु	८	४३	ध	३०	४१	वृ	५५	४५	कौ	८	४३	२७	३१	२९	९	८	३१	कुं. ०।२१	कुष्मांडेऽक्षयेऽ
१०	श	६	३२	श	२९	४२	ध्रु	५०	८	ग	६	३२	२३	३१	२९	१०	९	१	कुम्भे	भ. ३५ उ. अनु. भौमः १९ नवम्बर ११ ता. ३०
११	र	२	१६	पू	२६	३४	व्या	४२	५६	वि	२	१६	१९	३२	२८	११	१०	२	मी १२।२१	भ. २।१६या. तुलायांशुक्रः १५।४१ प्रबो- ÷
१२	र	५३	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷विनी ११व्र. तुलसीविवाहः
१३	चं	४८	२२	उ	२१	४३	ह	३४	२२	कौ	२२	१३	१६	३३	२७	१२	११	३	मीने	प्रदोषः
१४	मं	३९	३३	रे	१५	१९	ब	२४	३६	ग	१३	५७	१२	३४	२६	१३	१२	४	मे. १५।१९	भ. ३९।३३उ. बैकुंठ १४
१५	बु	२९	५२	अ	८	२	सि	१३	५१	वि	४	४२	९	३४	२६	१४	१३	५	मेषे	भ. ४।४२या. मन्वादिः का स्ना. पू.

२९पं.का.शु.५र.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	३	५	११	१०	६
९	२९	३	०	२१	१	२१	८
२९	३९	१२	३०	५७	३९	२५	५५
३८	०	२५	१८	२५	५८	५०	३०
५९	४२	६४	३	७४	३	३	६०
४७	२८	३०	२२	८	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर धातु सोना चांदी रुई वस्त्र मंदे होवे गुड़ शक्कर चीनी तेज हो

गोचर ग्रहाः

३०पं.का.शु.११र.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	३	६	११	१०	६
१६	४	२	०	०	१	२१	१५
२९	३७	१५	४६	४१	१९	३	२६
२०	१६	५	२६	१६	१५	३५	३४
६०	४२	४१	१	७४	३८	३	६०
४	४२	४५	५३	१९	व.	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	गु	२०	२	भ	१३	५२	व्य	३	५९	कौ	२०	२	२७	३५	२५	१५	१४	६	वृ. १३।१५	विशा. रविः १९ (सौरः ५९ अस्तोभौम. ४९
२	शु	१०	२७	रो	४५	२	प	४१	१९	ग	१०	२७	२	३६	२४	१६	१५	७	वृषे	भ. ३६।२उ. स्वात्यांशुक्रः ३३।४१
३	श	१	३८	मृ	३८	५०	शि	३१	२०	वि	१	३८	२६	३६	२४	१७	१६	८	मि ११।५६	भ. १।३८या. चतुर्थीव्र.
४	श	५२	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	र	४८	१४	आ	३४	४	सि	२२	३१	कौ	२१	१३	५५	३७	२३	१८	१७	९	मिथुने	वक्रीबुधः ३।४६
६	चं	४४	१७	पु	३०	५९	सा	१५	४	ग	१६	१५	५२	३८	२२	१९	१८	१०	क. १६।४५	भ. ४४।१७उ.
७	मं	४२	६	पु	२९	४६	शु	९	१	वि	१३	११	४९	३८	२२	२०	१९	११	कर्के	भ. १३।११या.
८	बु	४१	५५	श्ले	३०	२२	शु	४	३२	बा	१२	०	४५	३९	२१	२१	२०	१२	सिं ३०।२२	
९	गु	४३	२१	म	३३	५	व्र	१	५८	तै	१२	३८	४२	४०	२०	२२	२१	१३	सिंहे	वक्रीगुरुः ५७।२५
१०	शु	४६	१९	पू	३६	५८	वै	५८	३९	व	१४	५०	३९	४०	२०	२३	२२	१४	कं. ५३।१९	भ. ५० उ. ४६ या. बुधास्तः पश्चिमायां ४३
११	श	५०	४०	उ	४२	२३	वि	६०	०	व	१८	२९	३६	४१	१९	२४	२३	१५	कन्यायां	उत्पत्ति ११व्र.
१२	र	५५	४९	ह	४८	२८	वि	०	१९	कौ	२३	१४	३३	४१	१९	२५	२४	१६	कन्यायां	वृश्चिकेऽर्कः १६।३ (सौरः ४६।६)
१३	चं	६०	०	चि	५५	४१	प्री	१	२८	ग	२८	५७	३०	४२	१८	२६	२५	१७	तु. २२।५	प्रदोषः
१३	मं	२	५	स्वा	६०	०	आ	३	२९	व	२	५	२७	४३	१७	२७	२६	१८	तुलायां	भ. २ उ. ३५ या. विशा. शुक्रः १३।४१
१४	बु	८	१९	स्वा	२	५३	सौ	५	२८	श	८	१९	२५	४३	१७	२८	२७	१९	वृ. ५३।४४	अनु. रविः ३४।२३ ज्येष्ठा. भौमः २९।५३
२०	गु	१४	४४	वि	१०	४१	शो	७	५०	ना	१४	४४	२२	४४	१६	२९	२८	२०	बृश्चिके	अनु रविः सौरः २।५४

३१पं.मा.कृ.५र.इ.४९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	३	६	११	१०	६
२३	९	१२	०	९	१	२०	२२
३०	३९	४४	५४	२८	४	४१	५९
४०	७	४२	०	५	१२	१९	६
६०	४३	५	०	७४	४	३	६०
१७	५	व.	४१	२०	व.	११	३०

गोचरं ग्रहाः

मार्गशीर्षं कृष्णे १२ रवौ बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ गतालकावस्था (ऊर्ध्वा मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

३२पं.मा.कृ.१२र.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	३	६	११	१०	७
०	१४	८	०	१८	०	२०	०
२३	४३	२५	५१	१५	७३	१९	३
२२	४१	१६	२५	७	२१	३	१०
६०	४३	५	०	७४	३	३	६०
३०	२५	व.	व	२६	व.	११	४०

(सं० २००१ समारम्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चंद्रः हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३४३स.२०२५

१	शु	२१	२	अ	१८	२	अ	१०	१	ब	२१	२	२६	६	५	३०	२९	२१	वृश्चिके	वक्रीविशा.बुधः९।२९
२	श	२७	५	ज्ये	२५	२२	सु	१२	१४	कौ	२७	५	१७	४५	१५	१	३०	२२	ध. २५।२२	शतभिषा.४राहुःपूफा.२केतुः४८।३६×
३	र	३२	३१	मू	३२	१	धृ	१३	५५	ग	३२	३१	१४	४५	१५	२	१	२३	धनुषि	वक्रीतुलायांबुधः४६।२५जमादिलास्र ६
४	चं	३७	१०	पू	३७	५७	शू	१४	५०	व	४	५०	१२	४६	१४	३	२	२४	म.५४।११	भ.४।५०उ.३७।१०या.
५	मं	४०	४५	उ	४२	५४	गं	१५	२५	ब	८	५७	९	४६	१४	४	३	२५	मकरे	[×चंद्रदर्शनम्भा.मार्गशीर्षारंभः
६	बु	४३	१	श्र	४६	३८	बृ	१५	१७	कौ	११	५३	७	४७	१३	५	४	२६	मकरे	वृश्चिकेशुक्रः १५ बुधोदयःपूर्वस्यां ४६ +
७	गु	४३	५५	ध	४८	५५	धु	१३	४४	ग	१३	२८	५	४७	१३	६	५	२७	कुं. १७।४७	भ.४३।५५उ.मार्गशनिः१८।५५
८	शु	४३	९	श	४९	४२	ब्या	११	२	वि	१३	३२	२	४८	१२	७	६	२८	कुंभे	भ.१३।३२या.अनु.शुक्रः४६।४५
९	श	४०	३३	पू	४८	४५	ह	७	८	बा	११	५१	०	४८	१२	८	७	२९	मी ३३।१४	मार्गीबुधः४६।१३ [A५०।३९दत्तजयंती
१०	र	३६	१४	उ	४५	५५	व	३७	५३	तै	८	२३	५८	४८	१२	९	८	३०	मीने	[+पातस्पर्शः५६।३२पातमोक्षः११।३८
११	चं	३०	१८	रे	४१	३१	व्य	४६	३५	व	३	१६	५६	४९	११	१०	९	१	मे ४१।३१	भ.१३उ.३१या.दिसम्बर१२ता.३१ =
१२	मं	२२	४९	अ	३५	३७	व	३७	१८	बा	२२	४९	५४	४९	११	११	१०	२	मेषे	ज्येष्ठा.रविः४४।३४प्रदोषः
१३	बु	१४	८	भ	२८	३६	प	२७	२	तै	१४	८	५३	४९	११	१२	११	३	वृ. ४१।४२	ज्येष्ठा.रवि सौरः१०।४८
१४	गु	४	४५	कृ	२१	०	शि	१६	१०	व	४	४५	५१	५०	१०	१३	१२	४	वृषे	भ.४५उ.३९या.वक्रीपुन.३मिथुनेगुरुः A
१५	गु	५०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=मोक्षदा११व्र.गीताजयंती

३३पं.मा.शु.३र.इ.४८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	३	६	११	१०	७
७	१९	२९	०	२७	०	१९	७
३७	५०	५६	३८	२	४७	५६	८
५६	५३	४९	५३	४९	४९	४८	४३
६०	४३	५६	१३	७४	२३	३	६०
४२	३९	व.	व	२१	व	११	५३

गोचर ग्रहाः

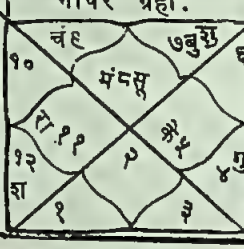

इस मास में बदि में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो चावल गुड़ सक्कर मंदे हो सुदि में धान्यरसकस तेज हो जावे।

गोचर ग्रहाः

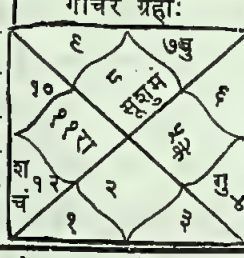

३४पं.मा.शु.१०र.इ.४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	३	७	११	१०	७
१४	२५	२६	०	५	०	१९	१४
४२	१	२८	१६	५१	४७	३४	१५
२९	४१	५२	५२	१८	१०	३२	२९
६०	४३	१३	३५	७४	२२	३	६१
५०	५१	मा	व.	२६	मा	११	३

ति. पौष कृष्णपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

१	शु	४५	२५	रो	१३	३	सि	५	४९	बा	२०	११	२५	५०	५	१४	१३	५	मि ३९।२५	
२	श	३६	५०	मृ	४७	२३	शु	४३	५९	तै	११	७	४८	५०	१०	१५	१४	६	मिथुने	वृश्चिकेबुधः४४।२
३	र	२९	२०	पु	५४	७	शु	३४	४७	ब	३	५	४६	५१	९	१६	१५	७	क. ४०।२२	भ.३उ.३०या.मूलेधनुषिभौमः३०।१७ =
४	चं	२३	३९	पु	५०	५५	ब्र	२६	५६	बा	२३	३९	४५	५१	९	१७	१६	८	कर्के	[=चतुर्थीव्र.
५	मं	१९	५०	श्ले	४९	३४	ले	२०	४१	ते	१९	५०	४४	५१	९	१८	१७	९	सिं ४९।३४	ज्येष्ठाशुक्रः२५।५२
६	बु	१८	१८	म	५०	२९	वै	१६	२	व	१८	१८	४३	५१	९	१९	१८	१०	सिंहे	भ.१८उ.४०या.अनु.बुध :८।४५
७	गु	१९	१	पू	५३	११	वि	१३	१६	ब	१९	१	४२	५२	८	२०	१९	११	सिंहे	
८	शु	२१	२८	उ	५७	५८	प्री	११	४८	कौ	२१	२८	४१	५२	५	२१	२०	१२	कं. ९।२३	
९	श	२५	४०	ह	६०	०	आ	११	२३	ग	२५	४०	४०	५२	८	२२	२१	१३	कन्यायां	भ.५८।२०उ.
१०	र	३०	५९	ह	४	११	सौ	१२	४९	वि	३०	५९	३९	५२	८	२३	२२	१४	तु. ३७।४६	भ.३०।५९या.
११	चं	३७	२५	चि	११	२२	शो	१४	५०	ब	४	१२	३९	५२	८	२४	२३	१५	तुलायां	मूलेधनुष्यर्कः ५९ शुक्रास्तःपूर्वस्यां ३।० ×
१२	मं	४३	५३	स्वा	१८	४६	अ	१६	५९	कौ	१०	३९	३८	५२	८	२५	२४	१६	तुलायां	मूलेधनुष्यर्कःसौरः१४।३८
१३	बु	५०	२६	वि	२६	२९	सु	१९	२३	ग	१७	९	३८	५२	८	२६	२५	१७	वृ. ९।३३	भ.५०।२६उ.प्रदोषः [× सफला११व्र.
१४	गु	५६	३५	अ	३३	५८	धृ	२१	३५	वि	२३	३०	३७	५३	७	२७	२६	१८	वृश्चिके	भ.२३।३०या.
३०	शु	६०	०	ज्ये	४१	४	शू	२३	३९	च	२९	३३	३७	५३	७	२८	२७	१९	ध. ४१।४	ज्येष्ठाबुधः५९ मूलेधनुषिशुक्रः५८।२७
३०	श	२	३१	मू	४७	३१	गं	२४	५७	ना	२	३१	३६	५३	७	२९	२८	२०	धनुषि	

३५पं.पौ.कृ.३र.इ. ४८ ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	७	११	१०	७
२१	०	१	२९	१४	०	१९	२१
४८	१४	३	४६	३९	५२	१२	२३
३२	१३	०	१	४	१२	१७	१०
६०	४४	५८	४ ३	७४	१	३	६१
५६	१	३७	व	३२	९	११	११

गोचर ग्रहाः

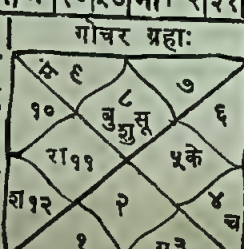

पौष कृष्णे ११ चंद्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टःवा. २नर गतालकावस्था (ऊर्भी)मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

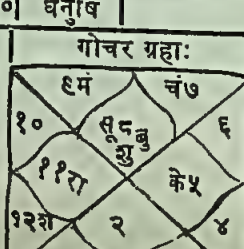

३६पं.पौ.कृ.१०र.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	७	११	१०	७
२८	५	९	२९	२३	१	१८	२८
५५	२९	३०	७	५७	२	५०	३१
२६	२८	५४	१२	५४	२०	१	५३
६१	४४	७८	५५	७४	१	३	६१
०,२२	१	सं.	३२	४४	११	१९	

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

तिथि पौष शुक्लपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५३७३स.२०२५

१	र	७	१५	पू	५२	५२	वृ	२५	४५	ब	४	१५	३६	५७	६	५७	३०	२९	२१	धनुषि	
२	चं	११	१४	उ	५७	३७	ध्रु	२६	३५	को	११	१४	३६	५३		७	१	३०	२२	म.९।३	चंद्रदर्शनम्भा.पौषारंभः
३	मं	१४	२२	श्र	६०	०	व्या	२५	१८	ग	१४	२२	३६	५३		७	२	१	२३	मकरे	भ.४५।१७उ.रज्जव७
४	बु	१६	१३	श्र	१	४	ह	२३	३७	वि	१६	१३	३७	५३		७	३	२	२४	कुं.३२।२२	भ.१६।१३या.
५	गु	१७	४	ध	३	४०	व	२१	२४	वा	१७	४	३७	५३		७	४	३	२५	कुम्भे	पूषा.भौमः१३।१६
६	शु	१६	३५	श	५	०	सि	१८	१५	तै	१६	३५	३७	५३		७	५	४	२६	मी५०।१४	[बुधास्तःपूर्वस्यां४४।०
७	श	१५	२	पू	५	१९	व्य	१३	५३	व	१५	२	३८	५२		८	६	५	२७	मीने	भ.१५।२उ.४३।३१या.
८	र	१२	०	उ	४	४	व	८	३२	ब	१२	०	३८	५२		८	७	६	२८	मीने	पूषा.रविः५६।५२
९	चं	७	५०	रे	१	५६	प	२	५२	कौ	७	५०	३०	५२		८	८	७	२९	मे.१।४१	पूषा.रविःसौरः$\frac{1}{16}$मूलेधनुषिबुधः$\frac{2}{3}$ +
१०	मं	२	२५	भ	५३	०	मि	४६	१७	ग	२	२५	४०	५२		८	९	८	३०	मेषे	भ.२८।५३उ.५५।४७या.पूषा.शुक्रः ÷
११	मं	५३	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	० ०	[÷३६।३४पुनर्दा११ब्र.स्मा.
१२	बु	४८	५	कृ	४७	४	सा	३६	५४	ब	२१	५६	४१	५२		८	१०	९	३१	वृ.६।३१	पुनर्दा११ब्र.वै.
१३	गु	३९	४१	रो	४०	३७	शु	२६	५९	को	१३	५३	४२	५२		८	११	१०	१	वृषे	जनवरी१ता.३१सन्२०२६प्रदोषः
१४	शु	३०	५०	मृ	३३	४६	शु	१६	३७	ग	५	१५	४३	५१		९	१२	११	२	मि७।११	भ.३०।५०उ.५६।३७या.
१५	श	२२	२५	आ	२७	८	ब्र	६	५१	च	२२	२५	४४	५१		९	१३	१२	३	मियुने	मा.स्ना.प्रा.

३७पं.पौ.शु.१र.इ. ४८१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	२	८	११	१०	८
६	१०	१९	२८	२	१	१८	५
३	४६	१८	२१	१६	१७	२७	४१
०	५५	५८	७	१२	२	४५	१८
६१	४४	८७	४९	७४	२	३	६१
४	४७	१७	व	३२	३१	११	२२

गोचर ग्रहाः

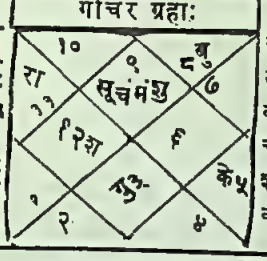

इस मास में धान्य गल्ला रुई वस्त्र रसकस तथा धातु सोना चांदी में तेजी होवे शीत का प्रकोप प्रजा को दुःख दें।

गोचर ग्रहाः

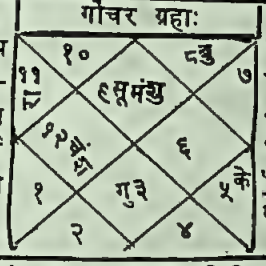

३८पं.पौ.शु.८र.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	२	८	११	१०	८
१३	१६	२९	२७	११	१	१८	१२
१०	६	४०	२९	४	३७	५	५१
५९	५०	१६	१०	५९	१९	३०	१०
६१	४४	९४	३०	७४	३	३	६१
६	५७	२	व	३८	१९	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.

१	र	५१	३४	पु	२१	१६	वै	४८	११	को	१४	३४	३५	५१	६	५	१४	१३	४	क.७।४४	वक्रीपुन.२गुरुः४।१७
२	चं	८	८	पु	१६	३६	वि	४०	३७	ग	८	८	४७	५१	६	१५	१४	५		कर्के	भ.३५।४०उ.
३	मं	३	११	श्ले	१३	३५	प्री	३४	२०	वि	३	११	४८	५०	१०	१६	१५	६		सिं१३।३५	भ.३।११या.पूषा.बुधः३७।२०चतुर्थीब्र.
४	बु	०	१३	म	१२	४९	आ	२९	५५	बा	०	१३	५०	५०	१०	१७	१६	७		सिंहे	
५	बु	५९	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	गु	६०	०	पू	१४	११	सो	२७	८	ग	३०	१४	५२	५०	१०	१८	१७	८		कं.३०।०	
६	शु	०	५५	उ	१७	२६	शो	२६	२०	व	०	५५	५३	४९	११	१९	१८	९		कन्यायां	भ.०।५५उ.३२।३७या.
७	श	४	१९	ह	२२	३२	अ	२६	२१	ब	४	१९	५५	४९	११	२०	१९	१०		तु.५५।४५	उषा.शुक्रः ९।५२
८	र	९	१२	चि	२८	५८	सु	२७	३१	को	९	१२	५७	४९	११	२१	२०	११		तुलायां	उषा.रविः$\frac{1}{3}$८(सौरः$\frac{17}{43}$)उषा.भौमः$\frac{32}{0}$
९	चं	१५	३०	स्वा	३६	११	धृ	२९	३३	ग	१५	३०	५९	४८	१२	२२	२१	१२		तुलायां	भ.४८।४०उ.मकरेशुक्रः५०।५३
१०	मं	२१	५०	वि	४३	५५	शू	३१	५३	वि	२१	५०	२९	४८	१२	२३	२२	१३		वृ.२७।०	भ २१।५०या.
११	बु	२८	३१	अ	५१	३३	गं	३४	११	बा	२८	३१	४	४७	१३	२४	२३	१४		वृश्चिके	मकरेऽकंः१८।२२(सौरः३३।१०)उषा.=
१२	गु	३४	३६	ज्ये	५८	३९	वृ	३६	७	को	१	३३	६	४७	१३	२५	२४	१५		ध.५८।३९	मकरेभौमः४७।५९
१३	शु	४०	१७	मू	६०	०	ध्रु	३७	४०	ग	७	२६	८	४६	१४	२६	२५	१६		धनुषि	भ.४०।१७उ.प्रदोषः
१४	श	४४	३७	मू	४	५६	व्या	३८	७	वि	१२	२७	११	४६	१४	२७	२६	१७		धनुषि	भ.१२।२७या.मकरेबुधः११।३४
३०	र	४७	४७	पू	१०	१	ह	३७	४८	च	१६	१२	१३	४५	१५	२८	२७	१८		म.२६।१	[=बुधः५३।२८षट्तिला११ब्र.

३९पं.मा.कृ १र.इ.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	२	८	११	१०	८
२०	२१	१०	२६	१९	२	१७	२०
१९	२८	२१	३४	५३	२	४३	१
५	४४	५५	१९	३१	१०	१४	७
६१	४५	९७	५९	७४	३	३	६१
६	७	४०	व.	३८	५४	११	२६

४०पं.मा.कृ.८र.इ.४७।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	२	८	११	१०	८
२७	२६	२१	२५	२८	२	१७	२७
२७	५२	२२	३७	४१	३१	२०	१०
७	१	२३	४४	५६	१९	५९	५९
६१	४५	९९	५३	७४	४	३	६१
६	१७	२३	व.	३८	३५	११	२४

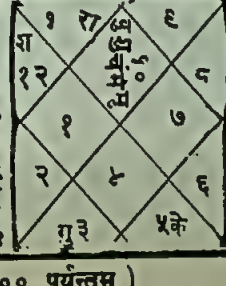

४१पं.मा.कृ.३०र.इ.५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	२	९	११	१०	९
४	२	२	२४	७	३	१६	४
३४	१६	४६	४२	२९	४	५८	२०
५९	१६	४४	१४	४२	२३	४३	२८
६१	४५	९९	५३	७४	४	३	६१
३	२७	५३	व.	३८	५९	११	१९

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं.२०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५४०२स.२०२६
१	चं	४९	४६	उ	१४	१	व	३६	३२	किं	१८	४६	२६/१६	६/४५	५/१५	२९	२८	१९	मकरे	[×५५।५४भा.माघारंभःसावान८
२	मं	५०	३४	श्र	१६	५६	सि	३४	२७	बा	२०	१०	१९	४४	१६	३०	२९	२०	कु.४७।४७	अभि.प्र.रविः५२/२८श्रवणेशुक्रः४८/४२चंद्रदर्शनं
३	बु	५०	२५	ध	१८	३८	व्य	३१	३४	तै	२०	२९	२१	४४	१६	१	१	२१	कुम्भे	अभि.प्र.रविःसौरः४।३१उभा.१शनिः×
४	गु	४९	११	श	१९	२७	व	२७	३१	व	१९	४८	२४	४३	१७	२	२	२२	कुंभे	भ.१९/४८उ.४९/११या.श्रवणेबुधः५२।३०
५	शु	४७	१४	पू	१९	२२	प	२३	१६	ब	१८	१२	२७	४३	१७	३	३	२३	मी४।२३	वसंत५ [=५९/२०शत.३राहुःपूभा.१केतुः४१/०
६	श	४४	१२	उ	१८	२२	शि	१८	१३	कौ	१५	४३	२९	४२	१८	४	४	२४	मीने	श्रवणेरविः७/५(सौरः२१/३७)अभि.नि.रविः=
७	र	४०	४१	रे	१६	३२	सि	१२	३१	ग	१२	२६	३२	४२	१८	५	५	२५	मे.१६।३२	भ.४०/४१उ.अभि.नि.रविःसौरः११/४४भानु७ ÷
८	चं	३६	२१	अ	१३	३२	सा	६/२	५२/५६	वि	८	३१	३५	४१	१९	६	६	२६	मेषे	भ.८।३१या.भीष्माष्टमी [÷रथ७
९	मं	३०	२०	भ	१०	५२	शु	५१	२६	बा	३	२०	३८	४०	२०	७	७	२७	वृ.२४।५३	
१०	बु	२५	२९	कृ	६	५७	ब्र	४३	२३	ग	२५	२९	४१	४०	२०	८	८	२८	वृषे	भ.५२।१७उ.श्रवणेभौमः७।२७
११	गु	१९	६	रो	२/३०	५४/५०	ऐं	३४	४७	वि	१९	६	४५	३९	२१	९	९	२९	मि२९।५५	भ.१९/६या.वक्रीपुन.१गुरुः३६/१४जया११व्र.
१२	शु	१२	३	आ	५२	१०	वै	२६	७	बा	१२	३	४८	३८	२२	१०	१०	३०	मिथुने	धनिःबुध५३।१८प्रदोषः
१३	श	५	१७	पु	४७	१४	वि	१७	२६	तै	५	१७	५१	३८	२२	११	११	३१	क.३३।२८	भ.५८।२५उ.धनि.शुक्रः२२।४० –
१४	श	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[– शुक्रोदयःपश्चिमायां३७।१२
१५	र	५२	२९	पु	४२	५९	प्री	९	७	वि	२५	२७	५४	३७	२३	१२	१२	१	कर्के	भ.२५/२७या.फर्वरी२ता.२८मा.स्ना.पूर्तिः

४२पं.मा.शु.७र.इ. ४७/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	२	९	११	१०	९
११	७	१४	२३	१६	३	१६	११
४२	४३	३६	४८	१७	४१	३६	२९
२९	३०	५८	४३	५३	२०	२७	१९
६०	४५	७/१०	५/१२	७४	५	३	६१
५९	३७	८	व.	३२	२८	११	१३

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे ११ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे ममता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४३पं.मा.शु.१५र.इ. ४८/३

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	२	९	११	१०	९
१८	१३	२६	२२	२५	४	१६	१८
४९	११	५२	५९	५	२१	१४	३७
१	४२	१९	४२	३१	५८	१२	२६
६०	४५	७/१०	६/२१	७४	५	३	६१
५५	५७	१	व.	३२	५२	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	चं	४७	३५	श्ले	३९	४५	आ	१/३५	५३/१७	बा	२०	२	२६/५८	६/३६	५/२४	१३	१३	२	सिं३९।४५	
२	मं	४४	२३	म	३७	५५	शो	४९	३५	तै	१५	५९	२७/१	३६	२४	१४	१४	३	सिंहे	कुंभेबुधः२९।२९
३	बु	४२	५४	पू	३८	९	अ	४५	४९	व	१३	३८	५	३५	२५	१५	१५	४	कं.५३।३८	भ.१३।३८उ.४२।५४या.
४	गु	४३	१९	उ	४०	७	सु	४३	४५	ब	१३	६	८	३४	२६	१६	१६	५	कन्यायां	कुंभेशुक्रः४१।१२चतुर्थीव्र.
५	शु	४५	४२	ह	४३	५२	धृ	४२	४४	कौ	१४	३०	१२	३४	२६	१७	१७	६	कन्यायां	धनि.रविः१५।२३(सौरः२६।१७)
६	श	४९	५५	चि	४९	१४	शू	४३	१०	ग	१७	४८	१५	३३	२७	१८	१८	७	तु.१६।३३	भ.४९।५५उ.शतेबुधः१८।२०पातस्पर्श×
७	र	५५	३७	स्वा	५६	७	गं	४४	४१	वि	२२	४६	१९	३२	२८	१९	१९	८	तुलायां	भ.२२।४६या.बुधोदयःपश्चिमायां२०।०
८	चं	६०	०	वि	६०	०	वृ	४६	३९	बा	२८	४०	२३	३१	२९	२०	२०	९	वृ.४६।३५	[×३८।४३पातमोक्षः५०।५०
८	मं	१	४३	वि	३	२५	ध्रु	४९	१	कौ	१	४३	२७	३१	२९	२१	२१	१०	वृश्चिके	
९	बु	८	१७	अ	११	२५	व्या	५१	५	ग	८	१७	३०	३०	३०	२२	२२	११	वृश्चिके	भ.४१।२३उ.शतेशुक्रः३।१२
१०	गु	१४	२९	ज्ये	१८	१३	ह	५२	४७	वि	१४	२९	३४	२९	३१	२३	२३	१२	ध.१८।१३	भ.१४।२९या.कुंभेऽर्कः५०।३९
११	शु	१९	५९	मू	२४	५३	व	५३	३४	बा	१९	५९	३८	२८	३२	२४	२४	१३	धनुषि	कुंभेऽर्कःसौरः०।१५विजया११व्र.
१२	श	२४	१०	पू	२९	१	सि	५३	१४	तै	२४	१०	४१	२८	३२	२५	२५	१४	म.४५।१४	धनि.भौमः४२।९प्रदोषः
१३	र	२६	५९	उ	३३	५५	व्य	५१	४४	व	२६	५९	४५	२७	३३	२६	२६	१५	मकरे	भ.२६।५९उ.५७।३६या.पूभा.बुधः=
१४	चं	२८	१२	श्र	३६	१७	व	४९	११	श	२८	१२	४०	२६	३४	२७	२७	१६	मकरे	महाशिवरात्रीव्र.वैं.
३०	मं	२७	५६	ध	३७	१६	प	४५	२४	ना	२७	५६	५३	२५	३५	२८	२८	१७	कुं.६।४६	[=३०।०महाशिवरात्रीव्र.स्मा.

४४ पं.फा.कृ.७र.इ. ४८/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	१०	२	१०	११	१०	९
२५	१८	९	२२	३	५	१५	२५
५४	४०	१४	१७	५२	४	५१	४४
५०	४४	५३	१०	१५	५५	५६	१३
६०	४६	७/१०	५/२४	७४	६	३	६०
४७	२	२३	व.	३२	२०	११	५५

गोचर ग्रहाः

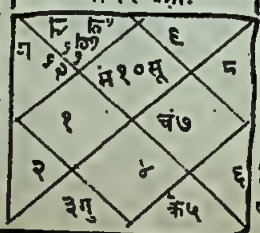

फाल्गुनकृष्ण१० गुरौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

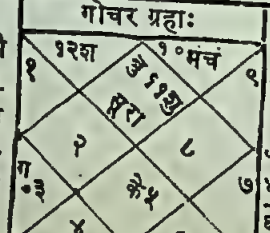

४५पं.फा.कृ.१३र.इ. ४८/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	२	१०	११	१०	१०
२	२४	२०	२१	१२	५	१५	२
५९	१०	२६	४१	३८	५०	२९	५०
४२	५२	३५	४२	१०	४९	४१	१६
६०	४६	८६	४/९	७४	६	३	६०
३७	२	२९	व.	२६	३२	११	४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७							वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः५४३२स.२०२६
१	बु	२६	१४	श	३६	५४	शि	४०	४८	ब	२६	१४	३७	कुंभे	चंद्रदर्शनसंभवः
२	गु	२३	४०	पू	३५	२७	सि	३५	१९	कौ	२३	४०	२८	मी२०।४९	शतेरविः (सौरः) रमजान९+
३	शु	२०	११	उ	३३	३१	सा	२९	१३	ग	२०	११	४	मीने	भ.४८।४उ.भा.फाल्गुनारंभः
४	श	१५	५८	रे	३०	४९	शु	२२	३५	वि	१५	५८	८	मे.३०।४९	भ.१५।५८या.पूभा.शुक्रः४१।४० =
५	र	११	३२	अ	२८	४	शु	१६	७	बा	११	३२	१२	मेषे	[=पातस्पर्शः३।५३पातमोक्षः१३।३८
६	चं	६	५०	भ	२४	५५	ब्र	९	१३	तै	६	५०	१६	वृ.३९।६	कुंभेभौमः उभा.२शनिः२।१२
७	मं	१	५६	कृ	२१	३८	ऐं	२	१३	व	१	५६	२०	वृषे	भ.१।५६उ.२८।५९या.होलाष्टकम्
८	मं	५५	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०० [+फुलरिया२
९	बु	५१	४१	रो	१८	१५	वि	४७	४५	बा	२४	२०	२४	१९	४१	६	७	२५	मि४६।२८
१०	गु	४६	२८	मृ	१४	४१	प्री	४०	३१	तै	१९	४	२८	१८	४२	७	८	२६	मिथुने	वक्रीबुधः१५।१३
११	शु	४१	२२	आ	११	२२	आ	३३	२०	व	१३	५५	३२	१८	४२	८	९	२७	क.५३।५१	भ. उ.४१।२२या.आमलकी११व्र.
१२	श	३६	२०	पु	८	१	सौ	२६	३१	ब	८	५१	३६	१७	४३	९	१०	२८	कर्के	बुधास्तःपश्चिमायां१०।४४
१३	र	३१	५७	पु	५	८	शो	२०	३	कौ	४	८	४०	१६	४४	१०	११	१	कर्के	मीनेशुक्रः मार्चे ३तां.३१प्रदोषः
१४	चं	२८	११	श्ले	२	५५	अ	१४	३	व	२८	११	४४	१५	४५	११	१२	२	सि२।५५	भ. उ. या.होलिकादहनम्भद्रोत्तरम्
१५	मं	२५	३७	म	१	३५	सु	९	२	ब	२५	३७	४८	१४	४६	१२	१३	३	सिंहे	शतेभौमः छारेंड़ीग्रस्तोदयंचंद्रग्रहणम्

४६पं.फा.शु.५र इ.४८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	२	१०	११	१०	१०
१०	२९	२७	२१	२१	६	१५	९
३	४१	२६	१५	२३	३८	७	५४
१४	२	३५	२५	१०	२८	२५	४९
६०	४६	३९	५२	७४	६	३	६०
२५	१२	१	व.	२६	४९	११	३१

गोचर ग्रहाः

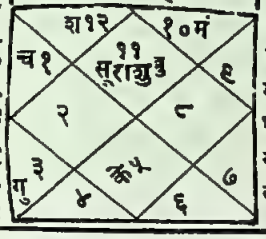

इस मास में धान्यमदे रस तेज होवे। मकरे च स्थिते भौमे घृत तैल महर्घता। सुभिक्षं तत्रधान्यानां लोकाना दुःख पीडनं

गोचर ग्रहाः

४७ पं.फा.शु.१३र.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	२	११	११	१०	१०
१७	५	२७	२०	०	७	१४	१६
५	१२	२०	५७	७	२८	४५	५७
२८	०	४९	५४	१६	८	९	४४
६०	४६	४०	३३	७४	७	३	६०
१२	११	व.	व.	२६	२	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	बु	२४	१८	पू	१	३९	धृ	५	८	कौ	२४	१८	५३	क.१६।५४	पूफा.रविः (सौरः)उभा.शुक्रः ×
२	गु	२४	४३	उ	२	४०	शू	२	४०	ग	२४	४३	५६	१३	४७	१४	१५	५	कन्यायां	भ.५५।४६उ. [×२४।२२वसंत१
३	शु	२६	४८	ह	६	२२	गं	१	२३	वि	२६	४८	२९	१२	४८	१५	१६	६	तु.३८।३८	भ.२६।४८या.चतुर्थीव्र.
४	श	३०	२०	चि	१०	५३	वृ	१	६	बा	३०	२०	५	११	४९	१६	१७	७	तुलायां	अस्तंशनै.५५।४७
५	र	३५	२९	स्वा	१७	५	ध्रु	२	२	कौ	२	५४	९	१०	५०	१७	१८	८	तुलायां	मार्गीगुरुः५५।२४
६	चं	४१	१८	वि	२३	५८	ब्या	३	३९	ग	८	२३	१३	९	५१	१८	१९	९	वृ.७।१५	भ.४१।१८उ.वक्रीशतेबुधः५३।३१
७	मं	४७	४१	अ	३१	३२	ह	५	४९	वि	१४	२९	१७	९	५१	१९	२०	१०	वृश्चिके	भ.१४।२९या.
८	बु	५४	१	ज्ये	३९	१	व	८	२	बा	२०	५१	२१	८	५२	२०	२१	११	व.३९।१	शीतलापूजनम्
९	गु	५९	४८	मू	४७	१	सि	१०	१३	तै	२६	५४	२६	७	५३	२१	२२	१२	धनुषि	[+बुधोदयःपूर्वस्यां५६।५७
१०	शु	६०	०	पू	५१	५०	व्य	११	२५	व	३२	०	३०	६	५४	२२	२३	१३	धनुषि	भ.३२।०उ.
१०	श	४	१३	उ	५६	१६	व	११	४३	वि	४	१३	३४	५	५५	२३	२४	१४	म.७।५६	भ.४।१३या.मीनेऽर्कः (सौरः)४५+
११	र	७	१५	श्र	५८	५९	प	१०	४६	बा	७	१५	३८	४	५६	२४	२५	१५	मकरे	रेवत्यांशुक्रः७।४७पापमोचनी११व्र.
१२	चं	८	२१	ध	५९	४९	शि	८	२५	तै	८	२१	४३	३	५७	२५	२६	१६	कुं.२९।२४	प्रदोषः
१३	मं	७	३८	श	५९	३	सि	४	५४	व	७	३८	४७	३	५७	२६	२७	१७	कुम्भे	भ.७।३८उ.३६।२५या.
१४	बु	५	१२	पू	५६	४१	शु	५३	१४	श	५	१२	५१	२	५८	२७	२८	१८	मी४२।१७	उभा.रविः४।५१ (सौरः१२।२१)
२०	गु	१	२०	उ	५३	१६	शु	४६	७	ना	१	२०	५५	१	५९	२८	२९	१९	मीने	मन्वादिःनवरात्रारंभः

४८पं.चै.कृ.५र.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	२	११	११	१०	१०
२४	१०	२१	२०	८	८	१४	२३
६	४२	११	५०	१०	१९	२२	५९
१४	४९	१८	१७	६	८	५४	७
५९	४६	३८	९	७४	७	३	६०
५८	१८	व.	व.	२०	१०	११	६

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे १० शनौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

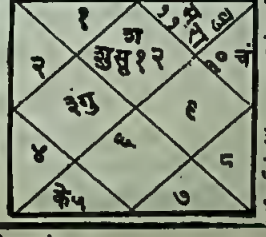

४९पं.चै.कृ.११र.इ.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	२	११	११	१०	११
१	१६	१६	२०	१७	९	१४	०
५	१३	३९	५२	३१	१०	०	५८
३१	१२	२२	१९	४८	४१	३८	४९
५९	४६	३८	१	७४	७	३	५९
४१	१८	व.	मा	१४	२०	११	४९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२७, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२७, भोग्यकलिः ४२६८७३, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०८३, शाकः १९४८, अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री भौमः । सस्येशः गुरुः । धान्येशः बुधः । मेघेशः चंद्रः । रसेशःशनिः। नीरसेशः गुरुः। फलेशः रविः। धनेशः गुरुः। दुर्गेशः चंद्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १४ रौद्रनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १।२२।५३।४६।३६ भोग्यमासादिः १०।७।६।१३।२४नासत्यदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम पौषः।मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासोःमालाकार गृहे । समय विश्वा १८ समयवाहनम् दर्दुरः । स्तंभः१ जलस्य । सोमवत्यमा २ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी × भानुसप्तमी२ रविदशमी१ समय मुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३८३ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९९ क्षयतिथिश्वा १२६, वर्षाविश्वा १७ धान्यम् ११, तृणम् ५, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्११७, सत्यम् ।। धर्म १।।, पापं १८ शनिदृष्टिरुत्तरे । ग्रहणाऽभावः ।

माघ शुक्ला १४ शनिवार को अर्द्ध रात्रि पश्चात् रेलवे घं. ४ मि. ४५ के समय चंद्रबिंब पर मालिन्यता आवेगी । यह ग्रहण अल्पग्रास होने से अनादेश्य है। स्पष्ट दृष्टिगोचर नहीं होगा।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

माता के दरबार में पूछै भैरवलाल ।
तीयासी की साल का कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे हाल सुनो चितलाय ।
तियासी की साल का कहुं भेद समझाय ।।
राष्ट्रपति अरु धनपति सस्याधिप गुरु जान ।
जग में सुख संपत्ति रहे बढै मान सन्मान ।।
रोहिणी वासो जलधि में संवत मालाकार ।
वर्षा विश्वा सप्तदश वर्षे मूसलधार ।।
मंत्री पद कुज को मिला इनका क्रूर स्वभाव ।
यह सुख से नहीं रहन दे बिच २ देखे दाव ।।
अधिक लिया इस वर्ष में सौम्य ग्रहां अधिकार ।
बंशीधर शर्मा कहे उत्तम इनका सार ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	११	५	८	२	५	८
ख.	५	१४	११	११	५	११

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	५	११	१४	२	२	१४
ख.	१४	५	११	८	८	११

वर्ष लग्नम् ११।१५

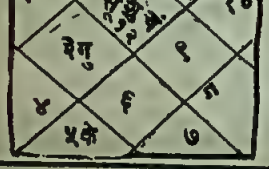

वर्षेश लग्नम् १।१६

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।४।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१२।२१

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम् ॥ गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले काम दुघाश्च धेनवः ॥ यजंति विप्रा बहवोग्नि होत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ॥ मंत्री भौमः फलम् ॥ अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्यु गदादिज वेदना । जनपदेषु जयं सुख संचयं न बहु गोषु पयो द्विज कर्म च ॥ सस्येशो गुरुः फलम् ॥ कणपतौ सुरराज पुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः ॥ जलधरा जलदा बहु सस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनिवै ॥ धान्येशो बुधः फलम् ॥ बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुंचंति वै भृशम् ॥ सैंधवे लाट देशे च माधवोऽल्पं च वर्षति ॥ मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् ॥ शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्ध रसं तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ॥ रसेशः शनिः फलम् ॥ रविसुते रसपे रस संक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः अजगवां गज वाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा न रसैर्युताः ॥ नीरसेशो गुरुः फलम् ॥ हरिद्रापीत वस्तूनां पीतवस्त्रादिकञ्चयत् । नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ॥ फलेशो रविः फलम् ॥ द्रुमवती बर पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषिता । बहु जलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ॥ धनेशो गुरुः फलम् ॥ सुमनसां च गुरु द्रविणाधिपो वणिज वृत्ति परा सुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवाः ॥ दुर्गेशश्चंद्रः फलम् ॥ गढ़पतिः शशलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवरा वर वर्णित विग्रहाः ॥ रौद्रनाम संवत्सरः फलम् ॥ रौद्रेब्दे नृप संभूत क्षोभ क्लेश समन्वितो सततं त्वखिला लोकाः मध्य सस्यार्घ वृष्टयः ॥ वर्षनाम पौषः फलम् ॥ पौषेब्दे सुखिनः सर्वे गुरु पूजारता जनाः । क्षेत्रं सुभिक्षमारोग्यं वृष्टि कृषक सम्मता ॥ मेघनाम पुष्करः फलम् ॥ पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात् ॥ रोहिणी निवासः समुद्रे ॥ समुद्रेतु महा वृष्टिः ॥ समयनिवासो मालि गृहे । मालिनः प्रचुरावृष्टिः ॥ एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०८३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ५ भौमे मृगे ल. ऽन्यगो रे. ८ ऽ।।।।।ऽऽ।।

प्र. ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ भौमे मूले ल. गो. १० रे. ७ ।।।ऽबृ।ऽम्रा।ऽ।।
पादतोवेधाऽभावः

द्वि. ज्येष्ठ मासः

शुक्ला ८ चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।ऽचौ।ऽ।।
,, १५ चन्द्रे मुले ल. १ (व्ययेशनिः) रे. ७
।।।ऽबृ।ऽनृ।ऽ।। पादतोवेधाऽभावः

आषाढ मासः

कृष्णा ६ चन्द्रे उभा. ल. १ (व्ययेऽर्की) रे. ७
ऽ।।।।ऽअऽ।।

माघ मासः

कृष्णा ३ चन्द्रे उफा ल. ८ रे. ८ ।।।।।ऽम्रा।ऽ।।
,, ५ भौमे उफा ल. गो. रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।
,, ६ रवौ अनु. ल. ऽन्यगो रे. ६ ऽ।।।।ऽरो।ऽऽ।।
शुक्ला १० भौमे मृगे ल. गो. (सोग्रांगः) ७ रे. ८
।ऽ।।।।।ऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ७ शनौ अनु. ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ७ रे. ७
ऽ।।।।।ऽऽ।।
,, ६ चन्द्रे मूले ल. ७-८ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ६ रवौ रोहि ल. ऽन्यगो रे. ६ ऽ।।।।ऽअऽऽ।।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४६२स.२०२६
१	गु ५४ ४१ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=मीनेभौमः ३३/४ हनुमज्जयंती
२	शु ५० ६ रे ४६ ५	ब्र	२८	२३	बा	२३	३	मे.४९।५	पूभा.भौमः ३६।१६ चंद्रदर्शनम् सिंघारा
३	श ४३ ४७ अ ४४ ४१	ऐं	३०	१०	तै	१६	५६	४	मार्गीबुधः ५१/३२ सव्वाल १० मत्स्यजयंती:
४	र ३७ २६ भ ४० ३२	वै	२२	०	व	१०	३६	८	भ. १३/६ उ. ३३/४ या. उभा. ३शनिः ३२/३ भा.+
५	चं ३१ २० कृ ३५ ५४	वि	१४	१७	ब	४	२३	१२	वृषे
६	मं २५ २७ रो ३२ १	मी	३८	५२	तै	२५	२७	१६	वृषे
७	बु २० १ मृ २८ ३४	सो	५२	१६	व	२०	१	२१	मि०।१७
८	गु १५ ८ आ २५ ३१	शो	४५	५४	ब	१५	८	२५	मिथुने
९	शु १० ५१ पु २३ १७	अ	४०	०	को	१०	५१	२९	क.८।५१
१०	श ७ ७ पु २१ ४०	सु	३४	४५	ग	७	७	३३	कर्के
११	र ४ ९ श्ले २० ४३	धृ	२९	५९	वि	४	९	३७	मिं २०।४३
१२	चं १ ४८ म २० ३१	शू	२६	२	बा	१	४८	४१	सिंहे
१३	मं ० ३९ पू २१ २९	गं	२२	५२	तै	०	३९	४५	कं.३६।५८
१४	बु ० २६ उ २३ २७	वृ	२०	३८	व	०	२६	४९	कन्यायां
१५	गु १ २७ ह २६ ५०	ध्रु	१९	४१	ब	१	२७	५३	तु.५९।८

[=मीनेभौमः ३३/४ हनुमज्जयंती
पूभा.भौमः ३६।१६ चंद्रदर्शनम् सिंघारा
मार्गीबुधः ५१/३२ सव्वाल १० मत्स्यजयंती:
भ. १३/६ उ. ३३/४ या. उभा. ३शनिः ३२/३ भा.+
[×गणगौरी [+चैत्रारंभः
[−५३।३० उदयोभौमः ५१।३६
भ.२०।१उ.४७।३४या.अश्वि.मेषे शुक्रः−
रामनवमी स्मा.
रामनवमी वै.
भ. ३५/८ उ.शत.२राहुः मघा.४केतुः ३७।९
भ.४।९या.कामदा ११व्र.
प्रदोषः
रेवत्यांरविः ३२।२६ (सौरः ३८।४८)
अप्रेल ४ता.३०
भ.०।२६उ.३०।२७या.पूभा.बुधः २५/५०=

५०गं.चै.शु.४र.इ. ५०/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	२	११	११	१०	११
८	२१	१४	२१	२६	१०	१३	७
३	४३	४०	२	११	२	३८	५६
१८	१२	२३	५३	३५	४६	२३	४४
५९	४६	६	२	७४	७	३	५९
२९	१८	११	३०	८	२०	११	३५

इस मास में चांदी सोना रुई घटबढ लेकर तेज होजावे धान्य गेहूं जो बाजरा मूंग मोठ कुछ मंदे होंगे

५१पं.चै.शु.११र.इ. ५०/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	२	०	११	१०	११
१४	२७	१७	२१	४	१०	१३	१४
५९	१२	५६	२३	४९	५५	१६	५२
१०	४	१३	३१	५५	१	७	५५
५९	४६	३४	३	७४	७	३	५९
१६	१३	२८	५३	२	२०	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु ३ ५० चि ३१ २६	व्या	१९	१४	को	३	५०	३०	
२	श ७ ३० स्वा ३७ १४	ह	२०	०	ग	७	३०	५७	तुलायां
३	र १२ ३५ वि ४३ ३८	ब	२१	२६	वि	१२	३५	४९	तुलायां
४	चं १८ ५ अ ५१ १३	सि	२३	३०	बा	१८	५	५	भ.४०।२उ.
५	मं २४ २० ज्ये ५७ ५८	व्य	२५	५६	तै	२४	२०	८	वृ.२७।२
६	बु ३१ ५ मू ६० ०	ब	२८	२३	ब	३१	५	१२	भ.३/५या.भरण्यांशुक्रः ४५/५१ चतुर्थी व्र.
७	गु ३६ ४४ मू ६ १२	प	३०	२३	वि	३	५४	१६	उभा.भौमः ४३।२३
८	शु ४१ ४० पू १२ ५३	शि	३१	२४	बा	९	१२	१९	
९	श ४५ १४ उ १८ १७	सि	३१	३५	तै	१३	२७	२६	भ.३१।५उ.
१०	र ४७ ६ भ २१ ५९	सा	३०	१७	ब	१६	१०	३०	भ.३।५४या.
११	चं ४६ ४९ ध २३ ५५	शु	२७	११	ब	१६	५७	३४	मीनेबुधः ५६।१
१२	मं ४४ ३३ श २३ ४१	शु	२२	४६	को	१५	४१	३८	
१३	बु ४० ३० पू २१ ५३	ब्र	१६	५४	ग	१२	३१	४२	मकरे
१४	गु ३४ १८ उ १८ १५	ऐं	९	२३	वि	७	३४	४६	
३०	शु २७ २३ रे १३ ९	वै	०	५०	ब	१	०	५०	भ.१६।१०उ.४७।६या.
								३८	उभा.बुधः २६।१६वरुथिनी ११व्र.
								२२	अश्वि.मेषेऽर्कः ६।२७ (सौरः १३।२२)
								२७	भ.४०।३०उ. प्रदोषः
								२८	भ.७।३४या.कृत्ति.शुक्रः ३७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	२	०	११	१०	११
२१	२	२४	२१	१३	११	१२	२१
५३	३९	९	५३	२६	४७	५३	४७
३१	३२	२५	०	१०	१३	५१	६
५९	४६	५८	५	७३	७	३	५९
४	१२	२३	२	५५	१४	११	४

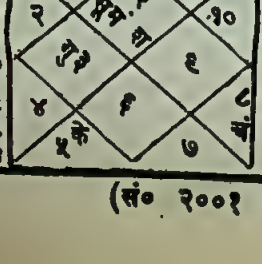

वैशाख कृष्णे १२ भौमे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी मु.१५ धान्या-दिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

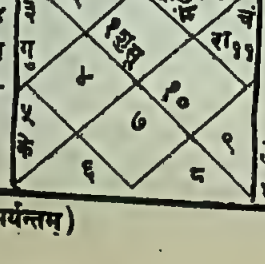

१पं.वै.कृ.१२मं.इ. ६७/

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	२	०	११	१०	११
०	९	४	२२	२३	१२	१२	२९
०	४	१३	३५	३३	४९	२७	५३
०	४१	३७	३५	४०	१	४३	२०
५८	४५	८०	६	७३	७	३	५८
४४	५८	३	२०	४८	८	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः ५४९१स.२०२६

१	श	१९	२३	अ	७	१४	प्री	४२	१४	ब	१९	२३	३१	५	६	२८	२९	१८	मेषे	उभा.४शनिः१८।३९ चंद्रदर्शनम्
२	र	११	४	भ	४	५	आ	३२	४३	कौ	११	४	५७	३७	२३	२९	१	१९	वृ.१४।३२	वृषेशुक्रः ३३ जिल्हाद११परशुरामजयंती
३	चं	३	४	रो	४९	४	सौ	२३	६	ग	३	४	३३	३६	२४	३०	२	२०	वृषे	भ.३१०उ.५५या.पुन.२गुरुः५३अक्षया३
४	चं	५२	१३	०	०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	मं	४८	१६	मृ	४४	५	शो	१४	३४	ब	२१	४६	५	३५	२५	१	३	२१	मि१६।३५	भा.वैशाखारंभः
६	बु	४२	७	आ	४०	२	अ	३९	५३	कौ	१५	११	९	३४	२६	२	४	२२	मिथुने	रेवत्यांबुधः२३।४५
७	गु	३७	१७	पु	३७	७	धृ	५३	२०	ग	६	४२	१२	३४	२६	३	५	२३	क.२२।५१	भ.३७।१७उ.रेवत्यांभौमः५७।१४
८	शु	३३	३१	पु	३५	१७	शू	४८	४	वि	५	२४	१६	३३	२७	४	६	२४	कर्के	भ.५।२४या.
९	श	३०	५६	श्ले	३४	५२	गं	४३	५७	बा	२	१५	२०	३२	२८	५	७	२५	सिं३४।५२	
१०	र	२६	३५	म	३५	२३	वृ	४०	४१	तै	०	१७	२३	३१	२६	६	८	२६	सिंहे	भ.५६।३०उ.
११	चं	२६	२५	पू	३७	१४	धु	३८	२१	वि	२६	२५	२७	३१	२६	७	९	२७	कं.५२।५५	भ.३९या.भरण्यांरविः ४७ (सौरः ५४)=
१२	मं	३०	२६	उ	४०	०	ज्या	३६	५६	बा	३०	२६	३१	३०	३०	८	१०	२८	कन्यायां	[=रोहि.शुक्रः ३३ मोहिनी११ब्र.
१३	बु	३२	२४	ह	४४	३	ह	३६	४०	कौ	१	२५	२४	२९	३१	९	११	२९	कन्यायां	प्रदोषः
१४	शु	३५	३६	चि	४९	१	व	३६	२९	ग	४	०	२८	२८	३२	१०	१२	३०	तु.१६।३२	भ.३५उ.अश्वि.मेषेबुधः ४नृसिंहजयंती
१५	शु	३९	४५	स्वा	५४	५७	सि	३७	३५	वि	७	४०	४१	२८	३२	११	१३	१	तुलायां	भ.७।४०या.मईअंता.३१यमायकुंभदानम्

२पं.वै.शु.५मं.ह.६।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	२	१	११	१०	०
६	१४	१४	२३	२	१३	१२	६
५०	२९	३६	२१	६	३९	५	४३
४८	२०	१४	४३	४७	२५	२८	३१
५८	४५	९६	७	७३	६	३	५८
२१	५८	३२	१७	३८	५६	११	२९

गोचर ग्रहाः

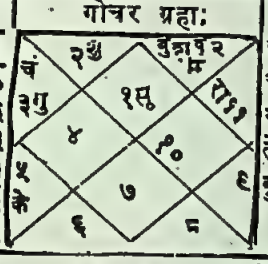

इस मास में शनि का चन्द्रदर्शन चांदीसोना रुई रंग सूतमें अच्छी तेजी करेगा रसकस कुछ मंदे हो।

गोचर ग्रहाः

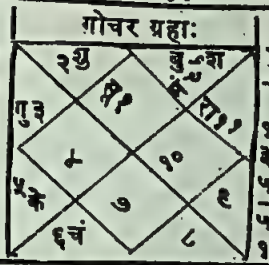

३पं.वै.शु.१२मं.ह. ७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	२	१	११	१०	०
१३	१९	२६	२४	१०	१४	११	१३
३९	५३	२७	१४	३७	२८	४३	३१
५०	२८	११	४६	३०	१	१२	५६
५८	४५	०	८	७३	६	३	५८
१९	४३	११	२६	२४	३८	११	१२

ति. प्र.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	श	४४	५८	वि	६०	०	व्य	३९	५	बा	१२	२१	३२	५	६	१२	१४	२	वृ.४४।५६	बुधास्तःपूर्वस्यां५९।५५
२	र	५०	३१	वि	१	३५	व	४१	५	तै	१८	१४	४८	२६	३४	१३	१५	३	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्
३	चं	५६	३५	अ	८	४९	प	४३	२८	ब	२३	३३	५२	२६	३४	१४	१६	४	वृश्चिके	भ.२३।३३उ.५६।३५या.
४	मं	६०	०	ज्ये	१६	२५	शि	४५	५५	ब	२९	४३	५५	२५	३५	१५	१७	५	ध.१६।२५	चतुर्थी व्रतम्
४	बु	२	५१	मू	२४	२	सि	४८	१९	बा	२	५१	५८	२४	३६	१६	१८	६	धनुषि	भरण्यांबुधः५५।१०
५	गु	९	५	पू	३१	१३	सा	५०	११	तै	९	५	३३	२४	३६	१७	१९	७	म.४७।४७	
६	शु	१४	२०	उ	३७	२७	शु	५१	७	ब	१४	२०	५	२३	३७	१८	२०	८	मकरे	भ.१४उ.४६या.मृगेशुक्रः ३४
७	श	१८	३६	श्र	४२	३२	शु	५१	२	ब	१८	३६	८	२२	३८	१९	२१	९	मकरे	
८	र	२१	१८	ध	४५	५५	ब्र	४९	३७	कौ	२१	१८	११	२२	३८	२०	२२	१०	कुं.१४।१३	[×अश्वि.मेषेभौमः २१
९	चं	२२	१३	श	४७	१७	ऐं	४६	३१	ग	२२	१३	१४	२१	३९	२१	२३	११	कुंभे	भ.५१उ.कृत्ति.रविः ३३ (सौरः ४३)×
१०	मं	२१	२	पू	४६	४६	वै	४१	५६	वि	२१	२	१७	२१	३९	२२	२४	१२	मी३१।५४	भ.२१।२या.
११	बु	१७	५३	उ	४४	१३	वि	३५	४०	बा	१७	५३	२०	२०	४०	२३	२५	१३	मीने	कृत्ति.बुधः १३।५६अपरा११ब्र.
१२	गु	१२	४६	रे	३९	५१	प्री	२७	४९	तै	१२	४६	२३	१९	४१	२४	२६	१४	मे.३९।५१	वृषेऽर्कः ५१ वृषेबुधः ४७ मिथुनेशुक्रः ४२+
१३	शु	५	४६	अ	३४	१	आ	१८	४८	व	५	४६	२६	१९	४१	२५	२७	१५	मेषे	भ.५६उ.३३या.वृषेऽर्कःसौरः१०।३२
१४	शु	५१	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+पुन.३गुरुः ५६ प्रदोषः
१५	श	४८	३९	भ	२७	११	सौ	९	४९	च	२३	०	२८	१८	४२	२६	२८	१६	वृ.४०।१९	वटपूजनम्

४पं.प्र.ज्ये.कृ.४मं.इ.७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	२	१	११	१०	०
२०	२५	९	२१	१९	१५	११	२०
२७	१५	४१	१३	६	१५	२०	१८
२९	४०	४२	५५	३२	४	५६	४२
५८	४९	२९	९	७३	६	३	५७
६	३३	२१	१६	१४	२६	११	५७

गोचर ग्रहाः

प्र.ज्येष्ठकृष्णे १२गुरौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ५ प्रगरूभावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पञ्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

५पं.प्र.ज्ये.कृ.१०मं.इ.२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	२	१	११	१०	०
२७	०	२४	२६	२७	१६	१०	२७
१३	३४	१७	१८	३२	०	५८	३
३७	४४	३८	४०	३५	४	३१	५६
५७	४५	९	९	७२	६	३	५७
५४	१८	२८	५३	५६	१३	११	४५

ति.	प्र.ज्येष्ठशुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५५२०स.२०२६
१	र ३८ ३५ कृ १९ ४१	अ ४७	५२	किं १३	३७	३३ ५	६ ४२	२७ २९	१७ वृषे
२	चं २९ १ रो १२ १६	सु ३७	२८	बा ३	४८	३४ १७	४३	२८ ३०	१८ मि३८।४५ रेवती.१शनिः३१।३२ चन्द्रदर्शनम्
३	मं १९ ५९ मृ १५ ५३	धृ २७	४०	ग १९	५९	३७ १७	४३	२९ १	१९ मिथुने भ.४५उ.रोहिण्यांबुधः५९आर्द्रा.शुक्रः=
४	बु ११ ५३ पु ५४ १४	शू १८	३४	वि ११	५३	३९ १६	४४	३० २	२० क.४०।२३ भ.११।५३या.
५	गु ५ १५ पु ५० ४९	गं १०	२	बा ५	१५	४२ १६	४४	३१ ३	२१ कर्के [=४३जिल्हेज१२
६	शु ० ६ श्ले ४९ १४	वृ ४५	५७	तै ०	६	४४ १५	४५	१ ४	२२ सि४९।१४ भ.५६।४४उ.भा.ज्येष्ठारंभः
७	शु ५६ ३८ ० ०	० ०	०	० ०	०	० ०	०	० ०	० ०
८	श ५४ ५३ म ४९ १७	ज्या ५६	२	वि २५	४८	४७ १५	४५	२ ५	२३ सिंहे भ.२५।४८या.
९	र ५४ ५२ पू ५० ५३	ह ५३	३५	बा २४	५२	४९ १४	४६	३ ६	२४ सिंहे [×४५बुधोदयःपश्चिमायां ३७
१०	चं ५६ १८ उ ५४ ८	व ५२	२२	ते २५	३५	५२ १४	४६	४ ७	२५ कं.६।४२ रोहि.रविः२३(सौरः३६४)मृगेबुधः×
११	मं ५९ ४ ह ५८ ३०	सि ५२	२२	व २७	४१	५४ १३	४७	५ ८	२६ कन्यायां भ.२७उ.५९या. कमला११व्र.स्मा.
१२	बु ६० ० चि ६० ०	व्य ५३	४	ध ३१	०	५६ १३	४७	६ ९	२७ तु.३१।१५ कमला११व्र.वे.
१२	गु २ ५६ चि ४ १	व ५४	१२	ना २	५६	५८ १२	४८	७ १०	२८ तुलायां
१३	शु ७ ३८ स्वा १० १४	प ५६	१४	तै ७	३८	३४ ० ० १२	४८	८ ११	२९ तुलायां मिथुनेबुधः२।८भरण्यांभौमः४।५१
१४	श १३ २२ वि १७ ११	शि ५८	१९	व १३	२२	२ १२	४८	९ १२	३० वृ.०।२७ भ.१३उ.४६या.पुन.शुक्रः५८शत.२+
१५	र १९ ५ अ २४ २७	सि ६०	०	ध १९	५	३ ११	४९	१० १३	३१ वृश्चिके [+राहुःमघा.३केतुः३५

६पं.प्र.ज्ये.शु.३मं.इ. ७ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	२	२	१९	१०	१
३	५	९	२७	५	१६	१०	३
५८	५१	३४	२८	१६	४२	३६	४७
४४	३२	१६	३०	२०	३२	२५	४०
५७	४५	४९	१०	७२	५	३	५७
४४	१८	५५	३६	३८	५०	११	३४

गोचर ग्रहाः

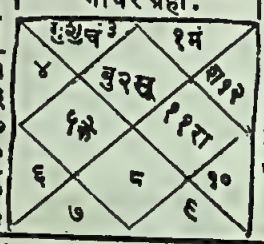

इस मास में धान्य धातु गल्ला रस घृत तेल वस्त्र रुई तेज हो प्रजा में महामारी फैले वर्षा अच्छीहो।

गोचर ग्रहाः

७पं.प्र.ज्ये.शु.११मं.इ. ७ ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	२	२	११	१०	१
१०	११	२४	२८	१४	१७	१०	१०
४२	६	१३	४२	१६	२२	१४	२९
४०	५०	५५	३२	४४	१२	१०	५१
५७	४५	५९	११	७२	५	३	५७
३५	६	५६	१३	१६	२५	११	३

ति.	द्वि.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे प्र.ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	चं २५ ५ ज्ये ३१ ५८	सि ०	४०	कौ २५	५	३४ ५	६ ४९	११ १४	१ ध.३१।५८ आर्द्रा.बुधः५६।५६जून६ता.३०
२	मं ३१ १७ मू ३६ २५	सा ३	६	ग ३१	१७	७ ११	४९	१२ १५	२ धनुषि पुन.४कर्के गुरुः५।१९
३	बु ३७ ८ पू ४६ ४०	शु ५	३१	व ४	१२	९ १०	५०	१३ १६	३ धनुषि भ.४।१२उ.३७।८या.
४	गु ४२ २१ उ ५३ १	शु ७	२६	व ६	४४	१० १०	५०	१४ १७	४ म.३।१५ चतुर्थी व्र.
५	शु ४६ ४० श्र ५८ ४४	व्र ८	५०	कौ १४	३०	१२ १०	५०	१५ १८	५ मकरे
६	श ४९ ५६ ध ६० ०	ऐं ९	२३	ग १८	१८	१३ ९	५१	१६ १९	६ कुं.३०।५५ भ.४९।५६उ.
७	र ५१ ४१ ध ३ ५	वै ८	५९	वि २०	४८	१५ ९	५१	१७ २०	७ कुंभे भ.२०।४८या.
८	चं ५१ ४६ श ६ ८	वि ७	२४	बा २१	४३	१६ ९	५१	१८ २१	८ मी५२।५ मृगेरविः१९(सौरः३५४)कर्के शुक्रः२५
९	मं ५० ४ पू ७ २४	मी ४ २३	५५	तै २०	५५	१७ ९	५१	१९ २२	९ मीने
१०	बु ४६ २९ उ ६ ५०	सौ ५	३४	व १८	१६	१८ ८	५२	२० २३	१० मीने भ.१८।१६उ.४६।२९या.
११	गु ४० ३९ रे ४ २०	शो ४	६	व १३	३४	१९ ८	५२	२१ २४	११ मे.४।२० पुन.बुधः५पुष्येशुक्रः१३कमला११व्र.
१२	शु ३३ ४० अ ० ५४	अ ३	२६	कौ ७	९	१९ ८	५२	२२ २५	१२ मेषे
१३	श २५ ३५ कृ ४७ १२	सु २७	४४	व २५	३५	२० ८	५२	२३ २६	१३ वृ.७।२६ भ.२५।३५उ.५०।३३या.
१४	र १५ ३२ रो ३९ ३०	धृ १७	११	श १५	३२	२१ ८	५२	२४ २७	१४ वृषे
३०	चं ५ ३० मृ ३१ ४४	श ६ १९	४९ ५०	ना ५	३०	२१ ८	५२	२५ २८	१५ मि५।३७ मिथुनेऽर्कः१६।४०(सौरः३६।१२)

८पं.द्वि.ज्ये.कृ.२मं.इ. ७ ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	३	२	११	१०	१
१७	१६	६	०	२२	१७	९	१७
२५	१८	५८	०	३४	५८	५१	१०
२६	५८	३४	२९	२६	१९	५४	५७
५७	४४	८१	११	७१	४	३	५७
२७	५२	४८	५०	५४	५५	११	१२

गोचर ग्रहाः

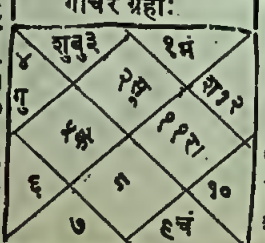

द्वि.ज्येष्ठकृष्णे३०चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५न५ प्रव्राजिकावस्था (ऊर्ध्वभी)मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

९पं.द्वि.ज्ये.कृ.९मं.इ. ७ ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	३	३	११	१०	१
२४	२१	१७	१	०	१८	९	२३
७	२८	२१	२१	५०	३१	२९	५०
३०	५९	११	४३	२८	३४	३८	५३
५७	४४	८१	१२	७१	४	३	५७
२२	४०	५६	१५	२६	३१	११	५

ति.	द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५५५०स.२०२६
१	चं	४९	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं	४५	४९	आ	२४	३	बृ	४५	१	बा	२०	३१	३४/२२	५/८	६/५२	२६	२९	१६	मिथुने	कृत्ति.भौम:१४।१५ चंद्रदर्शनम्
३	बु	३७	३१	पु	१७	२५	ध्रु	३५	३८	तै	११	४०	२२	८	५२	२७	१	१७	क.४।६	मोहोरम१सन्१४४८हि.
४	गु	३०	३२	पु	११	५४	व्या	२७	१०	व	४	१	२३	७	५३	२८	२	१८	कर्के	भ.४।१उ.३०।३२या पुष्य.१गुरुः५१/२१
५	शु	२५	२८	श्ले	८	१७	ह	२०	३३	बा	२५	२८	२३	७	५३	२९	३	१९	सिं८।१७	
६	श	२२	१४	म	६	३३	व	१५	२६	तै	२२	१४	२३	७	५३	३०	४	२०	सिहे	वृषेभौम:५१।१
७	र	२१	१३	पू	६	४३	सि	११	४४	व	२१	१३	२४	७	५३	३१	५	२१	कं.२२।१९	भ.२१।१३उ.५१।३६या.
८	चं	२२	०	उ	९	७	व्य	९	५२	ब	२२	०	२४	७	५३	१	६	२२	कन्यायां	आर्द्रा.रविः१५/५३(सौरः३७/४५) कर्के बुधः२३/२१=
९	मं	२४	३७	ह	१३	४	व	८	४८	कौ	२४	३७	२४	७	५३	२	७	२३	तु.४५।४५	[=आश्ले.शुक्रः४९/३०भा.आषाढारंभः
१०	बु	२८	४५	चि	१८	२६	प	१०	५	ग	२८	४५	२४	७	५३	३	८	२४	तुलायां	गंगादशमी
११	गु	३३	५१	स्वा	२४	४३	शि	११	३०	व	१	१८	२४	७	५३	४	९	२५	तुलायां	भ.१/१८उ.३३/५१या.पातस्पर्शः४६/१७निर्ज.११व्र.
१२	शु	३९	४९	वि	३२	५	सि	१३	३४	ब	६	५०	२३	७	५३	५	१०	२६	बृ.१५।१५	पातमोक्षः६।२०
१३	श	४५	५३	अ	३९	२८	सा	१५	५२	कौ	१२	५१	२३	७	५३	६	११	२७	वृश्चिके	वक्रीबुधः४८।३९ प्रदोषः
१४	र	५१	५२	ज्ये	४७	४६	शु	१८	२२	ग	१८	५२	२२	८	५२	७	१२	२८	ध.४७।४६	भ.५१।५२उ.
१५	चं	५७	४६	मू	५५	७	शु	२०	४२	वि	२४	४९	२२	८	५२	८	१३	२९	धनुषि	म.२४।४९या. गुर्जराणां वटसावित्रीव्र.

१०पं.द्वि.ज्ये.शु.२मं.इ.७/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	३	३	११	१०	२
०	२६	२५	२	८	१९	९	०
४८	३५	१९	४५	५८	०	७	३०
४७	१३	३०	४७	८	२२	२३	२
५७	४४	५०	१२	७०	३	३	५६
१७	१६	४२	३३	५३	५२	११	५७

गोचर ग्रहाः

शुगु४ २ १ ५के ३चंसू बु श१२ म ६ ७ ९ ११ ८ १०

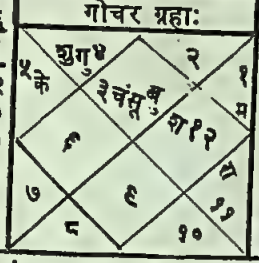

इस मास में मंगल का चंद्रदर्शन गेहूं जौ चना मटर सरसों बाजरा मूंग मोठ धातु गुड़ शक्कर चीनी में तेजी करे।

गोचर ग्रहाः

१शुगु४ २मं ५के ३सू १ बुं६ १२श ७ ९ रा११ ८ १०

११पं.द्वि.ज्ये.शु.९मं.इ.७/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	३	३	११	१०	२
७	१	०	४	१७	१९	८	७
२९	३९	१५	१२	१	२५	४५	८
४२	२९	४	४७	१९	२३	७	२९
५७	४३	२०	१२	७०	३	३	५६
१३	४०	२३	५८	१३	२०	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	मं	६०	०	पू	६०	०	ब्र	२२	५०	बा	३१	१	३४/२१	५/८	६/५२	९	१४	३०	धनुषि	
१	बु	४	१७	पू	२	१०	ऐं	२४	३७	की	४	१७	२०	८	५२	१०	१५	१	म.१८।४०	जुलाई७ता.३१
२	गु	८	२	उ	८	१०	वै	२५	४७	ग	८	२	१९	८	५२	११	१६	२	मकरे	भ.३९।५८उ.
३	शु	११	५४	श्र	१२	४७	वि	२६	२१	वि	११	५४	१८	८	५२	१२	१७	३	कुं.४५।३	भ.११।५४या. चतुर्थी व्र.
४	श	१४	४१	ध	१७	१९	प्री	२६	७	बा	१४	४१	१७	९	५१	१३	१८	४	कुंभे	मघा.सिंहेशुक्रः३४/२रोहि.भौमः५०/३०पुष्य.२+
५	र	१६	३२	श	२०	५०	आ	२४	५९	तै	१६	३२	१६	९	५१	१४	१९	५	कुम्भे	रेवती.२शनिः५०।५२
६	चं	१७	२	पू	२२	५९	सौ	२२	४७	व	१७	२	१५	९	५१	१५	२०	६	मी७।२७	भ.१७/२उ.४६/४०या.पुन.रविः१४/२५(सौरः४१/४७)×
७	मं	१६	१७	उ	२३	४६	शो	१९	२९	ब	१६	१७	१४	९	५१	१६	२१	७	मीने	[×वक्रीमिथुनेबुधः५३/२७
८	बु	१४	२	रे	२३	२	अ	१५	१	कौ	१४	२	१३	९	५१	१७	२२	८	मे.२३।२	[+गुरुः४२/०बुधास्तःपश्चिमायां:२९/४
९	गु	१०	४	अ	२०	५०	सु	९	१३	ग	१०	४	११	१०	५०	१८	२३	९	मेषे	भ.३७।२५उ.
१०	शु	४	४५	भ	१७	७	धृ	२/१९	५२/१	वि	४	४५	१०	१०	५०	१९	२४	१०	वृ.३०।५१	भ.४।४५या.योगिनी११व्र.स्मा.
११	शु	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	श	४९	५८	कृ	१२	४	गं	४५	१७	कौ	२३	५५	८	१०	५०	२०	२५	११	वृषे	योगिनी११व्र.वै.
१३	र	४१	३	रो	५/५४	५२/५६	बृ	३५	२२	ग	१५	३०	७	११	४९	२१	२६	१२	मि३२।२२	भ.४१।३उ. प्रदोषः
१४	चं	३१	३६	आ	५१	२९	ध्रु	२५	१	वि	६	१९	५	११	४९	२२	२७	१३	मिथुने	भ.६।१९या.
३०	मं	२१	५९	पु	४४	१३	व्या	१४	२९	ना	२१	५९	३	११	४९	२३	२८	१४	क.३१।२	

१२पं.आ.कृ.१मं.इ.७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	३	३	११	१०	२
१४	६	१	५	२५	१९	८	१३
१०	४०	४६	४२	१	४६	२२	४६
८	८	५९	४	४८	१२	५२	३४
५७	४३	१०/५	१३	६९	२	३	५६
७	३४	व	१७	२०	३५	११	५०

गुशुबु ४ म २ ५के ३ सू १ ६ १२श ७ ९चं रा११ ८ १०

१३पं.आ.कृ.७मं.इ.७।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	३	४	११	१०	२
२०	११	२९	७	२	२०	८	२०
५०	३८	५२	१२	५५	२	०	२४
३५	५६	१२	३६	२३	२८	३६	२८
५७	४३/१८	३३	१३	६८	१	३	५६
७	वं	७	२६	३२	५६	११	५०

४गु मं २ बु ३चंसू ५शु के १ ६ १२श ७ ९ ११रा ८ १०

१४पं.आ.कृ.३०मं इ.७/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	३	४	११	१०	२
२७	१६	२५	८	१०	२०	७	२७
३०	३२	४७	४४	४१	१३	३८	२
५४	३८	१३	६	२४	२६	२०	३५
५७	४३	३९/२१	१३	६७	१	३	५६
११	१	व	३२	२५	१८	११	५४

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८ दि. उ. अ. भा. मु. इ. चन्द्रः वर्षतु प्रविदक्षिणेऽहर्गणाः ४५७६४८२०१६

१	बु	१२	५५	पु	३७	५०	ह	४	२९	३६	ब	१२	५५	३४	१२	६	२४	२९	१५	कर्के
२	गु	४	५७	श्ले	३२	४०	सि	४	४७	५७	को	४	५७	५२	१२	४८	२५	१	१६	सि ३२।४०
३	गु	५३	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	शु	५३	४९	म	२६	७	व्य	३६	५८	व	२६	११	५७	१३	४७	२६	२	१७		सिंहे
५	श	५१	२३	पू	२७	२०	व	३४	४७	व	२२	३६	५५	१३	४७	२७	३	१८		क ४१।३०
६	र	५१	२	उ	२८	२	प	३१	२८	कौ	२१	१२	५२	१४	४६	२८	४	१९		कन्यायां
७	चं	५२	४१	ह	३०	२३	शि	२९	३४	ग	२१	५१	५०	१४	४६	२९	५	२०		कन्यायां
८	मं	५६	१६	चि	३४	५६	सि	२९	२९	वि	२४	२८	४८	१४	४६	३०	६	२१		तु. २।४०
९	बु	६०	०	स्वा	४०	५०	सा	३०	१७	बा	२८	४३	४५	१५	४५	३१	७	२२		तुलायां
९	गु	१	११	वि	४७	५६	शु	३१	५९	को	१	११	४३	१५	४५	१	८	२३		वृ. ३१।१०
१०	शु	७	१४	अ	५५	१६	शु	३४	१८	ग	७	१४	४०	१६	४४	२	९	२४		वृश्चिके
११	श	१३	२७	ज्ये	६०	०	ब्र	३६	५६	वि	१३	२७	३८	१६	४४	३	१०	२५		वृश्चिके
१२	र	१९	३२	ज्ये	३	३	ए	३९	२६	बा	१९	३२	३५	१७	४३	४	११	२६		ध. ३।१
१३	चं	२५	२१	मू	१०	१९	वे	४१	३६	तै	२५	२१	३३	१७	४३	५	१२	२७		धनुषि
१४	मं	३०	२८	पू	१७	११	वि	४२	५९	व	३०	२८	३०	१८	४२	६	१३	२८		म. ३३।१५
१५	बु	३४	३७	उ	२२	५६	प्री	४३	५४	वि	२	३२	२७	१९	४१	७	१४	२९		मकरे

चन्द्रवर्षवेशम्
कर्के ऽर्कः ४१ पूफा. शुक्रः १९ सफर २२ रथयात्रा
सिंहे भ. १९ उ. २१ या. कर्के ऽर्कः सौरः १४।३१
अस्तंगतो गुरुः २२।१२
कन्यायां पुष्य. १ गुरुः ५३।२१
कन्यायां भ. ५१ उ. पुष्ये रविः १३ (सौरः ४५)
भ. १८ या. बुधोदयः पूर्वस्यां ५७।१७
तुलायां
मृगे भौमः ५१।३० भा. आरणाद्रयः
वृश्चिके भ. ४०।२० उ. भार्गीवृषः ४६।२८
वृश्चिके भ. १३।२७ या देवशयनी ११ व.
प्रदोषः
धनुषि वक्रीशनिः ७।८
म. ३३।१५ भ. १०।२८ उ. उल्का. शुक्रः ५५।५१
मकरे भ. १२ या. व्यासपूजा वासुपरीक्षा शुक्र १५.

१५पं.आ.शु.८मं.इ. ७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	३	४	११	१०	३
४	२१	२२	१०	१८	२०	७	३
११	२४	१९	१६	१९	१९	१६	४१
३८	११	२३	४८	२६	४४	५	२
५७	५२	३९	१३	६६	०	३	५६
१५	१९	ख.	३८	०	३९	११	५९

गोचर ग्रहाः

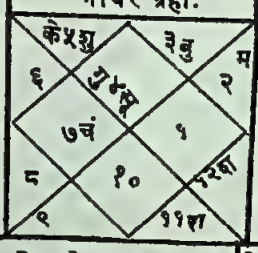

आषाढ शुक्ले २ गुरौ कर्के ऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

१६पं.आ.शु.१४म.इ. ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	३	४	११	१०	३
१७	२४	२२	११	२५	२०	६	१७
५२	१०	४९	१७	४७	२१	५३	३०
४१	४१	१९	२	४२	१४	४३	०९
५७	५२	१२	१३	६७	१७	३	५७
२०	२	मा	१८	२५	ब.	११	५

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८ वि. उ. अ. भा. मु. इ. चन्द्रः वर्षतु प्रविदक्षिणे आषाढ कृष्णपक्षे

१	गु	३७	४१	श्र	२७	५१	आ	४४	४	बा	६	६	३३	५	६	४१	८	१५
२	शु	३९	४२	ध	३१	४४	सौ	४३	१२	तै	८	४१	२२	२०	४०	९	१६	
३	श	४०	३४	श	३४	३४	शो	४१	३६	व	१०	८	१९	२०	४०	१०	१७	
४	र	४०	२९	पू	३६	२२	अ	३९	१६	ब	१०	३१	१६	२१	३९	११	१८	
५	चं	३९	२३	उ	३७	१६	सु	३५	५९	कौ	९	५६	१३	२१	३९	१२	१९	
६	मं	३७	२८	रे	३७	७	धृ	३१	५२	ग	८	२५	१०	२२	३८	१३	२०	
७	बु	३४	१४	अ	३५	४८	शू	२७	१	वि	५	५१	७	२३	३७	१४	२१	
८	गु	३०	१०	भ	३३	४३	मं	२१	२०	बा	२	३७	४	२३	३७	१५	२२	
९	शु	२५	५	कृ	३०	३५	बृ	१४	५५	ग	२५	५	०	२४	३६	१६	२३	
१०	श	१९	२	रो	२६	२६	धु	७	५१	वि	१९	२	३३	२५	३५	१७	२४	
११	र	१२	७	मृ	२१	२६	ह	५०	४६	बा	१२	७	५४	२५	३४	१८	२५	
१२	चं	४	२३	आ	१५	५०	व	४१	३२	तै	४	२३	५०	२६	३४	१९	२६	१०
१३	चं	५१	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	मं	४८	१६	पु	९	५५	सि	३२	२२	वि	२२	१६	४७	२७	३३	२०	२७	११
३०	बु	४०	४६	पु	३	५४	व्य	२३	१८	च	१४	३१	४४	२७	३३	२१	२८	१२

वर्षतु प्रविदक्षिणे आषाढ कृष्णति मङ्गा.
[ऋषि.४ राहुः मङ्गा. १ केतुः १६×
[५ मङ्गलस्तङ्गा. ११
भ. १० उ. १० या. कन्यायां शुक्रः ९, ८
मिथुने भौमः ४५।५९ चतुर्थी अ.
सौरो रविः १० (सौरः १९) पुष्य. ४+
भ. १७।१७ भ. ३७।२८ उ.
मेषे भ. ५।५१ या. मिथुने बुधः ३१।१५
[गुरुः ५२।२० नागः५
वृ. ४७।५६ वृषे भ. ५२।३८ उ.
मिथुने भ. १९।२४ या. पुष्य बुधः २२।४९
कार्मिका ११ व.
भ. ५६।१७ उ. हस्ते शुक्रः ५९ प्रदोषः
कर्के भ. २२।१६ या. उदयगुरोः २१।०
सिं ५८।३७ आर्द्रा भौमः २८।५१ हरियाली

१७पं.श्रा.कृ.६मं.इ. ७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	३	५	११	१०	३
१७	०	२८	१३	३	२०	६	१७
३४	५६	१८	२३	४	१८	३१	०
२३	२०	५०	२०	४१	०	२४	७
५०	४१	७०	१३	६२	८०	३	५७
२५	३३	५२	३८	३१	म.	११	१२

गोचर ग्रहाः

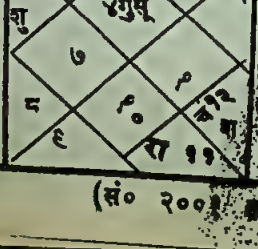

इस मास में जो गेहूं चना मटर सरसों मंडी हो सावा चांदी मांदि धातु गुड़ शक्कर लोहा नेज हो।

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.कृ.१४म.इ. ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	३	५	११	१०	३
२४	५	८	१४	१०	२०	६	२३
१६	२६	३	५५	७	२	२	५१
४४	३६	५८	५१	५८	४३	१८	१४
५७	४१	७	१३	६०	३	३	५७
२३	२१	४८	३२	७	ब.	११	२५

(सं० २००१ शकाब्द २१०० वर्षसम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५६०८सन् २०२६
१	गु	३४	९	म	५४	२६	व	१४	५२	किं	७	२७	३२/४०	५/२८	६/३२	२२	२९	१३	सिंहे	[=५७/१५ रविलावल ३तीज
२	शु	२८	५७	पू	५१	४९	प	७	२५	बा	१	३३	३७	२९	३१	२३	३०	१४	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	श	२५	४३	उ	५०	५२	शि	१/८	५५/१४	ग	२५	४३	३३	२९	३१	२४	१	१५	क.६।२१	भ.५४/३३ उ.आश्ले.बुधः ५०/५२ बुधास्तः पूर्वस्यां=
४	र	२३	१९	ह	५१	५०	सा	५२	५६	वि	२३	१९	३०	३०	३०	२५	२	१६	कन्यायां	भ.२३/१२ या.वक्रीरेवती.१शनिः ३६/५१ वरद४
५	चं	२४	५६	चि	५४	५९	शु	५१	५०	बा	२४	५६	२६	३१	२९	२६	३	१७	तु.२३।२५	मघा.सिंहेऽर्कः४।१२(सौरः४२।२४)
६	मं	२७	३८	स्वा	५९	५२	शु	५१	२५	तै	२७	३८	२२	३२	२८	२७	४	१८	तुलायां	
७	बु	३१	५८	वि	६०	०	ब्र	५२	३२	व	३१	५८	१९	३२	२८	२८	५	१९	वृ.४९।४१	भ.३१।५८उ.आश्ले.१गुरुः११।५०
८	गु	३७	४०	वि	६	१७	ऐं	५३	३१	वि	४	४९	१५	३३	२७	२९	६	२०	वृश्चिके	भ.४।४९या.
९	शु	४३	४२	अ	१३	१२	वै	५६	५५	बा	१०	४१	१२	३४	२६	३०	७	२१	वृश्चिके	
१०	श	४९	५४	ज्ये	२०	५२	वि	५९	२१	तै	१६	४८	८	३४	२६	३१	८	२२	ध.२०।५२	मघा.सिंहेबुधः३३।१९
११	र	५५	४७	मू	२८	१८	प्री	६०	०	व	२२	५०	४	३५	२५	१	९	२३	धनुषि	भ.२२/५० उ.५५/४७ या.भा.भाद्रपदारंभः×
१२	चं	६०	०	पू	३५	१७	प्री	१	५०	व	२८	१८	१	३६	२४	२	१०	२४	म.४९।१५	[×पवित्रा ११व्र.
१२	मं	०	५०	उ	४१	९	आ	३	१९	बा	०	५०	३१/५७	३७	२३	३	११	२५	मकरे	चित्रा.शुक्रः१२।३७ प्रदोषः
१३	बु	४	४०	श्र	४५	५१	सौ	४	१	तै	४	४०	५३	३७	२३	४	१२	२६	मकरे	
१४	गु	७	१०	ध	४९	१८	शो	३	३९	व	७	१०	४९	३८	२२	५	१३	२७	कु.१७।३५	भ.७।१०उ.३७।४४या.
१५	शु	८	१८	श	५१	१९	अ	२	१८	व	८	१८	४६	३९	२१	६	१४	२८	कुंभे	श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्

१९पं.श्रा.शु.६मं.इ. ६/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	३	५	११	१०	४
१	१०	२०	१३	१६	१९	५	०
०	१३	५८	२७	५१	५६	४७	२३
४	३४	३०	२५	५४	१७	२	२७
५०	४०	४/१५	१३	५६	२/१४	३	५७
४०	४६	५/४	२६	५८	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले १५चन्द्रे सिंहेऽर्कं प्रविष्टः वा.५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

२०पं.श्रा.शु.१२मं.इ. ६/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	३	५	११	१०	४
७	१४	५	१७	२३	१९	५	७
४४	४५	६	५८	१४	३८	२४	६
२८	२९	११	१२	३८	३५	४७	५४
५७	४०	४/१५	१२	५२	२/४७	३	५७
४९	१८	५/४	२०	५२	व.	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	श	८	६	पू	५२	५	सु	०/१०	५६/३५	कौ	८	६	३१/४२	५/४०	६/२०	७	१५	२९	मी३६।५४	पूफा.बुधः१६।२१
२	र	६	४९	उ	५१	५४	शू	५२	३६	ग	६	४९	२८	४०	२०	८	१६	३०	मीने	भ.३५।३८उ.पूफा.रविः५३।५६
३	चं	४	२८	रे	५०	५०	गं	४७	५९	वि	४	२८	३४	४१	१९	९	१७	३१	मे.५०।५०	भ.४/२८ या.पूफा.रविःसौरः ३३/१५ चतुर्थी व्र.
४	मं	१	३१	अ	४९	९	वृ	४२	३४	बा	१	३१	३०	४२	१८	१०	१८	१	मेषे	सितम्बर९ता.३० [÷जन्माष्टमीव्र.स्मा.
५	मं	५६	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+पुन.भौमः१५।४चन्द्रषष्ठी
६	बु	५३	३१	भ	४६	५६	ध्रु	३६	३५	ग	२५	३३	२६	४३	१७	११	१९	२	मेषे	भ.५३।३१उ.तुलायांशुक्रः११।४७+
७	गु	४८	५३	कृ	४४	२९	व्या	३०	२२	वि	२१	१२	२२	४४	१६	१२	२०	३	वृ.१।२०	भ.२१।१२या.आश्ले.२गुरुः३६।२०÷
८	शु	४४	१६	रो	४१	२२	ह	२३	४६	बा	१६	३४	१८	४४	१६	१३	२१	४	वृषे	जन्माष्टमीव्र.वै.
९	श	३८	२८	मृ	३७	५०	व	१६	५०	तै	११	२२	१५	४५	१५	१४	२२	५	मि९।३६	उफा.बुधः२७।४०गोगा९
१०	र	३२	३९	आ	३४	०	सि	९	३३	व	५	३३	११	४६	१४	१५	२३	६	मिथुने	भ.५।३३उ.३२।३९या.
११	चं	२६	२९	पु	२९	५३	व्य	२/३	५२/८	बा	२६	२९	७	४७	१३	१६	२४	७	क.१५।५५	कन्यायांबुधः१९।५५अजा११व्र.
१२	मं	२०	१९	पु	२५	४४	प	४६	३८	तै	२०	१९	३	४७	१३	१७	२५	८	कर्के	वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	बु	१४	२३	श्ले	२१	३१	शि	३९	११	व	१४	२३	३०/५९	४८	१२	१८	२६	९	सिं२१।३१	भ.१४।२३उ.४१।४४या.
१४	गु	९	६	म	१८	२०	सि	३२	२३	श	९	६	५५	४९	११	१९	२७	१०	सिंहे	
३०	शु	४	३५	पू	१५	५०	सा	२६	८	ना	४	३५	५१	५०	१०	२०	२८	११	कं.३०।३२	स्वात्यांशुक्रः ३२/१२ कुशाग्रहणीपिठोरी३०

२१पं.भा.कृ.४मं.इ. ६/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	३	५	११	१०	४
१४	१९	१८	१९	२९	१९	५	१३
३०	१४	४५	२७	७	१७	२	५२
४	२४	३६	११	४४	६	३१	६
५८	३९	४/१५	१३	४७	३/२६	३	५७
१	५५	५३	८	५८	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला कुछ मंदा हो गुड़ शक्कर सोना चांदी वस्त्र तेज हो प्रजा में रोग-शोक फैले।

गोचर ग्रहाः

२२पं.भा.कृ.१२मं.इ. ६/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	३	६	११	१०	४
२१	२३	१	२०	४	१८	४	२०
१७	३८	२६	५४	२४	५१	४०	३८
६	३५	२८	२९	४०	२५	१६	४६
५८	३९	४/१५	१२	४१	३/५३	३	५८
१३	१२	२३	४५	२२	व.	११	१२

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८	वि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६३८स.२०२६
१	श १ ३५ उ १४ ३७ शु २१ १२ ब १ ३५ ३० ५	६	२१	२९	१२	कन्यायां	बुधोदयःपश्चिमायां८।४६
२	र ० ५ ह १५ ७ शु १७ १३ कौ ० ५ ४३ ५१	६	२२	३०	१३	तु.४६।१३	उफा.रवि:३६हस्तेबुधः५१ चंद्रदर्शनम्
३	चं ० ३८ चि १७ २० ब्र १४ ५० ग ० १८ ३९ ५२	८	२३	१	१४	तुलायां	भ.३१उ.उफा.रविःसौर:५५ रविलाखर=
४	मं २ ३८ स्वा २१ ८ ऐं १३ ४९ वि २ ३८ ३५ ५३	७	२४	२	१५	तुलायां	भ.२।३८या.ऋषिपंचमी
५	बु ६ १६ वि २६ ४३ वै १३ ५२ बा ६ १६ ३१ ५४	६	२५	३	१६	वृ.१०।१६	[=४ हरितालिका३ गणेश चतुर्थी
६	गु ११ ३० अ ३३ २२ वि १५ ३४ तै ११ ३० २७ ५५	५	२६	४	१७	वृश्चिके	कन्यायामर्कः३।४२(सौरः४३।६)
७	शु १७ २२ ज्ये ४० ३७ प्री १७ २२ ब १७ २२ २२ ५६	४	२७	५	१८	ब ४०।३७	भ.१७।२२उ.५०।२९या.कर्के भौमः१५ ४०
८	श २३ ३७ मू ४८ ११ आ १६ ५३ ब २३ ३७ १८ ५६	४	२८	६	१९	धनुषि	
९	र २९ ४६ पू ५५ २४ सौ २२ ८ कौ २९ ४६ १४ ५७	३	२९	७	२०	धनुषि	आश्ले.३गुरुः२५।३१
१०	चं ३५ ६ उ ६० ० शो २३ ५९ तै २ ४३ ९ ५८	२	३०	८	२१	म.१२।०	चित्रा.बुधः३५।४७
११	मं ३९ १० उ १ ४९ अ २५ ५ ब ६ ४७ ५ ५९	१	३१	९	२२	मकरे	भ.६७उ३९या.जलझूलनी११ब्र.
१२	बु ४१ ३७ श्र ६ ४४ सु २५ ५ ब १० २३ ३० ६	६०	१	१०	२३	कुं.३८।३३	पुष्यभौमः५२ भा.आश्विनारंभः×
१३	गु ४२ २५ ध १० २१ धृ २३ ५२ कौ १२ १ २९ ५६	१	१५९	२	११	२४	कुंभे	प्रदोषः [×वामनजयंती
१४	शु ४१ ३१ श १२ १४ शू २१ १८ ग ११ ५८ ५२	२	५८	३	१२	२५	मी५७।२१	भ.४१।३१उ.अनंत१४
१५	श ३९ २ पू १२ २३ गं १७ १९ वि १० १६ ४८	२	५८	४	१३	२६	मीने	भ.५९या.तुलायांबुधः५२महालयारंभः

२३पं.भा.शु.४मं.इ. ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	३	६	११	१०	४
२८	२७	१३	२२	८	१८	४	२७
५	५७	११	१९	५०	२२	१८	२७
२८	५०	५३	१२	१०	५५	०	३
५८	३८	०	१२	३२	४०	३	५८
२६	४०	५२	२०	५०	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद शुक्ले ६ गुरौ कन्यायांमर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ युवावस्था (सूती) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

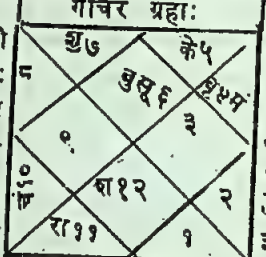

२४पं.भा.श.११मं.इ. ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	३	६	११	१०	५
४	२	२४	२३	१२	१७	३	४
५५	१२	६	४०	१०	५२	५५	१७
१९	०	२२	५	२३	५	४४	१०
५८	३८	९२	१२	२१	२८	३	५
३८	१५	१६	०	३३	व.	११	४

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेभाद्रपद कृष्णेति महा.
१	र ३५ २३ उ ११ २० बृ १२ २२ ब्रा ७ १२ ३९ ४४	६	५	५	१४	२७	मीने	हस्तेरवि.१६।५५(सौरः५५।३६)
२	च ३० ५६ रे ९ १ शु ६ ५३ तै ४ ९ ४० ४	५	६	६	१५	२८	मे.६।१	भ.५८।१३उ.
३	मं २५ २९ अ ५ ४८ ह ५२ ३९ वि २५ २९ ३६ ५	५	५	७	१६	२९	मेषे	भ.२५।२९या. चतुर्थी ब्र.
४	बु १९ ५३ भ २ १७ ५६ व ४५ २० बा १९ ५३ ३२ ६	५	४	८	१७	३०	वृ.१६।२१	स्वात्यांबुधः५७।४७
५	गु १४ १९ रो ५४ ५४ सि ३७ ५१ तै १४ १९ २८ ६	५	४	९	१८	१	वृषे	अक्टूबर१०ता.३१
६	शु ८ ५१ मृ ५१ ११ व्य ३० ४० ब ८ ५१ २३ ७	५	३	१०	१९	२	मि२३।२	भ.८१उ.३६या.वक्रीशुक्रः२५ ५०
७	श ३ ३२ आ ४७ ५० ब २३ २६ ब ३ ३२ १९ ८	५	२	११	२०	३	मिथुने	धनि.३राहुःमघा.१केतुः२०।६
८	श ५४ ५२ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०		
९	र ५३ ३१ पु ४४ ४३ प १६ २७ त २५ ५८ १५ ९	५	१	१२	२१	४	क.३०।३०	मातृ९(सौभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	चं ४८ ५३ पु ४१ ४६ शि ९ ३७ ब २१ १२ ११ १०	५	०	१३	२२	५	कर्के	भ.२१।१२उ.४८।५३या.
११	मं ४४ ३८ श्ले ३९ २५ सि ३० ५३ ब १६ ४५ ७ ११	४	९	१४	२३	६	सिं३९।२५	इंदिरा११ब्र.
१२	बु ४१ १० म ३७ १९ शु ५१ ७ कौ १२ ५४ ३ ११	४	९	१५	२४	७	सिंहे	वक्रीउभा.४शनिः३४।२२
१३	गु ३८ १८ पू ३६ ७ शु ४९ ० ग ९ ४४ २९ १२	४	८	१६	२५	८	कं.५१।३	भ.३९उ.आश्ले ४गुरुः३६ प्रदोषः
१४	शु ३६ २४ उ ३५ ५० ब्र ४१ ३४ वि ७ २१ ५५ १३	४	७	१७	२६	९	कन्यायां	भ.७।२१या.शस्त्रादिहतानां श्रा.
३०	श ३५ ४८ ह ३६ ४८ ऐं ३८ ११ च ६ ६ ५१ १४	४	६	१८	२७	१०	कन्यायां	चित्रा.रवि.४८।०सर्वपितृ३०

२५पं.आ.कृ.३मं.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	३	६	११	१०	५
११	६	४	२४	१४	१७	३	११
४९	२०	७	५८	५	२०	३३	९
५२	४९	५५	१२	५६	६	२९	८
५८	३७	८२	११	७	४०	३	५९
५३	३४	२२	२२	४१	व.	११	०

गोचर ग्रहाः

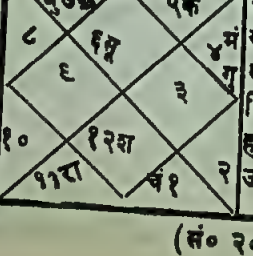

इस मास में गन्ना गुड़ शक्कर अनाज रुई तेज हो पशु पीडित व रोग ग्रस्त हों प्रजा में विग्रह उत्पन्न हो।

गोचर ग्रहाः

२६पं.आ.कृ ११मं.इ. ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	३	६	११	१०	५
१८	१०	१३	२६	१४	१६	३	१८
४०	२४	९	१२	१४	४६	११	२
५	४	५४	१४	२१	२६	१३	५५
५९	३६	७०	१०	३७	४०	३	५९
९	४९	११	५०	व.	व.	११	१६

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६६७स.२०२६
१	र	३६	२५	चि	३८	५४	वै	३५	४१	किं	६	६	२८/४७	६/१५	५/४५	१९	२८	११	तु.७।५१	चित्रा.रविःसौरः२६/१० नवरात्रारंभःमा.श्रा
२	चं	३८	५३	स्वा	४२	२२	वि	३४	४३	बा	७	३९	४३	१५	४५	२०	२९	१२	तुलायां	विशा.बुधः१२।५६चंद्रदर्शनम्
३	मं	४२	२९	वि	४७	१४	प्री	३४	१३	तै	१०	४१	३९	१६	४४	२१	१	१३	वृ ३१।१	जमादिलावल५
४	बु	४७	३९	अ	५३	५२	आ	३४	५९	व	१५	४	३५	१७	४३	२२	२	१४	वृश्चिके	भ.१५।४उ.४७।३९या.
५	गु	५३	२८	ज्ये	६०	०	सौ	३६	२६	ब	२०	३३	३१	१८	४२	२३	३	१५	वृश्चिके	
६	शु	५९	४४	ज्ये	०	४१	शो	३८	४७	कौ	२६	३६	२७	१९	४१	२४	४	१६	ध.०।४१	शुक्रास्तःपश्चिमायां२१।३६
७	श	६०	०	मू	८	१६	अ	४१	१३	ग	३२	५५	२३	१९	४१	२५	५	१७	धनुषि	तुलायामर्कः३२।०आश्ले.भौम.३१।४६
७	र	६	६	पू	१५	४७	सु	४३	२३	व	६	६	२०	२०	४०	२६	६	१८	म.३२।३३	भ.६।६उ.३५/० या.तुलार्कःसौरः८।५४
८	चं	११	५५	उ	२२	५२	धृ	४५	५	ब	११	५५	१६	२१	३९	२७	७	१९	मकरे	[÷भा.कार्तिकारंभःप्रदोषः
९	मं	१६	३३	श्र	२८	४३	शू	४५	४४	कौ	१६	३३	१२	२२	३८	२८	८	२०	मकरे	[×स्मा.कोजागरीव्र.
१०	बु	१९	४७	ध	३३	११	गं	४५	१६	ग	१९	४७	८	२२	३८	२९	९	२१	कुं.०।५७	भ.५०।२३उ.
११	गु	२०	५९	श	३५	५०	वृ	४३	१७	वि	२०	५९	४	२३	३७	३०	१०	२२	कुंभे	भ.२०।५९या.पापांकुशा११व्र.
१२	शु	२०	२५	पू	३६	३०	ध्रु	३९	५२	बा	२०	२५	०	२४	३६	१	११	२३	मी२१।२०	वक्रीबुधः५ ३वक्रीचित्रा.शुक्रः४५।३६÷
१३	श	१७	५१	उ	३५	१५	व्या	३४	४७	तै	१७	५१	२७/५६	२५	३५	२	१२	२४	मीने	स्वात्यांरविः१४।५२(सौरः४९।५७)
१४	र	१३	२८	रे	३२	३१	ह	२८	२४	व	१३	२८	५३	२५	३५	३	१३	२५	मे.३२।३१	भ.१३।२८उ.४०।३७या.शरद्पूर्णिमा ×
१५	चं	७	४७	अ	२८	१७	व	२०	५३	व	७	४७	४०	२६	३४	४	१४	२६	मेषे	शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.

२७प.आ.शु.३मं.इ.५/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	३	६	११	१०	५
२५	१४	२०	२७	१२	१६	२	२५
३४	२०	४५	२२	२५	१४	४८	५८
५९	२	५८	८	५	२	५८	३७
५९	३५	५२	१०	२४	४/३४	३	५९
२१	५३	३०	४	३	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

आश्विनशुक्ले ७ शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तःपश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

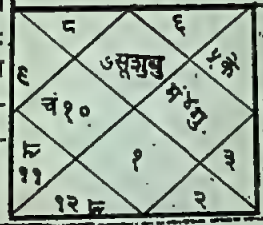

२८पं.आ.शु.९मं.इ.५/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	३	६	११	१०	६
२	१८	२५	२८	८	१५	२	१
३१	९	५४	२६	५५	४२	२६	५६
२३	३६	०	१३	५५	१८	४२	१
५९	३५	२३	९	३४/४१	४/१६	३	५९
३४	१	२३	२२	व.	व.	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेतिमहा.
१	मं	०	५२	भ	२३	११	सि	१२	२९	कौ	०	५२	२७/४५	६/२७	५/३३	५	१५	२७	वृ.३६।४७	
२	मं	५२	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	बु	४६	१२	कृ	१७	३३	व्य	३/४२	५०/५५	व	१९	५७	४१	२८	३२	६	१६	२८	वृषे	भ.१९।५७उ.४६।१२या.
४	गु	३९	३	रो	१२	८	प	४५	५३	ब	१२	३७	३७	२९	३१	७	१७	२९	मि३९।३३	बुधास्तःपश्चिमायां३४/२२करकचतुर्थीव्र.
५	शु	३२	१६	मृ	६	५८	शि	३७	१३	कौ	५	३९	३४	२९	३१	८	१८	३०	मिथुने	शुक्रोदयःपूर्वस्यां५०।२४
६	श	२६	२०	आ	२/२६	५६/६	सि	२९	१४	व	२६	२०	३०	३०	३०	९	१९	३१	क.४१।१२	भ.३६/२०उ.५३/४३या.मघा.१सिंहेगुरुः३५।०
७	र	२१	५	पु	५५	२५	सा	२१	४६	ब	२१	५	२७	३१	२९	१०	२०	१	कर्के	नवम्बर११ता.३०
८	चं	१६	४७	श्ले	५३	१९	शु	१५	७	कौ	१६	४७	२३	३१	२९	११	२१	२	सिं५३।१९	वक्रीस्वात्यांबुधः५०।५५
९	मं	१३	२३	म	५२	७	शु	९	१३	ग	१३	२३	१९	३२	२८	१२	२२	३	सिंहे	भ.४२।१३उ.
१०	बु	११	२	पू	५१	५२	ब्र	३/५९	५५/४३	वि	११	२	१६	३३	२७	१३	२३	४	सिंहे	भ.११।२या.
११	गु	९	३५	उ	५२	३१	वै	५६	७	बा	९	३५	१२	३४	२६	१४	२४	५	कं.७।२	वक्रीकन्यायाशुक्रः२३।७रमा११व्र.
१२	शु	९	९	ह	५४	२५	वि	५३	३०	तै	९	९	९	३४	२६	१५	२५	६	कन्यायां	विशा.रविः३५।२२प्रदोषःधन१३
१३	श	९	५५	चि	५७	१९	प्री	५१	३९	व	९	५५	५	३५	२५	१६	२६	७	तु.२५।५२	भ.५५/९उ.४०/४७या.वि.रविःसौरः२७/२१रुप १४
१४	र	११	३९	स्वा	६०	०	आ	५१	१	श	११	३९	२	३६	२४	१७	२७	८	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	चं	१४	४६	स्वा	१	२१	सौ	५०	४४	ना	१४	४६	२६/५८	३६	२४	१८	२८	९	वृ.५०।५	अन्नकूटगोवर्द्धनपूजा

२९पं.का.कृ.१मं.इ.५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	३	६	११	१०	६
९	२१	२६	२९	४	१५	२	८
२९	५०	१६	२५	४२	१२	४	५५
३८	२०	५	१	७	२९	२६	२१
५९	३४	३१/१५	८	३५/२५	३/४८	३	६०
४७	१	व	३१	व	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

कार्तिक शुक्ले ७ चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

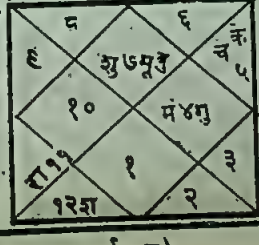

३०पं.का.कृ.९मं.इ.४/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	४	६	११	१०	६
१६	२५	१९	०	१	१४	१	१५
२९	२१	३७	१८	०	४५	४२	५५
२०	४	४४	३२	११	३२	११	२५
६०	३२	९७/१८	७	२६/८	३/४२	३	६०
४	५२	व	२५	व	व.	११	१८

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततुरविर्दक्षिणेऽह्नर्गणः५६९७सं.२०२६
१	मं १८ ५३ वि ६ २० शो ५१ ३२ ब १८ ५३	२६ ५५	६ ३३	५ २३	१९	२९	१०	वृश्चिके	
२	बु २४ १० अ १२ ३० अ ५२ ५८ को २४ १०	५२	३८	२२	२०	३०	११	वृश्चिके	बुधोदयः पूर्वस्यां ७ चंद्रदर्शनम् भातृ २ यम २
३	गु ३० ६ ज्ये १९ २१ सु ५४ ४४ ग ३० ६	४९	३८	२२	२१	१	१२	धनु.	मघा. सिंहे भौमः ३ ३ जमादिलाखर ६
४	शु ३६ ३१ मू २६ ३९ धृ ५६ ५९ व ३ १८	४५	३९	२१	२२	२	१३	धनुषि	भ. १ ३८ उ. ३६ १ या. मार्गी बुधः ५७।५४
५	श ४३ २ पू ३४ ३९ शू ५९ २५ ब ९ ४६	४२	४०	२०	२३	३	१४	म. ५१।३४	मार्गशुक्रः ४९।३४
६	र ४९ १६ उ ४२ १९ गं ६० ० को १६ ९	३९	४०	२०	२४	४	१५	मकरे	
७	चं ५४ ३६ श्र ४८ ५७ गं १ ४१ ग २१ ५६	३६	४१	१९	२५	५	१६	मकरे	भ. ५४ ६ उ. वृश्चिकेऽर्कः ३१।२६
८	मं ५८ ४१ ध ५४ ३३ बृ ३ ५ वि २६ ३८	३३	४१	१९	२६	६	१७	कुं. २१।४५	भ. ३ ६ या. वृश्चिकेऽर्कः सौरः ३ १८ गोपाष्टमी
९	बु ६० ० श ५८ ३४ भु २ २९ बा २९ ५०	३०	४२	१८	२७	७	१८	कुंभे	कुष्मांड ९ अक्षय ९
९	गु ० ५९ पू ६० ० व्या २ ४८ को ० ५९	२७	४३	१७	२८	८	१९	मी ४५।७	अनु. रवि: ४९।४६
१०	शु १ २८ पू ० ३८ ह ३५ ५६ ग १ २८	२५	४३	१७	२९	९	२०	मीने	भ. ३ ३ उ. ५९ या. अनु. रविः सौरः ३ ९ ÷
११	शु ५८ २८ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	[÷प्रबोधिनी ११ व्र. स्मा. तुलसीविवाह
१२	श ५६ ५ उ ५० ५८ सि ५१ ३ ब २८ ०	२२	४४	१६	३०	१०	२१	मे. ५८।५१	प्रबोधिनी ११ व्र. वै.
१३	र ५० ३२ अ ५५ २ व्य ४३ ४७ को २३ १८	१९	४४	१६	१	११	२२	मेषे	तुलायां शुक्रः ३ २ भा. मार्गशीर्षारंभः प्रदोषः
१४	चं ४३ १३ भ ४९ ३८ व ३५ २२ ग १६ ५२	१७	४५	१५	२	१२	२३	मेषे	भ. ४३।१३ उ. वैकु ठ १४
१५	मं ३५ ५ कृ ४३ ११ प २५ ५० वि ९ ९	१४	४५	१५	३	१३	२४	वृ. ३।१	म. ९ या. मन्वादिः का. स्ना. पू.

३१प.का.शु.१मं.इ.४।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	४	५	११	१०	६
२	२८	१२	१	२८	१४	१	२२
३०	४१	२१	२	५६	२२	१०	५८
४०	५१	४०	३१	२४	१६	५५	५७
६०	३१	३९	६	३१	२	३	६०
५७	२९	व.	२५	व.	३	११	३०

३२प.का.शु.८भ.इ.४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	४	५	१२	१०	७
०	१	११	१	२८	१४	०	०
३३	५१	४२	४०	५०	२	५७	३
२२	१३	०	२३	२०	४२	४०	१
६०	२९	३०	५	१३	२०	३	६०
३०	५५	मा	१३	मा	व.	११	४०

३३प.का.शु.१५मं.इ.५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	४	६	११	१०	७
७	४	१८	२	०	१३	०	७
३७	४८	२१	९	३६	४७	३५	८
१६	४	०	३६	०	३१	२४	३४
६०	२८	७३	४	१७	४९	३	६०
४२	१	३	२	४४	व.	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८	दि.	उ.	अ.	भा.	नु.	इं.	चन्द्रः	हेमततुरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	बु २६ १३ रो ३६ १३ शि १५ ५० बा ० ३९	२६ १२	४६ १४	४	१४	२५		वृषे	विशा. बुधः २५।३७
२	गु १७ १९ मृ २९ ७ सि २२ ३३ ग १७ १९	९	४६ १४	५	१५	२६		मि २।४०	भ. ४२।५८ उ.
३	शु ८ ३७ आ २२ २३ शु ४५ १० वि ८ ३७	७	४७ १३	६	१६	२७		मिथुने	भ. ८।३७ या. चतुर्थीव्र.
४	श ५३ १८ पु १६ ३६ शु ३६ १ बा ० ३८	५	४७ १३	७	१७	२८		क. ३।३	
५	र ४८ २८ पु ११ ५२ ब्र २७ ४८ ग २१ १०	२	४८ १२	८	१८	२९		कर्के	भ. ४८।२८ उ.
६	चं ४४ २४ श्ले ८ २३ ऐं २० ४३ वि १६ २६	०	४८ १२	९	१९	३०		सिं ८।२३	भ. १६।२६ या.
७	मं ४१ २९ म ६ २५ वै १४ ५९ बा १३ ११	२५ ५८	४८ १२	१०	२०	१		सिंहे	दिसम्बर १२ ता. ३१
८	बु ४० ५३ पू ६ १ वि १० १९ तै ११ २६	५६	४९ ११	११	२१	२		कं. २१।१२	ज्येष्ठा. रविः ५ ७ बृश्चिकेबुधः २८।३
९	गु ४१ १५ उ ६ ४६ प्री ६ ४९ ब ११ ४	५४	४९ ११	१२	२२	३		कन्यायां	भ. १ ३ उ. ४ १ या. ज्येष्ठा. रविः सौरः ३ ६
१०	शु ४२ ५५ ह ९ ४ आ ४ २८ ब १२ ५	५३	४९ ११	१३	२३	४		तु. ४०।४७	अनु. बुधः ४६।३६ उत्पत्ति ११ व्र.
११	श ४५ ३९ चि १२ ३० सौ ३ १० को १४ १६	५१	५० १०	१४	२४	५		तुलायां	स्वात्यांशुक्रः ३ ७ धनि. २ मकरेराहुः आश्ले=
१२	र ४९ ५० स्वा १७ १९ शो २ २८ ग १७ ४४	४९	५० १०	१५	२५	६		तुलायां	भ. ४९।५० उ. प्रदोषः
१३	चं ५४ ३४ वि २३ ० अ ३ ७ वि २२ १२	४८	५० १०	१६	२६	७		वृ. ६।३५	भ. २२।१२ या.
१४	मं ६० ० अ २९ ३१ सु ४ ९ च २७ २८	४६	५१ ९	१७	२७	८		वृश्चिके	[=४कर्केकेतुः १२।४
१५	बु ० २२ ज्ये ३६ २२ धृ ५ २६ ना ० २२	४५	५१ ९	१८	२८	९		ध. ३६।२२	बुधास्तः पूर्वस्यां ४३।३९

३४प.मा.कृ.८मं.इ.४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	१	४	६	११	१०	७
१४	७	२७	२	३	१३	०	१४
४२	२७	५८	२९	५०	२७	५३	५५
२९	५४	४८	४९	३५	३०	८	२०
६०	२६	८६	२	३१	१	३	६१
५०	३	३७	४५	०	व.	११	३

गोचर ग्रहाः

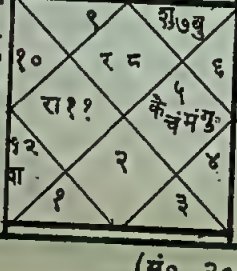

इस मास के कृष्ण पक्ष में धातु धान्य गल्ला गुड सक्कर वस्त्र रुई बारदाना मंदे होकर सुदि में तेज हों ।

गोचर ग्रहाः

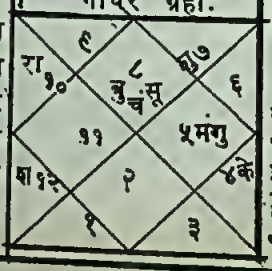

३५प.मा.कृ.३०मं.इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	४	६	११	९	७
२१	९	८	२	८	१३	२९	२१
४८	४९	२७	४०	१८	३३	५०	२३
३२	४४	१४	४४	५०	०	१५३	१
६०	२३	९३	१	३९	१८	३	६१
५६	१८	५	१८	५४	व.	११	११

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८ दि. उ. अ. भा. मु. इ. चंद्रः हेमंततुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५७२७३८.२०२६

१	शु	६	१५	शु	४५	५१	शु	७	३२	ब	६	२५	३५	५६	५	१९	२६	१०	धनुषि	मार्गशनिः २६।४२
२	शु	१२	५१	पु	५१	२०	गं	६	५७	कौ	११	५३	४३	५१	६	२०	३०	११	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	शु	१९	२०	पु	५८	५८	शु	१२	१६	ग	१६	२६	४२	५२	८	२१	१	१२	म.८।१४	भ.५२।४०उ रज्जव७
४	शु	२५	५०	श्ले	६०	०	धु	१४	१४	वि	२५	५०	४१	५२	८	२२	२	१३	मकरे	भ.२५।५०या.ज्येष्ठाबुधः २६।३६
५	शु	३१	२६	श्ले	६	८	ध्या	१५	५	बा	३१	२६	४०	५२	८	२३	३	१४	कुं.३६।२१	
६	शु	३६	८	श्ले	१२	३३	ध्या	१७	१६	कौ	३	४७	३९	५२	८	२४	४	१५	कुम्भे	वक्रीगुरुः ५१।५०चंपा६
७	शु	४१	२५	श्ले	१७	४१	ध्या	१७	३१	ग	७	४५	३९	५२	८	२५	५	१६	कुम्भे	भ.३३उ.मूलेधनुष्यर्कः ७।१२ (सौरः ३०/१०)
८	शु	४१	०	पु	२१	२०	सिं	१६	३२	वि	१०	१२	३८	५२	८	२६	६	१७	मी५।२५	भ.१०।१२या.
९	शु	४०	४६	पु	२३	८	ध्या	१४	२	बा	१०	५५	३८	५२	८	२७	७	१८	मीने	
१०	शु	३८	५१	रे	२१	५	ध्या	१०	६	तै	९	३६	३७	५३	७	२८	८	१९	मे.२३।५	
११	शु	३४	२८	रे	२१	१	पु	६	२८	व	६	२८	३७	५३	७	२९	९	२०	मेषे	भ.२८उ.३६या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	शु	३५	५	श्ले	१७	१	सिं	४८	४१	व	१	१८	३६	५३	७	३०	१०	२१	वृ.३०।३६	पूर्फा.भौमः ४०।९प्रदोषः
१३	शु	३०	२८	कृ	११	२०	सिं	३८	५५	तै	२०	२८	३६	५३	७	१	११	२२	वृषे	मूलेधनुषिबुधः १३विशा.शुक्रः २०भा.÷
१४	शु	२१	१७	रो	३	३	शु	२८	१७	व	११	३७	३६	५३	७	२	१२	२३	मि३०।४२	भ.१३उ.३५या.दत्तजयंती
१५	शु	१	५७	मृ	४८	५१	शु	१७	२२	व	१	५७	३६	५३	७	३	१३	२४	मिथुने	[÷पौषारंभः

३६पं.मा.शु.६मं.इ.३।५२

र	अं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	४	६	११	९	७
२८	११	१९	२	१३	१३	२९	२८
५५	४३	११	३३	४१	२१	२८	२१
२६	५१	३	१८	०	३७	३४	३
५१	५०	५६	०	५६	३३	४१	५१
०	२२	१२	१५	३२	मा	११	१६

गोचर ग्रहाः

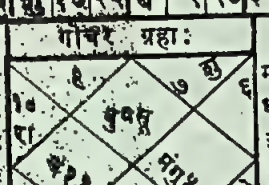

मार्गशीर्षशुक्ले ७ बुधे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

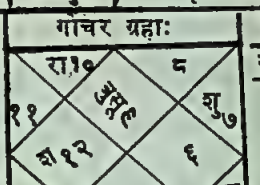

३७पं.मा.शु.१३.मंइ.३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	४	६	११	९	८
६	१३	०	२	१९	१३	२९	५
३	२६	३	३४	४५	३९	६	४१
०	२८	५०	४१	४७	४७	२२	९
६१	१६	९८	२५	५१	१	३	६१
४	३५	३४	ब.	५२	१७	११	२२

पौष कृष्णपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८ वि. उ. अ. भा. मु. इ. चन्द्रः शिशिरर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णतिथिमहा.

१	शु	५०	१५		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	५५	४४	शु	४१	११	म	६	४९	तै	१७	२९	३५	५६	५	४	१४	२५	क.२८।७	
३	शु	५९	४	पु	३४	३०	के	४५	१६	व	८	२४	३७	५३	७	५	१५	२६	कर्के	भ.८।२४उ.३४।४या.
४	शु	४	३८	श्ले	२८	५६	वि	३६	१६	ब	०	२१	३७	५३	७	६	१६	२७	सिं२८।५६	चतुर्थीव्र.
५	शु	८	२८	श्ले	२४	५५	वि	२६	४४	तै	२०	५३	३८	५२	८	७	१७	२८	सिंह	[×(सौरः ३१।४७)
६	शु	१३	०	म	२४	५५	ची	२८	४४	व	१७	६	३८	५२	८	८	१८	२९	कं.३७।३३	भ.१७।६उ.४६।७या.पूषा.रविः १३/५ ×
७	शु	१७	९	पु	२२	३६	ची	२२	३८	व	१७	६	३८	५२	८	९	१९	३०	कन्यायां	पूषा.बुधः २३।२
८	शु	२१	५	पु	२३	१४	सी	१७	५६	व	१५	५	३९	५२	८	१०	२०	३१	तु.५५।३७	[=जनवरी १ता. ३१सन् २०२७
९	शु	२५	७	पु	२३	५३	शा	१४	५४	को	१५	७	४०	५२	८	११	२१	१	तुलायां	भ.४८।२३उ.वृश्चिकेशुक्रः ३८।२१ =
१०	शु	१९	५०	चि	२७	२१	अ	१३	११	ग	१६	५०	४१	५२	८	१२	२२	२	तुलायां	भ.१९।५६या
११	शु	१९	५६	चि	३२	१	अ	१२	४०	वि	१९	५६	४२	५२	८	१३	२३	३	वृ.२१।३०	सफला ११व्र.
१२	शु	२४	३१	चि	३७	५९	धु	११	३३	बा	२४	३१	४३	५१	९	१४	२४	४	वृश्चिके	
१३	शु	२९	५२	अ	४४	४९	शु	१४	४०	तै	२९	५२	४४	५१	९	१५	२५	५		भ.३६।१२उ.अनु.शुक्रः ०।२९प्रदोषः
१४	शु	१६	१२	ज्ये	५५	६	गं	१६	३६	ग	३	२	४५	५१	९	१६	२६	६	धनुषि	भ.९।२१या.
१५	शु	४२	३१	मू	५९	३०	कृ	१८	३१	वि	९	२१	४७	५१	९	१६	२६	६	धनुषि	उषा.बुधः ३४।२६
१६	शु	४८	५७	पू	६०	०	धु	२०	५६	च	१५	४४	४८	५०	१०	१७	२७	७	धनुषि	

३८पं.पौ.कृ.६मं.इ.२४

र	अं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	४	६	११	९	८
१३	१४	११	२	२६	१२	२८	१२
१०	२४	६	१७	२१	५१	४४	५१
५९	५	४३	१३	३२	०	६१	
६१	१२	०	५०	५६	१	३	६१
६	८	२५	ब.	५	५८	११	२६

गोचर ग्रहाः

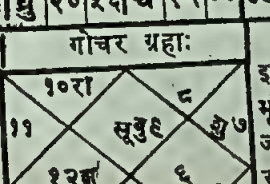

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चना मक्का जो गेहूं चावल आतु रसकस गुड़ मक्कर आदि तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

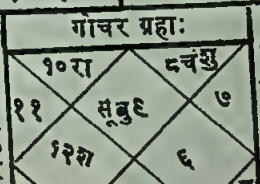

३९पं.पो.कृ.१३मं.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	४	७	११	९	८
२०	१५	२२	१	३	१४	२८	२०
१९	९	३३	५१	२२	७	२१	००
५	२२	२	०	४८	१९	१०	५८
६१	६	०	५	५९	२	३	६१
६	१७	२८	ब.	२२	४०	११	२६

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५७५६स.२०२७
१	शु	५५	२२	पृ	७	१०	व्या	२३	५	किं	२२	६	२५/५०	५०	१०/५	१८	२८	८	म.२४।१
२	श	६०	०	उ	१४	३५	ह	२५	१६	बा	२८	२२	५२	५०	१०	१९	२६	६	मकरे बुधः४४।४८चंद्रदर्शनम्
२	र	१	२३	अ	२१	३१	च	२६	५४	कौ	१	२३	५३	४६	११	२०	१	१०	कुं.५४।३५ सावान ८
३	चं	६	४०	ध	२७	४०	सि	२७	५३	ग	६	४०	५५	४६	११	२१	२	११	कुंभे भ.३९उ.उषा.रविः१५(सौरः३३/५५)=
४	मं	११	१८	श	३३	२३	व्य	२८	८	वि	११	१८	५७	४९	११	२२	३	१२	कुंभे भ.११।१८या. [=वक्रीभौमः२३।५५
५	बु	१४	४८	पू	३७	३२	च	२७	५८	बा	१४	४८	५९	४८	१२	२३	४	१३	मी २१।३०
६	गु	१६	५६	उ	४०	४०	प	२६	३२	तै	१६	५६	२६/१	४८	१२	२४	५	१४	मीने मकरेऽर्कः३३।२५(सौरः४८।४२)
७	शु	१७	४६	रे	४२	१०	शि	२३	५२	व	१७	४६	४	४७	१३	२५	६	१५	मे.४२।१० भ.१७/४६उ.४७/१७या.श्रवणेबुधः३६।१
८	श	१६	४७	अ	४२	५	सि	१९	५०	ब	१६	४७	६	४७	१३	२६	७	१६	मेषे
९	र	१४	२२	भ	४०	७	सा	१४	३०	कौ	१४	२२	८	४६	१४	२७	८	१७	वृ.५४।१३ ज्येष्ठाशुक्र २६।५८
१०	चं	६	५२	कृ	३६	३१	शु	३९/५५	५१	ग	६	५२	११	४६	१४	२८	६	१८	वृषे भ.३६।५५उ.
११	मं	३	५८	रो	३१	१७	ब्र	५०	२३	वि	३	५८	१३	४५	१५	२९	१०	१९	मि५८।११ भ.३।५८या पुत्रदा११व्र.
१२	मं	५२	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×२०।३) बुधोदयःपश्चिमायां४३।३१
१३	बु	४७	४८	मृ	२५	५	ऐं	४०	१२	कौ	२२	६	१६	४५	१५	३०	११	२०	मिथुने प्रदोषः
१४	गु	३८	१८	आ	१७	३५	वै	२९	२३	ग	१३	३	१९	४४	१६	१	१२	२१	क.५६।४४ भ.३८।१८उ.अभि.प्र.रविः५१/५७(सौरः ×
१५	शु	२८	३५	पु	९	४७	वि	१८	२४	वि	३	२६	२१	४४	१६	२	१३	२२	कर्के भ.३।२६या.मा.स्ना.प्रा.

४०पं.पौ.शु.४मं.इ.३/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	४	७	११	९	८
२७	१५	३	१	१०	१४	२७	२७
२७	१२	५७	१५	४३	२८	५९	१०
७	०	११	५४	३०	३०	३५	५०
६	३९/५८	२३	६१	३	३	६१	
६१	व	४६	व.	२३	२७	११	२४

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले ६ गुरौ मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी)मु.४५ धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

४१पं.पौ.शु.११मं.इ.३/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	४	७	११	९	९
४	१४	१५	०	१८	१४	२७	४
३४	३७	४६	३४	१९	५४	३७	२०
५९	१	१९	२३	१६	३२	१९	१९
६१	५/२	०/५८	१९/४४	६३	४	३	६१
३	व	व.	५१	२	११	१९	

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेतिमहा.
१	श	१९	११	पु	२	५३/१	श्री	७/१९	५९/५२	कौ	२९	११	३६/२५	४३/५	६/१७	३	१४	२३	सिं५५।५ धनि.बुधः३१।१९
२	र	१०	३५	म	४९	१३	सौ	४७	५५	ग	१०	३५	२७	४३	१७	४	१५	२४	सिंहे भ.५३/५६उ.श्रवणेरविः३२ सौरः३६/५)×
३	चं	३	१०	पू	४५	२	शो	३९	५९	वि	३	१०	२०	४२	१८	५	१६	२५	कं.५९।२७ भ.३।१०या.अभि.नि.रविः१४।४३ A
४	चं	५४	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×वक्रीकर्केआश्ले.४गुरुः९।०
५	मं	५४	४	उ	४२	४४	अ	३३	३३	कौ	२५	५३	३२	४२	१व	६	१७	२६	[A(सौरः२७।१६)चतुर्थीव्र.
६	बु	५२	४३	ह	४२	४०	सु	२८	५५	ग	२३	२३	३५	४१	१९	७	१८	२७	कन्यायां भ.५३/४३उ.कुंभेबुधः३३/३०वक्रीमघायांभौम१५/५
७	गु	५३	२५	चि	४४	४६	धृ	२५	५७	वि	२३	४	३८	४०	२०	८	१९	२८	तु.१३।४३ भ.२३।४या.पातस्पर्शः५९।११
८	शु	५५	५९	स्वा	४८	३२	शू	२४	३०	बा	२४	४२	४१	४०	२०	९	२०	२९	तुलायां मूलेधनुषिशुक्रः३९/६पातमोक्षः१२।४२
९	श	६०	०	वि	५३	५३	गं	२४	४९	तै	२८	१२	४५	३९	२१	१०	२१	३०	वृ.३७।३३
९	र	०	२६	अ	६०	०	बृ	२५	३७	ग	०	२६	४८	३८	२२	११	२२	३१	वृश्चिके भ.३३।७उ.
१०	चं	५	४९	अ	०	२८	धु	२७	३६	वि	५	४९	५१	३८	२२	१२	२३	१	वृश्चिके भ.५९/५या.शतेबुधः३५/९फर्वरी२ता.२८
११	मं	१२	१६	ज्ये	७	५८	ब्या	२९	४२	बा	१२	१६	५४	३७	२३	१३	२४	२	ध.७।५८ षट्तिला११व्र.
१२	बु	१८	४३	मू	१५	३२	ह	३२	९	तै	१८	४३	५८	३६	२४	१४	२५	३	धनुषि प्रदोषः
१३	गु	२५	२०	पू	२३	१३	व	३४	२३	च	२५	२०	२७/१	३६	२४	१५	२६	४	भ.४०।२ भ.२५।२०उ.५८।२४या.
१४	शु	३१	२८	उ	३०	२९	सि	३६	२७	श	३१	२८	५	३५	२५	१६	२७	५	मकरे [+१राहुःआश्ले.३केतुः५।१०
३०	श	३७	५	श्र	३७	११	व्य	३७	५०	च	४	१६	८	३४	२६	१७	२८	६	मकरे धनि.रविः३०।४६(सौरः४१/४९)धनि.+

४२पं.मा.कृ.५मं.इ.१/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	३	७	११	९	९
११	१३	२७	२९	२६	१५	२७	११
४२	३५	२१	४६	७	२५	१५	२९
२९	५६	४	१९	११	१२	४	१०
६०	१९/१३	९५	१५/५	६५	४	३	६१
५९	व	१०	व	२६	२८	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा रस गुड़ सक्कर चीनी नमक तेल घृत गन्ना तेज होवें प्रजा पिड़ित हो

गोचर ग्रहाः

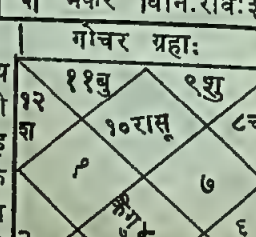

४३पं.मा.कृ.११मं.इ.२/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१०	३	८	११	९	९
१८	११	७	२८	४	१५	२६	१८
४९	५२	१०	५३	३	५९	५२	३७
१	८	३०	३५	४	५३	४८	१७
६०	२४/१९	७१	४४/४	६६	५	३	६१
५५	व	२६	व	५०	२	११	४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं.२०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५७८६स.२०२७
१	र	४१	३८	ध	४२	५५	व	३८	३६	किं	९	२१	२७/१२	६/३४	५/२६	१८	२९	७	कुं.१०।३	
२	चं	४५	३२	श	४८	२३	प	३८	४३	बा	१३	३५	१५	३३	२७	१९	३०	८	कुंभे	चंद्रदर्शनम्
३	मं	४८	२३	पू	५२	१	शि	३७	५८	तै	१६	५७	१९	३२	२८	२०	१	९	मी३६।७	वक्रीबुधः५४/३२रेवती१शनिः२२/५६रमजान९
४	बु	५०	५	उ	५५	१	सि	३६	२३	व	१९	१४	२३	३१	२९	२१	२	१०	मीने	भ.१९/१४उ.५०/५या.पूषा.शुक्रः८।४१
५	गु	५०	४९	रे	५६	५०	सा	३४	४	ब	२०	२७	२७	३१	२९	२२	३	११	मं.५६।५०	वसंत ५
६	शु	५०	९	अ	५७	३५	शु	३०	५६	कौ	२०	२९	३०	३०	३०	२३	४	१२	मेषे	बुधास्तःपश्चिमायां२९।३१
७	श	४८	२६	भ	५७	१४	शु	२७	३५	ग	१९	१७	३४	२९	३१	२४	५	१३	मेषे	भ.४८/२६उ.कुंभेऽर्क ५।४४(सौरः१५/४७) ×
८	र	४५	१८	कृ	५५	२१	ब्र	२१	१७	वि	१६	५७	३८	२८	३२	२५	६	१४	वृ.११।४६	भ.१६।५७या.भीष्माष्टमी
९	चं	४१	७	रो	५२	२३	ऐं	१४	५९	बा	१३	१२	४१	२८	३२	२६	७	१५	वृषे	[×भानु७रथ७
१०	मं	३५	२७	मृ	४८	७	वै	६/४०	५२/४९	तै	८	१७	४५	२७	३३	२७	८	१६	मि२०।१५	
११	बु	२८	४६	आ	४२	४३	प्री	५०	१०	व	२	६	४९	२६	३४	२८	९	१७	मिथुने	भ.३/६उ.२८/४६या.वक्रीधनि.बुधः२९/५३जया११
१२	शु	२०	५४	पु	३६	३७	आ	४०	२७	बा	२०	५४	५३	२५	३५	२९	१०	१८	क.२३।५४	वक्रीआश्ले.३गुरुः५८।२२प्रदोषः
१३	शु	१२	३४	पु	२९	५०	सौ	३०	१४	तै	१२	३४	५६	२५	३५	३०	११	१९	कर्के	शतेरविः४२।१५(सौरः५१।९)
१४	श	३	५१	श्ले	२२	५८	शो	२०	१७	व	३	५१	२८/००	२४	३६	१	१२	२०	सिं२२।५८	भ ३/५१उ.२९।८या.भा.फाल्गुनारंभः =
१५	श	५१	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=मा.स्ना.पूर्ति.

४४पं.मा.शु.३मं.इ. ३/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१०	३	८	११	९	९
२५	९	११	२७	१२	१६	२६	२५
५४	५०	४०	५८	६	३८	३०	४४
५०	४९	४४	४४	१८	१३	३२	४
६०	३१/५२	९	७/५२	६७	५	३	६०
४७	व	२८	व.	५८	३२	११	५५

गोचर ग्रहाः

माघशुक्ले७शनौकुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्याद्विभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

४५पं.मा.शु.१०मं.इ.५०/३

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	३	८	११	९	१०
२	७	८	२७	२०	१७	२६	२
५९	४१	१८	२	१६	१९	८	५०
४२	२४	२२	५३	५५	३४	१७	००
६०	३५/४२	६८/३५	७/५२	६८	५	३	६०
३७	व	व	व	५२	५९	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	र	४७	४०	म	१६	५०	अ	१०	४०	बा	२०	३	२८/४	६/२३	५/३७	२	१३	२१	सिंहे	उषा.शुक्रः२८।१६
२	चं	४१	२२	पू	११	४४	सु	१/५५	५२/२५	तै	१४	३१	८	२२	३८	३	१४	२२	कं.२५।४७	
३	मं	३६	३१	उ	७	५५	शू	४८	१०	व	८	५६	१२	२२	३८	४	१५	२३	कंन्यायां	भ.५८/६उ.३६/३१या.वक्रीमकरेबुधः४४।१६
४	बु	३३	४२	ह	५	५६	गं	४३	४४	ब	५	६	१६	२१	३९	५	१६	२४	तु.३६।६	मकरेशुक्रः२०/३६बुधोदयःपूर्वस्यां४९/४८चतु.ब्र
५	गु	३३	१	चि	६	१६	वृ	४०	५५	कौ	३	२१	२०	२०	४०	६	१७	२५	तुलायां	
६	शु	३४	३२	स्वा	८	३१	ध्रु	४०	५	ग	३	४६	२४	१९	४१	७	१८	२६	वृ.५६।४५	भ.३४।३२उ.
७	श	३८	५	वि	१२	५०	व्या	३९	५८	वि	६	१८	२८	१८	४२	८	१९	२७	वृश्चिके	भ.६।१८या.
८	र	४२	५८	अ	१८	३२	ह	४१	२३	बा	११	३१	३२	१८	४२	९	२०	२८	वृश्चिके	
९	चं	४९	५	ज्ये	२५	३६	व	४३	२७	तै	१६	१	३६	१७	४३	१०	२१	१	ध.२५।३६	मार्च३ता.३१
१०	मं	५५	२८	मू	३२	५९	सि	४५	४२	व	२२	१६	४०	१६	४४	११	२२	२	धनुषि	भ.२२।१६उ.५५।२८या.
११	बु	६०	०	पू	४०	४९	व्य	४८	८	ब	२८	४३	४४	१५	४५	१२	२३	३	म.५७।३६	विजया११व्र.
११	गु	१	५९	उ	४७	५८	व	५०	७	बा	१	५९	४८	१४	४६	१३	२४	४	मकरे	पूभा.रविः५८।१९श्रवणेशुक्रः४७।२३
१२	शु	७	५९	श्र	५४	५२	प	५१	४३	तै	७	५९	५२	१४	४६	१४	२५	५	मकरे	पूभा.रविःसौरः५५/५८मार्गीबुधः५०/५४प्रदोषः
१३	श	१३	२३	ध	६०	०	शि	५२	१३	व	१३	२३	५६	१३	४७	१५	२६	६	कुं.२७।३६	भ.१३/२३उ.४५/२३या.महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१४	र	१७	२३	ध	०	२०	सि	५२	४	श	१७	२३	२९/१	१२	४८	१६	२७	७	कुंभे	महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	चं	२०	२८	श	४	४९	सा	५०	४७	ना	२०	२८	५	११	४९	१७	२८	८	मी५२।१३	

४६ पं.फा.कृ.७मं.इ. ४/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	३	८	११	९	१०
१०	५	०	२६	२८	१८	२५	९
३	२५	४३	९	३१	४	४६	५४
१४	३७	८	४	१२	८	१	४०
६०	३५/४३	६४/२४	७/३१	६९	६	३	६०
२५	व	व.	व.	३८	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

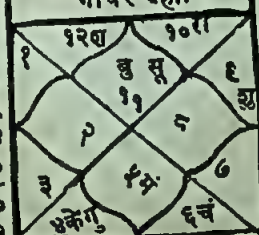

इस मास में धान्य गल्ला मंदा रहे धातु सोना चांदी रसकस चीनी गुड वारदाना कपास आदि तेज होवें।

गोचर ग्रहाः

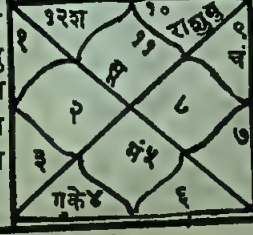

४७पं.फा.कृ.१०मं.इ. ४/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	९	३	९	११	९	१०
१७	३	२६	२५	६	१८	२५	१६
५	१२	४९	१८	४८	५०	२३	५७
२८	५४	३४	२५	५०	३१	४६	३५
६०	३१/५७	१६/३९	६/४६	७०	६	३	६०
१२	व	व	व.	२२	३३	११	२९

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः ५८१६ स. २०२७
१	मं	२२	५	पू	८	१	शु	४८	४४	ब	२२	५	२९/९	६/१०	५/५०	१८	२९	९	मीने	चन्द्रदर्शनम् पातस्पर्शः ९/५७ पातमोक्षः ४०/१०
२	बु	२२	४०	उ	१०	१४	शु	४५	४५	कौ	२२	४०	१३	९	५१	१९	१	१०	मीने	सव्वाल १० फुलरिया २
३	गु	२२	१७	रे	११	१८	ब्र	४१	४६	ग	२२	१७	१७	९	५१	२०	२	११	मे ११।१८	भ. ५१/२८ उ. वक्रीकर्कआश्ले. भौमः ४१।२१
४	शु	२०	४०	अ	११	३१	ऐं	३७	२५	वि	२०	४०	२१	८	५२	२१	३	१२	मेषे	भ. २०।४० या. रेवती. २ शनिः ८।४
५	श	१८	३१	भ	११	१	वै	३२	२५	बा	१८	३१	२६	७	५३	२२	४	१३	वृ. २५।३८	कुंभे बुधः २२।४९
६	र	१५	१७	कृ	९	३१	वि	२६	४०	तै	१५	१७	३०	६	५४	२३	५	१४	वृषे	मीनेऽर्कः ५९।१०
७	चं	११	३५	रो	७	२४	प्री	२०	२३	व	११	३५	३४	५	५५	२४	६	१५	मि ३६।१	भ. ११/३५ उ. १६/१२ या. मीनेऽर्कः सौरः ६/१७ धनि. +
८	मं	७	३०	मृ	४	३८	आ	१३	२९	ब	७	३०	३८	४	५६	२५	७	१६	मिथुने	होलाष्टकम् [+शुक्रः ५५।१०
९	बु	१	५२	आ	१/१४	५५/४४	सौ	६/५	५२/११	कौ	१	५२	४३	३	५७	२६	८	१७	क. ४३।२	[×(सौरः २४/५३) आमलकी ११ व्र. स्मा.
१०	बु	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+अस्तंशनेः ७ होलिकादहनम् भद्रोत्तरम्
११	गु	४९	३१	पु	५२	१	अ	४९	४०	व	२२	४७	४७	३	५७	२७	९	१८	कर्के	भ. २२।४७ उ. ४९।३१ या. उभा. रविः ३०/१४ ×
१२	शु	४२	३१	श्ले	४७	२	सु	४१	११	ब	१६	१	५१	२	५८	२८	१०	१९	सिं ४७।२	शते बुधः ५१।३७ आमलकी ११ व्र.
१३	श	३५	३८	म	४२	४	धृ	३२	४३	कौ	९	४	५५	१	५९	२९	११	२०	सिंहे	प्रदोषः
१४	र	२८	५१	पू	३७	२९	शू	२४	२२	ग	२	१४	३०/००	६/००	६/००	३०	१२	२१	कं. ५१।३४	भ. २८।५१ उ. ५५।५५ या. कुंभे शुक्रः ३६/१६ +
१५	चं	२२	५८	उ	३३	४८	गं	१७	१	व	२२	५८	४	५/५९	१	१	१३	२२	कन्यायां	भा. चैत्रारंभः छारेंडी

४८ पं. फा. शु. १ मं. इ. ४।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	९	३	९	११	९	१०
२४	१	२८	२४	१५	१९	२५	२३
६	५	२१	३२	८	३९	१	५८
१४	५३	२५	४६	३८	७	३०	५८
५९	२५	२२/५५	६/०	७०	६	३	६०
५८	१४	मा	व.	५९	५०	११	६

गोचर ग्रहाः

१२ चंश, बुशुरा १०, १, सू ११, ९, २, ८, ३, मं ५, ७, ४ केगु, ६

फाल्गुनशुक्ले ६ रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

१, १२ पूश, बु ११, २, १० रा शु, ३ चं, ९, के म ४ गु, ६, ८, ५, ७

४९ पं. फा. शु. ८ मं. इ. ५।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	३	९	११	९	११
१	२९	३	२३	२३	२०	२४	०
५	२६	३१	५३	३१	२९	३९	५८
३१	३१	५२	२५	३४	३१	१४	४०
५९	३८/६०	४९	५३/४२	७१	७	३	५९
४१	व.	४९	वं.	२५	२	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तुरविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	मं	१९	८	ह	३१	१६	वृ	१०	३३	कौ	१९	८	३०/८	५/५८	६/२	२	१४	२३	कन्यायां	वक्रीआश्ले. २ गुरुः ५०।३१ वसंत १
२	बु	१४	५९	चि	३०	२९	ध्रु	५	२०	ग	१४	५९	१२	५८	२	३	१५	२४	तु. ०।५२	भ. ४४।१७ उ.
३	गु	१३	३४	स्वा	३१	३१	व्या	१/३०	५७/५९	वि	१३	३४	१६	५७	३	४	१६	२५	तुलायां	भ. १३।३४ या. चतुर्थीव्र.
४	शु	१४	७	वि	३४	३३	व	५८	३२	बा	१४	७	२१	५६	४	५	१७	२६	वृ. १८।४७	
५	श	१६	३५	अ	३९	१५	सि	५८	५७	तै	१६	३५	२५	५५	५	६	१८	२७	वृश्चिके	शते शुक्रः २।६
६	र	२०	४६	ज्ये	४५	३२	व्य	६०	०	व	२०	४६	२९	५४	६	७	१९	२८	ध. ४५।३२	भ. २०।४६ उ. ५३।३१ या.
७	चं	२६	१७	मू	५२	२१	ध्य	०	३५	ब	२६	१७	३३	५३	७	८	२०	२९	धनुषि	पूभा. बुधः ५३/५३ धनि. शुक्रः ५५/१९ शीतलापूजन
८	मं	३२	२५	पू	६०	०	व	२	४१	कौ	३२	२५	३७	५३	७	९	२१	३०	धनुषि	
९	बु	३८	४७	पू	०	३	प	५	६	तै	५	३६	३१	५२	८	१०	२२	३१	म. १६।५३	रेवत्यां रविः ४७/४९ (सौरः ५४/२० मार्गी भौमः ४८/३०
१०	गु	४४	५०	उ	७	२५	शि	७	१३	व	११	४८	४५	५१	९	११	२३	१	मकरे	भ. ११/४८ उ. ४४।५० या. अप्रेल ४ ता. ३०
११	शु	५०	६	श्र	१४	२६	सि	९	४	ब	१७	२८	४९	५०	१०	१२	२४	२	कुं. ४७।२०	पापमोचनी ११ व्र.
१२	श	५३	५९	ध	२०	१४	सा	९	५३	कौ	२२	२	५३	४९	११	१३	२५	३	कुंभे	
१३	र	५६	३६	श	२४	४३	शु	९	४३	ग	२५	१७	५७	४९	११	१४	२६	४	कुम्भे	भ. ५६।३६ उ. प्रदोषः
१४	चं	५७	२२	पू	२७	४२	शु	८	२१	वि	२६	५९	३१/१	४८	१२	१५	२७	५	मी ११।५७	भ. २६।५९ या. मीनेबुधः ३१।३
३०	मं	५६	५१	उ	२९	८	ब्र	५	४२	च	२७	६	५	४७	१३	१६	२८	६	मीने	मन्वादिः

५० पं. चै. कृ. १ मं. इ. २५/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	३	१०	११	९	११
८	२८	११	२३	१	२१	२४	७
३	१७	३	२२	५५	२१	१६	५६
१८	३१	२९	४४	३०	११	५९	३५
५९	९/१८	६९	३/३८	७१	७	३	५९
२९	व	२०	वं.	५०	१४	११	३५

१, १२ बुशु, रा १०, २, १२ सू, ३, ९, मं गु के ४, वं ६, ८, ५, ७

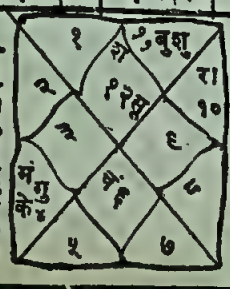

५१ पं. चै. कृ. ८ मं. इ. ५।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	३	१०	११	९	११
१४	२७	२०	२२	१०	२२	२३	१४
५९	३८	१८	५९	२०	१३	५४	५२
१०	२	१८	४६	४९	१९	४३	४६
५९	३१/३२	८५	२१/२	७२	७	३	५९
१६	व	२५	व.	९	२०	११	१८

१, शु ११, रा १०, २, ३, ९, मं गु के ४, ६, ८, ५, ७

५२ पं. चै. कृ. ३० मं. इ. ६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	३	१०	११	९	११
२१	२७	०	२२	१८	२३	२३	२१
५३	३६	५७	४५	४७	६	३२	४६
३१	४७	२५	५८	१७	७	२८	५७
५९	४४/४४	९८	५३/०	७२	७	३	५९
४	मा	२३	व.	३२	२०	११	४

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२८, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२८, भोग्यकलिः४२६८७२, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८४, शाकः १९४९, अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री बुधः । सस्येशः शुक्रः । धान्येशो गुरुः । मेघेशो भौमः। रसेशो रविः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशो भौमः । धनेशः शुक्रः।दुर्गेशो भौमः।एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येऽद्रविंशतिकायां १५ दुर्मतिनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः १।२७।७।१३।० भोग्यमासादिः १०।२।५२।४७।० नासत्यदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम माघः । मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासःसंधौ । समयनिवासो वणिक्गृहे । समय विश्वा १८ समयवाहनम्सिंचाणः । स्तंभः १ जलस्य । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी ३ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी ३ रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ४०५ समयदिनानि ३५५ तिथिक्षयः १७, तिथिवृद्धिः१२ उत्पत्ति विश्वा १०५ क्षपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा ९ धान्यम् १७ तृणम् ५, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११५, शनिदृष्टिरुत्तरे । सत्यं ॥ धर्मे १॥ पापं १८ ग्रहण १ सूर्यस्य ।

सं. २०८४ श्रावण कृ. ३० चंद्रे सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घं.	३	४	५
मि.	५४	४५	६
घ.	२३	२५	२६
प.	३८	४६	३७

वर्ष लग्नम् १०।२७

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

मात भवानी अंबिके भैरव पूछे तोय ।
चौरासी संवत् तणों हाल सुनादे मोय ॥

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला चौरासी का हाल ।
वर्षा होसी सांतरी जनता मालामाल ॥
राजा मंत्री बुध भये इनकी सुंदर चाल ।
व्यापारां घट बढ चलें चतुर कमावे माल ॥
अट्ठारह विश्वा समय वर्षा विश्वा अंक ।
सब ही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक ॥
भूमि सुत मेघेश हैं फलपति उनको जाण ।
पकी पकाई साख में करसी खेंचा ताण ॥
"बनवारी" जगदीश का कर बंशीधर जाप ।
धर्म कर्म करते रहो मिटै सभी संताप ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ४।९

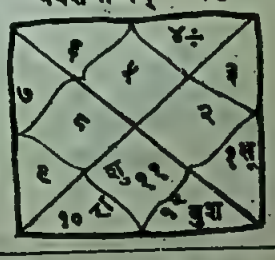

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।५।० केतकीमतेन वेंकसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१३।१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

×चंसूबुश ÷चंमंगुके

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे सूर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ।। मंत्री बुधः फलम् ।। शशिसुते शुभ मंत्रि समागते स्वपतिना रमते मदन क्रियाम् । बहु धनं बहु वारि समन्वितं यव मसूर चणान्न महर्घता ।। सस्येशः शुक्रः फलम् ।। शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षु घनप्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुख-प्रदानि ।। धान्येशो गुरुः फलम् ।। गुरौ धान्यपतौ याते यव गोधूम शालयः । पच्यन्ते सर्वे देशेषु यज्वानो ब्राह्मणादयः ।। मेघेशो भौमः फलम् ।। अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुति विचारविहीन धरामराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदं ।। रसेशो रविः फलम् ।। रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भाग रतात्पयोधरा । वसनतैल घृत प्रिय मानवाः सुख रसं न भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशो शुक्रः फलम् ।। कर्पूरागर गन्धानां हेम मौक्तिक वाससां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशो भौमः फलम् ।। फलपतिर्यदि भूतनयो भवेन्न बहु पुष्प फलान्वित पादपाः । गदभयान्वित देश जनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रः फलम् ।। द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला ननु मानवाः । समसुखाः क्रय विक्रय जीविनो नृपतयो जन पालन तत्पराः ।। दुर्गेशो भौमः फलम् ।। अवनिजो गढ नायकतां गतो विविध दुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रय विक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। दुर्मतिनाम संवत्सरः फलम् ।। दुर्मत्यब्दे खिला लोकाः भूपाः दुर्मतयः सदा । तथापि सुखिनः सर्वे संग्रामाः सन्ति चेदपि ।। वर्षनाम माघः फलम् ।। माघे संपत्करोब्दः स्यात् सर्वभूतहितोदयः सम्यग्वर्षति पर्जन्यः सुभिक्षं च प्रजायते ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खण्ड वृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे फलम् ।। वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १४ चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो ८ रे. ७ ।।।ऽशुऽऽ।।।
पादतो वेधाऽभावः
,, १५ भौमे स्वात्यां ल. ११ (घ.५३-४०उ.)
रे. ६ ।।।।ऽऽचौऽऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा १ बुधे स्वात्यां ल. ८ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।
,, ५ रवौ मूले ल.८ (घ.३८-०उ.) रे.८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, १२ चन्द्रे उभा. ल. ८ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।
शुक्ला १३ भौमे स्वात्यां ल. १ (चं.श.पूज्यौ) रे. ७
।ऽ।।ऽ।ऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा २ शनौ मूले ल. १ (श.पू.) रे. ८ ।।।।ऽ।ऽ।।।
,, ४ चन्द्रे उषा. ल. १ (श.पू.) रे. ७ ।।।ऽबु।।ऽऽ।।
दग्धा पादाद्वेधाऽभावः
,, ९ रवौ उभा. ल. ऽन्यगो रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

शुक्ला ८ शुक्रे उफा. ल. ऽन्यगो १२ रे. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।
(मीने.चं.पू.)

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ९ भौमे उभा. ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽऽ।।।।
(भौमशुक्रावष्टमस्थौ)
शुक्ला १५ चन्द्रे मृगे ल. ५-७ रे. ६ ।ऽ।ऽशुऽ।।ऽ।।
पादाद्वेधाऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ६ चन्द्रे हस्ते ल. ८-९ रे.७ ऽ।।।।ऽऽ।।।(घ.५०उ.)
शुक्ला ४ चन्द्रे उभा. ल. ८-९ रे. ६ ।।।।ऽ।ऽऽ।।
,, १५ गुरौ मघा. ल. ८-९ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ८ गुरौ अनु ल. ९ रे. ७ ऽ।।।।ऽनृ।ऽ।।
शुक्ला २ रवौ उभा. ल. ८-९ रे. ६ ऽऽ।।ऽ।ऽ।।।

तिथि: श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८४५स.२०२७

१	बु	५४	५४	रे	२६	१७	ऐं	३	५५	किं	२५	५२	३१०	४६	६	१७	२६	७	मे.२६।१७	उभा.बुधः ३३ पूभा.शुक्रः ६३ रेवती.३ ÷
२	गु	५१	५०	अ	२८	१६	वि	५२	५	बा	२३	२२	१४	४५	१५	१८	३०	८	मेषे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	शु	४८	१	भ	२६	३२	मी	४५	५७	तै	१६	५५	१८	४४	१६	१९	१	९	वृ.४०।५२	जिल्काद११मत्स्यजयंतीगणगौर
४	श	४३	३१	कृ	२३	५२	आ	३६	२६	व	१५	४६	२२	४४	१६	२०	२	१०	वृषे	भ.५३ उ.६३ या.श्रवण.४राहुः आग्नेले.२=
५	र	३८	५६	रो	२१	८	सो	३२	५९	ब	११	१३	२६	४३	१७	२१	३	११	मि४६।३६	मार्गगुरुः १३।४२ [=केतुः ५।२३
६	चं	३३	५८	मृ	१८	१०	शो	२६	६	को	६	२७	३०	४२	१८	२२	४	१२	मिथुने	[÷शनिः ५९ संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
७	मं	२८	४६	आ	१४	५०	अ	१६	४	ग	१	२३	३४	४१	१६	२३	५	१३	क.५७।२०	भ.२८।४६उ.५६।१५या.
८	बु	२३	४२	पु	११	३०	सु	१२	९	ब	२३	४२	३८	४०	२०	२४	६	१४	कर्के	अश्वि.मेषे ऽर्कः ३१° (सौरः २८।५३)
९	गु	१८	२६	पु	८	११	धृ	२५	५३	को	१८	२६	४२	४०	२०	२५	७	१५	कर्के	रेवत्यांबुधः १९° मीनेशुक्रः ३४ रामनवमी
१०	शु	१३	७	श्ले	४	५१	गं	५०	४४	ग	१३	७	४६	३६	२१	२६	८	१६	सि४।५१	भ.३८ उ.बुधास्तः पूर्वस्यां २६।४५
११	श	७	४९	म	२७	५७	बृ	४४	८	वि	७	४६	५०	३८	२२	२७	९	१७	सिंहे	भ.७।४६या.कामदा ११ग्र.
१२	र	२	३३	उ	५६	०	धु	३७	५०	बा	२	३३	५३	३७	२३	२८	१०	१८	कं.१२।५०	उभा.शक्रः ६।३६प्रदोषः
१३	र	५५	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	चं	५४	४४	ह	५४	८	व्या	३१	४	ग	२६	३२	५७	३७	२३	२९	११	१९	कन्यायां	भ.५४।४४उ.
१५	मं	५२	१७	चि	५३	४०	ह	२७	५	वि	२३	३०	३३	३६	२४	३०	१२	२०	तु.२३।५४	भ.२३।३०या.हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु.८बु.इ. २१ ५०

ए	अं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	३	१०	११	९	११
०	२८	१५	२२	२८	२४	२३	२९
०	१७	९	४०	४६	९	६	५३
०	४२	५०	१९	५	३६	२०	१२
५८	११	५९	४३	७२	७	३	५८
४७	२	३९	मां	५२	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले ८ बुधे मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

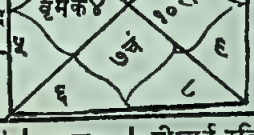

२पं.चै.शु.१बु.इ. २३ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	३	११	११	९	०
६	२९	२८	२२	७	२५	२२	६
५०	२५	३२	४७	१४	२	४४	४३
४६	५	५६	२	४२	३१	४	२३
५८	१५	५९	१	७३	७	३	५८
३१	४६	३९	५३	११	१४	११	२१

तिथि: वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.

१	बु	५१	८	स्वा	५४	३१	व	२३	३०	बा	२१	४७	३३	३५	२५	१	१३	२१	तुलायां	भा.वैशाखारंभः
२	गु	५१	३६	वि	५६	५५	सि	२०	५८	तै	२१	२२	९	३४	२६	२	१४	२२	वृ.४१।१९	अश्वि.मेषेबुधः ५।९
३	शु	५३	४८	अ	६०	०	व्य	१९	४४	व	२२	४२	१२	३४	२६	३	१५	२३	वृश्चिके	भ.३३ उ.५३ या.मघा.सिंहेभौमः ३४।५७
४	श	५७	१६	अ	०	५८	व	१९	३३	ब	२५	३२	१६	३३	२७	४	१६	२४	वृश्चिके	चतुर्थी व्र.
५	र	६०	०	ज्ये	६	३१	प	२०	३७	को	२९	४८	२०	३२	२८	५	१७	२५	ध.६।३१	उदयंःशनिः८।१२
६	चं	२	२०	मू	१२	५९	शि	२२	२०	तै	२	२०	२३	३१	२९	६	१८	२६	धनुषि	
७	मं	८	७	पू	१९	२१	सि	२४	३८	व	८	७	२७	३१	२९	७	१९	२७	म.३६।२८	भ.८।७उ.४१।१३या.
८	बु	१४	२०	उ	२७	५०	सा	२७	४	ब	१४	२०	३१	३०	३०	८	२०	२८	मकरे	भरण्यांरविः २।० (सौरः १०।१८) =
९	गु	२०	३७	श्र	३५	११	शु	२९	१८	को	२०	३७	३४	२९	३१	९	२१	२९	मकरे	रेवत्यांशुक्रः ८।४३
१०	शु	२५	५६	ध	४१	३६	शु	३०	४०	ग	२५	५६	३८	२८	३२	१०	२२	३०	कुं.८।२४	भ.५८।२उ. [=भरण्यांबुधः २९।३३
११	श	३०	८	श	४६	३०	ब्र	३१	४	वि	३०	८	४१	२८	३२	११	२३	१	कुंभे	भ ३०।८या.मई५ता.३१
१२	र	३२	५७	पू	५०	७	ऐं	३०	१२	ब	१	३२	४५	२७	३३	१२	२४	२	मी३४।१३	वरुथिनी ११ग्र.
१३	चं	३३	४१	उ	५१	४५	वै	२८	३	को	३	१९	४८	२६	३४	१३	२५	३	मीने	आश्ले.३गुरुः ५९।३५प्रदोषः
१४	मं	३२	४२	रे	५१	३७	वि	२४	१७	ग	३	११	५२	२६	३४	१४	२६	४	मे.५१।३७	भ.३२।४२उ.कृत्ति.बुधः ३८।३५
१३	बु	२९	५२	अ	५०	१	प्री	१९	१३	वि	१	१७	५५	२५	३५	१५	२७	५	मेषे	भ.१।१७या.
१४	गु	२५	३३	भ	४६	५७	आ	१२	५५	ना	२५	३३	५८	२४	३६	१६	२८	६	मेषे	वृषेबुधः १५ रेवती४शनिः४।५३

३पं वै कृ.७बु.इ. २२ ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	३	११	११	९	०
१३	१	१३	२३	१५	२५	२२	१३
२९	०	४	२	४३	५४	२१	३१
५०	४	४८	२८	२३	१०	४९	४८
५८	१९	२०	३	७३	७	३	५८
१९	६	१८	२०	२०	८	११	१२

गोचर ग्रहाः

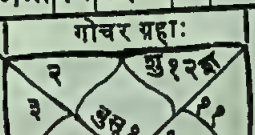

सोना चांदी रुई सूत बारदाना रेशम रंग में घट बढ चल करके तेजी का रुख बने रसकस अच्छी तेजी पकड़े।

गोचर ग्रहाः

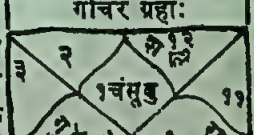

४पं.वै.कृ.१४बु.इ. ३३ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	३	११	११	९	०
२०	२	२८	२३	२४	२६	२१	२०
२७	५७	११	२६	१३	४४	५९	१८
२९	५८	३५	१३	२६	५३	३३	३४
५८	२१	३९	४	७३	६	३	५७
६	५९	३८	२९	३२	५६	११	१७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५८७५स.२०२७
१	शु	२०	९	कृ	४२	५९	सौ	५/५५	५२/१७	ब	२०	९	३३/२	५/२४	६/३६	१७	२९	७	वृ.०।५७	चन्द्रदर्शनम्
२	श	१३	५२	रो	३८	३६	अ	५०	५	कौ	१३	५२	५	२३	३७	१८	१	८	वृषे	जिल्हेज१२परशुरामजयंती
३	र	७	२२	मृ	३३	५३	सु	४१	५२	ग	७	२२	८	२२	३८	१९	२	९	मि६।१५	भ.३४।०उ.अक्षया३
४	चं	०	३७	आ	२९	२२	धृ	३४	११	वि	०	३७	११	२२	३८	२०	३	१०	मिथुने	भ.०/३७या.अश्वि.मेषेशुक्रः९/१७=
५	चं	५३	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=बुधोदयःपश्चिमायां३।५८
६	मं	४८	१५	पु	२५	१६	शू	२६	३०	कौ	२१	१७	१४	२१	३९	२१	४	११	क.११।१८	कृत्ति.रविः४८/०(सौरः५८/१०)रोहि.बुधः६/५७
७	बु	४२	४५	पु	२१	३२	गं	१९	१५	ग	१५	३०	१७	२१	३९	२२	५	१२	कर्के	भ.४२।४५उ.
८	गु	३७	४९	श्ले	१८	११	वृ	१२	२२	वि	१०	१७	२०	२०	४०	२३	६	१३	सिं१८।११	भ.१०।१७या.
९	शु	३३	२६	म	१५	३९	ध्रु	५	५६	बा	५	३७	२३	१९	४१	२४	७	१४	सिंहे	
१०	श	२९	४४	पू	१३	४३	व्या	०/१०	५४/५६	तै	१	३५	२६	१९	४१	२५	८	१५	कं.२८।२६	भ.५८/१६उ.वृषेऽर्कः१५/१४(सौरः२६/३)
११	र	२६	४९	उ	१२	३६	व	५०	२५	वि	२६	४९	२८	१८	४२	२६	९	१६	कन्यायां	भ.२६।४९या.मोहिनी११व्र.
१२	चं	२४	३३	ह	१२	८	सि	४६	४०	बा	२४	३३	३१	१८	४२	२७	१०	१७	तु.४२।२२	प्रदोषः
१३	मं	२३	२१	चि	१२	४१	व्य	४३	४०	तै	२३	२१	३४	१७	४३	२८	११	१८	तुलायां	मृगेबुधः४४।८नृसिंहजयंती
१४	बु	२३	२२	स्वा	१४	२२	व	४१	३३	व	२३	२२	३७	१७	४३	२९	१२	१९	तुलायां	भ.२३।२२उ.५३।५२या.
१५	गु	२४	२३	वि	१७	१	प	४०	४३	ब	२४	२३	३९	१६	४४	३०	१३	२०	वृ.१।२१	यमायकुंभदानम्

५पं.वै.शु.७बु.इ.२२।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	३	०	११	९	०
२७	५	१२	२३	२	२७	२१	२७
१३	१६	२५	५८	४४	३४	३७	३
३७	१२	१	२६	६	१	१७	४८
५७	२४	४४/४१	५	७३	६	३	५७
५४	४४		३८	४४	३८	११	४५

गोचर ग्रहाः

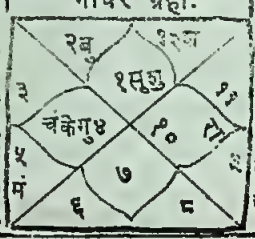

वैशाख शुक्ले१०शनौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रौढावस्था बैठी) मु. ४५ वान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

६पं.वै.शु.१४बु.इ. २२/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	३	०	११	९	१
३	७	२४	२४	११	२८	२१	३
५८	५०	२०	३८	१४	२१	१५	४७
४४	४२	१७	१०	५३	११	२	३२
५७	२६	९३	६	७३	६	३	५७
४४	५९	३५	३७	५०	२६	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	शु	२६	५०	अ	२०	५९	शि	४०	२०	कौ	२६	५०	३३/४२	६/१६	५/४४	३१	१४	२१	वृश्चिके	भरण्यांशुक्रः४।३८
२	श	३०	३२	ज्ये	२६	११	सि	४१	८	ग	३०	३२	४४	१५	४५	१	१५	२२	ध.२६।११	मिथुनेबुधः५८।३६भा.ज्येष्ठारंभः
३	र	३५	२९	मू	३२	२९	सा	४२	४१	व	३	०	४८	१५	४५	२	१६	२३	धनुषि	भ.३।०उ.३५।२९या. चतुर्थी व्र.
४	चं	४०	५३	पू	३९	३४	शु	४४	५८	ब	८	११	४९	१४	४६	३	१७	२४	म.५६।२७	[×पातस्पर्शः२४/४पातमोक्षः४५/३८
५	मं	४७	३	उ	४७	४	शु	४७	२४	कौ	१३	५८	५२	१४	४६	४	१८	२५	मकरे	रोहि.रविः३८।३६(सौरः५२।५)×
६	बु	५३	२३	श्र	५४	४४	ब्र	४९	५७	ग	२०	१३	५४	१३	४७	५	१९	२६	मकरे	भ.५३।२३उ.
७	गु	५९	१३	ध	६०	०	ऐं	५२	६	वि	२६	१८	५६	१३	४७	६	२०	२७	कुं.२८।१८	भ.२६।१८या.
८	शु	६०	०	ध	१	५३	वै	५३	१९	बा	३१	३४	५८	१२	४८	७	२१	२८	कुम्भे	
८	श	३	५५	श	७	५०	वि	५३	२४	कौ	३	५५	३४/००	१२	४८	८	२२	२९	मी५६।१९	आर्द्रा.बुधः१५।४६
९	र	७	१९	पू	१२	२९	प्री	५२	७	ग	७	१९	२	१२	४८	९	२३	३०	मीने	भ.३८।५उ.
१०	चं	८	५१	उ	१५	८	आ	४९	२५	वि	८	५१	३	११	४९	१०	२४	३१	मीने	भ.८।५१या.
११	मं	८	१९	रे	१५	५८	सौ	४५	७	बा	१	१९	५	११	४९	११	२५	१	मे.१५।५८	कृत्ति.शुक्रः४/१६पूफा.भौमः३५/४९जून६+
१२	बु	५	४६	अ	१४	५७	शो	३९	१५	तै	५	४६	७	११	४९	१२	२६	२	मेषे	प्रदोषः [+ता.३०अपरा११व्र.
१३	गु	१	१९	भ	११	५१	अ	३१	५३	व	१	१९	९	१०	५०	१३	२७	३	वृ.२५।४४	भ.१/१९उ.२८/१४या.वृषेशुक्रः४६।२१
१४	गु	५३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	शु	४७	४४	कृ	७	२३	सु	२३	२५	च	२१	२६	१०	१०	५०	१४	२८	४	वृषे	अश्वि.१मेषेशनिः१३।२१वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.६बु.इ.२३।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	३	०	११	९	१
१०	१०	३	२५	१९	२९	२०	१०
४२	३८	२९	२४	४६	६	५२	२९
४०	४६	१३	०	१	२२	४६	४३
५७	२८	२६	७	७३	६	३	५७
३५	४५	१७	३८	५६	१०	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में सोना चांदी रुई तेज हो धान्य गेहूं जौ चना मटर अलसी आदि मंदे हों कहीं २ थोड़ी वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

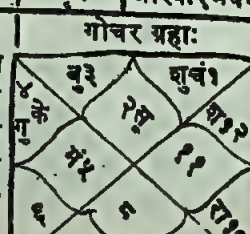

८पं.ज्ये.कृ.१२बु.इ.२३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	३	०	११	९	१
१७	१३	९	२६	२८	२९	२०	१७
२५	४३	२७	१७	१७	४९	३०	१०
२६	५५	५४	१०	२०	१९	३१	४९
५७	३०	३१	८	७४	५	३	५७
२७	१९	११	३८	२	४९	११	१३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५९०४स.२०२७
१	श	३९	३१	रो	१/४२	५३/४३	धृ	१४	१७	किं	१३	३७	३४/१२	५/१०	६/५०	१५	२९	५	मि२८।३३	आश्ले.४गुरुः१।५०
२	र	३०	५९	आ	४९	१	शू	४/४७	५०/३४	बा	५	१५	१३	९	५१	१६	३०	६	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
३	चं	२२	४१	पु	४२	२३	वृ	४५	४६	ग	२२	४१	१५	९	५१	१७	१	७	क.२९।३	भ.४८।४५उ.मोहोरम१सन्१४४९हि.
४	मं	१४	४९	पु	३७	२६	ध्रु	३७	१०	वि	१४	४९	१६	९	५१	१८	२	८	कर्के	भ.१४/४९या.मृगेरविः३३/० (सौरः५०/५५)=
५	बु	७	४४	श्रे	३२	५३	व्या	२९	११	बा	७	४४	१७	९	५१	१९	३	९	सिं३२।५३	[=वक्रीबुधः५८/४५
६	शु	१	३५	म	२९	२६	ह	२२	८	तै	१	३५	१८	८	५२	२०	४	१०	सिंहे	भ.५६।३६उ.
७	शु	५५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×राहुःआश्ले.१केतुः५८/४०
८	शु	५२	४८	पू	२७	४	व	१५	५३	वि	२४	४२	१९	८	५२	२१	५	११	कं.४१।४७	भ.२४/४२या.रोहि.शुक्रः५७/१०श्रवण.३×
९	श	५०	२३	उ	२५	५७	सि	१०	४७	बा	२१	३५	१९	८	५२	२२	६	१२	कन्यायां	[+निर्जला११व्र.
१०	र	४९	५	ह	२५	५९	व्य	६	४१	तै	१९	४४	२०	८	५२	२३	७	१३	तु.५६।३८	गंगादशमी
११	चं	४८	५६	चि	२७	१८	व	३	२९	व	१९	०	२१	८	५२	२४	८	१४	तुलायां	भ.१९/०उ.४८/५६या.बुधास्तःपश्चिमायां१९/४८+
१२	मं	४९	५९	स्वा	२९	५८	प	१/११	५८/४१	व	१९	२७	२१	८	५२	२५	९	१५	तुलायां	मिथुनेऽर्कः३२।२१ (सौरः५१।४३)
१३	बु	५२	७	वि	३३	३१	सि	५९	४६	कौ	२१	३	२२	८	५२	२६	१०	१६	वृ.१७।३८	प्रदोषः
१४	गु	५५	२६	अ	३८	०	सा	५९	३७	ग	२३	४६	२२	८	५२	२७	११	१७	वृश्चिके	भ.५५।२६उ.
१५	शु	५९	३०	ज्ये	४३	२२	शु	६०	०	वि	२७	२८	२३	७	५३	२८	१२	१८	व.४३।२२	भ.२७।२८या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

९पं.ज्ये.शु.५बु.इ. २३/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	३	१	०	९	१
१४	१६	११	२७	६	०	२०	२३
७	५७	५१	१६	४९	२९	८	५०
३०	४७	१४	३७	४४	६	१५	४५
५७	३१	३६/२६	९	७४	५	३	५७
१२	२५	व.	२८	८	५२	११	५

गोचर ग्रहाः

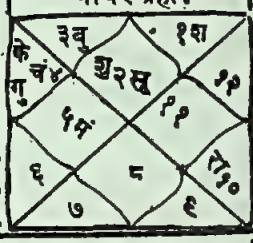

ज्येष्ठ शुक्ले १२भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु.१३बु.इ. २३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	३	१	०	९	२
०	२०	१०	२८	१५	१	१९	०
४८	२२	४६	२०	२१	६	४५	२९
४७	१२	३०	४९	५०	१४	५९	५४
५७	३३	२५/५९	१०	७४	४	३	५६
१७	५६	व.	१०	१८	५६	११	५०

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	६०	०	मू	४९	४८	शु	०	४७	बा	३२	८	३४/२३	५/७	६/५३	२९	१३	१९	धनुषि	
१	र	४	४६	पू	५६	४७	शु	२	२०	कौ	४	४६	२३	७	५३	३०	१४	२०	धनुषि	पातस्पर्शः५२।३८
२	चं	१०	२६	उ	६०	०	ब्र	४	२७	ग	१०	२६	२४	७	५३	३१	१५	२१	म.१३।४०	भ.४३।२७उ.पातमोक्षः१५।४६
३	मं	१६	२८	उ	४	१९	ऐं	६	५०	वि	१६	२८	२४	७	५३	१	१६	२२	मकरे	भ.१६/२८या.आर्द्रा.रविः३१/० (सौरः५३/१६)÷
४	बु	२२	३६	श्र	११	४९	वै	९	२२	बा	२२	३६	२४	७	५३	२	१७	२३	कुं.४५।३५	[÷मृगेशुक्रः५५/७भा.आषाढारंभः–
५	गु	२८	३६	ध	१९	२१	वि	११	४७	तै	२८	३६	२४	७	५३	३	१८	२४	कुंभे	वक्रीमृगेबुधः४१।१८ [–चतुर्थीव्र.
६	शु	३३	४५	श	२६	४	प्री	१३	४६	ग	१	१०	२४	७	५३	४	१९	२५	कुंभे	भ.३३।४५उ.
७	श	३७	५६	पू	३१	४२	आ	१४	५२	वि	५	५०	२३	७	५३	५	२०	२६	मी१५।१८	भ.५।५०या.मघा.१सिंहेगुरुः९।८
८	र	४०	२०	उ	३५	५३	सौ	१४	५०	बा	९	८	२३	७	५३	६	२१	२७	मीने	
९	चं	४१	५	रे	३८	१६	शो	१३	३२	तै	१०	४२	२२	८	५२	७	२२	२८	मे.३८।१६	मिथुनेशुक्रः२३।२०उफा.भौमः४५।४२
१०	मं	३९	४२	अ	३८	४८	अ	१०	२९	व	१०	२३	२२	८	५२	८	२३	२९	मेषे	भ.१०।२३उ.३९।४२या
११	बु	३६	१७	भ	३७	१३	सु	५/५८	५३/५४	व	७	५९	२१	८	५२	९	२४	३०	वृ.५१।२१	योगिनी११व्र.
१२	शु	३०	५१	कृ	३३	४६	शू	५२	१०	कौ	३	३४	२०	८	५२	१०	२५	१	वृषे	जुलाई७ता.३१ प्रदोषः
१३	शु	२३	४१	रो	२८	३३	गं	४३	१०	व	२३	४१	१९	८	५२	११	२६	२	मि५५।१५	भ.२३/४१उ.४९/२७या.बुधोदयःपूर्वस्यां२७/३२
१४	श	१५	१४	मृ	२१	५६	वृ	३३	२३	श	१५	१४	१८	८	५२	१२	२७	३	मिथुने	आर्द्रा.शुक्रः४५।४६
३०	र	५	४९	आ	१४	४०	ध्रु	२२	५७	ना	५	४९	१७	९	५१	१३	२८	४	क.५३।५७	कन्यायांभौमः५९।८

११पं.आ.कृ.४बु.इ. २३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	३	१	०	९	२
७	२३	७	२९	२३	१	१९	७
२९	५४	२३	२९	५४	३९	२३	८
४२	४०	४६	५३	४०	१४	२४	२१
५७	३४	३३/३५	१०	७४	४	३	५६
१३	०	व.	५३	२१	२९	११	५४

गोचर ग्रहाः

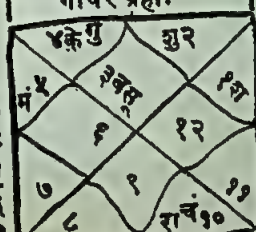

इस मास में गेहूं जौ चना मटर बाजरा मूंग मोठ धातु सोना चांदी. ताम्बा लोहा गुड़ शक्कर रुई तेज हो प्रजा पीड़ित हो ।

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.कृ.११बु.इ. २३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	२	०	९	२
१४	२७	३	०	२	२	१९	१३
१०	३६	५९	४३	२८	८	१	४६
८	२२	५६	१२	३०	१७	२८	२६
५७	३४	२४/४३	११	७४	३	३	५६
७	४५	व.	२४	२६	५०	११	५०

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६३४स.२०२७
१	र ५०।१६। ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	० ०	
२	चं ४६।२४। पु ७।५२	श्या १२।२१	बा २१।१४	३४ ५६	५१ १४	२६	५	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	मं ३७।२४। श्ले ५२।५६	ह १५५	त ११।५४	१५ ६	५१ १५	१	६	सिं५२।५९	पुन.रविः३९(सौरः५७) मार्गीबुधः९३१=
४	बु २६।१९। म ४७।१६	सि ४२।५१	व ३।२१	१४ ६	५१ १६	२	७	सिंहे	भ.३।२१उ.२६।१६या. [=सफर२
५	गु २२।४५। पू ४३।१७	व्य ३५।१३	बा २२।४५	१३ ६	५१ १७	३	८	क.५७।४१	
६	शु १७।३४। उ ४०।५२	व २८।५२	त १७।३४	११ १०	५० १८	४	९	कन्यायां	
७	श १४।१४। ह ४०ा ७	प २३।५५	व १४।१८	१० १०	५० १९	५	१०	कन्यायां	भ.१४।१४उ.४३।२४या.
८	र १२।३४। चि ४०।५२	शि २०।१०	ब १२।३४	८ १०	५० २०	६	११	तु.१०।३०	
९	चं १२।२८। स्वा ४३।२६	सि १७।४७	को १२।३८	७ ११	४९ २१	७	१२	तुलायां	[×मघा.२गुरुः१३देवशयनी११व्र
१०	मं १४।१५। वि ४७।१२	सा १६।३४	ग १४।१५	५ ११	४९ २२	८	१३	वृ.३१।२६	भ.४५।४०उ.
११	बु १७ ४ अ ५२।१८	शु १६।३३	वि १७ ४	३ ११	४९ २३	९	१४	वृश्चिके	न.१४या.आर्द्रा.बुधः४५पुन.शुक्रः१६×
१२	गु २१ ५ ज्ये ५८।२६	शु १७।१९	बा २१ ५	१ १२	४८ २४	१०	१५	ध.५८।२६	प्रदोषः
१३	शु २५।५९ मू ६०ा ०	ब्र १८।२५	त २५।५६	३३ १२	४८ २५	११	१६	धनुषि	कर्केऽर्कः५९।१४
१४	श ३१।३४ मू ५।२०	ऐं २०।३४	व ३१।३४	५७ १३	४७ २६	१२	१७	धनुषि	भ.३१।३४उ.कर्केऽर्कःसौरः३०।२
१५	र ३७।२५ पू १२।१९	वै २२।४०	वि ४।२९	५५ १३	४७ २७	१३	१८	म.२९।११	भ ४।२९या.व्यासपूजा वायुपरीक्षा

१३पं.आ.शु.४बु.इ.३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	४	२	०	९	२
२०	१	३	२	११	२	१८	२०
५०	२५	१९	०	३	३३	३९	२४
३५	१२	३४	१४	१८	३२	१३	२०
५७	३५	५५	१२	७४	३	३	५६
७	३३	मा	१	२६	१८	११	५०

गोचर ग्रहः

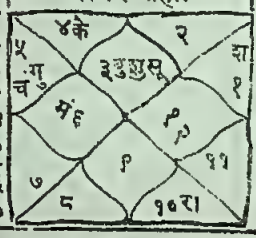

आषाढ शुक्ले १३शुक्रे कर्के ऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहः

१४पं.आ.शु.११बु.इ.४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	४	२	०	९	२
२७	५	६	३	१९	२	१८	२७
३०	२७	५७	२०	३८	५४	१६	२
५३	२०	२५	३८	०	३६	५७	२७
५७	३६	४७	१२	७४	२	३	३८
११	१४	३४	२०	३२	३४	११	५८

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेऽर्कि अहा.
१	चं ४३।२८। उ १६।४७	वि २५ ६	बा १०।२६	३३ ५	५३ १४	५६	२८	१४	१६	मकरे	
२	मं ४६।३४। श्र २७।१४	प्री २७।३१	त १६।३१	५० १४	४६ २९	१५	२०	मकरे	पुष्येरविः२८।३२शुक्रास्तः पूर्वस्यां १५।०
३	बु ५५।१७ ध ३४।३७	आ २६।५४	व २२।२५	४८ १४	४६ ३०	१६	२१	कुं.०।५५	भ.३३उ.५३या.पुष्येरविः सौरः०३
४	गु ६० ० श ४१।१६	सौ ३१।४७	व २७।४७	४५ १५	४५ ३१	१७	२२	कुम्भे	कर्के शुक्रः४७हस्तेभौमः२३ चतुर्थी व्र.
४	शु ० १८ पू ४७।२१	शो ३३।१३	बा ० १८	४३ १५	४५ १	१८	२३	मी३०।५०	भा.श्रावणारंभः
५	श ४।४२ उ ५२।२५	अ ३३।४७	त ४।४२	४० १६	४४ २	१९	२४	मीने	नाग५ मरुस्थले
६	र ७।४० रे ५६।११	सु ३३।२३	व ७।४०	२८ १६	४४ ३	२०	२५	मे.५६।११	भ.७०उ.३६या.पुन.बुधः३२
७	चं ९।२६ अ ५८।१५	धृ ३१।५३	ब ९।२६	२५ १७	४३ ४	२१	२६	मेषे	पुष्येशुक्रः३२।३१
८	मं ९।१७ भ ५८।३४	शू २८।५५	को ९।१७	२३ १७	४३ ५	२२	२७	मेषे	अश्वि.२शनिः१।११
९	बु ७।३० कृ ५७ ५	गं २४।२६	ग ७।३०	३० १८	४२ ६	२३	२८	वृ.१३।१२	भ.३५।३४उ.
१०	गु ३।३९ रो ५३।३६	वृ १८।३१	वि ३।३९	२७ १९	४१ ७	२४	२९	वृषे	भ.३।३९या.कामिका११व्र.स्मा.
११	गु ५४।१५ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	० ०	[+बुधास्तः पूर्वस्यां३३कामिका११व्र.वै.
१२	शु ५०।४४ मृ ४८।३२	ध्रु ११ १	लो २४।१९	२५ १९	४१ ८	२५	३०	मि२१।४	कर्के बुधः३४।२२मघा.३गुरुः४२।१४
१३	श ४२ ३ आ ४२।१३	व्या २२।५०	व १९।२३	२२ २०	४० ९	२६	३१	मिथुने	भ.४२।३उ. प्रदोषः
१४	र ३२।२७ पु ३४।४५	व ४२ ९	वि ७।१५	१९ २०	४० १०	२७	१	क.२१।३७	भ.७५या.पुष्येबुधः१५अगस्त८ता.३१
३०	चं २२।२७ पु २६।५०	लि ३१।१२	ना २२।२७	१६ २१	३९ ११	२८	२	कर्के	हरियाली सूर्यग्रहणम्

१५पं.श्रा.कृ.३बु.इ.२२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	४	२	०	९	३
४	९	१४	४	२८	३	१७	३
११	२२	४३	४३	१४	१०	५४	४०
२८	८	३७	३७	२८	२६	४१	५४
५७	३७	८६	१२	७४	१	३	५६
१५	१	२५	४४	३२	५३	११	५९

गोचर ग्रहः

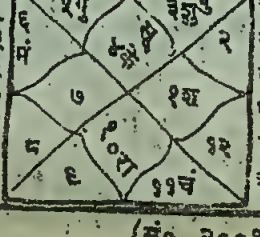

इस मास में चांदी रुई सोना सण तिल वारदाना मंदे हो धान्य गल्ला घृत रसकस में कुछ तेजी आवेगी ।

गोचर ग्रहः

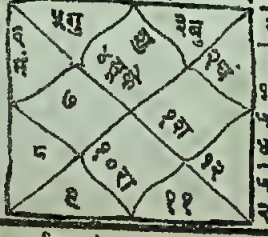

१६पं.श्रा.कृ.१बु.इ.३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	४	३	०	९	३
१०	१३	२५	६	६	३	१७	१०
५२	२८	५४	९	५१	२१	३२	२०
४१	५९	१८	२५	११	४३	२६	११
५७	३७	८६	१२	७४	१	३	५७
२०	५३	४९	८	३२	१६	११	५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षतूरविदक्षिणेऽहर्गणः ५९६३सन् २०२७
१	मं १२ १८ श्ले १८ २५ व्य २० २३ व १२ १८	३३	५ २१	६ ३९	१२	२९	३	सिं १८।२५	आश्ले.रविः२५।३३सिंधारा
२	बु २ ५६ म ११ ४९ व ९ ५५ कौ २ ५६	१०	२२	३८	१३	३०	४	सिंहे	आश्ले.रविःसौरः१।३०चंद्रदर्शनम् तीज
३	बु ५१ ४० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=रविलाखर३वरद४
४	गु ४७ ४२ पू ५ ३५ प २५ ५१ ३३ व २१ ९	७	२३	३७	१४	१	५	कं.१९।२५	भ.२१ उ.४५ या.आश्ले.शुक्रः १९=
५	शु ४२ ४४ उ ५७ २२ सि ४५ १० व १५ १३	४	२३	३७	१५	२	६	कन्यायां	नागपंचमी
६	श ३९ ४४ चि ५७ ३४ सा ४० २ कौ ११ १४	०	२४	३६	१६	३	७	तु.२७।५६	आश्ले.बुधः५०।१२
७	र ३८ ५३ स्वा ५८ ५० शु ३६ १७ ग ९ १८	३३	२५	३५	१७	४	८	तुलायां	भ.३८।५३उ.
८	चं ३९ ५५ वि ६० ० शु ३४ २२ वि ९ २४	५४	२५	३५	१८	५	९	वृ.४६।७	भ.९।२४या.वक्रीशनिः३३।२
९	मं ४२ ४५ वि १ ५३ ब्र ३३ ३८ बा ११ २०	५०	२६	३४	१९	६	१०	वृश्चिके	[+श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्
१०	बु ४७ १ अ ६ ४४ ऐं ३४ २१ तै १४ ५३	४७	२७	३३	२०	७	११	वृश्चिके	[×पुष्य.४केतुः५१।२७
११	शु ५२ १६ ज्ये १२ ४८ वै ३५ ४० व १९ ३८	४४	२७	३३	२१	८	१२	ध.१२।४८	भ.१९।३८उ.५२।१६या. पवित्रा ११व्र.
१२	शु ५८ १४ मू १९ ४५ वि ३७ ४७ व २५ १५	४०	२८	३२	२२	९	१३	धनुषि	चित्रा.भौमः२७।५२श्रवण.२राहुः×
१३	श ६० ० पू २७ ४ प्री ४० ३ कौ ३१ १८	२६	२९	३१	२३	१०	१४	म.४४।१	मघा.सिंहेबुधः१२।४१ प्रदोषः
१३	र ४ २२ उ ३४ ५३ आ ४२ ३७ तै ४ २२	३३	२९	३१	२४	११	१५	मकरे	मघा.४गुरुः४३।३१
१४	चं १० ३२ श्र ४२ १८ सौ ४४ ४७ व १० ३२	३०	३०	३०	२५	१२	१६	मकरे	भ.१ उ.४३ या.मघा.सिंहेशुक्रः९
१५	मं १६ २३ ध ४९ २२ शो ४७ ५ ब १६ २३	२६	३१	२९	२६	१३	१७	कु.१५।५०	मघा.सिंहेऽर्कः१९।३५(सौरः५५)+

१७पं.श्रा.शु.२ब्.इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	४	३	०	९	३
१७	१७	९	७	१५	३	१७	१६
३४	४१	३८	३६	२८	२८	१०	५९
२३	१०	५३	४०	३७	३०	१०	५९
५७	३८	२	१३	५६	०	३	५७
२५	१९	५५	२०	३८	३७	११	१२

गोचर ग्रहाः

श्रावणशुक्ले १५भौमे सिंहेऽर्कःप्रविष्ट.वा.५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रास्त पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.शु.१०ब्.इ. २२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	४	३	०	९	३
२४	२१	२४	९	२४	३	१६	२३
१६	५८	१२	५	७	२९	४७	४१
४४	४१	४०	३१	५	१०	५५	६
५७	३८	२	१३	७४	०	३	५७
४०	५०	१६	२६	३८	व.	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षतूरविदक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु २१ ४५ श ५५ ५३ अ ४८ ५४ कौ २१ ४५	३३	५ २२	६ ३८	२७	१४	१८	कुंभे	[÷भा.भाद्रपदारंभः
२	गु २६ २८ पू ६० ० सु ४९ ५२ ग २६ २८	१९	३२	२८	२८	१५	१९	मी४५।१०	भ.५८।२२उ.अस्तंगुरोः८।२४
३	शु ३० १७ पू १ ३६ धृ ५० १२ वि ३० १७	१५	३३	२७	२९	१६	२०	मीने	भ.३०।१७या. चतुर्थी.व्र.
४	श ३३ १ उ ६ ३८ शू ५० ० ब १ ३९	१२	३४	२६	३०	१७	२१	मीने	पूफा.बुधः४।५५
५	र ३४ ४० रे १० २५ गं ४८ ४९ कौ ३ ५०	८	३४	२६	३१	१८	२२	मे.१०।२५	चन्द्रषष्ठी
६	चं ३५ १७ अ १३ ९ बृ ४६ ३२ ग ४ ५८	४	३५	२५	१	१९	२३	मेषे	भ.३५।१७उ.वक्री अश्वि.१शनिः१२।१÷
७	मं ३४ १९ भ १४ ३८ धु ४३ २० वि ४ ४९	१	३६	२४	२	२०	२४	वृ.२९।३८	भ.४ या.तुलायांभौमः जन्मा.व्र.स्मा.
८	बु ३१ ५० कृ १४ ४० ग्या ३८ ५२ बा ३ ४	३१ ५७	३७	२३	३	२१	२५	वृषे	बुधोदयःपश्चिमायां जन्माष्टमी व्र.वै.
९	गु २७ ५२ रो १३ १४ ह ३३ १४ ग २७ ५२	५३	३७	२३	४	२२	२६	मि४१।४३	भ.५५।१५उ.पूफा.शुक्रः५३।७गोगा९
१०	शु २२ ३७ मृ १० १२ व २६ १८ वि २२ ३७	४९	३८	२२	५	२३	२७	मिथुने	भ.२२।३७या.
११	श १५ ४४ आ ६ १ सि १८ १५ बा १५ ४४	४६	३९	२१	६	२४	२८	क.४६।४७	उफा.बुधः३४।४७अजा.११व्र.
१२	र ७ ५३ पु २२ ५३ व्य १९ ५५ तै ७ ५३	४२	४०	२०	७	२५	२९	कर्के	भ.५९।३उ.वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	र ५१ १० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–गुरुः२ कुशाग्रहणी
१४	चं ४९ ३२ श्ले ४६ २९ प ४९ १२ वि २४ १७	३८	४०	२०	८	२६	३०	सिं४६।२९	भ.२४।१७या.कन्यायांबुधः४८।०
२०	मं ४० १८ म ३९ १५ शि ३८ ४१ च १४ ५५	३४	४१	१९	९	२७	३१	सिंहे	पूफा.रविः ९ (सौरः ४६)पूफा.१–

१९पं.भा.कृ.१ब्.इ. २२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	४	०	९	४
१२	६	८	१०	२	३	१६	०
०	२१	५	३५	४६	२५	२५	२३
४	५४	१३	४६	१९	३४	२९	१९
५७	३९	५	१३	७४	५	३	५७
४०	२२	५९	३२	३८	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में गुरुवार का चन्द्रदर्शन चांदी सोना लोहा ताम्बा मंदे हों रुई कपास वारदाना धान्य तेज हों।

गोचर ग्रहाः

२०पं.भा.कृ.८ब्.इ. २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	४	४	०	९	४
७	०	२०	१२	११	३	१६	७
४४	४९	५१	६	२६	१६	३	६
२८	२३	२२	४०	४२	३०	२३	४६
५७	३९	०	१३	७४	१	३	५७
४९	४७	३८	३२	३८	व.	११	४५

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५९९२स.२०२७
१	बु	३१	२४	पू	३२	१८	सि	२८	३७	किं	५	५१	३१/३०	५/४२	६/१८	१०	२८	१	कं.४५।४९	सितम्बर९ता.३०
२	गु	२३	४०	उ	२६	२२	सा	१९	१२	कौ	२३	४०	२६	४३	१७	११	२९	२	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	शु	१७	२२	ह	२२	०	शु	१०	४७	ग	१७	२२	२२	४४	१६	१२	१	३	तु.५०।४०	भ.४५/७उ.स्वात्यांभौमः२०/४रविलाखर४=
४	श	१२	५२	चि	१९	२०	शु	३/४३	५४/४१	वि	१२	५२	१८	४४	१६	१३	२	४	तुलायां	भ.१२/५२या.केचिन्मतेगणेश४ऋषिपंचमी
५	र	१०	४०	स्वा	१८	४९	ऐं	५४	५८	बा	१०	४०	१५	४५	१५	१४	३	५	तुलायां	[=हरितालिका३
६	चं	१०	३५	वि	२०	२९	वै	५२	५६	तै	१०	३५	११	४६	१४	१५	४	६	वृ.५।४	हस्तेबुधः१३।२६उफा.शुक्रः३८।१८
७	मं	१२	३०	अ	२४	२	वि	५२	५२	व	१२	३०	७	४७	१३	१६	५	७	वृश्चिके	भ.१२।३०उ.४४।२५या.
८	बु	१६	१९	ज्ये	२९	१९	प्री	५३	३१	ब	१६	१९	३	४७	१३	१७	६	८	ध.२९।१९	[×गुरुः२१/७महालयारंभः
९	गु	२१	२३	मू	३५	५९	आ	५५	१२	कौ	२१	२३	३०/५९	४८	१२	१८	७	९	धनुषि	कन्यायांशुक्रः१९।१८
१०	शु	२७	३२	पू	४३	१९	सौ	५७	३४	ग	२७	३२	५५	४९	११	१९	८	१०	धनुषि	रामदेवजी का मेला नवल दुर्गे
११	श	३३	४५	उ	५०	५६	शो	५९	५७	व	०	३८	५१	५०	१०	२०	९	११	म.०।१३	भ.०/३८उ.३३/४५या.जलझूलनी११व्र.
१२	र	४०	५	श्र	५८	२१	अ	६०	०	ब	६	५५	४७	५१	९	२१	१०	१२	मकरे	वामनजयंती
१३	चं	४६	०	ध	६०	०	अ	२	३१	कौ	१३	२	४३	५१	९	२२	११	१३	कुं.३१।५२	उफा.रविः५३/३४उदयंगुरोः२२/१२ प्रदोषः
१४	मं	५१	२	ध	५	२४	सु	४	२३	ग	१८	३१	३९	५२	८	२३	१२	१४	कुंभे	भ.५१/२उ.उफा.रविःसौरः३३/२६अनंत१४
१५	बु	५५	४	श	११	५६	धृ	५	४७	वि	२३	३	३५	५३	७	२४	१३	१५	कुम्भे	भ.२३/३या.चित्रा.बुधः४४/५२पूफा.२×

२१पं.भा.शु.१बु.इ. २१/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	४	४	०	९	४
१४	५	२	१३	२०	३	१५	१३
३०	२०	३४	३८	७	२	४१	५१
४	३५	८	६	१२	३५	८	५८
५८	४०	९८	१३	७४	२/१६	३	५७
१	१७	३७	३८	३२	व.	११	५७

२२पं.भा.शु.८बु.इ. २१/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	४	४	०	९	४
२१	९	१३	१५	२८	२	१५	२०
१७	५७	८	९	४८	४४	१८	३८
६	१४	३८	२९	२२	१७	५२	३८
५८	४०	८८	१३	७४	२/५०	३	५८
१३	४४	१७	३८	३२	व.	११	१२

२३पं.भा.शु.१५बु.इ. २१/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	४	५	०	९	४
२८	१४	२२	१६	७	२	१४	२७
५	३७	५०	४०	२९	२२	५६	२६
२८	१२	२४	५	३८	५	३७	५५
५८	४१	७५	१३	७५	३/२८	३	५८
२६	२३	५८	३२	२६	व.	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	गु	५८	१०	पू	१७	२	शू	६	३८	बा	२६	३७	३०/३१	५/५४	६/६	२५	१४	१६	मी०।४६	[+हस्तेशुक्र.२२/४२
२	शु	६०	०	उ	२१	३४	ग	६	३३	तै	२९	१०	२७	५५	५	२६	१५	१७	मीने	कन्यायांमर्कः१९।५(सौरः५८।३७)+
२	श	०	११	रे	२४	४४	वृ	५	४१	ग	०	११	२२	५६	४	२७	१६	१८	मे.२४।४४	भ.३०।३२उ.
३	र	०	५३	अ	२६	५९	ध्रु	३	५३	वि	०	५३	१८	५६	४	२८	१७	१९	मेषे	भ.०।५३या. चतुर्थी व्रतम्
४	चं	०	४६	भ	२८	११	व्या	१/३२	५६/३३	बा	०	४६	१४	५७	३	२९	१८	२०	वृ.४३।१८	[÷सौरः११/७चित्रा.शुक्रः६/२३
५	चं	५८	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–शुक्रोदयःपश्चिमायां४/४८प्रदोषः
६	मं	५७	२९	कृ	२८	४०	व	५३	५६	ग	२८	३३	९	५८	२	३०	१९	२१	वृषे	भ.१७।२९उ.तुलायांबुधः१२।३७
७	बु	५४	१९	रो	२७	४७	सि	४८	५९	वि	२५	५४	५	५९	१	३१	२०	२२	मि५६।५५	भ.२५।५४या.
८	गु	५०	२२	मृ	२६	४	व्य	४३	१६	बा	२२	२०	३०/००	६/००	६/००	१	२१	२३	मिथुने	विशा भौमः१६।४२भा.आश्विनारंभः
९	शु	४५	१६	आ	२३	२६	व	३६	४५	तै	१७	४९	२९/५६	१	५/५९	२	२२	२४	मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	श	३९	२५	पु	१९	४९	प	२९	२३	व	१२	२०	५२	२	५८	३	२३	२५	क.५।४३	भ.१२।२०उ.३९।२५या.
११	र	३२	२८	पु	१५	२३	शि	२१	२०	ब	५	५६	४८	२	५८	४	२४	२६	कर्के	इंदिरा११व्र.
१२	चं	२५	१	श्ले	१०	६	सि	१२	४१	तै	२५	१	४४	३	५७	५	२५	२७	सिं१०।६	हस्तेरविः३२/१८स्वात्यांबुधः५६/१६–
१३	मं	१७	११	म	४/१६	५४/१०	सा	३/३५	५०/५०	व	१७	११	४०	४	५६	६	२६	२८	सिंहे	भ.१७।११उ.४३।१६या.हस्तेरविः÷
१४	बु	९	२२	उ	५२	५७	शु	४५	१९	श	९	२२	३६	५	५५	७	२७	२९	कं.१२।४	सर्वपितृ३०
३०	गु	२	४	ह	४८	१३	ब्र	३६	४६	ना	२	४	३२	६	५४	८	२८	३०	कन्यायां	मातामहश्रा.नवरात्रारंभः

२४पं.आ.कृ.७बु.इ. २१/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	४	५	०	९	५
४	१९	१	१८	१६	१	१४	४
५५	२१	८	९	१०	५५	३४	१७
१९	२९	४२	४०	५५	४१	२१	२
५८	४१	६०	१३	७४	३/५२	३	५८
३८	४४	०	२६	२६	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

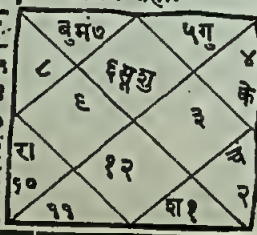

आश्विन कृष्णे २शुक्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ युवावस्था (सूती) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

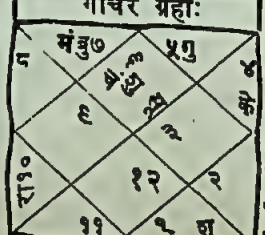

२५पं.आ.कृ.१४बु.इ. २१/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	४	५	०	९	५
११	२४	७	१९	२४	१	१४	११
४६	१०	३३	३७	५२	२६	१२	९
५२	३४	४९	५५	४८	३८	५	०
५८	४२	३८	१३	७४	४/१०	३	५९
५३	२	१	१४	२६	व.	११	०

तिथि | आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०८४ शाकः १९४९ | दि. | उ. | अ.भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽर्हगणः६०२२स.२०२७

१	गु	५३	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		[=ता.३१
२	शु	५०	५३	चि	४४	३६	ऐं	२६	१३	बा	२३	२१	२९	६	५४	९	२६	१	पूफा.३गुरुः३०चन्द्रदर्शनम् अक्टूबर१०=
३	श	४७	५६	स्वा	४२	५४	वै	२२	५३	तै	१६	२४	२३	७	५३	१०	१	२	तुलायां जमादिलातल५
४	र	४६	४७	वि	४३	३	वि	१७	५८	व	१७	२१	१९	८	५२	११	२	३	भ.२१उ.४६या.तुलायांशुक्रः२७ वृ.२८।१
५	चं	४७	५२	अ	४५	१६	प्री	१४	३१	व	१७	१६	१५	९	५१	१२	३	४	वृश्चिके [×श्रवण.१राहुःपुष्य.३केतुः३३+
६	मं	५०	५०	ज्ये	४६	१५	आ	१३	१५	कौ	१६	२१	११	१०	५०	१३	४	५	ध.४६।१५ [+शरदपूर्णिमा का.स्ना.प्रा.
७	बु	५५	२३	मू	५४	४६	सो	१२	५२	ग	२३	६	७	११	४६	१४	५	६	धनुषि भ.५५।२३उ.वक्रीबुधः३३।१६
८	गु	६०	०	पू	६०	०	शो	१३	४६	वि	२८	१६	३	११	४६	१५	६	७	धनुषि भ.२८।१६या.वृश्चिकेभौमः४२।८
८	शु	१	१०	पू	१	४८	अ	१५	३५	ब	१	१०	२९	१२	४८	१६	७	८	म.१८।३६ स्वात्यांशुक्रः५०।५२
९	श	७	२४	उ	६	११	सु	१७	५३	कौ	७	२४	५५	१३	४७	१७	८	९	मकरे [÷(सौरः४१,पापांकुशा११ब्र.
१०	र	१३	४४	श्र	१६	४५	धृ	२०	१४	ग	१३	४४	५१	१४	४६	१८	९	१०	कुं.५०।२२ भ.४६।४३उ.
११	चं	१६	४३	ध	२३	५६	शू	२२	२४	वि	१९	४३	४७	१५	४५	१९	१०	११	कुंभे भ.१६।४३या.चित्रा.रविः४।२३÷
१२	मं	२४	४७	श	३०	२६	गं	२३	५६	बा	२४	४७	४२	१५	४५	२०	११	१२	कुंभे अनु.भौमः२६।३३ प्रदोषः
१३	बु	२८	३६	पू	३५	३७	वृ	२४	३७	तै	२८	३६	३९	१६	४४	२१	१२	१३	मी१६।२० बुधास्तःपश्चिमायां२०।३२
१४	गु	३१	६	उ	३९	३७	ध्रु	२४	१६	व	३१	६	३५	१७	४३	२२	१३	१४	मीने भ.३१।६उ.कोजागरीव्र.
१५	शु	३२	५	रे	४२	२४	व्या	२२	४६	वि	१	३५	३१	१८	४२	२३	१४	१५	मे.४२।२४ भ.१।३५या.वक्रीचित्रा.बुधः३४×

२६पं.आ.शु.७बु.इ.२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	४	६	०	९	५
१८	२९	१०	२१	३	०	१३	१८
४०	२	४७	४	३४	५५	४९	२
५	२८	४६	२६	२३	३४	१०	४७
५९	४२	९	०	१२	७४	८	३	५९
९	३५	व.	५६	२०	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

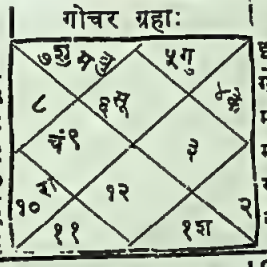

इस मास मे धान्य गेहूं जौ चावल मूग मोठ वाजरा आदि मंदे हों चांदी सोना रुई वारदाना घटवढ़ लेकर तेज हो।

गोचर ग्रहाः

२७पं.आ.शु.१३बु.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	४	६	०	९	५
२५	३	८	२२	१२	०	१३	२४
३४	५८	३४	२९	१६	२२	२७	५८
५९	४८	२३	२०	४१	४८	३४	२९
५५	४२	५५	१२	७४	८	३	५९
२१	१२	व.	३२	१४	व.	११	३

तिथि | कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९ | दि. | उ. | अ.भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.

१	शं	३१	५६	अ	४३	४२	ह	२०	२५	बा	२	०	२७	६	५९	५	४१	२४	१५	१६	मेषे
२	र	३०	३२	भ	४३	४८	व	१६	५२	तै	१	१४	२३	१९	४१	२५	१६	१७	वृ.५८।३८ भ.५९उ.तुलायामर्कः४९पूफा.४गुरुः५९
३	चं	२८	१७	कृ	४३	८	सि	१२	३२	वि	२८	१७	२०	२०	४०	२६	१७	१८	वृषे भ.१७या.तुलार्कःसौरः२९वक्री मीने–
४	मं	२५	०	रो	४१	४०	व्य	७	४२	बा	२५	०	१६	२१	३९	२७	१८	१९	वृषे विशा.शुक्रः४।०
५	बु	२१	१३	मृ	३९	३५	व	२	५३	तै	२१	१३	१२	२२	३८	२८	१९	२०	मि१०।३७ वक्रीकन्यायांबुधः५६।५४
६	गु	१७	५	आ	३७	१२	शि	४९	२६	व	१७	५	८	२२	३८	२९	२०	२१	मिथुने भ.१७।५उ.४४।५१या.
७	शु	१२	३७	पु	३४	२०	सि	४३	४	ब	१२	३७	४	२३	३७	३८	२१	२२	क.२०।३ [–रेवती.४शनिः३०करकचतुर्थी व्र.
८	श	७	४६	पु	३१	७	सा	३५	५८	कौ	७	४६	०	२४	३६	१	२२	२३	कर्के भा.कार्तिकारंभः
९	र	२	२६	श्ले	२७	२३	शु	२९	४२	ग	२	२६	२७	२५	३५	२	२३	२४	सि२७।२३ भ.३९उ.५६या.स्वात्यांरविः३०५५
१०	र	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	सिंहे
११	चं	५०	५०	म	२४	३२	शु	२१	७	ब	२३	४६	५३	२५	३५	३	२४	२५	स्वात्यांरविःसौरः५२८रमा११ब्र.स्मा.
१२	मं	४५	०	पू	१९	२०	ब्र	१३	२०	कौ	१७	५५	४९	२६	३४	४	२५	२६	बुधोदयःपूर्वस्यां३१७रमा११ब्र.वै.
१३	बु	३९	१९	उ	१५	२३	ऐं	५४	३३	ग	१२	१०	४५	२७	३३	५	२६	२७	क.३३।२१ भ.१९उ.वृश्चिकेशुक्रः३६प्रदोषःधन१३ कन्यायां
१४	गु	३४	२१	ह	११	४९	वि	५१	२३	वि	६	५०	४१	२८	३२	६	२७	२८	तु.४०।२४ भ.५०या.मार्गीबुधः४३रूप१४
२०	शु	३०	८	चि	८	५९	प्री	४६	११	च	२	१४	३७	२९	३१	७	२८	२९	तुलायां महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.५बु.इ.२०५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	४	६	११	९	६
२	८	०	२३	२०	२९	१३	१
३९	५८	५४	४९	५८	४९	५	५५
२३	१६	१८	५५	१	५	१९	५३
५९	४३	८९	१२	७४	४०	३	५९
३४	७	व.	१४	७	व.	११	४६

गोचर ग्रहाः

कार्तिक कृष्णे २ रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा३न५प्रगत्भावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

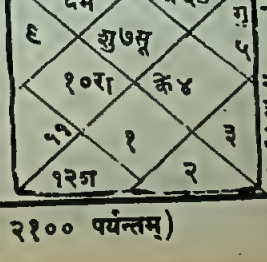

२९पं.का.कृ.१३बु.इ.३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	४	६	११	९	६
९	१४	२५	२५	२९	२९	१२	८
२९	१	२९	८	३९	१६	४३	५५
३८	४४	३१	२८	४७	१२	३	१३
५९	४३	१४	११	७४	४	३	६०
४७	४४	व	४०	१	च.	११	२

(विक्रम सं. २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०५१ सं. २०२७
१	श २७ २६ स्वा ७ ५ आ ४० ५ ब २७ २६	२७	६	५	८	२९	३०	वृ. ५२।४	अनु. शुक्रः १३ ज्येष्ठा. भौमः ५९ अन्नकूटं=
२	र २६ १८ वि ७ ३ सौ २६ ९ कौ २६ १८	३०	३०	३०	९	३०	३१	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् भ्रातृयमद्वि
३	चं २६ ५४ अ ८ २२ शो ३३ ४० ग २६ ५४	२७	३१	२९	१०	१	१	वृश्चिके	भ. ५९ उ. नवम्बर ११ ता. ३० जमादि-५
४	मं २९ २५ ज्ये ११ २९ अ ३२ २९ वि २९ २५	२३	३१	२९	११	२	२	ध. ११।२९	भ. २९।२५ या. [५ लाख र ६
५	बु ३३ २८ मू १६ ४ सु ३२ ३० ब १ २६	१९	३२	२८	१२	३	३	धनुषि	[=गोवर्द्धनपूजा
६	गु ३८ ५५ पू २२ २३ धृ ३३ ५९ कौ ६ ११	१६	३३	२७	१३	४	४	म. ३९।६	उफा. १ गुरुः ५०।६
७	शु ४५ १ उ २९ १४ शू ३५ ३४ ग ११ ५८	१२	३४	२६	१४	५	५	मकरे	भ. ४५।१ उ. तुलायां बुधः ४४।५२
८	श ५१ २१ श्र ३६ ५३ गं ३७ ५५ वि १८ ११	९	३४	२६	१५	६	६	मकरे	भ. १९ या. विशा. रविः ५५ गोपाष्टमी
९	र ५७ ३९ ध ४४ ११ वृ ४० ११ बा २४ ३०	५	३५	२५	१६	७	७	कुं. १०।३२	विशा. रविः सौरः २३।५१ अक्षय९
१०	चं ६० ० श ५१ १२ ध्रु ४२ ३ तै २९ ५०	२	३६	२४	१७	८	८	कुंभे	[+प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसीविवाह
१०	मं २ २ पू ५६ ५३ व्या ४३ ५ ग २ २	२६ ५८	३६	२४	१८	९	९	मी ४०।२८	भ. ३४।३३ उ.
११	बु ७ ४ उ ६० ० ह ४२ ५६ वि ७ ४	५५	३७	२३	१९	१०	१०	मीने	भ. ७ या. स्वात्यां बुधः ५१ ज्येष्ठा. शुक्रः १४० +
१२	गु ९ ३२ उ ० ४४ व ४१ ४६ बा ९ ३२	५२	३८	२२	२०	११	११	मीने	प्रदोषः
१३	शु १० १८ रे ३ ४३ सि ३९ २ तै १० १८	४९	३८	२२	२१	१२	१२	मे. ३।४३	वैकुंठ १४
१४	श ९ २३ अ ४ ४४ व्य ३४ ५९ व ९ २३	४५	३९	२१	२२	१३	१३	मेषे	भ. ९।२३ उ. ३८।६ या.
१५	र ६ ५० भ ४ १३ व २९ ४७ ब ६ ५०	४२	४०	२०	२३	१४	१४	वृ. १८।४७	मन्वादिः का. स्ना. पू.

३०पं.का.शु.५बु.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	४	७	११	९	६
१६	१९	२७	२६	८	२८	१२	१५
२९	७	४२	२३	२१	४४	२०	५६
२०	५२	५०	३१	१४	२८	४७	१७
६०	४४	५६	११	७३	४	३	६०
४	०	मा	१	५४	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं धान्य धातु गल्ला रसकस गुड़ शक्कर आदि तेज हों प्रजा में महामारी फैले।

गोचर ग्रहाः

३१पं.का.श.११बु.इ. २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	४	७	११	९	६
२३	२४	६	२७	१७	२८	११	२२
३०	१८	९	२३	२	१४	५८	५८
४०	४	२९	१८	४२	३१	३२	४९
६०	४४	८४	१०	७३	५८	३	६०
१७	११	१५	२२	१०	व.	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततौ रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	चं ३ ११ कृ २ २८ ५७ प २३ ४३ कौ ३ ११	३६	६	५	२४	१५	१५	वृषे	
२	चं ५५ १७ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[ऽचतुर्थीव्र.
३	मं ५३ ४ मृ ५६ १ शि १५ ५५ व २५ ४६	३६	४१	१९	२५	१६	१६	मि २७।४८	भ. ३५ उ. ५३ या. वृश्चिकेऽर्कः ४९
४	बु ४७ ३३ आ ५२ २३ सि ९ ३५ व २० १८	३३	४१	१९	२६	१७	१७	मिथुने	वृश्चिकेऽर्कः सौरः १७ मूलेधनुषिभौमः ५८;
५	गु ४१ ५४ पु ४८ २८ सा ३ ५३ कौ १४ ४३	३०	४२	१८	२७	१८	१८	क. ३४।२७	बुधास्तः पूर्वस्यां ४६।१४
६	शु ३६ ३७ पु ४४ ४६ शु ४७ १४ ग ९ १५	२७	४३	१७	२८	१९	१९	कर्के	भ. ३६। ३७ उ. विशा. बुधः २४। १७
७	श ३१ २६ श्ले ४१ ३८ ब्र ३९ ४८ वि ४ १	२५	४३	१७	२९	२०	२०	सिं ४१।३८	भ. ४ या. अनु. रविः ५ (सौरः ३३) मूले÷
८	र २६ २१ म ३८ ० ऐं ३२ ३४ कौ २६ २१	२२	४४	१६	३०	२१	२१	सिंहे	[÷धनुषिशुक्रः ४९
९	चं २१ ४० पू ३४ ५८ वै २५ २६ ग २१ ४०	१९	४४	१६	१	२२	२२	कं. ४९।१९	भ. ४९।÷९ उ. भा. मार्गशीर्षारंभः
१०	मं १७ १८ उ ३२ २१ वि १९ ५ वि १७ १८	१७	४५	१५	२	२३	२३	कन्यायां	भ. १७।१८ या.
११	बु १३ २२ ह ३० १७ प्री १२ ५३ बा १३ २२	१४	४५	१५	३	२४	२४	तु. ५९।३४	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	गु १० ५ चि २८ ५० आ ७ १३ तै १० ५	१२	४६	१४	४	२५	२५	तुलायां	वृश्चिकेबुधः ४१।५३ प्रदोषः
१३	शु ७ २९ स्वा २८ ४ सौ १ ५५ व ७ २९	९	४६	१४	५	२६	२६	तुलायां	भ. ३९ उ. ३५ या. उफा. २ कन्यायांगुरुः ४७
१४	श ६ १ वि २८ २६ अ ५४ १२ श ६ १	७	४७	१३	६	२७	२७	वृ. १३।२०	अनु. बुधः ५८।२
१५	र ५ ४४ अ ३० ३ सु ५१ ४० ना ५ ४४	५	४७	१३	७	२८	२८	वृश्चिके	

३२पं.मा.कृ.४बु.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	४	७	११	९	७
०	२९	१६	२८	२५	२७	११	०
३३	३१	४५	३८	४४	४८	३६	२
२२	४८	१४	४९	१०	४	१६	५३
६०	४४	९३	९	७३	३	३	६०
३०	२६	५७	३७	४१	व.	११	४०

गोचर ग्रहाः

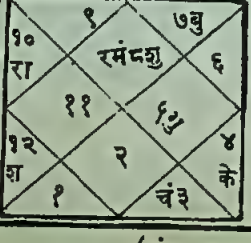

मार्गशीर्षकृष्णे ३भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

३३पं.मा.कृ.११बु.इ. १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	४	८	११	९	७
७	४	२७	२९	४	२७	११	७
३७	४६	४७	३८	२४	२४	१४	८
१६	१९	२४	२०	५४	५०	१	२६
६०	४४	९६	८	७३	५	३	६०
४२	३७	४७	४६	२९	व.	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०८१ स. २०२७
१	चं	६	४४	ज्ये	३३	८	धृ	५०	३४	ब	६	४४	२६/२	६/४८	५/१२	८	२९	२९	ध.३३।८	
२	मं	९	३१	मू	३७	३०	शू	४९	५८	कौ	९	३१	०	४८	१२	९	३०	३०	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	बु	१३	२८	पू	४३	१९	गं	५०	४२	ग	१३	२८	२५/५८	४८	१२	१०	१	१	म.५९।५७	म.४६।७उ.पूषा.शुक्रः३१।२०दिसम्बर+
४	गु	१८	४६	उ	४९	५३	वृ	५२	१	वि	१८	४६	५६	४९	११	११	२	२	मकरे	भ.१८।४६या.पातमोक्षः१३।३१
५	शु	२४	४४	श्र	५७	१७	ध्रु	५४	१८	बा	२४	४४	५४	४९	११	१२	३	३	मकरे	ज्येष्ठा.रविः१५।२०(सौरः४१।५१)
६	श	३१	६	ध	६०	०	व्या	५६	३८	तै	३१	६	५३	४९	११	१३	४	४	कुं.३१।३	चंपा ६
७	र	३७	४०	ध	४	५०	ह	५८	४२	ग	४	२३	५१	५०	१०	१४	५	५	कुम्भे	भ.३७।४०उ.पूषा.भौमः३२।७
८	चं	४३	३२	श	१२	११	व	६०	०	वि	१०	३६	४९	५०	१०	१५	६	६	कुंभे	भ.१०।३६या.ज्येष्ठाबुधः२४।२
९	मं	४८	१३	पू	१८	४५	व	०	२५	बा	१५	५२	४८	५०	१०	१६	७	७	मी२।७	[+१२ता.३१रज्जव७पातस्पर्शः५३।३१
१०	बु	५१	२०	उ	२३	५८	सि	१	६	तै	१९	४६	४६	५१	९	१७	८	८	मीने	
११	गु	५२	३२	रे	२७	३२	व्य	०/३१	५७/५९	व	२१	५६	४५	५१	९	१८	९	९	मे.२७।३२	भ २१।५६उ.५२।३२या.मोक्षदा११ ×
१२	शु	५१	४४	अ	२९	४	प	५५	१	ब	२२	८	४४	५१	९	१९	१०	१०	मेषे	[×व्र.गीताजयंती
१३	श	४९	९	भ	२८	४६	शि	४९	५७	कौ	२०	२६	४३	५१	९	२०	११	११	वृ.४३।१३	प्रदोषः
१४	र	४४	५०	कृ	२६	३४	सि	४३	२६	ग	१६	५९	४२	५१	९	२१	१२	१२	वृषे	भ.४४।५०उ.उषा.शुक्रः१४।२५
१५	चं	३८	५८	रो	२२	५९	सा	३५	४९	वि	११	५४	४१	५१	९	२२	१३	१३	मि५०।३७	भ.११।५४या.दत्तजयंती

३४पं.मा.शु.३बु.इ.१९।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	५	८	११	९	७
१४	१०	८	०	१३	२७	१०	१४
४२	४	५०	३१	५	५	५१	१५
२९	३०	१०	५२	३१	३५	४५	१२
६०	४५	९८	७	७३	१६	३	६१
५०	२	२०	४७	२०	व	११	३

गोचर ग्रहाः

९ चंमंशु ७ ६ गु ८ सू बु १० रा ११ २ ५ ४ के १२ श १ ३

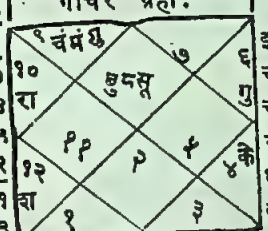

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा रस गुड सक्कर चीनी धान्य गल्ला में तेंजी करे।

गोचर ग्रहाः

९ शुमं ७ ६ गु ८ सू बु रा १० ११ ५ ४ के चं १२ श २ १ ३

३५पं.मा.शु.१०.बुइ.१९/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	५	८	११	९	७
२१	१५	१९	१	२१	२६	१०	२१
४८	२६	५१	१७	४५	५१	२९	२२
३२	०	७	४९	२२	२९	२९	५३
६०	४५	९९	६	७३	१/४०	३	६१
५६	१४	३०	४०	१२	व	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः स० २०८४ शाकः १९४९												दि	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेतिमहा.
१	मं	३२	४	मृ	१८	१४	शु	२७	१४	बा	५	३१	२५/४०	६/५२	५/८	२३	१४	१४	मिथुने	मूलेधनुषिबुधः४७।२३मकरेशुक्रः५९।२
२	बु	२४	५६	आ	१२	५५	शु	१८	१७	ग	२४	५६	३९	५२	८	२४	१५	१५	क.५३।४३	भ.५१।८उ.पातस्पर्श३४।५पातमोक्ष५३/५२
३	गु	१७	२१	पु	७	१९	ब्र	९	९	वि	१७	२१	३९	५२	८	२५	१६	१६	कर्क	भ.१७/२१या.मूलेधनुष्यर्कः२२/३५(सौरः४५/४१)+
४	शु	१०	१४	पु	१/५०	५४/५६	ऐं	००/१०	५१/१४	बा	१०	१४	३८	५२	८	२६	१७	१७	सिं५६।४६	वक्रीरेवती३शनिः३७/३३उषा.४राहुःपुष्यः=
५	श	३	३५	म	५२	२५	वि	४३	२२	तै	३	३५	३८	५२	८	२७	१८	१८	सिंहे	भ.५७।३९उ. [+चतुर्थीव्र.
६	श	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=२केतुः३५।१७
७	र	५२	३८	पू	४९	४	प्री	३५	४१	वि	२५	८	३७	५३	७	२८	१९	१९	सिंहे	भ.२५।८या.
८	चं	४८	३१	उ	४६	२९	आ	२८	५१	बा	२०	३४	३७	५३	७	२९	२०	२०	कं.३।२५	
९	मं	४५	१७	ह	४४	४७	सौ	२२	५९	तै	१६	५४	३६	५३	७	३०	२१	२१	कन्यायां	
१०	बु	४३	८	चि	४४	४	शो	१७	४१	व	१४	१३	३६	५३	७	१	२२	२२	तु.१४।२५	भ.१४/१३उ.४३/८या.उषाःभौमः५३/५भा.पौषा.
११	गु	४१	५३	स्वा	४४	२२	अ	१३	२३	ब	१२	३०	३६	५३	७	२	२३	२३	तुलायां	पूषा.बुधः७।२०श्रवणेशक्रः७।८मार्गी ×
१२	शु	४१	४२	वि	४५	४५	सु	९	४६	कौ	११	४७	३६	५३	७	३	२४	२४	वृ.३०।२४	[×शनि.सफला११व्र.
१३	श	४२	४६	अ	४८	१४	धृ	७	८	ग	१२	१४	३७	५३	७	४	२५	२५	वृश्चिके	प्रदोषः
१४	र	४४	४९	ज्ये	५१	५२	शू	५	१४	वि	१३	४७	३७	५३	७	५	२६	२६	ध.५१।५२	भ.४२।४६उ.
३०	चं	४८	१५	मू	५६	३४	गं	४	३२	च	१६	३२	३७	५३	७	६	२७	२७	धनुषि	भ.१३।४७या.मकरेभौमः६।५३

३६पं.पौ.कृ.२बु.इ. १९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	५	९	११	९	७
२८	२०	०	१	०	२६	१०	२८
५५	४८	५२	५७	२४	४२	७	३१
२६	४३	४४	४	२२	०	१४	३६
६१	४५	९९	५	७२	५२	३	६१
०	२८	५०	४०	५४	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

बुमं९ ७ ६ गु रा शु १० ८ ११ ५ के४ १२ श २ १ ३च

पौषकृष्णे३ गुरौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा ३न. ४बालावस्था(बैठी) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

१० राशु ८ मं ७ चं ११ सू बु ९ १२श ६गु ९ ३ ५ २ ४के

३७पं.पौ.कृ.१०बु.इ.१८/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	५	९	११	९	८
६	२६	१२	२	९	२६	९	५
३	१३	०	२८	१	३८	४४	४१
०	५५	२५	३७	४१	२०	५८	१
६१	४५	९९	४	७२	११	३	६१
४	५०	२०	२६	३६	व	११	२२

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पोष शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९													वि.	उ.	न्न.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽह्नर्गणः६११०स.२०२७
१	मं	५२	३१	पू	६०	०	बृ	४	१४	कि	२०	२३	२५ ३८	५३	६	५	७	२८	२८	धनुषि	
२	बु	५८	१	पू	२	२०	शु	५	२	बा	२५	१६	२८	५२	८	८	२९	२९		म.१८।५८	पूषा.रविः३७(सौरः४५)रेवती.४शनिः×
३	गु	६०	०	उ	८	५३	ब्या	६	२२	तै	३०	५९	३९	५२	८	९	१	३०		मकरे	सावान८ [×२७।२१चंद्रदर्शनम्
३	शु	३	५८	श्र	१६	७	ह	८	१६	ग	३	५८	४०	५२	८	१०	२	३१		कु.४९।५४	भ.३७।१५उ.उषा.बुधः२३।२२
४	श	१०	३२	ध	२३	४१	व	१०	३१	वि	१०	३२	४१	५२	८	११	३	१		कुंभे	भ.१३या.जनवरी१ता ३१सन्२०२८
५	र	१७	११	श	३१	२६	सि	१२	४९	बा	१७	११	४२	५२	८	१२	४	२		कुंभे	मकरेबुधः२९।१९धनि.शुक्रः५६।४३
६	चं	२३	२५	पू	३८	३८	व्य	१५	३	तै	२३	२५	४३	५१	९	१३	५	३		मि२१।५०	बुधोदयःपश्चिमायां१५।३७
७	मं	२८	४१	उ	४४	४३	व	१६	२५	व	२८	४१	४४	५१	९	१४	६	४		मीने	भ.२८।४१उ.अस्तोभौमः४४।६
८	बु	३२	४३	रे	४९	३९	प	१६	५४	वि	०	४२	४५	५१	९	१५	७	५		मे.४९।३९	भ.०।४२या.
९	गु	३४	५८	अ	५२	४४	शि	१६	११	बा	३	५०	४७	५१	९	१६	८	६		मेषे	
०	शु	३५	१९	भ	५३	४६	सि	१३	५५	तै	५	८	४८	५०	१०	१७	९	७		मेषे	[÷शुक्रः३९श्रवणेभौमः५२पुत्रदा११व्र.
११	श	३३	२७	कृ	५२	४५	सा	९	५९	व	४	२३	५०	५०	१०	१८	१०	८		वृ.८।३१	भ.२३उ.३३या.श्रवणेबुधः४६।१कुंभे ÷
१२	र	२९	४१	रो	४९	५९	शु	३५	५४	ब	१	३४	५२	५०	१०	१९	११	९		वृषे	
१३	चं	२३	५८	मृ	४५	५	ब्र	४८	५४	तै	२३	५८	५३	४९	११	२०	१२	१०		मि१७।३२	प्रदोषः
१४	मं	१६	३५	आ	३९	१०	ऐं	३९	२१	व	१६	३५	५५	४९	११	२१	१३	११		मिथुने	भ.१६उ.४२या.उषा.रविः३२(सौरः४६
१५	बु	८	२५	पु	३२	२१	वै	२९	५	ब	८	२५	५७	४९	११	२२	१४	१२		क.१९।३	मा.स्ना.प्रा.

३८पं.पो.श.२वु.इ.१८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	५	९	११	९	८
१३	१	२३	२	१७	२६	९	१२
१०	४०	१४	५१	३६	३९	२२	५०
५९	५२	३१	४	५८	५४	४३	५३
६१	४५	९८	३	७२	४३	३	६१
६	५३	५८	१३	१८	मा	११	२६

३९पं.पो.शु.८वु.इ.१८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	५	९	११	९	८
२०	७	४	३	२६	२६	९	२०
१९	१०	२९	४	१०	४७	०	००
५	१९	४७	५९	२३	२	२७	५०
६१	४५	९५	१	७२	१	३	६१
६	५५	३४	४२	०	२३	११	२६

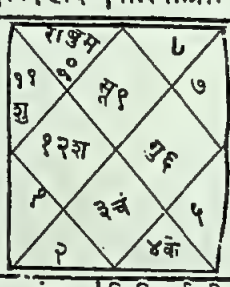

४०पं.पो.शु.१५वु.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	५	१०	११	९	८
२७	१२	१५	३	४	२६	८	२७
२७	३९	९	९	४०	५८	३८	१०
७	४७	४०	४	४८	५९	११	४५
६१	४६	८४	०	७१	२	३	६१
६	८	४१	२९	३६	५	११	२४

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९													वि.	उ.	न्न.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पोष कृष्णेतिमहा.
१	बु	५१	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५०	३८	पु	२५	८	वि	१८	३३	तै	२५	४	२५ ५९	४९	१२	५	२३	१५	१३	कर्के	शतेशुक्रः५७।५१
३	शु	४१	५९	श्ले	१८	१५	प्री	५१	५९	व	१६	१८	२६ ३	३८	१२	२४	१६	१४		सिं१८।१५	भ.१६उ.५१या.मकरेऽर्कः४८वक्रीगुरुः३७
४	श	३४	०	म	११	५६	सौ	४९	१	ब	७	५९	४	४७	१३	२५	१७	१५		सिंहे	मकरेऽर्कःसौरः४।१३चतुर्थीव्र.
५	र	२७	१७	पू	६	२६	शो	४०	४०	कौ	०	३८	६	४७	१३	२६	१८	१६		कं.२०।२५	[=३४।३४) भा.माघारंभः
६	चं	२२	१	उ	२३	५७	अ	३३	३२	व	२२	१	८	४६	१४	२७	१९	१७		कन्यायां	भ.२२।१उ.५०।०या.
७	मं	१७	५८	चि	२३ ५८	२३	सु	२७	३९	ब	१७	५८	११	४६	१४	२८	२०	१८		तु.२९।१	[×(सौरः५२।३०) वक्रीबुधः१३।३९
८	बु	१५	४४	स्वा	५८	३९	धृ	२२	५२	कौ	१५	४४	१३	४५	१५	२९	२१	१९		तुलायां	धनि.बुधः१६पातस्पर्शः३९पातमोक्षः५५
९	गु	१४	४१	वि	६०	०	शू	१९	२३	ग	१४	४१	१६	४५	१५	३०	२२	२०		वृ.४४।५६	भ.४४।५९उ.
१०	शु	१५	१६	वि	०	२२	गं	१६	५९	वि	१५	१६	१९	४४	१६	१	२३	२१		वृश्चिके	भ.१५या.अभि.प्र.रविः२३।१४(सौरः=
११	श	१७	८	अ	३	३१	मृ	१५	४३	बा	१७	८	२१	४४	१६	२	२४	२२		वृश्चिके	षट्तिला११व्र.
१२	र	२०	७	ज्ये	७	३६	धु	१५	३५	तै	२०	७	२४	४३	१७	३	२५	२३		ध ७।३६	प्रदोषः
१३	चं	२४	२७	मू	१२	५०	ष्या	१५	४४	व	२४	२७	२७	४३	१७	४	२६	२४		धनुषि	भ.३४उ.५६या.श्रवणेरविः३७।५१ ×
१४	मं	२९	२४	पू	१८	५३	ह	१६	४६	श	२९	२४	२९	४२	१८	५	२७	२५		म.३५।३७	अभि.नि.रविः३०।६(सौरः४२।४७)+
३०	बु	३५	८	उ	२५	५०	च	१८	२०	च	२	१६	३२	४२	१८	६	२८	२६		मकरे	[+पूभा.शुक्रः१।४धनि.भौमः५०।२१

४१प. मा.कृ. ८वु.इ. १८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	१०	११	९	९
४	१८	२३	३	१३	२७	८	४
३४	१०	२२	४	८	१६	१५	२०
१९	५५	१६	२६	२४	४१	५६	११
६१	४६	५३	५	७१	२	३	६१
३	१८	४०	ब	११	४६	११	२९

गोचर ग्रहाः

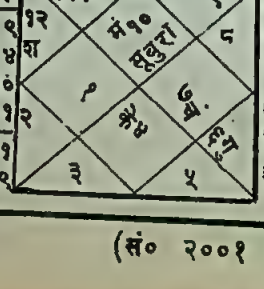

माघ कृष्णे ३ शुक्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न. ३ बालावस्था (बैठी)मु ३० धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४२पं.मा.कृ.३०बु.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	१०	११	९	९
११	२३	२५	२	२१	२७	७	११
४२	४१	५८	५०	३१	३९	५३	२९
२९	५३	८	६	३४	०	४०	:२
६०	४६	३३ ४५	२	७०	३	३	६१
५९	२०	व.	व	४७	३२	११	१३

=म राचंशु

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽर्हगणः६१४०स.२०२८
१	गु ४१ १७ श्र ३२ ५९ सि २० १० कि ८ १२	३६ ३५	४६	१९	७	२९	२७	मकरे	बुधास्तःपश्चिमायां१२।५३
२	शु ४७ ४३ ध ४० ३८ व्य २२ ३७ बा १४ ३०	३८	४०	२०	८	३०	२८	कु.६।४९	चंद्रदर्शनम्
३	श ५४ २५ श ४८ ११ व २४ ५२ तै २१ ४	४१	४०	२०	९	१	२९	कुंभे	रमजानह
४	र ६० ० पू ५५ ४२ प २६ ५५ व २७ ३३	४५	३९	२१	१०	२	३०	मी३८।४९	भ.२७।३३उ.वक्रीश्रवणेबुधः६।०
५	चं ० ४१ उ ६० ० शि २८ ४३ वि ० ४१	४८	३८	२२	११	३	३१	मीने	भ.०।४१या.
६	मं ६ १७ उ २ १४ सि ३० ३ बा ६ १७	५१	३८	२२	१२	४	१	मीने	फर्वरी२ता.२९वसंत५
७	बु १० ४२ रे ७ ५८ सा ३० २० तै १० ४२	५४	३७	२३	१३	५	२	मे.७।५८	मीनेशुक्रः२६।४९
८	गु १३ ४६ अ १२ २३ शु २९ १४ व १३ ४६	५८	३६	२४	१४	६	३	मेषे	भ.१३।४६उ.४४।३२या.कुंभेभौमः×
९	शु १५ १९ भ १५ १३ शु २६ ५५ व १५ १९	२७ १	३६	२४	१५	७	४	वृ.३०।२६	भीष्माष्टमी
१०	श १३ ५८ कृ १६ ५ ब्र २२ ५९ को १३ ५८	५	३५	२५	१६	८	५	वृषे	उभा.शुक्रः१८।१०
११	र १२ ३४ रो १४ ५६ ऐं १७ ३४ ग १२ ३४	८	३४	२६	१७	९	६	मि४३।२६	भ.३९उ.घनि.रविः४६ (सौरः५७।२०)
१२	चं ८ १० मृ ११ ५६ वै १० २५ वि ८ १०	१२	३४	२६	१८	१०	७	मिथुने	भ.८।१०या.जया११व्र.
१३	मं १ ४० आ ६ ५८ वि ५८ ५९ बा १ ४०	१५	३३	२७	१९	११	८	क.४७।१८	बुधोदयःपूर्वस्यां२७।७प्रदोषः
१४	मं ५२ २२ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×१६।३२भानु७रथ७
१५	बु ४५ १ पु ४४ ४१ ५३ आ ४१ ३७ ग १९ ३१	१९	३२	२८	२०	१२	९	कर्के	भ.४५।१उ.
१६	शु ३५ २२ श्लें ४५ ३२ सौ ३० ३७ वि १० ११	२३	३१	२९	२१	१३	१०	सिं४५।३२	भ.१०।११या.मा.स्ना.पूर्तिः

४३पं.मा.शु.६बु.इ.१८।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	१०	११	९	९
१८	२९	१८	२	२९	२८	७	१८
४९	१५	४५	२७	५०	५	३१	३७
१	२४	४७	२२	४६	५३	२५	९
६०	४६	६५	४९	७०	४	३	६१
५५	२२	व.	वि	७०	८	११	४

गोचर ग्रहाः

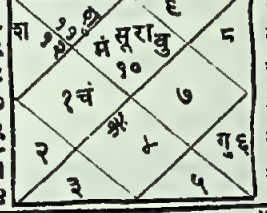

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मक्का ज्वार में मंदी होवे रसकस सोनः चांदी रुई तेज होवे ।

गोचर ग्रहाः

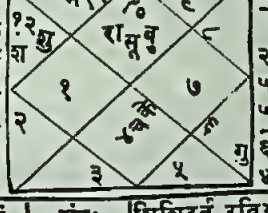

४४पं.मा.श.१४बु.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	५	११	११	९	९
२५	४	११	१	८	२८	७	२५
५४	४६	२०	५५	४	३७	९	४३
५०	१	२०	५९	१६	२३	९	५६
६०	४६	६९	५९	६९	४	३	६०
४७	२२	व	व	१०	४४	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	शु २५ ३६ म ३७ ४१ शो १९ २९ बा ० २९	३७	३६	२९	२२	१४	११	सिंहे	शतेभौमः४६।२९
२	श १६ ८ पू ३० १३ अ ३८ ४९ ग १६ ८	४९	३०	३०	२३	१५	१२	कं.४३।४१	भ.४१।४७उ.
३	र ७ २६ उ २४ ६ धृ ४९ ४० वि ७ २६	३४	२९	३१	२४	१६	१३	कन्यायां	भ.२९या.कुंभेऽर्कः३१ सौरः३१ चतु.व्र.
४	चं ० ५ ह १९ १३ शू ४१ ५५ बा ० ५	३८	२८	३२	२५	१७	१४	तु.४७।४५	
५	चं ५४ १८ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	मं ५० ४० चि १६ १६ गं ३५ ४३ ग २२ ३१	४२	२८	३२	२६	१८	१५	तुलायां	भ.५०।४०उ.मार्गीबुधः३३।३४
७	बु ४८ ३८ स्वा १५ ५ वृ ३१ २ वि १९ ३९	४५	२७	३३	२७	१९	१६	तुलायां	भ.१९।३९या.रेवत्याशुक्रः४६।२१
८	गु ४८ ४४ वि १५ ४० धु २७ ५३ चा १८ ४१	४९	२६	३४	२८	२०	१७	वृ.०।३१	
९	शु ५० ३३ अ १८ १८ व्या २६ १० तै १९ ३८	५३	२५	३५	२९	२१	१८	वृश्चिके	उषा.३राहुःपुष्य.१केतुः२८।५७
१०	श ५३ ४९ ज्ये २२ २२ ह २५ ४२ व २२ ११	५६	२५	३५	३०	२२	१९	ध.२२।२२	भ.२२।११उ.५३।४९या.शतेरविः५३ ३८
११	र ५८ ३१ मू २७ ४३ व २६ ३४ ब २६ १०	२८ ०	२४	३६	१	२३	२०	धनुषि	शतेरविःसौरः५ ०भा.फाल्गुनारंभः =
१२	चं ६० ० पू ३४ ५ सि २७ ४७ कौ ३१ १३	४	२३	३७	२	२४	२१	म.५०।५४	[=विजया११व्र.
१२	मं ३ ५६ उ ४१ १९ व्य २९ ४७ तै ३ ५६	८	२२	३८	३	२५	२२	मकरे	प्रदोषः
१३	बु १० ९ श्र ४८ ४१ व ३१ ४७ व १० ९	१२	२२	३८	४	२६	२३	मकरे	भ.१९उ.४३या.महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१४	गु १६ २३ ध ५६ १३ प ३४ १२ श १६ २३	१६	२१	३९	५	२७	२४	कुं.२२।२७	अश्वि.१मेषेशनिः५१ ०महाशिवरात्रीव्र.वै.
१५	शु २२ ४९ श ६० ० शि ३६ २० ना २२ ४९	२०	२०	४०	६	२८	२५	कुम्भे	

४५पं फा.कृ.७बु.इ ९ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	५	११	११	९	१०
२	१०	९	१	१६	२९	६	२
५९	१७	५३	१७	९	१२	४६	५९
४२	२	५६	२८	४	१४	५३	५९
६०	४६	५५	६	६८	५	३	६०
३७	२२	मा	व.२५	७	११	४२	

गोचर ग्रहाः

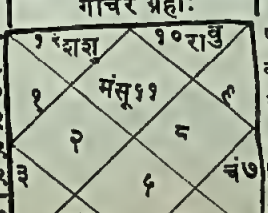

फाल्गुन कृष्ण ३ रवौ कुभेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न.· ३ बालावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४६पं.फा.श.१३बु.इ.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	५	११	११	९	१०
१०	१५	१२	०	२४	२९	६	९
३	४९	२४	३१	१०	५१	२४	५४
१४	३७	२५	५५	२६	२९	३८	३२
६०	४६	४०	५	६७	५	३	६०
२५	२७	१५	व	२२	३५	११	३१

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गण६१७०सं.२०२८
१	श	२९	१०	श	३	४५	सि	३८	३३	व	२९	१०	३४	१९	५१	७	२९	३६	मी५४।७	
२	र	३५	४	पू	१०	५४	सा	४०	२३	बा	२	७	२८	१८	४२	८	३०	२७	मीने	यक्रीउफा.१सिंहेगुरुः५७चंद्रदर्शनम् ÷
३	चं	४०	९	उ	१७	३४	शु	४१	१४	तै	७	३६	३२	१८	४२	९	१	२८	मीने	अश्वि.मेषेशुक्रः३८पूभा.भौमः३५ –
४	मं	४४	३३	रे	२३	१८	शु	४१	४४	व	१२	२१	३६	१७	४३	१०	२	२९	मे.२३।१८	भ.१२।२१उ.४४।३३या.
५	बु	४७	४४	अ	२८	८	ब्र	४१	३४	ब	१६	८	४०	१६	४४	११	३	१	मेषे	मार्च३ता.३१
६	गु	४९	४६	भ	३१	४७	ऐं	४०	८	को	१८	४५	४४	१५	४५	१२	४	२	वृ.४७।२०	[–सव्वाल१०पातस्पर्शः६।८पातमोक्षः१५४
७	शु	५०	१४	कृ	३४	०	वै	३७	३१	ग	२०	०	४८	१४	४६	१३	५	३	वृषे	भ.५०।१४उ.[÷फुलरिया२
८	श	४९	९	रो	३४	४३	वि	३३	४५	वि	१९	४१	५२	१४	४६	१४	६	४	वृषे	भ.१९।४१या.पूभा.रविः१३।४२सौरः÷
९	र	४६	२२	मृ	३३	३२	प्री	२८	२८	बा	१७	४५	५६	१३	४७	१५	७	५	मि४।७	[÷२१।२७धनि.बुधः१५।२६होलाष्टकं
१०	चं	४१	४३	आ	३०	४४	आ	२१	५२	ते	१४	२	२९	१२	४८	१६	८	६	मिथुने	
११	मं	३५	४२	पु	२६	२६	सौ	१३	५५	व	८	४२	५	११	४९	१७	९	७	क.१२।३०	भ.८।४२उ.३५।४२या.आमलकी११व्र.
१२	बु	२७	५५	पु	२०	३७	शो	४७	५०	ब	१	४८	९	१०	५०	१८	१०	८	कर्के	प्रदोषः
१३	गु	१९	२०	श्ले	१३	४७	सु	४४	२	ते	१९	२०	१३	९	५१	१९	११	९	सि१३।४७	कुंभेबुधः१४।१४
१४	शु	९	४९	म	६	५२	धृ	३३	४	व	९	४९	१७	९	५१	२०	१२	१०	सिंहे	भ.९।४९उ.३४।५३या.होलिकादहनं ×
१५	शु	५०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×भद्रोत्तरे

४७पं.फा.शु.५वु.इ. १९/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	४	०	०	९	१०
१७	२१	२०	२९	१	०	६	१६
५	२०	१८	४१	५९	३३	२	५७
२८	३५	५८	५६	३८	५४	२२	२७
६०	४६	६१	३७	६६	६	३	६०
१२	१७	५०	व	१	२	११	२०

गोचर ग्रहाः

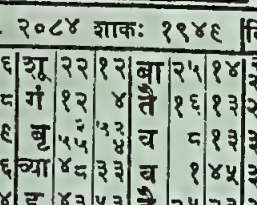

शुक्रस्यपंचवाराः स्युः यत्र मासे निरन्तरम्। प्रजा वृद्धिःसुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते। इस मास का फल मंदी कारक है प्रजा चैन से रहे।

गोचर ग्रहाः

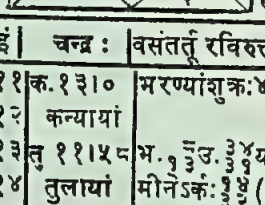

४८पं.फा.शु.१२वु.इ.२०/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	४	०	०	९	१०
२४	२६	२८	२८	९	१	५	२३
६	४९	४९	४८	३८	१८	४०	५८
१४	५५	२३	२९	३१	४३	७	५०
५९	४६	७८	५३	६४	६	३	६०
५८	१७	१५	व.	२९	२१	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तौ रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	श	५०	३१	उ	५०	५६	शु	२२	१२	बा	२५	१४	२९	८	५३	२१	१३	११	क.१३।०	भरण्यांशुक्रः४७।२९वसंत१छारेडी
२	र	४१	५५	ह	४४	२८	गं	१२	४	तै	१६	१३	२६	७	५३	२२	१४	१२	कन्यायां	
३	चं	३४	३१	चि	३९	२९	बृ	५५	५३	च	८	१३	३०	६	५४	२३	१५	१३	तु ११।५८	भ.१३उ.३४या.मीनेभौमः१२चतुर्थीव्र.
४	मं	२८	५९	स्वा	३६	२६	व्या	४८	३३	च	१	४५	३४	५	५५	२४	१६	१४	तुलायां	मीनेऽर्कः१४(सौरः२१)शतेबुधः०।१५
५	बु	२५	२३	वि	३५	४	ह	४३	५३	तै	२५	२३	३८	४	५६	२५	१७	१५	वृ.२१।२५	
६	गु	२४	१०	अ	३६	४	व	४०	५९	च	२४	१०	४३	३	५७	२६	१८	१६	वृश्चिके	भ.२९उ.५३या.उभा.भौमः३९।५५
७	शु	२४	५५	ज्ये	३८	५९	सि	३९	३४	च	२४	५५	४७	३	५७	२७	१९	१७	व.३८।५९	उभा.रविः३५(सौरः४३४)शीतलापूजनम्
८	श	२७	२८	मू	४३	४१	व्य	३९	४९	को	२७	२८	५१	२	५८	२८	२०	१८	धनुषि	
९	र	३१	५८	पू	४९	४६	ध	४०	३८	ग	३१	५८	५५	१	५९	२९	२१	१९	धनुषि	
१०	चं	३७	१६	उ	५६	५८	प	४२	३८	च	४	३७	३०	०	०	०	२२	२०	म.६।३४	भ.४।३७उ.३७।१६या.
११	मं	४३	३५	श्र	६०	०	शि	४४	५२	ब	१०	२५	४	५९	१	१	२३	२१	मकरे	भा.चैत्रारंभःपापमोचनी११व्र.
१२	बु	५०	१	श्र	४	२३	सि	४७	२८	को	१६	४८	८	५८	२	२	२४	२२	कुं.३८।१५	पूभा.बुधः३१।१०
१३	गु	५६	२४	ध	१२	८	सा	४९	४२	ग	२३	१२	१२	५८	२	३	२५	२३	कुम्भे	भ.५६।२४उ.प्रदोषः
१४	शु	६०	०	श	१९	२७	शु	५१	४३	वि	२९	२५	१६	५७	३	४	२६	२४	कुंभे	भ.२५या.कृत्ति.शुक्रः५१वक्रीपूफा.४ A
१४	श	२	२६	पू	२६	३५	शु	५३	१६	श	२	२६	२१	५६	४	५	२७	२५	मी९।४८	अश्वि.२शनिः५१।८
३०	र	७	५५	उ	३२	४४	ब्र	५४	४	ना	७	५५	२५	५५	५	६	२८	२६	मीने	मन्वादिः [Aगुरुः५९।७

४९पं.चै.कृ.५वु.इ.२५/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	४	०	०	९	११
१	२	८	२७	१७	२	१	०
५	१८	४१	५४	२	६	१७	५८
३१	५४	४६	७	१०	११	५१	३१
५९	४६	२१	५३	६२	६	३	५९
४१	७	८	व.	३६	३५	११	४९

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे ४ भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

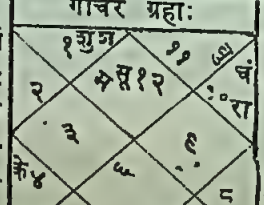

५०पं.चै कृ.१२वु.इ.२९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	४	०	०	९	११
८	७	१९	२७	२४	२	४	७
३	४५	४२	०	९	५५	५५	५६
१८	४३	२२	१४	८	५२	३५	२७
५९	४५	०	४०	६०	६	३	५९
२९	५७	४३	व.	११	५३	११	३५

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२९, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२९, भोग्यकलिः४२६८७१, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८५, शाकः १९५०, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः । मंत्री गुरुः । सस्येशः रविः । धान्येशः शुक्रः । मेघेशः बुधः । रसेशः भौमः । नीरसेशः रविः । फलेशः बुधः । धनेशः शनिः।दुर्गेशः बुधः।एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येरुद्रविंशतिकायां१६ दुंदुभिनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः २।१।२०।३९।२४ भोग्यमासादिः ९।२८।३९।२०।३६ भगदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम फाल्गुनः।मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिद्रासो मालाकारगृहे।समयविश्वा १० समयवाहनम्मृगः । स्तंभौः २ जलतृणयोः ।सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ भानुसप्तमी १ बुधाष्टमी २ रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३१५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १५, तिथिवृद्धिः९ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ८४ वर्षाविश्वा १५ धान्यम् १७ तृणम् ५, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १२१, शनिदृष्टि पूर्वस्यां । सत्यं ॥ धर्म १॥ पापं १८ ग्रहण २ चंद्रमसः ।

सं. २०८५ आषाढ शु. १५ गुरौ चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घं.	१०	१२	१
मि.	४८	३	१७
घ.	४०	४३	४७
प.	५३	५९	५

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्ष लग्नम् १।१२

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछै मात से जिमि पूछा हर बार ।
पच्यासी की साल का कहदो मैया सार ॥

भवानी उत्तर

राजा शशि मंत्री गुरु यह है सुंदर योग ।
बजै दुंदुभि चैन की जनता भोगे भोग ॥
सागर में रोहिणी बसी चंद्रपुत्र मेघेश ।
दुःख मिटे सुख ऊपजे वर्षा होय विशेष ॥
आषाढां वर्षा लगे जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो बोलें मीठे बैन ॥
सौम्यग्रहां इस वर्ष में लिया अधिक अधिकार ।
घर घर मंगल होयंसी सुख पावे संसार ॥
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
परमेश्वर के भजन से होसी बेड़ा पार ॥

सं.२०८५ पौष शु. १५ रवौ खग्रास चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	८	९	१०	१०	१२
मि.	३४	४१	१९	५६	३
घ.	३५	३८	३९	४१	४४
प.	१७	५	३९	१३	१

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	घ	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ६।२९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।६।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१४।२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं च धान्यं सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविध धान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुरतोपघनामुदिताभवेत् । नृपतयो जनपालन तत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ।। सस्येशः रविःफलम् ।। सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्या स्वल्पं च सस्यं बहु भूरुहाश्च ।। धान्येशः शुक्रः फलम् ।। भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधः फलम् ।। अमृत रश्मिसुते यदि वारिपे बहु जलं तुष धान्य रसादिकम् । द्विज वरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुता धरणी तदा ।। रसेशो भौमः फलम् ।। यदि धरातनयो रसपो भवेन्न रस राशि युता जनता शुभा । नरपतिर्विषमो जनता पदो न जलदो बहु वृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्र चंदनपो रपि । रत्न माणिक्य मुक्तादेर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो बुधः फलम् ।। यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा । बहु तृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदो जनसौख्य मुदान्वितः ।। धनेशः शनिः फलम् ।। द्रविणपे रविजे विरलं धनं गद रता धरणी पतयः तदा । अधनिका वणिजः कृषि जीविनो द्विजवराः परपीडित मानसाः ।। दुर्गेशः बुधः फलम् ।। विषम साम्य सुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्रजनेषु विशेषताम् । शशिसुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्य गतां न भयं क्वचित् ।। दुंदुभिनाम संवत्सरः फलम् ।। सर्व सस्य युता धात्री पालिता धरणीधरैः । पूर्वदेशेविनाशः स्यात् तत्र दुंदुभि वत्सरे ।। वर्षनाम फाल्गुनः फलम् ।। फाल्गुनाब्दे घोर भीतिः स्त्रीणां दुर्भगता भृशम् । क्वचिद्वृष्टिः क्वचित् सस्यं क्वचिद्भीरीतयः क्वचित् ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्नवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतुमहावृष्टिः ।। समय निवासो मालि गृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा ५ शुक्रे मूले ल. गो. रे. ७ ।।।।।ISSIS दग्धा.

शुक्ला ३ गुरौ रोहि. ल. ११ गु.पू.सत् रे. ७
।।ISशु।।ISनृS।।।

,, ११ शुक्रे उफा. ल. ऽन्यगो (७मेभौमः) रे. ६
।।।।।IS।।।

,, १२ शनौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽसूS।।।ISनृ।।।।
(नक्षत्रांतः)

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ५ भौमे उषा. ल. ऽन्यगो रे. ६ IS।।ISISS।।

,, १४ शुक्रे रोहि. ल. ४-६ रे. ७ ।।।।ISSचौ५२या।S।।

,, १५ शनौ मृगे ल. ४-६ (घ३५-३३उ) रे. ७
।S।।S।(रोगपं.घ५१उ)।S।।

पौष मासः

कृष्णा १ रवौ मृगे ल. गो. रे. ६ ।S।।ISरो।S।।

,, ६ रवौ हस्ते ल.ऽन्यगो ४ रे.७ S।;।।ISचो४२या।S।।
(दग्धा३२-५०उ.)

,, ११ भौमे स्वात्यां ल. ४-५ रे.७ ।।।।ISSरो४१या।S।।

माघ मासः

शुक्ला ६ रवौ रेव ल. ऽन्यगो ८ रे. ८ ।।।।S।।S।।

,, १० गुरौ रोहि. ल. गो. ८ (बृ.चं.७पू.) रे. ७
।।।।।ISअ.५२या।ISS। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, ११ शुक्रे मृगे ल. गो. रे. ।।।ISशु।।S।S
(दग्धा२७-११उ) पादतो वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ४ शुक्रे उफा. ल. ८ (घ.४८-३४या) रे. ८
।।।।।ISअ।S।।

,, ६ बुधे अनु. ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।ISचौ।S।।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६२००स.२०२८
१	चं	१२	११	रे	३८	७	ऐं	५४	२२	ब	१२	११	३०/२९	५/५४	६/६	७	२९	२७	मे.३८।७	चंद्रदर्शनम्संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	मं	१५	४५	अ	४२	२९	वे	५३	४३	कौ	१५	४५	३३	५३	७	८	१	२८	मेषे	मीनेबुधः२२/२० वृषेशुक्रः२३/५४ जिल्काद११सिं.
३	बु	१८	१६	भ	४५	५१	वि	५२	८	ग	१८	१६	३७	५३	७	९	२	२९	मेषे	भ.४८/५९उ.बुधास्तःपूर्वस्यां३२/२९मंत्स्य ×
४	गु	१९	४२	कृ	४८	११	प्री	४९	४९	वि	१९	४२	४१	५२	८	१०	३	३०	वृ.१।२६	भ.१९।४२या.उभा.बुधः९।५६
५	शु	२०	४	रो	४९	२८	आ	४६	५०	बा	२०	४	४५	५१	९	११	४	३१	वृषे	रेवत्यांरविः३।१२(सौरः९।५१)
६	श	१९	१७	मृ	४९	३२	सौ	४२	३५	तै	१९	१७	४९	५०	१०	१२	५	१	मि१९।३०	अप्रेल४ता.३०
७	र	१७	१३	आ	४८	१६	शो	३७	२१	व	१७	१३	५३	४९	११	१३	६	२	मिथुने	भ.१७/१३उ.४५/३४या.रेवत्यांभौमः५०/४२अस्तं H
८	चं	१३	५५	पु	४५	४७	अ	३१	९	ब	१३	५५	५७	४९	११	१४	७	३	क.३०।५४	रामनवमीस्मा.[×जयंती गणगौरी
९	मं	९	२७	पु	४२	१३	सु	२३	५६	कौ	९	२७	३१/१	४८	१२	१५	८	४	कर्के	रामनवमीवै. [Hशनेः४५।४७
१०	बु	३	३९	श्ले	३७	२२	धृ	१५	५०	ग	३	३९	५	४७	१३	१६	९	५	सिं३७।२२	भ.३०।१६उ.५६/५४या.कामदा११व्र.स्मा.
११	बु	५३	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	गु	४८	५५	म	३१	३५	शू	६/४९	५०/३९	व	२२	५४	१०	४६	१४	१७	१०	६	सिंहे	रेवत्यांबुधः११।१५कामदा११व्र.वै.
१३	शु	४०	२८	पू	२५	१४	वृ	४७	२६	कौ	१४	४१	१४	४५	१५	१८	११	७	कं.३८।३१	प्रदोषः
१४	श	३१	३५	उ	१८	२४	ध्रु	३७	२९	ग	६	१	१८	४४	१६	१९	१२	८	कन्यायां	भ.३१/३५उ.५७/२२या.रोहि.शुक्रः३२।४१
१५	र	२३	८	ह	११	५८	व्या	२८	६	ब	२३	८	२२	४४	१६	२०	१३	९	तु.३९।७	हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.३बु.इ. २१/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	४	१	०	९	११
१४	१३	१	२६	०	३	४	१४
५९	१०	४९	९	५४	४६	३३	५२
१०	४८	१६	१८	२२	५५	२०	३८
५९	४५	११/११	७/७	५७	७	३	५९
१६	४७	३१	व	१	४	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास मे धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल धातु सोना चांदी लोहा रुई कपास वारदाना तेज हो रसकस में मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.शु.१०बु.इ. २१/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	४	१	०	९	११
२१	१८	१५	२५	७	४	४	२१
५३	३५	१	२२	११	३९	११	४६
३१	२	८	२६	४९	११	४	४९
५९	४५	११/११	६/१७	५२	७	३	५९
४	४७	६	व	४६	१४	११	

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	चं	१५	२३	चि	६	१५	ह	१९	२३	कौ	१५	२३	३१/२६	५/४३	६/१७	२१	१४	१०	तुलायां	
२	मं	९	११	स्वा	१/४८	५७/१०	व	११	५४	ग	९	११	३०	४२	१८	२२	१५	११	वृ.४४।४१	भ.३६।४३उ.
३	बु	४	१६	अ	५८	११	सि	५	३६	वि	४	१६	३४	४१	१९	२३	१६	१२	वृश्चिके	भ.४/१६याअश्वि.मेषेबुधः४२।१८चतुर्थीव्र.
४	गु	१	३४	ज्ये	५९	३२	व्य	१/२२	५७/१३	बा	१	३४	३८	४०	२०	२४	१७	१३	ध.५९।३२	अश्वि.मेषेऽर्कः३७।१२(सौरः४४।२५)
५	शु	१	१	मू	६०	०	प	५७	४१	तै	१	१	४२	४०	२०	२५	१८	१४	धनुषि	
६	श	२	३२	मू	२	५८	शि	५७	४५	व	२	३२	४६	३९	२१	२६	१९	१५	धनुषि	भ.२।३२उ.३४।२०या.
७	र	६	८	पू	७	५८	सि	५९	१४	ब	६	८	५०	३८	२२	२७	२०	१६	म.२४।३७	
८	चं	१०	५३	उ	१४	३३	सा	६०	०	कौ	१०	५३	५३	३७	२३	२८	२१	१७	मकरे	
९	मं	१६	२३	श्र	२१	४९	सा	१	१३	ग	१६	२३	५७	३७	२३	२९	२२	१८	कुं.५५।४०	भ.४९।४६उ.भरण्यांबुधः५८।५
१०	बु	२३	१०	ध	२९	३०	शु	३	३७	वि	२३	१०	३२/१	३६	२४	३०	२३	१९	कुंभे	भ.२३।१०या.
११	गु	२९	२८	श	३६	५८	शु	६	११	बा	२९	२८	५	३५	२५	३१	२४	२०	कुंभे	अश्वि.मेषेभौमः१९/२५वरुथिनी११व्र.
१२	शु	३५	२५	पू	४४	७	ब्र	८	१६	कौ	२	२६	९	३४	२६	१	२५	२१	मी२७।२०	अश्वि.३शनिः८/४०उषा.२राहुःपुन.४ =
१३	श	४०	३१	उ	५०	११	ऐं	९	५६	ग	७	५८	१२	३४	२६	२	२६	२२	मीने	भ.४०।३१उ.प्रदोषः
१४	र	४४	२०	रे	५४	५८	वै	१०	३१	वि	१२	२५	१६	३३	२७	३	२७	२३	मे.५४।५८	भ.१२/२५या.बुधोदयःपश्चिमायां३७।०
३०	चं	४६	५६	अ	५८	५६	वि	१०	२३	च	१५	३८	२०	३२	२८	४	२८	२४	मेषे	[=केतुः२७।४२भा.वैशाखारंभः

१पं.वै कृ.४वृ.इ. ३७/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	४	१	०	९	११
०	२४	१	२४	१३	५	३	२९
०	५४	५४	३४	५१	४२	४४	५३
०	२२	१८	४१	१८	४०	५६	३
५८	४५	१२४/४४	५/६	४६	७	३	५८
४४	३७	५८	व	२८	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

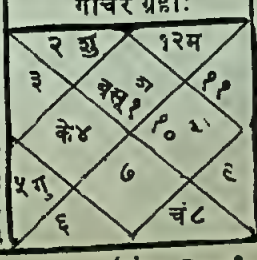

वैशाख कृष्णे ४ गुरौ मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न. ३ युवावस्था (सूती)मु.१५धान्यादि भावेमहर्घताशुक्रोदयः पश्चिमाया।

गोचर ग्रहाः

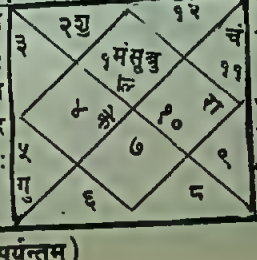

२पं.वै.कृ.११वृ.इ. ३७/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	४	१	०	९	०
६	०	१६	२४	१८	६	३	६
५०	१३	४१	१	३७	३६	२२	४३
४६	३४	३५	४८	१	११	४०	१४
५८	४५	१२१/४४	५/६	३८	७	३	५८
३१	१२		व.	५५	२०	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६२२९स.२०२८
१	मं	४८	२	भ	६०	०	प्री	९	१५	किं	१७	२९	३२/२३	५/३१	६/२९	५	२९	२५	मेषे	कृत्ति.बुधः३८।३०
२	बु	४८	२९	भ	१	२९	आ	७	११	बा	१८	१५	२७	३१	२९	६	३०	२६	वृ.१६।५०	चंद्रदर्शनम्
३	गु	४७	३८	कृ	२	५५	सौ	४	१७	तै	१८	३	३१	३०	३०	७	१	२७	वृषे	भरण्यांरविः१७/२३(सौरः२५/५०)वृषेबुधः ×
४	शु	४५	५४	रो	३	२७	शो	०/२०	५५/४३	व	१६	४६	३४	२९	३१	८	२	२८	मि३३।१६	भ.१६।४६उ.४५।५४या.
५	श	४३	२०	मृ	३	६	सु	५१	९	व	१४	३७	३८	२८	३२	९	३	२९	मिथुने	मृगेशुक्रः३६।३५
६	र	३९	५२	आ	१	५९	धृ	४५	३२	कौ	११	३६	४१	२८	३२	१०	४	३०	क.४५।३५	[×४७/७जिल्हेज१२परशुरामजयंतीअक्ष.३
७	चं	३६	२	पु	०/७	५७/२९	शू	३९	१५	ग	७	५७	४५	२७	३३	११	५	१	कर्के	भ.३६।२उ.मई५ता.३१
८	मं	३१	१४	श्ले	५४	४५	गं	३२	३४	वि	३	३८	४८	२६	३४	१२	६	२	सिं५४।४५	भ.३।३८या.
९	बु	२५	५४	म	५०	८	वृ	२५	११	कौ	२५	५४	५२	२६	३४	१३	७	३	सिंह	रोहि बुधः३८।५२
१०	गु	१९	५१	पू	४६	२	ध्रु	१७	२६	ग	१९	५१	५५	२५	३५	१४	८	४	कं.५९।४८	भ.४६।३४उ.
११	शु	१३	१८	उ	४१	८	व्या	९	१३	वि	१३	१८	५८	२४	३६	१५	९	५	कन्यायां	भ.१३।१८या.मोहिनी११व्र.
१२	श	६	१८	ह	३६	१५	ह	०/५३	५५/४६	बा	६	१८	३३/२	२४	३६	१६	१०	६	कन्यायां	प्रदोषः
१३	श	५३	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+शनेः५।०यमायकुंभदानम्
१४	र	५२	३२	चि	३१	२३	सि	४४	३१	म	२५	५७	५	२३	३७	१७	११	७	तु.३।४९	भ.५२/३२उ.वक्रीपूफा.३गुरुः३८/४७नृसिंहजयंती
१५	चं	४६	४१	स्वा	२७	१६	व्य	३७	१६	वि	१९	३६	८	२२	३८	१८	१२	८	तुलायां	भ.१९।३६या.भरण्यांभौमः४।४३उदयं+

३पं.वै.शु.३वृ.इ.३७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	४	१	०	९	०
१३	५	०	२३	२२	७	३	१३
२९	३०	१५	३७	२२	२९	०	३१
५०	३६	४	१९	२६	२८	२५	३९
५८	४५	०/१७	२/४१	२९	७	३	५८
३९	२	१२	व	५	२०	११	१२

गोचर ग्रहाः

२शुचंबु १२ ३ ११ सू१ म श के४ १० रा ५ ९ गु ७ ६ ८

इस मास में चांदी स्वर्ण सण तिल वारदाना लोहा मंदा हो घृत तेल नमक आदि रसकस तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

२शुबु १२ ३ ११ सू मं१ श के ४ १० रा वृ चं ५ ७ ९ ६ ८

४पं.वै.शु.१०वृ.इ.३७/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	४	१	०	९	०
२०	१०	११	२३	२४	८	२	२०
२७	४५	१	२३	४४	२२	३८	१८
२९	४३	३०	४६	४६	५९	९	२५
५८	४४	६२	१/१५	१६	७	३	५७
६	५२	२५	व	१६	१४	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	मं	४१	५८	वि	२४	१३	व	३०	५४	बा	१४	२०	३३/११	५/२२	६/३८	१९	१३	९	वृ.९।५९	मार्गीगुरुः२०।३४
२	बु	३८	५१	अ	२२	४७	प	२५	४०	तै	१०	२४	१४	२१	३९	२०	१४	१०	वृश्चिके	
३	गु	३७	३४	ज्ये	२२	५६	शि	२२	२७	व	८	१२	१७	२१	३९	२१	१५	११	ध.२२।५६	भ.१८/२उ.३७/३४या.कृत्ति.रविः३/२२(सौरः=
४	शु	३८	२	मू	२४	५२	सि	२०	९	व	७	४८	२०	२०	४०	२२	१६	१२	धनुषि	[=१३/४२)वक्रीशुक्रः४८।२०चतुर्थीव्र.
५	श	४०	३८	पू	२८	४९	सा	१९	१३	कौ	९	२०	२३	१९	४१	२३	१७	१३	म.४५।१२	
६	र	४४	४९	उ	३४	२१	शु	१९	३९	ग	१२	४३	२६	१९	४१	२४	१८	१४	मकरे	भ.४४/४९उ.वृषेऽर्कः३०/३७(सौरः४१/३५)
७	चं	५०	१९	श्र	४१	१२	शु	२१	२२	वि	१७	३४	२८	१८	४२	२५	१९	१५	मकरे	भ.१७।३४या.
८	मं	५६	२४	ध	४८	३३	ब्र	२३	२५	बा	२३	२१	३१	१८	४२	२६	२०	१६	कुं.१४।५२	
९	बु	६०	०	श	५६	४	ऐं	२५	५९	तै	२९	३०	३४	१७	४३	२७	२१	१७	कुम्भे	अश्वि.४शनिः४०।१२
९	गु	२	३६	पू	६०	०	वै	२८	१३	ग	२	३६	३७	१७	४३	२८	२२	१८	मी४६।३२	भ.३५।३५उ.
१०	शु	८	३४	पू	३	२२	वि	३०	९	वि	८	३४	३९	१६	४४	२९	२३	१९	मीने	भ.८।३४या.पूफा.४गुरुः४६।३५
११	श	१३	३२	उ	९	४७	प्री	३०	५८	बा	१३	३२	४२	१६	४४	३०	२४	२०	मीने	वक्रीबुधः१।५अपरा११व्र.
१२	र	१७	४	रे	१४	४४	आ	३०	५७	तै	१७	४	४४	१५	४५	३१	२५	२१	मे.१४।४४	वक्रीरोहि शुक्रः५६।५प्रदोषः
१३	चं	१९	२०	अ	१८	२८	सा	२९	३९	व	१९	२०	४७	१५	४५	१	२६	२२	मेषे	भ.१९/२०उ.४९।३३या.भा.ज्येष्ठारंभः
१४	मं	१९	४६	भ	२०	३५	शो	२७	८	श	१९	४६	४९	१४	४६	२	२७	२३	वृ.३५।४४	बुधास्तःपश्चिमायां४५।५९
३०	बु	१८	५३	कृ	२१	११	अ	२३	२९	ना	१८	५३	५२	१४	४६	३	२८	२४	वृषे	रोहि.रविः५४।०वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.३वृ.इ.३८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	४	१	०	९	०
२७	१५	१८	२३	२५	९	२	२७
१३	५८	२०	१६	२७	१५	१५	३
३७	२३	४९	५५	४	११	५४	३९
५७	४४	४३	०/१७	०	७	३	५७
५४	३१	३७	मा	२५	८	११	४५

गोचर ग्रहाः

शु२ बु १२ ३ ११ सू१ मं श के४ १० रा ५ ९ चं वृ ७ ६ ८

ज्येष्ठकृष्णे ६ रवौ वृषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

३ मश१ ४ के १२ बु२ सू शु ११ गु५ ६ ८ रा१० ७ ९

६पं.ज्ये.कृ.९वृ.इ.३८/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	४	१	०	९	१
३	२१	२१	२३	२४	१०	१	३
५८	८	४३	१८	१५	६	५३	४७
४४	३५	३४	२९	२९	४३	३८	२३
५७	४४	५	१	१६/५०	६	३	५७
४४	१६	३०	२०	व	५६	११	३४

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ६२५९स.२०२८
१	गु १६ ३६ रो २० ३८ सु १८ ५५ ब १६ ३६	३३ ५४	१३ ५	४७ ६	४	२९	२५	मि४९।५१	रोहि.रवि.सौर:७।३७चद्रदर्शनम्
२	शु १३ ११ मृ १९ ४ धृ १३ ३५ कौ १३ ११	५६	१३	४७	५	१	२६	मिथुने	कृत्ति.भौम:३१मोहोरम१सन् १४५०हि
३	श ९ ११ आ १६ ४१ शू ७ ३५ ग ९ ११	५८	१२	४८	६	२	२७	क.५९।३६	भ.३६।४८उ.
४	र ४ २६ पु १३ ५४ गं ५४ ५३ वि ४ २६	३४ ००	१२	४८	७	३	२८	कर्के	भ.४।२६या.
५	र ५५ ६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×पश्चिमायां३९।०
६	चं ५४ २५ पु १० ५१ ध्रु ४७ ३६ कौ २६ ५८	२	१२	४८	८	४	२९	कर्के	[÷गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.
७	मं ४९ ११ श्ले ७ ३१ व्या ४० ४६ ग २१ ४८	३	११	४९	९	५	३०	सिं७।३१	भ.४९।११उ.वृषेभौम:४८।५२शुक्रास्त×
८	बु ४३ ५५ म ४ ३५ ह ३३ ४६ वि १६ ३३	५	११	४९	१०	६	३१	सिंहे	भ.१६।३३या.
९	गु ३८ ३४ पू ५५ ३६ व २६ ४९ बा ११ १५	७	११	४९	११	७	१	कं.१५।३	जून६ता.३०
१०	शु ३३ ७ ह ५४ १० सि १९ ४३ तै ५ ५०	९	१०	५०	१२	८	२	कन्यायां	गंगादशमी
११	श २८ ० चि ५० ५९ व्य १२ ५२ व ० ३३	१०	१०	५०	१३	९	३	तु.२२।३५	भ.०।३३उ.२८।०या.निर्जला११व्र.
१२	र २२ ५३ स्वा ४८ १९ व ६ २३ बा २२ ५३	१२	१०	५०	१४	१०	४	तुलायां	प्रदोषः
१३	चं १८ ३९ वि ४६ २१ प ० ५४ तै १८ ३९	१३	९	५१	१५	११	५	वृ.३१।५०	उदयोभौमः२५।८
१४	मं १४ ५५ अ ४५ ११ सि ४९ ४६ व १४ ५५	१५	९	५१	१६	१२	६	वृश्चिके	भ.१४।५५उ.४३।४३या.
१५	बु १२ ३१ ज्ये ४५ ३४ सा ४६ १७ ब १२ ३१	१६	९	५१	१७	१३	७	व.४५।३४	मृगेरविः४८।५२शुक्रोदयःपूर्वस्यां५१ ÷

७पं.ज्ये.शु.१व्.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	४	१	०	९	१
१०	२६	२१	२३	२१	१०	१	१०
४२	१५	१२	२८	१२	५६	३१	२९
४०	४३	४	१६	२२	४२	२२	३४
५७	४४	३३	२	३०	६	३	५७
३५	६	व.	४७	व	३८	११	२३

गोचर ग्रहाः

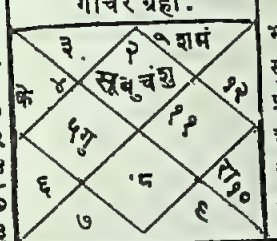

भूमि पुत्रो यदा मेषे
सुभिक्षंसर्वधान्यकम्।
प्रबलानि महर्घाणि
क्षोघवंतो भवेन्नृपाः।
इस मास में सोना
चांदी गंदे होवें ।

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्ये.शु.९वृ.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	१	४	१	०	९	१
१७	१	१८	२३	१७	११	१	१७
२५	२०	५	४७	१	१४	९	१०
२६	१७	४९	२४	१	१७	७	४०
५७	४३	३३	३	३०	६	३	५७
२७	५६	व.	५९	व	२६	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	गु ११ ३९ मू ४७ १७ शु ४३ ४६ कौ ११ ३९	३४ ५७	५	५१	१८	१४	८	धनुषि	मृगेरविःसौर:६।२७
२	शु १२ ५ पू ५० ३४ शु ४२ ३८ ग १२ ५	१८	८	५२	१९	१५	९	धनुषि	भ.४३।१३उ.
३	श १४ २१ उ ५५ १३ ब्र ४२ ३२ वि १४ २१	१९	८	५२	२०	१६	१०	म.६।४४	भ.१४।२१या.चतुर्थीव्र.
४	र १७ ५५ अ ६० ० ऐं ४३ ३९ बा १७ ५५	१९	८	५२	२१	१७	११	मकरे	बुधोदयःपूर्वस्यां१६।२६
५	चं २३ १ अ १ २० वै ४५ २५ तै २३ १	२०	८	५२	२२	१८	१२	कुं.३५।५	
६	मं २८ ५० ध ८ ५० वि ४७ ४६ व २८ ५०	२१	८	५२	२३	१९	१३	कुंभे	भ.२८।५०उ.रोहि.भौम:४५।४०
७	बु ३४ ५८ श १५ ५८ प्री ५० १३ वि १ ५४	२१	८	५२	२४	२०	१४	कुम्भे	भ.१।५४या.मिथुनेऽर्कः४७।४८
८	गु ४१ ८ पू २३ २९ आ ५२ २९ बा ८ ३	२२	८	५२	२५	२१	१५	मी६।३६	मिथुनेऽर्कःसौर:१५ वक्रीकृति.शुक्र:३६
९	शु ४६ २४ उ ३० २६ सौ ५४ १ तै १३ ४६	२२	८	५२	२६	२२	१६	मीने	मार्गीबुधः१।२९भरणी१शनिः४८।०
१०	श ५० १४ रे ३६ १० शो ५४ ३२ व १८ १९	२३	७	५३	२७	२३	१७	मे.३६।१०	भ.१८।१९उ.५०।१४या.
११	र ५२ ४० अ ४० २५ अ ५३ ४७ ब २१ २७	२३	७	५३	२८	२४	१८	मेषे	योगिनी११व्र.
१२	चं ५३ १४ भ ४२ ५० सु ५१ ३७ कौ २२ ५७	२३	७	५३	२९	२५	१९	वृ.५८।२	[=भा.आषाढारंभः
१३	मं ५१ ५८ कृ ४३ ३८ धृ ४७ ५९ ग २२ ३६	२४	७	५३	३०	२६	२०	वृषे	भ.५१।५८उ.प्रदोषः
१४	बु ४८ ४९ रो ४२ ४० शू ४२ ५९ वि २० २३	२४	७	५३	३१	२७	२१	वृषे	भ.२०।२३या.आर्द्रा.रविः४६।२१
३०	गु ४४ १६ मृ ४० ३ गं ३६ ४३ च १६ ३२	२४	७	५३	१	२८	२२	मि११।२१	आर्द्रा.रविःसौर:८।४८मार्गीशुक्रः५१=

हपं.आ.कृ.१व्.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	४	१	०	९	१
२४	६	५४	२४	१२	१२	०	२३
७	२२	४६	१५	५४	२९	४६	५०
३०	१६	१६	०	२२	४९	५१	३६
५७	४३	३३	५	३०	६	३	५७
२२	२०	व	५	व.	१०	११	५

१०पं.आ.कृ.८वृ.इ.३८।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	११	१३	२४	९	१३	०
४८	२६	३४	५०	५९	१३	३४	२९
४७	११	५२	१३	५६	१६	३६	४५
५७	४३	३७	६	१५	५	३	५६
१७	१०	व.	१३	व.	४९	११	५७

११पं.आ.कृ.३०वृ.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	४	१	०	९	२
७	१९	१५	२५	८	१३	०	७
२९	१७	५८	३०	५६	५३	२	८
४२	४९	५२	२५	६	३१	२०	१२
५७	४२	३१	७	१०	५	३	५६
१३	५४	मा	२	मा	२३	११	५४

| ति. | आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५० | | |

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३१८स.२०२८
१	श	५१	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=रविलावल३तीज
२	र	४७	५५	श्ले	४३	२५	सि	२९	३९	बा	२२	१६	३३ ४०	५ १६	६ ४४	१	२९	२३	सिं४३।२५ चंद्रदर्शनम् भा. श्रावणारंभः सिंधारा
३	चं	३९	३६	म	३७	५	व्य	२०	४	तै	१३	४५	२८	१६	४४	२	१	२४	सिंहे मृगेशुक्रः ३ ४ उफा.२कन्यायांगुरुः ५ ४ =
४	मं	३१	३६	पू	३१	५	व	१०	२९	व	५	३६	३५	१७	४३	३	२	२५	क.४४।५९ भ.५।३६उ.३१।३६या.वरद४
५	बु	२४	३४	उ	२६	२	प	१ ५	५ ११	बा	२४	३४	३३	१७	४३	४	३	२६	कन्यायां नागपंचमी
६	गु	१८	२५	ह	२१	५५	सि	४६	२९	तै	१८	२५	३०	१८	४२	५	४	२७	तु.५०।२१
७	शु	१३	३२	चि	१८	४७	सा	४०	१६	व	१३	३२	२७	१९	४१	६	५	२८	[+श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम् तुलायां भ.१३।३२उ.४१।४०या.
८	श	९	४७	स्वा	१७	८	शु	३५	८	ब	९	४७	२४	१९	४१	७	६	२९	आश्ले.बुधः १५।४२ तुलायां
९	र	७	३१	वि	१६	४७	शु	३१	१	कौ	७	३१	२२	२०	४०	८	७	३०	वृ.१।५२
१०	चं	६	१७	अ	१७	२८	ब्र	२७	५१	ग	६	१७	१९	२०	४०	९	८	३१	[×अगस्त८ता.३१पवित्रा११व्र. वृश्चिके
११	मं	६	१९	ज्ये	१९	२९	ऐं	२५	३३	वि	६	१९	१६	२१	३९	१०	९	१	भ.३६।४८उ. व.१९।२९
१२	बु	७	३५	मू	२२	३१	वै	२४	१६	बा	७	३५	१३	२१	३९	११	१०	२	भ.६।१९या.मिथुनेशुक्रः ३०।८× धनुषि
१३	गु	९	५६	पू	२६	४३	वि	२४	९	तै	९	५६	१०	२२	३८	१२	११	३	आश्ले.रविः ४१।० म.४३।०
१४	शु	१३	२२	उ	३१	५२	प्री	२४	१०	व	१३	२२	७	२३	३७	१३	१२	४	आश्ले.रविःसौरः १७।२ प्रदोषः मकरे
१५	श	१७	४३	श्र	३७	५७	आ	२५	१२	व	१७	४३	४	२३	३७	१४	१३	५	भ.१३।२२उ.४५।३३या. मकरे

मघा.सिंहेबुधः ९ ४ भरणी.२शनिः ३ ८ +

१६पं.श्रा.शु.६वृ.इ. ३७ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	५	१	०	८	३
१०	१०	१३	०	२५	१६	२८	१०
५२	१९	१८	३०	५७	२१	११	२०
४१	३४	३२	११	२५	०	२	२
५७	४१	४९	११	५१	२	३	५७
२०	२८	३४	४	३७	३४	११	५

गोचर ग्रहः

इस मास में धान्य गेहूं जौ चांवल मूंग मोठ बाजरा आदि व लाल वस्तुएं धातुएं तेज हों कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहः

१७पं.श्रा.शु.१३वृ.इ. ३७ ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	५	२	०	८	३
१७	१४	२७	१	१	१६	२७	१६
३४	५९	१९	५५	५९	३७	४८	५९
२३	४३	३९	१४	२	१	४१	५०
५७	४१	४९	११	५५	१	३	५७
२५	१३	४३	४१	५८	५३	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र	२२	५५	ध	४४	३७	सौ	२६	५३	कौ	२२	५५	३३ ५०	५ २४	६ ३६	१५	१४	६	कु.११।१७ बुधोदयःपश्चिमायां५४।५०
२	चं	२८	४४	श	५१	५७	शो	२८	५८	ग	२८	४४	३३ ५७	२५	३५	१६	१५	७	कुंभे
३	मं	३४	४९	पू	५९	३१	अ	३१	२०	ब	१	४६	५४	२५	३५	१७	१६	८	मी४२।४४ भ.१।४६उ.३४।४९या.आर्द्रा.शुक्रः ४ ७
४	बु	४१	२	उ	६०	०	सु	३३	५२	ब	७	५५	५०	२६	३४	१८	१७	९	मीने चतुर्थी व्र.
५	गु	४७	२	उ	७	७	धृ	३६	९	कौ	१४	२	४७	२७	३३	१९	१८	१०	मीने
६	शु	५२	२	रे	१४	१६	शू	३८	४	ग	१९	३२	४४	२७	३३	२०	१९	११	मे.१४।१६ भ.५२।२उ.पुन.भौमः १०।४१ चन्द्रषष्ठी
७	श	५६	४	अ	२०	२३	गं	३९	१०	वि	२४	३	४०	२८	३२	२१	२०	१२	मेषे भ.२ ५ या.पूफा.बुधः ३ ५ उफा.३गुरुः ३
८	र	५८	२९	भ	२५	२२	बृ	३९	८	बा	२७	१६	३७	२९	३१	२२	२१	१३	वृ.४१।१४ जन्माष्टमी व्र.
९	चं	५९	७	कृ	२८	५०	भृ	३७	५५	तै	२८	४८	३३	२९	३१	२३	२२	१४	वृषे गोगा९
१०	मं	५७	३८	रो	३०	१५	व्या	३४	५८	व	२८	२२	३०	३०	३०	२४	२३	१५	वृषे भ.२८।२२उ.५७।३८या.
११	बु	५४	५	मृ	२९	४८	ह	३०	३५	ब	२५	५१	२६	३१	२९	२५	२४	१६	मि०।२ मघा.सिंहेऽर्कः ३५।० अजा११व्र.स्मा.
१२	गु	४८	३२	आ	२७	१२	व	२४	२८	कौ	२१	१८	२२	३२	२८	२६	२५	१७	मिथुने मघा.सिंहेऽर्कःसौर ५ ३ अजा११व्र.वै.-
१३	शु	४१	२३	पु	२२	४१	सि	१६	४९	ग	१४	५७	१९	३२	२८	२७	२६	१८	क.८।४९ भ.४१।२३उ. प्रदोषः
१४	श	३२	५५	पु	१६	४५	व्य	५१ ७	५१ १३	वि	७	९	१५	३३	२७	२८	२७	१९	कर्के भ.७।९या. [-वत्सद्वादशी
३०	र	२३	२८	श्ले	९	४४	प	४७	३१	ना	२३	२८	१२	३४	२६	२९	२८	२०	सिं९।४४ उफा.बुधः ४ ६ कुशाग्रहणीपिठोरी३०

१८पं.भा.कृ.५वृ.इ. ३७ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	५	२	०	८	३
२४	१९	१०	३	८	१६	२७	२३
१६	३७	६	२	२९	४८	२६	४०
४४	२९	४	३८	३८	२२	३१	५७
५७	४०	७	१२	५९	१	३	५७
३३	५६	९८	१२	२८	१६	११	२२

गोचर ग्रहः

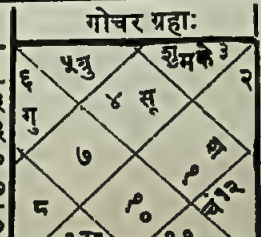

भाद्रपदकृष्णे ११ बुधे सिंहेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहः

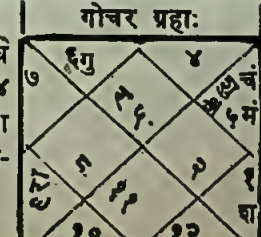

१९पं.भा.कृ.१२वृ.इ. ३७ ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	२	०	८	४
१	२४	२१	४	१५	१६	२७	०
०	१२	३८	२३	२९	५४	४	२३
४	११	२४	६	१९	४३	१५	१०
५७	४०	९५	१२	६२	०	३	५७
४०	४०	५५	३१	२	३६	१९	२४

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

| ति. | भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०८५ शाकः १९५० | | |

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३७६स.२०२८
१	मं ३२ २० उ १४ २८ शु ४३ ९ किं ७ २० ३० ५ ६ २८ २८ १६							कन्यायां	नवरात्रारंभः मातामह श्रा.
२	बु २३ २ ह ६ ५२ ब्र ३२ ३५ कौ २३ २ ९ ५८ २२ ९ २६ २०							तु.३३।२७	चंद्रदर्शनम्
३	गु १४ ५६ चि २ ५४ ऐं २३ ७ ग १४ ५६ ५ ५९ १ ३० १ २१							तुलायां	भ.४१।३६उ.जमादिलावल५
४	शु ८ १६ वि ५० ५७ वै १४ २७ वि ८ १६ ३० ६ ६ २१ २ २२							वृ.३६।५४	भ.८।१६या.आश्ले.भौमः४।५४
५	श ३ ३३ अ ४६ २० वि ७ २८ बा ३ ३३ २९ १ ५९ १ ३ २३							वृश्चिके	भा.आश्विनारंभः
६	र ० ४५ ज्ये ४६ ३६ प्री २ ५६ तै ० ४५ ५२ २ ५८ २ ४ २४							ध.४६।३६	वक्रीहस्तेबुधः२०।५२
७	चं ० ५ मू ५१ ५६ सौ ५६ ५ व ० ५ ४८ २ ५८ ३ ५ २५							धनुषि	भ.०।५उ.३०।४७या.
८	मं १ २६ पू ५५ ५७ शो ५५ २२ व १ २६ ४४ ३ ५७ ४ ६ २६							धनुषि	हस्तेरविः ४५ बुधास्तः पश्चिमायां १८
९	बु ४ ३० उ ६० ० अ ५५ ५६ कौ ४ ३० ४० ४ ५६ ५ ७ २७							म.१२।२१	हस्तेरविः सौरः ३६ मघा.सिंहेशुक्रः २६
१०	गु ६ ६ उ १ ३० सु ५७ १५ ग ६ ६ ३६ ५ ५५ ६ ८ २८							मकरे	भ.४१।५०उ.
११	शु १४ ३२ श्र ८ २ धृ ५६ १६ वि १४ ३२ ३२ ६ ५४ ७ ६ २९							कुं.४१।४४	भ. १३ या.हस्त.२गुरुः ९ ४२ पापांकुशा ११ व्र.
१२	श २० ४२ ध १५ २६ शू ६० ० बा २० ४२ २८ ६ ५४ ८ १० ३०							कुंभे	प्रदोषः
१३	र २७ २ श २२ ५२ शू १ ३२ तै २७ २ २३ ७ ५३ ९ ११ १							कुंभे	अक्टूबर १०ता. ३१
१४	चं ३३ १३ पू ३० २५ गं ३ ५२ ग ० ७ १९ ८ ५२ १० १२ २							मी १२।३२	भ.३३।१३उ.कोजागरी व्र.
१५	मं ३६ १४ उ ३७ ३६ धृ ६ ८ वि ६ १३ १५ ९ ५१ ११ १३ ३							मीने	भ.६।१३या.शरद्पूर्णिमा का.स्ना.प्रा.

२४पं.आ.शु.३ वृ. इ. ३६/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	५	३	०	८	५
४	१६	२४	११	२३	१६	२५	४
५५	२१	१८	३९	१६	१०	१२	१६
१९	४७	५०	१४	४४	१६	५७	५३
५८	३८	३१	१३	६९	२	३	५८
३८	४४	व.	३८	५	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

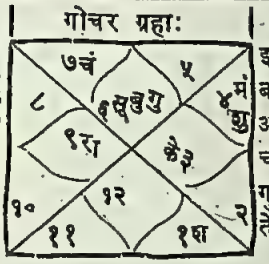

इस मास में जौ गेहूं बाजरा मूंग मोठ आदि धान्य व सोना चांदी मंदे हों घृत तेल गुड़ शक्कर चीनी तेज हो।

गोचर ग्रहाः

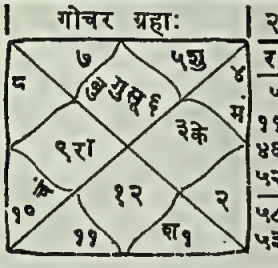

२५पं.आ.शु.१० वृ.इ.३६/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	५	४	०	८	५
११	२१	१९	१३	१	१५	२४	११
४६	३८	४३	१०	२१	४७	५०	८
५२	१०	७	१२	११	३५	४२	५१
५८	३८	५३	१३	६९	११	३	५९
५३	१९	व.	३८	५८	व.	११	००

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	बु ४४ ४० रे ४४ ३१ धु ८ १३ बा ११ ५७	२९ ११	६ १०	५ ५०	१२	१४	४	मे.४४।३१	
२	गु ४९ १७ अ ५० ३३ व्या ९ ५२ तै १६ ५८	७	११	४९	१३	१५	५	मेषे	
३	शु ५३ ५ भ ५५ ५० ह १० ५२ व २१ ११	३	११	४९	१४	१६	६	मेषे	भ.२१।११उ.५३।५या.
४	श ५५ ४७ कृ ६० ० व ११ ८ ब २४ २६	२९ ५९	१२	४८	१५	१७	७	वृ.११।५६	वक्रीउफा.बुधः३२।३०करकचतुर्थीव्र.
५	र ५७ २८ कृ ० १३ सि १० ४३ कौ २६ ३२	५५	१३	४७	१६	१८	८	वृषे	पूफा.शुक्रः५०।३१बुधोदयःपूर्वस्यां ३०
६	चं ५७ ४९ रो ३ २९ व्य ९ २२ ग २७ ३८	५१	१४	४६	१७	१९	९	मि ३४।२७	भ.५७।४९उ.
७	मं ५६ ५६ मृ ५ २६ व ७ ४ वि २७ २२	४७	१५	४५	१८	२०	१०	मिथुने	भ. ३३ या.चित्रा.रविः १९ ६ (सौरः ५७ १३)
८	बु ५४ ३६ आ ६ १३ प ३ ४५ ५४ ३७ बा २५ ४६	४३	१५	४५	१९	२१	११	क.४९।५७	मार्गीबुधः १९।४७
९	शु ५० ४० पु ५ ३२ सि ५३ ३१ तै २२ ३८	३९	१६	४४	२०	२२	१२	कर्के	[–हस्त.३गुरुः ४४ रमा ११ व्र.
१०	शु ४५ २६ पु ३ १९ ५६ २९ सा ४६ ४५ व १८ ३	३५	१७	४३	२१	२३	१३	सिं ५९।४८	भ. १८ ३ उ. ४५ ६ या.उदयंगुरोः ३ ३१
११	श ३८ ४८ म ५४ ५२ शु ३८ ४५ ब १२ ७	३१	१८	४२	२२	२४	१४	सिंहे	हस्तेबुधः ५० मघा.सिंहेभौमः १० ३४–
१२	र ३० ५५ पू ४८ ५० शु २९ ५५ कौ ४ ५१	२७	१९	४१	२३	२५	१५	सिंहे	प्रदोषः धन १३
१३	चं २२ १५ उ ४१ ५८ ब्र १९ ५९ व २२ १५	२३	१९	४१	२४	२६	१६	कं.२।७	भ.२२।१५उ.४७।४२या.रूप १४
१४	मं १३ १० ह ३४ ४२ ऐं ९ ४९ ३१ श १३ १०	२०	२०	४०	२५	२७	१७	कन्यायां	तुलायामर्कः ३५ (सौरः ३९ ५७) दीपमालिका
१५	बु ३ ५३ चि २७ ३८ वि ४८ ५८ ना ३ ५३	१६	२१	३९	२६	२८	१८	तु.१।१०	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा

२६पं.का.कृ.२ वृ.इ. ३६/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	५	४	०	८	५
१८	२४	१२	१४	९	१५	२४	१८
४०	५१	१४	४१	३१	२१	२८	२
५	४३	६	२	२६	७	२६	३८
५९	३७	५५	१३	७०	५१	३	५९
९	५९	व.	३८	३९	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

कार्तिककृष्णे १४भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.५वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० घा. न्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

२७पं.का.कृ.९ वृ.इ. ३६/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	५	४	०	८	५
२५	२९	९	१६	१७	१४	२४	२४
३४	१	३०	११	४७	५१	६	५८
५९	१९	३२	४२	५६	२२	१०	२०
५९	३७	३५	१३	७१	१०	३	५९
२१	१९	मा	३२	१४	च.	११	३१

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः६४०६सं.२०२८
१	बु ५१ १७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–बुधास्तः पूर्वस्यां ६० प्रदोषः
२	गु ४७ ४१ स्वा २१ १६ प्री ३६ १७ बा २१ २५	२८	६	५	२७	२६	१६	तुलायां	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२ यम२
३	शु ४१ ४४ वि १६ ४ आ ३० ५० तै १४ ४२	८	२२	३८	२८	१	२०	वृ.२।३३	उषा.शुक्रः१।१५ जमादिलाख२६
४	श ३७ ३७ अ १२ ३३ सौ २३ ४२ व ६ ४०	४	२३	३७	२९	२	२१	वृश्चिके	भ.६।४०उ.३७।३७या.
५	र ३५ ४१ ज्ये १० ५८ शो १८ ८ ब ६ ३६	०	२४	३६	३०	३	२२	ध.१०।५८	कन्यायांशुक्रः४८।३६
६	चं ३५ ५६ मू १२ ४३ अ १४ २६ कौ ५ ४८	२७	२५	३५	१	४	२३	धनुषि	स्वात्यांरविः४५।३८भा.कार्तिकारंभः
७	मं ३८ ८ पू १४ १७ सु १२ २२ ग ७ २	५३	२५	३५	२	५	२४	म.३०।२५	भ.३८।८उ.स्वात्यांरविःसौरः२१।०
८	बु ४२ १५ उ १८ ४७ धृ १२ ५ वि १० ११	४९	२६	३४	३	६	२५	मकरे	भ.१९या.चित्रा.बुधः५७गोपाष्टमी
९	गु ४७ १५ श्र २४ ४० शू १२ ३६ बा १४ ४५	४५	२७	३३	४	७	२६	कुं.५८।१५	कुष्मांडहरक्षयह
१०	शु ५२ ५३ ध ३१ ५१ गं १४ ३४ तै २० ४	४१	२८	३२	५	८	२७	कुंभे	पूषा.३राहुःपुन.१केतुः६।५८
११	श ६० ० श ३६ १५ बृ १६ २२ व २६ ३४	३७	२९	३१	६	९	२८	कुंभे	भ.३४उ.देवप्रबोधिन्येकादशी तुलसीवि.
१२	र ० १५ पू ४६ ५८ धु १८ ४६ वि ० १५	३४	२९	३१	७	१०	२९	मी३०।२	भ.१५या. [×नवम्बर११ता.३०
१३	चं ६ ३५ उ ५४ १६ ब्या २१ ५ बा ६ ३५	३०	३०	३०	८	११	३०	मीने	तुलायांबुधः१९हस्त.४गुरुः२४–
१४	मं १२ ३८ रे ६० ० ह २३ ४ तै १२ ३८	२७	३१	२९	९	१२	३१	मीने	हस्तेशुक्रः१।४४वैकुंठ१४
१५	बु १७ ४३ रे १ ८ व २४ २९ व १७ ४३	२३	३१	२९	१०	१३	१	मे.१।८	भ.५३उ.४९या.वक्रीअश्विनी४शनिः३२×
१५	गु २१ ४१ अ ६ ४५ सि २४ ५९ ब २१ ४१	१९	३२	२८	११	१४	२	मेषे	मन्वादिः का.स्ना.पू.

२८पं.का.शु.२वृ.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	५	४	०	८	६
२	३	१४	१७	२६	१४	२३	१
३१	५	२४	४१	९	१९	४३	५५
२३	५३	३६	३८	५४	४१	५५	४४
५९	३६	७२	१३	७१	३१	३	५९
३४	५३	५०	२६	४१	व.	११	४६

२९पं.का.शु.९वृ.इ. ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	५	०	०	८	६
९	७	२४	१९	४	१३	२३	८
२९	६	२०	१०	३६	४६	२१	५५
३८	४०	१०	१२	१४	१९	३९	४
५९	३६	९३	१३	७२	४०	३	६०
४७	१६	२४	२०	२	व.	११	२

३०पं.का.शु.१५वृ.इ. ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	५	५	०	८	६
१६	११	५	२०	१३	१३	२२	१५
२९	३	४४	३७	५	१२	५९	५६
२०	१८	५६	३७	५६	३६	२४	८
६०	३५	९९	१३	७२	४०	३	६०
४	५६	२४	६	२८	व.	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०८५ शाकः १९५०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	शु २४ ५० भ ११ ३१ व्य २४ ५५ कौ २४ ५०	२७	६	५	२७	१२	१५	३	वृ.२७।२६ स्वात्यांबुधः८।५५
२	श २६ ४७ कृ १५ १० व २३ ५१ ग २६ ४७	१६	३	५	२६	१३	१६	४	वृषे भ.५७।८उ.
३	र २७ ३० रो १७ ५२ प २१ ५५ वि २७ ३०	१२	३	४	२६	१४	१७	५	मि४८।३८ भ.२७।३०या. चतुर्थी व्र.
४	चं २७ १३ मृ १९ २५ शि १९ २२ बा २७ १३	९	३	४	२५	१५	१८	६	मिथुने विशा.रविः६८(सौरः३८)पूफा.भौमः५५
५	मं २६ ३ आ २० ८ सि १५ ४९ तै २६ ३	५	३	५	२५	१५	१८	६	मिथुने
६	बु २४ १ पु १९ ५२ सौ ११ ३१ व २४ १	२	३	६	२४	१६	१९	७	क.४।५६ भ.२४।१उ.५२।२८या.
७	गु २० ५६ पु १८ ४० शु ६ २४ व २० ५६	२६ ५८	३	६	२४	१७	२०	८	कर्के
८	शु १६ ५९ श्ले १६ ३१ शु ३४ ५३ कौ १६ ५९	५५	३	७	२३	१८	२१	९	सिं१६।३१ चित्रा.शुक्रः५७।४३
९	श १२ १० म १३ २० ऐं ४६ ४७ ग १२ १०	५२	३	८	२२	१९	२२	१०	सिंहे भ.३९।११उ.विशा.बुधः११।२९
१०	र ६ ११ पू ९ २५ वै ३८ ३७ वि ६ ११	४९	३	९	२२	२०	२३	११	कं.२३।१५ भ.६।११या.उत्पत्ति११व्र.स्मा.
११	र ५३ २२ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+शुक्रः२३चित्रा.१गुरुः३५८
१२	चं ५२ १९ उ ४४ २६ वि २९ ५९ कौ २५ ५६	४२	४	०	२०	२२	२५	१३	कन्यायां उत्पत्ति११व्र.वै.
१३	मं ४४ ४२ चि ५३ २१ प्री २० ५६ ग १८ ३०	३९	४	०	२०	२३	२६	१४	तु.२६।१६ भ.४४।४२उ. प्रदोषः
१४	बु ३७ ७ स्वा ४७ ४८ आ ११ ३९ वि १० ५४	२६	४	१	१९	२४	२७	१५	तुलायां भ.१०।५४या.
२०	गु ३० १ वि ४२ ४१ सौ ३२ ५५ च ३ ३४	३२	४	१	१९	२५	२८	१६	वृ.२८।५८ वृश्चिकेऽर्कः३२(सौर:३३)तुलायां+

३१पं.मा.कृ.७वृ.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	५	५	०	८	६
२३	१४	१७	२२	२१	१२	२२	२२
३०	५३	१९	२	४०	३९	३७	५८
४०	४६	४१	६	१६	७	८	४०
६०	३५	०	१२	७२	३५	३	६०
१७	४	१११	३८	४७	वा	११	३०

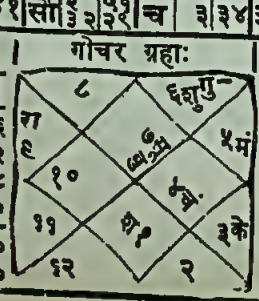

मार्गशीर्षकृष्णे ३०गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु.३० धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

३२पं.मा.कृ.३०वृ.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	५	६	०	८	७
०	१८	२८	२३	०	१२	२२	०
३३	३८	३४	२४	१७	७	१४	२
२२	४९	२३	२२	२०	१२	५२	४४
६०	३४	०	१२	७३	१३	३	६०
३०	२६	३७	१८	२	व.	११	४०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४३५स.२०२८
१	शु २३ ५९ अ ३८ ३८ अ ४६ २३ ब २३ ५९	३०	६ ४२	५ १८	२६	२९	१७	वृश्चिके	वृश्चिकेबुधः २६।१९
२	श १९ २८ ज्ये ३६ ४ सु ३९ ५५ कौ १९ २८	२७	४३	१७	२७	३०	१८	ध.३६।४	चंद्रदर्शनम्
३	र १६ ५२ मू ३५ २० धृ ३४ ५६ ग १६ ५२	२५	४३	१७	२८	१	१९	धनुषि	भ.३६उ.अनु.रविः३३ (सौरः४९)=
४	चं १६ २ पू ३६ २४ शू ३१ १७ वि १६ २	२२	४४	१६	२९	२	२०	म.५२।१३	भ.१६।२या.पातस्पर्शः५१।५
५	मं १७ २५ उ ३९ ४१ गं २९ ४३ बा १७ २५	१९	४४	१६	३०	३	२१	मकरे	स्वात्यांशुक्रः४२।३१पातमोक्षः९।४०
६	बु २० ३८ श्र ४४ ३८ बृ २९ १४ तै २० ३८	१७	४५	१५	१	४	२२	मकरे	भा.मार्गशीर्षारंभःचंपा६
७	शु २५ २६ ध ५१ ७ धु ३० २ व २५ २६	१४	४५	१५	२	५	२३	कुं.१७।५२	भ.२५।२६उ.५८।२५या.
८	शु ३१ २३ श ५८ ४ ब्या ३१ ५० व ३१ २३	१२	४६	१४	३	६	२४	कुम्भे	[=अनु.बुधः २५ रज्जव७
९	श ३७ ४९ पू ६० ० ह ३३ ५८ बा ४ ३६	९	४६	१४	४	७	२५	मी४८।५४	
१०	र ४४ १७ पू ५ ५० व ३६ २१ तै ११ ३	७	४७	१३	५	८	२६	मीने	
११	चं ५० २५ उ १३ १४ सि ३८ २६ व १७ २१	५	४७	१३	६	९	२७	मीने	भ.३५उ.५९या.मोक्षदा ११व्र.गीताजयंती
१२	मं ५५ २६ रे २० ६ व्य ३९ ५१ ब २३ २५	२	४८	१२	७	१०	२८	मे.२०।६	ज्येष्ठा.बुधः७।४६
१३	बु ५९ १० अ २६ २ व ४० ३० कौ २७ १८	०	४८	१२	८	११	२९	मेषे	प्रदोषः [+दत्तजयंती
१४	गु ६० ० भ ३० ३१ प ३९ ५७ ग ३० २५	२५८	४८	१२	९	१२	३०	वृ.४६।१८	[×शुक्रः ३ ९ उफा.भौमः ७ ५४
१५	शु १ ४० कृ ३३ ३९ शि ३८ २२ ब १ ४०	५६	४९	११	१०	१३	१	वृषे	भ.४०उ.३ २ या.दिसंबर १२ता.३१+
१५	श २ ३७ रो ३५ ३३ सि ३५ ५० ब २ ३७	५४	४९	११	११	१४	२	वृषे	ज्येष्ठा.रविः ४ ९ (सौरः ५ ७) विशा.×

३३पं.मा.शु.७वृ.इ.३५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	५	६	०	८	७
७	२२	९	२४	८	११	२१	७
३७	१७	४०	४३	५७	३७	५२	८
१६	५६	२६	४१	२५	१२	३७	१७
६०	३३	९९	११	७३	५३	३	६०
४२	३२	४४	५०	१६	व	११	५३

गोचर ग्रहाः

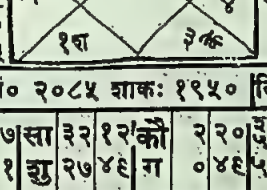

इस मास में शनिवार का चंद्रदर्शन तेजी-कारक है चांदी सोना लोहा रुई रंग सूत वारदाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

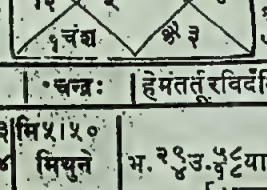

३४पं.मा.शु.१४वृ.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	५	६	०	८	७
१४	२५	२०	२५	१७	११	२१	१४
४२	५०	४०	५८	३८	१०	३०	१५
२९	१०	१९	५५	५३	४४	२१	३
६०	३२	९८	११	७३	३	३	६१
५०	२२	२	११	२६	व	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेतिमहा.
१	र २ २० मृ ३६ ७ सा ३२ १२ कौ २ २०	५५	६	५	११	१२	१५	मि५।५०	
२	चं ० ४९ आ ३५ ४१ शु २७ ४९ ग ० ४९	५५	५०	१०	१३	१६	४	मिथुने	भ.२९उ.५८या.चित्रा.२गुरुः ४४ ÷
३	चं ५७ २९ ० ० ० ५ ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷पातस्पर्शः ३ ३ पातमोक्षः ५६
४	मं ५५ ११ पु ३४ २७ शु २३ ९ व २६ ४४	४९	५०	१०	१४	१७	५	क.१९।४६	चतुर्थी व्र.
५	बु ५१ २६ पु ३२ ४१ ब्र १७ ४ कौ २३ १८	४८	५०	१०	१५	१८	६	कर्के	मूलेधनुषिबुधः ३५।४३
६	शु ४७ २१ श्ले ३० १९ ऐं १० ५० ग १९ २३	४६	५१	९	१६	१९	७	सिं३०।१९	भ.४७।२१उ.
७	शु ४२ ५७ म २७ ४४ वै २८ ११ वि १५ ९	४५	५१	९	१७	२०	८	सिंहे	भ.१५।९या.
८	श ३८ ३ पू २४ ३६ प्री ५० ३९ बा १० ३०	४४	५१	९	१८	२१	९	क.३८।४८	कन्यायांभौमः ६।३६
९	र ३२ ५० उ २१ ८ आ ४३ १५ तै ५ २६	४३	५१	९	१९	२२	१०	कन्यायां	वृश्चिकेशुक्रः ३२।१६
१०	चं २७ १९ ह १७ २१ सो ३५ ३९ व ० ४	४३	५२	८	२०	२३	११	तु.४५।२४	भ.०।४उ.२७।१९या.
११	मं २१ ४० चि १३ २७ शो २७ ५४ बा २१ ४०	४१	५२	८	२१	२४	१२	तुलायां	सफला ११व्र.
१२	बु १६ २ स्वा ९ ३५ अ २० १४ तै १६ २	४०	५२	८	२२	२५	१३	वृ.५१।५२	अनु.शुक्रः ५ ४ बुधोदयःपश्चि. ३ ६ प्रदोषः
१३	गु १० ४० वि ५ ५८ शु १२ ५३ व १० ४०	३९	५२	८	२३	२६	१४	वृश्चिके	भ.१०।४०उ.३८।१८या.
१४	शु ५ ५७ अ २ ४८ धृ ५५ ५३ श ५ ५७	३९	५२	८	२४	२७	१५	वृश्चिके	मूलेधनुष्यर्कः ३७।५८पूषा.बुधः८।३८
३०	श २ ४ ज्ये २८ ५९ गं ५४ ३२ ना २ ४	३८	५२	८	२५	२८	१६	ध.०।२८	मूलेधनुष्यर्कःसौरः १।१३

३५पं.पौ.कृ.६वृ.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	५	६	०	८	७
२१	२९	१	२७	२६	१०	२१	२१
४८	११	३५	९	२२	४७	८	२२
३२	५३	२४	५४	१	५३	६	४४
६०	३१	९७	१०	७३	५३	३	६१
५६	२४	८	३२	२८	व.	११	११

गोचर ग्रहाः

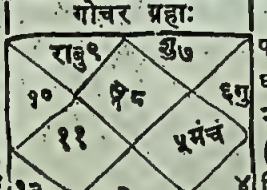

पौष कृष्णे १४ शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. २न.३सुतार्थिन्यवस्था (सूती) मु.१५धान्या-दिभावें महर्घता शुक्रो-दयःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

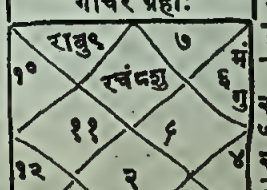

३६पं.पौ.कृ.१३वृ.इ. ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	५	७	०	८	७
२८	२	१२	२८	५	१०	२०	२८
५५	२४	२९	१६	६	२९	४५	३१
२६	०	१७	३४	२९	३१	५०	२७
६१	३०	९४	९	७३	३	३	६१
०	४	१६	४६	४९	वी	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												वि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततौरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४६५स.२०२८
१	श	५७	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	५८	४६	पू	६०	०	बृ	५०	३७	बा	२९	१०	३५	५६	५	२६	२९	१७	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	चं	५९	४७	पू	०	१६	ध्रु	४८	२	तै	२९	१६	३७	५३	७	२७	१	१८	म.१५।५०	सावान ८
४	मं	६०	०	उ	२	३२	व्या	४६	३८	व	३१	७	३७	५३	७	२८	२	१९	मकरे	भ.३१।७उ.
५	बु	२	२७	श्र	६	४१	ह	४६	३६	वि	२	२७	३६	५३	७	२९	३	२०	कुं.३९।२६	भ.२।२७या.
६	गु	६	४५	ध	१२	१५	व	४८	४	बा	६	४५	३६	५३	७	३०	४	२१	कुम्भे	
७	शु	१२	२०	श	१८	५०	सि	४९	४०	तै	१२	२०	३६	५३	७	१	५	२२	कुंभे	भा.पौषारंभः
८	श	१८	३६	पू	२६	११	व्य	५१	५५	व	१८	३६	३६	५३	७	२	६	२३	मीऽ.२१	भ.३९उ.५१या.ज्येष्ठा.शुक्रः५०।४०
९	र	२५	५	उ	३३	४३	व	५४	१२	ब	२५	५	३७	५३	७	३	७	२४	मीने	उषा.बुधः३।८
१०	चं	३१	१८	रे	४१	२	प	५५	५९	कौ	३१	१८	३७	५३	७	४	८	२५	मे.४१।२	[+तुलायांगुरुः१।१८पुत्रदा११व्र.
११	मं	३६	४६	अ	४७	२६	शि	५६	५५	तै	४	२	३७	५३	७	५	९	२६	मेषे	मकरेबुधः२५।२७
१२	बु	४०	४०	भ	५२	१८	सि	५६	४६	व	८	४३	३८	५२	८	६	१०	२७	मेषे	भ.८।४३उ.४०।४०या.चित्रा.३+
१३	गु	४३	७	कृ	५५	४४	सा	५५	२६	ब	११	५३	३८	५२	८	७	११	२८	वृ.८।९	पूषा.रविः४३पूषा.२राहुःआर्द्रा४केतुः५८
१३	शु	४३	४७	रो	५७	२६	शु	५२	४७	कौ	१३	२७	३९	५२	८	८	१२	२९	वृषे	पूषा.रविःसौरः२।५१प्रदोषः
१४	श	४२	३८	मृ	५७	२३	शु	४८	३७	ग	१३	१२	४०	५२	८	९	१३	३०	मि२७।२५	भ.४२।३८उ.
१५	र	४०	१	आ	५५	५६	ब्र	४३	२८	वि	११	१९	४१	५२	८	१०	१४	३१	मिथुने	भ.११या.मा.स्ना.प्रा चंद्रग्रहणम्

३७पं.पौ.शु.५वृ.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	५	७	०	८	८
६	५	२३	२९	१३	१०	२०	५
३	२५	२	१७	५२	१५	२३	४०
०	५२	१०	३८	१२	२९	३४	५२
६१	२८	८७	८	७३	३५	३	६१
४	१९	४९	५९	५०	व	११	२२

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं धान्य गेहूं जो चना मटर आदि तेज होवे प्रजा में बिमारी फैले शीत प्रकोप हो।

गोचर ग्रहाः

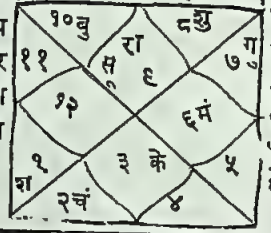

३८पं.पौ.शु.१२वृ.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	६	७	०	८	८
१३	८	२	०	२२	१०	२०	१२
१०	१५	३५	१२	३७	६	१	५०
५९	४०	२०	२९	५२	५८	१९	४४
६१	२४	७२	८	७३	४०	३	६१
६	२६	२५	४	५६	व	११	२६

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	शिशिरर्तौरविरुत्तरे पौष कृष्णेतिमहा.
१	चं	३६	१०	पु	५३	४२	ऐं	३८	३१	बा	८	५	२५	६	५	८	११	१५	१	क.३९।१०	जनवरी१ता.३१सन् २०२९
२	मं	३१	२६	पु	५०	१३	वै	३२	२३	तै	३	४८	४३	५१	९	१३	१६	२	कर्के	भ.५८।४०उ.हस्तेभौमः२।३५
३	बु	२५	५४	श्ले	४६	२५	वि	२२	५२	वि	२५	५४	४४	५१	९	१३	१७	३	सिं४६।२५	भ.२५या.मूलेधनुषिशुक्रः२५चतुर्थीव्र.
४	गु	२०	१९	म	४२	२५	प्री	१५	२०	बा	२०	१९	४५	५१	९	१४	१८	४	सिंहे	
५	शु	१४	४३	पू	३८	३७	आ	७	३५	तै	१४	४३	४७	५१	९	१५	१९	५	कं.५२।४३	मार्गीशनिः२८।३१
६	श	९	२०	उ	३५	१	सौ	८	५२	व	९	२०	४८	५०	१०	१६	२०	६	कन्यायां	भ.९।२०उ.३६।४१या.
७	र	४	२	ह	३१	३३	अ	४५	३१	ब	४	२	५०	५०	१०	१७	२१	७	कन्यायां	वक्रीबुधः२।३५
८	र	५५	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	चं	५५	२	चि	२८	२७	सु	३८	३०	तै	२७	५	५२	५०	१०	१८	२२	८	तु.०।१	[÷०।२षट्तिला११व्र.
१०	मं	५०	१७	स्वा	२५	४८	धृ	३२	५	व	२२	३९	५३	४९	११	१९	२३	९	तुलायां	भ.२२।३९उ.५०।१७या.
११	बु	४६	३८	वि	२३	२८	शू	२५	४४	ब	१८	२७	५५	४९	११	२०	२४	१०	वृ.९।३	उषा.रविः४५।४७बुधास्तःपश्चिमायां ÷
१२	गु	४३	२८	अ	२१	४३	गं	१९	५६	कौ	१५	३	५७	४९	११	२१	२५	११	वृश्चिके	उषा.रविःसौरः४।१८
१३	शु	४१	१३	ज्ये	२०	४६	मृ	१४	५३	ग	१२	२०	५९	४८	१२	२२	२६	१२	ध.२०।४६	भ.४१।१३उ.प्रदोषः
१४	श	४०	५	मू	२०	५०	ध्रु	१०	२८	वि	१०	३९	२६	४८	१२	२३	२७	१३	धनुषि	भ.१०।३९या.पूषा.शुक्रः१७।५०
३०	र	३९	५५	पू	२२	२	व्या	७	५	च	१०	०	४	४७	१३	२४	२८	१४	म.३७।३८	मकरेऽर्कुः४।११ (सौरः१९।४५)

३९पं.मा.कृ.४वृ.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	६	८	०	८	८
२०	१०	८	१	१	१०	१९	२०
१९	५१	४५	०	२५	३	३९	००
५	४	३६	३६	१	४३	३	४१
६१	२४	३१	६	७४	०	३	६१
६	१३	३५	५०	२	व	११	२६

गोचर ग्रहाः

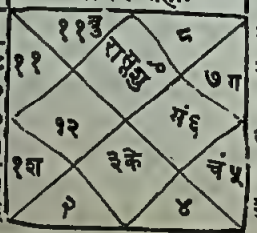

माघ कृष्णे ३० रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न. ३ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

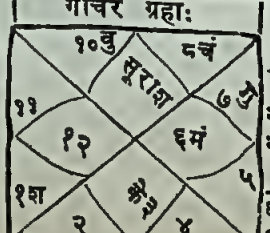

४०पं.मा.कृ.१२वृ.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	६	८	०	८	८
२७	१३	७	१	१०	१०	१९	२७
२७	८	२१	४१	११	५	१६	१०
७	१०	०	३८	३५	५६	४८	३३
६१	२१	५४	५	७४	४७	३	६१
६	३०	व.	५५	१४	मा	११	२४

=मंराचंशु

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	ई.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६४९४स.२०२१
१	चं	४१	१६	उ	२४	२७	ह	४	३२	किं	१०	३५	२६/६	६/४७	५/१३	२५	२९	१५	मकरे	[×(सौरः ५८/१९)उषा.शुक्रः४२।१५
२	मं	४४	९	श्र	२८	५	व	३	२९	बा	१२	४२	८	४६	१४	२६	३०	१६	मकरे	चंद्रदर्शनम्
३	बु	४८	१३	ध	३३	११	सि	२	५३	तै	१६	११	११	४६	१४	२७	१	१७	कुं.०।३८	रमजान९
४	गु	५३	३८	श	३९	३४	व्य	३	३८	व	२०	५५	१३	४५	१५	२८	२	१८	कुम्भे	भ.२०/५५उ.५३/३८या.वक्रीधनुषिबुधः ३/३३
५	शु	५९	४६	पू	४६	४०	व	४	५५	ब	२६	४२	१६	४५	१५	२९	३	१९	मी२९।५४	वसंत५
६	श	६०	०	उ	५४	१९	प	७	१४	कौ	३३	१	१९	४४	१६	३०	४	२०	मीने	अभि.प्र.रविः ३८/३७(सौरः ५१/६)वक्रीपूषा.+
६	र	६	१६	रे	६०	०	शि	९	३२	तै	६	१६	२१	४४	१६	१	५	२१	मीने	बुधोदयःपूर्वस्यां४०।३४भा.माघारंभः
७	चं	१२	४४	रे	१	५२	सि	११	४१	व	१२	४४	२४	४३	१७	२	६	२२	मे १।५२	भ.१२/४४उ.४५/३९या.भानु७रथ७
८	मं	१८	३४	अ	८	५४	सा	१३	२२	ब.	१८	३४	२७	४३	१७	३	७	२३	मेषे	श्रवणेरविः ५३/१४पातस्पर्शः १३/७पातमोक्षः =
९	बु	२३	४	भ	१४	३९	शु	१४	१	कौ	२३	४	२९	४२	१८	४	८	२४	वृ.३०।४५	श्रवणेरविःसौरः ८/२अभि.नि.रविः ४५/२९ ×
१०	गु	२६	८	कृ	१९	२	शु	१३	३१	ग	२६	८	३२	४२	१८	५	९	२५	वृषे	भ.५६।४०उ. [+बुधः२१।१५
११	शु	२७	११	रो	२१	३०	ब्र	११	३०	वि	२७	११	३५	४१	१९	६	१०	२६	मि५१।५३	भ.२७।११या.जया११व्र.[=३१/२०भीष्मा.
१२	श	२६	१५	मृ	२२	१६	ऐं	८	१	बा	२६	१५	३८	४०	२०	७	११	२७	मिथुने	मकरे शुक्रः२३।४२प्रदोषः
१३	र	२३	२५	आ	२०	५६	वै	३/०	५३/२८	तै	२३	२५	४१	४०	२०	८	१२	२८	मिथुने	मार्गी बुध ५३।२७
१४	चं	१८	४६	पु	१८	५२	प्री	४८	५३	व	१८	४६	४५	३९	२१	९	१३	२९	क.४।२३	भ.१८।४६उ.४५।४६या.
१५	मं	१२	४७	पु	१३	३५	आ	४०	३८	ब	१२	४७	४८	३८	२२	१०	१४	३०	कर्के	मा.स्ना.पूर्तिः

४१पं.मा.शु.४वृ.इ.३४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	६	८	०	८	९
४	१५	२९	२	१८	१०	१८	४
३४	५	१५	१५	५७	१३	५४	२०
५९	५३	४७	११	३२	५२	३२	२
६१	१८	८७/९	४	७४	१	३	६१
३	१६	व.	४२	२०	२८	११	१९

गोचर ग्रहाः

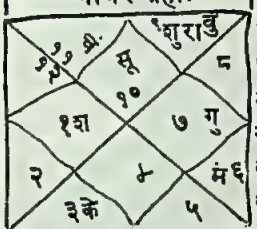

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथिक्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि बदि में धातु धान्य गल्ला रस में मंदी कर सुदि में तेजी करें।

गोचर ग्रहाः

४२पं.मा.श.१०वृ.इ.३४/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	६	८	०	८	९
११	१६	२३	२	२७	१०	१८	११
४२	४०	२९	३९	४४	२६	३२	२८
२९	३४	५३	४३	१०	३१	१६	५३
६०	२४	२३/५०	३	७४	२	३	६१
५९	२६	व	२९	२०	९	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	बु	५	४९	श्ले	८	१३	सौ	३१	२०	कौ	५	४९	२६/५१	६/३८	५/२२	११	१५	३१	सिं८।१३	
२	बु	५२	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	गु	५०	५०	म	२/३०	५४/२२	शो	२२	२	व	२४	३७	५४	३७	२३	१२	१६	१	सिंहे	भ.२४/३७उ.५०/५०या.फर्वरी२ता.२८
४	शु	४३	३५	उ	५१	३४	अ	१३	५	ब	१७	७	५८	३६	२४	१३	१७	२	कं.१०।३३	चतुर्थी व्र.
५	श	३६	५५	ह	४६	४६	सु	३/४७	५२/१३	कौ	१०	१५	२७/१	३६	२४	१४	१८	३	कन्यायां	[÷शुक्रः २२/५०पातस्पर्शः ३१/५पातमोक्षः ४३/५०
६	र	३०	५७	चि	४२	४६	शू	४८	२१	ग	३	५६	५	३५	२५	१५	१९	४	तु.१४।४६	भ.३०/५७उ.५८/२८या.उषा.बुधः ३९/५५श्रवणे ÷
७	चं	२५	५९	स्वा	३९	४०	गं	४१	४०	ब	२५	५९	८	३४	२६	१६	२०	५	तुलायां	[=महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
८	मं	२१	४८	वि	३७	४०	वृ	३५	३६	कौ	२१	४८	१२	३४	२६	१७	२१	६	वृ.२३।१०	धनि.रविः१।३२(सौरः१२।५२)
९	बु	१८	५०	अ	३६	३७	ध्रु	३०	२३	ग	१८	५०	१५	३३	२७	१८	२२	७	वृश्चिके	भ.४७।४४उ.
१०	गु	१६	३८	ज्ये	३६	३६	व्या	२६	३	वि	१६	३८	१९	३२	२८	१९	२३	८	ध.३६।३६	भ.१६।३८या.मकरेबुधः२४।१६
११	शु	१५	३४	मू	३७	२३	ह	२२	२७	बा	१५	३४	२३	३१	२९	२०	२४	९	धनुषि	विजया११व्र.
१२	श	१५	३८	पू	३९	३७	व	१९	५६	तै	१५	३८	२७	३१	२९	२१	२५	१०	म.५५।२४	प्रदोषः
१३	र	१६	४६	उ	४२	४७	सि	१८	२	व	१६	४६	३०	३०	३०	२२	२६	११	मकरे	भ.१६/४६उ.४७/५५या.शुक्रास्तःपूर्वस्यां ३९/० =
१४	चं	१९	५	श्र	४६	५९	व्य	१७	२८	श	१९	५	३४	२९	३१	२३	२७	१२	मकरे	कुंभेऽर्कः ३६/४८(सौरः ४६/५०)वक्रीभौमः +
३०	मं	२२	२६	ध	५२	१०	व	१७	१६	ना	२२	२६	३८	२८	३२	२४	२८	१३	कुं.१९।३५	[+वक्रीगुरुः १६/५६महाशिवरात्रीव्र.वै.

४३पं फा.कृ.३वृ.इ ३४/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	६	९	०	८	९
१८	१७	२४	२	६	१०	१८	१८
४९	४७	३८	५५	३०	४४	१०	३७
१	४९	५३	५२	४७	४९	१	०
६०	९	२६	१	७४	२	३	६१
५५	३१	२२	५९	२६	५०	११	४

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन कृष्णे १४ चंद्रे कुंभेऽर्कःप्रविष्टः वा.२न.३ अतिवन्ध्यावस्था (सूती)मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

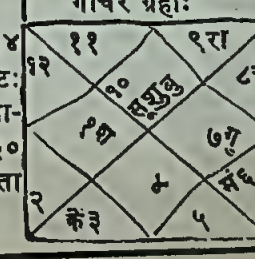

४४पं.फा.कृ.१०वृ.इ. ३४/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	६	९	०	८	९
२५	१८	०	३	१५	११	१७	२५
५४	२६	१०	२	१७	७	४७	४३
५०	१३	४४	५६	२	५२	४५	४७
६०	३	५३	०	७४	३	३	६०
४७	३९	५६	४५	२६	३२	११	५५

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६५२४स.२०२९
१	बु	२६	५८	श	५८	३२	प	१८	६	ब	२६	५८	२७/४१	६/२८	५/३२	२५	२९	१४	कुंभे	धनि.शुक्रः५९/४६चंद्रदर्शनम्
२	गु	३२	२२	पू	६०	०	शि	१९	२९	कौ	३२	२२	४५	२७	३३	२६	१	१५	मी४८।४८	सव्वाल१०फुलरिया२
३	शु	३८	३०	पू	५	३४	सि	२१	२५	तै	५	२६	४९	२६	३४	२७	२	१६	मीने	
४	श	४४	५८	उ	१३	१	सा	२३	३४	व	११	४४	५३	२५	३५	२८	३	१७	मीने	भ.११/४४उ.४४/५८या.श्रवणेबुधः१४/२५
५	र	५१	३७	रे	२०	४१	शु	२५	५४	ब	१८	१७	५६	२५	३५	२९	४	१८	मे.२०।४१	
६	चं	५७	४६	अ	२८	१६	शु	२८	१९	कौ	२४	४१	२८/००	२४	३६	३०	५	१९	मेषे	शतेरविः१३।१(सौरः२२/१२)
७	मं	६०	०	भ	३४	५५	ब्र	२९	५२	ग	३०	१४	४	२३	३७	१	६	२०	बृ.५१।१८	कुंभेशुक्रः१९।२१भा.फाल्गुनारंभः
७	बु	२	४३	कृ	४०	२५	ऐं	३०	२३	व	२	४३	८	२२	३८	२	७	२१	वृषे	भ.२।४३उ.३४।४२या.
८	गु	६	४२	रो	४४	१६	वै	२९	३८	ब	६	४२	१२	२२	३८	३	८	२२	वृषे	होलाष्टकम्
९	शु	८	४५	मृ	४६	२३	वि	२७	२५	कौ	८	४५	१६	२१	३९	४	९	२३	मि१५।२८	
१०	श	८	५२	आ	४६	२२	प्री	२३	४४	ग	८	५२	२०	२०	४०	५	१०	२४	मिथुने	भ.३७।५०उ.
११	र	६	४८	पु	४४	२९	आ	१८	१७	वि	६	४८	२४	१९	४१	६	११	२५	क.२९।५७	भ,४६/४८या.शतेशुक्रः४१/१९आमलकी११व्र.
१२	चं	२	४३	पु	४०	३१	सौ	११	१४	बा	२	४३	२८	१८	४२	७	१२	२६	कर्के	धनि.बुधः५६।२४प्रदोषः
१३	चं	५४	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	मं	४९	१९	श्ले	३५	७	शो	२/५०	५०/३३	ग	२३	४	३२	१८	४२	८	१३	२७	सिं. ३५/७	भ.४९।१९उ.
१५	बु	४०	४९	म	२८	३४	सु	४३	१६	वि	१५	४	३६	१७	४३	९	१४	२८	सिहे	भ.१५।४या.होलिकादहनम्

४५पं.फा.शु.२वृ इ.३४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	९	०	८	१०
२	१८	८	३	२४	११	१७	२
५९	३४	०	०	३	३५	२५	४९
४२	४८	५४	५०	११	५६	३०	५०
६०	३०/२	७१	४०/०	७४	४	३	६०
३७	व	३५	व.	२६	१३	११	४२

गोचर ग्रहाः

१२ बुशु १० श१ सू११ ९रा २ ८ के३ ५ गु७ ४ ६मं

इस मास में बाजरा मूंगमोठ ज्वारगुंवार चना तेज हो चांदी सोना रुई सण वार-दाना तिलहन मंदे होवे ।

गोचर ग्रहाः

१२ १०बु रा श१ सूशु११ ९ २ ८ क३ ५ ७ गु ४ मं६

४६ पं.फा.शु.८वृ.इ.३४/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	१०	०	८	१०
१०	१८	१७	२	२	१२	१७	९
३	९	१४	५१	४८	८	३	५४
१४	५०	२८	०	१८	६	१४	२३
६०	१०/८	८४	२	७४	४	३	६०
२५	व.	१६	१०	३२	४७	११	३

ति.	प्र. चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	गु	३१	४७	पू	२१	२६	धृ	३२	४४	बा	६	१८	२८/४०	६/१६	५/४४	१०	१५	१	क.३४।३८	पूषा.१राहुःआर्द्रा.३केतुः५३/२१मार्च३ता.D
२	शु	२२	४५	उ	१४	१४	शू	२२	१७	ग	२२	४५	४४	१५	४५	११	१६	२	कन्यायां	भ.४८।२१उ. [D३१वसंत१छारेंडी
३	श	१३	५८	ह	७	२५	गं	१२	२०	वि	१३	५८	४८	१४	४६	१२	१७	३	तु.३४।२४	भ.१३/५८या.कुंभेबुधः९।२९चतुर्थीव्र.
४/५	र	५/५३	५७/१०	चि	१/२३	५४/५०	वृ	२/५९	५०/४१	बा	५	५७	५२	१४	४६	१३	१८	४	तुलायां	पूभा.रविः२९।५(सौरः३६।५९)
६	चं	५३	४४	वि	५२	४१	व्या	४७	२९	ग	२६	२५	५६	१३	४७	१४	१९	५	वृ.३८।३४	भ.५३।४४उ.
७	मं	४९	५५	अ	५१	१	ह	४१	४१	वि	२१	४९	२९/१	१२	४८	१५	२०	६	वृश्चिके	भ.२१।४९या.
८	बु	४७	२८	ज्ये	५०	३५	व	३६	५५	बा	१८	४१	५	११	४९	१६	२१	७	ध.५०।३५	शतेबुधः२२/५०भरणी१शनिः५४/५शीतलापूज.
९	गु	४६	४०	मू	५१	३०	सि	३३	२६	तै	१७	४	९	१०	५०	१७	२२	८	धनुषि	पूभा.शुक्रः२०।५८
१०	शु	४७	१६	पू	५३	५७	व्य	३१	४	व	१६	५८	१३	९	५१	१८	२३	९	धनुषि	भ.१६।५८उ.४७।१६या.
११	श	४९	५	उ	५७	३४	व	२९	५२	ब	१८	१०	१७	९	५१	१९	२४	१०	म.९।५०	पापमोचनी११व्र.
१२	र	५२	२०	श्र	६०	०	प	२९	५२	कौ	२०	४२	२१	८	५२	२०	२५	११	मकरे	बुधास्तःपूर्वस्यां४९।१
१३	चं	५६	३४	श्र	२	३७	शि	२९	५९	ग	२४	२७	२६	७	५३	२१	२६	१२	कुं.३५।३२	भ.५६।३४उ.प्रदोषः
१४	मं	६०	०	ध	८	२८	सि	३१	१०	वि	२९	७	३०	६	५४	२२	२७	१३	कुंभे	भ.२९।७या.
१४	बु	१	४०	श	१५	१३	सा	३२	५६	श	१	४०	३४	५	५५	२३	२८	१४	कुम्भे	मीनेऽर्कः२९।५६(सौरः३७।२०)
३०	गु	७	२०	पू	२१	४१	शु	३४	४७	ना	७	२०	३८	४	५६	२४	२९	१५	मी५।४	पूभा.बुधः५।४८मन्वादिः

४७पं.चै.कृ.१वृ.इ.३५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	१०	०	८	१०
१७	१७	२७	२	११	१२	१६	१६
५	१२	३०	२८	३३	४४	४०	५७
२८	०	५३	५२	४०	१३	५८	१८
६०	१८/१७	९४	३४/३	७४	५	३	६०
१२	व.	५०	व	३२	१०	११	२०

१२ १०बु १ श ९ रा २ ८ ३के ५ गु७ ४ ६चंमं

४८पं.चै.कृ ९वृ.इ.३५।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	६	१०	०	८	१०
२४	१५	८	१	२०	१३	१६	२३
६	४२	४५	५९	१८	२३	१८	५८
१४	२९	२५	५६	०	५३	४३	४१
५९	२५/९	७/०	४/४०	७४	५	३	६०
५८	व	३७	व	३२	३८	११	६

१श ११शुबु २ १० के३ रा९ ४ ६मं ८ ५ ७गु

४९पं.चै.कृ.३०वृ.इ.३५/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	१०	६	१०	०	८	११
१	१३	२०	१	२९	१४	१५	०
५	४९	५५	२३	१	७	५६	५८
३१	१२	४४	४२	५२	८	२७	२३
५९	३१/२१	७/०	५/५२	७४	६	३	५९
४१	व	३२	व	३८	२	११	४९

(सं० २००१ समारम्भं २१०० पर्यन्तम्)

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम्।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३०, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१३०, भोग्यकलिः ४२६८७०, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०८६, शाकः १९५१, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः। मंत्री शुक्रः। सस्येशश्चंद्रः। धान्येशः शनिः। मेघेशः शुक्रः। रसेशो बुधः। नीरसेशश्चंद्रः। फलेशो गुरुः। धनेशोः रविः। दुर्गेशो गुरुः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १७रुधिरोद्गारीनाम संवत्सरःप्रवर्तते। तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः २।५।३४।५।४८ भोग्यमासादिः ९।२४।२५।५४।१२ भगदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम चैत्रः।मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासः संघौ। समयनिवासोः वैश्य गृहे। समय विश्वा २० समयवाहनम् दर्दुरः। स्तंभः१ अन्नस्य। सोमवत्यमा १ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी × भानुसप्तमी १रविदशमी२ समय मुहूर्ताः ४३५ समयदिनानि ३८३ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा ७, धान्यम् ९, तृणम् ११, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१११, सत्यम्।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिपूर्वं। ग्रहण २ चंद्रमसः।

संवत्२०८६ज्ये.शु.१४ चंद्रवासरे अर्द्धरात्रि पश्चिम पश्चाद् प्रदेशे ग्रस्तास्तं चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	७	८	८	९	१०
मि.	३	३	५३	४३	४४

भारत में यह ग्रहण नहीं होगा

सं.२०८६ मार्ग. शुक्ला १५ गुरौ खग्रास चंद्र ग्रहणम्

	स्पर्श सं.		मध्य उ.		मो.
घ.	२	३	४	४	६
मि.	२५	४३	१३	४३	१३

वर्ष लग्नम् ०।२९

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

नम् भाव भैरव खड़ा चरण नवाये शीश।
छियासी का फल कहो मुख से विश्वा बीस।।

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे छियासी का सार।
सौम्यग्रहां इस वर्ष में लिये आठ अधिकार।।
कविराजा इण वर्ष में राखे जग का मान।
वर्षा मध्यम होयसी घणा नीपजे धान।।
वर्षा ऋतु आरंभ में गुरु मंगल का योग।
पवन चक्र जग में चलें बढै जगत में रोग।।
पण भैरव भय मतकरे संवत् विश्वाबीस।
स्तंभ एक है अन्न का भली करे जगदीश।।

लाभखचं कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	८	१४	११	११	५	११

रा.	तु.	बृ.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ९।२९

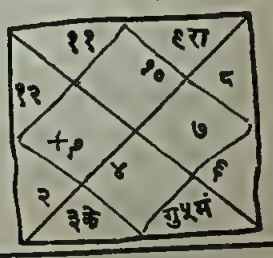

वर्षावौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१४।५२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

+शुबुसूचंश

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः फलम् ।। शुक्रस्य राज्ये बहुसस्य संकुलां स्वतीव्रवेगाः सरितोम्बु राशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहु गोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ।। मंत्री शुक्रः फलम ।। भृगुसुते ननु मंत्रि पदं गते शलभ मूषकरावथमाहिषैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ।। सस्येश चंद्रः फलम् ।। सस्याधिपे शीतकरे प्रजा सुखं मेघाः पयो मुंचति गोपयोधुक् । देवद्विजाराधन तत्परा नृपाः धरा भवेद्धान्य धनौघ पूर्णा ।। धान्येशः शनिः फलम् ।। निर्धना क्षितिभुजो रणादराः सस्यमल्प मतिः रोगिणो नराः । नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्यद्यद्रादा कणपतिः शनैश्चरः ।। मेघेशः शुक्रः फलम् ।। भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलमुचो जलदा दिवि शोभनाः । धन निधान युता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो बुधः फलम् ।। रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभ धान्य घृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहु जलाखिलदेश सुरक्षिता ।। नीरसेशश्चंद्रःफलम् ।। शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ।। फलेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गत भया वनराशि महाद्रुमाः यजन याजनकोत्सव मन्दिराः श्रुति विचार परा द्विज पूर्वकाः ।। धनेशो रविः फलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहु द्रव्य समागमः । गज तुरंगम मेष खरोष्ट्रतो धन चयं लभते क्रय विक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढ़पे नय शोभिता नरवरा नरपाः कर पालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शास्त्रवतो निशम् ।। रुधिरोद्गारीनाम संवत्सरः फलम् ।। आहवे निहिता सर्वे भूपा रोगैस्तथा जनाः । यथा कथंचिज्जीवन्ति रुधिरोद्गारिवत्सरे ।। वर्षनाम चैत्रः फलम् ।। चैत्राब्दे भभुजः स्वच्छाः स्त्रीषु चाल्प प्रजाभवेत् । अल्प वृष्टिः स्वल्प धान्यं प्रजानां व्याधितो भयम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खंड वृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे ।। वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

द्वि. चैत्र मासः

शुक्ला ६ चन्द्रे मघा ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।।।।ऽऽ।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १३ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो १० रे. ६ ।।।।।ऽ।।।

,, १५ शनौ स्वात्यां ल. १० रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा ४ भौमे मूले ल. १० रे. ७ ऽ।।।।ऽरो।ऽ।।

,, ११ बुधे उभा ल. १० रे. ६ ऽऽ।।ऽ।।ऽ।।

शुक्ला २ भौमे मृगे ल. ऽन्यगो १० रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

,, ८ चन्द्रे मघा ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।ऽचौ।ऽ।।

,, १० बुधे हस्ते ल. गो. १० रे. ८ ।।।।।ऽरोऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ गुरौ उभा ल. गो. रे. ७ ।।।ऽशु।।।ऽऽ।

पादाद्वेधाऽभावः गणितेन क्रांति साम्याऽभावश्च

,, ९ भौमे उभा ल. ऽन्यगो रे.६ ।।।ऽबुऽऽअ३९या।ऽ।।

पादतो वेधाऽभावः

शुक्ला ५ रवौ मघा ल.ऽन्यगो(सोग्रांगः)रे.८ ।ऽ।।।ऽअ।।।।

आषाढ मासः

कृष्णा १ बुधे उषा ल. गो. रे. ६ ।।।ऽबु।।नृ३८उ।।।।

,, ८ बुधे रेव ल. ऽन्यगो रे. ६ ऽ।।।ऽ।ऽऽ।।

कार्तिक मासः

शुक्ला ११ शुक्रे उभा ल. ६ रे. ६ ।ऽ।।।।।।।।

,, १५ बुधे रोहि ल. ५-६ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ९ शुक्र उफा ल. ऽन्यगो ५ (गोधूल्यां भौमाष्टम महादोषः) रे. ८ ।।।।।।।ऽ।ऽ दग्धा

,, १० शनौ हस्ते ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) ल. ५ रे. ६ ऽ।।।।ऽचौऽऽ।।

शुक्ला ८ गुरौ उभा ल. गो. रे. १० ।।।।।।।।।। (व्य.घ.२७-६उ.)

माघ मासः

कृष्णा २ चन्द्रे मघा ल. ६-६ रे. ६ ।।।ऽ।।।।।

,, ४ बुधे उफा ल. ६-६ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

,, १२ बुधे मूले ल. ६ रे. ६ ।।।।ऽ।ऽऽ।ऽ दग्धा

शुक्ला ४ बुधे उभा ल.६-६(घ.३७-१६उ)रे.६ऽ।।।।।।।।।

,, १४ रवौ मघा ल.६ रे.६ ।।।ऽबुऽ।ऽऽ।।पादाद्वेधाऽभावः

,, १५चंद्रे मघा ल.६रे.६।।।ऽबुऽ।ऽऽ।। पादतोवेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ भौमे उफा ल. ६ रे. ८ ।।।।ऽऽचौ४८या।।।।

,, २बुधेउफाल.गो.(भौमाष्टममहादोषः)रे.६।।।।ऽ।।।।।

,, ६ भौमे मूले ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) वा.ल.१०(घ.५४-४८या.)रे.६।।।।ऽऽनृ५५याऽऽ।।

शुक्ला २ बुधे रेव ल. ६-१० रे. ६ ।।।।।।नृ४५याऽ।।।

,, ६रवौरोहि.ल.१०रे.६।।।ऽशु।ऽचौऽऽ।।पादाद्वेधाभावः

,, ७ चन्द्रे रोहि ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) रे.६ ।।।ऽशु।ऽचौघ.४४याऽऽ।।पादतोवेधाऽभावः

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

ति.	प्र. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरे६५५४स.२०२९
१	शु १३ २३ उ २९ ३५ शु ३७ १५ ब १३ २३ ३९	६	५७	२५	३०	१६	मीने	मीनेशुक्रः२२।३१चंद्रदर्शनम्
२	श १९ ४३ रे ३७ १० ब्र ३९ ३८ कौ १९ ४३ ४७	३	५७	२६	१	१७	मे.३७।१०	उभा.रविः५१° (सौरः५६) जिल्काद११
३	र २६ १७ अ ४४ २९ ऐं ४१ ४२ ग २६ १७ ५१	२	५८	२७	२	१८	मेषे	भ.५९।२०उ.
४	चं ३२ २२ भ ५१ ४३ वै ४३ ३७ वि ३२ २२ ५५	१	५९	२८	३	१९	मेषे	भ.३२।२२या.उभा.शुक्रः३।६
५	मं ३७ ३३ कृ ५७ ५६ वि ४५ १ ब ४ ५७ ३०	०	०	२९	४	२०	वृ.८।१६	मीनेबुधः३२।२३.
६	बु ४२ १ रो ६० ० प्री ४५ २५ कौ ९ ४७ ४	५९	१	३०	५	२१	वृषे	
७	गु ४४ ४८ रो २ ५९ आ ४४ ३२ ग १३ २४ ८	५८	२	१	६	२२	मि३४।४४	म.४४उ.उभा.बुधः३९भा.चैत्रारंभः
८	शु ४५ ४ मृ ६ २८ सौ ४२ १६ वि १४ ५६ १२	५८	२	२	७	२३	मिथुने	भ.१४।५६या.
९	श ४५ २८ आ ८ १९ शो ३८ ३१ ब्रा १५ १६ १६	५७	३	३	८	२४	क.५३।११	
१०	र ४२ ४० पु ८ ८ अ ३३ ११ तै १४ ४ २१	५६	४	४	९	२५	कर्के	
११	चं ३८ १० पु ५ ७ सु २६ १३ व १० २५ २५	५५	५	५	१०	२६	कर्के	भ.१०५उ.३९या.कमला११व्र.
१२	मं ३१ ३१ श्ले २ २५ धृ १७ ५९ ब ४ ५० २९	५४	६	६	११	२७	सिं२।१	
१३	बु २३ ३१ पू ४९ ३३ शू २८ ४९ ३३ तै २३ ३१ ३३	५३	७	७	१२	२८	सिंहे	रेवत्यांबुधः५३वक्रीचित्रा२कन्यायां ×
१४	गु १४ १९ उ ४१ ५० बृ ४७ ३ व १४ १९ ३७	५३	७	८	१३	२९	क.२।३७	भ.१९उ.३९या.रेवत्यांशुक्र.४६।३६
१५	शु ४ २८ ह ३३ ५० ध्रु ३५ ५६ ब ४ २८ ४१	५२	८	९	१४	३०	कन्यायां	[×गुरुः३८।५४

५०पं.प्र.चै.शु.७वृ.इ. ३६/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	६	११	०	८	११
८	११	४	०	७	१४	१५	७
३	३५	३	४०	४५	५२	३४	५६
१८	५६	५४	४१	०	३४	१२	१८
५९	३३	८	४३	७४	६	३	५९
२९	व	१५	व	३८	२३	११	३५

गोचर ग्रहाः

प्र.चैत्र कृष्ण १४ बुधे मीनेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न.४ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु.४५धान्या दिभावे समता शुक्रास्तःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

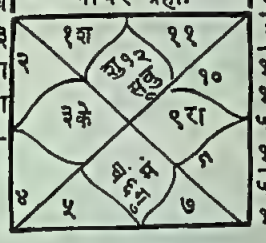

५१पं.प्र.चै.शु.१४वृ.इ. ३६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	५	११	०	८	११
१४	९	१८	२९	१६	१५	१५	१४
५९	१०	६	५२	२७	३९	११	५२
१०	४८	४०	५२	२५	५८	५६	२९
५९	३३	२२	२६	७४	६	३	५९
१६	व	३३	व	३८	३८	११	१८

ति.	द्वि चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे प्र.चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु ५० ४ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श ४५ २ चि २६ १३ व्या २५ ७ तै १९ ४७ ३०	४५	५१	९	१०	१५	३१	तु.०।२	रेवत्यांरविः३६(सौरः२५।२३)
३	र ३६ १४ स्वा १९ १६ ह १५ १ व १० ३८ ४९	५०	१०	११	१६	१		वृ.५९।५७	भ.३८उ.३६या.अप्रेल४ता.३०चतुर्थीव्र.
४	चं २८ ४६ वि १३ ३१ व ९ ५३ ब २ ३० ५३	४९	११	१२	१७	२		वृश्चिके	
५	मं २३ ९ अ ९ ३२ व्य ५२ ८ त २३ ९ ५७	४९	११	१३	१८	३		वृश्चिके	
६	बु १९ १९ ज्ये ७ २७ व ४७ ३१ व १९ १९ ३१	४८	१२	१४	१९	४		ध.७।२७	भ.१९उ.४८या.अश्वि.मेषेबुधः२०।५१
७	गु १७ १७ मू ७ ७ प ४४ २२ ब १७ १७ ५	४७	१३	१५	२०	५		धनुषि	
८	शु १७ ३४ पू ८ ४९ शि ४२ ५१ कौ १७ ३४ १०	४६	१४	१६	२१	६		म.२४।३७	
९	श १९ १६ उ १२ ४ सि ४२ ३४ ग १९ १६ १४	४५	१५	१७	२२	७		मकरे	भ.५३उ.भरणी२शनिः३३बुधोदयः ÷
१०	र २२ ३१ श्र १६ ५८ सा ४३ २२ वि २२ ३१ १८	४४	१६	१८	२३	८		कुं.५०।०	भ.२२।३१या. [÷पश्चिमायां५९।७
११	चं २७ १० ध २३ ३ शु ४४ १९ ब्रा २७ १० २२	४४	१६	१९	२४	९		कुम्भे	अश्वि.मेषेशुक्रः३०।१८कमला११व्र.
१२	मं ३२ ३८ श २९ ५८ शु ४६ ४६ तै ३२ ३८ २६	४३	१७	२०	२५	१०		कुंभे	[Aउफा.भौमः७।२६
१३	बु ३८ ५१ पू ३७ १५ ब्र ४८ ४६ ग ५ २४ ३०	४२	१८	२१	२६	११		मी२०।२६	भ.३८।५१उ.भरन्यांबुधः१६।४३वक्रीA
१४	गु ४५ १ उ ४४ ४५ ऐं ५१ २० वि ११ ५६ ३४	४१	१९	२२	२७	१२		मीने	भ.११।५६या.
१५	शु ५१ १० रे ५२ २५ वै ५३ ४१ च १८ ५ ३८	४०	२०	२३	२८	१३		मे.५२।२५	अश्वि.मेषेऽर्कः५२।३५ (सौरः५९।५६)

५२पं.द्वि.चैकृ.७वृ.इ. ३६/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	०	५	११	०	८	११
२१	६	२	२९	२५	१६	१४	२१
५३	४८	३०	०	९	३०	४९	४६
३१	११	५४	४७	५०	१४	४०	४०
५९	२८	०९	५५	७४	६	३	५९
४	व	१२	व	३४	५५	११	१४

गोचर ग्रहाः

द्वि.चैत्रकृष्णे ३० शुक्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न. ४प्रवाजिकावस्था (ऊभी)मु.३० धान्या दिभावेसमता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

१पं.द्वि.चै.कृ.३०शु.इ. ३६/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१०	५	०	०	८	११
०	४	१७	२७	५	१७	१४	२९
०	१४	३८	५९	२२	३२	२३	५२
०	१७	१०	१३	१९	६	३२	५५
५८	२१	०९	५५	७४	७	३	५८
४४	व	२३	व	३२	८	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	द्वि. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६५८३स.२०२९
१	श	५७	२३	अ	५९	४९	वि	५५	५१	किं	२४	३७	३१/४२	५/४०	६/२०	२४	२९	१४	मेषे	नवरात्रारंभः
२	र	६०	०	भ	६०	०	प्री	५७	३८	बा	३०	१२	४६	३९	२१	२५	३०	१५	मेषे	चंद्रदर्शनम्
२	चं	३	२	भ	६	४०	आ	५८	४२	कौ	३	२	५०	३८	२२	२६	१	१६	वृ.२३।१०	अस्तंशने:४९/३८जिल्हेज१२मत्स्यजयंती×
३	मं	७	४७	कृ	१२	४०	सौ	५९	१३	ग	७	४७	५३	३७	२३	२७	२	१७	वृषे	भ.३९।५२उ.गणगौरी [×सिंधारा
४	बु	११	५७	रो	१८	२	शो	५९	९	वि	११	५७	५७	३७	२३	२८	३	१८	मि५०।८	भ.११/५७या.शुक्रोदयःपश्चिमायां१८।३६
५	गु	१४	५२	मृ	२२	१४	अ	५७	५२	बा	१४	५२	३२/१	३६	२४	२९	४	१९	मिथुने	
६	शु	१६	३५	आ	२५	५	सु	५५	२८	तै	१६	३५	५	३५	२५	३०	५	२०	मिथुने	कृत्ति.बुधः४२।३भरण्यांशुक्रः१५।५६
७	श	१६	५१	पु	२६	३२	धृ	५१	४६	व	१६	५१	९	३४	२६	१	६	२१	क.११।१०	भ.१६/५१उ.४६/७या.भा.वैशाखारंभः
८	र	१५	२३	पु	२६	१७	शू	४६	४४	ब	१५	२३	१२	३४	२६	२	७	२२	कर्के	पातस्पर्शः४८।२४रामनवमीस्मा.
९	चं	१२	२५	श्ले	२४	२३	गं	४०	९	कौ	१२	२५	१७	३३	२७	३	८	२३	सिं२४।२३	बृषेबुधः४८/२६पातमोक्षः०/३४रामनवमीवै.
१०	मं	७	३२	म	२०	५१	बृ	३२	२६	ग	७	३२	२०	३२	२८	४	९	२४	सिंहे	भ.३४/२३उ.वक्रीचित्रा.१गुरुः१६।५४
११	बु	१	१३	पू	१५	४८	ध्रु	२३	३०	वि	१	१३	२३	३१	२९	५	१०	२५	कं.२९।११	भ.१।१३या.कामदा११व्र.
१२	बु	५२	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+३२।४६(सौरः४१।२१)
१३	गु	४४	३२	उ	९	२१	व्या	१३	४२	कौ	१८	५५	२७	३१	२९	६	११	२६	कन्यायां	प्रदोषः
१४	शु	३४	५२	ह	२/७	५२/१०	ह	३/८	४९/१५	ग	९	४२	३१	३०	३०	७	१२	२७	तु.२८।१२	भ.३४।५२उ.५९।५६या.भरण्यांरविः+
१५	श	२५	१	स्वा	४६	३४	सि	४१	३८	ब	२५	१	३४	२९	३१	८	१३	२८	तुलायां	हनुमज्जयंती

२पं.द्वि.चै.शु.६शु.इ. ५२/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	५	०	०	८	०
६	२	२६	२७	१४	१८	१५	६
५०	३३	५१	६	२	२४	१	४३
४६	५०	३६	२५	६	४०	१७	६
५८	१३/३२	६४	५/४६	७४	७	३	५८
३१	व	२२	व	३२	१४	११	२९

गोचर ग्रहाः

२ १२ ३चं के ११ ४ १० ५ ७ रा९ ६मंबृ ८

इस मास में धान्य चावलगेहूं जो बाजरा मूंग मोठ धातु सोना चांदी वारदाना वस्त्र तेज हो पशु पीडित हो प्रजा दुःखी हो ।

गोचर ग्रहाः

२ बु १२ ३के सू१श शु ११ ४ १० ५ चं७ रा९ ६गुमं ८

३पं.द्वि.चै.शु.१४शु.इ. ५३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	५	०	०	८	०
१३	१	१	२६	२२	१९	१३	१३
३९	२८	४५	१५	४०	१८	३९	३१
५०	५	५०	१४	८	४०	१	३१
५८	६/३०	१८	७/१४	७४	७	३	५८
१९	व	२२	व	२६	२०	११	१२

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे द्वि. चैत्र कृष्णेति महा.
१	र	१५	२९	वि	३९	४४	व्य	३१	२९	कौ	१५	२९	३२/३८	५/२८	६/३२	९	१४	२९	वृ.२६।२७	
२	चं	६	४३	अ	३३	५१	व	२२	१६	ग	६	४३	४१	२८	३२	१०	१५	३०	वृश्चिके	भ.३३।६उ.५९।२९या.
३	चं	५२	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	मं	५३	४९	ज्ये	२९	३७	प	१४	२३	ब	२६	३९	४५	२७	३३	११	१६	१	ध.२९।३७	वक्रीबुधः१५/४७कृत्ति.शुक्रः२/२८मई५ता. ÷
५	बु	५०	१९	मू	२७	२२	शि	८	२	कौ	२२	४	४८	२६	३४	१२	१७	२	धनुषि	[÷३१चतुर्थीव्र.
६	गु	४८	५७	पू	२७	१५	सि	३	२०	ग	१९	३८	५२	२६	३४	१३	१८	३	म.४२।४७	भ.४८/५७उ.बृषेशुक्रः५०/५०भरणी३शनिः१०/४९=
७	शु	४९	४१	उ	२९	२३	सा	०/२८	५८/४०	वि	१९	१९	५५	२५	३५	१४	१९	४	मकरे	भ.१९।१९या.मार्गीभौमः१।२७
८	श	५२	२९	श्र	३३	१२	शु	५९	२६	बा	२१	५	५८	२४	३६	१५	२०	५	मकरे	[=मूल४राहुःआर्द्रा२केतुः५२/६बुधास्तः +
९	र	५६	४८	ध	३८	३६	ब्र	६०	०	त	२४	३८	३३/२	२४	३६	१६	२१	६	कुं.५।५४	[+पश्चिमायां४६।२७
१०	चं	६०	०	श	४५	१४	ब्र	०	२६	व	२९	२९	५	२३	३७	१७	२२	७	कुंभे	भ.२९।२९उ.
१०	मं	२	११	पू	५२	४९	ऐं	२	२५	वि	२	११	८	२२	३८	१८	२३	८	मी३५।५५	भ.२।११या.
११	बु	८	२५	उ	६०	०	वै	४	४०	बा	८	२५	११	२२	३८	१९	२४	९	मीने	वरुथिनी११व्र.
१२	गु	१४	४९	उ	०	२०	वि	७	२३	तै	१४	४९	१४	२१	३९	२०	२५	१०	मीने	वक्रीमेषेबुधः८।१५प्रदोषः
१३	शु	२०	५७	रे	८	१	प्री	९	४४	व	२०	५७	१७	२१	३९	२१	२६	११	मे.८।१	भ.२०/५७उ.५३/५०या.कृत्ति.रविः१८।४५ –
१४	श	२६	४३	अ	१५	४	आ	११	५८	श	२६	४३	२०	२०	४०	२२	२७	१२	मेषे	[–(सौरः२९।१३)रोहि.शुक्रः५८।०
३०	र	३१	२३	भ	२१	४४	सौ	१३	३७	च	३१	२३	२३	१९	४१	२३	२८	१३	वृ.३८।७	

४पं.वै.कृ.७शु.इ. ५३/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	५	१	०	८	०
२०	१	२	२५	१	२०	१३	२०
२७	०	०	२८	१७	१२	१६	१८
२९	१८	३२	५	३५	३२	४५	१७
५८	०/५५	१९/५२	६/२५	७४	७	३	५७
६	मा	व	व	२६	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

शु२ बु १२ के३ सू१श ११ ४ १०चं ५ ७ ९ रा ६बृमं ८

इस मास में मंगल का चंद्रदर्शन तेजी कारक हैं, धान्य गल्ला धातु रसकस वस्त्र कपास वारदाना घृत में तेजी करे ।

गोचर ग्रहाः

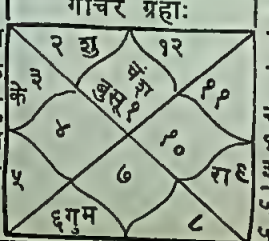

२ शु १२ ३ के चं बु सू१ ११ ४ १० ५ ७ रा९ ६गुम ८

५पं.वै.कृ.१३शु.इ. ५३/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	५	१	०	८	०
२७	१	२८	२४	९	२१	१२	२७
१३	९	५८	४६	५४	५	५४	३
३७	४	८	२६	३२	३५	३०	३१
५७	६	३५/५	५/३१	७४	७	३	५७
५४	५८	व	व	२६	२०	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६६१३स.२०२९
१	चं ३५ ५९ कृ २७ १६ शो १४ २२ किं ३ ४१ ३३ ५९ ४६ २४ २९ १४							वृषे	वृषेऽर्कः४६।० (सौरः५७।६)
२	मं ३९ १६ रो ३२ १९ अ १४ ३१ बा ७ ३७ २८ १८ ४२ २५ ३० १५							वृषे	वक्रीभरण्यांबुधः५१।२५चंद्रदर्शनम्
३	बु ४१ ३१ मृ ३६ ९ सु १४ १ तै १० २८ ३१ १८ ४२ २६ १ १६							मि४।१४	मोहोरम१सन्१४५१हि.परशुराम ×
४	गु ४२ ३९ आ ३८ ५० धृ १२ २७ च १२ ५ ३४ १७ ४३ २७ २ १७							मिथुने	भ.१२।५उ.४२।३९या.
५	शु ४२ ४३ पु ३९ ३२ शू १० २० ब १२ ४१ ३७ १७ ४३ २८ ३ १८							क.२४।२२	[×जयंतीअक्षया३
६	श ४१ ३२ पु ४१ ७ गं ७ २२ कौ १२ ७ ३९ १६ ४४ २९ ४ १९							कर्के	
७	र ३९ १५ श्ले ४० २२ बृ १३ ५४ ग १० २३ ४२ १६ ४४ ३० ५ २०							सिं४०।२२	भ.३९।१५उ.
८	चं ३५ ४२ म ३८ ३३ व्या ५२ ३ वि ७ २८ ४४ १५ ४५ ३१ ६ २१							सिंहे	भ.२८या.बुधोदयःपूर्वस्यां४७।५६
९	मं ३१ २ पू ३५ ३१ ह ४५ ३ बा ३ २२ ४७ १५ ४५ १ ७ २२							कं.४९।२९	मृगेशुक्रः५३उदयंशनेः२९।५भा.ज्ये.रंभः
१०	बु २४ ५६ उ ३१ २३ व ३७ १० ग २४ ५६ ४९ १४ ४६ २ ८ २३							कन्यायां	भ.५१।३१उ.
११	गु १८ ६ ह २६ ४ सि २८ १७ वि १८ ६ ५२ १४ ४६ ३ ९ २४							तु.५३।४	भ.१८।६या.मोहिनी११व्र.
१२	शु १० ७ चि २० ४ व्य १९ ६ बा १० ७ ५४ १३ ४७ ४ १० २५							तुलायां	रोहि.रविः९।२२(सौरः२३।८) प्रदोषः
१३	श १ ३५ स्वा १३ २३ व १५ ५९ तै १ ३५ ५६ १३ ४७ ५ ११ २६							वृ.५३।२९	भ.५२।४९उ.नृसिंहजयंती
१४	श ५१ १४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							० ०	[–यमायकुंभदानम्
१५	र ४४ १४ वि ६ ५१ शि ५० १३ वि १८ ३१ ५८ १२ ४८ ६ १२ २७							वृश्चिके	भ.१८।३१या.मार्गीबुधः४८।५९–

६पं.वै.शु.५श.इ.५३।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	०	५	१	०	८	१
३	१	२५	२४	१८	२२	१२	३
५८	५२	११	११	२९	०	३२	४७
४४	१९	३८	४९	२४	०	१४	१५
५७	११	२९	२३	७४	७	३	५७
४४	५३	व	व	२०	१४	११	३४

गोचर ग्रहाः

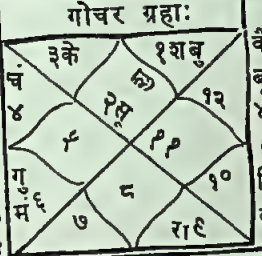

वैशाख शुक्ले १ चंद्रे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

७पं.वै.शु.१२शु.इ.५४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	०	५	१	०	८	१
१०	३	२३	२३	२७	२२	१२	१०
४२	८	३१	४४	४	५२	९	२९
४०	२०	१९	२	४१	२६	५९	२६
५७	१६	८	१३	७४	७	३	५७
३५	१०	व.	वं	१४	८	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	चं ३६ ३७ अ ४९ ५४ सि ४१ २९ बा १० २५ ३४ ५ ४६ ७ १३ २८							ध.५५।४२	मिथुनेशुक्रः१५।३१
२	मं ३० २० मू ५१ ५६ सा ३४ २ तै ३ २८ २ १२ ४८ ८ १४ २९							धनुषि	भ.५७उ.भरणी४शनिः२२।४५
३	बु २५ ३२ पू ५० १२ शु २७ ५३ वि २५ ३२ ३ ११ ४९ ९ १५ ३०							धनुषि	भ.३५या.पातस्पर्शः५७पातशोषः३३=
४	गु २२ ५५ उ ५० ३५ बा २३ ३८ बा २२ ५५ ५ ११ ४९ १० १६ ३१							म.५।१८	[=चतुर्थीव्र.
५	शु २२ १७ श्र ५२ ५६ ब्र २० ५१ ते २२ १७ ७ ११ ४९ ११ १७ १							मकरे	जून६ता.३०
६	श २३ ५८ ध ५७ ११ ऐं २० ६ व २३ ५८ ९ १० ५० १२ १८ २							कु.२५।३	भ.५८उ.५५या.आर्द्रा.शुक्रः४३।४७
७	र २७ २५ श ६० ० वै २० ८ ब २७ २५ १० १० ५० १३ १९ ३							कुंभे	
८	चं ३२ १७ श २ ५२ वि २१ ३५ कौ ३२ १७ १२ १० ५० १४ २० ४							मी५३।१०	वक्रीहस्त.४गुरुः१३।४
९	मं ३८ २० पू ९ ५६ प्री २३ ४४ तै ५ १८ १३ ९ ५१ १५ २१ ५							मीने	
१०	बु ४४ ३० उ १७ १९ आ २६ ८ व ११ २५ १५ ९ ५१ १६ २२ ६							मीने	भ.११उ.४५या.कृत्ति.बुधः१०।५३
११	गु ५० ४० रे २५ ५ सौ २८ ४४ ब १७ ३५ १६ ९ ५१ १७ २३ ७							मे.२५।५	अपरा११व्र.
१२	शु ५६ २४ अ ३२ १३ शो ३० ५३ कौ २३ ३२ १७ ९ ५१ १८ २४ ८							मेषे	मृगेरविः१५(सौरः२८)बृषेबुधः३८।३०
१३	श ६० ० भ ३८ ५६ अ ३२ ३९ ग २८ ५० १८ ८ ५२ १९ २५ ९							वृ.५५।१९	प्रदोषः
१३	र १ १६ कृ ४४ २७ सु ३३ २२ व १ १६ १९ ८ ५२ २० २६ १०							वृषे	भ.१।१६उ.३२।५८या.
१४	चं ४ ४० रो ४८ ४० धृ ३३ १६ श ४ ४० १९ ८ ५२ २१ २७ ११							वृषे	मार्गीगुरुः३७।३३
३०	मं ६ ११ मृ ५१ ३५ शू ३२ ८ ना ६ ११ २० ८ ५२ २२ २८ १२							मि२०।७	वटपूजनम्

८पं.ज्ये.कृ.५श.इ.५३।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	०	५	२	०	८	१
१७	४	२५	२३	५	२३	११	१७
२५	५१	७	२४	३८	४४	४७	१०
२६	३२	५९	३६	२४	२४	४३	३२
५७	२०	३९	१	७४	६	३	५७
२७	१४	मा	व	६	५६	११	१३

गोचर ग्रहाः

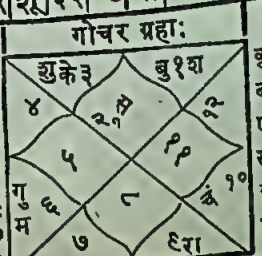

कृष्ण पक्ष में तिथि बढे शुक्लपक्षघटजाय एक चीज की क्याकहें सभीचीज घट जाय।। इस मास में तेजी रहेगी ।

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.कृ.१२शु.इ.५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	५	२	०	८	१
२४	६	०	२३	१४	२४	११	२३
७	५९	१३	१३	११	३४	२५	५०
३०	२८	४४	५५	२४	५	२७	२८
५७	२३	५३	३०	७३	६	३	५७
२२	११	२७	व	५६	३८	११	२२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ६६४३स.२०२९
१	बु	८	१२	आ	५३	३३	गं	३०	१०	ब्र	८	१२	३५	५	५३	२३	२९	१३	मिथुने	पुन.शुक्रः४१।४०चंद्रदर्शनम्
२	गु	८	८	पु	५४	३६	बृ	२७	९	कौ	८	८	२१	८	५२	२४	१	१४	क.३९।२०	सफर२
३	शु	७	७	पु	५४	३२	धु	२३	२२	ग	७	७	२२	८	५२	२५	२	१५	कर्के	भ.३६उ.मिथुनेऽर्कः३।७(सौरः२२।४६)
४	श	५	४	श्ले	५३	४०	व्या	१८	५६	वि	५	४	२२	८	५२	२६	३	१६	सिं५३।४०	भ.५।४या.
५	र	२	१३	म	५२	८	ह	१४	२	बा	२	१३	२३	७	५३	२७	४	१७	सिंहे	रोहि.बुधः१।२२हस्तेभौमः९।८
६	र	५६	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	चं	५४	२९	पू	४९	४३	व	८	२९	ग	२६	३६	२३	७	५३	२८	५	१८	सिंहे	भ.५४।२९उ.
८	मं	४९	३७	उ	४६	५६	सि	२	५३	वि	२२	३	२३	७	५३	२९	६	१९	कं.४।१	भ.२२।३या.
९	बु	४४	८	ह	४३	२३	व	४८	२५	बा	१६	५२	२४	७	५३	३०	७	२०	कन्यायां	[×(सौरः२४) भा.आषाढारंभः नि.११व्र.
१०	गु	३८	५	चि	३९	१५	प	४०	५१	तै	११	६	२४	७	५३	३१	८	२१	तु.११।२०	कर्केशुक्रः५४।२गंगादशमी
११	शु	३१	२९	खा	३४	४४	शि	३२	४२	व	४	४७	२४	७	५३	१	९	२२	तुलायां	भ.४।४७उ.३१।२९या.आर्द्रा.रविः४१×
१२	श	२४	२७	वि	२९	५०	सि	२४	३१	बा	२४	२७	२४	७	५३	२	१०	२३	वृ.१६।४	चित्रा.१गुरुः१६।४८प्रदोषः
१३	र	१७	१५	अ	२५	१	सा	१६	१९	तै	१७	१५	२४	७	५३	३	११	२४	वृश्चिके	पुष्येशुक्रः३६।४७
१४	चं	१०	५५	ज्ये	२०	३५	शु	८	२६	व	१०	५५	२३	७	५३	४	१२	२५	ध.२०।३५	भ.१५उ.३८।१या.मृगेबुधः९।१४
१५	मं	५	८	मू	१७	३	शु	१७	५३	ब	५	८	२३	७	५३	५	१३	२६	धनुषि	गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

१०पं.ज्ये.शु.३शु.इ. ५३ ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	५	२	०	८	२
०	९	८	२३	२२	२५	११	०
४८	२७	२७	१२	४२	२२	३	२९
४७	४०	२९	११	४३	५२	१२	३७
५७	२५	८२	४७	७३	६	३	५६
१७	४७	१७	मा	५०	२६	११	५७

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले ३ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

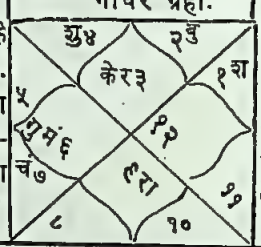

११पं.ज्ये.शु.११शु.इ. ५३ ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	५	३	०	८	२
७	१२	१९	२३	१	२६	१०	७
२९	१३	१९	१९	१३	९	४०	८
४२	५९	५	१६	३०	०	५६	४
५७	२८	१६	१	७३	६	३	५६
१३	१	४६	५५	४४	११	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षंतर्तूरविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	बु	०	३७	पू	१४	४५	ऐं	४९	४९	कौ	०	३७	३५	५	५३	६	१४	२७	म.२९।३६	कृत्ति.१शनिः४६।७
२	बु	५६	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×बुधास्तः पूर्वस्यां४५।२३
३	गु	५६	१६	उ	१४	११	वै	४६	९	व	२६	५६	२२	८	५२	७	१५	२८	मकरे	भ.२६उ.५६।१६या.मिथुनेबुध४२।५५×
४	शु	५७	४	श्र	१५	१७	वि	४४	१४	ब	२६	४०	२१	८	५२	८	१६	२९	कुं.४६।५४	चतुर्थीव्र.
५	श	५९	३८	ध	१८	३१	प्री	४३	१८	कौ	२८	१६	२०	८	५२	९	१७	३०	कुम्भे	
६	र	६०	०	श	२३	१७	आ	४३	४६	ग	३१	४९	१९	८	५२	१०	१८	१	कुंभे	आर्द्रा.बुधः५८।४७जौलाई७ता.३१
६	चं	४	१	पू	२९	३१	सौ	४५	२४	व	४	१	१८	८	५२	११	१९	२	मी१२।५७	भ.४।१उ.३६।४५या.
७	मं	९	२८	उ	३६	२५	शो	४७	४०	व	९	२८	१७	९	५१	१२	२०	३	मीने	
८	बु	१५	३८	रे	४४	४	अ	५०	१५	कौ	१५	३८	१६	९	५१	१३	२१	४	मे.४४।४	[=राहुःआर्द्रा.१केतुः४६।११
९	गु	२१	३९	अ	५१	२९	सु	५२	३१	ग	२१	३९	१५	९	५१	१४	२२	५	मेषे	भ.५४।३०उ.आश्ले.शुक्रः३८।५०मूल३=
१०	शु	२७	२१	भ	५८	२८	धृ	५४	३३	वि	२७	२१	१४	९	५१	१५	२३	६	मेषे	भ.२७या.पुन.रविः३४(सौरः२८।२१)
११	श	३२	१५	कृ	६०	०	शू	५५	२६	बा	३२	१५	१३	९	५१	१६	२४	७	बृ.१४।५१	पातस्पर्शः६पातमोक्षः४२योगिनी११व्र.
१२	र	३५	३८	कृ	३	५८	गं	५५	२३	कौ	३	५६	११	१०	५०	१७	२५	८	वृषे	पुन.बुधः१२।१४
१३	चं	३७	४६	रो	८	२२	बृ	५४	१३	ग	६	४२	१०	१०	५०	१८	२६	९	मि३९।४३	भ.३७।४६उ.प्रदोषः
१४	मं	३७	५३	मृ	११	४	धु	५१	४१	वि	७	५०	८	१०	५०	१९	२७	१०	मिथुने	भ.७।५०या.
३०	बु	३६	५०	आ	१२	२३	व्या	४८	१	च	७	२१	७	११	४९	२०	२८	११	क.५७।१६	

१२पं.आ.कृ.४शु.इ.५३।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	५	३	०	८	२
१४	१५	२	२३	९	२६	१०	१३
१०	१७	२४	३४	४३	५२	१८	४६
८	२०	४३	४८	१२	२९	४१	९
५७	२९	५९	३	७३	५	३	५६
७	५३	३२	२०	३२	५२	११	५०

गोचर ग्रहाः

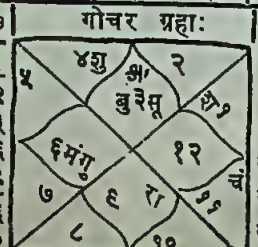

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी मंदे हो धातु सोना .चांदी गन्ना गुड़ सक्कर नमक तेज हो।

गोचर ग्रहाः

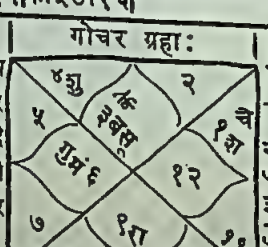

१३पं.आ.कृ.१०शु.इ. ५३ ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	५	३	०	८	२
२०	१८	१७	२३	१८	२७	९	२०
५०	३४	१३	५८	११	३३	५६	२४
३५	२६	२०	२३	३१	४०	२५	३
५७	३१	५९	४	७३	५	३	५६
७	३४	२२	२८	२०	२४	११	५०

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६६७२स.२०२९
१	गु	३४	१६	पु	१२	१४	ह	४३	२१	किं	५	३३	३४/५	५/११	६/४९	२१	२९	१२	कर्के	कर्केबुधः४६।७
२	शु	३०	४२	पु	११	३	व	३७	५३	बा	२	२९	३	११	४९	२२	३०	१३	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	श	२६	२७	श्ले	८	४९	सि	३१	४८	ग	२६	२७	१	१२	४८	२३	१	१४	सिं८।४९	भ.५३/५९उ.पुष्येबुधः२२/१०रविलावल३
४	र	२१	३१	म	६	९	व्य	२५	६	वि	२१	३१	३३/५९	१२	४८	२४	२	१५	सिंहे	भ.२१।३१या.
५	चं	१६	३४	पू	३	११	व	१८	३९	बा	१६	३४	५७	१३	४७	२५	३	१६	कं.१७।२४	कर्केऽर्कः३०/०मघा.सिंहेशुक्रः३९/८चित्रा.=
६	मं	११	९	उ	०/१	५६/३९	प	११	५६	तै	११	९	५५	१३	४७	२६	४	१७	कंन्यायां	कर्केऽर्कःसौर १।५ [=भौमः१३/३
७	बु	५	५७	चि	५३	२४	शि	४/५७	५२/५९	व	५	५७	५२	१४	४६	२७	५	१८	तु.२५।२	भ.५।५७उ.३३।१९या.
८	गु	०	४१	स्वा	५०	०	सा	५१	०	ब	०	४१	५०	१४	४६	२८	६	१९	तुलायां	पुष्येरविः५९।१८
९	गु	५४	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	शु	५०	४	वि	४६	३८	शु	४३	५६	तै	२२	४२	४८	१४	४६	२९	७	२०	वृ.३२।२९	पुष्येरविःसौरः३१।४६
११	श	४४	४८	अ	४३	२२	शु	३७	१७	व	१७	२६	४५	१५	४५	३०	८	२१	वृश्चिके	भ.१७/२६उ.४४/४८या.आश्ले.बुधः१/१२बुधोदयः×
१२	र	४०	१	ज्ये	४०	३३	ब्र	३०	४७	व	१२	२४	४३	१५	४५	३१	९	२२	ध.४०।३३	[×पश्चिमायां४०/५देवशयनी११व्र.
१३	चं	३५	४९	मू	३८	१६	ऐं	२४	४३	कौ	७	५५	४०	१६	४४	१	१०	२३	धनुषि	भा.श्रावणारंभः प्रदोषः
१४	मं	३२	२६	पू	३६	५१	वै	१९	१२	ग	४	७	३८	१६	४४	२	११	२४	म.५१।३३	भ.३२।२६ उ. वायुपरीक्षा
१५	बु	३०	११	उ	३५	४०	वि	१४	२९	वि	१	१८	३५	१७	४३	३	१२	२५	मकरे	भ.१।१८या.व्यासपूजा गुरु१५

१४पं.आ.शु.२शु.इ. ५३/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	५	३	०	८	२
२७	२२	२	२४	२६	२८	९	२७
३०	३	२०	३०	३८	१०	३४	२
५४	५४	२४	१८	२	५५	९	१०
५७	३२	१२/५६	५	७३	४	३	५६
११	५८		३६	११	५६	११	५४

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले ५ चंद्रे कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न. ५ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५धान्या दिभावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१५पं.आ.शु.१०शु.इ. ५३/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	४	०	८	३
४	२५	१६	२५	५	२८	९	३
११	४४	२४	९	२	४५	११	४०
३८	१३	४७	२५	४६	३२	५४	३७
५७	३४	७/१३	६	७२	४	३	५६
१५	९		३४	५०	२५	११	५९

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	गु	२९	२२	श्र	३७	३५	प्री	१०	५४	कौ	२९	२२	३३/३३	५/१७	६३/४	४	१३	२६	मकरे	[-चतुर्थी. व्र.
२	शु	३०	१०	ध	४०	१३	आ	८	३०	ग	३०	१०	३०	१८	४२	५	१४	२७	कुं.८।५४	पूफा.शुक्रः४८।४०
३	श	३२	३२	श	४४	२६	सा	७	२६	व	१	२१	२७	१९	४१	६	१५	२८	कुंभ	भ.१/२१उ.३२/३२या.मघा.सिंहेबुधः२४/५४-
४	र	३६	१८	पू	५०	०	शो	७	१६	ब	४	२५	२४	१९	४१	७	१६	२९	मी३३।३६	तुलायांभौमः३५।५७
५	चं	४१	२८	उ	५६	३१	अ	८	२४	कौ	८	५३	२२	२०	४०	८	१७	३०	मीने	नाग५मरुस्थले
६	मं	४७	२३	रे	६०	०	सु	१०	७	ग	१४	२५	१९	२०	४०	९	१८	३१	मीने	भ.४७।२३उ.
७	बु	५३	२६	रे	३	५९	धृ	१२	२७	वि	२०	२४	१६	२१	३९	१०	१९	१	मे.३।५९	भ.२०।२४या.अगस्त८ता.३१
८	गु	५९	३०	अ	११	२९	शू	१५	३	बा	२६	२८	१३	२१	३९	११	२०	२	मेषे	आश्ले.रविः५६।१९चित्रा.२गुरुः५६।९
९	शु	६०	०	भ	१८	४६	गं	१७	११	तै	३२	८	१०	२२	३८	१२	२१	३	वृ.३५।२१	आश्ले.रविःसौरः३२।३३
९	श	४	४६	कृ	२५	५	बृ	१८	४८	ग	४	४६	७	२३	३७	१३	२२	४	वृषे	भ.३६।३६उ.
१०	र	८	२६	रो	३०	२	ध्रु	१९	१६	वि	८	२६	४	२३	३७	१४	२३	५	वृषे	भ.८।२६या.पूफा.बुधः५०।१४
११	चं	१०	४८	मृ	३३	२७	व्या	१८	२१	बा	१०	४८	०	२४	३६	१५	२४	६	मि१।४५	कामिका११व्र.
१२	मं	११	५	आ	३४	५६	ह	१६	२५	तै	११	५	३२/५७	२५	३५	१६	२५	७	मिथुने	प्रदोषः
१३	बु	९	४३	पु	३४	४१	ब	१२	४९	व	९	४३	५४	२५	३५	१७	२६	८	क.१९।४५	भ.९।४३उ.३८।६या.उफा.शुक्रः२।७
१४	गु	६	२९	पु	३२	५४	सि	७	४६	श	६	२९	५०	२६	३४	१८	२७	९	कर्के	स्वात्यांभौमः१४।३३कृत्ति.२शनिः३४/४७
३०	शु	२	५	श्ले	२९	३४	व्य	१/३४	५२/४२	ना	२	५	४७	२७	३३	१९	२८	१०	सिं२९।३४	कन्यायांशुक्रः४९।१९हरियाली

१६पं.श्रा.कृ २शु.इ. ५३/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	४	०	८	३
१०	२९	२९	२५	१३	२९	८	१०
५२	३४	४	५५	२५	१५	४९	१९
४१	३७	२६	१९	३४	२५	३८	५४
५७	३५	५/०	७	७२	३	३	५७
२०	४१	२५	३६	३२	५२	११	५

१७पं.श्रा.कृ.९शु.इ.५३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	५	४	०	८	३
१७	३	१०	२६	२१	२९	८	१६
३४	३४	२१	४८	४६	४१	२७	५९
२३	५	४	११	३४	३१	२३	४२
५७	३६	९१	८	७२	३	३	५७
२५	४१	४१	३७	७	२०	११	१२

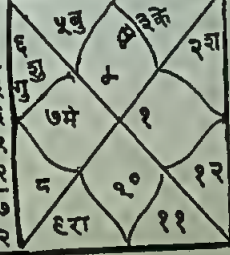

१८पं.श्रा.कृ.३०शु.इ.५२/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	५	५	१	८	३
२४	७	२०	२७	०	०	८	२३
१६	४१	१२	४६	४	३	५	४०
४४	२८	४	५५	२३	२२	७	४९
५७	३७	७५	९	७१	२	३	५७
३३	२८	५३	२६	४६	३५	११	२२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७०२सन्२०२९
१	शु	५३	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४९	१३	म	२५	२०	प	४६	२३	बा	२२	३८	३२/४४	५/२७	६/३३	२०	२९	११	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	र	४२	२९	पू	२०	३४	शि	३८	१६	तै	१५	५१	४०	२८	३२	२१	१	१२	कं.३४।२३	रविलाखर४तीज
४	चं	३५	३५	उ	१५	४९	सि	२९	५४	व	९	२	३७	२९	३१	२२	२	१३	कन्यायां	भ.९।२उ.३५।३५या.वरद४
५	मं	२९	१०	ह	११	११	सा	२१	५३	ब	२	२२	३३	२९	३१	२३	३	१४	तु.३९।०	नागपंचमी
६	बु	२३	२	चि	६	५०	शु	१४	१६	तै	२३	२	३०	३०	३०	२४	४	१५	तुलायां	[=उफा.बुधः ३/३५
७	गु	१७	२९	स्वा	३/३	५६/५५	शु	६/५२	५३/५	व	१७	२९	२६	३१	२९	२५	५	१६	वृ.४५।४४	भ.१७/२९उ.४५/३या.मघा.सिंहेऽर्कः५०/२१=
८	शु	१२	३७	अ	५७	२५	ऐं	५३	३६	ब	१२	३७	२२	३२	२८	२६	६	१७	वृश्चिके	मघा.सिंहेऽर्कःसौरः२८।५७
९	श	७	१७	ज्ये	५५	३३	वै	४७	४९	कौ	७	१७	१९	३२	२८	२७	७	१८	ध.५५।३३	[×हस्तेशुक्रः१६।४४
१०	र	४	५३	मू	५४	३२	वि	४२	४९	ग	४	५३	१५	३३	२७	२८	८	१९	धनुषि	भ.३३।३२उ.कन्यायांबुधः३२।४२×
११	चं	२	११	पू	५४	१२	प्री	३८	२०	वि	२	११	१२	३४	२६	२९	९	२०	धनुषि	भ.२।११या. पवित्रा११व्र.
१२	मं	०	२१	उ	५४	५९	आ	३४	४२	बा	०	२१	८	३४	२६	३०	१०	२१	म.९।२४	प्रदोषः
१३	मं	५९	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	बु	५९	४६	श्र	५६	५६	सौ	३१	४३	ग	२९	४०	४	३५	२५	३१	११	२२	मकरे	भ.५९।४६उ.
१५	गु	६०	०	ध	५९	५३	शो	२९	४०	वि	३०	३२	१	३६	२४	१	१२	२३	कुं.२८।२५	भ.३०।३२या.भा.भाद्रपदारंभः
१५	शु	१	१८	श	६०	०	अ	२९	०	ब	१	१८	३१/५७	३७	२३	२	१३	२४	कुंभे	चित्रा.३गुरुः५३/५७श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्

१९पं.श्रा.शु.८शु.इ. ५२/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	५	५	१	८	४
१	११	२८	२८	८	०	७	०
०	५७	२४	५०	२०	२०	४२	२३
४	१४	२९	३५	१७	६	५१	२
५७	३८	५७	१०	७१	१	३	५७
४०	१५	२३	९	१९	५६	११	३४

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले ७ गुरौ सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा ४ न५बालावस्था(बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

२०पं.श्रा.शु.१५शु.इ. ५२/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	५	५	१	८	४
७	१६	४	२९	१६	०	७	७
४४	१९	२९	५९	३३	३१	२०	६
२८	४१	५६	४६	२९	४१	३६	२९
५७	३९	३२	१०	७०	१	३	५७
४९	८	५३	५२	४७	१७	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	श	४	९	श	४	४	सु	२८	४१	कौ	४	९	३१/५३	५/३७	६/२३	३	१४	२५	मी५३।१०	[−मृग४केतु-३८/३४ प्रदोषः
२	र	८	९	पू	९	३२	धृ	२९	२६	ग	८	९	४९	३८	२२	४	१५	२६	मीने	भ.४०।४४उ.
३	चं	१३	१९	उ	१५	४७	शू	३१	७	वि	१३	१९	४६	३९	२१	५	१६	२७	मीने	भ.१३।१९या. चतुर्थी व्र.
४	मं	१९	५	रे	२२	५४	गं	३३	१३	बा	१९	५	४२	४०	२०	६	१७	२८	मे.२२।५४	[÷बुधः५७/९जन्माष्टमी व्र.स्मा.
५	बु	२५	१३	अ	३०	३२	वृ	३५	३४	तै	२५	१३	३८	४०	२०	७	१८	२९	मेषे	चंद्रषष्ठी [+४१/३२विशा.भौमः४०/५०
६	गु	३१	३१	भ	३७	५८	ध्रु	३८	४	व	३१	३१	३४	४१	१९	८	१९	३०	वृ.५४।४५	भ.३१/३१उ.पूफा.रविः४०/५ चित्रा.शुक्रः+
७	शु	३७	२२	कृ	४५	५	व्या	४०	११	वि	४	२६	३०	४२	१८	९	२०	३१	वृषे	भ.४।२६या.पूफा.रविःसौरः१५/४९वक्री÷
८	श	४१	५१	रो	५१	१	ह	४१	३२	बा	९	३६	२६	४३	१७	१०	२१	१	वृषे	सितम्बर९ता.३०जन्माष्टमी व्र.वै.
९	र	४५	३	मृ	५५	३८	व	४१	४९	तै	१३	२७	२२	४४	१६	११	२२	२	मि२३।२०	गोपा९
१०	चं	४६	८	आ	५८	२५	सि	४०	३७	व	१५	३५	१८	४४	१६	१२	२३	३	मिथुने	भ.१५।३५उ.४६।८या.
११	मं	४५	२६	पु	५९	६	व्य	३७	५२	ब	१५	४७	१५	४५	१५	१३	२४	४	क.४३।५६	अजा११व्र.
१२	बु	४२	४१	पु	५७	५०	व	३३	४१	कौ	१४	३	११	४६	१४	१४	२५	५	कर्के	तुलायांशुक्रः४२।२३वत्सद्वादशी
१३	गु	३७	५८	श्ले	५४	५४	प	२७	५२	ग	१०	१९	७	४७	१३	१५	२६	६	सिं५४।५४	भ.३७/५८उ.वक्रीशनिः५/१९मूल.२राहुः−
१४	शु	३१	२८	म	५०	४	शि	२०	३४	वि	४	४३	३	४७	१३	१६	२७	७	सिंहे	भ.४।४३या.
३०	श	२३	५१	पू	४४	२५	सि	१२	०	ना	२३	५१	३०/५९	४८	१२	१७	२८	८	कं.५७।४८	कुशाग्रहणी पिठोरी३०मन्वादिः

२१पं.भा.कृ.७शु.इ. ५२/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	६	५	१	८	४
१४	२०	७	१	२४	०	६	१३
३०	४७	३४	१२	४३	३८	५८	५१
४	४२	१६	५४	१	२४	२०	४१
५८	३९	०	११	७०	०	३	५७
१	५५	२८	२३	९	३८	११	५७

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं गेहूं जौ चना चांवल बाजरा सोनाचांदीलोहा गुड़ शक्करचीनी तेज हो प्रजा में रोग हो।

गोचर ग्रहाः

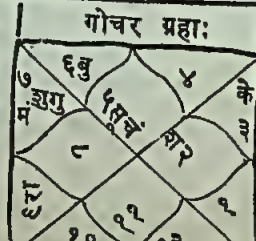

२२पं.भा.कृ.१४शु.इ. ५२/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	६	६	१	८	४
२१	२५	६	२	२	०	६	२०
१७	२२	१२	३०	४९	३९	३६	३८
६	१६	३२	७	३०	५०	५	२१
५८	४०	४१/५९	१२	६९	१०/१३	३	५८
१३	२६	व.	१	१७	व.	११	१२

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७३१स.२०२९
१	र	१५	२९	उ	३७	५९	सा	२/४३	५०/२४	ब	१५	२९	३०/५५	५/४९	६/११	१८	२९	९	कन्यायां	बुधास्तःपश्चिमायां१।३०
२	चं	६	४८	ह	३१	२३	शु	४३	१६	कौ	६	४८	५१	५०	१०	१९	३०	१०	तु.५८।१३	चंद्रदर्शनम् हरितालिका३
३	चं	५१	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=जमादिलावल५गणेशचतुर्थी
४	मं	५०	३९	चि	२५	३	ब्र	३३	४०	व	२४	३३	४७	५१	९	२०	१	११	तुलायां	भ.२४/३३उ.५०/३९या.स्वात्यांशुक्रः१४/२६=
५	बु	४३	४१	स्वा	१९	२९	ऐं	२४	४२	ब	१७	१०	४३	५१	९	२१	२	१२	तुलायां	चित्रा.४गुरुः२५।१४ऋषिपंचमी
६	गु	३७	३८	वि	१५	१६	वै	१६	३३	कौ	१०	३९	३९	५२	८	२२	३	१३	वृ.१।१९	उफा.रविः२४।३०
७	शु	३२	५६	अ	११	१६	वि	९	१५	ग	५	१७	३५	५३	७	२३	४	१४	वृश्चिके	भ.३२/५६उ.उफा.रविःसौरः४/२९वक्री सिंहे×
८	श	२९	२६	ज्ये	९	६	प्री	२/४५	५४/४८	वि	१	११	३१	५४	६	२४	५	१५	ध.९।६	भ.१/११या. [×बुधः५५/३वृश्चिके भौमः४६/५८
९	र	२७	२०	मू	८	०	सौ	५३	१९	कौ	२७	२०	२७	५५	५	२५	६	१६	धनुषि	कन्यायायामर्कः४९/५१ [+पूफा.बुधः३७/९
१०	चं	२६	२५	पू	८	१५	शो	५०	२	ग	२६	२५	२२	५६	४	२६	७	१७	म.२३।३८	भ.५६/३७उ.कन्यार्कःसौरः२९/४०वक्री+
११	मं	२६	४९	उ	९	४६	अ	४७	५०	वि	२६	४९	१८	५६	४	२७	८	१८	मकरे	भ.१६।४९या.जलझूलनी११व्र.
१२	बु	२८	९	श्र	१२	२८	सु	४६	२७	बा	२८	९	१४	५७	३	२८	९	१९	कुं.४४।२१	अनु.भौमः४३।२४वामनजयंती
१३	गु	३०	५७	ध	१६	१४	धृ	४६	१९	तै	३०	५७	९	५८	२	२९	१०	२०	कुंभे	प्रदोषः
१४	शु	३४	३१	श	२०	५६	शू	४६	१५	ग	२	४४	५	५९	१	३०	११	२१	कुंभे	भ.३४।३१उ.अनंत१४
१५	श	३८	५५	पू	२६	३२	गं	४७	१५	वि	६	४३	३०/००	६/०	६/०	३१	१२	२२	मी१०।८	भ.६/४३या.विशा.शुक्रः५४/५७महालयारंभः

२३पं.भा.शु.७शु.इ. ५२/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	६	६	१	८	४
२८	०	०	३	१०	०	६	२७
५	३	३	५०	५१	३६	१३	२६
२८	४०	२९	१३	३२	२५	४९	३८
५८	४१	७४/२	१२	६८	०/५२	३	५८
२६	१६	व.	२०	३२	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद शुक्ले ९रवौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ युवावस्था (सूती)मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२४पं.भा.श.१४शु.इ. ५२/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	६	६	१	८	५
४	४	२४	५	१८	०	५	४
५५	४९	९	१३	४९	२७	५१	१६
१९	३४	३६	१६	१६	११	३३	४५
५८	४१	३९/१३	१२	६७	१/३८	३	५८
३८	४६	व	४७	२९	व.	११	४

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	र	४४	३३	उ	३३	११	बृ	४८	५५	बा	११	४४	२९/५६	६/१	५/५९	१	१३	२३	मीने	बुधोदयःपूर्वस्यां१४/३०भा.आश्विनारंभः
२	चं	५०	३८	रे	४०	७	ध्रु	५०	५४	तै	१७	३५	५२	२	५८	२	१४	२४	मे.४०।७	
३	मं	५६	४३	अ	४७	३५	व्या	५३	८	व	२३	४०	४८	२	५८	३	१५	२५	मेषे	भ.२३/४०उ.५६/४३या.मार्गीबुधः१२/५८
४	बु	६०	०	भ	५५	११	ह	५५	३७	व	२९	५२	४४	३	५७	४	१६	२६	मेषे	चतुर्थी व्र.
४	गु	३	२	कृ	६०	०	व	५८	१	बा	३	२	४०	४	५६	५	१७	२७	वृ.१२।४	हस्तेरविः३।४(सौरः४२।१०)
५	शु	९	७	कृ	२	४१	सि	५९	५२	तै	९	७	३६	५	५५	६	१८	२८	वृषे	स्वाती.१गुरुः५६।१३
६	श	१४	७	रो	९	१६	व्य	६०	०	व	१४	७	३२	६	५४	७	१९	२९	मि४२।८	भ.१४।७उ.४६।११या.
७	र	१८	१६	मृ	१४	५९	व्य	०	४३	ब	१८	१६	२८	६	५४	८	२०	३०	मिथुने	[÷अक्टूबर१०ता.३१
८	चं	२०	३५	आ	१९	११	व	०/४५	५८/४४	कौ	२०	३५	२३	७	५३	९	२१	१	मिथुने	उफा.बुधः५७/५२वृश्चिकेशुक्रः५२/४३÷
९	मं	२१	१०	पु	२१	३७	शि	५६	२८	ग	२१	१०	१९	८	५२	१०	२२	२	क.६।१	भ.५०।२५उ.मातृ९
१०	बु	१९	४०	पु	२१	५५	सि	५२	१	वि	१९	४०	१५	९	५१	११	२३	३	कर्के	भ.१९।४०या.
११	गु	१६	४	श्ले	२०	२१	सौ	४६	४	बा	१६	४	११	१०	५०	१२	२४	४	सिं२०।२१	कन्यायांबुधः४४/४अनुशुक्रः५२/१८वक्रीकृत्ति१-
१२	शु	१०	३६	म	१६	४५	शु	३८	२६	तै	१०	३६	७	११	४९	१३	२५	५	सिंहे	प्रदोषः [-मेषेशनिः६/१०इंदिरा११व्र.
१३	श	३	२६	पू	११	२९	शु	२९	२६	व	३	२६	३	११	४९	१४	२६	६	कं.२४।५२	भ.३/२६उ.२९/१०या.शस्त्रादिहतानां श्रा.
१४	श	५१	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	र	४५	३४	उ	५/५	५२/३४	ब्र	१९	२१	च	२०	१६	२८/५९	१२	४८	१५	२७	७	कन्यायां	सर्वपितृ३०

२५पं.आ.कृ.५शु.इ. ५१/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	६	६	१	८	५
११	९	२४	६	२६	०	५	११
४६	४०	२७	३९	४०	१३	२९	८
५२	३७	२९	४	२६	१	१८	४३
५८	४२	४३/४६	१३	६६	२/१६	३	५९
५३	७	मा	८	१५	व	११	०

गोचर ग्रहाः

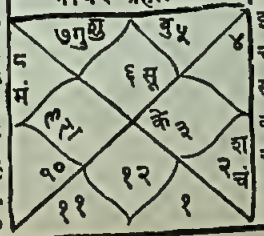

इस मास में मंगलका चन्द्रदर्शन धान्यगल्ला सोना चांदी रुई कपास गुड़ शक्कर चीनी में तेजी करे ।

गोचर ग्रहाः

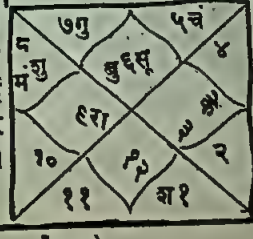

२६पं.आ.कृ.१२शु.इ. ५१/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	६	७	०	८	५
१८	१४	१	८	४	२९	५	१८
४०	३६	३८	६	२४	५४	७	२
५	२५	६	५४	१४	५९	२	३०
५९	४२	८६	१३	६४	२/५१	३	५९
९	३३	५५	२२	४७	व.	११	१६

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७६०स.२०२९
१	चं	३५	५२	चि	५०	२	ऐं	८/४४	४९/१७	किं	१०	४३	२८/५५	६/१३	५/४७	१६	२८	८	तु.२३।५०	ज्येष्ठा.भौमः ४६/३ नवरात्रारंभः मातामहश्रा
२	मं	२६	२२	स्वा	४२	३७	वि	४७	२६	बा	१	७	५१	१४	४६	१७	२९	९	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
३	बु	१७	३१	वि	३५	५२	प्री	३७	१६	ग	१७	३१	४७	१५	४५	१८	१	१०	वृ.२२।३३	भ.४३/३८उ.चित्रा.रविः ३५/९जमादिलाखर६
४	गु	९	४५	अ	३०	७	आ	२७	४८	वि	९	४५	४३	१५	४५	१९	२	११	वृश्चिके	भ.९/४५या.चित्रा.रविःसौरः १२/४४हस्तेबुध १२/०
५	शु	३	२१	ज्ये	२६	०	सौ	१९	४९	बा	३	२१	३९	१६	४४	२०	३	१२	ध.२६।०	बुधास्तःपूर्वस्यां३२।५६
६	शु	५५	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	श	५५	४३	मू	२३	४०	शो	१३	१५	ग	२७	८	३५	१७	४३	२१	४	१३	धनुषि	भ.५५।४:उ.
८	र	५४	३४	पू	२२	५६	अ	७	४६	वि	२५	८	३१	१८	४२	२२	५	१४	म.३८।९	भ.२५।८या.स्वाती.२गुरुः३६।४५
९	चं	५५	७	उ	२३	५०	सु	३	४९	बा	२४	५०	२७	१९	४१	२३	६	१५	मकरे	[=ज्येष्ठा.शुक्रः १२/१२अस्तंगुरोः ५०/२४×
१०	मं	५७	६	श्र	२६	३१	धृ	१/१६	५८/३७	तै	२६	६	२३	१९	४१	२४	७	१६	कुं.५८।३३	[×पापांकुशा११व्र.स्मा.
११	बु	६०	०	ध	३०	३४	गं	५९	५१	व	२८	५०	२०	२०	४०	२५	८	१७	कुम्भे	भ.२८/५०उ.तुलायामर्कः १८/५८(सौरः ५५/२८)=
११	गु	०	३५	श	३५	४७	बृ	६०	०	वि	०	३५	१६	२१	३९	२६	९	१८	कुंभे	भ.०/३५या.चित्रा.बुधः ५५/४६पापां.११व्र.वै.
१२	शु	५	२	पू	४१	५१	बृ	०	३१	बा	५	२	१२	२२	३८	२७	१०	१९	मी२५।२०	प्रदोषः
१३	श	१०	२२	उ	४८	४४	ध्रु	१	३४	तै	१०	२२	८	२२	३८	२८	११	२०	मीने	
१४	र	१६	१४	रे	५५	५४	व्या	३	२८	ब	१६	१४	४	२३	३७	२९	१२	२१	मे.५५।५४	भ.१६/१४उ.४९/२४या.शरद्पूर्णिमास्मा कोजा.व्र.
१५	चं	२२	३४	अ	६०	०	ह	५	२५	ब	२२	३४	०	२४	३६	३०	१३	२२	मेषे	तुलायांबुधः ४६/४७शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.

२७पं.आ.शु.५शु.इ. ५१/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	६	७	०	८	५
२५	१९	१२	९	११	२९	४	२४
३४	३६	४८	३६	५९	३१	४४	५८
५९	५४	०	२२	३५	३४	४७	१२
५९	४३	०/१०	१३	६३	३/३१	३	५९
२१	१०	११/११	२९	२	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

आश्विनशुक्ले ११बुधे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा४न४प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

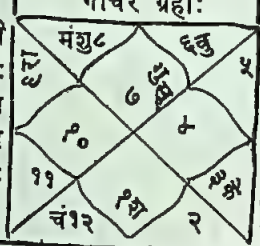

२८पं.आ.शु.१२शु.इ. ५१/२६

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	६	७	०	८	६
२	२४	२४	११	१९	२९	४	१
३१	४१	५६	७	२१	४	२२	५५
२३	३८	२७	१	३२	५२	३१	३६
५९	४३	०/१०	१३	६०	३/५३	३	५९
३४	३०	५८/१०	३२	५२	व.	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा.
१	मं	२८	४१	अ	३	३१	ब	७	४४	कौ	२८	४१	२७/५६	६/२५	५/३५	१	१४	२३	मेषे	भा.कार्तिकारंभः
२	बु	३५	२	भ	१०	५०	सि	१०	७	तै	१	५१	५३	२५	३५	२	१५	२४	वृ.२७।४०	स्वात्यांरविः१।१(सौरः३६।३१)
३	गु	४०	४७	कृ	१८	८	व्य	१२	११	व	७	५४	४९	२६	३४	३	१६	२५	वृषे	भ.७।५४उ.४०।४७या.
४	शु	४५	४७	रो	२४	४८	व	१३	५८	ब	१३	१७	४५	२७	३३	४	१७	२६	मि५७।४८	स्वात्यांबुधः४५।२९करक चतुर्थी व्र.
५	श	५०	६	मृ	३०	४९	प	१५	१४	कौ	१७	५६	४१	२८	३२	५	१८	२७	मिथुने	मूलेधनुषिभौमः५।५१
६	र	५३	६	आ	३५	४६	शि	१५	३९	ग	२१	३६	३७	२९	३१	६	१९	२८	मिथुने	भ.५३।६उ.
७	चं	५४	४३	पु	३९	२१	सि	१५	११	वि	२३	५४	३४	२९	३१	७	२०	२९	क.३३।२७	भ.२३।५४या.स्वाती.३गुरुः५३।१
८	मं	५४	४१	पु	४१	२४	सा	१३	३२	बा	२४	४२	३०	३०	३०	८	२१	३०	कर्के	मूलेधनुषिशुक्रः११।४
९	बु	५२	४४	श्ले	४१	४४	शु	१०	३२	तै	२३	४३	२७	३१	२९	९	२२	३१	सिं४१।४४	[+अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
१०	गु	४८	५५	म	४०	१७	शु	६	५	व	२०	४९	२३	३१	२९	१०	२३	१	सिंहे	भ.२०।४९उ.४५/५५या.नवंबर११ता.३०
११	शु	४३	१६	पू	३६	५६	ब्र	०/५	५२/३४	ब	१६	५	१९	३२	२८	११	२४	२	कं.५०।४०	रमा११व्र.
१२	श	३६	११	उ	३१	५२	वै	४४	२	कौ	९	४३	१६	३३	२७	१२	२५	३	कन्यायां	विशा.बुधः५०।५घन१३
१३	र	२७	४६	ह	२५	३५	वि	३४	१३	ग	१	५८	१२	३४	२६	१३	२६	४	तु.५१।५५	भ.२७।४६उ.५२।३या. प्रदोषः रूप१४
१४	चं	१८	२०	चि	१८	१४	प्री	२३	३८	श	१८	२०	९	३४	२६	१४	२७	५	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	मं	८	३०	स्वा	१०	२६	आ	१२	३५	ना	८	३०	५	३५	२५	१५	२८	६	वृ.४९।३०	विशा.रविः२१।३१(सौरः ५३/५५)+

२९पं.का.कृ.४शु.इ. ५१/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	६	७	०	८	६
९	२९	६	१२	२६	२८	४	८
२९	४९	४९	३८	३०	३४	०	५४
३८	१९	५५	४२	११	३७	१५	५६
५९	४३	०/१०	१३	५८	४/१०	३	६०
४७	५४	१६/१६	३८	७	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

इस मास में काष्ट घास घृत कपासधातु सोना चांदी लोहा पशु तेज हों धान्यों में मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

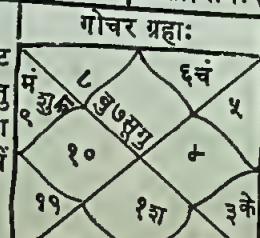

३०पं.का.कृ.११शु.इ. ५१/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	६	८	०	८	६
१६	५	१८	१४	३	२८	३	१५
२९	०	१९	१०	२०	२	३८	५६
३०	४३	५९	१६	३८	२८	०	०
६०	४४	०/१०	१३	५४	४/३२	३	६०
४	१६	४१/१०	३८	४३	व.	११	१८

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७९०सं.२०२९
१	मं	५०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	४९	३६	वि	२/३१	५२/४६	सौ	१/३४	४९/२२	बा	२४	१०	२७/२	६/३६	५/२४	१६	२९	७	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
३	गु	४१	३९	ज्ये	४९	१०	अ	४१	११	तै	१५	३७	२६/५८	३६	२४	१७	१	८	ध.४९।१०	मूल१राहुःमृग.३केतुः२९।२७रज्जव७
४	शु	३५	१७	मू	४४	४१	सु	३२	१९	व	८	२८	५५	३७	२३	१८	२	९	धनुषि	भ.८।२८उ.३५।१७यां.
५	श	३०	५१	पू	४२	५	धृ	२५	१६	ब	३	४	५२	३८	२२	१९	३	१०	म.५६।५२	वृश्चिकेबुधः८।२४ [-गोपाष्टमी
६	र	२८	२३	उ	४१	१४	शू	१९	४३	तै	२८	२३	४९	३८	२२	२०	४	११	मकरे	
७	चं	२८	३	श्र	४२	४४	गं	१५	४१	व	२८	३	४५	३९	२१	२१	५	१२	मकरे	भ.२८/३उ.५८/५१या.उदयंगुरोः५०/२४
८	मं	२९	४०	ध	४५	५४	वृ	१३	१८	ब	२९	४०	४२	४०	२०	२२	६	१३	कुं.१४।१९	अनु.बुधः९/१४पूषाशुक्रः४४/८पूषा.भौमः५१/५४-
९	बु	३३	१	श	५०	५७	ध्रु	१२	३०	बा	१	२०	३९	४०	२०	२३	७	१४	कुंभे	स्वाती.४गुरुः२१।३७अक्षय९
१०	गु	३७	४७	पू	५७	६	व्या	१२	५९	तै	५	२४	३६	४१	१९	२४	८	१५	मी४०।३४	[×(सौरः४८/१२)प्रबोधिनी११व्र.+
११	शु	४३	२८	उ	६०	०	ह	१४	८	व	१०	३७	३३	४१	१९	२५	९	१६	मीने	भ.१०/३७उ.४३/२८या.वृश्चिकेऽर्कः१७/३५×
१२	श	४९	४५	उ	४	१६	व	१६	२	ब	१६	३६	३०	४२	१८	२६	१०	१७	मीने	[+तुलसीविवाहः
१३	र	५६	१९	रे	११	३०	सि	१८	९	कौ	२३	२	२७	४३	१७	२७	११	१८	मे.११।३०	प्रदोषः [÷वक्रीभरणी.४शनिः१।२२
१४	चं	६०	०	अ	१९	११	व्य	२०	३५	ग	२९	२७	२५	४३	१७	२८	१२	१९	मेषे	अनु.रविः३५।५५वैकुंठ१४
१४	मं	२	३६	भ	२६	४१	व	२२	३९	व	२	३६	२२	४४	१६	२९	१३	२०	वृ.४३।२५	भ.२/३६उ.३५/३७या.अनु.रविःसौरः५/०÷
१५	बु	८	३९	कृ	३३	३५	प	२४	३४	ब	८	३९	१९	४४	१६	३०	१४	२१	वृषे	ज्येष्ठाबुधः०/२९मन्वादिःका.स्ना.पू.

३१पं.का.शु.४शु इ.५०।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	६	८	०	८	६
२३	१०	२९	१५	९	२७	३	२२
३०	१५	३०	४२	४५	२८	१५	५८
४०	३६	५८	२९	३२	५२	४४	३२
६०	१३	९९	१३	५०	४/४०	३	६०
१७	३२	१९	३२	१८	व.	११	३०

गोचर ग्रहाः

८ ६ ९× ५ १० ४ ११ श१ ३के १२ २

×शुमंराचं कार्तिकशुक्ल ११शुक्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु ४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

राशुमं९ ७गु १० र ८बु ६ ११ ५ १२ चं २ ४ १श के३

३२पं.का.शु.११शु.इ.५०/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	६	८	०	८	७
०	१५	१०	१७	१५	२६	२	०
३३	३३	२४	१३	३९	५४	५३	२
२२	४०	५८	३७	५०	५०	२९	२६
६०	४४	९६	१३	४४	४/४०	३	६
३०	५२	३६	३२	५९	व.	११	४

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	गु	१४	५	रो	४०	१०	शि	२६	१०	कौ	१४	५	२६/१७	६/४५	५/१५	१	१५	२२	वृषे	भा.मार्गशीर्षारंभः
२	शु	१८	४४	मृ	४५	३५	सि	२६	५८	ग	१८	४४	१४	४५	१५	२	१६	२३	मि१२।५२	भ.५०।३७उ.बधोदयःपश्चिमायां०।८
३	श	२२	३०	आ	५०	२६	सा	२७	१२	वि	२२	३०	१२	४६	१४	३	१७	२४	मिथुने	भ.२२।३०या. चतुर्थी.व्र.
४	र	२५	१२	पु	५४	७	शु	२६	४५	बा	२५	१२	९	४६	१४	४	१८	२५	क.३८।१२	
५	चं	२६	४९	पु	५६	४८	शु	२५	१८	तै	२६	४९	७	४७	१३	५	१९	२६	कर्के	
६	मं	२७	१९	श्ले	५८	८	ब्र	२२	५४	व	२७	१९	५	४७	१३	६	२०	२७	सिं५८।८	भ.२७।१९उ.५६।५०या.
७	बु	२६	२०	म	५८	११	ऐं	१९	३५	ब	२६	२०	२	४८	१२	७	२१	२८	सिंहें	
८	गु	२३	५९	पू	५६	४१	वै	१५	०	कौ	२३	५९	०	४८	१२	८	२२	२९	सिंहे	मूलेधनुषिबुधः४९/२३विशा.१गुरुः५३/५३
९	शु	२०	८	उ	५३	४६	वि	९	१४	ग	२०	८	२५/५८	४८	१२	९	२३	३०	कं.१०।५७	भ.४७।२८उ.
१०	श	१४	५९	ह	४९	३५	प्री	२/१०	५२/६	वि	१४	५९	५६	४९	११	१०	२४	१	कन्यायां	भ.१४/५९या.उषा.भौमः१९/२६दिसंबर१२ता३१
११	र	८	१४	चि	४४	७	सौ	४५	१८	बा	८	१४	५४	४९	११	११	२५	२	तु.१६।५१	ज्येष्ठा.रविः४६।६ उत्पत्ति११व्र.
१२	चं	०	४१	स्वा	३७	४१	शो	३५	२६	तै	०	४१	५३	४९	११	१२	२६	३	तुलायां	भ.५२/८उ.ज्येष्ठा रवि.सौरः११/५४ प्रदोषः
१३	चं	५१	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	मं	४३	४	वि	३०	३३	अ	२५	११	वि	१७	३६	५१	५०	१०	१३	२७	४	वृ.१७।२०	भ.१७।३६या.उषा.शुक्रः५।२९
३०	बु	३४	७	अ	२३	२२	सु	१४	३४	च	८	३५	४९	५०	१०	१४	२८	५	वृश्चिके	मकरेभौमः३५।२०

३३पं.मा.कृ.२शु.इ. ५०/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	६	८	०	८	७
७	२०	२१	१८	२०	२६	२	७
३७	५४	४	४३	५०	२१	३६	८
१६	१८	४४	४८	२०	११	१३	९
६०	४५	९३	१३	३७	३४/३३	३	६०
४२	०	२८	२०	३४	व	११	५३

गोचर ग्रहाः

राशुम९ गु७ १० बुसू८ ६ ११ ५ १२ २ ४ १श ३चंके

इस मास में वदि में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मक्का मंदा हो सुदि में चांदी सोना रुई घटबढ लेकर तेज हो।

गोचर ग्रहाः

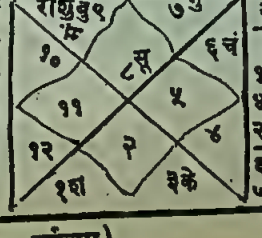

राशुबु९ ७गु १० ८सू ६चं ११ ५ १२ २ ४ १श ३के

३४पं.मा.कृ.९शु.इ.५०/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	६	८	०	८	७
१४	२६	१	२०	२५	२५	२	१४
४२	१७	२९	१२	७	४८	८	१४
२९	५८	१३	२२	१२	४३	५७	५५
६०	४५	८७	१३	२८	४/१०	३	६१
५०	१७	५९	१०	३१	व.	११	३

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६८१९स.२०२९
१	गु २५ ३८ ज्ये १६ ४८ धृ ४ ५० ब २५ ३८	२५ ६	५	१५	२९	६	ध.१६।४८		
२	शु १८ १८ मू १० ४६ गं ४६ ११ कौ १८ १८	४६ ५१	९	१६	३०	७	धनुषि	चंद्रदर्शनम्	
३	श १२ ४१ पू ६ ३८ वृ ३८ ५६ ग १२ ४१	४५ ५१	९	१७	१	८	म.२०।५७	भ.४०।४६उ.सावान२	
४	र ८ ५२ उ ३ ५५ ध्रु ३३ १० वि ८ ५२	४४ ५१	९	१८	२	९	मकरे	भ.८।५२या.पूषा.बुधः१५।३०	
५	चं ७ १५ श्र ४ ३५ व्या २९ २६ ब्रा ७ १५	४३ ५१	९	१९	३	१०	कुं.३५।२१		
६	मं ७ ३५ ध ६ ६ ह २७ ८ तै ७ ३५	४२ ५२	८	२०	४	११	कुंभे	चंपा६	
७	बु १० १६ श ९ ५४ व २६ ५३ व १० १६	४१ ५२	८	२१	५	१२	मी५८।२३	भ.१०।१६उ.४२।२५या.	
८	गु १४ ३४ पू १४ ३२ सि २७ ६ ब १४ ३४	४० ५२	८	२२	६	१३	मीने		
९	शु २० ४ उ २१ ८ ष्य २८ ३५ कौ २० ४	३९ ५२	८	२३	७	१४	मीने	वक्रीशुक्रः७।५०	
१०	श २६ २६ रे २८ ३१ व ३० ४६ ग २६ २६	३९ ५२	८	२४	८	१५	मि.२८।३१	भ.५९।४६उ.मूलेधनुष्यर्कः५३।२१	
११	र ३३ ७ अ ३६ ५ प ३३ ५ वि ३३ ७	३८ ५२	८	२५	९	१६	मेषे	भ.$\frac{3}{4}$या.मूलेधनुष्यर्कःसौरः$\frac{5}{6}$विशा.=	
१२	चं ३९ २५ भ ४३ ४३ शि ३५ २४ ब ६ १६	३८ ५२	८	२६	१०	१७	मेषे	[=२गुरुः$\frac{1}{3}$मोक्षदा११व्र.गीताजयंती	
१३	मं ४५ २३ कृ ५० १८ सि ३७ १५ कौ १२ २४	३७ ५३	७	२७	११	१८	वृ.०।२२	श्रवणेभौमः२२।५४ प्रदोषः	
१४	बु ५० ३४ रो ५६ ५२ सा ३८ ३३ ग १७ ५८	३७ ५३	७	२८	१२	१९	वृषे	भ.५०।३४उ.	
१५	गु ५४ २९ मृ ६० ० शु ३९ ० वि २२ ३१	३६ ५३	७	२९	१३	२०	मि२९।२७	भ.$\frac{3}{4}$या.दत्तजयंती खग्रास चंद्रग्रहणम्	

३५पं.मा.शु.२शु.इ.५०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	६	८	०	८	७
२१	१	११	२१	२८	२५	१	२१
४८	४२	२९	३९	८	१८	४६	२२
३२	१८	१०	०	२४	३२	४२	३६
६०	४५	७७	१२	१६	५३	३	६१
५६	३४	४८	४८	२१	व	११	११

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षशुक्ले१०शनौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.२ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

३६पं.मा.शु.९शु.इ.४९।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	६	८	०	८	७
२८	७	१९	२३	२९	२४	१	२८
५५	९	३२	३	३९	५१	२४	३१
२६	२४	२८	१४	४	१४	२६	१९
६१	४५	५७	१२	१	३	३	६१
०	४०	१३	२०	व.	व	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	शु ५७ ३१ मृ २ १ शु ३८ ४९ ब्रा २६ ०	२५ ६	५	३०	१४	२१	मिथुने		
२	श ५९ २३ आ ६ १३ ब्र ३७ ३८ तै २८ २७	३६ ५३	७	१	१५	२२	क.५२।२६	वक्रीबुधः९।५२भा.पौषारंभः	
३	र ५९ ५६ पु ९ १० ऐं ३५ ४० व २९ ३९	३६ ५३	७	२	१६	२३	कर्के	भ.२९।३९उ.५९।५६या.	
४	चं ५९ ४४ पु ११ १० वै ३२ ५६ ब २९ ५०	३७ ५३	७	३	१७	२४	कर्के	चतुर्थी व्रतम्	
५	मं ५८ २७ श्ले १२ २० वि २९ २२ कौ २९ ५	३७ ५३	७	४	१८	२५	सिं१२।२०	बुधोदयःपश्चिमायां३१।१	
६	बु ५६ १७ म १२ २८ प्री २५ ० ग २७ २२	३७ ५३	७	५	१९	२६	सिंहे	भ.५६।१७उ.	
७	गु ५३ १४ पू ११ ४० आ १९ ४७ वि २४ ४५	३८ ५२	८	६	२०	२७	कं.२६।१४	भ.२४।४५या.	
८	शु ४९ १६ उ ९ ५४ सौ १४ ० ब्रा २१ १५	३८ ५२	८	७	२१	२८	कन्यायां	पूषा.रविः५८।२१	
९	श ४४ २३ ह ७ १६ शो ७ २५ तै १६ ४९	३९ ५२	८	८	२२	२९	तु.३५।२८	पूषा.रविःसौरः$\frac{1}{3}$वक्रीपूषा.शुक्रः$\frac{5}{12}$	
१०	र ३८ ४० चि ४० ५५ अ ८ ५१ व ११ ३१	४० ५२	८	९	२३	३०	तुलायां	भ.११।३१उ.३८।४०या.	
११	चं ३२ ४ वि ५४ ८ धृ ४३ २८ ब ५ २२	४१ ५२	८	१०	२४	३१	वृ.४०।२५	सफला११व्र.	
१२	मं २४ ३५ अ ४८ ३७ श्र ३४ २५ तै २४ ३५	४२ ५२	८	११	२५	१	वृश्चिके	जनवरी१ता.३१सन्२०३० प्रदोषः	
१३	बु १७ २६ ज्ये ४३ १ गं २५ ११ व १७ २६	४३ ५१	९	१२	२६	२	ध.४३।१	भ.$\frac{17}{18}$उ.$\frac{4}{3}$या.वक्रीमूलेबुधः२९।१७	
१४	गु ९ ५८ म ३७ ४२ वृ १९ ९ श ९ ५८	४४ ५१	९	१३	२७	३	धनुषि	विशा.३गुरुः२२।५८	
२०	शु ३ ११ पू ३३ ८ धु ३५ २३ ना ३ ११	४५ ५१	९	१४	२८	४	म.४७।१८	धनि.भौमः२८।१२	

३७पं.पौ.कृ.१शु.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	६	८	०	८	८
६	१२	२३	२४	२९	२४	१	५
३	३७	२४	२४	१२	२८	२	४०
०	३७	७	१४	५४	४१	११	४४
६१	४५	४	११	१४	४३	३	६१
४	४४	३२	५९	व.	व	११	२२

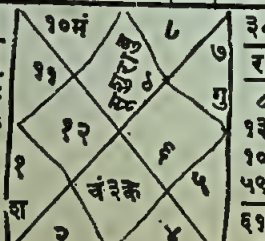

३८पं.पौ.कृ ८शु.इ.४९।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	६	८	०	८	८
१३	१८	१७	२५	२६	२४	०	१२
१०	६	५१	४२	५०	१०	३९	५०
५९	३६	४७	४	४९	१६	५५	३६
६१	४५	८९	११	३९	३	३	६१
६	४७	४७	१९	व	व	११	२६

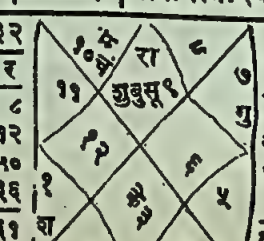

३९पं.पौ.कृ.३०शु इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	६	८	०	८	८
२०	२३	१०	२६	२२	२३	०	२०
१९	३६	३०	५५	५९	५६	१७	००
५	१४	४७	२४	५३	२०	३९	३३
६१	४५	३९	१०	३९	३	३	६१
६	५०	व	४१	व	व	११	२९

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६८४९स.२०३०
१	शु	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	५३	७	उ	२९	४९	ह	५३	२२	बा	२५	१५	२५/४७	६/५१	५/९	१५	२९	५	मकरे	चन्द्रदर्शनम् शुक्रास्तःपश्चिमायां१२।०
३	र	५०	३३	श्र	२८	१५	व	४८	२४	तै	२१	५०	४८	५०	१०	१६	१	६	कुं.५८।२७	बुधोदयःपूर्वस्यां१५।३५रमजान९
४	चं	५०	४	ध	२८	४०	सि	४४	४२	व	२०	१८	५०	५०	१०	१७	२	७	कुम्भे	भ.२०।१८उ.५०।४या.
५	मं	५१	४४	श	३०	५२	व्य	४३	५	ब	२०	५४	५२	५०	१०	१८	३	८	कुम्भे	
६	बु	५५	१०	पू	३४	५८	व	४२	३५	कौ	२३	२७	५३	४९	११	१९	४	९	मी१८।५६	[=केतुः२२।४३
७	गु	६०	०	उ	४०	३५	प	४३	२३	ग	२७	३९	५५	४९	११	२०	५	१०	मीने	ज्येष्ठा.४वृश्चिकेंराहुःमृग.२वृषे=
७	शु	०	८	रे	४७	३३	शि	४४	५४	व	०	८	५७	४९	११	२१	६	११	मे.४७।३३	भ.०/८उ.३३/८या.उषा.रविः३/१०(सौरः१९/४९)×
८	श	६	९	अ	५४	५८	सि	४७	०	ब	६	९	५९	४८	१२	२२	७	१२	मेषे	[×मार्गीबुधः३८/४६शुक्रोदयःपूर्वस्यां३८/२४
९	र	१२	४९	भ	६०	०	सा	४९	१६	कौ	१२	४९	२६/१	४८	१२	२३	८	१३	मेषे	कुंभेभौमः०।२०
१०	चं	१९	८	भ	२	४३	शु	५१	१७	ग	१९	८	४	४७	१३	२४	९	१४	वृ.१९।३२	भ.५२/१०उ.मकरेऽर्कः१९/३४(सौरः३५/१६)
११	मं	२५	१३	कृ	९	५८	शु	५२	५०	बि	२५	१३	६	४७	१३	२५	१०	१५	वृषे	भ.२५।१३या. पुत्रदा११व्र.
१२	बु	३०	६	रो	१६	२६	ब्र	५३	२९	बा	३०	६	८	४६	१४	२६	११	१६	मि४८।५५	
१३	गु	३३	५०	मृ	२१	२५	ऐं	५२	५२	कौ	१	५८	११	४६	१४	२७	१२	१७	मिथुने	प्रदोषः
१४	शु	३६	७	आ	२५	१४	वै	५१	१४	ग	४	५८	१३	४५	१५	२८	१३	१८	मिथुने	भ.३६।७उ.
१५	श	३६	५५	पु	२७	३७	वि	४८	४३	बि	६	३१	१६	४५	१५	२९	१४	१९	क.१२।१	भ.६/३१या.मार्गीशनिः३०/३०मा.स्ना.प्रा.

४०पं.पौ.शु.७शु.इ. ४९/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	६	८	०	७	८
२७	२९	७	२८	१८	२३	२९	२७
२७	५	०	४	४८	४८	५५	१०
७	३८	५४	१२	४३	११	२४	२५
६१	४५	१/५३	९	३३/१९	०/३९	३	६१
६	५५	मा	५४	व.	व	११	२४

गोचरग्रहाः

पौष शुक्ले १० चंद्रे मकरेऽर्कःप्रविष्ट.वा३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४१पं.पौ.शु.१४शु.इ.४९/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	६	८	०	७	९
४	४	१०	२९	१५	२३	२९	४
३४	३५	३१	७	३९	४५	३३	१९
५९	४२	४४	१२	३२	१८	८	५४
६१	४५	४३	९	२१/१४	०/४	३	६१
३	४६	५३	२	व.	व.	११	१९

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	र	३६	१९	पु	२८	५०	प्री	४५	६	बा	५	३७	२६/१९	६/४४	५/१६	३०	१५	२०	कर्के	अभि.प्र.रविः५४।० [+भा माघारंभः
२	च	३४	४९	श्ले	२८	४४	आ	४०	३८	तै	५	३४	२१	४४	१६	१	१६	२१	सिं२८।४४	अभि.प्र.रविःसौरः६/२७शतेभौमः३२/२०+
३	मं	३२	५	म	२७	४७	सौ	३५	२५	व	३	२७	२४	४३	१७	२	१७	२२	सिंहे	भ.३/२७उ.३२/५या.पूषा.बुधः३९/२७ चतुर्थीव्र.
४	बु	२८	४७	पू	२६	११	शो	२९	४४	ब	०	२६	२७	४३	१७	३	१८	२३	कं.४०।३५	
५	गु	२४	५५	उ	२३	४७	अ	२३	२७	तै	२४	५५	२९	४२	१८	४	१९	२४	कन्यायां	श्रवणेरविः८।३७(सौरः२३।३३)
६	शु	२०	४६	ह	२१	१५	सु	१६	५७	व	२०	४६	३२	४२	१८	५	२०	२५	तु.४९।४८	भ.२०/४६उ.४८/३१या.अभि.नि.रविः०/५२(सौरः५
७	श	१६	१६	चि	१८	२१	धृ	१०	७	व	१६	१६	३५	४१	१९	६	२१	२६	तुलायां	[५१३/५० विशा.४वृश्चिकेगुरुः१४/१४
८	र	११	२५	स्वा	१५	४	शू	३/३	५२/४२	कौ	११	२५	३८	४०	२०	७	२२	२७	वृ.५७।२९	
९	चं	६	११	वि	११	३८	वृ	४८	१०	ग	६	११	४१	४०	२०	८	२३	२८	वृश्चिके	भ.३३।२८उ.मार्गीशुक्रः७।४
१०	मं	०	४५	अ	७	३९	ध्रु	४०	३३	वि	०	४५	४५	३९	२१	९	२४	२९	वृश्चिके	भ.०।४५या. षट्तिला११व्र.स्मा.
११	मं	५४	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	बु	४९	३०	ज्ये	३	४७	व्या	३३	१	कौ	२२	१८	४८	३८	२२	१०	२५	३०	ध.३।४७	षट्तिला११व्र.वै.
१३	गु	४४	१९	मू	०/७	५६/४३	ह	२५	४४	ग	१६	५४	५१	३८	२२	११	२६	३१	धनुषि	भ.४४।१९उ. प्रदोषः
१४	शु	३९	४०	उ	५४	१०	व	१८	४९	वि	११	५९	५४	३७	२३	१२	२७	१	म.११।१०	भ.११।५९या.फर्वरी२ता.२८
३०	श	३६	७	श्र	५२	४२	सि	१२	४३	च	७	५३	५८	३६	२४	१३	२८	२	मकरे	उषा.बुधः४।५२

४२पं.मा.कृ.६शु.इ. ४९/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	७	८	०	७	९
११	१०	१७	०	१४	२३	२९	११
४२	६	३६	४	१९	४८	१०	२८
२९	११	६	५५	५९	२९	५३	४५
६०	४५	६५	८	५/११	०/५०	३	६१
५९	४९	४१	२०	व	मा	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास की वदिकी तिथि क्षय व सुदिकी तिथि वृद्धि धान्य गल्ला रसकस वस्त्र वारदाना में मंदी करेगी धातु तेज हों ।

गोचर ग्रहाः

४३पं.मा.कृ.१४शु.इ.४९/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	७	८	०	७	९
१८	१५	२६	०	१४	२३	२८	१८
४९	३६	१९	५५	५७	५६	४८	३६
१	७	५९	५५	२२	५६	३७	५२
६०	४५	७९	७	१०/३८	१	३	६१
५५	३९	१	७	मा	३२	११	४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६८७८स.२०३०
१	र ३३ ५० ध ५२ ४२ व्य ७ ३४ किं ४ ५८	२७ ३६	२४	१४	२९	३	कु.२२।४२	
२	चं ३३ ७ श ५४ १६ व ३ ४० बा ३ २८	५ ३५	२५	१५	३०	४	कुंभे	मकरेबुधः ३६ चंद्रदर्शनम्
३	मं ३४ २२ पू ५७ २६ प १२ ५८ तै ३ १४	८ ३४	२६	१६	१	५	मी४१।३९	सव्वाल१०
४	बु ३७ १९ उ ६० ० सि ५९ ४३ व ५ ५०	१२ ३४	२६	१७	२	६	मीने	भ.५० उ.३७ या.धनि.रवि:१६ (सौर:३६ ३३)
५	गु ४१ ३८ उ २ ११ सा ६० ० च ९ २८	१५ ३३	२७	१८	३	७	मीने	पूभा.भौम:२५।४३वसंत५
६	शु ४७ १३ रे ८ ३४ सा १ १० कौ १४ २५	१९ ३२	२८	१९	४	८	मे.८।३४	पातस्पर्शः२२।३९पातमोक्षः३८।५२
७	श ५३ ३५ अ १५ ४३ शु २ ४१ ग २० २४	२३ ३१	२९	२०	५	९	मेषे	भ.५३।३५उ.भानु७रथ ७
८	र ५९ ५९ भ २३ १० शु ४ ५९ वि २६ ४७	२७ ३१	२९	२१	६	१०	वृ.४०।१	भ.२६।४७या.भीष्माष्टमी
९	चं ६० ० कृ ३० ३६ ब्र ७ ११ बा ३३ ३	३० ३०	३०	२२	७	११	वृषे	श्रवणेबुधः२७।३४
१०	मं ६ ७ रो ३७ ३१ ऐं ९ ४ कौ ६ ७	३४ २९	३१	२३	८	१२	वृषे	कुंभेऽर्कः५२।११
११	बु ११ २२ मृ ४३ १४ वै १० ९ ग ११ २२	३८ २८	३२	२४	९	१३	मि१०।२२	भ.४३।१५उ.कुंभेऽर्कःसौर:२।२१
१२	गु १५ ७ आ ४७ १७ वि १० ३ वि १५ ७	४१ २८	३२	२५	१०	१४	मिथुने	भ.१५।७या.जया११ब्र.
१३	शु १७ २२ पु ४९ ४४ प्री ८ ५२ ना १७ २२	४५ २७	३३	२६	११	१५	क.३३।५७	प्रदोषः
१४	श १७ ४५ पु ५० ३७ आ ६ ७ तै १७ ४५	४९ २६	३४	२७	१२	१६	कर्के	
१५	र १६ २२ श्ले ४९ ४२ सौ १ ५४ व १६ २२	५३ २५	३५	२८	१३	१७	सिं४९।४२	भ.१६।२२उ.४४।५७या.
१६	चं १३ ३३ म ४७ ३७ अ ५० ३३ व १३ ३३	५६ २५	३५	२९	१४	१८	सिंहे	मा.स्ना.पूर्तिः

४४पं.मा.शु.६शु.इ.४९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	७	८	०	७	९
२५	२१	६	१	१७	२४	२८	२५
१४	३	५	४०	२१	१०	२६	४३
५०	४७	२४	५	०	१९	२१	३९
६०	४५	८९	६	२४	२	३	६०
४७	३३	११	१०	९	१२	११	५५

गोचर ग्रहाः

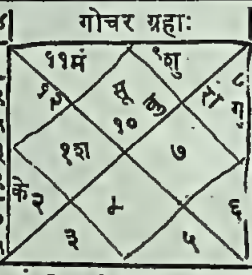

माघ शुक्ले ९ भौमे कुंभेऽर्के प्रविष्टःवा.२ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

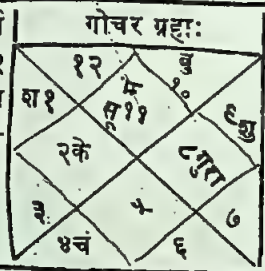

४५पं.मा.शु.१२शु.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१२	१०	९	७	८	०	७	१०
२	२६	१६	२	२१	२४	२८	२
५९	३१	३९	१६	४	२९	४	४९
४२	१२	११	१९	१९	३८	६	४२
६०	४५	९७	५	३४	२	३	६०
३७	२३	४०	०	१५	५२	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	मं ९ २० पू ४४ ३७ सु ४३ ३७ कौ ९ २०	२८ ००	६ ४३	५ ३६	३०	१५	१९	क.५८।४१	शतेरविः२८।२४ (सौर:३७।४३)
२	बु ४ ३० उ ४० ५२ धृ ३६ ८ ग ४ ३०	४ २३	३७	१	१६	२०	कन्यायां	भ.३१ ४० उ.५९ या.धनि.बुधः५८ मीनेभौम+
३	बु ५४ १९ ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०	० ०	०	०	०	० ०	[+१३।३४भा.फाल्गुनारंभः
४	गु ५२ ५९ ह ३६ ४८ शू २८ ३१ व २५ ५४	८ २२	३८	२	१७	२१	कन्यायां	बुधास्त.पूर्वस्यां३०।१चतुर्थीव्र.
५	शु ४७ १४ चि ३३ १४ गं २० ३७ कौ २० ६	१२ २२	३८	३	१८	२२	तु.५।१	
६	श ४१ ४६ स्वा २९ २ वृ १३ १३ ग १४ ३०	१६ २१	३९	४	१९	२३	तुलायां	भ.४१ उ.कुंभेबुधः५० उषा.शुक्रः४९
७	र ३६ २७ वि २५ २४ धु ५० ५२ वि ९ ६	२० २०	४०	५	२०	२४	वृ.११।१८	भ.९।६या.उभा.भौमः३७।२८
८	चं ३१ २९ अ २२ ८ ह ५१ ४० बा ३ ५८	२४ १९	४१	६	२१	२५	वृश्चिके	
९	मं २६ ५७ ज्ये १९ ८ स्व ४५ १६ ग २६ ५७	२८ १८	४२	७	२२	२६	ध.१९।८	भ.५४।४८उ.
१०	बु २२ ४० मृ १६ ४७ सि ३९ १३ वि २२ ४०	३२ १८	४२	८	२३	२७	धनुषि	भ.३२ या.शतेबुधः५५।५मकरेशुक्रः५३
११	गु १९ १ पू १४ ५२ व्य ३३ ३२ बा १९ १	२६ १७	४३	९	२४	२८	म.२९।३४	विजया११ब्र.
१२	शु १५ ५८ उ १३ ४१ व २८ ३९ तै १५ ५८	४० १६	४४	१०	२५	१	मकरे	माचं३ता.३१प्रदोषः
१३	श १३ ४९ श्र १३ ८ प २४ १७ व १३ ४९	४४ १५	४५	११	२६	२	कुं.४३।२७	भ.१३ उ.४९ या.महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१४	र १२ ४१ ध १३ ४७ शि २१ ४ श १२ ४१	४८ १४	४६	१२	२७	३	कुंभे	महाशिवरात्रीव्र.वैं.
२०	चं १२ ३९ श १५ ३३ सि १८ ४० ना १२ ३९	५२ १४	४६	१३	२८	४	कुम्भे	पूभा.रविः४४ (सौर:५२।३०)

४६पं फा.कृ.५शु.इ ५० १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	७	८	०	७	१०
१०	१	२८	२	२५	२४	२७	९
३	५८	१	४४	५७	५२	४०	५४
१४	४४	४४	२८	४०	३७	५०	१५
६०	४५	८०	३	४२	३	३	६०
२५	२८	११	४७	१८	२४	११	३१

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं जो मेंकुछ मंदी हो धातु सोना चांदी रसकस वस्त्र कपास तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

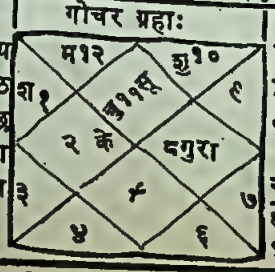

४७पं.फा.कृ.१२शु.इ. ५० ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	७	९	०	७	१०
१७	७	१०	३	१	२५	२७	१६
५	२१	१०	४	३६	२०	१९	५७
२८	२२	५२	२०	११	५६	३५	१०
६०	४५	१०	२	४९	४	३	६०
१२	१७	३३	२३	१०	१६	११	२०

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरेऽहर्गण६६०८स.२० ३०
१	मं १४ ७ पू १८ ५२ सा १७ ३५ च १४ ७ २८	१३ ४७	१४ २६ ५	मी ३।२	चंद्रदर्शनम्पातस्पर्शः ४ पातमोक्षः ५
२	बु १७ ६ उ २३ २२ शु १७ ११ कौ १७ ६ २	१२ ४८	१५ १ ६	मीने	जिल्काद११फुलरिया२
३	गु २१ १७ रे २६ १५ शु १७ ५७ ग २१ १७ ५	११ ४६	१६ २ ७	मे.२६।१५	भ.५३।५८उ.पूभा.बुधः१३।१२
४	शु २६ ३६ अ ३५ ५० ब १६ १४ वि २६ ३६ ९	१० ५०	१७ ३ ८	मेषे	भ.२६।३६या.
५	श ३२ ४६ भ ४३ २१ ऐं २१ ३२ बा ३२ ४६ १३	६ ५१	१८ ४ ९	मेषे	×वक्रीगुरुः ४ ज्येष्ठा३राहुःमृग१केतुः ५
६	र ३९ १० कृ ५० ५३ वै २३ ५५ कौ ५ ५६ १७	६ ५१	१९ ५ १०	वृ.०।१४	
७	चं ४५ २८ रो ५८ २३ वि २६ १० ग १२ १६ २१	८ ५२	२० ६ ११	वृषे	भ.४५।२८उ.श्रवणेशुक्रः४।५
८	मं ५१ १२ मृ ६० ० प्री २७ ५३ वि १८ २० २६	७ ५३	२१ ७ १२	मि३१।३५	भ.१८या.मीनेबुधः२२।३४होलाष्टकम्
९	बु ५५ ३२ मृ ४ ४८ आ २८ ४१ बा २३ २२ ३०	६ ५४	२२ ८ १३	मिथुने	रेवत्यांभौमः५३।१४
१०	शु ५८ १४ आ ६ ५५ सौ २८ २० ते २६ ५३ २४	५ ५५	२३ ९ १४	क.५७।३१	मीनेऽर्कः ४५ (सौरः ५२) उभा बुधः४।०×
११	शु ५९ ७ पु १३ २५ शो २६ २७ व २८ ४० ३८	४ ५६	२४ १० १५	कर्के	भ.२८उ.५९या.आमलकी११व्र.ल्मा.
१२	श ५७ ५० पु १४ ५८ अ २३ ७ ब २८ २८ ४३	३ ५७	२५ ११ १६	कर्के	अस्तोभौम:२।७ग्रामलकी११व्र.वै.
१३	र ५४ ५० श्ले १४ ३१ सु १८ ७ कौ २६ २० ४७	३ ५७	२६ १२ १७	सि१४।३१	कृत्ति१शनिः४५।३४प्रदोषः
१४	चं ४९ ५२ म १२ १८ धृ ११ ४६ ग २२ २४ ५१	२ ५८	२७ १३ १८	सिंह	भ.५३उ.उभा.रविः२ (सौरः१४)
१५	मं ४३ ३१ पू ८ २६ शू १० ५३ वि १६ ४१ ५५	१ ५९	२८ १४ १९	कं.२२।११	भ.५या होलिकादहनम्

४८पं.फा.शु.४शु. इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	७	९	०	७	१०
२४	१२	२३	३	७	२५	२६	२३
६	४६	८	१४	४९	५३	५७	५८
१४	४१	३८	५३	२३	२४	१९	३३
५९	४५	५	१	५८	४	३	६०
५८	१२	५६	०	४९	४९	११	६

फाल्गुनशुक्ले१० गुरौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता पूर्वस्यां ।

४९पं.फा.शु.११शु.इ. ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	७	९	०	७	११
१	१८	६	३	१४	२६	२६	०
५	८	५१	१६	३०	३०	३५	५८
३१	१३	१८	२३	५०	७	३	१५
५९	४४	८	१९	५७	५	३	५९
४१	५३	१८	व.	२८	११	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१	दि. उ. अ.	भा. मु. इं	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	बु ३६ १७ उ २८ ५४ बृ ४६ ३६ बा ६ ५४	३० ६	६ २९ १५ २०	कन्यायां	रेवत्यांबुधः ४ वसंत१छारेडी
२	शु २८ ४१ चि ५१ ५६ धु ३७ २५ तै २ २६	४ ५९	१ ३० १६ २१	तु २४।५५	भ.५४।४५उ.
३	शु २० ५० स्वा ४६ १६ व्या २८ १७ वि २० ५०	८ ५८	२ १ १७ २२	तुलायां	भ.२०या.भा.चैत्रारंभः चतुर्थीव्र.
४	श १३ २७ वि ४१ १० ह १६ २४ बा १३ २७	१२ ५८	२ २ १८ २३	वृ.२७।२७	बुधोदयःपश्चिमायां१८।०
५	र ६ ३७ अ ३६ ४६ व ११ १७ तै ६ ३७	१६ ५७	३ ३ १९ २४	वृश्चिके	धनिशुक्रः३८।१७
६	चं ० ३४ ज्ये ३३ ३१ सि ३५ ५३ व ० ३४	२१ ५६	४ ४ २० २५	ध.३३।३१	भ.०।३४उ.२८।३या शीतलापूजनम्
७	चं ५४ ५८ ० ० ० ० ० ० ०	० ०	० ० ० ०		
८	मं ५१ २२ मू ३० ३१ व ५० ५७ बा २३ २७	२५ ५५	५ ५ २१ २६	धनुषि	
९	बु ४८ १४ पु २८ ५२ प ४५ ५३ तै १९ ४८	२९ ५४	६ ६ २२ २७	म.४३।४६	[=अश्वि.मेषेभौमः३२।१६प्रदोषः
१०	गु ४५ ५९ उ २८ २६ शि ४१ ४१ व १७ ६	३३ ५३	७ ७ २३ २८	मकरे	भ.१७उ.४५या.अश्वि.मेषेबुधः७।२०
११	शु ४५ २ श्र २८ ५५ सि ३८ ६ ब १५ ३०	३७ ५३	७ ८ २४ २९	कु.५९।४२	पापमीचनी११व्र.
१२	श ४५ १२ ध ३० २९ सा ३५ ४२ कौ १५ ७	४१ ५२	८ ९ २५ ३०	कुंभे	कुंभेशुक्रः५९।३२
१३	र ४६ २२ श ३३ ११ शु ३४ ५ ग १५ ४७	४५ ५१	९ १० २६ ३१	कुंभे	भ.४३उ.रवत्यांरविः ३४ (सौरः ४०)=
१४	चं ४८ ४१ पू ३६ ५९ शु ३३ ३४ वि १७ ३१	४९ ५०	१० ११ २७ १	मी२१।२	भ.१७।३१या.अप्रेल४ता.३०
२०	मं ५२ १४ उ ४१ ४९ व ३३ ३४ च २० २७	५३ ४९	११ १२ २८ २	मीने	मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.३शु.इ. ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	७	९	०	७	११
८	२३	२०	३	२१	२७	२६	७
३	२७	३९	८	३२	१०	१२	५६
१८	५०	३६	३५	२४	१६	४८	१०
५९	४४	८	३	६०	५	३	५९
२९	४७	५५	व.	२८	३९	११	३५

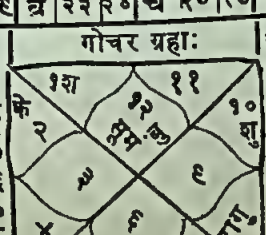

इस मास में धान्य गेहूं जो बाजरा मूंग मोठ चावल धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा मंदा हो वस्त्र रुई वारदाना तेज हो ।

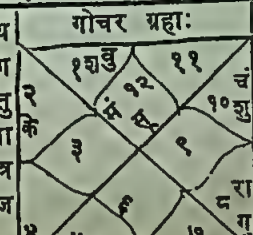

५१पं.चै.कृ.११शु.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	७	९	०	७	११
१४	२८	२	२	२८	२७	२५	१४
५९	४५	४३	५१	४९	५३	५०	५२
१०	३६	१	२५	१२	४९	३२	२१
५९	४४	९३	३	६३	६	३	५९
१६	२६	३४	व.	४७	२	११	१८

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३१, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५११३१, भोग्यकलिः४२६८६९, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८७, शाकः १९५२, अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री रविः । सस्येशो भौमः । धान्येशः चंद्रः । मेघेशः शनिः। रसेशो गुरुः । नीरसेशो भौमः । फलेशः शनिः । धनेशो भौमः।दुर्गेशःशनिः।एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येरुद्रविंशतिकायां १८रक्ताक्षनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः २।९।४७।३२।१२ भोग्यमासादिः ९।२०।१२।२७।४८ भगदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम वैशाखः।मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे।समयविश्वा ८ समयवाहनम्सिंचाणुः । स्तंभाः३ जलतृण वायूनाम् ।सोमवत्यमाः १ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी१ भानुसप्तमी २बुधाष्टमी२ रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः१७, तिथिवृद्धिः११ उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा १३ धान्यम् ९ तृणम् ११, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११७, शनिदृष्टि पूर्वस्यां । सत्यं ॥ धर्मे १॥ पापं १८ ग्रहण २सूर्यस्य१ चंद्रमसः १।

सं. २०८७ ज्येष्ठ कृ. ३० शनौ
सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घं.	१०	११	१२
मि.	१९	२५	४०
घ.	९	१२	१५
प.	४०	२५	३४

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ९।१८

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय जननी ज्वालामुखी भैरव आया द्वार ।
सत्यासी की ताल का कहदो फल विस्तार ॥

भवानी उत्तर

सत्यासी सत छोडसी करसी धुवांधार ।
सत्ताधिप विग्रह करें जनता कष्ट अपार ॥
बुधजी राजा बापड़ा चले न इनका जोर ।
मंत्री रवि दुर्गेश शनि करें और की ओर ॥
वर्षा विश्वा विश्व है रोहिणी सागर मांय ।
जल तृण की कमती नहीं अन्न भरोसा नांय ॥
शर्मा कहे विचार के संवत् के ग्रहचार ।
करणहार ईश्वर धणी उनकी शक्ति अपार ॥

सं. २०८७ ज्ये. शु. १५ चंद्र
चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो
घं.	१०	१२	१
मि.	५१	५	१९
घ.	४१	४४	४७
प.	१	६	११

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् १।२५

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।८।० केतकीमतेन वेंकटसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१५।४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

×शसूमउ

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्यं विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ।। मंत्री रवि: फलम् ।। नृप भयं गदतोपिहि तस्करात् प्रचुर धान्य धनादि महीतले । रसचयं हि समर्धतमं तदा रविरमात्य पदं हि समागतः ।। सस्यशः भौमः फलम् ।। प्रथम धान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग धनोजलं न समसौख्य करं तुष धान्य हृत् ॥ धान्येशश्चंद्रः फलम् ॥ चंद्रे धान्याधिपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषुक्षीरंतदा बहुः ॥ मेघेश:शनि:फलम् ।। रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरल वृष्टिरतीव वसुन्धरा । सनसि तापकरो नृपतिः सदा विविध रोग रता जनता मता ।। रसेशो गुरुः फलम् ।। यदि गुरु रसपो जन सौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विज पूजन तत्परा गज सुवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः ।। नीरसेशोभौम:फलम्।। नीरसेशो यदा भौम:प्रवाल रक्तवाससां । रक्तचंदनताम्राणा मर्घ वृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशः शनिः फलम् ।। यदि शनिः फलपः फलहा भवेज्जनित पुष्प गणस्य द्रुम सदा । हिम भयंकर तस्कर जन्तुभिःर्जनपदो गद राशि महा कुलः ।। धनेशो भौमः फलम् ।। असम मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि ताप करस्तुष धान्य हृत् । सहसि मासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोक विधायकः ।। दुर्गेशः शनिः फलम् ।। रविसुते गढ़ पालिनि विग्रहैः सकलदेश गताश्चलिता जनाः । विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनं शलभैर्मुषितं भुवि ।। रक्ताक्षनाम संवत्सरः फलम् रक्ताक्षि वत्सरे सस्य वृद्धिर्वृष्टिरनुत्तमा । प्रेक्षन्ते सर्वदान्योन्यं राजानो रक्तलोचनाः । वर्षनाम वैशाखः फलम ।। वैशाखेऽब्देतु राजानो धर्म मार्ग रताः क्षिती क्षेमं सुभिक्षमारोग्यं द्विजाश्चाध्वर तत्पराः ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंदवृष्टिश्च ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतुमहावृष्टिः ।। समय निवासो मालि गृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशभम् ।।

संवत् २०८७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ भौमे हस्ते ल. ९-१० रे. ८ ।।।।।ऽअऽ।।।

,, १५ गुरौ स्वात्यां ल. ९-१०-११ रे.६।।।।ऽऽनृऽऽ।।

वैशाख मासः

शुक्ला २ शनौ रोहि ल. १०-११ रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।।

,, ८ शनौ मघा ल. ९-११ (कुं.७चं.पू.) रे. ७ ऽ।।।।ऽरो।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, ११ भौमे हस्ते ल. ९-१० रे. ८ ।।।।।ऽअऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १० रवौ उभा ल. ११-१ रे. ७ ऽ।।।।ऽअ।ऽ।। (घ.४४-३५ उ.)

,, ११ चन्द्रे रेव ल. ९-१०-११ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। दग्धा घ.४९-११उ.

शुक्ला १ रवौ मृगे ल. ११ रे. ८ ।।।।ऽऽरो४५या।।।।

,, ६ शुक्रे मघा ल. ९-११ (कुं.चं.७पू.) ल.१ रे.६ ऽ।।।।ऽनृऽऽ।।

,, ८ रवौ ल. ९-१० रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णा ७ शनौ उभा ल. ऽन्यगो १०-११-१ रे. ६ ऽ।।।।ऽचौ३७या।ऽ।ऽदग्धा

,, ८ रवौ रेव ल.१०-११-१ रे.८ ।।।।।।रो४०उऽऽ।।

शुक्ला ५ शनौ उफा ल. ऽन्यगो (७मेभौमः) ल. ११ (चं.पू.) रे. ९ ।।।।।ऽअ।।।

,, ७ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो(७मेभौमः)रे.८।।।।।।ऽऽ।।

,, ९ भौमे स्वात्यां ल.११-१(मेषेचं.पू.)रे९।।।।।।ऽ।।।

माघ मासः

कृष्णा ९ शुक्रे स्वात्यां ल.ऽन्यगो६-९रे.७।।।।।अ३१याऽऽ।।

शुक्ला ५ चन्द्रे उभा ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।ऽनृऽ।।।

,, ६ भौमे रेव ल. ऽन्यगो रे. १० ।।।।।।।।।

,, १० शनौ रोहि ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽ।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ शनौ मघा ल. गो. ९ रे. ६ ऽ।।।ऽ।ऽऽ।।

,, ३ चन्द्रे उफा ल. ९ रे. ८ ।।।।ऽ।ऽ।।।

,, १० चन्द्रे मूले ल. ऽन्यगो रे. ७ ।ऽ।।।ऽनृ।ऽ।।

शुक्ला ३ चन्द्रे रेव ल. ९-१० रे.८ ।।।।।ऽअ।।।ऽ दग्धा

चैत्र मासः

कृष्णा १ चन्द्रे हस्ते ल. गो. ९-१० रे. ७ ।ऽ।ऽबु।।।।।

,, ३ बुधे स्वात्यां ल. गो. १० (घ.५३उ) रे. ६ ।।।।ऽ।।ऽऽऽ गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः६९३७स.२०३०
१	बु ५६ ४१ रे ४७ ४३ ऐं ३४ २०	किं २४ २७	३० ५७	५ ४९	६ १९	१३	२९	३	मे.४७।४३ संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	गु ६० ० अ ५४ १९ वै ३५ ४९	बा २९ २१	३१ १	४८	१२	१४	३०	४	मेषे चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	शु २ २ भ ६० ० वि ३७ ५५	कौ २ २	५	४७	१३	१५	१	५	मेषे जिल्हेज१२मत्स्यजयंतीसिंधारा
४	श ८ १२ भ १ ४३ प्री ४० १०	ग ८ १२	८	४६	१४	१६	२	६	वृ.१८।३६ भ.४१।२१उ.शतेशुक्रः१२।३२गणगौरी
५	र १४ ३१ कृ ९ १६ आ ४२ ४०	वि १४ ३१	१२	४६	१४	१७	३	७	वृषे भ.१४।३१या.
६	चं २० ५४ रो १६ ५६ सौ ४५ १३	बा २० ५४	१६	४५	१५	१८	४	८	मि५०।३३ भरण्यांबुधः५१।२७
७	मं २६ ४४ मृ २४ १० शो ४६ ४६	तै २६ ४४	१९	४४	१६	१९	५	९	मिथुने
८	बु ३१ ४० आ ३० ६ अ ४७ २६	व ३१ ४०	२३	४३	१७	२०	६	१०	मिथुने भ.३१।४०उ.
९	गु ३५ १५ पु ३४ ५४ सु ४६ ५२	वि ३ २७	२६	४३	१७	२१	७	११	क.१८।४२ भ.३।२७या.
१०	शु ३७ ११ पु ३७ ५५ धृ ४४ ४३	बा ६ १३	३०	४२	१८	२२	८	१२	कर्के वक्रीबुधः४८।१५रामनवमी
११	श ३६ ४९ श्ले ३८ ५३ शू ४१ ११	तै ७ ०	३४	४१	१९	२३	९	१३	सिं३८।५३ [=बुधास्तःपश्चिमायां ३६ कामदा११व्र.
१२	र ३५ २९ म ३८ ५ गं ३५ ५७	व ६ ९	३८	४०	२०	२४	१०	१४	सिंहे भ.९उ.३५या.अश्वि.मेषेऽर्कः५८ सौर३५=
१३	चं ३१ ० पू ३५ ८ वृ २९ ९	व ३ १४	४२	४०	२०	२५	११	१५	कं.४८।५६ वक्रीअश्विन्यांबुधः१६।२७प्रदोषः
१४	मं २४ १५ उ ३० १९ धृ २० ४९	तै २४ १५	४६	३९	२१	२६	१२	१६	कन्यायां
१५	बु १६ ८ ह २४ १३ व्या ११ २३	व १६ ८	५०	३८	२२	२७	१३	१७	तु.५०।४६ भ.१६उ.४९या.कृत्ति२वृषेशनिः ४१।१७
१५	गु ७ २९ चि १७ १९ ह २९ ४९	व ७ २९	५३	३७	२३	२८	१४	१८	तुलायां पूभा.शुक्रः३१ भरण्यांभौमः२५ हनुमज्जयं.

५२पं.चै.शु.२र.इ. ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	७	१०	०	७	११
२१	४	१०	२	६	२८	२५	२१
५३	०	४७	२८	१८	३९	२८	४६
३१	१८	२	५	७	३६	१७	३२
५९	४४	५१	१ ४	६४	६	३	५९
४	१९	१३	व	३५	२३	११	४

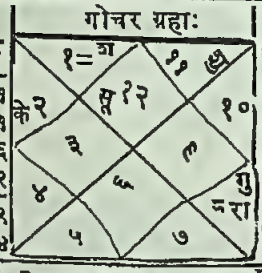

=बुचंमं
चैत्र शुक्ले ११ रवौ मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी मु.३०धान्यादि भावेसमता शुक्रोदय पूर्वस्यां।

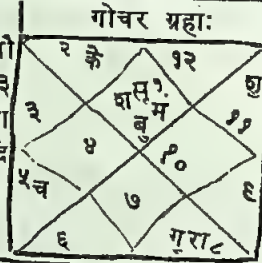

१पं.चै.शु.११र.इ. ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	७	१०	०	७	११
०	१०	१३	१	५५	२९	२५	२९
०	७	३३	४८	२८	३६	२	५२
०	५५	४३	५४	५९	२५	३०	४६
५८	४४	१३ १	३५	६६	६	३	५८
४४	१	व	व	२०	३८	११	४५

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तौ रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	गु ५० ४१ ८ ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु ४८ ५८ स्वा ८ ५४ सि ४० २७	तै २३ ३४	३१ ५७	३७	२३	२९	१५	१९	बृ.४९।१४
३	श ४० १ वि ४ ५३ व्य ३० ३७	व १४ २९	३२ १	३६	२४	३०	१६	२०	वृश्चिके भ.१४।२९उ.४०।१या.
४	र ३१ ४९ ज्ये ५० ३९ व २१ १६	ब ५ ५५	५	३५	२५	१	१७	२१	ध.५०।३९ भा.वैशाखारंभः चतुर्थीव्र.
५	चं २४ ५७ मृ ४६ ३३ प १२ ४९	तै २४ ५७	९	३४	२६	२	१८	२२	धनुषि
६	मं १९ ३० पू ४३ ३८ शि ४४ ५५	व १९ ३०	१२	३४	२६	३	१९	२३	म.५८।२० भ.१९।३०उ.४७।३३या.
७	बु १५ ३७ उ ४२ २७ सा ५६ ९	ब १५ ३७	१६	३३	२७	४	२०	२४	मकरे [×मीने शुक्रः१५।२२
८	गु १३ ५ श्र ४२ ४५ शु ५१ ४८	कौ १३ ५	२०	३२	२८	५	२१	२५	मकरे [÷वक्री विशा.३गुरुः५७।४४
९	शु १२ १६ ध ४४ ३२ शु ४९ ३३	ग १२ १६	२३	३१	२९	६	२२	२६	कुं.१३।३८ भ.४२।३९उ.
१०	श १२ ५६ श ४७ ४३ ब्र ४८ ३१	वि १२ ५६	२७	३१	२९	७	२३	२७	कुम्भे भ.१३या.भरण्यांरविः४९(सौरः५६) ×
११	र १४ ५० पू ५२ २ ऐं ४८ ३२	बा १४ ५०	३१	३०	३०	८	२४	२८	मी३५।५७ वरुथिनी११व्र.
१२	चं १८ १ उ ५७ २५ वै ४८ ५१	तै १८ १	३४	२९	३१	९	२५	२९	मीने प्रदोषः
१३	मं २२ १६ रे ६० ० वि ५० १०	व २२ १६	३८	२८	३२	१०	२६	३०	मीने भ.२२उ.५९या.उभा.शुक्रः९।३५ ÷
१४	बु २७ २२ रे ३ ४६ प्री ५२ ६	श २७ २२	४१	२८	३२	११	२७	१	मे.३।४६ अस्तंशनेः१५।४७मई५ता.३१
१५	गु ३२ ५८ अ १० ३८ आ ५४ ६	च ० १०	४५	२७	३३	१२	२८	२	मेषे बुधोदयःपूर्वस्यां१८।१३

२पं.वै.कृ.४र.इ. १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	७	१०	१	७	०
६	१५	१०	१	२३	०	२४	६
५०	१९	३९	७	७	२७	४०	४२
४६	८	१४	३४	४४	४	१५	५७
५८	४३	१८	६	६७	६	३	५८
३१	५१	व	व	३३	५६	११	२९

इस मास में वदि में धान्य गल्ला चांदी स्वर्ण लोहा ताम्बा सूत रंग कपास बारदाना मंदा हो सुदि में तेज होवेगें।

३पं.वै.कृ.११र.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	७	११	१	७	०
१३	२०	६	०	१	१	२४	१३
३९	२६	७	२०	१	१९	१७	३१
५०	२७	५२	३८	३४	३४	५९	२२
५८	४३	३६	१९	६८	७	३	५८
१९	३१	व	व	३७	८	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽर्गणः२७ स.२०३०
१	शु ३८ ५६ भ १७ ५३ सौ ५६ ३७ किं ५ ५८	३२ ४८	२६ ५	३६	१३	२६	३	वृ.३४।४६	
२	श ४५ १० कृ २५ २६ शो ५८ ५६ वा १२ ४	५२	२६	३४	१४	३०	४	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	र ५१ २८ रो ३३ ० अ ६० ० तै १८ १६	५५	२५	३५	१५	१	५	वृषे	मोहोरम्१सन्१४५२हि.परशुराम =
४	चं ५७ २३ मृ ४० २० अ १ १८ व २४ २५	५८	२४	३६	१६	२	६	मि६।४०	भ.३४उ.२५या.कृत्ति.भौम:४४।३
५	मं ६० ० आ ४६ ४६ सु ३ १२ ब २६ ५४	३३	२४	३६	१७	३	७	मिथुनें	[=जयंतीअक्षया३
५	बु २ २६ पु ५२ ३८ धृ ४ ३९ बा २ २६	५	२३	३७	१८	४	८	क.३६।११	मार्गीबुध:४२।४७पातस्पर्श:४४।१
६	गु ६ २४ पु ५६ ५६ शू ५ ५ तै ६ २४	८	२२	३८	१९	५	९	कर्कें	पातमोक्ष:३।४
७	शु ९ ८ श्ले ५९ २९ गं ४ २३ व ९ ८	११	२२	३८	२०	६	१०	सिं५९।२९	भ.९।८उ.३९।३१या.
८	श ९ ५५ म ६० ० बृ १७ २३ ब ९ ५५	१४	२१	३९	२१	७	११	सिंहे	कृत्ति.रवि:३४(सौर:४५)रेवत्यां ×
९	र ९ २७ म २३ ४७ च्या ५३ ३९ कौ ९ २७	१७	२१	३९	२२	८	१२	सिंहे	[>शुक्र:४६वृषेभौम:२२।३८
१०	चं ६ ५ उ ५६ ० ह ४६ ४९ ग ६ ५	२०	२०	४०	२३	९	१३	कं.१३।२२	भ.३३।४०उ.कृत्ति.३शनि:५५।३५
११	मं १ १४ ह ५१ १० व ३८ ३५ वि १ १४	२३	१९	४१	२४	१०	१४	कन्यायां	भ.१।१४या.मोहिनी११व्र.
१२	मं ५३ ११ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०		[A२३।१४नृसिंहजयंती
१३	बु ४६ १८ चि ४५ १ सि २९ २१ कौ २० २१	२६	१९	४१	२५	११	१५	तु.१८।५	बृषेऽर्कः२३(सौर:१२।३८ प्रदोषः
१४	गु ३६ ५६ स्वा ३७ ३७ व्य १८ ५९ ग ११ ३७	२८	१८	४२	२६	१२	१६	तुलायां	भ.३५उ.ज्येष्ठा.२राहु:रोहि.४केतु: A
१५	शु २६ ५७ वि २९ ४१ व ३ ४९ वि १ ५६	३१	१८	४२	२७	१३	१७	वृ.१६।४०	भ.१।५६या.यमायकुंभदानम्

४पं.वै.शु.३र.इ.८।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	६	११	१	७	०
२०	२५	४	२९	९	२	२३	२०
२७	३१	०	३०	०	१२	५५	१८
२९	१	०	०	२	१४	४३	८
५८	४३	५४	४	६९	७	३	५७
४	२६	व	व	२४	१४	११	५७

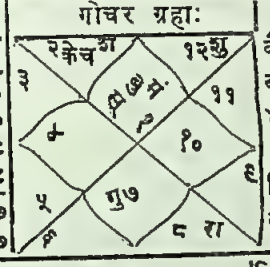

वैशाख शुक्ले १३ बुधे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ गतालकावस्था (ऊभी)मु.३०धान्यादिभावें समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

५पं.वै.शु.९र.इ. ८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	११	१	७	०
२७	०	४	२८	१७	३	२३	२७
१३	३३	२४	३७	४	६	३३	३
३७	२५	१४	३४	१२	५८	२८	२२
५७	४३	१३	५३	७०	७	३	५७
५४	१७	मा	व	११	२०	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	श १६ ४८ अ २१ ५० शि ४६ २६ वा १६ ४८	३३ ३४	१७ ५	४३	२८	१४	१८	वृश्चिके	
२	र ५५ १८ ज्ये १४ २२ सि ३६ १९ ते ७ ८	३७	१७	४३	२९	१५	१९	ध. १४।२२	भ.३२।४३उ.५८।१८या.
३	चं ५० ४४ मू ३७ ५८ सा २७ १५ ब २४ ३१	३९	१६	४४	३०	१६	२०	धनुषि	पातस्पर्शः२६पातमोक्षः५८चतुर्थीव्र.
४	मं ४५ २ पू ३ ५ शु १९ ३२ कौ १७ ५३	४२	१६	४४	३१	१७	२१	म.१७।१९	
५	बु ४१ ११ उ ० ५८ शु १३ २४ ग १३ ६	४४	१५	४५	१	१८	२२	मकरे	भ.४१।११उ.भा.ज्येष्ठारंभः
६	गु ३९ २१ भ ५९ २२ व्र ८ ४१ वि १० १६	४७	१५	४५	२	१९	२३	कु.२९।२	भ.१०।१६या.अश्वि.मेषशुक्रः२०।४३
७	शु ३९ २५ श ६० ० ऐं ५ ३८ बा ९ २३	४९	१४	४६	३	२०	२४	कुंभे	भरन्यांबुधः२।१
८	श ४१ १९ श २ ४ वै ४ ७ ते १० २२	५२	१४	४६	४	२१	२५	मी५०।१२	रोहि.रवि:२४ सौर:३८)रोहि.भौम३५
९	र ४४ ३५ पू ६ १५ वि ३ ५४ व १२ ५७	५४	१३	४७	५	२२	२६	मीने	भ.१२।५७उ.४४।३५या.
१०	चं ४९ ११ उ ११ ४६ प्री ४ ५१ ब १६ ५३	५६	१३	४७	६	२३	२७	मीने	वक्रीविशा.२गुरुः४३।५३अपरा११व्र.
११	मं ५४ ४४ रे १८ ११ आ ६ १० कौ २१ ५७	५८	१२	४८	७	२४	२८	मे.१८।११	
१२	बु ६० ० अ २५ ३१ सौ ८ २२ ग २७ ४४	३४ ०	१२	४८	८	२५	२९	मेषे	प्रदोषः
१३	गु ० ४४ भ ३२ ४९ शो १० २९ व ० ४४	२	१२	४८	९	२६	३०	वृ.४९।४२	भ.०।४४उ.३३।४९या.
१४	शु ६ ५४ कृ ४० १९ अ १३ ९ श ६ ५४	३	११	४९	१०	२७	३१	वृषे	
३०	श १२ ५७ रो ४७ ४७ सु १५ २८ ना १२ ५७	५	११	४९	११	२८	१	वृषे	जून६ता.३०सूर्यग्रहणम्वटपूजनं

६पं.ज्ये.कृ.२र.इ.९।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	६	११	१	७	१
३	५	८	२७	२५	४	२३	३
५८	३३	३७	४३	१०	०	११	४७
४४	३२	३७	२९	५२	५०	१२	६
५७	४३	४२	५३	७०	७	३	५७
४४	७	२९	व	४९	२०	११	३४

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी धातु सोना चांदी रुई वस्त्र तेज हो प्रजा में रोग शोक फैले ।

७पं.ज्ये.कृ.१०र.इ.९।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	६	०	१	७	१
१०	१०	१५	२६	३	४	२२	१०
४२	३१	४८	५१	२१	५४	४८	२९
४०	१	२५	५४	३२	५४	५७	१७
५७	४२	७०	३२	७१	७	३	५७
३५	३७	१	व	२१	२०	११	२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽर्हर्गणः५७स.२०३०
१	र १८।५६ मृ ५५। ० धृ १७।४७ ब १८।५६	३४	५	६	१२	२९	२	मि२१।२३	कृत्ति.बुधः५५।३२चंद्रदर्शनम्
२	चं २४।२० आ ६०। ० शू १९।४१ कौ २४।२०	७	११	४९	१३	१	३	मिथुने	भरण्यांशुक्रः३७।१६सफर२
३	मं २९। १ आ १।२१ गं २०।४६ ग २९। १	१०	१०	५०	१३	१	३	क.५०।३०	
४	बु ३२।५० पु ६।५३ बृ २१।१९ व ०।५५	१२	१०	५०	१५	३	५	कर्के	भ.०।५५उ.३२।५०या.बुधेबुधः४।३९
५	गु ३५।३३ पु ११।३२ धृ २१।११ ब ४।११	१३	९	५१	१६	४	६	कर्के	उदयंशने:१२।१२
६	शु ३६।५३ श्ले १५। ६ च्या २०। ८ कौ ६।१३	१५	९	५१	१७	५	७	सिं१५।६	[×कृत्ति.४शनिः५०।५६
७	श ३६।५४ म १७।१३ ह १७।४३ ग ६।५३	१६	९	५१	१८	६	८	सिंहे	भ.३६/५४उ.मृगेरविः१९।३८(सौरः३७)×
८	र ३५।१९ पू १७।४९ व १४। ६ वि ६। ६	१७	९	५१	१९	७	९	कं.३२।३२	भ.६।६या.
९	चं ३२। १ उ १६।४३ सि ९।१७ बा ३।४०	१८	८	५२	२०	८	१०	कन्यायां	रोहि.बुधः३६।२१
१०	मं २९।५८ ह १३।५६ व्य २५/२३ ग २६।५८	१९	८	५२	२१	९	११	तु.४१।४८	भ.५३।४५उ.गंगादशमी.
११	बु २०।३१ चि ९।४० प ४६।३४ वि २०।३१	१९	८	५२	२२	१०	१२	तुलायां	भ.२०।३१या.निर्जला११व्र.
१२	गु १२।३३ स्वा ४९/१३ शि ३७। १ बा १२।३३	२०	८	५२	२३	११	१३	वृ.४३।४३	मृगेभौमः३३/३४बुधास्तःपूर्वस्यां३२/३१प्रदोषः
१३	शु ४। ७ अ ४९।४१ सि २६।३५ तै ४। ७	२१	८	५२	२४	१२	१४	वृश्चिके	भ.५३।५४उ.कृत्ति.शुक्रः५६।२८
१४	शु ४९।४७ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	[=३९/९८)गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.चंद्रग्रह.
१५	श ४३।५९ ज्ये ४१।५८ सा १५।५६ वि १८।५६	२१	८	५२	२५	१३	१५	धृ.४१।५८	भ.१६/१६याचंद्रग्रहणम्मिथुनेऽर्कः१६/१६सौर=

८पं.ज्ये.शु.१र.इ.९।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	९	०	१	७	१
१७	१५	२५	२९	११	५	२२	१७
२५	२५	२८	३	३४	४९	२६	१०
२६	४१	३०	११	४४	४१	४१	२३
५७	४२	९२	४/५३	७१	७	३	५७
२८	२६	४५	व	४७	१४	११	१३

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले१५ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बृद्धावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.शु.८र.इ. ९।१८

र	भ	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	६	०	१	७	१
२४	२०	७	२५	१९	६	२२	२३
७	१८	१६	१९	५०	४२	४	५०
३०	३२	५५	१२	२	११	२५	१९
५७	४२	९/५८	६	७२	७	३	५७
२२	१६	२४	व	७	८	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	र ३४।२८ मृ ३४।३८ शु ५५/५९ बा ९।१३	३४	५	६	२६	१४	१६	धनुषि	
२	चं २५।५० पु २८।१२ ब्र ४५/५७ तै ०। ९	२२	८	५२	२७	१५	१७	म.४१।५५	भ.५२उ.मृगेबुधः२७बृषेशु :४१।५४
३	मं १८।२८ उ २३। ५ ऐं ३८। २ वि १८।२८	२३	७	५३	२८	१६	१८	मकरे	भ.१८।२८या.चतुर्थीव्र.
४	बु १२।५६ श्र १९।५४ वै ३१।३६ बा १२।५६	२३	७	५३	२९	१७	१९	कुं.४९।१५	
५	गु ९।२८ ध १८।३५ वि २६।५५ तै ९।२८	२३	७	५३	३०	१८	२०	कुम्भे	मिथुनेबुधः१४।११
६	शु ८।१९ श १९।४३ प्री २४। १ व ८।१९	२४	७	५३	३१	१९	२१	कुंभे	भ.८।१९उ.३८।४१या.
७	श ९। ३ पू २२।३६ आ २२।२७ व ९। ३	२४	७	५३	१	२०	२२	मी६।५३	आर्द्रा.रविः१७(सौरः२९भा.आषा.रंभ
८	र ११।४५ उ २७।२८ सौ २२।५५ कौ ११।४५	२४	७	५३	२	२१	२३	मीने	आर्द्रा.बुधः२०।४४मिथुनेभौमः१३।१
९	चं १६।११ रे ३३।३१ शो २४। ० ग १६।११	२४	७	५३	३	२२	२४	मे.३३।३१	भ.४८।५५उ.
१०	मं २१।३९ अ ४०।४६ अ २६। ३ वि २१।३९	२४	७	५३	४	२३	२५	मेषे	भ.२१।३९या.
११	बु २७।४३ भ ४८। ७ सु २८।२५ बा २७।४३	२३	७	५३	५	२४	२६	मेषे	रोहि.शुक्रः३।३१योगिनी११व्र.
१२	गु ३४।१० कृ ५५।५२ धृ ३१। २ कौ ०।५६	२३	७	५३	६	२५	२७	बृ.५।३	
१३	शु ४०।१५ रो ६०। ० शू ३३।३२ ग ७।१२	२२	८	५२	७	२६	२८	बृषे	भ.४०।१५उ.प्रदोषः
१४	श ४५।५२ रो ३।१६ गं ३५।४० वि १३। ३	२२	८	५२	८	२७	२९	मि३६।४४	भ.१३।३या.पुन.बुधः३२।६
३०	र ५०।५३ मृ १०।१२ बृ ३७।२४ च १८।२२	२१	८	५२	९	२८	३०	मिथुने	

१०पं.आ.कृ.१र.इ.९।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	६	०	१	७	२
०	२५	२०	२४	२८	७	२१	०
४८	९५	५८	४१	८	२४	४२	२९
४७	१८	२६	२०	२	३७	१०	२८
५७	४२	९/५८	५	७२	६	३	५६
१७	७	२७	व	३२	५६	११	५७

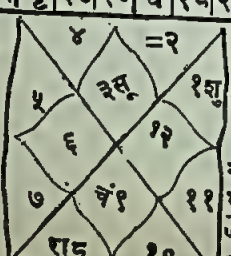

११पं.आ.कृ.८र.इ.९।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	१	१	७	२
७	२९	३	२४	६	८	२१	७
२९	५७	५५	१०	२८	२५	१९	७
४२	२२	२२	५२	२६	५	५४	५५
५७	४१	२/५९	५३	७२	६	३	५६
१३	५०	३४	व	५०	३८	११	५४

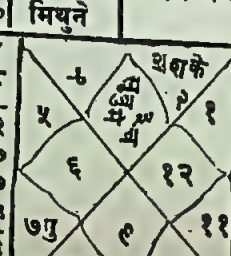

१२पं.आ.कृ.३०र.इ.९।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	६	१	१	७	२
१४	४	२१	२३	१४	९	२०	१३
१०	४३	१७	४८	५०	१३	५७	४६
८	८	२७	७	१७	५२	३९	०
५७	४१	२/५९	४०	७३	६	३	५६
७	३०	२३	व	१०	२६	११	५०

=मंशकेबु

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८६स.२०३०
१	चं	५४	४३	आ	१६	१५	ध्रु	३८	९	किं	२२	४८	३४/२०	५/८	६/५२	१०	२९	१	मिथुने	जोलाई७ता.३१
२	मं	५७	४३	पु	२१	२३	व्या	३८	३०	बा	२६	१८	१९	८	५२	११	३०	२	क.५।६	आर्द्रा.भौमः५८/८चंद्रदर्शनश्नम्रथयात्रा
३	बु	५९	४९	पु	२५	३१	ह	३७	५९	तै	२८	४६	१८	८	५२	१२	१	३	कर्के	रविलावल३
४	गु	६०	०	श्ले	२८	४०	व	३६	२६	व	३०	१५	१७	९	५१	१३	२	४	सिं२८।४०	भ.३०/१५उ.कर्केबुधः२६।३१
४	शु	०	४१	म	३०	४७	सि	३४	७	वि	०	४१	१६	९	५१	१४	३	५	सिंहे	भ.०/४१या.बुधोदयःपश्चिमायां४०।१९
५	श	०	२९	पू	३१	५६	व्य	३१	१३	बा	०	२९	१५	९	५१	१५	४	६	कं.४६।५३	पुन.रविः१५/५७(सौरः४३/५३)पुष्येबुधः८।१६
६	श	५८	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	र	५६	४१	उ	३१	४४	व	२७	७	ग	२७	५५	१४	९	५१	१६	५	७	कंन्यायां	भ.५६/४१उ.मृगेशुक्रः१४/७रोहि.१शनिः३/५८
८	चं	५३	७	ह	३०	२५	प	२२	१	वि	२४	५४	१३	९	५१	१७	६	८	तु.५९।११	भ.२४।५४या.
९	मं	४८	१६	चि	२७	५८	शि	१६	८	बा	२०	४१	११	१०	५०	१८	७	९	तुलायां	
१०	बु	४२	१०	स्वा	२४	२९	सि	९	१३	तै	१५	१३	१०	१०	५०	१९	८	१०	तुलायां	
११	गु	३५	१७	वि	१९	४३	सा	१/३२	५१/१५	व	८	४३	८	१०	५०	२०	९	११	वृ.५।५४	भ.८/४३उ.३५/१७या.देवशयनी११व्र.
१२	शु	२७	१२	अ	१४	३	शु	४३	३१	ब	१	१४	७	११	४९	२१	१०	१२	वृश्चिके	मिथुनेशुक्रः४७।५१प्रदोषः
१३	श	१८	४२	ज्ये	७	४६	ब्र	३३	४४	त	१८	४२	५	११	४९	२२	११	१३	ध.७।४६	आश्ले.बुधः३२।११मार्गीगुरुः१४।९
१४	र	१०	२	मू	१/१७	५३/३९	ऐं	२४	२	व	१०	२	३	११	४९	२३	१२	१४	धनुषि	भ.१०।२उ.३५।४८या.वायुपरीक्षा
१५	चं	१	३४	उ	४९	२०	वै	१४	५०	ब	१	३४	१	१२	४८	२४	१३	१५	म.८।३२	व्यासपूजागुरु१५

१३पं.आ.शु.७र.इ. ९।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	६	१	१	७	२
२०	९	५	२३	२३	१०	२०	२०
५०	२६	१७	३३	१३	०	३५	२३
३५	५६	२४	२५	१२	३२	२३	५४
५७	४१	[illegible]	१/२०	७३	६	३	५६
७	२०	४७	व	२०	१४	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन धातु धान्य गल्ला रसकस गुड़ सक्कर तेल तिलहन घृत में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहाः

१४पं.आ.शु१४र.इ.८।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	६	२	१	७	२
२७	१४	१७	२३	१	१०	२०	२७
३०	८	४२	२८	३९	४४	१३	२
५४	१७	२२	१२	२२	५३	७	१
५७	४१	[illegible]	१/१२	७३	५	३	५६
११	४	५०	मा	३२	५०	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	चं	५२	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×३केतुः१६।४०चतुर्थीव्र.
२	मं	४७	५२	श्र	४५	८	वि	६/१६	५२/३९	तै	२१	०	३३/५९	५/१२	६/४८	२५	१४	१६	मकरे	कर्केऽर्कः४५।२३
३	बु	४३	१४	ध	४२	१८	आ	५२	५०	व	१५	३३	५७	१३	४७	२६	१५	१७	कुं.१३।४३	भ.१५/३३उ.४३/१४या.कर्केऽर्कःसौरः१६।३७
४	गु	४०	४७	श	४१	४४	सौ	४८	२४	ब	१२	०	५५	१३	४७	२७	१६	१८	कुंभ	आर्द्रा.शुक्रः२०/३५ज्येष्ठा.१राहुःरोहि. ×
५	शु	४०	२३	पू	४३	१	शो	४५	३०	कौ	१०	३५	५२	१४	४६	२८	१७	१९	मी२७।४२	नाग५मरुस्थले
६	श	४२	१०	उ	४६	२०	अ	४४	४२	ग	११	१६	५०	१४	४६	२९	१८	२०	मीने	भ.४२/१०उ.पुष्येरविः१४/४१ (सौरः४७।१८)
७	र	४५	४५	रे	५१	२९	सु	४४	४२	वि	१३	५७	४८	१४	४६	३०	१९	२१	मे.५१।२९	भ.१३।५७या.
८	चं	५०	५०	अ	५८	२	धृ	४६	१०	बा	१८	१७	४५	१५	४५	३१	२०	२२	मेषे	मघा.सिंहेबुधः११/१पुन.भौमः५४।३३
९	मं	५६	३९	भ	६०	०	शू	४८	३९	तै	२३	४४	४३	१५	४५	१	२१	२३	मेषे	भा.श्रावणारंभः
१०	बु	६०	०	भ	५	१५	गं	५०	४३	व	२९	५०	४०	१६	४४	२	२२	२४	वृ.२२।११	भ.२९।५०उ.
१०	गु	३	१	कृ	१३	१	वृ	५३	१६	वि	३	१	३८	१६	४४	३	२३	२५	वृषे	भ.३।१या.
११	शु	९	२	रो	२०	२७	ध्रु	५५	३०	बा	९	२	३५	१७	४३	४	२४	२६	मि५३।५३	उदयोभौमः३०।२२कामिका११व्र.
१२	श	१४	४३	मृ	२७	२०	व्या	५७	८	तै	१४	४३	३३	१७	४३	५	२५	२७	मिथुने	प्रदोषः
१३	र	१९	२६	आ	३३	२२	ह	५७	५३	व	१९	२६	३०	१८	४२	६	२६	२८	मिथुने	भ.१९।२६उ.५१।५या.
१४	चं	२२	४५	पु	३८	५	ब	५७	४४	श	२२	४५	२७	१९	४१	७	२७	२९	क.२१।५७	पुन.शुक्रः१७।१८
३०	मं	२४	५९	पु	४१	४६	सि	५६	३८	ना	२४	५९	२४	१९	४१	८	२८	३०	कर्के	हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.७र.इ.८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	६	२	१	७	३
४	१८	२८	२३	१०	११	१९	३
११	४७	३१	३०	६	२६	५०	४०
३८	५६	५२	४७	४३	४६	५२	२८
५७	४०	८४	१	७३	५	३	५६
१५	५३	५९	१३	४४	२६	११	५९

गोचर ग्रहाः

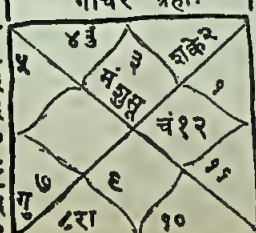

श्रावणकृष्णे २ भौमे कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न. ६ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

१६पं.श्रा.कृ.१३र.इ.८।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	६	२	१	७	३
१०	२३	७	२३	१८	१२	१९	१०
५२	२५	३९	४३	३५	४	२८	१९
४१	२९	०	१९	३१	१९	३६	४५
५७	४०	६६	२	७३	४	३	५७
२०	४०	५६	३३	५०	५६	११	५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११६सन् २०३०
१	बु	२५	५२	श्ले	४४	६	व्य	५४	३५	ब	२५	५२	३३/२२	५/२०	६/४०	९	२९	३१	सिं४४।६	
२	गु	२५	३१	म	४५	१७	व	५१	३५	कौ	२५	३१	१९	२०	४०	१०	३०	१	सिंहे	चंद्रदर्शनम्अगस्त८ता.३१सिंधारा
३	शु	२४	१८	पू	४५	३५	प	४७	४४	ग	२४	१८	१६	२१	३९	११	१	२	सिंहे	भ.५३/११उ.पूफा.बुधः११/७रविलाखर४तीज
४	श	२२	५	उ	४५	५	शि	४३	१४	वि	२२	५	१३	२१	३९	१२	२	३	कं.०।२८	भ २२/५या.आश्ले.रवि ११/४२ (सौरः४८/५)×
५	र	१९	१०	ह	४३	४९	सि	३८	१६	बा	१९	१०	१०	२२	३८	१३	३	४	कन्यायां	नागपंचमी [×वरद४
६	चं	१५	३१	चि	४१	४४	सा	३२	४२	तै	१५	३१	७	२३	३७	१४	४	५	तु.१२।४६	
७	मं	११	४०	स्वा	३९	१५	शु	२६	३४	व	११	४०	४	२३	३७	१५	५	६	तुलायां	भ.११/४०उ.३८/५८या.कर्केशुक्रः२९/३५कर्केभौमः=
८	बु	६	१६	वि	३५	५६	शु	१९	५८	ब	६	१६	०	२४	३६	१६	६	७	वृ.२१।४६	[=३९।२८
९	गु	०	५५	अ	३२	७	ब्र	१२	४४	कौ	०	५५	३२/५७	२५	३५	१७	७	८	वृश्चिके	
१०	गु	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷पवित्रा११व्र.स्मा.
११	शु	४८	१७	ज्ये	२७	४७	ऐं	५/८	५२/५	व	२१	३६	५४	२५	३५	१८	८	९	ध.२७।४७	भ.२१/३६उ.४८/१७या.पुष्येशुक्रः१५।४३ ÷
१२	श	४१	२९	मू	२३	११	वि	४८	५४	ब	१४	५३	५०	२६	३४	१९	९	१०	धनुषि	पवित्रा११व्र.वै.
१३	र	३४	४२	पू	१८	२३	प्री	४०	४६	कौ	८	५	४७	२७	३३	२०	१०	११	म.३२।१३	प्रदोषः
१४	चं	२८	२२	उ	१३	४४	आ	३३	२	ग	१	३२	४४	२७	३३	२१	११	१२	मकरे	भ.२८/२२उ.५५/३१या.पुष्येभौमः१६।४
१५	मं	२२	३९	श्र	९	४९	सौ	२५	४६	ब	२२	३९	४०	२८	३२	२२	१२	१३	कुं.३८।२८	रोहि२शनिः४६।३श्रावणीकर्मरक्षाबंध.

१७पं.श्रा.शु.५र.इ.८।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	६	२	१	७	३
१७	२८	१४	२४	२७	१२	१९	१६
३४	१	४५	४	६	३९	६	५९
२३	३७	७	१	११	११	२१	३३
५७	४०	४३	३	७३	४	३	५७
२५	२६	३०	५३	५६	३४	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला चावल गेहूं जो चना मटर रस-कस सक्कर चीनी घृत में तेजी रहे सोना चांदी मंदा हो।

गोचर ग्रहाः

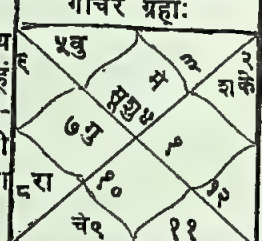

१८पं.श्रा.शु.१३रइ.८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	६	३	१	७	३
२४	२	१९	२४	५	१३	१८	२३
१६	३४	१२	३२	३९	९	४४	४०
४४	४१	०	५३	०	४३	५	४०
५७	४०	१४	५	७४	३	३	५७
३३	१०	३३	१	२	५५	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु	१८	२०	ध	७	८	शो	१९	३४	कौ	१८	२०	३२/३७	५/२९	०/३१	२३	१३	१४	कुंभे	वक्रीबुधः४।४३
२	गु	१५	४५	श	५	४६	अ	१४	२४	ग	१५	४५	३३	२९	३१	२४	१४	१५	मी५१।२	भ.४५।१२उ.
३	शु	१४	४०	पू	६	८	सु	१०	४०	वि	१४	४०	३०	३०	३०	२५	१५	१६	मीने	भ.१४।४०या.चतुर्थीव्र.
४	श	१५	३३	उ	८	१९	धृ	८	४७	बा	१५	३३	२६	३१	२९	२६	१६	१७	मीने	मघा.सिंहेऽर्कः५।४४,सौरः४४।३०)
५	र	१८	२५	रे	१२	२६	शू	७	५३	तै	१८	२५	२२	३२	२८	२७	१७	१८	मे.१२।२६	चन्द्रषष्ठी
६	चं	२२	५७	अ	१८	४	गं	८	८	व	२२	५७	१९	३२	२८	२८	१८	१९	मेषे	भ.२२।५७उ.५५।४२या.
७	मं	२८	२८	भ	२४	४७	वृ	९	४९	ब	२८	२८	१५	३३	२७	२९	१९	२०	वृ.४१।३६	आश्ले.शुक्रः७।१जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	बु	३४	४०	कृ	३२	४	ध्रु	१२	०	बा	१	३४	१२	३४	२६	३०	२०	२१	वृषे	जन्माष्टमीव्र.वै.
९	गु	४०	५१	रो	३९	३८	व्या	१४	२९	तै	७	४५	८	३४	२६	३१	२१	२२	वृषे	गोगा९
१०	शु	४६	३७	मृ	४६	५२	ह	१६	४२	व	१३	४४	४	३५	२५	१	२२	२३	मि१३।१५	भ.१३/४४उ.४६/३७या.बुधास्तःपश्चिमायां =
११	श	५१	१८	आ	५३	७	व	१८	४१	व	१८	५७	१	३६	२४	२	२३	२४	मिथुने	अजा११व्र. [=०/१२भा.भाद्रपदारंभः
१२	र	५४	३४	पु	५८	२	सि	१९	३५	कौ	२२	५६	३१/५७	३७	२३	३	२४	२५	क.४१।४८	वत्सद्वादशी
१३	चं	५६	२८	पु	६०	०	व्य	१९	३५	ग	२५	३१	५३	३७	२३	४	२५	२६	कर्के	भ.५६।२८उ.प्रदोषः
१४	मं	५६	४५	पु	१	३७	व	१८	११	वि	२६	३६	४९	३८	२२	५	२६	२७	कर्के	भ.२६।३६या.
३०	बु	५५	१९	श्ले	३	३७	प	१५	३७	च	२६	२	४६	३९	२१	६	२७	२८	सिं३।३७	वक्रीमघायांबुधः५६/३०कुशाग्रहणीपि. ३०

१९पं.भा.कृ.५र.इ.८।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	३	१	७	४
१	७	२०	२५	१४	१३	१८	०
०	६	३	९	१३	३६	२१	२२
४	१८	४३	३२	१	७	४९	५३
५७	३९	२०/६	६	७४	३	३	५७
४०	५९	व	९	१४	२३	११	३४

गोचर ग्रहाः

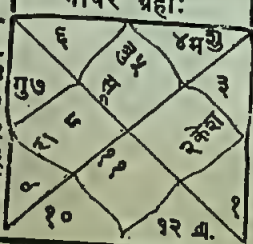

भाद्रपदकृष्णे ४ शनौ सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा.५ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी मु.४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

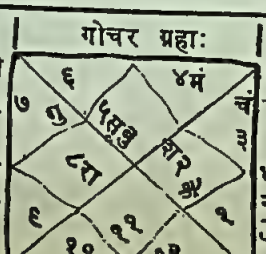

२०पं.भा.कृ.१२र.इ. ८।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	३	१	७	४
७	११	१६	२५	२२	१३	१७	७
४४	३५	४३	५३	४९	५८	५९	६
२८	४२	५२	५६	१९	२६	३४	२०
५७	३९	५५/९	६	७४	२	३	५७
४९	४२	व.	५९	२०	३८	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १४५स.२०३०
१	गु	५२	४३	म	३	५८	शि	११	५५	किं	२४	१	३१/४२	५/४०	६/२०	७	२८	२९	सिंहे	[=चंद्रदर्शनम्
२	शु	४८	५८	पू	३	८	सि	७	१०	बा	२०	५०	३८	४०	२०	८	२९	३०	कं.१७।४२	पूफा.रविः ५५/२८ मघा.सिंहेशुक्रः ५७/४२=
३	श	४४	४०	उ	१/२३	५७/२३	सा	१/४	५३/५६	तै	१६	४९	३४	४१	१९	९	१	३१	कन्यायां	पूफा.रविःसौरः ३५/२१ विशा.३गुरुः ३३/४४×
४	र	३९	४७	चि	५५	४०	शु	४८	३७	व	१२	१३	३०	४२	१८	१०	२	१	तु.२७।३	भ.१२/१३ उ.३९/४७ या.सितंबर९ता.३०गणे.चतु.
५	चं	३४	४०	स्वा	५२	२८	ब्र	४१	३४	ब	७	१३	२६	४३	१७	११	३	२	तुलायां	आश्ले.भौमः२।३८ऋषिपंचमी
६	मं	२९	१७	वि	४९	७	ऐं	३४	२७	कौ	१	५८	२२	४४	१६	१२	४	३	वृ.३४।५७	[×जमादिलावल५हरितालिका३
७	बु	२४	७	अ	४५	४५	वै	२८	७	व	२४	७	१८	४४	१६	१३	५	४	वृश्चिके	भ.२४।७उ.५१।३०या.
८	गु	१८	५३	ज्ये	४२	२२	वि	२१	७	ब	१८	५३	१५	४५	१५	१४	६	५	ध.४२।२२	
९	शु	१३	३८	मू	३८	५९	प्री	१४	२	कौ	१३	३८	११	४६	१४	१५	७	६	धनुषि	बुधोदयःपूर्वस्यां५२।४३
१०	श	८	३४	पू	३५	५४	आ	७	२	ग	८	३४	७	४७	१३	१६	८	७	म.५०।१०	भ.३६।४उ.
११	र	३	३४	उ	३३	०	सौ	०/१९	५३/३५	वि	३	३४	३	४७	१३	१७	९	८	मकरे	भ.३/३४ या.मार्गीबुधः ३६/१९ जलझूलनी११व्र+
१२	र	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+वामनजयंती
१३	चं	५४	५८	श्र	३०	३३	अ	४७	५५	कौ	२६	५७	३०/५९	४८	१२	१८	१०	९	कुं.५९।४०	प्रदोषः
१४	मं	५१	४९	ध	२८	४७	सु	४२	२०	ग	२३	२३	५५	४९	११	१९	११	१०	कुंभे	भ.५१।४९उ.पूफा.शुक्रः ४३/४४ अनंत१४
१५	बु	५०	१	श	२८	१	धृ	३७	३२	वि	२०	५५	५१	५०	१०	२०	१२	११	कुंभे	भ.२०।५५या. महालयारंभः

२१पं.भा.शु.४र.इ. ७/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	४	१	७	४
१४	१६	१०	२६	१	१४	१७	१३
३०	४	९	४४	२७	१५	३७	५१
४	१	५८	३८	७	२५	१८	३२
५८	३९	५९/३४	८	७४	१	३	५७
१	२५	व.	८	२६	५९	११	५७

गोचर ग्रहाः

इस मास में धातु सोनाचांदी रुईकपास वस्त्र धान्य गल्ला रसकस गुड़ शक्कर चीनी नमकआदि तेज हो कहीं२कुछ वर्षाहो

गोचर ग्रहाः

२२पं.भा.श.११र.इ. ७/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	४	१	७	४
२१	२०	६	२७	१०	१४	१७	२०
१७	३०	५८	४१	६	२७	१५	३८
६	२९	३०	३१	१४	१८	३	१२
५८	३९	४/३७	८	७४	१	३	५८
१३	२५	व	५९	२६	१९	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	गु	४९	२९	पू	२८	३२	शू	३४	१	बा	१९	४५	३०/४७	५/५१	६/९	२१	१३	१२	मी१३।२४	
२	शु	५०	२९	उ	३०	३२	गं	३१	३१	तै	१९	५९	४३	५१	९	२२	१४	१३	मीने	उफा.रविः ९।५३
३	श	५३	७	रे	३३	५९	वृ	३०	२५	व	२१	४८	३९	५२	८	२३	१५	१४	मे.३३।५९	भ.३१/४८ उ.५३/७ या.उफा.रविःसौरः २०/१
४	र	५७	१५	अं	३८	५३	ध्रु	३०	११	ब	२५	११	३५	५३	७	२४	१६	१५	मेषे	चतुर्थी व्र. [÷इंदिरा११व्र.
५	चं	६०	०	भ	४५	१३	व्या	३१	११	कौ	२९	५४	३१	५४	६	२५	१७	१६	मेषे	
५	मं	२	३४	कृ	५२	१०	ह	३२	५२	तै	२	३४	२७	५५	५	२६	१८	१७	वृ.१।५७	कन्यायामर्कः५।१४(सौरः४५।१२)
६	बु	८	३७	रो	५९	४४	व	३५	१०	व	८	३७	२२	५६	४	२७	१९	१८	वृषे	भ.८।३७उ.४१।४५या.पूफा.बुधः४।५७
७	गु	१४	५३	मृ	६०	०	सि	३७	३७	ब	१४	५३	१८	५६	४	२८	२०	१९	मि३३।२५	अनु.४राहुःरोहि.२केतुः८।४२
८	शु	२१	१	मृ	७	५	व्य	३९	४३	कौ	२१	१	१४	५७	३	२९	२१	२०	मिथुने	वक्रीशनिः३६।५२
९	श	२६	१३	आ	१४	११	व	४१	१२	ग	२६	१३	९	५८	२	३०	२२	२१	मिथुने	भ.५८।२उ.उफा.शुक्रः२७।३४मातृ९
१०	र	२९	५२	पु	१९	४२	प	४१	४०	वि	२९	५२	५	५९	१	३१	२३	२२	क.३।१८	भ २९/५३ या.विशा.४वृश्चिकेगुरुः ४७/२३
११	चं	३२	६	पु	२४	५	शि	४०	५८	व	०	५९	३०/००	६/०	६/०	१	२४	२३	कर्के	मघा.सिंहेभौमः १४/१२ भा.आश्विनारंभः÷
१२	मं	३२	२९	श्ले	२६	१९	सि	३८	४९	कौ	२	१७	२९/५६	६/१	५/५९	२	२५	२४	सिं२६।१९	कन्यायांशुक्रः८।५२
१३	बु	३०	५६	मं	२६	५५	सा	३५	७	ग	१	४२	५२	२	५८	३	२६	२५	सिंहे	भ ३०/५६ उ.५९/१४ या.बुधास्तःपूर्वस्यां ४७/५८ प्रदोषः
१४	गु	२७	३३	पू	२५	४४	शु	३०	०	श	२७	३३	४८	२	५८	४	२७	२६	क.४०।४	उफा.बुधः२६।१५शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	शु	२२	३५	उ	२३	३	शु	२३	३६	ना	२२	३५	४४	३	५७	५	२८	२७	कन्यायां	हस्तेरविः १८/२७ (सौरः ५७/४२) सर्वपितृ३०

२३ पं.आ.कृ.४र.इ. ७/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	४	१	७	४
२८	२४	१०	२८	१८	१४	१६	२७
५	५४	१२	४४	४६	३४	५२	२६
२८	२९	५८	३१	५५	३४	४७	२९
५८	३९	६३/१७	९	७४	०	३	५८
२६	८	मा	४४	२६	४०	११	२९

गोचर ग्रहाः

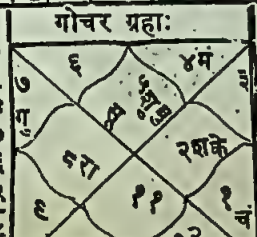

आश्विन कृष्णे ५भौमे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

२४पं.आ.कृ.१०र.इ. ७/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	६	४	१	७	५
४	२९	१९	२९	२७	१४	१६	४
५५	१६	१७	५३	२९	३६	३०	१६
१९	४८	५३	२	१०	१८	३१	३६
५८	३८	९७	१०	७४	०/११	३	५८
३८	५०	४६	२८	३२	व.	११	४५

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७५स.२०३०
१	श	१६	४९	ह	१९	६	ब्र	१६	२६	व	१६	४९	२९/४०	६/४	५/५६	६	२९	२८	तु.४६।४६	कन्यायांबुधः १७/३४ नवरात्रारंभः मातामह श्रा
२	र	१०	१३	चि	१४	२६	ऐं	८	१७	कौ	१०	१३	३६	५	५५	७	३०	२९	तुलायां	चंद्रदर्शनम् शुक्रास्तः पूर्वस्यां ३६।०
३	चं	३	२९	स्वा	९	३९	वै	०/१	५१/२४	ग	३	२९	३२	६	५४	८	१	३०	वृ.५०।५८	भ.३०।२उ.५६।३६या.जमादिलाखर६
४	चं	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	मं	५०	१६	वि	४	४४	प्री	४३	१४	ब	२३	२६	२८	६	५४	९	२	१	वृश्चिके	अक्टूबर१०ता.३१
६	बु	४४	१६	अ	०/११	५५/५२	आ	३५	२९	कौ	१७	१६	२३	७	५३	१०	३	२	ध.५६।३	हस्तेशुक्रः१०।२७
७	गु	३८	५०	मू	५२	३०	सौ	२७	५९	ग	११	३३	१९	८	५२	११	४	३	धनुषि	भ.३८।५०उ.हस्तेबुधः४७।३१
८	शु	३४	११	पू	४९	३६	शो	२०	५४	वि	६	३०	१५	९	५१	१२	५	४	धनुषि	भ.६।५०या.
९	श	३०	५	उ	४७	३२	अ	१४	३६	बा	२	८	११	१०	५०	१३	६	५	म.४।५	
१०	र	२६	५५	श्र	४६	१७	सु	८	३८	ग	२६	५५	७	११	४९	१४	७	६	मकरे	भ.५५।४१उ.
११	चं	२४	२६	ध	४५	४४	धृ	३/२७	५५/३२	वि	२४	२६	३	११	४९	१५	८	७	कुं.१६।०	भ.२४।२६या.पापांकुशा११ब्र.
१२	मं	२२	४९	श	४५	५६	गं	५५	२०	बा	२२	४९	२८/५९	१२	४८	१६	९	८	कुंभे	प्रदोषः [×शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.
१३	बु	२२	२८	पू	४७	२८	वृ	५२	२८	तै	२२	२८	५५	१३	४७	१७	१०	९	मी३२।५	[=शरद्पूर्णिमास्मा.कोजागरीव्र.
१४	गु	२२	५६	उ	५०	१	ध्रु	५०	१६	व	२२	५६	५१	१४	४६	१८	११	१०	मीने	भ.२२/५६उ.५३/५२या.चित्रा.रविः५०/३५=
१५	शु	२४	४८	रे	५३	४०	व्या	४९	३५	ब	२४	४८	४७	१५	४५	१९	१२	११	मे.५३।४०	चित्रा.रविःसौरः२८/१६अनु.१गुरुः९/४×

२५पं.आ.शु.२र.इ. ७/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	५	१	७	५
११	३	१	१	६	१४	१६	११
४९	३८	२९	५	१२	३३	८	८
५२	४९	२४	३५	३२	११	१६	३४
५८	३८	०/००	११	७४	०/५१	३	५९
५३	४३	०/४८	६	३२	व.	११	००

गोचर ग्रहाः

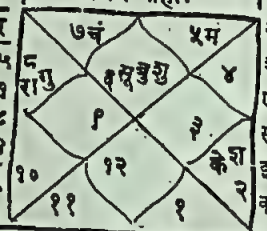

कृष्णपक्ष में तिथि बढें शुक्लपक्ष घट जाय। एक चीजकी क्या कहें सभीचीज घट जाय।। इस मास में तेजी-कारक योग हैं।

गोचर ग्रहाः

२६पं.आ.शु.१०र.इ. ७/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	५	१	७	५
१८	७	१४	२	१४	१४	१५	१८
४०	५७	११	२२	५६	२४	४६	२
५	४३	१७	५९	४६	१८	०	२१
५९	३८	०/००	११	७४	१/३७	३	५९
९	२६	०/५८	४४	३२	व.	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	श	२७	५३	अ	५८	३०	ह	४९	१३	कौ	२७	५३	२८/४३	६/१५	५/४५	२०	१३	१२	मेषे	चित्रा.बुधः२१।१८चित्रा.शुक्रः४९।२१
२	र	३२	२०	भ	६०	०	व	४९	५६	तै	०	६	३९	१६	४४	२१	१४	१३	मेषे	
३	चं	३७	३६	भ	४	४१	सि	५१	२२	व	४	५८	३५	१७	४३	२२	१५	१४	वृ.२१।२२	भ.४/५८उ.३७/३६या.पूफा.भौमः४९/११
४	मं	४३	४१	कृ	११	२६	व्य	५३	२७	ब	१०	३८	३१	१८	४२	२३	१६	१५	वृषे	तुलायांबुधः७।५२करक चतुर्थी व्र.
५	बु	४९	५९	रो	१८	५६	व	५५	४४	कौ	१६	५०	२७	१९	४१	२४	१७	१६	मि५२।४५	
६	गु	५६	२४	मृ	२६	३४	प	५८	१२	ग	२३	११	२३	१९	४१	२५	१८	१७	मिथुने	भ.५६।२४उ.तुलायामर्कः३४।२१
७	शु	६०	०	आ	३४	१	शि	६०	०	वि	२९	१७	२०	२०	४०	२६	१९	१८	मिथुने	भ.२९/१७या.तुलार्कःसौरः११/०तुलायांशुक्रः८/१८
७	श	२	११	पु	४०	२४	शि	०	१४	ब	२	११	१६	२१	३९	२७	२०	१९	क.२३।४८	स्वात्यांबुधः१५।६
८	र	६	४३	पु	४५	४९	सि	१	२८	कौ	६	४३	१२	२२	३८	२८	२१	२०	कर्के	
९	चं	९	५४	श्ले	४९	२६	सा	१	३९	ग	९	५४	८	२२	३८	२९	२२	२१	सिं४९।२६	भ.४०।२९उ.
१०	मं	११	४	म	५१	१०	शु	०/३१	५७/१५	वि	११	४	४	२३	३७	३०	२३	२२	सिंहे	भ.११।४या.
११	बु	१०	१८	पू	५०	५२	ब्र	५३	२०	बा	१०	१८	०	२४	३६	१	२४	२३	सिंहे	स्वात्यांशुक्र२९/५५भा.कार्तिकारंभः रमा११व्र
१२	गु	७	२६	उ	४८	३५	ऐं	४७	३२	तै	७	२६	२७/५६	२५	३५	२	२५	२४	कं.५।१८	स्वात्यांरविः१६/२४(सौरः५२/३)प्रदोषःधन१३
१३	शु	२	४४	ह	४४	४४	वै	४०	१०	व	२	४४	५३	२५	३५	३	२६	२५	कन्यायां	भ.२।४४उ.२९।२८या.रूप१४
१४	शु	५३	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	श	४८	४१	चि	३९	१७	वि	३१	३८	च	२२	२६	४९	२६	३४	४	२७	२६	तु.१२।०	महालक्ष्मीपूजनम्

२७पं.का.कृ.२र.इ. ६/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	५	१	७	५
२५	१२	२६	३	२३	१४	१५	२४
३४	१४	२६	४३	४१	१०	२३	५८
५९	५६	३५	५५	५६	८	४५	३
५९	३८	०/००	१२	७४	२/१६	३	५९
२१	१२	०/५६	१४	३८	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

कार्तिक कृष्णे ६ गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा३न४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

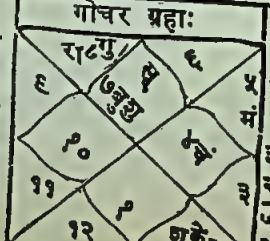

२८पं.का.कृ.८र.इ. ६/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	७	६	१	७	६
२	१६	८	५	२	१३	१५	१
३१	३०	७	७	२७	५१	१	५५
२३	१८	५९	४८	२२	३२	२९	२७
५९	३७	०/००	१२	७४	२/५०	३	५९
३४	४७	०/४	३२	३८	व.	११	४६

ति.| कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २०४स.२०३०

१	र	४०	१६	स्वा	३३	८	मी	२२	९	कि	१४	३०	२७	६	५	५	२८	२७	तुलायां	विशा.बुधः ३ अनु.२गुरुः ३ अन्नकूटं=
२	चं	३१	४४	वि	२६	२२	आ	१२	२५	बा	६	१४	१	२८	३२	६	२९	२८	वृ.१३।३	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२ [=गोवर्द्धनपूजा
३	मं	२३	३२	अ	२०	२	सौ	३०	५०	ग	२२	३२	३७	२९	३१	७	१	२९	वृश्चिके	भ. ४ उ.वक्रीरोहि.१शनिः ३ रज्जव७
४	बु	१५	४३	ज्ये	१३	४७	अ	४३	२२	वि	१५	४३	३४	२९	३१	८	२	३०	ध.१३।४७	भ.१५।४३या.
५	गु	८	५२	मू	८	४३	सु	३४	५८	बा	८	५२	३०	३०	३०	९	३	२१	धनुषि	
६	शु	३	२	पू	४	३७	धृ	२७	३७	तै	३	२	२७	३१	२९	१०	४	१	म.१८।५३	भ.५८।२८उ.नवंबर११ता.३०
७	शु	५५	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	श	५५	१८	उ	१	३९	शू	२१	२	वि	२६	५३	२३	३१	२९	११	५	२	मकरे	भ.५ या.बुधोदयःपश्चिमायां १ गोपाष्टमी
९	र	५३	२३	श्र	५	५९	गं	१५	३९	बा	२४	२०	१९	३२	२८	१२	६	३	कुं.२९।५२	वृश्चिकेबुधः ३ विशा.शुक्रः ६ अक्षयद
१०	चं	५२	४६	श	६०	०	धृ	११	१६	तै	२३	४	१६	३३	२७	१३	७	४	कुंभे	[×उफा.भौमः ५ प्रबोधिनी११व.+
११	मं	५३	३०	श	०	३२	धु	७	५८	व	२३	८	१२	३४	२६	१४	८	५	मी४७।१०	भ. २ उ. ५ या.अनु.बुधः ५ ×
१२	बु	५५	१२	पू	२	४१	व्या	५	३७	व	२४	२१	९	३४	२६	१५	९	६	मीने	विशा.रविः३६।५४ [+तुलसीविवाहः
१३	गु	५८	१३	उ	५	५६	ह	४	१४	कौ	२६	४२	५	३५	२५	१६	१०	७	मीने	विशा.रविःसौरः९।२७ प्रदोषः
१४	शु	६०	०	रे	१०	२८	व	४	४	ग	३०	११	२	३६	२४	१७	११	८	मे.१०।२८	वैकुंठ१४
१५	श	२	१०	अ	१५	४३	सि	३	५३	व	२	१०	२६ ५८	३६	२४	१८	१२	९	मेषे	भ.२।१०उ.३४।३७या.
१५	र	७	५	भ	२२	४	व्य	४	५०	व	७	५	५५	३७	२३	१९	१३	१०	वृ.३८।४३	मन्वादिःका.स्ना.पू.

२९पं.का.शु.१र.इ. ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	६	७	६	१	७	९
९	२०	१९	६	११	१३	१४	८
२९	४३	१९	३४	१३	२८	३९	५४
३८	१२	५	२६	५२	३०	१३	४७
५९	३७	९८	१२	७४	३१	३	६०
४७	३३	३८	५७	३८	व.	११	२

३०पं.का.शु.९र.इ. २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	७	६	१	७	६
१८	२४	०	८	२०	१३	१४	१५
२९	५३	४	३	०	१	१६	५५
२०	६	३४	४७	१	३०	५८	५१
६०	३७	९४	१३	७४	५३	३	६०
४	१६	२१	१७	३२	व.	११	१८

३१पं.का.शु.१५र.इ. १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	७	६	१	७	६
२३	२९	१०	९	२८	१२	१३	२२
३०	२	२७	३५	४६	३१	५४	५८
४०	३८	१८	१३	३७	१२	४२	२३
६०	३६	८९	१३	७४	५०	३	६०
१७	५५	०	२६	३२	व.	११	३

ति.| मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२ | वि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.

१	चं	१२	३७	कृ	२८	४१	व	६	३०	कौ	१२	३७	२ ५२	६	८	२२	२०	१४	११	वृषे	वृश्चिकेशुक्रः ५ कन्यायांभौमः ३ ÷
२	मं	१८	५८	रो	३६	८	प	८	१३	ग	१८	५८	४९	३८	२२	२१	१५	१२		वृषे	भ.५२।८उ. [÷अनु.३गुरुः ५
३	बु	२५	१९	मृ	४३	५८	शि	१०	२४	वि	२५	१९	४५	३९	२१	२२	१६	१३		मि१०।३	भ.२५।१९या:अनु.शुक्रः ४ चतुर्थी व्र.
४	शु	३१	४४	आ	५१	३२	सि	१२	४४	बा	३१	४४	४३	४०	२०	२३	१७	१४		मिथुने	ज्येष्ठा.बुधः२४।२२
५	शु	३७	४६	पु	५८	३२	सा	१५	४	कौ	४	४५	३९	४०	२०	२४	१८	१५		क.४१।४७	
६	श	४२	५५	पु	६०	०	शु	१६	५०	ग	१०	२०	३६	४१	१९	२५	१९	१६		कर्के	भ.४२।५५उ.वृश्चिकेऽर्कः३२।५७
७	र	४६	५२	पु	४	४५	शु	१७	४३	वि	१४	५३	३३	४१	१९	२६	२०	१७		कर्के	भ.१४।५३या.वृश्चिकेऽर्कःसौरः३।४४
८	चं	४९	२०	श्ले	९	३८	ब्र	१७	३७	बा	१८	६	३०	४२	१८	२७	२१	१८		सिं९।३८	अस्तंगुरोः४३।१२
९	मं	४९	४७	म	१३	५८	ऐं	१६	१६	तै	१९	३३	२७	४३	१७	२८	२२	१९		सिंहे	अनु.रविः५१।१७
१०	बु	४८	२३	पू	१४	२१	वै	१३	२४	व	१९	५	२५	४३	१७	२९	२३	२०		कं.२९।१२	भ.१ उ.३ या.अनु.रविःसौरः ३
११	गु	४४	४४	उ	१३	४६	वि	८	५३	ब	१६	२३	२२	४४	१६	३०	२४	२१		कन्यायां	अनु.३राहुःरोहि.१केतुः ७ उत्पत्ति११व्र.
१२	शु	३९	१३	ह	११	१६	मी	२	४७	२ ८	कौ	११	५८	१९	४४	१६	१	२५	२२	तु.३९।०	भा.मार्गशीर्षारंभः
१३	श	३२	५	चि	६	४४	सो	४६	०	ग	५	३९	१७	४५	१५	२	२६	२३		तुलायां	भ. ३ उ.५ या.शुक्रोदयः पश्चिमायां १
१४	र	२३	३७	स्वा	०	४४	५ ३	शो	३६	८	श	२३	३७	१४	४५	१५	३	२७	२४	वृ.४०।३३	मूलेधनुषिबुधः ४ ज्येष्ठा.शुक्रः ५
२०	चं	१४	१८	अ	४६	१०	अ	२५	२९	ना	१४	१८	१२	४६	१४	४	२८	२५		वृश्चिके	[–प्रदोषः

३२पं.मा कृ.७र.इ. ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	७	७	१	७	७
०	३२	०	११	७	११	१३	०
३३	८	१७	७	३३	५८	३२	२
२२	२४	५३	४१	४७	४१	२७	२७
६०	३६	८१	१३	७४	३३	३	६०
२०	२३	४	३२	३२	व	११	४०

मार्गशीर्षकृष्णे ६शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा३न३प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३०घाट्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

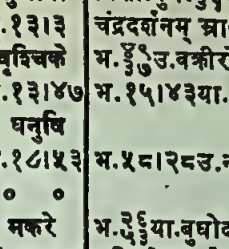

३३पं.मा.कृ.१४र.इ. ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	७	७	१	७	७
७	७	२९	१२	१६	११	१३	७
३७	१०	१२	४१	२०	२४	१०	८
१६	३४	४	६	६	५०	११	०
६०	३५	६८	१३	७४	५०	३	६०
४२	५४	८	३८	२९	व.	११	५३

तिथि मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२ | दि. उ. | अ. भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३४स.२०१०

१	मं	४	४८	ज्ये	३८	३१	सु	१४	३२	ब	४	४८	२६	६ ४६	५ १४	५	२९	२६	ध. ३८।३१	अनु. ४ गुरुः ५७।१ चंद्रदर्शनम्
२	मं	५०	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	बु	४६	४३	मू	३१	२३	धृ	३ ४४	४९ ३७	तै	२१	४	७	४७	१३	६	१	२७	धनुषि	सावान ८
४	गु	३९	६	पू	२५	७	गं	४३	५२	व	१२	५४	५	४७	१३	७	२	२८	श्र. ३८।५२	भ. १२।५४ उ. ३९।६ या.
५	शु	३२	५६	उ	२०	९	बृ	३५	३२	ब	६	१	३	४८	१२	८	३	२९	मकरे	हस्ते भौमः ७।५९
६	श	२८	२७	श्र	१६	४६	ध्रु	२८	४६	कौ	०	४१	०	४८	१२	९	४	३०	कुं. ४५।५८	चंपा ६
७	र	२५	४३	ध	१५	१०	व्या	२३	१७	व	२५	४३	२५ ५८	४८	१२	१०	५	१	कुंभे	भ. २५ ४३ उ. ५५।१५ या. दिसंबर १२ ता. ३१
८	चं	२४	४७	श	१५	१२	ह	१९	११	ब	२४	४७	५६	४९	११	११	६	२	कुंभे	
९	मं	२५	३८	पू	१७	९	व	१६	३३	कौ	२५	३८	५४	४९	११	१२	७	३	मी १।४०	ज्येष्ठा. रविः १।२९ (सौरः २७।२६)
१०	बु	२७	५६	उ	२०	३०	सि	१४	५५	ग	२७	५६	५३	४९	११	१३	८	४	मीने	भ. ५९ ४६ उ. मूलेवनुषिशुक्रः ५६ २
११	गु	३१	३७	रे	२५	१७	व्य	१४	४७	वि	३१	३७	५१	५०	१०	१४	९	५	मे. २५।१७	भ. ३ ३७ या. वक्रीबुधः २० ३५ मोक्षदा ११ व्र. =
१२	शु	३६	२०	अ	३१	१७	व	१५	२६	ब	३	५८	४९	५०	१०	१५	१०	६	मेषे	[=गीताजयंती [×दत्तजयंती
१३	श	४१	५३	भ	३७	५०	प	१६	२८	कौ	९	६	४८	५०	१०	१६	११	७	वृ. ५४।५१	प्रदोषः
१४	र	४७	५३	कृ	४४	५३	शि	१८	२६	ग	१४	५३	४६	५१	९	१७	१२	८	वृषे	भ. ४७।५३ उ.
१५	चं	५४	२१	रो	५२	२२	सि	२०	२०	वि	२१	७	४५	५१	९	१८	१३	९	वृषे	भ. २१ ७ या. बुधास्तः पश्चिमायां ५९ ×

३४ पं.मा.शु.७ र.इ. ५ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	७	१	७	७
१४	११	५	१४	२५	१०	१२	१४
४२	९	५२	१५	७	५०	४७	१४
२९	३२	४८	१८	८	३१	५५	४६
६०	३५	३९	१३	७४	४०	३	६१
५७	२८	४५	३८	२६	व. ११	३	

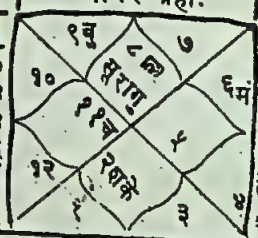

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन धातु वाजरा मूग मोठ चना चांवल रसकस गुड़ शक्कर चीनी में तेजी करेगा प्रजा में शान्ति रहे।

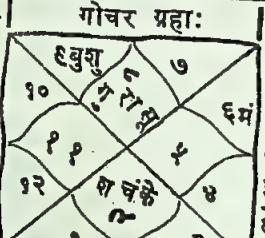

३५ पं.मा.शु.१४ र.इ. ५ २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	८	१	७	७
२१	१५	७	१५	३	१०	१२	२१
४८	५	५	४९	५४	१९	२५	२२
३२	४६	५६	४४	७	३७	४०	२७
६०	३५	३८ ३५	१३	७४	४२	३	६१
५६	१	व. ३८	२६	व.	११	११	

तिथि पौष कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२ | दि. उ. | अ. भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा.

१	मं	६०	०	मृ	५६	४६	सा	२२	३८	आ	२७	३१	२५ ४४	६ ५१	५	१९	१४	१०	मि २६।४	
१	बु	०	४२	आ	६०	०	शु	२४	४५	कौ	०	४२	४३	५१	९	२०	१५	११	मिथुने	ज्येष्ठा. १ गुरुः ५१ १ वक्रीकृत्ति. ४ शनिः ४५ ३९
२	गु	७	१०	आ	७	६	शु	२६	४४	ग	७	१०	४२	५२	८	२१	१६	१२	क. ५७।२३	
३	शु	१२	४९	पु	१४	९	ब्र	२८	२५	वि	१२	४९	४१	५२	८	२२	१७	१३	कर्के	भ. ४०।० उ.
४	श	१७	५५	पु	२०	३८	ऐं	२९	३०	बा	१७	५५	४०	५२	८	२३	१८	१४	कर्के	भ. १२।४९ या. चतुर्थी व्र.
५	र	२२	२	श्ले	२६	८	वै	२९	५२	तै	२२	२	३९	५२	८	२४	१९	१५	सिं २६।८	उदयंगुरोः १।४८
६	चं	२५	१४	म	३०	२३	वि	२९	२०	व	२५	१४	३९	५२	८	२५	२०	१६	सिंहे	वक्रीज्येष्ठा. वृश्चिकेबुधः १६ पूषाशुक्रः ३६ २६
७	मं	२६	४०	पू	३३	१०	भी	२७	४३	व	२६	४०	३८	५२	८	२५	२०	१६	कं. ४८।२७	भ. २५ १९ उ. ५५ या. मूलेधनुष्यकं: ४४ +
८	बु	२६	३७	उ	३४	१९	आ	२४	४६	कौ	२६	३७	३८	५२	८	२६	२१	१७	कन्यायां	[+(सौरः ३२ १६)
९	गु	२४	३३	ह	३३	४९	सौ	२०	१६	ग	२४	३३	३७	५३	८	२७	२२	१८	कन्यायां	
१०	शु	२०	४६	चि	३१	२२	शो	१४	१९	वि	२०	४६	३७	५३	७	२८	२३	१९		भ. ५२।३९ उ.
११	श	१५	१६	स्वा	२७	९	अ	९	५१	बा	१५	१६	३६	५३	७	२९	२४	२०	तु. २।३६	
१२	र	८	९	वि	२१	२८	धृ	४८	२६	तै	८	९	३६	५३	७	३०	२५	२१	तुलायां	भ. २०।४६ या.
१३	र	५१	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	७	१	२६	२२	वृ. ७।५३	बुधोदयः पूर्वस्यां ४४।४१ सफला ११ व्र.
१४	चं	५०	२२	अ	१४	३७	शू	३७	५८	वि	२५	२	३६	५३	७	२	२७	२३	० ०	भ. ५९।४३ उ. भा. पौषारंभः प्रदोषः
१५	मं	४०	४४	ज्ये	६ ५५	५२ १०	गं	२६	५७	च	१५	३३	३६	५३	७	३	२८	२४	वृश्चिके	भ. २५।२ या. चित्रा. भौमः ८।४

३६ पं.पौ.कृ.५ र.इ. ५ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	८	१	७	७
२८	१८	०	१७	१२	९	१२	२८
५५	४६	२१	२३	४१	४४	३	३१
२६	३५	०	४६	१७	१३	२४	१०
६१	३४	५९	१३	७४	४०	३	६१
०	१६	व.	३२	२३	व.	११	१९

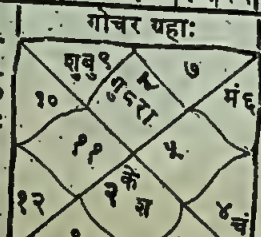

पौष कृष्णे ६ चन्द्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा३न३प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

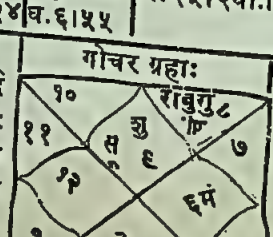

३७ पं.पौ.कृ.१२ र.इ. ५ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	७	८	१	७	८
६	२२	२२	१८	२१	९	११	५
३	४४	२७	५६	२८	१३	४१	४०
०	४२	१८	२०	५	५५	९	३५
६१	३३	४४ ४३	१३	७४	४२	३	६१
४	३७	व.	२५	२०	व.	११	२२

तिथि: पौष शुक्लपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२ | दि. उ. | अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २६३स.२०३०

१	बु	३०	५८	पू	५१	२५	वृ	१५	४६	किं	५	५१	३५	६	५	४	२६	२५	धनुषि	उषा.शुक्रः ११।२८ [–चंद्रदर्शनम्
२	गु	२२	१	उ	४४	५६	धु	१	९	कौ	२२	१	३७	५३	७	५	३०	२६	म.४।४८	मार्गीबुधः ३४।४६ज्येष्ठा.२गुरुः ५९–
३	शु	१४	१७	श्र	३९	२८	ह	४६	१४	ग	१४	१७	३७	५३	७	६	१	२७	मकरे	भ.४१।१०उ.रमजान६
४	श	८	४	ध	३५	४७	व	३८	५५	वि	८	४	३८	५२	८	७	२	२८	कुं.७।३८	भ.८।४या.मकरेशुक्रः ५२।५६
५	र	३	४७	श	३४	३	सि	३३	१९	बा	३	४७	३८	५२	८	८	३	२९	कुम्भे	पूषा.रदिः १३।४७ (सौरः ३३।५४)
६	चं	१	२९	पू	३४	३०	व्य	२९	१३	तै	१	२९	३९	५२	८	९	४	३०	मी १९।२३	
७	मं	१	२७	उ	३६	४७	व	२६	५४	व	१	२७	४०	५२	८	१०	५	३१	मीने	भ.१।२७उ.३२।२२या.
८	बु	३	१७	रे	४१	०	प	२५	५०	ब	३	१७	४१	५२	८	११	६	१	मे.४१।०	जनवरी १ता.३१सन् २०३१
९	गु	६	४६	अ	४६	३५	शि	२६	११	कौ	६	४६	४२	५२	८	१२	७	२	मेषे	
१०	शु	११	४३	भ	५३	१९	सि	२७	१९	ग	११	४३	४३	५१	९	१३	८	३	मेषे	भ.४४।४४उ.
११	श	१७	३७	कृ	६०	०	सा	२९	१४	वि	१७	३७	४४	५१	९	१४	९	४	वृ.१०।१०	भ.५५या.तुलायांभौमः ५७पुत्रदा ११व्र.
१२	र	२३	५५	कृ	०	४२	शु	३१	२०	बा	२३	५५	४५	५१	९	१५	१०	५	वृषे	श्रवणेशुक्रः ५२।५५
१३	चं	३०	३८	रो	८	१	शु	३३	३७	तै	३०	३८	४७	५१	९	१६	११	६	मि ४१।५०	प्रदोषः
१४	मं	३६	५२	मृ	१५	४०	ब्र	३५	४६	ग	३	४५	४८	५०	१०	१७	१२	७	मिथुने	भ.३६।५२उ.मूलेधनुषिबुधः ४१।५७
१५	बु	४३	२४	आ	२२	५५	ऐं	३७	३८	वि	१०	८	५०	५०	१०	१८	१३	८	मिथुने	भ.१०।८या.मा.स्ना.प्रा.

३८ पं.पौ.शु.५र.इ.$\frac{४}{५५}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	७	९	१	७	८
१३	२६	२१	२०	०	८	११	१२
१०	२७	५३	२७	१४	४७	१८	५०
५९	१८	६	४३	४९	२	५३	२७
६१	३२	२४	१३	७४	२८	३	६१
६	५०	मा	१४	१४	व	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मक्का सोना चांदी रुई मंदी होवे रसकस गुड़ शक्कर चीनी नमक तेज हो।

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.शु.१२र.इ.$\frac{४}{५०}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	७	९	१	७	०
२०	०	२७	२१	९	८	१०	२०
१९	३	२७	५७	०	२४	५६	४
५	५८	२५	२२	३६	२५	३७	२८
६१	३२	५८	१२	७४	४७	३	६१
६	६	१६	५४	७	व.	११	२६

तिथि: माघ कृष्णपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२ | दि. उ. | अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.

१	गु	४८	१९	पु	२९	४३	वै	३९	६	बा	१५	५१	२५	६	५०	५०	१९	१४	९	क.१३।१	
२	शु	५२	५२	पु	३५	३५	वि	३९	५३	तै	२०	३५	५३	४९	११	२०	१५	१०	कर्के	[=(सौरः ३५)ज्येष्ठा.३गुरुः ४०
३	श	५६	३०	श्ले	४०	४८	प्री	३९	५९	व	२४	४१	५५	४९	११	२१	२६	११	सिं ४०।४८	भ.२४उ.५६या.उषा.रविः ३८
४	र	५९	८	म	४४	५२	आ	३९	२८	ब	२७	४९	५७	४९	११	२२	१७	१२	सिंहे	चतुर्थी व्र.
५	चं	६०	०	पू	४८	१२	सौ	३७	५७	कौ	२९	५१	५९	४८	१२	२३	१८	१३	सिंहे	
५	मं	०	३४	उ	५०	११	शो	३५	३१	तै	०	३४	२६	४८	१२	२४	१९	१४	कं.३।४२	मकरेर्कः ३४।५७ (सौरः ५०।४८)
६	बु	०	५८	ह	५०	५२	अ	३२	११	व	०	५८	४	४७	१३	२५	२०	१५	कन्यायां	भ.०।५८उ.३०।२७या.
७	गु	५८	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	९ ०	धनि.शुक्रः ३०।३
८	शु	५७	२८	चि	५०	८	सु	२७	४०	बा	२८	४२	६	४७	१३	२६	२१	१६	तु.२०।३०	
९	शु	५३	३८	स्वा	४७	५०	धृ	२१	५६	तै	२५	३३	८	४६	१४	२७	२२	१७	तुलायां	पूषा.बुधः ५१।२०
१०	श	४८	२५	वि	४४	१६	शू	१५	०	व	२१	१	११	४६	१४	२८	२३	१८	वृ.३०।१०	भ.२१उ.४६या.स्वात्यांभौमः ३७×
११	र	४१	४६	अ	३९	२४	गं	७०	५५	ब	१५	५	१३	४५	१५	२९	२४	१९	वृश्चिके	पातमोक्षः ११।३२ षट्तिला ११व्र.
१२	चं	३४	८	ज्ये	३३	३४	धृ	४८	३०	कौ	७	५७	१६	४५	१५	३०	२५	२०	ध.३३।३४	[×पातस्पर्शः ३९
१३	मं	२५	४०	मू	२६	५२	व्या	३८	१९	व	२५	४०	१९	४४	१६	१	२६	२१	धनुषि	भ.४०उ.५१या.अभि.प्र.रविः ९३ सौरः ऽ
१४	बु	१६	३६	पू	१९	४०	ह	२७	४७	श	१६	३६	२१	४४	१६	२	२७	२२	म.३२।५५	अनु.राहु.कृत्ति.४केतुः ५३।३०
३०	गु	७	५१	उ	१२	४२	व	१७	४०	ना	७	५१	२४	४३	१७	३	२८	२३	मकरे	[१३२, कुंभेशुक्रः ५४भा.माघारंभः प्रदोष

४०पं.मा.कृ.४र.इ.$\frac{४}{५८}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	७	९	१	७	८
२७	३	५	२३	१७	८	१०	२७
२७	३१	४०	२४	४६	५	३४	१०
७	३४	४१	५८	१२	५६	२२	१६
६१	३०	७४	१२	७४	१	३	६१
६	५६	१०	२६	१	व.	११	२४

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे ५ भौमे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न.३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

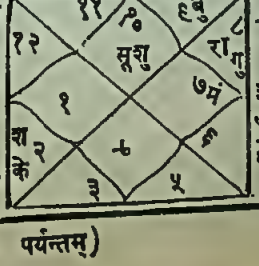

४१पं.मा.कृ.११र.इ.$\frac{४}{४६}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	७	९	१	७	९
४	६	१५	२४	२६	७	१०	४
३४	५३	४	४८	३०	५२	१२	१९
५९	१०	२६	१८	३६	१२	६	४५
६१	२९	८५	१२	७३	३१	३	६१
३	३७	२०	८	५५	व.	११	१९

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २९३स.२०३१
१	शु	०	३२	श्र	६	२८	सि	८/०	५१/२५	ब	०	३२	२६/२७	६/४३	५/१७	४	२९	२४	कुं.३४।०	श्रवणेरविः २४/० (सौरः ३९/५) चंद्रदर्शनम्
२	शु	५१	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	श	४६	५०	ध	१/३२	५६/३३	व	५२	१	तै	१९	३३	२९	४२	१८	५	१	२५	कुंभे	अभि.नि.रविः १६/१५ (सौरः २९/२२) सव्वाल१०
४	र	४३	७	पू	५६	३०	प	४६	१३	व	१४	५८	३२	४२	१८	६	२	२६	मी४१।५४	भ.१४/५८उ.४३/७या.उषा.बुधः ५७/५३
५	चं	४१	४६	उ	५७	२१	शि	४२	२२	ब	१२	२६	३५	४१	१९	७	३	२७	मीने	शतेशुक्रः १४/५२वसंत५
६	मं	४२	१७	रे	५९	५७	सि	४०	७	कौ	१२	१	३८	४०	२०	८	४	२८	मे.५९।५७	ज्येष्ठा.४गुरुः४०।४८
७	बु	४४	५५	अ	६०	०	सौ	३८	४३	ग	१३	३६	४१	४०	२०	९	५	२९	मेषे	भ.४४/५५उ.मकरेबुधः ६/४६भानु७रथ७
८	गु	४९	२३	अ	४	३४	शु	३९	५८	वि	१७	९	४५	३९	२१	१०	६	३०	मेषे	भ.१७/९या.पातस्पर्शः २२/४पातमोक्षः ४४/४५-
९	शु	५४	५९	भ	१०	२९	शु	४१	३२	बा	२२	११	४८	३८	२२	११	७	३१	वृ.२७।१८	[-भीष्माष्टमी
१०	श	६०	०	कृ	१७	४५	ब्र	४३	३४	तै	२८	१२	५१	३८	२२	१२	८	१	वृषे	बुधास्तःपूर्वस्यां३७।२१फर्वरी२ता.२८
१०	र	१	२५	रो	२५	१७	ऐं	४५	५४	ग	१	२५	५४	३७	२३	१३	९	२	मि५९।९	भ.३४।४४उ.मार्गीशनिः२०।४८
११	चं	८	३	मृ	३३	१	वै	४८	१६	वि	८	३	५८	३६	२४	१४	१०	३	मिथुने	भ.८।३या.जया११ब्र.
१२	मं	१४	२५	आ	४०	९	वि	५०	१०	बा	१४	२५	२७/१	३६	२४	१५	११	४	मिथुने	श्रवणेबुधः३४।३७ प्रदोषः
१३	बु	२०	१७	पु	४६	५२	प्री	५१	२९	तै	२०	१७	५	३५	२५	१६	१२	५	क.३०।११	[=(सौरः ४३/५५पूभा.शुक्र.५७/४०
१४	गु	२५	१४	पु	५२	२६	आ	५१	५५	व	२५	१४	८	३४	२६	१७	१३	६	कर्के	भ.२५/१४उ.५७/६या.धनि.रविः ३२/१८=
१५	शु	२८	५८	श्ले	५७	०	सौ	५१	४१	ब	२८	५८	१२	३४	२६	१८	१४	७	सिं५७।०	मा.स्ना.पूर्तिः

४२पं.मा.शु.४र.इ.४।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	७	१०	१	७	९
११	१०	२५	२६	५	७	९	११
४२	६	१७	१०	१३	४४	४९	२८
२९	३२	३८	१	४८	१०	५१	३६
६०	२८	९३	११	७३	०/४१	३	६१
५९	२०	७	३२	५०	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में अलसी गेहूं रुई कपास सूत मूंगफली में तेजी हो धान्य व गल्ला सस्ता हो शीत अधिक पड़े।

गोचर ग्रहाः

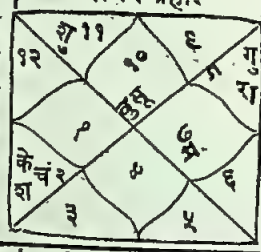

४३पं.मा.शु.१०र.इ.४/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	७	१०	१	७	९
१८	१३	६	२७	१३	७	९	१८
४९	७	४	२७	५५	४१	२७	३६
१	४८	२६	२९	५५	३१	३५	४३
६०	२६	९४	१०	७३	०/२	३	६१
५५	२३	२६	५६	४३	व.	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	श	३१	४२	म	६०	०	शो	५०	२९	बा	०	२०	२७/१५	६/३३	५/२७	१९	१५	८	सिंहे	
२	र	३३	२५	म	०	२८	अ	४८	२५	तै	२	३३	१९	३२	२८	२०	१६	९	सिंहे	
३	चं	३३	५०	पू	३	२	सु	४५	३९	व	३	३७	२३	३१	२९	२१	१७	१०	कं.१८।२२	भ.३।३७उ.३३।५०या.
४	मं	३३	२१	उ	४	२२	धृ	४२	०	व	३	३५	२७	३१	२९	२२	१८	११	कन्यायां	चतुर्थीव्र.
५	बु	३१	५५	ह	४	५०	शू	३७	४२	कौ	२	३८	३०	३०	३०	२३	१९	१२	तु.३४।४१	धनि.बुधः२८।४
६	गु	२९	३१	चि	४	३२	गं	३२	३१	ग	०	४३	३४	२९	३१	२४	२०	१३	तुलायां	भ.२९/३१उ.५७/५५या.कुंभेऽर्कः ७/३४ (सौरः १७/५३)
७	शु	२६	१९	स्वा	३	१३	वृ	२६	४९	ब	२६	१९	३८	२८	३२	२५	२१	१४	वृ.४६।३३	
८	श	२२	२०	वि	०/५९	५६/४९	ध्रु	२०	१६	कौ	२२	२०	४१	२८	३२	२६	२२	१५	वृश्चिके	मीनेशुक्रः४।२३
९	र	१७	१५	ज्ये	५३	५९	व्या	१३	६	ग	१७	१५	४५	२७	३३	२७	२३	१६	ध.५३।५९	भ.४४।२३उ.कुंभेबुधः१७।२३
१०	चं	११	३१	मू	४९	२१	ह	५/३	५१/३५	वि	११	३१	४९	२६	३४	२८	२४	१७	धनुषि	भ.११/३१या.उभा.शुक्रः ४८/१मूल.१गुरुः ४५/३७
११	मं	४	५४	पू	४३	५८	सि	४७	३६	बा	४	५४	५३	२५	३५	२९	२५	१८	म.५७।३४	विजया११व्र.
१२	मं	५२	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	बु	५०	२३	उ	३८	२३	व्य	३८	३७	ग	२४	५	५६	२५	३५	३०	२६	१९	मकरे	भ.५०/२३उ.शतेरविः ४३/४५ (सौरः ५३/१५) प्रदोषः
१४	गु	४२	५९	श्र	३२	५४	व	२९	४७	वि	१६	४१	२८/००	२४	३६	१	२७	२०	मकरे	भ.१६/४१या.शतेबुधः ४/५३विशा.भौमः १/३२×
३०	शु	३६	२२	ध	२८	३	प	२१	१७	च	९	४०	४	२३	३७	२	२८	२१	कुं.०।२८	[×भा.फाल्गुनारंभः महाशिवरात्रीव्र.

४४पं.फा.कृ.२र.इ.५/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	७	१०	१	७	९
२५	१५	१७	२८	२२	७	९	२५
५४	५९	२८	३९	३६	४४	५	४३
५०	३८	२६	५०	७	४९	१९	३०
६०	२४	०/१०	१०	७३	०/५१	३	६०
४७	२५	५६	१३	३०	मा	११	५५

गोचर ग्रहाः

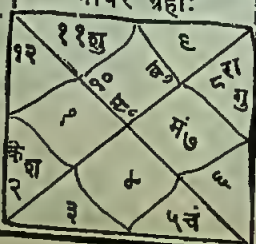

फाल्गुन कृष्णे ६ गुरौ कुंभेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

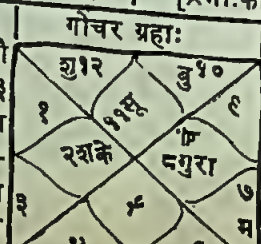

४५पं.फा.कृ.९र.इ.५/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	७	११	१	७	१०
२	१८	२९	२९	१	७	८	२
५९	३७	३८	४७	१४	५३	४३	४९
४२	३७	२	३१	३१	२८	४	३३
६०	२१	०/१०	७	७३	१	३	६०
३७	४४	२७	२८	२०	३१	११	४२

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण ३२२स.२०३१
१	श ३० ३७ श २४ १४ शि १३ ३४	कि ३ २९	२८ ६ २२	५ ३८	३ २९	२२	कुम्भे		
२	र २६ २४ पू २१ ४१ सि ७ ५	कौ २६ २४	१२ २२	३८	४ ३०	२३	मी७।१९	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया२	
३	चं २४ १० उ २१ ७ सा २१ ६ ५३	ग २४ १०	१६ २१	३९	५ १	२४	मीने	भ.५३ उ.पातस्पर्शः ३३ पातमोक्षः ३७–	
४	मं २३ ४३ रे २२ १९ शु ५६ ४९	वि २३ ४३	२० २०	४०	६ २	२५	मे.२२।१९	भ.२३।४३या. [–जिल्काद११	
५	बु २५ २४ अ २५ ४० ब्र ५६ १९	बा २५ २४	२४ १९	४१	७ ३	२६	मेषे		
६	गु २८ ५३ भ ३० ५० ऐं ५७ २	तै २८ ५३	२८ १९	४२	८ ४	२७	वृ.४७।२७	पूभा.बुधः १०।५५	
७	शु ३३ ५६ कृ ३७ १७ वै ५८ ४६	ग १ २४	३२ १८	४२	९ ५	२८	वृषे	भ.३३।५६उ.रेवत्यांशुक्रः४०।१६	
८	श ३९ ५६ रो ४४ २० वि ६० ०	वि ६ ५६	३६ १७	४३	१० ६	१	वृषे	भ.६।५६या.मार्च३ता.३१ होलाष्टकम्	
९	र ४९ २७ मृ ५२ १ वि ० ५५	बा १३ ११	४० १६	४४	११ ७	२	मि१८।११		
१०	चं ५२ ४९ आ ५९ २३ प्री ३ १६	तै १९ ३८	४४ १५	४५	१२ ८	३	मिथुने	[=मीनेबुधः ३७ आमलकी११व्र.	
११	मं ५८ ४१ पु ६० ० आ ५ २३	व २५ ४५	४८ १४	४६	१३ ९	४	क.४९।३५	भ.२५ उ.४९या.पूभारविः ५९=	
१२	बु ६० ० पु ६ १९ सौ ६ ५४	ब ३१ १	५२ १४	४६	१४ १०	५	कर्के	पूभा.रविःसौरः८।२	
१३	गु ३ २१ पु ११ ५५ शो ७ ४३	बा ३ २१	५६ १३	४७	१५ ११	६	कर्के	उभा.बुधः७।३९ प्रदोषः	
१४	शु ६ ४६ श्ले १६ १४ अ ७ ७	तै ६ ४६	२९ १२	४८	१६ १२	७	सि१६।१४	बुधोदयःपश्चिमायां९।३७.	
१५	श ८ ४७ म १९ १२ सु ५ ३९	व ८ ४७	५ ११	४९	१७ १३	८	सिंहे	भ.९७ उ.३९या.होलिकादहनम्भद्रोत्तरम्	
१५	र ९ १६ पू २० ५२ धृ ३ ५९	ग ९ १६	९ १०	५०	१८ १४	९	कं.३५।५६	पातस्पर्शः५८।२२छारेंडी	

४६ पं.फा.शु.२र.इ. ५ ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	८	११	१	७	१०
१०	२०	१२	०	९	८	८	९
३	५८	२०	४९	५२	७	२०	५४
१४	३०	४२	४८	३८	३	४८	६
६०	१९	५९	८	७३	२	३	६०
२५	१	९	३७	११	१२	११	३१

४७पं.फा.शु ९र.इ.५।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	८	११	१	७	१०
१७	२३	२५	१	१८	८	७	१६
५	०	३१	४६	२४	२६	५८	५७
२८	३६	२६	१	०	१३	३३	१
६०	१५	५९	७	७२	२	३	६०
१२	१७	३९	३४	५२	५३	११	२०

४८पं.फा.शु.१५र.इ. ६ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१९	६	११	८	११	१	७	१०
२४	२४	८	२	२६	८	७	२३
६	४१	३६	३४	५५	४९	३६	५८
१४	२९	७	५९	८	५५	१७	२३
५९	१२	०	६	७२	३	३	६०
५८	९	१३	३१	३२	३४	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	चं ८ २३ उ २१ ७ गं ५४ ५२	कौ ८ २३	२९ ६ ५३	५१	१९	१५	१०	कन्यायां	अश्वि.मेषेशुक्रः ४९ पातमोक्षः ५० वसंत१
२	मं ६ ३६ ह २० २८ बृ ४९ ४१	ग ६ ३६	१७ ९ ५३	१	२०	१६	११	तु.४८।८	भ.३५।५उ.
३	बु ३ ३४ चि १९ १० धु ४४ ०	वि ३ ३४	२१ ८ ५२	२	२१	१७	१२	तुलायां	भ.३।३४या. चतुर्थी व्र.
४	गु ० ३ स्वा १७ ७ व्या ३७ ४०	बा ० ३	२६ ७ ५३	२	२२	१८	१३	तुलायां	
५	गु ५५ ५५ ० ० ० ० ०	० ०	० ० ०	०	०	०	०		
६	शु ५१ ३५ वि १४ ३५ ह ३१ १२	ग २३ ४६	३० ६ ५४	२३	१९	१४	व्र.०।१३	भ.५५ उ.रेवत्यांबुधः ७ शीतलाषष्ठ्जनम्	
७	श ४६ ५५ अ १२ १ व २४ २६	बि १९ १५	३४ ५ ५५	२४	२०	१५	बृश्चिके	भ.१५या.मीनेऽर्कः ९ ४४ (सौरः ६ ३)	
८	र ४१ ५७ ज्ये ८ ५३ सि १७ २७	बा १४ २६	२८ ४ ५६	२५	२१	१६	ध.८।५३	मूल.२गुरुः४४।३	
९	चं ३६ ४९ मू ५ २९ व्य १० १३	तै ९ २३	४३ ३ ५७	२६	२२	१७	धनुषि		
१०	मं ३१ १० पू १ ४५ ५६ व २ ५० २२	ब ३ ५९	४७ ३ ५७	२७	२३	१८	म.१५।४७	भ.३५९ उ.३९या.उभा.रविः २९ ४८+	
११	बु २४ ३२ श्र ५४ ७ शि ४७ ५६	बा २४ ३२	५१ २ ५८	२८	२४	१९	मकरे	पापमोचनी११व्र. [+(सौरः ३०)	
१२	गु १९ ५७ ध ५० ४० सि ४० ५०	तै १९ ५७	५५ १ ५९	२९	२५	२०	कुं.२२।२४	प्रदोषः	
१३	शु १४ ५२ श ४७ ५० सा ३४ १	व १४ ५२	३० ० ०	०	३०	२१	कुंभे	भ.१४।५२उ.४२।३०या.	
१४	श १० ८ पू ४५ ४४ शु २८ ९	श १० ८	४ ५९ १	१	२७	२२	मी३२।१	भरण्यांशुक्रः४४।२६भा.चैत्रारंभः	
३०	र ६ ४२ उ ४५ १ शु २३ ११	ना ६ ४२	८ ५८ २	२	२८	२३	मीने	मन्वादिः	

४९पं.चै.कृ.८र.इ. ६ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	८	०	१	७	११
१	२५	१९	३	५	९	७	०
५	५६	१८	१६	२२	१८	१४	५८
३१	३१	२९	३७	३४	३६	१	६
५९	५	७९	५	७२	४	३	५९
४१	५२	३३	२५	१२	१४	११	४९

गोचर ग्रहा

चैत्र कृष्णे ७ शनौ
मीनेऽर्कः प्रविष्ट.वा३
न.३वृद्धावस्था(बैठी)
धान्यादिभावे समता
शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

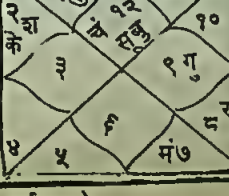

५०पं.चै.कृ.३०र.इ. ६ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	८	०	१	७	११
८	२६	२५	३	१३	९	६	७
३	४४	०	५०	४६	५१	५१	५६
१८	३१	७	२६	५५	२२	४६	१
५९	०	२३	४	७१	४	३	५९
२९	५९	२८	१४	५२	४८	११	३५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३२, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१३२, भोग्यकलिः ४२६८६८, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०८८, शाकः १९५३, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः । मंत्री चंद्रः । सस्येशःगुरुः। धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः । रसेशः शुक्रः। नीरसेशो बुधः। फलेशः रविः। धनेशः बुधः। दुर्गेशः रविः। एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १९ क्रोधनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः २।१४।०।५८।३६ भोग्यमासादिः ९।१५।५९।१।२४ भगदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम ज्येष्ठः।मेघनाम द्रोणः । रोहिणी निवासः पर्वते । समयनिवासोकुंभकार गृहे । समय विश्वा १८ समयवाहनम् मृगः । स्तंभः १ जलस्य । सोमवत्यमा ३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी २रविदशमी२ समय मुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः ९ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपतिविश्वा ८४, वर्षाविश्वा ५, धान्यम् १५, तृणम् ११, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्११५, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिपूर्वं । ग्रहण १ सूर्यस्यः ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

माता के दरबार में भैरव तणों सवाल ।
अठ्यासी की साल का कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

आठों कूंट अठ्यासियो वर्षा होसी खंड ।
भादव कुज गुरु योग से चालें पवन प्रचंड ।।
निशानाथ राजा भये मंत्री पद को पाय ।
सस्याधिप सुरपूज्य है जग की करें सहाय ।।
पर्वत पर रोहिणी बसी स्तंभ लगा है एक ।
कुंभकार घर समय है ईश्वर राखे टेक ।।
वर्षा ऋतु के मध्य में जगत् मचावे शोर ।
व्यापारां घटबढ घणी तेजड़ियों का जोर ।।
फल संवत्सर का कहा देख नभश्चर चार ।
"बनवारी" जगदीश का भजन जगत् में सार ।।

सं.२०८८ ज्येष्ठ कृष्णा ३० बुधे
सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	११	१	२
मि.	३०	८	३५
घ.	१२	१६	२०
प.	३८	४२	२०

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	२	११	८	८	२	८

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् १।१

वर्षेश लग्नम् ४।६

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।९।० केतकी मतेन बेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१६।३२

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरंच धान्यं । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधि जरा नराणाम् ।। मंत्री चंद्रः फलम् ।। शशिनि मंत्रिगते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । वियतिवारि धरा बहुवर्षिणो जनपदा सुख राशि सुशोभिता ।। सस्येशो गुरुः फलम् ।। कणपतौ सुरराजपुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः । जलधरा जलदा बहु सस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै ।। धान्येशो भौमस्तत्फलं ।। भूमिजे ग्रीष्म धान्येशे ग्रीष्म धान्य महर्घकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंति च ।। मेघेशो रविः फलम् ।। जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमतेजनता रसम् । यव चणेक्षु नीवार सुशालिभिः सुख चयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शुक्रः फलम् ।। यजन याजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जल तोषित मानसाः । सुख सुभिक्ष सुमोदवती धरा धरणीपाहतं पाप गण प्रियाः ।। नीरसेशो बुधः फलम् ।। चित्र वस्त्रादिकंचैव शंख चंदन पूर्वकम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ।। फलेशो रविः फलम् ।। द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहु जलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधः फलम् ।। द्रविणपो हिम रश्मिसुतो यदा विविध संग्रह वस्तु फलार्थदा । द्विज वरा जप यज्ञ सुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः ।। दुर्गेशः रविः फलम् ।। नय विशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया नरराज पुरोगमाः । समधिको न तदा नृपजोन्यजः स्व पथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ।। क्रोध नाम संवत्सरः फलम् ।। क्रोधाब्दे मध्य वृष्टिः स्यात् पूर्वदेशे च वृष्टयः । सम्पूर्णमितरत् सर्वे भूपाः क्रोध परायणाः ।। वर्षनाम ज्येष्ठः फलम् ।। ज्येष्ठाब्दे धर्म मार्गस्थाः पीडयन्ते सत्क्रिया पराः । न च वर्षति वै देवो भवेत्सस्य विनाशनम् ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम् ।। पर्वते विंदु मात्रदच ।। समयनिवासः कुंभकार गृहे ।। अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा ७ चन्द्रे उषा ल. ११ रे. ८ ।।।।।ISS।।
शुक्ला ४ शुक्रे मृगे ल.११(घ५३-३१उ)रे.७।।।।।ISअSS।।
,, ६ गुरौ मघा ल. गो. (सोग्रांगः) ११ (चं.७पू) रे. ८ ।।।।।ISIS। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ११शनौ उफा ल.ऽन्यगो(सपापांगः)रे.९।।।ISबृ।।।।।
,, १२ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो (सपापः) रे.८SS।।।।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ शुक्रे मूले ल. ११ रे. ८ ।।।।ISचौ।S।।
,, ५ रवौ उषा ल. ११ रे. ७ ।।।।।SSSIS
,, ११ शनौ रेव ल. ऽन्यगो (सोग्रांग.) ११
शुक्ला ७ बुधे मघा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः)११चं.पू.सत्
,, ९ शुक्रे उफा ल. ऽन्यगो रें. ६ ।।।।।IS।।।
,, १० शनौ हस्ते ल. गो. रे. ८ ।।।।।ISचौ।S।।

आषाढ मासः

कृष्णा १ शुक्रे मूले ल. गो. रे. ८ ।SSबृ।।।।।।।
,, ४ रवौ उषा ल. गो. रे. ७ ।।।।।।।SSS दग्धा गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ८ गुरौ उभा ल. ऽन्यगो रे.७ S।।।।।SS।।
शुक्ला ५ बुधे मघा ल. ऽन्यगो रे. ९ ।S।।।।।।।

कार्तिक मासः

शुक्ला १५ शुक्रे रोहि ल. ६ रे. ६ ।।।।।।।S।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ शनौ रोहि ल. ५ रे. ६ ।।।।।।।S।।
,, ८ रवौ उफा ल. ६ रे. ७ S।।।।।SS।।
,, ६ चन्द्रे उफा ल. ऽन्यगो रे. ७ S।।।।।SS।।
,, ६ चन्द्रे हस्ते ल. ५ (घ.४०-३५उ) रे. ७ ।।।।।SIS।S दग्धा
,, १० भौमे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।ISबृ।SIS
,, ११ बुधे स्वात्यां ल. ६ रे. ७ ।।Sशु।।ऽचौ।S।।
,, १२ गुरौ स्वत्त्यां ल. ५ (घ.३६-३७या) रे. ८ ।।ऽशु।।।।S।।

माघ मासः

कृष्णा ४ शनौ उफा ल. गो. ६ रे. ८ ।।।।S।।S।।
,, ५ रवौ हस्ते ल. गो. ६ रे.७ ।।।।।ऽरो३२याSS।।
,, ६ गुरौ मृगे ल. १० रे. ६ ।S।Sबृ।ऽचौ।S।। पादतो वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ८ शुक्रे मूले ल. १० रे. ८ S।।।।।।S।।
,, १० रवौ उषा ल. ६ रे. ८ ।।Sबृ।।।।S।।
शुक्ला २ शनौ रेव ल. ९ (घ.४६।२२या) रे. ८ ।।।।।ऽअS।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५२स.२०३१
१	चं	४	३२	रे	४५	४९	ब्र	१९	१९	ब	४	३२	३०/१२	५/५८	६/२	३	२९	२४	मे.४५।५९	वक्रीभौमः १६/७ रोहिणी १ शनिः ५४/४९ चंद्र +
२	मं	३	५२	अ	४८	२२	ऐं	१६	४६	कौ	३	५२	१६	५७	३	४	१	२५	मेषे	जिल्हेज.१२ सिंधारामत्स्यजयंती
३	बु	५	१०	भ	५२	२४	वै	१५	३७	ग	५	१०	२१	५६	४	५	२	२६	मेषे	भ.३६/३७ उ.अनु.१ राहुः कृत्ति.३ केतुः ४८/४१ ×
४	गु	८	५	कृ	५८	८	वि	१५	३२	वि	८	५	२५	५५	५	६	३	२७	वृ.८।५०	भ.८।५या. [×गणगौरी
५	शु	१२	३१	रो	६०	०	प्री	१७	०	बा	१२	३१	२९	५४	६	७	४	२८	वृषे	बुधास्तः पश्चिमायां १।१८
६	श	१७	५८	रो	४	४६	आ	१८	४४	तै	१७	५८	३३	५३	७	८	५	२९	मि३८।३१	[+दर्शनम्संवत्सरारंभः नवरात्रारंभ
७	र	२४	१७	मृ	१२	१७	सौ	२१	५	व	२४	१७	३७	५३	७	९	६	३०	मिथुने	भ.२४।१७उ.५७।२७या.
८	चं	३०	३७	आ	१९	४६	शो	२३	१९	व	३०	३७	४१	५२	८	१०	७	३१	मिथुने	रेवत्यांरविः ४९।२१ (सौरः ५६।२६)
९	मं	३६	३५	पु	२६	५६	अ	२५	१८	बा	३	३६	४५	५१	९	११	८	१	क.१०।९	अप्रेल४ता.३० रामनवमी
१०	बु	४१	३२	पु	३३	१३	सु	२६	३१	तै	९	३	४९	५०	१०	१२	९	२	कर्के	कृत्ति.शुक्रः ५८।५२
११	गु	४५	१	श्ले	३७	५८	धृ	२६	२९	व	१३	१६	५३	४९	११	१३	१०	३	सिं३७।५८	भ.१३/१६ उ.४५/१ या.कामदा ११व्र.
१२	शु	४६	४९	म	४१	१९	शू	२५	१६	ब	१५	५५	५७	४९	११	१४	११	४	सिंहे	
१३	श	४७	०	पू	४२	४९	गं	२२	४४	कौ	१६	५४	३१/१	४८	१२	१५	१२	५	कं.५७।४५	वृषेशुक्रः ४८।३ प्रदोषः
१४	र	४५	१७	उ	४२	३४	वृ	१८	४८	ग	१६	८	५	४७	१३	१६	१३	६	कन्यायां	भ.४५।१७उ.
१५	चं	४२	७	ह	४१	१	ध्रु	१३	३२	वि	१३	४२	१०	४६	१४	१७	१४	७	कन्यायां	भ.१३।४२या.हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.७र.इ. ७/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	८	०	१	७	११
१४	२७	२४	४	२२	१०	६	१४
५९	०	४७	१५	६	२८	२९	५२
१७	४०	१०	४३	५८	८	३०	१२
५९	५४/५९	३२/१२	३	७१	५	३	५९
१६	व	व	४	२६	१०	११	१८

गोचर ग्रहाः

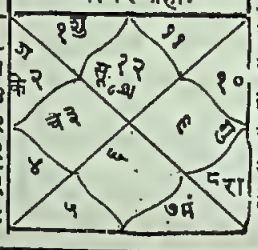

इस मास में धान्य गल्ला रसकस मंदे हो शुक्ल पक्षमें स्वर्ण चांदी रुई रंग गेहूं जो चना मटर सरसो तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.शु.१४र.इ. ७/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	८	१	१	७	११
२१	२६	१९	४	०	११	६	२१
५३	४१	०	३२	२३	८	७	४६
३१	६	२	२०	६	२४	१५	२३
५९	११/५२	४९/७	१	७०	५	३	५९
४	व	व	३५	५६	३२	११	४

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	मं	३७	३६	चि	३८	१७	व्या	७	२८	बा	९	५१	३४/१४	५/४५	६/१५	१८	१५	८	तु.१०।९	
२	बु	३२	१८	स्वा	३४	४०	ह	०/३४	५२/३५	तै	३	५७	१८	४४	१६	१९	१६	९	तुलायां	भ.५९/२१ उ.वक्रीउभा.बुधः ५८।३९
३	गु	२६	२४	वि	३०	३६	सि	४५	३१	वि	२६	२४	२२	४४	१६	२०	१७	१०	वृ.१६।३७	भ.२६।२४या.चतुर्थीव्र.
४	शु	२०	२४	अ	२६	३३	व्य	३७	४३	बा	२०	२४	२६	४३	१७	२१	१८	११	वृश्चिके	
५	श	१४	२१	ज्ये	२२	२७	व	३०	११	तै	१४	२१	३०	४२	१८	२२	१९	१२	ध.२२।२७	बुधोदयः पूर्वस्यां ३७।५३
६	र	८	३६	मू	१८	४०	प	२२	४६	व	८	३६	३४	४१	१९	२३	२०	१३	धनुषि	भ.८।३६उ.३५।५९या.
७	चं	३	२२	पू	१५	२०	शि	१५	४६	ब	३	२२	३८	४०	२०	२४	२१	१४	म.२९।३५	अश्वि.मेषेऽर्कः २३/२१ (सौरः ३१/०) रोहि. =
८	चं	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=शुक्रः २२।५६
९	मं	५३	३५	उ	१२	१९	सि	८	५४	तै	२५	५२	४२	४०	२०	२५	२२	१५	मकरे	वक्रीगुरुः ५८।२१
१०	बु	४९	११	श्र	९	४२	सा	४२/३०	५४/६	व	२१	२३	४६	३९	२१	२६	२३	१६	कुं.३८।३७	भ.२१।२३उ.४९।११या.
११	गु	४५	३४	ध	७	३२	शु	५१	८	ब	१७	२२	५०	३८	२२	२७	२४	१७	कुंभे	वरुथिनी ११व्र.
१२	शु	४२	३२	श	६	१	ब्र	४६	१७	कौ	१४	३	५३	३७	२३	२८	२५	१८	मी५०।२६	
१३	श	४०	२७	पू	५	१४	ऐं	४२	७	ग	११	२९	५७	३७	२३	२९	२६	१९	मीने	भ.४०।२७उ.प्रदोषः
१४	र	३९	२८	उ	५	२६	वै	३९	३	वि	९	५७	३२/१	३६	२४	३०	२७	२०	मीने	भ.९।५७या.मार्गीबुधः १२।४४
३०	चं	३९	३०	रे	६	५२	वि	३६	४६	च	९	२९	५	३५	२५	१	२८	२१	मे.६।५२	भा.वैशाखारंभः

१पं.वै.कृ.७चं.इ. २३/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	८	१	१	७	११
०	२५	१४	४	१०	११	५	२९
०	३०	३१	४१	०	५९	४१	५२
०	०	१	५६	३२	५६	७	३८
५८	१८/२०	२६/२	०	७०	६	३	५८
४४	व	व	१९	९	७	११	४५

गोचर ग्रहाः

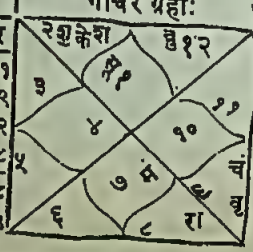

वैशाख कृष्णे ७ चंद्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ५ कूर्मार्यवस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

२पं.वै.कृ.३०चं.इ. २३/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	८	१	१	७	०
६	२३	१४	४	१८	१२	५	६
५०	५१	१२	३९	४	४६	१८	४२
४६	२९	२५	०	५५	२३	५१	४९
५८	२३/२	५/१७	१/१५	६९	६	३	५८
३१	व	मा	व	१६	२६	११	२९

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३८१सं.२०३१
१	मं	४०	५९	अ	९	२५	प्री	३५	४८	किं	१०	१४	३२/९	५/३४	६/२६	२	२९	२२	मेषे	
२	बु	४३	५९	भ	१३	२०	आ	३५	२८	बा	१२	२९	१२	३४	२६	३	३०	२३	वृ.३९।३९	चंद्रदर्शनम्
३	गु	४८	१७	कृ	१८	३७	सौ	३६	२३	तै	१६	८	१६	३३	२७	४	१	२४	वृषे	मोहोरम१सन्१४५३हि.परशुराम ×
४	शु	५३	३१	रो	२४	५६	शो	३७	४८	व	२०	५४	२०	३२	२८	५	२	२५	मि५८।३३	भ.२०।५४उ.५३।३१या.
५	श	५९	३९	मृ	३२	११	अ	४०	७	ब	२६	३५	२३	३१	२९	६	३	२६	मिथुने	रेवत्यांबुधः५७/३५मृगेशुक्रः३/४४रोहिणी.२ H
६	र	६०	०	आ	३९	३८	सु	४३	४०	कौ	३२	५०	२७	३१	२९	७	४	२७	मिथुने	[Hशनिः७।३५ [×जयंतीअक्षया३
६	चं	६	१	पु	४७	८	धृ	४५	२	तै	६	१	३१	३०	३०	८	५	२८	क.३०।१५	भरण्यांरविः३।३२(सौरः१२।२४)
७	मं	१२	५	पु	५४	१७	शू	४६	५५	व	१२	५	३४	२९	३१	९	६	२९	कर्के	भ.१२/५उ.४४/४७या.पातस्पर्शः१३/४४पातमो.३२/४१
८	बु	१७	२९	श्ले	५९	४९	गं	४७	४८	व	१७	२९	३८	२८	३२	१०	७	३०	सिं५९।४९	
९	गु	२१	२२	म	६०	०	बृ	४७	३७	कौ	२१	२२	४१	२८	३२	११	८	१	सिंहे	मिथुनेशुक्रः५४/२२मई५ ता.३१
१०	शु	२३	५८	म	४	१६	ध्रु	४५	५५	ग	२३	५८	४५	२७	३३	१२	९	२	सिंहे	भ.५४।१३उ.
११	श	२४	२९	पू	६	३९	व्या	४२	४१	वि	२४	२९	४८	२६	३४	१३	१०	३	कं.२१।४५	भ.३४/२९या.वक्रीस्वात्यांभौमः३८/१७मोहि.११
१२	र	२२	५३	उ	७	४	ह	३७	५२	बा	२२	५३	५२	२६	३४	१४	११	४	कन्यायां	प्रदोषः
१३	चं	१९	२३	ह	५	४३	व	३१	३६	तै	१९	२३	५५	२५	३५	१५	१२	५	तु.३४।७	नृसिंहजयंती
१४	मं	१४	५	चि	२/३१	५५/२७	सि	२४	१	व	१४	५	५८	२४	३६	१६	१३	६	तुलायां	भ.१४।५उ.४०।५०या.
१५	बु	७	३५	वि	५२	२८	व्य	१५	३६	ब	७	३५	३३/२	२४	३६	१७	१४	७	वृ.३८।५०	आर्द्रा.शुक्रः५८/२७यमायकुंभदानम्

३पं.वै.शु.६चं.इ.२३।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	८	१	१	७	०
१३	२१	१७	४	२५	१३	४	१३
३९	४२	२९	२५	५९	३५	५६	३१
५०	२९	३१	५२	५६	६	३६	१४
५८	२५/४४	३४	३/३६	६८	६	३	५८
१९	व	२५	व	२७	३८	११	१२

गोचर ग्रहाः

२शुकेश, १२बु, ३चं, सू१, ११, ४, १०, ५, मं७, गु९, ६, रा८

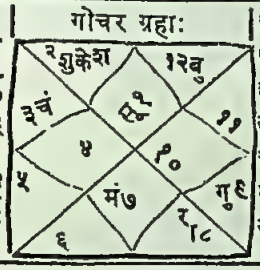

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि धान्य गेहूं जो चना बाजरा मूंग मोठ चना चांदी स्वर्ण रुई मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

२शके, १२बु, शु३, सू१, ११, ४, १०, ५, ७मं, ९गु, चं६, ८रा

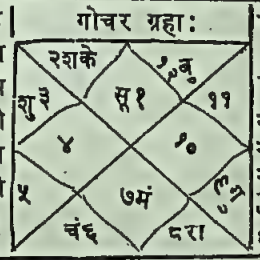

४पं.वै.शु.१३च.इ.२४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	८	२	१	७	०
२०	१९	२३	४	३	१४	४	२०
२७	१४	४५	४	४६	२६	३४	१८
२९	३१	७	१९	४८	१०	२०	०
५८	२५/४७	५९	५३/२	६७	६	३	५७
६	व	२२	व	१७	५६	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं.२०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेवैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	०	२	अ	४६	३७	व	६/३७	५०/४८	कौ	०	२	३३/५	५/२३	६/३७	१८	१५	८	वृश्चिके	
२	गु	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	शु	४४	१०	ज्ये	४०	४१	शि	४८	१६	व	१८	१३	८	२२	३८	१९	१६	९	ध.४०।४१	भ.१८।१३उ.४४।१०या.
४	श	३६	३१	मू	३५	११	सि	३९	२९	ब	१०	२०	११	२२	३८	२०	१७	१०	धनुषि	अश्वि.मेषेबुधः३७।२६चतुर्थीव्र.
५	र	२९	३५	पू	३०	११	सा	३१	१२	कौ	३	३	१४	२१	३९	२१	१८	११	म.४४।९	कृत्ति.रविः४९/३१पातस्पर्शः१४/३०पातमोक्ष३६/१३
६	चं	२३	२३	उ	२६	२	शु	२३	३७	व	२३	२३	१७	२१	३९	२२	१९	१२	मकरे	भ.२३/२३उ.५०/४८या.कृत्ति.रविःसौरः०।१६
७	मं	१८	१३	श्र	२२	५८	शु	१६	५८	ब	१८	१३	२०	२०	४०	२३	२०	१३	कुं.५१।५७	
८	बु	१३	५८	ध	२०	५६	ब्र	१०	५८	कौ	१३	५८	२३	१९	४१	२४	२१	१४	कुंभे	[×वक्रीमूल१गुरुः२६।८
९	गु	१०	५५	श	२०	६	ऐं	५	५९	ग	१०	५५	२६	१९	४१	२५	२२	१५	कुंभे	भ.३९।५३उ.बृषेऽर्कः१६/४६(सौरः२८/९) ×
१०	शु	८	५२	पू	२०	९	वै	१/५६	५६/३७	वि	८	५२	२८	१८	४२	२६	२३	१६	मी४।५१	भ.८।५२या.अस्तंशनेः३।४
११	श	७	५०	उ	२१	१६	प्री	५६	१९	बा	७	५०	३१	१८	४२	२७	२४	१७	मीने	अपरा११व्र.
१२	र	८	८	रे	२३	३५	आ	५४	४६	तै	८	८	३४	१७	४३	२८	२५	१८	मे.२३।३५	प्रदोषः
१३	चं	९	१७	अ	२६	३४	सौ	५४	२२	व	९	१७	३७	१७	४३	२९	२६	१९	मेषे	भ.९।१७उ.४०/२६या.भरण्यांबुधः३२।१०
१४	मं	११	३५	भ	३१	१३	शो	५४	२६	श	११	३५	३९	१६	४४	३०	२७	२०	वृ.४७।३३	पुन.शुक्रः३२।३५
३०	बु	१५	३	कृ	३६	३३	अ	५५	२३	ना	१५	३	४२	१६	४४	३१	२८	२१	वृषे	सूर्यग्रहणम्वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.६चं.इ.२४/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	०	८	२	१	७	०
२७	१६	२	३	११	१५	४	२७
१३	४१	२५	३५	२३	१८	१२	३
३७	१३	५२	६	६	४०	५	१४
५७	२३/३५	८१	४/५९	६५	७	३	५७
५४	व.	५२	व	४९	८	११	४५

गोचर ग्रहाः

२केश, १२, शु३, १बुसू, ११, ४, १०चं, ५, मं७, ९गु, ६, ८रा

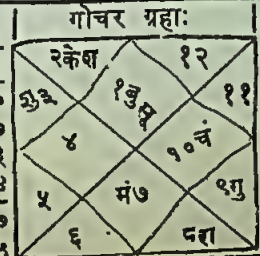

ज्येष्ठ कृष्णे ९ गुरौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा४न.४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

३शु, २केश, १बुचं, ४, सू, १२, ५, ११, ६, ८रा, १०, ७मं, ९गु

६पं.ज्ये.कृ.१३चं.इ.२४/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	८	२	१	७	१
३	१४	१३	२	१८	१६	३	३
५८	१९	७	५८	४७	११	४९	४६
४४	२६	८	१	१०	४२	४९	५८
५७	१९/७	०/०/३१	६/५	६४	७	३	५७
४४	व		व	१०	१४	११	३४

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मतूरविरुत्तरेऽहर्गणः४११स.२०३१
१	गु	१९	३५	रो	४३	२	सु	५७	३	ब	१९	३५	३३/४४	५/१५	६/४५	१	२९	२२	वृषे	रोहिणी३शनिः५०।५४चंद्रदर्शनम् =
२	शु	२४	५६	मृ	४९	५४	धृ	५९	९	कौ	२४	५६	४७	१५	४५	२	१	२३	मि१६।२८	सफर२ [=भा.ज्येष्ठारंभः
३	श	३०	५९	आ	५७	२८	शू	६०	०	ग	३०	५९	४९	१४	४६	३	२	२४	मिथुने	[+(सौरः५४।११)
४	र	३७	२१	पु	६०	०	शू	१	३२	व	४	१०	५२	१४	४६	४	३	२५	क.४८।१२	भ.४।१०उ.३७।२१या.रोहि.रविः४०/९ +
५	चं	४३	२८	पु	५	७	गं	४	४	ब	१०	२४	५४	१३	४७	५	४	२६	कर्के	कृत्ति.बुधः५८।३८
६	मं	४९	१४	पु	१२	४५	बृ	६	३७	कौ	१६	२१	५६	१३	४७	६	५	२७	कर्के	[÷कृत्ति.२केतुः४६/५३बुधास्तःपूर्वस्यां३६/२१
७	बु	५३	४७	श्ले	१९	२२	ध्रु	८	१९	ग	२१	३०	५८	१२	४८	७	६	२८	सिं. १९/२२	भ.५३/४७उ.बृषेबुधः४१/५८विशा.४राहुः ÷
८	गु	५७	७	म	२४	४७	व्या	९	४	वि	२५	२७	३४/०	१२	४८	८	७	२९	सिंहे	भ.२५।२७या.
९	शु	५८	४५	पू	२८	३४	ह	८	४२	बा	२७	५६	२	१२	४८	९	८	३०	क.४४।४	कर्केशुक्रः३४।१६
१०	श	५८	११	उ	३०	३४	व	६	४६	तै	२८	२८	३	११	४९	१०	९	३१	कन्यायां	गंगादशमी
११	र	५५	३८	ह	३०	३४	सि	३/२६	५४/४७	व	२६	५४	५	११	४९	११	१०	१	तु.५९।३०	भ.२६/५४उ.५५/३८या.जून६ता.३०निर्जला ×
१२	चं	५०	५५	चि	२८	२६	व	५१	३१	ब	२३	१६	७	११	४९	१२	११	२	तुलायां	रोहि.बुधः३४/२३पुष्येशुक्र५६/७निर्जला११व्र.वै
१३	मं	४४	२७	स्वा	२४	२९	प	४३	१७	कौ	१७	४१	९	१०	५०	१३	१२	३	तुलायां	प्रदोषः [×११व्र.स्मा.
१४	बु	३६	३१	वि	१८	५५	शि	३४	१	ग	१०	२९	१०	१०	५०	१४	१३	४	वृ.५।१९	भ.३६।३१उ.
१५	गु	२७	३९	अ	१२	१०	सि	२४	०	वि	२	५	१२	१०	५०	१५	१४	५	वृश्चिके	भ.२।५या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

७पं.ज्ये.शु.५चं.इ.२४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	८	२	१	७	१
१०	१२	२५	२	२५	१७	३	१०
४२	२४	३४	१४	५७	६	२७	२९
४०	२८	५	२८	४	७	३३	९
५७	१२/५२	[illegible]	६/४९	६२	७	३	५७
३५	व	[illegible]	वे	६	२०	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला सोना चांदी लोहा ताम्बा रसकस गुड़ सक्कर चीनी वस्त्र रुई कपास वारदाना आदि सर्व पदार्थ मंदा रहे।

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्ये.शु.१२चं.इ. २४/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	८	३	१	७	१
१७	११	९	१	२	१८	३	१७
२५	२	३९	२६	४८	०	५	१०
२६	६	२२	२	५०	१	१८	१५
५७	६/५१	[illegible]	७/३२	५९	७	३	५७
२७	व	[illegible]	व	२७	२०	११	१३

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः स० २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ . कृष्णेति महा.
१	शु	१८	६	ज्ये	४/५२	५२/४३	सा	१३	३८	कौ	१८	६	३४/१३	५/९	६/५१	१६	१५	६	ध.४।५२	
२	श	८	३८	पू	५०	३७	शु	३/१४	५०/८	ग	८	३८	१५	९	५१	१७	१६	७	धनुषि	भ.३४।९उ.५९।४०या.
३	श	५१	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=मृगेबुधः३९।५२चतुर्थीव्र.
४	र	५१	२९	उ	४४	२८	ब्र	४३	५४	ब	२५	३४	१६	९	५१	१८	१७	८	म.४।५	मृगेरविः३५।१(सौरः५३।१) =
५	चं	४४	२६	श्र	३९	३६	ऐं	३५	३२	कौ	१७	५७	१७	९	५१	१९	१८	९	मकरे	
६	मं	३८	५७	ध	३६	०	वै	२८	१६	ग	११	४१	१८	८	५२	२०	१९	१०	कुं.७।४८	भ.३८।५७उ.मार्गीभौमः२१।४
७	बु	३४	५९	श	३३	५९	वि	२२	२५	वि	६	५८	१९	८	५२	२१	२०	११	कुम्भे	भ.६।५८या.मिथुनेबुधः४६।३
८	गु	३२	४०	पू	३३	३१	प्री	१७	५२	बा	३	४९	१९	८	५२	२२	२१	१२	मी१८।३८	
९	शु	३१	५३	उ	३४	३७	आ	१४	३२	तै	२	१६	२०	८	५२	२३	२२	१३	मीने	वक्रीज्येष्ठा४वृश्चिकेगुरुः५७।५८
१०	श	३२	३८	रे	३७	२५	सौ	१२	१९	व	२	१५	२१	८	५२	२४	२३	१४	मे.३७।२५	भ.२/१५उ.३२/३८या.आर्द्रा.बुधः४४।५८
११	र	३४	३७	अ	४१	१२	शो	११	२०	ब	३	३७	२१	८	५२	२५	२४	१५	मेषे	मिथुनेऽर्कः३३/३५(सौरः५३/४९)योगिनी११ व्र.
१२	चं	३७	४९	भ	४६	१४	अ	११	२९	कौ	६	१३	२२	८	५२	२६	२५	१६	मेषे	
१३	मं	४२	१४	कृ	५२	५	सु	११	५२	ग	१०	१	२३	७	५३	२७	२६	१७	वृ.२।४२	भ.४२/१४उ.रोहिणी४शनिः५४/४८प्रदोषः
१४	बु	४७	९	रो	५८	४६	धृ	१३	१०	वि	१४	४१	२३	७	५३	२८	२७	१८	वृषे	भ.१४।४१या.आश्लें.शुक्रः०।३५
३०	गु	५२	४६	मृ	६०	०	शू	१५	८	च	१९	५७	२३	७	५३	२९	२८	१९	मि३२।३	बुधोदयःपश्चिमायां४२।५०

९पं.आ.कृ.५चं.इ.२४/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	८	३	१	७	१
२४	१०	२४	०	९	१८	२	२३
७	१९	५६	३४	१६	५४	४३	५०
३०	२३	१७	१६	५२	४७	२	११
५७	०/४९	[illegible]	७/५२	५५	७	३	५७
२२	व	[illegible]	व	५९	२०	११	५

गोचर ग्रहाः

आषाढकृष्णे ११ रवौ मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

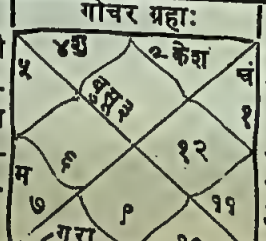

१०पं.आ.कृ.१२च.इ. २४/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	७	३	१	७	२
०	१०	१०	२९	१५	१९	२	०
४८	१७	६	४०	१७	४९	२०	२९
४७	२०	५०	४२	५३	८	४७	२०
५७	५/१६	[illegible]	७/५२	५१	७	३	५६
१७	मा	[illegible]	व.	२२	१४	११	५७

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	ह.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४४०स.२०३१
१	शु ५८ ५३ मृ ५ २० गं १७ १६ कं २५ ४६	३४	५	६	३०	२६	२०	मिथुने	
२	श ६० ० आ १३ २२ वृ १६ ४७ बा ३१ ५८	२४	७	५३	३१	३०	२१	मिथुने	पुन.बुधः १५ उदयंशने: ३६ चंद्रदर्शनम् =
३	र ५ ४ पु २० ५२ धु २२ १६ कौ ५ ४	२४	७	५३	१	१	२२	क.३।५६	आर्द्रा.रविः ३२ (सौरः ५५ २२) रविलावल३+
४	चं ११ ६ पु २८ २४ श्या २४ ३६ ग ११ ६	२४	७	५३	३	२	२३	कर्के	भ.४३।५६उ. [+भा.आषाढारंभः
५	मं १६ ४७ श्ले ३५ २० ह २६ ३२ वि १६ ४७	२४	७	५३	३	३	२४	सिं ३५।२०	भ.१६।४७या. [=रथयात्रा
६	बु २१ ३७ म ४१ २६ व २८ ८ बा २१ ३७	२४	७	५३	४	४	२५	सिंहे	
७	गु २५ ३० पू ४६ २० सि २८ ४४ तै २५ ३०	२३	७	५३	५	५	२६	सिंहे	कर्केबुधः ३६।४४
८	शु २८ १ उ ४६ ५१ व्य २७ ५६ व २८ १	२३	७	५३	६	६	२७	क.२।१३	भ.२८।१उ.५८।२१या.
९	श २८ ४० ह ५१ २९ व २५ ५४ ब २७ ४०	२२	८	५२	७	७	२८	कन्यायां	पुष्यंबुधः४६।२
१०	र २७ ३४ चि ५१ २८ प २२ ३६ कौ २७ ३४	२२	८	५२	८	८	२९	तु.२१।२८	
११	चं २४ १६ स्वा ४६ १४ शि १७ ३५ ग २४ १६	२१	८	५२	९	९	३०	तुलायां	भ.५१।४७उ.
१२	मं १६ १६ वि ४५ १२ सि १० ५३ वि १९ १६	२०	८	५२	१०	१०	१	वृ.३१।१३	भ.१९ या. जुलाई७ता.३१देवशयनी११व्र
१३	बु १२ १६ अ ३६ ३५ सा ४३ ५० बा १२ १६	१९	८	५२	११	११	२	वृश्चिके	प्रदोषः
१४	गु ४ ७ ज्ये ३२ ४१ शु ४३ २४ तै ४ ७	१८	८	५२	१२	१२	३	ध.३२।४१	भ.५४।३३उ.
१५	शु ४४ ३१ मू २४ ५५ ब्र ३२ ३८ वि १६ ३२	१७	९	५१	१३	१३	४	धनुषि	भ.१३ या.व्यासपूजावायुपरीक्षा गुरु१५

११पं.श्रा.शु.३च.इ. २४/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	७	३	१	७	२
७	१०	२३	२८	२०	२०	१	७
२९	५३	५७	४७	४२	४२	५८	७
४२	५४	७	२४	३६	४०	३१	४७
५७	९	२३	५८	४५	७	३	५६
१३	११	३०	व	४९	८	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में शनि का चन्द्र दर्शन तेजी कारक है धातु सोना चांदी लोहा गेहू जो चना मटर सरसो अलसी रुई तेज रहे

गोचर ग्रहाः

१२पं.श्रा.शु१०च.इ. ३३/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	७	३	१	७	२
१४	१२	५	२७	२५	२१	१	१३
१०	६	५३	५६	२२	३५	३६	४५
८	३२	२४	२	५२	६	१५	५२
५७	१४	९६	२१	३८	६	३	५६
७	३२	२२	व	४	५६	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	ह.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे आषाढ कृष्णेति महा.
१	श ३४ २१ पू १६ ५५ ऐं २१ ४१ बा ६ २६	३४	५	५६	१४	१४	५	म.२६।५८	
२	र २४ ५ उ ६ ७ वै १० ५६ ग २४ ५	१५	६	५१	१५	१५	६	मकरे	भ.४५उ.पुन.रविः ३ (सौरः ५९)
३	चं १५ ४५ श्र १३ ५३ वि ४४ ५१ वि १५ ४५	१४	६	५१	१६	१६	७	कुं.२८।४५	भ.५५या.आश्ले.बुधः ४ चतुर्थीव्र.
४	मं ८ १५ श ५२ २३ आ ४३ ५९ बा ८ १५	१३	६	५१	१७	१७	८	कुंभे	
५	बु २ ४० पू ५० १६ सौ ३७ ५० तै २ ४०	११	१०	५०	१८	१८	९	मी३५।४८	भ.५६उ मघा.सिंहेशुक्रः ३८ नाग५
६	वु ५६ ११ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	१०	० ०	
७	गु ५७ १० उ ४६ ५५ शो ३३ ५ वि २८ ०	१०	१०	५०	१९	१६	१०	मीने	भ.२८।०या..
८	शु ५७ २३ रे ५१ ४२ अ २६ ५६ बा २७ १६	८	१०	५०	२०	२०	११	मे ५१।४२	
९	श ५६ १७ अ ५५ ३ मु २८ २२ तै २८ २०	७	११	४६	२१	२१	१२	मेषे	वक्रीज्येष्ठा.३गुरुः८।४५
१०	र ६० ० भ ६० ० धृ २८ ७ व ३१ २	५	११	४६	२२	२२	१३	मेषे	भ.३१।२उ.
१०	चं २ ४८ भ ० ३ शू २६ १ वि २ ४८	३	११	४९	२३	२३	१४	वृ.१६।३७	भ.२।४८या.
११	मं ७ २६ कृ ६ २० गं ३० १६ बा ७ २६	१	१२	४८	२४	२४	१५	वृषे	मृग१शतिः५।२१कामिका११व्र.
१२	बु १३ ० रो १३ २० वृ ३२ ४१ तै १३ ०	३३ ५९	१२	४८	२५	२५	१६	मि४७।०	प्रदोषः
१३	गु १८ ५७ मृ २० ३८ धु ३४ ५५ व १८ ५७	५७	१३	४७	२६	२६	१७	मिथुने	भ.१८।५७उ.५२।७या.कर्केऽर्कः ÷
१४	शु २५ १७ आ २८ १४ श्या ३७ २८ श २५ १७	५५	१३	४७	२७	२७	१८	मिथुने	[÷०।४६ (सौरः ३२।८)
३०	श ३१ १६ पु ३५ ३८ ह ३९ ५३ ना ३१ १६	५२	१४	४६	२८	२८	१९	क.१८।४७	हरियाली

१३पं.श्रा.कृ.३च.इ.२४।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	७	३	१	७	२
२०	१३	१६	२७	२९	२२	१	२०
५०	५०	१	९	१	२६	१४	२३
३५	४२	२६	०	४१	१७	०	४६
५७	१८	७६	३	२८	६	३	५६
७	२०	३६	व	११	४१	११	५०

गोचर ग्रहाः

श्रावणकृष्णे १३ गुरौ कर्के ऽर्कः प्रविष्टः वा. ५न. ५ प्रगल्भावस्था बैठी) मु.३० धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

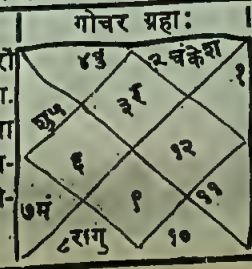

१४पं.श्रा.कृ.१०च.इ. ३४/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	७	४	१	७	२
२७	१६	२४	२६	१	२३	०	२७
३०	२	५	२६	२३	१५	११	१
५४	६	२८	५६	३८	३६	४४	५३
५७	२२	५३	४५	१५	६	३	५६
११	२९	२७	व	१४	२६	११	५४

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण.४७०सन्२०३१
१	र	३७	८	पु	४३	१	व	४२	१०	किं	४	१३	३३/५०	५/१४	६/४६	२९	२९	२०	कर्के	पुष्ये रविः ३०।४२
२	चं	४२	२५	श्ले	४९	४०	सि	४४	६	बा	९	४६	४८	१४	४६	३०	३०	२१	सिं४९।४०	पुष्ये रविः सौरः २/४९ वक्रीशुक्रः १२/३५ चंद्र ÷
३	मं	४६	५७	म	५५	३४	व्य	४५	१०	तै	१४	४१	४५	१५	४५	३१	१	२२	सिंहे	मघा.सिंहे बुधः १६/३३ रविलाखर४तीज
४	बु	५०	३९	पू	६०	०	व	४५	४०	व	१८	४८	४३	१५	४५	१	२	२३	सिंहे	भ.१८/४८ उ.५०/३९ या.भा.श्रावणारंभः वरद४
५	गु	५३	१४	पू	०	४३	प	४५	३४	ब	२१	५६	४०	१६	४४	२	३	२४	कं.१६।४४	विशा.भौमः ३७।१७नागपंचमी
६	शु	५४	२५	उ	४	४८	शि	४४	३२	कौ	२३	४९	३८	१६	४४	३	४	२५	कन्यायां	[÷दर्शनम्सिंधारा
७	श	५४	१७	ह	७	३३	सि	४२	१०	ग	२४	२१	३५	१७	४३	४	५	२६	तु.३८।१३	भ.५४।१७उ.
८	र	५२	२८	चि	८	५३	सा	३८	३७	वि	२३	२२	३३	१७	४३	५	६	२७	तुलायां	भ.२३।२२या.वक्रीबुधः १५।५७
९	चं	४९	६	स्वा	८	३९	शु	३३	४०	बा	२०	४७	३०	१८	४२	६	७	२८	वृ.५२।७	[×कृत्ति.१मेषेकेतुः४०।३पवित्रा११व्र.
१०	मं	४४	१	वि	६	३६	शु	२७	२४	तै	१६	३३	२७	१९	४१	७	८	२९	वृश्चिके	[=श्रावणीकर्मरक्षाबंधनस्
११	बु	३७	३२	अ	३/३	५४/२६	ब्र	२०	२	व	१०	४६	२४	१९	४१	८	९	३०	ध.५७।२९	भ.१०/४६ उ.३७/३२ या.विशा.३तुलायांचराहुः ×
१२	गु	२९	३०	मू	५१	४९	ऐं	११	२३	ब	३	३१	२२	२०	४०	९	१०	३१	धनुषि	वक्रीआश्ले.कर्केशुक्रः४८।२६प्रदोषः
१३	शु	२०	३१	पू	४४	३४	वै	१/५५	४९/३१	तै	२०	३१	१९	२०	४०	१०	११	१	म.५७।४०	अगस्त८ता.३१
१४	श	१०	५३	उ	३७	०	प्री	४०	४७	व	१०	५३	१६	२१	३९	११	१२	२	मकरे	भ.१०।५३उ.३५।५५या.
१५	र	०	५७	श्र	२९	२९	आ	३०	१२	व	०	५७	१३	२१	३९	१२	१३	३	कुं.५५।५९	आश्लें.रविः २८/५ शुक्रास्तः पश्चिमायां ३६/३६=

१५प.श्रा.शु.२चं.इ.२४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	७	४	१	७	३
४	१८	२९	२५	२	२४	०	३
११	३८	३७	५१	८	२	२९	४०
३८	२८	१६	१८	२८	३८	२९	२०
५७	२५	२६	४/४०	०/२६	६	३	५६
१५	२०	१	व	व	१४	११	५९

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार५ रविवार अशुभ हैं प्रजा में महामारी फैलें धातु धान्य रसकस गुड़ नमक रुई वस्त्र वारदाना तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

१६पं.श्रा.शु.९चं.इ.२४।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	७	४	१	७	३
१०	२१	१	२५	०	२४	०	१०
५२	३४	५९	२३	५९	४७	७	१९
४१	१	४६	१३	१०	४६	१३	३७
५७	२७	५/२	३/३६	१७/२२	५	३	५७
२०	४१	व	व	व	५०	११	५

ति.	प्र.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र	५०	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×बुधः१७।१८चतुर्थीव्र.
२	चं	४२	५६	ध	२२	२८	सौ	२०	०	तै	१७	१२	३३/१०	५/२२	६/३८	१३	१४	४	कुंभे	आश्ले.रविःसौरः ३/३६ बुधास्तःपश्चिमे.२२/१९
३	मं	३५	४७	श	१६	३३	शो	१०	४८	व	९	२१	७	२३	३७	१४	१५	५	मी५८।३१	भ.९।२१उ.३५।४७या.वक्रीकर्के आश्ले×
४	बु	३०	२२	पू	१२	३१	अ	२/५०	५३/३६	ब	३	४	४	२३	३७	१५	१६	६	मीने	[Aशुक्रोदयःपूर्वस्यां५१।३६
५	गु	२७	६	उ	१०	१५	धृ	५१	३८	तै	२७	६	०	२४	३६	१६	१७	७	मीने	चंद्रषष्ठी
६	शु	२६	११	रे	१०	११	शू	४८	३९	व	२६	११	३२/५७	२५	३५	१७	१८	८	मे.१०।११	भ.२६।११उ.५६।३६या.
७	श	२७	२	अ	१२	१३	गं	४७	११	ब	२७	२	५४	२५	३५	१८	१९	९	मेषे	जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	र	३०	२	भ	१६	१०	वृ	४७	२६	कौ	३०	२	५०	२६	३४	१९	२०	१०	वृ.३२।३४	जन्माष्टमीव्र.वै.
९	चं	३४	३४	कृ	२१	४६	ध्रु	४८	१६	तै	२	१८	४७	२७	३३	२०	२१	११	वृषे	गोगा९
१०	मं	४०	८	रो	२८	२१	व्या	५०	१७	व	७	२१	४४	२७	३३	२१	२२	१२	वृषे	भ.७।२१उ.४०।८या.
११	बु	४६	१३	मृ	३५	५६	ह	५२	४३	ब	१३	१०	४०	२८	३२	२२	२३	१३	मि२।९	अजा११व्र.
१२	गु	५२	४२	आ	४३	३८	व	५५	१९	कौ	१९	२७	३७	२९	३१	२३	२४	१४	मिथुने	वृश्चिकेभौमः३१।२९वत्सद्वादशी
१३	शु	५८	५८	पु	५१	१६	सि	५७	५१	ग	२५	५०	३३	२९	३१	२४	२५	१५	क.३४।२२	भ.५८।५८उ.प्रदोषः
१४	श	६०	०	पु	५८	२२	व्य	६०	०	वि	३१	४०	३०	३०	३०	२५	२६	१६	कर्के	भ.३१।४०या.मार्गीगुरुः७।६
१४	र	४	२३	श्ले	६०	०	व्य	०	२	श	४	२३	२६	३१	२९	२६	२७	१७	कर्के	मघा.सिंहेंऽर्कः२१।७मृग२शनिः ३९/४७ A
३०	चं	९	१६	श्ले	४	१५	व	१	३५	ना	९	१६	२२	३२	२८	२७	२८	१८	सिं४।१५	मघा.सिंहेंऽर्कःसौरः ०/० कुशाग्रहणीपिठो३०

१७प.प्र.भा.कृ.२च.इ.२३/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	७	३	१	६	३
१७	२४	०	२५	२७	२५	२९	१६
३४	४९	३१	३	५७	३०	४४	५९
२३	१२	५९	२५	११	०	५७	२५
५७	३०	३५/५५	२/२०	३१/१०	५	३	५७
२५	१	व	व	व	२६	११	१२

१८प.प्र.भा.कृ.९च.इ.२३/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	७	३	१	६	३
२४	२८	२५	२४	२३	२६	२९	२३
१६	१९	३६	५१	४७	८	२२	४०
४४	४४	४	०	१३	२४	४२	३२
५७	३१	५२/४७	०/५४	३३/२९	४	३	५७
३३	५०	व	व	व	५९	११	२२

१९प.प्र.भा.कृ.३०च.इ.२३/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	७	३	१	६	४
१	२	२०	२४	१९	२६	२९	०
०	५	४५	५१	३७	४३	०	२२
४	२०	५८	७	२६	२३	२६	४५
५७	३३	३५/४	०/२६	३०/१२	४	३	५७
४०	२५	व	मा	व	३८	११	३४

ति.	प्र.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५००स.२०३१
१	मं	१३	५	म	१०	१५	प	२	२६	ब	१३	५	३२/१९	५/३२	२/२८	२८	२९	१९	सिंहे	
२	बु	१६	०	पू	१४	५९	शि	२	३२	कौ	१६	०	१५	३३	२७	२९	३०	२०	कं.३०।५१	अनु.भौमः ३७/४० बुधोदयःपूर्वस्यां १०/५६ चंद्रदर्श·
३	गु	१७	५८	उ	१८	२७	सि	१	५२	ग	१७	५८	१२	३४	२६	३०	१	२१	कन्यायां	भ.४८।२२उ.जमादिलावल५
४	शु	१८	४६	ह	२१	१	सा	०/१६	५७/४६	वि	१८	४६	८	३४	२६	३१	२	२२	तु.५१।४६	भ.१८।४६या.मार्गीबुधः२५।५५
५	श	१८	२६	चि	२२	३२	शु	५५	१	बा	१८	२६	४	३५	२५	१	३	२३	तुलायां	भा.भाद्रपदारंभः
६	र	१७	०	स्वा	२३	७	ब्र	५०	५६	तै	१७	०	१	३६	२४	२	४	२४	तुलायां	
७	चं	१४	२३	वि	२२	१३	ऐं	४५	४९	व	१४	२३	३१/५७	३७	२३	३	५	२५	वृ.७।२७	भ.१४/२३उ.४२/३२या.वक्रीपुष्येशुक्रः२२।४२
८	मं	१०	४२	अ	२१	२१	वै	३९	५५	ब	१०	४२	५३	३७	२३	४	६	२६	वृश्चिके	
९	बु	६	१	ज्ये	१७	२४	वि	३२	५६	कौ	६	१	४९	३८	२२	५	७	२७	ध.१७।२४	
१०	बु	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	गु	५३	२	मू	१३	१९	प्री	२५	१४	ब	२६	३०	४६	३९	२१	६	८	२८	धनुषि	भ.२६/३०उ.५३/२या.कमला११व्र.स्मा.
१२	शु	४५	८	पू	८	६	आ	१६	४२	व	१९	५	४२	४०	२०	७	९	२९	म.२१।३६	कमला११व्र.वै.
१३	श	३६	४४	उ	२/६	५३/३५	सौ	७/३३	५०/१४	कौ	१०	५६	३८	४०	२०	८	१०	३०	मकरे	[÷१०।५१(सौरः५०।५२)
१४	र	२८	१४	ध	४९	२०	अ	४८	८	ग	२	२९	३४	४१	१९	९	११	३१	कुं.२२।३०	भ.२८।१४उ. ५४।७या.पूफा.रविः÷
१५	चं	२०	१	श	४३	१७	सु	३८	५०	ब	२०	१	३०	४२	१८	१०	१२	१	कुम्भे	मार्गीशुक्रः३।४९सितम्बर९ता.३०

२०पं.प्र.भा.शु.७च.इ.२३/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	७	३	१	६	४
७	६	२०	२४	१६	२७	२८	७
४४	२	४५	५८	३९	१४	३८	६
२८	५६	३६	२६	५०	३१	११	१२
५७	३५	२५/४२	१	१६/८	३	३	५७
४९	५	मा	३५	व	५९	११	४५

गोचर ग्रहाः

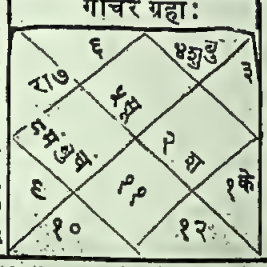

प्रथम भाद्रपद कृष्णे १४ रवौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः; वा. ४न. ५ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु १५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

२१पं.प्र.भा.शु.१५च.इ.२३/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	७	३	१	६	४
१४	१०	२६	२५	१५	२७	२८	१३
३०	१२	३८	१५	३१	४१	१५	५१
४	१८	१७	११	१६	१०	५५	२४
५८	३६	८०	३	०/४७	३	३	५७
१	२१	२८	१	मा	२६	११	५७

ति.	द्वि.भाद्रपदकृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेप्र.भाद्र. कृष्णेति महा.
१	मं	१२	४२	पू	३८	३१	धृ	३०	१७	कौ	१२	४२	३१/२६	५/४३	६/१७	११	१३	२	मी२४।४२	
२	बु	६	४०	उ	३४	५३	शू	२२	४८	ग	६	४०	२२	४४	१६	१२	१४	३	मीने	भ.३४।३०उ.मघा.सिंहेबुधः५३।४१
३	गु	२	२०	रे	३३	२०	गं	१६	३३	वि	२	२०	१८	४४	१६	१३	१५	४	मे.३३।२०	भ.२।२०या.चतुर्थीव्र.
४	शु	०	१०	अ	३३	४६	वृ	१२	११	बा	०	१०	१५	४५	१५	१४	१६	५	मेषे	
५	श	०	२	भ	३६	१४	ध्रु	९	१२	तै	०	२	११	४६	१४	१५	१७	६	वृ.५२।१८	
६	र	२	५	कृ	४०	३२	व्या	८	१८	व	२	५	७	४७	१३	१६	१८	७	वृषे	भ.२।५उ.३३।५८या.
७	चं	५	५२	रो	४६	१५	ह	८	८	ब	५	५२	३	४७	१३	१७	१९	८	वृषे	
८	मं	११	४	मृ	५३	२६	व	९	२९	कौ	११	४	३०/५९	४८	१२	१८	२०	९	मि१९।५०	आश्ले.शुक्रः३३।३७बुधास्तःपूर्वस्यां ३६/४७
९	बु	१६	५८	आ	६०	०	सि	११	३०	ग	१६	५८	५५	४९	११	१९	२१	१०	मिथुने	भ.५०।१४उ.
१०	गु	२३	३१	आ	०	५२	व्य	१३	५६	वि	२३	३१	५१	५०	१०	२०	२२	११	क.५१।३८	भ.२३/३१या.पूफा.बुधः ४७/३४ज्येष्ठा.भौमः ५०/४६
११	शु	२९	४६	पु	८	३४	व	१६	२३	बा	२९	४६	४७	५१	९	२१	२३	१२	कर्के	कमला११व्र.
१२	श	३५	१४	पु	१५	३९	प	१८	३१	कौ	२	३०	४३	५१	९	२२	२४	१३	कर्के	उफा.रविः५५।१६
१३	र	३९	५८	श्ले	२२	२३	शि	२०	८	ग	७	३६	३९	५२	८	२३	२५	१४	सिं२२।२३	भ.३९/५८उ.उफा.रविःसौरः३५।३१
१४	चं	४३	१२	म	२७	३२	सि	२०	४३	वि	११	३५	३५	५३	७	२४	२६	१५	सिंहे	भ.११।३५या.
३०	मं	४५	२५	पू	३१	४३	सा	२०	३२	च	१४	१८	३१	५४	६	२५	२७	१६	कं.४७।२७	

२२पं.द्विभा.कृ.७च.इ.२३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	७	३	१	६	४
२१	१४	७	२५	१६	२८	२७	२०
१७	३०	१८	४०	२५	३	५३	३८
६	११	१९	१२	४४	३६	३९	४
५८	३७	०/५०	४	१६	२	३	५८
१३	३१	११	१०	८	४१	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला सोना चांदी मदे हो । रसकस गुड़ सक्कर चीनी नमक गन्ना रुई वस्त्र कपास वारदाना तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

२३पं.द्वि.भा.कृ१४च.इ.२३/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	७	३	१	६	४
२८	१८	२०	२६	१८	२८	२७	२७
५	५७	२१	१३	५५	२१	३१	२६
२८	११	२५	२६	५	२२	२४	२१
५८	३८	११/२	५	२८	२	३	५८
२६	२८	४१	१८	३९	२	११	२०

ति.द्वि. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३ | दि. | उ | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२९स.२०३१

१	बु	४६	१३	उ	३४	३८	शु	१९	१९	किं	१५	४९	३०	५५	६	२६	२८	१७	कन्यायां
२	गु	४५	४६	ह	३६	१७	शु	१७	९	बा	१५	५९	२२	५६	४	२७	२९	१८	कन्यायां
३	शु	४४	३२	चि	३६	५२	ब्र	१३	५९	तै	१५	९	१८	५६	४	२८	१	१९	तु.६।३५
४	श	४२	१०	स्वा	३६	३७	ऐं	१०	११	व	१३	२१	१४	५७	३	२९	२	२०	तुलायां
५	र	३९	१०	वि	३५	४०	वै	५	२३	ब	१०	४०	९	५८	२	३०	३	२१	वृ.२०।५४
६	चं	३५	३०	अ	३३	५३	वि	१६	५४	कौ	७	२०	५	५९	१	३१	४	२२	वृश्चिके
७	मं	३१	२२	ज्ये	३१	३८	आ	४८	३१	ग	३	३१	०	०	६	०	१	२३	ध.३१।३८
८	बु	२६	२९	मू	२८	४४	सौ	४१	४३	ब	२६	२९	२६	१	५९	२	६	२४	धनुषि
९	गु	२१	७	पू	२५	२०	शो	३४	३२	कौ	२१	७	५३	२	५८	३	७	२५	म.३९।१८
१०	शु	१५	११	उ	२१	१३	अ	२७	१	ग	१५	११	४८	२	५८	४	८	२६	मकरे
११	श	८	४९	श्र	१६	४३	सु	१८	५७	वि	८	४९	४४	३	५७	५	९	२७	कुं.४४।२४
१२	र	२	११	ध	१२	५	धृ	१०	५०	बा	२	११	४०	४	५६	६	१०	२८	कुंभे
१३	र	५३	२८	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१४	चं	४९	३८	श	७	३५	शू	३७	५०	ग	२२	३८	३६	५	५५	७	११	२९	मी४९।२७
१५	मं	४४	१९	पू	३	२४	वृ	४७	३२	वि	१६	५८	३२	६	५४	८	१२	३०	मीने

भ.४२।०उ.हस्तेबुधः०।१८

भ.४९।३८उ.अनंत१४

भ.४२।३उ.५९या.भा.आश्विनारंभः

भ.३९या.हस्तेरविः३०जलझूलनी११ +

हस्तेरवि.सौरः१३।१३प्रदोषः

[+ व्र.वामनजयंती

भ.५६या.महालयारंभः कु.संध्यापूजनारंभ

२४पं.द्वि.भा.शु.६च.इ. २२/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	७	३	१	६	५
४	२३	३	२६	२२	२८	२७	४
५५	३२	३२	५५	५२	३३	९	१६
१९	१०	२	१६	५४	२९	८	२८
५८	३९	५१	६	३८	१	३	५८
३८	२०	४३	२७	१६	२२	११	४५

गोचर ग्रहाः

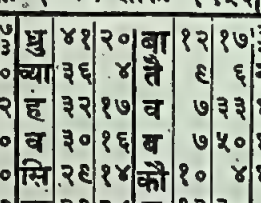

द्वि.भाद्रपदशुक्ले १बुधे कन्यायामकः प्रविष्टः वा.४ न.४बालावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

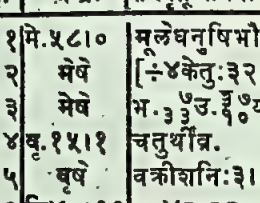

२५पं.द्वि.भा.श.१४च.इ.४/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	७	३	१	६	५
११	२८	१६	२७	२७	२८	२६	११
४६	१५	३	४३	३४	४१	४६	८
५२	३६	७	२६	२३	२	५३	२६
५८	४०	५९	७	४५	०	३	५९
५३	१	३८	२५	४६	४३	११	००

ति.आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३ | वि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.

१	बु	४०	१६	उ	७	५३	धु	४१	२०	बा	१२	१७	२९	६	५४	९	१३	१	मे.५८।०
२	गु	३७	५६	अ	५८	४०	ज्या	३६	४	तै	९	६	२३	७	५३	१०	१४	२	मेषे
३	शु	३७	१०	भ	५९	२	ह	३२	१७	व	७	३३	१९	८	५२	११	१५	३	मेषे
४	श	३८	३१	कृ	६०	०	व	३०	१६	ब	७	५०	१५	९	५१	१२	१६	४	वृ.१५।१
५	र	४१	३८	कृ	२	२०	सि	२९	१४	कौ	१०	४	११	१०	५०	१३	१७	५	वृषे
६	चं	४६	२२	रो	६	५९	व्य	२९	२८	ग	१३	३०	७	११	४९	१४	१८	६	मि४०।११
७	मं	५१	५८	मृ	१३	२४	ध	३०	५६	वि	१९	१०	३	११	४९	१५	१९	७	मिथुने
८	बु	५८	२३	आ	२०	२६	प	३२	५९	बा	२५	१०	२९	१२	४८	१६	२०	८	मिथुने
९	गु	६०	०	पु	२८	७	शि	३५	२१	तै	३१	३२	५५	१३	४७	१७	२१	९	क.११।१२
९	शु	४	४१	पु	३५	२७	सि	३७	४०	ग	४	४१	५१	१४	४६	१८	२२	१०	कर्के
१०	श	१०	२३	श्ले	४२	१७	सा	३९	३२	वि	१०	२३	४७	१५	४५	१९	२३	११	सिं४२।१७
११	र	१५	१३	म	४७	४९	शु	४०	१९	बा	१५	१३	४३	१५	४५	२०	२४	१२	सिंह
१२	चं	१८	२५	पू	५२	४	शु	४०	११	तै	१८	२५	३९	१६	४४	२१	२५	१३	सिंहे
१३	मं	२०	१९	उ	५४	४३	ब्र	३८	४७	व	२०	१९	३५	१७	४३	२२	२६	१४	क.७।४४
१४	बु	२०	२६	ह	५५	५०	ऐं	३६	११	श	२०	२६	३१	१८	४२	२३	२७	१५	कन्यायां
२०	गु	१९	२	चि	५५	३१	वै	३२	१४	ना	१९	२	२७	१९	४१	२४	२८	१६	तु.२५।४१

भ.२०।१९उ.५०।२२या.

मूल.१धनुषिगुरुः १९शस्त्रादिहतानांश्रा

सर्वपितृ ३०

२६पं.आ.कृ.६च.इ. ३३/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	७	४	१	६	५
१८	३	२७	२८	३	२८	२६	१८
४०	४	५२	३९	१२	४२	२४	२
५५	५९	५	५८	२२	५४	३७	१३
५९	४०	५९	८	५१	१०	३	५९
९	५२	५५	३१	८	ब.	११	१९

गोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं जो चना मटर सरसों अलसी धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा गुड सक्कर चीनी रुई वस्त्र तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

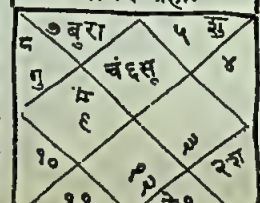

२७प.आ.कृ.१२च.इ. ३२/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	७	४	१	६	५
२५	८	९	२९	९	२८	२६	२४
३४	०	१	४१	२६	३९	२	५७
५९	१	३४	५६	३५	३६	२१	५५
५९	४१	९७	९	५५	०४९	३	५९
४१	३३	२३	२०	३८	ब.	११	३१

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः५५९स.२०३१
१	शु १६ २० स्वा ५४ ५ वि २७ २० ब १६ २० २३ ६ १९ ५१ २५ २९ १७							तुलायां	तुलायामर्कः ४९ पूफा.शुक्रः ३३–
२	श १२ ३४ वि ५१ ४७ प्री २१ ३७ कौ १२ ३४ २० २० ४० २६ ३० १८							वृ.३७।२१	तुलार्कःसौरः२६।३१चद्रदर्शनम्
३	र ८ १० अ ४८ ४७ आ १५ २२ ग ८ १० १६ २१ ३९ २७ १ १९							वृश्चिके	भ.३५।४२उ.रज्जव७
४	चं ३ १५ ज्ये ४५ ३५ सौ ८ २० वि ३ १५ १२ २२ ३८ २८ २ २०							ध.४५।३५	भ.३/५या.विशा.बुधः ३/७पूफा.भौमः५०
५	चं ५५ २ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							० ०	[–नवरात्रारंभः मातामहश्रा.
६	मं ५३ ० मू ४२ १० शो १ २४ ५३ कौ २५ ३८ ८ २२ ३८ २९ ३ २१							धनुषि	
७	बु ४७ ५१ पू ३८ ४४ सु ४७ २१ ग २० २५ ४ २३ ३७ ३० ४ २२							म.५२।५४	भ.४७।५१उ. [×कोजागरी व्र.
८	गु ४२ ५१ उ ३५ २५ धृ ४० ९ वि १५ २१ ० २४ ३६ १ ५ २३							मकरे	भ.१५।२१या.भा.कार्तिकारंभः
९	शु ३७ ४३ श्र ३२ ७ शू ३३ ७ बा १० १७ २७ ५६ २५ ३५ २ ६ २४							मकरे	स्वात्यांरविः३१।४७
१०	श ३२ ४९ ध २८ ५३ गं २६ ५ तै ५ १६ ५३ २५ ३५ ३ ७ २५							कुं.०।३०	स्वात्यांरविःसौरः७।३४
११	र २८ ८ श २५ ५५ बृ १९ १७ व ० २८ ४९ २६ ३४ ४ ८ २६							कुम्भे	भ.०।२८उ.२८।८या.पापांकुशा११व्र.
१२	चं २३ ५० पू २३ २५ ध्रु १२ ५१ बा २३ ५० ४५ २७ ३३ ५ ९ २७							मी९।२	वृश्चिकेबुधः३८।५४ प्रदोषः
१३	मं २० १३ उ २१ २४ व्या ६ ५० तै २० १३ ४१ २८ ३२ ६ १० २८							मीने	[=शरद्पूर्णिमा वै. का.स्मा.प्रा
१४	बु १७ २३ रे २० ९ ह १ १९ ५५ व १७ २३ ३७ २९ ३१ ७ ११ २९							मे.२०।९	भ.१७/३उ.४/६या. शरद्पूर्णिमा स्मा.×
१५	गु १५ ५० अ २० ८ सि ५२ ४७ व १५ ५० ३४ २९ ३१ ८ १२ ३०							मेषे	अनु.बुधः२।४९उफा.शुक्रः४२।४०=

२८पं.आ.शु.४चं. इ. २/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	८	४	१	६	६
२	१३	१९	०	१६	२८	२५	१
३१	०	३७	४९	८	३०	४०	५५
२३	३६	१२	८	६	४०	६	१९
५९	४१	९१	१०	५८	३५	३	५९
३४	५६	३	१	४८	व.	११	४६

गोचर ग्रहाः

आश्विन शुक्ले १शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ गतालकावस्था (ऊर्ध्वा) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

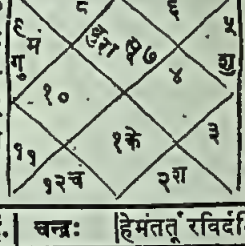

२९पं.आ.शु.१२चं.इ. २/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	८	४	१	६	६
९	१८	२९	२	२३	२८	२५	८
२९	४	३६	२	१३	१६	१७	५४
३८	८	३२	२०	४८	२३	५०	३९
५९	४२	८३	१०	६१	१/६	३	६०
४७	३३	२३	४८	३९	व.	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	शु १५ ३७ भ २१ २२ व्य ५० २३ कौ १५ ३७ ३० ६ ३० ५ ३०					९	१३	३१ वृ.३७।६	
२	श १७ १ कृ २४ १७ व ४९ ७ ग १७ १ २७ ३१ २९ १०					१४	१	वृषे	भ.४८।३०उ.नवम्बर११ता.३०
३	र १९ ५९ रो २८ ४४ प ४८ ४४ वि १९ ५९ २३ ३१ २९ ११					१५	२	वृषे	भ.१/५९या.कन्यायांशुक्रः ४/६करकचतुर्थीव्र.
४	चं २४ २२ मृ ३४ २८ शि ४९ ४२ बा २४ २२ १९ ३२ २८ १२					१६	३	मि१।३६	मूल.२गुरुः२१।५५
५	मं २९ ४८ आ ४० ५५ सि ५१ ७ तै २९ ४८ १६ ३३ २७ १३					१७	४	मिथुने	
६	बु ३६ १३ पु ४८ २५ सा ५३ २३ ग ३ ० १२ ३४ २६ १४					१८	५	क.३१।३२	भ.३६।१३उ.
७	गु ४२ ३८ पु ५५ ५५ शु ५५ ४४ वि ९ २५ ९ ३४ २६ १५					१९	६	कर्के	भ.९।२५या.विशा.रविः५२।१७
८	शु ४८ ४१ श्ले ६० ० शु ५७ ४८ बा १५ ३९ ५ ३५ २५ १६					२०	७	कर्के	विशा.रविःसौरः२४।५८उफा.भौमः५९/३९
९	श ५४ १ श्ले ३ १२ ब्र ५९ २२ तै २१ २१ २ ३६ २४ १७					२१	८	सिं३।१२	
१०	र ५७ ४४ म ९ ३३ ऐं ५९ ३७ व २५ ५२ २६ ५८ ३६ २४					१८	२२	९ सिंहे	भ.२५।५२उ.५७।४४या.
११	चं ६० ० पू १४ २४ वै ५८ ५३ ब २८ ५३ ५५ ३७ २३ १९					२३	१०	कं.३०।१३	ज्येष्ठा.बुधः२४।२२रमा११व्र.स्मा.
११	मं ० २९ उ १७ ४१ वि ५६ ३८ बा ० २ ५२ ३८ २२ २०					२४	११	कन्यायां	हस्तेशुक्रः५९।०रमा११व्र.वै.
१२	बु ० १९ ह १९ ६ प्री ५२ ५० ते ० १९ ४९ ३८ २२ २१					२५	१२	तु.४८।५८	भ.५/९उ.मकरेभौमः३/७प्रदोषः घन१३
१३	बु ५८ २४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							० ०	
१४	गु ५५ १६ चि १८ ५१ आ ४७ ३८ वि २६ ५९ ४५ ३९ २१ २२					२६	१३	तुलायां	भ.२६।५९या.रूप१४
२०	शु ५० २६ स्वा १६ ५१ सो ४१ ७ च २२ ५१ ४२ ४० २० २३					२७	१४	वृ.५९।२३	महालक्ष्मीपूजनम्

३०पं.का.कृ.४चं.इ. २१/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	८	५	१	६	६
१६	२३	८	३	०	२७	२४	१५
२९	११	४८	१९	३५	५७	५५	५५
२०	३५	७	५९	४६	४३	३५	४३
६०	४२	७२	११	६३	२/०	३	६०
४	५०	५०	२२	४३	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा रुई वारदाना कपास वदि में मंदे होकर सुदि में तेजी होवे ।

गोचर ग्रहाः

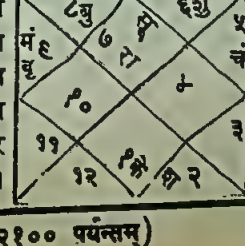

३१पं.का.कृ.११चं.इ. ३१/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	८	५	१	६	६
२३	२८	१६	४	८	२७	२४	२२
३०	२२	३७	४१	१३	२४	३३	५८
४०	१	३०	५३	१९	४१	१९	१५
६०	४३	५४	१२	६५	३/१	३	६०
१७	६	४८	०	२०	व.	११	३०

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५८८स.२०३१
१	श ४४ २५ वि १३ ३३ शो ३३ ४७ कि १७ २५	३६	६	५०	२४	२८	१५	वृश्चिके	अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
२	र ३७ ५० अ ६ २ अ २५ ४० बा ११ ७	३६	४१	१६	२५	२६	१६	वृश्चिके	वृश्चिकेऽर्कः४८ चंद्रदर्शनम् भ्रातृद्वयम२
३	चं ३१ ७ ज्ये ४ ५५ सु १७ २ तै ४ २८	३३	४१	१६	२६	१	१७	ध.	भ.५३उ.वृश्चिकेऽर्कःसौरः१५सावानंद
४	मं २४ १६ पू ५४ १६ धृ ६ ५९ वि २४ १६	३०	४२	१८	२७	२	१८	धनुषि	भ २४।१६या.
५	बु १७ ५३ उ ४६ ५२ गं ५२ १ वा १७ ५३	२७	४३	१७	२८	३	१६	म.	वक्रीबुधः४।७
६	गु १२ ७ श्र ४६ ४ वृ ४४ २० तै १२ ७	२५	४३	१७	२९	४	२०	मकरे	अनु.रवि:५०(सौरः३६)मूल २गुरुः१९
७	शु ६ ४८ ध ४२ ४७ ध्रु ३७ ७ व ६ ४८	२२	४४	१६	३०	५	२१	कुं.	भ.६।४८उ.३४।३३या.गोपाष्टमी
८	श २ १९ श ४० २० व्या ३० ३८ व २ १६	१९	४४	१६	१	६	२२	कुंभे	भा.मार्गशीर्षारंभःकुष्मांडहअक्षयह
९	श ५६ ५ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०		[–बुधास्तःपश्चिमायां५८।०
१०	र ५५ ३४ पू ३८ ४१ ह २४ ४० तै २६ ५९	१७	४५	१५	२	७	२३	मी	२४।६ चित्रा.शुक्रः३३वक्रीमृग.१शनिः४२।६–
११	चं ५३ २८ उ ३७ ५० व १६ ३१ व २४ ३१	१४	४५	१५	३	८	२४	मीने	भ३४उ.५३या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसीवि.
१२	मं ५२ ४ रे ३७ ४६ सि १५ ० व २२ ४६	१२	४६	१४	४	९	२५	मे.	३७।४६ श्रवणेभौमः५२।५१
१३	बु ५२ १४ अ ३८ ४८ व्य ११ १९ कौ २२ ६	९	४६	१४	५	१०	२६	मेषे	प्रदोषः
१४	गु ५२ ५२ भ ४० ५३ व ८ १७ ग २२ ३३	७	४७	१३	६	११	२७	वृ.	५६।४१ भ.५३उ.वक्रीअनु.बुधः४५वैकुंठ१४
१५	शु ५५ ९ कृ ४४ ६ प ६ १४ वि २४ ०	५	४७	१३	७	१२	२८	वृषे	भ.२४।०या.मन्वादिःमा.स्ना.पूर्तिः

३२पं.का.शु.३च.इ. ३१ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	५	१	६	७
०	३	२१	६	१६	२७	२४	०
३३	३६	२५	७	३	७	११	२
२२	११	५२	८	५६	४१	३	१९
६०	४३	१८	१२	६६	५३	३	६०
३०	२३	१८	२०	४७	व.	११	४०

गोचर ग्रहाः

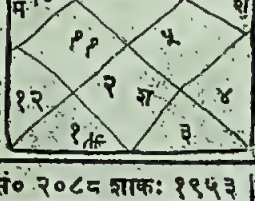

कार्तिक शुक्ले २ रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः बा.३ न. ४ युंवावस्था (सूती)मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

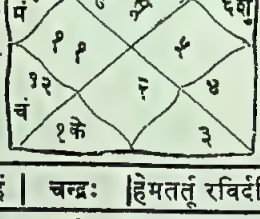

३३पं.का.शु.११च.इ. २५ ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	५	१	६	७
७	८	१९	७	२४	२६	२३	७
३७	५३	५१	३५	२	३७	४८	७
५६	१७	५८	३५	४६	१६	४८	५२
६०	४३	५६ ३२	१२	६७	४०	३	६०
४२	४०	व.	४८	५८	व.	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	श ५८ ३७ रो ४८ ३७ शि ५ २७ बा २६ ५३	२६	६	५२	८	१३	२९	वृषे	तुलायांशुक्रः२७।१
२	र ६० ० मृ ५४ १६ सि ४ ५५ तै ३० ५५	०	४८	१२	९	१४	३०	मि	२१।२६ [=राहु.भर.३केतुः२४।८
२	चं ३ १४ आ ६० ० सा ५ ३२ ग ३ १४	२५	४८	१२	१०	१५	१	मिथुने	भ.३५।५४उ.दिसंबर१२ता.३१
३	मं ८ ३४ आ ० ४० शु ६ ५४ वि ८ ३४	५६	४९	११	११	१६	२	क.	५१।१ भ.८।३४या. चतुर्थी व्र.
४	बु १४ ५२ पु ७ ४८ शु ८ ५५ बा १४ ५२	५४	४९	११	१२	१७	३	कर्के	ज्येष्ठा.रविः५३(सौरः४३)विशा.१=
५	गु २१ २४ पु १५ २४ व्र ११ ११ तै २१ २४	५३	४९	११	१३	१८	४	कर्के	स्वात्यांशुक्रः५४।८
६	शु २७ ४९ श्ले २३ ४ ए १३ ३० व २७ ४९	५१	५०	१०	१४	१९	५	सिं	२३।४ भ.२७।४९उ.मूल.४गुरुः२१।२४×
७	श ३३ ४१ म २० ६ वै १५ ३१ वि ० ४५	४९	५०	१०	१५	२०	६	सिंहे	भ.०।४५या.
८	र ३८ १५ पू ३६ १ वि १६ ४० बा ५ ५८	४८	५०	१०	१६	२१	७	कं.	५२।१० [×बुधोदयःपूर्वस्यां४९
९	चं ४१ २० उ ४० ३५ प्री १६ ५३ तै ९ ४७	४६	५१	९	१७	२२	८	कन्यायां	
१०	मं ४२ २७ ह ४३ १३ आ १५ ३८ व ११ ५३	४५	५१	९	१८	२३	९	कन्यायां	भ.११।५३उ.४२।२७या.
११	बु ४१ ३७ चि ४३ ५५ सौ १२ ५६ ब १२ २	४४	५१	९	१९	२४	१०	तु.	१३।३४ मार्गबुधः५।३९ उत्पत्ति११व्र.
१२	गु ३८ ४४ स्वा ४२ ३७ शो ८ ३४ कौ १० १०	४३	५१	९	२०	२५	११	तुलायां	
१३	शु ३४ १ वि ३९ २७ अ ३ ५२ ग ६ २२	४२	५२	८	२१	२६	१२	वृ.	२५।१५ भ.३४।१उ. प्रदोषः
१४	श २७ २६ अ ३४ ३७ धृ ४६ ३५ वि ० ४३	४१	५२	८	२२	२७	१३	वृश्चिके	भ.०।४३या.धनि.भौम:१३।६
१५	र १९ ५८ ज्ये २८ ५४ शू ३७ २ ना १९ ५८	४०	५२	८	२३	२८	१४	ध.	२८।५४

३४प मा कृ.२च.इ. २१ ०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	६	१	६	७
१४	१४	११	९	२	२६	२३	१४
४२	११	४३	६	१०	४	२६	१४
२९	३८	३४	४७	५२	१९	३२	३८
६०	४३	२०	१३	६८	३	३	६१
५०	१९	व.	९	५३	व.	११	३

गोचर ग्रहाः

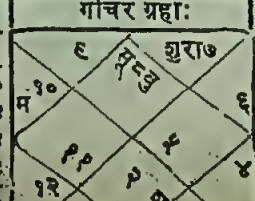

इस मास में ५ शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं प्रजा में रोग शोक फैले धातु धान्य गल्ला रसकस में तेज़ी हो ।

गोचर ग्रहाः

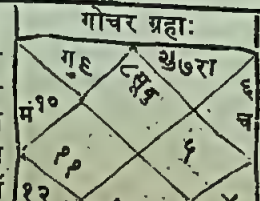

३५पं.मा.कृ.९च.इ. २० ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	६	१	६	७
२१	१९	५	१०	१०	२५	२३	२१
४८	३१	३६	३९	२६	३०	४	२२
३२	२३	५८	५८	१०	७	१७	१९
६०	४३	१४ ५९	१३	६९	४०	३	६१
५६	५२	व.	२२	४०	व.	११	११

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६१८स.२०३१

१	चं	११	३७	मू	२२	२१	गं	२७	७	व	११	३७	३५	६	५	२४	२६	१५	धनुषि
२	मं	३	५	पू	१५	३८	वृ	१७	८	को	३	५	३९	५३	८	२५	१	१६	म.२६।२
३	बु	५१	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	गु	४७	५	उ	६	१३	धु	८	३३	व	२०	५४	३८	५२	८	२६	२	१७	मकरे
५	शु	४०	१४	श्र	३३	५५	ह	४६	११	व	१३	३६	२८	५२	८	२७	३	१८	कुं.३१।०
६	श	३४	४०	श	५५	१३	व	४१	३८	को	७	२७	३७	५३	७	२८	४	१९	कुम्भे
७	श	३०	१३	पू	५२	५५	सि	३४	५२	ग	२	२६	३७	५३	७	२९	५	२०	मी३८।२६
८	र	२७	१६	उ	५१	५६	व्य	२६	२२	व	२७	१६	३६	५३	७	३०	६	२१	मीने
९	चं	२५	३७	रे	५२	१५	व	२४	५६	को	२५	३७	३६	५३	७	१	७	२२	मे.५२।१५
१०	मं	२५	८	अ	५३	५४	प	२१	३५	ग	२५	८	३६	५३	७	२	८	२३	मेषे
११	बु	२६	११	भ	५६	४८	शि	१९	१६	वि	२६	११	३६	५३	७	३	९	२४	मेषे
१२	गु	२८	२	कृ	६०	०	सि	१७	४९	वा	२८	२	३७	५३	७	४	१०	२५	वृ.१२।५०
१३	शु	३१	२५	कृ	०	५६	सा	१७	३६	तै	३१	२५	३७	५३	७	५	११	२६	वृषे
१४	श	३५	३८	रो	५	५३	शु	१७	२७	ग	३	३१	३७	५३	७	६	१२	२७	मि३८।४६
१५	र	४०	३९	मृ	११	३९	शु	१८	२२	वि	८	८	३८	५२	८	७	१३	२८	मिथुने

मार्गशीर्षशुक्ले २भौमे धनुष्यर्कःप्रविष्टः वा ३ न.४ युवावस्था (सूती) मु.४५घान्या-दिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

३६ पं.मा.शु.१चं.इ. ३६								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	
७	९	१	८	६	१	६	७	
२८	२४	७	१२	१८	२४	२२	२८	
५५	५३	४५	१५	४६	५५	४२	३१	
२६	१३	१८	१८	४१	३०	१	२	
६१	४३	४५	१३	७०	५०	३	६१	
०	५२	मा	३२	२५	व.	११	१९	

३७पं.मा.शु.९चं.इ. ३७								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	
८	१०	७	८	६	१	६	८	
६	०	१५	१३	२७	२४	२२	५	
३	१६	१	११	१२	२१	१९	४०	
०	८	२३	२९	४७	२२	४५	२७	
६१	४४	७०	१३	७१	५१	३	६१	
४	५	४१	३२	४	व.	११	२२	

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंतर्तू रविर्दक्षिणं आश्विनकृष्णेति महा.

१	चं	४६	२३	आ	१८	२०	ब्र	१९	५२	वा	१३	३१	३८	५२	८	८	१४	२९	मिथुने
२	मं	५२	५०	पु	२५	२४	ऐं	२१	४४	तै	१९	३६	३९	५२	८	९	१५	३०	क.८।३८
३	बु	५९	१९	पु	३२	५४	वै	२३	५६	व	२६	४	४०	५२	८	१०	१६	३१	कर्के
४	गु	६०	०	श्ले	४०	२६	वि	२६	१६	व	३२	३०	४१	५२	८	११	१७	१	सिं४०।२६
४	शु	५	४१	म	४७	५६	प्री	२८	२२	वा	५	४१	४२	५२	८	१२	१८	२	सिंहे
५	श	११	४४	पू	५४	२९	आ	३०	२	तै	११	४४	४३	५१	९	१३	१९	३	सिंहे
६	र	१६	५२	उ	६०	०	सौ	३०	५६	व	१६	५२	४४	५१	९	१४	२०	४	क.१०।५३
७	चं	२०	४७	उ	०	४	शो	३०	५५	व	२०	४७	४५	५१	९	१५	२१	५	कन्यायां
८	मं	२३	२	ह	४	१३	अ	२९	३५	को	२३	२	४७	५१	९	१६	२२	६	तु.३५।२२
९	बु	२३	३१	चि	६	३२	सु	२९	४२	ग	२३	३१	४८	५०	१०	१७	२३	७	तुलायां
१०	गु	२१	५५	स्वा	६	५५	भृ	२२	७	वि	२१	५५	५०	५०	१०	१८	२४	८	वृ.५०।४६
११	शु	१८	१३	वि	५	२३	शू	१६	१०	वा	१८	१३	५२	५०	१०	१९	२५	९	वृश्चिके
१२	श	१२	३९	अ	४९	५४	गं	११	५१	तै	१२	३९	५३	४९	११	२०	२६	१०	ध.५६।३५
१३	र	५	२८	मृ	५०	०	ध्रु	४९	३७	व	५	२८	५५	४९	११	२१	२७	११	धनुषि
१४	र	५१	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	च	४७	३५	पु	४२	३५	व्या	३८	४९	च	२२	१६	५७	४९	११	२२	२८	१२	म.५५।४०

३८पं.पौ.कृ.१चं.इ. ३८								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	
८	१०	७	८	७	१	६	८	
१३	५	२४	१५	५	२३	२१	१२	
१०	३८	१३	२८	४२	४८	५७	५०	
५९	५३	४१	५५	५८	४३	३०	१९	
६१	४४	८०	१३	७१	५०	३	६१	
६	३	५२	३८	२९	व.	११	२६	

३९पं.पौ.कृ.७चं.इ. ३९								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	
८	१०	८	८	७	१	६	८	
२०	११	४	१७	१४	२३	२१	२०	
१९	०	१४	५	१५	१८	३५	०	
५	५०	१३	३१	३२	२५	१४	१६	
६१	४४	९०	१३	७१	५१	३	६१	
६	४	१९	२८	५३	व.	११	२६	

४०पं.पौ.कृ.३०चं.इ. २९								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	
८	१०	८	८	७	१	६	८	
२७	१६	१४	१८	२२	२२	२१	२७	
२७	२३	४३	४२	५०	५१	१२	१०	
७	२	४४	४७	१३	१८	५९	८	
६१	४४	९५	१३	७२	३८	३	६१	
६	१६	४४	३२	१३	व.	११	२४	

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति। पौष शुक्लपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३ | वि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६४७ स.२०३२

१	मं	३७	५६	उ	३४	५५	ह	२७	५२	किं	१२	४७	२५ ५९	६ ४८	५ ५२	२३	२६	१३	मकरे	
२	बु	२८	४५	अ	२७	३२	व	१७	१	बा	३	२२	२६	४८	१२	२४	३०	१४	कुं.५४।५	मकरेऽर्कः५०।२० चन्द्रदर्शनम्
३	गु	२०	२	ध	२०	३७	सि	६ ४१	५० ५४	ग	२०	२	४	४७	१३	२५	१	१५	कुंभे	भ.४ ६ उ.मकरेऽर्कः सौरः६ ९ सव्वाल१०
४	शु	१२	३१	श	१४	५६	व	४८	३१	वि	१२	३१	६	४७	१३	२६	२	१६	कुंभे	भ.१३ १ या.पूभा.भौमः५ ६ उदयंगुरुः३ ३४
५	श	६	२६	पू	१०	४७	ष	४१	३५	बा	६	२६	८	४६	१४	२७	३	१७	मी५६।४८	पूषा.३गुरुः५४।६
६	र	२	१०	उ	८	२३	शि	३५	५८	ते	२	१०	११	४६	१४	२८	४	१८	मीने	भ.५६।३२उ.मूलेधनुषिशुक्रः८।११
७	र	५७	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	चं	५८	४७	र	७	४१	सि	३१	४७	वि	२९	९	१३	४५	१५	२९	५	१९	मे.७।४१	भ.२९।९या.उषा.बुधः५७।२३
९	मं	५९	४७	अ	८	४२	सा	२९	७	बा	२९	४७	१६	४५	१५	३०	६	२०	मेषे	[-मकरेबुधः५ ३७ भा माघारंभः
१०	बु	६०	०	भ	११	३१	शु	२७	३३	ते	३०	५७	१९	४४	१६	१	७	२१	वृ.२७।३४	अभि.प्र.रविः२४।४६(सौरः३७।४०)-
१०	गु	२	८	कृ	१५	४३	शु	२७	२६	ग	२	८	२१	४४	१६	२	८	२२	वृषे	भ.३४।९उ.
११	शु	६	१०	रो	२१	३	ब्र	२८	२	वि	६	१०	२४	४३	१७	३	९	२३	मि५४।८	भ.६।१०या.पुत्रवा११व्र.
१२	श	११	२	मृ	२७	१४	ऐं	२९	७	बा	११	२	२७	४३	१७	४	१०	२४	मिथुने	श्रवणेरविः ३ ३ (सौरः ५ ४ ६) प्रदोषः
१३	र	१६	४२	आ	३४	१४	वै	३०	५७	ते	१६	४२	२९	४२	१८	५	११	२५	मिथुनें	अभि.नि.रविः३१।३८(सौरः४४।५३)
१४	चं	२२	४०	पु	४१	३६	वि	३२	५२	व	२२	४०	३२	४२	१८	६	१२	२६	क.२४।४६	भ.२२।४०उ.५५।५७या.
१५	मं	२९	१४	पु	४९	५	प्री	३५	१०	ब	२९	१४	३५	४१	१९	७	१३	२७	कर्के	मा.स्ना.प्रा.

४१पं.पी.शु.८चं.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	८	८	१	६	९
४	२१	२५	२०	१	२२	२०	४
३४	४१	३८	१९	२७	२८	५०	१९
५९	३	३	१६	०	५२	४३	३७
६१	४४	९९	१३	७२	१ १६	३	६१
३	१०	५२	२६	१२	व	११	१९

गोचर ग्रहाः

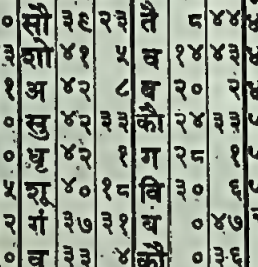

पौष शुक्ले २ बुधे मकरेऽर्कःप्रविष्ट. वा. २ त. ३ युवावस्था (सूती मु.३० धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

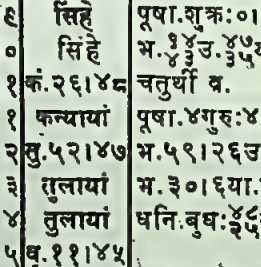

४२पं.पी.श.१४चं.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	८	८	१	६	९
११	२७	७	२१	१०	२२	२०	११
४२	५	१	५४	५	१०	२८	२८
२९	१३	५	३२	१३	२६	२७	२८
६०	४३	९ ३	१३	७२	१ ३	३	६१
५९	५८	९ ३	२०	५०	व	११	१३

ति। माघ कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३ | वि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.

१	बु	३५	३७	श्ले	५६	२५	आ	३७	१८	बा	२	२५	२६ ३८	६ ४०	५ २०	८	१४	२८	सिं५६।२५	श्रवणेबुधः३।२३
२	गु	४१	५१	मे	६०	०	सौ	३९	२३	ते	८	४४	४१	४०	२०	९	१५	२९	सिंहे	पूषा.शुक्रः०।३९
३	शु	४७	३५	म	३	४३	शो	४१	५	व	१४	४३	४५	३९	२१	१०	१६	३०	सिंहे	भ.१ ४ उ.४ ५ या.मीनेभौमः ३ ६
४	श	५२	२९	पू	१०	२१	अ	४२	८	व	२०	२	४८	३८	२२	११	१७	३१	कं.२६।४८	चतुर्थी व.
५	र	५६	३७	उ	१६	१०	सु	४२	३३	कौ	२४	३३	५१	३८	२२	१२	१८	१	कन्यायां	पूषा.४गुरुः४३।४३फर्वरी२ता.२९
६	चं	५९	२६	ह	२१	०	धृ	४२	१	ग	२८	१	५४	३७	२३	१३	१९	२	तु.५२।४७	भ.५९।२६उ.
७	मं	६०	०	चि	२४	३५	शू	४०	१८	वि	३०	६	५८	३६	२४	१४	२०	३	तुलायां	भ.३०।६या.उभा.भौमः४०।४८
७	बु	०	४७	स्वा	२६	३२	गं	३७	३१	व	०	४७	२७	३६	२४	१५	२१	४	तुलायां	धनि.बुधः ४ ६ स्वाती४राहुःभर.२ केतुः १ १७
८	गु	०	५७	४ ६	वि	२६	५०	वृ	३३	४	कौ	०	३६	५	३५	२५	१६	२२	५	वृ.११।४५
१०	शु	५४	३०	अ	२५	१६	धु	२७	१४	व	२६	२६	८	३४	२६	१७	२३	६	वृश्चिके	भ.३ ६ उ.५ ४ या.धनि.रविः ४ ५ (सौरः ५ २ ९
११	श	४८	४७	ज्ये	२१	५८	व्या	१९	५९	व	२१	३८	१२	३४	२६	१८	२४	७	ध.२१।५८	षट्तिला११व्र.
१२	र	४१	३५	मू	१६	५६	ह	११	२३	कौ	१५	११	१५	३३	२७	१९	२५	८	धनुषि	कुंभेबुधः३७।२उषा.शुक्रः४५।१७
१३	चं	३३	५	पु	१०	४०	व	४ ५	४ ९	ग	७	२०	१९	३२	२८	२०	२६	९	म.२३।५४	भ.३३।५उ.५८।२३या. प्रदोषः
१४	मं	२३	४१	उ	३ ७	५ ३	व्य	४०	१७	श	२३	४१	२३	३१	२९	२१	२७	१०	मकरे	
३०	बु	१४	५	ध	४७	५८	व	२९	१८	ना	१४	५	२७	३१	२९	२२	२८	११	कुं.२१।५०	मकरेशुक्रः२८।५६

४३पं.मा.कृ.६चं.इ. २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	८	८	१	६	९
१८	२	१८	२३	१८	२१	२०	१८
४९	२४	५४	२८	४३	५७	६	३६
१	२५	१४	१	५२	०	१२	२५
६०	४३	० ०	१३	७३	३ ०	३	६१
५५	५६	११	८	८	व	११	४

गोचर ग्रहाः

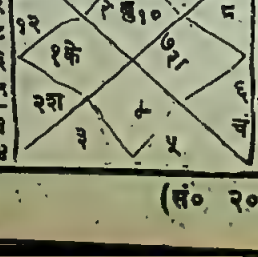

इस मास में धान्य बाजरा मूंगमोठ चना मटर सरसों अलसी रसकस गुड़ शक्कर चीनी तेज हो सोना चांदी मंदा हो ।

गोचर ग्रहाः

४४पं.मा.कृ.१३चं.इ.३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	८	८	१	६	९
२५	७	१	२४	२७	२१	१९	२५
५४	४३	१८	५९	२३	४९	४३	४३
५०	५	५८	४९	२	१	५६	२२
६०	४३	० ०	१२	७३	० ०	३	६०
४५	५०	२	४१	२०	व	११	५५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

तिथि | माघ शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३ | वि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६७७स.२०३२

| | | |

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण७०६स.२०३२
१	शु	३०	५२	पू	२/२	५४/१८	शु	२२	४९	किं	५	१	२९/२६	६/७	५/५३	२२	२९	१२	मीने	शतेशुक्रः ५/४३ पातस्पर्शः ५/७ पातमोक्षः १७/२४
२	श	२३	४०	रे	५२	२२	शु	१४	२१	कौ	२३	४०	३०	६	५४	२३	३०	१३	मे.५२।२२	चद्रदर्शनम् फुलरिया२
३	र	१८	२०	अ	४९	३८	ब्र	७	३	ग	१८	२०	३४	५	५५	२४	१	१४	मेषे	भ.४६/२९ उ.मीनेऽर्कः १६/७ (सौरः २३/५४)-
४	चं	१४	३८	भ	४९	२०	ऐं	१/११	५६/७	वि	१४	३८	३८	४	५६	२५	२	१५	मेषे	भ.१४।३८या. [-जिल्हेज१२
५	मं	१३	२३	कृ	५१	७	वि	५५	१०	बा	१३	२३	४३	३	५७	२६	३	१६	वृ.४।४७	वक्रीपूभा.बुधः१७।११
६	बु	१३	५६	रो	५४	५१	प्री	५४	३७	तै	१३	५६	४७	३	५७	२७	४	१७	वृषे	उभा.रवि:३७।११ (सौरः४५।३०)
७	गु	१६	४३	मृ	६०	०	आ	५४	५८	व	१६	४३	५१	२	५८	२८	५	१८	मि२७।३१	भ.१६।४३उ.४८।५५या.
८	शु	२१	७	मृ	०	११	सौ	५६	३५	ब	२१	७	५५	१	५९	२९	६	१९	मिथुने	वक्रीकुंभेबुध:५६।२६होलाष्टकम्
९	श	२६	४६	आ	६	५५	शो	५८	४५	कौ	२६	४६	३०/००	६/०	६/०	३०	७	२०	क.५७।२५	[=आमलकी११व्र.
१०	र	३२	५०	पु	१४	१५	अ	६०	०	ग	३२	५०	४	५/५९	१	१	८	२१	कर्के	भा.चैत्रारंभः
११	चं	३९	३२	पु	२१	५३	अ	१	५०	व	६	११	८	५८	२	२	९	२२	कर्के	भ.६।११उ.३९।३२या.पूभा.शुक्र ५२/५४=
१२	मं	४५	४६	श्ले	२९	२६	सु	३	३०	ब	१२	३९	१२	५८	२	३	१०	२३	सिं२९।२६	बुधोदयःपूर्वस्यां५८।२५
१३	बु	५१	२२	म	३५	५९	धृ	५	२९	कौ	१८	३४	१६	५७	३	४	११	२४	सिंहे	उषा.३गुरु:५५।३८ प्रदोषः
१४	गु	५६	५	पू	४२	२९	शू	६	४८	ग	२३	४३	२१	५६	४	५	१२	२५	कं.५८।४२	भ.५६।५उ.
१५	शु	५९	३३	उ	४७	२३	गं	७	२३	वि	२७	४९	२५	५५	५	६	१३	२६	कन्यायां	भ.२७।४९या.होलिकादहनम्

४९प.फा.शु.४च.इ.२१।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	९	१०	१	६	११
१	३	४	१	१०	२२	१७	०
५	४७	१३	४८	४१	३१	५२	५७
३१	६	३७	२९	५३	३४	३८	५८
५९	४२	५८/१३	९	७३	२	३	५९
४१	५८	व	५२	५८	५२	११	४९

गोचर ग्रहाः

१कम ११शु २ श १२ सू बु १० गु ३ ९ ६ ४ ७ ५ ७रा

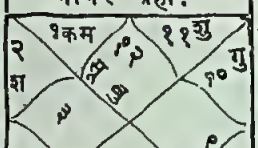

फाल्गुन शुक्ले ३ रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्या।

गोचर ग्रहाः

केमं१ ११बुशु २ श सू१२ गु१० ३ ९ ६ चं४ ८ ५ ७रा

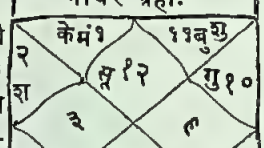

५०पं.फा.शु.११च.इ. २२/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	९	१०	१	६	११
८	८	२७	२	१९	२२	१७	७
३	५४	५८	५६	२२	५५	३०	५५
१८	७	३७	४२	१२	१९	२३	५३
५९	४२	४९/५६	९	७४	३	३	५९
२९	४७	व	७	४	३२	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	श	६०	०	ह	५१	२५	वृ	७	१४	बा	३०	४७	३०/२९	५/५४	६/६	७	१४	२७	कन्यायां	वसंत१छारेंडी
१	र	२	२	चि	५४	११	ध्रु	६	६	कौ	२	२	३३	५३	७	८	१५	२८	तु.२२।४८	भरण्यांभौमः२७। ७मृग.१शनिः २४/४६
२	चं	३	१७	स्वा	५५	५७	व्या	४	११	ग	३	१७	३७	५३	७	९	१६	२९	तुलायां	भ.३३।२१उ.
३	मं	३	२५	वि	५६	४६	ह	१/१९	५६/२४	वि	३	२५	४१	५२	८	१०	१७	३०	वृ.४१।३४	भ.३।२५या.मीनेशुक्रः५८।२८चतुर्थी व्र.
४	बु	२	३७	अ	५६	४१	सि	५३	२६	बा	२	३७	४५	५१	९	११	१८	३१	वृश्चिके	रेवत्यांरवि:४।४३ (सौरः११।५७)
५	गु	०	५९	ज्ये	५५	४२	व्य	४८	२८	तै	०	५९	४९	५०	१०	१२	१९	१	ध.५५।४२	भ.५८/२२ उ.मार्गीबुधः २१/४६ अप्रेल४ता.३०
६	गु	५७	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	शु	५४	५४	मू	५३	५३	व	४२	४५	वि	२६	३८	५३	४९	११	१३	२०	२	धनुषि	भ.२६/३८ या.उभाशुक्रः ४०/४७ शीतलापूजनम्
८	श	५०	४१	पू	५१	१५	प	३६	२२	बा	२२	४७	५७	४९	११	१४	२१	३	धनुषि	
९	र	४५	२८	उ	४७	४८	शि	२९	१३	तै	१८	४	३१/१	४८	१२	१५	२२	४	म.५।२३	
१०	चं	३९	२९	श्र	४३	२५	सि	२१	२६	व	१२	२८	५	४७	१३	१६	२३	५	मकरे	भ.१२।२८उ.३९।२९या.
११	मं	३२	५४	ध	३८	२४	सा	१३	११	ब	६	११	१०	४६	१४	१७	२४	६	कुं.१०।५५	पापमोचनी११व्र.
१२	बु	२५	३३	श	३२	५८	शु	४/३२	५१/१०	तै	२५	३३	१४	४५	१५	१८	२५	७	कुंभे	स्वाती.३राहुःभर.१केतु.१३।१४प्रदोषः
१३	गु	१८	१०	पू	२७	३९	ब्र	४६	४९	व	१८	१०	१८	४४	१६	१९	२६	८	मी१३।५९	भ.१८।१०उ.४४।२५या.
१४	शु	१०	४१	उ	२२	२६	ऐं	३८	३४	श	१०	४१	२२	४४	१६	२०	२७	९	मीने	
३०	श	४	७	रे	१८	६	वै	३०	५९	ना	४	७	२६	४३	१७	२१	२८	१०	मे.१८।६	मन्वादिःनवरात्रारंभः

५१प.चै.कृ.२च.इ.२२/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	९	१०	१	६	११
१४	१३	२५	३	२८	२३	१७	१४
५९	५९	०	५९	१	२४	८	५२
१०	१०	४०	६	२६	४	७	४
५९	४२	१४/१३	८	७४	४	३	५९
१६	४३	व	२०	१४	१३	११	१८

गोचर ग्रहाः

केम१ बुशु११ १२ सू १० बु २ श ३ ९ ४ ६ ८ ५ ७चंरा

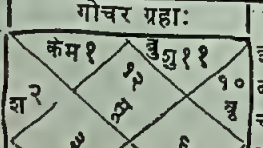

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मटर सरसों अलसी आदि कुछ मंदे हों प्रजा में शोक फैलेधातुरसकसतेजहों

गोचर ग्रहाः

केमं१ ११बु २श १२ सूशु १० च गु ३ ९ ६ ८ ४ ५ ७रा

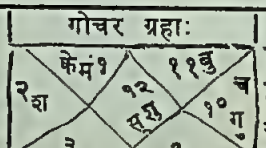

५२पं.चै.कृ.१०चं.इ.२२/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	९	११	१	६	११
२१	१९	२६	४	६	२३	१६	२१
५३	१	२४	५५	४०	५७	४५	४६
३१	१६	४०	१६	५५	०	५१	१५
५९	४२	१९/७	७	७४	४	३	५९
४	३२	मा	१०	२०	४६	११	४

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३३, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१३३, भोग्यकलिः४२६८६७, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८९, शाकः १९५४, अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः । मंत्री भौमः । सस्येशःशुक्रः । धान्येशो बुधः । मेघेशश्चंद्रः । रसेशो रविः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशश्चंद्रः । धनेशो गुरुः।दुर्गेशश्चंद्रः।एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येरुद्रविंशतिकायां २० क्षय नाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः २।१८।१४।२५।० भोग्यमासादिः ९।११।४५।३५।० भगदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम आषाढः।मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे। समयविश्वा १८ समयवाहनमश्वः । स्तंभौ २ अन्न वाय्वोः । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी ३ भानुसप्तमी ३ बुधाष्टमी२ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३९० समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः१८, तिथिवृद्धिः११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा११ धान्यम् १५ तृणम् ११, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १२१, शनिदृष्टि पूर्वस्यां । सत्यं ।। धर्मं १।। पापं १८ ग्रहण ३सूर्यस्य१ चंद्रमसः २।

सं. २०८९ कार्तिक कृ. ३० बुधे सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घं.	९	९	१०
मि.	४९	५७	२२
घ.	८	८	९
प.	२५	४५	४७

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्ष लग्नम् ०।२८

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

नम् भाव भैरव खड़ा चरण नवावे शीश ।
फल निवासी साल का कहदो विश्वा बीस ।।

भवानी उत्तर

निवासी की साल में होसी नाणां नाश ।
खाली थैली जग भ्रमे दुनिया रहे उदास ।।
शनि राजा इस वर्ष में मंत्री होसी भौम ।
नीच वर्ण उन्नत रहे गिरसी ऊंची कौम ।।
रीहिणी वास समुद्र में निशानाथ मेघेश ।
चिंता जग की मेटसी पद पाकर दुर्गेश ।।
अष्टादश विश्वा समय स्तंभ वर्ष में दोय ।
ईश भजन बिन जगत् में सुख नहीं पाया कोय।।

सं. २०८९ चैत्र शु. १५ रवौ चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	६	८	८	९	१०
मि.	५९	१२	४३	१५	२८
घं.	३१	३४	३५	३६	४०
प.	१९	२३	४१	५९	३

आश्विन शु.१५ चं.खग्रासचं.ग्रहण

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घ.	१०	१२	१२	१	२
मि.	५९	१२	३८	४	१७
घं.	४१	४४	४५	४६	४९
प.	२१	२३	२८	३३	३५

वर्षेश लग्नम् ७।७

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१०।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१७।२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः फलम् ।। शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनाः । युद्धं नृपाणां गद तस्कराद्यैर्भ्रमंति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री भौमः फलम् ।। अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्यु गदादिज वेदना जनपदेषु जयं सुखसंचयं न बहु गोषु पयो द्विजकर्म च ।। सस्येशः शुक्रः फलम् ॥ शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जल वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षु धनप्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशो बुधः फलम् ।। बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुंचंति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवोऽल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रः फलम् ।। शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धन धान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेशो रविः फलम् ।। रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरसभाग रताल्प पयोधरा । वसन तेल घृत प्रिय मानवाः सुख रसं न भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रः फलम् ।। कर्पूरागगरु न्धानां हेम मौक्तिक वाससां । अर्घवृद्धि. प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशश्चंद्रः फलम् ।। यदि विधुः फलपो द्रुमराशयः फलयुतावलिभिः कुसुमैर्युताः द्विज मुखावर भोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः ।। धनेशो गुरुः फलम् ।। सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्ति परामुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहा. सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवाः ।। दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। गढ़पतिः शशलाछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवरा वर वणित विग्रहाः ।। क्षयनाम संवत्सरः फलम ।। कर्पासगन्ध तैलेक्षु मधु सस्य विनाशनम् । क्षीयमाणाश्चायि नरा जीवन्ति क्षय वत्सरे ।। वर्षनाम आषाढः फलम् ।। आषाढाब्देतु राजानः सर्वदा कलहोत्सुकाः क्वचिंदीतिः क्वचिद्भीतिः क्वचिद्वृद्धिः जलं क्वचित् ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतु महावृष्टिः ।। समय निवासो मालि गृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला ४ भौमे रोहि ल. ११-१२ रे. ६ ऽ।।।।।।।।

,, ६ चन्द्रे मघा ल. ११ (चं.७पू.) रे. ६
।ऽ।।चो।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १० भौमे मघा ल. ६ रे. ६ ।ऽ।।।ऽचो।ऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

आषाढ मासः

शुक्ला ३ शनौ मघा ल. २ रे. ६ ।।।।।ऽ।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ गुरौ रोहि ल. ५ रे. ८ ।।।।।ऽअऽ।।।

,, २ शुक्रे मृगे ल. गो. रे. ८ ।।।ऽवृ।।ऽ।।।

,, ७ बुधे मघा ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।ऽरो।ऽ।।

,, १० शनौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ८ शुक्रे उभा ल. गो. रे. ८ ऽ।।।।ऽचो।।।।

माघ मासः

कृष्णा २ चन्द्रे मघा ल. ८ (घ.५०-२२उ) रे. ६
।।।ऽवृ।।।।।। पादतो वेधाऽभावः

,, ३ भौमे मघा ल. ८ रे. ८ ।।।ऽवृ।ऽनृ।।।।
पादतो वेधाऽभावः

,, ५ गुरौ उफा ल. गो. ८ रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।

फाल्गुन मासः

शुक्ला ७ चन्द्रे रोहि ल. ऽन्यगो रे. ७ ।ऽ।।।ऽनृ।ऽ।।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः७३६स.२०३२
१	श ५४ २५ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र ५४ १६ अ १४ ५५ वि २४ ३७ बा २६ २२	३१	५	६	२२	२६	११	मेषे	चंद्रदर्शनम् सिंघारा. [-गणगौरी
३	चं ५२ ५ भ १३ २६ प्री १६ ४३ तै २३ १२	३४	४१	१६	२३	१	१२	वृ.२८।३६	मोहोरम १सन् १४५४हि.मत्स्यजयंती-
४	मं ५१ ४१ कृ १४ ७ आ १६ १० व २१ ५३	३८	४०	२०	२४	२	१३	वृषे	भ.२१उ.५१या.अश्वि.मेषेऽर्कः.३८=
५	बु ५३ ३४ रो १६ २८ सौ १४ ३१ ब २२ ३७	४२	४०	२०	२५	३	१४	मि४८।३५	उभा.बुध:.४४।३८
६	गु ५७ ० मृ २० ४१ शो १४ १ कौ २५ १७	४६	३६	२१	२६	४	१५	मिथुने	[=.सौर:.४६रेवत्यांशुक्र:.३६
७	शु ६० ० आ २६ २४ अ १४ ५३ ग २६ ३०	५०	३८	२२	२७	५	१६	मिथुने	कृत्ति.भौम·४।४५
७	श २ १ पु ३३ १७ सु १६ ३८ व २ १	५३	३७	२३	२८	६	१७	क.१६।३४	भ.२।१उ.३४।५४या.
८	र ७ ४७ पु ४० ४७ धृ १८ ५५ ब ७ ४७	५७	३७	२३	२९	७	१८	कर्के	पातस्पर्शः५३।१०रामनवमीस्मा.
९	चं १४ १६ श्ले ४८ २२ शू २१ २० कौ १४ १६	३२	३६	२४	३०	८	१९	सिं४८।२२	पातमोक्षः११।११रामनवमीवै.
१०	मं २० २९ म ५५ २८ गं २३ ३१ ग २० २९	५	३५	२५	३१	९	२०	सिंहे	भ.५३।१४उ.बृषेभौमः४९।१५
११	बु २५ ५९ पू ६० ० बृ २५ ८ वि २५ ५९	९	३४	२६	१	१०	२१	सिंहे	भ.२६या.उषा.४गुरु.४६×
१२	गु ३० २९ पू १ ५२ ध्रु २५ ५२ बा ३० २९	१२	३४	२६	२	११	२२	कं.१८।४	[×भा.वैशाखारंभः.कामदा११व्र.
१३	शु ३३ ४० उ ६ ३९ व्या २५ ३१ कौ २ ४	१६	३३	२७	३	१२	२३	कन्यायां	प्रदोषः [+रेवत्यांबुधः.३२हनुमज्जयंती
१४	श ३५ १७ ह १० २६ ह २४ २ ग ४ २८	२०	३२	२८	४	१३	२४	तु.४१।२७	भ.३५।१७उ.अश्वि.मेषेशुक्र.२१।१
१५	र ३५ २८ चि १२ २९ व २१ ३३ वि ५ २२	२३	३१	२९	५	१४	२५	तुलायां	भ.५।२२या.खग्रासचन्द्रग्रहणम्+

१पं.चै.शु.४म.इ. ३८ ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	९	११	१	६	११
०	२४	२	५	१६	२४	१६	२९
०	५७	२३	५३	५२	४०	१९	५२
०	३०	४६	१७	५२	१	४६	२९
५८	४२	५१	६	७५	५	३	५८
४४	७	१२	५	२६	१५	११	४५

गोचर ग्रहाः

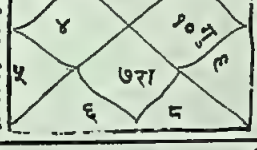

चैत्र शुक्ले ४ भौमे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.४५घान्या-दिभावेसर्घमता शुक्रो-शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

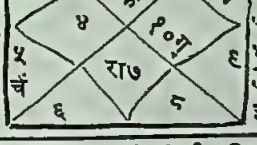

२पं.चै.शु.१०मं.इ. ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	९	११	१	६	०
६	२९	१०	६	२५	२५	१५	६
५०	५२	९	३४	३१	२१	५७	४२
४६	४८	४७	१९	१६	०	३२	४०
५८	४२	७२	४	७४	५	३	५८
३१	२	११	५६	२६	४३	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	चं ३४ १३ स्वा १३ २० सि १७ ५८ बा ४ ५०	३३	५	६	६	१५	२६	वृ.५८।२६	शुक्रास्तः पूर्वस्यां १६।१२
२	मं ३२ १ वि १३ १ व्य १३ ३३ तै ३ ७	३१	३०	३०	७	१६	२७	वृश्चिके	भरण्यांरविः१८।५५(सौर.२७।५६)
३	बु २८ ४९ अ ११ ४९ व ८ २२ व ० २५	३४	२९	३१	८	१७	२८	वृश्चिके	भ.०।२५उ.२८।४९या.चतुर्थी व्र.
४	गु २४ ५५ ज्ये ९ ४७ प २४ ५३ बा २४ ५५	४०	४५	२८	२८	३२	९	१८	२९ घ.९।४७
५	शु २० ३२ मू ७ २९ सि ५० १ तै २० ३२	४१	२८	३२	१०	१९	३०	धनुषि	
६	श १५ ५९ पू ४ ४० सा ४३ १९ च १५ ५९	४५	२७	३३	११	२०	१	म.२०।५६	भ.१५।५९उ.४३।३१या.मईपता.३१
७	र ११ ४ उ १ ४३ ३८ शु ३६ ३३ ब ११ ४	४८	२६	३४	१२	२१	२	मकरे	मृग.२शनि:.५४।५७
८	चं ५ ५१ ध ५४ ५१ शु २९ २१ कौ ५ ५१	५२	२६	३४	१३	२२	३	कु.२६।२१	अश्वि.मेषेबुध·५७।४५
९	मं ० ३१ श ५१ ४ ब २२ १ ग ० ३१	५५	२५	३५	१४	२३	४	कुंभे	भ.२७।४१उ.५४।५०या.
१०	मं ५४ १९ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷वरुथिनी११व्र.स्मा.
११	बु ४९ ८ पू ४७ २८ ऐं १४ ४० ब २२ ५९	५८	२४	३६	१५	२४	५	मीऽ३।२२	भरण्यांशुक्र.६।३रोहि.भौमः६।२३
१२	गु ४३ ३८ उ ४३ ५६ वै ७ ३२ कौ १६ २३	३३	२४	३६	१६	२५	६	मीने	वरुथिनी११व्र.वै.
१३	शु ३८ २९ रे ४० ५२ वि ३७ ५३ ग ११ ३	५	२३	३७	१७	२६	७	मे.४०।५२	भ.३८।२९उ. प्रदोषः
१४	श ३३ ५९ अ ३८ २९ आ ४८ ६ वि ६ १४	८	२२	३८	१८	२७	८	मेषे	भ.६।१४या.
३०	र ३० २९ भ ३७ १० सो ४३ २२ च २ १४	११	२२	३८	१९	२८	९	वृ.५२।१३	

३पं.वै.कृ.२म.इ. १८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	९	०	१	६	०
१३	४	१९	७	४	२६	१५	१३
२९	४८	५१	७	९	४	३५	२१
५०	०	५४	२३	२२	५५	१५	५
५८	४१	९०	३	७४	६	३	५८
१९	५२	३३	४८	२६	४	११	१२

गोचर ग्रहाः

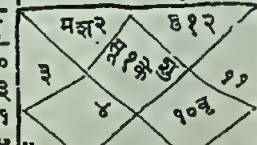

इस मास में धान्य बाजरा मूंगमोठआदि कुछ मंदे हों गुड शक्कर चीनी नमक गन्ना धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा वस्त्र रुई आदि तेज हो।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.कृ.९मं.इ. ३७ ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	९	०	१	६	०
२०	९	१	७	१२	२६	१५	२०
२७	४१	१३	३१	४७	५१	१२	१७
२९	१७	३०	१२	२	११	५९	५१
५८	४१	४०	२	७४	६	३	५७
६	४८	३५	२८	३२	२५	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः७६५सं.२०३२
१	चं	२८	२२	कृ	३७	२२	शो	३९	३९	ब	२८	२२	३३/१४	२५/२१	६/३९	२०	२९	१०	वृषे	चद्रदर्शनसंभवः [÷भौमः २८/५६
२	मं	२७	४७	रो	३९	४	अ	३७	२०	कौ	२७	४७	१७	२१	३९	२१	१	११	वृषे	कृत्ति.रविः ४/५६ (सौरः ५/४८) भरण्यांबुधः=
३	बु	२९	१३	मृ	४२	२०	सु	३६	१५	ग	२९	१३	२०	२०	४०	२२	२	१२	मि१०।४२	अस्तोभौमः४८।३०अक्षया३
४	गु	३२	१३	आ	४७	१६	धृ	३६	४	व	०	४३	२३	१९	४१	२३	३	१३	मिथुने	भ.४०/३उ.३२।१३या.
५	शु	३६	४२	पु	५३	४७	शू	३७	४१	ब	४	२७	२६	१९	४१	२४	४	१४	क.३७।९	वृषेऽर्क ३२।९(सौरः४३।४१)
६	श	४२	५	पु	६०	०	गं	३९	२२	कौ	९	२३	२८	१८	४२	२५	५	१५	कर्के	कृत्तिशुक्रः५७।५७
७	र	४८	१९	पु	०	४५	बृ	४१	४७	ग	१५	१२	३१	१८	४२	२६	६	१६	कर्के	भ ४८/१९उ.[=१५/५०बुधास्तःपूर्वस्यां ४५/५५×
८	चं	५४	३०	श्ले	८	१८	ध्रु	४४	१४	वि	२१	२४	३४	१७	४३	२७	७	१७	सिं८।१८	भ.२१।१४या.कृत्ति.बुधः५०।१४
९	मं	६०	०	म	१६	४०	व्या	४६	२१	बा	२७	२१	३७	१७	४३	२८	८	१८	सिंहे	वृषेशुक्रः३८।५६वक्रीगुरुः५८।३२
९	बु	०	१३	पू	२२	३५	ह	४७	३७	कौ	०	१३	३९	१६	४४	२९	९	१९	कं.३८।५६	वृषेबुधः१४।३२
१०	गु	४	५६	उ	२७	५९	व	४७	४०	ग	४	५६	४२	१६	४४	३०	१०	२०	कन्यायां	भ.३६।३३उ. [×सफर२परशुरामजयंती
११	शु	८	११	ह	३२	१	सि	४६	३९	वि	८	११	४४	१५	४५	३१	११	२१	कन्यायां	भ.८।११या.मोहिनी११व्र.
१२	श	९	४३	चि	३४	१९	व्य	४४	१३	बा	९	४३	४७	१५	४५	१	१२	२२	तु.३।१०	भा.ज्येष्ठारंभःप्रदोषः
१३	र	९	२९	स्वा	३४	५८	व	४०	१७	तै	९	२९	४९	१४	४६	२	१३	२३	तुलायां	रोहि.बुधः५४।५२नृसिंहजयंती
१४	चं	७	१९	वि	३३	४७	प	३५	१२	व	७	१९	५२	१४	४६	३	१४	२४	वृ.१९।५	भ.१७/१९उ.३५/३३या.रोहि.रविः ५५/३९मृगे ÷
१५	मं	३	४७	अ	३१	२८	शि	२९	६	ब	३	४७	५४	१३	४७	४	१५	२५	वृश्चिके	रोहि.रविःसौरः ९/४३यमायकुंभदानम्

५पं.वै.शु.२मं.इ.३९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	९	०	१	६	०
२७	१४	१४	७	२१	२७	१४	२७
१३	३२	७	४६	२४	३९	५०	३
३७	२४	१९	१९	७	४३	४४	५
५७	४१	१२/१४	१	७४	६	३	५७
५४	३१	४९	७	३२	३८	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले ५ शुक्रे वृषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी मु.४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

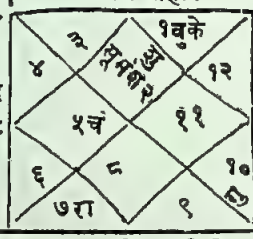

६पं.वै.शु.९मं.इ.३९।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	९	१	१	६	१
३	१९	२८	७	०	२८	१४	३
५८	२१	२५	५१	१	३०	२८	४६
४४	२९	१६	३२	८	४३	२८	४९
५७	४१	१२/१४	०	७४	६	३	५७
४४	२४	१४	४	३२	५६	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं.२०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेवैशाख कृष्णेति महा.
१	मं	५५	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	५३	३२	ज्ये	२८	११	सि	२२	११	तै	२६	१७	३३/५६	५/१३	६/४७	५	१६	२६	ध.२८।११	रोहि.शुक्रः४६।३
३	गु	४७	२०	मू	२४	१३	सा	१४	३९	व	२०	२६	५८	१२	४८	६	१७	२७	धनुषि	भं २०।२६उ.४७।२०या.
४	शु	४१	६	पू	१९	५७	शु	७/६	५२/१५	व	१४	१३	३४/०	१२	४८	७	१८	२८	म.३३।५२	चतुर्थीव्र.
५	श	३४	५४	उ	१५	३८	ब्र	५१	४६	कौ	८	०	२	१२	४८	८	१९	२९	मकरे	
६	र	२९	५	श्र	११	४२	ऐं	४४	२८	ग	१	५९	३	११	४९	९	२०	३०	कुं.३९।५३	भ.२९/५उ.५६/२०या.मृगेबुधः१/९मृग३मिथुने ÷
७	चं	२३	३४	ध	८	४	वै	३७	२९	ब	२३	३४	५	११	४९	१०	२१	३१	कुंभे	[÷शनिः २३/११अस्तंशनेः६।०
८	मं	१८	१८	श	४	४९	वि	३०	३२	कौ	१८	१८	७	११	४९	११	२२	१	मी४७।३९	जून६ता.३०
९	बु	१३	३७	पू	१/५६	५७/४७	प्री	२४	२३	ग	१३	३७	९	१०	५०	१२	२३	२	मीने	भ.४१/२८उ.मिथुनेबुधः१६।१९
१०	गु	९	१९	रे	५७	४७	आ	१८	३६	वि	९	१९	१०	१०	५०	१३	२४	३	मे.५७।४७	भ.१९/१९या.मिथुनेभौभः १६/५७बुधोदयः=
११	शु	५	४०	अ	५६	४६	सौ	१३	११	बा	५	४०	१२	१०	५०	१४	२५	४	मेषे	अपरा११व्र. [=पश्चिमायां ११/२५
१२	श	२	५०	भ	५६	३०	शो	८	३६	तै	२	५०	१३	९	५१	१५	२६	५	मेषे	आर्द्रा.बुधः३८।२४प्रदोषः
१३	र	०	४०	कृ	५७	३१	अ	४	२९	व	०	४०	१५	९	५१	१६	२७	६	वृ.११।४५	भ.४०/०उ.३०/११या.मृगेशुक्रः३९।१०
१४	र	५९	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	चं	५९	५६	रो	५९	२५	सु	१/३४	५७/५१	च	२९	४९	१६	९	५१	१७	२८	७	वृषे	मृगेरविः५०।२४वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.१मं.इ. ३९/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	९	१	१	६	१
१०	२४	१३	७	८	२९	१४	१०
४२	८	४४	८	२७	२३	६	२९
४०	४९	३१	१४	४८	१०	१३	०
५७	४१	१२/१०	१/२६	७४	७	३	५७
३५	१४	१०	व	३८	४	११	२३

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले ६ चंद्रे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

८प.ज्ये.कृ.८मं.इ. ४०/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	९	१	२	६	१
१७	२८	२८	७	१७	०	१३	१७
२५	५३	४५	३५	१३	१६	४३	१०
२६	३१	४०	३१	५५	३०	५७	६
५७	४१	१२/१०	४३/६	७४	७	३	५७
२७	१०	५८	व	३८	१४	११	१३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः७९४स.२०३२
१	मं	६०	०	मृ	६०	०	शू	५८	३५	किं	३०	४५	३४/१७	५/९	६/५१	१८	२९	८	मि३१।१२	मृगेरवि सौरः८।३३
१	बु	१	३४	मृ	२	५९	गं	५८	१८	ब	१	३४	१८	८	५२	१९	३०	९	मिथुने	स्वाती२राहुःअश्वि.४केतुः११/४८चंद्रदर्शनम्
२	गु	४	३८	आ	७	३०	वृ	५९	१९	कौ	४	३८	१९	८	५२	२०	१	१०	क.५७।१	रविलावल३
३	शु	८	५९	पु	१३	३१	ध्रु	६०	०	ग	८	५९	१९	८	५२	२१	२	११	कर्के	भ.४१।३५उ.
४	श	१४	१०	पु	२०	८	ध्रु	०	४८	वि	१४	१०	२०	८	५२	२२	३	१२	कर्के	भ.१४।१०या.मिथुनेशुक्रः७।४४
५	र	२०	१७	श्ले	२७	३९	व्या	३	१६	बा	२०	१७	२१	८	५२	२३	४	१३	सिं२७।३९	पुन.बुधः१८।६आर्द्रा.भौमः१६।२९
६	चं	२६	३०	म	३५	२३	ह	५	५०	तै	२६	३०	२१	८	५२	२४	५	१४	सिंहे	मिथुनेऽर्कः४८।५८
७	मं	३२	३२	पू	४२	४७	व	८	१७	व	३२	३२	२२	८	५२	२५	६	१५	कं.५९।२३	भ.३३/३२उ.मिथुनेऽर्कःसौरः९।२१
८	बु	३७	४०	उ	४९	११	सि	१०	१२	वि	५	६	२२	८	५२	२६	७	१६	कंन्यायां	भ.५।६या.वक्रीउषा.३गुरुः२८।१७
९	गु	४१	३३	ह	५४	११	व्य	११	१३	बा	९	३६	२३	७	५३	२७	८	१७	कन्यायां	आर्द्राशुक्रः१४।३
१०	शु	४३	४९	चि	५७	२५	व	११	२	तै	१२	४१	२३	७	५३	२८	९	१८	तु.२५।४८	गंगादशमी [=भा.आषाढारंभः
११	श	४४	४	स्वा	५८	४७	प	९	२२	व	१३	५६	२३	७	५३	२९	१०	१९	तुलायां	भ.१३/५६उ.४४।४या.निर्जला११व्र.
१२	र	४२	११	वि	५८	१६	शि	६	१६	व	१३	७	२४	७	५३	३०	११	२०	वृ.४३।२४	कर्के बुधः१२।२४
१३	चं	३८	३५	अ	५५	४७	सि	१/३८	५३/४३	कौ	१०	२३	२४	७	५३	३१	१२	२१	वृश्चिके	आर्द्रारविः४७।५३प्रदोषः
१४	मं	३२	५८	ज्ये	५१	५३	शु	४७	५२	ग	५	४७	२४	७	५३	१	१३	२२	ध.५१।५३	भ.३२/५८उ.५९/३१या.आर्द्रारविःसौर १०/५४ =
१५	बु	२६	५	मू	४६	४४	शु	३९	२९	व	२६	५	२४	७	५३	२	१४	२३	धनुषि	पुष्येबधः१९/२८गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

९ पं.ज्ये.शु.१मं.इ. ४०/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	९	१	२	६	१
२४	३	१२	७	२५	१	१३	२३
७	३६	९	१४	५०	१०	२१	५०
३०	२५	५४	१७	२३	२६	४१	२
५७	४१	४०/५९	३/५९	७४	७	३	५७
२२	०		व	३८	२०	११	५

१०पं.ज्ये.शु ७मं.इ.४८।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	२	२	२	६	२
०	८	२३	६	४	२	१२	०
४८	१७	२८	४४	२६	४	५९	२९
४७	४२	५२	६	३४	४८	२६	११
५७	४०	८८	५/६	७४	७	३	५६
१७	५०	१७	व	३२	२०	११	५७

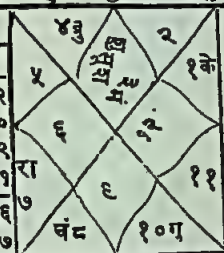

११पं.ज्ये.शु.१४मं.इ. ४०/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	२	२	६	२
७	१२	२	६	१३	२	१२	७
२९	५६	३७	६	२	५९	३७	७
४२	५६	४८	२२	३५	१७	१०	३८
५७	४०	६४	६	७४	७	३	५६
१३	३६	९	८	३२	२०	११	५४

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः स० २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणे ज्येष्ठ. कृष्णेति महा.
१	गु	१८	२६	पू	४०	५२	ब्र	३०	३४	कौ	१८	२६	३४/२४	५/७	५३/७	३	१५	२४	म.५४।२०	
२	शु	१०	२१	उ	३४	४६	ऐं	२१	१६	ग	१०	२१	२३	७	५३	४	१६	२५	मकरे	भ.३६।१५उ.मृग४शनिः२९।३०
३	श	२	८	श्र	२८	५९	वै	१२	५	वि	२	८	२३	७	५३	५	१७	२६	कुं.५६।४६	भ.२।८या.चतुर्थीव्र.
४	श	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	र	४७	२२	ध	२३	३२	वि	३/१२	५१/४६	कौ	२०	५३	२२	८	५२	६	१८	२७	कुंभ	
६	चं	४१	५	श	१८	५६	आ	४७	१५	ग	१४	१३	२२	८	५२	७	१९	२८	कुंभे	भ.४१।५उ.पुन.शुक्रः२०।४३
७	मं	३५	५२	पू	१५	२१	सौ	४०	३६	वि	८	२८	२१	८	५२	८	२०	२९	मी१।१५	भ.८।२८या.
८	बु	३१	३८	उ	१२	४४	शो	३४	३८	बा	३	४५	२०	८	५२	९	२१	३०	मीने	
९	गु	२८	३९	रे	११	१७	अ	२९	४६	तै	०	८	१९	८	५२	१०	२२	१	मे.११।१७	भ.५७।४१उ.जुलाई७ता.३१
१०	शु	२६	४२	अ	१०	५३	सु	२५	४३	वि	२६	४२	१८	८	५२	११	२३	२	मेषे	भ.२६।४२या.
११	श	२५	४६	भ	११	३२	धृ	२२	३०	बा	२५	४६	१७	९	५१	१२	२४	३	वृ.२६।५६	पुन.भौमः२४।२५योगिनी११व्र.
१२	र	२६	८	कृ	१३	१८	शू	२०	१७	तै	२६	८	१६	९	५१	१३	२५	४	वृषे	प्रदोषः
१३	चं	२७	२६	रो	१६	५	गं	१८	५१	व	२७	२६	१५	९	५१	१४	२६	५	मि४८।९	भ.२७/२६उ.५८/४१या.पुन.रविः४६/४३उदयंशनेः×
१४	मं	२९	५६	मृ	२०	१३	वृ	१८	३३	श	२९	५६	१४	९	५१	१५	२७	६	मिथुने	पुन.रविःसौरः१४।५६कर्केशुक्रः२७।५८
३०	बु	३३	३२	आ	२५	१२	ध्रु	१८	३८	च	१	४४	१३	९	५१	१६	२८	७	मिथुने	[×२५।६शुक्रोदयःपश्चिमायां१०।१२

१२पं.आ.कृ.७म. इ. ३९/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	२	२	६	२
१४	१७	९	५	२१	३	१२	१३
१०	३५	७	२२	३८	५४	१४	४५
८	१७	८	३०	२४	२२	५५	४३
५७	४०	३६	६/५२	७४	७	३	५६
७	२६	८	वं	३२	१४	११	५०

गोचर ग्रहाः

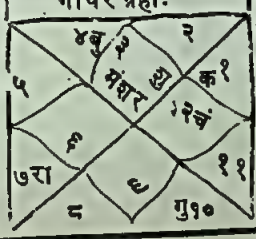

इस मासमें धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी चांदी सोना रुई आदि तेज होवे वर्षा अच्छी होवे रसकस में अच्छी तेजी आवे ।

गोचर ग्रहाः

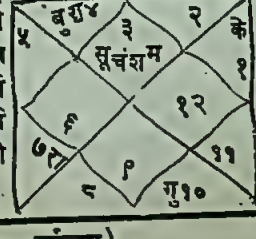

१३पं.आ.कृ.१४मं.इ. ३९/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	३	२	६	२
२०	२२	१२	४	०	४	११	२०
५०	११	३५	३३	१४	४८	५२	२३
३५	४२	४९	२९	४६	१८	३९	३७
५७	४०	६	७/३४	७४	७	३	५६
७	२६	२६	व.	२६	८	११	५०

÷शवुमंच

ति.	आषाढशुक्लपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४									दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः८२४स.२०३२
१	गु	३८	१७	पु	३१	९	व्या	१९	३६	किं	५	५४	३४/११	१०/५०	६	१७	२९	८	क.१४।४० वक्रीबुधः८।२९
२	शु	४३	२७	पु	३७	५०	ह	२१	२०	बा	१०	५२	१०	१०	५०	१८	३०	९	कर्के पुष्येशुक्रः९।१२चंद्रदर्शनम्रथयात्रा
३	श	४९	३८	श्ले	४५	१६	व	२३	३१	तै	१६	३२	८	१०	५०	१९	१	१०	सिं४५।१६ रविलाखर४
४	र	५५	५३	म	५२	५२	सि	२५	४७	व	२२	४५	७	११	४९	२०	२	११	सिंहे भ.२२।४५उ.५५।५३या.
५	चं	६०	०	पू	६०	०	व्य	२८	२६	ब	२८	५९	५	११	४९	२१	३	१२	सिंहे
५	मं	२	५	पू	०	२८	व	३१	३	बा	२	५	३	११	४९	२२	४	१३	कं.१७।१३
६	बु	७	४०	उ	७	२७	प	३२	४१	तै	७	४०	१	१२	४८	२३	५	१४	कन्यायां
७	गु	१२	११	ह	१३	३७	शि	३३	३१	व	१२	११	५९/३३	१२	४८	२४	६	१५	तु.४६।१ भ.१२उ.४३या.बुधास्तःपश्चिमायां११
८	शु	१५	२५	चि	१८	२५	सि	३३	१४	ब	१५	२५	५७	१३	४७	२५	७	१६	तुलायां कर्कऽर्कः१६ (सौरः४७वक्रीउषा२गुरुः२२
९	श	१६	४३	स्वा	२१	१९	सा	३१	२६	कौ	१६	४३	५५	१३	४७	२६	८	१७	तुलायां
१०	र	१६	१	वि	२२	१७	शु	२८	८	ग	१६	१	५२	१४	४६	२७	९	१८	वृ.७।३ भ.४४।३६उ.कर्केभौमः३९।६
११	चं	१३	१२	अ	२१	१३	शु	२३	०	वि	१३	१२	५०	१४	४६	२८	१०	१९	वृश्चिके भ.१३या.पुष्येरविः३५देवशयनी११व्र.
१२	मं	८	२६	ज्ये	१८	५	व्र	१६	२६	बा	८	२६	४८	१४	४६	२९	११	२०	ध.१८।५ पुष्येरविः सौरः५६आश्ले.शुक्रः५१प्रदोष
१३	बु	१	४८	मू	१३	११	सैं	१८/५०	४४	तै	१	४८	४५	१५	४५	३०	१२	२१	धनुषि भ.५३।४०उ.आर्द्रा.१शनिः४६।१५
१४	बु	५१	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१५	गु	४४	४१	पू	७/५२	२	वि	४८	५९	वि	१९	१०	४३	१५	४५	३१	१३	२२	भ.२०।१५ भ.१९या.व्यासपूजावायुपरीक्षागुरुः१५

१४ पं.आ.शु.५मं.इ. ३९/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	३	२	६	२
२७	२६	१२	३	८	५	११	२७
३०	४७	३३	४१	५०	४०	३०	१
५४	२	५४	१७	४२	५९	२३	४४
५७	४०	२१	५	७४	७	३	५६
११	१६	व	व	२६	१	११	५४

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले ८ शुक्रे कर्के ऽर्कः प्रविष्टः वा५ नं. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५ धान्या दिशावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

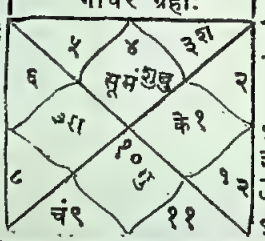

१५ पं.आ.शु.१२मं.इ. ३९/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	३	२	६	३
४	१	९	२	१७	६	११	३
११	२०	१२	४७	२६	३२	८	४०
३८	३१	०	६	३८	३१	८	११
५७	४०	२१	५	७४	६	३	५६
१५	६	व	व	२५	४४	११	५९

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	शु	३५	५	श्र	५२	३८	प्री	३८	३६	बा	९	५३	३३/४०	५/१६	६/४४	१	१४	२३	मकरे पुष्येभौमः३८।२१भा.श्रावणारंभः
२	श	२५	३९	ध	४५	११	आ	२८	४	तै	०	२२	२८	१६	४४	२	१५	२४	कुं.१८।५४ भ.५१।५उ.
३	र	१६	३२	श	३८	४०	सौ	१८	४	वि	१६	३२	३५	१७	४३	३	१६	२५	कुंभे भ.१६।३२या.चतुर्थीव्र.
४	चं	८	२०	पू	३२	५६	शो	८	३५	बा	८	२०	३३	१७	४३	४	१७	२६	मी१९।२२
५	मं	१/५४	३६/३२	उ	२८	३९	अ	१०/५२	३९	तै	१	२६	३०	१८	४२	५	१८	२७	मीने भ.५५।५८उ.नाग५मरुस्थले
७	बु	५२	८	रे	२५	४३	धृ	४७	०	वि	२४	३	२७	१९	४१	६	१९	२८	मे.२५।४३ भ.२४।३या.
८	गु	४९	५७	अ	२४	२९	शू	४२	१८	बा	२१	२	२४	१९	४१	७	२०	२९	मेषे वक्रीपुन.बुधः५।४७
९	शु	४९	१३	भ	२४	४९	गं	३८	४९	तै	१९	३५	२२	२०	४०	८	२१	३०	वृ.४०।१६ मघा.सिंहेशुक्रः५०।३२
१०	श	५०	११	कृ	२६	४८	वृ	३६	३९	व	१९	४२	१९	२०	४०	९	२२	३१	वृषे भ.१९।४२उ.५०।११या.
११	र	५२	१३	रो	३०	१६	धु	३५	३९	ब	२१	१२	१६	२१	३९	१०	२३	१	वृषे बुधोदयःपूर्वस्यां३३अगस्तदा.३१ =
१२	चं	५५	४२	मृ	३४	४५	व्या	३५	४५	कौ	२३	५७	१३	२१	३९	११	२४	२	मि२।३० आश्ले.रविः४२।२८ [=कामिका११व्र.
१३	मं	६०	०	आ	४०	१५	ह	३६	२०	ग	२७	५४	१०	२२	३८	१२	२५	३	मिथुने आश्ले.रविःसौरः१९।८प्रदोषः
१३	बु	०	६	पु	४६	३९	व	३७	४१	व	०	६	७	२३	३७	१३	२६	४	क.३०।३ भ.०।६उ.३२।४४या.मार्गीबुधः६।१३
१४	गु	५	२२	पु	५३	३८	सि	३९	३८	श	५	२२	४	२३	३७	१४	२७	५	कर्के
३०	शु	१०	५६	श्ले	६०	०	व्य	४१	४४	ना	१०	५६	०	२४	३६	१५	२८	६	कर्के हरियाली

१६ प.श्रा.कृ.५मं.इ. ३९/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	३	२	६	३
१०	५	४	१२६	७	१०	१०	
५२	५३	१८	५३	३	२२	४५	१९
४१	१७	२५	२४	१४	५	५२	२८
५७	४०	२१	५	७४	६	३	१७
२०	६	व.	व	२०	३२	११	५

गोचर ग्रहाः

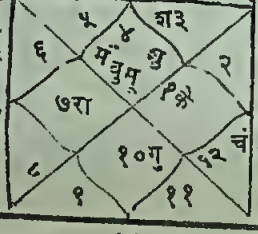

इस मास में वदि में धान्य गेहूं जो चना चावल बाजरा धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा मंदा होकर मुदि में तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

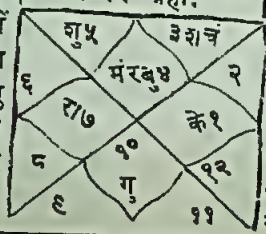

१७ पं.श्रा.कृ.१३मं.इ. ३९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	४	२	६	३
१७	१०	२	१	४	८	१०	१६
३४	२४	२३	१	३८	९	२३	५९
२३	४०	४९	३४	४२	४०	३७	१६
५७	३९	३१	२०	७४	६	३	५७
२५	४९	व.	ब	११	१७	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५४	दि.	उ.अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षतूरविदक्षिणेऽहर्गणः८५४सन्२०३२
१	श १७ ३७ श्ले १ २	व ४४ १२	ब १७ ३७ ३२	५	६	१६ २९	७ सिं १.१२	
२	र २३ २० म ८ २९	प ४६ ४७	कौ २३ २० ५४	२५ ३५	५७	१७ ३०	८ सिंहे	चंद्रदर्शनम्सिंघारा
३	चं २९ २१ पू १६ ४	शि ४९ ५	ग २९ २१ ५०	२६ ३४	१८	१ ३१	९ क. ३२.५१	जमादिलावल५तीज
४	मं ३५ ३ उ २३ १२	सि ५० ४९	व ४ १२ ४७	२७ ३३	१९	२ १०	कन्यायां	भ.१३उ.३५या.पूफा.शुक्रः४३.४६वरद४
५	बु ३९ ५५ ह २९ ४७	स्वा ५२ १६	ब ७ २९ ४४	२७ ३३	२०	३ ११	कन्यायां	स्वाती१राहुःअश्वि.३केतुः३नागपंचमी
६	गु ४३ ४० चि ३५ १६	शु ५२ ५९	कौ ११ ४८	४० २८	३२	२१ ४ १२	तु.२.३१	वक्रीधनुषिउषा.१गुरुः५०.४२
७	शु ४५ ५७ स्वा ३९ २८	शु ५२ २३	ग १४ ४९	३७ २९	३१	२२ ५ १३	तुलायां	भ.४५.५७उ.आश्ले.भौमः१८.४१
८	श ४६ ३१ वि ४२ ११	ब्र ५० २०	वि १६ १४	३३ २९	३१	२३ ६ १४	वृ.२७.३०	भ.१६.१४या.
९	र ४५ १४ अ ४३ १	ऐं ४७ १	बा १५ ५२	३० ३०	३०	२४ ७ १५	वृश्चिके	[+१५.३३पवित्रा११त्र.
१०	चं ४२ २ ज्ये ४१ ५७	वै ४२ २	तै १३ ३८	२६ ३१	२९	२५ ८ १६	ध.४१.५७	मघा.सिंहेऽर्कः३६.३०
११	मं ३६ ५५ मू ३८ ४३	वि ३५ २९	व ९ २८	२२ ३२	२८	२६ ९ १७	धनुषि	भ.९.२८उ.३५या.मघा.सिंहेऽर्कःसौरः +
१२	बु २९ ५५ पू ३३ ५५	प्री २७ २८	व ३ २५	१९ ३२	२८	२७ १० १८	म.४७.२०	प्रदोषः [×कर्मरक्षाबंधनम्
१३	गु २१ ३५ उ २७ ३४	आ १८ १६	तै २१ ३५	१५ ३३	२७	२८ ११ १९	मकरे	आश्ले.बुधः३५.१५
१४	शु १२ ७ श्र २० ११	सौ ८ ४९	व १२ ७	१२ ३४	२६	२९ १२ २०	कुं.४६.१२	भ.१२.७उ.३७.५या.
१५	श २ ४ ध १२ १३	अ ४६ १६	व २ ४	८ ३४	२६	३० १३ २१	कुम्भे	उफा.शुक्रः३५आर्द्रा२शनिः३५श्रावणी ×

१८पं.श्रा.शु.४मं.इ.३९.८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	४	२	६	३
२४	१४	५	०	१३	८	१०	२३
१६	५४	३३	१४	१४	५४	१	४०
४४	३२	७	२४	१७	५०	२१	२३
५७	३९	५३	१४	३४	५	३	५७
३३	३९	मा	व	२	५०	११	२२

गोचर ग्रहः

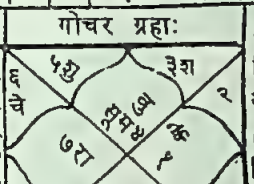

श्रावणशुक्ले १० चंद्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमाया

गोचर ग्रहः

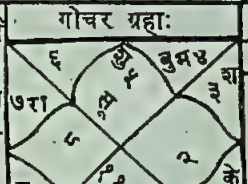

१९पं.श्रा.शु.११मं.इ.३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	८	४	२	६	४
१	१९	१३	२९	२१	९	९	०
०	२३	३७	३३	४९	३७	३९	२२
४	१७	५५	४२	२३	१९	५	३६
५७	३९	९३	४५	७३	५	३	५७
४०	३९	५८	व	५६	३०	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५४	दि.	उ.	अ.	हि	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतूरविदक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	श ४९ ५३ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	०	० ०	
२	र ४२ २१ श १ ४ ५२	सु ३५ २२	तै १७ ८	३३ ३५	२५	३१	१४	२२ मी ४३.४१	[×भा.भाद्रपदारभः चतुर्थीत्र.
३	चं ३३ ३३ उ ५० २७	धृ २५ ९	व ७ ५७	१	३६	२४	१	१५ २३ मीने	भ.७.५७उ.३३या.बुधास्तःपूर्वस्यां४५×
४	मं २६ १३ रे ४५ ३५	शू १६ १	बा २६ १३	३१ ५७	३७	२३	२	१६ २४ मे.४५.३५	कन्यायांशुक्रः१९.३३
५	बु २० ४१ अ ४२ २५	गं ८ ५	तै २० ४१	५३	३७	२३	३	१७ २५ मेषे	चंद्रषष्ठी
६	गु १७ १० भ ४१ १३	बृ ४४ ५५ १२	व १७ १०	४९	३८	२२	४	१८ २६ बृ.५६.२५	भ.१०.उ.४३या.मघा.सिंहेबुधः५९.४४
७	शु १५ ३७ कृ ४२ १	व्या ५३ ४४	ब १५ ३७	४६	३९	२१	५	१९ २७ वृषे	जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	श १६ ४ रो ४४ ४४	ह ५१ ५५	कौ १६ ४	४२	४०	२०	६	२० २८ वृषे	जन्माष्टमीव्र.वै.
९	र १८ ११ मृ ४८ ५५	व ५१ ४०	ग १८ ११	३८	४०	२०	७	२१ २९ मि १६.५०	म.५०.३उ.गोगा९ [+भौमः१६.३२
१०	चं २१ ५५ आ ५४ २८	सि ५२ ३६	वि २१ ५६	३४	४१	१९	८	२२ ३० मिथुने	भ.२१.५६या.पूफा.रविः२६.१४
११	मं २६ ४७ पु ६० ०	व्य ५३ ५०	बा २६ ४७	३०	४२	१८	९	२३ ३१ क.४४.२३	पूफा.रविःसौरः६.२४अजा११त्र.
१२	बु ३२ ३९ पु १ १	व ५६ ९	तै ३२ ३९	२६	४३	१७	१०	२४ १ कर्के	हस्तेशुक्रः३९सितम्बर९ता३०वत्सद्वादशी
१३	गु ३८ ३७ पु ८ २३	प ५८ २०	ग ५ ३८	२२	४४	१६	११	२५ २ कर्के	भ.३८उ.पूफा.बुधः४२.२९प्रदोषः
१४	शु ४४ ५८ श्ले १५ ५०	शि ६० ०	वि ११ ४७	१८	४४	१६	१२	२६ ३ सिं १५.५०	भ.४७या.मघा.सिंहेभौमः१२उदयो +
३०	श ५१ ४ म २३ २६	शि ० ५५	च १८ १	१५	४५	१५	१३	२७ ४ सिंहे	कुशाग्रहणी पिठोरी३०मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.४मं.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	८	५	२	६	४
७	२३	२५	२८	०	१०	९	७
४४	५०	३३	५७	२३	१६	१६	६
२८	५६	४३	२२	४२	३४	५०	३
५७	३९	२३	३५	७३	५	३	५७
४९	२२	२३	व	५०	२	११	४५

गोचर ग्रहः

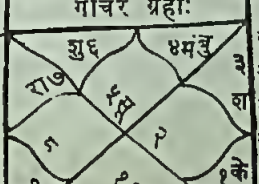

इस मास में धान्य गल्ला धातु रसकस वस्त्र रुई वारदाना कपास तेज होवे प्रजा में रोग शोक और अशान्ति रहे ।

गोचर ग्रहः

२१पं.भा.कृ.११मं.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	८	५	२	६	४
१४	१८	९	२८	८	१०	८	१३
३०	१९	१८	३०	५७	५२	५४	५१
४	८	२२	२२	२९	१९	३४	१५
५८	३९	२३	३५	७३	४	३	५७
१	२२	२३	व	४४	३८	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८८३स.२०३२
१	र	५६	५७	पू	३०	४९	सि	३	१४	कि	२४	०	३१/११	५/४६	६/१४	१४	२८	५	क.४७।३५	
२	चं	६०	०	उ	३७	५४	सा	५	२०	बा	२९	३४	७	४७	१३	१५	२९	६	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
२	मं	२	११	ह	४४	७	शु	७	१०	कौ	२	११	३	४७	१३	१६	१	७	कन्यायां	जमादिलाखर६
३	बु	६	४१	चि	४९	४०	शु	८	१८	ग	६	४१	३०/५९	४८	१२	१७	२	८	तु.१६।५४	भ.३८/३०उ.हरितालिका३गणेश४
४	गु	१०	१८	स्वा	५४	८	ब्र	८	४४	वि	१०	१८	५५	४९	११	१८	३	९	तुलायां	भ.१०/१८या.उफा.बुधः२८/१७ऋषिपचमी
५	शु	१३	४४	वि	५७	३४	ऐं	८	२८	बा	१३	४४	५१	५०	१०	१९	४	१०	वृ.४१।४३	
६	श	१३	५८	अ	५९	२९	वै	७	२२	तै	१३	५८	४७	५१	९	२०	५	११	वृश्चिके	कन्यायांबुधः५।८
७	र	१३	४०	ज्ये	५९	५९	वि	४	५८	व	१३	४०	४३	५१	९	२१	६	१२	ध.५९।५९	भ.१३/४०उ.४२/४९या.चित्रा.शुक्रः२४।४६
८	चं	११	५८	मू	५८	५८	प्री	१/२६	५५/९	ब	११	५८	३९	५२	८	२२	७	१३	धनुषि	उफा.रविः१०।३९(सौरः५१।४)
९	मं	८	३५	पू	५६	१२	सौ	५०	४	कौ	८	३५	३५	५३	७	२३	८	१४	धनुषि	[×वै.वामनजयंती
१०	बु	३	३३	उ	५२	६	शो	४२	५५	ग	३	३३	३१	५४	६	२४	९	१५	म.१०।१०	भ.३०/१७उ.५७/१या.जलझूलनी११व्र.स्मा.
११	बु	५३	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=तुलायांशुक्रः५२।३प्रदोषः
१२	गु	४९	४	श्र	४६	३२	अ	३४	१५	ब	२३	२	२७	५५	५	२५	१०	१६	मकरे	कन्यायामर्कः३६।०जलझूलनी व्र.×
१३	शु	४०	१०	ध	३९	४१	सु	२४	४७	कौ	१४	३७	२२	५६	४	२६	११	१७	कुं.१३।६	कन्यार्कःसौरः१६।१५हस्तेबुधः१।१५=
१४	श	३०	४३	श	३२	२३	धृ	१४	२५	ग	५	२६	१८	५६	४	२७	१२	१८	कुम्भे	भ.३०/४३उ.५५/५०या मार्गीगुरुः५२/१७अनंत१४
१५	र	२०	५७	पू	२४	४६	शू	३/४४	४९/१८	ब	२०	५७	१४	५७	३	२८	१३	१९	मी११।४०	महालयारंभःकु.संध्या.पूजनारंभः

२२पं.भा.शु.२मं.इ.३८/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	८	५	२	६	४
२१	२	२२	२८	१७	११	८	२०
१७	४५	५३	११	३२	२४	३२	३७
६	३६	२०	५६	२	७	१९	५५
५८	५७	१२/१३	३/१६	७३	४	३	५८
१३	५	५५	व	३१	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

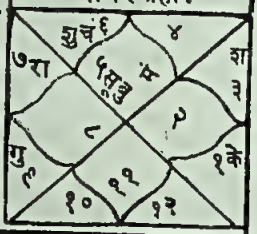

भाद्रपदशुक्ले१२ गुरौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

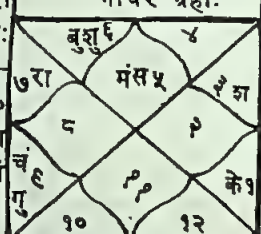

२३पं.भा.शु.९मं.इ.३८/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	८	५	२	६	४
२८	७	५	२८	२६	११	८	२७
५	१०	३७	२	३	५१	१०	२६
२८	४८	१९	२०	१८	११	३	१२
५८	३९	२०/४८	०/४९	७३	३	३	५८
२६	२		व	२०	३०	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	चं	११	३७	उ	१७	२३	बृ	४२	४६	कौ	११	३७	३०/९	५/५८	६/३	२९	१४	२०	मीने	
२/३	मं	५३/३	२२/०	रे	११	४	ध्रु	३३	२६	ग	३	२२	५	५९	१	३०	१५	२१	मे.११।४	भ.२९।५२उ.५६।२२
४	बु	५१	१८	अ	६	९	व्या	२५	२५	ब	२३	४९	३०/००	६/०	६/००	३१	१६	२२	मेषे	बुधोदयःपश्चिमाया१२।२३चतुर्थीव्र.
५	गु	४८	१३	भ	२	५८	ह	१८	५०	कौ	१९	४५	२९/५६	१	५/५९	१	१७	२३	बृ.१७।३९	स्वात्यांशुक्रः१९।४४भा.आश्विनारंभः
६	शु	४७	३१	कृ	१	४४	व	१३	५२	ग	१७	५२	५२	२	५८	२	१८	२४	वृषे	भ.४७।३१उ.पूफा.भौमः१८।१५
७	श	४८	४३	रो	२	४९	सि	१०	४३	वि	१८	७	४८	२	५८	३	१९	२५	मि३४।२०	भ.१८।७या.चित्राबुधः१८।४२
८	र	५२	१	मृ	५	५२	व्य	९	५	बा	२०	२२	४४	३	५७	४	२०	२६	मिथुने	हस्तेरविः४९।१३
९	चं	५६	४२	आ	१०	४१	व	९	१६	तै	२४	२१	४०	४	५६	५	२१	२७	मिथुने	हस्तेरविःसौर२८/४५मातृ९सौभाग्यवती.श्रा
१०	मं	६०	०	पु	१६	५०	प	१०	३	व	२९	३८	३६	५	५५	६	२२	२८	क.०।१८	भ.२९।३८उ.
१०	बु	२	३५	पु	२४	२	शि	११	५२	वि	२	३५	३२	६	५४	७	२३	२९	कर्के	भ.२/३५या.तुलायांबुधः३१।१२
११	गु	८	४७	श्ले	३१	३८	सि	१४	२०	बा	८	४७	२८	६	५४	८	२४	३०	सिं. ३१/३८	इदिरा११व्र.
१२	शु	१५	२५	म	३९	१९	सा	१६	४९	तै	१५	२५	२३	७	५३	९	२५	१	सिंहे	अक्टूम्बर१०ता.३१प्रदोषः
१३	श	२१	४१	पू	४६	४०	शु	१९	८	व	२१	४१	१९	८	५२	१०	२६	२	सिंहे	भ.२१।४१उ.५४।२७या.
१४	र	२७	१३	उ	५३	३०	शु	२१	१२	श	२७	१३	१५	९	५१	११	२७	३	कं.३।२२	शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	चं	३२	५	ह	५९	२५	ब्र	२२	५०	ना	३२	५	११	१०	५०	१२	२८	४	कन्यायां	स्वात्यांबुधः३/४८विशा.शुक्र१८/२५सर्वपितृ३०

२४पं.आ.कृ.२मं.इ.३८।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	८	६	२	६	५
४	११	१७	२८	४	१२	७	४
५५	३६	३०	२	३५	१३	४७	१६
१९	४	२५	२८	६	५५	४७	१९
५८	३८	०/१०	३३/३	७३	२	३	५८
३८	५८	१५	मा	९	४४	११	४५

गोचर ग्रहाः

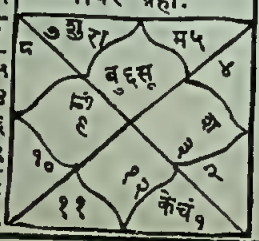

इस मास में चाँदी रुई स्वर्ण सण तिल बाजरा गेहूं जो चना आदि मंदे होवे रस कस गुड़ सक्कर घृत वारदाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

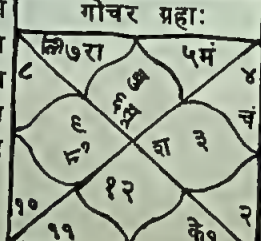

२५पं.आ.कृ१०मं.इ.३८/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	८	६	२	६	५
११	१५	२८	२८	१३	१२	७	११
४६	५९	३५	१२	६	३२	२५	८
५२	५६	५३	१४	४	३१	३२	१७
५८	३८	९५	१	७२	२	३	५९
५३	४०	३	४१	५०	५	११	०

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः९१३स.२०३२
१	मं	३५	५५	चि	६०	०	ऐं	२३	३२	किं	४	०	२७	६	५	१३	२९	५	तु.३१।५५	नवरात्रारभः मातामहश्रा.
२	बु	३८	५०	चि	४	२५	वै	२३	३६	बा	७	२२	३	११	४९	१४	३०	६	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
३	गु	४०	३७	स्वा	८	२२	वि	२२	४४	तै	९	४३	२८	१२	४८	१५	१	७	वृ.५५।३८	रज्जव७
४	शु	४१	२२	वि	११	२३	प्री	२१	४	व	१०	५९	५५	१३	४७	१६	२	८	वृश्चिके	भ.१०।५९उ.४१।२२या.
५	श	४०	५८	अ	१३	१९	आ	१८	३४	ब	११	१०	५१	१४	४६	१७	३	९	वृश्चिके	[×राहुःअश्वि.२केतुः५६।५५
६	र	३९	३१	ज्ये	१४	१५	सौ	१५	२७	को	१०	१४	४७	१५	४५	१८	४	१०	ध.१४।१५	चित्रा.रवि:२१।८(सौर:५९।१९)
७	चं	३६	५५	मू	१४	८	शो	११	१६	ग	८	१३	४३	१५	४५	१९	५	११	धनुषि	भ.३६।५५उ.
८	मं	३३	१९	पू	१२	४२	अ	६	९	वि	५	७	३९	१६	४४	२०	६	१२	म.२७।६	भ.५।७या.वृश्चिकेशुक्रः ३/३ चित्रा.४ ×
९	बु	२८	३९	उ	१०	१९	सु	१२	५३	बा	०	५९	३५	१७	४३	२१	७	१३	मकरे	विशा.बुधः४९।४६
१०	गु	२२	४३	श्र	६	४९	शू	४५	१८	ग	२२	४३	३१	१८	४२	२२	८	१४	कुं.३४।३५	भ.४९।२२उ.
११	शु	१६	१	ध	२१	५४	गं	३६	५२	वि	१६	१	२७	१९	४१	२३	९	१५	कुम्भे	भ.१६या.अनु.शुक्रः ३/६ उभा.भौमः ३३/४ =
१२	श	८	१७	पू	५०	४०	बृ	२७	४२	बा	८	१७	२३	१९	४१	२४	१०	१६	मी३७।१२	प्रदोषः [=पापांकुशा११व्र.
१३	र	०	२	उ	४४	१८	धु	१८	२	तै	०	२	२०	२०	४०	२५	११	१७	मीने	भ.५/६ उ.तुलायामर्कः ५(सौर:४२।३)
१४	र	५१	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Dशरदूपूर्णिमाका.स्ना.प्रा.कोजागरीव्र.
१५	चं	४३	४९	रे	३८	८	व्या	२९	५०	वि	१७	५३	१६	२१	३९	२६	१२	१८	मे.३८।८	भ १७/३या.खग्रासचंद्रग्रहणवङ्गीशनिः ५/६ D

२६प.आ.शु.१मं. इ. ३७/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	८	६	२	६	५
१८	२०	८	२८	२१	१२	७	१८
४०	२४	५६	३१	३६	४५	३	२
५	२२	४६	३७	७	११	१६	४
५९	३८	८७	३	७२	१	३	५९
९	३५	१०	८	३२	२५	११	१६

गोचर ग्रहाः

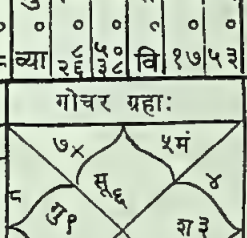

×राचबुशु
आश्विनशुक्ले १३ रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

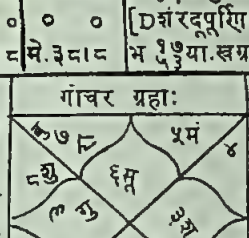

२७प.आ.शु.८ मं.इ.३७/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	८	७	२	६	५
२५	२४	१८	२९	०।१२		६	२४
३४	४८	२७	०	५।५३		४१	५७
५९	०/५८		०	१७	१३	१	४६
५९	३८	७६		४	७२	०	३	५९
२१	३३	४१	१९	११	४४	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतौ रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	मं	३६	४६	अ	३२	४८	व	५०	१९	बा	१०	१७	२९/१२	२/३	५/३८	२७	१३	१९	मेषे	
२	बु	३१	७	भ	२८	३९	सि	४२	४९	तै	३	५६	८	२२	३८	२८	१४	२०	वृ.४३।०	भ.५९।६उ.कन्यायांभौम:५५।५५
३	गु	२७	६	कृ	२६	२	व्य	३६	३१	वि	२७	६	४	२३	३७	२९	१५	२१	वृषे	भ.२७।६या.करकचतुर्थीव्र.
४	शु	२५	१५	रो	२५	२२	व	३१	४९	बा	२५	१५	०	२४	३६	३०	१६	२२	मि५६।४	वृश्चिकेबुधः३७।४२
५	श	२५	२३	मृ	२६	४६	प	२८	४१	तै	२५	२३	२९/६	२५	३५	१	१७	२३	मिथुने	स्वात्यांरविः ४/५० उषा२मकरेगुरुः ३/६ ×
६	र	२७	४२	आ	३०	२०	शि	२७	४१	व	२७	४२	५३	२५	३५	२	१८	२४	मिथुने	भ.३/२७उ.५/६या.स्वात्यारविःसौर:२३।६
७	चं	३१	४९	पु	३५	३८	सि	२७	२२	ब	३१	४९	४९	२६	३४	३	१९	२५	क.१९।१८	[×भा.कार्तिकारंभः
८	मं	३७	१९	पु	४२	१७	सा	२८	३७	बा	४	३४	४५	२७	३३	४	२०	२६	कर्के	अनु.बुधः३५।४०ज्येष्ठाशुक्रः२१।१९
९	बु	४३	२५	श्ले	४९	२३	शु	३०	३५	तै	१०	२२	४१	२८	३२	५	२१	२७	सि४९।२३	
१०	गु	५०	४	म	५७	७	शु	३२	५२	व	१६	४४	३७	२९	३१	६	२२	२८	सिंहे	भ.१६।४४उ.५०।४या.
११	शु	५६	१८	पू	६०	०	ब्र	३५	१८	ब	२३	११	३४	२९	३१	७	२३	२९	सिंहे	रमा११व्र.
१२	श	६०	०	पू		४	३४	ऐं	३७	१९	को	२९	८	३०	३०	३०	८	२४	३०	कं.२१।१८
१२	र	१	५९	उ	११	२९	वै	३८	४९	तै	१	५९	२७	३१	२९	९	२५	३१	कन्यायां	[=नवम्बर११ता.३०रु१४ प्रदोषःघन१३
१३	चं	६	४०	ह	१७	२२	वि	३९	२६	व	६	४०	२३	३१	२९	१०	२६	१	तु.४९।४३	भ.४/६उ.३/६या.वक्रीबुधः३६।५०=
१४	मं	९	५३	चि	२२	४	प्री	३९	२	श	९	५३	१९	३२	२८	११	२७	२	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	बु	११	५९	स्वा	२५	२३	आ	३७	४३	ना	११	५९	१६	३३	२७	१२	२८	३	तुलायां	सूर्यग्रहणम् अन्नकूटगोवर्द्धनपूजा

२८प.का.कृ.१मं.इ.३७/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	७	२	६	६
२	२९	२६	२९	८	१२	६	१
३१	९	५२	३६	३२	५५	१८	५५
२३	१३	२६	५०	५३	३०	४५	१०
५९	३८	६२	५	७१	०	३	५२
३४	२१	२९	२८	५०	व	११	४६

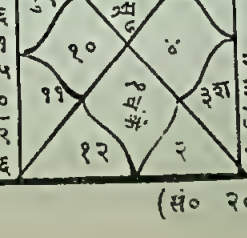

२९प.का.कृ.८मं.इ.३७/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	९	७	२	६	६
९	३	३	०	१६	१२	५	८
२९	३२	२१	२१	५९	५२	५६	५४
३८	६	७	५०	१०	२३	२९	३०
५९	३८	३८	६	७१	४९	३	६०
४७	१४	४५	३२	२८	व	११	२

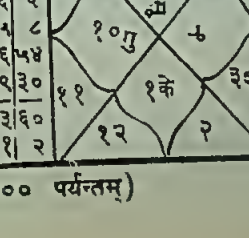

३०प.का.कृ.१४मं.इ.३७/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	९	७	२	६	६
१६	७	६	१	२५	१२	५	१५
२९	५३	१	१४	२४	४३	२४	५५
२०	२०	२३	१७	४०	४४	१४	३४
६०	३८	३/६	७	७१	१/३४	३	६०
४	५२	व	३५	४	व	११	१८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४३स.२०३२
१	गु १२ ४५ वि २७ ३२ सौ ३५ २२ ब १२ ४५ २७ ६ २६ १३ २६ ४	वृ.१२।०	चंद्रदर्शनसंभवः
२	शु १२ १९ अ २८ ३६ शो ३२ ० को १२ १६ ९ ३४ २६ १४ १ ५	वृश्चिके	हस्तेभौमः ५३ सावान८भातृ२यम२
३	श १० ५० ज्ये २८ ३७ अ २८ १ ग १० ५० ५ ३५ २५ १५ २ ६	घ.२८।३७	भ.३९ उ.विशा.रविः ५७ (सौरः ४० ×
४	र ८ ३४ मू २७ ५३ सु २३ ८ वि ८ ३४ २ ३६ २४ १६ ३ ७	धनुषि	भ.८।३४या.बुधास्तःपश्चिमायां३६।५२
५	चं ५ ३२ पू २६ २० धृ १७ ५० बा ५ ३२ २६ ३६ २४ १७ ४ ८	म.४०।४६	वक्रीविशा.बुधः२८।४
६	मं २ १ उ २४ १६ शू १२ ६ तै २ १ ५५ ३७ २३ १८ ५ ९	मकरे	भ.५७।४८उ.
७	मं ५५ ४७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०	[×मूलेंघनुषिशुक्रः२३।५४
८	बु ५३ ७ श्र २१ ४३ गं ४५ ५३ वि २५ २७ ५२ ३८ २२ १९ ६ १०	कुं.५०।८	भ.३५या.वक्रीतुलायांबुधः ३६ गोपाष्टमी
९	गु ४७ ५१ ध १८ ३४ ध्रु ५१ ४४ बा २० २९ ४९ ३८ २२ २० ७ ११	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
१०	शु ४२ १० श १४ ५३ व्या ४४ ८ तै १५ ० ४५ ३९ २१ २१ ८ १२	मी५६।५६	[म (सौरः ३४) उषा.३गरुः३५।२६
११	श ३६ १ पू १० ५३ ह ३६ ५ व ९ ५ ४२ ४० २० २२ ९ १३	मीने	भ ५ उ. ३६ या.प्रबोधिनी ११व्र.तुलसीवि.
१२	र २९ ३७ उ ६ १९ व २७ ५८ व २ ४९ ३९ ४० २० २३ १० १४	मीने	प्रदोषः
१३	चं २३ २१ रे ४६ ५५ सि १९ ४९ तै २३ २१ ३६ ४१ १९ २४ ११ १५	मि.१।४६	वैकुंठ१४
१४	मं १७ ३० भ ५३ ५१ व्य १२ ९ व १७ ३० ३३ ४१ १९ २५ १२ १६	मेषे	भ१७।३०उ.४५।०या.वृश्चिकेऽर्कः ४३ H
१५	बु १२ २९ कृ ५१ ८ व ४ ५३ ब १२ २९ ३० ४२ १८ २६ १३ १७	वृ.८।१०	पूषा.शुक्रः ४० मन्वादिःका.स्ना.पू.

३१पं.का.शु.६मं.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	९	८	२	६	६
१३	१२	१	२	३	१२	५	२२
३०	१३	४५	१३	४६	२९	११	५८
४०	५९	४९	४८	४८	४२	५८	६
६०	३८	८१		८	७०	२ १४	३	६०
१७	२	वं	३७	२८	व.	११	३०

गोचर ग्रहाः

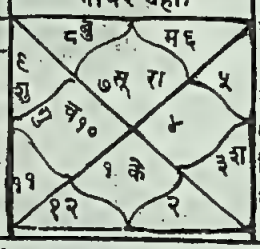

कार्तिकशुक्ले १४भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा३न४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

३२पं.का.शु.१४म.इ. ३६

र	मं	बु	शु	शु	श	रा	र
७	५	६	९	८	२	६	७
०	१६	२३	३	१२	१२	४	०
३३	३३	२२	२०	५	१०	४९	२
२२	३२	३४	१३	५६	५२	४३	१०
६०	३७	७७	९	६९	२ ४९	३	६०
३०	४९	व.	२८	४६	व.	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	गु ८ ४४ रो ५० ७ शि ५३ ६ कौ ८ ४४ २६ ४ ६ ५ २७ १४ १८	वृषे	
२	शु ६ ५० मृ ५० ४१ सि ४९ ७ ग ६ ५० २५ ४३ १७ २८ १५ १९	मि २०।२४	भ.३६ उ.अनु.रविः २३ (सौरः ५५, वक्री=
३	श ६ २५ आ ५२ ५८ सा ४६ ५६ वि ६ २५ २२ ४४ १६ २९ १६ २०	मिथुने	भ.६।२५या.चतुर्थीव्र.
४	र ८ ४ पु ५७ १२ शु ४५ ४६ बा ८ ४ १९ ४४ १६ ३० १७ २१	क.४१।८	[=स्वात्यांबुधः १ बुधोदय;पूर्वस्यां८।५०
५	चं ११ २२ पु ६० ० शु ४५ ५६ तै ११ २२ १७ ४५ १५ १ १८ २२	कर्के	मार्गीबुधः३४।२९भा.मार्गशीर्षारंभः
६	मं १६ ३० पु २ ५७ ब्र ४७ २४ व १६ ३० १४ ४५ १५ २ १९ २३	कर्के	भ.१६।३०उ.४९।३९या.
७	बु २२ ४८ श्ले ९ ४१ ऐं ४९ १७ ब २२ ४८ १२ ४६ १४ ३ २० २४	सिंहे९।४१	विशा.बुधः२०।२
८	गु २८ ४९ म १७ १० वै ५१ ३५ को २८ ४९ ९ ४६ १४ ४ २१ २५	सिंहे	
९	शु ३५ १४ पू २४ ३२ वि ५३ ५० तै २ १ ७ ४७ १३ ५ २२ २६	कं.४१।२१	
१०	श ४१ ३ उ ३१ ४६ भी ५५ ३२ व ८ ८ ५ ४७ १३ ६ २३ २७	कन्यायां	भ.८।८उ.४१।३या चित्रा.भौमः३९।२८
११	र ४५ ४६ ह ३८ ५ आ ५६ १६ ब १३ २४ २ ४८ १२ ७ २४ २८	कन्यायाँ	उत्पत्ति११व्र.
१२	चं ४९ ६ चि ४२ ४९ सो ५६ २ को १७ २६ ० ४८ १२ ८ २५ २९	तु.१०।२७	उषा.शुक्रः०।२३
१३	मं ५० ५५ स्वा ४६ २२ शो ५४ ४० ग २० ० २५ ४८ १२ ९ २६ ३०	तुलायां	भ.५०।५५उ.प्रदोषः
१४	बु ५० ५० वि ४७ ५८ अ ५१ ५० वि २० ५२ ५६ ४९ ११ १० २७ १	वृ.३२।३४	भ.५९या.मकरेशुक्रः ५३ दिसं.१२ता.३१
३०	गु ४९ २५ अ ४८ ११ सु ४७ ५२ च २० ७ ५४ ४९ ११ ११ २८ २	वृश्चिके	ज्येष्ठा.रविः३२।१५

३३पं मा कृ.६मं.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	९	८	२	६	७
७	२०	१९	४	२०	११	४	७
३७	५२	५०	३१	२१	४७	२७	७
१६	३४	१७	३७	५०	४९	२७	४३
६०	३७	१३ ३५	१०	६८	३०	३	६०
४२	४६	मा	१३	५८	व	११	५३

गोचर ग्रहाः

इस मास में शनिवार का चंद्रदर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत में अच्छी तेजी करेगा धान्य व गल्ले में कुछ मंदी हो ।

गोचर ग्रहाः

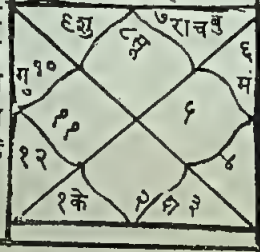

३४पं.मा कृ.१३म.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	९	८	२	६	७
१४	२५	२४	५	२८	११	४	१४
४२	१०	२६	४८	३२	२०	५	१४
२९	३७	५३	२२	२४	३८	११	२९
६०	३७	६१	१०	६८	३ ३	३	६१
५०	३१	१६	५६	१०	व.	११	३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः९७२स.२०३२
१	शु	४६	३४	ज्ये	४७	१०	धृ	४२	४७	किं	१७	५९	२५/५३	६/४९	५/११	१२	२९	३	ध.४७।१०	ज्येष्ठा.रविःसौरः५९।२९
२	श	४२	४८	मू	४५	१३	शू	३७	१	बा	१४	४१	५१	५०	१०	१३	३०	४	धनुषि	उषा.४गुरुः५८।३० चंद्रदर्शनम्
३	र	३८	१७	पू	४२	२०	गं	३०	३७	तै	१०	३२	४९	५०	१०	१४	१	५	म.५६।३४	वृश्चिकेबुधः१६।४१ रमजान९
४	चं	३३	२२	उ	३९	१४	बृ	२३	२२	व	५	४९	४८	५०	१०	१५	२	६	मकरे	भ.५।४९उ.३३।२२या.
५	मं	२८	२०	श्र	३५	४९	ध्रु	१६	१४	ब	०	५१	४६	५१	९	१६	३	७	मकरे	अनु.बुधः४५।४७
६	बु	२३	१६	ध	३२	१९	व्या	९	१७	तै	२३	१६	४५	५१	९	१७	४	८	कुं.४।४	तुलायांभौमः२८।१८ चंपा६
७	गु	१८	८	श	२८	५३	ह	१/५८	५२/४६	व	१८	८	४४	५१	९	१८	५	९	कुंभे	भ.१८।८उ.४५।४०या.
८	शु	१३	१२	पू	२५	३८	सि	४७	३८	ब	१३	१२	४३	५१	९	१९	६	१०	मी११।२७	श्रवणेशुक्रः३६।५१ [=गीताजयंती
९	श	८	१७	उ	२२	१७	व्य	४०	३२	कौ	८	१७	४२	५२	८	२०	७	११	मीने	
१०	र	३	३४	रे	१९	२३	व	३३	५०	ग	३	३४	४१	५२	८	२१	८	१२	मे.१९।२३	भ३१/२१उ.५९/९या.मोक्षदा११ब्र.स्मा.=
११	र	५५	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[-ज्येष्ठा.बुधः५९/५६दत्तजयंती
१२	चं	५५	२	अ	१६	५४	प	२७	११	ब	२७	५	४०	५२	८	२२	९	१३	मेषे	मोक्षदा११ब्र.वै.
१३	मं	५१	४९	भ	१४	४१	शि	२१	११	कौ	२३	२५	३९	५२	८	२३	१०	१४	वृ.२९।१७	चित्रा.३राहु.अश्वि.१केतुः४८/३३प्रदोषः
१४	बु	४९	११	कृ	१३	७	सि	१५	३५	ग	२०	३०	३९	५२	८	२४	११	१५	वृषे	भ.४९।११मूलेधनुष्यर्कः३९।३०
१५	शु	४७	५९	रो	१२	४१	सा	१०	५२	वि	१८	३५	३८	५२	८	२५	१२	१६	मि४३।५	भ.१८।३५या.मूलेधनुष्यर्कःसौरः३/१९-

३५पं.मा.शु.५मं.इ. ३६/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	९	९	२	६	७
२१	२९	३	७	६	१०	३	२१
४८	२७	७	१०	३७	५०	४२	२२
३२	३२	८	१६	४८	६	५६	१०
६०	३७	८०	११	६७	४/१०	३	६१
५६	२३	२९	३१	९	व.	११	११

गोचर ग्रहाः

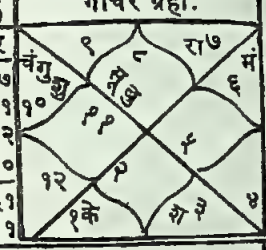

मार्गशीर्षशुक्ले१४बुधे धन ष्यर्कः प्रविष्टः वा२न३ प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

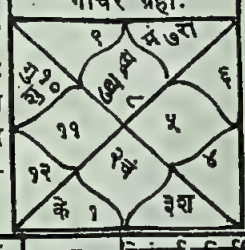

३६पं.मा.शु.१३मं.इ. ३५/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	९	९	२	६	७
२८	३	१३	८	१४	१०	३	२८
५५	४४	७	३५	३६	१७	२०	३०
२६	४९	१९	५३	४७	१७	४०	५३
६१	३६	८८	१२	६५	४/३४	३	६१
०	५९	३९	८	५०	व.	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	शु	४८	१	मृ	१३	३०	शु	७	९	बा	१८	०	२५/३८	६/५२	५/८	२६	१३	१७	मिथुने	
२	श	४९	५२	आ	१५	३२	शु	४	४३	तै	१८	५६	३७	५३	७	२७	१४	१८	मिथुने	वक्रीआर्द्रा.१शनिः२३।४
३	र	५३	१	पु	१९	१३	ब्र	३	२६	व	२१	२६	३७	५३	७	२८	१५	१९	क.३।१८	भ.२१।२६उ.५३।१या.स्वात्यांभौमः२५/२४
४	चं	५७	४१	पु	२४	२०	ऐं	२	५५	ब	२५	२१	३६	५३	७	२९	१६	२०	कर्के	बुधास्तःपूर्वस्यां ३६/३१ चतुर्थी व्र.
५	मं	६०	०	श्ले	३०	४०	वै	३	४६	कौ	३०	२८	३६	५३	७	३०	१७	२१	सिं३०।४०	श्रवण.१गुरुः१२।३८
५	बु	३	१६	म	३७	४२	वि	५	८	तै	३	१६	३६	५३	७	१	१८	२२	सिंहे	धनि.शुक्रः२६।४९भा.पौषारंभः
६	गु	९	४६	पू	४५	२२	प्री	७	२३	व	९	४६	३६	५३	७	२	१९	२३	सिंहे	भ.९।४६उ.४३।३या.
७	शु	१६	२०	उ	५२	४५	आ	९	३७	ब	१६	२०	३७	५३	७	३	२०	२४	कं.२।१३	
८	श	२२	२१	ह	५९	३८	सौ	११	४४	कौ	२२	२१	३७	५३	७	४	२१	२५	कन्यायां	मूलेधनुषिबुधः५५।१९
९	र	२७	४०	चि	६०	०	शो	१३	६	ग	२७	४०	३७	५३	७	५	२२	२६	तु.३२।२३	भ.५९।३२उ.
१०	चं	३१	३५	चि	५	८	अ	१३	२७	वि	३१	२५	३८	५२	८	६	२३	२७	तुलायां	भ.३१।२५या
११	मं	३३	३०	स्वा	९	२३	सु	१२	४१	ब	२	२७	३८	५२	८	७	२४	२८	वृ.५६।४	पूषा.रविः४४/३३कुंभेशुक्रः३१/५३सफला११ब्र.
१२	बु	३३	३८	वि	११	३८	धृ	१०	२९	कौ	३	३४	३९	५२	८	८	२५	२९	वृश्चिके	पूषा.रविःसौरः४।५७
१३	गु	३१	५८	अ	१२	८	शू	६	४२	ग	२	४८	४०	५२	८	९	२६	३०	वृश्चिके	भ.३१।५८उ. प्रदोषः.
१४	शु	२८	२२	ज्ये	१०	४७	गं	१/२८	५३/३०	वि	०	१०	४१	५२	८	१०	२७	३१	ध.१०।४७	भ.०।१०या.
३०	श	२३	२८	मू	७	५०	ध्रु	४७	३५	ना	२३	२८	४२	५२	८	११	२८	१	धनुषि	जनवरी१ता.३१सन्२०३३

३७पं पौ.कृ.५मं इ ३५/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	९	९	२	६	८
६	७	२३	१०	२२	९	२	५
३	५९	३६	४	२५	४३	५८	४०
०	३८	०	४८	१६	८	२५	१८
६१	३६	९४	१२	६४	४/४०	३	६१
४	३८	२१	२५	२५	व	११	२२

गोचर ग्रहाः

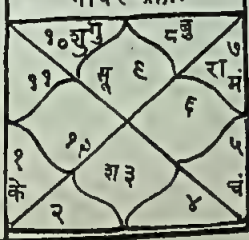

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथि वृद्धि व शुक्लपक्ष की तिथि क्षय धातु सोनाचांदी लोहा ताम्बा गुड शक्कर वस्त्र तेजीकरे

गोचर ग्रहाः

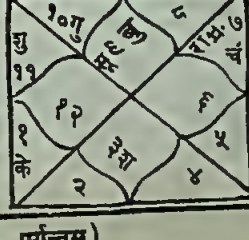

३८पं.पौ.कृ.११मं.इ. ३५/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	९	१०	२	६	८
१३	१२	४	११	०	९	२	१२
१०	११	२०	३७	३	८	३६	५०
५९	३१	३५	१६	५८	३१	९	१०
६१	३६	९७	१२	६२	४/४०	३	६१
६	२२	३०	५२	४०	व.	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः१००२स२०३३
१	र	१७	२३	पू	३/५०	५५/७	व्या	३९	६	ब	१७	२३	२५/४३	६/५१	५/९	१२	२९	२	म.१७।२७	चन्द्रदर्शनम्
२	चं	१०	३८	श्र	५३	५७	ह	३०	२५	कौ	१०	३८	४४	५१	९	१३	१	३	मकरे	पूषा.बुधः२८/२५शतेशुक्रः४८/४५सव्वाल१०
३	मं	३	५०	ध	४८	५२	व	२१	४३	ग	३	५०	४५	५१	९	१४	२	४	कुं.२१।२५	भ.३०।२६उ.५७।३या.
४	मं	५३	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	बु	५०	४३	श	४४	७	सि	१३	९	ब	२३	५३	४७	५१	९	१५	३	५	कुंभे	श्रवण.२गुरुः१०।३१
६	गु	४४	५०	पू	३९	५८	व्य	४/५५	५२/२०	कौ	१७	४६	४८	५०	१०	१६	४	६	मी२६।०	
७	शु	३९	३५	उ	३६	१८	प	४९	५३	ग	११	१२	५०	५०	१०	१७	५	७	मीने	भ.३९।३५उ.
८	श	३५	१७	रे	३३	३४	शि	४३	२५	वि	७	२६	५२	५०	१०	१८	६	८	मे.३३।३४	भ.७।२६या.
९	र	३१	३७	अ	३१	३२	सि	३७	२९	बा	३	२७	५३	४९	११	१९	७	९	मेषे	[-उषा.बुधः३६/४३पुत्रदा११व्र.
१०	चं	२८	४७	भ	३०	२३	सा	३२	१६	तै	०	१२	५५	४९	११	२०	८	१०	वृ.४५।८	भ.५७/५१उ.उषा.रविः४९/१९विशा.भौमः३९/२५
११	मं	२६	५६	कृ	३०	२	शु	२७	४३	वि	२६	५६	५७	४९	११	२१	९	११	वृषे	भ.२६।५६या.उषा.रविःसौरः६।२४-
१२	बु	२४	५०	रो	३०	४६	शु	२४	०	बा	२४	५०	५९	४८	१२	२२	१०	१२	वृषे	प्रदोषः
१३	गु	२५	५९	मृ	३२	३५	ब्र	२१	५	तै	२५	५९	२६/१	४८	१२	२३	११	१३	मि१।४१	मकरेबुधः३३।३९
१४	शु	२६	५९	आ	३५	१७	ऐं	१९	६	व	२६	५९	४	४७	१३	२४	१२	१४	मिथुने	भ.२६/५९उ.५८/१३या.मकरेऽर्कः५/४३(सौरः२१/५१)
१५	श	२९	२८	पु	३९	१०	वै	१८	१४	ब	२९	२८	६	४७	१३	२५	१३	१५	क.२३।१२	मा.स्ना.प्रा.

३९पं.पौ शु.३मं.इ. ३५/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	९	१०	२	६	८
२०	१६	१५	१३	७	८	२	२०
१९	२३	१९	१२	२७	३४	१३	०
५	२८	४४	१८	११	१६	५३	७
६१	३६	७/१०	१३	६०	४/३१	३	६१
६	१	५८	१४	२५	व	११	२६

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले १४ शुक्रे मकरेऽर्कःप्रविष्ट.वा३ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ.शु.११मं.इ. ३५/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	९	१०	२	६	८
२७	२०	२६	१४	१४	८	१	२७
२७	३३	३८	४९	३३	१	५१	९
७	२२	२	८	५४	४४	३८	५९
६१	३५	७/१०	१३	५७	४/१०	३	६१
६	३९	३५	२२	३८	व	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	र	३३	७	पु	४४	७	वि	१७	५०	बा	१	१७	२६/८	६/४६	५/१४	२६	१४	१६	कर्के	
२	चं	३८	१	श्ले	५०	२२	प्री	१८	२८	तै	५	३४	११	४६	१४	२७	१५	१७	सिं५०।२२	पूभा.शुक्रः९।४
३	मं	४३	३१	म	५७	१०	आ	१९	४५	व	१०	४६	१३	४५	१५	२८	१६	१८	सिंहे	भ.१०।४६उ.४३।३१या.
४	बु	४९	४९	पू	६०	०	सौ	२१	४९	ब	१६	४०	१६	४५	१५	२९	१७	१९	सिंहे	श्रवणेबुधः३४/३८श्रवण.३गुरुः३२/३९चतुर्थीव्र.
५	गु	५६	२३	पू	४	४६	शो	२३	५९	कौ	२३	११	१९	४४	१६	३०	१८	२०	कं.२१।४१	अभि.प्र.रविः४०।९(सौरः५३।१२)
६	शु	६०	०	उ	१२	२५	अ	२६	१९	ग	२९	३६	२१	४४	१६	१	१९	२१	कन्यायां	भा.माघारंभः
६	श	२	४९	ह	१९	५०	सु	२८	१७	व	२	४९	२४	४३	१७	२	२०	२२	तु.५३।५	भ.२।४९उ.३५।४०या.
७	र	८	३२	चि	२६	१९	धृ	२९	३०	ब	८	३२	२७	४३	१७	३	२१	२३	तुलायां	श्रवणेरविः५४।४६ [=अस्तंगुरोः१५/३६
८	चं	१३	६	स्वा	३१	३२	शू	२९	५०	कौ	१३	६	२९	४२	१८	४	२२	२४	तुलायां	श्रवणेरविःसौरः१०/८अभि.नि.रविः४७/१=
९	मं	१६	१	वि	३५	६	गं	२८	३९	ग	१६	१	३२	४२	१८	५	२३	२५	वृ.१९।१३	भ.४६/३०उ.अभि.नि.रविःसौरः०।२५
१०	बु	१७	०	अ	३६	५३	वृ	२५	५३	वि	१७	०	३५	४१	१९	६	२४	२६	वृश्चिके	भ.१७।०या.
११	गु	१५	५९	ज्ये	३६	३२	ध्रु	२१	३७	बा	१५	५९	३८	४०	२०	७	२५	२७	ध.३६।३२	धनि.बुधः१८/१६वृश्चिकेभौमः४०/१९×
१२	शु	१२	५२	मू	३४	१०	व्या	१५	४४	तै	१२	५२	४१	४०	२०	८	२६	२८	धनुषि	मीनेशुक्रः३४।२३ प्रदोषः
१३	श	८	१	पू	३०	४	ह	८/२३	५१/१६	व	८	१	४५	३९	२१	९	२७	२९	म.४३।४२	भ.८।१उ.३४।४०या.
१४	र	१	१८	उ	२४	३४	सि	५०	१२	श	१	१८	४८	३८	२२	१०	२८	३०	मकरे	[×षट्तिला११व्र.
३०	र	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

४१पं.मा.कृ.३मं.इ. ३५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	९	१०	२	६	९
४	२४	८	१६	२१	७	१	४
३४	४१	१८	२७	१७	३१	२९	१९
५९	१७	३२	७	४२	१९	२२	२८
६१	३४	७/१०	१३	५३	३/५२	३	६१
३	५८	१	३२	५५	व	११	१९

गोचर ग्रहाः

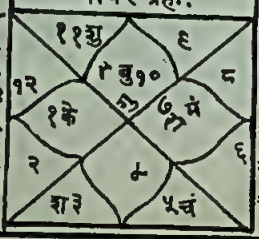

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन तेजीकारक है धान्य बाजरा मूंग मोठ चना गेहूं चांवल सोना चांदी में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

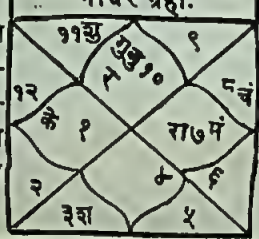

४२पं.मा.कृ.९मं.इ. ३५/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	९	१०	२	६	९
११	२८	२०	१८	२७	७	१	११
४२	४८	२०	६	३२	४	७	२८
२९	४	१०	३६	५६	५	७	१९
६०	३४	७/१०	१३	४९	३/२७	३	६१
५९	३६	५	३८	२१	व	११	१३

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः१०३१स.२०३३
१	चं	४५	७	श्र	१७	४६	व्य	४०	१७	किं	१९	२०	२६/५१	६/३८	५/२२	११	२९	३१	कुं.४४।३५	कुंभेबुध:११/४९ बुधोदय:पश्चिमायां४७/३६
२	मं	३६	३२	ध	११	२४	व	३०	११	बा	१०	४९	५४	३७	२३	१२	३०	१	कुम्भे	उभा.शुक्र:४८/४३ वक्रीमृग.४शनि:२/५०–
३	बु	२८	१३	श	४/४९	५३/४७	प	२०	१०	तै	२	२२	५८	३६	२४	१३	१	२	मी४५।९	भ.५४/२३ उ.अनु.भौम:२७/२२ श्रवण४गुरु:३४/६=
४	गु	२०	३३	उ	५३	२३	शि	१०	३९	वि	२०	३३	२७/१	३६	२४	१४	२	३	मीने	भ.२०।३३या. [=जिल्काद११
५	शु	१३	४०	रे	४९	१	सि	१/५१	५२/३१	बा	१३	४०	५	३५	२५	१५	३	४	मे.४९।१	शतेबुध:९।४३ वसंत५
६	श	८	४	अ	४६	७	शु	४७	३५	तै	८	४	८	३४	२६	१६	४	५	मेषे	[-चंद्रदर्शनम्फर्वरी२ता.२८
७	र	३	४१	भ	४४	३०	शु	४२	१	व	३	४१	१२	३४	२६	१७	५	६	वृ.५९।२७	भ.३/४१ उ.३२/१३ या.धनि.रवि:३/४ (सौर:×
८	चं	०	४६	कृ	४४	१९	ब्र	३७	३६	ब	०	४६	१५	३३	२७	१८	६	७	वृषे	[×१४/५८) भानु७रथ७भीष्माष्टमी
९	चं	५८	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	मं	५८	५९	रो	४५	२२	ऐं	३४	१६	तै	२९	५	१९	३२	२८	१९	७	८	वृषे	
११	बु	६०	०	मृ	४७	४९	वै	३२	०	व	२९	३२	२३	३१	२९	२०	८	९	मि१६।३५	भ.२९।३२उ. जया११व्र.स्मा.
११	गु	०	६	आ	५१	१३	वि	३०	२९	वि	०	६	२७	३१	२९	२१	९	१०	मिथुने	भ.०।६या. जया११व्र.वै.
१२	शु	२	८	पु	५६	५	प्री	३०	२०	बा	२	८	३०	३०	३०	२२	१०	११	क.३९।५२	प्रदोष·
१३	श	५	३८	पु	६०	०	आ	३०	१५	तै	५	३८	३४	२९	३१	२३	११	१२	कर्के	कुंभेऽर्क:३०।२० (सौर:४८।५६)
१४	र	९	४८	पु	१	३१	सौ	३१	१९	व	९	४८	३८	२८	३२	२४	१२	१३	कर्के	भ.९।४८उ.४२।३०या.
१५	चं	१५	१३	श्ले	७	५८	शो	३२	५०	ब	१५	१३	४१	२८	३२	२५	१३	१४	सिं७।५८	मा.स्ना.पूर्ति:

४३पं.मा.शु.२मं.इ. ३५/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	९	११	२	६	९
१८	२	२	१९	३	६	०	१८
४९	५०	२१	४६	१०	४१	४४	३६
१	४२	४	४४	३७	३१	५१	२६
६०	३४	०/०	१३	४३	२/४६	३	६१
५५	२	५३	३८	२०	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

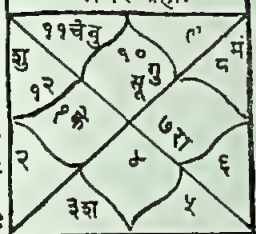

माघ शुक्ले १३ शनौ कुंभेऽर्क:प्रविष्ट: वा.२ न. २ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदय:पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

४४पं.मा.शु.१०म.इ. ३५/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	९	११	२	६	९
२५	६	१३	२१	७	६	०	२५
५४	५०	२८	२६	५६	२२	२२	४३
५०	३१	१६	४९	४२	३५	५९	१३
६०	३३	८५	१३	३५	२/११	३	६०
४७	२४	१६	३८	२०	व	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	मं	२०	४६	म	१४	४४	अ	३४	४४	कौ	२०	४६	२७/४५	६/२७	५/३३	२६	१४	१५	सिंहे	पूभा.बुध:१/१३ चित्रा,२राहु:रेव.४केतु:४२/२४
२	बु	२७	१५	पू	२२	११	सु	३६	५६	ग	२७	१५	४९	२६	३४	२७	१५	१६	कं.३९।४	धनि.१गुरु:३७।९
३	गु	३३	३७	उ	२९	४४	धृ	३९	११	व	०	२६	५३	२५	३४	२८	१६	१७	कन्यायां	भ.०।२६उ.३३।३७या.
४	शु	३९	५६	ह	३७	२३	शू	४१	२४	ब	६	४६	५६	२५	३५	२९	१७	१८	कन्यायां	वक्रीबुध:५४।२ चतुर्थी व्र.
५	श	४५	५५	चि	४४	१७	गं	४३	११	कौ	१२	५५	२८/००	२४	३६	३०	१८	१९	तु.१०।५०	शतेरवि:१४।३१ (सौर:२४।१८
६	र	५०	५४	स्वा	५०	२५	वृ	४४	१०	ग	१८	२५	४	२३	३७	१	१९	२०	तुलायां	भ.५०/५४ उ.बुधास्त:पश्चिमायां५१/५३+
७	चं	५४	३८	वि	५५	११	ध्रु	४४	१८	वि	२२	४६	८	२२	३८	२	२०	२१	वृ.३९।०	भ.२२।४६या.उदयंगुरो:४८।०
८	मं	५६	४३	अ	५८	२७	व्या	४२	५८	बा	२५	४०	१२	२२	३८	३	२१	२२	वृश्चिके	वक्रीशतेबुध:४०।१७
९	बु	५६	५५	ज्ये	५९	५०	ह	४०	१०	तै	२६	४९	१६	२१	३९	४	२२	२३	ध.५९।५०	[+भा.फाल्गुनारंभः
१०	गु	५५	२	मू	५९	११	व	३५	५०	व	२५	५८	२०	२०	४०	५	२३	२४	धनुषि	भ.२५।५८उ.५५।२या.
११	शु	५१	१५	पू	५६	३१	सि	२९	५६	ब	२३	८	२४	१९	४१	६	२४	२५	धनुषि	विजया११व्र. [÷महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१२	श	४५	२५	उ	५२	३	व्य	२२	२९	कौ	१८	२०	२८	१८	४२	७	२५	२६	म.१०।२४	ज्येष्ठा.भौम.१२।५०
१३	र	३८	५	श्र	४६	११	व	१३	३४	ग	११	४५	३२	१८	४२	८	२६	२७	मकरे	भ.३८।५उ.वक्रीशुक्र:३६।४८ प्रदोष:÷
१४	चं	२९	२३	ध	३९	७	प	३/४३	४९/१८	वि	३	४४	३६	१७	४३	९	२७	२८	कुं.१२।३९	भ.३।४४या.महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	मं	१९	५९	श	३१	२९	सि	४२	७	ना	१९	५९	४०	१६	४४	१०	२८	१	कुंभे	मार्गीशनि:५८।४६ मार्च३ता.३१

४५पं.फा.कृ.१मं.इ. ३६/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	९	११	२	६	१०
२	१०	२०	२३	११	६	०	२
५९	४४	२२	६	३१	९	०	४९
४२	४६	२३	४	१९	२९	२०	१६
६०	३२	३८	१३	२४	१/३१	३	६०
३५	३७	२९	३२	४९	व.	११	४२

४६पं.फा.कृ.८मं.इ. ३६/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	९	११	२	५	१०
१०	१४	२०	२४	१३	६	२९	९
३	३६	२	४५	५०	१	३८	५३
१४	१८	४९	१४	३१	१६	४	४९
६०	३१	४३/११	१३	११	४१/०	३	६०
२५	२८	व	२६	२६	व.	११	३१

४७पं.फा.कृ.३०मं.इ. ३६/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	९	११	२	५	१०
१७	१८	१३	२६	१४	५	२९	१६
५	२३	३१	२२	१५	५८	१५	५६
२८	१३	२३	४४	२९	१९	४९	४४
६०	३०	७०/४०	१३	४/३४	०/३	३	६०
१२	२३	व	२०	व	व.	११	२०

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण १०६१स.२०३३
१	बु	१०	१६	पू	२३	४२	सा	३१	१२	ब	१०	१६	२८/४४	६/१५	५/४५	११	२९	२	मी१०।३९	धनि.२गुरुः५४।२२ चंद्रदर्शनम्
२/३	गु	०/५१	५०/११	उ	१६	२६	शु	२०	५०	कौ	०	५०	४८	१४	४६	१२	१	३	मीने	जिल्हेज१२फुलरिया२
४	शु	४४	२८	रे	१०	५	शु	११	२	व	१८	१४	५२	१४	४६	१३	२	४	मे.१०।५	भ १८/१४उ.४४/२८या.पूभारविः३०/३७(सौरः३९/५
५	श	३८	२५	अ	५	३	ब्र	२/४२	५३/५	ब	११	२६	५६	१३	४७	१४	३	५	मेषे	
६	र	३४	६	भ	१	३७	वै	५०	८	कौ	६	१५	२९/१	१२	४८	१५	४	६	वृ.१६।१३	बुधोदयःपूर्वस्यां३१।७
७	चं	३१	२९	कृ	०	१	वि	४५	५३	ग	२	४७	५	११	४९	१६	५	७	वृषे	भ.३१।२९उ.
८	मं	३०	५०	रो	०	८	प्री	४३	२०	वि	१	९	९	१०	५०	१७	६	८	मि३१।९	भ.१।९या. होलाष्टकम्
९	बु	३१	५९	मृ	२	१०	आ	४१	४६	बा	१	२४	१३	९	५१	१८	७	९	मिथुने	
१०	गु	३४	२२	आ	५	३७	सौ	४१	३५	तै	३	१०	१७	९	५१	१९	८	१०	क.५४।२३	
११	शु	३८	२०	पु	१०	३८	शो	४२	१७	व	६	२१	२१	८	५२	२०	९	११	कर्के	भ.६।२१उ.३८।२०या.आमलकी११ब्र.
१२	श	४३	१०	पु	१६	३९	अ	४३	२२	ब	१०	४५	२६	७	५३	२१	१०	१२	कर्के	[-मार्गीबुधः३२/५२
१३	र	४९	४	श्ले	२३	२५	सु	४५	२८	कौ	१६	७	३०	६	५४	२२	११	१३	सिं२३।२५	प्रदोषः
१४	चं	५४	५३	म	३०	२९	धृ	४७	२६	ग	२१	५८	३४	५	५५	२३	१२	१४	सिंहे	भ.५४/५३उ.मीनेऽर्कः३१/३०(सौरः३९/२६)-
१५	मं	६०	०	पू	३७	५८	शू	४९	४२	वि	२८	५	३८	४	५६	२४	१३	१५	कं.५४।५१	भ.२८।५या.होलिकादहनम्
१५	बु	१	१८	उ	४५	३१	गं	५२	५	ब	१	१८	४३	३	५७	२५	१४	१६	कन्यायां	छारेंडी

४८पं.फा.शु.८मं.इ. ३६/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	९	११	२	५	१०
२४	२२	७	२७	१२	६	२८	२३
६	४	४७	५८	३८	१	५३	५८
१४	४४	२०	३४	२	३४	३३	७
५९	२९	३४/५१	१३	२१/७	०/५४	३	६०
५८	२०	व	२	ध.	मा	११	६

गोचर ग्रहाः

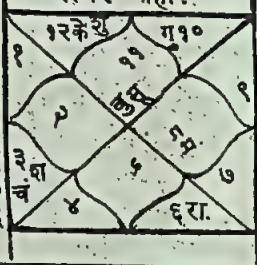

फाल्गुनशुक्ले १४चन्द्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४९प.फा.शु.१५मं.इ. ३७/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	९	११	२	५	११
१	२५	७	२९	९	६	२८	०
५	३८	११	३३	९	१०	३१	५७
३१	१३	४६	०	३६	८	१७	४९
५९	२७	६/१९	१२	३३/३५	१	३	५९
४१	५५	मा	३६	व	३०	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	गु	७	३७	ह	५२	५५	बृ	५४	८	कौ	७	३७	२९/४७	६/३	५/५७	२६	१५	१७	कन्यायां	उभा.रविः५२/३४धनि.३कुंभेगुरुः४५/५३=
२	शु	१३	४४	चि	५९	४७	ध्रु	५५	४९	ग	१३	४४	५१	२	५८	२७	१६	१८	तु.२६।२१	भ.४६।२७उ.उभा.रविःसौरः१।२
३	श	१९	१०	स्वा	६०	०	व्या	५७	२	वि	१९	१०	५५	१	५९	२८	१७	१९	तुलायां	भ.१९/१०या.शुक्रास्तःपश्चिमायां१६/१२×
४	र	२३	५४	स्वा	५	४९	ह	५७	३२	बा	२३	५४	३०/००	६/०	६/०	२९	१८	२०	वृ.५४।५६	[=वसंत१ [×चतुर्थी व्र.
५	चं	२७	४६	वि	११	१९	व	५७	२	तै	२७	४६	४	५/५९	१	३०	१९	२१	वृश्चिके	
६	मं	३०	२०	अ	१५	२४	सि	५५	३१	व	३०	२०	८	५८	२	१	२०	२२	वृश्चिके	भ.३०।२०उ.भा.चैत्रारंभः
७	बु	३१	२३	ज्ये	१८	३	व्य	५२	४३	वि	०	५१	१२	५८	२	२	२१	२३	ध.१८।३	भ.०।५१या.शुक्रोदयःपूर्वस्यां१।१२
८	गु	३०	५१	मू	१९	११	व	४९	४७	बा	१	७	१६	५७	३	३	२२	२४	धनुषि	मूलेधनुषिभौमः४४।५७शीतलापूजनम्
९	शु	२८	३१	पू	१८	३१	प	४२	४६	ग	२८	३१	२१	५६	४	४	२३	२५	म.३२।५६	भ.५६।२६उ.वक्रीपूभा.शुक्रः२।१०
१०	श	२४	२२	उ	१६	१०	शि	३५	३८	वि	२४	२२	२५	५५	५	५	२४	२६	मकरे	भ.२४:२२या.
११	र	१८	२६	श्र	११	५८	सि	२७	१९	बा	१८	२६	२९	५४	६	६	२५	२७	कुं.३९।१०	पापमोचनी११व्र.
१२	चं	११	६	ध	६/२२	५३/११	सा	१८	३२	तै	११	६	३३	५३	७	७	२६	२८	कुंभे	आर्द्रा१शनिः४६।५० प्रदोषः
१३	मं	२	२८	पू	५१	५२	शु	७/३१	४९/६	व	२	२८	३७	५३	७	८	२७	२९	मी३८।४७	भ.२।२८उ.२७।४१या.
१४	मं	५०	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	बु	४३	३	उ	४४	७	व	४५	३२	च	१७	५८	४१	५२	८	९	२८	३०	मीने	मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.६मं.इ. ३७/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१०	११	२	५	११
८	२९	१०	१	४	६	२८	७
३	४	४९	३	४६	२३	९	५५
१८	३४	४४	४०	३०	४२	२	४४
५९	२६	३७	१२	३५/५५	१	३	५९
२९	८	२३	१६	व	४९	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में सूत चांदी सोना रुई लोहा वस्त्र वारदाना तेजहो धान्य कुछ मंदा हो शासनाधिकारियों में विरोध हो।

गोचर ग्रहाः

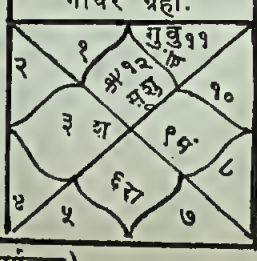

५१पं.चै.कृ.१३मं.इ. ३८/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१०	११	२	५	११
१४	२	१७	२	०	६	२७	१४
५९	२०	१८	३१	५०	४२	४६	५१
१०	५३	३६	५५	५६	२५	४६	५५
५९	२४	६०	११	२७/१३	२	३	५९
१६	७	१४	५०	व	५०	११	१८

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३४, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१३४, भोग्यकलिः ४२६८६६, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०९०, शाकः १९५५, अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री बुधः । सस्येशःशनिः। धान्येशो गुरुः । मेघेशो बुधः । रसेशश्चंद्रः। नीरसेशःशनिः । फलेशो भौमः। धनेशःशुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १ प्रभवनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः २।२२।२७।५१।२४ भोग्यमासादिः ९।७।३२।८।३६ विष्णुदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम श्रावणः।मेघनाम संवर्तः । रोहिणी निवासः संधौ । समयनिवासोवणिक् गृहे । समय विश्वा ५ समयवाहनम् चातकः । स्तंभः १ जलस्य । सोमवत्यमा १ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी १ रविदशमी ३ समय मुहूर्ताः ३५५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ८७ लयतिविश्वा ११४, वर्षाविश्वा १७, धान्यम् १५, तृणम् ११, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१२७, सत्यम्।। धर्मं १।।,पापं १८शनिदृष्टिपूर्वे । २ग्रहण सूर्यस्यः १ चंद्रमसः१।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ कर श्री भैरव ने जगदंबा से प्रश्न किया ।
पूरा हाल कहो मैया कैसा निपजे संवत नबिया ।।

भवानी उत्तर

सुन भैरव नव्वे तणों भेद बताऊं तोय ।
वर्षा होसी निर्वली खंड जमानों होय ।।
सत्रह विश्वा वृष्टि है संवत् विश्वा पांच ।
भर चौमासे बीच में वर्षा होसी खांच ।।
संवत् वासो वणिक् घर तेजड़ियों को आस ।
फलाधीश धरणी तनय फल का करसी नाश ।।
पण भैरव भय मत करे अमर पूज्य का राज ।
परदेशां की मदत से सारें जग का काज ।।

सं.२०९० चैत्र कृष्णा ३० चंद्रे सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म	मो.
घ.	४	५	६
मि.	१६	२३	२२
घ.	२४	२७	२९
प.	३३	१९	४८

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	११	५	८	२	५	८
ख.	५	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ७।२१

स.२०९० चैत्र शु. १५ गुरौ खग्रास चंद्र ग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घ.	१०	१२	१२	१	२
मि.	५३	२	४१	११	३०
घं.	४१	४४	४५	४६	५०
प.	४	२२	३६	५०	८

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	५	११	१४	२	२	१४
ख.	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् १०।११

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।११।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१८।१३

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः फलम् ।। गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले काम दुघाश्च धेनवः। यजन्ति विप्रा बहवोग्नि होत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ।। मंत्री बुधः फलम् ।। शशिसुते शुभ मंत्रि समागते स्वपतिना रमते मदन क्रियाम् । बहु धनं बहु वारि समन्वितं यवमसूर चणान्न महर्घता ।। सस्येशः शनिः फलम् ।। रविसुते यदि धान्यपतौ जना नृपतिभिः परिपीडित विग्रहाः । गद भयं तुष धान्य हरं सदा दुरित वादविवादयुता नराः ।। धान्येशो गुरुः फलम् ।। गुरौ धान्यपतौ याते यव गोधूमशालयः पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्राहमणादयः ।। मेघेशो बुधः फलम् ।। अमृत रश्मिसुते यदि वारिपे बहु जलं तुष धान्य रसादिकम् द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुता धरणीतदा ।। रसेशश्चन्द्रस्तत्फलम् ।। यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियां । जलधरा बहु वारि विधायका रसवती घन धान्यवती मही ।। नीरसेशः शनिः फलम् ।। पयः पिण्डादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तूनां । अर्घं वृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरस नायके ।। फलेशो भौमः फलम् ।। फलपतिर्यदि भूतनयो भवेन्न बहु पुष्प फलान्वित पादपाः । गद भयान्वित देश जनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रः फलम् ।। द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः सम धना सकला ननु मानवाः । समसुखा क्रयविक्रय जीविनो नृपतयो जनपालन तत्पराः ।। दुर्गेशो भौमः फलम् ।। अवनिजो गढ नायकतां गतो विविध दुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। प्रभव नाम संवत्सरः फलम् ।। निरीतिः सकलोदेशः सस्य निष्पधि रुन्नता । स्वस्थिता भूभुजः सर्वे प्रभवे सुखिनो जनाः ।। वर्षनाम श्रावणः फलम् ।। श्रावणाब्दे धरा भाति त्रिदश स्पर्द्धि मानवैः । धरा पुष्प फलैर्युक्ता परिपूर्णा ध्वरादिभिः।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणी निवासः संघौ फलम् ।। खंड वृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे फलम् ।। वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०९० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा ७ गुरौ उषा ल. ८-११ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला २ शनौ रोहि ल. ११ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।
,, ३ रवौ रोहि ल. ८ (चं.७पू.) रे.८ ।।।।ऽरोऽ।।।
,, ३ रवौ मृगे ल. ११ रे. ९ ।।।।।ऽरो।।।।
,, ६ शनौ मघा ल, गो. ८-११ रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ।
कुंभे चं७मे पूज्यः गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ११ भौमे हस्ते ल. ८ रे. ६ ऽऽ।ऽशुऽ।।।।।
पादतो वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ भौमे मूले ल. गो. रे. ७ ।।।।।ऽअ५४याऽ।।ऽ
दग्धा
,, ४ बुधे उषा ल. ११-१ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ५ गुरौ उषा ल. गो. रे. ६ ।।।।।ऽनृऽऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
शुक्ला १ रवौ मृगे ल. ऽन्यगो १ रे. १० ।।।।।।।।।।
,, १२ गुरौ स्वात्यां ल. ११ रे. ७ ।।।ऽबृऽ।ऽ।।।
पादतो वेधाऽभावः
,, १४ शनौ अनु ल. ११ रे. ८ ।।।।।ऽरोऽ।।।

आषाढ मासः

,, ८ चन्द्रे उभा ल. ११ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ४ गुरौ मघा ल. १ (घ.५१-२७उ.) रे. ७
।।।।।ऽचौऽऽ।।
,, ५ शुक्रे मघा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे. ७
।।।।।ऽचौऽऽ।।
,, ९ बुधे स्वात्यां ल. ११ रे. ७ ।।।ऽबृ।ऽअऽ।।।
पादतो वेधाऽभावः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १० बुधे उफा ल. ५-७ (सिं.गु.७पू.) रे. ७
।ऽ।।।।ऽऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ७ शुक्रे स्वात्यां ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽऽ।ऽबृ।।।।।।
पादतो वेधाऽभावः
,, ९ रवौ अनु ल. ७ रे. ७ ऽ।।।।ऽअ।ऽ।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः १०९०स.२०३३
१	गु ३३ १९ रे ३६ २९ ऐं ३४ ५३ किं ८ ११ ३० ५५ ६ १० २९	३१	मे.३६।२९	रेवत्यांरविः २७ (सौर: ३२) -
२	शु २४ २० अ २९ ४८ वै २५ ४ कौ २४ २० ४९	५०	१०	११	३०	१	मेषे	चंद्रदर्शनम् अप्रेल ४ता. ३० सिंघारा
३	श १६ ३६ भ २४ २३ वि १६ १३ ग १६ ३६ ५३	४९	११	१२	१	२	वृ.३८।२९	भ. ४ ३ उ. घनि. ४ गुरुः ३ ३ मोहोरम १सन्=
४	र १० २८ कृ २० ४६ प्री ८ ४३ वि १० २८ ५७	४९	११	१३	२	३	वृषे	भ.१०।२८या.
५	चं ६ १६ रो १९ ४ आ ३ ५५ बु ६ १६ ३१	४८	१२	१४	३	४	मि४९।१६	[=१४५५हि.मत्स्यजयंती गणगौरी
६	मं ४ १० मृ १९ २९ शी ५६ ३२ तै ४ १० ५	४७	१३	१५	४	५	मिथुने	[-संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
७	बु ४ ११ आ २२ ० अ ५५ ३९ व ४ ११ १०	४६	१४	१६	५	६	मिथुने	भ.४।११उ.३५।७या.
८	शु ६ ३ पु २६ ४ सु ५६ १० व ६ ३ १४	४५	१५	१७	६	७	क.१०।३	रामनवमीस्मा.
९	शु ९ ४० पु ३१ ४६ धृ ५७ २३ कौ ९ ४० १८	४४	१६	१८	७	८	कर्के	मीनेबुधः ३१।३५रामनवमीवै.
१०	श १४ ३४ श्ले ३८ ३४ शू ५९ २० ग १४ ३४ २२	४४	१६	१९	८	९	सिं३८।३४	भ.४७।३६उ.
११	र २० ३८ म ४५ ५० गं ६० ० वि २० ३८ २६	४३	१७	२०	९	१०	सिंहे	भ.२०।३८या.कामदा ११व्र.
१२	चं २६ ४४ पू ५३ २९ गं १ ३६ बु २६ ४४ ३०	४२	१८	२१	१०	११	सिंहे	उभा.बुधः २।१५मार्गीशुक्रः ५।५७
१३	मं ३३ १३ उ ६० ० बृ ४ ५ तै ३३ १३ ३४	४१	१९	२२	११	१२	कं.१०।२०	प्रदोषः [×मेषेऽर्कः सौरः ३ हनुमज्जयंती
१४	बु ३९ १४ उ ० ५५ धु ६ १७ ग ६ १३ ३८	४०	२०	२३	१२	१३	कन्यायां	भ.३९।१४उ.अश्वि.मेषेऽर्कः ५४।८
१५	गु ४४ ५८ ह ८ १४ व्या ८ १६ वि १२ ६ ४२	४०	२०	२४	१३	१४	तु.४१।३७	भ. ३ २या. खग्रास चन्द्रग्रहणम् अश्वि.×

५२पं.चै.शु.६मं.इ. ३९ ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१०	१०	२	५	११
२१	५	२५	३	२८	७	२७	२१
५३	२६	४९	५६	२८	६	२४	४६
३१	६	२६	२४	४८	७	३१	६
५९	२१	८१	११	११	३	३	५९
४	५५	४७	१२	व.	३२	११	४

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले १४ बुधे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० घान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

१पं.चै.शु.१४बु.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१०	१०	२	५	११
०	८	७	५	२८	७	२६	२९
०	४७	५६	३२	११	३८	५८	५२
०	५३	२०	१७	५३	५३	२६	२१
५८	१९	९६	१०	५४	४	३	५८
४४	१	२९	२८	मा.	१७	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततुं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु ४९ ५३ चि १५ ० ह ९ ५६ बा १७ २६	३१ ४६	५ ३९	६ २१	२५	१४	१५	तुलायां	
२	श ५३ ५९ स्वा २० ४२ व १० ४२ तै २१ ५६	५०	३८	२२	२६	१५	१६	तुलायां	
३	र ५७ ८ वि २५ ४१ सि १० ५६ व २५ ३३	५३	३७	२३	२७	१६	१७	वृ.९।२६	भ.२५।३३उ.५७।८या.
४	चं ५९ ३ अ २९ ४१ व्य १० ३३ व २८ ५	५७	३७	२३	२८	१७	१८	वृश्चिके	चतुर्थीव्र.
५	मं ५९ ४० ज्ये ३२ ३१ व ९ ७ कौ २९ ३१	३३	३६	२४	२९	१८	१९	ध.३२।३१	रेवत्यांबुध १२ चित्रा.१राहुःरेव.३केतुः ४
६	बु ५९ ४७ मू ३४ १९ प ६ ५२ ग २९ ५३	५	३५	२५	३०	१९	२०	धनुषि	भ.५९उ.मीनेशुक्रः ५ शत.१गुरुः ६
७	गु ५८ १७ पू ३४ ५९ शि ३ ३८ वि २९ २	९	३४	२६	१	२०	२१	म.४९।४५	भ.२९।२या. भा.वैशाखारंभः
८	शु ५५ २५ उ ३४ ४ सि २० ५३ बा २७ ५१	१२	३४	२६	२	२१	२२	मकरे	
९	श ५१ ७ श्र ३१ ५६ शु ४७ २० ते २३ १६	१६	३३	२७	३	२२	२३	मकरे	
१०	र ४५ ३५ ध २८ २३ शु ३९ ४९ व १८ ३१	२०	३२	२८	४	२३	२४	कु.०।१०	भ. २ ६ उ. ३ ५ या. [+वरुथिनी ११व्र.
११	चं ३८ ३५ श २३ ३९ ब्र ३१ ११ व १२ ४०	२३	३१	२९	५	२४	२५	कुंभे	आर्द्रा.२शनिः ५ ८ बुधास्त.पूर्वस्यां ४७ +
१२	मं ३० ४५ पू १७ ४४ ऐं २१ ४७ कौ ४ ४०	२७	३१	२९	६	२५	२६	मी४।१३	अश्वि.मेषेबुध २९ पूषा.मौमः ४६ प्रदोषः
१३	बु २२ १० उ ११ ११ वै ११ ५२ व २२ १०	३१	३०	३०	७	२६	२७	मीने	भ. २२ उ. ४ ३ या. भरण्यांरविः ३ ४ ÷
१४	गु १२ ५५ रे ४ ५३ वि १३ ८ ५०	३०	२९	३१	८	२७	२८	मे.४।२	उभा.शुक्रः १०।७ [÷(सौरः ४ ३)
१५	शु ४ ५ भ ५१ १० आ ४२ २० ना ४ ५	२८	२८	३२	९	२८	२९	मेषे	

२ पं.वै.कृ.६बु.इ. ५४ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१०	१०	२	५	०
६	११	१९	६	२९	८	२६	६
५०	१८	४४	४७	५८	१२	३६	४२
४६	४	१७	४६	१२	०	१०	३२
५८	१५	८०	९	२२	४	३	५८
३१	५१	८९	४४	२	५०	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत में अच्छी तेजी करेगा धूप का प्रकोप अधिक रहेगा।

गोचर ग्रहाः

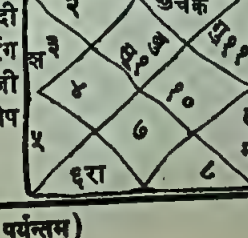

३पं.वै.कृ.१३बु.इ. ५४ ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१०	११	२	५	०
१३	१३	२	७	३	८	२६	१३
३९	३३	५१	५७	११	४९	१३	३०
५०	५४	४३	४०	२४	१२	५५	५७
५८	१२	८	९	३३	५	३	५८
१९	२२	९५	०	२३	१२	११	१२

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः११२०सं.२०३३
१	शु ५१ ३८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श ४८ ४३ कृ ४६ ३७ सौ ३३ ४८ बा २२ १३ ३३/४१	२८	६/२	१०	२९	३०		वृ.५।१२	चन्द्रदर्शनम्
३	र ४३ १७ रो ४२ ५३ शो २६ ३६ तै १६ ० ४५	२७	३३	११	१	१		वृषे	सफर२मई५ता.३१परशुरामजयंती-
४	चं ३९ ४१ मृ ४१ २३ अ २० ५२ व ११ २९	४८	२६	३४	१३	२	२	मि१२।८	भ.११।२९उ.३९।४१या. [-अक्षया३
५	मं ३८ २३ आ ४२ १२ पु १६ ५६ ब ९ २	५२	२६	३४	१३	३	३	मिथुने	भरण्यांबुधः४।०
६	बु ३८ ५६ पु ४४ ५८ धृ १४ ४६ कौ ८ ३९	५५	२५	३५	१४	४	४	क.२९।१७	पातस्पर्शः१३।३२पातमोक्षः४३।१७
७	गु ४१ ४४ पु ४९ ३२ शू १४ २० ग १० २०	५८	२४	३६	१५	५	५	कर्क	भ ४१।४४उ.
८	शु ४६ ५ श्ले ५५ ३४ गं १४ ४७ वि १३ ५४	३३/३	२४	३६	१६	६	६	सिं५५।३४	भ.१३।५४या.
९	श ५१ ५२ म ६० ० बृ १६ २६ बा १८ ५८	५	२३	३७	१७	७	७	सिंहे	
१०	र ५७ ५२ म २ ५० घु १८ ३४ तै २४ ५२	८	२२	३८	१८	८	८	सिंहे	
११	चं ६० ० पू १० ५ च्या २१ ८ व ३१ ३	११	२२	३८	१९	९	९	कं.२७।०	भ.३/५उ.कृत्ति.बुधः७/५२मोहिनी११व्र.स्मा
११	मं ४ १४ उ १७ ४६ ह २३ ३७ वि ४ १४	१४	२१	३९	२०	१०	१०	कन्यायां	भ.४/४या.वृषेबुधः४/३३ मोहिनी११व्र.वै.
१२	बु १० १६ ह २५ ६ व २५ ३८ बा १० १६	१७	२१	३९	२१	११	११	तु.५८।२०	कृत्ति.रविः२०।१७(सौर.३१/९)प्रदोषः
१३	गु १५ ४३ चि ३१ ३५ सि २७ ८ तै १५ ४३	२०	२०	४०	२२	१२	१२	तुलायां	शत.२गुरुः१७।१९नृसिंहजयंती
१४	शु २० ५ स्वा ३६ ५८ व्या २७ ५० व २० ५	२३	१९	४१	२३	१३	१३	तुलायां	भ.२०।५उ.५१।४३या.
१५	श २३ २२ वि ४१ २४ ब २७ ४० ब २३ २२	२६	१९	४१	२४	१४	१४	वृ.२५।१८	बृषेऽर्कः४/३(सौर.५९/१२) यमायकुंभदानम

४पं.वै.शु.६बु इ. ५४/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१०	११	२	५	०
२०	१५	१७	९	७	९	२५	२०
२७	२४	१४	०	३१	२९	५१	१७
२९	५४	५६	५८	४१	३५	३९	४३
५८	९	२/२७	८	४१	५	३	५७
६	२	९/८	६	५३	४०	११	५७

गोचर ग्रहाः

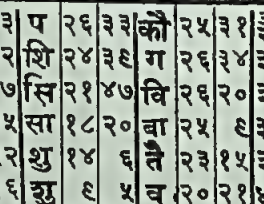

वैशाख शुक्ले१५शनौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमाया।

गोचर ग्रहाः

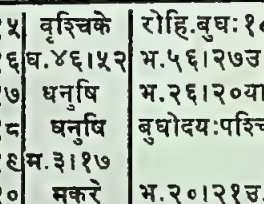

५पं.वै.शु.१२बु.इ. ५५/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	१	१०	११	२	५	०
२७	१६	२	९	१२	१०	२५	२७
१३	४७	३२	५८	४६	१३	२९	२
३७	५३	५६	३४	५२	१९	२४	५७
५७	५	१२/२८	७	४८	६	३	५७
५४	०	३/८	२	२६	२	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	र २५ ३१ अ ४४ ४३ प २६ ३३ कौ २५ ३१	३३/२८	५/१८	६/४२	२५	१५	१५	वृश्चिके	रोहि.बुधः१८।२५
२	चं २६ ३४ ज्ये ४६ ५२ शि २४ ३९ ग २६ ३४	३१	१८	४२	२६	१६	१६	ध.४६।५२	भ.५६।२७उ रेवत्यांशुक्रः४९।०
३	मं २६ २० मू ४८ ७ सि २१ ४७ वि २६ २०	३४	१७	४३	२७	१७	१७	धनुषि	भ.२६।२०या. चतुर्थी व्र.
४	बु २५ ९ पू ४८ २५ सा १८ २० बा २५ ९	३७	१७	४३	२८	१८	१८	धनुषि	बुधोदयःपश्चिमायां३२।३६
५	गु २३ १५ उ ४७ ५२ शु १४ ६ तै २३ १५	३९	१६	४४	२९	१९	१९	म.३।१७	
६	शु २० २१ श्र ४६ १६ शु ९ ५ व २० २१	४२	१६	४४	३०	२०	२०	मकरे	भ.२०।२१उ.४८।३०या.
७	श १६ ३८ ध ४३ ५६ ब्र ३/२७ ५३/४२ ब १६ ३८	४४	१५	४५	३१	२१	२१	कुं.१५।६	मृगेबुधः५९।५२वक्रीभौमः४०।५
८	र १२ ८ श ४० ५५ वै ५० १७ कौ १२ ८	४७	१५	४५	१	२२	२२	कुंभे	भा.ज्येष्ठारभः
९	चं ६ ५१ पू ३६ ५६ वि ४२ ३९ ग ६ ५१	४९	१४	४६	२	२३	२३	मी२२।५६	भ.३३।४६उ.
१०	मं ० ४२ उ ३२ २८ प्री ३४ ५२ वि ० ४२	५२	१४	४६	३	२४	२४	मीने	भ.०।४२या.अपरा११व्र.स्मा.
११	मं ५३ १४ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=५६/४० अपरा११व्र.वै.
१२	बु ४६ ३५ रे २७ १३ आ २५ ५८ कौ २० १५	५४	१३	४७	४	२५	२५	मे.२७।१३	रोहि.रविः२५(सौर.३५)मिथुनेबुधः=
१३	गु ३९ १६ अ २१ ५२ सौ १७ २२ ग १२ ५५	५६	१३	४७	५	२६	२६	मेषे	भ.३९।१६उ. प्रदोषः
१४	शु ३१ ५० भ १६ ४० शो ८ ३८ वि ५ ३३	५८	१२	४८	६	२७	२७	वृ.३०।३१	भ.५।३३या.
३०	श २५ २० कृ १२ ३ अ ०/३५ ५२/३४ ना २५ २०	३४/००	१२	४८	७	२८	२८	वृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.४बु.इ. ५५/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	१०	११	२	५	१
३	१७	१७	१०	१८	१०	२५	३
५८	३८	१२	४९	३२	५९	७	४६
४४	५६	४	४८	६	२४	८	४१
५७	१	२/२४	६	५३	६	३	५७
४४	२४	५/४	११	१७	२१	११	३४

गोचर ग्रहाः

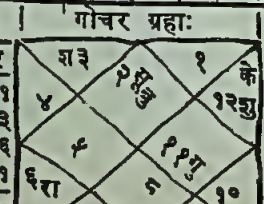

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं प्रजा में रोग शोक फैले धान्य गेहूं जौ चना मटर सरसों अलसी धातु तेज हो।

गोचर ग्रहाः

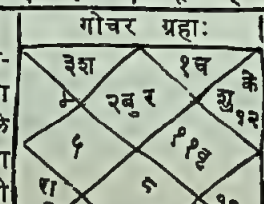

७पं.ज्ये.कृ.१२बु.इ.५५/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	१०	११	२	५	१
१०	१८	२९	११	२४	११	२४	१०
४२	०	५७	३३	४६	४७	४४	२८
४०	१८	४३	०	८	५३	५२	५२
५७	१/२	२/२९	५	५७	६	३	५७
३५	वं	३/३३	४	१८	३६	११	२३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ११४९स.२०३३
१	र	१९	४२	रो	८	१२	धृ	४६	४७	ब	१९	४२	३४/२	५/१२	६/४८	८	२९	२९	मि३७।०	चंद्रदर्शनम्
२	चं	१५	३९	मृ	५	४६	शू	४१	५९	कौ	१५	३९	३	११	४९	९	१	३०	मिथुने	आर्द्रा.बुधः६।१५रविलावल३
३	मं	१३	३३	आ	५	२८	गं	३८	२३	ग	१३	३३	५	११	४९	१०	२	३१	क.५१।३१	भ.४३।२२उ.अश्वि.मेषेशुक्रः२२।३६
४	बु	१३	११	पु	६	५२	वृ	३६	४८	वि	१३	११	७	११	४९	११	३	१	कर्के	भ.१३।११या.जन६ता.३०
५	गु	१५	२	पु	१०	१७	ध्रु	३६	२२	बा	१५	२	९	१०	५०	१२	४	२	कर्के	
६	शु	१८	३१	श्ले	१५	१३	व्या	३७	१४	तै	१८	३१	१०	१०	५०	१३	५	३	सिं१५।१३	
७	श	२३	३७	म	२१	४२	ह	३९	६	व	२३	३७	१२	१०	५०	१४	६	४	सिंहे	भ.२३।३७उ.५६।२७या.
८	र	२९	१७	पू	२८	४६	व	४१	२६	ब	२९	१७	१३	९	५१	१५	७	५	कं.४५।४१	
९	चं	३५	३४	उ	३६	२५	सि	४३	५२	बा	२	२५	१५	९	५१	१६	८	६	कन्यायां	
१०	मं	४१	३५	ह	४३	५०	व्य	४६	९	तै	८	३४	१६	९	५१	१७	९	७	कन्यायां	आर्द्रा.३शनिः२५।०गंगादशमी
११	बु	४७	८	चि	५०	३८	व	४७	५२	व	१४	२१	१७	९	५१	१८	१०	८	तु.१७।१४	भ.१४/२१उ.४७/८या.मृगेरविः५/४७(सौरः२४/४):
१२	गु	५१	१४	स्वा	५६	६	प	४८	४८	ब	१९	११	१८	८	५२	१९	११	९	तुलायां	[ऽनिर्जला११व्र.
१३	शु	५४	१४	वि	६०	०	शि	४८	२८	कौ	२२	४४	१९	८	५२	२०	१२	१०	वृ.४४।१९	प्रदोषः
१४	श	५५	३१	वि	०	२३	सि	४६	५८	ग	२४	५२	१९	८	५२	२१	१३	११	वृश्चिके	भ.५५।३१उ.पुन.बुधः३४।४२
१५	र	५५	२५	अ	३	१०	सा	४४	३४	वि	२५	२७	२०	८	५२	२२	१४	१२	वृश्चिके	भ.२५।२७या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

८ पं.ज्ये.शु.४बु.इ. ५५/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१०	०	२	५	१
१७	१७	१०	१२	१	१२	२४	१७
२५	४२	१८	७	३३	३८	२२	९
३६	२२	०	४४	१८	१७	३७	५८
५७	५/५२	७७	३	६०	६	३	५७
२७	व.	१९	५७	१९	५१	११	१३

गोचर ग्रहाः

३बुश, १शु, चं ४, के १२, ५, ११गु, ६ रा, ८, १०, ७, ९मं

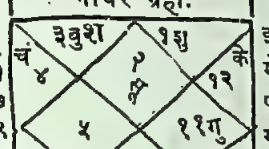

इस मास के कृष्णपक्ष में कुछ मंदी रहे शक्ल पक्ष में धातु धान्य गल्ला रसकस गुड शक्कर घृत तेज हो।

गोचर ग्रहाः

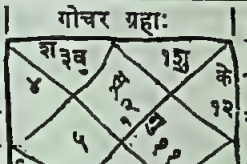

श ३बु, १शु, के १२, ४, ५, ११, ६ रा, ८, १०, ७चं, ९मं

९ पं.ज्ये.शु.११बु.इ. ५५/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१०	०	२	५	१
२४	१६	१७	१२	८	१३	२४	२३
७	५१	५४	३४	३३	३०	०	४९
३०	५	३२	२३	४३	३६	२१	५४
५७	८/५३	४७	२	६२	७	३	५७
२२	व.	१६	४०	४२	२	११	५

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः स० २०९० शाकः १९५५												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ. कृष्णेति महा.
१	चं	५३	५८	ज्ये	४	२६	शु	४०	५९	बा	२४	४१	३४/२१	५/८	६/५२	२३	१५	१३	ध.४।२६	भरण्यांशुक्रः३८।१६
२	मं	५१	२५	मू	४	३८	शु	३६	३१	तै	२२	४१	२१	८	५२	२४	१६	१४	धनुषि	अस्तंशनेः१३।३८
३	बु	४७	५५	पू	३	४९	ब्र	३१	१९	व	१९	४०	२२	८	५२	२५	१७	१५	म.१८।२४	भ.१९/४०उ.४७/५५या.मिथुनेऽर्कः४/२९(सौरः२४/५२)
४	गु	४३	४५	उ	२/८	५७/४१	ऐं	२५	३८	ब	१५	५०	२२	८	५२	२६	१८	१६	मकरे	चतुर्थीव्र.
५	शु	३९	१४	ध	५७	१२	वै	१९	२४	कौ	११	२९	२३	७	५३	२७	१९	१७	कुं.२८।३०	
६	श	३४	२६	श	५४	१४	वि	१२	५७	ग	६	५०	२३	७	५३	२८	२०	१८	कुंभे	भ.३४।२६उ.
७	र	२९	२८	पू	५०	४३	प्री	६/१८	५३/१३	वि	१	५७	२३	७	५३	२९	२१	१९	मी३६।३६	भ.१।५७या.वक्रीबुधः३६।४०
८	चं	२४	८	उ	४७	२९	सौ	५२	२९	कौ	२४	८	२४	७	५३	३०	२२	२०	मीने	
९	मं	१८	४८	रे	४३	५८	शो	४५	१५	ग	१८	४८	२४	७	५३	३१	२३	२१	मे.४३।५८	भ.४५/५३उ.हस्त.४राहुःरेव.२केतुः३६/५३
१०	बु	१२	५८	अ	४०	२४	अ	३८	६	वि	१२	५८	२४	७	५३	१	२४	२२	मेषे	भ.१२/५८या.आर्द्रारविः३/१६(सौरः२६/२५)-
११	गु	७	२१	भ	३६	४५	सु	३०	५९	बा	७	२१	२४	७	५३	२	२५	२३	वृ.५०।५७	योगिनी११व्र. [-भा.आषाढारंभः
१२	शु	१	५२	कृ	३३	३२	धृ	२४	१८	तै	१	५२	२४	७	५३	३	२६	२४	वृषे	भ.५६/५२उ.वक्रीगुरुः२७/४० प्रदोषः
१३	शु	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=बुधास्तःपश्चिमायां१६।४०
१४	श	५२	२०	रो	३०	५०	शू	१७	४९	वि	२४	३६	२३	७	५३	४	२७	२५	मि५९।५३	भ.२४।३६या.वक्रीमूलेभौमः३६।४०=
३०	र	४९	७	मृ	२८	५७	गं	१२	३	च	१९	३३	२३	७	५३	५	२८	२६	मिथुने	कृत्ति.शुक्रः२।३६

१०पं.आ.कृ.३बु.इ. ५५/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	०	२	५	२
०	१५	२२	१२	१५	१४	२३	०
४८	३०	१९	५१	४७	२३	३८	२९
४७	३६	५५	५८	३५	५३	६	३
५७	११/७	१५	१	६४	७	३	५६
१७	व.	३०	२०	३४	१४	११	५७

गोचर ग्रहाः

४, २, ५, र श३, शु१, ६रा, १२के, ७, गु११, ८, मं९, चं१०

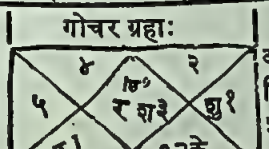

आषाढ़ कृष्णे ३ बुधे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ५ न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेसर्वमता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

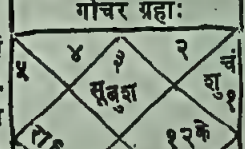

४, ३, २, ५, सूबुश, चं शु१, रा६, १२के, ७, गु ११, ८, ९मं, १०

११पं.आ.कृ.१०बु.इ. ५५/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	०	२	५	२
७	१३	२३	१३	२३	१५	२३	७
२९	४९	१७	०	१३	१७	१५	७
४२	३७	१३	५४	४१	४६	५०	४०
५७	११/१	१३/५५	०	६६	७	३	५६
१३	व.	व.	२०	७	२०	११	५४

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५ दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ११७८स.२०३३

१	चं	४७	१०	आ	२८	३५	बृ	७	२२	कि	१८	८	३४	८	५६	६	२९	२७
२	मं	४७	४०	पु	२९	२४	शु	३	३३	बा	१७	२५	२२	८	५२	७	३०	२८
३	बु	४८	१३	पु	३२	११	श्रे	१	२१	तै	१७	५६	२१	८	५२	८	१	२९
४	गु	५१	२	श्ले	३६	२४	ह	०	१७	व	१९	३७	२०	८	५२	९	२	३०
५	शु	५५	५७	म	४२	१३	व	०	७	ब	२३	२९	१९	८	५२	१०	३	१
६	श	६०	०	पू	४८	४९	सि	१	४७	को	२८	३६	१८	८	५२	११	४	२
६	र	१	१४	उ	५६	४४	व्य	३	४१	तै	१	१४	१७	९	५१	१२	५	३
७	चं	७	२१	ह	६०	०	व	६	११	व	७	२१	१६	९	५१	१३	६	४
८	मं	१३	२८	ह	३	५०	प	८	३४	ब	१३	२८	१५	९	५१	१४	७	५
९	बु	१९	८	चि	११	१	शि	१०	४३	को	१९	८	१४	९	५१	१५	८	६
१०	गु	२३	४१	स्वा	१७	७	सि	१२	४	ग	२३	४१	१३	९	५१	१६	९	७
११	शु	२६	४६	वि	२१	४३	सा	१२	११	वि	२६	४६	११	१०	५०	१७	१०	८
१२	श	२८	१०	अ	२४	५५	शु	११	१०	बा	२८	१०	१०	१०	५०	१८	११	९
१३	र	२७	३५	ज्ये	२६	२१	शु	८	४१	तै	२७	३५	८	१०	५०	१९	१२	१०
१४	चं	२५	१६	मू	२५	५५	ब्र	५९	५४	व	२५	१६	७	११	४९	२०	१३	११
१५	मं	२१	२६	पू	२४	५	वै	५३	४२	ब	२१	२६	५	११	४९	२१	१४	१२

१२पं.आ.शु.३बु.इ. ५५/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	१	२	५	२
१४	११	२०	१३	०	१६	२२	१३
१०	५५	५९	०	५०	१२	५३	४५
८	३४	५३	४३	६	४	३४	३५
५७	४३	३३	११	६७	७	३	५६
७	व	व	व	२८	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्ण पक्ष में धातु सोना चांदी लोहा धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी मंदा होकर सुदि में तेज हो कहीं २ वर्षा होवे

गोचर ग्रहाः

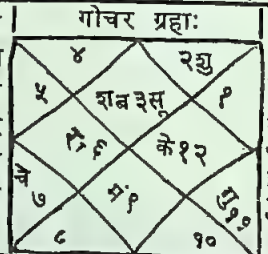

१३पं.आ.शु.९बु.इ. ५५/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	१	२	५	२
२०	१०	१७	१२	८	१७	२२	२०
५०	७	०	४९	३३	६	३१	२३
३५	१	१२	५९	५८	५८	१८	२९
५७	८	३६	३९	६८	७	३	५६
७	व	व	व	३३	२०	११	५०

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५ दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविरुत्तरे आषाढ कृष्णेति महा.

१	बु	१६	३२	उ	२१	३	वि	४६	३८	को	१६	३२	३४	५	११	४९	२२	१५	१३
२	गु	१०	४७	श्र	१७	८	प्री	३९	३	ग	१०	४७	११	२	१२	४८	२३	१६	१४
३	शु	४	२३	ध	१३	०	आ	३१	२५	वि	४	२३	३३	१२	४८	२४	१७	१५
४	शु	५३	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५२	०	०	०	०	०	०
५	श	५१	४३	श	८	४६	सौ	२३	३६	को	२४	४३	५७	१३	४७	२५	१८	१६	मी
६	र	४५	५२	पू	४	३७	शो	१६	८	ग	१८	४७	५५	१३	४७	२६	१९	१७	मीने
७	चं	४०	२०	उ	०	५६	अ	८	४४	वि	१३	६	५२	१४	४६	२७	२०	१८	मे
८	मं	३५	३	अ	५४	१०	सु	४३	५३	बा	७	४१	५०	१४	४६	२८	२१	१९	मेषे
९	बु	३०	२८	भ	५१	३५	शु	४८	४०	तै	२	४५	४८	१४	४६	२९	२२	२०	मेषे
१०	गु	२६	२०	कृ	४९	२९	गं	४२	५५	वि	२६	२०	४५	१५	४५	३०	२३	२१	वृ.
११	शु	२२	४६	रो	४८	८	बृ	३७	३४	बा	२२	४६	४३	१५	४५	३१	२४	२२	वृषे
१२	श	२०	१	मृ	४७	२९	शु	३२	५५	तै	२०	१	४०	१६	४४	१	२५	२३	मि
१३	र	१८	११	आ	४७	५९	व्या	२९	४	व	१८	११	३८	१६	४४	२	२६	२४	मिथुने
१४	चं	१७	२३	पु	४९	४१	ह	२६	११	श	१७	२३	३५	१७	४३	३	२७	२५	क.
३०	मं	१७	४६	पु	५२	२७	व	२४	१	ना	१७	४६	३३	१७	४३	४	२८	२६	कर्के

१४पं.श्रा.कृ.१बु.इ.५५/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	१	२	५	२
२७	८	१४	१२	१६	१८	२२	२७
३०	३३	१०	३०	२५	१	९	१
५४	३६	२३	७	२३	२६	३	३६
५७	२५	१६	४३	६९	७	३	५६
११	व	व	व	२०	१४	११	५४

गोचर ग्रहाः

श्रावण कृष्णे ५ शनौ कर्के ऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

१५पं.श्रा.कृ.९बु.इ.५५/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	२	१०	१	२	५	३
४	७	१५	१२	२४	१८	२१	३
११	२६	२०	२	२३	५५	४६	४०
२८	३४	२८	४९	१७	१२	४८	३
५७	४३	२६	४३	७०	७	३	५६
११	व	मा	व	११	८	११	५९

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५												वि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः१२०८स.२०३३
१	बु	१९	३६	श्ले	५६	४०	सि	२३	४	ब	१९	३६	३३/३०	५/१८	६/४२	५	२९	२७	सिं५६।४०	
२	गु	२२	४६	म	६०	०	व्य	२२	४९	कौ	२२	४६	२७	१९	४१	६	३०	२८	सिंह	चद्रदर्शनम्सिंधारा
३	शु	२७	२	म	१	५८	व	२३	५९	ग	२७	२	२४	१९	४१	७	१	२९	सिंहे	भ.५९/५०उ.पुन.१शनिः३८/९जमादिलावल+
४	श	३२	३८	पू	८	२८	प	२५	३१	वि	३२	३८	२२	२०	४०	८	२	३०	क.२५।१४	भ.३२।३८या.वरद४ [+५तीज
५	र	३८	४१	उ	१५	३४	शि	२७	५०	ब	५	३९	१९	२०	४०	९	३	३१	कन्यायां	आर्द्राशुक्रः२९।५४नागपंचमी
६	चं	४४	५२	ह	२३	१३	सि	३०	२९	कौ	११	४६	१६	२१	३९	१०	४	१	तु.५६।५८	अगस्त८ता.३१
७	मं	५०	५२	चि	३०	४३	सा	३२	५५	ग	१७	५२	१३	२१	३९	११	५	२	तुलायां	भ.५०।५२उ.आश्ले.रविः५७।५१
८	बु	५५	५६	स्वा	३७	४३	शु	३४	५२	वि	२३	२४	१०	२२	३८	१२	६	३	तुलायां	भ.२३।२४या.आश्ले.रविःसौरः ÷
९	गु	५९	४४	वि	४३	१९	शु	३५	५३	बा	२७	५०	७	२३	३७	१३	७	४	वृ.२६।५५	[÷३४।३९कर्केबुधः१७।५२
१०	शु	६०	०	अ	४७	३१	ब्र	३५	४६	तै	३०	४८	४	२३	३७	१४	८	५	वृश्चिके	पुष्येबुधः१२।५१
१०	श	१	५२	ज्ये	४९	५२	ऐं	३४	१४	ग	१	५२	०	२४	३६	१५	९	६	ध.४९।५२	भ.३१।५४उ.
११	र	१	५५	मू	५०	१३	वै	३१	९	वि	१	५५	३२/५७	२५	३५	१६	१०	७	धनुषि	भ.१।५५या.पवित्रा११व्र.
१२	र	५८	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=कर्म रक्षाबंधनम्भद्रोतरम्
१३	चं	५६	१	पू	४८	४१	वि	२६	३२	कौ	२७	५८	५४	२५	३५	१७	११	८	धनुषि	बुधास्तःपूर्वस्यां१७।३२प्रदोषः
१४	मं	५०	२४	उ	४५	३२	प्री	२०	१६	ग	२३	१२	५०	२६	३४	१८	१२	९	म.२।५१	भ.५०।२४उ.
१५	बु	४३	२३	श्र	४०	४१	आ	१२	५०	वि	१६	५३	४७	२७	३३	१९	१३	१०	मकरे	भ.१६।५३या.वक्रीशत१गुरुः१६/१३श्राव.=

१६पं.श्रा.शु.१बु.इ. ५४/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	२	१०	२	२	५	३
१०	६	२१	११	२	१९	२१	१०
५२	५२	१२	२६	२६	४७	२४	१९
४१	४८	४७	२४	२	५३	३२	२०
५७	१/५८	७२	५/५६	७०	७	३	५७
२०	मं१	५	व	५०	२	११	५

१७पं.श्रा.शु ८बु.इ.५४।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	२	२	५	३
१७	६	१	१०	१०	२०	२१	१६
३४	५२	३	४३	३४	३८	२	५९
२३	१९	५८	१९	१	५३	१६	८
५७	६	४०/२२	६/४२	७१	६	३	५७
२५	४		व	२३	४६	११	१२

१८प.श्रा.शु.१५बु इ.५४/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	२	२	५	३
२४	७	१३	९	१८	२१	२०	२३
१६	२९	५७	५५	४६	२९	४०	४०
४४	१७	२२	१६	२३	१३	१	१५
५७	१०	७/५८	७/२५	७१	६	३	५७
३३	४५		व	५०	३२	११	२२

ति	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	गु	३५	३७	ध	३५	१	सौ	४/५४	५०/५३	बा	९	३०	३२/४४	५/२७	६/३३	२०	१४	११	कु.७।५१	पुन.शुक्रः५५।१९
२	शु	२७	३४	श	२८	४७	अ	४५	५०	तै	१	३५	४०	२८	३२	२१	१५	१२	कुंभे	भ.५३।२३उ.आश्ले.बुधः१६।३२
३	श	१९	१२	पू	२२	३७	सु	३६	३३	वि	१९	१२	३७	२९	३१	२२	१६	१३	मी९।१०	भ.१९।१२या.चतुर्थीव्र.
४	र	११	३०	उ	१७	९	धृ	२७	३७	बा	११	३०	३३	२९	३१	२३	१७	१४	मीने	
५	चं	४	२९	रे	१२	१३	शू	१९	१३	तै	४	२९	३०	३०	३०	२४	१८	१५	मे.१२।१३	भ.५८।१४उ.चंद्रषष्ठी
६	चं	५३	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=राहुःरे.१केतुः२९/२२भा.भाद्रपदारंभः
७	मं	५३	७	अ	७	५४	गं	११	२९	वि	२५	४०	२६	३१	२९	२५	१९	१६	मेषे	भ.२५।४०या.मघा.सिंहेऽर्कः५१।५३
८	बु	४९	३	भ	४	५०	वृ	४/४४	५४/२	बा	२१	५	२२	३२	२८	२६	२०	१७	वृ.१९।२०	मघा.सिंहऽर्कःसौरः३१।३जन्माष्टमीव्र.
९	गु	४६	१५	कृ	२	५०	व्या	५३	४०	तै	१७	३९	१९	३२	२८	२७	२१	१८	वृषे	मघा.सिंहेबुधः४३।५४गोगा९
१०	शु	४४	२५	रो	१	५६	ह	४९	३६	व	१५	२०	१५	३३	२७	२८	२२	१९	मि३२।०	भ.१५।२०उ.४४।२५या.
११	श	४३	४६	मृ	२	२	व	४६	२५	ब	१४	५	१२	३४	२६	२९	२३	२०	मिथुने	कर्केशुक्रः२१।४९अजा११व्र.
१२	र	४४	२३	आ	३	२२	सि	४४	१०	कौ	१४	४	८	३४	२६	३०	२४	२१	क.५०।१९	वत्सद्वादशी
१३	चं	४५	५०	पु	५	५८	व्य	४२	४१	ग	१५	६	४	३५	२५	३१	२५	२२	कर्के	भ.४५।५०उ.प्रदोषः
१४	मं	४८	३३	पु	९	३०	व	४२	२६	वि	१७	११	१	३६	२४	१	२६	२३	कर्के	भ.१७।११या.पुष्येशुक्रः१२/३८हस्त.३=
३०	बु	५२	२२	श्ले	१४	४	प	४२	३७	च	२०	२७	३१/५७	३७	२३	२	२७	२४	सिं१४।४	कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादिः

१९पं.भा.कृ.८बु.इ. ५४/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	३	१०	२	२	५	४
१	८	२८	९	२७	२२	२०	०
०	३८	२०	२	२	१७	१७	२२
४	२८	२	४६	३५	१७	४५	२८
५७	१४	१२१/२	५७/५२	७२	६	३	५७
४०	३१		व	११	२०	११	३४

गोचर ग्रहाः

भाद्रपदकृष्णे ७ भौमे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ वालावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

२०पं. भा.कृ.३०बु.इ.५४/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	१०	३	२	५	४
७	१०	१२	८	५	२३	१९	७
४४	२७	१३	९	२२	२	५५	५
२८	४३	५२	१८	३०	४९	३०	५५
५७	१७	१६/२९	५७/५२	७२	५	३	५७
४९	३०		व	३२	५५	११	४५

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५												वि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः१२३७स२०३३
१	गु	५७	२०	म	१९	३४	शि	४३	३४	किं	२४	५१	३१/५३	५/३७	६/२३	३	२८	२५	सिंहे	पूफा.बुधः२८।६
२	शु	६०	०	पू	२६	३४	सि	४५	१३	बा	३०	०	४९	३८	२२	४	२९	२६	कं.४३।१३	चद्रदर्शनम्
२	श	२	४१	उ	३३	११	सा	४७	२०	कौ	२	४१	४६	३९	२१	५	१	२७	कन्यायां	पुन.२शनिः४८।२६जमादिलाखर६
३	र	८	५०	ह	४०	४७	शु	४९	४३	ग	८	५०	४२	४०	२०	६	२	२८	कन्यायां	भ.४१।५९उ.हरितालिका३
४	चं	१५	८	चि	४८	१८	शु	५२	२	वि	१५	८	३८	४०	२०	७	३	२९	तु.१४।३२	भ.१५।८या.गणेशचतुर्थी
५	मं	२१	२९	स्वा	५५	५२	ब्र	५४	३८	बा	२१	२९	३४	४१	१९	८	४	३०	तुलायां	पूफा.रविः४१।३७ऋषिपंचमी
६	बु	२७	१	वि	६०	०	ऐं	५६	२५	तै	२७	१	३०	४२	१८	९	५	३१	वृ.४५।४३	पूफा.रविःसौरः२१।५५
७	गु	३१	३५	वि	२	२०	वै	५७	१४	व	३१	३५	२६	४३	१७	१०	६	१	वृश्चिके	भ.३१/३५उ.उफा.बुधः४४/५४सितंबर९ता.३०
८	शु	३४	४१	अ	७	४४	वि	५६	५७	वि	३	८	२२	४४	१६	११	७	२	वृश्चिके	भ.३।८या.पूषा.भौमः४६।६
९	श	३५	५७	ज्ये	११	३२	प्री	५५	२	बा	५	१९	१८	४४	१६	१२	८	३	ध.११।३२	कन्यायांबुधः३४/२४आश्ले.शुक्रः१७।१७+
१०	र	३५	११	मू	१३	३२	आ	५१	४८	तै	५	३४	१५	४५	१५	१३	९	४	धनुषि	[+बुधोदयःपश्चिमायां४०।२२
११	चं	३२	१६	पू	१३	२९	सौ	४६	४७	व	३	४४	११	४६	१४	१४	१०	५	म.२७।५७	भ.३।४४उ.३२/१६या.वक्रीधनि.४गुरुः×
१२	मं	२७	२९	उ	११	२१	शो	४०	७	बा	२७	२९	७	४७	१३	१५	११	६	मकरे	वामनजयतीप्रदोषः
१३	बु	२०	४७	श्र	७	१९	अ	३२	१	तै	२०	४७	३	४७	१३	१६	१२	७	कुं.३४।२९	[×१८।४९जलझूलनी११व्र.
१४	गु	१२	३२	ध	१/३९	५३/१८	सु	२२	४१	व	१२	३२	३०/५९	४८	१२	१७	१३	८	कुंभे	भ.१२/३२उ.३८/०या.अनन्त१४महालयारभः
१५	शु	३	२९	पू	४७	३५	धृ	१२	४०	ब	३	२९	५५	४९	११	१८	१४	९	मी३४।२६	हस्तेंबुधः४०/१६क.सन्ध्यापूजनारभः

२१पं.भा.शु.६बु.इ. ५४/३

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	१०	३	२	५	४
१४	१२	२५	७	१३	२३	१९	१३
३०	४१	७	१३	४६	४५	३३	५१
४	१३	८	५५	८	१४	१४	७
५८	२०	०/०	५७/५२	७२	५	३	५७
१	४६	३५	व	५०	३२	११	५७

गोचर ग्रहाः

रा६ शु४ ७ सूबु५ ३श ८चं २ ९मं ११गु १ १० १२के

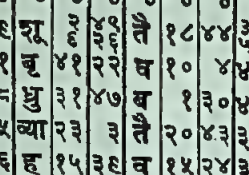

इस मास की कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि गुड़ सक्कर चीनी घृत में मन्दी करे सुदि में सोना चांदी तेज हो।

गोचर ग्रहाः

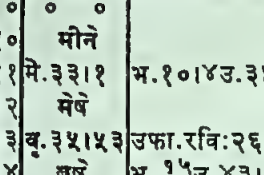

६बरा शु४ ७ सू५ श३ ८ २ म९ गु११च १ १० के१२

२२पं. भा.श.१३बु.इ.५३/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	१०	३	२	५	४
२१	१५	७	६	२२	१४	१९	२०
१७	२०	०	२०	१२	२४	१०	३७
६	४६	०	४२	१८	५८	५८	४७
५८	२३	०/०	७/२८	७३	५	३	५८
१३	१५	३२	ब	१४	२	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	शु	४९	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४४	३४	उ	४०	९	शू	२/६	४९/२६	तै	१८	४४	३०/५१	५/५०	६/१०	१९	१५	१०	मीने	
३	र	३५	३५	रे	३३	१	वृ	४१	२२	व	१०	४	४७	५१	९	२०	१६	११	मे.३३।१	भ.१०।४उ.३५।३५या.चतुर्थीव्र.
४	चं	२७	२५	अ	२६	३८	ध्रु	३१	४७	ब	१	३०	४३	५१	९	२१	१७	१२	मेषे	
५	मं	२०	४३	भ	२१	४५	व्या	२३	३	तै	२०	४३	३९	५२	८	२२	१८	१३	वृ.३५।५३	उफा.रविः२६।२
६	बु	१५	२४	कृ	१८	१६	ह	१५	३९	व	१५	२४	३५	५३	७	२३	१९	१४	वृषे	भ.१५/२४उ.४३।३८या.उफा.रविःसौरः =
७	गु	११	५३	रो	१६	१९	व	९	३३	ब	११	५३	३१	५४	६	२४	२०	१५	मि४६।१०	[=६।३५मघा.सिंहेशुक्रः१९।४०
८	शु	९	५०	मृ	१६	०	सि	४	४४	कौ	९	५०	२७	५५	५	२५	२१	१६	मिथुने	कन्यायामर्कः५१।२३मातृ९
९	श	९	२५	आ	१७	१	व्य	१/१७	५७/४२	ग	९	२५	२२	५६	४	२६	२२	१७	मिथुने	भ.४०।१उ.कन्यार्कःसौरः३१।४६
१०	र	१०	३८	पु	१९	५४	प	५७	५८	वि	१०	३८	१८	५६	४	२७	२३	१८	क.४।११	भ.१०।३८या.चित्रा.बुधः२९।२२
११	चं	१२	५५	पु	२३	५६	शि	५७	५६	बा	१२	५५	१४	५७	३	२८	२४	१९	कर्के	इन्दिरा११व्र.
१२	मं	१६	४१	श्ले	२९	७	सि	५८	२२	तै	१६	४१	९	५८	२	२९	२५	२०	सि२९।७	प्रदोषः
१३	बु	२१	१५	म	३५	१	सा	५९	४१	व	२१	१५	५	५९	१	३०	२६	२१	सिंहे	भ.२१।१४उ.३४।३या.
१४	गु	२६	५२	पू	४२	०	शु	६०	०	श	२६	५२	३०/००	६/००	६/००	३१	२७	२२	क.५८।४४	शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	शु	३२	३०	उ	४८	५८	शु	१	३९	ना	३२	३०	२९/५६	१	५/५९	१	२८	२३	कन्यायां	तुलायांबुधः२२/४९भा.आश्विनारभःसर्व३०

२३ पं.आ.कृ.६बु.इ. ५३/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	१०	४	२	५	४
२८	१८	१७	५	०	२५	१८	२७
५	२२	५७	३१	४२	०	४८	२६
२८	४४	२९	१६	४०	५८	४३	४
५८	२६	९२	६/४४	७३	४	३	५८
२६	०	३२	व	२०	४०	११	२९

गोचर ग्रहाः

६राबु ४ ७ ५सूशु श३ ८ २चं ९मं ११ १० १२के

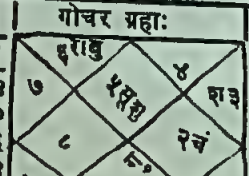

आश्विनशुक्ले ८ शुक्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

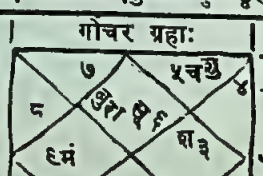

७ ५चशु ४ ८ बुरा सू६ श३ ९मं १२के २ १० ११गु १

२४पं.आ.कृ.१३बु.इ.५३/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	१०	४	२	५	५
४	२१	२७	४	९	२५	१८	४
५५	४२	५८	४७	१४	३३	२६	१६
१९	५८	१९	३८	५३	४	२७	११
५८	२८	८१	५/५९	७३	४	३	५८
३८	५	४६	व	३२	६	११	४५

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणऽहगणः १२६७स.२०३३
१	श	३८	४७	ह	५६	३३	शु	३	४३	किं	५	३८	२९/५२	६/२	५/५८	२	२९	२४	कन्याया	नवरात्रारभः मातामहश्रा.
२	र	४५	२	चि	६०	०	ब्र	६	८	बा	११	५४	४८	२	५८	३	३०	२५	तु.३०।२०	पूफा.शुक्रः१३।३५चंद्रदर्शनम्
३	चं	५१	१७	चि	४	६	ऐं	८	२८	तै	१८	१०	४४	३	५७	४	१	२६	तुलायां	रज्जव७
४	मं	५६	५८	स्वा	११	३४	वै	१०	४६	व	२४	७	४०	४	५६	५	२	२७	तुलायां	भ.२४/७उ.५६/५८या.हस्तेरविः४/३०(सौरः४४/६)
५	बु	६०	०	वि	१८	१९	वि	१२	३५	ब	२९	२४	३६	५	५५	६	३	२८	वृ.१।३८	स्वात्यांबुधः४१।०
५	गु	१	५०	अ	२४	२६	प्री	१३	५३	बा	१	५०	३२	६	५४	७	४	२९	वृश्चिके	
६	शु	५	३५	ज्ये	२९	२०	आ	१४	२८	तै	५	३५	२८	६	५४	८	५	३०	ध.२९।२०	
७	श	७	५३	मू	३२	४१	सौ	१३	५०	व	७	५३	२३	७	५३	९	६	१	धनुषि	भ.५७/३उ.३८/९या.उषा.भौमः३०/१अक्टूबर÷
८	र	८	२५	पू	३४	२२	शो	११	४७	ब	८	२५	१९	८	५२	१०	७	२	म.४९।२१	[÷१०ता.३१
९	चं	७	१०	उ	३४	१७	अ	८	२३	कौ	७	१०	१५	९	५१	११	८	३	मकरे	
१०	मं	३	५६	श्र	३२	११	सु	३/२८	५३/३०	ग	३	५६	११	१०	५०	१२	९	४	मकरे	भ.३१/३२उ.५८/४९या.पापांकुशा११व्र.स्मा.
११	मं	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+शरद्पूर्णिमास्मा.कोजागरीव्र.
१२	बु	५१	५२	ध	२८	७	शू	४८	५६	ब	२५	२१	७	११	४९	१३	१०	५	कुं.०।९	पापाकुशा११व्र.वै.
१३	गु	४३	३८	श	२२	३५	गं	३९	४७	कौ	१७	४५	३	११	४९	१४	११	६	कुम्भे	उफा.शुक्रः२।५०प्रदोषः
१४	शु	३४	८	पू	१५	३२	वृ	२९	२६	ग	८	५३	२८/५९	१२	४८	१५	१२	७	मी२।१८	भ.३४।८उ.५९।११या.मकरेभौमः१९/१६+
१५	श	२४	१४	उ	७/५८	५१/५९	ध्रु	१८	३८	ब	२४	१४	५५	१३	४७	१६	१३	८	मे.५९।५७	कन्यायांशुक्रः४५/२२शरद१५वै.का.स्ना.प्रारं

२५प.आ.शु.५ब.इ.५३/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	१०	४	२	५	५
११	२५	६	४	१७	२६	१८	११
४६	२१	५४	११	५०	०	४	८
५२	५४	१८	२	३५	२९	१२	९
५८	२९	६८	४/५०	७३	३	३	५९
५३	५६	४३	व	४४	३२	११	०

गोचर ग्रहाः

७बु, ५शु, रा, सू६, ४, ८चं, मं१, श३, २, १०, के१२, ११गु, १

इस मासमें ५शनिवार अशुभ हैं धान्य गल्ला सोना चांदी गुडचीनी तेल बारदाना वस्त्र कपास तेज हो प्रजा दुःखी हो।

गोचर ग्रहाः

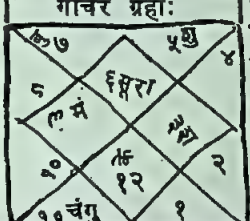

७, ५शु, ४, ८, ६सूरा, मं, श, २, १०, के१२, ११चंगु, १

२६प.आ.शु. १२बु.इ.५३/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	१०	४	२	५	५
१८	२९	१४	३	२६	२६	१७	१८
४०	१४	१९	४२	२८	२३	४१	१
५	४२	५२	५४	१६	४९	५६	५६
५९	३१	५०	३/४१	७३	२	३	५९
९	३७	२०	व	५०	४७	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णोंत महा
१	र	१४	१६	अ	५२	१३	व्या	७/२८	४९/४	कौ	१४	१६	२८/५१	६/१४	५/४६	१७	१४	९	मेषे	
२	चं	४	४४	भ	४५	१०	व	४६	८	ग	४	४४	४७	१५	४५	१८	१५	१०	वृ.५८।४४	भ.३०/०उ.५६/१४उ.चित्रा.रविः३६।४१
३	चं	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	मं	४९	४	कृ	३९	२४	सि	३६	४९	ब	२२	३९	४३	१५	४५	१९	१६	११	वृषे	चित्रा.रविःसौरः१४/५०पुन.३शनिः४४/३७=
५	बु	४३	५४	रो	३५	२६	व्य	२८	४६	कौ	१६	२९	३९	१६	४४	२०	१७	१२	वृषे	[=करकचतुर्थीव्र.
६	गु	४०	३५	मृ	३३	२८	व	२२	१७	ग	१२	१५	३५	१७	४३	२१	१८	१३	मि४।२७	भ.४०।३५उ
७	शु	३९	२१	आ	३३	४	प	१७	१४	वि	९	५८	३१	१८	४२	२२	१९	१४	मिथुने	भ.५९/८या.वक्राधनि.३गुरुः१९।५०
८	श	४०	५	पु	३४	५२	शि	१३	५०	बा	९	४३	२७	१९	४१	२३	२०	१५	क.१९।२५	वक्रीबुधः३६।१०
९	र	४२	२५	पु	३८	२२	सि	११	५४	तै	११	१५	२३	१९	४१	२४	२१	१६	कर्के	हस्तेशुक्रः४५।५०
१०	चं	४६	२८	श्ले	४३	३१	सा	११	३५	व	१४	२६	२०	२०	४०	२५	२२	१७	सिं४३।३१	भ.१४।२६उ.४६।२८या.तुलायामर्कः –
११	मं	५१	२९	म	४९	५२	शु	१२	२०	ब	१८	५८	१६	२१	३९	२६	२३	१८	सिंहे	रमा११व्र [–३०/३०(सौरः५७/३४)
१२	बु	५७	३८	पू	५६	५३	शु	१३	३३	कौ	२४	३३	१२	२२	३८	२७	२४	१९	सिंहे	[Cअन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा
१३	गु	६०	०	उ	६०	०	ब्र	१५	४०	ग	३०	४२	८	२२	३८	२८	२५	२०	कं.१३।४३	प्रदोषःधन१३
१३	शु	३	४७	उ	४	१४	ऐं	१७	५१	व	३	४७	४	२३	३७	२९	२६	२१	कन्यायां	भ.४७/३उ.३७।०या.रुप१४
१४	श	१०	१३	ह	११	५३	वै	२०	१४	श	१०	१३	०	२४	३६	३०	२७	२२	तु.४५।३५	बुधास्तःपश्चिमायां२६/३२महालक्ष्मीपूजनम्
३०	र	१६	२२	चि	१९	१७	वि	२२	३३	ना	१६	२२	२७/५६	२५	३५	१	२८	२३	तुलायां	श्रवणेभौमः३२।३७भा.कार्तिकारंभः C

२७पं का.कृ.५बु इ ५३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	६	१०	५	२	५	५
२५	३	१९	३	५	२६	१७	२४
३४	१८	७	२३	८	४२	१९	५७
५९	३२	३७	३१	६	२५	४०	३८
५९	३३	२०	३/२६	७३	२	३	५९
२१	२	३३	व.	५६	७	११	३१

गोचर ग्रहाः

७बु, ५, ४, ८, राशु, ६सू, ९, श ३, १०मं, १२के, चं२, ११गु, १

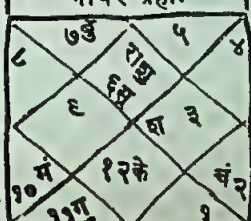

कार्तिककृष्णे १० चंद्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न,४ वृद्धावस्था (वैठी) मु १५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

८, शुरा६, ९, ७सूबु, चं५, १०मं, ४, गु११, १, ३श, १२के, २

२८पं.का.कृ.१२बु.इ.५२/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	१०	५	२	५	६
२	७	१९	३	१३	२६	१६	१
३१	३३	२६	१३	५०	५५	५७	५५
२३	५४	४६	१६	५३	३०	२५	२
५९	३३	३३/२३	१/१	७४	१	३	५९
३४	५९	व	व	२	२७	११	४६

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२९७स.२०३२
१	चं २२ २५ स्वा २६ २५ प्री २४ ३८ च	२२	२५	५३	२५	३५	२	२९ २४	तुलायां स्वात्यांरविः ३५(सौरः ३६ मार्गेगुरुः ५०
२	मं २७ ४० वि ३३ १० आ २६ २० कौ	२७	४०	४९	२६	३४	३	३० २५	वृ.१६।२९ हस्त २रा हुः उभा ४ केतुः २१ चंद्रदर्शनम् =
३	बु ३२ १५ अ ३८ ५९ सौ	२७	१५	४५	२७	३३	४	१ २६	वृश्चिके सावान८ [=भातृ २यम २
४	गु ३५ ५२ ज्ये ४३ ५६ शो	२७	३२	व	४	३	४१	२८ ३२	५ २ २७ ध ४३।५६ भ.३उ.३५या.चित्रा.शुक्रः २९।१६
५	शु ३८ २१ मू ४७ ५१ अ	२७	१२	व	७	६	३७	२९ ३१	६ ३ २८ धनुषि [×४८।१०नवंबर११ता.३०
६	श ३९ ३२ पू ५० ३० सु	२६	३	कौ	८	५६	३४	२९ ३१	७ ४ २९ धनुषि
७	र ३९ १४ उ ५१ ३९ धृ	२३	३३	ग	९	२३	३०	३० ०	८ ५ ३० भ.५।४७ भ.३९।१४उ.
८	चं ३७ ३१ श्र ५१ ३२ शू	१९	५५	वि	८	२२	२७	३१ २९	९ ६ ३१ मकरे भ.२९या.धनि४गुरुः ४३गोपाष्टमी
९	मं ३४ ८ ध ४९ ३२ गं	१५	७	श	५	४९	२३	३१ २९	१० ७ १ कुं.२०।३२ वक्रीचित्रा.बुधः ३६।३७तुलायांशुक्रः ×
१०	बु २९ ४ श ४६ ४ बृ	८	५२	तै	१	३६	१९	३२ २८	११ ८ २ कुंभे भ.५५।५३उ.वक्रीशनिः १२।१२
११	गु २२ ४३ पू ४१ २३ ध्रु	२२	२४	वि	२२	४३	१६	३३ २७	१२ ९ ३ मी २७।३३ भ.३३या.प्रबोधिनी ११व्र.तुलसीविवाहः
१२	शु १४ ५८ उ ३५ ७ ह	४३	११	बा	१४	५८	१२	३४ २६	१३ १० ४ मीने बुधोदयःपूर्वस्यां४।२०प्रदोषः
१३	श ६ १३ रे २८ ३ व	३२	४७	तै	६	१३	९	३४ २६	१४ ११ ५ मे.२८।३ भ.५६।५०उ.बैकुंठ १४
१४	श ५० ३७ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ० ० ० ० ० ० [–मार्गीबुधः ४७मन्वादिःका.स्ना. पू.
१५	र ४७ ११ अ २० ३३ सि	२२	५	वि	२२	०	५	३५ २५	१५ १२ ६ मेषे भ.२२।०या.विशा.रविः २३(सौरः ५६ –

२९पं.का.शु.३बु.इ. ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	१०	५	२	५	६
९	११	१२	३	२२	२७	१६	८
२९	५७	५७	१३	३४	३	३५	५४
३८	५८	५४	४४	५०	४७	९	२२
५९	३५	८१	०	७४	०	३	६०
४७	२२	व	मी	१४	४७	११	२

गोचर ग्रहाः

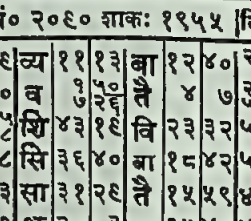

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चना गेहूं जो चावल सोना चांदी लोहा वस्त्र रुई कपास वारदाना गुड सक्कर घृत तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

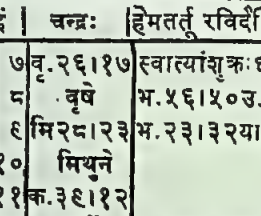

३०पं.का.शु.१०बु.इ. ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	१०	६	२	५	६
१६	१६	५	३	१	२७	१६	१५
२९	३१	३८	२३	१९	६	१२	५५
२०	३०	५३	२४	४८	२२	५४	२६
६०	३५	४६	१	७४	९	३	६०
४	५७	व.	३४	२०	व.	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	हेमतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	चं ३८ ८ भ १२ ५९ व्य	११	१३	बा	१२	४०	२९	६ ५	२४ १६ १३ ७ वृ.२६।१७ स्वात्यांशुक्रः ६।१४
२	मं ३० ७ कृ ६ १० व	७	५०	तै	४	७	२	३ ३६	२४ १७ १४ ८ वृषे भ.५६।५०उ.
३	बु २३ ३२ रो २४ ५५ शि	४३	१९	वि	२३	३२	५५	३७ २३	१८ १५ ९ मि२८।२३ भ.२३।३२या.चतुर्थीव्र.
४	गु १८ ४२ आ ५४ ८ सि	३६	४०	बा	१८	४२	५२	३८ २२	१९ १६ १० मिथुने
५	शु १५ ५९ पु ५४ १३ सा	३१	२९	तै	१५	५९	४९	३८ २२	२० १७ ११ क.३९।१२
६	श १५ ४० पु ५६ २९ शु	२८	३	व	१५	४०	४५	३९ २१	२१ १८ १२ कर्के भ.४०उ.४६या.स्वात्यांबुधः ३४
७	र १७ ६ श्ले ६० ० शु	२६	१७	ब	१७	६	४२	४० २०	२२ १९ १३ कर्के घनि.भौमः २७।१६
८	चं २० ३९ श्ले ० २५ बृ	२६	२९	कौ	२०	३९	३९	४० २०	२३ २० १४ सिं०।२५
९	मं २५ ३५ म ६ ७ ऐं	२७	२	ग	२५	३५	३६	४१ १९	२४ २१ १५ सिंहे भ.५८।३७उ.
१०	बु ३१ ४० पू १२ ५४ वै	२८	५१	वि	३१	४०	३३	४१ १९	२५ २२ १६ कं.२९।४६ भ.३१या.बृश्चिकेऽर्कः १९(सौरः ५०१८)
११	गु ३७ ५९ उ २० २३ वि	३०	५८	व	४	४९	३०	४२ १८	२६ २३ १७ कन्यायां विशा.शुक्रः ४६।२०उत्पत्ति ११व्रः
१२	शु ४४ ३८ ह २८ ५ प्री	३३	२८	कौ	११	१८	२७	४३ १७	२७ २४ १८ कन्यायां
१३	श ५० ५६ चि ३५ ३७ आ	३५	४६	ग	१७	४७	२५	४३ १७	२८ २५ १९ तु.१।५१ भ.५९उ.अनु.रविः ३७।२६प्रदोषः
१४	र ५६ ३९ स्वा ४२ ५३ सौ	३७	४४	वि	२३	४७	२३	४४ १६	२९ २६ २० तुलायां भ.२३।४७या.अनु.रविः सौरः ७।६
२०	चं ६० ० वि ४९ ७ शो	३९	१०	च	२९	४	१९	४४ १६	३० २७ २१ वृ.३२।३३ [×भा.मार्गशीर्षारंभः
३०	मं १ ३० अ ५४ २५ अ	३९	४३	ना	१	३०	१७	४५ १५	१ २८ २२ वृश्चिके विशा.बुधः ४६।५२कुंभे भौमः ५३।४४ ×

३१पं मा कृ.३बु.इ. ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	१०	६	२	५	६
२३	२१	५	३	१०	२७	१५	२२
३०	७	०	४३	६	२	५०	५७
४०	२६	२२	१२	७	४२	३८	५८
६०	३७	१७	३	७४	४६	३	६०
१७	१	मी	३	२६	व	११	३०

गोचर ग्रहाः

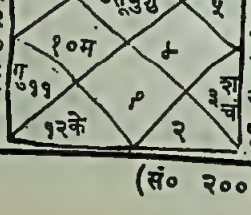

मार्गशीर्ष कृष्णे १० बुधे वृश्चिकेऽर्के प्रविष्टः वा. ३ न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

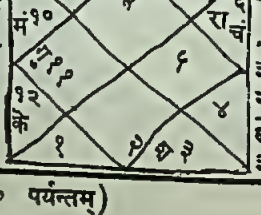

३२पं.मा.कृ.१०बु.इ. ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	१०	६	२	५	७
०	२५	११	४	१८	२६	१५	०
३३	५०	४५	१२	५२	५४	२८	२
२२	२८	१८	४	४८	३६	२२	२
६०	३७	७५	४	७४	३३	३	६०
३०	४२	१३	१४	२६	व.	११	४०

तिथि: मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १३२७स.२०३३

१	बु	५	१३	ज्ये	५८	५७	सु	३९	४१	ब	५	१३	२३	६	५	२	२९	२३	ध.५८।५७	चंद्रदर्शनम्
२	गु	८	९	मू	६०	०	धृ	३८	४६	कौ	८	९	१२	४६	१४	३	१	२४	धनुषि	वक्रीपुन.२शनि:१०।१८रमजान ९
३	शु	९	५८	मू	२	२१	शू	३७	०	ग	९	५८	९	४६	१४	४	२	२५	धनुषि	भ.४०।१८उ.वृश्चिकेशुक्र:४४।६
४	श	१०	३८	पू	४	३५	गं	३४	२५	वि	१०	३८	७	४७	१३	५	३	२६	म.१९।५६	भ.१०।३८या.
५	र	१०	१६	उ	६	१	वृ	३१	१६	बा	१०	१६	५	४७	१३	६	४	२७	मकरे	
६	चं	८	४७	श्र	६	२६	ध्रु	२६	५८	तै	८	४७	२	४८	१२	७	५	२८	कुं.३६।०	अनु.शुक्र:१९।४९चंपा६
७	मं	६	१६	ध	५	३४	व्या	२१	४०	व	६	१६	०	४८	१२	८	६	२९	कुम्भे	भ.१६उ.३४या.वृश्चिकेबुध: =
८	बु	२	४२	श	३	४१	ह	१५	४२	ब	२	४२	२५	४८	१२	९	७	३०	मी४६।२५	[=१८बुधास्त:पूर्वस्यां४९।१८
९	बु	५५	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	गु	५२	१३	पू	४०	५०	व	८	४६	तै	२५	९	५६	४९	१०	१०	८	१	मीने	अनु बुध:३२।०दिसम्बर १२ता.३१
११	शु	४५	३२	रे	५१	३७	सि	३५	५८	व	१८	५२	५४	४९	११	११	९	२	मे.५१।३७	भ.१८उ.४५या.ज्येष्ठा.रवि:५८शते ÷
१२	श	३८	५	अ	४५	५४	च	४३	१२	ब	११	४८	५३	४९	११	१२	१०	३	मेषे	ज्येष्ठा.रवि:सौर:१५।०
१३	र	२९	५५	भ	३९	३७	प	३३	३१	कौ	४	०	५१	५०	१०	१३	११	४	वृ.५३।५	प्रदोष:
१४	चं	२१	५२	कृ	३३	२९	शि	२३	५३	व	२१	५२	४९	५०	१०	१४	१२	५	वृषे	भ.२१।५२उ.४८।१या.दत्तजयंती
१५	मं	१४	१०	रो	२७	४७	सि	१४	२५	ब	१४	१०	४८	५०	१०	१५	१३	६	मि५५।२२	[÷भौम:४३।१८मोक्षदा११व्र.गीताजयं.

३३पं.मा.शु.१बु.इ. ५११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	६	१०	६	२	५	७
७	०	२१	४	२७	२६	१५	७
३७	३७	३५	५०	४०	४०	६	७
१६	४४	५३	६	५२	४१	७	३५
६०	२९	८८	५	७४	३५	३	६०
४२	१४	२३	२५	२६	व.	११	५३

गोचर ग्रहा:

इस मास में धान्य गेहू बाजरा मूंग मोठ चना मक्का आदि तेज हो चांदी रुई सोना तिलहन वार-दाना मंदा होवे ।

गोचर ग्रहा:

३४प.मा.शु.८बु.इ. ५१

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	७	२	५	७
१४	९	२	५	६	२६	१४	१४
४२	२८	१६	२६	२८	२१	४३	१४
२९	१	५९	५८	४४	५८	५१	२१
६०	३८	९३	६	७४	३९	३	६१
५०	४३	५९	३२	३२	व.	११	३

तिथि: पौष कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

१	बु	७	३३	मृ	२२	५८	सा	४८	५२	क	७	३३	२५	६	५	१६	१४	७	मिथुने	
२	गु	२	७	आ	१९	३२	शु	५१	४३	ग	२	७	४५	५१	९	१७	१५	८	मिथुने	भ.३९उ.५६या.ज्येष्ठाशुक्र:५८।८
३	गु	५६	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	शु	५६	५२	पु	१८	४	श्र	४७	२	व	२७	३७	४४	५१	९	१८	१६	९	क.३।२६	शत१गुरु:१।५२चतुर्थीव्र.
५	श	५७	१७	पु	१८	४०	ऐं	४३	४८	कौ	२७	४	४३	५१	९	१९	१७	१०	कर्के	ज्येष्ठा.बुध:२।२९
६	र	५९	५२	श्ले	२१	११	वै	४२	३७	ग	२८	३४	४३	५२	८	२०	१८	११	सिं२१।११	भ.५९।५२उ.
७	चं	६०	०	म	२५	३२	वि	४२	११	वि	३२	२	४१	५२	८	२१	१९	१२	सिंहे	भ.३२।२या.शुक्रास्त:पूर्वस्यां२६।२४
७	मं	४	१२	पू	३१	४२	प्री	४३	१६	ब	४	१२	४०	५२	८	२२	२०	१३	कं.४७।२९	
८	बु	१०	१	उ	३८	५०	आ	४५	६	कौ	१०	१	३९	५२	८	२३	२१	१४	कन्यायां	
९	गु	१६	१०	ह	४६	१९	सौ	४७	१६	ग	१६	१०	३९	५२	८	२४	२२	१५	कन्यायां	भ.४९।२७उ.मूलेधनुष्यर्क:५४।५३
१०	शु	२२	४४	चि	५३	५५	शो	४९	३७	वि	२२	४४	३८	५२	८	२५	२३	१६	तु.२०।७	भ.२२।४४या.मूलेधनुष्यर्क:सौर:१८।५०
११	श	२९	४	स्वा	६०	०	अ	५१	३३	बा	२९	४	३८	५२	८	२६	२४	१७	तुलायां	मूलेधनुषिबुध:५४।३१सफला११व्र.
१२	र	३४	४९	स्वा	१	७	सु	५३	८	कौ	१	५६	३७	५३	७	२७	२५	१८	वृ.५०।५४	
१३	चं	३९	२५	वि	७	३०	धृ	५३	३७	ग	७	५	३७	५३	७	२८	२६	१९	वृश्चिके	भ.३३उ.मूले धनुषिशुक्र:३१।४प्रदोष:
१४	मं	४२	४४	अ	१२	३६	शू	५३	३	वि	११	३	३६	५३	७	२९	२७	२०	वृश्चिके	भ.११।३या.
१४	बु	४४	४०	ज्ये	१६	४०	गं	५१	३७	च	१३	४२	३६	५३	७	३०	२८	२१	ध.१६।४०	पूभा.भौम:२७।२७

३५पं.पौ.कृ १बु.इ. ५११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	७	२	५	७
२१	१०	१३	६	१५	२५	१४	२१
४८	२१	८	३१	१७	५८	२१	२२
३२	९८	४२	८	९७	४१	३६	२
६०	३९	९६	७	७४	३०	३	६१
५६	८	५०	३४	३२	व	११	११

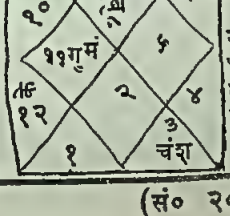

३६प.पौ.कृ.८बु.इ. ५११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	७	२	५	७
२८	१५	२४	७	२४	२१	१३	२८
५५	१७	३	३२	६	३१	५९	३०
२६	४९	४२	२०	७	४४	२०	४५
६१	३०	९८	८	७४	५३	३	६१
०	३२	१३	३७	३२	व	११	१९

३७पं.पौ.कृ.३०बु.इ. ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	७	२	५	७
३	२०	५	८	२	२५	१३	५
०	१५	५	४०	१४	०	२७	४०
०	४७	४६	१६	१४	५८	४	१०
६१	३०	९९	९	७४	१०	३	६१
५५	२	५३	२८	३६	व	११	२२

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १३५६स२०३३
१	गु ४५ १९ मू १९	१३	बृ ४९	१४	किं १४	५९	३५ ६ ५३	५	७ १ २९ २२	धनुषि	भा.पौषारंभः
२	शु ४४ ४६ पू २०	४५	धु ४५	५०	बा १५	२	३६ ५३	७	२ ३० २३	म.३५।५३	चद्रदर्शनम्
३	श ४३ १५ उ २१	१६	व्या ४१	४१	तै १४	०	३७ ५३	७	३ १ २४	मकरे	सव्वाल १०
४	र ४० ५२ श्र २०	३८	ह ३६	४३	व १२	३	३७ ५३	७	४ २ २५	कुं.५०।२	भ.१२।३उ.४०।५२या.
५	चं ३७ ४८ ध १९	२६	व ३१	१७	ब ९	२०	३७ ५३	७	५ ३ २६	कुम्भे	
६	मं ३४ १९ श १७	४०	सि २५	३२	कौ ६	३	३८ ५२	८	६ ४ २७	कुभे	पूषा.बुधः १५ हस्त.१ राहुःउभा.३ केतु ३३
७	बु २९ ५९ पू १५	४३	व्य १९	६	ग २	९	३८ ५२	८	७ ५ २८	मी १।१२	भ.३९ उ.५७ या.पूषा.रविः५९
८	गु २५ १९ उ १२	२३	व १२	११	ब २५	१९	३९ ५२	८	८ ६ २९	मीने	पूषा.रवि.सौरः३८ शत.२गुरुः२६
९	शु २० ११ रे ८	५२	प ४५	२६	कौ २०	११	४० ५२	८	९ ७ ३०	मे.८।५२	पूषा.शुक्रः९।७
१०	श १४ २९ अ ५	४	सि ४९	२९	ग १४	२९	४१ ५२	८	१० ८ ३१	मेषे	भ.४१।३०उ.
११	र ८ ३१ भ ३९	५६ ४४	सा ४१	१६	वि ८	३१	४२ ५२	८	११ ९ १	वृ.१४।५०	भ.६ या.जनवरी १ता.३१सन्२०३४-
१२	चं २ १४ रो ५२	२	शु ३३	१४	बा २	१४	४३ ५१	९	१२ १० २	वृषे	प्रदोषः [-पुत्रदा ११व्र.
१३	चं ५३ ५६ ०	०	० ०	०	० ०	०	० ०	०	० ० ०		[=मीनेमौमः ३१ मा.स्ना.प्रा.
१४	मं ५० ३८ मृ ४८	८	शु २५	२१	ग २३	२४	४४ ५१	९	१३ ११ ३	मि२०।५	भ.५०।३८उ
१५	बु ४५ ४७ आ ४५	२	ब्र १८	७	वि १८	१७	४५ ५१	९	१४ १२ ४	मिथुने	भ.१८।१७या.उषा.बुधः १४।५१=

३८पं.पौ.शु.७बु.इ. ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	१०	८	२	५	८
१३	२५	१६	९	११	२४	१३	१२
१०	१४	१६	५४	४२	२८	१४	५०
५९	४२	५९	०	५४	५	४९	२
६१	४०	८	१०	७४	३	३	६१
६	८	५	१३	३८	व	११	२६

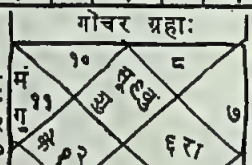

पौष कृष्णे ९ गुरौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा २ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

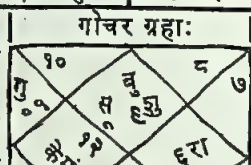

३९पं.पौ.शु.१५बु.इ. ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	१०	८	२	५	८
२०	०	२७	११	२०	२३	१२	१९
१९	१३	४०	१२	२१	५३	१२	५९
५	८	५९	५०	२६	४९	३३	५९
६१	४०	८	१०	७४	४	३	६१
६	१२	५	५६	३८	व	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	गु ४२ २४ पु ४३	१३	ऐं ११	५५	बा १४	५	२५ ६ ४७ ५१	५	१५ १३ ५	क.२८।४०	[×वक्रीपुन.१शनि ३९।९
२	शु ४० ४० पु ४३	४	वै ६	३३	तै ११	३२	४८ ५०	१०	१६ १४ ६	कर्के	मकरेबुधः १३।२१
३	श ४० २६ श्ले ४४	३७	वि २	३४	व १०	३३	५० ५०	१०	१७ १५ ७	सि४४।३७	भ.१०।३३उ.४०।२६या.
४	र ४२ २२ म ४७	५८	प्री ० १६	५८	ब ११	२४	५२ ५०	१०	१८ १६ ८	सिंहे	चतुर्थीव्र.
५	चं ४५ ५५ पू ५२	४१	सौ ५९	१४	कौ १४	८	५३ ४९	११	१९ १७ ९	सिंहे	उषा.शुक्रः४२।३२उभा.भौमः३।०
६	मं ५१ १९ उ ५९	१७	शो ६०	०	ग १८	३७	५५ ४९	११	२० १८ १०	क.९।२०	भ.५१।१९उ.
७	बु ५७ ७ ह ६०	०	शो ०	३३	वि २४	१३	५७ ४९	११	२१ १९ ११	कन्यायां	भ.३ या.उषा.रविः४२ (सौरः३१)×
८	गु ६० ० ह ६	२२	अ २	२३	बा ३०	२२	५९ ४८	१२	२२ २० १२	तु.४०।१३	श्रवणेबुधः १७।४१मकरेशुक्रः २३।१८
८	शु ३ ३८ चि १४	५	सु ४	४०	कौ ३	३८	२६ ४८	१२	२३ २१ १३	तुलाया	बुधोदयःपश्चिमायां४१।२२
९	श १० ४ स्वा २१	३०	धृ ६	४७	ग १०	४	४ ४७	१३	२४ २२ १४	तुलायां	भ.४३।०उ.मकरेऽर्कः२१।६ (सौरः३७)
१०	र १५ ५४ वि २८	२१	शू ८	३१	वि १५	५४	६ ४७	१३	२५ २३ १५	वृ.११।३८	भ.१५।५४या.
११	चं २० २९ अ ३३	४८	गं ९	२२	बा २०	२९	८ ४६	१४	२६ २४ १६	वृश्चिके	षट्तिला ११व्र.
१२	मं २३ ४४ ज्ये ३७	५२	वृ ९	१४	तै २३	४४	११ ४६	१४	२७ २५ १७	ध.३७।५२	प्रदोषः [+श्रवणेशुक्रः २१।०
१३	बु २५ २१ मू ४०	१९	ध्रु ७	४१	व २५	२१	१३ ४५	१५	२८ २६ १८	धनुषि	भ.२५।२१उ.५५।१५या.
१४	गु २५ १० पू ४१	११	व्या ४	५२	श २५	१०	१६ ४५	१५	२९ २७ १९	म.५६।५	शत.३गुरुः८।५५
३०	शु २३ २८ उ ४०	४८	ह ० ४६	५३	ना २३	२८	१९ ४४	१६	३० २८ २०	मकरे	अभि.प्र.रविः ५३ धनि.बुधः ३५+

४०पं.मा.कृ.७बु.इ. ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	१०	८	२	५	८
२७	५	९	१२	२९	२३	१२	२७
२७	१२	१५	३७	१९	१९	३०	९
७	२५	२२	१	४४	५	१८	५१
६१	४०	८	११	७४	४	३	६१
६	१०	५	२३	३८	व	११	२४

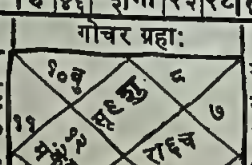

माघ कृष्णे ९ शनौ मकरेऽर्कः प्रविष्ट. वा. ३ न.२ प्रगल्भावस्था (बैठी मु.१५धान्यादिभावेमहर्धताशुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

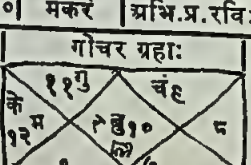

४१पं.मा.कृ.१३बु.इ. ५०

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	१०	९	२	५	९
४	१०	२०	१४	८	२२	१२	४
२४	१०	३७	४	८	४४	८	१९
५९	१६	३४	५२	व	५६	२	२०
६१	४०	९२	१२	७४	४	३	६१
३	१९	४९	८	३२	व	११	१९

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं २०९० शाकः १९५५	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १३८६स.२०३४
१	श २०।२८ अ ३९ १ सि ४९।५१ ब	२०।२८	३६/२१	६/४४	५/१६	१	२९	२१	मकरे अभि.प्र.रविः सौरः८।४३चंद्रदर्शनम्–
२	र १६।३४ ध ३६।२५ व्य ४३।१७ कौ	१६।३४	२४	४३	१७	२	१	२२	कुं.७।४३ जिल्काद११ [–भा.माघारंभः
३	चं ११।५९ श ३३।१४ व ३६ ४ ग	११।५९	२७	४३	१७	३	२	२३	कुंभे भ.३९।२९उ.रेवत्यांभौम:३७।८
४	मं ७ ० पू २९।४६ प २८।५९ वि	७ ०	२९	४२	१८	४	३	२४	मी १५।४५ भ.७या.श्रवणेरविः१९(सौरः३५)
५	बु १।५० उ २६।१९ शि २१।५० बा	१।५०	३२	४२	१८	५	४	२५	मीने अभि.नि.रविः३४(सौरः१५वसंत५
६	शु ५४।४७ ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०	०	०	० ०
७	गु ५१।२३ रे २२।५० सि १४।२९ ग	२४ ०	३५	४१	१९	६	५	२६	मे.२२।५० भ.५३उ.कुंभेबुधः४भानु७रथ७
८	शु ४६।३४ अ १९।२९ सा ७ ५ वि	१८।५८	३८	४०	२०	७	६	२७	मेषे भ.१८या. भीष्माष्टमी
९	श ४१।३७ भ १६।१४ शु ४।५५ बा	१४ ५	४१	४०	२०	८	७	२८	वृ.३०।२७
१०	र ३६।५७ कृ १३ ६ ब्र ४६।१४ तै	९।१७	४५	३९	२१	९	८	२९	वृषे शुक्रोदयःपश्चिमायां९।३६
११	चं ३२।४० रो १०।२३ ऐं ३९।५३ व	४ ४८	४८	३८	२२	१०	९	३०	मि३९।१२ भ.४८उ.३३०या.धनि.शुक्रः५५शत.४=
१२	मं २८।५० मृ ८ १ वै ३३।५४ ब	० ४५	५१	३८	२२	११	१०	३१	मिथुने प्रदोषः [=गुरुः३१जया११त्र.
१३	बु २५।३८ आ ६।१७ वि २८।२९ तै	२५ ३८	५४	३७	२३	१२	११	१	क.५०।३४ वक्रीबुधः१।४२ फवरी२ता.२८
१४	गु २३।१५ पु ५।२० प्री २३।४४ व	२३ १५	५८	३६	२४	१३	१२	२	कर्के म.२३।१५उ.५२।४६या.
१५	शु २२।१७ पु ५।३६ आ २०।९ ब	२२ १७	२७/१	३६	२४	१४	१३	३	कर्के मा.स्ना.पू.

४२पं.मा.शु.५बु.इ. ५०/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	१०	९	२	५	९
११	१५	०	१५	१६	२२	११	११
४२	९	१५	३६	५५	१२	४५	२८
२९	३६	२२	४	५२	२९	४६	११
६०	४०	७०	१२	७४	१०/व.	३	६१
५९	३२	४७	२५	३२	११	१३	

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथिवृद्धि व शुक्ल पक्षकी तिथिक्षय धातु धान्य बाजरा मूंगमोठ चना मक्का रस कस वारदाना तेज करे।

गोचर ग्रहाः

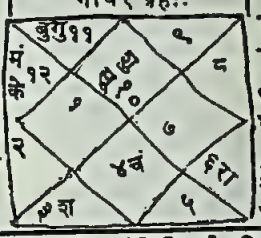

४३पं.मा.शु.१३ब.इ.५१/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	१०	९	२	५	९
१८	२०	४	१७	२५	२१	११	१८
४९	७	४२	९	४३	४२	२३	३९
१	४८	५०	५०	१६	११	३१	१८
६०	४०	२९/१	१२	७४	५/व.	३	६१
५५	३१	व.	५२	३२		११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूं रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	श २२।२९ ले ७ २ सौ १७।४३ कौ	२२।२९	२७/६	५।२५	१५	१४	४	सि७।२	कुंभेशुक्रः१७/५५बुधास्तःपश्चिमायां१९/३०
२	र २४।३० म १० १३ शो १६।२५ ग	२४।३०	८	३४	२६	१६	१५	५	सिंहे भ.५६।६उ.
३	चं २७।४३ पू १४।४१ अ १५।५९ वि	२७।४३	१२	३४	२६	१७	१६	६	कं.३१।९ भ.३७या.धनि.रविः३८(सौरः३९)× [×चतुर्थी व्र.
४	मं ३२।४० उ २०।३२ सु १६।५५ ब	० ११	१५	३३	२७	१८	१७	७	कन्यायां
५	बु ३८।१० ह २७ ५ धृ १८।१८ कौ	५।२५	१९	३२	२८	१९	१८	८	कन्यायां
६	गु ४४।४१ चि ३४।३९ शू २०।२७ ग	११।२५	२३	३१	२९	२०	१९	९	तु.०।५२ भ.४४।४१उ.वक्रीमकरेबुधः५१।२०
७	शु ५१।८ स्वा ४२।११ गं २२।४० वि	१७।५४	२७	३१	२९	२१	२०	१०	तुलायां भ.५७या.शतेशुक्रः७६पातस्पर्शः५७/१९
८	श ५७।१० वि ४९।२८ बृ २४।५० बा	२४ ९	३०	३०	३०	२२	२१	११	वृ.३२।३९ पातमोक्षः२१।४६
९	र ६०ं ० अ ५५।५० ध्रु २६।१८ तै	२९।४३	३४	२९	३१	२३	२२	१२	वृश्चिके कुंभेऽर्कै ५३।४३
९	चं २ १७ ज्ये ६०ं ० व्या २६।३९ ग	२ १७	३८	२८	३२	२४	२३	१३	वृश्चिके भ.३४उ.कुंभेऽर्कः सौरः४७पूभा.१गुरुः५९/३२
१०	मं ५ ५२ ज्ये ० ४१ ह २५।५८ वि	५।५२	४१	२८	३२	२५	२४	१४	ध.०।४१ भ.५।५२या.
११	बु ७ ५२ मू ३ ४९ व २३।५० बा	७ ५२	४५	२७	३३	२६	२५	१५	धनुषि वक्रीश्रवणेबुधः४९अश्वि.मेषेभौमः५०+
१२	गु ७ ४५ पू ५ ९ सि २०ं ७ तै	७।४५	४९	२६	३४	२७	२६	१६	म.२०।१ प्रदोषः [·विजया११त्र.
१३	शु ५ ४५ उ ४ ३८ व्य १४।५० व	५।४५	५३	२५	३५	२८	२७	१७	मकरे भ.५५उ.३३०या.बुधोदयःपूर्वस्यां२४÷
१४	श १ ५५ श्र २५/२६ व ८ २० श	१ ५५	५६/२५	२५	३५	२९	२८	१८	कुं.३०।३५ महाशिवरात्री व्र.वै.
३०	श ५४ ५२ ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०	०	०	० ० [÷महाशिवरात्री व्र.स्मा.

४४पं.फा.कृ.५बु.इ. ५१/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	१०	१०	२	५	९
२५	२५	१	१८	४	२१	११	२५
५४	४	१२	४६	२९	१५	१	४३
५०	८	४	३७	४९	७	१५	५
६०	४०	५१/५८	१३	७४	३/२७	३	६०
४७	३२	व.	१४	३१	व.	११	५५

गोचरग्रहाः

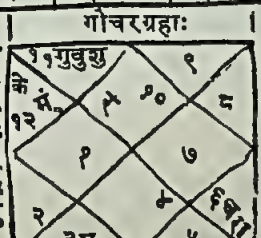

फाल्गुन कृष्णे ९ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

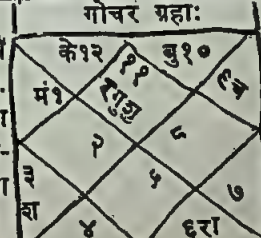

४५पं.फा.कृ.११बु.इ.२९/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१०	१०	२	५	१०
२	०	२३	२०	१३	२०	१०	२
५९	०	१७	२५	१५	५२	३९	३९
४२	४०	१७	१२	४३	२९	०	८
६०	४०	३३/३८	१३	७४	४/२९	३	६०
३७	२६	व.	२२	२६	व.	११	४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण १४१५स.२०३४
१	र	५०	३२	श	५४	१०	प	०/५१	५१/४०	किं	२३	३९	२८/००	६/२४	५/३६	३०	२९	१९	कुम्भे	शतेरविः२९।५४(सौरः३९।४९)
२	चं	४३	३८	पू	४९	२	सि	४३	५३	बा	१७	५	४	२३	३७	१	३०	२०	मी३५।१९	चन्द्रदर्शनम् भा.फाल्गुनारंभः फुलरिया२
३	मं	३६	४१	उ	४३	५२	सा	३५	५	तै	१०	९	८	२२	३८	२	१	२१	मीने	पूभा.शुक्रः११।०जिल्हेज१२
४	बु	२९	४४	रे	३८	४६	शु	२६	२०	व	३	१२	१२	२२	३८	३	२	२२	मे.३८।४६	भ.३।१२उ.२९।४४या.
५	गु	२३	११	अ	३४	११	शु	१८	११	बा	२३	११	१६	२१	३९	४	३	२३	मेषे	पातस्पर्शः३।१७पातमोक्षः१८।३९
६	शु	१७	१५	भ	३०	१६	ब्र	१०	३१	तै	१७	१५	२०	२०	४०	५	४	२४	वृ.४४।२७	[+होलिकादहनम् भद्रोत्तरम्
७	श	११	५९	कृ	२७	२	ऐं	३/१३	५३/३२	व	११	५९	२४	१९	४१	६	५	२५	वृषे	भ.११/५९उ.३९/४६या.मार्गीबुध.२०/४३
८	र	७	३४	रो	२४	३२	वि	५०	५०	ब	७	३४	२८	१८	४२	७	६	२६	मि५३।४७	होलाष्टकम्
९	चं	३	५८	मृ	२३	४	प्री	४५	४३	कौ	३	५८	३२	१८	४२	८	७	२७	मिथुने	पूभा.२गुरुः५७।१४
१०	मं	१	१७	आ	२२	३०	आ	४१	१८	ग	१	१७	३६	१७	४३	९	८	२८	मिथुने	भ.३०/२२उ.५९/२८या.उफा.४राहुःउभा.२-
११	मं	५८	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[-केतुः७/४४आमलकी११व्र.स्मा.
१२	बु	५८	२८	पु	२२	३५	सौ	३७	४६	ब	२८	५८	४०	१६	४४	१०	९	१	क.७।३४	मीनेशुक्र१६/४अस्तंगुरोः३७/१२मार्च३ता३१=
१३	गु	५८	४३	पु	२३	५२	शो	३४	५१	कौ	२८	३५	४४	१५	४५	११	१०	२	कर्के	प्रदोषः [=आमलकी११व्र.वै.
१४	शु	५९	५३	श्ले	२६	१०	अ	३२	५४	ग	२९	१८	४८	१४	४६	१२	११	३	सिं२६।१०	भ.५९।५३उ.उभाशुक्रः५७।२४
१५	श	६०	०	म	२९	३८	सु	३२	१०	वि	३१	८	५२	१४	४६	१३	१२	४	सिंहै	भ.३१/८या.पूभा.रविः४६/०(सौरः५४/३६)×
१५	र	२	२४	पू	३४	१६	धृ	३१	५३	ब	२	२४	५६	१३	४७	१४	१३	५	कं.५०।४२	छारेंडी [×घनि.बुधः५३/५२+

४६पं.फा.शु.४बु.इ. ५१/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१०	१०	२	५	१०
१०	४	१९	२२	२२	२०	१०	९
३	५६	२८	४	०	३४	१६	५३
१४	६	२६	५९	५४	२३	४४	४१
६०	४०	१४/१०	१३	७४	२/११	३	६०
२५	२२	व	३२	२६	वं.	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मासमें५शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं धान्य गल्ला बाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं धातु सोनाचांदी तांबा आदि तेज हों प्रजामें महामारी फैले।

गोचर ग्रहाः

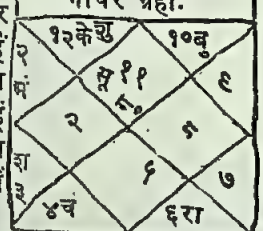

४७पं.फा.शु.१२बु.इ. ५२/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१०	११	२	५	१०
१७	९	२१	२३	०	२०	९	१६
५	४८	१७	४६	४४	२०	५४	५६
२८	५८	५३	५	३५	२	२८	३६
६०	४०	२५/४९	१३	७४	१/३१	३	६०
१२	२५	मा	३८	२३	वं	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	चं	६	४	उ	४०	०	शू	३२	३३	कौ	६	४	२९/१	६/१२	५/४८	१५	१४	६	कन्यायां	भरण्यांभौमः५२।५५वसंत१
२	मं	११	१०	ह	४६	२५	गं	३३	५९	ग	११	१०	५	११	४९	१६	१५	७	कन्यायां	भ.४३।४८उ.
३	बु	१६	२७	चि	५३	४३	वृ	३६	५	वि	१६	२७	९	१०	५०	१७	१६	८	तु.२०।४	भ.१६।२७या. चतुर्थी व्र.
४	गु	२२	४९	स्वा	६०	०	ध्रु	३८	२३	बा	२२	४९	१३	९	५१	१८	१७	९	तुलायां	
५	शु	२९	१३	स्वा	१	१९	व्या	४०	४४	तै	२९	१३	१७	९	५१	१९	१८	१०	वृ.५२।३	
६	श	३५	३२	वि	८	५८	ह	४२	४४	ग	२	२२	२१	८	५२	२०	१९	११	वृश्चिके	भ.३५।३२उ.
७	र	४१	६	अ	१६	२	व	४४	२	वि	८	१९	२६	७	५३	२१	२०	१२	वृश्चिके	भ.८।१९या.कुंभेबुधः४।२४
८	चं	४५	२९	ज्ये	२१	५४	सि	४४	२०	बा	१३	१७	३०	६	५४	२२	२१	१३	व.२१।५४	पूभा.३गुरुः४१।३६शीतलापूजनम्
९	मं	४८	८	मू	२६	२५	व्य	४३	२४	तै	१६	४८	३४	५	५५	२३	२२	१४	धनुषि	मीनेऽर्कः४६/५३(सौरः५४/५७)रेवत्यांशुक्रः४१/२३
१०	बु	४८	५६	पू	२९	१०	व	४०	५०	ब	१८	३२	३८	४	५६	२४	२३	१५	म.४४।१८	भ.१८।३२उ.४८।५६या.
११	गु	४७	३३	उ	२९	४२	प	३६	३७	ब	१८	१५	४३	३	५७	२५	२४	१६	मकरे	मार्गीशनिः२०।५०पापमोचनी११व्र.
१२	शु	४४	१६	श्र	२८	१५	शि	३०	५८	कौ	१५	५४	४७	३	५७	२६	२५	१७	कुं.५६।३८	शतेबुधः४४।१८
१३	श	३९	४	ध	२५	०	सि	२३	३८	ग	११	४०	५१	२	५८	२७	२६	१८	कुंभे	भ.३९/४उ.उभा.रविः७/५७(सौरः१६/३३)÷
१४	र	३२	८	श	२०	५	सा	१५	३	वि	५	३६	५५	१	५९	२८	२७	१९	कुंभे	भ.५।३६या. [÷प्रदोषः
३०	चं	२४	१३	पू	१४	०	शु	५/४१	५०/०	ना	२४	१३	३०/००	६/०	६/०	२९	२८	२०	मी०।३१	सूर्यग्रहणम् मन्वादिः

४८पं.चै.कृ.३बु.इ. ५२/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१०	११	२	५	१०
२४	१४	२६	२५	९	२०	९	२३
६	४०	४५	२८	२७	११	३२	५७
१४	४१	१४	५	३२	३८	१३	५९
५९	४०	५१	१३	७४	०/४३	३	६०
५८	३२	३८	३८	२०	वं	११	६

गोचर ग्रहाः

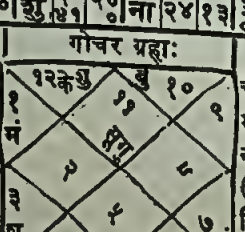

चैत्र कृष्णे ९ भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

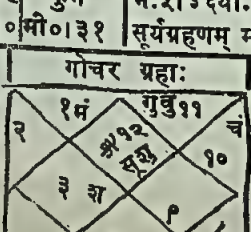

४९पं.चै.कृ.१०बु.इ. ५२/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	१०	११	२	५	११
१	१९	४	२७	१८	२०	९	०
५	३१	२८	९	८	८	९	५७
३१	४१	४१	४७	१३	३५	५७	४१
५९	४०	७०	१३	७४	०/४	३	५९
४१	३०	३७	३८	१४	वं	११	४९

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३५, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१३५, भोग्यकलिः४२६८६५, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०९१, शाकः १९५६, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री शुक्रः । सस्येशो रविः । धान्येशः शनिः । मेघेशो शुक्रः। रसेशो भौमः । नीरसेशः रविः । फलेशोगुरुः । धनेशः रविः।दुर्गेशःगुरुः।एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येग्रहमविंशतिकायां२ विभवनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः २।२६।४१।१७।४८ भोग्यमासादिः ९।३।१८।४२।१२ विष्णुदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम भाद्रपदः।मेघनामपुष्करः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे। समयविश्वा १० समयवाहन वृषभः । स्तंभः १ अन्नस्यः । सोमवत्यमाः १ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी १ बुधाष्टमी १ रविदशमी × समयमुहूर्ताः ४०५ समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः१८, तिथिवृद्धिः१० उत्पत्ति विश्वा ९६ खपति विश्वा १०८ वर्षाविश्वा ९ धान्यम् ७ तृणम् १७, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११७, शनिदृष्टि पूर्वस्यां । सत्यं ।। धर्मं १।। पापं १८ ग्रहणाऽभावः।

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जय जय जगदंबिके जग की करो सहाय ।
एक नवति संवततणां पूरा भेद बताय ।।

भवानी उत्तर

एकोंकार इकानवे सुण भैरव धर ध्यान ।
मंगल राजा वर्ष में करें जगत में हानि ।।
श्रावण भरु आषाढ़ में वर्षा होसी मंद ।
भादव बुध भृगु योग से जग में हो आनंद ।।
दश विश्वा संवत् बना स्तंभ अन्न का एक ।
धान्याधिप रवि तनय है करसी विघ्न अनेक ।।
रोहिणी बसी समुद्र में संवत मालाकार ।
भाग सुभागी निपजसी ना सारे इकसार ।।
फल संवत्सर का कहा निज गुरु का धर ध्यान ।
बंशीधर का कथन है भली करै भगवान ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सि	कं
लाभ	८	२	५	१४	२	५
खर्च	१४	८	५	२	१४	५

वर्ष लग्नम् ४।५

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	२	८	११	१४	१४	११
खर्च	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् २।४

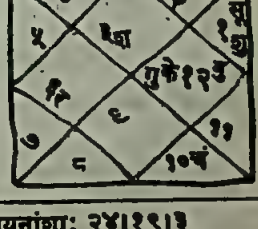

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१२।० केतकीमतेन वेंघसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१९।३

×सूकेचंशु

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ।। भौमे नृपे वन्हि भयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहं च । दुःखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुंचति वारिवाहः ।। मंत्री शुक्रः फलम् ।। भृगुसुते ननु मंत्रिपदं गते शलभ मूषक मूषक रोहिषः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ।। सस्येशो रविः फलम् ।। सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घ बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहु भूरुहाश्च ।। धान्येशः शनिः फलम् ।। निर्धनाः क्षिति भुजो रणादराः सस्यपल्प मति रोगिणो नराः । नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्याद्यदांकणपतिः शनैश्चरः ।। मेघेशो गुरुः फलम् ।। गुरुरपि प्रिय वृष्टिकरः सदाखिलविलासवती धरणी तदा । श्रुति विचार परा नरपालका रस समृद्धि युताखिल मानवाः ।। रसेशो भौमः फलम् ।। यदि धरातनयो रसपो भवेन्न रस राशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमो जनतापदो न जलदो बहु वृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्र चदनगोरपि । रत्नमाणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गत भया वनराशि महाद्रुमाः । यजन याजनकोत्सव मन्दिराः श्रुतिविचार परा द्विजपूर्वकाः ।। धनेशो रविः फलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहु द्रव्य समागमः । गज तुरंगम मेष खरोष्ट्रतः धन चय लभते क्रय विक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवरा नरपाः कर पालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शस्त्रवतो निशम् ।। विभवनाम संवत्सरः फलम ।। दण्ड नीति परा भूपाः बहु सस्यार्ध वृष्टयः । विभवाब्दे खिला लोकाः सुखिनो निरवैरिणः ।। वर्षनाम भाद्रपदः फलम् ।। अब्दे भाद्रपदे वृष्टिः क्षेमारोग्यं क्वचित् क्वचित् । सर्व सस्य समृद्धिः स्यान्नाशमेत्य परं फलम् ।। मेघनाम पुष्कर फलम् ।। पुष्करे मंदवृष्टिःस्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतु महावृष्टिः।। समयनिवासो मालाकार गृहे फलम् ।। मालिनःप्रचुरावृष्टिः।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्।।

संवत् २०९१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ४ शनौ मृगे ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) ल. ११ (घ.५५-१२या) रे. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।

,, १० गुरौ मघा ल. ११ रे. ७ ।।।।।ऽनृऽ।ऽ।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

ज्येष्ठ मासः

शुक्ला १२ चन्द्रे स्वात्यां ल. ११-१ (मेषेचं.७पू.) रे. ६ ऽ।।।।।।।।

,, १४ गुरौ ऽनु ल. ११ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।

प्र. आषाढ मासः

कृष्णा ३ चन्द्रे उषा ल. १ रे. ६ ।।।ऽबुऽ।।ऽ।ऽ दग्धा

पादतो वेधाऽभावः

कार्तिक मासः

शुक्ला ११ बुधे रेव ल. ६ (गु.चं.७मेपूज्यौ) रे. ६ ।।।।।ऽचो।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा २ चन्द्रे मृगे ल. गो. ६ (गु.पू.सत्) रे. ८ ।।।।।ऽअऽ।।।

शुक्ला ३ बुधे उषा ल. ६ (गु.७प) रे.१० ।।।।।।।।।

पौष मासः

शुक्ला ६ चन्द्रे उभा ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।।ऽ।।।

,, ११ शनौ रोहि ल. गो. (सोग्रांग.) रे.६ ऽ।।।ऽ।।।ऽऽ

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ४ शनौ उफा ल. गो. (सोग्रांगः) ७-६ रे. ७ ।।।।ऽऽनृऽ।।

,, ५ रवौ हस्ते ल. ७-६ रे ६ ।।।ऽबृऽ।ऽऽ।।

पादतो वेधाऽभावः

,, ६ गुरौ अनु ल. ७-६ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

शुक्ला १० शनौ मृगे ल. गो. (सोग्रांगः) ६-७ रे. ७ ।ऽ।।।ऽनृऽ।।

,, १४ बुधे मघा ल. ६ (घ.५१-२४उ.) रे. ७ ।।।ऽबुऽरोऽ।।. पादतो वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ शनौ उफा ल. गो. (सोग्रांगः) रे. ७ ।।।ऽबृऽऽअ।।। पादतो वेधाऽभावः

,, ७ गुरौ अनु ल. ऽन्यगो (सोग्रागः) ६-७ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

,, ११ चन्द्रे उषा. ल. ऽन्यगो (सोग्रांग·) ७-८ रे. ७ ऽ।।।।ऽअ।ऽ।।

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १४४५स.२०३४
१	मं	१५	३२	उ	७	२६	ब्र	४५	३७	ब	१५	३२	३०	५९	६	३०	२९	२१	मीने	चन्द्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	बु	६	३७	रे	०	५३	ऐं	३५	३४	कौ	६	३७	८	५८	२	१	१	२२	मे.०।३१	मोहोरम १सन् १४५६हि.भा.चैत्रारंभः=
३	बु	५१	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[-सिंधारा [=मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	गु	५०	२१	भ	४८	१	वै	२६	५	च	२४	१४	१२	५८	२	२	२	२३	मेषे	भ.२४।१४उ.५०।२१या.
५	शु	४३	१७	कृ	४३	९	वि	१७	१४	ब	१६	४९	१६	५७	३	३	३	२४	वृ.१।४८	
६	श	३७	४३	रो	३९	३४	प्री	९	४८	कौ	१०	३०	२१	५६	४	४	४	२५	वृषे	अश्वि.मेषेशुक्रः २९।५४
७	र	३३	१६	मृ	३७	११	आ	३	५४	ग	५	२९	२५	५५	५	५	५	२६	मि८।२२	भ.३३।१६उ.कृत्ति.भौम.१८।३२
८	चं	३०	२४	आ	३६	१९	शो	५३	११	वि	१	५०	२९	५४	६	६	६	२७	मिथुने	भ.१५०या.पूषाबुधः १९०पू.भ४मीनेगुरुः ३९
९	मं	२८	४९	पु	३६	४५	अ	४९	१०	कौ	२८	४९	३३	५३	७	७	७	२८	क.२१।३९	रामनवमी
१०	बु	२८	३२	पु	३८	३४	सु	४६	५२	ग	२८	३२	३७	५३	७	८	८	२९	कर्के	भ.५९।८उ.
११	गु	२९	४४	श्ले	४१	३९	धृ	४५	३१	वि	२९	४४	४१	५२	८	९	९	३०	सिं४१।३९	भ.२९।४४या.कामदा११व्र.
१२	शु	३१	५२	म	४५	४६	शू	४६	१७	ब	०	४८	४५	५१	९	१०	१०	३१	सिंहे	रेवत्यांरविः ३५।३०वृषेभौमः९।४८
१३	श	३५	२२	पू	५०	५२	गं	४६	२५	कौ	३	३७	४९	५०	१०	११	११	१	सिंहे	अप्रेल४ता.३० प्रदोषः
१४	र	३९	३५	उ	५६	५५	वृ	४७	२६	ग	७	२८	५३	४९	११	१२	१२	२	कं.७।२३	भ.३५उ.मीनेबुधः १७ ३८
१५	चं	४४	५८	ह	६०	०	ध्रु	४९	५	वि	१२	१७	५७	४९	११	१३	१३	३	कन्यायां	भ १२।१७या. हनुमज्जयंती.

५०पं.चै शु.२बु.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	१०	११	२	५	११
८	२४	१३	२८	२६	२०	८	७
३	२१	४७	५०	४८	११	४७	५५
१८	७	२४	५३	७	३५	४२	३६
५९	४०	८६	१३	७४	०	३	५९
२९	३३	१०	३२	२	४९	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन बाजरा मूंग मोठ जौ गेहूं मक्का वस्त्र वारदाना गुड शक्कर सोना चांदी तेज हो।

गोचर ग्रहाः

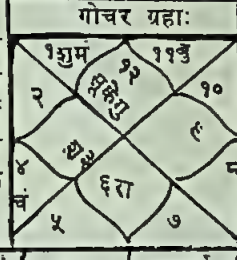

५१पं.चै.शु.१०बु.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	११	०	२	५	११
१४	२९	२४	०	५	२०	८	१४
५९	८	२६	३१	२६	१४	२५	५१
१०	२४	३१	२३	२५	५९	२६	४७
५९	४०	९७	१३	७३	१	३	५९
१६	३१	१८	२६	१६	२९	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहा.
१	मं	५०	२९	ह	३	२३	व्या	५१	८	बा	१७	४३	३१	५	६	१४	१४	४	तु.३७।५	उभाबुधः १६।३८
२	बु	५६	४७	चि	१०	४७	ह	५३	४०	तै	२३	३८	५	४७	१२	१५	१५	५	तुलायां	भरण्यांशुक्रः १९।१९
३	गु	६०	०	स्वा	१८	१७	व	५५	४५	व	२९	५४	८	४६	१४	१६	१६	६	तुलायां	भ.२९।५४उ.
३	शु	३	२	वि	२५	५६	सि	५८	९	वि	३	२	११	४६	१४	१७	१७	७	वृ..९।१	भ.३।२या. चतुर्थी व्र.
४	श	९	१४	अ	३३	१५	व्य	८०	०	बा	९	१४	१५	४५	१५	१८	१८	८	वृश्चिके	
५	र	१४	४९	ज्ये	३९	४०	व्य	०	२	तै	१४	४९	१८	४४	१६	१९	१९	९	ध.३९।४०	बुधास्तः पूर्वस्यां १।३९
६	चं	१९	३८	मू	४५	१५	व	१	८	व	१९	३८	२२	४४	१७	२०	२०	१०	धनुषि	भ.१५८उ.५१या.उभा.१गुरुः ४५
७	मं	२३	५	पू	४९	१६	प	१	११	ब	२३	५	२६	४३	१८	२१	२१	११	धनुषि	रेवत्यांबुधः ३७।१४
८	बु	२४	५५	उ	५१	३४	शि	९	५७	कौ	२४	५५	३०	४२	१८	२२	२२	१२	म.४।५०	[×(सौरः १७ रोहि.भौमः ५३
९	गु	२४	५१	श्र	५१	५५	सा	५३	१६	ग	२४	५१	३४	४१	१९	२३	२३	१३	मकरे	भ.५३।४७उ.
१०	शु	२२	४३	ध	५०	२९	शु	४७	३८	वि	२२	४२	३८	४	२०	२४	२४	१४	कुं.२१।१२	भ.२२।४२या.अश्वि.मेषेऽर्कः ९।२९×
११	श	१८	३६	श	४६	४६	शु	४०	१७	बा	१८	३६	४२	४०	२०	२५	२५	१५	कुंभे	वरूथिनी ११ व्र.
१२	र	१२	३५	पू	४१	३४	व्र	३१	३०	तै	१२	३५	४६	३९	२१	२६	२६	१६	मी२७।५२	कृति.शुक्रः ११।५५ प्रदोषः
१३	चं	५	२	उ	३५	१	ऐं	२१	४५	व	५	२	५०	३८	२२	२७	२७	१७	मीने	भ.५।२३उ.३०।३३या.
१४	चं	५१	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	मं	४६	२२	रे	२७	३७	वै	११	११	च	२१	१३	५३	३७	२३	२८	२८	१८	मे.२७।३७	अश्वि मेषे बुधः १५।३९ वृषेशुक्रः ५७।४४

५२पं.वै.कृ.२बु.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	११	०	२	५	११
२१	३	६	२	१४	२०	८	२१
५३	५४	१६	१०	२	३२	३	४५
३१	३६	४८	१६	२०	५६	१०	५८
५९	४०	९९	१३	७३	२	३	५९
४	२१	६	२०	५०	८	११	४

गोचर ग्रहाः

गोचर ग्रहाः

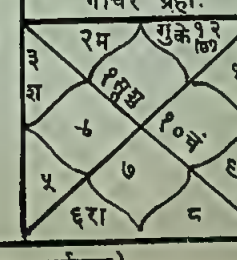

१पं.वै.कृ१०शु.इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	११	०	२	५	११
०	९	२१	४	२४	२०	७	२९
०	३०	४५	४	९	५४	३७	५२
०	४	४३	३७	३२	११	३	१४
५८	४०	०	१३	७३	२	३	५८
४४	२३	२३	२	४४	५५	११	४५

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १४७४ सं. २०३४
१	बु	३६	२६	अ	१९	३९	वि	०/२२	४९/१०	किं	११	२४	३१/५७	५/३७	६/२३	२९	२९	१९	मेषे	[-उफा. ३ राहुः उभा. १ केतुः ६/४९
२	गु	२७	२७	भ	१२	६	आ	३९	१३	बा	१	५६	३२/१	३६	२४	३०	३०	२०	वृ. २५।२१	चन्द्रदर्शनम् परशुरामजयंती
३	शु	१८	२८	कृ	५/७	५४/२०	सौ	२९	२६	ग	१८	२८	५	३५	२५	१	१	२१	वृषे	भ. ४४/३७ उ. सफर २ भा. वैशाखारंभः अक्षया ३
४	श	१०	४७	मृ	५५	१२	शो	२०	५७	वि	१०	४७	९	३४	२६	२	२	२२	मि २७।२०	भ. १०।४७ या.
५	र	४	३१	आ	५२	४१	अ	१४	५	बा	४	३१	१२	३४	२६	३	३	२३	मिथुने	
६	चं	०	११	पु	५१	५४	सु	८	३१	तै	०	११	१६	३३	२७	४	४	२४	क. ३७।६	भ. ५७।२८ उ. भरण्यां बुधः ३६।२
७	चं	५७	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	मं	५६	४२	पु	५३	२	धृ	४	१७	वि	२७	५	२०	३२	२८	५	५	२५	कर्के	भ. २७/५ या. उभा. २ गुरुः ३१/२ पातस्पर्शः ४४/५०
९	बु	५७	४३	श्ले	५५	५६	शू	१	४१	बा	२७	१३	२३	३१	२९	६	६	२६	सिं ५५।५६	पातमोक्षः ६।४३
१०	गु	६०	०	म	६०	०	गं	०	१३	तै	२८	५५	२७	३१	२९	७	७	२७	सिंहे	भरण्यां रविः ४९/४१ सौरः ५८/५९ रोहिशुक्रः १०/४२
१०	शु	०	७	म	०	१०	वृ	०	१	ग	०	७	३१	३०	३०	८	८	२८	सिंहे	भ. ३२।४ उ.
११	श	४	१	पू	५	३८	ध्रु	०	४७	वि	४	१	३४	२९	३१	९	९	२९	कं. २२।१४	भ. ४।१ या. मोहिनी ११ ब्र.
१२	र	८	४१	उ	१२	१	व्या	२	४	बा	८	४१	३८	२८	३२	१०	१०	३०	कन्यायां	कृत्ति. बुधः ५१।२ प्रदोषः
१३	चं	१४	३०	ह	१९	५	ह	४	८	तै	१४	३०	४१	२८	३२	११	११	१	तु. ५२।४१	मई ५ ता. ३१ नृसिंहजयंती
१४	मं	२०	६	चि	२६	१७	व	६	२	व	२०	६	४५	२७	३३	१२	१२	२	तुलायां	भ. २०/६ उ. ५३/१५ या. वृषे बुधः २३/३४ -
१५	बु	२६	२४	स्वा	३३	४७	सि	८	३४	ब	२६	२४	४८	२६	३४	१३	१३	३	तुलायां	बुधोदयः पश्चिमायां ११/५९ यमायकुंभदानम्

२पं. वै. शु. ३ शु इ. ९/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	११	१	२	५	०
६	१४	६	५	२	२१	७	६
५०	११	६	४०	४१	१८	१४	४२
४६	५३	४	५	४६	०	४७	२५
५८	४०	[illegible]	१२	७३	३	३	५८
३१	१९	[illegible]	३७	३२	३५	११	२९

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे १० शुक्रे मेषेऽर्कः प्रविष्ट. वा. ४ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

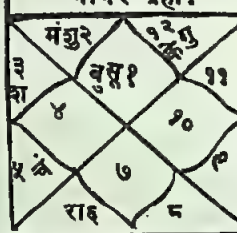

३पं. वै. शु. १० शु. इ. १०/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	११	१	२	५	०
१३	१८	२१	७	११	२१	६	१३
३९	५३	५	१२	१२	४६	५२	३०
५०	२४	४६	३६	३२	४१	३१	५१
५८	४०	[illegible]	१२	७३	४	३	५८
१९	४	[illegible]	१८	२०	१४	११	१२

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	३२	२४	वि	४१	१४	व्य	१०	४७	कौ	३२	२४	३२/५२	५/२६	६/३४	१४	१४	४	वृ. २४।२२	मृगेभौमः ५०।३५
२	शु	३८	२५	अ	४८	२२	व	१३	७	तै	५	२४	५५	२५	३५	१५	१५	५	वृश्चिके	
३	श	४३	४४	ज्ये	५४	४९	प	१४	५६	व	११	४	५८	२४	३६	१६	१६	६	ध. ५४।४९	भ. ११।४ उ. ४३।४४ या.
४	र	४८	२२	मू	६०	०	शि	१६	१७	ब	१६	३	३३/२	२४	३६	१७	१७	७	धनुषि	रोहि. बुधः ३५।३४ चतुर्थी ब्र.
५	चं	५२	१	मू	०	३७	सि	१६	५५	कौ	२०	११	५	२३	३७	१८	१८	८	धनुषि	मृगेशुक्रः ६।१३
६	मं	५४	२३	पू	५	१८	सा	१६	३५	ग	२३	१२	८	२२	३८	१९	१९	९	म. २१।९	भ. ५४।२३ उ.
७	बु	५५	१८	उ	८	४४	शु	१५	१७	वि	२४	५०	११	२२	३८	२०	२०	१०	मकरे	भ. २४।५० या.
८	गु	५४	३४	श्र	१०	३३	शु	१२	४१	बा	२४	५६	१४	२१	३९	२१	२१	११	कुं. ४०।४०	कृत्ति. रविः ३५/४० सौरः ४६/५१ उभा. ३ बुधः २९/३३
९	शु	५२	४	ध	१०	४६	ब्र	८	३८	तै	२३	१९	१७	२१	३९	२२	२२	१२	कुंभे	
१०	श	४७	४१	श	९	१०	ऐं	३/१६	५३/२१	व	१९	५२	२०	२०	४०	२३	२३	१३	मी ५१।४५	भ. १९/५२ उ. ४७/४१ या. मिथुनेशुक्रः ४४/४३
११	र	४१	२३	पू	५	५६	वि	४८	११	ब	१४	३२	२३	१९	४१	२४	२४	१४	मीने	मिथुनेभौमः ५३।५५ अपरा ११ ब्र.
१२	चं	३३	४६	उ	०/५८	५३/५५	प्री	३८	३५	कौ	७	३४	२६	१९	४१	२५	२५	१५	मे. ५४।५३	वृषेऽर्कः २।५५ (सौरः १४।४४) प्रदोषः
१३	मं	२५	२	अ	४७	४२	आ	२८	२९	व	२५	२	२८	१८	४२	२६	२६	१६	मेषे	भ. २५/२ उ. ४९/५० या. मृगे बुधः २६/४१ पुन. २=
१४	बु	१४	३७	भ	३९	५४	सौ	१७	४१	श	१४	३७	३१	१८	४२	२७	२७	१७	वृ. ५२।५८	
३०	गु	४	२०	कृ	३२	१०	शो	६/५१	४९/२०	ना	४	२०	३४	१७	४३	२८	२८	१८	वृषे	वटपूजनम् [=शनिः १८/४६

४पं. ज्ये. कृ. २ शु. इ. १०/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	११	१	२	५	०
२०	२३	५	८	१९	२२	६	२०
२७	३३	१९	४१	४०	१९	३०	१७
२९	७	५९	५३	३०	३४	१६	३७
५८	४०	[illegible]	११	७३	४	३	५७
६	०	१०	५३	११	४७	११	५७

गोचर ग्रहाः

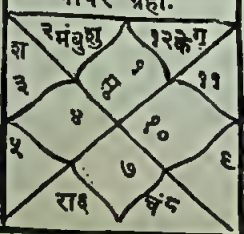

ज्येष्ठ कृष्णे १२ चन्द्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

५पं. ज्ये. कृ. ९ शु. इ. १०/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	११	१	२	५	०
२७	२८	१७	१०	२८	२२	६	२७
१३	११	१३	७	५	५५	८	२
३७	१३	४४	४१	३५	५५	०	५१
५७	३९	९२	११	७२	५	३	५७
५४	५६	५७	१६	५०	८	११	४५

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १५०४स.२०३४
१	गु	५१	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	शु	४६	२०	रो	२४	५३	सु	४६	२९	बा	२०	५७	३३/३७	५/१७	६/४३	२९	२९	१९	मि५१।५०	चन्द्रदर्शनम् आर्द्राशुक्रः१९।४५
३	श	३८	४०	मृ	२८	४७	धृ	३७	३२	तै	१२	३०	३९	१६	४४	३०	१	२०	मिथुने	रविलावल३
४	र	३२	३५	आ	१४	११	शू	३०	५	व	५	३७	४२	१६	४४	३१	२	२१	क.५७।१३	भ.५।३७उ.३२।३५या.
५	चं	२८	२४	पु	११	३४	गं	२४	२७	ब	०	२९	४४	१५	४५	१	३	२२	कर्के	मिथुनेबुधः भा.ज्येष्ठारंभः
६	मं	२६	१२	पु	१०	४६	वृ	२०	२३	तै	२६	१२	४७	१५	४५	२	४	२३	कर्के	
७	बु	२६	२२	श्ले	१२	२५	ध्रु	१८	३	व	२६	२२	४९	१४	४६	३	५	२४	सिं१२।२५	भ.२६।२२उ.५७।१८या.
८	गु	२८	१४	म	१५	४०	व्या	१७	२	ब	२८	१४	५२	१४	४६	४	६	२५	सिंहे	रोहि.रविः२६/१८(सौरः४०/४९)आर्द्रा.भौमः५/४७
९	शु	३१	५८	पू	२०	४४	ह	१७	३८	बा	०	६	५४	१३	४७	५	७	२६	कं.३७।१७	
१०	श	३६	५०	उ	२६	५५	व	१८	५३	तै	४	२४	५६	१३	४७	६	८	२७	कन्यायां	गंगादशमी
११	र	४२	४८	ह	३४	१७	सि	२१	३	व	९	४९	५८	१२	४८	७	९	२८	कन्यायां	भ.९।४९उ.४२।४८या.निर्जला११ब्र.
१२	चं	४८	५१	चि	४१	३३	व्य	२३	२०	ब	१५	५०	३४/०	१२	४८	८	१०	२९	तु.७।५५	उभा.४गुरुः२६।५८
१३	मं	५५	११	स्वा	४९	१४	व	२५	५०	कौ	२२	१	२	१२	४८	९	११	३०	तुलायां	पुन.शुक्रः३५।४४ प्रदोषः
१४	बु	६०	०	वि	५६	२८	प	२८	१३	ग	२८	५	३	११	४९	१०	१२	३१	वृ.३९।३९	वक्रीबुधः२९।४८
१४	गु	०	५९	अ	६०	०	शि	३०	१७	व	०	५९	७	११	४९	११	१३	१	वृश्चिके	भ.०।५९उ.३३।४५या.जून६ता.३०
१५	शु	६	३२	अ	३	२६	सि	३१	५७	ब	६	३२	५	११	४९	१२	१४	२	वृश्चिके	गुर्जराणां वटसावित्री ब्र.

६ पं.ज्ये.शु.२शु.इ. १०/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	११	२	२	५	१
३	२	२६	११	६	२३	५	३
५८	४७	८	२९	२८	३६	४५	४६
४४	४२	५३	४९	५९	०	४५	३६
५७	३९	६१	१०	७२	५	३	५७
४४	४६	४३	४१	३२	३५	११	३४

७पं.ज्ये.शु.९शु.इ. १०/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	२	२	५	१
१०	७	१	१२	१४	२४	५	१०
४२	२३	३९	४७	४९	१९	२३	३८
४०	१०	४३	२४	५	१९	२९	४७
५७	३९	२५	९	७२	६	३	५७
३५	५३	३५	५८	६	२	११	२३

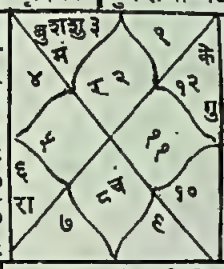

८पं.ज्ये.शु.१५शु इ.१०/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	२	२	५	१
१७	११	३	१३	२३	२५	५	१७
२५	५७	२३	५९	५	५	१	९
२६	२५	३१	४९	२४	१३	१३	५३
५७	३९	८/६	९	७१	६	३	५७
२७	४५	व.	२०	४४	२०	११	१३

ति.	प्र.आषाढ़ कृष्णपक्षः स० २०९१ शाकः १९५६												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	११	११	ज्ये	९	३२	सा	३२	५३	कौ	११	११	३४/९	५/१०	६/५०	१३	१५	३	ध.९।३२	
२	र	१५	६	मू	१४	४७	शु	३३	१०	ग	१५	६	१०	१०	५०	१४	१६	४	धनुषि	भ.४६/३१उ.बुधास्तःपश्चिमायां५३/४८
३	चं	१७	५६	पू	१९	८	शु	३२	४०	वि	१७	५६	१२	१०	५०	१५	१७	५	म.३४।५९	भ.१७।५६या. चतुर्थीव्र.
४	मं	१९	४३	उ	२२	३२	ब्र	३१	१४	बा	१९	४३	१३	९	५१	१६	१८	६	मकरे	
५	बु	२०	११	श्र	२४	४९	ऐं	२९	०	तै	२०	११	१५	९	५१	१७	१९	७	कुं.५५।२०	
६	गु	१९	४८	ध	२५	५१	वै	२५	५२	व	१९	४८	१६	९	५१	१८	२०	८	कुंभे	भ.१९/४८उ.४९/०या.मृगेरविः२१/१० सौरः३९/३६)*
७	शु	१८	११	श	२५	४३	वि	२१	३७	ब	१८	११	१७	९	५१	१९	२१	९	कुंभे	[*कर्कशुक्रः५/२१
८	श	१४	५९	पू	२४	१३	प्री	१६	१४	कौ	१४	५९	१८	८	५२	२०	२२	१०	मी९।३५	पुष्येशुक्रः३२।१६
९	र	१०	३५	उ	२१	२२	आ	९	५७	ग	१०	३५	१९	८	५२	२१	२३	११	मीने	भ.३७।४१उ.
१०	चं	४	४६	रे	१७	११	सौ	२/२८	५१/४६	वि	४	४६	१९	८	५२	२२	२४	१२	मे.१७।११	भ.४।४६या.योगिनी११ब्र.स्मा.
११	चं	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	मं	४९	४६	अ	११	४९	अ	४५	०	कौ	२३	५०	२०	८	५२	२३	२५	१३	मेषे	वक्रीवृषेबुधः०।१९योगिनी११ब्र.वै.
१३	बु	४१	१३	भ	५/३७	५२/२२	सु	३५	१७	ग	१५	२९	२१	८	५२	२४	२६	१४	वृ.१८।४३	भ.४१।१३उ.पुन.भौमः३५।४३प्रदोषः
१४	गु	३२	१	रो	५२	५	धृ	२५	१०	वि	६	३७	२१	८	५२	२५	२७	१५	वृषे	भ.६।३७या.मिथुनेऽर्कः१९/४४(सौरः४०/२४)–
३०	शु	२३	८	मृ	४५	३८	शू	१५	१७	ना	२३	८	२२	८	५२	२६	२८	१६	मि१८।५१	[-पुन.३शनिः४१/४१

९पं.प्र.आ.कृ.७शु.इ. १०/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	३	२	५	१
२४	१९	१	१५	१	२५	४	२३
७	३०	४६	६	१७	५३	३८	४९
३०	४७	४१	४७	४६	३८	५८	४९
५७	३९	२८/१९	८	७१	६	३	५७
२२	३९	व	३२	१७	३२	११	५

गोचर ग्रहाः

प्र. आषाढ कृष्णे १४ गुरौमिथुनेऽर्कः प्रविष्ट वा.४न.५वन्ध्यावस्था (ऊभी)मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

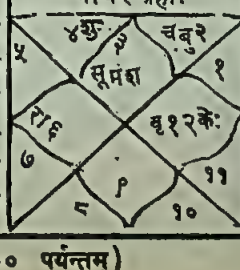

१०पं.प्र.आ.कृ.३०शु.इ.१०/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	११	३	२	५	२
०	२१	२८	१६	९	२६	४	०
४८	२	१५	८	२५	४३	१६	२८
४७	४२	३६	६	४४	१९	४२	५८
५७	३९	३२/५३	७	७०	६	३	५६
१७	३५	व.	३२	४१	५०	११	५७

ति. प्र.आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६ | दि. उ. अ. इ. हि. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १५३३स.२०३४

१	श	१४	४७	आ	४०	७	गं	५	५१	व	१४	४७	३४	८	५२	२७	२९	१७	मिथुने	चन्द्रदर्शन संभवः
२	र	७	४७	पु	३५	५५	धु	५०	१६	कौ	७	४७	२३	७	५३	२८	१	१८	क.२१।५८	रविलाखर४
३	चं	२	२०	पु	३३	२७	ष्या	४४	२६	ग	२	२०	२३	७	५३	२९	२	१९	कर्के	भ.३०।३८उ.५६या.रेवती.१गुरुः४५
४	चं	५६	३६	०	०	०	•	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	मं	५७	४६	श्ले	३३	५	ह	४०	३१	ब	२८	२१	२३	७	५३	३०	३	२०	सिं३३।२५	
६	बु	५८	२५	म	३४	५०	व	३८	२१	कौ	२८	५	२४	७	५३	३१	४	२१	सिंहे	
७	गु	६०	०	पू	३८	३८	सि	३७	४०	ग	२९	५०	२४	७	५३	१	५	२२	कं.५५।१	आर्द्रारविः ५९ (सौर ४१) आश्ले.शुक्रः=
७	शु	१	१६	उ	४४	९	ब्या	३८	८	व	१	१६	२४	७	५३	२	६	२३	कन्यायां	भ. ५६ उ. ३३ या.बुधोदय पूर्वस्यां ३६
८	श	५	४४	ह	५०	५१	व	३९	४६	ब	५	४४	२४	७	५३	३	७	२४	कन्यायां	[=२९ भा. आषाढारंभः
९	र	११	२६	चि	५८	७	प	४१	५६	कौ	११	२६	२४	७	५३	४	८	२५	तु.२४।२९	
१०	चं	१७	२२	स्वा	६०	०	शि	४४	२८	ग	१७	२२	२३	७	५३	५	९	२६	तुलायां	भ.५०।३५उ.अस्तोभौम.४७।४७
११	मं	२३	४७	स्वा	५	५२	सि	४६	५५	वि	२३	४७	२३	७	५३	६	१०	२७	वृ.५६।२७	भ.२३ या.मार्गीबुधः ३५ कमला ११ व्र.
१२	बु	२९	३७	वि	१३	१९	सा	४९	७	वा	२९	३७	२२	८	५२	७	११	२८	वृश्चिके	
१३	गु	३४	५६	अ	२०	७	शु	५०	३९	कौ	२	१६	२२	८	५२	८	१२	२९	वृश्चिके	अस्तशनेः २०।२०
१४	शु	३९	१	ज्ये	२६	८	शु	५१	२४	ग	६	५८	२१	८	५२	९	१३	३०	ध.२६।८	भ.३९।१उ.ककभौम.४।५२
१५	श	४२	८	मू	३०	५५	ब्र	५१	२१	वि	१०	३४	२०	८	५२	१०	१४	१	धनुषि	भ.१०।३४या जुलाई७ता.३१

११पं.प्र.आ.शु.७शु.इ. १०/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	११	३	२	५	२
७	२५	२५	१७	१७	२७	३	७
२९	३३	१९	२	२९	३५	५४	७
४२	२९	१९	२४	२३	१३	२७	२५
५७	३९	१३	६	६९	७	३	५६
७	३५	वं.	३२	५८	२	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में वदि में धान्य चांदीस्वर्णलोहा रुई रंग सूत मंदाहोकर सुदि में तेज हो जावे प्रजा में महामारी फैले

गोचर ग्रहाः

१२पं.प्र.आ.शु.१४शु.इ. १०/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	११	३	२	५	२
१४	०	२५	१७	२५	२८	३	१३
१०	३	२३	४९	२६	२८	३२	४५
८	५०	३१	३४	१७	१२	११	३०
५७	३९	१३	५	६९	७	३	५६
७	२२	मा	३१	२	९	११	५०

ति.	द्वि.आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे प्र.आषाढकृष्णेति महा.

१	र	४४	१	पू	३४	४०	ते	५०	२२	बा	१३	५	३४	८	५२	११	१५	२	म.५०।१६	
२	चं	४४	४७	उ	३७	६	वै	४८	३२	तै	१४	२४	१८	८	५२	१२	१६	३	मकरे	[–उफा.२रा.हु.पूभा.४केतुः ३४
३	मं	४४	१७	श्र	३८	४१	वि	४५	५२	व	१४	३२	१७	९	५१	१३	१७	४	मकरे	भ.१४ उ.४४या.मघा.सिंहेशुक्रः १७ २० –
४	बु	४२	५६	ध	३९	२२	प्री	४२	२०	ब	१३	३६	१६	९	५१	१४	१८	५	कुं.९।२	पुष्यभौमः १८।११ चतुर्थी ब्र.
५	गु	४०	४६	श	३९	७	आ	३८	७	कौ	११	५१	१५	९	५१	१५	१९	६	कुम्भे	पुन.रविः १७।१९ (सौरः ४५।५९)
६	शु	३७	४३	पू	३७	५०	सौ	३३	१८	ग	९	१५	१४	९	५१	१६	२०	७	मी२३।९	भ.३७।४३उ.मिथुनेबुधः
७	श	३३	५५	उ	३५	५३	शो	२७	३८	वि	५	४९	१३	९	५१	१७	२१	८	मीने	भ.५।४९या.
८	र	२९	२८	रे	३३	१६	अ	२१	२५	बा	१	४१	११	१०	५०	१८	२२	९	मे.३३।१६	
९	चं	२३	५५	अ	२९	४४	सु	१४	४१	ग	२३	५५	१०	१०	५०	१९	२३	१०	मेषे	भ ५०।४३उ.
१०	मं	१७	३१	भ	२५	३०	धृ	९	५३	वि	१७	३१	८	१०	५०	२०	२४	११	वृ.३९।१७	भ.१७।३१या.
११	बु	११	०	कृ	२०	३७	गं	५०	४२	बा	११	०	७	११	४९	२१	२५	१२	वृषे	पुन.४कर्केशनिः ३।४७कंमला ११व्र.
१२	गु	३	४४	रो	१५	३५	बृ	४२	५	तै	३	४४	५	११	४९	२२	२६	१३	मि४२।५३	भ.५६।२६उ.आर्द्रा.बुधः ३९।५२
१३	गु	५२	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	शु	४९	८	मृ	१०	१२	धु	३३	१२	वि	२२	४७	३	११	४९	२३	२७	१४	मिथुने	भ.२२।४७या.
३०	श	४२	४४	आ	५	२१	ष्या	२५	१३	च	१५	५६	१	१२	४८	२४	२८	१५	क.४७।१७	

१३पं.द्वि.आ.कृ.६शु.इ. १०/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	११	४	२	५	२
२०	४	२९	१८	३	२९	३	२०
५०	३४	३५	२८	१६	२१	९	२३
३५	५	१३	४१	४४	३६	५५	२४
५७	३९	५०	४	६८	७	३	५६
७	३२	४९	२५	७	१७	११	५०

गोचर ग्रहाः

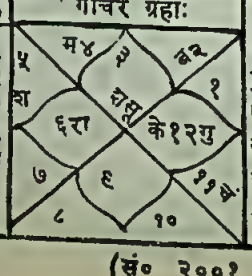

कृष्णपक्ष में तिथि घटे शुक्लपक्ष बढ जाय। एकचीजकी क्या कहें सभीचीज बढ जाय॥ इस मास में मंदी का योग है।

गोचर ग्रहाः

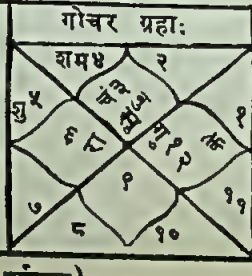

१४पं.द्वि.आ.कृ.१४शु.इ. १०/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	११	४	३	५	२
२७	९	७	१८	११	०	२	२७
३०	२	३८	५९	०	१५	४७	१
५४	३५	५३	१७	४०	२९	४०	३१
५७	३९	८७	३	६६	७	३	५६
११	२९	१४	१८	५८	२०	११	५४

ति	द्वि आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१५६२स.२०३४
१	र	३७	१५	पु	१६ १	५७ ५	ह	१५	५४	किं	१०	०	३३ ५९	५ १२	६ ४८	२५	२९	१६	कर्के	कर्केऽर्कः४६।५५पूफा.शुक्रः१५।१७
२	चं	३३	२४	श्ले	५६	५५	व	११	३७	बा	५	१९	५७	१३	४७	२६	३०	१७	सिं५६।५५	कर्केऽर्कः सौरः १६/४३ चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	मं	३१	२५	म	५७	३३	सि	६	४५	तै	२	२५	५५	१३	४७	२७	१	१८	सिंहे	जमादिलावल५
४	बु	३१	२६	पू	५९	५९	व्य	३	१६	व	१	२५	५२	१४	४६	२८	२	१९	सिंहे	भ.१।२५उ.३१।२६या.
५	गु	३३	७	उ	६०	०	व	१	३५	ब	२	१६	५०	१४	४६	२९	३	२०	कं.१६।४	पुष्येरविः१६।१३(सौरः४९।२४)
६	शु	३७	२	उ	४	१८	प	१	४	कौ	५	५	४८	१४	४६	३०	४	२१	कन्यायां	पुन.बुधः३०।८
७	श	४२	१३	ह	१०	६	शि	१	५९	ग	९	३७	४५	१५	४५	३१	५	२२	तु.४३।३३	भ.४२।१३उ.
८	र	४७	५५	चि	१७	०	सि	३	४६	वि	१५	४	४३	१५	४५	१	६	२३	तुलायां	भ.१५।४या.बुधास्तःपूर्वस्यां४०।९ ×
९	चं	५४	१४	स्वा	२४	२८	सा	५	५९	बा	२१	४	४०	१६	४४	२	७	२४	तुलायां	[×भा.श्रावणारंभः
१०	मं	६०	०	वि	३२	२	शु	८	३१	तै	२७	१२	३८	१६	४४	३	८	२५	वृ.१५।९	
१०	बु	०	१०	अ	३९	७	शु	१०	४७	ग	०	१०	३५	१७	४३	४	९	२६	वृश्चिके	भ.३२/५१उ.कर्के बुधः५२/२५आश्ले.भौमः१०/४४
११	गु	५	३२	ज्ये	४५	१६	ब्र	१२	२९	वि	५	३२	३३	१७	४३	५	१०	२७	ध.४५।१६	भ.५।३२या.देवशयनी११व्र.
१२	शु	९	२८	मू	४९	५८	ऐं	१३	२६	बा	९	२८	३०	१८	४२	६	११	२८	धनुषि	पुष्येबुधः३९/४७उफा.शुक्रः४८।२०प्रदोषः
१३	श	१२	१४	पू	५३	२३	वै	१३	८	तै	१२	१४	२७	१९	४१	७	१२	२९	धनुषि	
१४	र	१३	१८	उ	५५	२१	वि	११	४४	व	१३	१८	२४	१९	४१	८	१३	३०	म.८।५२	भ.१३।१८उ.४३।११या.वायुपरीक्षा
१५	चं	१३	३	श्र	५५	५८	प्री	९	११	ब	१३	३	२२	२०	४०	९	१४	३१	मकरे	व्यासपूजागुरु१५

१५पं.द्वि.आ.शु.६शु.इ. १०/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	११	४	३	५	३
४	१३	१८	१९	१८	१	२	३
११	३०	५४	२१	३५	१०	२५	३९
३८	३६	२२	१८	३१	४४	१४	५८
५७	३९	११२/१३	१	६५	७	३	५६
१५	२९		५४	३०	२०	११	५९

गोचर ग्रहाः

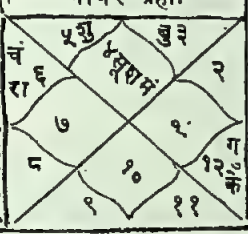

द्वि. आषाढ शुक्लै १ रवौकर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ कुमार्य वस्था (बैठी; मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१६पं. द्वि.आ.शु१२शुइ. १०/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	११	४	३	५	३
१०	१७	२	१९	२५	२	२	१०
५२	५८	३९	३४	५९	४	३	१९
४१	१६	५०	५९	२४	४८	८	१५
५७	३९	१२२/५३	०	६३	७	३	५७
२०	१९		४७	४९	१६	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेद्वि.आषाढ कृष्णेतिमहा.
१	मं	११	१६	ध	५५	२६	आ	५	३४	कौ	११	१६	३३ १९	५ २०	६ ४०	१०	१५	१	कुं.२५।४२	कन्यायां शुक्रः ४/१७ वक्रीगुरुः १७/१३ अगस्त A
२	बु	९	४०	श	५४	८	सौ	१ ८	५४ ४६	ग	९	४०	१६	२१	३९	११	१६	२	कुंभे	भ.३७।१८उ.
३	गु	४	५७	पू	५१	५३	अ	५०	२	वि	४	५७	१३	२१	३९	१२	१७	३	मी३७।२७	भ.५४/५७या.आश्ले.रविः १३/१४(सौरः ५०/११) ÷
४	शु	०	३७	उ	४९	१७	सु	४३	४४	बा	०	३७	१०	२२	३८	१३	१८	४	मीने	नाग५मरुस्थले [A८ ता.३१
५	शु	५५	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷आश्लें.बुधः४८/५१उदयंशनेः४०/४५ चतुर्थीव्र.
६	श	५१	५	रे	४६	११	धृ	३७	१७	ग	२३	३५	७	२३	३७	१४	१९	५	मे.४६।११	भ.५।१५उ.
७	र	४६	३	अ	४३	१०	शू	३०	३५	वि	१८	३४	४	२३	३७	१५	२०	६	मेषे	भ.१८।३४या.
८	चं	४०	४३	भ	३९	५६	गं	२३	४४	बा	१३	२३	३३ ०	२४	३६	१६	२१	७	वृ.५४।५	पुष्य.१शनिः१४।२३
९	मं	३५	२२	कृ	३६	३१	वृ	१६	४९	तै	८	२	३२ ५७	२५	३५	१७	२२	८	वृषे	
१०	बु	२९	५०	रो	३२	५०	ध्रु	९	३५	व	२	३६	५४	२५	३५	१८	२३	९	वृषे	भ.२।३६उ.२९।५०या.
११	गु	२४	१५	मृ	२९	२०	व्या	२ २५	५२ ५२	बा	२४	१५	५०	२६	३४	१९	२४	१०	मि१।५	मघा.सिंहेबुधः२३।४३कामिका११व्र.
१२	शु	१८	५६	आ	२६	२	व	४८	३२	तै	१८	५६	४७	२७	३३	२०	२५	११	मिथुने	हस्तेशुक्रः१।३४प्रदोषः
१३	श	१४	१०	पु	२२	५८	सि	४२	११	व	१४	१०	४४	२७	३३	२१	२६	१२	क.८।४४	भ.१४।१०उ.४२।०या.
१४	र	९	५१	पु	२०	५३	व्य	३६	२६	श	९	५१	४०	२८	३२	२२	२७	१३	कर्के	
३०	चं	६	५२	श्ले	१९	५७	व	३१	४९	ना	६	५२	३७	२९	३१	२३	२८	१४	सिं१९।५७	हरियाली

१७पं.श्रा.कृ.४शु.इ.१०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	११	५	३	५	३
१७	२२	१७	१९	३	२	१	१९
३४	२६	२३	३८	११	५८	४०	५९
२३	१०	४२	३१	१३	५	५३	३
५७	३९	१२२/४६	० २८	६१	७	३	५७
२५	२६		वं	४६	८	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जोचना मटर सरसों सोना चांदी सण तिलहन मंदे हो कही २ कुछ वर्षा होवे ।

गोचर ग्रहाः

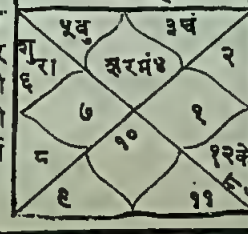

१८पं.श्रा.कृ.१२शु.इ.९/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	११	५	३	५	३
२४	२६	१	१९	१०	३	१	२३
१६	५३	३०	३२	८	५१	१८	४०
४४	४९	३२	२	१०	०	३७	१०
५७	३९	११७/४०	१ ५६	५८	७	३	५७
३३	२६		वं	५०	२	११	२२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६	वि.	उ.	अ.	भा	मु	इ.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५९२सन्२०३४
१	मं ५ १६ म २० २५ प २८ ६ ब ५ १६	३३	२९	३६	२४	२९	१५	सिंहे	
२	बु ५ ४ पू २२ २५ शि २५ ५२ कौ ५ ४	३०	३०	३०	२५	३०	१६	क.३८।१७	मघा.सिंहभौमः ६ चंद्रदर्शनम्सिंघारा
३	गु ६ ४३ उ २५ ५२ सि २४ ४९ ग ६ ४३	२६	३१	२९	२६	१	१७	कन्यायां	भ.३८ उ.मघा.सिंहेऽर्कः १६ (सौरः ४६)×
४	शु ९ ५७ ह ३० ४७ सा २४ ३७ वि ९ ५७	२२	३२	२८	२७	२	१८	कन्यायां	भ.९।५७या.वरद४
५	श १४ ५२ चि ३७ १८ शु २६ ४ बा १४ ५२	१९	३२	२८	२८	३	१९	तु.४।२	नागपंचमी
६	र २० १८ स्वा ४४ १४ शु २७ ५६ तै २० १८	१५	३३	२७	२९	४	२०	तुलायां	[×पूफा.बुधः ३९ बुधोदयःपश्चिमायां –
७	चं २६ २९ वि ५१ ५३ ब्र ३० २२ व २६ २९	१२	३४	२६	३०	५	२१	वृ.३४।५८	भ.२६।२९उ.५९।३५या.
८	मं ३२ ४१ अ ५९ १५ ऐं ३२ ४१ ब ३२ ४१	८	३४	२६	३१	६	२२	वृश्चिके	[–३०।४७जमादिलाखर६तीज
९	बु ३८ २२ ज्ये ६० ० वै ३४ ५२ बा ५ ३२	४	३५	२५	१	७	२३	वृश्चिके	भा.भाद्रपदारंभः
१०	गु ४२ ४३ ज्ये ६ १ वि ३६ १६ तै १० ३३	१	३६	२४	२	८	२४	ध.६।१	
११	शु ४५ ४२ मू ११ २५ प्री ३६ ३० व १४ १२	३१ ५७	३७	२३	३	९	२५	धनुषि	भ.१४ उ.४५या.उफा.बुधः ३१ चित्रा.=
१२	श ४६ ५८ पू १५ १९ आ ३५ २२ ब १६ २०	५३	३७	२३	४	१०	२६	म.३०।५२	[=शुक्रः ३३।४७पवित्रा११व्र.
१३	र ४६ २३ उ १७ ३२ सौ ३२ ५३ कौ १६ ४०	४९	३८	२२	५	११	२७	मकरे	कन्यायांबुधः २२।१४प्रदोषः
१४	चं ४३ ५० श्र १७ ५९ शो २९ ५ ग १५ ६	४६	३९	२१	६	१२	२८	कुं.४७।२१	भ.४३।५०उ.
१५	मं ३९ ५९ ध १६ ४२ अ २३ ५१ वि ११ ५५	४२	४०	२०	७	१३	२९	कुम्भे	भ.१९या.श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम्भद्रो.

१९पं.श्रा.शु.४शु.इ.९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	११	५	३	५	४
१	१	१४	१९	१६	४	०	०
०	२०	३३	१५	४५	४२	५६	२२
४	५३	५०	५८	१	५०	२२	२३
५७	३९	०९	१९	५५	६	३	५७
४०	१६	४०	व	४१	१०	११	३४

गोचर ग्रहाः

श्रावणशुक्ले १० चंद्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.५न५प्रगल्भावस्था बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

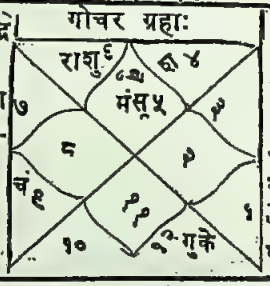

२०पं.श्रा.शु.११शु.इ.९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	११	५	३	५	४
७	५	२६	१८	२३	५	०	७
४४	४८	२०	५१	५८	३२	३४	५
२८	४३	४२	२९	५	३८	६	४९
५७	३९	०९	१९	५१	६	३	५७
४९	१६	११	व	१४	३२	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु ३४ ५३ श १४ ४ सु १७ ३७ बा ७ २६	३८	४०	२०	८	१४ ३० मी५६।२०	पूफा.रविः५७।०
२	गु २९ १ पू १० २६ धृ १० २८ तै १ ५७	३४	४१	१९	९	१५ ३१ मीने	भ.५५ उ.पूफा.रविःसौरः३७।२७
३	शु २२ ४२ उ ६ १४ शू ५७ ५३ वि २२ ४२	३०	४२	१८	१०	१६ १ मीने	भ.२३ या.सितम्बरहता.३०चतुर्थीव्र.
४	श १६ ११ रे ४९ ५० वृ ४७ ४ बा १६ ११	२६	४३	१७	११	१७ २ मे.१।४९	
५	र ९ ५१ भ ५३ २० ध्रु ३९ २२ तै ९ ५१	२२	४४	१६	१२	१८ ३ मेषे	हस्तेबुधः ११ तुलायांशुक्रः २७ चन्द्रषष्ठी
६	चं ३ ५३ कृ ४९ ३८ ब्या ३१ ५२ व ३ ५३	१८	४४	१६	१३	१९ ४ वृ.७।२५	भ.५३ उ.३१ या.पुष्य२शनिः २६ उफा.१+
७	चं ५४ ३१ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	० ० ०	[+राहुःपूभा३केतुः४४।४५
८	मं ५३ २८ रो ४६ १७ ह २४ ४८ बा २५ ५६	१५	४५	१५	१४	२० ५ बृषे	जन्माष्टमीव्र.
९	बु ४८ ५३ मृ ४३ ३२ व १७ ३१ तै २१ १४	११	४६	१४	१५	२१ ६ मि१४।५५	पूफा.भौमः१।२६गोगाह
१०	गु ४४ ५५ आ ४१ १७ सि ११ २५ व १६ ५४	७	४७	१३	१६	२२ ७ मिथुने	भ.१६।५४उ.४४।५५या.
११	शु ४१ ३७ पु ३९ ५८ व्य ५ ३५ ब १३ १६	३	४७	१३	१७	२३ ८ क.२५।१८	अजा११व्र.
१२	श ३८ ५८ पु ३८ ५९ व ० ५४ कौ १० १७	५९	४८	१२	१८	२४ ९ कर्के	वत्सद्वादशी
१३	र ३७ २९ श्ले ३८ ५८ शि ५२ ७ ग ८ १४	५५	४९	११	१९	२५ १० सिं३८।५८	भ.३७।२९उ.प्रदोषः
१४	चं ३७ ५ म ४० १२ सि ४९ १४ वि ७ १७	५१	५०	१०	२०	२६ ११ सिंहे	भ.७।१७या.
१५	मं ३७ ५२ पू ४२ २४ सा ४७ ४ च ७ २८	४७	५१	९	२१	२७ १२ कं.५८।२०	स्वात्यांशुक्रः ५७ कुशाग्रहणीपिठोरी३०

२१पं.भा.कृ.३शु.इ.२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	११	५	३	५	४
१४	१०	७	१८	२८	६	०	१३
३०	१५	०	१८	२८	२०	११	५१
४	५८	१८	७	१	३८	५१	१
५८	३९	८८	२९	४५	६	३	५७
१	१६	१५	व	१४	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर बाजरा धातु सोना चांदी रुई कपास वारदाना वस्त्र घृत तेल मंदे हो।

गोचर ग्रहाः

२२पं.भा.कृ.११शु.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	११	६	३	४	४
२१	१४	१६	१७	३	७	२९	२०
१७	४३	३४	३६	३८	६	४९	३७
६	३४	१६	५८	४२	२५	३५	४१
५८	३९	७५	२०	३८	५	३	५८
१३	१३	१९	व.	३२	५९	११	१२

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६२१स२०३४
१	बु ३९ ५६ उ ४६ ८ शु ४६ ७ किं ८ ५४ ३० ५१ ५ ६ २२ २८ १३							कन्यायां	उफा.रविः४१।२५चित्रा.बुधः४२।५
२	शु ४३ २२ ह ५० ५४ शु ४५ ४९ बा ११ ३९ ३९ ५२ ८ २३ २९ १४							कन्यायां	उफा.रविः सौरः २२।७चंद्रदर्शनम्
३	शु ४८ १६ चि ५७ ० ब्र ४६ ५१ तै १५ ४९ ३५ ५३ ७ २४ १ १५							तु.२३।५७	रज्जव७हरितालिका३
४	श ५३ ३८ स्वा ६० ० ऐं ४८ ८ व २० ५७ ३१ ५४ ६ २५ २ १६							तुलायां	भ.२०उ.५३या.वक्रीउभा४गुरुः ३०×
५	र ५९ ५६ स्वा ३ ४९ वै ५० २६ व २६ ४७ २७ ५५ ५ २६ ३ १७							वृ.५४।२७	कन्यायामर्कः ४९ (सौरः १७) ऋषिपचमी
६	चं मं ६० ० वि ११ २० वि ५३ २ कौ ३३ ४ २२ ५६ ४ २७ ४ १८							वृश्चिके	[×गणेशचतुर्थी
६	मं ६ १२ अ १८ ५५ प्री ५५ २५ तै ६ १२ १८ ५६ ४ २८ ५ १९							वृश्चिके	
७	बु १२ १८ ज्ये २६ १३ आ ५७ १९ व १२ १८ १४ ५७ ३ २९ ६ २०							च.२६।१३	भ.१२उ.५४या.तुला.बुधः ३४।२८
८	गु १७ २१ मू ३२ ३४ सौ ५८ २४ ब १७ २१ ९ ५८ २ ३० ७ २१							धनुषि	[=अनंत१४महालयारंभः
९	शु २१ ५ पू ३७ ३७ शो ५८ १५ कौ २१ ५ ५ ५९ १ ३१ ८ २२							म.५३।२६	[+कु.संध्या.पूजनारंभः
१०	श २२ ३० उ ४० ५४ अ ५६ ४४ ग २२ ३० ३० ६० १ ९ २३							मकरे	भ.५२।५०उ.भा.आश्विनारंभः
११	र २३ ९ श्र ४२ १६ सु ५३ २८ वि २३ ९ २९ ५९ २ १० २४							मकरे	भ.२३।९या.जलझूलनी११व्र.
१२	चं २१ २ ध ४१ २९ धृ ४८ ५० बा २१ २ ५२ २ ५८ ३ ११ २५							कुं.११।५२	वामनजयंतीप्रदोषः
१३	मं १७ ११ श ३८ ५८ शू ४२ २९ तै १७ ११ ४८ २ ५८ ४ १२ २६							कुम्भे	उफा.भौम.५८।३७
१४	बु ११ २७ पू ३४ ५६ गं ३४ ५७ व ११ २७ ४४ ३ ५७ ५ १३ २७							मी २०।५७	भ.११।२७उ.५७या.हस्तेरविः २०।० =
१५	गु ४ २५ उ २९ ३१ बृ २६ २३ ब ४ २५ ४० ४ ५६ ६ १४ २८							मीने	हस्तेरविः सौरः ५९।४८वक्रीबुधः ५९ +

२३पं.भा.शु.३शु.इ. ९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	११	६	३	४	४
२८	१९	२४	१९	७	७	२९	२७
५	१०	४४	४९	४३	४९	२७	२५
२८	१२	१०	४४	१२	१६	१९	५७
५८	२९	५८	१०	२९	५	३	५८
२९	९	१	वं	१०	३२	११	२९

गोचर ग्रहाः

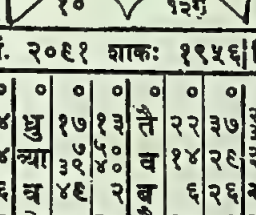

भाद्रपदशुक्ले ५ रवौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ बालावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

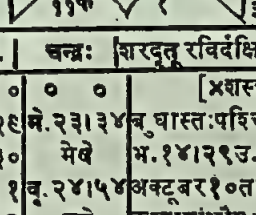

२४पं. भा.श.९शु.इ.८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	११	६	३	४	५
४	२३	०	१५	१०	८	२९	४
५५	३७	५५	५७	३४	२८	५	१६
१९	२३	४४	३६	४४	४४	४	४
५८	३९	३५	५९	१७	५	३	५८
३८	९	२३	ब	५	४	११	४

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	गु ५२ १६ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							० ०	[×शस्त्रादिहतानांश्रा.
२	शु ४८ ३४ रे २३ ३४ धु १७ १३ तै २२ ३७ ३९ ६ ५५ ७ १५ २९							मे.२३।३४	बु.घास्तःपश्चिमायां६।२९
३	श ४० २५ अ १७ १४ श्रा ७ ५० व १४ २९ ३२ ६ ५४ ८ १६ ३०							मेषे	भ.१४।२९उ.४०।२५या.वक्रीशुक्रः ४।७
४	र ३२ २७ भ ११ १६ ब ४९ २ ब ६ २६ २८ ६ ५४ ९ १७ १							वृ.२४।५४	अक्टूबर१०ता.३१चतुर्थीव्र.
५	चं २५ ४१ कृ ५ ४६ से ४० २७ तै २५ ४१ २४ ७ ५३ १० १८ २							वृषे	कन्यायांभौमः६।७
६	मं १९ ३८ रो १ ५६ व्य ३२ ३१ व १९ ३८ १९ ८ ५२ ११ १९ ३							मि२९।१६	भ.१९।३८उ.४७।१०या.
७	बु १४ ४३ आ ५४ ४७ व २५ ४१ ब १४ ४३ १५ ९ ५१ १२ २० ४							मिथुने	[=पुष्य३शनिः४८।५८
८	गु १० ५२ पु ५३ २५ प १९ ४४ कौ १० ५२ ११ १० ५० १३ २१ ५							क ३८।४६	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
९	शु ८ १७ पु ५३ ७ श्लि १४ ३४ ग ८ १७ ७ ११ ४९ १४ २२ ६							कर्के	भ.३७।२७उ.
१०	श ६ ३८ श्ले ५३ ५७ सि १० १९ वि ६ ३८ ३ ११ ४९ १५ २३ ७							सिं५३।५७	भ.६।३८या.वक्रीकन्यान्बुधः४३।२३
११	र ६ १६ म ५६ ३ सा ६ ५८ बा ६ १६ २९ १२ ४८ १६ २४ ८							सिंहे	उदयोभौमः४७।४०इंदिरा११व्र.
१२	चं ७ १४ पू ५९ ७ शु ४ ४४ तै ७ १४ ५५ १३ ४७ १७ २५ ९							सिंहे	प्रदोषः
१३	मं ९ ३ उ ६० ० शु ३ १७ व ९ ३ ५१ १४ ४६ १८ २६ १०							कं.१५।१२	भ.९।३उ.४०।३६या.चित्रा.रविः ५३ ×
१४	बु १२ ९ उ ३ २७ ब्र ३ ० श १२ ९ ४७ १५ ४५ १९ २७ ११							कन्यायां	चित्रा.रविः सौरः ३३ वक्रीउभा.३गुरु ३५=
३०	गु १६ ७ ह ८ ३५ ऐं २ ५७ ना १६ ७ ४३ १५ ४५ २० २८ १२							तु.४१।४३	सर्वपितृ३०

२५पं.आ.कृ.२शु.इ.८।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	११	६	३	४	५
११	२८	३	१५	११	९	२८	११
४४	४	५५	२	५३	४	४२	८
५२	४१	५२	१३	४९	२४	४८	१
५८	२९	५०	५८	२	४	३	५९
५३	२	ब	वं	१०	४३	११	३

गोचर ग्रहाः

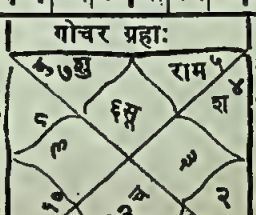

आश्वि.शुक्ले १५भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ कुमार्यवस्था(बैठी) मु. १५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रास्तःपश्चिमायांम्

गोचर ग्रहाः

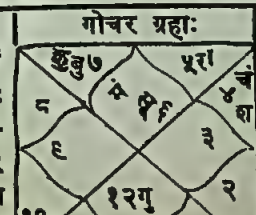

२६पं.आ.कृ.९श.इ.८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	११	६	३	४	५
१८	२	१	१४	११	९	२८	१८
४०	३३	३५	५	२०	३६	२०	१
५	२२	४२	५६	२४	५८	३३	४८
५९	३९	६०	५३	१२	४	३	५९
९	२	व	व	व	८	११	१६

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६५१स.२०३४
१	शु २१ २० चि १४ ५२ वै ३ ५८ ब २१ २०	३८	१६	४४	२१	२९	१३	तुलायां	वक्रीहस्तेबुधः शुक्रास्तःपश्चिमायां ×
२	श २६ ५३ स्वा २१ ३४ वि ५ ३२ कौ २६ ५३	३५	१७	४३	२२	३०	१४	तुलायां	चंद्रदर्शनम्[× नवरात्रारंभ:माता.श्रा
३	र ३३ २३ वि २९ ८ प्री ७ ३१ ते ० ८	३१	१८	४२	२३	१	१५	वृ.१२।१५	सावानट
४	चं ३९ ४८ अ ३६ ३७ आ ९ ४८ व ६ ३५	२७	१९	४१	२४	२	१६	वृश्चिके	भ.६।३५उ.३९।४८या.
५	मं ४६ १३ ज्ये ४४ १८ सौ १२ ४ ब १३ ०	२३	१९	४१	२५	३	१७	ध.४४।१८	तुलायामर्कः वक्रीचित्राशुक्रः =
६	बु ५१ ४६ मू ५१ २१ शो १४ ३५ कौ १८ ५९	२०	२०	४०	२६	४	१८	धनुषि	तुलार्क.सौरः१३।६[=हस्तेभौम.४९।५६
७	गु ५६ १८ पू ५७ २६ अ १६ २१ ग २४ २	१६	२१	३९	२७	५	१९	धनुषि	भ.५६।१८उ.बुधोदयःपूर्वस्यां२४।३२
८	शु ५९ २० उ ६० ० सु १७ २ वि २७ ४९	१२	२२	३८	२८	६	२०	म.१३।३५	भ.२७।४९या.
९	श ६० ० उ २ १ धृ १६ ४५ बा ३० १	८	२२	३८	२९	७	२१	मकरे	मार्गीबुधः३८।४४
९	र ० ४३ श्र ४ ४९ शू १४ ५४ कौ ० ४३	५	२३	३७	३०	८	२२	कुं.३५।१८	
१०	र ५९ ११ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	चं ५७ ५ ध ५ ४७ गं ११ २९ व २८ २९	०	२४	३६	१	९	२३	कुंभे	भ.३९उ ५५या.भा.कार्तिकारंभःपापां H
१२	मं ५२ १४ श ४ ३७ वृ २५ ५३ व २४ ४०	२७	२५	३५	२	१०	२४	मी४७।२७	स्वात्यांरविः सौरः ५४पापांकुशा११वै.
१३	बु ४५ २७ पू ४४ ५४ व्या ५१ ३८ कौ १८ ५०	५३	२५	३५	३	११	२५	मीने	प्रदोषः [Hकुशा११व्र.स्मा.
१४	गु ३७ २३ रे ५० १८ ह ४२ १८ ग ११ २५	४९	२६	३४	४	१२	२६	मे.५०।१८	भ.३७।२३उ.कोजागरीव्र.
१५	शु २८ २२ अ ४३ १६ व ३२ ७ वि २ ५२	४५	२७	३३	५	१३	२७	मेषे	भ.५३या.शरद्पूर्णिमाका स्ना.प्रा.

२७पं.आ.शु.१श.इ. ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	११	६	३	४	५
२५	७	२४	१३	८	१०	२७	२४
३४	१	४	१०	५२	४	५८	५७
५९	४८	१६	५५	३०	४१	१७	३०
५९	३९	४३	५	३८	३	३	५९
२१	५	व	व	व	३२	११	३१

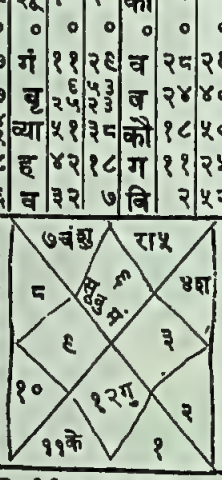

२८पं.आ.शु.८शु.इ. २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	११	६	३	४	६
२	११	१८	१२	४	१०	२७	१
३१	३०	३७	१९	५८	२८	३६	५४
२३	३२	१	३४	५	१	१	५३
५९	३९	२४	५	३६	२	३	५९
३४	२	व	व	व	४९	११	४६

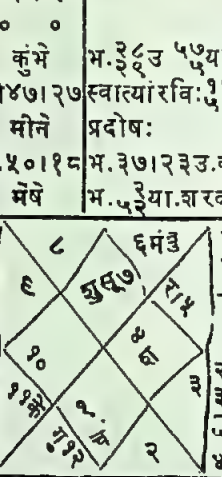

२९ प.आ.शु १५शु.इ.८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	११	६	३	४	६
९	१६	२०	११	०	१०	२७	८
२९	०	५९	३३	४७	४६	१३	५४
३८	२२	४९	२२	२४	३४	४६	१३
५९	३९	५५	६	३३	२	३	६०
४७	८	मा	व	च	८	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा
१	श १९ ५६ भ ३५ ४५ सि २१ ३१ कौ १९ ५६	३७	९	३१	६	१४	२८	वृ.४८।५३	वक्रीकन्यायांशुक्रः शुक्रोदयपूर्वस्यां
२	र ९ ३४ कृ २८ १६ व्य १० ४७ ग ९ ३४	३७	२९	३१	७	१५	२९	वृषे	भ.३५।५उ.चित्रा.बुधः३३।५५
३	चं ५२ ३७ रो २१ ३६ व २३ ५० वि ० ३७	२४	२९	३१	८	१६	३०	मि४८।४५	भ.०।३७या.करकचतुर्थीव्र.
५	मं ४६ ८ मृ १५ ५३ शि ४१ ४७ कौ १९ २६	३०	३०	३०	९	१७	३१	मिथुने	
६	बु ४१ १ आ ११ ३३ सि ३४ १० ग १३ ३५	२७	३१	२९	१०	१८	१	क.५४।२६	भ.४१।१उ.नवम्बर११ता.३०
७	गु ३७ ४४ पु ८ ४३ सा २७ ५६ वि ९ २२	२३	३१	२९	११	१९	२	कर्के	भ.९।२२या.
८	शु ३६ १ पु ७ ३९ शु २२ ५९ वा ६ ५२	१९	३२	२८	१२	२०	३	कर्के	तुला.बुध:२५।८
९	श ३५ ५३ श्ले ७ ५९ शु १९ १८ ते ५ ५७	१६	३३	२७	१३	२१	४	सि७।५९	[+केतुः४४।४४रमा११व्र.
१०	र ३७ २० म १० १० ब्र १६ ५२ च ६ ३६	१२	३४	२६	१४	२२	५	सिंहे	भ.६।३६उ.३७।२०या.
११	चं ३९ ५८ पू १३ ३२ ते १५ ४५ ब ८ ३९	९	३४	२६	१५	२३	६	कं.२९।४३	विशा.रविः३८।२६पूफा ४राहुःपूभा.२+
१२	मं ४४ ६ उ १८ १८ वै १५ ४१ कौ १२ २	५	३५	२५	१६	२४	७	कन्यायां	विशा.रवि.सौरः स्वात्यांबुधः४८।० =
१३	बु ४८ ५३ ह २३ ५९ वि १६ ११ ग १६ २९	२	३६	२४	१७	२५	८	तु.५७।१६	भ.५८उ.प्रदोषःधन१३[=चित्राभौमः
१४	गु ५४ ४१ चि २० ३४ प्री १७ २० वि २१ ४७	२९	३६	२४	१८	२६	९	तुलायां	भ.३७या.बुधास्तःपूर्वस्यां रुप१४
२०	शु ६० ० स्वा ३७ ३२ आ १९ १० च २७ ३९	५५	३७	२३	१९	२७	१०	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्
२०	श ० ३८ वि ४४ ५६ सौ २१ १४ ना ० ३८	५२	३८	२२	२०	२८	११	व.२८।५	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा

३०पं का.कृ.८शु.इ ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	११	५	३	४	६
१६	२०	२९	१०	२७	१०	२६	१५
२९	२९	३५	५४	३४	५९	५१	५५
२०	५६	२०	७	१	३१	३०	१७
६०	३९	८६	११	२३	१	३	६०
४	१	१४	व.	व	२८	११	१८

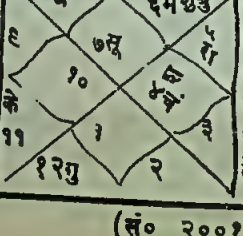

इस मास में धान्य गल्ला में कुछ मंदी होवे रसकस गुड़ सक्कर चीनी कपास रुई वारदाना सोना चांदी आदि धातु तेज हो।

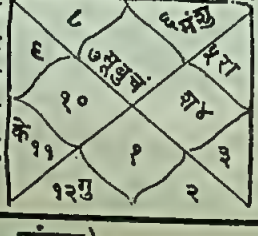

३१पं.का.कृ.३०श.इ. ७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	११	५	३	४	६
२३	२५	१०	१०	२६	११	२६	२२
३०	१	२२	२२	१०	७	२९	५७
४०	२६	३७	४१	१६	४१	१५	४८
६०	३८	९५	४	५	०	३	६०
१७	५४	३४	व	व	४७	११	३७

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६८१स.२०३४
१	र	७	३	अ	५२	३७	शो	२३	२५	ब	७	३	२६/४९	६/३८	५/२२	२१	२९	१२	वृश्चिके	मार्गीशुक्रः२२।९चंद्रदर्शनम्
२	चं	१३	२९	ज्ये	६०	०	अ	२५	४४	कौ	१३	२९	४५	३९	२१	२२	१	१३	वृश्चिके	रमजान९भातृ२यम२
३	मं	१९	५१	ज्ये	०	२५	सु	२७	५६	ग	१९	५१	४२	४०	२०	२३	२	१४	घ.०।२५	भ.५२।४२उ.
४	बु	२५	३४	मू	७	२७	धृ	२९	३७	वि	२५	३४	३९	४०	२०	२४	३	१५	धनुषि	भ.२५।३४या.
५	गु	३०	२६	पू	१३	४९	शू	३०	५२	बा	३०	२६	३६	४१	१९	२५	४	१६	म.३०।१२	वृश्चिकेऽर्कः ३४/३० विशा.बुधः ८/१ वक्री ×
६	शु	३४	१	उ	१९	२२	गं	३१	२३	कौ	२	१३	३३	४१	१९	२६	५	१७	मकरे	वृश्चिकेऽर्कः सौरः ५/५० तुलायांभौमः ४९/५६=
७	श	३६	२५	श्र	२३	२६	बृ	३०	३१	ग	५	१३	३०	४२	१८	२७	६	१८	कुं.५४।४२	भ.३६।२५उ. [=वक्रीउभा२गुरुः३४।३
८	र	३६	५४	ध	२५	५८	ध्रु	२८	३२	वि	६	३९	२७	४३	१७	२८	७	१९	कुंभे	भ.६/३९या.अनु.रविः५२।५०गोपाष्टमी
९	चं	३५	४७	श	२६	४८	व्या	२५	८	बा	६	२०	२५	४३	१७	२९	८	२०	कुंभे	अनु.रविःसौरः२२।३८अक्षय९
१०	मं	३२	३४	पू	२५	४७	ह	२०	७	तै	४	१०	२२	४४	१६	३०	९	२१	मी११।२	भ.५९।५८उ. [×शनिः२७।१०
११	बु	२७	२२	उ	२२	३७	व	१३	३२	वि	२७	२२	१९	४४	१६	१	१०	२२	मीने	भ.२७/२२या.वृश्चिकेबुधः २५/५९भा.मार्गशीर्षाD
१२	गु	२०	३५	रे	१७	५२	सि	५/३१	५०/५३	बा	२०	३५	१७	४५	१५	२	११	२३	मे.१७।५२	प्रदोषः[Dरंभःप्रबोधिनी११व्र.तुलसीवि.
१३	शु	१२	२४	अ	११	३७	व	४६	७	तै	१२	२४	१४	४५	१५	३	१२	२४	मेषे	अनु.बुधः२६।५६वैकुंठ१४
१४	श	३	३	भ	४/१०	५२/११	प	३५	११	व	३	३	१२	४६	१४	४	१३	२५	वृ.१७।१३	भ.३/३उ.२८/८या.मन्वादिःका.स्ना.पू.
१५	श	५०	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

३२पं.का.शु.६शु.इ. ७/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	११	५	३	४	७
०	२९	२१	१०	२६	११	२६	०
३३	३२	३७	१	४५	१०	६	१
२२	२४	१	१२	१४	१२	५९	५२
६०	३९	९८	२/४३	१०/३१	०/५	३	६०
३०	४	१६	व	मा	व	११	४०

गोचर ग्रहाः

कार्तिक शुक्ले ५ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ गतालका-वस्था(ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३३पं.का.शु.१३शु.इ. ७/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	५	३	४	७
७	४	२	९	२९	११	२५	७
३७	३	४७	४८	६	७	४४	७
१६	४७	४९	२९	१८	५	४३	२५
६०	३९	९९	१/२०	२३	०/४६	३	६०
४२	८	२१	व	५४	व.	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	र	४३	२१	रो	४८	२२	शि	२३	५९	बा	१८	१७	२६/९	६/४६	५/१४	५	१४	२६	वृषे	तुला.शुक्रः२२।९
२	चं	३४	८	मृ	४०	५०	सि	१२	५६	तै	८	४५	७	४७	१३	६	१५	२७	मि१४।३६	भ.५९।५४उ.
३	मं	२५	४०	आ	३४	४०	सा	२/२६	५०/२७	वि	२५	४०	५	४७	१३	७	१६	२८	मिथुने	भ.३५/४०या.स्वात्यांभौमः ६/५२ चतुर्थीव्र.
४	बु	१८	३७	पु	२९	३६	शु	४४	४४	बा	१८	३७	२	४८	१२	८	१७	२९	क.१५।५२	
५	गु	१३	४८	पु	२६	२८	ब्र	३७	५९	तै	१३	४८	०	४८	१२	९	१८	३०	कर्के	मार्गीगुरुः०।४१
६	शु	१०	३५	श्ले	२५	१३	ऐं	३२	४५	व	१०	३५	२५/५८	४८	१२	१०	१९	१	सिं२५।१३	भ.१०/३५उ.४०/९या.दिसम्बर१२ता.३१
७	श	९	४३	म	२६	३	वै	२९	१४	ब	९	४३	५६	४९	११	११	२०	२	सिंहे	ज्येष्ठाबुधः४८।१६
८	र	१०	४३	पू	२८	५०	वि	२७	१५	कौ	१०	४३	५४	४९	११	१२	२१	३	कं.४४।५७	ज्येष्ठा.रविः३।१(सौरः३०।३२)
९	चं	१३	३६	उ	३३	१८	प्री	२६	४३	ग	१३	३६	५३	४९	११	१३	२२	४	कन्यायां	भ.४५।३६उ.
१०	मं	१७	३७	ह	३८	५३	आ	२७	२३	वि	१७	३७	५१	५०	१०	१४	२३	५	कन्यायां	भ.१७।३७या.
११	बु	२२	५०	चि	४५	४१	सौ	२८	३७	बा	२२	५०	४९	५०	१०	१५	२४	६	तु.१२।१७	स्वात्यांशुक्रः४६।२६उत्पत्ति११व्र.
१२	गु	२९	५	स्वा	५३	८	शो	३०	४४	तै	२९	५	४८	५०	१०	१६	२५	७	तुलायां	
१३	शु	३५	२२	वि	६०	०	अ	३२	४८	ग	४	१३	४६	५१	९	१७	२६	८	वृ.४३।४५	भ.३५।२२उ.प्रदोषः
१४	श	४१	५५	वि	०	३८	सु	३५	९	वि	८	३८	४५	५१	९	१८	२७	९	वृश्चिके	भ.८।३८या.
३०	र	४८	१७	अ	८	९	धृ	३७	१६	च	१५	६	४४	५१	९	१९	२८	१०	वृश्चिके	

३४पं मा कृ.६शु.इ. ७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	६	३	४	७
१४	८	१३	९	२	१०	२५	१४
४२	३७	५२	४६	४८	५८	२२	१४
२९	५	८	३४	३६	३०	२८	११
६०	३९	९९	०/१५	३४	१/३४	३	६१
५०	१	४३	मा	२९	व	११	३

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगलका चन्द्रदर्शन धातु धान्य गल्ला सोना चांदी रसकस वस्त्र वार-दाना रुई कपास आदि तेज करे।

गोचर ग्रहाः

३५पं.मा.कृ.१३शु.इ. ६/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	६	३	४	७
२१	१३	२४	९	७	१०	२५	२१
४८	१०	५३	५४	३७	४४	०	२१
३२	२३	६	३२	८	२८	१२	५१
६०	३९	९९	१	४२	२/१४	३	६१
५६	५	४	२०	३५	व.	११	११

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः१७१०स.२०३४
१	चं	५४	२०	ज्ये	१५	३१	शू	३९	१८	किं	२१	१८	२५/४३	६/५१	५/९	२०	२९	११	ध.१५।३१	मूलेधनुषिबुधः३०।२९
२	मं	५९	३८	मू	२२	३१	गं	४०	४७	बा	२६	५९	४२	५२	८	२१	३०	१२	धनुषि	उभा.३गुरुः१२।५६चंद्रदर्शनम्
३	बु	६०	०	पू	२८	३२	बृ	४१	४३	तै	३१	५८	४१	५२	८	२२	१	१३	म.४४।५७	सव्वाल१०
३	गु	४	१९	उ	३४	१२	ध्रु	४१	४७	ग	४	१९	४०	५२	८	२३	२	१४	मकरे	भ.३६।१उ.
४	शु	७	४४	श्र	३८	२९	व्या	४१	२६	वि	७	४४	३९	५२	८	२४	३	१५	मकरे	भ.७।४४या.
५	श	१०	१०	ध	४१	४७	ह	४०	११	बा	१०	१०	३९	५२	८	२५	४	१६	कुं.१०।८	मूलेधनुष्यर्कः१०।१६(सौरः३४।२२)
६	र	११	१२	श	४३	४३	व	३७	४३	तै	११	१२	३८	५२	८	२६	५	१७	कुम्भे	चंपा६ [=भा.पौषारंभःमोक्षदा११व्र.वै.
७	चं	११	४	पू	४४	५	सि	३४	१	व	११	४	३८	५२	८	२७	६	१८	मी२८।५९	भ.११।४उ.४०।७या.विशा.भौमः ३६।९
८	मं	९	११	उ	४२	५९	व्य	२९	१२	ब	९	११	३७	५३	७	२८	७	१९	मीने	पूषा.बुधः५०।४८
९	बु	५	५१	रे	४०	२०	व	२२	८	कौ	५	५१	३७	५३	७	२९	८	२०	मे.४०।२०	[+स्मा.गीताजयंती
१०/११	गु	०/५३	५५/४०	अ	३६	१९	प	१५	२८	ग	०	५५	३६	५३	७	३०	९	२१	मेषे	भ.२७।१५उ.५४।३५या मोक्षदा११व्र.+
१२	शु	४६	५३	भ	३०	४६	शि	६/५१	५०/३४	ब	२०	४४	३६	५३	७	१	१०	२२	वृ.४४।६	विशा.शुक्रः३८/७वक्रीपुष्य२शनिः५१/३० =
१३	श	३८	१०	कृ	२४	५	सा	४७	४	कौ	१२	३१	३६	५३	७	२	११	२३	वृषे	प्रदोषः
१४	र	२८	५३	रो	१६	४९	शु	३६	१७	ग	३	३१	३६	५३	७	३	१२	२४	मि४३।१	भ.२८।५३उ.५४।१०या.
१५	चं	१९	२६	मृ	९	१४	शु	२५	३४	ब	१९	२६	३७	५३	७	४	१३	२५	मिथुने	बुधोदयःपश्चिमायां४२।३२दत्तजयंती

३६पं.मा.शु.४शु.इ. ६/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२६	८	११	६	३	४	७
२८	१७	५	१०	१३	१०	२४	२८
५५	४४	५५	१२	१४	२५	३७	३०
२६	१७	८	२२	२८	४४	५७	३४
६१	३८	९८	२	४८	२/४९	३	६१
०	५३	३२	४७	५१	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षशुक्ले५ रवौ धनुष्यर्कःप्रविष्टः वा. ३न.३ गतालकावस्था (ऊभी)मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रादयःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

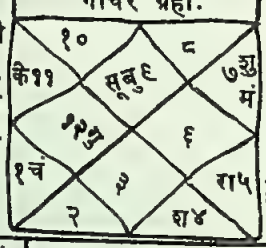

३७पं.मा.शु.१२शु.इ. ६/३५

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	११	६	३	४	८
६	२२	१७	१०	१९	१०	२४	५
३	१७	०	३९	३१	२	१५	३९
०	५६	३२	५०	५२	३८	४१	५९
६१	३८	९७	४	५३	३/३१	३	६१
४	५१	१८	२	३२	व.	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	मं	१०	३२	आ	२/८	५३/४८	ब्र	१५	१३	कौ	१०	३२	२५/३७	६/५३	५/७	५	१४	२६	क.४२।२९	
२	बु	२	४७	पु	५१	५	ऐं	५/३७	५१/४०	ग	२	४७	३७	५३	७	६	१५	२७	कर्के	भ.२९।२उ.५६।१७या.
३	बु	५३	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	गु	५१	५५	श्ले	४७	५०	वि	५०	३१	ब	२४	६	३८	५२	८	७	१६	२८	सिं४७।५०	उषा.बुधः१४।१०चतुर्थीव्र.
५	शु	४९	१४	म	४६	४९	प्री	४५	१५	कौ	२०	३४	३८	५२	८	८	१७	२९	सिंहें	पूषा.रविः१५।१९(सौरः३६।०)
६	श	४९	१	पू	४७	५९	आ	४१	३५	ग	१९	७	३९	५२	८	९	१८	३०	सिहे	भ.४९।१उ.मकरेबुधः२४।६
७	र	५०	४७	उ	५१	१	सौ	३९	५८	वि	१९	५४	४०	५२	८	१०	१९	३१	कं.३।४५	भ.१९।५४या.
८	चं	५५	३७	ह	५५	५८	शो	३९	४१	बा	२३	१२	४१	५२	८	११	२०	१	कन्यायां	बृश्चि.शुक्र४१/३४जनवरी१ता.३१स.२०३५
९	मं	६०	०	चि	६०	०	अ	४०	२३	तै	२७	४९	४२	५२	८	१२	२१	२	तु.२९।२	बृश्चिकेभौमः४९।३७
९	बु	०	२	चि	२	७	सु	४२	१०	ग	०	२	४३	५१	९	१३	२२	३	तुलायां	भ.३२।५६उ.
१०	गु	५	५१	स्वा	९	२५	धृ	४४	२०	वि	५	५१	४४	५१	९	१४	२३	४	तुलायां	भ.५।५१या.अनु.शुक्रः४०।३२
११	शु	१२	१९	वि	१७	४	शू	४६	४२	बा	१२	१९	४५	५१	९	१५	२४	५	वृ.०।९	सफला११व्र.
१२	श	१८	५९	अ	२४	४९	गं	४८	५५	तै	१८	५९	४७	५१	९	१६	२५	६	वृश्चिके	श्रवणेबुधः१४।२९प्रदोषः
१३	र	२५	१६	ज्ये	३२	२	बृ	५०	५५	ब	२५	१६	४८	५०	१०	१७	२६	७	ध.३२।२	भ.२५/१६उ.५८।६या.अनु.भौमः५९।२
१४	चं	३०	५६	मू	३८	५४	ध्रु	५२	१७	श	३०	५६	५०	५०	१०	१८	२७	८	धनुषि	पूफा.३राहुःपूभा.१केतुः३६।४४
३०	मं	३५	४८	पू	४४	४१	व्या	५२	५१	च	३	२२	५२	५०	१०	१९	२८	९	धनुषि	

३८पं.पौ.कृ.५शु.इ. ६/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	११	६	३	४	८
१३	२६	२८	११	२६	९	२३	१२
१०	५३	१	१६	१७	३५	५३	४९
५९	१०	३४	३०	१०	३१	२५	५१
६१	३८	९३	५	५७	३/५४	३	६१
६	४९	३८	१४	२४	व.	११	२६

गोचरग्रहाः

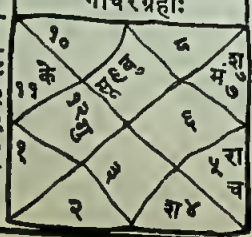

इस मास में चांदी स्वर्ण मंदे हो धान्य बाजरा मूग मोठ वस्त्र सन वारदाना रुई कपास आदि तेज हो शीत अधिक हो ।

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.कृ.११शु.इ. ६/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	११	७	३	४	८
२०	१	८	१२	३	९	२३	१९
१९	२८	२६	२	२५	४	३१	५९
५	२३	१०	३१	५५	५२	१०	५८
६१	३८	८२	६	६०	४/११	३	६१
६	४७	३८	२६	२०	व.	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र.
१	बु	३९	२७	उ	४९	२४	ह	५२	४२	किं	७	३७	२५	४९	५	२०	२९	१०	म.०।५२
२	गु	४२	४	श्र	५३	१६	च	५१	४१	बा	१०	४५	५५	४९	११	२१	३०	११	मकरे
३	शु	४३	४६	ध	५५	५८	सि	४९	५०	तै	१२	५५	५७	४९	११	२२	१	१२	कुं.२४।३७
४	श	४४	१८	श	५७	५५	व्य	४७	४	व	१४	२	५९	४८	१२	२३	२	१३	कुम्भे
५	र	४३	५३	पू	५८	४०	च	४३	४९	ब	१४	५	२६	४८	१२	२४	३	१४	मी४३।२९
६	चं	४२	२३	उ	५८	२६	प	३९	३२	कौ	१३	८	४	४७	१३	२५	४	१५	मीने
७	मं	३९	३५	रे	५७	२	शि	३४	२३	ग	१०	५९	६	४७	१३	२६	५	१६	मे.५७।२
८	बु	३६	५	अ	५४	४३	सि	२८	२२	वि	७	५०	८	४६	१४	२७	६	१७	मेषे
९	गु	३१	२९	भ	५१	७	सा	२१	२९	वा	३	४७	११	४६	१४	२८	७	१८	मेषे
१०	शु	२५	३९	कृ	४६	३७	शु	१३	४८	ग	२५	३९	१३	४५	१५	२९	८	१९	वृ.५।०
११	श	१८	५६	रो	४१	१८	शु	९३	५३	वि	१८	५६	१६	४५	१५	३०	९	२०	वृषे
१२	र	११	२८	मृ	३५	२५	ऐं	४६	२८	वा	११	२८	१९	४४	१६	१	१०	२१	मि८।२२
१३	चं	३	३०	आ	२९	१३	वै	३६	५८	तै	३	३०	२१	४४	१६	२	११	२२	मिथुने
१४	चं	५२	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१५	मं	४७	५२	पु	२३	१६	वि	२७	२६	वि	२१	४४	२४	४३	१७	३	१२	२३	क.९।४५

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १७४०स२०३५
उषा.रवि:३° (सौर:३७) चंद्रदर्शनम्
जिल्काद११
म.१४।२उ.४४।१८या.
मकरेऽर्के:३६ (सौर:५२।५४)
उभा.४गुरुः१४।४१
भ.३९।३५उ.
म:५०या.वक्रीबुध:३ ज्येष्ठाशुक्रः३१
म.५३उ.बुधास्तःपश्चिमायां३१।१८
म.१८।५६या.पुनर्दा११व्र.
अभि.प्र.रवि:१५(सौर:३५ भा.माधा-×
भ.५५।३५उ. [×रंभःप्रदोषः
भ.२१।४४या.मा.स्ना.प्रा.

४०पं.पौ.शु.३शु.इ. १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	११	७	३	४	८
२७	६	१६	१२	१०	८	२३	२७
२७	३	२७	५५	५२	३२	८	९
७	५०	११	३७	१९	१०	५४	४०
६१	३८	५२	७	६२	३४	३	६१
६	४१	४०	४६	३९	व	११	२४

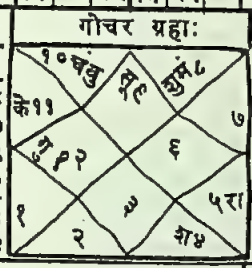

पौष शुक्ले ५ रवौ मकरेऽर्के:प्रविष्ट. वा. २ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी मु.३०धान्यादि भावेसमता शुक्रोदय: पूर्वस्याम् ।

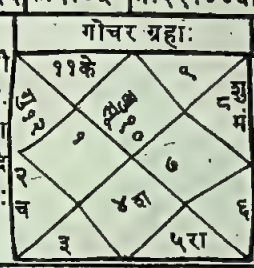

४१पं.पौ.शु.१०शु.इ. १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	११	७	३	४	९
४	१०	१८	१३	१८	७	२२	४
३४	४१	९	५६	३२	५८	४६	१९
५९	१७	४३	२०	१३	५	३९	९
६१	३८	३३	८	६४	४०	३	६१
३	३२	व	३२	२८	व	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	बु	४१	२७	पु	१८	२	प्री	१९	१	वा	१४	४०	३६	४३	१७	४	१३	२४	कर्के
२	गु	३६	१६	श्ले	१४	३	आ	११	१६	तै	८	५१	२९	४२	१८	५	१४	२५	सिं१४।३
३	शु	३२	४१	म	११	४०	सौ	४	४७	व	४	२८	३२	४२	१८	६	१५	२६	सिंहे
४	श	३१	२५	पू	११	१४	शो	०	५६	ब	२	३	३५	४१	१९	७	१६	२७	क.२६।३६
५	र	३१	५९	उ	१२	४१	सु	५५	३१	कौ	१	४२	३८	४०	२०	८	१७	२८	कन्यायां
६	चं	३४	४६	ह	१६	२३	धृ	५५	४	ग	३	२२	४१	४०	२०	९	१८	२९	तु.४९।०
७	मं	३९	४	चि	२१	३६	शू	५६	१३	वि	६	५५	४५	३९	२१	१०	१९	३०	तुलायां
८	बु	४४	५६	स्वा	२८	१९	गं	५७	५८	वा	१२	०	४८	३८	२२	११	२०	३१	तुलायां
९	गु	५१	१३	वि	३५	२९	वृ	६०	०	तै	१८	४	५१	३८	२२	१२	२१	१	वृ.१८।४२
१०	शु	५७	४९	अ	४३	१३	बृ	०	१३	व	२४	३१	५४	३७	२३	१३	२२	२	वृश्चिके
११	श	६०	०	ज्ये	५०	४३	ध्रु	२	३४	ब	३०	५८	५८	३६	२४	१४	२३	३	ध.५०।४३
११	र	४	७	मू	५७	२९	व्या	४	३२	बा	४	७	२७	३६	२४	१५	२४	४	धनुषि
१२	चं	९	४१	पू	६०	०	ह	६	५	तै	९	४१	५	३५	२५	१६	२५	५	धनुषि
१३	मं	१४	८	पू	३	१९	च	६	३१	व	१४	८	८	३४	२६	१७	२६	६	म.१९।२४
१४	बु	१७	११	उ	७	४१	सि	६	८	श	१७	११	१२	३४	२६	१८	२७	७	मकरे
३०	गु	१८	५३	श्र	१०	५३	व्य	४	३७	ना	१८	५३	१५	३३	२७	१९	२८	८	कुं.४१।४९

शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
श्रवणेरविः२५।३२ (सौर:४१।११)
अभि.नि.रवि:१७।४७ (सौर:३१।२८)
भ.४।२८उ.३२।४१या.
वक्रीउषा.बुधः१८।१०चतुर्थीव्र.
ज्येष्ठाभौमः१४।२४
भ.३९उ.मूलेघनुषिशुक्रः३६।४
भ.६।५५या.
बुधोदयःपूर्वस्यां५०फरवरी२ता.२८
भ.२४उ.५९या.पातस्पर्श३५पातमोक्ष५७
रेवती१गुरुः३७षट्तिला११व्र.स्मा.
वक्रीपुष्य१शनिः१६षट्तिला११व्र.वै.
प्रदोषः
भ.१४उ.४०या.घनि.रविः३३।५० ÷
[÷(सौर:४६।१)
मार्गीबुध:३।३९

४२पं.मा.कृ.३शु.इ. २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	११	७	३	४	९
११	१५	११	१५	२६	७	२२	११
४२	१७	४६	३	२३	२३	२४	२८
२९	५६	१२	३२	५६	४२	२३	०
६०	३८	४९	९	६५	४०	३	६१
५९	२७	व	२३	५७	व	११	१३

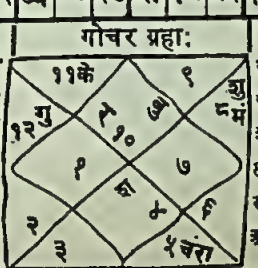

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि वृद्धि शुक्ल पक्ष की तिथि क्षय चांदीसोना लोहा रुई रंग सूत में अच्छी तेजी करे ।

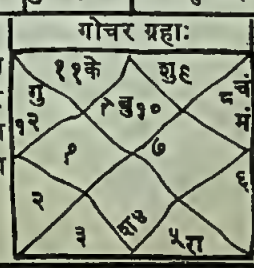

४३पं.मा.कृ.१०शु.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	११	८	३	४	९
१८	१९	४	१६	४	६	२२	१८
४९	५४	५	१६	२२	४९	२	२६
१	७	४६	१२	५२	४१	७	८
६०	३८	४८	१०	६७	४९	३	६१
५५	१४	व	७	१०	व	११	४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १७७०स.२०३५
१	शु	१९	२२	ध	१२	४५	व	३	५६	ब	१९	२२	३५	६	५	२०	२९	९	कुंभे	पूषा.शुक्र:४३।० चन्द्रदर्शनम्
२	श	१८	३०	श	१३	३८	शि	५४	२६	को	१८	३०	२३	३१	२९	२१	१	१०	मी५८।३३	जिल्हेज १२
३	र	१६	५२	पू	१३	३१	सि	४९	२६	ग	१६	५२	२७	३१	२९	२२	२	११	मीने	भ.४५।३८उ.
४	चं	१४	२५	उ	१२	२८	सा	४३	५६	वि	१४	२५	३०	३०	३०	२३	३	१२	मीने	भ.१४।२५या.
५	मं	१०	५८	रे	१०	५६	शु	३८	१०	बा	१०	५८	३४	२९	३१	२४	४	१३	मे.१०।५६	कुंभेऽर्कः९।६ (सौरः१९।५९) वसंत५
६	बु	७	१४	अ	८	५०	शु	३१	५३	तै	७	१४	३८	२८	३२	२५	५	१४	मेषे	
७	गु	३	४	भ	६	७	ब्र	२५	४	व	३	४	४१	२८	३२	२६	६	१५	वृ.२०।१९	भ.३उ.३५या.भानु७रथ७भीष्माष्टमी
८	गु	५५	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	शु	५३	१	कृ	५५	५६	ऐं	१७	५४	बा	२५	४०	४५	२७	३३	२७	७	१६	वृषे	
१०	श	४७	१९	मृ	५५	१६	वे	१०	१८	तै	२०	१०	४९	२६	३४	२८	८	१७	मि२७।१८	मूलेघनुषिभौम:२७।४७
११	र	४१	१७	आ	५०	५८	वि	२५	५३	व	१४	१८	५३	२५	३५	२९	९	१८	मिथुने	भ.१४।१८उ.४१।१७या.जया११व्र.
१२	चं	३५	१३	पु	४६	३७	आ	४६	३२	ब	८	१५	५६	२५	३५	३०	१०	१९	क.३२।४२	शतेरविः४५।१९ (सौर:५५।२१)
१३	मं	२९	१०	पु	४२	३२	सौ	३८	५२	को	२	११	२८	२४	३६	१	११	२०	कर्के	श्रवणेबुधः२१भा.फाल्गुनारंभः प्रदोषः
१४	बु	२३	४३	श्ले	३९	८	शो	३१	४५	व	२३	४३	४	२३	३७	२	१२	२१	सिं३९।८	भ.२३उ.५४या उषा.शुक्रः२३रेवती २-
१५	गु	१९	४	म	३६	४२	अ	२५	२५	व	१९	४	८	२२	३८	३	१३	२२	सिंहे	मा.स्ना.पूर्तिः [-गुरु२

४४पं.मा.शु.१शु.इ. ६८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	११	८	३	४	९
२५	२४	२	१७	१२	६	२१	२५
५४	३१	५७	३४	२९	१७	३९	४२
५०	१	६	५२	३१	१३	५२	५५
६०	३८	६३	१०	६८	१०	३	६०
४७	३	मा	५३	२०	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले ५ भौमे कुंभेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु ३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

४५पं.मा.शु.९शु.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	११	८	३	४	१०
२	२९	६	१८	२०	५	२१	२
५९	८	५६	५८	४१	४७	१७	४८
४२	४९	२	५	२०	२	३६	५८
६०	३७	४२	११	६९	३	३	६०
३७	५८	३७	२५	६	५२ व	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति.महा
१	शु	१५	४३	पू	३५	५०	सु	२०	१४	को	१५	४३	२८	२२	३८	४	१४	२३	क.५०।५८	
२	श	१४	१३	उ	३६	२२	धृ	१६	१७	ग	१४	१३	१६	२१	३९	५	१५	२४	कन्यायां	भ.४४।१२उ.मकरेशुक्रः०।५८
३	र	१४	११	ह	३९	२	शू	१३	५६	वि	१४	११	२०	२०	४०	६	१६	२५	कन्यायां	भ.१४।११या. चतुर्थीव्र.
४	चं	१६	१२	चि	४३	१९	गं	१३	१	बा	१६	१२	२४	१९	४१	७	१७	२६	तु.११।१०	
५	मं	१९	४९	स्वा	४९	१३	बृ	१३	३	तै	१९	४९	२८	१८	४२	८	१८	२७	तुलायां	
६	बु	२५	१	वि	५५	५०	धु	१४	२५	व	२५	१	३२	१८	४२	९	१९	२८	वृ.३८।५२	भ.२५।१उ.५८।०या.
७	गु	३१	०	अ	६०	०	व्या	१६	२२	ब	३१	०	३६	१७	४३	१०	२०	१	वृश्चिके	मार्च३ता.३१
८	शु	३७	२६	अ	३	२०	ह	१८	३८	बा	४	१३	४०	१६	४४	११	२१	२	वृश्चिके	घनि.बुधः४८।२६
९	श	४३	४४	ज्ये	१०	५८	च	२०	५३	तै	१०	३५	४४	१५	४५	१२	२२	३	व.१०।५८	
१०	र	४९	२२	मू	१८	४	सि	२२	३९	व	१६	३३	४८	१४	४६	१३	२३	४	धनुषि	भ.३उ.३९या.श्रवणेशुक्रः२६
११	चं	५३	४५	पू	२४	११	च्य	२३	३२	ब	२१	३३	५२	१४	४६	१४	२४	५	म.४०।२०	पूभारवि:१२४(सौर:१९ विजया११व्र.
१२	मं	५६	४४	उ	२८	४७	व	२३	२	को	२५	१४	५६	१३	४७	१५	२५	६	मकरे	
१३	बु	५८	०	श्र	३२	७	प	२१	५८	ग	२७	२२	२९	१२	४८	१६	२६	७	मकरे	भ.५८।०उ.कुंभेबुधः३६।१२ प्रदोषः
१४	गु	५७	३२	ध	३३	३८	शि	१९	१४	वि	२७	४६	५	११	४९	१७	२७	८	कुं.२।५२	भ२७या.रेवती३गुरुः२६महाशिवरात्रीव्र.
३०	शु	५५	३४	श	३३	३७	सि	१५	१५	च	२६	३३	९	१०	५०	१८	२८	९	कुम्भे	पूषा.भौमः३८।३८

४६पं.फा.कृ १शु.इ. ७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	११	८	३	४	१०
१०	३	१३	२०	२८	५	२०	९
३४	४६	४८	२५	५७	१९	५५	५३
१४	१६	७	८	१४	५२	२१	३०
६०	३७	६३	१२	६९	३	३	६०
२५	४९	२२	४	५६	व.	११	३१

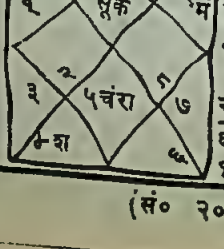

४७पं.फा.कृ.८शु.इ. ७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	११	९	३	४	१०
१७	८	२२	२१	७	४	२०	१६
५	२३	२५	५५	१६	५७	३३	५६
२८	४२	३४	८	४१	७	५	२७
६०	३७	७८	१२	७०	४९	३	६०
१२	३४	५८	२०	२४	व.	११	२०

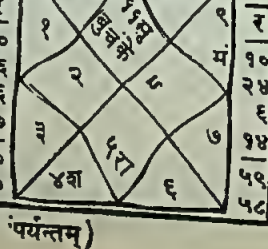

४८पं.फा कृ.३०शु.इ.४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	११	९	३	४	१०
२४	१३	२	२३	१५	४	२०	२३
६	०	१९	२८	३७	३८	१०	५७
१४	५०	८	५५	३०	२०	४९	५०
५९	३७	९१	१२	७१	११	३	६०
५८	१३	१२	५०	१०	व.	११	६

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	बसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण १७९९स.२०३५
१	श	५२	१९	पू	३२	२१	सा	१०	१६	किं	२३	५६	२९/१३	६/९	५/५१	१९	२९	१०	मी१७।४०	[-पातमोक्षः ५५/४१ फुलरिया२
२	र	४८	५	उ	३०	३	शु	४/१६	५३/२४	बा	२०	१२	१७	९	५१	२०	३०	११	मीने	शतेबुधः ५९/२१ चन्द्रदर्शनम्पातस्पर्शः ४२/१४-
३	चं	४३	७	रे	२७	४	ब्र	५०	३१	तै	१५	३६	२१	८	५२	२१	१	१२	मे.२७।४	पूफा.२राहुःशत.४केतु. ३१/३६=
४	मं	३७	५३	अ	२३	३५	ऐं	४३	१०	व	१०	३०	२६	७	५३	२२	२	१३	मेषे	भ.१०।३०उ.३७।५३या.
५	बु	३२	३५	भ	२०	५	वै	३६	७	व	५	१४	३०	६	५४	२३	३	१४	वृ.३३।४३	[=मोहोरम१सन्१४५७हि.
६	गु	२७	२३	कृ	१६	३९	वि	२८	५३	तै	२७	२३	३४	५	५५	२४	४	१५	वृषे	मीनेऽर्कः २/१४ (सौरः १०/२९) धनि.शुक्रः ३३/३३
७	शु	२२	४	रो	१३	२	प्री	२१	३८	व	२२	४	३८	४	५६	२५	५	१६	मि४१।२५	भ.२२।४उ.४९।३३या.
८	श	१७	२	मृ	९	४७	आ	१४	३६	ब	१७	२	४३	३	५७	२६	६	१७	मिथुने	होलाष्टकम्
९	र	१२	११	आ	६	४१	सौ	७	३५	कौ	१२	११	४७	३	५७	२७	७	१८	क.४९।३३	उभा.रविः२३।१८(सौरः३२।५)
१०	चं	७	२१	पु	३	५०	शो	१/४	५३/३९	ग	७	२१	५१	२	५८	२८	८	१९	कर्के	भ.३५।१२उ.
११	मं	३	४	पु	१/१५	५८/९	सु	४८	५९	वि	३	४	५५	१	५९	२९	९	२०	सिं५९।२४	भ.३/४या.पूभा.बुधः १६/१० आमलकी११व्र.
१२	मं	५६	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×बुधास्तःपूर्वस्यां ५२/१५ भा.चैत्रारंभः
१३	बु	५६	२	म	५८	१	धृ	४३	३८	कौ	२७	३७	३०/०	६/०	६/०	३०	१०	२१	सिंहे	कुंभेशुक्रः५:५० प्रदोष
१४	गु	५३	४९	पू	५७	४४	शू	३९	५	ग	२४	५५	४	५/५९	६/१	१	११	२२	सिंहे	भ.५३।४९उ.रेवती.४गुरुः५४।१९×
१५	शु	५२	५७	उ	५८	४८	गं	३५	३६	वि	२३	२३	८	५८	२	२	१२	२३	कं.२३।०	भ.२३।२३या.होलिकादहनम्

४९पं.फा.शु.७शु.इ. ८/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	११	९	३	४	११
१	१७	१३	२५	२४	४	१९	०
५	३७	१७	५	१	२४	४८	५७
३१	१	१७	१३	२३	३२	३४	३२
५९	३६	०/०	१३	७१	१/३१	३	५९
४१	५२	०/४७	१०	३४	व.	११	४९

गोचर ग्रहाः

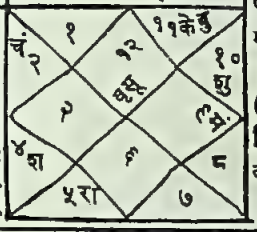

फाल्गुन शुक्ले ६गुरौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

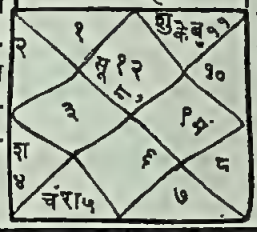

५०पं.फा.शु.१५शु.इ. ८/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	११	१०	३	४	११
८	२१	२५	२६	२	४	१९	७
३	१३	१७	४३	२७	१६	२६	५५
१८	१२	२	८	४	२३	१८	२७
५९	३६	०/०	१३	७१	०/४४	३	५९
२९	४१	०/२६	२०	५९	व	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	श	५३	१७	ह	६०	०	वृ	३३	८	बा	२३	७	३०/१२	५/५८	६/२	३	१३	२४	कन्यायां	वसंत१छारेंडी
२	र	५५	२१	ह	१	७	ध्रु	३१	५५	तै	२४	१९	१६	५७	३	४	१४	२५	तु.३२।५८	मीनेबुधः४२।१०
३	चं	५८	३९	चि	४	५०	व्या	३१	४४	व	२७	०	२१	५६	४	५	१५	२६	तुलायां	भ.२७।०उ.५८।३९या.शतेशुक्रः३९।१५
४	मं	६०	०	स्वा	१०	१३	ह	३२	४२	ब	३१	३	२५	५५	५	६	१६	२७	वृ.५९।५५	उभा.बुधः३६।२०चतुर्थी व्र.
४	बु	३	२८	वि	१६	२९	व	३४	१०	बा	३	२८	२९	५४	६	७	१७	२८	वृश्चिके	
५	गु	९	२	अ	२३	४१	सि	३६	२५	तै	९	२	३३	५३	७	८	१८	२९	वृश्चिके	उषा.भौमः५५।३० [+शीतलापूजनम्
६	शु	१५	१६	ज्ये	३१	१६	व्य	३८	४४	व	१५	१६	३७	५३	७	९	१९	३०	ध.३१।१६	भ.१५/१६उ.४८/२६या.मार्गशिनिः ४९/११+
७	श	२१	३७	मू	३८	३७	व	४०	५४	ब	२१	३७	४१	५२	८	१०	२०	३१	धनुषि	रेवत्यांरविः५०।५३(सौरः५८।३२)
८	र	२७	३८	पू	४५	३२	प	४२	२९	कौ	२७	३८	४५	५१	९	११	२१	१	धनुषि	अप्रेल४ता.३०
९	चं	३२	२९	उ	५०	५७	शि	४३	४	तै	०	३	४९	५०	१०	१२	२२	२	म.१।५३	[÷मकरेभौमः ५२/३३
१०	मं	३५	४९	श्र	५५	७	सि	४२	३१	व	४	९	५३	४९	११	१३	२३	३	मकरे	भ.४/९उ.३५/४९या.रेवत्यांबुधः ३५/३५÷
११	बु	३७	२२	ध	५७	१६	सा	४०	२३	ब	६	३५	५७	४९	११	१४	२४	४	कुं.२६।११	पापमोचनी११व्र.
१२	गु	३६	५८	श	५७	२५	शु	३६	४९	कौ	७	१०	३१/१	४८	१२	१५	२५	५	कुम्भे	अश्वि.१मेषेगुरुः५७।५७
१३	शु	३४	४२	पू	५५	५९	शु	३१	४३	ग	५	५०	५	४७	१३	१६	२६	६	मी४१।२१	भ.३४।४२उ.पूभा.शुक्रः४२।१९प्रदोषः
१४	श	३०	३३	उ	५२	५८	ब्र	२५	१८	वि	२	३७	१०	४६	१४	१७	२७	७	मीने	भ.२।३७या.
३०	र	२५	७	रे	४८	३५	ऐं	१७	५८	ना	२५	७	१४	४५	१५	१८	२८	८	मे.४८।३५	अस्तंगुरोः१।४८मन्वादिः

५१पं.चै.कृ.६शु.इ. ८/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	११	१०	३	४	११
१४	२६	८	२८	१०	४	१९	१४
५९	४८	१८	२२	५२	१३	४	५१
१०	०	५८	३०	५५	२६	३	३९
५९	३६	०/१७	१३	७२	०/५	३	५९
१६	११	०/४१	३२	१८	व	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मासमें५शनिवार ५ रविवार अशुभ है धान्य गल्ला धातु रसकस घृत तेल में तेजी हो प्रजा में महामारी फैले ।

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.कृ.१३शु.इ. ९/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	०	१०	३	४	११
२१	१	२१	०	१९	४	१८	२१
५३	२१	५६	२	१९	१६	४१	४५
३१	४०	२	३१	४८	१२	४७	५०
५९	३५	०/२३	१३	७२	०/४७	३	५९
४	५३	०/३१	३२	३७	मा	११	४

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३६, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१३६, भोग्यकलिः ४२६८६४, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०९२, शाकः १९५७, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः। मंत्री शनिः। सस्येशो भौमः। धान्येशो रविः। मेघेशः शुक्रः। रसेशो बुधः। नीरसेशश्चंद्रः। फलेशः शुक्रः। धनेशश्चंद्रः। दुर्गेशः शुक्रः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ३ शुक्लनाम संवत्सरःप्रवर्तते। तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ३।०।५४।४०।१२ भोग्यमासादिः ८।२९।५।१९।४८ विष्णुदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम आश्विनः।मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासःपर्वते समयनिवासः कुंभकार गृहे। समय विश्वा२० समयवाहनम् मृगः। स्तंभाः३ अन्न तृणवायूनां। सोमवत्यमा३ सोमवती पंचमी३ अंगारकी चतुर्थी२ बुधाष्टमी १ भानुसप्तमी २रविदशमी× समय मुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपतिविश्वा ८४, वर्षाविश्वा १५, धान्यम् ७, तृणम् १७, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१२३, सत्यम्।। धर्मं १।।,पापं १८शनिदृष्टिदक्षिणे। ग्रहण२ सूर्यस्य १ चंद्रमसः१।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जगदंबा से पूछता भैरव मन हर्षाय ।
संवत् कैसा बाणवे होसी यह दर्शाय ।।

भवानी उत्तर

बलकर आयो बाणवे घर घर डंबर डोल ।
राज प्रजा के बीच में होसी पोलम पोल ।।
शशिराजा इस वर्ष में शीतल चाले चाल ।
ठगे ठगावे जगत का खांय मसकरा माल ।।
मंत्री रवि सुत होय कर जग में करैं धमाल ।
युद्ध रोग भूकंप से जगत होय पैमाल ।।
अन्न तृण और समीर के स्तंभ लगे है तीन ।
विन पाणी अन्न नीपजे इसमें मेष न मीन ।।
पंद्रह विश्वा वृष्टि है संवत् विश्वा बीस ।
धर्म कर्म करते रहो भली करें जगदीश ।।

सं.२०९२ भाद्रपद कृष्णा ३० रवौ ग्रस्तोदितं सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	४	५	६
मि.	५२	४५	४१
घ.	५६	५८	०
प.	२	१४	२२

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	२	११	८	८	२	८

रा.	तु	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ४।२२

सं. २०९२ श्रा. शु. १५ शनौ ग्रस्तास्त चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
घं.	५	६	७
मि.	५५	३९	२२
घ.	५८	६०	२
प.	४१	२९	१७

स.२०९२ माघ शु. १४ चंद्रे खग्रास चंद्र ग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घ.	२	३	३	४	५
मि.	२	८	४४	२१	२७
घ.	४८	५१	५३	५४	५७
प.	५७	४२	१३	४४	२९

वर्षेश लग्नम् ४।२५

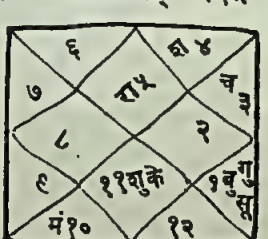

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१९।५३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रः फलम् ॥ चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं च धान्यं । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधि जरा नराणाम् ॥ मंत्री शनिः फलम् ॥ रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवाः विनय संरहिता बहु दुखदाः । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ॥ सस्येशो भौमः फलम् ॥ प्रथम धान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग धनो जलं न समसौख्यकरं तुष धान्य हृत् ॥ धान्येशो रविः फलम् ॥ पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्षं ज्वरपीड़नम् ॥ मेघेशः शुक्रः फलम् ॥ भृगुसुतो जलदस्यपतिर्यदा जलमुचो जलदा दिवि शोभनाः । धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ॥ रसेशो बुधः फलम् ॥ रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभ धान्य घृतादि युता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहु जलाखिलदेश सुरक्षिता ॥ नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम् ॥ शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससाम् । अर्घं वृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ॥ फलेशः शुक्रः फलम् ॥ यदि फलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार महीरुह राशयः । बहु फला नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुति पाठ परायणाः ॥ धनेशो चंद्रः फलम् ॥ धनपतिर्मृग लांछनको यदा रसचया क्रय विक्रयतो धनम् । वसनशालि सुगंध रसं बहु द्रविण तैल घृतं नृप सौख्यदं ॥ दुर्गेशः शुक्रः फलम् ॥ नगरदेश विशेष पतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्य करो मतः । विनय वाणिजगेह समः सुखो नग वने निकटेपि च दूरतः ॥ शुक्लनाम संवत्सरः फलम् ॥ शुक्लाब्दे निखिला लोकाः सुखिनः स्वजनैः सह । राजानो युद्ध निरता परस्पर जयैषिणः ॥ वर्षनाम आश्विनः फलम् ॥ आश्विने शोभना वृष्टिर्नृप सौख्यकरी सदा । सुभिक्षं पूर्व सस्यं स्यात् ज्वर रोगाकुलं जगत् ॥ मेघनाम द्रोणः फलम् ॥ द्रोणे वर्षति सर्वदा ॥ रोहिणी निवासः पर्वते फलम् ॥ पर्वते बिंदुमात्रञ्च ॥ समय निवासः कुंभकार गृहे फलम् ॥ अनावृष्टिः प्रजापतौ ॥ एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०९२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला २ बुधे मृगे ल. १२ रे. ६ ।।।।ऽचौ।।।।
,, ३ गुरौ मृगे ल. ऽन्यगो रे. १० ।।।।।।।।।
,, ११ गुरौ हस्ते ल.१२(घ.५२-४३उ)रे.८।।।।ऽअऽ।।।
,, १५ भौमे अनु ल.६ रे.६।।।।शुऽऽ।।पादाद्वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा २ गुरौ मूले ल. गो. रे. ७ ऽ।।।।ऽरो४१याऽ।।।
,, ४ शनौ उषा ल. १२-१ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ६ गुरौ उभा ल. १ रे. ८ ।।।।ऽचौ।ऽ।।
,, १० शुक्रे रेव ल. १ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ११ शनौ रेव ल. ऽन्यगो ६ रे. ७ ।।।।ऽरोऽऽ।।
शुक्ला ५ रवौ मघा ल. १ रे. ६ ।ऽ।।।।।।।
,, ६ चन्द्रे मघा ल. ऽन्यगो ६ रे. ८ ।ऽ।।।ऽचो।।।।
,, ७ भौमे उफा ल. १ रें. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
,, ६ गुरौ हस्ते ल. गो. ६ रे. ७ ।ऽ।।।ऽअऽ।।।
,, ११ चन्द्रे अनु ल. ऽन्यगो १२-२ (वृषेचं.७पू.) रे.८
।।।।ऽऽअ(घ४१या)।।।।
,, बुधे मूले ल. १ रे. ६ ।।।।ऽ।ऽऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

आषाढ मासः

कृष्णा २ शुक्रे उषा ल.१२-१-२ रे. ७ ।।।ऽशु।ऽचौ५४या।।ऽ
दग्धा (घ५३-७या) पादतो वेधाऽभावः
,, ७ गुरौ उभा ल. ऽन्यगो १-२रे.८।।।।।।।ऽ।ऽदग्धा
,, ८ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो १-२ रे. ६ ऽ।।।।ऽऽऽ।
शुक्ला ४ रवौ मघा ल. २ रे. १० ।।।।।।।।।
,, ६ भौमे उफा ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।ऽचौ।।।।
,, ७ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।ऽचौऽऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ६ शुक्रे उफा ल. ७(गु.७पू.)रे.६।।।।ऽऽचौ।ऽ।ऽ
,, १० शनौ हस्ते ल.७ (गु.७पू.) रे.८।।।।ऽरो।ऽ।।
,, ११ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।ऽरो।ऽ।।
शुक्ला २ शनौ मूले ल. ७ (गु.७पू.) रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।
,, ४ भौमे उषा ल. ऽन्यगो रे.६ ।।।।ऽरो३६।।।।

माघ मासः

कृष्णा ५ गुरौ उफा ल.गो.(सोग्रांगः)रे.८।।।।ऽअ।ऽ।।
,, ६ शुक्रे हस्तौ ल.गो.(सोग्रांगः)रे.८ऽ।।।।ऽ।।।
,, ८ रवौ स्वात्यां ल. ऽन्यगो (सोग्रांग.) रे. ७
।।।ऽशु।।ऽऽ।। पादतो वेधाऽभावः
शुक्ला ४ शुक्रे उभा ल. ६ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ५ शनौ उभा ल.ऽन्यगो(सोग्रांगः)रे.८।।।।।।।ऽऽ।।
,, १० गुरौ रोहि ल. गो. (सोग्रांगः) रे. ७
।।।।।ऽचौऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ बुधे उफा ल. ६ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।
,, ४ शुक्रे हस्ते ल.गो.(सोग्रांग·)रे.६।।।ऽऽशुऽअ।ऽ।।
,, ५ शनौ स्वात्यां ल. ६ रे. ६ ऽऽ।।।ऽनु।।ऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
शुक्ला १ गुरौ उभा ल. ६ रे. ७ ।ऽ।।।ऽचौऽ।।।
,, २ शुक्रे रेव ल. ६ रे. १० ।।।।।।।।।

चैत्र मासः

कृष्णा १ गुरौ हस्ते ल. गो. रे. ८ ।ऽ।।।ऽअ।।।।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १८२९स.२०३५
१	चं	१८	२५	अ	४३	३४	वै	८	४०	ब	१८	२५	३१	५	६	१९	२९	९	मेषे	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	मं	११	१६	भ	३८	१६	वि	९	५१	कौ	११	१६	२२	४४	१६	२०	१	१	वृ.५१।५५	अश्वि.मेषेबुधः ३१ सफर२ सिंधारा-
३	बु	४	११	कृ	३२	५३	आ	४	२६	ग	४	११	२६	४३	१७	२१	२	१०	वृषे	भ.३०।३७उ.५७।२या. गणगौरी
४	बु	५२	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–मत्स्यजयंती
५	गु	५०	२१	रो	२८	१	सौ	३	१५	ब	२३	४१	३०	४२	१८	२२	३	१२	मिथु५५।५२	
६	शु	४४	७	मृ	२३	४४	शो	२	४०	कौ	१७	१४	३४	४१	१९	२३	४	१३	मिथुने	
७	श	३८	४६	आ	२०	१३	अ	२	२८	ग	११	२६	३८	४०	२०	२४	५	१४	मिथुने	भ.३९उ.अश्वि.मेषेऽर्कः २४ (सौरः ३३) =
८	र	३४	२१	पु	१७	३०	सु	१	५५	वि	६	३३	४२	४०	२०	२५	६	१५	क.३।११	भ.६।३३या. [=मीनेशुक्रः ५९
९	चं	३०	४०	पु	१५	३८	धृ	८	२	बा	२	३१	४६	३९	२१	२६	७	१६	कर्के	भरण्यांबुधः १६।२८ रामनवमी
१०	मं	२७	५४	श्ले	१४	३०	शू	३	५५	ग	२७	५४	५०	३८	२२	२७	८	१७	सिं १४।३०	भ.५६उ.उभा.शुक्र. ५२ बुधोदयः×
११	बु	२६	४	म	१४	२३	बृ	५५	२४	वि	२६	४	५३	३७	२३	२८	९	१८	सिंहे	भ.२६।४या.कामदा ११व्र.
१२	गु	२५	८	पू	१५	१२	धु	५२	४४	बा	२५	८	५७	३७	२३	२९	१०	१९	क.३०।४२	श्रवणेभौमः ३२ अश्वि.२गुरुः ५२ प्रदोषः
१३	शु	२५	३५	उ	१७	१२	ब्या	५०	५६	तै	२५	३५	३१	३६	२४	३०	११	२०	कन्यायां	[×पश्चिमायां ५८
१४	श	२६	४४	ह	२०	५	ह	५०	१७	व	२६	४४	५	३५	२५	१	१२	२१	तु.५२।४	भ.२६।४४उ.५८।३या.भा.वैशाखारंभः
१५	र	२९	२३	चि	२४	३	व	५०	४	ब	२९	२३	९	३४	२६	२	१३	२२	तुलायां	हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु ७श.इ. २४/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	०	१०	३	४	११
०	६	९	२	२९	४	१८	२९
०	४२	३४	०	१९	२४	१५	५२
०	२९	४८	३२	१६	२६	२९	६
५८	३५	५१	१३	७२	१	३	५८
४४	२३	५	३८	५६	३२	११	४५

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले ७ शनौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ५ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

२पं.चै.शु.१४श.इ. २५/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	०	११	३	४	०
६	११	२३	३	७	४	१७	६
५०	१०	७	४१	४८	३८	५३	४२
४६	५५	४४	२	२	४२	२३	१७
५८	३४	७	१३	७३	२	३	५८
२१	४१	५९	३८	१४	१४	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	चं	३२	५८	खा	२९	११	सि	५०	५८	बा	१	११	३२	५	६	३	१४	२३	तुलायां	कृत्ति.बुधः २३।७
२	मं	३८	१	वि	३५	३६	व्य	५२	२३	तै	५	२९	१६	३३	२७	४	१५	२४	वृ.१९।०	
३	बु	४३	२५	अ	४२	२९	ब	५४	३०	व	१०	४३	२०	३२	२८	५	१६	२५	वृश्चिके	भ १०।४३उ.४३।२५या.वृषेबुधः ३४
४	गु	४९	३२	ज्ये	५०	०	प	५६	५३	ब	१६	२८	२३	३१	२९	६	१७	२६	ध.५०।०	चतुर्थी व्र.
५	शु	५५	५२	मू	५७	३५	शि	५९	३१	कौ	२२	४२	२७	३१	२९	७	१८	२७	धनुषि	
६	श	६०	०	पू	६०	०	सि	६०	०	ग	२८	५७	३१	३०	३०	८	१९	२८	धनुषि	भरण्यांरविः ५४ (सौरः १४) रेवत्यांशुक्रः ४३
६	र	२	२	पू	५	४	सि	१	३६	व	२	२	३४	२९	३१	९	२०	२९	म.२१।३८	भ.२।२उ.३४।४२या.
७	चं	७	२२	उ	११	२०	सा	३	४	ब	७	२२	३८	२८	३२	१०	२१	३०	मकरे	
८	मं	११	२२	श्र	१६	३७	शु	३	२९	कौ	११	२२	४१	२८	३२	११	२२	१	कु.४८।२३	मई५ता.३१
९	बु	१३	४७	ध	२०	१०	शु	२	४४	ग	१३	४७	४५	२७	३३	१२	२३	२	कुंभे	भ.४४।०उ.
१०	गु	१४	११	श	२१	४३	ब	०	५६	वि	१४	११	४८	२६	३४	१३	२४	३	कुंभे	भ.१४।११या.
११	शु	१२	३७	पू	२१	१९	वै	५०	३४	बा	१२	३७	५२	२६	३४	१४	२५	४	मी६।२५	रोहि.बुधः १३ अश्वि.३गुरुः ४९+
१२	श	८	५५	उ	१८	५८	वि	४३	३८	तै	८	५५	५५	२५	३५	१५	२६	५	मीने	उदयंगुरोः ४६ प्रदोषः [+वरुथिनी ११व्र.
१३	र	३	२०	रे	१४	५२	प्री	३५	४	व	३	२०	५८	२४	३६	१६	२७	६	मे.१४।५२	भ.३।२०उ.२९।४१या.
१४	र	५२	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	चं	४७	५८	अ	९	१६	आ	२५	४४	च	२२	०	३३	२४	३६	१७	२८	७	मेषे	

३पं.वै.कृ.६श.इ. ३५/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	०	११	३	४	०
१३	१५	३	५	१६	४	१७	१३
२९	३७	४८	२२	१८	५७	३१	३०
५०	२६	५०	८	०	२५	८	४२
५८	३३	८०	१३	७३	२	३	५८
१९	४९	२३	३२	२२	५३	११	१२

गोचर ग्रहाः

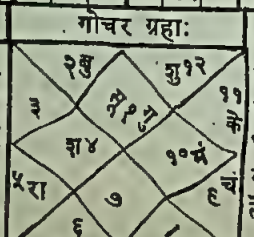

इस मास मे चांदी रुई सोना सण तिल बारदाना मंदे हो धान्य बाजरा मूंग मोठ घृत गुड नमक तेज रहे प्रजा सुखीहो

गोचर ग्रहाः

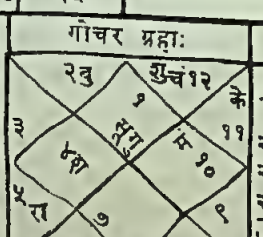

४पं.वै.कृ.१२श.इ. ३५/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	०	११	३	४	०
२०	२०	१०	७	२४	५	१७	२०
२७	०	४८	१	४८	२०	८	१७
२९	५०	४	४८	२५	४६	५२	२९
५८	३२	३९	१३	७३	३	३	५७
६	५८	२८	३२	३५	३२	११	५७

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः१८५८सं.२०३५
१	मं ३९ १० भ ३३ ५३ सौ १५ ४७ कि १३ ३४	३३ ५	६	१८	२९	८	वृ.१५।५९	[-परशुरामजयंती [=अक्षया३
२	बु ३० ५ रो ४९ ० शो ५ ५० बा ४ ३७	२३	३७	१९	३०	९	वृषे	अश्वि.मेषशुक्रः४३।३४चन्द्रदर्शनम्-
३	गु २१ २२ मृ ४२ ३१ सु ४६ ११ ग २१ २२	११ २२	३८	२०	१	१०	मि१५।४५	भ.४३उ.धनि.भौमः३४रविलाबल३=
४	शु १३ २३ आ ३६ ५७ धृ ३७ २० वि १३ २३	१४ २१	३९	२१	२	११	मिथुने	भ.१३।२३या.कृत्ति.रविः५१।३
५	श ६ १३ पु ३२ ३५ शू २९ ५६ बु ६ १३	१७ २१	३९	२२	३	१२	क.१८।४१	कृत्ति.रविःसौरः२।२२ वक्रीबुधः२८।२६
६	र ० २८ पु २९ ३२ गं २३ १२ ते ० २८	२० २०	४०	२३	४	१३	कर्के	भ.५६।६उ.
७	र ५५ ३८ ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	०	० ०	
८	चं ५३ १२ श्ले २७ ५५ बृ १६ ३७ वि २४ ३९	२३ १९	४१	२४	५	१४	सिं२७।५५	भ.३२या.पूफा.१राहुःशत.३केतुः३०
९	मं ५१ ३७ म २७ ५७ धु १३ २२ बा २२ २५	२६ १९	४१	२५	६	१५	सिंहे	वृषऽर्कः१८।१८(सौरः३०।१५)
१०	बु ५१ २५ पू २९ ६ व्या १० ६ ते २१ ३१	२८ १८	४२	२६	७	१६	कं.४४।४७	बुधास्तःपश्चिमायां१९।५३
११	शु ५२ ४३ उ ३१ ४८ ह ८ ३ व २२ ४	३१ १८	४२	२७	८	१७	कन्यायां	म २२।४उ.५२।४३या.मोहिनी११त्र.
१२	शु ५४ ५३ ह ३५ २३ ब ६ ५० ब २३ २४	३४ १७	४३	२८	९	१८	कन्यायां	अश्वि.४गुरुः५।१४
१३	श ५८ २६ चि ४० १४ सि ७ १ कौ २६ ३४	३७ १७	४३	२९	१०	१९	तु.७।४८	प्रदोष. [×यमायकुंभदानम्
१४	र ६० ० स्वा ४५ ४५ व्य ७ ८ ग ३० २९	३९ १६	४४	३०	११	२०	तुलायां	भरण्यांशुक्रः३८।४६नृसिंहजयंती
१५	चं २ ३२ वि ५२ १९ व ८ २२ व २ ३२	४२ १६	४४	३१	१२	२१	वृ.३५।५१	भ.२।३२उ.३५।१३या.
१५	मं ७ ५३ अ ५९ ६ प १० ७ ब ७ ५३	४४ १५	४५	१	१३	२२	वृश्चिके	कुंभेभौमः१२।१२भा.ज्येष्ठारंभः×

५पं.वै.शु.५श इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	०	०	३	४	०
२७	२४	१३	८	३	५	१६	२७
१३	१९	३२	४१	१९	४८	४६	२
२७	४१	४९	१७	२६	५८	३६	४३
५७	३२	०	१३	७३	४	३	५७
५४	१५	१०	२०	४४	११	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले ९ भौमे वृषेऽर्कः प्रविष्टः बा.४ न. ४ कुमार्यंवस्था (वैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

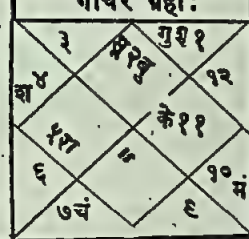

६पं.वै.शु.१३श.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	१	०	०	३	४	१
३	२८	१२	१०	११	६	१६	३
५८	३२	२०	१७	५०	२१	२४	४६
४४	५६	२८	४६	२८	३२	२१	२८
५७	३१	२७	१३	७३	४	३	५७
४४	२६	व.	१२	५०	४४	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	बु १३ २९ ज्ये ६० ० शि १२ १३ को १३ २९	३३ ५	६	२	१४	२३	वृश्चिके	पुष्य.२शनिः१।५४
२	गु १८ ३६ ज्ये ६ ३५ सि १४ ३५ ग १८ ३६	४९ १४	४६	३	१५	२४	ध.६।३५	भ.५२।८उ.वक्रीकृत्ति.बुधः१८।४०
३	शु २५ ४१ मू १४ ४ सा १७ ८ वि २५ ४१	५२ १४	४६	४	१६	२५	धनुषि	भ.३५या.रोहि.रविः४१(सौरः५६)+
४	श ३१ ४६ पू २१ ४३ शु १९ २९ ला ३१ ४६	५४ १३	४७	५	१७	२६	म.३८।२५	[+चतुर्थी त्र.
५	र ३७ ११ उ २८ ३२ शु २१ २३ कौ ४ २८	५६ १३	४७	६	१८	२७	मकरे	
६	चं ४१ ४४ श्र ३४ २८ ब्र २२ ४१ ग ९ २७	५८ १२	४८	७	१९	२८	मकरे	भ.४१।४४उ.
७	मं ४४ ५० ध ३९ १५ ऐं २२ ५३ वि १३ १७	३४० १२	४८	८	२०	२९	कुं.६।५२	भ.१३।१७या.
८	बु ४६ २६ श ४२ २३ वै २१ ५१ ला १५ ३८	२ १२	४८	९	२१	३०	कुंभे	[÷गुरुः५५ जून६ता.३०
९	गु ४६ ८ पू ४३ ४३ वि १९ २० ते १६ १७	३ ११	४९	१०	२२	३१	मी२८।४३	कृत्ति.शुक्रः३७।२३
१०	शु ४३ ४९ उ ४३ ३ प्री १५ २२ व १४ ५८	५ ११	४९	११	२३	१	मीने	भ.५४उ.५४या.भरणी.१÷
११	श ३९ २२ रे ४० २५ आ ९ ४७ ब ११ ३६	७ ११	४९	१२	२४	२	मे.४०।२५	शतेभौमः२८।११ अपरा११त्र.
१२	र ३२ १ अ ३५ ४९ सौ ३७ २३ को ५ ४१	९ १०	५०	१३	२५	३	मेषे	वृषेशुक्रः१२बुधोदयःपूर्वस्यां२९ प्रदोषः
१३	चं २५ १६ भ २९ ५६ अ ४४ २५ व २५ १६	१० १०	५०	१४	२६	४	वृ.४३।८	भ.२५।१६उ.५०।४६या.
१४	मं १६ १७ कृ २२ ४५ सु ३३ ५८ श १६ १७	१२ १०	५०	१५	२७	५	वृषे	
३०	बु ६ २८ रो १५ ३ पु २३ १३ ना ६ २८	१३ ९	५१	१६	२८	६	मि४१।९	वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.४श.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	०	०	३	४	१
१०	२	८	११	२०	६	१६	१०
४२	३९	५०	५३	२१	५७	२	२८
४०	१८	३१	२४	४३	१८	५	३९
५७	३०	३३	१२	७३	५	३	५७
३५	१७	व.	५०	५६	५	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य सोना चांदी लोहा ताम्बा रसकस गुड़ शक्कर तेज हो।

गोचर ग्रहाः

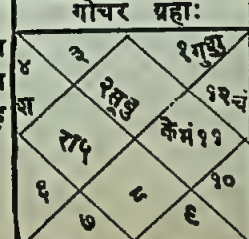

८पं.ज्ये.कृ.११श.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	०	०	३	४	१
१७	६	५	१३	२८	७	१५	१७
२५	३९	४६	२६	५४	३६	३९	९
२६	२	४४	२८	१४	३६	५०	४५
५७	२९	३३	१२	७४	५	३	५७
२७	३	व.	२३	२	३२	११	१३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १८८८स.२०३५
१	बु ४९ ५८	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	गु ४६ ४०	मृ ७ ५३	शू १२ २०	बा २१ ३३	३४ ५६	५१	१७	२९ ७	मिथुने चन्द्रदर्शनम्
३	शु ३७ ४६	पु ५३ २३	मं १८ ५०	ते १२ १३	१६ ९	५१	१८ १	८	क.४०।० मृगेरविः ३६ (सौर:५७) मार्गीबुधः ३८=
४	श ३० १	पु ४८ २०	धु ४३ ४९	व ३ ५३	१७ ९	५१	१९ २	९	कर्के भ.३।५३उ.३०।१या.
५	र २३ ५४	श्ले ४५ १	व्या ३६ ४९	बा २३ ५४	१८ ८	५२	२० ३	१०	सिं४५।१ [=रविलाखर४
६	चं १९ २८	म ४३ २३	ह ३१ १७	ते १९ २८	१९ ८	५२	२१ ४	११	सिंहे रोहि.शुक्रः ३०।३६
७	मं १६ ५९	पू ४३ २८	व २७ १	व १६ ५९	१९ ८	५२	२२ ५	१२	सिंहे भ.१६:५९उ.४६।४०या.
८	बु १६ २२	उ ४५ ३४	सि २४ ३५	ब १६ २२	२० ८	५२	२३ ६	१३	कं.५८।५९
९	गु १७ ३८	ह ४९ ८	व्य २३ १०	कौ १७ ३८	२१ ८	५२	२४ ७	१४	कन्यायां [=गंगादशमी
१०	शु २० १३	चि ५४ १७	ब २३ ६	ग २० १३	२१ ८	५२	२५ ८	१५	तु.२१।४३ भ.५३उ.मिथुनेऽर्कः ३५ (सौर:५५)-
११	श २४ १३	स्वा ६० ०	प २३ ५९	वि २४ १३	२२ ८	५२	२६ ९	१६	तुलायां भ.२४।१३या.निर्जला ११व्र.
१२	र २८ ५९	स्वा ० १९	शि २५ २२	बा २८ ५९	२२ ८	५२	२७ १०	१७	वृ.५०।३२ भरणी.२गुरुः ५२।४०प्रदोषः
१३	चं ३३ ५०	वि ७ १६	सि २७ ३४	कौ १ २५	२३ ७	५३	२८ ११	१८	वृश्चिके
१४	मं ४० ३४	अ १४ १३	सा २९ ४४	ग ७ १२	२३ ७	५३	२९ १२	१९	वृश्चिके भ.४०।३४उ.रोहि.बुधः १२।२
१५	बु ४६ ४१	ज्ये २१ ४६	शु ३२ ८	वि १३ ३७	२३ ७	५३	३० १३	२०	ध.२१।४६ भ.१३।१७या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

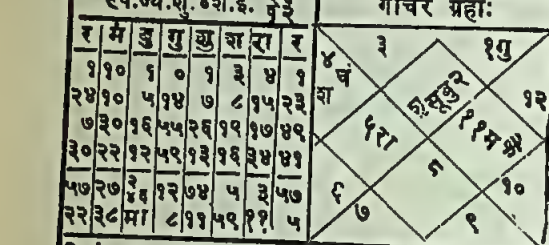

ज्येष्ठ शुक्ले १०शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

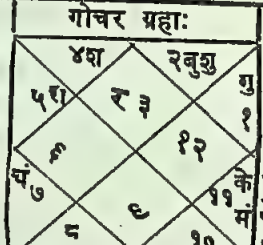

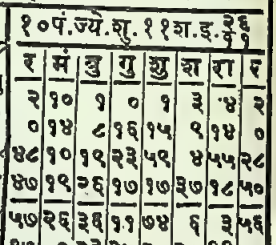

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति महा.
१	गु ५२ ४६	मृ २९ ७	शु ३४ ३१	बा १९ ४४	३४ ५७	५३	३१	१४ २१	धनुषि [×भा.आषाढारंभः
२	शु ५८ २७	पू ३६ २५	ब्र ३६ ४२	ते २५ ३६	२४ ७	५३	१	१५ २२	म.५३।७ आर्द्ररविः ३४ (सौर:३८) मृगेशुक्रः ३५×
३	श ६० ०	उ ४३ १४	सें ३८ ३१	व ३० ५९	२४ ७	५३	२	१६ २३	मकरे भ.३०।५९उ.
३	र ३ ३२	श्र ४९ १७	वै ३९ ५८	वि ३ ३२	२४ ७	५३	३	१७ २४	मकरे
४	चं ७ ५२	ध ५४ ३२	वि ४० ३३	बा ७ ५२	२४ ७	५३	४	१८ २५	कुं.२१।५५ भ.३।३२या.पुष्य.३शनिः ४०।१चतुर्थी व्र.
५	मं ११ ७	श ५८ २७	प्री ४० २०	ते ११ ७	२३ ७	५३	५	१९ २६	कुंभे
६	बु १३ १४	पू ६० ०	आ ३८ ५५	व १३ १४	२३ ७	५३	६	२० २७	मी४५।२६ भ.१३।१४उ.४३।३२या. मिथुनेशुक्रः ५६
७	गु १३ ५१	पू १ ५	सौ ३६ २३	ब १३ ५१	२२ ८	५२	७	२१ २८	मीने पूभा.भौमः १९।५
८	शु १३ १०	उ २ ८	शो ३२ २६	कौ १३ १०	२२ ८	५२	८	२२ २९	मीने मृगेबुधः ३४।५८
९	श ९ ५८	रे १२९ ५७ ३२	अ २६ ५८	ग ९ ५८	२१ ८	५२	९	२३ ३०	मे.१।२९ भ.३७।३९उ.
१०	र ५ २०	भ ५४ ५५	सु २० १०	वि ५ २०	२० ८	५२	१०	२४ १	मेषे भ.५२०या.जुलाई७ता.३१योगिनी११व्र.
११	र ५३ ५१	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	०	०	० ०	[+आर्द्राशुक्रः ५६प्रदोषः
१२	चं ५१ ३५	कृ ४९ १८	धृ ११ ५८	कौ २५ ३५	१९ ८	५२	११	२५ २	योगिनी११व्र.वै.
१३	मं ४२ ४७	रो ४२ ३०	शु ३२ ५३ ४९	ग १७ ११	१८ ८	५२	१२	२६ ३	भ.४२।२७उ.मिथुनेबुधः ३९।२५+
१४	बु ३२ ५५	मृ ३५ २	बृ ४२ १०	वि ७ ५१	१७ ९	५१	१३	२७ ४	वृषे भ.७।५१या.
३०	गु २२ ५४	आ २७ ८	ध्रु ३१ २३	ना २२ ५४	१६ ९	५१	१४	२८ ५	मिथु८।४६ मिथुने भरणी.३गुरुः २१।१२

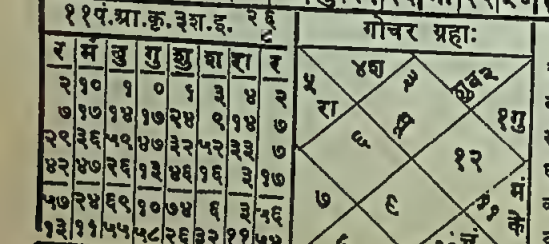

इस मासमें शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी सोनालोहा रुईरंगसूत धान्य गल्ला में तेजी करे रस मंदा हो वर्षा अच्छी हो।

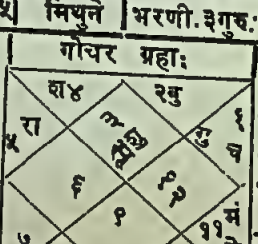

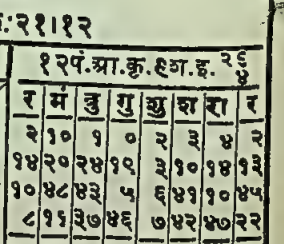

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः१९१७स.२०३५
१	शु	१२	५८	पु	१९	४४	व्या	२०	३९	व	१२	५८	३४/१५	५/९	६/५१	१५	२९	६	क.६।३५	पुन.रवि:३२।४२बुधास्त:पूर्वस्यां ३८/१४
२	श	४	४	पु	१३	१	ह	१०	५६	कौ	४	४	१४	९	५१	१६	३०	७	कर्के	पुन.रवि:सौर:१/३०आर्द्रा.बुध:१४/४०=
३	श	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
४	र	५०	२२	श्ले	७	३१	व	२/२	५२/३४	व	२३	२१	१३	९	५१	१७	१	८	सिं७।३१	भ.२३।२१उ५०।२२या.जमादिलावल५
५	चं	४६	१४	म	३	४९	व्य	४८	५६	व	१८	१८	११	१०	५०	१८	२	९	सिंहे	
६	मं	४४	९	पू	२	७	व	४४	५०	कौ	१५	११	१०	१०	५०	१९	३	१०	कं.१७।१४	
७	बु	४४	२९	उ	२	३६	प	४२	२९	ग	१४	१९	८	१०	५०	२०	४	११	कन्यायां	भ.४४।२९उ.
८	गु	४६	३२	ह	५	५	शि	४१	२८	वि	१५	३०	७	११	४९	२१	५	१२	तु.३७।१४	भ.१५।३०या.
९	शु	५०	२०	चि	९	२३	सि	४२	४	बा	१८	२६	५	११	४९	२२	६	१३	तुलायां	पुन.बुध:४६।२०
१०	श	५५	१४	स्वा	१५	२	सा	४३	४	तै	२२	४७	३	११	४९	२३	७	१४	तुलायां	पुन.शुक्र:१३।१३अस्तंशने:३०।५६
११	र	६०	०	वि	२२	७	शु	४५	१७	व	२८	१५	१	१२	४८	२४	८	१५	वृ.५।२१	भ.२८।१५उ.देवशयन्येकादशी
११	चं	१	१७	अ	२९	२४	शु	४७	३४	वि	१	१७	३३/५९	१२	४८	२५	९	१६	वृश्चिके	भ.१/१७या.मघा.४राहु:शत.१केतु:२३/५७
१२	मं	७	१८	ज्ये	३७	१	ब्र	५०	१३	वा	७	१८	५७	१३	४७	२६	१०	१७	ध.३७।१	कर्केऽर्क:२।१८(सौर:३४।१४)प्रदोषः
१३	बु	१३	३४	मू	४४	३१	ऐं	५२	३८	तै	१३	३४	५५	१३	४७	२७	११	१८	धनुषि	कर्केबुध:१९/५३शुक्रास्त:पूर्वस्यां ५६/२४
१४	गु	१९	२१	पू	५१	३५	वै	५४	४१	व	१९	२१	५२	१४	४६	२८	१२	१९	धनुषि	भ.१९/२१उ.५२/३या.पुष्येबुध:५५/१०वायुपरीक्षा
१५	शु	२४	४५	उ	५८	४	वि	५६	१९	व	२४	४५	५०	१४	४६	२९	१३	२०	म.८।१२	पुष्येरवि:३१।३६ व्यासपूजा गुरु१५

१३पं.आ.शु.२श.इ. २५/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	०	२	३	४	२
२०	२३	७	२०	१	११	१३	२०
५०	४२	२	२०	४०	३३	४८	२३
३५	१८	१३	६	४८	०	३२	१६
५७	२०	७/५५	९	७४	७	३	५६
७	४७		४०	२६	२	११	५०

गोचर ग्रहाः

शचं४ २ ५रा बुशु३सू १ वृ ६ १२ मं ७ ९ ११के ८ १०

आषाढ़शुक्ला१२भौमे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न.५ कमार्यवस्था (बैठी)मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

४श ३ २ ५रा सूशुबु १ गु ६ १२ ७चं ९ म ११के ८ १०

१४पं.आ.शु.१०श.इ.२५/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	०	२	३	४	२
२७	२६	२१	२१	२०	१२	१३	२७
३०	१६	२३	२८	१५	२५	२६	१
५४	४४	१७	५२	४०	२६	१६	२३
५७	१८	२५/२५	८	७४	७	३	५६
११	११		५३	३२	८	११	५४

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति महा.
१	श	२९	१७	श्र	६०	०	प्री	५७	९	कौ	२९	१७	३४/४८	५/१४	६/४६	३०	१४	२१	मकरे	पुष्येरवि:सौर:४।५५पुष्य.४शनि:३८/२७
२	र	३३	८	श्र	३	३२	आ	५७	२५	तै	१	१३	४५	१५	४५	३१	१५	२२	कुं.३५।५८	कर्केशुक्र:२०।२०
३	चं	३५	३८	ध	८	२५	सौ	५६	५५	व	४	२३	४३	१५	४५	१	१६	२३	कुम्भे	भ.४/२३उ.३५/३८या.भा.श्रावणारंभ:चतुर्थीव्र
४	मं	३७	१२	श	१२	७	शो	५५	३६	व	६	२५	४०	१६	४४	२	१७	२४	मी५९।११	
५	बु	३७	४१	पू	१४	५२	अ	५३	२०	कौ	७	२६	३८	१६	४४	३	१८	२५	मीने	पुष्येशुक्र:५।३४नाग५मरुस्थले
६	गु	३७	२	उ	१६	३१	सु	५०	११	ग	७	२१	३५	१७	४३	४	१९	२६	मीने	भ.३७।२उ.आश्ले.बुध:२३।४१
७	शु	३५	१०	रे	१७	५	धृ	४६	०	वि	६	६	३३	१७	४३	५	२०	२७	मे.१७।५	भ.६/६या.मीनेभौम:४३/५भरणी.४गुरु:९/११
८	श	३१	५४	अ	१६	६	शू	४०	४३	बा	३	३२	३०	१८	४२	६	२१	२८	मेषे	
९	र	२७	२५	भ	१३	५०	गं	३४	२४	ग	२७	२५	२७	१९	४१	७	२२	२९	वृ.२७।५५	भ.५४।३२उ.
१०	चं	२१	३९	कृ	१०	१२	वृ	२७	१२	वि	२१	३९	२४	१९	४१	८	२३	३०	वृषे	भ.२१।३९या.
११	मं	१४	४४	रो	५/३८	५३/५०	ध्रु	१८	५०	बा	१४	४४	२२	२०	४०	९	२४	३१	मि३२।३३	कामिका११व्र.
१२	बु	६	४१	आ	५३	३३	व्या	९	४३	तै	६	४१	१९	२०	४०	१०	२५	१	मिथुने	भ.५८।३उ.अगस्त८ता.३१प्रदोषः
१३	बु	५१	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[—बुधोदय:पश्चिमायां३७।२३
१४	गु	४८	५०	पु	४६	३७	ह	३/०	५०/३७	वि	२३	२६	१६	२१	३९	११	२६	२	क.३३।२१	भ.२३।२६या.मघासिंहेबुध:२५।४२—
३०	शु	४०	१६	पु	३९	४३	सि	४०	४८	च	१४	३३	१३	२१	३९	१२	२७	३	कर्के	आश्ले.रवि:२८।३७हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.१श.इ.२५/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	३	०	२	३	४	३
४	२८	६	२२	२८	१३	१३	३
११	२६	२६	३१	५२	१८	४	३९
३८	५३	४६	५५	८	२९	०	५०
५७	१६	१२/४	८	७४	७	३	५६
१५	१	५३	४	३२	८	११	५९

गोचर ग्रहाः

५रा ३शु २ ६ शरबु४ ७ ९१ १० चं १२ ८ ९ मं कै११

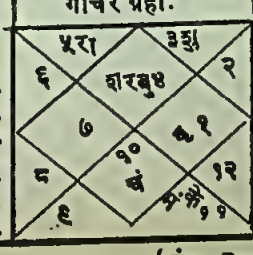

श्रावण शुक्ले१४शुक्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी)मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्त:पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

५रा ४ ३ ६ शुरबु श २ ७ १चंवृ ८ १० १२मं ९ ११के

१६पं.श्रा.कृ.८श.इ.२५/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	०	३	३	४	३
१०	०	२०	२३	७	१४	१२	१०
५२	९	४१	२८	२८	१२	४१	१९
४१	३६	२	५२	२५	२९	३५	७
५७	१३	१२/४	६	७४	७	३	५७
२०	३४	४०	५८	३२	२०	११	५

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९४६सन्२०३५
१	श २२ २ श्ले ३३ ५५ व्य ३१ २० किं ६ ६	३३	५	६	१३	२८	४	सिं ३३।५५	आश्ले.रविः सौरः५।४२आश्ले.शुक्रः५२
२	र २५ ८ म २९ ४ व २२ ४७ को २५ ८	१०	२२	३८	१४	२९	५	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंघारा
३	चं १८ ५७ पू २५ ४० प १५ २७ ग १८ ५७	७	२३	३७	१४	२९	५	सिंहे	
४	मं १५ ३९ उ २४ २५ शि ९ २३ वि १५ ३९	४	२४	३६	१५	१	६	कं.४०।२१	भ.४७।१८उ.जमादिलाखर६तीज
५	बु १४ ४० ह २५ १८ सि ५ १६ बा १४ ४०	०	२४	३६	१६	२	७	कन्यायां	भ.१५।३९या.वरद४
६	गु १५ ३४ चि २८ ८ सा २ ५० वै १५ ३४	३२	२५	३५	१७	३	८	तु ५६।४३	नागपंचमी
७	शु १८ ३६ खा ३३ ३ शु २ १४ व १८ ३६	५४	२५	३५	१८	४	९	तुलायां	
८	श २३ ७ वि ३९ १९ शु २ १३ ब २३ ७	५०	२६	३४	१९	५	१०	तुलायां	भ.१८।३६उ.५०या.पूफाबुधः१३।५
९	र २८ ५९ अ ४६ ३१ ब ३ ५१ को २८ ५९	४७	२७	३३	२०	६	११	वृ.२२।४५	
१०	चं ३६ १ ज्ये ५४ ३२ ऐं ५ ५६ तै ४ ३०	४०	२८	३२	२२	८	१३	वृश्चिके	[=ग्रस्तास्त चन्द्रग्रहणम्×
११	मं ४२ २५ मू ६० ० वै ९ १६ व ९ १३	३७	२९	३१	२३	९	१४	धनुषि	[×श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्भद्रोत्तरम्
१२	बु ४८ १३ मू १ २३ वि ११ ४१ ब १५ १९	३३	२९	३१	२४	१०	१५	धनुषि	भ.९।१३उ.४२।२५या.पवित्रा११व्र.
१३	गु ५३ ३१ पू ८ २६ प्री १३ ५२ को २० ५२	३०	३०	३०	२५	११	१६	म.२५।४	मघा.सिंहेशुक्रः४०।४२
१४	शु ५७ २९ उ १४ ५७ आ १५ २३ ग २५ ३०	२६	३१	२९	२६	१२	१७	मकरे	आश्ले.१गुरुः२९।५२ प्रदोषः
१५	श ६० ० श्र २० ११ सौ १५ ५९ वि २८ ५७	२२	३२	२८	२७	१३	१८	कु.५२।१५	भ.२८।५७या.मघा.सिंहेऽर्कः सौरः२।६=
१५	र ० २६ ध २४ १९ शो १५ ४८ ब ० २६	१९	३२	२८	२८	१४	१९	कुंभे	उफा.बुधः१०।२४उदयंशनेः१३।३०

१७पं.श्रा.शु.१३श.इ. २५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	४	०	३	३	४	३
१७	१	३	२४	१६	१५	१२	१६
२४	२१	३५	१८	६	७	१९	५८
२३	५५	४६	४७	३२	५	२९	५५
५७	१०	५	६	७४	७	३	५७
२५	३९	१०	९	३८	२०	११	१२

१८पं.श्रा.शु.दश.इ. १९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	४	०	३	३	४	३
२४	२	१५	२५	२४	१६	११	२३
१६	८	१५	०	४५	०	५७	४०
४४	१३	४३	४३	०	४०	१४	४२
५७	७	९६	५	७४	७	३	५७
३३	३१	११	२	३८	१९	११	२३

१९पं.श्रा.शु.१५श इ. २५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	४	०	४	३	४	४
१	२	२५	२५	३	१६	११	०
०	१७	३४	३४	२४	५३	३४	२२
४	१७	३०	३४	२५	४६	५८	१५
५७	४	८२	४	७४	७	३	५७
४०	४४	४८	५५	३८	१०	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	चं २ १० श २७ २६ अ १४ ३५ को २ १०	३३	५	६	२९	१५	२०	कुंभे	
२	मं २ ४८ पू २९ १७ सु १२ ३३ ग २ ४८	१५	३३	२७	२९	१५	२०	कुंभे	
३	बु २ १४ उ ३० ११ धृ ९ ४५ वि २ १४	१२	३४	२६	३०	१६	२१	मी १३।४९	भ.३२।३१उ.कन्यायांबुधः४८।१७
४	गु ० ४४ रे ३० १० शू ६ ९ वा ० ४४	८	३४	२६	३१	१७	२२	मीने	भ.२।१४या.चतुर्थी व्र.
५	गु ५७ ४७ ० ० ० ० ० ० ०	४	२५	२५	१	१८	२३	मे.३०।१०	भा.भाद्रपदारंभः
६	शु ५५ १५ अ २९ २५ गं १ ४४ ५७ ग २६ ५३	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	श ५१ २९ भ २७ ५० धु ५१ ७ वि २३ २२	१	३६	२४	२	१९	२४	मेषे	भ.५५।१५उ.चन्द्रषष्ठी
८	र ४६ ५८ कृ २५ ३४ व्या ४४ ५३ वा १९ १३	५७	३७	२३	३	२०	२५	वृ.४२।१६	भ.२३।२२या.
९	चं ४१ ३५ रो २२ २९ इ ३७ ५९ तै १४ १६	५३	३७	२३	४	२१	२६	वृषे	पूफा.शुक्रः२५।४१जन्माष्टमी व्र.
१०	मं ३५ ३४ मृ १८ ४४ व ३० २८ व ८ ३४	४९	३८	२२	५	२२	२७	मि ५०।३६	गोगा९
११	बु २८ ४७ आ १४ १७ सि २२ ३५ ब २ ११	४६	३९	२१	६	२३	२८	मिथुने	भ.८।३४उ.३५।३४या.
१२	गु २१ ३८ पु ९ ८ व्य १४ ५ तै २१ ३८	४२	४०	२०	७	२४	२९	क.५५।२५	अजा११व्र.
१३	शु १४ ३४ पु ३ ५६ ५५ व ३ ३ ३० व १४ ३४	३८	४०	२०	८	२५	३०	कर्के	हस्तेबुधः८।२६ वत्सद्वादशी प्रदोषः
१४	श ७ २८ म ५३ ३० शि ४९ ५ श ७ २८	३४	४१	१९	९	२६	३१	सिं ५९।०	भ.१४उ.४१या.पूफा.रवि.३३(सौरः५२
२०	र १ २० पू ५१ ९ सि ४१ ४८ ना १ २०	२६	४३	१७	११	२८	२	सिंहे	वक्रीभौमः२१।३९सितम्बर९ता.३०
								सिंहे	ग्रस्तोदितसूर्यग्रहणंकुशाग्रहणीपिठोरी३०

२०पं.भा.कृ.७श. इ. २४ ५७							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	५	०	४	३	४	४
७	१	३	२५	१२	१७	११	७
४४	५४	५९	५९	४४	४६	१२	५
२८	४०	१३	५६	२३	२३	४२	४१
५७	२	६६	२	७४	७	३	५७
४९	१९	११	३६	२२	२	११	४५

इसमासमें ५सोमवार श्रेष्ठ हैं धान्य गेहूंजौ चना मटर सरसों बाजरा मूंग मंदे हों रुई रंग स्वर्ण तेज हों

२१पं.भा.कृ.१४श.इ. २४ ४९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	५	०	४	३	४	४
१४	१	११	२६	२०	१८	१०	१३
३०	५	४३	१६	४५	३७	५०	५०
४	३५	४१	५	११	५९	२७	५३
५८	९	४५	१	७४	६	३	५७
१	व	३७	१७	३२	५०	११	५७

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७	दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९७६स२०३५
१	र ५४ ४३ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	चं ५२ २६ उ ४८ ५५ सा ३५ २४ बा २४ १५	३३	५४	६	१२	२९	३	कं.५।३५	चंद्रदर्शनम्
३	मं ५० ४९ ह ४८ ४९ शु ३० ३२ तै २१ ३७	१८	४४	१६	१३	१	४	कन्यायां	रज्जव७हरितालिका
४	बु ५१ ५ चि ५० १७ शु २७ ४ व २० ५७	१५	४५	१५	१४	२	५	तु.१९।३३	भ.२०उ.५५या.उफा.शुक्रः१३गणेश४
५	गु ५२ १९ स्वा ५३ ५२ ब्र २५ ८ व २१ ४२	११	४६	१४	१५	३	६	तुलायां	ऋषिपंचमी
६	शु ५७ २ वि ५८ ५९ ऐं २४ ३४ कौ २४ ४०	७	४७	१३	१६	४	७	वृ.४२।४२	वक्रीकुंभेभौम.:२४।४०
७	श ६० ० अ ६० ० वै २५ २२ ग २९ ४३	३	४७	१३	१७	५	८	वृश्चिके	कन्यायांशुक्रः५१।३८
७	र २ २४ अ ५ ३५ वि २७ ९ व २ २४	३०	४८	१२	१८	६	९	वृश्चिके	भ.२।२४उ.३५।२२या.वक्रीगुरुः३३।९
८	चं ८ २० ज्ये १२ ४३ प्री २९ १९ व ८ २०	५५	४९	११	१९	७	१०	ध.१२।४३	[÷शत१केतुः१६।५२महालयारंभः
९	मं १४ ४२ मू २० १५ आ ३१ ४८ कौ १४ ४२	५१	५०	१०	२०	८	११	धनुषि	वक्रीबुधः२१।२६
१०	बु २० ४२ पू २७ ३४ सौ ३४ १ ग २० ४२	४७	५१	९	२१	९	१२	म.४४।१२	भ.५३।२३उ.आश्ले:२गुरुः५८।५६
११	शु २६ ४ उ ३४ ८ शो ३५ ४१ वि २६ ४	४३	५१	९	२२	१०	१३	मकरे	भ.२९या.उफा.रविः५९जलझूलनी११व
१२	शु ३० ४ श्र ३९ ३९ अ ३६ २९ बा ३० ४	३९	५२	८	२३	११	१४	मकरे	उफा.रविःसौरः३७।३८वामनजयंती
१३	श ३२ ४३ ध ४३ ४३ सु ३६ ९ कौ १ २३	३५	५३	७	२४	१२	१५	कुं.११।४१	प्रदोषः
१४	र ३३ ४३ श ४६ १३ धृ ३४ ३३ ग ३ १३	३१	५४	६	२५	१३	१६	कुंभे	भ.४३उ.हस्तेशुक्रः५५अनंत१४
१५	चं ३३ १७ पू ४७ २७ शू ३१ ५९ वि ३ ३०	२७	५५	५	२६	१४	१७	मी३२।८	भ.३०या.कन्यायामर्कः२२मघा.३राहुः÷

२२पं.भा.शु.७श.इ. २४/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	०	४	३	४	४
२१	२९	१६	२६	२९	१९	१०	२०
१७	५७	२३	२३	२६	२७	२८	३७
६	५८	१०	२	१७	३२	११	३२
५८	३	१७	०	७५	६	३	५८
१३	व	२८	१५	२	३२	११	१३

गोचर ग्रहाः

भाद्रापदशुक्ले १५चंद्रे कन्यायाऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ बाला-वस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

२३पं. भा.श.१३श.इ. २४/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	०	५	३	४	४
२८	२८	१७	२६	८	२०	१०	२७
५	२८	९	२०	७	१५	५	२५
२८	५९	३२	१०	१	२२	५६	४९
५८	३	२३	१	७४	६	३	५८
२६	व	व	व	२६	२०	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	मं ३१ ३५ उ ४७ १९ गं २८ १४ बा २ २६	३०	५५	६	२७	१५	१८	मीने	कन्यार्कःसौरः२।४९
२	बु २८ ४६ रे ४६ ८ बृ २३ ३५ तै ० १०	१८	५६	४	२८	१६	१९	मे.४६।८	भ.५६उ.बुधास्तःपश्चिमायां५१।२१
३	गु २५ १ अ ४४ १८ धु १८ १५ वि २५ १	१४	५७	३	२९	१७	२०	मेषे	भ.२५।१या.चतुर्थीव्र.
४	शु २० ४० भ ४१ ४६ व्या १३ १९ बा २० ४०	९	५८	२	३०	१८	२१	वृ.५६।३	
५	श १५ ५६ कृ ३८ ५४ ह ५३ २५ तै १५ ५६	५	५९	१	३१	१९	२२	वृषे	शुक्रोदयःपश्चिमे१८।३६
६	र ११ ८ रो ३५ ४४ सि ५२ २७ व ११ ८	३०	६	१	२०	२३		वृषे	भ.११उ.३८यां.भा.आश्विनारंभः
७	चं ६ ७ मृ ३२ ४१ व्य ४५ ३२ य ६ ७	२९	०	२	२१	२४		मिथु४।१३	वक्रीउफा.बुधः३४।७
८	मं १ ५ आ २९ १५ व ३८ २५ कौ १ ५	५२	१	३	२२	२५		मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
९	मं ५४ ३४ ० ० ० ० ० ० ०	०	२	४	२३	२६		०	
१०	बु ५० ११ पु २५ ४६ प ३१ ० व २२ ५५	४८	२	५	२४	२७		क.११।४१	भ.२२।५५उ.५०।११या.
११	गु ४४ ५६ पु २२ १० शि २४ ५ व १७ ३४	४४	३	५	२४	२७		कर्के	हस्तेरविः३५चित्रा.शुक्रः३६इंदिरा११व
१२	शु ३९ ५२ श्ले १८ ५२ सि १६ ५९ कौ ११ २४	४०	४	५	६	२५	२८	सिं१८।५२	हस्तेरविसौरः१५।१९
१३	श ३५ २२ म १५ ४७ सा १० २० ग ७ ३७	३६	५	५	७	२६	२९	सिंहे	भ.३५।२२उ.प्रदोषः
१४	र ३१ २६ पू १३ २५ शु ५३ ५४ वि ३ २४	३२	६	५	८	२७	३०	कं.२८।२	भ.३।२४या.शस्त्राहितानांश्रा,
३०	चं २८ ४५ उ ११ ५२ व्र ५३ २६ च ० ५	२८	६	५	९	२८	१	कन्यायां	अक्टूबर१०ता.३१सर्वपितृ३०

२४पं.आ.कृ.५श.इ. २४/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	०	५	३	४	५
४	२७	१२	२६	१६	२१	९	४
५५	४	३२	६	४८	०	४३	१५
१९	१९	२८	५०	४७	४३	४०	५६
५८	५९	३	३७	७४	६	३	५८
२८	व	व	व.	२६	१	११	४५

गोचर ग्रहाः

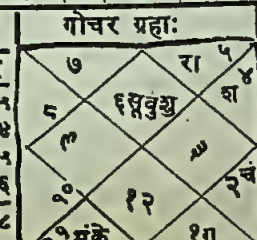

इस मास में बुधका चन्द्रदर्शन चांदी रुई स्वर्ण तिल दारदाना कपास मंदा हो घृत गुड़ चीनी नमक तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

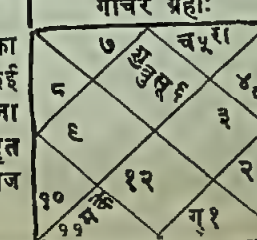

२५पं.आ.कृ. १३श.इ. २४/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	०	५	३	४	५
११	२५	५	२५	२५	२१	९	११
४६	४९	१६	४४	३०	४३	२१	७
५२	५	५२	३१	२९	३७	२५	५३
५८	१	३६	५५	५	७४	५	३
२८	व	व	व	२१	३३	११	९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २००५स.२०३५
१	मं	२७	२५	ह	११	४१	ऐ	४९	३७	व	२७	२५	२९/२३	६/७	५/५२	१०	२९	२	तु.४२।१८	बुधोदयः पूर्वस्यां १९/५२ नवरात्रारंभः =
२	बु	२७	४२	चि	१२	५६	वै	४७	२०	कौ	२७	४२	१९	८	५२	११	३०	३	तुलायां	तुला.शुक्रः ०।२८ चंद्रदर्शनम्
३	गु	२९	४५	स्वा	१५	५३	वि	४६	२०	ग	२९	४५	१५	९	५१	१२	१	४	तुलायां	सावान ८ [=मातामहश्रा.
४	शु	३३	१३	वि	२०	१६	प्री	४६	१	व	१	२९	११	१०	५०	१३	२	५	वृ.४।१०	भ.१।२९उ.३३/१३या.मार्गीबुधः३।५
५	श	३८	१९	अ	२६	१३	आ	४७	२३	व	५	४६	७	११	४९	१४	३	६	वृश्चिके	[+स्मा.कोजागरीव्र.
६	र	४३	५९	ज्ये	३२	४४	सौ	४९	२	कौ	११	९	३	११	४९	१५	४	७	ध.३२।४४	मार्गीभौमः५९।१३
७	चं	५०	१६	मू	४०	२४	शो	५१	२९	ग	१७	७	२८/५९	१२	४८	१६	५	८	धनुषि	भ.५०।१६उ.स्वात्यांशुक्रः२३।२४
८	मं	५६	२२	पू	४७	५३	अ	५३	४३	वि	२३	१९	५५	१३	४७	१७	६	९	धनुषि	भ.२३।१९या.
९	बु	६०	०	उ	५५	०	सु	५५	४६	बा	२९	१९	५१	१४	४६	१८	७	१०	म.४।१०	[Cशरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.
९	गु	२	१६	श्र	६०	०	धृ	५७	०	कौ	२	१६	४७	१५	४५	१९	८	११	मकरे	चित्रा.रविः७।२७(सौरः४५।५३)
१०	शु	६	४६	श्र	१	२९	शू	५७	१०	ग	६	४६	४३	१५	४५	२०	९	१२	कुं.३३।४०	भ.३८।१३उ.
११	श	९	४१	ध	५	५०	गं	५६	४	वि	९	४१	३९	१६	४४	२१	१०	१३	कुम्भे	भ.९।४१या.पापांकुशा११व्र.
१२	र	१०	४३	श	८	४०	वृ	५३	३४	बा	१०	४३	३५	१७	४३	२२	११	१४	मी५४।३९	प्रदोषः
१३	चं	१०	२	पू	९	५९	ध्रु	४९	३६	तै	१०	२	३१	१८	४२	२३	१२	१५	मीने	हस्तेबुधः१७।५५
१४	मं	७	३७	उ	९	३०	व्या	४४	१६	व	७	३७	२७	१९	४१	२४	१३	१६	मीने	भ.७।३७उ.३५।३६या.शरद्पूर्णिमा +
१५	बु	३	३५	रे	७	२३	ह	३७	५४	व	३	३५	२३	१९	४१	२५	१४	१७	मे.७।२३	तुलायामर्कः ५१/५६ आश्ले.३गुरुः४९।३० C

२६पं.आ.शु.५श.इ. २४/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	०	६	३	४	५
१८	२४	२	२५	४	२२	८	१८
४०	११	४४	१३	१२	२२	५९	१
५	३६	२४	६	११	३४	१०	४०
५९	०/१	१५/५९	५/१	७४	५	३	५९
९	व	[illegible]	[illegible]	१९	५	११	१६

गोचर ग्रहाः

आश्विनशुक्ले १५बुधे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ गतालकावस्था(ऊभी)मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमे

गोचर ग्रहाः

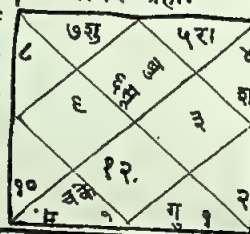

२७पं.आ.शु. ११श.इ. २३/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	०	६	३	४	५
२५	२४	७	२४	१२	२२	८	२४
३४	२६	३८	३३	५३	५८	३६	५७
५९	६	२८	७	१०	३०	५३	२२
५९	२/२०	७४	६/७	७४	४	३	५९
२१	मा	२८	व.	८	४३	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	बु	५४	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	गु	५२	३३	अ	४	१४	व	३०	४१	तै	२५	२८	२८/२०	६/२०	५/४०	२६	१५	१८	मेषे	तुलार्कःसौरः२८।३७
३	शु	४६	१२	भ	०/७	५५/३७	सि	२२	५६	व	१९	२२	१६	२१	३९	२७	१६	१९	वृ.१४।१	भ.१९/२२उ.४६/१२या.विशा.शुक्रः६।५९
४	श	३९	४६	रो	५१	१७	व्य	१४	४९	व	१२	५९	१२	२२	३८	२८	१७	२०	वृषे	करकचतुर्थीव्र.
५	र	३३	३५	मृ	४६	५२	व	६/४४	५२/१०	कौ	६	४०	८	२२	३८	२९	१८	२१	मि१९।५	[=२२।१९भा.कार्तिकारंभः
६	चं	२७	५३	आ	४२	५१	शि	५१	८	ग	०	४४	४	२३	३७	३०	१९	२२	मिथुने	भ.२७।५३उ.५५।१०या.
७	मं	२२	२६	पु	३९	१९	सि	४३	५८	व	२२	२६	०	२४	३६	१	२०	२३	क.२५।१२	चित्रा.बुधः५४।३६बुधास्तःपूर्वस्यां =
८	बु	१७	३२	पु	३६	१८	सा	३६	५६	कौ	१७	३२	२७/५६	२५	३५	२	२१	२४	कर्के	स्वात्यांरविः३३/१९वक्रीभरणी३गुरुः२७।२६
९	गु	१३	१६	श्ले	३३	५०	शु	३०	३९	ग	१३	१६	५३	२५	३५	३	२२	२५	सि३३।५०	भ.३९।५५उ.स्वात्यांरविःसौरः९।४०
१०	शु	९	३४	म	३१	५८	शु	२४	४७	वि	९	३४	४९	२६	३४	४	२३	२६	सिंहे	भ.९।३४या.
११	श	६	३२	पू	३०	५५	ब्र	१९	३२	बा	६	३२	४५	२७	३३	५	२४	२७	क.४५।५०	तुलायांबुधः४६/१२वृश्चिकेशुक्र१०/२०रमा११व्र
१२	र	४	१६	उ	३०	३५	ऐं	१४	५२	तै	४	१६	४१	२८	३२	६	२५	२८	कन्यायां	प्रदोषःधन१३
१३	चं	३	६	ह	३१	२०	वै	१०	५६	व	३	६	३७	२९	३१	७	२६	२९	कन्यायां	भ.३/६उ.३३/०यः.अनु शुक्रः५२।३८रुप१४
१४	मं	२	५४	चि	३३	३	वि	७	५३	श	२	५४	३४	२९	३१	८	२७	३०	तु.२।११	महालक्षमीपूजनम्
३०	बु	४	२	स्वा	३६	१४	प्री	५	४२	ना	४	२	३०	३०	३०	९	२८	३१	तुलायां	स्वात्यांबुधः४६/५२अन्नकूटंगीवर्द्धनपूजा

२८पं.का.कृ.४श इ २३/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	५	०	६	३	४	६
२	२४	१७	२३	२१	२३	८	१
३१	२७	४४	४६	३४	३०	१४	५४
२३	४	४६	४१	४१	४०	३८	४५
५९	६	९५	६/५१	७४	४	३	५९
३४	११	२३	व.	२	९	११	४६

गोचर ग्रहाः

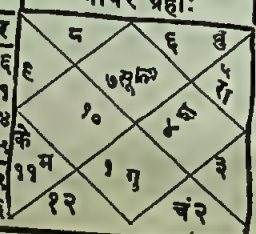

इस मास में धान्य मंदे हो गुड़ सक्कर चीनी घृत तेल तेज हो सोना चांदी अच्छे मंदे हो प्रजा में शान्ति रहे।

गोचर ग्रहाः

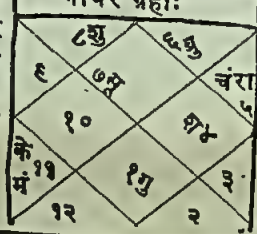

२९पं.का.कृ.११श.इ. २३/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	५	०	७	३	४	६
९	२५	२९	२२	०	२३	७	८
२९	४	२१	५४	१६	५८	५२	५४
३८	५	४०	५०	१६	८	२२	५
५९	८	०/०/२६	७/३५	७३	३	३	६०
४७	२८		व	५६	३२	११	२

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः स० २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०३५स.२०३५
१	गु	६	२९	वि	४०	३७	आ	४	५०	ब	६	२९	२७/२७	६/३१	५/२९	१०	२९	१	वृ.२४।३१	चंद्रदर्शनम्नवम्बर११ता.३०
२	शु	१०	३	अ	४६	११	सौ	४	२३	कौ	१०	३	२३	३१	२९	११	१	२	वृश्चिके	रमजान९भातृ२यम२
३	श	१५	२०	ज्ये	५२	३६	शो	५	२१	ग	१५	२०	१९	३२	२८	१२	२	३	ध.५२।३६	भ.४८।९उ.
४	र	२०	५८	मू	५९	५८	अ	६	३७	वि	२०	५८	१६	३३	२७	१३	३	४	धनुषि	भ.२०।५८या.
५	चं	२७	२२	पू	६०	०	सु	८	४५	बा	२७	२२	१२	३४	२६	१४	४	५	धनुषि	
६	मं	३३	४९	पू	७	३४	धृ	११	१०	कौ	०	३५	९	३४	२६	१५	५	६	म.२४।२७	विशा.रविः५३।४९
७	बु	४०	०	उ	१५	७	शू	१३	३४	ग	६	५४	५	३५	२५	१६	६	७	मकरे	भ.४०।०उ.विशा.रवि.सौरः२७।४
८	गु	४५	७	श्र	२२	०	गं	१५	२३	वि	१२	३३	२	३६	२४	१७	७	८	कुं.५४।४७	भ.१३/३३या.विशा बुधः५२/५४गोपाष्टमी
९	शु	४८	५२	ध	२७	३५	वृ	१६	२५	बा	१६	५९	२६/२८	३६	२४	१८	८	९	कुंभे	ज्येष्ठा.शुक्रः३५।२४अक्षय९
१०	श	५०	५२	श	३१	४९	ध्रु	१६	७	तै	१९	५२	५५	३७	२३	१९	९	१०	कुंभे	[=तुलसीविवाह
११	र	५०	५२	पू	३४	८	व्या	१४	२९	व	२०	५३	५२	३८	२२	२०	१०	११	मी१८।३३	भ.२०।५३उ.५०।५३या.प्रबोधिनी११=
१२	चं	४८	४३	उ	३४	१९	ह	११	२३	ब	१९	४८	४९	३८	२२	२१	११	१२	मीने	[×मन्वादिःका.स्ना.पू.
१३	मं	४४	४७	र	३२	४५	व	६	४०	कौ	१६	४५	४५	३९	२१	२२	१२	१३	मे.३२।४५	प्रदोषः
१४	बु	३९	७	अ	२९	२६	सि	०/१७	५२/१८	ग	११	५७	४२	४०	२०	२३	१३	१४	मेषे	भ.३९।७उ.वैकुंठ१४
१५	शु	३१	५९	भ	२३	०	व	४४	५२	वि	५	३३	३९	४०	२०	२४	१४	१५	वृ.३६।५६	भ.५।३३या.वृश्चिकेबुधः७।२८×

३०पं.का.शु.३श.इ. २३/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	०	७	३	४	६
१६	२६	११	२१	८	२४	७	१५
२९	१७	५	५९	५७	२१	३०	५५
२०	२	१०	२८	२५	१४	६	९
६०	११	०/०	५/४०	७३	२	३	६०
४	४४	४०	व	५०	४९	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में गुरुवार का चन्द्रदर्शन अच्छा है जो सोना चांदी आदि धातुओं को मंदी करेगा रुई वारदाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

३१पं.का.शु१०श.इ. २३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	०	७	३	४	६
२३	२७	२२	२१	१७	२४	७	२२
३०	५९	३१	२	३८	३९	७	५७
४०	३१	५९	१३	४१	४३	५१	४०
६०	१४	०/०	५/५२	७३	२	३	६०
१७	५८	३	व.	४५	८	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः से. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.
१	शु	२४	१३	कृ	१८	४३	प	३५	४०	कौ	२४	१३	२६/३६	६/४१	५/१९	२५	१५	१६	वृषे	वृश्चिकेऽर्क४९।५३मीनेभौमः४६।३३
२	श	१६	६	रो	१२	३६	शि	२५	५०	ग	१६	९	३३	४१	१९	२६	१६	१७	मि३९।२३	भ.४२/६उ.वृश्चिकेऽर्कः सौरः२५/३१अनु. +
३	र	८	४	मृ	६	१३	सि	१६	१३	वि	८	४	३०	४२	१८	२७	१७	१८	मिथुने	भ.८/४या.वक्रीभरणी२गुरुः१३/२१चतुर्थीव्र.
४	चं	०	२३	आ	०/२०	५४/५१	सा	६/५०	५१/२४	बा	०	२३	२७	४३	१७	२८	१८	१९	क.४१।२८	मघा.२राहुःधनि.४केतुः८।१०
५	चं	५३	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+बुधः७।४०
६	मं	४७	३७	पु	५१	१	शु	५०	३	ग	२०	३८	२५	४३	१७	२९	१९	२०	कर्के	भ.४७/३७उ.अनु.रविः८/१३(सौरः३८।९×
७	बु	४२	५७	श्ले	४७	५६	ब्र	४२	५५	वि	१५	१७	२२	४४	१६	३०	२०	२१	सिं४७।५६	भ.१५।१७या.
८	गु	३९	१८	म	४५	५६	ऐं	३६	४७	बा	११	७	१९	४४	१६	१	२१	२२	सिंहे	भा.मार्गशीर्षारंभः
९	शु	३६	५५	पू	४५	४	वै	३१	२७	तै	८	६	१७	४५	१५	२	२२	२३	सिंहे	[×मूलेधनुषिशुक्रः४०।१२
१०	श	३५	३२	उ	४५	२६	वि	२७	१६	व	६	१३	१४	४५	१५	३	२३	२४	कं.०।१०	भ.६।१३उ.३५।३२या.
११	र	३५	३२	ह	४७	२	प्री	२३	५८	व	५	३२	१२	४६	१४	४	२४	२५	कन्यायां	ज्येष्ठाबुधः३६।४उत्पत्ति११व्र.
१२	चं	३६	४९	चि	४९	५२	आ	२१	३८	कौ	६	१०	९	४६	१४	५	२५	२६	तु.१८।२७	उभाभौमः७।२६
१३	मं	३९	३	स्वा	५३	३६	सौ	२०	११	ग	७	५६	७	४७	१३	६	२६	२७	तुलायां	भ.३९।३उ.प्रदोषः
१४	बु	४२	२३	वि	५८	२५	शो	१९	४४	वि	१०	४३	५	४७	१३	७	२७	२८	वृ.४२।१३	भ.१०।४३या.
३०	गु	४६	४३	अ	६०	०	अ	१९	४१	च	१४	३३	२	४८	१२	८	२८	२९	वृश्चिके	

३२पं.मा.कृ.२श.इ.२२।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	०	७	३	४	७
०	०	३	२०	२६	२४	६	०
३३	१०	४५	६	१९	५२	४५	१
२२	१९	११	२९	४८	२३	३५	४४
६०	१७	९९	५/४३	७३	१	३	६०
३०	१	४३	व	३८	२७	११	४०

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष कृष्णे १ शुक्रेवृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

३३पं.मा.कृ.१०श.इ.२२/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	०	८	३	४	७
७	२	१४	१९	५	२५	६	७
३७	४५	४०	१२	०	०	२३	७
१६	११	२३	५०	२	१८	२०	१७
६०	१९	९७	५/११	७३	०	३	६०
४२	५७	५१	व	२६	४६	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०६४स.२३५
१	शु ५२ ७ अ ४ ७ सु २०४० किं १९ २५	२६ ०	४८	१३	५	९	२९	३० वृश्चिके	वक्रीशनिः२७।३
२	श ५८ ० ज्ये १० ४१ धृ २२ ४ बा २५ ३	२५ ५८	४८	१२	१०	३०	१	ध.१०।४१	पूषा.शुक्रः४९ चंद्रदर्शनम्दिसम्बर +
३	र ६० ० मू १७ ५० शू २४ १ तै ३१ १३	५६ ४९	११	११	१	२	धनुषि	सव्वाल१० [+१२ता.३१	
४	चं ४ २५ पू २५ २५ गं २६ १६ ग ४ २५	५४ ४९	११	१२	२	३	म.४२।२१	भ.३७उ ज्येष्ठा.रविः१८(सौरः४६)	
५	मं ११ ४ उ ३३ ७ वृ २८ २६ वि ११ ४	५३ ४९	११	१३	३	४	मकरे	भ.११या.मूलेध नुषिबुधः१०	
६	बु १७ २८ श्र ४० ३४ ध्रु ३० ५३ बा १७ २८	५१ ५०	१०	१४	४	५	मकरे	बुधोदयःपश्चिमायां	
७	गु २३ ५ ध ४६ ५८ व्या ३२ २८ तै २३ ५	४९ ५०	१०	१५	५	६	कुं.१३।४६	चंपा६	
८	शु २७ ३६ श ५२ ३४ हृ ३३ १४ व २७ ३६	४८ ५०	९	१६	६	७	कुंभे	भ.२७।३६उ.५९।९या.	
९	श ३० ४२ पू ५६ १३ व ३२ ४९ ध ३० ४२	४६ ५१	९	१७	७	८	मी४०।१८	[×११व्र.गीताजयंती	
१०	र ३१ ५३ उ ५८ १० सि ३१ २ बा १ १७	४५ ५१	९	१८	८	९	मीने		
११	चं ३१ ५ रे ५८ २ व्य २७ ३७ तै १ २९	४४ ५१	९	१९	९	१०	मे ५८।२	भ.५९।४१उ.	
१२	मं २८ १७ अ ५५ ४९ व २२ ३८ वि २८ १७	४३ ५१	९	२०	१०	११	मेषे	भ.२८।१७या.उषा.शुक्रः५६।८मोक्षदाx	
१३	बु २३ १९ भ ५० ४३ प १६ ० बा २३ १९	४२ ५२	८	२१	११	१२	मेषे	प्रदोषः	
१४	गु १६ ३५ कृ ४५ ५३ शि ४३ ५८ तै १६ ३५	४१ ५२	८	२२	१२	१३	वृ.५।१५	पूषा.बुधः५।४८	
१५	शु ८ ३८ रो ३९ ३३ सा ४७ १ व ८ ३८	४० ५२	८	२३	१३	१४	वृषे	म.३८उ.३४या.मकरेशुक्रः३४ दत्तजयंती	
	० ०	० ०	०	०	०	०	०	०	

३४पं.मा.शु.२श.इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	०	८	३	४	७
१४	५	२५	१८	१३	२५	६	१४
४२	३८	३१	२४	४०	२	१	१४
२९	२	१२	१८	२३	४२	४	२
६०	२२	९६	३	७३	७	३	६१
५०	३७	४	वं	१५	वं	११	३

गोचर ग्रहाः

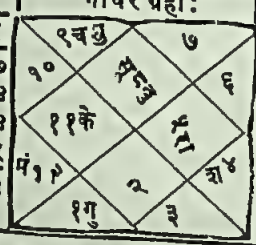

इस मास में वदि में धान्य गल्ला सोना चांदी लोहा गुड़ सक्कर चीनी कपास आदि मंदे होकर सुदि में तेज हो

गोचर ग्रहाः

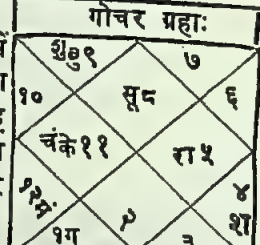

३५पं.मा.शु.८श.इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	०	८	३	४	७
२१	८	६	१७	२२	२४	५	२१
४८	४८	१२	४२	१९	५९	३८	२१
३२	४	४३	५०	४१	१७	४८	४३
६०	२५	९२	५	७३	४८	३	६१
५६	६	४१	वं	३	वं	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	श ५० १४ मृ ३२ १० शु ३६ २२ बा २४ ५५	२५ ५३	८	२४	१४	१५	मिथु५।५१	
२	र ४० ५८ आ २४ ३४ शु २५ ३१ तै १५ ३६	२९ ५२	८	२५	१५	१६	मिथुने	मूले धनुष्यर्कः३५(सौरः४९।५३)
३	चं ३२ ६ पु १७ २३ बु १५ १ व ६ ३२	२८ ५२	८	२६	१६	१७	कं.४।११	भ.६।३२उ.३२।६या.
४	मं २४ ७ पु १० ५४ ऐ ५ ५० बा २४ ७	३८ ५२	८	२७	१७	१८	कर्के	चतुर्थीव्र.
५	बु १७ ४९ श्ले ५ ४७ वि ४८ १९ तै १७ ४९	३७ ५३	७	२८	१८	१९	सिं५।४७	
६	गु १२ ५६ म २ १७ प्री ४१ ४६ व १२ ५६	३७ ५३	७	२९	१९	२०	सिंहे	
७	शु ९ ४४ पू ० २५ आ ३६ ४३ ब ९ ४४	३६ ५३	७	३०	२०	२१	कं.१५।२०	भ.१२।५६उ.४१।२०या.
८	श ८ १७ उ ० ४ सौ ३२ ५८ को ८ १७	३६ ५३	७	१	२१	२२	कन्यायां	
९	र ८ २६ ह १ १९ शो ३० २९ ग ८ २६	३६ ५३	७	२	२२	२३	तु.३२।४९	श्रवणेशुक्रः३२भा.पौषारंभः
१०	चं १० ७ चि ४ १९ अ २९ २१ वि १० ७	३६ ५३	७	३	२३	२४	तुलायां	भ.१९उ.उषा.बुधः५३वक्रीभरणी१ =
११	मं १३ ५ स्वा ८ ३२ सु २९ १७ बा १३ ५	३७ ५३	७	४	२४	२५	वृ.५७।२७	भ.१०।७या.रेवत्यांभौमः९।१७
१२	बु १७ २० वि १३ ४६ धृ २९ २९ तै १७ २०	२७ ५३	७	५	२५	२६	वृश्चिके	मकरेबुधः३०।३१सफला११व्र.
१३	गु २२ २० अ १९ ५४ शू ३० ४४ व २२ २०	३७ ५३	७	६	२६	२७	वृश्चिके	प्रदोषः
१४	शु २७ १९ ज्ये २६ ५३ गं ३२ ३७ श २७ १९	३८ ५२	८	७	२७	२८	ध.२६।५३	भ.२२।२०उ.५४।५०या.
१५	श ३३ ३१ मू ३४ ११ बु ३४ ३५ च ० २५	३८ ५२	८	८	२८	२९	धनुषि	[=गुरुः५८।६
								पूषा.रविः३० (सौरः५१।३१)	

३६पं.पौ.कृ.१श.इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	०	९	३	४	७
२८	१२	१६	१७	०	२४	५	२८
५५	१२	३५	८	५७	५०	१६	३०
२६	४३	२८	४६	४३	२४	३३	२६
६१	२७	८६	४	७२	३५	३	६१
०	३	२	व	५०	व	११	१९

३७ पं.पौ.कृ.८श.इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	०	९	३	४	८
६	१५	२५	१६	९	२४	४	५
३	४९	५५	४४	३४	३५	५४	३९
०	४८	८	४२	५९	५६	१७	५१
६१	२८	७०	३	७२	१	३	६१
४	४	२५	व	२२	व	११	२२

३८पं.पौ.कृ.३०श.इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	०	९	३	४	८
१३	१९	१	१६	१८	२४	४	१२
१०	३५	५७	२९	९	१७	३२	४९
५९	३१	५४	२६	५०	२	२	४३
६१	२९	३०	३	७२	५३	३	६१
६	४३	३५	व	९	व	११	२७

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२०९४स२०३५
१	र	३९	५८	पू	४१	४३	ध्रु	३६	५१	किं	६	४४	२५/३९	६/५२	५/८	९	२९	३०	म.५८।३५	
२	चं	५६	२८	उ	४९	१०	व्या	३९	४	बा	१३	१३	४०	५२	८	१०	३०	३१	मकरे	वक्रीबुधः४९।३७चंद्रदर्शनम्
३	मं	५२	५९	श्र	५६	३९	ह	४१	१९	तै	१९	४३	४१	५२	८	११	१	१	मकरे	जिल्काद११जनवरी१ता.३१सन् २०३६
४	बु	५८	४९	ध	६०	०	व	४२	४९	व	२५	५४	४२	५२	८	१२	२	२	कुं.३०।४	भ.२५/५४उ.५८/४९या.धनि.शुक्रः३३।९
५	गु	६०	०	ध	३	२९	सि	४३	५७	व	३१	१५	४३	५१	९	१३	३	३	कुंभे	
५	शु	३	४२	श	९	२२	व्य	४४	४९	बा	३	४२	४४	५१	९	१४	४	४	मी५७।५८	बुधास्तःपश्चिमायां३६।४६
६	श	७	३०	पू	१४	१०	व	४३	४९	तै	७	३०	४५	५१	९	१५	५	५	मीने	मार्गीगुरुः७।११
७	र	९	४७	उ	१७	२८	प	४१	४६	व	९	४७	४७	५१	९	१६	६	६	मीने	भ.९।४७उ.४०।११या.
८	चं	१०	३५	रे	१९	७	शि	३८	१९	व	१०	३५	४८	५०	१०	१७	७	७	मे.१९।७	
९	मं	९	२१	अ	१८	५६	सि	३३	१९	कौ	९	२१	५०	५०	१०	१८	८	८	मेषे	कुंभेशुक्रः७।१०
१०	बु	६	१५	भ	१७	५४	सा	२६	५२	ग	६	१५	५२	५०	१०	१९	९	९	वृ.३१।४०	भ.३३।४४उ.वक्रीपूषा.बुधः३८।५८
११	गु	१	१३	कृ	१२	५७	शु	१८	५३	वि	१	१३	५३	४९	११	२०	१०	१०	वृषे	भ.१।१३या.पुत्रदा११व्र.
१२	गु	५३	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	शु	४६	१७	रो	७	२४	शु	९/५१	४९/४४	कौ	२०	२१	५५	४९	११	२१	११	११	मि३३।५७	उषा.रविः३६।१३(सौरः५२/५८)प्रदोषः
१४	श	३७	७	मृ	०/३०	५२/२३	ऐं	४८	३५	ग	११	४२	५७	४९	११	२२	१२	१२	मिथुने	भ.३७।७उ.
१५	र	२६	३१	पु	४५	१	वै	३७	२५	वि	१	४९	५९	४८	१२	२३	१३	१३	क.३२।०	भ.१/४१या.शतेशुक्रः३५/५७मा.स्ना.प्रा.

३९पं पौ शु ६श.इ. २१/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	०	९	३	४	८
२०	२३	०	१६	२६	२३	४	१९
१९	२९	३५	२५	४१	५३	९	५९
५	२	४६	२५	५३	३८	४६	४०
६१	३१	५६/१९	०/४	७१	३/३३	३	६१
६	९	व	मा	५१	व	११	२६

गोचर ग्रहाः

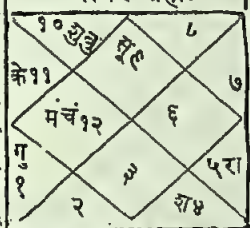

पौषकृष्णे२ रवौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.३न ४प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ.शु.१४श.इ. २१/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	०	१०	३	४	८
२७	२७	२२	१६	५	२३	३	२७
२७	२८	२७	३०	११	२६	४७	९
७	३७	५०	१८	३५	३८	३०	३२
६१	३२	८९/५४	१	७१	३/५६	३	६१
६	०	व	११	२७	व	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	चं	१६	४०	पु	३७	१६	वि	२६	२०	कौ	१६	४०	२६/१	६/४८	५/१२	२४	१४	१४	कर्के	मकरेऽर्कः५१/५३वक्री.आश्ले२शनिः२।५३
२	मं	७	२८	श्ले	३०	१५	प्री	१५	४३	ग	७	२८	४	४७	१३	२५	१५	१५	सिं३०।१५	भ.३३/१९उ.५९/११या.मकरेऽर्कःसौरः८।२५ ×
३	मं	५१	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×बुधोदयःपूर्वस्यां४०।४०
४	बु	५२	२८	म	२४	३७	आ	६/८	५१/४४	ब	२५	५०	६	४७	१३	२६	१६	१६	सिहे	अश्वि.मेषेभौमः३२।२३चतुर्थीव्र.
५	गु	४७	३६	पू	२०	३४	शो	५०	५८	कौ	२०	२	८	४६	१४	२७	१७	१७	कं.३५।२	भरणी२गुरुः१७।१
६	शु	४४	४०	उ	१८	२६	अ	४५	४५	ग	१६	८	११	४६	१४	२८	१८	१८	कन्यायां	भ.४४।४०उ.
७	शं	४३	५०	ह	१८	१०	सु	४२	१	वि	१४	१५	१३	४५	१५	२९	१९	१९	तु.४९।७	भ.१४।१५या.
८	र	४५	२	चि	२०	५	धृ	३९	५७	बा	१४	२६	१६	४५	१५	३०	२०	२०	तुलायां	
९	चं	४७	५३	स्वा	२३	४१	शू	३९	२९	तै	१६	२७	१९	४४	१६	१	२१	२१	तुलायां	अभि.प्र.रविः२६/१८(सौरः३९/४६.मघा.१राहुः÷
१०	मं	५२	१९	वि	२८	५६	गं	४०	४	व	२०	६	२१	४४	१६	२	२२	२२	बृ.१२।३७	भ.२०/६उ.५२/१९या.मार्गीबुधः२४।१३
११	बु	५७	४२	अ	३५	१२	बृ	४१	२०	ब	२५	०	२४	४३	१७	३	२३	२३	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.
१२	गु	६०	०	ज्ये	४२	२२	ध्रु	५३	२६	कौ	३०	५१	२७	४३	१७	४	२४	२४	ध.४२।२२	श्रवणेरविः४०/५५(सौरः५६/४२)पूभा.शुक्रः३९/२९
१२	शु	४	१	मू	४९	४१	व्या	४५	२५	तै	४	१	२९	४२	१८	५	२५	२५	धनुषि	अभि.नि.रविः३३/१०(सौरः४६/५९)प्रदोषः
१३	श	१०	२९	पू	५७	३२	ह	४७	४६	व	१०	२९	३२	४२	१८	६	२६	२६	धनुषि	भ.१०।२९उ.४३।४१या.
१४	र	१६	५२	उ	६०	०	व	४९	५९	श	१६	५२	३५	४१	१९	७	२७	२७	म.१४।२३	[÷धनि३केतुः०।४०भा.माघारंभः
३०	चं	२३	१७	उ	४	५८	सि	५१	१	ना	२३	१७	३८	४०	२०	८	२८	२८	मकरे	

४१पं.मा.कृ.७श.इ. २१/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	०	१०	३	४	९
४	१	१६	१६	१३	२२	३	४
३४	३३	२७	४५	३८	५५	२५	१९
५९	२९	४३	२२	२	५२	१५	१
६१	३३	२२/२७	२	७१	४/१४	३	६१
३	८	व	३५	२	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

माघकृष्णे१चंद्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

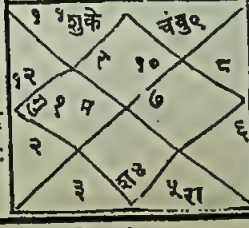

४२पं.मा.कृ.१३श.इ. २१/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	०	१०	३	४	९
११	५	१७	१७	२२	२२	३	११
४२	४२	५२	१०	०	२३	२	२७
२९	५८	३४	३४	१	१३	५९	५२
६०	३४	२९/१२	३	७०	४/३४	३	६१
५९	०	मा	५८	२६	व	११	१३

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२१२४स.२०३६
१	मं	२९	८	श्र	१२	९	व्य	५३	३५	ब	२९	८	२६/४१	६/४०	५/२०	९	२९	२९	कुं.४४।३८	
२	बु	३४	२२	ध	१७	८	व	५४	२७	बा	१	४५	४५	३९	२१	१०	३०	३०	कुम्भे	चंद्रदर्शनम्
३	गु	३८	४६	श	२४	२०	प	५४	३९	तै	६	३४	४८	३८	२२	११	१	३१	कुंभे	जिल्हेज१२
४	शु	४२	२	पू	२९	४	शि	५४	६	व	१०	२४	५१	३८	२२	१२	२	१	मी१२।५३	भ.१०/२४उ.४२/३या.फरवरी२ता.२९
५	श	४४	२०	उ	३२	४७	सि	५२	४७	ब	१३	११	५४	३७	२३	१३	३	२	मीने	मीनेशुक्रः६।५३वसंत५
६	र	४५	१५	रे	३५	२८	सा	५०	२२	कौ	१४	४७	५८	३६	२४	१४	४	३	मे.३५।२८	
७	चं	४४	५०	अ	३६	२९	शु	४६	४६	ग	१५	२	२७/१	३६	२४	१५	५	४	मेषे	भ.४४/५०उ.उभा.शुक्रः५९/२भानु७रथ७
८	मं	४२	५६	भ	३६	११	शु	४१	५५	वि	१३	५३	५	३५	२५	१६	६	५	वृ.५०।४२	भ.१३/५३या.उषा बुधः३६/२६भीष्माष्टमी
९	बु	३९	२१	कृ	३४	१४	ब्र	३५	४१	बा	११	८	८	३४	२६	१७	७	६	वृषे	धनि.रविः४९/१३पातस्पर्शः१८/५२पातमोक्षः४०/२८
१०	गु	३४	२६	रो	३०	५२	ऐं	२८	२६	तै	६	५३	१२	३४	२६	१८	८	७	मि५८।२८	धनि.रवि.सौरः१/३२भरण्यांभौमः५३।५८
११	शु	२७	५९	मृ	२६	४	वै	१९	५४	व	१	१३	१५	३३	२७	१९	९	८	मिथुने	भ.१/१३उ.२७/५९या.मकरेंबुध ०/२७जया११ व्र.
१२	श	२०	१९	आ	२०	६	वि	१०	३१	बा	२०	१९	१९	३२	२८	२०	१०	९	क.५९।५२	प्रदोष.
१३	र	११	४१	पु	१३	७	प्री	०/१७	४९/२१	तै	११	४१	२३	३१	२९	२१	११	१०	कर्के	
१४	चं	२	२१	पु	५/४०	५२/४०	सौ	३८	५४	व	२	२१	२७	३१	२९	२२	१२	११	सिं५८।२०	भ.२/२१उ.२७/३९या.खग्रासचंद्रग्रहणम् H
१५	चं	५०	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Hमा.स्ना.पूर्तिः

४३पं.मा.शु.५श.इ. २१/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	०	११	३	४	९
१८	९	२३	१७	०	२१	२	१८
४९	५६	३८	४४	१७	४९	४०	३६
१	२०	१४	५६	२४	२६	४४	०
६०	३४	५६	५	६९	४/४०	३	६१
५५	२७	३	७	४२	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चना मक्का आदि धान्य रसकस गुड़ सक्कर घृत तेल रुई वारदाना सोने चांदी में मंदी रहे ।

गोचर ग्रहाः

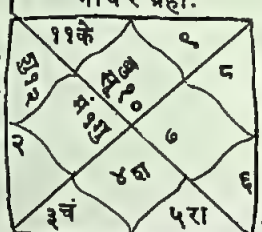

४४पं.मा.शु.१२श.इ. २२/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	०	११	३	४	९
२५	१४	१	१८	८	२१	२	२५
५४	११	३९	२७	२८	१४	१८	४२
५०	३८	७	४३	५९	३५	२८	४७
६०	३५	७३	६	६८	४/४०	३	६०
४७	११	८	१७	५५	व	११	५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहा.
१	मं	४४	५	म	५१	३८	शो	२८	३५	बा	१८	३१	२७/३०	६/३०	५/३०	२३	१३	१२	सिंहे	
२	बु	३६	१७	पू	४६	४	अ	१८	५९	तै	१०	११	३४	२९	३१	२४	१४	१३	सिंहे	कुंभेऽर्कः२४।२९(सौरः३५।३०)
३	गु	२८	५८	उ	४२	५	सु	१०	४४	व	२	३७	३८	२८	३२	२५	१५	१४	कं.०।४	भ.२।३७उ.२८।५८या.चतुर्थीव्र.
४	शु	२४	२३	ह	४०	५२	धृ	३/५३	५४/३९	बा	२४	२३	४१	२८	३२	२६	१६	१५	कन्यायां	श्रवणेबुधः४२।१६
५	श	२२	७	चि	४०	४	गं	५५	१	तै	२२	७	४५	२७	३३	२७	१७	१६	तु.१०।२८	रेवत्यांशुक्रः२९।४८
६	र	२२	१	स्वा	४२	७	वृ	५३	८	व	२२	१	४९	२६	३४	२८	१८	१७	तुलायां	भ.२२।१उ.५२।५७या.पातस्पर्शः४६।३
७	चं	२३	५३	वि	४६	१३	ध्रु	५२	५८	ब	२३	५३	५३	२५	३५	२९	१९	१८	वृ.३०।१३	पातमोक्षः४।३
८	मं	२७	४६	अ	५१	५७	व्या	५३	२०	कौ	२७	४६	५६	२५	३५	३०	२०	१९	वृश्चिके	
९	बु	३२	४८	ज्ये	५८	५०	ह	५५	३	तै	०	१७	२८/०	२४	३६	१	२१	२०	ध.५८।५०	शतेरविः०/४२(सौरः१०/५२)भा.फाल्गुनारंभः
१०	गु	३९	११	मू	६०	०	व	५७	१४	व	५	५९	४	२३	३७	२	२२	२१	धनुषि	भ.५५/५९उ.३९/११या.भरणी३गुरुः२३।१४
११	शु	४५	३०	मू	६	११	सि	५९	३५	व	१२	२१	८	२२	३८	३	२३	२२	धनुषि	विजया११व्र.
१२	श	५२	७	पू	१३	५९	व्य	६०	०	कौ	१८	४८	१२	२२	३८	४	२४	२३	म.३०।५२	
१३	र	५८	१७	उ	२१	३२	व्य	१	५४	ग	२५	१२	१६	२१	३९	५	२५	२४	मकरे	भ.५८।१७उ.धनि.बुधः४१।५४प्रदोषः
१४	चं	६०	०	श्र	२८	३३	व	३	५८	वि	३१	२	२०	२०	४०	६	२६	२५	मकरे	भ.३१/२या.वक्रीआश्ले१शनिः३४।४४ =
१४	मं	३	४८	ध	३४	४०	प	५	२३	श	३	४८	२४	१९	४१	७	२७	२६	कु.१।३६	[=महाशिवरात्रीव्र.
३०	बु	८	२२	श	३९	५१	शि	७	४	ना	८	२२	२८	१८	४२	८	२८	२७	कुंभे	

४५पं.फा.कृ.५श.इ. २२/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	०	११	३	४	१०
२	१८	१०	१९	१६	२०	१	२
५९	२८	५६	१८	३१	४१	५६	४८
४२	३७	३८	२९	२६	१३	१२	५०
६०	३५	८४	७	६८	४/२८	३	६०
३७	४१	५८	१६	१	व	११	४२

गोचर ग्रहाः

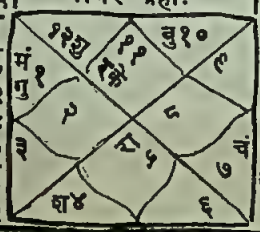

फाल्गुन कृष्णे २ बुध कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ प्रौढा-वस्था(बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४६पं.फा.कृ१२श.इ. २२/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	०	११	३	४	१०
१०	२२	२१	२०	२४	२०	१	९
३	४९	१४	१६	२९	९	३३	५३
१४	१	५६	४८	३१	११	५७	२३
६०	३६	९४	८	६६	४/१०	३	६०
२५	१३	३१	२७	५४	व	११	३१

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण २.१५४ स. २०३६

१	गु	११	४७	पू	४४	१३	सि	६	४	ब	११	४७	२८	१६	४२	९	२९	२८
२	शु	१४	११	उ	४७	२३	सा	५	८	कौ	१४	११	२६	१७	४३	१०	१	२९
३	श	१५	३५	रे	४९	२८	शु	३	२०	ग	१५	३५	४०	१६	४४	११	२	१
४	र	१५	५६	अ	५०	४५	शु	४२	५६	वि	१५	५६	४४	१५	४५	१२	३	२
५	चं	१५	१४	भ	५०	५३	ऐं	५३	२३	बा	१५	१४	४८	१४	४६	१३	४	३
६	मं	१३	२९	कृ	४९	५६	वै	४८	१८	तै	१३	२९	५२	१४	४६	१४	५	४
७	बु	१०	२९	रो	४७	५९	वि	४२	२६	व	१०	२९	५६	१३	४७	१५	६	५
८	गु	६	४३	मृ	४५	२	प्री	३५	४४	ब	६	४३	२९	१२	४८	१६	७	६
९	शु	१	५८	आ	४१	४	आ	२८	१७	कौ	१	५८	५	११	४९	१७	८	७
१०	शु	५२	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	श	४९	२४	पु	३६	५	सौ	१९	४८	व	२१	४६	९	१०	५०	१८	९	८
१२	र	४१	५०	पु	३०	३१	शो	११	१	च	१५	३७	१३	९	५१	१९	१०	९
१३	चं	३३	४७	श्ले	२४	३२	अ	२६	५०	कौ	७	४८	१७	९	५१	२०	११	१०
१४	मं	२५	५२	म	१८	३७	धृ	४२	२२	व	२५	५२	२१	८	५२	२१	१२	११
१५	बु	१८	२४	पू	१२	५९	शू	३३	४१	व	१८	२४	२६	७	५३	२२	१३	१२

चन्द्रः वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.

१	गु	११	५.३	उ	८	२३	गं	२६	१४	कौ	११	५३	३९	६	५४	२३	१४	१३
२	शु	७	४६	ह	५	१७	बृ	१९	५१	ग	७	४६	३४	५	५५	२४	१५	१४
३	श	४	२२	चि	३	५८	ध्रु	१५	३	वि	४	२२	३८	४	५६	२५	१६	१५
४	र	३	७	स्वा	४	३९	व्या	११	४९	बा	३	७	४३	३	५७	२६	१७	१६
५	चं	३	५०	वि	७	११	ह	१०	४०	तै	३	५०	४७	३	५७	२७	१८	१७
६	मं	६	३५	अ	११	३९	व	१०	१३	व	६	३५	५१	२	५८	२८	१९	१८
७	बु	१०	५६	ज्ये	१७	४३	सि	११	२०	ब	१०	५६	५५	१	५९	२९	२०	१९
८	गु	१६	५२	मू	२४	४६	व्य	१३	७	कौ	१६	५२	३०	६	५९	३०	२१	२०
९	शु	२२	५८	पू	३१	४६	व	१५	२६	ग	२२	५८	३४	५	५९	१	२२	२१
१०	श	२९	२०	उ	३९	२२	प	१७	५०	वि	२९	२०	४	८	५८	२	२३	२२
११	र	३५	२५	श्र	४६	३१	शि	१९	५९	ब	४	२२	१२	५८	२	३	२४	२३
१२	चं	४०	५१	ध	५२	५५	सि	२१	३०	कौ	८	८	१६	५७	३	४	२५	२४
१३	मं	४५	१	श	५७	५६	सा	२२	७	ग	१२	५६	२१	५६	४	५	२६	२५
१४	बु	४७	४६	पू	६०	०	शु	२१	४३	वि	१६	२३	२५	५५	५	६	२७	२६
३०	गु	४९	११	पू	१	५३	शु	२०	२२	च	१८	२८	२९	५४	६	७	२८	२७

कन्यायां पातस्पर्शः ५०।४७ वसंते १
तु. ३४।३७ भ. ३६ उ. मीने ऽर्कः ३७ (सौरः २६।०)+
तुलायां म. २४ या. चतुर्थांघ्र. [+पातमोक्षः ३।३४
वृ. ५१।३३ मीने बुधः ३४
वृश्चिके उभा. रविः ३८।४१ (सौरः ४७।३६)
वृश्चिके भ. ६।३५ उ. ३९ या. उभा. बुधः २६।८
धनुषि ध. १७।४३
धनुषि शीतलापूजनम्
म. ४८।४० भ. ५६ उ. रोहि. भौमः ५६ भा. चैत्रारंभः
मकरे भ. २९ या.
मकरे आश्लें ४ कर्के राहुः धनिं २ मकरे केतुः ५६।९ ÷
कुं. १९।४३ कृत्तिशुक्रः ५४।३५ [÷पापमोचनी ११ व्र.
कुंभे भ. ४५।१ उ. रेवत्यां बुधः ७।३५ प्रदोषः
मी ४५।५४ भ. १६।२३ या.
मीने मन्वादिः

४७ पं. फा. शु. ३ श. इ. २२ / ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	०	०	३	४	१०
१७	२७	२	२१	२	१९	१	१६
५	१०	२५	२०	१६	३९	११	५६
२८	१९	५५	५६	५	१८	४१	१९
६०	३६	०	९	६५	३३	३	६०
१२	३२	३०	१४	३०	व.	११	२०

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना रुई कपास गुड़ सक्कर चीनी तेज हो सोना चांदी आदि धातु मंदे हो।

४८ पं. फा. शु. ११ श. इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	०	०	३	४	१०
२४	१	१४	२२	९	१९	०	२३
६	३१	२७	३१	५१	१२	४९	५७
१४	१६	५४	८	११	३६	२६	४२
५९	३६	०	९	६३	३६	३	६०
५८	५२	३०	५६	५२	व	११	६

४९ पं. चै. कृ. ३ श. इ. २३ / २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	०	०	३	४	११
१	५	२७	२३	१७	१८	०	०
५	५३	२७	४६	९	५०	२७	५७
३१	४६	१८	५५	४७	१६	१०	२४
५९	३७	०	१०	६१	४३	३	५९
४१	१	२१	४१	५०	व	११	४९

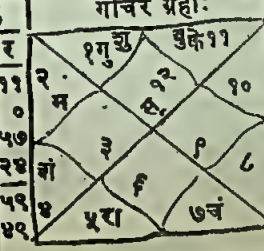

चैत्रकृष्णे २ शुक्रे मीने-ऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न. ४ प्रगल भावस्था (बैठी मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

५० पं. चै. कृ. १० श. इ. २३ / ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	०	०	३	४	११
८	१०	११	२५	२४	१८	०	७
३	१७	११	७	१०	३१	४	५९
१८	६	५६	३४	४१	४८	५४	१९
५९	३७	०	११	५९	१३	३	५९
२९	१५	११	१८	२५	चं	११	३५

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३७, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१३७, भोग्यकलिः४२६८६३, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०९३, शाकः १९५८, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः। मंत्री रविः। सस्येशः बुधः। धान्येशः चंद्रः। मेघेशः शनिः। रसेशः शुक्रः। नीरसेशो बुधः। फलेशःशनिः। धनेशो भौमः।दुर्गेशःशनिः।एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्येऽब्दमविंशतिकायां४ प्रमोदनाम संवत्सरः प्रवर्तते। तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः ३।५।८।६।३६ भोग्यमासादिः ८।२४।५१।५३।२४ विष्णुदैवतं युगं। तत्रवर्षनाम कार्तिकः।मेघनामआवर्तः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे। समयविश्वा १२ समयवाहन दुर्दुरः। स्तंभौ २ अन्नतृणयोः। सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी २ रविदशमी ३ समयमूहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः१७, तिथिवृद्धिः११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा १२६ वर्षाविश्वा७ धान्यम् १३ तृणम् १७, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १२१ शनिदृष्टिर्दक्षिणे । सत्यं ॥ धर्मे १॥ पापं १८ ग्रहण१चंद्रमसः।

श्रावणशु.१५बुधवार को ग्रस्तास्त चन्द्रग्रहण पश्चिम प्रदेशों में होगा। जिसका स्पर्श रेल्वे ६।२४ मोक्ष १०।१७ पर है।

सं. २०९३ माघ शु.१५ शनौ खग्रास चन्द्र ग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	५	६	७	८	९
मि.	४८	५५	२७	०	७
घं.	२८	३१	३२	३३	३६
प.	२२	१०	३१	५२	४०

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

आदि शक्ति सब सृष्टि में तेरी पूजा होय।
तीन नवत्ति की साल का फल समझाद मोय ॥

भवानी उत्तर

भैरव साल तिराणवे निपजें दोनों साख।
धान्य भाव मंदा रहे तेजी चपड़ा लाख ॥
भृगुसुत राजा वर्ष में मंत्री भये दिनेश।
दोनों के है द्वेषता विग्रह होय विशेष ॥
श्रावण अ आषाढ में मघवा करे सहाय।
भादव रविकुजयोग से वर्षा स्वल्प दिखाय ॥
रोहिणीवास समुद्र में स्तंभ लगे हैं दोय।
परमेश्वर के भजनबिन सुख नहि पाया कोय ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्ष लग्नम् ८।२२

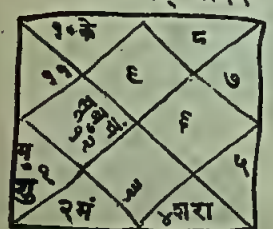

वर्षेश लग्नम् ७।१५

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१४।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२०।४४

यथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः फलम् ॥ शुक्रस्य राज्ये बहुसस्य संकुला सुतीव्र वेगाः सरितोम्बु राशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहु गो प्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ॥ मंत्री रविः फलम् ॥ नृपभयं गदतोपिहि तस्करात् प्रचुर धान्य धनादि महीतले । रसचयं हि समर्घ तमं तदा रविरमात्य पदं हि समागतः ॥ सस्येशः बुधःफलं ॥ जलधरा जलराशि मुचो भृशं सुख समृद्धि युतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः स्तुति पाठकरः सदा प्रथम सस्यपतौ सतिबोधने ॥ धान्येशश्चन्द्रः फलम् ॥ चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषु क्षीरं तदा बहु ॥ मेघेशो शनिः फलम् ॥ रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरल वृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविध रोग रता जनता मता ॥ रसेशः शुक्रः फलम् ॥ यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः । सुख सुभीक्ष सुमोदवती धरा धरणीपाहत पापगण प्रियाः ॥ नीरसेशः बुध· फलम् ॥ चित्र वस्त्रादिकंचैव शंख चन्दन पूर्वकम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ॥ फलेशो शनिः फलम् ॥ यदि शनिः फलपः फलहा भवेत् जनित पुष्प गणस्य द्रुमः सदा । हिम भयं वर तस्कर जन्तुभीर्जनपदो गदराशि महाकुलः ॥ धनेशः भौमः फलम् ॥ असम मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि तापकरस्तुष धान्य हृत् । सहसि मासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोक विधायकः ॥ दुर्गेशो शनिः फलम् ॥ रविसुते गढ़पालिनि विग्रहैः सकलदेश गताश्चलिता जनाः । विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनं शलभैर्मुषितं भुवि ॥ प्रमोदनाम संवत्सरः फलम् ॥ प्रमोदाब्दे प्रमोदन्ते राजानो निखिला जनाः । वीतरोगा वीतभयाईति शत्रु विनाशकाः ॥ वर्षनाम कार्तिकःफलम् ॥ पाप बुद्धिरता लोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यंते राज्य च तस्करैर्हृतम् ॥ मेघनाम आवर्तः फलम् ॥ आवर्ते छिन्न वृष्टि.स्यात् ॥ रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ॥ समुद्रेतु महावृष्टिः ॥ समयनिवासो मालाकार गृहे फलम् ॥ मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ॥ एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०९३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ९ रवौ मघा ल. गो. रे. ६ ।।।।ऽऽअऽऽऽ
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, ११ भौमे उफा ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।ऽनृऽ।।।

,, ११ भौमे हस्ते ल. १२ (चं.७पू.) रे.७ऽऽ।।।ऽनृ।।।।

,, १२ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।

आषाढ मासः

कृष्णा ८ भौमे उभा ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः)
ल. १ रे. ६ ऽ।।।।ऽअऽऽऽ।।

,, ९ बुधे रेव. ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः)
ल. १ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

शुक्ला ४ शुक्रे मघा ल. १-२ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

,, ६ रवौ उफा ल. २ रे. ७ ।ऽ।।।ऽऽ।।

,, ९ बुधे स्वात्यां ल. १ (चं.७पू.) गो.
(भौमाष्टम महादोषः) रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ३ गुरौ मूले ल. ६ (व्ययेऽर्की) रे.७ ।।।।ऽऽनृऽ।।।

,, ९ गुरौ उभा ल. ६ (घ.५०-५८उ) (चं.७पू.)
रे. ६ ।।।।ऽअऽऽऽ दग्धा

,, १० शुक्रे उभा ल.गो.६ (चं.७पू.) रे.७ ।।।।।।ऽऽ।ऽदग्धा

,, १५ बुधे रोहि ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽरो५३याऽऽ।।

माघ मासः

शुक्ला ५ बुध उभा ल. ६ (चं.७पू.) रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

,, ६ गुरौ उभा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे. ८
।।।।।ऽरोऽ।।।

,, ६ गुरौ रेव ल. ६ (घ.३६-५७उ) (चं.७पू.)
रे. ८ ।।।।।ऽरोऽ।।

,, ७ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ल. ६
(घ३९-५५या) रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

,, चन्द्रे रोहि ल. ८ (घ५१-१३उ) चं.गु.पूज्यौ रे. ८
।।।।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ भौमे उफा ल. गो. (सोग्रांगः) ल.८ (गु.पू.)
रे.८ ।।।।।ऽअ।ऽ।।

,, ५ बुध हस्त ल. गो. (सोग्रांगः) रे.८ ।।।।।।ऽऽ।।

,, ७ शुक्रे स्वात्यां ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ल. ६
रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः २१८३स.२०३६
१	शु	४९	१४	उ	४	२०	ब्र	१७	५६	किं	१९	१३	३०/३३	५/३	६	८	२९	२८	मीने	वृषेशुक्रः ३/४ संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	श	४८	९	रे	५	४४	ऐं	१४	३४	बा	१८	४१	३७	५३	७	९	३०	२९	मे.५।४४	चन्द्रदर्शनम् सिंघारा [–गणगौरी
३	र	४६	११	अ	५	५७	वै	१०	२०	तै	१७	१०	४१	५२	८	१०	१	३०	मेषे	कृत्ति.१गुरुः ४/३ सफर२ मत्स्यजयंती–
४	चं	४३	१४	भ	५	२२	वि	५/१७	५४/२७	व	१४	४२	४५	५१	९	११	२	३१	वृ.२०।०	भ.१/४उ.४/१या.रेवत्यांरविः ६/१९=
५	मं	३९	४४	कृ	३	५१	आ	५४	७	ब	११	२९	४९	५०	१०	१२	३	१	वृषे	बुधोदयःपश्चिमायां १ अप्रेल४त.३०
६	बु	३५	४७	रो	३/४	५७/२७	सौ	४७	४६	कौ	७	४५	५३	४९	११	१३	४	२	मि३०।४५	[=(सौर:१/३)अश्वि.मेषेबुध.४/४९
७	गु	३०	१७	आ	५६	३३	शो	४१	३	ग	३	२	५७	४९	११	१४	५	३	मिथुने	भ.३०।१७उ.५८।२१या.
८	शु	२६	२४	पु	५३	१०	अ	३४	२	ब	२६	२४	३१/१	४८	१२	१५	६	४	क.३९।१	
९	श	२१	७	पु	४९	२५	सु	२६	३५	कौ	२१	७	५	४७	१३	१६	७	५	कर्के	रामनवमी
१०	र	१५	१५	श्ले	४५	१०	धृ	१८	५८	ग	१५	१५	१०	४६	१४	१७	८	६	सिं४५।१०	भ.४२।१३उ.
११	चं	९	११	म	४०	५७	शू	११	१०	वि	९	११	१४	४५	१५	१८	९	७	सिंहे	भ.९।११या. कामदा११व्र.
१२	मं	२	५६	पू	३६	४३	गं	३/२६	५३/२४	बा	२	५६	१८	४४	१६	१९	१०	८	कं.५०।४८	भरण्यांबुधः१३।५४ प्रदोषः
१३	मं	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	बु	५१	३४	उ	३३	२	ध्रु	४८	५६	ग	२४	१५	२२	४४	१६	२०	११	९	कन्यायां	भ.५१।३४उ.रोहि.शुक्रः७।४८
१५	गु	४६	५८	ह	३०	४	व्या	४२	४१	वि	१९	१६	२६	४३	१७	२१	१२	१०	तु.५९।१३	भ.१९।१६या. हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.२श.इ. २/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१	०	१	३	३	११
१४	१४	२५	२६	०	१८	३२	१४
५९	३९	२३	३१	४७	१८	४२	५१
१०	५४	५३	५५	६	१८	२९	३१
५९	३७	५/७	११	५४	५/१	३	५९
१६	२१	३७	५६	५५	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

इसमासमेंशनिवारका चन्द्रदर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत लाल वस्तुओं में अच्छी तेजी करे कहीं२ थोडी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.शु.९श.इ. २/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	०	०	१	३	३	११
२१	१९	८	२७	६	१८	२९	२१
५३	३	२७	५९	५४	१०	२०	४५
३१	१४	४३	४९	७	८	२३	४२
५९	३७	०/७	१२	५१	०/४४	३	५९
४	३४	३/१	२०	५	व.	११	४

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८											वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततुं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु	४३	४६	चि	२८	२२	ह	३७	३८	बा	१५	२२	३१/१	५/४२	६/१७	२२	१३	११	तुलायां	
२	श	४२	९	स्वा	२८	१७	व	३३	४७	तै	१२	५७	३४	४१	१९	२३	१४	१२	तुलायां	मृगेभौमः १५।११
३	र	४२	१४	वि	३०	१४	वि	३१	४१	व	१२	११	३८	४०	२०	२४	१५	१३	वृ.१४।४५	भ.१/१उ.४/१या.अश्वि.मेषेऽर्कः ४/७×
४	चं	४४	२२	अ	३३	३५	ज्ये	३०	४१	ब	१३	१८	४२	४०	२०	२५	१६	१४	वृश्चिके	कृत्ति.२वृषेगुरुः ४/८ चतुर्थीव्र.
५	मं	४७	५९	ज्ये	३८	३७	व	३०	४०	कौ	१६	१०	४६	३९	२१	२६	१७	१५	ध.३८।३७	[×(सौर:४/७)मार्गीशनिः २२/०
६	बु	५३	११	मू	४५	२	प	३२	१०	ग	२०	३५	५०	३८	२२	२७	१८	१६	धनुषि	भ.५३।११उ.
७	गु	५९	२	पू	५२	११	शि	३४	११	वि	२६	६	५३	३७	२३	२८	१९	१७	धनुषि	भ.२६।६या.
८	शु	६०	०	उ	५९	४५	सि	३६	३६	बा	३२	४०	५७	३७	२३	२९	२०	१८	म.९।४	
८	श	५	१८	श्र	६०	०	सा	३८	५५	कौ	५	१८	३२/१	३६	२४	३०	२१	१९	मकरे	
९	र	११	३१	श्र	७	५	शु	४०	५५	ग	११	३१	५	३५	२५	३१	२२	२०	कुं.४०।२८	भ.४४।११उ.
१०	चं	१६	५२	ध	१३	५२	शु	४१	५१	वि	१६	५२	९	३४	२६	१	२३	२१	कुंभे	भ.१६।५२या. भा.वैशाखारंभः
११	मं	२१	२	श	१९	८	ब्र	४१	४७	बा	२१	२	१२	३४	२६	२	२४	२२	कुंभे	मिथुनेभौमः ५५।३३ वरुथिनी११व्र.
१२	बु	२३	३४	पू	२३	१०	ऐं	४०	२९	तै	२३	३४	१६	३३	२७	३	२५	२३	मी७।१०	वक्रीबुधः४१।२४ प्रदोषः
१३	गु	२४	३८	उ	२५	२६	वै	३७	४९	व	२४	३८	२०	३२	२८	४	२६	२४	मीने	भ.२४।३८उ.५४।११या.
१४	शु	२३	४५	रे	२६	५	वि	३३	५७	श	२३	४५	२३	३१	२९	५	२७	२५	मे.२६।५	बुधास्तःपश्चिमायां २५।४९
३०	श	२१	२५	अ	२५	१७	प्री	२८	५५	ना	२१	२५	२७	३१	२९	६	२८	२६	मेषे	

१पं.वै.कृ.३र.इ. ४/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	०	१	३	३	११
०२४	१९	२९	१३	१८	२८	२९	
०	१३	३४	४५	१७	६	५४	५१
०	३०	१९	२५	२०	७	१५	५७
५८	३७	६२	१२	४४	३	३	५८
४४	४४	३८	४८	१२	मा	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे ३ रवौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

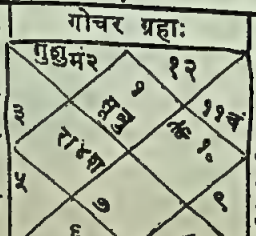

२पं.वै.कृ.९र.इ. ४/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	१	१	३	३	०
६	२८	२४	१	१७	१८	२८	६
५०	३६	०	१८	४४	९	३२	४२
४६	५४	२५	५८	२८	२२	०	८
५८	३६	१२	१३	३५	०	३	५८
३१	५६	५६	८	५३	५३	११	२९

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२२१३स.२०३६
१	र	१७	५५	भ	२३	२४	आ	२४	५	ब	१७	५५	३२/३१	५/३०	६/३०	७	२९	२७	वृ.३७।३९	भरण्यांरवि:२०/२७(सौर:३०/२)चन्द्रदर्शनम्
२	चं	१३	२३	कृ	२०	२३	सौ	१६	२९	कौ	१३	२३	३४	२९	३१	८	१	२८	वृषे	रविलावल३ परशुरामजयंती
३	मं	८	८	रो	१७	५	शो	९	१९	ग	८	८	३८	२८	३२	९	२	२९	मि४५।१४	भ.३५/२२उ.कृत्ति.३गुरु:४१/५२अक्षया३
४	बु	२	३६	मृ	१३	२३	अ	२/४	५२/५४	वि	२	३६	४१	२८	३२	१०	३	३०	मिथुने	भ.२।३६या.
५	बु	५४	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	गु	५१	३३	आ	९	४७	धृ	४७	४६	कौ	२४	१७	४५	२७	३३	११	४	१	क.५२।४	मई५ता.३१
७	शु	४६	१३	पु	६	१०	शू	४०	३४	ग	१८	५३	४८	२६	३४	१२	५	२	कर्के	भ.४६।१३उ.
८	श	४०	५१	पु	२/४३	५६/४४	गं	३३	३७	वि	१३	३२	५२	२६	३४	१३	६	३	सिं५९।२७	भ.१३/३२या.आर्द्रा.भौम:३३/५पातस्पर्श:१५/११=
९	र	३५	५२	म	५६	२९	वृ	२६	५०	बा	८	२१	५५	२५	३५	१४	७	४	सिंहे	[=पातमोक्ष:३६/३३
१०	चं	३१	८	पू	५३	५४	ध्रु	२०	१९	तै	३	३०	५८	२४	३६	१५	८	५	सिंहे	भ.५८।५८उ.
११	मं	२६	४९	उ	५१	४३	व्या	१४	१३	वि	२६	४९	३३/२	२४	३६	१६	९	६	कं.८।२१	भ.२६।४९या. मोहिनी११व्र.
१२	बु	२२	५७	ह	५०	१३	ह	८	३८	बा	२२	५७	५	२३	३७	१७	१०	७	कन्यायां	प्रदोष:
१३	गु	१९	५३	चि	४९	२६	व	३/२५	५५/४३	तै	१९	५३	८	२२	३८	१८	११	८	तु.१९।५०	नृसिंहजयंती
१४	शु	१७	४६	स्वा	५०	१	व्य	५५	४४	व	१७	४६	११	२२	३८	१९	१२	९	तुलायां	भ.१७/४६उ.४७/१९यावक्रीशुक्र:२२/५५
१५	श	१६	५२	वि	५१	४३	व	५३	२८	ब	१६	५२	१४	२१	३९	२०	१३	१०	वृ.३६।१७	यमायकुंभदानम्

३पं.वै.शु.१र.इ. ४०/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१	१	३	३	०
१३	३	२३	२	२१	१८	२८	१३
३९	०	३०	५३	४	१८	९	३०
५०	१८	०	६	२६	०	४४	३३
५८	३८	२६/३	१३	२५	१	३	५८
१९	८	व.	२०	८	३२	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथि वृद्धि शुक्ल पक्षकीतिथिक्षयधान्य गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ वस्त्र गुड़शक्कर धातु में तेजी करेगी

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.शु.९र.इ. ४१/२

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१	१	३	३	०
२०	७	१९	४	२२	१८	२७	२०
२७	२३	४६	३१	५६	३१	४७	१७
२९	१७	४८	१	३८	८	२८	२०
५८	३८	३६/२१	१३	११	२	३	५७
६	१३	व.	२८	८	१२	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	र	१७	१७	अ	५४	५१	प	५२	३०	कौ	१७	१७	३३/१७	५/२१	६/३९	२१	१४	११	वृश्चिके	कृत्ति.रवि:६।२६(सौर.१७।५४)
२	चं	१९	२६	ज्ये	५९	२२	शि	५२	११	ग	१९	२६	२०	२०	४०	२२	१५	१२	ध.५९।२२	भ.५१।५उ.
३	मं	२२	४३	मू	६०	०	सि	५३	१४	वि	२२	४३	२३	१९	४१	२३	१६	१३	धनुषि	भ.२२/४३या.बुधोदय:पूर्वस्यां३/२ चतुर्थीव्र.
४	बु	२७	४०	मू	५	२०	सा	५४	४४	बा	२७	४०	२६	१९	४१	२४	१७	१४	धनुषि	वृषेऽर्क:३३/४१ सौर:४५/४७,कृत्ति.४गुरु:०/१८—
५	गु	३३	१६	पू	१२	११	शु	५७	०	कौ	०	२८	२८	१८	४२	२५	१८	१५	म.२९।४	[—अस्तंगुरो:२५/१८
६	शु	३९	१७	उ	१९	४३	शु	५९	२८	ग	६	१६	३१	१८	४२	२६	१९	१६	मकरे	भ.३९।१७उ.
७	श	४५	३४	श्र	२७	१७	ब्र	६०	०	वि	१२	२५	३४	१७	४३	२७	२०	१७	मकरे	भ.१२।२५या.
८	र	५१	१९	ध	३४	३५	ब्र	१	५२	बा	१८	२६	३७	१७	४३	२८	२१	१८	कुं.१।१	
९	चं	५५	५५	श	४०	३९	ऐं	३	३८	तै	२३	३७	३९	१६	४४	२९	२२	१९	कुंभे	मार्गीबुध:२१।६
१०	मं	५८	४९	पू	४५	२१	वै	४	१६	व	२७	२२	४२	१६	४४	३०	२३	२०	मी२९।१०	भ.२७।२२उ.५८।४९या.
११	बु	६०	०	उ	४८	२५	वि	३	३७	ब	२९	२७	४४	१५	४५	३१	२४	२१	मीने	अपरा११व्र.स्मा.
११	गु	०	५	रे	४९	३८	प्री	१/४७	५६/३२	बा	०	५	४७	१५	४५	१	२५	२२	मे.४९।३८	अपरा११व्र.वै./भा.ज्येष्ठारंभ:
१२	गु	५९	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×१केतु:५४/४१वटपूजनम्
१३	शु	५६	४९	अ	४८	५५	सौ	५३	२१	ग	२८	८	४९	१४	४६	२	२६	२३	मेषे	भ.५६।४९उ. प्रदोष:
१४	श	५२	२५	भ	४६	२८	शो	४६	५८	वि	२४	३७	५२	१४	४६	३	२७	२४	मेषे	भ.३४/३७या.रोहि.रवि:५७/४पुन.भौम:५२/४३
३०	र	४६	४१	कृ	४२	३८	अ	३९	३५	च	१९	३३	५४	१३	४७	४	२८	२५	वृ.०।३०	रोहि.रवि:सौर:१९/४९आश्ले.३राहु:धनि.×

५पं.ज्ये.कृ.१र.इ. ४१/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१	१	३	३	०
२७	११	१६	६	२२	१८	२७	२७
१३	४५	९	८	५८	५०	२५	२
३७	५८	०	३८	५२	१०	१३	३४
५७	३८	२६/४३	१३	५/२८	२	३	५७
५४	२६	व.	३२	व.	५१	११	४५

६पं.ज्ये.कृ.८र.इ. ४१/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	१	१	३	३	१
३	१६	१५	७	२१	९	२७	३
५८	८	०	३९	८	१३	२	४६
४४	३५	३६	५८	३५	२३	५७	१९
५७	३८	२/४५	१३	२२/११	३	३	५७
४४	२६	व.	३८	व.	३२	११	३४

७पं.ज्ये.कृ.३०र.इ. ४१/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	१	१	३	३	१
१०	२०	१७	९	१७	१९	२६	१०
४२	३१	१५	२५	३७	४१	४०	२८
४०	२३	१४	४४	५	६	४२	३०
५७	३८	२६/२०	१३	३४/११	४	३	५७
३५	३७	मा	३८	व.	९	११	२३

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २२४२स.२०३६

१	चं	३९	४३	रो	३७	४९	सु	३१	१९	किं	१३	१२	३३ ५६	६	४७	५	२९	२६	वृषे	
२	मं	३२	२१	मृ	३२	२९	धृ	२२	५०	बा	६	२	५८	१२	४८	६	३०	२७	मि५.९	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	२४	५३	आ	२७	७	शू	१३	१९	ग	२४	५३	३४	१२	४८	७	१	२८	मिथुने	भ.५१ उ.रोहि.१गुरुः १२ शुक्रास्तः-
४	गु	१७	३९	पु	२१	४७	गं	८	४८	वि	१७	३९	२	१२	४८	८	२	२९	क.८.७	भ.१९ या.आश्ले.२शनिः ५६
५	शु	१०	४८	पु	१७	२	धृ	४९	२२	बा	१०	४८	३	११	४९	९	३	३०	कर्के	[-पश्चिमायां ३१ १८ रविलाखर४
६	श	४	३१	श्ले	१३	२	व्या	४२	५	तै	४	३१	५	११	४९	१०	४	३१	सिं१३.२	भ.५९।५उ.
७	श	५४	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	र	५४	३१	म	९	४७	ह	३५	४२	वि	२६	४८	७	११	४९	११	५	१	सिंहे	भ.२६।४८या.जून६ता.३०
९	चं	५०	४९	पू	७	२३	व	२९	५८	बा	२२	४०	९	१०	५०	१२	६	२	कं.२२.२	[=१७ २४ गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
१०	मं	४८	८	उ	५	५९	सि	२४	५९	तै	१९	२८	१०	१०	५०	१३	७	३	कन्यायां	गंगादशमी
११	बु	४६	२२	ह	५	२५	व्य	२०	५४	व	१७	१५	१२	१०	५०	१४	८	४	तु.३५।३५	भ.१५ उ.४६ या.निर्जला ११व्र.
१२	गु	४५	३४	चि	५	४४	व	१७	३३	ब	१५	५८	१३	९	५१	१५	९	५	तुलायां	कृत्ति.बुधः ४३ शुक्रोदयः पूर्वस्यां ३२
१३	शु	४५	५५	स्वा	७	१३	प	१५	४	कौ	१५	४४	१५	९	५१	१६	१०	६	वृ.५३।५३	प्रदोषः [×वक्रीकृत्ति.शुक्रः ३७
१४	श	४७	१३	वि	९	३९	शि	१३	१६	ग	१६	३४	१६	९	५१	१७	११	७	वृश्चिके	भ.१९ उ.मृगरविः ५१ वृषेबुधः ४ १५×
१५	र	४९	५६	अ	१३	२३	सि	१२	५१	वि	१८	३४	१७	९	५१	१८	१२	८	वृश्चिके	भ.१३ या.मृगेरविः सौरः १९ उदयंगुरोः=

८पं.ज्ये.शु.८र.इ. ४१ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	१	१	३	३	१
१७	२४	२२	११	१३	२०	२६	१७
२५	५४	५०	४	१६	१२	१८	९
२६	४	३८	२३	८	५८	२६	२६
५७	३८	५७	१३	३५	४	३	५७
२७	३३	०	३८	व.	४२	११	१३

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ कृष्णे ४ बुधे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ गतालकावस्था (ऊर्ध्वा) मु.३० घान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.शु.१५र.इ. ४१ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१	१	३	३	१
२४	२९	१	१२	९	२०	२५	२३
७	१६	२१	४२	२७	४८	५६	४९
३०	५२	२९	४	५४	२२	१०	३२
५७	३८	८	३	३५	५	३	५७
२२	३१	३२	३२	व.	२	११	५

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	चं	५३	४०	ज्ये	१८	१२	सा	१२	४६	बा	२१	४८	३४ १८	६	५२	१९	१३	९	व.१८।१२	कर्के भौम.४८।४७
२	मं	५८	४१	मू	२४	३५	शु	१४	३८	तै	२६	१०	१९	८	५२	२०	१४	१०	धनुषि	
३	बु	६०	०	पू	३०	३७	शु	१५	३६	व	३१	२४	१९	८	५२	२१	१५	११	म.४७।२६	भ.३१।२४उ.रोहि.२गुरुः २९।४६
३	गु	४	७	उ	३७	५२	ब्र	१७	४७	वि	४	७	२०	८	५२	२२	१६	१२	मकरे	
४	शु	१०	८	श्र	४५	३०	ऐं	२०	१९	बा	१०	८	२१	८	५२	२३	१७	१३	मकरे	भ.४।७या. चतुर्थी व्र.
५	श	१६	२३	ध	५३	११	वै	२२	३२	तै	१६	२३	२१	८	५२	२४	१८	१४	कुं.१९।२१	
६	र	२२	२३	श	६०	०	वि	२४	४३	व	२२	२३	२२	८	५२	२५	१९	१५	कुम्भे	मिथुनेऽर्कः ५०।३०रोहि.बुधः २३।१८
७	चं	२७	३०	श	०	८	प्री	२६	१८	ब	२७	३०	२२	८	५२	२६	२०	१६	मी४९।२८	भ.२३ उ.५९ या.मिथुनेऽर्कः सौरः १७+
८	मं	३१	२१	पू	५	५५	आ	२६	५०	कौ	३१	२१	२३	७	५३	२७	२१	१७	मीने	[+पुष्येभौमः ५५ ४६
९	बु	३३	३३	उ	१०	२२	सौ	२६	२	तै	२	२७	२३	७	५३	२८	२२	१८	मीने	
१०	गु	३३	४३	रे	१२	४७	शो	२३	४४	व	३	३८	२३	७	५३	२९	२३	१९	मे.१२।४७	भ.३।३८उ.३३।४३या.मार्गीशुक्र.५३।९
११	शु	३१	५२	अ	१३	२६	अ	१९	५४	ब	२	४७	२४	७	५३	३०	२४	२०	मेषे	योगिनी ११व्र.
१२	श	२७	५९	भ	११	४९	सु	१४	२६	तै	२७	५९	२४	७	५३	३१	२५	२१	वृ.२६।०	आर्द्रा.रविः ४९ बुधास्तः पूर्वस्यां ३१ प्रदोषः
१३	र	२२	१४	कृ	८	३१	धृ	१७ ३२	५५	व	२२	१४	२४	७	५३	१	२६	२२	वृषे	भ.१४ उ.४८ या.आर्द्रारविः सौरः १३÷
१४	चं	१४	४१	रो	३	२७	गं	४९	३८	श	१४	४१	२४	७	५३	२	२७	२३	मि३०।२३	[÷मृगेबुधः ३१ भा.आषाढारंभः
३०	मं	६	२२	आ	५०	३०	बृ	३९	५१	ना	६	२२	२४	७	५३	३	२८	२४	मिथुने	मिथुनेबुधः ५५।१४

१०पं आ.कृ.६र.इ. ४१ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	१	३	३	२
०	३	१२	१४	७	२१	२५	०
४८	३९	१९	१८	८	२७	३३	२८
४७	११	८	३६	४२	१८	५५	४१
५७	३८	८	१३	१०	५	३	५६
१७	३७	४०	२६	व.	३२	११	५७

गोचर ग्रहाः

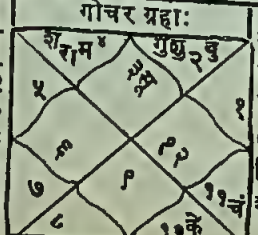

आषाढ कृष्णे ५ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा ४ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

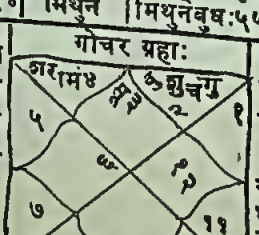

११पं.आ.कृ.१३र.इ. ४१ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	१	३	३	२
७	८	२३	१५	६	२२	२५	७
२९	१	२४	५३	४४	९	११	७
४२	३०	२९	५६	३८	०	३९	८
५७	३८	८	१३	१०	५	३	५६
१३	४४	३०	१५	मा	५६	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८												वि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२२७२स.२०३६
१	मं	५०	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	४८	१०	पु	४३	२३	ध्रु	२९	४६	बा	२२	४२	३४/२३	५/७	६/५३	४	२९	२५	क.३०।१०	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	गु	३९	२२	पु	३६	३८	व्या	१९	४२	तै	१३	४६	२३	७	५३	५	१	२६	कर्के	रोहि.३गुरु:१०।७जमादिलावल५
४	शु	३१	१६	श्ले	३०	३७	ह	१०	६	व	५	१९	२२	८	५२	६	२	२७	सिं३०।३७	भ.५।१९उ.३१।१६या.
५	श	२४	५	म	२५	४४	व	१/१४	५२/३१	बा	२४	५	२२	८	५२	७	३	२८	सिंहे	आर्द्रा.बुध:२।३
६	र	१८	२१	पू	२१	५७	व्य	४६	५६	तै	१८	२१	२१	८	५२	८	४	२९	क.३६।२३	
७	चं	१३	५७	उ	१९	४०	व	४१	२१	व	१३	५७	२०	८	५२	९	५	३०	कन्यायां	भ.१३।५७उ.४२।३१या.
८	मं	११	४	ह	१८	४१	प	३७	२०	ब	११	४	१९	८	५२	१०	६	१	तु.४८।५७	जुलाई७ता.३१
९	बु	९	३६	चि	१९	१४	शि	३४	१	कौ	९	३६	१८	८	५२	११	७	२	तुलायां	
१०	गु	९	३७	स्वा	२१	१४	सि	३१	५७	ग	९	३७	१७	९	५१	१२	८	३	तुलायां	भ.४०/१५उ.पुन.बुध:५९/५२आश्ले.३शनि:२९/५८
११	शु	१०	५४	वि	२४	३३	सा	३०	४९	वि	१०	५४	१६	९	५१	१३	९	४	वृ.८।४३	भ.१०/५४या.रोहि.शुक्र:५१/२७ देवशयनी११ब्र.
१२	श	१३	५	अ	२८	५२	शु	३१	०	बा	१३	५	१५	९	५१	१४	१०	५	वृश्चिके	पुन.रवि:४८।५ प्रदोष:
१३	र	१६	४७	ज्ये	३४	१७	शु	३१	१८	तै	१६	४७	१४	९	५१	१५	११	६	ध.३४।१७	पुन.रवि:सौर:१७/३आश्ले.भौम:२९/३५
१४	चं	२१	२	मू	४०	२२	व	३२	३१	व	२१	२	१३	९	५१	१६	१२	७	धनुषि	भ.२१।२उ.५३।४५या. वायुपरीक्षा
१५	मं	२६	२९	पू	४७	३	ऐं	३४	१७	ब	२६	२९	११	१०	५०	१७	१३	८	धनुषि	कर्केबुध:५२।१५ व्यासपूजा गुरु१५

१२पं.आ.शु.६र.इ. ४१/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१	१	३	३	२
१४	१२	१०	१७	८	२२	२४	१३
१०	२४	११	२७	६	५३	४९	४५
८	२९	६	५४	५०	४२	२४	१३
५७	३८	१२/२६	१२	२१	६	३	५६
७	४४		५७	१२	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मासमें चांदी रुई स्वर्ण सण तिल शुक्ल पक्ष में मंदे हों घृतगुड शक्कर धान्य गेहूं जौ चावलमक्कावारदाना तेज रहे वर्षाअच्छीहो

गोचर ग्रहाः

१३पं.आ.शु.१३र.इ. ४१/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१	१	३	३	२
२०	१६	२५	१८	११	२३	२४	२०
५०	४७	२५	५९	०	४०	२७	२३
३५	३५	५५	३५	७	५२	८	७
५७	३८	१२/३८	१२	३२	६	३	५६
७	४०		३२	४९	३२	११	५०

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेति महा.
१	बु	३२	१	उ	५५	२३	वै	३६	३३	कौ	३२	१	३४/१०	५/१०	६/५०	१८	१४	९	म.४।८	
२	गु	३८	५	श्र	६०	०	वि	३८	५३	तै	५	३	८	१०	५०	१९	१५	१०	मकरे	पुष्येबुध:२८।३७
३	शु	४४	१८	श्र	१	४७	प्री	४१	२४	व	११	११	७	११	४९	२०	१६	११	कुं.३५।३४	भ.११/११उ.४४/१८या.रोहि.४गुरु:२३/२९
४	श	५०	१३	ध	९	२०	आ	४३	५१	ब	१७	१५	५	११	४९	२१	१७	१२	कुम्भे	चतुर्थीब्र.
५	र	५५	३२	श	१६	२९	सौ	४५	४३	कौ	२२	५२	३	११	४९	२२	१८	१३	कुम्भे	नाग५मरुस्थले
६	चं	५९	५४	पू	२२	५२	शो	४६	४९	ग	२७	४३	१	१२	४८	२३	१९	१४	मी६।१६	भ.५९/५४उ.बुधोदय:पश्चिमायां२८/५१
७	मं	६०	०	उ	२८	२७	अ	४७	८	वि	३१	२५	३३/५९	१२	४८	२४	२०	१५	मीने	भ.३१।२५या.
७	बु	२	५६	रे	३२	१९	सु	४६	१९	ब	२	५६	५७	१३	४७	२५	२१	१६	मे.३२।१९	कर्केऽर्क:१७।४१(सौर:४९।४६)
८	गु	४	१८	अ	३४	३९	धृ	४३	५८	कौ	४	१८	५५	१३	४७	२६	२२	१७	मेषे	आश्लेबुध:२३।८
९	शु	३	४६	भ	३४	५६	शू	४०	२	ग	३	४६	५२	१४	४६	२७	२३	१८	वृ.४९।३४	भ.३०।३१उ.
१०/११	श	१/५५	१६/३७	कृ	३३	२८	गं	३४	२९	वि	१	१६	५०	१४	४६	२८	२४	१९	वृषे	भ.१/१६या.पुष्येरवि:४७/५९ कामिका११स्मा.
१२	र	५०	२०	रो	२९	४३	वृ	२७	२५	कौ	२३	३६	४८	१४	४६	२९	२५	२०	मि५७।३	पुष्येरवि:सौर:२०।२७ कामिका११ब्र.वै.
१३	चं	४२	२६	मृ	२४	२३	ध्रु	१८	५६	ग	१६	२३	४५	१५	४५	३०	२६	२१	मिथुने	भ.४२।२६उ. प्रदोष:
१४	मं	३३	१७	आ	१७	३७	व्या	९/१८	४९/३४	वि	७	५१	४३	१५	४५	३१	२७	२२	क.५६।५९	भ.७।५१या.
३०	बु	२३	३२	पु	१०	६	व	४८	७	ना	२३	३२	४०	१६	४४	१	२८	२३	कर्के	भा.श्रावणारंभः हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.५र.इ. ४०/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	१	१	३	३	२
२७	२१	९	२०	१५	२४	२४	२७
३०	१०	४१	२८	२	२९	४	१
५४	४८	५३	५	२८	४२	५२	१४
५७	३८	१२/५८	१२	४१	६	३	५६
१२	४७		१४	३४	५६	११	५४

गोचर ग्रहाः

श्रावण कृष्णे ७ बुधे कर्केऽर्क प्रविष्ट:वा.५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदय:पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

१५पं.श्रा.कृ.१२र.इ. ४१/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	१	३	३	३
४	२५	२२	२१	२०	२५	२३	३
११	३४	२९	५४	०	२०	४२	३९
३८	४१	५६	७	५०	३१	३७	५१
५७	३८	१२/४	११	४८	७	३	५६
१५	४७		५०	१७	२	११	५९

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८	वि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३०१ सन् २०३६
१	गु १३ २८ पु ३ २३ ५२	सि ३७	२०	ब	१३	२८	३३ ३२	५ १६	६ ४४	२	२९	२४	सिं५४।४३	मृगेशुक्रः ४ ३५ चन्द्रदर्शनम् सिंघारा
२	शु ३ ५१ ३६ म ४७ ४३	व्य	२६	५२	कौ	३	३८	२५	१७	४३	३	१	२५	सिंहें	मघा.सिंहेबुधः १ १७ जमादिलाखर६तीज
३	श ४७ १० पू ४१ ५०	व	१७	८	व	२०	५७	३३	१७	४३	४	२	२६	कं.५५।४७	भ.२०।५७उ.४७।१०या.वरद४
४	र ४१ ४ उ ३७ ३८	प	८	२५	ब	१४	७	३०	१८	४२	५	३	२७	कन्यायां	मघा.सिंहेभौमः४३।१४आश्ले.२राहुः-
५	चं ३६ ४९ ह ३४ ५६	शि	१ ३३	५४ २५	कौ	८	५६	२७	१९	४१	६	४	२८	कन्यायां	मृग१गुरुः०।५४अस्तंशनेः१०।१३
७	मं ३४ २३ चि ३४ ११	सा	५१	३५	ग	५	३६	२४	१९	४१	७	५	२९	तु.४।३४	भ.३४।२३उ. [-श्रवण४केतुः ४ ३३
८	बु ३३ ५८ स्वा ३५ २९	शु	४८	५९	वि	४	१०	२२	२०	४०	८	६	३०	तुलायां	भ.४।१०या.
९	गु ३५ १६ वि ३८ २९	शु	४७	३३	बा	४	३७	१९	२०	४०	९	७	३१	वृ.२२।४४	आश्ले.४शनिः१३।९
१०	शु ३७ ५६ अ ४२ ५४	ब्र	४७	३४	तै	६	३६	१६	२१	३९	१०	८	१	वृश्चिके	मिथुनेशुक्रः४२।२६ अगस्तःता.३१
११	श ४२ १० ज्ये ४८ २२	ऐं	४८	२६	व	१०	३	१३	२१	३९	११	९	२	ध.४८।२२	भ १ ३ उ.१ ३० या.आश्ले.रविः ४ ४ पवित्रा११
१२	र ४७ ५ मू ५४ ५३	वै	४९	५०	ब	१४	३७	१०	२२	३८	१२	१०	३	धनुषि	आश्ले.रविःसौरः २ १ १४ पूफा.बुधः २५=
१३	चं ५२ ५९ पू ६० ०	वि	५२	२	कौ	२०	२	७	२३	३७	१३	११	४	धनुषि	प्रदोषः [=अस्तोभौम.३ १५
१४	मं ५८ ५३ पू २ ४	प्री	५४	६	ग	२५	५६	४	२३	३७	१४	१२	५	म.१८।५१	भ.५८।५३उ.
१५	बु ६० ० उ ९ १३	आ	५६	३५	वि	३१	५४	०	२४	३६	१५	१३	६	मकरे	भ.३ १ १५ या श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम् भद्रो.
१५	गु ४ ५५	श्र	१६	३८	सौ	५९	३	ब	४	५५	३३ ३७	२५	३५	१६	१४	७	कुं.५०।२८	

१६पं.श्रा.शु.५र. इ. ४० ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	१	१	३	३	३
१०	२९	३	२३	२५	२६	२३	१०
५२	५८	४९	१६	४१	१२	२०	१८
४१	३०	३७	१६	२	११	२१	५८
५७	३८	९	११	५३	७	३	५७
२०	५५	३७	१३	१५	८	११	५

गोचर ग्रहाः

इसमासमें धातु सोना चांदी लोहा मंदे रहें गुड शक्कर चीनी रुई वारदाना तेज हो धान्य गल्ला वदी में मंदा सुदि में तेज हो कहीं-कही वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

१७पं.श्रा.शु.१२र.इ. ४० ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	१	२	३	३	३
१७	४	१३	२४	१	२७	२२	१६
३४	२२	३९	३४	५३	५	५८	५८
२३	३४	१४	५२	६	२	६	४६
५७	३९	७५	१०	५७	७	३	५७
२५	२	८	६२	२०	१४	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८	वि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु ११ १ ध २४ ९	शो	६०	०	कौ	११	१	३२ ५४	५ २५	६ ३५	१७	१५	८	कुम्भे	आर्द्राशुक्रः५१।२९
२	श १६ ४५ श ३१ १४	शो	१	१४	ग	१६	४५	५०	२६	३४	१८	१६	९	कुम्भे	भ.४९।११उ.
३	र २१ ३७ पू ३७ ३३	अ	२	५६	वि	२१	३७	४७	२७	३३	१९	१७	१०	मी२०।५८	भ.२१।३७या.चतुर्थी व्र.
४	चं २५ ४७ उ ४३ १४	सु	४	११	बा	२५	४७	४४	२७	३३	२०	१८	११	मीने	
५	मं २९ २ रे ४७ ३८	धृ	४	४४	तै	२९	२	४०	२८	३२	२१	१९	१२	मे.४७।३८	चन्द्रषष्ठी [×जन्माष्टमी व्र.वै.
६	बु ३१ ३ अ ५० ५८	शू	४	२७	ग	०	२	३७	२९	३१	२२	२०	१३	मेषे	भ.३१।३उ.
७	गु ३१ ३० भ ५२ ५७	गं	३	२	वि	१	१६	३३	२९	३१	२३	२१	१४	मेषे	भ.१।१६या.जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	शु ३० २९ कृ ५३ ५	वृ	२९	५९	बा	०	५९	३०	३०	३०	२४	२२	१५	वृ.७।५९	उफा.बुधः ५ ३ मृग२गुरुः ४ ३५×
९	श २७ ४१ रो ५१ ३२	ध्या	५१	२०	ग	२७	४१	२६	३१	२९	२५	२३	१६	वृषे	भ.५५उ.मघा.सिंहेऽर्कः ३ ४ गोगा९
१०	र २२ ४९ मृ ४८ १७	ह	४४	४०	वि	२२	४९	२२	३२	२८	२६	२४	१७	मि१९।५५	भ.४ ३ या.मघा.सिंहेऽर्कःसौरः १ ७ +
११	चं १६ ४१ आ ४३ २६	व	३६	३०	बा	१६	४१	१९	३२	२८	२७	२५	१८	मिथुने	अजा११व्र. [+पूफा.भौमः ५ १७
१२	मं ८ ५८ पु ३७ १७	सि	२७	२०	तै	८	५८	१५	३३	२७	२८	२६	१९	क.२२।५१	वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	बु ० १४ पु ३० २	व्य	१७	२०	ब	०	१४	१२	३४	२६	२९	२७	२०	कर्के	भ.०।१४उ.२५।२१या.
१४	बु ५० १५ ० ०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	गु ४० ३३ श्ले २२ २३	व	६ ४८	४७	च	१५	३१	८	३४	२६	३०	२८	२१	सिं२२।२३	कुशाग्रहणी पिठोरी३० मन्वादिः

१८पं.भा.कृ.३र. इ. ४० ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	१	२	३	३	३
२४	८	२१	२५	८	२७	२२	२३
१६	४७	४२	४८	३१	५८	३५	३९
४४	३५	२९	५०	३०	४१	५०	५३
५७	३९	५५	९	६०	७	३	५७
३३	२	५	५५	२२	२०	११	२२

गोचर ग्रहाः

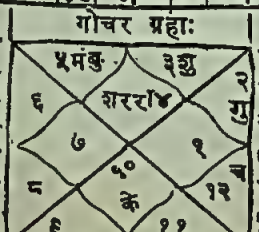

भाद्रपद कृष्णे ९शनौ सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी मु.४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

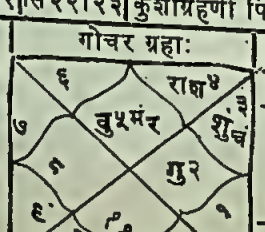

१९पं.भा.कृ.१०र.इ. ४० ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१	२	३	३	४
१	१३	२७	२६	१५	२८	२२	०
०	१२	३३	५७	२९	५२	१३	२२
४	५८	५०	२९	५३	४८	२४	४
५७	३९	२९	९	६२	७	३	५७
४०	९	४८	१६	४७	२०	११	२४

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८ वि. उ अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३३०स.२०३६

१	शु	३०	५१	म	१४	३४	शि	४५	१२	कि	५	४२	३३	५	३५	३५	३१	२९	२२	सिंहे	कन्यायांबुधः३४।४८पुन.शुक्रः७।४४
२	श	२१	५५	पू	७	२८	सि	३५	२६	कौ	२१	५५	१	१	३६	२४	१	३०	२३	कं.२०।५८	चन्द्रदर्शनम् भा.भाद्रपदारंभः
३	र	१४	२१	उ	२८	२०	सा	२६	३२	ग	१४	२१	३५	३७	३७	२३	२	१	२४	कन्यायां	भ.४५उ.वक्रीबुध:१४रज्जव७-
४	चं	९	३४	चि	५४	१५	शु	१८	४९	वि	९	३४	५३	३७	२३	३	२	२५	तु.२५।३६	भ.३४या.मघा.सिंहेशनि:३६ऋषिपंचमी	
५	मं	४	३६	स्वा	५३	३६	शु	१२	५१	बा	४	३६	४९	३८	२२	४	३	२६	तुलायां	[=हरितालिका३ गणेशचतुर्थी	
६	बु	२	५५	वि	५५	१२	ब्र	८	४४	तै	२	५५	४६	३९	२१	५	४	२७	वृ.३९।४८		
७	गु	३	१९	अ	५८	३२	दें	६	१७	व	३	१९	४३	४०	२०	६	५	२८	वृश्चिके	भ.३।१९उ.३४।२५या.	
८	शु	५	३१	ज्ये	६०	०	वै	५	५	ब	५	३१	३८	४०	२०	७	६	२९	वृश्चिके	वक्रीसिंहेबुधः५९।३६	
९	श	९	३५	ज्ये	३	३३	वि	५	३८	कौ	९	३५	३४	४१	१९	८	७	३०	ध.३।३३	पूफा.रविः२७बुधास्तःपश्चिमायां१६	
१०	र	१४	४६	मू	९	५५	प्री	६	४१	ग	१४	४६	३०	४२	१८	९	८	३१	धनुषि	भ.४७उ.पूफा.रविःसौरः९०ककेशुक्रः२९	
११	चं	२०	५४	पू	१७	११	आ	८	४७	वि	२०	५४	२६	४३	१७	१०	९	१	म.३४।४	भ २९या.सितंबरश्ता.३०जलझूलनी११	
१२	मं	२६	५९	उ	२४	४२	सौ	११	७	बा	२६	५९	२२	४४	१६	११	१०	२	मकरे	उदयंशनेः०।१६वामनजयंती	
१३	बु	३३	१६	श्र	३१	२०	शो	१३	४१	कौ	०	७	१८	४४	१६	१२	११	३	मकरे	वक्रीपूफा.बुधः२७पुष्येशुक्रः३० प्रदोषः	
१४	गु	३९	६	ध	३९	३५	अ	१६	३	ग	६	११	१५	४५	१५	१३	१२	४	कुं.५।२७	भ.३९।६उ.अनंत१४	
१५	शु	४४	३६	श	४६	२५	सु	१८	५	वि	११	५१	११	४६	१४	१४	१३	५	कुंभे	भ.२५या.महालयारंभःकुसंध्या.पूजनारंभः	

२०पं.भा.शु.३र.इ. ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	१	२	३	३	४
७	१७	०	२८	२२	२९	२१	७
४४	३९	१७	०	४४	४५	५१	५
२८	५४	४६	२५	२४	५०	१९	३२
५७	३९	३३	८	६४	७	३	५७
७९	१९	चं.	२९	३९	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

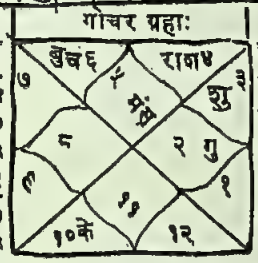

इसमासमेंधान्यगेहूंजो चना मटरबाजरा मूंग मोठ आदि मंदे हों चांदी सोना लोहा रुई रंग सूत में अच्छी तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

21पं.भा.श.१०र.इ. ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१	३	४	३	४
१४	२२	२८	२८	०	०	२१	१३
३०	६	४०	५७	१३	३९	२९	५०
४	५०	४८	३२	२३	७	३	४४
५८	३९	४३	७	६६	७	३	५७
१	१९	चं.	२४	१४	१२	११	५७

सि. आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.

१	श	४८	५९	पू	५२	२४	धृ	१९	३७	बा	१६	४७	३१	५	४७	६	१३	१५	१४	६	मी ३५।५४	
२	र	५२	३३	उ	५७	३८	शू	२०	२८	तै	२०	४६	३	४७	१३	१६	१५	७	मीने	उफा.भौमः४७।३०	
३	चं	५५	८	रे	६०	०	गं	२०	३५	व	२३	५०	३५	४८	१२	१७	१६	८	मीने	भ.२३।५०उ.५५।८या.	
४	मं	५६	३४	रे	१	४३	धृ	१९	५९	ब	२५	५१	५५	४९	११	१८	१७	९	मे.१।४३	मृग३मियुनेगुरुः४०।४१चतुर्थी व्र.	
५	बु	५७	५	अ	४	५५	धु	१८	३०	कौ	२६	४९	५१	५०	१०	१९	१८	१०	मेषे	[=बुधोदयः पूर्वस्यां५७।१०	
६	गु	५६	२०	भ	६	५७	व्या	१६	५	ग	२६	४२	४७	५१	९	२०	१९	११	वृ.२२।११	भ.५६।२०उ.	
७	शु	५४	३७	कृ	७	५५	ह	१२	५५	वि	२५	२८	४३	५१	९	२१	२०	१२	वृषे	भ.२५।२८या.	
८	श	५१	१५	रो	७	३४	ब	८	४९	बा	२२	५६	३९	५२	८	२२	२१	१३	मि ३६।५१	उफारवि१३(सौरः५३)कन्यायांभौम१६	
९	र	४६	४९	मृ	६	९	सि	३६	५३	तै	१९	२	३५	५३	७	२३	२२	१४	मिथुने	मातृ९ (सौभाग्यवतीनांश्रा.)	
१०	चं	४१	४	आ	३५	५५	व	४९	४९	व	१३	५६	३१	५४	६	२४	२३	१५	क.४२।५९	भ.१३उ.४१या.आश्ले.शुक्रः३९=	
११	मं	३४	१६	पु	५४	९	प	४१	३७	ब	७	४०	२७	५५	५	२५	२४	१६	कर्के	कन्यायामर्कः३७।४०इंदिरा११व्र.	
१२	बु	२६	१९	श्ले	४८	१३	शि	३२	२३	कौ	०	१७	२२	५६	४	२६	२५	१७	सिं ४८।१३	कन्यार्कःसौरः१९मार्गीबुधः५१प्रदोषः	
१३	गु	१७	४९	म	४१	३२	सि	२२	५०	व	१७	४९	१८	५६	४	२७	२६	१८	सिंहे	भ.१७।४९उ.४३।२०या.	
१४	शु	८	५१	पू	३४	४६	सा	१२	४९	श	८	५१	१४	५७	३	२८	२७	१९	क.४८।८	सर्वपितृ३०	
१५	श	०	२१	उ	२८	१५	शु	२	५६	ना	०	२१	९	५८	२	२९	२८	२०	कन्यायां	नवरात्रारंभःमातामहश्रा.	

22पं.आ.कृ.२र.इ. ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१	३	४	३	४
२१	२६	२२	२९	७	१	२१	२०
१७	२५	३८	४७	५४	३१	६	३७
६	६	२०	२	१४	२६	४८	२४
५८	३९	५३	६	६७	७	३	५८
२६	२६	चं.	२७	३१	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

आश्विनकृष्णे ११भौमे कन्यायांमर्कः प्रविष्ट. वा४न५गतालकावस्था (ऊभी)मु ३० धान्या-दिभावे समता शुक्रो-दयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

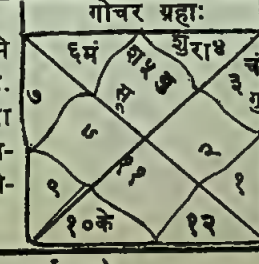

23पं.आ.कृ.९र.इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	२	३	४	३	४
२८	१	१७	०	१५	२	२०	२७
५	५	६	२९	४४	२२	४४	२५
२८	६	५४	४९	३५	४४	३२	४०
५८	३९	५५	५	६८	६	३	५८
२६	३६	चं.	२०	३६	५०	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३६०स.२०३६
१	श ५२ ३ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	चंद्रदर्शनम्
२	र ४५ ५० ह २३ १ ब्र ४४ ५८ बा १९ ७	३०	५५	६	३०	२९	२१	तु.५१।०	सावान८
३	चं ४० ५२ चि १८ ५७ ऐं ३७ ४५ तै १३ २१	३०	६	६	३१	१	२२	तुलायां	भ.९५उ.५९या.मघा.२शनिः५२=
४	मं ३७ ५९ स्वा १६ ३३ वै ३१ ४० व ९ २५	२९	५५	५९	१	२	२३	तुलायां	[=भा.आश्विनारंभः
५	बु ३० ८ चि १६ २६ वि २७ ३० ब ७ ३४	५२	२	५८	२	३	२४	वृ.१।२८	[-मघा.सिंहेशुक्रः७।२०
६	गु ३८ १८ अ १८ १२ प्री २५ ९ कौ ७ ४३	४८	२	५८	३	४	२५	वृश्चिके	भ.४१।३८उ.हस्तेरविः५०।४६
७	शु ४१ ३८ ज्ये २२ ५ आ २४ ३८ ग ९ ५८	४४	३	५७	४	५	२६	ध.२२।५	भ.१३।५९या.हस्तेरविःसौरः३०।५१-
८	श ४६ २१ मू २७ ३७ सौ २४ ५० वि १३ ५९	४०	४	५६	५	६	२७	धनुषि	हस्तेभौमः३९आश्ले१राहु.श्रवण.३×
९	र ५२ २८ पू ३४ २६ शो २६ १९ बा १९ २४	३६	५	५५	६	७	२८	म.५१।१५	उफा.बुधः५५।११ [×केतुः३९ ५१
१०	चं ५८ ४१ उ ४१ ४३ अ २८ २७ तै २५ ३४	३२	६	५४	७	८	२९	मकरे	भ.३१।५३उ.पापांकुशा११ब्र.स्मा.
११	मं ६० ० श्र ४९ २८ सु ३० ५४ व ३१ ५३	२८	६	५४	८	९	३०	मकरे	भ.५या.पापांकुशा११ब्र.वै.+
११	बु ५ ५ ध ५६ ४६ धृ ३३ १९ वि ५ ५	२३	७	५३	९	१०	१	कुं.२३।७	कन्यायांबुधः४८।११प्रदोषः
१२	गु ११ १ श ६० ० शू ३५ १५ बा ११ १	१९	८	५२	१०	११	२	कुंभे	[+अक्टूम्बर१०ता.३१[÷कोजागरीव्र.
१३	शु १६ १८ श ३ ४१ गं ३६ ४१ तै १६ १८	१५	९	५१	११	१२	३	मीऽ३।४	भ.२०उ.५१या.शरद्पूर्णिमास्मा.÷
१४	श २० १४ पू ९ ३१ वृ ३७ १६ ह २० १४	११	१०	५०	१२	१३	४	मीने	शरद्पूर्णिमावै. का.स्ना.प्रा.
१५	र २३ ८ उ १४ ७ धु ३६ ५९ ब २३ ८	७	११	४९	१३	१४	५	मीने	

२४ पं.आ.शु.२२र.इ. ३९ ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	२	३	४	३	५
४	५	१७	१	२३	३	२०	४
५५	३५	३७	३	४१	१२	२२	१५
१९	२८	४४	४०	५६	४	१६	४७
५८	३९	४३ ४४	४	६९	६	३	५८
३८	३६	मा	११	२३	३२	११	४५

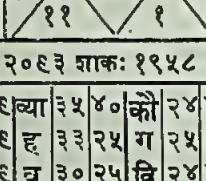

२५पं.आ.शु ९र.इ. ३९ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	२	४	४	३	५
११	१०	२४	१	१	३	२०	११
४६	८	४९	२८	४८	५९	०	७
५२	२	१२	५५	०	१७	१	४४
५८	३९	८७	३	७०	६	३	५९
५३	३६	५८	२	१३	२०	११	०

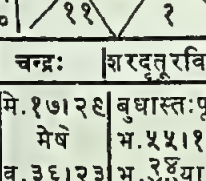

२६पं.आ.शु.१५र इ. ३९ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	४	४	३	५
१८	१४	४	१	९	४	१९	१८
४०	५४	५५	४५	५९	४४	३७	१
५	१४	३७	२२	४२	२०	४५	३१
५९	३९	४३ ४४	१	७०	६	३	५९
९	४६	मा	३४	३५	५२	१	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	चं २४ ४७ रे १७ २९ व्या ३५ ४० कौ २४ ४७	२९ ३३	६ ११	५ ४९	१४	१५	६	मि.१७।२९	बुधास्तःपूर्वस्यां३९।३१
२	मं २५ १८ अ १९ ५९ ह ३३ २५ ग २५ १८	५९	१२	४८	१५	१६	७	मेषे	भ.५५।१उ.
३	बु २४ ४४ भ २१ १९ व ३० २५ वि २४ ४४	५५	१३	४७	१६	१७	८	वृ.३६।२३	भ.३९या.हस्तेबुधः३५पूफा.शुक्रः२८D
४	गु २३ ६ कृ २१ ३४ सि २६ ४१ बा २३ ६	५१	१४	४६	१७	१८	९	वृषे	[Dकरक चतुर्थीव्र.
५	शु २० ५४ रो २१ १४ च्या २३ १० तै २० ५४	४७	१५	४५	१८	१९	१०	मिऽ०।३४	चित्रा.रवि:२२।५०
६	श १७ ३९ मृ १९ ५३ च १७ ३ व १७ ३९	४३	१५	४५	१९	२०	११	मिथुने	भ.१७उ.४५या.चित्रा.रविःसौरः१५
७	र १३ ५३ आ १७ ५६ प ११ २३ ब १३ ५३	३९	१६	४४	२०	२१	१२	मिथुने	[Aअन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
८	चं ९ २५ पु १५ १६ शि ५३ ५४ कौ ९ २५	३५	१७	४३	२१	२२	१३	क.०।५६	[Hमहालक्ष्मीपूजनम् रूप१४
९	मं ४ १८ पु १२ १ सा ५० ३५ ग ४ १८	३१	१८	४२	२२	२३	१४	कर्के	भ.३१उ.५६या.वक्रीगुरुः४७।४४
१०	मं ५४ ८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	बु ५१ ५३ श्ले ७ ५२ शु ४२ ४३ ब २५ १०	२७	१९	४१	२३	२४	१५	सिं७।५२	चित्रा.बुधः२३।२६रमा११ब्र.स्मा.
१२	गु ४४ ५२ म ३० ५४ शु ३४ ११ कौ १८ २२	२३	१९	४१	२४	२५	१६	सिंहे	रमा११ब्र.वै. [Eप्रदोषः धन१३
१३	शु ३८ ५ उ ५३ ८ ब्र २५ ४३ ग ११ २८	२०	२०	४०	२५	२६	१७	कं.११।५८	भ.३५उ.तुलयामर्कः६९(सौरः४४)E
१४	श ३१ १५ ह ४८ २५ ऐं १७ १५ वि ४ ४०	१६	२१	३९	२६	२७	१८	कन्यायां	भ.४।४०या.चित्रा.भौमः५२।२६H
३०	र २५ २३ चि ४४ ३३ वै ९ ७ ना २५ २३	१२	२२	३८	२७	२८	१९	तु.१६।३९	तुलायांबुधः१७।२०उफा.शुक्रः३९।६A

२७पं.का.कृ.७र.इ ३९ १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	४	४	३	५
२५	१९	१८	१	१८	५	१९	२४
३४	१५	३०	५१	१८	२६	१५	५७
५९	१८	२५	५४	१८	४६	३०	१३
५९	३९	४९	०	७१	५	३	५९
२३	४५	५०	२६	२३	३३	११	३१

गोचर ग्रहाः

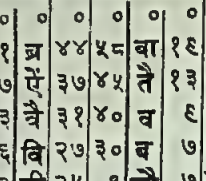

कार्तिककृष्णे १३शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५घाट्या-दिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

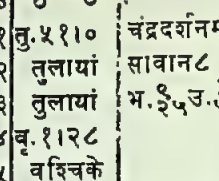

२८पं.का.कृ.३०र.इ. ३९ ९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	२	४	४	६	६
२	२३	०	१	२६	६	८	१
३१	५०	२८	४९	४०	५	५४	५४
२३	४९	२	१९	४८	१७	५	३६
५९	३९	३८ ४९	०	७१	५	३	५९
३४	३७	वै.	४९	५०	५	११	४६

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८												दिं.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३८९स.२०३६
१	चं	२०	२८	स्वा	४१	४३	वि	४७ १	५३ २९	ब	२०	२८	२८ ८	६ २२	५ ३८	२८	२९	२०	तुलायां	चद्रदर्शनम्
२	मं	१७	१९	वि	४०	३७	आ	५०	१७	कौ	१७	१९	४	२३	३७	२९	१	२१	वृ.२५।५४	रमजान९भातृ२यम२
३	बु	१५	५६	अ	४१	१६	सा	४६	४३	ग	१५	५६	०	२४	३६	३०	२	२२	वृश्चिके	भ.४६/११उ.कन्यायांशुक्रः२५।२९
४	गु	१६	२६	ज्ये	४३	५०	शो	४४	४५	वि	१६	२६	२७ ५६	२५	३५	१	३	२३	ध.४३।५०	भ.१६/२६या.स्वात्यांरविः४८/४२स्वात्यांबुधः A
५	शु	१८	५५	मू	४८	२०	अ	४३	५७	बा	१८	५५	५३	२५	३५	२	४	२४	धनुषि	स्वात्यांरवि.सौरः२५।१२
६	श	२३	४	पू	५४	१६	सु	४४	४४	तै	२३	४	४९	२६	३४	३	५	२५	धनुषि	[A२१।६भा.कार्तिकारंभः
७	र	२८	३७	उ	६०	०	धृ	४६	२३	व	२८	३७	४५	२७	३३	४	६	२६	म.१०।५९	भ.२८।३७उ.मघा.३शनिः२४।५
८	चं	३४	४७	उ	१	९	शू	४९	२६	वि	१	४२	४१	२८	३२	५	७	२७	मकरे	भ.१।४२या.गोपाष्टमी
९	मं	४१	११	श्र	८	४०	गं	५१	५१	बा	७	५९	३७	२९	३१	६	८	२८	कुं.४२।२६	तुलायांभौमः५७।४०कुष्मांड९अक्षय९
१०	बु	४७	१७	ध	१६	१२	वृ	५३	५५	तै	१४	१४	३४	२९	३१	७	९	२९	कुंभे	[×प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
११	गु	५२	४५	श	२३	१७	ध्रु	५५	३०	व	२०	१	३०	३०	३०	८	१०	३०	कुंभे	भ.२०।१उ.५२।४५या.हस्तेशुक्रः३७/२३×
१२	शु	५६	४०	पू	२९	२२	व्या	५६	१६	ब	२४	४२	२७	३१	२९	९	११	३१	मी१२।५१	विशा.बुधः३१।३८
१३	श	५९	१७	उ	३४	२	ह	५५	४७	कौ	२७	५८	२३	३१	२९	१०	१२	१	मीने	नवम्बर११ता.३०प्रदोषः
१४	र	६०	०	रे	३७	२७	व	५४	११	ग	२९	४५	१९	३२	२८	११	१३	२	मे.३७।२७	वैकुंठ१४
१४	चं	०	१४	अ	३९	१०	सि	५१	२७	व	०	१४	१६	३३	२७	१२	१४	३	मेषे	भ.०/१४उ.३०/०या.मन्वादि.का.स्ना.पू.
१५	चं	५९	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

२९पं.का.शु.७र.इ. ३८/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	२	५	४	३	६
९	२८	१२	१	५	६	१८	८
२९	२७	१७	३६	८	४१	३०	५३
३८	३२	२४	०	३५	१०	५८	५६
५९	३९	०/२०	२/२५	७२	४	३	६०
४७	५९		व	१०	४३	११	२

गोचर ग्रहाः

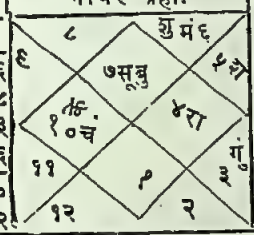

सोमवाराःयदा पञ्च चांद्र मासेभवन्तिहि। धनधान्यंसमृद्धिस्यात् सुखं सर्वत्र सुन्दरम्।। इस मास में मंदी का योग है ।

गोचर ग्रहाः

३०पं.का.शु१४र.इ. ३८/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	२	५	४	३	६
१६	३	२३	१	१३	७	१८	१५
२९	५	३१	१३	३९	१२	८	५५
२०	४९	५२	३७	१४	५०	४३	०
६०	३९	९९	३/४१	७२	४	३	६०
४	५२	२०	व.	३२	८	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.
१	मं	५८	१	भ	३९	३२	व्य	४७	३२	बा	२८	५४	२७ १२	६ ३४	५ २६	१३	१५	४	वृ.५३।२१	
२	बु	५५	९	कृ	३८	४६	व	४२	४२	तै	२६	३५	९	३४	२६	१४	१६	५	वृषे	
३	गु	५१	२८	रो	३७	७	प	३७	१६	व	२३	१८	५	३५	२५	१५	१७	६	वृषे	भ.२३/१८उ.५१/२८या.विशा.रविः९/१२(सौरः×
४	शु	४६	५९	मृ	३४	३६	शि	३१	२	व	१९	१३	२	३६	२४	१६	१८	७	मि५।५१	स्वात्यांभौमः५७।१७चतुर्थीव्र.
५	श	४२	२८	आ	३१	५०	सि	२४	२६	कौ	१४	४४	२६ ५८	३६	२४	१७	१९	८	मिथुने	अनु.बुधः५७।२९
६	र	३७	४२	पु	२८	५०	सा	१७	४३	ग	१०	५	५५	३७	२३	१८	२०	९	क.१४।३५	भ.३७।४२उ.
७	चं	३२	५५	पु	२५	४०	शु	१०	४३	वि	५	१८	५२	३८	२२	१९	२१	१०	कर्के	भ.५/१८या चित्रा.शुक्रः३२/५०बुधोदयः =
८	मं	२७	४९	श्ले	२२	२०	शु	३/४४	५१/५०	बा	०	२२	४९	३८	२२	२०	२२	११	सिं२२।२०	[×४२।३६)वृश्चिकेबुधः५४।४६
९	बु	२२	४३	म	१८	५८	ऐं	४८	१९	ग	२२	४३	४५	३९	२१	२१	२३	१२	सिंहे	भ.५०।५उ. [=पश्चिमायां२६।१७
१०	गु	१७	२७	पू	१५	३८	वै	४१	३	वि	१७	२७	४२	४०	२०	२२	२४	१३	कं.२९।५०	भ.१७।२७या.उदयोभौमः२३।१९
११	शु	१२	१९	उ	१२	२७	वि	३४	४	बा	१२	१९	३९	४०	२०	२३	२५	१४	कन्यायां	उत्पत्ति११व्र.
१२	श	७	२८	ह	९	१०	प्री	२७	१८	तै	७	२८	३६	४१	१९	२४	२६	१५	तु.३७।५५	तुलायांशुक्रः५५।५५प्रदोषः
१३	र	३	१६	चि	६	४१	आ	२०	५३	व	३	१६	३३	४१	१९	२५	२७	१६	तुलायां	भ.३/१६उ.३१/२६या.वृश्चिकेऽर्कः५/१६सौरः३६/५३
१४	र	५६	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	चं	५७	२०	स्वा	४	४०	सौ	१५	४	च	२८	२७	३०	४२	१८	२६	२८	१७	वृ.४९।७	ज्येष्ठा.बुधः४२/११वक्रीमृग२गुरुः५।४

३१पं.मा.कृ.६र.इ.३८। ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	२	५	४	३	६
२३	७	४	०	२२	७	१७	२२
३०	४५	२५	४२	१४	३९	४६	५७
४०	५४	५९	२५	६	५०	२७	३१
६०	३९	९६	४/५२	७२	३	३	६०
१७	३	२७	व	५०	३२	११	३०

गोचर ग्रहाः

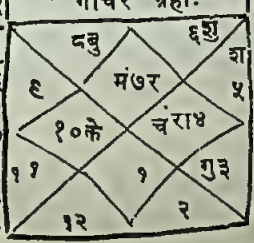

मार्गशीर्ष कृष्णे १३ रवौ बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३०वान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

३२पं.मा.कृ.१३र.इ. ३८/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	२	६	४	३	७
०	१२	१५	०	०	८	१७	०
३३	२७	१	२	५१	२	२४	१
२२	४०	१	४२	४३	१३	१२	३५
६०	४०	९२	६/४	७३	२	३	६०
३०	१६	२२	व	११	४७	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८	दि. उ. अ.	भा. मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२४१८स.२०३१
१	मं ५६ १५ वि ३ ५६ शो १० १७ कि २६ ४७	२६ ४३	६ ५५	२७ २९	१८	वृश्चिके
२	बु ५६ ५० अ ४ ३७ अ ६ २५ बा २६ ३२	२५ ४३	१७ २८	३०	१९	वृश्चिके अनु.रवि. ३३ सौर:५९ चंद्रदर्शनम्
३	गु ५९ १२ ज्ये ६ ४७ सु ४ ६ तै २८ १	२२ ४४	१६ २९	१	२०	ध.६।४७ सव्वाल१०
४	शु ६० ० मू १० २६ धृ ३ १३ व ३१ ३	१९ ४४	१६ ३०	२	२१	धनुषि भ.३१।३उ.स्वात्यांशुक्रः१७।६
४	श २ ५५ पू १५ ३२ शू २ ५० वि २ ५५	१७ ४५	१५ १	३	२२	म.३२।१० भ.२।५५या.भा.मार्गशीर्षारंभः
५	र ८ ११ उ २२ २ गं ४ ८ बा ८ ११	१४ ४५	१५ २	४	२३	मकरे
६	चं १४ १० श्र २९ १६ बृ ५ ५५ तै १४ १०	१२ ४६	१४ ३	५	२४	मकरे चंपा६
७	मं २० ३४ ध ३६ ४४ धु ८ ७ व २० ३४	९ ४६	१४ ४	६	२५	कुं.३।० भ.२०।३४उ.५३।४७या. .
८	बु २७ ० श ४४ १३ ल्या १० २२ व २७ ०	७ ४७	१३ ५	७	२६	कुम्भे मूलेधनुषिबुधः५४।३०
९	गु ३२ ४६ पू ५० ५८ ह १२ १९ कौ ३२ ४६	५ ४७	१३ ६	८	२७	मी ३४।१७ विशा.भौम:४६।४८
१०	शु ३७ ११ उ ५६ १४ व १३ २६ तै ४ ५८	२ ४८	१२ ७	९	२८	मीने
११	श ४० ९ रे ६० ० सि १३ २८ व ८ ४०	० ४८	१२ ८	१०	२९	मीने भ.४८उ.४९या.मोक्षदा११व्र.गीताजयं
१२	र ४१ ९ रे ० १६ ष्य १२ १२ ब १० ३९	२५ ४८	१२ ९	११	३०	मे.०।१६ पुष्य४राहुःश्रवण२केतुः३१।३७
१३	चं ४० २३ अ २ ११ व ९ ३५ कौ १० ४६	५६ ४९	११ १०	१२	१	मेषे दिसम्बर१२ता.३१प्रदोषः
१४	मं ३७ ५४ भ २ २६ प ५५ ५४ ग ९ ८	५४ ४९	११ ११	१३	२	वृ.१७।४ भ.५३उ.ज्येष्ठारविः३३ विशा.शुक्र४३
१५	बु ३३ ५३ कृ १० ५७ सि २५ ३३ वि ५ ५३	५३ ४९	११ १२	१४	३	वृषे भ.५३या.ज्येष्ठारविःसौर:१५ दत्तजयं.

३३पं.मा.शु.५र.इ. ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१	६	४	३	७
७	१७	२५	२९	९	८	१७	७
३७	१०	१५	१६	३२	२०	१	७
१६	४१	५५	८	२०	१३	५६	८
६०	४०	८६	४६	७३	२	३	६०
४२	१६	१७	व	२०	५	११	५३

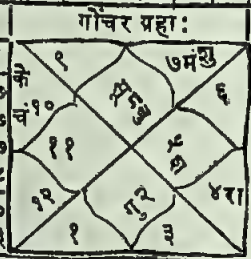

इस मास में धान्य गल्ला सोना चांदी रुई सण तिल वार-दाना कपास मंदी रहें गुड सक्कर घृत नमक चीनी तेज रहे

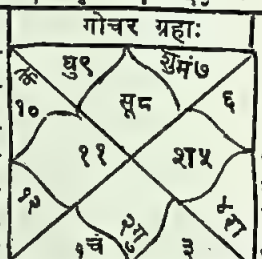

३४पं.मा.शु.१२र.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	१	६	४	३	७
१४	२१	४	२८	१८	८	१६	१४
४२	५५	५२	२३	१४	३२	३९	१३
२९	१	१	३८	४२	४९	४०	५४
६०	४०	७६	३५	७३	१	३	६१
५०	२०	३४	व	३२	२५	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८	दि. उ. अ.	भा. मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	गु २८ ४१ मृ ५४ १९ सा ४५ ५२ बा १ ८	२५ ५१	५ ६	१०	१३	१५ ४ मि२६।१७
२	शु २२ ४५ आ ५० १ शु ३७ ५२ ग २२ ४५	४९ ५०	१०	१४	१६	५ मिथुने भ.४९।३२उ.
३	श १६ २० पु ४५ २९ शु २९ ३५ वि १६ २०	४८ ५०	१०	१५	१७	६ क.३१।३७ भ.१६।२०या.चतुर्थीव्र.
४	र ९ २९ पु ४० ५५ ब्र २१ १८ बा ९ २९	४६ ५१	९	१६	१८	७ कर्के
५	चं ३ ५० श्ले ३६ ४० ऐं १३ १९ तै ३ ५०	४५ ५१	९	१७	१९	८ सिं३६।४० भ.५८।७उ.पूषा.बुधः७।०
६	चं ५४ १७ ० ० ० ० ० ०	० ०	०	०	०	० ० [=वृश्चिकेभौमः२४।३८
७	मं ५२ ५५ म ३२ ५१ वै ३१ ३५ वि २५ ३१	४४ ५१	९	१८	२०	९ सिंहे भ.२५।३१या.
८	बु ४८ ८ पू २९ २५ प्री ५१ ५४ बा २० ३१	४३ ५१	९	१९	२१	१० कं.४३।४६ वृश्चिकेशुक्रः४।५
९	गु ४४ १ उ २६ ४७ आ ४६ ३ तै १६ ४	४२ ५२	८	२०	२२	११ कन्यायां [÷सफला११व्र.
१०	शु ४० ३५ ह २४ ४५ सौ ३९ ५६ व १२ १८	४१ ५२	८	२१	२३	१२ तु.५४।११ भ.१२उ.३५या अनु.शुक्रः४१।२७ =
११	श ३७ ५१ चि २३ ३७ शो ३९ ४७ ब ९ १२	४० ५२	८	२२	२४	१३ तुलायां वक्रीमृग.१गुरु ५३ वक्रीशनिः१९।४५÷
१२	र ३५ ५४ स्वा २२ ५४ अ २९ ५ कौ ६ ५२	३९ ५२	८	२३	२५	१४ तुलायां वक्रीबुधः५९।५६
१३	चं ३४ ५६ वि २३ १४ सु २५ १५ ग ५ २५	३९ ५२	८	२४	२६	१५ वृ.८।९ भ.३८उ.मूलेधनुष्यर्कः४१।२प्रदोषः
१४	मं ३५ २ अ २४ ४८ धृ २२ ४ वि ४ ५९	३८ ५२	८	२५	२७	१६ वृश्चिके भ.५९या.मूलेधनुष्यर्कःसौरः५।२५
३०	बु ३६ २१ ज्ये २७ १९ शू १९ ५९ च ५ ४१	३८ ५२	८	२६	२८	१७ घ.२७।१९ अनु.भौमः२०।३४

३५पं.पौ.कृ.४र.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	१	६	४	३	७
२१	२६	१२	२७	२६	८	१६	२१
४८	४	५३	२७	५८	३९	१७	२१
३२	२४	१३	२२	२६	१८	२५	३४
६०	४०	५४	५३	७३	०	३	६१
५६	२३	५८	व.	४४	४४	११	११

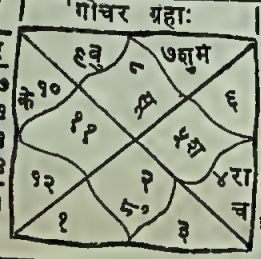

पौष कृष्णे १३ चन्द्रे धनुष्यर्कःप्रविष्टः वा २न. ४ वृद्धावस्था (बैठी मु.३० धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम् ।

३६पं.पौ.कृ.१२र.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	१	७	४	३	७
२८	१	१६	२६	५	८	१५	२८
५५	२९	३९	२९	४२	४१	५५	३०
२६	४९	५८	४९	५०	६	९	१७
६१	४०	४	५३	७३	१०	३	६१
०	३३	२३	व.	५०	व	११	१९

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९३शाकः १९५८	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽर्गणः२४४८स२०३६
१	गु ३९ ८ मू ३० ५८	गं	१९	७	कि	७	४४	३५ ५ ६	५ २७ २९ १८	धनुषि	
२	शु ४३ ८ पू ३५ ५६	बृ	१८	३२	बा	११	८	३७ ५३	७ २८ ३० १९	म.५२।३१	बुधास्तःपश्चिमायां ३९ चंद्रदर्शनम्
३	श ४८ २६ उ ४२ १६	ध्रु	१९	१७	तै	१५	४७	३६ ५३	७ २९ १ २०	मकरे	जित्कादः११
४	र ५४ २१ श्र ४९ ९	व्या	२०	३८	व	२१	२३	३६ ५३	७ ३० २ २१	मकरे	भ.२१।२३उ.५४।२१या.
५	चं ६० ० ध ५६ ४१	ह	२२	३९	ब	२७	३५	३६ ५३	७ १ ३ २२	कुं.२२।५५	वक्रीमूलेबुधः१७।१ज्येष्ठाशुक्रः २५ ÷
५	मं ० ५० श ६० ०	व	२५	४	बा	०	५०	३६ ५३	७ २ ४ २३	कुम्भे	[÷भा.पौषारंभः
६	बु ७ २३ श ४ १९	सि	२७	२६	तै	७	२३	३७ ५३	७ ३ ५ २४	मी५४।४८	
७	गु १३ ३२ पू ११ ३७	व्य	२९	१३	व	१३	३२	३७ ५३	७ ४ ६ २५	मीने	भ.१३।३२उ.४६।५या.
८	शु १८ ३७ उ १८ ०	व	३०	५	ब	१८	३७	३७ ५३	७ ५ ७ २६	मीने	
९	श २२ २२ रे २२ ५८	व	२९	५६	कौ	२२	२२	३८ ५२	८ ६ ८ २७	मे.२२।५८	
१०	र २४ १४ अ २६ ५	शि	२८	२२	ग	२४	१४	३८ ५२	८ ७ ९ २८	मेषे	भ.५४।११उ.पूषा.रविः४६।५
११	चं २४ ९ भ २७ २०	सि	२५	९	वि	२४	९	३९ ५२	८ ८ १० २९	बृ.४२।९	भ.२५या.पूषा.रविःसौरः५पुत्रदा११ व्र
१२	मं २१ ५८ कृ २६ ३८	सा	२०	२६	बा	२१	५८	४० ५२	८ ९ ११ ३०	वृषे	बुधोदयःपूर्वस्यां११।०प्रदोषः
१३	बु १७ ४९ रो २३ ५५	शु	१४	११	तै	१७	४९	४१ ५२	८ १० १२ ३१	मि५१।४६	[+सन् २०३७
१४	गु १२ ७ मृ १९ ३८	शु	२९	५३	व	१२	७	४२ ५२	८ ११ १३ १	मिथुने	भ.१३उ.३५या.जनवरी१ता.३१+
१५	शु ४ ५८ आ १४ १७	ऐं	४८	१२	ब	४	५८	४३ ५१	९ १२ १४ २	क.५४।३८	मूलेधनुषिशुक्रः ५८ मा.स्ना.प्रा.

३७पं.पौ.शु.४र.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१	७	४	३	८
६	६	१२	२५	१४	८	१५	५
३	१९	२४	३३	२९	३७	३२	३९
०	१	२५	२५	२	३०	५४	४२
६१	४०	८४	४५	७३	५०	३	६१
४	३८	व	व	५६	व	११	२२

गोचर ग्रहाः

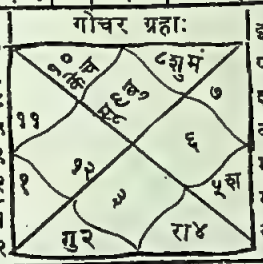

इस मास की कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल मक्का में मंदी करे सोना चांदी तेज हो

गोचर ग्रहाः

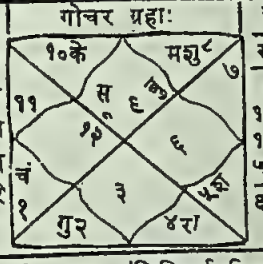

३८पं.पौ.शु.१०र.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१	७	४	३	८
१३	११	३	२४	२३	८	१५	१२
१०	९	४२	२४	१४	२७	१०	४९
५९	५४	१३	२४	५६	५८	३८	२४
६१	४०	९५	९	७४	३	३	६१
६	५२	व	व	२	व	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः स० २०९३ शाकः १९५८	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु ५२ १० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० ०		
२	श ४८ ५८ पु ८ ५	वै	३८	२५	तै	२३	३	२५ ५१	९ १३ १५ ३	ककें	
३	र ४० ५२ पु ४० ५३	वि	२८	४०	व	१४	५५	४५ ५१	९ १४ १६ ४	सिं५५।३१	भ.५५उ.५२या.मार्गीबुधः१६।४
४	चं ३३ १२ म ४९ ५१	प्री	१९	१२	ब	७	२	४७ ५१	९ १५ १७ ५	सिंहे	ज्येष्ठाभौमः३१।६चतुर्थीव्र.
५	मं २६ २५ पू ४५ ८	आ	१०	१३	तै	२६	२५	४८ ५०	१० १६ १८ ६	कं.५९।१३	
६	बु २० ३४ उ ४१ २७	सौ	३	५२	व	२०	३४	५० ५०	१० १७ १९ ७	कन्यायां	भ.२०।३४उ.४८।१६या.
७	गु १५ ५८ ह ३८ ५२	अ	४८	३५	ब	१५	५८	५२ ५०	१० १८ २० ८	कन्यायां	
८	शु १२ २५ चि ३७ ३४	सु	४३	२१	कौ	१२	२५	५३ ४९	११ १९ २१ ९	तु.८।१३	वक्रीरोहि.४गुरुः३७।५
९	श १० १६ स्वा ३७ २६	धृ	३९	३	ग	१०	१६	५५ ४९	११ २० २२ १०	तुलायां	भ.३९।४५उ.उषा.रविः५१।३६
१०	र ९ १५ वि ३८ २५	शू	३५	३७	वि	९	१५	५७ ४९	११ २१ २३ ११	वृ.२३।१०	भ.९।१५या.उषा.रवि.सौरः८।३०
११	चं ९ २२ अ ४० ४८	गं	३३	१८	बा	९	२२	५९ ४८	१२ २२ २४ १२	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.
१२	मं १० ४६ ज्ये ४४ ८	वृ	३१	४९	तै	१०	४६	२६ ४८	१२ २३ २५ १३	धा ४४।८	पूषा.शुक्रः४१।२८प्रदोषः
१३	बु १३ १३ मू ४८ ४०	ध्रु	३१	३१	व	१३	१३	४ ४७	१३ २४ २६ १४	धनुषि	भ.१३।१३उ.४५।०या.मकरेऽर्कः ×
१४	गु १६ ४५ पू ५४ ०	व्या	३१	३२	श	१६	४५	६ ४७	१३ २५ २७ १५	धनुषि	[×७।१५(सौर:२३।५७)
२०	शु २१ २० उ ६० ०	ह	३२	२५	ना	२१	२०	८ ४६	१४ २६ २८ १६	म.१०।३५	

३९पं.मा.कृ.३र.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१	८	४	३	८
२०	१६	०	२३	२	८	१४	१९
१९	३	१५	५१	१	१३	४८	५९
५	११	५४	४	४१	३४	२२	३१
६१	४१	४	६	७४	१८	३	६१
६	१	मा	व	८	व	११	२६

गोचर ग्रहाः

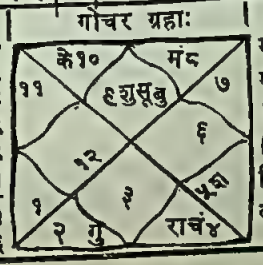

माघ कृष्णे १३ बुधे मकरेऽर्कःप्रविष्टः वा. ३ न. ३प्रगतभावस्था (सूती) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

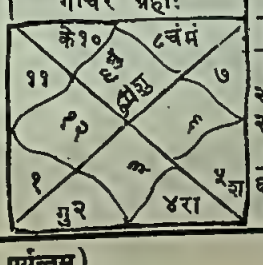

४०पं.मा.कृ.१०र.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१	८	४	३	८
२७	२०	३	२३	१०	७	१४	२७
२७	१७	५८	९	४६	५४	२६	९
७	२६	४४	१८	७	२५	७	२३
६१	४१	४६	२५	७४	५८	३	६१
६	२	११	व	१४	व	११	२४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चन्द्रः	शिररर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२४७८सं.२०३७
१	श	२६	५१	उ	०	२०	व	३३	४६	ब	२६	५१	२६/११	६/४६	५/१४	२७	२९	१७	मकरे	
२	र	३२	४८	श्र	७	८	सि	३५	४३	कौ	३२	४८	१३	४५	१५	२८	३०	१८	कुं.४०।५५	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	३९	१९	ध	१४	४१	व्य	३७	५८	तै	५	३	१६	४५	१५	२९	१	१९	कुंभे	जिल्हेज१२
४	मं	४५	५४	श	२२	१६	व	४०	८	व	१२	३६	१९	४४	१६	३०	२	२०	कुम्भे	भ.१२/३६उ.४५/५४या.अभि.प्र.रविः४१/४१ +
५	बु	५२	२०	पू	२९	५९	प	४२	३७	ब	१९	७	२१	४४	१६	१	३	२१	मी१३।३	भा.माघारंभः वसंत५
६	गु	५७	४७	उ	३६	५७	शि	४४	१७	कौ	२५	३	२४	४३	१७	२	४	२२	मीने	[+(सौरः५५।२८)पूषा.बुधः३२।३२
७	शु	६०	०	रे	४२	५५	सि	४५	१	ग	३०	३	२७	४३	१७	३	५	२३	मे.४२।५५	श्रवणेरविः५६।१८भानु७रथ७
७	श	२	२०	अ	४७	२९	सा	४४	४०	व	२	२०	२९	४२	१८	४	६	२४	मेषे	भ.२/२०उ.३३/४५या.श्रवणेरविःसौरः१२/१४=
८	र	५	११	भ	५०	१७	शु	४२	५२	ब	५	११	३२	४२	१८	५	७	२५	मेषे	अभि.नि.रविःसौरः२।३१
९	चं	६	२२	कृ	५१	१३	शु	३९	३१	कौ	६	२२	३५	४१	१९	६	८	२६	वृ.५।३१	मकरेशुक्रः५६।११
१०	मं	५	२२	रो	५०	६	ब्र	३४	३६	ग	५	२२	३८	४०	२०	७	९	२७	वृषे	भ ३३/५२उ.पातस्पर्शः२१/१३पातमोक्षः४९/४७
११	बु	२	२३	मृ	४६	५४	ऐं	२७	५८	वि	२	२३	४१	४०	२०	८	१०	२८	मि१८।३०	भ.२।२३या.जया११व्र.
१२	बु	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=अभि.नि.रविः४८/३२उषा.शुक्रः१५/०×
१३	गु	५०	२८	आ	४१	५८	वै	१९	५०	कौ	२३	५१	४५	३९	२१	९	११	२९	मिथुने	प्रदोषः[×मूलेधनुषिभौम·२२/२०भीष्मा.
१४	शु	४२	१७	पु	३५	३९	वि	१०	३५	ग	१६	४०	४८	३८	२२	१०	१२	३०	क.२२।१४	भ.४२/१७उ.उषा.बुध२६/४१वक्रीमघा२श.४/४०
१५	श	३३	१४	पु	२८	२६	प्री	०/१९	४९/१०	वि	७	४५	५१	३८	२२	११	१३	३१	कर्के	भ.७/४५या.खग्रासचंद्रग्रहणम्मा.स्ना.पू.

४१पं.मा शु.२र इ. ३७/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	१	८	४	३	९
४	२५	११	२२	१९	७	१४	४
३४	५३	१०	३४	३५	३१	३	१८
५९	४२	८	४१	१७	१	५१	५२
६१	४१	६७	४/६	७४	३/३६	३	६१
३	५	२८	व	२०	व	११	१९

गोचर ग्रहाः

११ ९शुचबु १२ सूके१० म८ १ ७ २गु ४रा ६ ३ श५

इस मासमें ५शनिवार अशुभ हैं धान्यबाजरा मूंग मोठ चना चावल गेहूं रसकस कपास रुई रंग सोना चांदी तेज रहे।

गोचर ग्रहाः

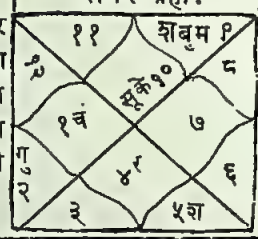

११ शबुम ९ १२ सूके१० ८ १चं ७ गु २ ४र ६ ३ ५श

४२पं.मा.शु.८र.इ. ३७/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	१	८	४	३	९
११	०	२०	२२	२८	७	१३	११
४२	५१	५	९	२१	३	४१	२७
२९	१८	४२	४७	५४	५८	३६	४३
६०	४१	८०	२/५०	७४	३/५८	३	६१
५९	१०	३०	व	२६	व	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	र	२३	४५	श्ले	२०	४९	सौ	३८	४०	कौ	२३	४५	२६/५४	६/३७	५/२३	१२	१४	१	सिं२०।४९	पुष्य३राहुःश्रवण१केतुः२४/४० फरवरी =
२	चं	१४	२६	म	१३	२०	शो	२८	७	ग	१४	२६	५८	३६	२४	१३	१५	२	सिंहे	भ.४०।५उ. [=२ता.२८
३	मं	५	४३	पू	६	३५	अ	१८	७	वि	५	४३	२७/१	३६	२४	१४	१६	३	क.२०।८	भ.५।४३या.श्रवणेशुक्रः५५/४७चतुर्थीव्र.
४	मं	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	बु	५१	२५	उ	०/४७	५५/२४	सु	८	५६	कौ	२४	३६	५	३५	२५	१५	१७	४	कन्यायां	मकरेबुधः४५।३
६	गु	४६	३१	चि	५३	२४	धृ	१/१०	५३/२९	ग	१८	५८	८	३४	२६	१६	१८	५	तु.२४।४७	भ.४६।३१उ.
७	शु	४३	२७	स्वा	५२	२१	गं	४९	३१	वि	१४	५९	१२	३४	२६	१७	१९	६	तुलायां	भ.१४/५९या.धनि.रविः४/३६(सौरः१७/४)+
८	श	४२	२	वि	५२	५०	वृ	४५	४३	बा	१२	४४	१५	३३	२७	१८	२०	७	वृ.३७।४३	पार्गीगुरुः५३।३९पातमोक्षः५।३१
९	र	४२	४९	अ	५५	८	ध्रु	४३	१४	तै	१२	२५	१९	३२	२८	१९	२१	८	वृश्चिके	श्रवणेबुधः२०/१८[+पातस्पर्शः४७।५
१०	चं	४४	२	ज्ये	५८	३९	व्या	४२	०	व	१३	२५	२३	३१	२९	२०	२२	९	ध.५८।३९	भ.१३/२५उ.४४/२या.शुक्रास्तःपूर्वस्यां५७/३६
११	मं	४७	९	मू	६०	०	ह	४१	५८	ब	१५	३५	२७	३१	२९	२१	२३	१०	धनुषि	विजया११व्र.
१२	बु	५१	३८	मू	३	३४	व	४२	२०	कौ	१९	२३	३०	३०	३०	२२	२४	११	धनुषि	[Aपूषा.भौमः१४।१४प्रदोषः
१३	गु	५६	४५	पू	९	३६	सि	४३	४०	ग	२४	११	३४	२९	३१	२३	२५	१२	म.२६।१६	भ.५६/४५उ.कुंभेऽर्कः३९/५२(सौरः५१/२)A
१४	शु	६०	०	उ	१६	१७	व्य	४५	३४	वि	२९	४३	३८	२८	३२	२४	२६	१३	मकरे	भ.२९/४३या.बुधास्तःपूर्वस्यां१०।५८–
१४	श	२	४१	श्र	२३	२३	व	४७	३६	श	२	४१	४१	२८	३२	२५	२७	१४	कुं.५७।७	धनि.शुक्रः३३।५७
३०	र	८	५७	ध	३०	५०	प	४९	४७	ना	८	५७	४५	२७	३३	२६	२८	१५	कुम्भे	[–महाशिवरात्रीव्र.

४३पं.फा.कृ.१र.इ. ३७/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	१	९	४	३	९
१८	५	२९	२१	७	६	१३	१८
४९	५०	५५	५४	८	३३	१९	३५
१	६	१९	११	६	२५	२०	५१
६०	४१	८९	१/२६	७४	४/१६	३	६१
५५	८	४६	व	२६	व	११	४

११ मंबु९ १२ शुसू कौ१० ८ ९ ७ गु२ ४रा ६ ३ ५शचं

४४पं.फा.कृ.९र.इ. ३७/२४

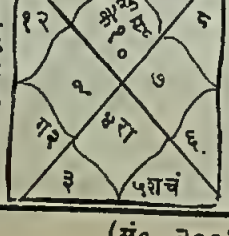

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१	९	४	३	९
२५	१०	१०	२१	१५	६	१२	२५
५४	५०	२७	४८	२४	१	५७	४२
५०	३८	४३	४०	२९	१	४	३८
६०	४१	९७	०/१०	७४	४/३४	३	६०
४७	२०	२१	सा	२६	व	११	५५

शुकेबु १२ १ ११सूच १० म ९ २गु ८ ३ श५ ७ ४रा ६

४५पं.फा.कृ.३०र.इ. ३७/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	१	९	४	३	१०
२	१५	२१	२१	२४	५	१२	२
५९	५१	४४	५२	३९	२७	३४	४८
४२	३६	४९	४४	७	४७	४९	४०
६०	४१	०/३७	१	७४	४/४०	३	६०
३७	३४		१५	३२	व	११	४२

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण२५०८स२०३७
१	चं	१५	१३	श	३८	२९	शि	५२	२	ब	१५	१३	२७/४९	६/२६	५/३४	२७	२९	१६	कुंभे	धनि.बुध ३२।४५चंद्रदर्शनम्
२	मं	२१	४१	पू	४५	५७	सि	५४	१७	कौ	२१	४१	५३	२५	३५	२८	१	१७	मी२९।५	मोहोरम१सन्१४५९हि.फुलरिया२
३	बु	२७	५२	उ	५३	२	सा	५५	४७	ग	२७	५२	५६	२५	३५	२९	२	१८	मीने	
४	गु	३३	२४	रे	५९	१३	शु	५७	२	व	०	३८	२८/०	२४	३६	३०	३	१९	मे.५९।१३	भ.३०/३८उ.३३/२४या.शतेरविः१६/५(सौर.+
५	शु	३८	६	अ	६०	०	शु	५७	३९	ब	५	४५	४	२३	३७	१	४	२०	मेषे	कुंभेबुधः३३।१९भा.फाल्गुनारंभः
६	श	४१	२८	अ	४	४६	ब्र	५६	५६	कौ	९	४७	८	२२	३८	२	५	२१	मेषे	[+२६।५४)कुंभेशुक्रः५१।५७
७	र	४३	३०	भ	८	४३	ऐं	५५	०	ग	१२	२९	१२	२२	३८	३	६	२२	वृ.२४।१९	भ.४३।३०उ.
८	चं	४३	४५	कृ	११	७	वै	५१	४३	वि	१३	३७	१६	२१	३९	४	७	२३	वृषे	भ.१३।३७या होलाष्टकम्
९	मं	४२	१४	रो	११	५३	वि	४६	५२	बा	१२	५९	२०	२०	४०	५	८	२४	मि४१।२०	शतेबुधः१३।३२
१०	बु	३८	४७	मृ	१०	४७	प्री	४०	३४	तै	१०	३०	२४	१९	४१	६	९	२५	मिथुने	शतेशुक्र १३।५८
११	गु	३३	२३	आ	७	४२	आ	३२	४४	व	६	५	२८	१८	४२	७	१०	२६	क.४९।२	भ.६।५उ.३३।२३या.आमलकी११व्र.
१२	शु	२६	२२	पु	२/४९	५४/२	सौ	२३	४५	बा	२६	२२	३२	१८	४२	८	११	२७	कर्के	प्रदोषः
१३	श	१७	५७	श्ले	४९	३२	शो	१३	३४	तै	१७	५७	३६	१७	४३	९	१२	२८	सिं४९।३२	
१४	र	८	३४	म	४१	२९	अ	२/४९	४८/४४	व	८	३४	४०	१६	४४	१०	१३	१	सिंहे	भ.८।३४उ.३३।३९या.मार्च३ता.=
१५	र	५०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=३१होलिकादहनम्भद्रोत्तरम्

४६पं.फा.शु.७र.इ.३७/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	१	१०	४	३	१०
१०	२०	३	२२	३	४	१२	९
३	५५	४६	६	२६	५३	१२	५३
१४	२६	२३	१४	६	२	३३	१४
६०	४०	७/०	२	७४	४/४०	३	६०
२५	३२	५४	४०	३२	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

१२ १०के १ ११ ९मं २चंबु ८ ३ श५ ७ ४रा ६

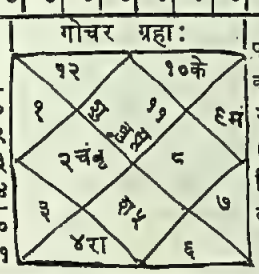

फाल्गुनकृष्णे१३ गुरौ कुंभेऽर्कःप्रविष्टः वा. २ न. ३प्रगल्भावस्था (बैठी)मु ४५धान्यादिभावेसमर्घताशुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

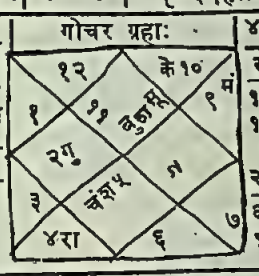

१२ के१० १ ११ बुकुसू ९मं २गु ८ ३ चंश५ ७ ४रा ६

४७पं.फा.शु.१४र.इ.३८/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	१	१०	४	३	१०
१७	२६	१६	२२	१२	४	११	१६
५	०	२५	२९	११	१९	५०	५६
२८	१४	५६	२८	२८	५२	१८	१०
६०	४१	४/१९	३	७४	४/२८	३	६०
१२	४२	११	५९	३२	व	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	चं	४८	५३	पू	३३	३२	धृ	४०	३१	बा	२३	४८	२८/४४	६/१५	५/४५	११	१४	२	कं.४६।४२	उषा.भौम.३५।२४वसंत१छारेंडी
२	मं	३९	३८	उ	२६	११	शू	२९	५८	तै	१४	१५	४८	१४	४६	१२	१५	३	कन्यायां	पूभा.बुधः३०।४०
३	बु	३१	१४	ह	१९	४७	गं	२०	२३	व	५	२६	५२	१४	४६	१३	१६	४	तु.४७।१५	भ.५/२६उ.३१/१४या.पूभा.रविः३२/१०(सौरः×
४	गु	२४	३१	चि	१४	४३	बृ	१२	७	बा	२४	३१	५६	१३	४७	१४	१७	५	तुलायां	[×४१।११)चतुर्थीव्र.
५	शु	१९	४१	स्वा	११	३७	ध्रु	५/८	५४/५०	तै	१९	४१	२९/१	१२	४८	१५	१८	६	वृ.५५।३८	
६	श	१६	५२	वि	१०	१९	ह	५६	१४	व	१६	५२	५	११	४९	१६	१९	७	वृश्चिके	भ.१६/५२उ.४६/३१या.पूभा.शुक्रः५३।४५
७	र	१६	१०	अ	११	१०	व	५४	२०	ब	१६	१०	९	१०	५०	१७	२०	८	वृश्चिके	मीने बुधः३८/३२मकरेभौमः४।३९
८	चं	१७	१७	ज्ये	१४	१	सि	५३	३७	कौ	१७	१७	१३	९	५१	१८	२१	९	ध.१४।१	शीतलापूजनम्
९	मं	२०	१५	मू	१८	३२	व्य	५४	१६	ग	२०	१५	१७	९	५१	१९	२२	१०	धनुषि	भ.५२।२७उ.उभा.बुधः२१।४४
१०	बु	२४	३९	पू	२४	२८	व	५५	२९	वि	२४	३९	२१	८	५२	२०	२३	११	म.४१।१२	भ.२४।३९या.
११	गु	३०	१०	उ	३१	२३	प	५७	३४	बा	३०	१०	२६	७	५३	२१	२४	१२	मकरे	मृग१गुरुः१३।५७पापमोचनी११व्र.
१२	शु	३६	२०	श्र	३८	४०	शि	५९	४८	कौ	३	१५	३०	६	५४	२२	२५	१३	मकरे	
१३	श	४२	४६	ध	४६	२३	सि	६०	०	ग	९	३३	३४	५	५५	२३	२६	१४	कुं.१२।३१	भ.४२/४६उ.मीनेऽर्कः३३/०सौर.४१/३२प्रदोषः
१४	र	४९	३	श	५३	५८	सि	२	१५	वि	१५	५४	३८	४	५६	२४	२७	१५	कुंभे	भ.१५/५४यामीनेशुक्र५५/८वक्रीमघा१श.९/५७
३०	चं	५६	१८	पू	६०	०	सा	४	३०	च	२२	४१	४३	३	५७	२५	२८	१६	मी४४।२९	बुधोदयःपश्चिमायां१३।२९मन्वादिः

४८पं.चै.कृ.७र.इ.३८/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	१	१०	४	३	१०
२४	१	२९	२३	२०	३	११	२३
६	५	५९	१	५५	४८	२८	५७
१४	६	५६	३४	३७	०	२	३३
५९	४१	६/११	५	७४	४/१०	३	६०
५८	३७	३१	८	३६	व	११	६

गोचर ग्रहाः

१२ ११ मके१० ९ १ शुबुर ८ च २ गु ३ श५ ७ ४रा ६

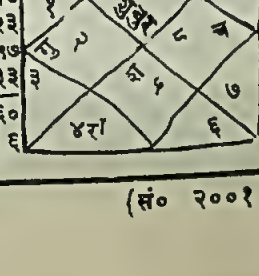

चैत्र कृष्णे १३ शनौ मीनेऽर्कःप्रविष्टःवा.३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

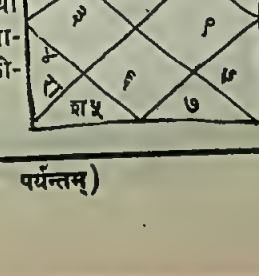

१ १२ शुचं ११ के १० मं २ गु सूबु ३ ९ ४ रा ६ ५ श५ ७

४९पं.चै.कृ.१४र.इ.३८/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	१	१०	४	३	११
१	६	१३	२३	२९	३	११	०
५	११	३६	४१	३९	१८	५	५७
३१	४९	३२	२	४३	४७	४६	१५
५९	४१	४/०	६	७४	३/५२	३	५९
४१	३७	५२	१८	३८	व	११	४९

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम्।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३८, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००; कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१३८, भोग्यकलिः ४२६८६२ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०९४, शाकः १९५९, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः। मंत्री चंद्रः। पस्येशो गुरुः। धान्येशो भौम। मेघेशश्चंद्रः। रसेशः शनिः। नीरसेशः शनिः। फलेशो रविः। धनेशो बुधः। दुर्गेशो रविः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ५ प्रजापतिनाम संवत्सरःप्रवर्तते। तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ३।९।२१।३३।० भोग्यमासादिः ८।२०।३८।२६।० विष्णुदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम मार्गशीर्षः।मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासःसंधौ समयनिवासो वैश्य गृहे। समय विश्वा१८ समयवाहनम् वृषभः। स्तभः१ वायोः। सोमवत्यमा १ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी २रविदशमी३ समय मुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९६ खपतिविश्वा१०८, वर्षाविश्वा १३, धान्यम् १३, तृणम् १७, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धि १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१२७, सत्यम्।। धर्मं १।।,पापं १८शनिदृष्टिदक्षिणे। ग्रहणऽभावः।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	८	२	५	१४	२	५
ख.	१४	८	५	२	१४	५

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जगदंबा का ध्यान धर भैरव करे पुकार।
आया साल चौराणवे कहिये फल विस्तार।।

भवानी उत्तर

चारों दिशा चौराणवे मांचे घणां बवाल।
चौर दस्यु अरु अग्निभय धनपति हो कंगाल।।
भूमि तनय नृप वर्ष में जग में मांचे शोर।
मेघाडंबर देखकर घणां बोल सी मोर।।
रोहिणी वासो संधि में स्तंभ लगा है एक।
वायु चले उतावली तेजी होय विशेषः।।
प्रजापती संवत् हआ करे प्रजा की सहाय।
शर्म्मा का यह कथन है भली करे यदुराय।।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	२	८	११	१४	१४	११
ख.	८	१४	५	१४	१४	५

वर्ष लग्नम् १०।२

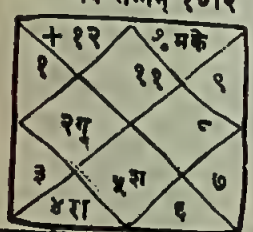

वर्षेश-लग्नम् १०।२४

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२१।३४

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ॥ भौमे नृपे वन्हि भयं जन क्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रह च । दुःखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुंचति वारिवाहः ॥ मंत्री चन्द्रः फलम् ॥ शशिनि मंत्रिगते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । वियति वारि धरा बहु वर्षिणो जनपदाः सुखराशि सुशोभिताः ॥ सस्येशो गुरुः फलम् ॥ कणपत्तौ सुरराजपुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः । जलधरा जलदा बहु सस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै ॥ धान्येशो भौमस्तत्फलम् ॥ भूमिजे ग्रीष्म धान्येशे ग्रीष्म धान्य महर्घकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवति च ॥ मेघेशश्चन्द्रस्तत्फलम् ॥ शशिनि तोयदपे यदि गो महिष्यजखरादिषु दुग्ध रसं तदा । फलवती घन धान्यवती धरा विविध भोगवती ननुभामिनी ॥ रसेशो शनिः फलम् ॥ रविसुते रसपे रस संक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गजवाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा न रसैर्युताः ॥ नीरसेशः शनिः फलम् ॥ अयः पिण्डादि लोहानां कृष्णवस्त्रादि वस्तुनां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके ॥ फलेशः रविः फलम् ॥ द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहु जल जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ॥ धनेशो बुधः फलम् ॥ द्रविणपो हिम रश्मिसुतो यदि विविध संग्रह वस्तु फलार्यदा । द्विजवरा जप यज्ञसुसयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः । दुर्गेशः रविः फलम् ॥ नय विशेष करस्तरणिस्तदा गतभया नरराज पुरोगमाः । समधिको न तदा नृपजोन्यजः स्वपथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ॥ प्रजापति नाम संवत्सरः फलम ॥ न चलन्त्यखिला लोकाः स्व स्व मार्गात् कथंचन अब्दे प्रजापतेर्नूनं बहु सस्यार्घ वृष्टयः ॥ वर्षनाम मार्गशीर्षः फलम् ॥ कार्पासादि महर्घं स्याद्गोधूमाश्वतिलादिकम् । मेघो वर्षति देवो वा मार्गशीर्षे विशेषतः ॥ मेघनाम संवर्त फलम् ॥ संवर्ते जल पूरिता ॥ रोहिणी निवासः संधौ फलम् ॥ खंडवृष्टिश्च संधिषु ॥ समय निवासः वैश्य गृहे फलम् ॥ वणिग्गृहे शुभं नास्ति । ॥ एवं संचिन्त्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०९४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ११ रवौ उफा ल. ९-१२ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।
(धनुषिगु.पू.) गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, १२ चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो ९ (गु.पू.) १२
(चं.पू.) रे. ८ ।।।।।ऽनूऽ।।।

कार्तिक मासः

शुक्ला ११ बुधे रेव ल. ६ (चं.७पू.) रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।।
,, १२ गुरौ रेव ल. गो. (सोग्रांगः) ल. ६
(घ.५०-४या) रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ चन्द्रे रोहि ल. ६ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
,, ९ भौमे उफा ल. ऽन्यगो रे. ८
।।।।।ऽचौ।ऽ।।दग्धा३३।४४उ।

पौष मासः

शुक्ला ११ रवौ रोहि ल. गो. रे. ८ ।।।।।।।।ऽऽदग्धा
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ५ चन्द्रे उफा ल. गो. रे. ७ ऽ।।।।ऽअ।ऽ।।
,, ९ शुक्रे अनु ल. ऽन्यगो ६ (व्ययेकौ) रे. ६
।।।।ऽऽचौऽऽ।।
शुक्ला ४ चन्द्रे उभा ल. ६ चं.७पू.) रे.१० ।।।।।।।।।।
,, ५ भौमे रेव ल. ऽन्यगो ६ रे. ६ ।ऽ।।।ऽरोऽऽ।।
,, ९ शनौ रोहि ल. ऽन्यगो (सोग्रांग॰) रे. ९
।।।।।ऽ।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ रवौ उफा ल.गो. (सोग्रांगः) रे.८ऽ।।।।ऽरो।।।।

अथ क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षतव्य सुधीभिः

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः २५३७स.२०३७
१	मं	६०	०	पू	१	१९	शु	६	३१	किं	२८	३९	२९/४७	६/३	५/५७	२६	२९	१७	मीने	उभा.रविः ५४/४ रेवत्यावुधः १९/२ संवत्स-×
१	बु	१	०	उ	८	५	शु	८	९	ब	१	०	५१	२	५८	२७	३०	१८	मीने	उभा.रविःसौरः ३/८ उभा.शुक्र ३५/५६ चंद्रदर्श.
२	गु	५	५२	रे	१४	१	ब्र	९	३	कौ	५	५२	५५	१	५९	२८	१	१९	मे.१४।१	सफर२सिंधारा[×सरारंभनवरात्रारंभ
३	शु	१०	२	अ	१९	१७	ऐं	९	२५	ग	१०	२	३०/०	६/०	६/०	२९	२	२०	मेषे	भ.४१/३५ उ.श्रवणेभौमः ४४/५० मत्स्यजयंती =
४	श	१३	८	भ	२३	३४	वै	८	५५	वि	१३	८	४	५/५९	१	३०	३	२१	वृ.३९।१९	भ.१३।८या. [=गणगौरी
५	र	१५	२	कृ	२६	३४	वि	७	४१	वा	१५	२	८	५८	२	१	४	२२	वृषे	भा.चैत्रारंभः
६	चं	१५	४३	रो	२८	२०	प्री	५	२२	तै	१५	४३	१२	५८	२	२	५	२३	मि५८।३५	
७	मं	१५	५	मृ	२८	५०	आ	१/४९	५५/२५	व	१५	५	१६	५७	३	३	६	२४	मिथुने	भ.१५।५उ.४४।०या.
८	बु	१२	५४	आ	२७	३२	शो	५१	१०	ब	१२	५४	२१	५६	४	४	७	२५	मिथुने	रामनवमीस्मा.
९	गु	९	११	पु	२४	५३	अ	४४	०	कौ	९	११	२५	५५	५	५	८	२६	क.१०।३३	रामनवमीवै.
१०	शु	४	५	पु	२०	४३	सु	३५	४५	ग	४	५	२९	५४	६	६	९	२७	कर्के	भ.३०/४४ उ.५७/२३ या अश्वि.मेषेबुधः ४४/९ ÷
११	शु	५३	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷कामदा११व्र.स्मा.
१२	श	४९	२९	श्ले	१५	२२	धृ	२६	३२	ब	२३	२६	३३	५३	७	७	१०	२८	सिं१५।२२	कामदा११व्र वै.
१३	र	४०	३९	म	८	४९	शू	१६	२५	कौ	१५	४	३७	५३	७	८	११	२९	सिंहे	रेवत्यांशुक्रः१९।१६प्रदोषः
१४	चं	३१	१७	पू	१/३८	५२/३४	गं	५/५६	४९/१७	ग	५	५८	४१	५२	८	९	१२	३०	कं.१४।४७	भ.३१।१७उ.५६।३७या.
१५	मं	२१	५८	ह	४७	५	ध्रु	४५	७	ब	२१	५८	४५	५१	९	१०	१३	३१	कन्यायां	रेवत्यांरविः २१/३९ (सौरः २९/३५ हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.५र.इ. ३९/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	१	११	४	३	११
८	११	२५	२४	८	२	१०	७
३	१९	३५	३०	२२	५२	४३	५५
१८	५५	२८	२९	५९	१६	३१	१०
५९	४१	९२	७	७४	३/२४	३	५९
२९	५६	४१	१६	३८	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मासमें बुध का चन्द्रदर्शन चांदी रुई सोना लोहा कपास वारदाना सण तिल में मंदी करे घृत चीनी आदि रस तेज रहे।

गोचर ग्रहाः

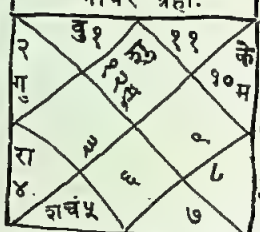

५१पं.चै.शु.१३र.इ. ३९/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	०	१	११	४	३	११
१४	१६	३	२५	१७	२	१०	१४
५९	२८	२८	२५	५	३०	२१	५१
१०	१९	४८	५२	१३	२२	१५	२२
५९	४१	४९	८	७४	२/४०	३	५९
१६	५२	२	२६	३८	व.	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु	१३	२	चि	४०	५८	व्या	३५	३९	कौ	१३	२	३०/४९	५/५०	६/१०	११	१४	१	तु.१४।२	अप्रेल४ता.३०
२	गु	५/५३	१/४७	स्वा	३६	६	ह	२७	१९	ग	५	११	५३	४९	११	१२	१५	२	तुलायां	भ.३२।४उ.५८।५८या.
३	शु	५४	२४	वि	३३	०	व	२०	३२	ब	२६	४१	५७	४९	११	१३	१६	३	वृ.१८।४६	चतुर्थीव्र.
४	श	५२	८	अ	३१	५०	सि	१५	१७	कौ	२३	१६	३१/१	४८	१२	१४	१७	४	वृश्चिके	वक्रीबुधः ३३/३ बुधास्तःपश्चिमायां ५०/१०
५	र	५२	२	ज्ये	३२	३९	व्य	११	४६	ग	२२	५	५	४७	१३	१५	१८	५	ध.३२।३९	भ.५२/२ उ.पुष्य.२राहुःउषा.४केतुः२१।१
६	चं	५४	१	मू	३५	३५	व	९	५२	वि	२३	१	१०	४६	१४	१६	१९	६	धनुषि	भ.२३।१या.
७	मं	५७	४६	पू	४०	२३	प	९	५५	बा	२५	५३	१४	४५	१५	१७	२०	७	म.५६।५८	मृग.२गुरुः१।५६
८	बु	६०	०	उ	४६	४३	शि	१०	३७	तै	३०	१८	१८	४४	१६	१८	२१	८	मकरे	धनि.भौमः७।५८
९	गु	२	५०	श्र	५४	२३	सि	१२	२०	ग	२	५०	२२	४४	१६	१९	२२	९	मकरे	भ.३५/५६ उ.अश्वि.मेषेशुक्रः३।५३
१०	शु	९	२	ध	६०	०	सा	१४	३६	वि	९	२	२६	४३	१७	२०	२३	१०	कुं.२८।१९	भ.९।२या.
११	श	१५	२१	ध	२	१४	शु	१७	६	बा	१५	२१	३०	४२	१८	२१	२४	११	कुंभे	वरुथिनी११व्र. [÷पश्चिमायां ५१/३६
१२	र	२१	४४	श	१०	११	शु	१९	३२	तै	२१	४४	३४	४१	१९	२२	२५	१२	कुंभे	प्रदोषः
१३	चं	२७	४५	पू	१७	४९	ब्र	२१	३७	व	२७	४५	३८	४०	२०	२३	२६	१३	मी०।५५	भ.२७/४५ उ.अश्वि.मेषेऽर्कः५५।३८
१४	मं	३२	५७	उ	२४	१४	ऐं	२३	७	वि	०	२१	४२	४०	२०	२४	२७	१४	मीने	भ.२०/२१ या.अश्वि.मेषेऽर्कसौरः४ ८
३०	बु	३७	१३	रे	२९	४७	वै	२३	४०	च	५	५	४६	३९	२१	२५	२८	१५	मे.२९।४७	वक्रीमीनेरेव.बुधः ५१/४४ शुक्रोदयः ÷

५२पं.वै.कृ.६र.इ. ३९/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	०	१	११	४	३	११
२१	२१	५	२६	२५	२	९	२१
५३	३६	५०	२७	४६	१२	५९	४५
३१	३२	१३	२५	३४	०	०	३३
५९	४१	९/२३	९	७४	१/२०	३	५९
४	५५	व	१२	३२	व	११	४

गोचर ग्रहाः

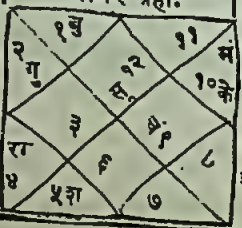

वैशाख कृष्णे १३ चन्द्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

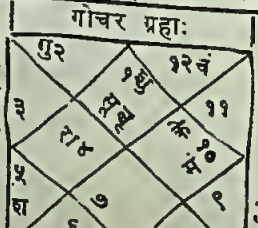

१पं.वै.कृ.१३चं.इ. ५५/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	१	०	४	३	११
०	२७	१	२७	६	१	९	२९
०	४०	२३	४५	०	५५	३२	५१
०	५९	२०	१८	१४	२३	५१	४९
५८	४१	४३/४	१०	७४	१/२३	३	५८
४४	४५	व	५	३२	व	११	४५

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२५६७स.२०३७
१	गु	४०	२८	अ	३४	२८	वि	२३	३५	किं	८	५०	३१/५०	५/३८	६/२२	२६	२९	१६	मेषे	
२	शु	४२	२९	भ	३८	७	प्री	२२	४५	बा	११	२८	५३	३७	२३	२७	३०	१७	वृ.५३।४५	कुंभेभौमः१५।२५चन्द्रदर्शनम्
३	श	४३	३३	कृ	४०	४०	आ	२१	१	तै	१३	१	५७	३७	२३	२८	१	१८	वृषे	रविलावल३परशुरामजयंतीअक्षया३
४	र	४३	३७	रो	४२	९	सौ	१८	१७	व	१३	३५	३२/१	३६	२४	२९	२	१९	वृषे	भ.१३/३५उ.४३/३७या.भरण्यांशुक्रः५२।३
५	चं	४२	३५	मृ	४३	२०	शो	१५	७	ब	१३	६	५	३५	२५	३०	३	२०	मि१२।४५	
६	मं	४०	३३	आ	४३	०	अ	११	२६	कौ	११	३४	९	३४	२६	१	४	२१	मिथुने	भा.वैशाखारंभः
७	बु	३७	२७	पु	४१	३८	सु	५	५२	ग	९	०	१२	३४	२६	२	५	२२	क.२६।५९	भ.३७।२७उ.
८	गु	३३	२८	पु	३८	५९	धृ	०/२	५३/२५	वि	५	२७	१६	३३	२७	३	६	२३	कर्के	भ.५/२७या.बुधोदयःपूर्वस्यां५।४३
९	शु	२८	२६	श्ले	३५	२१	गं	४६	५	बा	०	५७	२०	३२	२८	४	७	२४	सि३५।२१	पातस्पर्शः५५।४७
१०	श	२२	२३	म	३०	४०	वृ	३७	५८	ग	२२	२३	२३	३१	२९	५	८	२५	सिंहे	भ.४८।५५उ.पातमोक्षः१०।२५
११	र	१५	२८	पू	२५	११	ध्रु	२९	८	वि	१५	२८	२७	३१	२९	६	९	२६	कं.३८।३७	भ.१५/२८या.शतेभौमः३/३७मृग३मिथुने=
१२	चं	८	१	उ	१८	५७	व्या	१९	५६	बा	८	१	३१	३०	३०	७	१०	२७	कन्यायां	भरण्यांरविः३५/५०(सौरः४५/३३)मार्गीशनि×
१३	चं	५१	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=गुरुः२९/२३मोहिनी११व्र.
१४	मं	५१	५२	ह	१२	३४	ह	१०	४१	ग	२५	५३	३४	२९	३१	८	११	२८	तु.३९।४१	भ.५१/५२उ.नृसिंहजयंती[×५३/१४प्रदोषः
१५	बु	४४	२०	चि	६	४७	व	१/३७	५१/३१	वि	१८	६	३८	२८	३२	९	१२	२९	तुलायां	भ.१८।६या.यमायकुंभदानम्

२पं.वै.शु.५च.इ. ५५/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	१	०	४	३	०
६	२	२७	२८	१४	१	९	६
५०	४९	१६	५८	३९	४८	१०	४२
४६	५२	४१	३४	२२	११	३६	०
५८	४१	३६/४१	१०	७४	०/३१	३	५८
३१	३७	व.	५०	३२	वं	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य जो गेहूं चना बाजरा मूंग चावल आदि मंदे हो रसकस गुड सक्कर चीनी गन्ना धातु रुई तेज हो

गोचर ग्रहाः

३पं.वै.शु.१२चं.इ. ५६/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	२	०	४	३	०
१३	७	२५	०	२३	१	८	१३
३९	५७	४	१६	१७	४६	४८	३०
५०	५८	५९	२६	५३	१६	२०	२५
५८	४१	१२/१७	११	७४	०/३	३	५८
१९	३३	व.	२२	२६	मा	११	१२

ति.	प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	३७	५५	स्वा	५/४४	५६/२६	व्य	४५	४४	बा	११	७	३२/४१	५/२८	६/३२	१०	१३	३०	वृ.४४।३	मार्गीबुधः२७।४२कृत्ति.शुक्रः३९।७
२	शु	३२	५०	अ	५६	४	व	३९	२३	तै	५	२२	४५	२७	३३	११	१४	१	वृश्चिके	मई५ता.३१
३	श	२९	३२	ज्ये	५६	१३	प	३४	४०	व	१	११	४८	२६	३४	१२	१५	२	व.५६।१३	भ.१।११उ.२९।३२या.चतुर्थीव्र.
४	र	२८	७	मू	५८	१२	शि	३१	२५	बा	२८	७	५२	२६	३४	१३	१६	३	धनुषि	बृषेशुक्रः२६।४२
५	चं	२८	५६	पू	६०	०	सि	३०	२०	तै	२८	५६	५५	२५	३५	१४	१७	४	धनुषि	
६	मं	३१	४७	पू	२	७	सा	२९	५५	ग	०	२१	५८	२४	३६	१५	१८	५	म.१८।२८	भ.३१।४७उ.
७	बु	३६	१५	उ	७	२९	शु	३१	१०	वि	४	१	३३/२	२४	३६	१६	१९	६	मकरे	भ.४।१या.
८	गु	४१	५७	श्र	१४	१४	शु	३३	६	बा	९	६	५	२३	३७	१७	२०	७	कुं.४७।३४	
९	शु	४८	४	ध	२०	५३	ब्र	३५	२३	तै	१५	०	८	२२	३८	१८	२१	८	कुंभे	
१०	श	५४	१३	श	२८	१९	ऐं	३७	५६	व	२१	८	११	२२	३८	१९	२२	९	कुंभे	भ.२१।८उ.५४।१३या.
११	र	६०	०	पू	३५	२०	वै	४०	११	ब	२७	१२	१४	२१	३९	२०	२३	१०	मी१८।३५	अश्वि.मेषेबुधः२७।५७अपरा११व्र.
११	चं	०	११	उ	४१	४६	वि	४१	५२	बा	०	११	१७	२१	३९	२१	२४	११	मीने	कृत्ति.रवि.२१/१९(सौरः३३/२५)रोहि शु.३१/३४
१२	मं	५	१३	रे	४६	५७	प्री	४२	३२	तै	५	१३	२०	२०	४०	२२	२५	१२	मे ४६।५७	प्रदोषः
१३	बु	९	४	अ	५१	१३	आ	४२	१३	व	९	४	२३	१९	४१	२३	२६	१३	मेषे	भ.९/४उ.४०/२०या.मृग४गुरुः२०।१३
१४	गु	११	३५	भ	५४	१३	सौ	४०	४५	श	११	३५	२६	१९	४१	२४	२७	१४	मेषे	बृषेऽर्कः४९।४पूभा भौमः३१।५८
३०	शु	१२	४०	कृ	५६	४२	शो	३८	२४	ना	१२	४०	२८	१८	४२	२५	२८	१५	वृ.९।५५	बृषेऽर्कःसौरः१।१८वटपूजनम्

४ पं.प्र.ज्ये.कृ.५चं.इ. ५६/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	२	१	४	३	०
२०	१३	२६	१	१	१	८	२०
२७	५	२८	३८	५५	४९	२६	१७
२९	४६	१	६	१	३०	५	१२
५८	४१	१८/४४	११	७४	०	३	५७
६	३९	मा	५९	२६	५३	११	५७

गोचर ग्रहाः

प्र.ज्येष्ठकृष्णे१४ गुरौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ सुतार्थिन्य वस्था(मूती मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

५पं.प्र.ज्ये.कृ११चं.इ. ५६/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	१	४	३	०
२७	१८	१	३	१०	१	८	२७
१३	१२	९	२	३१	५७	३	२
३७	२५	५८	४९	५	५०	४९	२६
५७	४१	४६	१२	७४	१	३	५७
४४	३३	४९	२०	२६	३२	११	४५

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति.	प्र.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२५९७स.२०३७
१	श	१२	२६	रो	५७	३८	अ	३५	०	ब	१२	२६	३३/३१	५८/१	६/४२	२६	२९	१६	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
२	र	११	२	मृ	५७	११	सु	३०	४९	कौ	११	२	३४	१७	४३	२७	१	१७	मि२७।२५	रविलाखर४
३	चं	८	४६	आ	५६	२	धृ	२५	५६	ग	८	४६	३७	१७	४३	२८	२	१८	मिथुने	भ ३७।१३उ.
४	मं	५	४०	पु	५४	२	शू	२०	३२	वि	५	४०	३९	१६	४४	२९	३	१९	क.३९।३२	भ.५।४०या
५	बु	१	४५	पु	५१	३४	गं	१४	४६	बा	१	४५	४२	१६	४४	३०	४	२०	कर्के	
६	बु	५५	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	गु	५२	५२	श्ले	४८	५५	वृ	८	३०	ग	२५	१२	४४	१५	४५	३१	५	२१	सि४८।५५	भ.५२।५२उ मृगेशुक्रः२१।१२
८	शु	४७	४५	म	४५	४५	ध्रु	१/४९	५३/९	वि	२०	१८	४७	१५	४५	१	६	२२	सिंहे	भ.२०/१८या भरण्यांबुधः४८/३३ भा.ज्येष्ठारभः
९	श	४२	२२	पू	४२	८	ह	४७	४१	बा	१५	३	४९	१४	४६	२	७	२३	क.५६।९	
१०	र	३६	२३	उ	३८	११	व	४०	९	तै	९	२२	५२	१४	४६	३	८	२४	कन्यायां	
११	चं	३०	१९	ह	३४	७	सि	३२	३१	व	३	२१	५४	१३	४७	४	९	२५	कन्यायां	भ.३/२१उ ३०/१९या रोहि.रवि १२/२७=
१२	मं	२४	६	चि	३०	०	व्य	२४	५८	बा	२४	६	५६	१३	४७	५	१०	२६	तु.२।३	[=(सौर:२७।२०कमला११व्र.
१३	बु	१८	११	स्वा	२६	७	व	१७	३८	तै	१८	११	५८	१२	४८	६	११	२७	तुलायां	मिथुनेशुक्रः४८।५८
१४	गु	१२	४४	वि	२२	५९	प	१०	४९	व	१२	४४	३४/०	१२	४८	७	१२	२८	वृ.५।३९	भ.१२/४४उ ४०/२७या मीने भौमः१८/४८आर्द्रा १+
१५	शु	८	११	अ	२०	३५	शि	४/४६	५५/१	ब	८	११	२	१२	४८	८	१३	२९	वृश्चिके	[गुरु ५७/१०

६पं.प्र.ज्ये.शु.३च.इ. ५६/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	०	२	१	४	३	१
३	२३	८	४	१९	२	७	३
५८	१८	४०	३०	६	१०	४१	४६
४४	४	१६	११	४३	५९	३३	१०
५७	४१	७२	१७	७४	२	३	५७
४४	२३	१३	४३	२०	११	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत धान्य गेहूं जौ चना कपास गुड़ शक्कर वारदाना चीनी लाल वस्तुएं तेज हो।

गोचर ग्रहाः

७पं.प्र.ज्ये.शु.११चं.इ.५६/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	०	२	१	४	३	१
१०	२८	१८	६	२७	२	७	१०
४२	२२	२९	०	४१	२८	१९	२८
४०	२६	५३	३२	२०	५९	१८	२२
५७	४१	९३	१३	७४	२	३	५७
३५	१४	२८	८	१३	५०	११	२३

ति.	द्वि.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र.म्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	५	१०	ज्ये	२०	१	सा	५६	०	कौ	५	१०	३४/३	५/११	६/४९	९	१४	३०	ध.२०।१	कृत्ति.बुधः५८।५५
२	र	३	३८	मू	२०	४०	शु	५३	५०	ग	३	३८	५	११	४९	१०	१५	३१	धनुषि	भ ३३।४५उ.
३	चं	३	५२	पू	२३	२८	शु	५३	०	वि	३	५२	७	११	४९	११	१६	१	म.३९।३१	भ ३/५२या वृषेबुधः४६/९उभा.भौमः४८/३१×
४	मं	५	५६	उ	२७	४९	ब्र	५३	५	बा	५	५६	९	१०	५०	१२	१७	२	मकरे	आर्द्रा.शुक्रः१७।१६
५	बु	९	३४	श्र	३३	४५	ऐं	५४	४०	तै	९	३४	१०	१०	५०	१३	१८	३	मकरे	[×जून६ता.३० चतुर्थीव्र.
६	गु	१४	४६	ध	४०	२७	वै	५६	४४	व	१४	४६	१२	१०	५०	१४	१९	४	कुं.७।६	भ.१४।४६उ.४७।४०या
७	शु	२०	३५	श	४७	५४	वि	५९	९	ब	२०	३५	१३	९	५१	१५	२०	५	कुम्भे	
८	श	२६	४४	पू	५५	२१	प्री	६०	०	कौ	२६	४४	१५	९	५१	१६	२१	६	मी३८।२९	बुधास्तःपूर्वस्यां२६।३५
९	र	३२	४७	उ	६०	०	प्री	१	३४	ग	३२	४७	१६	९	५१	१७	२२	७	मीने	रोहिबुध.३/१३पुष्य १राहुःउषा ३केतु १८/२९
१०	चं	३७	५८	उ	२	२८	आ	३	३४	व	५	२२	१७	९	५१	१८	२३	८	मीने	भ ५/२२उ ३७/५८या मृगेरवि ७/१९ (सौर:२६/१०)
११	मं	४१	४७	रे	८	३२	सौ	४	३७	ब	९	५२	१८	८	५२	१९	२४	९	मे.८।३२	मघा.२शनिः१७।१७कमला११व्र.
१२	बु	४४	१४	अ	१३	८	शो	४	३६	कौ	१३	०	१९	८	५२	२०	२५	१०	मेषे	
१३	गु	४४	५४	भ	१६	१३	अ	३	२६	ग	१४	३४	१९	८	५२	२१	२६	११	वृ.३१।३३	भ ४४।५४उ.
१४	शु	४३	४९	कृ	१७	३३	सु	०/५०	५६/८	वि	१४	२१	१९	८	५२	२२	२७	१२	वृषे	भ १४।२१या आर्द्रा.२गुरु ५७।२४
३०	श	४१	११	रो	१७	१४	शू	५२	७	च	१२	३०	२०	८	५२	२३	२८	१३	मि४६।३१	मृगेबुधः१९।४३पुन.शुक्रः१५।२८

८पं द्वि.ज्ये कृ.३चं.इ. ५६/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	२	२	४	३	१
१७	३	०	७	६	२	६	१७
२५	२५	१९	३२	१४	५१	५७	९
२६	४४	५९	२०	५६	४३	२	२८
५७	४०	[illegible]	१३	७४	३	३	५७
२७	४७	[illegible]	२०	२	३२	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मासमें५शनिवार अशुभ हैं धान्य जौ चना गेहूं बाजरा चांवल गुड शक्कर रुई कपास वस्त्र गन्ना तेज हो प्रजा मे शोक फैले वर्षा होवे।

गोचर ग्रहाः

९पं.द्वि.ज्ये.कृ.१०चं.इ. ५६/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	२	२	४	३	१
२४	८	१३	९	१४	३	६	२३
७	२५	५६	५	४७	१८	३४	४९
३०	५९	५३	४६	२४	३६	४७	२४
५७	४०	[illegible]	१३	७३	४	३	५७
२२	३४	[illegible]	२६	५६	८	११	५

ति.	द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२६२६स.२०३७
१	र	३७	२३	मृ	१५	४७	गं	४६	११	किं	९	१७	३४/२१	५/८	६/५२	२४	२९	१४	मिथुने	
२	चं	३२	३२	आ	१३	२१	वृ	३९	३८	बा	४	५७	२२	८	५२	२५	३०	१५	क.५५।५२	मिथुनेऽर्कः ५/५३ (सौरः २६/५८) चन्द्रदर्शनम्
३	मं	२७	४	पु	१०	२	ध्रु	३२	३१	ग	२७	४	२२	८	५२	२६	१	१६	कर्के	भ.५४/१५उ.मिथुनेबुधः ३४/३१जमादिलावल५.
४	बु	२१	२६	पु	६	१९	व्या	२५	५	वि	२१	२६	२३	७	५३	२७	२	१७	कर्के	भ.२१।२६या.
५	गु	१५	३७	श्ले	२/४०	५६/१२	ह	१७	५६	बा	१५	३७	२३	७	५३	२८	३	१८	सिं२।४०	
६	शु	९	५३	पू	५५	१७	व	१०	५०	तै	९	५३	२३	७	५३	२९	४	१९	सिंहे	आर्द्रा.बुधः३१।१९अस्तंगुरोः२१।३६
७	श	४	२८	उ	५१	५५	सि	३/४२	५३/६	व	४	२८	२४	७	५३	३०	५	२०	कं.९।२६	भ.४/२८उ ३१/४८या.रेवत्याभौम ३०/४८
८	श	५४	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[-भा आषाढारंभः गंगादशमी
९	र	५४	१०	ह	४८	५३	व	५०	१	बा	२६	४०	२४	७	५३	३१	६	२१	कन्यायां	कर्केशुक्रः२८।९
१०	चं	४९	२०	चि	४६	११	प	४३	४४	तै	२१	४५	२४	७	५३	१	७	२२	तु.१७।३२	आर्द्रा.रवि ४/४८ (सौरः २८/३१)
११	मं	४५	२	स्वा	४३	४५	शि	३७	४०	व	१७	११	२४	७	५३	२	८	२३	तुलायां	भ.१७।११उ.४५।२या.निर्जला११ब्र.
१२	बु	४१	१९	वि	४२	१	सि	३२	१४	व	१३	१०	२४	७	५३	३	९	२४	वृ.२६।२७	पुष्येशुक्रः१०।५१
१३	गु	३८	२०	अ	४०	५५	सा	२७	७	कौ	९	४९	२३	७	५३	४	१०	२५	वृश्चिके	पुन बुधः३८।१८ प्रदोषः
१४	शु	३६	२२	ज्ये	४०	५२	शु	२२	४७	ग	७	२१	२३	७	५३	५	११	२६	ध.४०।५२	भ.३६।२२उ. [=सावित्रीव्र.
१५	श	३५	३५	मू	४२	१०	शु	१९	३४	वि	५	५८	२२	८	५२	६	१२	२७	धनुषि	भ.५/५८या आर्द्रा.३गुरुः ३९/५३ गुर्जराणांवट=

१०पं.द्वि.ज्य.शु.२चं.इ. ५६/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	२	२	४	३	२
०	१३	२९	१०	२३	३	६	०
४८	२३	०	४०	१८	४९	१२	२८
४७	३८	५८	३०	४३	४८	३१	३३
५७	४०	१२/२९	१३	७३	४	३	५६
१७	२२		३२	५०	४१	११	५७

गोचर ग्रहाः

द्वि ज्येष्ठशुक्ले २चन्द्रे मिथुनेऽर्कं प्रविष्टः वा. ५न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु १५धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

११पं.द्वि.ज्येष्ठ १०चं.इ. ५६/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	२	३	४	३	२
७	१८	१४	१२	१	४	५	७
२९	१७	२०	१५	४९	२४	५०	७
४२	२	१३	४०	५	३६	१५	०
५७	३९	१२/२६	१३	७३	५	३	५६
१३	५१		३८	४४	२	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.
१	र	३६	१०	पू	४४	३९	ब्र	१७	२२	बा	५	५२	३४/२२	५/८	६/५२	७	१३	२८	धनुषि	बुधोदयःपूर्वस्यां ३५।१५
२	चं	३८	२८	उ	४८	४०	ऐं	१६	२४	तै	७	१९	२१	८	५२	८	१४	२९	म.०।३९	
३	मं	४१	५२	श्र	५४	४	वै	१६	११	व	१०	१०	२०	८	५२	९	१५	३०	मकरे	म.१०।१०उ.४१।५२या.कर्केबुधः४३।५
४	बु	४६	४२	ध	६०	०	वि	१७	१६	ब	१४	१७	१९	८	५२	१०	१६	१	कुं.२७।१६	जुलाई७ता.३१ चतुर्थी व्र.
५	गु	५२	१८	ध	०	२८	प्री	१८	५४	कौ	१९	३०	१८	८	५२	११	१७	२	कुम्भे	पुष्यबुधः२६।२४
६	शु	५८	२९	श	७	३५	आ	२१	१६	ग	२५	२३	१७	९	५१	१२	१८	३	मी५८।१६	भ.५८।२९उ.
७	श	६०	०	पू	१५	९	सौ	२३	३४	वि	३१	३३	१६	९	५१	१३	१९	४	मीने	भ.३१।३३या.
७	र	४	३८	उ	२२	३८	शो	२६	८	ब	४	३८	१५	९	५१	१४	२०	५	मीने	आश्ले.शुक्रः१३।५३
८	चं	१०	८	रे	२९	२३	अ	२७	५१	कौ	१०	८	१४	९	५१	१५	२१	६	मे.२९।३३	पुन.रविः३।२८ (सौरः३२।३३
९	मं	१४	३४	अ	३४	४९	सु	२८	३८	ग	१४	३४	१३	९	५१	१६	२२	७	मेषे	भ.४६।०उ.
१०	बु	१७	२७	भ	३८	४३	धृ	२८	३३	वि	१७	२७	११	१०	५०	१७	२३	८	वृ.५४।१३	भ.१७।२७या.
११	गु	१८	२८	कृ	४०	४४	शू	२६	१९	बा	१८	२८	१०	१०	५०	१८	२४	९	वृषे	योगिनी११ब्र.
१२	शु	१७	३१	रो	४०	४९	गं	२३	१	तै	१७	३१	८	१०	५०	१९	२५	१०	वृषे	आश्लें.बुधः ३६/२८अश्विमेषेभौमः ६/५५प्रदोषः
१३	श	१४	४२	मृ	३९	१२	वृ	१८	०	व	१४	४२	७	११	४९	२०	२६	११	मि१०।०	भ.१४।४२उ.४२ २३या.
१४	र	१०	५	आ	३६	७	ध्रु	११	४०	श	१०	५	५	११	४९	२१	२७	१२	मिथुने	आर्द्रा.४गुरुः२२।६उदयंगुरोः५६।२४
३०	चं	४	२३	पु	३१	३१	व्या	४/१९	५१/३६	ना	४	२३	३	११	४९	२२	२८	१३	क.१६।४०	

१२पं.आ.कृ २चं.इ. ५६/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	२	३	४	३	२
१४	२३	२८	१३	१०	५	५	१३
१०	४	३०	५१	१८	३	२८	४५
८	१६	०	७	३२	१८	०	५
५७	३९	१२/४४	१३	७३	५	३	५६
७	१६		३८	२८	३२	११	५०

१३पं.आ.कृ.८चं.इ. ५६/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	२	३	४	३	२
२०	२७	११	१५	१८	५	५	२०
५०	४७	१	२६	४५	४४	५	२२
३५	१७	८	३५	४७	४९	४४	५९
५७	३८	१०/१	१३	७३	५	३	५६
७	३९		३८	१९	५५	११	५०

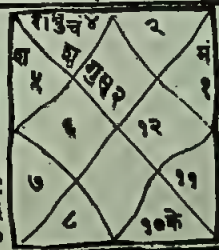

१४पं.आ कृ.३०चं.इ. ५६/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	२	३	४	३	२
२७	२	२१	१७	२७	६	४	२७
३०	२५	५०	१	११	२८	४३	१
५४	५	४९	१९	४२	५२	२९	६
५७	३७	८४	१३	७३	६	३	५६
१२	५४	४३	३२	२	२०	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	बर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२६५६स२०३७
१	चं	५२	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं	४९	३५	पु	२६	१०	व	४७	१६	बा	२३	१८	३४/१	५/१२	६/४८	२३	२९	१४	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	बु	४१	५१	श्ले	२०	४३	सि	३८	३१	तै	१५	४३	३३/५९	१२	४८	२४	१	१५	सिं२०।४३	मघा ३शनिः४२।४ जमादिलाखर६
४	गु	३४	३३	म	१५	१७	व्य	२९	४०	व	८	१२	५७	१३	४७	२५	२	१६	सिंहे	भ.८/१२उ.३४/३३या.कर्केऽर्कः३३/४मघा.सिंहे-
५	शु	२७	३६	पू	१०	१५	व	२१	२०	व	१	४	५५	१३	४७	२६	३	१७	कं.२४।९	कर्केऽर्कःसौरः५।१७ [-शुक्रः१४/५२
६	श	२१	१९	उ	५	५१	प	१३	४०	तै	२१	१९	५२	१४	४६	२७	४	१८	कन्यायां	
७	र	१५	५९	ह	२/२	५७/१७	शि	६/२६	५३/३०	व	१५	५९	५०	१४	४६	२८	५	१९	तु.३०।४०	भ.१५।५९उ.४३।४२या.
८	चं	११	२५	स्वा	५७	१७	सा	५४	१४	ब	११	२५	४८	१४	४६	२९	६	२०	तुलायां	पुष्येरविः२/२२ (सौरः३५/५८) मघा.सिंहे=
९	मं	८	१२	वि	५६	२३	शु	४९	१४	कौ	८	१२	४५	१५	४५	३०	७	२१	वृ.४१।३७	[=बुधः८/३९
१०	बु	५	१४	अ	५६	२५	शु	४५	९	ग	५	१४	४३	१५	४५	३१	८	२२	वृश्चिके	भ.३४।२७उ.
११	गु	३	४०	ज्ये	५७	३६	ब्र	४१	५३	वि	३	४०	४०	१६	४४	१	९	२३	ध.५७।३६	भ.३/४०या.भा.श्रावणारंभःदेवशैन्येकादशी
१२	शु	३	१	मू	५९	४६	ऐं	३९	२३	बा	३	१	३८	१६	४४	२	१०	२४	धनुषि	प्रदोषः
१३	श	३	३१	पू	६०	०	वै	३७	४३	तै	३	३१	३५	१७	४३	३	११	२५	धनुषि	
१४	र	५	७	पू	२	५७	वि	३७	२०	व	५	७	३३	१७	४३	४	१२	२६	म.१९।१	भ.५।७उ.३६।३२या.वायुपरीक्षा
१५	चं	७	५७	उ	७	१३	प्री	३७	१७	ब	७	५७	३०	१८	४२	५	१३	२७	मकरे	पूफा.शुक्रः२४/४९पुन.१गुरुः१८/३१ व्यासपूजा

१५पं.आ शु.८चं.इ. ५६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	२	४	४	३	३
४	६	०	१८	५	७	४	३
११	५६	५१	३५	३५	१५	२१	३९
३८	१६	३२	२०	५६	४३	१३	४१
५७	३७	६४	१३	७२	६	३	५६
१५	८	४०	२६	४७	३२	११	५९

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले ४गुरौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ६ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

१६पं.आ.शु.१५चं.इ. ५६/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	२	४	४	३	३
१०	११	७	२०	१३	८	३	१०
५२	१८	४२	८	५८	९	५८	१८
४१	४३	४७	२४	१	१२	५७	५०
५७	३५	४०	१३	७२	६	३	५७
२०	५५	३३	२०	२५	४४	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	मं	११	५२	श्र	१२	२७	आ	३८	१३	कौ	११	५२	३३/२७	५/१९	६/४१	६	१४	२८	कुं.४५।३८	
२	बु	१६	५३	ध	१८	४९	सौ	३९	५०	ग	१६	५३	२४	१९	४१	७	१५	२९	कुंभे	भ.४९।४०उ.
३	गु	२२	२६	श	२५	२५	शो	४२	०	वि	२२	२६	२२	२०	४०	८	१६	३०	कुंभे	भ.२२।२६या. चतुर्थी व्र.
४	शु	२८	२८	पू	३३	२२	अ	४४	३४	बा	२८	२८	१९	२०	४०	९	१७	३१	मी१६।२३	भरण्यांभौमः१८।५५
५	श	३४	३९	उ	४०	५५	सु	४७	१	कौ	१	३४	१६	२१	३९	१०	१८	१	मीने	अगस्त८ता.३१ नाग५मरुस्थले
६	र	४०	४०	रे	४८	२२	धृ	४९	१७	ग	७	३९	१३	२१	३९	११	१९	२	मे.४८।२२	भ.४०।४०उ.आश्ले.रविः५९।२३
७	चं	४५	३७	अ	५४	३८	शू	५०	५०	वि	१३	८	१०	२२	३८	१२	२०	३	मेषे	भ.१३।८या.आश्ले.रविःसौरः३६।४५
८	मं	४९	२८	भ	५९	४५	गं	५१	२६	बा	१७	३२	७	२३	३७	१३	२१	४	मेषे	वक्रीबुधः२२।४३
९	बु	५१	२६	कृ	६०	०	वृ	५०	४६	तै	२०	२७	४	२३	३७	१४	२२	५	वृ.१५।३६	
१०	गु	५१	३२	कृ	३	१०	ध्रु	४८	३४	व	२१	२९	०	२४	३६	१५	२३	६	वृषे	भ.२१।२९उ.५१।३२या.
११	शु	४९	३१	रो	४	४४	व्या	४४	४७	ब	२०	३१	३२/५७	२५	३५	१६	२४	७	मि३४।२८	उफा.शुक्रः४०।३५ कामिका११व्र.
१२	श	४५	३१	मृ	४	१२	ह	३९	१७	कौ	१७	३१	५४	२५	३५	१७	२५	८	मिथुने	[÷अस्तंशनेः१४।५८ [+प्रदोषः
१३	रं	३९	३५	आ	१/४१	५५/४२	व	३२	१३	ग	१२	३३	५०	२६	३४	१८	२६	९	क.४३।२७	भ.३९/३५उ.पुन.४राहुःउषा.२केतुः११/७+
१४	चं	३२	०	पु	५१	३८	सि	२३	५३	वि	५	४७	४७	२७	३३	१९	२७	१०	कर्के	भ.५।४७या.कन्यायांशुक्रः२८।८÷
३०	मं	२३	४०	श्ले	४५	९	व्य	१४	२६	ना	२३	४०	४४	२७	३३	२०	२८	११	सिं४५।९	पुन.२गुरुः५१।८ हरियाली

१७पं.श्रा.कृ.७चं.इ. ५६/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	२	४	४	३	३
१७	१५	११	२१	२२	८	३	१६
३४	३१	४९	३९	१७	५४	३६	५८
२३	४४	३७	१८	५६	२२	४२	३८
५७	३४	१०	१३	७२	७	३	५७
२५	५५	३१	४	२	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में चांदी रुई सुवर्ण सण तिल कपास वारदाना मंदे हों घृत शक्कर गुड धान्य गल्ला आदि तेज रहेंगे वर्षा होवे

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.कृ.१४चं.इ. ५६/२

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	२	५	४	३	३
२४	१९	१२	२३	०	९	३	२३
१६	३६	१८	८	३३	४५	१४	३९
४४	०	३२	२४	१८	३२	२६	४५
५७	३३	२३/३	१२	७१	७	३	५७
३३	२८	व.	३८	३७	८	११	२२

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९ दि. उ. अ. भा मु इ. चन्द्रः वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः २६८५सन् २०३७

१	बु	१४	२८	म	३७	५६	व	४ ३७	५५ ३५	ब	१४	२८	३२	५ ४०	६ ३८	२१	२९	१२	सिंहे	मघा.४शनि.५७ ४३ चन्द्रदर्शनम् सिंघारा
२	गु	५	१७	पू	३१	१	शि	४४	२०	कौ	५	१७	३७	२९	३१	२२	१	१३	कं.४४।२६	रज्जव७तीज
३	गु	५	११	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
४	शु	४८	२५	उ	२४	४०	सि	३४	३७	ब	२२	२८	३३	२९	३१	२३	२	१४	कन्यायां	भ.३१उ.१९या.बुधास्तःपश्चिमायां१४।३-
५	श	४१	२६	ह	१९	१	सा	२५	४०	ब	१४	५५	३०	३०	३०	२४	३	१५	तु ४६।५५	नागपंचमी [-वरद४
६	र	३५	३७	चि	१४	४८	शु	१७	५७	कौ	८	३१	२६	३१	२९	२५	४	१६	तुलायां	मघा.सिंहऽर्कः५३।२५
७	चं	३१	२४	स्वा	११	४१	शु	११	७	ग	३	३०	२२	३२	२८	२६	५	१७	वृ.५५।३१	भ.३१।२४उ.मघा.सिंहेऽर्कःसौरः३३।९
८	मं	२८	४४	वि	१०	७	ब्र	५	३२	वि	०	४	१९	३२	२८	२७	६	१८	वृश्चिके	भ.०।४या.हस्तेशुक्रः५६।१७
९	बु	२७	२९	अ	१०	८	ऐं	१ ६	५६ ४९	कौ	२७	२६	१५	३३	२७	२८	७	१९	वृश्चिके	
१०	गु	२७	३९	ज्ये	११	१२	वि	५५	५४	ग	२७	३९	१२	३४	२६	२९	८	२०	ध. ११।१२	भ.५८।२३उ.
११	शु	२९	७	मू	१४	७	प्री	५४	४३	वि	२९	७	८	३४	२६	३०	९	२१	धनुषि	भ.२९।७या. पवित्रा११व्र.
१२	श	३१	४१	पू	१७	५१	आ	५४	४९	ब	०	२४	४	३५	२५	३१	१०	२२	म.३४।५	
१३	र	३५	२३	उ	२२	४७	सौ	५५	६	कौ	३	३२	१	३६	२४	१	११	२३	मकरे	भा.भाद्रपदारंभः प्रदोषः
१४	चं	३९	५९	श्र	२८	२८	शो	५६	२३	ग	७	४१	३१ ५७	३७	२३	२	१२	२४	मकरे	भ.३९।५९उ.कृत्ति.भौमः१३।३३
१५	मं	४५	२५	ध	३५	५	अ	५८	११	वि	१२	४२	५३	३७	२३	३	१३	२५	कु.१।४६	भ.३३या.श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम् भद्रो

१९पं.श्रा.शु.७चं.इ. ५५ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	२	५	४	३	४
१	२३	८	२४	८	१०	२	०
०	२२	३४	३४	४८	३७	५२	२१
४	१२	१९	४४	२२	५९	११	५८
५७	३१	५३	१२	७१	७	३	५७
४०	५२	व.	२०	१०	१४	११	३४

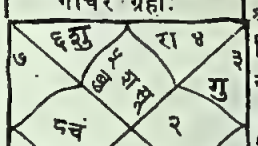

श्रावण शुक्ले ६ रवौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः.वा.४ न. ५ प्रौढावस्था (बैंठी) मु.१५ धान्यादिभावे महंगता शुक्रोदयःपश्चिमायां।

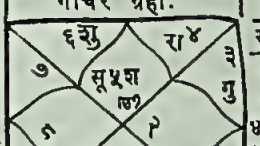

२०पं.श्रा.शु.१४चं.इ. ५५ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	२	५	४	३	४
७	२७	२	२५	१७	११	२	७
४४	१	३४	५७	१	३१	२९	५
२८	८	३४	४७	२६	१२	५५	२४
५७	३०	५५	११	७३	७	३	५७
४९	४	व.	५५	३२	२०	११	४५

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९ दि. उ. अ. हिं. मु. इ. चन्द्रः शरदृतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.

१	बु	५१	१३	श	४२	९	सु	६०	०	बा	१८	१९	३१ ५५	५८	६ ३२	४	१४	२६	कुम्भे	वक्रीकर्केआश्ले.बुधः४७।२
२	गु	५७	२२	पू	४९	४०	सु	०	१३	तै	२४	१७	४६	३९	२१	५	१५	२७	मी	३२।४७ [=बुधोदयःपूर्वस्यां२०।२५
३	शु	६०	०	उ	५७	११	धृ	२	३५	व	३०	२८	४२	४०	२०	६	१६	२८	मीने	भ.३०।२८उ.पुन.३गुरुः२८।१७
३	श	३	३५	रे	६०	०	शू	५	४	वि	३	३५	३८	४०	२०	७	१७	२९	मीने	भ.३।३५या. चतुर्थीव्र.
४	र	९	२९	रे	४	३२	गं	७	२५	बा	९	२९	३४	४१	१९	८	१८	३०	मे.	४।३२ पूफा.रवि.४३चित्रा.शुक्रः२१=
५	चं	१४	४३	अ	११	१८	बृ	९	१७	तै	१४	४३	३०	४२	१८	९	१९	३१	मेषे	पूफा.रविःसौरः२४ वृषभौमः७३ चंद्रषष्ठी
६	मं	१९	१३	भ	१७	१९	ध्रु	१०	३०	व	१९	१३	२६	४३	१७	१०	२०	१	वृ.	३३।२९ भ.१९३उ.३२या सितम्बर९ता.३०
७	बु	२२	५	कृ	२२	०	व्या	१०	४३	ब	२२	५	२२	४४	१६	११	२१	२	वृषे	मार्गीबुधः१९ जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	गु	२३	२२	रो	२५	१०	ह	९	५५	कौ	२३	२२	१८	४४	१६	१२	२२	३	मि	५१।४५ जन्माष्टमी व्र.वै.
९	शु	२२	५२	मृ	२६	२१	व	७	२३	ग	२२	५२	१५	४५	१५	१३	२३	४	मिथुने	भ.५१।३३उ. गोगा९
१०	श	२०	१५	आ	२५	४०	सि	३ २३	५४ ३९	वि	२०	१५	११	४६	१४	१४	२४	५	मिथुने	भ.३९या.मघासिंहेबुधः११ तुला.शुक्रः६ २८
११	र	१५	४६	पु	२३	२	व	५१	१	बा	१५	४६	७	४७	१३	१५	२५	६	क.	८।४१ अजा११व्र.
१२	चं	९	१४	पु	१८	३५	प	४२	३७	तै	९	१४	३	४७	१३	१६	२६	७	कर्के	वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	मं	१	२०	श्ले	१२	३१	शि	३३	१	व	१	२०	५९	४८	१२	१७	२७	८	सि	१२।३१ भ.१०उ.४३या.पूफा.१शनि.३४ [×लोहार्गल यात्रा
१४	मं	५०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
३०	बु	४२	२३	म	५	५२	सि	२२	३५	च	१७	१५	५५	४९	११	१८	२८	९	सिंहे	कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादिः×

२१पं.भा.कृ.५चं इ. ५५ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	३	२	५	४	३	४
१४	०	२९	२७	२५	१२	२	१३
३०	२२	५०	१७	९	२४	७	५०
४	४८	१३	२८	४	४०	३९	३६
५८	२८	४ ५९	११	६२	७	३	५७
१	१७	व	१८	५१	२०	११	५७

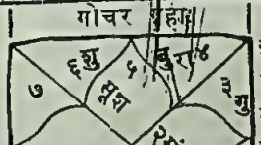

इस मासमें धान्य गेहूं जौ चना मटर मूंग मोठ रसकस गुड शक्कर चीनी गन्ना सोना चांदी लोहा वस्त्र तेज हो।

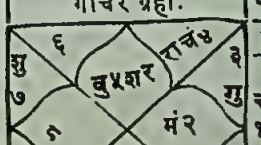

२२पं.भा.कृ.१२चं.इ. ५५ २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	२	६	४	३	४
२१	३	३	२८	३	१३	१	२०
१७	२२	१९	३३	१४	१७	५५	३७
६	५९	३४	३२	१७	३८	२४	१६
५८	२५	६३	१०	६८	७	३	५८
१३	५२	मा	४३	५९	२०	११	१२

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७१४ सं. २०१
१	गु ३२ २८ उ ४६ ४८ सा ११ ४६ किं ७ २५ ३०	५ ५०	६ १०	१९	२९	१०	क. १०।४४	स्वात्यांशुक्रः ५४।२२
२	शु २२ ४३ इ ४२ २५ शु ० ४९ को २२ ४३ ४७	५ ५१	६	२०	३०	११	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	श १४ ७ चि ३५ ४३ ब्र ४० २८ ग १४ ७ ४३	५ ५१	६	२१	१	१२	तु. ९।४	भ. ३० उ.सावान८ हरितालिका ३गणेश४
४	र ६ ३४ स्वा ३० ५० ऐं ३१ ३४ वि ६ ३४ ३९	५ २	८	२२	२	१३	तुलायां	भ. ६ ४ या. उफा. रवि: ३७ ऋषिपंचमी
५	चं ० ५० वि २७ २३ वै २४ २४ बा ० ५० ३५	५ ३	७	२३	३	१४	वृ. १३।१५	उफा. रवि: सौर: ८।४१
६	चं ५५ ४८ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	[-कर्के गुरु: ५५ उदयंशने: ११
७	मं ५४ २६ अ २५ ४८ वि १८ ३६ ग २५ ३२ ३१	५ ४	६	२४	४	१५	वृश्चिके	भ. ५४।२६ उ. पूफा. बुध: २८।१५
८	बु ५४ १८ ज्ये २६ ० प्री १४ १४ वि २४ २२ ७	५ ५५	५	२५	५	१६	ध. २६।०	भ. २५ या. कन्यायामर्क: ५२ ५५ पुन. ४-
९	गु ५५ ५१ मू २८ १३ आ ११ ३४ बा २५ ४ २२	५ ६	४	२६	६	१७	धनुषि	कन्यार्क: सौर: ३३।५२ [=नवलदुर्गे
१०	शु ५८ ५० पू ३१ ५२ सौ १० ४ तै २७ २० १८	५ ६	४	२७	७	१८	म. ४८।१०	बुधास्त: पूर्वस्यां ५६ रामदेवजीकामेला=
११	श ६० ० उ ३७ ५ शो ९ ५७ व ३१ २ १४	५ ७	३	२८	८	१९	मकरे	भ. ३१।२ उ. जलझूलनी ११ व्र. स्मा.
११	र ३ १४ श्र ४३ १६ अ १० ३९ वि ३ १४ ९	५ ८	२	२९	९	२०	मकरे	भ. ३ १४ या. जलझूलनी ११ व्र. वै. वामनजयंती
१२	चं ८ २३ ध ५० १७ सु १२ ७ बा ८ २३ ५	५ ९	१	३०	१०	२१	कु. १६।४६	प्रदोषः
१३	मं १४ २४ श ५७ २५ धृ १४ १४ तै १४ २४ ३०	६ ०	६	३१	११	२२	कुंभे	उफा. बुध: ५६।४५ विशा. शुक्रः ४१।३
१४	बु २० २४ पू ६० ० शू १६ १६ व २० २४ २९	६ १	५	१	१२	२३	मी ४८।०	भ २४ उ ५३ या. भा. आश्विनारंभः अनंत१४
१५	गु २६ ३६ पू ४ ५२ गं १८ ३५ ब २६ ३६ ५२	२	५	८	२	१३	२४	मीने	कन्यायां बुध: ४६।८ महालयारंभः

२३पं.भा.शु.५चं.इ. ५५ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	२	६	४	३	४
२८	५	१२	२९	११	१४	१	२७
५	५९	२६	४४	१३	१०	२३	२५
२८	४९	६	५६	३४	५	८	३२
५८	२३	९८	९	६८	७	३	५८
२६	४	३	५८	८	१२	११	२९

गोचर ग्रहाः

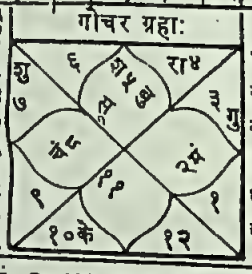

भाद्रपद शुक्ले ८ बुधे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२४पं.भा.श.१२चं.इ. ५५ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	४	३	६	४	३	५
४	८	२४	०	१९	१५	१	४
५५	११	४७	५०	९	१	०	१५
५१	५६	१७	४६	७	५५	५३	३०
५८	१२	८	९	६७	७	३	५८
३८	२२	३	१९	४	२	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	शु ३२ ४७ उ १२ २२ वृ २० ५६ को ३२ ४७	२५ ६	५ ५८	३	१४	२५	मीने	
२	श ३८ २९ रे १९ ३५ धु २३ ७ तै ५ ३८ ४४	३ ५७	४	१५	२६	मे. १९।३५		
३	र ४३ १६ अ २६ १३ व्या २४ ४४ व ११ ५२ ४०	४ ५६	५	१६	२७	मेषे	भ. ११ उ. ४ १६ या. हस्ते रवि: ६ (सौर: ४६ ३३)	
४	चं ४७ ४२ भ ३२ ६ ह २५ ५८ व १५ २९ ३६	५ ५५	६	१७	२८	वृ. ४८।२१	चतुर्थी व्र.	
५	मं ५० ४९ कृ ३७ ८ व २५ २५ को १९ १५ ३२	६ ५४	७	१८	२९	वृषे	रोहि. भौम: २६।५४	
६	बु ५२ ४६ रो ४१ ४ सि २५ १ ग २१ ४७ २८	६ ५४	८	१९	३०	वृषे	भ. ५२।४६ उ. हस्ते बुध: ८।३०	
७	गु ५३ १७ मृ ४३ ३६ व्य २३ ३४ वि २३ १ २३	७ ५३	९	२०	१	मि १२।२०	भ. २३ या. वृश्चिकेशुक्रः ४ ६ ×	
८	शु ५२ १० आ ४४ ३५ व २० ५६ बा २२ ४३ १९	८ ५२	१०	२१	२	मिथुने	[×अक्टूबर १०ता. ३१	
९	श ४९ २२ पु ४३ ३६ प १६ ५९ तै २० ४६ १५	९ ५१	११	२२	३	क. २९।६	मातृ ९ (सौभाग्यवतीनां श्रा.)	
१०	र ४४ ३५ पु ४१ ३४ शि ११ ३५ व १६ ५८ ११	१० ५०	१२	२३	४	कर्के	भ. ५६ उ. ४५ या. अनु. शुक्र: ४२।१०	
११	चं ३८ ३२ श्ले ३७ ३१ सि ५० ५९ न ११ ३३ ७	११ ४९	१३	२४	५	सिं ३७।३१	पूफा. २शनि: ४३।४० इंदिरा ११ व्र.	
१२	मं ३० ५३ म ३१ ५९ शु ४७ २९ को ४ ४२ ३	११ ४९	१४	२५	६	सिंहे	प्रदोषः	
१३	बु २२ १६ पू २५ २६ शु ३७ २९ व २२ १६ २६	१२ ४८	१५	२६	७	कं. ३८।३४	भ. ३३ उ. ४७ या. चित्रा. बुध: ३९।५३	
१४	गु १२ ३८ उ १७ ५६ ब्र २६ ४६ श १२ ३८ ५५	१३ ४७	१६	२७	८	कन्यायां	सर्वपितृ ३०	
३०	शु २ ५० ह १० १४ ऐं १५ ५५ ना २ ५० ५१	१४ ४६	१७	२८	९	तु. ३६।२६	नवरात्रारंभः मालामहश्रा.	

२५पं.आ.कृ.४चं.इ. ५५ ०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	३	६	४	३	५
११	९	७	१	२६	१५	०	११
४६	५१	४४	५०	५७	५२	३८	७
५२	४३	४८	५६	२९	३४	३७	३६
५८	१५	०	८	६५	६	३	५९
५३	२५	२३	३०	४३	५०	११	०

गोचर ग्रहाः

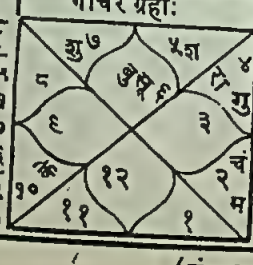

इस मास में शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी सोना लोहा रुई रंग सूत कपास वारदाना लाल वस्तुएं गन्ना वस्त्र तेज हो।

गोचर ग्रहाः

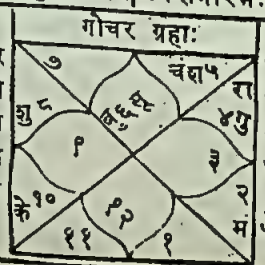

२६पं.आ.कृ.११चं.इ.५४ ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	३	७	४	३	५
१८	१०	२०	२	४	१६	०	१८
४०	५८	१२	४५	३७	४१	१६	१
५	२३	१८	४	४४	१३	२१	२३
५९	१०	८	७	६४	६	३	५५
९	५८	१३	२५	११	३२	११	१६

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७४४स.२०३७
१	शु	५०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४४	३७	चि	२/३७	५३/२१	वै	६/६	४९/५	बा	१८	५३	२८/४७	६/१५	५/४५	१८	२९	१०	तुलायां	चित्रा.रविः३८।१३चन्द्रदर्शनम्
३	र	३७	१९	वि	५०	३८	प्री	४६	१०	तै	१०	५८	४३	१५	४५	१९	१	११	वृ.३६।५८	चित्रा.रविःसौरः१६/५६तुलायांबुधः४२/५०–
४	चं	३१	४६	अ	४७	८	आ	३९	३४	व	४	३२	३९	१६	४४	२०	२	१२	वृश्चिके	भ.४।३२उ.३१।४६या.
५	मं	२८	७	ज्ये	४५	३२	सौ	३५	२७	बा	२८	७	३५	१७	४३	२१	३	१३	ध.४५।३२	[–पुष्य.१गुरुः४/०पुन.३राहुःउषा.१=
६	बु	२६	४२	मू	४६	२	शो	२९	११	तै	२६	४२	३१	१८	४२	२२	४	१४	धनुषि	[=केतुः३/२७रमजान९
७	गु	२७	२०	पू	४८	३०	अ	२६	२६	व	२७	२०	२७	१९	४१	२३	५	१५	धनुषि	भ.२७/२०उ.५८/३६या.स्वात्यांबुधः३६।८
८	शु	२९	५२	उ	५२	५५	सु	२५	८	ब	२९	५२	२३	१९	४१	२४	६	१६	म.४।३६	
९	श	३४	१७	श्र	५८	४०	धृ	२५	३४	बा	२	४	२०	२०	४०	२५	७	१७	मकरे	तुलायामर्कः२३/२(सौर५९/४०)ज्येष्ठाशुक्रः९/२४
१०	र	३९	३२	ध	६०	०	शू	२६	३१	तै	६	५४	१६	२१	३९	२६	८	१८	कुं.३२।११	[×शरद्पूर्णिमास्मा.कोजागरीव्र.
११	चं	४५	५५	ध	५	४१	गं	२८	३५	व	१२	४३	१२	२२	३८	२७	९	१९	कुंभे	भ१२।४३उ.४५।५५या पापांकुशा११व्र.
१२	मं	५२	११	श	१३	१०	बृ	३०	४१	ब	१९	३	८	२२	३८	२८	१०	२०	कुम्भे	[÷शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.
१३	बु	५८	३३	पू	२०	४६	ध्रु	३३	१९	कौ	२५	२२	४	२३	३७	२९	११	२१	मी३।५३	वक्रीभौमः२८।४३प्रदोषः
१४	गु	६०	०	उ	२८	११	व्या	३५	३१	ग	३१	३५	०	२४	३६	३०	१२	२२	मीने	[+१८/३४बुधोदयःपूर्वस्यां८/४५÷
१४	शु	४	३७	रे	३५	१८	ह	३७	१८	व	४	३७	२७/५६	२५	३५	१	१३	२३	मे.३५।१८	भ.४।३७उ.३७/१७या. भा.कार्तिकारंभः×
१५	श	९	५८	अ	४१	३८	व	३८	५७	ब	९	५८	५३	२५	३५	२	१४	२४	मेषे	स्वात्यांरविः४/५(सौरः४०/४३)विशा.बुधः+

२७पं.आ.शु.४चं.इ. ५४/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	६	३	७	४	२	५
२५	११	२	३	१२	१७	२९	२४
३४	२५	३	३१	८	२७	५४	५७
५९	३०	०	५२	६	५४	६	५
५९	६	०/४७	६	६२	६	३	५९
२१	१८		२६	२०	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

आश्विन शुक्ले९शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

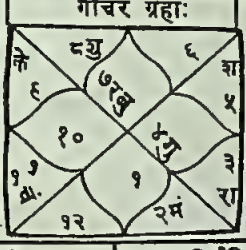

२८पं.आ.शु.११चं.इ. ५४/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	३	७	४	२	६
२	११	१३	४	१९	१८	२९	१
३१	८	१८	११	२५	१२	३१	५४
२३	२८	३२	४२	१६	१४	५०	२८
५९	१	९८	५	६०	५	३	५९
३४	१०	५१	१६	४	५९	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	र	१४	२१	भ	४६	५९	सि	३९	३१	कौ	१४	२१	२७/४९	६/२६	५/३४	३	१५	२५	मेषे	
२	चं	१८	४	कृ	५१	३५	व्य	३९	२९	ग	१८	४	४५	२७	३३	४	१६	२६	वृ.३।८	भ.४९।१८उ.
३	मं	२०	३२	रो	५५	१६	व	३८	५१	वि	२०	३२	४१	२८	३२	५	१७	२७	वृषे	भ.२०।३२या.करक चतुर्थीव्र.
४	बु	२२	०	मृ	५७	४५	प	३७	१६	बा	२२	०	३७	२९	३१	६	१८	२८	मि२६।३१	
५	गु	२२	२९	आ	५९	१७	शि	३४	४६	तै	२२	२९	३४	२९	३१	७	१९	२९	मिथुने	वक्रीकृत्ति.भौम.१८।५१
६	शु	२१	४७	पु	५९	३५	सि	३१	२८	व	२१	४७	३०	३०	३०	८	२०	३०	क.४४।३१	भ.२१/४७उ५०/४८या.बृश्चिकेबुधः५४/०H
७	श	१९	४९	पु	५८	३७	सा	२७	११	ब	१९	४९	२७	३१	२९	९	२१	३१	कर्के	[Hमूलेधनुषिशुक्रः२०/३३
८	र	१६	३७	श्ले	५६	३४	शु	२१	४४	कौ	१६	३७	२३	३१	२९	१०	२२	१	सिं५६।३४	नवंबर११ता.३०
९	चं	१२	१४	म	५३	१२	शु	१५	२९	ग	१२	१४	१९	३२	२८	११	२३	२	सिंहे	भ.३९।२५उ.अनु.बुधः११।२१
१०	मं	६	३५	पू	४८	२९	ब्र	८	५	वि	६	३५	१६	३३	२७	१२	२४	३	सिहे	भ.६।३५या.रमा११व्र.स्मा.
११	मं	५३	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aरूप१४महालक्षमीपूजनम्
१२	बु	५२	१२	उ	४२	५४	ऐं	०/२	५०/४२	कौ	२६	४	१२	३४	२६	१३	२५	४	कं.२।५	रमा११व्र.वै.
१३	गु	४३	४८	ह	३६	३६	वि	४१	३	ग	१८	०	९	३४	२६	१४	२६	५	कन्यायां	भ.४३।४८उ.प्रदोषःधन१३
१४	शु	३५	८	चि	२९	५८	प्री	३१	१	वि	९	२८	५	३५	२५	१५	२७	६	तु.३।१७	भ.९/२८या.विशा.रविः२४/३५(सौरः५८/७)A
३०	श	२६	४९	स्वा	२३	३०	आ	२१	८	च	०	५८	२	३६	२४	१६	२८	७	तुलायां	अन्नकूटंगीवर्द्धनपूजा

२९पं का.कृ.२चं.इ ५४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	३	७	४	२	६
९	१०	२४	४	२६	१८	२९	८
२९	९	४	४२	२७	५३	९	५३
३८	४३	३०	५४	५०	४९	३५	४८
५९	४/२	९४	४	५७	५	३	६०
४७	व.	१०	५	४	३२	११	२

गोचर ग्रहाः

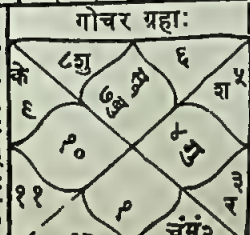

यत्रमासे रवेर्वाराः जायते पंच संन्ततम् दुर्भिक्ष छत्र भंगश्च तथास्ते च महद्भयम् इस मास में तेजी रहे प्रजा दु खी हो ।

गोचर ग्रहाः

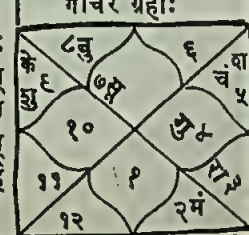

३०पं.का.कृ.९चं.इ. ५४/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	७	३	८	४	२	६
१६	८	४	५	३	१९	२८	१५
२९	३०	२२	४	९	३२	४७	५४
२०	५०	२६	५९	४०	१०	१९	५२
६०	१०/१३	८७	२	५३	५	३	६०
४	व.	३६	५३	१७	२	११	१८

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२७७३स.२०३७
१	र	१९	८	वि	१७	३०	सो	११	४४	ब	१९	८	२६	६	५५	१७	२९	८	बृ.४।०	पूफा.३शनिः३४।३०
२	चं	१२	५६	अ	१२	५०	शा	३	५२	को	१२	५६	५५	३७	२३	१८	३०	९	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
३	मं	८	२०	ज्ये	९	४३	सु	४९	३९	ग	८	२०	५२	३८	२२	१९	१	१०	ध.९।४३	भ.३७।१उ.सव्वाल१०
४	बु	५	४३	मू	८	२९	धृ	४५	१४	वि	५	४३	४९	३८	२२	२०	२	११	धनुषि	भ.५।४३या.ज्येष्ठाबुधः५२।१५
५	गु	५	१०	पू	९	३१	शू	४२	४१	बा	५	१३	४५	३९	२१	२१	३	१२	म.२५।१७	
६	शु	६	४९	उ	१२	३४	गं	४१	५६	तै	६	४९	४२	४०	२०	२२	४	१३	मकरे	पूषा शुक्रः५७।६१
७	श	१०	२४	श्र	१७	१२	बृ	४२	२	व	१०	२४	३९	४०	२०	२३	५	१४	कुं.५०।१९	भ.१०।२४उ.४२।५२या.
८	र	१५	२१	ध	२३	२६	धु	४३	२०	ब	१५	२१	३६	४१	१९	२४	६	१५	कुम्भे	गोपाष्टमी
९	चं	२१	३०	श	३०	३४	व्या	४५	२०	को	२१	३०	३३	४१	१९	२५	७	१६	कुंभे	वृश्चिकेऽर्कः२०।३९(सौरः ५३/२४ अक्षय९
१०	मं	२७	५०	पू	३८	११	ह	४७	४५	ग	२७	५०	३०	४२	१८	२६	८	१७	मी	२१।१७ [–प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह
११	बु	३४	२१	उ	४५	४२	व	५०	२	व	१	५	२७	४३	१७	२७	९	१८	मीने	भ.१।५उ.३४।२१या वक्रीगुरुः१७।४२-
१२	गु	४०	२६	रे	५३	४	सि	५१	५८	ब	७	२३	२५	४३	१७	२८	१०	१९	मे.	५३।४ अनु.रविः३८।५९
१३	शु	४५	४२	अ	५९	२२	व्य	५३	१७	को	१३	४	२२	४४	१६	२९	११	२०	मेषे	अनु.रविःसौरः९।१२प्रदोषः
१४	श	४९	४०	भ	६०	०	व	५३	४४	ग	१७	४१	१९	४४	१६	३०	१२	२१	मेषे	भ.४९।४०उ.वैकुंठ१४ [=का.स्ना.पू.
१५	र	५२	३६	भ	४	२३	प	५३	१६	वि	२१	८	१७	४५	१५	१	१३	२२	वृ.२०।२४	भ.२१या.भा.मार्गशीर्षारंभ मन्वादिः=

३१पं.का.शु.२चं.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	७	३	८	४	२	६
२३	६	१४	५	९	२०	२८	२२
३०	१९	३	१८	२२	६	२५	५७
४०	५५	५०	०	५२	८	३	२३
६०	१४	३९	१	४८	४	३	६०
१७	व.	११	२५	३६	३८	११	३०

गोचर ग्रहाः

कार्तिक शुक्लें ९चन्द्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायांम्

गोचर ग्रहाः

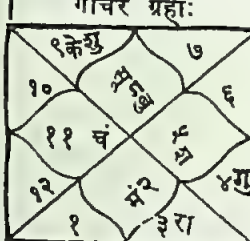

३२पं.का.शु.९चं.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	३	८	४	२	७
०	३	२२	५	१५	२०	२८	०
३३	५०	४५	२१	३	३७	२	१
२२	२	३२	१८	११	५५	४८	२७
६०	५६	६५	०	४२	४	३	६०
३०	व.	२५	१९	२६	४	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.
१	चं	५४	५	कृ	८	२६	शि	५१	५२	बा	२३	२१	२६	६	५५	२	१४	२३	वृषे	
२	मं	५४	४१	रो	११	१५	सि	४९	३७	तै	२४	२३	१२	४६	१४	३	१५	२४	मि४२।७	मूलेधनुषिबुधः१७।५८
३	बु	५४	१	मृ	१२	५९	सा	४६	३२	व	२४	२१	९	४६	१४	४	१६	२५	मिथुने	भ.२४।२१उ.५४।१या.
४	गु	५२	२३	आ	१३	४४	शु	४२	३७	ब	२३	१२	७	४७	१३	५	१७	२६	क.५८।३७	चतुर्थी व्र.
५	शु	५०	७	पु	१३	३५	शु	३७	५८	को	२१	१५	५	४७	१३	६	१८	२७	कर्के	वक्रीमेंबेभौमः१५।३१
६	श	४६	५३	पु	१२	४१	ब्र	३२	४६	ग	१८	३०	२	४८	१२	७	१९	२८	कर्के	भ.४६।५३उ.वक्रीबुधः१०।१७
७	र	४३	१४	श्ले	१०	५९	ऐं	२६	५३	वि	१५	३	०	४८	१२	८	२०	२९	सिं१०।५९	भ.१५।३या.
८	चं	३८	५०	म	८	३८	वै	२०	२६	बा	११	२	२५	४८	१२	९	२१	३०	सिंहे	[×दिसंबर१२ता.३१
९	मं	३३	४४	पू	५	३३	वि	१३	३०	तै	६	१७	२६	४९	११	१०	२२	१	कं.१९।३७	वक्रीज्येष्ठा.बृश्चिकेबुधः३९।४४×
१०	बु	२७	५७	उ	२	५५	प्री	५	५३	व	०	५०	५४	४९	११	११	२३	२	कन्यायां	भ.९०उ.२७या.ज्येष्ठा.रविः४९०+
११	गु	२१	३२	चि	५२	३९	सौ	४९	३१	बा	२१	३२	५३	४९	११	१२	२४	३	तु.२५।५	ज्येष्ठा.रविःसौरः१७।६ उत्पत्ति११व्र.
१२	शु	१४	४८	स्वा	४७	४७	शो	४०	५८	तै	१५	४८	५१	५०	१०	१३	२५	४	तुलायां	प्रदोषः
१३	श	८	११	वि	४२	५५	अ	३२	३२	व	८	११	४९	५०	१०	१४	२६	५	वृ.२९।८	भ.८।११उ.३४।५२या.
१४	र	१	३३	अ	३८	४५	सु	२४	२५	श	१	३३	४८	५०	१०	१५	२७	६	वृश्चिके	[+बुधास्तःपश्चिमायां४६।४४
३०	र	५४	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

३३पं.मा.कृ.१चं.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	३	८	४	२	७
७	१	१९	५	१९	२१	२७	७
३७	१७	१३	१५	५५	४	४०	७
१६	२८	४४	४७	४४	८	३२	०
६०	१५	३९	१६	३४	३	३	६०
४२	व.	५२	व.	३३	२९	११	५३

गोचर ग्रहाः

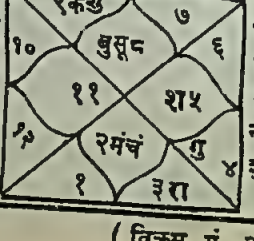

मार्गशीर्ष शुक्लेऽभौमे धनुष्यर्कः प्रविष्टःवा. २न ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

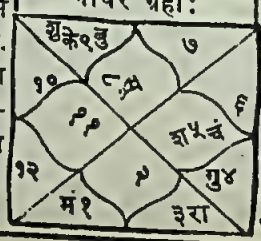

३४पं.मा.कृ.८चं.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	८	३	८	४	२	७
१४	२९	०	४	२३	२१	२७	१४
४२	०	२५	५९	४६	२५	१८	१३
२९	१४	१९	४६	३७	५५	१७	४६
६०	१६	२५	३	२४	२	३	६१
५०	व.	व.	व.	१५	४३	११	३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२८०२स.२०३७
१	चं	५१	२५	ज्ये	३५	३०	धृ	१७	५	किं	२३	४३	२५/४६	६/५१	५/९	१६	२८	७	ध.३५।३०	
२	मं	४८	३२	मू	३३	३४	शू	१०	३७	बा	१९	५८	४५	५१	९	१७	२९	८	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	बु	४७	३१	पू	३३	३५	गं	५	३१	तै	१८	१	४४	५१	९	१८	१	९	म.४८।५९	उषाशुक्रः५५।२८जिल्काद११
४	गु	४८	२४	उ	३५	१०	वृ	६/५२	५७/५४	व	१७	५७	४३	५१	९	१९	२	१०	मकरे	भ.१७/५७उ.४८/२४या.वक्रीभरण्यांभौमः४६/५
५	शु	५१	८	श्र	३८	४३	व्या	५८	४७	ब	१९	४६	४२	५२	८	२०	३	११	मकरे	[+बुधोदयःपूर्वस्यां४९।४७
६	श	५५	३४	ध	४३	५०	ह	५९	२६	कौ	२३	२१	४१	५२	८	२१	४	१२	कुं.११।१६	पुन.२राहुःपूषा.४केतुः५५।५चंपा६
७	र	६०	०	श	५०	४२	व	६०	०	ग	२८	२५	४०	५२	८	२२	५	१३	कुंभे	वक्रीशुक्रः१।५८
७	चं	१	१७	पू	५८	४६	व	०	५४	ब	१	१७	३९	५२	८	२३	६	१४	मी४१।४२	भ.१।१७उ.३४/२५या.वक्रीअनु.बुधः३९/४४ +
८	मं	७	३२	उ	६०	०	सि	२	५२	ब	७	३२	३९	५२	८	२४	७	१५	मीने	मूलेधनुष्यर्कः५६।२५
९	बु	१४	२	उ	५	३३	व्य	५	१७	कौ	१४	२	३८	५२	८	२५	८	१६	मीने	मूलेधनुष्यर्कःसौरः२०।५६
१०	गु	२०	१८	रे	१२	४९	व	७	२०	ग	२०	१८	३८	५२	८	२६	९	१७	मे.१२।४९	भ.५२।५७उ.
११	शु	२५	३६	अ	१९	३१	प	८	५५	वि	२५	३६	३७	५३	७	२७	१०	१८	मेषे	भ.२५/३६या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	श	२९	३०	भ	२४	५२	शि	९	३६	वा	२९	३०	३७	५३	७	२८	११	१९	वृ.४०।५१	मार्गीबुधः१५।४६वक्रीपूषा.शुक्रः ४७/३१
१३	र	३२	९	कृ	२८	४९	सि	९	१	कौ	०	५०	३६	५३	७	२९	१२	२०	वृषे	प्रदोषः [÷रभ दत्तजयंती
१४	चं	३२	५३	रो	३१	१०	सा	७	२५	ग	२	३१	३६	५३	७	३०	१३	२१	वृषे	भ.३२।५३उ.वक्रीपुन.४गुरुः४३।५५
१५	मं	३२	२३	मृ	३२	१०	शु	४	२८	वि	२	३८	३६	५३	७	१	१४	२२	मि१।४०	भ.२/३८या.ज्येष्ठा.बुधः५५/२१भा.पौषा ÷

३५पं.मा.शु.१चं.इ. ५३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	३	८	४	२	७
२१	२७	२३	४	२६	२१	२६	२१
४८	१६	४७	३४	१६	४३	५६	२१
३२	३४	५३	५९	१९	५	१	२६
६०	१२/४१	९७/४१	३/५९	११	२	३	६१
५६	ब	व	व	२०	१	११	११

३६पं.मा शु.७चं.इ. ५२/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	३	८	४	२	७
२८	२६	१५	४	२७	२१	२६	२८
५५	१०	४९	०	८	५४	३३	३०
२६	५९	५५	३६	३५	२५	४५	९
६१	८	४६/१	५/११	४/४	१	३	६१
०	४	व	व	व	२०	११	१९

३७पं.मा शु.१४चं.इ. ५२/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	३	८	४	२	८
६	२५	१५	३	२५	२२	२६	५
३	४४	११	१९	५८	०	११	३९
०	५६	२०	५	२६	४०	३०	३४
६१	३/१	२७/२८	६/१४	१९/५५	०	३	६१
४	व	मा	व	व	३८	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेमार्ग. कृष्णेति महा.
१	बु	३०	३०	आ	३१	५३	शु	३२/०	५५/५	बा	१	२६	२५/३६	६/५३	५/७	२	१५	२३	मिथुने	
२	गु	२७	३४	पु	३०	२८	ऐं	५०	१	ग	२७	३४	३७	५३	७	३	१६	२४	क.१५।४९	भ.५५।३५उ.
३	शु	२३	३७	पु	२८	१७	वै	४३	४२	वि	२३	३७	३७	५३	७	४	१७	२५	कर्के	भ.२३।३७या.चतुर्थीव्र.
४	श	१९	७	श्ले	२५	३९	वि	३६	५४	बा	१९	७	३७	५३	७	५	१८	२६	सिं२५।३९	मार्गीभौमः१०।४४वक्रीशनिः५९।३०
५	र	१४	४०	म	२२	३५	प्री	३०	३	तै	१४	४०	३८	५२	८	६	१९	२७	सिंहे	
६	चं	९	४९	पू	१९	२६	आ	२३	२	व	९	४९	३८	५२	८	७	२०	२८	कं.३३।३७	भ.९।४९उ.३७।२५या.
७	मं	५	१	उ	१६	९	सौ	१५	५७	ब	५	१	३९	५२	८	८	२१	२९	कन्यायां	पूषा.रविः१।२८(सौरः२२।३४)
८	बु	०	१०	ह	१२	४९	शो	८	४६	कौ	०	१०	४०	५२	८	९	२२	३०	तु.४१।८	
९	बु	५४	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	गु	४९	५४	चि	९	२८	अ	१/३४	५२/४६	व	२२	२६	४१	५२	८	१०	२३	३१	तुलायां	भ.२२।२६उ.४९।५४या.
११	शु	४५	२	स्वा	६	२	धृ	४७	१४	ब	१७	२८	४२	५२	८	११	२४	१	वृ.४८।४६	जनवरी१ता ३१स.२०३८सफला११व्र
१२	श	४०	१९	वि	३	१	शू	४०	३२	कौ	१२	४०	४३	५१	९	१२	२५	२	वृश्चिके	शुक्रास्तःपश्चिमायां४७।२४
१३	र	३६	२०	अ	०/१४	५७/५०	गं	३४	१४	ग	८	१९	४४	५१	९	१३	२६	३	ध.५८।४	भ.३६/२०उ.कृत्ति.भौमः४७।५१प्रदोषः
१४	चं	३२	५४	मृ	५६	४७	वृ	२८	२९	वि	४	३७	४५	५१	९	१४	२७	४	धनुषि	भ.४।३७या.
३०	मं	३०	५०	पू	५६	५०	ध्रु	२३	४३	च	१	५२	४७	५१	९	१५	२८	५	धनुषि	मूलेधनुषिबुधः२१।५१

३८पं.पौ.कृ.६चं.इ. ५२/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	३	८	४	२	८
१३	२५	२०	२	२२	२२	२५	१२
१०	५८	५२	३१	५९	१	४९	४९
५९	१	१	५	४२	३४	१४	२६
६१	३/२६	६०	७/५	३२/१९	०/१४	३	६१
६	मा	४४	व.	व	व	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय व शुक्लपक्षकी तिथि वृद्धि धातु सोना चांदी लोहा धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल में मंदी करे

गोचर ग्रहाः

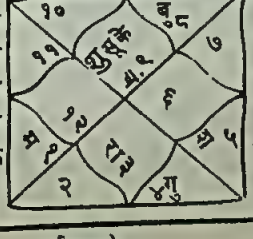

३९पं.पौ.कृ.१४चं.इ. ५२/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	३	८	४	२	८
२०	२६	२९	१	१८	२१	२५	१९
१९	४८	२२	३८	५१	५७	२६	५९
५	७	३७	२०	२२	२५	५९	२३
६१	७	७६	७/४०	३६/२६	७/५६	३	६१
६	३२	२२	व.	व	व	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २८३२ स २०३८
१	बु	३०	७	उ	५८	६	व्या	१९	५१	किं	०	२८	२५/४८	६/५०	५/१०	१६	२९	६	म.१२।९	[=मा.स्ना प्रा.
२	गु	३०	५०	श्र	६०	०	ह	१७	२६	बा	०	२९	५०	५०	१०	१७	३०	७	मकरे	चंद्रदर्शनम्
३	शु	३३	३२	श्र	१	२३	व	१६	१५	तै	२	११	५२	५०	१०	१८	१	८	कुं.३३।३६	जिल्हेज १२
४	श	३७	३०	ध	५	४९	सि	१५	४८	व	५	३१	५३	४९	११	१९	२	९	कुंभे	भ.५/३१ उ.३७/३० या.शुक्रोदयः पूर्वस्यां २८/१२
५	र	४२	५५	श	११	४९	व्य	१६	५५	व	१०	१२	५५	४९	११	२०	३	१०	कुंभे	[×पातस्पर्शः ४९।२० पुत्रदा ११ व्र.
६	चं	४८	५८	पू	१८	३९	व	१८	३५	कौ	१५	५६	५७	४९	११	२१	४	११	मी १।५७	उषा.रविः ६।५९ (सौरः २४।१)
७	मं	५५	२५	उ	२६	५	प	२०	५३	ग	२२	११	५९	४८	१२	२२	५	१२	मीने	भ.५५।२५ उ.
८	बु	६०	०	रे	३३	४४	शि	२२	५६	वि	२८	४०	२६/१	४८	१२	२३	६	१३	मे.३३।४४	भ.२८।४० या.
८	गु	१	५५	अ	४०	५८	सि	२५	२	ब	१	५५	४	४७	१३	२४	७	१४	मेषे	मकरेऽर्कः २२/३८ सौरः ३९/३८ पूषा.बुधः ५४।४४
९	शु	७	३७	भ	४६	५९	सा	२६	११	कौ	७	३७	६	४७	१३	२५	८	१५	मेषे	वक्रीमूलेशुक्र.१०।५२
१०	श	११	४९	कृ	५१	३९	शु	२६	२२	ग	११	४९	८	४६	१४	२६	९	१६	वृ.३।९	भ.४३।२० उ.
११	र	१४	५०	रो	५४	२५	शु	२५	५	वि	१४	५०	११	४६	१४	२७	१०	१७	वृषे	भ.१४/५० या.वक्रीपुन.३ मिथुनेगुरुः ७।४१×
१२	चं	१५	३९	मृ	५५	३२	ब्र	२२	३२	वा	१५	३९	१३	४५	१५	२८	११	१८	मि २४।५८	पातमोक्षः २८।३ प्रदोषः
१३	मं	१४	४४	आ	५४	४९	ऐं	१८	३०	तै	१४	४४	१६	४५	१५	२९	१२	१९	मिथुने	वृषेभौमः ११।३९
१४	बु	११	५९	पु	५२	३९	वै	१२	५९	व	११	५९	१९	४४	१६	३०	१३	२०	क.३८।१२	भ.११/५९ उ.३९/५५ या.अभि.प्र.रविः ५७।४
१५	गु	७	५०	पु	४९	९	वि	६/३०	५२/४२	व	७	५०	२१	४४	१६	१	१४	२१	कर्कै	अभि.प्र.रविः सौरः १०/४९ भा.माघारंभः=

४०पं.पौ.शु ६चं.इ. ५२/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	३	८	४	२	८
२७	२८	८	०	१४	२१	२५	२७
२७	१०	५७	४२	५५	४७	४	९
७	५	४	२५	१९	२०	४३	१५
६१	१२	८६	७/५२	२९/४०	१/४३	३	६१
६	६	३३	व	व	व	११	२४

गोचर ग्रहाः

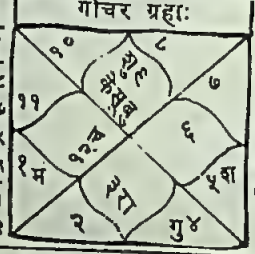

पौष शुक्ले ८ गुरौ मकरेऽर्कः वा. ३ न. ३ कुमार्यवस्था (वैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

४१पं.पौ.शु.१२चं.इ.५२/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	२	८	४	२	९
४	२९	१९	२९	१२	२१	२४	४
३४	५४	१०	४६	२१	३२	४२	१८
५९	५८	२३	१६	४३	२०	२७	४४
६१	१५	९३	७/५२	१५/४७	२/१९	३	६१
३	४३	३२	व	व	व	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः स० २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	२	२८	श्ले	४४	५५	आ	५१	१	कौ	२	२८	२६/२४	६/४३	५/१७	२	१५	२२	सिं ४४।५५	
२	शु	५३	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	श	५०	०	म	४०	१२	सौ	४२	४६	व	२३	८	२७	४३	१७	३	१६	२३	सिंहे	भ.२३/८ उ.५०/० या.उषा.बुधः ५२/३७ बुधास्तः÷
४	र	४३	२२	पू	३५	३०	शो	३४	३०	ब	१६	४१	२९	४२	१८	४	१७	२४	कं.४९।२३	श्रवणेरवि ११/४१ (सौरः २७/४५) चतुर्थीव्र.
५	चं	३७	२०	उ	३१	४	अ	२६	१६	कौ	१०	२१	३२	४२	१८	५	१८	२५	कन्यायां	अभि.नि.रविः ३/५६ (सौरः १८/२) मकरे+
६	मं	३१	३३	ह	२६	५६	सु	१८	२१	ग	४	२६	३५	४१	१९	६	१९	२६	तु.५५।१०	भ.३१।३३ उ.५८।५५ या.
७	बु	२६	१६	चि	२३	२३	धृ	१०	५७	व	२६	१६	३८	४०	२०	७	२०	२७	तुलायां	[+बुधः ५४/२७ मार्गीशुक्रः ३३।५०
८	गु	२१	३१	स्वा	२०	२४	शू	३/५५	५३/३४	कौ	२१	३१	४१	४०	२०	८	२१	२८	तुलायां	[÷पूर्वस्यां ५३।४०
९	शु	१७	३१	वि	१७	५९	वृ	५१	३४	ग	१७	३१	४५	३९	२१	९	२२	२९	वृ.३।३५	भ.४५।४८ उ.पातस्पर्शः ४४।१७
१०	श	१४	६	अ	१६	२२	ध्रु	४६	१८	वि	१४	६	४८	३८	२२	१०	२३	३०	वृश्चिके	भ.१४।६ या.पातमोक्षः ३।२६
११	र	११	३२	ज्ये	१५	३०	व्या	४१	४५	बा	११	३२	५१	३८	२२	११	२४	३१	ध.१५।३०	षट्तिला ११ व्र.
१२	चं	९	४४	मू	१५	१९	ह	३७	४६	तै	९	४४	५४	३७	२३	१२	२५	१	धनुषि	श्रवणेबुधः ८/५ फरवरी २ ता.२८ प्रदोषः
१३	मं	९	०	पू	१६	२९	व	३४	५५	व	९	०	५८	३६	२४	१३	२६	२	म.३१।५९	भ.९/० उ.३९/८ या.पूषा.शुक्रः ५३।३४
१४	बु	९	१६	उ	१८	२९	सि	३२	४७	श	९	१६	२७/१	३५	२५	१४	२७	३	मकरे	
३०	गु	१०	५०	श्र	२१	४७	व्य	३१	५५	ना	१०	५०	५	३५	२५	१५	२८	४	कुं ५४।०	

४२पं.मा कृ.५चं.इ. ५२/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	२	८	४	२	९
११	२	२९	२८	११	२१	२४	११
४२	६	५७	५०	४६	१२	२०	२७
२९	११	३६	५३	५२	२९	१२	३५
६०	१९	९८	७/३७	०/४४	३/०	३	६१
५९	१३	५५	व	मा	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

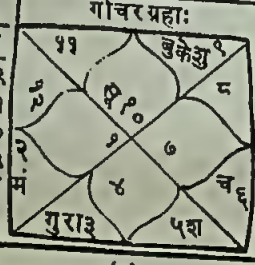

इस मासमें कृष्णपक्षमे धातु सोनाचांदिलोहा धान्य वाजरामूंगमोठ चना चावलरुईकपास मंदी हो सुदी में कुछ तेज हो

गोचर ग्रहाः

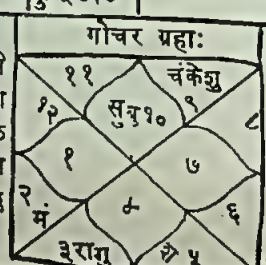

४३पं.मा.कृ.१२चं.इ.५२/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	२	८	४	२	९
१८	४	११	२७	१३	२०	२३	१८
४९	३६	१६	५८	३	४८	५७	३५
१	३२	३७	४४	५४	४७	५६	४३
६०	२१	७/०१	६/५२	१५/४१	३/४१	३	६१
५५	५५	१३	व	५१	व.	११	४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिररर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२८६२सं.२०३८
१	शु १३ ४७ ध २६ २२ व ३१ २८ ब १३ ४७	२७	३५	२६	१६	२९	५	कुंभे	चंद्रदर्शनम्
२	श १७ ५२ श ३२ ४ प ३२ २० कौ १७ ५२	१२	३४	२६	१७	१	६	कुंभे	धनि.रविः २०(सौरः ३३)मोहोरम १ ×
३	र २३ १३ पू ३८ २८ शि ३३ ३५ ग २३ १३	१५	३३	२७	१८	२	७	मी २१।५२	भ.५६।१२उ.[×सन् १४६०हि.
४	चं २९ ११ उ ४५ ५१ सि ३५ ४१ वि २९ ११	१९	३२	२८	१९	३	८	मीने	भ.२९।११या.धनि.बुधः५८।२८
५	मं ३५ ३५ रे ५३ ३६ सा ३८ ४ ब २ २३	२३	३१	२९	२०	४	९	मे.५३।३६	वसंतऋ
६	बु ४२ १० अ ६० ० शु ४० २५ कौ ८ ५२	२७	३१	२९	२१	५	१०	मेषे	[÷४९।५७पातमोक्षः १५भीष्माष्टमी
७	गु ४८ २० अ १ ८ शु ४२ ११ ग १५ १५	३०	३०	३०	२२	६	११	मेषे	भ.१९उ.पातस्पर्शः १९भानु७रथ७
८	शु ५३ १३ भ ७ ५५ ब्र ४३ १६ वि २० ४६	३४	२९	३१	२३	७	१२	वृ.२४।२१	भ.२०।४६या.कुंभेऽर्कः १५कुंभेबुधः ÷
९	श ५६ ४९ कृ १३ ३९ ऐं ४३ ९ बा २५ १	३८	२८	३२	२४	८	१३	वृषे	कुंभेऽर्कःसौरः ३३वक्रीपूर्वा.२शनिः =
१०	र ५८ २८ रो १७ ५० वै ४१ ३८ तै २७ ३८	४२	२८	३२	२५	९	१४	मि४८।५५	वक्रीपुन.२गुरुः२४।५०
११	चं ५८ ११ मृ २० १ वि ३८ ३५ व २८ १९	४५	२७	३३	२६	१०	१५	मिथुने	भ.३९उ.५९या.रोहि.भौमः९जया११+
१२	मं ५५ ४३ आ २० १४ प्री ३३ ५४ ब २६ ५७	४९	२६	३४	२७	११	१६	मिथुने	शतेबुधः ३५जया११ब्र.वं.[+ब्र.स्मा.
१३	बु ५१ २८ पु १८ ३२ आ २७ ३७ कौ २३ ३५	५३	२५	३५	२८	१२	१७	क.३।५८	प्रदोषः[=५३पुनः१राहुःपूषा३केतुः४९
१४	गु ४५ २३ पु १४ ५८ सौ १९ ५६ ग १८ २५	५६	२५	३५	२९	१३	१८	कर्के	भ.३५उ.[-मा.स्ना.पूर्तिः
१५	शु ३८ ५ श्ले ९ ५६ शो ११ ७ वि ११ ४४	२८०	२४	३६	३०	१४	१९	सिं९।५६	म.१४या.शतेरविः ३१(सौरः ४५)-

४४पं.मा.शु.४च इ. ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	२	८	४	२	९
२५	७	२३	२७	१५	२०	२३	२५
५४	२१	९	१२	५९	२१	३५	४२
५०	४०	४७	१४	३५	२९	४१	३०
६०	२४	९	६	२८	२	३	६०
४७	१८	५८	व	१९	व	११	५५

गोचर ग्रहाः

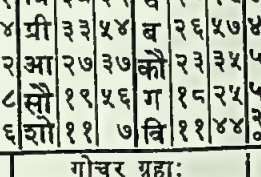

माघ शुक्ले ८ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः.वा.२ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

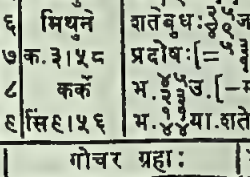

४५पं.मा.शु.११च इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	२	८	४	२	१०
२	१०	५	२६	२०	१९	२३	२
५९	२०	३९	३२	८	५१	१३	४८
४२	३५	१४	४२	४२	२९	२५	३३
६०	२६	६	५	३७	१	३	६०
३७	२१	११	व	५८	व	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	श ३० १० म ५८ ३३ अ ४७ १५ बा ४ ७	२९	२३	३७	१	१५	२०	सिंहे	भा.फाल्गुनारंभः
२	र २१ ४६ उ ५१ ४ पू ४२ ११ ग २१ ४६	८	२२	३८	२	१६	२१	कं.१०।५७	भ.४७।४४उ.
३	चं १३ ४१ ह ४४ ५४ शू ३२ ३५ वि १३ ४१	१२	२२	३८	३	१७	२२	कन्यायां	भ.१३।४१या.चतुर्थीव्र.
४	मं ५ ५२ चि ३९ ४१ गं २३ ४७ बा ५ ५२	१६	२१	३९	४	१८	२३	तु.१२।१७	पूभा.बुधः३४।५८
५	मं ५३ ६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	बु ५३ ५ स्वा ३५ २५ वृ १५ २६ ग २६ १	२०	२०	४०	५	१९	२४	तुलायां	भ.५३।५उ.उषा.शुक्रः३५।५५
७	गु ४८ २७ वि ३२ १६ ध्रु ८ १३ वि २० ४६	२४	१९	४१	६	२०	२५	वृ.१८।३	भ.२०।४६या.
८	शु ४४ ५९ अ ३० १६ व्या ३५४० बा १६ ३८	२८	१८	४२	७	२१	२६	वृश्चिके	
९	श ४२ ५२ ज्ये २९ ४१ व ५२ २८ तै १३ ५५	३२	१७	४३	८	२२	२७	धनुषि	बुधोदयःपश्चिमायां५४।४१
१०	र ४१ ५८ मू ३० ११ सि ४९ ११ व १२ २५	३६	१७	४३	९	२३	२८	धनुषि	भ.१२उ.४१या.मीनेबुधः ५९मक.शु३४
११	चं ४२ ४ पू ३१ ५२ व्य ४६ ५७ ब १२ १	४०	१६	४४	१०	२४	१	म.४७।३६	मार्च ३ता.३१विजया ११व्र.
१२	मं ४३ ३५ उ ३४ ५० व ४५ ३४ कौ १२ ५०	४४	१५	४५	११	२५	२	मकरे	
१३	बु ४६ ७ श्र ३८ ५१ प ४५ २३ ग १४ ५१	४८	१४	४६	१२	२६	३	मकरे	भ.४६।७उ.प्रदोषः
१४	गु ४९ ४१ ध ४३ ५३ शि ४५ २१ वि १७ ५४	५२	१४	४६	१३	२७	४	कुं.११।५२	भ.१७या.पूभा.रविः ४७(सौरः ५६) =
३०	शु ५४ १९ श ४९ ४६ सि ४६ २५ च २२ ०	५६	१३	४७	१४	२८	५	कुंभे	उभा.बुधः२७।३ [=महाशिवरात्रीव्र.

४६पं.फा.कृ.३च इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	२	८	४	२	१०
५०	१३	१८	२६	२५	१९	२२	९
३	३०	४२	०	२२	१८	५१	५३
१४	१८	१८	२२	१६	५०	९	६
६०	२७	६	४	४५	३	३	६०
२५	१९	५०	व	२६	व	११	३१

गोचर ग्रहाः

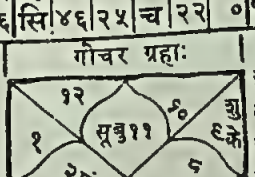

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मक्का जो गेहूं मंदे होवे धातु चांदी सोना आदि रुई कपास बारदाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

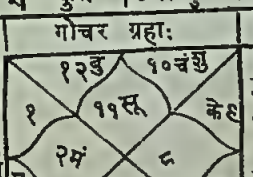

४७पं.फा.कृ.११च इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	२	९	४	२	१०
१७	१६	१	२५	१	१८	२२	१६
५	५०	२४	२६	१५	४५	२८	५६
२८	६	१२	५४	११	५०	५४	२
६०	२९	७	२	५०	४	३	६०
१२	४४	५९	व	४९	व	११	२०

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९	वि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २८९१स.२०३९
१	श ५९ ४७ पू ५६ २५ सा ४७ ५१ किं २७ ३	२९	१	४८	१५	२९	६	मी ३९।४५	
२	र ६० ० उ ६० ० शु ४९ ५९ बा ३२ ४८	५	११	४९	१६	३०	७	मीने	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
२	चं ५ ४९ उ ३ ३८ शु ५२ १९ कौ ५ ४९	९	१०	५०	१७	१	८	मीने	सफर २
३	मं १२ ११ रे ११ १८ ब्र ५४ २९ ग १२ ११	१३	९	५१	१८	२	९	मे. ११।१८	भ. ३५ उ. पातस्पर्शः २।६ पातमोक्षः १५ ३६
४	बु १८ ४८ अ १८ ५१ ऐं ५६ ४९ वि १८ ४८	१७	९	५१	१९	३	१०	मेषे	भ. १८।४८ या.
५	गु २५ ४ भ २६ १३ वै ५८ ३६ बा २५ ४	२१	८	५२	२०	४	११	वृ. ४२।५०	श्रवणेशुक्रः २७।४३
६	शु ३० १७ कृ ३२ ४१ वि ५९ २६ तै ३० १७	२६	७	५३	२१	५	१२	वृषे	
७	श ३४ ३७ रो ३८ ७ प्री ५९ ११ ग २ २७	३०	६	५४	२२	६	१३	वृषे	भ. ३५ उ. रेवत्यांबुधः ३७ मार्गीगुरुः ५३ ३२
८	र ३७ १० मृ ४१ ४८ आ ५७ ३५ वि ५ ५३	३४	५	५५	२३	७	१४	मिथु ९।५७	भ. ५३ या. मृगेभौमः ५३ होलाष्टकम्
९	चं ३८ ५ आ ४३ ४० सौ ५४ १९ बा ७ ३७	३८	४	५६	२४	८	१५	मिथुने	मीनेऽर्कः ४८।२३ (सौरः ५७।३)
१०	मं ३६ ५४ पु ४३ ३५ शो ४९ ३२ तै ७ २९	४३	३	५७	२५	९	१६	क. २८।३६	
११	बु ३३ ४३ पु ४१ २४ अ ४३ १० व ५ १८	४७	३	५७	२६	१०	१७	कर्के	भ. १५ उ. ३३ या. आमलकी ११ व्र.
१२	गु २८ १९ श्ले ३७ १३ सु ३५ ९ व १ १	५१	२	५८	२७	११	१८	सिं ३७।१३	वक्रीबुधः ३१ उभा. रविः २९ सौरः ×
१३	शु २१ १४ म ३१ ३३ धृ २५ ५२ तै २१ १४	५५	१	५९	२८	१२	१९	सिंहे	[×१८।३९) प्रदोषः
१४	श १२ ५४ पू २४ ३६ शू १५ ४३ व १२ ५४	३० ०	६	०	२९	१३	२०	कं. ३७।४५	भ. १२ उ. ३६ या. होलिकादहनम् भद्रोत्त.
१५	र ३ ३८ उ १७ १२ गं ५ ४९ व ३ ३८	३० ४	५	५९	१	३०	१४	२१ कन्यायां	बुधास्त. पश्चिमायां ३६ छा. रेंडीवसंत १

४८पं.फा शु २च.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	२	९	४	२	१०
२४	२०	१२	२५	७	१८	२२	२३
६	१८	१२	२२	३८	११	६	५७
१४	४०	५४	३०	१०	४२	४८	२५
५९	३०	७७	३	५५	४०	३	६०
५८	३७	४४	व	१९	व	११	६

गोचर ग्रहाः

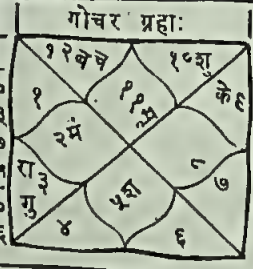

फाल्गुन शुक्ले ९ चंद्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावेसमर्धता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

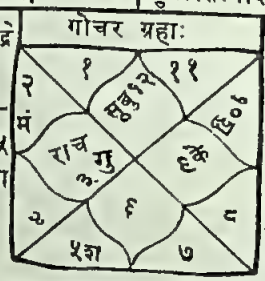

४९पं.फा.शु.९च इ.५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	२	९	४	२	११
१	२३	१७	२५	१४	१७	२१	०
५	५२	४१	१८	२८	३९	४४	५७
३१	२३	३८	२९	८	१४	२३	७
५९	३१	२१	२९	५८	२४	३	५९
४१	४७	४६	मा	४१	व	११	४९

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.
१	र ५० २० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	चं ४४ ३३ ह ९ २५ धु ४३ ४३ तै १९ १५	३०	५	६	१	१५	२२	तु. ३५।४८	भा. चैत्रारंभः
३	मं ३५ ३५ चि १० ३३ व्या ३३ ४० व १० ४	१२	५८	२	२	१६	२३	तुलायां	भ. १० उ. ३५ या. चतुर्थीव्र.
४	बु २७ ३८ वि ५० ३१ ह २४ ३१ ब १ ३६	१६	५७	३	३	१७	२४	बृ. ३६।४९	रेवत्यारविः ३२ सौर. ४५ धनि. शुक्र ३५
५	गु २१ ११ अ ४६ ५३ व १६ ४० तै २१ ११	२१	५६	४	४	१८	२५	वृश्चिके	
६	शु १६ १६ ज्ये ४४ ५३ सि १० ९ व १६ १६	२५	५५	५	५	१९	२६	व. ४४।५३	भ. ५६ उ. ४४ या. शीतलापूजनम्
७	श १३ १४ मू ४४ ३७ व्य ५ ५ ब १३ १४	२९	५४	६	६	२०	२७	धनुषि	मिथुनेभौमः ३८।१९
८	र ११ ४७ पू ४६ ३ व १ २० ५७ ३६ कौ ११ ४७	३३	५३	७	७	२१	२८	धनुषि	
९	चं १२ ५ उ ४९ ४ शि ५७ ४४ ग १२ ५	३७	५३	७	८	२२	२९	म. १।४८	
१०	मं १३ ५३ श्र ५३ २७ सि ५७ ४९ वि १३ ५३	४१	५२	८	९	२३	३०	मकरे	भ. ४३ उ. वक्रीपूफा. १शनिः ३३।४३
११	बु १७ ३ ध ५८ ४६ सा ५८ २२ बा १७ ३	४५	५१	९	१०	२४	३१	कुं. २६।७	भ. ५३ या. कुंभेशुक्रः ५२।४६
१२	गु २१ २८ श ६० ० शु ५९ ४२ तै २१ २८	४९	५०	१०	११	२५	१	कुंभे	पापमोचनी ११ व्र.
१३	शु २६ ३९ श ५ २ शु ६० ० व २६ ३९	५३	४९	११	१२	२६	२	मी ५५।२७	अप्रेल ४ ता. ३० प्रदोषः
१४	श ३२ २५ पू १२ १५ शु १ ४० श ३२ २५	५७	४९	११	१३	२७	३	मीने	भ. २६।३९ उ. ५९।३२ या.
३०	र ३८ ३७ उ १९ २७ ब्र ३ ४४ च ५ ३१	३ ३	४८	१२	१४	२८	४	मीने	वक्रीउभा. बुधः ३०।१३ मन्वादिः

५०पं.चं.कृ.२च.इ.५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	२	९	४	२	११
८	२७	१६	२५	२१	१७	२१	७
३	३१	३९	२३	३६	७	२२	५५
१८	३४	४०	१३	२५	४८	७	२
५९	३२	४३	१	६१	१०	३	५९
२९	३८	व	३५	२२	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

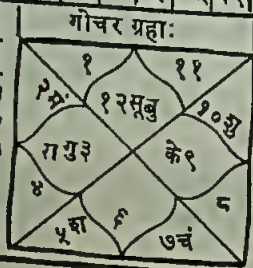

इस मासमे मंगल का चन्द्रदर्शन चांदी स्वर्ण धातु लोहा रसकस गुड़ सक्कर गन्ना कपास वारदाना गल्ला तेज करे।

गोचर ग्रहाः

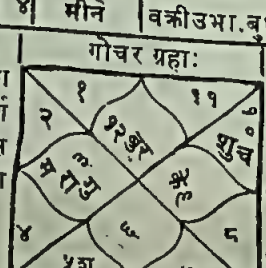

५१पं.चं.कृ.९च.इ.५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	२	९	४	२	११
१४	१	११	२५	२८	१६	२०	१४
५९	१६	७	३७	५८	३९	५९	५१
१०	१६	२३	४८	४८	०	५१	१४
५९	३३	५३	३	६३	५३	३	५९
१६	३०	व	४	२९	व	११	१९

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३९, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१३९,भोग्यकलिः४२६८६१, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०९५, शाकः १९६०, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः । मंत्री बुधः । सस्येशः शुक्रः । धान्येशः गुरुः । मेघेशः भौमः । रसेशः रविः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशःभौमः । धनेशः शुक्रः।दुर्गेशःभौमः।एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येब्रह्मविंशतिकायां ६ अंगिरानाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः ३।१३।३४।५९।२४भोग्यमासादिः८।१६।२५।०।२६बार्हस्पत्यदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम पौषः। मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासस्तटे । समयनिवासो रजकगृहे । समयविश्वा १८ समयवाहनम् मृगः । स्तंभौ २ अन्नजलयोः। सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ भानुसप्तमी १ बुधाष्टमी १ रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३७० समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः१८, तिथिवृद्धिः११ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ८४ वर्षाविश्वा ५ धान्यम् ५ तृणम् ९, शीतम् ५ तेजः ९, वायुः ५ वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः १७, ऐक्यम् ६९, शनिदृष्टिर्दक्षिणे । सत्यं ॥ धर्मः १॥ पापं १८ ग्रहणऽभावः।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

श्री जगदंबे ईश्वरी तेरी शक्ति अपार ।
कैसा रहे पच्यानवें कह दो फल विस्तार ॥

भवानी उत्तर

सुण भैरव पच्यानवें निर्बल होसी साल ।
दूध दही विन देश में भूखा रहसी बाल ॥
पौष नाम इस बर्ष का भूमि तनय दुर्गेश ।
क्षुधा रोग ज्वर से सदा पीडित हो सब देश ॥
तट में जा रोहिणि बसी मेघाधिप कुज देख ।
खंड वृष्टि हो भूमि पर इसमें मीन न मेष ॥
सिंह राशि पर भादवे शनि रवि मंगल जोग ।
बूंदन बर्षे भूमि पर धान्य मिलें नहिं थोग ॥
पण भैरव भय मत करो सदा रहो गंभीर ।
छै अधिकारी सौम्य हैं जगत बंधावें धीर ॥
शर्मा ज्यौतिष से कहे देख ग्रहों की चाल ।
वैष्णव शक्ति अपार है पल में करे निहाल ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ७।०

वर्षेश लग्नम् २।१२

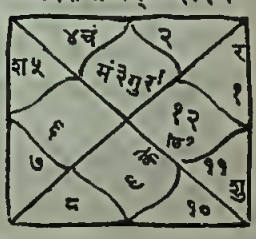

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१६।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२२।२४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम् ॥ चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणाम् प्रशाम्यति व्याधि जरा नराणाम् ॥ मंत्री बुधस्तत्फलम् ॥ शशिसुते शुभमंत्रि समागते स्वपतिना रमते मदनक्रियां । बहु धनं बहु वारि समन्वितं यवमसूर चणान्न महर्घता ॥ सस्येशः शुक्रः फलं ॥ शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षु धन प्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुखप्रदानि ॥ धान्येशो गुरुः फलम् ॥ गुरौ धान्यपतौ याते यव गोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्राम्हणादयः ॥ मेघेशो भौमः फलम् ॥ अवनिजे जलदस्यपतौ भुवि श्रुतिविचारविहीन धरामराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदम् ॥ रसेशः रविः फलम् ॥ रसपतौ तरणौ धरणीतदा विरसभाग रताल्प पयोधरा । वसनतैल घृत प्रिय मानवाः सुख रसं न भुनक्ति महीपतिः ॥ नीरसेशः शुक्रः फलम् ॥ कर्पूरागर गन्धानां हेम मौक्तिक वाससां अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ॥ फलेशो भौमः फलम् ॥ फलपतिर्यदिभूतनयो भवेत् न बहु पुष्प फलान्वित पादपाः । गद भयान्वित देश जनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ॥ धनेशः शुक्रः फलम् ॥ द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला ननु मानवाः । समसुखाः क्रयवि य जीविनो नृपतयो जनपालन तत्पराः ॥ दुर्गेशो भौमस्तत्फलम् ॥ अवनिजो गढनायकतां गतो विविध दुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ॥ अंगिरानाम संवत्सरः फलम् ॥ अन्नाद्यं भुज्यते शश्वज्जनैरतिथिभिः सह । अंगिराब्देखिलालोका भूपाश्च कलहोत्सुकाः ॥ वर्षनाम पौषः फलम् ॥ ज्वररोग क्षुधातश्चि नाना जनपदाः सदा । महर्घं तु त्रयो मासा पौषे स्वास्थ्यं ततः परम् ॥ मेघनाम पुष्करः फलम् ॥ पुष्करे मन्दवृष्टिः स्यात् ॥ रोहिणी निवास्तटे फलम् ॥ तटेवृष्टिः सुशोभनाः ॥ समयनिवासो रजक गृहे फलम् ॥ रजके वृष्टिरुत्तमा ॥ एवं संचिंत्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०९५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ शनौ हस्ते ल. १२ (चं.७पू.) रे. ७
।।।ऽबुऽऽऽ।।। पादतो वेधाऽभावः
,, १४ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।ऽबुऽऽऽनृऽ।।।
पादतो वेधाऽभावः

वैशाख मासः

कृष्णा ५ शुक्रे मूले ल. १२ रे. ७ ।।।ऽबृ।।ऽऽ।।
पादतो वेधाऽभावः
शुक्ला २ गुरौ रोहि ल. १२ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।
,, ३ शुक्रे मृगे ल. १२ रे. ६ ।।।।।ऽनृ।।।।
,, ८ बुधे मघा ल. गो. रे. ८ ।।।।।।।ऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ११ शनौ हस्ते ल. गो. (भौमाष्टम महादोषः)
ल. १२ (चं.७पू.) रे. ८ ।।।।।ऽ।।ऽ दग्धा
,, १३ चन्द्रे स्वात्यां ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः)
रे. ७ ।ऽ।।।ऽअऽ।।।
,, १५ भौमे अनु ल. १२ रे. ६ ।।।ऽबुऽऽऽ।।
पादतो वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ शनौ उषा ल. गो. १२-१ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ६ गुरौ उभा ल. १ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।
,, १० शुक्रे उभा ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।।।नृऽ।।
,, १० शुक्रे रेव ल. १ रे. ७ ।।।।।ऽनृऽऽ।।
,, ११ शनौ रेव ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽनृऽऽ।।
शुक्ला ५ भौमे मघा ल. ऽन्यगो १ रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।
,, ८ गुरौ उफा ल. ऽन्यगो १२ (चं.७पू.) रे. ६
।।।।।।।ऽ।।
,, १३ भौमे अनु ल. १२-२ (चं.७पू.)रे.८।।।।।।ऽ।।ऽ
आषाढ मासः
कृष्णा ८ गुरौ उभा ल. १-२ रे. ६ ऽ।।।।ऽरो४५या।ऽ।ऽ
,, ८ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे. ८
।।।।।।ऽऽ।। (भौमाष्टम महादोषः)
शुक्ला ४ भौमे मघा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) (भौमाष्टम महादोषः) रे. ६ ।।।।।ऽअ।।।।
,, ५ बुधे उफा ल. १-२ रे. १० ।।।।।।।।।।
,, ८ शनौ स्वात्यां ल.१(चं.७पू.)रे.८ ।।।।।ऽचौऽ।।
चैत्र मासः
कृष्णा २ शनौ हस्ते ल. गो. रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः२९२१स.२०३७
१	चं	४४	५१	रे	२६	५६	ऐं	६	१२	किं	११	४४	३१/५	५/४७	६/१३	१५	२९	५	मे.२६।५६	सवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	मं	५१	८	अ	३४	२८	वै	८	२८	बा	१८	०	१०	४६	१४	१६	३०	६	मेषे	शतेशुक्रः२।३९चंद्रदर्शनम् सिंघारा
३	बु	५७	८	भ	४१	५०	वि	१०	४८	तै	२४	८	१४	४४	१४	१७	१	७	वृ.५८।२९	रविलावल३मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	गु	६०	०	कृ	४८	२५	प्री	१२	२७	व	२९	४३	१७	४५	१५	१८	२	८	वृषे	भ २९।४३उ.आर्द्रा.भौमः४०।५८
४	शु	२	१९	रो	५४	१७	आ	१३	५०	वि	२	१९	२१	४४	१६	१९	३	९	वृषे	भ.२।१९या.
५	श	६	४५	मृ	५८	५६	सौ	१४	२९	बा	६	४५	२४	४४	१६	२०	४	१०	मि२६।३६	बुधोदयः पूर्वस्यां६।७
६	र	९	४९	आ	६०	०	शो	१३	५२	तै	९	४९	२८	४३	१७	२१	५	११	मिथुने	
७	चं	११	३४	आ	२	१२	अ	१२	४	व	११	३४	३१	४२	१८	२२	६	१२	क.४८।२१	भ.११।३४उ.४१।३७या.
८	मं	११	४०	पु	३	४४	सु	८	५७	व	११	४०	३५	४१	१९	२३	७	१३	कर्के	मार्गीबुधः२०।५८रामनवमीस्मा.
९	बु	९	४५	पु	३	३६	धृ	४/१२	५३/५७	कौ	९	४५	३८	४०	२०	२४	८	१४	कर्के	अश्वि.मेषेऽर्कः ११/१(सौरः १९/४०)पुन३गुरुः+
१०	गु	६	२	श्ले	१/३५	५६/५	गं	५०	२५	ग	६	२	४२	४०	२०	२५	९	१५	सिं१।३५	भ.३३।१३उ.[+२५।८रामयवमीवै.
११	शु	०	२५	पू	५२	१२	वृ	४२	२	वि	०	२५	४६	३९	२१	२६	१०	१६	सिहे	भ.०।२५या.पातस्पर्शः१८।२१पातमो×
१२	शु	५२	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×३०।७कामदा११व्र.
१३	श	४४	३६	उ	४५	२५	ध्रु	३१	४५	कौ	१८	५५	५०	३८	२२	२७	११	१७	कं.५।३०	आर्द्रा४राहुःपूषा२केतुः४९।१प्रदोषः
१४	र	३५	५	ह	३७	४६	व्या	२०	५८	ग	९	५१	५३	३७	२३	२८	१२	१८	कन्यायां	भ.३५।५उ.पूभा.शुक्रः७।३१
१५	चं	२५	४	चि	२९	४७	ह	१०/५६	४८/८	वि	०	४	५७	३७	२३	२९	१३	१९	तु.३।४७	भ.०।४या.हनुमज्जयंती

५२पं.चै शु.१चं.इ. ५५/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	२	१०	४	२	११
२१	५	१६	२६	६	१६	२०	२१
५३	६	३५	१	३१	१३	३७	४५
३१	०	३५	५	५९	५	३६	२५
५९	३४	३०/७	४	६५	३/२१	३	५९
४	२	व.	१४	४	वं.	११	४

गोचर ग्रहाः

चैत्रशुक्ले९बुधे मेषेऽर्क प्रविष्टः वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती)मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

१पं.चै.शु.९बु.इ. ११/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	२	१०	४	२	११
०	९	६	२६	१५	१५	२०	२९
०	४१	१८	३८	३७	४६	११	५१
०	२४	२५	२४	४१	३७	३१	४०
५८	३४	९/११	५	६६	२/३४	३	५८
४४	३४	मा	३७	४७	वं.	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	मं	१५	५	स्वा	२२	३	सि	४८	२९	कौ	१५	५	३२/१	५/३६	६/२४	३०	१४	२०	तुलायां	
२/३	बु	५/५१	४०/४६	वि	१४	५२	व्य	३८	४७	ग	५	४०	५	३५	२५	१	१५	२१	वृ.१।४०	भ.३९/३३उ.५७/२६या.भा.वैशाखारंभः
४	गु	५०	३१	अ	९	१६	व	३०	३१	ब	२३	५८	९	३४	२६	२	१६	२२	वृश्चिके	चतुर्थीव्र.
५	शु	४५	४७	ज्ये	५	७	प	२३	४३	कौ	१८	९	१२	३४	२६	३	१७	२३	ध.५।७	
६	श	४२	५४	मू	३	२	शि	१८	२४	ग	१४	२०	१६	३३	२७	४	१८	२४	धनुषि	भ.४२।५४उ.
७	र	४२	१३	पू	२	४३	सि	१४	४६	वि	१२	३३	२०	३२	२८	५	१९	२५	म.१८।१३	भ.१२।३३या.
८	चं	४३	२७	उ	४	४३	सा	१२	४६	बा	१२	५०	२३	३१	२९	६	२०	२६	मकरे	मीनेशुक्रः२८।०
९	मं	४६	१९	श्र	८	१७	शु	१२	१७	तै	१४	५३	२७	३१	२९	७	२१	२७	कुं.४०।५७	भरण्यांरविः५१।१३
१०	बु	५०	४७	ध	१३	३८	शु	१३	०	व	१८	३३	३१	३०	३०	८	२२	२८	कुम्भे	भ.१९/३३उ.५०/४७या.भरण्यांरविःसौरः १९/१=पू=
११	गु	५६	४	श	१९	५३	ब्र	१४	२३	ब	२३	२५	३४	२९	३१	९	२३	२९	कुम्भे	उभा.शुक्रः५१।५६वरुथिनी११व्र.
१२	शु	६०	०	पू	२७	१०	ऐं	१६	३४	कौ	२९	११	३८	२८	३२	१०	२४	३०	मी१०।२१	[=रेवत्यांबुधः१३।३
१२	श	२	१७	उ	३४	३४	वै	१८	५४	तै	२	१७	४१	२८	३२	११	२५	१	मीने	मई४ता.३१प्रदोषः
१३	र	८	३५	रे	४२	१६	वि	२१	२४	व	८	३५	४५	२७	३३	१२	२६	२	मे.४२।१६	भ.३८/३५उ.४१/४०या.पुन'भौम २६।२२
१४	चं	१४	४४	अ	४९	३४	प्री	२३	४७	श	१४	४४	४८	२६	३४	१३	२७	३	मेषे	
३०	मं	२०	४५	भ	५६	४४	आ	२५	५४	ना	२०	४५	५२	२६	३४	१४	२८	४	मेषे	

२पं.वै.कृ.२बु.इ. ११/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	२	१०	४	२	०
६	१३	१०	२७	२३	१५	१९	६
५०	३८	३	१८	२८	३०	४९	४१
४६	१७	३६	५४	८	०	१६	५१
५८	३५	३८	६	६७	१/५७	३	५८
३०	१२	२	३७	५७	वं	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला चांदी स्वर्ण मंदे हों रुई कपास वारदाना गुड़ सक्कर चीनी नमक गन्नाघृत तेल तेज रहे ।

गोचर ग्रहाः

३पं.वै.कृ.१०बु.इ. ११/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	२	११	४	२	०
१३	१७	१६	२८	१	१५	१९	१३
३९	३७	३८	६	२४	१७	२७	३०
५०	८	२८	२५	२९	३५	०	१६
५८	३५	६२	७	६८	१/२१	३	५८
१९	३३	३६	३८	५२	वं	११	१२

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२९५१स.२०३८
१	बु २६ १० कृ ६० ० सौ २७ ३५ ब २६ १०	५२	२५	३५	१५	२९	५	बृ.१३।१८	
२	गु ३० ४६ कृ २ ५९ शो २८ ३२ कौ ३० ४६	५८	२४	३६	१६	३०	६	बृषे	चन्द्रदर्शनम्
३	शु ३४ ४३ रो ८ ३५ अ २८ ५६ तै २ ४४	३३	२४	३६	१७	१	७	मि४०।५१	रविलाखर४परशुरामजयंतीअक्षया३
४	श ३७ २८ मृ १३ ८ सु २८ २५ ब ६ ५	५	२३	३७	१८	२	८	मिथुने	भ.६उ.३७या.अश्वि.मेषेबुधः२६।१८
५	र ३९ ५ आ १६ ५२ धृ २७ १६ ब ८ १६	८	२२	३८	१९	३	९	मिथुने	
६	चं ३९ २९ पु १९ १४ शू २४ ६ कौ ९ १७	११	२२	३८	२०	४	१०	क.३।३८	
७	मं ३८ ३५ पु २० १५ गं २० ४६ ग ९ २	१४	२१	३९	२१	५	११	कर्के	भ.३६उ.कृत्ति.रविः३७ सौरः४८) A
८	बु ३६ ७ श्ले १९ ५३ बृ १६ १० वि ७ २१	१७	२१	३९	२२	६	१२	सिं१९।५३	भ.७।२१या.पातमोक्षः४।३२
९	गु ३२ ७ म १८ ५० धु १० २५ बा ४ ७	२०	२०	४०	२३	७	१३	सिंहे	[Aरेवत्यांशुक्रः२८पुन४कर्केगुरुः५२×
१०	शु २६ ५१ पू १४ ३१ श्या २८ ५१ ग २६ ५१	२३	१९	४१	२४	८	१४	क.२८।१९	भ५३।२४उ.[×मार्गशि.३३पातस्पर्श४५
११	श २० ० उ ९ ४३ व ४७ १८ वि २० ०	२६	१९	४१	२५	९	१५	कन्यायां	भ.२०।०या.बृषेऽर्कः४।२७ (सौरः१६ +
१२	र १२ १ ह ५३ ५३ सि ३७ १८ बा १२ १	२८	१८	४२	२६	१०	१६	तु.३०।३४	भरण्यांबुधः२६।७प्रदोषः
१३	चं ३ ७ स्वा ४९ ४३ व्य २६ ५९ तै ३ ७	३१	१८	४२	२७	११	१७	तुलायां	भ.५३।४२उ.नृसिंहजयंती
१४	चं ५० ३५ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+मोहिनी१व्रत.
१५	मं ४४ १४ वि ४२ ३२ व १६ ३० वि १८	५८	३४	१७	४३	२८	१२	१८	वृ.२९।२० भ.१८।५८या.यमायकुंभदानम्

४पं.वै.शु.१बु.इ. १९/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	२	११	४	२	०
२०	२१	२५	२९	९	१५	१९	२०
२७	३८	३०	१	२५	१०	४	१७
२९	५६	४	१२	३७	५२	४४	३
५८	३५	८३	२८	६९	२९	३	५७
६	५३	६	४०	४०	वे	११	५७

गोचर ग्रहः

वैशाखशुक्ले ११ शनौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहः

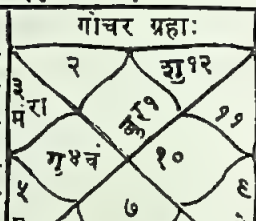

५पं.वै.शु.८बु.इ.१२

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	११	४	२	०
२७	२५	६	०	१७	१५	१८	२७
१३	४१	१५	३	३०	८	४२	२
३७	३१	१४	४	४७	५४	२९	१७
५७	३६	०	९	७०	०	३	५७
५४	१९	४९	२९	२५	मी	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	बु ३५ २० अ ३५ ५१ ए २७ ५० बा ९ ४७	३३	१७	४३	२९	१३	१९	वृश्चिके	कर्के भौमः ३५।४४
२	गु २७ २६ ज्ये ३० ११ सि ४८ ४१ तै १ २३	३९	१६	४४	३०	१४	२०	ध.३०।११	भ.५४।१८उ.
३	शु २१ १० मू २६ १४ सा ४१ ५३ वि २१ १०	४२	१६	४४	३१	१५	२१	धनुषि	भ.२९या.बुधास्तःपूर्वस्यां ३५चतुर्थीव्र.
४	श १६ ४० पू २४ १० शु ३६ ४१ बा १६ ४०	४४	१५	४५	१	१६	२२	म.३९।११	अश्वि.मेषेशुक्रः५९भा.ज्येष्ठारंभः
५	र १४ २६ उ २४ १५ शु ३३ १६ तै १४ २६	४७	१५	४५	२	१७	२३	मकरे	कृत्ति.बुधः२१पातस्पर्श२३पातमोक्षः५२
६	चं १४ २५ श्र २६ २२ ब्र ३१ २० व १४ २५	४९	१४	४६	३	१८	२४	कुं.५८।३०	भ.३५उ ४५या.बृषेबुधः५६।२९
७	मं १६ २६ ध ३० ३८ ऐं ३१ २२ ब १६ २६	५२	१४	४६	४	१९	२५	कुम्भे	रोहि.रविः२७ (सौरः४२) पुष्येभौम१९६
८	बु २० १३ श ३६ २२ वै ३२ ६ कौ २० १३	५४	१३	४७	५	२०	२६	कुंभे	
९	गु २५ १४ पू ४३ २० वि ३४ १ ग २५ १४	५६	१३	४७	६	२१	२७	मी२६।२१	भ.५८।१५उ.
१०	शु ३१ १७ उ ५० ४३ प्री ३६ २७ वि ३१ १७	५८	१२	४८	७	२२	२८	मीने	भ ३१।१७या.
११	श ३७ ३५ रे ५८ २३ आ ३८ ४९ ब ४ २६	३४	१२	४८	८	२३	२९	मे.५८।२३	रोहि.बुधः४१।१३अपरा११व्र.
१२	र ४३ ५३ अ ६० ० सौ ४१ २२ कौ १० ४४	२	१२	४८	९	२४	३०	मेषे	
१३	चं ४९ ४३ अ ५ ४८ शो ४३ ३० ग १६ ४८	३	११	४९	१०	२५	३१	मेषे	भ.४९उ.पुष्य१गुरुः५१।१०प्रदोषः -
१४	मं ५४ ४१ भ १२ ४४ अ ४५ ५ वि २२ १२	५	११	४९	११	२६	१	बृ.२९।१५	भ.२२।१२या.जूनदता.३०
३०	बु ५८ ३४ कृ १८ ५० सु ४५ ४५ च २६ ३७	७	११	४९	१२	२७	२	वृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ १बु.इ. १२/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	३	११	४	२	१
३	२९	१८	१	२५	१५	१८	३
५८	४५	४०	९	३९	१२	२०	४६
४४	३६	२६	०	०	३२	१३	५
५७	३६	५९	१०	७१	०	३	५७
४४	३८	४८	१२	४	५५	११	२४

७पं.ज्ये.कृ.८बु.इ. १२/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	३	०	४	२	१
१०	३	२	२	३	१५	१७	१०
४२	५२	३९	१९	५१	२१	५७	२८
४०	५२	४०	५५	०	४	५८	१३
५७	३६	२९	१०	७१	१	३	५७
३५	५२	२६	५५	२९	३२	११	२३

८पं.ज्ये.कृ.३०बु.इ. १२/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	३	०	४	२	१
१७	८	१७	३	१२	१५	१७	१७
२५	३	५१	३५	५	३४	३५	९
२६	०	१८	२८	२४	२३	४२	१९
५७	३७	५९	११	७१	३	३	५७
२७	८	५८	२६	५६	१२	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२९८०स.२०३८
१	गु	६०	०	रो	२३	५१	धृ	४५	४३	किं	३०	२	३४/९	५/१०	६/५०	१३	२८	३	मि५५।५४	भरण्यांशुक्रः१४।३३
१	शु	१	३१	मृ	२७	५७	शू	४४	५०	ब	१	३१	१०	१०	५०	१४	२९	४	मिथुने	मृगेबुधः४५।१६चं द्रदर्शनम्
२	श	३	२२	आ	३०	४८	गं	४३	५	कौ	३	२२	१२	१०	५०	१५	१	५	मिथुने	जमादिलावल५
३	र	४	३	पु	३२	४१	वृ	४०	२५	ग	४	३	१३	९	५१	१६	२	६	क.१७।३३	भ.३३।५५उ.
४	चं	३	४७	पु	३३	३६	ध्रु	३७	१३	वि	३	४७	१५	९	५१	१७	३	७	कर्के	भ.३।४७या.मिथुनेबुधः४२।४८
५	मं	२	२९	श्ले	३३	३७	व्या	३३	१३	बा	२	२९	१६	९	५१	१८	४	८	सिं३३।३७	मृगेरविः२२।४२(सौरः४१।४२)
६	बु	०	१४	म	३२	३२	ह	२८	१३	तै	०	१४	१७	९	५१	१९	५	९	सिंहे	भ.५६।५२उ.
७	बु	५६	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	गु	५२	४७	पू	३०	३४	व	२२	३५	वि	२४	५१	१८	८	५२	२०	६	१०	क.४४।५०	भ.२४।५१या.आर्द्रां.बुधः५४।१०
९	शु	४७	३६	उ	२७	४०	सि	१६	२	बा	२०	११	१९	८	५२	२१	७	११	कन्यायां	[=गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.
१०	श	४१	३१	ह	२३	४४	व्य	८	४८	तै	१४	३३	१९	८	५२	२२	८	१२	तु.५१।१९	बुधोदयःपश्चिमायां३०/१८गंगादशमी
११	र	३४	३४	चि	१८	५४	व	०/४३	५१/३०	व	८	२	२०	८	५२	२३	९	१३	तुलायां	भ.८।२उ.३४/३४या.निर्जला११व्र.
१२	चं	२६	५८	स्वा	१३	३२	शि	४३	११	ब	०	४६	२१	८	५२	२४	१०	१४	वृ.५४।१५	कृत्ति.शुक्रः३२।३७प्रदोषः
१३	मं	१८	५४	वि	७	४९	सि	३४	२	तै	१८	५४	२१	८	५२	२५	११	१५	वृश्चिके	मिथुनेऽर्कः२१।१६(सौरः४२।३०)
१४	बु	१०	५८	अ	१/५७	५४/३८	सा	२५	५	व	१०	५८	२२	८	५२	२६	१२	१६	ध.५६।३५	भ.१०/५८उ.३७/१०या.आश्ले.भौमः३३।६
१५	गु	३	२२	मू	५२	८	शु	१६	४१	ब	३	२२	२२	८	५२	२७	१३	१७	धनुषि	पुन.बुधः३७।२६वृषेशुक्रः१७।५२=

९पं.ज्ये.शु.६बु.इ. १२।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	३	०	४	२	१
२४	१२	३	४	२०	१५	१७	२३
७	१३	७	५४	२२	५२	१३	४९
३०	१९	१२	२९	५	१६	२६	१५
५७	३७	[illegible]	१२	७२	२	३	५७
२२	२२	२६	२	१६	५१	११	५

गोचर ग्रहाः

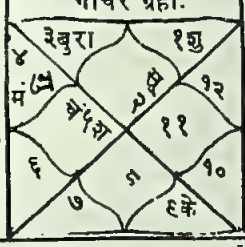

ज्येष्ठशुक्ले १३ भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.६ प्रौढावस्था बैठी मु.४५ धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

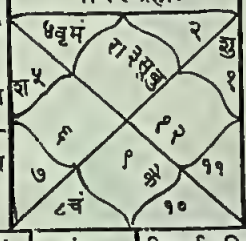

१०पं.ज्ये.शु१४बु.इ.१२/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	०	४	२	२
०	१६	१७	६	२८	१६	१६	०
४८	२४	१८	१६	४०	१४	५१	२८
४७	२९	२५	३७	४१	४९	११	२४
५७	३७	[illegible]	१२	७२	३	३	५६
१७	३६	५६	२०	३७	३२	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.
१	गु	५३	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	शु	५२	५	पू	४८	५१	शु	९	१६	तै	२४	३५	३४/२३	५/७	६/५३	२८	१४	१८	धनुषि	पुष्य.२गुरुः११।२०
३	श	४८	५४	उ	४७	४२	ब्र	३/३	५५/१६	व	२०	३०	२३	७	५३	२९	१५	१९	म.३।३४	भ.२०/३०उ.४८/५४या.आर्द्रां.३राहुःपूषा.१=
४	र	४७	४०	श्र	४८	२९	वै	५५	११	ब	१८	१७	२३	७	५३	३०	१६	२०	मकरे	चतुर्थी [=केतुः४३।२३
५	चं	४८	३५	ध	५१	७	वि	५४	०	कौ	१८	७	२४	७	५३	३१	१७	२१	कुं.१९।४८	
६	मं	५१	२८	श	५५	४४	प्री	५३	३९	ग	२०	१	२४	७	५३	१	१८	२२	कुम्भे	भ.५१/२८उ.आर्द्रा.रविः२०/११ सौरः४४।३)÷
७	बु	५५	५९	पू	६०	०	आ	५४	५५	वि	२३	४३	२४	७	५३	२	१९	२३	मी४५।१५	भ.२३।४३या.कर्केबुधः४७।३५
८	गु	६०	०	पू	१	४६	सौ	५६	५०	बा	२८	४४	२४	७	५३	३	२०	२४	मीने	[÷पूफा.२शनिः४८/३४भा.आषाढारंभः
८	शु	१	२९	उ	८	५०	शो	५९	१७	कौ	१	२९	२४	७	५३	४	२१	२५	मीने	पुष्येबुधः५२।१४रोहि.शुक्रः३८।३५
९	श	७	४०	रे	१६	१९	अ	६०	०	ग	७	४०	२३	७	५३	५	२२	२६	मे.१६।१९	भ.४०।४४उ.
१०	र	१३	४९	अ	२३	५०	अ	१	४३	वि	१३	४९	२३	७	५३	६	२३	२७	मेषे	भ.१३।४९या.
११	चं	१९	४२	भ	३०	५६	सु	४	२	बा	१९	४२	२२	८	५२	७	२४	२८	वृ.४७।२७	योगिनी११व्र.
१२	मं	२४	३५	कृ	३७	१	धृ	५	४२	तै	२४	३५	२२	८	५२	८	२५	२९	वृषे	प्रदोषः
१३	बु	२८	४	रो	४१	५३	शू	६	२५	व	२८	४	२१	८	५२	९	२६	३०	वृषे	भ.२८।४उ.५९।१३या.
१४	गु	३०	२१	मृ	४५	३२	गं	६	८	श	३०	२१	२०	८	५२	१०	२७	१	मि१३।४३	जुलाई७ता.३१
३०	शु	३१	१०	आ	४७	४३	वृ	४	४७	च	०	५०	१९	८	५२	११	२८	२	मिथुने	

११पं.आ.कृ.७बु.इ. १२/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	१	४	२	२
७	२०	२९	७	७	१६	१६	७
२९	३७	३	४१	१	४१	२८	६
४२	१९	१८	१०	४४	३८	५५	५१
५७	३७	९६	१२	७२	४	३	५६
१३	५०	२२	४६	५६	८	११	५४

गोचर ग्रहाः

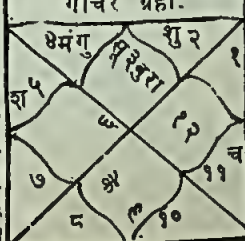

शुक्रस्यपंचवाराः स्युः यत्रमासेनिरन्तरम् । प्रजावृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते ॥ इस मास में प्रजा में सुख शान्ति रहे । कहीं २ वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

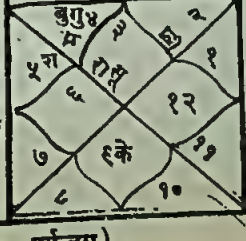

१२पं.आ.कृ१३बु.इ. १२/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	३	१	४	२	२
१४	२४	९	९	१५	१७	१६	१३
१०	५१	६	८	२४	१२	६	४४
८	२५	४७	४२	०	३६	४०	५६
५७	३८	७५	१३	७३	४	३	५६
७	५	२०	८	१४	४१	११	५०

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०१०स.२०३८
१	श ३० ४० पु ४८ ३५ धु १ ५६ कि ० ५५ ३४	५	६	१२	२९	३	क.३३।२२		
२	र २९ १ पु ४८ ३४ ह ५३ ५५ कौ २९ १ १७	९	५१	१३	३०	४	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा	
३	चं २६ २८ श्ले ४७ ३९ व ४८ ५८ ग २६ २८ १६	९	५१	१४	१	५	सिं ४७।३९	भ.५४उ.पुष्य.३गुरुः२२ जमादिलाखत	
४	मं २२ ५९ म ४५ ५५ सि ४३ २३ वि २२ ५९ १५	९	५१	१५	२	६	सिंहे	भ.५९या.पुन.रविः१८ (सौरः४८आश्ले	
५	बु १९ ८ पू ४३ ४० व्य ३७ ४६ बा १९ ८ १४	९	५१	१६	३	७	कं.५८।१	[ऽबुधः५० मृगेशुक्रः४८	
६	गु १४ ४५ उ ४१ २ व ३१ २६ तै १४ ४५ १३	९	५१	१७	४	८	कन्यायां	मघा.सिंहेभौमः३४।४६	
७	शु १० २ ह ३७ ५५ प २४ ५० व १० २ ११	१०	५०	१८	५	९	कन्यायां	भ.१०।२उ.३७।२७या.	
८	श ४ ५३ चि ३४ ३५ शि १८ १ व ४ ५३ १०	१०	५०	१९	६	१०	तु.६।१५		
९	श ५४ २३ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	० ०		
१०	र ५३ २४ स्वा ३० ५४ स्वि १० ४७ तै २६ २० ८	१०	५०	२०	७	११	तुलायां		
११	चं ४७ १९ वि २७ ५५ सा ३३ ५३ व २० २१ ७	११	४९	२१	८	१२	वृ.१३।४०	भ.२०।२१उ.४७।१९या.मिथुनेशुक्रः-	
१२	मं ४१ १६ अ २२ ५० शु ४८ १९ ब १४ १७ ५	११	४९	२२	९	१३	वृश्चिके	[-२२।३८देवशयनी११ब्र.	
१३	बु ३५ १७ ज्ये १८ ४९ ब्र ४१ ५९ कौ ८ १६ ३	११	४९	२३	१०	१४	ध.१८।४९	प्रदोषः	
१४	गु ३० १० मू १५ ३४ ऐ ३५ १६ ग २ ४३ १	१२	४८	२४	११	१५	धनुषि	भ.३०।१०उ.५७।५८या.वायुपरीक्षा	
१५	शु २५ ४७ पू १२ ४९ वै २९ २० ब २५ ४७ ३३	१२	४८	२५	१२	१६	म.२७।२०	कर्के ऽर्कः४८।२७व्यासपूजा गुरु१५	

१३पं.आ.शु.५ब्र.इ.१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	३	१	४	२	२
२०	२९	१६	१०	२३	१७	१५	२०
५०	७	५७	३७	४८	४७	४४	२२
३५	२३	५८	४८	२५	१३	२४	५०
५७	३८	५०	१३	७३	५	३	५६
७	१२	४९	२०	२२	२	११	५०

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले १५शुक्रे कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा४ न.५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

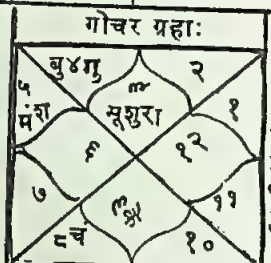

१४पं.आ.शु.१३बु.इ.११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	३	२	४	२	२
२७	३	२२	१२	२	१८	१५	२७
३०	२४	८	८	१४	२५	२२	०
५४	५४	३५	२८	१०	१९	८	५७
५७	३८	२२	१३	७३	५	३	५६
१२	२९	२१	२६	३७	३२	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	श २२ ५१ उ ११ ३२ वि २४ ३१ कौ २२ ५१ ३३	५	६	१३	२६	१३	१७	मकरे	कर्के ऽर्कः सौरः ३९ आर्द्रा शुक्रः ४६
२	र २१ ३९ श्र ११ ५१ प्री २० ४५ ग २१ ३९ ५५	१३	४७	२७	१४	१८	कुं.४२।४६		भ.५१।४८उ.
३	चं २१ ५७ ध १३ ४१ आ १८ ३८ वि २१ ५७ ५२	१४	४६	२८	१५	१९	कुंभे		भ.५७या.वक्रीबुधः ३७पुष्य.४गुरुः ४२=
४	मं २४ १४ श १७ ८ सौ १७ ४० बा २४ १४ ५०	१४	४६	२९	१६	२०	कुम्भे		पुष्य.रविः१७।४५(सौरः५१।३०)
५	बु २८ १ पू २२ १४ शो १७ ५४ तै २८ १ ४८	१४	४६	३०	१७	२१	मी५१.५८		नाग५मरुस्थले [=चतुर्थीव्र.
६	गु ३३ १३ उ २८ ४६ अ १९ १९ ग ० ३७ ४५	१५	४५	३१	१८	२२	मीने		भ.३३।१३उ.
७	शु ३९ १७ रे ३५ ५१ सु २१ १९ वि ६ १५ ४३	१५	४५	१	१९	२३	मे.३५।५१		भ.९५या.अस्तंगुरोः ६भा.श्रावणारंभः
८	श ४५ १७ अ ४३ ३१ धृ २३ ४७ बा १२ १७ ४०	१६	४४	२	२०	२४	मेषे		
९	र ५१ २० भ ५० ४९ शू २६ १३ तै १८ १८ ३८	१६	४४	३	२१	२५	मेषे		
१०	चं ५६ २५ कृ ५६ ४० गं २८ १२ व २३ ५२ ३५	१७	४३	४	२२	२६	वृ.७।१७		भ.२३।५२उ.५६।२५या.
११	मं ६० ० रो ६० ० बृ २९ २३ ब २८ १३ ३३	१७	४३	५	२३	२७	वृषे		कामिका११ब्र.स्मा.
११	बु ० २ रो २ ४१ धु २९ २२ बा ० २ ३०	१८	४२	६	२४	२८	मि३४।३५		पुन.शुक्रः५०।५४कामिका११ब्र.वै.
१२	गु २ १६ मृ ६ २८ ब्या २८ १३ तै २ १६ २७	१९	४१	७	२५	२९	मिथुने		पूफा.३शनिः ३९बुधास्तःपश्चिमायां १५+
१३	शु २ ४४ आ ८ ३१ ह २५ ४३ व २ ४४ २४	१९	४१	८	२६	३०	क.५३।५३		भ.२४उ.३२या.पूफा.भौमः८।५६
१४	श १ २७ पु ९ १ व २१ १२ श १ २७ २२	२०	४०	९	२७	३१	कर्के		हरियाली [+प्रदोषः
३०	श ५७ ११ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	० ०		

१५पं.श्रा.कृ.५बु.इ.११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	३	२	४	२	३
४	७	२४	१३	१०	१९	१४	३
११	४४	२	४०	४२	६	५९	३९
३८	१०	४२	५	२५	११	५३	२४
५७	३८	३२	१३	७३	६	३	५६
१५	३७	व.	३२	४७	५५	११	५९

गोचर ग्रहाः

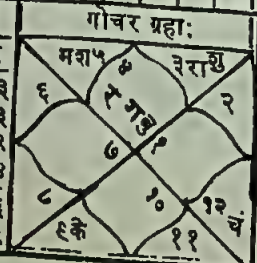

इस मास में ५शनिवार अशुभ हैं। शनिवारा: यदां पंच पाताले कम्पते फणी ईशान देश भंगश्च वह्निदाहो महर्घता

गोचर ग्रहाः

१६पं.श्रा.कृ.११बु.इ.४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	३	२	४	२	३
१०	१२	२२	१५	१९	१९	१४	१०
५२	४	१३	१२	११	५९	३७	१८
४१	१	३४	१८	४६	४१	३७	४१
५७	३८	३५	१३	७३	६	३	५७
२०	५४	व.	३८	५०	२०	११	५

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण३०३९स२०३८
१	र	५४	३७	पु	७	५६	सि	१६	५०	किं	२६	३७	३३/१२	५/२०	६/४०	१०	२८	१	कर्के	अगस्त८ता.३१
२	चं	४९	३४	श्ले	५	४७	व्य	१०	५३	बा	२२	५	१६	२१	३९	११	२९	२	सिं५।४७	चन्द्रदर्शनम् २ सिंधारा
३	मं	४३	५८	म	२/४३	५६/२२	व	४/१४	५३/४३	तै	१६	४६	१३	२१	३९	१२	१	३	सिहे	आश्लेरविः१४/४६(सौरः५२/१७)आश्ले.१गुरुः-
४	बु	३८	१६	उ	५५	१४	शि	४९	३२	व	११	७	१०	२२	३८	१३	२	४	कं.१३।७	भ.११।७उ.३८।१६या.वरद४
५	गु	३२	१९	ह	५१	२०	सि	४२	२०	ब	५	१७	७	२३	३७	१४	३	५	कन्यायां	वक्रीपुष्येबुध:५।४०नागपंचमी
६	शु	२६	४३	चि	४७	३८	सा	३५	१०	तै	२६	४३	४	२३	३७	१५	४	६	तु.१९।२९	कर्केशुक्र:२।५९
७	श	२१	७	स्वा	४४	२९	शु	२७	५७	व	२१	७	०	२४	३६	१६	५	७	तुलायां	भ.२१।७उ.४८।३०या.
८	र	१५	५३	वि	४०	५६	शु	२०	५७	ब	१५	५३	३२/५७	२५	३५	१७	६	८	वृ.२६।४९	पुष्येशुक्र:४९।२९
९	चं	१०	५८	अ	३८	८	ब्र	१४	१६	कौ	१०	५८	५४	२५	३५	१८	७	९	वृश्चिके	[-४९/४५रज्जव७तीज
१०	मं	६	१८	ज्ये	३५	४२	ऐं	७	५७	ग	६	१८	५०	२६	३४	१९	८	१०	ध.३५।४२	भ.३४।१५उ.
११	बु	२	११	मू	३३	४८	वै	१/५२	५४/३३	वि	२	११	४७	२७	३३	२०	९	११	धनुषि	भ.२।११या.पवित्रा११ब्र.
१२	बु	५६	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम् भद्रो.
१३	गु	५५	५४	पू	३२	२५	प्री	५१	२५	कौ	२७	१५	४४	२७	३३	२१	१०	१२	म.४७।१८	बुधोदय:पूर्वस्यां२७।५७प्रदोष:
१४	शु	५४	७	उ	३१	५६	आ	४७	१३	ग	२५	०	४०	२८	३२	२२	११	१३	मकरे	भ.५४।७उ.
१५	श	५३	३९	श्र	३२	५२	सौ	४४	२	वि	२३	५३	३७	२९	३१	२३	१२	१४	मकरे	भ.२३।५३या.मार्गीबुध:३१।७=

१७पं.श्रा.शु.४बु.इ. ११/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	३	२	४	२	३
१७	१६	१७	१६	२७	२०	१४	१६
३४	२५	२३	४५	४२	३५	१५	५८
२३	५२	५३	१४	३६	४६	२२	२९
५७	३८	४८/४०	१३	७३	६	३	५७
२५	५४	व.	३८	५९	३२	११	१२

गोचर ग्रहाः

इसमासमें धातुसोना चांदी धान्य बाजरा मूंग मोठ गेहूं जौ चना रुईकपास वस्त्र वारदाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

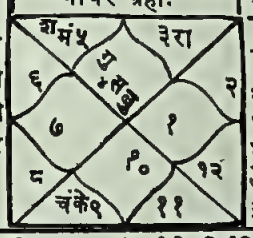

१८पं.श्रा.शु.११बु.इ. ११/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	३	३	४	२	३
२४	२०	१३	१८	६	२१	१३	२३
१६	४९	६	१८	१५	२३	५३	३९
४४	३९	५८	०	२२	४२	६	३६
५७	३९	२८/५२	१३	७४	६	३	५७
३३	१	व.	३८	८	४५	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र	५४	३१	ध	३४	५३	शो	४१	४७	बा	२४	५	३२/३३	५/२९	६/३१	२४	१३	१५	कुं.३।५२	
२	चं	५६	५८	श	३८	१०	अ	४०	५२	तै	२५	४४	३०	३०	३०	२५	१४	१६	कुंभे	उदयंगुरो:१०।१२
३	मं	६०	०	पू	४२	४६	सु	४०	३६	व	२८	४५	२६	३१	२९	२६	१५	१७	मी२६।३७	भ.२८/४५उमघा.सिंहेऽर्कः९/४८(सौरः४८/४१)
३	बु	०	३२	उ	४८	५३	धृ	४०	३८	वि	०	३२	२२	३२	२८	२७	१६	१८	मीने	भ.०/३२या.आश्ले.२गुरु:५४/५४चतुर्थी व्र.
४	गु	५	३३	रे	५५	४३	शू	४२	९	बा	५	३३	१९	३२	२८	२८	१७	१९	मे.५५।४३	आश्ले.शुक्र:४०।११
५	शु	११	१७	अ	६०	०	गं	४४	३२	तै	११	१७	१५	३३	२७	२९	१८	२०	मेषे	उफा.भौम:२१।३१चन्द्रषष्ठी
६	श	१७	३१	अ	३	५	वृ	४६	५७	व	१७	३१	१२	३४	२६	३०	१९	२१	मेषे	भ.१७/३१उ.५०/४५या.आर्द्रा.२राहु:मूल.४×
७	र	२३	५८	भ	१०	४२	ध्रु	४९	१६	ब	२३	५८	८	३४	२६	३१	२०	२२	वृ.२७।३०	आश्ले.बुध:५६।१९जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	चं	२९	२१	कृ	१७	५५	व्या	५१	४	कौ	२९	२१	४	३५	२५	१	२१	२३	वृषे	भा.भाद्रपदारंभ:जन्माष्टमी व्र.वै.
९	मं	३३	३४	रो	२३	५९	ह	५१	५५	तै	१	२७	१	३६	२४	२	२२	२४	मि५६।२१	गोगा९ [×केतु:३५।२७
१०	बु	३६	२०	मृ	२८	४३	व	५१	२२	व	४	५७	३१/५७	३७	२३	३	२३	२५	मिथुने	भ.४/५७उ.३६/२०या.कन्यायांभौम:४०/२५+
११	गु	३७	११	आ	३१	४३	सि	४९	२९	ब	६	४५	५३	३७	२३	४	२४	२६	मिथुने	अजा११व्र. [+अस्तंशने:३४/३
१२	शु	३६	१३	पु	३२	४४	व्य	४६	८	कौ	६	४२	४९	३८	२२	५	२५	२७	क.१६।२९	पूफा.४शनि:२७।५वत्सद्वादशी
१३	श	३३	१२	पु	३१	५५	व	४१	१४	ग	४	४२	४६	३९	२१	६	२६	२८	कर्के	भ.३३।१२उ.प्रदोष:
१४	र	२८	२६	श्ले	२९	१७	प	३४	५२	ति	०	४९	४२	४०	२०	७	२७	२९	सिं२९।१७	भ ०।४९या. [÷कुशाग्रहणी
३०	चं	२२	२४	म	२५	१२	शि	२७	२४	ना	२२	२४	३८	४०	२०	८	२८	३०	सिंहे	पूफा.रवि:५८/३२मघा.सिंहेशुक्र:३०/४६÷

१९पं.भा.कृ.३बु.इ. ११/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	३	३	४	२	४
१	२५	१३	१९	१४	२२	१३	०
०	१२	३५	५०	४९	१३	३०	२१
४	४३	३८	१०	५९	२६	५०	२९
५७	३९	२८/५७	१३	७४	७	३	५७
४०	१८	म	३२	१४	२	११	३४

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्णे३भौमे सिंहेऽर्कः प्रविष्टःवा. ५न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदय:पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

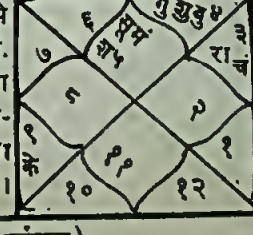

२०पं.भा.कृ.१०बु.इ. ११/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	३	३	४	२	४
७	२९	१९	२१	२३	२३	१३	७
४४	४०	४२	२१	२६	३	८	५
२८	४६	०	११	२८	५०	३५	१५
५७	३९	८१	१३	७४	७	३	५७
४९	१८	१	२६	२०	८	११	४५

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०६९स.२०३८
१	मं १५ १३ पू २० ८	सि	१८	५३	ब	१५	१३	३१ ५ ६	९ २९ ३१	कं.३३।४६	पूफा.रवि.सौरः ३९ मघा.सिंहेबुधः ५७
२	बु ७ ४८ उ १४ ३९	सौ	१०	१०	कौ	७	४८	३० ४२	१८ १० १ १	कन्यायां	सावान८सितंबर९ता.३०
३	गु ० ५ ह ९ ३	शु	१२	५१	ग	०	५	२६ ४३	१७ ११ २ २	तु.३६।२१	म.२६ उ.५२ या.बुधास्त.पूर्वस्यां ३१ =
४	गु ५२ ४० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ० ० ०	० ०	[=हरितालिका ३ गणेशचतुर्थी
५	शु ४५ ५२ वि ३८ ५५	ब्र	४३	४०	ब	१९	१८	२२ ४४	१६ १२ ३ ३	तुलायां	आश्ले.३गुरुः२१।५७ऋषिपंचमी
६	श ३९ ३८ वि ५४ ४१	ऐं	३५	५९	कौ	१२	४५	१८ ४४	१६ १३ ४ ४	वृ.४२।१८	[-चन्द्रदर्शनम्
७	र ३४ २० अ ५१ २२	वै	२८	३४	ग	६	५९	१५ ४५	१५ १४ ५ ५	वृश्चिके	भ.३४।२०उ.
८	चं २९ ५९ ज्ये ४९ ४	वि	२१	५८	वि	२	९	११ ४६	१४ १५ ६ ६	घ.४९।४	भ.२।९या.
९	मं २६ ३७ मू ४७ ४६	मी	१६	१५	कौ	२६	३७	७ ४७	१३ १६ ७ ७	धनुषि	
१०	बु २३ २७ पू ४७ २८	आ	११	११	ग	२३	२७	३ ४७	१३ १७ ८ ८	धनुषि	भ.५३।६उ.पूफा.बुधः२।८
११	गु २२ ४६ उ ४८ ६	सौ	७	१०	वि	२२	४६	३० ४८	१२ १८ ९ ९	म.२।३७	भ.२२ या अस्तोभौमः ३५ जलझूलनी ११
१२	शु २२ २७ श्र ४९ ४७	शो	३	४८	बा	२२	२७	५५ ४९	११ १९ १० १०	मकरे	पूफा.शुक्र. ९ ६ हस्तेभौमः ९ १ प्रदोषः×
१३	श २३ १६ ध ५२ २५	अ	१ २६	५८ ९०	तै	२३	१६	५१ ५०	१० २० ११ ११	कुं.२१।६	[×वामनजयंती [+पूजनारंभः
१४	र २५ ११ श ५६ २१	धृ	६०	०	व	२५	११	४७ ५१	९ २१ १२ १२	कुंभे	भ.२५।११उ.५६।४४या.अनंत१४
१५	चं २८ १८ पू ६० ०	धृ	०	१८	ब	२८	१८	४३ ५१	९ २२ १३ १३	मी४५।९	उफा.रविः ४२ महालयारंभः कु.संध्या.+

२१पं.भा.शु.२बु.इ. १० ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	३	४	४	२	४
१४	४	०	२२	२	२३	१२	१३
३०	९	२३	५१	४	५५	४६	५०
४	२५	४९	७	१८	४४	१९	२७
५८	३९	४	१३	७४	७	३	५७
१	३५	५१	१४	२६	१४	११	५७

गोचर ग्रहाः

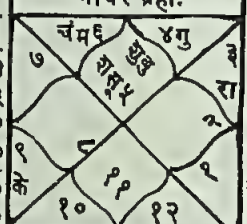

इस मास में धान्य गल्ला गेहूं जौ चना मटर बाजरा आदि मंदे हों रसकस गुड़ शक्कर घृत तेल तेज हो कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

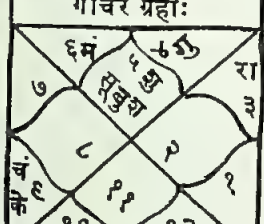

२२पं.भा.शु.१०बु.इ. १० ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	३	४	४	२	४
२१	८	१३	२४	१०	२४	१२	२०
१७	४०	३६	१९	४३	४८	२४	३७
६	८	४०	२६	४४	१४	४	७
५८	३९	५ ९	१२	७४	७	३	५८
१३	४३	९	५७	२६	२०	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	मं ३२ २३ पू १ २५	शू	०	४	बा	०	२०	३० ५२	८ २३ १४ १४	मीने	उफा.रविः सौरः २४ उफा.बुधः ५८
२	बु ३७ ४० उ ७ २५	गं	०	५८	तै	५	१	३५ ५३	७ २४ १५ १५	मीने	
३	गु ४३ २० रे १३ ५७	बृ	२	३७	व	१०	३०	३१ ५४	६ २५ १६ १६	मे.१३।५७	भ.१० उ.३० या.कन्यायांबुधः ४४
४	शु ४९ ३६ अ २१ २६	धु	४	४३	ब	१६	२८	२७ ५५	५ २६ १७ १७	मेषे	कन्यायामर्कः ९ (सौरः ३९) चतुर्थी व्र.
५	श ५६ ० भ २८ ५८	व्या	७	८	कौ	२२	४८	२२ ५६	४ २७ १८ १८	वृ.४५।५२	
६	र ६० ० कृ ३६ ३४	ह	९	२९	ग	२८	५९	१८ ५६	४ २८ १९ १९	वृषे	आश्ले.४गुरुः५०।१९
६	चं १ ५९ रो ४३ २९	व	११	४३	व	१	५९	१४ ५७	३ २९ २० २०	वृषे	भ.१।५९उ.३४।२९या.
७	मं ६ ५९ मृ ४९ १५	सि	१३	७	ब	६	५९	९ ५८	२ ३० २१ २१	मि१६।२२	उफा.शुक्रः०।२९
८	बु १० ४० आ ५३ ३३	व्य	१३	४३	कौ	१०	४०	५ ५९	१ ३१ २२ २२	मिथुने	हस्तेबुधः ९ २७ मातृ९ (सौभाग्यवतीनांश्रा.
९	गु १२ ४२ पु ५५ ५८	व	१२	५८	ग	१२	४२	३० ०	० १ २३ २३	क.४०।२२	भ.४३ उ कन्यायांशुक्रः ४१ उफा.१शनि ÷
१०	शु १२ ४० पु ५६ २८	प	१०	४३	वि	१२	४०	२९ ५९	२ २४ २४	कर्के	भ.१२।४०या.
११	श १० ३० श्ले ५४ ५२	शि	६	५८	बा	१०	३०	५२ २	५८ ३ २५ २५	सिं५४।५२	इंदिरा११अ.
१२	र ६ ३२ म ५१ ३१	सि	२०	५८	तै	६	३२	४८ २	५८ ४ २६ २६	सिंहे	प्रदोषः [÷३६ भा.आश्विनारंभः
१३	चं ० ३४ पू ४६ २८	शु	४५	५८	व	०	३४	४४ ३	५७ ५ २७ २७	कं.५९।५४	भ.३४ उ.४६ या.हस्तेरविः ३३ शुक्रास्तः A
१४	चं ५२ २७ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ० ० ०	० ०	[Aपूर्वस्यां १९ २ शस्त्रादिहतानां श्रा.
१५	मं ४४ ३६ उ ४० ११	शु	३६	३७	च	१८	४८	४० ४	५६ ६ २८ २८	कन्यायां	हस्तेरविः सौरः १।५४सर्वपितृ३०

२३पं.आ.कृ.२बु.इ. १० ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	३	४	४	२	४
२८	१३	२७	२५	१९	२५	१२	२७
५	१२	२	४५	२५	४१	१	२५
२८	०	१७	२५	१	१७	४८	२३
५८	३९	५ ९	१२	७४	७	३	५८
२६	१२	५	३२	२७	२०	११	२९

गोचर ग्रहाः

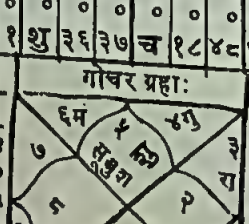

आश्विन कृष्णे४शुक्रे कन्यायामर्कःप्रविष्टः वा.४न.४बालावस्था (बैठी मु.३०धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

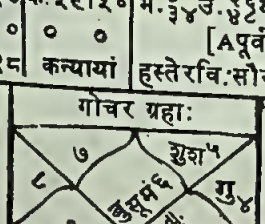

२४पं.आ.कृ.८बु.इ. १० ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	३	४	४	२	५
४	१७	९	२७	२८	२६	११	४
५५	४६	४७	८	६	३३	३९	१५
१९	५	२४	३५	५८	२९	३२	३०
५८	३९	५ ०	१२	७४	७	३	५८
३८	५५	५ ३	१४	३२	१९	११	४५

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०९८सन् २०३८
१	बु	३५	३०	ह	३३	१६	ब्र	२६	३४	किं	१०	३	२९/३६	६/५	५/५५	७	२९	२९	तु.५९।५४	उदयंशने:५४/५५नवरात्रारंभ:मातामहश्रा.
२	गु	२६	२७	चि	२६	३२	ऐं	१६	१७	बा	०	५८	३२	६	५४	८	३०	३०	तुलायां	चित्रा.बुध:५/४२चित्रा.भौम:३५/५१चंद्रदर्शनम्
३	शु	१७	४१	स्वा	१९	४३	वै	६/०	५०/१३	ग	१७	४१	२८	६	५४	९	१	१	तुलायां	भ.४३/४३उ.हस्तेशुक्र:४२/४३रमजान९-
४	श	९	४६	वि	१३	२८	प्री	४७	२	वि	९	४६	२३	७	५३	१०	२	२	वृ.०।२	भ.९।४६या. [-अक्टूबर१०ता.३१
५/६	र	२/५४	५३/२६	अ	८	२१	आ	३९	८	बा	२	५३	१९	८	५२	११	३	३	वृश्चिके	[=बुधोदय:पश्चिमायां८।३४
७	चं	५३	१४	ज्ये	४	३५	सौ	३२	२०	ग	२५	१६	१५	९	५१	१२	४	४	ध.४।३५	भ.५३।१४उ.तुलायांबुध:२०।४३=
८	मं	५०	५२	मू	२	१०	शो	२६	३२	वि	२२	३	११	१०	५०	१३	५	५	धनुषि	भ.२२।३या.
९	बु	४९	४८	पू	१	२०	अ	२२	५	बा	२०	२०	७	११	४९	१४	६	६	म.१६।२७	[×पापांकुशा११ब्र.
१०	गु	५०	१४	उ	१	४७	सु	१८	४२	तै	२०	१	३	११	४९	१५	७	७	मकरे	मघा.१सिंहेगुरु:१८।३३
११	शु	५२	३	श्र	३	५५	धृ	१६	३५	व	२१	८	२८/५९	१२	४८	१६	८	८	कुं.३५।३२	भ.२१।८उ ५२।३या.स्वात्यांबुध:३५/२९×
१२	श	५४	५४	ध	७	१०	शू	१५	२६	ब	२३	२८	५५	१३	४७	१७	९	९	कुंभे	[+शरद्पूर्णिमास्मा.कोजागरीव्र
१३	र	५९	१	श	११	३१	गं	१५	२८	कौ	२६	५७	५१	१४	४६	१८	१०	१०	कुंभे	चित्रा.रवि:५३/३६तुलायांभौम:४१/१४प्रदोष:
१४	चं	६०	०	पू	१७	०	वृ	१५	४५	ग	३१	२५	४७	१५	४५	१९	११	११	मी०।३८	चित्रा.रवि:सौर:३२।२८
१४	मं	३	४९	उ	२३	१६	ध्रु	१६	५६	व	३	४९	४३	१५	४५	२०	१२	१२	मीने	भ.३/४९उ.३६/३६या.चित्रा.शुक्र:२१/४९+
१५	बु	९	२३	रे	३०	४	व्या	१८	२३	ब	९	२३	३९	१६	४४	२१	१३	१३	मे.३०।४	शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.

२५पं.आ.शु.१बु.इ. १०/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	३	५	४	२	५
११	२२	२१	२८	६	२७	११	११
४६	२२	४४	२९	५०	२५	१७	७
५२	३४	२८	४२	४६	१६	१७	२७
५८	४०	१०३	११	७४	७	३	५९
५३	१९	३८	४६	३२	९	११	०

२६पं.आ.शु.९बु.इ. १०/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	३	५	४	२	५
१८	२७	२	२९	१५	२८	१०	१८
४०	०	५८	४५	३४	१६	५५	१
५	२२	५९	१४	४८	३७	१	१४
५९	४०	९८	११	७४	७	३	५९
९	२९	४	८	३६	२	११	१६

२७पं.आ.शु.१३बु.इ. १०/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	४	५	४	२	५
२५	१	१३	०	२४	२९	१०	२४
३४	४०	३४	५७	१९	६	३२	५६
५९	४१	४८	१४	५९	३२	४६	५६
५९	४०	९०	१०	७४	६	३	५९
२१	३६	४१	३०	३८	४९	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेमार्ग. कृष्णेति महा.
१	गु	१५	२०	अ	३७	५३	ह	२०	२८	कौ	१५	२०	२८/३५	६/१७	५/४३	२२	१४	१४	मेषे	
२	शु	२१	४१	भ	४५	२४	व	२२	५०	ग	२१	४१	३१	१८	४२	२३	१५	१५	मेषे	भ.५४।५२उ. [Eभा.कार्तिकारंभ:
३	श	२८	४	कृ	५३	३	सि	२५	५	वि	२८	४	२७	१९	४१	२४	१६	१६	वृ.२।१९	भ.२८।४या. करक चतुर्थी व्र.
४	र	३४	२	रो	६०	०	व्य	२७	२२	ब	१	३	२३	१९	४१	२५	१७	१७	वृषे	तुलायामर्क:३७/२८विशा.बुध:३७/३१÷
५	चं	३९	१८	रो	०	१०	व	२९	९	कौ	६	४०	२०	२०	४०	२६	१८	१८	मि३३।१९	तुलार्क:सौर:१५।२२
६	मं	४३	४६	मृ	६	२७	प	३०	२१	ग	११	३२	१६	२१	३९	२७	१९	१९	मिथुने	भ.४३।४६उ. [÷तुलायां.शुक्र:४०/४०
७	बु	४६	४१	आ	११	४९	शि	३०	२९	वि	१५	१३	१२	२२	३८	२८	२०	२०	मिथुने	भ.१५।१३या.स्वात्यांभौम:३४।३९
८	गु	४८	२	पु	१५	४३	सि	२९	२८	बा	१७	२१	८	२२	३८	२९	२१	२१	क.०।३०	उफा.२कन्यायांशनि:०।३२
९	शु	४७	२३	पु	१७	५५	सा	२७	९	तै	१७	४२	४	२३	३७	३०	२२	२२	कर्के	[Dआर्द्रा १राहु:मूल.३केतु:२२/३२E
१०	श	४४	४८	श्ले	१८	१३	शु	२३	१०	व	१६	५	०	२४	३६	१	२३	२३	सिं१८।१३	भ.१६/५उ.४४/४८या.स्वात्यांशुक्र::२/१४D
११	र	४०	१७	म	१६	३२	शु	१९	४५	ब	१२	३२	२७/५६	२५	३५	२	२४	२४	सिंहे	स्वात्यांरवि:१९/२८(सौर:५६/१५)रमा११ब्र.
१२	चं	३३	४९	पू	१२	५६	ब्र	१०	३९	कौ	७	३	५३	२५	३५	३	२५	२५	कं.२६।३७	वृश्चिकेबुध:१।१६धन१३
१३	मं	२६	२	उ	७	३८	ऐं	२/१०	५०/२७	व	२६	२	४९	२६	३४	४	२६	२६	कन्यायां	भ.२६/२उ.५१/३०या.रूप१४प्रदोष:
१४	बु	१६	५७	ह	१/५	५२/२७	वि	४२	२	श	१६	५७	४५	२७	३३	५	२७	२७	तु.२७।१८	अनु.बुध:४१।१०महालक्ष्मीपूजनम्
३०	गु	७	१९	स्वा	४५	३५	प्री	३१	५	ना	७	१९	४१	२८	३२	६	२८	२८	तुलायां	मघा.२गुरु:३६।१४अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा

२८पं.का.कृ.७बु इ. ९/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	६	४	२	६
२	६	२३	२	३	२९	१०	१
३१	२३	२९	४	५	५४	१०	५४
२३	१०	२४	५२	३५	२९	३०	१९
५९	४०	८२	९	७४	६	३	५९
३४	४६	२८	४६	३८	३२	११	४६

गोचर ग्रहाः

कार्तिक कृष्णे ४रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घत शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

२९पं.का.कृ.१४बु.इ. ९/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	६	५	२	६
९	११	२	३	११	०	९	८
२९	७	३२	७	५२	४०	४८	५३
३८	५९	३८	१	१	३४	१४	३९
५९	४०	७१	९	७४	६	३	६०
४०	५६	१३	०	३८	२०	११	२

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३१२८स.२०३८
१	गु	५०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	शु	४७	५५	वि	३७	५५	आ	१९	१७	बा	२२	४७	२७	६	५	७	२९	२९	वृ.२४।५० चन्द्रदर्शनम् भ्रातृद्वयम२
३	श	३९	२२	अ	३०	५३	सौ	५३	५०	तै	१३	३८	३४	२९	३१	८	१	३०	वृश्चिके सव्वाल१०
४	र	३२	२	ज्ये	२५	४	अ	५०	१९	व	५	४२	३०	३०	३०	९	२	३१	ध.२५।४ भ.५।४२उ.३२।२या.
५	चं	२६	२०	मू	२०	४७	सु	४३	०	बा	२६	२०	२७	३१	२९	१०	३	१	धनुषि नवम्बर११ता.३०
६	मं	२२	३८	पू	१८	१७	धृ	३७	२	तै	२२	३८	२३	३१	२९	११	४	२	म.३३।६ विशा.शुक्रः३९।४
७	बु	२०	४२	उ	१७	३२	शू	३२	२९	व	२०	४२	१९	३२	२८	१२	५	३	मकरे भ.२०।४२उ.५०।४८या.
८	गु	२०	५५	श्र	१८	५२	गं	२९	२५	व	२०	५५	१६	३३	२७	१३	६	४	कुं.५०।२४ गोपाष्टमी
९	शु	२२	४१	ध	२१	५६	बृ	२७	४९	को	२२	४१	१२	३४	२६	१४	७	५	कुम्भे कुष्मांड९अक्षय९
१०	श	२६	०	श	२६	२५	ध्रु	२७	३९	ग	२६	०	९	३४	२६	१५	८	६	कुम्भे भ.५८।२०उ.विशा.रविः३८।४८
११	र	३०	४१	पू	३२	७	व्या	२८	२३	वि	३०	४१	५	३५	२५	१६	९	७	मी१५।४१ भ.३९या विशा रविःसौरः१३९-
१२	चं	३६	४	उ	३८	४०	ह	२९	३८	ब	३	२२	२	३६	२४	१७	१०	८	मीने [-प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१३	मं	४२	१९	रे	४५	५८	व	३१	४३	को	९	११	२६	३६	२४	१८	११	९	मे.४५।५८ विशा.भौमः५।३६प्रदोषः
१४	बु	४८	३१	अ	५३	१९	सि	३३	४२	ग	१५	२५	५५	३७	२३	१९	१२	१०	मेषे भ.४८।३१उ बृश्चिकेशुक्रः३६वैकुंठ१४
१५	गु	५४	५०	भ	६०	०	व्य	३५	५८	वि	२२	४१	५२	३८	२२	२०	१३	११	मेषे भ४३या वक्रीबुधः४९मन्वादिःका.स्ना.पू

३०प.का.शु.७बु.इ.९३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	६	५	२	६
१६	१५	१०	४	२०	१	९	१५
२९	५५	८	२	३७	२४	२५	५४
२०	३०	६	४२	४८	४	५९	४३
६०	४१	५२	८	७४	५	३	६०
४	१६	१७	७	३२	५४	११	१८

गोचर ग्रहाः

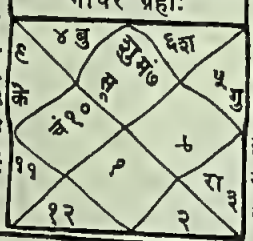

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ गेहूं जो चना कुछ मंदे हों गुडशक्कर चीनी नमक धातु वारदाना वस्त्र रुई तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

३१पं.का.शु१४बु.इ.९१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	६	५	२	६
२३	२०	१४	४	२९	२	९	२२
३०	४३	४५	५२	२६	४	३	५७
४०	५९	४३	१६	१०	५२	४३	१४
६०	४१	१६	६	७४	५	३	६०
१७	२६	३५	५५	३२	३१	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.
१	शु	६०	०	भ	०	५१	व	३८	७	बा	२७	५९	२९	६	५	२१	१४	१२	वृ.१७।४०
१	श	१	९	कृ	८	७	प	४०	५	को	१	९	४५	३९	२२	२१	१५	१३	वृषे अनु.शुक्रः१७।३२
२	र	६	५७	रो	१५	२८	शि	४१	४५	ग	६	५७	४२	४०	२०	२३	१६	१४	मि४८।३१
३	चं	१२	५१	मृ	२१	३४	सि	४२	४७	वि	१२	५१	३९	४०	२०	२४	१७	१५	मिथुने भ.३९।५४उ.
४	मं	१९	३	आ	२७	७	सा	४३	६	बा	१९	३	३६	४१	१९	२५	१८	१६	मिथुने भ.१२।५१या.चतुर्थीव्र.
५	बु	१९	१०	पु	३१	२८	शु	४२	३५	तै	१९	१०	३३	४१	१९	२६	१९	१७	वृश्चिकेऽर्कः३६बुधास्तःपश्चिमायां५९
६	गु	२१	८	पु	३४	३९	शु	४१	५	व	२१	८	३०	४२	१८	२७	२०	१८	वृश्चिकेऽर्कःसौरः७।५६
७	शु	२१	३८	श्ले	३६	२६	ब्र	३८	२८	व	२१	३८	२७	४३	१७	२८	२१	१९	क.१५।२३ कर्के भ.२१।८उ.५१।२३या.
८	श	२०	२८	म	३६	३७	ऐं	३४	२९	को	२०	२८	२५	४३	१७	२९	२२	२०	सि३६।२६ अनु.रविः५४।२२
९	र	१७	४५	पू	३५	६	वै	२९	७	ग	१७	४५	२२	४४	१६	३०	२३	२१	सिंहे अनु.रविःसौरः२४।४४
१०	चं	१३	४	उ	३१	४८	वि	२२	२३	वि	१३	४	१९	४४	१६	१	२४	२२	क.४९।१७ कन्यायां भ ४५।२५उ.शुक्रोदयःपश्चिमायां५९
११	मं	७	०	ह	२७	६	प्री	१४	२२	बा	७	०	१७	४५	१५	२	२५	२३	कन्यायां भ.१३।४या भा मार्गशीर्षारंभः
१२	मं	५२	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	तु.५४।४ ० ० ज्येष्ठाशुक्र.५४वृश्चिकेभौमः२६=
१३	बु	५०	५२	चि	२१	२	आ	५२	४९	ग	२५	९	१४	४५	१५	३	२६	२४	[=उत्पत्ति११व्र.
१४	गु	४१	२८	स्वा	१४	५५	शो	४४	३५	वि	१६	१०	१२	४६	१४	४	२७	२५	तुलायां भ.५०।५२उ प्रदोषः
३०	शु	३१	४९	वि	६	५३	अ	३३	४१	च	६	३८	९	४६	१४	५	२८	२६	वृ.५३।३० वृश्चिके भ १६या.वक्रीविशा.बुधः१७उफा.३× [×शनिः१।६

३२पं.मा.कृ.५बु.इ.९५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	४	७	५	२	७
०	२५	१३	५	८	२	८	०
३३	३५	१२	३३	११	४२	४१	१
२२	३१	७	५८	१७	३६	२८	१८
६०	४१	५५	४	६	७४	५	३
३०	३७	व.	१	३२	२	११	४०

गोचर ग्रहाः

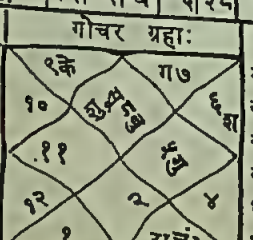

मार्गशीर्षकृष्णे४भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु ४५ धान्यादि भावे समर्घताशुक्रास्तःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

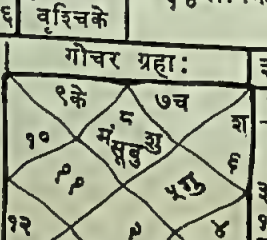

३३ प.मा.कृ.१३बु.इ.८५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	७	५	२	७
७	०	५	६	१६	३	८	७
३७	२९	९	८	५७	१५	१९	६
१६	१३	४	१३	५४	५८	१२	५१
६०	४१	५५	४	७४	४	३	६०
४२	४०	व.	४९	२६	३८	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३१५७स.२०३८
१	श २२ ३५ ज्ये ५१ ४० सु २२ ४६ ब २२ ३५	२६	६	५	६	२९	२७	ध.५१।४०	
२	र १४ २ मू ४५ ४० धृ १२ ४६ को १४ २	७	४७	१३	७	३०	२८	धनुषि	अनु.भौम:९।४० चन्द्रदर्शनम्
३	चं ६ ५६ पू ४१ ११ शू ३४ ५२ ग ६ ५६	५	४७	१३	७	३०	२८	धनुषि	म.५५।३० भ ३४ उ.बुधोदयः पूर्वस्यां ३६ जिल्काद११
४	मं १ ४० उ ३८ २८ वृ ४९ १९ वि १ ४०	२	४८	१२	८	१	२९	म.५५।३०	
५	मं ५६ ३५ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	४८	१२	९	२	३०	मकरे	भ.१।४०या.
६	बु ५७ १० श्र ३८ ० धु ४४ ४९ को २७ ४२	३५	४८	१२	१०	३	१	मकरे	
७	गु ५८ ७ ध ३९ ३६ व्या ४१ ५८ ग २७ ३८	५६	४९	११	११	४	२	कुं.८।४८	दिसम्बर१२ता.३१चंपा६
८	शु ६० ० श ४३ ४ ह ४० ३४ वि २९ ३०	५४	४९	११	१२	५	३	कुंभे	भ.५९ उ.मार्गगुरुः ५६ मघा.३गुरुः ४९
८	श ० ५३ पू ४८ १२ व ४० ५१ ब ० ५३	५३	४९	११	१३	६	४	मी३१।५५	भ.३० या.ज्येष्ठा.रविः ४३ (सौरः ३८)
९	र ५ ३० उ ५४ ३१ सि ४१ ४० को ५ ३०	५१	५०	१०	१४	७	५	मीने	मूलेधनुषिशुक्रः३४।१०
१०	चं १० ५९ रे ६० ० व्य ४३ ४२ ग १० ५९	४९	५०	१०	१५	८	६	मीने	भ.४४।१५उ.
११	मं १७ ३० रे २ ३ व ४१ ४७ वि १७ ३०	४८	५०	१०	१६	९	७	मे.२।३	भ.१७।३०या मोक्षदा११व्र. गीताजयंती
१२	बु २३ ५६ अ ९ ५४ प ४८ १४ बा २३ ५६	४६	५१	९	१७	१०	८	मेषे	
१३	गु ३० २५ भ १७ ८ शि ५० २५ तै ३० २५	४५	५१	९	१८	११	९	वृ.३३।५६	प्रदोषः
१४	शु ३६ २८ कृ २४ १९ सि ५२ ९ ग ३ २६	४४	५१	९	१९	१२	१०	वृषे	भ.३६।२८उ.
१५	श ४१ ५५ रो ३१ ४ सा ५३ ३१ वि ९ ११	४३	५१	९	२०	१३	११	वृषे	भ.९।११या.अनु.बुधः०।२९दत्तजयंती

३४पं.मा.शु.६बु.इ. ९० — गोचर ग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	४	७	५	२	७
१४	५	२९	६	२५	३	७	१४
४२	२५	०	३३	४५	४६	५६	१३
२९	२३	३६	५४	४	२	५६	३७
६०	४१	३९	३	७४	३	३	६१
५०	५०	व.	३७	२६	५८	११	३

इसमासमें धान्य बाजरा मूंग मोठ सोना चांदीलोहाटीन तांबा आदि धातु कृष्णपक्ष में मंदे होकर शुक्ल पक्ष में तेज हों।

गोचर ग्रहाः

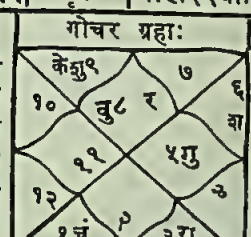

३५पं.मा.शु.१२बु.इ. ९८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	८	५	२	७
२१	१०	१	६	४	४	७	२१
४८	२३	७	५०	३२	११	३४	२१
३२	६	५९	४९	२	३५	४१	१७
६०	४२	४६ ३	२	७४	३	३	६१
५६	०	मा	१०	२६	२३	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा.
१	र ४६ १८ मृ ३६ ५० शु ५४ ५ बा १४ ६	३५	५	८	२१	१४	१२	मि३।५७	
२	चं ४९ ५५ आ ४१ ५२ शु ५३ ५८ तै १८ ६	४१	५२	८	२२	१५	१३	मिथुने	
३	मं ५२ २३ पु ४६ ५ ब्र ५३ ६ व २१ ९	४०	५२	८	२३	१६	१४	क.३०।२	भ.२१।९उ.५२।२३या.
४	बु ५३ ४७ पु ४९ ४ ऐं ५१ २९ ब २३ ५	३९	५२	८	२४	१७	१५	कर्के	पूभा.शुक्रः९।१५चतुर्थीव्र.
५	गु ५४ ५ श्ले ५१ ५० वै ४८ ५३ कौ २४ ५६	३९	५२	८	२५	१८	१६	सिं५१।५०	मूलेधनुष्यर्कः ३१ (सौरः ३६)–
६	शु ५३ २२ म ५१ २९ वि ४१ ३४ ग २३ ४३	३८	५२	८	२६	१९	१७	सिंहे	भ.५३।२२उ.
७	श ५१ ३४ पू ५१ २९ प्री ४१ १४ वि २२ २८	३८	५२	८	२७	२०	१८	सिंहे	भ.२२।२८या.
८	र ४८ १३ उ ४९ ५० आ ३५ ५५ बा १९ ५३	३७	५३	७	२८	२१	१९	कं.६।४	[–ज्येष्ठा.भौम.५५ ३९
९	चं ४३ ५९ ह ४७ १० सौ २९ २८ तै १६ ६	३७	५३	७	२९	२२	२०	कन्यायां	वक्रीगुरुः५।२५
१०	मं ३८ १५ चि ४३ १० शो २२ ८ व ११ ७	३६	५३	७	३०	२३	२१	तु.१५।१०	भ.११।७उ ३८।१५या. ज्येष्ठा.बुधः १३
११	बु ३१ ४१ स्वा ३८ १० अ १४ ५२ ब ४ ५८	३६	५३	७	१	२४	२२	तुलायां	भा.पौषारंभःसफला११व्र.
१२	गु २४ ४ वि ३२ १३ सु ४३ ५० तै २४ ४	३६	५३	७	२	२५	२३	वृ.१८।४२	प्रदोषः
१३	शु १५ ५० अ २७ २ शू ४५ ८ व १५ ५०	३६	५३	७	३	२६	२४	वृश्चिके	भ.१५।५०उ.४१।३६या.
१४	श ७ २२ ज्ये १९ १६ गं ३५ १४ श ७ २२	३७	५३	७	४	२७	२५	ध.१९।१६	उषा.शुक्रः ५० मृग४राहुःमूल.२केतुः १९
३०	श ५१ ४९ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	

३६पं.पौ.कृ.४बु.इ. ९६ — गोचर ग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	८	५	२	७
२८	१५	८	६	१३	४	७	२८
५५	२३	३४	५८	१८	३२	१२	३०
२६	२०	२३	१२	४७	१३	२५	०
६१	४२	७२	०	७४	२	३	६१
०	४	३५	५२	२०	३६	११	१९

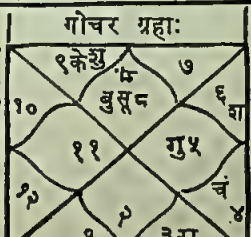

पौष कृष्णे ५ गुरौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा. ३न.३गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ घात्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

३७पं.पौ.कृ.११बु.इ. ८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	४	८	५	२	८
६	२०	१७	६	२२	४	६	५
३	२६	५८	५५	५	४७	५०	३९
०	१०	१६	४१	२४	४९	१०	२५
६१	४२	८३	२	७४	१	३	६१
४	१४	५१	व.	१५	५३	११	२२

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९५शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३१८६स२०३८
१	र ५१ ४९ मू १३ ६ बृ २५ ४० कि २५ ३०	२५ ५६	५	५	२८	२६	धनुषि	उदयोभौमः४७।३३
२	चं ४५ ४७ पू ७ ५२ शु १७ १ बा १८ ४८	३७ ५३	७	६	२९	२७	म.२१।३९	चंद्रदर्शनम्
३	मं ४१ १९ उ ३ ० ब्या ९ ३३ तै १३ ३३	३८ ५२	८	७	१	२८	मकरे	मकरेशुक्रः२६।११जिल्हेजं१२
४	बु ३९ ६ श्र १ ४३ ह २४ ५५ ३६ व १० १२	३८ ५२	८	८	२	२९	कुं.३१।४२	भ.१२उ.३९या.पूषा.रविः५६(सौरः३९
५	गु ३८ ४६ ध १ ४१ सि ५६ २८ ब ८ ५६	३९ ५२	८	९	३	३०	कुंभे	मूलेधनुषिबुधः२१।२१
६	शु ४० ३८ श ३ ३३ व्य ५५ ३९ कौ ९ ४२	४० ५२	८	१०	४	३१	मी५१।३५	वक्रीमघा.२गुरुः९।५५
७	श ४४ २५ पू ७ ३५ व ५५ ३२ ग १२ ३१	४१ ५२	८	११	५	१	मीने	भ.३४५उ.जनवरी१ता.३१सन्२०३९
८	र ४९ ३३ उ १३ १० प ५६ ५५ वि १६ ५९	४२ ५२	८	१२	६	२	मीने	भ.१६९या.बुधास्तःपूर्वस्यां४८।७
९	चं ५५ ४६ रे १९ ५९ शि ५८ ५३ बा २२ ३९	४३ ५१	९	१३	७	३	मे १९।५९	
१०	मं ६० ० अ २७ २० सि ६० ० तै २९ ०	४४ ५१	९	१४	८	४	मेषे	मूलेधनुषिभौमः१५।२०
१०	बु २ १५ भ ३५ २ सि ० १० ग २ १५	४५ ५१	९	१५	९	५	वृ.५१।५२	भ.३५।३०उ.श्रवणेशुक्रः९।४२
११	गु ८ ४५ कृ ४२ २३ सा २ २६ वि ८ ४५	४७ ५१	९	१६	१०	६	वृषे	भ.८।४५या.पुनर्वदा११ब्र.
१२	शु १४ ५० रो ४९ १० शु ४ ८ बा १४ ५०	४८ ५०	१०	१७	११	७	वृषे	पूषा.बुध.५७।१६प्रदोषः
१३	श २० ० मृ ५४ ५५ शु ५ २८ तै २० ०	५० ५०	१०	१८	१२	८	मि२२।२	
१४	र २३ ४८ आ ५९ २३ ब्र ५ ५१ व २३ ४८	५२ ५०	१०	१९	१३	९	मिथुने	भ.२३८उ.५५१३या.वक्रीशनिः४।१
१५	चं २६ ३८ पु ६० ० ऐं ५ १८ ब २६ ३८	५३ ४९	११	२०	१४	१०	क.४६।५३	मा.स्ना.प्रा.

३८पं.पौ.शु.४बु.इ. ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	४	९	५	२	८
१३	२५	२८	६	०	४	६	१२
१०	३०	८	४४	५१	५८	२७	४९
५९	२५	२	१०	३६	२६	५४	१७
६१	४२	९१	३	७४	१	३	६१
६	२९	३३	व	९	१३	११	२६

गोचर ग्रहाः

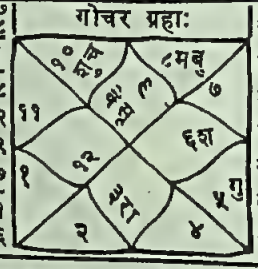

इस मास में बाजरा मूंग मोठ गुंवार मक्का गेहूं जो चना मटर आदि धान्य सोना चांदी लोहा ताम्बा आदि धातुयें तेज हो।

गोचर ग्रहाः

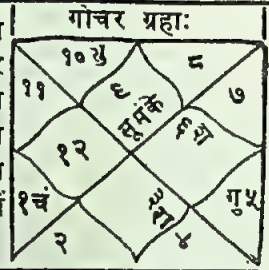

३९प.पो.शु.१०बु.इ.५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	४	९	५	२	८
२०	०	८	६	९	५	६	१९
१९	३७	४०	२३	३७	३	५	५९
५	३०	३०	६	३०	५८	३८	१४
६१	४२	९६	२३	७४	०	३	६१
६	४९	३	व	२	२६	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं २८ ३ पु २ ४३ वै ३ ५५ कौ २८ ३	२५ ५५	४९	५	२१	१५	११	कर्के	उषा.रविः२२।२२(सौरः३९।३३)
२	बु २८ २८ पु ४ ५० वि ३ ५६ ग २८ २८	५७	४९	११	२२	१६	१२	कर्के	भ.५८।२उ.
३	गु २७ ३७ श्ले ५ ५३ आ ५५ २२ वि २७ ३७	५२	४७	१२	२३	१७	१३	सिं५।५३	भ.२७।३७या.चतुर्थी ब्र.
४	शु २५ ५३ म ६ ८ सौ ५० ३८ बा २५ ५३	२६	४८	१२	२४	१८	१४	सिंहे	मकरेऽर्कः३७।५१(सौरः५५।०)
५	श २३ ३४ पू ५ ३५ शो ४५ २१ तै २३ ३४	४	४७	१३	२५	१९	१५	क.२०।१३	
६	र २० २१ उ ४ ८ अ ३९ ३१ ब २० २१	६	४७	१३	२६	२०	१६	कन्यायां	भ.३१उ.४८याउषा.बुधः५९धनिशु.२५
७	चं १६ ३८ ह २ ५७ सु ३३ ४ ब १६ ३८	८	४६	१४	२७	२१	१७	तु.२९।४६	
८	मं १२ ८ खा ५६ २ धृ २६ २ कौ १२ ८	११	४६	१४	२८	२२	१८	तुलायां	मकरेबुधः३७।२८
९	बु ६ ५८ वि ५२ २ शू १८ ३२ ग ६ ५८	१३	४५	१५	२९	२३	१९	वृ.३८।२	भ.३४।५उ.
१०	गु १ १३ अ ४७ ३८ गं १० ४२ वि १ १३	१६	४५	१५	३०	२४	२०	वृश्चिके	भ.१।१३या.षट्तिला११ब्र.स्मा.
११	गु ५३ ४२ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×२९भा.माघारंभःषट्तिला११ब्र.वै.
१२	शु ४८ २० ज्ये ४२ ४४ वृ ५९ ३६ कौ २१ ३७	१९	४४	१६	१	२५	२१	ध.४२।४४	अभि.प्र.रविः१२(सौरः२६ कुंभेशुक्रः×
१३	श ४१ ४४ मू ३७ ५२ व्या ४५ ३० ग १५ २	२१	४४	१६	२	२६	२२	धनुषि	भ.४१उ.पूषा.भौमः२५प्रदोषः
१४	र ३५ २४ पू ३३ २६ ह ३७ २९ वि ८ ३४	२४	४३	१७	३	२७	२३	मे.४७।३१	भ.८।३४या.
२०	चं ३० १ उ २९ ४७ व ३० ११ च २ ४२	२७	४३	१७	४	२८	२४	मकरे	श्रवणेरविः२७सौरः४३श्रवणेबुधः३७

४०पं.मा.कृ.२बु.इ. ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	४	९	५	२	८
२७	५	१९	५	१८	५	५	२७
२७	४५	३५	५३	२२	३	४३	९
७	५४	२०	२४	४४	३२	२३	६
६१	४२	९९	३५	७३	३१	३	६१
६	५४	१५	व	५६	व	११	२४

गोचरग्रहाः

माघ कृष्णे ४ शके मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २न.३ गतालकावस्था (ऊर्ध्वा) मु ३०घान्या-दिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

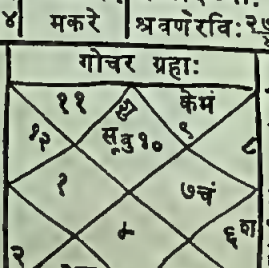

४१पं.मा.कृ.९बु.इ.४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	९	५	२	९
४	१०	०	५	२७	४	५	४
३४	५७	५२	१५	६	५८	२१	१८
५९	१४	८	४३	१४	८	७	३५
६१	४३	९९	४	७३	१	३	६१
३	१४	४	व	५०	व.	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिररर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३२१६सं.२०३९
१	मं	२५	३९	श्र	२७	१२	सि	२३	३५	ब	२५	३९	३९	६	५	२९	२५	कुं.	५६।४८	अभि.नि.रविः १९ (सौरः ३३)
२	बु	२२	५६	ध	२६	२४	व्य	१८	२९	कौ	२२	५६	३२	४२	१८	६	३०	२६	कुम्भे	शतेशुक्रः ४८।१७चन्द्रदर्शनम्
३	गु	२२	५	श	२७	८	व	१४	५२	ग	२२	५	३५	४१	१९	७	१	२७	कुंभे	भ.३५उ.मोहोरम१सन् १४६१हि.
४	शु	२३	४	पू	२९	५३	प	१२	४१	वि	२३	४	३८	४०	२०	८	२	२८	मी	१४।१२ भ.२३।४या.
५	श	२६	५	उ	३४	२४	शि	११	४७	बा	२६	५	४१	४०	२०	९	३	२९	मीने	वसंत५
६	र	३०	३४	रे	४०	२५	सि	१२	२८	तै	३०	३४	४५	३९	२१	१०	४	३०	मे.	४०।२५
७	चं	३६	२०	अ	४७	१८	सा	१३	५८	ग	३	२७	४८	३८	२२	११	५	३१	मेषे	भ.३६।२०उ.भानु७रथ७
८	मं	४२	४३	भ	५४	५२	शु	१५	५५	वि	९	३१	५१	३८	२२	१२	६	१	मेषे	भ.९।३१या.धनि.बुधः १९।०फरवरी =
९	बु	४९	९	कृ	६०	०	शु	१८	१५	बा	१५	५६	५४	३७	२३	१३	७	२	वृ.	११।१५ [=२ता.२८भीष्माष्टमी
१०	शु	५५	२३	कृ	२	२५	ब्र	२०	१४	तै	२२	१६	५८	३६	२४	१४	८	३	वृषे	
११	शु	६०	०	रो	९	२६	ऐं	२१	४७	व	२७	५७	२७	३६	२४	१५	९	४	मि	४२।२४ भ.२५उ.वक्रीमघा.१गुरुः ५९जया ११व्र.
११	श	०	३१	मृ	१५	२३	वै	२२	३४	वि	०	३१	५	३५	२५	१६	१०	५	मिथुने	भ.०।३१या.कुंभेबुधः २।३
१२	र	४	१४	आ	१९	५६	वि	२२	८	बा	४	१४	८	३४	२६	१७	११	६	मिथुने	धनि.रविः ३५ (सौरः ४८) पूभा.शुक्रः ÷
१३	चं	६	४२	पु	२३	५	प्री	२०	२७	तै	६	४२	१२	३४	२६	१८	१२	७	क.	७।१८ [÷३१।३१प्रदोषः
१४	मं	७	१२	पु	२४	३७	आ	१७	३२	व	७	१२	१५	३३	२७	१९	१३	८	कर्के	भ.७।१२उ.३६या.शतेबुधः ४६।४८
१५	बु	६	३२	श्ले	२४	५३	सौ	१३	३४	ब	६	३२	१९	३३	२८	२०	१४	९	सिं	२४।५३ उषा.भौमः ७।५९मा.स्ना.पूर्तिः

४२ पं.मा.शु.२ब्र.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	१९	५	२	९
११	१६	१२	४	५	४	४	११
४२	९	३६	३०	४९	४७	५८	२७
२९	५८	७	५०	४८	२८	५२	२६
६०	४३	०८	४९	७३	४९	३	६१
५९	१९	९	व	४६	व	११	१३

४३ प.मा.शु ९ बु.इ. ८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	१०	५	२	९
१८	२१	२४	३	१४	४	४	१८
४९	२४	४७	४१	३१	३१	३६	३५
१	०	५३	६	२६	४१	३६	३४
६०	४३	००	५५	७३	५३	३	६१
५५	३४	३६	व	३८	व	११	४

४४ प.मा.शु.१५बु इ. ९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	४	१०	५	२	९
२५	२६	७	२	२३	४	४	२५
५४	४०	१७	४७	११	११	१४	४२
५०	८	५३	१०	३८	२०	२०	२१
६०	४३	०८	५९	७३	३९	३	३६
४७	५५	३४	व	२६	व	११	५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	गु	४	१७	म	२३	५०	शो	८	३८	कौ	४	१७	२३	३१	२९	२१	१५	१०	सिंहे	
२	शु	१	५	पू	२१	५३	अ	५७	३५	ग	१	५	२७	३१	२९	२२	१६	११	कं.	३६।१५ भ.२९उ.५७या.बुधोदय; पश्चिमायां
३	शु	५६	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	श	५२	२९	उ	१९	२०	धृ	४९	४४	ब	२४	४८	३०	३०	३०	२३	१७	१२	कन्यायां	चतुर्थीव्र.
५	र	४७	४५	ह	१६	२८	शू	४२	५६	कौ	२०	७	३४	२९	३१	२४	१८	१३	तु.	४४।५४ कुंभेऽर्कः १८ (सौरः २३) मकरेभौमः ३०
६	चं	४२	५२	चि	१३	२०	गं	३५	५२	ग	१५	१८	३८	२८	३२	२५	१९	१४	तुलायां	भ.४२।५२उ.मीनेशुक्रः ४०।१९
७	मं	३८	१	स्वा	९	५८	बृ	२८	५१	वि	१०	२६	४१	२८	३२	२६	२०	१५	वृ.	५२।२८ भ.१०।२६या.
८	बु	३२	५५	वि	६	३८	ध्रु	२१	३७	बा	५	२८	४५	२७	३३	२७	२१	१६	वृश्चिके	पूभा.बुध ३६।५७
९	गु	२७	४७	अ	३	२५	व्या	१४	२६	तै	०	२१	४९	२६	३४	२८	२२	१७	वृश्चिके	भ.५५।१६उ.उभा.शुक्रः २४।११
१०	शु	२२	४५	ज्ये	०	५६	ह	७	१४	वि	२२	४५	५३	२५	३५	२९	२३	१८	ध.	०।३ भ.२२।४५या.
११	श	१७	५२	पू	५३	५०	व	२८	५३	बा	१७	५२	५६	२५	३५	३०	२४	१९	धनुषि	शतेरविः ५६ (सौरः ५७) विजया ११व्र.
१२	र	१३	२०	उ	५१	३०	व्य	४७	३०	तै	१३	२०	२८	२४	३६	१	२५	२०	म.	८।१५ भा.फाल्गुनारंभः प्रदोषः
१३	चं	९	२६	श्र	४९	५३	व	४१	५३	व	९	२६	४	२३	३७	२	२६	२१	मकरे	भ.२९उ.४७या.महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१४	मं	६	८	ध	४९	२२	प	३७	३	श	६	८	८	२२	३८	३	२७	२२	कुं.	१९।३७ महाशिवरात्रीव्र.वै.
१५	बु	४	१५	श	५०	११	शि	३३	३१	ना	४	१५	१२	२२	३८	४	२८	२३	कुम्भे	वक्रीउफा.२शनिः ६।४१

४५ पं.फा.कृ.८ब्र.इ. ८।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	४	११	५	२	१०
२	१	१९	१	१	३	३	२
५९	५७	१४	५१	४८	४७	५२	४८
४२	४०	१७	५८	५८	३५	५	२४
६०	४४	९५	५३	७३	४३	३	६०
३७	०	४	व	१४	व	११	४२

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन कृष्णे ५ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न.३ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३०घाट्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

४६ पं.फा.कृ.३०बु.इ.८।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	४	११	५	२	१०
१०	७	२८	०	१०	३	३	९
३	१७	१०	५७	२४	१९	२९	५२
१४	१०	४८	१८	५८	५२	४९	५७
६०	४४	६०	४९	७३	४	३	६०
२५	११	२४	व	२	व	११	३१

| ति. | फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६० | | |

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१४०, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१४०, भोग्यकलिः ४२६८६० अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०९६, शाकः १९६१, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः। मंत्री गुरुः। सस्येशः रविः। धान्येशः शुक्रः। मेघेशः बुधः। रसेशश्चंद्रः । नीरसेशः शनिः। फलेशः बुधः। धनेशः शनिः। दुर्गेशः बुधः। एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ७ श्रीमुख संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ३।१७।४८।२४।४८ भोग्यमासादिः ८।१२।११।३५।१२ बार्हस्पत्यदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम माघः।मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासःसंधौ समयनिवासो वैश्य गृहे । समय विश्वा१० समयवाहनम् दुर्दुरः। स्तंभः१ तृणस्य । सोमवत्यमा २ सोमवती पंचमी × अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी २रविदशमी× समय मुहूर्ताः ४०५ समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः १२ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा ११, धान्यम् ५, तृणम् ९, शीतम् ५, तेजः ९, वायुः ५, वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः१७, ऐक्यम्७५, सत्यम्।। धर्मे १।।,पापं १८शनिदृष्टिर्दक्षिणे। ग्रहण२चंद्रमसः।

सं. २०९६ ज्ये. शु. १५ चंद्रे चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
घं.	१०	१२	१
मि.	५४	२४	५४
घ.	४१	४४	४८
प.	७	५२	३७

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	८	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ७।९

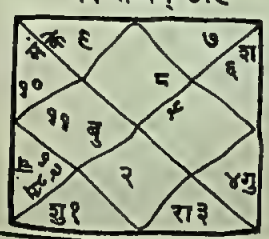

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जगदंबा तेरे चरण पूजत है सब कोय ।
भैरव पूछे छ्यानवे संवत् कैसा होय ।।

भवानी उत्तर

छहों मासा छयानवे सुख पावे संसार ।
वर्षा ऋतु आरंभ में वर्षे मूसलधार ।।
दशाधिकारी देखतां जग में हो आनंद ।
ज्ञानवंत सुख ऊपजे दुख पावे मतिमंद ।।
भृगु राजा इस वर्ष में सुरगुरु भये प्रधान ।
वर्षा होसी सांतरी मध्यम नीपजे धान ।।
व्यापारां घटबढ धणी होसी मालामाल ।
चतुर कमावे चोगुणा मूर्खे हो बेहाल ।।
देख नभश्चर चार को कहा वर्ष निरधार ।
धर्म कर्म करते रहो यही जगत में सार ।।

सं.२०९६ कार्तिक शु. १५ बुधे चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	८	१०	१२
मि.	३९	२४	९
घ.	३५	३९	५
प.	२९	५२	१४

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बु.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ५।३

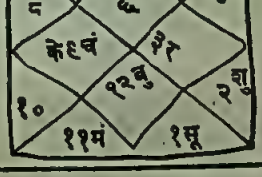

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२३।१४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम् ॥ शुक्रस्य राज्ये बहु सस्यं संकुला सुतीव्र वेगाः सरितोम्बु राशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहु गोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ॥ मंत्री गुरुः फलम् ॥ विविध धान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुर तोय घना मुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालन तत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ॥ सस्येशो रविः फलम् ॥ सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपा ः जलदाः जलाढ्या स्वल्पं च सस्यं बहु भूतहाश्च ॥ धान्येशो शुक्रः फलम् ॥ भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ॥ मेघेशः बुधः फलम् ॥ अमृत रश्मिसुते यदि वारिपे बहु जलं तुष धान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुता धरणीतदा ॥ रसेशः चन्द्रः फलम् ॥ यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहु वारि विधायका रसवती धनधान्यवती मही ॥ नीरसेशः शनिः फलम् ॥ अयः पिण्डादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तुनां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके ॥ फलेशः बुधस्तत्फलम् ॥ यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचो भृशं । बहु तृणं कुसुमैः कमलैर्युतं जनपदो जनसौख्य मुदान्वितः ॥ धनेशः शनिः फलम् ॥ द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अधनतां वणिजां कृषि जीविनो द्विजवराः परपीडन मानसाः ॥ दुर्गेशः बुधः फलम् ॥ विषम साम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्रजनेषु विशेषताम् । शशिसुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्य युतां न भयं क्वचित् ॥ श्रीमुखनाम संवत्सरः फलम् ॥ श्रीमुखाब्दे खिला धात्री बहु सस्यार्घ संयुता । अध्वरे निरता विप्रा वीतरोगा विवैरिणः ॥ वर्षनाम माघः फलम् ॥ सुभिक्षं पूर्वयाम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे रौरवं माघे वर्षं धान्य महर्घता ॥ मेघनाम द्रोणः फलम् ॥ द्रोणे वर्षति सर्वदा ॥ रोहिणी निवासः संधौ फलम् ॥ खंडवृष्टिश्च संधिषु ॥ समय निवासः वैश्य गृहे फलम् ॥ वणिग्गृहे शुभं नास्ति ॥ एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०९६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ३ भौमे रोहि ल. १२ रे. ६ ।।।।।ऽअ।।।।

" १२ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽऽ।।।ऽ।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ बुधे मूले ल. गो. रे. ७ ऽ।।।ऽ।।ऽ।।

शुक्ला ६ रवौ मघा ल. १ रे. ७ ।।।।।ऽनृ५२याऽऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ गुरौ मृगे ल. ४-५ रे. ६ ।।।।।चौ४२उऽ।।।

" २ शुक्रे मृगे ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽचौऽ।।।

" ६ बुधे मघा ल. ७ (व्ययेऽर्की) रे. ७ ऽऽ।।।।ऽ।।।

" ११ चन्द्रे स्वात्यां ल. ४-५ रे. ७ ।।ऽशु।।ऽरो।ऽ।।

पौष मासः

शुक्ला ७ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।ऽबृऽ।।ऽ।।

पादतो वेधाऽभावः

पौष मासः

शक्ला १२ बुधे मृगे ल. ७ रे. ६ ।।।।।।अऽ।ऽऽ दग्धा

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ३ बुधे उफा ल. ७ रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।

" ४ गुरौ उफा ल. गो. रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।

" १० बुधे मूले ल. ७ (व्ययेऽर्की) घ.४१-१०उ.

रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।।

शुक्ला ९ भौमे मृगे ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।ऽरोऽ।।।

" १५ चन्द्रे मघा ल. ७ रे. ८ ।।।ऽशु।।।ऽ।।

पादतो वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ बुधे उफा ल. गो. ७-१० रे. ८ ऽ।ऽबृ।।।।।।

तुला. व्ययेऽर्की

" ९ बुधे मूले ल. ऽन्यगो रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।

" १० गुरौ उषा ल. १० रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१												वि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२७५स.२०३९
१	शु	४४	३६	उ	१६	३५	ब्र	४६	५६	किं	१३	८	३०/१६	५/५७	६/३	४	२९	२५	मीने	संवत्सरारभः नवरात्रारंभः
२	श	४८	४६	रे	२१	३५	ऐं	४७	५६	बा	१६	४१	२१	५६	४	५	३०	२६	मे.२१।३५	चंद्रदर्शनम्सिंधारा
३	र	५४	५	अ	२७	५९	वै	४९	२८	तै	२१	२५	२५	५५	५	६	१	२७	मेषे	रविलावल३मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	चं	५९	५६	भ	३४	५२	वि	५१	२३	व	२७	०	२९	५४	६	७	२	२८	वृ.५१।४७	भ.२७।०उ.५९।५६या.
५	मं	६०	०	कृ	४२	३२	प्री	५३	५५	ब	३३	६	३३	५३	७	८	३	२९	वृषे	
५	बु	६	१७	रो	५०	६	आ	५६	२१	बा	६	१७	३७	५३	७	९	४	३०	वृषे	
६	गु	१२	४३	मृ	५७	२०	सौ	५८	२०	तै	१२	४३	४१	५२	८	१०	५	३१	मि२३।४३	रेवत्यांरविः५२।२५
७	शु	१८	४०	आ	६०	०	शो	५९	२७	व	१८	४०	४५	५१	९	११	६	१	मिथुने	भ.१८/४०उ.५०/५८या.रेवत्यांरविःसौरः ०/३८ =
८	श	२३	१७	आ	३	३८	अ	५९	३७	ब	२३	१७	४९	५०	१०	१२	७	२	क.५२।२२	कृत्ति.शुक्रः३५।७शतेभौमः३७।३५
९	र	२६	४३	पु	८	३७	सु	५७	५९	कौ	२६	४३	५३	४९	११	१३	८	३	कर्के	राममवमी
१०	चं	२८	१	पु	११	४५	धृ	५५	१४	ग	२८	१	५७	४९	११	१४	९	४	कर्के	भ.५७।४५उ.
११	मं	२७	२९	श्ले	१२	४७	शू	५०	४०	वि	२७	२९	३१/१	४८	१२	१५	१०	५	सिं१२।४७	भ.२७/२९या.वृषेशुक्रः २७/६कामदा११ब्र.
१२	बु	२४	४२	म	११	५५	गं	४४	३०	बा	२४	४२	५	४७	१३	१६	११	६	सिंहे	प्रदोषः
१३	गु	२०	७	पू	९	१०	वृ	३६	५८	तै	२०	७	१०	४६	१४	१७	१२	७	कं.२३।२	[=पूभा.बुधः ५०/११अप्रेल४ता.३०
१४	शु	१३	५२	उ	४/३७	५४/२३	ध्रु	२८	२२	व	१३	५२	१४	४५	१५	१८	१३	८	कन्यायां	भ.१३/५२उ.४०/२या.वक्रीउफा.१सिहे +
१५	श	६	१२	चि	५२	३८	व्या	१९	५	ब	६	१२	१८	४४	१६	१९	१४	९	तु.२५।४९	हनुमज्जयंती [+शनिः३।२१

५१पं.चै.शु.५बु.इ. १०/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	३	०	५	२	११
१४	४	१८	२७	२२	०	१	१४
५९	५	५९	२९	३६	३८	३८	५१
१०	१७	२०	३१	४०	१०	३१	५
५९	४४	३२/४६	३/१४	७१	४/२२	३	५९
१६	४७	मा	व.	१७	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि धान्य गल्ला में मंदी करे धातु वस्त्र तेज रहें।

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.शु.१२बु.इ. १०/३८

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	३	१	५	२	११
२१	९	२४	२७	०	०	१	२१
५३	२८	९	९	५१	७	१६	४५
३१	५९	२५	४०	१८	४४	१६	१६
५९	४४	४९	५१/५२	७०	४/७	३	५९
४	५०	२९	व	४३	व.	११	

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	श	५१	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र	४९	२३	स्वा	४६	७	ह	९/१३	५०/१२	तै	२३	३८	३१/२२	५/४४	६/१६	२०	१५	१०	तुलायां	
३	चं	४०	५४	वि	३९	४८	सि	४९	५५	व	१५	८	२६	४३	१७	२१	१६	११	वृ.२६।२३	भ.१५/८उ.४०/५४या.मीनेबुधः४१/५५
४	मं	३३	१	अ	३५	८	व्य	४०	५२	ब	७	५७	३०	४२	१८	२२	१७	१२	वृश्चिके	चतुर्थीव्र.
५	बु	२५	५४	ज्ये	२९	१३	व	३२	३६	तै	२५	५४	३४	४१	१९	२३	१८	१३	ध.२९।१३	
६	गु	२०	१	मू	२५	३३	प	२५	३१	व	२०	१	३८	४०	२०	२४	१९	१४	धनुषि	भ.२०/१उ.४७/३८या.अश्वि.मेषेऽर्कः२६/२३ =
७	शु	१५	१५	पू	२३	१	शि	१९	१४	ब	१५	१५	४२	४०	२०	२५	२०	१५	म.३७।५१	=(सौरः३५/११)उभा.बुधः२६/७रोहि. +
८	श	११	५१	उ	२१	४१	सि	१३	५८	कौ	११	५१	४६	३९	२१	२६	२१	१६	मकरे	+शुक्रः३/२१मार्गीगुरुः३२/४५
९	र	९	३८	श्र	२१	४२	सा	९	५३	ग	९	३८	५०	३८	२२	२७	२२	१७	कुं.५२।१३	भ.३९।९उ.
१०	चं	८	४०	ध	२२	४४	शु	६	४४	वि	८	४०	५३	३७	२३	२८	२३	१८	कुम्भे	भ.८।४०या.
११	मं	८	५३	श	२५	२१	शु	४	३२	बा	८	५३	५७	३७	२३	२९	२४	१९	कुंभे	वरुथिनी११ब्र.
१२	बु	१०	२५	पू	२८	५८	व्र	३	१८	तै	१०	२५	३२/१	३६	२४	३०	२५	२०	मी१३।४	पूभा.भौमः८।५७प्रदोषः
१३	गु	१३	८	उ	३३	३५	ऐं	३	१४	व	१३	८	५	३५	२५	१	२६	२१	मीने	भ.१३/८उ.४४/५५या.भा.वैशाखारंभः
१४	शु	१६	४१	रे	३९	१	वै	३	२८	श	१६	४१	९	३४	२६	२	२७	२२	मे.३९।१	
३०	श	२१	२१	अ	४५	३२	वि	४	२९	ना	२१	२१	१२	३४	२६	३	२८	२३	मेषे	रेवत्यांबुधः३३।८

१पं.वै.कृ.६बृ.इ. २६/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	३	१	४	२	११
०	१५	३	२६	१०	२९	०	२९
०	५०	२०	५९	२६	३३	५०	५१
०	२४	२०	५६	४९	४०	७	३२
५८	४४	७४	०/१	६९	३/४६	३	५८
४४	५२	१२	व	५२	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

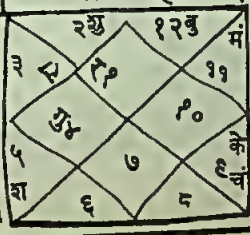

वैशाख कृष्णे ६ गुरौ मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न.५वृद्धावस्था(बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समताशुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

२पं.वै.कृ.१३बृ.इ. २६/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	३	१	४	२	०
६	२१	१३	२७	१८	२९	०	६
५०	१३	७	०	२८	९	२७	४१
४६	२६	२३	२९	१६	५०	५२	४३
५८	४५	०/०	१/५	६८	३/१०	३	५८
३१	५	५३	मा	५८	व	११	२९

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३३०५स.२०३९
१	र २६ ४६ भ ५२ २१ मी ६ ५ ब २६ ४६	३३	५	६	४	२९	२४	मेषे	चंद्रदर्शनसभव:
२	चं ३२ ४४ कृ ५९ ५२ आ ८ १० कौ ३२ ४४	२०	३२	२८	५	१	२५	वृ.९।१४	मृगेशुक्र:४६।५०रविलाख४
३	मं ३८ ५७ रो ६० ० सौ १० ४० तै ५ ५०	२३	३१	२९	६	२	२६	वृषे	परशुरामजयंतीअक्षया३
४	बु ४५ १४ रो ७ २८ शो १२ ५८ व १२ ५	२७	३१	२९	७	३	२७	मि४१।१३	भ.१२।५७उ.४५।१४या.
५	गु ५१ २५ मृ १४ ५८ अ १५ ३० ब १८ २०	३१	३०	३०	८	४	२८	मिथुने	भरण्यांरविः६।३६(सौरः१६।३६)
६	शु ५६ २३ आ २१ ४६ सु १७ १९ कौ २३ ५४	३४	२९	३१	९	५	२९	मिथुने	
७	श ६० ० पु २७ ३५ धृ १८ २६ ग २८ २६	३८	२८	३२	१०	६	३०	क.११।८	मृग-राहुःज्येष्ठा४केतुः१२।३०
७	र ० २९ पु ३२ १० शू १८ १५ व ० २९	४१	२८	३२	११	७	१	कर्के	भ.२९उ.३१या.अश्वि.मेषेबुधः३५×
८	चं १ ५३ श्ले ३४ ५८ गं १६ ४९ ब १ ५३	४५	२७	३३	१२	८	२	सिं३४।५८	मीनेभौमः४९।४८पातस्पर्शः५८।३८
९	मं ३ २६ म ३५ ४० बृ १३ ४२ कौ ३ २६	४८	२६	३४	१३	९	३	सिंहे	पातमोक्षः१२।४३
१०	बु १ ५६ पू ३४ ३८ धृ ९ ७ ग १ ५६	५२	२६	३४	१४	१०	४	क.४८।५२	भ.३९उ.५६या.मोहिनी११व्र.स्मा.
११	बु ५६ १९ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×मिथुनेशुक्रः३९।३१मई५ता.३१
१२	गु ५२ ३८ उ ३१ ३२ ध्या ४७ ५२ ब २५ २६	५५	२५	३५	१५	११	५	कन्यायां	बुधास्तःपूर्वस्यां३३मोहिनी११व्र.वै.
१३	शु ४५ २२ ह २६ २५ व ४५ ५७ कौ १९ ०	५८	२४	३६	१६	१२	६	तु.५३।१९	उभा.भौम:५५।२६प्रदोष:
१४	श ३६ ४७ चि २० १३ सि ३५ ५५ ग ११ ४	३३	२४	३६	१७	१३	७	तुलायां	भ.४७उ.आर्द्राशुक्र:३५नृसिंहजयंती
१५	र २७ २० स्वा १२ ५५ व्य २५ २२ वि २ ३	५	२३	३७	१८	१४	८	वृ.५२।९	भ.३या.भरण्यांबुध:३३यमायकुंभदानं

३पं.वै.शु.५बृ.इ. २१/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	३	१	४	२	०
१३	२६	२४	२७	२६	२८	०	१३
३९	३५	२८	९	२१	४९	५	३०
५०	५३	५२	२९	३६	८	३६	८
५८	४४	५/०	२	६८	३३	३	५८
१९	५५	१६	२६	३	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

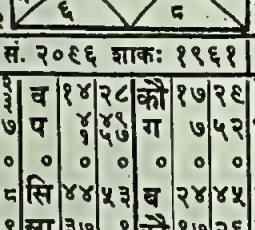

इस मास में धान्य गल्ला गुड सक्कर चीनी गन्ना रुई कपास बारदानावस्त्र तेज हो प्रजा में बीमारी फैले ।

गोचर ग्रहाः

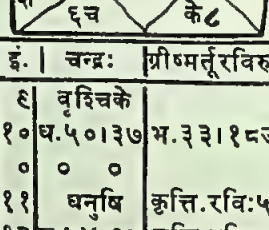

४पं.वै.शु.१२बृ.इ. २७/१०

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	३	२	४	१	०
२०	१	७	२७	४	२८	२९	२०
२७	४७	१६	२८	५	३३	४३	१६
२९	११	१९	८	२८	०	२१	५५
५८	४४	५/०	३	६६	५/१	३	५७
६	५८	५०	४८	५०	बे	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा
१	चं १७ २९ वि ५४ २३ व १४ २८ कौ १७ २९	३१	२२	३१	१९	१५	९	वृश्चिके	
२	मं ७ ५२ ज्ये ५० ३७ प ४/५७ ग ७ ५२	११	२२	३८	२०	१६	१०	ध.५०।३७	भ.३३।१८उ.५८।४४या.
३	मं ५० ५२ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	बु ५० ४५ मू ४४ ३८ सि ४४ ५३ ब २४ ४५	१४	२१	३९	२१	१७	११	धनुषि	कृत्ति.रवि:५२।३५चतुर्थीव्र.
५	गु ४४ ७ पू ३९ ५९ सा ३७ १ कौ १७ २६	१७	२१	३९	२२	१८	१२	म.५४।१५	कृत्ति.रवि:सौर:४।२८
६	शु ३९ १९ उ ३७ ४ शु ३० ३० ग ११ ४३	२०	२०	४०	२३	१९	१३	मकरे	भ.३९।१९उ.
७	श ३६ १५ श्र ३५ ५९ शु २५ २२ वि ७ ४७	२३	१९	४१	२४	२०	१४	मकरे	भ.४७या.कृत्ति.बुध:५५पातस्पर्श:४२/३१ =
८	र ३४ ५४ ध ३६ ४७ ब्र २१ ४० बा ५ ३५	२६	१९	४१	२५	२१	१५	कुं.६।२३	बृषेऽर्कः१९।५० (सौरः३२।२१)
९	चं ३५ १३ श ३९ ६ ऐं १९ २१ तै ५ ३	२८	१८	४२	२६	२२	१६	कुंभे	बृषेबुधः२०।३४
१०	मं ३७ ० पू ४२ ४१ वै १८ ११ व ६ ६	३१	१८	४२	२७	२३	१७	मी२६।४७	भ.६।६उ.३७।०या.
११	बु ४० १६ उ ४७ ५१ वि १८ २६ ब ८ ३८	३४	१७	४३	२८	२४	१८	मीने	अपरा११व्र.
१२	गु ४४ ३३ रे ५३ ५० प्री १९ ५ कौ १२ ३५	३७	१७	४३	२९	२५	१९	मे.५३।५०	[=पातमोक्षः५९।२६
१३	शु ४९ ३७ अ ६० ० आ २० २६ ग १७ ५	३९	१६	४४	३०	२६	२०	मेषे	भ.४९उ.पुन.शुक्रः३५प्रदोषः
१४	श ५५ २६ अ ० ३७ सौ २२ ३२ वि २२ ३१	४२	१६	४४	३१	२७	२१	मेषे	भ.२२।३१या.रोहि.बुधः१।४०
१५	र ६० ० भ ७ ३७ शो २४ ४८ च २९ १	४४	१५	४५	१	२८	२२	बृ.२४।३३	भा.ज्येष्ठारंभः
३०	चं २ ३७ कृ १५ १८ अ २७ २२ ना २ ३७	४७	१५	४५	२	२९	२३	वृषे	वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.५बृ.इ. २७/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	३	२	४	१	०
२७	७	२१	२७	११	२८	२९	२७
१३	१६	२६	५४	३८	२१	२१	२
३७	४८	३१	८	२४	१४	५	९
५७	४४	५/०	४	६५	५/१	३	५७
५४	४८	३५	५६	१७	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

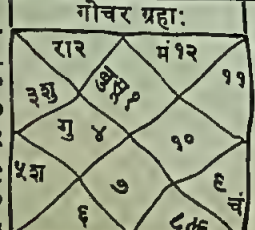

ज्येष्ठ कृष्णे ८ रवौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः।वा.४ न.४ गतालकावस्था (ऊभी मु.३०धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

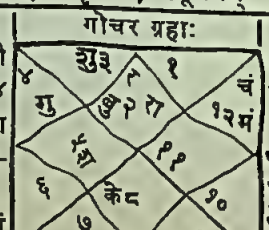

६पं.ज्ये.कृ.१२बृ.इ. ३७/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	३	२	४	१	१
३	१२	६	२८	१८	२८	२८	३
५८	३६	३९	२९	५८	१५	५८	४५
४४	४	४	३१	३४	०	४९	५४
५७	४४	२२/८	६	६३	३/०	३	५७
४४	३७	४	५	३४	व.	११	३४

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः स. २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः३३३५स.२०३९
१	मं	७	३८	रो	२२	४६	सु	२९	४४	ब	७	३८	३३/४९	५/१४	६/४६	३	३०	२४	मि५६।२८	रेवत्याभौमः४७/४८मार्गशिनिः३५/३७चंद्रदर्शनं
२	बु	१३	४३	मृ	३०	११	धृ	३२	५	कौ	१३	४३	५२	१४	४६	४	१	२५	मिथुने	रोहि.रविः४३/१३सौरः५८/२३जमादिलावल ५
३	गु	१९	३५	आ	३७	१०	शू	३३	५२	ग	१९	३५	५४	१३	४७	५	२	२६	मिथुने	भ.५२।२उ.
४	शु	२४	३०	पु	४३	२१	गं	३५	११	वि	२४	३०	५६	१३	४७	६	३	२७	क.२६।४८	भ.२४।३०या.मृगेबुधः१३।४२
५	श	२८	४७	पु	४८	३५	बृ	३५	५५	बा	२८	४७	५८	१२	४८	७	४	२८	कर्के	बुधोदयःपश्चिमायां१५/५४पातस्पर्शः३३/४५ =
६	र	३१	३२	श्ले	५२	३४	ध्रु	३५	२९	कौ	०	१०	३४/०	१२	४८	८	५	२९	सिं५२।३४	[=पातमोक्षः५८।२७
७	चं	३३	१	म	५४	४५	व्या	३३	४५	ग	२	१६	२	१२	४८	९	६	३०	सिंहे	भ.३३/१उ.मिथुनेबुधः३६/१७ककशुक्रः३५/५०
८	मं	३२	५५	पू	५५	२५	ह	३०	४१	वि	२	५८	३	११	४९	१०	७	३१	सिंहे	भ.२।५८या.
९	बु	३०	४०	उ	५४	२५	व	२६	१३	बा	१	४७	५	११	४९	११	८	१	क.१०।१०	जून६ता.३०
१०	गु	२६	४५	ह	५१	१७	सि	२०	१७	ग	२६	४५	७	११	४९	१२	९	२	कन्यायां	भ.५३/५०उ.मघा.१सिंहेगुरुः२१/५२गंगादशमी
११	शु	२०	५५	चि	४६	३१	व्य	१२	४५	वि	२०	५५	९	१०	५०	१३	१०	३	तु.१८।५४	भ २०/५५या.आर्द्रा.बुधः१६/६पुष्ये शुक्रः१/१५÷
१२	श	१३	३४	स्वा	४०	२६	व	४/६	५०/१३	बा	१३	३४	१०	१०	५०	१४	११	४	तुलायां	प्रदोषः [÷निर्जला११ब्र.
१३	र	४	४९	वि	३३	१	शि	४३	४६	तै	४	४९	१२	१०	५०	१५	१२	५	वृ.१९।५२	भ.५५।२उ.
१४	र	५०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aवटसावित्रीव्र.
१५	चं	४४	५८	अ	२५	७	सि	३२	४३	वि	२०	०	१३	९	५१	१६	१३	६	वृश्चिके	भ.२०/०या.चंद्रग्रहणमृगुर्जराणांA

७पं.ज्य.शु.३बृ.इ. २७।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	३	२	४	१	१
१०	१७	२१	२९	२६	२८	२८	१०
४२	५४	४३	११	२	१३	३६	२८
४०	४	२३	५३	२८	८	३४	५
५७	४४	१२३/४१	६	६१	०/१२	३	५७
३५	३१		५५	१६	मा	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगलका चन्द्रदर्शन धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा टीन धान्य गल्ला रसकस वस्त्र आदि में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्ये.शु१०बृ.इ.२७/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	४	३	४	१	१
१७	२३	५	०	२	२८	२८	१७
२५	९	११	०	४७	१७	१४	९
३६	५०	५६	४७	२०	२	१८	११
५७	४४	४०/१०	८	५८	०	३	५७
२७	२१	११	३	२५	५७	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.
१	मं	३४	५२	ज्ये	१७	१३	सा	२१	४९	बा	९	५५	३४/१५	५/९	६/५१	१७	१४	७	घ.१७।१३	
२	बु	२५	२८	मू	९	४४	शु	११	१९	तै	०	१०	१६	९	५१	१८	१५	८	धनुषि	भ.५१/१५उ.मृगेरविः३८/५(सौरः५७।३)
३	गु	१७	१	पू	३/१८	५४/५५	शु	१/४७	५१/४२	वि	१७	१	१७	९	५१	१९	१६	९	मं.१७।२	भ.१७।१या.चतुर्थीव्र.
४	शु	१०	२०	श्र	५५	९	ऐं	४६	३६	बा	१०	२०	१८	८	५२	२०	१७	१०	मकरे	
५	श	५	२८	ध	५३	५२	वै	४१	१७	तै	५	२८	१९	८	५२	२१	१८	११	कुं.२४।३१	पुनःबुधः५१/४१अश्वि.मेषेभौमः३९।९
६	र	२	४३	श	५४	५१	वि	३७	३८	व	२	४३	१९	८	५२	२२	१९	१२	कुम्भे	भ.२।४३उ.३२।२३या.
७	चं	२	४	पू	५७	४२	प्री	३५	४३	ब	२	४	२०	८	५२	२३	२०	१३	मी४१।५९	
८	मं	३	२२	उ	६०	०	आ	३५	१३	कौ	३	२२	२१	८	५२	२४	२१	१४	मीने	
९	बु	६	२०	उ	२	२०	सौ	३६	१	ग	६	२०	२१	८	५२	२५	२२	१५	मीने	भ.३८/३५उ.मिथुनेऽर्कः३६/३९(सौरः५८/१)
१०	गु	१०	५०	रे	८	१७	शो	३७	२५	वि	१०	५०	२२	८	५२	२६	२३	१६	मे.८।१७	भ.१०।५०या.
११	शु	१६	४	अ	१५	१३	अ	३९	४२	बा	१६	४	२२	८	५२	२७	२४	१७	मेषे	योगिनी११व्र.
१२	श	२२	१७	भ	२२	३९	सु	४२	२	तै	२२	१७	२३	७	५३	२८	२५	१८	वृ.३९।३१	आश्ले.शुक्रः३२।०प्रदोषः
१३	र	२८	२६	कृ	३०	८	धृ	४४	३६	व	२८	२६	२३	७	५३	२९	२६	१९	वृषे	भ.२८।२६उ.
१४	चं	३४	३५	रो	३७	४२	शू	४७	३	वि	१	३१	२३	७	५३	३०	२७	२०	वृषे	भ.१।३१या.कर्केबुधः२९।३०
३०	मं	४०	२९	मृ	४४	५४	गं	४९	१४	च	७	३२	२४	७	५३	३१	२८	२१	मि११।१८	

९ पं.आ.कृ.३बृ.इ. २७/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	४	३	४	१	१
२४	२८	१६	०	९	२८	२७	२३
७	२३	२९	५५	७	२५	५२	४९
३०	१३	२४	४४	१	२३	३	७
५७	४४	८७	८	४४	१	३	५७
२२	११	५०	५५	३३	३२	११	५

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे ९ बुधे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा४न५प्रगल्भावस्था (बैंठी)मु.३० धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

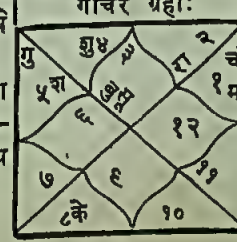

१०पं.आ.कृ१०बृ.इ. २७/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	४	३	४	१	२
०	३	२५	१	१४	२८	२७	०
४८	३४	२४	५६	५७	३८	२९	२८
४७	५	४	३५	०	४६	४७	१६
५७	४३	६०	९	४९	२	३	५६
१७	४९	२२	४१	४३	१४	११	५७

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३६४ स. २०३९
१	बु ४५ ४३ आ ५१ ३४ बृ ५० ५० किं १३ ६ ३४	५	५३	१	२९	२२	मिथुने	आर्द्रा.रवि:३५ सौर:५९)भा.आषा. =
२	गु ५० ४ पु ५७ २२ ध्रु ५१ ५२ बा १७ ५३ २४	७	५३	२	३०	२३	क.४०।५५	चंद्रदर्शनम्रथयात्रा [=ढारँभः
३	शु ५३ ४९ पु ६० ० व्या ५२ २१ तै २१ ५६ २४	७	५३	३	१	२४	कर्के	जमादिलाखर६
४	श ५६ २० पु २ ३१ ह ५१ ५१ व २५ ४ २४	७	५३	४	२	२५	कर्के	भ.२५उ.५६या.मघा.२गुरुः७।१४
५	र ५७ ५१ श्ले ६ ३१ व ५० ४६ ब २७ ५ २३	७	५३	५	३	२६	सिं६।३१	पुष्येबुधः४६।४
६	चं ५७ ५७ म ९ १६ सि ४८ ३७ कौ २७ ५४ २३	७	५३	६	४	२७	सिंहें	
७	मं ५६ ५० पू १० ५९ व्य ४५ १५ ग २७ २३ २२	८	५२	७	५	२८	कं.२६।६	भ.५६।५०उ.
८	बु ५४ १० उ ११ २७ व ४० ४९ वि २५ ३० २२	८	५२	८	६	२९	कन्यायां	भ.३५या.भरण्यांभौमः५२।२६
९	गु ५० ४ ह १० ११ प ३५ ६ बा २२ ७ २१	८	५२	९	७	३०	तु.३८।५१	वक्रीबुधः५८।३२
१०	शु ४४ ३५ चि ७ ३० शि २८ १९ तै १७ २० २०	८	५२	१०	८	१	तुलायां	जुलाई७ता.३१
११	श ३७ ३६ स्वा २५ ५४ सि २० २० व ११ ५ १९	८	५२	११	९	२	वृ.४४।२०	भ.१५उ.३६या.मृग१राहुज्येष्ठा३केतु+
१२	र २९ ३४ अ ५१ ४० सा ११ ३० ब ३ ३५ १८	८	५२	१२	१०	३	वृश्चिके	प्रदोषः [+६।४६देवशयनी११व्र.
१३	चं २० ३८ ज्ये ४४ ४० शु ४० ४७ तै २० ३८ १७	९	५१	१३	११	४	ध.४४।४०	
१४	मं ११ १० मू ३७ १२ ब्र ४१ ० व ११ १० १६	९	५१	१४	१२	५	धनुषि	भ.१९उ.३६या.वायुरीक्षा
१५	बु १ ४३ पू ३० २० ऐं ३० ५९ ब १ ४३ १५	९	५१	१५	१३	६	म.४३।४७	पुन.रवि:३४।१४व्यासपूजागुरु१५

११पं.आ.शु.२बृ.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	३	४	१	२
७	८	१	३	२०	२८	२७	७
२९	४०	३४	२	७	५६	७	६
४२	४४	३७	४६	५२	३५	३१	४३
५७	४३	३१	१०	४३	२	३	५६
१३	३१	५२	२३	२२	५५	११	५४

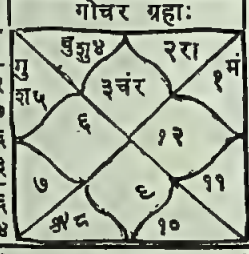

इस मासमें धान्य मंदे होवें। वर्षा अच्छी हो भूमिपुत्रो यदा मेषे सुभिक्षसर्वधान्यकम्। प्रवलानि महर्घाणि क्रोधावास्तुभवेन्नृप।।

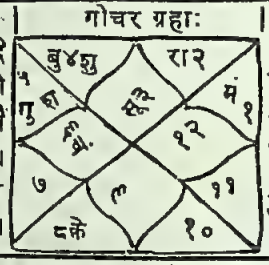

१२पं.आ.शु.९बृ.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	३	४	१	२
१४	१३	४	४	२४	२९	२६	१३
१०	४५	३२	१२	२८	१८	४५	४४
८	१८	२	४०	५	४३	१६	४८
५७	४३	१	११	३५	३	३	५
७	१७	५६	१	५	३२	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	बु ५१ ९ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							० ०	
२	गु ४५ १४ उ २४ ९ वै २१ ३७ तै १९ ३ ३४	५	५३	६	१६	१४	७	मकरे	पुन.रवि:सौर:३१बुधास्तःपश्चिमे३४ ३२
३	शु ३९ ० श्र १९ १९ वि १३ २० व १२ ७ १३	९	५१	१	१७	१५	८	कुं.४७।४७	भ.१२।७उ.३९।०या.चतुर्थी
४	श ३४ ३९ ध १६ १४ प्री ६ ३१ व ६ ५० ११	१०	५०	१	१८	१६	९	कुम्भे	
५	र ३२ ३१ श १५ २० आ २० ५६ २३ कौ ३ ३५ १०	१०	५०	१	१९	१७	१०	कुंभे	वक्रीपुन.बुधः५९उफा२कन्यायांशनिः +
६	चं ३२ ३७ पू १६ ३८ शो ५५ ४९ ग २ ३४ ८	१०	५०	२	२०	१८	११	मी१।१९	भ.३२।३७उ.
७	मं ३४ ४६ उ १९ ५३ अ ५५ ४५ वि ३ ४१ ७	११	४९	२	१९	१९	१२	मीने	भ.३।४१या. [+५५।४८नाग५
८	बु ३८ ४० रे २४ ५० सु ५६ २६ बा ६ ४३ ५	११	४९	२	२२	२०	१३	मे.२४।५०	मघा३गुरुः५७।२७
९	गु ४३ ४७ अ ३१ १ धृ ५८ २२ तै ११ १३ ३	११	४९	२	३	२१	१४	मेषे	
१०	शु ४९ ४९ भ ३८ ३० शू ६० ० व १६ ४८ १	१२	४८	२	४	२२	१५	वृ.५५।२३	भ.१६उ.४९या.वक्रीमिथुनेबुधः९।२
११	श ५६ १० कृ ४६ ४ शू ० ४० व २३ ० ३३	१२	४८	२	५	२३	१६	वृषे	कामिका११व्र.
१२	र ६० ० रो ५३ ४३ गं ३ १७ कौ २९ ११ ५७	१३	४७	२	६	२४	१७	वृषे	कके ऽकं:४।५०(सौर:३६।२०)
१३	चं २ १३ मृ ६० ० बृ ५ ४७ तै २ १३ ५५	१३	४७	२	८	२५	१८	मि२७।२२	वक्रीशुक्रः४७कृत्ति.भौमः४२।६प्रदोषः
१४	मं ८ ४ मृ १ १ धु ८ २ व ८ ४ ५२	१४	४६	२	८	२६	१९	मिथुने	भ.८।४उ.४०।२७या.
१५	बु १२ ५० आ ७ २९ ब्या ९ ३७ श १२ ५० ५०	१४	४६	२	९	२७	२०	क.५६।३१	पुष्येरविः३३।८
२०	गु १६ ३६ पु १२ ५२ ह १० २० ना १६ ३६ ४८	१५	४५	३	०	२८	२१	कर्के	पुष्येरविः सौर:७।१हरियाली

१३पं.श्रा.कृ.२बृ.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	३	४	१	२
२०	१८	३	५	२७	२९	२६	२०
५०	४६	५९	२७	४२	४५	२३	२२
३५	१८	५६	२२	३२	३२	०	४२
५७	४३	३४	११	२४	४	३	५६
७	४७	व	३७	९	१०	११	५०

१४पं.श्रा.कृ.९बृ.इ. २७ २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	३	५	१	२
२७	२३	०	६	२९	०	२६	२७
३०	४४	२७	४६	३३	१६	०	०
५४	२	४३	३	५४	२३	४५	४९
५७	४२	३९	१२	१०	४	३	५६
१२	१९	व	८	१०	४३	११	५४

१५पं.श्रा.कृ.३०बृ.इ. २७ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	४	३	५	१	३
४	२८	२६	८	२९	०	२५	३
११	३५	१०	६	३९	५०	३८	३९
३८	१३	४८	४३	५८	३१	२९	१६
५७	४१	३३	१२	१६	५	३	५६
१५	५२	व	२७	व	५	११	५९

(सं० २००१ समारभ्य २१००. पर्यन्तम्)

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण३३९४स२०३९
१	शु १९ २९ पु १७ १६ व १० ८ ब १९ २९	३३	५	६	३१	२९	२२	कर्के	चन्द्रदर्शनम् [–सिंघारा
२	श २१ १ श्ले २० ४० सि ९ १९ कौ २१ १	४३	१५	४५	१	१	२३	सिं२०।४०	वृषेभौमः ३६ रज्जव७भा.श्रावणारंभः–
३	र २१ ३५ म २२ ५९ व्य ७ ३२ ग २१ ३५	४०	१६	४४	२	२	२४	सिंहे	भ.५१।२२उ.तीज
४	चं २१ १० पू २४ २२ व ४ ५३ वि २१ १०	३८	१६	४४	३	३	२५	कं.३९।२८	भ.२१।१०या.बुधोदयः पूर्वस्यां ६ वरद४
५	मं १९ ४० उ २४ ४४ प १३१ ५६ बा १९ ४०	३५	१७	४३	४	४	२६	कन्यायां	नागपंचमी
६	बु १७ १२ ह २४ ६ सि ५२ २७ तै १७ १२	३३	१७	४३	५	५	२७	तु.५३।१९	
७	गु १३ ५३ चि २२ ३२ सा ४६ ४३ व १३ ५३	३०	१८	४२	६	६	२८	तुलायां	भ.१३।५३उ.४१।४५या.मार्गीबुधः२।६
८	शु ९ ३८ स्वा २० ४ शु ४० २० व ९ ३८	२७	१९	४१	७	७	२९	तुलायां	मघा.४गुरुः४४।४०
९	श ४ २३ वि १६ ३७ शु ३३ १४ कौ ४ २३	२४	१९	४१	८	८	३०	वृ.२।२९	
१०	श ५३ ५२ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	र ५१ २० अ १२ २१ ब्र २५ १८ व २४ ४७	२२	२०	४०	९	९	३१	वृश्चिके	भ.३४उ.५१ या.पवित्रा११ब्र.स्मा.
१२	चं ४३ ४४ ज्ये ७ २३ ए १६ ४६ व १७ ३२	१९	२०	४०	१०	१०	१	ध.७।२३	शुक्रास्तः पश्चिमायां ३७ अगस्त८ता.३१=
१३	मं ३५ ४६ मू ३७ ५४ वै ५२ ५० कौ ९ ४५	१६	२१	३९	११	११	२	धनुषि	प्रदोषः [=पवित्रा११ब्र.वै.
१४	बु २७ ५२ उ ५० २२ प्री ४९ ५३ ग १ ४९	१३	२१	३९	१२	१२	३	म.९।२७	भ.५३उ.५४या.आश्ले.रविः३९
१५	गु २० ४४ श्र ४५ ३० आ ४१ ३२ ब २० ४४	१०	२२	३८	१३	१३	४	मकरे	आश्लेरविसीरः ७ ८ श्रावणीकर्मरक्षाबंधनं

१६पं.श्रा.शु.७वृ.इ. २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	४	३	५	१	३
१०	३	२४	९	२७	१	२५	१०
५२	२२	४६	३०	५१	२८	१६	१८
४१	२३	५२	२९	४३	८	१३	३३
५७	४१	२	१२	३३	५	३	५७
२०	२०	मा	५२	व.३२	११	५	

गोचर ग्रहाः

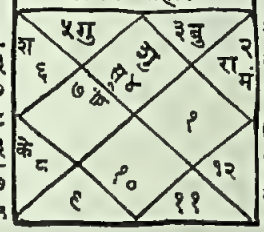

श्रावण कृष्णे १२रबौ ककें ऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न.५गतालकावस्था (ऊभी) मु ४५घान्या-दिभावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

१७पं.श्रा.शु.१५वृ.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	४	३	५	१	३
१७	८	२८	१०	२४	२	२४	१६
३४	४	२३	५६	२१	८	५३	५८
२३	४८	३१	३८	५०	५३	५८	२१
५७	४०	४४	१३	३४	५	३	५७
२५	४९	१४	१४	व.	५७	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु १४ २५ ध ४१ ४१ सौ ३४ १० कौ १४ २५	३३	२३	३७	१४	१४	५	कुं.१३।३६	[×शुक्रोदयः पूर्वस्यां ३९ अजा११
२	श ९ ४७ श ३९ २९ शो २७ ५६ ग ९ ४७	४	२३	३७	१५	१५	६	कुंभे	भ.३८।१४उ.कर्के बुधः३७।४८
३	र ६ ४१ पू ३९ २३ अं २३ १२ वि ६ ४१	०	२४	३६	१६	१६	७	मी२४।२५	भ.६९ या.रोहि.भौमः ३६ चतुर्थी व्र.
४	चं ५ ३५ उ ४१ १० सु १९ ५९ बा ५ ३५	३७	२५	३५	१७	१७	८	मीने	[+आश्ले.बुधः ५४ वक्रीपुष्येशुक्रः ३५÷
५	मं ६ ५० रे ४४ ४९ धृ १८ ४१ तै ६ ५०	५४	२५	३५	१८	१८	९	मे.४४।४९	पुष्येबुधः२०।२८चन्द्रषष्ठी
६	बु ९ ५१ अ ५० ७ शू १८ १८ व ९ ५१	५०	२६	३४	१९	१९	१०	मेषे	भ.९।५१उ.४२।१०या.
७	गु १४ २९ भ ५६ ५१ गं १९ २२ ब १४ २९	४७	२७	३३	२०	२०	११	मेषे	जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	शु २० १४ कृ ६० ० बृ २१ २३ कौ २० १४	४४	२७	३३	२१	२१	१२	वृ.१३।४०	जन्माष्टमीव्र.वै.
९	श २६ ३२ कृ ४ ८ धु २३ ४० ग २६ ३२	४०	२८	३२	२२	२२	१३	वृषे	भ.५९।३२उ.गोगा९
१०	र ३२ ३२ रो ११ ४१ व्या २६ ११ वि ३२ ३२	३७	२९	३१	२३	२३	१४	मि४५।२६	भ.३२।३२या.
११	चं ३८ २० मृ १९ १० ह २८ २६ ब ५ २६	३३	२९	३१	२४	२४	१५	मिथुने	पूफा.१गुरुः ५६ उफा.३शनिः ४० ×
१२	मं ४३ १० आ २५ ५० व ३० ८ कौ १० ४५	३०	३०	३०	२५	२५	१६	मिथुने	वत्सद्वादशी[÷बुधास्तः पूर्वस्यां ४७ प्रदोष
१३	बु ४६ ३१ पु ३१ १९ सि ३० ५५ ग १४ ५०	२६	३१	२९	२६	२६	१७	क.१४।५७	भ.४६।३१उ.मघा.सिंहेऽर्कः२४।११+
१४	गु ४८ ४४ पु ३५ ३२ व्य ३० ३१ वि १७ ३७	२२	३२	२८	२७	२७	१८	कर्के	भ.१७।३७या.मघा.सिंहेऽर्कः सौरः४।१२
३०	शु ४९ २६ श्ले ३८ १७ व २९ १० च १९ ५	१९	३२	२८	२८	२८	१९	सिं३८।१७	कुशग्रहणी पिठोरी३० मन्वादिः

१८प.भा.कृ.७वृ.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	४	३	५	१	३
२४	१२	६	१२	२०	२	२४	२३
१६	४१	३९	२४	१	५२	३१	३९
४४	३५	२५	३२	१२	८	४२	२८
५७	४०	९४	१३	३५	६	३	५७
३३	१०	४३	२०	व.	२०	११	२२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्ण १३बुधे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.४ प्रगत्भावस्था (बैठी) मु.४५घान्या-दिभावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

१९पं.भा.कृ.१४वृ.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	३	४	३	५	१	४
१	१७	१८	१३	१६	३	२४	०
०	११	३७	५३	८	३७	९	२१
४	४९	१६	४९	१७	४८	२७	४१
५७	३९	९४	१३	२६	६	३	५७
४०	३०	५६	२२	व.	३२	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४२३स.२०३९
१	श	४८	४६	म	३९	४४	प	२६	४०	किं	१९	६	३२	५	३३	३७	२९	२९	२०	सिंहे
२	र	४६	५७	पू	३९	५६	शि	२३	११	बा	१७	५१	१२	३४	२६	३०	३०	२१	कं.५४।४६	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	४४	१६	उ	३९	१७	सि	१८	५५	तै	१५	३७	८	३४	२६	३१	१	२२	कन्यायां	सावान८हरितालिका३
४	मं	४०	५०	ह	३७	४७	सा	१३	५१	व	१२	३३	४	३५	२५	१	२	२३	कन्यायां	भ.१३उ.२०या.अस्तंगुरो.३९–
५	बु	३६	४६	चि	३५	४३	शु	८	१३	ब	८	५३	१	३६	२४	२	३	२४	तु.६।४५	मघा.सिंहेबुधः१०।०ऋषिपंचमी
६	गु	३२	१७	स्वा	३३	२०	शु	२	३४	कौ	४	३१	३१	३७	२३	३	४	२५	तुलायां	[–भा.भाद्रपदारंभः गणेशचतुर्थी
७	शु	२७	३१	वि	३०	२२	सें	४९	२४	व	२७	३१	५३	३७	२३	४	५	२६	वृ.१६।७	भ.२७।३१उ.५४।५६या.
८	श	२२	२३	अ	२७	१५	वै	४२	३८	ब	२२	२३	४९	३८	२२	५	६	२७	वृश्चिके	[=केतुः५९।०महालयारंभः
९	र	१६	५५	ज्ये	२३	३९	वि	३५	२६	को	१६	५५	४६	३९	२१	६	७	२८	ध.२३।३९	मृगेभौमः८।३२
१०	चं	११	११	मू	१९	५३	प्री	२८	०	ग	११	११	४२	४०	२०	७	८	२९	धनुषि	भ.३८।१४उ मार्गशुक्रः४७।२२
११	मं	५	१७	पू	१५	४३	आ	२०	२६	वि	५	१७	३८	४०	२०	८	९	३०	म.२९।४६	भ.५७या.पूफा.बुधः५२जलझूलनी११व्र×
१२	मं	५३	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×वामनजयंती [+२३ प्रदोषः
१३	बु	५३	४५	उ	११	५६	सौ	१३	१	कौ	२६	२९	३४	४१	१९	९	१०	३१	मकरे	पूफा.रविः५३(सौरः५५४)पूफा.२गुरुः+
१४	गु	४८	३९	श्र	८	१८	शो	५५	१५३	ग	२१	१२	३०	४२	१८	१०	११	१	कुं.३६।५१	भ.४८।३९उ.सितंबर९ता.३०अनंत१४
१५	शु	४४	३४	ध	५	२३	सु	५३	८	वि	१६	४१	२६	४३	१७	११	१२	२	कुंभे	भ.१६।४१या.रोहि.४राहुःज्येष्ठा.२×

२०पं.भा शु.६वृ.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	४	४	३	५	१	४
७	२१	२	१५	१३	४	२३	७
४४	३६	३१	२३	४७	२५	४७	५
२८	७	१९	५२	१०	१६	११	७
५७	३८	५८	१३	३१	६	३	५७
४९	३५	४४	३२	व.४८	११	४५	

गोचर ग्रहाः

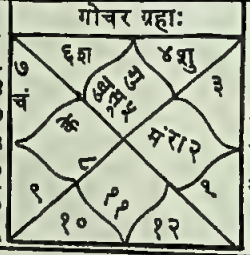

इस मास में धान्य गल्ला चन्दन केसर कपास ई वस्त्र वा-रदाना गुड शक्कर गन्ना घृत तेल तेजहो

गोचर ग्रहाः

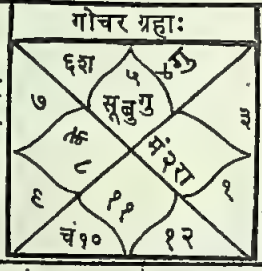

२१पं.भा.शु.१४वृ.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	४	३	५	१	४
१४	२५	१६	१६	१३	५	२३	१३
३०	५२	२१	५४	२३	१४	२४	५०
४	८	११	५०	२८	३१	५५	१९
५८	३७	१६	१३	१६	७	३	५७
१	३७	२३	३८	मा	२	११	५७

ति.	प्र.आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	श	४१	५८	श	३	२४	धृ	४८	१०	बा	१३	२१	३३	५	४४	१६	१२	१३	३	मी४८।४
२	र	४०	५४	पू	२	५७	शू	४४	२९	तै	११	२६	१८	४४	१६	१३	१४	४		मीने
३	चं	४१	४४	उ	३	५४	गं	४२	१६	व	११	१९	१५	४५	१५	१४	१५	५		मीने
४	मं	४४	१३	रे	६	४९	बृ	४१	१६	ब	१२	५८	११	४६	१४	१५	१६	६		भ.११।१९उ.४१।४४या.
५	बु	४८	१३	अ	११	१९	धु	४१	२२	कौ	१६	१३	७	४७	१३	१६	१७	७		उफा.बुधः५९।३८चतुर्थीव्र.
६	गु	५३	३४	भ	१७	२२	व्या	४२	४९	ग	२०	५३	३	४७	१३	१७	१८	८	मे.६।४९	[÷मिथुनेभौमः३५अस्तंशनेः१२५
७	शु	५९	३९	कृ	२४	१	ह	४४	४४	वि	२६	३६	३९	४८	१२	१८	१९	९	वृ.३४।२	भ.५३उ.कन्यायांबुधः३५÷
८	श	६०	०	रो	३१	३८	व	४७	१०	बा	३२	४४	५५	४९	११	१९	२०	१०	वृषे	भ.२६।३६या.
८	र	५	५०	मृ	३९	२	सि	४९	३२	कौ	५	५०	५१	५०	१०	२०	२१	११	वृषे	[A५५उफा.४शनिः१३
९	चं	११	४६	आ	४६	४	व्य	५१	२९	ग	११	४६	४७	५१	९	२१	२२	१२	मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	मं	१७	०	पु	५१	५९	व	५२	२८	वि	१७	०	४३	५१	९	२२	२३	१३	मिथुने	भ.४४।२३उ.
११	बु	२०	३५	पु	५६	३७	प	५२	२९	बा	२०	३५	३९	५२	८	२३	२४	१४	क.३५।३०	भ.१७या.उफा.रविः५८आश्ले.शुक्रः A
१२	गु	२२	४४	श्ले	५९	३१	शि	५१	१६	तै	२२	४४	३५	५३	७	२४	२५	१५	कर्के	उफा.रविःसौरः३९हस्तेबुधः३९इदि.११
१३	शु	२३	७	म	६०	०	सि	४८	३७	व	२३	७	३१	५४	६	२५	२६	१६	सिंह५९।३१	पूफा.३गुरुः३९बुधोदयःपश्चिमायां४४D
१४	श	२१	४१	म	०	३८	सौ	४४	३५	श	२१	४१	२७	५०	५	२६	२७	१७	सिंहे	भ.२३।७उ.५२।२४या. [Dप्रदोषः
३०	र	१८	५४	पू	९८	५८	शु	३९	३७	ना	१८	५४	२२	५६	४	२७	२८	१८	कं.१४।५०	कन्यायामर्कः२३शस्त्रादिहतानां श्रा.
																				कन्यार्कसौरः५५उदयंगुरोः०सर्वपितृ३०

२२पं प्र.आ कृ.६वृ.इ.२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	४	३	५	१	४
२१	२९	२९	१८	५४	६	२३	२०
१७	५८	१८	२५	४७	५	२	२६
६	३८	५०	३०	१७	६	४०	५९
५८	३६	०	१३	२०	७	३	५८
१३	४०	५	३८	४७	८	११	१२

गोचर ग्रहाः

प्र.आश्विन कृष्णे १४ शनौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ अतिवंध्यावस्था (सूती)मु.३०धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

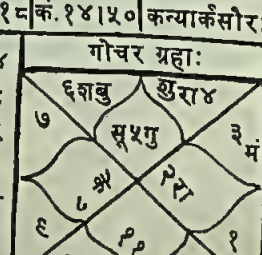

२३पं.प्र आ.कृ.१२वृ.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	४	३	५	१	४
२८	३	११	१९	१७	६	२२	२७
५	५५	२१	५६	४८	५६	४०	२५
२८	३७	१८	५३	०	१०	२४	१५
५८	३५	०	१३	३२	७	३	५८
२६	१८	३	३२	२१	१६	११	२९

ति.	प्र.आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४५३स.२०३९
१	चं	१४	३७	ह	५५	५०	शु	३३	२८	ब	१४	३७	३०/१८	५/५६	६/४	२८	२९	१९	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	९	४०	चि	५३	१६	ब्र	२६	४५	कौ	९	४०	१४	५७	३	२९	१	२०	तु.२४।३	आर्द्रा.भौमः३४।४७रमजान९
३	बु	४	०	स्वा	४८	१८	ऐं	१९	२३	ग	४	०	९	५८	२	३०	२	२१	तुलायां	भ.३१।६उ.५८।१२या.
४	बु	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	गु	५२	२३	वि	४४	२९	वै	११	४३	ब	२५	१७	५	५९	१	३१	३	२२	वृ.३०।२६	चित्रा.बुधः५७।६
६	शु	४६	४३	अ	४०	४०	वि	४/२०	५३/४७	कौ	१९	३१	३०/०	६/०	६/०	१	४	२३	वृश्चिके	भा.आश्विनारंभः
७	श	४१	२०	ज्ये	३६	५९	आ	४९	४३	ग	१४	०	२९/५६	६/१	५/५९	२	५	२४	घ.३६।५९	भ.४१।२०उ.
८	र	३६	१०	मू	३३	४१	सौ	४२	३८	वि	८	४५	५२	२	५८	३	६	२५	धनुषि	भ.८।४५या.
९	चं	३१	२३	पू	३०	३९	शो	३५	४७	बा	३	४६	४८	२	५८	४	७	२६	म.४५।०	
१०	मं	२६	५५	उ	२८	१	अ	२९	३४	ग	२६	५५	४४	३	५७	५	८	२७	मकरे	भ.५५/१उ.हस्तेरविः३६/५५तुलायांबुधः३०/३२
११	बु	२३	८	श्र	२५	४९	सु	२३	३४	वि	२३	८	४०	४	५६	६	९	२८	कुं.५५।७	भ.२३/८या.हस्तेरविः सौर१७/२५कमला११व्र.
१२	गु	१९	५०	ध	२४	२४	धृ	१७	५६	बा	१९	५०	३६	५	५५	७	१०	२९	कुम्भे	
१३	शु	१७	२४	श	२३	३६	शू	१३	३	तै	१७	२४	३२	६	५४	८	११	३०	कुम्भे	[-अक्टूबर१०ता.३१
१४	श	१५	५९	पू	२३	५०	गं	८	४६	व	१५	५९	२८	६	५४	९	१२	१	मी८।४६	भ.१५/५९उ.४५/५१या.पूफा.४गुरुः१३/५०-
१५	र	१५	४३	उ	२५	१३	वृ	५	२७	व	१५	४३	२३	७	५३	१०	१३	२	मीने	स्वात्यांबुधः६।४९

२४पं.प्र.आ.शु.५वृ.इ. २५/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	४	३	५	१	५
४	७	२२	२१	२१	७	२२	४
५५	४२	३०	२६	५७	४७	१८	१५
१९	२९	१४	५६	३६	४९	९	२२
५८	३३	९५	१३	४१	७	३	५८
३८	४५	३५	३२	७	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

इसमासमें ५शनिवार व५रविवार अशुभ हैं धान्यगल्लाधातुसोना चांदीरुईवस्त्ररसकस तेज हो प्रजामें दुःख फैले ।

गोचर ग्रहाः

२५पं.प्र.आ.शु.१२वृ.इ.२५/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	४	३	५	१	५
११	११	२	२२	२७	८	२१	११
४६	१६	४६	५५	५	४०	५५	७
५२	२३	४८	५९	१०	२३	५३	१९
५८	३२	८६	१३	४७	७	३	५९
५३	१२	५२	२०	५२	२०	११	०

ति.	द्वि.आश्विनकृष्णपक्षः सं. २०९६शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेप्र.आश्विनकृष्णेति महा.
१	चं	१७	४	रे	२८	३	ध्रु	३	१२	कौ	१७	४	२९/१९	६/८	५/५२	११	१४	३	मे.२८।३	मघा.सिहेशुक्रः५।०
२	मं	१९	४७	अ	३२	१३	व्या	२	१०	ग	१९	४७	५	९	५१	१२	१५	४	मेषे	भ.५२।१३उ.
३	बु	२४	४०	भ	३७	४७	ह	१	५२	वि	२४	४०	११	१०	५०	१३	१६	५	वृ.५४।२३	भ.२४।४०या.चतुर्थी व्र.
४	गु	२८	५२	कृ	४४	१३	ब	२	५२	बा	२८	५२	७	११	४९	१४	१७	६	वृषे	
५	शु	३४	५३	रो	५१	२७	सि	४	१९	कौ	१	५२	३	११	४९	१५	१८	७	वृषे	
६	श	४१	८	मृ	५९	५	व्य	६	३४	ग	८	०	२८/५९	१२	४८	१६	१९	८	मि२५।१६	भ.४१।८उ.
७	र	४७	२४	आ	६०	०	व	८	५८	वि	१४	१६	५५	१३	४७	१७	२०	९	मिथुने	भ.१४।१६या.
८	चं	५३	५	आ	६	३५	प	११	१७	बा	२०	१४	५१	१४	४६	१८	२१	१०	क.५६।३७	हस्त.१शनिः६।३७
९	मं	५७	२१	पु	१३	१७	शि	१२	५७	तै	२५	१३	४७	१५	४५	१९	२२	११	कर्के	चित्रा.रविः८।५९ सौरः४७।५९)
१०	बु	६०	०	पु	१८	३७	सि	१३	३७	व	२८	४५	४३	१५	४५	२०	२३	१२	कर्के	भ.२८।४५उ.विशा.बुधः५३।५२
१०	गु	०	९	श्ले	२२	२६	सा	१३	८	वि	०	९	३९	१६	४४	२१	२४	१३	सिं२२।३६	भ.०।९या.उदयंशनेः१२।१०
११	शु	०	५८	म	२४	२४	शु	११	१७	बा	०	५८	३५	१७	४३	२२	२५	१४	सिहे	कमला११व्र.
१२	शु	५८	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=उफा.१गुरुः४७।३२
१३	श	५६	५९	पू	२४	३६	शु	७	५२	ग	२८	५६	३१	१८	४२	२३	२६	१५	कं.३९।९	भ.५६।५९उ.
१४	र	५२	७	उ	२२	४८	ब्र	२/४९	५३/३१	वि	२४	३३	२७	१९	४१	२४	२७	१६	कन्यायां	भ.२४।३३या.
३०	चं	४५	५९	ह	१९	२५	वै	४८	४१	च	१९	३	२३	१९	४१	२५	२८	१७	तु.४७।५	तुलायामर्कः५२/४८पूफा.शुक्रः३४/३१=

२६पं द्वि.आ.कृ ४वृ.इ २५/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	४	४	५	१	५
१८	१४	१२	२४	२	९	२१	१८
४४	३४	१७	३२	५५	३२	३३	१
५	५७	२८	३१	४४	१३	३७	६
५९	३०	७५	१३	५२	७	३	५९
९	२८	२३	११	४८	१४	११	१६

गोचर ग्रहाः

द्वि.आश्विनकृष्णे३० चन्द्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

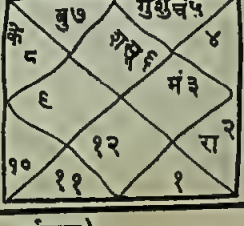

२७पं.द्वि.आकृ.१०वृ.इ.२५/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	४	४	५	१	५
२५	१७	२०	२५	९	१०	२१	२४
३४	३८	३१	४९	२०	२३	११	५६
५९	४९	४८	५	४९	२८	२२	४८
५९	२८	६०	१२	५६	७	३	५९
२१	२५	३०	५०	५५	८	११	३१

ति.	द्वि.आश्विनशुक्लपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१	वि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४८२स.२०३९
१	मं ३८ ४९ चि १४ ४४ वि ४० १३ किं १२ २४	२८	६ ३०	५०	२६	२९	१८	तुलायां	तुलार्कःसौरः ३ ३ नवरात्रारंभः-
२	बु ३१ १८ स्वा ९ १६ प्री ३१ २० बा ५ ३	१६	२१	३९	२७	३०	१९	वृ.५०।२	पुन.भौमः३२।५२चंद्रदर्शनम्
३	गु २३ ३७ वि ३ ८ ५४ १८ आ २२ ५ ग २३ ३७	१२	२२	३८	२८	१	२०	वृश्चिके	भ.५०।०उ.सव्वाल१०
४	शु १६ २३ ज्ये ५२ ४० सौ १२ ५८ वि १६ २३	८	२२	३८	२९	२	२१	ध.५२।४०	भ.१६।२३या.
५	श ९ ३७ मू ४८ ११ शो ४ ५३ १८ बा ९ ३७	४	२३	३७	३०	३	२२	धनुषि	[=मातामहश्रा.
६	र ३ ३८ पू ४४ २० सु ४८ ५० तै ३ ३८	०	२४	३६	१	४	२३	म.५८।४०	भ.५८।३०उ.भा.कार्तिकारंभः
७	र ५४ ५२ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	चं ५४ १९ उ ४१ ४० धृ ४२ ८ वि २६ २५	२७ ५६	२५	३५	२	५	२४	मकरे	भ.२६।२५या.स्वात्यांरविः३४।५१
९	मं ५१ १३ श्र ३९ ४९ शू ३६ १५ बा २२ ४६	५३	२५	३५	३	६	२५	मकरे	स्वात्यांरविःसौरः११।४६
१०	बु ४८ ५९ ध ३९ ० गं ३१ ८ तै २० ६	४९	२६	३४	४	७	२६	कुं.९।२५	वक्रीबुधः८।१४
११	गु ४८ १ श ३९ १० वृ २५ ५८ व १८ ३१	४५	२७	३३	५	८	२७	कुंभे	भ.१ ९ उ.४ ९या.पापांकुशा११व्र.
१२	शु ४७ ५९ पू ४० ३० धु २३ ३१ ब १८ ०	४१	२८	३२	६	९	२८	मी२५।१०	[=का.स्ना.प्रा.
१३	श ४८ ५९ उ ४२ ५४ व्या २१ ९ कौ १८ २९	३७	२९	३१	७	१०	२९	मीने	प्रदोषः
१४	र ५१ २१ रे ४६ १९ ह १९ २२ ग २० १०	३४	२९	३१	८	११	३०	मे.४६।१९	भ.५१।२१उ.उफा.शुक्रः३५।३१
१५	चं ५४ ४५ अ ५० ४७ व १८ ५३ वि २३ ३	३०	३०	३०	९	१२	३१	मेषे	भ.२३या.शरद्पूर्णिमाकोजागरीव्र =

२८पं.द्वि.आ.शु.३वृ.इ.२५ १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	४	४	५	१	६
२	२०	२९	२७	१६	११	२०	१
३१	२२	४८	१२	१०	१३	४९	५४
२३	२६	४	२५	५२	५२	६	११
५९	२५	३६	१२	६०	७	३	५९
३४	४२	४७	२०	४	२	११	४६

गोचर ग्रहाः

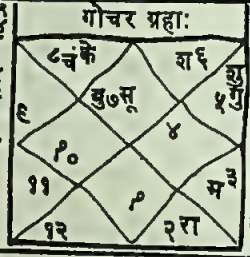

इस मासमें मिथुनका मंगल गुड शक्कर चीनी धान्य बाजरा गेहूं मूंग मोठ चना मटर में तेजी करे सोना चांदी मंदाहो

गोचर ग्रहाः

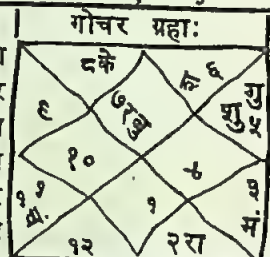

२९पं.द्वि.आ.श.११वृ.इ.२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	४	४	५	१	६
९	२२	२९	२८	२३	१२	२०	८
२९	४३	१७	३२	२१	२	२६	५३
३८	५२	२	२०	४७	५६	५१	३१
५९	२२	६ ४	१२	६२	६	३	६०
४७	३५	व.	५	२६	४४	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेद्वि.आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	मं ५९ ७ भ ५६ २२ सि १८ ३९ बा २७ २६	२७ ६	५ ३१	२९	१०	१३	१	मेषे	बुधास्त:पश्चिमायां ३ नवम्बर११×
२	बु ६० ० कृ ६० ० व्य १९ ३६ तै ३२ २२	२३ ३१	२९	११	१४	२	वृ.१३।०	कन्यायांशुक्रः३९।५५	
२	गु ४ ३७ कृ २ ५३ व २० ५९ ग ४ ३७	१९ ३२	२८	१२	१५	३	वृषे	भ.३७।३८उ. [xता.३०	
३	शु १० ३८ रो ९ ५६ प २२ ५९ वि १० ३८	१६ ३३	२७	१३	१६	४	मि४३।४१	भ.३ ८ या.उफा.२कन्यायांगुरुः ३ ३८+	
४	श १६ ५६ मृ १७ २५ शि २५ १४ बा १६ ५६	१२ ३४	२६	१४	१७	५	मिथुने	[+रोहि.३राहुःज्येष्ठा.१केतुः÷	
५	र २३ २३ आ २५ १० सि २७ ३७ तै २३ २३	९ ३४	२६	१५	१८	६	मिथुने	विशा.रवि:५५ [÷५५करकचतुर्थीव्र.	
६	चं २९ २७ पु ३२ २८ सा २९ ४५ व २९ २७	५ ३५	२५	१६	१९	७	क.१५।३९	भ.३९उ.बिशा.रवि:सौरः ३ हस्त.२A	
७	मं ३४ २६ पु ३८ ४२ शु ३१ ११ वि १ ५६	२ ३६	२४	१७	२०	८	कर्के	भ.१।५६या.वक्रीस्वात्यांबुधः१।४४	
८	बु ३८ १६ श्ले ४३ ५४ शु ३१ ५० बा ६ २१	२६ ३६	२४	१८	२१	९	सिं४३।५४	[Aशनि.५९।०	
९	गु ४० १६ म ४७ १४ ब्र ३० ५५ तै ९ १६	५५ ३७	२३	१९	२२	१०	सिंहे	[Hअन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा	
१०	शु ४० १७ पू ४८ ४३ ऐं २८ ३८ व १० १७	५२ ३८	२२	२०	२३	११	सिंहे	भ.३ ७उ.४ ७या.हस्तेशुक्रः.४६	
११	श ३८ ९ उ ४८ ११ वै २४ ५५ ब ९ १३	४९ ३८	२२	२१	२४	१२	कं.३।३५	रमा११व्र.	
१२	र ३४ ६ ह ४५ ४४ वि १९ १७ कौ ६ ७	४५ ३९	२१	२२	२५	१३	कन्यायां	बुधोदयःपूर्वस्यां४। १धन१३	
१३	चं २८ १३ चि ४१ २९ प्री १२ १० गं ३ ११	४२ ४०	२०	२३	२६	१४	तु.१३।३६	भ.२८।१३उ.५४।२७या.प्रदोषः रूप१४	
१४	मं २० ४१ स्वा ३५ ३८ आ ३ ५० शो ४४ ३९	३९ ४०	२०	२४	२७	१५	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्	
१५	बु १२ १४ वि २९ ०	३६ ४१	१९	२५	२८	१६	वृ.१५।३९	वृश्चिकेऽर्क५१।२५मार्गीबुधः२४।५५H	

३०पं.का.कृ.२वृ.इ.२४ ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	४	५	५	१	६
१६	२४	२५	२९	०	१२	२०	१५
२९	४४	५	४९	४८	५०	४	५४
२०	५३	२	१२	११	२	३५	३५
६०	१८	५९ ३३	११	६४	६	३	६०
४	५६	व.	२५	१९	३२	११	१८

गोचर ग्रहाः

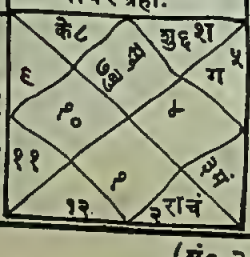

कार्तिक कृष्णे३०बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

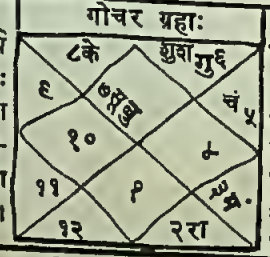

३१पं.का.कृ.९वृ.इ.२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	५	५	५	१	६
२३	२९	१६	१	८	१३	१९	२२
३०	७	४६	२	२९	३५	४२	५७
४०	१७	५५	६	४९	१३	१९	६
६०	१४	८ ३	१०	९५	६	३	६०
१७	४९	व.	५२	५१	१६	११	३०

तिथि कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः | हेमंततौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३५१२स.२०३९

१	शु	३	१०	अ	२१	४७	अ	३३	४३	व	३	१०	२६	६	५	२६	२९	१७	वृश्चिके	वृश्चिकेऽर्कः सौरः २३ चन्द्रदर्शनम्-
२	शु	५०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[-भ्रातृद्वयम२
३	शु	४५	३१	ज्ये	१४	४२	सु	२३	१४	तै	१९	२१	३०	४२	१८	२७	१	१८	ध.१४।४२	जिल्काद११
४	श	३७	४३	मू	८	५	धृ	१३	१४	व	११	३७	२७	४३	१७	२८	२	१९	धनुषि	भ.११।३७उ.३७।४३या.
५	र	३१	१	पू	२	५५	शू	५४	५५	ब	४	२२	२५	४३	१७	२९	३	२०	म.१६।१४	अनु.रविः९।४५ (सौरः४०।१५)
६	चं	२५	३८	श्र	५४	५७	वृ	४८	३४	तै	२५	३८	२२	४४	१६	३०	४	२१	मकरे	
७	मं	२१	५०	ध	५३	२९	ध्रु	४१	४०	व	२१	५०	१९	४४	१६	१	५	२२	कुं.२४।१३	भ.२५० उ.५३या.भा.मार्गशीर्षारंभः
८	बु	१९	३४	श	५३	२२	व्या	३८	४	ब	१९	३४	१७	४५	१५	२	६	२३	कुंभे	चित्रा.शुक्रः२६।२०गोपाष्टमी
९	गु	१८	५३	पू	५४	५२	ह	३४	४०	कौ	१८	५३	१४	४५	१५	३	७	२४	मी३९।२९	कृष्णांडेऽक्षयेऽ
१०	शु	१९	३४	उ	५७	४९	व	३२	२८	ग	१९	३४	१२	४६	१४	४	८	२५	मीने	भ.५०।३५उ.उफा.३गुरुः८।३२
११	श	२१	३५	रे	६०	०	सि	३१	८	वि	२१	३५	९	४६	१४	५	९	२६	मीने	भ.३१या.विशा.बुधः३६=
१२	र	२४	५७	रे	१	१४८	व्य	३१	१०	बा	२४	५७	७	४७	१३	६	१०	२७	मे.१।४८	[=प्रबोधिनी११ब्र.तुलसीविवाहः
१३	चं	२९	१३	अ	६	५४	व	३१	२०	तै	२९	१३	५	४७	१३	७	११	२८	मेषे	वक्रीभौमः३४।५३ प्रदोषः
१४	मं	३४	१९	भ	१२	५५	प	३२	२५	ग	१	४६	२	४८	१२	८	१२	२९	वृ.२९।३६	भ.३९उ.तुलायांशुक्रः३वैकुंठ१४
१५	बु	४०	११	कृ	१९	३८	शि	३४	४	वि	७	१५	०	४८	१२	९	१३	३०	वृषे	भ.७५या.चन्द्रदर्शनम्मन्वादिःका.स्ना.पू.

३२पं.का.शु.१वृ.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	५	५	५	१	७
०	२६	१३	२	१६	१४	१९	०
३३	५८	१२	१०	२२	१७	२०	१
२२	१६	४३	३०	३४	४९	४	१०
६०	९	३३	१०	६७	५	३	६०
३०	५३	मा	५	१५	५०	११	४०

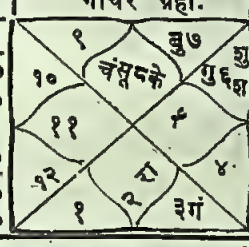

इस मासमें कृष्णपक्ष कीतिथि वृद्धि शुक्ल पक्ष की तिथि क्षय धान्य बाजरा मूंग मोठ चांवलरसकसमें तेजीकरे धातु मंदेहों

३३पं.का.शु.९वृ.ह. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	५	५	५	१	७
७	२७	१७	३	२४	१४	१८	७
३७	१२	४९	१३	२५	१७	५३	६
१६	३२	१६	५	५५	१४	४८	४३
६०	४	६३	९	६८	५	३	६०
४२	७	११	२२	१९	२६	११	५३

तिथि मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः | हेमंततौ रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.

१	शु	४६	१९	रो	२६	४१	सि	३६	३	बा	१३	१५	२५	६	५	१०	१४	१	वृषे	दिसंबर१२ता.३१
२	शु	५२	४१	मृ	३४	१०	सा	३८	१२	तै	१९	३०	५६	४९	११	११	१५	२	मि०।२५	[×(सौर:४९) वृश्चिकेवुधः४९
३	श	५९	१०	आ	४१	४१	शु	४०	२३	व	२५	५१	५४	४९	११	१२	१६	३	मिथुने	भ.२५उ.५९या.ज्येष्ठा.रविः१९×
४	र	६०	०	पु	४९	५	शु	४२	४०	ब	३२	१०	५३	४९	११	१३	१७	४	क.३२।१४	स्वात्यांशुक्रः५६।२२चतुर्थीब्र.
५	चं	५	१०	पु	५५	५१	ब्र	४४	२२	बा	५	१०	५१	५०	१०	१४	१८	५	कर्के	पातस्पर्शः३२।२पातमोक्षः५७।१९
६	मं	१०	२७	श्ले	६०	०	ऐं	४५	२५	तै	१०	२७	४९	५०	१०	१५	१९	६	कर्के	अनु.बुधः१।१२
७	बु	१४	४९	श्ले	१	४७	वै	४५	३५	व	१४	४९	४८	५०	१०	१६	२०	७	सिं१।४७	भ.१४।४९उ.४६।२०या.
८	गु	१७	५०	म	६	२३	वि	४४	३७	ब	१७	५०	४६	५१	९	१७	२१	८	सिंहे	
९	शु	१९	१	पू	९	२९	प्री	४२	६	कौ	१९	१	४५	५१	९	१८	२२	९	कं.२४।४८	
१०	श	१८	३२	उ	१०	४४	आ	३८	१५	ग	१८	३२	४४	५१	९	१९	२३	१०	कन्यायां	भ.४७।२२उ.
९	र	१५	५०	ह	१०	३	सौ	३२	४८	वि	१५	५०	४३	५१	९	२०	२४	११	तु.३८।४४	भ.१५।५०या.
११	चं	११	२३	चि	७	२५	शो	२५	४०	बा	११	२३	४२	५२	८	२१	२५	१२	तुलायां	बुधास्तःपूर्वस्यां३८।४८उत्पत्ति११ब्र.
१२	मं	४	५५	स्वा	५३	५९	अ	१७	१६	तै	४	५५	४१	५२	८	२२	२६	१३	बृ.४३।२५	भ.५७।११उ. प्रदोषः
१३	मं	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	बु	४८	९	अ	४९	५८	सु	७	३२	वि	२२	३५	४०	५२	८	२३	२७	१४	वृश्चिके	भ.२२।३५या.ज्येष्ठा.बुधः५१।३३
१५	गु	३८	३४	ज्ये	४२	१३	शृ	४६	१	च	१३	२१	३९	५२	८	२४	२८	१५	ध.४२।१३	

३४पं.मा.कृ.१वृ.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	५	६	५	१	७
१४	२६	२६	४	२	१५	१८	१४
४२	४६	४१	१०	३५	२४	३५	१३
२९	१४	४९	१६	३१	१	३३	२९
६०	८	८२	८	६९	४	३	६१
५०	व.	१०	३०	७	५६	११	३

३५पं.मा.कृ.७वृ.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	५	६	५	१	७
२१	२५	४	५	१०	१६	१८	२१
४८	३६	५४	१	४७	६	१३	२१
३२	२२	५८	३४	४६	४७	१७	९
६०	१०	९०	७	६९	४	३	६१
५६	व.	२६	२१	५८	३२	११	११

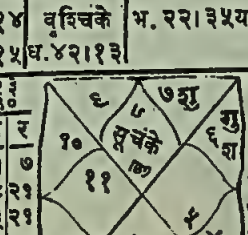

३६पं.मा.कृ.३०वृ.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	५	६	५	१	७
२८	२३	१७	५	१९	१६	१७	२८
५५	४८	३१	४५	१५	३५	५१	२९
२६	२८	१६	१८	२२	२	१	५२
६१	१४	५५	६	७०	३	३	६१
०	व.	५३	२०	३८	५०	११	१९

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३५४१ स. २०३९
१	शु २८ ४६ मू ३४ २३ गं ३४ ५३ किं ३ ४७ ३५ ६२	८	२५	२९	१६	धनुषि	मूलेधनुष्यर्कः २७ ११ (सौरः ५९) विशा.=
२	श १९ २६ पू २६ ५८ बृ २४ ३ कौ १९ २६ ३८ ५२	८	२६	३०	१७	म.४०।१९	चन्द्रदर्शनम्
३	र १० ५७ उ २० २४ ध्रु १३ ५५ ग १० ५७ ३८ ५२	८	२७	१	१८	मकरे	भ.३७।२३उ.जिल्हेज १२
४	चं ३ ४९ श्र १५ ११ ब्या ४ ४७ ५३ २२ वि ३ ४९ ३७ ५३	७	२८	२	१९	कुं.४३।३२	भ.३।४९या.
५	चं ५४ ३६ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	[=शुक्रः १३ हस्त.३शनिः ४१ २२
६	मं ५४ ४४ ध ११ ५२ व ५१ ० कौ २६ ३५ ३७ ५३	७	२९	३	२०	कुंभे	चंपा ६
७	बु ५३ १४ श १० १४ सि ४६ २३ ग २३ ५९ ३६ ५३	७	३०	४	२१	मी५५।२३	भ.५३।१४उ.
८	गु ५३ ३१ पू १० २६ व्य ४३ १९ वि २३ २२ ३६ ५३	७	१	५	२२	मीने	भ.२३।२२या.भा.पौषारंभः
९	शु ५५ ३१ उ १२ ४८ च ४१ ३७ बा २४ ३१ ३६ ५३	७	२	६	२३	मीने	मूलेधनुषिबुधः २५।६
१०	श ५९ ८ रे १६ ३३ प ४१ १३ तै २७ २० ३६ ५३	७	३	७	२४	मे.१६।३३	वृश्चिकेशुक्रः १९।८
११	र ६० ० अ २१ ५५ शि ४१ ५७ व ३१ ३३ ३७ ५३	७	४	८	२५	मेषे	भ. ३१ उ.मोक्षदा ११ व्र.स्मा.गीताजयंती
११	चं ३ ५९ भ २८ ५ सि ४३ ४ वि ३ ५९ ३७ ५३	७	५	९	२६	वृ.४४।५४	भ. ५९ या.अनु.शुक्रः ५७ ४४ मोक्षदा ११ व्र.वै.
१२	मं ९ ३८ कृ ३५ १९ सा ४५ ११ बा ९ ३८ ३७ ५३	७	६	१०	२७	वृषे	वक्रीआर्द्रा.भौमः १५ उफा.४गुरुः ५ १५ ×
१३	बु १५ ५५ रो ४२ २९ शु ४७ ६ तै १५ ५५ ३७ ५२	८	७	११	२८	वृषे	[+(सौरः ५३ ३७ [×प्रदोषः
१४	गु २२ १७ मृ ५० ७ शु ४९ २३ व २२ १७ ३८ ५२	८	८	१२	२९	मि१६।१८	भ. २२ उ. ५५ या.पूषा.रविः ३२।१४+
१५	शु २८ ३७ आ ५७ २८ ब्र ५१ ३८ ब २८ ३७ ३९ ५२	८	९	१३	३०	मिथुने	दत्तजयंती

३७प.मा.शु.८वृ.इ. २३ २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	७	५	६	५	१	८
६	२१	२८	६	२७	१६	१७	५
३	३०	१९	२१	४२	५९	२८	३९
०	२४	४१	२२	४३	२४	४६	१७
६१	२४	९७	५	७१	३	३	६१
४	व.	४१	८	१३	५५	११	२२

मार्गशीर्ष शुक्ले १ शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न ३ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

३८पं.मा.शु.१४वृ.इ. २३ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	५	७	५	१	८
१३	१८	९	६	६	१७	१७	१२
१०	५६	१८	४९	१३	१८	६	४९
५९	५६	३२	८	४४	३२	३०	९
६१	२६	९९	३	७१	२	३	६१
६	व.	४८	५८	३८	२८	११	२६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा.
१	श ३४ ५२ पु ६० ० ऐं ५३ ३७ बा १ ४५ २५ ६२	८	१०	१४	३१	क.४९।५१	पूषा.बुधः ४८।३०
२	र ४० ४१ पु ४ ३८ वै ५५ ४ तै ७ ४६ ४१ ५२	८	११	१५	१	कर्के	जनवरी १ ता. ३१ सन् २०४०
३	चं ४५ ३७ पु ११ ८ वि ५५ ५२ व १३ ९ ४२ ५२	८	१२	१६	२	कर्के	भ.१३।९उ.४५।३७या.
४	मं ४९ ४० श्ले १६ ५९ प्री ५६ १६ ब १७ ३८ ४३ ५१	९	१३	१७	३	सिं १७।०	चतुर्थी व्र.
५	बु ५२ ४५ म २२ ० आ ५५ ४४ कौ २१ १२ ४४ ५१	९	१४	१८	४	सिंहे	
६	गु ५४ ३३ पू २५ ४९ सौ ५४ ११ ग २३ ३९ ४५ ५१	९	१५	१९	५	कं.४१।२३	भ.५४।३३उ.
७	शु ५५ ० उ २८ ७ शो ५१ ३२ वि २४ ४६ ४७ ५१	९	१६	२०	६	कन्यायां	भ. ३४ या.ज्येष्ठाशुक्रः ५६ रोहि.२राहुः-
८	श ५३ ४५ ह २९ ६ अ ४७ ३० बा २४ २२ ४८ ५०	१०	१७	२१	७	तु.५८।४४	[-अनु.४केतुः ३६
९	र ५० ५३ चि २८ २१ सु ४२ ३७ तै २२ १९ ५० ५०	१०	१८	२२	८	तुलायां	
१०	चं ४६ १३ स्वा २५ ५७ धृ ३५ ३० व १८ ३३ ५२ ५०	१०	१९	२३	९	तुलायां	भ.१८।३३उ.४६।१३या.उषा.बुधः १३ २०
११	मं ४० ६ वि २२ ८ शू २७ ३८ ब १३ १० ५३ ४९	११	२०	२४	१०	वृ.८।५	सफला ११ व्र.
१२	बु ३२ ५२ अ १६ ३८ गं १८ ३३ कौ ६ २९ ५५ ४९	११	२१	२५	११	वृश्चिके	उषा.रविः ३५ (सौरः ५५) मकरेबुधः ६
१३	गु २४ ९ ज्ये १० १ बृ ४१ ४९ व २४ ९ ५७ ४९	११	२२	२६	१२	ध.१०।१	भ.२४।९उ.४९।२७या.प्रदोषः
१४	शु १४ ४५ मू ४४ २२ ब्या ४७ ० श १४ ४५ ५९ ४८	१२	२३	२७	१३	धनुषि	
२०	श ५ १६ उ ४७ ५१ ह ३६ १० ना ५ १६ २६ ४८	१२	२४	२८	१४	म.८।२२	मकरेऽर्कः ५३।२४

३९पं.पौ.कृ.६वृ.इ. २३ १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	५	७	५	१	८
२०	१६	२०	७	१४	१७	१६	१९
१९	२०	३१	८	४७	३३	४४	५९
५	४९	३०	२०	३३	०	१५	६
६१	३८	००	२	७२	१	३	६१
६	व.	५३	३५	२	४०	११	२६

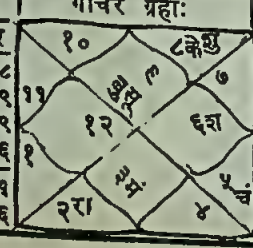

इसमासमें ५ शनिवार ५ रविवार अशुभ है धान्यधातुसोनाचांदी ताम्बा रसकस गुड शक्कर चीनी तेजहो प्रजा में रोग फैलें ।

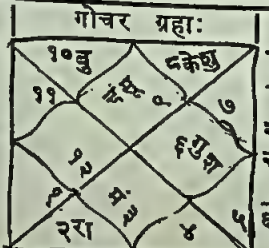

४०पं.पौ.कृ.१३वृ.इ. २३ २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	९	५	७	५	१	८
२७	१३	२	७	२३	१७	१६	२७
२७	५९	१६	१७	२३	४२	२१	८
७	१२	३७	५६	१३	७	५९	५८
६१	३८	००	१	७२	१	३	६१
६	व.	२३	१०	२२	५	११	२४

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३५७१ स २०४०
१	श	५०	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र	४७	३८	श्र	४१	१२	व	२६	१	बा	२१	५२	२६/४	६/४७	५/१३	२५	२९	१५	मकरे	मकरेऽर्क.सौरः १०।३१ चन्द्रदर्शनम्
३	चं	४०	४५	ध	३५	५६	सि	१६	५१	तै	१४	११	६	४७	१३	२६	१	१६	कुं.८।३४	मोहोरम १ सन् १४६२ हि.
४	मं	३५	३७	श	३२	२८	व्य	८	४२	व	८	११	८	४६	१४	२७	२	१७	कुंभे	भ.८/११ उ.३५/३७ या श्रवणेबुधः ८/६ मूले–
५	बु	३२	२९	पू	३०	४१	व	२/२०	५५/२३	ब	४	३	११	४६	१४	२८	३	१८	मी १६।८	[–धनुषिशुक्रः ४३।३३
६	गु	३१	२७	उ	३१	१९	शि	५४	५०	कौ	१	५८	१३	४५	१५	२९	४	१९	मीने	वक्रीगुरुः १७।१६
७	शु	३२	३०	रे	३३	५०	सि	५३	२६	ग	१	५९	१६	४५	१५	३०	५	२०	मे.३३।५०	भ.३२।३०उ. [=भा.माघारंभः
८	श	३५	३३	अ	३८	२०	सा	५३	३८	वि	४	१	१९	४४	१६	१	६	२१	मेषे	भ.४/१ या.अभि.प्र.रविः २७/५० (सौरः ४१/५२)=
९	र	४०	१३	भ	४४	२०	शु	५४	२९	बा	७	५३	२१	४४	१६	२	७	२२	मेषे	[×पातमोक्षः ४४।२७
१०	चं	४५	५६	कृ	५१	२३	शु	५६	२०	तै	१३	५	२४	४३	१७	३	८	२३	वृ.१।६	वक्रीशनिः १७।२० पातस्पर्शः २६।१६×
११	मं	५२	२६	रो	५८	४०	ब्र	५८	२९	व	१९	११	२७	४३	१७	४	९	२४	वृषे	भ.१९/११ उ.५२/२६ या.श्रवणेरविः ४२/२७ (सौरः +
१२	बु	५९	१	मृ	६०	०	ऐं	६०	०	ब	२५	४३	२९	४२	१८	५	१०	२५	मि ३२।३५	अभि.नि.रविः ३४।४२ (सौरः ४९।५)
१३	गु	६०	०	मृ	६	२९	ऐं	०	५७	कौ	३२	१०	३२	४२	१८	६	११	२६	मिथुने	प्रदोषः [+५८/४८) धनि.बुधः ५७/१५ बुधोदयः÷
१३	शु	५	१९	आ	१३	५२	वै	३	७	तै	५	१९	३५	४१	१९	७	१२	२७	मिथुने	[÷पश्चिमायां ४९/३५ पुत्रदा ११ व्र.
१४	श	११	२२	पु	२०	५५	वि	४	५३	व	११	२२	३८	४०	२०	८	१३	२८	क.४।९	भ ११/२२ उ.४३/५९ या.कुंभेबुधः ५९/२ पूषा.शुक्रः ३५/५०
१५	र	१६	३६	पु	२७	२	प्री	६	१०	ब	१६	२६	४१	४०	२०	९	१४	२९	कर्के	मा.स्ना.प्रा.

४१पं.पौ.शु.६वृ.इ. २३/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	५	८	५	१	९
४	११	१३	७	२	१७	१५	४
३४	५८	५२	१८	०	४६	५९	१८
५९	३८	८	३६	४०	३४	४३	२७
६१	२२/८	३०/६	०/१	७२	०	३	६१
३	व.		व	४०	१७	११	१९

गोचर ग्रहाः

११ ९शु ८ के ७ गु श ६ ५ ३मं २रा १ चं १२ रबु१०

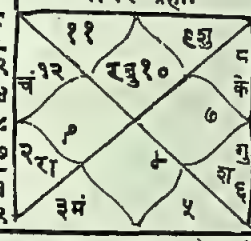

पौष शुक्ले २ रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

११ ९शु ८ के ७ ६गुश ५ चंमं३ २रा १ १२ १० बु र

४२पं.पौ.शु.१३वृ.इ.२३/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	५	८	५	१	९
११	१०	२५	७	१०	१७	१५	११
४२	३०	४२	९	३८	४५	३७	२७
२९	१६	१४	५४	४९	७	२८	१८
६०	१५/३७	९९	१/३५	७२	०/२४	३	६१
५९	व.	१६	व	५६	व	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	चं	२०	५६	श्ले	३२	२७	आ	६	४६	कौ	२०	५६	२६/४५	६/३९	५/२१	१०	१५	३०	सिं ३२।२७	
२	मं	२४	१६	म	३६	४८	सौ	६	३४	ग	२४	१६	४८	३८	२२	११	१६	३१	सिंहे	भ.५५।२६उ.
३	बु	२६	३७	पू	४०	१७	शो	५	४०	वि	२६	३७	५१	३८	२२	१२	१७	१	कं.५५।५१	भ.२६/३७ या.फर्वरी २ता.२९ चतुर्थी व्र.
४	गु	२७	४६	उ	४२	३३	अ	४	४	बा	२७	४६	५४	३७	२३	१३	१८	२	कन्यायां	शतेबुधः २९।१४
५	शु	२७	५९	ह	४४	२	सु	१/३०	५६/३४	तै	२७	५९	५८	३६	२४	१४	१९	३	कन्यायां	
६	श	२७	४	चि	४४	१३	शू	५३	४४	व	२७	४	२७/१	३६	२४	१५	२०	४	तु.१४।१८	भ.२७।४उ.५६।२या.
७	र	२५	०	स्वा	४३	२	गं	४८	२२	ब	२५	०	५	३५	२५	१६	२१	५	तुलायां	
८	चं	२१	४४	वि	४०	५३	वृ	४२	८	कौ	२१	४४	८	३४	२६	१७	२२	६	वृ.२६।२५	धनि.रविः ५०/४५ वक्रीउफा.३गुरुः ५५/३३
९	मं	१७	१८	अ	३७	३६	ध्रु	३४	५३	ग	१७	१८	१२	३४	२६	१८	२३	७	वृश्चिके	भ.४४।२६उ.धनि.रविः सौरः ३।३८
१०	बु	११	३४	ज्ये	३३	१०	व्या	२६	४७	वि	११	३४	१५	३३	२७	१९	२४	८	ध.३३।१०	भ.११।३४या.उषा.शुक्रः १९।४३
११	गु	५	०	मू	२७	३८	ह	१७	४६	बा	५	०	१९	३२	२८	२०	२५	९	धनुषि	षट्तिला ११व्र.
१२	गु	५२	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	शु	४९	१०	पू	२१	३३	व	८/१९	५०/३	ग	२३	१६	२३	३१	२९	२१	२६	१०	म.३४।५७	भ.४९/१० उ.मार्गीभौमः ४६/१३ प्रदोषः
१४	श	४०	४४	उ	१५	८	व्य	४८	३१	बि	१४	५७	२७	३१	२९	२२	२७	११	मकरे	भ.१४।५७या.मकरेशुक्रः ३।२९
३०	र	३२	४०	श्र	८	४५	व	३९	५	च	६	४२	३०	३०	३०	२३	२८	१२	कुं.३५।५७	

४३पं.मा.कृ.४वृ.इ. २३/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	१०	५	८	५	१	९
१८	९	६	६	१९	१७	१५	१८
४९	३६	३१	५१	१७	३५	१५	३५
१	१६	४८	४७	३१	५९	१२	२६
६०	५/५२	८३	३/४	७३	१/१७	३	६१
५५	व.	४९	व.	१४	व.	११	४

गोचरग्रहाः

११ बु शु९ ८ के ७ श गु६ चं ५ ३मं २ रा १ १२ सू१०

कृष्णपक्षकी तिथिघटे शुक्लपक्ष बढ जाय । एकचीजकी क्या कहें सभीचीज बढजाय।। इस मासमें धातु तेज व धान्य मंदे हों ।

गोचर ग्रहाः

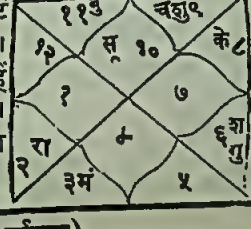

११बु चशु९ के८ ७ ६श गु ५ ३मं २ रा १ १२ सू १०

४४पं.मा.कृ.११वृ.इ.२३/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	१०	५	८	५	१	९
२५	९	१३	६	२७	१७	१४	२५
५४	१८	२४	२५	५७	२३	५२	४२
५०	२४	५४	२३	५०	६	५७	१३
६०	१/१५	३७	४/१३	७३	१/५४	३	६०
४७	व	४८	व.	२०	व.	११	५५

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६००सं२०४०
१	चं २५ २५ | ध ३ ५५ | प ३० २९ | ब २५ २५ | ३७ २९ ३१ २४ २९ १३							कुम्भे	कुंभऽर्क.२९ सौर:३७ वक्रीबुध:३७=
२	मं १९ २८ | पू ५५ २६ | शि २३ ८ | कौ १९ २८ | ३८ २८ ३२ २५ ११ १४							मी४१।१२	बुधास्त:पश्चिमायां ५० सफर२
३	बु १५ १४ | उ ५४ १६ | सि १६ ५७ | ग १५ १४ | ४१ २८ ३२ २६ २ १५							मीने	भ.४४।८उ.
४	गु १३ २ | रे ५५ ३० | सा १२ २२ | वि १३ २ | ४५ २७ ३३ २७ ३ १६							मे.५५।३०	भ.१३।२या.
५	शु १२ ५० | अ ५८ २७ | शु ९ ४१ | बा १२ ५० | ४९ २६ ३४ २८ ४ १७							मेषे	वसंत५ [=चंद्रदर्शनम्
६	श १४ ४९ | भ ६० ० | शु ८ ५३ | तै १४ ४९ | ५३ २५ ३५ २९ ५ १८							मेषे	
७	र १८ ४१ | भ ३ १९ | ब्र ८ ५२ | व १८ ४१ | ५६ २५ ३५ ३० ६ १९							वृ.१९।५४	भ.५९ उ.५१ या.श्रवणेशुक्र:३९ भानु ÷
८	चं २३ ५५ | कृ ९ ३९ | ऐं १० ११ | ब २३ ५५ | २८ २४ ३६ १ ७ २०							वृषे	शतेरवि:५९ सौर:५८ भा.फाल्गुनारंभ×
९	मं ३० ७ | रो १६ ४६ | वै १२ ११ | कौ ३० ७ | ४ २३ ३७ २ ८ २१							मि५०।३४	[×भीष्माष्टमी [÷७रथ७
१०	बु ३६ ४१ | मृ २४ २१ | वि १४ ३० | तै ३ २४ | ८ २२ ३८ ३ ९ २२							मिथुने	वक्रीधनि.बुध:५०।३
११	गु ४३ १ | आ ३१ ५१ | प्री १६ ४५ | व ९ ५१ | १२ २२ ३८ ४ १० २३							मिथुने	भ.९।५१उ.४३।१या.जया११व्र.
१२	शु ४८ ४९ | पु ३८ ५५ | आ १८ ४३ | ब १५ ५५ | १६ २१ ३९ ५ ११ २४							क.२२।९	
१३	श ५३ ५२ | पु ४५ ७ | सौ २० ४ | कौ २१ २१ | २० २० ४० ६ १२ २५							कर्के	वक्रीहस्त.२शनि:१०।४९प्रदोष:
१४	र ५७ १८ | श्ले ५० १ | शो २० २८ | ग २५ ३५ | २४ १९ ४१ ७ १३ २६							सिं५०।१	भ.५७।१८उ.
१५	चं ६० ० | म ५४ ० | अ २० ३ | वि २८ ४० | २८ १८ ४२ ८ १४ २७							सिंहे	भ.२९ या.बुधोदय:पूर्वस्यां५४।३४
१५	मं ० १ | पू ५६ ३९ | सु १८ ४१ | ब ० १ | ३२ १८ ४२ ९ १५ २८							सिंहे	मा.स्ना.पूर्ति:

४५पं.मा.शु.४वृ.इ. ३३/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	९	५	१	१०
२	९	१२	५	६	१७	१४	२
५९	३७	४६	५१	३६	६	३०	४८
४२	२६	५४	१०	४६	५३	४१	१६
६०	५	२४	५८	७३	३	३	६०
२७	मा	व	व	३२	व	११	४२

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले १ चन्द्रे कुंभेऽर्कःप्रविष्टः वा.२ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय:पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

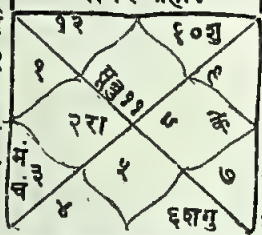

४६पंमा.शु.११वृ.इ.२४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	९	५	१	१०
१०	१०	५	५	१५	१६	१४	९
३	२३	५७	९	१७	४५	८	५२
१४	४२	५९	०	५३	४७	२५	४९
६०	१०	५४	५९	७३	३	३	६०
२५	१६	व	व	४४	व	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	बु १ ११ | उ ५८ ५ | धृ १६ ११ | कौ १ ११ | ३८ ६ ५ १० १६ २९							कं.१२।०	घनि.शुक्र:५३।७
२	गु १ १३ | ह ५८ ३४ | शू १२ ५८ | ग १ १३ | ४० १६ ४४ ११ १७ १							कन्यायां	भ.३०।४३उ.मार्च३ता.३१
३	शु ० १३ | चि ५८ १७ | गं ८ ५९ | वि ० १३ | ४४ १५ ४५ १२ १८ २							तु.२८।२५	भ.१९ या.पातस्पर्श:२९ पातमोक्ष:३५=
४	शु ५८ ३ | ० ० ० ० | ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							० ०	[=चतुर्थीव्र.
५	श ५५ ३६ | स्वा ५७ २ | वृ १२ ५४ | कौ २६ ५६ | ४८ १४ ४६ १३ १९ ३							तुलायां	
६	र ५२ १० | वि ५५ २० | ध्या ५३ ८ | ग २३ ५३ | ५२ १४ ४६ १४ २० ४							वृ.४०।४६	भ.५२ उ.पूभा.रवि:१९ सौर:२७।४५
७	चं ४८ १६ | अ ५२ ४९ | ह ४६ ४७ | वि २० १३ | ५६ १३ ४७ १५ २१ ५							वृश्चिके	भ.२०।१३या.
८	मं ४३ ३६ | ज्ये ४९ ४४ | व ३९ ५० | बा १५ ५६ | २९ १२ ४८ १६ २२ ६							धनुषि	मार्गीधुव:५३ कुंभेशुक्र:१६।१४
९	बु ३८ २५ | मू ४५ ५९ | सि ३२ ३३ | तै ११ ० | ५ ११ ४९ १७ २३ ७							धनुषि	
१०	गु ३२ ३४ | पू ४१ ५३ | व्य २४ ५० | व ५ २९ | ९ १० ५० १८ २४ ८							म.५५।४२	भ.५।२९उ.३२।३४या.
११	शु २६ १६ | उ ३७ १० | व १६ ३६ | बा २६ १६ | १३ ९ ५१ १९ २५ ९							मकरे	कुंभेबुध:४५ वक्रीउफा.२गुरु:३५ रोहि+
१२	श १९ ३८ | श्र ३२ २५ | प ८ ५१ | तै १९ ३८ | १७ ९ ५१ २० २६ १०							मकरे	प्रदोष:+१ राहु:अनु.३केतु:३८ वि.११।
१३	र १३ ४ | ध २७ ५३ | सि ५२ ७ | व १३ ४ | २१ ८ ५२ २१ २७ ११							कुं.०।९	भ.१३ उ.३९ या.शतेशुक्र:४०।५१ ÷
१४	चं ६ ५२ | श २३ ५५ | सा ४४ ५६ | श ६ ५२ | २६ ७ ५३ २२ २८ १२							कुंभे	महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	मं. १ २३ | पू २० ५३ | शु ३८ २८ | ना १ २३ | ३० ६ ५४ २३ २९ १३							मी६।३९	[÷महाशिवरात्रीव्र.स्मा.

४७पं.फा.कृ.२वृ.इ. २४/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	९	५	१	१०
१७	११	०	४	२३	१६	१३	१६
५	४०	१८	२१	५८	२१	४६	४५
२८	५७	८	१८	२३	१४	१०	४५
६०	१४	३४	१५	७३	५०	३	६०
१२	३५	व	व	५०	व	११	२०

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूँग मोठ चावल चांदी सोना रुई कपास बारदाना वस्त्र आदि मंदे हो घृत रसकस तेज हो

गोचर ग्रहाः

४८पं.फा.कृ१०वृ.इ.२४/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	९	५	१०	५	१	१०
२४	१३	२९	३	२	१५	१३	२३
६	२४	५	२९	३८	५३	२३	५७
१४	११	५०	४२	१३	२८	५४	८
५९	१८	४२	४७	७३	४	३	६०
५८	२३	मा	व	५६	व	११	६

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततूरविरुत्तरे ऽहर्गणः३६३०स.२०४०
१	मं	५५	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	५४	३६	उ	१६	२४	शु	३३	२८	बा	२५	५६	३९	६	५५	२४	३०	१४	मीने	मीनेऽर्क.१९सौर:२६चंद्रदर्शनम् ×
३	गु	५३	५०	र	१६	२६	ब्र	२९	५५	तै	२४	१३	३८	४	५६	२५	१	१५	मे.१९।२६	रविलावल३ [×फुलरियार
४	शु	५५	१	अ	२१	१८	ऐं	२७	५२	व	२४	२६	४३	३	५७	२६	२	१६	मेषे	भ.२४।२६उ.५५।१या.
५	श	५८	१	भ	२५	४३	वै	२६	५२	ब	२६	३१	४७	३	५७	२७	३	१७	वृ.४०।१६	उभा.रविः४०।१३(सौर:४६।४२)
६	र	६०	०	कृ	३०	८	वि	२७	२९	कौ	३०	१५	५१	२	५८	२८	४	१८	वृषे	
६	चं	२	२९	रो	३६	४८	प्री	२९	८	तै	२	२९	५५	१	५९	२९	५	१९	वृषे	शतेबुधः३८।५६
७	मं	८	१४	मृ	४४	२	आ	३१	७	व	८	१४	३०	६	०	३०	६	२०	मि१०।२५	भ.८।१४उ.४१।२२या.
८	बु	१४	३१	आ	५१	३८	सौ	३३	३१	ब	१४	३१	३०	५	१	१	७	२१	मिथुने	भा.चैत्रारंभःहोलाष्टकम्
९	गु	२०	४७	पु	५८	५४	शो	३५	४०	कौ	२०	४७	८	५	८	२	८	२२	क.४२।५	पूभा.शुक्रः२६।२३
१०	शु	२६	४६	पु	६०	०	अ	३७	२२	ग	२६	४६	१२	५	८	२	९	२३	कर्के	भ.५९।१५उ.
११	श	३१	४५	पु	५	३२	सु	३८	९	वि	३१	४५	१६	५	७	३	४	१०	२४	कर्के भ.३१।४५या.आमलकी११व्र.
१२	र	३५	१४	श्ले	१०	४४	धृ	३७	५०	ब	३	२९	२१	५	६	४	५	११	२५	सिं१०।४४
१३	चं	३७	१७	म	१४	३०	शू	३६	१७	कौ	६	१५	२५	५	५	५	६	१२	२६	सिंहे प्रदोषः
१४	मं	३७	३८	पू	१६	४३	गं	३३	२४	ग	७	२७	२९	५	४	६	७	१३	२७	कं.३१।५५ भ.३७।३८उ.
१५	बु	३६	२७	उ	१७	३१	बृ	२९	३२	वि	७	२	३३	५	३	७	८	१४	२८	कन्यायां भ.७या.पुन.भौमः२३होलिकादहनम्

४९पं.फा.शु.३वृ.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	१०	५	१	११
१	१५	३	२	११	१५	१३	०
५	२७	४९	३६	१८	२३	१	१६
३१	५०	४१	२५	२२	१७	३९	५०
५९	२१	४०	५७	७४	२५	३	५९
१	७	१४	वं	२	वं	११	४९

फाल्गुन शुक्ले २ बुधे मीनेऽर्क.प्रविष्टःवा ३ न. २ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

५०प.फा.शु.९वृ.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	१०	५	१	११
८	१७	१०	१	१९	१४	१२	७
३	५०	३९	४२	५८	५२	३९	५४
१८	२८	४	४	४१	५३	२३	४५
५९	२३	६२	५३	७४	४०	३	५९
२९	४३	१९	बं	८	वं	११	३५

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वसंततूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.
१	गु	३३	५८	ह	१६	५२	धु	२४	३२	बा	५	१२	३७	५३	६	९	१५	२९	तु.४६।०	वसंत१छारेंडी
२	शु	३०	२२	चि	१५	९	व्या	१८	४८	तै	२	१०	४१	५२	८	१०	१६	३०	तुलायां	भ.५६उ.पूभा.बुधः३मीनेशुक्रः२३
३	श	२६	५	स्वा	१२	४१	ह	१२	२९	वि	२६	५	४५	५१	९	११	१७	३१	बृ.५५।२७	भ.२६या.रेवत्यांरविः४७सौरः१६व्र.
४	र	२१	१५	वि	९	४२	व	४७	५३	बा	२१	१५	४९	५०	१०	१२	१८	१	वृश्चिके	अप्रेल४ता.३०
५	चं	१६	२१	अ	६	३५	व्य	५१	५३	तै	१६	२१	५३	४९	११	१३	१९	२	वृश्चिके	उभा.शुक्रः१४।२
६	मं	११	१०	ज्ये	३	५६	व	४४	४७	व	११	१०	५७	४९	११	१४	२०	३	ध.३।१३	भ.११।१०उ.३८।३७या.
७	बु	६	४	पू	५६	३२	प	३७	४०	ब	६	४	३१	४८	१२	१५	२१	४	धनुषि	
८	गु	०	५९	उ	५३	१६	शि	३०	४०	कौ	०	५९	५	४७	१३	१६	२२	५	म.१०।४३	मीनेबुधः५०वक्रीउफा.१सिंहेगुरुः=
९	गु	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=२३।५६शीतलापूजनम्
१०	शु	५०	४२	श्र	४९	५९	सि	२३	३७	व	२३	४४	१०	४६	१४	१७	२३	६	मकरे	भ.२३।४४उ.५०।४२या.
११	श	४५	३८	ध	४७	२	सा	१७	०	ब	१८	१०	१४	४५	१५	१८	२४	७	कुं.१८।३१	उभा.बुधः५९।०पापमोचनी११व्र.
१२	र	४१	८	श	४४	३४	शु	१०	२७	कौ	१३	२३	१८	४४	१६	१९	२५	८	कुंभे	
१३	चं	३७	१५	पू	४२	३९	शु	३	५४	ग	९	११	२२	४४	१६	२०	२६	९	मी२८।८	भ.३७।१५उ.प्रदोषः
१४	मं	३४	७	उ	४१	३३	ऐं	५४	२२	वि	५	४१	२६	४३	१७	२१	२७	१०	मीने	भ.५।४१या.
१५	बु	३२	१७	रे	४१	५७	वै	५०	४८	च	३	१३	३०	४२	१८	२२	२८	११	मे.४१।५७	मन्वादि·

५१पं.चै.कृ.१वृ.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	१०	५	१	११
१४	२०	१९	०	२८	१४	१२	१४
५९	२७	११	४९	३७	२२	१७	५०
१०	११	३१	८	५५	१	७	५७
५९	२६	७९	७	७४	४०	३	५९
१६	२५	५५	वं	१४	वं	११	१८

इस मास में धान्य वाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं जो चना मंदे होवे धातु सोना चांदी रुई में घटा वढी चले।

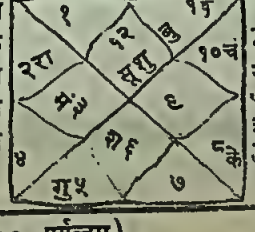

५२पं.चै.कृ.८वृ.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	४	११	५	१	११
२१	२३	२९	२९	७	१३	११	२१
५३	२०	२१	५९	१७	४९	५४	४५
३१	६	५०	४६	४९	१६	५२	८
५९	२७	२३	४	७४	३८	३	५९
४	५८	२९	वं	२०	वं	११	४

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१४१, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१४१, भोग्यकलिः४२६८५९, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०९७, शाकः १९६२, अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री शुक्रः । सस्येशश्चंद्रः । धान्येशः शनिः । मेघेशो गुरुः । रसेशो बुधः । नीरसेशश्चंद्रः । फलेशो गुरुः । धनेशो रविः।दुर्गेशो गुरुः।एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्येऽस्मिन्हविंशतिकायां ८ भावनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः ३।२२।१।५२।१२ भोग्यमासादिः ८।७।५८।७।४८ बार्हस्पत्यदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम फाल्गुनः। मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे । समयविश्वा २० समयवाहनम् चातकः। स्तंभो २ अन्नवार्ख्योः। सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी १ रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३५५ तिथिक्षयः१५, तिथिवृद्धिः१० उत्पत्ति विश्वा ८७ खपतिं विश्वा ११४ वर्षाविश्वा १७ धान्यम् ५ तृणम् ९, शीतम् ५ तेजः ९, वायुः ५ वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः १७, ऐक्यम् ८१, शनिदृष्टिर्दक्षिणे । सत्यं ॥ धर्म १॥ पापं १८ ग्रहण१ चंद्रमसः।

सं. २०९७ कार्तिक शु.१५ रवौ खग्रास चन्द्र ग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	१०	११	१२	१	२
मि.	४६	५३	३६	१९	२७
घं.	४०	४३	४५	४७	४९
प.	४७	३६	२३	१०	५९

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी ज्वालामुखी करिये सदा सहाय ।
सात नवति की साल में कहिये मन हर्षाय ॥

भवानी उत्तर

सत राखे सत्याणवे वर्षे सुन्दर मेह ।
अन्न धन जन सुख ऊपजे राज प्रजा में नेह ॥
सौम्यग्रहां इस वर्ष में लिया आठ अधिकार ।
संवत् होसी सांतरो सुख पावे संसार ॥
सतरा वर्षा वृष्टि है संवत् विश्वा बीस ।
अन्न घणेरा नीपजे भूमि और गिरीश ॥
धान्याधिप दिन मणि तनय चालें अपनी चाल ।
पकी पकाई साख में टीडी करे कमाल ॥
गत वर्षों की पीड़ को जनता जासी भूल ।
ईश कृपा से जगत् में सभी होय अनुकूल ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्ष लग्नम् ६।२

वर्षेश लग्नम् ७।२३

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१८।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२४।४

=वृशुवंर

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः फलम् ॥ गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले काम दुधाश्च धेनवः । यजन्ति विप्राः बहवोग्नि होत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ॥ मंत्री शुक्रः फलम् ॥ भृगुसुते ननु मंत्रि समागते शलभ मूषक मूषकरोहिषः भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ॥ सस्येशः चन्द्रः फलं ॥ सस्याधिपे शीतकरे प्रजा सुखं मेघः पयो मुंचति गोपगोधुक् देवद्विजाराधन तत्परा नृपा धरा भवेद्धान्य धनौघ पूर्णा ॥ धान्येशः शनिः फलम् ॥ निर्धना क्षिति भुजो रणादराः सस्यमल्प मति रोगिणो नराः । नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्याद्यदांत्य कणपः शनैश्चरः ॥ मेघेशः गुरुः फलम् ॥ गुरुरपि प्रिय वृष्टिकरः सदाखिल विलासवती धरणीतदा । श्रुति विचार परा नरपालका रस समृद्धियुताखिल मानवाः ॥ रसेशः बुधः फलम् ॥ रसपतौ द्विजराज सुते मही सुलभ धान्य घृतादि युता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहु जलाखिल देश सुरक्षिता ॥ नीरसेशः चन्द्रः फलम् ॥ शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजतवाससां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ॥ फलेशः गुरुः फलम् ॥ सुरगुरु फलनायकतां गतो गतभया वनराशि महाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सव मन्दिराः श्रुतिविचार परा द्विजपूर्वकाः ॥ घनेशः रविः फलम् ॥ द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहु द्रव्य समागमः । गजतुरंगम मेष खरोष्ट्रतो घनचयं लभते क्रयविक्रयात् ॥ दुर्गेशः गुरुः फलम् ॥ सुरगुरौ गढपे नवशोभिता नरवरा नरपाः करपालिताः गिरिषु वै नगरेषु समंसुखं सुखमति द्विज शस्त्रवतोऽनिशम् ॥ भावनाम संवत्सरः फलम् ॥ भावाब्दे प्रचुरा रोगाः मध्यः सस्यार्घ वृष्टयः । राजानो युद्ध निरताः तथापि सुखिनो जनाः ॥ वर्षनाम फाल्गुनः फलम् ॥ सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्य पश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे शुभम् ॥ मेघनाम आवर्तः फलम् ॥ आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् ॥ रोहिणी निवास्तटे फलम् ॥ तटेवृष्टिः सुशोभनाः ॥ समयनिवासो रजक गृहे फलम् ॥ रजके वृष्टिरुत्तमा ॥ एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०९७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला ५ चन्द्रे मृगे ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽअऽऽ।।

आषाढ मासः

शुक्ला ३ गुरौ मघा ल. ऽन्यगो १ रे. ६ ।।।।ऽरो।।।।

,, ६ रवौ उफा ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।ऽबृ।।ऽअ।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ६ बुधे उफा ल.५रे.८ ।।।।।।।ऽ।ऽदग्धा२७-४६उ.

,, १० गुरौ हस्ते ल. ५ रे. ७ ।।।।ऽनृऽऽ।।

शुक्ला १० गुरौ रेव ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।।

माघ मासः

कृष्णा २ शनौ मघा ल. ८ रे. ८ ऽ।।ऽ।।।।।

,, ४ चन्द्रे उफा ल. ८ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।

,, ५ भौमे उफा ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽऽरो।ऽ।।

,, ५ भौमे हस्ते ल. ८ (घ.५१-५१या) रे. ८ ।।।।।ऽरो।ऽ।।

,, ६ बुधे हस्ते ल. गो. रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।

, १२ भौमे मलें ल. ८ (घ.४६-५२या) रे. ६ ।।।।।ऽचौ५३याऽऽ।ऽ दग्धा

माघ मासः

शुक्ला ५ भौमे रेव ल. ऽन्यगो (७मेभौमः) ल. ८ रे. ६ ।।।।।ऽनु।।।।

,, ६ शनौ रोहि ल. गो. ८ (वृश्चिकेचं.७पू.) रे. ७ ।।।।।ऽरो।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ चन्द्रे उफा ल. गो ८ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।

,, ६ चन्द्रे मूले ल. ऽन्यगो ८ रे.८ ।।।।।।नु३५उऽऽ।।

,, ११ बुधे उषा ल. ८-६ रे. ६ ऽऽ।।।।ऽऽ।।

शुक्ला २ चन्द्रे रेव ल. ८-६ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।।

,, ६ शुक्रे रोहि ल. ऽन्यगो ८-१० रे. ८।।।।।।ऽ।। (वृश्चिकेचं.७पू.)

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६५९स.२०४०
१	गु	३१	३७	अ	४३	३५	वि	४८	१५	किं	१	५७	३१/३४	५/४१	६/१९	२३	२९	१२	मेषे	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	शु	३२	४०	भ	४६	५४	प्री	४७	३३	बा	२	८	३८	४०	२०	२४	३०	१३	मेषे	अश्वि.मेषेऽर्कः ४१/४९ सौरः ५०/४३ रेवत्यां =
३	श	३५	२८	कृ	५१	२८	आ	४७	१७	तै	४	४	४२	४०	२०	२५	१	१४	वृ.३।२	रविलाखर४मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	र	३९	३५	रो	५७	३५	सौ	४८	२६	व	७	३१	४६	३९	२१	२६	२	१५	वृषे	भ.७/३१ उ.३९/३५ या.रेवत्यांबुधः४१।७
५	चं	४४	५२	मृ	६०	०	शो	५०	१२	ब	१२	१३	५०	३८	२२	२७	३	१६	मि३१।०	[=शुक्रः १/३९ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
६	मं	५०	५९	मृ	४	२३	अ	५२	४३	कौ	१७	५६	५३	३७	२३	२८	४	१७	मिथुने	
७	बु	५७	७	आ	११	५९	सु	५५	२	ग	२४	३	५७	३७	२३	२९	५	१८	मिथुने	भ.५७/७ उ.बुधास्तः पूर्वस्यां२९।३१
८	गु	६०	०	पु	१९	२२	धृ	५७	१०	वि	३०	१३	३२/१	३६	२४	३०	६	१९	क.२।३१	भ.३०।१३या.
८	शु	३	१९	पु	२६	३५	शू	५८	३७	ब	३	१९	५	३५	२५	३१	७	२०	कर्के	कर्केभौमः२५।१०रामनवमीस्मा.
९	श	८	३४	श्ले	३२	२९	गं	५८	५४	कौ	८	३४	९	३४	२६	१	८	२१	सिं३२।२९	भा.वैशाखारभः रामनवमीवै.
१०	र	१२	२०	म	३७	२	बृ	५७	५७	ग	१२	२०	१२	३४	२६	२	९	२२	सिंहे	भ.४३/२९ उ.अश्वि.मेषेबुधः४१।२
११	चं	१४	३८	पू	३९	४३	ध्रु	५५	३८	वि	१४	३८	१६	३३	२७	३	१०	२३	कं.५४।५७	भ.१४/३८ या.अश्वि.मे.शुक्रः ५२/९ कामदा११
१२	मं	१४	५९	उ	४०	४१	व्या	५१	४७	बा	१४	५९	२०	३२	२८	४	११	२४	कन्यायां	शुक्रास्तः पूर्वस्यां३४।४८प्रदोषः
१३	बु	१३	२२	ह	३९	४८	ह	४६	२८	तै	१३	२२	२३	३१	२९	५	१२	२५	कन्यायां	[=२५।२९हनुमज्जयंती
१४	गु	९	५९	चि	३७	१८	व	३९	५९	व	९	५९	२७	३१	२९	६	१३	२६	तु.८।३३	भ.९।५९उ.३७।३६या.
१५	शु	५	१३	स्वा	३३	३९	सि	३२	३७	ब	५	१३	३१	३०	३०	७	१४	२७	तुलायां	भरण्यांरविः २१/५९ सौरः ३२/८ पुष्येभौमः=

१ पं.चै.शु.२शु.इ. ४१/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	४	११	५	१	११
०	२६	१३	२९	१७	१३	११	२९
०	५५	४	९	२९	१२	२८	५१
०	१२	२४	११	४६	११	४७	२३
५८	२९	७/१०	५/६	७४	४/१६	३	५८
४४	२६	२८	व	२६	व	११	४५

२पं.चै.शु ८शु.इ. ४२/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	४	११	५	१	०
६	०	२६	२८	२६	१२	११	६
५०	८	४	३२	८	४२	६	४१
४६	३८	१२	४६	३१	४७	३२	३४
५८	३०	७/११	४/३७	७४	३/५९	३	५८
३१	३९	५५	व	२६	व	११	२९

३पं.चै.शु.१५शु.इ. ४२/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	४	०	५	१	०
१३	३	१०	२८	४	१२	१०	१३
३९	२८	१७	२	४५	१६	४४	२९
५०	५५	६	२४	५४	५	१६	५९
५८	३१	२५/५३	३/३४	७४	३/४४	३	५८
१९	४६		व	२६	व	११	१२

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	५२	४०	वि	२९	१	व्य	२४	३२	तै	२५	५८	३२/३४	५/२९	६/३१	८	१५	२८	वृ.१५।१०	[×बुधोदयः पश्चिमे४९।२०
३	र	४५	४६	अ	२४	१४	व	१६	१८	व	१९	१३	३८	२८	३२	९	१६	२९	वृश्चिके	भ.१९/१३ उ.४५/४६ या.भरण्यांबुधः १२/४१
४	चं	३८	५०	ज्ये	१९	१४	प	७/५२	५१/५३	ब	१२	१८	४१	२८	३२	१०	१७	३०	ध.१९।१४	चतुर्थीव्र.
५	मं	३२	२०	मू	१४	४०	सि	५१	५२	कौ	५	३५	४५	२७	३३	११	१८	१	धनुषि	मई५ता.३१
६	बु	२६	१४	पू	१०	२२	सा	४४	२८	व	२६	१४	४८	२६	३४	१२	१९	२	म.२४।२८	भ.२६/१४ उ.५३/२७ या.
७	गु	२०	४१	उ	६	४५	शु	३७	२३	ब	२०	४१	५२	२६	३४	१३	२०	३	मकरे	
८	शु	१५	५७	श्र	३	४३	शु	३१	१६	कौ	१५	५७	५५	२५	३५	१४	२१	४	कु.३२।३४	भरण्यांशुक्र ३९।११
९	श	११	४१	ध	१/२५	५८/३४	ब्र	२५	३१	ग	११	४१	५८	२४	३६	१५	२२	५	कुंभे	भ.४०।३उ.कृत्ति.बुधः१९।१०
१०	र	८	२६	पू	५९	१८	ऐं	२०	३१	वि	८	२६	३३/२	२४	३६	१६	२३	६	मी४४।२८	भ.८।२६या.बृषेबुधः५४।१२
११	चं	५	४७	उ	५९	२५	वै	१६	११	बा	५	४७	५	२३	३७	१७	२४	७	मीने	वरुथिनी११व्र.
१२	मं	४	८	रे	६०	०	वि	१२	३१	तै	४	८	८	२२	३८	१८	२५	८	मीने	प्रदोषः
१३	बु	३	३३	रे	०	३२	प्री	९	५६	व	३	३३	११	२२	३८	१९	२६	९	मे.०।३२	भ.३।३३उ.३३।४४या.
१४	गु	३	५५	अ	२	४८	आ	८	६	श	३	५५	१४	२१	३९	२०	२७	१०	मेषे	[+३९/२० कृत्ति.४राहुःअनु.२केतुः ३८।२×
३०	शु	५	४३	भ	६	१६	सौ	७	३०	ना	५	४३	१७	२१	३९	२१	२८	११	वृ.२२।२६	कृत्ति.रविः ७/५८ सौरः १६/० रोहि.बुधः+

४पं.वै.कृ.८शु.इ. ४२/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	४	०	५	१	०
२०	६	२५	२७	१३	११	१०	२०
२७	५७	२२	४१	२४	५३	२२	१६
२९	१८	५५	३५	११	३८	०	४६
५८	३२	१२६/१७	२/१२	७४	३/४	३	५७
६	३९		व	३२	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले २ शुक्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवाऽवस्था (सुती) मु. १५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

५पं.वै.कृ.३०शु.इ. ४२/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	४	०	५	१	०
२७	१०	१०	२७	२२	११	९	२७
१३	३३	६	२८	१	३३	५९	२
३७	०	५०	४८	५५	४	४५	०
५७	३३	९/११	०/२७	७४	२/२५	३	५७
५४	२५	४१	व	३२	व	११	४५

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

+बुराचं

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहगणः३६८९स.२०४०
१	श	८	४२	कृ	१०	५६	शो	७	१९	ब	८	४२	३३/२०	५/२०	६/४०	२२	२९	१२	वृषे	चद्रदर्शनम्
२	र	१२	५२	रो	१६	४९	अ	८	१९	कौ	१२	५२	२३	१९	४१	२३	१	१३	मि५०।५	जमादिलावल५परशुरामजयंती
३	चं	१८	९	मृ	२३	२२	सु	९	५६	ग	१८	९	२६	१९	४१	२४	२	१४	मिथुने	भ.५१/९उ.बृषेऽर्कः३५/१३सौरः४७/५३मार्गी +
४	मं	२४	९	आ	३०	५६	धृ	११	५९	वि	२४	९	२८	१८	४२	२५	३	१५	मिथुने	भ.२४।९या.कृत्ति.शुक्रः३०।५०
५	बु	३०	१९	पु	३८	३७	शू	१४	२९	बा	३०	१९	३१	१८	४२	२६	४	१६	क.२१।४२	[+गुरुः४२/४५अक्षया३
६	गु	३६	३२	पु	४६	७	गं	१७	८	कौ	३	२५	३४	१७	४३	२७	५	१७	कर्के	
७	शु	४२	१५	श्ले	५२	५४	बृ	१९	१४	ग	९	२३	३७	१७	४३	२८	६	१८	सिं५२।५४	भ.४२/१५उ.मृगेबुधः५९/२७बृषेशुक्रः९।२१
८	श	४६	४३	म	५८	२९	ध्रु	२०	२५	वि	१४	२९	३९	१६	४४	२९	७	१९	सिंहे	भ.१४।२९या.
९	र	४९	४३	पू	६०	०	व्या	२०	३८	बा	१८	१३	४२	१६	४४	३०	८	२०	सिंहे	
१०	चं	५०	४६	पू	२	२६	ह	१९	२२	तै	२०	१४	४४	१५	४५	३१	९	२१	कं.१७।५८	
११	मं	४९	५५	उ	४	३४	व	१६	३७	व	२०	२१	४७	१५	४५	१	१०	२२	कन्यायां	भ.३०/२१उ.४९/५५या.भा.ज्येष्ठारंभः×
१२	बु	४६	५२	ह	४	३७	सि	१२	१४	ब	१८	२३	४९	१४	४६	२	११	२३	तु.३३।४०	मिथुनेबुधः१४।५आश्लें.भौमः २४।१७
१३	गु	४१	५३	चि	२/४३	५६/२४	व्य	६/१४	५२/३५	कौ	१४	२२	५२	१४	४६	३	१२	२४	तुलायां	रोहि.रविः५८/३६प्रदोषः[×मोहिनी११व्र.
१४	शु	३५	१७	वि	५३	५२	प	५०	१९	ग	८	३५	५४	१३	४७	४	१३	२५	वृ.४०।११	भ.३५/१७उ.रोहि.रविःसौरः१३/५५नृसिंहजयं
१५	श	२७	२८	अ	४७	४५	शि	४०	५०	वि	१	२२	५६	१३	४७	५	१४	२६	वृश्चिके	भ.२१/२२या.रोहि.शुक्रः१८/५६यमायकुंभदानं

६पं.वै.शु.७शु.इ. ४२/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	४	१	५	१	१
३	१४	२२	२७	०	११	९	३
५८	१४	५१	२५	३८	१७	३७	४५
४४	२	५०	९	३५	२४	२९	४५
५७	३३	०/४	०/३६	७४	१/४६	३	५७
४४	५५		मा	३२	व	११	३४

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले ३ चन्द्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रास्तःपूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

७पं.वै.शु.१४शु.इ. ४३/०

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	४	१	५	१	१
१०	१८	३	२७	९	११	९	१०
४२	०	७	२९	१५	६	१५	२७
४०	११	४१	५६	२२	१८	१४	५६
५७	३४	७५	१	७४	१/१३	३	५७
३५	४१	३७	४४	३८	ब	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	र	१९	३	ज्ये	४१	१७	सि	३१	११	कौ	१९	३	३३/५८	५/१२	६/४८	६	१५	२७	ध.४१।१७	
२	चं	१०	१४	मू	३४	३७	सा	२१	२३	ग	१०	१४	३४/०	१२	४८	७	१६	२८	धनुषि	भ.३५।५७उ.आर्द्रा.बुधः३१।२८
३	मं	१	४१	पू	२८	१६	शु	११	४४	वि	१	४१	२	१२	४८	८	१७	२९	म.४१।५५	भ.१।४१या.चतुर्थीव्र.
४	मं	५१	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	बु	४६	२३	उ	२२	५३	शु	२/४५	५१/४६	कौ	२०	०	३	११	४९	९	१८	३०	मकरे	
६	गु	४०	२४	श्र	१८	२८	ऐं	४७	२०	ग	१३	२३	५	११	४९	१०	१९	३१	कुं.४६।५१	भ.४०।२४उ.
७	शु	३५	३४	ध	१५	१४	वै	४१	३	वि	७	५९	७	११	४९	११	२०	१	कुंभे	भ.७।५९या.जून६ता.३०
८	श	३२	९	श	१३	२१	वि	३५	५३	बा	३	५१	९	१०	५०	१२	२१	२	मी५७।५२	
९	र	२९	५४	पू	१२	४२	प्री	३१	५३	तै	२	१	१०	१०	५०	१३	२२	३	मीने	भ.५९।२६उ.
१०	चं	२८	५९	उ	१३	१०	आ	२८	४३	वि	२८	५९	१२	१०	५०	१४	२३	४	मीने	भ.२८।५९या.
११	मं	२९	२५	रे	१५	१०	सौ	२६	४६	बा	२९	२५	१३	९	५१	१५	२४	५	मे.१५।१०	अपरा११व्र.
१२	बु	३१	४	अ	१८	१३	शो	२५	३७	कौ	०	१५	१५	९	५१	१६	२५	६	मेषे	मृगेशुक्रः११।५१प्रदोषः
१३	गु	३३	४१	भ	२२	२३	अ	२५	४१	ग	२	२२	१६	९	५१	१७	२६	७	वृ.३८।४०	भ.३३।४१उ.मृगेरविः५३।२८
१४	शु	३७	२२	कृ	२७	३३	सु	२५	५३	वि	५	३२	१७	९	५१	१८	२७	८	वृषे	भ.५।३२या:मृगरविःसौरः१२।४५
३०	श	४२	०	रो	३३	४३	धृ	२७	८	च	९	४१	१८	८	५२	१९	२८	९	वृषे	वटपूजनम्

८पं.ज्ये.कृ.७शु.इ. ४३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	४	१	५	१	१
१७	२१	१०	२७	१७	११	८	१७
२५	४९	२३	४४	५२	१	५२	९
२६	५९	५६	३१	५९	१८	५८	२
५७	३५	३३	३	७४	०/२२	३	५७
२७	२८	४६	१०	३८	वे.	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धातु सोना चाँदी धान्य गेहूं जो बाजरा मूंग मोठ रसकस तेज हो प्रजा में रोग शोक फैले प्रजा दुःखी रहे

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.कृ.१४शु.इ. ४३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	४	१	५	१	१
२४	२५	१४	२८	२६	१०	८	१३
७	४३	१७	६	२८	५९	३०	४८
३०	१२	३५	४	८	२	४२	५८
५७	३५	६	४	७४	०/१६	३	५७
२२	४७	४७	१८	३८	मा	११	५

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३७१८स.२०४०
१	र	४७	१६	मृ	४०	२५	शू	२८	४९	किं	२४	३८	३४/१९	५/८	६/५२	२०	२९	१०	मि.७।४	वक्रीबुध:३९।९
२	चं	५३	१९	आ	४७	४१	गं	३०	५९	बा	२०	१७	१९	८	५२	२१	३०	११	मिथुने	मिथुनेशुक्र:३३/२५चंद्रदर्शनम्
३	मं	५९	३०	पु	५५	१५	बृ	३३	३४	तै	२६	२५	२०	८	५२	२२	१	१२	क.३८।२२	जमादिलाखर६
४	बु	६०	०	पु	६०	०	ध्रु	३५	५५	व	३२	३८	२१	८	५२	२३	२	१३	कर्के	भ.३२/३८उ.
४	गु	५	४७	पु	२	५१	व्या	३८	२६	वि	५	४७	२१	८	५२	२४	३	१४	कर्के	भ.५।४७या.मिथुनेऽर्क:५२।२
५	शु	११	४०	श्ले	१०	१६	ह	४०	२९	बा	११	४०	२२	८	५२	२५	४	१५	सिं१०।१६	मिथुनेऽर्क:सौर:१३/३३
६	श	१६	३२	म	१६	३५	व	४१	२६	तै	१६	३२	२२	८	५२	२६	५	१६	सिंहे	मघा.सिंहेभौम:१५/३०बुधास्त:पश्चिमे२६/१
७	र	२०	१७	पू	२१	५५	सि	४१	२७	व	२०	१७	२३	७	५२	२७	६	१७	क.३७।४९	भ.२०/१७उ.५१/२६या.आर्द्रा.शुक्र:०/३६
८	चं	२२	३५	उ	२५	३३	व्य	४०	४	ब	२२	३५	२३	७	५३	२८	७	१८	कन्यायां	
९	मं	२२	४६	ह	२७	१४	व	३७	११	कौ	२२	४६	२३	७	५३	२९	८	१९	तु.५७।९	
१०	बु	२१	५	चि	२७	४	प	३२	४३	ग	२१	५	२४	७	५३	३०	९	२०	तुलायां	भ.४९।९उ.गंगादशमी
११	गु	१७	१३	स्वा	२५	२	शि	२६	३३	वि	१७	१३	२४	७	५३	३१	१०	२१	तुलायां	भ.१७/१३या.आर्द्रा.रवि:५०/५७मार्गी शनि: ×
१२	शु	११	२५	वि	२०	४०	सि	१८	५२	बा	११	२५	२४	७	५३	१	११	२२	वृ.६।४६	आर्द्रारवि:सौर:१५।६भा.आषाढारंभ:
१३	श	३	५६	अ	१४	५९	सा	९/४९	५०/५	तै	३	५६	२४	७	५३	२	१२	२३	वृश्चिके	भ.५५।११उ.प्रदोष:
१४	श	५१	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×४६।५७निर्जला११व्र.
१५	र	४५	३५	ज्ये	८	२	शु	४९	२१	वि	२०	२३	२४	७	५३	३	१३	२४	ध.८।२	भ.२०/२३या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

१०पं.ज्य.शु.५शु.इ. ४३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	४	२	५	१	२
०	२९	१४	२८	५	११	८	०
४८	४०	४२	३६	३	३	८	२८
४७	२६	२९	२२	४३	२२	२७	७
५७	३६	१७/४६	५	७४	१	३	५६
१७	१३	व	२६	३२	१	११	५७

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले ४ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रास्तःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

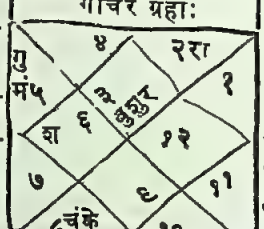

११पं.ज्ये.श१२शु.इ.४३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	२	५	१	२
७	३	११	२९	१३	११	२७	७
२९	४०	५६	१४	४०	११	४६	६
४२	५५	४९	१३	२६	४९	११	३४
५७	३६	३२/३८	६	७४	१	३	५६
१३	४७	व	३०	३२	३४	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.
१	चं	३५	४०	मू	०/२२	५२/१५	ब्र	३८	३८	बा	१०	३७	३४/२३	५/७	६/५३	४	१४	२५	धनुषि	
२	मं	२५	५३	उ	४५	११	ऐं	२८	५	तै	०	४६	२३	७	५३	५	१५	२६	म.५।४५	भ.५१।१९उ.
३	बु	१६	४५	श्र	३८	४०	वै	१८	१	वि	१६	४५	२२	८	५२	६	१६	२७	मकरे	भ.१६।४५या.पुन.शुक्र:५३/११चतुर्थीव्र.
४	गु	८	४४	ध	३३	२५	वि	८	५५	बा	८	४४	२२	८	५२	७	१७	२८	कुं.६।२	
५/६	शु	२/५५	७/१३	श	२९	३७	प्री	०/५५	५३/२८	तै	२	७	२१	८	५२	८	१८	२९	कुंभे	भ.५७/२०उ.उफा.२कन्यायांगुरु:५३।६
७	श	५४	१४	पू	२७	३८	सौ	४९	७	वि	२५	४७	२०	८	५२	९	१९	३०	मी.१३।८	भ.२५।४७या. [+स्पर्श:५८।२
८	र	५२	५७	उ	२७	१७	शो	४५	३६	बा	२३	३६	१९	८	५२	१०	२०	१	मीने	जुलाई७ता.३१
९	चं	५३	२४	रे	२८	४८	अ	४३	१२	तै	२३	११	१८	८	५२	११	२१	२	मे.२८।४८	वक्रीमृगेबुध:२७/१५शुक्रोदय:पश्चिमे३६/०
१०	मं	५५	१७	अ	३१	५७	सु	४२	७	व	२४	२१	१७	९	५१	१२	२२	३	मेषे	भ.२४।२१उ.५५।१७या.
११	बु	५८	३२	भ	३६	२८	धृ	४२	२०	ब	२६	५४	१६	९	५१	१३	२३	४	वृ ५२।५१	योगिनी११व्र.
१२	गु	६०	०	कृ	४१	५९	शू	४३	५	कौ	३०	४८	१५	९	५१	१४	२४	५	वृषे	पुन.रवि:४९/३७पूर्वोदयंबुध:३/१७पात +
१२	शु	३	५	रो	४८	२३	गं	४४	३४	तै	३	५	१४	९	५१	१५	२५	६	वृषे	पुन.रवि:सौर:१९/८कर्केशुक्र:०/५६ ×
१३	श	८	१८	मृ	५५	२८	वृ	४६	३७	व	८	१८	१३	९	५१	१६	२६	७	मि.२१/५५	भ.८।१८उ.४१।८या.
१४	र	१३	५९	आ	६०	०	ध्रु	४८	५३	श	१३	५९	११	१०	५०	१७	२७	८	मिथुने	मार्गीबुध:५२/१९पुष्येशुक्र:४२/९पूफा. ÷
३०	चं	२०	११	आ	२	४७	व्या	५०	३०	ना	२०	११	१०	१०	५०	१८	२८	९	क५३।२९	[÷भौम५८।५६[×पातमोक्ष:२१/१प्रदोष

१२पं.आ.कृ.५शु.इ. ४२/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	२	५	१	२
१४	७	८	२९	२२	११	७	१३
१०	४६	८	५८	१६	२५	२३	४४
८	१	४६	४४	२३	२३	५६	३९
५७	३७	३२/२५	७	७४	२	३	५६
७	७	व	३०	३२	१९	११	५०

गोचर ग्रहाः

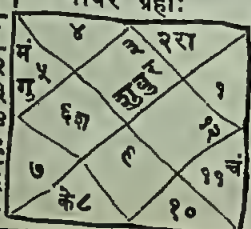

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी मंदे हो गुड़ सक्कर चीनी घृत तेल तेज हो वर्षा अच्छी हो

गोचर ग्रहाः

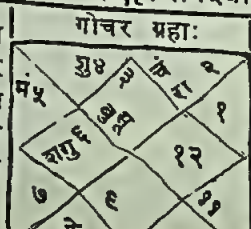

१३पं.आ.कृ१२शु.इ. ४२/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र.
२	४	२	५	३	५	१	२
२०	११	५	०	०	११	७	२०
५०	५४	५९	५०	५२	४३	१	२२
३५	४	४९	१०	१	४४	४०	३३
५७	३७	९/३७	८	७४	२	३	५६
७	३७	व	३२	२६	५८	११	५०

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	बर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७४८स.२०४०
१	मं २६ ६ पु १० २३ ह ५३ ५९ व २६ ६	३४ ८	१०	५०	१९	२९	१०	कर्के	चंद्रदर्शनम्
२	बु ३२ १७ पु १७ ५० व ५६ १९ कौ ३२ १७	७	११	४९	२०	१	११	कर्के	आर्द्रांबुधः २९ रज्जव७रथयात्रा
३	गु ३७ ५१ श्ले २५ ७ सि ५८ ३ ते ५ ४	५	११	४९	२१	२	१२	सिं २५।७	
४	शु ४२ ४९ म ३१ २८ व्य ५९ २२ व १० २०	३	११	४९	२२	३	१३	सिंहे	भ. ३० उ. ४२ या. कृत्ति. ३ राहुः अनु. १ =
५	श ४६ ४६ पू ३७ १० व ५९ ५९ व १४ ४७	१	१२	४८	२३	४	१४	कं. ५३।२१	[=केतुः ३१।२५
६	र ४९ २९ उ ४१ ५५ प ५९ ४१ कौ १८ ७	३३ ९	१२	४८	२४	५	१५	कन्यायां	
७	चं ५० ४३ ह ४५ ५ शि ५८ २ ग २० ९	५७	१३	४७	२५	६	१६	कन्यायां	भ. ५९ उ. कर्केऽर्कः १३ सौर: ५१।५२)
८	मं ५० २२ चि ४६ ४० सि ५५ १४ वि २० ३२	५५	१३	४७	२६	७	१७	तु. १५।५२	भ. २०।३३या.
९	बु ४८ ५ स्वा ४६ २० सा ५० ५० ब्रा १९ १३	१२	१४	४६	२८	८	१८	तुलायां	
१०	गु ४४ १ वि ४४ १३ शु ४४ ५४ ते १६ ३	१०	१४	४६	२८	९	१९	वृ. २९।४५	पुष्यरविः ४९ आश्ले.शुक्रः ३४।४
११	शु ३८ ११ अ ४० १७ शु ३७ २७ व ११ ६	४८	१४	४६	२९	१०	२०	वृश्चिके	भ. ११ उ. ३६ या. पुष्ये रविः सौर: २२।३३÷
१२	श ३० ३८ ज्ये ३४ ५० ब्र २८ ५५ ब ४ २५	५५	१५	४५	३०	११	२१	ध. ३४।५०	प्रदोषः [÷देवशयनी ११ब्र.
१३	र २१ ५० मू २८ ८ ऐं १९ ११ ते २१ ५०	५३	१५	४५	३१	१२	२२	धनुषि	
१४	चं १२ ८ पू २० २५ वै ४ ४९ व १२ ८	४०	१६	४४	१	१३	२३	म. ३३।२६	भ. १२ उ. ३६ या. भा. श्रावणारंभः वायुप.
१५	मं १ २६ उ १२ ३० प्री ४६ ५३ व १ २६	२८	१६	४४	२	१४	२४	मकरे	उफा. ३ गुरुः १३ व्यासपूजा गुरु १५

१४पं.आ.शु.४शु.इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	३	५	१	२
२७	१६	७	१	९	१२	६	२७
३०	४	४८	४७	२८	६	३९	००
५४	१६	५४	३५	५	०	२४	४०
५७	३७	३०	९	७४	३	३	५६
११	५४	मा	२१	२६	३६	११	५४

गोचर ग्रहाः

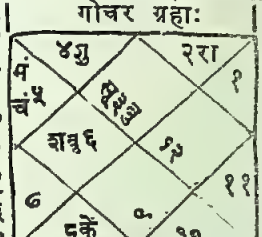

आषाढशुक्ले ७ चन्द्रे कर्केऽर्कःप्रविष्टः वा. ५ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

१५पं.आ.शु.११शु.इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	५	३	५	१	३
४	२०	१४	२	१८	१२	६	३
११	१७	४	४९	४	३३	१७	३९
३८	३८	५२	५५	१६	४	९	७
५७	३८	७३	९	७४	४	३	५६
१५	२०	४०	५९	२०	१४	११	५९

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	मं ५० २८ ० ० ० आ ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु ४२ ३२ श्र ३६ ५३ आ ३६ २१ ते १७ १३	३३ ५५	५	७	४३	३	१५	२५ कुं. ३१।६	पुन.बुधः २९।१५
३	गु ३४ १५ श ५१ ५९ सौ २६ ४० व ८ २३	३३	१७	४३		४	१६	२६ कुंभे	भ. २९ उ. ३५ या. चतुर्थीब्र.
४	शु २७ ३६ पू ४७ ५४ शो १८ २२ व १ ०	३०	१८	४२		५	१७	२७ मी ३३।५५	
५	श २२ ४९ उ ४५ ३७ अ ११ २४ ते २२ ४९	२७	१९	४१		६	१८	२८ मीने	नाग ५ मरुस्थलें
६	र २० १३ रे ४५ २५ सु ६ ३ व २० १३	२४	१९	४१		७	१९	२९ मे. ४५।२५	भ. २०।१३ उ. ५०।०या.
७	चं १९ ४५ अ ४७ ३२ धृ २ २० ब १९ ४५	२२	२०	४०		८	२०	३० मेषे	कर्के बुधः २९ मघा सिंहे शुक्रः २३ उफा. ×
८	मं २१ ७ भ ५१ ११ श ९ २८ कौ २१ ७	१९	२०	४०		९	२१	३१ मेषे	हस्त २शनिः ३५ [×मौमः ५८।५७
९	बु २४ १३ कृ ५६ ३१ वृ ६० ० ग २४ १३	१६	२१	३९		१०	२२	१ वृ. ७।३१	भ. ५३ उ. पुष्ये बुधः ५९ बुधास्तः पूर्वस्यां =
१०	गु २८ ५१ रो ६० ० बृ ० २९ वि २८ ५१	१३	२१	३९		११	२३	२ वृषे	भ. २८।५१या. आश्ले. रविः ४५।३५
११	शु ३४ २८ रो २ २५७ धु १ ५३ ब १ ३९	१०	२२	३८		१२	२४	३ मि ३६।३६	आश्ले. रविः सौर: २२।० कामिका ११ब्र.
१२	श ४० २७ मृ १० १५ व्या ४ १० कौ ७ २७	७	२३	३७		१३	२५	४ मिथुने	[=१८।५६ अगस्तदता. ३१
१३	र ४६ ५१ आ १७ ४६ ह ६ ३२ ग १३ ३९	४	२३	३७		१४	२६	५ मिथुने	भ. ४९ उ. कन्यायां मौमः २७।८ प्रदोषः
१४	चं ५२ ४४ पु २५ २० व ९ ५ वि १९ ४७	०	२४	३६		१५	२७	६ क. ८।२७	भ. १९।४७या.
३०	मं ५८ ४६ पु ३२ ४० सि ११ २६ च २५ ४५	३२ ५७	२५	३५		१६	२८	७ कर्के	हरियाली

१६पं.आ.कृ.४शु.इ. ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	५	३	५	१	३
१०	२४	२४	३	२६	१३	५	१०
५२	२४	४	५७	४०	३	५४	१८
४१	८	५९	१८	३०	४०	५३	२४
५७	२८	१०	१०	७४	४	३	५७
२०	२६	२१	४३	१४	४७	११	५

गोचर ग्रहाः

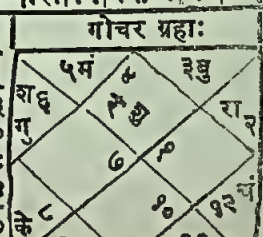

इस मास में रस कस गुड़ सक्करचीनी नमक घृत तेल गन्ना तेज हो सोना चांदी लोहा ताम्बा आदि धातु मंदी हो कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

१७पं.आ.कृ.१२शु.इ. ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	५	४	५	१	३
१७	२८	७	५	५	१३	५	१९
३४	५२	३	९	१५	३७	३२	५८
२३	८	४०	४	४३	४१	४८	१२
५७	३८	५९	११	७४	५	३	५७
२५	५१	५३	१७	८	८	११	१२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण३७०७स२०४०
१	बु ६० ० श्ले ३९ ४० च्य १३ ३७ किं ३१ १७	३२ ५४	२५	३५	१७	२९	८	सिं३९।४०	आश्ले.बुधः१९।२६
१	गु ३ ४९ म ४५ ५१ व १५ १७ ब ३ ४९	५०	२६	३४	१८	३०	९	सिंहें	चंद्रदर्शनम्
२	शु ८ ८ पू ५१ २० प १६ १९ कौ ८ ८	४७	२७	३३	१९	१	१०	सिंहे	पूफा.शुक्रः २५ सावान८सिंघारा
३	श ११ ४१ उ ५५ ३८ शि १६ ३९ ग ११ ४१	४४	२७	३३	२०	२	११	कं.७।२५	भ.५४ उ.उफा.४गुरुः ५९ तीज
४	र १४ १२ ह ५९ ५ सि १६ २ वि १४ १२	४०	२८	३२	२१	३	१२	कन्यायां	भ.१४।१२या.वरद४
५	चं १५ २७ चि ६० ० सा १४ ५३ बा १५ २७	३७	२९	३१	२२	४	१३	तु.३०।११	नागपंचमी
६	मं १५ ३१ चि १ १७ शु १२ ४७ तै १५ ३१	३३	२९	३१	२३	५	१४	तुलायां	मघा.सिंहेबुधः५०।१८
७	बु १४ १६ खा २ २० शु ९ २४ व १४ १६	३०	३०	३०	२४	६	१५	वृ.४७।३	भ.१४।१६उ.४२।५७या.
८	गु ११ ३९ वि १ ५७ ब्र २ ५५ ब ११ ३९	२६	३१	२९	२५	७	१६	वृश्चिके	मघा.सिंहेऽर्कः३९।३४
९	शु ७ २२ अ ० ५६ वे ५२ ३१ कौ ७ २२	२२	३२	२८	२६	८	१७	ध.५६।४०	मघा.सिंहेऽर्कःसौरः१९।४४
१०	श १ ५५ मू ५१ ५९ वि ४४ ३८ ग १ ५५	१९	३२	२८	२७	९	१८	धनुषि	भ.३८ उ.५५ या.पवित्रा११ब्र.स्मा.
११	श ५३ ७ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	[+उ.फा.शुक्रः ३३ हस्तेभौमः३०।३७
१२	र ४७ ० पू ४६ १४ प्री ३५ ४९ व २१ १	१५	३३	२७	२८	१०	१९	म.५९।३२	पवित्रा११ब्र.वै.
१३	चं ३८ १० उ ३९ २६ आ २६ ९ कौ १२ ३५	१२	३४	२६	२९	११	२०	मकरे	प्रदोषः
१४	मं २८ ४७ श्र ३२ १२ सौ १५ ५५ ग ३ २८	८	३४	२६	३०	१२	२१	कुं.५८।३५	भ.४८ उ.५० या.पूफा.बुधः४६।५०+
१५	बु १९ ३३ ध २४ ५९ शो २५ ०३ ब १९ ३३	४	३५	२५	३१	१३	२२	कुम्भे	श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम्

१८पं.श्रा.शु.२श.इ. ४२/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	४	५	१	३
२४	३	२१	६	१३	१४	५	२३
१६	१४	३०	२४	५०	१५	१०	३९
४४	५६	३६	४०	५३	२५	२२	१९
५७	३९	२८	११	७४	५	३	५७
३३	८	७	५५	२	३५	११	२२

गोचर ग्रहाः

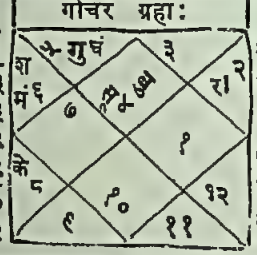

श्रावण शुक्ले८ गुरौ सिंहेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४न.५गतालकावस्था (ऊर्ध्वमुखी) मु ३०घाट्यादिभावे समताशुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

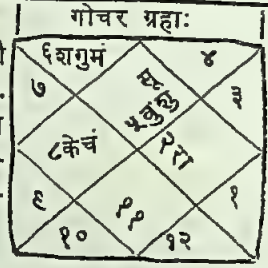

१९पं.श्रा.शु.९श.इ. ४२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	४	५	१	४
१	७	५	७	२२	१४	४	०
०	४०	३९	४३	२५	५६	४८	२१
४	४	११	३४	३४	१०	६	३२
५७	३९	२८	१२	७३	६	३	५७
४०	२८	३१	२०	५५	२	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	गु १० ५० श १८ ३२ सु ४६ ३ कौ १० ५०	३२ ५	३९	२४	१	१४	२३	मी५९।२८	कन्यायांशुक्रः ५३ भा.भाद्रपदारंभः
२	शु ५३ १४ पू १३ ६ धृ ३७ ४२ ग ३ १४	३१ ५७	३७	२३	२	१५	२४	मीने	भ.३०।१३उ.५७।१३या.
४	श ५३ ६ उ ९ १७ शू ३० ४२ ब २५ १०	५३	३७	२३	३	१६	२५	मीने	चतुर्थीव्र.
५	र ५१ १८ रे ७ १३ गं २५ २५ कौ २२ १२	४९	३८	२२	४	१७	२६	मे.७।१३	बुधोदय पश्चिमे५६।४१
६	चं ५१ २९ अ ७ २० बृ २१ ४७ ग २१ २३	४६	३९	२१	५	१८	२७	मेषे	भ.५१।२९उ.चन्द्रषष्ठी
७	मं ५३ ५२ भ ९ ३२ ध्रु १९ ४६ वि २२ ४०	४२	४०	२०	६	१९	२८	वृ.२५।३५	भ.२२।४०या.
८	बु ५७ ५८ कृ १३ ४५ ब्या १९ ३९ बा २५ ५५	३८	४०	२०	७	२०	२९	वृषे	उफा.बुधः ८ हस्त १गुरुः ३३ जन्माष्टमीव्र.
९	गु ६० ० रो १९ २८ ह २० १६ तै ३० ४१	३४	४१	१९	८	२१	३०	मि५३।२	पूफा.रविः२९।१८गोगा९
९	शु ३ २४ मृ २६ ३५ व २२ ५ ग ३ २४	३०	४२	१८	९	२२	३१	मिथुने	भ.३६ उपूफा.रविःसौर १९ कन्या.बुध १४
१०	श ९ २८ आ ३३ ४८ सि २४ २० वि ९ २८	२६	४३	१७	१०	२३	१	मिथुने	भ२८या.हस्तेशुक्रः ३३ सितंवर९ता. ३०
११	र १५ ५४ पु ४१ ४० व्य २६ ५४ बा १५ ५४	२३	४४	१६	११	२४	२	क.२४।४२	अजा११व्र.
१२	चं २२ १ पु ४९ २ व २९ २२ तै २२ १	१८	४४	१६	१२	२५	३	कर्के	हस्त३शनिः १५ वत्सद्वादशीप्रदोषः
१३	मं २७ ४७ श्ले ५६ ० प ३१ ३१ व २७ ४७	१५	४५	१५	१३	२६	४	सिं५६।०	भ.२७।४७उ.
१४	बु ३२ ३८ म ६० ० शि ३३ १ वि ० १२	११	४६	१४	१४	२७	५	सिंहे	भ.०।१२या.
२०	गु ३६ २२ म १ ४७ सि ३३ ३५ च ४ ३०	७	४७	१३	१५	२८	६	सिंहे	हस्तेबुधः ३३ कुशाग्रहणीपिठोरी ३०म.

२०पं.भा.कृ.२शु.इ.४१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	५	५	१	४
७	१२	१८	९	०	१५	४	७
४४	६	४४	५	५९	३९	२५	४
२८	५४	२४	४५	४२	४	५१	५८
५७	३९	२८	११	७३	६	३	५७
४९	४९	१३	३९	५०	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

इस मासमें धान्य गेहूं जो चना चावल मूंग मोठ सरसो मटर वस्त्र कपास रुई बारदाना गन्ना धातु तेज हो

गोचर ग्रहाः

२१पंभा.कृ.९शु.इ.४१।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	५	५	५	१	४
१४	१६	०	१०	९	१६	४	१३
३०	३७	४५	३०	३३	२४	३	५०
४	२३	५०	२५	१४	२९	३५	१०
५८	३९	०९	१३	७३	६	३	५७
१५६	९३	५	३८	३२	११	५७	

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८०७स.२०४०
१	शु	३८	५७	पू	६	४४	सा	३३	२८	किं	७	४०	३१/३	५/४७	६/१३	१६	२९	७	क.२२।४१	[–शुक्रः २७/१६ जलझूलनी ११व्र.
२	श	४०	३१	उ	१०	३१	शु	३२	२९	बा	९	४४	३०/५९	४८	१२	१७	३०	८	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	र	४०	५३	ह	१३	१६	शु	३०	३७	तै	१०	४२	५५	४९	११	१८	१	९	तु.४४।६	रमजान९हरितालिका३
४	चं	४०	२५	चि	१४	५६	ब्र	२७	४०	व	१०	३९	५१	५०	१०	१९	२	१०	तुलायां	भ.१०/३९उ.४०/२५या.चित्राभौमः ५६/३ गणेश४
५	मं	३८	५३	स्वा	१६	४४	ऐं	२४	२२	व	९	३९	४७	५१	९	२०	३	११	तुलायां	चित्रा.शुक्रः ५९/३३ ऋषिपंचमी
६	बु	३६	२८	वि	१५	३३	वै	२०	१६	कौ	७	३९	४३	५१	९	२१	४	१२	वृ.०।५१	
७	गु	३३	२	अ	१४	२०	वि	१५	११	ग	४	४५	३९	५२	८	२२	५	१३	वृश्चिके	भ.३३/२उ.उफा.रविः १३/४३(सौरः ५५/१६)
८	शु	२८	४७	ज्ये	१२	२६	प्री	९	२२	वि	०	५५	३५	५३	७	२३	६	१४	ध.१२।२६	भ.०/५५या.हस्त.२गुरुः १८/४३कृत्ति.२राहुः=
९	श	२३	४०	मू	९	३२	आ	३/०	५२/४६	कौ	२३	४०	३१	५४	६	२४	७	१५	धनुषि	चित्रा.बुधः५८।१९ [=विशा.४केतुः २३/४९
१०	र	१७	३८	पू	५	४३	शो	४७	५०	ग	१७	३८	२७	५५	५	२५	८	१६	म.१९।३४	भ.४४/१५उ.कन्यायामर्कः३९।१४
११	चं	१०	५१	उ	१/८	५४/४४	अ	३९	२३	वि	१०	५१	२२	५६	४	२६	९	१७	मकरे	भ.१०/५१या.कन्यार्कःसौरः २०/२७तुलायां–
१२	मं	३	२३	ध	५०	७	सु	३०	३१	बा	३	२३	१८	५६	४	२७	१०	१८	कुं.२३।०	प्रदोषः
१३	मं	५२	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×महालयारंभः
१४	बु	४८	५	श	४४	२६	धृ	२१	३०	ग	२१	५२	१४	५७	३	२८	११	१९	कुम्भे	भ.४८।५उ.अनंत१४
१५	गु	४१	४	पू	३९	१५	शू	१२	३०	वि	१४	३४	९	५८	२	२९	१२	२०	मी२५।३३	भ.१४/३४या.अस्तंशनेः २५/३७अस्तंगुरोः ४०/१२–

२२पं.भा शु.१शु.इ. ४१/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	५	५	५	१	४
२१	२१	११	११	१८	१७	३	२०
१७	९	४६	५६	६	११	४१	३६
६	५८	४४	४९	४	३१	२०	५०
५८	४०	९२	१३	७३	६	३	५८
१३	७	२५	२०	२६	५०	११	१२

*चंमं गोचर ग्रहाः

भाद्रपदशुक्ले१०रवौ कन्यायामर्कःप्रविष्टः वा४न५प्रगल्भावस्था (वैठी। मु.४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

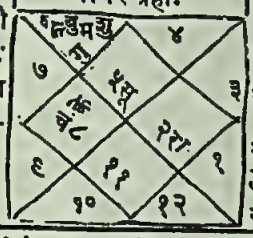

२३पं.भा.शु.८शु.इ. ४१/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	५	५	५	१	४
२८	२५	२१	१३	२६	१८	३	२७
५	४५	३६	२५	३७	०	१९	२५
२८	४३	०	५	३४	२९	४	६
५८	४०	८१	१३	७३	७	३	५८
२६	२९	१०	२६	१४	२	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	शु	३५	२	उ	३५	३	गं	४/७	५२/३७	बा	८	३	३०/५	५/५९	६/१	३०	१३	२१	मीने	तुलायांबुधः १२/६तुलायांभौमः५।३८
२	श	३०	३२	रे	३२	१२	ध्रु	५०	२६	तै	२	४७	३०/०	६/०	६/०	३१	१४	२२	मे.३२।१२	भ.५९।१३उ.स्वात्यांशुक्रः५५।४१
३	र	२७	५३	अ	३१	५	व्या	४५	३१	वि	२७	५३	२९/५६	६/१	५/५९	१	१५	२३	मेषे	भ.२७/५३या.भा.आश्विनारंभःचतुर्थी र.
४	चं	२७	१०	भ	३१	४७	ह	४२	१६	बा	२७	१०	५२	२	५८	२	१६	२४	वृ.४७।३०	
५	मं	२८	३४	कृ	३४	४१	व	४०	५२	तै	२८	३४	४८	२	५८	३	१७	२५	वृषे	
६	बु	३१	५४	रो	३९	१७	सि	४०	२१	ग	०	१४	४४	३	५७	४	१८	२६	वृषे	भ.३१।५४उ.हस्तेरविः५२।१८
७	गु	३६	५२	मृ	४५	३०	व्य	४१	२५	वि	४	२३	४०	४	५६	५	१९	२७	मि१२।२३	भ.४/२३या.हस्तेरविःसौरः ३२/५७+
८	शु	४२	३९	आ	५२	३१	व	४३	१३	बा	९	४६	३६	५	५५	६	२०	२८	मिथुने	[+स्वात्यांबुधः११।४२
९	श	४९	५	पु	६०	०	प	४५	२८	तै	१५	५२	३२	६	५४	७	२१	२९	क.४३।११	हस्त३गुरु ५०/४०मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	र	५५	१४	पु	०	४	शि	४७	४७	व	२२	१०	२८	५	५४	८	२२	३०	कर्के	भ.२२/१०उ.५५/१४या.स्वात्यांभौमः५९।३७
११	चं	६०	०	पु	७	३७	सि	४९	५७	ब	२८	१०	२३	७	५३	९	२३	१	कर्के	हस्त.४शनिः १३/२४अक्टूबर१०ता.३१÷
११	मं	१	७	श्ले	१४	४५	सा	५१	३६	बा	१	७	१९	८	५२	१०	२४	२	सिं१४।४५	[÷इंदिरा११व्र.
१२	बु	५	५८	म	२०	४१	शु	५२	१५	तै	५	५८	१५	९	५१	११	२५	३	सिंहे	विशा.शुक्रः५४।०प्रदोषः
१३	गु	९	२१	पू	२५	२०	शु	५१	४६	व	९	२१	११	१०	५०	१२	२६	४	कं.४१।१३	भ.९।२१उ.४०/२३या.शस्त्रादिहतानां श्रा.
१४	शु	११	२६	उ	२८	५०	ब्र	५०	१७	श	११	२६	७	११	४९	१३	२७	५	कन्यायां	सर्वपितृ३०
३०	श	१२	५	ह	३०	५१	ऐं	४७	४६	ना	१२	५	३	११	४९	१४	२८	६	कन्यायां	मातामह श्रा.

२४पं आ.कृ.१शु.इ. ४१/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	६	५	१	५
४	०	०	१४	५	१८	२	४
५५	२४	३७	५४	९	५०	५६	१५
१९	११	१६	४३	२५	३८	४८	१३
५८	४०	७६	१३	७३	७	३	५८
३८	४४	४३	३२	१	१२	११	४५

२५पं.आ.कृ.८शु.इ. ४१/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	६	५	१	५
११	५	७	१६	१३	१९	२	११
४६	५	५१	२४	३९	४१	३४	७
५२	२०	३६	१२	२२	२४	३३	१०
५८	४१	४८	१३	७२	७	३	५९
५३	१	२	३८	४०	२०	११	०

२६पं.आ.कृ.१४शु.इ. ४०/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	६	५	१	५
१८	९	१२	१७	२२	२०	२	१८
४०	४९	३१	५६	९	३२	१२	०
५	८	४१	१७	११	४६	१७	५७
५९	४१	१७	१३	७२	७	३	५९
९	११	३५	३८	२८	२०	११	१६

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८३७सन् २०४०
१	र	११	१७	चि	३१	३३	वै	४४	१०	ब	११	१७	२८/५९	६/१२	५/४८	१५	२९	७	तु.१।१२	नवरात्रारंभः
२	चं	९	२६	स्वा	३१	१४	वि	३९	४४	कौ	९	२६	५५	१३	४७	१६	३०	८	तुलायां	वक्रीबुधः५।३८चन्द्रदर्शनम्
३	मं	६	३८	वि	३०	२	प्री	३४	३५	ग	६	३८	५१	१४	४६	१७	१	९	वृ.१५।२०	भ.३४।५५उ.सव्वाल१०
४	बु	३	१२	अ	२८	७	आ	२८	४१	वि	३	१२	४७	१५	४५	१८	२	१०	वृश्चिके	भ.३।१२या.चित्रा.रविः२४।२२
५	बु	५५	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–शरद्पूर्णिमा स्मा.कोजागरीव्र.
६	गु	५४	४४	ज्ये	२५	४६	सौ	२२	४३	कौ	२६	५६	४३	१५	४५	१९	३	११	ध.२५।४६	चित्रा.रविःसौरः३।३१
७	शु	५०	२	मू	२३	६	शो	१६	२४	ग	२२	२३	३९	१६	४४	२०	४	१२	धनुषि	भ.५०।२उ.वृश्चिकेशुक्रः९।३३
८	श	४५	१	पू	२०	४	अ	९	४१	वि	१७	३१	३५	१७	४३	२१	५	१३	म.३४।१४	भ.१७।३१या.
९	र	३९	४७	उ	१६	४४	सु	२/४६	५२/४४	बा	१२	२४	३१	१८	४२	२२	६	१४	मकरे	अनु.शुक्रः५६।६
१०	चं	३४	५	श्र	१३	८	शू	४८	१	तै	६	५६	२७	१९	४१	२३	७	१५	कुं.४१।१२	हस्त.४गुरुः४/२९ बुधास्तःपश्चिमायां १५/३७
११	मं	२८	२४	ध	९	१६	गं	४०	२५	व	१	१५	२३	१९	४१	२४	८	१६	कुंभे	भ.१/१५उ.२८/२४या.पापांकुशा११व्र.
१२	बु	२२	४३	श	५	२९	बृ	३२	५९	बा	२२	४३	२०	२०	४०	२५	९	१७	मी४७।३८	तुलायामर्कः८/११ (सौरः४६/१५)उदयंगुरोः=
१३	गु	१७	२५	पू	१/४१	५६/५६	ध्रु	२५	४६	तै	१७	२५	१६	२१	३९	२६	१०	१८	मीने	अस्तोभौमः५०।९ [=५५/१२प्रदोषः
१४	शु	१२	३७	रे	५६	६	व्या	१८	५६	व	१२	३७	१२	२२	३८	२७	११	१९	मे.५६।६	भ.१२/३७उ.४०/४९या.वक्रीचित्रा बुधः२४/७–
१५	श	९	१	अ	५५	१	ह	१३	०	ब	९	१	८	२२	३८	२८	१२	२०	मेषे	विशाभौम४३/१९शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.

२७पं.आ.शु.७शु.इ. ४०/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	७	५	१	५
२५	१४	१२	१९	०	२१	१	२४
३४	३६	३४	२७	३७	२४	५०	५६
५९	४	३०	१४	३०	१८	२	३९
५९	४१	३३/२८	१३	७२	७	३	५९
२१	२८	व	३८	३	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

आश्विनशुक्ले१२बुधे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२८पं.आ.शु१४शु.इ. ४०/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	५	७	५	१	६
२	१९	६	२०	९	२२	१	१
३१	१६	१५	५७	४	१५	२७	५४
२३	२३	१८	५४	१	४७	४६	२
५९	४१	६९/५२	१३	७१	७	३	५९
३४	४४	व	३२	४४	१४	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेति महा.
१	र	६	४३	भ	५५	४०	व	८	४	कौ	६	४३	२८/४	६/२३	५/३७	२९	१३	२१	मेषे	[×भा.कार्तिकारंभःकरकचतुर्थीव्र.
२	चं	६	३	कृ	५७	२८	सि	४	९	ग	६	३	०	२४	३६	३०	१४	२२	वृ.११।७	भ.४२।३२उ.
३	मं	७	१	रो	६०	०	व्य	१	५०	वि	७	१	२७/५६	२५	३५	१	१५	२३	वृषे	भ.७।१या.स्वात्यांरविः५०।१४×
४	बु	९	४८	रो	१	७	व	०	४९	बा	९	४८	५३	२५	३५	२	१६	२४	मि३३।४६	स्वात्यांरविःसौरः२७।१८
५	गु	१४	१४	मृ	६	२६	प	०	४४	तै	१४	१४	४९	२६	३४	३	१७	२५	मिथुने	वक्रीकन्यायांबुधः२७/२६ज्येष्ठा.शुक्रः५९/८+
६	शु	१९	४२	आ	१२	५५	शि	२	७	व	१९	४२	४५	२७	३३	४	१८	२६	मिथुने	भ.१९/४२उ.५२/२६या. [+उदयंशनेः५/५३
७	श	२५	१०	पु	२०	१४	सि	३	५६	ब	२५	१०	४१	२८	३२	५	१९	२७	क.३।२४	
८	र	३२	२३	पु	२७	४७	सा	६	१२	कौ	३२	२३	३७	२९	३१	६	२०	२८	कर्के	चित्रा.१शनिः३२/३५बुधोदयःपूर्वस्यां३/३
९	चं	३८	२४	श्ले	३५	२	शु	८	३२	तै	५	२३	३४	२९	३१	७	२१	२९	सिं३५।२	
१०	मं	४३	३१	म	४१	४४	शु	१०	२३	व	१०	५७	३०	३०	३०	८	२२	३०	सिंहे	भ.१०/५७उ.४३/३१या.मार्गीबुधः३६/१३
११	बु	४७	१०	पू	४६	४९	ब्र	११	२९	ब	१५	२१	२७	३१	२९	९	२३	३१	सिंहे	चित्रा.१गुरुः१।२९रमा११व्र.
१२	गु	४९	१४	उ	५०	४०	ऐं	११	१९	कौ	१८	१२	२३	३१	२९	१०	२४	१	कं.२।४७	नवंबर११ता.३०
१३	शु	४९	४०	ह	५२	३८	वै	१०	२	ग	१९	२७	१९	३२	२८	११	२५	२	कन्यायां	भ.४९।४०उ.प्रदोषःधन१३
१४	श	४८	७	चि	५२	५२	वि	७	१६	वि	१८	५३	१६	३३	२७	१२	२६	३	तु.२२।४५	भ.१८/५३या.वृश्चिकेभौमः४५/४३रूप१४
३०	र	४५	१८	स्वा	५१	३९	प्री	३/१३	५४/४	च	१६	४३	१२	३४	२६	१३	२७	४	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्

२९पं.का.कृ.६शु.इ. ४०/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	५	७	५	१	६
९	२४	२८	२२	१७	२३	१	८
२९	१८	५९	२७	२९	६	५	५३
३८	१८	५६	७	६	४०	३०	२२
५९	४२	४९/२२	१३	७१	७	३	६०
४७	४	व	२६	२०	८	११	२

गोचर ग्रहाः

इसमासमें ५रविवार अशुभ हैं धातु धान्य गल्ला रसकस गुड़ शक्कर चीनी वस्त्र वारदाना रुई में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

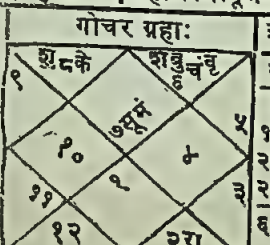

३०पं.का.कृ.१३शु.इ. ४०/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	५	७	५	१	६
१६	२९	२८	२३	२५	२३	०	१५
२९	१३	१९	५५	५३	५६	४३	५४
२०	४४	२६	१	३८	२४	१५	२६
६०	४२	३८/२२	१३	७०	६	३	६०
४	२४	मा	१४	४९	५८	११	१८

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८६६स.२०४०
१	चं	४०	५८	वि	४९	१८	सौ	५१	३८	किं	१३	८	२७/९	६/३४	५/२६	१४	२८	५	वृ.३४।५३	तुला बुधः १७/३१ अन्नकूटंगीवर्द्धनपूजा
२	मं	३५	५२	अ	४५	५२	शा	४४	४७	बा	८	२५	५	३५	२५	१५	२९	६	वृश्चिके	विशा.रविः १०/४४ (सौरः ४४/४२) मूलेधनुषि-
३	बु	३०	१९	ज्ये	४२	२	अ	३७	१३	तै	३	५	२	३६	२४	१६	१	७	ध ४२।२	भ.५७।२१उ जिल्काद११
४	गु	२४	३४	मू	३८	१	सु	२९	२५	वि	२४	३४	२६/५८	३६	२४	१७	२	८	धनुषि	भ.२४।३४या.अनु.भौमः २६।५२
५	शु	१८	४६	पू	३४	२	धृ	२१	४६	बा	१८	४६	५५	३७	२३	१८	३	९	म.४८।५	[-शुक्रः ८/५९ चद्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
६	श	१३	१३	उ	३०	१५	शू	१४	२०	तै	१३	१३	५२	३८	२२	१९	४	१०	मकरे	स्वात्यांबुधः ५१।५५
७	र	७	५७	श्र	२६	४६	गं	६/५८	५२/५६	व	७	५७	४९	३८	२२	२०	५	११	कुं.५५।१२	भ.७।५७उ ३५।२७या.गोपाष्टमी
८	चं	२	५८	ध	२३	३८	ध्रु	५२	५३	ब	२	५८	४५	३९	२१	२१	६	१२	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
९	चं	५५	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=१३/१४ कृत्ति.१राहुःविशा.३केतुः×
१०	मं	५४	१७	श	२१	०	व्या	४६	२७	तै	२६	२४	४२	४०	२०	२२	७	१३	कुंभे	[×१५/५७ प्रदोषः [+तुलसीविवाहः
११	बु	५०	४३	पू	१८	४३	ह	४०	२८	व	२२	३०	३९	४०	२०	२३	८	१४	मी४।१७	भ.२२/३० उ.५०/४३ या प्रबोधिनी११व्र.+
१२	गु	४७	३८	उ	१७	१	व	३४	४९	ब	१९	१०	३६	४१	१९	२४	९	१५	मीने	[÷का.स्ना.पूर्तिः
१३	शु	४५	३१	रे	१५	५६	सि	२९	५१	कौ	१६	३४	३३	४१	१९	२५	१०	१६	मे.१५।५६	वृश्चिकेऽर्कः ६/४८ सौरः ३८/५९) चित्रा२गुरुः=
१४	श	४४	३५	अ	१५	४५	व्य	२५	३२	ग	१५	३	३०	४२	१८	२६	११	१७	मेषे	भ.४३/३५ उ.पूषा.शुक्रः २१/३ वैकुंठ१४
१५	र	४४	३५	भ	१६	५०	व	२२	१८	वि	१४	३५	२७	४३	१७	२७	१२	१८	वृ.३२।२५	भ.१४/३५ या.खग्रासचंद्रग्रहणम मन्वादिः÷

३१पं.का.शु.५शु.इ. ४०/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	५	८	५	१	६
२३	४	५	२५	४	२४	०	२२
३०	१२	७	२०	१४	४४	२०	५६
४०	४	५	३८	१०	३१	५९	५७
६०	४२	७७	१२	७०	६	३	६०
१७	४१	३५	५६	१३	४१	११	३०

गोचर ग्रहाः

मं बु८ ६ ५ ९शु ७गुश सू चं१० के ४ ११ १ ३ १२ रा ८

कार्तिकशुक्ले १३शुक्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

९शु बुके७ १० र८मं ६शुगु ११ ५ १२ २ ४ राचं१ ३

३२पं.का.शु.१३शु.इ.३९/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	५	८	५	०	७
०	९	१५	२६	१२	२५	२९	०
३३	१२	११	४५	३२	३०	५८	१
२२	४०	३८	३२	१७	३२	४४	१
६०	४२	९०	१२	६९	६	३	६०
३०	५०	२९	२९	२८	२६	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेति महा.
१	चं	४६	६	कृ	१९	९	प	२०	१	बा	१५	२०	२६/२५	६/४३	५/१७	२८	१३	१९	वृषे	अनु.रविः २५/८ (सौरः ५५/४७) विशा.बुधः ५१/३
२	मं	४९	११	रो	२२	३५	शि	१८	५५	तै	१७	३८	२२	४४	१६	२९	१४	२०	मि५४।५७	
३	बु	५३	२३	मृ	२७	१९	सि	१८	३४	व	२१	१७	१९	४४	१६	३०	१५	२१	मिथुने	भ.२१/१७ उ.५३/२३ या बुधास्तःपूर्वस्यां ८/३७
४	गु	५८	४२	आ	३३	४०	सा	१९	१४	ब	२६	२	१७	४५	१५	१	१६	२२	मिथुने	भा.मार्गशीर्षारंभः चतुर्थीव्र.
५	शु	६०	०	पु	४०	३१	शु	२०	४२	कौ	३१	५१	१४	४५	१५	२	१७	२३	क.२३।४८	
५	श	५	१	पु	४८	३	शु	२२	५०	तै	५	१	१२	४६	१४	३	१८	२४	कर्के	[+पातमोक्षः २४।५४
६	र	११	२८	श्ले	५५	३१	ब्र	२५	१०	व	११	२८	९	४६	१४	४	१९	२५	सिं५५।३१	भ.११।२८उ.४४/४० या.पातस्पर्शः ६।५९+
७	चं	१७	५२	म	६०	०	ऐं	२७	२४	ब	१७	५२	७	४७	१३	५	२०	२६	सिंहे	वृश्चिकेबुधः ७/१५ ज्येष्ठा.भौम.५५।४७
८	मं	२३	३५	म	२	४४	वै	२९	५	कौ	२३	३५	५	४७	१३	६	२१	२७	सिंहे	चित्रा.२शनिः ५१।२४
९	बु	२७	४६	पू	८	५३	वि	२९	४६	ग	२७	४६	२	४८	१२	७	२२	२८	कं.२५।३	भ.५९/१० उ.अनु.बुधः २१/१५ उषा.शुक्रः ३९/३६
१०	गु	३०	३४	उ	१३	३४	प्री	२९	१०	वि	३०	३४	०	४८	१२	८	२३	२९	कन्यायां	भ.३०।३४या.
११	शु	३१	२९	ह	१६	३१	आ	२७	१३	ब	१	१	२५/५८	४८	१२	९	२४	३०	तु.४६।५५	उत्पत्ति११व्र.
१२	श	३०	१६	चि	१७	१९	सौ	२३	४५	कौ	०	५२	५६	४९	११	१०	२५	१	तुलायां	मकरेशुक्रः ३६।३२ दिसम्बर१२ता.३१
१३	र	२७	१४	स्वा	१६	२२	शो	१८	३५	व	२७	१४	५४	४९	११	११	२६	२	वृ.५९।२४	भ.२७/१४ उ.५४/४७ या.ज्येष्ठा.रविः ३५/१९ प्रदोषः
१४	चं	२२	२१	वि	१३	४५	अ	१२	८	श	२२	२१	५३	४९	११	१२	२७	३	वृश्चिके	ज्येष्ठा रविःसौरः ३।४१चित्रा.३×
३०	मं	१६	७	अ	९	३६	सु	४/२८	५१/१९	ना	१६	७	५१	५०	१०	१३	२८	४	वृश्चिके	[×तुलायांगुरुः ४५।१३

३३पं.मा.कृ.५शु.इ ३९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	५	८	५	०	७
७	१४	२६	२८	२०	२६	२९	७
३७	१६	४	६	४५	१४	३६	६
१६	८	५९	२२	५०	५३	२८	३४
६०	४२	९५	१२	६८	६	३	६०
४२	५९	३३	९	४६	१३	११	५३

गोचर ग्रहाः

९शु ७केबु ६श गु रमं ८ १० ११ ५ १२ २ ४ चं १रा ३

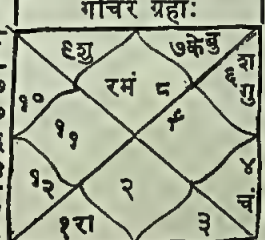

इसमासमें धातु सोना चांदी आदि मंदी रहें धान्य बाजरा मूंग मोठ जौ चना गेहूं मटर सरसों आदि तेज रहें।

गोचर ग्रहाः

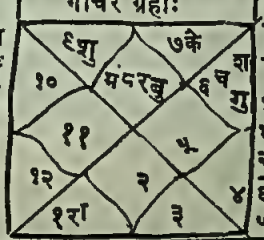

९शु ७के १० मं८रबु ६च श गु ११ ५ १२ २ ४ १रा ३

३४पं.मा.कृ.११शु.इ.३९/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	५	८	५	०	७
१४	१९	७	२९	२८	२६	२९	१४
४२	२२	५	२४	५५	५६	१४	१३
२९	५९	३५	११	२६	२०	१२	२०
६०	४३	९७	११	६७	५	३	६१
५०	१७	५८	३४	४९	५०	११	३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८९६स.२०४०
१	बु ८ ५९ ज्ये ३० ५४ शू ४६ ४१ ब ८ ५९ ३५ ६०	५	१४	२९	५	ख.४।२०	
२	गु १ २५ पू ५२ ४७ मं ३७ २८ को १ २५ ४८ ५०	१०	१५	३०	६	धनुषि	ज्येष्ठा.बुधः४८।३चन्द्रदर्शनम्
३	गु ५२ २६ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	० ०	
४	शु ४६ ३५ उ ४७ १७ बृ २८ ५ व २० २९ ४६ ५१	९	१६	१	७	ख.६।२५	भ.२०।२९उ.४६।३५या.जिल्हेज१२
५	श ३९ ५७ श्र ४२ १६ शु १९ ७ ब १२ १६ ४५ ५१	९	१७	२	८	मकरे	
६	र ३३ ५९ ध ३८ ४ ष्या ११ ७ को ६ ५८ ४४ ५१	९	१८	३	९	कुं.१०।१०	चंपा६
७	चं २९ ४ श ३४ ४४ ह ३ ५५ १९ ग १ ३२ ४३ ५१	९	१९	४	१०	कुंभे	भ.२९।४उ.५७।७या.श्रवणशुक्रः २३ ३८
८	मं २५ १० पू ३२ ३१ सि ५० ४० ब २५ १० ४२ ५१	९	२०	५	११	मी १८।४	
९	बु २२ १८ उ ३१ २१ व्य ४५ ३२ को २२ १८ ४१ ५२	८	२१	६	१२	मीने	[-मूलेघनुषिभौमः१।६ प्रदोषः
१०	गु २० १९ रे ३१ २० व ४१ ८ ग २० १९ ४० ५२	८	२२	७	१३	मे.३१।२०	भ.४९।५६उ.
११	शु १९ ३२ अ ३२ ६ प ३७ ४४ वि १९ ३२ ३९ ५२	८	२३	८	१४	मेषे	भ.१९।३२या.मोक्षदा११व्र. गीताजयंती
१२	श १९ ५५ भ ३४ १६ शि ३५ १६ बा १९ ५५ ३९ ५२	८	२४	९	१५	मेषे	मूलेघनुष्यर्कः ४३ मूलेघनुषिबुधः ९।१-
१३	र २१ १० कृ ३७ ४ सि ३३ ३२ ते २१ १० ३८ ५२	८	२५	१०	१६	वृ.४९।५८	मूलेघनुष्यर्कःसौरः७।३१
१४	चं २३ ४१ रो ४१ १३ सा ३२ ५९ व २३ ४१ ३८ ५२	८	२६	११	१७	वृषे	भ.२३।४१उ.५५।३०या.
१५	मं २७ २० मृ ४६ ११ शु ३२ ५३ ब २७ २० ३७ ५३	७	२७	१२	१८	मि १३।४२	दत्तजयंती

३५पं.मा.शु.४शु.इ. ३९ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	६	९	५	०	७
२१	२४	१८	०	६	२७	२८	२१
४८	३१	४	३८	५७	३४	५१	२१
३२	५२	२६	३१	२५	३०	५७	०
६०	४३	९९	१०	६६	५	३	६१
५६	३७	००	५६	४२	२०	११	११

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष शुक्ले १२ शनौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.२न.४ गतालकावस्थाःऊभी)मु३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

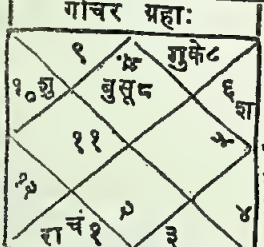

३६पं.मा.श.११शु.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	६	९	५	०	७
२८	२९	२९	१	१४	२८	२८	२८
५५	४३	५	४७	५३	१०	२९	२९
२६	५०	३१	३८	३८	१	४१	४३
६१	४३	९९	१०	६	४	३	६१
०	५६	५१	१६	२०	५१	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततौ रविर्दक्षिणेद्वि.मार्ग.कृष्णेति महा.
१	बु ३२ ७ आ ५२ ३४ शु ३३ ३३ को ३२ ७ २५ ५६	५	२८	१३	१९	मिथुने	
२	गु ३७ ३९ पु ५९ ११ ब्र ३४ ५० ते ४ ५३ २६ ५३	७	२९	१४	२०	क.४२।३२	
३	शु ४३ ५५ पु ६० ० ऐं ३६ ४९ व १० ४७ २६ ५३	७	३०	१५	२१	कर्के	
४	श ५० २१ पु ६ ४१ वै ३९ ९ ब १७ ७ २६ ५३	७	१	१६	२२	कर्के	भ.१०।४७उ.४३।५५या.
५	र ५६ ४९ श्ले १४ १४ वि ४१ २५ को २३ ३५ २६ ५३	७	२	१७	२३	सिं १४।१४	धनि.शुक्रः १६ ३ भा.पौषारंभःचतुर्थी व्र.
६	चं ६० ० म २१ ५३ प्री ४३ ३४ ग २९ ५२ २७ ५३	७	३	१८	२४	सिंहे	पूषा.बुध. ३१।५२
६	मं २ ५६ पू २८ ४१ आ ४४ ५८ व २ ५६ २७ ५३	७	४	१९	२५	कं.४५।७	चित्रा.४गुरुः ३५।५५
७	बु ७ ५४ उ ३४ २५ सौ ४५ २६ ब ७ ५४ २७ ५६	७	५	२०	२६	कन्यायां	भ.२।५६उ.३५।२५या.
८	गु ११ ३९ ह ३८ ४२ शो ४४ ३७ को ११ ३९ २८ ५३	७	६	२१	२७	कन्यायां	
९	शु १३ ३६ चि ४१ ११ अ ४२ २२ ग १३ ३६ २८ ५२	८	७	२२	२८	तु.९।५६	भ. ३ ३ उ.पूषा.रविः ४७ कुंभेशुक्रः २६ ३
१०	श १३ २३ स्वा ४१ ३६ सु ३८ ४० वि १३ २३ २९ ५२	८	८	२३	२९	तुलायां	भ.१३।२३उ.पूषा.रविःसौर ९।९
११	र ११ १८ वि ४० १ धृ ३३ ६ बा ११ १८ ४१ ५२	८	९	२४	३०	बृ.२५।२५	सफला११व्र.
१२	चं ७ ६ अ ३६ २७ शू २६ ७ ते ७ ६ ४१ ५२	८	१०	२५	३१	वृश्चिके	उषा.बुधः४६।५५प्रदोषः
१३	मं १ ८ ज्ये ३१ १७ गं १७ ४० व १ ८ ४१ ५२	८	११	२६	१	ध.३१।१७	भ. १ उ.३३या.पूषा.भौमः ४२ ५=
१४	मं ५२ २९ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	० ०	[=जनवरी१ता.३१स.२०४१
३०	बु ४५ ७ मू २५ ० वृ ८ ४९ २५ ५१ च १९ २२ ४३ ५१	९	१२	२७	२	धनुषि	मकरेबुधः५५।५४

३७पं.पौ.कृ.३शु.इ. ३८ ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	६	९	५	०	८
६	४	१०	२	२२	२८	२८	५
३	५६	१२	५१	३८	४१	७	३९
०	२०	११	५८	२८	२४	२६	८
६१	४४	९९	९	६३	४	३	६१
४	७	४६	२०	४८	२२	११	२२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धन का मंगल धातु सोना चांदी लोहा तांबा तृण घास लकडी घृत कपास वारदाना चौपायोंमें तेजी

गोचर ग्रहाः

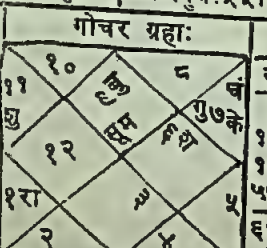

३८पं.पौ.कृ.९शु.इ. ३९ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	६	१०	५	०	८
१३	१०	२१	३	०	२९	२७	१२
१०	१२	२७	५०	१२	८	४५	४९
५९	४०	११	५६	१४	१३	१०	०
६१	४४	९९	८	६१	३	३	६१
६	२६	४४	३८	५४	४०	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३९२५ स २०४१
१	गु	३६	३	पू	१८	४	व्या	४७	२२	किं	१०	३५	२५/४४	६/५१	५/९	१३	२८	३	म.३१।१३	शतेशुक्रः ४७।५४
२	शु	२६	५५	उ	१०	४०	ह	३६	४९	बा	१	२९	४५	५१	९	१४	२९	४	मकरे	चन्द्रदर्शनम्
३	श	१८	२७	श्र	३/४१	५३/४०	व	२६	४४	ग	१८	२७	४७	५१	९	१५	१	५	कुं.३०।३१	भ ४४/३३ उ.बुधोदयः पश्चिमायां २७/४४ –
४	र	१०	४०	श	५२	१८	सि	१७	१	वि	१०	४०	४८	५०	१०	१६	२	६	कुंभे	भ.१०।४०या.
५	चं	३	५८	पू	४८	३२	व्य	८	४७	बा	३	५८	५०	५०	१०	१७	३	७	मी ३४।२९	[–मोहोरम १ सन् १४६३
६	चं	५४	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	मं	५५	७	उ	४६	१९	व	१/४१	५३/५८	ग	२६	५८	५२	५०	१०	१८	४	८	मीने	भ.५५।७उ.
८	बु	५२	५६	रे	४५	३८	शि	५०	५९	वि	२४	१	५३	४९	११	१९	५	९	मे.४५।३८	भ.२४।१या.श्रवणेबुधः ४।१७
९	गु	५२	३१	अ	४६	१८	सि	४७	२८	बा	२२	४३	५५	४९	११	२०	६	१०	मेषे	उषा.रविः ५३।८
१०	शु	५३	३१	भ	४८	३३	सा	४५	८	तै	२३	१	५७	४९	११	२१	७	११	मेषे	उषा.रविः सौरः १०।३६
११	श	५५	४३	कृ	५२	८	शु	४३	५२	व	२४	३७	५९	४८	१२	२२	८	१२	वृ.४।२७	भ.२४।३७उ.५५।४३या.पुत्रदा ११व्र.
१२	र	५९	९	रो	५६	१६	शु	४३	५४	व	२७	२६	२६/१	४८	१२	२३	९	१३	वृषे	
१३	चं	६०	०	मृ	६०	०	ब्र	४४	६	कौ	३१	२२	४	४७	१३	२४	१०	१४	मि २९।५१	मकरेऽर्कः ८।४७ (सौरः २६।३) प्रदोषः
१३	मं	३	३५	मृ	२	४६	ऐं	४५	१६	तै	३	३५	६	४७	१३	२५	११	१५	मिथुने	[=मा.स्ना.प्रा.
१४	बु	८	५६	आ	९	८	वै	४६	५२	व	८	५६	८	४६	१४	२६	१२	१६	क.५९।१७	भ.८।५६उ.४१।५२या.
१५	गु	१४	४९	पु	१६	०	वि	४८	४४	ब	१४	४९	११	४६	१४	२७	१३	१७	कर्के	पूभा.शुक्रः २४/३३ चित्रा.३ तुलायां शनिः ३७/१६ =

३९पं.पौ.शु.२शु.इ. ३८/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	६	१०	५	०	८
२०	१५	२	४	७	२९	२७	१९
१९	३०	४८	४३	३०	३०	२२	५८
५	४७	३२	२६	१८	५०	५४	५७
६१	४४	९८	७	५९	२	३	६१
६	३७	२६	३५	२९	५९	११	२६

गोचर ग्रहाः

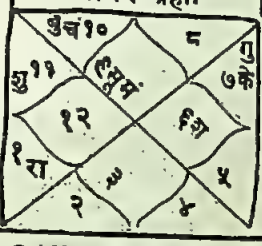

पौष शुक्ले १३ चन्द्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) नु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ.शु.१०शु.इ. ३८/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	६	१०	५	०	८
२७	२०	१३	५	१४	२९	२७	२७
२७	५०	५३	२८	३०	४८	०	८
७	५६	६	४८	०	४३	३९	४९
६१	४४	९०	६	५६	२	३	६१
६	४१	३८	३१	२०	१७	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	२१	६	पु	२३	२६	प्री	५०	५८	कौ	२१	६	२६/१३	६/४५	५/१५	२८	१४	१८	कर्के	धनि.बुधः ३७/१४ भरणी.४राहुः विशा.२×
२	श	२७	३२	श्ले	३०	५६	आ	५३	७	ग	२७	३२	१६	४५	१५	२९	१५	१९	सिं ३०।५६	उषा.भौमः १४।१० [×केतुः ८।६
३	र	३३	४७	म	३८	२९	सौ	५५	२२	व	०	४०	१९	४४	१६	३०	१६	२०	सिंहे	भ.०/४० उ.३३/४७ या.अभि.प्र.रविः ४३।१३+
४	चं	३९	५५	पू	४५	३७	शो	५७	२	ब	६	५१	२१	४४	१६	१	१७	२१	सिंहे	भा.माघारंभः चतुर्थीव्र. [+(सौरः ५७/५४)
५	मं	४५	२	उ	५१	५१	अ	५८	८	कौ	१२	२८	२४	४३	१७	२	१८	२२	कं.२।११	[÷अभि.नि.रविः ५०/५
६	बु	४९	२१	ह	५७	११	सु	५८	१०	ग	१७	११	२७	४३	१७	३	१९	२३	कन्यायां	भ.४९/२१ उ.श्रवणेरविः ५७/५० मकरेभौमः २९/३०
७	गु	५२	१७	चि	६०	०	धृ	५७	१९	वि	२०	४९	२९	४२	१८	४	२०	२४	तु.२९।५	भ २०।४९या.श्रवणेरविः सौरः १४।२०÷
८	शु	५३	२१	चि	०	५९	शू	५४	४९	बा	२२	४९	३२	४२	१८	५	२१	२५	तुलायां	अभि.नि.रविः सौरः ४।३७
९	श	५२	३६	स्वा	३	८	गं	५१	२	तै	२२	५८	३५	४१	१९	६	२२	२६	वृ.४८।२२	वक्रीबुधः ३९।०स्वाती.१गुरुः २७।४७
१०	र	४९	५०	वि	३	२६	वृ	४५	४१	व	२१	१३	३८	४०	२०	७	२३	२७	वृश्चिके	भ.२१।१३उ.४९।५०या.
११	चं	४५	१०	अ	१/४३	५६/२३	ध्रु	३८	३९	ब	१७	३०	४१	४०	२०	८	२४	२८	ध.५८।६	षट्तिला ११व्र.
१२	मं	३८	४५	मू	५२	५२	व्या	३०	१५	कौ	११	५७	४५	३९	२१	९	२५	२९	धनुषि	मीनेशुक्रः १३।२७बुधास्तः पश्चिमायां १४/१७
१३	बु	३०	५०	पू	४६	१६	ह	२०	४९	ग	४	४७	४८	३८	२२	१०	२६	३०	म.५९।२५	भ.३०।५०उ.५६।४७या.प्रदोषः
१४	गु	२२	४४	उ	३८	५२	व	१०/१३	४९/३	श	२२	४४	५१	३८	२२	११	२७	३१	मकरे	
३०	शु	१२	७	श्र	३०	५२	व्य	४८	१	ना	१२	७	५४	३७	२३	१२	२८	१	कुं.५७।३	वक्रीशनिः ३१।१५फरवरी २ता.२८

४१पं.मा.कृ.१शु.इ. ३८/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	६	१०	६	०	९
[illegible]	२६	२३	६	२१	०	२६	४
३४	१२	२१	६	४	१	३८	१८
५९	३२	३२	४०	३०	३४	२३	१८
६१	४५	६८	५	५२	१	३	६१
३	२	५४	२२	१७	३२	११	१९

४२पं.मा.कृ ८शु.इ. ३८/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	६	१०	६	०	९
११	१	२७	६	२७	०	२६	११
४२	३७	५२	३६	७	९	१६	२७
२९	१६	४४	३६	२३	४०	८	९
६१	४५	१२	४	४७	०	३	६१
०	१२	४१	९	२५	५५	११	१३

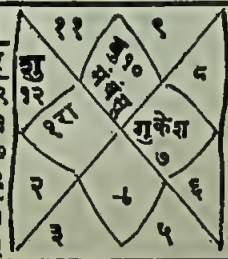

४३पं.मा.कृ.३०शु.इ. ३८/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	६	११	६	०	९
१८	७	२४	६	२	०	२५	१८
४९	१	३	५७	२९	११	५३	३५
१	३४	५४	४०	१३	५३	५२	१७
६०	४५	७५/३४	२	४०	०/१	३	६१
५५	२२	व.	५६	४१	व.	११	४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः३९५५सं२०४१
१	श	२	१८	ध	२३	१४	व	३७	१४	ब	२	१८	२६/५८	६/३६	५/२४	१३	२९	२	कुम्भे	वक्रीश्रवणेबुधः१३।३६उभा.शुक्रः-
२	श	५०	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[-५३।१९चन्द्रदर्शनम्
३	र	४४	३२	श	१६	१३	प	२७	५	तै	१८	४२	२७/१	३६	२४	१४	१	३	मी५६।४५	सफर२
४	चं	३७	३०	पू	१०	१६	शि	१७	५२	व	११	०	५	३५	२५	१५	२	४	मीने	भ.११।०उ.३७।३०या.
५	मं	३२	७	उ	५	४८	सि	१०	८	ब	४	४८	८	३४	२६	१६	३	५	मीने	श्रवणेभौमः२४।४वसंत५
६	बु	२९	३२	रे	३	१६	सा	३/५९	५५/१४	कौ	०	५०	१२	३४	२६	१७	४	६	मे.३।१६	धनि.रविः६।८(सौरः१९।१०)
७	गु	२७	६	अ	२	३५	शु	५६	८	व	२७	६	१५	३३	२७	१८	५	७	मेषे	भ.२७/६उ.५७/२०या.पातस्पर्शः२०/४०=
८	शु	२७	३४	भ	३	५५	ब्र	५४	२३	ब	२७	३४	१९	३२	२८	१९	६	८	वृ.१९।४४	भीष्माष्टमी
९	श	२९	४३	कृ	७	११	ऐं	५३	५९	कौ	२९	४३	२३	३१	२९	२०	७	९	वृषे	[=पातमोक्षः३२/५३भानु७रथ७
१०	र	३३	२५	रो	११	४६	वै	५४	४६	तै	१	३४	२७	३१	२९	२१	८	१०	मि४४।४३	पूर्वोदयीबुधः५।१४
११	चं	३८	१९	मृ	१७	४०	वि	५५	५६	व	५	५२	३०	३०	३०	२२	९	११	मिथुने	भ.५।५२उ.३८।१९या.जया११ब्र.
१२	मं	४४	२	आ	२४	३८	प्री	५८	८	ब	११	१०	३४	२९	३१	२३	१०	१२	मिथुने	कुंभेऽर्कः४१।२४(सौरः५३।८)
१३	बु	५०	१६	पु	३१	५०	आ	६०	०	कौ	१७	९	३८	२८	३२	२४	११	१३	क.१५।२	प्रदोषः
१४	गु	५६	४४	पु	३९	१७	आ	०	५	ग	२३	३०	४१	२८	३२	२५	१२	१४	कर्के	भ.५६।४४उ.
१५	शु	६०	०	श्ले	४६	४६	सौ	२	२४	वि	२९	५२	४५	२७	३३	२६	१३	१५	सिं४६।४६	भ.२९।५२या.मा.स्ना.पू.
१५	श	३	०	म	५४	१०	शो	४	३३	ब	३	०	४९	२६	३४	२७	१४	१६	सिंहे	

४४पं.मा.शु.८शु.इ. ३८/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	६	११	६	०	९
२५	१२	१५	७	६	०	२५	२५
५४	२७	५९	१०	५४	९	३१	४२
५०	३६	५६	१२	५४	४०	३६	४
६०	४५	६७/५३	१	३२	०/३४	३	६०
४७	२७	व	२५	०	व	११	५५

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले १२भौमे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

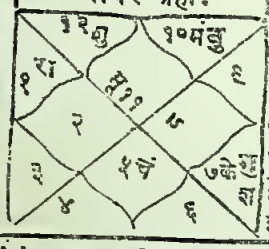

४५पं.मा.शु.१५शु.इ. ३९/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	६	११	६	०	१०
२	१७	१२	७	१०	०	२५	२
५९	५४	२३	१३	२	२	९	४८
४२	१४	४६	१९	६	१०	३१	७
६०	४५	१०/४४	०	२०	१/२५	३	६०
३५	३७	व	१९	२३	व	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	र	९	१०	पू	६०	०	अ	६	२८	कौ	९	१०	२७/५३	६/२५	५/३५	२८	१५	१७	सिंहे	मार्गीबुधः३२/५३वक्रीगुरुः२/१६वक्रीचित्रा.२×
२	चं	१४	४४	पू	०	५४	सु	८	२	ग	१४	४४	५६	२५	३५	२९	१६	१८	कं.१७।२४	भ.४७।७उ. [×शनिः८।४८
३	मं	१९	३०	उ	६	५६	धृ	८	५५	वि	१९	३०	२८/०	२४	३६	३०	१७	१९	कन्यायां	भ.१९।३०या.शतेरविः१७।३७+
४	बु	२३	२८	ह	१२	२६	शू	९	२२	बा	२३	२८	४	२३	३७	१	१८	२०	तु.४४।३४	भा.फाल्गुनारंभः[+(सौरः२८/३०)चतुर्थीव्र.
५	गु	२६	२२	चि	१६	४१	गं	८	४९	तै	२६	२२	८	२२	३८	२	१९	२१	तुलायां	पातस्पर्शः११।८पातमोक्षः२२।२४
६	शु	२७	५७	स्वा	१९	३९	वृ	७	१९	व	२७	५७	१२	२२	३८	३	२०	२२	तुलायां	भ.२७।५७उ.५८।२या.धनि.भौमः३४/४८
७	श	२८	८	वि	२१	१८	ध्रु	४	३८	ब	२८	८	१६	२१	३९	४	२१	२३	वृ.५।५३	
८	र	२६	४१	अ	२१	३१	व्या	०/४७	५४/५७	कौ	२६	४१	२०	२०	४०	५	२२	२४	वृश्चिके	उदयोभौमः३।२६
९	चं	२३	३८	ज्ये	१९	५१	व	४९	५	ग	२३	३८	२४	१९	४१	६	२३	२५	ब.१९।५१	भ.५१।१३उ.
१०	मं	१८	४९	मू	१६	४२	सि	४१	२४	वि	१८	४९	२८	१८	४२	७	२४	२६	धनुषि	भ.१८।४९या.
११	बु	१२	४०	पू	१२	०	व्य	३२	२३	बा	१२	४०	३२	१८	४२	८	२५	२७	मं.२८।३१	विजया११व्र.
१२	गु	४	५६	उ	६/३	५३/२	व	२२	३२	तै	४	५६	३६	१७	४३	९	२६	२८	मकरे	भ.५६।२३उ.प्रदोषः
१३	गु	५१	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	शु	४६	५९	ध	५१	३७	प	१२	४	वि	२१	४१	४०	१६	४४	१०	२७	१	कुं.२५।२१	भ.२१।४१या.वक्रीशुक्रः६।१६÷
३०	श	३७	२८	श	४४	२	शि	१/१९	४९/७	च	१२	१४	४४	१५	४५	११	२८	२	कुंभे	[÷मार्च३ता३१ महाशिवरात्रीव्र

४६पं.फा.कृ.६शु.इ. ३९/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	६	११	५	०	१०
१०	२३	१४	७	११	२९	२४	९
३	२३	२१	७	४६	४९	४७	५२
१४	३१	१४	३४	३४	२३	५	४०
३०	४५	२८/५४	१/१७	६	२/८	३	६०
२५	५६	मा	व	१०	व	११	३१

गोचर ग्रहाः

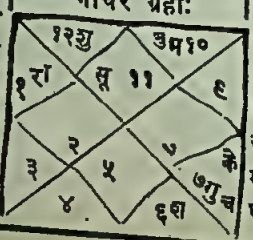

इसमासमें ५रविवार अशुभ हैं धातु चांदी सोना लोहा धान्य जौ गेहूं बाजरा मूंग मोठ तेज हों रुई में घटाबढी चले।

गोचर ग्रहाः

४७पं.फा.कृ१४शु.इ. ३९/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	६	११	५	०	१०
१७	२८	२०	६	११	२९	२४	१६
५	५२	३	५२	२९	३१	२४	५५
२८	४८	५०	३६	१७	२५	५०	३६
६०	४५	७०	४२/३२	०/३२	४३/२	३	६०
१२	५३	४६	व	व	व	११	२०

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३९८४स.२०४१
१	र	२८	१३	पू	३६	५९	सा	४०	२६	किं	२	५०	२८/४८	६/१४	५/४६	१२	२९	३	मी२३।३०	कुंभेभौमः ७/५२ चन्द्रदर्शनम् [=फुलरिया२
२	चं	१९	५१	उ	३०	५८	शु	३१	९	कौ	१९	५१	५२	१४	४६	१३	१	४	मीने	पूभा.रविः ३३/४२ (सौरः ४३/१७) धनि.बुधः २६/१-
३	मं	१२	५८	रे	२६	२९	शु	२३	१३	ग	१२	५८	५६	१३	४७	१४	२	५	मे.२६।२९	भ.४०/२५ उ.वक्रीचित्रा.४गुरुः५२।१९×
४	बु	७	५३	अ	२३	५५	ब्र	१६	४०	वि	७	५३	२९/१	१२	४८	१५	३	६	मेषे	भ.७।५३या. [-रविलावल३=
५	गु	४	४९	भ	२३	२७	ऐं	१२	३	बा	४	४९	५	११	४९	१६	४	७	वृ.३८।५३	[×पातस्पर्शः५।२९ पातमोक्षः१४।५५
६	शु	३	५४	कृ	२५	१०	वै	९	११	तै	३	५४	९	१०	५०	१७	५	८	वृषे	[+शुक्रास्तःपश्चि.१।।१२होलिकादहनं
७	श	४	५९	रो	२८	३८	वि	७	४४	व	४	५९	१३	९	५१	१८	६	९	वृषे	भ.४।५९उ.३६।३२या.
८	र	८	५	मृ	३३	४९	प्री	७	५५	ब	८	५	१७	९	५१	१९	७	१०	मि१।१४	कुंभेबुधः२२।४५ होलाष्टकम्
९	चं	१२	४०	आ	४०	२३	आ	८	४७	कौ	१२	४०	२१	८	५२	२०	८	११	मिथुने	शतेभौमः०।३७
१०	मं	१८	२७	पु	४७	५३	सौ	१०	४१	ग	१८	२७	२६	७	५३	२१	९	१२	क.३१।०	भ.५१।३७उ.
११	बु	२४	४७	पु	५५	१९	शो	१२	५०	वि	२४	४७	३०	६	५४	२२	१०	१३	कर्के	भ.२४।४७या.आमलकी११व्र.
१२	गु	३१	२०	श्ले	६०	०	अ	१५	२४	बा	३१	२०	३४	५	५५	२३	११	१४	कर्के	मीनेऽर्कः३४।३४.सौरः५३।३८)
१३	शु	३७	३५	श्ले	३	५	सु	१७	४२	कौ	४	२७	३८	४	५६	२४	१२	१५	सिं३।५	शतेबुधः१२।२०प्रदोषः
१४	श	४३	२३	म	१०	१२	धृ	१९	३४	ग	१०	२९	४३	३	५७	२५	१३	१६	सिंहे	भ.४३।२३उ.
१५	र	४८	२९	पू	१६	५३	शू	२०	५३	वि	१५	५६	४७	३	५७	२६	१४	१७	कं.३३।१७	भ.१५।५६या.उभा.रविः५५।३६+

४८पं.फा.शु.६शु.इ. ४०/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	६	११	५	०	१०
२४	४	२७	६	९	२९	२४	२३
६	२१	५६	२८	११	१०	२	५६
१४	३२	३१	५२	२०	३४	३४	५९
५९	४६	७२	३/५९	२६/१५	३/२३	३	६०
५८	०	७	व	व	व	११	६

गोचर ग्रहाः

फाल्गुनशुक्ले१२गुरौ मीनेऽर्कःप्रविष्टः वा. ३न३ गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४९पं.फा.शु.१३शु.इ. ४०/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	११	५	०	११
१	९	७	५	५	२८	२३	
५	५०	२०	५६	१५	४५	४०	५६
३१	५३	२६	३८	४०	११	१८	४१
५९	४५	८६	५/११	३५/३७	३/५२	३	५९
४१	५८	३४	व	व	व	११	४९

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.
१	चं	५२	२७	उ	२२	३१	गं	२१	३४	बा	२०	२८	२९/५१	६/२	५/५८	२७	१५	१८	कन्यायां	उभा.रविःसौरः५।१४वक्रीपूभा.शुक्रः÷
२	मं	५५	२९	ह	२७	१७	वृ	२१	२८	तै	२३	५८	५५	१	५९	२८	१६	१९	तु.५९।११	[÷५५।१२वसंत१छारेंडी
३	बु	५७	३८	चि	३१	४	ध्रु	२०	३९	व	२६	३३	३०/०	६/३	६/०	२९	१७	२०	तुलायां	भ.२६/३३ उ.५७/३८या.शुक्रोदयःपूर्वस्यां ४५/३६
४	गु	५८	३१	स्वा	३३	५३	व्या	१८	५९	ब	२८	४	३०/४	५/५९	६/१	३०	१८	२१	तुलायां	चतुर्थीव्र. [+भा.चैत्रारंभः
५	शु	५८	२२	वि	३५	३४	ह	१६	२५	कौ	२८	२६	८	५८	२	१	१९	२२	वृ.२०।९	भरणी३राहुःविशा.१केतुः३।५७+
६	श	५७	१६	अ	३६	१९	व	१३	८	ग	२७	४९	१२	५८	२	२	२०	२३	वृश्चिके	भ.५७।१६उ.पूभा.बुध ५५।२९
७	र	५४	५५	ज्ये	३५	५०	सि	८	५०	वि	२६	५	१६	५७	३	३	२१	२४	ध.३५।५०	भ.२६।५या.वक्रीकुंभेशुक्रः१३।५०
८	चं	५१	२७	मू	३४	११	व्य	३/३४	५३/५७	बा	२३	११	२१	५६	४	४	२२	२५	धनुषि	शीतलापूजनम्
९	मं	४६	५४	पू	३१	२९	प	५०	२५	तै	१९	११	२५	५५	५	५	२३	२६	म.४५।३०	[E४१।२५बुधास्तःपूर्वस्यां ४९/३९
१०	बु	४०	५८	उ	२७	३२	शि	४२	२६	व	१३	५६	२९	५४	६	६	२४	२७	मकरे	भ.१३।५६उ.४०।५८या.
११	गु	३३	१०	श्र	२२	३८	सि	३३	४०	ब	७	४	३३	५३	७	७	२५	२८	कुं.४९।४६	पूभा.भौमः३७।३१पापमोचनी११व्र.
१२	शु	२६	२८	ध	१६	५३	सा	२४	१७	तै	२६	२८	३७	५३	७	८	२६	२९	कुंभे	मीनेबुधः५०।१६प्रदोषः
१३	श	१८	१२	श	१०	२९	शु	१४	३१	व	१८	१२	४१	५२	८	९	२७	३०	मी५०।३९	भ.१८।१२उ.४४।१या.
१४	र	९	५१	पू	४/२	५४/०	शु	४/५३	५०/४१	श	९	५१	४५	५१	९	१०	२८	३१	मीने	रेवत्यांरविः २३/११ (सौरः ३१/४१) उभा.बुधःE
३०	चं	१	४४	रे	५२	५५	ऐं	४७	५	ना	१	४४	४९	५०	१०	११	२९	१	मे.५२।५५	अप्रेल४ता.३०मन्वादिःनवरात्रारंभः

५०पं.चै.कृ.५शु.इ. ४०/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	११	५	०	११
८	१५	१७	५	०	२८	२३	७
३	२०	५८	१७	५३	१७	१८	५४
१८	२	८	४९	२	१३	३	३६
५९	४६	९७	६/१३	३४/१०	४/१०	३	५९
२९	८	३४	व	व	व	११	३५

गोचर ग्रहाः

इसमासमें मंगल का चंद्रदर्शन धान्यगल्ला गुडशक्कर चीनीगन्ना वस्त्र रुई कपास वारदाना घृत तेल में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहाः

५१पं.चै.कृ.१२शु.इ. ४१/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	१०	५	०	११
१४	२०	२९	४	२७	२७	२२	१४
५९	४८	४३	३२	२३	४६	५५	५०
१०	४७	२६	४९	४९	५५	४७	४८
५९	४६	७/०	७/४	२२/२०	४/२८	३	५९
१६	४	५५	व	व	व	११	१८

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१४२, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१४२, भोग्यकलिः ४२६८५८ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०९८, शाकः १९६३, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः। मंत्री शनिः। सस्येशः भौमः। धान्येशः रविः। मेघेशः शनिः। रसेशः गुरुः। नीरसेशः भौमः। फलेशः शुक्रः। धनेशः चंद्रः। दुर्गेशः शुक्रः। एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टिवब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ९ युवा संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ३।२६।१४।१८।३६ भोग्यमासादिः ८।३।४५।४१।२४ बार्हस्पत्यदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम चैत्रः।मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासस्तटे । समयनिवासो रजक गृहे । समय विश्वा८ समयवाहनम् वृषभः। स्तंभः१ तृणस्य । सोमवत्यमा २ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी २ भानुसप्तमी ३रविदशमी२ समय मुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १९ तिथिवृद्धिः १३ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपतिविश्वा १०८, वर्षाविश्वा ९, धान्यम् ११, तृणम् ९, शीतम् ५, तेजः ९, वायुः ५, वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः१७, ऐक्यम्७९, सत्यम्।। धर्मं १।।,पापं १८शनिदृष्टिर्दक्षिणे। ग्रहण१चंद्रमसः।

सं. २०९८ वैशा. शु. १४ बुधे चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
घं.	५	६	६
मि.	३८	१३	४८
ग्र.	५७	५९	०
प.	५७	२५	५३

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे गात से जिमि पूछा हर साल ।
अष्ट नवति संवत्तणो कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

आठों दिशा अठाणवे अन्न संचय दे काम ।
युवा पुरुष हर्षित फिरै तनय खिलावें वाम ।।
शशि राजा मंत्री शनि रहे परस्पर वैर ।
दुर्गाधिप फलपति भृगु करै जगत में खैर ।।
संवत् वासो रजकघर समयो विश्वा आठ ।
तट में जा रोहिणी बसी जल तृण का हो ठाठ ।।
सस्याधिप कुज देखतां चौपाया में रोग ।
व्यापारां घटबढ घणी अन्न मिले नहीं थोग ।।
फल संवत्सर का कहा देख नभश्चर चार ।
"त्रनवारी" जगदीश का भजन जगत में सार ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	२	११	८	८	२	८

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ०।१

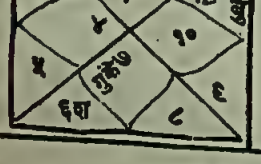

वर्षेश लग्नम् ११।६

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२४।५५

(सं० २००१ सम्प्रारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रः फलम् ॥ चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधि जरा नराणाम् ॥ मंत्री शनिः फलम् ॥ रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहु दुःखदा । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ॥ सस्येशो भौमःफलं ॥ प्रथम धान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग धनो जलं न समसौख्य करं तुष धान्य हृत् ॥ धान्येशो रविः फलम् ॥ पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम् ॥ मेघेशः शनिः फलम् ॥ रविसुते जलदस्यपतौ भुवि विरल वृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविध भोगरता जनता मता ॥ रसेशः गुरुः फलम् ॥ रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभ धान्य घृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहु जलाखिल देश सुरक्षिता ॥ नीरसेशो भौमः फलम् ॥ नीरसेशो यदा भौमः प्रवाल रक्त वाससां । रक्त चन्दन ताम्राणां मर्घ वृद्धिर्दिनेदिने ॥ फलेशः शुक्रः फलम् ॥ यदि फलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदुकुमार मही रुह-राशयः । बहु फला नरनाथ सुभोगदा द्विजवरा श्रुति पाठ परायणाः ॥ धनेशः चन्द्रः फलम् ॥ धनपतिर्मृग लाञ्छनको यदा रसचया क्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालि सुगंध रसं बहु द्रविण तैल युतं नृप सौख्यदं ॥ दुर्गेशः शुक्रः फलम् ॥ नगरदेश विशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्यकरो मतः । विनय वाणिज गेह समः सुखो नगवने निकटेपि च दूरतः ॥ युवानाम संवत्सरः फलम ॥ प्रभूत पयसो गावः सुखिनः सर्वजन्तवः । सर्वकाम क्रियासक्तो युवाब्दे युवती जनः ॥ वर्षनाम चैत्रः फलम् ॥ सस्यानि घृत कार्पास तैलादि सुख संचयः । चैत्र वर्षे भवेद्वृद्धिर्नृप सौख्य फलप्रदा ॥ मेघनाम संवर्तः फलम् ॥ संवर्ते जलपूरिता ॥ रोहिणी निवासस्तटे फलम् ॥ तटेवृष्टिः सुशोभनाः ॥ समय निवासो रजक गृहे फलम् ॥ रजके वृष्टिरुत्तमा ॥ एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०९८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ रवौ उफा ल. ऽन्यगो रे. ९ ।।।।ऽ।।।।।

" १५ भौमे स्वात्यां ल. १० रे. ६ ।।।।ऽऽअऽऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा १ बुधे स्वात्यां ल. ८-९ (घ.४६-४१या.) रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

" ५ रवौ मूले ल. गो. ८ रे. ६ ऽ।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा

" ६ चन्द्रे उषा ल. १० रे. ६ ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।

" ७ भौमे उषा ल. ऽन्यगो ८ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

शुक्ला २ गुरौ रोहि ल. १० रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

" ९ गुरौ मघा ल. गो. (सोग्रांग·) ९ रे. ६ ऽ।।।।ऽचौऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

" १२ रवौ हस्तें ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ९-१० रे. ७ ।।।ऽऽ।ऽ।।। पादतो वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ५ चन्द्रे उषा ल. गो. ९ रे. ६ ऽ।।।।।ऽऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

" ११ शनौ रेव ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।ऽशु।।ऽअऽऽ।।

शुक्ला ६ बुधे मघा ल. ऽन्यगो ९ रे. ६ ऽ।।।।ऽअऽऽ।।

" ८ शुक्रे उफा ल.गो.९-१०रे.८ ।।।।।ऽनृ४८याऽ।।।

" १५ शुक्रे मूलें ल. ९-१० रे. ६ ऽ।।।ऽ।ऽऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णा ८ शुक्रे उभा ल. ऽन्यगो १० रे. ७ ।।।।।ऽचोऽऽ।।

" ८ शुक्रे रेव ल. २ रे. ८ ।।।।।ऽचौऽ।ऽ।

" ९ शनौ रेव ल. ऽन्यगो १० रे.८ ।।।।।।ऽऽ।।

शक्ला ७ शनौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।।ऽअऽऽ।ऽदग्धा

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला २ चन्द्रे मूले ल, ५-६ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

" ९ चन्द्रे उभा ल. गो. ६ (चं.७पू.) रे. ७ ।।।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा

" १५ शनौ रोहि ल. ४ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

माघ मासः

शुक्ला १० गुरौ रोहि ल. गो. (सोग्रांगः) ६-८ रे. ६ ।।।।ऽ।ऽऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः (वृश्चिके व्ययेकौं)

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ गुरौ मघा ल. गो. (सोग्रांगः) रे.७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

" ३ शनौ उफा ल. गो. (सोग्रांगः) ल.८ (व्ययेकौं)

" ४ रवौ हस्ते ल.गो.(सोग्रांगः) रे.८।।।।।ऽरोऽ।ऽ।।

" ११ रवौ मूले ल. ऽन्यगो रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।।

शुक्ला ३ शनौ उभा ल. ८ रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।।

चैत्र मासः

कृष्णा २ शनौ हस्ते ल.गो.८ रे.७ ।ऽ।ऽशुऽचौ४९उ।।।। (वृश्चिके व्ययेकौं) पादतो वेधाऽभावः

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												वि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४०१४स.२०४१
१	चं	५२	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं	४८	३१	अ	४९	१४	वै	३९	४०	बा	२१	३१	३०/५३	५/४९	६/११	१२	३०	२	मेषे	चंद्रदर्शनम्सिंघारा
३	बु	४४	१७	भ	४७	४	वि	३३	३६	तै	१६	२४	५७	४९	११	१३	१	३	मेषे	रविलाख र४मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	गु	४२	१६	कृ	४७	१२	प्री	२९	२	व	१३	१६	३१/१	४८	१२	१४	२	४	बृ.२।६	भ.१३/१६उ.४२/१६या.
५	शु	४२	७	रो	४९	१९	आ	२६	२३	ब	१२	११	५	४७	१३	१५	३	५	बृषे	
६	श	४४	७	मृ	५३	१५	सौ	२५	४२	कौ	१३	७	९	४६	१४	१६	४	६	मि२१।१७	
७	र	४७	५०	आ	५८	५०	शो	२५	५०	ग	१५	५८	१२	४५	१५	१७	५	७	मिथुने	भ.४७/५०उ.रेवत्यांबुधः४६/४३मार्गीशुक्रः५२/५८
८	चं	५३	४	पु	६०	०	अ	२७	७	वि	२०	२७	१६	४५	१५	१८	६	८	क.४८।५७	भ.२०/२७या.वक्रीचित्रा.३गुरुः३८।४५
९	मं	५९	९	पु	५	३९	सु	२९	१३	बा	२६	६	२०	४४	१६	१९	७	९	कर्के	रामनवमी
१०	बु	६०	०	पु	१३	२	धृ	३१	३८	तै	३२	२३	२३	४३	१७	२०	८	१०	कर्के	मीनेभौमः२५।४
१०	गु	५	३८	श्ले	२०	४३	शू	३३	५९	ग	५	३८	२७	४३	१७	२१	९	११	सिं२०।४३	भ.३८।४५उ.
११	शु	११	५२	म	२७	५१	गं	३५	५६	वि	११	५२	३०	४२	१८	२२	१०	१२	सिंहे	भ.११।५२या.कामदा११व्र.
१२	श	१७	२५	पू	३४	३१	वृ	३७	२२	बा	१७	२५	३४	४१	१९	२३	११	१३	क.५०।२७	अश्वि.मेषेऽर्कः५७/९वक्रीचित्रा.१शनिः =
१३	र	२२	१०	उ	४०	१४	ध्रु	३८	१	तै	२२	१०	३८	४०	२०	२४	१२	१४	कन्यायां	अश्वि.मेषेऽर्कःसौरः६/१४अश्वि.मेषेबुधः+
१४	चं	२५	२९	ह	४४	४०	व्या	३७	२९	व	२५	२९	४२	४०	२०	२५	१३	१५	कन्यायां	भ.२५/२९उ.५६/३३या. [=१७/१८प्रदोषः
१५	मं	२७	३८	चि	४७	४३	ह	३६	६	ब	२७	३८	४६	३९	२१	२६	१४	१६	तु.१६।११	हनुमज्जयंती[+२१/४०उभा.भौमः४६।२

५२पं.चै.शु.५शु.इ.४१।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	६	१०	५	०	११
२१	२६	१२	३	२५	२७	२२	२१
५३	१७	३५	४२	४२	१५	३३	४४
३०	२०	२०	२५	१४	२६	३२	५९
५९	४६	११/१६	७/३५	५/५५	४/४०	३	५९
४	४	५८	व	व	व	११	४

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले १२ शनौ मषेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न.४युवावस्था(सूती) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

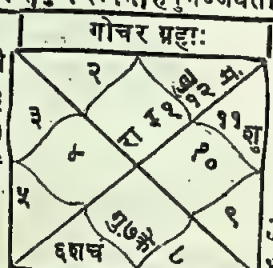

१पं.चै.शु१२श.इ.५७।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	६	१०	५	०	११
०	२	२९	२	२६	२६	२२	२९
०	४२	९	४३	१३	३६	७	५१
०	३२	१४	१	१९	५४	२७	१५
५८	४५	१२/१५	७/५२	१३/१	४/४०	३	५८
४४	५९	व	व	मा	व	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु	२८	३१	स्वा	४९	४१	व	३३	४६	कौ	२८	३१	३१/५०	५/३८	६/२२	२७	१५	१७	तुलायां	
२	गु	२८	१६	वि	५०	३२	सि	३०	३७	गं	२८	१६	५३	३७	२३	२८	१६	१८	वृ.३५।१९	भ.५७।३२उ.
३	शु	२६	४९	अ	५०	२१	व्य	२६	३८	वि	२६	४९	५७	३७	२३	२९	१७	१९	मिथुने	भ.२६।४९या.चतुर्थीव्र.
४	श	२४	३४	ज्ये	४९	३४	व	२१	५८	बा	२४	३४	३२/१	३६	२४	३०	१८	२०	ध.४९।३४	भरण्यांबुधः३८।१०
५	र	२१	३५	मू	४७	५८	प	१६	४४	तै	२१	३५	५	३५	२५	१	१९	२१	धनुषि	भा.वैशाखारंभः
६	चं	१८	२	पू	४६	२९	शि	१०	५९	व	१८	२	९	३४	२६	२	२०	२२	धनुषि	भ.१८।२उ.४५।५७या.
७	मं	१३	५३	उ	४२	५९	सि	४/४०	५३/१५	ब	१३	५३	१२	३४	२६	३	२१	२३	म.०।३७	
८	बु	८	५७	श्र	३९	४२	शु	५०	४२	कौ	८	५७	१६	३३	२७	४	२२	२४	मकरे	मीनेशुक्रः२२।४६
९	गु	३	३८	ध	३५	४४	शु	४३	११	ग	३	३८	२०	३२	२८	५	२३	२५	कुं.७।४३	भ.३०/३९उ.५७/४०या.पातस्पर्शः५३।४६
१०	गु	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	शु	५१	१७	श	३१	२५	ब्र	३५	७	ब	२४	२८	२३	३१	२९	६	२४	२६	कुंभे	बुधोदयःपश्चिमे१८/१०पातमोक्षः४/१९वरु- =
१२	श	४४	३८	पू	२६	३६	ऐं	२७	५	कौ	१७	५७	२७	३१	२९	७	२५	२७	मी१२।४८	भरण्यांरविः३७/२२सौरः४७/३९कृत्ति.बुधः ÷
१३	र	३८	३	उ	२२	४	वैं	१८	५५	ग	११	२०	३१	३०	३०	८	२६	२८	मीने	भ.३८/३उ.बृषेबुधः५३।१४प्रदोषः
१४	चं	३१	५१	रे	१७	४६	वि	११	२०	वि	४	५७	३४	२९	३१	९	२७	२९	मे.१७।४६	भ.४।५७या.उभा शुक्रः५०।२३
३०	मं	२६	२८	अ	१४	२०	प्री	४/९	५३/४७	ना	२६	२८	३८	२८	३२	१०	२८	३०	मेषे	=थिनी११व्र.स्मा.[÷८/४७वरुथिनी११वै.

२पं.वै.कृ.४श.इ. ५७/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	६	१०	५	०	०
६	८	१३	१	२८	२६	२१	६
५०	८	५९	४९	३२	४	४५	४१
४६	३५	५३	२६	१३	५२	१२	२६
५८	४५	१२/४	७/५२	२६	४/३०	३	५८
३१	५९		व	२२	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

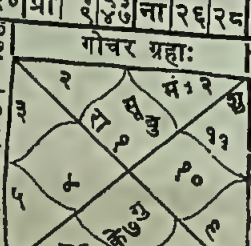

इस मास में चांदी रुई सुवर्ण सण तिल वारदाना कपास वस्त्र मंदे होवे घृत धान्य बाजरा मूंग मोठचना आदि तेज हों।

गोचर ग्रहाः

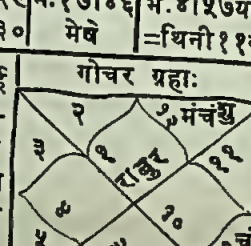

३पं.वै.कृ.१२श.इ. ४३/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	६	११	५	०	०
१३	१३	२८	०	२	२५	२१	१३
३९	३३	१३	५६	११	३४	२२	२९
५०	२२	४१	५३	३५	१	५६	५१
५८	४५	१२/४	७/३७	३६	४/४	३	५८
१९	४४	५३	व	२६	व	११	१२

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४०४३स.२०४१
१	बु २२ १८ भ ११ ५६ सौ ५२ ५६ व २२ १८	३३ ४१	५ २८	६ ३३	११	२९	१	बृ.२६।४५	रेवत्यां भौमः ५८ चंद्रदर्शनम् मई ५ ता.३१
२	शु १९ ५२ कृ ११ १४ शो ४९ २८ कौ १९ ५२	४५	२७	३३	१२	१	२	वृषे	जमादिलावल ५ परशुरामजयंती
३	शु १९ ७ रो १२ ७ अ ४७ २९ ग १९ ७	४८	२६	३४	१३	२	३	मि ४३।३६	भ.४९।४०उ.अक्षया ३
४	श २० १४ मृ १५ ५ सु ४६ ३७ वि २० १४	५२	२६	३४	१४	३	४	मिथुने	भ.२०।१४या.रोहि.बुधः ४।३
५	र २३ १२ आ १९ ३९ धृ ४७ २० बा २३ १२	५५	२५	३५	१५	४	५	मिथुने	
६	चं २७ ४८ पु २५ ४६ शू ४९ ० तै २७ ४८	५८	२४	३६	१६	५	६	क.९।१४	वक्रीचित्रा.२कन्यायां गुरुः०।१४
७	मं ३३ २३ पु ३२ ३४ गं ५१ ३ ग ० ३५	३३	२४	३६	१७	६	७	कर्के	भ.३३।२३उ.
८	बु ३९ ३६ श्ले ४० १४ बृ ५३ ३९ वि ६ २९	५	२३	३७	१८	७	८	सिं ४०।१४	भ.६।२९या.पातस्पर्शः ४७।१
९	गु ४५ ४८ म ४७ ४३ ध्रु ५५ ५० बा १२ ४२	८	२२	३८	१९	८	९	सिंहे	पातमोक्षः १।१७
१०	शु ५१ ३१ पू ५४ ३७ व्या ५७ ४० तै १८ ३९	११	२२	३८	२०	९	१०	सिंहे	
११	श ५६ ११ उ ६० ० ह ५८ २९ व २३ ५१	१४	२१	३९	२१	१०	११	क.११।५	भ.५१ उ.५६ या.कृत्ति.रविः ३३ सौर.+
१२	र ५९ १७ उ ० ३० व ५८ १६ ब २७ ४४	१७	२१	३९	२२	११	१२	कन्यायां	[+३१ मोहिनी ११व्र.
१३	चं ६० ० ह ४ ५२ सि ५६ ४७ कौ ३० ११	२०	२०	४०	२३	१२	१३	तु.३६।१८	प्रदोषः
१३	मं १ ४ चि ७ ४४ व्य ५३ ५९ तै १ ४	२३	१९	४१	२४	१३	१४	तुलायां	वृषेऽर्कः ५०।३६ नृसिंहजयंती
१४	बु १ ११ स्वा ९ ५ व ५० १ व १ ११	२६	१९	४१	२५	१४	१५	बृ.५४।१०	भ.१ उ.३ या.ग्रस्तास्तचंद्रग्रहणम्=
१५	बु ५८ २३ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	=वृषेऽर्कः सौरः २३ यमायकुंभदानम्

४पं.वै.शु.४श.इ. ५७ ५६

र	सं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	६	११	५	०	१
२०	१८	१०	०	६	२५	२१	२०
२७	५६	३६	७	५२	४	०	१६
२९	३१	१४	१२	२६	५९	४१	३८
५८	४५	९२	५८	४४	३	३	५७
६	४४	१०	व	२५	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

वैशाखशुक्ले १३ भौमे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

५पं.वै.शु.११श.इ. ५८

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	५	११	५	०	०
२७	२४	१८	२९	१२	२४	२०	२७
१३	१६	४७	२२	१९	३९	३८	१
३७	३०	२०	२६	८	४	२५	५२
५७	४५	५८	१०	५०	३७	३	५७
५४	२९	५७	व	१०	ब	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	गु ५६ ४९ चि ९ ११ प ४५ ११ बा २८ ११	३३ २८	५ ४३	६ २६	१५	१६		वृश्चिके	
२	शु ५२ ५८ अ ७ ५६ शि ३९ ३१ तै २४ ५३	३१	१८	४२	१७	१६	१७	वृश्चिके	मृगे बुधः ३६।३६ रेवत्यां शुक्रः८।४७
३	श ४८ २२ ज्ये ५ ४८ सि ३३ १४ ब २० ४०	३४	१७	४३	२८	१७	१८	ध.५।४८	भ.२०।४०उ.४८।२२या.
४	र ४३ १८ मू ५३ ५६ सा २६ ३२ ब १५ ५०	३७	१७	४३	२९	१८	१९	धनुषि	अश्वि.मेषे भौमः २६ चतुर्थीव्र.
५	चं ३८ २ उ ५६ १९ शु १९ ३६ कौ १० ४०	३९	१६	४४	३०	१९	२०	म.१३।४७	
६	मं ३२ ३९ श्र ५२ ५८ शु १२ ३७ ग ५ २०	४२	१६	४४	३१	२०	२१	मकरे	भ.३२।३९उ.पातस्पर्शः ४७।१७
७	बु २७ २३ ध ५० २८ ब्र ३५ ५३ वि ० १	४४	१५	४५	१	२१	२२	कुं.२१।४३	भ.१ या.पातमोक्षः २६ भा.ज्येष्ठारंभः
८	गु २२ १४ श ४६ १४ वै ५१ ४४ कौ २१ १४	४७	१५	४५	२	२२	२३	कुम्भे	वक्रीबुधः २०।५८
९	शु १६ ५१ पू ४३ ५६ वि ४४ ४८ ग १६ ५१	४९	१४	४६	३	२३	२४	मी २९।३०	भ.४७ उ.भरणी २ राहुः स्वाती ४ केतुः २५
१०	श ११ ४४ उ ३९ ५७ प्री ३८ ८ वि ११ ४४	५२	१४	४६	४	२४	२५	मीने	भ.४ या.रोहि.रविः १५ सौरः २९
११	र ६ ४८ रे ३७ १३ आ ३१ ५६ बा ६ ४८	५४	१३	४७	५	२५	२६	से.३७।१३	बुधास्तः पश्चिमे ५५ अपरा ११व्र.
१२	चं २ १६ अ ३५ ५ सौ २६ ४ तै २ १६	५६	१३	४७	६	२६	२७	मेषे	भ.५८।२८उ.प्रदोषः
१३	चं ५६ १२ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	मं ५५ २० भ ३३ ३७ शो २० ४२ वि २६ ५४	५८	१२	४८	७	२७	२८	वृ.४८।३०	भ.२६।५४या.
३०	बु ५३ ४५ कृ ३३ १० अ १६ ८ च २४ ३२	३४ ०	१२	४८	८	२८	२९	वृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.३श.इ. ५८ १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	५	११	५	०	१
३	२९	२३	२८	१८	२४	२०	३
५८	३६	७७	४३	१९	१६	१६	४५
४४	५८	५६	८	५९	२३	९	३७
५७	४५	२०	५	१४	५३	३	५७
४४	२७	३१	व	४७	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय व शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि शुभ व मंदीकारक है धान्य गल्ला में मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

७पं.ज्ये.कृ.१०श.इ. ५८ २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	५	११	५	०	१
१०	४	२४	२८	२४	२३	१९	१०
४२	५२	४२	१०	४७	५७	१३	२७
४०	४८	३७	३०	४२	१८	५४	४८
५७	४५	१२	५	५८	१९	३	५७
३५	१४	व	व	२५	व	११	२३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४०७२स.२०४१
१	गु	५३	१०	रो	३४	१९	सु	१२	४३	किं	२३	२७	३४/२	५/५२	६/४८	९	२९	३०	वृषे	
२	शु	५४	१४	मृ	३६	४४	धृ	१०	३५	बा	२३	४२	३	११	४९	१०	३०	३१	मि५।३२	वक्रीरोहि.बुधः ३०/२४ अश्वि.मेषेशुक्रः २३/४३ =
३	श	५७	१२	आ	४०	५६	शू	९	४४	तै	२५	४३	५	११	४९	११	१	१	मिथुने	जमादिलाखर६जून६ता.३०
४	र	६०	०	पु	४६	१७	गं	९	३०	व	२९	१२	७	११	४९	१२	२	२	क.२९।५७	भ.२९।१२उ. [=चंद्रदर्शनम्
४	चं	१	१३	पु	५२	४७	वृ	१०	४४	वि	१	१३	९	१०	५०	१३	३	३	कर्के	भ.१।१३या.
५	मं	६	२७	श्ले	६०	०	ध्रु	१२	३४	बा	६	२७	१०	१०	५०	१४	४	४	कर्के	
६	बु	१२	२६	श्ले	०	८	व्या	१५	७	तै	१२	२६	१२	१०	५०	१५	५	५	सिं०।८	
७	गु	१८	४२	म	७	३७	ह	१७	२५	व	१८	४२	१३	९	५१	१६	६	६	सिंहे	भ.१८/४२उ.५१/३९या.भरण्यांभौमः१७।५४
८	शु	२४	३६	पू	१५	२	व	१९	४६	व	२४	३६	१५	९	५१	१७	७	७	कं.३१।४०	
९	श	२९	३९	उ	२१	३२	सि	२१	१८	कौ	२९	३९	१६	९	५१	१८	८	८	कन्यायां	मृगेरविः ५८/५१ (सौरः२८।१६)
१०	र	३३	११	ह	२६	४१	व्य	२१	४०	तै	१	२५	१७	९	५१	१९	९	९	तु.५८।३२	गंगादशमी
११	चं	३५	१३	चि	३०	२३	व	२०	४९	व	४	१२	१८	८	५२	२०	१०	१०	तुलायां	भ.१४/१२उ,३५/१३या.निर्जला११व्र.
१२	मं	३५	१८	स्वा	३२	१०	प	१८	३५	ब	५	१५	१९	८	५२	२१	११	११	तुलायां	प्रदोषः
१३	बु	३३	२५	वि	३१	५८	शि	१४	४९	कौ	४	२२	१९	८	५२	२२	१२	१२	वृ.१७।१	
१४	गु	२९	४८	अ	३०	७	सि	९	३५	ग	१	३६	२०	८	५२	२३	१३	१३	वृश्चिके	भ.२९/४८उ.५६/४४या.भरण्यांशुक्रः३०।१४
१५	शु	२४	४०	ज्ये.	२७	३	सा	३/१६	५२/४१	ब	२४	४०	२१	८	५२	२४	१४	१४	ध.२७।३	गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

८ पं.ज्ये.शु.५श.इ. ५८/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	५	०	५	०	१
१७	१०	२२	२७	१	२३	१९	१७
२५	६	३५	४८	३६	४२	३१	८
२६	५४	४६	१४	३६	३२	३८	५४
५७	४४	३०/८	२/४६	६१	१/४६	३	५७
२७	५९	वं	वं	१०	वं	११	१३

गोचर ग्रहाः

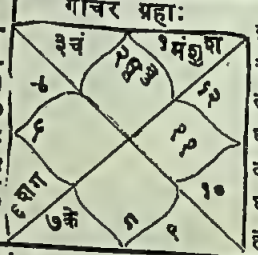

इस मास में शुक्र का चन्द्रदर्शन चांदीसोना लोहा ताम्बा आदि धातुये रुई कपास वारदाना वस्त्र में घट बढ लेकर तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

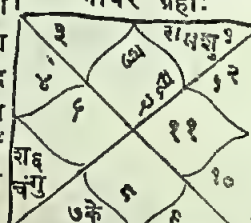

९पं.ज्येशु.९श.इ. ५८/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	५	०	५	०	१
२४	१५	१८	२७	८	२३	१९	२३
७	१९	४४	३०	४२	३२	९	४८
३०	४१	२३	३२	२२	२८	२३	५०
५७	४४	३०/०	१/२६	६३	१/५	३	५७
२२	४३	वं	वं	२४	वं	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.
१	श	१८	२७	मू	२२	५०	शु	४७	५०	कौ	१८	२७	३४/२१	५/८	६/५२	२५	१५	१५	धनुषि	मिथुनेऽर्कः ७/२५ सौरः २९/४ मार्गीगुरुः ३५/२३ ×
२	र	११	४०	पू	१७	५९	ब्र	३९	३०	ग	११	४०	२२	८	५२	२६	१६	१६	म.३१।४२	भ.३८।५उ. [×बुधोदयःपूर्वस्यां१।२०
३	चं	४	२९	उ	१२	५३	ऐं	३१	८	वि	४	२९	२२	८	५२	२७	१७	१७	मकरे	भ.२९/४या.चतुर्थीव्र.
४	चं	५२	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	मं	५०	४३	श्र	७	५९	वै	२२	५८	कौ	२४	४	२३	७	५३	२८	१८	१८	कुं.३५।४१	
६	बु	४४	४०	ध	२३/२२	५६/३	वि	१५	५	ग	१७	४१	२३	७	५३	२९	१९	१९	कुम्भे	भ.४४/४०उ.मार्गीबुधः ७/१८ मार्गीशनिः ५३/३७
७	गु	३९	५	पू	५६	१	प्री	७	४२	वि	११	५२	२३	७	५३	३०	२०	२०	मी४१।५२	भ.११।५२या.
८	शु	३४	१६	उ	५३	३२	आ	०/४२	५३/४९	बा	६	४०	२४	७	५३	३१	२१	२१	मीने	
९	श	२९	५९	रे	५१	३६	शो	४८	५०	तै	२	७	२४	७	५३	१	२२	२२	मे.५१।३६	भ.५८/२१उ.आर्द्रा.रविः ६/२० सौरः ३०/३७भा. =
१०	र	२६	४४	अ	५०	२९	अ	४३	५९	वि	२६	४४	२४	७	५३	२	२३	२३	मेषे	भ.२६।४४या. [=आषाढारंभः
११	चं	२४	१२	भ	५०	१७	सु	३९	४६	बा	२४	१२	२४	७	५३	३	२४	२४	मेषे	कृत्ति.भौमः२६।५०योगिनी११व्र.
१२	मं	२२	३८	कृ	५१	३	धृ	३६	१७	तै	२२	३८	२४	७	५३	४	२५	२५	वृ.५।२८	कृत्ति.शुक्रः४८।३५प्रदोषः
१३	बु	२२	१९	रो	५२	५७	शू	३३	४१	व	२२	१९	२३	७	५३	५	२६	२६	वृषे	भ.२२।१९उ.५२।३२या.
१४	गु	२२	४६	मृ	५५	५५	गं	३१	५०	श	२२	४६	२३	७	५३	६	२७	२७	मि२४।२६	
३०	शु	२४	३८	आ	६०	०	वृ	३१	२३	ना	२४	३८	२२	८	५२	७	२८	२८	मिथुने	वृषेशुक्रः५६।२७

१०पं.आ कृ.१श.इ. ५८/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	५	०	५	०	२
०	२०	१६	२७	१६	२३	१८	०
४८	२८	४०	२३	०	२७	४७	२७
४७	१९	३०	४९	४७	१४	७	५९
५७	४४	१४/२६	०/५	६५	०/२८	३	५६
१७	२८	वं.	मा	५	वं.	११	५७

गोचर ग्रहाः

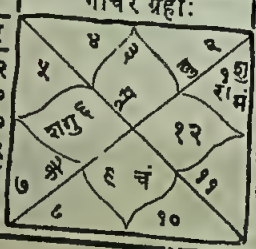

आषाढकृष्णे १ शनौ मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ५न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३०धान्यान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

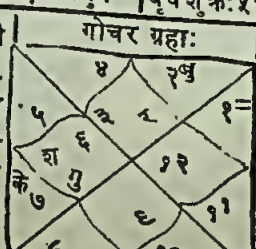

११पं.आ.कृ. ९श.इ. ५८/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	५	०	५	०	२
७	२५	१७	२७	२३	२३	१८	७
२९	३४	२८	२५	३१	२६	२४	६
४२	५५	५	२६	७	३८	५१	२६
५७	४४	१७/३९	१	६६	०/२२	३	५६
१३	१०	मा	१०	३६	मा	११	५४

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्) =राचंमंशु

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१०२स.२०४१
१	श	२७	४०	आ	०	१	ध्रु	३१	११	ब	२७	४०	३४/२२	५/८	६/५२	८	२९	२९	क.४९।२	वृषेभौमः६।२०चद्रदर्शनम्
२	र	३१	५८	पु	५	२२	व्या	३२	१७	कौ	३१	५८	२१	८	५२	९	१	३०	कर्के	रज्जव७रथयात्रा
३	चं	३७	११	पु	११	५१	ह	३३	५२	तै	४	३४	२०	८	५२	१०	२	१	कर्के	मृगेबुधः १२/४७जुलाई७ता.३१
४	मं	४३	८	श्ले	१८	३८	व	३६	३	व	१०	१०	१९	८	५२	११	३	२	सिं१८।३८	भ.१०।१०उ.४३।८या.
५	बु	४९	२६	म	२६	१९	सि	३८	३९	ब	१६	१७	१८	८	५२	१२	४	३	सिंहे	
६	गु	५५	३५	पू	३४	१	व्य	४१	२३	कौ	२२	३१	१७	९	५१	१३	५	४	कं.५०।५०	
७	शु	६०	०	उ	४१	१६	व	४३	३१	ग	२८	१८	१६	९	५१	१४	६	५	कन्यायां	
७	श	१	१	ह	४७	२२	प	४४	४४	व	१	१	१५	९	५१	१५	७	६	कन्यायां	भ.१/१उ.३३/११या.पुन.रविः५/०(सौरः३४/३९) ×
८	र	५	२१	चि	५२	८	शि	४४	५६	व	५	२१	१४	९	५१	१६	८	७	तु.१९।४५	रोहि.शुक्रः५३।०
९	चं	८	१३	स्वा	५५	९	सि	४३	४८	कौ	८	१३	१३	९	५१	१७	९	८	तुलायां	[×मिथुनेबुधः३५।१७
१०	मं	९	७	वि	५६	१४	सा	४१	८	ग	९	७	११	१०	५०	१८	१०	९	वृ.४०।५८	भ.३८।५०उ.
११	बु	७	५९	अ	५५	२२	शु	३६	४९	वि	७	५९	१०	१०	५०	१९	११	१०	वृश्चिके	भ.७।५९या.देवशयनी११व्र.
१२/१३	गु	४/५४	४१/५६	ज्ये	५२	२८	शु	३०	५५	बा	४	४१	८	१०	५०	२०	१२	११	ध.५२।२८	आर्द्रा.बुधः१०।१९प्रदोषः
१४	शु	५२	४५	मू	४७	५३	ब्र	२३	३३	ग	२६	१३	७	११	४९	२१	१३	१२	धनुषि	भ.५२/४५उ. [=वायुपरीक्षा
१५	श	४४	५४	पू	४२	७	ऐं	१४	५२	वि	२३	५०	५	११	४९	२२	१४	१३	म.५५।२९	भ.२३/५०या.रोहि.भौमः१०/३६व्यासपूजा =

१२पं.आ.शु.१श.इ. ५८/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	५	१	५	०	२
१४	०	२२	२७	१	२३	१८	१३
१०	३८	१३	३५	२	३१	२	४४
८	२	८	२४	५८	२६	३५	३१
५७	४३	५३	२	६७	१	३	५६
७	५२	५५	२८	४९	७	११	५०

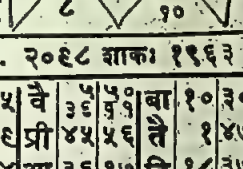

४चं ४ बुमंशु २ ५ ३सू रा१ ६गुश १२ ७के ९ ११ ८ १०

१३पं.आ.शु.७श.इ. ५८/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	५	१	५	०	२
२०	५	०	२७	८	२३	१७	२०
५०	३७	३३	५४	५७	४०	४०	२२
३५	४४	४०	२६	११	२३	१९	२५
५७	४३	८७	३	६८	१	३	५६
७	३५	५८	४७	५०	४०	११	५०

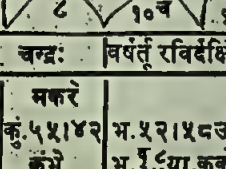

४ २मंशु ५ सूबु३ रा१ गुश६ १२ ७के ९ ११ ८ १०चं

१४पं.आ.शु.१५श.इ. ५८/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	५	१	५	०	२
२७	१०	११	२८	१९	२३	१७	२७
३०	३४	५३	२२	५०	५४	१८	०
५४	१२	४९	१	३१	२२	४	३२
५७	४३	११२/१४	४	६९	२	३	५६
१२	०३		५५	३८	२४	११	५४

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	र	३६	१६	उ	३५	३५	वै	५/३६	५०/११	बा	१०	३०	३४/३	५/११	६/४९	२३	१५	१४	मकरे	
२	चं	२७	१९	श्र	२८	५९	प्री	४५	५६	तै	१	४७	१	१२	४८	२४	१६	१५	कुं.५५।४२	भ.५२।५८उ.
३	मं	१८	३७	ध	२२	२४	आ	३६	१७	वि	१८	३७	३३/५९	१२	४८	२५	१७	१६	कुंभे	भ.१८/३७या.कर्केऽर्कः३४/३६बुधास्तःपूर्वस्यां ×
४	बु	१०	३२	श	१६	३२	सौ	२७	२१	बा	१०	३२	५७	१३	४७	२६	१८	१७	मी५७।४०	कर्केऽर्कःसौरः७।२३ [×५०/२३चतुर्थीव्र.
५/६	गु	४/५३	२२/४	पू	११	२२	शो	१८	५८	तै	४	२२	५५	१३	४७	२७	१९	१८	मीने	भ.५७/२६उ.पुन.बुधः१८।२२नाग५
७	शु	५२	३६	उ	७	३५	अ	११	४२	वि	२५	१	५२	१४	४६	२८	२०	१९	मीने	भ.२५।१या.मृगेशुक्रः४१।२६
८	श	४९	१३	रे	५	४	सु	५	२९	बा	२०	५४	५०	१४	४६	२९	२१	२०	मे.५।४	पुष्येरविः३।५४सौरः३८।४
९	र	४७	१०	अ	३	४९	धृ	०/१३	५५/५४	तै	१८	११	४८	१४	४६	३०	२२	२१	मेषे	
१०	चं	४६	२३	भ	३	५६	गं	५२	५८	व	१६	४६	४५	१५	४५	३१	२३	२२	वृ.१९।१४	भ.१६।४६उ.४६।२३या.
११	मं	४६	५९	कृ	५	७	वृ	५१	२	ब	१६	४१	४३	१५	४५	१	२४	२३	वृषे	कर्केबुध१/१९भा.श्रावणारंभःकामि.११व्र.
१२	बु	४८	३७	रो	७	४६	ध्रु	४९	५५	कौ	१७	४८	४०	१६	४४	२	२५	२४	मि३९।४०	पुष्येबुधः३०।१५
१३	गु	५१	३२	मृ	११	३४	व्या	५०	१	ग	२०	५	३८	१६	४४	३	२६	२५	मिथुने	भ.५१/३२उ.मिथुनेशुक्रः३०/३७भरणी१राहुः ÷
१४	शु	५५	२२	आ	१६	२२	ह	५०	२०	वि	२३	२७	३५	१७	४३	४	२७	२६	मिथुने	भ.२३।२७या.
३०	श	६०	०	पु	२१	५३	व	५१	२९	च	२७	४३	३३	१७	४३	५	२८	२७	क.५।३०	हरियाली
३०	र	०	५	पु	२८	२८	सि	५३	१७	ना	०	५	३०	१८	४२	६	२९	२८	कर्के	[÷स्वाती३केतुः५५/५७प्रदोषः

१५पं.श्रा.कृ.८श.इ. ५७/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	५	१	५	०	३
४	१५	१५	२८	२४	२४	१६	३
११	२७	३८	५६	४९	१२	५५	३८
३८	१८	२८	४९	५२	३४	४८	५९
५७	४२	१२७/१४	३	७०	३	३	५६
१५	४६		६	२६	९	११	५९

गोचर ग्रहाः

५ ४ ३बु श६ गु रे शुमं २ के ७ १राचं ८ १० १२ ९ ११

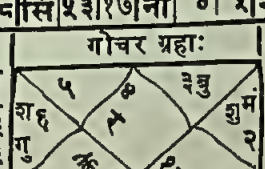

श्रावण कृष्णे ३ भौमे कर्केऽर्क.प्रविष्टः वा. ४ न. ६ बालावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

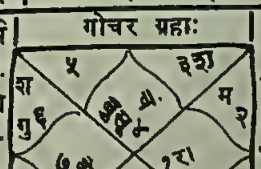

गोचर ग्रहाः

५ ३श श ६ गु बुसू४ बं म २ ७के १रा ८ १० १२ ९ ११

१६पं.श्रा.कृ.३०श.इ. ५७/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	५	२	५	०	३
१०	२०	१०	२९	२	२४	१६	१०
५२	१८	३१	३८	५४	३५	३३	१८
४१	४	१९	४९	२५	३८	३२	१६
५७	४२	१२४/४०	६	७१	३	३	५७
२०	१२		५३	५	४१	११	५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण४१३२स२०४१
१	चं	५	३०	श्ले	३५	२६	व्य	५५	२६	ब	५	३०	३३/२७	५/१९	६/४१	७	३०	२९	सिं३५।२६	चंद्रदर्शनम्
२	मं	११	३५	म	४३	२	व	५८	३	कौ	११	३५	२४	१९	४१	८	१	३०	सिंहे	आश्लेबुधः ५५/१७ सावान८सिंघारा
३	बु	१७	४९	पू	५०	३७	प	६०	०	ग	१७	४९	२२	२०	४०	९	२	३१	सिंहे	भ.५०/५५ उ.आर्द्रा.शुक्रः ८/१५ चित्रा.३तुला.=
४	गु	२४	२	उ	५८	९	प	०	२१	वि	२४	२	१९	२०	४०	१०	३	१	कं.७।३०	भ.२४/२ या.मृगेभौमः ३१/५९ अगस्त८ता. ×
५	शु	२९	४४	ह	६०	०	शि	२	५४	वा	२९	४४	१६	२१	३९	११	४	२	कन्यायां	नागपंचमी [×३१वरद४
६	श	३४	३४	ह	५	०	सि	५	०	कौ	२	९	१३	२१	३९	१२	५	३	तु.३७।५४	आश्ले.रविः ०/५५ (सौरः३७।५१)
७	र	३८	१४	चि	१०	४८	सा	६	३	ग	६	२४	१०	२२	३८	१३	६	४	तुलायां	भ.३८/१४ उ. [=गुरुः३४।४५तीज
८	चं	४०	१८	स्वा	१५	१४	शु	६	१	वि	९	१६	७	२३	३७	१४	७	५	तुलायां	भ.९।१६या.
९	मं	४०	३०	वि	१७	५७	शु	४	४६	बा	१०	२४	४	२३	३७	१५	८	६	वृ.२।१६	मघा.सिंहेबुधः२१।५२
१०	बु	३८	३६	अ	१८	४०	ब्र	१/५०	५५/३३	तै	९	३३	०	२४	३६	१६	९	७	वृश्चिके	[÷मिथुनेभौमः२२।४३
११	गु	३४	३९	ज्ये	१७	२९	वै	५१	२३	व	६	३७	३२/५७	२५	३५	१७	१०	८	ध.१७।२९	भ.६/३७ उ.३४/३९ या.पवित्रा११व्र.
१२	शु	२८	४३	मू	१४	११	वि	४३	४५	ब	१	४१	५४	२५	३५	१८	११	९	धनुषि	प्रदोषः
१३	श	२१	१०	पू	९	१३	प्री	३४	४९	तै	२१	१०	५०	२६	३४	१९	१२	१०	म.२२।३७	बुधोदयःपश्चिमायां७।११
१४	र	१२	२३	उ	२/४७	५२/३४	आ	२४	४५	व	१२	२३	४७	२७	३३	२०	१३	११	मकरे	भ.१२/२३ उ.३७/३१ या.पुन.शुक्रः३२।५८ ÷
१५	चं	२	४०	ध्रु	४७	३५	सौ	१४	१३	ब	२	४०	४४	२७	३३	२१	१४	१२	कुं.२१।२८	श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम्

१७पं.श्रा.शु.६श.इ.५७/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	६	२	५	०	३
१७	२५	२४	०	११	२५	१६	१६
३४	१	५२	२७	३	२	११	५८
२३	२६	२६	७	४३	१७	१८	४
५७	४१	०/११	८	७१	४	३	५७
२५	४६	४२	१	३२	२०	११	१२

गोचर ग्रहाः

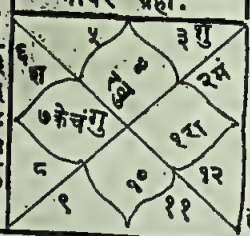

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर चन्दन केसर कपास रुई वस्त्र वारदाना रसकस गुड सक्कर चीनी घृत आदि तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

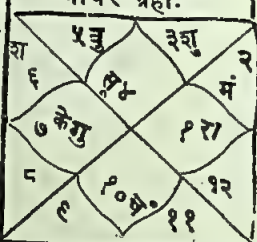

१८पं.श्रा.शु.१३श.इ.५७/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	६	२	५	०	३
२४	२९	८	१	१९	२५	१५	२३
१६	४२	१	२१	१७	३३	४९	३९
४४	४३	१६	४७	३१	४	२	११
५७	४१	०/११	८	७१	४	३	५७
३३	१३	३६	५०	५९	४४	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	चं	५०	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
२	मं	४२	१२	श	३९	५८	शो	३/२३	४९/२५	तै	१७	३०	३२/४०	५/२८	६/३२	२२	१५	१३	कुंभे	पूफा.बुधः५०।२८
३	बु	३४	१	पू	३३	५	सु	४२	३५	व	८	६	३७	२९	३१	२३	१६	१४	मी१९।४८	भ.८।६उ.३४।१या.चतुर्थीव्र.
४	गु	२६	६	उ	२६	५६	धृ	३३	२७	ब	०	३	३३	२९	३१	२४	१७	१५	मीने	
५	शु	१९	३१	रे	२२	२९	शू	२५	१९	तै	१९	३१	३०	३०	३०	२५	१८	१६	मे.२२।२९	मघा.सिंहेऽर्कः५४।५७चंद्रषष्ठी
६	श	१४	५६	अ	१९	३५	गं	१८	४३	व	१४	५६	२६	३१	२९	२६	१९	१७	मेषे	भ.१४/५६ उ.४३/२७ या.मघा.मिंहेऽर्कःसौरः ३५/१५
७	र	११	५८	भ	१८	३४	वृ	१३	२३	ब	११	५८	२३	३२	२८	२७	२०	१८	वृ.३३।४३	जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	चं	१०	५८	कृ	१९	१०	ध्रु	९	३५	कौ	१०	५८	१९	३२	२८	२८	२१	१९	वृषे	कर्केशुक्रः ३७/५१ जन्माष्टमीव्र.वै.
९	मं	११	३८	रो	२१	२५	व्या	७	११	ग	११	३८	१५	३३	२७	२९	२२	२०	मि५३।१३	भ.४२।४०उ.गोगा९
१०	बु	१३	४१	मृ	२५	१२	ह	६	४	वि	१३	४१	१२	३४	२६	३०	२३	२१	मिथुने	भ.१३/४१ या.आर्द्रा.भौमः२४।६
११	गु	१७	१४	आ	३०	२७	व	६	१०	बा	१७	१४	८	३४	२६	३१	२४	२२	मिथुने	उफा.बुध ११/१६ पुष्येशुक्रः ४८/५२ अजा११व्र.
१२	शु	२१	४९	पु	३६	३७	सि	६	५५	तै	२१	४९	४	३५	२५	१	२५	२३	क.२०।५	भा.भाद्रपदारंभःवत्सद्वादशीप्रदोषः
१३	श	२७	८	पु	४३	३४	व्य	८	२३	व	२७	८	१	३६	२४	२	२६	२४	कर्के	भ.२७/८ उ.६०/० या.कन्यायांबुधः २७/४९ चित्रा=
१४	र	३२	५३	श्ले	५०	४३	व	१०	३२	श	३२	५३	३१/५७	३७	२३	३	२७	२५	सिं५०।४३	[=४गुरुः ५/२ चित्रा.२शनिः३।१३
३०	चं	३९	१६	म	५८	१३	प	१२	४३	च	६	४	५३	३७	२३	४	२८	२६	सिंहे	कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादिः

१९पं.भा.कृ.६श.इ.५७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	६	२	५	०	४
१	४	१९	२	२७	२६	१५	०
०	१९	५७	२२	३४	७	२६	२१
४	३४	४	३४	४८	३७	४७	२४
५७	४०	०/०६	९	७२	५	३	५७
४०	४६		४०	२०	१४	११	३४

गोचर ग्रहाः

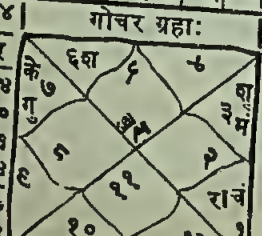

भाद्रपदकृष्ण ५ शुक्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४न.५ प्रगल्भावस्था (बैंठी)मु.३० धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

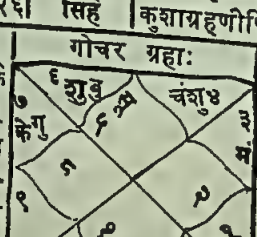

२०पंभा.कृ.१३श.इ.५७/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	३	५	०	४
७	८	०	३	५	२६	१५	७
४४	५२	४३	२९	५५	४५	४	४
२८	८	५	२	३०	७	३१	५०
५७	४०	८७	१०	७२	५	३	५७
४९	१७	५३	२३	४१	४१	११	४५

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाक: १९६३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१६१स.२०४१
१	मं ४५ २२ पू ६० ० शि १५ १४ कि १२ १९	३१	५	६	५	२९	२७	सिंहे	
२	बु ५१ २४ पू ५ ४४ सि १७ ३४ वा १८ २३	४६	३९	२१	६	३०	२८	क.२२।३६	चन्द्रदर्शनम्
३	गु ५७ २ उ १३ १२ सा १९ ५४ तै २४ १३	४२	४०	२०	७	१	२९	कन्यायां	रमजान९हरितालिका ३
४	शु ६० ० ह १९ ५० शु २१ ४१ व २९ २४	३८	४०	२०	८	२	३०	तु.५२।५५	भ.३९उ.पूफा.रविः ४४गणेशचतुर्थी
४	श १ ४७ चि २५ ५९ शु २२ ५० वि १ ४७	३४	४१	१९	९	३	३१	तुलायां	भ.४९या.पूफा.रविःसौरः २६हस्ते ÷
५	र ५ ५१ स्वा ३१ ११ ब्र २३ ३५ बा ५ ५१	३०	४२	१८	१०	४	१	तुलायां	सितम्बर९ता.३०
६	चं ८ २९ वि ३४ ५६ ऐं २३ ७ तै ८ २९	२६	४३	१७	११	५	२	वृ.१९।०	आश्लें.शुक्रः५२।४१
७	मं ९ ४० अ ३७ १५ वै २१ ३५ व ९ ४०	२२	४४	१६	१२	६	३	वृश्चिके	भ.९।४०उ.३९।२६या.
८	बु ९ १३ ज्ये ३७ ५० वि १८ ३९ ब ९ १३	१८	४४	१६	१३	७	४	व.३७।५०	[÷बुधः ४४ऋषिपंचमी
९	गु ६ ४९ मू २६ ४३ मी १४ १४ कौ ६ ४९	१५	४५	१५	१४	८	५	धनुषि	
१०	शु २ ४१ पू ३३ ४१ आ ८ २८ ग २ ४१	११	४६	१४	१५	९	६	म.४७।३१	भ.३९उ.५६या.जलझूलनी ११व्र.स्मा.
११	शु ५४ १२ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	श ४९ २६ उ २९ ० सौ ० ५५ व २३ १०	७	४७	१३	१६	१०	७	मकरे	जलझूलनी ११व्र.वै.वामनजयंती
१३	र ४० ३४ श्र २२ ५३ अ ४२ ४५ कौ १५ ०	३	४७	१३	१७	११	८	कु.४९।२०	प्रदोषः
१४	चं ३० ५४ ध १५ ४७ सु ३२ १६ ग ५ ४४	५९	४८	१२	१८	१२	९	कुम्भे	भ.५४उ.५५या.अनंत १४
१५	मं २१ १ श ७ ५० धृ २१ २२ व २१ १	५५	४९	११	१९	१३	१०	मी४६।५९	महालयारंभः कु.संध्या.पंजनारंभः

.२१पं.भा शु.४श.इ. ५७ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	३	५	०	४
१४	१३	१०	४	१४	२७	१४	१३
२०	१८	१५	३८	१९	२५	४२	५०
४	५४	७	५३	२०	४१	१५	२
५८	३९	७३	११	७२	६	३	५७
१	४८	५२	१	५६	२	११	५७

गोचर ग्रहाः

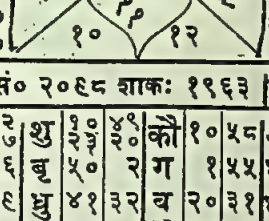

इस मास में मिथुन कामंगल धान्य गल्ला धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा टीन गुड सक्कर गन्ना नमक में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

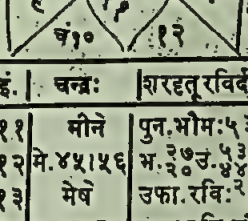

२२पं.भा.शु.१२श.इ. ५६ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	३	५	०	४
२१	१७	१८	५	२२	२८	१४	२०
१७	४१	१६	५४	४७	८	२०	३६
६	५३	५५	११	९	२८	०	४२
५८	३८	५६	११	७३	६	३	५८
१३	५६	३९	३८	१४	२४	११	१३

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	बु १० ५८ पू ० २७ शु १० ४९ कौ १० ५८	३१	५१	५०	६	२०	१४	११	मीने	पुन.भौमः५३।०
२	गु ५५ ५५ रे ४५ ५६ बृ ५० २ ग १ ५५	४७	५१	९	२१	१५	१२	मे.४५।५६	भ.२७उ.५३या.स्वाती १गुरुः १६।२
३	शु ४७ १८ अ ४० ५९ धु ४१ ३२ व २० ३१	४३	५१	९	२२	१६	१३	मेषे	उफा.रविः २९चित्रा.बुधः १५मघा. =
४	श ४२ ४९ भ ३७ ५७ व्या ३४ २२ कौ १५ ३	३९	५२	८	२३	१७	१४	वृ.५२।३९	उफा.रविःसौरः१०।४७
५	र ४० २६ कृ ३६ ४७ ह २८ ४९ ग ११ ३७	३५	५३	७	२४	१८	१५	वृषे	भ.४०।२६उ.
६	चं ४० ११ रो ३७ ४६ व २५ १ वि १० १८	३१	५४	६	२५	१९	१६	वृषे	भ.१०।१८या.कन्यार्कः५४।२७
७	मं ४१ ४६ मृ ४० ४० सि २२ ४९ बा १० ५८	२७	५५	५	२६	२०	१७	मिथु९।१३	कन्यार्कःसौरः३५।५८
८	बु ४५ १३ आ ४५ १४ व्य २२ १३ तै १३ २९	२२	५६	४	२७	२१	१८	मिथुने	मातृ९ (सौभाग्यवतीनांश्रा.)
९	गु ४९ ५९ पु ५१ २० व २२ ४७ व १७ ३६	१८	५६	४	२८	२२	१९	क.३४।४९	भ.१७।३६उ.४९।५९या.
१०	शु ५५ ४२ पु ५८ २६ प २४ ८ ब २२ ५१	१४	५७	३	२९	२३	२०	कर्के	इंदिरा ११व्र.
११	श ६० ० श्ले ६० ० शि २६ १३ कौ २८ ४८	९	५८	२	३०	२४	२१	कर्के	[=सिंहेशुक्रः ५३चतुर्थीव्र.
१२	र १ ५४ श्ले ५ ४३ सि २८ ३३ तै १ ५४	५	५९	१	३१	२५	२२	सिंह५।४३	प्रदोषः
१३	चं ८ २५ म १३ २६ सा ३१ ४ व ८ २५	०	०	०	१	२६	२३	सिंहे	भ.२५उ.४१या.वक्रीबुधः २८भा. +
१४	मं १४ ३७ पू २० ५५ शु ३३ २५ श १४ ३७	२९	०	५९	२	२७	२४	कं.३७।४३	पूफा.शुक्रः ५७चित्रा.३तुलायां शनिः ४२
२०	बु २० २८ उ २८ ६ शु ३५ २९ ना २० २८	५२	२	५८	३	२८	२५	कन्यायां	सर्वपितृ ३० [+आश्विनारंभः श.हता.श्रा

२३पं.आ.कृ.५श.इ. ५६ ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	४	५	०	४
२८	२१	२४	७	१	२८	१३	२७
५५	५७	१५	१२	१७	१३	५७	२४
२८	७	४७	३६	२४	३१	४४	५८
५८	३८	३२	१२	७३	६	३	५८
२६	१४	५३	१०	२६	३८	११	२९

गोचर ग्रहाः

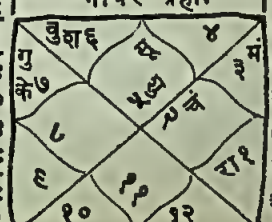

आश्विनकृष्णे ७ चन्द्रे कन्यायामर्कःप्रविष्टः वा४न.५कुमार्यवस्था (बैठी। मु.३०धान्यादिभावैं समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

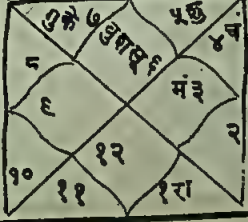

२४पं.आ.कृ.१२श.इ. ५७ ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	६	४	५	०	५
४	२६	२६	८	९	२९	१३	४
५५	६	५०	३४	५०	४०	३५	१५
१९	४३	३१	८	१३	५५	२९	५
५८	३७	१४	१२	७३	६	३	५९
३८	३६	१	२९	३८	५५	११	४५

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												वि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१९१ सन् २०४१
१	गु	२५	२८	ह	३४	३८	ब्र	३६	५५	ब	२५	२८	२९/४८	६/२	५/५८	४	२९	२६	कन्यायां	अश्वि.४राहुःस्वाती.२केतुः४८/४०नव- ÷
२	शु	२९	४९	चि	४०	१९	ऐं	३७	५३	कौ	२९	४९	४४	३	५७	५	३०	२७	तु.७।२८	हस्तेरविः७/४१सौरः४८/२८चंद्र दर्शनम्
३	श	३३	२१	स्वा	४५	१९	वै	३८	११	तै	१	३५	४०	४	५६	६	१	२८	तुलायां	कर्केभौमः३९/२१स्वाती२गुरु५९/५१सव्वाल१०
४	र	३५	४७	वि	४९	८	वि	३७	३५	व	४	३४	३६	५	५५	७	२	२९	वृ.३३।११	भ.४/३४उ.३५/४७या.बुधास्तःपश्चिमे१९/४८
५	चं	३७	४	अ	५१	५०	प्री	३६	१४	ब	६	२६	३२	६	५४	८	३	३०	वृश्चिके	[÷रात्रारंभःमातामहश्रा.
६	मं	३७	३	ज्ये	५३	२६	आ	३४	०	कौ	७	३	२८	६	५४	९	४	१	ध.५३।२६	वक्रीहस्तेबुधः१७/३०अक्टूबर१०ता.३१
७	बु	३५	४७	मू	५३	३५	सौ	३०	३५	ग	६	२५	२३	७	५३	१०	५	२	धनुषि	भ.३५।४७उ.
८	गु	३३	८	पू	५२	२४	शो	२६	११	वि	४	२७	१९	८	५२	११	६	३	धनुषि	भ.४/२७या.पुष्येभौमः३७/४५अस्तंशनेः१३/१९
९	शु	२९	२	उ	४९	४३	अ	२०	२८	बा	१	५	१५	९	५१	१२	७	४	म.६।४४	
१०	श	२३	४०	श्र	४५	४३	सु	१३	३५	ग	२३	४०	११	१०	५०	१३	८	५	मकरे	भ.५०।१५उ.उफा.शुक्रः३६।१३
११	र	१६	४९	ध	४०	३४	धृ	५/४५	५१/१०	वि	१६	४९	७	११	४९	१४	९	६	कुं.१३।३८	भ.१६।४९या.पापांकुशा११व्र.
१२	चं	८	५१	श	३४	२२	गं	४७	१६	बा	८	५१	३	११	४९	१५	१०	७	कुंभे	प्रदोषः
१३	मं	०	१४	पू	२७	२४	वृ	३७	२	तै	०	१४	२८/५९	१२	४८	१६	११	८	मी१४।८	भ.५०/५६उ.कन्यायांशुक्रः१८।३६
१४	मं	५०	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=कोजागरीव्र.
१५	बु	४१	५९	उ	२०	११	ध्रु	२६	३४	वि	१६	२७	५५	१३	४७	१७	१२	९	मीने	भ.१६/२७या.शरद्पूर्णिमाका.स्ना. प्रा. =

२५पं.आ.शु.३श.इ. ५६/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	६	४	६	०	५
११	०	२५	९	१८	०	१३	११
४६	१०	३१	५९	२६	२९	१३	७
५२	३४	२६	१७	२०	२०	१३	२
५८	३६	५५/५८	१२	७३	७	३	५९
५३	५५	व	५५	५०	५	११	०

गोचर ग्रहाः

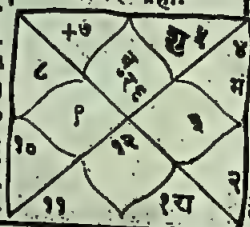

इस मास में कृष्णपक्ष में धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा आदि धान्य गेहूं जो चना मटर वस्त्र वारदाना मंदा होकर सुदि में तेज हो।

गोचर ग्रहाः

२६पं.आ.शु१०श.इ. ५६/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	६	४	६	०	५
१८	४	१७	११	२७	१	१२	१८
४०	६	६	२५	४	१९	५०	०
५	५४	५८	५५	४८	१	५७	५०
५९	३५	५२/५७	१३	७३	७	३	५९
९	४८	व	१४	५४	१४	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेति महा.
१	गु	३३	२८	रे	१३	२६	व्या	१६	३५	बा	७	४३	२८/५१	६/१४	५/४६	१८	१३	१०	मे.१३।२६	चित्रा.रविः३९।४५
२	शु	२६	१२	अ	७	२०	ह	७/४	५१/३४	ग	२६	१२	४७	१५	४५	१९	१४	११	मेषे	भ.५३/२१उ.चित्रा.रविःसौरः१९।२
३	श	२०	३१	भ	२/३९	५७/१६	सि	५१	३१	वि	२०	३१	४३	१५	४५	२०	१५	१२	वृ.१६।५८	भ.२०/३१या.बुधोदयःपूर्वस्यां२९/१०करक४व्र.
४	र	१६	४१	रो	५९	०	व्य	४६	८	बा	१६	४१	३९	१६	४४	२१	१६	१३	वृषे	
५	चं	१५	१४	मृ	६०	०	व	४२	१७	तै	१५	१४	३५	१७	४३	२२	१७	१४	मि२९।४१	मार्गीबुधः२५/१०स्वाती३गुरुः४९।३१
६	मं	१५	४३	मृ	०	२२	प	४०	५	व	१५	४३	३१	१८	४२	२३	१८	१५	मिथुने	भ.१५।४३उ.४७।३या.
७	बु	१८	२३	आ	३	३५	शि	३९	४६	ब	१८	२३	२७	१९	४१	२४	१९	१६	क.५२।१९	हस्तेशुक्रः२३।१८
८	गु	२२	४४	पु	८	३४	सि	४०	१३	कौ	२२	४४	२३	१९	४१	२५	२०	१७	कर्के	तुलायामर्कः२३।३४
९	शु	२८	२०	पु	१५	८	सा	४२	०	ग	२८	२०	२०	२०	४०	२६	२१	१८	कर्के	तुलार्कःसौरः१।४६
१०	श	३४	२७	श्ले	२२	२१	शु	४४	४	व	१	२३	१६	२१	३९	२७	२२	१९	सिं२२।२१	भ.१।२३उ.३४।२७या.
११	र	४१	८	म	३०	५	शु	४६	३५	ब	७	४७	१२	२२	३८	२८	२३	२०	सिंहे	रमा११व्र.
१२	चं	४७	२८	पू	३७	३५	ब्र	४८	५९	कौ	१४	१८	८	२२	३८	२९	२४	२१	कं.५४।२२	[+गुरोः१६।४८प्रदोषःधन१३
१३	मं	५३	१५	उ	४४	४४	ऐं	५०	५६	ग	२०	२१	४	२३	३७	३०	२५	२२	कन्यायां	भ.५३/१५उ.चित्रा.४शनिः३६/१४अस्तं +
१४	बु	५८	१	ह	५१	१७	वै	५२	२२	वि	२५	३८	०	२४	३६	१	२६	२३	कन्यायां	भ.२५/३८या.भा.कार्तिकारंभःरुप१४
३०	गु	६०	०	चि	५६	३१	वि	५२	५८	च	२९	५२	२७/५६	२५	३५	२	२७	२४	तु.२३।५४	स्वात्यांरविः५/३७सौरः४२/४९महालक्ष्मीपूज.
३०	शु	१	४३	स्वा	६०	०	प्री	५२	३६	ना	१	४३	५३	२५	३५	३	२८	२५	तुलायां	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा

२७पं.का.कृ.३श.इ. ५६/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	६	५	६	०	५
२५	७	१२	१२	५	२	१२	२४
३४	५५	१	५४	४४	१०	२८	५६
५९	५	७	४३	४२	५	४२	३१
५९	३४	१५/५०	१३	७३	७	३	५९
२१	५३	व	२३	५७	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

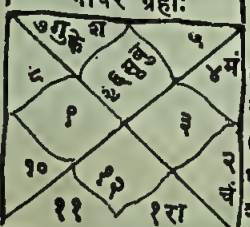

कार्तिक कृष्णे ८गुरौ तुलायामऽर्कः प्रविष्टः वा.४न. ४ युवावस्था (सुती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

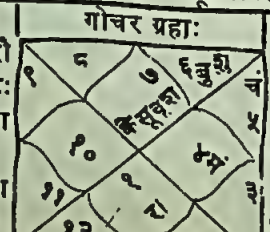

२८पं.का.कृ.१०श.इ. ५६/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	६	५	६	०	६
२	११	१४	१४	१४	३	१२	१
३१	३३	१५	२४	२७	०	६	५३
२३	२२	५८	४०	४३	२५	२६	५४
५९	३३	५८/५३	३	७४	७	३	५९
३४	४२	म	३२	८	२०	११	४६

+केशचंगु

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२२१स.२०४१
१	श	४	१८	स्वा	०	५०	आ	५१	२९	ब	४	१८	२७/४९	६/२६	५/३४	४	२९	२६	वृ.४८।१२	[-चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
२	र	५	४८	वि	३	५९	सौ	४९	३१	कौ	५	४८	४५	२७	३३	५	३०	२७	वृश्चिके	चित्रा.बुधः१४।७चित्रा.शुक्रः२।३७-
३	चं	६	१३	अ	६	१	शो	४६	३३	ग	६	१३	४१	२८	३२	६	१	२८	वृश्चिके	भ.३५।५७उ.जिल्काद११
४	मं	५	४१	ज्ये	७	१३	अ	४२	५८	वि	५	४१	३७	२९	३१	७	२	२९	ध.७।१३	भ.५।४१या.स्वाती.४गुरुः५९।१६
५	बु	४	७	मू	७	२०	सु	३८	४२	बा	४	७	३४	२९	३१	८	३	३०	धनुषि	आश्लेभौमः८।१६
६	गु	१	३८	पू	६	३१	धृ	३३	३२	तै	१	३८	३०	३०	३०	९	४	३१	म.२१।९	भ.५८।१६उ तुलायांबुधः२९।३८
७	गु	५६	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=नवम्बर११ता.३०गोपाष्टमी
८	शु	५४	६	उ	५	१	शू	२७	४१	वि	२६	११	२७	३१	२९	१०	५	१	मकरे	भ.२६।११या.तुलायां.शुक्रः२०।३४=
९	श	४९	५	श्र	२/३४	५६/४१	गं	२१	१४	बा	२१	३५	२३	३१	२९	११	६	२	कुं.३०।५४	बुधास्तःपूर्वस्यां१०।४२अक्षय९
१०	र	४३	१०	श	५५	३	बृ	१४	२	तै	१६	७	१९	३२	२८	१२	७	३	कुंभे	[×प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
११	चं	३६	३९	पू	५०	५	ध्रु	६/४	५१/२८	व	९	५४	१६	३३	२७	१३	८	४	मी३६।१९	भ.९/५४उ.३६/३९या.स्वात्यांबुधः३५/३७×
१२	मं	२९	१६	उ	४४	४३	ह	४८	३२	ब	२	५७	१२	३४	२६	१४	९	५	मीने	प्रदोषः [+उदयंशनेः३३/५६वैकुंठ१४
१३	बु	२१	५३	रे	३९	५	व	३९	३४	तै	२१	५३	९	३४	२६	१५	१०	६	मे.३९।५	विशा.रविः२६।७स्वात्यांशुक्रः३९।१२+
१४	गु	१४	२५	अ	३३	४६	सि	३०	४१	व	१४	२५	५	३५	२५	१६	११	७	मेषे	भ.१४/२५उ.४१/७या विशा.रविःसौरः०।१३
१५	शु	७	५०	भ	२९	६	व्य	३२	२०	ब	७	५०	२	३६	२४	१७	१२	८	वृ.४३।१४	मन्वादिः का.स्ना.पू.

२९पं.का.शु.१श.इ. ५५/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	६	५	६	०	६
९	१५	२२	१५	२३	३	११	८
२९	०	५३	५८	११	५१	४४	५३
३८	५०	६	१९	३५	४३	११	१४
५९	३२	८८	१३	७४	७	३	६०
४७	२६	१०	३८	१४	२०	११	२

गोचर ग्रहाः

इसमासमें धान्य गेहूं जौ चना बाजरा मूंग मोठ सरसों अलसी मटर धातु सोना चांदी लोहा आदि तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

३०पं.का.शु.९श.इ. ५५/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	६	६	६	०	६
१६	१८	३	१७	१	४	११	१५
२९	१६	५७	२८	५७	४२	२१	५४
२०	१	२५	२६	४७	२५	५५	१८
६०	३०	९७	१३	७४	७	३	६०
४	५५	३४	३८	२०	१४	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	श	२	८	कृ	२५	३७	व	१४	४३	कौ	२	८	२६/५८	३/३६	५/२४	१८	१३	९	वृषे	
२	श	५५	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	र	५५	४३	रो	२३	३५	प	८	२०	व	२६	५३	५५	३७	२३	१९	१४	१०	मि५३।३७	भ.२६।५३उ.५५।४३या.
४	चं	५५	१६	मृ	२३	४०	शि	३/२६	५६/२९	ब	२५	२९	५२	३८	२२	२०	१५	११	मिथुने	चतुर्थी व्र.
५	मं	५७	६	आ	२५	३२	सा	५८	१७	कौ	२६	११	४९	३८	२२	२१	१६	१२	मिथुने	विशा.बुधः४०।४५
६	बु	६०	०	पु	२९	३१	शु	५७	४०	ग	२८	५३	४५	३९	२१	२२	१७	१३	क.१३।३२	
६	गु	०	४१	पु	३४	४९	शु	५८	३७	व	०	४१	४२	४०	२०	२३	१८	१४	कर्के	भ.०।४१उ.३३।१३या.विशा.१ गुरुः३०/३२
७	शु	५	४४	श्ले	४१	३५	ब्र	६०	०	व	५	४४	३९	४०	२०	२४	१९	१५	सि४१।३५	
८	श	११	४५	म	४९	५६	व्र	०	१५	कौ	११	४५	३६	४१	१९	२५	२०	१६	सिंहे	वृश्चिकेऽर्कः२२।२१ (सौरः५४।३०)
९	र	१८	२२	पू	५६	२८	ऐं	२	२५	ग	१८	२२	३३	४१	१९	२६	२१	१७	सिंहे	भः५१/३२उ.विशा.शुक्रः१८/५६उदयंगुरोः१९/४८
१०	चं	२४	४३	उ	६०	०	वै	४	४०	वि	२४	४३	३०	४२	१८	२७	२२	१८	क.१३।२०	भ.२४।४३या.वृश्चिकेबुधः५२।५९
११	मं	३०	३१	उ	३	५६	वि	६	५४	बा	३०	३१	२७	४३	१७	२८	२३	१९	कन्यायां	अनु.रविः४०।३१स्वाती.१शनिः÷
१२	बु	३५	२२	ह	१०	३३	प्री	८	२३	कौ	२	५६	२५	४३	१७	२९	२४	२०	तु.४३।११	अनु.रविःसौरः११।१८
१३	गु	३८	४९	चि	१५	५०	आ	९	०	ग	७	५	२२	४४	१६	३०	२५	२१	तुलायां	भ.३८।४९उ.अनु.बुधः१०।५० प्रदोषः
१४	शु	४०	४६	स्वा	१९	५०	सौ	८	२२	वि	९	४७	१९	४४	१६	१	२६	२२	तुलायां	भ.९।४७या.भा.मार्गशीर्षारंभः
३०	श	४१	१९	वि	२२	२६	शो	६	५०	च	११	२	१७	४५	१५	२	२७	२३	वृ.६।४७	[÷४१।४० उत्पत्ति११व्र.

३१पं.मा.कृ.१श.इ. ५५/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	६	६	६	०	६
२३	२१	१५	१९	१०	५	१०	२२
३०	२०	२५	०	४३	३२	५९	५६
४०	१०	२३	५०	२६	१०	३९	४९
६०	२९	९९	१३	७४	७	३	६०
१७	६	४०	३८	२६	८	११	३०

३२पं.मा.कृ.८श.इ. ५५/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	६	६	६	६	०	७
०	२४	२६	२०	१९	६	१०	०
३३	६	४५	३२	३०	२०	३७	०
२२	५४	०	३८	३६	४६	२४	५३
६०	२७	०	१३	७४	६	३	६०
३०	१	१३	३२	२६	५६	११	४०

३३पं.मा.कृ.३०श.इ. ५५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	६	६	६	०	७
७	२६	७	२२	२८	७	१०	७
३७	३५	५३	३	१८	८	१५	६
१६	१०	२८	४०	५०	१७	८	२६
६०	२४	९९	१३	७४	६	३	६०
४२	२४	५३	२६	२६	५६	११	५३

ति.	मार्गशीर्षं शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चन्द्रः	हिमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२५०स.२०४१
१	र ४० २८ अ २३ ४० अ ४ ८ किं १० ५३ २६ ६ ४५ ५५ ३	२८	२४	वृश्चिके	
२	चं ३८ ३७ ज्ये २३ ३९ सु ० २२ ५५ आ ९ ३२ १२ ४६ १४ ४	२९	२५	ध.२३।३९	वृश्चिकेशुक्रः १६।३३चन्द्रदर्शनम्
३	मं ३५ ४१ मू २२ ५० शु ५० ३३ तै ७ ११ ९ ४६ १४ ५	१	२६	धनुषि	जिल्हेज १२
४	बु ३२ १७ पू २१ ५ गं ४४ ३१ व ४ १ ७ ४७ १३ ६	२	२७	म.३५।३३	भ.४।१उ.३२।१७या.अनु.शुक्रः५२।३
५	गु २८ १३ उ १८ ५९ वृ ३८ २३ ब ० १५ ५ ४७ १३ ७	३	२८	मकरे	अश्वि ३ राहुस्वाती १ केतु ३३ पातस्पर्शः५५
६	शु २३ ५३ श्र १६ १७ ध्रु ३१ ५३ तै २३ ५३ २ ४८ १२ ८	४	२९	कुं.४४।५२	ज्येष्ठाबुधः ३३ विशा.२गुरुः ५४
७	श १९ १७ ध १३ २८ व्या २४ ५९ व १९ १७ ० ४८ १२ ९	५	३०	कुम्भे	भ.१९।१७उ.४६।४६या.
८	र १४ १६ श १० १५ ह १७ ५८ ब १४ १६ २५ ४८ १२ १०	६	१	मी५२।३७	दिसम्बर १२ता.३१ [–पातमोक्षः ९
९	चं ९ १२ पू ६ ४४ व १० ४० कौ ९ १२ ५६ ४९ ११ ११	७	२	मीने	ज्येष्ठारविः५०।४२
१०	मं ३ ३९ उ ३ ५६ सि ३ ५३ ग ३ ३९ ५४ ४९ ११ १२	८	३	मे.५९।१३	भ.३ उ.५९ या ज्येष्ठारविः सौरः १ =
११	मं ५४ ३४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०		[=मोक्षदा ११व्र.स्मा.गीताजयंती
१२	बु ५२ ४३ अ ५५ ३१ व ४८ १० ब २५ २८ ५३ ४९ ११ १३	९	४	मेषे	मोक्षदा ११व्र.वै.
१३	गु ४७ ४४ भ ५२ १७ प ४० ५९ कौ २० १३ ५१ ५० १० १४	१०	५	मेषे	प्रदोषः [अदत्तजयंती
१४	शु ४३ १७ कृ ४९ ३५ शि ३४ १५ ग १५ ३१ ४९ ५० १० १५	११	६	वृ.६।३६	भ.४३।१७उ.मघा.सिंहे भौमः ३०।५८
१५	श ३९ ५५ रो ४७ ५१ सि २८ १५ वि ११ ३६ ४८ ५० १० १६	१२	७	वृषे	भ.११।३६या.मूलेधनुषिबुधः ५९।४५×

३४पं.मा.शु.७श.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	६	७	६	०	७
१४	२८	१८	२३	७	७	९	१४
४२	४१	५४	३३	७	५३	४२	१३
२९	४९	२५	२९	१	२४	५३	१२
६०	२१	९९	१३	७४	६	३	६१
५०	२१	२२०	३२	२५	११	३	

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षकृष्णे ८ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ युवावस्था (सूती) मु.३० घा-न्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

३५पं.मा.शु.१५श.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	६	७	६	०	७
२१	०	२९	२५	१२	८	९	२१
४८	२४	५१	१	५५	३६	३०	२०
३२	४७	४३	३४	१२	०	३७	५२
६०	१७	९६	१२	७४	६	३	६१
५६	४६	३४	५९	३२	२	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३	वि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	हिमंतर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा.
१	र ३७ ५८ मृ ४७ ४३ सा २३ ११ बा ८ ५७ २५ ६ ५१ ६	५	१७	१३	८	मि१७।४७	ज्येष्ठाशुक्र.३०।४०
२	चं ३७ २८ आ ४८ ५३ शु १९ २२ तै ७ ४३ ४५ ५१	६	१८	१४	९	मिथुने	
३	मं ३८ ५६ पु ५१ ५५ शु १६ ५७ व ८ १२ ४४ ५१	६	१९	१५	१०	क.३६।१०	भ ८।१२उ.३८ या.शुक्रास्तः पूर्वस्यां ३४
४	बु ४२ ५ पु ५६ २५ व्र १५ ४८ ब १० ३० ४३ ५१	६	२०	१६	११	कर्के	चतुर्थीव्र.
५	गु ४६ ४० श्ले ६० ० ऐं १५ ३४ कौ १४ २२ ४२ ५२	८	२१	१७	१२	कर्के	[+बुधोदयःपश्चिमायां ४५।६
६	शु ५२ १९ श्ले २ ३८ वै १६ ५० ग १९ २९ ४१ ५२	८	२२	१८	१३	सिं२।३८	भ.५२।१९उ.
७	श ५८ ५१ म ६ ३६ वि १८ ३१ वि २५ ३५ ४० ५२	८	२३	१९	१४	सिंहे	भ.२५।३५या.
८	र ६० ० पू १७ ६ प्री २० ४४ बा ३२ ५ ३९ ५२	८	२४	२०	१५	कं.३४।०	मूलेधनुष्यर्कः ५७ विशा.३गुरुः ५५।३१
८	चं ५ १९ उ २४ ३४ आ २२ ५३ कौ ५ १९ ३९ ५२	८	२५	२१	१६	कन्यायां	मूलेधनुष्यर्कः सौरः २३ पूषा.बुधः २७ +
९	मं ११ १८ ह ३१ ३८ सौ २४ ४९ ग ११ १८ ३८ ५२	८	२६	२२	१७	कन्यायां	भ.४३।५०उ.
१०	बु १६ २३ चि ३७ २८ शो २५ ४९ वि १६ २३ ३८ ५२	८	२७	२३	१८	तु.४।३३	भ.१६।२३या.
११	गु २० ० स्वा ४१ ५५ अ २५ ४३ बा २० ० ३७ ५३	७	२८	२४	१९	तुलायां	मूलेधनुषिशुक्रः ३।३९सफला ११व्र.
१२	शु २२ ५ वि ४४ ४१ सु २४ १४ तै २२ ५ ३७ ५३	७	२९	२५	२०	वृ.२९।०	प्रदोषः
१३	श २२ १७ अ ४५ ४६ धृ २१ ३३ ब २२ १७ ३६ ५३	७	३०	२६	२१	वृश्चिके	भ.२२।१७उ.५१।२८या.
१४	र २० ३९ ज्ये ४५ १३ शू १७ २३ श २० ३९ ३६ ५३	७	१	२७	२२	ध.४५।१३	भा.पौषारंभः
३०	चं १७ ४४ मू ४३ ८ गं १२ ५ ना १७ ४४ ३६ ५३	७	२	२८	२३	धनुषि	स्वाती.२शनिः७।७

३६पं.पौ.कृ.७श.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	६	७	६	०	७
२८	१	१०	२६	२४	९	९	२८
५५	४०	५१	२७	४४	१६	८	२९
२६	३७	३२	१४	६	३४	२१	३५
६१	१३	९५	१२	७४	५	३	६१
०	९	२८	३२	३२	३८	११	१९

गोचर ग्रहाः

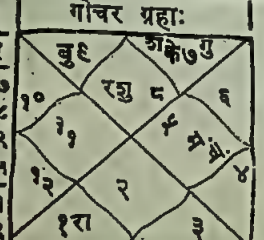

पौष कृष्णे ८ रवौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.२न.३गतालकावस्था (ऊर्ध्वी) मु. ४५ घा-न्यादि भावे समर्धता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

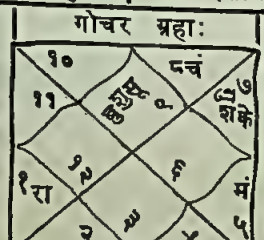

३७पं.पौ.कृ.१३श.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	६	८	६	०	८
६	२	२१	२७	३	९	८	५
३	२०	३६	५०	३२	५३	४६	३९
०	२४	३६	२४	१३	४६	६	०
६१	८	२१	१२	७४	५	३	६१
४	४	१९	१४	३८	८	११	२२

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४२८०स.२०४१
१	मं	१३	१७	पू	४०	१२	बृ	५/३८	५२/५९	ब	१३	१७	२५/३६	६/५३	५/७	३	२९	२४	म.५४।१५	
२	बु	८	११	उ	३६	२५	व्या	५१	४	कौ	८	११	३७	५३	७	४	३०	२५	मकरे	उषा.बुधः१३।४३चन्द्रदर्शनम्
३	गु	२	१८	श्र	३२	२३	ह	४३	१	ग	२	१८	३७	५३	७	५	१	२६	मकरे	भ.२९/३२उ.५६/४६या.मोहोरम१सन्१४६४हि.
४	गु	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	शु	५०	५९	ध	२८	१८	व	३५	१२	ब	२३	५२	३७	५३	७	६	२	२७	कुं.०।२१	मकरेबुधः३४।१८
६	श	४५	२०	श	२४	२२	सि	२७	४२	कौ	१८	१०	३८	५२	८	७	३	२८	कुंभे	
७	र	४०	१८	पू	२०	३३	व्य	२०	११	ग	१२	४९	३८	५२	८	८	४	२९	मी६।३०	भ.४०/१८उ.पूषा.रविः३/० (सौरः२४/४०)-
८	चं	३५	१४	उ	१७	१३	व	१२	५९	वि	७	४६	३९	५२	८	९	५	३०	मीने	भ.७।४६या.वक्रीभौमः१६।३७
९	मं	३०	५५	रे	१४	१४	प	६/३	५३/३४	बा	३	४	४०	५२	८	१०	६	३१	मे.१४।१४	[-पूषा.शुक्रः४१।३२
१०	बु	२६	५३	अ	११	४९	सि	५३	३२	ग	२६	५३	४१	५२	८	११	७	१	मेषे	भ.५५/१२उ.जनवरी१तां ३१सन्२०४२
११	गु	२३	३१	भ	९	५८	सा	४७	५८	वि	२३	३१	४२	५२	८	१२	८	२	वृ.२४।४०	भ.२३/३१या.विशा.४वृश्चिकेगुरुः२८/३=
१२	शु	२०	४२	कृ	८	४७	शु	४३	६	बा	२०	४२	४३	५१	९	१३	९	३	वृषे	प्रदोषः [=पुत्रदा११व्र.
१३	श	१८	४६	रो	८	५	शु	३८	४६	तै	१८	४६	४४	५१	९	१४	१०	४	मि३८।२३	
१४	र	१८	५	मृ	८	४१	ब्र	३५	२८	व	१८	५	४५	५१	९	१५	११	५	मिथुने	भ.१८/५उ.४८/१३या.श्रवणेबुध २०।२५
१५	चं	१८	२०	आ	१०	१७	ऐं	३३	७	ब	१८	२०	४७	५१	९	१६	१२	६	क.५७।३६	मा.स्ना.प्रा.

३८पं.पौ.शु.६श.इ. ५४/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	६	८	६	०	८
१३	२	१	२९	१२	१०	८	१२
१०	२७	४६	१०	२१	२७	२३	४८
५९	४०	४४	२६	०	४	५०	५२
६१	१	८०	११	७४	४	३	६१
६	२९	१६	४३	३८	४५	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मासमें कृष्णपक्ष की तिथि वृद्धि व शुक्लपक्ष की तिथि क्षय धान्य बाजरा मूंगमोठ चावलचना गेहूं तेजीकरे धातुमंदे

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.शु.१३श.इ. ५४/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	७	८	६	०	८
२०	१	९	०	२१	१०	८	१९
१९	५५	३७	२६	८	५६	१	५८
५	५२	२६	५३	१७	३५	३५	४९
६१	६/४	५१	११	७४	४	३	६१
६	व.	१८	३	३८	१०	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेपौषकृष्णेति महा.
१	मं	२०	१०	पु	१३	२२	वै	३१	५८	कौ	२०	१०	२५/४८	६/५०	५/१०	१७	१३	७	कर्के	[×उषा.शुक्रः१४।५३चतुर्थीव्र.
२	बु	२३	३१	पु	१७	४६	वि	३१	४३	ग	२३	३१	५०	५०	१०	१८	१४	८	कर्के	भ.५५।४४उ.
३	गु	२७	५७	श्ले	२३	२४	प्री	३२	११	वि	२७	५७	५२	५०	१०	१९	१५	९	सिं२३।२४	भ.२७।५७या.वक्रीबुधः४८।४८×
४	शु	३३	१९	म	२९	५६	आ	३३	५७	ब	०	३८	५३	४९	११	२०	१६	१०	सिंहे	[+मकरेशुक्रः५५।४०
५	श	३९	४३	पू	३७	१९	सौ	३५	५३	कौ	६	३१	५५	४९	११	२१	१७	११	कं.५४।११	उषा.रविः८।३१ (सौर २६।७+
६	र	४६	१९	उ	४४	४६	शो	३८	११	ग	१३	१	५७	४९	११	२२	१८	१२	कन्यायां	भ.४६/१९उ.बुधास्त.पश्चिमायां४१।५४
७	चं	५२	४०	ह	५२	२३	अ	४०	२१	वि	१९	२९	५९	४८	१२	२३	१९	१३	कन्यायां	भ.१९।२९या.
८	मं	५८	२०	चि	५९	८	सु	४२	५	बा	२५	३०	२६/१	४८	१२	२४	२०	१४	तु.२५।४५	मकरेऽर्कः२४।१० (सौरः४१।३४)
९	बु	६०	०	स्वा	६०	०	धृ	४२	४४	तै	३०	२४	४	४७	१३	२५	२१	१५	तुलायां	वक्रीउषा.बुधः२६।१०
९	गु	२	२८	स्वा	४	३२	शू	४२	१४	ग	२	२८	६	४७	१३	२६	२२	१६	वृ.५२।२५	भ.३३/५०उ.वक्रीकर्केआश्ले.भौमः४१/१४
१०	शु	५	१३	वि	८	२२	गं	४०	२३	वि	५	१३	८	४६	१४	२७	२३	१७	वृश्चिके	भ.५।१३या.
११	श	५	५४	अ	१०	१२	बृ	३६	४९	बा	५	५४	११	४६	१४	२८	२४	१८	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.
१२	र	४	३२	ज्ये	१०	४	ध्रु	३१	४४	तै	४	३२	१३	४५	१५	२९	२५	१९	ध.१०।४	श्रवणेशुक्रः५३।५१प्रदोषः
१३	चं	१	२०	मू	८	११	व्या	२५	१७	व	१	२०	१६	४५	१५	३०	२६	२०	धनुषि	भ.१/२०उ.२८/४७या.अभि.प्र.रविः५८।३६
१४	चं	५४	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	मं	४९	५८	पू	४/४१	५५/६	ह	१७	३४	च	२३	६	१९	४४	१६	१	२७	२१	म.१८।२७	अभि.प्र.रविःसौरः१२/५५भा.माघारंभः

४०पं.मा.कृ.५श.इ ५३/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	७	८	६	०	८
२७	०	११	१	२९	११	७	२७
२७	४८	१७	३८	५७	२२	३९	८
७	२२	२	२४	५४	१६	१९	४१
६१	१३/५६	२१/४७	१०	७४	३	३	६१
६	व.	व.	२४	३८	३२	११	२४

गोचर ग्रहाः

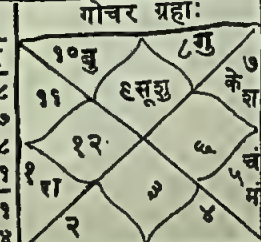

माघ कृष्णे ८ भौमे मकरेऽर्क प्रविष्टःवा. ३ न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

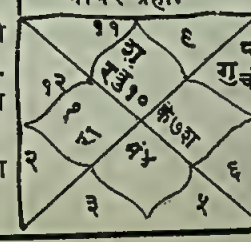

४१पं.मा.कृ.११श.इ.५३/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	७	९	६	०	९
४	२९	४	२	८	११	७	४
३४	९	५१	४५	४५	४३	१७	१०
५९	४३	५०	५४	३६	१२	३	१८
६१	२२/४४	९०/४६	९	७४	२	३	६१
४	व	व	३८	३२	४७	११	१९

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४३०९स.२०४२
१	बु	४२	४१	श्र	५४	१६	व	८/५८	५०/४६	किं	१६	१९	२६/२१	६/४४	५/१६	२	२८	२२	मकरे	वक्रीधनुषिबुधः ६/५२ अनु.१गुरुः ४५/२८
२	गु	३५	७	ध	४८	१७	व्य	५०	२१	बा	८	५४	२४	४३	१७	३	२९	२३	कुं.२५।१७	चन्द्रदर्शनम् [-सफर२
३	शु	२७	२२	श	४२	३२	व	४०	५८	तै	१	१५	२७	४३	१७	४	१	२४	कुम्भे	भ.५३/४३ उ.श्रवणेरविः १३/१३ (सौरः २९/५१)-
४	श	२०	३	पू	३७	४	प	३१	५४	वि	२०	३	२९	४२	१८	५	२	२५	मी२३।२६	भ.२०/३ या.अभि.नि.रविः ५/२८ (सौरः २०/८)=
५	र	१३	२५	उ	३२	३५	शि	२३	४३	बा	१३	२५	३२	४२	१८	६	३	२६	मीने	वक्रीपूषा.बुधः ३०/३८ शुक्रोदयः पश्चि.४१/२४×
६	चं	७	२५	रे	२८	४४	सि	१५	५५	तै	७	२५	३५	४१	१९	७	४	२७	मे.२८।४४	[=पूर्वोदयीबुधः २/४१ [×वसंत५
७	मं	२	३२	अ	२५	५८	सा	९	६	व	२	३२	३८	४०	२०	८	५	२८	मेषे	भ.२/३२ उ.३०/३५ या.पातस्पर्शः ५६/५२ भानु७+
८	मं	५६	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+रथ७ भीष्माष्टमी
९	बु	५५	५३	भ	२४	१०	शु	३/४	५४/५२	बा	२७	१५	४१	४०	२०	९	६	२९	वृ.३९।१	पातमोक्षः ९।३ [÷केतुः ३३/२४-
१०	गु	५४	१०	कृ	२३	३२	ब्र	५३	४२	तै	२५	१	४५	३९	२१	१०	७	३०	वृषे	धनि.शुक्रः २८/२९ अश्वि.२राहुःचित्रा.४÷
११	शु	५३	२८	रो	२३	५२	ऐं	५०	२३	व	२३	४९	४८	३८	२२	११	८	३१	मि५४।३७	भ.२३/४९ उ.५३/२८ या.मार्गीबुधः ३३/५७ जया११व्र.
१२	श	५४	१	मृ	२५	२३	वै	४७	५६	व	२३	४४	५१	३८	२२	१२	९	१	मिथुने	फरवरी२ता.२८
१३	र	५५	२८	आ	२८	६	वि	४६	११	कौ	२४	४५	५४	३७	२३	१३	१०	२	मिथुने	प्रदोषः
१४	चं	५८	१०	पु	३१	४२	प्री	४५	४६	ग	२६	४९	५८	३६	२४	१४	११	३	क.१५।३६	भ.५८।१०उ.
१५	मं	६०	०	पु	३६	२५	आ	४५	३४	वि	३०	४	२७/१	३६	२४	१५	१२	४	कर्के	भ.३०/४ या.कुंभेशुक्रः ५०/२९ मा.स्ना.पू.
१५	बु	१	५८	श्ले	४२	९	सौ	४६	२३	व	१	५८	५	३५	२५	१६	१३	५	सिं४२।९	उषा.बुधः२३।४१

४२पं.मा.शु.४श.इ. ५४/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	७	९	६	०	९
११	२७	२७	३	१७	११	६	११
४२	६	९	४७	३३	५९	५४	२७
२९	५८	१४	६	३२	६	४८	१
६०	२९/३०	४८/२	८	७४	२	३	६१
५९	व	व	४७	३२	५	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला रसकस गुड शक्कर चीनी नमक गन्ना कपास वस्त्र रुई वारदाना तेजहो धातु सोनाचांदी मंदा

गोचर ग्रहाः

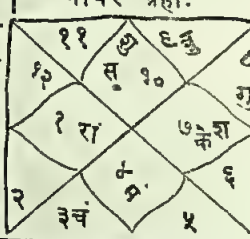

४३पं.मा.श.१२श.इ. ५४/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	७	९	६	०	९
१८	२४	२६	४	२६	१२	६	१८
४९	५२	०	४२	२०	१०	३२	३७
१	८	२५	२५	५६	४४	३२	९
६०	३४/३८	११/२०	७	७४	१	३	६१
५५	व	मा	४८	३२	२४	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	गु	६	४९	म	४८	४०	शो	४७	५२	कौ	६	४९	२७/८	६/३४	५/२६	१७	१४	६	सिंहे	धनि.रविः२१।३१ (सौरः३४।४१)
२	शु	१२	२१	पू	५५	५०	अ	४९	४४	ग	१२	२१	१२	३४	२६	१८	१५	७	सिंहे	भ.४५।३०उ.मकरेबुधः३५।२२
३	श	१८	३८	उ	६०	०	सु	५२	५	वि	१८	३८	१५	३३	२७	१९	१६	८	कं.१२।४४	भ.१८।३८या.चतुर्थी व्र.
४	र	२५	९	उ	३	२६	धृ	५४	२६	बा	२५	९	१९	३२	२८	२०	१७	९	कन्यायां	[Hपातमोक्षः४७।१
५	चं	३१	३२	ह	११	७	शू	५६	२४	तै	३१	३२	२३	३१	२९	२१	१८	१०	तु.४४।४२	शतेशुक्रः८।५२
६	मं	३७	३४	चि	१८	१७	गं	५७	४९	ग	४	३३	२७	३१	२९	२२	१९	११	तुलायां	भ.३७।३४उ.पातस्पर्शः३४।५०H
७	बु	४२	३०	स्वा	२४	४०	वृ	५८	२२	वि	१०	२	३०	३०	३०	२३	२०	१२	तुलायां	भ.१०।२या.कुंभेऽर्क ५६।४७
८	गु	४५	५९	वि	२९	५२	ध्रु	५७	५१	बा	१४	१५	३४	२९	३१	२४	२१	१३	वृ.१३।३४	कुंभेऽर्कःसौरः८।३९
९	शु	४७	४३	अ	३३	१२	व्या	५५	३९	तै	१६	५१	३८	२८	३२	२५	२२	१४	वृश्चिके	वक्रीशनिः३५।१७
१०	श	४७	२४	ज्ये	३४	३४	ह	५२	०	व	१७	३४	४१	२८	३२	२६	२३	१५	ध.३४।३४	भ.१७।३४उ.४७।२४या.
११	र	४५	२	मू	३३	५८	व	४६	३४	ब	१६	१३	४५	२७	३३	२७	२४	१६	धनुषि	विजया११व्र. [Dमहाशिवरात्रीव्र.वै.
१२	चं	४०	३८	पू	३१	३१	सि	३९	३१	कौ	१२	५०	४९	२६	३४	२८	२५	१७	म.४५।२२	[Aमहाशिवरात्री व्र.स्मा.प्रदोषः
१३	मं	३४	२५	उ	२६	५७	व्य	३१	६	ग	७	३१	५३	२५	३५	२९	२६	१८	मकरे	भ.३४।२५उ.श्रवणेबुधः२२।२१A
१४	बु	२६	४५	श्र	२१	११	व	२१	३६	वि	०	३५	५६	२५	३५	३०	२७	१९	कुं.४७।४४	भ.०।३५या.शतेरविः ३३/० (सौरः ४४/१)D
३०	गु	१८	१५	ध	१४	१६	प	११	३१	ना	१८	१५	२८/०	२४	३६	१	२८	२०	कुंभे	पूभा.शुक्रः४७।३भा.फाल्गुनारंभः

४४पं.फा.कृ.३श.इ. ५४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	७	१०	६	०	९
२५	२२	०	५	५	१२	६	२५
५४	३२	१३	३०	७	१७	१०	४१
५०	४२	५५	१४	३०	२	१७	५६
६०	३५/७	४४	६	७४	०	३	६०
४७	व	५९	३९	२६	४३	११	५५

गोचर ग्रहाः

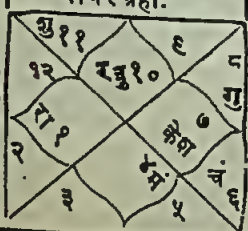

फाल्गुन कृष्णे ७बुधे कुंभेऽर्कःप्रविष्टःवा.२ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४५पं.फा.कृ.१०श.इ. ५४/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	१०	६	०	१०
२	२०	७	६	१३	१२	५	२
५९	२१	१८	११	५२	१८	४८	४७
४२	२५	१८	३५	१६	२५	१	५९
६०	३१	६५	५	७४	०/१०	३	६०
३७	५९	३८	४१	२६	व	११	४२

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४३३९स.२०४२
१	शु	८	५५	श	६/५८	५२/४६	शि	१/१	४९/२३	ब	८	५५	२८/४	६/२३	५/३७	२	२९	२१	मी४६।३३	अनु.२गुरुः४१/२४चन्द्रदर्शनम्फुलरिया२
२	शु	५०	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	श	५१	११	उ	५३	८	सा	३९	२०	तै	२५	२७	८	२२	३८	३	१	२२	मीने	रविलावल३
४	र	४३	१४	रे	४७	५	शु	३०	४०	व	१७	१२	१२	२२	३८	४	२	२३	मे.४७।५	भ.१७/१२उ.४३/१४या.पातस्पर्शः४५/५९–
५	चं	३६	४१	अ	४२	३५	शु	२२	२२	ब	९	५७	१६	२१	३९	५	३	२४	मेषे	[–पातमोक्षः५५/२८
६	मं	३१	२५	भ	३९	३५	ब्र	१५	४	कौ	४	३	२०	२०	४०	६	४	२५	वृ.५४।१३	
७	बु	२७	४९	कृ	३८	८	ऐं	९	४	व	२७	४९	२४	१९	४१	७	५	२६	वृषे	भ.२७/४९उ.५६/४५या.
८	गु	२५	४३	रो	३८	१४	वै	४	२०	ब	२५	४३	२८	१८	४२	८	६	२७	वृषे	होलाष्टकम्
९	शु	२५	१७	मृ	३९	४७	वि	०/४९	५७/५५	कौ	२५	१७	३२	१८	४२	९	७	२८	मि९।०	घनि.बुधः९/४९ मीनेशुक्रः४९/५
१०	श	२६	२०	आ	४२	५६	आ	५७	३१	ग	२६	२०	३६	१७	४३	१०	८	१	मिथुने	भ.५७/२९उ.वक्रीपुष्येभौमः४१/५४मार्च३ता.३१
११	र	२८	३८	पु	४७	५	सौ	५७	३३	वि	२८	३८	४०	१६	४४	११	९	२	क.३१।३	भ.२८/३८या.आमलकी११व्र.
१२	चं	३२	१०	पु	५२	१७	शो	५८	४९	ब	०	२४	४४	१५	४५	१२	१०	३	कर्के	उभा.शुक्रः३०/१४ [=प्रदोषः
१३	मं	३६	४०	श्ले	५८	२०	अ	५९	२	कौ	४	२५	४८	१४	४६	१३	११	४	सिं५८।२०	पूभा.रविः४९/५(सौरः५८/४८)कुंभेबुधः३३/२२=
१४	बु	४२	०	म	६०	०	सु	६०	०	ग	९	२०	५२	१४	४६	१४	१२	५	सिंहे	भ.४२/०उ.
१५	गु	४७	४३	म	५	१८	सु	०	४६	वि	१४	५१	५६	१३	४७	१५	१३	६	सिंहे	भ.१४/५१या.होलिकादहनम्

४६पं.फा.शु.३श.इ.५४/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	१०	६	०	१०
१०	१८	१६	६	२२	१२	५	९
३	१५	४	४५	३८	१४	२५	५२
१४	३२	३४	२९	२८	२०	४५	३२
६०	२६/९	८०	४	७४	५३	३	६०
२५	व.	१५	२९	२६	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

शुक्रस्यपंचवाराः स्युः यत्रमासे निरन्तरम् । प्रजावृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते ।। इस मास में प्रजा में सुख चैन रहे ।

गोचर ग्रहाः

४७पं.फा.शु.१०श.इ.५५/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	११	६	०	१०
१७	१६	२५	७	१	१२	५	१६
५	३५	५९	१०	२१	५	३	५५
२८	५६	४६	५	५०	१३	३०	२८
६०	१८/२०	९१	३	७४	१/३८	३	६०
१२	व.	४	१६	२०	व.	११	२०

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.
१	शु	५४	८	पू	१२	२३	धृ	२	४९	बा	२०	५५	२९/१	६/१२	५/४८	१६	१४	७	कं.२९।१६	वसंत१छारेंडी
२	श	६०	०	उ	१९	५४	शू	५	३	तै	२७	१६	५	११	४९	१७	१५	८	कन्यायां	शतेबुधः४६/१५
२	र	०	२४	ह	२७	२२	गं	७	२०	ग	०	२४	९	१०	५०	१८	१६	९	कन्यायां	भ.३३/३२उ.पातस्पर्शः४/५२पातमोक्षः१५/४६
३	चं	६	४०	चि	३४	४५	वृ	९	३१	वि	६	४०	१३	९	५१	१९	१७	१०	तु.१।४	भ.६।४०या.चतुर्थीव्र.
४	मं	१२	३१	स्वा	४१	१९	ध्रु	११	१४	बा	१२	३१	१७	९	५१	२०	१८	११	तुलायां	
५	बु	१७	२९	वि	४७	१५	व्या	१२	२०	तै	१७	२९	२१	८	५२	२१	१९	१२	वृ.३०।४६	[=शुक्रः१४।३६शीतलापूजनम्
६	गु	२१	३४	अ	५१	४३	ह	१२	३३	व	२१	३४	२६	७	५३	२२	२०	१३	वृश्चिके	भ.२१।३४उ.५२।५२या.
७	शु	२४	९	ज्ये	५४	४३	व	११	४१	ब	२४	९	३०	६	५४	२३	२१	१४	ध.५४।४३	मीनेऽर्कः४९।५५(सौरः५९/९) रेवत्यां=
८	श	२४	५९	मू	५६	६	सि	९	३१	कौ	२४	५९	३४	५	५५	२४	२२	१५	धनुषि	बुधास्तःपूर्वस्यां३।४५
९	र	२४	३	पू	५६	१६	व्य	५	४७	ग	२४	३	३८	४	५६	२५	२३	१६	धनुषि	भ.५२।३२उ.पूभा.बुधः३५।११
१०	चं	२१	१	उ	५३	४१	व	०/३३	५३/१४	वि	२१	१	४३	३	५७	२६	२४	१७	म.१०।३७	भ.२१।१या.
११	मं	१६	१३	श्र	४९	७	शि	४५	३१	बा	१६	१३	४७	३	५७	२७	२५	१८	मकरे	उभा.रविः१०।५९ (सौरः२०।४५)×
१२	बु	९	३५	ध	४३	१६	सि	३६	७	तै	९	३५	५१	२	५८	२८	२६	१९	कुं.१६।११	प्रदोषः [×पापमोचनी११व्र.
१३	गु	१	२७	श	३६	१०	सा	२५	४३	व	१	२७	५५	१	५९	२९	२७	२०	कुंभे	भ.१।२७उ.२६।४९या.
१४	गु	५०	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	शु	४२	२१	पू	२८	२६	शु	१४	५०	च	१७	१६	३०/०	६/०	६/०	३०	२८	२१	मी१५।२२	मन्वादिः

४८पं.चै.कृ.२श.इ.५५/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	१०	७	११	६	०	१०
२४	१५	६	७	१०	११	४	२३
६	२६	५५	२६	४	५१	४१	५६
१४	१३	१९	३१	५२	२५	१४	५१
५९	१०/१०	०/०	१	७४	२/१६	३	६०
५८	व.	१६	४७	१४	व.	११	६

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे ७ शुक्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न.३ कुमार्यवस्था (वैठी)मु १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४९पं.चै.कृ.८श.इ.५५/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	७	११	६	०	११
१	१४	१८	७	१८	११	४	०
५	४८	४८	३३	४५	३३	१८	५६
३१	४	१८	४३	१८	७	५९	३३
५९	२/४०	०/०	०	७४	२/५३	३	५९
४१	व.	४	३५	८	व.	११	४९

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१४३, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१४३, भोग्यकलिः४२६८५७, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०९९, शाकः १९६४, अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः । मंत्री चंद्रः । सस्येशो बुधः । धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः । रसेशः शुक्रः । नीरसेशो बुधः । फलेशो रविः । धनेशो बुधः । दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येऽस्मिन्विंशतिकायां १०धातानाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः ४।०।२८।४५।० भोग्यमासादिः ७।२९।३१।१५।० बार्हस्पत्यदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम वैशाख :। मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासःपर्वते। समयनिवासःकुंभकारगृहे । समयविश्वा १२समयवाहनम् महिषः। स्तंभः १ तृणस्य । सोमवत्यमाः३ सोमवती पंचमी × अंगारकी चतुर्थी ३ भानुसप्तमी १ बुधाष्टमी ३ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३८३ तिथिक्षयः१७, तिथिवृद्धिः१० उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १५ धान्यम् ११ तृणम् ९, शीतम् ५ तेजः ९, वायुः ५ वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः १७, ऐक्यम् ८५, शनिदृष्टि पश्चिमे । सत्यं ॥ धर्म १॥ पापं १८ ग्रहण १ चंद्रमसः१। सूर्यस्यः।

सं २०९९ वैशा. कृ. ३० रवौ सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	६	६	७
मि.	३४	५०	१४
घ.	०	०	१
प.	१८	५८	५८

सं. २०९९ फाल्गुन शु.१५ बुधे खग्रास चन्द्र ग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	६	७	७	८	९
मि.	११	३२	५९	२६	४७
घं.	२९	३२	३३	३४	३८
प.	२०	४२	५०	५८	२०

वर्ष लग्नम् ७।११

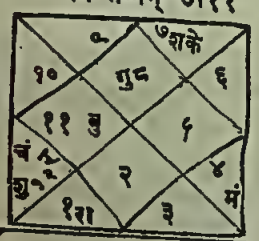

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जगदंबा तेरे चरण पूजे सब संसार ।
कैसा रहे निन्यानवे करके कहो विचार ॥

भवानी उत्तर

निबलो समों निनाणवुं करे रंगीला भेष ।
बिन पाणी बादल उडे जनता देश विदेश ॥
शनि राजा इस वर्ष में इनका क्रूर स्वभाव ।
विग्रह बाढै जगत में दुर्जन खेलें बाव ॥
महामारी अरु अग्निभय बढै जगत में चोर ।
रोग उपद्रव देख कर जग में मांचे शोर ।
चढी रोहिणी पर्वतां संवत् बसे कुलाल ।
दूध दही बिन देश का भूखा रहसी बाल ॥
शर्मा ज्योतिष से कहा जैसा किया विचार ।
आखिर सब जाने वही जो है जग करतार ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	२
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् २।२०

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।२०।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२५।४५

(सं० २००१ तत्रारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

=बुशुरास

प्रथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः फलम् ॥ शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धं नृपाणां गद तस्कराद्यैः भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ॥ मंत्री चन्द्रस्तत्फलम ॥ शशिनि मंत्रिगते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । वियति वारि धरा बहु वणिणो जनपदा सुखराशि सुशोभिता ॥ सस्येशो बुधः फलं ॥ जलधरा जलराशि मुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः स्तुति पाठकरः सदा प्रथम धान्यपतौ सति बोधने ॥ धान्येशो भौमः फलम् ॥ भूमिजे ग्रीष्म धान्येशे ग्रीष्म धान्यं महर्घकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंति च ॥ मेघेशो रविः फलम् ॥ जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनता रसम् । यव चणेक्षु नीवार सुशाल्लिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ॥ रसेशःशुक्रःफलम् ॥ यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः । सुखसुभिक्ष सुमोदवती धरा धरणीपाहत पापगणः प्रियाः ॥ नीरसेशो बुधः फलम् ॥ चित्र वस्त्रादिकंचैव शंख चंदन पूर्वकम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ॥ फलेशो रविःफलम् ॥ द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहु जलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ॥ धनेशो बुधः फलम् ॥ द्रविणपो हिम रश्मिसुतो यदा विविध संग्रह वस्तु फलार्थदा । द्विजवरा जप यज्ञ सुसंयुताः कृषिविशेष विशेषित मानसाः ॥ दुर्गेशो रविःफलम् ॥ नय विशेष करस्तरणिस्तदा गतभया नरराज पुरोगमाः । समधिको न तदा नृपजोन्यजः स्वपथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ॥ धातानाम संवत्सरः फलम् ॥ धातु वर्षेऽखिलाक्ष्मेशाः संग्रामे सक्त मानसाः । सम्पूर्णा धरणी भाति बहु सस्यार्घवृष्टिभिः ॥ वर्षनाम वैशाखः फलम् ॥ अर्घं विविधभावेन जायते द्रविणप्रदम् । नीरुजा निर्भया लोकाः वैशाखे जनपूजिता ॥ मेघनाम पुष्करः फलम् ॥ पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात् ॥ रोहिणी निवासः पर्वते फलम् ॥ पर्वते विंदुमात्रश्च ॥ समयनिवासो कुंभकार गृहे फलम् ॥ अनावृष्टिः प्रजापतौ ॥ एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०९९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ३ भौमे रोहि ल. ११-१२ रे. ८ ।।।।ऽऽरो।।।।
,, ४ बुधे मृगे लः ११-१२ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ६ चन्द्रे मघा ल. गो. (सोग्रांगः) ११ (चं.७पू.) रे. ७ ।।।।।ऽनृऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, १० भौमे मघा ल. गो. (सोग्रांगः) रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याभावः
,, ११ बुधे उफा ल. ११ (घ.५०-५४याचं.७पू.
,,१२गुरौउफा ल.ऽन्यगो(सोग्रांगः)रे.६।।।।।।रो४८उऽ।।।
,,१२गुरौ हस्ते ल. १२ (चं.७पू.) रे. ७ ऽऽ।।ऽरो।।।।
,,१३शुक्रेहस्तेल.ऽन्यगो(सोग्रांगः)रे.७ऽऽ।।ऽरो४२या।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ गुरौ मूले ल. गो. (सोग्रांगः) ११-१२ रे.८ ।।।।ऽ।चौ५२उऽ।ऽ।।
,, ५ शनौ उषा ल. गो. (सोग्रांगः) ११-१२ रे. ७ ।ऽ।ऽशु।।।।।ऽ दग्धा पादतो वेधाऽभावः
,, १० गुरौ उभा ल. ऽन्यगो ११ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला १ भौमे रोहि ल. ऽन्यगो रे. १० ।।।।।।।।।।
,, १ भौमे मृगे ल. १२ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।
,, ९ बुधे उफा ल.गो.१२ रे.७ ऽऽ।।।।ऽ।।।मीनेचं.पू.
,, १० गुरौ हस्ते ल.गो. १२ रे.८ ।।।।।ऽनृ३८या।ऽ।।
,, १४ चन्द्रे अनु ल. १२ रे. ८ ।।।।ऽऽरो।।।।

आषाढ मासः

कृष्णा २ गुरौ मूले ल. गो. रे. ७ ।ऽ।ऽशु।ऽअ।।।। पादतो वेधाऽभावः
,, ८ बुधे उभा ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।
शुक्ला ५ रवौ मघा ल.ऽन्यगो २ रे.७ ।।।।।ऽचौ४३याऽऽ।।
,, ८ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।।ऽ।ऽ दग्धा

पौष मासः

शुक्ला १० भौमे रोहि ल. ८ (घ.५३-३५उ) रे. ६ ।।।।।।रो३३उ।।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ६ भौमे अनु ल. ८ रे. ८ ।।।।।ऽअ।ऽ।।
,, ११ गुरौ मूले ल. ८ रे. ६ ।।ऽगु.शु.।।ऽनृऽऽ।।
शुक्ला ४ शुक्रे रेव ल. ८-६-१० रे. ६ ।ऽ।।ऽ।ऽऽ।।
,, ९ बुधे मृगे ल.८-१०रे.८ ।ऽ।।।।।ऽ।।वृश्चिकेचं.पू.

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ बुधे उफा ल. ८-६-१० (वृश्चिकें व्ययेऽकौ) रे. १० ।।।।।।।।।।
,, ६ चन्द्रे अनु ल. १० रे. ६ ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।
,, ७ भौमे अनु ल.ऽन्यगो (७मेभौमः) रे.७ऽ।।।।।ऽऽ।।
,, ६ गुरौ मूले ल. ८ (व्ययेऽकौ) ल. ऽन्यगो (७मेभौमः) रे. ७ ।।ऽबृ।।ऽअ।ऽ।।
,,११शनौउषाल.८-६(वृश्चि.व्ययेऽकौ)रे.८।।।।।ऽनृ।ऽ।।
शुक्ला १ गुरौ रेव ल. ८-६-१० रे. ८ ऽ।।।ऽ।।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४३६८स.२०४२
१	श	३२	२६	उ	२०	२६	शु	३/४४	४९/१५	किं	७	२३	३०/४	५/५९	६/१	१	२९	२२	मीने	मीनेबुधः४।२६भा.चैत्रारंभः–
२	र	२२	५८	रे	१२	५६	ऐं	४२	४९	कौ	२२	५८	८	५८	२	२	३०	२३	मे.१२।५८	उभा.बुधः४८।४चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	१४	३१	अ	६	१६	वै	३३	३२	ग	१४	३१	१२	५८	२	३	१	२४	मेषे	भ.४०/५५उरविलाखर४मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	मं	७	२०	भ	१/१३	५६/३४	वि	२५	४९	वि	७	२०	१६	५७	३	४	२	२५	वृ.१५।२१	भ.७।२०या.अश्वि.मेषेशुक्रः१।४१
५	बु	२	४	रो	५६	१०	प्री	१९	४२	बा	२	४	२१	५६	४	५	३	२६	वृषे	[–संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
६	बु	५६	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	गु	५६	५९	मृ	५६	२३	आ	१४	५५	ग	२७	४५	२५	५५	५	६	४	२७	मि२६।१६	भ.५६।५९उ.
८	शु	५७	२७	आ	५८	५०	सौ	११	४८	वि	२७	१३	२९	५४	६	७	५	२८	मिथुने	भ.२७।१३या.
९	श	५९	३६	पु	६०	०	शो	१०	१५	बा	२८	३१	३३	५३	७	८	६	२९	क.४६।४६	रामनवमी
१०	र	६०	०	पु	२	४५	अ	९	५१	तै	३१	३२	३७	५३	७	९	७	३०	कर्के	रेवत्यांबुधः३१।५२
१०	चं	३	२८	पु	८	५	सु	१०	४१	ग	३	२८	४१	५२	८	१०	८	३१	कर्के	भ.३५/५५उ.रेवत्यांरविः३८/३४(सौरः४७/१२)
११	मं	८	२२	श्ले	१४	२८	धृ	११	५५	वि	८	२२	४५	५१	९	११	९	१	सिं१४।२८	भ.८/२२या.अप्रेल४ता.३०कामदा११व्र.
१२	बु	१४	२	म	२१	३४	शू	१४	८	बा	१४	२	४९	५०	१०	१२	१०	२	सिंहे	प्रदोषः
१३	गु	२०	३	पू	२८	५३	गं	१६	१३	तै	२०	३	५३	४९	११	१३	११	३	कं.४५।४७	अश्वि.१राहुःचित्रा.३केतुः२९।४५
१४	शु	२६	३२	उ	३६	२९	वृ	१८	३४	व	२६	३२	५७	४९	११	१४	१२	४	कन्यायां	भ.२६।३२उ.५९।३५या.भरण्यांशुक्र५५/३०
१५	श	३२	३८	ह	४३	४४	ध्रु	२०	५३	ब	३२	३८	३१/१	४८	१२	१५	१३	५	कन्यायां	अश्वि.मेषेबुधः५९।५३ हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.१श.इ. ५६/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	७	११	६	०	११
८	१४	१	७	२७	११	३	७
३	१९	३९	३२	२५	१०	५६	५४
१८	४४	२५	२	१	५२	४३	२८
५९	३/५०	११/६	०/४७	७४	३/३४	३	५९
२९	मा	५	व.	२	व.	११	३५

५१ पं.चै.शु.९श.इ. ५६/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	७	०	६	०	११
१४	१५	१५	७	६	१०	३	१४
५९	१४	२८	२१	२	४५	३४	५०
१०	१३	१	११	४२	२२	२७	४०
५९	९	१२/१	२/१६	७३	३	३	५९
१६	२८	५५	व	५६	५६	११	१६

५२पं.चै.शु.१५श.इ. ५६/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	७	०	६	०	११
२१	१६	२९	७	१४	१०	३	२१
५३	१५	५३	१	३८	१६	१२	४४
३१	७	४२	१	३१	५२	१२	५१
५९	१४	१२/१	३/३६	७३	४/१३	३	५९
४	१०	३/३३	व	५०	व	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	र	३८	३३	चि	५०	५५	व्या	२३	०	बा	५	३५	३१/५	५/४७	६/१३	१६	१४	६	तु.१७।२०	
२	चं	४३	५७	स्वा	५७	१३	ह	२४	३५	तै	११	१५	१०	४६	१४	१७	१५	७	तुलायां	आश्ले.भौमः४०।४५
३	मं	४८	२६	वि	६०	०	व	२५	७	व	१६	११	१४	४५	१५	१८	१६	८	वृ.४६।२३	भ.१६।११उ.४८।२६या.
४	बु	५२	२	वि	३	०	सि	२६	४	ब	२०	१४	१८	४४	१६	१९	१७	९	वृश्चिके	वक्रीस्वाती.१शनि.५६।४६चतुर्थी व्र.
५	गु	५४	३५	अ	७	३७	व्य	२५	३५	कौ	२३	१८	२२	४४	१६	२०	१८	१०	वृश्चिके	पश्चिमोदयीबुधः३४।२०
६	शु	५५	५८	ज्ये	११	१७	व	२४	१०	ग	२५	१६	२६	४३	१७	२१	१९	११	ध.११।१७	भ.५५।५८उ.वक्रीअनु.१गुरुः३८।१८
७	श	५५	५३	मू	१३	४०	प	२१	३६	वि	२५	५५	३०	४२	१८	२२	२०	१२	धनुषि	भ.२५।५५या.भरण्यांबुधः४४।२६
८	र	५४	५	पू	१४	२६	शि	१७	५६	बा	२४	५९	३४	४१	१९	२३	२१	१३	म.२९।१६	
९	चं	५०	५०	उ	१३	४५	सि	१२	५५	तै	२२	२७	३८	४०	२०	२४	२२	१४	मकरे	अश्वि.मेषेऽर्कः१२।३२(सौरः२१।४६)
१०	मं	४५	५४	श्र	११	२५	सा	६/३०	५२/२६	व	१८	२२	४२	४०	२०	२५	२३	१५	कुं.३९।२	भ.१८।२२उ.४५/५४या.कृत्ति.शुक्रः४५/६
११	बु	३९	३१	ध	६	३८	शु	५०	१०	ब	१२	४२	४६	३९	२१	२६	२४	१६	कुंभे	वरुथिनी११व्र.
१२	गु	३१	३२	श	१/१६	५३/३६	ब्र	४०	३४	कौ	५	३१	५०	३८	२२	२७	२५	१७	मी४१।२८	प्रदोषः
१३	शु	२२	४८	उ	४७	३२	ऐं	३०	९	व	२२	४८	५३	३७	२३	२८	२६	१८	मीने	भ.२२/४८उ.४८/२या.वृषेशुक्रः३१/४६
१४	श	१३	१७	रे	३९	५४	वै	१९	३१	श	१३	१७	५७	३७	२३	२९	२७	१९	मे.३९।५४	
३०	र	३	४०	अ	३२	३५	वि	८/५०	५०/०	ना	३	४०	३२/१	३६	२४	३०	२८	२०	मेषे	सूर्यग्रहणम्

१पं.वै.कृ.९चं.इ. १२/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	७	०	६	०	११
०	१७	१५	६	२४	९	२	२९
०	५९	५८	२७	४५	४०	४६	५१
०	२	१२	३२	४	५९	४	६
५८	१८	७/०४४	४/५१	७३	४/३४	३	५८
४४	२५	व	४२	व	११	४५	

गोचर ग्रहाः

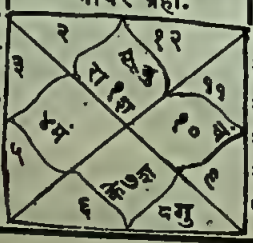

वैशाख कृष्णे ९ चन्द्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४युवावस्था(सूती) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

२पं.वै.शु.२चं.इ. १२/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	७	१	६	०	०
६	१९	२६	५	३	९	२	६
५०	५८	३६	५०	१७	९	२३	४१
४६	१	३२	५३	१०	३६	४८	१७
५८	२१	७९	६/५	७३	४/४०	३	५८
३१	४०	११	व	२७	व	११	२९

तिथि वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४३९८स.२०४२

१	र	५०	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[-भा.वैशाखारंभः
२	चं	४६	१	भ	२६	०	आ	४९	३९	बु	२०	११	३२	५५	६	२५	१	२९	२१	वृ.३९।४३	कृत्ति.बुधः१५।२८चन्द्रदर्शनम्-
३	मं	३९	१०	कृ	२०	५४	सौ	४१	३९	तै	१२	३५	९	३४	२६	२	१	२२		वृषे	जमादिलावल५परशुरामजयंतीअक्षय३
४	बु	३४	४	रो	१७	१४	शो	३५	११	व	६	३७	१३	३४	२६	३	२	२३		मि४६।२७	म.६।३७उ.३४।४या.वृषेबुधः४७।१
५	गु	३०	५३	मृ	१५	४१	अ	३०	३५	ब	२	२८	१६	३३	२७	४	३	२४		मिथुने	
६	शु	३०	१	आ	१६	२०	सु	२७	५०	कौ	०	२७	२०	३२	२८	५	४	२५		मिथुने	
७	श	३१	१३	पु	१८	५५	धृ	२६	२२	ग	०	३७	१३	३१	२९	६	५	२६		क.३।१६	भ.३१।१३उ.रोहि.शुक्रः४५।४४
८	र	३४	१९	पु	२३	२४	शू	२६	४५	वि	२	४६	२७	३१	२९	७	६	२७		कर्के	भ.२।४६या.भरण्यांरविः५२।४५
९	चं	३९	२	श्ले	२९	१७	गं	२७	३७	बा	६	४१	३१	३०	३०	८	७	२८		सि२९।१७	भरण्यांरविःसौरः३।११
१०	मं	४४	४०	म	३६	२३	वृ	२९	४१	तै	१२	५१	३४	२९	३१	९	८	२९		सिंहे	पातस्पर्शः५।२६पातमोक्षः१७।४९
११	बु	५०	४६	पू	४३	३९	ध्रु	३१	५७	व	१७	४३	३८	२८	३२	१०	९	३०		सिंहे	भ.१७।४३उ.५०।४६या.मोहिनी११व्र.
१२	गु	५७	१६	उ	५१	२९	व्या	३४	३४	ब	२४	१४	१	२८	३२	११	१०	१		कं.०।३७	मई५ता.३१
१३	शु	६०	०	ह	५८	४९	ह	३६	५३	को	३०	२०	४५	२७	३३	१२	११	२		कन्यायां	प्रदोषः [=मघा.सिंहेशुक्र.३५
१३	श	३	२३	चि	६०	०	व	३८	५२	तै	३	२३	४८	२६	३४	१३	१२	३		तु.३२।१३	नृसिंहजयंती
१४	र	८	५३	चि	५	३७	सि	४०	१४	व	८	५३	५२	२६	३४	१४	१३	४		तुलायां	भ.८।५३उ.४१।१५या.वक्रीबुधः३२=
१५	चं	१३	३७	स्वा	११	४६	व्य	४१	५	ब	१३	३७	५५	२५	३५	१५	१४	५		तुलायां	यमायकुंभदानम्

३पं.वै.शु.९चं.इ. ९३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	७	१	६	०	०
१३	२२	३	५	११	८	२	१३
२९	१३	५४	७	४६	३७	१	२९
५०	३७	१४	४१	४४	१२	३३	४२
५८	२४	३५	६	७३	४०	३	५८
१९	१६	४१	व	१८	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

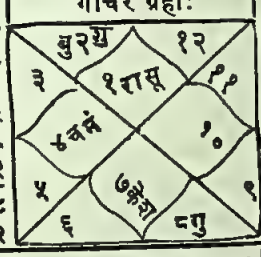

इसमासमें गुडसक्कर चीनी नमक घृत तेल रुई वस्त्र वारदाना धातुसोनाचांदीलोहा तांबा आदि तेज हों कहीं२कुछ वर्षाहो।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.शु.१५च.इ. ९३

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	७	१	६	०	०
२०	२४	५	४	२०	८	१	२०
२७	४५	१६	१९	१४	६	२९	१६
२९	१४	४८	८	२८	७	१७	२९
५८	२५	४	३	७३	२८	३	५७
६	१४	व	व	२	व	११	५७

तिथि ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	मं	१७	२२	वि	१६	५५	व	४०	५८	को	१७	२२	३३	५८	६	१६	१५	६	वृ.०।३८
२	बु	२०	१७	अ	२१	१	प	४०	५	ग	२०	१७	३३	२४	६	१७	१६	७	वृश्चिके
३	गु	२१	५५	ज्ये	२४	१८	शि	३८	३४	वि	२१	५५	५	२३	६	१८	१७	८	भ.२४।१८
४	शु	२२	३२	मू	२६	३३	सि	३६	५	बा	२२	३२	८	२२	६	१९	१८	९	धनुषि
५	श	२२	७	पू	२७	३५	सा	३२	४९	तै	२२	७	११	२२	६	२०	१९	१०	म.४२।३७
६	र	२०	३५	उ	२७	४३	शु	२८	४०	व	२०	३५	१४	२१	६	२१	२०	११	मकरे
७	चं	१७	५८	श्र	२६	३३	शु	२३	३१	ब	१७	५८	१७	२१	६	२२	२१	१२	कुं.५५।२५
८	मं	१४	२०	ध	२४	१६	न्र	१७	३२	को	१४	२०	२०	४०	२	२३	२२	१३	कुंभे
९	बु	९	३४	श	२१	५	ऐं	१०	३८	ग	९	३४	२३	१९	४	१४	२३	१४	कुंभे
१०	गु	३	२९	पू	१६	३८	वै	३	५१	वि	३	२९	२६	१९	४	१५	२४	१५	मी२।४३
११	शु	५३	६	०	०	०	०	४८	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	१६	० ०
१२	शु	४८	५०	उ	११	२४	प्री	४५	७	को	२२	४२	२८	१८	४	२६	२५	१७	मीने
१३	श	४०	३१	रे	२६	५३	आ	३५	२७	ग	१४	४१	३१	१८	४	२७	२६	१८	मेषे
१४	र	३२	५	भ	५२	५४	सौ	२५	४८	वि	६	१८	३४	१७	४	३	२८	२७	१८
३०	चं	२३	५६	कृ	४७	१४	शो	१६	४८	ना	२३	५६	३७	१७	४	३	२९	२८	१९

भ.५१।६उ.मृगेशुक्रः४५।४४×
भ.२१।५५या.चतुर्थीव्र.
[×बुधास्तःपश्चिमायां५८।१७
[+(सौरः४७/३)
भ.३५उ.४९।१७या.कृत्ति.रविः३५+
पातस्पर्शः४६।६पातमोक्षः५६।१८
मिथुनेशुक्रः२०।१४वक्रीविशा.४गुरुः५०
भ.३६।३१उ.
भ.३५या.वृषेऽर्कः५९(सौरः१८।५६)÷
[÷अपरा११स्मा.
अपरा११व्र.वै.
भ.४०।३१उ.प्रदोषः
भ.६।१८या.आर्द्राशुक्रः५५सिंहेभौमः
वक्रीमेषेबुधः४३।५३वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.७चं.इ. ९३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	७	१	६	०	०
२७	२७	३	३	२८	७	१	२७
१३	३२	१७	२७	३९	३६	१७	१
३७	३४	३२	२५	४	२२	१	४३
५७	२८	३०	५	७२	१०	३	५७
५४	२२	व	व	४७	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठकृष्णे १० गुरौ वृषेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न.५ बालावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

६पं.ज्ये.कृ.३०चं.इ. ९३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	७	२	६	०	१
३	०	०	२	७	७	०	३
५८	३२	१६	३४	१	८	५४	५७
४४	५६	३०	१९	२३	२८	५६	२८
५७	२७	३	५	७२	५३	३	५७
४४	४४	व	व	२५	व	११	३४

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४४२७स.२०४२
१	मं	१६	४२	रो	४२	४९	अ	८	२०	ब	१६	४३	३३/३९	५/१६	६/४४	३०	२९	२०	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
२	बु	१०	४७	मृ	३९	४८	सु	१/४	५४/२	कौ	१०	४७	४२	१६	४४	३१	१	२१	मि११।१८	जमादिलाखर६
३	गु	६	३८	आ	३८	५३	शू	५०	३६	ग	६	३८	४४	१५	४५	१	२	२२	मिथुने	भ.३५।३९उ.भा.ज्येष्ठारंभः
४	शु	४	४०	पु	३९	५६	गं	४७	५८	वि	४	४०	४७	१५	४५	२	३	२३	क.२४।४०	भ.४।४०या.
५	श	४	२८	पु	४२	५९	बृ	४७	१९	बा	४	२८	४९	१४	४६	३	४	२४	कर्के	पातस्पर्शः५६।११
६	र	६	३८	श्ले	४७	५४	ध्रु	४७	२५	तै	६	३८	५२	१४	४६	४	५	२५	सिं४७।५४	रोहि.रविः२९/२२सौरः४४/५८पातमोक्षः१९/३७
७	चं	१०	२८	म	५४	१७	व्या	४८	४९	व	१०	२८	५४	१३	४७	५	६	२६	सिंहे	भ.१०।२८उ.४३।५या.
८	मं	१५	४१	पू	६०	०	ह	५०	५२	ब	१५	४१	५६	१३	४७	६	७	२७	सिंहे	वक्रीचित्रा.४शनिः३।४३
९	बु	२१	२८	पू	१	२२	व	५३	२०	कौ	२१	२८	५८	१२	४८	७	८	२८	कं.१८।१७	
१०	गु	२७	५६	उ	९	३	सि	५५	४७	ग	२७	५६	३४/०	१२	४८	८	९	२९	कन्यायां	गंगादशमी
११	शु	३४	६	ह	१६	२५	व्य	५७	५१	व	१	१	२	१२	४८	९	१०	३०	तु.५०।०	भ.१/१उ.३४/६या.मार्गीबुधः४९/१६पुन.शुक्रः ÷
१२	श	३९	२५	चि	२३	३१	व	५९	२६	ब	६	४५	३	११	४९	१०	११	३१	तुलायां	[÷१२/५१निर्जला११व्र.
१३	र	४३	५५	स्वा	२९	३३	प	५९	३७	कौ	११	४०	५	११	४९	११	१२	१	तुलायां	पूर्वोदयीबुधः३६/१८जून६ता.३०प्रदोषः
१४	चं	४६	५५	वि	३४	१९	शि	५९	३७	ग	१५	२५	७	११	४९	१२	१३	२	वृ.१८।८	भ.४६।५५उ.
१५	मं	४८	४९	अ	३८	०	सि	५८	२५	वि	१७	५२	९	१०	५०	१३	१४	३	वृश्चिके	भ.१७/५२या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

७ पं.ज्ये.शु.७च.इ. १३/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	७	२	६	०	१
१०	३	२६	१	१५	६	०	१०
४२	४२	५५	४१	२०	४२	३२	२७
४०	५०	३४	२४	२८	५४	३०	३९
५७	३१	१७/४३	७/४९	७२	३/२९	३	५७
३५	८	व	व.	२	व	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन धातु सोना चांदी लोहा रसकस गुड़ शक्कर चीनी धान्य गल्ला वस्त्र रुई में तेजी हो

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्येशु.१४चं.इ. १३/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	७	२	६	०	१
१७	७	२७	०	२३	६	०	१७
२५	३	१	५०	३५	२१	१०	८
२६	१४	४८	१७	५६	२५	१५	४५
५७	३२	९/१८	७/१९	७१	२/५०	३	५७
२७	१६	मा	व	३५	व	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.
१	बु	४९	२२	ज्ये	४०	२३	सौ	५६	५	बा	१९	६	३४/१०	५/१०	६/५०	१४	१५	४	ध.४०।२३	
२	गु	४८	४१	मू	४१	२७	शु	५२	५०	तै	१९	१	१२	१०	५०	१५	१६	५	धनुषि	रेवती४मीनेराहुःचित्रा२कन्या.केतु२७/३
३	शु	४७	६	पू	४१	४६	शु	४८	५३	व	१७	५३	१३	९	५१	१६	१७	६	म.५६।३८	भ.१७/५३उ.४७।६या.
४	श	४४	२६	उ	४१	१४	ब्र	४४	१६	ब	१५	४६	१५	९	५१	१७	१८	७	मकरे	कर्के शुक्रः४३/२७पातस्पर्शः५४/१३चतुर्थीव्र.
५	र	४१	१४	श्र	३९	४८	ऐं	३९	२	कौ	१२	५०	१६	९	५१	१८	१९	८	मकरे	मृगेरविः२४/१४सौरः४३/४८बृषेबुधः५/४२ A
६	चं	३७	३२	ध	३७	४९	वै	३३	१९	ग	९	२३	१७	९	५१	१९	२०	९	कुं.८।४८	भ.३७/३२उ.वक्रीविशा.३तुलायांगुरुः४४/६
७	मं	३३	७	श	३५	१८	वि	२७	९	वि	५	२०	१८	८	५२	२०	२१	१०	कुंभे	भ.५/२०या.पुष्येशुक्रः३२।२९
८	बु	२८	९	पू	३२	१३	प्री	२०	२५	बा	०	३८	१९	८	५२	२१	२२	११	मी१७।५९	[Aपातमोक्षः१०।१४
९	गु	२२	३४	उ	२८	३७	आ	१३	१६	ग	२२	३४	१९	८	५२	२२	२३	१२	मीने	भ.४९।३७उ.
१०	शु	१६	४१	रे	२४	२५	सौ	५/५३	५२/१०	वि	१६	४१	२०	८	५२	२३	२४	१३	मे.२४।२५	भ.१६।४१या.
११	श	१०	१३	अ	१९	५६	अ	५०	८	बा	१०	१३	२१	८	५२	२४	२५	१४	मेषे	पूफा.भौमः४९/१९योगिनी११व्र.
१२	र	३	३५	भ	१५	३९	सु	४२	७	तै	३	३५	२१	८	५२	२५	२६	१५	वृ.२९।३९	भ.५७/५उ.मिथुनेऽर्कः२२/४८सौरः४४/३६प्रदोषः
१३	र	५३	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	चं	५०	५६	कृ	११	१३	धृ	३४	४१	वि	२४	०	२२	८	५२	२६	२७	१६	वृषे	भ.२४।०या.
३०	मं	४५	४२	रो	७	२२	शू	२७	३४	च	१८	१९	२२	८	५२	२७	२८	१७	मि३५।२६	

९पं.आ.कृ.६चं.इ. १३/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	७	३	६	११	१
२४	१०	०	०	१	६	२९	२३
७	३१	४६	३	४६	३	४७	४८
३०	४४	१२	१८	४८	३६	५९	४१
५७	३३	४०	६/३१	७१	२/१६	३	५७
२२	१८	४०	व.	८	व.	११	५

गोचरग्रहाः

आषाढकृष्णे१२ रवौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.५न.६ प्रोढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावें समताशुक्रोदयः पश्चिमे

गोचर ग्रहाः

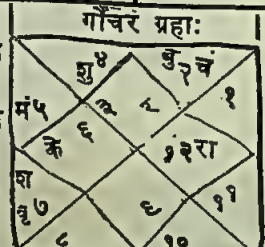

१०पं.आ.कृ.१४चं.इ. १३/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	६	३	६	११	२
०	१४	७	२९	९	५	२९	०
४८	८	४६	१९	५३	४९	२५	२७
४७	१७	१२	४१	२०	५९	४३	५०
५७	३४	७१	५/४१	७०	१/३९	३	५६
१७	१९	४९	व.	२८	व.	११	५९

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४४५६स.२०४२
१	बु	४१	३२	मृ	४	३१	गं	२१	२९	किं	१३	४२	३४/२३	५/७	६/५३	२८	२९	१८	मिथुने	रोहि.बुधः५।३८
२	गु	३९	१५	आ	२	५९	बृ	१६	३१	वा	१०	२३	२३	७	५३	२९	३०	१९	क.४८।१०	चंद्रदर्शनम्रथयात्रा
३	शु	३८	३२	पु	३	१४	ध्रु	१३	६	तै	८	५३	२३	७	५३	३०	१	२०	कर्के	रज्जव७
४	श	३९	५९	पु	५	१३	व्या	११	८	व	९	१५	२४	७	५३	३१	२	२१	कर्के	भ.९।१५उ.३९।५९या.
५	र	४२	५८	श्ले	८	५९	ह	१०	१६	ब	११	२९	२४	७	५३	१	३	२२	सिं८।५९	आर्द्रारविः२१/४३सौरः४६/९आश्ले.शुक्रः =
६	चं	४७	३७	म	१४	१८	व	११	१	कौ	१५	१७	२४	७	५३	२	४	२३	सिंहे	[=९/३३भा.आषाढारंभः
७	मं	५३	३	पू	२१	५	सि	१२	४४	ग	२०	२०	२४	७	५३	३	५	२४	क.३७।५२	भ.५३।३उ.
८	बु	५९	१८	उ	२८	१३	व्य	१४	५५	वि	२६	१०	२४	७	५३	४	६	२५	कन्यायां	भ.२६।१०या.
९	गु	६०	०	ह	३५	४५	व	१७	२८	बा	३२	२१	२३	७	५३	५	७	२६	कन्यायां	मृगेबुधः५४।४७
९	शु	५	२३	चि	४३	३	प	१९	४६	कौ	५	२३	२३	७	५३	६	८	२७	तु.९।२४	
१०	श	१०	५७	स्वा	४९	३२	शि	२१	३२	ग	१०	५७	२२	८	५२	७	९	२८	तुलायां	भ.४३।१३उ.
११	र	१५	२८	वि	५४	३३	सि	२२	२९	वि	१५	२८	२२	८	५२	८	१०	२९	वृ.३८।१८	भ.१५।२८या.देवशयनी११व्र.
१२	चं	१८	२४	अ	५८	१०	सा	२२	२१	बा	१८	२४	२१	८	५२	९	११	३०	वृश्चिके	मिथुनेबुधः११।३२प्रदोषः
१३	मं	१९	५७	ज्ये	६०	०	शु	२०	५४	तै	१९	५७	२०	८	५२	१०	१२	१	वृश्चिके	बुधास्तःपूर्वस्यां१४/३७जुलाई७ता.३१
१४	बु	१९	३८	ज्ये	०	१४	शु	१८	८	व	१९	३८	१९	८	५२	११	१३	२	ध.०।१४	भ.१९/३८उ.४८/४५या.मार्गीशनिः३३/४४वायुपरी
१५	गु	१७	५१	मू	०/३५	५८/१९	ब्र	१४	१६	ब	१७	५१	१८	८	५२	१२	१४	३	धनुषि	आर्द्राबुधः२८/६व्यासपूजागुरुः१५

११पं.आ शु. ६चं.इ.१३/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	६	३	६	११	२
७	१७	१७	२८	१७	५	२९	७
२९	५३	३५	४५	५४	४०	३	६
४२	२०	४२	३६	२६	३०	२८	१७
५७	३४	९७	४/४०	६९	०/४८	३	५६
१३	५३	२४	व	४०	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसों आदि मंदे हो गुड़ सक्कर चीनी घृत तेल गन्ना तेज हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.शु. १२च.इ.१३/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	६	३	६	११	२
१४	२१	०	२८	२५	५	२८	१३
१०	४१	४	१८	४९	३६	४१	४४
८	३४	२६	५४	३७	११	१२	२२
५७	३५	१२१/१३	३/३२	६८	०/१६	३	५६
७	३९	५२	व	५०	ब	११	५०

त.	प्र.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	शु	१४	४७	उ	५७	५९	ऐं	९	२९	कौ	१४	४७	३४/१७	५/९	६/५१	१३	१५	४	म.१३।४०	मघा.सिंहेशुक्रः०।२५
२	श	१०	४७	श्र	५५	१६	वै	३/४२	५३/३२	ग	१०	४७	१६	९	५१	१४	१६	५	मकरे	भ.३८।२०उ.
३	र	५	५२	ध	५२	४	प्री	५०	३३	वि	५	५२	१५	९	५१	१५	१७	६	कुं.२३।४०	भ.५५/५२या.पुन.रविः२०/२३सौरः५०/११चतु.व्र.
४	चं	०	३५	श	४८	४३	आ	४३	३४	बा	०	३५	१४	९	५१	१६	१८	७	कुंभे	नाग५मरुस्थले
५	चं	५४	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	मं	४९	४९	पू	४५	१४	सौ	३६	३४	ग	२२	३१	१३	९	५१	१७	१९	८	मी.३१।६	भ.४९।४९उ.उफा.भौमः५७।२
७	बु	४४	२१	उ	४१	४५	शो	२९	३५	वि	१७	५	११	१०	५०	१८	२०	९	मीने	भ.१७।५या.पुन.बुधः५४।५७
८	गु	३९	७	रे	३८	३४	अ	२२	४०	बा	११	४४	१०	१०	५०	१९	२१	१०	मे.३८।३४	
९	शु	३३	५१	अ	३५	४	सु	१५	४४	तै	६	२९	८	१०	५०	२०	२२	११	मेषे	
१०	श	२८	४४	भ	३२	२	धृ	८	५२	व	१	१७	७	११	४९	२१	२३	१२	वृ ४६।२१	भ.१।१७उ.२८।४४या.
११	र	२३	५९	कृ	२९	१९	शू	२/२०	५३/४७	बा	२३	५९	५	११	४९	२२	२४	१३	वृषे	कामिका११व्र.
१२	चं	१९	३५	रो	२६	५९	वृ	५०	२२	तै	१९	३५	३	११	४९	२३	२५	१४	मि.५६/१३	कर्केबुधः२६/३८कन्यायांभौमः४७/२०प्रदोषः
१३	मं	१५	५२	मृ	२५	२६	ध्रु	४५	७	व	१५	५२	१	१२	४८	२४	२६	१५	मिथुने	भ.१५/५२उ.४४/२५या.
१४	बु	१२	५७	आ	२४	३५	व्या	४०	४६	श	१२	५७	३३/५९	१२	४८	२५	२७	१६	मिथुने	कर्केऽर्कः५०/५९पुष्येबुधः१/४४पूफा.शुक्रः२/४१
३०	गु	११	२०	पु	२५	७	ह	३७	२६	ना	११	२०	५७	१३	४७	२६	२८	१७	क९।५९	कर्केऽर्कःसौरः२२/५२हरियाली

१३पं.प्र.श्रा.कृ.४ चं.इ.१३/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	६	४	६	११	२
२०	२५	१४	२७	३	५	२८	२०
५०	३७	२१	५७	३८	३६	१८	२२
३५	१६	२२	५८	१३	२९	५७	१६
५७	३६	१२५/५७	२/१३	६७	०/३२	३	५६
७	२४		व.	४६	मा	११	५०

गोचर ग्रहाः

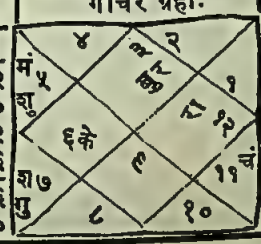

प्र.श्रावणकृष्णे१४बुधे कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न.५ सुतार्थिन्यवस्था (सूती)मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

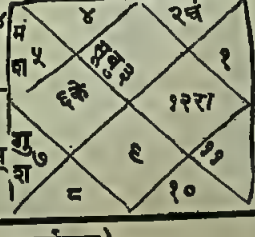

१४पंप्र.श्रा.कृ.१२चं.इ.१३/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	६	४	६	११	२
२७	२९	२९	२७	११	५	२७	२७
३०	३९	३२	४६	१८	४१	५६	०
५४	७	२४	५९	५८	३१	४१	२३
५७	३७	१२६/१०	४०/४७	६६	१	३	५६
१२	२		व	३१	१४	११	५४

ति.	प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४४८६स.२०४२
१	शु	११	३	पु	२६	५८	व	३५	१७	ब	११	३	३३/५५	५/१३	६/४७	२७	२९	१८	कर्के	चंद्रदर्शनम्अधिकमासारंभः
२	श	१२	२६	श्ले	३०	३२	सि	३४	२०	कौ	१२	२६	५२	१४	४६	२८	१	१९	सिं३०।३२	मार्गीगुरुः२६।४२सावान८
३	र	१५	१९	म	३४	५९	व्य	३३	१४	ग	१५	१९	५०	१४	४६	२९	२	२०	सिंहे	भ.४७/३१उ.पुष्येरविः१९/१७सौरः५३।३६
४	चं	१९	४३	पू	४१	५	व	३४	१८	वि	१९	४३	४८	१४	४६	३०	३	२१	कं.५७।५०	भ.१९।४३या.
५	मं	२४	५३	उ	४८	५	प	३६	६	बा	२४	५३	४५	१५	४५	३१	४	२२	कन्यायां	आश्ले.बुधः४३।४४
६	बु	३१	२	ह	५५	३८	शि	३८	४३	तै	३१	२	४३	१५	४५	१	५	२३	कन्यायां	भा.श्रावणारंभः
७	गु	३७	१३	चि	६०	०	सि	४१	११	ग	४	७	४०	१६	४४	२	६	२४	तु.२९।२३	भ.३७/१३उ.पश्चिमोदयंबुधः३६।१
८	शु	४३	१	चि	३	८	सा	४३	२७	वि	१०	७	३८	१६	४४	३	७	२५	तुलायां	भ.१०।७या.
९	श	४७	५९	स्वा	१०	८	शु	४५	५	बा	१५	३०	३५	१७	४३	४	८	२६	वृ.५९।३५	
१०	र	५१	२८	वि	१६	४	शु	४५	२३	तै	१९	४३	३३	१७	४३	५	९	२७	वृश्चिके	
११	चं	५३	१९	अ	२०	२५	ब्र	४४	३९	व	२२	२३	३०	१८	४२	६	१०	२८	वृश्चिके	भ.२२/२३उ.५३/१९या.उफा.शु.४१/५१कमला११
१२	मं	५३	५	ज्ये	२३	१	ऐं	४२	२५	व	२३	१२	२७	१९	४१	७	११	२९	ध.२३।१	मघा.सिंहेबुधः४७।२१
१३	बु	५१	४	मू	२३	४७	वै	३८	४४	कौ	२२	५	२४	१९	४१	८	१२	३०	धनुषि	
१४	गु	४७	१३	पू	२२	५०	वि	३३	३३	ग	१९	८	२२	२०	४०	९	१३	३१	म.३७।९	भ.४७/१३उ.कन्यायांशुक्रः५९/३०हस्तेभौम३३/३८
१५	शु	४१	५७	उ	२०	७	प्री	२७	६	वि	१४	३५	१९	२०	४०	१०	१४	१	मकरे	भ.१४।३५या.अगस्त८ता.३१

१५पं.प्र.श्रा.शु.४च.इ. १३/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	६	४	६	११	३
४	३	१३	२७	१८	५	२७	३
११	४१	३९	४५	४९	५१	३४	३८
३८	४१	१८	५	४१	३६	२५	५०
५७	३७	४१/५८	१६/मा	६४	१	३	५६
१५	१९			५८	४९	११	५९

गोचर ग्रहाः

इसमासमें कृष्णपक्षमें धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो चावल धातु सोना चाँदी मंदे हो शुक्ल पक्ष में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

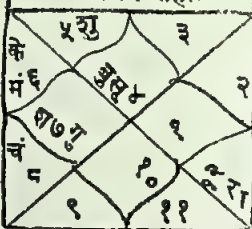

१६पं.प्र.श्रा.शु.११चं.इ. १३/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	६	४	६	११	३
१०	७	२७	२७	२६	६	२७	१०
५२	५४	४	५१	९	६	१२	१८
४१	११	५९	२९	५०	०	१०	७
५७	३७	४१/२६	१	३३	२	३	५७
२०	४०		४०	१४	३२	११	५

ति.	द्वि. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेप्र.श्रावणकृष्णेति महा.
१	श	३५	३२	श्र	१६	१६	आ	१९	४४	बा	८	४४	३३/१६	५/२१	६/३९	११	१५	२	कुं.४३।५५	
२	र	२८	३७	ध	११	३४	सौ	११	३८	तै	२	५	१३	२१	३९	१२	१६	३	कुम्भे	आश्लें.रविः१६/१८सौरः५३।२३
३	चं	२१	२२	श	६	२७	शो	३/७	५१/३१	वि	२१	२२	१०	२२	३८	१३	१७	४	मी४७।३१	भ.४७।४४उ.चतुर्थीव्र.
४	मं	१४	६	पू	१/१३	५५/८	सु	४६	२२	बा	१४	६	७	२३	३७	१४	१८	५	मीने	भ.१४।६या.
५	बु	७	२९	रे	५२	१	धृ	३८	२२	तै	७	२९	४	२३	३७	१५	१९	६	मे.५२।१	
६	गु	१	१७	अ	४८	२३	शू	३०	५८	व	१	१७	०	२४	३६	१६	२०	७	मेषे	भ.१/१७उ.३८/३२या.पूफा.बुधः२१/५रेवती३×
७	गु	५४	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×राहुः चित्रा१केतुः१९।४१
८	शु	५१	५	भ	४५	२०	गं	२३	५६	बा	२३	२६	३२/५७	२५	३५	१७	२१	८	वृ.५९।४७	स्वाती१गुरुः५०।८
९	श	४६	५९	कृ	४३	७	वृ	१७	४४	तै	१९	२	५४	२५	३५	१८	२२	९	वृषे	
१०	र	४३	५२	रो	४२	१३	ध्रु	१२	२	व	१५	२५	५०	२६	३४	१९	२३	१०	वृषे	भ.१५।२५उ.४३।५२या.
११	चं	४१	४१	मृ	४१	८	व्या	७	५	व	१२	४६	४७	२७	३३	२०	२४	११	मि११।४०	हस्तेशुक्रः६।५१कमला११व्र.
१२	मं	४०	११	आ	४१	२५	ह	२/५२	५६/३७	कौ	१०	५६	४४	२७	३३	२१	२५	१२	मिथुने	
१३	बु	४०	१	पु	४३	१	सि	५७	५२	ग	१०	६	४०	२८	३२	२२	२६	१३	क.२७।३७	भ.४०।१उ.
१४	गु	४०	४१	पु	४५	२९	व्य	५६	१२	वि	१०	२१	३७	२९	३१	२३	२७	१४	कर्के	भ.१०।२१या.
३०	शु	४२	५५	श्ले	४९	२१	व	५५	४३	च	११	४८	३३	२९	३१	२४	२८	१५	सिं४९।२१	अधिकमाससमाप्तिः

१७पं.द्वि.श्रा.कृ.३च.इ. १३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	६	५	६	११	३
१७	१२	८	२८	३	६	२६	१६
३४	८	४९	६	१६	२५	४९	५७
२३	५३	८	५४	२६	२३	५४	५५
५७	३८	२६	३	६०	३	३	५७
२५	३१	३३	६	५३	१६	११	१२

गोचर ग्रहाः

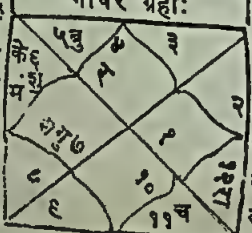

इस मासमें धान्य गेहूं जो चना चावल मूंग मोठ बाजरा ज्वार मक्का धातु सोना चांदी तांबारुई बार-दाना तेज हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

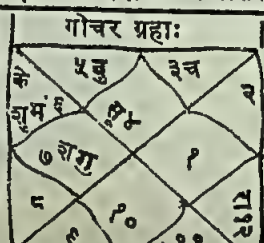

१८पंद्वि.श्राकृ.११च.इ. १२/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	६	५	६	११	३
२४	१६	१९	२८	१०	६	२६	२३
१६	२८	११	३०	५	४९	२७	३९
४४	१९	५३	३६	५३	५	३९	२
५७	३९	८१	४	५८	३	३	५७
३३	३	५९	१३	०	४९	११	२२

ति.	द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५१५स२०४२
१	श	४६	७	म	५४	१०	प	५५	२६	किं	१४	३१	३०	३०	३०	२५	२९	१६	सिंहे	उफा.बुधः२३।१८
२	र	५०	४०	पू	६०	०	शि	५६	३१	बा	१८	२३	२६	३१	२९	२६	३०	१७	सिंहे	मघा.सिंहेऽर्कः१०सौर.५७चंद्रदर्शनं +
३	चं	५५	५८	पू	०	११	सि	५८	७	तै	२३	१९	२२	३२	२८	२७	१	१८	क.१६।५१	रमजानɛतीज [+सिंघारा
४	मं	६०	०	उ	६	५२	सा	६०	०	व	२९	१	१९	३२	२८	२८	२	१९	कन्यायां	भ.२९उ.कन्यायांबुधः२७वरद४
४	बु	२	४	ह	१४	१८	सा	०	१०	वि	२	४	१५	३३	२७	२९	३	२०	तु.४८।२	भ.२।४या.
५	गु	८	२७	चि	२१	४७	शु	२	४८	बा	८	२७	१२	३४	२६	३०	४	२१	तुलायां	नागपंचमी
६	शु	१४	३३	स्वा	२६	२६	शु	५	२८	तै	१४	३३	८	३४	२६	३१	५	२२	तुलायां	चित्रा.भौमः१५।०
७	श	२०	४	वि	३६	७	ब्र	७	३५	व	२०	४	४	३५	२५	१	६	२३	वृ.१६।२७	भ.२०उ.५३या.भा.भाद्रपदारंभः
८	र	२४	१८	अ	४१	४०	ऐं	८	४६	ब	२४	१८	१	३६	२४	२	७	२४	वृश्चिके	
९	चं	२६	५६	ज्ये	४५	३५	वै	९	८	कौ	२६	५६	३१	३७	२३	३	८	२५	ध.४५।३५	
१०	मं	२७	४६	मू	४७	३८	वि	८	१	ग	२७	४६	५३	३७	२३	४	९	२६	धनुषि	भ.५७उ.चित्रा.शुक्रः४।२३
११	बु	२६	३४	पू	४७	४१	प्री	५	१७	वि	२६	३४	४९	३८	२२	५	१०	२७	धनुषि	भ.३६या.विशा.४वृश्चिकेगुरु५४।१६=
१२	गु	२३	१०	उ	४५	४४	आ	७८	५४	बा	२३	१०	४६	३९	२१	६	११	२८	म.२।१५	प्रदोषः [=पवित्रा११प्र.
१३	शु	१८	१	श्र	४१	५२	शो	४७	४८	तै	१८	१	४२	४०	२०	७	१२	२९	मकरे	[×रक्षाबंधनम्
१४	श	११	५	ध	३६	३२	अ	३९	१	व	११	५	३८	४०	२०	८	१३	३०	कुं.९।१२	भ.११।५उ.३७।५या.
१५	र	३	५	श	३०	१९	सु	२९	४६	ब	३	५	३४	४१	१९	९	१४	३१	कुंभे	पूफा.रविः०।४सौरः४९श्रावणीकर्म ×

१९पं.द्विश्रा.शु.३चं.इ. १२ ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	६	५	६	११	४
१	२०	२८	२९	१६	७	२६	०
०	५२	३८	२	४१	१६	५	२१
४	५	४६	३५	२८	२३	२३	१५
५७	३९	६५	५	५४	४	३	५७
४०	२९	५	२२	१६	२८	११	३४

गोचर ग्रहाः

द्वि.श्रावणशुक्ले २रवौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा५ न.५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां +केशुमंबु

गोचर ग्रहाः

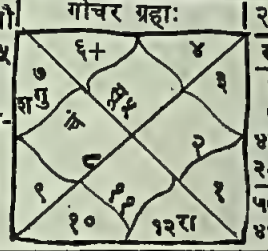

२०पं.द्विश्रा.शु.९च.इ. १३ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	६	५	६	११	४
७	२५	५	२९	२२	७	२५	७
४४	१८	१	४२	३७	४४	४३	४
२८	७	१६	४०	१२	३८	७	४१
५७	३९	४३	६	४९	४	३	५७
४९	५४	११	२६	३६	५५	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेद्वि.श्रावणकृष्णेतिमहा.
१	र	५१	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४५	३२	पू	२३	३४	धृ	१६	४७	तै	१९	५८	३१	४२	५	१८	१०	१५	१	मी १०।१५ तुलायांभौमः२५सितंबर९ता.३०
३	मं	३६	५३	उ	१६	४६	शू	६	५१	व	११	१२	२६	४३	१७	११	१६	२		मीने भ.१३उ.३६।५३या.चतुर्थीव्र.
४	बु	२८	४५	रे	१०	२५	गं	०	५८	ब	२	४९	२२	४४	१६	१२	१७	३		मे.१०।२५ वक्रीबुधः५६तुलायांशुक्रः५१।५४
५	गु	२१	४३	अ	४	५४	धु	४२	२२	तै	२१	४३	१८	४४	१६	१३	१८	४		मेषे चन्द्रषष्ठी
६	शु	१५	४९	भ	२४	५६	व्या	३५	१	व	१५	४६	१५	४५	१५	१४	१९	५		वृ.१४।३५ भ.१५।४९उ.४३।३३या.
७	श	११	१८	रो	५५	७	ह	२८	३७	ब	११	१८	११	४६	१४	१५	२०	६		वृषे जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	र	८	३	मृ	५४	४६	व	२३	१६	कौ	८	३	७	४७	१३	१६	२१	७		मि२४।५६ बुधास्तःपश्चिमे३३जन्माष्टमीव्र.वै.
९	चं	६	१२	आ	५५	२५	सि	१९	११	ग	६	१२	३	४७	१३	१७	२२	८		मिथुने भ.३५।५३उ.गोगा९
१०	मं	५	३५	पु	५७	३१	व्य	१५	५५	वि	५	३६	५०	४८	१२	१८	२३	९		क.४२।० भ.५।३६या.
११	बु	६	२८	पु	६०	०	व	१४	१	बा	६	२८	५५	४९	११	१९	२४	१०		कर्के अजा११प्र.
१२	गु	८	१९	पु	०	३८	प	१२	५२	तै	८	१९	५१	५०	१०	२०	२५	११		कर्के स्वात्यांभौमः३७वत्सद्वादशीप्रदोषः
१३	शु	११	४०	श्ले	५	५	शि	१२	५५	व	११	४०	४७	५१	९	२१	२६	१२		सिं५।५ भ.११।४०उ.४३।३८या.
१४	श	१५	३७	म	१०	२६	सि	१३	१०	श	१५	३७	४३	५१	९	२२	२७	१३		सिंहे उफा.रविः४४ [+३०मन्वादिः
२०	र	२०	४३	पू	१६	५२	सा	१४	२०	ना	२०	४३	३९	५२	८	२३	२८	१४		कं.३३।३३ उफा.रविःसौरः२६कुशाग्रहणीपिठो.+

२१पं.भा.कृ.२च.इ.१२।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	७	५	६	११	४
१४	२९	९	०	२८	८	२५	१३
३०	५१	२३	२९	४	२२	२०	४९
४	२५	५६	२	१२	१९	५२	५३
५८	४०	१४	७	४३	५	३	५७
१	२३	२४	२६	३५	२३	११	५७

गोचर ग्रहाः

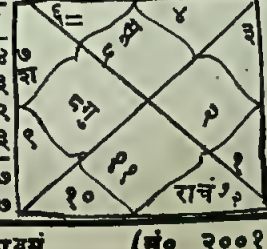

भाद्रपद शुक्ले ३.बुधे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

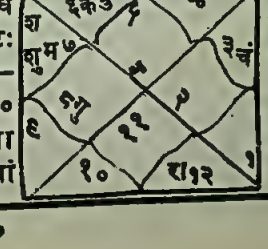

२२पंभा.कृ.९च.इ. १२ २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	६	६	११	४
२१	४	९	१	२	९	२४	२०
१७	२७	५६	२२	४८	०	५८	२६
६	१४	२८	३४	७	११	३६	३३
५८	४०	२५	८	३५	५	३	५८
१६	४७	४	३१	३४	५०	११	१२

=केशुबुमं

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५४५स.२०४२
१	चं	२६	१०	उ	२३	३४	शु	१६	३	ब	२६	१०	३०/३५	५/५३	६/७	२४	२९	१५	कन्यायां	स्वात्याशुक्रः५२।८
२	मं	३२	१६	ह	३०	५८	शु	१८	९	कौ	३२	१६	३१	५४	६	२५	३०	१६	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	बु	३८	५०	चि	३८	३८	ब्र	२०	३८	तै	५	३३	२७	५५	५	२६	१	१७	तु.४।४८	कन्यायामर्कः १०/५० सौरः ५१/३० सव्वाल१० +
४	गु	४५	२	स्वा	४६	१७	ऐं	२२	५८	व	११	५६	२२	५६	४	२७	२	१८	तुलायां	भ.१९/५६ उ.४५/२या.स्वाती२शनिः१९।८=
५	शु	५०	५३	वि	५३	२६	वै	२५	२०	ब	१७	५७	१८	५६	४	२८	३	१९	वृ.३६।३९	ऋषिपंचमी [+हरितालिका३
६	श	५५	४४	अ	५९	४०	वि	२७	१३	कौ	२३	१८	१४	५७	३	२९	४	२०	वृश्चिके	वक्रीसिहेबुधः ११/२५ [=गणेशचतुर्थी
७	र	५९	२२	ज्ये	६०	०	प्री	२८	१७	ग	२७	३३	९	५८	२	३०	५	२१	वृश्चिके	भ.५९।२२उ.अनु.१गुरुः२७।३१
८	चं	६०	०	ज्ये	४	५३	आ	२८	१५	वि	३०	२१	५	५९	१	३१	६	२२	ध.४।५३	भ.३०।२१या.
८	मं	१	२०	मू	८	३१	सौ	२६	५९	ब	१	२०	३०/०	६/०	६/०	१	७	२३	धनुषि	वक्रीपूफा.बुधः २१/५० भा.आश्विनारंभः
९	बु	१	२५	पू	१०	१५	शो	२४	१०	कौ	१	२५	३९/५६	६/१	५/५९	२	८	२४	म.२५।१२	[×जलझूलनी११व्र.स्मा.
१०	बु	५८	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷शुक्रः३४।४४प्रदोषः
११	गु	५५	३७	उ	१०	४	अ	१९	४१	व	२७	३५	५२	२	५८	३	९	२५	मकरे	भ.२७/३५ उ.५५/३७ यां.पूर्वोदयीबुधः८।३६ ×
१२	शु	४९	३४	श्र	७	४६	सु	१३	३५	ब	२२	३६	४८	२	५८	४	१०	२६	कु.३५।४३	जलझूलनी११व्र.वै.वामनजयंती
१३	श	४२	८	ध	३/४०	५४/६	धृ	५/५७	५१/५	कौ	१५	५१	४४	३	५७	५	११	२७	कुंभे	हस्तेरविः२३।४मार्गीबुधः ४७/३४ वक्री ÷
१४	र	३३	१७	पू	५०	५३	गं	४७	१	ग	७	४२	४०	४	५६	६	१२	२८	मी३७।३६	भ.३३/१७ उ.५८/२८ या.हस्ते.रविसौरः ४/० अनं१४
१५	चं	२३	३९	उ	४३	१६	बृ	३६	२१	ब	२३	३९	३६	५	५५	७	१३	२९	मीने	महालयारंभः कु.संध्या.पूजनारंभः

२३पं.भा.शु.१च.इ. १२/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	६	६	११	४
२८	९	५	२	६	९	२४	२७
५	६	१३	२२	२३	४०	३६	२४
२८	१४	२६	१२	१३	४४	२१	४९
५८	४१	६८/१७	९	२५	६	३	५८
२६	६	व	२०	१७	११	११	२९

केचबु ४ ६ मं७ शुश ५सू ३ ८गु २ ९ ११ १ १० रा१२

२४पं.भा.शु.८च.इ. १२/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	७	६	६	११	५
४	१३	२७	३	८	१०	२४	४
५५	४८	५३	२७	४७	२४	१४	१४
१९	५८	२०	२५	४२	०	५	५६
५८	४१	६३/१	१०	१२	६	३	५८
३८	२६	व	००	१	२६	११	४५

शुमश ७ ५बु ८ गु सूके६ ४ ९ ३ १० १२ राचं २ ११ १

२५प.भा.शु.१५च.इ. ११/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	७	६	६	११	५
११	१८	२५	४	९	११	२३	११
४६	३५	५६	३८	२७	९	५१	६
५२	२८	१७	२	४७	११	४९	५३
५८	४१	१५/५०	१०	३/३७	६	३	५९
५३	५३	मा	४६	व	३८	११	०

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	मं	१३	४९	रे	३५	२५	ध्रु	२५	२६	कौ	१३	४९	२९/३२	६/६	५/५४	८	१४	३०	मे.३५।२५	[×भौमः१३।०अक्टूबर१० ता.३१
२/३	बु	४/५१	१७/३	अ	२७	५६	व्या	१४	३९	ग	४	१७	२८	६	५४	९	१५	१	मेषे	भ.२९/४८ उ.५५/२० या.उफा.बुधः ५७/३५ विशा. ×
४	गु	४७	३४	भ	२१	१८	ह	४/२२	५०/३४	ब	२१	२७	२३	७	५३	१०	१६	२	वृ.३५।०	चतुर्थीव्र.
५	शु	४१	१८	कृ	१६	१	सि	४६	३५	कौ	१४	२६	१९	८	५२	११	१७	३	वृषे	[+अनु.२गुरुः ३२/५५
६	श	३६	५२	रो	१२	१०	व्य	३९	४९	ग	९	५	१५	९	५१	१२	१८	४	मि४१।१०	भ.३६।५२उ.
७	र	३४	१२	मृ	१०	१०	व	३४	२२	वि	५	३२	११	१०	५०	१३	१९	५	मिथुने	भ.५।३२या.कन्यायांबुधः३०।२
८	चं	३३	२०	आ	९	५५	प	३०	२६	बा	३	४६	७	११	४९	१४	२०	६	क.५६।१०	
९	मं	३४	१९	पु	११	३५	शि	२७	५५	तै	३	५०	३	११	४९	१५	२१	७	कर्के	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	बु	३६	३७	पु	१४	५३	सि	२६	४३	व	५	२८	२८/५९	१२	४८	१६	२२	८	कर्के	भ.५।२८उ.३६।३७या.
११	गु	४०	२८	श्ले	१९	२८	सा	२६	५३	ब	८	३२	५५	१३	४७	१७	२३	९	सिं१९।२८	रेवती२राहुःहस्त४केतु १२/२४ इंदिरा११व्र.
१२	शु	४५	१७	म	२५	७	शु	२७	२८	कौ	१२	५२	५१	१४	४६	१८	२४	१०	सिंहे	चित्रा.रविः ५५/८ वक्रीचित्रा. शुक्रः २०/३६ +
१३	श	५१	२	पू	३१	४६	शु	२८	५१	ग	१८	१०	४७	१५	४५	१९	२५	११	कं.४८।३३	भ.५१/२ उ.चित्रा.रविःसौरः ३४/३४ शुक्रास्त=
१४	र	५६	५०	उ	३८	५५	ब्र	३०	५५	वि	२३	५६	४३	१५	४५	२०	२६	१२	कन्यायां	भ.२३/५६ या.हस्तेबुध ३४/८ शस्त्रादिहता.श्रा.
३०	चं	६०	०	ह	४६	१७	ऐं	३३	१	च	३०	५	३९	१६	४४	२१	२७	१३	कन्यायां	सर्वपितृ३० [=पश्चिमे २/२४ प्रदोषः
३०	मं	३	२०	चि	५४	२	वै	३५	२८	ना	३	२०	३५	१७	४३	२२	२८	१४	तु २०।१०	पूर्वभारतेसूर्यग्रहणम् मातामहश्रा.

२६पं.आ.कृ.८च.इ. ११/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	७	६	६	११	५
१८	२३	०	५	८	११	२३	१८
४०	२५	५१	५२	११	५५	२९	००
५	१६	१४	४४	५६	५२	३४	४०
५९	४२	७४	११	१९/४८	६	३	५९
९	१०	१	२०	व	५२	११	१६

गोचर ग्रहाः

शमंशु७ ५ ४ गु८ केर६ ९ चं ३ १० १२ रा २ ११ १

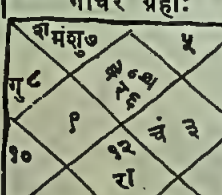

इस मास में धान्य बाजरा गेहूं जो चना मटर धातु सोना चांदी ताम्बा कृष्ण पक्ष में मंदे होकर शुक्लपक्षमें तेज हो।

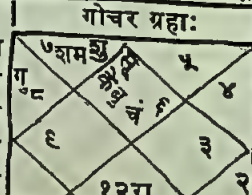

गोचर ग्रहाः

७शमशु ५ गु८ केबु चं ६ ४ ९ ३ १२रा २ १० ११ १

२७पं.आ.कृ.३०च.इ. ११/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	७	६	६	११	५
२५	२८	११	७	५	१२	२३	२४
३४	१८	०	११	७	४४	७	५६
५९	४०	५४	३८	४४	३१	१८	२२
५९	४२	९७	११	३२/२३	७	३	५९
२१	३७	३८	५८	व	८	११	३१

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५७५ सन् २०४२
१	बु ९ ३७ स्वा ६० ० वि ३७ ४६ ब ९ ३७	३१	१६	४५	२३	२९	१५	तुलायां	वृश्चिकेभौमः ३१ अस्तशने: ४१ बुधास्त×
२	गु १५ ४६ स्वा १ २६ प्री ३९ ५५ कौ १५ ४६	२७	१९	४१	२४	३०	१६	वृ.५१।५४	चंद्रदर्शनम् [×पूर्वस्यां ३९ नवरात्रारंभः
३	शु २१ २६ वि ८ ४३ आ ४१ ३२ ग २१ २६	२३	१९	४१	२५	१	१७	वृश्चिके	भ.५३ उ.तुलायामर्कः ३५ जिल्काद ११
४	श २६ २० अ १४ ५३ सौ ४२ ३८ वि २६ २०	२०	२०	४०	२६	२	१८	वृश्चिके	भ.२६ या.तुलार्कः सौरः १७ स्वाती ३ =
५	र ३० १६ ज्ये २० ४० शो ४३ १६ बा ३० १६	१६	२१	३९	२७	३	१९	ध.२०।४०	[=शनिः १३।२६
६	चं ३२ ५० मू २५ ५ अ ४२ ४७ कौ १ ३३	१२	२२	३८	२८	४	२०	धनुषि	चित्रा.बुधः २५ अनु.भौमः १६।५८
७	मं ३३ ५९ पू २८ १० सु ४१ २ ग ३ २५	८	२२	३८	२९	५	२१	म.४३।३२	भ.५९ उ.वृश्चिकन्यायांशुक्रः ४६।२४
८	बु ३३ ३१ उ २९ ३७ धृ ३८ १२ वि ३ ४५	४	२३	३७	३०	६	२२	मकरे	भ.३।४५ या. [+तुलायांबुधः २३।१२
९	गु ३१ १६ श्र २९ १९ शू ३३ ४४ बा २ २३	०	२४	३६	१	७	२३	कुं.५८।१५	भा.कार्तिकारंभः
१०	शु २७ ८ ध २७ १३ गं २७ ५५ ग २७ ८	२७ ५६	२५	३५	२	८	२४	कुंभे	भ.५५ उ.स्वात्यांरविः २९ सौरः २८ +
११	श २१ २२ श २३ २२ बृ २० ३३ वि २१ २२	५३	२५	३५	३	९	२५	कुम्भे	भ.२१ या.पापांकुशा ११ व्र.
१२	र १३ ५४ पू १७ ५४ धु ११ ५८ बा १३ ५४	४९	२६	३४	४	१०	२६	मी४।१८	शुक्रोदयःपूर्वस्या १३ प्रदोषः
१३	चं ५ १६ उ ११ २० व्या १७ ३५ तै ५ १६	४५	२७	३३	५	११	२७	मीने	भ.५५ उ.अनु.३गुरुः १४।३६
१४	चं ५० ३० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–पूर्णिमाकोजागरीव्र.का.स्ना.प्रा.
१५	मं ४५ ५३ रे ४३ ५२ च ४० ४४ वि २० ५०	४१	२८	३२	६	१२	२८	मे.३।४२	भ.२०।५० या.स्वात्यांबुधः १५ शरद् –

२८पं.आ.शु.६च.इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	७	६	६	११	६
२३	२२	८	०	१३	२२	१	
३१	१६	५५	३४	५७	३४	४५	५३
२३	१	१९	८	३२	१२	३	४५
५९	४२	०१	१२	३६	७	३	५९
३४	४८	२२	२०	वं	१४	११	४६

गोचर ग्रहाः

आश्विनशुक्ले ३ शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न. ४ गल्भावस्था(बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

२९पं.आ.शु.३च.इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	७	५	६	११	६
९	८	४	९	२६	१४	२२	८
२९	१६	५२	५९	५८	२४	२२	५३
३८	४८	८	४	२३	२५	४७	५
५९	४३	०२	१२	२७	७	३	६०
४७	१३	२०	४५	वं	२०	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽश्विनकृष्णेतिमहा.
१	बु ३६ ८ भ ४८ २ सि २९ ४२ बा ११ ०	३७	२९	३१	७	१३	२९	मेषे	
२	गु २७ १० कृ ४१ २ व्य १८ ५६ ते १ ३९	३४	२९	३१	८	१४	३०	वृ.१।१७	भ.५३।४५उ.
३	शु १९ २१ रो ३५ २५ व ९ ७ वि १९ २१	३०	३०	३०	९	१५	३१	वृषे	भ.१९।२१या.करकचतुर्थी व्र.
४	श १३ ४ मृ ३१ १९ प २२ ५३ बा १३ ४	२७	३१	२९	१०	१६	१	मि३।२२	नवम्बर११ता.३०
५	र ८ ५६ आ २९ १० सि ४७ २२ ते ८ ५६	२३	३१	२९	११	१७	२	मिथुने	
६	चं ६ ४५ पु २९ ६ सा ४३ २१ व ६ ४५	१९	३२	२८	१२	१८	३	क.१४।७	भ.६।४५उ.३६।४९या.
७	मं ६ ५३ पु ३१ ११ शु ४० ५५ ब ६ ५३	१६	३३	२७	१३	१९	४	कर्के	
८	बु ८ ४३ श्ले ३५ ० शु ४० ७ कौ ८ ४३	१२	३४	२६	१४	२०	५	सिं३५।०	विशा.बुधः १४।५८
९	गु १२ २६ म ४० २३ ब्र ४० ४३ ग १२ २६	९	३४	२६	१५	२१	६	सिंहे	भ.४५ उ.विशा रवि ४१।३०
१०	शु १७ २५ पू ४६ ४६ ऐं ४१ ५२ वि १७ २५	५	३५	२५	१६	२२	७	सिंहे	भ.३५ या.विशा.रविः सौरः ५५ ज्येष्ठा.+
११	श २३ ३१ उ ५४ १७ वै ४४ ० बा २३ ३१	२	३६	२४	१७	२३	८	कं.३।३९	रमा११व्र. [+ भौमः४४।७
१२	र २९ ४७ ह ६० ० वि ४६ ९ ते २९ ४७	२६ ५८	३६	२४	१८	२४	९	कन्यायां	[×गुरुः ४८।१रु१४
१३	चं ३६ २९ ह १ ४५ प्री ४८ ४० ग ३ ८	५५	३७	२३	१९	२५	१०	तु.३५।३५	भ.३६ उ.मार्गी शुक्रः ३० प्र दोषः घन१३
१४	मं ४२ ४८ चि ९ २४ आ ५० ५४ वि ९ ३८	५२	३८	२२	२०	२६	११	तुलायां	भ.३८ या.बृश्चिकेबुधः ४३ अनु.४×
३०	बु ४८ ४३ स्वा १६ ४६ सौ ५२ ५० च १५ ४५	४९	३८	२२	२१	२७	१२	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्

३०पं.का.कृ.६च.इ. ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	७	५	६	११	६
१६	१३	१६	११	२४	१५	२२	१५
२९	१९	२८	२८	२०	१५	०	५४
२०	४१	१९	१६	२०	११	३१	९
६०	४३	०९	१३	१५	७	३	६०
४	२६	२८	८	व	२०	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य चावल गेहूं जो चना बाजरा मूंग मोठ मटर सरसो अलसी धातु सोना चांदी ताम्बा तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

३१पं.का.कृ.१३च.इ. १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	७	५	६	११	६
२३	१८	२७	१२	२३	१६	२१	२२
३०	२६	२५	५८	३९	५	३८	५६
४०	४६	१९	३४	२९	४२	१६	४०
६०	४३	९९	१३	४६	७	३	६०
१७	४०	५५	२०	व	२०	११	३०

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः४६०४स.२०४२
१	गु ५३ ५० वि २३ ४६ शो ५४ ७ कि २१ १६	३६	३९	२१	२२	२८	१३	वृ.७।१	अनु.बुध:$\frac{५०}{३६}$अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा
२	शु ५८ १३ अ २९ ५६ अ ५४ ५९ बा २६ १	४२	४०	२०	२३	२९	१४	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्भात्२यम२
३	श ६० ० ज्ये ३५ १४ सु ५५ १३ तै ३० ०	३९	४०	२०	२४	१	१५	ध.३५।१४	स्वाती४शनि:$\frac{१}{४}$जिल्हेज१२
४	र १ ४६ मू ३९ २८ धृ ५४ २२ ग १ ४६	३६	४१	१९	२५	२	१६	धनुषि	भ.$\frac{३}{५}$उ.वृश्चिकेऽर्कः$\frac{३}{४}$
५	चं ३ ५९ पू ४२ ३९ शू ५२ ५० वि ३ ५९	३३	४१	१९	२६	३	१७	म.५८।११	भ.३।५९या.वृश्चिकेऽर्कःसौर:१०।२
६	मं ५ १५ उ ४४ ४८ गं ५० ३५ बा ५ १५	३०	४२	१८	२७	४	१८	मकरे	उदयंशने:४५।१
७	बु ५ १० श्र ४५ ३१ बृ ४७ ८ तै ५ १०	२७	४३	१७	२८	५	१९	मकरे	अनु.रवि:५५।५४
८	गु ३ ५८ ध ४५ ७ धु ४२ ४० व ३ ५८	२५	४३	१७	२९	६	२०	कुं.१५।१९	भ.५८$\frac{३}{३०}$उ.$\frac{२}{३}$या.अनु.रवि:सौर:$\frac{२६}{५०}$गोपा.
९	शु १ २२ श ४३ १३ व्या ३६ ५२ ब १ २२	२२	४४	१६	३०	७	२१	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
९	शु ५५ ५८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह
१०	श ५१ ५३ पू ३९ ५८ ह ३० १ तै २४	३६	१९	४४	१६	१	८	२२ मी	२५।४७ ज्येष्ठाबुध:$\frac{३}{६}$भा.मार्गशीर्षारंभ:
११	र ४५ ८ उ ३५ २३ व २२ १६ ब १८	३१	१७	४५	१५	२	९	२३ मीने	भ.१८।३१उ.४५।८या.अस्तंगुरो:$\frac{३३}{३४}$ ÷
१२	चं ३७ २६ रे २९ ४४ सि १३ १७ ब ११	१७	१४	४५	१५	३	१०	२४ मे.	२९।४४ [+पश्चिमोदयंबुधः९।५५
१३	मं २८ ५७ अ २३ ८ व्य ४७ ४९ ४६ को ३	११	१२	४६	१४	४	११	२५ मेषे	मूलेधनु.भौम:$\frac{४५}{४२}$प्रदोष:बैकुंठ१४
१४	बु १९ ५४ भ १६ ११ प ४३ २ व १९	५४	९	४६	१४	५	१२	२६ वृ.	२९।२५ भ.५$\frac{९}{५४}$उ.$\frac{५}{१}$या.ज्येष्ठा१गुरु:४९।२४ +
१५	गु ११ ९ कृ ९ ६ शि ३२ ५५ ब ११ ९	७	४७	१३	६	१३	२७	वृषे	मन्वादिःका.स्ना.पू.

३२पं.का.शु.४च.इ. $\frac{१०}{३६}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	५	६	११	७
०	२३	८	१४	२४	१६	२१	०
३३	३७	४५	३०	२८	५५	१६	०
२२	५	४७	४७	१९	३७	०	४४
६०	४४	९७	१३	१५	७	३	६०
३०	५	४३	२९	मी	१४	११	४०

गोचर ग्रहाः

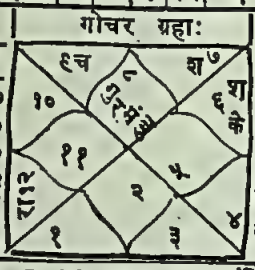

कार्तिक शुक्ले ३रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ वृद्धावस्था (बेठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वे ।

गोचर ग्रहाः

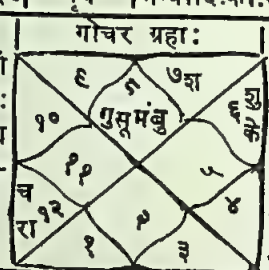

३३पं.का.शु.१२च.इ. $\frac{१०}{३३}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	५	६	११	७
७	२८	१९	१६	२७	१७	२०	७
३७	४९	२८	४	४५	४४	५३	६
१६	४१	५२	८	२९	४६	४५	१७
६०	४४	९५	१३	२८	७	३	६०
४२	१६	२	३२	२	२	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	शु २ ५३ रो ४४ ५५ सि २३ २० को २ ५३	२६	४७	१३	७	१४	२८	मि३०।५	तुलायांशुक्रः८।४८
२	शु ५३ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	श ५० ३२ आ ५३ ३५ सा १४ ४७ व २३ १३	२	४८	१२	८	१५	२९	मिथुने	भ.२३।१३उ.५०।३२या.
४	र ४६ ५६ पु ५१ ३७ शु ७ ३२ ब १८ ४४	०	४८	१२	९	१६	३०	क.३६।५८	चतुर्थीव्र.
५	चं ४५ ४६ पु ५२ २ शु ५७ ५५ को १६ २१	२७ ५८	४८	१२	१०	१७	१	कर्के	मूलेधनुषिबुधः$\frac{१}{३}$दिसम्बर१२ता.३१
६	मं ४६ ३४ श्ले ५४ १३ दे ५५ ४० ग १६ १०	५६	४९	११	११	१८	२	सिं५४।१३	भ.४६।३४उ.
७	बु ४६ ३२ म ५८ ३४ तै ५५ १० वि १८ ३	५४	४९	११	१२	१९	३	सिंहे	भ.१$\frac{६}{६}$या.ज्येष्ठा.रविः$\frac{६}{६}$सौर:३४।४४
८	गु ५३ ५६ पू ६० ० वि ५५ ३७ बा २१ ४५	५३	४९	११	१३	२०	४	सिंहे	
९	शु ५६ ५७ पू ४ १६ प्री ५७ ८ तै २६ ४८	५१	५०	१०	१४	२१	५	क.२१।४	
१०	श ६० ० उ ११ २८ आ ५९ १६ व ३३ ५	४९	५०	१०	१५	२२	६	कन्यायां	भ.३३।५३उ.
१०	र ६ १३ ह १८ ५१ सौ ६० ० वि ६ १३	४८	५०	१०	१६	२३	७	तु.५२।४४	भ.१$\frac{६}{६}$या.स्वात्यांशुक्रः४१।३६
११	चं १२ ५३ चि २६ ३७ सौ १ ४२ बा १२ ५३	४६	५१	९	१७	२४	८	तुलायां	उत्पत्ति११व्र.
१२	मं १९ २३ स्वा ३३ ५५ शो ३ ५४ तै १९ २३	४५	५१	९	१८	२५	९	तुलायां	प्रदोषः [=अस्तोभौमः१८।४१
१३	बु २५ ८ वि ४० ४९ अ ५ ५७ व २५ ८	४४	५१	९	१९	२६	१०	वृ.२४।९	भ.२$\frac{८}{५७}$उ.$\frac{५७}{६}$या.पूषा.बुध:२८।४६ =
१४	गु २९ ५५ अ ४६ ३२ सु ७ १३ श २९ ५५	४३	५१	९	२०	२७	११	वृश्चिके	ज्येष्ठा२गुरु:३८।१८रेवती१राहु:हस्त÷
२०	शु ३३ ४० ज्ये ५१ २२ धृ ७ ४० च १ ४८	४२	५२	८	२१	२८	१२	ध.५१।२२	[÷३केतु:४।३७

३४पं.मा.कृ.५चं.इ. $\frac{१०}{११}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	७	६	६	११	७
१४	४	२९	१७	१	१८	२०	१४
४२	५	५४	३८	५३	३२	३१	१२
२९	२	४०	३८	२८	५३	२९	३
६०	४४	९०	१३	३७	६	३	६१
५०	५५	४९	३८	३२	१०	११	३

गोचर ग्रहाः

धनराशि गते भौमे मूलद्रव्य तृणानि च। काष्ठंच घृत कार्पासं महर्घ च चतुष्पदाम्। इस मास में धातु में अच्छी तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

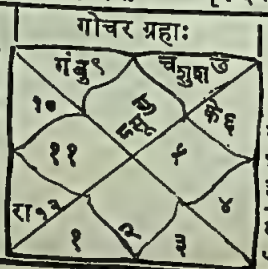

३५पं.भा.कृ.११च.इ. $\frac{५९}{९}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	७	६	६	११	७
२१	९	१०	१९	७	१९	२०	२१
४८	२२	६	१२	०	१९	९	२०
३२	५९	२९	४०	३६	५	१३	४३
६०	४४	८३	१३	३५	६	३	६१
५६	५२	४०	३८	८	३२	११	११

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६३४स.२०४२
१	श ३६ १० मू ५४ ५९ शू ७ १३ किं ४ ५५	३५ ६	८ २२	२९	१३	धनुषि	पूषा.भौमः१९।३७
२	र ३७ ३३ पू ५७ ४१ गं ५ ५५ बा ६ ५१	४० ५२	८ २३	३०	१४	धनुषि	विशा.१शनिः४२।२८चन्द्रदर्शनम्
३	चं ३७ ५३ उ ५९ ४ वृ ३ ४४ तै ७ ४३	३९ ५२	८ २४	१	१५	म.१३।२	मोहोरम१सन्१४६५हि.
४	मं ३७ १० श्र ५९ ४१ धु ० ४३ ५६ व ७ ३१	३९ ५२	८ २५	२	१६	मकरे	भ.७।३१उ.३७।१०या.मूलेधनुष्यर्कः-
५	बु ३५ ३८ ध ५९ २५ ह ५२ ४२ ब ६ २४	३८ ५२	८ २६	३	१७	कुं.२९।३३	[-१३।२०(सौरः३८।३४)
६	गु ३३ ४ श ५८ ४ व ४७ ३४ कौ ४ २१	३८ ५२	८ २७	४	१८	कुंभे	उदयंगुरौः३७।१२चंपा६
७	शु २९ ४४ पू ५५ ५९ सि ४१ ३६ ग १ २४	३७ ५३	७ २८	५	१९	मी४१।३०	भ.२९।४४उ.५७।४१या.
८	श २५ ३८ उ ५३ ८ च्य ३५ ३ ब २५ ३८	३७ ५३	७ २९	६	२०	मीने	
९	र २० ३५ रे ४९ २८ व २७ ५१ कौ २० ३५	३६ ५३	७ ३०	७	२१	मे.४९।२८	[=भा.पौषारंभः
१०	चं १४ ५२ अ ४४ ५५ प १९ ५२ ग १४ ५२	३६ ५३	७ १	८	२२	मेषे	भ.४१।३६उ.विशा.शुक्रः५१।३६=
११	मं ८ २० भ ३९ ४६ शि ११ २९ वि ८ २०	३६ ५३	७ २	९	२३	वृ.५३।२०	भ.८।२०या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	बु १ १० कृ ३४ १७ सि ३४ ५९ बा १ १०	३६ ५३	७ ३	१०	२४	वृषे	वक्रीबुधः४०।३१प्रदोषः
१३	बु ५२ ५३ ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०	० ०	०	०	०	
१४	गु ४६ ४९ रो २८ ४९ शु ४४ ४० ग २० २६	३७ ५३	७ ४	११	२५	मि५६।२५	भ.४६।४९उ. [×दत्तजयंती
१५	शु ४० २२ मृ २४ १ शु ३६ १० वि १३ ३६	३७ ५३	७ ५	१२	२६	मिथुने	भ.१३।३६या.ज्येष्ठा३गुरुः३७।१९×

३६पं.मा.शु.३चं.इ. ९/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	७	६	६	११	७
२८	१४	१९	२०	११	२०	१९	२८
५५	४२	२२	४७	५२	२	४६	२९
२६	५०	१	२०	५९	५३	५८	२६
६१	४५	६७	१३	५०	६	३	६१
०	७	२२	३२	३३	२०	११	१९

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षशुक्ले४भौमे धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा ३ न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

३७पं.मा.शु.१०चं.इ. ९/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	७	६	६	११	८
६	२०	२५	२२	१९	२०	१९	५
३	८	२०	२१	२१	४३	२४	३८
०	१७	२४	०	४०	३७	४२	५१
६१	४५	३१	१३	५५	५	३	६१
४	१७	२१	२९	४	५४	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	शिशिरतूरविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	श ३४ ५९ आ २० ४ ब्र २८ ३८ बा ७ ४०	२५ ६	७ ५३	५	६	१३	२७	मिथुने	[+(सौरः३९।१२)चतुर्थीव्र.
२	र ३१ ७ पु १७ १३ ऐं २२ १४ तै ३ ३	३८ ५२	८ ७	१४	२८	क.२।५६	कर्के	बुधास्तःपश्चिमायां२६।३८
३	चं २९ ७ पु १६ २० वै १७ १३ व ० ७	३८ ५२	८ ८	१५	३९			भ.०।७उ.२९।७या.पूषा.रविः१८।२३+
४	मं २८ ५२ श्ले १७ ४ वि १३ ४७ बा २८ ५२	३९ ५२	८ ९	१६	३०	सिं१७।४	सिंहे	उषा.भौमः४१।१३
५	बु ३० ५७ म २० ११ प्री १२ १० तै ३० ५७	४० ५२	८ १०	१७	३१			[÷जनवरी१ता.३१सन्२०४३
६	गु ३४ ४२ पू २४ ५६ आ ११ २२ ग २ ४९	४१ ५२	८ ११	१८	१	कं.४१।३०	कन्यायां	भ.३४।४२उ.वृश्चिकेशुक्रः४२।४९÷
७	शु ४० २ उ ३१ १३ सौ १२ ४ वि ७ २२	४२ ५२	८ १२	१९	२	कन्यायां		भ.७।२२या.
८	श ४६ ३ ह ३८ १७ शो १३ ४८ बा १३ २	४३ ५१	९ १३	२०	३			मकरेभौमः५४।४३
९	र ५२ ४० चि ४५ ५४ अ १५ ५५ त १९ २१	४४ ५१	९ १४	२१	४	तु.१२।५	तुलायां	अनु.शुक्रः५९।७
१०	चं ५९ ८ स्वा ५३ २० सु १८ ८ व २५ ५४	४५ ५१	९ १५	२२	५			भ.२५।५४उ.५९।८या.
११	मं ६० ० वि ६० ० धृ २० ११ ब ३२ १	४७ ५१	९ १६	२३	६	वृ.४३।३६	वृश्चिके	वक्रीमूलेबुधः२९।५४सफला११व्र.स्मा.
११	बु ४ ५५ वि ० २१ शू २१ ३९ बा ४ ५५	४८ ५०	१० १७	२४	७		वृश्चिके	सफला११व्र.वै.
१२	गु ९ ३४ अ ६ १६ गं २२ १३ तै ९ ३४	५० ५०	१० १८	२५	८			पूर्वोदयीबुधः५८।१५प्रदोषः
१३	शु १३ २ ज्ये १० ५२ बृ २१ ४२ व १३ २	५२ ५०	१० १९	२६	९	ध.१०।५२	धनुषि	भ.१३।२उ.४३।५५या.
१४	श १४ ४९ मू १४ १४ धु १९ ५९ श १४ ४९	५३ ४९	११ २०	२७	१०			ज्येष्ठा४गुरुः५९।०
२०	र १५ १३ पू १५ ५६ ष्या १७ १६ ना १५ १३	५५ ४९	११ २१	२८	११	म.३१।३		उषा.रविः२३।५४(सौरः४१।३९)

३८पं.पौ.कृ.३चं.इ. ९/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	७	६	६	११	८
१३	२५	२४	२३	२६	२१	१९	१२
१०	३०	४७	५३	९	२३	२	४८
५९	२९	२४	४९	०	१०	२७	४३
६१	४५	५५	१३	५८	५	३	६१
६	२८	४	२०	३६	३१	११	२६

गोचर ग्रहाः

इसमासमें ५शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं प्रजा में दारुण दुःख फैले धान्य गल्ला धातु सोना चांदी रसकस तेज हों ।

गोचर ग्रहाः

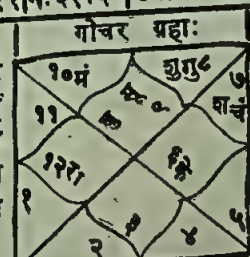

३९पं.पौ.कृ.१०चं.इ. ९/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	७	७	६	११	८
२०	०	१५	२५	३	२१	१८	१९
१९	५१	२४	२५	३०	५९	१०	३८
५	५३	३२	१९	२९	१०	११	३०
६१	५५	२२	१३	५१	५	३	६१
६	३२	४	८	११	१	११	२६

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९९शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४६६४स२०४३
१	चं १४ ११ उ १६ २५ ह १३ २९ ब १४ ११ २५ ६ ५ २२ २९ १२							मकरे	
२	मं १२ ४ श्र १५ ५३ व ८ ४७ कौ १२ ४ ५९ ४८ १२ २३ ३० १३							कुं.४५.१४	चन्द्रदर्शनम्
३	बु ९ १३ ध १४ ३४ सि ३ २५ ५३ ग ९ १३ २६ ४८ १२ २४ १ १४							कुंभे	भ.३५उ.मकरेऽर्कः३९ (सौरः५७)-
४	गु ५ ३७ श १२ २८ व ५१ ३ वि ५ ३७ ४ ४७ १३ २५ २ १५							मी५५.३६	भ.५.१३७या.
५	शु १ २८ पू ९ ५९ प ४४ ३६ बा १ २८ ६ ४७ १३ २६ ३ १६							मीने	श्रवणेभौमः३९.११
६	शु ५५ ३४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							० ०	[-मार्गीबुधः४६ सफर२
७	श ५२ २८ उ ७ १६ शि ३७ ३१ ग २४ ४५ ८ ४६ १४ २७ ४ १७							मीने	भ.५२.२८उ.ज्येष्ठाशुक्रः १२.२९
८	र ४७ २९ रे ४ ३ सि ३० ३१ वि १९ ५८ ११ ४६ १४ २८ ५ १८							मे.४.३	भ.१९.५८या.
९	चं ४२ २५ अ ९ ४३ २८ ५६ सा २३ १२ बा १४ ५७ १३ ४५ १५ २९ ६ १९							मेषे	पातस्पर्शः४०.२०पातमोक्षः५३.३
१०	मं ३६ ५९ कृ ५३ ३५ शु १५ ४५ तै ९ ४२ १६ ४५ १५ ३० ७ २०							वृ.११.१७	[=(सौरः२८ ७)भा.माघारंभः पुत्रदा११व्र
११	बु ३१ ३९ रो ४९ ५३ शु ८ २२ व ४ १९ १९ ४४ १६ १ ८ २१							वृषे	भ.४ उ.३ या.अभि.प्र.रविः १३.५९=
१२	गु २६ २० मृ ४६ २३ ब्र ० ५८ ५३ बा २६ २० २१ ४४ १६ २ ९ २२							मि१८.८	पूषा.बुधः४८.४३प्रदोषः
१३	शु २१ २७ आ ४३ २८ वै ४७ ५ तै २१ २७ २४ ४३ १७ ३ १० २३							मिथुने	[×विशा.२शनिः२ मा.स्ना.प्रा.
१४	श १७ १४ पु ४१ १६ वि ४१ ३ व १७ १४ २७ ४३ १७ ४ ११ २४							क.२६.४९	भ.१७ उ.४५या.श्रवणेरवि३९ (सौरः४४)
१५	र १४ ५ पु ४० २६ मी ३६ ४ ब १४ ५ २९ ४२ १८ ५ १२ २५							कर्के	अभि.नि.रविः२०.५१(सौरः३५.४०)×

४०पं.पौ.शु.१चं.इ. ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	७	७	६	११	८
२७	६	९	२६	११	२२	१८	२७
२७	२३	४०	५४	२	३०	१७	८
७	२८	१६	५६	१७	३२	५५	३२
६१	४६	३५	१२	६३	४	३	६१
६	२	व	४४	२३	३८	११	६४

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले ३ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु.१५धान्या-दिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

४१पं.पौ.शु.९चं.इ. ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	७	७	६	११	९
४	११	११	२८	१८	२२	१७	४
३४	५५	१०	२१	४६	५८	५५	१८
५९	१२	३०	५९	३७	४४	४०	१
६१	४६	३५	१२	६५	३	३	६१
३	२	मा	२०	१	५२	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	चं १२ १७ श्ले ४१ ९ आ ३२ १५ कौ १२ १७ ३२ ६ ५८ ६ १३ २६							सिं४१.९	
२	मं १२ ८ म ४३ १९ सौ २९ ५१ ग १२ ८ ३५ ४१ १९ ७ १४ २७							सिंहे	
३	बु १३ ३९ पू ४७ १३ शो २८ ४४ वि १३ ३९ ३८ ४० २० ८ १५ २८							सिंहे	भ.४२.५३उ.मूल.१धनुषिगुरुः२४.२८
४	गु १६ ५२ उ ५२ ३५ अ २८ ३१ बा १६ ५२ ४१ ४० २० ९ १६ २९							कं.३.३४	भ.१३.३९या.चतुर्थी व्र.
५	शु २१ ४२ ह ५९ ११ सु २९ ४९ तै २१ ४२ ४५ ३९ २१ १० १७ ३०							कन्यायां	मूलेधनुषिशुक्रः८.४
६	श २७ २५ चि ६० ० धृ ३१ ३० व २७ २५ ४८ ३८ २२ ११ १८ ३१							तु.३२.४७	[+पातमोक्षः५६.२७फर्वरी२ता.२८
७	र ३३ ५४ चि ६ २४ शू ३३ ४४ वि ० ३९ ५१ ३८ २२ १२ १९ १							तुलायां	भ.२७.२५उ.
८	चं ४० २४ स्वा १४ ४ गं ३५ ५९ बा ७ ९ ५४ ३७ २३ १३ २० २							तुलायां	भ.०.३९या.पातस्पर्शः४३.१५+
९	मं ४६ २२ वि २१ २६ वृ ३७ ५० तै १३ २३ ५८ ३६ २४ १४ २१ ३							वृ.४.३५	धनि भौमः३९.४८
१०	बु ५१ २० अ २७ ४६ ध्रु ३८ ४८ व १९ ५ २७ ३६ २४ १५ २२ ४							वृश्चिके	उषा.बुधः१३.२०
११	गु ५४ ४९ ज्ये ३२ ५५ व्या ३८ ४७ ब २३ ४ ५ ३५ २५ १६ २३ ५							घ.३२.५५	भ.१९.५उ.५१.२०या.
१२	शु ५६ ४० मू ३६ ३० ह ३७ २८ को २५ ४४ ८ ३४ २६ १७ २४ ६							धनुषि	मकरेबुधः५३.२८षट्तिला११व्र.
१३	श ५६ ३३ पू ३८ २२ व ३४ ४२ ग २६ ३६ १२ ३४ २६ १८ २५ ७							म.५३.२३	धनि.रविः३६.५४(सौरः५०.१३)
१४	र ५४ ४५ उ ३८ २५ सि ३० ३२ वि २५ ३९ १५ ३३ २७ १९ २६ ८							मकरे	भ.५६.३३उ.प्रदोषः
३०	चं ५१ २५ श्र ३७ ५ व्य २५ १३ च २३ ५ १९ ३२ २८ २० २७ ९							मकरे	भ.२५.३९या.
									पूषा.शुक्रः३३.१२

४२पं.मा.कृ.१चं.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	७	७	६	११	९
११	१७	१७	२९	२६	२३	१७	११
४२	२५	६	४५	४२	२२	३३	२६
२९	१	५४	४	४	४४	२४	५२
६०	४६	५७	११	६६	३	३	६१
५९	१७	५५	५६	२८	२०	११	१३

४३पं.मा.कृ.८चं.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	८	८	६	११	९
१८	२२	२५	१	४	२३	१७	१८
४९	५६	२०	५	४३	४२	११	३५
१	४६	१७	१७	४८	११	९	०
६०	४६	७४	११	६७	२	३	६०
५५	१७	५७	१७	३८	३३	११	५

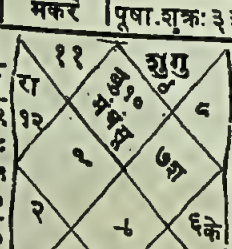

४४पं.मा.कृ.३०चं.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	८	८	६	११	९
२५	२८	४	२	१२	२३	१६	२५
५४	२७	४४	२१	५२	५६	४८	४१
५०	५०	१३	४	४८	२४	५३	४७
६०	४६	८५	१०	६८	१	३	६०
४७	२७	५६	३७	४०	४८	११	५५

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०९९ शाक: १९६४	दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४६९३स.२०४३
१	मं ४६ ५४ ध ३४ २८ व १८ ४७ किं १९ १०	२७	६ ७	५ २९	२१	२८	१०	कुं.५।४६	[–केतुः५७।७चन्द्रदर्शनम्
२	बु ४१ ३४ श ३० ५४ प ११ ४२ बा १४ १४	२७	३१	२९	२२	२९	११	कुम्भे	कुंभेभौमः८।४४उभा.४राहु हस्त.२–
३	गु ३५ ४९ पू २६ ४८ शि ३ ५७ ५५ तै ८ ४१	३०	३०	३०	२३	१	१२	मी१२।५०	श्रवणेबुधः५९।४रविलावल३
४	शु २९ ४८ उ २२ ३७ सा ४८ ११ व २ ४८	२४	२९	३१	२४	२	१३	मीने	भ.३८उ.३९या.कुंभर्क.१२।१०=
५	श २३ ५४ रे १८ २९ शु ४० ४२ बा २३ ५४	३८	२८	३२	२५	३	१४	मे.१८।२९	मूल.२गुरुः५६।३५पातस्पर्शः३४।५६×
६	र १८ २३ अ १४ ३४ शु ३३ ६ तै १८ २३	४१	२८	३२	२६	४	१५	मेषे	[×पातमोक्षः४४।४७वसंत५
७	चं १३ ६ भ ११ ४ बृ २५ ४९ व १३ ६	४५	२७	३३	२७	५	१६	वृ.२५।१६	भ.१३।६उ.४०।३५या.भानु७रथ७
८	मं ८ ४ कृ ७ ५३ ऐं १८ ५६ ब ८ ४	४९	२६	३४	२८	६	१७	वृषे	भीष्माष्टमी [= सौरः२४।११)
९	बु ३ ४४ रो ५ २२ वै १२ ३१ कौ ३ ४४	५३	२५	३५	२९	७	१८	मि३४।१८	[+(सौरः५९।३३)शते.भौमः÷
१०	बु ५६ ६ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷३८।४४जया११त्र.स्मा.
११	गु ५६ ३१ मृ ३ १४ वि ६ २९ व २८ १०	५६	२५	३५	३०	८	१९	मिथुने	भ.२८।१०उ.५६।३१या.शतेरविः४६+
१२	शु ५३ ५३ आ १ ४४ प्री ७ ५५ १० ब २५ १२	२८	२४	३६	१	९	२०	क.४६।४	उषा.शुक्रः४९भा.फाल्गुनारंभःजया११वै
१३	श ५२ ७ पु ० ४९ सौ ५२ ५ कौ २३ ०	४	२३	३७	२	१०	२१	कर्के	धनि.बुधः३७।२९प्रदोषः
१४	र ५१ २९ पु ० ५६ शो ४८ ५३ ग २१ ४८	८	२२	३८	३	११	२२	कर्के	भ.५१।२९उ.
१५	चं ५१ ५५ श्ले २ १३ अ ४६ ४५ वि २१ ४२	१२	२२	३८	४	१२	२३	सिं२।१३	भ.२१या.मकरेशुक्रः४५मा.स्ना.पूर्तिः

४५पं.मा.शु.७चं.इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	८	६	११	१०
२।	३	१५	३	२१	२४	१६	२
५९	५८	१	३२	५	६	२६	४७
४२	१२	१	६	१७	११	३७	५०
६०	४६	९४	९	६९	१	३	६०
३७	२७	२८	५४	२५	११	११	४२

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले ४ शुक्रे कुंभेऽर्के: प्रविष्टःवा. ३ न.३ वृद्धावस्था (बैठी)मु.४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

४६पं.मा.श.१५चं.इ.१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	८	६	११	१०
१०	९	२५	४	२९	२४	१६	९
३	३०	५७	३८	२४	११	४	५२
१४	४७	४०	६	४	२	२२	२३
६०	४६	९	९	७०	०	३	६
२५	२७	४	७	११	२४	११	३०

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा. १
१	मं ५३ ५३ म ४ ३५ सु ४५ ४३ बा २२ ५४	२८	६ ३१	५ ३५	५	१३	२४	सिंहे	बुधास्तःपूर्वस्यां४४
२	बु ५७ १२ पू ८ १९ धृ ४५ १६ तै २५ ३२	२०	२०	४०	६	१४	२५	कं.२४।३३	कुंभेबुधः३२।१७
३	गु ६० ० उ १३ १४ शू ४६ १२ व २९ ३१	२४	१९	४१	७	१५	२६	कन्यायां	भ.२९।३१उ.वक्रीशनिः२९।३६
४	शु १ ५० ह १९ ४० गं ४७ ४० वि १ ५०	२८	१८	४२	८	१६	२७	तु.५३।८	भ.१।५०या.पातस्पर्शः२२।०+
५	श ७ ८ चि २६ ३७ बृ ४९ ४३ बा ७ ८	३२	१८	४२	९	१७	२८	तुलायां	[+पातमोक्षः३३।१चतुर्थीत्र.
६	र १३ ३५ स्वा ३४ १४ धु ५२ ७ तै १३ ३५	३६	१७	४३	१०	१८	१	तुलायां	शतेबुधः२७।२५मार्च३ता.३१
७	चं २० ४ वि ४१ ४३ व्या ५४ १९ व २० ४	४०	१६	४४	११	१९	२	वृ.२४।५२	भ.२०।४उ.५३।१४या
८	मं २६ २४ अ ४८ ५२ ह ५६ ४ ब २६ २४	४४	१५	४५	१२	२०	३	वृश्चिके	[×महाशिवरात्री त्र.वै.
९	बु ३१ ४६ ज्ये ५४ ५३ व ५६ ५६ कौ ३१ ४६	४८	१४	४६	१३	२१	४	ध.५४।५३	श्रवणे शुक्रः५।११
१०	गु ३५ ४३ मू ५९ २८ सि ५६ २४ तै ३ ४४	५२	१४	४६	१४	२२	५	धनुषि	पूभा.रविः४।२८(सौरः१४।२०)
११	शु ३८ ९ पू ६० ० व्य ५४ ३८ व ६ ५६	५६	१३	४७	१५	२३	६	धनुषि	भ.६।५६उ.३८।९या.
१२	श ३८ ३४ पू २ १६ व ५१ १३ ब ८ २१	२९	१२	४८	१६	२४	७	म.१७।२९	विजया११त्र.
१३	र ३७ २ उ ३ ८ प ४६ २० कौ ७ ४८	५	११	४९	१७	२५	८	मकरे	पूभा.बुधः४५।५१पूभा.भौमः२८।४२
१४	चं ३३ २३ श्र ५८ ५७ १० शि ३९ ५१ ग ५ १३	९	१०	५०	१८	२६	९	कुं.३०।३३	भ.३३उ.प्रदोष महाशिवरात्रीत्र.स्मा.
१५	मं २८ ११ श ५४ ४२ सि ३२ १३ वि ० ४७	१३	९	५१	१९	२७	१०	कुंभे	भ.०।४७या.मूल.४गुरुः२४।२५×
३०	बु २१ ३७ पू ४९ २६ सा २३ ३२ ना २१ ३७	१७	९	५१	२०	२८	११	मी३५।४५	

४७पं.फा.कृ.६चं.इ. १०२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	८	९	६	११	१०
१७	१५	७	५	७	२४	१५	१६
५	१	५८	३८	४४	९	४२	५५
२८	५४	१	२	३८	५८	६	१९
६०	४६	०४	८	७०	२३	३	६०
१२	२७	४३	१९	४८	वि	११	२०

गोचर ग्रहाः

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चना गेहूं चावल गुड रसकस घृत तेल गन्ना तेज हो सोना चांदी मंदे हों ।

गोचर ग्रहाः

४८पं.फा.कृ.१३चं.इ.१०४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	८	९	६	११	१०
२४	२०	२०	६	१६	२४	१५	२३
६	३२	४७	३१	७	४	१९	५६
१४	३५	४२	१६	५	१६	५१	४२
५९	४६	३९	७	७१	१०	३	६०
५८	२७	४९	७	१९	वि.	११	६

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४७२३सं२०४३
१	गु १४ ३ उ ४३ ३५ शु १४ २१ ब १४ ३	२९	६	५२	२१	२९	१२	मीने	चन्द्रदर्शनम् पातस्पर्शः२७।३१×
२	शु ६ १३ रे ३७ ३८ शु ५६ ३८ को ६ १३	२६	७	५३	२२	१	१३	मे.३७।३८	मीनेबुधः५५।३८रविलाखर४फुलरिया२
३	शु ५२ ६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×पातमोक्षः३६।५
४	श ५० ५८ अ ३१ ५० सें ४६ २७ ब २४	४०	३०	६	५४	२३	२	१४ मेषे	भ.२४।४०उ.५०।५८या.
५	र ४४ ११ भ २६ ५६ वै ३८ १७ व १७	३५	३४	५	५५	२४	३	१५ वृ.४०।४६	मीनेऽर्कः५।१८(सौरः१४।४१)उभा.+
६	चं ३८ ३ कृ २२ ३४ वि ३० ३३ को ११ ७	३८	४	५६	२५	४	१६ वृषे		[+बुधः३६ धनि.शुक्रः१०।५१
७	मं ३३ १० रो १६ १७ प्री २३ ४८ ग ५	३६	४३	३	५७	२६	५	१७ मि४८।११	भ.३३।१०उ.
८	बु २६ १७ मृ १७ ५ आ १७ ४५ वि १	४३	४७	३	५७	२७	६	१८ मिथुने	भ.१।४३या.उभा.रविः२६।२२÷
९	गु २६ २४ आ १५ ५६ सौ १२ ४० को २६	२४	५१	२	५८	२८	७	१९ मिथुने	[÷(सौरः३६।१७)होलाष्टकम्
१०	शु २४ ४५ पु १५ ५३ शो ८ ३२ ग २४	४५	५५	१	५९	२९	८	२० क ०।५५	भ.५४।२६उ.कुंभेशुक्रः४३।२९
११	श २४ ७ पु १६ ४८ अ ५ १४ वि २४	७	३०	६०	६०	३०	९	२१ कर्के	भ.२३या.मीनेभौमः३३/३४ आमलकी११व्र.
१२	र २४ ३४ श्ले १९ ४ सु २ ५५ बा २४	३४	३०	५९	१	१	१०	२२ सिं१९।४	रेवत्यांबुधः२०।५३भा.चैत्रारंभः प्रदोषः
१३	चं २६ १५ म २२ १६ धृ १ २३ तै २६	१५	८	५८	२	२	११	२३ सिंहे	[Dउभा.भौमः३३।९छारेंडी
१४	मं २८ ५६ पू २६ ३१ शू १ २ व २८	५६	१२	५८	२	३	१२	२४ कं.४२।५०	भ.२८।५६उ.होलिकादहनम् भद्रापुच्छे
१५	बु ३२ ४६ उ ३१ ४५ गं ० ५६ वि ०	५१	१६	५७	३	४	१३	२५ कन्यायां	भ०।५१या.ग्रस्तोदितखग्रासचंद्रग्रहणम्D

४९पं.फा.शु.६चं इ. १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	८	९	६	११	११
१	२६	४	७	२४	२३	१४	०
५	०	२७	१७	३२	५४	५७	५६
२१	१४	३२	४९	३	७	३५	२४
५९	४६	५८	६	७१	१३	३	५२
४१	१७	२९	११	४३	व	११	४९

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन शुक्ले ५रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न.४ बालावस्था (बैठी)मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

५०पंमा.शु.१३चं.इ.१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	८	१०	६	११	११
८	१	१८	७	२	२३	१४	७
३	३०	१९	५७	५७	३८	३५	५४
१८	५४	१	४	४०	४९	१९	१९
५९	४६	३	५	७२	२५	३	५९
२९	१२	२८	२	२	व	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	गु ३७ ४६ ह ३८ २ वृ १ ५० बु ५ १६	३०	५६	४	५	१४	२६	कन्यायां	शतेशुक्रः१६।३९बुधोदयःपश्चिमायां-
२	शु ४३ ११ चि ४४ ४८ ध्रु ३ २३ ते १० २८	२५	५५	५	६	१५	२७	तु.११।२५	[-१।२८वसंत१
३	श ४९ २२ स्वा ५२ १५ ष्या ५ २२ ब १६ १६	२९	५४	६	७	१६	२८	तुलायां	भ.१६।१६उ.४९।२२या.
४	र ५५ ३९ वि ५९ ५४ ह ७ ४८ ब २२ ३१	३३	५३	७	८	१७	२९	वृ.४३।३	अश्वि.मेषेबुधः१३।५७चतुर्थीव्र.
५	चं ६० ० अ ६० ० व १० २० को २८ ५१	३७	५३	७	९	१८	३०	वृश्चिके	वक्रीविशा.२शनिः२३।४९
५	मं २ ४ अ ७ २६ सि १२ २४ ते २ ४	४१	५२	८	१०	१९	३१	वृश्चिके	रेवत्यांरविः५३।२७
६	बु ७ ४६ ज्ये १४ ११ ष्य १३ ५५ ब ७ ४६	४५	५१	९	११	२०	१	ध.१४।११	भ.७।४६उ.४०।७या.रेवत्यांरवि.सौरः=
७	गु १२ २८ मू १९ ५९ ब १४ ४० ब १२ २८	४९	५०	१०	१२	२१	२	धनुषि	[=२।४४अप्रेल४ता.३०
८	शु १५ ४८ पू २४ ६ प १४ ६ को १५ ४८	५३	४९	११	१३	२२	३	म.३९।४२	शीतलापूजनम्
९	श १७ १५ उ २६ २९ शि १२ ५ ग १७ १५	५७	४९	११	१४	२३	४	मकरे	भ.४६।५५उ.
१०	र १६ ३५ श्र २६ ५० सि ८ ३६ वि १६ ३५	३३	४८	१२	१५	२४	५	कुं.५५।५८	भ.१६।३५या.
११	चं १३ ५२ ध २५ ७ सा ६ ५३ बा १३ ५२	५	४७	१३	१६	२५	६	कुम्भे	पूभा.शुक्रः१८।२पापमोचनी११व्र.
१२	मं ९ १८ श २१ ३९ शु ४८ १२ ते ९ १८	१०	४६	१४	१७	२६	७	कुंभे	प्रदोषः
१३	बु २ ५० पू १६ १९ ब ३८ ५६ ब २ ५०	१४	४५	१५	१८	२७	८	मी२।३९	भ.२।५०उ.२८।४८या.भरण्यांबुधः१४
१४	बु ५१ ५६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	गु ४५ ५४ उ ९ ५५ रें २८ ५० च २० २०	१८	४४	१६	१९	२८	९	मीने	मन्वादिः

५१पं.चै.कृ.५चं.इ. १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	८	१०	६	११	११
१४	६	१	८	११	२३	१४	१४
५९	५८	३८	२८	२४	१९	१३	५०
१०	४४	४२	१२	४७	२३	४	३१
५९	४६	०	३	७२	३	३	५९
१६	२	३०	५२	२७	व	११	१८

गोचर ग्रहाः

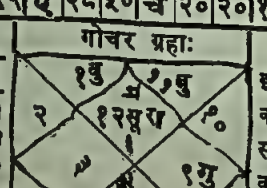

इस मासमें शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी स्वर्ण रुई रंग सूत कृपासवस्त्र वारदाना लाल वस्तुओं में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहाः

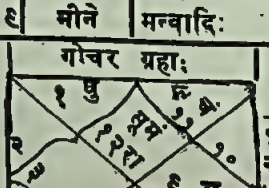

५२पं.चं.कृ११चं.इ. १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	८	१०	६	११	११
२१	१२	११	८	१९	२२	१३	२१
५३	२५	२	५०	५२	५६	५०	४४
३१	३०	२४	३८	५२	५३	४८	४२
५९	४६	६९	२	७२	४६	३	५९
४	२	३५	३०	४६	व	११	४

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम्।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१४४, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१४४, भोग्यकलिः ४२६८५६ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २१००, शाकः १९६५, अथास्मिन् वर्षे राजा भृगुः। मंत्री भौमः। सस्येशः शुक्रः। धान्येशः बुधः। मेघेशः चंद्रः। रसेशः शनिः। नीरसेशः गुरुः। फलेशः चन्द्रः। धनेशः गुरुः। दुर्गेशः चंद्रः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये ब्रह्म-विंशतिकायां ११ ईश्वरनाम संवत्सरःप्रवर्तते। तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ४।४।४२।११।२४ भोग्यमासादिः ७।२५।१७।४८।३६ इन्द्रदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम ज्येष्ठः। मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासो रजक गृहे। समय विश्वा१८ समयवाहनम् दर्दुरः। स्तंभः३ अन्नजलवायुनां। सोमवत्यमा१ सोमवती पंचमी× अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी × भानुसप्तमी १रविदशमी१ समय मुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा ७, धान्यम् १७, तृणम् ९, शीतम् ५, तेजः ९, वायुः ५, वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः१७, ऐक्यम्८३, सत्यम्।। धर्म १।।,पापं १८शनिदृष्टिपश्चिमे। ग्रहण२चंद्रमसः।

स. २१०० भाद्रपदशु. १४ शुक्रे
ग्रस्तास्तं चंद्र ग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घ.	५	६	७	७	९
मि.	३६	४१	२०	५८	३
घं.	५७	०	२	३	६
प.	५३	३६	१२	४८	३१

सं. २१०० फाल्गुन शु. १५ रवौ
खग्रास चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घं.	११	१२	१	१	२
मि.	२४	३५	१०	४४	५६
घ.	४२	४५	४६	४८	५१
प.	२२	२०	४७	१२	१२

वर्ष लग्नम् ८।११

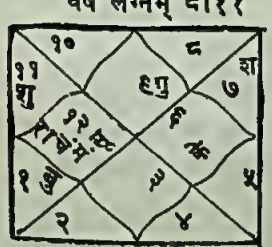

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

श्री जगदंबे ईश्वरी आई सौकी साल।
कैसी रहसीं सृष्टि में भैरव तणों सवाल।।

भवानी उत्तर

अंबा भैरव से कहे यह है सौकी साल।
फिर से आई जगत में सौ वर्षों से चाल।।
चौमासे दिनमणि चलें बुधभार्गव के बीच।
मंगल राजा वर्ष में वर्षा करसी खींच।।
पण भैरव भय मत करे स्तंभ वर्ष के तीन।
विन वर्षा अन नीपजे इसमें मेष न मीन।।
अधिकारी इस वर्ष में पाप खेट हैं दोय।
सौम्य ग्रहां के योग से जग में मंगल होय।।
सीकर जिला सिमारला मेरा है निज ग्राम।
रूडमल्ल का पुत्र हूँ बंशीधर है नाम।।
श्री ईश्वरदत्त गुरु मेरे जहं पाया मधुरा मेवा मैं।
यह शतवर्षी पंचांग बना अर्पण हे उनकी सेवा में।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	८
ख.	८	१४	११	११	५	११

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
ला.	१४	२	५	८	८	५
ख.	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ५।११

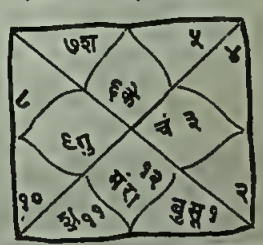

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।२१।० केतकी मतेन बेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२६।३५

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः फलम् ॥ शुक्रस्य राज्ये बहु सस्य संकुला सुतीव्र वेगाः सरितोम्बु राशिभिः । फलन्ति वृक्षाः बहु गोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ॥ मंत्री भौमस्तत्फलम् ॥ अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्यु गदादिजवेदना । जनपदेषु जयं सुखसंचयं न बहु गोषु पयो द्विजकमं च ॥ सस्येशः शुक्रः फलम् ॥ शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षु धन प्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ॥ धान्येशः बुधः फलम् ॥ बुधे धान्याधिपे मेघाः जलं मुंचति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवोऽल्पं च वर्षति ॥ मेघेशः चन्द्रः फलम् ॥ शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धनधान्यवती मही विविध भोगवती ननु भामिनी ॥ रसेशः शनिः फलम् ॥ रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गज वाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा न रसैर्युताः ॥ नीरसेशः गुरुः फलम् ॥ हरिद्रा मीत वस्तूनि पीतवस्त्रादिकञ्चयत् । नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ॥ फलेशश्चन्द्रस्तत्फलम् ॥ यदि विधु फलपो द्रुमराशयः फलयुतावलीभिः कुसुमैर्युताः । द्विजमुखावर भोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः । धनेशः गुरुः फलम् ॥ सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपः वणिज वृत्ति परा सुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुविः मानवाः । दुर्गेशश्चन्द्रः फलम् ॥ गढपतिः शशलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवरा वर वर्णित विग्रहाः ॥ ईश्वरनाम संवत्सरःफलम् ॥ ईश्वराब्दे खिलाम् जन्तून् धात्रीवारमतेसदा । पोषवत्याखिला लोकान्नात्र कार्याविचारणा ॥ वर्षनाम ज्येष्ठः फलम् ॥ तस्करैः पापरोगैर्वा पीड्यंते पीडया जनाः । भ्रमंतें स्वेच्छया भूम्यां निर्द्रव्यैं ज्येष्ठ संज्ञके ॥ मेघनाम द्रोणः फलम् ॥ द्रोणे वर्षति सर्वदा ॥ रोहिणी निवासस्तटे फलम् ॥ तटेवृष्टिः सुशोभनाः ॥ समय निवासो रजक गृहे फलम् ॥ रजके वृष्टिरुत्तमा ॥ एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २१०० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १० शनौ मघा ल. ८-९-११ (कुं.चं.७पू.)
वृश्चि. व्यये शनिः रे. ७ ।S।।।।।SS।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १५ शुक्रे स्वात्यां ल. ८ (व्ययेशनिः) रे. ७
।।।।S।SS।। ध.४२उ. मृत्युपंचक

वैशाख मासः

कृष्णा २ रवौ अनु. ल. गो. (सोग्रांगः) ९-१० रे. ७
।S।।।Sअ४४याS।।।

,, ४ भौमे मूलें ल.१०-११ रे.७ ।।Sबृ।।Sनृ५०याS।।

,, ५ बुधे मूलें ल. गो. (सोग्रांगः) सप्तमेभौमश्च
रे. ८ ।।Sबृ।।।।S।।

,, ७ शुक्रे उषा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः सप्तमेभौमश्च)
रे. ७ SS।।ऽरो।।।।

शुक्ला २ रवौ रोहि ल. १०-११ रे. ६ ।।।।।।S।।।

,, ३ चन्द्रे मृगे ल. ९-११ रे. ९ ।।।।।ऽरो।।।।
(धनुषि चं.७पू.)

,, ७ शुक्रे मघा ल. ११ (चं.पू.) रे.१० ।।।।।।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ गुरौ उषा ल.गो.९-११ रे.८ ।।।।।नृ५१उ।SS।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १० बुधे रेव ल. ऽन्यगो १०-११ रे. ७ ।।।।S।SS।।

शुक्ला ६ बुधे मघा ल. ऽन्यगो (७मेभौम.) ल. ११
चं.पू. रे. ९ ।S।।।।।।।

,, १३ शनौ अनु. ल.ऽन्यगो १०-११ रे.८ ।।।।S।S।।।

आषाढ मासः

कृष्णा २ बुधे उषा ल. गो. ११ रे. ९ ।।।Sबुशु।।।।।

पादतो वेधाऽभावः

शुक्ला ३ गुरौ मघा ल. ऽन्यगो ११ (चं.७पू.) रे. ९
।।।।Sनृ४४या।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ भौमे रोहि ल. ४ रे. ९ ।।।।।।S।।।

,, ७ चन्द्रे मघा ल.ऽन्यगो४रे.८ ।।।।Sचो४८याS।।

,, १० गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ S।।।।SS।।

शुक्ला ८ गुरौ उभा ल. गो. रे. ९ ।।।S।।।।।

माघ मासः

शुक्ला १० चन्द्रे रोहि ल. गो. रे. ६ ।।।।SSचौS।S।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १५ शनौ मघा ल. ९ रे. ६ ।।।Sबु।S।S।।

व्यये शनिः पादतो वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ भौमे हस्ते ल. ९-१० रे. ८ ।।।।।।S।S दग्धा

,, ५ गुरौ स्वात्यां ल. गो. ९-१० रे. ७ SS।।।।।S।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, ९ चन्द्रे मूले ल. १० रे. ८ ।।।।।।SS।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												वि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः४७५२स.२०४३
१	शु	३६	३२	रे	२/४२	५२/४२	वै	१८	२०	किं	११	१३	३१/२२	५/४४	६/१६	१०	२९	१०	मे.२।४२	संवत्सरारभः नवरात्रारंभः
२	श	२७	१३	भ	४८	२०	वि	७/४३	५०/०	बा	१	५२	२६	४३	१७	२१	३०	११	मेषे	रेवत्यांभौमः४०/५३चन्द्रदर्शनम्सिंघारा
३	र	१८	२५	कृ	४१	५२	आ	४७	५६	ग	१८	२५	३०	४२	१८	२२	१	१२	वृ.१।४३	भ.४४/२२उ.जमादिलावल५मत्स्यजयंती-
४	चं	१०	१९	रो	३६	३४	सौ	३९	४०	वि	१०	१९	३४	४१	१९	२३	२	१३	वृषे	भ.१०।१९या. [-गणगौरी
५	मं	३	४२	मृ	३२	५०	शो	३२	२९	बा	३	४२	३८	४०	२०	२४	३	१४	मि४।४२	अश्वि.मेषेऽर्कः२७/५५(सौरः३७/१७)मीने=
६	मं	५४	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=शुक्रः३३/३९ [×हस्त.१केतुः५७/८
७	बु	५४	५१	आ	३०	४१	अ	२६	२९	ग	२६	३५	४२	४०	२०	२५	४	१५	मिथुने	भ.५४/५१उ.वक्रीबुधः४६/२५उभा.३ राहुः×
८	गु	५२	३७	पु	२९	५८	सु	२१	४७	वि	२३	४४	४६	३९	२१	२६	५	१६	क.१५।९	भ.२३।४४या.
९	शु	५२	१४	पु	३०	४४	धृ	१८	२१	बा	२२	२५	५०	३८	२२	२७	६	१७	कर्के	उभा शुक्रः१७।४४रामनवमी
१०	श	५३	१९	श्ले	३३	१२	शू	१६	११	तै	२२	४६	५३	३७	२३	२८	७	१८	सिं३३।१२	बुधास्तःपश्चिमायां१७।८
११	र	५५	३७	म	३६	४९	गं	१५	७	व	२४	२८	५७	३७	२३	२९	८	१९	सिंहे	भ.२४/२८उ.५५/३७या.पातस्पर्शः३०/३९+
१२	चं	५९	१०	पू	४१	४९	बृ	१५	१७	व	२७	२३	३२/१	३६	२४	३०	९	२०	कं.५८।१८	वक्रीगुरुः४।१३
१३	मं	६०	०	उ	४७	३४	ध्रु	१५	४६	कौ	३१	२३	५	३५	२५	१	१०	२१	कन्यायां	भा.वैशाखारंभःप्रदोषः
१३	बु	३	३७	ह	५४	१७	व्या	१७	५	तै	३	३७	९	३४	२६	२	११	२२	कन्यायां	[+पातमोक्षः४१।२८कामदा११व्र
१४	गु	९	११	चि	६०	०	ह	१८	५२	व	९	११	१२	३४	२६	३	१२	२३	तु.४१।२७	भ.९।११उ.४१।५५या.
१५	शु	१४	३८	चि	१	५	व	२१	०	ब	१४	३८	१६	३३	२७	४	१३	२४	तुलायां	वक्रीअश्विन्यांबुधः३६।३१हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु.५मं.इ. २७/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	१०	६	११	११
०	१८	१६	९	२९	२२	१३	२९
०	४७	१५	५	५३	२५	२४	५०
०	५६	०	२०	२	५५	४४	५८
५८	४५	७	०	७३	४/४	३	५८
४४	४२	२६	५६	४	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले ५ भौमे मेषेऽर्कःप्रविष्टःवा.३ न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

२पं.चै.शु.१३मं.इ. २८/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	११	६	११	०
६	२४	१५	९	८	२१	१३	६
५०	१०	१	८	२३	५७	२	४१
४६	२६	२६	२८	२	४	२८	९
५८	४५	३२/२०	०/१४	७३	४/२२	३	५८
३१	३७	व	व	१७	ब	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	श	२०	५४	स्वा	८	३४	सि	२३	१७	कौ	२०	५४	३२/२०	५/३२	६/२८	५	१४	२५	वृ.५९।८	
२	र	२७	७	वि	१५	५९	व्य	२५	४६	ग	२७	७	२३	३१	२९	६	१५	२६	वृश्चिके	
३	चं	३३	११	अ	२३	२७	व	२७	५६	व	०	९	२७	३१	२९	७	१६	२७	वृश्चिके	भ.०।९उ.३३।११या.चतुर्थीव्र.
४	मं	३८	४४	ज्ये	३०	२२	प	२९	५६	ब	५	५७	३१	३०	३०	८	१७	२८	ध.३०।२२	भरण्यांरविः८/८(सौरः१८/४२)रेवत्यांशुक्र५८/४
५	बु	४३	३२	मू	३६	३२	शि	३१	१	कौ	११	८	३४	२९	३१	९	१८	२९	धनुषि	अश्वि.मेषेभौमः९।४०
६	गु	४७	२०	पू	४१	३८	सि	३१	२६	ग	१५	२६	३८	२८	३२	१०	१९	३०	म.५८।३४	भ.४७।२०उ.
७	शु	४९	३५	उ	४५	२३	सा	३०	४६	वि	१८	२७	४१	२८	३२	११	२०	१	मकरे	भ.१८।२७या.मई५ता.३१
८	श	५०	१०	श्र	४७	३२	शु	२८	३५	बा	१९	५२	४५	२७	३३	१२	२१	२	मकरे	
९	र	४८	५०	ध	४७	४५	शु	२५	५	तै	१९	३०	४८	२६	३४	१३	२२	३	कुं.१७।३८	पातस्पर्शः२३।३४पातमोक्षः३४।५०
१०	चं	४५	३७	श	४६	५	ब्र	२०	२	व	१७	१३	५२	२६	३४	१४	२३	४	कुंभे	भ.१७।१३उ.४५।३७या.
११	मं	४०	२४	पू	४२	२५	ऐं	१३	२५	ब	१३	०	५५	२५	३५	१५	२४	५	मी२८।३०	पूर्वोदयीबुधः२०।१वरुथिनी११व्र.
१२	बु	३३	२८	उ	३७	१५	वै	५/१७	५०/४५	कौ	६	५६	५८	२४	३६	१६	२५	६	मीने	प्रदोषः
१३	गु	२५	१७	रे	३०	४६	प्री	४५	५४	व	२५	१७	३३/२	२४	३६	१७	२६	७	मे.३०।४६	भ.२५।१७उ.५०।३४या.
१४	शु	१५	५२	अ	२३	१०	आ	३५	३	श	१५	५२	५	२३	३७	१८	२७	८	मेषे	
३०	श	५	५५	भ	१५	१५	सौ	२४	३	ना	५	५५	८	२२	३८	१९	२८	९	वृ.२८।१९	अश्वि.मेषेशुक्रः१८।१२

३पं.वै.कृ.४मं.इ. २८/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	११	६	११	०
१३	२९	१०	९	१६	२१	१२	१३
३९	२८	१९	२	५२	२६	४०	२९
५०	४८	१३	१४	४४	२४	१२	३४
५८	४५	३८/५८	१/४६	७३	४	३	५८
१९	२७	बं	व	२४	४०	११	१२

गोचर ग्रहाः

इसमासमें ५शनिवार अशुभहैं धान्य गेहूंजौ चना बाजरा मूंगमोठ रसकस गुड शक्कर चीनी धातु सोना चांदी तेज हो।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.कृ.११मं.इ. २८/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	८	११	६	११	०
२०	४	७	८	२५	२०	१२	२०
२७	४८	१४	४६	२३	५४	१७	१६
२९	१८	६	२३	२४	४३	५७	२१
५८	४५	३४	३/८	७३	४/४०	३	५७
६	१७	२७	व	३८	व	११	५७

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४७८२स.२०४३
१	श	४९	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–जमादिलाखर६परशुरामजयंती=
२	र	४६	११	कृ	७	३०	शो	१३	२०	बा	२१	१	३३/११	५/२२	६/३८	२०	२९	१०	वृषे	चन्द्रदर्शनम् [=अक्षय३
३	चं	३७	४४	रो	०/२६	५३/५६	अ	३/१४	५०/४१	तै	११	५७	१४	२१	३९	२१	१	११	मि२७।२४	कृत्ति.रविः५५।७उदयोभौमः४९।११–
४	मं	३०	३२	आ	४९	५२	धृ	४६	१४	व	४	८	१७	२१	३९	२२	२	१२	मिथुने	भ.४/८उ.३०/३२या.कृत्ति रविःसौरः२/३४×
५	बु	२५	१३	पु	४७	२३	शू	४०	८	बा	२५	१३	२०	२०	४०	२३	३	१३	क.३३।०	[×मार्गीबुधः७/१३
६	गु	२१	४७	पु	४६	४३	गं	३५	२३	तै	२१	३७	२३	१९	४१	२४	४	१४	कर्के	[+पातस्पर्शः१५/३७पातमोक्षः२८/३१
७	शु	२०	१२	श्ले	४८	९	वृ	३२	२४	व	२०	१२	२६	१९	४१	२५	५	१५	सिं४८।९	भ.२०/१२उ.५०/२९या.वृषेऽर्कः२१/२२(सौरः३४/२७)+
८	श	२०	४६	म	५१	२३	ध्रु	३०	३५	ब	२०	४६	२८	१८	४२	२६	६	१६	सिंहे	भरण्यांभौमः५१।३५
९	र	२२	५२	पू	५६	८	व्या	३०	२५	कौ	२२	५२	३१	१८	४२	२७	७	१७	सिंहे	वक्रीस्वाती.४शनिः३७।१६
१०	चं	२६	४२	उ	६०	०	ह	३१	१६	ग	२६	४२	३४	१७	४३	२८	८	१८	क.१२।३९	भ.५९।३उ.
११	मं	३१	३४	उ	२	१०	व	३२	३९	वि	३१	३४	३७	१७	४३	२९	९	१९	कन्यायां	भ.३१।३४या.मोहिनी११व्र.
१२	बु	३७	१६	ह	९	०	सि	३४	५९	ब	४	२५	३९	१६	४४	३०	१०	२०	तु.४२।३४	भरण्यांशुक्रः२०।४०
१३	गु	४३	१२	चि	१६	८	व्य	३७	८	कौ	१०	१४	४२	१६	४४	३१	११	२१	तुलायां	प्रदोषः
१४	शु	४९	२८	स्वा	२३	४०	व	३९	३८	ग	१६	२०	४४	१५	४५	१	१२	२२	तुलायां	भ४९।२८उ.भा.ज्येष्ठारंभःनृसिंहजयंती
१५	श	५५	२४	वि	३१	४	प	४१	५९	वि	२२	२६	४७	१५	४५	२	१३	२३	वृ.१४।१३	भ.२२।२६या.यमायकुंभदानम्

५पं.वै.शु.४मं.इ. २८/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	८	०	६	११	०
२७	१०	६	८	३	२०	११	२७
१३	५	३८	२२	५४	२२	५५	१
३७	६	५३	४१	४०	५९	४१	३५
५७	४५	१/५२	४/१२	७३	४/४०	३	५७
५४	२	मा	व	५०	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले ७ शुक्रे वृषेऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

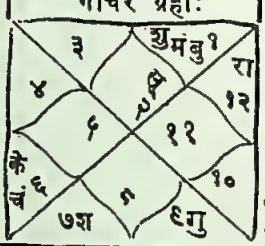

६पं.वै.शु.११मं.इ. २९/३

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	०	६	११	१
३	१५	९	७	१२	१९	११	३
५८	१७	२८	५०	१६	५१	३३	४५
४४	२८	४१	२४	२४	५०	२६	२०
५७	४४	३१	५/२३	७३	४/२३	३	५७
४४	५२	२८	व	५५	व	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्त रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा.
१	र	६०	०	अ	३८	१८	शि	४४	८	बा	२८	१७	३३/४९	५/१४	६/४६	३	१४	२४	वृश्चिके	भरण्यांबुधः१६।५७
१	चं	१	१०	ज्ये	४५	७	सि	४५	४७	कौ	१	१०	५२	१४	४६	४	१५	२५	ध.४५।७	रोहि.रविः४४/३५
२	मं	६	१७	मू	५०	५९	सा	४६	५२	ग	६	१७	५४	१३	४७	५	१६	२६	धनुषि	भ.३८।२५उ.रोहि.रविःसौरः०।२९
३	बु	१०	३४	पू	५६	१३	शु	४७	२६	वि	१०	३४	५६	१३	४७	६	१७	२७	धनुषि	भ.१०।३४या.चतुर्थीव्र.
४	गु	१४	१	उ	६०	०	शु	४७	१	बा	१४	१	५८	१२	४८	७	१८	२८	म.१२।१४	
५	शु	१६	१३	उ	०	१८	ब्र	४५	४०	तै	१६	१३	३४/०	१२	४८	८	१९	२९	मकरे	पातस्पर्शः२१/५७पातमोक्षः३७/१५
६	श	१७	१७	श्र	३	११	ऐं	४३	१४	व	१७	१७	२	१२	४८	९	२०	३०	कुं.३३।५८	भ.१७/१७उ.४७/६या.
७	र	१६	५५	ध	४	४६	वै	३९	३७	ब	१६	५५	३	११	४९	१०	२१	३१	कुम्भे	कृत्ति.शुक्रः१२/४८वक्रीमूल.२गुरुः३३।२
८	चं	१५	१	श	४	५३	वि	३४	४५	कौ	१५	१	५	११	४९	११	२२	१	मी४८।३३	जून६ता.३०
९	मं	११	२८	पू	३	७	प्री	२८	३०	ग	११	२८	७	११	४९	१२	२३	२	मीने	भ.३८।५०उ.वृषेशुक्रः५३/१९
१०	बु	६	१२	उ	०/१	५५/२५	आ	२१	८	वि	६	१२	९	१०	५०	१३	२४	३	० ०	भ.६/१२या.कृत्ति.भौमः५६/२६÷
११	बु	५३	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	मे.५५।२६	[÷अपरा११व्र.स्मा.
१२	गु	५१	४५	अ	४९	३१	सौ	१२	३२	कौ	२५	४१	१०	१०	५०	१४	२५	४	मेषे	कृत्ति.बुधः४५/३९अपरा११व्र.वै.
१३	शु	४२	४७	भ	४२	३१	शो	३/४	४९/४८	ग	१७	१६	१२	१०	५०	१५	२६	५	वृ.५५।४०	भ.४२/४७उ.प्रदोषः
१४	श	३३	१८	कृ	३५	६	सु	४२	२०	वि	८	२	१३	९	५१	१६	२७	६	वृषे	भ.८।२या.वृषेबुधः२९।३८
३०	र	२३	२८	रो	२७	३२	धृ	३१	४४	ना	२३	२८	१५	९	५१	१७	२८	७	मि५४।७	वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.२मं.इ. २९/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	०	६	११	१
१०	२०	१५	७	२०	१९	११	१०
४२	२८	३१	११	५८	२२	११	२७
४०	८	४१	४६	८	५२	१०	३१
५७	४४	५९	६/१८	७४	४/८	३	५७
३५	३७	४६	व	२	व.	११	२३

गोचर ग्रहाः

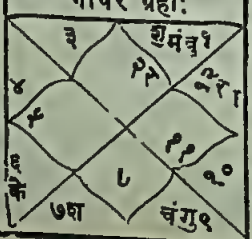

इस मास में धान्य जौ गेहूं चांवल मटर सरसों अलसी मंदे हो धातु सोना चांदी लोहा तेज हो रुई में घटाबढी चले ।

गोचर ग्रहाः

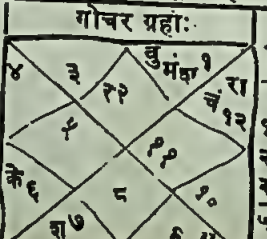

८पं.ज्ये.कृ.९मं.इ. २९/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	०	६	११	१
१७	२५	२४	६	२९	१८	१०	१७
२५	३५	२४	२६	३०	५६	४८	८
२६	५६	७	१३	१४	६	५४	३७
५७	४४	८५	७/७	७४	३/५२	३	५७
२७	५	४७	व	८	व	११	१३

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४८११स.२०४३
१	चं	१४	९	मृ	२०	४३	शू	२१	४६	व	१४	९	३४/१६	५/९	६/५१	१८	२९	८	मिथुने	मृगेरविः ३९/३७ (सौरः ५९/१५ वृषेभौमः ३३/१७ –
२	मं	५	५२	आ	१४	४४	गं	१२	४२	कौ	५	५२	१७	९	५१	१९	१	९	क.५६।२४	रज्जव ३ [–चन्द्रदर्शनम्
३	मं	५३	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aगुर्जराणांवटसावित्रीव्र.
४	बु	५३	५८	पु	१०	१७	वृ	४/४७	५३/२७	व	२६	३०	१८	८	५२	२०	२	१०	कर्के	भ.२६।३०उ.५३।५८या.
५	गु	५०	५६	पु	७	४०	व्या	५३	३७	व	२२	२७	१९	८	५२	२१	३	११	कर्के	रोहि.शुक्रः१।२८
६	शु	५०	१४	श्ले	७	१३	ह	५०	५३	कौ	२०	३५	१९	८	५२	२२	४	१२	सिं७।१३	रोहि.बुधः६।४५
७	श	५१	२२	म	८	५६	ब	४९	३०	ग	२०	४८	२०	८	५२	२३	५	१३	सिंहे	भ.५१।२२उ.
८	र	५४	३१	पू	१२	३१	सि	४९	४७	वि	२२	५६	२१	८	५२	२४	६	१४	कं.२८।५२	भ.२२।५६या.
९	चं	५९	८	उ	१७	५३	व्य	५०	४३	बा	२६	५०	२१	८	५२	२५	७	१५	कन्यायां	मिथुनेऽर्कः३८।११पूर्वास्तंबुधः५६।२१
१०	मं	६०	०	ह	२५	२५	व	५२	४६	तै	३२	१	२२	८	५२	२६	८	१६	तु.५८।३९	मिथुनेऽर्कःसौरः०।७गंगादशमी
१०	बु	४	५५	चि	३१	५३	प	५५	१०	ग	४	५५	२२	८	५२	२७	९	१७	तुलायां	भ.३७/५७उ.उभा.२राहुःउषा.४केतुः५१/५१
११	गु	१०	५९	स्वा	३९	१९	शि	५७	४७	वि	१०	५९	२३	७	५३	२८	१०	१८	तुलायां	भ.१०/५९या.मृगेबुधः५४/५३निर्जला११व्र.
१२	शु	१७	१७	वि	४६	५५	सि	६०	०	बा	१७	१७	२३	७	५३	२९	११	१९	वृ.३०।१	प्रदोषः
१३	श	२३	१७	अ	५४	३	सि	०	१०	तै	२३	१७	२३	७	५३	३०	१२	२०	वृश्चिके	[=मृगेशुक्रः०/५९ रोहि.भौमः २९/२×
१४	र	२८	३९	ज्ये	६०	०	सा	२	१३	व	२८	३९	२४	७	५३	३१	१३	२१	वृश्चिके	भ.२८।३९उ. [×भा.आषाढारंभःA
१५	चं	३३	११	ज्ये	०	३३	शु	३	३७	वि	०	५५	२४	७	५३	१	१४	२२	ध.०।३३	भ.०/५५या.आर्द्रा.रविः ३७/६ मिथुनेबुधः ०/३६=

९पं.ज्ये.शु.२मं.इ. २९/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	८	१	६	११	१
२४	०	५	५	८	१८	१०	२३
७	४०	२०	३६	५	३१	२६	४८
३०	५५	६	२२	४९	३४	३९	३३
५७	४३	६/१०	७/४०	७४	३/२०	३	५७
२२	५२	३८	व	१४	व	११	५

गोचर ग्रहाः

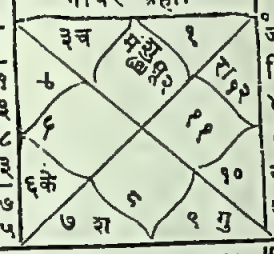

ज्येष्ठ शुक्ले ९ चन्द्रे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा ४न५ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु.१०मं.इ. २९/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	८	१	६	११	२
०	५	१८	४	१६	१८	१०	०
४८	४३	२४	४३	३६	१०	४	२७
४७	४८	११	१	१४	४१	२३	४२
५७	४३	१२१/५२	५/५२	७४	२/४२	३	५६
१७	४०	५२	ब	२०	व	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहा.
१	मं	३६	४१	म	६	०	शु	४	२३	बा	४	५६	३४/२४	५/७	६/५३	२	१५	२३	धनुषि	आर्द्रा.रविःसौरः१।४०
२	बु	३९	२०	पू	१०	४१	ब्र	४	२१	तै	८	०	२४	७	५३	३	१६	२४	म.२६।३४	
३	गु	४०	४२	उ	१४	१३	ऐं	३	३७	व	१०	१	२४	७	५३	४	१७	२५	मकरे	भ.१०।१उ.४०/४२या.आर्द्रा.बुधः८।५१
४	शु	४१	७	श्र	१६	४७	वै	२/३	५७/३१	व	१०	५५	२३	७	५३	५	१८	२६	कुं.४७।३१	चतुर्थीव्र.
५	श	४०	२५	ध	१८	१६	प्री	५६	१७	कौ	१०	४६	२३	७	५३	६	१९	२७	कुंभे	मिथुनेशुक्रः२८।५४वक्रीमूल.१गुरुः २६/५
६	र	३८	४६	श	१८	४७	आ	५२	८	ग	९	३५	२२	८	५२	७	२०	२८	कुम्भे	भ.३८।४६उ.
७	चं	३५	५९	पू	१८	१३	सौ	४७	५	वि	७	२२	२२	८	५२	८	२१	२९	मी३।२२	भ.७।२२या.
८	मं	३२	४	उ	१६	३१	शो	४१	११	बा	४	१	२१	८	५२	९	२२	३०	मीने	
९	बु	२७	१०	रे	१३	४६	अ	३४	२३	ग	२७	१०	२०	८	५२	१०	२३	१	मे.१३।४६	भ.५४/७उ.पुन.बुधः १५/५८जुलाई७ता.३१
१०	गु	२१	५	अ	९	५९	सु	२६	४३	वि	२१	५	१९	८	५२	११	२४	२	मेषे	भ.२१।५या.आर्द्रा.शुक्रः५१।२०
११	शु	१४	४	भ	५/८	५४/१८	धृ	१८	१५	बा	१४	४	१८	८	५२	१२	२५	३	वृ.१८।४२	योगिनी११व्र.
१२	श	६	२३	रो	५३	१६	शू	९/१६	५०/३७	तै	६	२३	१७	९	५१	१३	२६	४	वृषे	भ.५।५८उ.प्रदोषः
१३	श	५१	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	र	४९	३४	मृ	४७	५	वृ	५०	३१	वि	२३	४६	१६	९	५१	१४	२७	५	मि२०।११	भ.२३।४६या.
३०	चं	४१	३४	आ	४१	१४	ध्रु	४१	३२	च	१५	३४	१५	९	५१	१५	२८	६	मिथुने	पुन.रविः३६।४६कर्केबुधः०।५०

११पं.आ.कृ.१मं.इ. २९/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	८	१	६	११	२
७	१०	३	३	२५	१७	९	७
२९	४३	८	५०	९	५३	४२	६
४२	२६	१३	२०	२५	४९	८	९
५७	४३	१२७/२९	५७/५१	७४	२/९	३	५६
१३	२४		व.	२६	व.	११	५४

गोचरग्रहाः

आषाढशुक्ले ११शुक्रे कर्केऽर्कःप्रविष्ट.वा ५ न. ५ प्रगल्भावस्था (वठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.कृ.८मं.इ. २९/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	८	२	६	११	२
१४	१५	१८	२	३	१७	९	१३
१०	३९	२०	५६	४३	४१	१९	४४
८	३६	५६	३५	३४	१०	५२	२२
५७	४३	१२६/५३	७/४०	७४	१/३०	३	५६
७	३		व.	२६	व.	११	५०

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४८४०स.२०४३
१	मं	३४	३०	पु	३६	१६	व्या	३२	५२	किं	८	२	३४/१४	५/९	६/५१	१६	२९	७	क.२२।३१	पुन.रविःसौरः५।४२पुष्येबुधः४१।१
२	बु	२८	४१	पु	३२	३१	ह	२५	३९	बा	१	३५	१३	९	५१	१७	३०	८	कर्के	पश्चिमोदयीबुधः२९/१६ चंद्रदर्शनम्रथयात्रा
३	गु	२४	४३	श्ले	३०	३५	वि	१८	४२	ग	२४	४३	११	१०	५०	१८	१	९	सिं३०।३५	भ.५३।४६उ.सावान८
४	शु	२२	४९	म	३०	४३	सि	१४	१२	वि	२२	४९	१०	१०	५०	१९	२	१०	सिंहे	भ.२२।४९या.
५	श	२२	५१	पू	३२	४७	व्य	११	३१	बा	२२	५१	८	१०	५०	२०	३	११	कं.४८।४८	मृगेभौमः३२।११
६	र	२४	५८	उ	३६	५३	व	१०	४९	तै	२४	५८	७	११	४९	२१	४	१२	कन्यायां	
७	चं	२९	१	ह	४२	२३	प	१०	५१	व	२९	१	५	११	४९	२२	५	१३	कन्यायां	भ.२९।१उ.पुन.शुक्रः४५।५७
८	मं	३४	२३	चि	४९	१८	शि	१२	१४	वि	१	४२	३	११	४९	२३	६	१४	तु.१५।५१	भ.१।४२या.आश्ले.बुधः५६।२३
९	बु	४०	८	स्वा	५६	४९	सि	१५	१७	बा	७	१५	१	१२	४८	२४	७	१५	तुलायां	मार्गीशनिः२६/३२शुक्रास्तःपूर्वस्यां३७।४८
१०	गु	४६	३१	वि	६०	०	सा	१७	४६	तै	१३	२०	३३/५९	१२	४८	२५	८	१६	वृ.४७।३५	[-(सौरः३८/२६)देवशयनी११ब्र.
११	शु	५२	२७	वि	४	३१	शु	२०	२३	व	१९	२९	५७	१३	४७	२६	९	१७	वृश्चिके	भ.१९।२९उ.५२।२७या कर्केऽर्कः५/२२-
१२	श	५७	५३	अ	११	४१	शु	२२	२९	ब	२५	१०	५५	१३	४७	२७	१०	१८	वृश्चिके	[=कर्केशुक्रः५२/५४मिथुनेभौमः१०/५५×
१३	र	६०	०	ज्ये	१८	१८	ब्र	२४	५	कौ	२९	५८	५२	१४	४६	२८	११	१९	ध.१८।१८	प्रदोषः [×वायुपरीक्षा
१३	चं	२	४	मू	२३	४१	ऐं	२४	४०	तै	२	४	५०	१४	४६	२९	१२	२०	धनुषि	पुष्ये.रविः३४।४०
१४	मं	५	४	पू	२७	५१	वै	२४	१४	ब	५	४	४८	१४	४६	३०	१३	२१	म.४३।३३	भ.५/४उ ३५/५३या.पुष्ये.रविःसौरः९/७=
१५	बु	६	४२	उ	३०	४१	वि	२२	५६	ब	६	४२	४५	१५	४५	३१	१४	२२	मकरे	व्यासपूजा गुरु१५

१३पं आ.शु १मं.इ. २९/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	८	२	६	११	२
२०	२०	२	२	१२	१७	८	२०
५०	३३	५६	६	१८	३३	५७	२२
३५	४७	२	२९	२५	१८	३६	८
५७	४२	९/१६	७/८	७४	०/४६	३	५६
७	५०	४६	व.	२९	व.	११	५०

बु४चं २मं ५ १ ३शुसू के६ १२रा ७ ११ श गु९ ८ १०

१४पं.आ.शु.८मं.इ. २८/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	८	२	६	११	२
२७	२५	१५	१	२०	१७	८	२७
३०	२४	५१	२०	५३	२९	३५	०
५४	५८	१४	५३	२०	५६	२१	१५
५७	४२	०/१०	६/२०	७४	०/७	३	५६
१२	२६	२२	व	३२	व	११	५४

५ ३मंशु ६ के ७ श ४बु २ १ रा १२ ८ १० ९चंगु ११

१५पं.आ.शु.१४मं.इ. २८/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	८	२	६	११	३
४	०	२७	०	२९	१७	८	३
११	१२	१४	४०	३०	३१	१३	३८
३८	२९	२६	१६	०	३६	५	४२
५७	४१	९०	५/२५	७४	०/४४	३	५६
१५	५९	४१	व	३२	मा	११	५९

त.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	गु	७	१	श्र	३२	१७	प्री	२०	३०	कौ	७	१	३३/४३	५/१५	६/४५	१	१५	२३	मकरे	मघा.सिंहेबुधः१८।१८भा.श्रावणारंभः
२	शु	६	१७	ध	३२	५४	आ	१७	२०	ग	६	१७	४०	१६	४४	२	१६	२४	कुं.२।३५	भ.३५।१७उ.पुष्ये.शुक्रः३३।५६
३	श	४	१७	श	३२	३७	सौ	१३	२०	वि	४	१७	३८	१६	४४	३	१७	२५	कुम्भे	भ.४।१७या.चतुर्थीब्र.
४	र	१	३७	पू	३१	३१	शो	८	३८	बा	१	३७	३५	१७	४३	४	१८	२६	मी१६।४८	नाग५मरुस्थले
५	र	५६	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	चं	५४	१७	उ	२९	४७	अ	३/१८	५४/१४	ग	२६	१३	३३	१७	४३	५	१९	२७	मीने	भ.५४।१७उ.
७	मं	४९	४९	रे	२७	३१	धृ	५१	२०	वि	२२	३	३०	१८	४२	६	२०	२८	मे.२७।३१	भ.२२।३या.
८	बु	४४	५२	अ	२४	३३	शू	४४	३५	बा	१७	२१	२७	१९	४१	७	२१	२९	मेषे	[×वृश्चिकेगुरुः२४/९
९	गु	३९	२०	भ	२१	१५	गं	३७	४१	तै	१२	६	२४	१९	४१	८	२२	३०	वृ.३५।१७	आर्द्रा.भौमः३६।२४वक्रीज्येष्ठा.४×
१०	शु	३३	२२	कृ	१७	२३	वृ	३०	१५	व	६	२१	२२	२०	४०	९	२३	३१	वृषे	भ.६।२१उ.३३।२२या.
११	श	२६	५३	रो	१३	१६	ध्रु	२२	३२	व	०	७	१९	२०	४०	१०	२४	१	मि४०।५६	अगस्त८ता.३१कामिका११ब्र.
१२	र	२०	२५	मृ	८	३६	व्या	१४	३८	तै	२०	२५	१६	२१	३९	११	२५	२	मिथुने	पूफाबुधः४०।२७प्रदोषः
१३	चं	१४	२	आ	४	२०	ह	६/४३	५२/३५	व	१४	२	१३	२१	३९	१२	२६	३	क.४६।२०	भ.१४।२उ.४१।५या.आश्ले.रविः३१/४१
१४	मं	८	९	पु	०/१९	५६/४५	सि	५२	२३	श	८	९	१०	२२	३८	१३	२७	४	कर्के	आश्ले.रविःसौरः८।५४आश्ले.शुक्रः२४/४५
३०	बु	२	५८	श्ले	५४	५४	व्य	४६	२०	ना	२	५८	७	२३	३७	१४	२८	५	सिं५४।५४	हरियाली

१६पं.श्रा.कृ. ७मं.इ. २८/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	८	३	६	११	३
१०	४	७	०	८	१७	७	१०
५२	५७	०	८	४	३७	५०	१८
४१	१४	२	१३	५२	५२	५०	०
५७	४१	७३	४/१६	७४	१	३	५७
२०	४३	४८	व.	३८	२३	११	५

गोवर ग्रहाः

५बु मं३ के ६ शुसू४ २ श७ १ चं ८ १० २रा ९गु ११

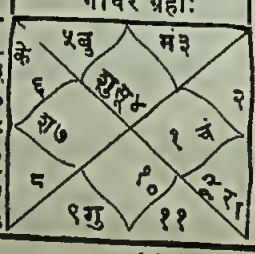

इसमासमें मिथुन का मंगल धान्य बाजरा मूंग जौ गेहूं चावल रुई कपास वारदाना में तेजी करे सोना चांदी मंदा हो।

गोचर ग्रहाः

५बु मं३ के ६ रशुचं ४ २ ७श २ गु८ १० १२रा ९ ११

१७पंश्रा.कृ.१४मं.इ.२८/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	७	३	६	११	३
१७	९	१४	२९	१६	१७	७	१६
३४	३९	५५	४२	४४	४८	२९	५७
२३	१४	१६	३६	३८	३६	३४	४७
५७	४१	५२	३/१४	७४	२	३	५७
२५	२६	५५	व	३८	२	११	१२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गण४८७०स२०४३
१	बु ५६ १० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	गु ५६ ५६ म ५४ १८ व ४१ २७ बा २८ ३	३३ ५	६	१५	२९	६	सिंहे		चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	शु ५६ ३५ पू ५५ २६ प ३७ ५५ तै २६ ४७	०	२४	३६	१६	१	७	सिंहे	रमजानऽतीज
४	श ५८ १० उ ५८ ३२ शि ३६ १ ब २७ २२	३३ ५७	२५	३५	१७	२	८	कं.११।१२	भ.२७।२२उ.५८।१०या.वरद४
५	र ६० ० ह ६० ० सि ३४ ५८ च २९ ४५	५४	२५	३५	१८	३	९	कन्यायां	नागपंचमी
५	चं १ २० ह ३ ५ सा ३५ ४२ बा १ २०	५०	२६	३४	१९	४	१०	तु.३६।१३	
६	मं ६ १६ चि ९ २२ शु ३७ १९ तै ६ १६	४७	२७	३३	२०	५	११	तुलायां	
७	बु ११ ४५ स्वा १६ १० शु ३९ २२ च ११ ४५	४४	२७	३३	२१	६	१२	तुलायां	भ.११।४५उ.४४।५५या.
८	गु १८ ४ वि २३ ४० ब्र ४१ ५४ ब १८ ४	४०	२८	३२	२२	७	१३	वृ.६।४७	
९	शु २४ ६ अ ३१ ६ ऐं ४४ १३ कौ २४ ६	३७	२९	३१	२३	८	१४	वृश्चिके	[-श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम् भद्रोत्तरम्
१०	श २९ ४३ ज्ये ३८ १० वै ४६ ४ ग २९ ४३	३३	२९	३१	२४	९	१५	ध.३८।१०	मघा.सिंहेशुक्रः१३।०
११	र ३४ ६ मू ४३ ५६ वि ४६ ५७ व १ ५४	३०	३०	३०	२५	१०	१६	धनुषि	भ.१।५४उ.३४।६या.पवित्रा११ब्र.
१२	चं ३६ ५६ पू ४८ २३ प्री ४६ ४९ च ५ ३१	२६	३१	२९	२६	११	१७	धनुषि	मघासिंहेऽर्कः२५।४३वक्रीवृषः२३।१९
१३	मं ३८ १४ उ ५१ ४ आ ४५ २६ कौ ७ ३५	२२	३२	२८	२७	१२	१८	म.६।४४	मघा.सिंहेऽर्कः सौरः६।१८प्रदोषः
१४	बु ३७ ५० श्र ५२ ९ सौ ४२ ३४ ग ७ २	१९	३२	२८	२८	१३	१९	मकरे	भ.५७उ.उभा.१राहुःउफा.३केतुः५४
१५	गु ३५ ५५ ध ५१ ५३ शो ३८ ३४ वि ६ ५२	१५	३३	२७	२९	१४	२०	कुं.२२।१	भ.६२या.पुन.भौमः५०मार्गीगुरुः३८-

१८पं.श्रा.शु.६मं.इ. २८ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	७	३	६	११	३
२४	१४	२०	२९	२५	१८	७	२३
१६	१८	२९	२५	२३	४	६	३८
४४	२५	५३	४१	१०	५	१८	५४
५७	४१	२६	१५	७४	२	३	५७
३३	१०	४५	व	३८	४१	११	२२

गोचर ग्रहः

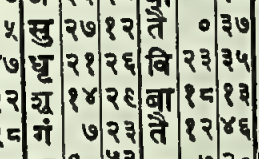

श्रावणशुक्ले १२चन्द्रे सिंहेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहः

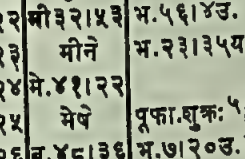

१९पं.श्रा.शु.१३मं.इ.३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	७	४	६	११	४
१	१८	२२	२९	४	१८	६	०
०	५३	५३	१८	२	२३	४४	२१
४	५६	५६	२९	४६	५३	३	७
५७	४०	५४	२३	७४	३	३	५७
४०	१०	व	व	३८	२६	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतुं रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु ३२ ४१ श ५० १७ अ ३३ ३८ बा ४ १८	३३ ५	६	२०	१५	२१	कुम्भे		
२	श २८ ३३ पू ४७ ५ सु २७ १२ ते ० ३७	१२ ३४	२६	३१	१६	२२	मी३२।५३		भ.५६।४उ.
३	र २३ ३५ उ ४४ ४७ धृ २१ २६ वि २३ ३५	८ ३४	२५	१	१७	२३	मीने		भ.२३।३५या.भा.भाद्रपदारंभः चतुर्थी
४	चं १८ १३ रे ४१ २२ शु १४ २९ बा १८ १३	४ ३५	२४	२	१८	२४	मे.४१।२२		
५	मं १२ ४६ अ ३७ ५८ गं ७ २३ ते १२ ४६	१ ३६ ३५ ३७	२३	३	१९	२५	मेषे		पूफा.शुक्रः ५६बुधास्तःपश्चिमायां ३७=
६	बु ७ २० भ ३४ २८ वृ २४ ४७ व ७ २०	५३	३७	२३	४	२०	२६	वृ.४८।३६	भ.७।२०उ.३४।३७या. [=चन्द्रषष्ठी
७	गु १ ५५ कृ ३१ १ च्या ४६ ११ ब १ ५५	४९	३८	२२	५	२१	२७	वृषे	जन्माष्टमी ब्र.
८	गु ५४ ५२ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	शु ५१ ३० रो २७ ४३ ह ३९ २० ते २४ ३८	४६	३९	२१	६	२२	२८	मि५६।७	गोगाऽ
१०	श ४६ ३५ मृ २४ ३२ व ३२ ३२ ब १९ २	४२	४०	२०	७	२३	२९	मिथुने	भ.१९।२३उ.४६।३५या.
११	र ४१ ५५ आ २१ ३८ सि २५ ५३ ब १४ १५	३८	४०	२०	८	२४	३०	मिथुने	अजा११ब्र.
१२	चं ३७ ५३ पु १९ २ व्य १९ ४३ कौ ९ ५४	३४	४१	१९	९	२५	३१	क.४।४१	पूफा.रविः ३५ (सौरः ५७ १०) वत्सद्वादशी
१३	मं ३४ २६ पु १७ १३ व १३ ५७ ग ६ १०	३०	४२	१८	१०	२६	१	कर्के	भ.३४।२६उ.सितम्बर९ला.३०प्रदोषः
१४	बु ३१ ४७ श्ले १६ २ प ८ ४२ वि ३ ६	२६	४३	१७	११	२७	२	सिं१६।२	भ.३।६या. [×३०मन्वादिः
३०	गु ३० ३१ म १६ ४ शि ४ २५ च १ ९	२२	४४	१६	१२	२८	३	सिंहे	वक्रीमघा वृषः ६ ३९ कुशाग्रहणीपिठोरी×

२०पं.भा.कृ.५मं.इ.२८।० २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	७	४	६	११	४
७	२३	२०	२९	१२	१८	६	७
४४	२६	५९	२०	४२	४८	२१	४
२८	४२	५६	६	३६	४	४७	३३
५७	४०	३३ ४९	५१	७४	३	३	५७
४९	१९	व	मा	३२	५१	११	४५

गोचर ग्रहः

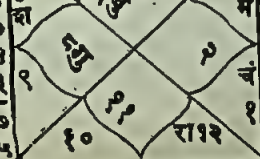

इसमासमें कृष्णपक्षमें धान्य गेहूं जौ चना चावल बाजरा आदि धातु सोना चांदी लोहा रुई वस्त्र मंदे होकर सुदीमें तेज हो

गोचर ग्रहः

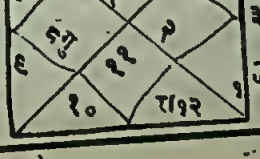

२१पं.भा.कृ.१३मं.इ. ३७ ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	७	४	६	११	४
१४	२७	१५	२९	२१	१९	५	१३
३०	५५	४	३०	२३	१६	५९	४९
४	४४	५२	५८	१३	५५	३२	४५
५८	३९	३३ ४२	२	७४	४	३	५७
१	५८	व	१	३२	३८	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१००)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५	वि.	उ. अ.	भा. मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८९९स. २०४३
१	शु ३० २५ पू १७ १२ सि ५६ ५८ किं ० २८ ३१ ५ ६ १३ २९	४	कं. ३२। ५३				कर्के भौमः ३४। २५
२	श ३२ ४ उ १९ ५६ शु ५७ ५७ बा १ १५ १५ ४५ १५ १४ ३०	५	कन्यायां				उफा. शुक्रः ४३। ४३ चन्द्रदर्शनम्
३	र ३५ १३ ह २४ ११ शु ५७ ४४ तै ३ ३८ ११ ४६ १४ १५ १	६	तु. ५६। ५७				सव्वाल १० हरितालिका ३
४	चं ३९ ५२ चि २९ ४४ ब्र ५८ ४६ व ७ ३२ ७ ४७ १३ १६ २	७	तुलायां				भ. ७। ३२ उ. ३९। ५२ या. गणेशचतुर्थी
५	मं ४५ ७ स्वा ३६ १८ ऐं ६० ० ष १२ २९ ३ ४७ १३ १७ ३	८	तुलायां				कन्यायां शुक्रः २४। ४६ ऋषिपंचमी
६	बु ५१ २३ वि ४३ ३८ ऐं ० ३१ कौ १८ १५ ३९ ४८ १२ १८ ४	९	वृ. २८। ४८				पुष्ये भौमः ५६। २७ पूर्वोदयी बुधः ३५। २४
७	गु ५७ ३८ अ ५१ १६ वै ३ ४ ग २४ ३० ५५ ४९ ११ १९ ५	१०	वृश्चिके				भ. ५७। ३८ उ. विशा. १ शनिः ४८। ३५
८	शु ६० ० ज्ये ५८ ४० वि ५ २५ वि ३० ३४ ५१ ५० १० २० ६	११	ध. ५८। ४०				भ. ३९ या. मार्गी बुधः २७ मूल. १ धनु. गुरुः ९
८	श ३ ३१ मू ६० ० प्री ७ ३७ ब ३ ३१ ४७ ५१ ९ २१ ७	१२	धनुषि				[-कन्यार्कः सौर. ७। १ अनंत १४=
९	र ८ ३३ मू ५ ४ आ ९ १३ कौ ८ ३३ ४३ ५१ ९ २२ ८	१३	धनुषि				उफा. रविः ५९। ५२ [=महालयारंभः
१०	चं ११ ५८ पू १० ८ सौ ९ ३६ ग ११ ५८ ३९ ५२ ८ २३ ९	१४	म. २६। ४				भ. ४२। ५२ उ. उफा. रविः सौर: ४१। ५०
११	मं १३ ४६ उ १३ ५० शो ८ ४७ वि १३ ४६ ३५ ५३ ७ २४ १०	१५	मकरे				भ. १३ या. जलझूलनी ११ व्र. वामनजयंती
१२	बु १३ २८ श्र १५ २८ अ ६ ३२ बा १३ २८ ३१ ५४ ६ २५ ११	१६	कुं. ४५। २३				हस्तेशुक्रः २७। ५६ प्रदोषः
१३	गु ११ २० ध १५ १७ सु ३ ४५ ५४ तै ११ २० २७ ५५ ५ २६ १२	१७	कुंभे				कन्यायामर्कः २५। १३
१४	शु ७ २३ श १३ २१ शू ५१ ४ व ७ २३ २२ ५६ ४ २७ १३	१८	मीं ५५। ४९				भ. ७ उ. ३४ या. ग्रस्तास्त खग्रा. चं. ग्रहणं-
१५	श २ ४ पू ९ ५८ गं ४३ २८ ब २ ४ १८ ५६ ४ २८ १४	१९	मीने				पूफा. बुधः १२। ४८ कु. संध्या. पूजनारंभः

२२पं.मा.शु.५मं.इ. २७ ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	७	५	६	११	४
२१	२	९	२९	०	१९	५	२०
१७	२१	५९	५०	३	४८	३७	३६
६	३२	१३	४६	४०	१८	१६	२५
५८	१९	३३	३	७४	४	३	५८
१६	३२	व	२६	२६	५९	११	१२

गोचर ग्रहाः

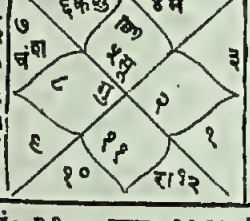

भाद्रपदशुक्ले १३ गुरौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४. न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

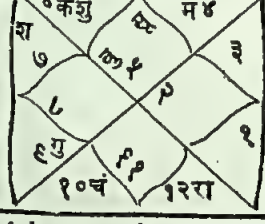

२३पं.भा.शु.११मं.इ. २७ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	८	५	६	११	४
२८	६	१०	०	८	२०	५	२७
५	४३	१५	१८	४५	२३	१५	२४
२८	४८	५४	५०	७	२८	०	४१
५८	३९	४	४	७४	५	३	५८
२६	१२	मा	३५	२६	२७	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५	वि.	उ.	अ.	भा. मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा
१	श ५३ ३४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र ४८ ३४ उ ५ २७ वृ ३५ १५ तै २२ ६	३०	५	६	२९	१५	२०	मीने
३	चं ४१ २२ रे ० १७	५४	५१	ध्रु	२६	३७	ब	१४ ५८	९ ५८	२	३०	१६	२१	मे. ०। १७
४	मं ३४ १२ भ ५० ३	व्या	१७	५८	ब	७	४७	५	५९	१	३१	१७	२२	मेषे
५	बु २७ ३० कृ ४५ १४ ह ९ ३५ कौ ० ५१	३०	६	०	१	१८	२३	वृ. ३। ५१
६	गु २१ ३० रो ४१ १३ व २१ ५२ व २१ ३०	२९	५	५९	२	१९	२४	वृषे
७	शु १६ २ मृ ३७ ५१ व्य ४६ ३३ ब १६ २	५३	२	५८	३	२०	२५	मि. ३२
८	श ११ २८ आ ३५ १९ व ४० १३ कौ ११ २८	४८	२	५८	४	२१	२६	मिथुने
९	र ७ ४० पु ३३ २८ प ३४ ४० ग ७ ४०	४४	३	५७	५	२२	२७	क. १८। ५६
१०	चं ४ ४९ पु ३२ ३६ णि २९ ४१ वि ४ ४९	४०	४	५६	६	२३	२८	कर्के
११	मं २ ४९ श्ले ३२ ३९ सि २५ २६ बा २ ४९	३६	५	५५	७	२४	२९	सिं ३२। ३९
१२	बु १ ४७ म ३३ ४१ सा २१ ५२ तै १ ४७	३२	६	५४	८	२५	३०	सिंहे
१३	गु १ ५२ पू ३५ ५० शु १९ २० व १ ५२	२८	६	५४	९	२६	१	कं. ५१। ३८
१४	शु २ ५० उ ३९ २ शु १७ ३३ श २ ५०	२३	७	५३	१०	२७	२	कन्यायां
३०	श ५ २३ ह ४३ २० ग्र १७ १ ना ५ २३	१९	८	५२	११	२८	३	कन्यायां

[×अक्टू. १० ता ३१ शस्त्राविहतानांश्रा
भ. १४। ५८ उ. ४१। २२ या.
शुक्रोदयः पश्चिमायां ३७। १२ चतुर्थीव्र.
भा. आश्विनारंभः.
भ. २१। ३० उ. ४८। ४६ या.
[+५३। १५ चित्राशुक्रः ११। ५४
मातृ ९ (सौभाग्यवतीनांश्रा.)
भ. ३६। १५ उ. हस्तेरविः ३६ उफा. बुधः +
भ. ४९ या. हस्तेरविः सौरः १९। ३१ ÷
कन्यायां बुधः ४७। ५ इंदिरा ११ व्र.
प्रदोषः [÷बुधास्तः पूर्वस्यां ३८। ११
भ. १ उ. ३३ या. आश्ले. भौमः ३४: ५८ ×
तुलायां शुक्र ३४। ४ ६ सर्वपितृ ३०
मातामह श्रा.

२४पं.आ.कृ.४मं.इ. ३७ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	८	५	६	११	५
४	११	१७	०	१७	२१	४	४
५५	२	५८	५५	२३	२	५२	१४
१९	२	४४	५५	५६	२	४५	४८
५८	३८	८५	५	७४	५	३	५८
२८	३८	५६	४४	२६	५०	११	४५

गोचर ग्रहाः

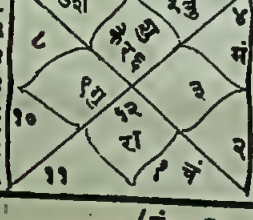

इसमासमें ५ रविवार अशुभ है प्रजा में रोग-शोक फैले । धान्य बाजरा गेहूं जौ चना धातु सोना चांदी तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

२५पं.आ.कृ.११मं.इ. २७ १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	८	५	६	११	५
११	१५	२९	१	२६	२१	४	११
४६	१५	२५	४०	७	४२	३०	६
५२	५८	१२	२३	४४	५८	२९	४५
५८	३८	५०	६	७४	६	३	५९
५३	०	२५	४०	२०	१६	११	०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९२९सन् २०४३

१	र	८	५३	चि	४८	५७	ऐं	१६	४५	व	८	५३	२९	५	५६	१२	२९	४	तु.१६।८
२	चं	१३	४६	स्वा	५५	१८	वै	१७	५०	कौ	१३	४६	११	१०	५०	१३	३०	५	तुलायां
३	मं	१९	१०	वि	६०	०	वि	१९	२५	ग	१९	१०	७	११	४९	१४	१	६	वृ.४५।४१
४	बु	२५	३२	वि	२	२८	प्री	२१	२३	वि	२५	३२	३	११	४९	१५	२	७	वृश्चिके
५	गु	३१	५०	अ	१०	१	आ	२३	३८	बा	३१	५०	२९	१२	४८	१६	३	८	वृश्चिके
६	शु	३८	१२	ज्ये	१७	४६	सौ	२६	२०	कौ	५	१	५५	१३	४७	१७	४	९	ध.१७।४६
७	श	४३	३८	मू	२४	५६	शो	२८	२०	ग	१०	५५	५१	१४	४६	१८	५	१०	धनुषि
८	र	४७	५८	पू	३०	५७	अ	२९	३५	वि	१५	४८	४७	१५	४५	१९	६	११	म.४७।११
९	चं	५०	४१	ल	३५	५३	सु	२९	५१	बा	१९	१९	४३	१५	४५	२०	७	१२	मकरे
१०	मं	५१	२६	अ	३८	५१	धृ	२८	४३	तै	२१	३	३९	१६	४४	२१	८	१३	मकरे
११	बु	५०	१२	ध	३९	५३	शू	२६	६	व	२०	४९	३५	१७	४३	२२	९	१४	कुं.९।२६
१२	गु	४६	४५	श	३८	५९	गं	२१	३९	ब	१८	२८	३१	१८	४२	२३	१०	१५	कुंभे
१३	शु	४१	३४	पू	३६	२	वृ	१५	४६	कौ	१४	१०	२७	१९	४१	२४	११	१६	मी२१।४६
१४	श	३४	४०	उ	३१	२२	ध्रु	१२	५३	ग	८	७	२३	१९	४१	२५	१२	१७	मीने
१५	र	२६	३७	रे	२५	२९	ह	५०	२	वि	०	३८	२०	२०	४०	२६	१३	१८	मे.२५।२९

नवरात्रारंभः
हस्तेबुधः १९।२चंद्रदर्शनम्
भ.५२।२१उ.जिल्काद११
भ.२५।३२या.स्वात्यांशुक्रः५६।२९ [=स्मा.कोजागरीव्र.
ध.१७।४६
भ.४३।३८उ.
म.४७।११ भ.$\frac{५}{४८}$या.चित्रा.रविः$\frac{१}{३९}$सौरः५०।५
चित्रा.बुधः$\frac{५१}{३}$मूल२गुरुः$\frac{२}{५८}$विशा.२ ÷ [÷शनिः१०।१८
भ.२०।४९उ.$\frac{५१}{३}$या.पापांकुशा११व्र.
[×शुक्रः$\frac{४९}{३}$शरद्पूर्णिमाबै.का.स्ना.प्रा.
तुलायांबुधः३६।४४प्रदोषः
भ.$\frac{३४}{०}$उ.तुलायामर्कः$\frac{५४}{२०}$शरद्पूर्णिमा =
भ.$\frac{३८}{०}$या.तुलार्कःसौरः३२।४९विशा.×

२६पं.आ.शु.३मं.इ. $\frac{२७}{०}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	६	६	११	५
१८	१९	२२	२	४	२२	४	१८
४०	२५	५५	३१	४९	२६	८	००
५	२६	१९	२३	२६	१३	१४	३२
५९	३७	$\frac{०}{०}$	७	७४	६	३	५९
९	२५	$\frac{४४}{०}$	४५	१४	३२	११	१६

आश्विनशुक्ले १४शनौ
तुलायामर्कःप्रविष्टः
वा.३ न.४ वृद्धावस्था
(बैठी)मु.३० धान्या-
दिभावेसमता
शुक्रोदयःपश्चिमायां

२७पं.आ.शु.१०मं.इ. $\frac{२६}{६}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	६	६	११	५
२५	२३	२४	३	१३	२३	३	२४
३४	३०	२३	२९	३०	११	४५	५६
५९	५४	३८	४२	६	२४	५८	१४
५९	३६	$\frac{००}{०}$	८	७४	६	३	५९
२१	५१	$\frac{३०}{०}$	४४	८	४४	११	३१

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५ | दि. | उ. | अ. | भा. | मु. | इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽआश्विनकृष्णेतिमहा.

१	चं	१८	२	अ	१८	४७	व	४०	२	कौ	१८	२	२९	६	५	२७	१४	१९	मेषे
२	मं	९	१०	भ	११	५८	सि	२९	५५	ग	९	१०	१२	२२	३८	२८	१५	२०	वृ.२५।१७
३	बु	०	३४	कृ	१५	५४	व्य	१९	५६	वि	०	३४	८	२२	३८	२९	१६	२१	वृषे
४	बु	५२	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
५	गु	४५	४२	मृ	५४	४	व	१०	४१	कौ	१९	१२	४	२३	३७	३०	१७	२२	मि२६।३८
६	शु	४०	१	आ	५०	६	प	४३	५२	ग	१२	५१	०	२४	३६	१	१८	२३	मिथुने
७	श	३५	३५	पु	४७	३२	सि	४७	४४	वि	७	४८	२८	२५	३५	२	१९	२४	भ.४०।१उ.भा.कार्तिकारंभः
८	र	३२	४५	पु	४६	२१	सा	४२	१५	बा	४	१०	५३	२५	३५	३	२०	२५	भ.$\frac{४८}{०}$या.स्वात्यांरविः३६।२३
९	चं	३१	८	श्ले	४६	३२	शु	३८	१	तै	१	५६	४९	२६	३४	४	२१	२६	स्वात्यांरविःसौरः$\frac{५३}{०}$मघासिंहेभौमः२५
१०	मं	३०	५३	म	४८	४	शु	३४	४६	व	१	०	४५	२७	३३	५	२२	२७	बृश्चिकेशुक्रः४३।५६
११	बु	३२	२	पू	५०	५४	ब्र	३२	४१	ब	१	२७	४१	२८	३२	६	२३	२८	सिंहे
१२	गु	३४	१०	उ	५४	५०	ऐं	३१	२५	कौ	३	६	२७	२९	३१	७	२४	२९	भ.$\frac{१}{०}$उ $\frac{५३}{०}$या.अस्तंशनैः४५।५७
१३	शु	३७	४४	ह	५९	४४	वै	३१	२८	ग	५	५७	३४	२९	३१	८	२५	३०	सिंहे
१४	श	४२	१	चि	६०	०	वि	३१	४०	वि	९	५२	३०	३०	३०	९	२६	३१	विशा.बुधः५५।३१रमा११व्र.
३०	र	४७	२८	चि	५	३५	प्री	३२	५०	च	१४	४४	२७	३१	२९	१०	२७	१	तुलायां

अनु.शुक्रः२६।१४
भ.३७।४४उ.प्रदोष धन१३
भ.९।५२या.रूप१४
मूल३गुरु$\frac{३८}{०}$नवम्बर११ता.३० ×

२८पं.का.कृ.२मं.इ. $\frac{२६}{४६}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	८	६	६	११	६
२	२७	६	४	२२	२३	३	१
३१	३१	१२	३४	११	५८	२३	५३
२३	१६	४०	१६	४२	२३	४२	३७
५९	३६	$\frac{००}{०}$	९	७४	७	३	५९
२४	३०	$\frac{१३}{०}$	३४	२	२	११	४६

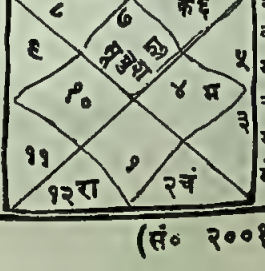

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन धान्य गल्ला गुड़ सक्कर चीनी चावल वस्त्र रुई कपास वारदाना में तेजी हो।

२९पं.का.कृ.१०मं.इ. $\frac{३६}{३५}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	७	६	११	६
९	१	१७	५	०	२४	३	८
२९	२१	३१	४४	५२	४६	१	५२
३८	३२	४८	३५	३४	३७	२७	५७
५९	३५	९९	१०	७३	७	३	६०
४०	४०	५९	१८	५६	८	११	२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

तिं. कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५ | वि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६५८स.२०४३

१	चं	५३	१०	स्वा	१२	२६	आ	३४	२६	कि	२०	१६	२३	३१	२९	११	२८	२	तुलायां	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा
२	मं	५६	२६	वि	१६	३०	सा	३६	२६	बा	२६	१६	१९	३२	२८	१२	२६	३	वृ.२।४४	चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	बु	६०	०	अ	२६	५८	शो	३८	४६	तै	३२	४४	१६	३३	२७	१३	१	४	वृश्चिके	वृश्चिकेबुधः२४।३३जित्हेज१२
३	गु	५	५६	ज्ये	३४	३९	अ	४०	५६	ग	५	५६	१२	३४	२६	१४	२	५	ध.३४।३६	भ.३३उ.पश्चिमोदयीबुधः६।५१
४	शु	१२	२८	मू	४२	११	सु	४३	१७	वि	१२	२८	९	३४	२६	१५	३	६	धनुषि	भ.२८या.विशा.रविः५३अनु.बुधः२९
५	श	१८	१०	पू	४८	५५	धृ	४५	६	बा	१८	१०	५	३५	२५	१६	४	७	धनुषि	विशा.रविःसौरः३१।१६
६	र	२३	७	उ	५४	४१	शू	४६	८	तै	२३	७	२	३६	२४	१७	५	८	म.५।२१	
७	चं	२६	४५	श्र	५६	५	गं	४६	७	व	२६	४५	२६	३६	२४	१८	६	९	मकरे	भ.५५उ.५५या.ज्येष्ठा.शुक्रः६।१४
८	मं	२८	४४	ध	६०	०	बृ	४४	४४	ब	२८	४४	५५	३७	२३	१९	७	१०	कुं.३०।२३	गोपाष्टमी
९	बु	२८	५२	ध	१	४१	धु	४१	५०	कौ	२८	५२	५२	३८	२२	२०	८	११	कुम्भे	कुष्मांडनवमीअक्षयनवमी
१०	गु	२६	५८	श	२	२६	ब्या	३७	२२	ग	२६	५८	४९	३८	२२	२१	९	१२	मीने४५।४७	भ.५५उ.विशा.३शनिः२१।५०
११	शु	२३	७	पू	१४	५७	ह	३१	१६	वि	२३	७	४५	३९	२१	२२	१०	१३	मीने	भ.३३या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१२	श	१७	८	रे	५३	८	व	२३	३३	बा	१७	८	४२	४०	२०	२३	११	१४	मे.५३।८	प्रदोषः
१३	र	९	४१	अ	४६	४६	सि	१४	३७	तै	९	४१	३९	४०	२०	२४	१२	१५	मेषे	ज्येष्ठा.बुधः४३।३६बैकुंठ १४
१४	चं	०	५५	भ	३९	२२	व्य	३७	४९	ब	०	५५	३६	४१	१९	२५	१३	१६	वृ.५२।२५	भ.०।५५उ.२६।७या. वृश्चिकेऽर्कः =
१५	चं	५०	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=५३मन्वादिःका.स्ना.पू.

३०पं.का.शु.२मं.इ. २६ २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	७	६	११	६
१६	५	२८	६	९	२५	२	१५
२९	१३	२६	५९	३३	३५	३९	५४
२०	५९	४९	४९	४३	५३	११	१
६०	३४	९६	१०	७३	७	३	६०
४	५२	८	५८	५६	१४	११	१८

गोचर ग्रहाः

कार्तिकशुक्ले१४ चन्द्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न ४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयःपश्चिमे।

गोचर ग्रहाः

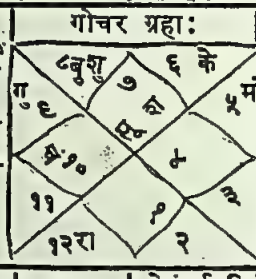

३१पं.का.शु.८मं.इ. २६ २२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	८	७	६	११	६
२३	८	८	८	१८	२६	२	२२
३०	५६	५८	१९	१४	२५	१६	५६
४०	२४	४१	३७	३५	५२	५६	३२
६०	३४	९१	११	७३	७	३	६०
१७	१३	४०	३५	४४	२०	११	३०

तिं.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५	दि. उ. अ. भा. मु. इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा

१	मं	४१	३२	कृ	३१	३३	प	४२	४६	बा	१६	२६	२६	३३	१९	२६	१४	१७	वृषे	वृश्चिकेऽर्कःसौर:२५।३३
२	बु	३२	११	रो	२३	५०	शि	३१	५६	तै	६	५१	३०	४२	१८	२७	१५	१८	मि५०।१५	भ.५७उ.पूफा.भौमः५६मूल४गुरुः४९
३	गु	२३	१५	मृ	१६	३९	सि	२१	२६	वि	२३	१५	२७	४३	१७	२८	१६	१९	मिथुने	भ.३५या.मलेघनुषिशुक्रः५६चतुर्थीव्र.
४	शु	१५	४५	आ	१०	३९	सा	११	५३	बा	१५	४५	२५	४३	१७	२९	१७	२०	क.५२।१३	अनु.रविः११।१७सौरः४२।२१
५	श	९	३८	पु	६	४	शु	२८	५३	तै	९	३८	२२	४४	१६	३०	१८	२१	ककें	
६	र	५	३१	पु	३	१३	बृ	५०	४१	व	५	३१	१९	४४	१६	१	१९	२२	ककें	भ.५।३१उ.३४।१६या.पातस्पर्शः५४ ÷
७	चं	३	२	श्ले	१	५९	ऐं	४६	४१	व	३	२	१७	४५	१५	२	२०	२३	सि१।५९	[÷पातमोक्षः५८भा.मार्गशीर्षारंभः
८	मं	२	३४	म	२	४९	वे	४४	६	को	२	३४	१४	४५	१५	३	२१	२४	सिंहे	
९	बु	३	४९	पू	५	२२	वि	४२	४३	ग	३	४९	१२	४६	१४	४	२२	२५	कं.२१।२०	भ.३५उ.मूलेघनुषिबुधः३९।५५
१०	गु	६	२०	उ	९	१३	प्री	४२	४०	वि	६	२०	९	४६	१४	५	२३	२६	कन्यायां	भ.६।२०या.
११	शु	१०	३२	ह	१४	३९	आ	४३	१४	बा	१०	३२	७	४७	१३	६	२४	२७	तु.४७।४५	उत्पत्ति११व्र.
१२	श	१५	३३	चि	२०	५०	सो	४४	३४	तै	१५	३३	५	४७	१३	७	२५	२८	तुलायां	प्रदोषः
१३	र	२१	४०	स्वा	२७	५८	शो	४६	३१	व	२१	४०	२	४८	१२	८	२६	२९	तुलायां	भ.२१।४०उ.५४।३७या.
१४	चं	२७	३४	वि	३५	१०	अ	४८	३५	श	२७	३४	०	४८	१२	९	२७	३०	वृ.१८।२२	पूषा.शुक्रः४०।९उदयंशनेः३३।१०
३०	मं	३४	११	अ	४२	५८	सु	५०	५५	च	०	५२	२५	४८	१२	१०	२८	१	वृश्चिके	दिसम्बर१२ता.३१

३२पं.मा.कृ.१मं.इ. २५ ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	८	७	६	११	७
०	१२	१९	९	२६	२७	१	००
३३	३०	४	४३	५५	१६	५४	००
२२	२५	५९	१	१२	८	४०	२६
६०	३६	८४	१२	७३	७	३	६०
३०	८	५९	८	३२	२०	११	४०

३३पं.मा.कृ.८मं.इ. २५ ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	८	८	६	११	७
७	१५	२८	११	५	२८	१	७
३७	५४	२७	९	२९	६	३२	६
१६	०	५८	२९	२	४	२४	९
६०	३१	७४	१२	७३	७	३	६०
४२	५२	२८	२९	२०	१४	११	५३

३४पं.मा.कृ.३०मं.इ. २५ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	८	६	११	७
१४	१९	६	१२	१४	२८	१	१४
४२	९	१५	३९	१५	५५	१०	१२
२९	४०	४७	३९	२५	२६	९	५५
६०	३०	६५	१२	७३	७	३	६१
५०	४३	००	५६	१४	८	११	३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९८८स.२०४३
१	बु	४०	२८	ज्ये	५०	१३	धृ	५३	८	किं	७	२०	२५/५६	६/४९	५/११	११	२९	२	ध.५०।१३	
२	गु	४६	४५	मू	५७	३७	शू	५५	१६	बा	१३	३६	५४	४९	११	१२	३०	३	धनुषि	ज्येष्ठा.रविः२१/२८सौरः५०/१५चंद्रदर्शनम्
३	शु	५२	२०	पू	६०	०	गं	५६	५१	तै	१९	३२	५३	४९	११	१३	१	४	धनुषि	पूषा१गुरुः३२/२८मोहोरम१सन्१४६६हि.
४	श	५७	१६	पू	४	१९	वृ	५७	४६	व	२४	४८	५१	५०	१०	१४	२	५	म.२०।४८	भ.२४।४८उ.५७।१६या.
५	र	६०	०	उ	१०	१६	ध्रु	५८	१७	ब	२९	१६	४९	५०	१०	१५	३	६	मकरे	
५	चं	१	१६	श्र	१५	२२	व्या	५७	४९	बा	१	१६	४८	५०	१०	१६	४	७	कुं.४७।१६	[=मोक्षदा११व्र.स्मा.गीताजयंती
६	मं	३	४९	ध	१९	१०	ह	५६	१	तै	३	४९	४६	५१	९	१७	५	८	कुंभे	वक्रीबुधः४३।२५चंपा६
७	बु	४/४	५५/२८	श	२१	२०	व	५३	०	व	४	५५	४५	५१	९	१८	६	९	कुंभे	भ.४।५५उ.३४।४१या.
८	गु	२	११	पू	२१	५६	सि	४८	३४	ब	४	२८	४४	५१	९	१९	७	१०	मी६।४७	विशा.४वृश्चिकेशनिः४५।२८
९/१०	शु	५५	५५	उ	२०	४७	व्य	४२	४७	कौ	२	११	४३	५१	९	२०	८	११	मीने	उषा.शुक्रः३१.२५
११	श	५२	१७	रे	१७	४७	व	३५	२८	व	२५	११	४२	५२	८	२१	९	१२	मे.१७।४७	भ.२५/११उ.५२/१७या.बुधास्तःपश्चिमायां५१/३०=
१२	र	४४	५८	अ	१३	८	प	२६	५६	ब	१८	३७	४१	५२	८	२२	१०	१३	मेषे	मोक्षदा११व्र.वै.
१३	चं	३६	२७	भ	७	१०	शि	१७	१३	कौ	१०	४२	४०	५२	८	२३	११	१४	वृ.२०।२६	मकरेशुक्रः१४।४०प्रदोषः
१४	मं	२६	५९	कृ	०/१४	५२/१२	सि	६/३८	४८/५६	ग	१	४३	३९	५२	८	२४	१२	१५	वृषे	भ.२६।५९उ.५२।६या दत्तजयंती
१५	बु	१७	१३	मृ	४४	३२	शु	४४	२८	ब	१७	१३	३९	५२	८	२५	१३	१६	मि१८।२९	मूलेधनुष्यर्कः२८।४३सौरः५४।५

३५पं.मा.शु ६मं.इ. २५/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	८	६	११	७
२१	२२	९	१४	२२	२९	०	२१
४८	१३	५७	१२	५३	४३	४७	२०
३२	२६	५४	७	५६	३७	५३	३५
६१	२९	३	१३	७२	७	३	६१
५६	५	४४	१४	५६	१	११	११

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षशुक्ले१५बुधे धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा ३ न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

३६पं.मा.शु.१४मं.इ. २५/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	९	७	११	७
२८	२५	५	१५	१	०	०	२८
५५	७	४६	४६	२५	३०	२५	२९
२६	१	१२	१९	३०	७	३८	१८
६१	२७	८३/१	१३	७२	६	३	६१
०	२०	व	२६	४२	४४	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा
१	गु	७	३४	आ	३७	१	शु	३३	३७	कौ	७	३४	२५/३८	६/५२	५/८	२६	१४	१७	मिथुने	
२	गु	५१	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	शु	५१	५	पु	३०	३२	ब्र	२३	४१	व	२४	५६	३८	५२	८	२७	१५	१८	क.१७।९	भ.२४।५६उ.५१।५या.
४	श	४५	१२	पु	२५	४४	ऐं	१४	५०	ब	१८	८	३७	५३	७	२८	१६	१९	कर्के	उफा.भौमः५७/५३पूषा२गुरुः३८/२६चतुर्थीव्र.
५	र	४१	१०	श्ले	२२	४४	वै	७	२६	कौ	१३	११	३७	५३	७	२९	१७	२०	सिं२२।४४	वक्रीज्येष्ठा.वृश्चिकेबुधः३।५८
६	चं	३९	२०	म	२१	३२	वि	१/२९	५५/५१	ग	१०	१५	३६	५३	७	३०	१८	२१	सिंहे	भ.३९।२०उ.
७	मं	३९	४३	पू	२२	३२	आ	५४	५५	वि	९	३१	३६	५३	७	१	१९	२२	कं.३८।१५	भ.९/३१या.श्रवणेशुक्रः१८/३७भा.पौषारंभः
८	बु	४१	४४	उ	२५	२५	सौ	५४	१	बा	१०	४४	३६	५३	७	२	२०	२३	कन्यायां	पूभा.३राहु उफा१केतुः३०।४
९	गु	४५	४३	ह	३०	१७	शो	५४	२३	तै	१३	४३	३६	५३	७	३	२१	२४	कन्यायां	पूर्वोदयीबुधः८।१५
१०	शु	५०	४९	चि	३६	१९	अ	५५	३२	व	१८	१६	३७	५३	७	४	२२	२५	तु.३।१८	भ १८।१६उ.५०।४९या.
११	श	५७	१०	स्वा	४३	३५	सु	५७	३०	ब	२४	०	३७	५३	७	५	२३	२६	तुलायां	अस्तंगुरोः३३।३६सफला११व्र.
१२	र	६०	०	वि	५०	५५	धृ	५९	४३	कौ	३०	१४	३७	५३	७	६	२४	२७	वृ.३४।५	
१२	चं	३	२९	अ	५८	४०	शू	६०	०	तै	३	२९	३८	५२	८	७	२५	२८	वृश्चिके	मार्गीबुधः५७।२७प्रदोषः
१३	मं	१०	१४	ज्ये	६०	०	शू	२	८	व	१०	१४	३८	५२	८	८	२६	२९	वृश्चिके	भ.१०/१४उ.४३/२०या.पूषा.रविः३४/४६सौरः५५/४३+
१४	बु	१६	२७	ज्ये	६	९	गं	४	२०	श	१६	२७	३९	५२	८	९	२७	३०	ध.६।९	[+कन्यायांभौमः२९।५३
३०	गु	२२	२८	मू	१३	१६	बृ	६	१५	ना	२२	२८	४०	५२	८	१०	२८	३१	धनुषि	

३७पं.पौ.कृ.७मं.इ. २५/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	८	९	७	११	८
६	२७	२६	१७	१०	१	०	५
३	४१	५९	२२	७	१५	३	३८
०	६	५३	५	४४	१४	२२	४३
६१	२४	७६/३७	१३	७२	६	३	६१
४	५५	व.	३२	२४	२६	११	२२

गोचर ग्रहाः

इस मास में सोना चांदी लोहा रुई रंग सूत कपास वस्त्र वारदाना में तेजी हो धान्य गल्ला बाजरा मूंग मोठ मंदे हो।

गोचर ग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.१३मं.इ. २४/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	८	९	७	१०	८
१३	२९	२३	१८	१८	१	२९	१२
१०	५८	३२	५९	४१	५८	४१	४८
५९	८	२०	६	५६	२६	६	३५
६१	२२	५/२१	१३	७२	६	३	६१
६	१८	मा	३८	२	१४	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २१००शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०१८स२०४४
१	शु २७ ३२ पू १९ ३५ ध्रु ७ ३८ ब २७ ३२	३५	५६	५	११	२९	१	म.३५।५९	जनवरी१ता.३१सन्२०४४
२	श ३१ ५२ उ २५ ११ व्या ८ १५ कौ ३१ ५२	४२	५२	८	१२	३०	२	मकरे	धनि.शुक्रः५०पूषा३गुरु४३चंद्रदर्शनम्
३	र ३५ १६ श्र ३० १ ह ८ १७ तै ३ ३४	४३	५१	९	१३	१	३	मकरे	सफर२
४	चं ३७ ३२ ध ३३ ४० व ७ २९ व ६ २४	४४	५१	९	१४	२	४	कुं.१।५१	भ.६।२४उ.३७।३२या.
५	मं ३८ ३२ श ३६ १६ सि ५ ५६ ब ८ २	४५	५१	९	१५	३	५	कुंभे	
६	बु ३८ २५ पू ३७ ३८ व्य ३ ४१ कौ ८ २८	४७	५१	९	१६	४	६	मी२२।१७	
७	गु ३७ ८ उ ३७ ४६ व ९ २४ ग ७ ४६	४८	५०	१०	१७	५	७	मीने	भ.३७।८उ.कुंभेशुक्रः४४।३४
८	शु ३४ २३ रे ३६ ३१ शि ४९ ५३ वि ५ ४५	५०	५०	१०	१८	६	८	मे.३६।३१	भ.५।४५या.मूलेघनुषिबुधः३६।३८
९	श ३० १९ अ ३४ २ सि ४३ २ बा २ २१	५२	५०	१०	१९	७	९	मेषे	
१०	र २५ १ भ ३० १३ सा ३५ २१ ग २५ १	५३	४९	११	२०	८	१०	वृ.४३।५७	भ.५१।३८उ.
११	चं १८ १६ कृ २५ ८ शु २६ ३४ वि १८ १६	५५	४९	११	२१	९	११	वृषे	भ.१९या.उषा.रविः३९सौरः५७पुत्रदा÷
१२	मं १० ३४ रो १८ ५३ शु १६ ५९ बा १० ३४	५७	४९	११	२२	१०	१२	मि४५।३१	प्रदोषः [÷११ब्र.
१३	बु २ १६ मृ १२ ८ ब्र ४८ ४९ तै २ १६	५९	४८	१२	२३	११	१३	मिथुने	भ.५३उ.शतेशुक्रः३३अनु.१शनिः११
१४	बु ५० ५७ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	१४	० ०	
१५	गु ४४ ३६ आ ५५ ५३ वै ४६ १३ वि १८ ५४	२६	४८	१२	२४	१२	१४	क.४५।१७	भ.१९या.मकरेऽर्कः५४मा.स्ना.प्रा.

३९पं.पौ.शु.५मं.इ. २४ ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	८	९	७	१०	८
२०	१	१७	२०	२७	२	२९	१९
१९	५५	२३	३९	१२	३८	१८	५८
५	३४	२	४७	५८	३५	५१	३२
६१	१९	४८	१३	७१	५	३	६१
६	११	३४	३८	४२	५०	११	२६

पौष शुक्ले १५ गुरौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्या-दिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमे ।

४०पं.पौ.शु.१२मं.इ. २४ ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	८	१०	७	१०	८
२७	३	४	२२	५	३	२८	२७
२७	२९	५०	१४	४१	१५	५६	८
७	१०	३५	३१	४६	५०	३५	२४
६१	१५	६९	१३	७१	५	३	६१
६	११	२१	३८	१८	२२	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु ३६ २७ पु ५२ ४७ वि ३६ ४१ बा १० ३१	२६	४७	६	१३	२५	१३	१५	कर्के	मकरेऽर्कः सौरः १२।३७
२	श २९ ४७ श्ले ४८ ७ प्री २८ ६ तै ३ ७	६	४७	१३	२६	१४	१६	सिं४८।७	भ.५७।१०उ.
३	र २४ ३४ म ४५ १६ आ २० ४४ वि २४ ३४	८	४६	१४	२७	१५	१७	सिंहे	भ.३४या.पूषा.४गुरुः३।०चतुर्थीब्र.
४	चं २१ १० पू ४४ २६ सौ १५ ६ बा २१ १०	११	४६	१४	२८	१६	१८	कं.५९।४८	
५	मं २० १३ उ ४५ ५३ शो ११ १ तै २० १३	१३	४५	१५	२९	१७	१९	कन्यायां	पूषा.बुधः६।५५
६	बु २१ ८ ह ४९ १९ अ ८ ३७ व २१ ८	१६	४५	१५	३०	१८	२०	कन्यायां	भ.२१।८उ.५२।४२या.
७	गु २४ १६ चि ५४ २४ सु ८ १० ब २४ १६	१९	४४	१६	१	१९	२१	तु.२१।५२	अभि.प्र.रविः३९सौरः४८उदयंगुरोः =
८	शु २८ ५३ स्वा ६० ० धृ ८ २५ कौ २८ ५३	२१	४४	१६	२	२०	२२	तुलायां	[=५१।३६भा.माघारंभः
९	श ३५ ३ स्वा ० ५७ शू १० ० तै १ ५८	२४	४३	१३	३	२१	२३	वृ.५१।२७	
१०	र ४२ १५ वि ८ १७ गं १२ ६ व ८ ३९	२७	४३	१७	४	२२	२४	वृश्चिके	भ.३९उ.४२या.श्रवणेरविः४४सौरः५९+
११	चं ४८ १ अ १५ ५३ बृ १४ २६ ब १५ ८	२९	४२	१८	५	२३	२५	वृश्चिके	अभि.नि.रविः३६सौरः५१षट्तिला११ब्र
१२	मं ५४ १७ ज्ये २३ २९ धु १६ ३६ कौ २१ ९	३२	४२	१८	६	२४	२६	ध.२३।२९	[+पूभा.शुक्रः१८।३२
१३	बु ६० ० मू ३० ३९ ध्या १८ ३७ ग २७ १०	३५	४१	१९	७	२५	२७	धनुषि	प्रदोषः
१३	गु ० ३ पू ३६ ५५ ह १९ ५३ व ० ३	३८	४०	२०	८	२६	२८	म.५३।११	भ.०।३उ.३२।१७या.उषा.बुधः १९।३४
१४	शु ४ ३२ उ ४१ ५८ व २० २२ श ४ ३२	४१	४०	२०	९	२७	२९	मकरे	
३०	श ८ १३ श्र ४६ १५ सि २० ० ना ८ १३	४५	३९	२१	१०	२८	३०	मकरे	मकरेबुधः४२।४३

४१पं.मा.कृ.५मं.इ. २४ ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	८	१०	७	१०	९
४	४	१३	२३	३४	३	२८	४
३४	३५	४४	५१	७	५०	३४	१७
५९	३८	२०	५८	८	१०	२०	५३
६१	१०	८२	१३	७०	४	३	६१
३	२६	४	३२	४७	५२	११	१९

इस मासमें कृष्ण पक्ष की तिथि वृद्धि व शुक्ल पक्ष की तिथि क्षय धान्य बाजरा मूंग मोठ धातु सोना चांदी वस्त्रों में तेजी करे ।

४२पं.मा.कृ.१२मं.इ. २४ ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	८	१०	७	१०	९
११	५	२३	२५	२२	४	२८	११
४२	१२	४७	२८	२७	२१	१२	२६
२९	२५	१०	५	५०	४	४	४४
६०	४	९०	१३	७०	४	३	६१
५९	४२	२०	२६	११	२३	११	१३

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५	दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०४८स.२०४४
१	र १६ ३० ध ४६ ५ व्य १८ ३६ ब १० ३०	३६	३६	२२	११	२६	३१	कुं.१७।४०	वक्रीभौमः ३१ उषा १ गुरुः ४५ चन्द्रदर्शनम्
२	चं ११ ४८ श ५० ५७ व १६ २८ कौ ११ ४८	५१	३८	२२	१२	१	१	कुंभे	मीनेशुक्रः ४७ रविलावल ३ फर्वरी २ता २६
३	मं ११ ५० पू ५१ ४६ प १३ २६ ग १० ५०	५४	३७	२३	१३	२	२	मी३६।३४	भ.४१।२५उ.
४	बु १० ५६ उ ५२ ८ शि ६ ३५ वि १० ५६	५८	३६	२४	१४	३	३	मीने	भ.१०।५६या.
५	गु शु ६ १८ रे ५१ ५ सि ५ १३ बा ६ १८	२७	३६	२४	१५	४	४	मि.५१।५	उभा.शुक्र ४० बुधास्तःपूर्वस्यां ५ वसंत५
६	शु ६ ३६ अ ४६ २० सा ४ ५४ तै ६ ३६	५	३५	२५	१६	५	५	मेषे	श्रवणेबुधः ५४ पातस्पर्शः २६ पातमोक्षः ३७
७	श ३ ११ भ ४६ ५० शु ४७ ४१ व ३ १३	८	३४	२६	१७	६	६	मेषे	भ.१६ उ.३१ या.धनि.रविः५२ भानु७ ×
८	श ५५ ४४ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	००	[×रथ७भीष्माष्टमी
९	र ५३ ५० कृ ४३ २९ ब्र ४० ३४ बा २६ २२	१२	३४	२६	१८	७	७	वृ.१।०	धनि.रविःसौर:५।४४
१०	चं ४८ २ रो ३८ २३ ऐं ३२ ४१ तै २० ५६	१५	३३	२७	१९	८	८	वृषे	
११	मं ४१ ३६ मृ ३४ ४४ वै २४ २२ व १४ ४९	१९	३२	२८	२०	९	९	मि६।३४	भ.१४ उ.४१ या.जया११त्र
१२	बु ३४ २५ आ २९ ३० वि १५ २९ ब ८ ०	२३	३१	२९	२१	१०	१०	मिथुने	
१३	गु २७ २१ पु २४ ८ प्री ४३ ५१ कौ ० ५३	२७	३१	२९	२२	११	११	क.१०।२९	प्रदोषः
१४	शु २० १५ पु १८ ५५ सौ ४९ २९ व २० १५	३०	३०	३०	२३	१२	१२	कर्के	भ.३५ उ.४७ या.
१५	श १३ ५९ श्ले १४ ४० शो ४२ ३ व १३ ५९	३४	२९	३१	२४	१३	१३	सिं१४।४०	कुंभेऽर्कः ३७ सौरः ३९ मा.स्ना.पूर्ति.

४३पं.मा.शु.३मं.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	८	११	७	१०	९
१८	५	४	२७	०	४	२७	१८
४९	१६	२१	३	४३	४६	४९	३४
१	४४	५८	०	४४	३७	४८	५२
६०	४	९६	१३	६९	३	३	६१
५५	व	५५	१६	२४	४१	११	४

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले १५ शनौ कुंभेऽर्क प्रविष्टः वा. ३ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमे।

गोचर ग्रहाः

४४पं.मा.श.११मं.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	८	११	७	१०	९
२५	४	१५	२८	८	५	२७	२५
५४	४५	३३	३६	५२	८	२७	४१
५०	५८	३२	४०	३७	२३	३३	२९
६०	२८	९८	१२	६८	३	३	६०
४७	व	५२	५६	४०	४	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा..
१	र ८ ४० म ११ १६ अ ३५ ३८ कौ ८ ४०	३७	३८	२६	३२	२५	१४	१४	सिंहे	धनि.बुधः१०।१७
२	चं ५ २ पू ९ ३० सु ३० ३८ ग ५ २	४१	२८	३२	२६	१५	१५	कं.२४।३३	भ.३६ उ.उषा.२मकरेगुरुः४९।४३
३	मं ३ ११ उ ९ ४१ धृ २७ ७ वि ३ ११	४५	२७	३३	२७	१६	१६	कन्यायां	भ.६ या.रेवत्यांशुक्रः१३।४१चतुर्थीत्र.
४	बु ३ २ ह ११ ४६ शू २५ २९ बा ३ २	४९	२६	३४	२८	१७	१७	तु.४३।३८	कुंभेबुधः५२ पातस्पर्शः ३६ पातमोक्षः ४७ ३२
५	गु ५ १३ चि १५ ३१ गं २४ ४० तै ५ १३	५३	२५	३५	२९	१८	१८	तुलायां	
६	शु ९ ४ स्वा २१ १ बृ २५ २८ व ९ ४	५६	२५	३५	३०	१९	१९	तुलायां	भ.५ उ.४१।५०या.
७	श १४ ३५ वि २७ ५७ ध्रु २७ १२ ब १४ ३५	२८	२४	३५	१	२०	२०	वृ.११।१३	शतेरविः ४ सौरः १५ भा.फाल्गुनारंभः
८	र २० २९ अ ३५ १४ व्या २९ २२ कौ २० २९	४	२३	३७	२	२१	२१	वृश्चिके	शतेबुधः४०।१
९	चं २७ ६ ज्ये ४२ ५२ ह ३१ ३७ ग २७ ६	८	२२	३८	३	२२	२२	ध.४२।५२	
१०	मं ३३ १७ मू ५० १ व ३३ ४२ व ० ११	१२	२२	३८	४	२३	२३	धनुषि	भ.०।११उ.३३।१७या.
११	बु ३८ ५९ पू ५६ ३६ सि ३५ १७ ब ६ ८	१६	२१	३९	५	२४	२४	धनुषि	पूभा.२राहुःपूफा४केतुः ३३ विजया११त्र.
१२	गु ४३ २९ उ ६० ० व्य ३५ ५२ कौ ११ १४	२०	२०	४०	६	२५	२५	म.११।५१	
१३	शु ४६ ४० उ १ ३८ व ३५ १७ ग १५ ४	२४	१९	४१	७	२६	२६	मकरे	भ.४६।४०उ.प्रदोषः
१४	श ४८ १३ श्र ५ २८ प ३३ ४४ वि १७ २६	२८	१८	४२	८	२७	२७	कुं.३६।४५	भ.१७।२६या.महाशिवरात्रीत्र.
१५	र ४८ २३ ध ८ १ शि ३१ २ च १८ १८	३२	१८	४२	९	२८	२८	कुम्भे	पूभा.बुधः ५५ अश्वि.मेषेशुक्रः६।०

४५पं.फा.कृ.३मं.इ. २५ १८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	११	७	१०	१०
२	३	२७	०	१६	५	२७	२
५९	४७	२३	७	५३	२६	५	४७
४२	२	२०	२६	६	१३	१७	४२
६०	१८	९८	१२	६७	२	३	६०
३७	व	८	३२	३७	१९	११	४२

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ रविवार अशुभ है धातु रस में तेजी।
यत्रमासे रवेर्वारा जायतेपंच सन्ततम्।
दुर्भिक्षं छत्र भङ्गश्च तथास्तेचमहद्भयम्

गोचर ग्रहाः

४६पं.फा.कृ.१०मं.इ. ३५ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	९	११	७	१०	१०
१०	२	९	१	२४	०	२६	९
३	१५	५८	३५	४९	३८	४३	५२
१४	११	४१	३८	१	३१	२	१५
६०	२५	९९	१२	६६	१	३	६०
२५	४९	५८	१३	२७	३२	११	३२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०७७स.२०४४
१	चं	४७	५	श	९	७	सि	२७	७	किं	१७	४४	२८/३६	६/१७	५/४३	१०	२९	२९	मी५३।५९	
२	मं	४४	४३	पू	८	५६	सा	२२	२९	बा	१५	५४	४०	१६	४४	११	३०	१	मीने	वक्रीसिंहेभौमः५८/५० चंद्रदर्शनम्मार्च३ ×
३	बु	४१	३३	उ	७	४३	शु	१७	५	तै	१३	८	४४	१५	४५	१२	१	२	मीने	पातस्पर्शः११/१४ पातमोक्षः२०/३९ रविलाख
४	गु	३७	४०	रे	५	४५	शु	१०	५३	व	९	३६	४८	१४	४६	१३	२	३	मे.५।४५	भ.९/३६ उ.३७/४० या.उषा.३गुरुः३।८
५	शु	३३	२६	अ	३	१९	ब्र	४/३८	५३/३२	ब	५	३३	५२	१४	४६	१४	३	४	मेषे	पूभा.रविः२०/५१ सौरः२९/५१ मीनेबुधः५२/४२
६	श	२८	४३	भ	०/३९	५६/५२	वै	५१	२०	कौ	१	५	५६	१३	४७	१५	४	५	वृ.१४।५२	[×ता. ३१फुलरिया२
७	र	२४	१	रो	५४	२२	वि	४४	२१	व	२४	१	२९/१	१२	४८	१६	५	६	वृषे	भ.२४/१ उ.५१/२७ या.उभा.बुधः३१।१७
८	चं	१८	५४	मृ	५०	५३	प्री	३७	१०	ब	१८	५४	५	११	४९	१७	६	७	मि२२।३७	होलाष्टकम्
९	मं	१२	४३	आ	४७	१७	आ	२९	४३	कौ	१३	४३	९	१०	५०	१८	७	८	मिथुने	पश्चिमोदयीबुधः४२।१९
१०	बु	८	१६	पु	४३	३८	सौ	२२	२६	ग	८	१६	१३	९	५१	१९	८	९	क.२९।३३	भ.३५।३७उ.वक्रीशनिः३४।१६
११	गु	२	५८	पु	४०	१५	शो	१५	८	वि	२	५८	१७	९	५१	२०	९	१०	कर्के	भ.२।५८या.आमलकी११व्र.
१२	गु	५४	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	शु	५२	५६	श्ले	३७	१४	अ	८	१०	कौ	२५	१५	२१	८	५२	२१	१०	११	सिं३७।१४	भरण्यांशुक्रः३३/२३ वक्रीपूफाभौम ९/१६ प्रदोषः
१४	श	४८	४१	म	३४	५१	सु	१/३८	५४/४	ग	२०	४८	२६	७	५३	२२	११	१२	सिंहे	भ.४८।४१उ.
३०	र	४५	४०	पू	३३	१५	शू	५१	१	वि	१७	१०	३०	६	५४	२३	१२	१३	कं.४८।१७	भ.१७/१० या.खग्रासचंद्रग्रहणं होलिकादहनं

४७पं.फा.शु.२मं.इ. २५/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	९	०	७	१०	१०
१७	१०	२३	३	२	५	२६	१६
५	१७	११	१	३१	४६	२०	५५
२८	४९	३१	५	२४	२३	४६	११
६०	३२/२५	४/१९	११	६४	०	३	६०
१२	व.	३९	४०	५७	५७	११	२०

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे १ चन्द्रे मीनेऽर्कःप्रविष्टः वा. ३न.३गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५धान्या न्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

४८पं.फा.शु. ९मं.इ. २६/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	११	९	०	७	१०	१०
२४	२८	६	४	१०	५	२५	२३
६	१५	५२	२३	२	४९	५८	५६
१४	११	३०	१३	३५	१२	३०	३४
५९	३५/१	०/१९	११	६३	०	३	६०
५८	व	५९	१	१६	६	११	६

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	म.	इं	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.
१	चं	४४	५	उ	३३	२६	गं	४७	८	बा	१४	५२	२९/३४	६/५	५/५५	२४	१३	१४	कन्यायां	मीनेऽर्कः२०/४१ सौरः३०/१२ रेवत्यांबुधः१४/५१ =
२	मं	४३	५७	ह	३४	५६	वृ	४४	५०	तै	१४	१	३८	४	५५	२५	१४	१५	कन्यायां	[=वसंत१छारेंडी
३	बु	४५	३७	चि	३८	१	ध्रु	४३	४३	व	१४	४७	४३	३	५७	२६	१५	१६	तु.६।२८	भ.१४।४७उ.४५।३७या.
४	गु	४८	५९	स्वा	४२	३७	व्या	४३	३४	ब	१७	१८	४७	३	५७	२७	१६	१७	तुलायां	उभा.रविः४१/४५ सौरः५१।४८चतुर्थीव्र.
५	शु	५३	४७	वि	४८	४९	ह	४४	५४	कौ	२१	२३	५१	२	५८	२८	१७	१८	वृ.३२।१६	
६	श	५९	२१	अ	५५	४०	व	४६	४६	ग	२६	३४	५५	१	५९	२९	१८	१९	वृश्चिके	भ.५९।२१उ.
७	र	६०	०	ज्ये	६०	०	सि	४९	०	वि	३२	३१	३०/०	६/०	६/०	३०	१९	२०	वृश्चिके	भ.३२।३१या.
७	चं	५	४१	ज्ये	३	१४	व्य	५१	२०	ब	५	४१	३०/४	५/५९	६/१	१	२०	२१	ध.३।१४	उषा४गुरुः१०/१६ भा.चैत्रारंभःशीतलापूजनं
८	मं	११	५८	मू	१०	४१	व	५३	१७	कौ	११	५८	८	५८	२	२	२१	२२	धनुषि	
९	बु	१७	५३	पू	१७	४१	प	५४	२६	ग	१७	५३	१२	५८	२	३	२२	२३	म.३४।७	भ.५०।१२उ.
१०	गु	२२	३१	उ	२३	२३	शि	५४	२४	वि	२२	३१	१६	५७	३	४	२३	२४	मकरे	भ.२२।३१या.
११	शु	२५	४२	श्र	२७	४३	सि	५३	१२	बा	२५	४२	२१	५६	४	५	२४	२५	कुं.५९।१	कृत्ति.शुक्रः२/४२ पापमोचनी११व्र.
१२	श	२७	१८	ध	३०	१९	सा	५०	३४	तै	२७	१८	२५	५५	५	६	२५	२६	कुंभे	प्रदोषः
१३	र	२७	२	श	३१	१४	शु	४६	३०	व	२७	२	२९	५४	६	७	२६	२७	कुंभे	भ.२७/२ उ.५५/५३ या.वक्रीबुधः४२।१०
१४	चं	२४	४४	पू	३०	२२	शु	४१	१४	श	२४	४४	३३	५३	७	८	२७	२८	मी१५।३५	वृषेशुक्रः४५।२०
१५	मं	२१	१२	उ	२८	१४	ब्र	३५	०	ना	२१	१२	३७	५३	७	९	२८	२९	मीने	बुधास्तःपश्चिमायां३१।५१मन्वादिः

४९पं.चै.कृ.२मं.इ. २६/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	९	०	७	१०	११
१	२५	१८	५	१७	५	२५	०
५	४८	२९	३९	१४	४७	३६	५६
३१	५८	१०	४३	४२	१०	१५	१६
५९	३४/४९	९१	१०	६०	०/३१	३	५९
४१	व	२५	२३	५६	व.	११	४९

५०पं.चै.कृ ८मं.इ. २६/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	९	०	७	१०	११
८	२२	२६	६	२४	५	२५	७
३	३०	१३	५२	९	४०	१३	५४
१८	१९	४८	१९	०	१२	५९	११
५९	३०/१४	४७	९	५८	१/२३	३	५९
२९	व	२६	३९	८	व	११	३५

५१पं.चै.कृ.३०मं.इ. २७/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	९	१	७	१०	११
१४	२१	२८	७	०	५	२४	१४
५९	२०	४	५८	३७	२८	५१	५०
२०	२८	५९	४८	५५	२३	४४	२३
५९	२३/५०	१५/४९	८	५४	२/३	३	५९
१६	व	व	४९	२०	व	११	१८

चैत्र शुक्ल			वैशाख शुक्ल			ज्येष्ठ शुक्ल			आषाढ शुक्ल			श्रावण शुक्ल			भाद्रपद शुक्ल			आश्विन शुक्ल			कार्तिक शुक्ल			मार्ग. शुक्ल			पौष शुक्ल			माघ शुक्ल			फाल्गुन शुक्ल		
तिथि	राष्ट्री वार	ता.	तिथि	राष्ट्री वार	ता.	तिथि	राष्ट्री वार	ता.	तिथि	राष्ट्री वार	ता.	तिथि	राष्ट्री वार	ता.	तिथि	राष्ट्री वार	ता.	तिथि	राष्ट्री वार	ता.	तिथि	राष्ट्री वार	ता.	तिथि	राष्ट्री वार	ता.	तिथि	राष्ट्री वार	ता.	तिथि	राष्ट्री वार	ता.	तिथि	राष्ट्री वार	ता.
१ चं	चै	८	१ मं		६	१ गु	ज्ये	५	१श	आषा	४	१ र	श्रा	२	१ मं	भा	१	१ बु		३०	१ शु		२९	१ श		२८	१ चं		२८	१ मं		२७	१ गु		२७
२ मं		९	२ बु		७	२ शु		६	२ र		५	२ चं		३	२ बु		२	२ गु		३१	२ श		३०	२ र		२९	२ मं		२९	२ बु		२८	२ शु		२८
३ बु		१०	३ गु		८	३ श		७	३ चं		६	३ मं		४	३ गु		३	३ शु	आ	१	३ र	का	१	३ चं		३०	४ बु		३०	३ गु		२८	४ श		२९
४ गु		११	३ शु		९	४ र		८	४ मं		७	४ बु		५	४ शु		४	४ श		२	४ चं		२	४ मं	मा	१	५ गु	पौ.	१	४ शु		३०	५ र		३०
५ शु		१२	४ श		१०	५ चं		९	५ बु		८	५ गु		६	५ श		५	५ र		३	६ मं		३	५ बु		२	६ शु		२	५ श	माघ	१	६ चं	फा	१
६ श		१३	५ र		११	६ मं		१०	६ ग		९	५ शु		७	६ र		६	६ चं		४	७ बु		४	६ गु		३	७ श		३	६ र		२	७ मं		२
७ सू		१४	६ चं		१२	६ बु		११	७ श		१०	६ श		८	७ चं		७	७ मं		५	८ गु		५	७ शु		४	८ र		४	७ चं		३	८ बु		३
८ चं		१५	७ मं		१३	७ गु		१२	८ श		११	८ र		९	८ मं		८	८ बु		६	९ शु		६	८ श		५	९ चं		५	८ मं		४	९ गु		४
९ मं		१६	८ बु		१४	८ शु		१३	९ र		१२	९ चं		१०	९ बु		९	९ गु		७	१० श		७	९ र		६	१० मं		६	९ बु		५	१० शु		५
१० बु		१७	९ गु		१५	९ श		१४	१० चं		१३	१० मं		११	१० गु		१०	१० शु		८	११ र		८	१० चं		७	११ बु		७	१० गु		६	१० श		६
११ गु		१८	१० शु		१६	१० र		१५	११ मं		१४	११ बु		१२	११ शु		११	११ श		९	१२ चं		९	११ मं		८	१२ गु		८	११ शु		७	११ र		७
१२ शु		१९	११ श		१७	११ चं		१६	१२ ब		१५	१२ गु		१३	१२ शु		१२	१२ र		१०	१३ मं		१०	१२ बु		९	१३ शु		९	१२ श		८	१२ चं		८
१३ श		२०	१२ र		१८	१३ मं		१७	१३ गु		१६	१३ शु		१४	१३ श		१३	१४ चं		११	१४ मं		११	१३ बु		१०	१४ शु		१०	१३ र		९	१३ मं		९
१४ र		२१	१३ चं		१९	१४ बु		१८	१५ शु		१७	१४ श		१५	१४ चं		१४	१५ मं		१२	१५ गु		१२	१४ शु		११	१५ र		११	१४ चं		१०	१४ बु		१०
१५ चं		२२	१४ मं		२०	१५ गु		१९				१५ र		१६										१५ श		१२				१५ मं		११	१५ गु		११
			१५ बु		२१																														

वैशाख कृष्ण			ज्येष्ठ कृष्ण			आषाढ कृष्ण			श्रावण कृष्ण			भाद्रपद कृष्ण			आश्विन कृष्ण			कार्तिक कृष्ण			मार्ग. कृष्ण			पौष कृष्ण			माघ कृष्ण			फा. कृष्ण			चैत्र कृष्ण		
१ मं		२३	१ गु		२२	१ शु		२०	१ श		१८	२ चं		१७	१ मं		१५	१ बु		१३	१ शु		१३	१ र		१३	१ चं		१२	१ बु		१२	१ शु		१२
२ बु		२४	३ शु		२३	२ श		२१	२ र		१९	३ मं		१८	२ बु		१६	२ गु		१४	२ श		१४	२ चं		१४	१ मं		१३	२ गु		१३	२ श		१३
३ गु		२५	४ श		२४	३ र		२२	३ चं		२०	४ बु		१९	३ गु		१७	३ शु		१५	३ र		१५	३ मं		१५	२ बु		१४	३ शु		१४	३ र		१४
४ श		२६	५ र		२५	४ चं		२३	४ मं		२१	५ गु		२०	४ शु		१८	४ श		१६	४ चं		१६	४ बु		१६	३ गु		१५	३ श		१५	४ चं		१५
५ श		२७	६ चं		२६	५ मं		२४	५ बु		२२	६ शु		२१	५ श		१९	५ र		१७	५ मं		१७	४ शु		१६	४ र		१६	५ मं		१६	५ मं		१६
६ र		२८	७ मं		२७	६ बु		२५	६ गु		२३	७ श		२२	६ र		२०	६ चं		१८	६ बु		१८	६ शु		१८	५ श		१७	५ चं		१७	६ बु		१७
७ चं		२९	८ बु		२८	८ गु		२६	७ शु		२४	८ र		२३	७ चं		२१	६ मं		१९	७ बु		१९	७ श		१८	६ र		१८	६ मं		१८	७ गु		१८
९ मं		३०	९ गु		२९	९ शु		२७	८ श		२५	९ चं		२४	८ मं		२२	७ बु		२०	८ गु		२०	८ श		२०	७ चं		१९	७ बु		१९	८ शु		१९
१० बु		३१	१० शु		३०	१० श		२८	९ र		२६	१० मं		२५	९ बु		२३	८ गु		२१	८ श		२१	८ र		२०	८ मं		२०	८ गु		२०	९ श		२०
११ गु	बै.	१	११ श		३१	११ र		२९	१० चं		२७	११ बु		२६	१० गु		२४	९ शु		२२	९ र		२२	१० मं		२२	९ बु		२१	९ शु		२१	१० र		२१
१२ शु		२	१२ र	ज्ये	१	१२ चं		३०	११ मं		२८	११ गु		२७	११ शु		२५	१० श		२३	१० चं		२३	११ बु		२३	१० गु		२२	११ श		२२	११ चं		२२
१३ श		३	१३ चं		२	१३ मं		३१	१२ बु		२९	१२ शु		२८	१२ श		२६	११ र		२४	११ मं		२४	१२ गु		२४	११ शु		२३	१२ र		२३	१२ मं		२३
१४ र		४	१४ मं		३	१४ बु	आषा	१	१३ गु		३०	१३ श		२९	१३ र		२७	१२ चं		२५	१२ बु		२५	१३ शु		२५	१२ श		२४	१३ चं		२४	१३ बु		२४
३० चं		५	३० बु		४	१४ गु		२	१४ शु		३१	१४ र		३०	१४ चं		२८	१३ मं		२६	१३ गु		२६	१३ शु		२६	१३ र		२५	१४ मं		२५	३० गु		२५
						३० शु		३	३० श	श्रा	१	३० चं		३१	३० मं		२९	१४ बु		२७	१४ शु		२७	३० र		२७	१४ चं		२६	३० बु		२६						
																		३० गु		२८																

चैत्र शुक्ल		वैशाख शुक्ल		प्र. ज्येष्ठ शु.		द्वि ज्येष्ठ शु.		आषाढ शु.		श्रावण शुक्ल		भाद्रपद शु.		आश्वि. शु.		कार्तिक शु.		मार्ग. शुक्ल		पौष शुक्ल		माघ शुक्ल		फाल्गुन शुक्ल	
तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्री	तिथि	राष्ट्री	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय
वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.
१ शु	२६	१ र	२६	१ चं	२५	१ बु	२४	१ गु	२२	१ श	२१	१ चं	२०	१ मं	१८	१ गु	१८	१ शु	१७	१ र	१७	१ चं	१६	१ बु	१६
२ श	२७	२ चं	२७	२ मं	२६	२ गु	२५	२ शु	२३	२ र	२२	२ मं	२१	२ बु	१९	२ शु	१९	२ श	१८	२ चं	१८	२ मं	१७	२ गु	१७
३ र	२८	३ मं	२८	३ बु	२७	३ शु	२६	३ श	२४	३ चं	२३	३ बु	२२	३ गु	२०	३ श	२०	३ र	१९	३ मं	१९	३ बु	१८	४ शु	१८
४ चं	२९	४ बु	२९	४ गु	२८	४ श	२७	३ र	२५	४ मं	२४	४ गु	२३	४ शु	२१	४ र	२१	४ चं	२०	४ बु	२०	४ गु	१९	५ श	१९
५ मं	३०	५ गु	३०	५ शु	२९	५ र	२८	४ चं	२६	५ बु	२५	५ शु	२४	५ श	२२	५ चं	२२	५ मं	२१	५ गु	२१	५ शु	२०	६ र	२०
६ बु	चै. १	६ शु	बै. १	६ श	३०	६ चं	२९	५ मं	२७	६ गु	२६	६ श	२५	६ र	२३	६ मं	२३	६ बु	२२	७ शु	२२	६ श	२१	७ चं	२१
७ गु	२	७ श	२	७ र	३१	७ मं	३०	६ बु	२८	७ शु	२७	७ र	२६	७ चं	२४	८ बु	२४	७ गु	२३	८ श	२३	७ र	२२	८ मं	२२
८ शु	३	८ र	३	७ चं	ज्ये १	८ बु	३१	७ गु	२९	८ श	२८	८ चं	२७	८ मं	२५	९ गु	२५	८ शु	२४	९ र	२४	८ चं	२३	९ बु	२३
९ श	४	९ चं	४	८ मं	२	९ गु	आ १	८ शु	३०	९ र	२९	९ मं	२८	९ बु	२६	१० शु	२६	९ श	२५	१० चं	२५	९ मं	२४	१० गु	२४
१० र	५	१० मं	५	९ बु	३	१० शु	२	९ श	३१	१० चं	३०	१० बु	२९	१० गु	२७	११ श	२७	१० र	२६	११ मं	२६	१० बु	२५	११ शु	२५
११ चं	६	११ बु	६	१० गु	४	११ श	३	१० र	श्रा १	११ मं	३१	१२ गु	३०	११ शु	२८	१२ र	२८	११ चं	२७	१२ बु	२७	११ गु	२६	१२ श	२६
१२ मं	७	१२ गु	७	११ शु	५	१२ र	४	११ चं	२	१२ बु	भा १	१३ शु	३१	१२ श	२९	१३ चं	२९	१२ मं	२८	१३ गु	२८	१२ शु	२७	१३ र	२७
१२ बु	८	१३ शु	८	१२ श	६	१३ चं	५	१२ मं	३	१३ गु	२	१४ श	आ १	१३ र	३०	१४ चं	३०	१४ बु	२९	१४ शु	२९	१३ श	२८	१३ चं	२८
१३ गु	९	१४ श	९	१३ र	७	१४ मं	६	१३ बु	४	१४ शु	३	१५ र	२	१५ चं	का. १	१५ बु	मा. १	१५ गु	३०	१५ श	३०	१४ र	२९	१४ मं	२९
१४ शु	१०	१५ र	१०	१४ चं	८	१५ बु	७	१५ गु	५	१५ श	४											१५ चं	३०	१५ बु	३०
१५ श	११			१५ मं	९																				

वैशाख कृ.		प्र. ज्येष्ठ कृष्ण		द्वि.ज्ये. कृष्ण		आषाढ कृष्ण		श्रावण कृष्ण		भाद्रपद कृ.		आश्वि. कृ.		कार्तिक कृ.		मार्ग कृष्ण		पौष कृष्ण		माघ कृ.		फाल्गुन कृष्ण		चैत्र कृष्ण	
१ र	१२	१ चं	११	१ बु	१०	१ गु	८	१ शु	६	२ र	५	१ चं	३	१ मं	२	१ गु	२	१ शु	पौ. १	१ र	मा १	१ मं	फा १	शाके	१८८४
२ चं	१३	२ मं	१२	३ गु	११	२ शु	९	२ श	७	३ चं	६	२ मं	४	२ बु	३	२ शु	३	१ श	२	२ चं	२	२ बु	२	१ गु	चै १
३ मं	१४	३ बु	१३	४ शु	१२	३ श	१०	३ र	८	४ मं	७	३ बु	५	३ गु	४	३ श	४	२ र	३	३ मं	३	३ गु	३	२ शु	२
४ बु	१५	४ गु	१४	५ श	१३	५ र	११	४ चं	९	५ बु	८	४ गु	६	४ शु	५	४ र	५	३ चं	४	३ बु	४	४ शु	४	३ श	३
५ गु	१६	५ शु	१५	६ र	१४	६ चं	१२	५ मं	१०	६ गु	९	५ शु	७	५ श	६	५ चं	६	४ मं	५	४ गु	५	५ श	५	४ र	४
६ शु	१७	६ श	१६	७ चं	१५	७ मं	१३	७ बु	११	७ शु	१०	७ श	८	६ र	७	६ मं	७	५ बु	६	५ शु	६	६ र	६	५ चं	५
८ श	१८	७ र	१७	८ मं	१६	८ बु	१४	८ गु	१२	८ श	११	७ र	९	७ चं	८	७ बु	८	६ गु	७	६ श	७	६ चं	७	६ मं	६
९ र	१९	८ चं	१८	९ बु	१७	९ गु	१५	९ शु	१३	९ र	१२	८ चं	१०	८ मं	९	८ गु	९	७ शु	८	७ र	८	७ मं	८	७ बु	७
१० चं	२०	९ मं	१९	१० गु	१८	१० शु	१६	१० श	१४	१० चं	१३	९ मं	११	९ बु	१०	९ गु	१०	८ श	९	८ चं	९	८ बु	९	८ गु	८
११ मं	२१	११ बु	२०	११ शु	१९	११ श	१७	११ र	१५	११ मं	१४	१० बु	१२	९ गु	११	१० शु	१२	९ र	१०	९ मं	१०	९ गु	१०	८ शु	९
१२ बु	२२	१२ गु	२१	१२ श	२०	१२ र	१८	११ चं	१६	१२ बु	१५	११ गु	१३	१० शु	१२	११ श	१३	११ र	१२	१० चं	११	१० बु	११	१० शु	१०
१३ गु	२३	१३ शु	२२	१३ र	२१	१३ चं	१९	१२ मं	१७	१३ गु	१६	१२ शु	१४	११ श	१३	११ चं	१३	११ मं	१२	१० बु	१२	११ गु	१२	१० श	११
१४ शु	२४	१४ श	२३	१४ चं	२२	१४ मं	२०	१३ बु	१८	१४ शु	१७	१३ श	१५	१२ र	१४	१२ मं	१४	१२ बु	१३	११ गु	१३	१२ शु	१३	११ र	११
३० श	२५	३० र	२४	३० मं	२३	३० बु	२१	१४ गु	१९	३० श	१८	१४ र	१६	१३ चं	१५	१३ बु	१५	१३ गु	१४	१२ शु	१४	१३ श	१४	१२ चं	१२
								३० शु	२०	३० र	१९	३० चं	१७	१४ मं	१६	१४ गु	१६	१४ शु	१५	१३ श	१५	१४ चं	१४	१३ मं	१३
														३० बु	१७			३० श	१६	१४ र	१५	३० मं	१५	१४ बु	१४

विक्रम संवत २०१९ राष्ट्रीय (शाके) १८८४ सन १९६२-६३

चैत्र शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	वैशाख शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	ज्येष्ठ शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	आषाढ शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	श्रावण शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	भाद्रपद शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	आश्विन शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	कार्त्तिक शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	मार्ग. शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	पौष शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	माघ शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	फाल्गुन शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.
१ गु	१५	१ श	१५	१ र	१३	१ चं	११	१ बु	१०	१ शु	९	१ श	७	१ चं	७	१ बु	७	१ गु	६	१ श	६	२ चं	६
२ शु	१६	३ र	१६	२ चं	१४	२ मं	१२	२ गु	११	२ श	१०	२ र	८	२ मं	८	२ गु	८	२ शु	७	२ र	७	३ मं	७
३ श	१७	४ चं	१७	३ मं	१५	३ बु	१३	३ शु	१२	३ र	११	३ चं	९	३ बु	९	३ शु	९	३ श	८	३ चं	८	४ बु	८
४ र	१८	५ मं	१८	४ बु	१६	३ गु	१४	४ श	१३	४ चं	१२	३ मं	१०	४ गु	१०	४ श	१०	४ र	९	४ मं	९	५ गु	९
५ चं	१९	६ बु	१९	५ गु	१७	४ शु	१५	५ र	१४	५ मं	१३	४ बु	११	५ शु	११	५ र	११	५ चं	१०	५ बु	१०	६ शु	१०
६ मं	२०	७ गु	२०	६ शु	१८	५ श	१६	६ चं	१५	६ बु	१४	५ गु	१२	६ श	१२	६ चं	१२	६ मं	११	७ गु	११	७ श	११
७ बु	२१	८ शु	२१	७ श	१९	६ र	१७	६ मं	१६	७ गु	१५	६ शु	१३	७ र	१३	७ मं	१३	७ बु	१२	८ शु	१२	८ र	१२
८ गु	२२	९ श	२२	८ र	२०	७ चं	१८	७ बु	१७	८ शु	१६	७ श	१४	८ चं	१४	८ बु	१४	८ गु	१३	९ श	१३	९ चं	१३
९ शु	२३	९ र	२३	९ चं	२१	८ मं	१९	८ गु	१८	९ श	१७	८ र	१५	९ मं	१५	९ गु	१५	९ शु	१४	१० र	१४	१० मं	१४
१० श	२४	१० चं	२४	१० मं	२२	९ बु	२०	९ शु	१९	१० र	१८	९ चं	१६	१० बु	१६	११ शु	१६	१० श	१५	११ चं	१५	११ बु	१५
११ र	२५	११ मं	२५	११ बु	२३	१० गु	२१	१० श	२०	११ चं	१९	१० मं	१७	११ गु	१७	१२ श	१७	११ र	१६	१२ मं	१६	१२ गु	१६
१२ चं	२६	१२ बु	२६	११ गु	२४	११ शु	२२	११ र	२१	१२ मं	२०	११ बु	१८	१२ शु	१८	१३ र	१८	१२ चं	१७	१३ बु	१७	१३ शु	१७
१३ मं	२७	१३ गु	२७	१२ शु	२५	१२ श	२३	१२ चं	२२	१३ बु	२१	१३ गु	१९	१३ श	१९	१४ चं	१९	१३ मं	१८	१४ गु	१८	१४ श	१८
१४ बु	२८	१४ शु	२८	१३ श	२६	१३ र	२४	१३ मं	२३	१४ गु	२२	१४ शु	२०	१४ र	२०	१५ मं	२०	१५ बु	१९	१५ शु	१९	१५ र	१९
१५ गु	२९	१५ श	२९	१४ र	२७	१४ चं	२५	१५ बु	२४	१५ शु	२३	१५ श	२१										
				१५ चं	२८	१५ मं	२६																

वैशाख कृष्ण		ज्येष्ठ कृष्ण		आषाढ़ कृ.		श्रावण कृ.		भाद्रपद कृष्ण		आश्विन कृ.		कार्त्तिक कृष्ण		मार्गशीर्ष कृ.		पौष कृष्ण		माघ कृष्ण		फाल्गुन कृष्ण		चैत्र कृष्ण	
१ शु	३०	१ र	३०	१ मं	२९	१ बु	२७	१ गु	२५	२ श	२४	१ र	२२	१ चं	२१	१ बु	२१	१ गु	२०	१ श	२०	१ चं	२०
१ श	वै १	२ चं	३१	३ बु	३०	२ गु	२८	२ शु	२६	३ र	२५	२ चं	२३	२ मं	२२	२ गु	२२	२ शु	२१	२ र	२१	२ मं	२१
२ र	२	३ मं	ज्ये १	४ गु	३१	३ शु	२९	३ श	२७	४ चं	२६	३ मं	२४	३ बु	२३	३ शु	२३	३ श	२२	३ चं	२२	३ बु	२२
३ चं	३	४ बु	२	५ शु	आ. १	५ श	३०	४ र	२८	५ मं	२७	५ बु	२५	४ गु	२४	४ श	२४	४ र	२३	४ मं	२३	४ गु	२३
४ मं	४	५ गु	३	६ श	२	६ र	३१	५ चं	२९	६ बु	२८	६ गु	२६	५ शु	२५	५ र	२५	५ चं	२४	५ बु	२४	५ शु	२४
५ बु	५	६ शु	४	७ र	३	७ चं	श्रा १	७ मं	३०	७ गु	२९	७ शु	२७	६ श	२६	६ चं	२६	५ मं	२५	६ गु	२५	६ श	२५
६ गु	६	७ श	५	८ चं	४	८ मं	२	८ बु	३१	८ शु	३०	८ श	२८	७ र	२७	७ मं	२७	६ बु	२६	६ शु	२६	७ र	२६
७ शु	७	८ र	६	९ मं	५	९ बु	३	९ गु	भा १	९ श	३१	९ र	२९	८ चं	२८	८ बु	२८	७ गु	२७	७ श	२७	८ चं	२७
९ श	८	९ चं	७	१० बु	६	१० गु	४	१० शु	२	१० र	आ १	१० चं	३०	९ मं	२९	९ गु	२९	८ शु	२८	८ र	२८	९ मं	२८
१० र	९	१० मं	८	११ गु	७	११ शु	५	११ श	३	११ चं	२	१० मं	का १	१० बु	३०	१० शु	३०	९ श	२९	९ चं	२९	९ बु	२९
११ चं	१०	१२ बु	९	१२ शु	८	१२ श	६	१२ र	४	१२ मं	३	११ बु	२	११ गु	मा १	११ श	पौ १	१० र	३०	१० मं	३०	११ गु	३०
१२ मं	११	१३ गु	१०	१३ श	९	१३ र	७	१३ चं	५	१३ बु	४	१२ गु	३	१२ शु	२	१२ र	२	११ चं	मा १	११ बु	फा १	शाके १८८५	
१३ बु	१२	१४ शु	११	३० र	१०	१४ चं	८	१४ मं	६	१४ गु	५	१३ शु	४	१२ श	३	१३ चं	३	१२ मं	२	१२ गु	२	१२ शु	चै १
१४ गु	१३	३० श	१२			३० मं	९	१४ बु	७	३० शु	६	१४ श	५	१३ र	४	१४ मं	४	१३ बु	३	१३ शु	३	१३ श	२
३० शु	१४							३० गु	८			३० र	६	१४ चं	५	३० बु	५	१४ गु	४	१४ श	४	१४ र	३
														३० मं	६			३० शु	५	३० र	५	३० चं	४

चैत्र शुक्ल		वैशाख शुक्ल		ज्येष्ठ शुक्ल		आषा. शुक्ल		श्रावण शु.		भाद्रपद शु.		दृ. आ. शु.		दृ.प्र. का.शु.		दृ. मार्ग. शु.		दृ. पौष शु.		माघ शुक्ल		फाल्गन शु.		प्र. चैत्र शु.	
तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	स्पूप्र.आ.श.		स्थू.द्विआ.श		स्थू: का. श.		स्थू. पौष शु.		तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.
वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	वार	ता.	वार	ता.	वार	
												वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.						
१ मं	५	१ बु	४	२ शु	३	१ श	आ १	१ र	३०	१ मं	२९	१ बु	२७	१ शु	२६	१ र	२६	१ मं	२६	१ बु	२५	१ शु	२५	२ र	२५
२ बु	६	२ गु	५	३ श	४	२ र	२	२ चं	३१	२ बु	३०	२ गु	२८	२ श	२७	२ चं	२७	२ बु	२७	२ गु	२६	२ श	२६	३ चं	२६
३ गु	७	३ शु	६	४ र	५	३ चं	३	३ मं	आ १	३ गु	३१	३ शु	२९	३ र	२८	३ मं	२८	३ गु	२८	३ शु	२७	३ र	२७	४ मं	२७
५ शु	८	४ श	७	५ चं	६	४ मं	४	४ बु	२	४ शु	भा.१	३ श	३०	४ चं	२९	४ बु	२९	४ शु	२९	४ श	२८	४ चं	२८	५ बु	२८
६ श	९	५ र	८	६ मं	७	५ बु	५	५ गु	३	५ श	२	४ र	३१	५ मं	३०	५ गु	३०	५ श	३०	५ र	२९	५ मं	२९	६ गु	२९
७ र	१०	६ चं	९	७ बु	८	६ गु	६	६ शु	४	६ र	३	५ चं	आ१	५ बु	का १	६ शु	मा १	६ र	पौ १	६ चं	३०	६ बु	३०	७ शु	३०
८ चं	११	७ मं	१०	८ गु	९	७ शु	७	७ श	५	७ चं	४	६ मं	२	६ गु	२	७ श	२	७ चं	२	७ मं	मा १	७ गु	फा.१	शाके १८८६	
९ मं	१२	८ बु	११	९ शु	१०	८ श	८	८ र	६	८ मं	५	७ बु	३	७ शु	३	८ र	३	८ मं	३	८ बु	२	९ शु	२	संव. २०२१	
१० बु	१३	९ गु	१२	१० श	११	९ र	९	८ चं	७	९ बु	६	८ गु	४	८ श	४	९ चं	४	९ बु	४	९ गु	३	१० श	३	८ श चै.	१
११ गु	१४	१० शु	१३	११ र	१२	१० चं	१०	९ मं	८	१० गु	७	९ शु	५	९ र	५	१० मं	५	१० गु	५	१० शु	४	११ र	४	९ र	२
१२ शु	१५	११ श	१४	१२ चं	१३	११ मं	११	१० बु	९	११ शु	८	१० श	६	१० चं	६	११ बु	६	१२ शु	६	११ श	५	१२ चं	५	१० चं	३
१३ श	१६	१२ र	१५	१३ मं	१४	१२ बु	१२	११ गु	१०	१२ श	९	११ र	७	११ मं	७	१२ गु	७	१३ श	७	१२ र	६	१३ मं	६	११ मं	४
१४ र	१७	१३ च	१६	१३ बु	१५	१३ गु	१३	१२ शु	११	१३ र	१०	१२ चं	८	१३ बु	८	१२ शु	८	१४ र	८	१३ चं	७	१४ बु	७	१२ बु	५
१५ चं	१८	१४ मं	१७	१४ गु	१६	१४ शु	१४	१३ श	१२	१४ चं	११	१३ मं	९	१४ गु	९	१३ शु	९	१५ चं	९	१४ मं	८	१५ गु	८	१३ गु	६
		१५ बु	१८	१५ शु	१७	१५ श	१५	१४ र	१३	१५ मं	१२	१४ बु	१०	१५ शु	१०	१४ श	९							१४ शु	७
								१५ चं	१४			१५ गु	११											१५ श	८

वैशाख कृष्ण		ज्येष्ठ कृष्ण		आषाढ़ कृष्ण		श्रावण कृष्ण		भाद्रपद कृ.		प्र.आश्विन कृ.		दृ.प्र. का.कृ.		दृ.द्वि.का.कृ.		दृ. पौष कृष्ण		माघ कृ.		फाल्गुन कृ.		प्र. चैत्र कृ.		द्वि. चैत्र कृ.	
												स्यूद्विआ.कृ.		स्थू: का. कृ.		स्थू.मार्ग.कृ.									
१ मं	१९	१ गु	१९	१ श	१८	१ र	१६	१ मं	१५	१ बु	१३	१ शु	१२	१ श	११	१ र	१०	१ मं	१०	१ बु	९	१ शु	९	१ र	९
१ बु	२०	२ शु	२०	२ र	१९	२ चं	१७	२ बु	१६	२ गु	१४	२ श	१३	२ र	१२	२ चं	११	२ बु	११	२ गु	१०	२ श	१०	२ चं	१०
२ गु	२१	३ श	२१	३ चं	२०	३ मं	१८	३ गु	१७	३ शु	१५	३ श	१३	३ चं	१३	३ मं	१२	३ गु	१२	३ शु	११	३ र	११	३ मं	११
३ शु	२२	४ र	२२	४ मं	२१	४ बु	१९	४ शु	१८	४ श	१६	४ र	१४	४ चं	१३	४ बु	१३	४ शु	१३	४ श	१२	४ चं	१२	४ बु	१२
४ श	२३	५ चं	२३	५ बु	२२	५ गु	२०	६ श	१९	५ र	१७	५ चं	१५	५ मं	१४	५ गु	१४	५ श	१४	५ र	१३	५ मं	१३	५ गु	१३
५ र	२४	५ म	२४	६ गु	२३	६ शु	२१	७ र	२०	६ चं	१८	६ मं	१६	६ बु	१५	६ शु	१५	६ र	१५	६ चं	१४	६ बु	१४	६ शु	१४
५ चं	२५	६ बु	२५	६ शु	२४	६ श	२२	८ चं	२१	८ मं	१९	७ बु	१७	७ गु	१६	७ श	१६	७ चं	१६	७ मं	१५	७ गु	१५	७ श	१५
७ मं	२६	७ गु	२६	८ श	२५	८ र	२३	९ मं	२२	९ बु	२०	८ गु	१८	८ शु	१७	८ र	१७	८ मं	१७	८ बु	१६	८ शु	१६	८ र	१६
८ बु	२७	९ शु	२७	९ र	२६	९ चं	२४	१० बु	२३	१० गु	२१	९ शु	१९	९ श	१८	९ चं	१८	९ बु	१८	९ गु	१७	९ श	१७	९ चं	१७
९ गु	२८	१० श	२८	१० चं	२७	१० मं	२५	११ गु	२४	११ शु	२२	१० श	२०	१० र	१९	१० मं	१९	१० गु	१९	९ शु	१८	९ र	१८	१० मं	१८
१० शु	२९	११ र	२९	१२ मं	२८	११ बु	२६	१२ शु	२५	१२ श	२३	११ र	२१	११ चं	२०	११ बु	२०	११ शु	२०	१० श	१९	१० चं	१९	११ बु	१९
११ श	३०	१२ चं	३०	१३ बु	२९	१२ गु	२७	१३ श	२६	१३ र	२४	१२ चं	२२	१२ मं	२१	१२ गु	२१	१२ श	२१	११ र	२०	११ मं	२०	१२ गु	२०
१२ र वै	१	१३ मं	३१	१४ गु	३०	१४ शु	२८	१४ र	२७	१४ चं	२५	१३ मं	२३	१३ बु	२२	१३ शु	२२	१३ र	२२	१२ चं	२१	१२ बु	२१	१३ शु	२१
१३ चं	२	१४ बु ज्ये.	१	३० शु	३१	३० श	२९	३० चं	२८	३० मं	२६	१४ बु	२४	१३ गु	२३	१४ श	२३	१४ चं	२३	१३ मं	२२	१३ गु	२२	१४ श	२२
३० मं	३	३० गु	२									३० गु	२५	१४ शु	२४	३० र	२४	३० मं	२४	१४ बु	२३	१४ शु	२३	३० र	२३
														३० श	२५	३० चं	२५			३० गु	२४	३० श	२४		

नक्षत्राणां स्वामि शुभाऽशुभादि विशेष संज्ञा											नष्ट वस्तुज्ञानायसुलोचनादि संज्ञा					नक्षत्र पादवशादत्रकष्टावलोकन चक्रम्								
								घ. उ. ने.	पु. स्त्री	मु.	सू. च.						ज्वरादि रोगोत्पत्ती		भस्यपादवशादत्र दिन संख्या					
नक्षत्राणि	अवकहडा च.	स्वामिनः	शुभाशुभ	जातिः	संज्ञा	मुखं						संज्ञा	दि	लाभालाभ	ता.	स्वरूपम्	दि. संख्या	दामादि	च१	२	३	४	जपार्थ मंत्राः
अश्विनी	चु. चे. चो. ला	अश्विनीकु	शुभम	वैश्यः	लघु क्षिप्र	तिर्यक्	५०	पु.	३०	चं.		मंद	द	यत्नालाभ	३	अश्वमुखं	दिन ६	भोजनम्	६	११	१०	२०	मृत्युञ्जय मंत्रजपः
भरणी	लि. लू. ले. लो.	यमः	नाशकः	चांडालः	उग्र क्रूर	अधः	२४	,,	१५	,,		मध्य	प	दूरेश्रव.	३	योनिस्वरूपं	दि. ११	गोन्नादिः	०	८०	४०	११	यमायत्वेति मन्त्रः
कृत्तिका	अ ई उ ए	अग्निः	अशुभम	ब्राह्मणः	मिश्र साधा	अधः	३०	,,	३०	,,		सुलोचन	उ	अलाभ	६	क्षुराकृतिः	दि. ६	स्वर्णदानं	६	११	१६	२८	अग्निर्मूर्धेति मन्त्रः
रोहिणी	ओ वा वी वू	ब्रह्मा	शुभम	शूद्रः	ध्रुव स्थि.	ऊर्ध्व	४०	,,	४५	सू.		अन्ध	पू	शीघ्रलाभ	५	शकटवत्	दि. ७	घृतदानं	७	६	१८	३०	ब्रह्मयज्ञेति मन्त्रः
मृगसिर	वे वो क की	चन्द्रः	शुभम्	कृषकः	मृदु. मैत्र	तिर्यक्	१४	,,	३०	,,		मन्द	द्द	यत्नलाभ	३	मृगास्यम्	मा. १	तिलदानं	६	५	७	१०	इमंदेवेति मन्त्रः
आर्द्रा	कू घ ङ छ	शिवः	अशुभम्	क्रूरजाति	ती. दारुण	ऊर्ध्व	२१	स्त्री	१५	चं.		मध्य	प	दूरेश्रव.	१	मणिसदृशं	मृतिः	गौदानम्	०	१८	०	०	नमस्ते रुद्रेति मन्त्र.
पुनर्वसु	के को ह ही	अदितिः	शुभम्	वैश्यः	चरं. चलं	तिर्यक्	३०	,,	४५	,,		सुलोचन	उ	अलाभ	४	गृह सदृशं	दि. ७	पीतल दा	७	१४	२	२१	अदितिर्द्यौरिति मन्त्रः
पुष्य	हू हे हो डा	गुरुः	शुभम्	क्षत्रियः	ल. क्षिप्र	ऊर्ध्व	२०	,,	३०	,,		अंध	पू	शीघ्रलाभ	३	याणाकृति	दि. ७	तैलान्नदा	६	७	१०	२१	बृहस्पतेति मंत्रः
आश्लेषा	डी डू डे डो	सर्पः	अशुभम्	चांडालः	तिक्ष्णं दा	अधः	३२	,,	१५	,,		मन्द	द	यत्नालाभ	५	चक्राकारं	मृति	गोजादि	०	०	४१	०	नमोस्तुसर्पेति मन्त्रः
मघा	म मी मु मे	पितरः	शोकदः	शूद्रः	उग्र. क्रूरः	अधः	३०	,,	३०	,,		मध्य	प	दूरेश्रव.	५	गृह सदृशं	दि. २०	वस्त्राज्यं	१५	७	१७	२०	पितृभ्य इतिमंत्रः
पूर्वाफा.	मो टा टी टु	भगः	अशुभम्	ब्राह्मण.	उग्र. क्रूर	अधः	२०	,,	३०	सू.		सुलोचन	उ	अलाभ	२	मंचकाकृति	मृतिः	भोजनं	०	१५	०	३०	भगप्रणेमीति मन्त्रः
उत्तराफा	टे टो प पी	अर्यमा	शुभम्	क्षत्रियः	ध्रुव स्थिर.	ऊर्ध्व	१८	,,	४५	,,		अन्ध	पू	शीघ्रलाभ	५	खट्वाकारं	दि. ७	अन्नदानं	७	१४	७	६०	दध्यायद्धेति मन्त्रः
हस्त	पू ष ण ठ	रविः	शुभम्	वैश्यः	लघु क्षिप्र	तिर्यक्	२१	,,	३०	,,		मन्द	द	यत्नालाभ	१	हस्ताकारम्	दि. १५	तैलदानं	१५	१७	१५	०	उदुत्यंजातवेदेति मन्त्रः
चित्रा	पे पो र री	त्वष्टा	शुभम्	कृषकः	मृदु. मैत्र	तिर्यक्	२०	,,	३०	,,		मध्य	प	दूरेश्रवणं	१	मौक्तिकम्	दि. ११	दुग्धदानं	११	६	६	१६	त्वष्टातुरियेति मन्त्रः
स्वाती	रु रे रो ता	वायुः	शुभम्	क्रूरजाति	चरं. चलं	अधः	१४	नपुं	१५	,,		सुलोचन	उ	अलाभ	४	प्रवालाकारं	मृति	गौघृतं	६०	१७	३०	०	वायोरग्नेति मन्त्रः
विशाखा	ती तू ते तो	इंद्राग्नी	अशुभम्	चांडालः	मिश्र. साधा	अधः	१४	नपुं	४५	,,		अन्ध	पू	शीघ्रलाभ	४	तोरणसदृशं	दि. १६	गोमेद	१५	०	४	१३	इन्द्राग्नी इति मन्त्रः
अनुराधा	न नी नू ने	मित्रः	शुभम्	शूद्रः	मृदु. मैत्र	तिर्यक्	१०	,,	३०	,,		मन्द	द	यत्नालाभ	४	वलिसदृशं	स्थिर.	गौघृतं	६०	१२	३६	३०	नमोमित्रेति मन्त्रः
ज्येष्ठा	नो या यी यू	इन्द्रः	शुभम्	कृषकः	तीक्ष्णं. दारु.	तिर्यक्	१४	मु.	१५	,,		मध्य	प	दूरेश्रवणं	३	कुण्डलाकारं	मृतिः	तिलदानं	६६	६	६	४	त्रातार मिन्द्रेति गन्वः
मूल	ये यो भ भी	राक्षसः	क्षयः	क्रूरजाति	तीक्ष्ण. दारु.	अधः	५६	,,	३०	,,		सुलोचन	उ	अलाभः	११	सिंह पुच्छ	ध. ६	रौप्यदानम्	०	६	१५	६	मातापुत्रेति मन्त्रः
पूर्वाषाढा	भू धा फा ढा	जलम्	हानिः	ब्राह्मणः	उग्र. क्रूरं	अधः	२४	,,	३०	चं.		अन्ध	पू	शीघ्रलाभ	२	गजदंतसदृशं	मृतिः	गौमुक्ता	०	१५	२४	१०	आपोधर्मेति मन्त्रः
उत्तराषाढा	भे भो ज जी	विश्वेदेवा	हानिः	क्षत्रियः	ध्रुव. स्थिरः	ऊर्ध्व	१०	,,	४५	,,		मन्द	द	यत्नालाभ	३	मंचकाकारं	मा. १	भोजनं	३०	२४	२६	१६	विश्वेदेवेति मन्त्रः
अभिजित्	जु जे जो खा	ब्रह्मा	शुभम्	—	लघु. क्षिप्र.	,,	१०	,,	०	,,		मन्द	द	यत्नालाभ	३	त्रिकोण	—	—	—	—	—	—	ब्रह्मयज्ञानमिनिमन्त्रः
श्रवण	खी खु खे खो	विष्णु	वृद्धिः	चांडालः	चरं. चलं.	,,	१०	,,	३०	,,		सुलोचन	उ	अलाभ	४	विमान सदृ	दि. ११	श्रीफलं	६०	२४	६	६	विष्णोररातेति मन्त्रः
धनिष्ठा	ग गि गु गे	अष्टवसु	शुभम्	कृषकः	चर. चल.	,,,	१०	,,	३०	,,		अन्ध	पू	शीघ्रलाभ	९०	मृदंगाकारं	दि. १५	अश्वान्नं	१५	४	२१	२१	वसोः पवित्रेति मन्त्रः
शतभिषा	गो सा सी सु	वरुणः	शुभम्	क्रूरजाति	चर. चल.	,,	१८	,,	१५	सू.		मन्द	द	यत्नालाभ	२	वर्तुलं	दि. ११	भोजनं	०	४५	३	२२	वरुणस्वोत्तमेति मंत्रः
पूर्वाभाद्र	से सो द दी	अजैकपात्	अशुभम्	ब्राह्मणः	उग्र. क्रूर	,,	१६	,,	३०	चं.		मध्य	प	दूरेश्रवणं	२	मंचकाकारं	मृतिः	भोजनं	०	१२	२१	३६	अजैकचरणोक्त मन्त्रः
उ.भाद्रप	दू थ झ ञ	अहिर्बुध्न्य	शुभम्	क्षत्रियः	ध्रुव. स्थिरः	,,	२४	,,	४५	सू.		सुलोचन	उ	अलाभ	२	यमलसदृशं	दिन ७	अन्नदानं	१०	३	६	१५	अहिर्बुध्न्येति मन्त्रः
रेवती	दे दो च ची	पूषा	शुभम्	शूद्रः	मृदु. मैत्र.	तिर्यक्	१०	,,	३०	चं.		अन्ध	पू	शीघ्रलाभ	३२	मर्दलाकारं	स्थिर.	वृषदानं	१८	१०	६	२०	पूषन्तव व्रतेति मन्त्रः

अथ रोगी के मरण जीवन का ज्ञान—उरगशतभिषार्द्रा स्वातिमूले त्रिपूर्वा भरणि रविजवारे भानुभौमार्कियुक्ताः। प्रथमदिनचतुर्थी-द्वादशी षष्ठि भूता हरिहर विधिरक्तो रोगिणां मृत्युकालः॥
आश्लेषा शतभिषा आर्द्रा स्वाति तीनों पूर्वा भरणी यह नक्षत्र रवि भौम शनि-वार और १।४।१२।६।१४यह तिथि इनके योग में रोग होनो रोगी की मृत्यु होती है। तीनों में से एक भी कम होतो गिता नहीं॥
पुष्यनक्षत्रस्य प्राशस्त्यम्—ग्रहेण विरुद्धेऽप्यशुभान्वितेऽपि। विरुद्ध नारोऽपि विलोम गोपि। करोत्यवश्यंसकलार्थ सिद्धि विहायपाणिग्रहमेव पुष्यः। सिंहोयथा सर्वचतुष्पदानां तथैवपुष्योवज्रवानुडूनाम्॥
चन्द्र विरुद्धेऽप्यथगोचरेवा सिद्ध्यंतिकार्याणिकृतानि पुष्ये। परकृतमखिलं निहंतिपुष्यो नखलु निहन्तिपरस्तुपुष्यदोषम। ध्रुवममृतकरेऽष्टमेपि पुष्ये विहितमुपैति सदैवसिद्धिम॥

प्राचीनमते वर्ष ध्रुवाः

वर्ष	१	२	३	४	५	६	७	८	९
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९
पल	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०

वर्ष	१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०
वार	५	४	२	१	६	५	४	२	१
घटी	३५	१९	४५	२१	५६	३१	६	४२	१७
पल	१५	३०	४५	०	१५	३०	४५	०	१५
विपल	०	०	०	०	०	०	०	०	०

नूतन दृक्पक्षीयाः वर्ष ध्रुवाः

वर्ष	१	२	३	४	५	६	७	८	९
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४
घटी	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	३	१८
पल	२२	४५	८	३१	५४	१७	४०	३	२६
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३

वर्ष	१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०
वार	५	४	२	१	६	५	३	२	१
घटी	३३	७	४१	१५	४९	२२	५६	३०	०४
पल	४९	३९	२८	१८	७	५७	४६	३६	२५
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०

पंच वर्गी बलम्

स्वर्क्ष	उच्च	हद्दा	द्रेका	नवां	
३०	२०	१५	१०	५	स्व
०	०	०	०	०	
२२	१५	११	७	३	मि
३०	०	१५	३०	४५	
१५	१०	७	५	२	सम
०	०	३०	०	३०	
७	५	३	२	१	शत्रु
३०	०	४५	३०	१५	

वर्षे मुग्धा चक्रम्

सू	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु	द.
०	१	०	१	१	१	१	०	२	मा
१८	०	२१	२४	१८	२७	२१	२१	०	दि.

सप्तांश चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	४।१७।८।३४
२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	८।३४।१७।८
३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	१२।५१।२५
४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	१७।८।३४।१७
५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	२१।२५।४२
६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	२५।४२।५१
७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	३०।०

वर्ष हद्दा चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	राशी
६	८	६	७	६	७	६	७	१२	७	७	१२	अंश
वृ	शु	बु	मं	वृ	बु	श	मं	वृ	बु	शु	शु	स्वामी
६	६	६	६	५	१०	८	४	५	७	६	४	अंश
शु	बु	शु	शु	शु	शु	बु	शु	शु	वृ	बु	वृ	स्वामी
८	८	५	६	७	४	७	८	४	८	७	३	अंश
बु	वृ	वृ	बु	श	वृ	वृ	बु	बु	शु	वृ	बु	स्वामी
५	५	७	७	६	७	७	५	५	४	५	९	अंश
मं	श	मं	वृ	बु	मं	शु	वृ	मं	श	मं	मं	स्वामी
५	३	६	४	६	२	२	६	४	४	५	२	अंश
श	मं	श	श	मं	श	मं	श	श	मं	शं	श	स्वामी

होरा चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	१५
४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	३०

द्रेष्काण चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
मं	शु	बु	चं	सू	बु	शु	मं	वृ	श	श	वृ	१०
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	
सू	बु	शु	मं	वृ	श	श	वृ	मं	शु	बु	चं	२०
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	
वृ	श	श	वृ	मं	शु	बु	चं	सू	बु	शु	मं	३०
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	

त्रिपता चक्रे ग्रह स्थापनम्-सैकागताब्द संख्याया विभक्तो नवभिस्ततः। शेषांके जन्मनिगता चन्द्रराशेरिहन्यसेत् ॥ शेष ग्रहाश्चतुर्भक्तं शेष संख्यापु विन्यसेत। त्रिपतायां वर्ष लग्न,आदौ तत्र विधुर्यदा। शुभैर्विद्धःशुभफलः पापैः पापफल प्रदः इति ॥

नवमांश चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	३।२०
२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	६।४०
३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	१०।०
४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	१३।२०
५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	१६।४०
६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	२०।०
७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	२३।२०
८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	२६।४०
९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	३०।०

द्वादशांश चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मीं	अंशा
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	२।३०
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	५।०
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	७।३०
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	१०।०
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	१२।३०
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	१५।०
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	१७।३०
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	२०।०
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	२२।३०
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	२५।०
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२७।३०
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	३०।०

अथ त्रिंशांश चक्रम्

विषमे त्रिंशांशाः							समे त्रिंशांशाः						
मे	मि	सिं	तु	ध	कुं	अ	वृ	क	कं	वृ	म	मी	अं
१	१	१	१	१	१	५	२	२	२	२	२	२	५
११	११	११	११	११	११	१०	६	६	६	६	६	६	१२
९	९	९	९	९	९	१८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	२०
३	३	३	३	३	३	२५	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२५
७	७	७	७	७	७	३०	८	८	८	८	८	८	३०

त्रिराशिपतयः

लग्न	मे	वृ	मि	क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
दिवा	र	शु	श	शु	गु	चं	बु	मं	श	मं	वृ	चं
रात्रौ	वृ	चं	बु	मं	र	शु	श	शु	श	मं	वृ	चं

ग्रहाणां उच्च-नीच हर्ष स्थानानि दीप्तांशकाश्च

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	ग्रहा
०	१	९	५	३	११	६	उच्च
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	रा. अं.
६	७	३	११	९	५	०	नीच
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	रा. अं.
९	३	६	१	११	५	१२	हर्ष स्थान
१५	१२	८	७	९	७	९	दीप्तांशाः

उच्चबलानयनम्

नीचग्रहांतरं कार्यंषड्भा दल्यं यदा भवेत् तदं शा नवभिर्भक्ताः स्पष्टमुच्च बलं भवेत् ॥

वर्षे मैत्री चक्रम्

मित्र	सम	शत्रु
५-९	२-१२	१-४
३-११	६-८	७-१०

अथ पंचाधिकारिणः

१ जन्म लग्नेशः
२ वर्ष लग्नेशः
३ त्रिराशिपतिः
४ मुथां पतिः
५ दिवा रवि राशीशः ६ रात्रौ चन्द्र राशीशः
एषु लग्नाऽवलोकी बलवांश्च वर्षपतिर्भवेत्।

वर्षे मुग्धादशाज्ञानम्

जन्मर्क्ष संख्या सहितागताब्दै दृगूनिता नन्द हृतावशेषात्। आ. चं. कु. रा. जी श.बु.के.शु. वर्षे मुग्धा दशैवं कथिता मुनीन्द्रैः। अथ ग्रहाणां दीप्तांशाः-तिथ्य १५ र्का १२ ष्ट ८ नगांक शैलखर्चराः सूर्यादिदीप्तांशकाः ॥ - - - - -

अथहर्ष बलानयनम्:—कोष्ठकोक्तभावेषु ग्रहे स्थिते, प्रथमम्। योग्रहः स्वोच्चः स्वराशिस्थः सोपिबलाधिकारी, द्वितीयम्। लग्नात्त्रित्रिस्थानेषु स्त्रीणां पुंग्रहाणांच स्थितौ हर्षबलम् तृतीयम्। दिवा वर्ष प्रवेशे नृणां रात्रौ स्त्रीणां बलं भवति इति चतुर्थम्। ताजिके. सू.मं.गु. पुरुषग्रहाः शेषाः स्त्रीग्रहाः ॥ - - - - -

मुंथानयनम्-गतवर्षेषु लग्नं संयोज्य द्वादशभक्ते वर्षे मुंथाराशिः ॥ - - - - - - - -

वर्षे जगल्लग्नफलम्-जन्मोदयाद्भास्वदजप्रवेश लग्नंहियद्भावगतंशुभान्वितम्॥ तद्भावकृद्धिं प्रकरोति तस्मिन्वर्षे नृणां पापयुतं तदन्यथा ॥

ऊर्ध्वस्थितर्क्षाणि हि भानि पुंसां वामस्थितर्क्षाणि तथा वधूनाम् । संपातकोष्ठे शुभयोगुणैक्यं सर्वशुभं तत्स्मृतितोऽधिकंयत् ॥१॥

		मेष			वृष			मिथुन		कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु				मकर				कुम्भ			मीन		
		अ४	भ४	क्रु१	कृ२	रो४	मृ२	मृ२	आ४	पु३	पुन१	पु४	श्लेष४	म४	पू४	उ१	उ२	हु४	चि२	चि२	स्व४	वि२	वि१	ऽनु४	ज्ये४	म४	पू॥	पू३॥	उ१	उ२	श्र१॥	श्र२॥	ह२	ध२	श४	पू३	पू१	उ४	रे४
मेष	अ ४	२८ ३	३३ ०	२७॥	१७॥ ४	२१॥ -४	२२॥ -४	२६	१७ ३	१९ ३	२३॥ ३	३१॥	२८	२१ ×५	२५ ×५	१४॥ ३५	१० ३६	९ २३६	१३ ६	२२॥	२६॥ -२	२२॥	१८॥ -६	२४॥ -६	१४ ३६	१३ ३५	२५ ×५	२५ ×५	२३॥ ×५	२५	२७	२६	२०	२०	१५ ३	१६ ३	१४॥ ३४	२३॥ ×४	२६ ×४
	भ ४	३४	२८ ३	२९ ०१	१९ ०५१	२३॥ -५	१५॥ ३४	१९ ३	२६	२६	३०॥	२३॥ ३	२४॥ १	१९ -१५	१७ ३५	२६ ×५	२१॥ ६	२० ६	४ १३६	१३॥ १३	२९॥	२१॥ -१	१७॥ -१६	१७॥ ३६	१९॥ -१६	२० -१५	१८ ३५	१९ ३५	२७ ×५	२८॥	२७	२६	१० १३२	१० १३२	२० -१	२४ -२	२२॥ ×२४	१७॥ ३४	२४॥ ×४
	कृ १	२६	२९ १	२८ ३	१८ ३४	१० ५१५०	१६॥ ४	२०	२० १	२१	२५॥	२६॥	२३॥ ३	१६॥ ३५	२० १५	२० १५	१५॥ १६	१५॥ ६	१८ ६	२७॥	१५॥ ३	१९॥ ३	१५॥ ३६	१९॥ -६	२५॥ -६	२४॥ ×५	१८ १२५	१९ १२५	१२ ३१५	१३॥ १३	११॥ २३	११॥ २३	२५	२५	२५	१९ १	१७॥ १४	१९॥ १४	११॥ ३४
वृषभ	कृ ३	१७॥ ४	२० १४	१९ ३४	२८ ३	२० १३०	२६॥	१७॥ ×४	१७॥ ४	१८॥ ×४	२२	२३	२० ३	१८॥ ३	२२ १	२२ १	२१ १५	२१ ×५	२३॥ ×५	२२॥ -६	१०॥ ३६	१४॥ ३६	२०॥ ३	२४॥	३०॥	२० ६	१४॥ १२६	१४॥ १२६	६॥ १३६	१२ १३५	११ २३५	१० ३५२	२३॥ ×५	२९॥	३१॥	२३॥ १	२० १	१४ ३
	रो ४	२३॥ -४	२४॥ ४	११ ३४५	२० ३१	२८ ३	३६ ०	२७ ०४	२३॥ ×४	२२॥ ×४	२६	२७	१७ ३१	१०॥ ३१	२४॥	२७	२६ ×५	२६ ×५	२० -१५	१९ -१६	१५॥ ३६	९॥ ३१६	१५॥ ३१	२९॥	२३॥ १	१४ ६	१९ ६	२० ६	१२॥ ३६२	१५ ३५२	१८ ३५	१७ ३५	२० -१५	२६ -१	२४॥ -१	३०॥	२७	२७	१९ ३
	मृ २	२३॥ -४	१५॥ ३४	१८॥ -४	२७॥	३६	२८ ३	१९ ३४	२४ ०४	२२॥ ×४	२६	१९ ३	२१	१९॥	१५॥ ३	२४॥	२३॥ ×५	२६ ×५	१३ ३५	१२ ३६	२५ ×६	१९॥ ×६	२४॥	२१॥ ३	२४	१५ ६	१० ३६	११ ३६	१८ २६	२२॥ ×५५	२४ ×५	२३॥ ×५	१३ ३५	१९ ३	२७	२९॥	२६	१८ ३	२७
मिथुन	मृ २	२७	१९ ३	२२॥	९९॥ ×४	२७ ×४	२०॥ ३४	२८ ३	३२ ०	३१॥	१९॥ -४	१२ ३४	१४ ४	२३॥	१९॥ ३	२८॥	३१॥	३४	२१ ३	१३ ३५	२७ ×५	२०॥ ×५	१५ ६	१२ ३६	१५ ६	२३	१८ ३	१७ ३	२४ ×२	१७ -२६	२४ -६	२३॥ -६	११॥ ३६	१३ ३५	२१ ×५	२३॥ ×५	२५॥	१७॥ ३	२६॥
	आ ४	१८ ३	९७	२१ १	१८॥ ×१४	२४॥ ×४	२६ ×४	३४	२८ ३	२५ ३०	१२॥ ०३४	२०॥ -४	१३ १४	२२॥ १	२८॥	२१॥ ३	२४॥ ३	२४॥ ३	२८ १	२३ -१५	२७ ×५	२१ ×५५	१५॥ १६	१८ २६	४	१६ १३	२८	२७	२७	२३॥ -६	२३॥ ६	२३ -६	१८॥ -१६	१९ ×५५	१२ १३५	१८ ३५	२० ३	२६॥	२५॥
	पुन२	२० ३	२६	२३	२०॥ ×४	२२॥ ×४	२३॥ ×४	२१॥	२४ ३	२८ ३	१५॥ -३४	२२॥ ४०	१७ -४	२३॥ ×२	२६॥ २	२१॥ ३	२३॥ ३	२५॥ ३	२७॥	२०॥ ×५	२८ ×५	२२ ×५	१६॥ ६	२२॥ ६	८ ३६	१३ ३	२८	२६	२६	२२॥ -६	२३॥ -६	२३ -६	१८ -६	१९॥ ×५	१४ ३५	१७ ३५	१९ ३	२८	२७॥
कर्क	पुन१	२२॥ ३	२८॥	२५॥	२२	२४	२५	१८ ४	१०॥ ३४	१४॥ ३४	२८ ३	३५ ०	२९॥	१६॥ ×२४	२०॥ ×२४	१५॥ ३४	१८ ३	१९ ३	२१	२०॥	२८	२२	२० ×५	२६ ×५	१५॥ ३५	८ ३६	२२ ६	२१॥ -६	२१॥ -६	२५	२७	२७	२२	१३॥ ६	८ ३६	११ ३६	१७ ३५	२६ ×५	२५॥ ३
	पुष्य४	२०॥	२१॥ ३	२६॥	२३	२५	१८ ३	११ ३४	२८॥ ४	२१॥ ४	३५	२८ ३	३० ०	१९॥ ×४	१५॥ ३४	२३॥ ×४	२६	२७	१२ ३	११॥ ३	२६॥	२१	१९ -५	१८ ३५	२१ -५	१७ ६	१२ २३६	१९॥ २३६	२०॥ ६	२४	२४ -२	२५ -२	१३ ३	४॥ ३६	१४॥ ६	१८ ६	२४ ×५	१८ ३५	२७ ×५
	इलेष४	२६	२३॥ १	२७॥ ३	१९ ३	११ ३१	१९	१२ ४	१२ १४	१५ ४	२८॥	२९	२८ ३	१५	१५॥ १४२	१८॥ १४	२१ १	२१	२६	२५॥	१२॥ ३	१७॥ ३	१५॥ ३५	२० ×५	२६ ×५	२२॥ ६	१६ ३६	१६॥ १६	८॥ ३१६	१२ १३	१२ ३	१३ ३	२७	१८ ६	१९॥ ६	१२॥ १६	१८॥ १५	१५	१२ ३५
सिंह	म ४	२० ×५	१९ १५	१६॥ ३५	१७॥ ३	२१॥ ३	१५॥ ३	२१॥	२१॥ १	२८॥ -२	१६॥ -२४	२४॥ ४२	२८ ३	३० ०१	२७॥ १	१६॥ १४	१६॥ ४	२१॥ ४	२४॥	११॥ ३	१६॥ ३	२२॥ ३	२५॥	३३	२५ ×५	१९ १५	१९ १५	८॥ १३५	३ ३१६	३॥ ३६	५ ३६	१९ ६	२५	२६	१८॥ १	२८॥ -१६	१६	१२ ३६
	पू ४	२६ ×५	१७ ३५	२० -१५	२१ १	२३॥ ३	१५॥ ३	१९॥ ३	२७॥	२६॥ -२	२२॥ -२४	१७॥ ३४	१६॥ १२४	३० -१	२८ ३	३५ ०	२४ ०४	२२॥ ४	७॥ १३४	१०॥ १३	२५॥	१८॥ ६	२४॥ -१	२३॥ ३	२५॥ -१	१९ ×५५	१७ ३५	१७ ३५	२४ ×५	१८ ६	१७॥ ६	१८॥ ६	४॥ १३६	१०॥ १३	१९॥ १	२४॥ -६	२४॥ ३६	१७॥ -६
	उ १	१५॥ ३५	२६ ×५	२० ×१५	२१ ×१५	२६	२४॥	२८॥	२०॥ २	२१॥ ३	१७॥ ३४	२५॥ ×४	१९॥ -१४	२७॥ -१	३५	२८ ३	१७ ३४	१६ ०३४	१३॥ १४२	१६॥ १२	२५॥	१६॥ १२	२२॥ -१२	३१॥	१८॥ १३	९॥ १३५	२५ ×५	२५ ×५	२५ ×५	१५ ६	१५ ६	२० ६	११॥ १६	१७॥ १	१०॥ १३	१५॥ ३	१५॥ ३६	२६॥ ×६	२५॥ ×६
कन्या	उ ३	१२ ३६	२२॥ ६	१६॥ १६	२१ १५	२६ ×५	२४॥ ×५	३१॥	२३॥ ३	२४॥ ३	२० ३	२८	२२॥ ३	१७॥ १४	२५ ×४	१४ ३७	२८ ३	३०	१६॥ १२४	२५॥ ×४	१६॥ २१४	२० १२	२८	१५ १३	१४ १३	२९॥	२७॥	२८॥	२५ ×५	२५ ×५	२४॥ ×५	१६ ×१५	१६॥ -१६	९॥ ३१६	१४॥ ३६	१७॥ ३	२८॥	२७॥
	ह ४	१० २३६	२१ ६	१६॥ ६	२२ ×५	२५ ×५	२६ ×५	३३	२२॥ ३	२४॥ ३	२० ३	२८	२३	१८॥ ×४	२२॥ ×४	१७ ३४	२६ ३	२८ ३	२८ ०	२० ०४	२६॥ ×४	१८॥ ×४	२१	२८	१५ ३	१५ ३	२७	२६	२७॥	२४ ×५	२५ ५	२४॥ ×५	१३॥ ×५	१९ -६	८॥ ३६२	१३॥ ३६	१६॥ ३	२६॥	२७॥
	चि२	१३ ६	५ १३६	१९ ६	२३॥ ×५	२० १५	१२ ३५	१९ ३	२७ ×१	२५॥	२१	१२ ३	२७	२२॥ ×४	८॥ १३४	१४॥ १२४	१२ १२	२७	२८ ३	२० ३२	१९ ०४	२६॥ ×४	२९	१२ ३	२६	२८	१४ १३	१४ १३	२२ १	१७॥ १५	१९ ५	१८॥ ×५	१७॥ ३५	१२ ३६	२४ -६	१८॥ १६	२१॥ १	१०॥ १३२	१९॥

चारणी के कोष्ठक में ऊपरी भाग में गुण हैं। नीचे के भाग में दोषों के चिन्ह हैं। जिनकी पहिचान के चिन्ह यह हैं। नाडी दोष में (३)। गण महादोष (मनुष्य राक्षस) में (१)। मकूट-महादोष (षडष्टक) में (६)। (नव पंचम) में (५)। (द्विर्द्वादश) में (४)। वैर योनि में (२)। और जहां थोडा दोष है वहां (–)। जहां दोष का पूरा निर्वाह है वहां (×) चिन्ह है। जहां वरके नक्षत्र से पूर्व वधू का नक्षत्र है इसका भी महादोष (दाक्षिणात्यों ने) माना है वहां (०) चिन्ह है जहां कोई दोष नहीं वहां केवल गुण ही लिखे हैं।

वर→ / वधू	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
	अ४	अ४	कृ१	कृ२	रो४	मृ२	मृ२	आ४	पु३	पु१	पु४	श्ले४	म४	पू४	उ१	उ३	हु४	चि२	चि२	स्व४	वि३	वि१	ऽनु४	ज्ये४	मू४	पू॥	पू२॥	उ१	उ३	श्र१॥	श्र२॥	ध२	ध२	श४	पू३	पू१	उ४	रे४
चि२	२२॥	१४॥ १३	२८॥	२३॥ ×६	२० १६	१२ ३६	१३ ३५	२३ १५	२० ×५	२०॥	१९॥ ३	२६॥	२५॥	११॥ १२	१६॥ १२	१७॥ १२४	२० ×४	२१ ३४	२८ ३	२७ ०	२४॥	२४॥ ४	७॥ ३४	२१॥ ४	२८	१४ १३	१३ १३	२१ १	२५॥ −१	२७	२६॥	२५॥ ३	२० ३५	२६ +५	२० −१५	१४ १६	३॥ ०३१,	१२॥ ६
स्वा४	२७॥ ×२	३०॥	१७॥ ३	१२॥ ३६	१५॥ ३६	२६ −६	२७ ×५	२६ ×५	२८ ×५	२९	२७॥	१३॥ ३	१३॥ ३	२५॥	२५॥	२५॥ ×४	२७॥ ×४	२१ ×४	२८	२८ ३	२० ३०	१० ३४०	३३॥ ४	१८॥ ४	२३	२७	२६	१८ ३	२१॥ ३	२३ ३	२३ ३	२६॥	२१ ×५	२० ×५२	२५ +५	१९ ६	१९॥ ६	१२॥ ३६
वि३	२२॥	२२॥ १	२०॥ ३	१५॥ २६	१०॥ १३६	१७ −६	२१ ×५	२१ −१५	२१ ×५	२२	२१	१७॥ ३	१७॥ ३	१९॥ १	१७॥ १२	१७॥ १४२	१७॥ ×४	२७॥ ×४	३४॥	१९ ३	२८ ३	१८ ३४	१७ ०४	२१॥ ४	२८	२२ १	२१ १	१३ १३	१७॥ ३	१७॥ ३	१७ ३	३२	२६॥ ×५	२६ +५	२२ १५	१६ १३	१३ १६२	४॥ ३६
वि१	१६॥ ×६	१६॥ ×१६	१४॥ ३६	१९॥ ३	१४॥ १३	२२॥	६३ ६	१४॥ ३६	१४॥ ६	१९ −५	१८ −५	१५॥ −५३	२३॥ ३	२३॥ १	२१॥ १२	१८ १२	१९	२८	२३॥ ३	९ ३४	१७ ३४	१८ ३	२७ ०	३१॥	२३॥ ×४	१७॥ १४	१७॥ ४१	९॥ १३४	१२ १३	११॥ ३	१२ ३	२७	२७	२६॥	२२॥ ३	२१ १५	५॥ ३६
अ४	२३॥ −६	१६॥ ३६	१९॥ −६	२४॥	२७॥	२०॥ ३	११ ३६	३६ ३६	२१॥ ६	२६ −५	१८ ३५	२१ −५	२५॥	२१॥ ३	२९॥	२६	२७	१२ ३	७॥ ३४	२२॥ ४	१७ ३४	२८	२८ ३	३१॥ ०	१६॥ ×२४	१४॥ ३४	१४॥ ३४	२२॥ ×४	२५	२६	२६	१२ ३	२२	२५॥	१२ ३	१८ ३५	९॥ ३६
ज्ये४	१२ ३६	१८॥ १६	२४॥ −६	२९॥	२२॥ १	२२॥	१३ ६	३ ।।।०	५॥ ६३	१०॥ ×३	२० ×५	२६ −५	३२	२४॥ १	१६॥ १३	१३ १३	१३ ३	२५	२०॥ ४	१६॥	२०॥ ४	२१॥	३०	२८ ३	१५ २३४	१७॥ १४	१७॥ १४	१७॥ १४	२० १	२०	२०	२५	२५	१९ ३	११ १३	५ १३५	२१ ९५	२१ ×५
मू४	१३ ३५	२० −१५	२४॥ ×५	१९ ६	१२ १६	१३ ६	२१	१५ १३	१२ ३	८ ३६	१७ ६	२३॥ ६	२५ ×५	१९ −१५	९॥ १५३	१४ ३१	१३ ३	२७	२७	२१	२७	२४॥ ×४	१६॥ ×२४	१६ ३४२	२८ ३	२८ ०१	२७ ०१	२५॥ १	१५॥ १४	१५॥ ४	१५ ४	२१ ४	२९॥	२१॥ ३	१५॥ १३	१७ १३	२५ १	२६॥ ●
पू ॥	२६ ×५	१८ −३५	१८ २१५	१५॥ २६	१८ ६	१० ३६	१८ ३	२७	२६	२२ −६	१२ २३६	१७ १६	१९ −१५	१७ ३५	२५ ×५	२८॥	२७	१३ १३	१३ १३	२७	२१ १	१८॥ १४−	१६॥ ३४	१८॥ १४−	२८ ×१	२८ ३	२७ ३	३३ ०	२३ ०४	२३॥ ४	२३॥ ४	२९॥	३१	२३ ३	३१	१३ १३	२३ १	२६॥ ●
पू ३॥	२६ ×५	१९ ३५	१९ ५२१	१३॥ १६२	१९ ६	११ ३६	१७ ३	२६	२६	२३॥ ६	१३॥ २३६	१७ १६	१९ −१५	१७ ३५	२५ ×५	२८॥	२६	१३ १३	१२ ३	२६	२० १	१८॥ −१४	१६॥ ३४	१८॥ −१४	२७ ×१	२७ ३	२८ ३	३४ ०	२१ ०४३	२४॥ ४	२३॥ ४	७॥ १३४	१५॥ १३	२२ १	२८॥	३१	२३ ३	३१॥
उ १	२४॥ ×५	२७ ×५	१२ १३५	६॥ १३६	११॥ २३६	१८ २६	२४ ×२	२६	२६	२३॥ ×६	२२॥ ६	९॥ १६३	८॥ १५३	२४ ×५	२५ ×५	२७॥	२७	२१ १	२० १	१८ ३	१२ १३	१०॥ १३४	२४॥ ×४	१६॥ −१४	२५॥ १	३३	३४	२८ ३	१८ ३४	१६ ३४०	१५॥ १४	२२॥ १	२२॥ १	२८॥ १	३१॥	३१॥ ३	३३॥
उ ३	२६	२९	१४॥ १३	१२ १३५	१७ २३५	२३॥ ×२५	१७ ×२६	२२॥ −६	२२॥ −६	२७	२६	१३ १३	४ १३६	१९ ६	२० ६	७५ ×५	२५ ×५	१७॥ १५	२४॥ −१	२३॥ ३	१६॥ १३	१३ ३१	२७	२१ १	१६॥ १४	२४ ४	२५ ४	१९ ३४	२८ ३	२६ ०३	२५ ३०	२५॥ ×१	१७॥ ×१४	१७॥ −१४	२३॥ ×४	२९॥	२९॥	२१॥ ३
अ१॥	२८	२७	१४॥ २३	१२ २३५	१७ ३५	२४ ×५	२३ −६	२१॥ −६	२२॥ −६	२६	२५ ×२	१४ ३	५॥ ३६	१७॥ ६	१९ ६	२४ ×५	२५ ×५	२० ×५	२७	२२॥ २	१७॥ ३	१४ ३	२७	२२	१७॥ ४	२४॥ ४	१६ ३४	२५ ३	२८ २	२७ ३	२८ ०−	२० ०४	१८॥ ४	२२॥ ×४	२८॥	२८॥	२१॥ ३
अ२॥	२७	२६	१२॥ ३२	११ ३५२	१६ ३५	२३॥ ×५	२२॥ −६	२१ −६	२२ −६	२८	२६ ×२	१५ ३	७ ३६	१८॥ ६	२० ६	२३॥ ×५	२४॥ ×५	१९ ×५	२६॥	२२ ३	१७ ३	१४ ३	२७	२२	१७ ४	२३ ४	२३॥ ४	१५ ३४	२४ ३	२७ ३	२८ ३	२९ −०	१९ ०४	१८ ×४	२२ ×४	२९॥	२९॥	२२॥ ३
ध२	२०	११ १३२	२६	२३॥ ×५	२० १५	१२ ३५	९॥ ३६	१७॥ १६	१६ −६	२२	१३ ३	२८	२० ६	५॥ १३६	१२॥ १६	१६ १५	१८॥ ×५	१७॥ ३५	२५॥ ३	२४॥	२१	२८	१२ ३	२६	२२ ४	८ १३४	८ ३४१	१६॥ ४१	२५॥ १	२७	२८	२८ ३	१८॥ ३४	२३॥ ४०	१९ १४	२६ १	१५॥ १३	२२॥ ×२
ध २	२०	११ १३२	२६	३०॥	२७ १	१९ ३	१२ ३५	१९ १५−	१८॥ ×५	४॥ ३६	१९॥ ६	२६	११॥ १३	१८॥ १	१७॥ १६	१९ ×६	१७ ३६	२० ३५	२० −५	२६॥ −५	२८	१२ ३	२६	३०॥	१६॥ १२	१५॥ १३	२३॥ १	१८॥ १४	२० ४	१९॥ ×४	१९॥ ३४	२८ ३	२३ ०	२८॥ १	१४ १४४	१८ ७	१४ १३४	१६ ४२
श ४	१५ ३	२१ −१	२८	३२॥	२५॥ १	२७	२० ×५	१२ १३५	१३ ३५	८ ३६	१४॥ ६	१७॥ ६	२७	२०॥ १	११॥ १३	१०॥ १३६	८॥ २३६	२५ ६	२६ ×५	१९ ×२५	२६ ×५	२७॥	२२	२० ३	२२॥ ३	२४॥ १	२२॥ १	२३॥ १	१८॥ १४	१८॥ ४	१८ ×४	२४॥ ×४	३३	२८ ३	१९ ०१३	८ ।।४०	१६ १४	१६ ४
मू ३	१७ ३	२५ ×२	२० −१	२४॥ −१	३१॥	३१॥	२४॥ ×५	१८ ३५	१८ ३५	१३ ३६	२० ६	१३॥ १६	१९॥ १	२५॥	१६॥ ३	१५॥ १३६	१५॥ १३६	१९॥ १६	२०॥ −१५	२६ ×५	२२ −१५	२३॥ १	२७॥	१२ १३	१६॥ १३	३०॥	२९॥	२९॥	२४॥ ×४	२४॥ ×४	२४ ×४	२० −१४	२८॥ −१	१९ १३	२८ ३	१७॥ ३४	२२॥ ०४	२० ४२
मू १	१४॥ ३४	२१॥ ×४२	१६ −१४	१९ १	२६॥	२६॥	२५॥	१९ ३	१९ ३	१८ ३५	२५ ×५	१८॥ १५	१७॥ −१६	२४ ×६	१४॥ ३६	१६॥ ३	१६॥ ३	२०॥ ×१	१३॥ १६	१९ ६	५५ १६	२१ १५−	२५ ×५	५ १३५	१६ १३	३०	३०॥	३०॥	२८॥	२८॥	२९॥	२५॥ १	१७ १४	१० १३४	१८॥ ३४	२८ ३	३३ ०	३०॥ ×३
उ ४	२३॥ ×४	१६॥ ३४	१८॥ −१४	२१ १	२६	१८ ३	१७॥ ३	२५॥	२८	२७ ×५	१९ ३५	२१ १५	१८॥ −१६	१६॥ ३६	२५॥ ×६	२६॥	२६॥	९॥ १३२	३॥ ।।०	१९॥ ६	१२ १६२	१८ १५२	१९ ३५−	२१ −१५	२४ १	२२ ३	२२॥ ३	३०॥	२८॥	२८॥	२९॥	२५॥ १	१७ १४	१० १३४	१८॥ ३४	२८ ३	३३ ०	३०॥ ×३
रे ४	२५ ×४	२५॥ ×४	१११॥ ३४	१३ ३	१७ ३	२६	२५॥	२५॥	२८	२५॥ ×५	२७ ×५	१४ ३५	१२ ३६	२२॥ ×६	२३॥ ×६	२५॥	२६॥	१९॥	१२ ६	११॥ ३६	४॥ ३६	१०॥ ३५	२७ ×५	२२ ×५	२६॥	२९	२९॥	२१॥ ३	१९॥ ३	२२॥ ३	२१॥ ३	२२॥ −२	१४ ४२	१६ ४	१६ ४२	२९॥ ×२	३३	२८ ३

नगर नाम	उज्ज. रेखांत पलानि	ग्रीन्वी चत:पू. रेखांश	रेलवे न्तर मिनट	अक्षां- शा: उत्तरा:	पलभा अं ङ्यं	नगर नाम	उज्ज. रेखांत पलानि	ग्रीन्वि च :पू रेखांश	रेल्वे न्तर मिनट	अक्षां- शा. उत्तरा:	पलभा अं ङ्यं	नगर नाम	उज्ज. रेखांत पलानि	ग्रीन्वि पूर्व रेखांश	रेलवें तार मिनट	अक्षां शा: उत्तरा:	पलभा अङ्यं.
अककलकोट	+५	७६.२	-२५	१७।३२	३।४८	काबुल	-६६	६९.१	-५४	३४।२७	८। ३	जोधपुर	-३२	७२.५	-४०	२६।२०	५।५६					२७।२३	६।१३
आकोला	+१३	७७.०	-२२	२०।४२	४।३२	कालीकट	+१	७५.८	-२७	११।१४	२।२५	झासी	+२९	७८.६	-१६	२५।३७	५।४५	बगदाद	-३०७	४५.०	-१५०	२३।२४	७।५५
अजमेर	-११	७४.६	-३२	२६।२८	५।५८	कांचो	+५	७६.२	-२५	९ ।५६	२। ६	टोंक	-७	७५.०	-३०	१९।४०	४।१८	बड़ौदा	-२५	७३.२	-३७	२२।१६	४।५५
अथेन्स ग्रीस	-५२०	२३.७	-२३५	३७।५९	९।२२	किलोर(सि.)	+५१	८०.८	-७	७ ।२०	१।३२	ठाणे	-३८	७२.९	-३८	१९।१३	४।११	बदामी	०	७५.७	-२७	१५।५६	३।२७
अदवानी	+१६	७७.३	-२१	१५ ३७	३।२२	बनारस का)	+७२	८२.९	+२	२५।२०	५।४०	ढाका व	+१४७	९०.४	+३२	२३।४५	५।१७	बरद्वान	+६२	८१.९	-२	२३।१३	५।९
अहमदाबाद	-३२	७२.५	-४०	२३। २	५। ५	कित्तूर	- ९	७४.८	-३१	१५।३५	३।२१	तंजावर	+३४	७९ १	-१४	१०।४५	२।१७	बर्लिन ज.	-६२३	१३.४	-२७६	५२।३०	१५।३९
अमृतसर	-९	७४।८	-३१	२१।३७	७।२३	कुमारी	-१८	७७.५	-२०	८ । ६	१।४१	ताडपत्री	+२४	७८.१	-१८	१४।५६	३।१२	वल्लारो	+१३	७७.०	-२२	१५। ९	३।१५
अयोध्या	+६४	८२.१	- २	२६।४८	६। ४	कुम्भकोणं	+३८	७९.५	-१२	१०।५७	२।२०	तासगांव	-११	७४,६	-३२	१७।२	३।४०	वहाणपुर	+७	७६.४	-२४	२१।१८	४।४१
अर्काट	-३८	७९.५	-१२	१२।५८	२ ४६	कुरुन्दवाड़	-११	७४.६	-३२	१६।४१	३।३६	त्रिचनापल्ली	+३१	७८.८	-१५	१०।५४	२।१९	बागलकोट	-०	७५.७	-२७	१६।१२	३।२९
अलीगढ़	+२९	७८.६	-१६	२७।५३	६।२१	कोइमत्तूर	+१८	७७.५	-२०	१०।५८	२।२०	त्रिपति	+२९	७८.६	-१६	१३।०	२।४६	बिसाउ रा०	+१	७५.८	-२७	१८।१३	३।५७
अलीवाग	-२९	७२.८	-३९	१८।३८	४। ३	कोटबड़े	-२४	७३.३	-३७	१७। ५	३।४१	त्रिवेन्द्रम	+१२	७६.९	-२२	८।३०	१।४७	बीकानेर	-२४	७३.३.	-३७	२८। १	६।२३
अलेग्झंड्रिया	-४५७	३०.०	-२१०	३१।१२	७।१५	कोप्पल	+५	७६.२	-२५	१५।२०	३।१८	दिल्ली	+१४	७७.९	-२२	२८।३७	६।३२	वीड	+१	७५.८	-२७	१८।५८	४।७
औरङ्गाबाद	-४	७५.३	-२९	१९।५२	४।२०	कोल्हापुर	-१५	७४.२	-३३	१६।४३	३।३६	द्वारिका	-७१	८६.६	-५६	२२।१५	४।५५	चूँदी	-१	७५.६	-२८	२५।२६	५।४२
अहमदनगर	-१०	७४.७	-३१	१९। ८	४।१०	खंडवा	+६	७६.३	-२५	२१।५०	४।४८	दौलताबाद	-५	७५.२	-२९	१९।५७	४।२१	बैंगलूर	+१९	७७.६	-२०	१२।५८	२।४६
आगरा	+२२	७७.९	-१८	२७।१०	६।१०	गढ़वाल	+२२	७७.९	-१८	१६।१४	३।२९	धार	-५	७५.२	-२९	२२।३६	५। ०	बेदर	+१८	७७.५	-२०	१७।५५	३।५५
इचलकरंजी	-१३	७४.४	-३२	१६।३९	३।३५	गंतूर	+५०	८०.७	-७	१६।१५	३।२९	धारवाड़	-७	७५.०	-३०	१५।२६	३।१९	वेलगांव	-१२	७४.५	-३२	१५।५०	३।२४
इन्दापुर	-७	७५.०	-३०	१८। ७	३।५६	गया	+९१	८४.८	+९	२४।४६	५।३२	धुलिया	-१०	७४.७	-३१	२०।५३	४।३५	भड़ोंच	-२७	७३.०	-३८	२१।४१	४।४६
इन्दोर	० ०	७५.७	-२७	२२।४१	५। १	गाजीपुर	+७८	८३.५	+४	३५।३५	५।४५	धौलपुर	-२२	७७.९	-१८	२६।४०	६। २	भरतपुर	+१५	७७.२	-२१	२७।२०	६।१२
उज्जैन	० ०	७५.७	-२७	२३।९	५। ७	ग्वालियर	+२४	७८.१	-१८	२६।१२	५।५४	नवलगढ़	-६	७५.१	-२९	२७।४५	६।१९	भागलपुर	+११३	८७.०	+१८	२५।१३	५।३९
उटकमंद्ध	+१०	७६.७	-२३	११।२७	२।२७	ग्रीन्विच	-७५७	०.०	-३३०	५१।२९	१५।४	नंदुरबार	-१४	७४ ३.	-३३	२१।२१	४।४१	भोपाल	+ १६	७७ ३	-२१	२३।१४	५।९
उडपी	-९	७४.८	-३१	१३।२०	२।५०	गोकर्ण	-१४	७४.३	-३३	१४।३२	३। ७	नागपुर	+३३	७९.०	-१४	२१।८	४।३९	भोर	-१८	७३.९	-३४	१८।७	३।५६
उदयपुर रा.	-३०	७३.७	-३५	२४।३७	५।३०	गोकाक	-८	७४.९	-३०	१६।१०	३।२९	नासिक	-२०	७३.७	-३५	२०।०	४।२२	मंगलवेढें	-३	७५.४	-२८	१७।३१	३।४
अमरावती	+२०	७७.७	१९	२०।५५	४।३५	गोवे	-१९	७३.८	-३५	१५।२७	३।१९	निपाणी	-११	७४.६	-३२	१६।२२	३।३२	मंगलूर	-९	७४.८	-३१	१२।५२	२।४५
एलिचपुर	+१७	७७.४	-२०	२१।१६	४।४०	गोरखपुर	+७७	८३.४	-४	२६।४४	६। ३	पंढरपुर	-४	७५.३	-२९	१७।३९	३।४९	मक्का अ	-३५५	४०.२	-१६९	२१।२९	४।४३
ओंकारेश्वर	+४	७६.१	-२६	२२।१३	४।५४	चित्रकलदुर्ग	+८	७६.५	-२४	१४।१३	३। ३	पटियाला	+७	७६.४	-२४	३०।१७	७। ०	मछलीपट्टन	+ ५५	७०.२	-५	१६।१२	३।२९
कटक	+१०२	८५.९	+१४	२०।२६	४।२९	चिपलून	-२२	७३.५	-३६	१७।३१	३।४७	पनवेल	-२६	७३.१	-३८	१८।५९	४। ७	मथुरा	+२०	७७.७	-१९	२७।२८	६।१४
कड़पी	+३५	७९.२	-१३	१४।२८	३। ६	जगन्नाथपुरी	+१०१	८५.८	+१३	१९।४६	४।१९	परसुराम	-२२	७३.५	-१६	१७।३३	३।४८	मदुरा	+२५	७८.२	-१७	९।५३	२।५
कर्नूल	+२४	७८.१	-१७	१५।४९	३।२४	जंजीरा	+२७	७३.०	-३८	१८।१५	३।५७	प्रयाग	+६१	८१.८	-३	२५।२५	५।४१	मद्रास	+४५	८०.२	-९	१३।४	२।४०
कहाड	-१६	७४.१	-३४	१७।१०	३।४४	जठ	-५४	७५.३	-२९	१७। ३	३।३९	पटणा	+९४	८५ २	+११	२५।३३	५।४४	महाड़	-२३	७३.४	-३६	१८।३	३।५४
कलकत्ता	+१२८	८८.३	+२४	२२।३४	४।५९	जम्बूनगर	- ७	७५.०	-३०	३२।४४	७।४३	पेरिस फ्रांस	-७३४	२.३	-३२१	४८।५०	९२।४३	म्हेसूर	+९	७६.६	-२४	१२।१८	२।३७
कलबुर्गा	+११	७६.८	-२३	१७।२०	३।४५	जबलपुर	-४४	८०.१	-१०	२३। ९	५। ८	पुडुकोट	+३२	७८.९	-१४	१०।२०	२,११	मांडवी	-६३	६९.४	-७२	२२।५४	५।४
कल्याण	-२५	७३.२	-३७	१९।१३	४।११	जमखंडी	+ ४	७५.३	-२९	१६।३०	३।३३	पूना	-१९	७३.८	-३५	१८।२९	४।०	मालेगाव	-१२	७४.५	-३२	२०।३१	४।३०
कागल	-१४	७४.३	-३३	१६।३४	३।३४	जयपुर	- १	७५.८	-२७	२६।५६	६। ६	पुरनिया	-११८	८७.५	+२०	२५।४६	५।४८	मिरज	-१०	७४.७	-३१	१६।४९	४।३७
काठमांद्ध	+९५	८५.२	+ ९	२७।४३	६।१८	जव्हार	+२४	७३.३	-३७	१९।५७	४।२१	पेकिन (चीन)	+४०८	११८.५	-८	४०।०	१०।४२	मुदगल	+८	७६.५	-२४	१६।१	३।२७
कानपुर	+४६	८०.३	- ९	२६।२८	५।५८	जूनागढ़	-५३	७०.४	-४८	२१।२९	४।३३	पेण	-२७	७३.०	-३८	१८।४३	४।४	मुधोल	-४	७५.३	-२९	१६।२०	३।३१
कॉन्स्टाटिनोप	-४६७	२९.०	-२१४	४१। ०	१०।२८	जुन्नर	-१८	७३.९	-३४	१९।१६	४।१२	पेठण	-५	७५.३	-२९	१९ ३१	४।१५	मुम्बई	-२९	७२.८	-३९	१८।५७	४।७

नगर नाम	उज्ज-रेखां. पलं	क्रान्ति-चलोपू. रेखांश	रेलवे-न्तर मिनि.	अक्षां. उत्तराः अं. क.	पलभा अं.ब्यं	नगर नाम	उज्ज. रेखां. पल	क्रान्ति चलोपू रेखांश	रेलवे-न्तर मिनि.	अक्षां. उत्तराः अं. क.	पलभा अं.ब्यं
मुलतान	-४३	७१.४	-५४	३०।१:	६।५९	सिडनी	+७५५	१५१२	+२७५	३३।५५	८। ३
मुंगेर	+११८	८७.५	+२०	२५।२५	५।४१	सूरत	-३२	७२.५	-४०	२१।१०	४।३९
रतनगढ	-२४	७३.३	-३९	१७। ०	३।४०	सुरपुर	+११	७६.८	-२३	१६।३१	३।३३
रंगून (वर्मा)	+२०८	९५.७	+५३	१६।४८	३।३७	सेलम	+२६	७८.३	-१७	११।४०	२।२९
राजकोट	-४८	७०.९	-४६	१२।१६	४।५५	सोलापुर	+५	७५.८	-२७	१७।३९	३।४९
राजमहैन्द्री	+६१	८१.८	-३	१७। ०	३।४०	सकेश्वर	-१२	७४.५	-३२	१६।१६	३।३०
राजापुर	-२२	७३.५	३६	१६।३९	३।३५	हंपी	+८	७६.५	-२४	१५।२०	३।१७
रामदुर्ग	-३	७५.४	२८	१५।५७	३।२६	हरदा	+१३	७७.०	-३२	२२।१८	४।५५
रामेश्वर	+३५	७९.२	१३	९ ।१५	१।५७	हरिद्वार	+२४	७८.१	-१८	२९।५५	६।५४
रायचूर	+१७	७७.४	२०	१६।१७	३।३०	हरिहर	+२	७५.९	-२६	१४।३०	३। ७
रायपुर	+६०	८१.७	३	२१।१३	४।४०	हुबली	-६	७५.१	-३०	१५।१९	३।१७
रीवा	+५६	८१.३	-५	२४।३२	५।२९	द. हैदराबा	+२८	७८.५	-१६	१७।१८	३।४४
रोम	-६३२	१२.५	-२२८	४१।५६	१।४७	सि.हैदराबा	-७४	६८.३	-५७	२५।२४	५।४१
लखनऊ	+५२	८०.९	-६	२६।५१	६। ४	होस्पेट	+७	७६.४	-२४	१५।१०	३।१५
लक्ष्मेश्वर	-२	७५.५	-२८	१५। ७	३।१४						
लाहोर	-५	७५.२	-२९	३१।३३	७।२२						
वसई	-३०	७२.७	-३९	१९।२०	४।५३						
वाशिंगटन	-१५२	७७.०	-६३८	३८।५४	१।४१						
वाई	-१८	७३.९	-३४	१७।५५	३।५३						
विचरू	-१३	७४.४	-३२	२०। ८	४।२४						
विजयदुर्ग	-२३	७३.४	-३६	१६।३३	३।३४						
वीजापुर	-०	७५.७	-२७	१६।४८	३।३७						
वारंगुल	+२०	७७.७	-१९	१८। ०	३।५४						
वेंगुरले	-२१	७३.६	-३६	१५।२२	३।३४						
शृंगेरीपुरम्	-४	७५.३	-२९	१३।२७	२।५२						
श्रीनगर. काश्मीर	-८	७४.९	-३०	३४। ६	७।५४						
श्रीरंगपट्टन	+९	७६.६	-२४	१२।३४	२।३८						
श्रीवर्द्धन	-२७	७३.०	-३८	१८। २	३।५४						
संगमनेर	-१३	७४.४	-३२	१९।३४	४।१६						
सागर (सेपी०)	+३०	७८.७	-१५	२३।५१	५।३८						
सांगली	-१२	७४.५	-३२	१६।५२	३।३८						
सितारा	-१७	७४.०	-३४	१७।५१	३।५०						
सावनूर	-३	७५.४	-२८	१४।५८	३।१३						
सावंतवाड़ी	-१९	७३.८	-३५	१५।१४	३ २५						
सिंहापुर. मलाया.	+२८३	१०४.०	+८६	१ ।२५	०।१७						

रेलवे टाइम से देशी टाइम बनाने की रीतिः—जिस नगर का रेलवेऽन्तर मिनिट धन होवे उसके मध्यमान्तर को रेलवे टाइम में जोड़ देना और जहां ऋण चिन्ह होवे वहां पर मध्यान्तर मिनिट घटा देनेसे अभीष्ट शहर का मध्यम समय होगा, उस मध्यम समय मे जिस मास और तारीख का स्पष्ट समय जानना होय उस मास तारीख के सामने जो वेलान्तर मिनिट होवें उनको मध्यम टाइम में विपरीत (धन चिन्ह होतो ऋण और ऋण चिन्ह होतो धन) युक्त करने से अभीष्ट शहर का घंटा मिनिटात्मक स्पष्ट समय उस दिन का होगा। (+) यह धन चिन्ह है। और (-) यह ऋण चिन्ह है॥

अथचरानयनम्—इष्टस्थानीयाक्षांशाःइष्टतारिखायाःक्रांतिः। अनयोर्गुणकारस्तस्य यः पंचमांशः। तदिष्टदिने पलात्मकं चरं भवति। तत् क्रांतिवद्धनर्णम्। तद्द्विगुणितंचरं त्रिंशत ३० घटीषु हीने युते वा दिनमानं भवति। उत्तरक्रान्तौ युतं। दक्षिणक्रान्तौ हीनं कार्यम।

अथ मास तारीखोपरि=वेलान्तरम्=मिनिट सेकण्ड

तारीख	जनवरी मि.से.	फरवरी मि. से.	मार्च मि. से.	अप्रेल मि.से.	मई मि.से.	जून मि.से.	जुलाई मि से.	अग० मि.से.	सितं. मि.से.	अक्टू० मि. से.	नव० मि. से.	दिशं० मि.से.
	+	+	+	−	−	+	+	+	+	−	−	−
१	+३।३४	१३।३८	१२।३५	४। ७	२।५२	२।२५	३।३३	६।१५	+।९	१०।७	१६।२१	११।३
२	३।५२	१३।४६	१२।२३	३।४९	३। ०	२।१६	३।४५	६।११	-।१०	१०।२४	१६।२३	१०।४१
३	४।२०	१२।५४	१२।११	३।३२	३। ७	२। ७	३।५६	६। ७	०।२९	१०।४६	१६।२४	१०।१८
४	४।४८	१४। ०	११।५९	३।१४	३।१३	१।५७	४। ८	६। २	०।४८	११। ५	१६।२४	९।५३
५	५।१६	१४। ६	११।४६	२।५६	३।१९	१।४७	४।१८	५।५७	१। ८	११।२३	१६।२३	९।२८
६	५।४२	१४।१०	११।३२	२।३९	३।२४	१।३६	४।२८	५।५१	१।२८	११।४१	१६।२१	९। ३
७	६। ९	१४।१४	११।१८	२।२२	३।२९	१।२५	४।३८	५।४४	१।४८	११।५९	१६।१७	८।३७
८	६।३५	१४।१७	११। ४	२। ५	३।३३	१।१४	४।४८	५।३७	२। ९	१२।१६	१६।१४	८।११
९	७। ०	१४।२०	१०।४९	१।४८	३।३६	१। ३	४।५८	५।२९	२।२९	१२।३३	१६। ९	७।४५
१०	७।२५	१४।२१	१०।३४	१।३१	३।३९	०।५२	५। ७	५।२१	२।५०	१२।४९	१६। ४	७।१८
११	७।४९	१४।२२	१०।१८	१।१५	३।४२	०।३०	५।१५	५।१२	३।११	१३। ५	१५।५८	६।५१
१२	८।१३	१४।२२	१०। २	०।५९	३।४४	०।२८	५।२३	५। ३	३।३२	१३।२१	१५।५२	६।२३
१३	८।३६	१४।२१	९।४६	०।४३	३।४५	०।११	५।३०	४।५३	३।५३	१३।३६	१५।४३	५।५५
१४	८।५८	१४।२९	९।२९	०।२७	३।४६	−०।३	५।३७	४।५२	४।१४	१३।५२	१५।३४	५।२७
१५	९।२०	१४।१७	९।१२	+०।१२	३।४६	+०।९	५।४४	४।३१	४।३६	१४। ४	१५।२५	४।५८
१६	९।४१	१४।१४	८।५५	−। ३	३।४६	०।२२	५।५०	४।२०	४।५७	१४।१७	१५।१५	४।२९
१७	१०।१	१४।१०	८।३८	०।१७	३।४५	०।३५	५।५६	४। ८	५।१८	१४।३०	१५। ४	४। ०
१८	१०।२१	१४। ६	८।२१	०।३१	३।४३	०।४८	६। १	३।५५	५।४०	१४।४२	१४।५२	३।३१
१९	१०।४०	१४। १	८। ३	०।४५	३।४१	१। १	६। ६	३।४२	६। १	१४।५३	१४।३९	३। २
२०	१०।५८	१३।१५	७।४५	०।५७	३।३८	१।१४	६।१०	३।२८	६।२२	१५। ४	१४।२५	२।३२
२१	११।१५	१३।४८	७।२८	१।११	३।३५	१।२७	६।१३	३।१४	६।४३	१५।१४	१४।१०	२। २
२२	११।३२	१३।४१	७।१०	१।२३	३।३१	१।४०	६।१६	२।५९	७। ४	१५।२४	१३।५५	१।३२
२३	११।४९	१३।३४	६।५१	१।३५	३।२७	१।५३	६।१९	२।४४	७।२५	१५।३३	१३।३९	१। २
२४	१२। ४	१३।२४	६।३३	१।४६	३।२२	२। ६	६।२१	२।३०	७।४६	१५।४१	१३।२२	०।३२
२५	१२।१९	१३।१७	६।१५	१।५७	३।१७	२।१९	६।२३	२।१३	८। ७	१५।४९	१३। ४	−०। २
२६	१२।३२	१३। ७	५।५७	२। ८	३।११	२।३२	६।२३	१।५६	८।२७	१५।५६	१२।४६	+०।२८
२७	१२।४५	१२।५७	५।३८	२।१८	३। ५	२।४४	६।२३	१।३९	८।४८	१६। २	१२।२७	०।५८
२८	१२।५८	१२।४६	५।२०	२।२७	२।५८	२।५७	६।२३	१।२२	९। ८	१६। ७	१२। ७	१।२८
२९	१३। ९		५। २	२।३६	२।५०	३। ९	६।२२	१। ४	९।२८	१६।१२	११।४६	१।५८
३०	१३।२०	~	४।४४	२।४४	२।४२	३।२१	६।२०	०।४६	९।४७	१६।१६	११।२५	२।२०
३१	१३।२९	.	४।२५	.	२।३४	.	६।१८	०।२८	~	१६।१९	०	२।५६
	+	+	+	−	−	+	+	+	−	−	−	−

नक्षत्र	अ	भ	कृ	रो	मृ	आ	पुन	पुष्य	ऽश्ले	म	पूफा	उफा	ह	चि	स्वा	वि	ऽनु	ज्ये	मू	पूषा	ऽषा	श्र	ध	श	पूभा	उभा	रे
अक्षरा	चु चे चो ला	ली लू ले लो	अ ई उ ए	ओ वा वि वु	वे बो क की	कू घ ङ छ	के को ह ही	हू हे हो डा	डी डू डे डो	म मी मु मे	मो टा टी टू	टे टो प पी	पू ष ण ठ	पे पो र री	रु रे रो ता	ती तू ते तो	न नी नु ने	नो या यी यू	ये यो भ भी	भू धा फा ढा	भे भो ज जी	खी खु खे खो	ग गी गु गे	गो सा सी सु	से सो द दी	दू थ झ ञ	दे दो च ची
राशि	मे	मे	मे १ वृ ३	वृ	वृ २ मि २	मि	मि ३ क १	क	क	सिं	सिं	सिं १ क ३	कन्या	क २ तु २	तुला	तु ३ वृ १	वृश्चि	वृश्चि	धनु	धनु	ध. १ म. ३	मकर	मक २ कु. २	कुम्भ	कुं ३ मी १	मीन	मीन
वर्ण	क्ष	क्ष	क्ष १ वै ३	वै	वै २ शू २	शू	शू ३ विप्र १	विप्र	विप्र	क्ष	क्ष	क्ष १ वै ३	वै	वै २ श २	शू	शू ३ विप्र १	विप्र	विप्र	क्ष	क्ष	क्ष १ वै ३	वै	वै २ शू २	शू	शू ३ विप्र १	विप्र	विप्र
वश्य	न	च	च	च	च २ मा २	मा	मा ३ ज १	ज	ज	वन	वन	व १ मा ३	मान	मान	मान	मा ३ की १	की	की	मा	।।मा ३।।च	च	ऽ।।च २।।ज	ज २ मा २	मान	मा ३ ज १	जल	जल
योनि	अश्व	गज	छाग	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	छाग	मार्जार	मूषक	मूषक	गौ	महिष	व्याघ्र	महिष	व्याघ्र	मृग	मृग	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
राशि पति	मं	मं	मं १ शु ३	शु	शु २ बु २	बु	बु ३ च १	चं	चं	सू	सू	सू १ बु ३	बु	बु २ शु २	शु	शु ३ मं १	मं	मं	वृ	वृ	वृ १ श ३	श	श	श	श ३ वृ १	वृ	वृ
गण	देव	मनु	राक्ष	मनु	देव	मनु	देव	देव	राक्ष	राक्ष	मनु	मनु	देव	राक्ष	देव	राक्ष	देव	राक्ष	राक्ष	मनु	मनु	देव	राक्ष	राक्ष	मनु	मनु	देव
नाड़ी	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य

तारागुण चक्रं । वरः—

कन्या \	१	२	३	४	५	६	७	८	९
१	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
२	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
३	१।।	१।।	०	१।।	०	१।।	०	१।।	१।।
४	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
५	१।।	१।।	०	१।।	०	१।।	०	१।।	१।।
६	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
७	१।।	१।।	०	१।।	०	१।।	०	१।।	१।।
८	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
९	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३

गणगुण चक्रं

वर— / कन्या	दे	म	रा
दे	६	५	१
म	६	६	०
रा	०	०	६

नाड़ीगुण चक्रं

वरः— / कन्या	आ	म	अं
आ	०	८	८
म	८	०	८
अं	८	०	८

वश्यगुणाः । वरः—

कन्या	मा	चतु	जल	वन	कीट
मान	२	१	।।	०	१
चतु	१	२	१	०	१
जल	।।	१	२	१	१
वन	०	०	१	२	०
कीट	१	१	१	०	२

वर्ण गुणः । वरः—

कन्या	विप्र	क्षत्रि	वैश्य	शूद्र
विप्र	१	०	०	०
क्षत्रि	१	१	०	०
वैश्य	१	१	१	०
शूद्र	१	१	१	१

योनिगुणचक्रम वरः—

कन्या \	अश्व	गज	छाग	सर्प	श्वान	मार्जा	मूषा	गौ	महि	व्याघ्र	मृग	वानर	नकुल	सिंह
अश्व	४	२	३	२	२	३	३	२	०	१	३	२	२	१
गज	२	४	३	२	२	३	३	३	१	३	२	२	०	
छाग	३	३	४	२	२	३	३	३	१	३	०	१	१	
सर्प	२	२	२	४	२	१	१	२	२	२	१	०	२	
श्वान	२	२	२	२	४	१	१	२	२	२	०	२	२	२
मार्जार	३	३	३	१	१	४	०	३	३	२	३	२	२	२
मूष	३	२	२	१	२	०	४	३	३	२	३	२	१	२
गौ	२	३	३	२	२	३	३	४	३	०	३	२	२	५
महिष	०	३	३	२	२	३	३	३	४	१	३	२	२	१
व्याघ्र	१	१	१	२	२	२	२	०	१	४	१	२	२	३
मृग	३	३	३	२	०	३	३	३	३	१	४	२	२	१
कपि	२	२	०	१	२	२	२	२	२	२	४	२	२	
नकुल	२	२	२	०	२	२	१	२	२	२	२	४	२	
सिंह	१	०	१	२	२	२	२	१	१	३	१	२	२	४

ग्रहगुणचक्रं । वरः—

कन्या \	र	चं	मं	बु	गु	शु	श
र	५	५	५	४	५	०	०
चं	५	५	४	१	४	।।	।।
मं	५	४	४	।।	५	३	।।
बु	४	१	।।	५	।।	५	४
गु	५	४	५	।।	५	।।	३
शु	०	।।	३	५	।।	५	५
श	०	।।	।।	४	३	५	५

भकूट गुण ज्ञानम्—वर कन्या की परस्पर राशी ३।११ व ४।१० तथा ७।७ होतो ७ गुण लेना अन्यथा शून्य गुण लेना यदि राशि स्वामी एक हो तो ६।८ तथा २।१२ एवम् ५।९ भी ग्राह्य है अन्यथा नहीं ।

तारा ज्ञानम्—वर के नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक और कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक गिन कर ९ का भाग देना शेष बचे उससे ताराचक्र द्वारा गुण लेना ।

अथ मंगलीक विचारः—लग्ने व्ययेच पाताले यामित्रे चाष्टमे कुजः । कन्याभर्तुर्विनाशाय भर्ता कन्याविनाशदः ॥ १ ॥ अन्यानपिवैधव्यविषांगनादिदोषान्परिहृत्यसंबन्धः कार्यः ।

अथास्य परिहारः—भौमेन सदृशोभौमः पापोवा तादृशो भवेत् । विवाहः शुभदः प्रोक्तश्चिरायुः पुत्रपौत्रदः । एतल्लग्नचन्द्रयोर्द्वयोरेवविचार्यम् । अथवा वैधव्यादिदोषजां कन्यामच्युतविवाहादिशांतिंविधाय दारहायोगजायायुष्मतेवरायदद्यात्।गण दोषपरिहारः—राशीशयो : सुहृद्भावेमित्रत्वेवांशनाथयोः। गणादिदौष्टेऽप्युद्वाहश्चिरायुःपुत्रपौत्रदः॥ नाड़ी दोषस्तु सर्वथात्याज्यएव । अत्यावश्यके तत्रापिपरिहारः—आद्यांशेन चतुर्थांश चतुर्थांशेनचादिमं द्वितीयेन तृतीयंतु तृतीयेनद्वितीयकम् । एवंभांशाव्यधोयस्य जायते वरकन्ययोः । तयोर्मृत्युर्न संदेहः शेषांशाःस्वल्पदोषदाः । तथा द्वयकें ताम्रसुवर्णमष्टरिपुकेगोयुग्ममद्वांकके रौप्यं कांस्यमथैकनाड़ियुजिगौस्वर्णादिदत्योद्वहेत्

वर्गैक्यं योनिरैक्यं गणनैरं नृदूरकं दुष्टकूटफलं सर्वं सद्भकूटं योनिशुद्धिः ग्रहसख्यं गुणत्रयम् । एष्वेकतमसद्भावे ग्रहमैत्र्येण नरयति ॥ न वर्ण वर्गो न गणो न योनिर्द्विर्द्वादशो चैव षडष्टके वा । वरेपि दूरे नवपंचमे वा मैत्री यदा स्याच्छुभदो विवाहः ॥ कन्या रक्तोगणः शुभा ॥ गणनायां नृदूरविचारः—भामिनीजन्मनक्षत्राद्द्वितीयं पतिजन्मभम् । न शुभं भर्तृनाशाय इत्युक्तं रुद्रयामले ।

अथ शिवाप्रोक्त द्विघटी (दुघडिया) मुहूर्त॥चौघडिया मुहूर्त सहित

रवि दिवा

मुहूर्त नाम	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा
गुणाः	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माधादि ४ श्रा २	०	१	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०	७	७	७	७
आश्विनादि ४	१	१	१	४	४	७	७	१	१	०	०	४	१	१	१	४
ज्येष्टाषाढमल	०	०	१	१	७	७	४	७	७	०	१	१	१	१	७	७
चौघडिया	उद्वेग		चल		लाभ		अमृत		काल		शुभ		रोग		उद्वेग	

रवि रात्रौ

मुहूर्त नाम	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ
गुणाः	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माधादि ४ श्रा २	१	१	१	७	७	७	०	४	१	१	१	७	७	७	७	१
आश्विनादि ४	४	७	७	०	१	१	१	७	७	४	४	१	१	०	१	१
ज्येष्टाषाढमल	१	१	१	७	७	७	७	१	१	७	७	७	७	१	१	०
चौघडिया	शुभ		अमृत		चल		रोग		काल		लाभ		उद्वेग		शुभ	

शुक्र दिवा

मुहूर्त नाम	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा
गुणाः	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माधादि ४ श्रा २	१	१	४	४	०	१	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०
आश्विनादि ४	४	७	७	०	१	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०	४
ज्येष्टाषाढमल	१	१	१	७	७	४	७	७	७	०	१	१	१	७	७	७
चौघडिया	चल		लाभ		अमृत		काल		शुभ		रोग		उद्वेग		चल	

चन्द्र दिवा

मुहूर्त नाम	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे
गुणाः	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
माधादि ४ श्रा २	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०	७	७	७	७	१	१
आश्विनादि ४	४	७	७	०	०	१	१	१	०	७	७	१	१	०	१	१
ज्येष्टाषाढमल	७	७	७	७	०	१	१	१	०	७	७	१	१	१	१	०
चौघडिया	अमृत		काल		शुभ		रोग		उद्वेग		चल		लाभ		अमृत	

चन्द्र रात्रौ

मुहूर्त नाम	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै
गुणाः	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माधादि ४ श्रा २	४	०	०	१	१	०	७	७	१	१	१	१	७	७	७	७
आश्विनादि ४	४	०	७	७	१	१	१	७	७	७	७	१	१	०	१	१
ज्येष्टाषाढमल	७	७	७	७	१	१	४	०	१	१	७	७	१	१	१	४
चौघडिया	चल		रोग		काल		लाभ		उद्वेग		शुभ		अमृत		चल	

शुक्र रात्रौ

मुहूर्त नाम	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि
गुणाः	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
माधादि ४ श्रा २	४	४	१	१	१	०	७	७	४	४	१	१	१	०	७	७
आश्विनादि ४	४	७	७	१	१	१	७	७	७	०	१	१	१	७	७	०
ज्येष्टाषाढमल	७	७	१	१	१	०	७	७	०	१	१	१	०	७	७	४
चौघडिया	चल		लाभ		अमृत		काल		शुभ		रोग		उद्वेग		चल	

भौम दिवा

मुहूर्त नाम	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा
गुणाः	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माधादि ४ श्रा २	४	४	१	१	१	७	७	७	७	१	१	७	७	७	७	१
आश्विनादि ४	७	७	७	०	१	१	१	०	७	७	१	१	१	०	७	७
ज्येष्टाषाढमल	०	०	१	१	७	७	०	१	१	७	७	७	७	७	७	१
चौघडिया	रोग		उद्वेग		चल		लाभ		अमृत		काल		शुभ		रोग	

भौम रात्रौ

मुहूर्त नाम	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज
गुणाः	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
माधादि ४ श्रा २	७	७	४	४	१	१	१	४	४	४	१	१	१	०	०	१
आश्विनादि ४	७	७	७	०	१	१	१	७	७	०	१	१	१	७	७	०
ज्येष्टाषाढमल	७	७	७	०	७	७	७	४	१	०	७	७	१	१	१	०
चौघडिया	काल		लाभ		उद्वेग		शुभ		अमृत		चल		रोग		काल	

शनि दिवा

मुहूर्त नाम	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु
गुणाः	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माधादि ४ श्रा २	७	७	७	७	१	१	१	०	१	१	१	०	१	१	०	१
आश्विनादि ४	४	१	०	०	०	१	१	१	०	१	१	०	१	१	०	१
ज्येष्टाषाढमल	१	७	७	१	१	०	१	१	१	०	१	१	०	१	१	०
चौघडिया	काल		शुभ		रोग		उद्वेग		चल		लाभ		अमृत		काल	

बुध दिवा

मुहूर्त नाम	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै
गुणाः	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माधादि ४ श्रा २	७	७	१	१	४	४	१	१	७	७	१	१	४	४	१	१
आश्विनादि ४	७	७	१	१	१	४	४	१	१	१	१	७	७	०	१	१
ज्येष्टाषाढमल	१	७	७	७	७	७	७	७	७	१	१	७	७	७	७	१
चौघडिया	लाभ		अमृत		काल		शुभ		रोग		उद्वेग		चल		लाभ	

बुध रात्रौ

मुहूर्त नाम	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु
गुणाः	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माधादि ४ श्रा २	१	१	१	१	७	७	०	१	१	१	७	७	७	७	१	१
आश्विनादि ४	१	१	१	४	४	१	१	१	१	७	७	७	७	०	१	१
ज्येष्टाषाढमल	१	७	७	७	७	१	१	७	७	७	७	१	१	०	१	१
चौघडिया	उद्वेग		शुभ		अमृत		चल		रोग		काल		लाभ		उद्वेग	

शनि रात्रौ

मुहूर्त नाम	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या
गुणाः	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माधादि ४ श्रा २	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०	१	१	०	१	१	०
आश्विनादि ४	०	४	४	१	१	१	०	७	७	७	७	१	१	१	४	४
ज्येष्टाषाढमल	१	७	७	१	१	०	७	७	१	१	०	७	७	१	१	०
चौघडिया	लाभ		अमृत		काल		शुभ		रोग		उद्वेग		चल		लाभ	

गुरु दिवा

मुहूर्त नाम	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ
गुणाः	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
माधादि ४ श्रा २	१	१	१	१	७	७	७	७	०	१	१	१	७	७	७	७
आश्विनादि ४	१	१	०	७	७	१	१	१	७	७	७	७	०	०	१	१
ज्येष्टाषाढमल	१	१	७	७	०	१	१	१	०	१	४	४	४	१	१	१
चौघडिया	शुभ		रोग		उद्वेग		चल		लाभ		अमृत		काल		शुभ	

गुरु रात्रौ

मुहूर्त नाम	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा
गुणाः	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माधादि ४ श्रा २	४	१	१	१	४	४	४	४	०	१	१	१	७	७	१	१
आश्विनादि ४	१	१	१	०	७	७	४	४	१	१	१	०	७	७	१	१
ज्येष्टाषाढमल	०	१	१	०	७	७	७	७	१	१	७	७	४	४	४	४
चौघडिया	अमृत		चल		रोग		काल		लाभ		उद्वेग		शुभ		अमृत	

चौघडियों के स्वामी और नाम

स्वामी	रवि	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
चौ	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रेखा स्वरूपम्

नाम	अमृत	विघ्न	शून्य	काल
स्वरूप	१	७	०	४

फल = यथा नाम तथा गुणाः

१६ दुघडियो का नाम

रौद्र	१
श्वेत	२
मैत्र	३
चार्वट	४
जयदेव	५
वैरोचन	६
तुरग	७
अभिजित	८
रावण	९
वालम	१०
विभीषण	११
सुनंदन	१२
याम्य	१३
सौम्य	१४
भार्गव	१५
सावित्र	१६

राशियों के धात गुण

मेष	रजोगुण
वृषभ	रजोगुण
मिथुन	तमोगुण
कर्क	सतोगुण
कन्या	तमोगुण
सिंह	तमोगुण
तुला	रजोगुण
वृश्चिक	रजोगुण
धनु	सतोगुण
मकर	तमोगुण
कुम्भ	तमोगुण
मीन	सतोगुण

दिन में दिनमान का रात्रि में रात्रिमान का १६ वां भाग दुघड़िया होता है। और आठवां भाग चौघड़िया होता है। न तिथिर्न च नक्षत्रं न योगःकरणं तथा। न शूलं योगिनी राशिर्न च होरा तमो गुणः ॥१॥ व्यतिपाते च संक्रांतौभद्रायामशुभेदिने शिवालिखितमालोक्यं सर्व विघ्नोपशान्तयें।

नक्षत्र	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७
अश्वि.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
भर.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
कृत्ति.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
रोहि.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
मृग.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
आर्द्रा.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
पुन.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
पुष्य.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
आश्ले.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
मघा	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
पूर्वा.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
उत्तरा.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
हस्त.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
चित्रा.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
स्वाती.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
विशा.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
अनु.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
ज्येष्ठा.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
मूल.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
पूर्षा.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
उत्तरा.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
श्रव.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
धनि.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
शत.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
पूर्भा.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
उत्तरा.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
रेवती.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५

शिवपार्वतीसंवादे सामुद्रिके हस्त-रेखाशुभाशुभफलं लिख्यते ।

श्रीगणेशायनमः ॥ अथातः संप्रवक्ष्यामि हस्तरेखाविचारणम् ॥ दक्षिणेपुरुषंहस्तंवामंवामाकरंशुभम् ॥ १ ॥ शिवोक्तंहस्तसामुद्रं हस्तरेखाद्भुतंमहत् ॥ येनविज्ञानमात्रेणपुरुषोतीवियोच्यते ॥ २ ॥ यस्यमीनक-मारेखाकर्मसिद्धिश्चजायते ॥ धनाढ्यस्तुसविज्ञेयोबहुपुत्रो नसंशयः ॥ ३ ॥ तुलामार्गतथाकर्कट-मत्स्यचरहस्यते ॥ तस्यवाणिज्यसिद्धिः स्यात्पुरुषस्यनसंशयः ॥ ४ ॥ पद्मचापाद्यिस्वस्तिकांकुशकोणा-दि दृश्यते ॥ स्त्रियश्चपुरुषव्यापिधनवान्सुखीनरः ॥ ५ ॥ शङ्खचक्रध्वजाकारोमत्स्याकारश्च हस्य-ते ॥ सर्वविद्याप्रदानेनबुद्धिमान्सुखीनरः ॥ ६ ॥ त्रिशूलंकरमध्येतुनराजाप्रवर्तते ॥ यद्येमें चद्गलेचद्वेबुद्धिप्रभ्रंजते ॥ ७ ॥ झषोमीनरवाणीश्चकरमध्येचदृश्यते ॥ रथचक्रध्वजाकारःसचरा ज्यलभेन्नरः ॥ ८ ॥ अंकुशांकुंडलंचक्रंस्यस्पाणितले भवेत् ॥ तस्यराज्यंमहाश्रेष्ठंसाधुत्ववचनंयथा ॥ ९ ॥ गिरिकूर्मयोनीनांनरपुण्डधटादिकम् ॥ कर्वेयस्यचिह्नानिराजलक्ष्मी भवेन्नरः ॥ १० ॥ रविचन्द्रकृतानेत्रेअष्टकोणेत्रिनेत्रकम् ॥ मंदिरंराजअश्ववानांचिह्नेधनसुखीनरः ॥ ११ ॥ अंगुष्ठोदरमध्य-स्थेयवोयस्यविराजते ॥ उत्तमंभक्ष्यभोगीस्यात्सनरः सुखमेधते ॥ १२ ॥ मध्यमातर्जनीमूलेवो यस्य प्रदृश्यते ॥ धनवान्सुजयोगीस्यात्सुदारंगृहादिषु ॥ १३ ॥ एवं बहुश ॥

अकोला, अमरावती, पुलिचपुर, नागपुर, सूरता, बर्हाणपुर, धूलिया, जलगांव, वर्धा, हिंगणघाट, गोंदिया, कटक, संहबा, जूनागढ, नन्दुरबार, महंज, जेहपुरा, आरवी. आदि

अथ विंशोत्तरी दशा चक्राणि

व.	र	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु
अ	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२०
न	कृ	रो	मृ	आ	पु	पु	श्ले	म	पू
क्ष	उ	ह	चि	स्वा	वि	अ	ज्ये	मू	पू
त्र	उ	श्र	ध	श	पू	उ	रे	अ	भ

रवि दशा वर्ष ६ तन्मध्येऽन्तराणि

दशा	र	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा	३	६	४	१०	९	११	१०	४	०
दि.	१८	०	६	२४	१८	१२	६	६	०

चन्द्र दशा वर्ष १० तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु	सू
वर्ष	०	०	१	१	१	१	०	१	०
मा	१०	७	६	४	८	५	७	८	६
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

भौम दशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु	र	चं
वर्ष	०	१	०	१	०	०	१	०	०
मा	४	०	११	१	११	४	२	४	७
दि.	२७	१८	६	९	२७	२७	०	६	०

राहु दशा वर्ष १८ तन्मध्येन्तरम्

दशा	रा	बृ	श	बु	के	शु	र	चं	मं
वर्ष	२	२	२	२	१	३	०	१	१
मा	८	४	१०	६	०	०	१०	६	०
दि.	१२	२४	६	१८	१८	०	२४	०	१८

गुरु दशा वर्ष १६ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	बृ	श	बु	के	शु	र	चं	म	रा
वर्ष	२	२	२	०	२	०	१	०	२
मा	१	६	३	११	८	९	४	११	४
दि.	१८	१२	६	६	०	१८	०	६	२४

शनि दशा वर्ष १९ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	श	बु	के	शु	सू	चं	मं	रा	बृ
वर्ष	३	२	१	३	०	१	१	२	२
मा	०	८	१	२	११	७	१	१०	६
दि.	३	९	९	०	१२	०	९	६	१२

बुध दशा वर्ष १७ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	बु	के	शु	र	चं	मं	रा	बृ	श
वर्ष	२	०	२	०	१	०	२	२	२
मा	४	११	१०	१०	५	११	६	३	८
दि.	२७	२७	०	६	०	२७	१८	६	९

केतु दशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	के	शु	सू	चं	मं	रा	बृ	श	बु
वर्ष	०	१	०	०	०	१	०	१	०
मा	४	२	४	७	४	०	११	१	११
दि.	२७	०	६	०	२७	१८	६	९	२७

शुक्र दशा वर्ष २० तन्मध्येन्तरम्

दशा	शु	र	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के
वर्ष	३	१	१	१	३	२	३	२	१
मा	४	०	८	२	०	८	२	१०	२
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

गतर्क्षनाड्यो गुणिता दशाब्दैः सर्वर्क्षनाडी विहृतात्फलं वै। वर्षादिकं भुक्त मिदं विशोध्यं दशाब्दतो भोग्यमिदं फलंतत्॥ दशामानं त्रिगुणितं त्वन्तरे ध्रुवकं स्फुटं। दशाब्दैर्गुणितं तद्धि भुक्तिमानं प्रजायते। अथ प्रत्यंतर साधन विधि अन्तर के वर्षादि को दिन पिंड बनाकर १२० का भाग देने से प्राप्त भाग फल त्रिनादि प्रत्यंतर का ध्रुवांक होगा। इस ध्रुवांक को प्रत्येक ग्रह दशाके वर्षोंसे गुणने से प्रत्येक ग्रहका दिनादि प्रत्यंतर का मान होगा॥ प्राचीन मतेन विंशोत्तरीदशानयनम्-आनयनप्रकारंच शृणुष्व द्विज पुंगव। जन्म नक्षत्र पर्यन्तमार्द्रादिकृत्तिकादितः॥ शैवात्कृष्णेऽर्क-

योगिनी दशान्तर्दशा ज्ञानाय चक्रम्

मंगला १ चन्द्र श्र. आर्द्रा चित्रा.									भद्रिका ५ बुध भरणी मघा ज्ये. उभा								
द.	मं	पिं	धा	श्रा	भ	उ	सि	सं	द	भ	उ	सि	सं	मं	पिं	धा	भा
मा	०	०	१	१	१	२	२	२	मा	८	१०	११	१३	१	३	५	६
दि	१०	२०	०	१०	२०	०	१०	२०	दि	१०	०	२०	१०	२०	१०	०	२०

पिंगला २ रवि घ. पुन स्वाती									उल्का ६ शनि कृति. पूफा. मूल रेवती								
द.	पिं	धा	श्रा	भ	उ	सि	सं	मं	द.	उ	सि	सं	मं	पिं	धा	श्रा	भ
मा	१	२	२	३	४	४	५	०	मा	१२	१४	१६	२	४	६	८	१०
दि	२०	०	२०	१०	०	२०	१०	२०	दि	०	०	०	०	०	०	०	०

धान्या ३ गुरु शत. पुष्य विशाखा									सिद्धा ७ शुक्र रोहि. उफा. पूषा.								
द.	धा	श्रा	भ	उ	सि	सं	मं	पिं	द.	सि	सं	मं	पिं	धा	श्रा	भ	उ
मा	३	४	५	६	७	८	१	२	मा	१६	१८	२	४	७	९	११	१४
दि	०	०	०	०	०	०	०	०	दि	१०	२०	१०	२०	०	१०	२०	०

भ्रामरी ४ मङ्गल अश्विनी श्ले. अनु. पूभा									संकटा ८ राहु मृग. हस्त. उषा.								
द.	श्रा	भ	उ	सि	सं	मं	पिं	धा	द.	सं	मं	पिं	धा	श्रा	भ	उ	सिं
मा	५	६	८	९	१०	१	३	४	मा	२१	२	५	८	१०	१३	१६	१८
दि	१०	२०	०	१०	२०	१०	२०	०	दि	१०	२०	१०	०	२०	१०	०	२०

होरायां चन्द्रहोरागते सिते, दहनास्वर्क्ष पर्यंतं गणयेन्नवभिर्हरेत्। सूर्येन्दृक्षमाजतमसो वाक्पतिर्मंदचन्द्रजौ:केतुःशुकोक्तमात्शेषे विज्ञेयात्रदशाधिपा:॥

अथ दशाफल विचार:-लग्नेशस्य दशाफलं बहुधनं वित्तेशितु. पंचतां, कष्टंवेति सहोदरालयपतेः पापंफलं प्रायशः। तुर्यस्वामिन आलयं,किल सुताधीशस्य विद्यासुखं, रोगागारपतेररातिज भयं जायापतेः शोकताम्, मृत्युं मृत्युपतेः करोति नियतं धर्मेशितुः सत्क्रियां, वित्तं राजपतेर्नृपाश्रय मथो लाभं हि लाभेशितुः रोगद्रव्यविनाशनं च बहुधाकष्टं व्ययेशस्यवै। पूर्वैरंगमृतामुदीरितमिदं तन्वादि भावेशजम्॥

समंत्रनाथस्य तपोधिपस्य दशाशुभा राज्यसुतप्रदा स्यात्। सत्कीर्तिनाथस्य सुखेश्वरस्य दशा तथा प्राहुरुदारचित्ता:। भाबाधिपोबलयुतो निजगेहगामी तुंगत्रिकोण शुभवर्गगतोपि पूर्णम। जन्तोः फलंखलु करोतियदारिनीचस्थानस्थितोऽशुभफलं विवलो विशेषात्। पंचमेशेनयुक्तस्य ग्रहस्य शुभदादशा नाथे धर्मपयुक्तस्य दशा परमशोभना॥ सुतेशमानेश सुखेशधर्मेपा

जैमिनीमतेन आयुः संबंधि निर्णय:

दीर्घायु:	मध्यायु:	अल्पायु:
चरभे १ लग्नेश: चरभे १ अष्टमेश:	चरभे १ लग्नेश: स्थिरे २ अष्टमेश:	चरभे १ लग्नेश: द्वि.स्वे.३अष्टमेश:
दीर्घायु:	मध्यायु:	अल्पायु.
स्थिरभे २ लग्नेश: द्वि.स्वे.३अष्टमेश:	स्थिरे २ लग्नेश: चरे १ अष्टमेश:	स्थिरे २ लग्नेश: स्थिर २ अष्टमेश:
दीर्घायु:	मध्यायु:	अल्पायु.
द्वि:स्वे ३ लग्नेश: स्थिरे २ अष्टमेश:	द्वि स्वे. ३ लग्नेश: द्विस्वे.३ अष्टमेश:	द्वि. स्वे. ३ लग्नेश चरभे १ अष्टमेश:

अथायुर्निर्णयं, चक्रानुसारेण-जन्मलग्नाष्टमेशाभ्यां लग्नसप्तमयो: स्थिते चन्द्रे, लग्नचन्द्राभ्यां। अन्यथा शनिचन्द्राभ्यां,लग्नहोरा लग्नाभ्यां,चेतिप्रकारत्रयेण - युर्निर्णेतव्यम्॥ प्रकार त्रयेऽप्येकरुपायुष्यागते तदेवग्राह्यम्॥ विभेदे वा प्रकार द्वयागतायुर्ग्राह्यम्। त्रयाणां विसंवादे लग्न होरालग्नायुर्ग्राह्यम्। जन्म लग्ने विषमे द्वितीयाष्टमाधीशयोर्यावली लग्ने समे द्वादशषष्ठाधीशयोर्मध्ये योबली तस्य केन्द्रे स्थित्या दीर्घायुः। पणफरे स्थित्या मध्यायुः। आपोक्लिमे स्थित्या हीनायुरेव।एवमेवात्र कारकेणापिनिर्णेतव्यम् अष्टमेशयोः कारकेण सहैक्ये वा योगे सर्वदा मध्यमायुरेव। विषमे जन्मलग्ने कारकस्तृतीये समे जन्मलग्ने कारकः एकादशे भवेत्तदा कारकायुषिकेन्द्रे हीनायुः पणफरे मध्यायुः आपोक्लिमे दीर्घायुरिति लग्न दशमाष्टमाधीशाः केन्द्र त्रिकोण लाभगास्तदा दीर्घायुः लग्नेशो रवेर्मित्रं दीर्घायुः। समश्चेन्मध्यायुः शत्रुश्चेदल्पायुः

अथ होरालग्न साधनम् द्विघ्नेष्टनाड्यः पंचाप्तः भं शेषं चपलीकृतम्। दशाप्तभंशास्तेयुक्तारवौहोरोदयं भवेत्॥ विषमेऽङ्के रवौ योज्यं समेऽङ्के लग्नभादिषु इतिबृद्धा॥

एकत्रयुक्ता यदि यत्रकुत्र तेषा दशाराज्यफलप्रदा तैर्युक्तग्रहाणांमपिवै वदेद्वा॥

मासदशा देखने की सारणी

मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
ता. १३ अप्रेल से र.द. दि. २० प्र.	ता. १४ मइसे सू.द.दि.२०प्र.	ता.३अप्रेल से शु.द.दि.७०प्र.	ता. २२मार्च से रा.द.दि. ४२प्र.	ता.२२अप्रेलसे रा.द.दि. ४२प्र.	ता. २४मार्च से गु. द.दि.५८ प्र.	ता. १८मार्च से श.द. दि. ३६प्र.	ता.१७अप्रेलसे श.द.दि. ३६ प्र.	ता. २२मार्च से बु.द. दि. ५६प्र.	ता. २४मार्च से मं.द. दि.२८ प्र.	ता.२३अप्रेलसे मं.द.दि. २८ प्र.	ता.३ अप्रेल से मं.द. दि. २८प्र.
ता. ४ मइ से चं. द. दि. ५० प्र.	ता. ४ जून से चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १५.जून से र.द.दि. २० प्र.	ता. ४ मई से शु.द.दि.७० प्र.	ता. ४ जून से शु.द.दि.७० प्र.	ता. २२ मई से रा.द.दि. ४२ प्र.	ता.२३अप्रेलसे गु.द.दि. ५८ प्र.	ता. २५ मईसे गु.द. दि. ५८प्र.	१८ मई से श.द. दि. ३६प्र.	ता.२१अप्रेलसे बु.द.दि.५६ प्र.	ता. २२ मई से बु.द.दि. ५६ प्र.	ता. २५ मई से मं.द. दि.३६ प्र.
ता. २५ जून से मं. द. दि. २८ प्र.	ता.२७जुलाईसे मं.द.दि. २८प्र.	ता.६ जुलाई से चं.द.दि.५० प्र.	ता.१६जुलाईसे र.द. दि. २०प्र.	ता. १७अग. से र.द. दि.२०प्र.	ता. ६जुलाई से शु.द. दि.७० प्र.	ता. २३जून से रा.द.दि. ४२ प्र.	ता.२५जुलाईसे रा. द. दि.४२प्र.	ता. २५जून से गु.द.दि.५८ प्र.	ता.१९ जून से श.द.दि.३६ प्र.	ता.२०जुलाईसे श.द.दि. ३६प्र.	ता. २३ जून से बु.द.दि.५६ प्र.
ता. २५ जुलाइ से बु. द. दि. ५६ प्र.	ता.२५अगस्तसे बु.द.दि.५६प्र.	ता.२७अगस्तसे मं.द.दि.२८ प्र.	ता.६अगस्त से चं.द.दि. ५०प्र.	ता.६सितंबर से चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १७सितं. से र.द. दि. २०प्र.	ता. ६अगस्त से शु.द. दि.४२ प्र.	ता.६सितं. से शु.द.दि.७० प्र.	ता.२५अगस्तसे रा.द.दि.४२ प्र.	ता.२७जुलाई से गु.द.दि.५८ प्र.	ता. २७ अग.से गु.द.दि.५८ प्र.	ता. २१अग. से श.द.दि.३६ प्र.
ता.२१ सितंबर से श. द. दि. ३६ प्र.	ता.२१अक्टू.से श.द.दि.३६ प्र.	ता.२५सितं. से बु.द.दि. ५६प्र.	ता. २७सितंबर मं.द.दि.२८ प्र.	ता.२७अक्टू.से मं.द.दि. २८प्र.	ता.२७अक्टू.से चं.द. दि. ५०प्र.	ता.१७अक्टू.से र. द.दि. २० प्र.	ता.१६ नव. से र.द.दि. २० प्र.	ता. ७ अक्टू.से शु.द. दि.७०प्र.	ता. २५सितं. से रा.द.दि.४२ प्र.	ता.२५ अक्टू.से रा.द. दि. ४२प्र.	ता. २७सितं. से गु.द. दि. ५८प्र.
ता. २७ अक्टू. से गु. द. दि. ५८ प्र.	ता. २६ नव.से गु.द.दि. ५८प्र.	ता.२०नवंबरसे श.द.दि. ३६प्र.	ता.२५अक्टू.से बु.द. दि.५६ प्र.	ता. २४नवंबरसे बु द. दि ५६प्र.	ता.२६नवंबर से मं.द. दि. २८प्र.	ता.६ नवंबर से चं.द.दि. ५०प्र.	ता.६ दिशंबरसे चं.द.दि.५० प्र.	ता. १५ दिशं.से र.द. दि.२० प्र.	ता. ६नवंबर से शु.द.दि. ७०प्र.	ता. ६ दिशं. से श.द. दि.७०प्र.	ता. २४नव. से रा.द.दि.४२ प्र.
ता.२३दिशंम्बर से रा. द. दि. ४२ प्र.	ता. २२जन. से रा.द.दि ४२प्र.	ता.२५ दिशं.से गु.द.दि. ५८प्र.	ता.१९ दिशं.से श.द.दि.३६प्र.	ता.१८जनव.से श.द.दि ३६प्र.	ता.२३ दिशं. से बु.द. दि.५६ प्र.	ता. २५ दिशं.से मं.द. दि. २८प्र.	ता.२४ जन. से म.द. दि.२८ प्र.	ता.४ जनवरीसे चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १४जन. से र.द. दि.२० प्र.	ता.१२ फरव.से र.द. दि.२० प्र.	ता.४ जनव. से शु.द.दि.७० प्र.
ता. ३ फरवरी से शु. द. दि ७० प्र.	ता. ४ मार्चसे शु.द.दि.७० प्र.	ता.२० फरवरी रा.द.दि.४२ प्र.	ता. २४ जन.से गु. द. दि.५८	ता.२२ फरव. से श.द. दि.५८प्र.	ता१७फरवरीसे श.द. दि.३१ प्र.	ता. २२जन. से बु.द. दि. ५६प्र.	ता.२० फरव.से बु. द.दि. ५६प्र.	ता.२२फरवरीसे मं.द.दि. २८ प्र.	ता. २फरव. से चं.द.दि.५० प्र.	ता. ४ मार्चसे चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १४मार्च से र.द. दि.२० प्र.

मासदशा विचारः—जन्मनि विंशतिः भूयैं तृतीये दश चन्द्रमा। चतुर्थेचाष्टमे भौमः षष्ठे वेद बुधस्तथा। सप्तमे दश मंदस्य नवमेष्ट बृहस्पतेः। दशमे विंशती राहोः शेषा भृगुदशा भवेत्॥ अथ—शनेश्चरण विचारः—शने राश्यन्तरगमनदिने जन्मराशितश्चन्द्रोयत्संख्या तुल्यं भवेत्तद्वशेन पादं ज्ञेयम्। यथा—जन्माऽगरुद्रे पु १। ६। ११ सुवर्णपादं द्वि२ पंच५ नन्दे:९ रजतस्य ज्ञेयम्। त्रि ३ सप्त ७ दिक् १० ताम्रपदं वदन्ति वेदा ४ ष्ट ८ सार्के १२ ष्विह लोहपादम्। तत्फलंच—लोहे धनविनाशः स्यात्सर्वसौख्यं च कांचने। ताम्रे च समता ज्ञेया सौभाग्यं रजते भवेत्। इतिशिष्टाः॥ शनिवांहनम्—तिथिवारं च नक्षत्रं नामाक्षरसमन्वितम्। नवभिस्तु हरेद्भागं शेषे वाहनमुच्यते। गर्दभो १ घोटको २ हस्ति ३ महिषो ४ जम्बुकं ५ श्वपौ ६ काको ७ मरालो ८ हंसश्च शनेस्तु नव वाहनाः। अन्यच्च—जन्मभात्शनिभं यावत् गणनीयमनुक्रमात्। नवभिस्तु हरेद्भागं शेषं वाहनगुच्यते इति ग्रन्थान्तरे। फलम्—खरे च कलहं ज्ञेयमश्वे बुद्धिर्विदेशके। गजलाभं विजानीया-न्महिषेष्व्याधिजं भयम्॥ जम्बुके च भयं घोरं सिंहे वै विजयं भवेत्। काके चिंता जयो हंसे मयूरं सुखसंपदौ॥ इति॥ अथशनि की साडेसातिदशा विचारः—द्वादशे१२ जन्मगे१ राशौ द्वितीये२ च शनेश्चरः। सार्द्धानि सप्तवर्षाणि नरो दुःखैर्युतो भवेत्॥ रिःफ रूपधनभेषु भास्करिः संस्थितो भवति यस्य जन्मभात् लोचनोदरपदेषु संस्थितिः कथ्यते रविज लोकजैर्जनैः। अथशनि चक्रम्—

अथ शनिफलम्

मुखे.	१	रोगं	उदरे	५	लाभं
द. करे	४	लाभं	शिरसि	३	सौभाग्यं
पादयोः	६	गमनं	नेत्रयोः	२	मरणं
वाम करे	४	निर्धनं	गुदे	२	मरणं

यस्मिन् शनिश्चरति वक्त्रगतं ततश्च। चत्वारि दक्षिणकरेऽघ्रियुगं षषट्कम् चत्वारि वामकरगेऽप्युदरे च पंच मूर्ध्नित्रयं नयनयोर्द्वितयं गुदे च। रोगं लाभं तथाध्वानमधनं लाभमेवच सौभाग्यमल्पमृत्युरच शनेः प्रोक्तं क्रमात्फलम्॥ जन्मराशितो द्वादशभावेषु शनेर्भ्रमणफलम्—वित्तभ्रंशं रुगाप्तिं दिनकरतनये जन्मराशौ प्रपन्ने वित्तक्लेशं द्वितीये धनहरणकृत् वित्तलाभं तृतीये। पाताले शत्रुवृद्धिं सुतभवगगतः पुत्र भृत्यार्थनाशं षष्ठेस्थानेऽर्थलाभं जनयति मदने दोषसंघातमार्किः शरीरपीड़ा निधने च धर्मे धनक्षयं कर्मणि दौर्मनस्यं। उंगन्त्यगा वित्तमनर्थमन्त्ये शनिर्ददातीत्यवदद्वसिष्ठः। अन्यच्च—द्विजन्मनिपंचमसप्तमगोरुचतुरष्टमद्वादशधर्मयुताः धनधान्यहिरण्यविनाशकरा रविराहुशनैश्चर भूमिसुताः। जन्मभान ग्रहणफल—त्रिश्वपड् ६ दशा१० यो११ पगतो नरणां शुभप्रदं स्याद्ग्रहणंरवीन्दोःद्वि २ सप्त७ नन्दे९ पु च मध्यमं स्याच्छेषेष्वनिष्ट मुनयो वदंति॥

शनि की साडे साती लगने से—शनि १०० दिन मुख पर रहता है उसका फल हानिकारक है ऐसे ही। दिन ४०० दक्षि भुजा में फल विजय। दिन ६०० चरणों में विदेश भ्रमण। दिन ५०० उदर में लाभ। दिन ४०० वामभुजा में दुःख। दिन ३०० मस्तक पर राज्यपद। दिन २०० नेत्रों में सुखप्रद। दिन २०० गुदा में दुःख प्रद इस प्रकार शनि २७०० दिन साडे साती दशा भोगता है।

विविधविषय सम्पन्नं सर्वोपयोगी चक्रम्

ग्रहाः	रवि	चन्द्र	मङ्गल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
प्लेनेट	सन	मून	मार्स	मर्करी	जुपिटर	वेनस	सेटर्न	ड्रेगोंस	ड्रेगोंस
ग्रहा.१पाददृ.	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०
द्विपाददृष्टि	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९
त्रिपाददृष्टि	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८
सम्पूर्णदृष्टिः	७	७	४।७।८	७	५।७।९	७	३।१०।७	७	७
ग्रहाणांवर्षा	२२	२४	२८	३२	१६	२५	३६	४२	४२
रत्नानि	माणि	मोति	प्रवाल	पन्ना	पुष्परा	हीरा	नीलम	पिरोजा	लसणि
मित्रग्रहाः	चं. मं वृ.	र. बु.	र. चं वृ.	र. रा. शु.	र. चं. मं.	वृ. रा. श.	बु. रा. शु.	बु. शु. श.	गु. शु. श.
समग्रहाः	बु	मं. गु. शु. श.	शु. श रा.	मं. श. गु.	श. रा	मं. गु.	गु.	गु.	बु गु.
शत्रुग्रहाः	श. शु. रा.	रा	बु. रा.	चं	बु. शु.	र चं.	र. चं. मं.	र चं. मं.	र चं. मं.
उच्च राशि अंश	मेष १०	वृषभ ३	मकर २८	कन्या १५	कर्क ५	मीन २७	तुला २०	मिथुन १५	धन १५
नीच राशि अंश	तुला १०	वृश्चिक ३	कर्क २८	मीन १५	मकर ५	कन्या २७	मेष २०	धन १५	मिथुन १५
स्वगृहाणि	सिंह	कर्क	मे वृ	कं. मि.	ध. मी.	वृष तु.	म. कु.	कन्या	मीन
मूलत्रिकोण	सिंह	वृषभ	मेष	कन्या	धनु	तुला	कुभ	कुभ	सिंह
पुरुष स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	स्त्री	पुरुष	पुरुष
आकार	चतुरस्रव	स्थूल	चतुरस्त	वृत	वृत्त	दीर्घ	दीर्घ	दीर्घ	पुच्छ
समय	मध्याह्न	अपराह्न	मध्याह्न	प्रभात	प्रभात	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न
दिशा	पूर्व	वायव्य	दक्षिण	उत्तर	ईशान	आग्नेय	पश्चिम	नैऋत्य	नैऋत्य

ग्रहाः	रवि.	चन्द्र	मङ्गल	बध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सौम्यादि	उग्र	सौम्य	पाप	शुभ	शुभ	शुभ	पाप	क्रूर	पाप
धातु	सुवर्ण	रौम्य	सुवर्ण	कांस्य	हीरसु	रौप्य	लोह	लोह	लोह
पाद	चतुष्पद	बहुपद	चतुष्पद्	द्विपद	द्विपद	द्विपद	भुजंग	अपद	अपद
गुण	सत्व	सत्व	तम	रज	सत्व	रज	तम	तम	तम
चरादि	स्थिर	चर	चर	द्विःस्व	स्थिर	चर	स्थिर	चर	पक्षी
रस	तिक्त	क्षार	कटु	सर्वरस	मधुर	अम्ल	कषाय	कषाय	कषाय
स्थिरकारकाः	आत्मा	मनः	बल	वचः	ज्ञान.सु	स्त्री	दुःख	—	—
नेष्टग्रहस्यदानोपायसाधनं	हरिवंशश्रवण	त्रिपुर जप	रुद्री जप	कांयूय दान	अमावस्या	गौरक्षा	मृत्युञ्जय जप	भुजंग दान	ध्वजा दान
ग्रह १ राशि भोग प्रमाण	मास १	दिन २।	मास १।।	मास १	मास १३	मास १	मास ३०	मास १८	मास १८
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	क्षत्री	शूद्र	विप्र	विप्र	शूद्र निषाद	निषाद	निषाद
भूमि	पशु प्राय	जल भूमि	दग्ध	श्मशान	वाणी सुराल	जल भूमि	उत्कर	उषर	उषर
पित्तादिः	पित्त	श्लेश्म	पित्त	सम धातु	सम धातु	कफ शुक्र	वायु	वायु	वायु
अवस्था	वृद्ध	युवा	युवा	युवा	वृद्ध	युवा	अतिवृ.	वृद्ध	वृद्ध
रङ्ग	पाटल	गौरश्वे	रक्त	नील	पीत	श्वेत	नील	धूम्र	धूम्र
धात्वादि	मूल	जीव	धातु	जीव	जीव	मूल	मूल	धातु	धातु
स्थान	वन	जल	वन	ग्राम	ग्राम	ग्राम	संधि	विवर	विवर
फल समयः	भादौ	भान्त्ये	भादौ	सदा	मध्ये	मध्ये	अन्त्ये	अन्त्ये	अन्त्ये
गंतव्यराशेःप्रा.	दि. ५	घ. ३	दि. ८	दि. ७	मा. २	दि. ७	मा. ३	मा. ३	मा. ३

राशिज्ञानेविशेषः– नक्षत्र व राशि में (श) और (स) तथा (व) एवं (व) एक समझना संयोगजाक्षरे नाम्नि ग्राह्यं तत्रादिमाक्षरम्। यथाज्ञानचन्द्रस्य (जञोर्ज्ञः) अनेन मकरराशिः। क्षेमचन्द्रस्य (क. ख. संयोगेःक्षः) मिथुन राशिः द्यालारामस्यकुम्भराशिः। नाम्निऋलृक् अनुस्वार मात्रायां न भवंतिते चेद्भवंतितदाज्ञेया इ उ ए च यथाक्रमम्। यथा ऋषभदेवः लृतराम इति। जन्मराशि नामराशेः प्रधानता–विवाहे सर्वमांगल्येयात्रादौ ग्रहगोचरे जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशिं न चिंतयेत्। देशे ग्रामे गृहे युद्धे सेवायां व्यवहारके नामराशेःप्रधानत्वं जन्मराशि न चिंतयेत्। कुर्यात्षोडश कर्माणि जन्मराशौ बलान्विते सर्वाण्यन्यानिकर्म्माणि नामराशौ बलान्विते। विवाह घटनं चैव लग्नजं ग्रहजं बलम्। नामभाच्चिन्तयेत्सर्वं जन्म न ज्ञायतेयदा। प्रसुप्तोभाषितो येनयेनागच्छति शब्दितःतस्यनामाद्यवर्णेयमात्रा स्वरःस एव हि। स्त्रीणांचन्द्रबले विशेषः– स्त्रीणांविधोर्बलमुशंति विवाहगर्भसंस्कारयोरितरकर्मसुभर्तुरेव। द्वादशचन्द्रे ग्राह्यकर्म–उत्सवे चाभिषेकेच जनने व्रतबंधने पाणिग्रहेच यात्रायां चन्द्रोद्वादशगःशुभः। पाणिग्रहे स्त्रीसुरतेऽभिषेके यात्रान्नप्राशे व्रतबंधने च। व्रतोपवासादिषु गर्गपूर्वैः प्रोक्तः शुभोद्वादशगो हिमांशुः।

अथराशिचक्रम्

चे चो ला लि लू ले लो अ	मेष	र रि रु रे रो ता ती तु ते	तुला
इ उं ए ओ वा वी वु वे वो	वृषभ	तो न नी नू ने नो या यी यू	वृश्चिक
क कि कू घ ङ छ के को ह	मिथुन	ये यो भ भी भू धा फा ढा भे	धन
ही हु हे हो डा डी डु डे डो	कर्क	भो ज जी जू जो खा खी खू खे खो ज गि	मकर
म मी मू मे मो टा टी टू टे	सिंह	गु गे गो सा सि सु से सो द	कुंभ
टो प पी पू प ण ठ पे पो	कन्या	दी दू थ झं ञ दे दो च ची	मीन

रवेरष्टक वर्ग: ४८

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	ल
१	३	१	३	५	६	१	३
२	६	२	५	६	७	२	४
४	१०	४	६	९	१२	४	६
७	११	७	९	११		७	१०
८		८	१०			८	११
९		९	११			९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

चन्द्रस्याष्टकवर्ग: ४९

चं	मं	बु	गु	शु	श	र	ल
१	२	१	१	३	३	३	३
३	३	३	४	४	५	६	६
६	५	४	७	५	६	७	१०
७	६	५	८	७	११	८	११
१०	९	७	१०	९		१०	१२
११	१०	८	११	१०		११	
	११	१०	१२	११			
		११					

भौमस्याष्टक वर्ग: ३९

मं	बु	गु	शु	श	र	चं	ल
१	३	६	६	३	४	३	१
२	५	१०	८	४	७	६	३
४	६	११	११	७	८	११	६
७	११	१२	१२	८	१०		१०
८				९	११		११
१०				१०			
११				११			

बुधाष्टक वर्ग: ५४

बु	गु	शु	श	र	चं	मं	ल
१	६	१	१	५	२	१	१
३	८	२	२	६	४	२	२
५	११	३	४	९	६	४	४
६	१२	४	७	११	८	७	६
९		५	८	१२	१०	८	८
१०		८	९		११	९	१०
११		९	१०			१०	११
१२		११	११			११	

गुरोरष्टक वर्ग: ५६

गु	शु	श	र	चं	मं	बु	ल
१	२	३	१	२	१	१	१
२	५	५	२	५	२	२	२
३	६	६	३	७	४	४	४
४	९	१२	४	९	७	७	५
७	१०		७	११	८	८	६
८	११		८		९	१०	७
९			९		१०	११	९
१०			१०		११		१०
११			११				११

भृगोरष्टक वर्ग: ५२

शु	श	र	चं	मं	बु	गु	ल
१	३	८	१	३	३	५	१
२	४	११	२	५	५	८	२
३	५	१२	३	६	६	९	३
४	८		४	९	९	१०	४
५	९		५	११	११	११	५
८	१०		८	१२		१२	८
९	११		९				९
१०			११				११
११			१२				

शनेरष्टक वर्ग ३९

श	र	चं	मं	बु	गु	शु	ल
३	१	३	३	६	५	६	१
५	२	६	५	८	६	११	३
६	४	११	६	९	११	१२	४
११	७		१०	१०	१२		६
	८		११	११			१०
	१०		१२	१२			११
	११						

लग्नाष्टक वर्ग: ५२

ल	र	च	मं	बु	गु	शु	श
१	३	३	१	१	१	१	१
३	४	६	३	२	२	२	३
४	६	१०	६	४	४	३	४
५	१०	११	१०	६	५	४	६
७	१२		११	८	६	५	१०
९				१०	७	८	११
१०				११	९	९	
११					१०	११	
					११		

प्राचीनमतेगोचर बलाभावे ऽष्ट वर्गशुद्धिरेव ॥ उक्तञ्च– अष्टवर्गविशुद्धेषु गुरुशीतांशुभानुषु व्रतोद्वाहौचकर्तव्यौ गोचेरण कदाचन ॥ अन्यच अष्टवर्गेणयेशुद्धास्ते शुद्धाः सर्वकर्मसु । सूक्ष्माष्टवर्ग संशुद्धि : स्थूलाशुद्धिस्तु गोचरे ॥२॥

कष्ट:स्यादेक रेखायां द्वाभ्यामर्थक्षयो भवेत् । त्रिभि:क्लेशंविजानीयाच्चतुर्भिस्समतां वदेत् ॥ पंचभिश्चवदेत्सौख्यं षड्भिश्चैवधनागमः । सप्तभि:परमानन्दमष्टभिस्सर्वसंपदम् ॥२॥ जिस ग्रहकाबल देखना हो उसकी जन्मकुन्डली लिखकर रेखा लगाना फिर विचारणीय राशी मे कितने रेखा पाया है देखना । यदि १से३तक हो तो निर्बलीग्रह हुआ । ४ होतो सम हुआ । ५ से८ होतो बलवान् ग्रह हुआ । ऐसे ही विवाह यज्ञोपवीतादि कर्म में देखना । इससे आयु निर्णय भी होता है देखें जातक ग्रन्थ ।

॥ बालाद्यवस्थाफलम् ॥ फलंतुकिंचिद्वितनोति बालश्चार्द्धकुमारो यतते च पुंसाम् युवा समग्रं खचरोथ वृद्धः फलंच दुष्टं मरणं मृताख्यम् । ❀गुरुः=ज्ञान=विद्या ।राज=ताता॥

दिनके सहम ऊपर से और रात्रि के सहम नीचेसे करो

सहमाएतेऊना	एतेभ्यः	एतेयुक्त
पुण्य	सूर्य	चन्द्रात् तनुः
गुरु	चन्द्र	सूर्यात् तनुः
यश	पुण्यं	जीवात् तनुः
मित्र	पुण्य	गुरुत: शुक्रः
महात्म्यं	भौमं	पुण्यात् तनुः
आशा	शुक्रं	शनित् तनुः
राज	सूर्यं	शनित: लग्नं
माता	शुक्रं	चन्द्रत लग्नं
उपाय	गुरुं	शनित् तनुः
कर्म	बुधं	भौमात् तनुः
कलि	भौमं	गुरुत: तनुः
चतुष्प	६भावं	१२भा. तनुः
प्रसूति	बुधं	गुरुत: तनुः
जाब्यं	शनिं	भौमात् बुधः
जलप	चन्द्रं	शने: लग्नं
शत्रु	शनि	भौमात् लग्नं
दारिद्र	बुधं	पुण्यात् बुधः
शास्त्र	शनिं	गुरुत: बुधः
वधक	बुधं	चन्द्रात् तनुः
बंधन	शनिं	पुण्यात् तनुः
अ श्व	सूर्य	पुण्यात् लाभः
ऽन्यक	शनिं	चन्द्रात् तनुः
बुद्धि	सूर्यं	जीवात् तनुः
रात्रौ	शोध.	शोध्य क्षेपकः

शोध्य (जिसमें घटाया जावे) से शोधक (जो घटाया जावे) तक यदि बीच में लग्न न आवे तो सहम में १ राशि जोड़ना अन्यथा नहीं ।

दिन रात्रि में इकसार सहम

सहम नाम	ये हीन करना	इनमें	यहयु. करना
भ्राता	शनिं	गुरुत:	लग्नं
पुत्र	चन्द्र	गुरुत:	लग्नं
रोग	चन्द्र	तनुत:	लग्नं
बंधु	चन्द्र	बुधात्	लग्नं
मृत्यु	चन्द्र	भावात्	शनि:
यात्रा	धर्मेशं	धर्मा.	तनुः
धन	धनेशं	धनत्	तनुः
परस्त्री	सूर्यं	शुक्रात्	तनुः
वणिक्	बुधं	चन्द्रात्	तनुः
विद्या	शनि	शुक्रात्	तनुः
बल्ला	भौमं	शुक्रात्	तनुः
प्रीती	पुण्यं	ज्ञानात्	तनुः
व्यापा	बुधं	भौमात्	तनुः
कन्या	चन्द्र	शुक्रत	तनुः
संताप	चन्द्रं	शनित	६भावः
जलपा	शनिं	कर्कार्द्ध	तनुः
गन	गुरुं	चन्द्रत	तनुः

महात्म्य = शौर्य = धैर्य
माता = अम्बू
उपाय = जीवित ।
विवाह = स्त्री ।
कलि = क्षमा
यात्रा = परदेश = मार्ग ।
यश = बल = देह ।❀

पंचधा मैत्री सप्तवर्गी बलं च जन्मनि

१ सप्तवर्गे स्वग्रही का	३०	०	०
२ मित्र–मित्र=ऽतिमित्र	२२	३०	०
३ मित्र–सम=मित्र	१५	०	०
४ मित्र–शत्रु=सम	७	३०	०
५ सम–शत्रु=शत्रु	३	४५	०
६ शत्रु–शत्रु=ऽतिशत्रु	१	५२	३०

बालाद्यवस्था च.जन्मनि

विषमे	अंश	समे
बाला	६	वृद्धा
कुमारा	१२	वृद्धा
युवा	१८	युवा
वृद्धा	२४	कुमारा
मृताऽ	३०	बाला

दीप्ताद्यवस्था चक्रम्

ग्रहः	अवस्था
उच्चस्थं	दिप्ताव
स्वभे	स्वस्थः
ऽतिमित्रे	मुदितः
मित्रभे	शांतः
समभे	दीनः
शत्रुभे	दुःखितः
सपापे	विकलः
खलगृहे	खलः
सार्के	कोपी

जन्म जाग्रता द्यवस्था

विषमे	अंश	समे
जाग्रत्	१०	सुसुप्तिः
स्वप्न	२०	स्वप्न
सुसुप्तिः	३०	जाग्रत्

तत्काल मैत्री स्वभात्

मित्र	शत्रु
२–१०	१–७
३–११	५–८
४–१२	६–९

॥ ग्रहाणां दीप्ताद्यवस्था फलम् ॥

दीप्तस्य–पाकेप्रदीप्तस्य धराधिपत्यमुत्साह-शौर्यधनवाहनेच । स्त्रीपुत्रलाभंसुखबंधु-पूज्यंचितीश्वरान्मानमुपैतिविद्याम्॥१॥ स्वस्थस्य- स्वस्थस्यखेटस्यदशाविपाकेस्व-स्थोनृपाल्लब्धधनादिसौख्यम्। विद्यांयश: प्रीतिमहत्त्वमाराद्यार्थभूम्यात्मजधर्ममेति।२ मुदितस्य- मुदान्वितस्यापिदशाविपाकेव-स्त्रादिभूगंधसुतीर्यधैर्यम्।पुराणधर्मश्रवणा दिगानंदानादियानाम्बरभूषणाप्तिम् ॥३॥ शांतस्य–दशाविपाकेसुखधैर्यमेति शांतस्य भूपुत्रकलत्रयानम् । विद्याविनोदान्वित-धर्मशास्त्रं बह्वर्थ देशाधिपपूज्यतांच।४॥ दीनस्य- स्थानच्युतिर्बंधुविरोधतांचदीनस्य खेटस्यदशाविपाके।जीवत्यसौकुत्सितहीन-वृत्त्यात्यक्तोजनैरोगनिपीड़ितश्च ॥५॥ दुखितस्य– दु:खान्वितस्यापिदशाविपाकेः नानाविधंदु:खमुपैतिनूनं। विदेशगोबंधुज-नैर्विहीनश्चौराग्निभूपैर्भयमातनोति॥६॥ विकलस्य– वैकल्यखेटस्यदशाविपाकेऽौक-ल्यमायातिमनोविकाट्यम्।पित्रादिकानांमर-णंविशेषान्नस्त्रीपुत्रयानाम्बरचौरपीड़ाम्॥७॥ खलस्य–दशाविपाकेकलहंवियोगंखलस्य-खेटस्यपितुर्वियोगम्।वृद्धिंरिपूणांधनभूमि-नाशमुपैतिनित्यं स्वजनैश्चवैरम् ॥८॥ कोपिन:–कोपान्वितस्यापिदशाविपाकेपा-पासमायातिबहुप्रकारै र्विद्यांयश:स्त्रीधन-भूमिनाशंमूत्रादिकृछ्रं त्वथनेत्ररोगम्॥९॥

१ लात दोषः ग्रहभात्				युति दोषः ३	
ग्रहाः	भा	स्वभात्	फलं	चन्द्रेणसह	
रविः	१२	स्वभात्	धनलाश	रवि	दारिद्र्यं
पूर्णचं	२२	स्वपृष्ठे	भयम्	भौम	मरणं
भौम	३	स्वस्याग्रे	मृत्युः	बुध	शुभं
बुध	७	स्वपृष्ठे	भयम	गुरु	सौख्यं
गुरु	६	स्वस्याग्रे	बंधुनाश	शुक्र	सापत्न्यं
शुक्र	५	स्वपृष्ठे	कार्यहानि	शनि	वैराग्यं
शनि	८	स्वस्याग्रं	कुलक्षयं	राहुः	कलहः
राहु	९	स्वपृष्ठे	मरणं	पाप २	मरणं

वेध दोषः ४											
रो	मृ	म	उ फा	ह	स्वा	ऽनु	मू	उ षा	उ भा	रे	विवाहन.
ऽमि	उ षा	श्र	रे	उ मा	श	म	पु न	म	ह	उ फा	ग्रह भं

बुध पंचकं ६ (वाणदोषज्ञानाय चक्रम्)				
बाण-नाम	रवेर्गतांशाः प्रतिराशौ	कर्मसु वर्ज्याः	वारेषु सशल्यः	वर्ज्य कालः
रोग	८-१७-२६	व्रतबंधे	रवौ	रात्रौ
अग्नि	२-११-२०-२१	गृहगोपे	भौमे	सदैव
नृप	४-१३-२२	नृपसेवा	शनौ	दिवा
चौर	६-१५-२४	यात्रायां	भौमे	रात्रौ
मृत्यु	१-१०-१९-२९	विवाहे	बुधे	संधौ

विवाह लग्न भंगदाः ग्रहाः							क्रांति साम्यम्
१	६	७	८	१२	१०	३	रविचंद्रयोःपरस्परवेधे
र चं मं श रा के	चं शु ल ग्ने श	र मं बु शु श रा	चं मं बु गु ल ग्ने श	श	मं	शु	मेष—सिंह वृष—मकर मिथुन—धन कर्क—वृश्चिक कन्या—मीन तुला—कुम्भ

स्वोच्चे स्वभे स्वमैत्रैवा स्वांशे वर्गोत्तमे गुरुः
रिःफाष्टतुर्यगोपीष्टो नीचारिस्थः शुभोऽप्यसत्।
अनिष्टस्थानगे सूर्ये शुभराशिः पुरोभवेत्।
त्रयोदशदिनं त्यक्त्वाशेषस्थे शुभमादिशेत्।

लग्ने विश्वा प्रदा ग्रहाः									
र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ग्र.
३ ६ ११	२ ३ ११	३ ६ ११	१-२ ३-४ ५-६ ९-१० ११	१-२ ३-४ ५-६ ९-१० ११	१-२ ३-४ ५-९ १० ११	३ ६ ११	३ ६ ११	३ ६ ११	स्थानानि.
१॥	५	१॥	२	३	२	१॥	१॥	१॥	वि

लग्नंशुभं विवाहे स्याद्दश विंशोपकाधिकम्		
दग्धातिथिः १०		पातदोषः २
रविराशि	तिथि	हर्षण, वैधृति, व्यतिपात, साध्य, गंड, शूल इन योगों के अंत में जो विवाह नक्षत्र होतो पातदोष होता है इसी को चंडीस चंडायुध भी कहते हैं।
धन-मीन	२	
वृष-कुम्भ	४	
मेष-कर्क	६	
मिथुन-कन्या	८	
वृश्चि-सिंह	१०	
मकर-तुला	१२	

एकार्गल (खार्जूर) दोषः ७
जिस दिन व्याघात, गंड, व्यतिपात विष्कुंभ, शूल, वैधृति, वज्र, परिघ, अतिगंड यह योग हों और सूर्य के नक्षत्र से विषम नक्षत्र पर चन्द्रमा होतो एकार्गल दोष होता है।

जामित्र दोषः ५											
रो	मृ	म	उ फा	द	स्वा	ऽनु	मू	उ षा	उ भा	रे	विवाहन.
ऽनु	ज्ये	ध	पू भा	उ भा	श्वि	कृ	नृ	पुन	उ फा	ह	ग्रह भं

उपग्रह दोषः ८
सूर्य नक्षत्र से चंद्र नक्षत्र ५-७-८-१०-१४-१५ १८-१९-२१-२२-२३-२४-२५ वां नक्षत्र होतो उपग्रह दोष होता है।

॥ विवाहे रविचन्द्रगुरु शुद्धि चक्रम् ॥			
रवि	चन्द्र	गुरुः	ग्रहा
३।६।१०।११	३।६।७।१०।११	२।५।७।९।११	शुभ
१।२।५।७।९	१।२।५।९।१२	३।१।१०।६	पूज्य
४।८।१२	४।८।	४।८।१२	नेष्टा

अथ गोधूलि लग्न विचारः।

लग्नशुद्धिर्यदा नास्ति कन्या यौवनशालिनी तदा वै सर्व वर्णानां लग्नं गोधूलिकं शुभम्। गोधूलिकालः सूक्ष्मः-अत्रोभयत्र घटिकादलमिष्टमाहुर्ग्राह्यं तदंबरमणेरपिचार्धबिम्बात्। अत्रमतान्तरम्-यावद्दिनान्ते दिशिपश्चिमायां पश्येत्तृतीयं रविबिम्बभागम्। तस्मात्परं नाड़िकयुग्ममेके गोधूलिकालं मुनयो वदन्ति। अन्यच्च-चैत्रादिमासचतुष्टये अर्धास्तेरवौ, श्रावणादिमासचतुष्टये, सम्पूर्णास्ते रवौ, मार्गशीर्षादिमास चतुष्टये पिण्डीभूते रवौ। एवंत्रिविधंगोधूलिकं मतंबुधैः। गोधूलि अन्यगोधूल्योर्भेदः- द्वित्रिलाभगतश्चन्द्रो गोधूलिः शस्यते बुधैः। सुहृद्ध्वस्तखगेधर्मेव्यये धूलीमुखास्मृता॥ सूर्यास्तकालीन लग्नान् २-३-११ स्थानस्थे चन्द्रे गोधूलिः। लग्नात् ४-५-९-१०-१२ स्थानस्थेचन्द्रेऽन्यगोधूलिरिति शिष्टाः॥ अत्रकेचिदन्यगोधूलिशब्देन गोधूलिभिन्नं लग्नं स्वीकुर्वतितन्नवरम्। यतो गोधूल्या एवचन्द्रवशान्नामांतरभेदः। गोधूल्यन्यगोधूल्योः समयस्तु एक एव। तत्र विशेषो-गुरुशन्योर्दिने "अस्तं यातेगुरुदिवसे सौरे सार्के" गोधूलिः शुभः गुरोर्दिनेसूर्यास्तात्प्राक् "अर्धयामः" शनिदिने सूर्यास्तात्परे कुलिकस्तस्मात्। गोधूलिकेताज्याः। कुलिकः क्रांतिसाम्यंच लग्ने षष्ठाष्टमेशशिः। पंच गोधूलिकेत्याज्या अन्ये दोषाः शुभावहाः। केचित्तु षष्ठेऽष्टमे बुधगुरुशुक्रभौमानांस्थित्या गोधूलिकं वर्जयंति किंतुतन्नसर्वसम्मतमतः शिष्टैर्न स्वीकृतं। कुजाष्टमदोषस्तुवर्ज्यः एव।

विवाहाङ्ग (हलदात बान आदि) कर्म मुहूर्तम्

विवाहकृत्यं निखिलं विवाहभे विचारयेन्नात्र बलं हिमद्युतेः। नवत्रिषष्ठेऽह्नि विवाहपूर्वतो नवर्णको मंडपतैलमंगलम्। त्याज्याः-चित्रा विशाखाशततारकाश्विनीजेष्ठा भरण्यौ शिव भाच्चतुष्टयम्। हित्वाप्रशस्तं फल तैल वेदिका प्रदानकंकंड़नमंड नादिकम्। सति संभवे चन्द्र बलमपिग्राह्यम्।

सर्वशुभकार्येषु वर्ज्याः

उत्पातान्सहपातदग्ध तिथिभिर्दुष्टांश्च योगांस्तथा चन्द्रेज्योशनसामथास्तमयनं तिथ्याः क्षयर्द्धीतथा॥ तन्वंशेशविधूनथाष्ट रिपुगान् पापस्य वर्गांस्तथा सेन्दुक्रूर खगोदयांश मुदयास्ताशुद्धिचण्डायुधान्खार्जूरं दशयोगयोगसहितं जामित्रलत्ताव्यधम् वाणोपग्रहपापकर्तरितथा तिथ्यृक्षयोगोत्थिम् दुष्टं योगमथार्धयाम कुलिकाद्यान्वार दोषानपि क्रूराक्रांतविमुक्तभं ग्रहणभं यत्क्रूर गन्तव्यभं त्रेधोत्पात हतंच केतुहतभं संध्योदितंभं तथा तद्वच्च ग्रहभिन्नयुद्धगतभंसर्वानिमान्संत्यजेदुद्वाहे शुभकर्मसु ग्रहकृताँल्लग्नस्य दोषानपि॥ अथैतेषुकेषांचित्परिहारः-ये लग्नदोषांकुनवांशदोषाः पापैः कृता दृष्टिनिपातदोषाः। लग्ने गुरुस्तान्विमली करोतिफलं यथाम्भः कतकद्रुमस्य अन्यच्च-त्रिकोणे केन्द्रेवा मदनरहितोदोषशतकं, हरेत्सौम्यः शुक्रोद्विगुणमपिलक्षं सुरगुरुः। भवेदाये केन्द्रेऽङ्गप उतलवेशोयदितदा समूहं दोषाणां दहनइवतूलं शमयति। विवाह लग्नात्षष्ठस्थः शुक्रोऽतिनेष्टः किन्तु स एव शत्रुनीचराशिस्थश्चेन्नदोषकृत्। एवं भौमोपिशत्रुनीचराशिगश्चेत्तदा भौमाष्टम महादोषोपि न। एवं नीचे नीचनवांशके चन्द्रे रिः फा.१२ष्टा८रि६ स्थदोषाऽभावः॥ जन्मलग्नाज्जमराशितो वा विवाहे अष्टमंलग्नं चेत्तदा न शुभः किंतु जन्मलग्न जन्मराशिपति विवाहलग्नपयोरेकत्वे परस्पर मित्रत्वे च न दोषकृदिति।
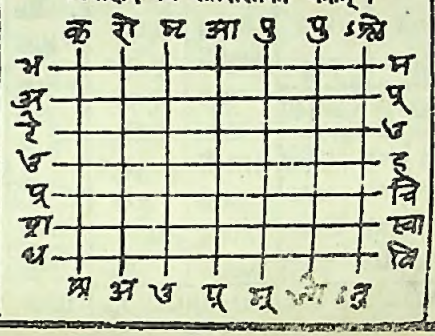
विवाहादन्यत्र सप्तशलाका चक्रम्।